Library of
Central Baptist Theological Seminary

Classification Accession

Gift
Purchase
Date

OVERSIZE

REFERENCE BOOK

CD22
H28
v. II

REFERENCE BOOK

CONCORDANCE

TO

THE SEPTUAGINT

HATCH AND REDPATH

VOL. II.

London
HENRY FROWDE
OXFORD UNIVERSITY PRESS WAREHOUSE
AMEN CORNER, E.C.

New York
THE MACMILLAN CO., 66 FIFTH AVENUE

A

CONCORDANCE

TO

THE SEPTUAGINT

AND THE OTHER

GREEK VERSIONS OF THE OLD TESTAMENT

(INCLUDING THE APOCRYPHAL BOOKS)

BY

THE LATE

EDWIN HATCH, M.A., D.D.

AND

HENRY A. REDPATH, M.A.

ASSISTED BY OTHER SCHOLARS

VOLUME II. K–Ω

Oxford

AT THE CLARENDON PRESS

MDCCCXCVII

Oxford
PRINTED AT THE CLARENDON PRESS
BY HORACE HART
PRINTER TO THE UNIVERSITY

R
221.2
FH361
V. 2

K

κάβος. (1) קַב
IV Ki. 6. 25. τέταρτον τοῦ κ. [A τέσσαρες κ.] κόπρου περιστερῶν (1)

καγχάζειν.
[Sm. II Ki. 6. 16.]

καγχλάζειν.
[Aq. Jb. 41. 23.]

κἀγώ, *passim.*

κάδης. (1) קֹדֶשׁ
De. 33. 2. σὺν μυριάσι κ. (1)

καδησείμ (-σίμ) (B), **καδησίν** (A). (1) קְדֵשִׁים
IV Ki. 23. 7. καθεῖλε τὸν οἶκον τῶν κ.
[Th. Jd. 5. 21.]

κάδιον. (1) כְּלִי
I Ki. 17. 40. ἔθετο αὐτοὺς ἐν τῷ κ. τῷ ποιμενικῷ (1)
— 49. ἐξέτεινε Δ. τὴν χεῖρα αὐτοῦ εἰς τὸ κ. (1)

κάδος. (1) בַּת (2) דְּלִי
II Ch. 2. 10 (9). A καὶ ἐλαίου κάδων εἴκοσι χιλιάδας [B² R *al.*] (1)
Is. 40. 15. πάντα τὰ ἔθνη ὡς σταγὼν ἀπὸ κάδου (2)

καθά. * καθὰ ἄν
Ge. 7. 9, 16 : 17. 23 : 19. 8 (*subj.*†, *opt.*†)*† : 21. 1 *bis*, 2, 4 : 24. 51 : 27. 8, 14, 19 : 34. 22 : 40. 22 : 41. 21, 54 : 43. 14†, 17 : 47. 11.
Ex. 9. 12† : 12. 28, 31, 35, 50 : 32. 28 : 34. 4† : 36. 8 (39. 1), 12 (39. 5), 14 (39. 7), 29 (39. 21), 34 (39. 26) : 37. 19 (38. 21), 22 (38. 22) : 39. 11 (32) : 40. 19.
Le. 7. 26 (36) : 8. 13†, 28 (29) : 9. 15† : 16. 34† : 24. 23†.
Nu. 2. 33, 34† : 3. 16† : 4. 37 : 5. 4 : 8. 3†, 20, 22† : 9. 5 : 15. 23, 36 : 16. 40 (17. 5) : 17. 11 (26)† : 18. 18† : 20. 9, 27 : 27. 11, 13, 22 : 31. 7, 31, 41† : 32. 25.
De. 3. 24 : 4. 5 : 6. 19, 25† : 7. 12† : 8. 20 : 10. 5, 9† : 15. 14 : 17. 14 : 26. 14†, 15 : 31. 3, 4†.
Jo. 4. 18 : 7. 25 : 9. 2 (8. 31), 2 (8. 33)† : 13. 14 : 14. 12 : 18. 4 : 23. 5, 14 : 24. 30.
Jd. 1. 20† : 6. 27†.
I Ki. 8. 5, 7*, 20† : 17. 20†.
II Ki. 13. 29.
III Ki. 14. 15† : 20 (21). 11† *bis*.
IV Ki. 1. 7† : 7. 17†, 18† : 15. 9 : 17. 41.
I Es. 4. 52.
Ju. 4. 8 : 7. 16† : 8. 25, 30 : 11. 4, 23 : 12. 9† : 13. 11.
Es. 1. 21 : 2. 1†.
Jb. 24. 20† : 34. 11.
Wi. 3. 10†.
Jn. 3. 3†.
Is. 58. 11†.
Je. 39 (32). 42 : 40 (33). 11† : 51 (44). 17, 30.
Ba. 1. 6† : 2. 2, 28.
Ez. 9. 11†.
I Ma. 10. 37† : 15. 41.
II Ma. 11. 31.
[Aq. Ge. 27. 40 : Ex. 2. 14 : 5. 7 : III Ki. 14. 15 : Ps. 32 (33). 22 : Am. 2. 13.]
[Th. III Ki. 21. 11.]
[Al. Nu. 1. 19 : 2. 34 : 3. 16 : 9. 5 : 36. 10 : Es. 2. 1.]

καθαγιάζειν. (1) נִזֵּר (2) *a.* קִדֵּשׁ hi. *b.* קִדֵּשׁ
Le. 8. 9. τὸ πέταλον τὸ χρυσοῦν τὸ καθηγιασμένον ἅγιον (1)
27. 26. οὐ καθαγιάσει αὐτὸ [A *om.*] οὐθείς (2 *a*)
I Ch. 26. 20. ἐπὶ τῶν θησαυρῶν τῶν καθηγιασμ. (2 *b*)
II Ma. 1. 26. διαφύλαξον τὴν μερίδα σου καὶ καθαγίασον
2. 8. ἵνα ὁ τόπος καθαγιασθῇ μεγάλως
15. 18. ὁ περὶ τοῦ καθηγιασμένου ναοῦ φόβος

καθαιρεῖν. (1) דָּכָא pi. (2) הָרַס *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. (3) יָרַד *a.* qal. *b.* hi. *c.* ho. (4) כָּרַת hi. (5) נָסַח ithpe. (6) נָצָה (7) נָתַץ *a.* qal. *b.* pi. *c.* pu. *d.* hoph. (8) נָתַשׁ (9) סוּר hi. (10) פָּרַץ *a.* qal. *b.* pu. (11) רוּד hi.
Ge. 24. 18, 46. καθεῖλε τὴν ὑδρίαν (3 *b*)
27. 40. ἡνίκα ἐὰν καθέλῃς (11)
44. 11. καθεῖλαν ἕκαστος τὸν μάρσιππον αὐτοῦ (3 *b*)
Ex. 23. 24. καθαιρέσει καθελεῖς . . . τὰς στήλας αὐτῶν (2 *c*)
34. 13. τοὺς βωμοὺς αὐτῶν καθελεῖτε (7 *a*)
Le. 11. 35. κλίβανοι . . . καθαιρεθήσονται (7 *d*)
14. 45. καθελοῦσι τὴν οἰκίαν (7 *a*)
Nu. 1. 51. καθελοῦσιν αὐτὴν οἱ Λευῖται (3 *b*)
4. 5. καθελοῦσι τὸ καταπέτασμα τὸ συσκιάζον (3 *b*)
10. 17. καθελοῦσι τὴν σκηνήν (3 *c*)
De. 7. 5. τοὺς βωμοὺς αὐτῶν καθελεῖτε (7 *a*)
28. 52. ἕως ἂν καθαιρεθῶσι τὰ τείχη (3 *a*)
Jo. 8. 29. καθείλοσαν [A -λον] τὸ σῶμα αὐτοῦ (3 *b*)
10. 27. καθεῖλον [A -εν] αὐτοὺς ἀπὸ τῶν ξύλων (3 *b*)
Jd. 2. 2. τὰ θυσιαστήρια αὐτῶν καθελεῖτε [A κατακαύσετε] (7 *a*)
6. 25. καθελεῖς τὸ θυσιαστήριον τοῦ B. (2 *a*)
— 28. καθῄρητο [A κατεσκαμμένον] τὸ θυσιαστήριον (7 *c*)
— 30, 31. καθεῖλε [A κατέσκαψεν] τὸ θυσιαστήριον (7 *a*)
— 32. καθῃρέθη [A κατέσκαψεν] τὸ θυσιαστήριον (7 *a*)
9. 45. καὶ τὴν πόλιν καθεῖλε (7 *a*)
III Ki. 19. 14. τὰ θυσιαστήριά σου καθεῖλαν (2 *a*)
IV Ki. 3. 25. τὰς πόλεις καθεῖλον (2 *a*)
— 25. καταλιπεῖν τοὺς λίθους . . . καθῃρημένους [A καθημένους] †
10. 27. A καθεῖλον τὸν οἶκον τοῦ Βαάλ (7 *a*)
14. 13. καθεῖλεν ἐν τῷ [A διέκοψεν ἐν] τείχει Ἱερ. (10 *a*)
16. 17. καὶ τὴν θάλασσαν καθεῖλεν (3 *b*)
23. 7. καθεῖλε τὸν οἶκον τῶν καδησίμ (7 *a*)
— 8. καθεῖλε τὸν οἶκον τῶν πυλῶν (7 *a*)
— 12. καὶ καθεῖλεν ὁ βασ. (7 *a*)
II Ch. 30. 14. καθεῖλαν τὰ θυσιαστήρια (9)
I Es. 6. 16. τόν τε οἶκον καθελόντες ἐνεπύρισαν
II Es. 6. 11. καθαιρεθήσεται ξύλον ἐκ τῆς οἰκίας (5)
Ne. 1. 3. καὶ τείχη Ἱερ. καθῃρημένα (10 *b*)
2. 13. ὃ αὐτοὶ καθαιροῦσι (10 *a*)
4. 3 (3. 35). καὶ καθελεῖ τὸ τεῖχος λίθων αὐτῶν (10 *a*)
To. 13. 12. S πάντες οἱ καθαιροῦντές σε [A B *al.*]
Ju. 13. 6. καθεῖλε τὸν ἀκινάκην αὐτοῦ
Jb. 19. 2. ἕως τίνος . . . καθαιρεῖτέ με λόγοις [A *al.*] (1)
Ps. 9. 6. καὶ πόλεις καθεῖλες [S² -ας] (8)
10 (11). 4. ἃ κατηρτίσω [A S² σὺ κατ. αὐτοὶ] καθεῖλον (2 *b*)
27 (28). 5. καθελεῖς αὐτούς (2 *a*)
51 (52). 5. B¹ S ὁ θεὸς καθελεῖ [B² R -οι] σε εἰς τέλος (7 *a*)
59 (60). 1. ἀπώσω ἡμᾶς καὶ καθείλες ἡμᾶς (10 *a*)
79 (80). 12. ἵνα τί καθείλες τὸν φραγμὸν αὐτῆς (10 *a*)
88 (89). 40. καθείλες [S -ας] πάντας τοὺς φραγμοὺς αὐτοῦ (10 *a*)
Pr. 21. 22. καθεῖλε τὸ ὀχύρωμα (3 *b*)
Ec. 3. 3. καιρὸς τοῦ καθελεῖν (10 *a*)
10. 8. καθαιροῦντα φραγμὸν δήξεται αὐτὸν ὄφις (10 *a*)
Si. 10. 14. θρόνους ἀρχόντων καθεῖλεν ὁ κ.
28. 14. γλῶσσα τρίτη . . . πόλεις ὀχυρὰς καθεῖλε
31 (34). 23. εἷς οἰκοδομῶν καὶ εἷς καθαιρῶν
Za. 9. 6. καὶ καθελῶ ὕβριν ἀλλοφύλων (4)
Is. 5. 5. καθελῶ τὸν τοῖχον [A¹ οἶκον] αὐτοῦ (10 *a*)
14. 17. B S τὰς πόλεις αὐτοῦ καθεῖλε (2 *a*)
22. 10. καθείλοσαν τοὺς οἴκους Ἱερουσαλήμ (7 *a*)
49. 17. ταχὺ οἰκοδομηθήσῃ ὑφ' ὧν καθῃρέθης (2 *c*)
Je. 4. 7. πόλεις καθαιρεθήσονται (6)
13. 18. καθῃρέθη ἀπὸ κεφαλῆς ὑμῶν στέφανος δόξης ὑμῶν [A *om.*] (3 *a*)
24. 6. οὐ μὴ καθελῶ αὐτούς (2 *a*)
29 (49). 16. ἐκεῖθεν καθελῶ σε (3 *b*)
38 (31). 28. ὥσπερ ἐγρηγόρουν ἐπ' αὐτοὺς κ. καὶ κακοῦν (8+7 *a*+2 *a*)
— 40. οὐ μὴ καθαιρεθῇ ἕως τοῦ αἰῶνος (2 *b*)
40 (33). 4. περὶ οἴκων [A S³ -κίας] βασιλέως Ἰούδα τῶν καθῃρημένων [A καθημ.] εἰς χάρακας (7 *a*)
49 (42). 10. οἰκοδομήσω ὑμᾶς καὶ οὐ μὴ καθελῶ (2 *a*)
51. 34 (45. 4). οὐς ἐγὼ ᾠκοδόμησα ἐγὼ καθαιρῶ (2 *a*)
52. 14. πᾶν τεῖχος [A *add.* ἐν] Ἱερουσαλὴμ κύκλῳ καθεῖλεν (7 *a*)
La. 2. 2. πάντα τὰ ὡραῖα Ἰακὼβ καθεῖλεν (2 *a*)
— 17. καθεῖλε καὶ οὐκ ἐφείσατο (2 *a*)
Ez. 16. 39. καθελοῦσι τὴν βάσιν σου (7 *b*)
26. 4. A καθελοῦσιν [B καταβαλοῦσι] τοὺς πύργους σου (2 *a*)
— 12. τοὺς οἴκους σου τοὺς ἐπιθυμητοὺς καθελεῖ (7 *a*)
— 16. ἀφελοῦνται [A¹ καθελοῦσιν, A² ἑλοῦσιν] τὰς μίτρας (9)
— 16. A² ἐπὶ γῆν καθελοῦνται [?, A¹ B καθεδ.] †
36. 36. ᾠκοδόμησα τὰς καθῃρημένας (2 *b*)
I Ma. 1. 31. καθεῖλε τοὺς οἴκους αὐτῆς
2. 25. τὸν βωμὸν καθεῖλε [S¹ -ον]
— 45. καθεῖλον τοὺς βωμούς
4. 38. καὶ τὰ παστοφόρια καθῃρημένα
— 45. καθελεῖν αὐτό
— 45. καθεῖλον τὸ θυσιαστήριον
5. 65. καθεῖλε τὸ ὀχύρωμα αὐτῆς
— 68. καθεῖλε τοὺς βωμοὺς αὐτῶν
6. 7. S R καθεῖλον [A -αν] τὸ βδέλυγμα
— 62. S R καθελεῖν [A καὶ καθεῖλεν] τὸ τεῖχος κυκλόθεν
8. 10. καθεῖλον [S¹ -εν] τὰ ὀχυρώματα αὐτῶν
9. 54. καθαιρεῖν τὸ τεῖχος τῆς αὐλῆς
— 54. καθεῖλε τὰ ἔργα τῶν προφητῶν καὶ ἐνήρξατο τοῦ καθαιρεῖν
— 62. ᾠκοδόμησε τὰ καθῃρημένα αὐτῆς
11. 4. καὶ τὰ περιπόλια αὐτῆς καθῃρημένα
II Ma. 10. 2. ἔτι δὲ τεμένη καθεῖλαν
12. 35. καὶ τὸν ὦμον καθελόντος
[Aq. Ps. 10 (11). 3 : Pr. 11. 11 : Ez. 12. 20.]
[Sm. Ps. 51 (52). 7 : 58 (59). 12 : Pr. 11. 11 : Je. 18. 7.]
[Th. Pr. 11. 11 : Je. 39 (46). 8 : Ez. 30. 6.]
[Heb. Ge. 49. 6.]

καθαίρειν. (1) רוּשׁ ho.
II Ki. 4. 6. ἡ θυρωρὸς τοῦ οἴκου ἐκάθαιρε πυρούς †
Is. 28. 27. οὐ γὰρ μετὰ σκληρότητος καθαίρεται τὸ μελάνθιον (1)
Je. 28 (51). 39. S μεθύσω αὐτοὺς ὅπως καθάρωσι [A B καρωθῶσι] †
[Sm. Ps. 72 (73). 13 : Pr. 25. 4 : Ez. 20. 37 : 22. 24 : Ho. 8. 5.]

καθαίρεσις. (1) הָרַס pi.
Ex. 23. 24. καθαιρέσει καθελεῖς . . . τὰς στήλας αὐτῶν (1)
I Ma. 3. 43. ἀναστήσωμεν [S¹ -ησον] τὴν κ. τοῦ λαοῦ ἡμῶν

17774

καθάπαν, *vid. sub* κατά *et* ἅπας.

καθάπερ. * καθάπερ ἐάν.

Ge. 12. 4: 43. 14†: 50. 6.
Ex. 5. 7, 13, 14: 7. 6, 10, 13, 20, 22: 8. 13 (9), 15 (11), 19 (15), 27 (23), 31 (27): 9. 35: 16. 24†: 17. 10: 23. 15: 34. 4, 18: 38. 27 (40. 32): 40. 27†.
Le. 8. 13†, 20 (21), 34: 9. 7: 15. 25: 16. 34†: 24. 23†: 27. 8.
Nu. 14. 19: 16. 47 (17. 12): 23. 30: 27. 23: 31. 41†.
De. 6. 3: 9. 3, 18: 12. 20: 26. 18.
Jo. 4. 8, 12, 23: 8. 5: 9. 21: 10. 39†: 23. 8, 10.
Jd. 9. 33*†.
II Ki. 16. 19.
I Es. 8. 11.
To. 3. 8†.
Ju. 8. 18: 13. 3.
Ps. 32 (33). 22: 47 (48). 8: 55 (56). 6.
Si. 33 (36). 5.
Is. 58. 11†.
Je. 13. 11: 23. 27.
Ba. 2. 20.
Da. LXX. 2. 8 *bis*, 10, 11, 41, 45.
II Ma. 2. 27, 29: 5. 18: 6. 14: 7. 6, 37: 15. 39.
IV Ma. 1. 28: 6. 10: 8. 4: 13. 6: 14. 6, 7, 19: 15. 25, 31: 17. 3.
[Sm. Ge. 15. 1: Ex. 5. 7: Je. 7. 9: Je. 44 (51). 6.]
[Th. Ex. 5. 7: Is. 10. 10.]

καθάπτεσθαι.

[Sm. Ca. 1. 6.]

καθαρίζειν (καθερ.). (1) אָסַף ni. (2) בָּעַר pi. (3) זָקַק pu. (4) חָטָא pi. (5) טָהֵר *a.* qal. *b.* pi. *c.* hithpa. *d.* טָהוֹר *e.* טְהֹרָה (6) כִּפֵּר pi. (7) לָבַן hi. (8) נָצַל hi. (9) נָקָה *a.* ni. *b.* pi. *c.* נְקִיּוֹן (10) סָלַח (11) צָדַק ni. (12) צָרַף (13) קָדַשׁ pi.

Ge. 35. 2. R καθαρίσθητε [A -ρίσασθε] (5 *c*)
Ex. 20. 7. οὐ γὰρ μὴ καθαρίσῃ κύριος . . . τὸν λαμβάνοντα (9 *b*)
29. 36. καθαριεῖς τὸ θυσιαστήριον (4)
— 37. καθαριεῖς [B¹ -εῖ] τὸ θυσιαστήριον (6)
30. 10. ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ καθαρισμοῦ καθαριεῖ αὐτό [A *al.*] (6)
34. 7. οὐ καθαριεῖ τὸν ἔνοχον (9 *b*)
Le. 8. 15. ἐκαθάρισε τὸ θυσιαστήριον (4)
9. 15. A² καὶ ἐκαθάρισεν [R *add.* αὐτόν] (4)
12. 7. καθαριεῖ αὐτὴν ἀπὸ τῆς πηγῆς (5 *a*)
— 8. καὶ καθαρισθήσεται (5 *a*)
13. 6. καθαριεῖ αὐτὸν ὁ ἱερεύς (5 *b*)
— 7. B² R τοῦ [A B¹ τὸ] καθαρίσαι αὐτόν (5 *e*)
— 13. καθαριεῖ αὐτὸν ὁ ἱερεὺς τὴν ἀφήν (5 *b*)
— 17. καθαριεῖ ὁ ἱερεὺς τὴν ἀφήν (5 *b*)
— 23, 28, 34. καθαριεῖ αὐτὸν ὁ ἱ. (5 *b*)
— 35. μετὰ τὸ καθαρισθῆναι αὐτόν (5 *e*)
— 37. καθαριεῖ αὐτὸν ὁ ἱερεύς (5 *b*)
— 59. εἰς τὸ καθαρίσαι αὐτό (5 *b*)
14. 2. ᾗ ἂν ἡμέρᾳ καθαρισθῇ (5 *e*)
— 4. λήψονται τῷ κεκαθαρισμένῳ δύο ὀρνίθια (5 *c*)
— 7. περιρανεῖ ἐπὶ τὸν καθαρισθέντα (5 *c*)
— 8. πλυνεῖ ὁ καθαρισθεὶς τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (5 *c*)
— 11. στήσει ὁ ἱερεὺς ὁ [A *om.*] καθαρίζων τὸν ἄνθρωπον τὸν καθαριζόμενον (5 *b*, 5 *c*)
— 14, 17. ἐπὶ τὸν λοβὸν τοῦ ὠτὸς τοῦ καθαριζομένου (5 *c*)
— 18. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ καθαρισθέντος (5 *c*)
— 19. A R ἐξιλάσεται ὁ ἱερεὺς περὶ τοῦ ἀκαθάρτου τοῦ καθαριζομ. [B *al.*] (5 *c*)
— 20. καὶ καθαρισθήσεται (5 *a*)
— 23. εἰς τὸ καθαρίσαι αὐτόν (5 *e*)
— 25, 28. ἐπὶ τὸν λοβὸν τοῦ ὠτὸς τοῦ καθαριζομένου (5 *c*)
— 29. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ καθαρισθέντος [A -ιζομένου] (5 *c*)
— 31. ἐξιλάσεται ὁ ἱ. περὶ τοῦ καθαριζομ. (5 *c*)
— 48. καθαριεῖ ὁ ἱερεὺς τὴν οἰκίαν (5 *b*)
— 57. ᾗ ἡμέρᾳ καθαρισθήσεται (5 *d*)
15. 13. ἐὰν δὲ καθαρισθῇ ὁ γονορρυής (5 *a*)
— 28. ἐὰν δὲ καθαρισθῇ ἀπὸ τῆς ῥύσεως (5 *a*)
Le. 15. 28. μετὰ ταῦτα καθαρισθήσεται (5 *a*)
16. 19. καὶ καθαριεῖ αὐτό (5 *b*)
— 20. περὶ τῶν ἱερέων καθαριεῖ –
— 30. καθαρίσαι ὑμᾶς ἀπὸ πασῶν τῶν ἁμαρτιῶν ὑμῶν (5 *b*)
— 30. καὶ καθαρισθήσεσθε (5 *a*)
22. 4. ἕως ἂν καθαρισθῇ (5 *a*)
Nu. 6. 9. ᾗ ἂν ἡμέρᾳ καθαρισθῇ (5 *e*)
8. 15. καὶ καθαριεῖς αὐτούς (5 *b*)
12. 15. ἕως ἐκαθαρίσθη Μαριάμ [A *al.*] (1)
14. 18. καθαρισμῷ οὐ καθαριεῖ τὸν ἔνοχον (9 *b*)
30. 6, 9. κύριος καθαριεῖ αὐτήν (10)
— 13. A R κύριος καθαριεῖ [B -ίσει] αὐτήν (10)
31. 23. καὶ καθαρισθήσεται (5 *a*)
— 24. καὶ καθαρισθήσεσθε (5 *a*)
De. 5. 11. οὐ γὰρ μὴ καθαρίσῃ κύριος . . . τὸν λαμβάνοντα (9 *b*)
19. 13. καθαριεῖς τὸ αἷμα τὸ ἀναίτιον (2)
Jo. 22. 17. οὐκ ἐκαθαρίσθημεν ἀπ' αὐτοῦ [A *al.*] (5 *c*)
I Ki. 20. 26. ὅτι οὐ κεκαθάρισται (5 *d*)
IV Ki. 5. 10. καὶ καθαρισθήσῃ [A -θητι] (5 *a*)
— 12. καὶ καθαρισθήσομαι (5 *a*)
— 13. λοῦσαι καὶ καθαρίσθητι (5 *a*)
— 14. καὶ ἐκαθαρίσθη (5 *a*)
II Ch. 29. 15. A R καθαρίσαι τὸν οἶκον κυρίου (5 *b*)
34. 3. ἤρξατο τοῦ καθαρίσαι τὸν Ἰ. (5 *b*)
— 5. ἐκαθάρισε τὸν Ἰούδαν (5 *b*)
— 8. τοῦ καθαρίσαι τὴν γῆν (5 *b*)
II Es. 6. 20: Ne. 12. 30. ἐκαθαρίσθησαν οἱ ἱερεῖς (5 *c*)
Ne. 12. 30. ἐκαθάρισαν τὸν λαόν (5 *b*)
13. 9. A S R ἐκαθάρισαν [B -α] τὰ γαζοφυλάκια (5 *b*)
— 22. οἱ ἦσαν καθαριζόμενοι (5 *c*)
— 30. καὶ ἐκαθάρισα αὐτούς (5 *b*)
Ju. 16. 18. ἡνίκα ἐκαθαρίσθη ὁ λαός
Jb. 1. 5. ἐκαθάριζεν αὐτούς (13)
Ps. 11 (12). 6. ἀργύριον πεπυρωμένον . . . κεκαθαρισμένον ἑπταπλασίως (3)
18 (19). 12. ἐκ τῶν κρυφίων μου καθάρισόν με (9 *b*)
— 13. καθαρισθήσομαι ἀπὸ ἁμαρτίας μεγάλης (9 *a*)
38 (39). 8. S¹ ἀπὸ πασῶν τῶν ἀνομιῶν μου καθάρισόν [A B S² ῥῦσαί] με (8)
50 (51). 2. ἀπὸ τῆς ἁμαρτίας μου καθάρισόν με (5 *b*)
— 7. καὶ καθαρισθήσομαι (5 *a*)
Pr. 25. 4. καθαρισθήσεται καθαρὸν ἅπαν †
Si. 23. 10. ἀπὸ ἁμαρτίας οὐ μὴ καθαρισθῇ
31 (34). 4. ἀπὸ ἀκαθάρτου τί καθαρισθήσεται
38. 10. ἀπὸ πάσης ἁμαρτίας καθάρισον καρδίαν
— 30. ἡ ἀγρυπνία αὐτοῦ καθαρίσαι κάμινον
Ho. 8. 5. ἕως τίνος οὐ μὴ δύνωνται καθαρισθῆναι (9 *c*)
Ma. 3. 3. καθιεῖται χωνεύων καὶ καθαρίζων [S¹ *al.*] (5 *b*)
— 3. καθαρίσει [S¹ -ιεῖ] τοὺς υἱοὺς Λευί (5 *b*)
Is. 53. 10. βούλεται καθαρίσαι αὐτὸν [A *add.* ἀπὸ] τῆς πληγῆς †
57. 14. καθαρίσατε ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ ὁδούς †
66. 17. οἱ ἁγνιζόμενοι καὶ καθαριζόμενοι εἰς τοὺς κήπους (5 *c*)
Je. 13. 27. οὐκ ἐκαθαρίσθης ὀπίσω μου ἕως τίνος ἔτι (5 *a*)
32 (25). 29. καθάρσει οὐ μὴ καθαρισθῆτε (9 *a*)
40 (33). 8. καθαριῶ αὐτοὺς ἀπὸ πασῶν τῶν ἀδικιῶν αὐτῶν (5 *b*)
Ez. 24. 13. A οὐκ ἐκαθαρίσθης ἀπὸ ἀκαθαρσίας σου (5 *a*)
— 13. τί ἐὰν μὴ καθαρισθῇς ἔτι [A *al.*] (5 *a*)
36. 25. καθαρισθήσεσθε ἀπὸ πασῶν τῶν ἀκαθαρσιῶν ὑμῶν . . . καὶ καθαριῶ ὑμᾶς (5 *a*, 5 *b*)
— 33. καθαριῶ ὑμᾶς ἐκ πασῶν ἀνομιῶν ὑ. (5 *b*)
37. 23. καθαριῶ αὐτούς (5 *b*)
39. 12. ἵνα καθαρισθῇ ἡ γῆ ἐν ἑπταμήνῳ (5 *b*)
— 14. καθαρίσαι αὐτὴν μετὰ τὴν ἑπτάμηνον (5 *b*)
— 16. καθαρισθήσεται ἡ γῆ (5 *b*)
43. 26. καθαριοῦσιν [A -ίσουσιν] αὐτό (5 *b*)
44. 26. μετὰ τὸ καθαρισθῆναι αὐτόν (5 *e*)
Da. LXX. 8. 14. καθαρισθήσεται τὸ ἅγιον (11)
11. 35. εἰς τὸ καθαρίσαι ἑαυτούς (12)
— 35. καὶ εἰς τὸ καθαρισθῆναι (7)
Da. TH. 8. 14. καθαρισθήσεται τὸ ἅγιον (11)
I Ma. 4. 36. A R καθαρίσαι [S¹ -σατε, S² καὶ καθαρίσωμεν] τὰ ἅγια
— 41. ἕως καθαρίσῃ τὰ ἅγια
— 43. ἐκαθάρισαν τὰ ἅγια
13. 47. καὶ ἐκαθάρισε τὰς οἰκίας
— 50. ἐκαθάρισε τὴν ἄκραν
II Ma. 2. 18. τὸν τόπον ἐκαθάρισε
II Ma. 10. 3. τὸν νεὼν καθαρίσαντες
— 7. R καθαρισθῆναι [A -ίσαι] τὸν ἑαυτοῦ τόπον
14. 36. τόνδε τὸν προσφάτως κεκαθαρισμένον οἶκον
IV Ma. 1. 11. ὥστε καθαρισθῆναι δι' αὐτῶν τὴν πατρίδα
17. 21. καὶ τὴν πατρίδα καθαρισθῆναι
[Aq. IV Ki. 5. 10: Je. 37. 21: Ps. 72 (73). 13: Je. 25. 29 (32. 15): 44 (51). 10: 49. 12 (29. 13) *bis*: Ez. 24. 13.]
[Sm. IV Ki. 5. 10: Je. 10. 14: Pr. 20. 9: Je. 13. 27: 25. 29 (32. 15): 44 (51). 10: Ez. 16. 30.]
[Th. I Ki. 26. 9: IV Ki. 5. 10: Je. 25. 29 (32. 15): Ez. 24. 13.]
[Al. Ex. 34. 7: Le. 12. 7: Nu. 19. 12.]
[Quint. IV Ki. 5. 10.]

καθαριότης. (1) בֹּר (2) טֹהַר

Ex. 24. 10. ὥσπερ εἶδος στερεώματος τοῦ οὐρανοῦ τῇ κ. [A -ρότ.] (2)
II Ki. 22. 21, 25: Ps. 17 (18). 20, 24. κατὰ τὴν κ. τῶν χειρῶν μου (1)
Wi. 7. 24. S¹ χωρεῖ διὰ πάντων διὰ τὴν κ. [A B S² καθαρότ.]
Si. 43. 1. γαυρίαμα ὕψους στερέωμα καθαριότητος [S καὶ καθαριότης]

καθαριοῦν. (1) זָכַךְ

La. 4. 7. ἐκαθαριώθησαν Ναζιραῖοι αὐτῆς ὑπὲρ χιόνα (1)

καθάρισις. (1) טֹהַר

Le. 12. 4, 6. αἱ ἡμέραι καθάρσεως [B² -αρίσ.] αὐ. (1)
[Aq. Le. 12. 4, 5.]

καθαρισμός. (1) אִשֶּׁה (2) *a.* טָהָר *b.* טְהָרָה (3) כִּפֻּרִים (4) נָקָה pi. (5) ποιεῖν καθαρισμόν עָבַר hi.

Ex. 29. 36. τὸ μοσχάριον . . . ποιήσεις τῇ ἡμέρᾳ τοῦ κ. (3)
30. 10. ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ κ. καθαριεῖ αὐτό [A *al.*] (3?)
Le. 14. 32. τοῦ μὴ εὑρίσκοντος τῇ χειρὶ εἰς τὸν κ. αὐτοῦ (2 *b*)
15. 13. ἐξαριθμήσεται αὐτῷ . . . εἰς τὸν κ. (2 *b*)
Nu. 14. 18. καθαρισμῷ οὐ καθαριεῖ τὸν ἔνοχον (4)
I Ch. 23. 28. ἐπὶ τὸν κ. τῶν πάντων ἁγίων (2 *b*)
Ne. 12. 45. φυλακὰς τοῦ κ. (2 *b*)
Jb. 1. 5. S¹ προσέφερε . . . θυσίαν κατὰ τὸν κ. αὐ. [A B S² *al.*] †
7. 21. διὰ τί οὐκ ἐποιήσω . . . καθαρισμὸν τῆς ἁμαρτίας [A ἀνομίας] μου (5)
Ps. 88 (89). 44. κατέλυσας ἀπὸ καθαρισμοῦ αὐτόν (2 *a*)
Pr. 14. 9. οἰκίαι παρανόμων [A ἀφρόνων] ὀφειλήσουσι καθαρισμόν (1?)
Si. 51. 20. ἐν καθαρισμῷ [A καιρῷ θερισμοῦ] εὗρον αὐτήν
Da. LXX. 12. 6. καὶ ὁ κ. τούτων –
II Ma. 1. 18. ἄγειν . . . τὸν κ. τοῦ ἱεροῦ
— 36. Νέφθαρ ὃ διερμηνεύεται καθαρισμός
2. 16. μέλλοντες οὖν ἄγειν τὸν κ.
— 19. R τὸν τοῦ ἱεροῦ τοῦ μεγάλου [A μεγίστου] κ.
10. 5. τὸν κ. γενέσθαι τοῦ ναοῦ
IV Ma. 7. 6. R κ. νόμιμον [A S *om.*] χωρήσασαν γαστέρα
[Aq. Je. 49. 12 (29. 13).]
[Sm., Th. Le. 12. 4, 5: Am. 4. 6.]
[Al. Ex. 34. 7.]

κάθαρμα.

[Aq. Dt. 29. 17 (16): Ez. 6. 4.]

καθαρός. (1) *a.* בַּר *b.* בֹּר *c.* בָּרָר (2) *a.* זָךְ *b.* זָכָךְ (3) זָרָה (4) *a.* טָב *b.* טוֹב (5) טָהוֹר (6) יֹשֶׁר (7) מְכֻלָּה (8) מָרַק (9) נָקָא (10) נָקִי (11) סָגַר (12) קָדוֹשׁ (13) שָׁחַט (14) תֹּם (15) κ. εἶναι טָהֵר *a.* qal. *b.* pi. *c.* hithp. (16) κ. εἶναι *a.* נָקָה ni. *b.* צָדַק *c.* קָדַשׁ (17) καθαρὸν τιθέναι כִּין hi. (18) καθαρὸς γίνεσθαι *a.* זָכָה hithp. *b.* כִּפֵּר pi.

Ge. 7. 2. ἀπὸ δὲ τῶν κτηνῶν τῶν κ. (5)
— 2. ἀπὸ δὲ τῶν κτηνῶν τῶν μὴ κ. (5)

Ge. 7. 3. ἀπὸ τῶν πετεινῶν . . . τῶν κ. –
— 3. ἀπὸ πάντων τῶν πετεινῶν τῶν μὴ κ. –
— 8. R ἀπὸ τῶν πετεινῶν τῶν κ. [A *om.* τ. κ.] –
— 8. R ἀπὸ τῶν πετεινῶν τῶν μὴ κ. [A *om.* τ. μ. κ.] –
— 8. ἀπὸ τῶν κτηνῶν τῶν κ. (5)
— 8. ἀπὸ τῶν κτηνῶν τῶν μὴ κ. (5)
8. 20. ἀπὸ πάντων τῶν κτηνῶν τῶν κ. (5)
— 20. ἀπὸ πάντων τῶν πετεινῶν τῶν κ. (5)
20. 5. ἐν καθαρᾷ καρδίᾳ . . . ἐποίησα τοῦτο (14)
— 6. ἐν καθαρᾷ καρδίᾳ ἐποίησας τοῦτο (14)
24. 8. R καθαρὸς ἔσῃ ἀπὸ τοῦ ὅρκου μου [A S τούτου] (16 *a*)
44. 10. ὑμεῖς δὲ ἔσεσθε καθαροί (10)
Ex. 25. 10 (11). καταχρυσώσεις αὐτὴν χρυσίῳ κ. (5)
— 16 (17). ἐπίθεμα χρυσίου καθαροῦ (5)
— 22 (23). τράπεζαν χρυσῆν [A *om.*] χρυσίου κ. †
— 27 (28). καταχρυσώσεις αὐτοὺς χρυσίῳ κ. –
— 28 (29). χρυσίου κ. ποιήσεις αὐτά (5)
— 30 (31). ποιήσεις λυχνίαν ἐκ χρυσίου κ. (5)
— 35 (36). ὅλη τορευτὴ ἐξ ἑνὸς χρυσίου κ. (5)
— 37 (38). ἑκ χρυσίου καθαροῦ ποιήσεις (5)
— 38 (39). τάλαντον χρυσίου καθαροῦ (5)
27. 20. ἔλαιον . . . καθαρὸν κεκομμένον (2 *a*)
28. 8. R τὸ ὕφασμα . . . ἐκ χρυσίου κ. [A B *om.*] –
— 13. ποιήσεις ἀσπιδίσκας ἐκ χρυσίου καθαροῦ –
— 14. ποιήσεις . . . ἐκ χρυσίου καθαροῦ (5)
— 22. ἔργον ἁλυσιδωτὸν ἐκ [A *om.*] χρυσίου καθαροῦ (5)
— 32 (36). πέταλον χρυσοῦν καθαρόν (5)
30. 3. καταχρυσώσεις αὐτὰ χρυσίῳ κ. (5)
— 4. δύο δακτυλίους χρυσοῦς καθαρούς –
— 35. καθαρὸν ἔργον ἅγιον (5)
31. 8. τὴν λυχνίαν τὴν κ. (5)
36. 22 (39. 15). ἐκ χρυσίου καθαροῦ (5)
— 38 (39. 30). χρυσίου καθαροῦ (5)
38 (37). 2. κατεχρύσωσεν αὐτὴν χρυσίῳ καθαρῷ (5)
— 5 (37. 6). A R ἐκ χρυσίου καθαροῦ [B *om.*] (5)
— 9 (37. 11). ἐκ χρυσίου καθαροῦ (5)
— 11 (37. 15). A κατεχρύσωσεν αὐτοὺς χρυσίῳ καθαρῷ [B *om.*] –
— 25 (37. 29). καθαρὸν ἔργον μυρεψοῦ (5)
39. 17 (37). τὴν λυχνίαν τὴν κ. (5)
Le. 4. 12. ἐξοίσουσιν ὅλον τὸν μόσχον . . . εἰς τόπον κ. (5)
6. 11 (4). ἐξοίσει τὴν κατακάρπωσιν . . . εἰς τόπον κ. (5)
7. 9 (19). πᾶς κ. φάγεται κρέα (5)
10. 10. ἀνὰ μέσον τῶν ἀκαθάρτων καὶ τῶν κ. (5)
11. 32. καὶ καθαρὸν ἔσται (15 *a*)
— 36. πλὴν πηγῶν ὑδάτων . . . ἔσται καθαρόν (5)
— 37. καθαρὸν ἔσται (5)
— 47. καὶ ἀνὰ μέσον τῶν κ. (5)
13. 6. καθαρὸς ἔσται (15 *a*)
— 13. καθαρόν ἐστι (5)
— 17. καθαρός ἐστι [A ἔσται] (5)
— 34. καθαρὸς ἔσται (15 *a*)
— 37. A R καθαρός [B -όν] ἐστι (5)
— 39. A B καθαρός ἐστιν –
— 39, 40, 41. καθαρός ἐστιν (5)
— 58. καθαρὸν ἔσται (15 *a*)
14. 4. δύο ὀρνίθια ζῶντα κ. (5)
— 7. καθαρὸς ἔσται (15 *b*)
— 8, 9. καθαρὸς ἔσται (15 *a*)
— 49. δύο ὀρνίθια ζῶντα κ. –
— 53. καθαρὰ ἔσται (15 *a*)
15. 8. ἐὰν δὲ προσσιελίσῃ [A -εγγίσῃ] . . . ἐπὶ τὸν κ. (5)
— 12. καθαρὸν ἔσται –
— 13 : 17. 15. καθαρὸς ἔσται (15 *a*)
20. 25. ἀνὰ μέσον τῶν κτηνῶν τῶν κ. (5)
— 25. ἀνὰ μέσον τῶν πετεινῶν τῶν κ. (5)
22. 7. καθαρὸς ἔσται (15 *a*)
24. 2. ἔλαιον ἐλαΐνον κ. κεκομμένον εἰς φῶς (2 *a*)
— 4. ἐπὶ τῆς λυχνίας τῆς κ. (5)
— 6. ἐπὶ τὴν τράπεζαν τὴν κ. (5)
— 7. ἐπιθήσετε . . . λίβανον κ. (2 *a*)
Nu. 5. 17. λήψεται ὁ ἱερεὺς ὕδωρ κ. ζῶν (12)
— 28. καὶ καθαρὰ ᾖ (5)
8. 7. καὶ καθαροὶ ἔσονται (15 *c*)
9. 13. ὃς ἐὰν καθαρὸς ᾖ (5)
18. 11, 13. πᾶς κ. ἐν τῷ οἴκῳ σου ἔδεται αὐτά (5)
19. 3. ἐξάξουσιν αὐτὴν . . . εἰς τόπον κ. –
— 9. συνάξει ἄνδρωπος κ. τὴν σποδόν (5)
— 9. καὶ ἀπυθήσει . . . εἰς τόπον κ. (5)
— 12. καὶ καθαρὸς ἔσται [A ἐστίν] (15 *a*)
Nu. 19. 12. οὐ καθαρὸς ἔσται (15 *a*)
— 18. βάψεται εἰς τὸ ὕδωρ ἀνὴρ κ. (5)
— 19. περιρανεῖ ὁ κ. ἐπὶ τὸν ἀκάθαρτον (5)
De. 12. 15. ὁ κ. ἐπὶ τὸ αὐτὸ φάγεται αὐτό (5)
— 22. ὁ κ. ὡσαύτως ἔδεται (5)
14. 11. πᾶν ὄρνεον κ. φάγεσθε (5)
— 20. πᾶν πετεινὸν κ. φάγεσθε (5)
15. 22. ὁ κ. ὡσαύτως ἔδεται [A φάγεται] (5)
23. 10 (11). ὃς οὐκ ἔσται κ. ἐκ ῥύσεως αὐτοῦ (5)
I Ki. 20. 26. σύμπτωμα φαίνεται μὴ καθαρὸς εἶναι (5)
II Ch. 3. 4. κατεχρύσωσεν αὐτὸν . . . χρυσίῳ κ. (5)
— 5. καὶ κατεχρύσωσε χρυσίῳ κ. (4 *b*)
— 8. ἐχρύσωσεν [A κατεχρ.] αὐτὸν χρυσίῳ κ. (4 *b*)
4. 16. ἃ ἐποίησε . . . χαλκοῦ κ. (8)
— 20. καὶ τὰς λυχνίας . . . χρυσίου κ. (11)
— 21. καὶ τὰ πυρεῖα χρυσίου κ. (7)
9. 15. A B ἐξακόσιοι χρυσοῖ κ. τῷ ἑνὶ θυρεῷ (13?)
— 15. ἑξακόσιοι χρυσοῖ κ. [A *om.*] ἐπῆσαν ἐπὶ τὸν ἑνὰ θυρεόν (13)
13. 11. προθέσεις ἄρτων ἐπὶ τῆς τραπέζης τῆς κ. (5)
II Es. 2. 69. χρυσίου κ. μναῖ ἑξ μυριάδες [A *al.*] –
6. 20. ἕως εἰς πάντες καθαροί (5)
Ne. 2. 20. καὶ ἡμεῖς δοῦλοι αὐτοῦ κ. †
To. 3. 14. καθαρά εἰμι ἀπὸ πάσης ἁμαρτίας ἀνδρός [S *al.*]
8. 15. A B² ἐν πάσῃ εὐλογίᾳ κ. καὶ ἁγίᾳ [B¹ S *al.*]
13. 16. AR οἱ προμαχῶνες ἐν [B S *om.*] χρυσίῳ κ.
Ju. 10. 5. πήραν ἐπλήρωσεν . . . ἄρτων κ.
12. 9. εἰσπορευομένη κ. [A καθὰ] παρέμενε
Jb. 4. 7. τίς [A οὐδεὶς] καθαρὸς ὢν ἀπώλετο (10)
— 17. μὴ καθαρὸς ἔσται βροτός (16 *b*)
8. 6. εἰ καθαρὸς εἶ καὶ ἀληθινός (2 *a*)
9. 30. ἐὰν . . . ἀποκαθάρωμαι χερσὶ καθαραῖς (1 *b*)
11. 4. καθαρός εἰμι τοῖς ἔργοις (2 *a*)
— 13. εἰ γὰρ σὺ καθαρὰν ἔθου τὴν καρδίαν σου (17)
— 15. ἀναλάμψει σου τὸ πρόσωπον ὥσπερ ὕδωρ καθαρόν †
14. 4. τίς γὰρ καθαρὸς ἔσται ἀπὸ ῥύπου (5)
15. 15. οὐρανὸς δὲ οὐ καθαρὸς ἐναντίον αὐτοῦ (2 *b*)
16. 18 (17). εὐχὴ δέ μου καθαρά (2 *a*)
17. 9. B S² καθαρὸς δὲ χεῖρας [A καὶ ὁ κ. χερσὶν] ἀναλάβοι θάρσος (5)
21. 16. A ἔργα δὲ ἀσεβῶν οὐ καθαρά [B S οὐκ ἐφορᾷ] †
22. 25. καθαρὸν δὲ ἀποδώσει σε †
— 30. διασώθητι [A S² -θήσῃ] ἐν καθαραῖς χερσί σου (1 *b*)
25. 5. A οὐδ' ἄνθρωπος οὐ καθαρός –
— 5. ἄστρα δὲ οὐ καθαρὰ [A οὐκ ἄμεμπτα] ἐναντίον αὐτοῦ (2 *b*)
28. 19. χρυσίῳ καθαρῷ οὐ συμβασταχθήσεται (5)
33. 3. B καθαρά μου ἡ καρδία ῥήμασι σύνεσιν δὲ χειλέων μου καθαρὰ νοήσει [A S R *al.*] (6, 1 *c*)
— 9. καθαρός εἰμι οὐχ ἁμαρτών [A *al.*] (2 *a*)
— 26. A S² εἰσελεύσεται δὲ προσώπῳ καθαρῷ [B S¹ ἱλαρῷ] –
Ps. 23 (24). 4. ἀθῷος χερσὶ καὶ καθαρὸς τῇ καρδίᾳ (1 *a*)
50 (51). 10. καρδίαν καθαρὰν κτίσον ἐν ἐμοί (5)
Pr. 8. 11. B³ ἀντερεῖσθαι δὲ αἰσθήσει χρυσίου κ. [A *al.*] –
12. 27. κτῆμα δὲ τίμιον ἀνὴρ καθαρός †
14. 4. οὗ μή εἰσι βόες φάτναι καθαραί (1 *a*)
20. 9. τίς παρρησιάσεται καθαρὸς εἶναι ἀπὸ ἁμαρτιῶν (15 *a*)
25. 4. καθαρισθήσεται καθαρὸν ἅπαν †
Ec. 9. 2. συνάντημα ἓν . . . τῷ κ. καὶ τῷ ἀκαθάρτῳ (5)
Wi. 7. 23. διὰ πάντων χωροῦν πνευμάτων . . . καθαρῶν λεπτοτάτων
14. 24. οὔτε γάμους καθαροὺς ἔτι φυλάσσουσιν
15. 7. τά τε τῶν κ. ἔργων δοῦλα σκεύη
Hb. 1. 13. καθαρὸς ὁ ὀφθαλμὸς τοῦ μὴ ὁρᾶν πονηρά (5)
Za. 3. 6 (5). ἐπίθετε κίδαριν καθαρὰν ἐπὶ τὴν κεφαλήν (5)
— 6 (5). ἐπέθηκαν κίδαριν καθαρὰν ἐπὶ τὴν κεφαλήν (5)
Ma. 1. 11. θυμίαμα προσάγεται . . . καὶ θυσία κ. (5)
Is. 1. 16. καθαροὶ γένεσθε (18 *a*)
— 25. πυρώσω [A S *add.* σε] εἰς καθαρόν (1 *b*)
14. 20. ὃν τρόπον ἱμάτιον ἐν αἵματι πεφυρμένον οὐκ ἔσται καθαρὸν οὕτως οὐδὲ σὺ ἔσῃ κ. †, †
35. 8. ἔσται ἐκεῖ ὁδὸς καθαρά –
47. 11. οὐ μὴ δυνήσῃ καθαρὰ γενέσθαι (18 *b*)
Is. 65. 5. μὴ ἐγγίσῃς μοι [A μου] ὅτι κ. εἰμι (16 *c*)
Je. 4. 11. ὁδὸς τῆς θυγατρὸς τοῦ λαοῦ μου οὐκ εἰς καθαρόν (3)
Ez. 22. 26. ἀνὰ μέσον ἀκαθάρτου καὶ τοῦ κ. (5)
36. 25. ῥανῶ ἐφ' ὑμᾶς ὕδωρ κ. (5)
44. 23. ἀνὰ μέσον ἀκαθάρτου καὶ καθαροῦ [A *al.*] (5)
Da. LXX. 7. 9. ὡσεὶ ἔριον λευκὸν κ. (9)
Da. TH. Su. 46. A καθαρὸς [B ἀθῷος] ἐγὼ ἀπὸ τοῦ αἵματος ταύτης
2. 32. A B² ἧς ἡ κεφαλὴ χρυσίου κ. [B¹ R χρηστοῦ] (4 *a*)
7. 9. ἡ θρὶξ τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ ὡσεὶ ἔριον κ. (9)
II Ma. 7. 40. R καθαρὸς [A -ῶς] τὸν βίον [A *om.* τ. β.] μετήλλαξε
[Aq. Jb. 14. 4 : Pr. 22. 11.]
[Sm. Ex. 6. 12, 30 : II Ki. 3. 28 : Ps. 72 (73). 1 : Is. 1. 25 : 66. 20 : Hb. 1. 13 : Ze. 3. 9.]
[Th. Ex. 37. 11 : Pr. 15. 26 : 22. 11 : Is. 1. 25 : Da. 2. 32†.]
[Al. Le. 10. 14 : Ps. 18 (19). 8 : Pr. 8. 10.]

καθαρότης. (1) טֹהַר

Ex. 24. 10. A ὥσπερ εἶδος στερεώματος τοῦ οὐρανοῦ τῇ κ. [B -ριότ.] (1)
Wi. 7. 24. χωρεῖ διὰ πάντων διὰ τὴν κ. [S¹ καθαριότ.]
[Sm. Jb. 22. 30 : Ps. 88 (89). 45.]

καθάρσιος.

IV Ma. 6. 29. καθάρσιον αὐτῶν ποίησον τὸ ἐμὸν αἷμα

κάθαρσις. (1) טֹהַר (2) נָקָה ni.

Le. 12. 4, 6. αἱ ἡμέραι καθάρσεως [B² -ρίσ.] αὐτῆς (1)
Je. 32 (25). 29. καθάρσει οὐ μὴ καθαρισθῆτε (2)
Ez. 15. 4. τὴν κατ' ἐνιαυτὸν κάθαρσιν †
[Aq. Le. 12. 4.]

κάθαρτος (?).

Le. 14. 41. εἰς τόπον ἀκάθαρτον [A¹ κάθ.] †

καθαρῶς.

II Ma. 7. 40. A κ. μετήλλαξε [R -ρὸς τὸν βίον μετήλλ.]
[Sm. Ps. 2. 11.]

καθέδρα. (1) *a.* מוֹשָׁב *b.* יָשַׁב *c.* שֶׁבֶת

I Ki. 20. 18. ἐπισκεπήσεται καθέδρα σου (1 *a*)
— 25. ἐκάθισεν ἐπὶ τὴν κ. αὐ. . . . ἐπὶ τῆς κ. (1 *a*, 1 *a*)
III Ki. 8. 12. A ἔδρασμα τῆς κ. σου αἰῶνος (1 *b*)
10. 5. καὶ τὴν κ. παίδων αὐτοῦ (1 *a*)
— 19. ἐπὶ τοῦ τόπου [A θρόνου] τῆς κ. (1 *c*)
IV Ki. 16. 18. τὸν θεμέλιον τῆς κ. ᾠκοδόμησεν †
17. 25. ἐν ἀρχῇ τῆς κ. αὐτῶν (1 *b*)
19. 27. τὴν κ. σου . . . ἔγνων (1 *b*)
II Ch. 9. 4. καὶ καθέδραν παίδων αὐτοῦ (1 *a*)
— 18. ἐπὶ τοῦ θρόνου τῆς κ. (1 *c*)
Ps. 1. 1. B S ἐπὶ κάθεδραν [A R -ᾳ] λοιμῶν οὐκ ἐκάθισεν (1 *a*)
106 (107). 32. A S¹ ἐν καθέδραις [S² R -ᾳ] πρεσβυτέρων αἰνεσάτωσαν αὐτόν (1 *a*)
138 (139). 2. σὺ ἔγνως τὴν κ. μου (1 *b*)
Si. 7. 4. μηδὲ παρὰ βασιλέως καθέδραν δόξης
12. 12. μή ποτε ζητήσῃ τὴν κ. σου
La. 3. 63. ἤκουσας . . . καθέδραν αὐτῶν (1 *b*)
[Aq. Ex. 12. 40 : 15. 17 : III Ki. 8. 13 : Ps. 1. 1 : 32 (33). 14 : Is. 37. 28 : Ez. 6. 6 : 8. 3 : 28. 2.]
[Sm. Ex. 15. 17 : Ps. 1. 1 : Is. 37. 28.]
[Th. Is. 37. 28 : Ez. 8. 3.]
[Quint., Sext. Ps. 1. 1.]

καθέζεσθαι. (1) יָשַׁב (2) שָׁכַן

Le. 12. 4. B² καθεσθήσεται [B¹ καθισ., A R καθήσ.] ἐν αἵματι [A ἱματίῳ] (1)
— 5. B καθεσθήσεται [A καθήσ.] ἐν αἵματι ἀκαθάρτῳ (1)
Jb. 39. 28. γὺψ δὲ ἐπὶ νοσσιᾶς αὐτοῦ καθεσθείς (2)
Je. 37 (30). 18. κατὰ τὸ κρίμα αὐτοῦ καθεδεῖται (1)
Ez. 26. 16. ἐπὶ γῆν καθεδοῦνται [A² καθελ.] (1)
[Aq. Ps. 9. 8 : 28 (29). 10 : 139 (140). 14.]

καθεῖς, *vid. sub* κατά *et* εἷς.

κάθεμα. (1) רָבִיד (2) רַעַל

Is. 3. 19. ἀφελεῖ . . . τὸ κ. (2?)
Ez. 16. 11. περιέθηκα . . . κ. περὶ τὸν τράχηλόν σου (1)
[Th. Is. 3. 19 : Ez. 16. 11.]

καθεύδειν. (1) יָשַׁב (2) יָשֵׁן (3) שָׁכַב

Ge. 28. 13. ἡ γῆ ἐφ' ἧς σὺ καθεύδεις ἐπ' αὐτῆς (3)
39. 10. καθεύδειν μετ' αὐτῆς (3)
De. 11. 19. καὶ καθεύδοντός σου [A *al.*] (3)
Ru. 3. 7. A καὶ ἐκάθευδεν (3)
I Ki. 3. 2. A B² R Ἠλὶ ἐκάθευδεν [B¹ -θητο] ἐν τῷ τόπῳ αὐτοῦ (3)
— 3. Σαμ. ἐκάθευδεν ἐν τῷ ναῷ [A οἴκῳ κυρίου] (3)
— 5. ἀνάστρεφε κάθευδε (3)
— 5. ἀνέστρεψε καὶ ἐκάθευδε (3)
— 6. ἀνάστρεφε [B² *add.* καὶ] κάθευδε (3)
— 9. ἀνάστρεφε κάθευδε (3)
19. 9. καὶ αὐτὸς ἐν οἴκῳ καθεύδων (1)
26. 5. οὗ ἐκάθευδεν ἐκεῖ Σαούλ (3)
— 5. Σαοὺλ ἐκάθευδεν ἐν λαμπήνῃ (3)
— 7. καὶ ἰδοὺ Σαοὺλ καθεύδων ὕπνῳ [A *om.*] (3 [3+2])
— 7. ὁ λαὸς αὐτοῦ ἐκάθευδε κύκλῳ αὐτοῦ (3)
II Ki. 4. 5. ἐκάθευδεν ἐν τῇ κοίτῃ τῆς μεσημβρίας (3)
— 6. καὶ ἐκάθευδε †
— 7. καὶ Ἰεβ. ἐκάθευδεν (3)
12. 3. ἐν τῷ κόλπῳ αὐτοῦ ἐκάθευδε (3)
III Ki. 18. 27. ἢ μή ποτε καθεύδει αὐτός (2)
I Es. 3. 6. καὶ ἐπὶ χρυσῷ καθεύδειν
4. 10. ἐσθίει καὶ πίνει καὶ καθεύδει
To. 8. 13. εὗρε τοὺς δύο καθεύδοντας [S *al.*]
Ju. 14. 14. καθεύδειν αὐτὸν μετὰ Ἰ.
Ps. 87 (88). 5. ὡσεὶ τραυματίαι ἐρριμμένοι [A S² *om.*] καθεύδοντες ἐν τάφῳ (3)
Pr. 3. 24. ἐὰν δὲ καθεύδῃς ἡδέως ὑπνώσεις (3)
6. 22. ὡς δ' ἂν καθεύδῃς φυλασσέτω σε (3)
Ca. 5. 2. ἐγὼ καθεύδω (2)
Si. 22. 7. ἐξεγείρων καθεύδοντα ἐκ βαθέως ὕπνου
Am. 6. 4. οἱ καθεύδοντες ἐπὶ κλινῶν ἐλεφαντίνων (3)
Jn. 1. 5. κατέβη . . . καὶ ἐκάθευδε καὶ ἔρεγχε (3)
Is. 51. 20. οἱ καθεύδοντες ἐπ' ἄκρου πάσης ἐξόδου (3)
Ez. 4. 9. ἃς σὺ καθεύδεις ἐπὶ τοῦ πλευροῦ σου (3)
Da. LXX. 4. 7. ἐπὶ τῆς κοίτης μου ἐκάθευδον †
12. 2. πολλοὶ τῶν καθευδόντων ἐν τῷ πλάτει τῆς γῆς (2)
Da. TH. 12. 2. πολλοὶ τῶν καθευδόντων ἐν γῆς χώματι (2)
[Sm. Ec. 5. 11.]
[Al. Le. 15. 20 : Dt. 6. 7.]

καθηγεμών.

II Ma. 10. 28. οἱ δὲ καθηγεμόνα . . . ταττόμενοι τὸν θυμόν

καθήκειν. (1) *a.* εἰς τοὺς καθήκοντας לְפִי אֹכֶל *b.* τὸ καθῆκον כְּפִי אֹכֶל (2) τὸ καθῆκον, τὰ καθήκοντα דָּבָר (3) דֶּרֶךְ (4) יוֹם (5) מִשְׁפָּט (6) עֲבֹדָה

Ge. 19. 31. ὡς καθήκει πάσῃ τῇ γῇ (3)
Ex. 5. 13. συντελεῖτε τὰ ἔργα τὰ καθήκοντα (2)
— 19. οὐκ ἀπολείψετε τῆς πλινθείας τὸ καθῆκον τῇ ἡμέρᾳ (2)
16. 16. συναγάγετε . . . ἕκαστος εἰς τοὺς καθήκοντας (1 *a*)
— 18. B ἕκαστος εἰς τοὺς καθήκοντας . . . συνέλεξαν [A² -εν] (1 *a*)
— 21. A² R συνέλεξαν . . . ἕκαστος τὸ καθῆκον αὐτῷ (1 *b*)
36. 1. κατὰ τὰ ἅγια καθήκοντα [A τὰ κ.] (6)
Le. 5. 10 : 9. 16. ὡς καθήκει (5)
De. 21. 17. καὶ τούτῳ καθήκει τὰ πρωτοτοκεῖα (5)
I Ki. 2. 16. ὡς καθήκει (4)
I Es. 1. 12. ὡς καθήκει
To. 1. 8. οἷς καθήκει [S *al.*]
6. 12. τὴν κληρονομίαν σοι καθήκει λαβεῖν ἢ πάντα ἄνθρωπον [S *al.*]
7. 10. καθήκει τὸ παιδίον μου λαβεῖν [S *al.*]
Ju. 11. 13. οὐδὲ [A οὐδ' ἐν] ταῖς χερσὶ καθῆκεν ἅψασθαι οὐδένα
Si. 10. 23. S R οὐ καθήκει [A B -ηκεν] δοξάσαι ἄνδρα ἁμαρτωλόν
Ho. 2. 5 (7). καὶ πάντα ὅσα μοι καθήκει †
Ez. 21. 27 (32). ἕως οὗ ἔλθῃ ᾧ καθήκει (5)
I Ma. 10. 36. ὡς καθήκει πάσαις ταῖς δυνάμεσι τοῦ βασ.
I Ma. 10. 39. S εἰς τὴν καθήκουσαν [A προκαθ., R προσήκ.] δαπάνην
12. 11. ταῖς [A ἐν ταῖς] λοιπαῖς καθηκούσαις ἡμέραις
II Ma. 2. 30. τῷ τῆς ἱστορίας ἀρχηγέτῃ καθήκει
4. 19. R διὰ τὸ μὴ καθήκειν
6. 4. R τὰ μὴ καθήκοντα ἔνδον φερόντων [A εἰσφερ.]
— 21. οἷς καθῆκον αὐτῷ χρήσασθαι
11. 36. ὡς καθήκει ὑμῖν
14. 31. τῶν ἱερέων τὰς καθηκούσας θυσίας προσαγόντων
III Ma. 1. 11. μὴ καθήκειν γίνεσθαι τοῦτο
4. 16. τὰ μὴ καθήκοντα λαλῶν

καθηλοῦν. (1) סָמַר

Ps. 118 (119). 120. καθήλωσον ἐκ τοῦ φόβου σου τὰς σάρκας μου (1 ?)
[Aq. Pr. 22. 23 *bis.*]

καθήλωμα. (1) *a.* רַתּוּק *b.* רַתִּיק

III Ki. 6. 21. A παρήγαγεν ἐν καθηλώμασιν χρυσίου (1 *a*, 1 *b**)

καθήλωσις.

[Sm., Th. Ez. 7. 23.]

καθημερινός.

Ju. 12. 15. εἰς τὴν κ. δίαιταν αὐτῆς

καθῆσθαι. (1) הָיָה (2) הָלַךְ (3) *a.* יָשַׁב *b.* יָחַב (4) סָכַךְ hi. (5) רָכַב (6) שָׁכַב

Ge. 18. 1. καθημένου αὐτοῦ ἐπὶ τῆς θύρας (3 *a*)
19. 1. ἐκάθητο παρὰ τὴν πύλην Σοδόμων (3 *a*)
— 30. ἐκάθητο ἐν τῷ ὄρει (3 *a*)
21. 16. R ἐκάθητο ἀπέναντι αὐτοῦ μακρόθεν [A -ότερον] (3 *a*)
— 16. A ἐκάθητο [R -θισεν] ἀπέναντι αὐτοῦ (3 *a*)
23. 10. Ἔ. δὲ ἐκάθητο ἐν μέσῳ τῶν υἱῶν Χ. (3 *a*)
38. 11. κάθου χήρα ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ πατρός σου (3 *a*)
— 11. ἐκάθητο ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ πατρὸς αὐτῆς (3 *a*)
Ex. 11. 5. ὃς κάθηται ἐπὶ τοῦ θρόνου (3 *a*)
12. 29. τοῦ καθημένου ἐπὶ τοῦ θρόνου (3 *a*)
16. 29. A B καθήσεσθε [R -ίσεσ.] ἕκ. εἰς τοὺς οἴκους ὑμῶν (3 *a*)
17. 12. ἐκάθητο ἐπ' αὐτοῦ [A -όν] (3 *a*)
18. 14. διὰ τί σὺ κάθησαι μόνος (3 *a*)
24. 18. A ἐκάθητο [B ἦν] ἐκεῖ ἐν τῷ ὄρει (1)
Le. 8. 35. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς . . . καθήσεσθε (3 *a*)
12. 4. A R καθήσεται [B¹ καθίσ., B² καθεσθήσ.] ἐν αἵματι [A ἱματίῳ] (3 *a*)
— 5. A καθήσεται [B καθεσθήσ.] ἐν αἵματι (3 *a*)
13. 46. κεχωρισμένος καθήσεται (3 *a*)
15. 6. ὁ καθημενος ἐπὶ τοῦ σκεύους (3 *a*)
— 23. A οὗ ἐὰν αὐτὴ κάθηται [B ἐὰν καθίσῃ] ἐπ' αὐτῷ (3 *a*)
Nu. 32. 6. καὶ ὑμεῖς καθήσεσθε αὐτοῦ (3 *a*)
De. 6. 7. λαλήσεις ἐν αὐτοῖς καθήμενος ἐν οἴκῳ (3 *a*)
11. 19. καθημένου σου ἐν οἴκῳ [A *al.*] (3 *a*)
Jo. 5. 8. αὐτόθι [A αὐτοὶ] καθήμενοι ἐν τῇ παρεμβολῇ (3 *a*)
Jd. 3. 20. ἐκάθητο ἐν τῷ ὑπερῴῳ (3 *a*)
— 24. A μή ποτε πρὸς δίφρους κάθηται [B *al.*] (4)
4. 5. ἐκάθητο ὑπὸ φοίνικα (3 *a*)
5. 10. καθήμενοι ἐπὶ κριτηρίου [A λαμπηνῶν] (3 *a*)
— 16. A κάθησαι ἀνὰ μέσον τῶν Μοσφ. [B *al.*] (3 *a*)
6. 10. B ἐν οἷς ὑμεῖς καθήσεσθε [R -ησθε, A ἐνοικεῖτε] (3 *a*)
— 18. A ἐγὼ εἰμι καθήσομαι [R -ίσ., B καθίομαι] (3 *a*)
13. 9. καὶ αὕτη ἐκάθητο ἐν ἀγρῷ [A *al.*] (3 *a*)
16. 9. τὸ ἔνεδρον αὐτῇ ἐκάθητο (3 *a*)
— 12. A τὸ ἔνεδρον ἐκάθητο ἐν τῷ ταμιείῳ [B *al.*] (3 *a*)
17. 10. κάθου μετ' ἐμοῦ (3 *a*)
18. 7. εἶδον τὸν λαὸν . . . καθήμενον ἐπ' [A ἐν] ἐλπίδι (3 *a*)
— 8. τί ὑμεῖς κάθησθε –
Ru. 3. 18. κάθου, θύγατερ (3 *a*)
4. 4. κτῆσαι ἐναντίον τῶν καθημένων (3 *a*)
I Ki. 1. 9. A Ἠλὶ ὁ ἱερεὺς ἐκάθητο [?, B *om.*] ἐπὶ τοῦ δίφρου (3 *a*)
I Ki. 1. 22. καὶ καθήσεται ἕως αἰῶνος ἐκεῖ (3 *a*)
— 23. κάθου ἕως ἂν [A οὗ] ἀπογαλακτίσῃς αὐτό (3 *a*)
3. 2. B¹ Ἠλὶ ἐκάθητο [A B² R -θευδεν] ἐν τῷ τόπῳ αὐτοῦ (6)
4. 4. κυρίου [A *add.* τῶν δυνάμεων] καθημένου Χερουβίμ (3 *a*)
— 13. A ἐκάθητο [B *om.*] ἐπὶ τοῦ δίφρου (3 *a*)
5. 7. οὐ καθήσεται κιβωτὸς . . . μεθ' ἡμῶν (3 *a*)
12. 2. καὶ καθήσομαι †
14. 2. B Σαοὺλ ἐκάθητο ἐπ' ἄκρου τοῦ βουνοῦ (3 *a*)
20. 5. ἐγὼ καθίσας οὐ καθήσομαι (3 *a*)
— 19. καθήσῃ παρὰ τὸ ἐργαβ ἐκ. [A *al.*] (3 *a*)
22. 5. μὴ κάθου ἐν τῇ περιοχῇ (3 *a*)
— 6. Σαοὺλ ἐκάθητο ἐν τῷ βουνῷ (3 *a*)
— 23. κάθου μετ' ἐμοῦ (3 *a*)
23. 14. καὶ ἐκάθητο ἐν τῇ ἐρήμῳ (3 *a*)
— 18. ἐκάθητο Δαυὶδ ἐν Καινῇ (3 *a*)
24. 4. ἐσώτερον τοῦ σπηλαίου ἐκάθηντο (3 *a*)
27. 5. καθήσομαι [A κάθισόν με] ἐκεῖ (3 *a*)
— 5. ἵνα τί κάθηται ὁ δοῦλός σου (3 *a*)
— 11. ἃς ἐκάθητο Δαυίδ (3 *a*)
30. 24. A R ἔσται ἡ μερὶς τοῦ [B ἕ. μ.] καθημένου ἐπὶ τὰ σκεύη (3 *a*)
II Ki. 6. 2. A R κυρίου τῶν δυνάμεων καθημένου [B -ῳ] ἐπὶ τῶν Χερ. (3 *a*)
7. 2. κάθηται ἐν μέσῳ τῆς σκηνῆς (3 *a*)
16. 3. κάθηται ἐν Ἰερ. (3 *a*)
— 18. μετὰ αὐτοῦ καθήσομαι (3 *a*)
18. 24. Δαυὶδ ἐκάθητο ἀνὰ μέσον τῶν δύο πυλῶν (3 *a*)
19. 8 (9). ὁ βασ. κάθηται ἐν τῇ πύλῃ (3 *a*)
23. 10. ὁ λαὸς ἐκάθητο ὀπίσω αὐτοῦ †
III Ki. 1. 17. καθήσεται ἐπὶ τοῦ θρόνου μου (3 *a*)
— 20. τίς καθήσεται ἐπὶ τοῦ θρόνου (3 *a*)
— 24. καθήσεται ἐπὶ τοῦ θρόνου μου (3 *a*)
— 27. τίς καθήσεται ἐπὶ τὸν θρόνον (3 *a*)
— 30, 35. καθήσεται ἐπὶ τοῦ θρόνου μου (3 *a*)
— 48. καθήμενον ἐπὶ τοῦ θρόνου μου [A *om.*] (3 *a*)
3. 1 (2. 36). καὶ κάθου ἐκεῖ (3 *a*)
— 6. A δοῦναι τὸν υἱὸν αὐτοῦ καθήμενον [B *om.*] ἐπὶ τοῦ θρόνου αὐτοῦ (3 *a*)
7. 8. A R ἐν ᾧ [B οἴκῳ] καθήσεται ἐκεῖ (3 *a*)
8. 25. καθήμενος ἐπὶ θρόνου Ἰσρ. (3 *a*)
9. 16. A τὸν Χαν. τὸν καθήμενον ἐν τῇ πόλει (3 *a*)
11. 16. A ἐκάθητο [B ἐνεκ.] ἐκεῖ Ἰ. (3 *a*)
— 43 (12. 2). B καὶ ἐκάθητο ἐν Αἰγύπτῳ [A *al.*] (3 *a*)
12. 17. A υἱῶν Ἰσρ. τῶν καθημένων ἐν πόλεσιν Ἰ. (3 *a*)
13. 14. εὗρεν αὐτὸν καθήμενον ὑπὸ [A ἐπὶ] δρῦν (3 *a*)
— 20. αὐτῶν καθημένων ἐπὶ τῆς τραπέζης [B¹ *om.* ἐ. τ. τρ.] (3 *a*)
17. 9. A καὶ καθήσῃ ἐκεῖ (3 *a*)
— 19. ἐν ᾧ αὐτὸς ἐκάθητο ἐκεῖ (3 *a*)
20 (21). 11. A οἱ καθήμενοι [R κατοικοῦντες] ἐν πόλει αὐτοῦ (3 *a*)
22. 10. ἐκάθηντο [A -ητο] ἀνὴρ ἐπὶ τοῦ θρόνου αὐτοῦ (3 *a*)
— 19. καθήμενον ἐπὶ θρόνου αὐτοῦ (3 *a*)
IV Ki. 1. 9. Ἡ. ἐκάθητο ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ ὄρους (3 *a*)
2. 2, 4. κάθου δὴ ἐνταῦθα (3 *a*)
— 6. κάθου δὴ ὧδε (3 *a*)
— 18. αὐτὸς ἐκάθητο ἐν Ἰερ. (3 *a*)
3. 25. A καταλιπεῖν τοὺς λίθους . . . καθημένους [B -ῃρημένους] †
4. 38. οἱ υἱοὶ τῶν προφητῶν ἐκάθηντο ἐνώπιον αὐτοῦ (3 *a*)
6. 32. Ἐλ. ἐκάθητο ἐν τῷ οἴκῳ αὐτοῦ καὶ οἱ πρεσβύτεροι ἐκάθηντο μετ' αὐτοῦ (3 *a*, 3 *a*)
7. 3. τί ἡμεῖς καθήμεθα ὧδε (3 *a*)
9. 5. οἱ ἄρχοντες τῆς δυνάμεως ἐκάθηντο (3 *a*)
— 13. A ἐπὶ γὰρ ἕνα τῶν ἀναβαθμῶν ἐκάθηντο [B *al.*] –
10. 30. υἱοὶ τέταρτοι καθήσονταί σοι (3 *a*)
14. 10. καθήμενος ἐν τῷ οἴκῳ σου (3 *a*)
15. 12. υἱοὶ τέταρτοι καθήσονταί σοι (3 *a*)
18. 27. τοὺς ἄνδρας τοὺς καθημένους ἐπὶ τοῦ τείχους (3 *a*)
19. 15. ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν Χερ. (3 *a*)
I Ch. 13. 6. τοῦ θεοῦ κυρίου καθημένου ἐπὶ Χερ. (3 *a*)
20. 1. A B Δ. ἐκάθητο [R -θισεν] ἐν Ἰερ. (3 *a*)
II Ch. 6. 16. καθήμενος ἐπὶ θρόνου Ἰσρ. (3 *a*)

II Ch. 18. 9. καθήμενοι ἕκαστος ἐπὶ θρόνου αὐτοῦ (3 a)
— 9. καθήμενοι ἐν τῷ εὐρυχώρῳ θύρας (3 a)
— 18. καθήμενον ἐπὶ θρόνου αὐτοῦ (3 a)
25. 19. A B κάθησο [R κάθισον] ἐν οἴκῳ σου (3 a)
26. 21. ἐν οἴκῳ ἀπφουσὼθ ἐκάθητο λεπρός (3 a)
32. 10. καθήσεσθε [A κάθησθε] ἐν τῇ περιοχῇ ἐν Ἰερ. (3 a)
I Es. 4. 29. τὴν παλλακὴν τοῦ βασ. καθημένην ἐν δεξιᾷ
— 42. ἐχόμενός μου καθήσῃ
8. 72. καὶ ἐκαθήμην περίλυπος
II Es. 9. 3. καὶ ἐκαθήμην ἠρεμάζων [A ἐρ.] (3 a)
— 4. κἀγὼ καθήμενος ἠρεμάζων (3 a)
Ne. 2. 6. ἡ παλλακὴ ἡ καθημ. ἐχόμενα αὐτοῦ (3 a)
— 6. S³ ἵνα τί κάθησαι παρ' ἐμοί –
11. 6. οἱ καθήμενοι ἐν Ἰερ. (3 a)
To. 7. 1. S εὗρον αὐτὸν καθήμενον παρὰ τὴν θύραν
11. 5. Ἄννα ἐκάθητο
Ju. 4. 8. οἱ ἐκάθηντο ἐν Ἰερ.
5. 3. τίς ὁ λαὸς οὗτος ὁ καθήμενος [S οὗ. ἐγκαθ.] ἐν τῇ ὀρεινῇ
8. 21. οὕτως καθήσεται πᾶσα ἡ Ἰ.
11. 23. ἐν οἴκῳ βασιλέως Ναβ. καθήσῃ
Es. 5. 1. ἐκάθητο ἐπὶ τοῦ θρόνου τῆς βασ. αὐ. (3 a)
— 13. S³ τὸν Ἰ. καθήμενον [A B S¹ om.] ἐν τῇ αὐλῇ (3 a)
Jb. 2. 8. ἐκάθητο ἐπὶ τῆς κοπρίας ἔξω τῆς πόλεως (3 a)
— 9. ἐν σαπρίᾳ σκωλήκων κάθησαι [A -ίσαι, S¹ om.] –
38. 40. κάθηνται δὲ ἐν ὕλαις ἐνεδρεύοντες (3 a)
Ps. 46 (47). 8. ὁ θ. κάθηται ἐπὶ θρόνου ἁγίου αὐ. (3 a)
49 (50). 20. καθήμενος κατὰ τοῦ ἀδελφοῦ σου κατελάλεις (3 a)
68 (69). 12. οἱ καθήμενοι ἐν πύλῃ (3 a)
79 (80). 1. ὁ καθήμ. ἐπὶ τῶν Χερ. ἐμφάνηθι (3 a)
98 (99). 1. ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν Χερουβίμ (3 a)
106 (107). 10. καθημένους ἐν σκότει (3 a)
109 (110). 1. κάθου ἐκ δεξιῶν μου (3 a)
126 (127). 2. A S ἐγείρεσθαι [R -θε] μετὰ τὸ καθῆσθαι (3 a)
Pr. 3. 24. ἐὰν γὰρ κάθῃ ἄφοβος ἔσῃ (6)
6. 10. ὀλίγον δὲ κάθησαι –
Ec. 10. 6. πλούσιοι [S πλ. μεγάλοι] ἐν ταπεινῷ καθήσονται (3 a)
Ca. 5. 12. ὡς περιστεραὶ . . . καθήμεναι ἐπὶ πληρώματα [A S πλ. ὑδάτων] (3 a)
8. 13. ὁ καθήμενος ἐν κήποις (3 a)
Si. 1. 8. εἷς ἐστὶ σοφὸς . . . καθήμενος ἐπὶ τοῦ θρόνου αὐτοῦ
9. 9. μετὰ ὑπάνδρου γυναικὸς μὴ κάθου τὸ σύνολον
11. 1. A ἐν μέσῳ μεγιστάνων καθήσει [B S -ίσ.] αὐτόν
26. 12. κατέναντι παντὸς πασσάλου καθήσεται
37. 14. ἑπτὰ σκοποὶ ἐπὶ μετεώρου καθήμενοι ἐπὶ σκοπῆς
38. 28. χαλκεὺς καθήμενος ἐγγὺς ἄκμονος
— 29. κεραμεὺς καθήμενος ἐν ἔργῳ αὐτοῦ
40. 3. ἀπὸ καθημένου ἐπὶ θρόνου ἐν δόξῃ [A S ἐνδόξου]
50. 26. οἱ καθήμενοι ἐν ὄρει Σαμαρείας
Ho. 3. 3. ἡμέρας πολλὰς καθήσῃ ἐπ' ἐμοί (3 a)
— 4. διότι ἡμέρας πολλὰς καθήσονται οἱ υἱοὶ Ἰ. (3 a)
Jn. 4. 5. καὶ ἐκάθητο ὑποκάτω αὐτῆς (3 a)
Za. 3. 9 (8). οἱ πλησίον σου οἱ καθήμενοι πρὸ προσώπου (3 a)
5. 7. γυνὴ μία ἐκάθητο ἐν μέσῳ τοῦ μέτρου [A ταλάντου] (3 a)
8. 4. ἔτι καθήσονται πρεσβύτεροι (1 a)
9. 12. καθήσεσθε [S¹ -σεται, A καὶ θήσονται] ἐν ὀχυρώμασι †
Is. 6. 1. εἶδον τὸν κύριον καθήμ. ἐπὶ θρόνου ὑψ. (3 a)
9. 2 (1). A ὁ λαὸς ὁ καθήμενος [B S πορευόμ.] ἐν σκότει (2)
— 9 (8). οἱ καθήμενοι [A ἐγκ.] ἐν Σαμαρείᾳ ἐφ' ὕβρει (3 a)
19. 1. κύριος κάθηται ἐπὶ νεφέλης κούφης (5)
36. 11. A εἰς τὰ ὦτα τῶν ἀνδρῶν τῶν καθημ. ἐπὶ τῷ τείχει [B S al.] –
— 12. οὐχὶ πρὸς τοὺς ἀνθρώπους [A ἄνδρας] τοὺς καθημένους ἐπὶ τῷ τείχει (3 a)
37. 16. ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν Χερουβίμ (3 a)
42. 7. ἐξαγαγεῖν . . . καθημένους ἐν σκότει (3 a)
47. 8. ἄκουε ταῦτα [A S add. ἡ] τρυφερὰ ἡ καθημένη (3 a)
Je. 8. 14. ἐπὶ τί ἡμεῖς καθήμεθα (3 a)
Je. 13. 13. A τοὺς βασιλεῖς αὐ. τοὺς καθημ. υἱοὺς τοῦ Δ. ἐπὶ θρόνους αὐ. . . . καὶ πάντας τοὺς καθημένους ἐν Ἰερ. [B S al.] (3 a, 3 a)
15. 17. κατὰ μόνας ἐκαθήμην (3 a)
17. 25. ἄρχοντες καθήμενοι ἐπὶ θρόνου Δαυίδ (3 a)
21. 9. ὁ καθήμ. ἐν τῇ πόλει ταύτῃ ἀποθανεῖται (3 a)
22. 2. ὁ καθήμενος ἐπὶ θρόνου Δαυίδ (3 a)
— 4. βασιλεῖς [S³ -έως, A add. καὶ ἄρχοντες] καθήμενοι ἐπὶ θρόνου Δαυίδ (3 a)
— 30. οὐ μὴ αὐξηθῇ . . . καθήμενος ἐπὶ θρόνου Δαυίδ (3 a)
28 (51). 30. καθήσονται ἐκεῖ ἐν περιοχῇ (3 a)
30. 8 (49. 30). καθήμενοι ἐν τῇ αὐλῇ (3 a)
— 9 (49. 31). ἀνάβηθι ἐπ' ἔθνος εὐσταθοῦν καθήμενον εἰς ἀναψυχήν (3 a)
31 (48). 18. κάθισον ἐν ὑγρασίᾳ καθημένη (3 a)
— 19. ἔπιδε καθημένη ἐν Ἀροήρ (3 a)
— 43. βόθυνος ἐπὶ σοὶ καθήμενος [A add. ἐπὶ] Μωάβ (3 a)
32 (25). 29. ἐπὶ τοὺς καθημένους ἐπὶ τῆς γῆς (3 a)
— 30. ἐπὶ καθημένους τὴν γῆν ἥκει ὄλεθρος [A al.] (3 a)
39 (32). 12. A κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν Ἰουδαίων πάντων τῶν καθημένων [B S Ἰ. τῶν] ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φυλακῆς (3 a)
40 (33). 4. A τῶν καθημένων [B S -θηρημ.] εἰς χάρακας †
43 (36). 12. ἐκεῖ πάντες οἱ ἄρχοντες ἐκάθηντο (3 a)
— 22. ὁ βασιλεὺς ἐκάθητο ἐν οἴκῳ χειμεριν῾ῷ (3 a)
— 30. οὐκ ἔσται αὐτῷ καθήμενος ἐπὶ θρόνου [A -ον] Δαυίδ (3 a)
47 (40). 10. κάθημαι ἐναντίον ὑμῶν εἰς [S ἐν] Μασσηφά (3 a)
51 (44). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμ. πρὸς Ἰερ. . . . τοῖς καθημ. [S κατοικοῦσιν] ἐν Μ. (3 a)
— 13. ἐπισκέψομαι ἐπὶ τοὺς καθημένους ἐν γῇ [A om.] Αἰγ. (3 a)
— 15. ἀπεκρίθησαν . . . πᾶς ὁ λαὸς οἱ καθήμενοι ἐν γῇ [A om.] Αἰγύπτῳ (3 a)
— 26. πᾶς Ἰούδα οἱ καθήμενοι ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (3 a)
Ba. 3. 3. σὺ καθήμενος τὸν αἰῶνα
La. 3. 28. καθήσεται κατὰ μόνας (3 a)
Ez. 8. 1. ἐκαθήμην ἐν τῷ οἴκῳ καὶ οἱ πρεσβύτεροι Ἰ. ἐκάθηντο ἐνώπιόν μου (3 a, 3 a)
— 14. ἐκεῖ γυναῖκες καθήμ. θρηνοῦσαι τὸν Θ. (3 a)
23. 41. ἐκάθου ἐπὶ κλίνης ἐστρωμένης (3 a)
33. 31. κάθηνται ἐναντίον σου (3 a)
44. 3. καθήσεται ἐν αὐτῇ (3 a)
Da. LXX. 3. (55). καθήμενος ἐπὶ Χερουβίμ
7. 9. παλαιὸς ἡμερῶν ἐκάθητο (3 b)
9. 7. ἀνθρώποις Ἰούδα καὶ καθημένοις ἐν Ἰερ. (3 a)
Bel 39. ὁρᾷ αὐτὸν καθήμενον
Da. TH. 3. (55). καθήμενος ἐπὶ Χερουβίμ
7. 9. παλαιὸς ἡμερῶν ἐκάθητο (3 b)
Bel 40. καὶ ἰδοὺ Δανιὴλ καθήμενος
I Ma. 1. 27. A R καθημένη ἐν παστῷ ἐγένετο ἐν πένθει [S ἐπένθει]
14. 9. ἐν ταῖς πλατείαις [S¹ ἐκκλησίαις] ἐκάθηντο
[Aq. Dt. 11. 19: Jo. 2. 15: III Ki. 3. 6: 12. 17: 17. 6: IV Ki. 15. 5: Jb. 2. 8: Ps. 26 (27). 4: 32 (33). 8, 14: 68 (69). 13: 79 (80). 2: 90 (91). 1: 126 (127). 2: Ca. 8. 13: Is. 23. 18: 28. 6: 40. 22: 58. 12: 65. 4: Je. 13. 13: 29 (36). 32: Za. 13. 1.]
[Sm. Dt. 11. 19: Jo. 2. 15: Jd. 3. 20: III Ki. 3. 6: Ps. 68 (69). 13: Ec. 10. 6: Is. 6. 1: 28. 6: 40. 22: 65. 4.]
[Th. Dt. 11. 19: Jo. 2. 15: Jd. 16. 12: I Ki. 1. 9: 4. 13: III Ki. 3. 6: 21. 11: Jb. 2. 8: Ca. 8. 13: Is. 28. 6: 37. 16: 40. 22: Je. 29 (36). 16, 32: 33 (40). 17.]
[Al. Nu. 21. 1: Dt. 6. 7: Ps. 9. 12.]
[Quint. Ps. 90 (91). 1: Ca. 8. 13.]

κάθησις (-θισ.). (1) יְשַׁב
Je. 29 (49). 8. A βαθύνατε ἑαυτοῖς εἰς κάθησιν [B S -θισ.] (1)
30. 8 (49. 30). A λίαν ἐβαθύνατε εἰς κάθησιν [B S -θισ.] (1)

καθησυχάζειν.
[Aq. Ps. 82 (83). 2.]

καθίγειν (?). (1) נָגַע hi.
Ex. 12. 22. καθίξετε [A add. ἀπὸ] τῆς φλιᾶς (1)

κάθιδρος. (1) שְׁטַף
Je. 8. 6. ὡς ἵππος κ. ἐν χρεμετισμῷ αὐτοῦ (1)

καθιδρύειν.
Ep. Je. 17. καθιδρυμένων αὐτῶν ἐν τοῖς οἴκοις [A κήποις]
II Ma. 4. 12. ἀσμένως γὰρ . . . γυμνάσιον καθίδρυσε
III Ma. 7. 20. καθιδρύσαντες ἀνέλυσαν ἀσινεῖς

καθιέναι. (1) נוּחַ hi. (2) נָתַן (3) שִׁיב hi. (4) שָׁלַח hi.
Ex. 17. 11. ὅταν δὲ καθῆκε τὰς χεῖρας (1)
I Ch. 21. 27. A καθῆκεν [B κατέθηκε] τὴν ῥομφαίαν εἰς τὸν κολεόν (3)
Za. 11. 13. κάθες [S¹ κατάθες] αὐτοὺς εἰς τὸ χωνευτήριον (4)
Je. 39 (32). 14. S¹ καθήσεις [S³ καταθ., A B θήσεις] εἰς ἀγγεῖον (2)
[Al. Za. 11. 13.]

καθιζάνειν. (1) נָחָה hi.
Jb. 12. 18. καθιζάνων [A -ζων] βασιλεῖς ἐπὶ θρόνους [S -ων] †
Pr. 18. 16. παρὰ δυνάσταις καθιζάνει αὐτόν (1)

καθίζειν. (1) בּוֹא (2) גּוּר (3) הָיָה (4) יָשַׁב *a.* qal. *b.* hi. *c.* יָתַב (5) נוּחַ (6) נָפַל hi. (7) פָּנַר pi. (8) צוּר (9) רָכַב
Ge. 8. 3 (4). ἐκάθισεν ἡ κιβωτὸς . . . ἐπὶ τὰ ὄρη (5)
21. 16. R ἐκάθισεν [A -θητο] ἀπέναντι αὐτοῦ (4 a)
22. 5. καθίσατε αὐτοῦ μετὰ τῆς ὄνου (4 a)
27. 19. ἀναστὰς κάθισον καὶ φάγε (4 a)
37. 25. ἐκάθισαν δὲ φαγεῖν ἄρτον (4 a)
38. 14. ἐκάθισε πρὸς ταῖς πύλαις Αἰνάν (4 a)
43. 33. ἐκάθισαν δὲ ἐναντίον αὐτοῦ (4 a)
48. 2. ἐκάθισεν ἐπὶ τὴν κλίνην (4 a)
Ex. 2. 15. ἐκάθισεν ἐπὶ τοῦ φρέατος (4 a)
16. 3. ὅταν ἐκαθίσαμεν ἐπὶ τῶν λεβήτων (4 a)
— 29. R καθίσεσθε [A B -ήσ.] ἕκαστος εἰς τοὺς οἴκους ὑμῶν (4 a)
32. 6. ἐκάθισεν ὁ λαὸς φαγεῖν (4 a)
Le. 12. 4. B¹ καθίσεται [B² καθεσθήσ., A R καθήσ.] ἐν αἵματι [A ἱματίῳ] (4 a)
15. 4. ἐφ' ὃ ἂν καθίσῃ ἐπ' αὐτό (4 a)
— 6. ἐφ' ὃ ἂν καθίσῃ ὁ γονορρυής (4 a)
— 9. A ἐφ' ὃ ἂν καθίσῃ [B ἐπιβῇ] ἐπ' αὐτό (9)
— 22. οὗ ἐὰν καθίσῃ ἐπ' αὐτό (4 a)
— 23. οὗ ἐὰν καθίσῃ [A αὐτὴ κάθηται] ἐπ' αὐτῷ (4 a)
— 26. ἐφ' ὃ ἂν καθίσῃ ἐπ' αὐτό (4 a)
Nu. 11. 4. καὶ καθίσαντες ἔκλαιον †
De. 1. 45. καὶ καθίσαντες ἐκλαίετε †
17. 18. ὅταν καθίσῃ ἐπὶ [A add. τοῦ δίφρου] τῆς ἀρχῆς αὐτοῦ (4 a)
21. 13. A R καθιεῖται [B -ίεται] ἐν τῇ οἰκίᾳ σου (4 a)
25. 2. A R καθιεῖς αὐτὸν ἔναντι τῶν κριτῶν [B om. ἔ. τ. κρ.] (6)
Jo. 5. 2. καὶ καθίσας περίτεμε τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. †
Jd. 5. 16. ἐκάθισαν ἀνὰ μέσον τῆς διγομίας [A al.] (4 a)
— 17. Ἀσὴρ ἐκάθισε παραλίαν θαλασσῶν [A al.] (4 a)
6. 11. ἐκάθισεν ὑπὸ τὴν τερέμινθον [A al.] (4 a)
— 18. R ἐγὼ εἰμι καθίσομαι [A -ήσομαι, B -ίομαι] (4 a)
8. 29. ἐκάθισεν ἐν οἴκῳ αὐτοῦ [A al.] (4 a)
9. 41. A καὶ ἐκάθισεν [B εἰσῆλθεν] Ἀαβ. (4 a)
11. 17. καὶ ἐκάθισεν Ἰσρ. ἐν Κάδης (4 a)
15. 8. καὶ ἐκάθισεν ἐν τρυμαλιᾷ [A al.] (4 a)
19. 4. καὶ ἐκάθισε μετ' αὐτοῦ (4 a)
— 6. A R καὶ ἐκάθισαν [B -εν] (4 a)
— 7. καὶ ἐκάθισε [A al.] †
— 15. καὶ ἐκάθισαν ἐν τῇ πλατείᾳ τῆς πόλεως (4 a)
20. 26. καὶ ἐκάθισαν ἐκεῖ (4 a)
— 47. ἐκάθισαν ἐν πέτρᾳ Ῥ. (4 a)
21. 2. καὶ ἐκάθισαν ἐκεῖ (4 a)
— 23. καὶ ἐκάθισαν [A κατῴκησαν] ἐν αὐταῖς (4 a)
Ru. 2. 14. ἐκάθισε Ῥοὺθ ἐκ πλαγίων τῶν θεριζόντων (4 a)
3. 1 (2. 23). ἐκάθισε μετὰ τῆς πενθερᾶς αὐτῆς (4 a)

Ru. 4. 1. καὶ ἐκάθισεν ἐκεῖ (4 a)
— 1. κάθισον ὧδε κρύφιε [A -φῇ] (4 a)
— 1. καὶ ἐκάθισε (4 a)
— 2. καθίσατε ὧδε (4 a)
— 2. καὶ ἐκάθισαν [A -εν] (4 a)
I Ki. 1. 23. καὶ ἐκάθισεν ἡ γυνή (4 a)
2. 8. καθίσαι [A add. αὐτὸν] μετὰ δυναστῶν λαῶν (4 b)
5. 11. καθισάτω εἰς τὸν τόπον αὐτῆς †
13. 16. B ἐκάθισαν ἐν Γαβαά (4 a)
19. 2. κρύβηθι καὶ κάθισον κρυφῇ (4 a)
— 18. καὶ ἐκάθισαν ἐν N. (4 a)
20. 5. ἐγὼ καθίσας οὐ καθήσομαι (4 a)
— 19. A καθίσεις παρὰ τὸ ἔργον ἐκ. [B al.] (4 a)
— 25. ἐκάθισεν ἐπὶ τὴν καθέδραν αὐτοῦ (4 a)
— 25. καὶ ἐκάθισεν Ἀβ. (4 a)
22. 5. ἐκάθισεν ἐν πόλει (1)
23. 14. ἐκάθισεν ἐν M. ἐν τῇ ἐρήμῳ (4 a)
24. 1. καὶ ἐκάθισεν [A om. κ. ἐκ.] ἐν τοῖς στενοῖς Ἐν. (4 a)
25. 13. ἐκάθισαν μετὰ τῶν σκευῶν (4 a)
26. 3. Δαυὶδ ἐκάθισεν ἐν τῇ ἐρήμῳ (4 a)
27. 3. ἐκάθισε Δ. μετὰ Ἀγχοῦς (4 a)
— 5. A κάθισόν με [B καθήσομαι] ἐκεῖ (4 a)
— 7. ὧν ἐκάθισε Δαυὶδ ἐν ὁδῷ (4 a)
28. 23. καὶ ἐκάθισεν ἐπὶ τὸν δίφρον (4 a)
30. 10. οἵτινες ἐκάθισαν πέραν τοῦ χειμάρρου (7 ?)
— 21. ἐκάθισεν αὐτοὺς ἐν τῷ χειμάρρῳ (4 b)
II Ki. 1. 1. ἐκάθισε Δ. ἐν Σεκ. (4 a)
2. 13. A R ἐκάθισαν οὗτοι ἐπὶ τὴν κρήνην (4 a)
5. 9. ἐκάθισε Δ. ἐν τῇ περιοχῇ (4 a)
6. 11. ἐκάθισεν ἡ κιβωτός [A al.] (4 a)
7. 1. ὅτε ἐκάθισεν ὁ β. ἐν τῷ οἴκῳ (4 a)
— 18. ἐκάθισεν ἐνώπιον κυρίου (4 a)
10. 5. καθίσατε ἐν Ἱερ. (4 a)
11. 1. A ἐκάθισαν [B διεκ.] ἐπὶ Ῥ. (8)
— 1. Δαυὶδ ἐκάθισεν ἐν Ἱερ. (4 a)
— 12. κάθισον ἐνταῦθα καί γε σήμερον (4 a)
— 12. ἐκάθισεν Οὐ. ἐν Ἱερ. (4 a)
13. 20. ἐκάθισε Θ. χηρεύουσα (4 a)
14. 28. ἐκάθισεν Ἀβ. ἐν Ἱερ. (4 a)
15. 25. A καθισάτω εἰς τὸν τόπον αὐτοῦ –
— 29. καὶ ἐκάθισεν ἐκεῖ (4 a)
19. 8 (9). ἐκάθισεν ἐν τῇ πύλῃ (4 a)
— 37 (38). καθισάτω δὴ ὁ δοῦλός σου †
22. 11. A ἐκάθισεν [B ἐπεκ.] ἐπὶ Χερ. (9)
III Ki. 1. 13. καθεῖται [B¹ -θίεται] ἐπὶ τοῦ θρόνου μου (4 a)
— 46. ἐκάθισε Σαλ. ἐπὶ θρόνον βασιλείας (4 a)
2. 12. Σαλ. ἐκάθισεν ἐπὶ θρόνου Δ. (4 a)
— 19. ἐκάθισεν ἐπὶ τοῦ θρόνου (4 a)
— 19. ἐκάθισεν ἐκ δεξιῶν αὐτοῦ (4 a)
3. 1 (2. 38). ἐκάθισε Σεμ. ἐν Ἱερ. (4 a)
8. 20. ἐκάθισα ἐπὶ τοῦ θρόνου Ἰσρ. (4 a)
11. 24. A ἐκάθισαν ἐν αὐτῇ (4 a)
16. 11. ἐν τῷ καθίσαι αὐτὸν ἐπὶ τοῦ θρόνου αὐτοῦ (4 a)
17. 5. ἐκάθισεν ἐν τῷ χειμάρρῳ Χ. (4 a)
19. 4. καὶ ἐκάθισεν ὑποκάτω ῥ. (4 a)
20 (21). 9. καθίσατε τὸν Ναβ. ἐν ἀρχῇ τοῦ λαοῦ (4 b)
— 10. A καθίσατε [B ἐγκαθ.] δύο ἄνδρας (4 b)
— 12. A ἐκάθισαν τὸν Ναβ. ἐν κεφαλῇ [R ἀρχῇ] τοῦ λαοῦ (4 b)
— 13. ἐκάθισαν ἐξ ἐναντίας αὐτοῦ (4 a)
22. 1. καὶ ἐκάθισε τρία ἔτη (4 a)
IV Ki. 7. 4. ἐὰν καθίσωμεν ὧδε (4 a)
11. 19. ἐκάθισαν [A -εν] αὐτὸν ἐπὶ θρόνου τῶν βασ. (4 a)
13. 5. ἐκάθισαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν τοῖς σκηνώμ. (4 a)
— 13. A R Ἱερ. ἐκάθισεν ἐπὶ τοῦ θρόνου [B μετὰ τῶν πατέρων] αὐτοῦ (4 a)
17. 28. καὶ ἐκάθισεν ἐν B. (4 a)
25. 24. καθίσατε ἐν τῇ γῇ (4 a)
I Ch. 11. 7. καὶ ἐκάθισε Δ. ἐν τῇ περιοχῇ (4 a)
13. 14. ἐκάθισεν ἡ κιβωτὸς τοῦ θ. ἐν οἴκῳ Ἀβ. (4 a)
17. 16. ἐκάθισεν ἀπέναντι [S -τίον] κυρίου (4 a)
19. 5. καθίσατε ἐν Ἱερ. (4 a)
20. 1. S R Δ. ἐκάθισεν [A B -θητο] ἐν Ἱερ. (4 a)
28. 5. καθίσαι αὐτὸν ἐπὶ θρόνου βασιλείας κ. (4 a)
29. 23. ἐκάθισε Σαλ. ἐπὶ θρόνου Δ. (4 a)
II Ch. 6. 10. ἐκάθισα ἐπὶ τὸν θρόνον Ἰσρ. (4 a)
23. 20. ἐκάθισαν τὸν βασ. ἐπὶ τὸν θρόνον (4 b)
25. 19. R κάθισον [A B κάθησο] ἐν οἴκῳ σου (4 a)
I Es. 3. 7. δεύτερος καθιεῖται Δαρείου
— 15. καὶ ἐκάθισεν ἐν τῷ χρηματιστηρίῳ
I Es. 8. 71. ἐκάθισα σύννους καὶ περίλυπος
II Es. 2. 70. καὶ ἐκάθισαν οἱ ἱερεῖς (4 a)
8. 32. καὶ ἐκαθίσαμεν ἐκεῖ ἡμέρας τρεῖς (4 a)
10. 2. ἐκαθίσαμεν [S² ἐλάβομεν] γυναῖκας ἀλλοτρίας (4 b)
— 9. ἐκάθισε πᾶς ὁ λαὸς ἐν πλατείᾳ οἴκου (4 a)
— 10. ἐκαθίσατε [S² ἐλάβετε] γυναῖκας ἀλλοτρίας (4 b)
— 14. ὃς ἐκάθισε [S² οἱ λαβόντες] γυναῖκας ἀλλοτρίας (4 b)
— 17. οἱ ἐκάθισαν γυναῖκας ἀλλοτρίας (4 b)
— 18. A B οἱ ἐκάθισαν [S² ἔλαβον] γυναῖκας ἀλλοτρίας (4 b)
Ne. 1. 4. ἐκάθισα καὶ ἔκλαυσα (4 a)
6. 7. ἵνα καθίσῃς ἐν Ἱερ. εἰς βασιλέα †
7. 73. καὶ ἐκάθισαν οἱ ἱερεῖς (4 a)
8. 17. καὶ ἐκάθισαν ἐν σκηναῖς (4 a)
11. 1. καὶ ἐκάθισαν οἱ ἄρχοντες τοῦ λαοῦ (4 a)
— 1. καθίσαι ἐν Ἱερ. πόλει τῇ ἁγίᾳ (4 a)
— 2. τοὺς ἑκουσιαζομένους καθίσαι ἐν Ἱερ. (4 a)
— 3. οἱ ἐκάθισαν ἐν Ἱερ. (4 a)
— 3. A S¹ ἐκάθισαν [B S² -εν] ἀνὴρ ἐν κατασχέσει αὐτοῦ (4 a)
— 4. ἐκάθισαν ἀπὸ υἱῶν Ἰούδα (4 a)
— 25. ἀπὸ υἱῶν Ἰούδα ἐκάθισαν (4 a)
13. 16. καὶ ἐκάθισαν ἐν αὐτῇ (4 a)
— 23. οἱ ἐκάθισαν γυναῖκας Ἀζωτίας (4 b)
— 27. καθίσαι γυναῖκας ἀλλοτρίας (4 b)
To. 2. 10. S ἐκάθισεν τὸ ἀῤῥόδευμα αὐτῶν [A B al.]
Jb. 2. 9. A καθίσαι [B -ησαι, S¹ om.] διανυκτερεύων –
6. 29. καθίσατε δή †
12. 18. A καθίζων [B S -ζάνων] βασιλεῖς ἐπὶ θρόνους [S -ων] †
29. 25. ἐκάθισα ἄρχων (4 a)
36. 7. καθιεῖ αὐτοὺς εἰς [A καὶ εἰς] νῖκος (4 b)
Ps. 1. 1. B S ἐπὶ κάθεδραν [A R -α] λοιμῶν οὐκ ἐκάθισεν (4 a)
9. 4. ἐκάθισας ἐπὶ θρόνου ὁ κρίνων δικαιοσύνην (4 a)
25 (26). 4. οὐκ ἐκάθισα μετὰ συνεδρίου ματαιότητος [A -ας] (4 a)
— 5. μετὰ ἀσεβῶν οὐ μὴ καθίσω (4 a)
28 (29). 10. καθεῖται [B¹ S¹ -ίεται] κύριος βασιλεὺς εἰς τὸν αἰῶνα (4 a)
112 (113). 8. τοῦ καθίσαι αὐτὸν μετὰ ἀρχόντων (4 b)
118 (119). 23. ἐκάθισαν ἄρχοντες (4 a)
121 (122). 5. ἐκεῖ ἐκάθισαν θρόνοι εἰς κρίσιν (4 a)
131 (132). 12. καθιοῦνται ἐπὶ τοῦ θρόνου [A¹ S¹ τὸν θρ.] σου (4 a)
136 (137). 1. ἐπὶ τῶν ποταμῶν Βαβυλῶνος ἐκεῖ ἐκαθίσαμεν (4 a)
142 (143). 3. ἐκάθισέ [S -άν] με ἐν σκοτεινοῖς (4 b)
Pr. 9. 14. ἐκάθισεν ἐπὶ θύραις τοῦ ἑαυτῆς οἴκου (4 a)
20. 8. ὅταν βασιλεὺς δίκαιος καθίσῃ ἐπὶ θρόνου (4 a)
22. 10. ὅταν γὰρ καθίσῃ ἐν συνεδρίῳ †
23. 1. ἐὰν καθίσῃς δειπνεῖν ἐπὶ τραπέζης δυνάστου (4 a)
31. 23. ἡνίκα ἂν καθίσῃ ἐν συνεδρίῳ (4 a)
Ca. 2. 3. ἐν τῇ σκιᾷ αὐτοῦ . . . καὶ ἐκάθισα (4 a)
Si. 10. 14. ἐκάθισε πραεῖς ἀντ' αὐτῶν
11. 1. ἐν μέσῳ μεγιστάνων καθίσει [S¹ -σῃ, A -ήσει] αὐτόν
— 5. πολλοὶ τύραννοι ἐκάθισαν ἐπὶ ἐδάφους
12. 12. μὴ καθίσῃς αὐτὸν ἐκ δεξιῶν σου
34 (31). 12. ἐπὶ τραπέζης μεγάλης ἐκάθισας
— 18. εἰ ἀνὰ μέσον πλειόνων ἐκάθισας
35 (32). 1. φρόντισον αὐτῶν καὶ οὕτω κάθισον
38. 33. ἐπὶ δίφρον δικαστοῦ [A δυνάστου] οὐ καθιοῦνται [A -ίονται]
Ho. 14. 8. καθιοῦνται ὑπὸ τὴν σκέπην αὐ. (4 a)
Mi. 7. 8. ἐὰν καθίσω ἐν τῷ σκότει (4 a)
Jl. 3 (4). 12. καθιῶ τοῦ διακρῖναι πάντα τὰ ἔθνη (4 a)
Jn. 3. 6. καὶ ἐκάθισεν ἐπὶ σποδοῦ (4 a)
4. 5. καὶ ἐκάθισεν ἀπέναντι τῆς πόλεως (4 a)
Za. 6. 13. καὶ καθεῖται [B¹ S¹ -θίεται] (4 a)
Ma. 3. 3. καθεῖται χωνεύων καὶ καθαρίζων (4 a)
Is. 14. 13. καθιῶ ἐν ὄρει ὑψηλῷ (4 a)
16. 5. καθεῖται [B¹ S¹ -θίεται] ἐπ' αὐτοῦ (4 a)
30. 8. καθίσας γράψον ἐπὶ πυξίου ταῦτα (1)
47. 1. κάθισον ἐπὶ τὴν γῆν (4 a)
— 1. κάθισον εἰς τὴν γῆν [A S al.] (4 a)
— 5. κάθισον κατανενυγμένη (4 a)
— 8. οὐ καθιῶ χήρα [A¹ om.] (4 a)
— 14. κάθισαι ἐπ' αὐτούς (4 a)
Is. 52. 2. κάθισον Ἱερουσαλήμ (4 a)
Je. 3. 2. ἐπὶ ταῖς ὁδοῖς [A add. αἷς] ἐκάθισας αὐτοῖς ὡσεὶ κορώνη (4 a)
13. 18. B S καὶ καθίσατε (4 a)
15. 17. οὐκ ἐκάθισα ἐν συνεδρίῳ αὐτῶν παιζόντων (4 a)
16. 8. A οὐκ εἰσελεύσῃ σὺ τοῦ καθίσαι [B S εἰσ. συγκ.] μετ' αὐτῶν (4 a)
29 (49). 18. B οὐ μὴ καθίσει [B S -σῃ, A κατοικήσει] ἐκεῖ ἄνθρωπος καὶ οὐ μὴ κατοικήσει [A καθίσει, B S ἐνοι.] ἐκεῖ υἱὸς ἀνθρώπου (4 a, 2)
30. 11 (49. 33). οὐ μὴ καθίσῃ ἐκεῖ ἄνθρωπος (4 a)
31 (48). 18. κάθισον ἐν ὑγρασίᾳ καθημένη (4 a)
33 (26). 10. ἐκάθισαν ἐν προθύροις πύλης (4 a)
39 (32). 5. ἐκεῖ καθίεται [S -ιεῖται, A ἀποθανεῖται] (3)
— 37. καθιῶ [A κατοικιῶ] αὐτοὺς πεποιθότας (4 b)
44 (37). 16. ἐκάθισεν ἐκεῖ ἡμέρας πολλάς (4 a)
— 21. ἐκάθισεν Ἰ. ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φυλακῆς (4 a)
45 (38). 13, 28. ἐκάθισεν Ἱερ. ἐν τῇ αὐλῇ (4 a)
46 (39). 3. ἐκάθισαν ἐν πύλῃ τῇ μέσῃ (4 a)
— 14. ἐκάθισεν [A -αν] ἐν μέσῳ τοῦ λαοῦ (4 a)
47 (40). 6. ἐκάθισεν ἐν μέσῳ τοῦ λαοῦ (4 a)
48 (41). 17. ἐκάθισαν [S -εν] ἐν Γ. τὴν πρὸς B. (4 a)
49 (42). 10. ἐὰν καθίσαντες καθίσητε ἐν τῇ γῇ ταύτῃ (4 a, 4 a)
— 13. οὐ μὴ καθίσωμεν ἐν τῇ γῇ ταύτῃ (4 a)
Ba. 2. 21. καθίσατε ἐπὶ τὴν γῆν [A τῆς γῆς]
La. 1. 1. ἐκάθισεν Ἱερεμίας κλαίων –
— 1. πῶς ἐκάθισε μόνη ἡ πόλις (4 a)
— 3. ἐκάθισεν ἐν ἔθνεσιν (4 a)
2. 10. ἐκάθισαν εἰς τὴν γῆν (4 a)
3. 6. ἐν σκοτεινοῖς ἐκάθισέ με (4 b)
Ez. 3. 15. ἐκάθισα ἐκεῖ ἑπτὰ ἡμέρας (4 a)
14. 1 : 20. 1. ἐκάθισαν πρὸ προσώπου μου (4 a)
36. 35. αἱ πόλεις . . . κατεσκαμμέναι ὀχυραὶ ἐκάθισαν (4 a)
Da. LXX. 4. 34. ἐκάθισέ με ἐπὶ τοῦ θρόνου μου
7. 10. καὶ κριτήριον ἐκάθισε (4 c)
— 26. ἡ κρίσις καθίσεται (4 c)
Da. TH. Su. 50. κάθισον ἐν μέσῳ ἡμῶν
7. 10. κριτήριον ἐκάθισε (4 c)
— 26. καὶ τὸ κριτήριον ἐκάθισε [A καθίσει] (4 c)
11. 10. παρελεύσεται καὶ καθίεται [A -ιεῖται] †
I Ma. 2. 1. καὶ ἐκάθισεν ἐν M.
— 7. A R καὶ καθίσαι [S ἐκάθισαν] ἐκεῖ
— 29. κατέβησαν πολλοὶ . . . καθίσαι ἐκεῖ
7. 4. ἐκάθισε Δ. ἐπὶ θρόνου βασιλείας αὐτοῦ
10. 52. ἐκάθισα [S ἐνεκαθ.] ἐπὶ θρόνου πατέρων μου
— 53. ἐκαθίσαμεν [S² -σα] ἐπὶ θρόνου βασιλείας αὐτοῦ
— 55. ἐκάθισας ἐπὶ θρόνου βασιλείας αὐ.
— 63. A R ἐκάθισεν αὐτὸν ὁ βασ. [S -σαν αὐ. οἱ βασ.] μετ' αὐτοῦ
11. 52. ἐκάθισε Δ. ὁ βασ. ἐπὶ θρόνου
14. 12. ἐκάθισεν ἕκαστος ὑπὸ τὴν ἄμπελον αὐτοῦ
[Aq. GE. 13. 12 : 47. 6 : EX. 24. 14 : PS. 4. 9 : 28 (29). 10 : 67 (68). 7, 17 : PR. 20. 3 : IS. 37. 37 : 47. 1 : JE. 35 (42). 11.]
[Sm. GE. 47. 6 : PS. 28 (29). 10 *bis* : IS. 66. 9 : JE. 35 (42). 11 : 49. 30 (30. 8).]
[Th. GE. 47. 6 : PS. 28 (29). 10 : IS. 47. 1 : JE. 35 (42). 11.]
[Heb. GE. 47. 6 : JB. 2. 13.]
[Quint. PS. 28 (29). 10.]

καθικνεῖσθαι.
[Sm. PS. 37 (38). 3.]

καθίπτασθαι.
Si. 43. 17. ὡς πετεινὰ καθιπτάμενα πάσσει χιόνα

κάθισις, *vid.* κάθησις.

κάθισμα.
[Al. LE. 15. 9.]

καθιστάναι. (1) אָסַף (2) בּוֹא *a.* qal. *b.* hi.
(3) חָזַק (4) יָצַב hithp. (5) כּוּן ni.
(6) מָנָה *a.* pi. *b.* pu. *c.* מָנָה pa.
(7) מָשַׁח (8) מָשַׁל hi. (9) מִשְׁקָע
(10) נוּחַ hi. (11) נָסַךְ (12) נָצַב ni.
(13) נָתַן (14) עָמַד *a.* qal. *b.* hi.
(15) פָּקַד *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. *d.* ho.

e. פִּקֻּדָה *f.* פָּקִיד •(16) צִוָּה pi. (17) צָלַל
(18) קוּם *a.* qal. *b.* hi. *c.* aph. (19) שׂוּם,
שִׂים (20) שׁוּב *a.* qal. *b.* hi. (21) שִׁית
(22) שְׁלַט aph. (23) κ. εἰς βασιλέα
מָלַךְ hi. (24) κ. βασιλέα מָלַךְ hi.

Ge. 39. 4. *κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ τοῦ οἴκου αὐτοῦ* (15 *c*)
— 5. R *μετὰ τὸ καταστῆναι* [A *-σταθῆναι*] *αὐτὸν ἐπὶ τοῦ οἴκου αὐτοῦ* (15 *c*)
41. 33. *κατάστησον αὐτὸν ἐπὶ γῆς Αἰγ.* (21)
— 34. *καταστησάτω τοπάρχας ἐπὶ τῆς γῆς* (15 *c*)
— 41. R *καθίστημί σε . . . ἐπὶ πάσῃ γῇ* [A *-σης γῆς*] *Αἰγ.* (13)
— 43. *κατέστησεν αὐτὸν ἐφ' ὅλης γῆς Αἰγ.* (13)
47. 4 (6). *κατάστησον αὐτοὺς ἄρχοντας* (19)
Ex. 2. 14. *τίς σε κατέστησεν ἄρχοντα* (19)
5. 14. *οἱ κατασταθέντες ἐπ' αὐτούς* (19)
18. 21. *καταστήσεις* [A *κ. αὐτοὺς*] *ἐπ' αὐτῶν χιλιάρχους* (19)
Nu. 3. 10. *τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ καταστήσεις ἐπὶ τῆς σκηνῆς* (15 *a*)
— 32. *καθεσταμένος φυλάσσειν τὰς φυλακάς* (15 *e*)
4. 19. *καὶ καταστήσουσιν αὐτούς* (19)
21. 15. *τοὺς χειμάρρους κατέστησε κατοικίσαι* Ἤρ †
31. 48. *πάντες οἱ καθεσταμένοι εἰς τὰς χιλιαρχίας* (15 *a*)
De. 1. 13. *καταστήσω . . . ἡγουμένους ὑμῶν* (19)
— 15. *κατέστησα αὐτοὺς ἡγεῖσθαι* (13)
16. 18. A *κριτὰς . . . καταστήσεις* [B *ποιήσ.*] *σεαυτῷ* (13)
17. 14. *καταστήσω ἐπ' ἐμαυτὸν ἄρχοντα* [A *-ας*] (19)
— 15. *καθιστῶν καταστήσεις* [A *καθιστ.*] *ἐπὶ σεαυτὸν ἄρχοντα* (19, 19)
— 15. *καταστήσεις ἐπὶ σεαυτὸν ἄρχοντα* (19)
— 15. *οὐ δυνήσῃ καταστῆσαι ἐπὶ σεαυτὸν ἄνθρωπον ἀλλότριον* (13)
19. 16. *ἐὰν δὲ καταστῇ μάρτυς ἄδικος* (18 *a*)
20. 9. *καταστήσουσιν ἄρχοντας τῆς στρατιᾶς* (15 *a*)
25. 6. *κατασταθήσεται ἐκ τοῦ ὀνόματος τοῦ τετελευτηκότος* (18 *a*)
28. 13. *καταστήσαι σε κύριος . . . εἰς κεφαλήν* (13)
— 36. *οὓς ἂν καταστήσῃς* [B[1] *-σει*, A[2] *-σεις*] *ἐπὶ σεαυτόν* (18 *b*)
32. 25. *θηλάζων μετὰ καθεστηκότος πρεσβύτου* [A *-τέρου*] †
Jo. 6. 22 (23). *κατέστησαν αὐτὴν ἔξω τῆς παρεμβολῆς Ἰσρ.* (10)
8. 2. *κατάστησον δὲ σεαυτῷ ἔνεδρα τῇ πόλει* (19)
9. 27. *κατέστησεν αὐτοὺς Ἰ. . . . ξυλοκόπους* (13)
10. 18. *καταστήσατε* [A *-σετε ἐπ' αὐτοῦ*] *ἄνδρας* (15 *c*)
20. 3. *ἕως ἂν καταστῇ . . . εἰς κρίσιν* –
— 9. *ἕως ἂν καταστῇ . . . εἰς κρίσιν* (14 *a*)
Jd. 11. 11. A *κατέστησαν ὁ λαὸς αὐτόν* [B *ἔθηκαν αὐ. ὁ λ.*] (19)
I Ki. 1. 9. *κατέστη ἐνώπιον κυρίου* –
— 26. *ἡ γυνὴ ἡ καταστᾶσα ἐνώπιόν σου* (12)
3. 10. *καὶ κατέστη* (4)
5. 3. *κατέστησαν* [A *add.* *αὐτὸν*] *εἰς τὸν τόπον αὐτοῦ* (20 *b*)
8. 1. *κατέστησε τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ δικαστάς* (19)
— 5. *κατάστησον ἐφ' ἡμᾶς βασιλέα* (19)
10. 19. B[2] R *βασιλέα καταστήσεις* [A B[1] *στ.*] *ἐφ' ἡμῶν* (19)
— 19. *κατάστητε ἐνώπιον κυρίου* (4)
— 23. *καὶ κατέστησεν ἐν μέσῳ τοῦ λαοῦ* (4)
12. 7, 16. *καὶ νῦν κατάστητε* (4)
18. 5. A *κατέστησεν αὐτὸν Σαοὺλ ἐπὶ τοὺς ἄνδρας* (19)
— 13. *κατέστησεν αὐτὸν ἑαυτῷ χιλίαρχον* (19)
19. 20. *καὶ Σαμ. εἱστήκει καθεστηκὼς ἐπ' αὐτῶν* (12)
22. 9. *ὁ καθεστηκὼς ἐπὶ τὰς ἡμιόνους Σ.* (12)
29. 4. *οὗ κατέστησας αὐτὸν ἐκεῖ* (15 *c*)
— 10. *οὗ κατέστησα ὑμᾶς ἐκεῖ* [A *om.*] –
30. 12. *κατέστη τὸ πνεῦμα αὐτοῦ* (20 *a*)
II Ki. 3. 39. *καὶ καθεσταμένος ὑπὸ βασιλέως* (7)
6. 21. A R *τοῦ* [B *om.*] *καταστῆσαί με εἰς ἡγούμενον* (16)
15. 4. *τίς με καταστήσει κριτήν* (19)
17. 25. *τὸν Ἀμ. κατέστησεν Ἀβ.* (19)
18. 1. *κατέστησεν ἐπ' αὐτῶν χιλιάρχους* (19)
III Ki. 3. 1 (5. 16 [30]). *οἱ καθεσταμένοι ἐπὶ τὰ ἔργα τοῦ Σαλ.* (12)
4. 5. *Ὀρνία υἱὸς Νάθαν ἐπὶ τῶν καθεσταμένων* (12)
III Ki. 4. 7. *τῷ Σαλ. δώδεκα καθεσταμένοι ἐπὶ πάντα Ἰσρ.* (12)
— 27 (5. 7). *ἐχορήγουν οἱ καθεσταμένοι οὕτως τῷ βασ.* (12)
5. 16 (30). *χωρὶς ἀρχόντων τῶν* [A *om.*] *καθεσταμένων ἐπὶ τῶν ἔργων τῷ Σαλ.* (12)
11. 28. *κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ τὰς ἄρσεις* (15 *c*)
IV Ki. 7. 17. *ὁ βασ. κατέστησε τὸν τριστάτην* (15 *c*)
10. 3. *καταστήσετε* [A *-σατε*] *αὐτὸν ἐπὶ τὸν θρόνον τοῦ πατρός* (19)
22. 5. *τῶν καθεσταμένων ἐν οἴκῳ κυρίου* (15 *d*)
— 9. *τὰ ἔργα* [A *add.* *τῶν*] *καθεσταμένων ἐν οἴκῳ κυρίου* (15 *d*)
25. 22. *κατέστησεν ἐπ' αὐτῶν τὸν Γοδ.* (15 *c*)
— 23. *κατέστησε βασ. Βαβ. τὸν Γοδ.* (15 *c*)
I Ch. 6. 31 (16). *οὓς κατέστησε Δ. ἐπὶ χεῖρας ἀδόντων* (14 *b*)
9. 29. *ἐξ αὐτῶν καθεσταμένοι ἐπὶ τὰ σκεύη* (6 *b*)
11. 25. *κατέστησεν αὐτὸν Δ. ἐπὶ τὴν πατριὰν αὐτοῦ* (19)
12. 18. *κατέστησεν αὐτοὺς ἄρχοντας τῶν δυνάμεων* (13)
22. 2. *καὶ κατέστησε λατόμους* (14 *b*)
26. 32. *κατέστησεν αὐτοὺς Δ. . . . ἐπὶ τοῦ Ῥ.* (15 *c*)
II Ch. 11. 15. *κατέστησεν αὐτῷ ἱερεῖς* (15 *c*)
— 22. *κατέστησεν εἰς ἄρχοντα Ἀβ.* (15 *c*)
12. 10. *κατέστησεν ἐπ' αὐτὸν Σ. ἄρχοντας* (15 *c*)
17. 2. *καὶ κατέστησεν ἡγουμένους* (13)
19. 5. *καὶ κατέστησε κριτάς* (14 *b*)
— 8. *κατέστησεν Ἰωσ. τῶν ἱερέων* (14 *b*)
21. 5. *κατέστη Ἰ. ἐπὶ τὴν βασιλείαν αὐτοῦ* –
24. 11. *καὶ κατέστησαν εἰς τὸν τόπον αὐτοῦ* (20 *b*)
25. 3. *ὡς κατέστη ἡ βασιλεία ἐν χειρὶ αὐτοῦ* (3)
— 23. A *καὶ κατέστησεν* [B *-έσπασεν*] *ἀπὸ τοῦ τείχους Ἱερ.* †
28. 15. *κατέστησαν αὐτοὺς εἰς Ἱερ.* (2 *b*)
29. 4. *κατέστησεν αὐτοὺς εἰς τὸ κλίτος* (1)
31. 13. *καὶ οἱ υἱοὶ αὐτοῦ καθεσταμένοι* (15 *f*)
33. 14. *κατέστησεν ἄρχοντας τῆς δυνάμεως* (19)
34. 10. *οἱ καθεσταμένοι* [A *καθιστ.*] *ἐν οἴκῳ κυρίου* (15 *d*)
36. 1. R *καὶ κατέστησαν αὐτόν* [A B *al.*] (23)
— 4. A R *κατέστησε Φαρ. Νεχ. τὸν Ἐλιακὶμ . . . βασιλέα* [B *al.*] (24)
I Es. 2. 8. *καταστήσαντες* [A *-στάντες*] *οἱ ἀρχίφυλοι*
5. 48. *καὶ καταστὰς Ἰησοῦς*
II Es. 7. 25. *κατάστησον γραμματεῖς* (6 *c*)
Ne. 12. 44. *κατέστησαν* [S[1] *-εν*] . . . *ἄνδρας ἐπὶ τῶν γαζοφυλακίων* (15 *b*)
13. 19. *ἡνίκα κατέστησαν πύλαι* (17 ?)
To. 1. 15. A *αἱ ὁδοὶ αὐ. κατέστησαν* [B S *al.*]
— 22. *κατέστησεν αὐτὸν ὁ Σ.*
Ju. 1. 3. S *τοὺς πύργους αὐτῆς κατέστησεν* [A B *-οῦ ἔστ.*]
5. 3. S *τίς καθέστηκεν* [A B *ἀνέστ.*] *ἐπ' αὐτῶν βασ.*
6. 14. *κατέστησαν αὐτὸν ἐπὶ* [A *εἰς*] *τοὺς ἄρχοντας*
Es. 2. 3. *καταστήσει ὁ βασ. κωμάρχας* (15 *c*)
3. 13. A B[1] S *τοὺς τῶν ὑποτεταγμένων ἀκυμάτους* [B[2] R *-άντους*] . . . *καταστῆσαι βίους*
5. 1. *κατέστη* [A S[2] *ἔστη*] *ἐνώπιον* [S[2] *κατεν.*] *τοῦ βασ.* (14 *a* ?)
— 1. *μέχρις οὗ κατέστη*
8. 2. *κατέστησεν Ἐσθὴρ Μαρδοχαῖον* (19)
— 13. *πολλάκις δὲ καὶ πολλοὺς . . . καταστήσασα* [A *-ήσας*]
— 13. *ἔχθιστος* [A S[1] *αἴσχιστος*] *κατασταθήσεται* [S[1] *αὐτὰ σταθ.*]
Jb. 16. 13 (12). *κατέστησέ με ὥσπερ σκοπόν* (18 *b*)
Ps. 2. 6. A R *ἐγὼ δὲ κατεστάθην βασιλεὺς* [B S *om.*] *ὑπ' αὐτοῦ* (11)
8. 6. *κατέστησας αὐτὸν ἐπὶ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν σου* (8)
9. 20. *κατάστησον, κύριε, νομοθέτην ἐπ' αὐτούς* (21)
17 (18). 43. *καταστήσεις με εἰς κεφαλὴν ἐθνῶν* (19)
44 (45). 16. *καταστήσεις αὐτοὺς ἄρχοντας* (21)
96 (97). *tit.* *τῷ Δαυὶδ ὅτε ἡ γῆ αὐ. καθίσταται* –
104 (105). 21. *κατέστησεν αὐτὸν κύριον τοῦ οἴκου αὐτοῦ* (19)
108 (109). 6. *κατάστησον ἐπ' αὐτὸν ἁμαρτωλόν* (15 *c*)
Pr. 29. 14. *ὁ θρόνος αὐτοῦ εἰς μαρτύριον καταστασθήσεται* (5)
Wi. 10. 7. *ἧς ἔτι μαρτύριον τῆς πονηρίας καπνιζομένη καθέστηκε χέρσος*
Si. 17. 17. *ἑκάστῳ ἔθνει κατέστησεν ἡγούμενον*
30. 38 (33. 28). *εἰς ἔργα κατάστησον καθὼς πρέπει αὐτῷ*
Si. 35 (32). 1. *ἡγούμενόν σε κατέστησαν*
46. 13. A S R *Σαμουὴλ* [B *om.*] *προφήτης κυρίου κατέστησε βασιλείαν* [B *-λέα*]
48. 10. *καταστῆσαι φυλὰς Ἰακώβ*
Is. 3. 13. *καταστήσεται εἰς κρίσιν κύριος* (12)
49. 8. *τοῦ καταστῆσαι τὴν γῆν* (18 *b*)
62. 6. *κατέστησα φύλακας ὅλην τὴν ἡμέραν* (15 *c*)
Je. 1. 10. *καθέστακά σε σήμερον ἐπὶ ἔθνη* (15 *c*)
6. 17. *καθέστακα ἐφ' ὑμᾶς σκοπούς* (18 *b*)
20. 1. *οὗτος ἦν καθεσταμένος ἡγούμενος οἴκου κυρίου* (15 *f*)
23. 3. *καταστήσω αὐτοὺς εἰς τὴν νομὴν αὐτῶν* (20 *b*)
26 (46). 4. *κατάστητε ἐν ταῖς περικεφαλαίαις ὑμῶν* (4)
36 (29). 15. *κατέστησεν ἡμῖν κ. προφήτας* [A *-ην*] (18 *b*)
37 (30). 24. *ἕως καταστήσῃ* [S[1] *om.* *ἕ. κ.*] *ἐγχείρημα καρδίας αὐτοῦ* (18 *b*)
47 (40). 5. *ὃν κατέστησε βασιλεὺς Βαβ. ἐν γῇ Ἰ.* (15 *c*)
— 7. *κατέστησε βασιλεὺς Βαβυλῶνος τὸν Γοδ.* (15 *c*)
— 11. *κατέστησεν ἐπ' αὐτοὺς τὸν Γοδολίαν* (15 *c*)
48 (41). 2. *ὃν κατέστησε βασιλεὺς Βαβυλῶνος ἐπὶ τῆς γῆς* (15 *c*)
— 18. *ὃν κατέστησε βασιλεὺς Βαβ. ἐν τῇ γῇ* (15 *c*)
51 (44). 28. *οἱ καταστάντες* [A *-βαίνοντες*, S *παροικοῦντες*] *ἐν γῇ Αἰγ.* (2 *a*)
Ep. Je. 34. *οὔτε καταστῆσαι βασιλέα δύνανται*
Ez. 34. 18. *τὸ καθεστηκὸς ὕδωρ ἐπίνετε* (9)
Da. LXX. Su. 60. *κατέστησεν ἀμφοτέρους ψευδομάρτυρας*
1. 20. *κατέστησεν αὐτοὺς ἄρχοντας* –
2. 21. *μεθιστῶν βασιλεῖς καὶ καθιστῶν* (18 *c*)
— 24. *τὸν Ἀ. τὸν κατασταθέντα ὑπὸ τοῦ βασ.* (6 *c*)
— 48. *κατέστησεν ἐπὶ τῶν πραγμάτων τῆς Βαβυλωνίας* (22)
— 49. *ἵνα κατασταθῶσιν ἐπὶ τῶν πραγμάτων τῆς Βαβ.* (6 *c*)
3. 12. *οὓς κατέστησας ἐπὶ τῆς χώρας τῆς Βαβ.* (6 *c*)
— 30 (97). *κατέστησεν αὐτοὺς ἄρχοντας* †
4. 28. *καθίστημι αὐτὸν ἐπὶ τῆς βασιλείας σου* –
— 34. *καθιστῶν ἑτέρους ἀντ' αὐτῶν* –
6. 1 (2). *κατέστησε σατράπας ἑκατὸν εἴκοσι ἑπτά* (18 *c*)
— 3 (4). *καταστῆσαι τὸν Δ. ἐπὶ πάσης τῆς βασιλείας αὐτοῦ* (18 *c*)
— 3 (4). *οὓς κατέστησε μετ' αὐτοῦ* –
— 3 (4). *καταστῆσαι τὸν Δ. ἐπὶ πάσης τῆς βασιλείας αὐτοῦ* (18 *c*)
— 28 (29). *Δαν. κατεστάθη ἐπὶ τῆς βασ. Δ.* †
Bel 13. *καταστῆσαι ὅλον τὸν ναὸν σποδῷ*
— 38. *ὁ δὲ ἄγγελος κυρίου κατέστησε τὸν Ἀμβ.*
Da. TH. 1. 11. *ὃν κατέστησεν ὁ ἀρχιευνοῦχος ἐπὶ Δαν.* (6 *a*)
2. 21. *καθιστᾷ βασιλεῖς καὶ μεθιστᾷ* (18 *c*)
— 24. *ὃν κατέστησεν ὁ βασ.* (6 *c*)
— 38. A R *κατέστησέ σε* [B *om.*] *κύριον πάντων* (22)
— 48. *κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ πάσης χώρας* (22)
— 49. *κατέστησεν ἐπὶ τὰ ἔργα τῆς χώρας* (6 *c*)
3. 12. *οὓς κατέστησας ἐπὶ τὰ ἔργα τῆς χώρας* (6 *c*)
5. 11. *ὁ βασ. Ναβ. . . . κατέστησεν αὐτόν* (18 *c*)
6. 1 (2). *κατέστησεν ἐπὶ τῆς βασιλείας σατράπας* (18 *c*)
— 3 (4). *ὁ βασ. κατέστησεν αὐτόν* (18 *c*)
I Ma. 3. 55. *κατέστησεν Ἰούδας ἡγουμένους*
6. 14. *κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ πάσης τῆς βασ. αὐ.*
— 17. *κατέστησε βασιλεύειν Ἀντίοχον*
— 55. *ὃν κατέστησεν ὁ βασ.*
7. 20. *κατέστησε τὴν χώραν τῷ Ἀλκίμῳ* [S[1] *τὸν Ἀ.*]
9. 25. *κατέστησεν αὐτοὺς κυρίους τῆς χώρας*
10. 20. *καθεστάκαμέν σε σήμερον ἀρχιερέα*
— 32. S R *ὅπως ἂν καταστήσῃ* [A *-στῇ*] *ἐν αὐτῇ ἄνδρας*
— 37. A R *κατασταθήσεται ἐξ αὐτῶν ἐν τοῖς ὀχυρώμασι*
— 37. A R *ἐκ τούτων κατασταθήσεται* [S *al.*]
— 69. *κατέστησε Δημ. Ἀπολλώνιον*
11. 57. *καθίστημί σε ἐπὶ τῶν τεσσάρων νομῶν*
— 59. *Σίμωνα . . . κατέστησε στρατηγόν*
14. 42. S R *καθιστάναι αὐτοὺς* [A *δι' αὐτοῦ*] *ἐπὶ τῶν ἔργων αὐτῶν*
15. 9. A *ὡς δ' ἂν καταστήσωμεν τὴν βασ.* [S R *al.*]
— 38. *κατέστησεν ὁ βασ. τὸν Κενδ. ἐπιστράτηγον*
16. 11. *Πτολ. . . . ἦν καθεσταμένος στρατηγός*
II Ma. 3. 4. *προστάτης τοῦ ἱεροῦ καθεσταμένος*
— 28. R *ἔφερον ἀβοήθητον ἑαυτῷ* [A *αὐτὸν τοῖς ὅπλοις*] *καθεστῶτα*

II Ma. 4. 1. τῶν κακῶν δημιουργὸς καθεστηκώς
— 50. μέγας τῶν πολιτῶν ἐπίβουλος καθεστώς
5. 22. τὸν δὲ τρόπον βαρβαρώτερον ἔχοντα τοῦ καταστήσαντος
— 26. A ἱκανὰ κατέστησεν [R -έστρωσε] πλήθη
12. 20. κατέστησεν αὐτοὺς ἐπὶ τῶν σπειρῶν
— 27. νεανίαι δὲ πρὸ τῶν τειχῶν καθεστῶτες
— 30. A τῶν ἐκεῖ καθεστώτων [R κατοικούντων] Ἰουδαίων
13. 3. ὀλόμενος δὲ ἐπὶ τῆς ἀρχῆς κατασταθήσεσθαι
14. 5. R ἐν τίνι διαθέσει . . . καθεστήκασιν [A -κεν] οἱ Ἰ.
— 13. καταστῆσαι δὲ Ἄλκ. ἀρχιερέα
15. 9. προθυμοτέρους αὐτοὺς κατέστησε
III Ma. 1. 7. εὐθαρσεῖς τοὺς ὑποτεταγμένους κατέστησε
2. 5. παράδειγμα τοῖς ἐπιγινομένοις καταστήσας
— 33. εὐέλπιδές τε καθειστήκεισαν
3. 5. ἅπασιν ἀνθρώποις εὐδόκιμοι καθειστήκεισαν
— 19. τὴν δὲ αὐτῶν εἰς ἡμᾶς δυσμένειαν ἔκδηλον καθιστάντες
— 21. μετόχους τῶν ἀεὶ ἱερέων καταστῆσαι
— 26. τὰ πράγματα ἐν εὐσταθείᾳ . . . κατασταθήσεσθαι
4. 11. R ἀπλέτῳ [A ἁπλάτῳ] καθεστῶτι περιμέτρῳ καὶ . . . ἄγαν εὐκαιροτάτῳ καθεστῶτι
— 18. R ὡς ἀδυνάτου [A δυν.] καθεστῶτος πᾶσι τοῖς . . . στρατηγοῖς
5. 43. R ἔρημον τὸν ἅπαντα χρόνον καταστήσειν [A al.]
— 51. αὐτοὺς ἤδη πρὸς πύλαις ᾅδου καθεστῶτας
IV Ma. 1. 11. αἴτιοι κατέστησαν τοῦ καταλυθῆναι τὴν . . . τυραννίδα
— 18. A R τῆς δὲ σοφίας ἰδέαι καθεστᾶσι [S -ήκασι]
4. 16. Ἰάσ. τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ κατέστησεν ἀρχιερέα
5. 25. S R θεοῦ καθεστάναι [A -ιστ.] τὸν νόμον
13. 23. καθεστηκυίας τῆς φιλαδελφίας συμπαθοῦς [A -θούσης]
15. 4. R τὰς μητέρας τῶν πατέρων [A om. τ. π., S παθῶν] καθεστάναι συμπαθεστέρας
17. 5. οὐχ οὕτω σελήνη . . . σεμνὴ καθέστηκεν
— 5. ἔντιμος καθέστηκας θεῷ
[Aq. Je. 52. 25: Ez. 7. 12: 32. 30: Mi. 5. 5 (4).]
[Sm. Ex. 7. 1: 18. 25: IV Ki. 23. 5: Ps. 81 (82). 1: Ca. 1. 6: Je. 37 (44). 1: 52. 25.]
[Th. Ps. 9. 21: Da. 2. 38: 6. 3.]
[Al. Hb. 3. 19.]
[Quint. IV Ki. 23. 5.]

καθό.
Le. 9. 5†, 15†.
I Es. 1. 50†.
Si. 16. 20†.
Ba. 1. 6†.
II Ma. 4. 16†.

καθοδηγεῖν. (1) הָלַךְ hi. (2) נָחָה hi. (3) שִׁשָּׁא pi.
Jb. 12. 23. καὶ καθοδηγῶν αὐτά (2)
Je. 2. 6. ὁ καθοδηγήσας ἡμᾶς ἐν τῇ ἐρήμῳ (1)
Ez. 39. 2. καθοδηγήσω σε (3)
[Aq. Jb. 12. 23: 38. 32: Ps. 30 (31). 4: 60 (61). 3: 77 (78). 53, 72: Is. 57. 18.]
[Th. Jb. 12. 23: Ps. 79 (80). 2.]

καθοδήγησις.
[Th. Is. 38. 15.]

κάθοδος. (1) פַּעַם
III Ki. 9. 25. A ἀνεβίβασεν Σαλ. τρεῖς κ. (1)
I Es. 2. 24. A R κάθοδος [B ἔξοδος] οὐκέτι σοι ἔσται
Ec. 6. 6. ἔζησε χιλίων ἐτῶν καθόδους (1)
7. 23 (22). A S R καθόδους πολλὰς [S¹ -ὰ] κακώσει καρδίαν [B -ία] σου (1)
[Aq. Ex. 34. 24: Dt. 9. 19: 16. 16: I Ki. 3. 10 bis: III Ki. 9. 25: 22. 16: Is. 41. 7.]

καθόλου. (1) τὸ κ. μή לְבִלְתִּי
Ex. 22. 11 (10). μὴ αὐτὸν πεπονηρεῦσθαι καθόλου [A ἐφ' ὅλης] τῆς παρακαταθήκης –
Am. 3. 3. εἰ πορεύσονται δύο ἐπὶ τὸ αὐτὸ καθόλου –
— 4. εἰ δώσει σκύμνος φωνὴν αὐτοῦ . . . καθόλου –
Ez. 13. 3. καὶ τὸ κ. μὴ βλέπουσιν (1)
— 22. τὸ κ. μὴ ἀποστρέψαι [A add. τὸν] ἀπὸ τῆς ὁδοῦ αὐτοῦ τῆς πονηρᾶς (1)
Ez. 17. 14. τὸ κ. μὴ ἐπαίρεσθαι (1)
Da. LXX. 3. (50). οὐχ ἥψατο αὐτῶν κ. τὸ πῦρ
Da. TH. 3. (50). οὐχ ἥψατο αὐτῶν τὸ κ. τὸ πῦρ
[Aq., Sm. Ez. 13. 22.]

καθομολογεῖν. (1) יָעַד
Ex. 21. 8. ἢ αὐτῷ καθωμολογήσατο [A ἣν οὐ κ. αὐ.] (1)
— 9. ἐὰν δὲ τῷ υἱῷ καθομολογήσηται [A -σεται] αὐτήν (1)
[Aq., Sm., Th. Ex. 21. 8.]

καθοπλίζειν. (1) חָפַשׂ
Je. 26 (46). 9. Λίβυες καθωπλισμένοι ὅπλοις (1)
II Ma. 4. 40. καθοπλίσας ὁ Λυσ. πρὸς τρισχιλίους
15. 11. R ἕκαστον [A -ος] δὲ αὐτῶν καθοπλίσας
III Ma. 5. 23. τὰ θηρία καθωπλικὼς ὁ Ἕρμων
— 38. τοὺς ἐλέφαντας ἔτι καὶ νῦν καθόπλισον
IV Ma. 3. 12. A R τὰς πανοπλίας [S παντευχίας] καθωπλίσαντο
4. 10. μετὰ καθωπλισμένης τῆς στρατιᾶς
7. 11. τῷ θυμωτηρίῳ καθωπλισμένος
11. 22. καλοκἀγαθίᾳ καθωπλισμένος τεθνήξομαι
13. 16. A R καθοπλισώμεθα . . . τῇ . . . παθοκρατείᾳ [S τὴν . . . π.]

καθορᾶν. (1) רָאָה
Nu. 24. 2. καθορᾷ τὸν Ἰσραὴλ ἐστρατοπεδευκότα (1)
Jb. 10. 4. ἢ ὥσπερ βροτὸς ὁρᾷ καθορᾷς †
39. 26. ἱέραξ . . . καθορῶν τὰ πρὸς νότον –
III Ma. 3. 11. οὐ καθορῶν τὸ τοῦ μεγίστου θεοῦ κράτος

καθόρμιον. (1) חֲלִיָּה
Ho. 2. 13 (15). καὶ περιετίθετο τὰ ἐνώτια αὐτῆς καὶ τὰ κ. αὐτῆς (1)

καθόσον, *vid. sub* κατά *et* ὅσος.

καθότι. * καθότι ἄν, καθότι ἐάν.
Ge. 26. 29: 34. 12*.
Ex. 1. 12, 17: 10. 10: 12. 25: 21. 22*: 34. 4†.
Le. 14. 30: 24. 20*: 25. 16* bis: 27. 12 (ind.)*.
Nu. 12. 11: 33. 56.
De. 1. 11, 19: 2. 14, 37: 6. 25†: 10. 9†: 12. 7: 15. 8†, 10†: 16. 10† bis: 18. 2, 6, 18*: 19. 21*†: 26. 14†: 30. 9: 31. 4, 5†: 34. 9.
Jo. 1. 7, 18*: 3. 7: 4. 8: 9. 2 (8. 31), 2 (8. 33)†: 11. 9†, 23: 21. 42.
Jd. 9. 28†.
I Ki. 15. 33.
II Ki. 20. 12.
III Ki. 12. 12.
IV Ki. 17. 26.
I Ch. 10. 14†.
I Es. 1. 50†.
To. 1. 12†: 13. 4.
Ju. 2. 13, 15: 8. 29: 10. 9.
Ec. 2. 16: 7. 3 (2).
Mi. 7. 20.
Jl. 2. 32 (3. 5).
Hg. 1. 12.
Za. 7. 3: 10. 8.
Ma. 4. 4 (3. 22).
Is. 54. 9.
Je. 42 (35). 18†: 49 (42). 2†.
Ep. Je. 1.
Ez. 37. 10†: 43. 22†.
Da. LXX. 4. 19: 6. 3 (4), 22 (23): 9. 12.
Da. TH. 2. 8, 10: 3. 29 (96).
[Th. Je. 39 (46). 12*: Da. 2. 10.]
[Al. Le. 24. 23: I Ki. 28. 18.]

καθυβρίζειν. (1) זָרָה pi. (2) לוּץ hi.
Pr. 19. 28. ὁ ἐγγυώμενος παῖδα ἄφρονα καθυβρίζει δικαίωμα (2)
Je. 28 (51). 2. καθυβρίσουσιν [A -ιοῦσιν] αὐτήν (1?)
III Ma. 2. 14. καθυβρίσαι τὸν . . . ἅγιον τόπον
[Al. Le. 20. 9: 24. 14, 15, 23.]

κάθυγρος.
[Aq., Sm., Th. Jb. 40. 16 (21).]

καθυμνεῖν. (1) הָלַל pi.
II Ch. 30. 21. καθυμνοῦντες τῷ κυρίῳ (1)

καθύπερθε.
III Ma. 4. 10. τῷ κ. πυκνῷ σανιδώματι

καθυπνοῦν. (1) תְּנוּמָה
Pr. 24. 48 (33). ὀλίγον δὲ καθυπνῶ (1)

καθυστερεῖν. (1) אָחַר pi. (2) c. neg. חָזַק pi.
Ex. 22. 29 (28). ἀπαρχὰς ἅλωνος . . . οὐ καθυστερήσεις (1)
I Ch. 26. 27. τοῦ μὴ καθυστερῆσαι τὴν οἰκοδομήν (2)
Si. 16. 13. οὐ μὴ καθυστερήσει [S -σῃ] ὑπομονὴν [A S -ῇ] εὐσεβοῦς
37. 20. οὗτος πάσης τροφῆς [S¹ σοφίας] καθυστερήσει

καθυφαίνειν. (1) מָלֵא pi.
Ex. 28. 17. καθυφανεῖς ἐν αὐτῷ ὕφασμα . (1)
Ju. 10. 21. ὃ ἦν ἐκ . . . λίθων πολυτελῶν καθυφασμένων [S -ον]

καθώς. * καθὼς ἄν, καθὼς ἐάν.
Ge. 8. 21: 18. 5: 41. 13: 44. 2: 50. 12†.
Ex. 16. 24†: 34. 1.
Le. 9. 5†.
Nu. 8. 22†: 21. 34: 26. 54.
De. 2. 29: 4. 38: 11. 21: 13. 17 (18)†: 16. 10†: 26. 19: 31. 4†.
Jd. 1. 7, 20†: 2. 15 bis: 5. 27†, 31†: 6. 5†, 36†, 37†: 7. 17*†: 8. 2, 3†, 33†: 9. 16†: 13. 23: 16. 20†, 22†: 20. 30†, 31†, 32†, 39†.
Ru. 1. 8.
I Ki. 4. 9†: 20. 3, 13, 35: 23. 11: 24. 14, 20: 25. 26: 26. 20, 24: 28. 17: 29. 9†.
II Ki. 3. 9: 5. 25: 6. 20: 7. 10, 15, 25, 25†: 9. 11: 14. 17, 20: 17. 10: 19. 3 (4).
III Ki. 1. 30, 37: 2. 24, 31: 3. 6: 5. 5 (19), 6 (20), 7 (21), 12 (26): 8. 20, 25, 39*, 43, 53, 57: 9. 2, 4, 5: 10. 7: 11. 4, 38 bis: 12. 24† bis: 13. 6, 18: 14. 10†: 15. 13: 16. 7†: 19. 2: 20 (21). 11†: 21 (20). 4, 34: 22. 5 ter.
IV Ki. 2. 19: 7. 17†, 18†: 8. 18, 19, 27: 10. 15: 13. 5: 14. 6: 17. 11, 23: 21. 3, 13, 20: 23. 21, 27.
I Ch. 14. 16: 17. 9, 24†: 24. 31 bis: 26. 12.
II Ch. 6. 10: 14. 7 (6): 21. 19: 23. 3, 18†: 24. 9: 25. 4: 30. 7 bis: 31. 13: 35. 19.
I Es. 3. 9: 6. 30*.
Ne. 5. 6, 12: 6. 1.
To. 1. 6, 8†: 2. 6†: 4. 19†: 6. 14†: 8. 16: 14. 5.
Ju. 2. 1: 3. 2†: 6. 2: 7. 11, 16†: 8. 27.
Es. 2. 20: 6. 10†: 9. 23, 24†.
Jb. 6. 17: 10. 4: 42. 9.
Ps. 38 (39). 12: 77 (78). 57: 102 (103). 13.
Ec. 5. 3*†, 14: 7. 1 (6. 12)†: 8. 4†, 7: 9. 2.
Si. 7. 28, 31: 14. 11*: 27. 18: 30. 37 (33. 28): 36 (33). 16: 43. 31.
Ho. 2. 3 (5): 3. 1: 4. 9: 7. 12*, 12: 9. 1: 10. 5: 11. 2: 12. 9 (10).
Am. 2. 9: 4. 11: 9. 11.
Mi. 7. 14.
Jl. 2. 23.
Ob. 1. 16.
Jn. 3. 3†.
Na. 2. 2 (3), 7 (8).
Hb. 2. 5.
Hg. 2. 4 (3).
Za. 1. 4, 6: 12. 7: 14. 3, 5† bis.
Ma. 3. 4 bis.
Je. 2. 36: 7. 14, 15: 11. 5†: 12. 16: 13. 5, 21†: 17. 22: 18. 4, 6: 19. 11, 13: 20. 11: 27 (50). 15, 18, 40: 31 (48). 8: 33 (26). 11: 40 (33). 7†: 49 (42). 2†, 18.
La. 5. 21.
Ez. 1. 16 (opt.)*: 2. 8: 3. 23 bis: 9. 11†: 16. 7, 44, 50, 55, 55†, 55, 59: 22. 20: 24. 18†: 37. 7, 10†: 40. 22, 25: 42. 6: 43. 22†: 45. 25 quater: 46. 7*, 11*: 47. 3, 14: 48. 8.
Da. LXX. Su. 42, 61: 1. 13*: 3. (30): 4. 34: 6. 10 (11), 12 (13): 11. 3*.
Da. TH. Su. 15, 18: 1. 13*: 2. 43: 3. (30): 6. 10 (11): 9. 13.
I Ma. 2. 26, 41†: 4. 6†: 6. 7†, 8: 10. 37†, 56, 58, 64, 81: 11. 26: 12. 46.
II Ma. 1. 29, 31: 2. 10, 18: 6. 2: 10. 26: 11. 3: 15. 21 (opt.)*†.
III Ma. 3. 20: 4. 11: 6. 15, 35: 7. 2.

[Aq. II Ki. 7. 15: III Ki. 14. 10: Je. 44 (51). 23: Ez. 16. 50.]
[Sm. II Ki. 7. 15: III Ki. 18. 28: Jb. 29. 25: Is. 30. 19*: Je. 44 (51). 23: Ez. 16. 50: Ho. 10. 14: Am. 1. 3.]
[Th. Jd. 5. 31: II Ki. 7. 15: 12. 8: III Ki. 18. 28: Jb. 10. 4: 42. 8: Is. 59. 18: Je. 44 (51). 23: 46 (26). 26: Ez. 16. 50: 35. 15.]
[Al. Ex. 13. 11: Dt. 1. 10: Is. 25. 11 (*opt.*).]

καί, *passim.*

καίγε, *vid. sub* γε.

καιδδά.

[Th. Ez. 27. 19.]

καίειν. (1) אָכַל (2) בָּעַר *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. (3) *a.* דָּלַק *b.* דָּלַח (4) יָצַת *a.* qal. *b.* hi. (5) יָקַד *a.* qal. *b.* ho. *c.* יָקוֹד *d.* יָקֵד (6) לֶהָבָה (7) נָפַח (8) נָשַׁק hi. (9) עָלָה hi. (10) עָרַךְ (11) קָדַח (12) שָׂרַף *a.* qal. *b.* ni. (13) אֶוָּא

Ex. 3. 2. ὁ βάτος καίεται πυρί (2 *a*)
27. 20. ἔλαιον . . . εἰς φῶς καῦσαι [A *om.*] –
— 20. ἵνα καίηται λύχνος διὰ παντός (9)
— 21. καύσει αὐτὸ [A -ὸν] Ἀαρών (10)
35. 3. οὐ καύσετε πῦρ ἐν πάσῃ κατοικίᾳ ὑμῶν (2 *b*)
Le. 4. 12. ἐπὶ τῆς ἐκχύσεως τῆς σποδιᾶς καυθήσεται (12 *b*)
6. 9 (2). τὸ πῦρ τοῦ θυσιαστηρίου καυθήσεται ἐπ' αὐτοῦ (5 *b*)
— 12 (5). πῦρ ἐπὶ τὸ θυσιαστ. καυθήσεται (5 *b*)
— 12 (5). καύσει ὁ ἱερεὺς ἐπ' αὐτὸ ξύλα (2 *b*)
— 13 (6). πῦρ διὰ παντὸς καυθήσεται (5 *b*)
13. 56. A μετὰ τὸ καυθῆναι αὐτόν [B πλυθῆναι αὐτό] †
24. 2. καῦσαι λύχνον διὰ παντός (9)
— 3. καύσουσιν αὐτὸ [B¹ -ὸν] Ἀαρὼν καὶ οἱ υἱοὶ αὐτοῦ (10)
— 4. καύσετε τοὺς λύχνους (10)
De. 4. 11: 5. 23 (20). τὸ ὄρος ἐκαίετο πυρί (2 *a*)
7. 25. τὰ γλυπτὰ . . . καύσετε [A κατακ.] (12 *a*)
9. 15. τὸ ὄρος ἐκαίετο πυρί (2 *a*)
32. 22. καυθήσεται ἕως ἅδου κάτω (5 *a*)
Jd. 15. 5. ἐκάησαν ἀπὸ ἅλωνος [A *al.*] (2 *c*)
II Ki. 23. 7. καὶ ἐν πυρὶ καύσει (12 *a*)
— 7. A καυθήσεται [R -σονται, B θήσονται] αἰσχύνην αὐτῶν (12 *b*)
III Ki. 13. 2. B ὀστᾶ ἀνθρώπων καύσει ἐπὶ σέ (12 *a*)
Ne. 4. 2 (3. 34). R μετὰ τὸ χῶμα γενέσθαι γῆς καυθέντας (12 *a*)
To. 14. 4. S καὶ καυθήσεται [A B *al.*]
Jb. 15. 34. πῦρ δὲ καύσει [A κατακ.] οἴκους δωροδεκτῶν (1)
31. 12. πῦρ γάρ ἐστι καιόμενον ἐπὶ [A ἐκ] πάντων τῶν μερῶν (1)
41. 10 (11). ἐκπορεύονται λαμπάδες καιόμεναι –
— 11 (12). καπνὸς καμίνου καιομένης πυρὶ [A φλογὶ] ἀνθράκων (7 ?)
Ps. 7. 13. τὰ βέλη αὐ. τοῖς καιομ. ἐξειργάσατο (3 *a*)
49 (50). 3. πῦρ ἐναντίον αὐτοῦ καυθήσεται (1)
Si. 23. 16. ψυχὴ θερμὴ ὡς πῦρ καιόμενον
28. 22. ἐν τῇ φλογὶ αὐ. οὐ [A S οὐ μὴ] καήσονται
40. 30. ἐν κοιλίᾳ αὐτοῦ πῦρ καήσεται
48. 1. ὁ λόγος αὐτοῦ ὡς λαμπὰς ἐκαίετο
Ho. 7. 4. ὡς κλίβανος καιόμενος εἰς πέψιν καταφλόγωσις (2 *a*)
— 7. ὡς κλίβανος [A *add.* πυρὸς καιομένου] –
Ma. 4. 1 (3. 19). ἔρχεται καιομένη ὡς κλίβανος (2 *a*)
Is. 4. 5. ὡς καπνοῦ καὶ φωτὸς πυρὸς καιομένου νυκτός (6)
5. 24. καυθήσεται καλάμη ὑπὸ ἄνθρακος πυρός (1)
9. 18 (17). καυθήσεται ὡς πῦρ ἡ ἀνομία . . . καυθήσεται ἐν τοῖς δάσεσι τοῦ δρυμοῦ (2 *a*, 4 *a*)
10. 16. εἰς τὴν σὴν δόξαν πῦρ καιόμενον καυθήσεται (5 *a*, 5 *c*)
— 17. ἀγάσει αὐτὸν ἐν πυρὶ καιομένῳ (2 *a*)
— 18. ἔσται ὁ φεύγων ὡς ὁ φεύγων ἀπὸ φλογὸς καιομένης †
30. 27. τὸ ὄνομα κυρίου ἔρχεται . . . καιόμενος θυμός (2 *a*)
Is. 30. 33. ὡς φάραγξ ὑπὸ θείου καιομένη (2 *a*)
33. 14. πῦρ καίεται [S¹ *al.*] (1)
34. 9. ἔσται ἡ γῆ αὐτῆς ὡς πίσσα καιομένη (2 *a*)
44. 15. καύσαντες ἔπεψαν ἄρτους ἐπ' αὐτῶν (8)
— 16. A S¹ καύσαντες ἔπεψαν ἄρτους ἐπ' αὐτῶν [B S² *al.*] –
50. 11. ἰδοὺ πάντες ὑμεῖς πῦρ καίετε (11)
62. 1. τὸ δὲ σωτήριόν μου ὡς λαμπὰς καυθήσεται (2 *a*)
65. 5. A S² R πῦρ καίεται [B S¹ -τε] ἐν αὐτῷ πάσας τὰς ἡμέρας (5 *a*)
Je. 7. 18. οἱ πατέρες αὐτῶν καίουσι πῦρ (2 *b*)
— 20. καυθήσεται [S ἐκκ.] καὶ οὐ σβεσθήσεται (2 *a*)
15. 14. ἐφ' ὑμᾶς καυθήσεται (5 *b*)
20. 9. ἐγένετο ὡς πῦρ καιόμενον φλέγον ἐν τοῖς ὀστοῖς μου (2 *a*)
21. 12. καυθήσεται καὶ οὐκ ἔσται ὁ σβέσων (2 *a*)
30 (49). 27. καύσω πῦρ ἐν τείχει Δαμασκοῦ (4 *b*)
39 (32). 29. καύσουσι τὴν πόλιν ταύτην ἐν πυρὶ καὶ κατακαύσουσι [A καύσωσιν] τὰς οἰκίας [S¹ τὴν οἰ.] (4 *b*, 12 *a*)
41 (34). 2. καύσει αὐτὴν ἐν πυρί (12 *a*)
43 (36). 27. A S μετὰ τὸ καῦσαι [B κατακ.] τὸν βασιλέα τὸ χαρτίον (12 *a*)
44 (37). 8. A R καύσουσιν αὐτὴν ἐν [B S *om.*] πυρί (12 *a*)
— 10. καύσουσι τὴν πόλιν ταύτην ἐν πυρί (12 *a*)
45 (38). 18. καύσουσιν αὐτὴν ἐν πυρί (12 *a*)
50 (43). 12. καύσει πῦρ ἐν οἰκίαις (4 *b*)
Ep. Je. 19. λύχνους καίουσι
— 21. A ἀπὸ τοῦ καπνοῦ τοῦ ἐκ τῆς γῆς καιομένου [B τῆς οἰκίας]
Ez. 1. 13. ἐν μέσῳ τῶν ζῴων ὅρασις ὡς [A *om.*] ἀνθράκων πυρὸς καιομένων (2 *a*)
39. 9. καύσουσιν ἐν τοῖς ὅπλοις (2 *b* + 8)
— 9. καύσουσιν ἐν αὐτοῖς πῦρ ἑπτὰ ἔτη (2 *b*)
Da. LXX. 3. 6, 11, 15. τὴν κάμινον τοῦ πυρὸς τὴν καιομένην (5 *d*)
— 17. τῆς καμίνου τοῦ πυρὸς τῆς καιομένης (5 *d*)
— 19. ἐπέταξε καῆναι τὴν κάμινον ἑπταπλασίως παρ' ὃ ἔδει αὐτὴν καῆναι (13, 13)
— 20, 21. τὴν κάμινον τοῦ πυρὸς τὴν καιομένην (5 *d*)
— (46). οὐ διέλιπον . . . καίοντες τὴν κάμινον
— (88). ἐκ μέσου καιομένης φλογός
— 26 (93). τὴν θύραν τῆς καμίνου καιομένης τῷ πυρί (5 *d*)
7. 9. τροχοὶ αὐτοῦ πῦρ καιόμενον (3 *b*)
Da. TH. 3. 6, 11, 15. τὴν κάμινον τοῦ πυρὸς τὴν καιομένην (5 *d*)
— 17. τῆς καμίνου τοῦ πυρὸς τῆς καιομένης (5 *d*)
— 20. τὴν κάμινον τοῦ πυρὸς τὴν καιομένην (5 *d*)
— 21. τῆς καμίνου τοῦ πυρὸς τῆς καιομένης (5 *d*)
— 23. τῆς καμίνου [A κ. τοῦ πυρὸς] τῆς καιομένης (5 *d*)
— (46). οὐ διέλειπον . . . καίοντες τὴν κάμινον
— (88). ἐκ μέσου καμίνου καιομένης φλογός [A *al.*]
— 26 (93). τῆς καμίνου τοῦ πυρὸς τῆς καιομένης (5 *d*)
I Ma. 12. 29. ἔβλεπον γὰρ τὰ φῶτα καιόμενα
IV Ma. 6. 26. S μέχρι τῶν ὀστέων ἤδη κεκαυμένος [A R κατακ.]
13. 9. S οἱ τῆς ἰσοπολιτίδου καιομένης [A R ἰσοπαλίδος καμίνου] κατεφρόνησαν
[Aq. Pr. 26. 23: Is. 43. 2.]
[Sm. Ps. 7. 14.]
[Th. Pr. 16. 27: 26. 23: Da. 3. 21, 23, (46).]
[Al. Le. 10. 16: Dt. 8. 15: I Ki. 2. 15: II Ch. 16. 14.]
[Heb. Ez. 20. 47 (21. 3).]

καινίζειν. (1) חָדַשׁ pi.

Wi. 7. 27. μενουσα ἐν αὐτῇ τὰ πάντα καινίζει
Si. 38. 28. φωνὴ σφύρης καινιεῖ [A κενιεῖ] τὸ οὖς αὐτοῦ
Ze. 3. 17. καὶ καινιεῖ σε ἐν τῇ ἀγαπήσει αὐτοῦ †
Is. 61. 4. καινιοῦσι πόλεις ἐρήμους [S¹ αἰωνίους] (1)
I Ma. 10. 10. καὶ καινίζειν τὴν πόλιν
II Ma. 4. 11. παρανόμους ἐθισμοὺς ἐκαίνιζεν

καινοποιεῖν.

[Sm. Is. 61. 4.]

καινός (κενός). (1) אַחֵר (2) חָדָשׁ

De. 20. 5. ὁ οἰκοδομήσας οἰκίαν κ. (2)
22. 8. ἐὰν οἰκοδομήσῃς οἰκίαν κ. (2)
De. 32. 17. A R καινοὶ καὶ [B *om.*] πρόσφατοι ἥκασιν (2)
— 47. A οὐχὶ λόγος κ. [B κενὸς] οὗτος ὑμῖν †
Jo. 9. 13. οὓς ἐπλήσαμεν καινούς (2)
Jd. 5. 8. ἐξελέξαντο [A ἠρέτισαν] θεοὺς κ. (2)
15. 13. ἐν δυσὶ [A δύο] καλωδίοις κ. (2)
16. 11. ἐν [A *add.* ἑπτὰ] καλωδίοις κ. [A *om.*] (2)
— 12. ἔλαβε Δαλιδὰ καλώδια [A αὐτῷ Δ.] κ. (2)
I Ki. 6. 7. ποιήσατε ἅμαξαν κ. (2)
23. 15. ἐν τῇ κ. Ζίφ [B¹ *add.* τῇ κ., A *al.*] †, †
— 16. ἐπορεύθη πρὸς Δ. εἰς Καινήν †
— 18. ἐκάθητο Δ. ἐν Καινῇ †
— 19. οὐκ ἰδοὺ Δαυὶδ κέκρυπται . . . ἐν τῇ Κ. †
II Ki. 6. 3. ἐπεβίβασεν . . . ἐφ' ἅμαξαν κ. [A κενήν] (2)
— 3. A ἦγον τὴν ἅμαξαν τὴν κ. [B *om.* τ. κ.] (2)
III Ki. 11. 29. περιβεβλημένος ἱματίῳ κ. (2)
— 30. ἐπελάβετο Ἀ. τοῦ ἱματίου αὐτοῦ τοῦ κ. (2)
12. 24. B λάβε σεαυτῷ ἱμάτιον κ. –
IV Ki. 2. 20. λάβετέ μοι ὑδρίσκην κ. (2)
I Ch. 13. 7. ἐπέθηκαν τὴν κιβωτὸν . . . ἐπὶ ἅμαξαν κ. (2)
II Ch. 20. 5. κατὰ πρόσωπον τῆς αὐλῆς τῆς κ. (2)
I Es. 6. 9. οἶκον . . . κ. διὰ λίθων ξυστῶν
— 25. καὶ δόμου ξυλίνου ἐγχωρίου κ. ἑνός
Ju. 16. 2. A R ἐναρμόσασθε αὐτῷ ψαλμὸν κ. [B S καὶ αἶνον]
— 13. ὑμνήσω τῷ θεῷ μου [A τ. κυρίῳ] ὕμνον κ.
Jb. 6. 6. A S εἰ δὲ καὶ ἔστι γεῦμα ἐν ῥήμασι κ. [B κενοῖς] †
7. 3. A S ὑπέμεινα μῆνας κ. [B κενούς] †
— 6. S ἀπόλωλε δὲ ἐν κ. [A B κενῇ] ἐλπίδι †
— 16. A S καινὸς [B κενὸς] γάρ μου ὁ βίος †
20. 18. S εἰς καινὰ [A B κενὰ] καὶ μάταια ἐκοπίασε †
33. 21. S ἀποδείξῃ τὰ ὀστᾶ αὐ. κ. [A B κενά] †
Ps. 32 (33). 3. ᾄσατε αὐτῷ ᾆσμα καινόν (2)
39 (40). 3. ἐνέβαλεν εἰς τὸ στόμα μου ᾆσμα κ. (2)
95 (96). 1: 97 (98). 1. ᾄσατε τῷ κυρίῳ ᾆσμα κ. (2)
143 (144). 9. ᾠδὴν καινὴν ᾄσομαί σοι (2)
149. 1. ᾄσατε τῷ κυρίῳ ᾆσμα καινόν (2)
Ec. 1. 10. ἴδε τοῦτο καινόν ἐστιν (2)
Is. 8. 1. λάβε σεαυτῷ τόμον [A *add.* χάρτου] καινοῦ –
41. 15. ἐποίησά σε ὡς τροχοὺς ἁμάξης ἀλοῶντας καινούς (2)
42. 9. καινὰ ἃ [A *om.*] ἐγὼ ἀναγγέλλω (2)
— 10. ὑμνήσατε τῷ κυρίῳ ὕμνον καινόν (2)
43. 19. ἐγὼ ποιῶ καινά (2)
48. 6. ἀκουστά σοι ἐποίησα τὰ κ. ἀπὸ τοῦ νῦν (2)
62. 2. καλέσει σε τὸ ὄνομα [A S *add.* σου] τὸ κ. (2)
65. 15. τοῖς δὲ δουλεύουσί μοι [A αὐτῷ] κληθήσεται ὄνομα καινόν [S¹ αἰώνιον] (1)
— 17. ἔσται γὰρ ὁ οὐρανὸς κ. [S¹ καπνὸς] καὶ ἡ γῆ καινή (2, 2)
66. 22. ὃν τρόπον γὰρ ὁ οὐρανὸς κ. καὶ ἡ γῆ καινή (2, 2)
Je. 33 (26). 10. ἐκάθισαν ἐν προθύροις πύλης [A *add.* κυρίου] τῆς κ. (2)
38 (31). 22. ἔκτισε κύριος σωτηρίαν εἰς καταφύτευσιν καινήν (2)
— 31. διαθήσομαι . . . διαθήκην καινήν (2)
43 (36). 10. ἐν προθύροις πύλης τοῦ [A *om.* π. τ.] οἴκου κυρίου τῆς κ. (2)
La. 3. 23. R καινὰ εἰς τὰς πρωΐας (2)
Ez. 11. 19. πνεῦμα καινὸν δώσω ἐν αὐτοῖς (2)
18. 31. ποιήσατε ἑαυτοῖς καρδίαν καινὴν καὶ πνεῦμα καινόν (2, 2)
36. 26. δώσω ὑμῖν καρδίαν καινὴν καὶ πνεῦμα καινὸν δώσω (2, 2)
I Ma. 4. 47. ᾠκοδόμησαν τὸ θυσιαστήριον κ.
— 49. ἐποίησαν σκεύη ἅγια κ.
— 53. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τῶν ὁλοκαυτωμάτων τὸ κ.
II Ma. 2. 29. τῆς κ. οἰκίας ἀρχιτέκτονι
[Aq. Ex. 1. 8: Dt. 24. 7 (5): II Ki. 21. 16: Ec. 1. 9: Is. 42. 9: 48. 6: 65. 17: Je. 31 (38). 22.]
[Sm. Ex. 1. 8: Ec. 1. 9: Is. 42. 9: 62. 2: 65. 17.]
[Th. Ex. 1. 8: Jb. 29. 20: Is. 42. 9: 48. 6: 65. 17: Je. 31 (38). 22.]

καινότης.

III Ki. 8. 53. τοῦ κατοικεῖν ἐπὶ καινότητος [A κεν.] –
Ez. 47. 12. τῆς κ. αὐτοῦ πρωτοβολήσει †

καινουργός.

IV Ma. 11. 23. καινουργὲ τῶν βασάνων

καίπερ.
Pr. 6. 8.
Wi. 11. 9.
Jn. 1. 13†.
II Ma. 4. 34.
III Ma. 4. 18 : 5. 32.
IV Ma. 3. 10, 15† : 4. 13 : 12. 2 : 13. 27 : 15. 11, 24 : 16. 5.
[Aq. Le. 26. 39 : IV Ki. 2. 14 : 10. 10 : Ps. 43 (44). 10 : 67 (68). 19 : Pr. 21. 27.]
[Sm. Ec. 4. 14.]

καίπερτοι.
[Aq. Is. 22. 1.]

καιρίμος.
[Al. Le. 16. 21.]

καιρινός (?).
[Sm. Je. 50 (27). 8.]

καίριος. (1) בְּעִתּוֹ
Pr. 15. 23. οὐδὲ μὴ εἴπῃ καίριόν τι (1)
[Aq., Sm., Th. Ps. 65 (66). 15.]

καιρίως.
[Aq. Dt. 32. 35.]

καιρός. (1) אַחֲרוֹן (2) זְמַן (3) יוֹם (4) מוֹעֵד (5) עַד (6) עָדָן (7) עֵצֶם (8) עֵת (9) פַּעַם (10) צֵל (11) קֵץ (12) רֶגֶל (13) שָׁנָה (14) תּוֹר (15) תּוּשִׁיָּה (16) תְּקוּפָה (17) ἐν τῷ νῦν κ. *a.* עַתָּה הַפַּעַם *b.* הַפַּעַם *c.* בַּפַּעַם הַזֹּאת (18) καιροὶ ὡρῶν מוֹעֵד (19) ὧραι καιρῶν מוֹעֵד

Ge. 1. 14. ἔστωσαν εἰς σημεῖα καὶ εἰς καιρούς (4)
6. 13. καιρὸς παντὸς ἀνθρώπου ἥκει ἐναντίον μου (11)
17. 21. τέξεταί σοι Σ. εἰς τὸν κ. τοῦτον (4)
— 23. περιέτεμε . . . ἐν τῷ κ. τῆς ἡμέρας ἐκ. (7)
— 26. ἐν δὲ τῷ κ. τῆς ἡμέρας ἐκ. (4)
18. 10. ἥξω πρὸς σε κατὰ τὸν κ. τοῦτον (8)
— 14. εἰς τὸν κ. τοῦτον ἀναστρέψω (4)
21. 2. ἔτεκε . . . εἰς τὸν κ. (4)
— 22. ἐγένετο δὲ ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
26. 1. R ἐν τῷ κ. [A χρόνῳ] τοῦ Ἀβραάμ (3)
29. 34. ἐν τῷ νῦν κ. πρὸς ἐμοὶ ἔσται ὁ ἀνήρ μου (17 *a*)
30. 20. δεδώρηται . . . ἐν τῷ νῦν κ. (17 *b*)
— 41. ἐν τῷ κ. ᾧ ἐνεκίσσων –
38. 1. ἐγένετο δὲ ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
Ex. 8. 32 (28). ἐβάρυνε Φ. . . . καὶ ἐπὶ τοῦ κ. τούτου (9)
9. 4. παραδοξάσω ἐγὼ ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ –
— 14. ἐν τῷ γὰρ νῦν κ. ἐγὼ ἐξαποστέλλω (17 *c*)
13. 10. A R φυλάξασθε . . . κατὰ καιροὺς ὡρῶν [B *al.*] (18)
23. 14. τρεῖς καιροὺς τοῦ ἐνιαυτοῦ (12)
— 15. κατὰ τὸν κ. τοῦ μηνὸς τῶν νέων (4)
— 17. τρεῖς καιροὺς τοῦ ἐνιαυτοῦ ὀφθήσεται (9)
34. 18. εἰς τὸν κ. ἐν μηνὶ τῶν νέων (4)
— 23. τρεῖς καιροὺς τοῦ ἐνιαυτοῦ ὀφθήσεται (9)
— 24. τρεῖς καιροὺς τοῦ ἐνιαυτοῦ (9)
Le. 15. 25. οὐκ ἐν καιρῷ τῆς ἀφέδρου αὐτῆς (8)
23. 4. A B[1] καλέσατε [B[2] R -σετε] αὐτὰς ἐν τοῖς κ. αὐτῶν (4)
26. 4. δώσω τὸν ὑετὸν ὑμῖν ἐν καιρῷ αὐτοῦ (8)
Nu. 9. 3. ποιήσεις αὐτὸ κατὰ καιροὺς [A *al.*] (4)
— 7. προσενέγκαι τὸ δῶρον κυρίῳ κατὰ καιρὸν αὐτοῦ (4)
— 13. τὸ δῶρον . . . οὐ προσήνεγκε κατὰ τὸν κ. αὐτοῦ (4)
14. 9. ἀφέστηκε γὰρ ὁ κ. ἀπ' αὐτῶν (10 ?)
16. 14. B ἔδωκας ἡμῖν καιρὸν [A R κλῆρον] ἀγροῦ †
22. 4. βασιλεὺς Μωὰβ ἦν κατὰ τὸν κ. ἐκεῖνον (8)
23. 23. κατὰ καιρὸν ῥηθήσεται Ἰακώβ (8)
De. 1. 9, 16, 18 : 2. 34 : 3. 4, 8, 12, 18, 21, 23 : 4. 14 : 5. 5. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
9. 19. ἐν τῷ κ. τούτῳ [A ἐκείνῳ] (9)
— 20. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
10. 1, 8. ἐν ἐκείνῳ τῷ κ. (8)
— 10. ἐν τῷ κ. τούτῳ (9)
De. 16. 6. ἐν τῷ κ. ᾧ ἐξῆλθες ἐξ [A ἐκ γῆς] Αἰγ. (4)
— 16. τρεῖς καιροὺς τοῦ ἐνιαυτοῦ (9)
28. 12. δοῦναι τὸν ὑετὸν τῇ γῇ σου ἐπὶ καιροῦ (8)
31. 10. ἐν καιρῷ ἐνιαυτοῦ ἀφέσεως (4)
32. 35. A ἐν καιρῷ [B *om.* ἐν κ.] ὅταν σφαλῇ ὁ ποὺς αὐτῶν (8)
Jo. 5. 2. ὑπὸ δὲ τοῦτον τὸν κ. (8)
11. 10, 21. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
Jd. 3. 29. A ἐν τῷ κ. ἐκ. [B τῇ ἡμέρᾳ ἐκ.] (8)
4. 4. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
10. 8. ἐν τῷ κ. [A ἐνιαυτῷ] ἐκείνῳ (13)
— 14. ἐν καιρῷ θλίψεως ὑμῶν (8)
11. 26. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
12. 6. ἐν [A *om.*] τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
13. 23. καθὼς καιρὸς [A ὁ κ.] (8)
14. 4 : 21. 14. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
21. 22. A κατὰ τὸν κ. [B ὡς κλῆρος] πλημμελήσατε (8)
— 24. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
I Ki. 1. 20. καὶ ἐγενήθη τῷ [A ἐν τῷ] κ. τῶν ἡμερῶν (16)
4. 20. ἐν τῷ κ. αὐτῆς ἀποθνήσκει (8)
9. 16. ὡς ὁ κ. (8)
18. 19. A ἐν τῷ κ. τοῦ δοθῆναι τὴν Μ. (8)
20. 12. ὡς ἂν ὁ κ. τρισσῶς (8)
II Ki. 11. 1. εἰς τὸν κ. τῆς ἐξοδίας τῶν βασ. (8)
20. 5. ἐχρόνισεν ἀπὸ τοῦ κ. (4)
23. 5. διαθήκην . . . ἐν παντὶ κ. πεφυλαγμένην –
III Ki. 11. 4. ἐν καιρῷ γήρους Σαλ. (8)
— 29. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
14. 1. A ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
15. 23. ἐν τῷ κ. τοῦ γήρως αὐτοῦ (8)
16. 22. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ –
18. 29. ὡς ὁ κ. τοῦ ἀναβῆναι τὴν θυσίαν –
IV Ki. 4. 16, 17. εἰς τὸν κ. τοῦτον ὡς ἡ ὥρα (4)
8. 22 : 16. 6 : 18. 16 : 20. 12 : 24. 10. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
I Ch. 9. 25. κατὰ ἑπτὰ ἡμέρας ἀπὸ καιροῦ εἰς καιρόν (8, 8)
11. 11. ἐπὶ τριακοσίους τραυματίας ἐν κ. ἑνί (9)
— 20. ἐπὶ τριακοσίους [A ἑξακοσ.] τραυματίας ἐν κ. ἑνί –
12. 32. γινώσκοντες σύνεσιν εἰς τοὺς κ. (8)
21. 28, 29. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
29. 30. A R καὶ οἱ κ. [B *om.* κ. οἱ κ.] οἱ ἐγένοντο ἐπ' αὐτῷ (8)
II Ch. 7. 2. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ –
— 8. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
8. 13. τρεῖς καιροὺς τοῦ ἐνιαυτοῦ (9)
15. 5. ἐν ἐκείνῳ τῷ κ. (8)
16. 7, 10 : 21. 10. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
21. 19. ἦλθε καιρὸς [A ὁ κ.] τῶν ἡμερῶν (8+11)
25. 27. ἐν τῷ κ. ᾧ ἀπέστη Ἀμ. ἀπὸ κυρίου (8)
28. 16 : 30. 3. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
35. 17. ἐν [B[1] *om.*] τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
I Es. 1. 19. οἱ εὑρεθέντες ἐν τῷ κ. τούτῳ
5. 50. ἀνέφερον θυσίας κατὰ τὸν κ.
8. 79. ἐν τῷ κ. τῆς δουλείας ἡμῶν
II Es. 5. 3. ἐν αὐτῷ τῷ κ. (2)
8. 35 (34). ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
10. 13. A S R καὶ ὁ κ. [B τόπος] χειμερινός (8)
— 14. ἐλθέτωσαν εἰς καιρούς (8)
Ne. 4. 22 (16). ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
6. 1. ἕως τοῦ κ. [S[1] λαοῦ] ἐκείνου (8)
9. 27. ἐν καιρῷ θλίψεως αὐτῶν (8)
10. 34 (35). A S R εἰς καιροὺς ἀπὸ [B *om.*] χρόνων (8)
12. 17. S[2] τῷ Βεν. ἐν καιροῖς (4)
13. 21. ἀπὸ τοῦ κ. ἐκείνου (8)
— 31. ἐν καιροῖς ἀπὸ χρόνων (8)
To. 3. 11, 16. S ἐν αὐτῷ τῷ κ.
— 17. ἐν αὐτῷ [S ἐκείνῳ] τῷ κ.
4. 19. A B ἐν παντὶ κ. εὐλόγει κύριον τὸν θεόν
14. 4. S πάντα συμβήσεται τοῖς κ. αὐτῶν [A B *al.*]
— 4. ἐν δὲ τῇ Μηδίᾳ ἔσται εἰρήνη μᾶλλον ἕως καιροῦ [S *al.*]
— 5. ἕως πληρωθῶσι καιροὶ τοῦ αἰῶνος [A S *al.*]
— 7. S καὶ εὐλογῶσιν τὸ ὄνομα αὐτοῦ ἐν παντὶ κ.
Ju. 12. 16. ἐτήρει καιρὸν τοῦ ἀπατῆσαι αὐτήν
13. 5. νῦν καιρὸς ἀντιλαβέσθαι τῆς κληρονομίας σου
16. 21. ἐγένετο κατὰ τὸν κ. αὐτῆς ἔνδοξος
Es. 2. 12. οὗτος δὲ ἦν [A καὶ ὅταν ᾖ] καιρός (14)
— 12. A ὅταν ἀναπληρωθῇ καιρὸς κοράσια [B S *al.*] –
4. 14. ἐν τούτῳ τῷ κ. (8)
— 14. εἰς τὸν κ. τοῦτον ἐβασίλευσας (8)
Es. 4. 17. γνώσθητι ἐν καιρῷ θλίψεως ἡμῶν
8. 9. S[2] ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
— 13. τοὺς ἐν καιρῷ θλίψεως ἐπιθεμένους
10. 3. R εἰς ὥραν καὶ καιρόν [A B[2] S κλῆρον]
Jb. 5. 26. ὥσπερ σῖτος ὥριμος κατὰ καιρὸν θεριζόμενος –
19. 4. τὰ δὲ ῥήματά μου πλαναῖται καὶ οὐκ ἐπὶ καιροῦ –
28. 3. A καιρῶν πέρας αὐτοὺς ἐξακριβάζεται [B S *al.*] †
38. 32. ἢ διανοίξεις μαζουρὼθ ἐν καιρῷ αὐτοῦ (8)
39. 1. εἰ ἔγνως καιρὸν τοκετοῦ τραγελάφων (8)
— 18. κατὰ καιρὸν [A -ῶν] ἐν ὕψει ὑψώσει [S *al.*] (8)
Ps. 1. 3. ὃ τὸν καρπὸν αὐ. δώσει ἐν καιρῷ αὐ. (8)
9. 26 (10. 5). βεβηλοῦνται αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ ἐν παντὶ καιρῷ (8)
20 (21). 9. εἰς καιρὸν τοῦ προσώπου σου (8)
31 (32). 6. προσεύξεται πρὸς σὲ πᾶς ὅσιος ἐν καιρῷ εὐθέτῳ (8)
33 (34). 1. εὐλογήσω τὸν κύριον ἐν παντὶ κ. (8)
36 (37). 19. οὐ καταισχυνθήσονται ἐν καιρῷ πονηρῷ (8)
— 39. ὑπερασπιστὴς αὐτῶν ἐστιν [S[1] *om.*] ἐν καιρῷ θλίψεως (8)
68 (69). 13. ἐγὼ δὲ τῇ προσευχῇ μου πρὸς σέ, κύριε, καιρὸς εὐδοκίας (8)
70 (71). 9. μὴ ἀπορρίψῃς με εἰς καιρὸν γήρους (8)
74 (75). 2. ὅταν λάβω καιρόν (4)
80 (81). 15. ἔσται ὁ κ. αὐτῶν εἰς τὸν αἰῶνα (8)
101 (102). 13. ὅτι καιρὸς τοῦ οἰκτειρῆσαι αὐτὴν ὅτι ἥκει καιρός (8, 4)
103 (104). 19. ἐποίησε σελήνην εἰς καιρούς (4)
— 27. A δοῦναι τὴν τροφὴν αὐτῶν εἰς καιρόν [B S *al.*] (8)
105 (106). 3. ποιοῦντες δικαιοσύνην ἐν παντὶ κ. (8)
118 (119). 20. τοῦ ἐπιθυμῆσαι τὰ κρίματά σου ἐν παντὶ κ. [S[1] *al.*] (8)
— 126. καιρὸς τοῦ ποιῆσαι τῷ κυρίῳ (8)
Pr. 5. 3. ἢ πρὸς καιρὸν λιπαίνει σὸν φάρυγγα †
— 14. ἐγενόμην ἐν παντὶ κακῷ [S[1] καιρῷ] †
— 19. συνέστω σοι ἐν παντὶ καιρῷ (8)
6. 14. τεκταίνεται κακὰ ἐν παντὶ καιρῷ (8)
8. 30. εὐφραινόμην ἐν προσώπῳ αὐ. ἐν παντὶ κ. (8)
17. 17. εἰς πάντα καιρὸν φίλος ὑπαρχέτω σοι (8)
18. 1. ἐν παντὶ δὲ καιρῷ ἐπονείδιστος ἔσται (15 ?)
Ec. 3. 1. καιρὸς τῷ παντὶ πράγματι ὑπὸ τὸν οὐρανόν [S[2] ἥλιον] (8)
— 2. καιρὸς τοῦ τεκεῖν καὶ καιρὸς τοῦ ἀποθανεῖν καιρὸς τοῦ φυτεῦσαι καὶ καιρὸς τοῦ ἐκτῖλαι (8 *quater*)
— 3. καιρὸς τοῦ ἀποκτεῖναι καὶ καιρὸς τοῦ ἰάσασθαι καιρὸς τοῦ καθελεῖν καὶ καιρὸς τοῦ οἰκοδομεῖν [A S -ῆσαι] (8 *quater*)
— 4. καιρὸς τοῦ κλαῦσαι καὶ καιρὸς τοῦ γελάσαι καιρὸς τοῦ κόψασθαι καὶ καιρὸς τοῦ ὀρχήσασθαι (8 *quater*)
— 5. καιρὸς τοῦ βαλεῖν λίθους καὶ καιρὸς τοῦ συναγαγεῖν λίθους καιρὸς τοῦ περιλαβεῖν καὶ καιρὸς τοῦ μακρυνθῆναι ἀπὸ περιλήψεως [A -λήμματος] (8 *quater*)
— 6. καιρὸς τοῦ ζητῆσαι καὶ καιρὸς τοῦ ἀπολέσαι καιρὸς τοῦ φυλάξαι καὶ καιρὸς τοῦ ἐκβαλεῖν (8 *quater*)
— 7. καιρὸς τοῦ ῥῆξαι καὶ καιρὸς τοῦ ῥάψαι καιρὸς τοῦ σιγᾶν καὶ καιρὸς τοῦ λαλεῖν (8 *quater*)
— 8. καιρὸς τοῦ φιλῆσαι καὶ καιρὸς τοῦ μισῆσαι καιρὸς πολέμου καὶ καιρὸς εἰρήνης (8 *quater*)
— 11. ἃ [S[1] *om.*] ἐποίησε καλὰ ἐν καιρῷ [S[1] ἐνώπιον] αὐτοῦ (8)
— 17. καιρὸς τῷ παντὶ πράγματι (8)
7. 18 (17). ἵνα μὴ ἀποθάνῃς ἐν οὐ καιρῷ σου (8)
8. 5. καιρὸν κρίσεως γνώσκει καρδία σοφοῦ (8)
— 6. παντὶ πράγματί ἐστι καιρὸς καὶ κρίσις (8)
9. 8. ἐν παντὶ κ. ἔστωσαν ἱμάτιά σου λευκά (8)
— 11. καιρὸς καὶ ἀπάντημα συναντήσεται σύμπασιν [A S τοῖς πᾶσιν] αὐτοῖς (8)
— 12. οὐκ ἔγνω ὁ ἄνθρωπος τὸν κ. αὐτοῦ (8)
— 12. παγιδεύονται οἱ υἱοὶ τοῦ ἀνθρώπου εἰς κ. πονηρόν (8)
10. 17. οἱ ἄρχοντές σου πρὸς καιρὸν φάγονται (8)
Ca. 2. 12. καιρὸς τῆς τομῆς ἔφθακε [S -ασεν] (8)
Wi. 2. 5. A[1] B[2] S σκιᾶς γὰρ πάροδος ὁ καιρὸς [A[2] B[1] R βίος] ἡμῶν

Wi. 3. 7. ἐν καιρῷ ἐπισκοπῆς αὐτῶν ἀναλάμψουσι
4. 4. κἂν [S¹ καὶ] γὰρ ἐν κλάδοις πρὸς καιρὸν ἀναθάλῃ
7. 18. τροπῶν ἀλλαγὰς καὶ μεταβολὰς καιρῶν
8. 8. ἐκβάσεις καιρῶν καὶ χρόνων
19. 22. οὐχ ὑπερεῖδες ἐν παντὶ καιρῷ . . . παριστάμενος
Si. 1. 22. ἕως καιροῦ ἀνθέξεται μακρόθυμος
— 23. ἕως καιροῦ κρύψει τοὺς λόγους αὐτοῦ
2. 2. μὴ σπεύσῃς ἐν καιρῷ ἐπαγωγῆς
— 11. σώζει ἐν καιρῷ θλίψεως
3. 31. ἐν καιρῷ πτώσεως εὑρήσει στήριγμα
4. 20. συντήρησον καιρὸν καὶ φύλαξαι ἀπὸ πονηροῦ
— 23. μὴ κωλύσῃς λόγον ἐν καιρῷ σωτηρίας
5. 7. ἐν [S¹ *add.* τῷ] καιρῷ ἐκδικήσεως ἐξολῇ
6. 8. ἔστι γὰρ φίλος ἐν καιρῷ αὐτοῦ
8. 9. ἐν καιρῷ χρείας δοῦναι ἀπόκρισιν
10. 4. τὸν χρήσιμον ἐγερεῖ εἰς καιρὸν ἐπ' αὐτῆς
— 26. μὴ δοξάζου ἐν καιρῷ στενοχωρίας σου
11. 19. οὐκ οἶδε τίς καιρὸς παρελεύσεται
12. 16. ἐὰν εὕρῃ καιρόν
17. 2. ἡμέρας ἀριθμοῦ καὶ καιρὸν ἔδωκεν αὐτοῖς
18. 21. ἐν καιρῷ ἁμαρτημάτων δεῖξον ἐπιστροφήν
— 24. μνήσθητι . . . καιρὸν ἐκδικήσεως
— 25. μνήσθητι καιρὸν [A κατὰ κ.] λιμοῦ ἐν καιρῷ [A ἡμέραις] πλησμονῆς
— 26. ἀπὸ πρωΐθεν ἕως ἑσπέρας μεταβάλλει καιρός
19. 9. ἐν καιρῷ μισήσει [A μασ.] σε
— 28. ἐὰν εὕρῃ καιρὸν κακοποιήσει [A κ. σε]
20. 6. ἔστι σιωπῶν εἰδὼς καιρόν
— 7. ἄνθρωπος σοφὸς σιγήσει ἕως καιροῦ ὁ δὲ λαπιστὴς καὶ ἄφρων ὑπερβήσεται καιρόν [S *al.*]
— 20. οὐ γὰρ μὴ εἴπῃ αὐτὴν ἐν καιρῷ αὐτῆς
22. 6. μάστιγες καὶ παιδεία ἐν παντὶ καιρῷ σοφίας [S¹ -ία]
— 16. καρδία . . . ἐν καιρῷ οὐ δειλιάσει
— 23. ἐν καιρῷ θλίψεως διάμενε αὐτῷ
26. 4. ἐν παντὶ καιρῷ πρόσωπον ἱλαρόν
27. 12. εἰς μέσον ἀσυνέτων συντήρησον καιρόν
29. 2. ἐν καιρῷ χρείας αὐτοῦ
— 2. ἀπόδος τῷ πλησίον εἰς τὸν [A S *om.*] κ.
— 3. ἐν παντὶ καιρῷ εὑρήσεις τὴν χρείαν σου
— 5. ἐν καιρῷ ἀποδόσεως παρελκύσει χρόνον
— 5. καὶ τὸν κ. αἰτιάσεται
30. 24. πρὸ καιροῦ γῆρας [S² -ους] ἄγει μέριμνα [S -αν]
— 32 (33. 23). ἐν καιρῷ τελευτῆς διάδος κληρονομίαν
32 (35). 20. ὡραῖον ἔλεος ἐν καιρῷ θλίψεως αὐτοῦ ὡς νεφέλαι ὑετοῦ ἐν καιρῷ ἀβροχίας
33 (36). 8. σπεῦσον καιρόν
34 (31). 28. οἶνος πινόμενος ἐν καιρῷ αὐτάρκης
36 (33). 8. ἠλλοίωσε καιροὺς καὶ ἑορτάς
37. 4. ἐν καιρῷ θλίψεως ἔσται ἀπέναντι
38. 3. ἐπιστήμη ἰατροῦ [S¹ καιροῦ] ἀνυψώσει κεφαλήν
— 13. S R ἔστι καιρὸς ὅτε καὶ ἐν χερσὶν αὐτῶν εὐωδία [A B -οδία]
39. 16. πᾶν πρόσταγμα ἐν καιρῷ [S¹ κυρίῳ] αὐτοῦ ἔσται
— 17. πάντα γὰρ ἐν καιρῷ αὐτοῦ ζητηθήσεται
— 28. ἐν καιρῷ συντελείας ἰσχὺν ἐκχέουσι
— 31. ἐν τοῖς [A S *om.*] κ. αὐτῶν οὐ παραβήσονται λόγον
— 34. πάντα γὰρ ἐν καιρῷ εὐδοκιμηθήσεται [A -μήσεται, S δοκιμασθήσεται]
40. 5. ἐν καιρῷ ἀναπαύσεως ἐπὶ κοίτης
— 7. ἐν καιρῷ σωτηρίας αὐτοῦ ἐξηγέρθη
— 23. φίλος καὶ ἑταῖρος εἰς καιρὸν ἀπαντῶντες
— 24. ἀδελφοὶ καὶ βοήθεια εἰς καιρὸν θλίψεως
43. 6. ἡ σελήνη ἐν πᾶσιν εἰς καιρὸν αὐτῆς
44. 17. ἐν καιρῷ ὀργῆς ἐγένετο ἀντάλλαγμα
46. 19. πρὸ καιροῦ κοιμήσεως αἰῶνος
47. 10. ἐκόσμησε καιροὺς μέχρι συντελείας
48. 10. ὁ καταγραφεὶς ἐν ἐλεγμοῖς [A κ. ἐλεγμὸς] εἰς [S¹ *om.*] καιρούς
51. 10. A S R ἐν καιρῷ ὑπερηφάνων [B -νιῶν] ἀβοηθησίας
— 12. ἐξείλου με ἐκ καιροῦ πονηροῦ
— 20. A ἐν καιρῷ θερισμοῦ [B S ἐν καθαρισμῷ] εὗρον αὐτήν
— 30. ἐργάζεσθε τὸ ἔργον ὑμῶν πρὸ καιροῦ καὶ δώσει τὸν μισθὸν ὑμῶν ἐν καιρῷ αὐτοῦ
Ho. 2. 9 (11). κομοῦμαι . . . τὸν οἶνόν μου ἐν καιρῷ αὐτοῦ (4)
Am. 5. 13. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ σιωπήσεται [A¹ B¹ *al.*] (8)
— 13. ὅτι καιρὸς πονηρῶν [A πονηρός] ἐστιν (8)
Mi. 2. 3. ὅτι καιρὸς πονηρός ἐστιν (8)
3. 4. ἀποστρέψει τὸ πρόσωπον αὐτοῦ . . . ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
5. 3 (2). δώσει αὐτοὺς ἕως καιροῦ τικτούσης (8)
Jl. 3 (4). 1. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
Hb. 2. 3. διότι ἔτι ὅρασις εἰς καιρόν (4)
3. 2. ἐν τῷ παρεῖναι τὸν κ. ἀναδειχθήσῃ –
Ze. 3. 16. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ ἐρεῖ κύριος τῇ Ἱερουσ. (3)
— 19. ἐγὼ ποιῶ ἐν σοὶ ἕνεκέν σου ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
— 20. καὶ καταισχυνθήσονται ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
— 20. καὶ ἐν τῷ κ. ὅταν εἰσδέξομαι ὑμᾶς (8)
Hg. 1. 2. οὐχ ἥκει ὁ κ. τοῦ οἰκοδομῆσαι (8)
— 4. εἰ καιρὸς μὲν ὑμῖν ἐστι τοῦ οἰκεῖν ἐν οἴκοις (8)
Is. 8. 22 (23). οὐκ ἀπορηθήσεται . . . ἕως καιροῦ (8)
18. 7. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
30. 8. ἔσται εἰς ἡμέρας ταῦτα καιρῷ [A S καιρῶν τ.] (1 ?)
33. 2. ἡ δὲ σωτηρία ἡμῶν ἐν καιρῷ θλίψεως (8)
38. 1. ἐγένετο δὲ ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (3)
39. 1. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
49. 8. καιρῷ δεκτῷ ἐπήκουσά σου (8)
50. 4. A τοῦ γνῶναι ἐν καιρῷ [B S *om.* ἐν κ.] ἡνίκα δεῖ εἰπεῖν λόγον †
54. 9. ἐν τῷ χρόνῳ [S² καιρῷ] ἐκ. †
60. 22. ἐγὼ κύριος κατὰ καιρὸν συνάξω αὐτούς (8)
64. 9 (8). μὴ ἐν καιρῷ μνησθῇς ἁμαρτιῶν ἡμῶν (5)
Je. 2. 27. ἐν τῷ κ. τῶν κακῶν αὐτῶν (8)
— 28. ἐν καιρῷ τῆς κακώσεως σου (8)
3. 17. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
4. 11. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ [A τούτῳ] (8)
5. 24. κατὰ καιρὸν πληρώσεως προστάγματος θερισμοῦ (8)
6. 15. ἐν καιρῷ ἐπισκοπῆς [A *add.* αὐτῶν] (8)
— 19. S ἐπάγω ἐπὶ τὸν λαὸν τοῦτον κατὰ τὸν κ. ἀποστροφῆς αὐ. [A B *al.*] †
8. 1. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
— 7. ἡ ἀσίδα ἐν τῷ οὐρανῷ ἔγνω τὸν κ. αὐτῆς (4)
— 7. στρουθία ἐφύλαξαν καιροὺς εἰσόδων ἑαυτῶν (8)
— 15. συνήχθημεν . . . εἰς καιρὸν ἰάσεως (8)
10. 15. ἐν καιρῷ ἐπισκοπῆς αὐτῶν ἀπολοῦνται (8)
11. 12. ἐν τῷ [A *om.*] κ. τῶν κακῶν αὐτῶν (8)
— 14. οὐκ εἰσακούσομαι ἐν τῷ κ. . . . ἐν καιρῷ κακώσεως αὐτῶν (8, 5 ?)
14. 8. σώζεις ἐν καιρῷ κακῶν (8)
— 19. εἰς καιρὸν ἰάσεως καὶ ἰδοὺ ταραχή (8)
15. 11. παρέστην σοι ἐν καιρῷ τῶν κακῶν αὐτῶν καὶ ἐν καιρῷ θλίψεως αὐτῶν (8, 8)
16. 21. δηλώσω . . . ἐν τῷ κ. τούτῳ τὴν χεῖρά μου (9)
18. 23. ἐν καιρῷ θυμοῦ [S -ῷ] σου (8)
26 (46). 21. ἡμέρα ἀπωλείας ἦλθεν ἐπ' αὐτοὺς [A -οῖς] καὶ κ. ἐκδικήσεως αὐτῶν (8)
27 (50). 4. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
— 16. κατέχοντα δρέπανον ἐν καιρῷ θερισμοῦ (8)
— 20. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
— 26. ἐληλύθασιν οἱ κ. αὐτῆς (11 ?)
— 27. ἥκει ἡ ἡμέρα αὐ. καὶ κ. ἐκδικήσεως αὐ. (8)
— 31. ἥκει ἡ ἡμέρα σου καὶ ὁ κ. ἐκδικήσεώς σου (8)
28 (51). 6. κ. [S ὁ κ.] ἐκδικήσεως αὐ. ἐστι παρὰ κ. (8)
— 18. ἐν καιρῷ ἐπισκέψεως αὐτῶν ἀπολοῦνται (8)
Ba. 1. 2. ἐν τῷ κ. ᾧ ἔλαβον οἱ Χαλδαῖοι τὴν Ἱερ.
— 14. ἐξαγορεῦσαι ἐν οἴκῳ κυρίου . . . ἐν ἡμέραις καιροῦ
3. 5. μνήσθητι χειρός σου . . . ἐν τῷ κ. τούτῳ
La. 1. 15. ἐκάλεσεν ἐπ' ἐμὲ καιρὸν τοῦ συντρῖψαι ἐκλεκτούς μου (4)
— 21. ἐκάλεσας καιρόν –
4. 18. ἤγγικεν ὁ κ. ἡμῶν . . . πάρεστιν ὁ κ. ἡμῶν (11, 11)
Ez. 4. 10. ἀπὸ καιροῦ ἕως καιροῦ φάγεσαι αὐτά (8, 8)
— 11. τὸ ἕκτον τοῦ εἶν ἀπὸ καιροῦ ἕως καιροῦ πίεσαι (8, 8)
7. 7, 12. ἥκει ὁ κ. (8)
12. 27. εἰς καιροὺς μακροὺς οὗτος προφητεύει (8)
16. 8. ἰδοὺ κ. σου καὶ [A ὡς] κ. καταλυόντων (8, 8)
21. 25 (30), 29 (34). ἥκει ἡ ἡμέρα ἐν καιρῷ ἀδικίας πέρας (8)
22. 3. τοῦ ἐλθεῖν [B¹ εἰσελ.] καιρὸν αὐτῆς (8)
— 4. ἤγαγες καιρὸν ἐτῶν σου †
— 30. A R ἑστῶτα πρὸ προσώπου μου . . . ἐν καιρῷ τῆς ὀργῆς [B γῆς] (5 ?)
30. 3. A κ. [B *om.*] πέρας ἐθνῶν ἔσται (8)
35. 5. ἐν χειρὶ [A καιρῷ] ἐχθρῶν μαχαίρᾳ [A ἐν χειρὶ μαχαίρας] ἐν καιρῷ ἀδικίας (8, 8)
Da. LXX. 2. 8. καιρὸν ὑμεῖς ἐξαγοράζετε (6)
— 9. ἕως ἂν ὁ κ. ἀλλοιωθῇ (6)
— 21. αὐτὸς ἀλλοιοῖ καιρούς
Da. LXX. 3. 7. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (2)
— 8. ἐν ἐκείνῳ τῷ κ. (2)
— (38). οὐκ ἔστιν ἐν τῷ κ. τούτῳ ἄρχων
4. 23. εἰς καιρὸν καὶ ὥραν –
— 33. ἐν ἐκείνῳ τῷ κ. (2)
— 34. καὶ ἀλλοιοῖ καιροὺς καὶ χρόνους –
— 34. εἰρήνη ὑμῖν πληθυνθείη ἐν παντὶ κ. –
7. 12. ἕως χρόνου καὶ καιροῦ (6)
— 22. καὶ ὁ κ. ἐδόθη (2)
— 25. ἀλλοιῶσαι καιροὺς καὶ νόμον (2)
— 25. ἕως καιροῦ καὶ καιρῶν καὶ ἕως ἡμίσους καιροῦ (6 *ter*)
8. 17. εἰς ὥραν καιροῦ τοῦτο τὸ ὅραμα (11)
— 19. εἰς ὥρας καιροῦ συντελείας μενεῖ (19)
9. 26. καὶ ἕως [*cod. om.*] καιροῦ (11 ?)
— 27. καὶ κατὰ συντέλειαν καιρῶν καὶ μετὰ ἑπτὰ καὶ ἑβδομήκοντα καιρούς –, –
— 27. ἕως καιροῦ συντελείας πολέμου –
11. 13. κατὰ συντέλειαν καιροῦ ἐνιαυτοῦ (8)
— 14. ἐν τοῖς κ. ἐκείνοις (8)
— 27. ἔτι γὰρ συντέλεια εἰς καιρόν (4)
— 29. εἰς καιρὸν ἐπιστρέψει (4)
— 35. ἕως καιροῦ συντελείας ἔτι γὰρ καιρὸς εἰς ὥρας (8, –)
12. 4. ἕως καιροῦ συντελείας (8)
— 7. ἕως καιροῦ συντελείας –
— 7. εἰς καιρὸν καὶ καιροὺς καὶ ἥμισυ καιροῦ (4, 4, –)
— 8. οὐ διενοήθην παρ' αὐτὸν τὸν κ. –
Da. TH. Su. 14. κοινῇ συνετάξαντο καιρόν
2. 8. καιρὸν ὑμεῖς ἐξαγοράζετε (6)
— 9. ἕως οὗ ὁ κ. παρέλθῃ (6)
— 21. αὐτὸς ἀλλοιοῖ καιροὺς καὶ χρόνους (6)
3. (38). οὐκ ἔστιν ἐν τῷ κ. τούτῳ ἄρχων
4. 13. ἑπτὰ καιροὶ ἀλλαγήσονται ἐπ' αὐτόν (6)
— 20. ἕως οὗ ἑπτὰ καιροὶ ἀλλοιωθῶσιν ἐπ' αὐτόν (6)
— 22, 29. ἑπτὰ καιροὶ ἀλλαγήσονται ἐπὶ σέ (6)
— 33. αὐτῷ τῷ κ. αἱ φρένες μου ἐπεστράφησαν (2)
6. 10 (11), 13 (14). καιροὺς τρεῖς τῆς ἡμέρας (2)
7. 12. ἕως καιροῦ καὶ καιροῦ (2, 6)
— 22. ὁ κ. ἔφθασε (2)
— 25. τοῦ ἀλλοιῶσαι καιροὺς καὶ νόμον (2)
— 25. A ἕως καιροῦ καὶ καιροῦ [B *om.* καὶ κ.] καὶ καιρῶν καὶ ἥμισυ καιροῦ (6, –, 6, 6)
8. 17. ἔτι γὰρ εἰς καιροῦ πέρας ἡ ὅρασις (8)
— 19. ἔτι γὰρ ὡς καιροῦ πέρας ἡ ὅρασις (4)
9. 25. ἐκκενωθήσονται οἱ κ. (8)
— 27. ἕως τῆς συντελείας καιροῦ –
11. 6. R ἐν τοῖς κ. ἀναστήσεται [A B *al.*] (8)
— 13. εἰς τὸ τέλος τῶν κ. ἐνιαυτῶν (8)
— 14. ἐν τοῖς κ. ἐκείνοις (8)
— 24. καὶ ἕως καιροῦ (8)
— 27. ὅτι ἔτι πέρας εἰς καιρόν (4)
— 29. εἰς τὸν κ. ἐπιστρέψει (4)
— 35. τοῦ ἀποκαλυφθῆναι ἕως καιροῦ πέρας ὅτι ἔτι εἰς καιρόν (8, 4)
— 40. ἐν καιροῦ [A τῷ κ.] πέρατι (8)
12. 1. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
— 1. ἔσται καιρὸς θλίψεως (8)
— 1. ἕως τοῦ κ. ἐκείνου (8)
— 1. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
— 4. ἕως καιροῦ συντελείας (8)
— 7. εἰς καιρὸν καιρῶν [A καὶ καιροὺς] καὶ ἥμισυ [A εἰς ἡ.] καιροῦ (4, 4, –)
— 9. ἕως καιροῦ πέρας (8)
— 11. ἀπὸ καιροῦ παραλλάξεως τοῦ ἐνδελεχισμοῦ (8)
1 Ma. 2. 25. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ
— 49. ἐλεγμὸς καὶ καιρὸς καταστροφῆς
— 53. Ἰωσὴφ ἐν καιρῷ στενοχωρίας αὐτοῦ
4. 54. κατὰ τὸν κ. καὶ κατὰ τὴν ἡμέραν
— 59. ἐν τοῖς κ. αὐτῶν
— 60. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ
6. 36. οὗτοι πρὸ καιροῦ . . . ἦσαν
8. 25. ὡς ἂν ὁ κ. ὑπογραφῇ αὐτοῖς
— 27. ὡς ἂν αὐτοῖς ὁ κ. ὑπογραφῇ
9. 7. οὐκ εἶχε καιρὸν συναγαγεῖν αὐτούς
— 10. ἤγγικεν ὁ κ. ἡμῶν
— 31, 55, 56. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ
11. 14. κατὰ τοὺς κ. ἐκείνους
12. 1. ὁ κ. αὐτῷ [S¹ -ῶν] συνεργεῖ
— 10. πολλοὶ γὰρ κ. διῆλθον
— 11. ἐν παντὶ κ. ἀδιαλείπτως
13. 5. ἐν παντὶ κ. θλίψεως
15. 33. ἀκρίτως ἔν τινι κ. κατεκρατήθη

I Ma. 15. 34. ἡμεῖς δὲ καιρὸν ἔχοντες
II Ma. 1. 5. μὴ ὑμᾶς ἐγκαταλείποι ἐν κ. πονηρῷ
3. 5. κατ' ἐκεῖνον τὸν κ.
4. 17. ταῦτα ὁ ἀκόλουθος κ. δηλώσει
— 32. εἰληφέναι καιρὸν εὐφυῆ
5. 1. περὶ δὲ τὸν κ. τοῦτον
7. 20. μιᾶς ὑπὸ καιρὸν ἡμέρας
9. 1. περὶ δὲ τὸν κ. ἐκεῖνον
— 23. καθ' οὓς κ. . . . ἐστρατοπέδευσεν
— 25. τοῖς κ. ἐπέχοντας
12. 30. ἐν τοῖς τῆς ἀτυχίας κ.
14. 5. καιρὸν δὲ λαβὼν τῆς ἰδίας ἀνοίας συνεργόν
15. 37. ἀπ' ἐκείνων τῶν κ. κρατηθείσης τῆς πόλεως
III Ma. 4. 14. μιᾶς ὑπὸ καιρὸν ἡμέρας
5. 15. ὑπέδειξε τὸν τῆς συμποσίας κ. ἤδη παρατρέχοντα
IV Ma. 1. 10. τοὺς κατὰ τοῦτον τὸν κ. . . . ἀποθανόντας
3. 19. ὁ κ. ἡμᾶς καλεῖ
14. 19. περὶ τὸν τῆς κηρογονίας κ.
18. 9. τὸν τῆς ἀτεκνίας οὐκ ὠδυνήθη κ.
[Aq. Dt. 11. 14 : I Ki. 9. 24 : III Ki. 14. 1 : Jb. 24. 1 : Ps. 4. 8 : 9. 22 (10. 1) : 30 (31). 16 : 31 (32). 6 : 61 (62). 9 : Ec. 7. 18 (17), 23 (22) : 8. 9 : Je. 5. 24 : 14. 8 : 15. 11 *bis* : 46 (26). 17 : 51 (28). 33 : Ez. 16. 8 : 35. 5 *bis*.]
[Sm. Dt. 11. 14 : I Ki. 4. 20 : Jb. 22. 16 : 38. 32 : Ps. 4. 8 : 9. 22 (10. 1) : 30 (31). 16 : 31 (32). 6 : 61 (62). 9 : 68 (69). 14 : 70 (71). 9 : 80 (81). 16 : 118 (119). 126 : Pr. 25. 11 : Ec. 3. 11 : 7. 23 (22) : 8. 6 : Ca. 2. 12 : Is. 33. 6 : Je. 5. 24 : 15. 11 : 46 (26). 17 : 51 (28). 33 : Ez. 4. 10 : 12. 23 : 16. 8 : 23. 43 : 35. 5 *bis*.]
[Th. Dt. 11. 14 : I Ki. 13. 8 : Jb. 24. 1 : 38. 32 : 39. 1, 18 : Ps. 4. 8 : 30 (31). 16 : 73 (74). 8 : Je. 8. 12 : 33 (40). 15, 20 : Ez. 16. 8 : 30. 3 : 35. 5 *bis* : Da. 9. 27 : 11. 13, 29 : 12. 7 *bis*.]
[Al. Ex. 9. 27 : 13. 10 : Le. 16. 2 : Nu. 16. 2 : 28. 2 : I Ki. 20. 35 : Ps. 118 (119). 126 : Da. 11. 13.]
[Heb. Ez. 16. 8.]
[Quint. Ps. 30 (31). 16.]

καίτοι.
IV Ma. 2. 6.

καιφάζ, κεφάζ. (1) פֵּז
Ca. 5. 11. R κεφαλὴ αὐτοῦ χρυσίον κεφάζ [A B καιφάζ] (1)

καιχάρ, κεχάρ. (1) כִּכָּר
II Ki. 18. 23. ὁδὸν τὴν τοῦ κ. (1)

κἀκεῖ, *vid.* ἐκεῖ.

κἀκεῖθεν, *vid.* ἐκεῖθεν.

κἀκεῖνος, *vid.* ἐκεῖνος.

κακηγορεῖν.
IV Ma. 9. 14. S R κατὰ πᾶν μέλος κλώμενος ἐκακηγόρει [A κατηγόρει]

κακία. (1) אִוֶּלֶת (2) אָוֶן (3) *a.* דֶּרֶךְ *b.* דֶּרֶךְ רָעָה (4) חַטָּאת (5) כָּזָב (6) מִשְׁגֶּבָה (7) עָוֹן (8) עָנָה pi. (9) עָנִי (10) עֶרְוָה (11) *a.* רָעַע hi. *b.* רַע *c.* רֹעַ *d.* רָעָה
Ge. 6. 5. ἐπληθύνθησαν αἱ κ. τῶν ἀνθρώπων (11 *d*)
31. 52. μηδὲ σὺ διαβῇς . . . ἐπὶ κακίᾳ (11 *d*)
Ex. 22. 23 (22). ἐὰν δὲ κακίᾳ κακώσητε αὐτούς (8)
23. 2. οὐκ ἔσῃ μετὰ πλειόνων ἐπὶ [B[1] ἐν] κακίᾳ (11 *d*)
32. 12. ἵλεως γενοῦ ἐπὶ τῇ κ. τοῦ λαοῦ σου (11 *d*)
— 14. A ἱλάσθη κύριος περὶ τῆς κ. [B *om.* π. τ. κ.] (11 *d*)
De. 31. 18. διὰ πάσας τὰς κ. ἃς ἐποίησαν (11 *d*)
Jd. 9. 56. A ἀπέστρεψεν . . . τὴν κ. Ἀβ. [B *al.*] (11 *d*)
— 57. A πᾶσαν κ. ἀνδρῶν Συκ. [B *al.*] (11 *d*)
16. 18. A ἀνήγγειλέν μοι πᾶσαν τὴν κ. αὐ. [B *al.*] †
20. 3. A ποῦ ἐγένετο ἡ κ. [B πονηρία] αὕτη (11 *d*)
— 12. A τίς ἡ κ. [B πονηρία] αὕτη (11 *d*)
— 13. A ἐξαροῦμεν κακίαν ἐξ Ἰσραήλ [B *al.*] (11 *d*)
— 34. φθάνει ἐπ' αὐτοὺς ἡ κ. [A *al.*] (11 *d*)
— 41. A ἥπται αὐτοῦ ἡ κ. [B *al.*] (11 *d*)
I Ki. 6. 9. πεποίηκεν ἡμῖν τὴν κ. τὴν μεγ. τ. (11 *d*)
I Ki. 12. 17. ἡ κ. ὑμῶν μεγάλη (11 *d*)
— 19. B ὅτι προστεθείκαμεν . . . κακίαν (11 *d*)
— 20. B ὑμεῖς πεποιήκατε τὴν πᾶσαν κ. ταύτην (11 *d*)
— 25. B ἐὰν κακίᾳ κακοποιήσητε (11 *a*)
17. 28. A ἐγὼ οἶδα . . . τὴν κ. τῆς καρδίας σου (11 *c*)
20. 7. συντετέλεσται ἡ κ. παρ' αὐτοῦ (11 *d*)
— 9. συντετέλεσται ἡ κ. παρὰ τοῦ πατρός μου (11 *d*)
— 33. συντετέλεσται ἡ κ. αὕτη παρὰ τοῦ πατρὸς αὐτοῦ †
23. 9. οὐ παρασιωπῇ Σ. περὶ αὐτοῦ τὴν κ. (11 *d*)
24. 12. οὐκ ἔστι κακία ἐν τῇ χειρί μου (11 *d*)
25. 17. συντετέλεσται ἡ κ. εἰς τὸν κύριον ἡμῶν (11 *d*)
— 28. κακία οὐχ εὑρεθήσεται ἐν σοὶ πώποτε (11 *d*)
— 39. τὴν κ. Νάβαλ ἀπέστρεψε κύριος (11 *d*)
29. 6. οὐχ εὕρηκα κατὰ σοῦ [A ἐν σοὶ] κακίαν (11 *d*)
— 7. οὐ μὴ ποιήσεις κακίαν (11 *b*)
II Ki. 3. 25. οὐκ οἶδας τὴν κ. Ἀβ. –
— 39. ἀποδῷ [A ἀνταποδοῖ] κύριος . . . κατὰ τὴν κ. αὐτοῦ (11 *d*)
13. 15. B μείζων ἡ κ. ἡ ἐσχάτη –
— 16. περὶ τῆς κ. τῆς μεγάλης ταύτης (11 *d*)
15. 14. καὶ ἐξώσῃ ἐφ' ἡμᾶς τὴν κ. (11 *d*)
16. 8. καὶ ἰδοὺ σὺ ἐν τῇ κ. σου (11 *d*)
24. 16. παρεκλήθη κύριος ἐπὶ [A ἐν] τῇ κ. (11 *d*)
III Ki. 1. 52. ἐὰν κακία εὑρεθῇ ἐν αὐτῷ (11 *d*)
3. 1 (2. 44). οἶδας [A ἔγνως] πᾶσαν τὴν κ. σου (11 *d*)
— 1 (2. 44). ἀνταπέδωκε κύριος τὴν κ. σου (11 *d*)
9. 9. ἐπήγαγε . . . τὴν [A σύμπασαν τ.] κ. ταύτην (11 *d*)
11. 25. A αὕτη ἡ κ. Ἀδέρ [B ἣν ἐποίησεν Ἀ.] (11 *d*)
13. 33. οὐκ ἐπέστρεψεν Ἱερ. ἀπὸ τῆς κ. αὐτοῦ (3 *b*)
14. 10. A ἐγὼ ἄγω κακίαν πρὸς σέ (11 *d*)
16. 7. ἐλάλησε . . . πᾶσαν [A *om.*] τὴν κ. (11 *d*)
20 (21). 29. οὐκ ἐπάξω τὴν κ. ἐν ταῖς ἡμ. αὐ. (11 *d*)
— 29. ἐπάξω τὴν κ. (11 *d*)
21 (20). 7. κακίαν οὗτος ζητεῖ (11 *d*)
IV Ki. 6. 33. αὕτη ἡ κ. παρὰ κυρίου (11 *d*)
14. 10. ἵνα τί ἐρίζεις ἐν τῇ κ. σου [A *al.*] (11 *d*)
I Ch. 21. 8. περίελε δὴ τὴν κ. παιδός σου (7)
— 15. μετεμελήθη ἐπὶ τῇ κ. (11 *d*)
II Ch. 7. 22. ἐπήγαγεν . . . πᾶσαν τὴν κ. τ. (11 *d*)
25. 19. ἵνα τί συμβάλλεις ἐν κακίᾳ (11 *d*)
I Es. 2. 29. καὶ μὴ προβῇ ἐπὶ πλεῖον τὰ τῆς κ.
Ne. 9. 9. S[2] εἶδες τὴν κ. [A B S[1] ταπείνωσιν] τῶν πατέρων (9)
Ju. 2. 2. συντετέλεσε πᾶσαν τὴν κ. τῆς γῆς
Es. 8. 3. ἀφελεῖν τὴν Ἀμὰν κ. (11 *d*)
Jb. 4. 6. ἡ ἐλπίς σου καὶ ἡ κ. τῆς ὁδοῦ σου †
17. 5. A B S[2] τῇ μερίδι ἀναγγελεῖ κακίας †
20. 12. ἐὰν γλυκανθῇ ἐν στόματι αὐτοῦ κακία [A *al.*] (11 *d*)
22. 5. πότερον οὐχ ἡ κ. σου ἐστὶ πολλή (11 *d*)
27. 5. S οὐ γὰρ ἀπαλλάξω μου τὴν κ. [A B ἀκακ.] †
Ps. 35 (36). 4. τῇ δὲ κ. [A S[2] κακίᾳ δὲ] οὐ προσώχθισε (11 *b*)
49 (50). 19. τὸ στόμα σου ἐπλεόνασε κακίαν (11 *d*)
51 (52). 1. τί ἐγκαυχᾷ ἐν κακίᾳ ὁ δυνατὸς ἀνομίαν (11 *d*)
— 3. ἠγάπησας κακίαν ὑπὲρ ἀγαθοσύνην (11 *b*)
106 (107). 34. ἀπὸ κακίας τῶν κατοικούντων ἐν αὐτῇ (11 *d*)
Pr. 1. 16. A S[2] οἱ γὰρ πόδες αὐτῶν εἰς κακίαν τρέχουσιν (11 *b*)
13. 16. ὁ δὲ ἄφρων ἐξεπέτασεν ἑαυτοῦ κακίαν (1)
14. 18. μεριοῦνται ἄφρονες κακίαν (1)
— 32. ἐν κακίᾳ αὐτοῦ ἀπωσθήσεται ἀσεβής (11 *d*)
16. 30. οὗτος κάμινός ἐστι κακίας [A κακῶν] (11 *d*)
19. 7. ὁ πολλὰ κακοποιῶν τελεσιουργεῖ κακίαν –
— 9. ὃς δ' ἂν ἐκκαύσῃ κακίαν (5)
26. 11. οὕτως ἄφρων τῇ ἑαυτοῦ κ. ἀναστρέψας ἐπὶ τὴν ἑαυτοῦ ἁμαρτίαν (1?)
Ec. 5. 12. πλοῦτον φυλασσόμενον τῷ παρ' αὐτοῦ εἰς κακίαν αὐτῷ [A S -οῦ] (11 *d*)
7. 4 (3). A S R ἐν κακίᾳ προσώπου ἀγαθυνθήσεται καρδία [B *om.*] (11 *c*)
— 15 (14). ἴδε ἐν ἡμέρᾳ κακίας (11 *b*)
— 16 (15). ἔστιν ἀσεβὴς μένων ἐν κακίᾳ αὐτοῦ (11 *d*)
12. 1. ἕως ὅτου μὴ ἔλθωσιν αἱ ἡμέραι τῆς κ. (11 *d*)
Wi. 2. 22. ἀπετύφλωσε [S ἐτ.] γὰρ αὐτοὺς ἡ κ. αὐτῶν
4. 11. ἡρπάγη μὴ κακία [S ἡ κ.] ἀλλάξῃ σύνεσιν
5. 13. ἐν δὲ τῇ κ. ἡμῶν κατεδαπανήθημεν
7. 30. σοφίας [A -ίαν, S[1] -ία] δὲ οὐκ ἀντισχύει [A S οὐ κατισχ.] κακία
12. 2. ἀπαλλαγέντες τῆς κ.
— 10. ἔμφυτος ἡ κ. αὐτῶν
Wi. 12. 20. δι' ὧν ἀπαλλαγῶσι τῆς κ.
16. 14. ἄνθρωπος δὲ ἀποκτέννει μὲν τῇ κ. αὐτοῦ
Si. 14. 6. τοῦτο ἀνταπόδομα τῆς κ. αὐτοῦ
— 7. ἐπ' ἐσχάτων ἐκφαίνει τὴν κ. αὐτοῦ
19. 6. ὁ μισῶν λαλιὰν ἐλαττονοῦται [S -αττοῦται] κακίᾳ [A καρδίᾳ]
25. 19. μικρὰ πᾶσα κακία πρὸς κακίαν γυναικός
30. 37 (33. 27). πολλὴν γὰρ κακίαν ἐδίδαξεν ἡ ἀργία
Ho. 7. 1. ἀποκαλυφθήσεται . . . ἡ κ. Σ. (11 *d*)
— 2. πάσας τὰς κ. αὐτῶν ἐμνήσθην (11 *d*)
— 3. ἐν ταῖς κ. αὐτῶν εὔφραναν βασιλεῖς (11 *d*)
9. 15. πᾶσαι αἱ κ. αὐτῶν ἐν [A εἰς] Γ. (11 *d*)
— 15. διὰ τὰς κ. τῶν ἐπιτηδευμ. (11 *c*)
10. 15. ἀπὸ προσώπου ἀδικίας [A *om.* κακιῶν ὑ. (11 *d*)
Am. 3. 6. εἰ ἔσται κακία ἐν πόλει (11 *d*)
Jl. 2. 13. πολυέλεος καὶ μετανοῶν ἐπὶ ταῖς κ. (11 *d*)
Jn. 1. 2. ἀνέβη ἡ κραυγὴ τῆς κ. αὐτῆς πρὸς μέ (11 *d*)
— 7. τίνος ἕνεκεν ἡ κ. αὕτη ἐστὶν ἐν ἡμῖν (11 *d*)
— 8. A τίνος ἕνεκεν ἡ κ. αὕτη ἐστὶν ἐν ἡμῖν (11 *d*)
3. 10. μετενοήσεν ὁ θ. ἐπὶ τῇ κακίᾳ [A τὰ κακά] (11 *d*)
4. 2. καὶ πολυέλεος καὶ μετανοῶν ἐπὶ ταῖς κ. (11 *d*)
Na. 3. 19. ἐπὶ τίνα οὐκ ἐπῆλθεν ἡ κακία σου διὰ παντός (11 *d*)
Za. 7. 10. κακίαν ἕκαστος τοῦ ἀδ. αὐ. μὴ μνησικακείτω (11 *d*)
8. 17. ἕκαστος τὴν κ. τοῦ πλησίον αὐ. μὴ λογίζεσθε (11 *d*)
Is. 29. 20. ἐξωλεθρεύθησαν οἱ ἀνομοῦντες ἐπὶ κακίᾳ (2)
Je. 1. 16. λαλήσω πρὸς αὐτοὺς μετὰ κρίσεως περὶ πάσης τῆς κ. αὐτῶν (11 *d*)
2. 19. ἡ κ. σου ἐλέγξει σε (6)
3. 2. B S καὶ ἐν ταῖς κ. σου (11 *d*)
4. 14. ἀπόπλυνε ἀπὸ κακίας τὴν καρδίαν σου (11 *d*)
— 18. αὕτη ἡ κ. σου ὅτι πικρά (11 *d*)
6. 7. οὕτω ψύχει κακία αὐτῆς (11 *d*)
7. 12. ἀπὸ προσώπου κακίας λαοῦ μου Ἰσραήλ (11 *d*)
8. 6. οὐκ ἔστιν ἄνθρ. μετανοῶν ἀπὸ τῆς κ. αὐ. (11 *d*)
11. 15. ἀφελοῦσιν ἀπὸ σοῦ τὰς κ. σου (11 *d*)
— 17. ἐλάλησεν ἐπὶ σὲ κακὰ ἀντὶ τῆς κ. οἴκου Ἰσραήλ (11 *d*)
12. 4. ξηρανθήσεται ἀπὸ κακίας τῶν κατοικούντων ἐν αὐτῇ [A κ. αὐτῶν] (11 *d*)
13. 22. A διὰ τὸ πλῆθος τῆς κ. [B S ἀδικίας] σου (7)
15. 7. ἀπώλεσαν τὸν λαόν μου διὰ τὰς κ. αὐ. [S *al.*] (3 *a*)
— 13. A διὰ πάσας τὰς κ. [B S ἁμαρτίας] σου (4)
16. 18. διὰ πάσας τὰς κ. αὐτῶν [A S *al.*] (7)
28 (51). 24. ἀνταποδώσω τῇ Βαβ. . . . πάσας τὰς κ. [A ἀδικίας] αὐ. (11 *d*)
La. 1. 22. εἰσέλθοι πᾶσα ἡ κ. αὐτῶν κατὰ πρόσωπόν σου (11 *d*)
Ez. 6. 9. A κόψονται τὰ πρόσωπα αὐτῶν περὶ τῶν κ. [B *om.* π. τ. κ.] (11 *d*)
16. 23. ἐγένετο μετὰ πάσας τὰς κ. σου (11 *d*)
— 37. ἀποκαλύψω τὰς κ. σου πρὸς αὐτούς (10)
— 57. πρὸ τοῦ ἀποκαλυφθῆναι τὰς κ. σου (11 *d*)
20. 43. κόψεσθε [A[2] ὄψεσθαι] τὰ πρόσωπα ὑμῶν ἐν πάσαις ταῖς κ. ὑμῶν (11 *d*)
22. 12. συντελέσω συντέλειαν κακίας σου †
Da. TH. 9. 14. A ἐγρηγόρησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἐπὶ τὴν κ. [B *om.* ὁ θ. ἡ. ἐ. τ. κ.] (11 *d*)
I Ma. 5. 4. ἐμνήσθη τῆς κ. υἱῶν Βαιάν
7. 23. εἶδεν Ἰούδας πᾶσαν τὴν κ.
— 42. κρῖνον αὐτὸν κατὰ τὴν κ. αὐτοῦ
9. 61. τῶν ἀνδρῶν τῆς χώρας τῶν ἀρχηγῶν τῆς κ.
10. 46. A R ἐπεμνήσθησαν [S ἐμν.] τῆς κ. τῆς μεγ.
II Ma. 4. 4. συναύξοντα τὴν κ. τοῦ Σίμωνος
— 47. τὸν μὲν τῆς ὅλης κ. αἴτιον
— 50. ἐπιφυόμενος τῇ κ.
6. 3. δυσχερὴς ἡ ἐπίστασις τῆς κ.
7. 31. σὺ δὲ πάσης κ. εὑρετὴς γενόμενος
9. 4. R τὴν [A *om.*] τῶν πεφυγαδευκότων αὐτὸν κ.
III Ma. 2. 5. R διαδήλους [A ἀδ.] ταῖς κ. γενομένους
— 25. τὰ τῆς κ. ἐπαύξων
IV Ma. 2. 11. S διὰ κακίαν αὐτοὺς [A -ῶν, R -ὰ] κολάζων
[Aq. Ge. 39. 9 : 50. 17 : I Ki. 24. 10 : III Ki. 14. 10 : Ps. 27 (28). 3 : 37 (38). 13 : 39 (40). 15 : 70 (71). 24 : 90 (91). 10 : 140 (141). 5 : Pr. 6. 18 : 11. 19 : 22. 3 : Is. 57. 1 : Je. 17. 16 : 26 (33). 3 : 41 (48). 11 : 51 (28). 24 : Ho. 7. 2 : Na. 1. 11 : Za. 8. 17.]

[Sm. I Ki. 24. 10: Jb. 17. 5: 42. 11: Ps. 140 (141). 5: Pr. 6. 18: 11. 19: 26. 26: Is. 57. 1: Je. 9. 3 (2) *bis*: 17. 16: 51 (28). 24: Za. 8. 17.]
[Th. I Ki. 24. 10: Jb. 17. 5: Pr. 6. 18: 11. 19: 22. 3: Is. 57. 1: Ez. 7. 5 *bis*: Da. 9. 14†: Za. 8. 17.]
[Al. Ps. 43 (44). 25.]

κακίζεσθαι.
IV Ma. 12. 2. *καίπερ δεινῶς ὑπὸ τῶν ἀδελφῶν αὐτοῦ κακισθείς*
[Aq. Ex. 21. 8.]

κακοβουλία.
[Quint. Ps. 138 (139). 20.]

κακογνωμοσύνη.
[Th. Ps. 25 (26). 10.]

κακογνωμονεῖν.
[Quint. Ps. 30 (31). 14.]

κακογνώμων.
[Sm. I Ki. 25. 3.]

κακοήθεια.
Es. 8. 13. *τῷ τῆς κ. ψευδεῖ παραλογισμῷ* [A S *al.*]
III Ma. 3. 22. *τῇ συμφύτῳ κ. τὸ καλὸν ἀπωσάμενοι*
7. 3. A *κατὰ κακοήθειαν πυκνότερον ἡμῖν παρακείμενοι* [R *al.*]
IV Ma. 1. 4. *τῶν . . . παθῶν κυριεύειν ἀναφαίνεται οἷον κακοηθείας*
3. 4. *κακοήθειάν τις ὑμῶν οὐ δύναται ἐκκόψαι*
— 4. *τὸ μὴ καμφθῆναι τῇ κ.*

κακόηθης.
IV Ma. 1. 25. A R *ἐν δὲ τῇ ἡδονῇ ἐστι* [S *ἔνεστιν*] *καὶ ἡ κ. διάθεσις*
2. 16. A R *πάντα γὰρ ταῦτα τὰ* [S *om.*] *κ. πάθη*

κακοηθίζεσθαι.
[Aq. Pr. 26. 18.]

κακολογεῖν. (1) קָלַל *a.* pi. *b.* hi.
Ex. 21. 16 (17). *ὁ κακολογῶν πατέρα αὐτοῦ* (1 *a*)
22. 28 (27). *θεοὺς οὐ κακολογήσεις* (1 *a*)
I Ki. 3. 13. *κακολογοῦντες θεὸν υἱοὶ αὐτοῦ* (1 *a*)
Pr. 20. 20. *κακολογοῦντος πατέρα ἢ μητέρα σβεσθήσεται λαμπτήρ* (1 *a*)
Ez. 22. 7. *πατέρα καὶ μητέρα ἐκακολόγουν ἐν σοί* (1 *b*)
II Ma. 4. 1. *ὁ δὲ προειρημένος* Σ. . . . *ἐκακολόγει τὸν* 'O.

κακόμοχθος.
Wi. 15. 8. *κακόμοχθος θεὸν μάταιον ἐκ τοῦ αὐτοῦ πλάσσει πηλοῦ*

κακοπάθεια. (1) תְּלָאָה
Ma. 1. 13. *ταῦτα ἐκ κακοπαθείας ἐστί* (1)
II Ma. 2. 26. *τοῖς τὴν κ. ἐπιδεδεγμένοις τῆς ἐπιτομῆς*
— 27. *ἡδέως τὴν κ. ὑποίσομεν*
IV Ma. 9. 8. *διὰ τῆσδε τῆς κ. καὶ ὑπομονῆς*
[Sm. Ge. 3. 18 (17): Ps. 11 (12). 6: 15 (16). 4.]

κακοπαθεῖν. (1) עָמַל
Jn. 4. 10. *ὑπὲρ ἧς οὐκ ἐκακοπάθησας ἐπ' αὐτὴν* [A S *al.*] (1)
[Sm. Ps. 126 (127). 2.]

κακοποιεῖν. (1) נָזַק aph. (2) עָוָה hi.
(3) *a.* רָעַע hi. *b.* עָשָׂה רַע *c.* רָעָה *d.* רוּעַ ni.
Ge. 31. 7. *κακοποιῆσαί με* (3 *a*)
— 29. *κακοποιῆσαί σε* (3 *b*)
43. 6. R *τί ἐκακοποιήσατέ με* [A *μοι*] (3 *a*)
Le. 5. 4. *ἡ διαστέλλουσα τοῖς χείλεσι κακοποιῆσαι* (3 *a*)
Nu. 35. 23. *οὐδὲ ζητῶν κακοποιῆσαι αὐτόν* (3 *c*)
Jd. 19. 23. *μὴ κακοποιήσητε* [A *πονηρεύσησθε*] *δή* (3 *a*)
I Ki. 12. 25. B *ἐὰν κακίᾳ κακοποιήσητε* (3 *a*)
25. 34. *ὃς ἀπεκώλυσέ με . . . τοῦ κακοποιῆσαί σε* (3 *a*)
26. 21. *οὐ κακοποιήσω σε* [A *σε ἔτι*] (3 *a*)
II Ki. 20. 6. *νῦν κακοποιήσει ἡμᾶς* Σ. (3 *a*)
24. 17. A *καὶ ἐγὼ ὁ ποιμὴν ἐκακοποίησα* [B *al.*] (2)
III Ki. 16. 33. *ἐκακοποίησεν* [A *om.*] *ὑπὲρ πάντας τοὺς βασ.* –
I Ch. 21. 17. *κακοποιῶν ἐκακοποίησα* (3 *a*, 3 *a*)
I Es. 6. 33. *ἢ κακοποιῆσαι τὸν οἶκον κυρίου*
II Es. 4. 13. *καὶ τοῦτο βασιλεῖς κακοποιεῖ* (1)
— 15. *καὶ κακοποιοῦσα βασιλεῖς* (1)
Es. 1. 1. *ἐζήτησε κακοποιῆσαι τὸν Μαρδ.*
8. 13. *τοὺς ὑποτεταγμένους . . . κακοποιεῖν*
Pr. 4. 16. *οὐ γὰρ μὴ ὑπνώσωσιν ἐὰν μὴ κακοποιήσωσιν* (3 *a*)
6. 18. *πόδες ἐπισπεύδοντες κακοποιεῖν* (3 *c*)
11. 15. *πονηρὸς κακοποιεῖ ὅταν συμμίξῃ δικαίῳ* (3 *d*)
19. 7. *ὁ πολλὰ κακοποιῶν τελεσιουργεῖ κακίαν* –
Si. 19. 28. *ἐὰν εὕρῃ καιρὸν κακοποιήσει* [A² *κ. σε*]
Is. 11. 9. *οὐ μὴ κακοποιήσουσιν* [A *-σωσιν*] (3 *a*)
Je. 4. 22. *σοφοί εἰσι τοῦ κακοποιῆσαι* (3 *a*)
10. 5. *οὐ μὴ* [A *om.*] *κακοποιήσωσι* [A S *-σουσιν*] (3 *a*)
I Ma. 5. 48. *οὐδεὶς κακοποιήσει ὑμᾶς*
[Aq. Je. 7. 26.]
[Sm. Ps. 88 (89). 24: Je. 7. 26.]

κακοποίησις. (1) נָזַק aph.
II Es. 4. 22. *εἰς κακοποίησιν βασιλεῦσι* (1)
III Ma. 3. 2. *ἀνθρώποις συμφρονοῦσιν εἰς κακοποίησιν*

κακοποιός. (1) γυνὴ κ. בּוּשׁ hi. (2) רָעַע hi.
Pr. 12. 4. *οὕτως ἄνδρα ἀπόλλυσι γυνὴ κακοποιός* (1)
24. 19. *μὴ χαῖρε ἐπὶ κακοποιοῖς* [S¹ *κακότητι*] (2)

κακοπραγία (-εια).
Wi. 5. 23. *ἡ κ. περιτρέψει θρόνους δυναστῶν*

κακός. (1) אֻוֶלֶת (2) אָוֶן (3) אֲלִיל (4) זִמָּה (5) לוּץ (6) מָדוֹן (7) מַעֲשֶׂה (8) מַצָּה (9) מְרֹרָה (10) עָמָל (11) *a.* צַר *b.* צָרָה (12) רִיב (13) *a.* רָעַע hi. *b.* רַע *c.* רָעָה (14) רֶשַׁע (15) שׁוֹד (16) עַוְלָה (17) ὁδὸς κ. רַע (18) κ. ὁδοιπόρος הָלַךְ pi. (19) κ. ἀποβαίνειν לוּץ
Ge. 19. 19. R *μή ποτε* [A *om.*] *καταλάβῃ με τὰ κ.* (13 *c*)
24. 50. R *ἀντειπεῖν κακὸν ἢ καλόν* [A *κακὸν καλῷ*] (13 *b*)
26. 29. A¹R *μὴ ποιῆσαι* [A *-ήσειν*] *μεθ' ἡμῶν κακόν* [A² *-κά*] (13 *c*)
44. 34. *ἵνα μὴ ἴδω τὰ κ.* (13 *b*)
48. 16. *ὁ ἄγγελος ὁ ῥυόμενός με ἐκ πάντων τῶν κ.* (13 *b*)
50. 15. *μή ποτε . . . ἀνταποδῷ ἡμῖν πάντα τὰ κ.* (13 *c*)
Ex. 5. 19. *ἑώρων δὲ οἱ γραμματεῖς . . . ἑαυτοὺς ἐν κακοῖς* (13 *b*)
Le. 25. 36. A *οὐ λήψῃ παρ' αὐτοῦ τὸ κ.* [B *τόκον*] †
Nu. 14. 23. *ὅσοι οὐκ οἴδασιν ἀγαθὸν οὐδὲ* [A *ἢ*] *κακόν* –
32. 11. *οἱ ἐπιστάμενοι τὸ ἀγαθὸν καὶ τὸ κ.* –
— 23. *ὅταν ὑμᾶς καταλάβῃ τὰ κ.* –
De. 1. 39. *ὅστις οὐκ οἶδε σήμερον ἀγαθὸν ἢ κακόν* (13 *b*)
29. 21 (20). *διαστελεῖ αὐτὸν κύριος εἰς κακά* (13 *c*)
30. 15. *δέδωκα . . . τὸ ἀγαθὸν καὶ τὸ κ.* (13 *b*)
31. 17. *εὑρήσουσιν αὐτὸν κ. πολλά* (13 *c*)
— 17. *εὕροσάν με τὰ κ. ταῦτα* (13 *c*)
— 21. A *ὅταν εὕρωσιν αὐτὸν κ. πολλά* (13 *c*)
— 29. *τὰ κ. ἔσχατον τῶν ἡμερῶν* (13 *c*)
32. 23. *συνάξω εἰς αὐτοὺς κακά* (13 *c*)
Jo. 23. 15. *πάντα τὰ ῥήματα τὰ καλά* [A¹ *καά*] †
Jd. 2. 15. *ἦν ἐπ' αὐτοὺς* [A *ἦν αὐτοῖς*] *εἰς κακά* (13 *c*)
6. 13. *εἰς τί εὗρεν ἡμᾶς τὰ κ. ταῦτα* [A *al.*] –
15. 3. A *ἐγὼ ποιῶ μεθ' ὑμῶν κακά* [B *al.*] (13 *c*)
I Ki. 10. 19. *σωτὴρ ἐκ πάντων τῶν κ. ὑμῶν* (13 *c*)
20. 13. *ἀνοίσω τὰ κ. ἐπὶ σέ* (13 *c*)
24. 18. *ἐγὼ δὲ ἀνταπέδωκά σοι κακά* (13 *c*)
25. 26. *οἱ ζητοῦντες τῷ κυρίῳ μου κακά* (13 *c*)
— 39. *τὸν δοῦλον αὐτοῦ περιεποιήσατο ἐκ χειρὸς κακῶν* (13 *c*)
II Ki. 12. 11. *ἐξεγείρω ἐπὶ σὲ κακά* (13 *c*)
— 18. *καὶ ποιήσει κακά* (13 *c*)
17. 14. *ὅπως ἂν ἐπαγάγῃ κύριος . . . τὰ κ. πάντα* (13 *c*)
18. 32. *ὅσοι ἐπανέστησαν ἐπ' αὐτὸν εἰς κακά* (13 *c*)
II Ki. 19. 7 (8). *κακόν σοι τοῦτο ὑπὲρ πᾶν τὸ κ. τὸ ἐπελθόν σοι* (13 *c*, 13 *c*)
— 35 (36). *ἀνὰ μέσον ἀγαθοῦ καὶ κακοῦ* (13 *b*)
III Ki. 3. 9. *ἀνὰ μέσον ἀγαθοῦ καὶ κακοῦ* (13 *b*)
20 (21). 21. *ἐπάγω ἐπὶ σὲ κακά* (13 *c*)
22. 8. *οὐ λαλεῖ περὶ ἐμοῦ καλὰ ἀλλ' ἢ κακά* (13 *b*)
— 18. *οὐ προφητεύει οὗτός μοι καλὰ διότι ἀλλ' ἢ κακά* (13 *b*)
— 23. *κύριος ἐλάλησεν ἐπὶ σὲ κακά* (13 *c*)
IV Ki. 8. 12. *ὅσα ποιήσεις τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. κακά* [A *om.*] (13 *c*)
21. 12. *φέρω κακὰ ἐπὶ Ἰερ.* (13 *c*)
22. 16. *ἐπάγω κακὰ ἐπὶ τὸν τόπον τοῦτον* (13 *c*)
— 20. *ἐν πᾶσι τοῖς κ. οἷς ἐγώ εἰμι ἐπάγω* (13 *c*)
I Ch. 7. 23. *ἐν κακοῖς ἐγένετο ἐν οἴκῳ μου* (13 *c*)
II Ch. 18. 7. *πᾶσαι αἱ ἡμέραι αὐτοῦ εἰς κακά* (13 *c*)
— 17. *οὐ προφητεύει περὶ ἐμοῦ ἀγαθὰ ἀλλ' ἢ κακά* (13 *b*)
— 22. *κύριος ἐλάλησεν ἐπὶ σὲ κακά* (13 *c*)
20. 9. *ἐὰν ἐπέλθῃ ἐφ' ἡμᾶς κακά* (13 *c*)
34. 24. *ἐπάγω κακὰ ἐπὶ τὸν τόπον τοῦτον* (13 *c*)
— 28. *οὐκ ὄψονται . . . ἐν πᾶσι τοῖς κ.* (13 *c*)
Ne. 13. 18. *ἤνεγκεν . . . ἐφ' ἡμᾶς πάντα τὰ κ. ταῦτα* (13 *c*)
To. 3. 10. S *ἀπήγξατο ἀπὸ τῶν κ.*
7. 7. S *ὦ ταλαιπώρων κακῶν*
8. 14. S *καὶ οὐδὲν κ. ἐστιν*
12. 7. B S *κακὸν οὐχ εὑρήσει ὑμᾶς*
Es. 1. 1. *φοβούμενοι τὰ ἑαυτῶν κ.*
3. 13. *τὰ* [S¹ *om.*] *χείριστα συντελοῦν κ.*
7. 7. *ἑώρα γὰρ ἑαυτὸν ἐν κακοῖς ὄντα* (13 *c*)
9. 25. *ὅσα δὲ ἐπεχείρησεν ἐπάξαι . . . κ.* (13 *c*)
10. 3. *ἐρρύσατο κύριος ἡμᾶς ἐκ πάντων τῶν κ. τ.*
Jb. 1. 5. *μή ποτε οἱ υἱοί μου . . . κακὰ ἐνενόησαν πρὸς θεόν* †
2. 3. *ἄνθρωπος . . . ἀπεχόμενος ἀπὸ παντὸς κακοῦ* (13 *b*)
— 10. *τὰ κ. οὐχ ὑποίσομεν* (13 *b*)
— 11. *ἀκούσαντες δὲ . . . τὰ κ. πάντα τὰ ἐπελθόντα αὐτῷ* (13 *c*)
4. 12. *οὐθὲν ἄν σοι τούτων κακὸν ἀπήντησε* [A *al.*] †
5. 5. *αὐτοὶ δὲ ἐκ κακῶν οὐκ ἐξαίρετοι ἔσονται* [A *οὐκ ἐξαιρεθήσονται*] †
— 19. *ἐν δὲ τῷ ἑβδόμῳ οὐ μὴ ἅψηταί σου κακόν* (13 *b*)
— 21. *οὐ μὴ φοβηθῇς ἀπὸ κακῶν ἐρχομένων* [S *ἐπερχ.*] (15)
6. 23. A *ὥστε σῶσαί με ἐκ χειρὸς κακῶν* [B S *ἐξ ἐχθρῶν*] (11 *a*)
13. 4. *ὑμεῖς δέ ἐστε . . . ἰαταὶ κακῶν πάντες* (3)
— 26. *κατέγραψας κατ' ἐμοῦ κακά* (9)
16. 2. *παρακλήτορες κακῶν πάντες* (10)
22. 23. *πόρρω ἐποίησας . . . ἄδικον* [A S⁴ *τὸ ἄ.*, S¹ *κακόν*] (16)
27. 15. A *οἱ δὲ περιόντες αὐτῶν κακῷ θανάτῳ τελευτήσωσιν* [B S *al.*] –
28. 28. *τὸ δὲ ἀπέχεσθαι ἀπὸ κακῶν ἐστιν ἐπιστήμη* (13 *b*)
30. 26. *συνήντησάν μοι μᾶλλον ἡμέραι κακῶν* (13 *b*?)
Ps. 7. 4. *εἰ ἀνταπέδωκα τοῖς ἀνταποδιδοῦσί μοι κακά* (13 *b*)
9. 27 (10. 6). *οὐ μὴ σαλευθῶ ἀπὸ γενεᾶς εἰς γενεὰν ἄνευ κακοῦ* (13 *b*)
11 (12). 2. A S² *ἐν καρδίᾳ ἐλάλησαν κακά* [B S¹ *om.*] –
14 (15). 3. *οὐδὲ ἐποίησε τῷ πλησίον αὐτοῦ κακόν* [S¹ *om.*] (13 *c*)
20 (21). 11. *ἔκλιναν εἰς σὲ κακά* (13 *c*)
22 (23). 4. *οὐ φοβηθήσομαι κακά* (13 *b*)
26 (27). 5. *ἔκρυψέ με . . . ἐν ἡμέρᾳ κακῶν μου* (13 *c*)
27 (28). 3. *κακὰ δὲ ἐν ταῖς καρδίαις αὐτῶν* (13 *c*)
33 (34). 13. *παῦσον τὴν γλῶσσάν σου ἀπὸ κακοῦ* (13 *b*)
— 14. *ἔκκλινον ἀπὸ κακοῦ* (13 *b*)
— 16. *πρόσωπον δὲ κυρίου ἐπὶ ποιοῦντας κακά* (13 *b*)
34 (35). 4. *οἱ λογιζόμενοί μοι κακά* (13 *c*)
— 26. *οἱ ἐπιχαίροντες τοῖς κ. μου* (13 *c*)
36 (37). 27. *ἔκκλινον ἀπὸ κακοῦ* (13 *b*)
37 (38). 12. *οἱ ζητοῦντες τὰ κ. μοι* (13 *c*)
— 20. *οἱ ἀνταποδιδόντες κακὰ* [A S² *μοι κακὰ*] *ἀντὶ ἀγαθῶν* (13 *c*)
39 (40). 12. *περιέσχον με κακά* (13 *c*)
— 14. *οἱ θέλοντές μοι κακά* (13 *c*)
40 (41). 5. *οἱ ἐχθροί μου εἶπαν κακά μοι* (13 *b*)
— 7. *ἐλογίζοντο κακά μοι* (13 *c*)
53 (54). 5. *ἀποστρέψει τὰ κ. τοῖς ἐχθροῖς μου* (13 *b*)

Ps. 55 (56). 5. κατ' ἐμοῦ πάντες οἱ διαλογισμοὶ αὐτῶν εἰς κακόν [S² κακά] (13 b)
69 (70). 2. οἱ βουλόμενοί μοι κακά (13 c)
70 (71). 13. οἱ ζητοῦντες τὰ κ. μοι (13 c)
— 20. B ἔδειξάς μοι θλίψεις πολλὰς καὶ κακά [S R -ás] (13 c)
— 24. οἱ ζητοῦντες τὰ κ. μοι (13 c)
72 (73). 18. ἔθου αὐτοῖς [S² add. κακά] –
87 (88). 3. ἐπλήσθη κακῶν ἡ ψυχή μου (13 c)
89 (90). 15. ἐτῶν ὧν εἴδομεν κακά (13 c)
90 (91). 10. οὐ προσελεύσεται πρὸς σὲ κακά (13 c)
106 (107). 26. ἡ ψυχὴ αὐτῶν ἐν κακοῖς ἐτήκετο (13 c)
— 39. ἐκακώθησαν ἀπὸ θλίψεως κακῶν (13 c)
108 (109). 5. ἔθεντο κατ' ἐμοῦ κακὰ ἀντὶ ἀγαθῶν (13 c)
120 (121). 7. φυλάξει σε ἀπὸ παντὸς κ. (13 b)
139 (140). 11. ἄνδρα ἄδικον κακὰ θηρεύσει εἰς καταφθοράν [A S διαφθ.] (13 b)
Pr. 1. 18. θησαυρίζουσιν ἑαυτοῖς κακὰ ἡ δὲ καταστροφὴ ἀνδρῶν παρανόμων κακή (†, †)
— 28. ζητήσουσί με κακοί –
— 33. ἡσυχάσει ἀφόβως ἀπὸ παντὸς κακοῦ (13 c)
2. 12. ἵνα ῥύσηταί σε ἀπὸ ὁδοῦ κακῆς (13 b)
— 14. οἱ εὐφραινόμενοι ἐπὶ κακοῖς καὶ χαίροντες ἐπὶ διαστροφῇ κακῇ (13 b, 13 b)
— 16. μή σε καταλάβῃ κακὴ βουλή †
3. 7. ἔκκλινε ἀπὸ παντὸς κακοῦ (13 b)
— 29. μὴ τεκτήνῃ ἐπὶ σὸν φίλον κακά (13 c)
— 30. μήτι σε [A S² εἰς σὲ] ἐργάσηται κακόν (13 c)
— 31. μὴ κτήσῃ κακῶν ἀνδρῶν ὀνείδη †
4. 27. ἀπόστρεψον δὲ σὸν πόδα ἀπὸ ὁδοῦ κακῆς (17)
5. 14. παρ' ὀλίγον ἐγενόμην ἐν παντὶ κ. [S¹ καιρῷ] (13 b)
6. 3. ἥκεις γὰρ εἰς χεῖρας κακῶν διὰ σὸν φίλον –
— 11. ἐμπαραγίνεταί σοι ὥσπερ κακὸς ὁδοιπόρος ἡ πενία (18)
— 11. ἡ δὲ ἔνδεια ὥσπερ κακὸς δρομεὺς ἀπαντομολήσει [A al.] †
— 14. τεκταίνεται [B² κατασκευάζει] κακὰ ἐν παντὶ καιρῷ (13 b)
— 18. καρδία τεκταινομένη λογισμοὺς κακούς (2)
8. 13. μεμίσηκα δὲ ἐγὼ διεστραμμένας ὁδοὺς κακῶν (13 b)
9. 7. ὁ παιδεύων κακοὺς λήψεται ἑαυτῷ ἀτιμίαν (5)
— 8. μὴ ἔλεγχε κακούς (5)
— 12. ἐὰν δὲ κακὸς ἀποβῇς [S¹ om.] μόνος ἂν ἀντλήσεις κακά (19 [5], –)
10. 23. ἐν γέλωτι ἄφρων πράσσει κακά (4)
— 29. συντριβὴ δὲ τοῖς ἐργαζομένοις κακά (2)
11. 27. ἐκζητοῦντα δὲ κακὰ καταλήψεται αὐτόν (13 c)
12. 12. ἐπιθυμίαι ἀσεβῶν κακαί (13 b)
— 20. δόλος ἐν καρδίᾳ τεκταινομένου κακά (13 b)
— 21. οἱ δὲ ἀσεβεῖς πλησθήσονται κακῶν (13 b)
— 26. A B S¹ ἁμαρτάνοντας δὲ καταδιώξεται κακά –
13. 10. κακὸς μεθ' ὕβρεως πράσσει κακά (†, 8)
— 12. A δένδρον γὰρ ζωῆς ἐπιθυμία κακή [B S al.] †
— 17. βασιλεὺς θρασὺς ἐμπεσεῖται εἰς κακά (13 b)
— 21. ἁμαρτάνοντας καταδιώξεται κακά (13 c)
14. 6. ζητήσεις σοφίαν παρὰ κακοῖς (5)
— 16. σοφὸς φοβηθεὶς ἐξέκλινεν ἀπὸ κακοῦ (13 b)
— 19. ὀλισθήσουσι κακοὶ ἔναντι ἀγαθῶν (13 b)
— 22. πλανώμενοι τεκταίνουσι κακά (13 b)
— 22. οὐκ ἐπίστανται ἔλεον καὶ πίστιν τέκτονες κακῶν –
— 24. ἡ δὲ διατριβὴ ἀφρόνων κακή (1)
— 25. ῥύσεται ἐκ κακῶν ψυχὴν μάρτυς πιστός –
15. 2. στόμα δὲ ἀφρόνων ἀναγγέλλει κακά (1)
— 3. σκοπεύουσι κακούς τε καὶ ἀγαθούς (13 b)
— 14. στόμα δὲ ἀπαιδεύτων [S¹ ἀσεβῶν] γνώσεται κακά (1)
— 15. πάντα τὸν χρόνον οἱ ὀφθαλμοὶ τῶν κ. προσδέχονται κακά (13 b, –)
— 23. οὐ μὴ ὑπακούσῃ ὁ κ. [S² ἄκακος] αὐτῇ †
— 27 (16. 6). τῷ δὲ φόβῳ κυρίου ἐκκλίνει πᾶς ἀπὸ κακοῦ (13 b)
— 28. στόμα δὲ ἀσεβῶν ἀποκρίνεται κακά (13 c)
16. 2 (4). οἱ δὲ ἀσεβεῖς ἐν ἡμέρᾳ κακῇ ὀλοῦνται (13 c ?)
— 5 (4). φυλάσσεται δὲ ὁ ἀσεβὴς εἰς ἡμέραν κακήν (13 c ?)
— 12. βδέλυγμα βασιλεῖ ὁ ποιῶν κακά (14)
— 17. τρίβοι ζωῆς ἐκκλίνουσιν [S -κινοῦσιν] ἀπὸ κακῶν (13 b)
— 22. παιδεία δὲ ἀφρόνων κακή (1)
— 27. ἀνὴρ ἄφρων ὀρύσσει ἑαυτῷ κακά (13 c)
Pr. 16. 28. ἀνὴρ σκολιὸς διαπέμπεται κακὰ καὶ λαμπτῆρα δόλου [S χόλου] πυρσεύσει κακοῖς (6, †)
— 30. ὁρίζει [A ὀργίζει] δὲ τοῖς χείλεσιν αὐτοῦ παντὰ τὰ κ. (13 c)
— 30. A οὗτος κάμινός ἐστι κακῶν [B S κακίας] –
17. 4. κακὸς ὑπακούει γλώσσης παρανόμων (13 a)
— 11. ἀντιλογίας ἐγείρει πᾶς κακός (13 b)
— 12. οἱ δὲ ἄφρονες διαλογιοῦνται κακά (1)
— 13. ὃς ἀποδίδωσι κακὰ ἀντὶ ἀγαθῶν οὐ κινηθήσεται κακὰ ἐκ τοῦ οἴκου [A εἰς τοὺς οἴκους] αὐτοῦ (13 c, 13 c)
— 16 (20). ὁ δὲ σκολιάζων τοῦ μαθεῖν ἐμπεσεῖται εἰς κακά (13 c)
— 20. ἀνὴρ εὐμετάβολος γλώσσῃ ἐμπεσεῖται εἰς κακά (13 c)
18. 3. ὅταν ἔλθῃ ἀσεβὴς εἰς βάθος κακῶν –
— 6. χείλη ἄφρονος ἄγουσιν αὐτὸν εἰς κακά (12)
19. 6. πᾶς δὲ ὁ [A B³ S² om.] κ. γίνεται ὄνειδος [A ἄδικος] ἀνδρί †
— 27. μελετήσει ῥήσεις κακάς †
20. 30. ὑπώπια καὶ συντρίμματα συναντᾷ κακοῖς (13 b)
21. 12. φαυλίζει ἀσεβεῖς ἐν κακοῖς (13 b)
— 26. ἀσεβὴς ἐπιθυμεῖ ὅλην τὴν ἡμέραν ἐπιθυμίας κακάς –
22. 8. ὁ σπείρων φαῦλα θερίσει κακά (2)
— 14. εἰσὶν ὁδοὶ κακαὶ ἐνώπιον ἀνδρός –
— 14. ἀποστρέφειν δὲ δεῖ ἀπὸ ὁδοῦ σκολιᾶς καὶ κακῆς –
— 16. A S² πολλὰ ποιεῖ τὰ ἑαυτοῦ κ. [B S¹ om.] –
24. 1. μὴ ζηλώσῃς κακοὺς ἄνδρας (13 c)
— 10. ἐν ἡμέρᾳ κακῇ καὶ ἐν ἡμ. θλίψεως (11 b)
— 16. οἱ δὲ ἀσεβεῖς ἀσθενήσουσιν ἐν κακοῖς (13 c)
— 34 (30. 11). ἔκγονον κακὸν πατέρα καταρᾶται –
— 35 (30. 12). ἔκγονον κακὸν δίκαιον ἑαυτὸν κρίνει –
— 36 (30. 13). ἔκγονον κακὸν ὑψηλοὺς ὀφθαλμοὺς ἔχει –
— 37 (30. 14). ἔκγονον κακὸν μαχαίρας τοὺς ὀδόντας ἔχει –
25. 19. ὁδὸς [A ὁδοὺς] κακοῦ καὶ ποὺς παρανόμου ὀλεῖται ἐν ἡμέρᾳ κακῇ (†, 11 b)
27. 12. πανοῦργος κακῶν ἐπερχομένων ἀπεκρύβη (13 c)
— 21. καρδία ἀνόμου ἐκζητεῖ κακά –
28. 5. ἄνδρες κακοὶ οὐ συνήσουσι [B² S νοήσουσιν] κρίμα (13 b)
— 10. ὃς πλανᾷ εὐθεῖς ἐν ὁδῷ κακῇ (13 b)
— 14. ὁ δὲ σκληρὸς τὴν καρδίαν ἐμπεσεῖται κακοῖς (13 c)
— 20. ὁ δὲ κ. οὐκ ἀτιμώρητος ἔσται †
31. 12. A ἐνεργεῖ γὰρ τῷ ἀνδρὶ ἀγαθὸν καὶ οὐ κακὸν πάντα τὸν βίον [B S al.] (13 b)
Ec. 4. 17. οὐκ εἰσὶν εἰδότες τοῦ ποιῆσαι κακόν [S τὸ καλόν] (13 b)
9. 2. συνάντημα ἓν . . . τῷ ἀγαθῷ καὶ τῷ κ. –
— 12. A S R οἱ ἰχθύες οἱ θηρευόμενοι ἐν ἀμφιβλήστρῳ κ. [B καλῷ] (13 b)
Wi. 14. 22. τὰ τοσαῦτα κ. εἰρήνην προσαγορεύουσιν
— 27. ἡ γὰρ τῶν ἀνωνύμων εἰδώλων θρησκεία παντὸς ἀρχὴ κακοῦ
15. 6. κακῶν ἐρασταὶ . . . καὶ οἱ δρῶντες καὶ οἱ ποθοῦντες
— 12. κἂν ἐκ κακοῦ πορίζειν
16. 8. σὺ εἶ ὁ ῥυόμενος ἐκ παντὸς κακοῦ
Si. 7. 1. μὴ ποίει κακὰ καὶ οὐ μή σε [S om.] καταλάβῃ κακόν
11. 14. ἀγαθὰ καὶ κακὰ . . . παρὰ κυρίου ἐστί
— 25. ἐν ἡμέρᾳ ἀγαθῶν [A -θῇ] ἀμνησία κακῶν καὶ ἐν ἡμέρᾳ κακῶν οὐ μνησθήσεται ἀγαθῶν
— 31. τὰ γὰρ ἀγαθὰ εἰς κακὰ μεταστρέφων ἐνεδρεύει
12. 3. οὐκ ἔστιν ἀγαθὰ τῷ ἐνδελεχίζοντι εἰς κακά
— 5. διπλάσια γὰρ κακὰ εὑρήσεις ἐν πᾶσιν ἀγαθοῖς
— 8. οὐ κρυβήσεται ἐν κακοῖς ὁ ἐχθρός
— 9. ἐν τοῖς κ. αὐτοῦ καὶ ὁ φίλος διαχωρισθήσεται
— 17. κακὰ ἂν ὑπαντήσῃ σοι
13. 25. ἐὰν [A S ἐάν τε] εἰς ἀγαθὰ ἐάν τε εἰς κακά
17. 7. ἀγαθὰ καὶ κακὰ ὑπέδειξεν αὐτοῖς
18. 8. τί τὸ ἀγαθὸν αὐτοῦ καὶ τί τὸ κ. αὐτοῦ
20. 9. ἔστιν εὐοδία [A εὐωδ.] ἐν κακοῖς ἀνδρί
— 18. πτῶσις κακῶν κατὰ σπουδὴν ἥξει
21. 4. καταπληγμὸς [B² κακῶν πλῆθος] καὶ ὕβρις
22. 26. εἰ κακά μοι συμβῇ δι' αὐτόν
27. 22. διανεύων [A καὶ ἐννεύων] ὀφθαλμῷ τεκταίνει [S² -εται, B² κατασκευάζει] κακά
Si. 34 (31). 10. τίς ἐδύνατο . . . ποιῆσαι κακὰ καὶ οὐκ ἐποίησε
— 13. κακὸν ὀφθαλμὸς πονηρός
36 (33). 1. τῷ φοβουμένῳ κύριον οὐκ ἀπαντήσει κακόν
— 14. ἀπέναντι τοῦ κ. τὸ ἀγαθόν
37. 18. τέσσαρα μέρη ἀνατέλλει ἀγαθὸν καὶ κακὸν ζωὴ καὶ θάνατος
39. 4. ἀγαθὰ γὰρ καὶ κακὰ ἐν [A om.] ἀνθρώποις ἐπείρασε
— 25. οὕτως τοῖς ἁμαρτωλοῖς κακά
— 27. τοῖς ἁμαρτωλοῖς τραπήσεται εἰς κακά
Am. 6. 3. οἱ ἐρχόμενοι [A εὐχ.] εἰς ἡμέραν κακήν (13 b)
9. 4. στηριῶ τοὺς ὀφθαλμούς μου . . . εἰς κακά (13 c)
— 10. οὐδὲ μὴ γένηται ἐφ' ἡμᾶς τὰ κακά (13 c)
Mi. 1. 12. κατέβη κακὰ παρὰ κυρίου (13 b)
2. 1. ἐργαζόμενοι κακὰ ἐν ταῖς κοίταις αὐτῶν (13 b)
— 3. λογίζομαι ἐπὶ τὴν φυλὴν τ. κακά (13 c)
3. 11. οὐ μὴ ἐπέλθῃ ἐφ' ἡμᾶς κακά [A τὰ κακά] (13 c)
4. 9. καὶ νῦν ἵνα τί ἔγνως κακά †
7. 3. ἐπὶ τὸ κ. τὰς χεῖρας αὐτῶν ἑτοιμάζουσιν (13 b)
Jl. 3 (4). 13. ὅτι πεπλήθυνται τὰ κακὰ αὐτῶν (13 c)
Jn. 3. 10. μετενόησεν ὁ θ. ἐπὶ τῇ κακίᾳ [A τὰ κακά] (13 c)
4. 6. τοῦ σκιάζειν αὐτῷ ἀπὸ τῶν κ. αὐ. (13 c)
Hb. 2. 9. ὁ πλεονεκτῶν πλεονεξίαν κακὴν τῷ οἴκῳ αὐτοῦ (13 b)
— 9. τοῦ ἐκσπασθῆναι ἐκ χειρὸς κακῶν (13 b)
Ze. 3. 15. οὐκ ὄψῃ κακὰ οὐκέτι (13 b)
Za. 1. 15. αὐτοὶ δὲ συνεπέθεντο εἰς κακά (13 c)
Ma. 1. 8. ἐὰν προσαγάγητε τυφλὸν . . . οὐ κακόν; καὶ ἐὰν προσαγ. χωλὸν . . . οὐ κακόν (13 b, 13 b)
Is. 7. 16. πρὶν ἢ γνῶναι τὸ παιδίον ἀγαθὸν ἢ κακόν (13 b)
13. 11. ἐντελοῦμαι τῇ οἰκουμένῃ ὅλῃ κακά (13 c)
26. 15. πρόσθες αὐτοῖς κακά, κύριε, πρόσθες κακά [S al.] –, –
28. 9. τίνι ἀνηγγείλαμεν κακά †
31. 2. ἦγεν ἐπ' αὐτοὺς κακά (13 b)
45. 7. ὁ ποιῶν εἰρήνην καὶ κτίζων κακά (13 b)
46. 7. ἀπὸ κακῶν οὐ μὴ σώσῃ αὐτόν (11 b)
57. 12. ἀπαγγελῶ . . . τὰ κ. σου (7)
Je. 1. 14. ἀπὸ προσώπου βορρᾶ ἐκκαυθήσεται τὰ κ. (13 c)
2. 3. κακὰ ἥξει ἐπ' αὐτούς (13 c)
— 27. ἐν τῷ καιρῷ τῶν κ. αὐτῶν (13 c)
4. 6. κακὰ ἐγὼ ἐπάγω ἀπὸ βορρᾶ (13 c)
5. 12. οὐχ ἥξει ἐφ' ἡμᾶς κακά (13 c)
6. 1. κακὰ ἐκκέκυφεν ἀπὸ βορρᾶ (13 c)
— 19. ἐπάγω ἐπὶ τὸν λαὸν τοῦτον κακά [S al.] (13 c)
7. 6. ὀπίσω θεῶν ἀλλοτρίων μὴ πορεύησθε εἰς κακὸν ὑμῖν (13 b)
— 24. τοῖς ἐνθυμήμασι [A ἐπιθ.] τῆς καρδίας αὐτῶν τῆς κ. (13 b)
9. 3 (2). ἐκ κακῶν εἰς κακὰ ἐξῆλθοσαν (13 c, 13 c)
— 14 (13). τῶν ἀρεστῶν [A ἐρασ.] τῆς καρδίας αὐτῶν τῆς κ. –
11. 11. ἐπάγω ἐπὶ τὸν λαὸν τοῦτον κακά (13 c)
— 12. ἐν τῷ καιρῷ τῶν κ. αὐτῶν (13 c)
— 17. ἐλάλησεν ἐπὶ σὲ κακά (13 c)
— 23. ἐπάξω κακὰ ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἀναθώθ (13 c)
13. 23. δυνήσεσθε εὖ ποιῆσαι μεμαθηκότες τὰ κ. (13 a)
14. 8. σώζεις ἐν καιρῷ κακῶν (11 b)
— 16. ἐκχεῶ ἐπ' αὐτοὺς τὰ κ. αὐτῶν (13 c)
15. 11. παρέστην σοι ἐν καιρῷ τῶν κ. αὐτῶν (13 c)
16. 10. ἐλάλησε κύριος ἐφ' ἡμᾶς πάντα τὰ κ. ταῦτα (13 c)
— 19. καταφυγή μου ἐν ἡμέραις κακῶν (11 b)
18. 8. ἐπιστραφῇ τὸ ἔθνος ἐκεῖνο ἀπὸ πάντων τῶν κ. αὐ. καὶ μετανοήσω περὶ [A S add. πάντων] τῶν κ. (13 c, 13 c)
— 11. πλάσσω ἐφ' ὑμᾶς κακά (13 c)
— 20. εἰ ἀνταποδίδοται ἀντὶ ἀγαθῶν κακά (13 c)
19. 3. ἐπάγω ἐπὶ τὸν τόπον τοῦτον κακά (13 c)
— 15. ἐπάγω ἐπὶ τὴν πόλιν ταύτην [A add. κακὰ] . . . καὶ ἐπὶ τὰς κώμας αὐτῆς ἅπαντα τὰ κ. (–, 13 c)
21. 10. ἐστήρικα τὸ πρόσωπόν μου ἐπὶ τὴν πόλιν ταύτην εἰς κακά (13 c)
23. 12. ἐπάξω ἐπ' αὐτοὺς κακά (13 c)
— 17. οὐχ ἥξει ἐπὶ σὲ κακά (13 c)

Je. 25. 16 (49. 37). S ἐπάξω ἐπ' αὐτοὺς κακά [A B *om.*] (13 *c*)
28 (51). 60. ἔγραψεν Ἱερεμίας πάντα τὰ κ. (13 *c*)
— 64. A S R οὐ μὴ ἀναστῇ ἀπὸ προσώπου τῶν κ. [B Χαλδαίων] (13 *c*)
31 (48). 2. ἐλογίσατο ἐπ' αὐτὴν κακά [S *al.*] (13 *c*)
32 (25). 32. κακὰ ἔρχεται ἀπὸ ἔθνους ἐπὶ [A S εἰς] ἔθνος (13 *c*)
33 (26). 3. παύσομαι ἀπὸ τῶν κ. (13 *c*)
— 13. παύσεται κύριος ἀπὸ τῶν κ. (13 *c*)
— 19. ἐπαύσατο κύριος ἀπὸ τῶν κ. . . . ἐποιήσαμεν κακὰ μεγάλα ἐπὶ ψυχὰς [A -αῖς] ἡμῶν (13 *c*, 13 *c*)
36 (29). 11. λογιοῦμαι ἐφ' ὑμᾶς λογισμὸν εἰρήνης καὶ οὐ κακά (13 *c*)
39 (32). 23. συμβῆναι αὐτοῖς πάντα τὰ κ. τ. (13 *c*)
— 42. ἐπήγαγον ἐπὶ τὸν λαὸν τοῦτον πάντα τὰ κ. τὰ μεγάλα ταῦτα (13 *c*)
42 (35). 17. B S φέρω ἐπὶ Ἰούδαν . . . πάντα τὰ κακά (13 *c*)
43 (36). 3. ἴσως ἀκούσεται ὁ οἶκος Ἰούδα πάντα τὰ [A σὰ] κ. (13 *c*)
— 31. ἐπάξω ἐπ' αὐτὸν . . . πάντα τὰ κ. (13 *c*)
46 (39). 16. φέρω τοὺς λόγους μου . . . εἰς κακά (13 *c*)
47 (40). 2. ὁ θεός σου ἐλάλησε τὰ κ. ταῦτα ἐπὶ τὸν τόπον τοῦτον (13 *c*)
48 (41). 11. ἤκουσεν Ἰωάναν . . . πάντα τὰ κ. ἃ ἐποίησεν Ἰσμαήλ (13 *c*)
49 (42). 6. ἐὰν ἀγαθὸν καὶ ἐὰν κακόν (13 *b*)
— 10. ἀναπέπαυμαι ἐπὶ τοῖς κ. [A S ἀπὸ τῶν κ.] (13 *c*)
— 17. οὐκ ἔσται αὐτῶν οὐθεὶς σωζόμενος ἀπὸ τῶν κ. (13 *c*)
51 (44). 2. ἑωράκατε πάντα τὰ κ. (13 *c*)
— 5. ἀποστρέψαι ἀπὸ τῶν κ. αὐτῶν (13 *c*)
— 7. ἵνα τί ὑμεῖς ποιεῖτε κακὰ μεγάλα ἐπὶ ψυχαῖς [S¹ -ὰς] ὑμῶν (13 *c*)
— 9. μὴ ἐπιλέλησθε ὑμεῖς τῶν κ. [A ἔργων] τῶν πατ. ὑμῶν καὶ τῶν κ. τῶν βασ. Ἰ. καὶ τῶν κ. τῶν ἀρχόντων ὑμῶν καὶ τῶν κ. τῶν γυναικῶν ὑμῶν (13 *c quater*)
— 17. κακὰ οὐκ εἴδομεν (13 *c*)
— 23. ἐπελάβετο ὑμῶν τὰ κ. ταῦτα (13 *c*)
— 35 (45. 5). ἐπάγω κακὰ ἐπὶ πᾶσαν σάρκα (13 *c*)
Ba. 1. 20. ἐκολλήθη εἰς ἡμᾶς τὰ κ.
— 22. ποιῆσαι τὰ κ. κατ' ὀφθαλμοὺς κυρίου θεοῦ ἡμῶν
2. 2. A R τοῦ ἀγαγεῖν ἐφ' ἡμᾶς κακὰ μεγάλα
— 7. πάντα τὰ κ. ταῦτα ἃ ἦλθεν ἐφ' ἡμᾶς
— 9. ἐγρηγόρησε κύριος ἐπὶ τοῖς κ.
3. 4. ἐκολλήθη [A προσεκ.] ἡμῖν τὰ κ.
4. 18. ὁ γὰρ ἐπαγαγὼν τὰ κ. [A *add.* ὑμῖν]
— 29. ὁ γὰρ ἐπαγαγὼν ὑμῖν τὰ κ.
La. 1. 21. πάντες οἱ ἐχθροί μου ἤκουσαν τὰ κ. μου (13 *c*)
3. 38. ἐκ στόματος ὑψίστου οὐκ ἐξελεύσεται τὰ κ. καὶ τὸ ἀγαθόν (13 *c*)
Ep. Je. 34. ἐὰν κακὸν πάθωσιν ὑπό τινος
— 48. ὅταν γὰρ ἐπέλθῃ [A *om.*] ἐπ' αὐτὰ [A -ούς] πόλεμος καὶ κακά
— 49. οὔτε σώζουσιν ἑαυτοὺς ἐκ πολέμου [A -μων] οὔτε ἐκ κακῶν
Ez. 6. 10. A τοῦ ποιῆσαι αὐτοῖς ἅπαντα τὰ κ. ταῦτα (13 *c*)
14. 22. A B² R μεταμεληθήσεσθε ἐπὶ τὰ κ. . . . πάντα τὰ κ. (13 *c*, –)
20. 44. κατὰ τὰς ὁδοὺς ὑμῶν τὰς κ. (13 *b*)
Da. LXX. Su. 10. οὐ προσεποιεῖτο τὸ κ.
— 52. πεπαλαιωμένε ἡμερῶν κακῶν
3. (44). οἱ ἐνδεικνύμενοι τοῖς δούλοις σου κακά
7. 24. αὐτὸς διοίσει κακοῖς –
9. 12. ἐπαγαγεῖν ἐφ' ἡμᾶς κ. μεγάλα (13 *c*)
— 13. πάντα τὰ κ. ἐπῆλθεν ἡμῖν (13 *c*)
— 14. ἠγρύπνησε κύριος ὁ θεὸς ἐπὶ τὰ κ. (13 *c*)
Da. TH. Su. 52. πεπαλαιωμένε ἡμερῶν κακῶν
3. (44). οἱ ἐνδεικνύμενοι τοῖς δούλοις σου κακά
7. 24. ὃς ὑπεροίσει κακοῖς πάντας τοὺς ἔμπροσθεν –
9. 12. ἐπαγαγεῖν ἐφ' ἡμᾶς κ. μεγάλα (13 *c*)
— 13. πάντα τὰ κ. ταῦτα ἦλθεν ἐφ' ἡμᾶς (13 *c*)
I Ma. 1. 9. ἐπλήθυναν κακὰ ἐν τῇ γῇ
— 11. εὗρεν ἡμᾶς κ. πολλά
— 52. ἐποίησαν κακὰ ἐν τῇ γῇ
2. 30. A S ἐσκληρύνθη [R ἐπληθύνθη] ἐπ' αὐτοὺς τὰ κ.
— 43. πάντες οἱ φυγαδεύοντες ἀπὸ τῶν κ.
3. 42. ἐπληθύνθη τὰ κ.
— 59. ἢ ἐπιδεῖν ἐπὶ τὰ κ. τοῦ ἔθνους ἡμῶν
I Ma. 6. 12. μνήσκομαι τῶν κ.
— 13. εὗρόν με τὰ κ. ταῦτα
— 18. καὶ ζητοῦντες κακά
7. 15. οὐκ ἐκζητήσομεν ὑμῖν κακόν
8. 31. περὶ τῶν κ. ὧν ὁ βασ. Δ. συντελεῖται
9. 71. μὴ ἐκζητῆσαι αὐτῷ κακόν
10. 5. μνησθήσεται γὰρ πάντων τῶν κ.
15. 12. A S ἐπισυνῆκται [R συν.] ἐπ' αὐτὸν κακά
— 19. ὅπως μὴ ἐκζητήσωσιν αὐτοῖς κακά [S¹ *om.* αὐ. κ.]
16. 17. S R ἀπέδωκε [A ἀνταπ.] κακὰ ἀντὶ ἀγαθῶν
II Ma. 1. 25. ὁ διασώζων τὸν Ἰσρ. ἐκ παντὸς κ.
2. 18. ἐξείλατο γὰρ ἡμᾶς ἐκ μεγάλων κ.
4. 1. τῶν κ. δημιουργὸς καθεστηκώς
5. 8. πέρας οὖν κ. ἀναστροφῆς [A καταστρ.] ἔτυχεν
10. 4. R μηκέτι περιπεσεῖν [A παραπ.] τοιούτοις κ.
— 10. R συντέμνοντες τὰ τῶν πολέμων [A τὰ συνέχοντα τῶν πόλεων] κ.
13. 4. τοῦτον αἴτιον τῶν κ. εἶναι πάντων
— 6. ἢ καί τινων ἄλλων κ. ὑπεροχὴν πεποιημένον
III Ma. 2. 12. A ἐρρύσω αὐτοὺς ἐκ μεγάλων κ. [R κινδύνων]
IV Ma. 6. 14. τί τοῖς κ. τούτοις σεαυτὸν . . . ἀπόλλεις
11. 5. A R ἢ κακόν σοι δοκεῖ
12. 15. R σὺ δὲ κ. [A S *om.*] κακῶς οἰμώξεις
17. 2. ἀκυρώσασα τὰς κ. ἐπινοίας αὐτοῦ

[Aq. IV Ki. 17. 11: Ps. 35 (36). 5: 70 (71). 20: Pr. 11. 21: 13. 19: Is. 7. 15: 59. 7, 15: Je. 15. 11: 24. 9: 44 (51). 9, 23, 29 *bis*.]
[Sm. I Ki. 20. 9: Jb. 17. 5: 30. 26: Ps. 20 (21). 12: 29 (30). 8: 35 (36). 5: 40 (41). 6, 8: 53 (54). 7: 55 (56). 6: 89 (90). 15: 90 (91). 10: 96 (97). 10: 106 (107). 39: Pr. 21. 12: Ec. 2. 17: 4. 3, 17: 5. 12, 13: 8. 9: 10. 5: 12. 14: Is. 7. 15: 33. 15: 35. 9: 56. 11: 59. 7, 15: Je. 15. 11: 18. 8: 24. 9: 41 (48). 11: 44 (51). 9, 23: Hb. 1. 13.]
[Th. Ps. 35 (36). 5: Is. 59. 7, 15: Je. 39 (46). 12: 44 (51). 11, 29 *bis*: 50 (27). 21: Ez. 6. 10.]
[Al. Ps. 48 (49). 6: 111 (112). 7: Pr. 14. 13: 16. 30.]

κακοτεχνεῖν.

III Ma. 7. 9. ἐάν τι κακοτεχνήσωμεν πονηρόν

κακότεχνος.

Wi. 1. 4. εἰς κ. ψυχὴν οὐκ εἰσελεύσεται σοφία
15. 4. οὔτε γὰρ ἐπλάνησεν ἡμᾶς ἀνθρώπων κακότεχνος ἐπίνοια
IV Ma. 6. 25. διὰ κ. ὀργάνων καταφλέγοντες αὐτόν

κακότης. (1) רָעַע hi.

Pr. 24. 19. S¹ μὴ χαῖρε ἐπὶ κακότητι [A B S² κακοποιοῖς] (1)

κακοῦν. (1) דָּכָא pu. (2) יָנָה hi. (3) כָּשַׁל ni. (4) לָחַץ (5) עָנָה *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* hithpa. (6) פּוּג ni. (7) רָעַע *a.* qal. *b.* hi. *c.* רַע *d.* רָעָה (8) רָשַׁע hi. (9) שָׁחַח (10) יָנַע pi.

Ge. 15. 13. R κακώσουσιν αὐτούς [A -ό] (5 *c*)
16. 6. R ἐκάκωσεν αὐτὴν Σάρα (5 *c*)
19. 9. R νῦν οὖν σε κακώσωμεν [A -ομεν] (7 *b*)
Ex. 1. 11. ἵνα κακώσωσιν [A -σουσιν] αὐτοὺς ἐν τοῖς ἔργοις (5 *c*)
5. 22. τί ἐκάκωσας τὸν λαὸν τοῦτον (7 *b*)
— 23. ἐκάκωσε τὸν λαὸν τοῦτον (7 *b*)
22. 21 (20). προσήλυτον οὐ κακώσετε (2)
— 22 (21). πᾶσαν χήραν . . . οὐ κακώσετε (5 *c*)
— 23 (22). ἐὰν δὲ κακίᾳ κακώσητε αὐτούς (5 *c*)
23. 9. A προσήλυτον οὐ κακώσετε [B *om.*] (4)
Nu. 11. 11. ἵνα τί ἐκάκωσας τὸν θεράποντά σου (7 *b*)
16. 15. οὐδὲ ἐκάκωσα οὐδένα αὐτῶν (7 *b*)
20. 15. ἐκάκωσαν ἡμᾶς οἱ Αἰγύπτιοι (7 *b*)
24. 24. καὶ κακώσουσιν Ἀσσοὺρ καὶ κακώσουσιν Ἑβραίους (5 *c*, 5 *c*)
29. 7. κακώσετε τὰς ψυχὰς ὑμῶν (5 *c*)
30. 14. πᾶς ὅρκος δεσμοῦ κακῶσαι ψυχήν [A αὐτήν] (5 *c*)
De. 8. 2. ὅπως [B¹ ὡς] ἂν [A *om.*] κακώσῃ σε (5 *c*)
— 3. καὶ ἐκάκωσέ σε (5 *c*)
— 16. ἵνα κακώσῃ σε (5 *c*)
26. 6. ἐκάκωσαν ἡμᾶς οἱ Αἰγύπτιοι (7 *b*)
Jo. 24. 4. ἐκάκωσαν αὐτοὺς οἱ Αἰγύπτιοι –
— 20. καὶ ἐπελθὼν κακώσει ὑμᾶς (7 *b*)
Ru. 1. 21. B ὁ ἱκανὸς ἐκάκωσέ με (7 *b*)
III Ki. 17. 20. κεκάκωκας τοῦ θανατῶσαι τὸν υἱὸν αὐτῆς (7 *b*)
Ju. 11. 1. οὐκ ἐκάκωσα ἄνθρωπον
Jb. 20. 26. κακώσει δὲ αὐτοῦ ἐπήλυτος τὸν οἶκον (7 *b*)
22. 9. ὀρφανοὺς δὲ ἐκάκωσας (1)
24. 24. πολλοὺς γὰρ ἐκάκωσε τὸ ὕψωμα αὐτοῦ †
30. 11. ἀνοίξας γὰρ φαρέτραν αὐ. ἐκάκωσέ με (5 *c*)
31. 30. θρυληθείην δὲ ἄρα ὑπὸ λαοῦ μου κακούμενος †
Ps. 26 (27). 2. ἐν τῷ ἐγγίζειν ἐπ' ἐμὲ κακοῦντας (7 *b*)
37 (38). 8. ἐκακώθην καὶ ἐταπεινώθην ἕως σφόδρα (6)
43 (44). 2. ἐκάκωσας λαοὺς καὶ ἐξέβαλες αὐτούς (7 *b*)
88 (89). 22. υἱὸς ἀνομίας οὐ προσθήσει τοῦ κακῶσαι [A¹ S οὐ κακώσει] αὐτόν (5 *c*)
93 (94). 5. τὴν κληρονομίαν σου ἐκάκωσαν (5 *c*)
105 (106). 32. ἐκακώθη Μωυσῆς δι' αὐτούς (7 *a*)
106 (107). 39. ἐκακώθησαν ἀπὸ θλίψεως κακῶν (9)
Ec. 7. 23 (22). A S² R καθόδους πολλὰς κακώσει καρδίαν σου [B S¹ *al.*] †
8. 9. τοῦ κακῶσαι αὐτόν (7 *c*)
10. 15. μόχθος τῶν ἀφρόνων κακώσει αὐτούς [A S *al.*] (10)
Wi. 19. 16. τοὺς ἤδη τῶν αὐτῶν μετεσχηκότας δικαίων δεινοῖς ἐκάκωσαν πόνοις [S *al.*]
Si. 3. 26. καρδία σκληρὰ κακωθήσεται ἐπ' ἐσχάτων
7. 20. μὴ κακώσῃς οἰκέτην ἐργαζόμενον ἐν ἀληθείᾳ
11. 24. τί ἀπὸ τοῦ νῦν κακωθήσομαι
30. 40 (33. 31). ἐὰν κακώσῃς αὐτόν
33 (36). 9. A² R οἱ κακοῦντες [A¹ κατοικ., B S ἀδικ.] τὸν λαόν σου εὕροισαν ἀπώλειαν
38. 21. τοῦτον οὐκ ὠφελήσεις καὶ σεαυτὸν κακώσεις
49. 7. ἐκάκωσαν γὰρ αὐτὸν καὶ αὐτὸς ἐν μήτρᾳ ἡγιάσθη προφήτης ἐκριζοῦν καὶ κακοῦν
Ho. 9. 7. καὶ κακωθήσεται Ἰ. †
Ze. 1. 12. οὐδὲ μὴ κακώσῃ [S -σει] (7 *b*)
Za. 8. 14. ὃν τρόπον διενοήθην τοῦ κακῶσαι ὑμᾶς (7 *b*)
10. 2. καὶ ἐκακώθησαν διότι οὐκ ἦν ἴασις (5 *a*)
Is. 41. 23. εὖ ποιήσατε καὶ κακώσατε (7 *b*)
50. 9. τίς κακώσει με (8)
53. 7. διὰ τὸ κεκακῶσθαι οὐκ ἀνοίγει τὸ στόμα (5 *b*)
Je. 25. 6. τοῦ κακῶσαι ὑμᾶς (7 *b*)
32 (25). 29. ἐγὼ ἄρχομαι [A ἔρ.] κακῶσαι (7 *b*)
38 (31). 28. καθαιρεῖν καὶ κ. (7 *b*)
51 (44). 27. τοῦ κακῶσαι αὐτοὺς καὶ οὐκ ἀγαθῶσαι [A -θῦναι] (7 *d*)
Ba. 4. 31. δείλαιοι οἱ σὲ κακώσαντες
Ez. 33. 12. ἀνομία ἀσεβοῦς οὐ μὴ κακώσῃ αὐτόν (3)
Da. TH. 10. 12. τοῦ συνεῖναι καὶ κακωθῆναι (5 *d*)
II Ma. 5. 22. τοῦ κακοῦν τὸ γένος
IV Ma. 4. 1. οὐκ ἴσχυσε κακῶσαι

[Aq. Ge. 48. 17: Ps. 14 (15). 4: 43 (44). 3: Pr. 13. 20: Is. 65. 25: Ez. 19. 7.]
[Sm. III Ki. 17. 20: Ps. 77 (78). 49: 87 (88). 8: 88 (89). 23: 89 (90). 15: 101 (102). 24: 115. 1 (116. 10): 118 (119). 71, 75: 128 (129). 3: Ec. 10. 9: Is. 58. 5: Je. 15. 12: Ho. 2. 15 (17).]
[Th. I Ki. 1. 15: Ps. 14. (15). 4: 93 (94). 6: Pr. 13. 20: Ez. 18. 7.]
[Al. Ex. 22. 21 (20): Le. 16. 29, 31: 19. 33: 23. 27: 25. 14: Nu. 35. 23: I Ki. 1. 8: II Ki. 7. 10.]

κακουργεῖν.

[Sm. II Ki. 10. 6: Pr. 13. 20: Ec. 8. 11.]

κακουργία. (1) שׁוֹאָה

Ps. 34 (35). 17. ἀποκατάστησον τὴν ψυχήν μου ἀπὸ τῆς κ. αὐτῶν (1)
II Ma. 3. 32. κ. τινὰ περὶ τὸν Ἡλ. . . . συντετελέσθαι
14. 22. μή ποτε . . . αἰφνιδίως κακουργία γένηται

κακοῦργος. (1) פֹּעֵל אָוֶן

Es. 8. 13. εὑρίσκομεν οὐ κ. ὄντας
Pr. 21. 15. ὅσιος δὲ ἀκάθαρτος παρὰ κακούργοις (1)
Si. 11. 33. πρόσεχε ἀπὸ κακούργου
30. 35 (33. 26). οἰκέτῃ κακούργῳ στρέβλαι

[Sm. Jb. 8. 20: Ps. 26 (27). 2: 36 (37). 1: 63 (64). 3: 93 (94). 16: Ec. 8. 12.]

κακουχεῖν. (1) עָנָה *a.* pi. *b.* hithp.

III Ki. 2. 26. ἐκακουχήθης ἐν πᾶσιν οἷς ἐκακουχήθη ὁ πατήρ μου (1 *b*, 1 *b*)
11. 39. A κακουχήσω τὸ σπέρμα Ἰσρ. (1 *a*)

[Aq. Ge. 16. 6: Ex. 22. 22 (21): Dt. 21. 14: 22. 29: II Ki. 7. 10: III Ki. 11. 39: Jb. 37. 23: Ps. 118 (119). 75: Is. 58. 3, 5, 10.]
[Th. Ps. 88 (89). 23.]

κακουχία.

[Aq. Dt. 16. 3: Ps. 9. 14: 30 (31). 8: 131 (132). 1.]
[Sm. Ps. 43 (44). 25.]

κακοφρονίζειν.

[Aq. II Ki. 15. 31.]

κακοφροσύνη. (1) נִבָּה רוּחַ

Pr. 16. 18. πρὸ δὲ πτώματος κακοφροσύνη (1)

κακόφρων. (1) *a.* גְּרַל־חֵמָה *b.* גְּדָל־חֵמָה (2) סָרַת טַעַם

Pr. 11. 22. οὕτως γυναικὶ κακόφρονι κάλλος (2)
19. 19. BS κακόφρων ἀνὴρ ζημιωθήσεται [AR πολλὰ ζ.] (1 *a* *, 1 *b*)
[Sm., Th. Pr. 11. 22.]

κακωνυμία.

[Sm. Ex. 32. 25.]

κακῶς. (1) κ. εἰπεῖν קָלַל pi. (2) κ. ἐρεῖν *a.* אָרַר *b.* קָלַל pi. (3) κακῶς ἔχειν חָלָה

Ex. 22. 28 (27). A R ἄρχοντα [B -ας] τοῦ λαοῦ σου οὐ κ. ἐρεῖς (2 *a*)
Le. 19. 14. οὐ κ. ἐρεῖς κωφόν (2 *b*)
20. 9. ὃς ἂν [A *om.*] κ. εἴπῃ τὸν πατέρα αὐτοῦ (1)
— 9. μητέρα αὐτοῦ κ. εἶπεν (1)
Wi. 14. 29. κ. ὀμόσαντες ἀδικηθῆναι οὐ προσδέχονται
— 30. κ. ἐφρόνησαν περὶ θεοῦ
18. 19. δι' ὃ κ. πάσχουσιν
Is. 8. 21. κ. ἐρεῖτε τὸν ἄρχοντα (2 *b*)
Je. 7. 9. τοῦ κ. εἶναι ὑμῖν –
Ez. 34. 4. τὸ κ. ἔχον οὐκ ἐσωματοποιήσατε (3)
I Ma. 7. 42. κ. ἐλάλησεν ἐπὶ τὰ ἅγιά σου
III Ma. 1. 14. κ. αὐτὸ τοῦτο τερατεύεσθαι
— 16. τὴν ὁρμὴν τοῦ κ. ἐπιβαλλομένου μεταθεῖναι
IV Ma. 6. 17. μὴ οὕτως κ. φρονήσαιμεν
12. 15. σὺ δὲ κ. οἰμώξεις

κάκωσις. (1) אֵיד (2) *a.* עָנָה pu. *b.* עָנִי (3) רָעָה (4) תַּן

Ex. 3. 7. εἶδον τὴν κ. τοῦ λαοῦ μου (2 *b*)
— 17. ἀναβιβάσω ὑμᾶς ἐκ τῆς κ. τῶν Αἰγ. (2 *b*)
Nu. 11. 15. ἵνα μὴ ἴδω τὴν κ. μου (3)
De. 16. 3. φάγῃ . . . ἄζυμα ἄρτον κακώσεως (2 *b*)
Es. 1. 1. κάκωσις καὶ τάραχος
8. 6. ἰδεῖν [A ἐπιδ.] τὴν κ. τοῦ λαοῦ μου (3)
Ps. 17 (18). 18. προέφθασάν με ἐν ἡμέρᾳ κακώσεώς μου (1)
43 (44). 19. ἐταπείνωσας ἡμᾶς ἐν τόπῳ κακώσεως (4 ?)
Wi. 3. 2. ἐλογίσθη κάκωσις ἡ ἔξοδος αὐτῶν
Si. 11. 27. κάκωσις ὥρας ἐπιλησμονὴν ποιεῖ τρυφῆς
13. 12. οὐ μὴ φείσηται περὶ κακώσεως καὶ δεσμῶν
29. 12. αὕτη ἐξελεῖται σε ἐκ πάσης κακώσεως
Is. 53. 4. ἐλογισάμεθα αὐτὸν εἶναι . . . ἐν κακώσει (2 *a*)
Je. 2. 28. ἐν καιρῷ τῆς κ. σου (3)
11. 14. ἐν καιρῷ κακώσεως αὐτῶν (3)
28 (51). 2. ἐν ἡμέρᾳ κακώσεως αὐτῆς (3)
Ba. 5. 1. ἔκδυσαι . . . τὴν στολὴν τοῦ πένθους καὶ τῆς [A *om.* κ. τ.] κ. σου
II Ma. 3. 39. τοὺς παραγινομένους ἐπὶ κακώσει
[Aq. Ec. 7. 3 (2).]
[Sm. I Ki. 28. 10: Jb. 31. 29: Ps. 7. 10: 9. 27 (10. 6): 26 (27). 5: 30 (31). 8, 11: 39 (40). 15: 40 (41). 2: 43 (44). 25: 48 (49). 6: 70 (71). 20, 24: 87 (88). 10: 106 (107). 41: 131 (132). 1: Pr. 27. 10: Ec. 2. 21: 4. 6: 6. 9: 8. 6: 12. 1: Ez. 7. 5.]
[Th. I Ki. 28. 10: Ec. 7. 3 (2).]
[Al. Ex. 6. 6: I Ki. 1. 11.]

καλαβώτης. (1) לְטָאָה (2) שְׂמָמִית

Le. 11. 30. A B ταῦτα ὑμῖν ἀκάθαρτα . . . καλαβώτης [R χαλ.] (1)
Pr. 24. 63 (30. 28). καλαβώτης χερσὶν ἐρειδόμενος καὶ εὐάλωτος ὤν (2)

κάλαθος. (1) *a.* דּוּד *b.* דּוּדִי

Je. 24. 1. ἔδειξέ μοι κύριος δύο καλάθους σύκων (1 *b*)
— 2. ὁ κ. ὁ εἷς σύκων χρηστῶν σφόδρα . . . καὶ ὁ κ. ὁ ἕτερος σύκων πονηρῶν σφόδρα (1 *a*, 1 *a*)
[Aq. Am. 8. 1.]

καλαμᾶσθαι. (1) נָקַף (2) *a.* עָלַל po. *b.* עוֹלֵלוֹת (3) פָּאַר pi.

De. 24. 20. καλαμήσασθαι τὰ ὀπίσω σου (3)
Jd. 20. 45. ἐκαλαμήσαντο . . . πεντακισχιλίους ἄνδρας [A *al.*] (2 *a*)
Si. 30. 25 (33. 16). ὡς καλαμώμενος ὀπίσω τρυγητῶν
Is. 3. 12. οἱ πράκτορες ὑμῶν καλαμῶνται ὑμᾶς (2 *a*)
24. 13. ὃν τρόπον ἐάν τις καλαμήσηται [S -μᾶται] ἐλαίαν οὕτως καλαμήσονται αὐτούς (1, 2 *b*)
Je. 6. 9. καλαμᾶσθε καλαμᾶσθε ὡς ἄμπελον τὰ κατάλοιπα (2 *a*, 2 *a*)
[Aq. Ex. 5. 7: Je. 6. 9.]
[Sm., Th. Ex. 5. 7.]

καλάμη. (1) עוֹלֵלוֹת (2) עָמִיר (3) קַשׁ (4) שִׁבֹּלֶת (5) שַׁיִת (6) κ. στιππύου נְעוֹרֶת

Ex. 5. 12. συναγαγεῖν καλάμην εἰς ἄχυρα (3)
15. 7. κατέφαγεν αὐτοὺς ὡς καλάμην (3)
Jb. 24. 24. ὥσπερ στάχυς ἀπὸ καλάμης αὐτόματος ἀποπεσών (4)
41. 20 (21). ὡς καλάμη ἐλογίσθησαν [S -ίσατο] σφυρά [S *al.*] (3)
Ps. 82 (83). 13. ὡς καλάμην κατὰ πρόσωπον ἀνέμου [S[1] πυρός] (3)
Wi. 3. 7. ὡς σπινθῆρες ἐν καλάμῃ διαδραμοῦνται
Am. 2. 13. κυλίεται ἡ ἅμαξα ἡ γέμουσα καλάμης (2)
Mi. 7. 1. ὡς συνάγων καλάμην ἐν ἀμητῷ +
Jl. 2. 5. ὡς φωνὴ φλογὸς πυρὸς κατεσθιούσης καλάμην (3)
Ob. 1. 18. ὁ δὲ οἶκος Ἡσαῦ εἰς [S *om.*] καλάμην (3)
Na. 1. 10. καὶ ὡς καλάμη ξηρασίας μεστή (3)
Za. 12. 6. ὡς λαμπάδα πυρὸς ἐν καλάμῃ [S[1] *al.*] (2)
Ma. 4. 1 (3. 19). ἔσονται . . . πάντες οἱ ποιοῦντες ἄνομα καλάμη (3)
Is. 1. 31. ἔσται ἡ ἰσχὺς αὐτῶν ὡς κ. στιππύου (6)
5. 24. καυθήσεται κ. ὑπὸ ἄνθρακος πυρός (3)
17. 6. καταλειφθῇ ἐν αὐτῇ κ. (1)
27. 4. τίς με θήσει φυλάσσειν καλάμην ἐν ἀγρῷ (5 ?)
[Aq. Jb. 41. 21: Is. 40. 24: Je. 6. 9: 13. 24.]
[Sm. Je. 13. 24.]
[Th. Jb. 41. 21: Is. 33. 11: 40. 24.]

καλάμημα.

[Th. Ob. 1. 5.]

καλάμινος. (1) קָנֶה

IV Ki. 18. 21. πέποιθας σαυτῷ ἐπὶ τὴν ῥάβδον τὴν κ. (1)
Is. 36. 6. πεποιθὼς εἶ ἐπὶ τὴν ῥάβδον τὴν κ. τὴν τεθλασμένην ταύτην (1)
Ez. 29. 6. ἐγενήθης ῥάβδος κ. τῷ οἴκῳ Ἰσ. (1)

καλαμίσκος. (1) קָנֶה

Ex. 25. 30 (31). οἱ κ. . . . ἐξ αὐτῆς ἔσται (1)
— 31 (32). ἐξ δὲ καλαμίσκοι ἐκπορευόμενοι ἐκ πλαγίων (1)
— 31 (32). τρεῖς καλαμίσκοι τῆς λυχνίας (1)
— 31 (32). καὶ τρεῖς κ. (1)
— 32 (33). ἐν τῷ ἑνὶ κ. σφαιρωτὴρ καὶ κρίνον (1)
— 32 (33). τοῖς ἐξ κ. τοῖς ἐκπορευομένοις ἐκ τῆς λυχνίας (1)
— 33 (34). ἐν τῷ ἑνὶ κ. σφαιρωτῆρες [A -τήρ] –
— 33 (34). A τοῖς ἐξ κ. τοῖς ἐκπορευομένοις ἐκ τῆς λυχνίας –
— 34 (35). ὁ σφαιρωτὴρ ὑπὸ τοὺς δύο κ. (1)
— 34 (35). σφαιρωτὴρ ὑπὸ τοὺς τέσσαρας κ. (1)
— 34 (35). τοῖς ἐξ κ. τοῖς ἐκπορευομένοις ἐκ τῆς λυχνίας (1)
— 35 (36). οἱ κ. ἐξ αὐτῆς ἔστωσαν (1)
38. 14 (37. 17). τὸν καυλὸν καὶ τοὺς κ. (1)
— 15 (37. 18). ἐκ τῶν κ. αὐτῆς οἱ βλαστοὶ ἐξέχοντες (1)

κάλαμος. (1) חֲנִין (2) עֵט (3) קָנֶה

Ex. 30. 23. A[2] B καλάμου εὐώδους διακοσίους πεντήκοντα (3)
Jb. 40. 16 (21). κοιμᾶται παρὰ πάπυρον καὶ κάλαμον (3)
Ps. 44 (45). 1. ἡ γλῶσσά μου κάλαμος γραμματέως ὀξυγράφου (2)
67 (68). 30. ἐπιτίμησον τοῖς θηρίοις τοῦ κ. (3)
Ca. 4. 14. νάρδος καὶ κρόκος κάλαμος [S[1] -ον] καὶ κιννάμωμον (3)
Is. 19. 6. ἐν παντὶ ἕλει καλάμου καὶ παπύρου (3)
35. 7. ἐπαύλεις καλάμου [S ποιμένων] καὶ ἕλη (3)
42. 3. κάλαμον τεθλασμένον [A συντ.] οὐ συντρίψει (3)
Ez. 40. 3. κ. μέτρον [A *add.* ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ] (3)
— 5. ἐν τῇ χειρὶ τοῦ ἀνδρὸς κ. . . . πλάτος ἴσον τῷ κ. καὶ τὸ ὕψος αὐτοῦ ἴσον τῷ κ. (3 *ter*)
— 6. διεμέτρησε . . . ἴσον τῷ κ. (3)
— 7. τὸ θεὲ ἴσον τῷ κ. τὸ μῆκος καὶ ἴσον τῷ κ. τὸ πλάτος . . . τὸ θεὲ τὸ δεύτερον ἴσον τῷ κ. πλάτος καὶ ἴσον τῷ κ. μῆκος [A *om.* κ. ἴ. τ. κ. μ.] (3, 3, –, 3)
— 8. τὸ θεὲ τὸ τρίτον ἴσον τῷ κ. μῆκος καὶ ἴσον τῷ κ. πλάτος (–, 3)
— 9. A τὸ αἰλὰμ . . . ἴσον τῷ κ. [B *om.* ἴ. τ. κ.] –
41. 8. διάστημα τῶν πλευρῶν ἴσον τῷ κ. πήχεων ἕξ [A *om.*] (3)
42. 12. ὡς ἐπὶ φῶς διαστήματος καλάμου (1 ?)
— 16. διεμέτρησε πεντακοσίους ἐν τῷ κ. τοῦ μέτρου (3)
— 17. πήχεις πεντακοσίους ἐν τῷ κ. τοῦ μέτρου (3)
— 18, 19. πεντακοσίους ἐν τῷ κ. τοῦ μέτρου (3)
— 20. τὰ τέσσαρα μέρη τοῦ αὐτοῦ κ. [A *al.*] –
III Ma. 2. 21. κραδάνας αὐτὸν ὡς κάλαμον ὑπὸ ἀνέμου
4. 20. τοὺς γραφικοὺς κ. . . . ἐκλελοιπέναι
[Aq. Ge. 41. 5, 22: III Ki. 14. 15: Is. 35. 7: Je. 6. 20: Ez. 27. 19.]
[Sm. Ge. 41. 5, 22: Is. 35. 7: Ez. 27. 19.]
[Th. Is. 35. 7: Ez. 27. 19.]
[Heb. Ez. 9. 2.]

καλεῖν. (1) *a.* אָמַר ni. *b.* אֵמַר (2) בּוֹא *a.* qal. *b.* hi. (3) דָּבַר pi. (4) הָיָה (5) זָכַר hi. (6) זָעַק *a.* hi. *b.* זְעַק (7) לָקַח (8) עָלַל aph. (9) קָרָא *a.* qal. *b.* ni. *c.* pu. *d.* קְרָא pe. *e.* ithpe. *f.* מִקְרָא (10) רוּם hi. (11) שֵׁם

Ge. 1. 5. ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὸ φῶς ἡμέραν (9 *a*)
— 5. τὸ σκότος ἐκάλεσε νύκτα (9 *a*)
— 8. ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὸ στερέωμα οὐρανόν (9 *a*)
— 10. ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὴν ξηρὰν γῆν (9 *a*)
— 10. τὰ συστήμ. τῶν ὑδ. ἐκάλεσε θαλάσσας (9 *a*)
2. 19. ἰδεῖν τί καλέσει αὐτά (9 *a*)
— 19. πᾶν ὃ ἐὰν ἐκάλεσεν αὐτὸ Ἀ. (9 *a*)
— 20. ἐκάλεσεν Ἀ. ὀνόματα (9 *a*)
— 23. αὕτη κληθήσεται Γυνή (9 *b*)
3. 9. ἐκάλεσεν κύριος . . . τὸν Ἀδάμ (9 *a*)
— 20. ἐκάλεσεν Ἀ. τὸ ὄνομα τῆς γυναικὸς αὐτοῦ [A *om.*] Ζωή (9 *a*)
11. 9. R ἐκλήθη τὸ ὄνομα αὐ. Σύγχυσις (9 *a*)
12. 18. καλέσας δὲ Φαραὼ τὸν Ἄβραμ (9 *a*)
16. 11. καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰσμαήλ (9 *a*)
— 13. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα κυρίου (9 *a*)
— 14. ἐκάλεσε τὸ φρέαρ (9 *a*)
— 15. ἐκάλεσεν Ἄ. τὸ ὄνομα τοῦ υἱοῦ αὐτοῦ (9 *a*)
17. 5. οὐ κληθήσεται ἔτι τὸ ὄνομά σου Ἄ. (9 *b*)
— 15. οὐ κληθήσεται τὸ ὄνομα αὐτῆς Σ. (9 *a*)
— 19. καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰσαάκ (9 *a*)
19. 22. R ἐκάλεσε [A ἐπωνόμασεν] τὸ ὄνομα (9 *a*)
— 37. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Μωάβ (9 *a*)
— 39 (38). ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἀμμάν (9 *a*)
20. 8. ἐκάλεσε πάντας τοὺς παῖδας αὐτοῦ (9 *a*)
— 9. ἐκάλεσεν Ἀβιμέλεχ τὸν Ἀβραάμ (9 *a*)
21. 3. ἐκάλεσεν Ἄ. τὸ ὄνομα τοῦ υἱοῦ αὐτοῦ (9 *a*)
— 12. ἐν Ἰσαὰκ κληθήσεταί σοι σπέρμα (9 *b*)
— 17. ἐκάλεσεν ἄγγελος θεοῦ τὴν Ἄγαρ (9 *a*)
22. 11. ἐκάλεσεν αὐτὸν ἄγγελος κυρίου (9 *a*)
— 14. ἐκάλεσεν Ἄ. τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. (9 *a*)
— 15. ἐκάλεσεν ἄγγελος κυρ. τὸν Ἄ. δεύτερον (9 *a*)
24. 57. καλέσωμεν τὴν παῖδα (9 *a*)
— 58. ἐκάλεσαν τὴν Ῥεβέκκαν (9 *a*)
25. 26. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰακώβ (9 *a*)
— 30. ἐκλήθη τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἐδώμ (9 *a*)
26. 9. ἐκάλεσε δὲ Ἀβιμέλεχ τὸν Ἰ. (9 *a*)
— 20. R ἐκάλεσαν [A -εν] τὸ ὄνομα τοῦ φρέατος (9 *a*)
— 33. R ἐκάλεσεν αὐτὸ [A ἐ. τὸ ὄνομα αὐτοῦ] Ὅρκος (9 *a*)
— 33. ἐκάλεσεν ὄνομα τῇ πόλει –
27. 1. ἐκάλεσεν Ἡσαῦ τὸν υἱὸν αὐτοῦ (9 *a*)
— 36. δικαίως ἐκλήθη τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰακώβ (9 *a*)
— 42. πέμψασα ἐκάλεσεν Ἰακώβ (9 *a*)

Ge. 28. 19. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. (9 a)
29. 32. ἐκάλεσε δὲ τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ῥουβήν (9 a)
— 33. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Συμεών (9 a)
— 34. R ἐκάλεσε [A ἐκλήθη] τὸ ὄνομα αὐτοῦ Λευεί (9 a)
— 35. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰούδαν (9 a)
30. 6. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Δάν (9 a)
— 8. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Νεφθαλεί (9 a)
— 13. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἀσήρ (9 a)
— 18. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰσσάχαρ (9 a)
— 20. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ζαβουλών (9 a)
— 21. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτῆς Δεῖνα (9 a)
— 24. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰωσήφ (9 a)
31. 4. ἐκάλεσε Λεῖαν καὶ Ῥαχήλ (9 a)
— 47. ἐκάλεσεν αὐτὸν Λάβαν (9 a)
— 47. Ἰακὼβ δὲ ἐκάλεσεν αὐτόν (9 a)
— 48. ἐκλήθη τὸ ὄνομα (9 a)
— 54. ἐκάλεσε τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ (9 a)
32. 2 (3). ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. (9 a)
— 28 (29). οὐ κληθήσεται ἔτι τὸ ὄνομά σου Ἰακώβ (1 a)
— 30 (31). ἐκάλεσεν Ἰ. τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. (9 a)
33. 17. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. (9 a)
35. 7. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τόπου (9 a)
— 8. ἐκάλεσεν Ἰακὼβ τὸ ὄνομα αὐτῆς (9 a)
— 10. τὸ ὄνομά σου οὐ κληθήσεται ἔτι Ἰακώβ (9 b)
— 10. R ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰσραήλ (9 a)
— 15. ἐκάλεσεν Ἰακὼβ τὸ ὄνομα τοῦ τόπου (9 a)
— 18. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ (9 a)
— 18. R ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ [A ἐ.αὐτόν] (9 a)
38. 3. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἦρ (9 a)
— 4. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Αὐνάν (9 a)
— 5. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Σηλώμ (9 a)
— 29. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Φαρές (9 a)
— 30. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ζαρά (9 a)
39. 14. ἐκάλεσε τοὺς ὄντας ἐν τῇ οἰκίᾳ (9 a)
41. 8. ἐκάλεσε πάντας τοὺς ἐξηγητὰς Αἰγύπτου (9 a)
— 14. ἐκάλεσε τὸν Ἰωσήφ (9 a)
— 45. ἐκάλεσε Φαραὼ τὸ ὄνομα Ἰωσήφ (9 a)
— 51. ἐκάλεσε δὲ Ἰ. τὸ ὄν. τοῦ πρωτοτόκου (9 a)
— 52. τὸ δὲ ὄνομα τοῦ δευτέρου ἐκάλεσεν (9 a)
46. 33. ἐὰν οὖν καλέσῃ ὑμᾶς Φαραώ (9 a)
47. 29. ἐκάλεσε τὸν υἱὸν αὐτοῦ Ἰωσήφ (9 a)
48. 6. κληθήσονται ἐπὶ [A ἐν] τοῖς ἐκείνων κλήροις (9 b)
49. 1. ἐκάλεσε δὲ Ἰ. τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ (9 a)
50. 11. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ [A al.] (9 a)
Ex. 1. 18. ἐκάλεσε δὲ ὁ βασ. Αἰγ. τὰς μαίας (9 a)
2. 7. θέλεις καλέσω σοι γυναῖκα τροφεύουσαν (9 a)
— 8. ἐκάλεσε τὴν μητέρα τοῦ παιδίου (9 a)
— 20. καλέσατε οὖν αὐτόν (9 a)
3. 4. ἐκάλεσεν αὐτὸν κύριος ἐκ τοῦ βάτου (9 a)
8. 8 (4). ἐκάλεσε Φαραὼ Μωυσῆν (9 a)
— 25 (21). ἐκάλεσε δὲ Φαραὼ Μωυσῆν (9 a)
9. 27. ἀποστείλας δὲ Φ. ἐκάλεσε Μωυσῆν (9 a)
10. 16. κατέσπευδε δὲ Φ. καλέσαι Μωυσῆν (9 a)
— 24. ἐκάλεσε Φαραὼ Μωυσῆν (9 a)
12. 16. ἡ ἡμέρα ἡ πρώτη κληθήσεται [A κεκλήσ.] ἁγία (9 f)
— 21. ἐκάλεσε δὲ Μ. πᾶσαν γερουσίαν (9 a)
— 31. ἐκάλεσε Φαραὼ Μωυσῆν (9 a)
19. 3. ἐκάλεσεν αὐτὸν ὁ θεός (9 a)
— 7. ἐκάλεσε [B¹ ἐλάλησε πρὸς] τοὺς πρεσβυτέρους (9 a)
— 20. ἐκάλεσε κύριος Μωυσῆν (9 a)
24. 16. ἐκάλεσε κύριος τὸν Μωυσῆν (9 a)
33. 7. ἐκλήθη Σκηνὴ μαρτυρίου (9 a)
— 19. A καλέσω τῷ ὀνόματι κυρίου [B R al.] (9 a)
34. 5. ἐκάλεσε τῷ ὀνόματι κυρίου (9 a)
— 6. καὶ ἐκάλεσε, Κύριος ὁ θεός (9 a)
— 15. καὶ καλέσωσί σε καὶ φάγῃς (9 a)
— 31. ἐκάλεσεν αὐτοὺς Μ. (9 a)
36. 2. ἐκάλεσε Μ. Βεσελεήλ (9 a)
Le. 9. 1. ἐκάλεσε Μ. Ἀαρών (9 a)
10. 4. ἐκάλεσε Μ. τὸν Μισ. (9 a)
13. 45. καὶ ἀκάθαρτος κεκλήσεται (9 a)
23. 2. ἃς καλέσετε αὐτὰς κλητὰς ἁγίας (9 a)
— 4. A B καλέσατε [R -σετε] αὐτὰς ἐν τοῖς καιροῖς αὐτῶν (9 a)
— 21. καλέσετε ταύτην τὴν ἡμ. κλητήν [A -ή] (9 a)
— 37. ἃς καλέσετε κλητὰς ἁγίας (9 a)
Nu. 11. 3, 34. ἐκλήθη τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. (9 a)
12. 5. ἐκλήθησαν Ἀαρὼν καὶ Μαριάμ (9 a)
16. 12. ἀπέστειλε Μωυσῆς καλέσαι Δάθαν (9 a)
22. 5. ἀπέστειλε πρέσβεις . . . καλέσαι αὐτόν (9 a)
— 20. εἰ καλέσαι σε πάρεισιν (9 a)
Nu. 22. 37. οὐχὶ ἀπέστειλα πρὸς σὲ καλέσαι σε (9 a)
23. 11. εἰς κατάρασιν ἐχθρῶν μου κέκληκά σε (7)
24. 10. καταρᾶσθαι . . . κέκληκά σε (9 a)
25. 2. A R ἐκάλεσαν αὐτοὺς εἰς τὰς θυσίας [B ἐπὶ ταῖς θ.] (9 a)
De. 5. 1. ἐκάλεσε Μωυσῆς πάντα Ἰσραήλ (9 a)
25. 8. καλέσουσιν αὐτὸν ἡ γερουσία (9 a)
— 10. κληθήσεται τὸ ὄνομα αὐτοῦ ἐν Ἰσρ. (9 b)
29. 2 (1). ἐκάλεσε Μ. πάντας τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (9 a)
31. 7. ἐκάλεσε Μωυσῆς Ἰησοῦν (9 a)
— 14. κάλεσον Ἰησοῦν (9 a)
32. 3. τὸ ὄνομα κυρίου ἐκάλεσα (9 a)
Jo. 5. 3. ἐπὶ τοῦ καλουμένου τόπου –
— 8 (9). ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου (9 a)
19. 47. καὶ ἐκάλεσαν τὸ ὄνομα αὐτῆς (9 a)
24. 9. ἐκάλεσε τὸν Βαλαάμ (9 a)
Jd. 1. 17. ἐκάλεσε [A -αν] τὸ ὄνομα τῆς πόλεως (9 a)
— 26. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτῆς Λ. (9 a)
2. 5. A ἐκλήθη [B ἐπωνόμασαν] τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου (9 a)
4. 6. ἐκάλεσε τὸν Βαράκ (9 a)
— 13. ἐκάλεσε Σισάρα πάντα τὰ ἅρματα αὐ. (6 a)
6. 24. A καὶ ἐκάλεσεν αὐτό [B ἐπεκάλ. αὐτῷ] (9 a)
— 32. καὶ ἐκάλεσεν αὐτό (9 a)
8. 1. τοῦ μὴ καλέσαι ἡμᾶς (9 a)
10. 4. ἐκάλουν [A -λεσεν] αὐτὰς ἐπαύλεις Ἰαΐρ (9 a)
12. 1. ἡμᾶς οὐ κέκληκας πορευθῆναι μετὰ σοῦ (9 a)
13. 24. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ (9 a)
14. 15. ἢ ἐκβιάσαι ἡμᾶς κεκλήκατε [A al.] (9 a)
15. 17. ἐκάλεσε τὸν τόπον ἐκεῖνον (9 a)
— 19. ἐκλήθη τὸ ὄνομα αὐτῆς [A al.] (9 a)
16. 18. ἐκάλεσε τοὺς ἄρχοντας τῶν ἀλλοφύλων [A al.] (9 a)
— 19. ἐκάλεσεν ἄνδρα [A τὸν κουρέα] (9 a)
— 25. καλέσατε τὸν Σαμψών (9 a)
— 25. καὶ ἐκάλεσαν τὸν Σαμψών (9 a)
18. 12. ἐκλήθη ἐν [A om.] ἐκείνῳ τῷ τόπῳ (9 a)
— 29. ἐκάλεσαν τὸ ὄνομα τῆς πόλεως Δάν (9 a)
21. 13. ἐκάλεσαν αὐτοὺς εἰς εἰρήνην (9 a)
Ru. 1. 20. μὴ δὴ καλεῖτέ με Ν. καλέσατέ με Πικράν [A -ίαν] (9 a, 9 a)
— 21. ἵνα τί καλεῖτέ με Ν. (9 a)
4. 14. καὶ καλέσαι τὸ ὄνομά σου ἐν Ἰσρ. (9 b)
— 17. ἐκάλεσαν αὐτοῦ αἱ γείτονες ὄνομα (9 a)
— 17. ἐκάλεσαν τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ὠβήδ (9 a)
I Ki. 1. 20. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Σαμουήλ (9 a)
3. 4. καὶ ἐκάλεσε κύριος (9 a)
— 5. ὅτι κέκληκάς με (9 a)
— 5. οὐ κέκληκά σε (9 a)
— 6. καὶ ἐκάλεσε [A add. ἔτι] (9 a)
— 6. ὅτι κέκληκάς με (9 a)
— 6. οὐ κέκληκά σε (9 a)
— 8. προσέθετο κύριος καλέσαι [A add. ἐπὶ] Σαμ. (9 a)
— 8. ὅτι κέκληκάς με (9 a)
— 8. κύριος κέκληκε τὸ παιδάριον (9 a)
— 9. ἐὰν καλέσῃ σε (9 a)
— 10. καὶ ἐκάλεσεν αὐτόν (9 a)
4. 21. καὶ ἐκάλεσε τὸ παιδάριον (9 a)
6. 2. καλοῦσιν ἀλλόφυλοι τοὺς ἱερεῖς (9 a)
7. 12. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ (9 a)
9. 9. τὸν προφήτην ἐκάλει ὁ λαὸς ἔμπροσθεν (9 b)
— 22. ἐν πρώτοις τῶν κεκλημένων (9 a)
— 26. ἐκάλεσε Σαμ. τὸν Σαούλ (9 a)
16. 3. καὶ καλέσεις τὸν Ἰεσσαί (9 a)
— 5. ἐκάλεσεν αὐτοὺς εἰς τὴν θυσίαν (9 a)
— 8. καὶ ἐκάλεσεν Ἰ. τὸν Ἀμιν. (9 a)
19. 7. ἐκάλεσεν Ἰωνάθαν τὸν Δαυίδ (9 a)
22. 11. καλέσαι τὸν Ἀβ. (9 a)
26. 14. τίς εἶ σὺ ὁ καλῶν (9 a)
28. 15. κέκληκά σε γνωρίσαι μοι (9 a)
29. 6. ἐκάλεσεν Ἀγχοῦς τὸν Δαυίδ (9 a)
II Ki. 1. 7. καὶ ἐκάλεσέ με (9 a)
— 15. ἐκάλεσε Δ. ἓν τῶν παιδαρίων αὐτοῦ (9 a)
2. 16. ἐκλήθη τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου (9 a)
— 26. ἐκάλεσεν Ἀβ. Ἰωάβ (9 a)
5. 9. ἐκλήθη αὕτη ἡ πόλις Δαυίδ (9 a)
— 20. ἐκλήθη τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου (9 a)
6. 8. ἐκλήθη ὁ τόπος ἐκεῖνος (9 a)
9. 2. καλοῦσιν αὐτὸν πρὸς Δαυίδ (9 a)
— 9. ἐκάλεσεν ὁ βασ. Σιβά (9 a)
11. 13. ἐκάλεσεν αὐτὸν Δ. (9 a)
12. 24. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Σαλωμών (9 a)
— 25. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰ. (9 a)
— 28. καὶ κληθῇ τὸ ὄνομά μου [A αὐτοῦ] ἐπ' αὐτήν (9 b)
II Ki. 13. 17. ἐκάλεσε τὸ παιδάριον αὐτοῦ (9 a)
— 23. ἐκάλεσεν Ἀβ. πάντας τοὺς υἱοὺς τοῦ βασ. (9 a)
14. 33. καὶ ἐκάλεσε τὸν Ἀβ. (9 a)
17. 5. καλέσατε δὴ καί γε τὸν Χ. (9 a)
18. 18. A ἐκάλεσεν τὴν στήλην ἐπὶ τῷ ὀνόματι αὐτοῦ (9 a)
— 18. ἐκάλεσε τὴν στήλην Χεὶρ Ἀβ. (9 b)
21. 2. ἐκάλεσεν ὁ βασ. Δ. τοὺς Γαβ. (9 a)
III Ki. 1. 9. ἐκάλεσε πάντας τοὺς ἀδ. αὐ. (9 a)
— 10. τὸν Σαλ. ἀδελφὸν αὐτοῦ οὐκ ἐκάλεσε (9 a)
— 19. ἐκάλεσε πάντας τοὺς υἱοὺς τοῦ βασ. (9 a)
— 19. τὸν Σαλ. τὸν δοῦλόν σου οὐκ ἐκάλεσε (9 a)
— 25. ἐκάλεσε πάντας τοὺς υἱοὺς τοῦ βασ. (9 a)
— 26. Σαλ. τὸν δοῦλόν σου οὐκ ἐκάλεσεν (9 a)
— 28. καλέσατέ μοι τὴν Βηρσαβεέ (9 a)
— 32. καλέσατέ μοι Σαδώκ (9 a)
2. 28. R Ἰωὰβ ἦν κεκληκὼς [A B -ικὼς] ὀπίσω Ἀδ. †
3. 1 (2. 36). ἐκάλεσεν ὁ βασ. τὸν Σεμ. (9 a)
— 1 (2. 42). ἐκάλεσε τὸν Σεμ. (9 a)
9. 13. ἐκάλεσεν αὐτὰς Ὠριον (9 a)
12. 3. A καὶ ἐκάλεσαν αὐτόν (9 a)
— 20. B ἐκάλεσεν [R -αν, A εἰσήγαγεν] αὐτὸν εἰς τὴν συναγωγήν (9 a)
18. 3. ἐκάλεσεν Ἀχ. τὸν Ἀβδ. (9 a)
20 (21). 12. A R ἐκάλεσαν νηστείαν (9 a)
21 (20). 7. ἐκάλεσεν ὁ βασ. Ἰσρ. πάντας τοὺς πρεσβυτέρους (9 a)
22. 9. ἐκάλεσεν ὁ βασ. Ἰσρ. εὐνοῦχον ἕνα (9 a)
— 13. ὁ πορευθεὶς καλέσαι τὸν Μ. (9 a)
IV Ki. 1. 3. ἄγγελος κυρίου ἐκάλεσεν Ἠ. (3)
— 9. ὁ βασιλεὺς ἐκάλεσέ σε (3)
3. 10, 13. κέκληκε κύριος τοὺς τρεῖς βασιλεῖς (9 a)
4. 12. κάλεσόν μοι τὴν Σ. ταύτην (9 a)
— 12. καὶ ἐκάλεσεν αὐτήν (9 a)
— 15. A κάλεσον αὐτήν (9 a)
— 15. καὶ ἐκάλεσεν αὐτήν (9 a)
— 22. ἐκάλεσε τὸν ἄνδρα αὐτῆς (9 a)
— 36. κάλεσον τὴν Σ. ταύτην (9 a)
— 36. καὶ ἐκάλεσε [A add. αὐτήν] (9 a)
6. 11. ἐκάλεσε τοὺς παῖδας αὐτοῦ (9 a)
8. 1. κέκληκε [A -ικεν] κ. λιμὸν ἐπὶ τὴν γῆν (9 a)
— 12. A ὁ κύριός μου καλεῖ [B κλαίει] †
9. 1. ἐκάλεσεν ἕνα τῶν υἱῶν τῶν προφητῶν (9 a)
10. 19. τοὺς ἱερεῖς αὐτοῦ καλέσατε πρὸς μέ (9 a)
12. 7 (8). ἐκάλεσεν Ἰ. ὁ βασ. Ἰ. τὸν ἱερέα (9 a)
14. 7. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτῆς Ἰ. (9 a)
18. 4. καὶ ἐκάλεσεν αὐτὸν [A -ούς] Ν. (9 a)
I Ch. 4. 9. ἡ μήτηρ ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰ. (9 a)
6. 65 (50). ἃς ἐκάλεσεν αὐτὰς ἐπ' ὀνόματος [B¹ om. ἐπ' ὀ.] (9 a)
7. 16, 23. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ (9 a)
11. 7. ἐκάλεσεν αὐτὴν πόλιν Δαυίδ (9 a)
13. 11. ἐκάλεσε τὸν τόπον ἐκεῖνον (9 a)
14. 11. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου (9 a)
15. 11. ἐκάλεσε Δ. τὸν Σαδώκ (9 a)
22. 6. ἐκάλεσε Σαλ. τὸν υἱὸν αὐτοῦ (9 a)
23. 14. ἐκλήθησαν εἰς φυλὴν τοῦ Λευί (9 b)
II Ch. 3. 17. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὄνομα (9 a)
10. 3. A R καὶ ἐκάλεσαν [B -εν] αὐτόν (9 a)
18. 8. ἐκάλεσεν . . . εὐνοῦχον ἕνα (9 a)
— 12. ὁ πορευθεὶς τοῦ καλέσαι τὸν Μ. (9 a)
20. 26. ἐκάλεσαν τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου (9 a)
24. 6. ἐκάλεσεν ὁ βασ. Ἰ. τὸν Ἰωδαέ (9 a)
I Es. 3. 7. συγγενῆς Δαρείου κληθήσεται
— 14. ἐκάλεσε πάντας τοὺς μεγιστᾶνας τῆς Π.
— 16. καλέσατε τοὺς νεανίσκους . . . καὶ ἐκλήθησαν
4. 36. πᾶσα ἡ γῆ τὴν ἀλήθειαν καλεῖ
— 42. συγγενής μου κληθήσῃ
5. 38. καὶ ἐκλήθη ἐπὶ τῷ ὀνόματι αὐτοῦ
9. 23. B οὗτος καλεῖται Σκεπαθαῖος [?, A R al.]
II Es. 2. 61. A R καὶ ἐκλήθη ἐπὶ τῷ [B ἐν] ὀνόματι αὐτῶν (9 b)
4. 18. ἐκλήθη ἔμπροσθεν ἐμοῦ (9 d)
8. 21. ἐκάλεσα ἐκεῖ νηστείαν (9 a)
Ne. 5. 12. καὶ ἐκάλεσα τοὺς ἱερεῖς (9 a)
7. 63. ἐκλήθη ἐπ' [A τῷ ?] ὀνόματι αὐτῶν (9 b)
To. 1. 9. S καὶ ἐκάλεσα τὸ ὄνομα αὐτοῦ
2. 13. S καὶ ἐκάλεσα αὐτὴν καὶ εἶπα [A B al.]
4. 2. τί οὐ καλῶ Τωβίαν τὸν υἱόν μου
— 3. καλέσας αὐτὸν εἶπε [S al.]
5. 8. S κάλεσόν μοι τὸν ἄνθρωπον [A B al.]
— 9. S ὁ πατὴρ καλεῖ σε
— 9. A B ἐκάλεσεν αὐτόν
— 16. S ἐκάλεσεν τὸν υἱὸν αὐτοῦ

To. 7. 13. ἐκάλεσε Σ. τὴν θυγ. αὐτοῦ
— 14. ἐκάλεσεν Ἔδναν τὴν γυναῖκα αὐτοῦ [S al.]
— 16. ἐκάλεσε Ῥαγουὴλ Ἔδναν τὴν γυναῖκα αὐτοῦ
8. 9. S ἐκάλεσεν τοὺς οἰκέτας
— 11. S καὶ ἐκάλεσεν τὴν γυναῖκα αὐτοῦ
— 20. S καὶ ἐκάλεσεν Τωβίαν
9. 1. ἐκάλεσε Τωβίας τὸν Ῥαφαήλ
— 5. S καλεῖ αὐτὸν εἰς τὸν γάμον
12. 1. ἐκάλεσε Τωβὶτ Τωβίαν
— 5. ἐκάλεσε τὸν ἄγγελον [S al.]
— 6. καλέσας [S ἐκάλεσεν] τοὺς δύο κρυπτῶς
14. 3. ἐκάλεσε τὸν υἱὸν αὐτοῦ
Ju. 2. 4. ἐκάλεσε Ναβ. βασ. Ἀσσ. τὸν Ὀλ.
— 14. ἐκάλεσε πάντας τοὺς δυνάστας
5. 2. ἐκάλεσε πάντας τοὺς ἄρχοντας Μ.
8. 10. ἐκάλεσεν Χαβρὶν καὶ Χαρμίν
10. 2. ἐκάλεσε τὴν ἄβραν αὐτῆς
12. 10. οὐκ ἐκάλεσεν . . . οὐδένα τῶν πρὸς ταῖς χρείαις
14. 5. καλέσατέ μοι Ἀχ.
— 6. καὶ ἐκάλεσαν [S -εν] τὸν Ἀχ.
Es. 2. 14. ἐὰν μὴ κληθῇ ὀνόματι [A -αστί] (9 b)
3. 12. ἐκλήθησαν οἱ γραμματεῖς τοῦ βασ. (9 b)
4. 11. οὐ κέκλημαι εἰσελθεῖν πρὸς τὸν βασ. [A S al.] (9 b)
5. 10. ἐκάλεσε τοὺς φίλους (2 b)
— 12. οὐ κέκληκεν ἡ βασίλισσα . . . οὐδένα [A al.] (2 b)
— 12. εἰς τὴν αὔριον κέκλημαι [A -ηκεν] (9 a)
6. 5. καλέσατε αὐτόν (2 a)
8. 9. ἐκλήθησαν δὲ οἱ γραμματεῖς (9 b)
9. 26. τῇ διαλέκτῳ αὐτῶν καλοῦνται Φρουραί –
Jb. 9. 16. ἐάν τε καλέσω (9 a)
13. 22. καλέσεις [S¹ -σῃ] ἐγὼ δέ σοι ὑπακούσομαι (9 a)
14. 15. εἶτα καλέσεις [A add. με] (9 a)
19. 16. θεράποντά μου ἐκάλεσα (9 a)
38. 34. καλέσεις δὲ νέφος φωνῇ (10)
42. 11. παρεκάλεσαν [S¹ ἐκ.] αὐτόν †
— 14. ἐκάλεσε τὴν μὲν πρώτην Ἡμέραν (9 a)
— 18. Ἰωβὰβ ὁ καλούμενος Ἰώβ –
Ps. 49 (50). 1. ἐκάλεσε τὴν γῆν (9 a)
103 (104). 5. B S² οὐ κλιθήσεται [S¹ κληθ., A κινηθ.] εἰς τὸν αἰ. †
104 (105). 16. ἐκάλεσε λιμὸν ἐπὶ τὴν γῆν (9 a)
146 (147). 4. καὶ πᾶσιν αὐτοῖς ὀνόματα καλῶν (9 a)
Pr. 1. 24. ἐπειδὴ ἐκάλουν (9 a)
16. 21. τοὺς σοφοὺς . . . φαύλους καλοῦσιν (9 b)
21. 24. αὐθάδης καὶ ἀλαζὼν λοιμὸς καλεῖται (11)
27. 16. ὀνόματι δὲ ἐπιδέξιος καλεῖται (9 a)
Ec. 6. 10. κέκληται [A -ηκεν] ὄνομα αὐ. (9 b)
Ca. 3. 1, 2 (A). ἐκάλεσα αὐτόν –
5. 6. ἐκάλεσα αὐτόν (9 a)
Wi. 11. 25. ἢ τὸ μὴ κληθὲν ὑπὸ σοῦ διετηρήθη
13. 10. οἵτινες ἐκάλεσαν θεοὺς ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων
Si. 5. 14. μὴ κληθῇς ψίθυρος
36. 17 (14). λαὸν . . . κεκλημένον ἐπ' ὀνόματί σου
Ho. 1. 4. κάλεσον τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰ. (9 a)
— 6. κάλεσον τὸ ὄνομα αὐτῆς Οὐκ ἠλεημένη (9 a)
— 9. κάλεσον τὸ ὄνομα αὐτοῦ Οὐ λαός μου (9 a)
— 10 (2. 1). κληθήσονται καὶ αὐτοὶ υἱοὶ θεοῦ ζῶντος [A al.] (1 a)
2. 16 (18). καλέσει με Ὁ ἀνήρ μου καὶ οὐ καλέσει με ἔτι B. (9 a, 9 a)
11. 12 (12. 1). καὶ λαὸς ἅγιος κεκλήσεται [A κληθήσ.] θεοῦ †
Am. 5. 16. κληθήσεται γεωργὸς εἰς πένθος (9 a)
7. 4. ἰδοὺ ἐκάλεσε τὴν δίκην ἐν πυρὶ κύριος (9 a)
Za. 8. 3. κληθήσεται Ἱερ. πόλις ἀληθινή (9 b)
11. 7. τὴν μὲν μίαν ἐκάλεσα Κάλλος καὶ τὴν ἑτέραν ἐκάλεσα Σχοίνισμα (9 a, 9 a)
Is. 1. 26. κληθήσῃ πόλις δικαιοσύνης (9 b)
4. 1. τὸ ὄνομα τὸ σὸν κεκλήσθω ἐφ' ἡμᾶς (9 b)
— 3. ἅγιοι κληθήσονται πάντες οἱ γραφέντες εἰς ζωήν (1 a)
7. 14. καλέσεις [S -σει] τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἐ. (9 a)
8. 3. κάλεσον τὸ ὄνομα αὐ. Ταχέως σκύλευσον (9 a)
— 4. πρὶν ἢ γνῶναι τὸ παιδίον κ. πατέρα (9 a)
9. 6 (5). καλεῖται [A -έσει] τὸ ὄνομα αὐτοῦ (9 a)
13. 19. ἡ καλεῖται ἔνδοξος –
19. 18. πόλις ἀσεδὲκ κληθήσεται ἡ μία πόλις [S¹ al.] (1 a)
21. 8. κάλεσον Οὐρίαν εἰς τὴν σκοπιάν (9 a)
— 11. πρὸς ἐμὲ κάλει [? -εῖ, A -εῖτε] παρὰ τοῦ Σηείρ (9 a)
Is. 22. 12. ἐκάλεσε κύριος κύριος σαβαὼθ . . . κλαυθμόν (9 a)
— 20. καλέσω τὸν παῖδά μου Ἐλιακείμ (9 a)
35. 8. ὁδὸς ἁγία κληθήσεται (9 b)
40. 26. πάντας [A -τα] ἐπ' ὀνόματι καλέσει (9 a)
41. 2. ἐκάλεσεν αὐτὴν κατὰ πόδας αὐτοῦ (9 a)
— 4. ἐκάλεσεν αὐτὴν ὁ καλῶν αὐτὴν ἀπὸ γενεῶν ἀρχῆς (–, 9 a)
— 9. ἐκ τῶν σκοπιῶν αὐτῆς ἐκάλεσά σε (9 a)
— 25. κληθήσονται [A κλήσ.] τῷ ὀνόματί μου (9 a)
42. 6. ἐκάλεσά σε ἐν δικαιοσύνῃ (9 a)
43. 1. ἐκάλεσά σε τὸ ὄνομά σου (9 a)
— 22. οὐ νῦν ἐκάλεσά σε, Ἰακὼβ (9 a)
44. 7. στήτω καὶ καλεσάτω [S al.] (9 a)
45. 3. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὁ καλῶν τὸ ὄν. σου (9 a)
— 4. S¹ R ἐγὼ καλέσω σε τῷ ὀνόματί σου [A B S³ μου] (9 a)
46. 11. καλῶν ἀπ' ἀνατολῶν πετεινόν (9 a)
47. 1. οὐκέτι προστεθήσῃ κληθῆναι ἁπαλή (9 a)
— 5. οὐκέτι μὴ κληθήσῃ [S -θῇς] ἰσχὺς βασιλείας (9 a)
48. 1. οἱ κεκλημένοι ἐπὶ [A S² om.] τῷ ὀνόματι Ἰσραήλ (9 b)
— 8. ἄνομος ἔτι ἐκ κοιλίας κληθήσῃ (9 c)
— 12. Ἰσραὴλ ὃν ἐγὼ καλῶ (9 c)
— 13. καλέσω αὐτούς (9 a)
— 15. ἐγὼ ἐλάλησα ἐγὼ ἐκάλεσα (9 a)
49. 1. ἐκ κοιλίας μητρός μου ἐκάλεσε τὸ ὄνομά μου (5)
— 6. μέγα σοί ἐστι τοῦ [S¹ τὸ] κληθῆναί σε παῖδά μου (4)
50. 2. ἐκάλεσα καὶ οὐκ ἦν ὁ ὑπακούων [A S¹ al.] (9 a)
51. 2. ἐκάλεσα αὐτόν (9 a)
54. 5. θεὸς Ἰσραὴλ πάσῃ τῇ γῇ κληθήσεται (9 b)
— 6. κέκληκέ σε ὁ κύριος (9 a)
56. 7. ὁ γὰρ οἶκός μου οἶκος προσευχῆς κληθήσεται πᾶσι τοῖς ἔθνεσι (9 b)
58. 5. οὐδ' οὕτω καλέσετε νηστείαν δεκτήν (9 a)
— 12. κληθήσῃ οἰκοδόμος φραγμῶν (9 c)
— 13. καλέσεις τὰ σάββατα τρυφερά (9 a)
60. 14. κληθήσῃ Πόλις κυρίου Σιών (9 a)
— 18. κληθήσεται [S -σονται] Σωτήριον τὰ τείχη σου (9 a)
61. 2. καλέσαι ἐνιαυτὸν κυρίου δεκτόν (9 a)
— 3. κληθήσονται γενεαὶ δικαιοσύνης (9 c)
— 6. ἱερεῖς κυρίου κληθήσεσθε (1 a)
62. 2. καλέσει σε τὸ ὄνομα τὸ καινόν (9 c)
— 4. οὐκέτι κληθήσῃ [S¹ κληρονομηθ.] Καταλελειμμένη καὶ ἡ γῆ σου οὐ κληθήσεται ἔτι Ἔρημος σοὶ γὰρ κληθήσεται [S² -σῃ] Θέλημα ἐμόν (1 a, 1 a, 9 b)
— 12. καλέσει αὐτὸν Λαὸν ἅγιον . . . σὺ δὲ κληθήσῃ [S¹ συνεκλήθη] Ἐπιζητουμένη πόλις (9 a, 9 b)
63. 19. οὐδὲ ἐκλήθη [A ἐνεκλ.] τὸ ὄνομά σου ἐφ' ἡμᾶς (9 b)
65. 1. τῷ ἔθνει οἳ οὐκ ἐκάλεσάν μου τὸ ὄνομα (9 c)
— 12. ἐκάλεσα ὑμᾶς καὶ οὐχ ὑπηκούσατε (9 a)
— 15. τοῖς δὲ δουλεύουσί μοι [A αὐτῷ] κληθήσεται ὄνομα καινόν (9 a)
66. 4. ἐκάλεσα αὐτούς (9 a)
Je. 3. 4. οὐχ ὡς οἶκόν με ἐκάλεσας (9 a)
— 17. καλέσουσι τὴν Ἱερουσαλὴμ Θρόνος κυρίου (9 a)
— 19. πάτερα καλέσετέ με [A S¹ al.] (9 a)
6. 30. ἀργύριον ἀποδεδοκιμασμένον καλέσατε αὐτούς (9 a)
7. 13. ἐκάλεσα ὑμᾶς καὶ οὐκ ἀπεκρίθητε (9 a)
9. 17 (16). καλέσατε τὰς θρηνούσας (9 a)
11. 16. ἐλαίαν ὡραίαν εὔσκιον τῷ εἴδει ἐκάλεσε [S add. σε] κύριος τὸ ὄνομά σου (9 a)
19. 6. οὐ κληθήσεται τῷ τόπῳ τούτῳ ἔτι Διάπτωσις [A B¹ al.] (9 b)
20. 3. οὐχὶ Πασχὼρ ἐκάλεσε κύριος τὸ ὄνομά σου (9 a)
23. 6. ὃ καλέσει αὐτὸν κύριος (9 a)
26 (46). 17. καλέσατε τὸ ὄνομα Φαραὼ Νεχαώ (9 a)
— 19. κληθήσεται Οὐαί †
30. 7 (49. 29). καλέσατε ἐπ' [A om.] αὐτοὺς ἀπώλειαν κυκλόθεν (9 a)
32 (25). 29. μάχαιραν ἐγὼ καλῶ [A -λέσω] ἐπὶ τοὺς καθημένους ἐπὶ τῆς γῆς (9 a)
37 (30). 17. ἐσπαρμένη ἐκλήθης (9 a)
41 (34). 8. τοῦ καλέσαι ἄφεσιν (9 a)
— 15. τοῦ καλέσαι ἄφεσιν ἕκαστον τοῦ [A -ος τῷ] πλησίον αὐτοῦ (9 a)
Je. 41. 17. οὐκ ἠκούσατέ μου τοῦ [A S om.] καλέσαι ἄφεσιν . . . ἰδοὺ ἐγὼ καλῶ ἄφεσιν ὑμῖν (9 a, 9 a)
42 (35). 2. A κάλεσον αὐτούς (3)
43 (36). 4. ἐκάλεσεν Ἱερεμίας τὸν Βαρούχ (9 a)
44 (37). 17. ἐκάλεσεν αὐτόν (7)
45 (38). 14. ἐκάλεσεν αὐτὸν πρὸς ἑαυτόν (7)
49 (42). 8. ἐκάλεσε τὸν Ἰωάναν (9 a)
Ba. 3. 33. ἐκάλεσεν αὐτό
— 34. ἐκάλεσεν αὐτούς
5. 4. κληθήσεται γάρ σου τὸ ὄνομα
La. 1. 15. ἐκάλεσεν ἐπ' ἐμὲ καιρόν (9 a)
— 19. ἐκάλεσα τοὺς ἐραστάς μου (9 a)
— 21. ἐκάλεσας καιρόν (9 a)
2. 22. ἐκάλεσεν ἡμέραν ἑορτῆς παροικίας μου κυκλόθεν (9 a)
4. 15. καλέσατε αὐτούς (9 a)
Ep. Je. 30. πόθεν γὰρ κληθείησαν [A -θήσονται] θεοί
Ez. 8. 18. A καλέσουσιν ἐν τοῖς ὠσίν μου (9 a)
9. 3. ἐκάλεσε τὸν ἄνδρα τὸν ἐνδεδυκότα τὸν ποδήρη (9 a)
36. 29. καλέσω τὸν σῖτον (9 a)
38. 21. καλέσω ἐπ' αὐτό [A al.] (9 a)
39. 11. κληθήσεται τότε [A τὸ γαὶ] Τὸ πολυάνδριον τοῦ Γώγ (9 a)
Da. LXX. Su. 29. οἱ δὲ εὐθέως ἐκάλεσαν αὐτήν
— 52. ἐκάλεσε τὸν ἕνα αὐτῶν
3. 26 (93). ἐκάλεσεν αὐτοὺς ἐξ ὀνόματος (1 b)
4. 15. ἐκάλεσα τὸν Δαν. τὸν ἄρχοντα τῶν σοφιστῶν –
— 27. οἶκος βασιλείας μου . . . κληθήσεται –
— 32. ἄγγελος εἷς ἐκάλεσέ με ἐκ τοῦ οὐρανοῦ –
5. 1. ἐκάλεσεν ἄνδρας δισχιλίους –
— 7. καλέσαι τοὺς ἐπαοιδούς (8)
— 10. ὁ βασιλεὺς ἐκάλεσε τὴν βασίλισσαν †
6. 20 (21). ἐκάλεσε τὸν Δαν. φωνῇ μεγάλῃ (6 b)
8. 16. καὶ ἐκάλεσε καὶ εἶπεν (9 a)
Bel 7. ἐκάλεσε τοὺς προεστηκότας τοῦ ἱεροῦ
— 29. ἐκάλεσε τοὺς συμβιωτὰς αὐτοῦ
Da. TH. Su. 52. ἐκάλεσε τὸν ἕνα αὐτῶν
2. 2. εἶπεν ὁ βασ. καλέσαι τοὺς ἐπαοιδούς (9 a)
5. 12. νῦν οὖν κληθήτω (9 e)
8. 16. καὶ ἐκάλεσε καὶ εἶπε (9 a)
Bel 8. ἐκάλεσε τοὺς ἱερεῖς αὐτοῦ
I Ma. 1. 6. ἐκάλεσε τοὺς παῖδας αὐτοῦ
2. 3. A R Σίμων ὁ [S om.] καλούμενος Θασσί
— 4. A S Ἰούδας ὁ καλούμενος [R ἐπικαλ.] Μακκαβαῖος
— 5. A S Ἐλεάζαρ ὁ [S om.] καλούμενος [R ἐπικαλ.] Αὐαρὰν Ἰωνάθαν ὁ καλούμενος [R ἐπικαλ.] Ἀπφοῦς
3. 1. Ἰούδας ὁ καλούμενος Μακκαβαῖος
6. 10. ἐκάλεσε πάντας τοὺς φίλους αὐτοῦ
— 14. καὶ ἐκάλεσε Φίλιππον
— 17. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Εὐπάτωρ
10. 20. A R καὶ φίλον βασιλέως καλεῖσθαι [S¹ κεῖσθαι, S add. σε]
11. 7. ἕως τοῦ ποταμοῦ τοῦ καλουμένου Ἐλευθέρου
— 47. ἐκάλεσεν ὁ βασ. τοὺς Ἰουδαίους
12. 31. τοὺς Ἄραβας τοὺς καλουμένους Ζαβαδαίους
— 37. A R ἐπεσκεύασεν τὸ [S τὸν] καλούμενον Χαφεναθά
16. 2. ἐκάλεσε Σίμων τοὺς δύο υἱοὺς αὐτοῦ
— 15. A R τὸ ὀχυρωμάτιον τὸ [S εἰς τὸ] καλούμ. Δώκ
II Ma. 1. 36. καλεῖται δὲ παρὰ τοῖς πολλοῖς Νεφθ.
7. 11. A ἐξ οὐρανοῦ ταῦτα κέκληται [R κέκτημαι]
10. 12. Πτολ. γὰρ ὁ καλουμένος Μάκρων
III Ma. 5. 26. R ἐκάλει [A ἐπικαλεῖ] πρὸς τὴν ἔξοδον
IV Ma. 3. 19. ὁ καιρὸς ἡμᾶς καλεῖ
8. 5. καὶ πλησίον καλέσας ἔφη
— 17. S βασιλέως ἡμᾶς καλοῦντος [A R παρακ.]
11. 20. ἐφ' ὃν . . . ἀδελφοὶ τοσοῦτοι κληθέντες
16. 9. οὐδὲ μάμμη κληθεῖσα μακαρισθήσομαι
— 16. ὁ ἀγὼν ἐφ' ὃν κληθέντες

[Aq. Ge. 1. 5 *bis*, 8, 10 *bis*: 4. 26: Dt. 3. 13: I Ki. 9. 13, 24: II Ki. 12. 25: III Ki. 12. 3: IV Ki. 4. 15: Ps. 3. 5: 27 (28). 1: 30 (31). 18: 48 (49). 12: 49 (50). 1: 54 (55). 17: Pr. 7. 4: 12. 23: 27. 16: Is. 7. 14: 9. 6 (5): 13. 3: 21. 11: 32. 5: 34. 12, 14: 40. 3: 43. 22: 46. 11: 58. 12: 65. 15: Je. 7. 27: 31 (38). 6: 33 (40). 3: 36 (43). 9: 43 (50). 10: 44 (51). 26: Ho. 11. 1: Za. 11. 7 *bis*.]

[Sm. Ge. 1. 5 *bis*, 8, 10 *bis*: 2. 23: I Ki. 9. 9: II Ki. 5. 9: 12. 25: Ps. 49 (50). 1: 79 (80). 19: 129 (130). 1: 146 (147). 4: Pr. 27. 16: Is. 7. 14: 9. 6 (5): 21. 11: 34. 14, 15: 43.

22 : 44. 5 : 46. 11 : 55. 6 : 58. 12 : 65. 15 : Je. 31 (38). 6 : 44 (51). 26 : Ho. 11. 1 : Za. 11. 7 *bis*.]
[**Th.** Ge. 1. 5 *bis*, 8, 10 *bis* : Dt. 3. 9 : Jd. 2. 5 : 10. 4 : I Ki. 9. 24 : II Ki. 12. 25 : III Ki. 21. 12 : Ps. 49 (50). 1 : Pr. 7. 4 : 12. 23 : 27. 16 : Is. 7. 14 : 13. 3 : 21. 11 : 34. 12, 14 : 41. 4 : 43. 22 : 46. 11 : 58. 12, 13 : Je. 33 (40). 16 : 35 (42). 17 : 44 (51). 26 : Ez. 8. 18 : Da. 8. 16 : Ho. 11. 1.]
[**Al.** Ge. 31. 47 *bis* : Le. 25. 10 : Nu. 16. 2 : Dt. 3. 13 : I Ki. 28. 15 : Ps. 146 (147). 4.]
[**Quint.** IV Ki. 4. 15.]

καλιά.

[**Sm.** Ge. 6. 15 (14).]

καλλιεργεῖν.

[**Quint.** Ps. 140 (141). 7.]

καλλίκαρπος.

[**Al.** Ge. 49. 11.]

καλλιοῦσθαι. (1) טוֹב (2) יָפָה

Ca. 4. 10. *τί ἐκαλλιώθησαν μαστοί σου* (2)
— 10. **A B² S R** *τί ἐκαλλιώθησαν μαστοί σου* (1)
[**Aq.** Ps. 44 (45). 3.]

καλλίπαις.

IV Ma. 16. 10. *ὦ ἡ πολύπαις καὶ κ. ἐγὼ γυνή*

καλλονή. (1) נָאוֹן (2) תִּפְאֶרֶת

Ps. 46 (47). 4. *τὴν κ. Ἰακὼβ ἣν ἠγάπησε* (1)
77 (78). 61. *καὶ τὴν κ. αὐ. εἰς χεῖρας ἐχθροῦ* (2)
Wi. 13. 3. *εἰ μὲν τῇ κ. τερπόμενοι*
— 5. **A R** *ἐκ γὰρ μεγέθους καλλονῆς* [**B S¹** *κ. καὶ*, **S²** *καὶ κ.*] *κτισμάτων*
Si. 6. 15. *οὐκ ἔστι σταθμὸς τῆς κ. αὐτοῦ*
34 (31). 23. *μαρτυρία τῆς κ. αὐτοῦ πιστή*
I Ma. 2. 12. *ἡ κ. ἡμῶν καὶ ἡ δόξα ἡμῶν ἠρημώθη*
[**Aq.** Ge. 49. 21.]
[**Sm.** Ps. 78 (79). 7.]

κάλλος. (1) הָדָר (2) *a.* חָמַד *b.* חֶמְדָּה (3) *a.* יָפָה *b.* יְפִי, יֹפִי *c.* **ὡραῖος κάλλει** יָפָה pealal (4) יִפְעָה (5) מִבְחָר (6) נֹעַם (7) שֶׁפֶר (8) תִּפְאֶרֶת

Ge. 49. 21. *ἐπιδιδοὺς ἐν τῷ γεννήμ. κάλλος* (7)
De. 33. 17. *πρωτότοκος ταύρου τὸ κ. αὐτοῦ* (1)
I Ki. 16. 12 : 17. 42. *πυρράκης μετὰ κάλλους ὀφθαλμῶν* (3 *a*)
I Es. 4. 18. *γυναῖκα μίαν καλὴν τῷ εἴδει καὶ τῷ κ.*
Ju. 10. 7. *ἐθαύμασαν ἐπὶ τῷ κ. αὐτῆς*
— 14. *θαυμάσιον* [**A** *-ία*] *τῷ κ. σφόδρα* [**S** *al.*]
— 19. **A² B S** *ἐθαύμαζον ἐπὶ τῷ κ. αὐτῆς*
— 23. *ἐθαύμασαν πάντες ἐπὶ τῷ κ. τοῦ προσώπου*
16. 7. *ἀλλὰ Ἰ. . . . ἐν κάλλει προσώπου αὐτῆς*
— 9. *τὸ κ. αὐτῆς ᾐχμαλώτισε ψυχὴν αὐτοῦ*
Es. 1. 11. *δεῖξαι . . . τοῖς ἔθνεσι τὸ κ. αὐτῆς* (3 *b*)
5. 1. *ἀκμῇ κάλλους αὐτῆς*
Ps. 29 (30). 7. *παράσχου τῷ κ. μου δύναμιν* †
44 (45). 2. *ὡραῖος κάλλει παρὰ τοὺς υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων* (3 *c*)
— 3. *τῇ ὡραιότητί σου καὶ τῷ κ. σου* (1)
— 11. *ἐπεθύμησεν* [**A S²** *ἐπιθυμήσει*] *ὁ βασιλεὺς τοῦ κ. σου* (3 *b*)
Pr. 6. 25. *μή σε νικήσῃ κάλλους ἐπιθυμία* (3 *b*)
11. 22. *οὕτως γυναικὶ κακόφρονι κάλλος* (3 *a*)
31. 30. *μάταιον κάλλος γυναικός* (3 *b*)
Wi. 5. 16. *λήψονται . . . τὸ διάδημα τοῦ κ. ἐκ χειρὸς κυρίου*
8. 2. *ἐραστὴς ἐγενόμην τοῦ κ. αὐτῆς*
13. 3. *ὁ γὰρ τοῦ κ.* [**S²** *κόσμου*] *γενεσιάρχης*
Si. 9. 8. *μὴ καταμάνθανε κάλλος ἀλλότριον*
— 8. *ἐν κάλλει γυναικὸς πολλοὶ ἐπλανήθησαν*
11. 2. *μὴ αἰνέσῃς ἄνδρα ἐν κάλλει αὐτοῦ*
25. 21. **A S** *μὴ προσπέσῃς ἐπὶ κάλλος* [**S²** *-ους*] *γυναικὸς καὶ γυναῖκα ἐν κάλλει* [**B** *om. ἐν κ.*] *μὴ ἐπιποθήσῃς*
26. 16. *κάλλος ἀγαθῆς γυναικὸς ἐν κόσμῳ οἰκίας αὐ.*
— 17. *κάλλος προσώπου ἐπὶ ἡλικίᾳ στασίμῃ*
36. 27 (24). *κάλλος γυναικὸς ἱλαρύνει πρόσωπον*
40. 22. *χάριν καὶ κάλλος ἐπιθυμήσει ὁ ὀφθ. σου*
42. 12. *παντὶ ἀνθρώπῳ μὴ ἔμβλεπε ἐν κάλλει*
43. 9. *κάλλος οὐρανοῦ δόξα ἄστρων*
Si. 43. 18. *κάλλος λευκότητος αὐτῆς ἐκθαυμάσει ὀφθαλμός*
Za. 11. 7. *τὴν μὲν μίαν ἐκάλεσα Κάλλος* (6)
Ma. 2. 15. **A** *οὐ κάλλος* [*? οὐκ ἄλλος*, **B S¹** *οὐ καλόν*, **S³** *οὐ καλὸς*] *ἐποίησε* †
Is. 2. 16. *ἐπὶ πᾶσαν θέαν πλοίων κάλλους* (2 *b*)
37. 24. *ἔκοψα . . . τὸ κ. τῆς κυπαρίσσου* (5)
53. 2. *οὐκ εἶχεν εἶδος οὐδὲ κ.* (2 *a*)
62. 3. *ἔσῃ στέφανος κάλλους ἐν χειρὶ κυρίου* (8)
Ep. Je. 24. *τὸ γὰρ χρυσίον ὃ περίκειται εἰς κ.*
Ez. 16. 14. *ἐξῆλθέ σου ὄνομα ἐν τοῖς ἔθνεσιν ἐν* [**A** *ἐπὶ*] *τῷ κ. σου* (3 *b*)
— 15. *κατεπεποίθεις ἐν* [**A** *ἐπὶ*] *τῷ κ. σου* (3 *b*)
— 25. *ἐλυμήνω τὸ κ. σου* (3 *b*)
27. 3. *περιέθηκα ἐμαυτῇ κ. μου* (3 *b*)
— 4. *τῷ βεελεὶμ υἱοί σου περιέθηκάν σοι κ.* (3 *b*)
— 11. *οὗτοι ἐτελείωσάν σου τὸ κ.* (3 *b*)
28. 7. *ἐπὶ τὸ κ. τῆς ἐπιστήμης σου καὶ στρώσουσι τὸ κ. σου εἰς ἀπώλειαν* (3 *b*, 4)
— 12. *στέφανος κάλλους . . . ἐγενήθης* (3 *b*)
— 17. *ὑψώθη ἡ καρδία σου ἐπὶ τῷ κ. σου διεφθάρη ἡ ἐπιστήμη σου μετὰ τοῦ κ. σου* (3 *b*, 4)
31. 8. *οὐχ ὡμοιώθη αὐτῷ ἐν τῷ κ. αὐτοῦ* (3 *b*)
Da. LXX. Su. 32. *ἵνα ἐμπλησθῶσι κάλλους ἐπιθυμίας αὐτῆς*
— 56. *τὸ κ. σε ἠπάτησεν*
Da. TH. Su. 32. *ὅπως ἐμπλησθῶσι τοῦ κ. αὐτῆς*
— 56. *τὸ κ. ἐξηπάτησέ σε*
I Ma. 1. 26. *τὸ κ. τῶν γυναικῶν ἠλλοιώθη*
II Ma. 9. 16. **A** *κάλλει τοῖς* [**R** *καλλίστοις*] *ἀναθήμασι κοσμήσειν*
IV Ma. 2. 1. *πρὸς τὴν τοῦ κ. μετουσίαν ἀκυροῦνται*
8. 5. *καθ' ἑνὸς ἑκάστου ὑμῶν θαυμάζω τὸ κ.*
[**Aq.** Ps. 44 (45). 3 : 49 (50). 2 : Pr. 6. 25 : Is. 3. 24 : 33. 17 : Ez. 28. 13 : Ho. 10. 11.]
[**Sm.** Ps. 26 (27). 4 : 44 (45). 3 : 89 (90). 17 : Pr. 6. 25 : Is. 33. 17 : Ez. 7. 11 : 27. 4 : Ho. 10. 11.]
[**Th.** Pr. 6. 25 : Is. 33. 17 : Ez. 27. 3 : 28. 13.]
[**Quint.** Ps. 44 (45). 3 : Ca. 4. 1.]

κάλλυνθρον. (1) כַּף

Le. 23. 40. *λήψεσθε . . . κάλλυνθρα φοινίκων* (1)

καλλωπίζειν. (1) זָוִיָּה (2) *a.* יָפָה pi. *b.* יְפֵה־פִיָּה (3) עָלַף hithpa.

Ge. 38. 14. *ἐκαλλωπίσατο* (3)
Ju. 10. 4. *καὶ ἐκαλλωπίσατο σφόδρα*
Ps. 143 (144). 12. *αἱ θυγατέρες αὐτῶν κεκαλλωπισμέναι* (1)
Je. 10. 4. *ἀργυρίῳ καὶ χρυσίῳ κεκαλλωπισμένα* [**S¹** *κεκολαμμένα*, **AS** *add. ἐστὶν*] *ἐν σφύραις* (2 *a*)
26 (46). 20. *δάμαλις κεκαλλωπισμένη Αἴγυπτος* (2 *b*)
[**Aq.** Ps. 44 (45). 3 : Ca. 4. 10.]
[**Th.** Pr. 7. 17.]

καλλωπισμός.

[**Al.** Is. 3. 24.]
[**Heb.** Ez. 16. 7.]

καλοκἀγαθία.

IV Ma. 1. 8. **S** *τοῦτο ἀποδείξαιμι ἀπὸ τῆς κ.* [**A R** *ἀνδραγαθίας*]
— 10. *τοὺς . . . ὑπὲρ τῆς κ. ἀποθανόντας*
3. 18. **S R** *τῇ κ.* [**A** *τῆς κ.*] *τοῦ λογισμοῦ*
11. 22. *καλοκἀγαθίᾳ καθωπλισμένος τεθνήξομαι*
13. 25. *ἡ γὰρ ὁμοζηλία τῆς κ.*
15. 9. *διὰ τὴν κ. τῶν υἱῶν*

καλός. (1) חֶמְדוֹת (2) *a.* טוֹב, טוֹבָה subst. *et* adj. *b.* טוֹב verb. *c.* טוֹב מַרְאֶה *d.* יָטַב hi. *e.* טִיב (3) *a.* יָפָה *b.* יָפֶה *c.* יְפַת מַרְאֶה (4) יָשָׁר (5) כָּבוֹד (6) נָאוֶה (7) *a.* נָעִים *b.* נֹעַם (8) **καλὸς εἶναι δοκεῖν** נָעֵם (9) **βουλὴ κ.** מְזִמָּה (10) **ὄνομα κ.** שֵׁם (11) **καλὸς εἶναι** יָטַב hi. (12) **καλὸν ποιεῖν, κάλλιον ποιεῖν** יָטַב hi. (13) **καλὸν ἐπιτηδεύειν** יָטַב hi. (14) **καλὸς γίνεσθαι** יָפָה (15) **καλὸς τῷ εἴδει** יָפָה

Ge. 1. 4. *εἶδεν ὁ θεὸς τὸ φῶς ὅτι καλόν* (2 *a*)
Ge. 1. 8. *εἶδεν ὁ θεὸς ὅτι καλόν* –
— 10, 12, 18. *εἶδεν ὁ θεὸς ὅτι καλόν* (2 *a*)
— 21, 25. *εἶδεν ὁ θεὸς ὅτι καλά* (2 *a*)
— 31. *ἰδοὺ καλὰ λίαν* (2 *a*)
2. 9. *ξύλον . . . καλὸν εἰς βρῶσιν* (2 *a*)
— 9. *τοῦ εἰδέναι γνωστὸν καλοῦ καὶ πονηροῦ* (2 *a*)
— 12. *τὸ δὲ χρυσίον τῆς γῆς ἐκείνης καλόν* (2 *a*)
— 17. *τοῦ γινώσκειν καλὸν καὶ πονηρόν* (2 *a*)
— 18. *οὐ καλὸν εἶναι τὸν ἄνθρωπον μόνον* (2 *a*)
3. 5. *γινώσκοντες καλὸν καὶ πονηρόν* (2 *a*)
— 6. *καλὸν τὸ ξύλον εἰς βρῶσιν* (2 *a*)
— 22. *τοῦ γινώσκειν καλὸν καὶ πονηρόν* (2 *a*)
6. 2. *ἰδόντες . . . τὰς θυγατέρας . . . ὅτι καλαί εἰσιν* (2 *a*)
12. 14. *ἰδόντες . . . τὴν γυναῖκα αὐ. ὅτι καλὴ ἦν* (3 *a*)
15. 15. *τραφεὶς ἐν γήρᾳ καλῷ* (2 *a*)
18. 7. *ἀπαλὸν μοσχάριον καὶ καλόν* (2 *a*)
24. 16. *ἦν καλὴ τῇ ὄψει σφόδρα* (2 *a*)
— 50. **R** *ἀντειπεῖν κακὸν ἢ καλόν* [**A** *κακὸν καλῷ*] (2 *a*)
25. 8. *ἀπέθανεν* **A.** *ἐν γήρᾳ καλῷ* (2 *a*)
27. 9. *δύο ἐρίφους ἁπαλοὺς καὶ καλούς* (2 *a*)
— 15. *τὴν στολὴν Ἡσαῦ . . . τὴν κ.* (1)
29. 17. *Ῥαχὴλ δὲ ἦν καλὴ τῷ εἴδει* (3 *a*)
30. 20. *δεδώρηται ὁ θεός μοι δῶρον καλόν* (2 *a*)
39. 6. *ἦν Ἰωσὴφ καλὸς τῷ εἴδει* (3 *a*)
41. 2. *ἑπτὰ βόες καλαὶ τῷ εἴδει* (3 *a*)
— 4. *τὰς ἑπτὰ βόας τὰς κ. τῷ εἴδει* (3 *a*)
— 5. *ἑπτὰ στάχυες . . . ἐκλεκτοὶ καὶ καλοί* (2 *a*)
— 18. *ἑπτὰ βόες καλαὶ τῷ εἴδει* (3 *a*)
— 20. *τὰς ἑπτὰ βόας τὰς πρώτας τὰς κ.* –
— 22. *ἑπτὰ στάχυες . . . πλήρεις καὶ καλοί* (2 *a*)
— 24. *τοὺς ἑπτὰ στάχυας τοὺς κ.* (2 *a*)
— 26. *αἱ ἑπτὰ βόες αἱ κ.* (2 *a*)
— 26. *οἱ ἑπτὰ στάχυες οἱ κ.* (2 *a*)
— 35. *τῶν ἑπτὰ ἐτῶν . . . τῶν κ. τούτων* (2 *a*)
44. 4. *τί ὅτι ἀνταπεδώκατε* [**A** *ἀ. μοι*] *πονηρὰ ἀντὶ καλῶν* (2 *a*)
49. 14. *Ἰσσάχαρ τὸ κ. ἐπεθύμησεν* †
— 15. *ἰδὼν τὴν ἀνάπαυσιν ὅτι καλή* (2 *a*)
Le. 27. 10. *οὐκ ἀλλάξει αὐτὸ καλὸν πονηρῷ οὐδὲ πονηρὸν καλῷ* (2 *a*, 2 *a*)
— 12. *ἀνὰ μέσον καλοῦ καὶ ἀνὰ μέσον πονηροῦ* (2 *a*)
— 14. *ἀνὰ μέσον καλῆς καὶ ἀνὰ μέσον πονηρᾶς* (2 *a*)
— 33. **R** *οὐκ ἀλλάξεις καλὸν πονηρῷ οὐδὲ πονηρὸν καλῷ* [**A B** *om. οὐδὲ π. κ.*] (2 *a*, –)
Nu. 10. 29. *κύριος ἐλάλησε καλὰ περὶ Ἰσραήλ* (2 *a*)
11. 18. *καλὸν ἡμῖν ἐστιν ἐν Αἰγύπτῳ* (2 *a*)
13. 20 (19). *ἢ* [**A** *εἰ*] *καλή ἐστιν ἢ πονηρά* (2 *a*)
24. 1. **A R** *καλόν ἐστιν ἐναντίον* [**B** *-τι*] *κυρίου* (2 *a*)
— 5. *ὡς καλοὶ οἱ οἶκοί σου, Ἰακώβ* (2 *b*)
— 13. *ποιῆσαι αὐτὸ κ. ἢ πονηρόν* (2 *a*)
De. 1. 14. *κ. τὸ ῥῆμα ὃ ἐλάλησας ποιῆσαι* (2 *a*)
6. 10. *δοῦναί σοι πόλεις μεγάλας καὶ κ.* (2 *a*)
— 18. *ποιήσεις τὸ ἀρεστὸν καὶ τὸ κ.* [**A** *κ. καὶ τὸ ἀ.*] (2 *a* [4])
8. 12. *οἰκίας κ. οἰκοδομήσας* (2 *a*)
12. 25. *ἐὰν ποιήσῃς τὸ κ. καὶ τὸ ἀρεστόν* (4 ?)
— 28. *ἐὰν ποιήσῃς τὸ κ. καὶ τὸ ἀρεστόν* (2 *a*)
13. 18 (19). *ποιεῖν τὸ ἀρεστὸν καὶ τὸ κ.* (4 ?)
21. 9. *ἐὰν ποιήσῃς τὸ κ. καὶ τὸ ἀρεστόν* (4)
— 11. *γυναῖκα κ. τῷ εἴδει* (3 *a*)
Jo. 7. 21. **A** *εἶδον ἐν τῇ προνομῇ ψιλὴν ποικίλην κ.* [**B** *om.*] (2 *a*)
21. 43. *οὐ διέπεσεν ἀπὸ πάντων τῶν ῥημάτων τῶν κ.* (2 *a*)
23. 15. *πάντα τὰ ῥήματα τὰ κ.* [**A**¹ *κακά*] (2 *a*)
I Ki. 25. 3. **A** *καὶ καλὴ* [**B** *ἀγαθὴ*] *τῷ εἴδει σφόδρα* (3 *a*)
II Ki. 11. 2. *ἡ γυνὴ κ. τῷ εἴδει σφόδρα* (2 *a*)
13. 1. *ἀδελφὴ κ. τῷ εἴδει σφόδρα* (15)
14. 25. **A** *οὐκ ἦν ἀνὴρ κ.* [**B** *om.*] *ἐν παντὶ Ἰσρ.* (3 *a*)
— 27. *αὕτη ἦν* [**A** *ἡ*] *γυνὴ κ. σφόδρα* (3 *c*)
19. 27 (28). *ὁ κύριός μου ὁ βασ. ἐποίησεν τὸ κ.* –
III Ki. 1. 3. *ἐζήτησαν νεάνιδα κ.* (3 *a*)
— 4. *καὶ ἡ νεᾶνις κ. ἕως σφόδρα* (3 *a*)
12. 24 (**B** *cf.* **A** 14. 13). *εὑρέθη ἐν αὐτῷ ῥῆμα κ.* (2 *a* ?)
14. 13. **A** *εὑρέθη ἐν αὐτῷ ῥῆμα κ.* (2 *a*)
18. 24. *κ. τὸ ῥῆμα ὃ ἐλάλησας* (2 *a*)
21 (20). 3. **A** *τὰ τέκνα σου τὰ κ.* [**B** *om. τ. κ.*] *ἐμά ἐστι* (2 *a*)
22. 8. *οὐ λαλεῖ περὶ ἐμοῦ καλά* (2 *a*)
— 13. *λαλοῦσι πάντες οἱ προφῆται . . . καλά* (2 *a*)
— 13. *καὶ λάλησον καλά* (2 *a*)
— 18. *οὐ προφητεύει οὗτός μοι καλά* (2 *a*)

I Ch. 29. 28. ἐτελεύτησεν ἐν γήρει κ. (2 a)
II Ch. 14. 2 (1). ἐποίησε τὸ κ. (2 a)
31. 20. καὶ ἐποίησε τὸ κ. (2 a)
I Es. 4. 18. γυναῖκα μίαν κ. τῷ εἴδει
To. 2. 1. ἐγενήθη ἄριστον καλόν μοι
5. 13. σὺ τυγχάνεις ἀδελφός μου ἐκ τῆς κ. καὶ ἀγαθῆς γενεᾶς
— 13. ἐκ ῥίζης κ. [A μεγάλης, S ἀγαθῆς] εἶ
6. 12. τὸ κοράσιον κ. καὶ φρόνιμόν ἐστι
— 12. S καὶ ὁ πατὴρ αὐτῆς κ.
7. 7. ὁ τοῦ κ. καὶ ἀγαθοῦ ἀνθρώπου υἱός [S al.]
— 12. ὁ δὲ ἐλεήμων θεὸς εὐοδώσει ὑμῖν τὰ κάλλιστα [S al.]
8. 6. οὐ καλὸν εἶναι τὸν ἄνθρωπον μόνον
9. 6. S καλὲ καὶ ἀγαθὲ ἀνδρὸς κ. καὶ ἀγαθοῦ
10. 13. ἀκούσαιμί σου ἀκοὴν κ. [S ἀγαθήν]
12. 7. μυστήριον βασιλέως καλὸν κρύψαι
— 8. καλὸν ποιῆσαι ἐλεημοσύνην
— 11. μυστήριον βασιλέως κρύψαι καλόν
Ju. 8. 7. καὶ ἦν καλὴ τῷ εἴδει
10. 19. οὐ [S¹ om.] καλόν ἐστιν [S om.] ὑπολείπεσθαι
11. 21. AB οὐκ ἔστι τοιαύτη γύνη . . . ἐν κ. προσώπῳ
12. 13. μὴ ὀκνησάτω δὴ ἡ παιδίσκη ἡ κ. αὕτη
Es. 1. 11. ὅτι καλὴ ἦν (2 c)
2. 2. κοράσια . . . καλὰ τῷ εἴδει [S¹ ἰδεῖν] (2 a)
— 3. κοράσια . . . κ. τῷ εἴδει (2 a)
— 7. ἦν τὸ κοράσιον καλὸν [S -ῆ] τῷ εἴδει (3 a)
8. 13. τοῦ κατευθύνοντος . . . ἐν τῇ καλλίστῃ διαθέσει
Jb. 10. 3. ἢ καλόν σοι ἐὰν ἀδικήσω [A al.] (2 b)
13. 9. S R καλὸν γὰρ ἐὰν [B om.] ἐξιχνιάσῃ ὑμᾶς [A al.] (2 b)
33. 31. A ἐπιστάμενοι ἐνωτίζεσθε τὸ κ. –
34. 2. A S² ἐπιστάμενοι ἐνωτίζεσθε τὸ κ. [B S¹ om. τὸ κ.] –
— 4. γνῶμεν ἀνὰ μέσον ἑαυτῶν ὅτι [A τί] καλόν (2 a)
Ps. 34 (35). 12. ἀνταπεδίδοσάν μοι πονηρὰ ἀντὶ καλῶν [A ἀγαθῶν] (2 a)
132 (133). 1. ἰδοὺ δὴ τί καλὸν ἢ τί τερπνόν (2 a)
134 (135). 3. ψάλατε τῷ ὀνόματι αὐτοῦ ὅτι καλόν [A² ἡδύ] (7 a)
151. 5. οἱ ἀδελφοί μου καλοὶ καὶ μεγάλοι –
Pr. 2. 10. ἡ δὲ αἴσθησις τῇ σῇ ψυχῇ καλὴ εἶναι [A¹ εἶη] δόξῃ (8)
— 11. βουλὴ καλὴ φυλάξει σε (9)
3. 4. προνοοῦ καλὰ ἐνώπιον κυρίου (2 a)
— 17. αἱ ὁδοὶ αὐτῆς ὁδοὶ καλαί (7 b)
15. 2. γλῶσσα σοφῶν καλὰ ἐπίσταται (2 d)
— 23. οὐδὲ μὴ εἴπῃ καίριόν τι καὶ καλὸν τῷ κοινῷ (2 a)
16. 2 (15. 30). θεωρῶν ὀφθαλμὸς καλὰ εὐφραίνει καρδίαν –
— 24. κηρία μέλιτος λόγοι καλοί (7 b)
17. 26. ζημιοῦν ἄνδρα δίκαιον οὐ καλόν (2 a)
18. 5. θαυμάσαι πρόσωπον ἀσεβοῦς οὐ καλόν (2 a)
20. 23. ζυγὸς δόλιος οὐ καλὸν ἐνώπιον αὐτοῦ (2 a)
22. 1. αἱρετώτερον ὄνομα καλὸν ἢ πλοῦτος πολύς (10)
— 18. ἵνα γνῷς ὅτι καλοί εἰσι (7 a)
23. 8. λυμανεῖται τοὺς λόγους σου τοὺς κ. (7 a)
24. 4. ἐμπίμπλανται ταμιεῖα ἐκ παντὸς πλούτου τιμίου καὶ καλοῦ (7 a)
— 14. ἔσται καλὴ ἡ τελευτή σου –
— 38 (23). A B αἰδεῖσθαι πρόσωπον ἐν κρίσει οὐ καλόν (2 a)
25. 27. ἐσθίειν μέλι πολὺ οὐ καλόν (2 a)
31. 11. ἡ τοιαύτη καλῶν σκύλων οὐκ ἀπορήσει –
— 18. καλόν ἐστι τὸ ἐργάζεσθαι (2 a)
Ec. 3. 11. τὰ [A S² om.] σύμπαντα ἃ [S¹ om.] ἐποίησε καλά (3 a)
4. 17. S οὐκ εἰσὶν εἰδότες τοῦ ποιῆσαι τὸ κ. [A B π. κακόν] †
5. 17. ἔστι καλὸν τοῦ φαγεῖν (3 a)
9. 12. B οἱ ἰχθύες οἱ θηρευόμενοι ἐν ἀμφιβλήστρῳ κ. [A S R κακῷ] †
Ca. 1. 5. μελαινά εἰμι καὶ καλή (6)
— 8. ἐὰν μὴ γνῷς σεαυτήν, ἡ κ. ἐν γυναιξίν (3 a)
— 15. ἰδοὺ εἶ καλή, ἡ πλησίον μου, ἰδοὺ εἶ καλή (3 a, 3 a)
— 16. ἰδοὺ εἶ καλὸς, ἀδελφιδός μου (3 a)
2. 10, 13. ἀνάστα, ἐλθέ, ἡ πλησίον μου, καλή μου (3 a)
4. 1. ἰδοὺ εἶ καλή, ἡ πλησίον μου, ἰδοὺ εἶ καλή (3 a, 3 a)
— 7. ὅλη καλὴ εἶ, πλησίον μου (3 a)
5. 9, 17 (6. 1). ἡ καλὴ ἐν γυναιξί (3 a)
6. 3 (4). καλὴ εἶ [S om.], ἡ πλησίον μου (3 a)
Ca. 6. 9 (10). τίς αὕτη . . . καλὴ ὡς σελήνη (3 a)
Wi. 4. 12. βασκανία γὰρ φαυλότητος ἀμαυροῖ τὰ κ.
10. 8. ἐβλάβησαν τοῦ μὴ γνῶναι τὰ κ.
13. 7. καλὰ τὰ βλεπόμενα
14. 19. ἐξεβιάσατο τῇ τέχνῃ τὴν ὁμοιότητα ἐπὶ τὸ κάλλιον
15. 19. ὡς ἐν ζῴων ὄψει καλὰ τυγχάνει
Si. 12. 16. B² ἐρεῖ σοι καλὰ λέγων
13. 6. λαλήσει σοι [S om.] καλὰ καὶ ἐρεῖ [A -εῖς]
14. 3. ἀνδρὶ μικρολόγῳ οὐ καλὸς ὁ πλοῦτος
20. 2. ὡς καλὸν ἔλεγξαι ἢ θυμοῦσθαι
36. 23 (20). ἔστι δὲ βρῶμα βρώματος κάλλιον
37. 9. καλὴ ἡ ὁδός σου
39. 16. τὰ ἔργα κυρίου πάντα ὅτι καλὰ σφόδρα
41. 2. καλόν [S² ὡς κ.] σου τὸ κρίμα ἐστίν
— 12. S² φρόντισον περὶ ὀνόματος καλοῦ [ABS¹ om.]
— 16. οὐ γάρ ἐστι πᾶσαν αἰσχύνην διαφυλάξαι [S² ἀποκαλύψαι] καλόν
42. 6. ἐπὶ γυναικὶ πονηρᾷ καλὸν σφραγίς
46. 10. καλὸν τὸ [S om.] πορεύεσθαι ὀπίσω κυρίου
Ho. 4. 13. ὅτι καλὸν σκέπη (2 a)
10. 11. ἐπελεύσομαι ἐπὶ τὸ κάλλιστον τοῦ τραχήλου (2 e)
Am. 5. 14. ἐκζητήσατε τὸ κ. (2 a)
— 15. ἠγαπήκαμεν τὰ κ. [A τὸ κ.] (2 a)
8. 13. ἐκλείψουσιν αἱ παρθένοι αἱ καλαί (3 a)
Mi. 2. 7. οὐχ οἱ λόγοι αὐτοῦ εἰσι καλοὶ μετ' αὐτοῦ (11)
3. 2. μισοῦντες τὰ κ. καὶ ζητοῦντες τὰ πονηρά (2 a)
6. 8. εἰ ἀνηγγέλη σοι, ἄνθρωπε, τὸ καλόν (2 a)
Jl. 3 (4). 5. τὰ ἐπίλεκτά μου καὶ τὰ καλὰ εἰσηνέγκατε (2 a)
Jn. 4. 3. ὅτι καλὸν τὸ ἀποθανεῖν με [S² add. μᾶλλον] ἢ ζῆν με (2 a)
— 8. καὶ εἶπε, Καλόν μοι ἀποθανεῖν με ἢ ζῆν (2 a)
Na. 3. 4. πόρνη καλὴ καὶ ἐπίχαρις (2 a)
Za. 1. 13. τῷ λαλοῦντι ἐν ἐμοὶ ῥήματα καλά (2 a)
9. 17. καὶ εἴ τι καλὸν αὐτοῦ [A παρ' αὐτοῦ] (3 b)
11. 10. καὶ λήψομαι τὴν ῥάβδον μου τὴν κ. (7 b)
— 12. εἰ καλὸν ἐνώπιον ὑμῶν ἐστι (2 a)
Ma. 2. 15. καὶ οὐ καλὸν ἐποίησε [A S³ al.] †
— 17. πᾶς ποιῶν πονηρὸν καλὸν ἐνώπιον κυρίου (3 a)
Is. 1. 17. μάθετε καλὸν ποιεῖν (12)
3. 25 (24). ὁ υἱός σου ὁ κάλλιστος ὃν ἀγαπᾷς (3 b ?)
5. 9. εἰς ἔρημον ἔσονται μεγάλαι καὶ καλαί (2 a)
— 20. οὐαὶ οἱ λέγοντες τὸ πονηρὸν καλὸν καὶ τὸ κ. πονηρόν (2 a, 2 a)
22. 18. θήσει τὸ ἅρμα σου τὸ καλὸν εἰς ἀτιμίαν (5)
27. 2. ἀμπελὼν καλὸς ἐπιθύμημα ἐξάρχειν κατ' αὐτῆς †
41. 7. σύμβλημα καλόν ἐστιν (2 a)
65. 2. τοῖς πορευομ. ὁδῷ οὐ καλῇ [A S al.] (2 a)
Je. 2. 33. τί ἔτι καλὸν ἐπιτηδεύσεις ἐν ταῖς ὁδοῖς σου (13)
4. 22. A S τὸ δὲ κ. [B -λῶς] ποιοῦντες οὐκ ἔγνωσαν [B S ποιῆσαι οὐκ ἐπέγ.] (12)
12. 6. λαλήσουσι πρὸς [A ἐπὶ] σὲ καλά (2 a)
18. 11. B S καλλίονα ποιήσετε [A R -ατε] τὰ ἐπιτηδεύματα ὑμῶν (12)
22. 15. A ποιεῖν κρίμα καὶ δικαιοσύνην καλήν [B S om.] (2 a)
— 17. οὐδὲ ἡ καρδία σου καλή –
47 (40). 4. εἰ καλὸν ἐναντίον σου ἐλθεῖν (2 a)
La. 4. 9. καλοὶ ἦσαν οἱ τραυματίαι ῥομφαίας (2 a)
Ez. 16. 13. ἐγένου καλὴ σφόδρα [A add. σφόδρα] (14)
17. 8. εἰς πεδίον καλὸν ἐφ' ὕδατι πολλῷ (2 a)
20. 25. ἔδωκα αὐτοῖς προστάγματα οὐ καλά (2 a)
24. 4. πᾶν διχοτόμημα καλόν (2 a)
31. 3. κυπάρισσος . . . κ. ταῖς παραφυάσι (3 a)
— 7. ἐγένετο κ. ἐν τῷ ὕψει αὐτοῦ (14)
34. 18. τὴν καλὴν νομὴν ἐνέμεσθε (2 a)
Da. LXX. Su. 2. καλὴ σφόδρα καὶ φοβουμένη τὸν κύριον
— 23. κάλλιον δέ με μὴ πράξασαν ἐμπεσεῖν
1. 15. ἐφάνη ἡ ὄψις αὐτῶν κ. (2 a)
Da. TH. Su. 2. καλὴ σφόδρα καὶ φοβουμένη τὸν κύριον
— 31. ἡ δὲ Σουσάννα ἦν . . . κ. τῷ εἴδει
1. 4. νεανίσκους . . . κ. [A καλοὶ] τῇ ὄψει (2 a)
I Ma. 4. 24. S R ὅτι καλὸν ὅτι [A om.] εἰς τὸν αἰῶνα τὸ ἔλεος αὐτοῦ
8. 8. ἀπὸ τῶν καλλίστων χωρῶν αὐτῶν
II Ma. 3. 25. καλλίστῃ σαγῇ διακεκοσμημένος
— 26. R κάλλιστοι δὲ τῇ δόξῃ [A τὴν γλῶσσαν]
4. 15. R τὰς δὲ Ἑλληνικὰς δόξας καλλίστας [A -οις] ἡγούμενοι
II Ma. 6. 18. τὴν πρόσοψιν τοῦ προσώπου κάλλιστος
— 23. R τῆς ἐκ παιδὸς καλλίστης ἀνατροφῆς [A ἀναστρ.]
9. 16. R καλλίστοις ἀναθήμασι κοσμήσειν [A al.]
12. 45. R κάλλιστον ἀποκείμενον χαριστήριον [A εὐχαρ.]
15. 12. Ὀνίαν . . . ἄνδρα κ. καὶ ἀγαθόν
— 17. τοῖς Ἰούδα λόγοις πάνυ κ.
III Ma. 3. 17. R τοῖς ἐκπρεπέσι καὶ καλλίστοις ἀναθήμασι [A ἀνθ.]
— 22. τῇ συμφύτῳ κακοηθείᾳ τὸ κ. ἀπωσάμενοι
5. 11. τὸ δὲ ἀπ' αἰῶνος χρόνου κτίσμα κ.
IV Ma. 4. 1. καλὸν καὶ ἀγαθὸν ἄνδρα
5. 7. καλλίστην τὴν τοῦδε τοῦ ζῴου σαρκοφαγίαν
8. 3. ἑπτὰ ἀδελφοὶ καλοί τε καὶ αἰδήμονες
11. 12. καλὰς . . . χάριτας ἡμῖν χαρίζῃ
[Aq. III Ki. 14. 13: Ps. 47 (48). 3: Ez. 31. 9, 16.]
[Sm. Ge. 1. 31: 3. 23 (22): Ex. 2. 2: Ps. 15 (16. 6): 44 (45). 3: 132 (133). 2: Pr. 11. 22: Ec. 3. 11: Ca. 6. 5 (6): Is. 27. 10: 41. 7: Ez. 31. 16.]
[Th. Jb. 34. 4: Pr. 11. 22: Ez. 31. 9, 16.]
[Al. Le. 27. 33: Ps. 132 (133). 1: 146 (147). 1.]
[Sam. Le. 27. 14.]

κάλος. (1) מֵיתָר
Nu. 3. 37: 4. 32. καὶ τοὺς κ. [A κλάδους] αὐτῶν (1)
[Aq. Ps. 20 (21). 13: Is. 54. 2.]
[Sm. Is. 54. 2: Je. 10. 20.]

καλπάζειν.
[Aq. Je. 8. 6.]

κάλπη (SR), **κάλπις** (A).
IV Ma. 3. 12. S R καὶ κάλπην [A -ιν] λαβόντες

καλύκωσις.
[Aq. Ca. 2. 1: Is. 35. 1.]

κάλυμμα. (1) a. פָּסוּי b. מְכֻסֶּה (2) מַסְוֶה (3) מָסָךְ (4) מִשְׁכָּן
Ex. 26. 14. B¹ ποιήσεις κάλυμμα [A B²R κατακ.] τῇ σκηνῇ (1 b)
27. 16. τῇ πύλῃ τῆς αὐλῆς κάλυμμα (3)
34. 33. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸ πρόσωπον αὐτοῦ κάλυμμα (2)
— 34. περιῃρεῖτο τὸ κ. (2)
— 35. περιέθηκε Μ. κάλυμμα [A τὸ κ.] (2)
39. 20 (34). B τὰ κ. δέρματα ὑακίνθινα [AR al.] (1 b)
40. 5. ἐπιθήσεις κάλυμμα καταπετάσματος [A al.] (3)
Nu. 3. 25. ἡ σκηνὴ καὶ τὸ κ. (1 b)
4. 8. καλύψουσιν αὐτὴν κ. δερματίνῳ (1 b)
— 10. ἐμβαλοῦσιν αὐτὴν . . . εἰς κ. δερμάτινον (1 b)
— 11. καλύψουσιν αὐτὸ κ. δερματίνῳ [A al.] (1 b)
— 12. καλύψουσιν αὐτὰ κ. δερματίνῳ [A δέρματι] (1 b)
— 14. ἐπιβαλοῦσιν ἐπ' αὐτὸ κ. δερμάτινον (1 a)
— 14. ἐμβαλοῦσιν αὐτὸ εἰς κ. δερμάτινον (1 a ?)
— 25. B καὶ τὸ κ. [A B² κατάκ.] αὐτῆς καὶ τὸ κ. [A R κατακαλ.] τὸ ὑακίνθινον (1 b, 1 b)
— 25. καὶ τὸ κ. [A κατακ.] τῆς θύρας (3)
— 31. A B² καὶ τὸ κ. [B¹ R κατακάλ.] τῆς θύρας –
I Ch. 17. 5. B ἤμην . . . ἐν καλύμματι [A S καταλύματι] (4)
I Ma. 4. 6. καλύμματα καὶ μαχαίρας οὐκ εἶχον
6. 2. A R καὶ ἐκεῖ [S ἔχει] κ. χρυσᾶ
[Aq. Ge. 8. 13: Ca. 5. 7.]
[Sm. Ge. 8. 13: Ca. 4. 3: 6. 6 (7).]
[Al. Ca. 5. 7.]

κάλυξ.
Wi. 2. 8. στεψώμεθα ῥόδων κάλυξι

καλύπτειν. (1) כָּסָה a. ni. b. pi. c. pu. (2) סָתַם (3) צָפָה a. pi. b. pu.
Ge. 7. 19. R ἐκάλυψε [A ἐπεκ.] πάντα τὰ ὄρη (1 c)
Ex. 8. 6 (2). ἐκάλυψε τὴν γῆν Αἰγύπτου (1 b)
10. 5. καλύψει τὴν ὄψιν τῆς γῆς (1 b)
— 15. ἐκάλυψε τὴν ὄψιν τῆς γῆς (1 b)
14. 28. ἐκάλυψε τὰ ἅρματα (1 b)

Ex. 15. 5. πόντῳ ἐκάλυψεν αὐτούς (1 b)
— 10. ἐκάλυψεν αὐτοὺς θάλασσα (1 b)
16. 13. ἐκάλυψε τὴν παρεμβολήν (1 b)
21. 33. καὶ μὴ καλύψῃ αὐτόν (1 b)
24. 15. ἐκάλυψεν ἡ νεφέλη τὸ ὄρος (1 b)
— 16. ἐκάλυψεν αὐτὸ ἡ νεφέλη (1 b)
26. 13. ἵνα καλύπτῃ (1 b)
27. 2. καλύψεις αὐτὰ χαλκῷ (3 a)
28. 38 (42). καλύψαι ἀσχημοσύνην χρωτὸς αὐ. (1 b)
40. 34. ἐκάλυψεν ἡ νεφέλη τὴν σκηνήν (1 b)
Le. 3. 14. A τὸ στέαρ τὸ καλύπτον [B καταkαλ.] τὴν κοιλίαν (1 b)
13. 12. καὶ καλύψῃ [A -ει] ἡ λέπρα πᾶν τὸ δέρμα (1 b)
— 13. ἐκάλυψεν ἡ λέπρα πᾶν τὸ δέρμα (1 b)
16. 13. καλύψει ἡ ἁτμὶς . . . τὸ ἱλαστήριον (1 b)
17. 13. καὶ καλύψει αὐτὸ τῇ γῇ (1 b)
Nu. 4. 8. καλύψουσιν αὐτὴν καλύμματι (1 b)
— 9. καλύψουσι τὴν λυχνίαν τὴν φωτίζουσαν (1 b)
— 11. καλύψουσιν [A ἐπικ.] αὐτὸ καλύμματι (1 b)
— 12. καλύψουσιν αὐτὰ καλύμματι (1 b)
— 15. καλύπτοντες τὰ ἅγια (1 b)
9. 15. ἐκάλυψεν ἡ νεφέλη τὴν σκηνήν (1 b)
— 16. ἡ νεφέλη ἐκάλυπτεν αὐτὴν ἡμέρας (1 b)
16. 33. ἐκάλυψεν αὐτοὺς ἡ γῆ (1 b)
— 42 (17. 7). τήνδε ἐκάλυψεν αὐτὴν ἡ νεφ. (1 b)
22. 11. κεκάλυφεν [A ἐκάλυψεν] τὴν ὄψιν τῆς γῆς (1 b)
De. 23. 13 (14). καλύψεις τὴν ἀσχημοσύνην σου (1 b)
Jo. 24. 7. καὶ ἐκάλυψεν αὐτούς [A ἐπ' αὐ.] (1 b)
I Ki. 19. 13. καὶ ἐκάλυψεν αὐτὰ ἱματίῳ (1 b)
III Ki. 7. 41. τοῦ καλύπτειν ἀμφότερα τὰ στρεπτά (1 b)
Ne. 4. 5 (3. 37). μὴ καλύψῃς ἐπὶ ἀνομίαν [S -ίᾳ] (1 b)
Ju. 2. 7. καλύψω πᾶν τὸ πρόσωπον τῆς γῆς
— 19. καλύψαι πᾶν τὸ πρόσωπον τῆς γῆς
5. 10. ἐκάλυψε γὰρ τὸ πρόσωπον τῆς γῆς X. λιμός
7. 18. ἐκάλυψαν [A -εν, S ἐπεκ.] πᾶν τὸ πρόσωπον τῆς γῆς
16. 4. ἡ ἵππος αὐτῶν ἐκάλυψε βουνούς
Jb. 15. 27. ἐκάλυψε τὸ πρόσωπον αὐτοῦ ἐν στέατι αὐτοῦ (1 b)
21. 26. σαπρία δὲ αὐτοὺς ἐκάλυψεν (1 b)
22. 11. κοιμηθέντα δὲ ὕδωρ σε ἐκάλυψε (1 b)
23. 17. πρὸ προσώπου δέ μου ἐκάλυψε γνόφος [A al.] (1 b)
36. 30. ῥιζώματα τῆς θαλάσσης ἐκάλυψεν (1 b)
— 32. ἐπὶ χειρῶν ἐκάλυψε φῶς (1 b)
Ps. 31 (32). 5. τὴν ἀνομίαν [A S² ἁμαρτίαν] μου οὐκ ἐκάλυψα (1 b)
43 (44). 15. ἡ αἰσχύνη τοῦ προσώπου μου ἐκάλυψέ με (1 b)
54 (55). 5. B² S R ἐκάλυψέ με σκότος (1 b)
68 (69). 7. ἐκάλυψεν ἐντροπὴ τὸ πρόσωπόν μου (1 b)
77 (78). 53. τοὺς ἐχθροὺς αὐτῶν ἐκάλυψε θάλασσα (1 b)
79 (80). 10. ἐκάλυψεν ὄρη ἡ σκιὰ αὐτῆς (1 c)
84 (85). 2. ἐκάλυψας πάσας τὰς ἁμαρτίας αὐ. (1 b)
103 (104). 9. καλύψαι τὴν γῆν (1 b)
105 (106). 11. ἐκάλυψεν ὕδωρ τοὺς θλίβοντας αὐτούς (1 b)
— 17. ἐκάλυψεν ἐπὶ τὴν συναγωγὴν Ἀβειρών (1 b)
139 (140). 9. A² B S κόπος τῶν χειλέων αὐτῶν καλύψει αὐτούς (1 b)
Pr. 10. 6. στόμα δὲ ἀσεβῶν καλύψει πένθος ἄωρον (1 b)
— 11. στόμα δὲ ἀσεβοῦς καλύψει ἀπώλεια (1 b)
— 12. πάντας δὲ τοὺς μὴ φιλονεικοῦντας καλύπτει [A -ψει] φιλία (1 b)
— 18. καλύπτουσιν ἔχθραν χείλη δίκαια (1 b)
26. 23. χείλη λεῖα [S δόλια] καρδίαν καλύπτει λυπηράν (3 b ?)
Ec. 6. 4. ἐν σκότει ὄνομα αὐτοῦ καλυφθήσεται (1 c)
Si. 13. 7. S καὶ καλύψει [A B καταλείψει] σε
16. 30. ψυχὴν [S -ῆ] παντὸς ζῴου ἐκάλυψε τὸ πρόσωπον αὐτῆς
23. 18. οἱ τοῖχοί με καλύπτουσι
29. 21. οἶκος καλύπτων ἀσχημοσύνην [S² ἀ. ἀνδρός]
37. 3. καλύψαι τὴν ξηρὰν ἐν δολιότητι
40. 27. ὑπὲρ πᾶσαν δόξαν ἐκάλυψαν [A S -εν] αὐτόν
Ho. 2. 9 (11). τοῦ μὴ καλύπτειν τὴν ἀσχημοσ. (1 b)
10. 8. καλύψατε ἡμᾶς (1 b)
Ob. 1. 10. καλύψει σε αἰσχύνη (1 b)
Hb. 2. 17. ἀσέβεια [S¹ -αν] τοῦ Λιβ. καλύψει σε (1 b)
3. 3. ἐκάλυψεν οὐρανοὺς ἡ ἀρετὴ αὐτοῦ (1 b)
Ma. 2. 13. ἐκαλύπτετε δάκρυσι τὸ θυσιαστήριον (1 b)
— 16. καλύψει ἀσέβεια ἐπὶ τὰ ἐνθυμήματά σου (1 b)
Is. 20. 4. B ἅμα κεκαλυμμένους [A S R ἀνακεκ.] τὴν αἰσχύνην †
60. 2. σκότος καλύψει [A -ύπτει] γῆν (1 b)
— 6. καλύψουσί σε κάμηλοι Μαδιάμ (1 b)
Ez. 7. 18. καλύψει αὐτοὺς θάμβος (1 b)
16. 8. ἐκάλυψα τὴν ἀσχημοσύνην σου (1 b)
24. 7. τοῦ καλύψαι ἐπ' αὐτὸ γῆν [A¹ al.] (1 b)
— 8. τοῦ μὴ καλύψαι αὐτό (1 a)
26. 10. A καλύψει [R κατακ.] σε ὁ κονιορτὸς αὐτῶν (1 b)
30. 18. ταύτην νεφέλη καλύψει (1 b)
32. 7. ἥλιον ἐν νεφέλῃ καλύψω (1 b)
38. 16. ὡς νεφέλη καλύψαι γῆν (1 b)
40. 43. τοῦ καλύπτεσθαι ἀπὸ τοῦ ὑετοῦ †
44. 20. καλύπτοντες καλύψουσι [A B¹ -ψωσιν] τὰς κεφαλὰς αὐτῶν †, †
Da. LXX. 12. 4. κάλυψον τὰ προστάγματα (2)
[Aq. Jb. 22. 11 : Is. 29. 10 : Ez. 27. 6 : 31. 15 : Ma. 2. 13.]
[Sm. Ps. 43 (44). 16 : 68 (69). 8 : Pr. 12. 23 : 26. 26 : Is. 30. 20 : 47. 2 : Ez. 31. 15 : Ma. 2. 13.]
[Th. Jb. 15. 27 : 22. 11 : Pr. 12. 16 : Ez. 31. 15 : Ma. 2. 13.]
[Al. III Ki. 20. 38 : Ps. 138 (139). 11 : Hb. 3. 3.]

καλυπτήρ. (1) יָע (2) מִזְרָק (3) τὸν κ. ἐπιτιθέναι דֶּשֶׁן

Ex. 27. 3. τὸν κ. αὐτοῦ . . . ποιήσεις χαλκᾶ (1 ?)
Nu. 4. 13. τὸν κ. ἐπιθήσει [A -εις] ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον (3)
— 14. τὰς φιάλας καὶ τὸν κ. (2)
[Aq., Sm. Ex. 26. 7.]

καλώδιον. (1) עֲבֹת

Jd. 15. 13. ἐν δυσὶ [A δύο] κ. καινοῖς (1)
— 14. ἐγενήθη τὰ κ. . . . ὡσεὶ στιππύον (1)
16. 11. ἐὰν . . . δήσωσί με ἐν κ. καινοῖς [A al.] (1)
— 12. ἔλαβε Δ. κ. καινά [A al.] (1)

καλῶς. (1) a. יָטַב hi. b. טוֹב c. טוֹב hi.
(2) κ. ποιεῖν a. טוֹב hi. b. יָטַב hi.
(3) κ. εἶναι a. יָטַב b. טוֹב

Ge. 26. 29. ἐχρησάμεθά σοι κ. (1 b)
32. 12 (13). A κ. [R om.] εὖ σε ποιήσω (1 a)
Le. 5. 4. κακοποιῆσαι ἢ κ. ποιῆσαι (2 b)
II Ki. 3. 13. ἐγὼ κ. διαθήσομαι (1 b)
III Ki. 2. 18. καὶ εἶπε Βηρσ., Κ. (1 b)
8. 18. κ. ἐποίησας (2 a)
IV Ki. 25. 24. καὶ κ. ἔσται ὑμῖν (3 a)
II Ch. 6. 8. κ. ἐποίησας ὅτι [B¹ om. ἐ. ὅ.] ἐγένετο (2 a)
I Es. 2. 20. κ. ἔχειν ὑπολαμβάνομεν
To. 4. 3. S θάψον με κ. [A B om.]
7. 1. S καὶ κ. ἤλθατε
14. 9. A B³ R ἵνα σοι κ. ᾖ [B¹ ἦν]
— 10. θάψον με κ. [S al.]
Es. 2. 9. καὶ ἐχρήσατο αὐτῇ κ. (1 b)
6. 10. κ. [S³ καθὼς] ἐλάλησας †
8. 13. κ. οὖν ποιήσετε [A -ατε, S -ητε] †
Jb. 13. 9. κ. γε λαλοῦντες [B S al.] (1 b ?)
Ps. 32 (33). 3. κ. ψάλατε [S² ψ. αὐτῷ] ἐν ἀλαλαγμῷ (1 a)
127 (128). 2. μακάριος εἶ καὶ κ. σοι ἔσται (3 b)
Pr. 23. 24. κ. ἐκτρέφει πατὴρ δίκαιος †
24. 64 (30. 29). τέταρτον δ' κ. διαβαίνει (1 c)
Wi. 8. 20. A οὐ καλῶς [B S οὐκ ἄλλως] ἔσομαι ἐγκρατής
Ho. 2. 7 (9). ὅτι καλῶς μοι ἦν τότε ἢ νῦν (3 b)
Mi. 1. 10. κατοικοῦσα καλῶς τὰς πόλεις αὐτῆς †
Ze. 3. 20. ὅταν καλῶς ὑμῖν ποιήσω †
Za. 8. 15. τοῦ καλῶς ποιῆσαι τὴν Ἱερουσ. (2 b)
Is. 23. 16. κ. κιθάρισον (1 a)
Je. 1. 12. A B S² κ. ἑώρακας (1 a)
4. 22. τὸ καλῶς ποιῆσαι οὐκ ἐπέγνωσαν [A al.] (2 b)
I Ma. 8. 23. κ. γενοίτο Ῥωμαίοις
12. 18. S R καὶ νῦν κ. ποιήσετε [A ἐποιήσατε]
— 22. κ. ποιήσετε γράφοντες ἡμῖν
II Ma. 2. 16. κ. οὖν ποιήσετε
II Ma. 3. 1. A τῶν νόμων ὅτι [R ἔτι] κάλλιστα συντηρουμένων
12. 43. πάνυ κ. καὶ ἀστείως πράττων
14. 37. ἀνὴρ . . . σφόδρα κ. ἀκούων
15. 38. R εἰ μὲν κ. καὶ εὐθίκτως τῇ συντάξει [A al.]
III Ma. 3. 24. τεκμηρίοις κ. πεπεισμένοι
IV Ma. 3. 20. καὶ ἔπραττον κ.
[Aq. Je. 7. 23 : Jn. 4. 4.]
[Sm. I Ki. 16. 17 : Ps. 48 (49). 19 : 127 (128). 2 : Je. 44 (51). 17.]
[Th. Ez. 33. 32 : Jn. 4. 4.]

κάμαξ.

II Ma. 5. 3. R καὶ καμάκων [A -των] πλήθη

καμάρα. (1) דֹּק

Is. 40. 22. ὁ στήσας ὡς καμάραν τὸν οὐρανόν (1)

κάματος.

II Ma. 5. 3. A καὶ καμάτων [R καμάκων] πλήθη

καμηλοπάρδαλις. (1) זֶמֶר

De. 14. 5. ὄρυγα καὶ καμηλοπάρδαλιν (1)

κάμηλος. (1) בֶּכֶר (2) גָּמָל

Ge. 12. 16. ἐγένοντο αὐτῷ . . . κάμηλοι (2)
24. 10. ἔλαβεν ὁ παῖς δέκα καμήλους ἀπὸ τῶν κ. τοῦ κυρίου αὐτοῦ (2, 2)
— 11. S R ἐκοίμισε [A -μησεν] τὰς κ. (2)
— 14. τὰς κ. σου ποτιῶ (2)
— 19. καὶ ταῖς κ. σου ὑδρεύσομαι (2)
— 20. ὑδρεύσατο πάσαις ταῖς κ. (2)
— 22. ἡνίκα ἐπαύσαντο πᾶσαι αἱ κ. πίνουσαι (2)
— 30. ἑστηκότος αὐτοῦ ἐπὶ τῶν κ. (2)
— 31. ἐγὼ δὲ ἡτοίμασα . . . τόπον ταῖς κ. (2)
— 32. R ἀπέσαξε [A ἐπ.] τὰς κ. (2)
— 32. ἔδωκεν ἄχυρα . . . ταῖς κ. (2)
— 35. ἔδωκεν αὐτῷ . . . καμήλους καὶ ὄνους (2)
— 44. ταῖς κ. σου ὑδρεύσομαι (2)
— 46. τὰς κ. σου ποτιῶ (2)
— 46. R τὰς κ. [A κ. μου] ἐπότισε (2)
— 61. ἐπέβησαν ἐπὶ τὰς κ. (2)
— 63. εἶδε καμήλους ἐρχομένας (2)
— 64. κατεπήδησεν ἀπὸ τῆς κ. (2)
30. 43. ἐγένετο αὐτῷ . . . κάμηλοι καὶ ὄνοι (2)
31. 17. ἔλαβε τὰς γυναῖκας . . . ἐπὶ τὰς κ. (2)
— 34. εἰς τὰ σάγματα τῆς κ. (2)
32. 7 (8). R διεῖλε . . . τὰς κ. [A om. τ. κ.] (2)
— 15 (16). ἐξαπέστειλεν . . . καμήλους θηλαζούσας (2)
37. 25. R αἱ [A οἱ] κ. αὐ. ἔγεμον θυμιαμάτων (2)
Ex. 9. 3. χεὶρ κυρίου ἐπέσται [A ἔσ.] ἐν . . . ταῖς [A τοῖς] κ. (2)
Le. 11. 4. τὸν κ. ὅτι ἀνάγει μηρυκισμόν (2)
De. 14. 7. ταῦτα οὐ φάγεσθε . . . τὸν κ. (2)
Jd. 6. 5. B τοῖς [A R ταῖς] κ. αὐτῶν οὐκ ἦν ἀριθμός (2)
7. 12. ταῖς κ. αὐτῶν [A om.] οὐκ ἦν ἀριθμός (2)
8. 21. τοὺς μηνίσκους τοὺς ἐν τοῖς τραχήλοις τῶν κ. αὐτῶν (2)
— 26. ἐν τοῖς τραχήλοις τῶν κ. αὐτῶν (2)
I Ki. 15. 3. καὶ ἀπὸ καμήλου ἕως ὄνου (2)
27. 9. καὶ ὄνους καὶ καμήλους καὶ ἱματισμόν (2)
30. 17. ἃ ἦν ἐπεβεβηκότα ἐπὶ τὰς κ. (2)
III Ki. 10. 2. καὶ κ. αἴρουσαι ἡδύσματα (2)
IV Ki. 8. 9. ἄρσιν τεσσαράκοντα καμήλων (2)
I Ch. 5. 21. τὴν ἀποσκευὴν αὐτῶν κ. πεντακισχιλίας (2)
12. 40. ἔφερον αὐτοῖς ἐπὶ τῶν κ. . . . βρώματα (2)
27. 30. ἐπὶ δὲ τῶν κ. Ἀβ. (2)
II Ch. 9. 1. καὶ κάμηλοι αἴρουσαι ἀρώματα (2)
14. 15 (14). ἔλαβον πρόβατα πολλὰ καὶ καμήλους (2)
I Es. 5. 43. κάμηλοι τετρακόσιοι τριάκοντα πέντε
II Es. 2. 67. κάμηλοι αὐτῶν τετρακόσιοι τριάκοντα πέντε (2)
Ne. 7. 69. A S κάμηλοι τετρακόσιοι τριάκοντα πέντε (2)
To. 9. 2. λάβε . . . δύο καμήλους
— 5. S οἱ τέσσαρες οἰκέται καὶ αἱ δύο κ.
10. 11. S ὄνους καὶ καμήλους
Ju. 2. 17. καὶ ἔλαβε καμήλους
Jb. 1. 3. ἦν τὰ κτήνη αὐτοῦ . . . κάμηλοι τρισχίλιαι [A -οι] (2)
— 17. ἐκύκλωσαν τὰς κ. (2)
42. 12. ἦν δὲ τὰ κτήνη αὐτοῦ . . . κάμηλοι ἑξακισχίλιαι (2)

Si. 26. 29. οὐ δικαιωθήσεται κάπηλος [B¹ κάμ.] ἀπὸ ἁμαρτίας
Za. 14. 15. αὕτη ἔσται ἡ πτῶσις . . . τῶν κ. (2)
Is. 21. 7. εἶδον . . . ἀναβάτην καμήλου (2)
30. 6. ἔφερον ἐπὶ ὄνων καὶ καμήλων τὸν πλοῦτον αὐτῶν (2)
60. 6. ἥξουσί σοι ἀγέλαι καμήλων καὶ καλύψουσί σε κάμηλοι Μαδιάμ (2, 1)
Je. 30. 7 (49. 29). καμήλους αὐτῶν λήψονται ἑαυτοῖς (2)
— 10 (49. 32). ἔσονται κάμηλοι [A οἱ κ.] αὐτῶν εἰς προνομήν (2)
Ez. 25. 5. δώσω τὴν πόλιν τοῦ Ἀ. εἰς νομὰς καμήλων (2)
27. 21. καμήλους καὶ ἀμνοὺς [A om. κ. ἀ.] καὶ κριούς (1 ?)
[Th. Is. 30. 6.]

καμιναῖος (B -μει.), **καμινιαῖος** (A²). (1) כִּבְשָׁן

Ex. 9. 8. πλήρεις τὰς χεῖρας αἰθάλης καμιναίας (1)
— 10. ἔλαβε [A -βον] τὴν αἰθάλην τῆς κ. (1)

κάμινος. (1) אַתּוּן (2) דּוּד (3) כִּבְשָׁן (4) כּוּר (5) קֻבָּה

Ge. 19. 28. ὡσεὶ ἀτμὶς καμίνου (3)
Ex. 19. 18. ὡς καπνὸς καμίνου (3)
Nu. 25. 8. εἰσῆλθεν . . . εἰς τὴν κ. (5)
De. 4. 20. ἐξήγαγεν ὑμᾶς . . . ἐκ τῆς κ. τῆς σιδηρᾶς (4)
Jb. 41. 11 (12). ἐκπορεύεται καπνὸς καμίνου καιομένης (2 ?)
Pr. 16. 30. οὗτος κάμινός ἐστι κακίας [A κακῶν] –
17. 3. ὥσπερ δοκιμάζεται ἐν καμίνῳ ἄργυρος (4 ?)
Si. 2. 5. ἄνθρωποι δεκτοὶ ἐν καμίνῳ ταπεινώσεως
22. 24. πρὸ πυρὸς ἀτμὶς καμίνου καὶ καπνός
27. 5. σκεύη κεραμέως δοκιμάζει κάμινος
34 (31). 26. κάμινος δοκιμάζει στόμωμα ἐν βαφῇ
38. 28. ἐν θέρμῃ καμίνου διαμαχήσεται
— 30. ἡ ἀγρυπνία αὐτοῦ καθαρίσαι κάμινον
43. 4. A S² R κάμινον φυσῶν [B S¹ φυλάσσων] ἐν ἔργοις καύματος
Is. 48. 10. ἐξειλάμην δέ σε ἐκ καμίνου πτωχείας (4)
Je. 11. 4. ἀνήγαγον αὐτοὺς . . . ἐκ καμίνου [S² τῆς κ.] τῆς σιδηρᾶς (4)
Ez. 22. 20. εἰσδέχεται . . . μόλιβος εἰς μέσον καμίνου [A add. πυρός] (4)
— 22. χωνεύεται ἀργύριον ἐν μέσῳ καμίνου (4)
Da. LXX. 3. 6. ἐμβαλοῦσιν αὐτὸν εἰς τὴν κ. τοῦ πυρός (1)
— 11. ἐμβληθήσεται εἰς τὴν κ. τοῦ πυρός (1)
— 15. ἐμβληθήσεσθε εἰς τὴν κ. τοῦ πυρός (1)
— 17. ἐξελέσθαι ἡμᾶς ἐκ τῆς κ. τοῦ πυρός (1)
— 19. ἐπέταξε καῆναι τὴν κ. ἑπταπλασίως (1)
— 20, 21. εἰς τὴν κ. τοῦ πυρὸς τὴν καιομ. (1)
— 22. ἡ κ. ἐξεκαύθη ὑπὲρ τὸ πρότερον ἑπταπλασίως (1)
— 23. καὶ προσαγαγόντες τῇ κ. (1 ?)
— 23. ἐξελθοῦσα ἡ φλὸξ ἐκ τῆς κ. –
— (24). ἐμβληθῆναι εἰς τὴν κ. –
— (25). ἐν μέσῳ τῷ πυρὶ ὑποκαιομένης τῆς κ. –
— (46). οὐ διέλιπον . . . καίοντες τὴν κ.
— (46). ἐνεβάλοσαν τοὺς τρεῖς . . . εἰς τὴν κ. καὶ ἡ κ. ἦν διάπυρος
— (47). διεχεῖτο ἡ φλὸξ ἐπάνω τῆς κ.
— (48). οὓς εὗρε περὶ τὴν κ. τῶν Χαλδαίων
— (49). ἄγγελος δὲ κυρίου συγκατέβη . . . εἰς τὴν κ. καὶ ἐξετίναξε τὴν φλόγα τοῦ πυρὸς ἐκ τῆς κ.
— (50). καὶ ἐποίησε τὸ μέσον τῆς κ. ὡσεὶ πνεῦμα δρόσου
— (51). ἐξύψουν τὸν θεὸν ἐν τῇ κ.
— 26 (93). τὴν θύραν τῆς κ. καιομένης
Da. TH. 3. 6, 11. ἐμβληθήσεται εἰς τὴν κ. τοῦ πυρός (1)
— 15. ἐμβληθήσεσθε εἰς τὴν κ. τοῦ πυρός (1)
— 17. ἐξελέσθαι ἡμᾶς ἐκ τῆς κ. τοῦ πυρός (1)
— 19. εἶπεν ἐκκαῦσαι τὴν κ. ἑπταπλασίως (1)
— 20. ἐμβαλεῖν εἰς τὴν κ. τοῦ πυρός (1)
— 21. εἰς τὸ μέσον τῆς κ. τοῦ πυρός (1)
— 22. ἡ κ. ἐξεκαύθη ἐκ περισσοῦ (1)
— 23. εἰς μέσον τῆς κ. [A κ. τοῦ πυρός] (1)
— (46). οὐ διέλειπον . . . καίοντες τὴν κ.
— (47). διεχεῖτο ἡ φλὸξ ἐπάνω τῆς κ.
— (48). οὓς εὗρε περὶ τὴν κ. τῶν Χαλδαίων
— (49). ὁ δὲ ἄγγελος κυρίου συγκατέβη . . . εἰς τὴν κ.
— (49). ἐξετίναξε τὴν φλόγα τοῦ πυρὸς ἐκ τῆς κ.
Da. TH. 3. (50). καὶ ἐποίησε τὸ μέσον τῆς κ. ὡς πνεῦμα δρόσου
— (51). ηὐλόγουν τὸν θεὸν ἐν τῇ κ.
— (88). ἐκ μέσου καμίνου καιομένης φλογός [A al.]
— 26 (93). πρὸς τὴν θύραν τῆς κ. τοῦ πυρός (1)
III Ma. 6. 6. διάπυρον δροσίσας κάμινον
IV Ma. 13. 9. A R οἱ τῆς ἰσοπαλίδος καμίνου κατεφρόνησαν [S al.]
16. 3. S R ἡ [A om.] Μισαὴλ ἐκφλεγομένη κάμινος
— 21. εἰς κάμινον πυρὸς ἀπεσφενδονήθησαν
[Aq., Sm. Ez. 22. 18.]
[Th. Ez. 22. 18: Da. 3. 11, 23, (46).]

καμμύειν. (1) עָצַם a. qal. b. pi. (2) שָׁעַע hi.

Is. 6. 10. τοὺς ὀφθαλμοὺς ἐκάμμυσαν (2)
29. 10. καμμύσει τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτῶν (1 b)
33. 15. καμμύων τοὺς ὀφθαλμούς (1 a)
La. 3. 44. A R καμμύσαι [B καμβ.] με καὶ ἀπωσθῆναι †

κάμνειν. (1) קוּט ni.

Jb. 10. 1. B S² κάμνων [A -ω δὲ] τῇ ψυχῇ μου (1)
17. 2. A B S² λίσσομαι κάμνων †
Wi. 4. 16. κατακρινεῖ δὲ δίκαιος καμὼν [A B² θανὼν] τοὺς ζῶντας ἀσεβεῖς
15. 9. ἔστιν αὐτῷ φροντὶς οὐχ ὅτι μέλλει κάμνειν
IV Ma. 3. 8. ἱδρῶν καὶ σφόδρα κεκμηκώς
7. 13. κεκμηκότων δὲ καὶ τῶν νεύρων

καμπή. (1) פִּנָּה

Ne. 3. 24. καὶ ἕως τῆς κ. Φαλάχ (1)
— 31. A S R ἕως ἀναβάσεως [B ἀνὰ μέσον] τῆς κ. (1)
[Aq. I Ki. 26. 5, 7: Pr. 2. 15, 18: 4. 11, 26: 5. 6, 21.]

κάμπη. (1) גָּזָם

Am. 4. 9. ἐλαιῶνας ὑμῶν κατέφαγεν ἡ κ. (1)
Jl. 1. 4. τὰ κατάλοιπα τῆς κ. κατέφαγεν ἡ ἀκρίς (1)
2. 25. ὃν κατέφαγεν . . . ἡ ἐρυσίβη καὶ ἡ κ. (1)

κάμπτειν. (1) בָּרַךְ (2) כָּפַף (3) כָּרַע a. qal. b. hi. (4) שָׁחַח (5) κάμπτειν τὸ γόνυ קָדַד

Jd. 5. 27. A ἐν ᾧ ἔκαμψεν [B al.] (3 a)
7. 5. A ὃς ἂν κάμψῃ [B ἐὰν κλίνῃ ἐπὶ] τὰ γόνατα (3 a)
— 6. A ἔκαμψαν [B ἔκλιναν] ἐπὶ τὰ γόνατα (3 a)
II Ki. 22. 40. κάμψεις [A -ει] τοὺς ἐπανιστανομένους μοι (3 b)
IV Ki. 1. 13. καὶ ἔκαμψεν ἐπὶ τὰ γόνατα αὐτοῦ (3 a)
9. 24. ἔκαμψεν ἐπὶ τὰ γόνατα αὐτοῦ (3 a)
I Ch. 29. 20. κάμψαντες τὰ γόνατα (5)
II Ch. 29. 29. ἔκαμψεν ὁ βασιλεὺς (3 a)
I Es. 8. 73. κάμψας τὰ γόνατα
Jb. 9. 13. ὑπ' αὐτοῦ ἐκάμφθησαν [A -η] κήτη τὰ ὑπ' οὐρανόν (4)
Si. 7. 23. κάμψον ἐκ νεότητος τὸν τράχηλον αὐτῶν
30. 12. R κάμψον τὸν τράχηλον αὐτοῦ ἐν νεότητι
— 35 (33. 26). ζυγὸς καὶ ἱμὰς κάμψουσι τράχηλον
38. 18. λύπη καρδίας κάμψει [S¹ κάμπτει] ἰσχύν
— 30. πρὸ ποδῶν κάμψει ἰσχὺν αὐτοῦ
Is. 45. 24 (23). ἐμοὶ κάμψει πᾶν γόνυ (3 a)
58. 5. οὐδ' ἂν κάμψῃς ὡς κρίκον τὸν τράχηλόν σου (2)
Da. TH. 6. 10 (11). ἦν κάμπτων ἐπὶ τὰ γόνατα αὐτοῦ (1)
III Ma. 2. 1. κάμψας τὰ γόνατα
IV Ma. 3. 4. τὸ μὴ καμφθῆναι τῇ κακοηθείᾳ
[Aq. Ge. 49. 9: Jd. 5. 27: 7. 5: 11. 35 bis: I Ki. 4. 19: Ps. 16 (17). 13: 17 (18). 40: 21 (22). 30: 71 (72). 9.]
[Sm. Ge. 27. 40: Jb. 9. 13: Ps. 9. 31 (10. 10): 29 (30). 8.]
[Th. Jd. 5. 27: 7. 5: Is. 10. 4: 44. 15.]

καμπτός.

[Aq. Pr. 2. 9.]

καμπύλος. (1) לוּז ni.

Pr. 2. 15. καμπύλαι αἱ τροχιαὶ αὐτῶν (1)

καμψάκης, *vid.* καψάκης.

κάμψις.

[Aq. IV Ki. 10. 12.]

κἂν, *vid.* ἄν.

καναί.

[Heb. Pr. 8. 22.]

κανθαρίς.

[Sm. Ho. 13. 3.]

κάνθαρος. (1) כָּפִיס

Hb. 2. 11. καὶ κάνθαρος ἐκ ξύλου φθέγξεται αὐτά (1)

κανθός.

To. 11. 13. ἐλεπίσθη ἀπὸ τῶν κ. τῶν ὀφθαλμῶν αὐτοῦ τὰ λευκώματα [S al.]

κανοῦν. (1) סַל

Ge. 40. 16. τρία κανᾶ χονδριτῶν (1)
— 17. R ἐν δὲ κανῷ [A τῷ κ.] τῷ ἐπάνω (1)
— 17. ἀπὸ τοῦ κ. τοῦ ἐπάνω τῆς κεφαλῆς μου (1)
— 18. τὰ τρία κ. τρεῖς ἡμέραι εἰσίν (1)
Ex. 29. 3. ἐπιθήσεις αὐτὰ [A om. ἐ. αὐ.] ἐπὶ κανοῦν ἕν (1)
— 3. προσοίσεις [B¹ -σει] αὐτὰ ἐπὶ τῷ κ. (1)
— 23. λάγανον ἓν [B² ἕνα] ἀπὸ τοῦ κ. τῶν ἀζύμων (1)
— 32. ἔδονται . . . τοὺς ἄρτους τοὺς ἐν τῷ κ. (1)
Le. 8. 2. καὶ τὸ κ. τῶν ἀζύμων (1)
— 25 (26). ἀπὸ τοῦ κανοῦ τῆς τελειώσεως (1)
— 31. τοὺς ἄρτους τοὺς [B¹ om.] ἐν τῷ κ. (1)
Nu. 6. 15. καὶ κανοῦν ἀζύμων σεμιδάλεως (1)
— 17. ποιήσει θυσίαν . . . ἐπὶ τῷ κ. τῶν ἀζύμων (1)
— 19. ἄρτον ἕνα ἄζυμον ἀπὸ τοῦ κ. (1)
Jd. 6. 19. A ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸ κ. [B al.] (1)
[Sm. Ge. 40. 16.]

κανών.

Ju. 13. 6. προσελθοῦσα τῷ κ. τῆς κλίνης
Mi. 7. 4. βαδίζων ἐπὶ κανόνος †
IV Ma. 7. 21. πρὸς ὅλον τὸν τῆς φιλοσοφίας κ.
[Aq. Jb. 38. 5: Ps. 18 (19). 5.]

κάπηλος.

Si. 26. 29. οὐ δικαιωθήσεται κάπηλος [B¹ κάμ.] ἀπὸ ἁμαρτίας
Is. 1. 22. οἱ κ. σου μίσγουσι τὸν οἶνον ὕδατι –

καπνίζειν. (1) כֵּהָה (2) a. עָשַׁן b. עָשַׁן verb. c. עָשַׁן adj.

Ge. 15. 17. ἰδοὺ κλίβανος καπνιζόμενος (2 a)
Ex. 19. 18. τὸ δὲ ὄρος τὸ Σ. ἐκαπνίζετο ὅλον (2 b)
20. 18. ὁ λαὸς ἑώρα . . . τὸ ὄρος τὸ καπνίζον (2 c)
To. 6. 7. B ταῦτα δὲ καπνίσαι ἐνώπιον ἀνθρώπου [A S R al.]
— 16. καπνίσεις καὶ ὀσφρανθήσεται τὸ δαιμόνιον [S al.]
8. 2. A B καὶ ἐκάπνισεν
Ps. 103 (104). 32. καὶ καπνίζονται (2 b)
143 (144). 5. καὶ καπνισθήσονται (2 b)
Wi. 10. 7. ἐπὶ μαρτύριον τῆς πονηρίας καπνιζομένη καθέστηκε χέρσος
Is. 7. 4. ἀπὸ τῶν δύο ξύλων τῶν δαλῶν τῶν καπνιζομ. τούτων (2 c)
42. 3. λίνον καπνιζόμενον οὐ σβέσει (1)
[Al. Ps. 143 (144). 5.]

καπνοδόχη. (1) אֲרֻבָּה

Ho. 13. 3. A ὡς ἀτμὶς ἐκ καπνοδόχης [B ἀπὸ δακρύων]
[Th. Ho. 13. 3.]

καπνός. (1) עָשָׁן

Ex. 19. 18. καὶ ἀνέβαινεν ὁ κ. (1)
— 18. ὡς καπνὸς καμίνου (1)
Jo. 8. 20. ἐθεώρουν καπνὸν ἀναβαίνοντα [A al.] (1)
— 21. B ἀνέβη ὁ κ. τῆς πόλεως (1)
Jd. 20. 38. σύσσημον [A πύργον τοῦ] καπνοῦ ἀπὸ τῆς πόλεως (1)
— 40. ὡς [A om.] στῦλος καπνοῦ (1)
II Ki. 22. 9. ἀνέβη καπνὸς ἐν τῇ ὀργῇ αὐτοῦ (1)
Jb. 41. 11 (12). ἐκ μυκτήρων αὐτοῦ ἐκπορεύεται καπνὸς καμίνου (1)
Ps. 17 (18). 8. ἀνέβη καπνὸς ἐν ὀργῇ αὐτοῦ (1)
36 (37). 20. ἐκλείποντες ὡσεὶ καπνὸς ἐξέλιπον (1)
67 (68). 2. ὡς ἐκλείπει καπνὸς ἐκλιπέτωσαν (1)
101 (102). 3. ἐξέλιπον ὡσεὶ καπνὸς αἱ ἡμέραι μου (1)
Pr. 10. 26. ὥσπερ ὄμφαξ ὀδοῦσι βλαβερὸν καὶ καπνὸς ὄμμασιν (1)

Ca. 3. 6. ὡς στελέχη καπνοῦ (1)
Wi. 2. 2. καπνὸς ἡ πνοὴ ἐν ῥισὶν ἡμῶν
5. 14. ὡς καπνὸς ὑπὸ ἀνέμου διεχύθη
11. 18. βρόμους [AS -μον] λικμωμένους καπνοῦ
Si. 22. 24. πρὸ πυρὸς ἀτμὶς καμίνου καὶ καπνός
Jl. 2. 30 (3. 3). ἐπὶ τῆς γῆς αἷμα . . . καὶ ἀτμίδα καπνοῦ (1)
Na. 2. 13 (14). καὶ ἐκκαύσω ἐν καπνῷ πλῆθός σου (1)
Is. 4. 5. καὶ ὡς καπνοῦ . . . καιομένου νυκτός (1)
6. 4. ὁ οἶκος ἐνεπλήσθη [A S ἐπλ.] καπνοῦ (1)
14. 31. ἀπὸ βορρᾶ κ. ἔρχεται (1)
34. 10. ἀναβήσεται ὁ κ. αὐτῆς ἄνω (1)
51. 6. ὁ οὐρανὸς ὡς κ. ἐστερεώθη (1)
65. 5. οὗτος κ. τοῦ θυμοῦ μου (1)
— 17. ἔσται γὰρ ὁ οὐρ. καινὸς [S¹ καπνός] †
Ep. Je. 21. ἀπὸ τοῦ κ. τοῦ ἐκ τῆς οἰκίας [A *al.*]
I Ma. 4. 20. ὁ γὰρ κ. ὁ θεωρούμενος
[Aq. Ca. 3. 6: Is. 4. 5: Ho. 13. 3.]
[Sm., Th. Is. 4. 5.]
[Quint. Ps. 118 (119). 83.]

κάπραις. (1) אֲבִיוֹנָה

Ec. 12. 5. καὶ διασκεδασθῇ ἡ κ. (1)
[Aq. Ec. 12. 5.]

κάπτειν. (1) אָכַל

Da. LXX. 1. 12. ὥστε κάπτειν καὶ ὑδροποιεῖν (1)

καπυρός.
[Sm. Jo. 9. 5 (11).]

καραδοκεῖν.
[Aq. Ps. 129 (130). 5.]

καραδοκία.
[Aq. Ps. 38 (39). 8: Pr. 10. 28.]

καραθί.
[Heb. Ho. 11. 1.]

καραισείμ (A), **καρασείμ** (B), **καρησίμ** (R).

II Ch. 35. 19. καὶ τὰ κ. ἃ ἦν ἐν γῇ Ἰ. –

καρδία. (1) בֶּטֶן (2) דֶּרֶךְ (3) חַטָּאת (4) *a.* לֵב *b.* לְבָב *c.* לֻבָּב *d.* τὰ ἀπὸ καρδίας לֵב (5) מְעִי (6) נֶפֶשׁ (7) עֹרֶף (8) קֶרֶב (9) ἐκδέχεσθαι τῇ κ. בִּין hi.

Ge. 6. 5. διανοεῖται ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 *a*)
20. 5. ἐν καθαρᾷ καρδίᾳ . . . ἐποίησα τοῦτο (4 *b*)
— 6. ἐν καθαρᾷ καρδίᾳ ἐποίησας τοῦτο (4 *b*)
42. 28. ἐξέστη ἡ κ. αὐτῶν (4 *a*)
50. 21. ἐλάλησεν αὐτῶν εἰς τὴν κ. (4 *a*)
Ex. 4. 21. σκληρυνῶ τὴν κ. αὐτοῦ (4 *a*)
7. 3. σκληρυνῶ τὴν κ. Φαραώ (4 *a*)
— 13. κατίσχυσεν ἡ κ. Φαραώ (4 *a*)
— 14. βεβάρηται ἡ κ. Φαραώ (4 *a*)
— 22. AR ἐσκληρύνθη [B -ρυνεν] ἡ κ. Φαραώ (4 *a*)
8. 15 (11). ἐβαρύνθη ἡ κ. αὐτοῦ (4 *a*)
— 19 (15). ἐσκληρύνθη ἡ κ. Φαραώ (4 *a*)
— 32 (28). ἐβάρυνε Φαραὼ τὴν κ. αὐτοῦ (4 *a*)
9. 7. A² B ἐβαρύνθη ἡ κ. Φαραώ (4 *a*)
— 12. A² B ἐσκλήρυνε δὲ κύριος τὴν κ. Φαραώ (4 *a*)
— 14. ἐξαποστέλλω . . . εἰς τὴν κ. σου (4 *a*)
— 34. ἐβάρυνεν αὐτοῦ τὴν κ. (4 *a*)
— 35. ἐσκληρύνθη ἡ κ. Φαραώ (4 *a*)
10. 1. ἐσκλήρυνα [A ἐβάρυνα] αὐτοῦ τὴν κ. (4 *a*)
— 20. ἐσκλήρυνε κύριος τὴν κ. Φαραώ (4 *a*)
— 27: 11. 10. ἐσκλήρυνε δὲ κύριος τὴν κ. Φ. (4 *a*)
14. 4. σκληρυνῶ τὴν κ. Φαραώ (4 *a*)
— 5. A R μετεστράφη ἡ κ. Φ. καὶ [B *add.* ἡ κ.] τῶν θεραπόντων (4 *b*, –)
— 8. ἐσκλήρυνε κύριος τὴν κ. Φαραὼ . . . καὶ [A² *add.* τὴν κ.] τῶν θεραπόντων (4 *a*, –)
— 17. σκληρυνῶ τὴν κ. Φαραώ (4 *a*)
25. 2. παρὰ πάντων οἷς ἂν δόξῃ τῇ κ. (4 *a*)
31. 6. παντὶ συνετῷ καρδίᾳ δέδωκα σύνεσιν (4 *a*)
35. 5. πᾶς ὁ καταδεχόμενος τῇ καρδίᾳ (4 *a*)
— 10. πᾶς σοφὸς τῇ κ. [A διανοίᾳ] (4 *a*)
— 21. ὧν ἔφερεν ἡ κ. αὐτῶν (4 *a*)
36. 2. ᾧ ἔδωκεν ὁ θεὸς ἐπιστήμην ἐν τῇ κ. (4 *a*)
Le. 26. 36. ἐπάξω δουλείαν [A δειλίαν] εἰς τὴν κ. αὐτῶν (4 *b*)
— 41. ἐντραπήσεται ἡ κ. αὐτῶν ἡ ἀπερίτμητος (4 *b*)
Nu. 22. 38. A ὃ ἐὰν ἐμβάλῃ εἰς τὴν κ. μου [B R *al.*] †
32. 7. A ἵνα τί διαστρέφετε τὰς κ. [B διανοίας] (4 *a*)
Nu. 32. 9. ἀπέστησαν τὴν κ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (4 *a*)
De. 1. 28. ἀπέστησαν τὴν κ. ὑμῶν (4 *b*)
2. 30. κατίσχυσε τὴν κ. αὐτοῦ (4 *b*)
4. 9. μὴ ἀποστήτωσαν ἀπὸ τῆς κ. σου (4 *b*)
— 29. ὅταν ἐκζητήσητε αὐτὸν ἐξ ὅλης τῆς κ. σου (4 *b*)
5. 29 (26). εἶναι οὕτω τὴν κ. αὐτῶν ἐν αὐτοῖς (4 *b*)
6. 5. A ἐξ ὅλης τῆς κ. [B διανοίας] σου (4 *b*)
— 6. ἔσται τὰ ῥήματα ταῦτα . . . ἐν τῇ κ. σου (4 *b*)
— 12. A πλατυνθῇ ἡ κ. σου –
8. 2. καὶ διαγνωσθῇ τὰ ἐν τῇ κ. σου (4 *b*)
— 5. γνώσῃ τῇ κ. σου (4 *b*)
— 14. ὑψωθῇς τῇ κ. [A κ. σου] (4 *b*)
— 17: 9. 4. μὴ εἴπῃς ἐν τῇ κ. σου (4 *b*)
9. 5. διὰ τὴν ὁσιότητα τῆς κ. σου (4 *b*)
10. 12. λατρεύειν κυρίῳ . . . ἐξ ὅλης τῆς κ. σου (4 *b*)
11. 13. λατρεύειν αὐτῷ ἐξ ὅλης τῆς κ. σου (4 *b*)
— 16. μὴ πλατυνθῇ ἡ κ. σου (4 *b*)
— 18. ἐμβαλεῖτε τὰ ῥήματα ταῦτα εἰς τὴν κ. ὑμῶν (4 *b*)
12. 20. A ἐν πάσῃ ἐπιθυμίᾳ τῆς κ. [B ψυχῆς] σου (6)
13. 3 (4). εἰ ἀγαπᾶτε . . . ἐξ ὅλης τῆς κ. ὑμῶν (4 *b*)
15. 7. οὐκ ἀποστέρξεις [A -στρέψεις] τὴν κ. σου (4 *b*)
— 9. μὴ γένηται ῥῆμα κρυπτὸν ἐν τῇ κ. σου (4 *b*)
— 10. οὐ λυπηθήσῃ τῇ κ. σου (4 *b*)
17. 17. A R ἵνα μὴ μεταστῇ [B² οὐδὲ μεταστήσεται] αὐτοῦ ἡ κ. (4 *b*)
— 20. A R ἵνα μὴ ὑψωθῇ ἡ κ. αὐτοῦ [B σου] (4 *b*)
18. 21. ἐὰν δὲ εἴπῃς ἐν τῇ κ. σου (4 *b*)
19. 6. παρατεθέρμανται τῇ κ. [A *add.* αὐτοῦ] (4 *b*)
20. 3. μὴ ἐκλυέσθω ἡ κ. ὑμῶν (4 *b*)
— 8. καὶ δειλὸς τῇ κ. (4 *b*)
— 8. ἵνα μὴ δειλιάνῃ τὴν κ. (4 *b*)
26. 16. ποιήσετε αὐτὰ ἐξ ὅλης τῆς κ. ὑμῶν (4 *b*)
28. 47. A ἐν εὐφροσύνῃ καὶ [A² *add.* ἐν] ἀγαθῇ κ. [B διανοίᾳ] (4 *b*)
— 65. δώσει σοι . . . κ. ἑτέραν [A *om.*] (4 *a*)
— 67. ἀπὸ τοῦ φόβου τῆς κ. σου (4 *b*)
29. 4 (3). οὐκ ἔδωκε κύριος . . . καρδίαν εἰδέναι (4 *a*)
— 19 (18). ἐπιφημίσηται ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 *b*)
— 19 (18). ἐν τῇ ἀποπλανήσει τῆς κ. μου (4 *a*)
30. 1. καὶ δέξῃ εἰς τὴν κ. σου (4 *b*)
— 2. ἐξ ὅλης τῆς κ. σου καὶ ἐξ ὅλης τῆς ψυχῆς σου (4 *b*)
— 6. περικαθαριεῖ κύριος τὴν κ. σου καὶ τὴν κ. τοῦ σπέρματός σου (4 *b*, 4 *b*)
— 6, 10. ἐξ ὅλης τῆς κ. σου καὶ ἐξ ὅλης τῆς ψυχῆς σου (4 *b*)
— 14. ἐν τῷ στόματί σου καὶ ἐν τῇ κ. σου (4 *b*)
— 17. ἐὰν μεταστῇ ἡ κ. σου (4 *b*)
32. 46. προσέχετε τῇ κ. [A *add.* ὑμῶν] (4 *b*)
Jo. 2. 11. ἐξέστημεν τῇ κ. ἡμῶν (4 *b*)
7. 5. ἐπτοήθη ἡ κ. τοῦ λαοῦ (4 *b*)
11. 20. κατισχῦσαι αὐτῶν τὴν κ. (4 *a*)
14. 8. μετέστησαν τὴν κ. [A διάνοιαν] τοῦ λαοῦ (4 *a*)
22. 5. A ἐξ ὅλης τῆς κ. [B διανοίας] ὑμῶν (4 *b*)
23. 14. γνώσεσθε τῇ κ. ὑμῶν (4 *b*)
24. 23. εὐθύνατε τὴν κ. ὑμῶν (4 *b*)
Jd. 1. 15. ἔδωκεν αὐτῇ Χ. κατὰ τὴν κ. αὐτῆς –
5. 9. ἡ κ. μου εἰς τὰ διατεταγμένα τῷ Ἰσρ. (4 *a*)
— 15. μεγάλοι ἐξικνούμενοι καρδίαν [A ἀκριβασμοὶ καρδίας] (4 *a*)
— 16. μεγάλοι ἐξετασμοὶ [A ἐξιχνιασμοὶ] καρδίας (4 *a*)
9. 3. ἔκλινεν ἡ [A *om.*] κ. αὐτῶν ὀπίσω Ἀβ. (4 *a*)
16. 15. ἡ κ. σου οὐκ [A *om.*] ἔστι μετ' ἐμοῦ (4 *a*)
— 17, ἀνήγγειλεν αὐτῇ πᾶσαν τὴν κ. αὐτοῦ [A ἀπ. αὐ. πάντα τὰ ἀπὸ καρδίας] (4 *a* [4 *d*])
— 18. ἀπήγγειλεν αὐτῇ πᾶσαν τὴν κ. [A ἀν. πάντα τὰ ἀπὸ καρδίας] αὐτοῦ (4 *a* [4 *d*])
— 18. ἀπήγγειλέ [A ἀν.] μοι πᾶσαν τὴν κ. [A κακίαν] αὐτοῦ (4 *a*)
— 25. ὅτε ἠγαθύνθη ἡ κ. αὐτῶν (4 *a*)
18. 20. ἠγαθύνθη ἡ κ. τοῦ ἱερέως (4 *a*)
19. 3. τοῦ λαλῆσαι ἐπὶ [A *add.* τὴν] καρδίαν αὐτῆς (4 *a*)
— 5. στήρισον τὴν κ. σου (4 *a*)
— 6. ἀγαθυνθήσεται [A -ήτω] ἡ κ. σου (4 *a*)
— 8. στήρισον δὴ τὴν κ. σου (4 *b*)
— 9. ἀγαθυνθήσεται [A -ήτω] ἡ κ. σου (4 *b*)
— 22. αὐτοὶ δὲ ἀγαθύνοντες καρδίαν [A -ῶν δὲ ἀγαθυνθέντων τῇ κ.] αὐτῶν (4 *a*)
Ru. 2. 13. ἐλάλησας ἐπὶ καρδίαν τῆς δούλης σου (4 *a*)
3. 7. ἠγαθύνθη ἡ κ. αὐτοῦ (4 *a*)
I Ki. 1. 8. ἵνα τί τύπτει σε ἡ κ. σου [A *al.*] (4 *b*)
I Ki. 1. 13. ἐλάλει ἐν τῇ κ. αὐτῆς (4 *a*)
2. 1. ἐστερεώθη ἡ κ. μου ἐν κυρίῳ (4 *a*)
— 35. ὃς πάντα τὰ ἐν τῇ κ. μου . . . ποιήσει (4 *b*)
4. 13. ἦν καρδία [A ἡ κ.] αὐτοῦ ἐξεστηκυῖα (4 *a*)
— 20. οὐκ ἐνόησεν ἡ κ. αὐτῆς (4 *a*)
6. 6. ἵνα τί βαρύνετε τὰς κ. ὑμῶν ὡς ἐβάρυνεν [A -ύνθη] Αἴγ. . . . τὴν κ. αὐ. (4 *b*, 4 *a*)
7. 3. εἰ ἐν ὅλῃ κ. ὑμῶν ὑμεῖς ἐπιστρέφετε (4 *b*)
— 3. ἑτοιμάσατε τὰς κ. ὑμῶν πρὸς κύριον (4 *b*)
9. 19. πάντα τὰ ἐν τῇ κ. σου ἀπαγγελῶ σοι (4 *b*)
— 20. μὴ θῇς τὴν κ. σου αὐταῖς (4 *a*)
10. 9. μετέστρεψεν αὐτῷ ὁ θεὸς κ. ἄλλην (4 *a*)
— 26. ὧν ἥψατο κύριος καρδίας αὐτῶν (4 *a*)
12. 20. B δουλεύσατε τῷ κυρίῳ ἐν ὅλῃ κ. ὑμῶν (4 *b*)
— 24. B δουλεύσατε αὐτῷ . . . ἐν ὅλῃ κ. ὑμῶν (4 *b*)
13. 14. B ἄνθρωπον κατὰ τὴν κ. αὐτοῦ (4 *b*)
14. 7. B ὃν ἐὰν ἡ κ. σου ἐκκλίνῃ (4 *b*)
— 7. B ὡς ἡ κ. σου καρδία μου (4 *b*, –)
16. 7. ὁ δὲ θεὸς ὄψεται εἰς καρδίαν (4 *b*)
17. 28. A ἐγὼ οἶδα . . . τὴν κακίαν τῆς κ. σου (4 *b*)
— 32. μὴ δὴ συμπεσέτω καρδία [A ἡ κ.] τοῦ κυρίου μου (4 *a*)
21. 12 (13). ἔθετο Δ. τὰ ῥήματα ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 *b*)
24. 6. ἐπάταξε καρδία Δαυὶδ αὐτόν (4 *a*)
25. 25. μὴ δὴ θέσθω ὁ κύριος μου καρδίαν αὐτοῦ (4 *a*)
— 31. A βδελυγμὸς καὶ σκάνδαλον καρδίας [B *om.*] (4 *a*)
— 36. ἡ κ. Νάβαλ ἀγαθὴ ἐπ' αὐτόν (4 *a*)
— 37. ἐναπέθανεν ἡ κ. αὐτοῦ ἐν αὐτῷ (4 *a*)
27. 1. εἶπε Δαυὶδ ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 *a*)
28. 5. ἐξέστη ἡ κ. αὐτοῦ σφόδρα (4 *a*)
29. 10. λόγον λοιμὸν μὴ θῇς ἐν καρδίᾳ σου [A *om.* ἐν κ. σ.] –
II Ki. 6. 16. ἐξουδένωσεν αὐτὸν ἐν τῇ κ. αὐτῆς (4 *a*)
7. 3. ὅσα ἂν [A *om.*] ἐν τῇ κ. σου (4 *b*)
— 21. κατὰ τὴν κ. σου ἐποίησας (4 *a*)
— 27. εὗρεν ὁ δοῦλός σου τὴν κ. ἑαυτοῦ (4 *a*)
13. 20. μὴ θῇς τὴν κ. σου (4 *a*)
— 28. ὡς ἂν ἀγαθυνθῇ ἡ κ. Ἀμ. (4 *a*)
— 33. μὴ θέσθω . . . ἐπὶ τὴν κ. αὐ. ῥῆμα (4 *a*)
14. 1. ἡ κ. τοῦ βασ. ἐπὶ Ἀβ. (4 *a*)
15. 6. ἰδιοποιεῖτο Ἀβ. τὴν κ. ἀνδρῶν Ἰσρ. (4 *a*)
— 13. ἐγενήθη ἡ κ. ἀνδρῶν Ἰσρ. ὀπίσω Ἀβ. (4 *a*)
17. 10. οὗ ἡ κ. καθὼς ἡ κ. τοῦ λέοντος (4 *a*, 4 *a*)
18. 3 *bis.* οὐ θήσουσιν ἐφ' ἡμᾶς καρδίαν (4 *a*)
— 14. ἐνέπηξεν αὐτὰ ἐν τῇ κ. [A εἰς τὴν κ.] Ἀβ. ἔτι αὐτοῦ ζῶντος ἐν τῇ κ. τῆς δρυός (4 *a*, 4 *a*)
19. 7 (8). λάλησον εἰς τὴν κ. τῶν δούλων σου (4 *a*)
— 14 (15). ἔκλινε τὴν κ. παντὸς ἀνδρός (4 *b*)
— 19 (20). τοῦ θέσθαι τὸν βασ. εἰς τὴν κ. αὐτοῦ (4 *a*)
24. 10. ἐπάταξε καρδία Δαυὶδ αὐτόν (4 *a*)
III Ki. 2. 4. ἐὰν φυλάξωσιν . . . ἐν ὅλῃ κ. αὐτῶν (4 *b*)
8. 1 (4. 29 [5. 9]). ἔδωκε κύριος . . . πλάτος καρδίας (4 *a*)
— 1 (2. 44). ἣν ἔγνω ἡ κ. σου (4 *b*)
— 6. καὶ ἐν εὐθύτητι καρδίας (4 *b*)
— 9. δώσεις τῷ δούλῳ σου καρδίαν ἀκούειν (4 *a*)
— 12. δέδωκά σοι κ. φρονίμην καὶ σοφήν (4 *a*)
4. 29 (5. 9). καὶ χύμα καρδίας (4 *a*)
8. 17. ἐγένετο ἐπὶ τῆς κ. τοῦ πατρός μου (4 *b*)
— 18. ἦλθεν ἐπὶ τὴν κ. σου (4 *b*)
— 18. ἐγενήθη ἐπὶ τὴν κ. σου (4 *b*)
— 23. φυλάσσων διαθήκην . . . ἐν ὅλῃ τῇ [A *om.*] κ. (4 *a*)
— 38. ὡς ἂν γνῶσιν ἕκαστος ἁφὴν καρδίας αὐ. (4 *b*)
— 39. καθὼς ἂν γνῷς τὴν κ. αὐτοῦ (4 *b*)
— 39. οἶδας τὴν κ. πάντων υἱῶν ἀνθρώπων (4 *b*)
— 47. ἐπιστρέψουσι καρδίας αὐτῶν (4 *a*)
— 48. καὶ ἐπιστρέψωσι πρὸς σὲ ἐν ὅλῃ κ. αὐτῶν (4 *b*)
— 58. ἐπικλίναι καρδίας ἡμῶν ἐπ' [A πρὸς] αὐτόν (4 *b*)
— 61. ἔστωσαν αἱ κ. ἡμῶν τέλειαι (4 *b*)
— 66. ἀγαθὴ ἡ [A *om.*] κ. ἐπὶ τοῖς [A πᾶσιν τ.] ἀγαθοῖς (4 *a*)
9. 3. καὶ ἡ κ. μου πάσας τὰς ἡμέρας (4 *a*)
— 4. ἐὰν πορευθῇς . . . ἐν ὁσιότητι καρδίας (4 *b*)
10. 2. ὅσα ἦν ἐν τῇ κ. αὐτῆς (4 *b*)
— 24. ἧς ἔδωκε κύριος τῇ κ. αὐτοῦ (4 *a*)
11. 2. μὴ ἐκκλίνωσι τὰς κ. ὑμῶν [A αὐτῶν] (4 *b*)
— 3. A ἔκλιναν γυναῖκες αὐτοῦ τὴν κ. αὐτοῦ (4 *a*)
— 4. οὐκ ἦν ἡ κ. αὐτοῦ τελεία . . . καθὼς ἡ κ. Δ. (4 *b*, 4 *b*)
— 3. ἐξέκλιναν αἱ γυναῖκες . . . τὴν κ. αὐτοῦ (4 *b*)
— 9. ἐξέκλινε καρδίαν αὐτοῦ ἀπὸ κυρίου (4 *b*)

III Ki. 11. 10. B οὐδ' ἦν ἡ κ. αὐτοῦ τελεία . . . κατὰ τὴν κ. Δ. –, –
12. 26. εἶπεν Ἱερ. ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 a)
— 27. ἐπιστραφήσεται καρδία τοῦ λαοῦ (4 a)
— 33. ᾗ ἐπλάσατο ἀπὸ καρδίας αὐτοῦ (4 a, †*)
14. 8. ὃς ἐπορεύθη ὀπίσω μου ἐν πάσῃ κ. αὐτοῦ (4 b)
15. 3. οὐκ ἦν ἡ κ. αὐτοῦ τελεία . . . ὡς ἡ κ. τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (4 b, 4 b)
— 14. ἡ [A om.] κ. Ἀσὰ ἦν τελεία (4 b)
18. 37. ἔστρεψας [A ἐπέστρ.] τὴν κ. τοῦ λαοῦ τούτου (4 a)
IV Ki. 5. 26. οὐχὶ ἡ κ. μου ἐπορεύθη (4 a)
9. 24. ἐξῆλθε τὸ βέλος αὐτοῦ διὰ τῆς κ. αὐτοῦ (4 a)
10. 15. εἰ ἔστι καρδία σου μετὰ καρδίας μου εὐθεῖα καθὼς ἡ κ. μου μετὰ τῆς κ. σου [A al.] (4 b, –, 4 b, 4 b)
— 30. κατὰ πάντα ὅσα ἐν τῇ κ. μου (4 b)
— 31. πορεύεσθαι ἐν νόμῳ . . . ἐν ὅλῃ κ. αὐτοῦ (4 b)
12. 4 (5). A R ὁ ἐὰν ἀναβῇ [B λάβῃ] ἐπὶ καρδίαν ἀνδρός (4 a)
14. 10. ἐπῆρέ σε καρδία [A ἡ κ.] σου (4 a)
20. 3. ἐν ἀληθείᾳ καὶ καρδίᾳ [A ἐν κ.] πλήρει (4 b)
22. 19. ἡπαλύνθη ἡ κ. σου (4 b)
23. 3. ἐν πάσῃ κ. καὶ ἐν πάσῃ ψυχῇ (4 a)
— 25. ἐν ὅλῃ κ. αὐτοῦ καὶ ἐν ὅλῃ ψυχῇ αὐτοῦ (4 b)
I Ch. 12. 17. εἴη μοι [A εἰ ἐμοὶ] καρδία [S ἡ κ.] καθ' ἑαυτήν (4 b)
16. 10. εὐφρανθήσεται καρδία ζητοῦσα τὴν εὐδοκίαν αὐτοῦ (4 a)
17. 19. κατὰ τὴν κ. σου ἐποίησας τὴν πᾶσαν μεγαλωσύνην (4 a)
22. 19. νῦν δότε καρδίας ὑμῶν (4 b)
28. 2. ἐμοὶ ἐγένετο ἐπὶ καρδίαν (4 b)
— 9. A R δούλευε αὐτῷ [B om.] ἐν κ. τελείᾳ (4 a)
— 9. πάσας κ. ἐτάζει [A ἐξετ.] κύριος (4 b)
29. 9. ἐν κ. πλήρει προεθυμήθησαν τῷ κυρίῳ (4 a)
— 17. σὺ εἶ ὁ ἐτάζων καρδίας (4 b)
— 17. ἐν ἁπλότητι καρδίας προεθυμήθην ταῦτα πάντα (4 b)
— 18. ἐν διανοίᾳ καρδίας λαοῦ σου (4 b)
— 18. κατεύθυνον τὰς κ. αὐτῶν πρὸς σέ (4 b)
— 19. τῷ υἱῷ μου δὸς κ. ἀγαθήν (4 b)
II Ch. 1. 11. ἐγένετο τοῦτο ἐν τῇ κ. σου (4 b)
6. 7. ἐγένετο ἐπὶ καρδίαν Δαυίδ (4 b)
— 8. διότι ἐγένετο ἐπὶ καρδίαν σου (4 b)
— 8. ἐγένετο ἐπὶ τὴν [B¹ om.] κ. σου (4 b)
— 14. τοῖς πορευομένοις ἐναντίον σου ἐν ὅλῃ κ. (4 a)
— 30. ὡς ἂν γνῷς τὴν κ. αὐτοῦ (4 b)
— 30. γινώσκεις τὴν κ. υἱῶν ἀνθρώπων (4 b)
— 37. καὶ ἐπιστρέψωσι καρδίαν αὐτῶν (4 b)
— 38. καὶ ἐπιστρέψωσι πρὸς σὲ ἐν ὅλῃ κ. (4 a)
7. 10. εὐφραινομένους καὶ ἀγαθῇ κ. (4 a)
— 16. ἔσονται οἱ ὀφθαλμοί μου καὶ ἡ κ. μου ἐκεῖ (4 a)
9. 23. ἧς ἔδωκεν ὁ θεὸς ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 a)
11. 16. οἳ ἔδωκαν καρδίαν αὐτῶν (4 b)
12. 14. οὐ κατεύθυνε τὴν κ. αὐτοῦ (4 a)
13. 7. Ῥοβοὰμ ἦν . . . δειλὸς τῇ κ. (4 b)
15. 12. ζητῆσαι κύριον . . . ἐξ ὅλης τῆς κ. (4 b)
— 17. ἡ κ. Ἀσὰ ἐγένετο πλήρης (4 b)
16. 9. κατισχῦσαι ἐν πάσῃ κ. πλήρει (4 b)
17. 6. ὑψώθη καρδία αὐτοῦ ἐν ὁδῷ κυρίου (4 a)
19. 3. κατηύθυνας τὴν κ. σου (4 b)
— 9. ἐν ἀληθείᾳ καὶ ἐν πλήρει κ. [A πλήρεις καρδίας] (4 b)
20. 33. ὁ λαὸς οὐ κατεύθυνε τὴν κ. (4 b)
22. 9. ἐν ὅλῃ τῇ [A om.] κ. (4 b)
24. 4. ἐγένετο ἐπὶ καρδίαν Ἰ. (4 a)
25. 2. ἀλλ' οὐκ ἐν κ. πλήρει (4 b)
— 19. ἐπαίρει σε ἡ κ. ἡ βαρεῖα (4 a)
26. 16. ὑψώθη ἡ κ. αὐτοῦ (4 a)
29. 10. νῦν ἐστιν ἐπὶ καρδίας (4 b)
— 31. καὶ πᾶς πρόθυμος τῇ κ. ὁλοκαυτώσεις (4 a)
30. 8. μὴ σκληρύνητε τὰς κ. [A τοὺς τραχήλους] ὑμῶν (7)
— 12. δοῦναι αὐτοῖς κ. μίαν (4 a)
— 19. ἐξιλάσθω ὑπὲρ πάσης κ. (4 b)
— 22. ἐλάλησεν Ἐζ. ἐπὶ πᾶσαν κ. τῶν Δ. (4 a)
32. 6. ἐλάλησεν ἐπὶ καρδίαν [A τὴν κ.] αὐτῶν (4 b)
— 25. ὑψώθη ἡ κ. αὐτοῦ (4 a)
— 26. ἀπὸ τοῦ ὕψους τῆς κ. αὐτοῦ (4 a)
— 31. εἰδέναι τὰ ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 b)
34. 27. καὶ ἐνετράπη ἡ κ. σου (4 b)
— 31. ἐν ὅλῃ κ. καὶ ἐν ὅλῃ ψυχῇ (4 b)
35. 19. ἐν ὅλῃ κ. αὐτοῦ καὶ ἐν ὅλῃ ψυχῇ αὐτοῦ –
36. 13. τὴν κ. αὐτοῦ κατίσχυσε (4 b)
I Es. 1. 23. ἐν καρδίᾳ πλήρει εὐσεβείας
— 48. σκληρύνας . . . τὴν κ. αὐτοῦ
3. 21. πάσας κ. [A τὰς κ.] ποιεῖ πλουσίας
8. 25. ὁ δοὺς ταῦτα εἰς τὴν κ.
II Es. 6. 22. A R ἐπέστρεψε καρδίαν [B -α] βασιλέως Ἀσσούρ (4 a)
7. 10. Ἔ. ἔδωκεν ἐν καρδίᾳ [A ἔδ. καρδίαν] αὐτοῦ (4 b)
— 27. ὃς ἔδωκεν οὕτως ἐν καρδίᾳ τοῦ βασ. (4 a)
Ne. 2. 2. οὐκ ἔστι τοῦτο εἰ μὴ πονηρία καρδίας (4 a)
— 12. τί ὁ θεὸς δίδωσιν εἰς καρδίαν [S τὴν κ.] μου (4 a)
5. 7. ἐβουλεύσατο καρδία μου ἐπ' ἐμέ (4 a)
6. 8. ἀπὸ καρδίας σου σὺ ψεύδῃ αὐτούς (4 a)
7. 5. ἔδωκεν ὁ θεὸς εἰς τὴν κ. μου (4 a)
9. 8. εὗρες τὴν κ. αὐτοῦ πιστήν (4 b)
To. 2. 2. S ἐν ὅλῃ κ. αὐτοῦ
4. 2. S εἶπεν ἐν τῇ κ. αὐτοῦ [A B al.]
— 13. A B μὴ ὑπερηφανεύου τῇ κ. σου
— 19. μὴ ἐξαλειφθήτωσαν ἐκ τῆς κ. σου
6. 4. λαβὼν τὴν κ. καὶ τὸ ἧπαρ καὶ τὴν χολήν [S al.]
— 4. S ἡ χολὴ καὶ ἡ κ. καὶ τὸ ἧπαρ αὐτοῦ
— 5. S τὴν χολὴν καὶ τὴν κ. καὶ τὸ ἧπαρ
— 6. τί ἐστιν ἡ κ. . . . τοῦ ἰχθύος [S al.]
— 7. ἡ κ. καὶ τὸ ἧπαρ
— 16. ἐπιθήσεις ἀπὸ τῆς κ. [S al.]
— 17. S ἡ κ. [A B ψυχὴ] αὐτοῦ ἐκολλήθη
8. 2. ἐπέθηκε τὴν κ. τοῦ ἰχθύος καὶ τὸ ἧπαρ [S al.]
13. 6. A S R ἐὰν ἐπιστρέψητε πρὸς αὐτὸν ἐν ὅλῃ τῇ [B om.] κ. ὑμῶν
Ju. 6. 9. εἴπερ ἐλπίζεις τῇ κ. σου
8. 14. βάθος καρδίας ἀνθρώπου οὐχ εὑρήσετε
— 27. εἰς ἐτασμὸν τῆς [S¹ om.] κ. αὐτῶν
— 28. A S πάντα . . . ἐν [B om.] ἀγαθῇ κ. ἐλάλησας
— 29. ἀγαθόν ἐστι τὸ πλάσμα τῆς κ. σου
10. 16 : 11. 1. μὴ φοβηθῇς τῇ κ. σου
11. 10. κατάθου αὐτὸν ἐν τῇ κ. σου
12. 16. A B ἐξέστη ἡ κ. Ὀλ.
13. 4. A B εἶπεν ἐν τῇ κ. αὐτῆς
— 19. οὐκ ἀποστήσεται ἡ ἐλπίς σου ἀπὸ καρδίας ἀνθρώπων
Es. 1. 1. εἶχεν αὐτὸ ἐν τῇ κ.
4. 17. μετάθες τὴν κ. αὐ.
5. 1. ἡ δὲ κ. αὐτῆς ἀπεστενωμένη ἀπὸ τοῦ φόβου
— 2. ἐταράχθη ἡ κ. μου
— 9. S³ ὑπερχαρὴς εὐφραινόμενος τῇ κ. [ABS¹ om. τ. κ.] (4 a)
Jb. 1. 5. A ἐν τῇ κ. [B S διανοίᾳ] αὐτῶν ἐνενόησαν (4 b)
8. 10. ἐκ καρδίας ἐξάξουσι [A σε διδάξουσιν] ῥήματα (4 a)
11. 13. εἰ γὰρ σὺ καθαρὰν ἔθου τὴν κ. σου (4 a)
12. 3. κἀμοὶ μὲν καρδία καθ' ὑμᾶς ἐστι (4 b)
— 24. διαλλάσσων καρδίας ἀρχόντων γῆς (4 a)
15. 12. τί [A τί ὅτι] ἐτόλμησεν ἡ κ. σου (4 a)
17. 4. B S² καρδίαν αὐτῶν ἔκρυψας [A -αν] ἀπὸ φρονήσεως (4 a)
— 11. ABS² ἐρράγη δὲ τὰ ἄρθρα τῆς κ. μου (4 b)
22. 22. ἀνάλαβε τὰ ῥήματα αὐτοῦ ἐν καρδίᾳ σου (4 b)
23. 16. κύριος δὲ ἐμαλάκυνε τὴν κ. μου (4 a)
31. 7. εἰ δὲ καὶ τῷ ὀφθαλμῷ ἐπηκολούθησεν ἡ κ. μου (4 a)
— 9. εἰ ἐξηκολούθησεν ἡ κ. μου γυναικὶ ἀνδρὸς ἑτέρου (4 a)
— 27. εἰ ἠπατήθη λάθρα ἡ κ. μου (4 a)
— 29. εἶπεν ἡ κ. [A εἰ εἶπον τῇ κ.] μου, Εὖγε †
33. 3. καθαρά μου ἡ κ. ῥήμασι [A ἐν ῥήμασιν] (4 a)
— 23. ἐὰν νοήσῃ τῇ κ. ἐπιστραφῆναι πρὸς κύριον [S ἐπὶ κ., A ἐπὶ τὸν κ.] –
34. 10. συνετοὶ καρδίας [A -ίᾳ] ἀκούσατέ μου (4 b)
— 34. συνετοὶ καρδίας [A S² -ίᾳ] ἐροῦσι ταῦτα (4 b)
36. 5. ὁ κύριος . . . δυνατὸς ἰσχύϊ καρδίας (4 a)
— 13. ὑποκριταὶ καρδίᾳ τάξουσι θυμόν (4 a)
— 28. οὐδὲ διαλλάσσεταί σου ἡ κ. ἀπὸ σώματος –
37. 1. ἐταράχθη ἡ κ. μου (4 a)
— 24. φοβηθήσονται δὲ αὐτὸν καὶ οἱ σοφοὶ καρδίᾳ [A τῇ κ.] (4 a)
38. 2. συνέχων δὲ ῥήματα ἐν καρδίᾳ –
41. 15 (16). ἡ κ. αὐτοῦ πέπηγεν ὡς λίθος (4 a)
Ps. 4. 4. ἃ λέγετε ἐν ταῖς κ. ὑμῶν [B¹ ἐν καρδίᾳ] (4 b)
— 7. ἔδωκας εὐφροσύνην εἰς τὴν κ. μου (4 a)
5. 9. ἡ κ. αὐτῶν ματαία (8)
7. 9. ἐτάζων καρδίας καὶ νεφροὺς ὁ θεός (4 a)
— 10. τοῦ θεοῦ τοῦ σώζοντος τοὺς εὐθεῖς τῇ κ. (4 a)
9. 1. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε, ἐν ὅλῃ κ. μου (4 a)
Ps. 9. 27 (10. 6). εἶπε γὰρ ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 a)
— 32 (10. 11). εἶπε γὰρ ἐν τῇ [AS om.] κ. αὐτοῦ (4 a)
— 34 (10. 13). εἶπε γὰρ ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 a)
— 38 (10. 17). τὴν ἑτοιμασίαν τῆς κ. αὐτῶν προσέσχε τὸ οὖς σου [A αὐτοῦ] (4 a)
10 (11). 3. τοῦ κατατοξεῦσαι . . . τοὺς εὐθεῖς τῇ κ. (4 a)
11 (12). 2. χείλη δόλια ἐν καρδίᾳ καὶ ἐν καρδίᾳ ἐλάλησαν [AS² ἐλ. κακά] (4 a, 4 a)
12 (13). 2. ἕως τίνος θήσομαι . . . ὀδύνας ἐν καρδίᾳ μου (4 b)
— 5. A S ἀγαλλιάσεται ἡ κ. μου ἐπὶ [B ἐν] τῷ σωτηρίῳ σου (4 a)
13 (14). 1. εἶπεν ἄφρων ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 a)
14 (15). 2. λαλῶν ἀλήθειαν ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 b)
15 (16). 9. ηὐφράνθη ἡ κ. μου (4 a)
16 (17). 3. ἐδοκίμασας τὴν κ. μου (4 a)
18 (19). 8. τὰ δικαιώματα κυρίου εὐθέα εὐφραίνοντα καρδίαν (4 a)
— 14. ἡ μελέτη τῆς κ. σου ἐνώπιόν σου (4 a)
19 (20). 4. δῴη σοι κατὰ τὴν κ. σου (4 b)
20 (21). 2. S² τὴν ἐπιθυμίαν τῆς κ. [A B S¹ ψυχῆς] αὐτοῦ ἔδωκας αὐτῷ (4 a)
21 (22). 14. ἐγενήθη ἡ κ. μου ὡσεὶ κηρὸς τηκόμ. (4 a)
— 26. ζήσονται αἱ κ. αὐτῶν εἰς αἰῶνα αἰῶνος (4 b)
23 (24). 4. ἀθῷος χερσὶ καὶ καθαρὸς τῇ κ. (4 b)
24 (25). 17. αἱ θλίψεις τῆς κ. μου ἐπληθύνθησαν (4 b)
25 (26). 2. πύρωσον . . . τὴν κ. μου (4 a)
26 (27). 3. οὐ φοβηθήσεται ἡ κ. μου (4 a)
— 8. σοὶ εἶπεν ἡ κ. μου (4 a)
— 14. κραταιούσθω ἡ κ. σου [A μου] (4 a)
27 (28). 3. κακὰ δὲ ἐν ταῖς κ. αὐτῶν (4 b)
— 7. ἐπ' αὐτῷ ἤλπισεν ἡ κ. μου (4 a)
30 (31). 12. ἐπελήσθην ὡσεὶ νεκρὸς ἀπὸ καρδίας (4 a)
— 24. κραταιούσθω ἡ κ. ὑμῶν (4 b)
31 (32). 5. σὺ ἀφῆκας τὴν ἀσέβειαν τῆς κ. μου (3 ?)
— 11. καυχᾶσθε πάντες οἱ εὐθεῖς τῇ κ. (4 a)
32 (33). 11. λογισμοὶ τῆς κ. αὐτοῦ ἀπὸ γενεῶν εἰς γενεάς (4 a)
— 15. ὁ πλάσας κατὰ μόνας τὰς κ. αὐτῶν (4 a)
— 21. ἐν αὐτῷ εὐφρανθήσεται ἡ κ. ἡμῶν (4 a)
33 (34). 18. ἐγγὺς κ. τοῖς συντετριμμ. τὴν κ. (4 a)
34 (35). 25. μὴ εἴποισαν ἐν καρδίαις αὐτῶν (4 a)
35 (36). 10. καὶ τὴν δικαιοσύνην σου τοῖς εὐθέσι τῇ κ. (4 a)
36 (37). 4. δώσει σοι τὰ αἰτήματα τῆς κ. σου (4 a)
— 14. τοῦ σφάξαι τοὺς εὐθεῖς τῇ κ. (2 ?)
— 15. εἰσέλθοι εἰς τὴν κ. [S¹ εἰς ψυχὴν, S² εἰς τὰς κ.] αὐ. (4 a)
— 31. ὁ νόμος τοῦ θεοῦ αὐτοῦ ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 a)
37 (38). 8. ὠρυόμην ἀπὸ στεναγμοῦ τῆς κ. μου (4 a)
— 10. ἡ κ. μου ἐταράχθη (4 a)
38 (39). 3. ἐθερμάνθη ἡ κ. μου ἐντός μου (4 a)
39 (40). 8. καὶ τὸν νόμον σου ἐν μέσῳ τῆς κ. [AS κοιλίας] μου (5)
— 10. οὐκ ἔκρυψα ἐν τῇ κ. μου τὴν ἀλήθειάν σου (4 a)
— 12. ἡ κ. μου ἐγκατέλιπέ με (4 a)
40 (41). 6. ἡ κ. αὐτοῦ συνήγαγεν ἀνομίαν ἑαυτῷ (4 a)
43 (44). 18. οὐκ ἀπέστη εἰς τὰ ὀπίσω ἡ κ. ἡμῶν (4 a)
— 21. αὐτὸς γὰρ γινώσκει τὰ κρύφια τῆς κ. (4 a)
44 (45). 1. ἐξηρεύξατο ἡ κ. μου λόγον ἀγαθόν (4 a)
— 5. ἐν καρδίᾳ τῶν ἐχθρῶν τοῦ βασιλέως (4 a)
45 (46). 2. μετατίθεσθαι ὄρη ἐν καρδίαις θαλασσῶν (4 a)
47 (48). 13. θέσθε τὰς κ. ὑμῶν εἰς τὴν δύναμιν αὐτῆς (4 a)
48 (49). 3. ἡ μελέτη τῆς κ. μου σύνεσιν [B² -σεις] (4 a)
50 (51). 10. καρδίαν καθαρὰν κτίσον ἐν ἐμοί (4 a)
— 17. καρδίαν συντετριμμένην . . . οὐκ ἐξουδενώσει (4 a)
52 (53). 1. εἶπεν ἄφρων ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 a)
54 (55). 4. ἡ κ. μου ἐταράχθη ἐν ἐμοί (4 a)
— 21. ἤγγισεν ἡ κ. αὐτοῦ [S² -ὧν] (4 a)
56 (57). 7. ἑτοίμη ἡ κ. μου, ὁ θεός, ἑτοίμη ἡ κ. μου (4 a, 4 a)
57 (58). 2. ἐν καρδίᾳ ἀνομίας ἐργάζεσθε ἐν τῇ γῇ (4 a)
60 (61). 2. ἐν τῷ ἀκηδιᾶσαι τὴν κ. μου (4 a)
61 (62). 4. τῇ κ. αὐτῶν κατηρῶντο (8)
— 8. ἐκχέετε ἐνώπιον αὐτοῦ τὰς κ. ὑμῶν [B¹ al.] (4 b)
— 10. μὴ προστίθεσθε καρδίαν [S² -α] (4 a)
63 (64). 6. καὶ καρδία βαθεῖα (4 a)
— 10. ἐπαινεθήσονται πάντες οἱ εὐθεῖς τῇ κ. (4 a)

Ps. 65 (66). 18. ἀδικίαν εἰ ἐθεώρουν ἐν καρδίᾳ (4 a)
68 (69). 20. ὀνειδισμὸν προσεδόκησεν ἡ ψυχή [S¹ καρδία] μου (4 a)
72 (73). 1. ὡς ἀγαθὸς ὁ θεὸς τῷ Ἰσραὴλ τοῖς εὐθέσι τῇ κ. (4 b)
— 7. διῆλθον εἰς διάθεσιν καρδίας (4 b)
— 13. ἄρα ματαίως ἐδικαίωσα τὴν κ. μου (4 b)
— 21. ηὐφράνθη [S² ἐξεκαύθη] ἡ κ. μου (4 b)
— 26. ἐξέλιπεν ἡ κ. μου καὶ ἡ σάρξ μου, ὁ θεὸς τῆς κ. μου (4 b, 4 b)
73 (74). 8. εἶπαν ἐν τῇ κ. αὐτῶν (4 a)
75 (76). 5. ἐταράχθησαν πάντες οἱ ἀσύνετοι τῇ κ. (4 a)
— 9. πάντες τοὺς πραεῖς τῇ κ. [B² S² τῆς γῆς] †
76 (77). 6. νυκτὸς μετὰ τῆς κ. μου ἠδολέσχουν (4 a)
77 (78). 8. γενεὰ ἥτις οὐ κατεύθυνεν ἐν τῇ κ. [S² τὴν κ.] (4 a)
— 18. ἐξεπείρασαν τὸν θεὸν ἐν ταῖς κ. αὐτῶν (4 b)
— 37. ἡ δὲ κ. αὐτῶν οὐκ εὐθεῖα (4 a)
— 72. ἐν τῇ ἀκακίᾳ τῆς κ. αὐτοῦ (4 b)
80 (81). 12. κατὰ τὰ ἐπιτηδεύματα τῶν κ. αὐτῶν (4 a)
83 (84). 2. ἡ κ. μου καὶ ἡ σάρξ μου ἠγαλλιάσαντο (4 a)
— 5. ἀναβάσεις ἐν τῇ κ. αὐτοῦ διέθετο (4 b)
84 (85). 8. τοὺς ἐπιστρέφοντας πρὸς [S² ἐπ'] αὐτὸν καρδίαν †
85 (86). 11. εὐφρανθήτω ἡ κ. μου (4 b)
— 12. ἐξομολογήσομαί σοι . . . ἐν ὅλῃ [S² add. τῇ] καρδίᾳ μου (4 b)
89 (90). 12. καὶ τοὺς πεπαιδευμένους [A S² πεπεδημένους ?] τῇ κ. ἐν σοφίᾳ (4 b)
93 (94). 15. ἐχόμενοι αὐτῆς πάντες οἱ εὐθεῖς τῇ κ. (4 a)
— 19. S¹ κατὰ τὸ πλῆθος τῶν ὀδυνῶν μου ἐν τῇ κ. μου αἱ παρακλήσεις σου ἠγάπησαν [A B³ S² ηὔφραναν] τὴν κ. [A B S² ψυχήν] μου (8, 6)
94 (95). 8. μὴ σκληρύνητε τὰς κ. ὑμῶν (4 b)
— 10. ἀεὶ πλανῶνται τῇ κ. (4 b)
96 (97). 11. καὶ τοῖς εὐθέσι τῇ κ. εὐφροσύνη (4 a)
100 (101). 2. διεπορευόμην ἐν ἀκακίᾳ καρδίας μου (4 b)
— 3 (4). οὐκ ἐκολλήθη μοι καρδία σκαμβή (4 b)
— 5. ὑπερηφάνῳ ὀφθαλμῷ καὶ ἀπλήστῳ καρδίᾳ (4 b)
101 (102). 4. ἐξηράνθη ἡ κ. μου (4 a)
103 (104). 15. οἶνος εὐφραίνει καρδίαν ἀνθρώπου (4 b)
— 15. ἄρτος καρδίαν ἀνθρώπου στηρίζει (4 b)
104 (105). 3. εὐφρανθήτω καρδία ζητούντων τὸν κύριον (4 a)
— 25. μετέστρεψε τὴν κ. αὐ. (4 a)
106 (107). 12. ἐταπεινώθη ἐν κόποις ἡ κ. αὐτῶν (4 a)
107 (108). 1. ἑτοίμη ἡ κ. μου, ὁ θεὸς, ἑτοίμη ἡ κ. μου (4 a, –)
108 (109). 16. κατανενυγμένον τῇ κ. (4 b)
— 22. ἡ κ. μου τετάρακται ἐντός μου (4 a)
110 (111). 1. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε, ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου (4 b)
111 (112). 7. ἑτοίμη ἡ κ. αὐτοῦ ἐλπίζειν ἐπὶ κύριον (4 a)
— 8. ἐστήρικται ἡ κ. αὐτοῦ (4 a)
118 (119). 2. ἐν ὅλῃ καρδίᾳ ἐκζητήσουσιν αὐτόν (4 a)
— 7. ἐξομολογήσομαί σοι ἐν εὐθύτητι καρδίας (4 b)
— 10. S² R ἐν ὅλῃ κ. μου [A S¹ om.] ἐξεζήτησά σε (4 a)
— 11. ἐν τῇ κ. μου ἔκρυψα τὰ λόγιά σου (4 a)
— 32. ὅταν ἐπλάτυνας τὴν κ. μου (4 a)
— 34. φυλάξω αὐτὸν ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου (4 a)
— 36. κλῖνον τὴν κ. μου εἰς τὰ μαρτύριά σου (4 a)
— 58. ἐδεήθην τοῦ προσώπου σου ἐν ὅλῃ κ. μου (4 a)
— 69. ἐν ὅλῃ κ. μου ἐξερευνήσω τὰς ἐντ. σου (4 a)
— 70. ἐτυρώθη ὡς γάλα ἡ κ. αὐτῶν (4 a)
— 80. γενηθήτω ἡ κ. μου ἄμωμος (4 a)
— 111. ἀγαλλίαμα τῆς κ. μού εἰσιν (4 a)
— 112. ἔκλινα τὴν κ. μου (4 a)
— 145. ἐκέκραξα ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου [S¹ om.] (4 a)
— 161. ἀπὸ τῶν λόγων σου ἐδειλίασεν ἡ κ. μου (4 a)
124 (125). 4. ἀγάθυνον . . . τοῖς εὐθέσι τῇ κ. (4 a)
130 (131). 1. κύριε, οὐχ ὑψώθη ἡ καρδία μου (4 a)
— 2. A ὕψωσα τὴν κ. [S R ψυχήν] μου (6)
137 (138). 1. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε, ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου (4 a)
138 (139). 23. γνῶθι τὴν κ. μου (4 b)
139 (140). 2. οἵτινες ἐλογίσαντο ἀδικίας ἐν καρδίᾳ (4 a)
140 (141). 4. μὴ ἐκκλίνῃς τὴν κ. μου (4 a)
142 (143). 4. ἐν ἐμοὶ ἐταράχθη ἡ κ. μου (4 a)
Ps. 146 (147). 3. τοὺς συντετριμμένους τὴν κ. [S² τῇ κ.] (4 a)
Pr. 2. 2. παραβαλεῖς καρδίαν σου εἰς σύνεσιν (4 a)
3. 1. τὰ δὲ ῥήματά μου τηρείτω σὴ κ. (4 a)
— 4 (3). A γράψον δὲ αὐτὰς ἐπὶ τὸ πλάτος τῆς κ. σου (4 a)
— 5. ἴσθι πεποιθὼς ἐν ὅλῃ τῇ [A S² om.] κ. ἐπὶ θεῷ (4 a)
4. 4. ἐρειδέτω ὁ ἡμέτερος λόγος εἰς σὴν κ. [S διάνοιαν] (4 a)
— 21. φύλασσε αὐτοὺς ἐν [A S² ἐν σῇ] καρδίᾳ (4 b)
— 23. πάσῃ φυλακῇ τήρει σὴν κ. (4 a)
5. 12. ἐλέγχους ἐξέκλινεν ἡ κ. μου (4 a)
6. 14. διεστραμμένη καρδίᾳ τεκταίνεται [B² κατασκευάζει] κακά (4 a)
— 18. καρδία τεκταινομένη λογισμοὺς κακούς (4 a)
7. 3. ἐπίγραψον δὲ ἐπὶ τὸ πλάτος τῆς κ. σου (4 a)
— 10. ἣ ποιεῖ νέων ἐξίπτασθαι καρδίας (4 a)
— 25. μὴ ἐκκλινάτω εἰς τὰς ὁδοὺς αὐ. ἡ κ. σου (4 a)
8. 5. οἱ δὲ ἀπαίδευτοι ἔνθεσθε καρδίαν (4 a)
10. 8. σοφὸς καρδίᾳ δέξεται ἐντολάς (4 a)
— 20. καρδία δὲ ἀσεβοῦς ἐκλείψει (4 a)
— 22. οὐ μὴ προστεθῇ αὐτῇ λύπη ἐν καρδίᾳ †
— 24. A καρδία δὲ ἀσεβοῦς ἐκλείψει –
12. 20. δόλος ἐν καρδίᾳ τεκταινομένου κακά (4 a)
— 23. καρδία δὲ ἀφρόνων συναντήσεται ἀραῖς (4 a)
— 25. φοβερὸς λόγος καρδίαν ταράσσει (4 a)
13. 12. κρείσσων ἐναρχόμενος βοηθῶν [A S² -θεῖν] καρδίᾳ (4 a)
14. 10. καρδία ἀνδρὸς αἰσθητικὴ λυπηρὰ ψυχὴ αὐτοῦ (4 a)
— 30. πραΰθυμος ἀνὴρ καρδίας ἰατρὸς σής δὲ ὀστέων καρδία αἰσθητική (4 a, †)
— 33. ἐν καρδίᾳ ἀγαθῇ ἀνδρὸς [S² ἀναπαύσεται] σοφία ἐν δὲ καρδίᾳ ἀφρόνων οὐ διαγινώσκεται (4 a, 8)
15. 7. καρδίαι δὲ ἀφρόνων οὐκ ἀσφαλεῖς (4 a)
— 11. πῶς οὐχὶ καὶ αἱ κ. τῶν ἀνθρώπων (4 a)
— 13. καρδίας εὐφραινομένης πρόσωπον θάλλει (4 a)
— 14. καρδία ὀρθὴ ζητεῖ αἴσθησιν (4 a)
— 22. ἐν δὲ καρδίαις βουλευομένων μένει βουλή †
— 28. καρδίαι [S¹ -α] δικαίων μελετῶσι πίστεις (4 a)
16. 1 (9). καρδία ἀνδρὸς λογιζέσθω δίκαια (4 a)
— 2 (15. 30.) θεωρῶν ὀφθαλμὸς καλὰ εὐφραίνει καρδίαν (4 a)
— 23. καρδία σοφοῦ νοήσει τὰ ἀπὸ τοῦ ἰδίου στόματος (4 a)
17. 3. οὕτως ἐκλεκταὶ καρδίαι [S¹ καρδία ἐκλέγεται] παρὰ κυρίῳ (4 a)
— 10. συντρίβει ἀπειλὴ καρδίαν φρονίμου †
— 21. καρδία δὲ ἄφρονος ὀδύνη †
— 22. καρδία εὐφραινομένη εὐεκτεῖν ποιεῖ (4 a)
18. 4. ὕδωρ βαθὺ λόγος ἐν καρδίᾳ ἀνδρός †
— 12. πρὸ συντριβῆς ὑψοῦται καρδία ἀνδρός (4 a)
— 15. καρδία φρονίμου κτᾶται αἴσθησιν (4 a)
— 22 (19. 3). τὸν δὲ θεὸν αἰτιᾶται τῇ κ. αὐ. (4 a)
19. 21. πολλοὶ λογισμοὶ ἐν καρδίᾳ ἀνδρός (4 a)
20. 5. ὕδωρ βαθὺ βουλὴ ἐν καρδίᾳ ἀνδρός (4 a)
— 9. τίς καυχήσεται ἁγνὴν ἔχειν τὴν κ. (4 a)
21. 1. οὕτως καρδία βασιλέως ἐν χειρὶ θεοῦ (4 a)
— 2. κατευθύνει δὲ καρδίας κύριος (4 a)
— 12. συνίει δίκαιος καρδίας ἀσεβῶν †
22. 11. ἀγαπᾷ κύριος ὁσίας καρδίας (4 a)
— 15. ἄνοια ἐξῆπται καρδίας [A B² S¹ -α, S² ἐν κ.] νέου (4 a)
— 17. τὴν δὲ σὴν κ. ἐπίστησον (4 a)
— 18. ἐὰν ἐμβάλῃς αὐτοὺς εἰς τὴν κ. σου (1)
— 20. A R ἐπὶ τὸ πλάτος τῆς κ. [B S ψυχῆς] σου –
23. 12. δὸς εἰς παιδείαν τὴν κ. σου (4 a)
— 15. ἐὰν σοφὴ γένηταί σου ἡ κ. εὐφρανεῖς καὶ τὴν ἐμὴν κ. (4 a, 4 a)
— 17. μὴ ζηλούτω ἡ κ. σου ἁμαρτωλούς (4 a)
— 19. κατεύθυνε εὐνοίας σῆς κ. (4 a)
— 26. δός μοι, υἱὲ, σὴν κ. (4 a)
— 34. κατακείσῃ ὥσπερ ἐν καρδίᾳ θαλάσσης (4 a)
24. 2. ψευδῆ γὰρ μελετᾷ ἡ κ. αὐτῶν (4 a)
— 6. βοήθεια δὲ μετὰ καρδίας βουλευτικῆς †
— 12. κύριος καρδίας πάντων γινώσκει (4 a)
25. 3. καρδία δὲ βασιλέως ἀνεξέλεγκτος (4 a)
— 20. οὕτως προσπεσὸν πάθος . . . καρδίαν λυπεῖ –
— 20. οὕτως λύπη ἀνδρὸς βλάπτει καρδίαν (4 a)
Pr. 26. 23. χείλη λεῖα [S δόλια] καρδίαν καλύπτει λυπηράν (4 a)
— 24. ἐν δὲ τῇ κ. τεκταίνεται δόλους [A¹ S al.] (8)
— 25. A ἑπτὰ γάρ εἰσι πονηρίαι ἐν τῇ κ. [B S ψυχῇ] αὐτοῦ (4 a)
27. 9. μύροις καὶ οἴνοις . . . τέρπεται καρδία (4 a)
— 11. ἵνα σου εὐφραίνηται ἡ κ. (4 a)
— 19. A S² οὕτως οὐδὲ αἱ κ. [B S¹ διάνοιαι, S¹ add. ὅμοιαι] τῶν ἀνθρώπων (4 a)
— 21. A S καρδία ἀνόμου ἐκζητεῖ κακὰ καρδία δὲ εὐθὴς ἐκζητεῖ [B ζητεῖ] γνῶσιν –, –
— 23. ἐπιστήσεις καρδίαν σου σαῖς ἀγέλαις (4 a)
28. 14. ὁ δὲ σκληρὸς τὴν κ. ἐμπεσεῖται κακοῖς (4 a)
— 26. ὃς πέποιθε θρασείᾳ κ. ὁ τοιοῦτος ἄφρων (4 a)
31. 11. A S θαρσεῖ ἐπ' αὐτὴν [B -ῃ] ἡ κ. τοῦ ἀνδρὸς αὐτῆς (4 a)
Ec. 1. 13. ἔδωκα τὴν κ. μου τοῦ ἐκζητῆσαι (4 a)
— 16. ἐλάλησα ἐγὼ ἐν τῇ κ. μου (4 a)
— 16 (17). ἔδωκα καρδίαν μου τοῦ γνῶναι [S ἐπιγν.] (4 a)
— 17 (16). καὶ καρδία [S¹ -αν] μου εἶδε πολλά (4 a)
2. 1. εἶπον ἐγὼ ἐν καρδίᾳ μου (4 a)
— 3. ἡ κ. μου ἐλκύσει . . . τὴν σάρκα μου (4 a)
— 3. καρδία μου ὡδήγησεν [S² ὡδ. με] ἐν σοφίᾳ (4 a)
— 10. οὐκ ἀπεκώλυσα τὴν κ. μου (4 a)
— 10. καρδία μου εὐφράνθη (4 a)
— 15. εἶπα ἐγὼ ἐν καρδίᾳ μου (4 a)
— 15. ἐλάλησα ἐν καρδίᾳ μου (4 a)
— 20. τοῦ ἀποτάξασθαι τὴν κ. [A S τῇ κ.] μου (4 a)
— 22. ἐν προαιρέσει καρδίας αὐτοῦ (4 a)
— 23. ἐν νυκτὶ οὐ κοιμᾶται ἡ κ. αὐτοῦ (4 a)
3. 11. σύμπαντα [A S σὺν] τὸν αἰῶνα ἔδωκεν ἐν καρδίᾳ αὐτῶν [A -οῦ] (4 a)
— 17. εἶπα ἐγὼ ἐν καρδίᾳ μου (4 a)
— 18. εἶπα ἐγὼ [S¹ ἐπάγω] ἐν καρδίᾳ μου (4 a)
5. 1. καρδία σου μὴ ταχυνάτω (4 a)
— 19. ὁ θεὸς περισπᾷ αὐτὸν ἐν εὐφροσύνῃ καρδίας αὐτοῦ (4 a)
7. 3 (2). δώσει ἀγαθὸν εἰς καρδίαν [A ἐν καρδίᾳ] αὐτοῦ (4 a)
— 4 (3). A S R ἀγαθυνθήσεται καρδία [B om.] (4 a)
— 5 (4). καρδία σοφῶν ἐν οἴκῳ πένθους (4 a)
— 5 (4). καρδία ἀφρόνων ἐν οἴκῳ εὐφροσύνης (4 a)
— 8 (7). ἀπόλλυσι τὴν κ. εὐγενείας [A S² εὐτονίας] αὐτοῦ (4 a)
— 22 (21). μὴ θῇς [S δῷς] καρδίαν σου (4 a)
— 23 (22). A S R καθόδους πολλὰς κακώσει καρδίαν [B -ία] σου (4 a)
— 26 (25). ἐκύκλωσα ἐγὼ καὶ ἡ κ. μου (4 a)
— 27 (26). σαγῆναι καρδία αὐτῆς (4 a)
8. 5. καιρὸν κρίσεως γινώσκει καρδία σοφοῦ (4 a)
— 9. ἔδωκα τὴν κ. μου εἰς πᾶν τὸ ποίημα (4 a)
— 11. ἐπληροφορήθη καρδία υἱῶν τοῦ ἀνθρ. (4 a)
— 16. ἔδωκα τὴν κ. μου (4 a)
— 17 (9. 1). B σύμπαν τοῦτο ἔδωκα εἰς καρδίαν μου καὶ καρδία μου σύμπαν ἴδον τοῦτο [A S R al.] (4 a, †)
9. 3. καί γε καρδία υἱῶν τοῦ ἀνθρώπου ἐπληρώθη πονηροῦ καὶ περιφέρεια ἐν καρδίᾳ αὐτῶν (4 a, 4 b)
— 7. πίε ἐν καρδίᾳ ἀγαθῇ οἶνόν σου (4 a)
10. 2. καρδία σοφοῦ εἰς δεξιὸν αὐ. καὶ καρδία ἄφρονος εἰς ἀριστερὸν αὐ. (4 a, 4 a)
— 3. καρδία αὐτοῦ ὑστερήσει (4 a)
11. 9. ἀγαθυνάτω σε ἡ κ. σου (4 a)
— 9. A S R περιπάτει ἐν ὁδοῖς καρδίας σου [B om. κ. σου] ἄμωμος (4 a)
— 10. ἀπόστησον θυμὸν ἀπὸ καρδίας σου (4 a)
Ca. 3. 11. ἐν ἡμέρᾳ εὐφροσύνης καρδίας αὐ. (4 a)
5. 2. ἐγὼ καθεύδω καὶ ἡ κ. μου ἀγρυπνεῖ (4 a)
8. 6. θές με ὡς σφραγῖδα ἐπὶ τὴν κ. σου (4 a)
Wi. 1. 1. ἐν ἁπλότητι καρδίας ζητήσατε αὐτόν
— 6. τῆς κ. αὐτοῦ ἐπίσκοπος ἀληθής
2. 2. ὁ λόγος σπινθὴρ ἐν κινήσει καρδίας ἡμῶν
8. 17. φρεντίσας ἐν καρδίᾳ μου
— 20. εἶπον ἐξ ὅλης τῆς κ. μου
15. 10. σποδὸς ἡ κ. αὐτοῦ
Si. 1. 12. φόβος κυρίου τέρψει καρδίαν
— 27. μὴ προσέλθῃς αὐτῷ ἐν καρδίᾳ δισσῇ
— 30. ἡ κ. σου πλήρης δόλου
2. 2. εὔθυνον τὴν κ. σου
— 12. οὐαὶ καρδίαις δειλαῖς καὶ χερσὶ παρειμέναις
— 13. οὐαὶ καρδίᾳ παρειμένῃ
— 17. ἑτοιμάσουσι καρδίας αὐτῶν

Si. 3. 26. *καρδία σκληρὰ κακωθήσεται ἐπ' ἐσχάτων*
— 26. B κ. σκληρὰ βαρυνθήσεται ἐπ' ἐσχάτων
— 27. *καρδία σκληρὰ βαρυνθήσεται πόνοις*
— 29. *καρδία συνετοῦ διανοηθήσεται παραβολήν* [S¹ *ἐν παραβολῇ*]
4. 3. *καρδίαν παροργισμένην μὴ προσταράξῃς*
5. 2. B S² *τοῦ πορεύεσθαι ἐν ἐπιθυμίαις καρδίας σου*
6. 37. *αὐτὸς στηριεῖ τὴν κ. σου*
7. 27. *ἐν ὅλῃ καρδίᾳ* [A *δυνάμει*, A S *add. σου*] *δόξασον τὸν πατέρα σου*
8. 2. *καρδίας βασιλέων ἐξέκλινε*
— 19. *παντὶ ἀνθρώπῳ μὴ ἔκφαινε σὴν κ.* [A S κ. *σου*]
9. 1. S *μηδὲ διδάξῃς ἐπὶ σεαυτὸν καρδίαν* [A B *παιδείαν*] *πονηράν*
10. 12. *ἀπὸ τοῦ ποιήσαντος αὐτὸν ἀπέστη ἡ κ. αὐ.*
11. 30. *οὕτως καρδία ὑπερηφάνου*
12. 16. *ἐν τῇ* [S¹ *om.*] *κ. αὐτοῦ βουλεύσεται*
13. 25. *καρδία ἀνθρώπου ἀλλοιοῖ τὸ πρόσωπον αὐ.*
— 26. *ἴχνος καρδίας ἐν ἀγαθοῖς πρόσωπον ἱλαρόν*
14. 21. *ὁ διανοούμενος τὰς ὁδοὺς αὐ. ἐν καρδίᾳ αὐ.*
16. 20. *ἐπ' αὐτοῖς οὐ διανοηθήσεται καρδία*
— 23. *ἐλαττούμενος καρδίᾳ διανοεῖται ταῦτα*
— 24. *ἐπὶ τῶν λόγων μου πρόσεχε τῇ κ. σου*
17. 6. *καρδίαν ἔδωκε διανοεῖσθαι αὐτοῖς*
— 8. *ἔθηκε τὸν ὀφθ. αὐ. ἐπὶ τὰς κ. αὐ.*
19. 4. *ὁ ταχὺ ἐμπιστεύων κοῦφος καρδίᾳ*
— 5. *ὁ εὐφραινόμενος καρδίᾳ* [S¹ *πονηρᾷ*] *καταγνωσθήσεται*
— 6. A *ὁ μισῶν λαλιὰν ἐλαττονοῦται καρδίᾳ* [B S *κακίᾳ*]
21. 6. *ἐπιστρέψει ἐν καρδίᾳ*
— 17. *τοὺς λόγους αὐ. διανοηθήσεται ἐν καρδίᾳ*
— 26. *ἐν στόματι μωρῶν ἡ* [B¹ *ἐν*] *κ. αὐ. καρδία δὲ σοφῶν* [A *φρονίμων*] *στόμα αὐτῶν*
22. 16. *κ. ἐστηριγμένη ἐπὶ διανοήματος βουλῆς*
— 17. *κ. ἡδρασμένη ἐπὶ διανοίας* [A S² -α] *συνέσεως*
— 18. *καρδία δειλὴ ἐπὶ διανοήματος μωροῦ*
— 19. *ὁ νύσσων καρδίαν ἐκφαίνει αἴσθησιν*
23. 2. *τίς ἐπιστήσει . . . ἐπὶ τῆς κ. μου παιδείαν σοφίας*
25. 7. *ἐννέα ὑπονοήματα ἐμακάρισα ἐν καρδίᾳ* [A *τῇ κ.*, A S *add. μου*]
— 13. *πᾶσαν πληγὴν καὶ μὴ πληγὴν καρδίας*
— 23. *καρδία ταπεινὴ . . . καὶ πληγὴ καρδίας γυνὴ πονηρά*
26. 4. *πλουσίου δὲ καὶ πτωχοῦ καρδία ἀγαθή*
— 5. *ἀπὸ τριῶν εὐλαβήθη ἡ* [A *om.*] *κ. μου*
— 6. *ἄλγος καρδίας καὶ πένθος γυνὴ ἀντίζηλος ἐπὶ γυναικί*
— 28. *ἐπὶ δυσὶ λελύπηται ἡ κ. μου*
27. 6. *οὕτως λόγος ἐνθυμήματος καρδίας* [A -α] *ἀνθρώπου*
30. 16. *οὐκ ἔστιν εὐφροσύνη ὑπὲρ χαρὰν* [A S¹ *χάριν*] *καρδίας*
— 22. *εὐφροσύνη καρδίας ζωὴ ἀνθρώπου*
— 23. *παρακάλει τὴν κ. σου*
31 (34). 5. *ὡς ὠδινούσης φαντάζεται καρδία*
— 6. *μὴ δῷς εἰς αὐτὰ τὴν κ. σου*
33. 13 (30. 27). *λαμπρὰ καρδία καὶ ἀγαθή*
34 (31). 26. *οὕτως οἶνος καρδίας ἐν μάχῃ ὑπερηφάνων*
— 28. *ἀγαλλίαμα καρδίας καὶ εὐφροσύνη ψυχῆς*
36. 24 (21). *οὕτως καρδία συνετὴ λόγους ψευδεῖς*
— 25 (22). *καρδία στρεβλὴ δώσει λύπην*
37. 13. *βουλὴν καρδίας* [S¹ -αν] *στῆσον*
— 17. *ἴχνος ἀλλοιώσεως καρδίας* [B¹ S¹ -α]
38. 10. *ἀπὸ πάσης ἁμαρτίας καθάρισον καρδίαν*
— 18. *λύπη καρδίας κάμψει ἰσχύν*
— 19. *βίος πτωχοῦ κατὰ καρδίας*
— 20. *μὴ δῷς εἰς λύπην τὴν κ. σου*
— 26. *καρδίαν αὐτοῦ δώσει ἐκδοῦναι αὔλακας*
— 27. *καρδίαν αὐ. δώσει εἰς ὁμοιῶσαι ζωγραφίαν*
— 28. *καρδίαν αὐτοῦ δώσει εἰς συντέλειαν ἔργων*
— 30. *καρδίαν ἐπιδώσει* [S *αὐτοῦ δώσει*] *συντελέσαι τὸ χρίσμα* [B¹ *χάρισμα*]
39. 5. *τὴν κ. αὐτοῦ ἐπιδώσει ὀρθρίσαι πρὸς κύριον*
— 35. *ἐν πάσῃ καρδίᾳ καὶ στόματι ὑμνήσατε*
40. 2. *τοὺς διαλογισμοὺς αὐτῶν καὶ φόβον καρδίας*
— 6. *τεθορυβημένος ἐν ὁράσει* [B² *θράσει*] *καρδίας αὐτοῦ*
— 20. *οἶνος καὶ μουσικὰ εὐφραίνουσι καρδίαν*
— 26. *χρήματα καὶ ἰσχὺς ἀνυψώσουσι καρδίαν*
42. 18. *ἄβυσσον καὶ καρδίαν ἐξίχνευσε*
43. 18. *ἐπὶ τοῦ ὑετοῦ αὐτῆς ἐκστήσεται καρδία*

Si. 45. 26. *δῴη ὑμῖν σοφίαν ἐν καρδίᾳ ὑμῶν*
46. 11. *ὅσων οὐκ ἐξεπόρευσεν ἡ κ.*
47. 8. *ῥήματι δόξης ἐν πάσῃ καρδίᾳ αὐτοῦ ὕμνησε*
48. 10. *ἐπιστρέψαι καρδίαν πατρὸς πρὸς υἱόν*
— 19. *ἐσαλεύθησαν καρδίαι καὶ χεῖρες αὐτῶν*
49. 3. *κατεύθυνε πρὸς κύριον τὴν κ.* [A *ὁδὸν*] *αὐ.*
50. 23. *δῴη ἡμῖν εὐφροσύνην καρδίας* [S¹ -αν]
— 27. *ἀνώμβρησε σοφίαν ἀπὸ καρδίας αὐτοῦ*
— 28. *ὁ θεὶς αὐτὰ ἐπὶ καρδίαν αὐτοῦ*
51. 15. *εὐφράνθη ἡ κ. μου ἐν αὐτῇ*
— 20. *καρδίαν ἐκτησάμην μετ' αὐτῶν* [A -ῆς]
Ho. 2. 14 (16). *καὶ λαλήσω ἐπὶ τὴν κ. αὐτῆς* (4 *a*)
4. 11. *μέθυσμα ἐδέξατο καρδία λαοῦ μου* (4 *a*)
7. 2. *ὅπως συνάδωσιν ὡς ᾄδοντες τῇ κ. αὐ.* [A *al.*] (4 *b*)
— 6. *διότι ἀνεκαύθησαν ὡς κλίβανος αἱ κ. αὐ.* (4 *a*)
— 7. *ὡς κλίβανος* [A *add. πυρὸς καιομένου αἱ κ. αὐ.*] –
— 11. *ὡς περιστερὰ ἄνους οὐκ ἔχουσα καρδίαν* (4 *a*)
— 14. *καὶ οὐκ ἐβόησαν πρὸς μὲ αἱ κ. αὐτῶν* (4 *a*)
10. 2. *ἐμέρισαν καρδίας αὐτῶν* (4 *a*)
11. 8. *μετεστράφη ἡ καρδία μου ἐν τῷ αὐτῷ* (4 *a*)
13. 6. *καὶ ὑψώθησαν αἱ κ. αὐτῶν* (4 *a*)
— 8. *καὶ διαρρήξω συγκλεισμὸν καρδίας αὐ.* (4 *a*)
Am. 2. 16. *ὁ κραταιὸς οὐ μὴ* [A *om.* *ὁ κρ. οὐ μὴ*, B² *om.* *οὐ μὴ*] *εὑρήσει τὴν κ. αὐτοῦ* (4 *a*)
Jl. 2. 12. *ἐπιστράφητε πρὸς μὲ ἐξ ὅλης τῆς κ. ὑμῶν* (4 *b*)
— 13. *καὶ διαρρήξατε τὰς κ. ὑμῶν* (4 *b*)
Ob. 1. 3. *ὑπερηφανία τῆς κ. σου ἐπῆρέ σε* (4 *a*)
— 3. *λέγων ἐν καρδίᾳ* [A *τῇ κ.*] *αὐτοῦ* (4 *a*)
Jn. 2. 4. *ἀπέρριψάς με εἰς βάθη καρδίας θαλάσσης* (4 *b*)
Na. 2. 7 (8). *περιστεραὶ φθεγγόμεναι ἐν καρδίαις* [A *ταῖς κ.*] *αὐτῶν* (4 *b*)
— 10 (11). *ἐκβρασμὸς καὶ καρδίας θρανυσμός* (4 *a*)
Hb. 1. 15. *χαρήσεται ἡ κ. αὐ.* [S² *om.* *ἡ κ. αὐ.*] –
2. 16. *καρδία σαλεύθητι καὶ σείσθητι* [S² *al.*] –
3. 16. *ἐπτοήθη ἡ κοιλία* [S² *καρδία*] *μου ἀπὸ φωνῆς* (1)
Ze. 1. 12. *οἱ δὲ λέγοντες ἐν ταῖς κ. αὐτῶν* [A *om.* *ἐν τ. κ. αὐ.*] (4 *b*)
3. 1 (2. 15). *ἡ λέγουσα ἐν καρδίᾳ αὐτῆς* (4 *b*)
— 14. *κατατέρπου ἐξ ὅλης τῆς καρδίας σου* (4 *a*)
Hg. 1. 5. *τάξατε δὴ τὰς κ. ὑμῶν εἰς τὰς ὁδοὺς ὑμῶν* (4 *b*)
— 7. *θέσθε τὰς κ. ὑμῶν εἰς τὰς ὁδοὺς ὑμῶν* (4 *b*)
2. 16 (15). *θέσθε δὴ εἰς* [A S³ *ἐπὶ*] *τὰς κ. ὑμῶν* (4 *b*)
— 19 (18). *ὑποτάξατε* [A S² *τάξατε*] *δὴ τὰς κ. ὑμῶν* (4 *b*)
— 19 (18). *θέσθε ἐν ταῖς κ. ὑμῶν* (4 *b*)
Za. 7. 10. *κακίαν . . . μὴ μνησικακείτω ἐν ταῖς κ. ὑμῶν* (4 *b*)
— 12. *καὶ τὴν κ.* [S¹ *τὰς κ.*] *αὐτῶν ἔταξαν ἀπειθῆ* (4 *a*)
8. 17. *κακίαν . . . μὴ λογίζεσθε ἐν ταῖς κ. ὑμῶν* (4 *b*)
10. 7. *καὶ χαρήσεται ἡ κ. αὐτῶν ὡς ἐν οἴνῳ* (4 *a*)
— 7. *καὶ χαρεῖται ἡ κ. αὐτῶν* [A *αὐτῷ ἡ κ.*] *ἐπὶ τῷ κυρίῳ* (4 *a*)
12. 5. *ἐροῦσιν οἱ χιλίαρχοι Ἰ. ἐν ταῖς κ. αὐ.* (4 *a*)
Ma. 1. 1. *θέσθε δὴ ἐπὶ τὰς κ. ὑμῶν* –
2. 2. *ἐὰν μὴ θῆσθε εἰς τὴν κ. ὑμῶν* [S² *al.*] (4 *a*)
— 2. *οὐ τίθεσθε εἰς* [S³ *ἐπὶ*] *τὴν κ. ὑμῶν* (4 *a*)
4. 6 (3. 24). *ἀποκαταστήσει καρδίαν πατρὸς πρὸς υἱὸν καὶ καρδίαν ἀνθρώπου πρὸς τὸν πλησίον αὐ.* (4 *a*, 4 *a*)
Is. 1. 5. *πᾶσα κ. εἰς λύπην* (4 *b*)
6. 10. *ἐπαχύνθη γὰρ ἡ κ. τοῦ λαοῦ τούτου . . . καὶ τῇ κ. συνῶσι* (4 *a*, 4 *b*)
9. 9 (8). *ἐφ' [S ἐν] ὕβρει καὶ ὑψηλῇ καρδίᾳ* (4 *b*)
14. 13. S *εἶπας ἐν* [B *om.*] *τῇ κ.* [A B *διανοίᾳ*] *σου* (4 *b*)
15. 5. *ἡ κ. τῆς Μωαβίτιδος βοᾷ ἐν αὐτῇ* (4 *a*)
19. 1. *ἡ κ. αὐτῶν ἡττηθήσεται ἐν αὐτοῖς* [A *al.*] (4 *b*)
21. 4. *ἡ κ. μου πλανᾶται* (4 *b*)
29. 13. *ἡ δὲ κ. αὐτῶν πόρρω ἀπέχει ἀπ' ἐμοῦ* (4 *a*)
32. 4. A *ἡ κ. τῶν ἀσθενῶν προσέξει τοῦ ἀκούειν* [B S *al.*] (4 *b*)
— 6. *ἡ κ. αὐ. μάταια νοήσει* (4 *a*)
38. 3. *ἐπορεύθην . . . ἐν καρδίᾳ ἀληθινῇ* (4 *a*)
40. 2. *λαλήσατε εἰς τὴν κ. Ἱερουσαλήμ* (4 *a*)
44. 18. *τοῦ νοῆσαι τῇ κ. αὐτῶν* (4 *a*)
— 19. A S *οὐκ ἐλογίσατο τῇ κ.* [B *ψυχῇ*] (4 *a*)
— 20. *σποδὸς ἡ κ. αὐ.* (4 *a*)

Is. 44. 25. *τίς ἕτερος διασκεδάσει . . . μαντείας ἀπὸ καρδίας* [A *al.*] †
46. 8. *ἐπιστρέψατε τῇ κ.* (4 *a*)
— 12. *ἀκούσατέ μου οἱ ἀπολωλεκότες τὴν κ.* (4 *a*)
47. 7. *οὐκ ἐνόησας ταῦτα ἐν τῇ κ. σου* (4 *a*)
— 8. *ἡ λέγουσα ἐν καρδίᾳ* [A S² *τῇ κ.*] *αὐτῆς* (4 *b*)
— 10. *εἶπας τῇ κ. σου* (4 *a*)
49. 21. *ἐρεῖς ἐν τῇ κ. σου* (4 *b*)
51. 7. *λαὸς οὗ ὁ νόμος μου ἐν τῇ καρδίᾳ ὑμῶν* (4 *a*)
57. 1. *οὐδεὶς ἐκδέχεται* [S . . . *ἐκδ.*] *τῇ κ.* (4 *a* [9])
— 11. *οὐδὲ ἔλαβές με . . . εἰς τὴν κ. σου* (4 *a*)
— 15. *διδοὺς ζωὴν τοῖς συντετριμμένοις τὴν κ.* (4 *a*)
— 17. *ἐπορεύθη στυγνὸς ἐν ταῖς ὁδοῖς* [S² *τῇ κ.*] *αὐ.* (2 + 4 *a*)
59. 13. *ἐμελετήσαμεν ἀπὸ καρδίας ἡμῶν λόγους ἀδίκους* (4 *a*)
— 21. S¹ *ἃ ἔδωκα εἰς τὴν κ.* [A B S² *τὸ στόμα*] *σου* †
60. 5. *ἐκστήσῃ τῇ κ.* (4 *b*)
61. 1. *ἰάσασθαι τοὺς συντετριμμένους τὴν κ.* [A S *τῇ κ.*] (4 *a*)
63. 17. *ἐσκλήρυνας τὰς κ. ἡμῶν* (4 *a*)
65. 14. *κεκράξεσθε διὰ τὸν πόνον τῆς κ. ὑμῶν* (4 *a*)
— 16. *οὐκ ἀναβήσεται αὐτῶν ἐπὶ τὴν κ.* †
— 17. *οὐ μὴ ἐπέλθῃ αὐτῶν ἐπὶ τὴν κ.* (4 *a*)
66. 14. *χαρήσεται ἡ κ. ὑμῶν* (4 *a*)
Je. 3. 10. *οὐκ ἐπεστράφη* [A *ἀπ.*] . . . *ἐξ ὅλης τῆς κ. αὐτῆς* (4 *a*)
— 15. *δώσω ὑμῖν ποιμένας κατὰ τὴν κ. μου* (4 *a*)
— 16. *οὐκ ἀναβήσεται ἐπὶ τὴν κ.* (4 *a*)
— 17. *τῶν ἐνθυμημ.* [A *ἐπιθ.*] *τῆς κ. αὐ. τῆς πον.* (4 *a*)
4. 9. *ἀπολεῖται ἡ κ. τοῦ βασιλέως καὶ ἡ κ. τῶν ἀρχόντων* (4 *a*, 4 *a*)
— 14. *ἀπόπλυνε ἀπὸ κακίας τὴν κ. σου* (4 *a*)
— 18. *ἥψατο ἕως τῆς κ. σου* (4 *a*)
— 19. *τὰ αἰσθητήρια τῆς κ. μου* (4 *a*)
— 19. A B S² *σπαράσσεται ἡ κ. μου* (4 *a*)
5. 23. *τῷ λαῷ τούτῳ ἐγενήθη κ. ἀνήκοος καὶ ἀπειθής* (4 *a*)
— 24. *οὐκ εἶπον ἐν τῇ κ. αὐτῶν* (4 *b*)
7. 24. *τοῖς ἐνθυμήμασι* [A *ἐπιθ.*] *τῆς κ.* [S¹ *τῶν κ.*] *αὐτῶν τῆς κακῆς* (4 *a*)
— 31. *οὐ διενοήθην ἐν τῇ κ. μου* (4 *a*)
8. 18. *μετ' ὀδύνης καρδίας ὑμῶν ἀπορουμένης* (4 *a*)
9. 8 (7). A *βολὶς τιτρώσκουσα ἡ κ.* [B S *γλῶσσα*] *αὐτῶν* †
— 14 (13). *τῶν ἀρεστῶν* [A *ἐρασ.*] *τῆς κ. αὐτῶν τῆς κακῆς* (4 *a*)
— 26 (25). *πᾶς οἶκος Ἰσραὴλ ἀπερίτμητοι* [A S -ος] *καρδίας αὐτῶν* (4 *a*)
11. 20. *δοκιμάζων νεφροὺς καὶ καρδίας* (4 *a*)
12. 3. *δεδοκίμακας τὴν κ. μου ἐναντίον σου* (4 *a*)
— 11. *οὐκ ἔστιν ἀνὴρ τιθέμενος ἐν καρδίᾳ* (4 *a*)
13. 22. *ἐὰν εἴπῃς ἐν τῇ κ. σου* (4 *b*)
14. 14. *προαιρέσεις καρδίας αὐτῶν* (4 *a*)
15. 16. *εἰς εὐφροσύνην καὶ χαρὰν καρδίας μου* (4 *b*)
16. 12. *τῶν ἀρεστῶν* [A *ἐρασ.*] *τῆς κ. ὑμῶν τῆς πονηρᾶς* (4 *a*)
17. 5. *καὶ ἀπὸ κυρίου ἀποστῇ ἡ κ. αὐτοῦ* (4 *a*)
— 9. *βυθεῖα ἡ κ. παρὰ πάντα* (4 *a*)
— 10. *ἐγὼ κύριος ἐτάζων καρδίας* (4 *a*)
18. 12. *τὰ ἀρεστὰ τῆς κ. αὐτοῦ τῆς πονηρᾶς* (4 *a*)
19. 5. *οὐδὲ διενοήθην ἐν τῇ κ. μου* (4 *a*)
20. 12. *συνίων νεφροὺς καὶ καρδίας* (4 *a*)
22. 17. *οὐδὲ ἡ κ. σου καλή* (4 *a*)
23. 9. *συνετρίβη ἡ κ. μου ἐν ἐμοί* (4 *a*)
— 16. *ἀπὸ καρδίας αὐτῶν λαλοῦσι* (4 *a*)
— 17. *παντὶ τῷ πορευομ. πλάνῃ καρδίας αὐ.* (4 *a*)
— 20. *ἀπὸ ἐγχειρήματος καρδίας αὐτοῦ* (4 *a*)
— 26. A R *ἕως πότε ἔσται ἐν καρδίᾳ τῶν προφητῶν . . . ἐν τῷ προφητεύειν αὐτοὺς τὰ θελήματα τῆς* [B S *om.*] *κ. αὐ.* (4 *a*, 4 *a*)
24. 7. *δώσω αὐτοῖς καρδίαν τοῦ εἰδέναι αὐτοὺς ἐμὲ . . . ἐπιστραφήσονται ἐπ' ἐμὲ ἐξ ὅλης τῆς κ. αὐτῶν* (4 *a*, 4 *a*)
28 (51). 50. *Ἱερ. ἀναβήτω ἐπὶ τὴν κ. ὑμῶν* (4 *b*)
29 (49). 16. *ἰταμία καρδίας σου κατέλυσε τρυμαλιὰς πετρῶν* (4 *a*)
— 22. *ἔσται ἡ κ. τῶν ἰσχυρῶν τῆς Ἰδουμαίας . . . ὡς κ. γυναικὸς ὠδινούσης* (4 *a*, 4 *a*)
31 (48). 29. *ὑψώθη ἡ κ. αὐτοῦ* (4 *a*)
— 36. *κ. τοῦ Μωὰβ ὥσπερ αὐλοὶ βομβήσουσι κ. μου ἐπ' ἀνθρώπους . . . βομβήσει* (4 *a*, 4 *a*)
36 (29). 13. *ἐν ὅλῃ καρδίᾳ ὑμῶν* [A *om.*] (4 *b*)

Je. 37 (30). 21. ὃς ἔδωκε τὴν κ. αὐτοῦ ἀποστρέψαι [A ἐπισ.] πρὸς μέ (4 a)
— 24. ἐγχείρημα καρδίας αὐτοῦ (4 a)
38 (31). 21. δὸς καρδίαν σου εἰς τοὺς ὤμους (4 a)
— 33. δώσω νόμους μου εἰς τὴν διάνοιαν [S¹ καρδίαν] αὐ. καὶ ἐπὶ καρδίας [A τὰς κ., S -αν] αὐ. γράψω [A ἐπιγρ.] αὐτούς (8, 4 a)
39 (32). 35. οὐκ ἀνέβη ἐπὶ καρδίαν [A τὴν κ.] μου (4 a)
— 39. δώσω αὐτοῖς . . . καρδίαν ἑτέραν (4 a)
— 40. τὸν φόβον μου δώσω εἰς τὴν κ. αὐτῶν (4 b)
— 41. φυτεύσω αὐτοὺς . . . ἐν πάσῃ κ. [S¹ al.] (4 a)
51 (44). 21. ἀνέβη ἐπὶ τὴν [S² om.] κ. αὐτοῦ (4 a)
Ba. 1. 22. ᾠχόμεθα ἕκαστος ἐν διανοίᾳ καρδίας αὐτοῦ [A ἡμῶν] τῆς πονηρᾶς
2. 8. τοῦ ἀποστρέψαι ἕκαστον ἀπὸ τῶν νοημάτων τῆς κ. αὐ. τῆς πονηρᾶς
— 30. ἐπιστρέψουσιν ἐπὶ καρδίαν αὐτῶν
— 31. δώσω αὐτοῖς καρδίαν καὶ ὦτα ἀκούοντα
3. 7. ἔδωκας τὸν φόβον σου ἐπὶ καρδίαν ἡμῶν . . . ἀπεστρέψαμεν ἀπὸ καρδίας [A B² ἐπὶ καρδίαν] ἡμῶν πᾶσαν ἀδικίαν
La. 1. 20. ἡ κ. μου ἐστράφη ἐν ἐμοί (4 a)
— 22. ἡ κ. μου λυπεῖται (4 a)
2. 11. ἐταράχθη ἡ κ. μου (5)
— 18. ἐβόησε κ. αὐτῶν πρὸς κύριον (4 a)
— 19. ἔκχεον ὡς ὕδωρ καρδίαν σου (4 a)
3. 21. ταύτην τάξω εἰς τὴν κ. μου (4 a)
— 33. οὐκ ἀπεκρίθη ἀπὸ καρδίας αὐτοῦ (4 a)
— 41. ἀναλάβωμεν καρδίας ἡμῶν ἐπὶ χειρῶν πρὸς ὑψηλόν (4 b)
— 65. ἀποδώσεις αὐτοῖς ὑπερασπισμὸν καρδίας μόχθον (4 a)
5. 15. κατέλυσε χαρὰ καρδίας ἡμῶν (4 a)
— 17. ἐγενήθη ὀδύνη [A om.] ὀδυνηρὰ ἡ κ. ἡμῶν (4 a)
Ep. Je. 20. τὰς δὲ κ. αὐτῶν φασιν ἐκλείχεσθαι τῶν ἀπὸ τῆς γῆς ἑρπετῶν
Ez. 3. 10. πάντας τοὺς λόγους . . . λάβε εἰς τὴν κ. σου (4 b)
6. 9. ὀμώμοκα τῇ κ. αὐτῶν (4 a)
11. 19. δώσω αὐτοῖς κ. ἑτέραν (4 a)
— 19. ἐκσπάσω τὴν κ. τὴν λιθίνην ἐκ τῆς σαρκὸς αὐτῶν (4 a)
— 20. δώσω αὐτοῖς καρδίαν σαρκίνην (4 a)
— 21. εἰς τὴν κ. [A κατὰ τὰς κ.] τῶν βδελυγμάτων αὐτῶν (4 a)
— 21. ὡς ἡ κ. αὐτῶν ἐπορεύετο (4 a)
13. 2. A τοῖς προφήταις τοῖς προφητεύουσιν ἀπὸ καρδίας αὐτῶν (4 a)
— 3. οὐαὶ τοῖς προφητεύουσιν ἀπὸ καρδίας αὐτῶν †
— 17. τὰς προφητευούσας ἀπὸ καρδίας αὐτῶν (4 a)
— 22. διεστρέφετε [A διασ.] καρδίαν δικαίου (4 a)
14. 3. ἔθεντο τὰ διανοήματα αὐ. ἐπὶ τὰς κ. αὐ. (4 a)
— 4. ὃς ἂν θῇ τὰ διανοήματα αὐ. ἐπὶ τὴν κ. αὐ. (4 a)
— 5. κατὰ τὰς κ. αὐ. τὰς ἀπηλλοτριωμένας ἀπ' ἐμοῦ (4 a)
— 7. καὶ θῆται τὰ ἐνθυμήματα αὐτοῦ ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (4 a)
17. 22. A λήψομαι . . . καρδίας αὐ. [B al.] –
— 22. καρδίας αὐτῶν ἀποκνιῶ †
18. 31. ποιήσατε ἑαυτοῖς καρδίαν καινήν (4 a)
20. 16. τῶν ἐνθυμημ. καρδίας [A τῶν κ.] αὐ. (4 a)
21. 7 (12). θραυσθήσεται πᾶσα κ. (4 a)
— 15 (20). ὅπως μὴ θραυσθῇ ἡ κ. [A ὅ.θραυσθήσεται πᾶσα κ.] (4 a)
22. 14. εἰ ὑποστήσεται ἡ κ. σου (4 a)
27. 4. ἐν καρδίᾳ θαλάσσης . . . περιέθηκάν σοι κάλλος (4 a)
— 25. ἐβαρύνθης σφόδρα ἐν καρδίᾳ θαλάσσης (4 a)
— 26. συνέτριψέ σε ἐν καρδίᾳ [A μέσῳ] θαλάσσης
— 27. πεσοῦνται ἐν καρδίᾳ θαλάσσης (4 a)
28. 2. ὑψώθη σου ἡ κ. . . . κατοικίαν θεοῦ κατῴκηκα ἐν καρδίᾳ θαλάσσης . . . ἔδωκας τὴν κ. σου ὡς καρδίαν θεοῦ (4 a quater)
— 5. ὑψώθη ἡ κ. σου ἐν τῇ δυνάμει σου (4 b)
— 6. δέδωκας τὴν κ. σου ὡς καρδίαν θεοῦ (4 b, 4 a)
— 8. ἀποθανῇ θανάτῳ τραυματιῶν ἐν καρδίᾳ θαλάσσης (4 a)
— 17. ὑψώθη ἡ κ. σου ἐπὶ τῷ κάλλει σου (4 a)
29. 16. A ἐν τῷ αὐτοὺς ἀκολουθῆσαι ὀπίσω τῶν κ. [B om. τ. κ.] αὐτῶν –
32. 9. παροργιῶ καρδίαν λαῶν πολλῶν (4 a)
Ez. 33. 31. ὀπίσω τῶν μιασμάτων ἡ κ. αὐτῶν (4 a)
36. 26. δώσω ὑμῖν καρδίαν καινὴν . . . ἀφελῶ τὴν κ. τὴν λιθίνην . . . δώσω ὑμῖν καρδίαν σαρκίνην (4 a ter)
38. 10. ἀναβήσεται ῥήματα ἐπὶ τὴν κ. σου (4 b)
40. 4. τάξον εἰς τὴν κ. σου πάντα (4 a)
44. 5. τάξον εἰς τὴν κ. σου . . . τάξεις τὴν κ. σου (4 a, 4 a)
— 7. τοῦ εἰσαγαγεῖν ὑμᾶς . . . ἀπεριτμήτους καρδίᾳ (4 a)
— 9. πᾶς υἱὸς ἀλλογενὴς ἀπερίτμητος καρδίᾳ (4 a)
Da. LXX. Su. 35. ἡ δὲ κ. αὐτῆς ἐπεποίθει ἐπὶ κυρίῳ
1. 8. ἐνεθυμήθη Δανιὴλ ἐν τῇ κ. (4 a)
2. 30. ἃ ὑπέλαβες τῇ κ. σου ἐν γνώσει (4 c)
3. (41). ἐξακολουθοῦμεν ἐν ὅλῃ κ. ἡμῶν
— (87). ὅσιοι καὶ ταπεινοὶ καρδίᾳ
4. 19. ὑψώθη σου ἡ κ. ὑπερηφανίᾳ –
— 25. τοὺς λόγους ἐν τῇ κ. συνετήρησε –
— 31. ἠλλοιώθη . . . ἡ κ. μου –
5. 2. ἀνυψώθη ἡ κ. αὐτοῦ –
7. 4. ἀνθρωπίνη κ. ἐδόθη αὐτῇ (4 c)
— 28. τὸ ῥῆμα ἐν καρδίᾳ μου ἐστήριξα (4 a)
8. 25. ἡ κ. αὐτοῦ ὑψωθήσεται (4 b)
11. 12. ὑψωθήσεται ἡ κ. (4 b)
— 25. ἐγερθήσεται . . . ἡ κ. αὐ. (4 b)
— 28. ἡ κ. αὐτοῦ ἐπὶ τὴν διαθήκην τοῦ ἁγίου (4 b)
Da. TH. Su. 35. ἦν ἡ κ. αὐτῆς πεποιθυῖα ἐπὶ κυρίῳ
— 56. ἐπιθυμία διέστρεψε τὴν κ. σου
1. 8. ἔθετο Δαν. ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (4 a)
2. 30. ἵνα τοὺς διαλογισμοὺς τῆς κ. σου γνῷς (4 c)
3. (41). ἐξακολουθοῦμεν ἐν ὅλῃ κ.
— (87). ὅσιοι καὶ ταπεινοὶ τῇ [A om.] κ.
4. 13. ἡ κ. αὐτοῦ ἀπὸ τῶν ἀνθρώπων ἀλλοιωθήσεται καὶ καρδία θηρίου δοθήσεται αὐτῷ (4 c, 4 c)
5. 20. ὅτε ὑψώθη ἡ κ. αὐτοῦ (4 c)
— 21. ἡ κ. αὐτοῦ μετὰ τῶν θηρίων ἐδόθη (4 c)
— 22. οὐκ ἐταπείνωσας τὴν κ. σου (4 c)
7. 4. καρδία ἀνθρώπου ἐδόθη αὐτῇ (4 c)
— 28. τὸ ῥῆμα ἐν τῇ κ. μου διετήρησα (4 a)
8. 25. ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ μεγαλυνθήσεται (4 b)
10. 12. ἧς ἔδωκας τὴν κ. σου τοῦ συνεῖναι (4 a)
11. 12. ὑψωθήσεται [A ὑπερυψ.] ἡ κ. αὐτοῦ (4 b)
— 25. ἐξεγερθήσεται . . . ἡ κ. αὐτοῦ (4 b)
— 27. αἱ κ. αὐτῶν εἰς πονηρίαν (4 b)
— 28. καὶ ἡ κ. αὐτοῦ ἐπὶ διαθήκην ἁγίαν (4 b)
I Ma. 1. 3. ἐπήρθη ἡ κ. αὐτοῦ
6. 10. συμπέπτωκα τῇ κ.
— 11. εἶπα τῇ κ.
8. 25. ὡς ἂν ὁ καιρὸς ὑπογραφῇ αὐτοῖς κ. πλήρει
9. 7. συνετρίβη τῇ κ.
— 14. πάντες οἱ εὔψυχοι τῇ κ.
12. 28. S R ἔπτηξαν τῇ κ. [A τὴν κ.] αὐτῶν
16. 13. ὑψώθη ἡ κ. αὐτοῦ
II Ma. 1. 3. δῴη ὑμῖν καρδίαν πᾶσιν
— 3. ποιεῖν αὐτοῦ τὰ θελήματα κ. μεγάλῃ
— 4. διανοίξαι τὴν κ. ὑμῶν
2. 3. μὴ ἀποστῆναι τὸν νόμον ἀπὸ τῆς κ. αὐτῶν
3. 17. τὸ κατὰ καρδίαν ἐνεστὸς ἄλγος
5. 21. διὰ τὸν μετεωρισμὸν τῆς κ.
15. 27. R ταῖς δὲ κ. [A om.] πρὸς τὸν θεὸν εὐχόμενοι
III Ma. 4. 2. στεναγμοῖς πεπυρωμένης παντόθεν αὐτῶν τῆς κ.
5. 47. βουλόμενος ἀτρώτῳ κ. . . . θεάσασθαι
IV Ma. 7. 18. ὅσοι τῆς εὐσεβείας προνοοῦσιν ἐξ ὅλης κ.
13. 13. ἑαυτοὺς . . . τῷ θεῷ ἀφιερώσωμεν ἐξ ὅλης τῆς κ.

[Aq. Ge. 6. 7 (6): 8. 21: 34. 3: Ex. 9. 14: 28. 29, 30: 35. 22: 36. 2: Dt. 8. 14: 10. 16: 28. 65: Jd. 5. 16: III Ki. 11. 3: 14. 8: 15. 14: Jb. 1. 5: 31. 27: Ps. 4. 5: 9. 38 (10. 17): 26 (27). 14: 27 (28). 3, 7: 31 (32). 11: 32 (33). 15: 37 (38). 9: 54 (55). 5: 63 (64). 7: 65 (66). 18: 68 (69). 21: 72 (73). 7, 13: 77 (78). 72: 80 (81). 13: 85 (86). 11: 93 (94). 15: 118 (119). 70: Pr. 2. 10: 6. 25, 32: 10. 21: 14. 33: 17. 3: 22. 15: 24. 12, 17: 26. 25: Ec. 2. 3: 7. 3 (2), 23 (22): Is. 35. 4: 41. 22: 65. 14, 17: Je. 8. 18: 13. 10: 17. 1, 9: 20. 9: 48 (31). 41 bis: 49. 16 (29. 17): 51 (28). 1: Ez. 13. 2: 14. 3: 20. 16: 31. 10: Ho. 7. 2: Am. 2. 16: Jn. 2. 4.]
[Sm. Ex. 9. 14: Jd. 5. 16: III Ki. 15. 14: Jb. 15. 12: 17. 4: 31. 27: 37. 1: Ps. 4. 5: 9. 27 (10. 6), 38 (10. 17): 11 (12). 3: 26 (27). 7, 14: 27 (28). 7: 32 (33). 15: 35 (36). 2, 11: 38 (39). 4: 40 (41). 7: 43 (44). 19: 44 (45). 2, 6: 47 (48). 14: 50 (51). 10: 54 (55). 5, 22: 56 (57). 8: 60 (61). 3: 61 (62). 11: 63 (64). 7: 65 (66). 18: 68 (69). 21: 72 (73). 1, 7, 21: 75 (76). 6: 76 (77). 7: 77 (78). 8, 72: 80 (81). 13: 85 (86). 11: 103 (104). 15 bis: 111 (112). 7: 118 (119). 70: 140 (141). 4: Pr. 2. 10: 4. 4: 6. 25: 8. 5: 14. 13: 15. 21: 17. 3: 19. 3: 20. 9: 22. 15: 24. 17: 25. 20: 26. 25: Ec. 1. 13: 2. 3 bis: 7. 22 (21), 23 (22): 8. 11: Is. 6. 10: 32. 4: 40. 2: 41. 22: 63. 4: 65. 14, 17: Je. 8. 18: 16. 12: 17. 1, 9: 20. 9: 32 (39). 41: 49. 16 (29. 17): Ez. 16. 30: 31. 14.]
[Th. Ge. 8. 21: Ex. 36. 2, 8: Dt. 8. 14: III Ki. 15. 14: Jb. 15. 12: 17. 4: 29. 13: 31. 27: 36. 5, 13: 37. 1: Ps. 7. 10: 10 (11). 2: 27 (28). 7: 63 (64). 7: 93 (94). 15: Pr. 2. 10: 3. 3: 6. 25: 10. 13: 12. 25: 14. 33: 17. 3: 22. 15: 24. 17: 26. 25: Ec. 7. 3 (2): Is. 41. 22: 65. 14, 17: 66. 2: Je. 10. 8: 11. 8: 13. 10: 17. 1: 20. 9: 48 (31). 41 bis: Ez. 13. 2: 20. 16: 31. 10: Da. 2. 30: 3. (41): Jn. 2. 4.]
[Heb. Ge. 8. 21: Jb. 15. 27.]
[Al. Ex. 8. 15 (11): Le. 19. 17: Dt. 6. 5: 28. 47, 65: Ps. 9. 34 (10. 13): 43 (44). 19: 44 (45). 6: 48 (49). 4: 100 (101). 4: Pr. 6. 21: 19. 8.]
[Quint. Ps. 27 (28). 7.]

καρδιοῦν. (1) לָבַב pi.
Ca. 4. 9. ἐκαρδίωσας ἡμᾶς . . . ἐκαρδίωσας ἡμᾶς ἑνὶ [A ἐν?, ἐν?] ἀπὸ ὀφθαλμῶν σου (1, 1)

καρησίμ, *vid.* **καραισείμ.**

κάρος.
[Sm. Ge. 2. 21: 15. 12: I Ki. 26. 12.]

καροῦσθαι. (1) עָלַז
Je. 28 (51). 39. μεθύσω αὐτοὺς ὅπως καρωθῶσι [S καθάρωσι] (1?)
[Aq. Hb. 2. 16.]
[Sm. Jd. 4. 21: Ps. 75 (76). 7.]

καροῦχα.
[Sm. Is. 66. 20.]

καρπάσινος (-σιος). (1) כַּרְפַּס
Es. 1. 6. βυσσίνοις καὶ καρπασίνοις [S² -ίοις] (1)
[Aq. Es. 1. 6.]

καρπεύειν.
[Aq. Ec. 12. 5.]

καρπίζεσθαι. (1) אָכַל מִתְּבוּאָה (2) פְּרִי
Jo. 5. 11. A R ἐκαρπίσαντο δὲ τὴν χώραν [B κουράν] (1)
Pr. 8. 19. βέλτιον ἐμὲ καρπίζεσθαι ὑπὲρ χρυσίον (2)

κάρπιμος. (1) פְּרִי
Ge. 1. 11. ξύλον κ. ποιοῦν καρπόν (1)
— 12. ξύλον κ. ποιοῦν καρπόν –
[Aq. Ec. 2. 5.]
[Th. Ps. 75 (76). 5.]

καρπόβρωτος. (1) מַאֲכָל
De. 20. 20. ὅτι οὐ καρπόβρωτόν ἐστι (1)

καρπός (*fructus*). (1) אֵב (2) בִּכּוּרִים (3) זְמָרָה (4) יְבוּל (5) יְגִיעַ (6) יִצְהָר (7) *a.* פְּרִי *b.* פֶּרֶה (8) תַּאֲוָה (9) תְּבוּאָה (10) תְּנוּבָה
Ge. 1. 11, 12. ξύλον κάρπιμον ποιοῦν καρπόν (7 a)
— 29. ὃ ἔχει ἐν ἑαυτῷ καρπὸν σπέρματος (7 a)
3. 2. R ἀπὸ καρποῦ τοῦ ξύλου [A ἀ. παντὸς ξ.] (7 a)
— 3. R ἀπὸ δὲ τοῦ [A om.] κ. τοῦ ξύλου (7 a)
— 6. R λαβοῦσα ἀπὸ [A om.] τοῦ κ. αὐ. (7 a)
4. 3. ἤνεγκε Κ. ἀπὸ τῶν κ. τῆς γῆς (7 a)
30. 2. ὃς ἐστέρησέ σε καρπὸν κοιλίας (7 a)
43. 11. λάβετε ἀπὸ τῶν κ. τῆς γῆς (3)
Ex. 10. 12. κατέδεται . . . πάντα τὸν κ. τῶν ξύλων –
— 15. κατέφαγε . . . πάντα τὸν κ. τῶν ξύλων (7 a)
Le. 19. 23. ὁ κ. αὐτοῦ [A om. ὁ κ. αὐ.] τρία ἔτη ἔσται ὑμῖν ἀπερικάθαρτος (7 a)

Le. 19. 24. ἔσται πᾶς ὁ κ. αὐτοῦ ἅγιος (7 a)
— 25. φάγεσθε τὸν κ. (7 a)
23. 40. λήψεσθε . . . καρπὸν ξύλου ὡραῖον (7 a)
25. 3. συνάξεις τὸν κ. αὐτῆς (9)
26. 4. τὰ ξύλα τῶν πεδίων ἀποδώσει τὸν κ. αὐτῶν (7 a)
— 20. τὸ ξύλον . . . οὐ δώσει τὸν κ. αὐτοῦ (7 a)
27. 30. πᾶσα δεκάτη τῆς γῆς ἀπὸ . . . τοῦ κ. τοῦ ξυλίνου (7 a)
Nu. 13. 21 (20). λήψεσθε ἀπὸ τῶν κ. τῆς γῆς (7 a)
— 28 (26). ἔδειξαν τὸν κ. τῆς γῆς (7 a)
— 28 (27). οὗτος ὁ κ. αὐτῆς (7 a)
De. 1. 25. ἐλάβοσαν . . . ἀπὸ τοῦ κ. τῆς γῆς (7 a)
7. 13. εὐλογήσει . . . τὸν κ. τῆς γῆς σου (7 a)
11. 17. ἡ γῆ οὐ δώσει τὸν κ. αὐτῆς (4)
26. 2. ἀπὸ τῆς ἀπαρχῆς τῶν κ. τῆς γῆς σου (7 a)
Jd. 6. 4. B κατέφθειραν [A R διέφθ.] τοὺς κ. αὐτῶν (4)
IV Ki. 19. 29. φάγεσθε τὸν κ. αὐτῶν (7 a)
— 30. ποιήσει καρπὸν ἄνω (7 a)
Ne. 9. 36. φαγεῖν τὸν κ. αὐτῆς (7 a)
— 37. R καὶ οἱ κ. αὐτῆς πολλοί (9)
10. 35 (36). καὶ πρωτογενήματα καρποῦ [S² παντὸς κ.] (7 a)
— 37 (38). καὶ τὸν κ. παντὸς ξύλου (7 a)
Jb. 22. 21. ὁ κ. σου ἔσται ἐν ἀγαθοῖς †
Ps. 1. 3. ὃ τὸν κ. αὐτοῦ δώσει ἐν καιρῷ αὐτοῦ (7 a)
4. 7. ἀπὸ καρποῦ σίτου καὶ οἴνου †
20 (21). 10. τὸν κ. αὐτῶν ἀπὸ γῆς ἀπολεῖς (7 a)
57 (58). 11. εἰ ἄρα ἐστὶ καρπὸς τῷ δικαίῳ (7 a)
66 (67). 6. γῆ ἔδωκε τὸν κ. αὐτῆς (4)
71 (72). 16. ὑπεραρθήσεται ὑπὲρ τὸν Λίβανον ὁ κ. αὐτοῦ (7 a)
77 (78). 46. ἔδωκε τῇ ἐρυσίβῃ τὸν κ. αὐτῶν (4)
84 (85). 12. ἡ γῆ ἡμῶν δώσει τὸν κ. αὐτῆς (4)
103 (104). 13. ἀπὸ καρποῦ τῶν ἔργων σου χορτασθήσεται ἡ γῆ (7 a)
104 (105). 35. κατέφαγε [A S² add. πάντα] τὸν κ. [S¹ χόρτον] τῆς γῆς αὐτῶν (7 a)
106 (107). 37. ἐποίησαν καρπὸν γεννήματος (7 a)
126 (127). 3. ὁ μισθὸς τοῦ κ. τῆς γαστρός (7 a)
127 (128). 2. A S¹ τοὺς κ. τῶν πόνων [S² R τοὺς πόνους τῶν κ.] σου φάγεσαι (5)
131 (132). 11. A S¹ ἐκ καρποῦ τῆς κοιλίας σου θήσομαι (7 a)
Pr. 1. 31. ἔδονται τῆς ἑαυτῶν ὁδοῦ τοὺς κ. (7 a)
8. 9. ἀπάρχου αὐτῷ ἀπὸ σῶν κ. δικαιοσύνης (9)
10. 16. καρποὶ δὲ ἀσεβῶν ἁμαρτίας [S¹ -ίαι] (9)
11. 30. ἐκ καρποῦ δικαιοσύνης φύεται δένδρον ζωῆς (7 a)
12. 14. ἀπὸ καρπῶν στόματος ψυχὴ ἀνδρὸς πλησθήσεται ἀγαθῶν (7 a)
13. 2. ἀπὸ καρπῶν [A -οῦ] δικαιοσύνης φάγεται ἀγαθός (7 a)
15. 4. πλησθήσεται πνεύματος [S¹ πιότητος, S² τῶν κ. αὐ.] †
— 6. A B S² καρποὶ δὲ ἀσεβῶν ἀπολοῦνται (9)
18. 20. ἀπὸ καρπῶν [A -οῦ] στόματος ἀνὴρ πίμπλησι κοιλίαν αὐ. ἀπὸ δὲ καρπῶν χειλέων αὐ. ἐμπλησθήσεται (7 a, 9)
— 21. οἱ δὲ κρατοῦντες αὐτῆς ἔδονται τοὺς κ. αὐτῆς (7 a)
19. 22. καρπὸς ἀνδρὶ ἐλεημοσύνη (8?)
27. 18. φάγεται τοὺς κ. αὐτῆς (7 a)
31. 16. ἀπὸ δὲ καρπῶν χειρῶν αὐτῆς κατεφύτευσε κτῆμα (7 a)
— 31. δότε αὐτῇ ἀπὸ καρπῶν χειλέων αὐτῆς (7 a)
Ec. 2. 5. ἐφύτευσα ἐν αὐτοῖς ξύλον πᾶν καρποῦ (7 a)
Ca. 2. 3. καρπὸς αὐτοῦ γλυκὺς ἐν λάρυγγί μου (7 a)
4. 13. μετὰ καρποῦ ἀκροδρύων (7 a)
5. 1 (4. 16). φαγέτω καρπὸν ἀκροδρύων αὐτοῦ (7 a)
8. 11. B S ἀνὴρ οἴσει ἐν καρπῷ αὐτοῦ χιλίους ἀργυρίου (7 a)
— 12. τοῖς τηροῦσι τὸν κ. αὐτοῦ (7 a)
Wi. 3. 13. ἕξει καρπὸν ἐν ἐπισκοπῇ ψυχῶν
— 15. ἀγαθῶν γὰρ πόνων καρπὸς [B¹ ὁ κ.] εὐκλεής
4. 5. ὁ κ. αὐτῶν ἄχρηστος
16. 22. τοὺς τῶν ἐχθρῶν [A ἐθνῶν] κ. κατέφθειρε
— 26. οὐχ αἱ γενέσεις τῶν κ. [A ἀνθρώπων] τρέφουσιν ἄνθρωπον
Si. 1. 16. μεθύσκει αὐτοὺς ἀπὸ τῶν κ. αὐτῆς
6. 3. τοὺς κ. σου ἀπολέσεις
— 19. ἀνάμενε τοὺς ἀγαθοὺς κ. αὐτῆς
11. 3. ἀρχὴ γλυκασμάτων ὁ κ. αὐτῆς
23. 25. οἱ κλάδοι αὐτῆς οὐ δώσουσι [A S οὐκ οἴσουσιν] καρπόν
Si. 24. 17. τὰ ἄνθη μου καρπὸς δόξης καὶ πλούτου
27. 6. γεώργιον ξύλου ἐκφαίνει ὁ κ. αὐτοῦ
37. 22. οἱ κ. τῆς συνέσεως αὐτοῦ ἐπὶ στόματος [S -τι] πιστοί
— 23. οἱ κ. τῆς συνέσεως αὐτοῦ πιστοί
50. 10. ὡς ἐλαία ἀναθάλλουσα καρπούς
Ho. 9. 16. καρπὸν οὐκέτι μὴ ἐνέγκῃ (7 a)
10. 1. ὁ κ. εὐθηνῶν αὐτῆς (7 a)
— 1. κατὰ τὸ πλῆθος τῶν κ. αὐ. (7 a)
— 12. τρυγήσατε εἰς καρπὸν ζωῆς †
— 13. ἐφάγετε καρπὸν ψευδῆ (7 a)
14. 3. ἀνταποδώσομεν καρπὸν χειλέων ἡμῶν †
— 9. ἐξ ἐμοῦ ὁ κ. σου εὕρηται (7 a)
Am. 2. 9. καὶ ἐξήρανα τὸν κ. αὐτοῦ ἐπάνωθεν (7 a)
6. 13 (12). ἐξεστρέψατε . . . καρπὸν δικαιοσύνης εἰς πικρίαν (7 a)
9. 14. A R καὶ φάγονται τὸν κ. [B τοὺς κ.] αὐ. (7 a)
Mi. 6. 7. εἰ δῶ . . . καρπὸν κοιλίας μου (7 a)
7. 13. ἀπὸ [A ἐκ] καρπῶν ἐπιτηδευμάτων αὐ. (7 a)
Jl. 2. 22. ξύλον ἤνεγκε τὸν καρπὸν αὐτοῦ (7 a)
Na. 3. 12. συκαῖ σκοπούς [B² καρπούς] ἔχουσαι (2)
Hg. 2. 20 (19). τὰ ξύλα [S¹ φύλλα] . . . τὰ οὐ φέροντα καρπόν –
Za. 8. 12. ἡ [S¹ μὴ] ἄμπελος δώσει τὸν κ. αὐ. (7 a)
Ma. 3. 11. οὐ μὴ διαφθείρω ὑμῶν τὸν κ. τῆς γῆς (7 a)
Is. 27. 6. ἐμπλησθήσεται ἡ οἰκουμένη τοῦ κ. αὐτοῦ (10)
37. 30. φάγεσθε τὸν κ. αὐτῶν (7 a)
65. 21. φάγονται τὰ γεννήμ. [B¹ τὸν καρπὸν] αὐ. (7 a)
Je. 2. 7. τοῦ φαγεῖν ὑμᾶς τοὺς κ. αὐτοῦ (7 a)
6. 19. ἐπάγω . . . τὸν κ. ἀποστροφῆς αὐ. [S al.] (7 a)
12. 2. καὶ ἐποίησαν [S om. κ. ἐ.] καρπόν (7 a)
17. 8. οὐ διαλείψει ποιῶν καρπόν (7 a)
— 10. τοῦ δοῦναι ἑκάστῳ . . . κατὰ τοὺς κ. τῶν ἐπιτηδευμάτων αὐ. (7 a)
27 (50). 27. ἀναξηράνατε αὐτῆς πάντας τοὺς κ. †
36 (29). 5. φάγετε [A -εσθε] τοὺς κ. αὐ. (7 a)
— 28. φάγεσθε τὸν κ. αὐτῶν (7 a)
38 (31). 12. ἐπὶ γῆν σίτου καὶ οἶνου καὶ καρπῶν (6?)
La. 2. 20. εἰ φάγονται γυναῖκες καρπὸν κοιλίας αὐτῶν (7 a)
Ez. 17. 8. τοῦ ποιεῖν βλαστοὺς καὶ φέρειν καρπόν [A ποιῆσαι κ. καὶ ἐνέγκαι βλαστόν] (7 a)
— 9. ὁ κ. σατήσεται (7 a)
— 23. ἐξοίσει βλαστὸν καὶ ποιήσει καρπόν (7 a)
19. 10. ὁ κ. αὐ. . . . ἐγένετο ἐξ ὕδατος πολλοῦ (7 b)
25. 4. φάγονται τοὺς κ. σου (7 a)
34. 27. τὰ ξύλα τὰ ἐν τῷ πεδίῳ δώσει [A ξ. τοῦ π. ἀποδ.] τὸν κ. αὐτῶν [A -οῖς] καὶ ἡ γῆ δώσει τὴν ἰσχὺν [A τὸν κ.] αὐτῆς (7 a, 4)
36. 8. τὸν κ. ὑμῶν καταφάγεται [A κ. φάγ.] ὁ λαός μου (7 a)
— 30. πληθυνῶ τὸν κ. τοῦ ξύλου (7 a)
47. 12. οὐδὲ μὴ ἐκλείπῃ ὁ κ. αὐτοῦ . . . ἔσται ὁ κ. αὐτῶν εἰς βρῶσιν (7 a, 7 a)
Da. LXX. 4. 9. ὁ κ. αὐτοῦ πολὺς καὶ ἀγαθός (1)
Da. TH. 4. 9. καὶ ὁ κ. αὐτοῦ πολύς (1)
— 11. A ἐκτίλατε τοὺς κ. [B κλάδους] αὐτοῦ †
— 11. διασκορπίσατε τὸν κ. [A τοὺς κ.] αὐτοῦ (1)
— 18. καὶ ὁ κ. αὐτοῦ πολύς (1)
I Ma. 10. 30. ἀντὶ τοῦ ἡμίσους τοῦ κ. τοῦ ξυλίνου
14. 8. A S² R καὶ τὰ ξύλα τῶν [S ἅμα τῶν] πεδίων τὸν [S¹ καὶ τὸν] κ. αὐτῶν

[Aq. Dt. 7. 13: 28. 4 *bis*, 33: Ps. 1. 3: 57 (58). 12: 104 (105). 35: Pr. 8. 19: 11. 30: Is. 27. 9: Je. 6. 19: Ez. 17. 6: 19. 12.]
[Sm. Ge. 1. 29: Jb. 37. 11: Ps. 1. 3: 71 (72). 16: Pr. 8. 19: 11. 30: Ca. 8. 11: Is. 27. 9: Ez. 19. 12.]
[Th. Ge. 1. 29: Jo. 5. 12: Ps. 57 (58). 12: 104 (105). 35: Pr. 11. 30: Is. 27. 9: 57. 19: Je. 32 (39). 19: Ez. 19. 12.]
[Al. Le. 23. 40: 25. 19: Ps. 126 (127). 3: Ca. 6. 10 (11): Hb. 3. 17.]
[Heb. Jb. 14. 9.]

καρπός (*manus*). (1) יָד (2) כַּף

I Ki. 5. 4. ἀμφότεροι οἱ κ. τῶν χειρῶν αὐτοῦ (2)
Ps. 127 (128). 2. S² R τοὺς πόνους τῶν κ. [A S¹ τοὺς κ. τῶν πόνων] (2)
Pr. 31. 20. καρπὸν δὲ ἐξέτεινε πτωχῷ (1)

καρποῦν. (1) אִשֶּׁה (2) פָּעַר pi.

Le. 2. 11. καρπῶσαι κυρίῳ (1)
De. 26. 14. A B² R οὐκ ἐκάρπωσα ἀπ' αὐτῶν (2?)
I Es. 4. 52. ὁλοκαυτώματα καρποῦσθαι καθ' ἡμέραν
Da. LXX., TH. 3. (38). οὐδὲ τόπος τοῦ καρπῶσαι

καρποφορεῖν. (1) פָּרַח

Wi. 10. 7. ἀτελέσιν ὥραις καρποφοροῦντα φυτά
Hb. 3. 17. διότι συκῆ οὐ καρποφορήσει (1)

[Sm. Ps. 61 (62). 11: 91 (92). 15.]
[Th. Ps. 91 (92). 15.]

καρποφόρος. (1) זָרַע (2) פְּרִי

Ps. 106 (107). 34. γῆν καρποφόρον εἰς ἅλμην (2)
148. 9. ξύλα καρποφόρα καὶ πᾶσαι κέδροι (2)
Je. 2. 21. ἐφύτευσά σε ἄμπελον καρποφόρον (1)

κάρπωμα. (1) *a.* אֵשׁ *b.* אִשֶּׁה (2) עֹלָה, עוֹלָה

Ex. 29. 25. κάρπωμά ἐστι κυρίῳ (1 b)
— 38. κάρπωμα ἐνδελεχισμοῦ –
— 41. ὀσμὴν εὐωδίας κάρπωμα κυρίου (1 b)
30. 9. θυμίαμα ἕτερον κάρπωμα θυσίαν (2)
40. 6. τὸ θυσιαστήριον τῶν κ. (2)
— 10. χρίσεις τὸ θυσιαστήριον τῶν κ. (2)
— 29. τὸ θυσιαστήριον τῶν κ. ἔθηκε (2)
Le. 1. 4. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ κ. (2)
— 9. κάρπωμά ἐστι θυσία ὀσμὴ εὐωδίας (2)
— 13. A R κάρπωμά ἐστι θυσία [B -ας] (2)
— 14. ἐὰν δὲ ἀπὸ τῶν πετεινῶν κάρπωμα (2)
— 17. κάρπωμά ἐστι θυσία ὀσμὴ εὐωδίας (2)
2. 9. κάρπωμα ὀσμὴ εὐωδίας κυρίῳ (1 b)
— 10. ἅγια τῶν ἁγίων ἀπὸ τῶν κ. κυρίου (1 b)
— 16. κάρπωμά ἐστι κυρίῳ (1 b)
3. 3. προσάξουσιν . . . κάρπωμα κυρίῳ (1 b)
— 5. κάρπωμα ὀσμὴ εὐωδίας κυρίῳ (1 b)
— 9. προσοίσει . . . κάρπωμα τῷ θ. τὸ στέαρ (1 b)
— 11. ὀσμὴ εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ (1 b)
— 14. ἀνοίσει ἐπ' αὐτοῦ κάρπωμα κυρίῳ (1 b)
— 16. κάρπωμα ὀσμὴ εὐωδίας τῷ κυρίῳ (1 b)
6. 15 (8). ἀνοίσει ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κάρπωμα –
— 17 (10), 18 (11). ἀπὸ τῶν κ. κυρίου (1 b)
— 35 (7. 5). κάρπωμα τῷ κυρίῳ (1 b)
7. 15 (25). A R κάρπωμα κυρίῳ [B -ίου] (1 b)
— 20 (30). προσοίσουσι τὰ καρπώματα κυρίῳ (1 b)
— 25 (35). ἀπὸ τῶν κ. κυρίου (1 b)
8. 20 (21), 27 (28). κάρπωμά ἐστι τῷ κυρίῳ (1 b)
10. 12, 13. ἀπὸ τῶν κ. κυρίου (1 b)
— 15. ἐπὶ τῶν κ. τῶν στεάτων (1 b)
22. 27. δεχθήσεται . . . κάρπωμα κυρίῳ (1 b)
23. 37. ὥστε προσενέγκαι καρπώματα τῷ κυρίῳ (1 b)
Nu. 15. 3. A καὶ ποιήσητε κάρπωμα [B *al.*] (1 b)
— 5. κάρπωμα ὀσμὴν εὐωδίας τῷ κυρίῳ –
— 10. κάρπωμα ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (1 b)
— 13. προσενέγκαι καρπώματα εἰς ὀσμήν (1 b)
— 14. ποιήσει κάρπωμα ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (1 b)
— 25. ἤνεγκαν τὸ δῶρον αὐ. κάρπωμα κυρίῳ (1 b)
18. 9. ἀπὸ τῶν ἡγιασμένων ἁγίων τῶν κ. (1 a?)
— 17. κάρπωμα εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (1 b)
28. 2. καρπώματά μου εἰς ὀσμὴν εὐωδίας (1 b)
— 3. ταῦτα τὰ κ. ὅσα προσάξετε κυρίῳ (1 b)
— 13. θυσίαν ὀσμὴν εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ (1 b)
— 19. ὁλοκαυτώματα [A -μα] κάρπωμα [B¹ -ματα] κυρίῳ (2)
— 24. δῶρον κάρπωμα εἰς ὀσμὴν εὐωδίας (1 b)
29. 8. προσοίσετε . . . καρπώματα [A -μα] κυρίῳ [A om.] (2)
— 11. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ –
— 13. κάρπωμα [B¹ -ματα, B² om.] εἰς ὀσμὴν εὐωδίας (1 b)
— 36. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας καρπώματα κυρίῳ (1 b)
De. 18. 1. καρπώματα κυρίου [A -μα κυρίῳ] ὁ κλῆρος αὐτῶν (1 b)
Jo. 22. 26. οὐχ ἕνεκεν καρπωμάτων (2)
— 27. ἐν τοῖς κ. ἡμῶν καὶ ἐν ταῖς θυσίαις ἡμῶν [A om.] (2)
— 28. οὐχ ἕνεκεν καρπωμάτων (2)
— 29. θυσιαστήριον τοῖς κ. (2)
Jb. 42. 8. B S ποιήσει καρπώσεις [R -σιν, A -ωμα] περὶ ὑμῶν (2)
Si. 45. 16. S προσαγαγεῖν κάρπωμα [A B -ωσιν] κυρίῳ

[Sm. Le. 2. 3: 24. 9.]
[Al. Le. 5. 13: 6. 20 (13).]

κάρπωσις. (1) אִשֶּׁה (2) עֹלָה

Le. 4. 10. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τῆς κ. (2)
— 18. πρὸς τὴν βάσιν τοῦ θυσιαστηρίου τῶν κ. (2)
22. 22. A² B εἰς κάρπωσιν οὐ δώσετε ἀπ' αὐτῶν (1)
Jb. 42. 8. B S ποιήσει καρπώσεις [R -σιν, A -ωμα] περὶ ὑμῶν (2)
Si. 30. 19. τί συμφέρει κάρπωσις εἰδώλῳ
45. 16. προσαγαγεῖν κάρπωσιν [S -ωμα] κυρίῳ
[Al. Le. 6. 15 (8): 7. 9, 10, 37: 9. 4: 23. 18.]

καρπωτός. (1) פֶּסַח

II Ki. 13. 18. ἐπ' αὐτῆς ἦν χιτὼν κ. (1)
— 19. τὸν χιτῶνα τὸν κ. τὸν ἐπ' αὐτῆς διέρρηξε (1)
[Aq. II Ki. 13. 18.]
[Sm. Ge. 37. 3.]

κάρρον.

I Es. 5. 55. A καὶ κάρρα [B χάρα, R χάρρα] τοῖς Σιδ.

κάρταλλος. (1) דּוּד (2) טֶנֶא (3) סַלְסִלּוֹת

De. 26. 2. καὶ ἐμβαλεῖς εἰς κάρταλλον (2)
— 4. λήψεται ὁ ἱερεὺς τὸν κ. (2)
IV Ki. 10. 7. ἔθηκαν τὰς κεφαλὰς αὐτῶν ἐν καρτάλλοις (1)
Si. 11. 30. πέρδιξ θηρευτὴς ἐν καρτάλλῳ
Je. 6. 9. ἐπιστρέψατε ὡς ὁ τρυγῶν ἐπὶ τὸν κ. αὐτοῦ (3)

καρτερεῖν. (1) חָזַק hi. (2) פָּעָה

Jb. 2. 9. μέχρι τίνος καρτερήσεις (1)
Si. 2. 2. εὔθυνον τὴν καρδίαν σου καὶ καρτέρησον
12. 15. ἐὰν ἐκκλίνῃς οὐ μὴ καρτερήσῃ
Is. 42. 14. ὡς ἡ τίκτουσα ἐκαρτέρησα (2)
II Ma. 7. 17. σὺ δὲ καρτέρει
IV Ma. 9. 9. S R διὰ τὴν ἡμῶν μιαιφονίαν αὐτάρκη καρτερήσεις [A al.]
— 28. ὁ δὲ ταύτην βαρέως τὴν ἀλγηδόνα καρτερῶν
10. 1. τούτου τὸν ἀοίδιμον θάνατον καρτερήσαντος
— 11. ἀκαταλύτους καρτερήσεις βασάνους
13. 11. εὐγενῶς καρτέρησον
14. 9. A R πάσχοντες ἐκαρτέρουν [S ἐνεκ.]
[Aq. Za. 12. 5.]
[Sm. Mi. 7. 18.]

καρτερία.

IV Ma. 6. 13. S R τὰ δὲ ἐν θαυμασμῷ [A -αστῷ] τῆς κ.
8. 26. ἡ θανατηφόρος ἀρέσκει κ.
11. 12. A R παρέχων τὴν εἰς τὸν νόμον ἡμῶν κ. [S τῆς . . . κ.]
15. 28. A R τῆς θεοσεβοῦς [S -βίας] Ἀβραὰμ κ.
— 30. ὦ ἀρρένων πρὸς καρτερίαν γενναιοτέρα
16. 14. διὰ καρτερίαν καὶ τύραννον ἐνίκησας

καρτερός.

II Ma. 10. 29. R γενομένης [A γιν.] δὲ κ. μάχης
12. 11. γενομένης δὲ κ. μάχης
— 35. Δωσίθεος δέ τις . . . ἔφιππος ἀνὴρ καὶ κ.
III Ma. 1. 4. γενομένης δὲ κ. μάχης
IV Ma. 3. 12. δύο νεανίσκοι στρατιῶται κ.
15. 31. A κοσμοφοροῦσα καρτεροὺς [S R -ῶς] ὑπήνεγκε [S -έμεινε] τοὺς κλύδωνας
— 32. καὶ κ. ἀνέμοις . . . συνεχομένῃ
[Aq. Am. 2. 16: Za. 6. 3.]

καρτεροῦν.

[Aq. Ps. 30 (31). 25: Pr. 31. 17: Is. 35. 3: 44. 14.]
[Th. Pr. 31. 17: Is. 44. 14.]

καρτεροψυχία.

IV Ma. 9. 26. θαυμασάντων δὲ πάντων τὴν κ. αὐτοῦ

καρτερῶς.

IV Ma. 15. 31. S R κοσμοφοροῦσα κ. [A -ροὺς] ὑπήνεγκε [S -έμεινε] τοὺς κλύδωνας

καρύα. (1) אֱגוֹז

Ca. 6. 10 (11). εἰς κῆπον καρύας [S -οιας] κατέβην (1)

καρύϊνος. (1) לוּז (2) שָׁקֵד

Ge. 30. 37. ῥάβδον . . . χλωρὰν καὶ καρυΐνην (1)
Je. 1. 11. εἶπα, Βακτηρίαν καρυΐνην (2)

καρυΐσκος. (1) ἐκτυποῦσθαι καρυΐσκους שָׁקֵד pu.

Ex. 25. 32 (33). τρεῖς κρατῆρες ἐκτετυπωμένοι καρυΐσκους (1)
— 33 (34). τέσσαρες κρατῆρες ἐκτετυπωμένοι καρυΐσκους (1)
— 34 (35). τέσσαρες κρατῆρες ἐκτετυπωμένοι καρυΐσκους –

κάρυον. (1) שָׁקֵד

Ge. 43. 11. καταγάγετε . . . τερέβινθον καὶ κάρυα (1)
Nu. 17. 8 (23). A R καὶ ἐβλάστησε κάρυα [B -οια] (1)

καρυωτός. (1) שָׁקֵד pu.

Ex. 38. 16 (37. 19). τὰ λαμπάδια αὐτῶν . . . καρυωτὰ ἐξ αὐτῶν (1?)

κάρφος. (1) טֶרֶף

Ge. 8. 11. εἶχε φύλλον ἐλαίας κάρφος (1)

καρχαροῦσθαι.

[Aq. II Ki. 6. 16.]

καρχηδόνιον.

[Sm. Is. 54. 12.]

κάρωσις.

[Aq. Ps. 59 (60). 5: Is. 51. 17.]
[Sm. Is. 29. 10.]

κασία, κασσία. (1) פַּנַּג (2) קְצִיעָה

Jb. 42. 14. τὴν δὲ δευτέραν Κασίαν [A Κασσ.] (2)
Ps. 44 (45). 8. καὶ κασία [S² -αν] ἀπὸ τῶν ἱματίων σου (2)
Ez. 27. 17. A R οὗτοι ἔμποροί σου ἐν σίτου πράσει . . . καὶ κασίας [B -ᾳ] (1?)
[Al. Ex. 30. 24.]

κασσιτέρινος. (1) בְּדִיל

Za. 4. 10. ὄψονται τὸν λίθον τὸν κ. (1)

κασσίτερος. (1) בְּדִיל

Nu. 31. 22. πλὴν τοῦ χρυσίου . . . καὶ κασσιτέρου (1)
Si. 47. 18. συνήγαγες ὡς κασσίτερον τὸ χρυσίον
Ez. 22. 18. ἀναμεμιγμένοι πάντες . . . κασσιτέρῳ (1)
— 20. εἰσδέχεται . . . σίδηρος καὶ κ. (1)
27. 12. κασσίτερον καὶ μόλιβον ἔδωκαν (1)
[Aq., Sm., Th. Is. 1. 25.]

κάστυ.

[Aq., Th. Ez. 9. 2.]

κατά.

I. *c. gen.*

* *in iurisiurandi formulis* ** ὁ κατά

Ge. 22. 16*: 31. 53*: 50. 20.
Ex. 15. 24†: 16. 7, 8 *ter*: 20. 16: 32. 13*: 37. 12 (38. 14) (τὸ κ. νώτου).
Le. 5. 5.
Nu. 5. 13†: 12. 1, 8: 14. 36, 37: 16. 11: 21. 5, 7 *bis*: 30. 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12 *bis*, 13.
De. 5. 20 (17): 9. 27*: 15. 9: 19. 15, 16, 18, 19†: 24. 15†.
Jo. 9. 20: 15. 11 (κ. νώτου): 18. 12 (κ. νώτου), 18 (κ. νώτου): 24. 22.
Jd. 3. 22, 23†: 4. 14†: 11. 35†.
I Ki. 12. 3 *bis*: 13. 5 (κ. νώτου)†: 14. 39: 22. 13, 15: 27. 11: 29. 6†: 30. 15*.
II Ki. 1. 16.
III Ki. 2. 23*, 23: 3. 1 (2. 9)*, 1 (2. 42)*, 1 (2. 43): 22. 13†.
IV Ki. 4. 4 *bis*, 5 *bis*, 21, 33: 17. 9: 22. 13.
II Ch. 36. 13*.
I Es. 2. 16.
II Es. 4. 8.
Ne. 6. 12.
Ju. 1. 12*, 12*†: 9. 13: 13. 11.
Es. 3. 10 *bis*: 4. 8: 6. 12†: 9. 31 *bis*.
Jb. 1. 8: 3. 23: 4. 18 *bis*: 7. 12†: 9. 7, 7†: 12. 14: 13. 26: 15. 15: 16. 5: 19. 18: 22. 13: 24. 22†: 31. 35: 32. 3: 33. 10: 34. 29 *bis*: 39. 18†: 40. 4 (9)† *bis*: 42. 8.
Ps. 2. 2 *bis*: 30 (31). 18: 31 (32). 5: 34 (35). 15: 40 (41). 7, 7†, 8: 49 (50). 20 *bis*: 55 (56). 5: 68 (69). 12: 74 (75). 5: 82 (83). 3, 5: 101 (102). 8: 108 (109). 2, 5, 20: 118 (119). 23: 139 (140). 8.
Pr. 25. 18†.
Wi. 3. 14: 4. 6: 5. 22: 12. 12 *bis*: 16. 24.
Si. 4. 22: 6. 12: 8. 15: 31 (34). 3†.
Ho. 7. 13: 8. 1.
Am. 3. 1: 4. 2*: 6. 8*: 7. 10: 8. 7*, 14*.
Mi. 3. 7: 6. 5.
Na. 1. 11.
Hb. 2. 6.
Ze. 1. 5*†, 5*.
Ma. 3. 13.
Is. 1. 1 *bis*: 3. 9: 13. 1: 15. 1**: 17. 1**: 27. 2†: 45. 23*†: 62. 8* *bis*.
Je. 9. 5 (4)†: 11. 19†: 18. 20: 22. 5*, 6: 25. 13: 28 (51). 14*: 29 (49). 13*: 33 (26). 11: 47 (40). 16†.
La. 3. 5, 7, 61, 62.
Ez. 16. 44: 19. 4: 22. 3: 40. 18 (κ. νώτου), 40 (κ. νώτου) *bis*, 41 (κ. νώτου), 44 (κ. νώτου) *bis*: 42. 16 (κ. νώτου): 46. 19 (κ. νώτου).
Da. LXX. Su. 61: 6. 5 (6) *bis*, 10 (11), 14 (15), 16 (17)†.
Da. TH. Su. 28, 43: 3. 29 (96): 6. 4 (5) *bis*, 5 (6): Bel 12.
I Ma. 8. 32: 10. 4, 61, 63: 11. 25, 39†: 16. 13, 13†.
II Ma. 6. 8, 10: 10. 21.
III Ma. 2. 22, 27: 3. 2, 11, 24 (κ. νώτου): 5. 7**, 27†, 46: 6. 7: 7. 9.
IV Ma. 1. 11**: 2. 17 *bis*, 18: 5. 6**, 28: 8. 5: 9. 10 *bis*: 10. 8, 14: 12. 20: 17. 1.
[Aq. I Ki. 28. 16: Jb. 15. 27: Ps. 30 (31). 19: 82 (83). 4: Ca. 3. 5 *bis*: Is. 3. 8: Ho. 7. 12 (?).]
[Sm. Ge. 9. 2: 37. 2: I Ki. 5. 6: 25. 17: II Ki. 1. 16: 3. 27: 14. 13: III Ki. 20. 38: Jb. 3. 23: 12. 18: 15. 27: 21. 27**: 31. 21: Ps. 7. 10: 20 (21). 12: 31 (32). 4: 34 (35). 12, 15, 16: 36 (37). 12: 40 (41). 8: 41 (42). 6: 54 (55). 4: 55 (56). 6: 63 (64). 9: 82 (83). 4 *bis*: 93 (94). 20: 137 (138). 7: Pr. 19. 3: Ec. 7. 15 (14): 8. 6: Ca. 2. 8 *bis*: 3. 5 *bis*: Is. 3. 8: 25. 7: 26. 21: 27. 1 *bis*: 29. 3 *ter*: 32. 12 (?), 14: 59. 13: 62. 8*: Je. 9. 26 (25): 13. 21: 18. 8: 44 (51). 20 *bis*: 46 (26). 25: 48 (31). 37: 50 (27). 45: 51 (28). 35: La. 5. 5: Ez. 33. 4, 5, 10: Da. 9. 24: Am. 4. 2*.]
[Th. I Ki. 28. 16: Jb. 34. 29: Ca. 3. 5 *bis*: Is. 62. 8*: Je. 29 (36). 32: Da. 6. 4.]
[Al. Ge. 27, 42: 42. 36: Nu. 14. 9, 36: 16. 13: I Ki. 1. 6: 5. 12: 28. 16: Ps. 123 (124). 4.]
[Heb. Ge. 38. 29.]
[Sam. Nu. 13. 33 (32).]
[Quint. Ps. 88 (89). 36*: Ho. 5. 8 (κ. νώτου).]

II. *c. acc.*

* **κατὰ πρόσωπον, κατὰ τὸ πρόσωπον** †† **ὁ κατά. καθ' ἡμέραν, κατ' ἀνατολάς, κατ' ἐνιαυτόν, κατ' ὀφθαλμούς, κατὰ βορρᾶν, κατὰ δυσμάς, κατὰ θάλασσαν, κατὰ κεφαλήν, κατὰ λίβα, κατὰ νότον, κατὰ σῶμα,** *vid. sub* **ἡμέρα, ἀνατολή, ἐνιαυτός, κ.τ.λ.**

Ge. 1. 11 *ter*, 12 *ter*, 20, 21, 21†, 24 *bis*, 25 *ter*, 26 *bis*, 27: 2. 8, 18: 5. 1, 3 *bis*: 6. 20 *ter*: 7. 14 *quater*: 8. 19: 10. 5, 20, 31, 32 *bis*: 12. 8 *ter*: 15. 8: 16. 12*: 18. 10, 21: 20. 6: 21. 14†, 14, 23: 23. 17*: 24. 1, 28, 62: 25. 13, 16, 18* *bis*: 26. 18: 29. 12: 30. 34, 40, 41: 31. 11, 24, 35††: 32. 16 (17) (κ. μόνας), 19 (20), 21 (22)*: 33. 14 *bis*, 18*: 34. 3: 36. 40: 39. 6††, 17: 40. 13: 41. 11: 43. 7, 32 *bis*, 33 *bis*: 44. 2, 6, 7, 7†: 45. 21, 23 (κ. τὰ αὐτά): 46. 28, 29: 47. 12, 30: 48. 7: 49. 19 (κ. πόδας), 28: 50. *subscr.*†
Ex. 1. 14: 5. 8, 13: 6. 16, 19, 25: 11. 6: 12. 3 *bis*, 4, 21: 13. 10†: 14. 16, 22: 16. 5††, 16 *bis*: 17. 1: 21. 9, 31: 22. 5 (4), 9 (8), 17 (16) (καθ' ὅσον): 23. 15, 24, 30 (κ. μικρόν †, κ. μικρὸν μικρόν†): 25. 8 (9), 21 (22), 39 (40): 26. 5, 9*, 10, 22, 24 (κ. τὸ αὐτό), 30: 27. 7, 8, 12†††: 28. 8, 10, 14, 15, 20, 21†, 21 *bis*, 25 (29)*, 33 (37)*: 29. 17, 35, 41 *bis*: 30. 13, 32, 37: 31. 5, 11: 32. 18: 35. 32: 36. 1 *bis*, 4, 5†, 11 (39. 4), 12 (39. 5)†, 15

(39. 8), 21 (39. 14)†, 26 (39. 18)*, 28 (39. 20)*†, 28 (39. 20)†: 37. 10 (38. 12)†††, 13 (38. 15): 38. 8 (37. 9)*†: 39. 1 (38. 24) *bis*, 2 (38. 25).
Le. 1. 6, 12, 16: 4. 6: 5. 4: 8. 8, 9*, 19 (20): 9. 13: 10. 7, 18*: 12. 2, 5: 13. 12, 23, 28, 41*, 51: 14. 54: 15. 26 *bis*: 16. 14, 14*, 15*: 18. 3 *bis*: 22. 5, 13, 14, 18 *bis*, 21: 23. 37††: 25. 15†, 15, 24, 52, 54†: 26. 21, 28: 27. 16, 17, 27 *bis*.
Nu. 1. 2 *quater*, 4 *bis*, 16, 18 *quater*, 20 *quinquiens*, 22 *quinquiens*, 26 *quinquiens*, 28 *quinquiens*, 30 *quinquiens*, 32 *quinquiens*, 34 *ter*, 34†, 34, 36 *quinquiens*, 24 *quinquiens*, 38 *quinquiens*, 40 *quinquiens*, 42 *quinquiens*, 44 *bis*, 52, 54: 2. 2 *ter*, 3†, 3, 17, 18†, 31, 32, 34 *ter*: 3. 8, 10††, 15 *bis*, 15†, 18, 19, 20 *bis*, 22, 23†, 27, 29, 34, 38*, 39, 43, 47 *bis*, 50: 4. 2 *bis*, 4† *bis*, 16††, 19, 22, 22†, 27 *ter*, 29 *bis*, 31, 34 *bis*, 36, 38 *bis*, 40 *bis*, 42 *bis*, 44†, 44, 46 *bis*, 49 (ἄνδρα κατ' ἄνδρα): 5. 9†: 6. 21 *bis*: 7. 5, 7, 8, 11 *bis*, 13, 19, 25, 31, 37, 43, 49, 55, 61, 67, 73, 79: 8. 2*, 3*, 4: 9. 2, 3 *ter*, 7, 12, 13, 14 *bis*: 11. 10, 10†: 12. 8 (στόμα κ. στόμα): 13. 3 (2) *bis*, 23 (22): 14. 14 (ὀφθαλμοῖς κατ' ὀφθαλμούς†, ὀφθαλμοὺς κατ' ὀφθαλμούς†), 19, 20, 34: 15. 3 (καθ' ἑκούσιον), 12 *bis*, 24, 26†: 16. 29 *bis*, 43 (17. 8)*: 17. 2 (17) *bis*, 3 (18), 6 (21) *bis*: 18. 4, 7, 16, 18†: 21. 1, 11*, 11, 19*: 22. 1, 4: 23. 23: 24. 1, 2: 26. 2, 3, 20, 22, 23, 26, 15, 44, 28, 37, 38, 41, 42 *bis*, 43, 48, 55, 57, 63: 28. 8 *bis*, 24: 29. 6, 11, 18 *bis*, 21 *bis*, 24 *bis*, 27 *bis*, 30 *bis*, 33 *bis*, 37 *bis*: 30. 1, 7, 13 *bis*: 31. 12, 16: 32. 20, 38: 33. 48, 49†††, 50, 54 *bis*: 34. 14, 15, 15†: 35. 1, 8, 24: 36. 13.
De. 1. 3, 17 *bis*, 23, 30, 30†, 31, 33, 41: 3. 24, 27: 4. 8, 32, 34, 47, 49: 5. 4*, 33 (30): 7. 10* *bis*, 22 (κ. μικρὸν μικρόν), 24*: 9. 2*: 10. 4, 15: 11. 14, 25*: 12. 15, 21: 13. 11 (12): 14. 22 (ἐνιαυτὸν κατ' ἐνιαυτόν): 15. 8 (καθ' ὅσον)†: 16. 17 *bis*, 18: 17. 10, 10†, 11 *bis*: 18. 8, 9, 16: 19. 15 *ter*, 20: 22. 3: 24. 8, 15†: 25. 2†, 9*†: 26. 13, 16†: 29. 17 (16)†, 21 (20), 27 (26): 30. 2: 31. 19*†, 21*: 32. 8†, 49*: 33. 14, 16: 34. 8, 10 (πρόσωπον κ. πρόσωπον).
Jo. 1. 11 (κ. μέσον), 17: 2. 21: 3. 15: 4. 5, 18, 19: 5. 7: 6. 5*, 26 (27): 7. 2†††, 12*, 12*†, 14 *quater*, 16, 17, 18: 8. 8, 10*, 27: 9. 2 (8. 34): 10. 12 *bis*, 13 (κ. μέσον), 42†††: 11. 2††, 8, 23: 12. 2, 3, 3††, 7: 13. 3††*, 8 *bis*, 14, 15, 16*, 23, 24, 25*, 26, 28, 28† *ter*, 29, 31†, 31, 32†††: 14. 2, 7: 15. 1, 3††, 7, 8*, 12: 16. 1††, 5, 8: 17. 2 *bis*, 7*, 9: 18. 9, 11, 12†, 16*, 20, 21, 28: 19. 8 *bis*, 10, 11*, 16, 22, 23, 24†, 26, 27, 31, 34, 48, 49, 51: 20. 6*†††: 21. 7, 33, 36†††, 38, 40†: 22. 2: 23. 2†.
Jd. 1. 15, 23†: 2. 14*: 4. 3, 10: 7. 5 (κ. μόνας), 5†, 21†: 8. 8†, 35: 9. 16†, 37: 10. 15: 11. 10, 18†: 16. 17†: 17. 3 (κ. μόνας)†: 18. 6†, 7†, 9†, 23*†, 29†: 19. 11†, 29†, 30†: 20. 2*†, 10, 35*†, 43†: 21. 19, 22†, 23†.
Ru. 3. 6.
I Ki. 1. 6 *bis*, 7 (ἐνιαυτὸν κατ' ἐνιαυτόν): 2. 14, 23: 4. 3: 6. 5, 9†, 18†††: 7. 16 (κατ' ἐνιαυτὸν ἐνιαυτόν): 8. 8, 20†: 9. 12*, 21: 10. 19 *bis*: 11. 7, 11 (κ. τὸ αὐτό): 13. 14†: 14. 13*, 25*: 16. 8*: 17. 23†, 27†, 30† *bis*: 18. 1†, 3†, 10†, 23†, 24: 21. 8 (9)†: 23. 24 (καθ' ἑσπέραν): 25. 9†, 12, 25: 26. 1†††*, 11, 12, 23†: 27. 5††, 10 *ter*: 30. 24, 24 (κ. τὸ αὐτό): 31. 6 (κ. τὸ αὐτό).
II Ki. 2. 16 (κ. τὸ αὐτό): 3. 33, 39: 4. 7††: 7. 9, 10, 17 *bis*, 21: 8. 6††: 9. 11: 10. 9††*: 12. 8†, 11: 13. 5, 8, 27, 35: 14. 3, 16 (κ. τὸ αὐτό)†, 21, 33*: 15. 6, 15, 26: 16. 22: 17. 6 *bis*: 19. 8 (9)*: 22. 21 *bis*, 25 *bis*: 24. 7, 19 *bis*.
III Ki. 1. 23* *bis*: 2. 3, 6: 3. 12†, 15*, 15†††*, 18 (κ. τὸ αὐτό): 4. 28 (5. 8): 5. 6 (20), 11 (25) *bis*: 6. 3*, 3*†, 3*, 18*, 20*† *bis*, 36*†: 7. 19, 36*, 37, 39, 49*, 8 *bis*, 11, 12†††*†: 8. 22*, 31*, 32, 39, 43, 50, 56, 64*††: 9. 3, 4: 10. 10, 25 (τὸ κατ' ἐνιαυτὸν ἐνιαυτῷ [A -ον]), 29: 11. 10†: 12. 14, 24, 24†, 32: 13. 5, 26†: 14. 5† *bis*, 18†: 15. 29†: 16. 7†, 12, 34: 17. 3, 5†, 13, 15†, 16: 18. 4 (κ. πεντήκοντα), 28†, 31†, 36†: 19. 3: 20 (21). 26: 21 (20). 23 (κατ' εὐθύ), 25 *ter*, 25 (κατ' εὐθύ): 22. 13, 38, 54.
IV Ki. 1. 17: 2. 22: 4. 44: 5. 14: 6. 18: 7. 16: 8. 2: 9. 26: 10. 4*, 17, 30, 33: 11. 14, 18*: 13. 17: 14. 3, 25: 15. 3, 34: 16. 3†, 11, 14, 16: 17. 15, 33, 34 *quinquiens*: 18. 3: 21. 2, 8: 22. 13: 23. 16, 25, 32, 35, 37: 24. 2, 3, 9, 13, 19: 25. 7, 17.
I Ch. 5. 7, 10, 13: 6. 19 (4), 32 (17), 48 (33), 49 (34), 60 (45), 62 (47), 63 (48), 70 (55), 78 (63): 7. 2†, 2, 4 *bis*, 9, 28: 8. 28: 9. 9 *bis*, 18, 24 *bis*, 25, 32 (σάββατον κ. σάββατον)†, 34: 10. 13: 11. 3, 10: 12. 17, 23, 30†: 15. 15: 16. 4*, 27*, 29*, 40: 17. 8, 9, 15 *bis*, 19, 20, 25*: 18. 6††: 19. 9, 10*: 21. 19: 22. 14: 23. 3, 24 *quater*, 31 *bis*: 24. 3 *ter*, 4, 5, 19 *bis*, 30: 25. 1, 8 *bis*: 26. 13 *ter*, 14†, 17†, 31 *bis*: 27. 1 *bis*: 28. 8*, 19, 21: 29. 2, 14.
II Ch. 2. 16 (15): 3. 4*, 17*: 4. 4, 7, 20, 20*: 5. 11, 12†: 6. 23, 28, 30, 33, 34, 36*: 7. 17: 8. 6, 13 *bis*, 14 *bis*, 14†, 14 *bis*: 9. 9, 24 (τὸ κατ' ἐνιαυτὸν ἐνιαυτόν†, τὸ κατ' ἐνιαυτόν†): 10. 14: 11. 12†, 12: 13. 7*, 8*: 14. 10 (9): 17. 14: 20. 5*, 16: 23. 8: 24. 5 (ἐνιαυτὸν κατ' ἐνιαυτόν): 25. 4, 5, 22*: 26. 4: 27. 2, 5 *bis*: 28. 2, 3†: 29. 2, 15, 25: 30. 5, 6, 12, 16 *bis*, 19, 21: 31. 2, 14, 15 *bis*, 15†, 17: 32. 2*†, 15, 23: 33. 8, 14, 14†: 34. 4*††, 21, 22: 35. 4 *ter*, 5, 6, 10, 12 *bis*, 13, 15, 16, 19: 36. 2, 4, 5 *bis*.
I Es. 1. 2, 4, 5 *ter*, 6, 7, 10, 11 *bis*, 15, 18, 24 (τὰ κατ' αὐτόν), 33 (τὸ καθ' ἓν πραχθέν): 2. 6, 7††, 20††, 30: 4. 51, 52 *bis*: 5. 1, 44 *bis*, 50, 51, 55†, 60, 63: 6. 30 *bis*, 34: 7. 9: 8. 6, 12††, 12†, 16, 17†, 21, 23, 27, 28, 47†, 53†, 61, 74*, 78 (κ. πόσον τι), 96: 9. 4, 14, 15, 16, 17††.
II Es. 3. 2, 4, 7: 6. 9, 11 (τὸ κατ' ἐμέ), 18: 10. 3†, 5.
Ne. 4. 13: 6. 4, 5†: 8. 15, 18†: 10. 32 (33), 34 (35) (ἐνιαυτὸν κατ' ἐνιαυτόν), 35 (36) (ἐνιαυτὸν κατ' ἐνιαυτόν): 12. 37†: 13. 22, 24*.
To. 1. 7, 8† *bis*: 3. 6: 4. 8† *bis*: 5. 11†††: 6. 12: 7. 12†, 13, 13†, 14†: 8. 16: 10. 7, 9 (τὰ κατὰ σέ)†: 12. 18†: 14. 10*†.
Ju. 1. 7*: 2. 23*††, 25*: 3. 3, 5, 9*: 4. 6*, 11* *bis*, 13*: 5. 1†: 6. 4*: 7. 6*, 28 *ter*, 31: 10. 13, 16, 23*: 11. 5*, 17†, 19†: 12. 7†, 13*†: 13. 3† *bis*, 10: 14. 11: 15. 2*, 5†: 16. 20*, 21.
Es. 1. 8, 12†, 13, 15, 19, 22 *bis*: 2. 11 *bis*: 3. 4, 12 *bis*, 13††, 14: 4. 5*†, 17†: 8. 9 *bis*, 13†, 13, 16: 9. 2*, 27: 10. 3.
Jb. 1. 4, 5, 8†: 2. 3: 4. 8: 5. 26 *bis*: 8. 8: 9. 32: 11. 6 (τὸ κατὰ σέ): 12. 3: 16. 4, 9*: 21. 8: 29. 2 (μῆνα κ. μῆνα†): 33. 5 *bis*: 36. 22: 39. 18†: 40. 4 (9)† *bis*: 42. 15.
Ps. 4. 8 (κ. μόνας): 5. 10: 6. 6: 7. 8 *bis*, 11, 17: 9. 25 (10. 4): 11 (12). 8: 17 (18). 20 *bis*, 24 *bis*, 42*: 19 (20). 4: 24 (25). 7: 27 (28). 4 *ter*: 32 (33). 15 (κ. μόνας): 34 (35). 5*, 24: 41 (42). 3, 10: 47 (48). 10: 49 (50). 21*: 50 (51). 1 *bis*: 57 (58). 4: 61 (62). 12: 67 (68). 19 (ἡμέραν καθ' ἡμέραν), 33: 68 (69). 16: 78 (79). 11†: 80 (81). 12: 82 (83). 13*: 85 (86). 8: 91 (92). 2: 93 (94). 19, 23† *bis*: 94 (95). 8: 101 (102). 25 (κατ' ἀρχάς): 102 (103). 10 *bis*, 11, 12 (καθ' ὅσον): 105 (106). 45: 108 (109). 26: 109 (110). 4: 118 (119). 25, 41, 58, 59†, 65, 76†, 88, 107, 116, 124, 124†, 132, 133, 149 *bis*, 152 (κατ' ἀρχάς), 156, 169, 170: 138 (139). 9 (κατ' ὀρθόν†): 140 (141). 10 (κ. μόνας): 144 (145). 2: 147. 6 (17)*: 150. 2.
Pr. 8. 21, 30, 34†: 19. 17: 24. 12: 25. 13: 26. 4†, 5†: 29. 11 (κ. μέρος).
Wi. 3. 10†: 5. 1*: 6. 4: 7. 15, 27: 12. 2 (κατ' ὀλίγον), 7†, 8 (κ. βραχύ), 10 (κ. βραχύ): 17. 8 (κατ' ἀρχάς) (?)†, 17††: 19. 22.
Si. *prol.* 2††, 14††, 20†: 1. 10: 4. 18 (κατ' εὐθεῖαν), 25†: 6. 17, 22: 7. 26: 8. 14, 15: 9. 14: 10. 2 *bis*, 28: 11. 26: 13. 16: 14. 13, 25: 16. 12 *bis*, 14: 17. 3 *bis*, 25*: 18. 25†: 19. 1 (κ. μικρόν): 20. 18: 21. 5: 25. 26: 27. 3: 28. 10 *quater*: 29. 9, 11, 20: 31 (34). 3†: 32 (35). 10 *bis*, 18, 19†: 34 (31). 6*: 35 (32). 17: 36 (33). 13 *bis*: 36. 22 (19), 28 (25), 29 (26): 37. 12: 38. 16, 17, 19: 42. 16: 43. 8, 10, 22, 30 (καθ' ὅσον): 45. 3*, 5*, 11, 14: 46. 1: 50. 22, 23: 51. 3.
Ho. 2. 9 (11), 15 (17) *bis*: 4. 7: 8. 9: 9. 9: 10. 1 *bis*: 11. 9: 12. 2 (3) *bis*: 13. 1, 2, 6, 7.
Mi. 1. 10 (?), 10: 7. 14, 15, 20.
Jn. 3. 2.
Na. 3. 6.
Hb. 3. 6†.
Ze. 1. 5†.
Za. 1. 6 *bis*: 8. 11: 10. 1: 12. 6, 12 (κ. φυλὰς φυλάς†), 12† *bis*, 12 *quater*, 13 *quater*, 14 *bis*: 14. 10, 15, 16.
Is. 3. 11, 21††: 10. 26, 26†† *bis*: 11. 3 *bis*: 19. 13: 22. 21†: 23. 11: 27. 2†, 12 (κ. ἕνα†, κ. ἕνα ἕνα†): 29. 7†: 30. 28*: 40. 26: 41. 2 (κ. πόδας): 47. 15: 56. 11 (κ. τὸ αὐτό†, κ. τὸ ἑαυτοῦ†): 60. 22: 63. 7 *bis*: 65. 22.
Je. 1. 7: 2. 28 *bis*: 3. 15: 5. 24: 6. 19†: 9. 26 (25)*†††: 10. 2: 11. 13 *bis*: 13. 2, 26*†: 15. 17 (κ. μόνας): 17. 10 *bis*: 18. 17*, 20*: 19. 10: 21. 2: 23. 2: 24. 1*: 25. 16 (49. 37): 27. (50). 8*, 21, 29 *bis*, 44*: 28 (51). 24: 29 (49). 19*: 32 (25). 23*: 33 (26). 4*, 20: 34 (27). 12: 35 (28). 1, 5 *bis*, 11: 36 (29). 21: 37 (30). 18, 20*: 38 (31). 32, 36*: 39 (32). 12 *ter*, 13, 19, 30: 40. (33). 11 (κ. τὸ πρότερον)†: 41 (34). 15*†, 18*: 42 (35). 5*, 10, 19*: 43 (36). 7*, 8, 9*, 22*: 44 (37). 20*: 45 (38). 4, 26, 27: 47 (40). 10*: 49 (42). 2*, 4†, 5, 20: 50 (43). 9: 51 (44). 10*: 52. 7 *bis*, 10, 12*, 22, 33*.
Ba. 1. 18*, 21, 22: 2. 2, 10*, 14*, 19*, 27 *bis*: 3. 8.
La. 1. 5*†, 6*†, 12†, 22*: 3. 28 (κ. μόνας), 32, 64.
Ep. Je. 69.
Ez. 1. 12*: 4. 4, 9, 12: 5. 2, 7, 9: 6. 5*†: 7. 27: 8. 4, 16†: 10. 22*: 11. 1, 21†: 12. 4, 7: 14. 5, 10 *bis*: 15. 4: 16. 47, 51, 63: 18. 14, 24, 30: 20. 14, 22, 35 (πρόσωπον κ. πρόσωπον), 41, 44 *bis*: 21. 6 (11): 22. 16†: 23. 48: 24. 6, 14 *quater*, 24: 25. 14, 14†: 33. 20†: 35. 11, 11†: 36. 17, 19 *bis*, 23, 31*†, 34: 39. 24 *bis*: 40. 6, 12*†, 18, 19, 21 *bis*, 22, 23, 24 *bis*, 29, 30, 32 *bis*, 33, 35, 40: 41. 4*, 7, 12*, 14*, 15*, 21*, 22*†, 25, 25*: 42. 1, 2*†, 10, 10* *ter*, 11*, 11 *septiens*, 12 *bis*, 13*, 15, 15†, 16, 17†††*, 18†††*, 19*†: 43. 1, 2, 3 *bis*, 4 *bis*, 17, 25: 44. 1 *bis*, 3 *bis*, 4, 5, 5†, 5: 45. 7* *bis*, 8, 23 *bis*, 25 (κ. τὰ αὐτά): 46. 2, 3, 8 *bis*, 9 *quinquiens*, 9 (κατ' εὐθύ), 12, 13, 21 *bis*: 47. 1 *bis*, 2 *bis*, 10, 17†: 48. 1 *bis*, 21*†.
Da. LXX. Su. 3, 13, 51: 1. 5: 2. 25: 3. 2, 2††, (28), (42) *bis*, (43), (46): 4. 31*, 34††: 6. 11 (12), 14 (15), 16 (17)†: 7. 2, 10*, 14: 8. 22: 9. 7, 13, 15, 16, 27: 11. 4 *bis*, 7, 10, 13, 16, 18, 36, 40: 12. 1: Bel 2, 3, 5, 31.
Da. TH. Su. 3, 8, 12, 18, 62: 1. 5: 3. (28), (42) *bis*, (43): 4. 5, 32: 8. 4 *bis*: 9. 10*, 12: 10. 15: 11. 3, 4, 16, 16*, 36: Bel 4, 6, 9, 15.
I Ma. 1. 14, 22†††*, 40, 42, 50, 51†, 51, 60: 2. 23, 24, 33, 61: 3. 39, 53*, 56, 57: 4. 10*, 47, 47 (κ. τὸ πρότερον), 53, 54 *bis*, 57††*, 59 (ἐνιαυτὸν κατ' ἐνιαυτόν), 61*: 5. 14, 37*, 44*, 52*, 53, 55*: 6. 33, 57, 63: 7. 16, 31, 36*, 42, 49: 8. 4, 15, 16, 27 (κ. τὰ αὐτά), 29: 9. 16*†, 71: 10. 17, 25, 40, 42, 51, 72*: 11. 14, 34, 53†: 12. 2, 3 (κ. τὸ πρότερον), 4, 23, 36 (κ. μόνας): 13. 13*, 35, 46 *bis*, 52: 14. 38, 46: 15. 4, 21, 35†, 39*: 16. 6*.
II Ma. 1. 1††, 17: 2. 13, 19††, 22, 30††: 3. 4††, 5††, 8††, 12, 14, 16††, 17††, 19, 24, 40††: 4. 5 (κατ' ἰδίαν), 16 (καθ' ἅπαν), 21††, 36†† *bis*, 38, 39: 5. 2: 6. 7††, 11, 20, 21 (κατ' ἰδίαν), 30 *bis*: 7. 6††*, 7: 8. 8 (κ. μικρόν), 35††: 9. 1††, 3, 3††, 8, 11, 18††, 20, 21†††, 22††, 23, 24††, 26 (κατ' ἰδίαν): 10. 2††, 5, 8, 10†† : 11. 3 (κατ' ἔτος), 20††, 25, 31: 12. 2††, 4†, 15, 38, 39, 43: 13. 13, 15†† : 14. 1††, 3, 9, 21 (κατ' ἰδίαν), 37, 44 (κ. μέσον): 15. 1††, 2, 8, 20, 30 (καθ' ἅπαν), 33, 37††, 39 (κ. μόνας).
III Ma. 1. 1††, 11, 17††, 20††, 20†††: 2. 19, 27††, 30†† : 3. 1††, 8††, 11 (κ. τὸ παρόν)††, 12†† *bis*, 14, 24, 29: 4. 1, 4††, 13, 18, 18†† *bis*: 5. 1, 5, 20, 24††, 25, 27, 28, 29, 36, 42††: 6. 1††, 6††, 10, 12††, 16, 26, 41†† : 7. 1††, 3†, 6, 7, 9, 12, 14, 17, 20.
IV Ma. 1. 10††, 26†, 27, 34†: 2. 23: 3. 13, 18: 4. 17, 22, 24: 5. 17, 18, 25: 6. 5: 7. 3: 8. 1: 9. 14, 26††: 10. 7: 11. 5, 11: 13. 22††: 14. 15, 16, 17: 15. 2, 3, 7†, 12, 14: 17. 5.

[**Aq.** Ge. 1. 26: 19. 31: 35. 16: 41. 12: Ex. 21. 30: 28. 15: Dt. 11. 14: Jo. 1. 7: 4. 10: I Ki. 18. 3: 20. 35: 22. 13: II Ki. 12. 8: III Ki. 8. 24: 11. 7*: 13. 26: 14. 5 *bis*, 18: 18. 28, 36: Jb. 29. 2 *bis*: 35. 11†††: Ps. 4. 9 (κατ' ἰδίαν): 7. 9 *bis*, 12: 9. 25 (10. 4): 11 (12). 9: 27 (28). 4 *bis*: 44 (45). 18: 50

(51). 3: 61 (62). 13 *bis*: 77 (78). 72: 118 (119). 41, 156: Ca. 6. 3 (4): Is. 9. 1 (8. 23)††: 36. 7*: 41. 2*: Je. 7. 25 (*καθ' ἡμέρας*): 21. 14: 25. 14 *bis*, 18 (32. 4): 26 (33). 14 *bis*: 34 (41). 5: 46 (26). 26: Ez. 10. 19: 23. 48: 31. 11: 33. 20: Ho. 7. 12 (?).]
[**Sm.** Ge. 1. 20*, 26: 6. 17 (16): 47. 12: Ex. 15. 11: Nu. 1. 45, 47: 2. 17: 3. 7*: Dt. 11. 14: 18. 8: 32. 8: Jo. 1. 7: 4. 10: Jd. 3. 20 (*κ. μόνας*): I Ki. 9. 9: 13. 18 *bis*; 20. 35: 23. 20: 28. 20: IV Ki. 6. 8: Jb. 16. 8*: 29. 2 *bis*: 34. 11: 36. 9: 38. 32: Ps. 3. 8: 7. 9 *bis*: 9. 24 (10. 3): 12 (13). 3: 20 (21). 13*: 24 (25). 7: 27 (28). 4: 30 (31). 14, 17: 32 (33). 15 (*κ. μόνας*): 41 (42). 9 *bis*: 43 (44). 9: 44 (45). 6, 18: 50 (51). 3: 51 (52). 3: 55 (56). 3: 58 (59). 17: 60 (61). 9: 62 (63). 7: 70 (71). 8, 15: 72 (73). 14 *bis*: 73 (74). 5: 77 (78). 72: 85 (86). 3: 86 (87). 5 (*καθ' ἕκαστον*): 87 (88). 10, 14: 89 (90). 11: 109 (110). 3: 118 (119). 116: 139 (140). 3: 147. 6 (17)*: Pr. 12. 8: 17. 24*: 19. 17: Ec. 8. 14 *bis*: Ca. 1. 8: Is. 9. 1 (8. 23)††: 16. 6 *bis*: 28. 19 (?): 36. 7*, 17: 41. 2*: 51. 9: 58. 2: Je. 7. 25 (*καθ' ἡμέρας*): 9. 26 (25): 15. 8: 30 (37). 18: 31 (38). 40: 39 (46). 5††: 46 (26). 26: 52. 7: La. 1. 19: Ez. 1. 6: 7. 3: 23. 48: 25. 15: 31. 11: 33. 20: 40. 10, 16: Ho. 13. 6: Mi. 5. 1 (4. 14).]
[**Th.** Ge. 1. 20*: Ex. 21. 30: 28. 27††*, 27: Nu. 3. 7*: Dt. 11. 14: 23. 14 (15)*: 32. 8: Jo. 1. 7: 4. 10: Jd. 9. 16: 16. 17: 18. 29: I Ki. 20. 35: 22. 13: III Ki. 13. 26: 18. 36: Jb. 35. 11††: 39. 18: Ps. 7. 9: 44 (45). 18: 118 (119). 41, 116: Pr. 17. 1: 19. 17: 22. 6: Is. 9. 1 (8. 23)††: 36. 7*: 41. 2*: 54. 9: Je. 13. 14 (*κ. τὸ αὐτό*): 21. 14: 25. 14 *bis*, 18 (32. 4): 32 (39). 19: 39 (46). 6: Ez. 6. 5*, 9*: 7. 3: 8. 16 *bis*: 10. 19: 23. 48: 31. 11: 33. 20: 35. 11: 47. 17, 18*: 48. 21*: Ho. 8. 9.]
[**Al.** Ge. 43. 33: Le. 3. 8*: 4. 17*: 5. 10: 8. 20: 13. 46 (*κ. μόνας*): 25. 28, 50: 27. 18: Nu. 2. 34 *bis*: 3. 16, 23, 29: 9. 5: 34. 14: 35. 5: Dt. 3. 24: 12. 8: 32. 8: 33. 28 (*κ. μόνας*): Jo. 1. 5*: Jd. 18. 7: Ps. 9. 20*: 44 (45). 6: Pr. 27. 4*: Je. 25. 14 *bis*: Ez. 41. 8: Hb. 3. 5, 11 *bis*, 16.]
[**Sam.** Ex. 26. 5: Dt. 32. 8.]
[**Heb.** Ge. 6. 6 (5).]
[**Quint.** Ps. 8. 5 (*ὁ κατ' ἄνδρα*): 30 (31). 17: Ho. 8. 9.]

III. *anomal., cf.* καθεῖς.

III Ma. 3. 16. *τοῖς κατὰ πόλεσιν ἱεροῖς*

καταβαίνειν. (1) בּוֹא (2) דָּבַק hi. (3) דֶּרֶךְ (4) הָלַךְ (5) חָבָא hithp. (6) חָרַץ (7) יָצַע hi. (8) יָרַד *a.* qal. *b.* hoph. (9) יֵשׁ (10) לוּעַ (11) נָגַע hi. (12) נָדַד (13) נָזַל (14) *a.* נַחַת *b.* נָחַת (15) פָּנָה (16) רָאָה ni. (17) רָדַף (18) שׁוּב (19) שָׁכַן (20) שָׁקַע *a.* qal. *b.* ni.

(21) ὑετὸς καταβαίνει פָּשַׁם pu.

Ge. 11. 5. *κατέβη κύριος ἰδεῖν τὴν πόλιν* (8 *a*)
— 7. *δεῦτε καὶ καταβάντες συγχέωμεν* (8 *a*)
12. 10. *κατέβη Ἄβραμ εἰς Αἴγυπτον* (8 *a*)
15. 11. *κατέβη δὲ ὄρνεα ἐπὶ τὰ σώματα* (8 *a*)
18. 21. *καταβὰς οὖν ὄψομαι* (8 *a*)
24. 16. *καταβᾶσα δὲ ἐπὶ τὴν πηγήν* (8 *a*)
— 45. *κατέβη ἐπὶ τὴν πηγήν* (8 *a*)
26. 2. *μὴ καταβῇς εἰς Αἴγυπτον* (8 *a*)
28. 12. **B** *κατέβαινον ἐπ' αὐτῇ* [**A** *-ῆς*] (8 *a*)
37. 35. *καταβήσομαι . . . εἰς ᾅδου* (8 *a*)
38. 1. *κατέβη Ἰούδας ἀπὸ τῶν ἀδελφῶν αὐτοῦ* (8 *a*)
42. 2. *κατάβητε ἐκεῖ* (8 *a*)
— 3. *κατέβησαν δὲ οἱ ἀδελφοὶ Ἰ.* (8 *a*)
— 38. *οὐ καταβήσεται ὁ υἱός μου* (8 *a*)
43. 3. **A** *ἐὰν μὴ ὁ ἀδ. . . . καταβῇ* [**R** *al.*] †
— 4. *καταβησόμεθα καὶ ἀγοράσομέν σοι* (8 *a*)
— 13. *ἀναστάντες κατάβητε* (18)
— 15. *ἀναστάντες κατέβησαν εἰς Αἴγ.* (8 *a*)
— 20. *κατέβημεν . . . πρίασθαι βρώματα* (8 *a*)
44. 23. *ἐὰν μὴ καταβῇ ὁ ἀδελφὸς ὑμῶν* (8 *a*)
— 26. *οὐ δυνησόμεθα καταβῆναι* (8 *a*)
— 26. *εἰ μὲν ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν . . . καταβαίνει μεθ' ἡμῶν κἀταβησόμεθα* (9, 8 *a*)
Ge. 45. 9. *κατάβηθι οὖν πρὸς μέ* (8 *a*)
46. 3. *καταβῆναι εἰς Αἴγυπτον* (8 *a*)
— 4. *καταβήσομαι μετὰ σοῦ εἰς Αἴγυπτον* (8 *a*)
Ex. 2. 5. *κατέβη δὲ ἡ θυγάτηρ Φ. λούσασθαι* (8 *a*)
3. 8. *κατέβην ἐξελέσθαι αὐτούς* (8 *a*)
11. 8. *καταβήσονται πάντες οἱ παῖδές σου* (8 *a*)
19. 10. *καταβὰς διαμάρτυραι τῷ λαῷ* (4)
— 11. *καταβήσεται κύριος ἐπὶ τὸ ὄρος* (8 *a*)
— 14. *κατέβη δὲ Μ. ἐκ* [**A** *ἀπὸ*] *τοῦ ὄρους* (8 *a*)
— 18. *διὰ τὸ καταβεβηκέναι ἐπ' αὐτὸ τὸν θ.* (8 *a*)
— 20. *κατέβη δὲ κύριος ἐπὶ τὸ ὄρος* (8 *a*)
— 21. *καταβὰς διαμάρτυραι τῷ λαῷ* (8 *a*)
— 24. *βάδιζε κατάβηθι* (8 *a*)
— 25. *κατέβη δὲ Μ. πρὸς τὸν λαόν* (8 *a*)
24. 16. *κατέβη ἡ δόξα τοῦ θεοῦ ἐπὶ τὸ ὄρος* (19)
32. 1. *καταβῆναι ἐκ τοῦ ὄρους* (8 *a*)
— 7. *κατάβηθι ἐντεῦθεν* (8 *a*)
— 15. *κατέβη ἀπὸ τοῦ ὄρους* (8 *a*)
— 34. *βάδιζε κατάβηθι* [**A** *om.*] –
33. 9. *κατέβαινεν ὁ στῦλος τῆς νεφέλης* (8 *a*)
34. 5. *κατέβη κύριος ἐν νεφέλῃ* (8 *a*)
— 29. *ὡς δὲ κατέβαινε Μ.* (8 *a*)
— 29. *καταβαίνοντος δὲ αὐτοῦ* (8 *a*)
Le. 9. 22. *κατέβη ποιήσας τὸ περὶ τῆς ἁμαρτίας* (8 *a*)
Nu. 11. 9. *καὶ ὅταν κατέβη ἡ δρόσος* (8 *a*)
— 9. *κατέβαινε τὸ μάννα ἐπ' αὐτῆς* (8 *a*)
— 17. *καὶ καταβήσομαι* (8 *a*)
— 25. *κατέβη κύριος ἐν νεφέλῃ* (8 *a*)
12. 5. *κατέβη κύριος ἐν στύλῳ νεφέλης* (8 *a*)
14. 45. *καὶ κατέβη ὁ Ἀμαλήκ* (8 *a*)
16. 30. *καταβήσονται ζῶντες εἰς ᾅδου* (8 *a*)
— 33. *καὶ κατέβησαν αὐτοί* (8 *a*)
20. 15. *κατέβησαν οἱ πατέρες ἡμῶν εἰς Αἴγυπτον* (8 *a*)
— 28. *καὶ κατέβη Μωυσῆς* (8 *a*)
34. 11 *bis*, 12. *καταβήσεται τὰ ὅρια* (8 *a*)
De. 9. 12. *κατάβηθι τὸ τάχος ἐντεῦθεν* (8 *a*)
— 15. *κατέβην ἐκ τοῦ ὄρους* (8 *a*)
— 21. *τὸν καταβαίνοντα ἐκ* [**A** *ἀπὸ*] *τοῦ ὄρους* (8 *a*)
10. 5. *κατέβην ἐκ τοῦ ὄρους* (8 *a*)
— 22. *κατέβησαν οἱ πατέρες σου εἰς Αἴγυπτον* (8 *a*)
26. 5. *καὶ κατέβη εἰς Αἴγυπτον* (8 *a*)
28. 24. *καὶ χοῦς ἐκ τοῦ οὐρανοῦ καταβήσεται* (8 *a*)
— 43. *σὺ δὲ καταβήσῃ κάτω κάτω* (8 *a*)
31. 15. *καὶ κατέβη κύριος* (16)
32. 2. *καταβήτω ὡς δρόσος τὰ ῥήματά μου* (13)
Jo. 2. 23. *καὶ κατέβησαν ἐκ τοῦ ὄρους* (8 *a*)
3. 13. *τὸ δὲ ὕδωρ τὸ καταβαῖνον στήσεται* (8 *a*)
— 16. *ἔστη τὰ ὕδατα τὰ καταβαίνοντα ἄνωθεν* (8 *a*)
— 16. *τὸ δὲ καταβαῖνον κατέβη εἰς τὴν θάλασσαν* (8 *a*, –)
15. 7. *καὶ καταβαίνει ἐπὶ* [**A** *ἀπὸ*] *Γ.* (15)
— 10. *καὶ καταβήσεται ἐπὶ πόλιν ἡλίου* (8 *a*)
17. 9: 18. 13, 16. *καταβήσεται τὰ ὅρια* (8 *a*)
18. 16. *καταβήσεται Γ.* [**A** *ἐπὶ Γ.*] (8 *a*)
— 16. *καταβήσεται ἐπὶ πηγὴν Ῥ.* (8 *a*)
— 18 (17). *καταβήσεται ἐπὶ λίθον Β.* (8 *a*)
— 18. *καὶ καταβήσεται* (8 *a*)
19. 48. *καταβῆναι* [**A** *-βαίνειν*] *εἰς τὴν κοιλάδα* –
24. 4. *κατέβησαν εἰς Αἴγυπτον* (8 *a*)
Jd. 1. 9. *κατέβησαν οἱ υἱοὶ Ἰ.* (8 *a*)
— 34. *καταβῆναι εἰς τὴν κοιλάδα* (8 *a*)
3. 27. *καὶ κατέβησαν σὺν αὐτῷ* (8 *a*)
— 28. *κατάβητε* [**A** *-βαίνετε*] *ὀπίσω μου* (17)
— 28. *κατέβησαν ὀπίσω αὐτοῦ* (8 *a*)
4. 14. *καὶ κατέβη Βαράκ* (8 *a*)
— 15. *καὶ κατέβη Σισάρα* (8 *a*)
5. 11. *κατέβη εἰς τὰς πόλεις λαός* (8 *a*)
— 13. **R** *κατέβη κατάλειμμα* [**B** *-λημμα*] *τοῖς ἰσχυροῖς* [**A** *al.*] (8 *a*)
— 13. *λαὸς κυρίου κατέβη αὐτῷ* [**A** *al.*] (8 *a*)
— 14. *ἐν ἐμοὶ* [**A** *ἐξ ἐμοῦ*] *Μ. κατέβησαν* (8 *a*)
7. 9. *κατάβηθι ἐν τῇ παρεμβολῇ* [**A** *al.*] (8 *a*)
— 9 (10). *εἰ φοβῇ σὺ καταβῆναι κατάβηθι σύ* (8 *a*, 8 *a*)
— 10 (11). *καταβήσῃ ἐν τῇ παρεμβολῇ* (8 *a*)
— 11. *καὶ κατέβη αὐτός* (8 *a*)
— 24. *κατάβητε εἰς συνάντησιν Μ.* (8 *a*)
9. 36. *ἰδοὺ λαὸς καταβαίνει* [**A** *-νων*] (8 *a*)
— 37. *ἰδοὺ λαὸς καταβαίνων* (8 *a*)
11. 37. *καὶ καταβήσομαι ἐπὶ τὰ ὄρη* (8 *a*)
14. 1. *κατέβη Σαμψὼν εἰς Θ.* (8 *a*)
— 5. *καὶ κατέβη Σαμψών* (8 *a*)
— 7. *καὶ κατέβησαν* (8 *a*)
— 10. *καὶ κατέβη ὁ πατὴρ αὐτοῦ* (8 *a*)
— 19. *καὶ κατέβη εἰς Ἀσκάλωνα* (8 *a*)
15. 8. *καὶ κατέβη* (8 *a*)
Jd. 15. 8. **A** *καὶ κατέβη παρὰ τῷ χειμάρρῳ* [**B** *al.*] †
— 11. *καὶ κατέβησαν τρισχίλιοι* [**A** *al.*] (8 *a*)
— 12. *δῆσαί* [**A** *τοῦ δ.*] *σε κατέβημεν* (8 *a*)
— 31. *κατέβησαν οἱ ἀδελφοὶ αὐτοῦ* (8 *a*)
20. 45. *κατέβησαν ὀπίσω αὐτῶν* [**A** *al.*] (2)
Ru. 3. 6. *κατέβη εἰς τὸν ἅλω* (8 *a*)
I Ki. 6. 21. *κατάβητε καὶ ἀναγάγετε αὐτήν* (8 *a*)
9. 25. *καὶ κατέβη ἐκ τῆς Βαμά* (8 *a*)
— 27. *αὐτῶν καταβαινόντων εἰς μέρος τῆς πόλεως* (8 *a*)
10. 5. *προφητῶν καταβαινόντων ἐκ τῆς Βαμά* (8 *a*)
— 8. *καταβήσῃ ἔμπροσθεν τῆς Γ.* (8 *a*)
— 8. *καταβαίνω πρὸς σέ* (8 *a*)
13. 12. **B** *νῦν καταβήσονται οἱ ἀλλόφυλοι* (8 *a*)
— 20. **B** *καὶ κατέβαινον πᾶς Ἰσρ.* (8 *a*)
14. 36. *καταβῶμεν ὀπίσω τῶν ἀλλοφύλων* (8 *a*)
— 37. *εἰ καταβῶ ὀπίσω τῶν ἀλλοφύλων* (8 *a*)
15. 12. *καὶ κατέβη εἰς Γ.* (8 *a*)
17. 8. *καταβήτω πρὸς μέ* (8 *a*)
— 28. **A** *ἵνα τί τοῦτο κατέβης* (8 *a*)
— 28. **A** *ἕνεκεν τοῦ ἰδεῖν τὸν πόλεμον κατέβης* (8 *a*)
22. 1. *καταβαίνουσι πρὸς αὐτὸν ἐκεῖ* (8 *a*)
23. 4. *κατάβηθι εἰς Κ.* (8 *a*)
— 6. *αὐτὸς μετὰ Δ. εἰς Κ. κατέβη* (8 *a*)
— 8. *καταβαίνειν εἰς πόλεμον* (8 *a*)
— 11. *εἰ καταβήσεται Σαούλ* (8 *a*)
— 20. *εἰς κατάβασιν καταβαινέτω* (8 *a*)
— 25. *καὶ κατέβη εἰς τὴν πέτραν* (8 *a*)
24. 8. *καὶ κατέβη τὴν* [**A** *εἰς τ.*] *ὁδόν* (4)
25. 1. *κατέβη εἰς τὴν ἔρημον Μ.* (8 *a*)
— 20. *αὐτῆς . . . καταβαινούσης ἐν σκέπῃ τοῦ ὄρους* (8 *a*)
— 20. *κατέβαινον* [**A** *-αν*] *εἰς συνάντησιν αὐτῆς* (8 *a*)
26. 2. **A** *καὶ κατέβη* [**B** *ἀνέστη*] *Σαούλ* †
— 2. *καὶ κατέβη* [**A** *ἐπορεύθη*] *εἰς τὴν ἔρημον Ζίφ* (8 *a*)
— 10. *ἢ εἰς πόλεμον καταβῇ* (8 *a*)
30. 24. *κατὰ τὴν μερίδα τοῦ καταβαίνοντος* (8 *a*, 8 *b**)
II Ki. 1. 21. **B** *μὴ καταβάτω* [**B** *-βοῖ*, **A**[2] *-βήτω*] *δρόσος* –
5. 17. *κατέβη εἰς τὴν περιοχήν* (8 *a*)
— 24. **A B**[2] **R** *καταβήσῃ* [**B**[1] *-σει*] *πρὸς αὐτούς* (6)
11. 8. *κατάβηθι εἰς τὸν οἶκόν σου* (8 *a*)
— 9. *οὐ κατέβη εἰς τὸν οἶκον αὐτοῦ* (8 *a*)
— 10. *οὐ κατέβη Οὐρίας εἰς τὸν οἶκον αὐτοῦ* (8 *a*)
— 10. *τί ὅτι οὐ κατέβης* [**A**[1] *καταβῇ*, **A**[2] *καταβῆς*] *εἰς τὸν οἶκόν σου* (8 *a*)
— 13. *εἰς τὸν οἶκον αὐτοῦ οὐ κατέβη* (8 *a*)
17. 18. *καὶ κατέβησαν ἐκεῖ* (8 *a*)
19. 16 (17). *καὶ κατέβη μετὰ ἀνδρὸς Ἰούδα* (8 *a*)
— 20 (21). **A R** *τοῦ καταβῆναί με* [**B** *om.*] (8 *a*)
— 24 (25). *κατέβη εἰς ἀπαντὴν τοῦ βασ.* (8 *a*)
— 31 (32). *Βερζ. ὁ Γαλ. κατέβη ἐκ Ῥ.* (8 *a*)
21. 15. *καὶ κατέβη Δαυίδ* (8 *a*)
22. 10. *καὶ κατέβη* (8 *a*)
23. 13. *κατέβησαν τρεῖς ἀπὸ τῶν τριάκοντα* (8 *a*)
— 13. *κατέβησαν εἰς Κ.* (1)
— 20. **B** *καὶ αὐτὸς κατέβη* (8 *a*)
— 21. **B** *καὶ κατέβη πρὸς αὐτόν* (8 *a*)
III Ki. 1. 25. *ὅτι κατέβη σήμερον* (8 *a*)
— 38. *καὶ κατέβη Σαδώκ* (8 *a*)
2. 8. *κατέβη εἰς ἀπαντήν μου* (8 *a*)
3. 1 (2. 8). *κατέβαινεν εἰς ἀπαντήν μοι* (8 *a*)
6. 32. **A** *κατέβαινεν ἐπὶ τὰ χερ.* †
18. 44. *ζεῦξον τὸ ἅρμα σου καὶ κατάβηθι* (8 *a*)
20 (21). 16. *κατέβη Ἀχ. εἰς τὸν ἀμπελῶνα Ναβ.* (8 *a*)
— 18. *κατάβηθι εἰς ἀπαντὴν Ἀχ.* (8 *a*)
— 18. *καταβέβηκεν ἐκεῖ κληρονομῆσαι αὐτόν* (8 *a*)
22. 2. *κατέβη Ἰωσ. . . . πρὸς βασιλέα Ἰσρ.* (8 *a*)
IV Ki. 1. 4, 6. *οὐ καταβήσῃ ἀπ' αὐτῆς* (8 *a*)
— 9. *ὁ βασιλεύς ἐκάλεσέ σε, κατάβηθι* (8 *a*)
— 10. *καταβήσεται πῦρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ* (8 *a*)
— 10. *κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ* (8 *a*)
— 11. *ταχέως κατάβηθι* (8 *a*)
— 12. *καταβήσεται πῦρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ* (8 *a*)
— 12. *καὶ κατέβη πῦρ* (8 *a*)
— 14. *κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ* (8 *a*)
— 15. *κατάβηθι μετ' αὐτοῦ* (8 *a*)
— 15. *κατέβη μετ' αὐτοῦ πρὸς τὸν βασ.* (8 *a*)
— 16. *οὐ καταβήσῃ ἀπ' αὐτῆς* (8 *a*)
3. 12. *καὶ κατέβη* [**A** *-ησαν*] *πρὸς αὐτόν* (8 *a*)
5. 14. *καὶ κατέβη Ναιμάν* (8 *a*)
6. 18. *κατέβησαν πρὸς αὐτόν* (8 *a*)
— 33. *ἄγγελος κατέβη πρὸς αὐτόν* (8 *a*)
7. 17. *ἐν τῷ καταβῆναι τὸν ἄγγελον πρὸς αὐτόν* (8 *a*)
8. 29. *κατέβη τοῦ ἰδεῖν τὸν Ἰ.* (8 *a*)

IV Ki. 9. 16. A R καὶ κατέβη εἰς Ἰεζρ. [B ἐν Ἰσρ.] (4 ?)
— 16. κατέβη ἰδεῖν τὸν Ἰ. (8 a)
— 32. κατάβηθι μετ' ἐμοῦ †
10. 13. κατέβημεν εἰς εἰρήνην τῶν υἱῶν τοῦ βασ. (8 a)
13. 14. κατέβη πρὸς αὐτὸν Ἰωάς (8 a)
20. 11. A κατέβη ἐν ἀναβαθμοῖς Ἄχαζ (8 a)
I Ch. 7. 21. κατέβησαν τοῦ [A om.] λαβεῖν τὰ κτήνη αὐτῶν (8 a)
11. 15. καὶ κατέβησαν τρεῖς (8 a)
— 22. καὶ οὗτος κατέβη (8 a)
— 23. καὶ κατέβη ἐπ' αὐτὸν Βαν. (8 a)
II Ch. 7. 1. τὸ πῦρ κατέβη ἐκ τοῦ οὐρανοῦ (8 a)
— 3. ἑώρων καταβαῖνον τὸ πῦρ (8 a)
18. 2. κατέβη διὰ τέλους ἐτῶν πρὸς Ἀχ. (8 a)
20. 16. κάτβητε ἐπ' αὐτούς (8 a)
22. 6. Ὀχ. υἱὸς Ἰωρὰμ βασ. Ἰούδα κατέβη (8 a)
I Es. 1. 29. καὶ κατέβησαν οἱ ἄρχοντες
Ne. 3. 15. ἕως τῶν κλιμάκων τῶν καταβαινουσῶν (8 a)
6. 3. οὐ δυνήσομαι καταβῆναι (8 a)
— 3. καταβήσομαι πρὸς ὑμᾶς (8 a)
9. 13. ἐπὶ ὄρος Σινὰ κατέβης (8 a)
To. 3. 17. κατέβη ἐκ τοῦ ὑπερῴου
6. 2. τὸ δὲ παιδάριον κατέβη περικλύσασθαι [S al.]
14. 10. αὐτὸς κατέβη εἰς τὸ σκότος [S al.]
Ju. 2. 27. κατέβη εἰς πεδίον Δαμασκοῦ
3. 6. κατέβη ἐπὶ τὴν παραλίαν [A ἐπαρχίαν]
5. 10. καὶ κατέβησαν εἰς Αἴγ.
6. 14. καταβάντες δὲ οἱ υἱοὶ Ἰσρ.
10. 2. κατέβη εἰς τὸν οἶκον
— 10. ἕως οὗ κατέβη τὸ ὄρος
— 15. σπεύσασα καταβῆναι
13. 12. ἐσπούδασαν τοῦ [S om.] καταβῆναι
14. 2. ὡς καταβαίνοντες ἐπὶ τὸ πεδίον
— 2. καὶ οὐ καταβήσεσθε
— 13. ἐτόλμησαν οἱ δοῦλοι καταβαίνειν [S -βῆναι]
Jb. 7. 9. ἐὰν γὰρ ἄνθρωπος καταβῇ εἰς ᾅδην (8 a)
17. 16. ἢ μετ' ἐμοῦ εἰς ᾅδην καταβήσονται [A -σεται] (8 a)
— 16. ἢ ὁμοθυμαδὸν ἐπὶ χώματος καταβησόμεθα (14 a ?)
36. 16. κατέβη τράπεζά σου πλήρης πιότητος (14 a ?)
38. 30. ἢ καταβαίνει ὥσπερ ὕδωρ ῥέον (5 ?)
Ps. 7. 16. ἐπὶ κορυφὴν αὐ. ἡ ἀδικία αὐ. καταβήσεται (8 a)
17 (18). 9. ἔκλινεν οὐρανὸν [S² -οὺς] καὶ κατέβη (8 a)
21 (22). 29. πάντες οἱ καταβαίνοντες εἰς τὴν γῆν (8 a)
27 (28). 1. ὁμοιωθήσομαι τοῖς καταβαίνουσιν εἰς λάκκον (8 a)
29 (30). 3. τῶν καταβαινόντων εἰς λάκκον (8 a)
— 9. ἐν τῷ καταβῆναί [S² -βαίνειν] με εἰς διαφθοράν (8 a)
54 (55). 15. καταβήτωσαν εἰς ᾅδου ζῶντες (8 a)
71 (72). 6. καταβήσεται ὡς ὑετὸς ἐπὶ πόκον (8 a)
87 (88). 4. μετὰ τῶν καταβαινόντων εἰς λάκκον (8 a)
103 (104). 8. καταβαίνουσι πεδία εἰς τόπον (8 a)
106 (107). 23. οἱ καταβαίνοντες εἰς τὴν θάλ. (8 a)
— 26. καταβαίνουσιν ἕως τῶν ἀβύσσων (8 a)
113. 25 (115. 17). οὐδὲ πάντες οἱ καταβαίνοντες εἰς ᾅδου (8 a)
118 (119). 136. διεξόδους ὑδάτων κατέβησαν [A διέβ.] (8 a)
132 (133). 2. ὡς μύρον . . . τὸ καταβαῖνον ἐπὶ πώγωνα . . . τὸ καταβαῖνον ἐπὶ τὴν ὤαν τοῦ ἐνδύματος αὐ. (8 a, 8 a)
— 3. ὡς δρόσος Ἑερμὼν ἡ καταβαίνουσα ἐπὶ τὰ ὄρη Σιών (8 a)
138 (139). 8. ἐὰν καταβῶ εἰς τὸν ᾅδην (7)
142 (143). 7. ὁμοιωθήσομαι τοῖς καταβαίνουσιν εἰς λάκκον (8 a)
143 (144). 5. κλῖνον οὐρανούς σου καὶ κατάβηθι (8 a)
Pr. 24. 27 (30. 4). τίς ἀνέβη εἰς τὸν οὐρανὸν καὶ κατέβη (8 a)
Ec. 3. 21. εἰ καταβαίνει αὐτὸ κάτω εἰς γῆν (8 a)
Ca. 5. 1 (4. 16). S ἵνα καταβῇ ὁ νυμφίος –
— 1 (4. 16). καταβήτω ἀδελφιδός μου εἰς κῆπον αὐτοῦ [A μου] (1)
6. 1 (2). κατέβη εἰς κῆπον αὐτοῦ [A μου] (8 a)
— 10 (11). εἰς κῆπον καρύας κατέβην (8 a)
Si. 32 (35). 15. οὐχὶ δάκρυα χήρας ἐπὶ σιαγόνα [S -ας, A -ι] καταβαίνει
50. 20. καταβὰς ἐπῆρε χεῖρας αὐ. [A al.]
Am. 6. 2. κατάβητε ἐκεῖθεν εἰς Γέθ (8 a)
8. 8. καὶ καταβήσεται ὡς ποταμὸς Αἰγ. (20 b)
9. 5. καὶ καταβήσεται ὡς ποταμὸς Αἰγ. (20 a)
Mi. 1. 3. B καὶ καταβήσεται (8 a)
— 12. κατέβη κακὰ παρὰ κυρίου ἐπὶ πύλας (8 a)
Ob. 1. 16. καὶ καταβήσονται (10 ?)
Jn. 1. 3. καὶ κατέβη εἰς Ἰόππην (8 a)
— 5. κατέβη εἰς τὴν κοίλην τοῦ πλοίου (8 a)
2. 7. κατέβην εἰς γῆν (8 a)
Na. 3. 7. πᾶς ὁ ὁρῶν σε καταβήσεται ἀπὸ σοῦ (12)
Hg. 2. 23 (22). καὶ καταβήσονται ἵπποι [A al.] (8 a)
Is. 5. 14. καταβήσονται οἱ ἔνδοξοι (8 a)
14. 11. κατέβη εἰς ᾅδου ἡ δόξα σου (8 b)
— 15. νῦν δὲ εἰς ᾅδην [A S -δου] καταβήσῃ (8 b)
— 19. μετὰ . . . καταβαινόντων εἰς ᾅδου (8 a)
25. 12. A S R καταβήσεται [B -σονται] ἕως τοῦ ἐδάφους (11)
30. 2. οἱ πορευόμενοι καταβῆναι εἰς Αἴγυπτον (8 a)
31. 1. οὐαὶ οἱ καταβαίνοντες εἰς Αἴγυπτον (8 a)
— 4. οὕτως καταβήσεται κύριος σαβαώθ (8 a)
32. 19. ἡ δὲ χάλαζα ἐὰν καταβῇ (8 a)
34. 5. ἐπὶ τὴν Ἰδουμαίαν καταβήσεται (8 a)
38. 8. οὓς κατέβη τοὺς δέκα ἀναβαθμούς [S al.] (8 a)
— 8. οὓς κατέβη ἡ σκιά (8 a)
42. 10. οἱ καταβαίνοντες εἰς τὴν θάλασσαν (8 a)
47. 1. κατάβηθι κάθισον ἐπὶ τὴν γῆν (8 a)
52. 4. εἰς Αἴγυπτον κατέβη ὁ λαός μου (8 a)
55. 10. ὡς γὰρ ἂν καταβῇ ὁ ὑετός (8 a)
63. 14. κατέβη πνεῦμα παρὰ κυρίου (8 a)
Je. 18. 2. κατάβηθι εἰς οἶκον τοῦ κεραμέως (8 a)
— 3. κατέβην εἰς τὸν οἶκον τοῦ κεραμέως (8 a)
22. 1. κατάβηθι εἰς τὸν [S¹ ἐπ'] οἶκον τοῦ βασ. Ἰ. (8 a)
27 (50). 27. καταβήτωσαν εἰς σφαγήν (8 a)
28 (51). 14. φθέγξονται ἐπὶ σὲ οἱ καταβαίνοντες [A -βένν.] †
31 (48). 15. κατέβησαν εἰς σφαγήν (8 a)
— 18. A B S² κατάβηθι ἀπὸ δόξης (8 a)
43 (36). 12. κατέβη εἰς οἰκίαν [A S -κον] τοῦ βασ. (8 a)
— 14. κατέβη πρὸς αὐτούς (1)
51 (44). 28. A οἱ καταβαίνοντες [S παροικοῦντες, R καταστάντες] ἐν γῇ Αἰγ. (1)
Ba. 3. 19. εἰς ᾅδου κατέβησαν
Ez. 22. 24. A οὐδὲ ὑετὸς καταβήσεταί σοι [B al.] (21)
24. 8. τοῦ ἀναβῆναι [A¹ καταβ.] θυμόν †
26. 16. καταβήσονται . . . πάντες οἱ ἄρχοντες (8 a)
— 20. πρὸς τοὺς καταβαίνοντας εἰς βόθρον (8 a)
— 20. μετὰ καταβαινόντων εἰς βόθρον (8 a)
27. 29. καταβήσονται . . . πάντες οἱ κωπηλάται (8 a)
30. 6. καταβήσεται ἡ ὕβρις τῆς ἰσχύος αὐτῆς (8 a)
31. 12. κατέβησαν . . . πάντες οἱ λαοί (8 a)
— 14. πρὸς καταβαίνοντας [? προσκ.] εἰς βόθρον (8 a)
— 15. ἐν ᾗ ἡμέρᾳ κατέβη εἰς ᾅδου (8 a)
— 16. μετὰ τῶν καταβαινόντων εἰς λάκκον (8 a)
— 17. κατέβησαν μετ' αὐτοῦ εἰς ᾅδου (8 a)
— 18. κατάβηθι καὶ καταβιβάσθητι †
32. 18. πρὸς τοὺς καταβαίνοντας εἰς βόθρον (8 a)
— 19. A ἐξ ὑδάτων εὐπρεποῦς κατάβηθι (8 a)
— 20. κατάβηθι καὶ κοιμήθητι (8 a ?)
— 24. οἱ καταβαίνοντες ἀπερίτμητοι εἰς γῆς βάθος [A γῆν βάθους] (8 a)
— 24. μετὰ τῶν καταβαινόντων εἰς βόθρον (8 a)
— 27. κατέβησαν εἰς ᾅδου ἐν ὅπλοις πολεμικοῖς (8 a)
— 29. μετὰ καταβαινόντων εἰς βόθρον (8 a)
— 30. στρατηγοὶ Ἀσσοὺρ οἱ καταβαίνοντες τραυματίαι (8 a)
— 30. μετὰ τῶν καταβαινόντων εἰς βόθρον (8 a)
47. 1. κατέβαινεν ἀπὸ τοῦ κλίτους τοῦ δεξιοῦ (8 a)
— 8. κατέβαινεν ἐπὶ τὴν Ἀραβίαν (8 a)
— 15. ἀπὸ θαλάσσης τῆς μεγάλης τῆς καταβαινούσης (3 ?)
Da. TH. 4. 10. καὶ ἅγιος ἀπ' οὐρανοῦ κατέβη (14 b)
— 20. ἅγιον καταβαίνοντα ἀπὸ [A ἐκ] τοῦ οὐρανοῦ (14 b)
I Ma. 2. 29. τότε κατέβησαν πολλοί
— 31. κατέβησαν ἄνδρες
10. 71. κατάβηθι πρὸς ἡμᾶς εἰς τὸ πεδίον
16. 14. καὶ κατέβη εἰς Ἰεριχώ
II Ma. 2. 10. κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ
— 10. καταβὰν τὸ πῦρ ἀνῆλωσε τὰ ὁλοκαυτώματα
III Ma. 6. 18. δύο φοβεροειδεῖς ἄγγελοι κατέβησαν

[Aq. I Ki. 20. 19: 23. 11: IV Ki. 12. 20 (21): Ps. 21 (22). 30: 27 (28). 1: 29 (30). 4: 71 (72). 6: 132 (133). 2 bis: 142 (143). 7: Pr. 26. 22: Is. 38. 18: 64. 1 (63. 19): Ez. 32. 21, 24, 25: Hg. 2. 23 (22).]

[Sm. I Ki. 20. 19: 23. 11, 20 bis: IV Ki. 12. 20 (21): Ps. 21 (22). 30: 27 (28). 1: 71 (72). 6: Pr. 26. 22: Is. 38. 8, 18: 64. 1 (63. 19), 3 (2): Ez. 32. 25: Hg. 2. 23 (22).]

[Th. I Ki. 20. 19: 23. 11: Jb. 36. 16: Pr. 26. 22: Is. 64. 1 (63. 19), 3 (2): Ez. 32. 19, 25: Jn. 1. 6: Hg. 2. 23 (22).]

[Al. Ge. 43. 5, 20 bis: Ps. 143 (144). 5.]

καταβάλλειν. (1) הָרַס (2) לָחַם (3) נָטַשׁ (4) נָפַל a. qal. b. hi. (5) נָתַץ (6) פָּרַץ (7) שָׁטַם (8) שָׁחַת pi. (9) שָׁפַל hi.

II Ki. 20. 15. ἐνοοῦσαν καταβαλεῖν τὸ τεῖχος (4 b)
IV Ki. 3. 19. πᾶν ξύλον ἀγαθὸν καταβαλεῖτε (4 b)
— 25. πᾶν ξύλον ἀγαθὸν κατέβαλον (4 b)
6. 5. ὁ εἷς καταβάλλων [A -βαλὼν] τὴν δοκόν (4 b)
19. 7. καταβαλῶ [A -βάλλω] αὐτὸν ἐν ῥομφαίᾳ (4 b)
II Ch. 32. 21. κατέβαλον [A¹ -έλαβον] αὐτὸν ἐν ῥομφαίᾳ (4 b)
Ju. 9. 8. καταβαλεῖν σιδήρῳ κέρας θυσιαστηρίου σου
Jb. 12. 14. ἐὰν καταβάλῃ [A -στρέψῃ] τίς οἰκοδομήσει (1)
16. 10 (9). ὀργῇ χρησάμενος κατέβαλέ με (7)
— 15 (14). κατέβαλόν με πτῶμα [S¹ om.] ἐπὶ πτώματι (6)
Ps. 36 (37). 14. τοῦ καταβαλεῖν πτωχόν (4 b)
72 (73). 18. B² S R κατέβαλες αὐτούς (4 b)
105 (106). 26. τοῦ καταβαλεῖν αὐτοὺς ἐν τῇ ἐρήμῳ (4 b)
— 27. τοῦ καταβαλεῖν τὸ σπέρμα αὐτῶν (4 b)
139 (140). 10. καὶ καταβαλεῖς αὐτούς (4 b)
Pr. 7. 26. πολλοὺς γὰρ τρώσασα καταβέβληκε (4 b)
18. 8. ὀκνηροὺς καταβάλλει φόβος †
25. 28. ὥσπερ πόλις τὰ τείχη καταβεβλημένη (6)
Si. 1. 30. ἐν μέσῳ συναγωγῆς καταβαλεῖ σε
7. 7. μὴ καταβάλῃς σεαυτὸν ἐν ὄχλῳ
8. 16. ὅπου οὐκ ἔστι βοήθεια καταβαλεῖ [S¹ -βάλλει] σε
14. 18. τὰ μὲν καταβάλλει ἄλλα δὲ φύει
47. 4. καταβαλεῖν [S -έβαλεν] γαυρίαμα τοῦ Γολιάθ
Hg. 2. 23 (22). A καταβαλῶ τὰ ὅρια αὐτῶν –
Is. 16. 9. τὰ δένδρα σου κατέβαλεν [S¹ -έλαβεν] Ἐσ. †
26. 5. πόλεις ὀχυρὰς καταβαλεῖς (9)
Je. 19. 7. καταβαλῶ αὐτοὺς ἐν μαχαίρᾳ (4 b)
Ba. 2. 19. καταβάλλομεν τὸν ἔλεον
Ez. 6. 4. καταβαλῶ τραυματίας ὑμῶν (4 b)
23. 25. τοὺς καταλοίπους σου ἐν ῥομφαίᾳ καταβαλοῦσιν (4 a)
26. 4. καταβαλοῦσι τὰ τείχη Σὸρ καὶ καταβαλοῦσι [A καθελοῦσιν] τοὺς πύργους σου (8, 1)
— 9. τοὺς πύργους σου καταβαλεῖ (5)
— 12. καταβαλεῖ τὰ τείχη σόυ (1)
29. 5. καταβαλῶ σε ἐν τάχει (3)
30. 22. καταβαλῶ τὴν μάχαιραν αὐτοῦ (4 b)
31. 12. κατέβαλον αὐτὸν ἐπὶ τῶν ὀρέων (3)
32. 12. καταβαλῶ τὴν ἰσχύν σου (4 b)
33. 4. A ἐλθοῦσα ἡ ῥομφαία καταβάλῃ αὐτόν [B al.] (2)
39. 3. καταβαλῶ σε ἐπὶ τὰ ὄρη τὰ Ἰσ. (4 b)
Da. TH. 11. 12. καὶ καταβαλεῖ μυριάδας (4 b)
I Ma. 4. 33. κατάβαλε αὐτοὺς ῥομφαίᾳ ἀγαπώντων σε
II Ma. 2. 13. ὡς καταβαλλόμενος βιβλιοθήκην
4. 42. τινὰς δὲ κατέβαλον
5. 6. δοκῶν δὲ . . . τρόπαια καταβάλλεσθαι
8. 18. R τὸν ὅλον κόσμον . . . καταβαλεῖν [A -λαβεῖν]
IV Ma. 12. 1. καταβληθεὶς εἰς λέβητα

[Sm. Jb. 41. 1: Ps. 72 (73). 18: 139 (140). 11.]
[Th. Ps. 139 (140). 11.]
[Al. Pr. 21. 25: Ez. 32. 4.]
[Quint., Sext. Ps. 139 (140). 11.]

καταβαρύνειν. (1) כָּבֵד

II Ki. 13. 25. οὐ μὴ καταβαρυνθῶμεν ἐπὶ σέ (1)
14. 26. κατεβαρύνετο ἐπ' αὐτόν (1)
Si. 8. 15. B ἵνα μὴ καταβαρύνηται [A S R βαρ., S¹ -νῃ τὰ] κατὰ σοῦ
Jl. 2. 8. καταβαρυνόμενοι ἐν τοῖς ὅπλοις αὐ. †

[Th. Is. 24. 20.]

καταβάσιος.

Wi. 10. 6. ἐῤῥύσατο φυγόντα πῦρ καταβάσιον πεντα-πόλεως ·

κατάβασις. (1) דֶּרֶךְ (2) *a.* יָרַד *b.* מוֹרָד

Jo. 8. 24. καὶ ἐν τῷ ὄρει ἐπὶ [A *om.*] τῆς κ. †
10. 11. ἐπὶ τῆς κ. Ὠρωνίν (2 *b*)
Jd. 1. 16. ἥ ἐστιν [A *om.* ἥ ἐ.] ἐπὶ καταβάσεως Ἀ. †
I Ki. 23. 20. εἰς κατάβασιν καταβαινέτω (2 *a*)
II Ki. 13. 34. λαὸς πολὺς πορευόμενος . . . ἐν τῇ κ. –
III Ki. 7. 29. ἔργον καταβάσεως (2 *b*)
Si. 43. 17. ὡς ἀκρὶς καταλύουσα ἡ κ. αὐτῆς
46. 6. ἐν καταβάσει ἀπώλεσεν ἀνθεστηκότας
Mi. 1. 4. ὡς ὕδωρ καταφερόμ. ἐν καταβάσει (2 *b*)
Ez. 48. 1. κατὰ τὸ μέρος [A μέτρον] τῆς κ. (1)
I Ma. 3. 24. ἐν τῇ κ. Βαιθωρῶν
[Aq., Sm., Is. 32. 19.]
[Al. Le. 19. 14.]

καταβέννειν.

Je. 28 (51). 14. A φθέγξονται ἐπὶ σὲ οἱ καταβέννοντες [B S -βαίν.] †

καταβιάζεσθαι. (1) חָזַק (2) פָּצַר

Ge. 19. 3. R κατεβιάσατο [A παρεβιάζετο] αὐτούς (2)
Ex. 12. 33. κατεβιάζοντο οἱ Αἰγ. τὸν λαόν (1)

καταβιβάζειν. (1) יָרַד *a.* qal. *b.* hi. *c.* hoph.

De. 21. 4. καταβιβάσουσιν . . . δάμαλιν (1 *b*)
Jo. 2. 18. δι' ἧς κατεβίβασας ἡμᾶς (1 *b*)
Jd. 7. 5. A κατεβίβασεν [B -ήνεγκε] τὸν λαόν (1 *b*)
Je. 28 (51). 40. καταβίβασον [S¹ -σω] αὐτοὺς ὡς ἄρνας (1 *b*)
Ba. 3. 29. κατεβίβασεν αὐτὴν ἐκ τῶν νεφελῶν
La. 1. 9. κατεβίβασεν ὑπέρογκα (1 *a*)
Ez. 26. 20. καταβιβάσω [A -βιβῶ] σε πρὸς τοὺς καταβαίνοντας (1 *b*)
28. 8. καταβιβάσουσί σε (1 *b*)
31. 16. κατεβίβαζον αὐτὸν εἰς ᾅδου (1 *b*)
— 18. καταβιβάσθητι μετὰ τῶν ξύλων τῆς τρυφῆς (1 *c*)
32. 18. καταβιβάσουσιν αὐτῆς τὰς θυγατέρας τὰ ἔθνη νεκράς (1 *b*)
[Aq. Ge. 27. 40 : Ps. 55 (56). 8 : Pr. 30. 4.]

καταβιβρώσκειν. (1) *a.* אָכַל pu. *b.* אָכְלָה

Ne. 2. 3. αἱ πύλαι αὐτῆς κατεβρώθησαν [A καὶ ἐβρ.] ἐν πυρί (1 *a*)
— 13. καὶ πύλαι αὐτῆς κατεβρώθησαν πυρί [A S ἐν π.] (1 *a*)
Si. 33 (36). 9. καταβρωθήτω ὁ [S¹ ὁ μή, S² ὁ ἀσεβὴς ὁ] σωζόμενος
Ez. 39. 4. δέδωκά σε καταβρωθῆναι (1 *b*)
Da. LXX. Bel 30. ἵνα καταβρωθῇ
— 41. καὶ κατεβρώθησαν
Da. TH. Bel 42. καὶ κατεβρώθησαν παραχρῆμα

καταβιοῦν. (1) אָכַל לֶחֶם

Am. 7. 12. καὶ ἐκεῖ καταβίου (1)

καταβλάπτειν.

III Ma. 7. 8. μηθενὸς αὐτοὺς τὸ σύνολον καταβλάπτοντος

καταβλέπειν. (1) שָׁקַף hi.

Ge. 18. 16. κατέβλεψαν ἐπὶ πρόσωπον Σοδ. (1)

καταβοᾶν. (1) צָעַק (2) קָרָא

Ex. 5. 15. κατεβόησαν πρὸς Φαραώ (1)
22. 23 (22). κεκράξαντες καταβοήσωσι πρὸς μέ (1)
— 27 (26). ἐὰν οὖν καταβοήσῃ πρὸς μέ (1)
De. 15. 9. καταβοήσεται [A β.] κατὰ σοῦ πρὸς κ. (2)
24. 15. καταβοήσεται κατὰ [A οὐ κ. περὶ] σοῦ (2)
II Ma. 8. 3. τῶν καταβοώντων πρὸς αὐτὸν αἱμάτων
[Sm. I Ki. 26. 14.]

καταβόησις.

Si. 32 (35). 15. ἡ κ. [S -πτωσις] ἐπὶ τῷ καταγαγόντι αὐτά

καταβολή.

II Ma. 2. 29. τῆς ὅλης κ. φροντιστέον

καταβόσκειν. (1) בָּעַר *a.* pi. *b.* hi.

Ex. 22. 5 (4). ἐὰν δὲ καταβοσκήσῃ τις ἀγρόν (1 *b*)
— 5 (4). ἀφῇ τὸ κτῆνος αὐτοῦ καταβοσκῆσαι (1 *a*)
— 5 (4). ἐὰν δὲ πάντα τὸν ἀγρὸν καταβοσκήσῃ –
[Sm., Al. Ps. 79 (80). 14.]

καταβόσκησις.

[Sm. Is. 6. 13.]

καταβροχή.

[Th. Pr. 3. 8.]

κατάβρωμα. (1) *a.* אָכַל *b.* אָכְלָה *c.* מַאֲכָל (2) לֶחֶם

Nu. 14. 9. κατάβρωμα ἡμῖν ἐστιν (2)
De. 28. 26. ἔσονται οἱ νεκροὶ ὑμῶν κατάβρωμα (1 *c*)
31. 17. καὶ ἔσται κατάβρωμα (1 *a*)
Ju. 5. 24. B ἔσονται εἰς κατάβρωμα [A S -ωσιν]
10. 12. δίδοσθαι ὑμῖν εἰς κατάβρωμα
Je. 7. 33. A εἰς κατάβρωμα πᾶσιν [B S εἰς βρῶσιν] τοῖς πετεινοῖς (1 *c*)
Ez. 21. 32 (37). ἐν πυρὶ ἔσῃ κ. (1 *b*)
29. 5. δέδωκά σε εἰς κ. [A βρῶσιν] (1 *b*)
33. 27. δοθήσονται εἰς κ. (1 *a*)
34. 5. ἐγενήθη εἰς κ. πᾶσι τοῖς θηρίοις (1 *b*)
— 8. εἰς κ. πᾶσι τοῖς θηρίοις (1 *b*)
— 10. οὐκ ἔσονται αὐτοῖς ἔτι εἰς κ. (1 *b*)
35. 12. ἡμῖν δέδοται εἰς κ. [A κατάσχεσιν] (1 *a*)
[Aq. Ez. 29. 5.]
[Sm. Is. 9. 5 (4).]

κατάβρωσις. (1) אָכַל

Ge. 31. 15. κατέφαγε καταβρώσει τὸ ἀργύριον ἡμῶν (1)
Ju. 5. 24. A S ἔσονται εἰς κατάβρωσιν [B -ωμα]

κατάγαιος. (1) תַּחְתִּי

Ge. 6. 16. κατάγαια διώροφα . . . ποιήσεις αὐτήν (1)

καταγγέλλειν.

Pr. 17. 5. A ὁ καταγγέλλων [B S καταγελῶν] πτωχοῦ †
II Ma. 8. 36. R κατήγγελλεν ὑπέρμαχον ἔχειν τὸν θεὸν [A *om.* τ. θ.] τοὺς Ἰουδ.
9. 17. R καταγγέλλοντα [A -ας] τὸ τοῦ θεοῦ κράτος
[Sm. Ps. 39 (40). 6.]
[Sext. Ps. 2. 7.]

κατάγειν, *cf.* **καταγνύναι.** (1) בּוֹא hi. (2) דָּמַם (3) יָרַד *a.* qal. *b.* hi. *c.* hoph. (4) יָשַׁר pu. (5) נָגַע hi. (6) נָזַח (7) נָכָה hi. (8) רָדָה (9) שׂוּם (10) שָׁחַת hi. (11) שָׁפַת

Ge. 37. 25. ἐπορεύοντο δὲ καταγαγεῖν εἰς Αἴγ. (3 *b*)
— 28. κατήγαγον τὸν Ἰωσὴφ εἰς Αἴγ. (1)
39. 1. Ἰωσὴφ δὲ κατήχθη εἰς Αἴγ. (3 *c*)
— 1. οἱ κατήγαγον αὐτὸν ἐκεῖ (3 *b*)
42. 20. A τὸν ἀδ. ὑμῶν . . . καταγάγετε [R ἀγ.] (1)
— 38. κατάξετέ μου τὸ γῆρας (3 *b*)
43. 11. καταγάγετε τῷ ἀνθρώπῳ δῶρα (3 *b*)
44. 21. καταγάγετε αὐτὸν πρὸς μέ (3 *b*)
— 29. κατάξετέ μου τὸ γῆρας (3 *b*)
— 31. κατάξουσιν . . . τὸ γῆρας τοῦ παιδός σου (3 *b*)
45. 13. καταγάγετε τὸν πατέρα μου ὧδε (3 *b*)
Jd. 7. 4. A κατάγαγε [B κατένεγκον] αὐτούς (3 *b*)
16. 21. A κατήγαγον [B -ήνεγκαν] αὐτὸν εἰς Γ. (3 *b*)
I Ki. 2. 6. κατάγει εἰς ᾅδου καὶ ἀνάγει (3 *b*)
19. 12. κατάγει ἡ Μ. τὸν Δαυίδ (3 *b*)
30. 15. εἰ κατάξεις με ἐπὶ τὸ γεδδοὺρ τοῦτο (3 *b*)
— 15. κατάξω σε ἐπὶ τὸ γεδδοὺρ τοῦτο (3 *b*)
— 16. κατήγαγεν [A -ῆγεν] αὐτὸν ἐκεῖ (3 *b*)
III Ki. 1. 33. καταγάγετε αὐτὸν εἰς τὴν Γ. (3 *b*)
2. 6. A R οὐ κατάξεις τὴν πολιὰν αὐ. [B *al.*] (3 *b*)
— 9. A R κατάξεις τὴν πολιὰν [B πόλιν] αὐ. (3 *b*)
3. 1 (2. 9). A R κατάξεις τὴν πολιὰν [B πόλιν] αὐ. (3 *b*)
5. 9 (23). οἱ δοῦλοί μου κατάξουσιν αὐτά (3 *b*)
6. 35. χρυσίῳ καταγομένῳ ἐπὶ τὴν ἐκτύπωσιν (4)
17. 23. κατήγαγεν αὐτὸν ἀπὸ τοῦ ὑπερῴου (3 *b*)
18. 40. καὶ κατάγει αὐτοὺς Ἠ. (3 *b*)
IV Ki. 11. 19. κατήγαγον τὸν βασ. ἐξ οἴκου κ. (3 *b*)
To. 3. 10. τὸ γῆρας αὐτοῦ κατάξω
6. 14. κατάξω τὴν ζωὴν τοῦ πατρός μου
13. 2. κατάγει εἰς ᾅδην καὶ ἀνάγει [S *al.*]
Ps. 21 (22). 15. εἰς χοῦν θανάτου κατήγαγές με (11)
30 (31). 17. καταχθείησαν εἰς ᾅδου (2)
54 (55). 23. κατάξεις αὐτοὺς εἰς φρέαρ διαφθορᾶς (3 *b*)
55 (56). 7. ἐν ὀργῇ λαοὺς κατάξεις (3 *b*)
58 (59). 11. κατάγαγε αὐτούς (3 *b*)
77 (78). 16. κατήγαγεν ὡς ποταμοὺς ὕδατα (3 *b*)
Pr. 5. 5. κατάγουσι τοὺς χρωμένους αὐτῇ (3 *a*)
Pr. 7. 27. κατάγουσαι εἰς τὰ [S¹ τὰ εἰς] ταμιεῖα τοῦ θανάτου (3 *a*)
Wi. 16. 13. κατάγεις εἰς πύλας ᾅδου
Si. 22. 19. ὁ νύσσων ὀφθαλμὸν κατάξει δάκρυα
32 (35). 15. ἡ καταβόησις [S -πτωσις] ἐπὶ τῷ καταγαγόντι αὐτά
38. 16. τέκνον, ἐπὶ νεκρῷ κατάγαγε [S κάταγε] δάκρυα
48. 3. κατήγαγεν οὕτως [S² *om.*] τρὶς πῦρ
— 6. ὁ καταγαγὼν βασιλεῖς εἰς ἀπώλειαν
Ho. 7. 12. καθὼς τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ κατάξω αὐτούς (3 *b*)
Am. 3. 11. κατάξει ἐκ σοῦ ἰσχύν σου (3 *b*)
9. 2. ἐκεῖθεν κατάξω αὐτούς (3 *b*)
Jl. 2. 17. τοῦ κατάξαι αὐτῶν [S¹ -άξαι αὐτοὺς] ἔθνη †
3 (4). 2. καὶ κατάξω αὐτὰ εἰς τὴν κοιλάδα Ἰ. (3 *b*)
Ob. 1. 3. τίς με κατάξει ἐπὶ τὴν γῆν (3 *b*)
— 4. ἐκεῖθεν κατάξω σε, λέγει κύριος (3 *b*)
Za. 9. 4. AS¹ κατάξει [B S² πατάξει] εἰς θάλασσαν δύναμιν (7)
— 10. S¹ κατάξει [A B S² κατάρξει] ὑδάτων †
12. 4. S¹ τοὺς ἵππους . . . κατάξω [A B S² πατάξω] (7)
Is. 9. 3 (2). ὃ κατήγαγες ἐν εὐφροσύνῃ σου †
26. 5. κατήγαγες τοὺς ἐνοικοῦντας ἐν ὑψηλοῖς (10)
— 5. πόλεις ὀχυρὰς . . . κατάξεις [A *al.*] (5)
63. 3. κατήγαγον τὸ αἷμα [S τὰ ἱμάτια] αὐτῶν εἰς γῆν (6 ?)
— 6. κατήγαγον τὸ αἷμα αὐτῶν εἰς γῆν (3 *b*)
Je. 9. 18 (17). καταγαγέτωσαν οἱ ὀφθαλμοὶ ὑμῶν δάκρυα (3 *a*)
13. 17. κατάξουσιν οἱ ὀφθαλμοὶ ὑμῶν δάκρυα (3 *a*)
14. 17. καταγάγετε ἐπ' ὀφθαλμοὺς ὑμῶν δάκρυα (3 *a*)
19. 8. κατάξω [A τάξω] τὴν πόλιν ταύτην εἰς ἀφανισμόν (9)
37 (30). 6. καθέξουσιν [S¹ κατάξ.] ὀσφύν –
La. 1. 13. ἐν τοῖς ὀστέοις μου κατήγαγεν αὐτό (8 ?)
— 16. ὁ ὀφθαλμός μου κατήγαγεν ὕδωρ (3 *a*)
2. 10. κατήγαγον εἰς γῆν ἀρχηγούς (3 *b*)
— 18. καταγάγετε [A -τωσαν] ὡς χειμάρρους δάκρυα (3 *b*)
3. 48. ἀφέσεις ὑδάτων κατάξει ὁ ὀφθαλμός μου (3 *a*)
Ez. 26. 11. τὴν ὑπόστασιν τῆς ἰσχύος σου . . . κατάξει (3 *a*)
44. 14. κατάξουσιν αὐτοὺς φυλάσσειν [A *al.*] †
III Ma. 4. 9. κατήχθησαν δὲ θηρίων τρόπον
7. 5. δεσμίους καταγαγόντες αὐτούς
— 19. καταχθέντες δὲ μετ' εἰρήνης
[Aq. Je. 14. 17 : 51 (28). 4o.]
[Sm. Ps. 55 (56). 8 : 87 (88). 5 : Je. 14. 17 : 51 (28). 4o.]
[Th. Ps. 48 (49). 15.]

καταγελᾶν. (1) הָיָה לְבוּז (2) חָפֵר (3) לָעַג *a.* qal. *b.* hi. (4) עָלַץ (5) שָׂחַק *a.* qal. *b.* hi.

Ge. 38. 23. μή ποτε καταγελασθῶμεν (1)
II Ch. 30. 10. ἐγένοντο ὡς καταγελῶντες αὐτῶν (5 *b*)
To. 2. 8. S οἱ πλησίον μου κατεγέλων [A B *al.*]
Ju. 12. 12. καταγελάσεται ἡμῶν
Es. 4. 17. μὴ καταγελασάτωσαν [A γελ.] ἐν τῇ πτώσει ἡμῶν
Jb. 5. 22. ἀδίκων καὶ ἀνόμων καταγελάσῃ (5 *a*)
9. 23. ἀλλὰ δίκαιοι καταγελῶνται (3 *a*)
21. 3. εἶτ' οὐ καταγελάσετέ μου [A S *al.*] (3 *b*)
30. 1. νυνὶ δὲ κατεγέλασάν μου (5 *a*)
39. 7. καταγελῶν πολυοχλίας πόλεως (5 *a*)
— 18. καταγελάσεται ἵππου [S¹ αὐτοῦ] (5 *a*)
— 22. συναντῶν βασιλεῖ [AS⁴ βέλει] καταγελᾷ (5 *a*)
41. 20 (21). καταγελᾷ δὲ σεισμοῦ πυρφόρου (5 *a*)
Ps. 24 (25). 2. μηδὲ καταγελασάτωσάν μου οἱ ἐχθροί μου (4)
Pr. 17. 5. ὁ καταγελῶν [A -αγγέλλων] πτωχοῦ (3 *a*)
24. 52 (30. 17). ὀφθαλμὸν καταγελῶντα πατρός (3 *a*)
29. 9. ἀνὴρ δὲ φαῦλος ὀργιζόμ. καταγελᾶται (5 *a*)
Si. 7. 11. μὴ καταγέλα ἄνθρωπον [S -ου] ὄντα [S *om.*] ἐν πικρίᾳ ψυχῆς αὐτοῦ
20. 17. ποσάκις καὶ ὅσοι καταγελάσονται αὐτοῦ
Mi. 3. 7. καταγελασθήσονται οἱ μάντεις (2 ?)
I Ma. 7. 34. καὶ κατεγέλασεν αὐτῶν
IV Ma. 6. 20. A R καταγελώμενοι πρὸς ἁπάντων [S ὑπὸ π.] ἐπὶ δειλίᾳ
[Sm. Ps. 2. 4 : 36 (37). 13 : 58 (59). 9 : La. 1. 7.]

καταγέλαστος.
Wi. 17. 8. οὗτοι καταγέλαστον εὐλάβειαν ἐνόσουν

κατάγελως. (1) קֶלֶס
To. 8. 10. S καὶ γενώμεθα κατάγελως
Ps. 43 (44). 13. καταγέλωτα [A S² χλευασμὸν] τοῖς κύκλῳ ἡμῶν (1)
Mi. 1. 10. μὴ ἀνοικοδομεῖτε . . . καταγέλωτα [? κατὰ γ.] †
I Ma. 10. 70. ἐγὼ δὲ ἐγενήθην εἰς καταγέλωτα
[Sm. Je. 20. 7.]
[Sext. Ps. 43 (44). 14.]

καταγηράσκειν. (1) שִׁיבָה
Is. 46. 4. ἕως ἂν καταγηράσητε ἐγώ εἰμι (1)

καταγίνεσθαι. (1) *a.* יָשַׁב *b.* מוֹשָׁב (2) שָׁכַן
Ex. 10. 23. ἐν πᾶσιν οἷς κατεγίνοντο (1 *b*)
Nu. 5. 3. ἐν οἷς ἐγὼ καταγίνομαι ἐν αὐτοῖς (2)
De. 9. 9. κατεγινόμην ἐν τῷ ὄρει (1 *a*)
Da. LXX. Bel 20. ἐν ᾧ ἦσαν οἱ ἱερεῖς καταγινόμενοι

καταγινώσκειν. (1) חָקַר (2) רָשַׁע hi.
De. 25. 1. καὶ καταγνῶσι τοῦ ἀσεβοῦς (2)
Pr. 28. 11. πένης δὲ νοήμων καταγνώσεται αὐτοῦ (1)
Si. 14. 2. οὗ οὐ κατέγνω ἡ ψυχὴ αὐτοῦ
19. 5. ὁ εὐφραινόμενος καρδίᾳ [S¹ πονηρὰ] καταγνωσθήσεται
[Sm. Je. 42. 6: Ez. 16. 61.]

κάταγμα.
[Sm. Ps. 146 (147). 3: Ez. 21. 6 (11).]

καταγνύναι, *cf.* **κατάγειν.** (1) נָדַע ni. (2) דּוּשׁ (3) מָחַץ (4) נָתַת pi. (5) נָכָה hi. (6) רָדַף
De. 33. 11. κάταξον ὀσφὺν ἐχθρῶν (3)
II Ki. 22. 35. καὶ κατάξας τόξον χαλκοῦν (4)
Ju. 9. 8. κάταξον τὸ κράτος αὐτῶν
Hb. 3. 12. καὶ ἐν θυμῷ κατάξεις ἔθνη (2)
Za. 1. 21 (2. 4). καὶ τὸν Ἰσραὴλ κατέαξαν †
9. 4. πατάξει [A S¹ κατάξει] εἰς θάλασσαν (5)
— 10. κατάρξει [S¹ κατάξει] ὑδάτων †
12. 4. τοὺς ἵππους . . . πατάξω [S¹ κατάξω] (5)
Je. 31 (48). 25. κατεάχθη κέρας Μωάβ (1)
La. 3. 66. A αὐτοὺς κατάξεις [B καταδιώξ.] ἐν ὀργῇ (6)
[Aq. Dt. 9. 17.]
[Sm. Ps. 47 (48). 8: 50 (51). 19: 68 (69). 21.]
[Al. Le. 24. 20: Ps. 146 (147). 3.]

κατάγνωσις.
Si. 5. 14. κατάγνωσις πονηρὰ ἐπὶ διγλώσσου

καταγογγύζειν.
I Ma. 11. 39. καταγογγύζουσι κατὰ τοῦ Δημητρ.

καταγράφειν. (1) כָּתַב (2) עָלָה hoph.
Ex. 17. 14. κατάγραψον τοῦτο . . . εἰς βιβλίον [A ἐν βιβλίῳ] (1)
32. 15. πλάκες λίθιναι καταγεγραμμ. [A γεγρ.] (1)
Nu. 11. 26. οὗτοι ἦσαν τῶν καταγεγραμμένων (1)
I Ch. 9. 1. καὶ οὗτοι καταγεγραμμένοι ἐν βιβλίῳ (1)
II Ch. 20. 34. ὃς κατέγραψε βιβλίον [B¹ -ου] βασιλέως Ἰσρ. (2)
I Es. 2. 16. A R κατέγραψεν αὐτῷ [B -ῶν] κατὰ τῶν κατοικούντων
Jb. 13. 26. κατέγραψας κατ' ἐμοῦ κακά (1)
Si. 48. 10. ὁ καταγραφεὶς ἐν ἐλεγμοῖς [A κ. ἐλεγμὸς] εἰς [S¹ *om.*] καιρούς
Ho. 8. 12. καταγράψω αὐτῷ πλῆθος (1)
I Ma. 9. 22. τῆς μεγαλωσύνης αὐτοῦ οὐ κατεγράφη
14. 27. S R καὶ κατέγραψαν [A -εν] ἐν δέλτοις χαλκαῖς
[Sm. Ez. 8. 10.]

κατάγχειν.
[Th. Jd. 11. 35 *bis.*]

καταδαμάζειν. (1) חָרַשׁ
Jd. 14. 18. A εἰ μὴ κατεδαμάσατέ μου τὴν δάμαλιν [B *al.*]

καταδαπανᾶσθαι.
Wi. 5. 13. ἐν δὲ τῇ κακίᾳ ἡμῶν κατεδαπανήθημεν

καταδεής.
[Sm. Jb. 13. 2.]

καταδεικνύναι. (1) בָּרָא (2) יָצַר (3) תְּפַשׂ
Ge. 4. 21. οὗτος ἦν ὁ καταδείξας ψαλτήριον (3)
Is. 40. 26. τίς κατέδειξε πάντα ταῦτα (1)
41. 20. ὁ ἅγιος τοῦ Ἰσραὴλ κατέδειξεν (1)
43. 15. ὁ καταδείξας Ἰσραὴλ βασιλέα ὑμῶν (1)
45. 18. οὗτος ὁ θεὸς ὁ καταδείξας τὴν γῆν (2)

καταδεῖν. (1) חָבַשׁ (2) חָפַשׂ hithp. (3) עָמַס (4) צָמִיד
Nu. 19. 15. B²R ὅσα οὐχὶ [A B¹ οὐκ ἔχει] δεσμὸν καταδέδεται (4 ?)
III Ki. 21 (20). 38. κατεδήσατο τελαμῶνι τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ (3 ?)
Si. 27. 21. τραῦμά ἐστι καταδῆσαι
28. 24. τὸ ἀργύριόν σου καὶ τὸ χρυσίον κατάδησον
Is. 46. 1. αἴρετε [A ἔδεται] αὐτὰ καταδεδεμένα (2)
Ez. 34. 4. τὸ συντετριμμένον οὐ κατεδήσατε (1)
— 16. τὸ συντετριμμένον καταδήσω (1)
[Aq. Ge. 30. 41.]
[Sm. Jb. 16. 8.]
[Th. Is. 61. 1: Ez. 30. 21.]

καταδεῖσθαι. (1) חָלָה (2) חָנַן hithp.
Ge. 42. 21. ὅτε κατεδέετο ἡμῶν (2)
Is. 57. 10. οὐ [S¹ ὁ] κατεδεήθης μου σύ (1)
Ez. 30. 21. οὐ κατεδεήθη [A *add.* μου] †

καταδεσμεύειν.
Si. 7. 8. μὴ καταδεσμεύσῃς δὶς ἁμαρτίαν
30. 7. καταδεσμεύσει τραύματα αὐ.

κατάδεσμος. (1) חָבַשׁ pu.
Is. 1. 6. οὐκ ἔστι μάλαγμα . . . οὔτε καταδέσμους (1)

καταδέχεσθαι. (1) בִּין (2) נָדִיב
Ex. 35. 5. πᾶς ὁ καταδεχόμενος τῇ καρδίᾳ (2)
De. 32. 29. ταῦτα καταδεξάσθωσαν (1)

καταδιαιρεῖν. (1) גָּזַר (2) חָלַק pi. (3) פָּלַג pi. (4) פָּסַג pi.
Ps. 47 (48). 13. A B S² καταδιέλεσθε τὰς βάρεις αὐτῆς (4)
54 (55). 9. καταδίελε τὰς γλώσσας αὐτῶν (3)
135 (136). 13. τῷ καταδιελόντι τὴν ἐρυθρὰν θάλασσαν (1)
Jl. 3 (4). 2. καὶ τὴν γῆν μου κατεδιείλαντο (2)
[Sm. Ps. 28 (29). 7.]
[Al. Is. 14. 2.]

καταδικάζειν. (1) חוּב pi. (2) עָנָה pi. (3) *a.* רָשַׁע hi. *b.* רָשָׁע
Jb. 34. 29. καὶ τίς καταδικάσεται (3 *a*)
Ps. 36 (37). 33. A S οὐδὲ μὴ καταδικάσηται [B -σαι] αὐτόν (3 *a*)
93 (94). 21. αἷμα ἀθῷον καταδικάσονται (3 *a*)
108 (109). 7. ἐξέλθοι καταδεδικασμένος (3 *b*)
Wi. 2. 20. θανάτῳ ἀσχήμονι καταδικάσωμεν αὐτόν
11. 10. ἐκείνους δὲ . . . καταδικάζων ἐξήτασας
12. 15. αὐτὸν τὸν μὴ ὀφείλοντα κολασθῆναι καταδικάσαι
17. 11. δεινὸν γὰρ ἰδίως πονηρία μαρτυρεῖ [A S -υρι] καταδικαζομένη
La. 3. 36. καταδικάσαι ἄνθρωπον ἐν τῷ κρίνεσθαι αὐτόν (2)
Da. TH. 1. 10. καὶ καταδικάσητε τὴν κεφαλήν μου τῷ βασ. (1)
[Aq. Jb. 9. 20: 10. 2: Is. 54. 17.]
[Sm. Jb. 9. 20: Ps. 36 (37). 33.]
[Th. Jb. 9. 20: 34. 29.]

καταδίκη.
Wi. 12. 27. τὸ τέρμα τῆς κ. ἐπ' αὐτοὺς ἐπῆλθε
[Sm. Ps. 89 (90). 3.]

καταδιώκειν. (1) דָּבַק hi. (2) דָּלַק (3) דָּפַק (4) הָלַךְ (5) יָצָא (6) רָדַף *a.* qal. *b.* pi. (7) רוּץ (8) שָׁפַט
Ge. 14. 14. κατεδίωξεν ὀπίσω αὐτῶν (6 *a*)
— 15. R κατεδίωξεν αὐτούς (6 *a*)
31. 36. κατεδίωξας ὀπίσω μου (2)
Ge. 33. 13. R ἐὰν οὖν καταδιώξω αὐτά [A -ούς] (3)
35. 5. οὐ κατεδίωξαν ὀπίσω τῶν υἱῶν Ἰσρ. (6 *a*)
Ex. 14. 4. καταδιώξεται ὀπίσω αὐτῶν (6 *a*)
— 8. κατεδίωξεν [A² -αν] ὀπίσω τῶν υἱῶν Ἰσρ. (6 *a*)
— 9. κατεδίωξαν οἱ Αἰγύπτιοι ὀπίσω αὐτῶν (6 *a*)
— 23. καὶ κατεδίωξαν οἱ Αἰγ. (6 *a*)
De. 1. 44. B καὶ κατεδίωξαν [A R -εν] ὑμᾶς (6 *a*)
11. 4. καταδιωκόντων αὐτῶν ἐκ τῶν ὀπίσω ὑμῶν (6 *a*)
28. 22, 45. καὶ καταδιώξονταί σε (6 *a*)
Jo. 2. 5. καταδιώξατε ὀπίσω αὐτῶν (6 *a*)
— 7. καὶ οἱ ἄνδρες κατεδίωξαν ὀπίσω αὐτῶν (6 *a*)
— 8 (7). A ὡς ἐξῆλθον οἱ καταδιώκοντες [B δι.] (6 *a*)
— 16. μὴ συναντήσωσιν ὑμῖν οἱ καταδιώκοντες (6 *a*)
— 16. ἀποστρέψωσιν [A ἀναστρ.] οἱ καταδιώκοντες (6 *a*)
— 22. ἐξεζήτησαν οἱ καταδιώκοντες (6 *a*)
7. 5. κατεδίωξαν αὐτοὺς ἀπὸ τῆς πύλης (6 *a*)
8. 16. καὶ κατεδίωξαν ὀπίσω τῶν υἱῶν Ἰσρ. (6 *a*)
— 17. ὃς οὐ κατεδίωξεν ὀπίσω Ἰσρ. (5)
— 17. B κατεδίωξαν ὀπίσω Ἰσρ. (6 *a*)
— 24. οὐ κατεδίωξαν αὐτούς (6 *a*)
10. 10. καὶ κατεδίωξαν αὐτούς (6 *a*)
— 19. μὴ ἐστήκατε καταδιώκοντες (6 *a*)
11. 8. κόψοντες αὐτοὺς κατεδίωκον (6 *a*)
24. 6. κατεδίωξαν οἱ Αἰγύπτιοι (6 *a*)
Jd. 7. 23. A κατεδίωξαν [B ἐδ.] ὀπίσω Μ. (6 *a*)
— 25. καὶ κατεδίωξαν Μ. (6 *a*)
9. 40. A καὶ κατεδίωξεν [B ἐδ.] αὐτὸν Ἀβ. (6 *a*)
I Ki. 7. 11. B κατεδίωξαν τοὺς ἀλλοφύλους (6 *a*)
17. 52. κατεδίωξαν ὀπίσω αὐτῶν (6 *a*)
23. 25. καὶ κατεδίωξεν ὀπίσω Δαυίδ (6 *a*)
— 28. μὴ καταδιώκειν ὀπίσω Δαυίδ (6 *a*)
24. 15. ὀπίσω τίνος καταδιώκεις (6 *a*)
25. 29. ἄνθρωπος καταδιώκων σε (6 *a*)
26. 18. ἵνα τί τοῦτο καταδιώκει ὁ κύριος (6 *a*)
— 20. καθὼς καταδιώκει ὁ νυκτικόραξ (6 *a*)
30. 8. εἰ καταδιώξω ὀπίσω τοῦ γεδδοὺρ τ. (6 *a*)
— 8. καὶ εἶπεν αὐτῷ καταδίωκε (6 *a*)
— 10. R κατεδίωξεν ἐν τετρακοσίοις ἀνδράσιν [A B *al.*] (6 *a*)
— 22. οὐ κατεδίωξαν μεθ' ἡμῶν (4)
II Ki. 2. 19. κατεδίωξεν Ἀσ. ὀπίσω Ἀβ. (6 *a*)
— 24. κατεδίωξεν Ἰ. καὶ Ἀβ. ὀπίσω Ἀβ. (6 *a*)
— 28. οὐ κατεδίωξαν ὀπίσω τοῦ Ἰσρ. (6 *a*)
17. 1. καταδιώξω ὀπίσω Δαυίδ (6 *a*)
20. 6. καταδίωξον ὀπίσω αὐτοῦ (6 *a*)
III Ki. 21 (20). 20. κατεδίωξεν αὐτοὺς Ἰσρ. (6 *a*)
I Ch. 10. 2. κατεδίωξαν ἀλλόφυλοι ὀπίσω Σ. (1)
II Ch. 13. 19. κατεδίωξεν Ἀβ. ὀπίσω Ἱερ. (6 *a*)
14. 13 (12). καὶ κατεδίωξεν Ἀσά (6 *a*)
Ne. 9. 11. R τοὺς καταδιώξοντας [B S -αντας, A -κοντας] αὐτοὺς ἔρριψας (6 *a*)
Ju. 16. 3. ἐκ χειρὸς καταδιωκόντων με
Ps. 7. 5. καταδιώξαι ἄρα ὁ ἐχθρὸς τὴν ψυχήν μου (6 *a*)
17 (18). 37. καταδιώξω τοὺς ἐχθρούς μου (6 *a*)
22 (23). 6. τὸ ἔλεός σου καταδιώξεταί [S² -ξει] με (6 *a*)
30 (31). 15. ῥῦσαί με . . . ἐκ τῶν καταδιωκόντων με (6 *a*)
34 (35). 3. ἐξ ἐναντίας τῶν καταδιωκόντων με (6 *a*)
— 6. ἄγγελος κυρίου καταδιώκων αὐτούς (6 *a*)
37 (38). 20. κατεδίωκον δικαιοσύνην [S² ἀγαθωσ.] (6 *a*)
68 (69). 26. ὃν σὺ ἐπάταξας αὐτοὶ κατεδίωξαν (6 *a*)
70 (71). 11. καταδιώξατε καὶ καταλάβετε αὐτόν (6 *a*)
82 (83). 15. οὕτως καταδιώξεις αὐτούς (6 *a*)
108 (109). 16. κατεδίωξεν ἄνθρωπον [S¹ *om.*] πένητα (6 *a*)
— 31. ἐκ τῶν καταδιωκόντων [S¹ διωκ.] τὴν ψυχήν μου (8)
118 (119). 84. ἐκ τῶν καταδιωκόντων με κρίσιν (6 *a*)
— 86. ἀδίκως κατεδίωξάν με (6 *a*)
— 150. οἱ καταδιώκοντές με ἀνομίᾳ (6 *a*)
— 161. ἄρχοντες κατεδίωξάν με δωρεάν (6 *a*)
141 (142). 6. ῥῦσαί με ἐκ τῶν καταδιωκόντων με (6 *a*)
142 (143). *tit.* ὅτε αὐτὸν ὁ υἱὸς καταδιώκει [A -εδίωξεν] –
— 3. A B² S R κατεδίωξεν ὁ ἐχθρὸς τὴν ψυχήν μου (6 *a*)

Pr. 12. 26. ἁμαρτάνοντας δὲ καταδιώξεται κακά [S^2 *om.* ἁ. . . . κ.] –
13. 21. ἁμαρτάνοντας καταδιώξεται κακά (6 *b*)
Si. 27. 17. οὐ [A S^2 *om.*] μὴ καταδιώξῃς ὀπίσω αὐτοῦ
Ho. 2. 7 (9). καταδιώξεται τοὺς ἐραστὰς αὐ. (6 *b*)
8. 3. ἐχθρὸν κατεδίωξαν (6 *a*)
Mi. 2. 11. κατεδιώχθητε οὐδενὸς διώκοντος †
Jl. 2. 4. καὶ ὡς [A οἱ] ἱππεῖς οὕτως καταδιώξονται (7)
Je. 15. 15. ἀπὸ [S ἐκ] τῶν καταδιωκόντων με (6 *a*)
52. 8. κατεδίωξεν ἡ δύναμις τῶν Χαλδ. (6 *a*)
Ba. 4. 25. κατεδίωξέ σε ὁ ἐχθρός
La. 1. 3. πάντες οἱ καταδιώκοντες [S δι.] αὐτὴν (6 *a*)
3. 11. κατεδίωξεν ἀφεστηκότα †
— 66. αὐτοὺς καταδιώξεις [A κατάξ.] ἐν ὀργῇ (6 *a*)
I Ma. 7. 45. καὶ κατεδίωκον αὐτούς
10. 78. κατεδίωξεν ὀπίσω αὐτοῦ
12. 30. S R κατεδίωξεν Ἰωνάθαν [A -ξαν] ὀπίσω αὐτῶν
16. 9. Ἰωάννης δὲ κατεδίωξεν αὐτούς
[Aq., Sm. Ps. 34 (35). 3: Pr. 11. 19.]
[Th. Jd. 7. 23: Ps. 34 (35). 3: Pr. 11. 19: 19. 7: Je. 39 (46). 5.]
[Quint. Ps. 34 (35). 3.]

καταδολεσχεῖν. (1) שׂוּחַ *a.* qal. *b.* hi.

La. 3. 20. καταδολεσχήσει ἐπ' ἐμὲ ἡ ψυχή μου (1 *a*, 1 *b**)

καταδουλοῦν. (1) עָבַד *a.* qal. *b.* hi.
(2) רָמָא

Ge. 47. 21. R τὸν λαὸν κατεδουλώσατο αὐτῷ [A -ῶν] †
Ex. 1. 14. ἔργα ὧν κατεδουλοῦντο αὐτούς (1 *a*)
6. 5. ὃν οἱ Αἰγ. καταδουλοῦνται [A -λῶσιν] αὐτούς (1 *b*)
II Es. 7. 24. οὐκ ἐξουσιάσεις καταδουλοῦσθαι αὐτούς (2)
Je. 15. 14. καταδουλώσω [A -σουσίν] σε κύκλῳ †
Ez. 29. 18. κατεδουλώσατο τὴν δύναμιν αὐτοῦ (1 *b*)
34. 27. ἐκ χειρὸς τῶν καταδουλωσαμ. αὐτούς (1 *a*)
I Ma. 8. 10. καὶ κατεδουλώσαντο αὐτούς
— 18. A R καταδουλουμένους τὸν Ἰσρ. δουλείαν [S -α]
III Ma. 2. 6. Φαραὼ καταδουλωσάμενον τὸν λαόν σου
[Sm. Is. 43. 23: Je. 17. 4: 25. 14.]
[Th. Is. 43. 23.]
[Al. Le. 19. 20.]

καταδρομή.

II Ma. 5. 3. καὶ καταδρομὰς ἑκατέρων

καταδύειν (-δύνειν). (1) יָרַד (2) כָּבַשׁ
(3) סָתַר ni. (4) שָׁקַע

Ex. 15. 5. κατέδυσαν εἰς βυθὸν ὡσεὶ λίθος (1)
Am. 9. 3. ἐὰν καταδύσωσιν ἐξ ὀφθαλμῶν μου (3)
Mi. 7. 19. καταδύσει τὰς ἀδικίας ἡμῶν (2)
Je. 28 (51). 64. οὕτως καταδύσεται Βαβυλών (4)
[Aq. Je. 38 (45). 22.]
[Sm. Ps. 118 (119). 136.]
[Al. Hb. 3. 13.]
[Sext. Ps. 88 (89). 45.]

καταδυναστεία. (1) גְּרוּשָׁה (2) סִבְלָה
(3) *a.* עֲשׁוּקִים *b.* עֹשֶׁק

Ex. 6. 7. ὁ ἐξαγαγὼν ὑμᾶς ἐκ τῆς κ. τῶν Αἰγ. (2)
Am. 3. 9. ἴδετε . . . καταδυναστείαν [A τὴν κ.] τὴν ἐν αὐτῇ (3 *a*)
Je. 6. 6. ὅλη κ. ἐν αὐτῇ (3 *b*)
Ez. 22. 12. συντέλειαν κακίας σου τὴν ἐν καταδυναστείᾳ (3 *b*)
45. 9. ἐξάρατε καταδυναστείαν (1)

καταδυναστεύειν. (1) בָּקַע (2) חָזַק hi.
(3) יָנָה hi. (4) כָּבַשׁ *a.* qal. *b.* ni.
c. pi. (5) כָּתַר hi. (6) נָשָׂא (7) עָבַד hi.
(8) עָמַר hithpa. (9) עָרִיץ (10) עָשַׁק
(11) רָצַץ (12) שָׁבַת hi.

Ex. 1. 13. κατεδυνάστευον οἱ Αἰγ. τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (7)
21. 17 (16). καταδυναστεύσας αὐτὸν ἀποδῶται –
De. 24. 7. καὶ καταδυναστεύσας αὐτὸν ἀποδῶται (8)
I Ki. 12. 3. τίνα κατεδυνάστευσα ὑμῶν [A *om.*] (10)
— 4. οὐ κατεδυνάστευσας ἡμᾶς (11)
II Ki. 8. 11. ἐκ πασῶν τῶν πόλεων ὧν κατεδυνάστευσεν (4 *c*)
II Ch. 21. 17. καὶ κατεδυνάστευον (1)
Ne. 5. 5. καταδυναστεύομεν τοὺς υἱοὺς [A τοῖς υἱ.] ἡμῶν (4 *a*)
— 5. εἰσὶν ἀπὸ θυγατέρων ἡμῶν καταδυναστευόμεναι (4 *b*)
Wi. 2. 10. καταδυναστεύσωμεν πένητα δίκαιον
15. 14. B^2S^1R οἱ ἐχθροὶ τοῦ λαοῦ σου καταδυναστεύσαντες [A B^1S^2 οἱ κατ.] αὐτόν [S^2 -ῶν]
17. 2. ὑπειληφότες γὰρ καταδυναστεύειν ἔθνος ἅγιον
Si. 48. 12. οὐ κατεδυνάστευσεν [S οὐκ ἐδυνάστευσεν] αὐτὸν οὐδείς
Ho. 5. 11. κατεδυνάστευσεν Ἐ. τὸν ἀντίδικον αὐτοῦ (10)
12. 7 (8). καταδυναστεύειν ἠγάπησε (10)
Am. 4. 1. αἱ καταδυναστεύουσαι πτωχούς (10)
8. 4. καταδυναστεύοντες πτωχοὺς ἀπὸ τῆς γῆς (12)
Mi. 2. 2. καὶ οἴκους κατεδυνάστευον (6)
Hb. 1. 4. ἀσεβὴς καταδυναστεύει τὸν δίκαιον (5)
Za. 7. 10. πένητα μὴ καταδυναστεύετε (10)
Ma. 3. 5. καὶ τοὺς καταδυναστεύοντας χήραν –
Is. 29. 5. B τὸ πλῆθος τῶν καταδυναστευόντων σε (9)
Je. 7. 6. ὀρφανὸν καὶ χήραν μὴ καταδυναστεύσητε (10)
22. 3. ὀρφανὸν καὶ χήραν μὴ καταδυναστεύετε [S -σητε] (3)
27 (50). 33. καταδεδυνάστευνται οἱ υἱοὶ Ἰσ. (10)
— 33. A B S^2 κατεδυνάστευσαν αὐτούς (2)
Ez. 18. 7. ἄνθρωπον οὐ μὴ καταδυναστεύσῃ (3)
— 12. πτωχὸν καὶ πένητα κατεδυνάστευσε (3)
— 16. ἄνθρωπον οὐ κατεδυνάστευσε (3)
22. 7. ὀρφανὸν καὶ χήραν κατεδυνάστευον (3)
— 29. πτωχὸν καὶ πένητα καταδυναστεύοντες (3)
45. 8. οὐ καταδυναστεύσουσιν οὐκέτι . . . τὸν λαόν μου (3)
46. 18. τοῦ [A B^1 *om.*] καταδυναστεῦσαι αὐτούς (3)
II Ma. 1. 28. βασάνισον τοὺς καταδυναστεύοντας
[Aq. Is. 29. 20: Je. 50 (27). 17.]
[Sm. Jd. 10. 8: Jb. 13. 25: 36. 9: Ps. 64 (65). 4: Is. 29. 5, 20.]
[Th. Is. 29. 5, 20.]

κατάδυσις. (1) מִפְלָצֹת

III Ki. 15. 13. ἐξέκοψεν Ἀσὰ τὰς κ. αὐτῆς (1)
[Aq. Ps. 16 (17). 14: 38 (39). 6: 48 (49). 2.]
[Sm. Ps. 48 (49). 2: 68 (69). 3.]

κατάδυτος.

[Al. Ps. 48 (49). 2.]
[Quint. Ps. 87 (88). 7.]

καταθαρσεῖν. (1) סָמַךְ ni.

II Ch. 32. 8. κατεθάρσησεν ὁ λαὸς ἐπὶ τοῖς λόγοις Ἐζ. (1)

καταθλᾶν. (1) רָמַס (2) רָצַח

Ps. 41 (42). 10. ABS^1 ἐν τῷ καταθλᾶσαι [S^2R -ᾶσθαι] τὰ ὀστᾶ μου (2)
Is. 63. 3. κατέθλασα αὐτοὺς ὡς γῆν (1)
[Sm. Jb. 19. 2: 40. 7 (12).]

καταθύμιος. (1) הַוָּה (2) חָמַד

Mi. 7. 3. καταθύμιον ψυχῆς αὐτοῦ ἐστιν (1)
Is. 44. 9. ποιοῦντες τὰ κ. αὐτῶν (2)
[Sm. Ge. 34. 3: Jb. 30. 15.]

καταιγίζειν.

[Sm. Is. 54. 11: Ez. 1. 4 *bis.*]
[Th., Sept. Ps. 49 (50). 3.]

καταιγίς. (1) בָּרָד (2) הֶבֶל (3) זִלְעָפָה,
זַלְעָפָה (4) סוּפָה (5) *a.* סַעַר *b.* סְעָרָה
(6) רַעַם (7) שְׂעִר ni. (8) שַׁבְלֻלֶת
(9) *a.* שׁוֹט *b.* שֵׁט

Ps. 10 (11). 7. πνεῦμα καταιγίδος ἡ μερὶς τοῦ ποτηρίου αὐτῶν (3)
49 (50). 3. κύκλῳ αὐτοῦ καταιγὶς σφόδρα (7)
54 (55). 8. ἀπὸ ὀλιγοψυχίας καὶ καταιγίδος (5 *a*)
68 (69). 2. καταιγὶς κατεπόντισέ με (8)
— 15. μή με καταποντισάτω καταιγὶς ὕδατος (8)
80 (81). 7. ἐπήκουσά σου ἐν ἀποκρύφῳ καταιγίδος (6)
82 (83). 15. καταδιώξεις αὐτοὺς ἐν τῇ κ. σου (5 *a*)
106 (107). 25. ἔστη πνεῦμα καταιγίδος (5 *b*)
Ps. 106 (107). 29. A S^3R ἐπέταξε [S^2 ἐπετίμησεν] τῇ κ. καὶ ἔστη εἰς αὔραν [S^1 ἔστησεν καταιγίδα αὐτῆς] (5 *b*)
148. 8. χιὼν κρύσταλλος πνεῦμα καταιγίδος (5 *b*)
Pr. 1. 27. ἡ δὲ καταστροφὴ ὁμοίως καταιγίδι παρῇ (4)
10. 25. A B S^2 παραπορευομένης καταιγίδος ἀφανίζεται ἀσεβής (4)
Si. 16. 21. καταιγὶς ἣν οὐκ ὄψεται ἄνθρωπος
36 (33). 2. ὡς ἐν καταιγίδι πλοῖον
43. 17. καταιγὶς βορέου καὶ συστροφὴ πνεύματος
Is. 5. 28. οἱ τροχοὶ τῶν ἁρμάτων αὐτῶν ὡς κ. (4)
17. 13. ὡς κονιορτὸν τροχοῦ κ. φέρουσα (4)
21. 1. ὡς κ. δι' ἐρήμου διέλθοι ἐξ ἐρήμου (4)
28. 15. κ. φερομένη ἐὰν παρέλθῃ (9 *a*, 9 *b**)
— 17. οὐ μὴ παρέλθῃ ὑμᾶς κ. (1 ?)
— 18. κ. φερομένη ἐὰν ἐπέλθῃ (9 *a*)
29. 6. κ. φερομένη καὶ φλὸξ πυρὸς κατεσθίουσα (4)
40. 24. κ. ὡς φρύγανα λήψεται [A S^3 ἀναλ.] αὐτούς (5 *b*)
41. 16. κ. διασπερεῖ αὐτούς (5 *b*)
57. 13. ἀποίσει καταιγίς [S *al.*] (2)
66. 15: Je. 4, 13. ὡς κ. τὰ ἅρματα αὐτοῦ (4)
La. 5. 10. συνεσπάσθησαν ἀπὸ προσώπου καταιγίδων λιμοῦ (3)
[Aq. Ez. 1. 4.]
[Sm. Jb. 9. 17: 21. 18: 37. 9: Ps. 41 (42). 8: 87 (88). 8: 106 (107). 29: Ez. 13. 11, 13.]
[Th. Jb. 37. 9: Ps. 106 (107). 29: Is. 28. 2: Ez. 1. 4: 13. 13.]
[Al. Is. 28. 2.]

καταιδεῖσθαι.

IV Ma. 3. 12. καταιδεσθέντες τὴν τοῦ βασ. ἐπιθυμίαν

καταικίζειν.

IV Ma. 6. 3. μάστιξι κατῄκιζον
7. 2. καταικιζόμενος ταῖς τοῦ τυράννου ἀπειλαῖς
9. 15, A R οὐκ ἀνδροφονήσαντά με τοῦτον καταικίζεις [S βασανίζεις] τὸν τρόπον
11. 1. οὕτως ταῖς βασάνοις καταικισθεὶς ἐναπέθανεν
12. 13. A R καὶ τοῦτον καταικίσας [S κατακαύσας]
13. 27. A R τοὺς καταικιζομένους [S κατοικτιζ.] ὁρῶντες . . . βασανιζομένους

καταισχυμμός.

[Sm. Ps. 43 (44). 16: Mi. 2. 6.]

καταισχύνειν. (1) בּוֹשׁ *a.* qal. *b.* hi. *c.* בֹּשֶׁת
(2) חָפֵר (3) טָחַן (4) כָּלַם *a.* ni. *b.* hi.

Jd. 18. 7. ἢ καταισχύνων λόγον ἐν τῇ γῇ [A *al.*] (4 *b*)
Ru. 2. 15. μὴ καταισχύνητε αὐτήν (4 *b*)
II Ki. 10. 6. κατῃσχύνθησαν ὁ λαὸς Δ. [A ἐν Δ.] †
16. 21. κατῄσχυνας [A ἤσχ.] τὸν πατέρα σου †
19. 5 (6). κατῃσχυνας . . . τὸ πρόσωπον πάντων (1 *b*)
IV Ki. 19. 26. καὶ κατῃσχύνθησαν (1 *a*)
To. 10. 2. μή ποτε κατῄσχυνται [S *al.*]
Ps. 6. 10. A S^2 καταισχυνθείησαν [B S^1 αἰσχ.] σφόδρα διὰ τάχους (1 *a*)
13 (14). 6. βουλὴν πτωχοῦ κατῃσχύνατε (1 *b*)
21 (22). 5. καὶ οὐ κατῃσχύνθησαν (1 *a*)
24 (25). 2. ἐπὶ σοὶ πέποιθα μὴ καταισχυνθείην (1 *a*)
— 3. οὐ μὴ καταισχυνθῶσιν (1 *a*)
— 20. μὴ καταισχυνθείην ὅτι ἤλπισα ἐπὶ σέ (1 *a*)
30 (31). 1. μὴ καταισχυνθείην εἰς τὸν αἰῶνα (1 *a*)
— 17. κύριε, μὴ καταισχυνθείην (1 *a*)
33 (34). 5. τὰ πρόσωπα ὑμῶν οὐ μὴ καταισχυνθῇ (2)
34 (35). 4. AS καταισχυνθήτωσαν [B -θείησαν] οἱ λογιζόμενοί μοι κακά (2)
36 (37). 19. οὐ καταισχυνθήσονται ἐν καιρῷ πονηρῷ (1 *a*)
39 (40). 14. καταισχυνθείησαν . . . οἱ ζητοῦντες τὴν ψυχήν μου (1 *a*)
— 14. AS^2 καταισχυνθείησαν [B S^1 ἐντραπείησαν] οἱ θέλοντές μοι κακά (4 *a*)
43 (44). 7. A B^3S τοὺς μισοῦντας ἡμᾶς κατῄσχυνας (1 *b*)
— 9. ἀπώσω καὶ κατῄσχυνας ἡμᾶς (4 *b*)
52 (53). 5. κατῃσχύνθησαν ὅτι ὁ θεὸς ἐξουδένωσεν αὐτούς (1 *b*)
69 (70). 2. καταισχυνθείησαν οἱ βουλόμενοί μοι κακά (4 *a*)
70 (71). 1. μὴ καταισχυνθείην εἰς τὸν αἰῶνα (1 *a*)
73 (74). 21. μὴ ἀποστραφήτω . . . κατῃσχυμμένος (4 *a*)
118 (119). 31. μή με καταισχύνῃς (1 *b*)

Ps. 118 (119). 116. μὴ καταισχύνῃς με ἀπὸ τῆς προσδοκίας μου (1 b)
126 (127). 5. R οὐ καταισχυνθήσονται [S -σεται, A -θῶσιν] ὅταν λαλῶσι (1 a)
Pr. 19. 26. ὁ ἀτιμάζων πατέρα . . . καταισχυνθήσεται (1 b)
20. 4. S ὀνειδιζόμενος ὀκνηρὸς οὐ καταισχύνεται [A B οὐκ αἰσχ.] †
Si. 2. 10. τίς ἐνεπίστευσε κυρίῳ καὶ κατῃσχύνθη
15. 4. καὶ οὐ μὴ καταισχυνθῇ
22. 4. ἡ καταισχύνουσα εἰς λύπην γεννήσαντος [S¹ ἐγγ.]
— 5. πατέρα καὶ ἄνδρα καταισχύνει ἡ θρασεῖα [A θρησκεία]
— 25. φίλον σκεπάσαι οὐκ αἰσχυνθήσομαι [S¹ οὐ καταισχ.]
24. 22. S¹ ὁ ὑπακούων μου οὐ καταισχυνθήσεται [A B S² οὐκ αἰσχ.]
42. 11. S μή ποτε . . . καταισχύνῃ [A B -εῖ] σε ἐν πλήθει πολλῶν
— 14. γυνὴ καταισχύνουσα εἰς ὀνειδισμόν
Ho. 2. 5 (7). κατῃσχυνεν ἡ τεκοῦσα αὐτά (1 b)
4. 19. καὶ καταισχυνθήσονται ἐκ τῶν θυσιαστηρίων (1 a)
Mi. 3. 7. καταισχυνθήσονται οἱ ὁρῶντες τὰ ἐνύπνια (1 a)
7. 16. ὄψονται ἔθνη καὶ καταισχυνθήσονται (1 a)
Jl. 1. 11. ἐξηράνθησαν [S² κατῃσχύνθησαν] γεωργοί (1 b)
2. 26. οὐ μὴ καταισχυνθῇ ὁ λαός μου (1 a)
— 27. οὐ μὴ καταισχυνθῶσιν [A S² -θῇ] ἔτι ὁ λαός μου (1 a)
Ze. 3. 11. οὐ μὴ καταισχυνθῇς ἐκ πάντων τῶν ἐπιτηδευμ. (1 a)
— 20 (19). καταισχυνθήσονται ἐν τῷ καιρῷ ἐκείνῳ (1 c)
Za. 10. 5. καὶ καταισχυνθήσονται ἀναβάται ἵππων (1 b)
13. 4. καταισχυνθήσονται οἱ προφῆται (1 a)
Is. 1. 29. A καταισχυνθήσονται ἐπὶ τοῖς εἰδώλοις αὐτῶν [B S al.] (1 a)
3. 15. τὸ πρόσωπον τῶν πτωχῶν καταισχύνετε (3)
28. 16. ὁ πιστεύων [A S add. ἐπ' αὐτῷ] οὐ μὴ καταισχυνθῇ †
50. 7. οὐ μὴ αἰσχυνθῶ [S¹ καταισχυνθῇ] (1 a)
54. 4. μὴ φοβοῦ ὅτι κατῃσχύνθης (1 a)
Je. 2. 36. ἀπὸ Αἰγύπτου καταισχυνθήσῃ καθὼς κατῃσχύνθης ἀπὸ Ἀσσούρ (1 a, 1 a)
6. 15. κατῃσχύνθησαν ὅτι ἐξελίποσαν καὶ οὐδ' ὡς καταισχυνόμενοι κατῃσχύνθησαν [A S ᾐσχ.] (1 b, 1 a, 1 a)
7. 19. ὅπως καταισχυνθῇ τὰ πρόσωπα αὐτῶν (1 c)
9. 19. κατῃσχύνθημεν σφόδρα (1 a)
10. 14. κατῃσχύνθη πᾶς χρυσοχόος (1 b)
15. 9. κατῃσχύνθη [S¹ -ην] καὶ ὠνειδίσθη (1 a)
17. 13. πάντες οἱ καταλιπόντες σε καταισχυνθήτωσαν [S¹ al.] (1 a)
— 18. καταισχυνθήτωσαν οἱ διώκοντές με καὶ μὴ καταισχυνθείην [A πτοηθ.] ἐγώ (1 a, 1 a)
26 (46). 24. κατῃσχύνθη ἡ θυγάτηρ Αἰγύπτου (1 b)
27 (50). 2. κατῃσχύνθη Βῆλος (1 b)
— 38. καὶ καταισχυνθήσονται †
28 (51). 17. κατῃσχύνθη πᾶς χρυσοχόος (1 b)
30. 12 (49. 23). κατῃσχύνθη Ἡμάθ (1 a)
31 (48). 13. καταισχυνθήσεται Μωὰβ ἀπὸ Χαμὼς ὥσπερ κατῃσχύνθη οἶκος Ἰσραὴλ ἀπὸ Βαιθήλ [A al.] (1 a, 1 a)
— 20. κατῃσχύνθη Μωάβ (1 b)
Ep. Je. 39. οἱ δὲ θεραπεύοντες αὐτὰ καταισχυνθήσονται
Ez. 24. 13. καταισχυνθήσεται ὁ ἰὸς αὐτῆς †
Da. LXX. 3. (42). μὴ καταισχύνῃς ἡμᾶς
— (44). καταισχυνθείησαν ἀπὸ πάσης δυναστείας
Da. TH. Su. 27. κατῃσχύνθησαν οἱ δοῦλοι σφόδρα
3. (42). μὴ καταισχύνῃς ἡμᾶς
— (44). καταισχυνθείησαν ἀπὸ πάσης τῆς δυναστείας
IV Ma. 5. 35. οὐδὲ καταισχυνῶ σε
13. 18. μὴ καταισχύνῃς ἡμᾶς, ἀδελφέ
[Aq. Jd. 18. 7: Ps. 13 (14). 6: 24 (25). 3: 70 (71). 24: Je. 8. 9.]
[Sm. II Ki. 8. 1: Je. 19. 3: Ps. 24 (25). 3 bis: 30 (31). 18: 52 (53). 6: 68 (69). 7: 70 (71). 13, 24: Pr. 17. 2: Ez. 16. 54: Jl. 1. 11.]
[Th. I Ki. 20. 34: 25. 7: Je. 19. 3: Pr. 14. 35: 17. 2: Is. 1. 29: 20. 5: 25. 5: 42. 17: Je. 8. 12.]
[Quint. Ps. 24 (25). 3.]

κατακαίειν. (1) אָכַל a. qal. b. pu. c. מַאֲכֹלֶת (2) בָּעָה (3) בָּעַר a. qal. b. pi. c. hi. (4) חָרַךְ ithpa. (5) יָצַת a. qal. b. hi. (6) כָּוָה ni. (7) לָהַט pi. (8) צָרַב ni. (9) שָׂרַף a. qal. b. ni. c. שְׂרֵפָה d. מִשְׂרָפוֹת (10) שָׁבַת hi.

Ge. 38. 24. ἐξαγάγετε αὐτὴν καὶ κατακαυθήτω (9 b)
Ex. 3. 2. ὁ δὲ βάτος οὐ κατεκαίετο (1 b)
— 3. οὐ κατακαίεται ὁ βάτος (3 a)
12. 10. τὰ δὲ καταλειπόμενα . . . κατακαύσετε (9 a)
29. 14. τὰ δὲ κρέα . . . κατακαύσεις πυρί (9 a)
— 34. κατακαύσεις τὰ λοιπὰ πυρί (9 a)
32. 20. κατέκαυσεν αὐτὸν ἐν [A om. αὐ. ἐν] πυρί (9 a)
34. 13. τὰ γλυπτὰ . . . κατακαύσετε ἐν [A om.] πυρί –
Le. 4. 12. κατακαύσουσιν αὐτὸν ἐπὶ ξύλων (9 a)
— 21. κατακαύσουσι τὸν μόσχον ὃν τρόπον κατέκαυσαν τὸν μόσχον τὸν πρότερον (9 a, 9 a)
6. 30 (23): 7. 7 (17), 9 (19). ἐν πυρὶ κατακαυθήσεται (9 b)
8. 17. κατέκαυσεν αὐτὰ πυρί (9 a)
— 32. ἐν πυρὶ κατακαυθήσεται (9 a)
9. 11. κατέκαυσεν αὐτὰ πυρί (9 a)
13. 52. κατακαύσει τὸ ἱμάτιον (9 a)
— 52. ἐν πυρὶ κατακαυθήσεται (9 b)
— 55, 57. ἐν πυρὶ κατακαυθήσεται (9 a)
16. 27. κατακαύσουσιν αὐτὰ ἐν πυρί (9 a)
— 28. ὁ δὲ κατακαίων αὐτά (9 a)
19. 6. ἐν πυρὶ κατακαυθήσεται (9 b)
20. 14. ἐν πυρὶ κατακαύσουσιν αὐτὸν καὶ αὐτάς (9 a)
21. 9. ἐπὶ πυρὸς κατακαυθήσεται (9 b)
Nu. 16. 37 (17. 2). ἀνέλεσθε . . . ἐκ μέσου τῶν κατακεκαυμένων (9 c)
— 39 (17. 4). ὅσα προσήνεγκαν οἱ κατακεκαυμ. (9 a)
19. 5. κατακαύσουσιν αὐτὴν ἐναντίον αὐτοῦ (9 a)
— 5. τὸ δέρμα . . . κατακαυθήσεται (9 a)
— 8. ὁ κατακαίων αὐτὴν πλυνεῖ τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (9 a)
— 17. ἀπὸ τῆς σποδιᾶς τῆς κατακεκαυμένης (9 c)
De. 7. 5. τὰ γλυπτὰ . . . κατακαύσετε πυρί (9 a)
— 25. A τὰ γλυπτὰ . . . κατακαύσετε [B καύσετε] (9 a)
9. 21. κατέκαυσα αὐτὸν ἐν πυρί (9 a)
12. 3. A R τὰ γλυπτὰ . . . κατακαύσετε [B -σατε] πυρί (9 a)
— 31. τὰς θυγατ. αὐ. κατακαίουσιν ἐν πυρί (9 a)
29. 23 (22). θεῖον καὶ ἅλα κατακεκαυμένον (9 c)
Jo. 7. 15. κατακαυθήσεται ἐν πυρί (9 b)
11. 6. τὰ ἅρματα αὐτῶν κατακαύσεις (9 a)
— 9. A τὰ ἅρματα αὐτῶν κατέκαυσεν [B ἐνέπρησεν] ἐν πυρί (9 a)
Jd. 2. 2. A τὰ θυσιαστήρια αὐτῶν κατακαύσετε [B καθελεῖτε] †
14. 15. μή ποτε κατακαύσωμέν [A ἐμπυρίσωμέν] σε (9 a)
I Ki. 31. 12. κατακαίουσιν αὐτοὺς ἐκεῖ (9 a)
IV Ki. 17. 31. ἡνίκα κατέκαιον τοὺς υἱοὺς αὐτῶν (9 a)
23. 4. καὶ κατέκαυσεν αὐτά (9 a)
— 5. κατέκαυσε τοὺς χωμαρίμ (10)
— 6. B καὶ κατέκαυσεν αὐτόν (9 a)
— 11. κατέκαυσε [A -αν] τοὺς ἵππους (10)
— 11. τὸ ἅρμα τοῦ ἡλίου κατέκαυσε πυρί (9 a)
— 15. καὶ κατέκαυσε τὸ ἄλσος (9 a)
— 16. καὶ κατέκαυσεν ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον (9 a)
— 20. καὶ κατέκαυσε τὰ ὀστᾶ τῶν ἀνθρώπων (9 a)
I Ch. 14. 12. εἶπε Δ. κατακαῦσαι [A κ. αὐτοὺς] ἐν πυρί (9 b)
II Ch. 15. 16. καὶ κατέκαυσεν ἐν χειμάρρῳ Κέδρων (9 a)
34. 5. καὶ ὀστᾶ ἱερέων κατέκαυσεν (9 a)
To. 14. 4. ὁ οἶκος τοῦ θεοῦ ἐν αὐτῇ κατακαήσεται [S al.]
Ju. 6. 4. κατακαύσομεν γὰρ αὐτούς
Jb. 1. 16. πῦρ . . . κατέκαυσε [A κατέφαγεν] τὰ πρόβατα καὶ τοὺς ποιμένας κατέφαγεν [A -έκαυσεν, S -έφλεξεν] (3 a, 1 a)
15. 34. A πῦρ δὲ κατακαύσει [B S καύσει] οἴκους (1 a)
Ps. 45 (46). 9. θυρεοὺς κατακαύσει ἐν πυρί (9 a)
82 (83). 14. ὡσεὶ φλὸξ κατακαύσαι ὄρη (7)
Pr. 6. 27. τὰ δὲ ἱμάτια οὐ κατακαύσει (9 b)
— 28. τοὺς δὲ πόδας οὐ κατακαύσει (6)
Am. 2. 1. κατέκαυσαν τὰ ὀστᾶ βασιλέως τῆς Ἰ. (9 a)
Is. 1. 31. κατακαυθήσονται οἱ ἄνομοι (3 a)
9. 19 (18). ἔσται ὁ λαὸς ὡς ὑπὸ πυρὸς κατακεκαυμένος (1 c)
27. 4. κατακέκαυμαι (5 b)
33. 12. ἔσονται ἔθνη κατακεκαυμένα ὡς ἄκανθα ἐν ἀγρῷ ἐρριμμένη καὶ κατακεκαυμένη [S¹ om., S² -κεκαλυμμ.] (9 d, 5 a)
43. 2. οὐ μὴ κατακαυθῇς φλὸξ οὐ κατακαύσει σε (6, 3 a)
44. 16, 19. τὸ ἥμισυ αὐτοῦ κατέκαυσεν [S -αν] (9 a)
47. 14. ἐπὶ πυρὶ κατακαυθήσονται [A -καήσ.] (9 a)
64. 2 (1). κατακαύσει πῦρ τοὺς ὑπεναντίους (2)
Je. 7. 31. τοῦ κ. τοὺς υἱοὺς αὐτῶν (9 a)
19. 5. τοῦ κ. τοὺς υἱοὺς αὐτῶν ἐν πυρί (9 a)
21. 10. κατακαύσει αὐτὴν ἐν πυρί (9 a)
30 (49). 2. ἐν πυρὶ κατακαυθήσονται (5 a)
39 (32). 29. κατακαύσουσι [A καύσωσιν] τὰς οἰκίας (9 a)
41 (34). 22. κατακαύσουσιν αὐτὴν ἐν πυρί (9 a)
43 (36). 25. πρὸς τὸ [AS² add. μὴ] κατακαῦσαι τὸ χαρτίον [A βιβλίον] (9 a)
— 27. μετὰ τὸ κατακαῦσαι [A S καῦσαι] τὸν βασ. τὸ χαρτίον (9 a)
— 28. οὓς κατέκαυσεν ὁ βασ. Ἰωακείμ (9 a)
— 29. κατέκαυσας τὸ χαρτίον [A βιβλίον] τοῦτο (9 a)
— 32. οὓς κατέκαυσεν Ἰωακείμ (9 a)
45 (38). 17. ἡ πόλις αὕτη οὐ μὴ κατακαυθῇ (9 b)
— 23. ἡ πόλις αὕτη κατακαυθήσεται (9 a)
50 (43). 13. τὰς οἰκίας αὐ. κατακαύσει ἐν πυρί (9 a)
Ep. Je. 55. αὐτοὶ δὲ ὥσπερ δοκοὶ μέσοι κατακαυθήσονται
Ez. 5. 2. κατακαύσεις αὐτὸ ἐν μέσῳ αὐτῆς (3 c?)
— 4. κατακαύσεις αὐτοὺς ἐν πυρί (9 a)
20. 47 (21. 3.). κατακαυθήσεται ἐν αὐτῇ πᾶν πρόσωπον (8)
39. 10. τὰ ὅπλα κατακαύσουσι πυρί (3 b)
43. 21. κατακαυθήσεται ἐν τῷ ἀποκεχωρισμένῳ τοῦ οἴκου (9 a)
Da. LXX. 3. 27 (94). αἱ τρίχες αὐτῶν οὐ κατεκάησαν (4)
Da. TH. 11. 18. A B κατακαύσει [R -παύσει] ἄρχοντας ὀνειδισμοῦ αὐτῶν (10)
I Ma. 4. 38. A R καὶ τὰς πύλας [S θύρας] κατακεκαυμένας
5. 68. τὰ γλυπτὰ τῶν θεῶν κατέκαυσε
II Ma. 10. 36. ζῶντας τοὺς βλασφήμους κατέκαιον
IV Ma. 6. 26. AR μέχρι τῶν ὀστέων ἤδη κατακεκαυμένος [S κεκ.]
12. 13. S καὶ τοῦτον κατακαύσας [A R καταικίσας]
18. 14. φλὸξ οὐ κατακαύσει σε
[Aq. Je. 51 (28). 25.]
[Sm. Ps. 73 (74). 8: Is. 43. 2: Je. 51 (28). 25.]
[Al. Ps. 45 (46). 10: Je. 32 (39). 29.]
[Quint. Ps. 73 (74). 8.]

κατακάλυμμα. (1) a. כָּסוּי b. מְכַסֶּה c. מְכַסֶּה (2) מָסָךְ (3) פָּרֹכֶת (4) צָעִיף

Ex. 26. 14. A B² R ποιήσεις κατακάλυμμα [B¹ κάλ.] (1 b)
35. 11. B² R ἐργαζέσθω . . . τὰ κ. [A γλύμματα, B¹ om. τὰ κ.] (1 b)
37. 16 (38. 18). A τὸ κ. [B -πέτασμα] τῆς πύλης (2)
38. 19. εἰς τὸ ἐκτείνειν τὸ κ. [B¹ -κάλλυμα]
39. 21 (34). A τὰ κ. δέρματα ὑακίνθινα [B R al.] (1 b)
40. 19. ἐπέθηκε τὸ κ. τῆς σκηνῆς (1 b)
— 21. ἐπέθηκε τὸ κ. τοῦ καταπετάσματος (3)
Nu. 3. 25. τὸ καλύμμα καὶ τὸ κ. (2)
— 31. καὶ τὸ κ. καὶ πάντα τὰ ἔργα αὐτῶν (2)
4. 6. ἐπιθήσουσιν ἐπ' αὐτὸ κατακάλυμμα (1 a)
— 25. A B² καὶ τὸ κ. [B¹ R κάλ.] αὐτῆς (1 b)
— 25. A R τὸ κ. [B κάλ.] τὸ ὑακίνθινον (1 b)
— 25. A καὶ τὸ κ. [B κάλ.] τῆς θύρας (2)
— 31. τὰς βάσεις αὐτῆς καὶ τὸ κ. –
— 31. B¹ R καὶ τὸ κ. [A B² κάλ.] τῆς θύρας –
Is. 14. 11. τὸ κ. σου σκώληξ (1 c)
47. 2. ἀποκάλυψαι τὸ κ. σου (4)

κατακαλύπτειν. (1) חָפָה (2) חָפַשׂ hithp. (3) כָּסָה a. ni. b. pi. (4) נָתַן עַל (5) סָתַם

Ge. 38. 15. κατεκαλύψατο γὰρ τὸ πρόσωπον αὐτῆς (3 b)

Ex. 26. 34. κατακαλύψεις . . . τὴν κιβωτὸν τοῦ μαρτ. (4)
29. 22 : Le. 3. 3, 9 (R). τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον τὴν κοιλίαν (3 b)
Le. 3. 14. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον [A καλ.] τὴν κοιλίαν (3 b)
4. 8. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον τὰ ἐνδόσθια (3 b)
6. 33 (7. 3). πᾶν τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον τὰ ἐνδόσθια (3 b)
9. 19. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον ἐπὶ τῆς κοιλίας (3 b)
Nu. 4. 5. κατακαλύψουσιν . . . τὴν κιβωτὸν [A σκηνήν] (3 b)
22. 5. κατεκάλυψε τὴν ὄψιν τῆς γῆς (3 b)
II Ch. 18. 29. κατακάλυψόν με (2)
Es. 6. 12. S² κατακεκαλυμμένος κεφαλήν [A B S¹ al.] (1)
Si. 24. 3. ὡς ὁμίχλη [A -ην] κατεκάλυψα γῆν
Hb. 2. 14. ὡς ὕδωρ κατακαλύψει αὐτούς (3 b)
Is. 6. 2. ταῖς μὲν δυσὶ κατεκάλυπτον τὸ πρόσωπον ταῖς δὲ δυσὶ κατεκάλυπτον τοὺς πόδας (3 b, 3 b)
11. 9. ὡς ὕδωρ πολὺ κατακαλύψαι θαλάσσας (3 b)
26. 21. οὐ κατακαλύψει τοὺς ἀνῃρημένους (3 b)
33. 12. ὡς ἄκανθα . . . κατακεκαυμένη [S¹ om., S² κατακεκαλυμμ.] †
Je. 26 (46). 8. κατακαλύψω τὴν γῆν (3 b)
28 (51). 42. καὶ κατεκαλύφθη (3 a)
— 51. κατεκάλυψεν ἀτιμία τὸ πρόσωπον ἡμῶν (3 b)
Ez. 26. 10. κατακαλύψει [A καλ.] σε ὁ κονιορτὸς αὐτῶν (3 b)
— 19. A R κατακαλύψει [B -η] σε ὕδωρ πολύ (3 b)
32. 7. κατακαλύψω ἐν τῷ σβεσθῆναί σε οὐρανόν (3 b)
38. 9. ἥξεις ὡς νεφέλη κατακαλύψαι γῆν (3 b)
Da. LXX. 12. 9. κατακεκαλυμμένα . . . τὰ προστάγματα (5)
Da. TH. Su. 32. ἦν γὰρ κατακεκαλυμμένη

κατακάμπτειν. (1) כָּפַף (2) שָׁחַח
Ps. 37 (38). 6. κατεκάμφθην ἕως τέλους (2)
56 (57). 6. κατέκαμψαν τὴν ψυχήν μου (1)
IV Ma. 11. 10. τὴν ὀσφὺν αὐτοῦ . . . κατέκαμψαν [Sm. Ps. 41 (42). 6 : 43 (44). 26.]

κατάκαρπος. (1) הוֹד (2) רַעֲנָן
Ps. 51 (52). 8. ἐγὼ δὲ ὡσεὶ ἐλαία κ. (2)
Ho. 14. 7. καὶ ἔσται ὡς ἐλαία κατάκαρπος (1)

κατάκαρπως. (1) פִּרְזוֹת
Za. 2. 4 (8). κ. κατοικηθήσεται Ἱερουσ. (1 ?)

κατάκαρπωσις. (1) דֶּשֶׁן
Le. 6. 10 (3). ἀφελεῖ τὴν κ. (1)
— 11 (4). ἐξοίσει τὴν κ. ἔξω τῆς παρεμβολῆς (1)

κατάκαυμα. (1) a. בְּעֵרָה b. מִכְוָה (2) מִשְׂרָפָה (3) שְׂרֵפָה
Ex. 21. 25. κατάκαυμα ἀντὶ κατακαύματος (1 a, 1 a)
Le. 13. 24. κατάκαυμα πυρός (1 b)
— 24. τὸ ὑγιασθὲν τοῦ κ. (1 b)
— 25. A² B ἐν τῷ κ. ἐξήνθησε (1 b)
— 28. οὐλὴ τοῦ κ. ἐστι (1 b)
— 28. ὁ γὰρ χαρακτὴρ τοῦ κ. ἐστι (1 b)
Nu. 19. 6. ἐμβαλοῦσιν εἰς μέσον τοῦ κ. τῆς δαμάλεως (3)
Ho. 7. 4. ὡς κλίβανος καιόμενος εἰς πέψιν κατακαύματος †
Je. 31 (48). 34. εἰς κ. ἔσται (2 ?)

κατακαυχᾶσθαι. (1) הָלַל hithp. (2) הָלַל hithpo. (3) עָלַז
Za. 10. 12. ἐν τῷ ὀνόματι αὐ. κατακαυχήσονται (1)
Je. 27 (50). 11. κατεκαυχᾶσθε [S κατακ.] διαρπάζοντες τὴν κληρονομίαν μου (3)
— 38. ἐν ταῖς νήσοις οὗ [A om., S σου] κατεκαυχῶντο (2)

κατάκεισθαι. (1) שָׁכַב (2) הָיָה שֹׁכֵב
Ju. 13. 15. ἐν ᾧ κατέκειτο ἐν ταῖς μέθαις αὐτοῦ
Pr. 6. 9. ἕως τίνος ὀκνηρὲ κατάκεισαι (1)
23. 34. κατακείσῃ ὥσπερ ἐν καρδίᾳ θαλάσσης (2)
Wi. 17. 7. μαγικῆς δὲ ἐμπαίγματα κατέκειτο [A -ειντο] τέχνης

κατακενοῦν. (1) יָצַק (2) רוּק hi.
Ge. 42. 35. ἐν τῷ κ. αὐτοὺς τοὺς σάκκους αὐτῶν (2)
II Ki. 13. 9. καὶ κατεκένωσεν ἐνώπιον αὐτοῦ (1)

κατακεντεῖν. (1) בָּרָא pi. (2) דָּקַר pu.
Ju. 16. 12. υἱοὶ κορασίων κατεκέντησαν αὐτούς
Je. 28 (51). 4. πεσοῦνται . . . κατακεκεντημένοι ἔξωθεν αὐτῆς (2)
Ez. 23. 47. κατακέντει [A -τησον] αὐτὰς ἐν τοῖς ξίφεσιν αὐτῶν (1)

κατακλᾶν. (1) נָחַשׁ hoph.
Ez. 19. 12. κατεκλάσθη ἐν θυμῷ (1)
[Sm. JB. 5. 4.]

κατακλείειν. (1) כָּלָא
Wi. 17. 2. μακρᾶς πεδῆται νυκτὸς κατακλεισθέντες ὀρόφοις
— 16. ἐφρουρεῖτο εἰς τὴν ἀσίδηρον εἱρκτὴν κατακλεισθείς
Je. 39 (32). 3. A B S² ἐν ᾗ κατέκλεισεν αὐτόν (1)
II Ma. 13. 21. κατελήφθη καὶ κατεκλείσθη
III Ma. 3. 25. ἐνδέσμοις σιδηροῖς παντόθεν κατακεκλεισμένους

κατάκλειστος, *cf.* κατακλιστός.
Wi. 18. 4. οἱ κατακλείστους φυλάξαντες τοὺς υἱούς σου
II Ma. 3. 19. αἱ δὲ κ. τῶν παρθένων
III Ma. 1. 18. αἵ τε κ. παρθένοι . . . ἐξώρμησαν

κατακληροδοτεῖν. (1) נָחַל hi.
De. 1. 38. A κατακληροδοτήσει [B -ρονομήσει] αὐτήν (1)
21. 16. A ᾗ ἂν ἡμέρᾳ κατακληροδοτῇ [B -ρονομῇ] . . . τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ (1)
I Ma. 3. 36. S R κατακληροδοτῆσαι [A -ρονομῆσαι] τὴν γῆν αὐτῶν
[Aq. Ez. 22. 16.]

κατακληρονομεῖν. (1) אָחַז ni. (2) חָלַק אֶת־נַחֲלָה (3) יָרַשׁ a. qal. b. hi. c. מוֹרֵשׁ (4) נוּחַ hi. (5) נָחַל a. qal. b. pi. c. hi. d. hithp. e. נַחֲלָה (6) נָתַן
Nu. 13. 31 (30). καὶ κατακληρονομήσομεν [A -σωμεν] αὐτήν (3 a)
33. 54. A B² R κατακληρονομήσετε τὴν γῆν (5 d)
34. 13. ἣν κατακληρονομήσετε αὐτὴν μετὰ κλήρου (5 d)
— 18. κατακληρονομῆσαι ὑμῖν τὴν γῆν (5 a)
35. 8. A R ἣν κατακληρονομήσουσι [B κληρ.] (5 a)
De. 1. 38. κατακληρονομήσει [A -ροδοτήσει] αὐτήν (5 c)
2. 21. καὶ κατεκληρονόμησαν (3 a)
— 22. A B² R καὶ κατεκληρονόμησαν (3 a)
3. 20. A B¹ καὶ κατακληρονομήσουσιν [B³ R -σωσιν] καὶ οὗτοι τὴν γῆν (3 a)
— 28. κατακληρονομήσει αὐτοῖς πᾶσαν τὴν γῆν (5 c)
12. 2. A οὓς ὑμεῖς κατακληρονομεῖτε [B κληρ.] αὐτούς (3 a)
— 10. ἧς κύριος . . . κατακληρονομεῖ [A -μήσει] ὑμῖν (5 c)
— 29. καὶ κατακληρονομήσῃς [A -εις] αὐτήν [A -ούς] (3 a)
15. 4. κατακληρονομεῖν σε [A -μῆσαι] αὐτήν (3 a)
18. 14. οὓς σὺ κατακληρονομεῖς αὐτούς (3 a)
19. 1. καὶ κατακληρονομήσητε [A -σεις] αὐτούς (3 a)
— 14. ᾗ [A ἣν] κατεκληρονομήθης (5 a)
21. 16. ᾗ ἂν ἡμέρᾳ κατακληρονομῇ [A -ροδοτῇ] . . . τὰ ὑπάρχοντα (5 c)
25. 19. A ἐν κλήρῳ κατακληρονομῆσαι [B al.] (3 a)
26. 1. A ἐν κλήρῳ κατακληρονομῆσαι [B al.] –
— 1. B καὶ κατακληρονομήσῃς αὐτήν (3 a)
31. 3. καὶ κατακληρονομήσεις αὐτούς (3 a)
— 7. καὶ σὺ κατακληρονομήσεις αὐτοῖς [A αὐτὴν αὐ.] (5 c)
Jo. 12. 1. κατεκληρονόμησαν τὴν γῆν αὐτῶν (3 a)
13. 32. A² B οὓς κατεκληρονόμησε Μωυσῆς (5 b)
14. 1. οὗτοι οἱ κατακληρονομήσαντες υἱῶν Ἰσρ. (5 a)
— 1. A R οἷς κατεκληρονόμησαν [B -εν] αὐτοῖς (5 b)
18. 2. A οἱ οὐ κατεκληρονόμησαν [B οὐκ ἐκλήρ.] (2)
19. 51. ἃς κατεκληρονόμησεν [A -αν] (5 b)
21. 3. ἐν τῷ κατακληρονομεῖν [A *add.* αὐτούς] (5 e)
— 41. καὶ κατεκληρονόμησαν αὐτήν (3 a)
22. 19. καὶ κατακληρονομήσετε [A -σατε] ἐν ἡμῖν (1)
Jo. 23. 5. κατακληρονομήσατε τὴν γῆν αὐτῶν (3 a)
24. 8. κατεκληρονομήσατε τὴν γῆν αὐτῶν (3 a)
Jd. 2. 6. κατακληρονομῆσαι [A τοῦ κ.] τὴν γῆν (3 a)
11. 24 *bis*. A ὅσα κατεκληρονόμησέν σοι [B *al.*] (3 b)
18. 9. A τοῦ . . . κατακληρονομῆσαι τὴν γῆν (3 a)
I Ki. 2. 8. θρόνον δόξης κατακληρονομῶν αὐτοῖς (5 c)
II Ki. 7. 1. κύριος κατεκληρονόμησεν αὐτόν (4)
I Ch. 28. 8. R καὶ κατακληρονομήσητε [A -σετε, B om.] τοῖς υἱοῖς ὑμῶν (5 c)
I Es. 8. 85. R καὶ κατακληρονομήσητε τοῖς τέκνοις [A B υἱοῖς] ὑμῶν
Ps. 36 (37). 34. τοῦ κατακληρονομῆσαι τὴν γῆν (3 a)
81 (82). 8. σὺ κατακληρονομήσεις [S ἐξολεθρεύσεις] ἐν [A³ αὐτοὺς ἐν] πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν (5 a)
104 (105). 44. A S² πόνους λαῶν κατεκληρονόμησαν [B S³ ἐκληρ.] (3 a)
Si. 4. 16. κατακληρονομήσεις [A S -ει] αὐτήν
15. 6. ὄνομα αἰώνιον [A S -ῶνος] κατακληρονομήσει [S² *add.* αὐτόν]
24. 8. ἐν Ἰσραὴλ κατακληρονομήθητι [? -μήσεις, A κληρ.]
36. 16 (14). κατεκληρονόμησα [S κατακληρονομήσεις] αὐτοὺς καθὼς ἀπ' ἀρχῆς
44. 21. κατακληρονομῆσαι αὐτοὺς ἀπὸ θαλάσσης ἕως θαλ.
46. 1. A S ὅπως κατακληρονομήσῃ [B κλ.] τὸν Ἰσραήλ
Am. 2. 10. τοῦ κατακληρονομῆσαι τὴν γῆν τῶν Ἀμ. (3 a)
Ob. 1. 17. καὶ κατακληρονομήσουσιν ὁ οἶκος Ἰακὼβ τοὺς κατακληρονομήσαντας αὐτούς (3 a, 3 c)
— 19. κατακληρονομήσουσιν οἱ ἐν ναγὲβ τὸ ὄρος (3 a)
— 19. καὶ κατακληρονομήσουσι τὸ ὄρος Ἐφρ. (3 a)
Hb. 1. 6. τοῦ κατακληρονομῆσαι σκηνώματα οὐκ αὐτοῦ (3 a)
Za. 2. 12 (16). κατακληρονομήσει κύριος τὸν Ἰ. (5 a)
8. 12. κατακληρονομήσω τοῖς καταλοίποις τοῦ λαοῦ (5 c)
Is. 14. 2. κατακληρονομήσουσι καὶ πληθυνθήσονται (5 d)
Je. 3. 18. ἣν κατεκληρονόμησα [A -αν, S¹ -εν] τοὺς πατέρας [A οἱ π.] αὐτῶν (5 c)
Ez. 22. 16. κατακληρονομήσω ἐν σοί [A κ. σε] (5 b)
45. 8. τὴν γῆν κατακληρονομήσουσιν οἶκος Ἰσραήλ (6)
— 9. A τὸν λαόν μου καὶ τὴν γῆν κατακληρονομήσουσιν –
46. 18. κατακληρονομήσει τοῖς υἱοῖς αὐτοῦ (5 c)
47. 13. ταῦτα τὰ ὅρια κατακληρονομήσετε τῆς γῆς (5 d)
— 14. κατακληρονομήσετε αὐτήν (5 a)
I Ma. 3. 36. A κατακληρονομῆσαι [S R -ροδοτῆσαι] τὴν γῆν αὐτῶν
[Sm. PR. 2. 21.]
[Th. JD. 11. 24 *bis*.]

κατακληροῦσθαι. (1) לָכַד a. qal. b. ni.
I Ki. 10. 20. κατακληροῦται σκῆπτρον Βεν. (1 b)
— 21. κατακληροῦται φυλὴ Ματτ. (1 b)
— 21. κατακληροῦται Σαοὺλ υἱὸς Κίς (1 b)
14. 42. ὃν ἂν κατακληρώσηται κύριος –
— 42. καὶ κατακληροῦται Ἰωνάθαν (1 b)
— 47. κατακληροῦται ἔργον [A om. κ. ἔ.] ἐπὶ Ἰσρ. (1 a ?)

κατακλίνειν. (1) כָּרַע (2) נָפַל (3) סָבַב
Ex. 21. 18. κατακλιθῇ δὲ ἐπὶ τὴν κοίτην (2)
Nu. 24. 9. κατακλιθεὶς ἀνεπαύσατο (1)
Jd. 5. 27. κατακλιθεὶς ἔπεσε καθὼς κατεκλίθη [A *al.*] (1, 1)
I Ki. 16. 11. οὐ μὴ κατακλιθῶμεν (3)
Ju. 12. 15. εἰς τὸ ἐσθίειν κατακλινομένην ἐπ' αὐτῶν
III Ma. 1. 3. ἄσημόν τινα κατέκλινεν ἐν τῇ σκηνῇ
[Aq. GE. 49. 9 : Is. 11. 7 : 54. 11.]
[Sm., Th. Is. 11. 7.]

κατάκλισις.
[Sm. Ho. 7. 14.]

κατακλιστός (?), **κατάκλιστρον, κατάκλιτον.** (1) רָרִיד
Is. 3. 23. ἀφελεῖ . . . θέριστρα κατάκλιτα [S¹ τὰ κατάκλιστρα, S² τὰ κατακλιστά] (1 ?)
[Th. Is. 3. 23 (κατάκλιτον).]

κατακλύζειν. (1) שָׁטַף *a.* qal. *b.* ni. *c.* שִׁטֵּף
Jb. 14. 19. κατέκλυσεν ὕδατα ὑπτια τοῦ χώμ. (1 *a*)
Ps. 77 (78). 20. χείμαρροι κατεκλύσθησαν (1 *a*)
Wi. 10. 4. κατακλυζομένην γῆν πάλιν διέσωσε [A S ἔσωσεν] σοφία
— 19. τοὺς δὲ ἐχθροὺς αὐτῶν κατέκλυσε [A -σαν, S[1] κατέπαυσεν]
Je. 29 (47). 2. ἔσται εἰς χειμάρρουν κατακλύζοντα καὶ κατακλύσει γῆν (1 *a*, 1 *a*)
Ez. 13. 11. ἔσται ὑετὸς κατακλύζων (1 *a*)
— 13. ὑετὸς κατακλύζων ἐν ὀργῇ μου ἔσται (1 *a*)
38. 22. κρινῶ αὐτὸν . . . ὑετῷ κατακλύζοντι (1 *a*)
Da. TH. 11. 10. ἐλεύσεται [A εἰσελ.] . . . κατακλύζων (1 *a*)
— 22. βραχίονες τοῦ κατακλύζοντος κατακλυσθήσονται [A καὶ κατ.] (1 *c*, 1 *b*)
— 26. καὶ δυνάμεις κατακλύσει (1 *a*)
[Th. Jb. 14. 19 : Is. 28. 17 : Da. 11. 10, 26.]

κατάκλυσις.
[Al. Da. 11. 40.]

κατακλυσμός. (1) מַבּוּל (2) שִׁטֶּף, שֶׁטֶף
Ge. 6. 17. ἐπάγω τὸν κ. (1)
7. 6. ὁ κ. τοῦ ὕδατος ἐγένετο [A *al.*] (1)
— 7. διὰ τὸ ὕδωρ τοῦ κ. (1)
— 10. τὸ ὕδωρ τοῦ κ. ἐγένετο ἐπὶ τῆς γῆς (1)
— 17. ἐγένετο ὁ κ. ἐπὶ τῆς γῆς (1)
9. 11. οὐκ ἀποθανεῖται . . . ἀπὸ τοῦ ὕδατος τοῦ κ. (1)
— 11. οὐκέτι ἔσται κατακλυσμὸς ὕδατος (1)
— 15. οὐκ ἔσται . . . εἰς κατακλυσμόν (1)
— 28. ἔζησε δὲ Νῶε μετὰ τὸν κ. (1)
10. 1. ἐγεννήθησαν . . . μετὰ τὸν κ. (1)
— 32. διεσπάρησαν . . . μετὰ τὸν κ. (1)
11. 10. δευτέρου ἔτους μετὰ τὸν κ. (1)
Ps. 28 (29). 10. κύριος τὸν κ. κατοικεῖ (1)
31 (32). 6. ἐν κατακλυσμῷ ὑδάτων πολλῶν (2)
Si. 21. 13. γνῶσις σοφοῦ ὡς κατακλυσμὸς πληθυνθήσεται
39. 22. ὡς κατακλυσμὸς ξηρὰν ἐμέθυσεν
40. 10. δι' αὐτοὺς ἐγένετο ὁ κ.
44. 17. διὰ τοῦτο [A S[2] ὅτε] ἐγένετο κατακλυσμός
— 18. ἵνα μὴ ἐξαλειφθῇ κατακλυσμῷ [A *om.*] πᾶσα σάρξ
Na. 1. 8. ἐν κατακλυσμῷ . . . συντέλειαν ποιήσεται (2)
Da. TH. 9. 26. ἐκκοπήσονται ἐν κατακλυσμῷ (2)
IV Ma. 15. 31. A R ἐν τῷ κοσμοπληθεῖ [S ἔθνοπλ.] κ.
— 32. ἐν τῷ τῶν παθῶν περιαντλουμένη κ.
[Aq. Jb. 38. 25 : Ps. 28 (29). 10.]
[Sm., Quint., Sext. Ps. 28 (29). 10.]
[Th. Jb. 38. 25 : Ps. 28 (29). 10 : Is. 28. 15 : Da. 9. 26.]

κατακνίζειν.
[Sm. Pr. 27. 4.]

κατακολουθεῖν. (1) הָלַךְ (2) רָעָה
I Es. 7. 1. κατακολουθήσαντες τοῖς ὑπὸ τοῦ βασ. Δ. προσταγεῖσιν
Ju. 11. 6. ἐὰν κατακολουθήσῃς τοῖς λόγοις τῆς παιδίσκης
Je. 17. 16. οὐκ ἐκοπίασα κατακολουθῶν ὀπίσω σου (2)
Da. LXX. 9. 10. κατακολουθῆσαι τῷ νόμῳ σου (1)
I Ma. 6. 23. κατακολουθεῖν τοῖς προστάγμασιν αὐ.

κατακονδυλίζειν. (1) בָּשַׁם po.
Am. 5. 11. κατεκονδύλιζον πτωχούς [A εἰς κεφαλὰς πτωχῶν] (1)

κατακοντίζειν.
Ju. 1. 15. καὶ κατηκόντισεν αὐτόν
Jb. 30. 13. βέλεσιν [S[1] βέλος γὰρ] αὐτοῦ κατηκόντισέ με †

κατακοπή. (1) עָמֵל
Jd. 5. 26. A εἰς ἀποτομὰς κατακοπῶν [B *al.*] (1 ?)

κατάκοπος. (1) יָגֵעַ (2) κατάκοπον ποιεῖν לָאָה hi.
Jb. 3. 17. ἀνεπαύσαντο κατάκοποι τῷ σώματι (1)
16. 8 (7). κατάκοπόν με πεποίηκε μωρὸν σεσηπότα (2)
II Ma. 12. 36. τῶν δὲ περὶ τὸν Ἔ. . . . κ. ὄντων

κατακόπτειν. (1) נָדַע pi. (2) דִּקֵּק aph. (3) כָּרַת (4) כָּתַת *a.* pi. *b.* hi. *c.* hoph. (5) ἡ κατακεκομμένη הַמְּכֻתֶּשֶׁת (6) נָכָה hi. (7) נָפַץ pu. (8) קָצַץ pi. (9) תִּין hi.
Ge. 14. 5. κατέκοψαν τοὺς γίγαντας (6)
— 7. κατέκοψαν πάντας τοὺς ἄρχοντας 'A. (6)
Nu. 14. 45. καὶ κατέκοψαν αὐτούς (4 *b*)
Jo. 10. 10. καὶ κατέκοπτον αὐτούς (6)
11. 8. κατέκοψαν [A -εν] αὐτούς (6)
Jd. 20. 43. κατέκοπτον [A ἔκοψαν] τὸν Βεν. †
II Ch. 15. 16. κατεκόψε τὸ εἴδωλον (3)
28. 24. καὶ κατέκοψεν αὐτά (8)
34. 7. τὰ εἴδωλα κατέκοψε λεπτά (4 *a*)
— 7. A πάντα τὰ ὑψηλὰ κατέκοψεν [B ἔκ.] (1)
Ju. 2. 25. κατέκοψε πάντας τοὺς ἀντιστάντας αὐτῷ
Am. 1. 5. κατακόψω φυλὴν ἐξ ἀνδρῶν Χαρράν †
Mi. 1. 7. πάντα τὰ γλυπτὰ αὐτῆς κατακόψουσι (4 *c*)
4. 3. κατακόψουσι τὰς ῥομφαίας αὐ. εἰς ἄροτρα (4 *a*)
Ze. 1. 11. οἱ κατοικοῦντες τὴν κατακεκομμένην (5 ?)
Za. 11. 6. καὶ κατακόψουσι τὴν γῆν (4 *a*)
Is. 18. 5. A S τὰς κληματίδας . . . κατακόψει [B ἀποκ.] (9)
27. 9. ὅταν θῶσι [A θῶ] πάντος τοὺς λίθους τῶν βωμῶν κατακεκομμένους (7)
Je. 20. 4. κατακόψουσιν ἐν μαχαίραις [A *al.*] (6)
21. 7. κατακόψουσιν αὐτοὺς ἐν στόματι μαχαίρας (6)
Ez. 5. 2. τὸ τέταρτον κατακόψεις ἐν ῥομφαίᾳ (6)
Da. TH. 7. 23. συμπατήσει αὐτὴν καὶ κατακόψει (2)
II Ma. 1. 13. κατεκόπησαν ἐν τῷ τῆς Ναναίας ἱερῷ
10. 30. R κατεκόπτοντο [A διεκ.] ταραχῆς πεπληρωμένοι
[Aq., Sm. Ps. 128 (129). 4.]

κατάκορος.
[Aq. Ge. 49. 12 : Pr. 23. 29.]

κατακοσμεῖν. (1) חָשַׁק pi. (2) עָדָה
Ex. 39. 6 (38. 28). κατεκόσμησεν αὐτούς (1)
Is. 61. 10. ὡς νύμφην κατεκόσμησέ με κόσμῳ (2)
I Ma. 4. 57. κατεκόσμησαν τὰ κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ

κατακόσμησις.
[Aq., Sm. Ps. 31 (32). 9.]

κατακράζειν. (1) קָלַס hithpa.
IV Ki. 2. 23. B[2] κατέκραξα [B[3] -αζον, B[1] R -έπαιζον, A καταπαίζειν αὐτοῦ] (1)

κατακρατεῖν. (1) אָנַשׁ (2) חָזַק *a.* pi. *b.* hi. *c.* חֲזָקָה (3) לָכַד (4) רוּעַ hi. (5) תָּפַשׂ
I Ki. 14. 42. κατεκράτησε Σαοὺλ τοῦ λαοῦ –
III Ki. 12. 24. B καὶ κατεκράτησε Ῥοβοάμ –
II Ch. 12. 1. καὶ ὡς κατεκρατήθη (2 *c*)
— 4. κατεκράτησαν τῶν πόλεων τῶν ὀχυρῶν (3)
I Es. 4. 2. τὴν θάλασσαν κατακρατοῦντες
Si. 21. 11. κατακρατεῖ [S -τήσει] τοῦ ἐννοήματος [S[2] νοημ.] αὐ. [S[1] *om.* τοῦ ἐ. αὐ.]
Mi. 1. 9. ὅτι κατεκράτησεν ἡ πληγὴ αὐτῆς (1)
4. 9. κατεκράτησάν σου [A σε] ὠδῖνες (2 *b*)
Na. 3. 14. κατεκράτησον τῶν ὀχυρωμάτων σου (2 *a*)
— 14. κατεκράτησον ὑπὲρ πλίνθον (2 *b*)
Je. 8. 5. κατεκρατήθησαν ἐν [A *om.*] τῇ προαιρέσει αὐτῶν (2 *b*)
27 (50). 15. κατακρατήσατε [A *add.* ἐπ'] αὐτήν (4)
— 43. θλῖψις κατεκράτησεν αὐτοῦ [A S[1] -ούς] (2 *b*)
47 (40). 10. ἐν ταῖς πόλεσιν αἷς κατεκρατήσατε (5)
I Ma. 6. 54. κατεκράτησεν αὐτῶν ὁ λιμός
7. 22. κατεκράτησαν γῆν Ἰούδα
8. 2. κατεκράτησαν αὐτῶν
— 3. τοῦ κατακρατῆσαι τῶν μετάλλων τοῦ ἀργ.
— 4. κατεκράτησαν τοῦ τόπου παντός
— 5. καὶ κατεκράτησαν αὐτῶν
— 10. κατεκράτησαν [S[1] -εν] τῆς γῆς αὐτῶν
— 12. A R κατεκράτησαν τῶν βασιλειῶν [S -λέων]
11. 1. κατακρατῆσαι τῆς βασιλείας Ἀλ. [S[1] *al.*]
— 49. κατεκράτησαν οἱ Ἰουδαῖοι τῆς πόλεως
— 56. καὶ κατεκράτησεν Ἀντιοχείας
I Ma. 15. 3. κατεκράτησαν τῆς βασιλείας τῶν πατέρων ἡμῶν
— 28. ὑμεῖς κατακρατεῖτε τῆς Ἰόππης
— 33. ἀκρίτως ἔν τινι καιρῷ κατεκρατήθη
16. 13. ἠβουλήθη κατακρατῆσαι τῆς χώρας
III Ma. 1. 6. κατακρατήσας δὲ τῆς ἐπιβουλῆς
[Sm. II Ki. 5. 8.]
[Al. Ps. 43 (44). 6.]

κατακρημνίζειν. (1) שָׁלַךְ hi.
II Ch. 25. 12. καὶ κατεκρήμνιζον [A -ισεν] αὐτούς (1)
II Ma. 12. 15. τὸν ἅτερ κριῶν . . . κατακρημνίσαντα τὴν Ἱερ.
14. 43. R κατεκρήμνισεν ἑαυτὸν ἀνδρείως [A ἀνδρωδῶς]
IV Ma. 4. 25. ὥστε καὶ γυναῖκας . . . κατακρήμνισθῆναι

κατάκριμα.
Si. 43. 10. ἐν λόγοις ἁγίου στήσονται κατάκριμα [? κατὰ κρ.]

κατακρίνειν. (1) נָזַר ni.
Es. 2. 1. ὡς κατέκρινεν [S[1] -αν] αὐτήν [A ὅσα αὐτῇ κατεκρίθη] (1)
Wi. 4. 16. κατακρινεῖ δὲ . . . τοὺς ζῶντας ἀσεβεῖς
Da. LXX. Su. 53. τὸν μὲν ἀθῷον κατέκρινας
4. 34. τούτους κατακρινῶ θανάτῳ
Da. TH. Su. 41. κατέκριναν αὐτὴν ἀποθανεῖν
— 48. κατεκρίνατε θυγατέρα Ἰσραήλ
— 53. τοὺς μὲν ἀθῴους κατακρίνων
[Sm. Jb. 10. 2 : 34. 29.]
[Th. Da. 13. 53.]
[Al. Es. 2. 1.]

κατακρούειν. (1) תָּקַע
Jd. 16. 14. A κατέκρουσεν . . . εἰς τὸν τοῖχον [B *al.*] (1)

κατακρύπτειν. (1) חָבָא *a.* ni. *b.* hi. *c.* hithp. (2) חָלַף (3) חָתַר (4) טָמַן *a.* qal. *b.* hi. (5) סָתַר *a.* ni. *b.* hi. (6) צָפַן *a.* qal. *b.* hi.
Ge. 35. 4. κατέκρυψεν αὐτὰ Ἰ. ὑπὸ τὴν τερέβινθον (4 *a*)
Jo. 10. 16. κατεκρύβησαν εἰς τὸ σπήλαιον (1 *a*)
III Ki. 18. 4. R καὶ κατέκρυψεν [A B ἔκρ.] αὐτούς (1 *b*)
IV Ki. 7. 8. καὶ κατέκρυψαν (4 *b*)
II Ch. 18. 24. εἰσελεύσῃ . . . τοῦ κατακρυβῆναι (1 *a*)
22. 12. καὶ ἦν . . . ἐν οἴκῳ τοῦ θεοῦ κατακεκρυμμένος (1 *c*)
Ps. 30 (31). 20. κατακρύψεις αὐτούς (5 *b*)
55 (56). 6. παροικήσουσι καὶ κατακρύψουσιν αὐτοί (6 *a*, 6 *b**)
Am. 9. 2. ἐὰν κατακρυβῶσιν [A κατορυγῶσιν] εἰς ᾅδου (3)
Is. 2. 18. τὰ χειροποίητα πάντα κατακρύψουσιν (2)
Je. 13. 4. κατάκρυψον [S[1] -κυψον] αὐτὸ ἐκεῖ (4 *a*)
— 6. ὃ ἐνετειλάμην σοι τοῦ κατακρύψαι ἐκεῖ (4 *a*)
43 (36). 19. κατακρύβηθι [A κρ.] σὺ καὶ Ἱερ. (5 *a*)
— 26. ABS[2] καὶ κατεκρύβησαν (5 *b*)
50 (43). 9. κατάκρυψον αὐτοὺς ἐν [S ἐπὶ] προθύροις (4 *a*)
— 10. ὧν κατέκρυψας [S[1] -α] (4 *a*)
Ez. 4. 12. A ἐν βολβίτοις . . . κατακρύψεις [B ἐγκρ.] αὐτά †
II Ma. 1. 19. λαθραίως κατέκρυψαν ἐν κοιλώματι
[Aq. Je. 43 (50). 10.]
[Sm. Ps. 30 (31). 5 : 34 (35). 7 : Je. 43 (50). 10.]
[Th. Jb. 21. 19.]

κατακτᾶσθαι. (1) כָּבַשׁ
II Ch. 28. 10. υἱοὺς Ἰούδα . . . λέγετε κατακτήσεσθαι (1)
II Ma. 6. 25. R κηλῖδα τοῦ γήρως κατακτήσομαι [A -ωμαι]

κατακτείνειν.
IV Ma. 11. 3. ὅπως κἀμὲ κατακτείνας
12. 11. τοὺς θεράποντας αὐτοῦ κατακτεῖναι

κατακυλίειν. (1) גָּלַל pilp. (2) כָּרַע
Jd. 5. 27. ἀνὰ μέσον τῶν ποδῶν αὐτῆς κατεκυλίσθη [A *al.*] (2)

I Ki. 14. 8. B κατακυλισθησόμεθα πρὸς αὐτούς †
Je. 28 (51). 25. κατακυλιῶ [A -ίσω] σε ἐπὶ [A S ἀπὸ] τῶν πετρῶν (1)

κατακύπτειν. (1) שָׁקַף hi.

IV Ki. 9. 32. κατέκυψαν πρὸς αὐτὸν δύο [A τρεῖς] εὐνοῦχοι (1)
[Aq. Ps. 41 (42). 6, 12 : 43 (44). 26.]

κατακυριεύειν. (1) בָּעַל (2) יָרַשׁ (3) כָּבַשׁ *a.* qal. *b.* ni. (4) מָשַׁל *a.* qal. *b.* hi. (5) פּוּחַ hi. (6) רָדָה (7) שָׁלַט hi.

Ge. 1. 28. κατακυριεύσατε αὐτῆς (3 *a*)
9. 1. κατακυριεύσατε αὐτῆς –
— 7. R κατακυριεύσατε αὐτῆς [A *al.*] †
Nu. 21. 24. κατεκυρίευσαν τῆς γῆς αὐτοῦ (2)
32. 22. καὶ κατακυριευθῇ ἡ γῆ ἔναντι κυρίου (3 *b*)
— 29. καὶ κατακυριεύσητε τῆς γῆς (3 *b*)
Jo. 24. 33. A καὶ κατεκυρίευσεν [B ἐκυρ.] αὐτῶν –
Ps. 9. 26 (10. 5). πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ κατακυριεύσει (5 ?)
— 31 (10. 10). ἐν τῷ αὐτὸν κατακυριεῦσαι τῶν πενήτων †
18 (19). 13. A B ἐὰν μή μου κατακυριεύσουσιν [S R -σωσι] (4 *a*)
48 (49). 14. κατακυριεύσουσιν [A -σωσιν] αὐτῶν οἱ εὐθεῖς (6)
71 (72). 8. κατακυριεύσει ἀπὸ θαλάσσης (6)
109 (110). 2. κατακυρίευε ἐν μέσῳ τῶν ἐχθρῶν σου (6)
118 (119). 133. A²SR μὴ κατακυριευσάτω μου πᾶσα ἀνομία (7)
Si. 17. 4. καὶ κατακυριεύειν θηρίων καὶ πετεινῶν †
Je. 3. 14. ἐγὼ κατακυριεύσω ὑμῶν (1)
Da. LXX. 11. 39. κατακυριεύσει αὐτοῦ ἐπὶ πολύ (4 *b*)
I Ma. 15. 30. τῶν τόπων ὧν κατεκυριεύσατε
[Th., Quint., Sext. Ps. 109 (110). 2.]

καταλαζονεύεσθαι.
[Sm. Ps. 136 (137). 3.]

καταλαλεῖν. (1) גָּדַף pi. (2) דָּבַר *a.* ni. *b.* pi. (3) כָּלַם hi. (4) לָשׁוֹן po. (5) עָטָה עַל שָׁפָם

Nu. 12. 8. καταλαλῆσαι κατὰ τοῦ θεράποντός μου Μ. (2 *b*)
21. 5. κατελάλει ὁ λαὸς πρὸς τὸν θεόν (2 *b*)
— 7. κατελαλήσαμεν κατὰ τοῦ κυρίου (2 *b*)
Jb. 19. 3. καταλαλεῖτέ μου [A με] (3)
Ps. 43 (44). 16. A S² ἀπὸ φωνῆς . . . καταλαλοῦντος [B S¹ παραλ.] (1)
49 (50). 20. κατὰ τοῦ ἀδ. σου κατελάλεις (2 *b*)
77 (78). 19. κατελάλησαν τοῦ θεοῦ (2 *b*)
100 (101). 5. τὸν καταλαλοῦντα λάθρα τοῦ πλησίον αὐτοῦ (4)
118 (119). 23. κατ' ἐμοῦ κατελάλουν (2 *a*)
Pr. 20. 13. μὴ ἀγάπα καταλαλεῖν †
Ho. 7. 13. αὐτοὶ δὲ κατελάλησαν κατ' ἐμοῦ ψευδῆ (2 *b*)
Mi. 3. 7. καὶ καταλαλήσουσι κατ' αὐτῶν πάντες αὐτοί (5 ?)
Ma. 3. 13. ἐν τίνι κατελαλήσαμεν κατὰ σοῦ (2 *a*)
— 16. ταῦτα κατελάλησαν [A ἐλάλ.] οἱ φοβούμ. τὸν κ. (2 *a*)
[Sm. Ps. 40 (41). 7 : 72 (73). 8.]
[Th. Pr. 30. 10.]

καταλαλιά.
Wi. 1. 11. ἀπὸ καταλαλιᾶς φείσασθε γλώσσης

καταλαμβάνειν. (1) אָחַז (2) בּוֹא (3) בָּעָה ni. (4) דָּבַק *a.* qal. *b.* hi. (5) חָזַק hi. (6) לָכַד (7) לָקַח (8) מָצָא *a.* qal. *b.* ni. (9) נָגַשׁ ni. (10) נָשָׂא (11) נָשַׁג hi. (12) סָגַר (13) עָצַר (14) קָרַם pi. (15) שָׁבַח aph. (16) שָׁלַם pi. (17) תָּפַשׂ (18) κ. τὴν οὐραγίαν זָנַב pi.

Ge. 19. 19. R μή ποτε [A *om.*] καταλάβῃ με τὰ κακά (4 *a*)
Ge. 31. 23. κατέλαβεν αὐτὸν ἐν τῷ ὄρει Γαλαάδ (4 *b*)
— 25. κατέλαβε Λάβαν τὸν Ἰακώβ (11)
44. 4. καταλήψῃ αὐτούς (11)
Ex. 15. 9. διώξας καταλήψομαι (11)
22. 4 (3). A B ἐὰν δὲ καταλημφθῇ [R -λειφθῇ] (8 *b*)
Le. 26. 5. καταλήψεται ὑμῖν ὁ ἀμητὸς τὸν τρυγητὸν καὶ ὁ τρυγητὸς καταλήψεται τὸν σπόρον (11, 11)
Nu. 21. 32. καὶ κατελάβοντο [A -βετο] αὐτήν (6)
32. 23. ὅταν ὑμᾶς καταλάβῃ τὰ κακά (8 *a*)
De. 19. 6. καὶ καταλάβῃ αὐτόν (11)
28. 15, 45. καὶ καταλήψονταί σε (11)
Jo. 2. 5. εἰ καταλήψεσθε αὐτούς (11)
8. 19. καὶ κατελάβοντο αὐτήν (6)
10. 19. καταλάβετε τὴν οὐραγίαν αὐτῶν (18)
11. 10. καὶ κατελάβετο Ἀσώρ (6)
19. 47. καὶ κατελάβοντο αὐτήν (6)
Jd. 1. 5. κατέλαβον [A εὗρον] τὸν Ἀδ. (8 *a*)
— 6. B¹ κατελάβοσαν [B² R ἐλ., A ἔλαβον] αὐτόν (1)
— 8. καὶ κατελάβοντο αὐτήν (6)
7. 24. καταλάβετε ἑαυτοῖς τὸ ὕδωρ (6)
9. 45. καὶ κατελάβετο τὴν πόλιν (6)
— 50. καὶ κατέλαβεν αὐτήν [A *al.*] (6)
18. 22. κατελάβοντο τοὺς υἱοὺς Δάν [A *al.*] (4 *b*)
I Ki. 30. 8. εἰ [A καὶ] καταλήψομαι αὐτούς (11)
— 8. καταλαμβάνων καταλήψῃ (11, 11)
II Ki. 5. 7. A B κατελάβετο [R προκ.] Δ. τὴν περιοχήν (6)
12. 26. κατέλαβε τὴν πόλιν τῆς βασιλείας (6)
— 27. κατελαβόμην τὴν πόλιν τῶν ὑδάτων (6)
— 29. καὶ κατελάβετο αὐτήν (6)
15. 5. A κατελαμβάνετο [B ἐπελ.] αὐτοῦ (5)
— 14. ἵνα μὴ . . . καταλάβῃ ἡμᾶς (11)
21. 11. κατέλαβεν αὐτοὺς Δάν –
III Ki. 9. 16 (*cf.* B 4. 34). A κατελάβετο τὴν Γαζέρ (6)
18. 44. μὴ καταλάβῃ σε ὁ ὑετός (13)
IV Ki. 10. 11. R τοὺς ἐν τῷ οἴκῳ Ἀχ. καταληφθέντας [A B -λειφθ.] †
18. 10. καὶ κατελάβετο αὐτήν (6)
25. 5. καὶ κατέλαβον αὐτόν (11)
II Ch. 9. 20. πάντα τὰ σκεύη . . . χρυσίῳ κατειλημμένα [A -ημένα] (12)
22. 9. κατέλαβον αὐτὸν ἰατρευόμενον (6)
25. 23. τὸν Ἀμ. . . . κατέλαβεν Ἰωάς (17)
32. 21. A³B κατέβαλον [A¹ -έλαβον] αὐτὸν ἐν ῥομφαίᾳ †
33. 11. κατέλαβον τὸν [A -βοντο] Μαν. (6)
I Es. 6. 8. κατελάβομεν τῆς αἰχμαλωσίας τοὺς πρεσβυτέρους
Ne. 9. 25. κατελάβοσαν πόλεις ὑψηλάς (6)
Ju. 2. 25. κατελάβετο τὰ ὅρια τῆς Κ. [S *al.*]
8. 14. S λόγους τῆς διανοίας αὐτοῦ οὐ καταλήψεσθε [A B διαλ., R λήψ.]
11. 11. καὶ κατελάβετο [A καταλάβοι] αὐτοὺς ἁμάρτημα
Es. 4. 17. ἐν ἀγῶνι θανάτου κατειλημμένη [A -ηλιμμ.]
Jb. 5. 13. ὁ καταλαμβάνων σοφούς (6)
34. 24. ὁ καταλαμβάνων ἀνεξιχνίαστα †
Ps. 7. 5. τὴν ψυχήν μου . . . καταλάβοι (11)
17 (18). 37. καὶ καταλήψομαι αὐτούς (11)
39 (40). 12. κατέλαβόν με αἱ ἀνομίαι μου (11)
68 (69). 24. ὁ θυμὸς τῆς ὀργῆς σου καταλάβοι αὐτούς [S¹ *al.*] (11)
70 (71). 11. καὶ καταλάβετε αὐτόν (17)
Pr. 1. 13. τὴν κτῆσιν [A κτίσιν] αὐτοῦ . . . καταλαβώμεθα (8 *a*)
2. 16. μή σε καταλάβῃ κακὴ βουλή †
— 19. οὐδὲ μὴ καταλάβωσι τρίβους εὐθείας οὐ γὰρ καταλαμβάνονται [A -ωνται] ὑπὸ ἐνιαυτῶν ζωῆς (11, –)
11. 27. ἐκζητοῦντα δὲ κακὰ καταλήψεται αὐτόν (2)
13. 21. τοὺς δὲ δικαίους καταλήψεται ἀγαθά (16)
16. 32. κρείσσων καταλαμβανομένου [A τοῦ κ.] πόλιν (6)
Si. 7. 1. οὐ μή σε [S *om.*] καταλάβῃ κακόν
11. 10. ἐὰν διώκῃς οὐ μὴ καταλάβῃς
15. 1. ὁ ἐγκρατὴς τοῦ νόμου καταλήψεται αὐτήν [A -όν]
— 7. οὐ μὴ καταλήψονται αὐτὴν ἄνθρωποι ἀσύνετοι
23. 6. μὴ καταλαβέτωσάν με
27. 8. ἐὰν διώκῃς τὸ δίκαιον καταλήψῃ
Si. 48. 15. S κατελήφθη [A B -ελείφθη] ὁ λαὸς ὀλιγοστός
Ho. 2. 7 (9). καὶ οὐ μὴ καταλάβῃ αὐτούς (11)
10. 9. οὐ μὴ καταλάβῃ αὐτοὺς ἐν τῷ βουνῷ πόλεμος (11)
Am. 9. 13. καταλήψεται ὁ ἀμητὸς [A ἀλοητὸς] τὸν τρυγητόν (9)
Mi. 6. 6. ἐν τίνι καταλάβω τὸν κύριον (14)
— 6. εἰ καταλήψομαι αὐτὸν ἐν ὁλοκαυτώμασιν (14)
Ob. 1. 6. κατελήφθη [S κατελείφθη] αὐτοῦ τὰ κεκρυμμένα (3)
Za. 1. 6. οἱ κατελάβοσαν τοὺς πατέρας ὑμῶν (11)
14. 16. ὅσοι ἐὰν καταλειφθῶσιν [A ἂν καταληφθῶσιν] †
Is. 10. 14. τὴν οἰκουμένην ὅλην καταλήψομαι τῇ χειρί (8 *a*)
16. 9. S τὰ δένδρα σου κατέλαβεν [A B -έβαλεν] Ἐσ. †
20. 1. A S κατελάβετο [B ἔλαβεν] αὐτήν (6)
35. 10. εὐφροσύνη καταλήψεται αὐτούς (11)
37. 8. κατέλαβε τὸν βασιλέα Ἀσσ. [A S *al.*] (8 *a*)
51. 11. εὐφροσύνη καταλήψεται αὐτούς (11)
59. 9. οὐ μὴ καταλάβῃ αὐτοὺς δικαιοσύνη (11)
Je. 3. 8. περὶ πάντων ὧν κατελήφθη †
10. 19. καὶ [A οὐ] κατέλαβέ σε [A με] (10)
28 (51). 34. κατέλαβέ με σκότος λεπτόν –
49 (42). 16. καταλήψεται ὑμᾶς ὀπίσω ὑμῶν (4 *a*)
52. 8. κατέλαβον [A -εν] αὐτὸν ἐν τῷ πέραν Ἱερ. (11)
La. 1. 3. κατέλαβον αὐτὴν ἀνὰ μέσον τῶν θλιβόντων (11)
Ez. 33. 4. καὶ καταλάβῃ αὐτόν [A *al.*] (7)
Da. LXX. Su. 58. ἐν ποίῳ τοῦ κήπου τόπῳ κατέλαβες αὐτούς
1. 20. κατέλαβεν αὐτοὺς σοφωτέρους (8 *a*)
4. 34. ὅσοι ἂν καταληφθῶσι λαλοῦντές τι –
6. 11 (12). κατελάβοσαν αὐτὸν εὐχόμενον (15)
Da. TH. Su. 54. A ὑπὸ τί δένδρον κατέλαβες [B εἶδες] αὐτούς
— 58. ὑπὸ τί δένδρον κατέλαβες αὐτούς
I Ma. 1. 19. κατελάβοντο τὰς πόλεις τὰς ὀχυράς
2. 32. A R καταλαβόντες [S -ελάβοντο] αὐτούς
5. 27. καταλαβέσθαι καὶ ἑξᾶραι πάντας
— 28. κατελάβετο τὴν πόλιν
— 30. καταλαβέσθαι τὸ ὀχύρωμα
— 35. A S καὶ κατελάβετο [R προκατ.] αὐτήν
6. 3. S R ἐζήτει καταλαβέσθαι [A -βεῖν] τὴν πόλιν
— 26. τοῦ καταλαβέσθαι αὐτήν
— 50. κατελάβετο ὁ βασ. τὴν Β.
— 63. κατελάβετο τὴν πόλιν βίᾳ
10. 1. καὶ κατελάβετο Πτολεμαΐδα
— 23. A S τοῦ φιλίαν καταλαβέσθαι [R -θέσθαι] τοῖς Ἰ.
11. 46. A R κατελάβοντο . . . τὰς διόδους [S οἰκίας]
— 66. κατελάβετο τὴν πόλιν
12. 30. S R καὶ οὐ κατέλαβεν [A οὐκ ἐκατ.] αὐτούς
13. 43. ἐπάταξε πύργον ἕνα καὶ κατελάβετο
15. 30. A R τὰς πόλεις ἃς κατελάβεσθε [S παρελάβετε]
16. 20. ἑτέρους ἀπέστειλε καταλαβέσθαι τὴν Ἱερ.
II Ma. 5. 5. τέλος ἤδη καταλαμβανομένης τῆς πόλεως
— 20. A ὁ καταληφθεὶς [R -λειφθεὶς] . . . ἐπανωρθώθη
8. 18. A τὸν ὅλον κόσμον . . . καταλαβεῖν [R -βαλεῖν]
10. 22. τοὺς δύο πύργους κατελάβετο
12. 16. καταλαβόμενοί τε τὴν πόλιν
— 18. Τιμόθεον μὲν . . . οὐ κατέλαβον
13. 21. κατελήφθη καὶ κατεκλείσθη
14. 41. μελλόντων τὸν πύργον καταλαβέσθαι
15. 19. τοῖς ἐν τῇ πόλει κατειλημμένοις
III Ma. 2. 10. καὶ καταλάβῃ ἡμᾶς στενοχωρία
— 23. ὀξεῖαν ἰδόντες τὴν καταλαβοῦσαν αὐτὸν εὖθυναν
[Aq. Dt. 2. 34 : I Ki. 10. 20 : Is. 56. 12 : Mi. 2. 6 : 6. 14.]
[Sm. II Ki. 1. 6 : Jb. 31. 29 : 41. 18 : Ps. 20 (21). 9 : 118 (119). 143 : Is. 59. 9.]
[Th. Je. 39 (46). 1, 5.]
[Al. Le. 5. 11.]

καταλάμπεσθαι.
Wi. 17. 20. ὅλος γὰρ ὁ κόσμος λαμπρῷ κατελάμπετο φωτί

καταλογγεῖν (?).
II Ma. 7. 30. A ἔτι δὲ ταύτης καταλογγούσης [R καταλεγούσης]

καταλεαίνειν. (1) דִּקֵּק aph.
Da. LXX. 7. 23. καὶ καταλεανεῖ αὐτήν (1)

καταλέγειν. (1) עָנָה
De. 19. 16. καταλέγων αὐτοῦ ἀσέβειαν (1)
II Ma. 7. 30. R ἔτι δὲ ταύτης καταλεγούσης [A καταλογγούσης]
[Aq. Ex. 15. 21: Nu. 21. 17: Jd. 5. 11: Ps. 146 (147). 7: Je. 25. 30 (32. 16): 51 (28). 14.]
[Sm. Nu. 21. 17: I Ki. 21. 11 (12): Ps. 144 (145). 6: 146 (147). 7.]

κατάλεγμα.
[Sm. Je. 25. 30 (32. 16): Ez. 2. 10.]
[Al. Is. 16. 9.]

κατάλειμμα (-λιμμα). (1) יֶתֶר (2) נִיר (3) עֲלִלוֹת (4) שָׂרִיד (5) *a.* שְׁאָר *b.* שְׁאֵרִית (6) שָׂחִיס
Ge. 45. 7. ὑπολείπεσθαι ὑμῖν κατάλειμμα (5 *b*)
Jd. 5. 13. R κατέβη κατάλειμμα [B -λημμα] τοῖς ἰσχυροῖς [A *al.*] (4)
I Ki. 13. 15. B τὸ κ. τοῦ λαοῦ ἀνέβη –
II Ki. 14. 7. ὥστε μὴ θέσθαι . . . κατάλειμμα καὶ ὄνομα [A *al.*] (5 *b*)
III Ki. 12. 24. B καὶ πρὸς τὸ κ. τοῦ λαοῦ –
15. 4. ἔδωκεν αὐτῷ . . . κατάλειμμα (2)
IV Ki. 10. 11. ὥστε μὴ καταλιπεῖν αὐτοῦ κατάλειμμα (4)
19. 31. ἐξ Ἱερ. ἐξελεύσεται κατάλειμμα (5 *b*)
To. 13. 16. S τὸ κ. τοῦ σπέρματός μου
Jb. 22. 20. τὸ κ. αὐτῶν καταφάγεται πῦρ (1)
Si. 44. 17. A B S² ἐγενήθη κατάλειμμα τῇ γῇ
47. 22. τῷ Ἰακὼβ ἔδωκε κατάλειμμα
Is. 10. 22. τὸ κ. αὐτῶν σωθήσεται (5 *a*)
14. 22. ἀπολῶ αὐτῶν ὄνομα καὶ κ. καὶ σπέρμα (5 *a*)
— 30. τὸ κ. σου ἀνελεῖ (5 *b*)
37. 30. τῷ δὲ ἐνιαυτῷ τῷ δευτέρῳ τὸ κ. (6 ?)
Je. 27 (50). 26. μὴ γενέσθω αὐτῆς κ. (5 *b*)
29 (49). 9. οἱ οὐ [S¹ *om.*] καταλείψουσί σοι κ. (3 ?)
32 (25). 38. R ἐγκατέλιπεν ὥσπερ λέων κατάλειμμα [A B S -λυμα] αὐ. †
47 (40). 11. ἔδωκε βασιλεὺς Βαβυλῶνος κ. [A τὰ κ.] τῷ Ἰούδᾳ (5 *b*)
I Ma. 3. 35. ἐξᾶραι . . . τὸ κ. Ἱερουσαλήμ
[Aq. Je. 8. 3: 47 (29). 5.]
[Sm. Je. 8. 3.]
[Th. III Ki. 15. 4: Jb. 22. 20.]

καταλειμμάνειν. (1) עָזַב
III Ki. 18. 18. A ἐν τῷ κ. [B -λιμπάνειν] ὑμᾶς τὸν κ. (1)

καταλεῖν. (1) דִּקֵּק aph. (2) טָחַן
Ex. 32. 20. κατήλεσεν αὐτὸν λεπτόν [A *al.*] (2)
De. 9. 21. συνέκοψα αὐτὸν καταλέσας σφόδρα [A *al.*] (2)
Da. LXX. 2. 34. καὶ κατήλεσεν αὐτά (1)

καταλείπειν. (1) אַחַר (2) הָיָה (3) נָחַ hi. (4) יָצַג hi. (5) יָתַר *a.* ni. *b.* hi. *c.* יֶתֶר (6) לָפַת ni. (7) מְרוּשָׁה (8) מָצָא ni. (9) נוּחַ hi. (10) נָקָה ni. (11) עָזַב *a.* qal. *b.* ni. (12) פְּלִיטָה, פְּלֵיטָה (13) פָּקַד pu. (14) שׂוּם (15) שָׂרִיד (16) שְׁאָה ni. (17) שָׁאַר *a.* ni. *b.* hi. *c.* שְׁאָר *d.* שְׁאֵרִית (18) שָׁכַח *a.* qal. *b.* ni. *c.* שָׁכַח ithp.
Ge. 2. 24. καταλείψει ἄνθρωπος τὸν πατέρα αὐ. (11 *a*)
7. 23. κατελείφθη μόνος Νῶε (17 *a*)
14. 10. οἱ δὲ καταλειφθέντες . . . ἔφυγον (17 *a*)
33. 15. καταλείψω μετὰ σοῦ ἀπὸ τοῦ λαοῦ (4)
39. 12. R καταλιπὼν [A -λείπων] τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (11 *a*)
— 13. R καταλιπὼν [A -έλειπεν] τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (11 *a*)
— 15. R καταλιπὼν [A -λείπων] τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (11 *a*)
Ge. 39. 18. R καταλιπὼν [A -έλειπεν] τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (11 *a*)
42. 38. αὐτὸς μόνος καταλέλειπται (17 *a*)
44. 22. καταλιπεῖν τὸν πατέρα (11 *a*)
— 22. ἐὰν δὲ καταλίπῃ τὸν πατέρα (11 *a*)
Ex. 2. 20. καταλελοίπατε τὸν ἄνθρωπον (11 *a*)
8. 31 (27). οὐ κατελείφθη οὐδεμία (17 *a*)
10. 5. τὸ περισσὸν τῆς γῆς [A *om.* τ. γ.] τὸ καταλειφθέν (12)
— 5. ὃ κατέλιπεν ὑμῖν ἡ χάλαζα (17 *a*)
— 15. A οὐ κατελείφθη [B οὐχ ὑπ.] χλωρὸν οὐδέν (5 *a*)
12. 10. A R τὰ δὲ καταλειπόμενα [B -λιπ.] ἀπ' αὐτοῦ (5 *a*)
— 46. A οὐ καταλείψετε ἀπὸ τῶν κρεῶν –
14. 28. οὐ κατελείφθη ἐξ αὐτῶν οὐδὲ εἷς (17 *a*)
16. 19. A R μηδεὶς καταλειπέτω [B -λιπ.] ἀπ' αὐτοῦ (5 *b*)
— 20. κατέλιπόν [A² -λειπ.] τινες ἀπ' αὐτοῦ (5 *b*)
— 23. R καταλείπετε [A -πέτω, B -λίπετε] αὐτό (9)
— 24. κατελίποσαν [A -έλειπον] ἀπ' αὐτοῦ (9)
22. 4 (3). R ἐὰν δὲ καταλειφθῇ [A B -λημφ.] †
29. 34. ἐὰν δὲ καταλειφθῇ ἀπὸ τῶν κρεῶν (5 *a*)
39. 13 (1). τὴν καταλειφθεῖσαν ὑάκινθον †
Le. 2. 10. τὸ δὲ καταλειφθὲν ἀπὸ τῆς θυσίας (5 *a*)
5. 13. τὸ δὲ καταλειφθὲν ἔσται τῷ ἱερεῖ –
6. 16 (9). τὸ δὲ καταλειφθὲν ἀπ' αὐτῆς (5 *a*)
7. 5 (15). οὐ καταλείψουσιν ἀπ' αὐτοῦ (9)
— 7 (17). τὸ καταλειφθὲν ἀπὸ τῶν κρεῶν (5 *a*)
8. 32. τὸ καταλειφθὲν τῶν κρεῶν (5 *a*)
10. 6. τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ τοὺς καταλελειμμένους –
— 12. τοὺς υἱοὺς Ἀαρὼν τοὺς καταλειφθέντας (5 *a*)
— 12. λάβετε τὴν θυσίαν τὴν καταλειφθεῖσαν (5 *a*)
— 16. τοὺς υἱοὺς Ἀ. τοὺς καταλελειμμένους (5 *a*)
14. 17. τὸ δὲ καταλειφθὲν ἔλαιον (5 *c*)
— 18. τὸ δὲ καταλειφθὲν ἔλαιον (5 *a*)
— 29. τὸ δὲ καταλειφθὲν ἀπὸ τοῦ ἐλαίου (5 *a*)
19. 6. ἐὰν καταλειφθῇ ἕως ἡμέρας τρίτης (5 *a*)
— 10. τῷ προσηλύτῳ καταλείψεις αὐτά (11 *a*)
25. 52. ἐὰν δὲ ὀλίγον καταλειφθῇ ἀπὸ τῶν ἐτῶν (17 *a*)
26. 36. τοῖς καταλειφθεῖσιν ἐξ ὑμῶν (17 *a*)
— 39. οἱ καταλειφθέντες ἀφ' ὑμῶν (17 *a*)
Nu. 9. 12. οὐ καταλείψουσιν ἀπ' αὐτοῦ εἰς τὸ πρωΐ (17 *b*)
11. 26. κατελείφθησαν δύο ἄνδρες (17 *a*)
21. 35. ἕως τοῦ μὴ καταλιπεῖν αὐτοῦ ζωγρείαν (17 *b*)
26. 65. οὐ κατελείφθη ἐξ αὐτῶν οὐδὲ εἷς (5 *a*)
32. 15. καταλιπεῖν αὐτὸν ἐν τῇ ἐρήμῳ (9)
33. 55. οὓς [A ὅσους] ἐὰν καταλίπητε ἐξ αὐτῶν (5 *b*)
De. 2. 34. οὐ κατελίπομεν [A -λείπ.] ζωγρίαν (17 *b*)
3. 3. ἕως τοῦ μὴ καταλιπεῖν αὐτοῦ σπέρμα (17 *b*)
— 11. πλὴν *Ὠγ . . . κατελείφθη ἀπὸ τῶν Ῥ. (17 *a*)
4. 27. καταλειφθήσεσθε ὀλίγοι [A -γῳ] ἀριθμῷ (17 *a*)
7. 20. A B² R ἕως ἂν ἐκτριβῶσιν οἱ καταλελειμμένοι (17 *a*)
28. 51. ὥστε μὴ καταλιπεῖν σοι σῖτον (17 *b*)
— 54. A R καὶ τὰ καταλελειμμένα [A κ.τ.] τέκνα ἃ ἂν καταλειφθῇ αὐτῷ [B *om.*] (5 *c*, 5 *b*)
— 55. διὰ τὸ μὴ καταλειφθῆναι [A -λελείφθαι] αὐτῷ οὐδέν (17 *b*)
— 62. καταλειφθήσεσθε ἐν ἀριθμῷ βραχεῖ (17 *a*)
29. 25 (24). R κατέλιπον [B -οσαν, A -λειπον] τὴν διαθήκην κυρίου (11 *a*)
31. 16. καὶ καταλείψουσί [A ἐγκατ.] με (11 *a*)
— 17. καὶ καταλείψω αὐτούς (11 *a*)
Jo. 8. 17. οὐ κατελείφθη οὐθεὶς ἐν τῇ Γαί (17 *a*)
— 17. B κατέλιπον τὴν πόλιν ἠνεῳγμένην (11 *a*)
— 22. ἕως τοῦ μὴ καταλειφθῆναι αὐτῶν σεσωσμένον (17 *b*)
10. 28. οὐ κατελείφθη οὐδεὶς ἐν αὐτῇ (17 *b*)
— 30. οὐ κατελείφθη ἐν αὐτῇ (17 *b*)
— 33. ἕως τοῦ μὴ καταλειφθῆναι αὐτῶν [A -ῷ] (17 *b*)
— 39. οὐ κατέλιπον αὐτῇ οὐδένα [A *al.*] (17 *b*)
— 40. οὐ κατέλιπον αὐτῶν [A *al.*] (17 *b*)
11. 8. ἕως τοῦ μὴ καταλειφθῆναι αὐτῶν (17 *b*)
— 11. οὐ κατελείφθη ἐν αὐτῇ ἐμπνέον (5 *a*)
— 14. οὐ κατέλιπον ἐξ αὐτῶν οὐδὲ ἓν ἐμπνέον [A *al.*] (17 *b*)
— 22. οὐ κατελείφθη τῶν [A -ησαν τῷ] Ἐνακίμ (5 *a*)
— 22. ἀλλὰ πλὴν ἐν Γ. . . . κατελείφθη [A -ησαν] (17 *a*)
13. 2. αὕτη ἡ γῆ καταλελειμμένη [A ἡ κ.] (17 *a*)
— 12. οὗτος κατελείφθη ἀπὸ τῶν γιγάντων (17 *a*)
Jo. 17. 6. τοῖς υἱοῖς Μανασσῆ τοῖς καταλελειμμ. (5 *a*)
18. 2. κατελείφθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (5 *a*)
21. 5. τοῖς υἱοῖς Καὰθ τοῖς καταλελειμμένοις (5 *a*)
— 20. τοῖς δήμοις . . . τοῖς καταλελειμμένοις (5 *a*)
— 38. τῶν καταλελειμμένων ἀπὸ τῆς φυλῆς Λ. (5 *a*)
23. 4. τὰ ἔθνη τὰ καταλελειμμένα ὑμῖν ταῦτα (17 *a*)
— 7. τὰ ἔθνη τὰ καταλελειμμένα ταῦτα (17 *a*)
24. 16. μὴ γένοιτο ἡμῖν καταλιπεῖν [A -λείπειν] κύριον (11 *a*)
Jd. 2. 21. ὧν κατέλιπεν [A -λειπ.] Ἰ. (11 *a*)
4. 16. οὐ κατελείφθη ἕως ἑνός (17 *a*)
6. 4. B οὐ κατέλιπον [R -λείποντο, A οὐχ ὑπελείποντο] ὑπόστασιν (17 *b*)
8. 10. πάντες οἱ καταλελειμμένοι [A π. καταλειφθέντες] (5 *a*)
9. 5. καὶ κατελείφθη [A ἀπελ.] Ἰωάθαμ (5 *a*)
Ru. 1. 3. καὶ κατελείφθη αὕτη (17 *a*)
— 5. καὶ κατελείφθη ἡ γυνή (17 *a*)
— 16. μὴ ἀπαντήσαι μοι τοῦ καταλιπεῖν σε (11 *a*)
2. 11. πῶς κατέλιπες [A -λειπ.] τὸν πατέρα σου (11 *a*)
— 14. καὶ κατέλιπε [A -λειπε] (5 *b*)
— 18. ἔδωκεν αὐτῇ ἃ κατέλιπεν [A -λειπεν] (5 *b*)
I Ki. 2. 10. κατέλιπεν [A -λειπον] αὐτὸν ἐκεῖ –
30. 13. κατέλιπέ [A -λειπέ] με ὁ κύριός μου (11 *a*)
31. 7. καταλείπουσι τὰς πόλεις αὐτῶν (11 *a*)
II Ki. 13. 30. οὐ κατελείφθη ἐξ αὐτῶν οὐδὲ εἷς (5 *a*)
14. 7. τὸν ἄνθρακά μου τὸν καταλειφθέντα (17 *a*)
16. 21. A B¹ ἃς κατέλειπεν [B³ R -λιπε] φυλάσσειν τὸν οἶκον αὐτοῦ (9)
17. 13. ὅπως μὴ καταλειφθῇ ἐκεῖ μηδὲ λίθος (8)
III Ki. 11. 33. B κατέλιπέν [R ἐγκατ., A κατέλειπέν] με (11 *a*)
19. 18. καταλείψεις ἐν Ἰσρ. ἑπτὰ χιλιάδας ἀνδρῶν (17 *b*)
— 20. κατέλιπεν [A -λειπ.] Ἐλ. τὰς βόας (11 *a*)
IV Ki. 2. 2. A B εἰ καταλείψω [R ἐγκατ.] σε (11 *a*)
3. 25. ἕως τοῦ καταλιπεῖν [A -λείπ.] τοὺς λίθους (17 *b*)
4. 43. φάγονται καὶ καταλείψουσι (5 *b*)
— 44. ἔφαγον καὶ κατέλιπον [A -λειπ.] (5 *b*)
7. 13. οἱ κατελείφθησαν ὧδε (17 *a*)
8. 6. ἧς κατέλιπε [A ἐγκατέλειπεν] τὴν γῆν (11 *a*)
10. 11. A B τοὺς ἐν τῷ οἴκῳ Ἀχ. καταλειφθέντας [R -ληφθ.] (17 *a*)
— 11. ὥστε μὴ καταλιπεῖν [A -λείπ.] αὐτοῦ κατάλειμμα (17 *b*)
— 14. οὐ κατέλιπεν ἄνδρα ἐξ αὐτῶν (17 *b*)
— 17. πάντας τοὺς καταλειφθέντας τοῦ Ἀχ. (17 *a*)
— 21. οὐ κατελείφθη ἀνήρ (17 *a*)
25. 11. τὸ καταλειφθὲν ἐν τῇ πόλει (17 *a*)
— 22. ὁ λαὸς ὁ καταλειφθείς (17 *a*)
— 22. οὓς κατέλιπε [A -λειπεν] Ναβ. (17 *b*)
I Ch. 4. 43. ἐπάταξαν τοὺς καταλοίπους τοὺς καταλειφθέντας (12)
10. 7. κατέλειπον τὰς πόλεις αὐτῶν (11 *a*)
16. 37. κατέλιπον [A -έλειπεν] ἐκεῖ . . . τὸν Ἀσάφ (11 *a*)
28. 9. ἐὰν καταλείψῃς [A -εις] αὐτὸν καταλείψει σε εἰς τέλος (11 *a*, 3)
II Ch. 1. 14. κατέλιπεν [A -λειπεν] αὐτὰ ἐν πόλεσι τῶν ἁρμάτων (9)
8. 7. πᾶς ὁ λαὸς ὁ καταλειφθείς (5 *a*)
— 8. ἐκ τῶν υἱῶν αὐτῶν τῶν καταλειφθέντων (5 *a*)
10. 8. κατέλιπε [A -λειπεν] τὴν βουλὴν τῶν πρεσβυτέρων (11 *a*)
15. 2. B ἐὰν καταλίπητε [A R ἐγκαταλείπ.] αὐτόν (11 *a*)
21. 17. οὐ κατελείφθη αὐτῷ υἱός (17 *a*)
28. 6. ἐν τῷ αὐτοὺς καταλιπεῖν τὸν κύριον θεόν (11 *a*)
30. 6. τοὺς καταλειφθέντας ἀπὸ χειρὸς βασιλέως Ἀσσούρ (17 *a*)
31. 10. καὶ κατελίπομεν [A -λείπ.] (5 *b*)
— 10. καὶ κατελίπομεν ἐπὶ τὸ πλῆθος τοῦτο [A *al.*] (5 *a*)
34. 21. περὶ παντὸς τοῦ καταλειφθέντος [A περιλ.] (17 *a*)
I Es. 8. 78. καταλειφθῆναι ἡμῖν ῥίζαν
— 88. ἕως τοῦ μὴ καταλιπεῖν [A -λείπ.] ῥίζαν
— 89. κατελείφθημεν γὰρ ῥίζα ἐν τῇ σήμερον
II Es. 1. 4. πᾶς ὁ καταλειπόμενος ἀπὸ πάντων τῶν τόπων (17 *a*)
9. 8. τοῦ καταλιπεῖν [A -λείπ.] ἡμῖν εἰς σωτηρίαν (17 *b*)
— 15. κατελείφθημεν [A *om.*, S² οὐκ ἐγκατ.] διασωζόμενοι (17 *a*)
Ne. 1. 2. οἱ κατελείφθησαν [B¹ -λίπησαν] ἀπὸ τῆς αἰχμαλωσίας (17 *a*)

Ne. 1. 3. οἱ καταλειπόμενοι οἱ καταλειφθέντες [A om. οἱ κ.] ἀπὸ τῆς αἰχμαλωσίας (17 a 17 a)
3. 8. καὶ κατέλιπον [A -λειπ.] Ἱερ. (11 a)
6. 1. οὐ κατελείφθη ἐν [A om.] αὐτοῖς πνοή (5 a)
To. 1. 8. ὀρφανὸς κατελείφθην ὑπὸ τοῦ πατρός μου [S al.]
— 20. οὐ κατελείφθη μοι οὐδέν
12. 13. οὐκ ὤκνησας . . . καταλιπεῖν [A -λείπ.] τὸ ἄριστόν σου
Ju. 13. 4. οὐδεὶς κατελείφθη ἐν τῷ κοιτῶνι
Jb. 6. 18. οὕτω κἀγὼ κατελείφθην ὑπὸ πάντων (6 ?)
Ps. 48 (49). 10. καταλείψουσιν ἀλλοτρίοις τὸν πλοῦτον αὐτῶν (11 a)
Pr. 12. 11. ἐν τοῖς ἑαυτοῦ ὀχυρώμασι καταλείψει ἀτιμίαν [S¹ al.] –
14. 26. τοῖς δὲ τέκνοις αὐτοῦ καταλείπει [S² -λείψει] ἔρεισμα (2)
20. 7. μακαρίους τοὺς παῖδας αὐτοῦ καταλείψει (1)
Wi. 2. 9. πανταχῇ καταλίπωμεν [A -λείπωμεν] σύμβολα τῆς εὐφροσύνης
Si. 11. 19. καταλείψει αὐτὰ ἑτέροις καὶ ἀποθανεῖται
13. 4. ἐὰν ὑστερήσῃς καταλείψει σε
— 7. ὄψεταί σε καὶ καταλείψει [S καλύψει] σε
14. 15. οὐχὶ ἑτέρῳ [A S -οις] καταλείψεις τοὺς πόνους σου
17. 25. ἀπόλειπε [S² -λιπε, S¹ κατάλιπε] ἁμαρτίας
23. 8. ἐν τοῖς χείλεσιν αὐτοῦ καταλειφθήσεται ἁμαρτωλός
— 22. οὕτως καὶ γυνὴ καταλιποῦσα [A -λείπ.] τὸν ἄνδρα
— 26. καταλείψει [A -ψις] εἰς κατάραν τὸ μνημόσυνον αὐτῆς
— 27. ἐπιγνώσονται οἱ καταλειφθέντες
24. 33. καταλείψω αὐτὴν εἰς γενεὰς [A S -ὰν] αἰώνων
28. 23. οἱ καταλείποντες [S -λιπ.] κύριον
29. 14. ὁ ἀπολωλεκὼς αἰσχύνην καταλείψει [A S ἐγκατ.] αὐτόν
30. 4. ὅμοιον γὰρ αὐτῷ κατέλιπε μετ' αὐτόν [A al.]
— 6. ἐναντίον ἐχθρῶν κατέλιπεν [A -λειπεν] ἔκδικον
39. 11. ἐὰν ἐμμείνῃ ὄνομα καταλείψει ἢ χίλιοι
44. 8. εἰσὶν αὐτῶν οἱ κατέλιπον [A -λειπον, S¹ ἐγκ.] ὄνομα
47. 22. ὁ δὲ κύριος οὐ μὴ καταλίπῃ [A ἐγκαταλείπῃ] τὸ ἔλεος αὐτοῦ
— 23. κατέλιπε [A -λειπεν] μετ' αὐτὸν ἐκ τοῦ σπέρματος αὐτοῦ λαοῦ ἀφροσύνην
48. 15. κατελείφθη [S -λήμφθη] ὁ λαὸς ὀλιγοστός
49. 4. κατέλιπον [A -λειπον] γὰρ τὸν νόμον τοῦ ὑψίστου
Ob. 1. 6. κατεῆφθη [S κατελείφθη] αὐτοῦ τὰ κεκρυμμένα †
Za. 11. 17. καταλελοιπότες [A οἱ κ.] τὰ πρόβατα (11 a)
14. 16. ὅσοι ἐὰν καταλειφθῶσιν [A καταλημφθῶσιν] (5 a)
Is. 3. 26. καταλειφθήσῃ μόνη (10)
4. 2. τοῦ . . . δοξάσει τὸ καταλειφθὲν τοῦ Ἰσρ. (13)
— 3. ἔσται . . . τὸ καταλειφθὲν ἐν Ἱερουσαλήμ (5 a)
6. 11. ἡ γῆ καταλειφθήσεται ἔρημος (16)
— 12. A B S οἱ καταλειφθέντες [R ἐγκ.] πληθυνθήσονται (11 a)
7. 3. ἔξελθε . . . σὺ καὶ ὁ καταλειφθεὶς Ἰ. (17 c)
— 16. καταλειφθήσεται ἡ γῆ (11 b)
— 22. πᾶς ὁ καταλειφθεὶς ἐπὶ τῆς γῆς (5 a)
10. 3. ποῦ καταλείψετε τὴν δόξαν ὑμῶν (11 a)
— 14. ὡς καταλελειμμένα ᾠὰ ἀρῶ (11 a)
— 19. οἱ καταλειφθέντες ἀπ' αὐτῶν ἔσονται ἀριθμός (17 c)
— 20. οὐκέτι προστεθήσεται τὸ καταλειφθὲν Ἰσρ. (17 c)
— 21. ἔσται τὸ καταλειφθὲν τοῦ Ἰακώβ (17 c)
11. 11. τοῦ ζηλῶσαι τὸ καταλειφθὲν ὑπόλοιπον τοῦ λαοῦ ὃ ἂν καταλειφθῇ ὑπὸ [A S³ ἀπὸ, S¹ om.] τῶν Ἀσσ. (17 c, 17 a)
— 16. ἔσται δίοδος [A ὁδ.] τῷ καταλειφθέντι μου λαῷ (17 c)
13. 12. ἔσονται οἱ καταλελειμμένοι ἔντιμοι †
— 14. ἔσονται οἱ καταλελειμμένοι ὡς δορκάδιον φεῦγον –
16. 14. καταλειφθήσεται ὀλιγοστός (17 c)
17. 2. ἔσται εἰς πτῶσιν καταλελειμμένη (11 a)
— 6. καταλειφθῇ ἐν αὐτῇ καλάμη (17 a)
— 6. ἢ πέντε ἐπὶ τῶν κλάδων αὐ. καταλειφθῇ †
— 9. κατέλιπον [A S ἐγκατέλειπον] οἱ Ἀμ. (11 a)
Is. 17. 10. κατέλιπες [A ἐγκατέλειπες] τὸν θεόν (18 a)
18. 6. καταλείψει ἅμα τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐρανοῦ (11 b)
21. 10. ἀκούσατε οἱ καταλελειμμένοι (7)
23. 15. καταλειφθήσεται Τύρος ἔτη ἑβδομήκοντα (18 b)
24. 6. καταλειφθήσονται ἄνθρωποι ὀλίγοι (17 a)
— 12. καταλειφθήσονται πόλεις ἔρημοι (17 a)
— 14. οἱ δὲ καταλειφθέντες ἐπὶ τῆς γῆς –
27. 10. ὡς ποίμνιον καταλελειμμένον (11 b)
28. 5. τῷ καταλειφθέντι τοῦ λαοῦ [A B³ κ. μου λαῷ] (17 c)
— 6. καταλειφθήσονται [S -σεται] ἐπὶ πνεύματι κρίσεως –
30. 17. ἕως ἂν καταλειφθῆτε ὡς ἱστός (5 a)
— 18. A S ποῦ καταλείψετε τὴν δόξαν ὑμῶν –
37. 4. περὶ τῶν καταλελειμμένων τούτων (17 d)
— 31. ἔσονται οἱ καταλελειμμένοι ἐν τῇ Ἰ. (12)
— 32. ἐξ Ἱερουσαλὴμ ἔσονται [A ἐξελεύσ.] οἱ καταλελειμμένοι (17 d)
38. 10. καταλείψω τὰ ἔτη τὰ ἐπίλοιπα (13)
— 12. κατέλιπον τὸ ἐπίλοιπον τῆς ζωῆς μου [A al.] †
39. 6. A R οὐδὲν οὐ μὴ καταλείπωσιν [B S -λίπ.] (5 a)
49. 21. ἐγὼ δὲ κατελείφθην μόνη (17 a)
54. 6. ὡς γυναῖκα καταλελειμμένην (11 a)
— 7. R χρόνον μικρὸν κατέλιπόν [A -λειπ., B ἐγκ.] σε (11 a)
62. 4. οὐκέτι κληθήσῃ Καταλελειμμένη [S¹ al.] (11 a)
— 12. S πόλις . . . . οὐ καταλελειμμένη [A B οὐκ ἐγκ.] (11 b)
65. 15. καταλείψετε γὰρ τὸ ὄνομα [S² add. τοῦ κυρίου] ὑμῶν (9)
66. 19. καταλείψω ἐπ' αὐτῶν σημεῖον [AS³ -εῖα] (14)
Je. 2. 17, 19. τὸ καταλιπεῖν σε ἐμέ (11 a)
8. 3. πᾶσι τοῖς καταλοίποις τοῖς καταλειφθεῖσιν (17 a)
9. 2 (1). καταλείψω τὸν λαόν μου (11 a)
17. 13. πάντες οἱ καταλιπόντες [A -λείπ.] σε (11 a)
21. 7. τὸν λαὸν τὸν καταλειφθέντα ἐν τῇ πόλει ταύτῃ (17 a)
29 (49). 9. οἷ οὐ καταλείψουσί σοι κατάλειμμα (17 b)
31 (48). 28. κατέλιπον [A S² -λειπ.] τὰς πόλεις (11 a)
32 (25). 38. A κατέλειπέν με [B S ἐγκατέλιπεν] (11 a)
34 (27). 11. καταλείψω αὐτὸν ἐπὶ τῆς γῆς αὐτοῦ (9)
41 (34). 7. A ἐπὶ τὰς πόλεις Ἰούδα τὰς καταλελειμμένας [B S om. τ. κ.] (5 a)
— 7. κατελείφθησαν ἐν πόλεσιν Ἰούδα (17 a)
44 (37). 10. καταλειφθῶσί τινες ἐκκεκεντημένοι (17 a)
45 (38). 4. τῶν καταλειπομένων [S -λιπ.] ἐν [A -λελειμμ. ἐπὶ] τῇ πόλει (17 a)
— 22. αἱ γυναῖκες αἱ καταλειφθεῖσαι ἐν οἰκίᾳ βασ. (17 a)
47 (40). 6. ἐν μέσῳ τοῦ λαοῦ τοῦ καταλειφθέντος (17 a)
48 (41). 10. πάντα τὸν λαὸν τὸν καταλειφθέντα (17 a)
49 (42). 2. κατελείφθημεν ὀλίγοι ἀπὸ πολλῶν (17 a)
50 (43). 6. ἃς κατέλιπε [A B¹ -λειπεν] Ναβ. μετὰ Γ. (9)
51 (44). 7. πρὸς τὸ μὴ καταλειφθῆναι ὑμῶν μηδένα (5 b)
52. 16. τοὺς καταλοίπους [S λ.] τοῦ λαοῦ κατέλιπεν [A B¹ -λειπεν] (17 b)
Ba. 2. 13. κατελείφθημεν ὀλίγοι ἐν τοῖς ἔθνεσιν
4. 1. οἱ δὲ καταλείποντες αὐτὴν ἀποθανοῦνται
— 12. μηδεὶς ἐπιχαιρέτω μοι τῇ χήρᾳ καὶ καταλειφθείσῃ [A -ήσῃ] ὑπὸ πολλῶν
— 19. ἐγὼ γὰρ κατελείφθην ἔρημος
La. 2. 22. οὐκ ἐγένοντο . . . καταλελειμμένος (15)
5. 20. καταλείψεις ἡμᾶς εἰς μακρότητα ἡμερῶν (11 a)
Ep. Je. 42. οὐ δύνανται αὐτοὶ νοήσαντες καταλιπεῖν αὐτά
— 47. κατέλιπον [A -λειπ.] γὰρ ψευδῆ
Ez. 36. 4. ταῖς πόλεσι ταῖς ἐγκαταλελειμμέναις [A καταλ.] (11 b)
— 4. εἰς καταπάτημα τοῖς καταλειφθεῖσιν ἔθνεσι (17 d)
— 36. ὅσα ἂν καταλειφθῶσι κύκλῳ ὑμῶν (17 a)
39. 14. θάψαι τοὺς καταλελειμμένους (5 a)
Da. LXX. 2. 35. ὥστε μηδὲν καταλειφθῆναι ἐξ αὐτῶν (18 c)
10. 8. ἐγὼ κατελείφθην μόνος (17 a)
— 8. οὐ κατελείφθη [cod. ἐγκ.] ἐν ἐμοὶ ἰσχύς (17 a)
— 13. αὐτὸν ἐκεῖ κατέλιπον (5 a)
— 17. πνεῦμα οὐ κατελείφθη ἐν ἐμοί (17 a)
Da. TH. 10. 13. αὐτὸν κατέλιπον ἐκεῖ (5 a)
Da. TH. 11. 30. τοὺς καταλιπόντας [A -λείπ.] διαθήκην ἁγίαν (11 a)
I Ma. 2. 18. οἱ καταλειφθέντες ἐν Ἱερ.
— 21. SR ἵλεως ἡμῖν καταλιπεῖν [A -λείπ.] νόμον
3. 32. S²R καὶ κατέλιπε [A -λειπ., S¹ ἀπέλυσεν] Λυσίαν
— 37. τὰς ἡμίσεις τῶν δυνάμεων τὰς καταλειφθείσας
5. 18. SR κατέλιπεν [A -λειπεν] Ἰώσηφον τὸν τοῦ Ζαχ.
6. 2. SR ἃ κατέλιπεν [A -λειπεν] ἐκεῖ Ἀλέξανδρος
7. 46. οὐ κατελείφθη [S¹ οὐκ ἀπελ.] ἐξ αὐτῶν οὐδὲ εἷς
9. 6. οὐ κατελείφθησαν ἐξ αὐτῶν
— 8. εἶπε τοῖς καταλειφθεῖσιν
— 10. SR μὴ καταλίπωμεν [A -λείπ.] αἰτίαν τῇ δόξῃ ἡμῶν
10. 13. SR κατέλιπεν [A -λειπεν] ἕκαστος τὸν τόπον αὐτοῦ
— 14. S R τινες τῶν καταλιπόντων [A -λειπ.] τὸν νόμον
11. 64. S R Σίμωνα κατέλιπεν [A -λειπεν] ἐν τῇ χώρᾳ
— 70. οὐδὲ εἷς κατελείφθη ἀπ' αὐτῶν
12. 47. S R κατέλιπε [A -λειπεν] δὲ μεθ' ἑαυτοῦ ἄνδρας τρισχιλίους
13. 4. καὶ κατελείφθην ἐγὼ μόνος
15. 10. R τοὺς καταλειφθέντας [A S om. τ. κ.] σὺν Τρύφ.
16. 8. οἱ δὲ καταλειφθέντες ἔφυγον
II Ma. 4. 31. R καταλιπὼν [A -λείπ.] τὸν διαδεχόμενον Ἀνδρ.
5. 20. R ὁ καταλειφθεὶς [A -ληφθεὶς] . . . ἐπανωρθώθη
— 22. R κατέλιπε [A -λειπεν] δὲ καὶ ἐπιστάτας
6. 28. τοῖς δὲ νέοις ὑπόδειγμα γενναῖον καταλελοιπώς
— 31. A μνημόσυνον ἀρετῆς καταλείπων [R -λιπών]
7. 16. τὸ γένος ἡμῶν ὑπὸ τοῦ θεοῦ καταλελεῖφθαι
9. 24. ᾧ καταλέλειπται τὰ πράγματα
12. 18. καταλελοιπότα δὲ φρουράν
— 19. ἀπώλεσαν τοὺς ὑπὸ Τιμ. καταλειφθέντας
13. 24. R κατέλιπε [A -λειπεν] στρατηγὸν ἀπὸ Πτολ.

[Aq. Ps. 9. 35 (10. 14) : 26 (27). 9 : Pr. 9. 6 : Is. 17. 2 : Je. 52. 15 : Ob. 18.]
[Sm. Ex. 39. 1 (13) : Pr. 9. 6 : Is. 1. 4 : 17. 2 : Je. 49. 11 (29. 13).]
[Th. Ex. 39. 1 (13) : Le. 26. 39 : Ps. 9. 35 (10. 14) : Pr. 9. 6 : Is. 11. 11 : 17. 2 : Je. 27 (34). 21 : 39 (46). 9, 10 : 52. 16 : Da. 10. 13 : 11. 30 : Ob. 18.]
[Al. Jo. 10. 37 : Pr. 15. 10.]

καταλείφειν.
Es. 4. 17. A S ἐν ἀγῶνι θανάτου κατηλιμμένη [B -ειλημμ.]

κατάλειψις. (1) פְּלֵיטָה
Ge. 45. 7. ἐκθρέψαι ὑμῶν κατάλειψιν μεγάλην (1)
Si. 23. 26. A κατάλειψις [B S -ψει] εἰς κατάραν τὸ μνημόσυνον αὐτῆς

καταλήγειν.
II Ma. 9. 5. ἄρτι δὲ αὐτοῦ καταλήξαντος τὸν λόγον
III Ma. 6. 32. καταλήξαντες δὲ θρήνων πανόδυρτον μέλος

κατάλημμα.
Jd. 5. 13. B κατέβη κάτλημμα [R -λειμμα] τοῖς ἰσχυροῖς [A al.] †

κατάληψις. (1) תָּפַשׂ
De. 20. 19. ἐκπολεμῆσαι αὐτὴν εἰς κατάληψιν αὐτῆς (1)

καταλιθοβολεῖν. (1) סָקַל (2) רָגַם
Ex. 17. 4. καταλιθοβολήσουσί με (1)
Nu. 14. 10. καταλιθοβολῆσαι αὐτοὺς ἐν λίθοις [B¹ om. ἐν λ.] (2)

κατάλιθος. (1) אֶבֶן
Ex. 28. 17 : 36. 17 (39. 10). ὕφασμα κατάλιθον τετράστιχον (1)

καταλιμπάνειν. (1) נוּחַ hi. (2) עָזַב
Ge. 39. 16. καταλιμπάνει τὰ ἱμάτια παρ' ἑαυτῇ (1)
II Ki. 5. 21. καταλιμπάνουσιν ἐκεῖ τοὺς θεοὺς αὐτῶν (2)
III Ki. 18. 18. ἐν τῷ καταλιμπάνειν [A -λειμμ.] ὑμᾶς τὸν κύριον (2)

[Aq. Pr. 10. 17.]
[Sm. Pr. 10. 17 : Ec. 11. 6.]

καταλλαγή.

Is. 9. 5 (4). ἱμάτιον μετὰ καταλλαγῆς ἀποτίσουσι †
II Ma. 5. 20. ἐν τῇ τοῦ μεγάλου δεσπότου κ.

καταλλάσσειν. (1) חָתַת

Je. 31 (48). 39. πῶς κατήλλαξε (1)
II Ma. 1. 5. καὶ καταλλαγείη ὑμῖν
7. 33. καταλλαγήσεται τοῖς ἑαυτοῦ δούλοις
8. 29. καταλλαγῆναι τοῖς αὐτοῦ δούλοις

καταλογίζεσθαι. (1) מָשַׁל ni.

Wi. 5. 5. πῶς κατελογίσθη ἐν υἱοῖς θεοῦ
Is. 14. 10. ἐν ἡμῖν δὲ κατελογίσθης (1)
Da. LXX. 5. 17. ἠρίθμηται κατελογίσθη ἐξῆρται –

κατάλοιπος. (1) *a.* אַחֲרוֹן *b.* אַחֲרִית (2) דַּלָּה
(3) *a.* יָתֵר ni. *b.* יָתֶר *c.* מִיתָר (4) שָׂרִיד
(5) *a.* שְׁאָר ni. *b.* שְׁאָר *c.* שְׁאֵרִית
d. שְׁרִית

Le. 5. 9. τὸ δὲ κ. τοῦ αἵματος καταστραγγιεῖ (5 *a*)
Nu. 3. 26. καὶ τὰ κ. πάντων τῶν ἔργων αὐτοῦ (3 *c*)
De. 3. 13. τὸ κ. τοῦ Γ. . . . ἔδωκα (3 *b*)
Jd. 7. 6. πᾶν τὸ κ. τοῦ λαοῦ [A *al.*] (3 *b*)
I Ki. 13. 2. B τὸ κ. τοῦ λαοῦ ἐξαπέστειλεν (3 *b*)
II Ki. 10. 10. τὸ κ. τοῦ λαοῦ ἔδωκεν (3 *b*)
12. 28. συνάγαγε τὸ κ. τοῦ λαοῦ (3 *b*)
III Ki. 12. 23. καὶ τῷ κ. τοῦ λαοῦ (3 *b*)
21 (20). 30. ἔφυγον οἱ κ. εἰς Ἀφεκά (3 *a*)
— 30. ἑπτὰ χιλιάδας ἀνδρῶν τῶν κ. (3 *a*)
I Ch. 4. 43. ἐπάταξαν τοὺς κ. τοὺς καταλειφθέντας (5 *c*)
6. 61 (46). τοῖς υἱοῖς K. τοῖς κ. ἐκ τῶν πατριῶν (3 *a*)
— 70 (55). τοῖς υἱοῖς K. τοῖς κ. (3 *a*)
— 77 (62). τοῖς υἱοῖς M. τοῖς κ. (3 *a*)
7. 24. καὶ ἐν ἐκείνοις τοῖς κ. –
12. 38. καὶ ὁ κ. [S[1] οἱ κ.] Ἰσρ. ψυχὴ μία (5 *d*)
19. 11. τὸ κ. τοῦ λαοῦ ἔδωκεν ἐν χειρὶ Ἀβ. (3 *b*)
24. 20. τοῖς υἱοῖς Δ. τοῖς κ. (3 *a*)
II Ch. 9. 29. οἱ κ. λόγοι Σαλ. οἱ πρῶτοι καὶ οἱ ἔσχατοι (5 *b*)
24. 14. ἤνεγκαν . . . τὸ κ. τοῦ ἀργυρίου (5 *b*)
32. 32. B τὰ κ. [A R λοιπὰ] τῶν λόγων Ἐζ. (3 *b*)
34. 9. ἀπὸ παντὸς κ. ἐν Ἰσρ. (5 *c*)
36. 20. ἀπῴκισε τοὺς κ. εἰς Βαβυλῶνα (5 *c*)
II Es. 3. 8. καὶ οἱ κ. τῶν ἀδελφῶν (5 *b*)
4. 3. καὶ οἱ κ. τῶν ἀρχόντων τῶν πατριῶν (5 *b*)
— 9. καὶ οἱ κ. σύνδουλοι ἡμῶν (5 *b*)
— 10. καὶ οἱ κ. ἐθνῶν (5 *b*)
— 10. καὶ τὸ κ. πέραν τοῦ ποταμοῦ (5 *b*)
— 17. καὶ τοὺς κ. συνδούλους αὐτῶν (5 *b*)
— 17. καὶ τοὺς κ. πέραν τοῦ ποταμοῦ (5 *b*)
6. 16. καὶ οἱ κ. υἱῶν κατοικεσίας (5 *b*)
7. 18. ἐν καταλοίπῳ τοῦ ἀργυρίου (5 *b*)
— 20. καὶ κατάλοιπον [A τὸ κ.] χρείας οἴκου (5 *b*)
Ne. 2. 16. τοῖς κ. [S *om.* τ. κ.] τοῖς ποιοῦσι τὰ ἔργα (3 *b*)
4. 14 (8), 19 (13). καὶ πρὸς τοὺς κ. τοῦ λαοῦ (3 *b*)
6. 1. ASR καὶ τοῖς κ. τῶν ἐχθρῶν [B κ. ἐχθρῶν] ἡμῶν (3 *b*)
— 14. A S καὶ τοῖς [B *om.*] κ. τῶν προφητῶν [B S[1] ἱερέων] (3 *b*)
7. 72. S R ἔδωκαν οἱ κ. τοῦ λαοῦ (5 *c*)
10. 28 : 11. 1. καὶ οἱ κ. τοῦ λαοῦ (5 *b*)
Ps. 16 (17). 14. ἀφῆκαν τὰ κ. τοῖς νηπίοις αὐτῶν (3 *b*)
Am. 1. 8. καὶ ἀπολοῦνται οἱ κ. τῶν ἀλλοφύλων (5 *c*)
6. 10. καὶ ὑπολειφθήσονται οἱ κ. –
9. 1. τοὺς κ. αὐτῶν ἐν ῥομφαίᾳ ἀποκτενῶ (1 *b*)
— 12. ὅπως ἐκζητήσωσιν οἱ κ. τῶν ἀνθρώπων (5 *c*)
Mi. 2. 12. ἐκδεχόμενος ἐκδέξομαι τοὺς κ. (5 *c*)
3. 1, 9. ἀκούσατε δὴ ταῦτα . . . οἱ κ. οἴκου Ἰσ. †
7. 18. τοῖς κ. τῆς κληρονομίας αὐτοῦ (5 *c*)
Jl. 1. 4. τὰ κ. τῆς κάμπης κατέφαγεν ἡ ἀκρὶς καὶ τὰ κ. τῆς ἀκρ. κατέφ. ὁ βροῦχος καὶ τὰ κ. τοῦ βρ. κατέφ. ἡ ἐρυσίβη (3 *b ter*)
Ze. 2. 7. ἔσται τὸ σχοίνισμα . . . τοῖς κ. οἴκου Ἰ. (5 *c*)
— 9. οἱ κ. λαοῦ μου διαρπῶνται αὐτούς (5 *c*)
— 9. οἱ κ. ἔθνους μου κληρονομήσουσιν αὐτούς (3 *b*)
3. 12 (13). εὐλαβηθήσονται . . . οἱ κ. τοῦ Ἰ. (5 *c*)
Hg. 1. 12. ἤκουσε Ζ. . . . καὶ πάντες οἱ κ. τοῦ λαοῦ (5 *c*)
— 14. τὸ πνεῦμα τῶν κ. παντὸς τοῦ λαοῦ (5 *c*)
2. 3 (2). πρὸς πάντας τοὺς κ. τοῦ λαοῦ (5 *c*)
Za. 8. 6. ἐνώπιον τῶν κ. τοῦ λαοῦ τούτου (5 *c*)
Za. 8. 11. ἐγὼ ποιῶ τοῖς κ. τοῦ λαοῦ τούτου (5 *c*)
— 12. κατακληρονομήσω τοῖς κ. τοῦ λαοῦ μου (5 *c*)
11. 9. A R τὰ κ. [B S λοιπὰ] κατεσθιέτωσαν . . . τὰς σάρκας (5 *a*)
14. 2. οἱ δὲ κ. τοῦ λαοῦ μου οὐ μὴ ἐξολεθρευθῶσιν (3 *b*)
Is. 9. 1 (8. 23). οἱ λοιποὶ [S[2] κατάλ.] οἱ τὴν παραλίαν [S[2] *add.* κατοικοῦντες] (1 *a*)
15. 9. ἀρῶ . . . τὸ κατάλοιπον Ἀδαμα (5 *c*)
21. 17. τὸ κ. [S λοιπὸν] τῶν τοξευμάτων . . . ἔσται ὀλίγον (5 *b*)
46. 3. καὶ πᾶν τὸ κ. τοῦ Ἰσραήλ (5 *c*)
Je. 6. 9. καλαμᾶσθε ὡς ἄμπελον τὰ κ. τοῦ Ἰσρ. (5 *c*)
8. 3. καὶ πᾶσι τοῖς κ. τοῖς καταλειφθεῖσιν (5 *c*)
15. 9. τοὺς κ. αὐτῶν εἰς μάχαιραν δώσω (5 *c*)
23. 3. εἰσδέξομαι τοὺς κ. [A τὸ κ.] τοῦ λαοῦ μου (5 *c*)
24. 8. παραδώσω . . . τὸ κ. Ἱερουσαλὴμ (5 *c*)
29 (47). 4. ἀφανιῶ . . . πάντας τοὺς κ. τῆς βοηθείας αὐτῶν ὅτι ἐξολεθρεύσει κύριος τοὺς [A τὰς] κ. τῶν νήσων (4, 5 *c*)
— 5. ἀπερρίφη Ἀσκ. καὶ οἱ κ. [A τὰ κ.] Ἐ. (5 *c*)
— 7. ἐνετείλατο αὐτῇ . . . ἐπὶ τὰς κ. ἐπεγερθῆναι †
32 (25). 37. παύσεται τὰ κ. τῆς εἰρήνης †
38 (31). 7. ἔσωσε κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ τὸ [S[1] *om.*] κ. τοῦ Ἰσρ. (5 *c*)
46 (39). 3. οἱ κ. ἡγεμόνες βασιλέως Βαβυλῶνος (5 *c*)
47 (40). 15. ἀπολοῦνται οἱ κ. Ἰούδα (5 *c*)
48 (41). 16. ἔλαβεν Ἰωάναν . . . πάντας τοὺς κ. τοῦ λαοῦ (5 *c*)
49 (42). 2. πρόσευξαι . . . περὶ τῶν κ. τούτων (5 *c*)
— 19. ἀ ἐλάλησε κύριος ἐφ' ὑμᾶς τοὺς κ. Ἰούδα (5 *c*)
50 (43). 5. ἔλαβεν Ἰ. . . . τοὺς κ. [A S λοι.] Ἰ. (5 *c*)
51 (44). 12. τοῦ ἀπολέσαι [S πολεμῆσαι] πάντας τοὺς κ. τοὺς ἐν Αἰγύπτῳ (5 *c*)
— 28. γνώσονται οἱ κ. Ἰούδα (5 *c*)
52. 16. τοὺς κ. [S λ.] τοῦ λαοῦ κατέλιπεν (2)
Ez. 5. 10. διασκορπιῶ πάντας τοὺς κ. σου (5 *c*)
9. 8. ἐξαλείφεις σὺ τοὺς κ. τοῦ Ἰσραήλ (5 *c*)
11. 13. εἰς συντέλειαν σὺ ποιεῖς τοὺς κ. τοῦ Ἰσρ. (5 *c*)
17. 21. τοὺς κ. εἰς πάντα ἄνεμον διασπερῶ (5 *a*)
23. 25. τοὺς κ. σου ἐν ῥομφαίᾳ καταβαλοῦσιν . . . τοὺς κ. σου πῦρ καταφάγεται [A *al.*] (1 *b*, 1 *b*)
25. 16. ἀπολῶ τοὺς κ. (5 *c*)
34. 18. τὰ κ. τῆς νομῆς ὑμῶν κατεπατεῖτε (3 *b*)
36. 3. εἰς κατάσχεσιν τοῖς καταλοίποις ἔθνεσι (5 *c*)
[Aq. Je. 42 (49). 15.]
[Th. Je. 42 (49). 15 : 44 (51). 12.]
[Al. Jo. 10. 20.]

καταλοχία. (1) יָחַשׁ hithp.

II Ch. 31. 18. A ἐν καταλοχίαις [B ἐγκαταλοχίσαι] ἐν πάσῃ ἐπιγονῇ (1)

καταλοχισμός. (1) יָחַשׁ hithp.

I Ch. 4. 33. καὶ ὁ κ. αὐτῶν (1)
5. 7. ἐν τοῖς κ. αὐτῶν κατὰ γενέσεις αὐτῶν (1)
— 17. πάντων ὁ κ. ἐν ἡμέραις Ἰ. (1)
9. 22. οὗτοι ἐν ταῖς αὐλαῖς αὐτῶν ὁ κ. αὐτῶν (1)
II Ch. 31. 17. οὗτος ὁ κ. τῶν ἱερέων (1)
I Es. 5. 39. ζητηθείσης τῆς γενικῆς γραφῆς ἐν τῷ κ.

καταλύειν. (1) נָדַד hithpo. (2) דּוּד (3) חָנָה
(4) טָבַע hoph. (5) יָשַׁב *a.* qal. *b.* ni.
(6) *a.* לוּן, לִין *b.* מָלוֹן (7) נָתַץ
(8) סָתַר (9) עָבַר (10) פָּטַר (11) רָבַץ
(12) שָׁבַת *a.* qal. *b.* hi. (13) שָׁכַב
(14) שָׁכַן

Ge. 19. 2. ἐκκλίνατε . . . καὶ καταλύσατε (6 *a*)
— 2. ἐν τῇ πλατείᾳ καταλύσομεν (6 *a*)
24. 23. R τόπος ἡμῖν τοῦ [A *om.*] καταλῦσαι (6 *a*)
— 25. καὶ τόπος τοῦ [S[1] *om.*] καταλῦσαι (6 *a*)
26. 17. κατέλυσεν ἐν τῇ φάραγγι Γεράρων (3)
42. 27. οὗ κατέλυσαν (6 *b*)
43. 21. ἡνίκα ἤλθομεν εἰς τὸ καταλῦσαι (6 *b*)
Nu. 22. 8. καταλύσατε αὐτοῦ τὴν νύκτα (6 *a*)
25. 1. κατέλυσεν Ἰσραὴλ ἐν Σαττείν (5 *a*)
Jo. 2. 1. καὶ κατέλυσαν ἐκεῖ (13)
3. 1. καὶ κατέλυσαν ἐκεῖ (6 *a*)
Jd. 19. 9. A κατάλυσον [B αὐλίσθητι] ὧδε (6 *a*)
— 15. A τοῦ εἰσελθεῖν καταλῦσαι [B αὐλισθῆναι] ἐν Γ. (6 *a*)
Jd. 19. 15. A συνάγων αὐτοὺς εἰς τὸν οἶκον καταλῦσαι [B *al.*] (6 *a*)
— 20. A ἐν τῇ πλατείᾳ μὴ καταλύσῃς [B *al.*] (6 *a*)
20. 4. A καὶ ἡ γυνή μου καταλῦσαι [B *al.*] (6 *a*)
Ru. 4. 14. ὃς οὐ κατελυσέ [A καταλύσαι] σοι σήμερον τὸν ἀγχιστέα (12 *b*)
II Ki. 17. 8. οὐ μὴ καταλύσῃ τὸν λαόν (6 *a*)
III Ki. 19. 9. καὶ κατέλυσεν ἐκεῖ (6 *a*)
IV Ki. 25. 10. A τὸ τεῖχος . . . κύκλῳ κατέλυσαν [R *al.*] (7)
II Ch. 23. 8. οὐ κατέλυσεν Ἰωδαὲ τὰς ἐφημερίας (10)
II Es. 5. 12. A R τὸν οἶκον τοῦτον κατέλυσε [B *al.*] (8)
Ju. 14. 17. οὗ ἦν Ἰ. καταλύουσα
Ps. 8. 2. τοῦ καταλῦσαι ἐχθρὸν καὶ ἐκδικητήν (12 *b*)
88 (89). 44. κατέλυσας ἀπὸ καθαρισμοῦ αὐτόν (12 *b*)
Si. 14. 24. ὁ καταλύων σύνεγγυς τοῦ οἴκου αὐτῆς
— 25. καταλύσει ἐν καταλύματι ἀγαθῶν
— 27. ἐν τῇ δόξῃ αὐτῆς καταλύσει
27. 9. πετεινὰ πρὸς τὰ ὅμοια αὐτοῖς [A -ῶν] καταλύσει
36. 31 (28). οὕτως ἀνθρώπῳ . . . καταλύοντι οὐ ἐὰν ὀψίσῃ
43. 17. ὡς ἀκρὶς καταλύουσα ἡ κατάβασις αὐτῆς
— 20. ἐπὶ πᾶσαν συναγωγὴν ὕδατος καταλύσει
47. 12. δι' αὐτὸν κατέλυσεν [S -έπαυσεν] ἐν πλατυσμῷ
Ze. 2. 7. καταλύσουσιν ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰ. (11)
Za. 5. 4. καταλύσει [S -η] ἐν μέσῳ τοῦ οἴκου αὐ. (6 *a*)
Is. 38. 12. ὥσπερ ὁ σκηνὴν καταλύων †
Je. 5. 7. ἐν οἴκοις πορνῶν κατέλυον [A - οντο] (1)
7. 34. καταλύσω [S[2] -ων] . . . φωνὴν εὐφραινομένων (12 *b*)
16. 9. καταλύω . . . φωνὴν χαρᾶς (12 *b*)
28 (51). 43. οὐδὲ μὴ καταλύσει [S -σῃ] ἐν αὐτῇ υἱὸς ἀνθρώπου (9)
29 (49). 16. κατέλυσε τρυμαλιὰς πετρῶν (14)
30. 9 (49. 31). μόνοι καταλύουσι (14)
32 (25). 24. ἐπότισα . . . τοὺς καταλύοντας ἐν τῇ ἐρήμῳ (14)
44 (37). 13. A παρ' ᾧ κατέλυσε [BS -λυε] Σαρουΐα †
45 (38). 22. καταλύσουσιν ἐν ὀλισθήμασι πόδα σου (4)
La. 5. 15. κατέλυσε χαρὰ καρδίας ἡμῶν (12 *a*)
Ez. 16. 8. ἰδοὺ καιρός σου καὶ [A ὡς] καιρὸς καταλυόντων (2)
21. 30 (35). μὴ καταλύσῃς ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ †
23. 17. εἰς κοίτην καταλυόντων (2)
26. 13. καταλύσει τὸ πλῆθος τῶν μουσικῶν σου (12 *b*)
— 17. πῶς κατελύθης ἐκ θαλάσσης (5 *b*)
II Ma. 2. 22. τοὺς μέλλοντας καταλύεσθαι νόμους
4. 11. τὰς μὲν νομίμας καταλύων πολιτείας
9. 4. A καταλύειν [R κατανύειν] τὴν πορείαν
IV Ma. 1. 6. οὐχ ὥστε αὐτὰ καταλῦσαι
— 11. τοῦ καταλυθῆναι τὴν κατὰ τοῦ ἔθνους τυραννίδα
4. 16. καταλύσας τὸν Ὀνίαν τῆς ἀρχιερωσύνης
— 20. S R καταλῦσαι [A *om.*] τὴν τοῦ ἱεροῦ κηδεμονίαν
— 24. S R καταλῦσαι . . . τὴν τοῦ ἔθνους εὐνομίαν [A εὔνοιαν]
— 24. τιμωρίας ἑώρα καταλυομένας
5. 33. ὥστε με . . . τὸν πάτριον καταλῦσαι νόμον
7. 9. τὴν ἀγιαστίαν . . . οὐ κατέλυσας
8. 15. τὴν τυραννίδα αὐτοῦ κατέλυσαν
11. 24. A R ἑξ μειράκια κατελύσαμέν [S καταλελύκ.] σου τὴν τυραννίδα
14. 8. τὸν τῶν βασάνων φόβον καταλύοντες
17. 2. καταλύσασα τὴν τοῦ τυράννου βίαν
— 9. τὴν Ἑβραίων πολιτείαν καταλῦσαι θέλοντος
[Aq. IV Ki. 23. 7.]
[Sm. Ps. 10 (11). 3.]
[Th. Jd. 19. 15, 20.]
[Al. Ez. 30. 4.]

κατάλυμα. (1) אֹהֶל (2) *a.* לוּן *b.* מָלוֹן
(3) לִשְׁכָּה (4) מִשְׁכָּן (5) נָוֶה (6) סֹכּוֹ

Ex. 4. 24. ἐν τῷ κ. συνήντησεν αὐτῷ ἄγγελος (2 *b*)
15. 13. εἰς κατάλυμα ἁγιόν σου (5)
I Ki. 1. 18. εἰσῆλθεν εἰς τὸ κ. αὐτῆς [A *om.*] –
9. 22. εἰσήγαγεν αὐτοὺς εἰς τὸ κ. (3)
II Ki. 7. 6. ἤμην ἐμπεριπατῶν ἐν καταλύματι (1)
I Ch. 17. 5. A S ἤμην . . . ἐν καταλύματι [B καλύμματι] (4)
28. 12. καὶ τῶν ἀποθηκῶν τῶν ἁγίων καὶ τῶν κ. –

Si. 14. 25. καταλύσει ἐν καταλύματι ἀγαθῶν
Je. 14. 8. ὡς αὐτόχθων ἐκκλίνων εἰς κ. (2 a)
32 (25). 38. ἐγκατέλιπεν [A κατέλειπέν με] ὥσπερ λέων κ. αὐτοῦ (6)
40 (33). 12. ἐν πάσαις ταῖς πόλεσιν αὐτοῦ καταλύματα ποιμένων (5)
Ez. 23. 21. ἃ ἐποίεις ἐν Αἰγύπτῳ ἐν τῷ κ. σου †
I Ma. 3. 45. κατάλυμα τοῖς [A ἐν τοῖς] ἔθνεσι
[Aq. Je. 9. 2 (1).]
[Th. Is. 10. 29.]

κατάλυσις. (1) נָוֶה (2) שְׁרָא

Je. 29 (49). 20. ἐὰν μὴ ἀβατωθῇ ἐπ' αὐτοὺς [A -ῇ] κ. αὐτῶν (1)
Da. LXX. 2. 22. καὶ παρ' αὐτῷ κατάλυσις (2)
II Ma. 8. 17. τὴν τῆς προγονικῆς πολιτείας κ.
IV Ma. 11. 25. οὐ κατάλυσίς ἐστί σου

καταλύτης.

Wi. 5. 14. ὡς μνεία καταλύτου μονοημέρου παρώδευσε [S al.]

καταμανθάνειν. (1) יָבַב pi. (2) רָאָה (3) שָׁאָה hithpa. (4) שׁוּר

Ge. 24. 21. ὁ δὲ ἄνθρωπος κατεμάνθανεν αὐτήν (3)
34. 1. καταμαθεῖν τὰς θυγατέρας τῶν ἐγχωρίων (2)
Le. 14. 36. καταμαθεῖν τὴν οἰκίαν (2)
Jd. 5. 28. A κατεμάνθανεν ἡ μήτηρ Σισάρα [B al.] (1)
I Es. 8. 41. καὶ κατέμαθον αὐτούς
Jb. 35. 4 (5). κατάμαθε δὲ νέφη (4)
Si. 9. 5. παρθένον μὴ καταμάνθανε
— 8. μὴ καταμάνθανε κάλλος ἀλλότριον
38. 28. χαλκεὺς . . . καταμανθάνων ἀργῷ σιδηρῷ [A S al.]
[Sm. Ec. 4. 7 : 7. 14 (13) (?) : 8. 17 : Ca. 6. 10 (11).]

καταμαρτυρεῖν. (1) אֲבַל קַרְצִי (2) עוּד hi. (3) עָנָה

III Ki. 20 (21). 10. A R καὶ καταμαρτυρησάτωσαν αὐτοῦ (2)
— 13. καὶ κατεμαρτύρησαν αὐτοῦ [A om.] (2)
Jb. 15. 6. τὰ δὲ χείλη σου καταμαρτυρήσουσί [A -σει] σου (3)
Pr. 25. 18. ὁ καταμαρτυρῶν τοῦ [A κατὰ τοῦ] φίλου αὐτοῦ μαρτυρίαν ψευδῆ (3)
Da. LXX. 6. 24 (25). οἱ καταμαρτυρήσαντες τοῦ Δανιήλ (1)
Da. TH. Su. 21. εἰ δὲ μὴ καταμαρτυρήσομέν σου
— 42. ψευδῆ μου κατεμαρτύρησαν
— 49. ψευδῆ γὰρ οὗτοι κατεμαρτύρησαν αὐτῆς
[Th. III Ki. 21. 13.]

καταμεγαλύνεσθαι.

[Aq., Th. Ps. 40 (41). 10.]
[Sm. Ps. 37 (38). 17 : 40 (41). 10.]

καταμένειν. (1) דּוּן (2) יָצַא hi. (3) יָשַׁב

Ge. 6. 3. οὐ μὴ καταμείνῃ τὸ πνεῦμά μου (1)
Nu. 20. 1. κατέμεινεν ὁ λαὸς ἐν Κάδης (3)
22. 8. κατέμεινεν οἱ ἄρχοντες Μωάβ (3)
Jo. 2. 22. καὶ κατέμειναν ἐκεῖ (3)
7. 7. εἰ κατεμείναμεν καὶ κατῳκίσθημεν (2)
IV Ki. 12. 20 (21). A τὸν καταμένοντα Γαλαάδ [B R al.] †
Ju. 16. 20. καὶ Ἰ. μετ' αὐτῶν κατέμεινε
— 21. καὶ κατέμεινεν ἐπὶ τῆς ὑπάρξεως αὐτῆς
[Sm. Ps. 138 (139). 9.]

καταμερίζειν. (1) נָחַל a. pi. b. hi. c. hithp.

Le. 25. 46. καταμερεῖτε αὐτοὺς τοῖς τέκνοις ὑμῶν (1 c)
Nu. 32. 18. ἕως ἂν καταμερισθῶσιν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1 c)
34. 29. καταμερίσαι τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. [A al.] (1 a)
De. 19. 3. ἣν καταμερίζει σοι κύριος ὁ θεός σου (1 b)
Jo. 13. 14. ὃν κατέμερισε Μ. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. –
III Ma. 6. 31. A κλισίας κατεμερίσαντο πλήρεις χαρμονῆς [R al.]
[Sm. Ps. 67 (68). 15.]

καταμερισμός.

Jo. 13. 14. καὶ οὗτος ὁ κ. –

καταμεστοῦσθαι.

III Ma. 5. 46. τῆς πόλεως ἤδη . . . καταμεμεστωμένης

καταμετρεῖν. (1) אָוָה hithp. (2) חָלַק pu. (3) מוּר hi. (4) נָחַל pi. (5) נָפַל hi. (6) תָּאָה pi.

Nu. 34. 7. καταμετρήσετε ὑμῖν αὐτοῖς (6)
— 8. καταμετρήσετε [A -ηθήσεται] αὐτοῖς (6)
— 10. καταμετρήσετε ὑμῖν αὐτοῖς τὰ ὅρια (1)
— 29. A καταμετρῆσαι τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. [B al.] (4)
Am. 7. 17. ἡ γῆ σου ἐν σχοινίῳ καταμετρηθήσεται (2)
Mi. 2. 4. μερὶς λαοῦ μου κατεμετρήθη ἐν σχοινίῳ (3)
Ez. 45. 1. ἐν τῷ καταμετρεῖσθαι ὑμᾶς τὴν γῆν (5)
48. 14. οὐδὲ καταμετρηθήσεται (3)
[Aq. Ps. 59 (60). 8.]
[Sm. Ez. 28. 14.]
[Al. Nu. 35. 5.]

καταμέτρησις.

[Aq. Jb. 28. 25.]

καταμηνιαῖος, καταμήνιος.

Es. 4. 17. ὡς ῥάκος καταμηνίων [S¹ -νιαίων]

καταμηνύειν.

IV Ma. 4. 4. A R κατεμήνυε [S -υσε] τὸν τῶν χρημάτων θησαυρόν

καταμιγνύναι. (1) καταμεμιγμένος ἐν ἄνθεσι מְמֻגָּבְלוֹת

Ex. 28. 14. καταμεμιγμένα ἐν ἄνθεσιν (1)

καταμιμνήσκεσθαι.

IV Ma. 13. 12. ὁ δὲ καταμνησθεὶς [A om.] ἔλεγε

καταμόνας, *vid. sub* **κατά** *et* **μόνος.**

καταμωκᾶσθαι. (1) לָעַג hi. (2) עָלַל hithp.

II Ch. 30. 10. ἐγένοντο ὡς . . . καταμωκώμενοι (1)
Si. 13. 7. ἐπ' ἐσχάτῳ [S² -ων] καταμωκήσεταί σου
Je. 45 (38). 19. καταμωκήσονταί μου (2)
[Aq. Ge. 27. 12.]
[Sm. Ps. 72 (73). 8.]

καταναγκάζειν.

I Ma. 2. 15. A R οἱ καταναγκάζοντες τὴν ἀποστασίαν [S -σιν]

καταναλίσκειν. (1) אָכַל a. qal. b. ni. (2) כָּשַׁל (3) נָשַׁל (4) סוּף

Le. 6. 10 (3). ἣν ἂν καταναλώσῃ [A -σει] τὸ πῦρ (1 a)
De. 4. 24. κύριος . . . πῦρ καταναλίσκον [B² -ων] ἐστί (1 a)
7. 22. καταναλώσει κύριος ὁ θεός σου τὰ ἔθνη (3)
9. 3. R πῦρ καταναλίσκον [A B -ων] ἐστίν (1 a)
I Ch. 21. 26. κατανάλωσεν τὴν ὁλοκαύτωσιν –
Es. 8. 13. δόρατι καὶ πυρὶ καταναλωθήσεται
Wi. 16. 16. πυρὶ καταναλισκόμενοι
Si. 27. 29. ὀδύνη καταναλώσει αὐτούς
45. 19. καταναλῶσαι ἐν πυρὶ φλογὸς αὐτοῦ [A S -ούς]
Ze. 1. 18 : 3. 8. καταναλωθήσεται πᾶσα ἡ γῆ (1 b)
Za. 9. 4. καὶ αὕτη ἐν πυρὶ καταναλωθήσεται (1 b)
— 15. καὶ καταναλώσουσιν [A -σωσιν] αὐτούς (1 a)
Is. 59. 14. κατηναλώθη [A -αναλωθῇ] ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν ἡ ἀλήθεια (2)
66. 16. A καταναλωθήσεται [B S κριθ.] πᾶσα ἡ γῆ †
— 17. A ἐπὶ τὸ αὐτὸ καταναλωθήσονται [B S ἀναλ.] (4)
Je. 3. 24. ἡ αἰσχύνη κατηνάλωσε τοὺς μόχθους (1 a)
27 (50). 7. A B S² κατανάλισκον αὐτούς [S¹ R al.] (1 a)
Ep. Je. 10. χρυσίον καὶ ἀργύριον εἰς ἑαυτοὺς καταναλοῦσι [A -λώσουσιν]
Da. LXX. 11. 26. καταναλώσουσιν αὐτὸν μέριμναι αὐτοῦ (1 a)
[Sm. Ps. 68 (69). 10.]
[Al. Le. 26. 38.]

κατανέμεσθαι. (1) רָעָה

Ps. 79 (80). 13. A S² μονιὸς [B S¹ ὄνος] ἄγριος κατενεμήσατο αὐτήν (1)
[Sm. Ps. 79 (80). 14.]

κατανιστάναι. (1) נָשָׂא hithp.

Nu. 16. 3. διὰ τί κατανίστασθε ἐπὶ τὴν συναγωγὴν κυρίου (1)

κατανοεῖν. (1) בִּין a. hi. b. hithpal. (2) חָזָה חָזָה (3) נָבַט hi. (4) צָפָה (5) רָאָה (6) שׂוּם עַל־לֵב (7) שָׂכַל hi. (8) שָׁמֵם hithpo.

Ge. 3. 6. ὡραῖόν ἐστι τοῦ κατανοῆσαι (7)
42. 9. κατανοῆσαι τὰ ἴχνη τῆς χώρας (5)
Ex. 2. 11. κατανοήσας δὲ τὸν πόνον αὐτῶν (5)
19. 21. μή ποτε ἐγγίσωσι . . . κατανοῆσαι (5)
33. 8. κατενοοῦσαν [A -νόουν] ἀπιόντος Μ. (3)
— 10. A κατενόουν ἀπιόντος Μ. –
Nu. 32. 8. κατανοῆσαι τὴν γῆν (5)
— 9. καὶ κατενόησαν τὴν γῆν (5)
III Ki. 3. 21. κατενόησα αὐτὸν πρωΐ (1 b)
Ju. 8. 14. πῶς . . . τὸν λογισμὸν αὐτοῦ κατανοήσετε [A² -σατε]
10. 14. κατενόησαν τὸ πρόσωπον αὐτῆς
Jb. 23. 15. κατανοήσω καὶ πτοηθήσομαι ἐξ αὐτοῦ (1 b)
30. 20. ἔστησαν δὲ καὶ κατενόησάν με [A μοι] (1 b)
Ps. 9. 35 (10. 14). σὺ πόνον [A κόπον] . . . κατανοεῖς [B¹ -ήσεις] (3)
21 (22). 17. αὐτοὶ δὲ κατενόησαν (3)
36 (37). 32. A S R κατανοεῖ [B -ήσει] ὁ ἁμαρτωλὸς τὸν δίκαιον (4)
90 (91). 8. τοῖς ὀφθαλμοῖς σου κατανοήσεις (3)
93 (94). 9. οὐχὶ κατανοεῖ (3)
118 (119). 15. κατανοήσω [S¹ ἐκζητήσω] τὰς ὁδούς σου (3)
— 18. κατανοήσω τὰ θαυμάσιά σου (3)
141 (142). 4. κατενόουν εἰς τὰ δεξιά (3)
Si. 23. 19. κατανοοῦντες εἰς [A om.] ἀπόκρυφα μέρη
30. 26 (33. 17). κατανόησατε ὅτι οὐκ ἐμοὶ μόνῳ ἐκοπίασα
Hb. 3. 2. κατενόησα τὰ ἔργα σου –
Is. 5. 12. τὰ ἔργα τῶν χειρῶν αὐτοῦ οὐ κατανοοῦσι [S¹ -νοήσ.] (5)
57. 1. S¹ οὐδεὶς κατανοεῖ [A B S² al.] (6)
— 1. οὐδεὶς κατανοεῖ [S al.] (1 a)
59. 16. κατενόησε καὶ οὐκ ἦν ὁ ἀντιληψόμενος (8)
Da. LXX. 7. 21. κατενόουν τὸ κέρας ἐκεῖνο (2)
II Ma. 9. 25. κατανοῶν τοὺς παρακειμένους δυνάστας
[Aq. Jb. 23. 15 : 37. 14 : 38. 18 : Ps. 118 (119). 100.]
[Th. Jb. 23. 15 : 30. 20.]
[Al. Hb. 3. 6, 7.]
[Quint. Ps. 118 (119). 100.]

κατανόησις.

Si. 41. 21. ἀπὸ κατανοήσεως γυναικὸς ὑπάνδρου

κατανοιγνύναι.

Ps. 4. 4. A ἐπὶ ταῖς κοίταις ὑμῶν κατανοίγητε [B S -νύγητε] †

καταντᾶν. (1) חוּל

II Ki. 3. 29. καταντησάτωσαν ἐπὶ κεφαλὴν Ἰ. (1)
II Ma. 4. 21. κατήντησεν εἰς Ἱεροσόλυμα
— 24. εἰς ἑαυτὸν κατήντησε τὴν ἀρχιερωσύνην
— 44. καταντήσαντος δὲ τοῦ βασ. εἰς Τύρον
6. 14. μέχρι τοῦ καταντήσαντος αὐτοὺς . . . κολάσαι
[Aq. Ps. 31 (32). 6 : 87 (88). 4 : Ez. 7. 12.]
[Sm. Jb. 29. 13 : Ec. 1. 6 : Is. 53. 6.]

κατάντημα. (1) תְּקוּפָה

Ps. 18 (19). 6. τὸ κ. αὐτοῦ ἕως ἄκρου τοῦ οὐρ. (1)

καταντλεῖν.

IV Ma. 7. 2. καταντλούμενος ταῖς τῶν βασάνων τρικυμίαις

κατανύειν.

II Ma. 9. 4. R κατανύειν [A καταλύειν] τὴν πορείαν

κατάνυξις. (1) תַּרְדֵּמָה (2) תַּרְעֵלָה

Ps. 59 (60). 3. ἐπότισας ἡμᾶς οἶνον κατανύξεως (2)
Is. 29. 10. πεπότικεν ὑμᾶς κύριος πνεύματι [S -μα] κατανύξεως (1)

κατανύσσεσθαι. (1) אָלַם ni. (2) a. דָּמַם b. הוּמָם (3) כָּאָה ni. (4) כָּנַע ni. (5) עָצַב hithp. (6) רָדַם ni.

Ge. 27. 38. R κατανυχθέντος δὲ Ἰσαάκ –
34. 7. A κατενύχθησαν [R -ύγησαν] οἱ ἄνδρες (5)
Le. 10. 3. καὶ κατενύχθη Ἀ. (2 a)

III Ki. 20 (21). 27. ὡς [A οὗ] κατενύγη Ἀχ. –
— 29. ὡς κατενύγη Ἀχ. ἀπὸ προσώπου μου (4)
Ps. 4. 4. ἐπὶ ταῖς κοίταις ὑμῶν κατανύγητε [A -νοίγητε] (2 a)
29 (30). 12. καὶ οὐ μὴ κατανυγῶ (2 a)
34 (35). 15. διεσχίσθησαν καὶ οὐ κατενύγησαν (2 a)
108 (109). 16. κατεδίωξεν ἄνθρωπον . . . κατανενυγμένον τῇ καρδίᾳ (3)
Si. 12. 12. μή ποτε . . . ἐπὶ τῶν ῥημάτων μου κατανυγήσῃ
14. 1. οὐ κατενύγη ἐν λύπῃ ἁμαρτίας [A S -ιῶν]
20. 21. ἐν τῇ ἀναπαύσει αὐτοῦ οὐ κατανυγήσεται
47. 20. κατενύγην ἐπὶ τῇ ἀφροσύνῃ σου
Is. 6. 5. ὦ τάλας ἐγώ, ὅτι κατανένυγμαι †
47. 5. κάθισον κατανενυγμένη (2 b)
Da. LXX. Su. 10. ἀμφότεροι ἦσαν κατανενυγμένοι περὶ αὐτῆς
Da. TH. Su. 10. ἦσαν ἀμφότεροι κατανενυγμένοι περὶ αὐτῆς
10. 9. ἤμην κατανενυγμένος (6)
— 15. A B² R καὶ κατενύγην (1)
[Th. Pr. 17. 22 : Is. 28. 1 : Da. 10. 9.]

καταναστίζεσθαι.
Ju. 5. 4. διὰ τί κατεναστίσαντο

καταξαίνειν. (1) דוּשׁ
Jd. 8. 7. A καταξανῶ [B ἀλοήσω] τὰς σάρκας ὑμῶν (1)
— 16. A καὶ κατέξανεν αὐτούς –
— 16. A κατέξανεν [B ἠλόησεν] . . . τοὺς ἄνδρας †
[Th. Jd. 8. 7.]

καταξηραίνειν. (1) יָבֵשׁ hi.
Jo. 2. 10. κατεξήρανε κ. . . . τὴν ἐρυθρὰν θάλ. (1)
Ju. 5. 13. κατεξήρανεν ὁ θ. τὴν ἐρυθρὰν θάλ.
Ho. 13. 15. καταξηρανεῖ τὴν γῆν αὐτοῦ †

κατάξηρος. (1) יָבֵשׁ
Nu. 11. 6. ἡ ψυχὴ ἡμῶν κ. (1)
[Th. Is. 29. 8.]

κατάξιος.
Es. 8. 13. τὴν κ. τοῦ . . . θεοῦ . . . ἀποδόντος αὐτῷ κρίσιν

καταξιοῦν.
II Ma. 13. 12. καὶ καταξιωσάντων τὸν ἐλεήμονα κύριον
III Ma. 3. 21. πολιτείας αὐτοὺς Ἀλεξανδρέων καταξιῶσαι
4. 11. μηδὲ τὸ σύνολον καταξιῶσαι περιβόλων
IV Ma. 18. 3. θείας μερίδος κατηξιώθησαν

καταξύειν.
Ep. Je. 8. γλῶσσα γὰρ αὐτῶν ἐστι [A om.] κατεξυσμένη ὑπὸ τέκτονος

καταπαιδεύειν.
[Sm. La. 1. 13.]

καταπαίζειν. (1) קָלַס hithp. (2) הָלַל hi.
IV Ki. 2. 23. R κατέπαιζον [B² -έκραξαν, B³ -έκραζον, A καταπαίζειν] αὐτοῦ (1)
Je. 2. 16. καὶ κατέπαιζόν [A -αιξάν] σου †
9. 5 (4). ἕκαστος κατὰ [S om.] τοῦ φίλου αὐτοῦ καταπαίζεται [A -φεύξ.] (2)
[Sm. Ge. 27. 12.]

καταπαλαίειν.
IV Ma. 3. 18. τὰς τῶν σωμάτων ἀλγηδόνας . . . καταπαλαῖσαι

καταπανουργεύεσθαι. (1) עָרַם hi.
Ps. 82 (83). 3. κατεπανουργεύσαντο γνώμην (1)

καταπάσσειν. (1) זָרַק (2) פָּלַשׁ hithp.
Es. 4. 1. καὶ κατεπάσατο σποδόν –
Jb. 1. 20. A κατεπάσατο γῆν ἐπὶ τῆς κεφ. αὐ. –
2. 12. καταπασάμενοι γῆν (1)
Mi. 1. 10. γῆν καταπάσασθε (2)
Je. 6. 26. κατάπασαι ἐν σποδῷ [A S σποδόν] (2)
II Ma. 10. 25. γῇ τὰς κεφαλὰς καταπάσαντες
14. 15. καταπασάμενοι γῆν ἐλιτάνευσαν
[Sm. III Ki. 20. 38.]

καταπατάκτης (?).
[Aq. Je. 29 (36). 26.]

καταπατεῖν. (1) בּוּס a. qal. b. pil. c. מְבוּסָה (2) דּוּשׁ a. qal. b. ni. (3) דָּלַח (4) דָּקַק hoph. (5) דָּרַךְ a. qal. b. hi. (6) הָלַם (7) a. עָמַם b. מַעֲמָסָה (8) עָסַס (9) צָרַר (10) רָמַס a. qal. b. ni. c. מִרְמָס (11) a. רָפַס רָפַשׁ b. רָפַס (12) רָצַץ (13) שָׁאַף (14) שׁוּף (15) שָׁסָה (16) שָׁסַס
Jo. 19. 47. A καὶ κατεπάτησαν [B κατῴκησαν] αὐτήν †
Jd. 5. 21. καταπατήσει αὐτὸν ψυχή μου δυνατή (5 a)
9. 27. A καὶ κατεπάτουν [B ἐπάτησαν] (5 a)
I Ki. 14. 48. ἐκ χειρὸς τῶν καταπατούντων αὐτόν (15)
17. 53. κατεπάτουν τὰς παρεμβολὰς αὐτῶν (16)
23. 1. καταπατοῦσι [A om.] τοὺς ἅλω (15)
II Ch. 25. 18. καὶ κατεπάτησαν τὸν ἀχούχ (10 a)
Jb. 28. 8. S οὐ κατεπάτησαν [A B οὐκ ἐπάτ.] αὐτὸν [A S -ὴν] υἱοὶ ἀλαζόνων (5 b)
39. 15. θηρία ἀγροῦ καταπατήσει (2 a)
Ps. 7. 5. καταπατήσαι εἰς γῆν τὴν ζωήν μου (10 a)
55 (56). 1. κατεπάτησέ με ἄνθρωπος (13)
— 2. κατεπάτησάν με οἱ ἐχθροί μου (13)
56 (57). 3. ἔδωκεν εἰς ὄνειδος τοὺς καταπατοῦντάς με (13)
90 (91). 13. καταπατήσεις λέοντα καὶ δράκοντα (10 a)
138 (139). 11. ἄρα σκότος καταπατήσει με (14)
Ho. 5. 11. κατεπάτησε τὸ κρίμα (12)
Am. 4. 1. δαμάλεις . . . αἱ . . . καταπατοῦσαι πένητας (12)
5. 12. A R καταπατοῦντες [B -οῦσαι] δίκαιον (9)
Za. 12. 3. λίθον καταπατούμενον πᾶσι τοῖς ἔθνεσι (7 b)
— 3. πᾶς ὁ καταπατῶν αὐτὴν ἐμπαίζων ἐμπαιξεται (7 a)
Ma. 4. 3 (3. 21). καταπατήσετε [A -σατε] ἀνόμους (8)
Is. 10. 6. κ. τὰς πόλεις (10 c)
16. 4. ἀπώλετο ὁ καταπατῶν ἀπὸ [A S ἐπὶ] τῆς γῆς (10 a)
— 8. A² R καταπατήσατε [B S -σετε, A¹ -σονται] τὰς ἀμπέλους αὐτῆς ἕως Ἰαζήρ (6)
— 9. ἐπὶ τῷ τρυγητῷ σου καταπατήσω †
18. 2. ἔθνος ἀνέλπιστον καὶ καταπεπατημένον (1 c)
— 7. ἔθνος ἐλπίζον [S ἀνέλπιστον] καὶ καταπεπατημένον (1 c)
25. 10. καταπατηθήσεται ἡ Μωαβῖτις (2 b)
28. 3. τοῖς ποσὶ καταπατηθήσεται ὁ στέφανος (10 b)
— 28. οὐδὲ φωνὴ τῆς πικρίας μου καταπατήσει ὑμᾶς (4)
41. 25. ὡς κεραμεὺς καταπατῶν τὸν πηλὸν οὕτω καταπατηθήσεσθε [S¹ -σεται] (10 a, –)
63. 3. πλήρης [S -ρους] καταπεπατημένης (5 a)
— 3. κατεπάτησα αὐτοὺς ἐν θυμῷ μου [A S om.] (5 a)
— 6. κατεπάτησα αὐτοὺς τῇ ὀργῇ μου (1 a)
— 18. A οἱ ὑπεναντίοι ἡμῶν κατεπάτησαν τὸ ἁγίασμά μου (1 b)
Ez. 26. 11. καταπατήσουσί σου πάσας τὰς πλατείας (10 a)
32. 2. κατεπάτεις τοὺς ποταμούς σου (11 a)
— 13. ἴχνος κτηνῶν οὐ μὴ καταπατήσῃ αὐτό (3)
34. 18. τὰ κατάλοιπα τῆς νομῆς ὑμῶν κατεπατεῖτε (11 a)
Da. LXX. 7. 7. κύκλῳ τοῖς ποσὶ καταπατοῦν (11 b)
— 19. καὶ καταπατοῦντος [cod. -ες] τοῖς ποσί (11 b)
8. 10. ἀπὸ αὐτῶν κατεπατήθη (10 a)
I Ma. 3. 45. καὶ τὸ ἁγίασμα καταπατούμενον
— 51. A R τὰ ἁγιά σου καταπεπάτηται [S -ηνται]
4. 60. A R μή ποτε . . . καταπατήσωσιν [S -σουσιν] αὐτά
II Ma. 8. 2. R τὸν ὑπὸ πάντων καταπατούμενον [A -πονούμ.] λαόν
III Ma. 2. 18. ἡμεῖς κατεπατήσαμεν τὸν οἶκον τοῦ ἁγιασμοῦ ὡς καταπατοῦνται οἱ οἶκοι τῶν προσοχθισμάτων
6. 21. καὶ κατεπάτουν αὐτάς
[Aq., Sm. Je. 12. 10.]
[Al. Is. 16. 9 : 63. 18.]

καταπάτημα. (1) בָּלַע pi. (2) לָעַג (3) מְבוּסָה (4) מִרְמָס (5) εἶναι εἰς κ. בּוּס
Mi. 7. 10. ἔσται εἰς καταπάτημα (4)
Is. 5. 5. ἔσται εἰς κ. [A διαρπαγήν] (4)
Is. 7. 25. εἰς βόσκημα προβάτου καὶ κ. βοός (4)
14. 25. ἔσονται εἰς κ. (5)
22. 5. A S R ἡμέρα ταραχῆς [S¹ -χους] καὶ ἀπωλείας καὶ καταπατήματος [B -μα] (3)
— 18. A S R θήσει . . . τὸν οἶκον τοῦ ἄρχοντός σου εἰς κ. [B om. εἰς κ.] –
28. 18. ἔσεσθε αὐτῇ εἰς κ. (4)
La. 2. 8. A R οὐκ ἀπέστρεψε [B S ἐπ.] χεῖρα αὐτοῦ ἀπὸ καταπατήματος (1)
Ez. 36. 4. εἰς κ. τοῖς καταλειφθεῖσιν ἔθνεσι περικύκλῳ (2)
Da. LXX. 8. 13. τὰ ἅγια ἐρημωθήσεται εἰς καταπάτημα (4)
[Aq., Sm., Th. Is. 57. 20.]

καταπάτησις. (1) דּוּשׁ
IV Ki. 13. 7. ὡς χοῦν εἰς καταπάτησιν (1)

καταπαύειν. (1) אָסַף (2) חָיָה (3) יָשַׁב (4) כָּלָה pi. (5) לוּן (6) נָחַל pi. (7) נוּחַ a. qal. b. hi. (8) רָגַע (9) רָפָה pi. (10) שָׁרַף (11) שָׁבַת a. qal. b. hi. (12) שׁוּב a. qal. b. hi. c. תְּשׁוּבָה (13) שָׁכְבָה (14) שָׁכַן (15) שָׁקַט (16) נָפַשׁ ni.
Ge. 2. 2. κατέπαυσε . . . ἀπὸ πάντων τῶν ἔργων αὐτοῦ (11 a)
— 3. κατέπαυσεν ἀπὸ πάντων τῶν ἔργων αὐτοῦ (11 a)
8. 22. ἡμέραν καὶ νύκτα οὐ καταπαύσουσι (11 a)
49. 33. κατέπαυσεν Ἰ. ἐπιτάσσων τοῖς υἱοῖς αὐτοῦ (4)
Ex. 5. 5. μὴ οὖν καταπαύσωμεν αὐτοὺς ἀπὸ τῶν ἔργων (11 b)
10. 14. κατέπαυσεν ἐπὶ πάντα τὰ ὅρια Αἰγ. (7 a)
16. 13. καταπαυομένης τῆς δρόσου (13)
20. 11. κατέπαυσε τῇ ἡμέρᾳ τῇ ἑβδόμῃ (7 a)
31. 17. κατέπαυσε καὶ ἐπαύσατο [A ἐπ. κ. κ.] (11 a [16])
— 18. ἡνίκα κατέπαυσε λαλῶν (4)
33. 14. καταπαύσω σε (7 b)
34. 21. τῇ δὲ ἑβδόμῃ [A ἡμέρᾳ τῇ ἑ.] καταπαύσεις (11 a)
— 21. A τῷ ἀμητῷ καταπαύσεις [B -σις] (11 a)
— 33. ἐπειδὴ κατέπαυσε λαλῶν (4)
35. 2. A τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἑβδόμῃ καταπαύσεις [B -σις] –
Nu. 25. 11. κατέπαυσε τὸν θυμόν μου (12 b)
De. 3. 20. ἕως ἂν καταπαύσῃ . . . τοὺς ἀδ. ὑμῶν (7 b)
5. 33 (30). ὅπως καταπαύσῃ σε (2 ?)
12. 10. καὶ καταπαύσει ὑμᾶς (7 b)
25. 19. ἡνίκα ἐὰν καταπαύσῃ σε κύριος (7 b)
32. 26. A καταπαύσω δὴ [B π. δὲ] . . . τὸ μνημόσυνον αὐτῶν (11 b)
33. 12. ἀνὰ μέσον τῶν ὤμων αὐτοῦ κατέπαυσε (14)
Jo. 1. 13. κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν κατέπαυσεν ὑμᾶς (7 b)
— 15. ἕως ἂν καταπαύσῃ κύριος (7 b)
3. 13. ὡς ἂν καταπαύσωσιν οἱ πόδες τῶν ἱερέων (7 a)
10. 20. ὡς κατέπαυσεν Ἰησοῦς . . . κόπτοντες (4)
11. 23. ἡ γῆ κατέπαυσε πολεμουμένη (15)
21. 42. κατέπαυσεν αὐτοὺς [A -οῖς] κύριος (7 a)
22. 4. κατέπαυσε κύριος . . . τοὺς ἀδ. ἡμῶν (7 b)
23. 1. μετὰ τὸ καταπαῦσαι κύριον τὸν [A τὸν θεὸν] Ἰσρ. (7 b)
Jd. 8. 3. A καὶ κατέπαυσαν –
18. 2. A καὶ κατέπαυσαν ἐκεῖ [B al.] (5)
20. 43. A καταπαῦσαι αὐτὸν κατάπαυσιν [B al.] †
— 43. A καὶ κατέπαυσεν αὐτόν [B al.] †
Ru. 2. 7. οὐ κατέπαυσεν ἐν τῷ ἀγρῷ μικρόν (3)
II Ki. 21. 10. οὐκ ἔδωκε τὰ πετεινὰ . . . καταπαῦσαι (7 a)
III Ki. 12. 24. κατέπαυσαν τοῦ πορευθῆναι (12 a)
I Ch. 23. 25. κατέπαυσε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. τῷ λαῷ αὐ. (7 b)
II Ch. 14. 6 (5). κατέπαυσεν αὐτῷ κύριος (7 b)
— 7 (6). κατέπαυσεν ἡμᾶς κυκλόθεν (7 a)
15. 15. κατέπαυσε κύριος αὐτοῖς κυκλόθεν (7 a)
16. 5. κατέπαυσε τὸ ἔργον αὐτοῦ (11 b)
20. 30. κατέπαυσεν αὐτῷ ὁ θεὸς αὐτοῦ (7 a)
32. 22. καὶ κατέπαυσεν αὐτοὺς κυκλόθεν (6)
II Es. 9. 13. S² κατέπαυσας τὸ σκῆπτρον ἡμῶν †
Ne. 4. 11 (5). καὶ καταπαύσωμεν τὸ ἔργον (11 b)
6. 3. μή ποτε καταπαύσῃ τὸ ἔργον (11 a)

Ju. 6. 1. ὡς κατέπαυσεν ὁ θόρυβος
Jb. 21. 34. τὸ δὲ ἐμὲ καταπαύσασθαι ἀφ' ὑμῶν οὐδέν [A S *al.*] (12 *c*)
26. 12. ἰσχύϊ κατέπαυσε τὴν θάλασσαν (8)
Ps. 54 (55). 6. πετασθήσομαι καὶ καταπαύσω (14)
73 (74). 8. καταπαύσωμεν τὰς ἑορτὰς κυρίου (10)
84 (85). 3. κατέπαυσας πᾶσαν τὴν ὀργήν σου (1)
Ec. 10. 4. ἴαμα καταπαύσει ἁμαρτίας μεγάλας (7 *b*)
Wi. 10. 19. S[1] τοὺς δὲ ἐχθροὺς αὐτῶν κατέπαυσεν [A κατέκλυσαν, B S[2] κατέκλυσε]
Si. 5. 6. ἐπὶ ἁμαρτωλοὺς καταπαύσει [S[1] -σεται] ὁ θυμὸς αὐτοῦ
10. 17. κατέπαυσεν . . . τὸ μνημόσυνον αὐ.
24. 8. ὁ κτίσας με κατέπαυσε τὴν σκηνήν μου
— 11. ἐν πόλει ἠγαπημένῃ ὁμοίως με [S *om.*] κατέπαυσε
38. 23. ἐν ἀναπαύσει νεκροῦ κατάπαυσον τὸ μνημόσυνον αὐτοῦ
43. 5. S[2] ἐν λόγοις αὐτοῦ κατέπαυσεν [A B S[1] -έσπευσε] πορείαν
— 13. S προστάγματι αὐτοῦ κατέπαυσεν [A B -έσπευσε] χιόνα
44. 23. κατέπαυσεν ἐπὶ κεφαλὴν Ἰακώβ
45. 3. ἐν λόγοις αὐτοῦ σημεῖα κατέπαυσεν
47. 12. S δι' αὐτὸν κατέπαυσεν [A B -έλυσεν] ἐν πλατυσμῷ
— 13. ᾧ ὁ [S[1] ὡς] θεὸς κατέπαυσε κυκλόθεν
Ho. 1. 4. καὶ καταπαύσω βασιλείαν οἴκου Ἰ. (11 *b*)
11. 6. καὶ κατέπαυσεν ἐν ταῖς χερσὶν αὐτοῦ (4)
La. 3. 11. κατέπαυσέ με [A *om.*] †
5. 14. πρεσβῦται ἀπὸ πύλης κατέπαυσαν ἐκλεκτοὶ ἐκ ψαλμῶν αὐτῶν κατέπαυσαν (11 *a*, –)
Ez. 1. 24. κατέπαυον αἱ πτέρυγες αὐτῶν (9)
30. 13. A καταπαύσω [B *om.*] μεγιστᾶνας ἀπὸ Μέμφεως (11 *b*)
Da. TH. 9. 27. A B[2] καταπαύσει θυσιαστήριον (11 *b*)
11. 18. R καταπαύσει [A B -καύσει] ἄρχοντας ὀνειδισμοῦ αὐτῶν (11 *b*)
I Ma. 9. 73. κατέπαυσε ῥομφαία ἐξ Ἰσρ.
II Ma. 15. 37. R καταπαύσω τὸν λόγον [A *al.*]

[Aq. Je. 31 (38). 36: 48 (31). 33: Ez. 5. 13: 7. 24: 23. 27.]
[Sm. Ez. 5. 13: 23. 27.]
[Th. Ez. 5. 13: 6. 6: 23. 27.]
[Al. Le. 26. 6: Da. 9. 27: Hb. 3. 19.]

κατάπαυμα.
Si. 36. 18 (15). οἰκτείρησον . . . πόλιν [A S τόπον] καταπαύματός σου

κατάπαυσις. (1) אֲחֻזָּה (2) *a.* נוּחַ *b.* נוֹחַ *c.* מָנוֹחַ *d.* מְנוּחָה (3) שַׁבָּת
Ex. 34. 21. A R τῇ δὲ ἑβδόμῃ [A ἡμέρᾳ τῇ ἑ.] καταπαύσεις [B -σις] (3)
— 21. τῷ ἀμητῷ κατάπαυσις [A -σεις] (3)
35. 2. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἑβδόμῃ κατάπαυσις [A -σεις] –
Le. 25. 28. A B[1] ἀπελεύσεται εἰς τὴν κ. [B[2] R κατάσχεσιν] αὐτοῦ (1)
Nu. 10. 36. ἐν τῇ κ. εἶπεν (2 *a*)
De. 12. 9. οὐ γὰρ ἥκατε . . . εἰς τὴν κ. (2 *d*)
Jd. 20. 43. A καταπαῦσαι αὐτὸν κατάπαυσιν [B *al.*] (2 *d*)
III Ki. 8. 56. ὃς ἔδωκε κατάπαυσιν τῷ λαῷ αὐτοῦ Ἰσρ. (2 *d*)
I Ch. 6. 31 (16). ἐν τῇ κ. τῆς κιβωτοῦ (2 *c*)
II Ch. 6. 41. ἀνάστηθι . . . εἰς τὴν κ. σου (2 *b*)
Ju. 9. 8. τὸ σκήνωμα τῆς κ. τοῦ ὀνόμ. τῆς δόξης σου
Ps. 94 (95). 11. εἰ [A[1] *om.*, A[2] S ἢ] εἰσελεύσονται εἰς τὴν κ. μου (2 *d*)
131 (132). 14. αὕτη ἡ κ. μου εἰς αἰῶνα αἰῶνος (2 *d*)
Is. 66. 1. ποῖος τόπος τῆς κ. μου (2 *d*)
II Ma. 15. 1. τῇ τῆς κ. ἡμέρᾳ

[Sm. Is. 57. 6.]
[Th. Za. 4. 7 *bis.*]
[Al. Le. 14. 10.]

καταπείθειν. (1) בָּטַח
II Ki. 17. 16. μή ποτε καταπείσῃ [A -πίῃ] τὸν βασ. †
Ez. 16. 15. κατεπεποίθεις ἐν [A ἐπὶ] τῷ κάλλει σου (1)

καταπειράζειν.
II Ma. 13. 18. κατεπείρασε διὰ μεθόδων τοὺς τόπους

καταπείρεσθαι.
III Ma. 5. 26. A οὔπω δὲ ἡλίου βολαὶ κατεπείροντο [R κατεσπ.]

καταπελματοῦσθαι. (1) טָלָא pu.
Jo. 9. 5. τὰ σανδάλια . . . καταπεπελματωμένα (1)

καταπέλτης.
IV Ma. 8. 13. καὶ καταπέλτας καὶ λέβητας
9. 26. καταπέλτῃ προσέδησαν αὐτόν
11. 9. εἶλκον ἐπὶ τὸν κ.
— 26. καὶ ἄπονοι οἱ κ.
18. 20. ἀγαγὼν ἐπὶ τὸν κ.

καταπενθεῖν. (1) אָבַל hithpa.
Ex. 33. 4. κατεπένθησεν [A -αν] ἐν πενθικοῖς (1)

καταπεταννύναι. (1) נָדַד
Pr. 27. 8. ὥσπερ ὅταν ὄρνεον καταπετασθῇ (1)

καταπέτασμα. (1) מָסָךְ (2) פָּרֹכֶת
Ex. 26. 31. ποιήσεις καταπέτασμα ἐξ ὑακίνθου (2)
— 33. θήσεις τὸ κ. ἐπὶ τῶν στύλων [A B[2] τοὺς στ.] (2)
— 33. εἰσοίσεις ἐκεῖ ἐσώτερον τοῦ κ. (2)
— 33. διορεῖ [B[1] -εῖς] τὸ κ. (2)
— 34. κατακαλύψεις τῷ κ. (2)
— 35. B[2] R ἐπιθήσεις [A B[1] θή.] . . . ἔξωθεν τοῦ κ. (2)
— 37. ποιήσεις τῷ κ. πέντε στύλους (1)
27. 21. ἔξωθεν τοῦ κ. τοῦ ἐπὶ τῆς διαθήκης (2)
30. 6. θήσεις αὐτὸ ἀπέναντι τοῦ κ. (2)
35. 12. ἐργαζέσθω . . . τὸ κ. (2+1)
37. 3 (36. 35). A R ἐποίησαν [B -σεν] τὸ κ. ἐξ ὑακίνθου (2)
— 5 (36. 37). ἐποίησαν τὸ κ. τῆς θύρας τῆς σκηνῆς (1)
— 16 (38. 18). τὸ κ. [A -κάλυμμα] τῆς πύλης (1)
38. 18 (36. 36). τοὺς στύλους τοῦ κ. †
39. 4 (38. 27). εἰς τὰς κεφαλίδας τοῦ κ. (2)
— 20 (40). τὸ κ. τῆς θύρας τῆς σκηνῆς (1)
40. 3. σκεπάσεις τὴν κιβωτὸν τῷ κ. (2)
— 5. ἐπιθήσεις κάλυμμα καταπετάσματος [A *al.*] (1?)
— 21. ἐπέθηκε τὸ κατακάλυμμα τοῦ κ. (1)
— 22. ἔξωθεν τοῦ κ. τῆς σκηνῆς (2)
— 26. ἀπέναντι τοῦ κ. (2)
Le. 4. 6. κατὰ τὸ κ. τὸ ἅγιον (2)
— 17. κατενώπιον [A ἐν.] τοῦ κ. τοῦ ἁγίου (2)
16. 2. μὴ εἰσπορευέσθω . . . ἐσώτερον τοῦ κ. (2)
— 12. εἰσοίσει ἐσώτερον τοῦ κ. (2)
— 15. εἰσοίσει [A οἴσουσιν] . . . ἐσώτερον τοῦ κ. (2)
21. 23. πρὸς τὸ κ. οὐ προσελεύσεται (2)
24. 3. ἔξωθεν τοῦ κ. (2)
Nu. 3. 10. καὶ ἔσω [A τὰ ἔ.] τοῦ κ. –
— 26. καὶ τὸ κ. τῆς πύλης (1)
4. 5. καθελοῦσι τὸ κ. τὸ συσκιάζον (2)
— 32. τοὺς στύλους τοῦ κ. τῆς πύλης –
18. 7. καὶ τὸ ἔνδοθεν τοῦ κ. (2)
III Ki. 6. 36. B ᾠκοδόμησε καταπέτασμα τῆς αὐλῆς –
II Ch. 3. 14. καὶ ἐποίησε τὸ κ. (2)
Si. 50. 5. ἐν ἐξόδῳ οἴκου καταπετάσματος
I Ma. 1. 22. καὶ τὸ κ. καὶ τοὺς στεφάνους
4. 51. ἐξεπέτασαν τὰ κ.

[Sm. Nu. 4. 25, 26.]
[Th. Ex. 39. 34 (21).]
[Al. Le. 4. 6.]

καταπέτεσθαι.
[Aq. Ez. 17. 23.]

καταπηγνύναι. (1) עָמַק hi. (2) תָּקַע
I Ki. 31. 10. τὸ σῶμα αὐτοῦ κατέπηξαν (2)
Jb. 39. 17. S[1] κατέπηξεν [A B S[2] -εσιώπησεν] αὐτῇ ὁ θεὸς σοφίαν †
Ho. 5. 2. ὃ οἱ ἀγρεύοντες τὴν θήραν κατέπηξαν (1)
9. 8 (9). μανίαν ἐν οἴκῳ θεοῦ κατέπηξαν (1)

καταπηδᾶν. (1) יָרַד (2) נָפַל
Ge. 24. 64. κατεπήδησεν ἀπὸ τῆς καμήλου (2)
I Ki. 25. 23. κατεπήδησεν ἀπὸ τῆς ὄνου (1)

[Sm. IV Ki. 5. 21.]

καταπήξ.
[Sm. Jb. 38. 6.]

κατάπικρος. (1) מַר
II Ki. 17. 8. καὶ κατάπικροι τῇ ψυχῇ αὐτῶν (1)

[Sm. Jb. 6. 3.]

καταπίνειν. (1) בָּלַע *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* pu. *e.* hithp. *f.* בָּלַע (2) טָבַע pu. (3) נָגַר ni. (4) שָׁעַר (5) שָׁמַט ni.
Ge. 41. 7, 24. κατέπιον οἱ ἑπτὰ στάχυες . . . τοὺς ἑ. στάχυας (1 *a*)
Ex. 7. 12. κατέπιεν ἡ ῥάβδος ἡ Ἀ. τὰς ἐκείνων ῥάβδους (1 *a*)
15. 4. κατεπόθησαν [A -επόντισεν] ἐν ἐρυθρᾷ θαλ. (2)
— 12. κατέπιεν αὐτοὺς γῆ (1 *a*)
Nu. 16. 30. ἡ γῆ . . . καταπίεται αὐτούς (1 *a*)
— 32. καὶ κατέπιεν αὐτούς (1 *a*)
— 34. μή ποτε καταπίῃ ἡμᾶς ἡ γῆ (1 *a*)
21. 28. καὶ κατέπιε στήλας Ἀρνῶν †
26. 10: De. 11. 6. ἡ γῆ . . . κατέπιεν αὐτούς (1 *a*)
II Ki. 17. 16. A μή ποτε καταπίῃ [B -πείσῃ] τὸν βασ. (1 *d*)
To. 6. 2. ἰχθὺς . . . ἐβουλήθη καταπιεῖν τὸ παιδάριον [S *al.*]
Jb. 7. 19. ἕως ἂν καταπίω τὸν πτύελόν μου (1 *a*)
8. 18. ἐὰν καταπίῃ ὁ τόπος ψεύσεται αὐτόν (1 *c*)
Ps. 34 (35). 25. κατεπίομεν αὐτόν (1 *c*)
57 (58). 9. ὡσεὶ ἐν ὀργῇ καταπίεται ὑμᾶς [S αὐτούς] (4)
68 (69). 15. μηδὲ καταπιέτω με βυθός (1 *a*)
105 (106). 17. ἠνοίχθη ἡ γῆ καὶ κατέπιε Δαθάν (1 *a*)
106 (107). 27. πᾶσα ἡ σοφία αὐτῶν κατεπόθη (1 *e*)
123 (124). 3. ἄρα ζῶντας ἂν κατέπιον ἡμᾶς (1 *a*)
140 (141). 6. κατεπόθησαν ἐχόμενα πέτρας (5)
Pr. 1. 12. καταπίωμεν δὲ αὐτὸν ὥσπερ ᾅδης ζῶντα (1 *a*)
19. 28. στόμα δὲ ἀσεβῶν καταπίεται κρίσεις (1 *c*)
21. 20. ἄφρονες δὲ ἄνδρες καταπίονται αὐτόν (1 *c*)
23. 7. ὃν τρόπον γὰρ εἴ τις καταπίοι τρίχα †
Si. 23. 16. οὐ μὴ σβεσθῇ ἕως ἂν καταποθῇ [S[2] -πίῃ τι]
Ho. 8. 8. κατεπόθη Ἰ. (1 *b*)
Jn. 2. 1. καταπιεῖν [S[1] -έπιεν] τὸν Ἰωνᾶν (1 *a*)
Hb. 1. 13. ἐν τῷ καταπίνειν [S[3] -πιεῖν] ἀσεβῆ τὸν δίκαιον (1 *c*)
Is. 9. 16 (15). ὅπως καταπίνωσιν [A S[2] -πίωσιν] αὐτούς (1 *d*)
16. 8. καταπίνοντες τὰ ἔθνη †
25. 8. κατέπιεν ὁ θάνατος ἰσχύσας (1 *c*)
28. 4. θελήσει αὐτὸ καταπιεῖν (1 *a*)
— 7. κατεπόθησαν [A S *om.*] διὰ τὸν οἶνον (1 *b*)
49. 19. μακρυνθήσονται ἀπὸ σοῦ οἱ καταπίνοντές σε (1 *c*)
Je. 28 (51). 34. βασιλεὺς Βαβυλῶνος κατέπιέ με (1 *a*)
— 44. ἃ κατέπιεν ἐκ τοῦ στόματος αὐτῆς (1 *f*)
La. 2. 16. κατεπίομεν [B[2] S -απ., S -ωμεν] αὐτήν (1 *c*)
3. 49. ὁ ὀφθαλμός μου κατεπόθη (3)

[Aq. Jb. 6. 3: Pr. 20. 25: Hb. 1. 13.]
[Sm. Jb. 39. 24: Ps. 51 (52). 6: 54 (55). 10: Is. 25. 7, 8: Hb. 1. 13.]
[Th. Ps. 57 (58). 10: Is. 25. 7, 8: Hb. 1. 13.]
[Al. Jb. 37. 20.]

καταπίπτειν. (1) נָפַל (2) עָצַב ni.
Ne. 8. 11. καὶ μὴ καταπίπτετε (2)
Jb. 15. 23. A καταπίπτει δὲ εἰς ἐξάλειψιν –
Ps. 144 (145). 14. ὑποστηρίζει κύριος πάντας τοὺς καταπίπτοντας (1)
Wi. 7. 3. ἐπὶ τὴν ὁμοιοπαθῆ κατέπεσον [S -σα] γῆν
13. 16. ἵνα μὲν οὖν μὴ καταπέσῃ προενόησεν αὐτοῦ
17. 16. ὃς δήποτ' οὖν ἦν ἐκεῖ καταπίπτων
Is. 49. 19. τὰ κατεφθαρμένα [A S[3] διεφθ.] καὶ τὰ πεπτωκότα [S[1] κατεπτ.] †
III Ma. 2. 20. ἐν στόματι τῶν καταπεπτωκότων
IV Ma. 4. 11. καταπεσών γε τοι ἡμιθανὴς ὁ Ἀπ.

καταπιστεύειν. (1) אָמַן hi.
Mi. 7. 5. μὴ καταπιστεύετε ἐν φίλοις (1)

καταπλάσσειν. (1) טָרַח hi. (2) מָרַח
Jb. 37. 11. ἐκλεκτὸν καταπλάσσει [A S[2] -ήσσει] νεφέλη (1)
Is. 38. 21. τρῖψον καὶ κατάπλασαι (2)

[Th. Jb. 37. 11†.]

καταπληγμός.
Si. 21. 4. καταπληγμὸς [B[2] κακῶν πλῆθος] καὶ ὕβρις ἐρημώσουσι πλοῦτον

καταπληκτικός.
[Sext. Ca. 6. 9 (10).]

κατάπληξις. (1) אֵימָה
II Es. 3. 3. **AR** ὅτι ἐν καταπλήξει ἐπ' αὐτούς (1)
[**Aq.**, **Sm.** Ex. 23. 27.]

καταπλήσσειν. (1) בָּעַת pi. (2) טָרַח hi.
Jo. 5. 1. καὶ κατεπλάγησαν –
Jb. 7. 14. ἐν ὁράμασί με καταπλήσσεις (1)
13. 21. ὁ φόβος σου μή με καταπλησσέτω (1)
37. 11. **A** S^2 ἐκλεκτὸν καταπλήσσει [**B** S^1 -άσσει] νεφέλη (2)
II Ma. 3. 24. καταπλαγέντας τὴν τοῦ θεοῦ δύναμιν
8. 16. **R** μὴ καταπλαγῆναι τοὺς πολεμίους [**A** τοῖς δεσμίοις]
15. 24. καταπλαγείησαν οἱ μετὰ βλασφημίας παραγενόμενοι
III Ma. 1. 9. καὶ τῇ σπουδαιότητι . . . κατεπλαγείς
2. 23. ὑπερβάλλοντι καταπεπληγμένοι φόβῳ
5. 27. **R** τοῦ δὲ . . . καταπλαγέντος ἐπὶ τῇ παρανόμῳ [**A** ἀν.] ἐξόδῳ
IV Ma. 16. 17. **A R** ὑμᾶς δὲ τοὺς νεωτέρους καταπλαγῆναι τὰς βασάνους [**S** *al.*]
[**Aq.** Je. 48 (31). 37.]
[**Sm.** Jb. 40. 18 (23): Ez. 2. 6.]
[**Th.** Jb. 37. 11†.]

κατάπλους.
III Ma. 4. 10. ὅπως . . . ἀγωγὴν . . . ἐν παντὶ τῷ κ. λαμβάνωσι

καταπολεμεῖν. (1) לָחַם ni.
Jo. 10. 25. οὓς ὑμεῖς καταπολεμεῖτε αὐτούς (1)

κατάπομα.
[**Aq.**, **Sm.** Je. 51 (28). 44.]

καταπονεῖν.
II Ma. 8. 2. **A** τὸν ὑπὸ πάντων καταπονούμενον [**R** -πατούμ.] λαόν
III Ma. 2. 2. πρόσχες ἡμῖν καταπονουμένοις
— 13. διὰ τὰς. . . . ἡμῶν ἁμαρτίας καταπονούμεθα
[**Al.** Jb. 39. 16.]

καταπόνησις.
[**Sm.** Ex. 3. 7: Ps. 31 (32). 10.]

κατάπονος.
III Ma. 4. 14. **R** τὴν . . . τῶν ἔργων κ. [**A** κατάτροπον] λατρείαν

καταποντίζειν. (1) בָּלַע pi. (2) טָבַע pu. (3) שָׁטַף
Ex. 15. 4. **A** κατεπόντισεν [**B** -πόθησαν] ἐν ἐρυθρᾷ θαλ. (2)
II Ki. 20. 19. ἵνα τί καταποντίζεις κληρονομίαν κυρίου (1)
— 20. ἵλεώς μοι εἰ καταποντιῶ (1)
Ps. 54 (55). 9. καταπόντισον, κύριε, . . . τὰς γλώσσας αὐτῶν (1)
68 (69). 2. καταιγὶς κατεπόντισέ με (3)
— 15. μή με καταποντισάτω καταιγὶς ὕδατος (3)
123 (124). 4. ἄρα τὸ ὕδωρ ἂν κατεπόντισεν ἡμᾶς (3)
Ec. 10. 12. χείλη ἄφρονος καταποντιοῦσιν [**A S** -ίσουσιν] αὐτόν (1)
La. 2. 2. ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς αὐτοῦ κατεπόντισε κύριος (1)
— 5. κατεπόντισεν Ἰσραὴλ κατεπόντισε τὰς βάρεις αὐτῆς (1, 1)
[**Aq.** Jb. 2. 3: 10. 8: Pr. 19. 28: Is. 25. 7, 8.]
[**Sm.** Is. 25. 7.]
[**Th.** Jb. 10. 8: Pr. 19. 28.]
[**Al.** Ps. 105 (106). 11.]

καταποντισμός. (1) בָּלַע
Ps. 51 (52). 4. ἠγάπησας πάντα τὰ ῥήματα καταποντισμοῦ (1)

καταπορεύεσθαι.
II Ma. 11. 30. τοῖς οὖν καταπορευομένοις μέχρι τριακάδος Ξανθ.
III Ma. 4. 11. πᾶσι τοῖς καταπορευομένοις εἰς τὴν πόλιν

κατάποσις.
[**Aq.** Pr. 23. 2.]

καταπραΰνειν. (1) שָׁבַח pi. (2) שָׁקַט *a.* qal. *b.* hi.
Ps. 82 (83). 1. μηδὲ καταπραΰνῃς ὁ θεός (2 *a*)
88 (89). 9. τὸν δὲ σάλον . . . σὺ καταπραΰνεις (1)
Pr. 15. 18. μακρόθυμος δὲ καὶ τὴν μέλλουσαν καταπραΰνει (2 *b*)
II Ma. 13. 26. συνέπεισε καὶ κατεπράϋνεν
[**Sm.** Pr. 29. 11.]
[**Th.**, **Quint.** Ps. 64 (65). 8.]

καταπρίειν.
Da. LXX. Su. 59. ἵνα καταπρίσῃ σε

καταπροδιδόναι.
IV Ma. 2. 10. μὴ καταπροδιδοὺς τὴν ἀρετὴν δι' αὐτούς

καταπρονομεύειν. (1) שָׁבָה (2) שָׁסַס
Nu. 21. 1. κατεπρονόμευσεν [**A** -αν] ἐξ αὐτῶν αἰχμαλωσίαν (1)
Jd. 2. 14. κατεπρονόμευσαν [**A** ἐπρον.] αὐτούς (2)

καταπτήσσειν. (1) מוּג ni. (2) פָּחַד pi.
Jo. 2. 24. **A** B^1 κατέπτηκεν [B^3 **R** -χε] πᾶς . . . ἀφ' ἡμῶν (1)
Pr. 24. 65 (30. 30). οὐδὲ καταπτήσσει κτῆνος –
28. 14. ὃς καταπτήσσει πάντα (2)
29. 9. ἀνὴρ δὲ φαῦλος ὀργιζόμενος καταγελᾶται καὶ οὐ καταπτήσσει †
Si. 35 (32). 18. ὑπερήφανος οὐ καταπτήξει φόβον
[**Aq.** Hb. 2. 17.]

καταπτύρεσθαι.
[**Aq.** Ge. 41. 8.]

κατάπτωμα. (1) פֶּרֶץ
Ps. 143 (144). 14. οὐκ ἔστι κατάπτωμα φραγμοῦ (1)

κατάπτωσις.
Si. 32 (35). 15. **S** ἡ κ. [**A B** -βόησις] ἐπὶ τῷ καταγαγόντι αὐτά
III Ma. 2. 14. ἐν δὲ τῇ ἡμετέρᾳ κ.

κατάρα. (1) אָלָה (2) בְּהָלָה (3) מְאֵרָה (4) קֶבֶב (5) קְלָלָה (6) שְׁמָמָה
Ge. 27. 12. ἐπάξω ἐπ' ἐμαυτὸν κατάραν (5)
— 13. ἐπ' ἐμὲ ἡ κ. σου (5)
Nu. 23. 25. οὔτε κατάραις καταράσῃ μοι (4)
De. 11. 26. τὴν εὐλογίαν καὶ τὴν κ. (5)
— 28. **B** καὶ αἱ κ. [**A** τὰς κ., **R** τὴν κ.] (5)
— 29. καὶ τὴν κ. ἐπ' ὄρος Γαιβάλ (5)
23. 5 (6). μετέστρεψε κύριος ὁ θεός σου τὰς κ. (5)
27. 13. οὗτοι στήσονται ἐπὶ τῆς κ. (5)
28. 15, 45. ἐλεύσονται ἐπὶ σὲ πᾶσαι αἱ κ. αὗται (5)
29. 27 (26). κατὰ πάσας τὰς κ. [**A** *al.*] (5)
30. 1. ἡ εὐλογία καὶ ἡ [**B**' εὐ. ἡ] κ. (5)
— 19. τὴν εὐλογίαν καὶ τὴν κ. (5)
Jo. 9. 2 (8. 34). τὰς εὐλογίας καὶ τὰς κ. (5)
Jd. 9. 57. ἐπῆλθεν ἐπ' αὐτοὺς ἡ κ. Ἰωάθαμ (5)
II Ki. 16. 12. ἀγαθὰ ἀντὶ τῆς κ. αὐτοῦ [**A** ταύτης] (5)
III Ki. 2. 8: 3. 1 (2. 35). κατηράσατό με κ. ὀδυνηράν (5)
IV Ki. 22. 19. τοῦ εἶναι . . . εἰς κατάραν (5)
Ne. 13. 2. **B S** ἔστρεψεν [**A R** ἐπέστρ.] . . . τὴν κ. εἰς εὐλογίαν (5)
Jb. 31. 30. ἀκούσαι ἄρα τὸ οὖς μου τὴν κ. μου (1)
Ps. 108 (109). 17. ἠγάπησε κατάραν καὶ ἥξει αὐτῷ (5)
— 18. ἐνεδύσατο κατάραν ὡς ἱμάτιον (5)
Pr. 3. 33. κατάρα θεοῦ ἐν οἴκοις ἀσεβῶν (3)
Si. 3. 9. κατάρα δὲ μητρὸς ἐκριζοῖ θεμέλια
23. 26. καταλείψει [**A** -ψις] εἰς κατάραν τὸ μνημόσυνον αὐτῆς
29. 6. κατάρας καὶ λοιδορίας ἀποδώσει αὐτῷ
41. 9. ἐὰν γεννηθῆτε εἰς κατάραν γεννηθήσεσθε καὶ ἐὰν ἀποθάνητε εἰς κατάραν μερισθήσεσθε
— 10. οὕτως ἀσεβεῖς ἀπὸ κατάρας εἰς ἀπώλειαν
Za. 8. 13. ὃν τρόπον ἦτε ἐν κατάρᾳ (5)
Ma. 2. 2. καὶ ἐξαποστελῶ ἐφ' ὑμᾶς τὴν κατάραν (3)
Is. 64. 10 (9). Σ. ὡς ἔρημος ἐγενήθη Ἱερουσαλὴμ εἰς κατάραν (6)
65. 23. οὐδὲ τεκνοποιήσουσιν [**A** τέκνα π.] εἰς κατάραν (2 ?)
Je. 24. 9. **A R** ἔσονται [**B S** *om.*] . . . εἰς κατάραν (5)
29 (49). 13. **A S** εἰς κατάραν [**B** -ρασιν] ἔσῃ ἐν μέσῳ αὐτῆς (5)
33 (26). 6. τὴν πόλιν δώσω εἰς κατάραν (5)
36 (29). 22. λήψονται ἀπ' [**A** ἐπ'] αὐτῶν κατάραν (5)
51 (44). 8. ἵνα γένησθε εἰς κατάραν (5)
— 12. ἔσονται . . . εἰς κατάραν (5)
Da. LXX., TH. 9. 11. ἐπῆλθεν ἐφ' ἡμᾶς ἡ κ. (1)
[**Aq.** Dt. 21. 23: Pr. 26. 2: Is. 8. 21: Je. 25. 18 (32. 4).]
[**Sm.** Ps. 88 (89). 40: Pr. 26. 2.]
[**Th.** Dt. 21. 23: Pr. 26. 2: Is. 8. 21: Je. 25. 18 (32. 4).]
[**Al.** Ps. 9. 28 (10. 7).]

καταράκτης, *vid.* καταρράκτης.

καταρᾶσθαι. (1) אָרַר *a.* qal. *b.* pi. *c.* hoph. (2) בָּעַת pi. (3) זָעַם (4) נָקַב (5) קָבַב (6) *a.* קָלַל pi. *b.* pu. *c.* קְלָלָה
Ge. 5. 29. γῆς ἧς κατηράσατο κύριος (1 *b*)
8. 21. **R** οὐ προσθήσω ἔτι καταράσασθαι [**A** τοῦ κ.] τὴν γῆν (6 *a*)
12. 3. τοὺς καταρωμένους σε καταράσομαι (6 *a*, 1 *a*)
27. 29. ὁ καταρώμενός σε ἐπικατάρατος (1 *a*)
Le. 24. 11. ἐπονομάσας . . . τὸ ὄνομα κατηράσατο (6 *a*)
— 14. ἐξάγαγε τὸν καταρασάμενον (6 *a*)
— 15. ὃς ἐὰν καταράσηται θεόν (6 *a*)
— 23. ἐξήγαγον τὸν καταρασάμενον (6 *a*)
Nu. 22. 6. **A** κατάρασαί [**B** ἄρ.] μοι τὸν λαὸν τοῦτον (1 *a*)
— 6. οὓς ἂν καταράσῃ σὺ κεκατήρανται (1 *a*, 1 *c*)
— 12. οὐδὲ καταράσῃ τὸν λαόν (1 *a*)
23. 8. **B** ὃν μὴ καταρᾶται [**A R** ἀρ.] κύριος (5)
— 8. ἢ τί καταράσωμαι [**A** -σομαι] ὃν μὴ καταρᾶται ὁ θεός (3, 3)
— 13. κατάρασαί μοι αὐτὸν ἐκεῖθεν (5)
— 25. οὔτε κατάραις καταράσῃ μοι αὐτόν (4)
— 27. κατάρασαί μοι αὐτὸν ἐκεῖθεν (5)
24. 9. **A R** οἱ καταρώμενοί σε κεκατήρανται [**B** κατ.] (1 *a*, 1 *a*)
— 10. καταρᾶσθαι [**A** -ράσασθαι] τὸν ἐχθρόν μου (5)
De. 21. 23. **A R** κεκατηραμένος [**B** -αρ.] ὑπὸ θεοῦ πᾶς κρεμάμενος (6 *c*)
23. 4 (5). **A R** ἐμισθώσαντο . . . καταρᾶσθαί [**A** -ράσασθαί] σε [**B** *om.*] (6 *a*)
Jd. 5. 23. καταρᾶσθαι [**A** -αράσαιαι] M., εἶπεν ἄγγελος κυρίου, καταρᾶσθε [**A** καταράσει καταράσασθε] (1 *a*, 1 *a*)
9. 27. κατηράσαντο [**A** -ρῶντο] τὸν Ἀβ. (6 *a*)
I Ki. 17. 43. κατηράσατο ὁ ἀλλόφυλος τὸν Δαυίδ (6 *a*)
II Ki. 16. 5. ἐκπορευόμενος καὶ καταρώμενος (6 *a*)
— 7. ἐν τῷ καταρᾶσθαι αὐτόν (6 *a*)
— 9. ἵνα τί καταρᾶται ὁ κύων . . . τὸν κύριόν μου (6 *a*)
— 10. καὶ οὕτως καταράσθω ὅτι κύριος εἶπεν αὐτῷ καταρᾶσθαι τὸν Δ. (6 *a*, 6 *a*)
— 11. ἄφετε αὐτὸν καταρᾶσθαι [**A** -θω, B^2 -σαι] (6 *a*)
— 13. πορευόμενος καὶ καταρώμενος (6 *a*)
19. 21 (22). κατηράσατο τὸν χριστὸν κυρίου (6 *a*)
III Ki. 2. 8. κατηράσατό με κατάραν ὀδυνηράν (6 *a*)
3. 1 (2. 8). κατηράσατό με κατάραν ὀδυνηράν (6 *a*)
IV Ki. 2. 24. κατηράσατο αὐτοῖς ἐν ὀνόματι κ. (6 *a*)
9. 34. ἐπισκέψασθε δὴ τὴν κατηραμένην ταύτην (1 *a*)
Ne. 10. 29 (30). καὶ [**S** *om.*] κατηράσαντο αὐτούς †
13. 2. ἐμισθώσαντο . . . τὸν **B**. καταράσασθαι (6 *a*)
— 25. **A S R** καὶ κατηρασάμην [**B** ἐκαταρ.] αὐτούς (6 *a*)
Jb. 3. 1. κατηράσατο τὴν ἡμέραν αὐτοῦ (6 *a*)
— 5. **B** καταραθείη ἡ ἡμέρα [**A** S^2 ἡ. ἐκείνη] (2 ?)
— 8. καταράσαιτο αὐτὴν [**A** -ρασε τοιαύτην] ὁ καταρώμενος τὴν ἡμέραν ἐκείνην (4, 1 *a*)
24. 18. καταραθείη ἡ μερὶς αὐτῶν ἐπὶ γῆς (6 *b*)
Ps. 36 (37). 22. οἱ δὲ καταρώμενοι αὐτὸν ἐξολεθρευθήσονται (6 *b*)
61 (62). 4. τῇ καρδίᾳ αὐτῶν κατηρῶντο (6 *a*)
108 (109). 28. καταράσονται αὐτοί (6 *a*)
Pr. 24. 33 (30. 10). μή ποτε καταράσηταί σε (6 *a*)
— 34 (30. 11). ἔκγονον κακὸν πατέρα καταρᾶται [A^1 -ρήσηται] (6 *a*)
27. 14. καταρωμένου οὐδὲν διαφέρειν δόξει (6 *c*)
Ec. 7. 22 (21). ὅπως μὴ ἀκούσῃς τοῦ δούλου σου καταρωμένου σε (6 *a*)
— 23 (22). ὡς καί γε σὺ κατηράσω ἑτέρους (6 *a*)
10. 20. βασιλέα μὴ καταράσῃ (6 *a*)
— 20. μὴ καταράσῃ πλούσιον (6 *a*)
Wi. 12. 11. σπέρμα γὰρ ἦν κατηραμένον [**S** κεκατ.] ἀπ' ἀρχῆς
Si. 3. 16. κεκατηραμένος ὑπὸ [**A** παρὰ] κυρίου ὁ παροργίζων μητέρα αὐτοῦ
4. 5. μὴ δῷς τόπον ἀνθρώπῳ καταράσασθαί σε
— 6. καταρωμένου γάρ σε ἐν πικρίᾳ ψυχῆς αὐτοῦ

Si. 21. 27. ἐν τῷ καταρᾶσθαι [A -ράσασθαι] ἀσεβῆ τὸν Σαταναῦν αὐτὸς καταρᾶται τὴν ἑαυτοῦ ψυχήν
23. 14. τὴν ἡμέραν τοῦ τοκετοῦ σου καταράσῃ [A om., B¹ μὴ κ.]
28. 13. ψίθυρον καὶ δίγλωσσον καταρᾶσθαι [A -άσασθε, S¹ -άσασθαι]
31 (34). 24. εἷς εὐχόμενος καὶ εἷς καταρώμενος
36 (33). 12. ἀπ' αὐτῶν κατηράσατο
Ma. 2. 2. καὶ καταράσομαι αὐτήν (1 a)
Je. 15. 10. ἡ ἰσχύς μου ἐξέλιπεν ἐν τοῖς καταρωμένοις με (6 a)
Ep. Je. 66. οὐ μὴ καταράσωνται [A -σονται]
[Aq. Jd. 9. 27: Jb. 5. 3: Pr. 11. 26: Je. 15. 10.]
[Sm. Is. 8. 21: Je. 15. 10.]
[Th. Jd. 5. 23: II Ki. 16. 10: Je. 15. 10.]
[Al. Le. 19. 14: 20. 9: 24. 11: Jo. 6. 26: I Ki. 3. 13: Jb. 2. 9.]

κατάρασις. (1) אָרַר (2) קֶבֶב (3) קְלָלָה
Nu. 23. 11. εἰς κατάρασιν ἐχθρῶν μου (2)
Jd. 5. 23. A καταράσει καταρᾶσθε τοὺς ἐνοίκους [B al.] (1)
Je. 29 (49). 13. εἰς κατάρασιν [A S -ραν] ἔσῃ ἐν μέσῳ αὐτῆς (3)
[Th. Jd. 5. 23.]

καταράσσειν. (1) אָרַב (2) הָלַם (3) טוּל hoph. (4) כָּפַף (5) מָגַר pi. (6) שָׁלַךְ hi.
Ps. 36 (37). 24. ὅταν πέσῃ οὐ καταραχθήσεται (3)
73 (74). 6. ἐν πελέκει . . . κατέρραξαν αὐτήν (2)
88 (89). 44. τὸν θρόνον αὐτοῦ εἰς τὴν γῆν κατέρραξας (5)
101 (102). 10. ἐπάρας κατέρραξάς με (6)
144 (145). 14. ἀνορθοῖ πάντας τοὺς κατερραγμένους (4)
145 (146). 8. κύριος ἀνορθοῖ κατερραγμένους (4)
Wi. 17. 4. A B²R ἦχοι δὲ καταράσσοντες [B¹ ἐκταράσσοντες, S ταράσσοντες] αὐτοὺς περιεκόμπουν
Si. 46. 6. κατέρραξεν ἐπ' ἔθνος πόλεμον
Ho. 7. 6. ἐν τῷ καταράσσειν αὐτοὺς ὅλην τὴν νύκτα (1)
[Th. Jb. 18. 7.]

κατάρατος.
II Ma. 12. 35. τὸν κ. λαβεῖν ζωγρίαν
IV Ma. 4. 5. AR μετὰ τοῦ κ. Σίμωνος . . . προσελθών [S προελ.]

καταργεῖν. (1) בָּטֵל pa.
II Es. 4. 21. καταργῆσαι τοὺς ἄνδρας ἐκείνους (1)
— 23. καὶ κατήργησαν αὐτούς (1)
5. 5. καὶ οὐ κατήργησαν αὐτούς (1)
6. 8. δαπάνη ἔστω διδομένη . . . τὸ μὴ καταργηθῆναι (1)
[Sm. Ec. 12. 3.]
[Al. Le. 26. 15, 44.]

κατάργησις.
[Sm. La. 1. 7.]

καταργυροῦν. (1) חָשַׁק pu.
Ex. 27. 17. πάντες οἱ στῦλοι . . . κύκλῳ κατηργυρωμένοι (1)

καταρεμβεύειν. (1) נוּעַ hi.
Nu. 32. 13. A καὶ κατερέμβευσεν [B -ρόμβ.] αὐτούς (1)

καταριθμεῖν. (1) יָחַשׁ hithp. (2) מָלֵא (3) מִסְפָּר
Ge. 50. 3. καταριθμοῦνται αἱ ἡμέραι τῆς τάφης (2)
Nu. 14. 29. καὶ οἱ κατηριθμημένοι ὑμῶν (3)
II Ch. 31. 19. καὶ παντὶ καταριθμουμένῳ ἐν τοῖς Λευίταις (1)
[Th. Ho. 4. 14.]

καταρομβεύειν. (1) נוּעַ hi.
Nu. 32. 13. καὶ κατερόμβευσεν [A -ρέμβ.] αὐτούς (1)

καταρράκτης (-αράκ.). (1) אֲרֻבָּה (2) מַהְפֶּכֶת (3) צִינֹק (4) צִנּוֹר (5) קָאַת (6) שָׁלַךְ
Ge. 7. 11. οἱ κ. τοῦ οὐρανοῦ ἠνεῴχθησαν (1)
8. 2. R ἐπεκαλύφθησαν [A ἀπ.] . . . οἱ κ. τοῦ οὐρανοῦ (1)
Le. 11. 17. ταῦτα ἃ βδελύξεσθε . . . καταράκτην (6)
De. 14. 17. ταῦτα οὐ φάγεσθε . . . καταράκτην (5)
IV Ki. 7. 2. ποιήσει κύριος καταράκτας ἐν οὐρανῷ (1)
— 19. κύριος ποιεῖ καταράκτας ἐν τῷ οὐρανῷ (1)
Ps. 41 (42). 7. εἰς φωνὴν τῶν κ. σου (4)
Ma. 3. 10. ἐὰν μὴ ἀνοίξω ὑμῖν τοὺς κ. τοῦ οὐρ. (1)
Je. 20. 2. ἐνέβαλεν αὐτὸν εἰς τὸν κ. (2)
— 3. ἐξήγαγε Πασχὼρ τὸν Ἱερεμίαν ἐκ τοῦ κ. (2)
36 (29). 26. δώσεις αὐτὸν . . . εἰς τὸν κ. (3)
[Aq. Is. 60. 8: Ho. 13. 3.]
[Th. Je. 20. 2.]

καταρρεῖν. (1) אָבַב hi. (2) יָרַד hi. (3) נָבֵל
I Ki. 2. 33. καὶ καταρρεῖν τὴν ψυχὴν αὐτοῦ (1)
21. 13 (14). τὰ σίελα αὐτοῦ κατέρρει (2)
Je. 8. 13. τὰ φύλλα κατερρύηκεν (3)
II Ma. 12. 16. A² καταρρεῖν [A¹ -εῖ] τὸ αἷμα [R κατάρρυτον αἵματι] πεπληρωμένην φαίνεσθαι
IV Ma. 6. 6. κατερρεῖτο τῷ αἵματι
[Aq. Is. 64. 1 (63. 19).]
[Sm. Ps. 42 (43). 5: 132 (133). 2 bis: Is. 64. 1 (63. 19): Je. 13. 17.]

καταρρηγνύναι. (1) בָּקַע a. ni. b. pu.
Jo. 9. 4. ἀσκοὺς οἴνου . . . κατερρωγότας ἀποδεδεμένους (1 b)
Jb. 32. 19. A ὥσπερ φυσητὴρ [S -ὴς] χαλκέως δεδεμένος καὶ κατερρηγώς [B S² χ. ἐρρηγώς, S¹ χ.] (1 a)
Pr. 27. 9. καταρρήγνυται δὲ ὑπὸ συμπτωμάτων ψυχή †

καταρρίπτειν. (1) שָׁלַךְ hi.
Wi. 17. 19. κτύπος ἀπηνὴς καταρριπτομένων πετρῶν
La. 2. 1. κατέρριψεν . . . δόξασμα Ἰσρ. (1)
[Sm. Ps. 73 (74). 6: Is. 24. 4.]
[Th. Is. 24. 4.]

κατάρροια.
[Aq. Ps. 77 (78). 44: 125 (126). 4.]

καταρροφᾶν.
[Sm. Jb. 39. 30.]

κατάρρυτος.
II Ma. 12. 16. R λίμνην . . . κατάρρυτον αἵματι πεπληρωμένην φαίνεσθαι [A al.]

καταρτίζειν. (1) חוּל pil. (2) יָסַד pi. (3) כּוּן a. ni. b. pil. c. hi. (4) כָּלַל schaph. a. act. b. pass. (5) כָּנַן (6) פָּעַל (7) שָׁוָה pi. (8) שָׁת (9) תָּמַךְ
Ex. 15. 17. R κατοικητήριόν σου ὃ κατηρτίσω [A -ειργάσω] (6)
II Es. 4. 12. καὶ τὰ τείχη αὐτῆς κατηρτισμένοι εἰσι (4 a)
— 13. καὶ τὰ τείχη αὐτῆς καταρτισθῶσι [A -ίσωσιν] (4 b)
— 16. καὶ τὰ τείχη αὐτῆς καταρτισθῇ (4 b)
5. 3. καὶ τὴν χορηγίαν ταύτην καταρτίσασθαι (4 a)
— 9. AR τὴν χορηγίαν ταύτην καταρτίσασθαι [B καὶ κατ.] (4 a)
— 11. καὶ κατηρτίσατο αὐτὸν αὐτοῖς (4 a)
6. 14. καὶ κατηρτίσαντο ἀπὸ γνώμης θεοῦ (4 a)
Ps. 8. 2. ἐκ στόματος νηπίων . . . κατηρτίσω αἶνον (2)
10 (11). 4. ἃ κατηρτίσω καθεῖλον (8)
16 (17). 5. κατάρτισαι τὰ διαβήματά μου ἐν ταῖς τρίβοις σου (9)
17 (18). 33. ὁ [S om.] καταρτιζόμενος [A -ζων] τοὺς πόδας μου (7)
28 (29). 9. φωνὴ κυρίου καταρτιζομένου [B³ S² -νη] ἐλάφους (1)
39 (40). 6. σῶμα δὲ κατηρτίσω μοι †
67 (68). 9. σὺ δὲ κατηρτίσω αὐτήν (3 b)
— 28. τοῦτο ὃ κατηρτίσω [S² -ειργάσω] ἡμῖν (6)
73 (74). 16. σὺ κατηρτίσω ἥλιον καὶ σελήνην [S² al.] (3 c)
79 (80). 15. καὶ κατάρτισαι αὐτήν (5)
88 (89). 37. καὶ ὡς ἡ σελήνη κατηρτισμένη εἰς τὸν αἰῶνα (3 a)
[Th. Ps. 39 (40). 7.]
[Quint., Sext. Ps. 39 (40). 7: 73 (74). 16.]

καταρτισμός.
[Sm. Is. 38. 12.]

κατάρχειν. (1) a. כָּשַׁל b. מָמְשָׁלָה (2) רָדָה (3) שָׂרַר hithpa.
Nu. 16. 13. ὅτι κατάρχεις ἡμῶν (3)
III Ki. 9. 19 (A), 10. 22 (B). τοῦ μὴ κατάρξαι αὐτοῦ (1 b)
12. 24. B κατάρξω ὑμᾶς ἐν σκορπίοις –
Ne. 9. 28. καὶ κατῆρξαν ἐν αὐτοῖς (2)
Jl. 2. 17. τοῦ κατάρξαι αὐτῶν ἔθνη [S¹ al.] (1 a)
Na. 1. 12. κύριος κατάρχων ὑδάτων πολλῶν †
Za. 6. 13. καὶ κατάρξει [S¹ -άξει] ἐπὶ τοῦ θρόνου αὐτοῦ (1 a)
9. 10. κατάρξει [S¹ κατάξει] ὑδάτων (1 a)
II Ma. 1. 23. καὶ πάντες καταρχομένου Ἰωνάθου
4. 40. κατήρξατο χειρῶν ἀδίκων
12. 37. καταρξάμενος . . . τὴν μεθ' ὕμνων κραυγήν

καταρχή (?).
Wi. 17. 8. δείματα καὶ ταραχάς [S¹ καταρχάς ?]

κατασβεννύναι. (1) שָׁקַט hi.
Pr. 15. 18. μακρόθυμος ἀνὴρ κατασβέσει κρίσεις (1)
28. 2. ἀνὴρ δὲ πανοῦργος κατασβέσει αὐτάς †
IV Ma. 16. 4. κατέσβεσε τοσαῦτα καὶ τηλικαῦτα πάθη ἡ μήτηρ

κατασείειν.
Da. TH. Bel 14. A R κατέσεισαν [B -σησαν] ὅλον τὸν ναόν
I Ma. 6. 38. κατασείοντες καὶ καταφρασσόμενοι
[Th. Da. 14. 13†.]

κατασήθειν (?).
Da. TH. Bel 14. B κατέσησαν [A R -έσεισαν] ὅλον τὸν ναόν
[Th. Da. 14. 13†.]

κατασιγᾶν. (1) דָּמָה
Ez. 27. 33. A τίς ὥσπερ Τύρος κατασιγηθεῖσα (1 ?)
[Sm. Is. 38. 10.]
[Th. Ez. 27. 32 bis.]

κατασιωπᾶν. (1) חָסָה hi. (2) חָשָׁה hi. (3) נָשָׁה hi.
Nu. 13. 31 (30). κατεσιώπησε Χάλεβ τὸν λαόν (1)
Ne. 8. 11. A R κατεσιώπων πάντα [B S om.] τὸν λαόν (2)
Jb. 37. 20. ἵνα ἄνθρωπον ἑστηκὼς κατασιωπήσω †
39. 17. κατεσιώπησεν [S¹ -έπηξεν] αὐτῇ ὁ θεὸς σοφίαν (3)
[Aq. Ho. 10. 15.]
[Sm. Ps. 87 (88). 17.]
[Th. Jb. 39. 17.]

κατασκάπτειν. (1) אָבַד pi. (2) גָּדַע ni. (3) הָרַס a. qal. b. ni. c. הֲרִיסָה (4) יָצַת ni. (5) נָתַץ a. qal. b. pi. c. pu. (6) עָרַף (7) עָרַר a. pil. b. hithpal. (8) פָּרַץ (9) שָׁחַת pi.
De. 12. 3. κατασκάψατε [B¹ -σκέψ.] τοὺς βωμοὺς αὐτῶν (5 b)
Jd. 6. 28. A κατεσκαμμένον [B καθῄρητο] τὸ θυσιαστήριον (5 c)
— 30, 31. A κατέσκαψεν [B καθεῖλε] τὸ θυσιαστήριον (5 a)
— 32. A κατέσκαψεν [B καθῃρέθη] τὸ θυσιαστήριον (5 a)
8. 9. κατασκάψω τὸν πύργον τοῦτον (5 a)
— 17. A τὸν πύργον Φ. κατέσκαψεν [B -έστρεψε] (5 a)
III Ki. 18. 32 (A 31). τὸ θυσιαστήριον [A θ. κυρίου] τὸ κατεσκαμμένον (3 a)
19. 10. τὰ θυσιαστήριά σου κατέσκαψαν (3 a)
IV Ki. 21. 3. A ἃ κατέσκαψεν [B -έσπασεν] Ἐζ. (1)
I Ch. 20. 1. καὶ κατέσκαψεν αὐτήν (3 a)
II Ch. 32. 5. πᾶν τὸ τεῖχος τὸ κατεσκαμμένον [A -εσπασμένον] (8)
36. 19. κατέσκαψε τὸ τεῖχος Ἱερ. (5 b)
To. 14. 4. A ὅτι κατασκαφήσεται [B S al.]
Ju. 2. 24. A S κατέσκαψεν [B διέσκ.] πάσας τὰς πόλεις

Ju. 3. 8. *κατέσκαψε πάντα τὰ ὅρια αὐτῶν*
Pr. 11. 11. *στόμασι δὲ ἀσεβῶν κατεσκάφη* (3 *b*)
14. 1. *ἡ δὲ ἄφρων κατέσκαψε* [A *-έστρεψεν*] (3 *a*)
24. 46 (31). *οἱ δὲ φραγμοὶ . . . κατασκάπτονται* (3 *b*)
29. 4. *ἀνὴρ δὲ παράνομος κατασκάπτει* (3 *a*)
Ho. 10. 2. *αὐτὸς κατασκάψει τὰ θυσιαστήρια* (6)
Am. 3. 14. *καὶ κατασκαφήσεται τὰ κέρατα* (2)
9. 11. *τὰ κατεσκαμμένα* [A *κατεστραμμένα*] *αὐτῆς ἀναστήσω* (3 *c*)
Jl. 1. 17. *κατεσκάφησαν ληνοί* (3 *b*)
Je. 1. 10. *ἐκριζοῦν καὶ κ.* (3 *a*)
2. 15. *αἱ πόλεις αὐτοῦ κατεσκάφησαν* (4)
5. 10. *κατασκάψατε* [S *-ετε*] *συντέλειαν δὲ μὴ ποιήσητε* (9)
27 (50). 15. *κατεσκάφη τὸ τεῖχος αὐτῆς* (3 *b*)
28 (51). 58. *κατασκαπτόμενον κατασκαφήσεται* (7 *a*, 7 *b*)
Ez. 13. 14. *κατασκάψω τὸν τοῖχον* (3 *a*)
16. 39. *κατασκάψουσι τὸ πορνεῖόν σου* (3 *a*)
36. 35. *αἱ πόλεις . . . κατεσκαμμέναι ὀχυραὶ ἐκάθισαν* (3 *b*)
II Ma. 14. 33. *τὸ θυσιαστήριον κατασκάψω*

κατασκεδαννύναι. (1) זָרַק
Ex. 24. 8. *κατεσκέδασε τοῦ λαοῦ* (1)

κατασκέπασμα.
[Al. Ex. 26. 36.]

κατασκεπαστός.
[Aq. Nu. 7. 3.]

κατασκέπτεσθαι (*-ειν*). (1) רָגַל pi. (2) תּוּר
a. qal. *b.* hi. *c.* יְתוּר *d.* עָבַר לָתוּר
Nu. 10. 33. *κατασκέψασθαι αὐτοῖς ἀνάπαυσιν* (2 *a*)
13. 3 (2). *κατασκεψάσθωσαν τὴν γῆν τῶν Χαν.* (2 *a*)
— 17 (16). *κατασκέψασθαι τὴν γῆν* (2 *a*)
— 18 (17). *κατασκέψασθαι τὴν γῆν Χαναάν* (2 *a*)
— 22 (21). *κατεσκέψαντο* [A[1] *-ατο*] *τὴν γῆν* (2 *a*)
— 24 (23). *καὶ κατεσκέψαντο αὐτήν* –
— 26 (25). *κατασκεψάμενοι τὴν γῆν* (2 *a*)
— 33 (32). *ἣν κατέσκεψαντο αὐτήν* (2 *a*)
— 33 (32). *ἣν παρήλθομεν αὐτὴν κατασκέψασθαι* (2 *a*)
14. 6. *τῶν κατασκεψαμένων τὴν γῆν* (2 *a*)
— 7. *ἣν κατεσκεψάμεθα αὐτήν* (2 *d*)
— 34. *ὅσας κατεσκέψασθε* [B[2] *ἐπεσκ.*] *τὴν γῆν* (2 *a*)
— 36, 38. *κατασκέψασθαι τὴν γῆν* (2 *a*)
21. 32. *κατασκέψασθαι τὴν Ἰαζήρ* (1)
De. 12. 3. *κατασκάψατε* [B[1] *-σκέψ.*] *τοὺς βωμούς* †
Jo. 7. 2. *κατασκέψασθε τὴν Γαί* [A *γῆν*] (1)
— 2. *καὶ κατεσκέψαντο τὴν Γ.* [A *γῆν Γ.*] (1)
Jd. 1. 23. *καὶ κατεσκέψαντο Β.* [A *al.*] (2 *b*)
18. 2. *τοῦ κατεσκέψασθαι τὴν γῆν* (1)
— 14, 17. *κατεσκέψασθαι τὴν γῆν* (1)
II Ki. 10. 3. *καὶ τοῦ κατασκέψασθαι αὐτήν* (1 ?)
Jb. 39. 8. *κατασκέψεται ὄρη νομὴν αὐτοῦ* (2 *c*)
Ec. 1. 13. *τοῦ κατασκέψασθαι ἐν τῇ σοφίᾳ* (2 *a*)
2. 3. *κατεσκεψάμην εἰ ἡ καρδία μου ἐλκύσει* (2 *a*)
7. 26 (25). *ἐκύκλωσα ἐγὼ . . . τοῦ κατασκέψασθαι* (2 *a*)
[Th. Jb. 39. 8.]
[Al. Jd. 1. 23 : I Ch. 17. 17.]

κατασκευάζειν. (1) בָּרָא (2) חָרַשׁ (3) יָצַר
(4) כּוּן hithpa. (5) עָשָׂה (6) צָרַף
Nu. 21. 27. *καὶ κατασκευασθῇ πόλις Σηών* (4)
II Ch. 32. 5. *καὶ κατεσκεύασεν ὅπλα πολλά* (5)
I Es. 9. 42. *ἐπὶ τοῦ ξυλίνου βήματος τοῦ κατασκευασθέντος*
Pr. 6. 14. *τεκταίνεται* [B[2] *κατασκευάζει*] *κακά* (2)
23. 5. *κατεσκεύασται γὰρ αὐτῷ πτέρυγες* [S[1] *-ας*] (5)
Wi. 7. 27. *φίλους θεοῦ καὶ προφήτας κατασκευάζει*
9. 1. *τῇ σοφίᾳ σου κατεσκεύασας* [A S *κατασκ.*] *ἄνθρωπον*
11. 24. *οὐδὲ γὰρ ἂν μισῶν τι κατεσκεύασας*
13. 4. *πόσῳ ὁ κατασκευάσας αὐτὰ δυνατώτερός ἐστιν*
— 11. *κατεσκεύασε χρήσιμον σκεῦος εἰς ὑπηρεσίαν ζωῆς*
14. 2. *τεχνῖτις δὲ σοφία κατεσκεύασεν*
Is. 40. 19. *ὁμοίωμα κατεσκεύασεν αὐτόν* (6 ?)
— 28. *ὁ θ. ὁ κατασκευάσας τὰ ἄκρα τῆς γῆς* (1)
43. 7. *ἐν γὰρ τῇ δόξῃ μου κατεσκεύασα αὐτόν* (1)
45. 7. *ἐγὼ ὁ κατασκευάσας φῶς* (3)
Is. 45. 9. *ποῖον βέλτιον κατεσκεύασα ὡς πηλὸν κεραμέως* (3 ?)
Je. 26 (46). 9. A *κατασκευάσατε* [B S *παρασκ.*] *τὰ ἅρματα* †
Ba. 3. 32. *ὁ κατασκευάσας τὴν γῆν*
Ep. Je. 9. *κατασκευάζουσι στεφάνους ἐπὶ τὰς κεφαλὰς τῶν θεῶν αὐτῶν*
— 45. *ὑπὸ τεκτόνων καὶ χρυσοχόων κατεσκευασμένα εἰσίν*
— 46. *αὐτοί τε οἱ κατασκευάζοντες αὐτὰ οὐ μὴ γένωνται πολυχρόνιοι πῶς τε δὴ μέλλει τὰ ὑπ' αὐτῶν κατασκευασθέντα* [A *add.* *εἶναι θεοί*]
I Ma. 3. 29. *ἧς κατεσκεύασεν ἐν τῇ γῇ*
10. 6. *καὶ κατασκευάζειν ὅπλα*
— 21. *καὶ κατεσκεύασεν ὅπλα πολλά*
15. 3. *κατεσκεύασα* [S[1] *-αν*] *πλοῖα πολεμικά*
— 7. *πάντα τὰ ὅπλα ὅσα κατεσκεύασας*
III Ma. 5. 45. R *φοβεραῖς κατεσκευασμένα σκευαῖς* [A *al.*]
IV Ma. 2. 21. *ὁ θεὸς τὸν ἄνθρωπον κατεσκεύασε*
4. 20. *ὥστε μὴ μόνον . . . γυμνάσιον κατασκεύασαι*
13. 26. *ποθεινοτέραν αὐτοῖς κατεσκεύαζε τὴν φιλαδελφίαν*
[Aq. Ec. 12. 9.]
[Sm. Jb. 13. 4 : Ps. 39 (40). 7 : Ec. 12. 10 : Je. 18. 22 : Ez. 28. 13.]

κατασκεύασμα.
Ju. 15. 11. AS *καὶ πάντα τὰ κ.* [B *σκευάσ.*] *αὐτοῦ*
Si. 35 (32). 6. *ἐν κατασκεύασματι χρυσῷ σφραγὶς σμαράγδου*
II Ma. 12. 43. R *ποιησάμενός τε . . . κατασκεύασματα* [A *om.*]
[Sm. Ex. 28. 27.]

κατασκευαστός.
[Al. Nu. 7. 3.]

κατασκευή. (1) בִּנְיָה (2) כְּלִי (3) מְלֵאכָה
(4) מַעֲשֶׂה (5) עֲבֹדָה (6) שֵׁם
Ex. 27. 19. *πᾶσα ἡ κ.* [A *ἀπο.*] . . . *χαλκοῖ* (2)
35. 24. A B *πάντα τὰ ἔργα τῆς κ.* [R *παρασκ.*] (5)
36. 7. *ἱκανὰ εἰς τὴν κ. ποιῆσαι* (3)
Nu. 8. 4. *αὕτη ἡ κ. τῆς λυχνίας* (4)
32. 16. A *καὶ πόλεις ταῖς κ.* [B *ἀποσκ.*] *ἡμῶν* †
I Ch. 29. 19. *τοῦ ἐπὶ τέλος ἀγαγεῖν τὴν κ. τοῦ οἴκου σου* (1 ?)
II Ch. 26. 15. *ἠκούσθη ἡ κ. αὐτῶν ἕως πόρρω* (7 ?)
II Ma. 4. 20. *εἰς τὰς τῶν τριηρέων κ.*
15. 39. *τὸ τῆς κ. τοῦ λόγου τέρπει τὰς ἀκοάς*
III Ma. 5. 45. A *φοβερῶς κεκοσμημένα κατασκευαῖς* [R *al.*]
[Sm. Ps. 118 (119). 96 : Ez. 1. 16 : 23. 6, 12.]

κατασκήνεσις (?).
Wi. 9. 8. A *ἐν πόλει κατασκηνέσεώς* [B S *-νώσεώς*] *σου θυσιαστήριον*

κατασκηνοῦν. (1) טָלַל aph. (2) שָׁכַן *a.* qal.
b. pi. (3) סָכַךְ hi. (4) רָבַץ hi.
(5) שָׁכֵן, שָׁכֵן *a.* qal. *b.* pi. *c.* po. *d.* hi.
e. שָׁכַן pe. *f.* pa. *g.* מִשְׁכָּן
Nu. 14. 30. *κατασκηνῶσαι ὑμᾶς ἐπ' αὐτῆς* (5 *b*)
35. 34. A B[2] R *ἐφ' ἧς ἐγὼ κατασκηνῶ* [B[1] *-νώσω*] (5 *a*)
— 34. *κατασκηνῶν* [A *ὁ κ.*] *ἐν μέσῳ τῶν υἱῶν Ἰσρ.* (5 *a*)
De. 33. 12. *κατασκηνώσει πεποιθώς* (5 *a*)
— 28. *κατασκηνώσει Ἰσρ. πεποιθὼς μόνος* (5 *a*)
Jo. 22. 19. *οὗ κατασκηνοῖ ἐκεῖ ἡ σκηνή* [A *κιβωτός*] (5 *a*)
Jd. 5. 17. A *ἐν τῷ πέραν τοῦ Ἰορδ. κατεσκήνωσεν* [B *al.*] (5 *a*)
— 17. A *ἐπὶ τὰς διακοπὰς αὐτοῦ κατεσκήνωσεν* [B *al.*] (5 *a*)
18. 28. *κατεσκήνωσαν* [A *κατῴκησαν*] *ἐν αὐτῇ* (2 *a*)
II Ki. 7. 10. *καὶ κατασκηνώσει* [A *ἐγκ.*] *καθ' ἑαυτόν* (5 *a*)
III Ki. 6. 13. A *κατασκηνώσω ἐν μέσῳ υἱῶν Ἰσρ.* (5 *a*)
I Ch. 17. 9. *κατασκηνώσει καθ' ἑαυτόν* (5 *a*)
23. 25. *καὶ κατεσκήνωσεν ἐν Ἰερ.* (5 *a*)
II Ch. 6. 1. B *τοῦ κατασκηνῶσαι* [A[2] *κατοικῆσαι*] *ἐν γνόφῳ* (5 *a*)
II Ch. 6. 2. *τοῦ κατασκηνῶσαι* [A *κατοικῆσαι*] *εἰς τοὺς αἰῶνας* (2 *a*)
I Es. 2. 5. *ὁ κύριος ὁ κατασκηνώσας ἐν Ἰερ.*
II Es. 6. 12. *οὗ κατασκηνοῖ τὸ ὄνομα ἐκεῖ* (5 *f*)
7. 15. *τῷ ἐν Ἰερ. κατασκηνοῦντι* (5 *g*)
Ne. 1. 9. *κατασκηνῶσαι τὸ ὄνομά μου ἐκεῖ* (5 *b*)
Jb. 18. 15. *κατασκηνώσει ἐν τῇ σκηνῇ αὐτοῦ* (5 *a*)
29. 25. *κατεσκήνουν ὡσεὶ βασιλεὺς ἐν μονοζώνοις* (5 *a*)
Ps. 5. 11. *κατασκηνώσεις ἐν αὐτοῖς* (3)
7. 5. *τὴν δόξαν μου εἰς χοῦν κατασκηνῶσαι* (5 *d*)
14 (15). 1. *τίς κατασκηνώσει ἐν τῷ ὄρει* (5 *a*)
15 (16). 9. *ἡ σάρξ μου κατασκηνώσει ἐπ' ἐλπίδι* (5 *a*)
22 (23). 2. *εἰς τόπον χλόης ἐκεῖ με κατεσκήνωσεν* (4)
36 (37). 3. *κατασκήνου τὴν γῆν* (5 *a*)
— 27. *κατασκήνου εἰς αἰῶνα αἰῶνος* [S[1] *om.*] (5 *a*)
— 29. *κατασκηνώσουσιν . . . ἐπ' αὐτῆς* (5 *a*)
64 (65). 4. *κατασκηνώσει* [S[1] *κατοικήσει*] *ἐν ταῖς αὐλαῖς σου* (5 *a*)
67 (68). 16. *ὁ κύριος κατασκηνώσει εἰς τέλος* (5 *a*)
— 18. *καὶ γὰρ ἀπειθοῦντες τοῦ κατασκηνῶσαι* (5 *a*)
68 (69). 36. *κατασκηνώσουσιν ἐν αὐτῇ* (5 *a*)
73 (74). 2. *ὃ κατεσκήνωσας ἐν αὐτῷ* (5 *a*)
77 (78). 55. B[3] S R *κατεσκήνωσεν . . . τὰς φυλὰς* [B[1] *ταῖς φ.*] *τοῦ Ἰσρ.* (5 *d*)
— 60. *οὗ κατεσκήνωσεν ἐν ἀνθρώποις* (5 *b*)
84 (85). 9. *τοῦ κατασκηνῶσαι δόξαν ἐν τῇ γῇ ἡμῶν* (5 *a*)
101 (102). 28. *οἱ υἱοὶ τῶν δούλων σου κατασκηνώσουσι* (5 *a*)
103 (104). 12. *τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ κατασκηνώσει* (5 *a*)
119 (120). 5. *κατεσκήνωσα μετὰ τῶν σκηνωμάτων Κ.* (5 *a*)
138 (139). 9. *κατασκηνώσω εἰς τὰ ἔσχατα τῆς θαλάσσης* (5 *a*)
Pr. 1. 33. A S *κατασκηνώσει ἐν* [B *ἐπ'*] *ἐλπίδι* (5 *a*)
2. 21. *εὐθεῖς κατασκηνώσουσι γῆν* (5 *a*)
8. 12. *ἐγὼ ἡ σοφία κατεσκήνωσα βουλήν* (5 *a*)
Si. 4. 15. *ὁ προσελθὼν* [A S *προσέχων*] *αὐτῇ κατασκηνώσει πεποιθώς*
24. 4. *ἐγὼ ἐν ὑψηλοῖς κατεσκήνωσα*
— 8. *ἐν* [A *om.*] *Ἰακὼβ κατασκήνωσον*
28. 16. *οὐδὲ κατασκηνώσει μεθ' ἡσυχίας*
Mi. 4. 10. *καὶ κατασκηνώσεις ἐν πεδίῳ* (5 *a*)
7. 14. *κατασκηνοῦντας καθ' ἑαυτοὺς δρυμόν* (5 *a*)
Jl. 3 (4). 17. *ὁ κατασκηνῶν ἐν Σιών* (5 *a*)
— 21. *κύριος κατασκηνώσει ἐν Σιών* (5 *a*)
Ob. 1. 3. *κατασκηνοῦντα ἐν ταῖς ὀπαῖς τῶν πετρῶν* [S[1] *al.*] (5 *a*)
Za. 2. 10 (14). *κατασκηνώσω ἐν μέσῳ σου* (5 *a*)
— 11 (15). *κατασκηνώσουσιν ἐν μέσῳ σου* (5 *a*)
8. 3, 8. *κατασκηνώσω ἐν μέσῳ Ἰερ.* (5 *a*)
Je. 7. 12. *οὗ κατεσκήνωσα τὸ ὄνομά μου ἐκεῖ* (5 *b*)
17. 6. *κατασκηνώσει ἐν ἁλίμοις* (5 *a*)
23. 6. *Ἰσρ.* [S *Ἰερ.*] *κατασκηνώσει πεποιθώς* (5 *a*)
28 (51). 13. *κατασκηνοῦντας ἐφ' ὕδασι πολλοῖς* (5 *a*, 5 *c* *)
Ez. 25. 4. *κατασκηνώσουσιν ἐν* [A *σὺν*] *τῇ ἀπαρτίᾳ αὐτῶν ἐν σοί* (2 *b*)
43. 7. *κατασκηνώσει τὸ ὄνομά μου* (5 *a*)
— 9. *κατασκηνώσω ἐν μέσῳ αὐτῶν* (5 *a*)
Da. TH. 4. 9. *ὑποκάτω αὐτοῦ κατεσκήνουν τὰ θηρία τὰ ἄγρια* (1)
— 18. *κατεσκήνουν* [A *-ῴκουν*] *τὰ ὄρνεα* (5 *e*)
[Aq. Jb. 22. 2 : Ps. 67 (68). 19 : Is. 32. 16 : 34. 17 : Je. 49. 16 (29. 17).]
[Sm. Jb. 4. 19 : Ps. 48 (49). 12 : 64 (65). 5 : 67 (68). 17, 19 : Is. 32. 16 : 33. 16 : 34. 17 : Je. 7. 12 : 25. 24 (32. 10) : 49. 16 (29. 17) : Ez. 17. 23.]
[Th. Jb. 18. 15 : 22. 2 : Ps. 67 (68). 7 : 77 (78). 60 : Is. 32. 16 : 34. 17 : Je. 33 (40). 16 : 46 (26). 26 : Ez. 28. 14.]
[Al. Le. 16. 16 : Dt. 33. 28 : Jb. 18. 15.]
[Heb. Jb. 18. 15.]

κατασκήνωσις. (1) בִּנְיָה (2) מִשְׁכָּן
I Ch. 28. 2. *τὰ εἰς τὴν κ. ἐπιτήδεια* (1)
To. 1. 4. *ἡγιάσθη ὁ ναὸς τῆς κ. τοῦ ὑψίστου* [S *θεοῦ*]
Wi. 9. 8. *ἐν πόλει κατασκηνώσεώς* [A *-νέσεώς*] *σου θυσιαστήριον*

Ez. 37. 27. *ἔσται ἡ κ. μου ἐν αὐτοῖς* (2)
II Ma. 14. 35. R *ναὸν τῆς σῆς κ.* [A *σκην.*]
[Sm. Ps. 45 (46). 5 : 48 (49). 12.]
[Al. Dt. 12. 5.]

κατάσκιος. (1) בַּמְּצֻלָּה (2) עָבֹת (3) פֹּאר (4) רַעֲנָן

Hb. 3. 3. *ἥξει . . . ὁ ἅγιος ἐξ ὄρους Φ. κατασκίου δασέος* (3 ?)
Za. 1. 8. *ἀνὰ μέσον τῶν ὀρέων* [A *δύο ὀ.*] *τῶν κ.* (1)
Je. 2. 20. *ὑποκάτω παντὸς ξύλου κατασκίου* (4)
Ez. 20. 28. *καὶ πᾶν ξύλον κ.* (2)

κατασκοπεῖν. (1) רָאָה (2) רָגַל pi.

II Ki. 10. 3. *καὶ κατασκοπήσωσιν αὐτήν* (2)
I Ch. 19. 3. *τοῦ κατασκοπῆσαι τὴν γῆν* (2)
Ez. 21. 22 (27). R *κατασκοπήσασθαι* [A B *ἡπατοσκ.*] *ἐκ δεξιῶν αὐτοῦ* (1)
I Ma. 5. 38. A *κατασκοπῆσαι* [S R *-εῦσαι*] *τὴν παρεμβολήν*
[Aq. Dt. 1. 33.]
[Al. Jd. 1. 23.]

κατασκοπεύειν. (1) חָפַר (2) יָצַב hithpa. (3) מַלְאָךְ (4) רָגַל pi.

Ge. 42. 30. *ὡς κατασκοπεύοντας τὴν γῆν* (4)
Ex. 2. 4. *κατεσκόπευεν ἡ ἀδελφὴ αὐ. μακρόθεν* (2)
De. 1. 24. *καὶ κατεσκόπευσαν αὐτήν* (4)
Jo. 2. 1. *ἀπέστειλεν Ἰ. . . . δύο νεανίσκους κατασκοπεῦσαι* (4)
— 2. *εἰσπεπόρευνται . . . κατασκοπεῦσαι τὴν γῆν* (1)
— 3. *κατασκοπεῦσαι γὰρ τὴν γῆν ἥκασι* (1)
6. 21 (22). *τοῖς δυσὶ νεανίσκοις τοῖς κατασκοπεύσασιν* (4)
— 22 (23). *οἱ δύο νεανίσκοι οἱ κατασκοπεύσαντες τὴν πόλιν* (4)
— 24 (25). *ἔκρυψε τοὺς κατασκοπεύσαντας οὓς ἀπέστειλεν Ἰ. κατασκοπεῦσαι τὴν Ἱερ.* (3, 4)
14. 7. *κατασκοπεῦσαι τὴν γῆν* (4)
I Ma. 5. 38. S R *κατασκοπεῦσαι* [A *-ῆσαι*] *τὴν παρεμβολήν*

κατάσκοπος. (1) רָגַל pi.

Ge. 42. 9. *κατάσκοποί ἐστε* (1)
— 11. *οὐκ εἰσὶν οἱ παῖδές σου κατάσκοποι* (1)
— 14. *λέγων ὅτι κατάσκοποί ἐστε* (1)
— 16. *ἢ μὴν κατάσκοποί ἐστε* (1)
— 31. *οὐκ ἐσμὲν κατάσκοποι* (1)
— 34. *ὅτι οὐ κατάσκοποί ἐστε* (1)
I Ki. 26. 4. *ἀπέστειλε Δαυὶδ κατασκόπους* (1)
II Ki. 15. 10. *ἀπέστειλεν Ἀβ. κατασκόπους* (1)
Si. 11. 30. *ὡς ὁ κ. ἐπιβλέπει πτῶσιν*
I Ma. 12. 26. *καὶ ἀπέστειλε κατασκόπους*
[Aq., Sm. Nu. 14. 6 : 21. 1.]

κατασμικρύνειν. (1) קָטֹן

II Ki. 7. 19. *κατεσμικρύνθην* [A *-η*] *μικρὸν ἐνώπιόν σου* (1)

κατασοφίζεσθαι. (1) חָכַם hithp.

Ex. 1. 10. *κατασοφισώμεθα αὐτούς* (1)
Ju. 5. 11. *καὶ κατεσοφίσαντο* [A S *-ατο*] *αὐτούς*
10. 19. *δυνήσονται κατασοφίσασθαι πᾶσαν τὴν γῆν*

κατασπᾶν. (1) אָבַד pi. (2) בָּהַל pi. (3) הָרַס (4) יָרַד (5) כָּרַת hi. (6) נָגַר hi. (7) נָסַח (8) נָתַץ *a.* qal. *b.* pi. (9) סוּר hi. (10) פָּרַץ (11) רָצַץ

II Ki. 11. 25. *καὶ κατάσπασον αὐτήν* (3)
IV Ki. 10. 27. *κατέσπασαν τὰς στήλας τοῦ B.* (8 *a*)
11. 18. A R *καὶ κατέσπασαν* [B² *-εν*] *αὐτόν* (8 *a*)
21. 3. *ἃ κατέσπασεν* [A *-έσκαψεν*] *Ἐζ.* (1)
23. 12. *καὶ κατέσπασεν ἐκεῖθεν* (11)
— 15. *τὸ θυσιαστήριον ἐκεῖνο . . . κατέσπασε* (8 *a*)
25. 10. R *τὸ τεῖχος Ἱερ. . . . κατέσπασεν* [A *al.*] (8 *a*)
II Ch. 23. 17. *καὶ κατέσπασαν αὐτόν* (8 *a*)
24. 7. *κατέσπασαν τὸν οἶκον τοῦ θεοῦ* (10)
25. 23. *κατέσπασεν* [A *-έστησεν*] *ἀπὸ τοῦ τείχους Ἱερ.* (10)
26. 6. *κατέσπασε τὰ τείχη Γέθ* (10)
30. 14. *πάντα ἐν οἷς ἐθυμίων . . . κατέσπασαν* (9)
II Ch. 31. 1. *κατέσπασαν τὰ ὑψηλά* (8 *b*)
32. 5. A *πᾶν τὸ τεῖχος τὸ κατεσπασμένον* [B *-εσκαμμένον*] (10)
— 18. *τοῦ βοηθῆσαι αὐτοῖς καὶ κατασπάσαι* (2)
33. 3. *ἃ κατέσπασεν Ἐζεκίας* (8 *b*)
34. 4. *κατέσπασε* [A *-έστρεψαν*] . . . *τὰ θυσιαστήρια* (8 *b*)
— 7. *κατέσπασε τὰ ἄλση* (8 *b*)
To. 13. 12. S *καὶ κατασπῶντες τὰ τείχη σου*
Pr. 15. 25. *οἴκους ὑβριστῶν κατασπᾷ κύριος* (7)
Mi. 1. 6. *κατασπάσω εἰς χάος τοὺς λίθους αὐτῆς* (6)
Ze. 3. 6. *κατέσπασα ὑπερηφάνους* (5)
Za. 11. 2. *κατεσπάσθη ὁ δρυμὸς ὁ σύμφυτος* (4)
Da. TH. Bel 28. *τὸν Βὴλ κατέσπασε* [A *-έστρεψεν*]
[Aq. Pr. 21. 7 : Je. 1. 10.]
[Sm. Je. 33 (40). 4.]
[Th. Je. 1. 10.]

κατασπαταλᾶν. (1) סָרַח (2) פָּנַק pi.

Pr. 29. 21. *ὃς κατασπαταλᾷ ἐκ παιδός* (2)
Am. 6. 4. *κατασπαταλῶντες ἐπὶ ταῖς στρωμναῖς αὐ.* (1)

κατασπείρειν. (1) זָרָה pu. (2) זָרַע

Le. 19. 19. *τὸν ἀμπελῶνά σου οὐ κατασπερεῖς διάφορον* (2)
De. 22. 9. A B² R *οὐ κατασπερεῖς τὸν* [B¹ *-εῖ σὸν*] *ἀμπελῶνά σου διάφορον* [B *δίφ.*] (2)
Jb. 18. 15. *κατασπαρήσονται* [A *-σεται*] *τὰ εὐπρεπῆ αὐτοῦ θείῳ* (1)
III Ma. 5. 26. R *οὔπω δὲ ἡλίου βολαὶ κατεσπείροντο* [B *κατεπ.*]
[Th. Jb. 18. 15.]

κατασπεύδειν. (1) אוּץ (2) בָּהַל *a.* pi. *b.* hi. *c.* בָּהַל pa. (3) c. neg. בָּעַת ni. (4) יָפַע hi. (5) יָצָא (6) מָהַר pi. (7) נָחַץ (8) שָׁלַח

Ex. 5. 10. *κατέσπευδον δὲ αὐτοὺς οἱ ἐργοδιῶκται* (5)
— 13. *οἱ δὲ ἐργοδιῶκται κατέσπευδον αὐτούς* (1)
9. 19. *κατάσπευσον συναγαγεῖν τὰ κτήνη σου* (8)
10. 16. *κατέσπευδε δὲ Φ. καλέσαι Μωυσῆν* (6)
De. 33. 2. *κατέσπευσεν ἐξ ὄρους Φαράν* (4)
I Ki. 21. 8 (9). A *ἦν τὸ ῥῆμα τοῦ βασιλέως κατασπεῦδον* [B *κατὰ σπουδήν*] (7)
I Ch. 21. 30. *οὐ* [A *om.*] *κατέσπευσεν ἀπὸ προσώπου τῆς ῥομφαίας* (3)
II Ch. 26. 20. *καὶ κατέσπευσαν αὐτὸν ἐκεῖθεν* (2 *b*)
35. 21. *ὁ θεὸς εἶπε κατασπεῦσαί με* (2 *a*)
Es. 5. 5. *κατασπεύσατε* [A *-σάτω*] *Ἀμάν* (6)
Si. 18. 14. *τοὺς κατασπεύδοντας ἐπὶ τὰ κρίμ. αὐ.*
28. 11. *ἔρις κατασπευδομένη ἐκκαίει πῦρ καὶ μάχη κατασπεύδουσα ἐκχέει* [S *-αι*] *αἷμα*
35 (32). 10. *πρὸ βροντῆς κατασπεύδει ἀστραπή*
43. 5. *ἐν λόγοις αὐτοῦ κατέσπευσε* [S² *-έπαυσεν*] *πορείαν*
— 13. *προστάγματι αὐτοῦ κατέσπευσε* [S *-έπαυσεν*] *χιόνα*
50. 17. A B² S *πᾶς ὁ λαὸς κοινῇ κατέσπευσαν* [B¹ R *-σε*]
Da. LXX. 4. 16. *ὑπόνοια κατέσπευδεν αὐτόν* (2 *c*)
5. 6. *ὑπόνοιαι αὐτὸν κατέσπευδον* (2 *c*)
Da. TH. 4. 16. A *ἡ σύγκρισις μὴ κατασπευσάτω σε* (2 *c*)
I Ma. 6. 57. A *κατέσπευδον* [S *-εν*, R *-σε*] *τοῦ ἀπελθεῖν*
13. 21. *κατασπεύδοντας αὐτὸν τοῦ ἐλθεῖν πρὸς αὐτούς*
[Aq. Ps. 77 (78). 33 : Je. 49. 19 (29. 20).]
[Sm. Pr. 19. 13.]
[Th. Da. 4. 16†.]

κατάσπευσις.

[Th. Pr. 1. 27.]

κατασπουδάζειν. (1) בָּהַל ni.

Jb. 23. 15. *ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ κατασπουδασθῶ* [S¹ *-άσω*] (1)
[Aq. II Ki. 4. 1 : Jb. 23. 15 : Ps. 2. 5 : 6. 11 : 29 (30). 8.]
[Th. Jb. 23. 15.]

κατασπουδασμός.

[Aq. Ze. 1. 18.]

καταστάζειν.

[Sm. Ps. 118 (119). 28.]

καταστασιάζειν.

Ex. 38. 22 (1). *τοῖς καταστασιάσασι μετὰ τῆς κ. συναγωγῆς* –
[Sm. Ps. 101 (102). 9.]

κατάστασις.

Wi. 12. 12. *τίς εἰς κατάστασίν σοι ἐλεύσεται ἔκδικος*

καταστέλλειν.

II Ma. 4. 31. *καταστεῖλαι τὰ πράγματα*
III Ma. 6. 1. *τοὺς περὶ αὐτὸν καταστείλας πρεσβυτέρους*
[Aq. Ps. 64 (65). 8.]

κατάστεμα, *vid.* κατάστημα.

καταστενάζειν. (1) אָנַח ni. (2) חָנַן ni.

Ex. 2. 23. *κατεστέναξαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἀπὸ τῶν ἔργων* (1)
Je. 22. 23. *καταστενάξεις ἐν τῷ ἐλθεῖν σοι ὀδύνας* [A *ὠδίνας*] (2)
La. 1. 11. *πᾶς ὁ λαὸς αὐτῆς καταστενάζοντες* (1
Ez. 9. 4. *ἐπὶ τὰ μέτωπα τῶν ἀνδρῶν τῶν καταστεναζόντων* (1)
21. 6 (11). *καταστέναξον ἐν συντριβῇ ὀσφύος σου* (1)
III Ma. 6. 34. *κατεστέναξαν αἰσχύνην ἐφ' ἑαυτοῖς περιβαλλόμενοι*

καταστέφειν.

Je. 20. 16. *ἃς κατέστρεψε* [S¹ *-έστεψε*] *κύριος* †
III Ma. 7. 16. *παντοίοις εὐωδεστάτοις ἄνθεσι κατεστεμμένοι*

κατάστημα (*-εμα*).

III Ma. 5. 45. *εἰς κ. μανιῶδες ἀγηοχώς*

καταστηρίζειν.

Jb. 20. 7. *ὅταν γὰρ δοκῇ ἤδη κατεστηρίχθαι* [A *ἐστ.*] †

καταστολή. (1) מַעֲטֶה

Is. 61. 3. *δοθῆναι . . . καταστολὴν δόξης ἀντὶ πνεύματος ἀκηδίας* (1)

καταστραγγίζειν. (1) מָצָה ni.

Le. 5. 9. *τὸ δὲ κατάλοιπον τοῦ αἵματος καταστραγγιεῖ* (1)

καταστρατοπεδεύειν. (1) חָנָה

Jo. 4. 19. *κατεστρατοπέδευσαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ.* (1)
Ju. 3. 10. *κατεστρατοπέδευσαν ἀνὰ μέσον Γ.*
7. 18. *κατεστρατοπέδευσαν ἐν ὄχλῳ πολλῷ*
II Ma. 4. 22. *εἰς τὴν Φοινίκην κατεστρατοπέδευσε*

καταστρέφειν. (1) הָפַךְ *a.* qal. *b.* ni. *c.* מַהְפֵּכָה *d.* תַּהְפּוּכָה (2) *a.* הָרַס *b.* הֲרִיסָה (3) חָלַף (4) מָגַר pa. (5) מָשַׁךְ (6) נָאַר pi. (7) נָתַץ *a.* qal. *b.* pi. (8) סָלַף pi. (9) עָתַק (10) רָשַׁשׁ pu. (11) שָׁחַת pi.

Ge. 13. 10. *πρὸ τοῦ καταστρέψαι τὸν θ. Σ.* (11)
19. 21. *τοῦ μὴ καταστρέψαι τὴν πόλιν* (1 *a*)
— 25. *κατέστρεψε τὰς πόλεις ταύτας* (1 *a*)
— 29. *ἐν τῷ καταστρέψαι κύριον τὰς πόλεις* (1 *a*)
De. 29. 23 (22). *ὥσπερ κατεστράφη Σόδομα* (1 *c*)
— 23 (22). *ἃς κατέστρεψε κύριος* (1 *a*)
Jd. 7. 13. A *καὶ κατέστρεψεν* [R *ἀνέστρ.*] *αὐτὴν ἄνω* (1 *a*)
8. 17. *τὸν πύργον Φ. κατέστρεψε* [A *-έσκαψεν*] (7 *a*)
IV Ki. 21. 13. *καὶ καταστρέφεται ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ* (1 *a*)
II Ch. 34. 4. A *κατέστρεψαν* [B *-έσπασε*] . . . *τὰ θυσιαστήρια* (7 *b*)
II Es. 6. 12. A R *καταστρέψαι* [B *-ει*] *πάντα βασ.* (4)
To. 14. 4. *ὅτι καταστραφήσεται* [A *-σκαφ.*, S *al.*]
Jb. 9. 5. *ὁ καταστρέφων αὐτὰ ὀργῇ* [A *ἐν ὀ.*] (1 *a*)
11. 10. *ἐὰν δὲ καταστρέψῃ τὰ πάντα* (3 ?)
12. 14. A *ἐὰν καταστρέψῃ* [B S *-βάλῃ*] (2 *a*)
— 15. *ἀπώλεσεν αὐτὴν καταστρέψας* (1 *a*)
— 19. *δυνάστας δὲ γῆς κατέστρεψε* (8)

Jb. 18. 4. ἢ καταστραφήσεται ὄρη [A.ἡ γῆ] ἐκ θεμελίων (9)
24. 22. θυμῷ δὲ κατέστρεψεν [A -αν] ἀδυνάτους (5)
28. 9. κατέστρεψε δὲ ἐκ ῥιζῶν ὄρη (1 a)
Ps. 88 (89). 39. κατέστρεψας τὴν διαθήκην τοῦ δούλου σου (6)
Pr. 10. 32. S² στόμα δὲ ἀσεβῶν καταστρέφεται [A B S¹ ἀποστρ.] (1 d)
14. 1. A ἡ δὲ ἄφρων κατέστρεψεν [BS -έσκαψε] ταῖς χερσὶν αὐτῆς (2 a)
Si. 10. 13. κατέστρεψεν εἰς τέλος αὐτούς
— 16. χώρας ἐθνῶν κατέστρεψεν ὁ κύριος
27. 3. ἐν τάχει καταστραφήσεται αὐτοῦ ὁ οἶκος
28. 14. γλῶσσα τρίτη . . . οἰκίας μεγιστάνων κατέστρεψε
Am. 4. 11. κατέστρεψα ὑμᾶς καθὼς κατέστρεψεν ὁ θεὸς Σόδομα (1 a, 1 c)
9. 11. τὰ κατεσκαμμένα [A κατεστραμμένα] αὐ. ἀναστήσω (2 b)
Jn. 3. 4. καὶ Νιν. καταστραφήσεται (1 b)
Hg. 2. 23 (22). καὶ καταστρέψω θρόνους βασιλέων (1 a)
— 23 (22). καὶ καταστρέψω ἅρματα (1 a)
— 23 (22). A καὶ καταστρέψω πᾶσαν τὴν δύναμιν αὐτῶν –
Ma. 1. 4. ἡ Ἰδουμαία κατέστραπται (10)
— 4. καὶ ἐγὼ καταστρέψω (2 a)
Is. 1. 7. ἠρήμωται κατεστραμμένη ὑπὸ λαῶν ἀλλοτρίων (1 c)
13. 19. ὃν τρόπον κατέστρεψεν ὁ θεὸς Σόδομα (1 c)
Je. 20. 16. ἃς κατέστρεψε [S¹ -στεψε] κύριος ἐν θυμῷ (1 a)
27 (50). 40. καθὼς κατέστρεψεν ὁ θεὸς Σόδομα (1 c)
29 (49). 18. ὥσπερ κατεστράφη Σόδομα (1 c)
La. 4. 6. ὑπὲρ ἀνομίας Σοδ. τῆς κατεστραμμένης (1 a)
Da. LXX. 11. 8. τοὺς θεοὺς αὐτῶν καταστρέψει –
Bel 21. τὸν δὲ Βὴλ κατέστρεψεν
— 27. τὸν Βὴλ κατέστρεψε
Da. TH. 11. 8. A B² τοὺς θεοὺς αὐτῶν καταστρέψει [B¹ R om.] –
Bel 22. καὶ κατέστρεψεν αὐτόν
— 28. A τὸν Βὴλ κατέστρεψεν [B -έσπασε]
II Ma. 9. 28. κατέστρεψε τὸν βίον
III Ma. 3. 23. R ἡμᾶς καταστρέψαι τὰ κατορθώματα [A πράγματα]
[Aq. Ps. 139 (140). 10.]

καταστροφή. (1) אֵיד (2) הֲפֵכָה (3) סוֹף (4) סִפָּה (5) שֶׁדֶד (6) תְּבוּסָה

Ge. 19. 29. ἐξαπέστειλε τὸν Λὼτ ἐκ μέσου τῆς κ. (2)
II Ch. 22. 7. παρὰ τοῦ θεοῦ ἐγένετο καταστροφή (6)
Jb. 8. 19. καταστροφὴ ἀσεβοῦς τοιαύτη †
15. 21. ἥξει αὐτοῦ ἡ κ. (5)
21. 17. ἐπελεύσεται δὲ αὐτοῖς ἡ κ. (1)
27. 7. ὥσπερ ἡ κ. τῶν ἀσεβῶν –
Pr. 1. 18. ἡ δὲ κ. ἀνδρῶν παρανόμων κακή
— 27. ἡ δὲ κ. ὁμοίως καταιγίδι παρῇ (1)
Si. 9. 11. οὐ γὰρ οἶδας τί [A S¹ τίς] ἔσται ἡ κ. αὐτοῦ
18. 12. ἐπέγνω τὴν κ. αὐ. ὅτι πονηρά
Ho. 8. 7. καὶ ἡ κ. αὐτῶν ἐκδέξεται αὐτά (4?)
Da. LXX. 7. 28. ἕως καταστροφῆς τοῦ λόγου (3)
I Ma. 2. 49. ἐλεγμὸς καὶ καιρὸς καταστροφῆς
II Ma. 5. 8. A πέρας οὖν κακῆς κ. [R ἀναστρ.]
III Ma. 3. 4. ἐποίουν ἐπί τινων καὶ καταστροφάς
4. 4. λογιζομένους τὴν ἄδηλον τοῦ βίου κ.
5. 47. τὴν ἐπίπονον καὶ ταλαίπωρον . . . κ.

κατάστρωμα.
[Sm. III Ki. 6. 5, 10.]

καταστρωννύειν (-ύναι). (1) שָׁחַט (2) שָׁטַח
Nu. 14. 16. κατέστρωσεν αὐτοὺς ἐν τῇ ἐρήμῳ (1)
Ju. 7. 14. καταστρωθήσονται ἐν ταῖς πλατείαις
— 25. τοῦ καταστρωθῆναι ἐναντίον αὐτῶν
12. 1. συνέταξε καταστρῶσαι αὐτῇ [A -ήν]
14. 4. καταστρώσατε [S -σετε] αὐτοὺς ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν
Jb. 12. 23. καταστρωννύων ἔθνη (2)
II Ma. 5. 26. R ἱκανὰ κατέστρωσε [A -έστησεν] πλήθη
11. 11. κατέστρωσαν αὐτῶν χιλίους
12. 28. κατέστρωσαν δὲ τῶν ἔνδον εἰς μυριάδας δύο
15. 27. κατέστρωσαν οὐδὲν ἧττον μυριάδων τριῶν
[Aq. Jb. 12. 23: Is. 63. 1.]
[Sm. Ps. 67 (68). 5.]
[Th. Jb. 12. 23: Is. 63. 1: Da. 14. 13†.]

κατασύρειν. (1) חָשַׂף (2) שָׁטַף
Je. 29 (49). 10. κατέσυρα [A -ηραύνησα] τὸν Ἡσαῦ (1)
Da. LXX. 11. 10. εἰσελεύσεται κατ' αὐτὴν κατασύρων (2)
— 26. καὶ κατασυρεῖ (2)
[Sm. II Ki. 14. 14.]

κατασφάζειν. (1) בָּתַח pi. (2) הָרַג
Za. 11. 5. ἃ οἱ κτησάμενοι κατέσφαζον (2)
Ez. 16. 40. κατασφάξουσί σε ἐν τοῖς ξίφεσιν αὐτῶν (1)
Da. TH. Bel 28. τοὺς ἱερεῖς κατέσφαξε [A¹ -έτρεψεν]
II Ma. 5. 12. τοὺς εἰς τὰς οἰκίας ἀναβαίνοντας κατασφάζειν
— 24. τοὺς ἐν ἡλικίᾳ πάντας κατασφάξαι
6. 9. τοὺς δὲ μὴ προαιρουμένους . . . κατασφάζειν
8. 24. κατέσφαξαν . . . ὑπὲρ τοὺς ἐννακισχιλίους
10. 17. κατέσφαζόν τε τοὺς ἐμπίπτοντας
— 31. κατεσφάγησαν δὲ δισμύριοι
— 37. καὶ τὸν Τιμόθεον . . . κατέσφαξαν
12. 26. κατέσφαξε μυριάδας σωμάτων δύο

κατασφαλίζεσθαι.
II Ma. 1. 19. ἐν ᾧ κατησφαλίσαντο
III Ma. 4. 9. τοὺς πόδας ἀρρήκτοις κατησφαλισμένοι πέδαις

κατασφραγίζειν. (1) חָתַם
Jb. 9. 7. κατὰ δὲ ἄστρων κατασφραγίζει (1)
37. 7. ἐν χειρὶ παντὸς ἀνθρώπου κατασφραγίζει (1)
Wi. 2. 5. κατεσφραγίσθη καὶ οὐδεὶς ἀναστρέφει
[Th. Jb. 37. 7.]

κατάσχεσις. (1) אֲחֻזָּה (2) מִגְרָשׁ (3) מוֹרָשָׁה (4) מוֹשָׁב (5) נַחֲלָה
Ge. 17. 8. δώσω σοι . . . εἰς κατάσχεσιν αἰώνιον (1)
47. 11. ἔδωκεν αὐτοῖς κατάσχεσιν ἐν γῇ Αἰγ. (1)
48. 4. δώσω σοι . . . εἰς κατάσχεσιν αἰώνιον (1)
Le. 25. 24. κατὰ πᾶσαν γῆν κατασχέσεως ὑμῶν (1)
— 25. καὶ ἀποδώσεται ἀπὸ τῆς κ. αὐτοῦ (1)
— 27. καὶ ἀπελεύσεται εἰς τὴν κ. αὐτοῦ (1)
— 28. B² R ἀπελεύσεται εἰς τὴν κ. [A B¹ κατάπαυσιν] αὐτοῦ (1)
— 32. οἰκίαι τῶν πόλεων κατασχέσεως αὐτῶν (1)
— 33. οἰκιῶν πόλεως κατασχέσεως αὐτῶν (1)
— 33. οἰκίαι τῶν πόλεων τῶν Λευ. κατάσχεσις [A -εις] αὐτῶν (1)
— 34. κ. αἰωνία τοῦτο αὐτῶν ἐστιν (1)
— 41. εἰς τὴν κ. τὴν πατρικὴν ἀποδραμεῖται [A -θανεῖται] (1)
— 45. ἔστωσαν ὑμῖν εἰς κατάσχεσιν (1)
27. 16. ἀπὸ τοῦ ἀγροῦ τῆς κ. αὐτοῦ (1)
— 21. τῷ ἱερεῖ ἔσται κατάσχεσις [B¹ -σεως] (1)
— 22. ἀπὸ τοῦ ἀγροῦ τῆς κ. αὐτοῦ (1)
— 24. οὗ ἦν ἡ κ. τῆς γῆς (1)
— 28. καὶ ἀπὸ ἀγροῦ κατασχέσεως αὐτοῦ (1)
Nu. 13. 3 (2). ἣν ἐγὼ δίδωμι τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. εἰς κατάσχεσιν –
15. 2. A εἰς τὴν γῆν τῆς κ. [B κατοικήσεως] ὑμῶν (4)
20. 24. A ἔδωκα τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. ἐν κατασχέσει [B al.] –
27. 3 (4). δότε ἡμῖν κατάσχεσιν (1)
— 6 (7). δόμα δώσεις αὐταῖς κατάσχεσιν κληρονομίας (1)
— 12. ἣν ἐγὼ δίδωμι . . . ἐν κατασχέσει –
32. 5. δοθήτω ἡ γῆ αὕτη . . . ἐν κατασχέσει (1)
— 22. ἔσται ἡ γῆ αὕτη ὑμῖν ἐν κατασχέσει (1)
— 29. δώσετε αὐτοῖς τὴν γῆν Γ. ἐν κατασχέσει (1)
— 32. δώσετε τὴν κ. ἡμῖν (1+5)
33. 54. πληθυνεῖτε τὴν κ. αὐτῶν (5)
— 54. ἐλαττώσετε τὴν κ. αὐτῶν (5)
35. 2. ἀπὸ τῶν κλήρων κατασχέσεως αὐτῶν (1)
— 8. ἀπὸ τῆς κ. υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 28. εἰς τὴν γῆν τῆς κ. αὐτῶν (1)
36. 3. ἀφαιρεθήσεται . . . ἐκ τῆς κ. τῶν πατέρων ἡμῶν (5)
De. 32. 49. A δίδωμι τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. εἰς κατάσχεσιν [B om. εἰς κ.] (1)
Jo. 21. 12. ἔδωκεν Ἰησοῦς . . . ἐν κατασχέσει (1)
— 39. ἐν μέσῳ κατασχέσεως υἱῶν Ἰσρ. (1)
22. 4. εἰς τὴν γῆν τῆς κ. ὑμῶν (1)
— 9. εἰς γῆν κατασχέσεως αὐτῶν (1)
— 19. μικρὰ ἡ γῆ ὑμῶν τῆς κ. ὑμῶν (1)
— 19. τὴν γῆν τῆς κ. κυρίου (1)
I Ch. 4. 33. αὕτη κ. [A ἡ κ.] αὐτῶν (4)
I Ch. 7. 28. καὶ κατάσχεσις [A -εις] αὐτῶν . . . Βαιθήλ (1)
9. 2. οἱ κατοικοῦντες πρότερον ἐν ταῖς κ. αὐτῶν (1)
13. 2. ἐν πόλεσι κατασχέσεως αὐτῶν (2)
II Ch. 11. 14. τὰ σκηνώματα τῆς κ. αὐτῶν (1)
Ne. 11. 3. ἐκάθισαν ἀνὴρ ἐν κατασχέσει αὐτοῦ (1)
Ju. 9. 13. καὶ οἶκου κατασχέσεως υἱῶν σου
Ps. 2. 8. δώσω σοι . . . τὴν κ. σου τὰ πέρατα τῆς γῆς (1)
Si. 4. 16. ἐν κατασχέσει ἔσονται αἱ γενεαὶ αὐ.
Za. 11. 14. διασκεδάσαι τὴν κ. [A διαθήκην μου] †
Ez. 33. 24. ἡμῖν δέδοται ἡ γῆ εἰς κατάσχεσιν (3)
35. 12. A δέδοται εἰς κατάσχεσιν [B κατάβρωμα] †
36. 2. ἔρημα αἰώνια εἰς κατάσχεσιν ἡμῖν ἐγενήθη (3)
— 3. τοῦ εἶναι ὑμᾶς [A ἡμ.] εἰς κατάσχεσιν (3)
— 5. ἔδωκαν τὴν γῆν μου ἑαυτοῖς εἰς κατάσχεσιν (3)
— 12. ἔσεσθε αὐτοῖς εἰς κατάσχεσιν (5)
44. 28. κ. αὐτοῖς οὐ δοθήσεται ἐν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. ὅτι ἐγὼ κ. αὐτῶν [A -οῖς] (1, 1)
45. 5. εἰς κατάσχεσιν πόλεις τοῦ κατοικεῖν (1)
— 6. τὴν κ. τῆς πόλεως δώσεις (1)
— 7. εἰς κατάσχεσιν τῆς πόλεως . . . καὶ κατὰ πρόσωπον τῆς κ. τῆς πόλεως (1, 1)
— 8. ἔσται αὐτῷ εἰς κατάσχεσιν (1)
46. 16. τοῦτο τοῖς υἱοῖς αὐτοῦ ἔσται κ. ἐν κληρονομίᾳ (1)
— 18. ἐκ τῆς κ. αὐτοῦ [A add. ἀπὸ τῆς κληρονομίας αὐτοῦ] κατακληρονομήσει (1)
— 18. ἕκαστος ἐκ [A ἀπὸ] τῆς κ. αὐτοῦ (1)
48. 20. ἀπὸ τῆς κ. τῆς πόλεως (1)
— 21. εἰς τὴν κ. τῆς πόλεως (1)
— 22. παρὰ [A ἀπὸ τῆς κ.] τῶν Λευιτῶν ἀπὸ τῆς κ. τῆς πόλεως (1, 1)
[Aq., Sm., Th. Le. 14. 34.]
[Al. Le. 25. 10.]

κατασχίζειν.
I Ma. 1. 56. ἐνεπύρισαν πυρὶ [S ἐν π.] κατασχίσαντες

κατατάσσειν. (1) נָדַד (2) נָתַן (3) שִׂים
Jb. 7. 12. κατέταξας ἐπ' ἐμὲ [A κατ' ἐμοῦ] φυλακήν (3)
15. 23. κατατέτακται δὲ εἰς σῖτα γυψίν (1?)
35. 10. ὁ κατατάσσων φυλακὰς νυκτερινάς (2)

κατατείνειν. (1) רָדָה
Le. 25. 43. οὐ κατατενεῖς αὐτὸν ἐν τῷ μόχθῳ (1)
— 46. οὐ κατατενεῖ αὐτὸν [A om.] ἐν τοῖς μόχθοις (1)
— 53. οὐ κατατενεῖς [A -τενίσῃς] αὐτὸν ἐν τῷ μόχθῳ (1)
I Es. 8. 71. B κατέτεινον [A R -έτιλα] τοῦ τριχώματος τῆς κεφαλῆς
IV Ma. 9. 13. περὶ ὃν κατατεινόμενος ὁ εὐγενὴς νεανίας
11. 18. ἐφ' οὗ κατατεινόμενος

κατατέμνειν. (1) גָּדַר hithpo. (2) גָּדַע (3) גּוּר hithpal. (4) שָׁרַט
Le. 21. 5. οὐ κατατεμοῦσιν ἐντομίδας (4)
III Ki. 18. 28. κατετέμνοντο . . . ἐν μαχαίραις (1)
Ho. 7. 14. ἐπὶ σίτῳ καὶ οἴνῳ κατετέμνοντο (3?)
Is. 15. 2. πάντες βραχίονες κατατετμημένοι (2)
[Aq. Dt. 14. 1: Je. 41 (48). 5: 48 (31). 37.]
[Sm. Dt. 14. 1: Je. 16. 6: 41 (48). 5.]
[Th. Dt. 14. 1.]

κατατενίζειν.
Le. 25. 53. A οὐ κατατενίσῃς [B -τενεῖς] αὐτὸν ἐν τῷ μόχθῳ †

κατατέρπεσθαι. (1) עָלַז
Ze. 3. 14. κατατέρπου [S¹ τέρ.] ἐξ ὅλης τῆς καρδίας σου (1)

κατατήκειν. (1) דָּקַק hi. (2) מָסַס ni.
Jo. 5. 1. A κατετάκησαν [B ἐτάκ.] αὐτῶν αἱ διάνοιαι (2)
Mi. 4. 13. καὶ κατατήξεις [A λεπτυνεῖς] λαοὺς πολλούς (1)
[Sm. Ps. 41 (42). 7, 12.]

κατατιθέναι. (1) יָצַק (2) נָתַן (3) שׁוּב hi. (4) שָׁלַךְ hi.
I Ch. 21. 27. κατέθηκε [A καθῆκεν] τὴν ῥομφαίαν εἰς τὸν κολεόν (3)

Ju. 11. 10. *κατάθου αὐτὸν ἐν τῇ καρδίᾳ σου*
Es. 3. 13. *πρὸς τὸ μὴ κατατίθεσθαι τὴν . . . συναρχίαν*
Ps. 40 (41). 8. *λόγον παράνομον κατέθεντο κατ' ἐμοῦ* (1)
Za. 11. 13. *κάθες* [S¹ *κατάθες*] *αὐτοὺς εἰς τὸ χωνευτήριον* (4)
Je. 39 (32). 14. S³ *καταθήσεις* [S¹ *καθ.*, A B *θ.*] *αὐτὸ* [A S *om.*] *εἰς ἀγγεῖον ὀστράκινον* (2)
I Ma. 10. 23. R *τοῦ φιλίαν καταθέσθαι* [A S *-λαβέσθαι*] *τοῖς Ἰ.*
II Ma. 4. 19. R *εἰς ἑτέραν δὲ καταθέσθαι δαπάνην*
III Ma. 5. 17. *εἰς εὐφροσύνην καταθέσθαι μέρος*

κατατίλλειν.
I Es. 8. 71. A R *κατέτιλα* [B *-ἐτεινον*] *τοῦ τριχώματος*
[Aq., Sm., Th. Ez. 23. 34.]

κατατιτρώσκειν.
IV Ma. 6. 6. *καὶ τὰ πλευρὰ κατετιτρώσκετο*
[Sm. Ez. 22. 16.]

κατατολμᾶν.
II Ma. 3. 24. *ὥστε πάντας τοὺς κατατολμήσαντας συνελθεῖν*
5. 15. *κατετόλμησεν εἰς τὸ . . . ἱερὸν εἰσελθεῖν*

κατατομή.
[Sm. Je. 48 (31). 37.]

κατατοξεύειν. (1) יָרָה *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. (2) מָחַץ
Ex. 19. 13. *βολίδι κατατοξευθήσεται* (1 *b*)
Nu. 24. 8. *ταῖς βολίσιν αὐτοῦ κατατοξεύσει ἐχθρόν* (2)
IV Ki. 9. 16. *ὃν κατετόξευσαν αὐτὸν οἱ Ἀρ.* –
Ps. 10 (11). 3. *τοῦ κατατοξεῦσαι . . . τοὺς εὐθεῖς τῇ καρδίᾳ* (1 *a*)
63 (64). 4. *τοῦ κατατοξεῦσαι ἐν ἀποκρύφοις ἄμωμον ἐξάπινα κατατοξεύσουσιν αὐτόν* (1 *a*, 1 *c*)
[Th. Ps. 10 (11). 2 : 63 (64). 8.]
[Al. Hb. 3. 13.]

κατατρέπειν.
Da. TH. Bel 28. A¹ *τοὺς ἱερεῖς κατέτρεψεν* [A² B *-ἐσφαξε*]

κατατρέχειν. (1) מָלֵא hithp. (2) רָדַף (3) רוּץ
Le. 26. 37. *οὐθένος κατατρέχοντος* (2)
Jd. 1. 6. *κατέδραμον ὀπίσω αὐτοῦ* (2)
III Ki. 19. 20. *κατέδραμεν* [A *ἐπέδρ.*] *ὀπίσω Ἠ.* (3)
Jb. 16. 11 (10). *ὁμοθυμαδὸν δὲ κατέδραμον ἐπ' ἐμοί* [A *ἐμέ*] (1)
Da. LXX. 4. 21. *οἱ ἄγγελοι αὐτοῦ ἐπὶ σὲ κατατρέχουσιν* †
II Ma. 8. 26. *κατατρέχοντες αὐτούς*
[Al. Is. 53. 12.]

κατατρίβειν. (1) בָּלָא pa. (2) בָּלָה (3) כָּלָה
De. 8. 4. A *τὰ ἱμάτιά σου οὐ κατετρίβη* [B *οὐκ ἐπαλαιώθη*] (2)
— 4. B *τὰ ὑποδήματά σου οὐ κατετρίβη* –
29. 5 (4). *τὰ ὑποδήματα ὑμῶν οὐ κατετρίβη* (2)
Pr. 5. 11. *ἡνίκα ἂν κατατριβῶσι σάρκες σώματός σου* (3)
Da. LXX. 7. 25. *τοὺς ἁγίους τοῦ ὑψίστου κατατρίψει* (1)
[Aq. Ge. 18. 12 : Ps. 31 (32). 3 : 48 (49). 15 : Is. 51. 6 : Ez. 23. 43.]
[Sm. La. 1. 14.]
[Quint. Ps. 31 (32). 3.]

κατατρόπος.
III Ma. 4. 14. A *τὴν . . . τῶν ἔργων κ.* [R *-πονον*] *λατρείαν*

κατατρυφᾶν. (1) עָנַג hithpa.
Ps. 36 (37). 4. *κατατρύφησον τοῦ κυρίου* (1)
— 11. *κατατρυφήσουσιν ἐπὶ πλήθει εἰρήνης* (1)

κατατρώγειν.
Pr. 24. 23 (29. 27). *ὀστᾶ ἀνθρώπων κατατρώγει* –
[Aq., Sm., Th. Ez. 23. 34.]

κατατυγχάνειν. (1) מָצָא
Jb. 3. 22. *ἐὰν κατατύχωσι* [A *add. θανάτου*] (1)

κατατυραννεῖν.
[Sm. Nu. 16. 13.]

καταυγάζειν.
Wi. 17. 5. *οὔτε* [S² *οὔτε πυρογενεῖς*] *ἄστρων . . . φλόγες καταυγάζειν ὑπέμενον τὴν στυγνὴν ἐκείνην νύκτα*
I Ma. 6. 39. *καὶ κατηύγαζεν ὡς λαμπάδες*

καταφαγεῖν, *vid.* **κατεσθίειν.**

καταφαίνεσθαι. (1) בְּעֵינָיו
Ge. 48. 17. *βαρὺ αὐτῷ κατεφάνη* (1)

καταφανής.
[Aq. Ge. 22. 2 : Dt. 11. 30.]
[Sm., Th. Dt. 11. 30.]

καταφέρειν. (1) בּוֹא hi. (2) יָצָא hi. (3) יָרַד hi. (4) נָגַר *a.* ni. *b.* hoph. (5) נָחַת hoph. (6) פָּכָה pi. (7) קָטַב (8) שָׁעַר (9) שָׁאוֹן
Ge. 37. 2. *κατήνεγκαν δὲ Ἰωσὴφ ψόγον πονηρόν* (1)
De. 1. 25. *καὶ κατήνεγκαν πρὸς ἡμᾶς* (3)
22. 14. *καὶ κατενέγκῃ αὐτῆς ὄνομα πονηρόν* (2)
Jd. 7. 4. *κατένεγκον* [A *κατάγαγε*] *αὐτούς* (3)
— 5. *κατήνεγκε* [A *κατεβίβασεν*] *τὸν λαόν* (3)
16. 21. *κατήνεγκαν* [A *-ἤγαγον*] *αὐτὸν εἰς Γ.* (3)
II Ki. 14. 14. R *ὥσπερ τὸ ὕδωρ τὸ καταφερόμενον* [A B *-φθειρ.*] (4 *a*)
III Ki. 1. 53. *κατήνεγκεν αὐτὸν ἀπάνωθεν τοῦ θυσιαστηρίου* (3)
To. 14. 10. S *οὐχὶ ζῶν κατηνέχθη εἰς τὴν γῆν* [A B *al.*]
Mi. 1. 4. *ὡς ὕδωρ καταφερόμενον ἐν καταβάσει* (4 *b*)
Is. 17. 13. A *ὡς ὕδατος πολλοῦ βίᾳ καταφερομένου* [B S *φ.*] (9 ?)
28. 2. *ὡς χάλαζα καταφερομένη οὐκ ἔχουσα σκέπην βίᾳ καταφερομένη* [S¹ *om. οὐκ . . . κ.*] (8, 7 ?)
Ez. 47. 2. *τὸ ὕδωρ κατεφέρετο ἀπὸ τοῦ κλίτους τοῦ δεξιοῦ* (6)
Da. TH. 5. 20. *κατηνέχθη ἀπὸ τοῦ θρόνου* (5)
IV Ma. 16. 20. *τὴν πατρῴαν χεῖρα . . . καταφερομένην ἐπ' αὐτόν*
[Aq. Ps. 75 (76). 7 : Pr. 30. 4 : Da. 10. 9.]
[Sm. Ps. 29 (30). 4, 10 : 54 (55). 3, 24 : Pr. 30. 4 : Ec. 10. 18.]
[Th., Heb. Ge. 37. 2.]
[Al. Jb. 1. 16.]

καταφερής. (1) מוֹרָד
Jo. 7. 5. *συνέτριψαν αὐτοὺς ἀπὸ* [A *ἐπὶ*] *τοῦ κ.* (1)
[Al. Jo. 7. 5.]

καταφεύγειν. (1) אָסַף ni. (2) חָבָא ni. (3) כָּסָה pi. (4) לָוָה ni. (5) נוּס (6) רוּץ (7) נָפַל
Ge. 19. 20. *τοῦ καταφυγεῖν με ἐκεῖ* (5)
Ex. 21. 14. *ἐὰν δέ τις ἐπιθῆται . . . καὶ καταφύγῃ* –
Le. 26. 25. *καταφεύξεσθε εἰς τὰς πόλεις ὑμῶν* (1)
Nu. 35. 25. *οὗ κατέφυγε* (5)
— 26. *εἰς ἣν κατέφυγεν ἐκεῖ* (5)
De. 4. 42 : 19. 5. *καταφεύξεται εἰς μίαν τῶν πόλεων τούτων* (5)
Jo. 10. 27. *εἰς ὃ κατεφύγοσαν* [A *-ον*] *ἐκεῖ* (2)
20. 9. *αὗται αἱ πόλεις . . . καταφυγεῖν ἐκεῖ* (5)
Es. 4. 17. *Ἐσθὴρ . . . κατέφυγεν ἐπὶ τὸν κύριον*
Ps. 142 (143). 9. *πρὸς σὲ κατέφυγον* [S² *-γα*] (3)
Wi. 14. 6. *ἡ ἐλπὶς τοῦ κόσμου ἐπὶ σχεδίας καταφυγοῦσα*
Za. 2. 11 (15). *καταφεύξονται ἔθνη πολλὰ ἐπὶ τὸν κ.* (4)
Is. 10. 3. *πρὸς τίνα καταφεύξεσθε τοῦ βοηθηθῆναι* (5)
17. 3. *οὐκέτι ἔσται ὀχυρὰ τοῦ καταφυγεῖν Ἐφραίμ* †
54. 15. *ἐπὶ σὲ καταφεύξονται* (6)
55. 5. *ἐπὶ σὲ καταφεύξονται* (7)
Je. 9. 5 (4). A¹ *κατὰ τοῦ φίλου αὐ. καταφεύξεται* [A² B S *al.*] †
27 (50). 5. *καταφεύξονται πρὸς κ. τὸν θεόν* (4)
I Ma. 5. 11. *τὸ ὀχύρωμα εἰς ὃ κατεφύγομεν* [S¹ *-ον*]

καταφθάνειν. (1) דָּבַק hi.
Jd. 20. 42. A *καὶ ὁ πόλεμος κατέφθασεν αὐτόν* [B *al.*] (1)

καταφθείρειν. (1) בָּקַק (2) חָבַל *a.* pi. *b.* pu. (3) מָקַק ni. (4) נָבַל (5) שָׁחַת *a.* ni. *b.* pi. *c.* hi. (6) שָׁמֵם
Ge. 6. 12. *καὶ ἦν κατεφθαρμένη* (5 *a*)
— 12. *κατέφθειρε πᾶσα σὰρξ τὴν ὁδὸν αὐτοῦ* (5 *c*)
— 13. *καταφθείρω αὐτοὺς καὶ τὴν γῆν* (5 *c*)
— 17. *καταφθεῖραι πᾶσαν σάρκα* (5 *b*)
9. 11. R *καταφθεῖραι* [A *τοῦ κ.*] *πᾶσαν τὴν γῆν* (5 *b*)
Ex. 18. 18. *φθορᾷ καταφθαρήσῃ* (4)
Le. 26. 39. *καταφθαρήσονται διὰ τὰς ἁμαρτίας* (3)
Jd. 6. 4. B *κατέφθειραν* [A R *διέφθ.*] *τοὺς καρποὺς αὐτῶν* (5 *c*)
II Ki. 14. 14. A B *ὥσπερ τὸ ὕδωρ τὸ καταφθειρόμενον* [R *-φερ.*] †
II Ch. 12. 7. *οὐ καταφθερῶ αὐτούς* (5 *c*)
24. 23. *κατέφθειραν* [A *-εν*] *πάντας τοὺς ἄρχοντας* (5 *c*)
25. 16. *ἐβούλετο ἐπὶ σοὶ τοῦ καταφθεῖραί σε* (5 *c*)
26. 16. *ὑψώθη ἡ καρδία αὐτοῦ τοῦ καταφθεῖραι* (5 *c*)
27. 2. *ἔτι ὁ λαὸς κατεφθείρετο* (5 *c*)
35. 21. *μὴ καταφθείρῃ σε* (5 *c*)
Wi. 16. 19. A S *ἵνα ἀδίκου γῆς γεννήματα καταφθείρῃ* [B *διαφθ.*]
— 22. *τοὺς τῶν ἐχθρῶν* [A *ἐθνῶν*] *καρποὺς κατέφθειρε πῦρ*
Is. 10. 27. *καταφθαρήσεται ὁ ζυγὸς ἀπὸ τῶν ὤμων ὑμῶν* (2 *b*)
13. 5. *καταφθεῖραι* [A S² *τοῦ κ.*] *πᾶσαν τὴν οἰκουμένην* (2 *a*)
24. 1. *κύριος καταφθείρει τὴν οἰκουμένην* (1)
32. 7. *καταφθεῖραι ταπεινοὺς ἐν λόγοις ἀδίκοις* (2 *a*)
36. 10. S¹ *καὶ καταφθεῖρον* [B S² *al.*] (5 *c*)
49. 19. *τὰ κατεφθαρμένα* [A S³ *διεφθ.*] *καὶ τὰ πεπτωκότα* (6)
Da. LXX. 4. 11. *καὶ καταφθείρατε αὐτό* †
— 24. *καὶ μὴ καταφθείρῃ σε* –
I Ma. 3. 39. *καὶ καταφθεῖραι αὐτήν* [S¹ *om.*]
8. 11. *κατέφθειραν καὶ ἐδούλωσαν αὐτούς*
15. 4. *μετέλθω τοὺς κατεφθαρκότας τὴν χώραν ἡμῶν*
— 31. *καὶ τῆς καταφθορᾶς ἧς κατεφθάρκατε*
II Ma. 5. 14. *ὀκτὼ δὲ μυριάδες . . . κατεφθάρησαν*
8. 3. *ἐλεῆσαι δὲ καὶ τὴν καταφθειρομένην πόλιν*
[Sm. Ps. 106 (107). 39.]

καταφθονεῖν.
Da. TH. Bel 13. A *αὐτοὶ δὲ κατεφθόνουν* [B *-εφρόνουν*]

καταφθορά. (1) מַדְחֵפוֹת (2) *a.* שָׁחַת hi. *b.* שַׁחַת
II Ch. 12. 12. *καὶ οὐκ εἰς καταφθορὰν εἰς τέλος* (2 *a*)
Es. 4. 17. *ἐπιβλέπουσιν ἡμῖν εἰς καταφθοράν*
Ps. 48 (49). 9. *οὐκ ὄψεται καταφθοράν* (2 *b*)
139 (140). 11. *ἄνδρα ἄδικον κακὰ θηρεύσει εἰς καταφθοράν* [A S *διαφθ.*] (1)
Si. 28. 6. *μνήσθητι . . . καταφθορὰν καὶ θάνατον*
Ze. 3. 6. *ἐν διαφθορᾷ* [S¹ *καταφθ.*] *κατέσπασα ὑπερηφάνους* –
Da. LXX. 4. 15. *ἡ κ. αὐτοῦ ἐν ὥρᾳ μιᾷ τῆς ἡμέρας* –
I Ma. 15. 31. *καὶ τῆς κ. ἧς κατεφθάρκατε*

καταφιλεῖν. (1) נָשַׁק *a.* qal. *b.* pi. (2) שָׁחָה hithpal.
Ge. 31. 28. *καταφιλῆσαι τὰ παιδία μου* (1 *b*)
— 55 (32. 1). *κατεφίλησε τοὺς υἱούς* (1 *b*)
33. 4. R *καὶ κατεφίλησεν αὐτόν* (1 *a*)
45. 15. *καταφιλήσας πάντας τοὺς ἀδ. αὐτοῦ* (1 *b*)
Ex. 4. 27. *κατεφίλησαν ἀλλήλους* (1 *a*)
Ru. 1. 9. *καὶ κατεφίλησεν αὐτάς* (1 *a*)
— 14. *κατεφίλησεν Ὀ. τὴν πενθερὰν αὐτῆς* (1 *a*)
I Ki. 20. 41. *κατεφίλησεν ἕκ. τὸν πλησίον αὐ.* (1 *a*)
II Ki. 14. 33. *κατεφίλησεν ὁ βασ. τὸν Ἀβ.* (1 *a*)
15. 5. *καὶ κατεφίλησεν αὐτόν* (1 *a*)
19. 39 (40). *κατεφίλησεν ὁ βασ. τὸν Βερζ.* (1 *a*)
20. 9. *τοῦ καταφιλῆσαι αὐτόν* (1 *a*)
III Ki. 2. 19. *καὶ κατεφίλησεν αὐτήν* (2)
19. 20. *καταφιλήσω τὸν πατέρα μου* (1 *a*)
I Es. 4. 47. *κατεφίλησεν αὐτόν*
To. 7. 6. *ἀνεπήδησε Ῥαγουὴλ καὶ κατεφίλησεν αὐτόν*
10. 13. S *καὶ κατεφίλησεν ἀμφοτέρους*
Ps. 84 (85). 10. *δικαιοσύνη καὶ εἰρήνη κατεφίλησαν* (1 *a*)

Si. 29. 5. καταφιλήσει χεῖρα [A S -ας] αὐτοῦ
III Ma. 5. 49. κατεφίλουν ἀλλήλους
[Aq. Ps. 2. 11: Ho. 13. 2.]
[Th. Pr. 24. 26.]

καταφλέγειν. (1) אָבַל (2) לְהָבָה (3) לָהַט pi.
Jb. 1. 16. S¹ καὶ τοὺς ποιμένας κατέφλεξεν [A -έκαυσεν, B S² -έφαγεν] (1)
Ps. 17 (18). 8. S² πῦρ . . . καταφλεγήσεται [A B S¹ κατεφλόγισεν] (1)
104 (105). 32. πῦρ καταφλέγον ἐν τῇ γῇ αὐτῶν (2)
105 (106). 18. φλὸξ κατέφλεξεν ἁμαρτωλούς (3)
Wi. 16. 18. ἵνα μὴ καταφλέξῃ τὰ ἐπ' ἀσεβεῖς ἀπεσταλμένα ζῷα [S¹ om.]
II Ma. 12. 6. τὰ σκάφη κατέφλεξε
III Ma. 2. 5. Σοδομίτας . . . πυρὶ καὶ θείῳ κατέφλεξας
IV Ma. 3. 11. καὶ λύουσα κατέφλεγεν
6. 25. καταφλέγοντες αὐτὸν ὑπερίπτοσαν

καταφλογίζειν. (1) אָבַל
Ps. 17 (18). 8. πῦρ . . . κατεφλόγισεν [S² καταφλεγήσεται] (1)

καταφλυαρεῖν.
[Sm. Je. 20. 7.]

κατάφοβος.
Pr. 29. 16. οἱ δὲ δίκαιοι ἐκείνων πιπτόντων κατάφοβοι γίνονται †

καταφορά.
[Aq. Ge. 2. 21: I Ki. 26. 12: Pr. 19. 15: Is. 29. 10.]

κατάφρακτος.
[Sm. Jb. 39. 21.]

καταφράσσεσθαι.
I Ma. 6. 38. καταφρασσόμενοι ἐν ταῖς φάλαγξιν

καταφρονεῖν. (1) בָּגַד (2) בּוּז a. verb. b. subst. (3) בָּזָה (4) חָבַל ni. (5) תָּעַע pil.
Ge. 27. 12. ἔσομαι ἐναντίον αὐτοῦ ὡς καταφρονῶν (5)
To. 4. 18. A B μὴ καταφρονήσῃς ἐπὶ πάσης συμβουλίας χρησίμης
Ju. 10. 19. τίς καταφρονήσει τοῦ λαοῦ τούτου
Pr. 13. 13. ὃς καταφρονεῖ πράγματος καταφρονηθήσεται ὑπ' αὐτοῦ (2 a, 4 ?)
— 15. ὁδοὶ δὲ καταφρονούντων ἐν ἀπωλείᾳ (1)
18. 3. ὅταν ἔλθῃ ἀσεβὴς εἰς βάθος κακῶν καταφρονεῖ (2 b)
19. 16. ὁ δὲ καταφρονῶν τῶν ἑαυτοῦ ὁδῶν ἀπολεῖται (3)
23. 22. μὴ καταφρόνει ὅτι γεγήρακέ σου ἡ μήτηρ (2 a)
25. 9. μὴ καταφρόνει μή σε ὀνειδίσῃ μὲν ὁ φίλος †
Wi. 14. 30. ἐν δόλῳ καταφρονήσαντες ὁσιότητος
Ho. 6. 8 (7). ἐκεῖ κατεφρόνησέ μου (1)
Hb. 1. 13. ἵνα τί ἐπιβλέπεις ἐπὶ καταφρονοῦντας (1)
Ze. 1. 12. τοὺς καταφρονοῦντας ἐπὶ τὰ φυλάγματα †
Je. 2. 36. κατεφρόνησας σφόδρα τοῦ δευτερῶσαι τὰς ὁδούς σου †
Da. TH. Bel 13. αὐτοὶ δὲ κατεφρόνουν [A -εφθόνουν]
II Ma. 4. 14. R τοῦ μὲν ναοῦ καταφρονοῦντες [A al.]
7. 24. ὁ δὲ Ἀντ. οἰόμενος καταφρονεῖσθαι
IV Ma. 4. 9. S R τοῦ ἱεροῦ [A om.] καταφρονουμένου τόπου
— 26. τὰ δόγματα αὐτοῦ κατεφρονεῖτο ὑπὸ τοῦ λαοῦ
5. 10. κἀμοῦ καταφρονήσεις ἐπὶ τῇ ἰδίᾳ τιμωρίᾳ
6. 21. ὑπὸ μὲν τοῦ τυράννου καταφρονηθῶμεν
13. 9. A R οἱ τῆς ἰσοπαλίδος καμίνου [S ἰσοπολιτίδου καιομένης] κατεφρόνησαν
[Sm. Jo. 7. 1: Ec. 9. 16: Ez. 20. 27.]

καταφρόνησις.
II Ma. 3. 18. A διὰ τὸ μὴ [R om.] μέλλειν εἰς καταφρόνησιν ἔρχεσθαι
[Sm. Pr. 12. 8: Ez. 17. 20: 20. 27.]

καταφρονητής. (1) a. בָּגַד b. בִּגְדוֹת
Hb. 1. 5. ἴδετε οἱ καταφρονηταί †
2. 5. ὁ δὲ κατοιόμενος καὶ [B¹ om.] καταφρονητής (1 a)
Ze. 3. 4. οἱ προφῆται αὐτῆς . . . ἄνδρες κ. (1 b)

καταφυγή. (1) מַחֲסֶה, מַחֲסֶה (2) מָעוֹז (3) מָעוֹן (4) מְצוּדָה (5) מִקְלָט (6) מִשְׂגָּב (7) a. נוּס b. מָנוֹס (8) נֵס (9) סֵתֶר
Ex. 17. 15. κύριος καταφυγή μου (8)
Nu. 35. 27. ἔξω τῶν ὁρίων τῆς πόλεως καταφυγῆς αὐτοῦ (5)
— 28. ἐν γὰρ τῇ πόλει τῆς κ. [A κ. αὐτοῦ] (5)
De. 19. 3. ἔσται καταφυγὴ ἐκεῖ παντὶ φονευτῇ (7 a)
II Ki. 22. 3. καὶ καταφυγή μου σωτηρίας [A¹ -ία] μου (7 b)
Ps. 9. 9. ἐγένετο κύριος καταφυγὴ τῷ πένητι (6)
17 (18). 2. κύριος στερέωμά μου καὶ καταφυγή μου (4)
30 (31). 2. γενοῦ μοι . . . εἰς οἶκον καταφυγῆς (4)
— 3. καταφυγή μου εἶ σύ (4)
31 (32). 7. σύ μου εἶ καταφυγὴ ἀπὸ θλίψεως τῆς περιεχούσης με (9)
45 (46). 1. ὁ θεὸς ἡμῶν καταφυγὴ καὶ δύναμις (1)
58 (59). 16. καὶ καταφυγὴ ἐν ἡμέρᾳ θλίψεώς μου (7 b)
70 (71). 3. καταφυγή μου εἶ σύ (4)
89 (90). 1. κύριε, καταφυγὴ ἐγενήθης ἡμῖν (3)
90 (91). 2. ἀντιλήπτωρ μου εἶ καὶ καταφυγή μου (4)
— 9. τὸν ὕψιστον ἔθου καταφυγήν σου (3)
93 (94). 22. ἐγένετό μοι κύριος εἰς καταφυγήν (6)
103 (104). 18. πέτρα καταφυγὴ τοῖς χοιρογρυλλίοις [A S² λαγῴοις] (1)
143 (144). 2. ἔλεός μου καὶ καταφυγή μου (4)
Is. 25. 12. τὸ ὕψος τῆς κ. τοῦ τοίχου σου ταπεινώσει (6)
Je. 16. 19. βοήθειά μου καὶ κ. μου (7 b)
Da. TH. 11. 39. τοῖς ὀχυρώμασι τῶν κ. (2)
II Ma. 10. 28. τὴν ἐπὶ τὸν κύριον κ.
[Sm. I Ki. 23. 14: Ps. 70 (71). 3: Is. 28. 15.]
[Th. I Ki. 22. 4: Da. 11. 39.]
[Al. Is. 28. 15.]
[Quint. Ps. 90 (91). 9.]

καταφυτεύειν. (1) נָטַע (2) עָשָׂה (3) שָׁרַשׁ hi. (4) שָׁתַל
Ex. 15. 17. καταφύτευσον αὐτούς (1)
Le. 19. 23. καταφυτεύσετε [A -ητε] πᾶν ξύλον βρώσιμον (1)
De. 6. 11. οὓς οὐ κατεφύτευσας (1)
Jo. 24. 13. A οὓς οὐ κατεφυτεύσατε [B οὐκ ἐφυτ.] (1)
II Ki. 7. 10: I Ch. 17. 9. καταφυτεύσω αὐτόν (1)
Ps. 43 (44). 2. καὶ κατεφύτευσας αὐτούς (1)
79 (80). 8. κατεφύτευσας αὐτήν (1)
— 9. κατεφύτευσας τὰς ῥίζας αὐτῆς (3)
Pr. 31. 16. κατεφύτευσε κτῆμα (1)
Si. 49. 7. οἰκοδομεῖν καὶ καταφυτεύειν [S¹ φυτ.]
Am. 9. 14. R φυτεύσουσιν [A B καταφ.] ἀμπελῶνας (1)
— 14. R καὶ ποιήσουσι [A καταφυτεύσουσιν, B φυτεύσουσιν] κήπους (2)
— 15. καταφυτεύσω αὐτοὺς ἐπὶ τῆς γῆς αὐτῶν (1)
Ze. 1. 13. καὶ καταφυτεύσουσιν [A -σωσιν] ἀμπελῶνας (1)
Is. 65. 21. καταφυτεύσουσιν [S -σωσιν] ἀμπελῶνας (1)
Je. 1. 10. B S ἀνοικοδομεῖν καὶ κ. (1)
11. 17. κύριος ὁ καταφυτεύσας σε (1)
18. 9. τοῦ ἀνοικοδομεῖσθαι καὶ τοῦ καταφυτεύεσθαι (1)
24. 6. καταφυτεύσω αὐτοὺς καὶ οὐ μὴ ἐκτίλω (1)
36 (29). 5. S καταφυτεύσατε [A B φυτ.] παραδείσους (1)
38 (31). 28. τοῦ οἰκοδομεῖν καὶ κ. (1)
Ez. 17. 22. καταφυτεύσω ἐγὼ ἐπ' ὄρος ὑψηλόν (4)
— 23. καταφυτεύσω καὶ ἐξοίσει βλαστόν (4)
36. 36. κατεφύτευσα τὰς ἠφανισμένας (1)
II Ma. 1. 29. καταφύτευσον τὸν λαόν σου
[Aq. Je. 45. 4 (51. 34): Mi. 6. 14.]
[Sm. Je. 45. 4 (51. 34).]

καταφύτευσις.
Je. 38 (31). 22. ἔκτισε κύριος σωτηρίαν εἰς καταφύτευσιν καινήν –

καταχαίρειν. (1) לָעַג
Pr. 1. 26. καταχαροῦμαι δὲ ἡνίκα ἂν ἔρχηται ὑμῖν ὄλεθρος (1)

καταχαλᾶν. (1) יָרַד hi.
Jo. 2. 15. κατεχάλασεν αὐτοὺς διὰ τῆς θυρίδος (1)

καταχαλκοῦν. (1) צָפָה pi.
II Ch. 4. 9. καὶ θυρώματα αὐτῶν κατακεχαλκωμένα χαλκῷ (1)

καταχεῖν. (1) יָצַק (2) נָטָה (3) עָטָה hi.
Ge. 39. 21. κατέχεεν αὐτοῦ ἔλεος (2)
Jb. 41. 14 (15). καταχέει ἐπ' αὐτόν (1)
Ps. 88 (89). 45. κατέχεας αὐτοῦ [S² -ῷ] αἰσχύνην (3)
II Ma. 1. 31. A ἐκέλευσε λίθους μείζονας καταχεῖν [R κατασχεῖν]
IV Ma. 6. 25. δυσώδεις χυλοὺς εἰς τοὺς μυκτῆρας αὐτοῦ κατέχεον
[Th. Jb. 41. 15.]

καταχρᾶσθαι.
Ep. Je. 28. τὰς δὲ θυσίας αὐτῶν ἀποδόμενοι οἱ ἱερεῖς αὐτῶν καταχρῶνται
III Ma. 4. 5. πρὸς ὀξεῖαν καταχρωμένων πορείαν
5. 22. εἰς ὕπνον κατεχρήσαντο τὸν χρόνον τῆς νυκτός

κατάχρεος, κατάχρεως.
Wi. 1. 4. οὐδὲ κατοικήσει ἐν σώματι καταχρέῳ [? κατάχρεῳ] ἁμαρτίας

καταχρίειν. (1) חָמַר
Ex. 2. 3. κατέχρισεν αὐτὴν ἀσφαλτοπίσσῃ (1)
Wi. 13. 14. καταχρίσας μίλτῳ
— 14. πᾶσαν κηλῖδα τὴν ἐν αὐτῷ καταχρίσας

καταχρύσεα. (1) דִּי זָהָב
De. 1. 1. ἀνὰ μέσον . . . Αὐλὼν καὶ καταχρύσεα (1)

καταχρυσοῦν. (1) חָפָה pi. (2) צָפָה pi.
Ex. 25. 10 (11). καταχρυσώσεις αὐτὴν χρυσίῳ καθαρῷ (2)
— 12 (13). καταχρυσώσεις αὐτὰ χρυσίῳ (2)
— 27 (28). καταχρυσώσεις αὐτοὺς χρυσίῳ καθαρῷ (2)
26. 29. τοὺς στύλους καταχρυσώσεις χρυσίῳ (2)
— 29. καταχρυσώσεις τοὺς μοχλοὺς χρυσίῳ (2)
30. 3. καταχρυσώσεις αὐτὰ χρυσίῳ καθαρῷ (2)
— 5. καταχρυσώσεις αὐτὰς [A -ὰ] χρυσίῳ (2)
37. 4 (36. 36). στύλους . . . κατακεχρυσωμένους ἐν [A om.] χρυσίῳ (2)
— 6 (36. 38). τὰς κεφαλίδας αὐτῶν . . . κατεχρύσωσαν χρυσίῳ (2)
38. 2 (37. 2). κατεχρύσωσεν αὐτὴν χρυσίῳ καθαρῷ (2)
— 11 (37. 15). κατεχρύσωσεν αὐτοὺς χρυσίῳ (2)
— 18. κατεχρύσωσε τοὺς στύλους . . . χρυσίῳ (2 ?)
39. 6 (38. 28). κατεχρύσωσε τὰς κεφαλίδας αὐτῶν (2)
II Ch. 3. 4. καὶ κατεχρύσωσεν αὐτὸν ἔσωθεν (2)
— 5. καὶ κατεχρύσωσε χρυσίῳ καθαρῷ (1)
— 8. A κατεχρύσωσεν [B ἐχρ.] αὐτὸ χρυσίῳ καθαρῷ (1)
9. 17. κατεχρύσωσεν αὐτὸν χρυσίῳ δοκίμῳ (2)
[Th. Ex. 37. 4, 11, 15.]

κατάχυσις. (1) מוּצָק
Jb. 36. 16. ἄβυσσος κατάχυσις [A -σεις] ὑποκάτω αὐτῆς (1 ?)
[Aq. Dt. 3. 17.]

καταχωννύναι. (1) כָּבַשׁ
Za. 9. 15. καταχώσουσιν αὐτοὺς [S² om. κ. αὐ.] ἐν λίθοις σφενδόνης (1)
[Sm. Jb. 40. 8 (13).]

καταχωρίζειν. (1) כָּתַב ni. (2) עָלָה
I Ch. 27. 24. οὐ κατεχωρίσθη ὁ ἀριθμὸς ἐν βιβλίῳ λόγων (2)
Es. 2. 23. καταχωρίσαι εἰς μνημόσυνον (1)
III Ma. 2. 29. R οὓς καὶ καταχωρίσαι [A προκατ.] εἰς τὴν . . . αὐθεντίαν

καταψεύδεσθαι.
Wi. 1. 11. στόμα δὲ καταψευδόμενον ἀναιρεῖ ψυχήν
[Sm. Jb. 16. 8.]

καταψευσμός.
Si. 26. 5. καὶ καταψευσμὸν ὑπὲρ θάνατον

καταψύξις.
[Th. Ge. 3. 9 (8).]

καταψύχειν. (1) שָׁעַן ni.
Ge. 18. 4. καταψύξατε ὑπὸ τὸ δένδρον (1)

κατέαγμα.
[Al. Le. 24. 20.]

κατεγχειρεῖσθαι.
III Ma. 1. 21. *ἐπὶ τοῖς ἀνοσίως ὑπ' ἐκείνου κατεγχειρουμένοις*

κατειλεῖν. (1) סָגַר
II Ch. 9. 20. A *πάντα τὰ σκεύη . . . χρυσίῳ κατειλημένα* [B *-ημμένα*] (1)

κατειπεῖν. (1) הוֹצִיא דִבָּה
Nu. 14. 37. *οἱ* [B[1] *om.*] *κατείπαντες πονηρὰ κατὰ τῆς γῆς* (1)

κατελαύνειν. (1) טָחַן (2) פָּרַץ
De. 9. 21. A *καὶ κατήλασα σφόδρα* [B *al.*] (1)
Is. 5. 5. R *κατελῶ* [A B S *καθελῶ*] *τὸν τοῖχον αὐτοῦ* (2)
[Aq. Ps. 140 (141). 5: Is. 28. 1: 41. 7.]

κατελεεῖν.
IV Ma. 8. 10. *κατελεήσατε οὖν ἑαυτούς*

κατεμβλέπειν. (1) נָבַט hi.
Ex. 3. 6. *κατεμβλέψαι ἐνώπιον τοῦ θεοῦ* (1)

κατέναντι, κατεναντίον. * ὁ κατέναντι
Ge. 2. 14: 4. 16: 50. 13.
Ex. 19. 2: 32. 5, 11†.
Nu. 17. 4 (19).
Jd. 19. 10†.
II Ki. 10. 17†: 22. 23.
III Ki. 20 (21). 13†.
IV Ki. 1. 13: 15. 10†.
I Ch. 5. 11: 8. 32: 19. 7, 14: 24. 6: 26. 15, 16†, 18.
II Ch. 2. 6 (5): 4. 10 (*adv.*): 5. 12†: 6. 12, 22, 24, 28: 8. 14: 32. 12: 34. 27.
Ne. 3. 10, 23: 12. 24, 37.
To. 11. 1†.
Ju. 12. 15†, 19.
Ps. 5. 5: 25 (26). 3: 43 (44). 15†.
Ec. 4. 12: 6. 8.
Si. 22. 18 *bis*: 26. 12, 12†: 28. 26: 29. 13: 31 (34). 3: 36 (33). 15: 38. 28: 42. 24: 47. 9: 50. 19.
Am. 3. 12: 4. 3.
Mi. 2. 8.
Jl. 1. 16.
Za. 14. 4*†.
Is. 38. 20.
Ba. 4. 2.
La. 3. 35.
Ez. 1. 9†: 3. 8 *bis*: 11. 1 (*adv.*)*: 40. 10 (*adv.*), 27, 42: 41. 13, 14: 42. 1, 4, 19†: 44. 4: 47. 20 (*ἕως κ.*).
Da. LXX. 3. 3, 7: 5. 1, 5, 17: 6. 10 (11): 8. 7, 15.
Da. TH. Su. 24: 5. 1, 5: 6. 10 (11), 22 (23).
I Ma. 2. 41: 3. 46: 13. 28.
II Ma. 15. 33.
[Aq. Ge. 2. 18: 33. 12 (*εἰς κ.*): Ps. 25 (26). 3 (*εἰς κ.*): 30 (31). 20, 23 (*ἀπὸ κ.*): Pr. 4. 25: 21. 30: Ca. 6. 4 (5) (*ἀπὸ κ.*).]
[Sm. Pr. 5. 21: 21. 30.]
[Th. III Ki. 21. 13: Pr. 4. 25: 5. 21: 21. 30: Ez. 20. 43: Da. 4. 15 (*κ. ὅτι*)†: 5. 1, 5, 10†: 6. 3 (*κ. ὅτι*)†, 8†.]
[Al. Ex. 25. 26 (27): II Ki. 5. 23 (*κ. ἐν*).]

κατενισχύειν. (1) חָזַק hithp.
I Ch. 29. 30 (II Ch. 1. 1). B *κατενίσχυσεν Σαλ. . . . ἐπὶ τῆς βασιλείας* (1)

κατεντευκτής. (1) מִפְגָּע
Jb. 7. 20. *διὰ τί ἔθου με κατεντευκτήν σου* (1)

κατενώπιον.
Le. 4. 17†.
Jo. 1. 5: 3. 7: 21. 42: 23. 9.
Es. 5. 1†.
Ps. 43 (44). 15†.
Da. TH. 5. 22†.

κατεπαίρεσθαι.
[Sm. Ps. 60 (61). 3.]

κατεπείγειν. (1) נָשַׁה
Ex. 22. 25 (24). *οὐκ ἔσῃ αὐτὸν κατεπείγων* (1)

κατεπίθεσις.
[Aq. Ps. 31 (32). 2: 119 (120). 3.]

κατεπίθυμος.
Ju. 12. 16. *ἦν κατεπίθυμος σφόδρα*

κατεπικύπτειν.
Es. 5. 1. *κατεπέκυψεν ἐπὶ τὴν κεφαλήν* [A *al.*]

κατεργάζεσθαι. (1) חָרַשׁ (2) כְּרֻתוֹת (3) מְשָׂרָה (4) עָבַד *a.* qal. *b.* ni. (5) עָשָׂה (6) פָּעַל (7) צוּק hi. (8) רָדָה
Ex. 15. 17. A *κατοικητήριόν σου ὃ κατηργάσω* [B *-ηρτίσω*] (6)
35. 33. *κατεργάζεσθαι τὰ ξύλα* (1)
39. 1 (38. 24). *ὃ κατειργάσθη εἰς τὰ ἔργα* (5)
Nu. 6. 3. *ὅσα κατεργάζεται ἐκ σταφυλῆς* (3)
De. 28. 39. *ἀμπελῶνα φυτεύσεις καὶ κατεργᾷ* (4 *a*)
Jd. 16. 16. A *ὅτε κατειργάσατο αὐτόν* [B *al.*] (7)
III Ki. 6. 36. *στίχος κατειργασμένης κέδρου* (2)
I Es. 4. 4. *κατεργάζονται τὰ ὄρη*
Ps. 67 (68). 28. S[2] *ὃ κατειργάσω* [B S[1] *-ηρτίσω*] *ἡμῖν* (6)
Ez. 34. 4. *τὸ ἰσχυρὸν κατειργάσασθε μόχθῳ* (8)
36. 9. *καὶ κατεργασθήσεσθε* (4 *b*)
[Aq. Jb. 11. 8: Ps. 10 (11). 3: 27 (28). 3: 30 (31). 20.]
[Al. Le. 25. 39, 53: Jo. 18. 1.]

κατεργασία. (1) מְלָאכָה
I Ch. 28. 19. *κατὰ τὴν . . . σύνεσιν τῆς κ. τοῦ παραδείγματος* (1)
[Aq. Ps. 27 (28). 5: Is. 40. 10.]

κατέργασμα.
[Aq. Ps. 45 (46). 9: Pr. 8. 22.]

κάτεργον. (1) עֲבֹדָה
Ex. 30. 16. A R *εἰς τὸ* [B *om.*] *κ. τῆς σκηνῆς* (1)
35. 21. *ἤνεγκαν ἀφαίρεμα . . . εἰς πάντα τὰ κ. αὐτῆς* (1)
[Aq. Jb. 24. 5: Ps. 27 (28). 4.]

κατερείπειν.
[Th. Jb. 37. 1.]

κατερευνᾶν. (1) חָשַׂף
Je. 29 (49). 10. A *κατηρεύνησα* [*cod.* *-αύν.*, B *-έσυρα*] *τὸν Ἡσαῦ* (1)

κατέρχεσθαι.
To. 1. 22. S *κατῆλθον εἰς τὴν Νινευῆ* [A B *al.*]
2. 1. *ὅτε δὲ κατῆλθον εἰς τὸν οἰκόν μου* [S *al.*]
Es. 3. 13. *εἰς* [A *om.*] *τὸν ᾅδην κατελθόντες*
Wi. 11. 22. *ὡς ῥανὶς δρόσου ὀρθρινὴ κατελθοῦσα ἐπὶ γῆν* [S[2] *γῆς*]
II Ma. 11. 29. R *κατελθόντας ὑμᾶς γίνεσθαι πρὸς τοῖς ἰδίοις* [A *al.*]
[Sm. Jb. 21. 13.]

κατέσθειν, κατεσθίειν (*incl.* καταφαγεῖν, κατέδεσθαι). (1) אָכַל *a.* qal. *b.* ni. *c.* po. *d.* pu. *e.* אֲכַל (2) בָּלַע (3) בָּעַר (4) חָסַל (5) כָּלָה pi. (6) נָשָׂא (7) שָׁכַל pi.
Ge. 31. 15. *κατέφαγε καταβρώσει τὸ ἀργύριον ἡμῶν* (1 *a*)
— 38. *κριοὺς τῶν προβάτων σου οὐ κατέφαγον* (1 *a*)
37. 20, 33. *θηρίον πονηρὸν κατέφαγεν αὐτόν* (1 *a*)
40. 17. *τὰ πετεινὰ . . . κατήσθιεν αὐτά* (1 *a*)
41. 4, 20. *κατέφαγον αἱ ἑπτὰ βόες . . . τὰ ἑ. βόας* (1 *a*)
43. 2. *καταφαγεῖν τὸν σῖτον* (1 *a*)
Ex. 10. 5. B *κατέδεται πᾶν τὸ περισσὸν τῆς γῆς* [A *om. τ. γ.*] (1 *a*)
— 5. *κατέδεται πᾶν ξύλον* (1 *a*)
— 12. *κατέδεται πᾶσαν βοτάνην* (1 *a*)
— 15. *κατέφαγε πᾶσαν βοτάνην* (1 *a*)
15. 7. *κατέφαγεν αὐτοὺς ὡς καλάμην* (1 *a*)
Le. 9. 24. *κατέφαγε τὰ ἐπὶ τοῦ θυσιαστηρίου* (1 *a*)
10. 2. *καὶ κατέφαγεν αὐτούς* (1 *a*)
26. 22. *καὶ κατέδεται ὑμᾶς* (7)
— 38. *κατέδεται ὑμᾶς ἡ γῆ τῶν ἐχθρῶν ὑμῶν* (1 *a*)
Nu. 11. 1. *κατέφαγε μέρος τι τῆς παρεμβολῆς* (1 *a*)
12. 12. *κατεσθίει τὸ ἥμισυ τῶν σαρκῶν αὐτῆς* (1 *b*)
13. 33 (32). *γῆ κατέσθουσα τοὺς κατοικοῦντας ἐπ' αὐτῆς* (1 *a*)
16. 35. *κατέφαγε τοὺς πεντήκοντα καὶ διακοσίους ἄνδρας* (1 *a*)
21. 28. *καὶ κατέφαγεν ἕως Μωάβ* (1 *a*)
26. 10. *ὅτε κατέφαγε τὸ πῦρ τοὺς πεντήκοντα* (1 *a*)
De. 28. 38. *κατέδεται αὐτὰ ἡ ἀκρίς* (4)
— 39. *καταφάγεται αὐτὰ ὁ σκώληξ* (1 *a*)
— 51. *κατέδεται τὰ ἔκγονα τῶν κτηνῶν σου* (1 *a*)
— 55. *ὧν ἂν κατέσθῃ* (1 *a*)
— 57. *καταφάγεται γὰρ αὐτά* (1 *a*)
32. 22. *καταφάγεται γῆν* (1 *a*)
— 42. A *ἡ μάχαιρά μου καταφάγεται* [R *φάγ.*] *κρέα* (1 *a*)
Jd. 6. 21. *κατέφαγε τὰ κρέα* (1 *a*)
9. 15. A R *καταφάγοι* [B *-ῃ*] *τὰς κέδρους τοῦ Λιβάνου* (1 *a*)
— 20. A R *καταφάγοι* [B *φ.*] *τοὺς ἄνδρας Σικ.* (1 *a*)
— 20. *καταφάγοι τὸν Ἀβ.* (1 *a*)
II Ki. 2. 26. *μὴ εἰς νῖκος καταφάγεται ἡ ῥομφ.* (1 *a*)
11. 25. A *καταφάγεται* [B *φάγ.*] *ἡ μάχαιρα* (1 *a*)
18. 8. *ἐπλεόνασεν ὁ δρυμὸς τοῦ καταφαγεῖν* (1 *a*)
— 8. *ὑπὲρ οὓς κατέφαγεν ἐν τῷ λαῷ* [A *om.* *ἐν τ. λ.*] *ἡ μάχαιρα* (1 *a*)
22. 9. *πῦρ ἐκ στόματος αὐτοῦ κατέδεται* (1 *a*)
III Ki. 12. 24 (B *cf.* A 14. 11). *καταφάγονται οἱ κύνες* –
— 24 (B *cf.* A 14. 11). *καταφάγεται τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ* –
14. 11. A *καταφάγονται οἱ κύνες* (1 *a*)
— 11. A *καταφάγονται τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρ.* (1 *a*)
16. 4. *καταφάγονται αὐτὸν* [A *om.*] *οἱ κύνες* (1 *a*)
— 4. *καταφάγονται αὐτὸν τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρ.* (1 *a*)
18. 38. *κατέφαγε τὰ ὁλοκαυτώματα* (1 *a*)
20 (21). 23. *οἱ κύνες καταφάγονται αὐτήν* (1 *a*)
— 24. A *τὸν τεθνηκότα . . . καταφάγονται* [B *φάγ.*] *οἱ κύνες* (1 *a*)
— 24. A *τὸν τεθνηκότα . . . καταφάγονται* [B *φάγ.*] *τὰ πετεινά* (1 *a*)
IV Ki. 1. 10. *καὶ καταφάγεταί σε* (1 *a*)
— 10. *καὶ κατέφαγεν αὐτόν* (1 *a*)
— 12. *καὶ καταφάγεταί σε* (1 *a*)
— 12. *καὶ κατέφαγεν αὐτόν* (1 *a*)
— 14. *κατέφαγε τοὺς δύο πεντηκοντάρχους* (1 *a*)
9. 10. *τὴν Ἰεζ. καταφάγονται οἱ κύνες* (1 *a*)
— 36. *καταφάγονται οἱ κύνες τὰς σάρκας Ἰ.* (1 *a*)
II Ch. 7. 1. *κατέφαγε τὰ ὁλοκαυτώματα* (1 *a*)
— 13. *ἐὰν ἐντείλωμαι τῇ ἀκρίδι καταφαγεῖν τὸ ξύλον* (1 *a*)
Es. 1. 1. *κατέφαγον τοὺς ἐνδόξους*
Jb. 1. 16. A *κατέφαγεν* [B S *-έκαυσε*] *τὰ πρόβατα* (3)
— 16. *τοὺς ποιμένας κατέφαγεν* [A *-έκαυσεν*, S[1] *-έφλεξεν*] (1 *a*)
18. 13. *κατέδεται δὲ αὐτοῦ τὰ ὡραῖα* [A *ὤμια*] *θάνατος* (1 *a*)
20. 26. *κατέδεται αὐτὸν πῦρ ἄκαυστον* [A *ἄσβεστον*] (1 *c*)
22. 20. *τὸ κατάλειμμα αὐτῶν καταφάγεται πῦρ* (1 *a*)
Ps. 13 (14). 4. *οἱ κατέσθοντες* [A *-ίοντες*, S *ἐσθίοντες*] *τὸν λαόν μου* (1 *a*)
20 (21). 9. *καταφάγεται αὐτοὺς πῦρ* (1 *a*)
52 (53). 4. R *οἱ κατεσθίοντες* [B S[1] *ἔσθοντες*, S[2] *κατέσθοντες*] *τὸν λαόν μου* (1 *a*)
68 (69). 9. B[1] S[1] *ὁ ζῆλος τοῦ οἴκου σου καταφάγεταί* [B[3] S[2] R *-έφαγε*] *με* (1 *a*)
77 (78). 45. *κατέφαγεν αὐτούς* (1 *a*)
— 63. *τοὺς νεανίσκους αὐτῶν κατέφαγε πῦρ* (1 *a*)
78 (79). 7. *κατέφαγον τὸν Ἰακώβ* (1 *a*)
104 (105). 35. *κατέφαγε πάντα τὸν χόρτον* (1 *a*)
— 35. *κατέφαγε τὸν καρπὸν τῆς γῆς αὐτῶν* (1 *a*)
Pr. 24. 37 (30. 14). *κατεσθίειν* [A *om.*] *τοὺς ταπεινοὺς ἀπὸ τῆς γῆς* (1 *a*)
— 52 (30. 17). *καταφάγοισαν αὐτὸν νεοσσοὶ ἀετῶν* (1 *a*)
Ec. 6. 2. S[1] *ἀνὴρ ξένος καταφάγεται* [A B S[2] *φάγ.*] *αὐτόν* [A *-ά*] (1 *a*)
Si. 6. 3. *τὰ φύλλα σου καταφάγεσαι*
43. 21. *καταφάγεται ὄρη καὶ ἔρημον ἐκκαύσει*
Ho. 2. 12 (14). *καὶ καταφάγεται αὐτὰ τὰ θηρία* (1 *a*)
5. 7. *νῦν καταφάγεται αὐτοὺς ἡ ἐρυσίβη* (1 *a*)
7. 7. *καὶ κατέφαγον* [A *-εν πῦρ*] *τοὺς κριτὰς αὐτῶν* (1 *a*

Ho. 7. 9. κατέφαγον ἀλλότριοι τὴν ἰσχὺν αὐτοῦ (1 a)
8. 7. ἀλλότριοι καταφάγονται αὐτό (2)
— 14. καὶ καταφάγεται τὰ θεμέλια αὐ. (1 a)
13. 8. καταφάγονται [A φάγ.] αὐτοὺς ἐκεῖ σκύμνοι δρυμοῦ (1 a)
Am. 1. 4. καταφάγεται θεμέλια υἱοῦ Ἀδ. (1 a)
— 7, 10. καταφάγεται θεμέλια αὐτῆς (1 a)
— 12. καταφάγεται θεμέλια τειχέων αὐτῆς (1 a)
— 14. καταφάγεται θεμέλια αὐτῆς (1 a)
2. 2. καταφάγεται τὰ θεμέλια τῶν πόλεων (1 a)
— 5. καταφάγεται θεμέλια Ἱερουσ. (1 a)
4. 9. ἐλαιῶνας ὑμῶν κατέφαγεν ἡ κάμπη (1 a)
5. 6. καὶ καταφάγῃ [A καταφάγεται] αὐτόν (1 a)
7. 2. ἐὰν συντελέσῃ τοῦ καταφαγεῖν τὸν χόρτον (1 a)
— 4. κατέφαγε τὴν ἄβυσσον τὴν πολλήν (1 a)
— 4. καὶ κατέφαγε τὴν μερίδα κυρίου (1 a)
Mi. 3. 3. κατέφαγον τὰς σάρκας τοῦ λαοῦ (1 a)
Jl. 1. 4. τὰ κατάλοιπα τῆς κάμπης κατέφαγεν ἡ ἀκρίς (1 a)
— 4. τὰ κατάλοιπα τῆς ἀκρίδος κατέφαγεν ὁ βροῦχος (1 a)
— 4. τὰ κατάλοιπα τοῦ βρούχου κατέφαγεν ἡ ἐρυσίβη (1 a)
— 20. πῦρ κατέφαγε τὰ ὡραῖα τῆς ἐρήμου (1 a)
2. 5. φλογὸς πυρὸς κατεσθιούσης καλάμην (1 a)
— 25. ὧν κατέφαγεν ἡ ἀκρίς (1 a)
Ob. 1. 18. καὶ καταφάγονται αὐτούς (1 a)
Na. 2. 13 (14). τοὺς λέοντάς σου καταφάγεται (1 a)
3. 13. καταφάγεται πῦρ τοὺς μοχλούς σου (1 a)
— 15. ἐκεῖ καταφάγεταί σε πῦρ (1 a)
— 15. καταφάγεταί σε ὡς ἀκρίς (1 a)
Za. 11. 1. καταφαγέτω πῦρ τὰς κέδρους σου (1 a)
— 9. A R τὰ κατάλοιπα [B S λ.] κατεσθιέτωσαν (1 a)
— 16. τὰ κρέα τῶν ἐκλεκτῶν καταφάγεται (1 a)
12. 6. καταφάγονται . . . τοὺς λαούς (1 a)
Is. 1. 7. ἀλλότριοι κατεσθίουσιν αὐτήν (1 a)
— 20. μάχαιρα ὑμᾶς κατέδεται (1 d)
9. 12 (11). τοὺς κατεσθίοντας τὸν Ἰσρ. (1 a)
10. 18. καταφάγεται ἀπὸ ψυχῆς ἕως σαρκῶν (5)
29. 6. φλὸξ πυρὸς κατεσθίουσα (1 a)
30. 30. μετὰ . . . φλογὸς κατεσθιούσης (1 a)
31. 8. οὐδὲ μάχαιρα ἀνθρώπου καταφάγεται αὐτόν (1 a)
33. 11. πῦρ κατέδεται ὑμᾶς (1 a)
50. 9. σὴς [A ὡς σ.] καταφάγεται ὑμᾶς (1 a)
61. 6. ἰσχὺν ἐθνῶν κατέδεσθε (1 a)
Je. 2. 30. μάχαιρα κατέφαγε τοὺς προφήτας ὑμῶν (1 a)
5. 14. καταφάγεται αὐτούς (1 a)
— 17. A B S² κατέδονται τὸν θερισμόν (1 a)
— 17. κατέδονται τοὺς υἱοὺς ὑμῶν (1 a)
— 17. κατέδονται τὰ πρόβατα ὑμῶν (1 a)
— 17. κατέδονται τοὺς ἀμπελῶνας ὑμῶν (1 a)
8. 16. καταφάγεται τὴν γῆν (1 a)
10. 25. κατέφαγον [S¹ -γεσαν] τὸν Ἰακώβ (1 a)
12. 9. A ἐλθάτωσαν τοῦ κ. [B S φ.] αὐτήν (1 a)
— 12. μάχαιρα τοῦ κ. καταφάγεται [A -έφαγεν] τῆς γῆς (1 a)
17. 27. καταφάγεται ἄμφοδα Ἱερουσαλήμ (1 a)
21. 14. A κατέδεται [B S ἔ.] πάντα τὰ κύκλῳ αὐτῆς (1 a)
26. (46). 10. καταφάγεται ἡ μάχαιρα κυρίου (1 a)
— 14. κατέφαγε μάχαιρα τὴν σμίλακά σου (1 a)
27 (50). 32. καταφάγεται πάντα τὰ κύκλῳ αὐτῆς (1 a)
28 (51). 34. κατέφαγέ με (1 a)
30 (49). 27. καταφάγεται ἄμφοδα υἱοῦ Ἄδερ (1 a)
La. 2. 3. κατέφαγε πάντα τὰ κύκλῳ (1 a)
4. 11. κατέφαγε τὰ θεμέλια αὐτῆς (1 a)
Ep. Je. 20. τῶν . . . ἑρπετῶν κατεσθόντων αὐτούς
Ez. 3. 1. κατάφαγε τὴν κεφαλίδα ταύτην (1 a)
15. 7. πῦρ αὐτοὺς καταφάγεται (1 a)
19. 14. κατέφαγεν αὐτήν (1 a)
20. 47 (21. 3). καταφάγεται ἐν σοὶ πᾶν ξύλον χλωρόν (1 a)
22. 25. ψυχὰς κατεσθίοντες [A add. ἐδυνάστευσαν] ἐν δυναστείᾳ (1 a)
23. 25. τοὺς καταλοίπους σου πῦρ καταφάγεται [A al.] (1 b)
28. 18. τοῦτο καταφάγεταί σε (1 a)
34. 3. τὸ γάλα κατέσθετε [A -θίετε] (1 a)
36. 8. τὸν καρπὸν ὑμῶν καταφάγεται [A καρπὸν φάγ.] ὁ λαός μου (6)
— 13. κατέσθουσα ἀνθρώπους εἶ (1 a)
Da. LXX. 7. 5. κατάφαγε σάρκας πολλάς (1 e)
— 19. κατεσθίοντος [cod. -ες] πάντας κυκλόθεν (1 e)
— 23. καταφάγεται πᾶσαν τὴν γῆν (1 e)
Bel 8. αὐτὸς ὁ Βὴλ ἐστιν ὁ κατεσθίων αὐτά
— 8. οὐκ ἐστὶν ὁ Βὴλ ὁ κατεσθίων ταῦτα
Da. LXX. Bel 14. κατεφάγοσαν πάντα τὰ παρακείμενα
Da. TH. 7. 23. καταφάγεται πᾶσαν τὴν γῆν (1 e)
Bel 8. τίς ὁ κατέσθων [A -ίων] τὴν δαπάνην ταύτην
— 9. Βὴλ κατεσθίει αὐτά
— 15. καὶ κατέφαγον πάντα
— 32. ἵνα καταφάγωσι τὸν Δαν.
I Ma. 6. 53. κατέφαγον τὸ ὑπόλειμμα τῆς παραθέσεως
[Aq. Dt. 4. 24: III Ki. 14. 11 bis: Pr. 30. 14: Ez. 7. 15.]
[Sm. Ps. 26 (27). 2: Pr. 30. 14: Is. 10. 17: 50. 9: Hb. 3. 14.]
[Th. Jb. 22. 20: Ps. 104 (105). 35: Pr. 30. 14: Je. 48 (31). 45: Da. 7. 23.]
[Al. Hb. 3. 14.]

κατευθικτεῖν.

II Ma. 14. 43. τῇ δὲ πληγῇ μὴ κατευθικτήσας

κατευθύνειν. (1) אִשַּׁר pi. (2) יָשַׁר a. qal. b. pi. c. hi. d. יָשָׁר e. מְיֻשָּׁר f. מֵישָׁרִים (3) כּוּל pilp. (4) כּוּן a. ni. b. pil. c. pu. d. hi. e. hithp. (5) נָצַל hi. (6) פָּרַץ (7) צָלַח a. qal. b. hi. c. צִלַּח aph. (8) תָּכַן a. qal. b. ni.

Jd. 12. 6. καὶ οὐ κατεύθυνε [A καὶ κατηύθυναν] τοῦ λαλῆσαι (4 d)
14. 6. A κατηύθυνεν [B ἥλατο] ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (7 a)
— 19. A κατεύθυνεν [B ἥλατο] ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (7 a)
15. 14. A κατηύθυνεν [B ἥλατο] ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (7 a)
I Ki. 6. 12. κατεύθυναν αἱ βόες ἐν τῇ ὁδῷ (2 a)
II Ki. 19. 17 (18). κατεύθυναν τὸν Ἰορδάνην (7 a)
III Ki. 11. 43. R κατευθύνει [B -ειν] καὶ ἔρχεται –
I Ch. 29. 18. κατεύθυνον τὰς καρδίας αὐτῶν πρὸς σέ (4 d)
II Ch. 12. 14. οὐ κατεύθυνε τὴν καρδίαν αὐτοῦ (4 d)
17. 5. κατεύθυνε κύριος τὴν βασιλείαν (4 d)
19. 3. κατηύθυνας τὴν καρδίαν σου (4 d)
20. 33. ὁ λαὸς οὐ κατεύθυνε τὴν καρδίαν (4 d)
30. 19. ὑπὲρ πάσης καρδίας κατευθυνούσης (4 d)
32. 30. καὶ κατηύθυνεν αὐτὰ κάτω (2 b)
Ju. 8. 23. οὐ κατευθυνθήσεται ἡ δουλεία ἡμῶν
12. 8. κατευθῦναι τὴν ὁδὸν αὐτῆς
13. 18. κατεύθυνέ σε εἰς τραῦμα κεφαλῆς
Es. 3. 13. τὴν ὑφ' ἡμῶν κατευθυνομένην ἀμέμπτως συναρχίαν
8. 13. τοῦ κατευθύνοντος . . . τὴν βασιλείαν [S¹ ἁγίαν]
Ps. 5. 8. κατεύθυνον ἐνώπιόν σου τὴν ὁδόν μου (2 c)
7. 9. καὶ κατευθυνεῖς δίκαιον (4 b)
36 (37). 23. τὰ διαβήματα ἀνθρώπου [S¹ ἀνδρὶ] κατευθύνεται (4 c)
39 (40). 2. κατεύθυνε τὰ διαβήματά μου (4 b)
58 (59). 4. ἄνευ ἀνομίας ἔδραμον καὶ κατεύθυνα (4 e)
77 (78). 8. ἥτις οὐ κατεύθυνεν ἐν τῇ καρδίᾳ [S² τὴν κ.] αὐτῆς (4 d)
89 (90). 17. τὰ ἔργα τῶν χειρῶν ἡμῶν κατεύθυνον ἐφ' ἡμᾶς (4 b)
— 17. A S τὸ ἔργον τῶν χειρῶν ἡμῶν κατεύθυνον (4 b)
100 (101). 7. λαλῶν ἄδικα οὐ κατεύθυνεν (4 a)
101 (102). 28. τὸ σπέρμα αὐτῶν . . . κατευθυνθήσεται (4 a)
118 (119). 5. ὄφελον κατευθυνθείησαν αἱ ὁδοί μου (4 a)
— 133. τὰ διαβήματά μου κατεύθυνον (4 d)
139 (140). 11. A B² S R ἀνὴρ γλωσσώδης οὐ [S¹ add. μὴ, S² om.] κατευθυνθήσεται (4 a)
140 (141). 2. κατευθυνθήτω ἡ προσευχή μου (4 a)
Pr. 1. 3. καὶ κρίμα κατευθύνειν (2 f)
4. 26. τὰς ὁδούς σου κατεύθυνε (4 a)
9. 15. τοὺς . . . κατευθύνοντας ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν (2 b)
13. 13. κατευθυνθήσεται ἡ ὁδὸς αὐτοῦ –
15. 8. εὐχαὶ δὲ κατευθυνόντων δεκταὶ παρ' αὐτῷ (2 d)
— 21. ἀνὴρ δὲ φρόνιμος κατευθύνων πορεύεται (2 b)
21. 2. κατευθύνει δὲ καρδίας κύριος (8 a)
23. 19. κατεύθυνε ἐννοίας σῆς καρδίας (1)
29. 27. βδέλυγμα δὲ ἀνόμῳ κατευθύνουσα ὁδός (2 d)
Si. 29. 18. ἐγγύη πολλοὺς ἀπώλεσε κατευθύνοντας
39. 7. αὐτὸς κατευθυνεῖ βουλὴν αὐτοῦ καὶ ἐπιστήμην
49. 2. αὐτὸς κατευθύνθη ἐν ἐπιστροφῇ λαοῦ [S¹ αὐτοῦ]
Si. 49. 3. κατεύθυνε πρὸς κύριον τὴν καρδίαν [A ὁδὸν] αὐτοῦ
51. 20. τὴν ψυχήν μου κατεύθυνα εἰς αὐτήν
Ho. 4. 10. ἐπόρνευσαν καὶ οὐ μὴ κατευθύνωσι [A -οῦσιν] (6)
Za. 11. 16. καὶ τὸ ὁλόκληρον οὐ μὴ κατευθύνῃ (3)
Ma. 2. 6. κατευθύνων ἐπορεύθη μετ' ἐμοῦ (2 e)
Je. 15. 11. γένοιτο δέσποτα κατευθυνόντων αὐτῶν †
21. 12. κρίνατε πρωὶ κρίμα καὶ κατευθύνατε (5 ?)
Ez. 17. 9. εἰ κατευθυνεῖ [A -υνθήσεται] (7 a)
— 10. μὴ κατευθυνεῖ (7 a)
— 15. εἰ κατευθυνεῖ (7 a)
18. 25. οὐ κατευθύνει [A κατορθοῖ] ἡ ὁδὸς κυρίου . . . . μὴ ἡ ὁδός μου οὐ κατευθύνει; οὐχὶ ἡ ὁδὸς ὑμῶν οὐ κατευθύνει (8 b ter)
Da. TH. 3. 30 (97). ὁ βασ. κατεύθυνε τὸν Σ. (7 c)
6. 28 (29). κατηύθυνεν ἐν τῇ βασιλείᾳ Δαρ. (7 c)
8. 24. καὶ κατευθυνεῖ καὶ ποιήσει (7 b)
— 25. ὁ ζυγὸς τοῦ κλοιοῦ αὐτοῦ κατευθυνεῖ (7 b)
11. 27. καὶ οὐ κατευθυνεῖ (7 a)
— 36. λαλήσει ὑπέρογκα καὶ κατευθυνεῖ (7 b)
III Ma. 7. 2. κατευθύνοντος ἡμῖν τοῦ μεγάλου θεοῦ
[Aq. Ge. 39. 2: Ps. 5. 9: Pr. 9. 6: Is. 55. 11: Je. 5. 28.]
[Sm. Pr. 9. 6: Je. 5. 28: Ez. 18. 25.]
[Th. Jd. 14. 19: 15. 14: Ps. 7. 10: Je. 5. 28: 32 (39). 5: Da. 3. 30 (97).]

κατευλογεῖν.

To. 11. 1. A B κατευλόγει Ῥαγουὴλ καὶ Ἔδναν
— 17. κατευλόγησεν [S εὐλ.] αὐτήν

κατευοδοῦν. (1) עָמַס (2) צָלַח a. qal. b. hi.

Jd. 18. 5. A εἰ κατευοδοῖ ἡ ὁδὸς ἡμῶν [B om.] (2 b)
Ps. 1. 3. πάντα ὅσα ἂν ποιῇ [A -ήσῃ] κατευοδωθήσεται (2 b)
36 (37). 7. μὴ παραζήλου ἐν τῷ κατευοδουμένῳ (2 b)
44 (45). 4. ἔντεινον καὶ κατευοδοῦ (2 a)
67 (68). 19. κατευοδώσει ἡμῖν ὁ θεός (1)
Pr. 17. 23. λαμβάνοντος δῶρα ἐν κόλποις [A S -ῳ] ἀδίκως οὐ κατευοδοῦνται ὁδοί †
Da. TH. 8. 11. καὶ κατευωδώθη αὐτῷ †
— 12. A καὶ κατευοδώθη [B εὐωδ.] (2 b)
I Ma. 2. 47. κατευοδώθη τὸ ἔργον
[Sm. Ge. 39. 2.]

κατευφημεῖν.

III Ma. 7. 13. τότε κατευφημήσαντες αὐτόν

κατεύχεσθαι.

II Ma. 15. 12. κατεύχεσθαι τῷ παντὶ τῶν Ἰουδ. συστήματι
IV Ma. 12. 20. καὶ ταῦτα κατευξάμενος

κατέχειν. (1) אָחַז a. qal. b. ni. (2) אָחַר pi. (3) אָסַף (4) אָסַר a. qal. b. ni. (5) חָזַק a. pi. b. hi. (6) חָלַק (7) חָסַן aph. (8) יָרַשׁ (9) יָשַׁב עַל (10) לָכַד (11) נָחַל (12) נָפַל hi. (13) עָנַן ni. (14) עָצַר (15) שָׁנָה hi. (16) תָּפַשׂ (17) תָּקַף

Ge. 22. 13. κατεχόμενος ἐν φυτῷ . . . τῶν κεράτων (1 b)
24. 56. μὴ κατέχετέ με (2)
39. 20. τόπον ἐν ᾧ οἱ δεσμῶται . . . κατέχονται (4 a)
42. 19. ἀδελφὸς ὑμῶν εἷς κατασχεθήτω (4 b)
Ex. 32. 13. καθέξουσιν αὐτὴν εἰς τὸν αἰῶνα (11)
Jo. 1. 11. εἰσελθόντες κατασχεῖν τὴν γῆν (8)
Jd. 13. 15. κατάσχωμεν ὧδέ σε [A al.] (14)
— 16. ἐὰν κατάσχῃς [A βιάσῃ] με (14)
19. 4. κατέσχεν [A εἰσήγαγεν] αὐτὸν ὁ γαμβρὸς αὐτοῦ (5 b)
Ru. 1. 13. ἢ αὐτοῖς κατασχεθήσεσθε (13)
II Ki. 1. 9. κατέσχε με σκότος δεινόν (1 a)
2. 21. κατάσχε σεαυτῷ ἓν τῶν παιδαρίων (1 a)
4. 10. καὶ κατέσχον αὐτόν (1 a)
6. 6. ἐξέτεινεν . . . κατασχεῖν αὐτήν (1 a)
— 6. B τοῦ κατασχεῖν αὐτήν –
III Ki. 1. 51. κατέχει τῶν κεράτων τοῦ θυσιαστηρίου (1 a)
2. 28. κατέσχε τῶν κεράτων τοῦ θυσιαστηρίου (5 b)
— 29. κατέχει τῶν κεράτων τοῦ θυσιαστηρίου †
IV Ki. 3. 10. A τοὺς τρεῖς βασιλεῖς κατεχομένους [B παρερχομ.] †
12. 12 (13). τοῦ κατασχεῖν τὸ βεδὲκ οἴκου κ. (5 a)

I Ch. 13. 9. τοῦ κατασχεῖν τὴν κιβωτόν (1 a)
II Ch. 15. 8. τῶν πόλεων ὧν κατέσχεν Ἰερ. (10)
Ne. 3. 4. ἐπὶ χεῖρα [A -ας] αὐτῶν κατέσχεν (5 b)
— 4. A S R ἐπὶ χεῖρα αὐτῶν κατέσχε (5 b)
— 4. B S ἐπὶ χεῖρα αὐτῶν κατέσχε (5 b)
— 5. ἐπὶ χεῖρα αὐτῶν κατέσχοσαν [A S -ον] (5 b)
To. 10. 2. S μή ποτε κατεσχέθη ἐκεῖ [A B al.]
Ju. 5. 19. κατέσχον τὴν Ἰερ.
Jb. 15. 24. ἀνάγκη δὲ καὶ θλῖψις αὐτὸν καθέξει (17)
23. 9. καὶ οὐ κατέσχον (1 a)
27. 17. τὰ δὲ χρήματα αὐτοῦ ἀληθινοὶ καθέξουσιν (6)
34. 14. τὸ πνεῦμα παρ' αὐτῷ κατασχεῖν [S¹ -έσχεν] (3)
Ps. 68 (69). 36. καθέξουσιν αὐτήν (11)
72 (73). 12. εἰς τὸν αἰῶνα κατέσχον πλούτου (15)
118 (119). 53. ἀθυμία κατέσχε με ἀπὸ ἁμαρτωλῶν (1 a)
138 (139). 10. καθέξει με ἡ δεξιά σου (1 a)
Pr. 18. 22. ὁ δὲ κατέχων μοιχαλίδα ἄφρων –
19. 15. δειλία κατέχει ἀνδρόγυνον (12?)
Ca. 3. 8. πάντες κατέχοντες ῥομφαίαν (1 a)
Wi. 17. 4. ὁ κατέχων αὐτοὺς μυχός [A μῦθος]
Si. 46. 9. τὸ σπέρμα αὐτοῦ κατέσχε κληρονομίαν [A al.]
Is. 40. 22. ὁ κατέχων τὸν γῦρον τῆς γῆς (9)
Je. 6. 24. θλῖψις κατέσχεν ἡμᾶς (5 b)
13. 21. οὐκ ὠδῖνες καθέξουσί σε (1 a)
27 (50). 16. κατέχοντα δρέπανον ἐν καιρῷ θερισμοῦ (16)
37 (30). 6. ἐν ᾧ καθέξουσιν [S¹ κατάξ.] ὀσφύν –
Ez. 33. 24. κατέσχε τὴν γῆν (8)
Da. LXX. 7. 18. καὶ καθέξουσι τὴν βασιλείαν (7)
— 22. τὸ βασίλειον κατέσχον οἱ ἅγιοι (7)
Da. TH. 7. 18. καὶ καθέξουσιν αὐτήν (7)
— 22. τὴν βασιλείαν κατέσχον οἱ ἅγιοι (7)
I Ma. 6. 27. οὐ δυνήσῃ τοῦ κατασχεῖν αὐτῶν
II Ma. 1. 31. R ἐκέλευσε λίθους μείζονας κατασχεῖν [A καταχεῖν]
15. 5. οὐ κατέσχεν ἐπιτελέσαι τὸ σχέτλιον αὐτοῦ βούλημα
III Ma. 5. 12. κατεσχέθη τῇ ἐνεργείᾳ τοῦ δεσπότου
[Aq. Ge. 47. 27: Ps. 76 (77). 5: Je. 49. 24 (30. 13): 50 (27). 43.]
[Sm. Ex. 9. 2, 17: Ps. 47 (48). 7: 55 (56). 1: 138 (139). 10: Pr. 4. 4: Je. 31 (38). 32: 50 (27). 43.]
[Th. Je. 49. 24 (30. 13).]

κατηγορεῖν. (1) עָלָה

Da. LXX. 6. 5 (6). περὶ ἧς κατηγορήσουσιν αὐτοῦ (1?)
I Ma. 7. 6. κατηγόρησαν [S¹ -σαι] τοῦ λαοῦ πρὸς τὸν βασ.
— 25. κατηγόρησεν αὐτῶν πονηρά
II Ma. 4. 47. A Μεν. ἀπέλυσε τῶν κατηγορημένων [R -μάτων]
10. 13. κατηγορούμενος ὑπὸ τῶν φίλων
— 21. κατηγόρησεν ὡς ἀργυρίου πεπράκασι τοὺς ἀδελφούς
IV Ma. 9. 14. A κατὰ πᾶν μέλος κλώμενος κατηγόρει [S R ἐκακηγόρει]

κατηγόρημα.

II Ma. 4. 47. R Μεν. ἀπέλυσε τῶν κ. [A -γορημένων]

κατήγορος. (1) רִיב

Pr. 18. 17. δίκαιος ἑαυτοῦ κατήγορος ἐν πρωτολογίᾳ (1)
II Ma. 4. 5. οὐ γινόμενος τῶν πολιτῶν κατήγορος

κατηφής.

Wi. 17. 4. φάσματα ἀμειδήτοις κατηφῆ προσώποις

κατιδεῖν. (1) רָאָה (2) שָׁקַף hi.

Ex. 10. 5. οὐ δυνήσῃ κατιδεῖν τὴν γῆν (1)
De. 26. 15. κάτιδε ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ ἁγίου σου (2)
Ju. 6. 19. κάτιδε [S ἐπίβλεψον] ἐπὶ τὰς ὑπερηφανίας αὐτῶν
Ba. 2. 16. κάτιδε ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ ἁγίου σου
[Th. Is. 63. 15.]

κατιοῦν.

Si. 12. 11. οὐκ εἰς τέλος κατίωσε [A -ωται]

κατίσχειν.

[Th. Pr. 12. 25.]

κατισχύειν. (1) אָבָן (2) אוּץ hi. (3) אָזַר pi. (4) אָמֵץ a. qal. b. pi. (5) גָּבַר a. qal. b. pi. c. hi. (6) גָּדַל a. qal. b. hi. (7) חָזַק a. qal. b. pi. c. hi. d. hithp. e. חֶזְקָה f. חָזָק (8) יָצָא (9) כָּבֵד (10) a. עָזַז b. עֻזּוּז c. מָעוֹז (11) עָזַר a. qal. b. ni. c. hi. (12) עָצַם (13) a. עָצָר b. עָצַר כֹּחַ (14) צָוָה pi. (15) שׁוּר (16) תָּעַב ni.

Ge. 49. 24. ἐκεῖθεν ὁ κατισχύσας Ἰσ. [A κ. σε Ἰ.] (1)
Ex. 1. 7. κατίσχυον [A -χυσαν] σφόδρα σφόδρα (12)
7. 13. κατίσχυσεν ἡ καρδία Φαραώ (7 a)
17. 11. κατίσχυεν Ἰσραήλ (5 a)
— 11. κατίσχυεν Ἀμαλήκ (5 a)
18. 23. κατισχύσει σε ὁ θεός (14?)
De. 1. 38. αὐτὸν κατίσχυσον (7 b)
2. 30. κατισχυσε τὴν καρδίαν αὐτοῦ (4 b)
3. 28. καὶ κατίσχυσον [A ἐνίσχ.] αὐτόν (7 b)
Jo. 11. 20. κατισχῦσαι αὐτῶν τὴν καρδίαν (7 b)
17. 13. ἐπεὶ κατίσχυσαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (7 a)
23. 6. κατισχύσατε οὖν σφόδρα φυλάσσειν (7 a)
Jd. 6. 2. A κατίσχυσεν [B ἴσχ.] χεὶρ Μαδιάμ (10 a)
7. 8. καὶ τοὺς τριακοσίους ἄνδρας κατίσχυσε [A al.] (7 c)
9. 24. A τοὺς κατισχύσαντας χεῖρας αὐτοῦ [B al.] (7 b)
I Ki. 19. 8. καὶ κατίσχυσε Δαυίδ (8)
IV Ki. 14. 5. ὅτε κατίσχυσεν ἡ βασιλεία (7 a)
22. 5. τοῦ κατισχῦσαι τὸ βεδὲκ τοῦ οἴκου (7 b)
24. 2. ἐξαπέστειλεν αὐτοὺς . . . τοῦ κατισχῦσαι †
I Ch. 5. 20. καὶ κατίσχυσαν ἐπ' αὐτῶν (11 b)
11. 10. οἱ κατισχύοντες μετ' αὐτοῦ (7 d)
15. 26. ἐν τῷ κατισχῦσαι τὸν θεὸν τοὺς Λευίτας (11 a)
21. 6. κατίσχυσε [A προσώχθισεν ὁ] λόγος τοῦ βασ. τὸν Ἰ. (16?)
22. 12. καὶ κατισχύσαι σε ἐπὶ Ἰσρ. (14)
29. 12. καὶ κατισχῦσαι τὰ πάντα (7 b)
II Ch. 8. 3. καὶ κατίσχυσεν αὐτήν (7 a)
11. 12. καὶ κατίσχυσεν αὐτάς (7 b)
— 17. κατίσχυσαν τὴν βασιλείαν Ἰούδα (7 b)
— 17. κατίσχυσε Ῥ. τὸν [A ὁ] τοῦ Σαλ. (4 b)
12. 13. κατίσχυσεν Ῥοβ. ἐν Ἰερ. (7 d)
13. 18. κατίσχυσαν οἱ υἱοὶ Ἰούδα (4 a)
— 21. καὶ κατίσχυσεν Ἀβιά (7 d)
14. 11 (10). κατίσχυσον ἡμᾶς, κύριε (11 a)
— 11 (10). μὴ κατισχυσάτω πρὸς σὲ ἄνθρωπος (13 a)
15. 8. καὶ κατίσχυσε καὶ ἐξέβαλε (7 d)
16. 9. κατισχῦσαι ἐν πάσῃ καρδίᾳ πλήρει (7 d)
17. 1. κατίσχυσεν Ἰ. ἐπὶ τὸν Ἰσρ. (7 d)
22. 9. κατισχῦσαι δύναμιν περὶ τῆς βασιλείας (13 a)
24. 5. κατισχῦσαι τὸν οἶκον κυρίου (7 b)
25. 8. ἐὰν ὑπολάβῃς κατισχῦσαι ἐν τούτοις (7 a)
— 8. A κατισχῦσαι ἐν τούτοις [B καὶ ἰσχῦσαι] (11 a)
— 11. καὶ Ἀμασίας κατίσχυσε (7 d)
26. 7. κατίσχυσεν αὐτὸν κύριος (11 a)
— 8. κατίσχυσεν ἕως ἄνω (7 c)
— 9. καὶ κατίσχυσε (7 b)
— 15. ἕως οὗ κατίσχυσε (7 a)
— 16. καὶ ὡς κατίσχυσεν (7 e)
27. 5. καὶ κατίσχυσεν ἐπ' αὐτόν (7 a)
— 6. κατίσχυσεν Ἰωάθαμ (7 d)
28. 23. αὐτοὶ κατισχύσουσιν αὐτούς [A om.] (11 c)
31. 4. ὅπως κατισχύσουσιν (7 a)
32. 4. μὴ ἔλθῃ . . . καὶ κατισχύσῃ –
— 5. καὶ κατίσχυσεν Ἐζεκίας (7 d)
— 5. κατίσχυσε τὸ ἀνάλημμα πόλεως Δαυίδ (7 b)
34. 10. κατισχῦσαι τὸν οἶκον (7 b)
35. 2. καὶ κατίσχυσεν αὐτούς (7 b)
36. 13. τὴν καρδίαν αὐτοῦ κατίσχυσε (4 b)
I Es. 5. 50. κατίσχυσαν αὐτοὺς πάντα τὰ ἔθνη
7. 15. κατισχῦσαι τὰς χεῖρας αὐτῶν
Ju. 11. 10. οὗ [A ὃς, S οὐδὲ] κατισχύει ῥομφαία ἐπ' αὐτούς
Jb. 18. 9. κατισχύσει [A καὶ κατισχύσουσιν] ἐπ' αὐτὸν διψῶντας [A -ες] (7 c)
Ps. 88 (89). 21. ὁ βραχίων μου κατισχύσει αὐτόν (4 b)
Wi. 7. 30. A S σοφίας [A -αν, S¹ -α] δὲ οὐ κατισχύει [B οὐκ ἀντισχύει] κακία
10. 11. ἐν πλεονεξίᾳ κατισχυόντων αὐτὸν παρέστη
17. 5. πυρὸς μὲν οὐδεμία βία κατίσχυε φωτίζειν
Si. 49. 3. ἐν ἡμέραις ἀνόμων κατίσχυσε τὴν εὐσέβειαν
Ho. 7. 15. κἀγὼ κατίσχυσα τοὺς βραχίονας αὐ. (7 b)
14. 9. καὶ κατισχύσω αὐτόν (15)
Hg. 2. 5 (4). νῦν κατίσχυε, Ζ., λέγει κύριος (7 a)
— 5 (4). καὶ κατίσχυε, Ἰ. ὁ τοῦ Ἰ. (7 a)
— 5 (4). καὶ κατισχυέτω πᾶς ὁ λαὸς τῆς γῆς (7 a)
Za. 8. 9. κατισχυέτωσαν αἱ χεῖρες ὑμῶν (7 a)
— 13. θαρσεῖτε καὶ κατισχύετε (7 a)
10. 6. καὶ κατισχύσω τὸν οἶκον Ἰούδα (5 b)
— 12. καὶ κατισχύσω αὐτοὺς ἐν κυρίῳ (5 b)
Is. 22. 4. μὴ κατισχύσητε παρακαλεῖν με (2)
24. 20. κατίσχυσε γὰρ ἐπ' αὐτῆς ἡ ἀνομία (9)
42. 25. κατίσχυσεν [AS¹ add. ἐπ'] αὐτοὺς πόλεμος (10 b)
50. 11. κατισχύετε [S -ύσατε] φλόγα (3?)
54. 2. τοὺς πασσάλους σου κατίσχυσον (7 b)
63. 12. κατίσχυσεν ὕδωρ ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ †
Je. 8. 21. ἀπορίᾳ κατίσχυσάν με [S¹ -σαμεν, S² -σάν μου] ὠδῖνες (7 c)
15. 18. ἵνα τί οἱ λυποῦντές με κατισχύουσί μου †
Ez. 3. 8. τὸ νῖκός σου κατίσχυσω κατέναντι τοῦ νίκους αὐτῶν (7 f)
13. 22. τοῦ κατισχῦσαι χεῖρας ἀνόμου (7 b)
30. 24. κατισχύσω τοὺς βραχίονας βασ. Βαβ. (7 b)
Da. LXX. 8. 8. ὁ τράγος τῶν αἰγῶν κατίσχυσε σφόδρα καὶ ὅτε κατίσχυσε (6 b, 12)
— 9. καὶ κατίσχυσε (6 a)
9. 27. ἐν τῷ κατισχῦσαι τὴν διαθήκην (5 c?)
10. 8. καὶ οὐ κατίσχυσα (13 b)
— 18. καὶ κατίσχυσέ με (7 b)
11. 2. ἐν τῷ κατισχῦσαι αὐτὸν ἐν τῷ πλούτῳ αὐτοῦ (7 e)
— 5. εἷς ἐκ τῶν δυναστῶν κατισχύσει αὐτόν (7 a)
— 6. καὶ οὐ μὴ κατισχύσῃ (13 b)
— 7. καὶ κατισχύσει (7 c)
— 19. εἰς τὸ κατισχῦσαι τὴν χώραν αὐτοῦ (10 c)
— 21. κατισχύσει βασιλεὺς ἐν κληροδοσίᾳ αὐτοῦ (7 c)
— 32. ὁ δῆμος ὁ γινώσκων ταῦτα κατισχύσουσι (7 c)
12. 3. οἱ κατισχύοντες τοὺς λόγους μου †
Da. TH. 11. 6. ἡ νεᾶνις καὶ ὁ κατισχύων αὐτήν (7 c)
— 7. καὶ κατισχύσει (7 c)
— 12. καὶ οὐ κατισχύσει (10 a)
— 21. κατισχύσει βασιλείας ἐν ὀλισθήμασι (7 c)
— 32. αὐτοῦ κατισχύσουσι καὶ ποιήσουσι (7 c)
[Aq. Is. 29. 23.]
[Sm. Ps. 90 (91). 10.]
[Th. Jb. 15. 25.]

κατισχυρεύεσθαι.

[Aq. Ps. 85 (86). 14: 88 (89). 8.]
[Sm. Jb. 15. 25.]

κατοδυνᾶν. (1) אָנַק ni. (2) מָרַר pi.

Ex. 1. 14. κατωδύνων αὐτῶν τὴν ζωήν (2)
To. 8. 20. S τὴν ψυχὴν τῆς θυγατρός μου τὴν κατοδυνωμένην
Ez. 9. 4. τῶν ἀνδρῶν . . . τῶν κατωδυνωμένων (1)

κατοίεσθαι.

Hb. 2. 5. ὁ δὲ κατοιόμενος καὶ καταφρονητής †

κατοικεῖν. (1) אָב (2) אֱנוֹשׁ (3) אֶרֶץ (4) אָשַׁשׁ (5) a. בָּעַל b. בַּעַל (6) גּוּר a. qal. b. hithpal. (7) דּוּר (8) הָיָה (9) a. יָרַשׁ b. מוֹרָשׁ (10) יֵשׁ (11) יָשַׁב a. qal. b. ni. c. hi. d. hoph. e. תּוֹשָׁב (12) מָלֵא (13) נָפַל (14) a. שָׁכַן b. שָׁכֵן c. שִׁכֵּן

Ge. 9. 27. κατοικησάτω ἐν τοῖς οἴκοις τοῦ Σήμ (14 a)
11. 2. κατῴκησαν ἐκεῖ (11 a)
— 31. κατῴκησεν ἐκεῖ (11 a)
12. 6. οἱ δὲ Χ. τότε κατῴκουν τὴν γῆν –
13. 6. οὐκ ἐχώρει αὐτοὺς ἡ γῆ κ. ἅμα (11 a)
— 6. R οὐκ ἐχώρει . . . κατοικεῖν ἅμα [A al.] (11 a)
— 7. οἱ δὲ Χ. . . . τότε κατῴκουν τὴν γῆν (11 a)
— 12. Ἄβραμ δὲ κατῴκησεν ἐν γῇ Χαναάν (11 a)
— 12. Λὼτ δὲ κατῴκησεν ἐν πόλει τῶν περιχώρων (11 a)
— 18. κατῴκησε παρὰ τὴν δρῦν τὴν Μαμβρῆ (11 a)
14. 7. τοὺς Ἀμ. τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἀ. (11 a)
— 12. ἦν γὰρ κατοικῶν ἐν Σοδόμοις (11 a)
— 13. R κατῴκει παρὰ [A ἐν] τῇ δρυῖ τῇ Μ. (14 a)
16. 12. κατὰ πρόσωπον πάντων τῶν ἀδελφῶν αὐτοῦ κατοικήσει (14 a)

Ge. 19. 25. A ἐν αἷς κατῴκει ἐν αὐταῖς Λ. –
— 25. πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν ταῖς πόλεσι (11 a)
— 29. ἐν αἷς κατῴκει ἐν αὐταῖς Λ. (11 a)
— 30. ἐφοβήθη γὰρ κατοικῆσαι ἐν Σ. (11 a)
— 30. R κατῴκησεν [A ᾧ.] ἐν τῷ σπηλαίῳ (11 a)
20. 15. οὗ ἂν σοι ἀρέσκῃ κατοίκει (11 a)
21. 20, 21. κατῴκησεν ἐν τῇ ἐρήμῳ (11 a)
22. 19. R κατῴκησεν Ἀ. ἐπὶ τὸ φρέαρ [A τῷ φρ.] (11 a)
24. 62. κατῴκει ἐν τῇ γῇ τῇ πρὸς λίβα (11 a)
25. 11. κατῴκησεν Ἰ. παρὰ τὸ φρέαρ (11 a)
— 18. κατῴκησε δὲ ἀπὸ Εὐϊλὰτ ἕως Σ. (14 a)
— 18. κατὰ πρόσωπον πάντων τῶν ἀδελφῶν αὐτοῦ κατῴκησε (13)
26. 2. κατοίκησον δὲ ἐν τῇ γῇ (14 a)
— 6. κατῴκησε δὲ Ἰ. ἐν Γεράροις (11 a)
— 17. κατῴκησεν ἐκεῖ (11 a)
34. 10. ἐν ἡμῖν κατοικεῖτε (11 a)
— 10. κατοικεῖτε καὶ ἐμπορεύεσθε ἐπ' αὐτῆς (11 a)
— 15. R κατοικήσομεν [A -σωμεν] ἐν ὑμῖν –
— 22. τοῦ κατοικεῖν μεθ' ἡμῶν (11 a)
— 30. τοῖς κατοικοῦσι τὴν γῆν (11 a)
35. 21 (22). ἡνίκα κατῴκησεν Ἰ. ἐν τῇ γῇ ἐκείνῃ (14 a)
36. 8. R κατῴκησε [A ᾧ.] δὲ Ἠ. ἐν τῷ ὄρει Σ. (11 a)
— 20. τοῦ κατοικοῦντος τὴν γῆν (11 a)
37. 1. κατῴκει δὲ Ἰακὼβ ἐν τῇ γῇ (11 a)
45. 10. κατοικήσεις ἐν γῇ Γεσέμ (11 a)
46. 34. ἵνα κατοικήσητε ἐν γῇ Γεσέμ (11 a)
47. 4. R κατοικήσομεν [A -σω.] ἐν γῇ Γεσέμ (11 a)
— 4 (6). κατοικείτωσαν ἐν γῇ Γεσέμ –
— 6. A κατοίκησον [B -κισον] τὸν πατέρα σου (11 c)
— 11. A κατῴκησεν [B -ισεν] Ἰ. τὸν πατέρα (11 c)
— 27. κατῴκησε δὲ Ἰσρ. ἐν γῇ [A om.] Αἰγ. (11 a)
49. 13. Ζαβουλὼν παράλιος κατοικήσει (14 a)
50. 22. κατῴκησεν Ἰ. ἐν Αἰγ. [A εἰς Αἴγ.] (11 a)
Ex. 2. 15. A κατῴκησεν [B ᾧ.] ἐν γῇ Μαδιάμ (11 a)
12. 13. A ἐν αἷς ὑμεῖς κατοικεῖτε [B ἐστε] ἐκεῖ –
— 40. κατοίκησις . . . ἣν κατῴκησαν [A al.] (11 a)
15. 14. ὠδῖνες ἔλαβον κατοικοῦντας Φυλ. (11 a)
— 15. πάντες οἱ κατοικοῦντες Χαναάν (11 a)
Le. 18. 3. ἐν ᾗ κατῴκησατε ἐπ' αὐτῇ [A B² -ῆς] (11 a)
20. 22. κατοικεῖν ἐπ' αὐτῆς (11 a)
23. 42. ἐν σκηναῖς κατοικήσετε ἑπτὰ ἡμέρας (11 a)
— 42. πᾶς ὁ αὐτόχθων . . . κατοικήσει ἐν σκηναῖς (11 a)
— 43. A κατῴκησα [B -κισα] τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (11 c)
25. 10. διαβοήσετε . . . πᾶσι τοῖς κατοικοῦσιν αὐτήν (11 a)
— 18. B¹ κατοικήσετε [A -σητε, B² R add. ἐπὶ τῆς γῆς] πεποιθότες (11 a)
— 19. κατοικήσετε πεποιθότες ἐπ' αὐτῆς (11 a)
26. 5. κατοικήσετε μετὰ ἀσφαλείας (11 a)
— 35. ἡνίκα κατῴκεῖτε αὐτήν (11 a)
Nu. 13. 20 (19). εἰς ἃς οὗτοι κατοικοῦσιν ἐν αὐταῖς (11 a)
— 29 (28). τὸ ἔθνος τὸ κατοικοῦν ἐπ' αὐτῆς [A κ. τὴν γῆν] (11 a)
— 30 (29). Ἀ. κατοικεῖ ἐν τῇ γῇ τῇ πρὸς νότον (11 a)
— 30 (29). ὁ Ἀμορραῖος κατοικεῖ ἐν τῇ ὀρεινῇ (11 a)
— 30 (29). ὁ Χαν. κατοικεῖ παρὰ θάλασσαν (11 a)
— 33 (32). γῆ κατέσθουσα τοὺς κατοικοῦντας ἐπ' αὐτῆς (11 a)
14. 14. πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐπὶ τῆς γῆς τ. (11 a)
— 25. κατοικοῦσιν ἐν τῇ κοιλάδι (11 a)
21. 1. ὁ κατοικῶν κατὰ τὴν ἔρημον (11 a)
— 25. κατῴκησεν Ἰσ. ἐν πάσαις ταῖς πόλεσι (11 a)
— 31. κατῴκησε δὲ Ἰσ. ἐν πάσαις ταῖς πόλεσι (11 a)
— 32. τὸν Ἀμορραῖον τὸν κατοικοῦντα [A ὄντα] ἐκεῖ –
— 34. ὃς κατῴκει ἐν Ἐσεβών (11 a)
23. 9. ἰδοὺ λαὸς μόνος κατοικήσει (14 a)
32. 17. κατοικήσει ἡ ἀποσκευὴ ἡμῶν (11 a)
— 17. διὰ τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 a)
— 39. τὸν Ἀμορραῖον τὸν κατοικοῦντα ἐν αὐτῇ –
— 40. καὶ κατῴκησεν ἐκεῖ (11 a)
33. 40. οὗτος κατῴκει ἐν γῇ Χαναάν (11 a)
— 52. πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ γῇ (11 a)
— 53. τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν –
Nu. 33. 53. κατοικήσετε ἐν αὐτῇ (11 a)
— 55. τοὺς κατοικοῦντας ἐπὶ τῆς γῆς (11 a)
— 55. ἐφ' ἣν ὑμεῖς κατοικήσετε (11 a)
35. 2. δώσουσι . . . πόλεις κατοικεῖν (11 a)
— 3. ἔσονται αὐτοῖς αἱ πόλεις κατοικεῖν (11 a)
— 25. A R καὶ κατοικήσει [B -σῃ] ἐκεῖ (11 a)
— 28. ἐν γὰρ τῇ πόλει . . . κατοικείτω (11 a)
— 32. τοῦ πάλιν κατοικεῖν ἐπὶ τῆς γῆς (11 a)
— 33. εἰς ἣν [A ἐφ' ἧς] ὑμεῖς κατοικεῖτε –
— 34. ἐφ' ἧς κατοικεῖτε ἐπ' αὐτῆς (11 a)
De. 1. 4. Σηὼν . . . τὸν κατοικήσαντα ἐν Ἐσ. (11 a)
— 4. Ὤγ . . . τὸν κατοικήσαντα ἐν Ἀσταρώθ (11 a)
— 6. κατοικεῖν ἐν τῷ ὄρει τούτῳ (11 a)
— 44. ὁ κατοικῶν ἐν τῷ ὄρει ἐκείνῳ (11 a)
2. 4. οἱ κατοικοῦσιν ἐν Σηείρ (11 a)
— 8. τοὺς κατοικοῦντας ἐν Σηείρ (11 a)
— 20. κατῴκουν οἱ Ῥαφαῖν τὸ πρότερον (11 a)
— 22. τοῖς κατοικοῦσιν ἐν Σηείρ (11 a)
— 23. οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἀσηδώθ (11 a)
— 29. οἱ κατοικοῦντες ἐν Σηείρ (11 a)
— 29. οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἀροήρ (11 a)
3. 2. ὃς κατῴκει ἐν Ἐσεβών (11 a)
— 19. κατοικείτωσαν ἐν ταῖς πόλεσιν ὑμῶν (11 a)
4. 46. ὃς κατῴκει ἐν Ἐσεβών (11 a)
8. 12. καὶ κατοικήσας ἐν αὐταῖς (11 a)
9. 28. μὴ εἴπωσιν οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν –
11. 30. τὸ κατοικοῦν ἐπὶ δυσμῶν ἐχόμενον τοῦ Γ. (11 a)
— 31. κατοικήσετε ἐν αὐτῇ (11 a)
12. 10. καὶ κατοικήσετε ἐπὶ τῆς γῆς (11 a)
— 10. καὶ κατοικήσετε μετὰ ἀσφαλείας (11 a)
— 29. καὶ κατοικήσῃς [A -εις] ἐν τῇ γῇ αὐτῶν (11 a)
13. 12 (13). κατοικεῖν σε [A om.] ἐκεῖ (11 a)
— 13 (14). πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν [A πόλιν] αὐτῶν (11 a)
— 15 (16). πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ γῇ [A πόλει] ἐκείνῃ (11 a)
17. 14. καὶ κατοικήσῃς [A -εις] ἐπ' αὐτήν [A -ῆς] (11 a)
19. 1. καὶ κατοικήσητε [A -σῃς] ἐν ταῖς πόλεσιν αὐτῶν (11 a)
23. 16 (17). μετὰ σοῦ κατοικήσει ἐν ὑμῖν κατοικήσει (11 a, †)
25. 5. ἐὰν δὲ κατοικῶσιν ἀδελφοὶ ἐπὶ τὸ αὐτό (11 a)
26. 1. καὶ κατοικήσῃς ἐπ' αὐτήν [A -ῆς] (11 a)
29. 16 (15). κατῳκήσαμεν ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (11 a)
30. 20. τὸ [A om.] κατοικεῖν σε ἐπὶ τῆς γῆς (11 a)
33. 19. ἐμπόρια παράλιον κατοικούντων –
Jo. 1. 14. κατοικεῖτωσαν ἐν τῇ γῇ (11 a)
2. 24. πᾶς ὁ κατοικῶν τὴν γῆν ἐκείνην (11 a)
6. 24 (25). A B καὶ κατῴκησεν [R -ισεν] ἐν τῷ Ἰσρ. (11 a)
7. 9. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (11 a)
8. 5. ὧν ἂν ἐξέλθωσιν οἱ κατοικοῦντες Γ. –
— 20. A περιβλέψαντες οἱ κατοικοῦντες [B κάτοικοι] Γαί (2)
— 25. πάντας τοὺς κατοικοῦντας Γαί (2)
9. 3. οἱ κατοικοῦντες Γαβαὼν ἤκουσαν (11 a)
— 7. ὅρα μὴ ἐν ἐμοὶ κατοικεῖς [A -ῴκ.] (11 a)
— 10. ὃς κατῴκει ἐν Ἀσταρώθ –
— 11. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν ἡμῶν (11 a)
— 16. ὅτι ἐν αὐτοῖς κατοικοῦσι (11 a)
— 22. ἐγχώριοί ἐστε τῶν κατοικούντων ἐν ἡμῖν (11 a)
— 24. καὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐπ' αὐτῆς (11 a)
— 27. B οἱ κατοικοῦντες Γαβαών –
10. 1. ηὐτομόλησαν οἱ κατοικοῦντες Γ. (11 a)
— 6. ἀπέστειλαν οἱ κατοικοῦντες Γ. (2)
— 6. οἱ βασιλεῖς . . . οἱ κατοικοῦντες τὴν ὀρεινήν (11 a)
12. 2. ὃς κατῴκει ἐν Ἐσεβών (11 a)
—4. ὁ κατοικῶν ἐν Ἀσταρώθ (11 a)
13. 6. πᾶς ὁ κατοικῶν τὴν ὀρεινήν (11 a)
— 13. καὶ κατῴκει βασιλεὺς Γ. (11 a)
— 21. καὶ τοὺς κατοικοῦντας Σιών [A τὴν γῆν] (11 a)
14. 4. ἀλλ' ἢ πόλεις κατοικεῖν (11 a)
15. 15. ἀνέβη . . . ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Δ. (11 a)
— 63. ὁ Ἰεβουσαῖος [B² add. ὃς] κατῴκει ἐν Ἰ. (11 a)
— 63. κατῴκησαν [A -κεισαν] οἱ Ἰεβουσαῖοι ἐν Ἰ. (11 a)
16. 10. τὸν Χανααῖον τὸν κατοικοῦντα ἐν Γ. (11 a)
— 10. κατῴκει ὁ Χανααῖος ἐν τῷ Ἐφραΐμ (11 a)
— 10. τοὺς κατοικοῦντας ἐν Γ. –
17. 11. καὶ τοὺς κατοικοῦντας Δώρ (11 a)
Jo. 17. 11. καὶ τοὺς κατοικοῦντας Μαγεδδώ (11 a)
— 11. A καὶ τοὺς κατοικοῦντας Ταναάχ (11 a)
— 12. ἤρχετο ὁ Χαναναῖος κατοικεῖν (11 a)
— 16. τῷ Χαναναίῳ τῷ κατοικοῦντι ἐν αὐτῷ [A om. ἐν αὐ.] (11 a)
19. 47. καὶ κατῴκησαν [A κατεπάτησαν] αὐτήν (9 a+11 a)
— 47. τοῦ κατοικεῖν ἐν Ἐλὼμ –
— 50. καὶ κατῴκει ἐν αὐτῇ (11 a)
20. 4. A κατοικήσει μετ' αὐτῶν (11 a)
— 6. A κατοικήσει ἐν τῇ πόλει ἐκείνῃ (11 a)
21. 2. δοῦναι ἡμῖν πόλεις κατοικεῖν (11 a)
— 41. καὶ κατῴκησαν ἐν αὐτῇ (11 a)
22. 33. καὶ κατῴκησαν ἐπ' αὐτῆς (11 a)
24. 2. B πέραν τοῦ ποταμοῦ κατῴκησαν [A R παρῴκ.] (11 a)
— 8. Ἀμορραίων τῶν κατοικούντων πέραν τοῦ Ἰορδ. (11 a)
— 11. ἐπολέμησαν πρὸς ἡμᾶς οἱ κατοικοῦντες Ἱερ. (5 b)
— 15. ἐν οἷς ὑμεῖς κατοικεῖτε ἐπὶ τῆς γῆς αὐ. (11 a)
— 18. πάντα τὰ ἔθνη τὰ κατοικοῦντα τὴν γῆν (11 a)
— 32. τῶν Ἀμ. τῶν κατοικούντων ἐν Σικ. (1 ?)
Jd. 1. 9. τὸν Χαν. τὸν κατοικοῦντα τὴν ὀρεινήν (11 a)
— 10. τὸν Χαν. τὸν κατοικοῦντα ἐν Χ. [A om. ἐν Χ.] (11 a)
— 11. πρὸς τοὺς κατοικοῦντας Δ. (11 a)
— 16. κατῴκησαν [A -εν] μετὰ τοῦ λαοῦ (11 a)
— 17. τὸν Χαν. τὸν κατοικοῦντα Σ. (11 a)
— 19. τοὺς κατοικοῦντας τὴν κοιλάδα (11 a)
— 21. τὸν Ἰεβ. τὸν κατοικοῦντα ἐν Ἱερ. (11 a)
— 21. κατῴκησεν ὁ Ἰεβ. . . . ἐν Ἱερ. [A om. ἐν Ἱερ.] (11 a)
— 27. οὐδὲ τοὺς κατοικοῦντας Δώρ (11 a)
— 27. οὐδὲ τὸν κατοικοῦντα B. [A al.] (11 a)
— 27. οὐδὲ [A καὶ] τοὺς κατοικοῦντας M. (11 a)
— 27. οὐδὲ τοὺς κατοικοῦντας Ἰεβλ. (11 a ?)
— 27. ἤρξατο ὁ Χαν. κ. ἐν τῇ γῇ ταύτῃ (11 a)
— 29. τὸν Χαν. τὸν κατοικοῦντα ἐν Γ. (11 a)
— 29. κατῴκησεν [A -κει] ὁ Χαν. ἐν μέσῳ αὐτοῦ (11 a)
— 30. τοὺς κατοικοῦντας Κέδρων οὐδὲ τοὺς κατοικοῦντας Δω. καὶ κατῴκησεν ὁ Χαν. ἐν μέσῳ αὐτῶν (11 a ter)
— 31. τοὺς κατοικοῦντας Ἀκχώ (11 a)
— 31. καὶ τοὺς κατοικοῦντας Δὼρ καὶ τοὺς κατοικοῦντας Σιδῶνα καὶ τοὺς κατοικοῦντας Δαλάφ (–, 11 a, –)
— 32. κατῴκησεν ὁ Ἀ. ἐν μέσῳ τοῦ Χαν. τοῦ κατοικοῦντος τὴν γῆν (11 a, 11 a)
— 33. τοὺς κατοικοῦντας B. καὶ [A οὐδὲ] τοὺς κατοικοῦντας B. (11 a, 11 a)
— 33. κατῴκησε N. ἐν μέσῳ τοῦ Χαν. τοῦ κατοικοῦντος τὴν γῆν οἱ δὲ κατοικοῦντες B. (11 a ter)
— 35. ἤρξατο ὁ Ἀμ. κατοικεῖν ἐν τῷ ὄρει (11 a)
3. 3. τὸν Εὐαῖον τὸν κατοικοῦντα τὸν Λίβ. (11 a)
— 5. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. κατῴκησαν ἐν μέσῳ τοῦ Χαν. (11 a)
4. 2. κατῴκει ἐν Ἀ. τῶν ἐθνῶν (11 a)
5. 15. A ἵνα σοι κατοικῇς ἐν μέσῳ χειλέων [B al.] –
— 23. ἐπικατάρατος πᾶς ὁ κατοικῶν αὐτήν [A al.] (11 a)
8. 11. A ὁδὸν κατοικούντων [B τῶν σκηνούντων] ἐν σκηναῖς (14 a)
— 29. A κατῴκησεν ἐν τῷ οἴκῳ αὐτοῦ [B al.] (11 a)
9. 21. B καὶ κατῴκησεν [B ᾧκ.] ἐκεῖ (11 a)
10. 1. A κατῴκει ἐν Σαμαρείᾳ [B al.] (11 a)
— 18. πᾶσι τοῖς κατοικοῦσι Γ. (11 a)
11. 3. A κατῴκησεν [B ᾧκ.] ἐν γῇ Τώβ (11 a)
— 8. A R πᾶσι τοῖς κατοικοῦσι [B οἰκ.] Γ. (11 a)
— 21. τοῦ κατοικοῦντος τὴν γῆν ἐκείνην [A ἐν τῇ γῇ] (11 a)
18. 1. ἐζήτει ἑαυτῇ κληρονομίαν κατοικῆσαι [A al.] (11 a)
— 7. A τὸν λαὸν τὸν κατοικοῦντα ἐν αὐτῇ [B om.] –
— 9. A τὸν λαὸν τὸν κατοικοῦντα ἐν αὐτῇ –
— 28. A κατῴκησαν [B κατεσκήνωσαν] ἐν αὐτῇ (11 a)
20. 15. A χωρὶς τῶν κατοικούντων τὴν Γ. [B al.] (11 a)
21. 10. A τοὺς κατοικοῦντας [B οἰκ.] Ἰ. (11 a)
— 12. A ἀπὸ τῶν κατοικούντων [B ἀπὸ οἰκ.] Ἰ. (11 a)
— 21. A τῶν κατοικούντων [B οἰκ.] Σ. –
— 23. A κατῴκησαν [B ἐκάθισαν] ἐν αὐταῖς (11 a)
Ru. 1. 4. καὶ κατῴκησαν ἐκεῖ (11 a)

I Ki. 6. 21. ἀποστέλλουσιν ἀγγέλους πρὸς τοὺς κατοικοῦντας Κ. (11 *a*)
12. 8. **A** καὶ κατῴκησεν [B -κισεν] αὐτούς (11 *c*)
— 11. καὶ κατῳκεῖτε πεποιθότες (11 *a*)
22. 4. καὶ κατῴκουν μετ' αὐτοῦ (11 *a*)
23. 5. ἔσωσε Δ. τοὺς κατοικοῦντας Κ. (11 *a*)
27. 8. ἰδοὺ ἡ γῆ κατῳκεῖτο (11 *a*)
31. 7. κατοικοῦσιν ἐν αὐταῖς (11 *a*)
— 11. ἀκούουσιν [**A** *add.* περὶ αὐτοῦ] οἱ κατοικοῦντες Ἰ. (11 *a*)
II Ki. 2. 3. κατῴκουν ἐν ταῖς πόλεσι Χεβρών (11 *a*)
5. 6. τὸν Ἰεβ. τὸν κατοικοῦντα τὴν γῆν (11 *a*)
7. 2. κατοικῶ ἐν οἴκῳ κεδρίνῳ (11 *a*)
— 5. τοῦ κατοικῆσαί με (11 *a*)
— 6. οὐ κατῴκηκα ἐν οἴκῳ (11 *a*)
9. 13. Μεμφιβοσθὲ κατῴκει [**A** -οικεῖ] ἐν Ἱερ. (11 *a*)
11. 11. κατοικοῦσιν ἐν σκηναῖς (11 *a*)
III Ki. 3. 1 (**A** 4. 25 [5. 5]). κατῴκει Ἰ. καὶ Ἰσρ. πεποιθότες (11 *a*)
4. 34 (**A** 9. 16). τὸν Χανανίτην τὸν κατοικοῦντα ἐν Μ. [**A** *al.*] (11 *a*)
8. 27. εἰ ἀληθῶς κατοικήσει ὁ θεός (11 *a*)
— 53. **A R** τοῦ κατοικεῖν ἐν γνόφῳ [B ἐκ γνόφου] –
— 53. τοῦ κατοικεῖν ἐπὶ καινότητος –
12. 25. καὶ κατῴκει ἐν αὐτῇ (11 *a*)
13. 11. **A R** προφήτης εἷς . . . κατῴκει ἐν [B εἰς] B. (11 *a*)
— 25. οὗ ὁ προφήτης . . . κατῴκει ἐν αὐτῇ (11 *a*)
15. 18. βασ. Συρίας τοῦ κατοικοῦντος ἐν Δαμ. (11 *a*)
17. 20. μεθ' ἧς ἐγὼ κατοικῶ μετ' αὐτῆς (6 *b*)
20 (21). 8. τοὺς κατοικοῦντας μετὰ Ναβ. (11 *a*)
— 11. **R** οἱ κατοικοῦντες [**A** καθήμενοι] ἐν τῇ πόλει αὐτοῦ (11 *a*)
IV Ki. 16. 6. καὶ κατῴκησαν ἐκεῖ (11 *a*)
17. 6. **AR** κατῴκησεν [B -ισεν] αὐτοὺς ἐν Ἀ. (11 *c*)
— 24. B κατῴκησαν [**A** -κισαν, **R** -κίσθησαν] ἐν ταῖς πόλεσιν αὐτῆς (11 *a*)
— 27. καὶ κατοικείτωσαν ἐκεῖ (11 *a*)
— 29. ἐν αἷς [**A** *add.* αὐτοὶ] κατῴκουν ἐν αὐταῖς (11 *a*)
— 32. ἐν ᾗ κατῴκουν ἐν αὐτῇ –
22. 14. αὕτη κατῴκει ἐν Ἱερ. (11 *a*)
23. 2. **A R** πάντες [B *om.*] οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἱερ. (11 *a*)
I Ch. 2. 55. **A R** κατοικοῦντες ἐν [B *om.*] Γ. (11 *a*)
4. 22. οἱ κατῴκησαν ἐν Μωάβ (5 *a*)
— 23. οὗτοι κεραμεῖς οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἀ. (11 *a*)
— 23. καὶ κατῴκησαν ἐκεῖ (11 *a*)
— 28. καὶ κατῴκησαν ἐν Β. (11 *d*)
— 40. ἐκ τῶν υἱῶν Χὰμ τῶν κατοικούντων ἐκεῖ ἔμπροσθεν (11 *a*)
— 43. **A** καὶ κατῴκησαν ἐκεῖ (11 *a*)
5. 8. οὗτος κατῴκησεν ἐν Ἀρ. (11 *a*)
— 9. καὶ πρὸς ἀνατολὰς κατῴκησεν (11 *a*)
— 10. κατοικοῦντες ἐν σκηναῖς (11 *a*)
— 11. υἱοὶ Γὰδ . . . κατῴκησαν ἐν τῇ B. (11 *a*)
— 16. **A R** κατῴκουν [B κατοίκων ?] ἐν Γ. (11 *a*)
— 22. καὶ κατῴκησαν ἀντ' αὐτῶν (11 *a*)
— 23. κατῴκησαν ἀπὸ B. (11 *a*)
7. 29. ἐν ταύτῃ κατῴκησαν οἱ υἱοὶ Ἰωσήφ (11 *a*)
8. 6. τοῖς κατοικοῦσι Γ. (11 *a*)
— 13. τοῖς κατοικοῦσιν Αἰ. (11 *a*)
— 13. οὗτοι ἐξεδίωξαν τοὺς κατοικοῦντας Γέθ (11 *a*)
— 28. οὗτοι κατῴκησαν ἐν Ἱερ. (11 *a*)
— 29. ἐν Γ. κατῴκησε πατὴρ Γ. (11 *a*)
— 32. οὗτοι . . . κατῴκησαν ἐν Ἱερ. (11 *a*)
9. 2. οἱ κατοικοῦντες πρότερον . . . ἐν ταῖς πόλεσιν Ἰσρ. (11 *a*)
— 3. ἐν Ἱερ. κατῴκησαν ἀπὸ τῶν υἱῶν Ἰ. (11 *a*)
— 16. ὁ κατοικῶν ἐν ταῖς κώμαις N. (11 *a*)
— 34. ἄρχοντες οὗτοι κατῴκησαν ἐν Ἱερ. (11 *a*)
— 35. ἐν Γ. κατῴκησε [**S** -σαν] πατὴρ Γ. (11 *a*)
— 38. οὗτοι . . . κατῴκησαν ἐν Ἱερ. (11 *a*)
10. 7. κατῴκησαν [**S** -ισαν] ἐν αὐταῖς (11 *a*)
— 11. ἤκουσαν πάντες οἱ κατοικοῦντες Γ. †
11. 4. **AR** ἐκεῖ οἱ Ἰεβ. οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν [B **S** *al.*] (11 *a*)
— 4 (5). **A** εἶπαν δὲ οἱ κατοικοῦντες Ἰ. [B *al.*] (11 *a*)
12. 15. πάντας τοὺς κατοικοῦντας αὐλῶνας –
— 30. **S** κατοικοῦντες [**A B** κατ' οἴκους] πατριῶν αὐτῶν †
17. 1. ὡς κατῴκησε Δ. ἐν οἴκῳ αὐτοῦ (11 *a*)
— 1. κατοικῶ ἐν οἴκῳ κεδρίνῳ (11 *a*)
— 4. τοῦ κατοικῆσαί με ἐν αὐτῷ (11 *a*)
I Ch. 17. 5. οὐ κατῴκησα ἐν οἴκῳ (11 *a*)
22. 18. ἔδωκεν . . . τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 *a*)
29. 15. B καὶ κατοικοῦντες [**A R** παροικ.] ὡς πάντες οἱ πατέρες (11 *e*)
II Ch. 2. 3 (2). οἶκον κατοικῆσαι ἐν αὐτῷ (11 *a*)
6. 1. A^2 τοῦ κατοικῆσαι [B κατασκηνῶσαι] ἐν γνόφῳ (14 *a*)
— 2. **A** τοῦ κατοικῆσαι [B κατασκηνῶσαι] εἰς τοὺς αἰῶνας (11 *a*)
— 18. εἰ ἀληθῶς κατοικήσει θεός (11 *a*)
8. 11. οὐ κατοικήσει ἡ γυνή μου ἐν πόλει Δ. (11 *a*)
10. 2. καὶ κατῴκησεν Ἱερ. ἐν Αἰγ. †
— 17. οἱ κατοικοῦντες ἐν πόλεσιν Ἰούδα (11 *a*)
11. 5. κατῴκησε Ῥ. εἰς [**A** ἐπὶ] Ἱερ. (11 *a*)
15. 5. ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὰς χώρας (11 *a*)
16. 2. τὸν κατοικοῦντα ἐν Δαμασκῷ (11 *a*)
19. 4. καὶ κατῴκησεν Ἰωσαφάτ (11 *a*)
— 8. κρίνειν τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἱερ. †
— 10. **A R** τῶν [**A** *om.*] κατοικούντων ἐν ταῖς πόλεσιν αὐτῶν [B *om.* ἐν τ. π. αὐ.] (11 *a*)
20. 7. τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν ταύτην (11 *a*)
— 8. κατῴκησαν ἐν αὐτῇ (11 *a*)
— 15. καὶ οἱ κατοικοῦντες Ἱερ. (11 *a*)
— 18. καὶ οἱ κατοικοῦντες Ἱερ. [**A** ἐν Ἱερ.] (11 *a*)
— 20. καὶ οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἱερ. (11 *a*)
— 23. A^2 B ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας ὄρος Σηείρ (11 *a*)
— 23. ὡς συνετέλεσαν τοὺς κατοικοῦντας Σηείρ (11 *a*)
21. 11. ἐξεπόρνευσε τοὺς κατοικοῦντας ἐν [**A** *om.*] Ἱερ. (11 *a*)
— 13. καὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν [**A** *om.*] Ἱερ. (11 *a*)
22. 1. ἐβασίλευσαν οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἱερ. τὸν Ὀ. (11 *a*)
26. 7. τοὺς Ἀ. τοὺς κατοικοῦντας ἐπὶ τῆς πέτρας (11 *a*)
28. 18. καὶ κατῴκησαν ἐκεῖ (11 *a*)
30. 25. B καὶ οἱ κατοικοῦντες ἀπὸ [**A** ἐν, **R** *om.*] Ἰ. (11 *a*)
31. 4. εἶπαν . . . τοῖς κατοικοῦσιν ἐν Ἱερ. (11 *a*)
— 6. οἱ κατοικοῦντες ἐν ταῖς πόλεσιν Ἰούδα (11 *a*)
32. 12. εἶπε . . . τοῖς κατοικοῦσιν ἐν [**A** *om.*] Ἱερ. †
— 22. καὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν [**A** *om.*] Ἱερ. (11 *a*)
— 26. καὶ οἱ κατοικοῦντες Ἱερ. (11 *a*)
— 33. καὶ οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἱερ. (11 *a*)
33. 9. καὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἱερ. (11 *a*)
34. 22. αὕτη κατῴκει ἐν Ἱερ. (11 *a*)
— 27, 28. καὶ ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας αὐτόν (11 *a*)
— 30. καὶ κατοικοῦντες Ἱερ. (11 *a*)
— 32. οἱ κατοικοῦντες Ἱερ. [**A** εἰς Ἱερ.] (11 *a*)
35. 18. καὶ οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἱερ. (11 *a*)
I Es. 2. 16. κατὰ τῶν κατοικούντων ἐν τῇ Ἰουδαίᾳ
8. 92. B καὶ κατῴκησαν γυναῖκες [**A R** συνῳκίσαμεν γυναῖκας]
9. 37. καὶ κατῴκησαν οἱ ἱερεῖς
Ne. 3. 13. καὶ οἱ κατοικοῦντες Ζανώ (11 *a*)
8. 14. ὅπως κατοικήσωσιν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν σκηναῖς (11 *a*)
9. 24. τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν τῶν Χαν. (11 *a*)
11. 21. S^2 οἱ δὲ Ναθ. κατῴκησαν ἐν Ὀ. (11 *a*)
To. 5. 16. **A** ὁ δὲ ἐν τῷ οὐρ. κατοικῶν [B **S** *al.*]
14. 4. **S** οἱ κατοικοῦντες [**A B** *om.* οἱ κ.] ἐν τῇ γῇ
Ju. 1. 6. **ABS**^{2} πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν ὀρεινήν
— 6. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὸν Εὐφρ.
— 7. πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν Π.
— 7. πάντας τοὺς κατοικοῦντας [**S** *om.* τ. κ.] πρὸς δυσμαῖς [S^1 *om.* πρ. δ.] τοὺς κατοικοῦντας Κιλικίαν
— 7. πάντας τοὺς κατοικοῦντας κατὰ πρόσωπον τῆς παραλίας
— 10. **A B** S^2 πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν Αἴγ.
— 11. πάντες οἱ κατοικοῦντες πᾶσαν τὴν γῆν
— 12. πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν γῇ M.
2. 28. τοὺς κατοικοῦντας τὴν παραλίαν
— 28. καὶ τοὺς κατοικοῦντας Σούρ
— 28. καὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας Ἰ. [S^1 *al.*]
— 28. οἱ κατοικοῦντες [**S** τοὺς κατοικοῦντας] ἐν Ἀζ.
3. 4. καὶ οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐταῖς
4. 1. οἱ κατοικοῦντες ἐν τῇ Ἰ.
— 6. ἔγραψεν [S^1 ἤκουσεν] . . . τοῖς κατοικοῦσι B.
— 11. **ABS**^{2} οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἱερ.
5. 3. τίνες ἃς κατοικοῦσι πόλεις
— 4. παρὰ πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν δυσμαῖς
— 5. ὃς κατοικεῖ τὴν ὀρεινὴν ταύτην
— 9. καὶ κατῴκησαν ἐκεῖ
— 14. πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ ἐρήμῳ
Ju. 5. 16. καὶ κατῴκησαν ἐν αὐτῇ
— 22. πάντες [**S** *om.*] οἱ κατοικοῦντες τὴν παραλίαν
7. 10. **A** ἐν οἷς αὐτοὶ κατοικοῦσιν [**B S** ἐνοικ.] ἐν αὐτοῖς
— 13. πάντες οἱ κατοικοῦντες [**S** ἐνοικ.] B.
— 20. πάντας τοὺς κατοικοῦντας [**S** τῶν κατοικούντων] B.
8. 11. **A S** ἄρχοντες τῶν κατοικούντων B. [B ἐν B.]
11. 2. ὁ λαός σου ὁ κατοικῶν τὴν ὀρεινήν
— 14. οἱ ἐκεῖ κατοικοῦντες ἐποίησαν ταῦτα
14. 4. πάντες οἱ κατοικοῦντες πᾶν ὅριον Ἰσρ.
15. 6. οἱ δὲ λοιποὶ οἱ κατοικοῦντες B.
— 8. οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἱερ.
Es. 9. 19. **A B**^{2} **S** οἱ δὲ κατοικοῦντες ἐν ταῖς μητροπόλεσιν (11 *a* ?)
Jb. 4. 19. τοὺς δὲ [**A** ἔα δὲ τοὺς] κατοικοῦντας οἰκίας πηλίνας (14 *a*)
42. 18. ἐν μὲν γῇ κατοικῶν τῇ Αὐσίτιδι –
— 18. **A** ἐν μὲν γῇ κατοικῶν τῇ Αὐσίτιδι –
Ps. 2. 4. ὁ κατοικῶν ἐν οὐρανοῖς (11 *a*)
9. 11. ψάλατε τῷ κυρίῳ τῷ κατοικοῦντι ἐν Σ. (11 *a*)
21 (22). 3. **A B** S^1 σὺ δὲ ἐν ἁγίοις [S^2 **R** -ῳ] κατοικεῖς (11 *a*)
22 (23). 6. καὶ τὸ κατοικεῖν με ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
23 (24). 1. πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ (11 *a*)
26 (27). 4. τοῦ [**A** S^1 τὸ] κατοικεῖν με ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
32 (33). 8. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκουμένην (11 *a*)
— 14. ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 *a*)
48 (49). 1. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκουμένην (11 *a*)
64 (65). 4. S^1 κατοικήσει [**B** S^2 κατασκηνώσει] ἐν ταῖς αὐλαῖς σου (14 *a*)
— 8. φοβηθήσονται οἱ κατοικοῦντες τὰ πέρατα [S^1 τὴν γῆν] (11 *a*)
67 (68). 6. τοὺς κατοικοῦντας ἐν τάφοις (14 *a*)
— 10. τὰ ζῷά σου κατοικοῦσιν ἐν αὐτῇ (11 *a*)
— 16. ὃ εὐδόκησεν ὁ θεὸς κατοικεῖν ἐν αὐτῷ (11 *a*)
68 (69). 25. μὴ ἔστω ὁ κατοικῶν (11 *a*)
— 35. καὶ κατοικήσουσιν ἐκεῖ (11 *a*)
74 (75). 3. πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτήν [**S** *add.* ἐν αὐτῇ] (11 *a*)
82 (83). 7. ἀλλόφυλοι μετὰ τῶν κατοικούντων Τύρον (11 *a*)
83 (84). 4. μακάριοι πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν τῷ οἴκῳ σου (11 *a*)
90 (91). 1. ὁ κατοικῶν ἐν βοηθείᾳ τοῦ ὑψίστου (11 *a*)
97 (98). 7. **AS** οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ [B κατ. αὐτήν] (11 *a*)
100 (101). 7. οὐ κατῴκει ἐν μέσῳ τῆς οἰκίας μου (11 *a*)
106 (107). 34. ἀπὸ κακίας τῶν κατοικούντων ἐν αὐτῇ (11 *a*)
— 36. A^1 κατῴκησεν [A^2 **S R** -ισεν] ἐκεῖ πεινῶντας (11 *c*)
112 (113). 5. ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν (11 *a*)
122 (123). 1. τὸν κατοικοῦντα ἐν τῷ οὐρανῷ (11 *a*)
124 (125). 1. ὁ κατοικῶν Ἱερουσαλήμ (11 *a*)
131 (132). 14. ὧδε κατοικήσω (11 *a*)
132 (133). 1. τὸ κατοικεῖν ἀδελφοὺς ἐπὶ τὸ αὐτό (11 *a*)
134 (135). 21. ὁ κατοικῶν Ἱερουσαλήμ (14 *a*)
139 (140). 13. **A** S^2 **R** κατοικήσουσιν εὐθεῖς σὺν [**B** S^1 ἐν] τῷ προσώπῳ σου (11 *a*)
Pr. 24. 63 (30. 28). κατοικεῖ ἐν ὀχυρώμασι βασιλέων –
Wi. 1. 4. οὐδὲ κατοικήσει ἐν σώματι καταχρέῳ ἁμαρτίας
Si. 10. 2. κατὰ τὸν ἡγούμενον τῆς πόλεως πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτήν
33 (36). 9. A^2 **R** οἱ κακοῦντες [A^1 κατοικ., **B S** ἀδικοῦντες] τὸν λαόν σου
50. 26. ὁ λαὸς μωρὸς ὁ κατοικῶν ἐν Σικ.
Ho. 4. 1. κρίσις τῷ κ. πρὸς τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 *a*)
— 3. σὺν πᾶσι τοῖς κατοικοῦσιν αὐτήν (11 *a*)
9. 3. οὐ κατῴκησαν ἐν τῇ γῇ τοῦ κ. κατῴκησεν Ἐ. Αἴγ. (11 *a*, †)
10. 5. **A R** παροικήσουσιν οἱ [B *om.*] κατοικοῦντες Σ. (14 *c*)
11. 5. κατῴκησεν Ἐ. ἐν Αἰγ. †
Am. 1. 5. ἐξολεθρεύσω κατοικοῦντας ἐκ πεδίου Ὠν (11 *a*)
— 8. ἐξολεθρεύσω κατοικοῦντας ἐξ Ἀζ. (11 *a*)
3. 12. οἱ υἱοὶ Ἰ. οἱ κατοικοῦντες ἐν Σ. (11 *a*)

Am. 5. 11. οὐ μὴ κατοικήσητε ἐν αὐτοῖς (11 *a*)
6. 8. σὺν πᾶσι τοῖς κατοικοῦσιν αὐτήν (12)
8. 8. πᾶς ὁ κατοικῶν ἐν αὐτῇ (11 *a*)
9. 5. πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτήν (11 *a*)
— 14. οἰκοδομήσουσι πόλεις . . . καὶ κατοικήσουσι (11 *a*)
Mi. 1. 10 (11). κατοικοῦσα καλῶς τὰς πόλεις αὐ. (11 *a*)
— 11. οὐκ ἐξῆλθε κατοικοῦσα Σενναάρ (11 *a*)
— 12. τίς ἤρξατο . . . κατοικούσῃ ὀδύνας (11 *a*)
— 13. κατοικοῦσα Λ. ἀρχηγὸς ἁμαρτίας (11 *a*)
— 15. κατοικοῦσα Λ. (11 *a*)
6. 12. οἱ κατοικοῦντες αὐτὴν ἐλάλουν ψεύδη (11 *a*)
— 16. παραδῶ . . . τοὺς κατοικοῦντας αὐτήν (11 *a*)
7. 13. ἡ γῆ . . . σὺν τοῖς κατοικοῦσιν αὐτήν (11 *a*)
Jl. 1. 2. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (11 *a*)
— 14. συναγάγετε . . . πάντας κατοικοῦντας γῆν (11 *a*)
2. 1. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (11 *a*)
3 (4). 20. ἡ δὲ Ἰουδ. εἰς τὸν αἰῶνα κατοικηθήσεται (11 *a*)
Jn. 4. 11. ἐν ᾗ κατοικοῦσι πλείους (10)
Na. 1. 5. καὶ πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ (11 *a*)
3. 8. ἡ κατοικοῦσα ἐν ποταμοῖς (11 *a*)
Hb. 2. 8, 17. πάντων τῶν κατοικούντων αὐτήν (11 *a*)
Ze. 1. 4. ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας Ἱερουσ. (11 *a*)
— 11. οἱ κατοικοῦντες τὴν κατακεκομμένην (11 *a*)
— 13. καὶ οὐ μὴ κατοικήσουσιν ἐν αὐταῖς (11 *a*)
— 18. ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 *a*)
2. 5. οἱ κατοικοῦντες τὸ σχοίνισμα τῆς θαλ. (11 *a*)
3. 1 (2. 15). αὕτη ἡ πόλις . . . ἡ κατοικοῦσα ἐπ' ἐλπίδι (11 *a*)
— 6. παρὰ [A διὰ] τὸ μηδένα . . . κατοικεῖν (11 *a*)
Za. 1. 11. ἰδοὺ πᾶσα ἡ γῆ κατοικεῖται (11 *a*)
2. 4 (8). κατακάρπως κατοικηθήσεται [S¹ -κήσ.] Ἰ. ἀπὸ πλήθους (11 *a*)
— 7 (11). ἀνασώζεσθε οἱ κατοικοῦντες θυγατέρα Βαβ. (11 *a*)
7. 7. ὅτε ἦν Ἰ. κατοικουμένη (11 *a*)
— 7. καὶ ἡ ὀρεινὴ καὶ ἡ πεδινὴ κατῳκεῖτο (11 *a*)
8. 20. λαοὶ . . . κατοικοῦντες [S² οἱ κ.] πόλεις πολλάς (11 *a*)
— 21. συνελεύσονται κατοικοῦντες πέντε πόλεις [S² *om.* σ. . . . π.] (11 *a*)
9. 5. καὶ Ἀσκάλων οὐ μὴ κατοικηθῇ (11 *a*)
— 6. καὶ κατοικήσουσιν ἀλλογενεῖς ἐν Ἀζώτῳ (11 *a*)
11. 6. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 *a*)
12. 5. εὑρήσομεν . . . τοὺς κατοικοῦντας Ἰ. (11 *a*)
— 6. καὶ κατοικήσει Ἰ. ἔτι καθ' ἑαυτήν (11 *a*)
— 7. ἔπαρσις [A ἐπάρξεις] τῶν κατοικούντων Ἰ. (11 *a*)
— 8. ὑπερασπιεῖ κ. ὑπὲρ τῶν κατοικούντων Ἰ. (11 *a*)
— 10. ἐκχεῶ . . . ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Ἰ. (11 *a*)
13. 1. καὶ τοῖς κατοικοῦσιν Ἰερουσαλήμ (11 *a*)
14. 11. κατοικήσουσιν [A -κοῦσιν] ἐν αὐτῇ (11 *a*)
— 11. καὶ κατοικήσει Ἰερ. πεποιθότως (11 *a*)
Is. 6. 11. παρὰ τὸ μὴ κατοικεῖσθαι (11 *a*)
8. 18. ὃς κατοικεῖ ἐν τῷ ὄρει Σιών (14 *a*)
9. 1 (8. 23). A S² οἱ τὴν παράλιον κατοικοῦντες [B S¹ *om.*] –
— 2 (1). οἱ κατοικοῦντες ἐν χώρᾳ [A S² *add.* καὶ] σκιᾷ θανάτου (11 *a*)
10. 14 (13). σείσω πόλεις κατοικουμένας (11 *a* ?)
— 24. ὁ λαός μου οἱ κατοικοῦντες ἐν Σιών (11 *a*)
— 31. καὶ οἱ κατοικοῦντες Γιββεῖρ (11 *a*)
12. 6. εὐφραίνεσθε, οἱ κατοικοῦντες [A S *add.* ἐν] Σιών (11 *a*)
13. 20. οὐ κατοικηθήσεται εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (11 *a*)
— 22. ὀνοκένταυροι ἐκεῖ κατοικήσουσι –
14. 23. ὥστε κ. ἐχίνους (9 *b*)
16. 7. τοῖς κατοικοῦσι δὲ Σὲθ μελετήσεις (4 ?)
18. 2. ὡς χώρα κατοικουμένη κατοικηθήσεται (11 *a*, 14 *a* ?)
20. 6. ἐροῦσιν οἱ κατοικοῦντες ἐν τῇ νήσῳ ταύτῃ (11 *a*)
23. 6. ὀλολύξατε οἱ κατοικοῦντες [A S ἐνοικ.] ἐν τῇ νήσῳ ταύτῃ (11 *a*)
— 18. ἀλλὰ τοῖς κατοικοῦσιν ἔναντι κυρίου (11 *a*)
24. 5. ἠνόμησε διὰ τοὺς κατοικοῦντας αὐτήν (11 *a*)
— 6. ἡμάρτοσαν οἱ κατοικοῦντες αὐτήν (11 *a*)
— 17. S¹ ἐφ' ὑμᾶς τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ γῇ [A B S² *al.*] (11 *a*)
26. 21. S ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας [A B ἐνοικ.] ἐπὶ τῆς γῆς (11 *a*)
27. 10. τὸ κατοικούμενον ποίμνιον ἀνειμένον ἔσται †
Is. 32. 16. δικαιοσύνη ἐν τῷ Κ. κατοικήσει (11 *a*)
— 18. A S R κατοικήσει [B οἰκ.] ὁ λαὸς αὐτοῦ ἐν πόλει εἰρήνης (11 *a*)
33. 5. ἅγιος ὁ θεὸς ὁ κατοικῶν ἐν ὑψηλῷ [A S -οῖς] (14 *a*)
34. 11. κατοικήσουσιν [A S -σονται] ἐν αὐτῇ (14 *a* [9 *a*])
40. 22. καὶ διατείνας ὡς σκηνὴν κ. (11 *a*)
42. 10. αἱ νῆσοι καὶ οἱ κατοικοῦντες αὐτάς (11 *a*)
— 11. ἐπαύλεις καὶ οἱ κατοικοῦντες Κηδάρ (11 *a*)
— 11. εὐφρανθήσονται οἱ κατοικοῦντες πέτραν (11 *a*)
44. 26. ὁ λέγων Ἱερουσαλὴμ, Κατοικηθήσῃ (11 *d*)
45. 18. κατοικεῖσθαι ἔπλασεν αὐτήν [A S *om.* ἔ. αὐ.] (11 *a*)
49. 19. νῦν στενοχωρήσει ἀπὸ τῶν κατοικούντων [A ἐνοικ., S¹ *add.* σε] (11 *a*)
— 20. ποίησόν μοι τόπον ἵνα κατοικήσω (11 *a*)
51. 6. οἱ δὲ κατοικοῦντες [A *add.* τὴν γῆν] . . . ἀποθανοῦνται (11 *a*)
54. 3. πόλεις ἠρημωμένας κατοικιεῖς [A -κήσεις] (11 *c*)
57. 15. ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν τὸν αἰῶνα (14 *a*)
62. 5. οὕτω κατοικήσουσιν οἱ υἱοί σου (5 *a*)
65. 9. κατοικήσουσιν ἐκεῖ (14 *a*)
66. 10. πάντες οἱ ἀγαπῶντες αὐτήν [S² κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ] †
Je. 1. 1. ὃς κατῴκει ἐν Ἀναθὼθ ἐν γῇ Βενιαμείν –
— 14. ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 *a*)
2. 6. οὐ κατῴκησεν ἄνθρωπος [S υἱὸς ἀνθρώπου] ἐκεῖ (11 *a*)
— 15. παρὰ τὸ μὴ κατοικεῖσθαι (11 *a*)
4. 3. B S τάδε λέγει κύριος . . . τοῖς κατοικοῦσιν Ἱερ. –
— 4. καὶ οἱ κατοικοῦντες [A *add.* ἐν] Ἱερ. (11 *a*)
— 7. τοῦ θεῖναι [S¹ *add.* κατοικεῖσθαι] τὴν γῆν –
— 7. παρὰ τὸ μὴ κατοικεῖσθαι αὐτάς (11 *a*)
— 29. οὐ κατῴκει [A κατοικήσει] ἐν αὐταῖς ἄνθρωπος (11 *a*)
6. 8. A S ἥτις οὐ κατοικηθήσεται [B -κισθῇ] (11 *b*)
— 12. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας [S¹ *om.* τ. κ.] τὴν γῆν ταύτην (11 *a*)
8. 1. τὰ ὀστᾶ τῶν κατοικούντων ἐν [A S *om.*] Ἱερ. (11 *a*)
— 16. καὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ (11 *a*)
9. 11 (10). παρὰ τὸ μὴ κατοικεῖσθαι (11 *a*)
— 26 (25). τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ ἐρήμῳ (11 *a*)
10. 17. κατοικοῦσα [A ἡ κ.] ἐν ἐκλεκτοῖς (11 *a*)
— 18. τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν ταύτην (11 *a*)
11. 2. τοὺς κατοικοῦντας ἐν [A *om.*] Ἱερ. (11 *a*)
— 9. εὑρέθη σύνδεσμος . . . ἐν τοῖς κατοικοῦσιν ἐν [A S *om.*] Ἰερουσαλήμ (11 *a*)
— 12. πορεύσονται . . . οἱ κατοικοῦντες Ἱερ. (11 *a*)
— 23. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἀν. (2)
12. 4. ἀπὸ κακίας τῶν κατοικούντων ἐν αὐτῇ [A κ. αὐτῶν] (11 *a*)
13. 13. πληρῶ τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν ταύτην (11 *a*)
— 13. πάντας τοὺς κατοικοῦντας [A καθημένους] ἐν [S *om.*] Ἱερ. (11 *a*)
17. 6. ἐν γῇ ἁλμυρᾷ ἥτις οὐ κατοικεῖται [S¹ -κηθήσεται] (11 *a*)
— 25. εἰσελεύσονται . . . οἱ κατοικοῦντες ἐν [A *om.*] Ἱερ. καὶ κατοικισθήσεται [A -κηθ.] ἡ πόλις αὕτη (11 *a*, 11 *a*)
18. 11. εἰπὸν . . . πρὸς τοὺς κατοικοῦντας [S *add.* ἐν] Ἱερ. (11 *a*)
19. 3. B² S R ἀκούσατε . . . οἱ κατοικοῦντες ἐν [A B¹ *om.*] Ἱερ. (11 *a*)
— 12. τοῖς κατοικοῦσιν ἐν αὐτῷ (11 *a*)
20. 6. πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν τῷ οἴκῳ σου (11 *a*)
21. 6. πατάξω πάντας τοὺς κατοικοῦντας (11 *a*)
— 13. τὸν κατοικοῦντα τὴν κοιλάδα σόρ (11 *a*)
22. 6. πόλεις μὴ κατοικηθησομένας (11 *b*)
— 23. κατοικοῦσα ἐν τῷ Λιβάνῳ (11 *a*)
23. 14. καὶ οἱ κατοικοῦντες αὐτήν (11 *a*)
24. 8. τοὺς κατοικοῦντας ἐν Αἰγύπτῳ (11 *a*)
25. 2. πρὸς τοὺς κατοικοῦντας Ἱερ. (11 *a*)
— 5. κατοικήσετε ἐπὶ τῆς γῆς (11 *a*)
— 9. ἄξω αὐτοὺς . . . ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας αὐτήν (11 *a*)
26 (46). 8. ἀπολῶ τοὺς [A S *om.*] κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ (11 *a*)
— 19. κατοικοῦσα θύγατερ [S -ηρ] Αἰγύπτου . . . διὰ τὸ μὴ ὑπάρχειν κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ (11 *a*, 11 *a*)
27 (50). 3. οὐκ ἔσται ὁ κατοικῶν ἐν αὐτῇ (11 *a*)
Je. 27 (50). 13. ἔρημος ἀπὸ ὀργῆς κυρίου οὐ κατοικηθήσεται (11 *a*)
— 21. B S² ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐπ' [A *om.*] αὐτήν (11 *a*)
— 34. παροξυνεῖ τοῖς κατοικοῦσι [S παροικ.] Βαβ. μάχαιραν (11 *a*)
— 35. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Βαβυλῶνα (11 *a*)
— 39. κατοικήσουσιν ἰνδάλματα ἐν ταῖς νήσοις καὶ κατοικήσουσιν ἐν αὐτῇ θυγατέρες σειρήνων οὐ μὴ κατοικηθῇ οὐκέτι (11 *a ter*)
— 40. A S R οὐ μὴ κατοικήσει [B -σῃ] ἐκεῖ ἄνθρωπος (11 *a*)
— 40. A οὐ μὴ κατοικήσει [B S παροικ.] ἐκεῖ υἱὸς ἀνθρώπου (6 *a*)
— 45. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Χαλδαίους (3)
28 (51). 1. ἐξεγείρω . . . ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Χαλδ. (11 *a*)
— 12. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Βαβυλῶνα (11 *a*)
— 24. ἀνταποδώσω . . . πᾶσι τοῖς κατοικοῦσι Χαλδ. (11 *a*)
— 29. καὶ μὴ κατοικεῖσθαι αὐτήν (11 *a*)
— 35. ἐρεῖ [S¹ *add.* καὶ] κατοικοῦσα Σιών (11 *a*)
— 35. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Χαλδαίους (11 *a*)
— 37. οὐ κατοικηθήσεται (11 *a*)
— 43. οὐ κατοικήσει ἐν αὐτῇ οὐδὲ εἷς (11 *a*)
— 62. τοῦ μὴ εἶναι ἐν αὐτῷ κατοικοῦντας (11 *a*)
29 (47). 2. πόλιν καὶ τοὺς κατοικοῦντας [A ἐνοικ.] ἐν αὐτῇ (11 *a*)
— 2. ἅπαντες οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (11 *a*)
29 (49). 8. οἱ κατοικοῦντες [S¹ -ται] ἐν Δαιδάμ (11 *a*)
— 18. οὐ μὴ καθίσῃ [A κατοικήσει] ἐκεῖ ἄνθρωπος (11 *a*)
— 18. R οὐ μὴ κατοικήσει [A καθίσει, B S ἐνοικ.] ἐκεῖ υἱὸς ἀνθρώπου (6 *a*)
— 20. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Θαιμάν (11 *a*)
30. 11 (49. 33). οὐ μὴ κατοικήσει ἐκεῖ υἱὸς ἀνθρώπου (6 *a*)
31 (48). 28. ᾤκησαν ἐν πέτραις οἱ κατοικοῦντες [A π. οἰκ.] Μωάβ (11 *a*)
33 (26). 9. ἐρημωθήσεται ἀπὸ κατοικούντων [A ἐνοικ.] (11 *a*)
— 15. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ (11 *a*)
36 (29). 5. καὶ κατοικήσατε (11 *a*)
— 28. οἰκοδομήσατε οἰκίας καὶ κατοικήσατε (11 *a*)
39 (32). 32. καὶ οἱ κατοικοῦντες ἐν [S *om.*] Ἱερ. (11 *a*)
41 (34). 22. ἐρήμους [A εἰς ἄβατον] ἀπὸ κατοικούντων (11 *a*)
42 (35). 7. A ἐν σκηναῖς κατοικήσετε [BS οἰκ.] (11 *a*)
— 9. οἰκίας τοῦ κ. ἐκεῖ (11 *a*)
— 13. εἰπὸν . . . τοῖς κατοικοῦσιν [A *add.* ἐν] Ἱερ. (11 *a*)
— 17. BS φέρω . . . ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Ἰ. (11 *a*)
43 (36). 31. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Ἱερ. (11 *a*)
45 (38). 2. ὁ κατοικῶν ἐν τῇ πόλει ταύτῃ (11 *a*)
47 (40). 9. κατοικήσατε ἐν τῇ γῇ (11 *a*)
49 (42). 15. εἰσέλθητε ἐκεῖ κ. (6 *a*)
— 18. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Ἱερουσαλήμ (11 *a*)
— 22. εἰσελθεῖν κ. [S¹ -εῖς] ἐκεῖ (6 *a*)
50 (43). 2. A μὴ εἰσέλθητε εἰς Αἴγυπτον κ. [B S οἰκεῖν] ἐκεῖ (6 *a*)
— 4. κατοικῆσαι ἐν γῇ Ἰούδα (11 *a*)
— 5. τοὺς ἀποστρέψαντας κ. [S εἰς μετοικεσίαν] ἐν τῇ γῇ (6 *a*)
51 (44). 1. τοῖς Ἰ. τοῖς κατοικοῦσιν ἐν γῇ [S *al.*] (11 *a*)
— 1. S καὶ τοῖς κατοικοῦσιν [AB καθημένοις] ἐν Μ. (11 *a*)
— 8. κ. [A S ἐνοικ.] ἐκεῖ (6 *a*)
— 27. οἱ κατοικοῦντες ἐν γῇ Αἰγ. –
— 28. κατοικῆσαι [A S παροικ.] ἐκεῖ (6 *a*)
Ba. 1. 4. ἐν ὡσὶ . . . πάντων τῶν κατοικούντων ἐν Βαβυλῶνι
— 15. καὶ τοῖς κατοικοῦσιν Ἱερουσαλήμ
3. 13. κατῴκεις ἂν ἐν εἰρήνῃ
— 20. κατῴκησαν ἐπὶ τῆς γῆς
4. 35. κατοικηθήσεται ὑπὸ δαιμονίων
La. 4. 12. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκουμένην (11 *a*)
— 21. θύγατερ Ἰδουμ. ἡ κατοικοῦσα ἐπὶ γῆς (11 *a*)
5. 19. σὺ δὲ, κύριε, εἰς τὸν αἰῶνα κατοικήσεις (11 *a*)
Ez. 2. 6. ἐν μέσῳ σκορπίων σὺ κατοικεῖς (11 *a*)
3. 15. τοὺς κατοικοῦντας ἐπὶ τοῦ ποταμοῦ τοῦ Χ. (11 *a*)
7. 3 (7). ἐπὶ σὲ τὸν κατοικοῦντα τὴν γῆν (11 *a*)
11. 15. οἷς εἶπαν αὐτοῖς οἱ κατοικοῦντες Ἱερ. (11 *a*)
12. 2. ἐν μέσῳ τῶν ἀδικιῶν αὐτῶν σὺ κατοικεῖς (11 *a*)

Ez. 12. 19. τάδε λέγει κύριος τοῖς κατοικοῦσιν Ἱερ. . . . ἐν ἀσεβείᾳ γὰρ πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ (11 a, 11 a)
— 20. αἱ πόλεις αὐτῶν αἱ κατοικούμεναι (11 b)
15. 6. οὕτως δέδωκα τοὺς κατοικοῦντας [A add. ἐν] Ἱερ. (11 a)
16. 46. ἡ κατοικοῦσα ἐξ εὐωνύμων σου (11 a)
— 46. ἡ κατοικοῦσα ἐκ δεξιῶν σου (11 a)
25. 16. τοὺς κατοικοῦντας τὴν παραλίαν [A παραθαλασσίαν] –
26. 17. A αὐτὴ καὶ οἱ κατοικοῦντες αὐτήν (11 a)
— 17. πᾶσι τοῖς κατοικοῦσιν αὐτήν (11 a)
— 19. A B ὡς τὰς πόλεις τὰς μὴ κατοικηθησομένας [R -κισθ.] (11 b)
— 20. ὅπως μὴ κατοικηθῇς (11 a)
27. 3. τῇ κατοικούσῃ ἐπὶ τῆς εἰσόδου [A ὁδ.] τῆς θαλάσσης (11 a)
— 8. οἱ ἄρχοντές σου οἱ κατοικοῦντες Σιδῶνα (11 a)
— 35. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὰς νήσους (11 a)
28. 2. κατοικίαν θεοῦ κατῴκηκα [A -σα] (11 a)
— 25. κατοικήσουσι ἐπὶ τῆς γῆς αὐτῶν (11 a)
— 26. κατοικήσουσιν ἐπ' αὐτῆς ἐν ἐλπίδι . . . καὶ κατοικήσουσιν ἐν ἐλπίδι (11 a, 11 a)
29. 6. πάντες οἱ κατοικοῦντες Αἴγυπτον (11 a)
— 11. οὐ κατοικηθήσεται τεσσαράκοντα ἔτη (11 a)
31. 6. κατῴκησε πᾶν πλῆθος ἐθνῶν (11 a)
— 17. οἱ κατοικοῦντες ὑπὸ τὴν σκέπην αὐ. (11 a)
32. 15. πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ (11 a)
33. 24. οἱ κατοικοῦντες τὰς ἠρημωμένας (11 a)
34. 25. κατοικήσουσιν ἐν τῇ ἐρήμῳ (11 a)
— 27. κατοικήσουσιν ἐπὶ τῆς γῆς αὐτῶν (8)
— 28. κατοικήσουσιν ἐν ἐλπίδι (11 a)
35. 9. αἱ πόλεις σου οὐ μὴ κατοικηθῶσιν ἔτι (11 a, †*)
36. 10. κατοικηθήσονται αἱ πόλεις (11 b)
— 17. κατῴκησεν [A -αν] ἐπὶ τῆς γῆς αὐτῶν (11 a)
— 28. κατοικήσετε ἐπὶ τῆς γῆς (11 a)
37. 25. κατοικήσουσιν ἐπὶ τῆς γῆς αὐτῶν . . . οὗ κατῴκησαν ἐκεῖ οἱ πατέρες αὐτῶν καὶ κατοικήσουσιν ἐπ' αὐτῆς (11 a ter)
38. 8. κατοικήσουσιν ἐπ' εἰρήνης ἅπαντες (11 a)
— 11. οἰκοῦντας [A κατοικ.] ἐπ' εἰρήνης πάντας κατοικοῦντας γῆν [A πόλεις] (11 a, 11 a)
— 12. κατοικοῦντας ἐπὶ τὸν ὀμφαλὸν τῆς γῆς (11 a)
39. 6. κατοικηθήσονται [A -κισθ.] αἱ νῆσοι ἐπ' εἰρήνης (11 a)
— 9. ἐξελεύσονται οἱ κατοικοῦντες τὰς πόλεις Ἰσρ. (11 a)
45. 5. εἰς κατάσχεσιν πόλεις τοῦ κ. †
Da. LXX. 3. 1. διοικῶν . . . πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐπὶ τῆς γῆς –
Da. TH. 2. 38. ὅπου κατοικοῦσιν οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων (7)
4. 9. ἐν τοῖς κλάδοις αὐτοῦ κατῴκουν τὰ ὄρνεα (7)
— 18. ὑποκάτω αὐτοῦ κατῴκουν τὰ θηρία (7)
— 18. A κατῴκουν [B -εσκήνουν] τὰ ὄρνεα (14 c)
— 32. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (7)
9. 7. A καὶ τοῖς κατοικοῦσιν [B ἐνοικ. ἐν] Ἱερ. (11 a)
I Ma. 1. 28. ἐσείσθη ἡ γῆ ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας αὐτήν
3. 34. S R περὶ τῶν [A πάντων τῶν] κατοικούντων τὴν Ἰουδ.
— 36. A R κατοικῆσαι [S -ίσαι] υἱοὺς [S¹ ἀπ' αὐτῶν] ἀλλογενεῖς [A ἀλλοτρίους]
6. 12. ἐξᾶραι τοὺς κατοικοῦντας Ἰούδα
9. 58. ἐν ἡσυχίᾳ κατοικοῦσι πεποιθότες
13. 48. S κατῴκησεν [A R -ισεν] ἐν αὐτῇ ἄνδρας
14. 37. A κατῴκησεν [SR -ισεν] ἐν αὐτῇ ἄνδρας Ἰουδ.
II Ma. 3. 1. τῆς ἁγίας πόλεως κατοικουμένης
12. 8. A τοῖς κατοικοῦσιν [R παροικ.] Ἰουδαίοις
— 13. πόλιν . . . παμμιγέσιν ἔθνεσι κατοικουμένην
— 27. ἐν ᾗ κατῴκει Λυσίας
— 30. R τῶν ἐκεῖ κατοικούντων [A καθεστώτων] Ἰουδαίων
III Ma. 3. 15. R τὰ [A om.] κατοικοῦντα κοίλην Συρίαν καὶ Φ. ἔθνη
IV Ma. 13. 20. τὸν ἴσον ἀδελφοὶ κατοικήσαντες χρόνον

[Aq. Ge. 47. 6: Jo. 17. 7: Ps. 48 (49). 2: Is. 8. 18: 23. 2: 38. 11: Je. 23. 8: 25. 29 (32. 15): 44 (51). 1: 48 (31). 19: 49. 8 (29. 9), 30 (30. 8).]
[Sm. Ge. 47. 6: Jo. 17. 7: Ps. 32 (33). 8: 48 (49). 2: 67 (68). 7, 17: 68 (69). 26: 74 (75). 4: 90 (91). 1: 97 (98). 7: Pr. 8. 12: Ca. 8. 13: Is. 5. 8: 8. 18: 23. 2, 18: 24. 5: 26. 21: 30. 7: 38. 11: Je. 25. 29 (32. 15): 44 (51). 1, 2, 22: 48 (31). 19: Ez. 12. 19.]
[Th. Ge. 47. 6: Jd. 5. 17: Ps. 64 (65). 5: Is. 8. 18: 34. 11: 38. 11: Je. 25. 29 (32. 15): 29 (36). 16: 48 (31). 19: Ez. 26. 17.]
[Heb. Ge. 47. 6.]
[Al. Jo. 11. 19: Jd. 5. 16: Hb. 3. 7: Za. 14. 10.]

κατοικεσία. (1) מוֹשָׁב

Ps. 106 (107). 36. συνεστήσαντο πόλεις κατοικεσίας (1)
La. 1. 7. ἐγέλασαν ἐπὶ κατοικεσίᾳ [A¹ μετοικ., A² μετοικεσίας] αὐτῆς †
Ez. 6. 14. ἐκ πάσης τῆς κ. αὐτῶν [A κατοικίας] (1)

κατοίκησις. (1) a. מוֹשָׁב b. יֶשֶׁב

Ge. 10. 30. ἐγένετο ἡ κ. αὐτῶν ἀπὸ M. (1 a)
27. 39. ἀπὸ τῆς πιότητος τῆς γῆς ἔσται ἡ κ. σου (1 a)
Ex. 12. 40. ἡ δὲ κ. [A παροικ.] τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1 a)
Nu. 15. 2. εἰς τὴν γῆν τῆς κ. [A κατασχέσεως] ὑμῶν (1 a)
II Ki. 9. 12. πᾶσα ἡ κ. αὐτοῦ οἴκου Σ. (1 a)
III Ki. 8. 30. ἐν τῷ τόπῳ τῆς κ. σου (1 b)
IV Ki. 2. 19. ἡ κ. τῆς πόλεως ἀγαθή (1 a)
II Ch. 6. 21. ἐν τῷ τόπῳ τῆς κ. σου (1 b)
I Es. 1. 21. ὁ εὑρεθεὶς [A οἱ εὑρεθέντες] ἐν τῇ κ. αὐτῶν
[Sm. I Ki. 2. 31: Ps. 22 (23). 6: Is. 33. 20: Je. 10. 25: 50 (27). 19.]
[Th. Is. 33. 20.]
[Al. Za. 2. 13 (17).]

κατοικητήριον. (1) זְבֻל (2) a. יֶשֶׁב b. מוֹשָׁב (3) מְדָר (4) a. מָעוֹן b. מְעוֹנָה

Ex. 12. 20. ἐν παντὶ δὲ κ. ὑμῶν ἔδεσθε ἄζυμα (2 b)
15. 17. εἰς ἕτοιμον κατοικητήριόν σου (2 a)
III Ki. 8. 13. A ᾠκοδόμησα οἶκον κατοικητηρίου σου (1)
— 39, 43, 49: II Ch. 6. 30, 33, 39. ἐξ ἑτοίμου κ. σου (2 a)
II Ch. 30. 27. ἦλθεν ἡ προσευχὴ αὐτῶν εἰς τὸ κ. τὸ ἅγιον αὐτοῦ (4 a)
Ps. 32 (33). 14. ἐξ ἑτοίμου κ. αὐτοῦ ἐπέβλεψεν (2 a)
75 (76). 2. καὶ τὸ κ. αὐτοῦ ἐν Σιών (4 b)
106 (107). 4. ὁδὸν πόλεως κατοικητηρίου οὐχ εὗρον (2 b)
— 7. τοῦ πορευθῆναι εἰς πόλιν κατοικητηρίου (2 b)
Na. 2. 11 (12). ποῦ ἐστι τὸ κ. τῶν λεόντων (4 a)
— 12 (13). ἔπλησε . . . τὸ κ. αὐτοῦ ἁρπαγῆς (4 b)
Je. 9. 11 (10). δώσω τὴν Ἱερ. . . . εἰς κ. [A -ια] δρακόντων (4 a)
21. 13. τίς εἰσελεύσεται πρὸς τὸ κ. ἡμῶν (4 b)
Da. LXX. 2. 11. οὗ οὐκ ἔστι κ. μετὰ πάσης σαρκός (3)
III Ma. 2. 15. A τὸ μὲν γὰρ κ. [R οἰκ.] σου οὐρανὸς τοῦ οὐρ.
[Aq. I Ki. 2. 32: III Ki. 8. 13: Ps. 48 (49). 15: Ca. 4. 8: Is. 63. 15: Je. 49. 19 (29. 20): 50 (27). 44, 45.]
[Sm. Is. 63. 15: Je. 50 (27). 44.]
[Th. Is. 63. 15.]
[Quint. Ps. 25 (26). 8: 30 (31). 3.]

κατοικία (-εία). (1) a. יֶשֶׁב b. מוֹשָׁב (2) a. מְדוֹר b. מָדָר c. דּוּר

Ex. 35. 3. οὐ καύσετε πῦρ ἐν πάσῃ κ. ὑμῶν (1 b)
Le. 3. 17. νόμιμον . . . ἐν πάσῃ κ. ὑμῶν (1 b)
7. 16 (26). οὐκ ἔδεσθε ἐν πάσῃ τῇ [B¹ τῇ γῇ] κατοικίᾳ ὑμῶν (1 b)
23. 3. σάββατά ἐστι . . . ἐν πάσῃ κ. ὑμῶν (1 b)
— 14. νόμιμον αἰώνιον . . . ἐν πάσῃ κ. ὑμῶν (1 b)
— 17. ἀπὸ τῆς κ. ὑμῶν προσοίσετε ἄρτους (1 b)
— 21. νόμιμον αἰώνιον . . . ἐν πάσῃ τῇ κ. ὑμῶν (1 b)
— 31. νόμιμον αἰώνιον . . . ἐν πάσαις κ. ὑμῶν (1 b)
Nu. 24. 21. ἰσχυρὰ ἡ κ. σου (1 b)
31. 10. A R πάσας τὰς πόλεις αὐτῶν τὰς ἐν ταῖς κ. [B οἰκ.] αὐτῶν (1 b)
35. 29. ἐν πάσαις ταῖς κ. ὑμῶν (1 b)
I Ch. 6. 54 (39). αὗται αἱ κ. αὐτῶν (1 b)
7. 28. καὶ κατοικία αὐτῶν Βαιθήλ (1 b)
I Es. 9. 12. πάντες οἱ ἐκ τῶν κ. [A κατοίκων] ἡμῶν
— 37. καὶ οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν ταῖς κ. αὐτῶν
Ps. 86 (87). 7. ὡς εὐφραινομένων πάντων ἡ κ. ἐν σοί †
131 (132). 13. ᾑρετίσατο αὐτὴν εἰς κατοικίαν ἑαυτῷ (1 b)
Si. 44. 6. A S εἰρηνεύοντες ἐν κατοικίαις [B παροικίαις] αὐτῶν
Ho. 11. 7. καὶ ὁ λαὸς αὐτοῦ ἐπικρεμάμενος ἐκ τῆς κ. αὐτοῦ †
14. 5. ἰάσομαι τὰς κατοικίας αὐτῶν †
Ob. 1. 3. ὑψῶν κατοικίαν αὐτοῦ (1 a)
Ze. 2. 5. καὶ ἀπολῶ ὑμᾶς ἐκ κατοικίας (1 a)
Je. 3. 6. εἶδες ἃ ἐποίησέ μου ἡ κ. τοῦ Ἰσραήλ †
— 8. ἐν οἷς ἐμοιχᾶτο ἡ κ. τοῦ Ἰσραήλ †
— 12. ἐπιστράφηθι πρὸς μὲ ἡ κ. τοῦ Ἰσραήλ †
Ez. 6. 6. ἐν πάσῃ τῇ κ. ὑμῶν (1 b)
— 14. A ἐκ πάσης τῆς κ. [B κατοικεσίας] (1 b)
28. 2. κατοικίαν θεοῦ κατῴκηκα [A -σα] (1 b)
34. 13. ἐν πάσῃ κ. τῆς γῆς (1 b)
48. 15. προτείχισμα ἔσται τῇ πόλει εἰς τὴν κ. (1 b)
Da. TH. 2. 11. ὧν οὐκ ἔστιν ἡ κ. μετὰ πάσης σαρκός (2 b)
4. 22. μετὰ θηρίων ἀγρίων ἔσται ἡ κ. σου (2 a)
— 29. μετὰ θηρίων ἀγρίων [A add. ἔσται] ἡ κ. σου (2 a)
— 32. καὶ ἐν τῇ κ. τῆς γῆς (2 c)
5. 21. μετὰ ὀνάγρων ἡ κ. αὐτοῦ (2 a)
I Ma. 1. 38. ἐγένετο κατοικία ἀλλοτρίων
II Ma. 3. 39. ὁ τὴν κ. ἐπουράνιον ἔχων
[Aq. Ho. 9. 13.]
[Sm. Ps. 32 (33). 14: Ho. 9. 13: Mi. 1. 15.]
[Al. Ex. 10. 23: Nu. 21. 15.]

κατοικίζειν. (1) נָלָה hoph. (2) יָשַׁב a. qal. b. ni. c. hi. d. יָתַב aph. (3) שׁוּב hi. (4) שָׁכַב hi. (5) שָׁכַן a. pi. b. hi.

Ge. 3. 24. κατῴκισεν αὐτὸν ἀπέναντι τοῦ παραδείσου (5 b)
47. 6. ἐν τῇ βελτίστῃ γῇ κατοίκισον [A -ησον] τὸν πατέρα σου (2 c)
— 11. κατῴκισεν [A -ησεν] Ἰ. τὸν πατέρα (2 c)
Ex. 2. 21. κατῳκίσθη δὲ M. παρὰ τῷ ἀνθρώπῳ (2 a)
Le. 23. 43. κατῴκισα [A -ησα] τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (2 c)
Nu. 21. 15. τοὺς χειμάρρους κατέστησε κατοικίσαι Ἠρ (2 a)
De. 2. 12, 21, 22, 23. καὶ κατῳκίσθησαν ἀντ' αὐτῶν (2 a)
Jo. 6. 24 (25). R καὶ κατῴκισεν [A B -ησεν] ἐν τῷ Ἰσρ. (2 a)
7. 7. εἰ κατεμείναμεν καὶ κατῳκίσθημεν (2 a)
15. 63. A κατῴκισαν [B -ησαν] οἱ Ἰεβ. ἐν Ἱερ. (2 a)
24. 13. καὶ κατῳκίσθητε ἐν αὐταῖς (2 a)
I Ki. 12. 8. καὶ κατῴκισεν [A -ησεν] αὐτούς (2 c)
IV Ki. 17. 6. B κατῴκισεν [A R -ησεν] αὐτούς (2 c)
— 24. κατῳκίσθησαν ἐν πόλεσι Σαμ. (2 c)
— 24. A κατῴκισαν [B -κησαν, R -κίσθησαν] ἐν ταῖς πόλεσιν αὐτῆς (2 a)
— 32. κατῴκισαν τὰ βδελύγματα αὐτῶν –
I Ch. 9. 1. B μετὰ τῶν κατοικισθέντων [A R ἀποικ.] εἰς Βαβ. (1)
10. 7. S κατῴκισαν [A B -ησαν] ἐν αὐτοῖς (2 a)
II Ch. 8. 2. κατῴκισεν ἐκεῖ τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (2 c)
I Es. 5. 46. καὶ κατῳκίσθησαν οἱ ἱερεῖς
II Es. 4. 10. κατῴκισεν αὐτοὺς ἐν πόλεσι τῆς Σομ. (2 d)
To. 13. 11. S κατοικεῖ πάντων τῶν ἐσχάτων τῆς γῆς
Ju. 5. 19. κατῳκίσθησαν ἐν τῇ ὀρεινῇ
Ps. 4. 8. σὺ, κύριε, κατὰ μόνας ἐπ' ἐλπίδι κατῴκισάς με (2 c)
28 (29). 10. κύριος τὸν κατακλυσμὸν κατοικεῖ (2 a)
67 (68). 6. ὁ θεὸς κατοικίζει μονοτρόπους ἐν οἴκῳ (2 c)
92 (93) tit. ὅτε κατῴκισται ἡ γῆ –
106 (107). 36. κατῴκισεν [A¹ -ησεν] ἐκεῖ πεινῶντας (2 c)
112 (113). 9. ὁ κατοικίζων στεῖραν ἐν οἴκῳ (2 c)
Ho. 2. 18 (20). καὶ κατοικιῶ σε ἐπ' ἐλπίδι (4)
12. 9 (10). ἔτι κατοικιῶ σε ἐν σκηναῖς (2 c)
Za. 10. 6. καὶ κατοικιῶ αὐτούς (2 c)
Is. 54. 3. πόλεις ἠρημωμένας κατοικεῖς [A -ήσεις] (2 c)
Je. 6. 8. ἵνα οὐ κατοικισθῇ [A S -κηθήσεται] (2 b)
7. 3. καὶ κατοικιῶ [A οὐ κ.] ὑμᾶς (5 a)
— 7. κατοικιῶ ὑμᾶς ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ (5 a)
12. 15. καὶ κατοικιῶ αὐτούς (3)
17. 25. κατοικισθήσεται [A -κηθ.] ἡ πόλις αὕτη (2 a)
39 (32). 37. A κατοικιῶ [B S καθιῶ] αὐτοὺς πεποιθότας (2 c)

Je. 47 (40). 7. A S R οὓς οὐ [S om.] κατῴκισεν [B οὐκ ἀπῴκ.] εἰς Βαβυλῶνα (1)
Ez. 26. 19. R ὡς τὰς πόλεις τὰς μὴ κατοικισθησομένας [A B -κηθ.] (2 b)
— 20. κατοικιῶ σε εἰς βάθη τῆς γῆς (2 c)
29. 14. κατοικίσω [A -ιῶ] αὐτοὺς ἐν γῇ Φ. (3)
36. 11. κατοικιῶ ὑμᾶς ὡς τὸ ἐν ἀρχῇ ὑμῶν (2 c)
— 33. κατοικιῶ τὰς πόλεις (2 c)
38. 12. εἰς τὴν ἠρημωμένην ἢ κατῳκίσθη (2 b)
— 14. ἐν τῷ κατοικισθῆναι τὸν λαόν μου Ἰσρ. (2 a)
39. 6. A κατοικισθήσονται [B -κηθ.] αἱ νῆσοι (2 a)
— 26. ἐν τῷ κατοικισθῆναι αὐτοὺς ἐπὶ τὴν γῆν αὐτῶν (2 a)
I Ma. 3. 36. S κατοικίσαι [A R -ῆσαι] υἱοὺς [S¹ ἀπ' αὐτῶν] ἀλλογενεῖς [A ἀλλοτρίους]
13. 48. A κατῴκισεν [S -ησεν] ἐν αὐτῇ ἄνδρας
14. 34. καὶ κατῴκισεν ἐκεῖ Ἰουδαίους
— 37. S R κατῴκισεν [A -ησεν] ἐν αὐτῇ ἄνδρας Ἰουδ.
[Sm. Ez. 26. 17 : Ho. 2. 18 (20).]
[Th. Ps. 67 (68). 7 : Ho. 2. 18 (20).]
[Quint. Ps. 67 (68). 7.]

κατοικιστής.
[Sm. Je. 50 (27). 7.]

κατοικοδομεῖν. (1) מוֹשָׁב
Ge. 36. 43. ἐν ταῖς κατῳκοδομημέναις ἐν τῇ γῇ (1)

κάτοικος. (1) אֶזְרָח (2) יָשַׁב
Ge. 50. 11. εἶδον οἱ κ. τῆς γῆς Χαναάν (2)
Jo. 8. 20. περιβλέψαντες οἱ κ. [A κατοικοῦντες] Γαί (1)
I Ch. 5. 16. B ἄρχων οἴκου πατριῶν κατοίκων [A R -ῴκουν] ἐν Γ. (2)
I Es. 9. 12. A καὶ πάντες οἱ ἐκ τῶν κ. [B -κιῶν] ἡμῶν
Pr. 31. 23. μετὰ τῶν γερόντων κ. τῆς γῆς [A B² S² al.] –
I Ma. 1. 38. ἔφυγον οἱ κ. Ἱερουσαλήμ

κατοικτείρειν.
IV Ma. 8. 20. A R κατοικτειρήσωμεν [S -ρωμεν] τὸ τῆς μητρὸς γῆρας
12. 2. A R ὃν κατοικτειρήσας [S -ρας] ὁ τύραννος

κατοικτίζειν.
IV Ma. 13. 27. S τοὺς κατοικτιζομένους [A R καταικιζ.] ὁρῶντες . . . βασανιζομένους

κατόπιν.
[Sm. Jo. 10. 19 : II Ki. 5. 23.]

κατόπισθε, κατόπισθεν. (1) *a.* אַחַר *b.* אַחֲרֵי *c.* מֵאַחֲרֵי *d.* מֵאַחֲרֵי לְ *e.* אֶל־אַחֲרֵי *f.* עַל־אַחֲרֵי (2) תַּחַת
Ge. 37. 17. ἐπορεύθη Ἰ. κ. τῶν ἀδ. αὐ. (1 a)
Jd. 18. 12. A ἰδοὺ κ. [B ὀπίσω] Κ. (1 b)
19. 3. A καὶ ἐπορεύθη κ. [B ὀπίσω] αὐτῆς (1 b)
Ru. 2. 2. κ. οὗ ἐὰν εὕρω χάριν (1 a)
— 3. συνέλεξεν . . . κ. [A ὅπ.] τῶν θεριζόντων (1 b)
— 9. πορεύσῃ κ. αὐτῶν (1 b)
II Ki. 2. 19. τοῦ πορεύεσθαι . . . κ. Ἀβ. (1 c)
— 27. ἀνέβη ὁ λαὸς ἕκαστος κ. τοῦ ἀδ. αὐ. (1 c)
15. 34. ὁ βασ. κ. μου διελήλυθεν [A al.] –
16. 18. κ. οὗ ἐξελέξατο κύριος –
20. 14. ἦλθον κ. αὐτοῦ (1 b)
III Ki. 13. 14. ἐπορεύθη κ. τοῦ ἀνθρώπου τοῦ θ. [A al.] (1 b)
IV Ki. 6. 32. οὐχὶ φωνὴ τῶν ποδῶν . . . κ. αὐτοῦ (1 b)
II Ch. 25. 27. ἀπέστειλαν κ. αὐτοῦ (1 b)
Ne. 4. 13 (7). ἔστησα . . . κ. τοῦ τείχους (1 d)
Pr. 24. 42 (27). πορεύου κ. μου (1 a)
Za. 6. 6. οἱ λευκοὶ ἐξεπορεύοντο κ. αὐτῶν [S¹ om.] (1 e)
7. 14. ἡ γῆ ἀφανισθήσεται κ. αὐτῶν (1 b)
Ez. 3. 12. A B² R ἤκουσα κ. μου φωνήν [B¹ al.] (1 b)
41. 15. τοῦ ἀπολοίπου τῶν κ. τοῦ οἴκου ἐκ. (1 f)
44. 10. ἐν τῷ πλανᾶσθαι τὸν Ἰσ. . . . κ. τῶν ἐνθυμημ. αὐ. (1 b)
Da. LXX. 8. 8. ἀνέβη ἕτερα τέσσαρα κέρατα κ. αὐτοῦ (2)
I Ma. 10. 79. ἀπέλιπεν Ἀπ. . . . κρυπτῶς κ. αὐτῶν
— 80. ἔστιν ἔνεδρον κ. αὐτοῦ
16. 6. διεπέρασαν κ. αὐτοῦ [S¹ -ῶν]
[Th. Jd. 19. 3 : Je. 39 (46). 5.]
[Al. I Ki. 11. 5.]

κατοπίσω.
Jd. 18. 22. A ἔκραζον κ. Δάν [B al.] †

κατοπτεύειν.
Es. 8. 13. τοῦ τὰ πάντα κατοπτεύοντος ἀεὶ θεοῦ

κατόπτης.
II Ma. 15. 21. R τὸν τερατοποιὸν κύριον τὸν κ. [A om. τ. κ.]

κάτοπτρον. (1) מַרְאָה
Ex. 38. 26 (8). ἐκ τῶν κ. τῶν νηστευσασῶν (1)

κατορθοῦν. (1) אָשַׁר (2) בָּנָה (3) זָכָה pi. (4) *a.* יָשַׁר pi. *b.* יָשָׁר *c.* מִישׁוֹר *d.* מֵישָׁרִים (5) כּוּן *a.* ni. *b.* hi. (6) עָלַץ (7) תָּכַן ni.
III Ki. 2. 35. ἡ βασιλεία κατορθοῦτο ἐν Ἱερ. –
I Ch. 16. 30. κατορθωθήτω ἡ γῆ (5 a)
28. 7. κατορθώσω τὴν βασιλείαν αὐ. (5 b)
II Ch. 29. 35. καὶ κατορθώθη τὸ ἔργον (5 a)
33. 16. κατώρθωσε τὸ θυσιαστήριον κυρίου (2)
35. 10. κατωρθώθη ἡ λειτουργία (5 a)
— 16. καὶ κατωρθώθη (5 a)
I Es. 5. 50. A R κατώρθωσαν [B -θώθησαν] τὸ θυσιαστήριον
Ps. 95 (96). 10. κατώρθωσε τὴν οἰκουμένην (5 a)
118 (119). 9. ἐν τίνι κατορθώσει νεώτερος τὴν ὁδὸν αὐτοῦ (3)
— 128. πρὸς πάσας τὰς ἐντολάς σου κατορθούμην (4 a)
Pr. 2. 7. θησαυρίζει τοῖς κατορθοῦσι σωτηρίαν (4 b)
— 9. κατορθώσεις πάντας ἀξόνας [A αὔξονας] ἀγαθούς (4 d)
4. 18. ἕως κατορθώσῃ [A -σει] ἡ ἡμέρα (5 a)
9. 6. κατορθώσατε ἐν γνώσει σύνεσιν (1)
11. 10. ἐν ἀγαθοῖς δικαίων κατώρθωσε πόλις (6)
12. 3. οὐ κατορθώσει ἄνθρωπος ἐξ ἀνόμου (5 a)
— 19. χείλη ἀληθινὰ κατορθοῖ μαρτυρίαν (5 a)
14. 11. σκηναὶ δὲ κατορθούντων στήσονται (4 b)
25. 5. κατορθώσει ἐν δικαιοσύνῃ ὁ θρόνος αὐ. (5 a)
Mi. 7. 2. κατορθῶν ἐν ἀνθρώποις οὐχ ὑπάρχει (4 b)
Za. 4. 7. τὸ ὄρος . . . τὸ πρὸ προσώπου Ζ. τοῦ κατορθῶσαι (4 c)
Is. 9. 7 (6). ἐπὶ . . . τὴν βασιλείαν αὐτοῦ κατορθῶσαι αὐτήν (5 b)
Je. 10. 23. κατορθώσει πορείαν [S¹ πονηρίαν] αὐτοῦ (5 b)
Ez. 18. 25. A οὐ κατορθοῖ [B κατευθύνει] ἡ ὁδὸς κυρίου (7)
— 29. οὐ κατορθοῖ ἡ ὁδὸς κυρίου μὴ ἡ ὁδός μου οὐ κατορθοῖ, οἶκος Ἰσραήλ; οὐχὶ ἡ ὁδὸς ὑμῶν οὐ κατορθοῖ (7 ter)
II Ma. 8. 36. ἀναδεξάμενος φόρον . . . κατορθώσασθαι
[Sm. Is. 55. 11.]
[Th. Is. 55. 11 : Ez. 33. 20.]
[Al. I Ki. 13. 21 : 20. 31.]

κατόρθωμα.
III Ma. 3. 23. R ἡμᾶς καταστρέψαι τὰ κ. [A πράγματα]

κατόρθωσις. (1) *a.* יָכִין *b.* מָכוֹן
II Ch. 3. 17. τὸ ὄνομα τοῦ ἐκ δεξιῶν Κατόρθωσις (1 a)
Ju. 11. 7. εἰς κατόρθωσιν πάσης ψυχῆς
Ps. 96 (97). 2. δικαιοσύνη καὶ κρίμα κατόρθωσις τοῦ θρόνου αὐτοῦ (1 b)
[Al. Ps. 118 (119). 126.]

κατορύσσειν. (1) חָתַר (2) טָמַן (3) קָבַר
a. qal. *b.* ni.
Ge. 48. 7. κατώρυξα αὐτὴν ἐν τῇ ὁδῷ (3 a)
Jo. 24. 32. καὶ κατώρυξαν ἐν [A αὐτὰ ἐν] Σικ. (3 a)
— 33. καὶ κατωρύγη [A -ύχθη] ἐν Γαβ. (3 a)
To. 14. 6. κατορύξουσι [A -ωσιν] τὰ εἴδωλα αὐ. [S al.]
Am. 9. 2. ἐὰν κατακρυβῶσιν [A κατορυγῶσιν] εἰς ᾅδου (1)
Je. 13. 7. οὗ κατώρυξα [S¹ -αν] αὐτὸ ἐκεῖ (2)
32 (25). 33. οὐ μὴ κατορυγῶσιν [A -ύξωσιν] εἰς κόπρια (3 b)
Ez. 39. 11. κατορύξουσιν [A -ωσιν] ἐκεῖ τὸν Γώγ (3 a)
Ez. 39. 12. κατορύξουσιν [A -ωσιν] αὐτοῖς οἶκος Ἰσραήλ (3 a)
— 13. κατορύξουσιν αὐτοὺς πᾶς ὁ λαὸς τῆς γῆς (3 a)
[Sm. Je. 3. 16 : Ps. 70 (71). 24.]

κατορχεῖσθαι.
Za. 12. 10. ἀνθ' ὧν κατωρχήσαντο †

κατούλωσις.
[Aq. Is. 58. 8.]

κατοχεύειν. (1) רָבַע hi.
Le. 19. 19. τὰ κτήνη σου οὐ κατοχεύσεις ἑτεροζύγῳ (1)

κατοχεύς.
[Sm. Ex. 26. 17.]

κατοχή.
[Sm. Ca. 8. 11.]

κατόχιμος. (1) κ. εἶναι עָבַד
Le. 25. 46. ἔσονται ὑμῖν κατόχιμοι εἰς αἰῶνα (1?)

κάτοχος. (1) בַּעַד
Jn. 2. 7. ἧς οἱ μοχλοὶ αὐτῆς κάτοχοι αἰώνιοι (1)
[Sam. Ge. 49. 23.]

κάτω, κατώτερον, κατωτάτω. (1) *a.* מַטָּה *b.* לְמַטָּה (2) *a.* מִתַּחַת *b.* תַּחְתִּי *c.* תַּחְתּוֹן
Ge. 35. 8. R ἐτάφη [A om.] κατώτερον Βαιθήλ (2 a)
Ex. 20. 4. ὅσα ἐν τῇ γῇ κ. (2 a)
De. 4. 39. καὶ ἐπὶ τῆς γῆς κ. (2 a)
5. 8. ὅσα ἐν τῇ γῇ κ. (2 a)
28. 43. σὺ δὲ καταβήσῃ κ. κ. (1 a, 1 a)
32. 22. καυθήσεται ἕως ᾅδου κ. (2 b)
Jo. 2. 11. καὶ ἐπὶ τῆς γῆς κ. (2 a)
15. 19. καὶ τὴν Γ. τὴν κ. (2 b)
16. 3. ἕως τῶν ὁρίων Βαιθωρὼν τὴν [A τῆς] κ. (2 c)
18. 13. ἥ ἐστι πρὸς λίβα Βαιθωρὼν ἡ κ. (2 c)
III Ki. 8. 23. καὶ ἐπὶ τῆς γῆς κ. (2 a)
IV Ki. 19. 30. προσθήσει . . . τὸ ὑπολειφθὲν ῥίζαν κ. (1 b)
I Ch. 7. 24. ᾠκοδόμησε Βαιθ. τὴν κ. (2 c)
27. 23. ἀπὸ εἰκοσαετοῦς καὶ κ. (1 b)
II Ch. 8. 5. ᾠκοδόμησε . . . τὴν Βαιθ. τὴν κ. (2 c)
32. 30. καὶ κατηύθυνεν αὐτὰ κ. (1 b)
To. 4. 19. S ἕως ᾅδου κατωτάτω
13. 2. S ἕως ᾅδου κατωτάτω τῆς γῆς [A B εἰς ᾅδην]
Jb. 37. 12. A ἐν τοῖς κατωτάτω θεὶς ἔργα αὐτῶν [B S al.] †
Ps. 138 (139). 15. ἐν τοῖς κατωτάτω [A S -οις] τῆς γῆς (2 b)
Ec. 3. 21. εἰ καταβαίνει αὐτὸ κ. εἰς γῆν (1 b)
5. 1. S¹ σὺ ἐπὶ τῆς γῆς κ. [A B S² om.] –
Si. 51. 6. ἡ ζωή μου ἦν σύνεγγυς ᾅδου κάτω [S² κατωτάτου]
Is. 5. 30. εἰς τὴν γῆν [S² add. κ.] –
8. 22. εἰς τὴν γῆν κ. ἐμβλέψονται –
37. 31. φυήσουσι ῥίζαν κ. (1 b)
51. 6. ἐμβλέψατε εἰς τὴν γῆν κ. (2 a)
Je. 38 (31). 37. ἐὰν ταπεινωθῇ τὸ ἔδαφος τῆς γῆς κ. (1 b)
Ez. 1. 27. A² B ἀπὸ ὁράσεως ὀσφύος καὶ ἕως κ. (1 a)
8. 2. ἀπὸ τῆς ὀσφύος αὐτοῦ καὶ ἕως κ. πῦρ (1 a)
31. 16. A παρέκαλουν αὐτὸν ἐν γῇ κ. [B om.] πάντα τὰ ξύλα (2 b)
[Aq. Jd. 1. 15 : Ez. 31. 16.]
[Sm. Ez. 31. 16.]
[Th. Jb. 37. 12 : Ez. 31. 16 : Ho. 4. 13.]

κατώδυνος. (1) *a.* מַר *b.* מָרַר
I Ki. 1. 10. καὶ αὐτὴ κατώδυνος ψυχῇ (1 a)
22. 2. καὶ πᾶς [A om.] κ. ψυχῇ (1 a)
30. 6. κατώδυνος ψυχὴ παντὸς τοῦ λαοῦ (1 b)
IV Ki. 4. 27. ἡ ψυχὴ αὐτῆς κ. αὐτῇ (1 b)
[Aq. Is. 54. 6.]
[Sm. Is. 29. 2 : 54. 6.]
[Th. Jd. 18. 25 : Is. 54. 6.]

κάτωθεν. (1) מִלְּמַטָּה (2) *a.* מִתַּחַת *b.* מִתַּחַת *c.* תַּחְתּוֹן
Ex. 26. 24. ἔσται [A ἔσονται] ἐξ ἴσου κ. (1)
27. 5. ὑπὸ τὴν ἐσχάραν τοῦ θυσιαστ. κ. (1)
28. 29 (33). ποιήσεις ὑπὸ [AB² ἐπὶ] τὸ λῶμα . . . κ. [A κυκλόθεν] –

Ex. 36. 28 (39. 20). A R ἐπέθηκαν . . . κ. αὐτοῦ [B *om.* κ. αὐ.] (1)
— 32 (39. 24). ἐποίησαν ἐπὶ τοῦ λώματος . . . κ. –
38. 24 (4). ἔργον δικτυωτὸν κ. τοῦ πυρείου (2 *a*)
De. 33. 13. ἀπὸ ἀβύσσων πηγῶν κ. (2 *a*)
Is. 14. 9. ὁ ᾅδης κ. ἐπικράνθη (2 *b*)
Ez. 41. 7. ἐκ τῶν κ. ἀναβαίνωσιν ἐπὶ τὰ ὑπερῷα (2 *c*)
[Th. Ex. 28. 27.]

κατώτερος, κατώτατος. (1) *a.* תַּחְתּוֹן *b.* תַּחְתִּי

III Ki. 9. 17. A καὶ τὴν Βαιθ. τὴν κ. (1 *a*)
Ne. 4. 13 (7). ἔστησα εἰς τὰ κ. τοῦ τόπου (1 *b*)
Ps. 62 (63). 9. εἰσελεύσονται εἰς τὰ κ. τῆς γῆς (1 *b*)
85 (86). 13. ἐρρύσω τὴν ψυχήν μου ἐξ ᾅδου κατωτάτου (1 *b*)
87 (88). 6. ἔθεντό με ἐν λάκκῳ κατωτάτῳ (1 *b*)
138 (139). 15. A S ἐν τοῖς κ. [B κατωτάτω] τῆς γῆς (1 *b*)
Si. 51. 6. S² ἡ ζωή μου ἦν σύνεγγυς ᾅδου κατωτάτου [A B S¹ κάτω]
La. 3. 55. B S ἐπεκαλεσάμην . . . ἐκ λάκκου κ. (1 *b*)
[Aq. Ps. 138 (139). 15 : Ez. 26. 20 : 43. 14.]
[Sm. II Ki. 24. 6 : Ps. 94 (95). 4 : 138 (139). 15 : Ez. 26. 20 : 32. 23.]
[Th. Ez. 26. 20.]
[Al. De. 32. 22 : Ps. 138 (139). 15.]

καυλακαῦ.
[Heb. Is. 28. 13 *bis.*]

καυλός. (1) יָרֵךְ

Ex. 25. 30 (31). ὁ κ. αὐτῆς . . . ἐξ αὐτῆς ἔσται (1)
38. 14 (37. 17). τὸν κ. καὶ τοὺς καλαμίσκους (1)
Nu. 8. 4. ὁ κ. αὐτῆς [A *om.*] καὶ τὰ κρίνα αὐτῆς (1)
[Th. Ez. 17. 3 : 31. 10, 14.]

καῦμα. (1) חֹם (2) חֹרֶב (3) יָלֵל (4) קַיִץ

Ge. 8. 22. ψῦχος καὶ καῦμα (1)
31. 40. R συγκαιόμενος τῷ κ. [A -σωνι] (2)
De. 32. 10. ἐν δίψει καύματος (3 ?)
II Ki. 4. 5. εἰσῆλθον ἐν τῷ κ. τῆς ἡμέρας (1)
To. 2. 9. S ἀνακεκαλυμμένον διὰ τὸ κ. [A B ἀκάλυπτον ἦν]
Jb. 24. 24. ἐμαράνθη δὲ ὥσπερ μολόχη [A χλόη] ἐν καύματι †
30. 30. τὰ δὲ ὀστᾶ μου ἀπὸ καύματος [A κ. συνεφρύγη] (2)
Pr. 10. 5. διεσώθη ἀπὸ καύματος υἱὸς νοήμων (4)
25. 13. A S R ὥσπερ ἔξοδος χιόνος [B *om.*] . . . κατὰ καῦμα ὠφελεῖ †
Si. 14. 27. σκεπασθήσεται ὑπ' [A S¹ ἀπ'] αὐτῆς ἀπὸ καύματος
43. 3. ἐναντίον καύματος αὐτοῦ τίς ὑποστήσεται
— 4. A S² R κάμινον φυσῶν [B S¹ φυλάσσων] ἐν ἔργοις καύματος
50. 11. A ἐν τῷ . . . ἐνδιδύσκεσθαι αὐτὸν συντέλειαν καύματος [B S καυχήματος]
Is. 4. 6. ἔσται εἰς σκιὰν ἀπὸ καύματος (2)
18. 4. ὡς φῶς καύματος [A κύμ.] μεσημβρίας (1)
Je. 17. 8. οὐ φοβηθήσεται ὅταν ἔλθῃ κ. (1)
43 (36). 30. ἔσται ἐρριμμένον ἐν τῷ κ. τῆς ἡμέρας (2)
Ba. 2. 25. ἐστὶν ἐξερριμμένα τῷ κ. τῆς ἡμέρας
Da. LXX. 3. (66). εὐλογεῖτε πῦρ καὶ καῦμα τὸν κύριον
Da. TH. Su. 15. ὅτι καῦμα ἦν
3. (66). εὐλογεῖτε πῦρ καὶ καῦμα τὸν κύριον
— (69). εὐλογεῖτε ψῦχος καὶ καῦμα τὸν κύριον [A *al.*]
[Sm. Ps. 147. 6 (17).]
[Th. Da. 3. (67).]
[Al. Ex. 21. 25 : I Ki. 10. 2.]
[Sext. Ps. 31 (32). 4.]

καῦσις. (1) בָּעַר pi. (2) *a.* יְקֵדָה *b.* מוֹקֵדָה (3) מַעֲרָכָה

Ex. 39. 17 (37). λύχνους τῆς κ. (3)
Le. 6. 9 (2). αὕτη ἡ ὁλοκαύτωσις ἐπὶ τῆς κ. αὐτῆς (2 *b*)
II Ch. 13. 11. καὶ οἱ λύχνοι τῆς κ. ἀνάψαι δείλης (1 ?)
Is. 4. 4. ἐν πνεύματι κρίσεως καὶ πνεύματι καύσεως [A *om.* κ. πν. κ.] (1)
40. 16. ὁ δὲ Λίβανος οὐχ ἱκανὸς εἰς καῦσιν (1)
44. 15. ἵνα ᾖ ἀνθρώποις εἰς καῦσιν [S¹ *al.*] (1)
Da. LXX. TH. 7. 11. ἐδόθη εἰς καῦσιν πυρός (2 *a*)
[Aq. Ps. 101 (102). 4.]
[Sm. Is. 9. 5 (4).]
[Al. II Ch. 16. 14.]

καῦσος.
[Sm. Ps. 31 (32). 4.]

καυστή.
[Th. Le. 7. 9.]

καυστικός.

IV Ma. 6. 27. βασάνοις κ. ἀποθνήσκω
10. 14. οὐχ οὕτω καυστικώτερον ἔχετε κατ' ἐμοῦ τὸ πῦρ

καύσων. (1) חֹרֶב (2) קָדִים (3) שָׁרָב

Ge. 31. 40. A συγκαιόμενος τῷ κ. [R -ματι] (1)
Ju. 8. 3. ὁ κ. ἦλθεν ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ
Jb. 27. 21. ἀναλήψεται δὲ αὐτὸν καύσων (2)
Si. 18. 16. οὐχὶ καύσωνα ἀναπαύσει δρόσος
31 (34). 16. σκέπη ἀπὸ καύσωνος καὶ σκέπη ἀπὸ μεσημβρίας
43. 22. δρόσος ἀπαντῶσα ἀπὸ καύσωνος ἱλαρώσει
Ho. 12. 1 (2). ἐδίωξε καύσωνα (2)
13. 15. ἐπάξει καύσωνα ἄνεμον κύριος (2)
Jn. 4. 8. προσέταξεν ὁ θ. πνεύματι καύσωνος (2)
Is. 49. 10. οὐδὲ πατάξει αὐτοὺς καύσων (3)
Je. 18. 17. ὡς ἄνεμον καύσωνα διασπερῶ αὐτούς (2)
28 (51). 1. ἐξεγείρω ἐπὶ Βαβυλῶνα . . . ἄνεμον καύσωνα διαφθείροντα –
Ez. 17. 10. ἅμα τῷ ἅψασθαι αὐτῆς ἄνεμον τὸν κ. (2)
19. 12. ἄνεμος ὁ [A *om.*] κ. ἐξήρανε τὰ ἐκλεκτὰ αὐτῆς (2)
Da. TH. 3. (67). A εὐλογεῖτε ψῦχος καὶ καύσων τὸν κύριον
[Aq. Ge 41. 6, 23 : Ex. 10. 13 *bis* : Jd. 5. 21 : Je. 15. 2 : Ps. 47 (48). 8 : 77 (78). 26.]
[Sm. Ex. 10. 13 *bis* : Ps. 67 (68). 7 : He. 1. 9.]
[Th. Je. 15. 2 : 27. 21 : Is. 25. 5 : 27. 8.]
[Sext. Ps. 31 (32). 4.]

καυτηρία (?), **καυτήριον.**

IV Ma. 15. 22. A R τῶν υἱῶν βασανιζομένων . . . καυτηρίοις [S -ίαις]

καυχᾶσθαι. (1) אָמַר (2) הָלַל hithp. (3) עָלַז (4) עָלַץ (5) פָּאַר hithp. (6) רָבָה hi. (7) רָנַן hi. (8) שָׁבַח hithp.

Jd. 7. 2. μή ποτε καυχήσηται Ἰσραήλ (5)
I Ki. 2. 3. μὴ καυχᾶσθε (6)
— 10. μὴ καυχάσθω ὁ φρόνιμος ἐν τῇ φρονήσει αὐ. –
— 10. καὶ μὴ καυχάσθω ὁ δυνατὸς ἐν τῇ δυνάμει αὐ. –
— 10. καὶ μὴ καυχάσθω ὁ πλούσιος ἐν τῷ πλούτῳ αὐ. –
— 10. ἐν τούτῳ καυχάσθω ὁ καυχώμενος –, –
III Ki. 21 (20). 11. μὴ καυχάσθω ὁ κυρτὸς ὡς ὁ ὀρθός (2)
I Ch. 16. 35. καὶ καυχᾶσθαι ἐν ταῖς αἰνέσεσί σου (8)
Ps. 5. 11. καυχήσονται ἐπὶ [A S ἐν] σοί (4)
31 (32). 11. καυχᾶσθε πάντες οἱ εὐθεῖς τῇ καρδίᾳ (7)
48 (49). 6. ἐπὶ τῷ πλήθει τοῦ πλούτου αὐτῶν καυχώμενοι (2)
93 (94). 3. ἕως πότε ἁμαρτωλοὶ καυχήσονται (3)
149. 5. καυχήσονται ὅσιοι ἐν δόξῃ (3)
Pr. 20. 9. τίς καυχήσεται ἁγνὴν ἔχειν τὴν καρδίαν (1)
25. 14. AB²S οἱ καυχώμενοι [B¹R ὁ καυχώμενος] ἐπὶ δόσει ψευδεῖ (2)
27. 1. μὴ καυχῶ τὰ εἰς αὔριον (2)
Si. 11. 4. ἐν περιβολῇ ἱματίων μὴ καυχήσῃ
17. 8. S² καυχᾶσθαι ἐν τοῖς θαυμασίοις αὐτοῦ
24. 1. ἐν μέσῳ λαοῦ αὐτῆς καυχήσεται [A -σονται]
— 2. ἔναντι δυνάμεως αὐτοῦ καυχήσεται
30. 2. ἀνὰ μέσον γνωρίμων ἐπ' αὐτῷ καυχήσεται
38. 25. ὁ . . . καυχώμενος ἐν δόρατι κέντρου
39. 8. ἐν νόμῳ διαθήκης κυρίου καυχήσεται
48. 4. τίς ὅμοιός σοι καυχᾶσθαι [A S -χήσεται]
50. 20. ἐν ὀνόματι αὐτοῦ καυχᾶσθαι [A S -χήσασθαι]
Je. 9. 23 (22). μὴ καυχάσθω ὁ σοφὸς ἐν τῇ σοφίᾳ αὐτοῦ (2)
— 23 (22). μὴ καυχάσθω ὁ ἰσχυρὸς ἐν τῇ ἰσχύϊ αὐτοῦ (2)
— 23 (22). μὴ καυχάσθω ὁ πλούσιος ἐν τῷ πλούτῳ αὐτοῦ (2)
— 24 (23). ἐν τούτῳ καυχάσθω ὁ καυχώμενος (2, 2)
Da. LXX. 5. 1. ἐνυφούμενος ἀπὸ τοῦ οἴνου καὶ καυχώμενος –
Da. LXX. 5. 6. οἱ συνεταῖροι κύκλῳ αὐτοῦ ἐκαυχῶντο –
III Ma. 2. 17. ἵνα μὴ καυχήσωνται οἱ παράνομοι
[Aq. Ps. 33 (34). 3 : 43 (44). 9 : 55 (56). 11 : 62 (63). 12 : 104 (105). 3 : Is. 41. 16.]
[Sm. Je. 50 (27). 38.]
[Th. Pr. 20. 14 : Is. 41. 16.]

καύχημα. (1) נַאֲוָה (2) חֶדְוָה (3) שֵׁם (4) תְּהִלָּה (5) תּוֹחֶלֶת (6) תִּפְאֶרֶת

De. 10. 21. οὗτος [A αὐτὸς] καύχημά σου (4)
26. 19. ἐποίησέ σε ὀνομαστὸν καὶ καύχημα (3)
33. 29. καὶ ἡ μάχαιρα καύχημά σου (1)
I Ch. 16. 27. ἰσχὺς καὶ καύχημα ἐν τόπῳ αὐτοῦ (2)
29. 11. σοί, κύριε . . . τὸ κ. (6)
Ju. 15. 9. σὺ καύχημα μέγα τοῦ γένους ἡμῶν
Ps. 88 (89). 17. τὸ [A S² *om.*] κ. τῆς δυνάμεως αὐτῶν σὺ εἶ (6)
Pr. 11. 7. τὸ δὲ κ. τῶν ἀσεβῶν ὄλλυται (5)
17. 6. καύχημα δὲ τέκνων πατέρες αὐτῶν (6)
19. 11. τὸ δὲ κ. αὐτοῦ ἐπέρχεται παρανόμοις (6)
Si. 1. 11. φόβος κυρίου δόξα καὶ καύχημα
9. 16. ἐν φόβῳ κυρίου ἔστω τὸ κ. σου
10. 22 : 25. 6. τὸ κ. αὐτῶν φόβος κυρίου
44. 7. ἐν ταῖς ἡμέραις αὐτῶν καύχημα
45. 8. ἐνέδυσεν αὐτὸν συντέλειαν καυχήματος
— 12. καύχημα τιμῆς ἔργον ἰσχύος
50. 11. ἐν τῷ . . . ἐνδιδύσκεσθαι αὐτὸν συντέλειαν καυχήματος [A καύματος]
Ze. 3. 19. A S² R καὶ θήσομαι [B S¹ *om.* καὶ θ.] αὐτοὺς εἰς καύχημα (4)
— 20. δώσω ὑμᾶς . . . εἰς καύχημα (4)
Za. 12. 7. ὅπως μὴ μεγαλύνηται καύχημα οἴκου Δ. (6)
Je. 13. 11. τοῦ γενέσθαι μοι . . . εἰς κ. (4)
17. 14. κ. [S³ τὸ κ.] μου σὺ εἶ (4)
28 (51). 41. ἐθηρεύθη τὸ κ. πάσης τῆς γῆς (4)
[Aq. Jd. 4. 9 : Is. 60. 19 : Ez. 24. 21.]
[Sm. Is. 55. 5 : 60. 7 : 62. 7 : Je. 13. 18.]
[Th. Is. 60. 18 : 61. 3 : 62. 7.]
[Quint. Ps. 46 (47). 5.]

καύχησις. (1) תִּפְאֶרֶת

I Ch. 29. 13. αἰνοῦμεν τὸ ὄνομα τῆς κ. σου (1)
Pr. 16. 31. στέφανος καυχήσεως γῆρας (1)
Si. 34 (31). 10. ἔστω εἰς καύχησιν
Je. 12. 13. αἰσχύνθητε [A *add.* αἰσχύνην] ἀπὸ καυχήσεως ὑμῶν †
Ez. 16. 12. στέφανον καυχήσεως ἐπὶ τὴν κεφαλήν σου (1)
— 17. ἔλαβες τὰ σκεύη τῆς καυχήσεώς σου (1)
— 39 : 23. 26. λήψονται τὰ σκεύη τῆς κ. σου (1)
23. 42. στέφανον καυχήσεως ἐπὶ τὰς κεφ. αὐ. (1)
24. 25. λαμβάνω . . . τὴν ἔπαρσιν τῆς κ. αὐτῶν (1)
[Aq. Is. 62. 3 : 63. 14 : Ez. 16. 12.]
[Sm. Is. 62. 3.]
[Th. Ez. 16. 12.]

καυών, *vid.* χαυών.

καφουδήθ (B), **καφουρῆ** (A). (1) כְּפוֹרִי

II Es. 8. 27. A B καὶ κ. [R χαφουρῆ] χρυσοῖ εἴκοσι (1)

καφφώ.
[Al. Le. 23. 40.]

καψάκης (καμψ.). (1) צַפַּחַת

III Ki. 17. 12. καὶ ὀλίγον ἔλαιον ἐν τῷ κ. (1)
— 14. ὁ κ. τοῦ ἐλαίου οὐκ ἐλαττονήσει (1)
— 16. ὁ κ. τοῦ ἐλαίου οὐκ ἠλαττονήθη (1)
19. 6. ἐγκρυφίας ὀλυρίτης καὶ καψάκης ὕδατος (1)
Ju. 10. 5. ἔδωκε . . . καψάκην ἐλαίου

κέγχρος. (1) דֹּחַן (2) כֻּסְּמֶת

Is. 28. 25. σπείρει . . . κριθὴν καὶ κέγχρον [A S *om.* κ. κ.] (2)
Ez. 4. 9. λάβε σεαυτῷ πυροὺς καὶ κριθὰς καὶ κύαμον καὶ φακὸν καὶ κέγχρον (1)
[Aq., Th. Is. 28. 25 : 48. 19.]
[Sm. Is. 48. 19.]
[Quint. Ca. I. 11.]

κεδέμ. (1) קֶדֶם

Je. 30. 6 (49. 28). πλήσατε τοὺς υἱοὺς κεδέμ (1)
Ez. 25. 4. παραδίδωμι ὑμᾶς τοῖς υἱοῖς κ. (1)
— 10. τοὺς υἱοὺς κ. ἐπὶ τοὺς υἱοὺς Ἀμμὼν δέδωκα αὐτῷ (1)

κέδρινος. (1) אֶרֶז (2) בְּרוֹשׁ

Le. 14. 4. καὶ ξύλον κ. (1)
— 6. καὶ τὸ ξύλον τὸ κ. (1)
— 49. καὶ ξύλον κ. (1)
— 51. τὸ ξύλον τὸ κ. (1)
— 52. καὶ ἐν τῷ ξύλῳ τῷ κ. (1)
Nu. 19. 6. λήψεται ὁ ἱερεὺς ξύλον κ. (1)
II Ki. 5. 11. καὶ ξύλα κ. καὶ τεκτόνας ξύλων (1)
7. 2. κατοικῶ ἐν οἴκῳ κ. (1)
— 7. οὐκ ᾠκοδομήκατέ μοι οἶκον κ. (1)
III Ki. 5. 8 (22). ξύλα κ. καὶ πεύκινα (1)
6. 10. συνέσχε τὸν σύνδεσμον [A ἔνδ.] ἐν ξύλοις κ. (1)
— 15. ᾠκοδόμησε . . . διὰ ξύλων κ. (1)
— 18. A καὶ ἀνάγλυφα πάντα κ. (1)
7. 2. τριῶν στίχων στύλων κ. καὶ ὠμίαι κ. τοῖς στύλοις (1, 1)
9. 11. ἀντελάβετο τοῦ Σαλ. ἐν ξύλοις κ. (1)
I Ch. 14. 1. ξύλα κ. καὶ οἰκοδόμους (1)
17. 1. κατοικῶ ἐν οἴκῳ κ. (1)
— 6. οὐκ ᾠκοδομήκατέ μοι οἶκον κ. (1)
22. 4. καὶ ξύλα κ. οὐκ ἦν ἀριθμός (1)
— 4. ἐφέροσαν . . . ξύλα κ. (1)
II Ch. 2. 8 (7). ἀπόστειλόν μοι ξύλα κ. (1)
3. 5. τὸν οἶκον τὸν μέγαν ἐξύλωσε ξύλοις κ. (2)
I Es. 4. 48. μεταφέρειν ξύλα κ.
5. 55. εἰς τὸ παράγειν αὐτοὺς . . . ξύλα κ.
II Es. 3. 7. ἐνέγκαι ξύλα κ. ἀπὸ τοῦ Λιβ. (1)
Ca. 8. 9. διαγράψωμεν ἐπ' αὐτὴν σανίδα κεδρίνην (1)
[Aq. III Ki. 6. 20: Is. 30. 33.]
[Sm. III Ki. 6. 18, 20: Ca. 8. 9.]
[Th. III Ki. 6. 20.]
[Al. Ge. 6. 15 (14).]

κέδρος. (1) אֶרֶז (2) בְּרוֹשׁ (3) עֵץ אֶרֶז (4) קִדְרוֹן (5) תְּאַשּׁוּר

Nu. 24. 6. ὡσεὶ κέδροι παρ' ὕδατα (1)
Jd. 9. 15. καταφάγοι τὰς κ. τοῦ Λιβάνου (1)
III Ki. 4. 33 (5. 13). ἀπὸ τῆς κ. τῆς ἐν τῷ Λιβάνῳ (1)
5. 10 (24). διδοὺς τῷ Σαλ. κέδρους (3)
6. 9. ἐκοιλοστάθμησε τὸν οἶκον κέδροις [A φατνώσεσιν καὶ διατάξεσιν κ.] (1)
— 18. A διὰ κέδρου . . . ἐπαναστάσεις (1)
— 20. A ἐποίησε θυσιαστήριον κέδρου [B om.] (1)
— 36. στίχος κατειργασμένης κ. (1)
7. 7. A καὶ ὠρόφωσεν ἐν κέδρῳ (1)
— 11. κατὰ τὸ μέτρον ἀπελεκήτων καὶ κέδροις (1)
— 12. A R καὶ στίχος κεκολαμμένης [B κεκολλημένης] κ. (1)
10. 27. τὰς κ. ἔδωκεν ὡς συκαμίνους (1)
15. 13. ἐν τῷ χειμάρρῳ τῶν κ. (4)
IV Ki. 14. 9. ὁ ἄκαν . . . ἀπέστειλε πρὸς τὴν κ. (1)
19. 23. ἔκοψα τὸ μέγεθος τῆς κ. αὐτοῦ (1)
II Ch. 1. 15. καὶ τὰς κ. ἐν τῇ Ἰ. ὡς συκαμίνους (1)
2. 3 (2). ἀπέστειλας αὐτῷ κέδρους (1)
9. 27. καὶ τὰς κ. ὡς συκαμίνους (1)
25. 18. ἀπέστειλε πρὸς τὴν κ. τὴν ἐν τῷ Λιβ. (1)
Ps. 28 (29). 5. φωνὴ κυρίου συντρίβοντος κέδρους συντρίψει κύριος τὰς κ. τοῦ Λιβ. (1, 1)
36 (37). 35. ἐπαιρόμενον ὡς τὰς κ. τοῦ Λιβ. †
79 (80). 10. αἱ ἀναδενδράδες αὐτῆς [A om. αἱ ἀ. αὐ.] τὰς κ. τοῦ θεοῦ (1)
91 (92). 12. ὡς ἡ κ. ἡ ἐν τῷ Λιβάνῳ πληθυνθήσεται (1)
103 (104). 16. αἱ κ. τοῦ Λιβάνου ἃς ἐφύτευσεν [A S² -σας] (1)
148. 9. ξύλα καρποφόρα καὶ πᾶσαι κέδροι (1)
Ca. 1. 17. δοκοὶ οἴκων ἡμῶν κέδροι (1)
5. 15. εἶδος αὐτοῦ ὡς Λίβανος ἐκλεκτὸς ὡς κέδροι (1)
Si. 24. 13. ὡς κέδρος ἀνυψώθην ἐν τῷ Λιβάνῳ
50. 12. ὡς βλάστημα κέδρου [A S -ων] ἐν τῷ Λιβάνῳ
Am. 2. 9. ἦν καθὼς ὕψος κέδρου τὸ ὕψος αὐτοῦ (1)
Ze. 2. 14. διότι κέδρος τὸ ἀνάστημα αὐτῆς (1)
Za. 11. 1. καὶ καταφαγέτω πῦρ τὰς κ. σου (1)
— 2. διότι πέπτωκε κέδρος (1)
Is. 2. 13. ἐπὶ πᾶσαν κ. τοῦ Λιβ. τῶν ὑψηλῶν (1)
9. 10 (9). κόψωμεν [A ἐκκ.] . . . κέδρους (1)
14. 8. καὶ ἡ κ. τοῦ Λιβάνου (1)
Is. 37. 24. ἔκοψα τὸ ὕψος τῆς κ. αὐτοῦ (1)
41. 19. θήσω εἰς τὴν ἄνυδρον γῆν κέδρον [S¹ -ων] (1)
60. 13. ἐν κυπαρίσσῳ καὶ πεύκῃ καὶ κέδρῳ ἅμα (5)
Je. 22. 7. ἐκκόψουσι τὰς ἐκλεκτὰς κ. σου (1)
— 14. ὑπερῷα . . . ἐξυλωμένα ἐν κέδρῳ (1)
— 23. ἐννοσσεύουσα ἐν ταῖς κ. (1)
Ez. 17. 3. ἔλαβε τὰ ἐπίλεκτα [A ἐκλ.] τῆς κ. (1)
— 22. λήψομαι ἐγὼ ἐκ τῶν ἐκλεκτῶν [A ἐπιλ.] τῆς κ. (1)
— 23. ἔσται εἰς κέδρον μεγάλην (1)
27. 5. κ. ἐκ Σενεὶρ ᾠκοδομήθη σοι (2)
[Aq. III Ki. 6. 18 *bis*, 20: 7. 7 (44): Jb. 40. 12 (17): Is. 44. 14: Ez. 27. 24.]
[Sm. III Ki. 6. 18, 20: Jb. 40. 12 (17): Ca. 5. 15: Is. 44. 14: Je. 22. 15: Ez. 31. 3.]
[Th. III Ki. 6. 18 *bis*, 20: Jb. 40. 12 (17): Is. 44. 14.]

κειράδες. (1) קִיר־חָרֶשׁ

Je. 31 (48). 31. βοήσατε ἐπ' ἄνδρας κειράδας [A κιδάρας] (1)
— 36. καρδία μου ἐπ' ἀνθρώπους κειράδας [A κειδάρεις, S¹ κιδάρ, S³ κιδάρας (1)

κείρειν. (1) גָּזַז (2) גָּלַח pi. (3) קָצַב (4) קָצַץ (5) רָאָה ni. (6) רָחֵל

Ge. 31. 19. κείραι τὰ πρόβατα αὐτοῦ (1)
38. 12. ἐπὶ τοὺς κείροντας τὰ πρόβατα αὐτοῦ (1)
— 13. κεῖραι τὰ πρόβατα αὐτοῦ (1)
De. 15. 19. οὐ μὴ κείρῃς τὰ πρωτότοκα [A τὸ πρ.] (1)
I Ki. 25. 2. ἐν τῷ κείρειν τὸ ποίμνιον [A τὰ π.] αὐτοῦ (1)
— 4. κείρει N. ὁ Καρμήλιος τὸ ποίμνιον αὐτοῦ (1)
— 7. κείρουσί σοι νῦν οἱ ποιμένες σου (1)
— 11. ἃ τέθυκα τοῖς κείρουσί μου τὰ πρόβατα (1)
II Ki. 13. 23. ἦσαν κείροντες τῷ Ἀβ. (1)
— 24. κείρουσι τῷ δούλῳ σου (1)
14. 26. ἐν τῷ κείρεσθαι αὐτὸν τὴν κεφαλὴν αὐ. (2)
— 26. ὡς ἂν ἐκείρετο (2)
— 26. κειρόμενος αὐτὴν ἔστησε τὴν τρίχα (2)
Jb. 1. 20. ἐκείρατο τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς (1)
Pr. 17. 19. A φιλαμαρτήμων κείρει μάχας [B S χαίρει μάχαις] †
27. 25. καὶ κερεῖς πόαν (5)
Ca. 4. 2. ὡς ἀγέλαι τῶν κεκαρμένων (3)
6. 5 (6). ὡς ἀγέλαι τῶν κεκαρμένων (6)
Mi. 1. 16. ξύρησαι καὶ κεῖραι ἐπὶ τὰ τέκνα (1)
Is. 53. 7. ὡς ἀμνὸς ἐναντίον τοῦ κείροντος [A S² -ραντος αὐτόν] (1)
Je. 7. 29. κεῖρε [A -ραι] τὴν κεφαλήν σου (1)
30. 10 (49. 32). B² S R κεκαρμένους [A B¹ κεκραμ.] πρὸ προσώπου αὐτῶν (4)
52. 31. ἔλαβεν . . . [S³ *add.* καὶ ἔκειρεν] τὴν κεφ. –
— 31. B ἔκειρεν αὐτόν –
[Aq. Je. 7. 29.]

κειρία. (1) מַרְבַּדִּים

Pr. 7. 16. A S² κειρίαις [A κηρ., B S¹ -ᾳ] τέτακα τὴν κλίνην μου (1)

κεῖσθαι. (1) אִישׁ מִלְחָמוֹת (2) בְּקִרְבְּכֶם (3) יָעַד hoph. (4) מְדוּרָה (5) נָחַת aph. (6) ἐπ' αὐτῶν κείμενος סֹבֶל (7) שִׂים, שׁוּם

Jo. 4. 6. εἰς σημεῖον κείμενον διὰ παντός (2)
II Ki. 8. 10. B κείμενος [A R ἀντικ.] ἦν τῷ Ἀδρ. (1)
13. 32. ἐπὶ στόματος Ἀβ. ἦν κείμενος (7)
I Es. 6. 23. ἐν τοῖς βιβλιοφυλακίοις [A βασιλικοῖς β.] τοῖς κειμένοις ἐν Βαβ.
— 26. οὗ ἦν κείμενα
II Es. 6. 1. ὅπου ἡ γάζα κεῖται ἐν Βαβ. (5)
To. 5. 6. S κεῖνται γὰρ ἐν τῷ ὄρει
— 9. S ἐν τῷ σκότει κεῖμαι
Es. 3. 13. τόδε τὸ ἔθνος . . . παντὶ διὰ παντὸς ἀνθρώπῳ κείμενον [S¹ κινούμ.]
Wi. 17. 2. φυγάδες τῆς αἰωνίου προνοίας ἔκειντο
Si. 22. 18. χάρακες [A χάλικες] ἐπὶ μετεώρου κείμενοι
38. 29. ὃς ἐν μερίμνῃ κεῖται διὰ παντὸς ἐπὶ τὸ ἔργον αὐτοῦ
Is. 9. 4 (3). ὁ ζυγὸς ὁ ἐπ' αὐτῶν κείμενος (6)
Is. 30. 33. ἡτοιμάσθη βασιλεύειν φάραγγα βαθεῖαν ξύλα κείμενα (4?)
Je. 24. 1. δύο καλάθους σύκων κειμένους (3)
Da. LXX. Bel 11. σὺ αὐτὸς ὁρᾷς ὅτι κεῖται ταῦτα
I Ma. 10. 20. S¹ καὶ φίλον βασιλέως κεῖσθαι [A S²R καλεῖσθαι]
II Ma. 3. 11. ἀνδρὸς ἐν ὑπεροχῇ κειμένου
— 31. τῷ παντελῶς ἐν ἐσχάτῃ πνοῇ κειμένῳ
4. 11. τὰ κείμενα τοῖς Ἰουδ. φιλάνθρωπα βασιλικά
— 31. τῶν ἐν ἀξιώματι κειμένων
— 33. Δάφνης τῆς πρὸς Ἀντιόχειαν κειμένης
— 34. καίπερ ἐν ὑποψίᾳ κείμενος
15. 18. R ἦν γὰρ . . . κείμενος αὐτοῖς ἀγών [A om.]
III Ma. 4. 8. παρὰ πόδας ἤδη τὸν ᾅδην ὁρῶντες κείμενον
5. 26. τὸ πρόθυμον τοῦ βασ. ἐν ἑτοίμῳ κεῖσθαι
IV Ma. 13. 15. κίνδυνος ἐν αἰωνίῳ βασάνῳ κείμενος
[Sm. Jb. 34. 23: Ps. 87 (88). 6: Ec. 10. 6.]
[Al. IV Ki. 8. 11.]

κεκρυμμένως. (1) בְּמִסְתָּרִים

Je. 13. 17. κ. κλαύσεται ἡ ψυχὴ ὑμῶν (1)

κελαδεῖν.

[Aq. Is. 49. 13: 52. 9: 54. 1: 55. 12.]

κελεύειν.

I Es. 9. 53. οἱ Λ. ἐκέλευον πάντα [A τὰ π., R παντὶ] τῷ δήμῳ
To. 8. 18. ἐκέλευσε δὲ τοῖς οἰκέταις [S *al.*]
Ju. 2. 15. B ἐκέλευσεν [A S προσέταξεν] αὐτῷ ὁ κύριος αὐτοῦ
12. 1. ἐκέλευσεν εἰσαγαγεῖν αὐτήν
Da. LXX. Bel 13. ὁ δὲ Δαν. ἐκέλευσε τοὺς παρ' αὐτοῦ
— 13. ἐκέλευσε σφραγίσαι τῷ τοῦ βασ. δακτυλίῳ
Da. TH. Su. 32. ἐκέλευσαν ἀποκαλυφθῆναι αὐτήν
— 56. ἐκέλευσε προσαγαγεῖν τὸν ἕτερον
I Ma. 2. 45. S ἐκέλευσεν [A R ἐκύκλωσε] Ματτ.
11. 23. ἐκέλευσε περικαθῆσθαι
II Ma. 1. 20. ἐκέλευσεν αὐτοὺς ἀποβάψαντας φέρειν
— 21. ἐκέλευσε τοὺς ἱερεῖς Νεεμίας
— 31. R ἐκέλευσε λίθους μείζονας κατασχεῖν [A καταχεῖν]
2. 1. ἐκέλευσε τοῦ πυρὸς λαβεῖν
— 4. τὴν κιβωτὸν ἐκέλευσεν ὁ προφήτης
5. 12. ἐκέλευσε τοῖς στρατιώταις
7. 5. ἐκέλευσε τῇ πυρᾷ προσάγειν
9. 7. κελεύων ἐποξύνειν τὴν πορείαν
13. 12. ἐκέλευσε παραγίνεσθαι
14. 27. κελεύων δὲ τὸν Μακκ. δέσμιον ἐξαποστέλλειν
— 31. ἐκέλευσε παραδιδόναι τὸν ἄνδρα
— 41. κελεύοντων πῦρ προσάγειν
15. 4. ὁ κελεύσας ἀσκεῖν τὴν ἑβδομάδα
III Ma. 5. 2. ἐκέλευσεν . . . ἅπαντας τοὺς ἐλέφαντας ποτίσαι
— 16. ἐκέλευσε τοὺς παραγεγονότας
6. 30. ἐκέλευσεν οἴνους τε . . . χορηγεῖν
IV Ma. 8. 2. ἐκέλευσεν ἄλλους . . . ἀγαγεῖν
— 12. A R ἐκέλευσεν . . . προτεθῆναι [S τιθέναι] τὰ βασανιστήρια
9. 11. τὸν πρεσβύτατον αὐτῶν κελευσθέντες παρήγαγον
10. 17. ἐκέλευσε τὴν γλῶτταν αὐτοῦ ἐκτεμεῖν

κέλευσμα.

Pr. 24. 62 (30. 27). στρατεύει [A S ἐκστρ.] ἀφ' ἑνὸς κελεύσματος εὐτάκτως †

κενεών.

II Ma. 14. 44. ἦλθε κατὰ μέσον τὸν κ.
IV Ma. 6. 8. εἰς τοὺς κ. ἐναλλόμενος ἔτυπτεν

κενίζειν.

Si. 38. 28. A φωνὴ σφύρης κενιεῖ [B S καινιεῖ] τὸ ὠὸν αὐτοῦ

κενοδοξεῖν.

IV Ma. 5. 9. κενοδοξῶν περὶ τὸ ἀληθές
8. 24. μηδὲ κενοδοξήσωμεν ἐπὶ τῇ ἑαυτῶν στρέβλῃ

κενοδοξία.

Wi. 14. 14. κενοδοξίᾳ γὰρ ἀνθρώπων εἰσῆλθεν [A S¹ θάνατος εἰσ.]

IV Ma. 2. 15. κενοδοξίας καὶ ἀλαζονείας καὶ μεγαλαυχίας
8. 19. φευξόμεθα τὴν κ. ταύτην

κενολογεῖν. (1) צָפַף pilp.
Is. 8. 19. ζητήσατε . . . τοὺς κενολογοῦντας (1)

κενός (καινός), *incl.* διὰ κενῆς. (1) אֱוִן
(2) הֶבֶל (3) אַכְזָב (4) אֶפֶס (5) אָחוֹר
(6) *a.* כָּזַב pi. *b.* כָּזָב (7) לֹא סָכָן
(8) לֹא רָאָה pu. (9) *a.* רִיק *b.* רִיק, רֵק
c. רֵיקָם (10) שָׁוְא (11) שָׁבָק (12) שֶׁקֶר
(13) εἰς κενόν תֹּהוּ (14) κενὰ ἐπιβάλλειν הָבַל (15) κενὸν ποιεῖν חָסֵר hi.
(16) διὰ κενῆς חִנָּם (17) διὰ κενῆς רֵיקָם
(18) διὰ κενῆς שָׁוְא (19) εἰς κενὸν ἐλπίζειν שָׁבָק

Ge. 31. 42. νῦν ἂν κενόν με ἐξαπέστειλας (9 *c*)
37. 24. R ὁ δὲ λάκκος κενός [A ἐκεῖνος] (9 *b*)
Ex. 3. 21. οὐκ ἀπελεύσεσθε κενοί (9 *c*)
5. 9. μὴ μεριμνάτωσαν [A -νάσθ.] ἐν λόγοις κ. (12)
23. 15 : 34. 20. οὐκ ὀφθήσῃ ἐνώπιόν μου κενός (9 *c*)
Le. 26. 16. σπερεῖτε διὰ κενῆς τὰ σπέρματα ὑμῶν (9 *a*)
— 20. ἔσται εἰς κενὸν ἡ ἰσχὺς ὑμῶν (9 *a*)
De. 15. 13. οὐκ ἐξαποστελεῖς αὐτὸν κ. (9 *c*)
16. 16. οὐκ ὀφθήσῃ . . . κενός (9 *c*)
32. 47. οὐχὶ λόγος κ. οὗτος ὑμῖν (9 *b*)
Jd. 5. 8. A[1] ἠρέτισαν θεοὺς κ. [A[2] καινοὺς, B *al.*] †
7. 16. καὶ ἔδωκε . . . ὑδρίας κ. (9 *b*)
9. 4. ἐμισθώσατο . . . ἄνδρας κ. (9 *b*)
11. 3. συνεστράφησαν πρὸς Ἰ. ἄνδρες κ. [A *al.*] (9 *b*)
Ru. 1. 21. κενὴν ἀπέστρεψέ με ὁ κύριος (9 *c*)
3. 17. μὴ εἰσέλθῃς κενὴ πρὸς τὴν πενθεράν σου (9 *c*)
I Ki. 6. 3. μὴ δὴ ἐξαποστείλητε [A ἀπ.] αὐτὴν κ. (9 *c*)
II Ki. 1. 22. τόξον Ἰων. οὐκ ἀπεστράφη κενόν (2 ?)
— 22. ῥομφαία Σαοὺλ οὐκ ἀνέκαμψε κενή (9 *c*)
6. 3. A ἐφ' ἅμαξαν κ. [B καινήν] †
IV Ki. 4. 3. αἴτησον . . . σκεύη κ. (9 *b*)
Ne. 5. 13. ἔσται οὕτως ἐκτετιναγμένος καὶ κενός (9 *b*)
Ju. 1. 11. A S ἀπέστρεψαν [B ἀν.] τοὺς ἀγγέλους αὐτοῦ κ.
Jb. 2. 3. τὰ ὑπάρχοντα αὐ. διὰ κενῆς ἀπολέσαι (16)
— 9. οὗς εἰς τὸ κ. ἐκοπίασα μετὰ μόχθων –
6. 5. μὴ διὰ κενῆς κεκράξεται ὄνος ἄγριος –
— 6. εἰ δὲ καὶ ἔστι γεῦμα ἐν ῥήμασι κενοῖς †
7. 3. οὕτως κἀγὼ ὑπέμεινα μῆνας κενούς (10)
— 6. ἀπόλωλε δὲ ἐν κενῇ ἐλπίδι (4)
— 16. κενὸς γάρ μου ὁ βίος (5)
9. 17. πολλὰ δέ μου τὰ συντρίμμ. πεποίηκε διὰ κενῆς (16)
15. 3. A ἐλέγχων ἐν ῥήμασιν κενοῖς [B S οἷς οὐ δεῖ] (7)
— 31. κενὰ γὰρ ἀποβήσεται αὐτῷ (10)
— 35. ἀποβήσεται δὲ αὐτῷ κενά (1)
20. 18. εἰς κενὰ καὶ μάταια ἐκοπίασε †
21. 34. πῶς δὲ παρακαλεῖτέ με κενά (5)
22. 6. ἠνεχύραζες δὲ τοὺς ἀδ. σου διὰ κενῆς (16)
— 9. χήρας δὲ ἐξαπέστειλας κενάς (9 *c*)
27. 12. κενὰ κενοῖς ἐπιβάλλετε [A -εσθε] (5, 14)
29. 20. ἡ δόξα μου κενὴ μετ' ἐμοῦ †
31. 34. ἐξελθεῖν θύραν μου κόλπῳ κενῷ –
33. 21. ἕως ἂν . . . ἀποδείξῃ τὰ ὀστᾶ αὐ. κενά (8)
34. 20. κενὰ δὲ αὐτοῖς ἀποβήσεται †
39. 16. εἰς κενὸν ἐκοπίασεν ἄνευ φόβου (9 *a*)
Ps. 2. 1. ἵνα τί . . . λαοὶ ἐμελέτησαν κενά (9 *a*)
7. 4. ἀποπέσοιμι ἄρα . . . κενός (9 *c*)
24 (25). 3. οἱ ἀνομοῦντες διὰ κενῆς (17)
30 (31). 6. B S τοὺς φυλάσσοντας [A R διαφ.] ματαιότητας διὰ κενῆς (18)
106 (107). 9. ἐχόρτασε ψυχὴν κενήν (11)
Pr. 23. 29. τίνι συντρίμματα διὰ κενῆς (16)
Wi. 1. 11. φθέγμα λαθραῖον κενὸν οὐ πορεύσεται [S[1] *om.* οὐ π.]
3. 11. κενὴ ἡ ἐλπὶς αὐτῶν
Si. 23. 11. εἰ διὰ κενῆς ὤμοσεν
29. 9. μὴ ἀποστρέψῃς αὐτὸν κενόν
31 (34). 1. κεναὶ ἐλπίδες καὶ ψευδεῖς ἀσυνέτῳ ἀνδρί
32 (35). 4. μὴ ὀφθῇς ἐν προσώπῳ κυρίου κενός
Ho. 12. 1 (2). κενὰ καὶ μάταια ἐπλήθυνε (6 *b*)
Mi. 1. 14. εἰς κενὸν [A κενὰ] ἐγένοντο τοῖς βασιλεῦσι (3)
Hb. 2. 3. εἰς πέρας καὶ οὐκ εἰς κενόν (6 *a*)
Is. 29. 8. ἡ δὲ ψυχὴ αὐτοῦ εἰς κενὸν ἤλπισεν (19)
30. 7. κενὰ ὠφελήσουσιν ὑμᾶς (9 *a*)
32. 6. τὰς ψυχὰς τὰς διψώσας κενὰς ποιήσει [A S -ῆσαι] (15)
43. 19. R ἐγὼ ποιῶ κενά [A B S καινά] †
45. 18. οὐκ εἰς κενὸν ἐποίησεν αὐτήν (13)
59. 4. λαλοῦσι κενά (10)
65. 23. οἱ ἐκλεκτοί μου οὐ κοπιάσουσιν εἰς κενόν (9 *a*)
Je. 6. 29. εἰς κενὸν ἀργυροκόπος ἀργυροκοπεῖ (10)
14. 3. ἀπέστρεψαν τὰ ἀγγεῖα αὐτῶν κενά (9 *c*)
18. 15. εἰς κενὸν ἐθυμίασαν (10)
26 (46). 11. εἰς τὸ [A *om.*] κ. ἐπλήθυνας ἰάματά σου (10)
27 (50). 9. ὡς βολὶς . . . οὐκ ἐπιστρέψει κενή (9 *c*)
28 (51). 58. οὐ κοπιάσουσι λαοὶ εἰς κενόν (9 *a*)
Da. LXX. Bel 17. εἴδοσαν . . . τὰς τραπέζας κ.
I Ma. 6. 12. ἐξᾶραι τοὺς κατοικοῦντας Ἰούδα διὰ κενῆς
9. 68. ἣν ἡ βουλὴ αὐτοῦ . . . κενή
III Ma. 6. 6. εἰς τὸ μὴ λατρεῦσαι τοῖς κ.
IV Ma. 8. 18. A R τί βουλήμασι κ. [S *om.*] ἑαυτοὺς εὐφραίνομεν
[Aq. I Ki. 12. 21 : II Ki. 6. 20 : Pr. 12. 11 : 28. 19 : Is. 29. 8 : 34. 11 : 59. 4 : Ez. 21. 23 (28).]
[Sm. II Ki. 1. 22 : Jb. 11. 12 : Is. 29. 8 : 55. 11 : Je. 22. 30.]
[Th. Ge. 1. 2 : Jb. 29. 20 : Ps. 72 (73). 13 : Pr. 12. 11 : 28. 19 : Is. 30. 7 : 41. 29 : 55. 11.]

κενοτάφια (καιν.). (1) תְּרָפִים
I Ki. 19. 13. ἔλαβεν ἡ Μ. τὰ κ. (1)
— 16. ἰδοὺ τὰ κ. ἐπὶ τῆς κλίνης (1)

κενότης.
III Ki. 8. 53. A τοῦ κατοικεῖν ἐπὶ κενότητος [B καιν.] –

κενοῦν. (1) אָמַל pul.
Je. 14. 2. αἱ πύλαι αὐτῆς ἐκενώθησαν (1)
15. 9. ἐκενώθη [S[1] ἐγενήθη] ἡ τίκτουσα ἑπτά (1)
[Aq. I Ki. 24. 4.]
[Sm. Ez. 12. 20 : 26. 2.]

κεντεῖν. (1) עָרַף
Jb. 6. 4. ὅταν ἄρξωμαι λαλεῖν κεντοῦσί με (1)
[Aq. Ez. 21. 19 (24).]

κέντημα.
[Sm., Th. Pr. 12. 18.]

κέντρον. (1) מֶתֶג (2) קֹטֶב
Pr. 26. 3. ὥσπερ μάστιξ ἵππῳ καὶ κέντρον ὄνῳ (1)
Si. 38. 25. καυχώμενος ἐν δόρατι κέντρου
Ho. 5. 12. καὶ ὡς κέντρον τῷ οἴκῳ Ἰ. †
13. 14. ποῦ τὸ κέντρον σου, ᾅδη (2)
IV Ma. 14. 19. καθάπερ σιδήρῳ τῷ κ.

κένωμα.
[Aq. Ge. 1. 2 : Dt. 32. 10 : Jb. 26. 7 : Is. 40. 23 : 59. 4.]

κενῶς. (1) לָרִיק
Is. 49. 4. κ. ἐκοπίασα (1)
[Aq. Ps. 2. 1 : 72 (73). 13 : Is. 45. 19.]
[Th. Is. 45. 19.]

κένωσις.
[Th. Is. 34. 11.]

κεφοῦσθαι (κεφφ.). (1) פִּחֵם
Pr. 7. 22. ὁ δὲ ἐπηκολούθησεν αὐτῇ κεφωθείς (1)

κεραμεύς. (1) יָצַר
I Ch. 4. 23. οὗτοι κ. οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἀ. (1)
Ps. 2. 9. ὡς σκεῦος [A S[2] σκεύη] κεραμέως συντρίψεις αὐτούς (1)
Wi. 15. 7. κεραμεὺς ἁπαλὴν γῆν θλίβων
Si. 27. 5. σκεύη κεραμέως δοκιμάζει κάμινος
36 (33). 13. ὡς πηλὸς κεραμέως ἐν χειρὶ αὐτοῦ πᾶσαι αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ
38. 29. οὕτω κεραμεὺς καθήμενος ἐν ἔργῳ αὐτοῦ
Is. 29. 16. οὐχ ὡς ὁ πηλὸς τοῦ κ. λογισθήσεσθε (1)
Is. 41. 25. ὡς πηλὸς κεραμέως καὶ ὡς κ. καταπατῶν τὸν πηλόν (–, 1)
45. 9. ποῖον βέλτιον κατεσκεύασα ὡς πηλὸν κεραμέως . . . μὴ ἐρεῖ ὁ πηλὸς τῷ κ. (†, 1)
Je. 18. 2. κατάβηθι εἰς οἶκον τοῦ κ. (1)
— 3. κατέβην εἰς τὸν οἶκον τοῦ κ. (1)
— 6. εἰ καθὼς ὁ κ. οὗτος οὐ δυνήσομαι τοῦ ποιῆσαι ὑμᾶς . . . ὡς ὁ πηλὸς τοῦ κ. (1, 1)
La. 4. 2. ἔργα χειρῶν κεραμέως (1)
[Sm. Je. 19. 1.]
[Th. Is. 54. 16.]

κεραμικός (-μει.). (1) פֶּחָר
Da. LXX. 2. 41. μέρος μέν τι ὀστράκου κ. (1)

κεράμιον. (1) בַּת (2) גֶּבִיעַ
Is. 5. 10. ποιήσει κ. ἕν (1)
30. 14. ἐκ κεραμίου λεπτά [A -όν] –
Je. 42 (35). 5. ἔδωκα [A ἔστησα] κατὰ πρόσωπον αὐτῶν κ. οἴνου (2)
Da. TH. 2. 41. A[2] μέρος μέν τι ὀστράκινον κεραμίου [A[1] B *om.*] (3)
[Aq. Is. 10. 33.]
[Al. II Ch. 4. 5.]

κέραμος. (1) יָצַר
II Ki. 17. 28. B καὶ σκεύη κεράμου (1)

κεραμύλλιον.
[Aq. Is. 63. 3.]

κεραννύναι (-ύειν). (1) מָסַךְ
De. 28. 66. A ἔσται ἡ ζωή σου κεκραμένη [B κρεμαμένη] †
Pr. 9. 2. ἐκέρασεν εἰς κρατῆρα τὸν ἑαυτῆς οἶνον (1)
— 5. πίετε οἶνον ὃν ἐκέρασα ὑμῖν (1)
Is. 5. 22. οἱ δυνάσται οἱ κεραννύντες [B[1] S[1] -ύοντες] τὸ σίκερα (1)
19. 14. ἐκέρασεν αὐτοῖς πνεῦμα πλανήσεως (1)
Je. 30. 10 (49. 32). A B[1] κεκραμένους [B[2] S R κεκαρμ.] πρὸ προσώπου αὐτῶν †
Da. LXX. Bel 10. οἶνος κερασθεὶς εἰσηνέχθη
— 32. καὶ στάμνον οἴνου κεκερασμένου
Da. TH. Bel 11. τὸν οἶνον κεράσας θές

κέρας. (1) חָזוּת (2) מִקְצוֹעַ (3) קֶרֶן
(4) κέρατα ἐκφέρειν קָרַן hi.
Ge. 22. 13. κατεχόμενος ἐν φυτῷ . . . τῶν κ. (3)
Ex. 27. 2. ποιήσεις τὰ κ. ἐπὶ τῶν τεσσάρων γωνιῶν (3)
— 2. ἐξ αὐτοῦ ἔσται τὰ κ. (3)
29. 12. ἐπὶ τῶν κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
30. 2. ἐξ αὐτοῦ ἔσται τὰ κ. αὐτοῦ (3)
— 3. καταχρυσώσεις . . . τὰ κ. αὐτοῦ (3)
— 10. ἐξιλάσεται . . . ἐπὶ τῶν κ. αὐτοῦ [A *al.*] (3)
Le. 4. 7, 18, 25. ἐπιθήσει . . . ἐπὶ τὰ κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
— 30, 34. ἐπιθήσει ἐπὶ τὰ κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
8. 15 : 9. 9. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὰ κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
16. 18. ἐπιθήσει ἐπὶ τὰ κ. τοῦ θυσιαστηρίου κύκλῳ (3)
De. 33. 17. κέρατα μονοκέρωτος τὰ κ. αὐτοῦ (3, 3)
I Ki. 2. 1. ὑψώθη κέρας μου ἐν θεῷ μου (3)
— 10. ὑψώσει κέρας χριστοῦ αὐτοῦ (3)
16. 1. πλῆσον τὸ κ. σου ἐλαίου (3)
— 13. ἔλαβε Σαμ. τὸ κ. τοῦ ἐλαίου (3)
II Ki. 22. 3. καὶ κέρας σωτηρίας μου (3)
III Ki. 1. 39. ἔλαβε Σ. ὁ ἱερεὺς τὸ κ. τοῦ ἐλαίου (3)
— 50. ἐπελάβετο τῶν κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
— 51. κατέχει τῶν κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
2. 28. κατέσχε τῶν κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
— 29. κατέχει τῶν κ. τοῦ θυσιαστηρίου †
22. 11. ἐποίησεν ἑαυτῷ . . . κ. σιδηρᾶ (3)
I Ch. 25. 5. ὑψῶσαι κέρας (3)
II Ch. 18. 10. ἐποίησεν ἑαυτῷ . . . κ. σιδηρᾶ (3)
Ju. 9. 8. καταβαλεῖν σιδήρῳ κέρας θυσιαστηρίου σου
Jb. 42. 14. τὴν δὲ τρίτην Ἀμαλθαίας κέρας (3)
Ps. 17 (18). 2. ὑπερασπιστής μου καὶ κέρας σωτηρίας (3)
21 (22). 21. καὶ ἀπὸ κεράτων μονοκερώτων (3)
68 (69). 31. μόσχον νέον κέρατα ἐκφέροντα (4)
74 (75). 4. μὴ ὑψοῦτε κέρας (3)
— 5. μὴ ἐπαίρετε εἰς ὕψος τὸ κ. ὑμῶν (3)

Ps. 74 (75). 10. πάντα τὰ κ. τῶν ἁμαρτωλῶν συγκλάσω [B² συνθλάσω] καὶ ὑψωθήσεται τὰ κ. [S² τὸ κ.] τοῦ δικαίου (3, 3)
75 (76). 3. B¹ ἐκεῖ συγκλάσει τὰ κέρατα –
88 (89). 17. ἐν τῇ εὐδοκίᾳ σου ὑψωθήσεται τὸ κ. ἡμῶν (3)
— 24. ἐν τῷ ὀνόμ. μου ὑψωθήσεται τὸ κ. αὐ. (3)
91 (92). 10. ὑψωθήσεται ὡς μονοκέρωτος τὸ κ. μου (3)
111 (112). 9. τὸ κ. αὐτοῦ ὑψωθήσεται ἐν δόξῃ (3)
117 (118). 27. ἕως τῶν κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
131 (132). 17. ἐκεῖ ἐξανατελῶ κέρας τῷ Δαυίδ (3)
148. 14. ὑψώσει κέρας λαοῦ αὐτοῦ (3)
Si. 47. 5. A S R ἀνυψῶσαι [B -ει] κέρας λαοῦ αὐτοῦ
— 7. ἕως σήμερον συνέτριψεν αὐτῶν κέρας
— 11. ἀνύψωσεν εἰς αἰῶνα τὸ κ. αὐτοῦ
49. 5. ἔδωκαν γὰρ τὸ κ. αὐτῶν ἑτέροις
Am. 3. 14. καὶ κατασκαφήσεται τὰ κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
6. 14 (13). οὐκ ἐν τῇ ἰσχύϊ ἡμῶν ἔσχομεν κέρατα (3)
Mi. 4. 13. τὰ κέρατά σου θήσομαι σιδηρᾶ (3)
Hb. 3. 4. κέρατα ἐν χερσὶν αὐτοῦ (3)
Za. 1. 18 (2. 1). ἴδον καὶ ἰδοὺ τέσσαρα κέρατα (3)
— 19 (2. 2), 21 (2. 4). ταῦτα τὰ κ. τὰ διασκορπίσαντα τὸν Ἰ. (3)
— 21 (2. 4). ὀξῦναι αὐτὰ εἰς χεῖρας αὐτῶν τὰ τέσσαρα κ. (3)
— 21 (2. 4). τὰ ἐπαιρόμενα κέρας ἐπὶ τὴν γῆν (3)
Is. 5. 1. ἀμπελὼν ἐγενήθη τῷ ἠγαπημένῳ ἐν κέρατι (3)
Je. 31 (48). 12. τὰ κ. αὐτοῦ συγκόψουσι †
— 25. κατεάχθη κ. Μωάβ (3)
La. 2. 3. A S R συνέκλασεν [B -κάλεσεν] . . . πᾶν κ. Ἰσραήλ (3)
— 17. ὕψωσε κ. [A κεφαλὰς] θλίβοντός σε (3)
Ez. 29. 21. ἀνατελεῖ κ. παντὶ τῷ οἴκῳ Ἰσραήλ (3)
34. 21. τοῖς κ. ὑμῶν ἐκερατίζετε (3)
41. 22. κέρατα εἶχε (2)
43. 15. ὑπεράνω τῶν κ. πῆχυς (3)
— 20. ἐπιθήσουσιν ἐπὶ τὰ τέσσαρα κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
Da. LXX. 7. 7. εἶχε δὲ κέρατα δέκα (3)
— 8. καὶ βουλαὶ πολλαὶ ἐν τοῖς κ. αὐτοῦ (3)
— 8. ἄλλο ἓν κ. ἀνεφύη . . . μικρὸν ἐν τοῖς κ. αὐτοῦ καὶ τρία τῶν κ. τῶν πρώτων ἐξηράνθησαν (3, –, 3)
— 8. ὥσπερ ὀφθαλμοὶ ἀνθρώπινοι ἐν τῷ κ. τούτῳ (3)
— 11. ὧν τὸ κ. ἐλάλει (3)
— 20. περὶ τῶν δέκα κ. αὐ. τῶν ἐπὶ τῆς κεφ.
— 20. τὸ κ. ἐκεῖνο εἶχεν ὀφθαλμούς (3)
— 21. κατενόουν τὸ κ. ἐκεῖνο (3)
— 24. τὰ δέκα κ. τῆς βασιλείας δέκα βασιλεῖς στήσονται (3)
8. 3. καὶ εἶχε κέρατα καὶ τὰ κ. ὑψηλά (3, 3)
— 5. ἦν τοῦ τράγου κέρας ἓν θεωρητόν (3)
— 6. τὸν κριὸν τὸν τὰ κ. ἔχοντα (3)
— 7. συνέτριψε τὰ δύο κ. αὐτοῦ (3)
— 8. συνετρίβη αὐτοῦ τὸ κ. τὸ μέγα καὶ ἀνέβη ἕτερα τέσσαρα κ. (3, 1?)
— 9. ἀνεφύη κέρας ἰσχυρὸν ἕν (3)
— 20. τὸν κριὸν ὃν εἶδες τὸν ἔχοντα τὰ κ. (3)
— 21. τὸ κ. τὸ μέγα . . . αὐτὸς ὁ βασιλεὺς ὁ πρῶτος (3)
— 22. ἀναβάντα ὀπίσω αὐτοῦ τέσσαρα κ. –
Da. TH. 7. 7. A κέρατα δέκα αὐτῷ –
— 7. καὶ κέρατα δέκα αὐτῷ (3)
— 8. προσενόουν τοῖς κ. αὐτοῦ (3)
— 8. καὶ ἰδοὺ κ. ἕτερον μικρόν (3)
— 8. καὶ τρία κ. τῶν ἔμπροσθεν αὐτοῦ (3)
— 8. καὶ ἰδοὺ ὀφθαλμοὶ . . . ἐν τῷ κ. τούτῳ (3)
— 11. ὧν τὸ κ. ἐκεῖνο ἐλάλει (3)
— 20. περὶ τῶν κ. αὐτοῦ τῶν δέκα (3)
— 20. A κέρας ἐκεῖνο [B om. κ. ἑ.] ᾧ οἱ ὀφθαλμοί (3)
— 21. τὸ κ. ἐκεῖνο ἐποίει πόλεμον (3)
— 24. τὰ δέκα κ. αὐτοῦ δέκα βασιλεῖς (3)
8. 3. A καὶ αὐτῷ κέρατα καὶ τὰ κ. [B om. καὶ τὰ κ.] ὑψηλά (3, 3)
— 5. καὶ τῷ τράγῳ κέρας (3)
— 6. τοῦ κριοῦ τοῦ τὰ κ. ἔχοντος (3)
— 7. συνέτριψεν ἀμφότερα τὰ κ. αὐτοῦ (3)
— 8. A R συνετρίβη τὸ κ. αὐτοῦ τὸ μέγα καὶ ἀνέβη ἕτερα [B om.] κ. τέσσαρα (3, 1?)
— 9. ἐξῆλθε κ. ἓν ἰσχυρόν (3)
— 20. ὁ κριὸς . . . ὁ ἔχων τὰ κ. (3)
— 21. τὸ κ. τὸ μέγα . . . αὐτός ἐστιν ὁ βασ. ὁ πρῶτος (3)
— 22. οὗ ἔστησαν τέσσαρα κ. ὑποκάτω –

I Ma. 2. 48. οὐκ ἔδωκαν κέρας τῷ ἁμαρτωλῷ
9. 1. καὶ τὸ δεξιὸν κ. μετ' αὐτῶν
— 12. Βακχίδης δὲ ἦν ἐν τῷ δεξιῷ κ.
— 15. A R συνετρίβη τὸ δεξιὸν κ. [S μέρος] ἀπ' αὐτῶν
— 16. οἱ εἰς τὸ ἀριστερὸν κ. ἴδον ὅτι συνετρίβη τὸ δεξιὸν κ.
II Ma. 15. 20. τῆς δὲ ἵππου κατὰ κέρας τεταγμένης
[Aq. Ge. 22. 13: Ps. 74 (75). 11: Je. 17. 1: 48 (31). 12: Ez. 27. 6, 15.]
[Sm. Ge. 22. 13: Ps. 74 (75). 5, 6, 11: 117 (118). 27: Is. 5. 1: Je. 17. 1: Ez. 27. 6, 15.]
[Th. Ge. 22. 13: Ps. 74 (75). 11: Je. 17. 1: Ez. 27. 6, 15: Da. 7. 8, 20†: 8. 3†, 5.]
[Al. Hb. 3. 4.]

κέρασμα. (1) *a.* מֶסֶךְ *b.* מִמְסָךְ
Ps. 74 (75). 8. οἶνου ἀκράτου πλῆρες κεράσματος (1 *a*)
Is. 65. 11. πληροῦντες τῇ τυχῇ κ. (1 *b*)
[Aq., Sm. Is. 65. 11.]
[Th. Pr. 23. 30: Is. 65. 11.]

κεράστης. (1) צִפְעֹנִי
Pr. 23. 32. ὥσπερ ὑπὸ κεράστου διαχεῖται αὐτῷ ὁ ἰός (1)
[Sm. Ps. 68 (69). 32.]

κερατίζειν. (1) גּוּחַ (2) נָגַח *a.* qal. *b.* pi. (3) נָגַף (4) צָהַל
Ex. 21. 28. ἐὰν δὲ κερατίσῃ ταῦρος ἄνδρα (2 *a*)
— 31. ἐὰν δὲ υἱὸν ἢ θυγατέρα κερατίσῃ (2 *a*)
— 32. ἐὰν δὲ παῖδα κερατίσῃ ὁ ταῦρος (2 *a*)
— 35. ἐὰν δὲ κερατίσῃ τινὸς [B¹ τίς τ.] ταῦρος (3)
De. 33. 17. ἐν αὐτοῖς ἔθνη κερατιεῖ ἅμα (2 *b*)
III Ki. 22. 11: II Ch. 18. 10. ἐν τούτοις κερατιεῖς τὴν Συρίαν (2 *b*)
Ps. 43 (44). 5. ἐν σοὶ τοὺς ἐχθροὺς ἡμῶν κερατιοῦμεν (2 *b*)
Je. 27 (50). 11. ἐκερατίζετε ὡς ταῦροι (4)
Ez. 32. 2. ἐκεράτιζες τοῖς ποταμοῖς [A τοὺς π.] σου (1)
34. 21. τοῖς κέρασιν ὑμῶν ἐκερατίζετε (2 *b*)
Da. LXX. TH. 8. 4. εἶδον τὸν κριὸν κερατίζοντα (2 *b*)

κερατίνη. (1) שׁוֹפָר
Jd. 3. 27. ἐσάλπισεν ἐν [A *om.*] κερατίνῃ (1)
6. 34. ἐσάλπισεν ἐν κερατίνῃ (1)
7. 8. ἔλαβον . . . τὰς κ. αὐτῶν (1)
— 16. ἔδωκε κερατίνας ἐν χειρὶ πάντων (1)
— 18. σαλπιῶ ἐν [A *om.*] τῇ κ. (1)
— 18. σαλπιεῖτε ἐν [A *om.*] ταῖς κ. (1)
— 19. ἐσάλπισαν ἐν [A *om.*] ταῖς κ. (1)
— 20. ἐσάλπισαν . . . ἐν ταῖς κ. (1)
— 20. τὰς κ. τοῦ σαλπίζειν [A *al.*] (1)
— 22. ἐσάλπισαν ἐν ταῖς τριακοσίαις κ. [A αἱ κ.] (1)
II Ki. 15. 10. ἐν τῷ ἀκοῦσαι ὑμᾶς τὴν φωνὴν τῆς κ. (1)
18. 16. ἐσάλπισεν Ἰωὰβ ἐν κερατίνῃ (1)
20. 1. ἐσάλπισε τῇ [A ἐν τῇ] κ. (1)
— 22. ἐσάλπισεν ἐν κερατίνῃ [A τῇ κ.] (1)
III Ki. 1. 34. καὶ σαλπίσατε κερατίνῃ (1)
— 39. καὶ ἐσάλπισε τῇ κ. (1)
— 41. ἤκουσεν Ἰ. τὴν φωνὴν τῆς κ. (1)
IV Ki. 9. 13. ἐσάλπισαν ἐν κερατίνῃ (1)
II Ch. 15. 14. A R καὶ ἐν κερατίναις (1)
Ne. 4. 18 (12). ὁ σαλπίζων ἐν τῇ κ. ἐχόμενα αὐτοῦ (1)
— 20 (14). οὗ ἐὰν ἀκούσητε τὴν φωνὴν τῆς κ. (1)
[Aq. Jo. 6. 9: Jd. 7. 22: Is. 27. 13: 58. 1: Je. 6. 1.]
[Sm. Jo. 6. 9: Jd. 7. 22: Ps. 150. 3: Is. 27. 13: 58. 1: Je. 6. 1: Ez. 33. 4.]
[Th. Jo. 6. 9: Jd. 7. 22: Is. 27. 13: 58. 1.]
[Al. Le. 25. 9: I Ch. 15. 28.]

κερατινος. (1) שׁוֹפָר κ. קֶרֶן
Ps. 97 (98). 6. ἐν . . . φωνῇ σάλπιγγος κερατίνης (1)

κερατιστής. (1) נַגָּח
Ex. 21. 29. ἐὰν δὲ ὁ ταῦρος κερατιστὴς ᾖ (1)
— 36. ὁ ταῦρος ὅτι κερατιστής ἐστι (1)

κεραύνιος.
[Sm. Ex. 28. 17.]

κεραυνός. (1) בָּרָק
Jb. 38. 35. ἀποστελεῖς δὲ κεραυνούς (1)
Wi. 19. 13. οὐκ ἄνευ τῶν γεγονότων [A S προγεγ.] τεκμηρίων τῇ βίᾳ τῶν [S² *om.*] κ.
II Ma. 10. 30. κεραυνοὺς ἐξερρίπτουν

κεραυνοῦν, κεραύνωσις. (1) נֶפֶץ
Is. 30. 30. A S R κεραυνώσει βιαίως [B -ῳ] (1)

κερδαίνειν.
[Sm. Jb. 22. 3.]

κέρδος.
[Aq. Ez. 27. 24.]
[Sm. Ge. 37. 26: Ps. 29 (30). 10: Ec. 4. 9: Mi. 4. 13.]
[Th. Ge. 37. 26.]

κερεϊνός.
[Aq., Sm., Quint. Ps. 49 (50). 9.]

κέρκιον.
[Aq. Le. 7. 3.]
[Sm., Th. Le. 7. 3: 8. 25.]
[Al. Le. 3. 9.]

κέρκος. (1) זָנָב
Ex. 4. 4. ἐπιλαβοῦ τῆς κ. (1)
— 4. ἐπελάβετο τῆς κ. †
Jd. 15. 4. ἐπέστρεψε [A συνέδησεν] κέρκον πρὸς κέρκον (1, 1)
— 4. ἔθηκε λαμπάδα μίαν ἀνὰ μέσον τῶν δύο κ. (1)
Pr. 26. 17. ὥσπερ ὁ κρατῶν κέρκου κυνός †
[Aq. Le. 3. 9: 8. 25.]
[Sm., Th. Le. 3. 9.]
[Heb. Ex. 29. 22.]

κέρκωψ. (1) נִרְגָּן
Pr. 26. 22. λόγοι κερκώπων μαλακοί (1?)

κεφάζ, *vid.* **καιφάζ.**

κεφάλαιον. (1) *a.* רֹאשׁ *b.* רֵאשׁ *c.* רֵאשִׁית
Le. 6. 4 (5. 24). ἀποτίσει αὐτὸ τὸ κ. (1 *a*)
Nu. 4. 2. λάβε τὸ κ. τῶν υἱῶν K. (1 *a*)
5. 7. τὸ κ. καὶ τὸ ἐπίπεμπτον αὐτοῦ (1 *a*)
31. 26. λάβε τὸ κ. τῶν σκύλων (1 *a*)
— 49. εἰλήφασι τὸ κ. τῶν ἀνδρῶν (1 *a*)
Da. LXX. 7. 1. ἔγραψεν εἰς κεφάλαια λόγων (1 *b*)
11. 41. καὶ κεφάλαιον υἱῶν Ἀμμών (1 *c*)
[Aq. Ge. 1. 1: 49. 3: I Ki. 15. 21: Jb. 8. 7: 40. 14 (19): Pr. 8. 22.]
[Sm., Th. Jb. 40. 14 (19).]
[Al. Nu. 4. 22.]

κεφαλαιοῦν.
Si. 35 (32). 8. κεφαλαίωσον λόγον [S *om.*] ἐν ὀλίγοις πολλά

κεφαλή. (1) גֻּלְגֹּלֶת (2) נֶפֶשׁ (3) קָדְקֹד (4) קֶרֶן (5) *a.* רֹאשׁ *b.* רֵאשׁ (6) πρὸς κεφαλῆς מְרַאֲשׁוֹת
Ge. 3. 15. αὐτός σου τηρήσει κεφαλήν (5 *a*)
8. 5. ὤφθησαν αἱ κ. τῶν ὀρέων (5 *a*)
11. 4. οὗ ἔσται ἡ κ. ἕως τοῦ οὐρανοῦ (5 *a*)
28. 11. A ἐπέθηκεν [R ἔθ.] πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (6)
— 12. ἧς ἡ κ. ἀφικνεῖτο εἰς τὸν οὐρανόν (5 *a*)
— 18. R ὃν ὑπέθηκεν [A ἔθ.] ἐκεῖ πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (6)
40. 16. τρία κανᾶ . . . αἴρειν ἐπὶ τῆς κ. μου (5 *a*)
— 17. ἀπὸ τοῦ κανοῦ τοῦ ἐπάνω τῆς κ. μου (5 *a*)
— 19. ἀφελεῖ Φ. τὴν κ. σου ἀπὸ σοῦ (5 *a*)
48. 14. ἐπέβαλεν ἐπὶ τὴν κ. Ἐ. . . . καὶ τὴν ἀριστερὰν ἐπὶ τὴν κ. Μ. (5 *a*, 5 *a*)
— 17. ἐπέβαλεν . . . ἐπὶ τὴν κ. Ἐ. (5 *a*)
— 17. ἀφελεῖν αὐτὴν ἀπὸ τῆς κ. Ἐ. ἐπὶ τὴν κ. Μ. (5 *a*, 5 *a*)
— 18. ἐπίθες τὴν δεξιάν σου ἐπὶ τὴν κ. αὐ. (5 *a*)
49. 26. ἔσονται ἐπὶ κεφαλὴν [A -ῆς] Ἰωσήφ (5 *a*)
Ex. 12. 9. ἕψεσθε . . . κεφαλὴν σὺν τοῖς ποσί (5 *a*)
16. 16. γομὸρ κατὰ κεφαλήν (1)
26. 24. ἔσονται ἴσοι ἐκ τῶν κ. [A -λίδων] (5 *a*)
29. 6. ἐπιθήσεις [B¹ θή.] τὴν μίτραν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 *a*)
— 7. ἐπιχεεῖς αὐτὸ ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 *a*)
— 10. ἐπιθήσουσιν . . . ἐπὶ τὴν κ. τοῦ μόσχου (5 *a*)
— 15. ἐπιθήσουσιν . . . ἐπὶ τὴν κ. τοῦ κριοῦ (5 *a*)
— 17. ἐπὶ [B¹ *om.*] τὰ διχοτομήματα σὺν τῇ κ. (5 *a*)
— 19. ἐπιθήσει . . . ἐπὶ τὴν κ. τοῦ κριοῦ (5 *a*)
37. 6 (36. 38). A τὰς κ. [B -λίδας] αὐτῶν (5 *a*)
39. 2 (38. 26). δραχμὴ μία τῇ κ. (1)
Le. 1. 4. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κ. τοῦ καρπώματος (5 *a*)

Le. 1. 8. ἐπιστοιβάσουσιν οἱ υἱοὶ Ἀ.... τὴν κ. (5 a)
— 11. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ –
— 12. καὶ τὴν κ. καὶ τὸ στέαρ (5 a)
— 15. ἀποκνίσει τὴν κ. (5 a)
3. 2, 8. ἐπιθήσει τὰς χεῖρας ἐπὶ τὴν κ. τοῦ δώρου (5 a)
— 13. ἐπιθήσει τὰς χεῖρας ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
4. 4. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα αὐτοῦ ἐπὶ τὴν κ. τοῦ μόσχου (5 a)
— 11. πᾶσαν αὐτοῦ τὴν σάρκα σὺν τῇ κ. (5 a)
— 15. ἐπιθήσουσιν . . . ἐπὶ τὴν κ. τοῦ μόσχου (5 a)
— 24. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κ. τοῦ χιμάρου (5 a)
— 29. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ἁμαρτήματος αὐτοῦ (5 a)
— 33. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κ. (5 a)
5. 8. ἀποκνίσει ὁ ἱερεὺς τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
8. 9. ἐπέθηκε τὴν μίτραν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 12. ἐπέχεε Μωυσῆς . . . ἐπὶ τὴν κ. Ἀαρών (5 a)
— 14. ἐπέθηκεν Ἀ.... τὰς χεῖρας ἐπὶ τὴν κ. τοῦ μόσχου (5 a)
— 18. ἐπέθηκεν Ἀ.... τὰς χεῖρας αὐτῶν ἐπὶ τὴν κ. τοῦ κριοῦ (5 a)
— 19 (20). ἀνήνεγκε Μωυσῆς τὴν κ. (5 a)
— 21 (22). ἐπέθηκεν Ἀ.... τὰς χεῖρας αὐτῶν ἐπὶ τὴν κ. τοῦ κριοῦ (5 a)
9. 13. αὐτὰ καὶ τὴν κ. (5 a)
10. 6. τὴν κ. ὑμῶν οὐκ ἀποκιδαρώσετε (5 a)
13. 12. ἀπὸ κεφαλῆς ἕως ποδῶν (5 a)
— 29. ἀφὴ λέπρας ἐν τῇ κ. (5 a)
— 30. λέπρα [A *add.* ἐστὶν] τῆς κ. (5 a)
— 40. ἐὰν δέ τινι μαδήσῃ ἡ κ. αὐτοῦ (5 a)
— 41. ἐὰν δὲ κατὰ πρόσωπον μαδήσῃ ἡ κ. αὐτοῦ (5 a)
— 44. ἐν τῇ κ. αὐτοῦ ἡ ἀφὴ αὐτοῦ (5 a)
— 45. καὶ ἡ κ. αὐτοῦ ἀκάλυπτος [A ἀκατακ.] (5 a)
14. 9. τὴν κ. αὐτοῦ καὶ τὸν πώγωνα (5 a)
— 18. ἐπιθήσει ὁ ἱερεὺς ἐπὶ τὴν κ. (5 a)
— 29. ἐπιθήσει ἐπὶ τὴν κ. (5 a)
16. 21. ἐπιθήσει [A προσάξει] . . . τὰς χεῖρας αὐτοῦ ἐπὶ τὴν κ. (5 a)
— 21. ἐπιθήσει αὐτὰς ἐπὶ τὴν κ. (5 a)
19. 27. ἐκ τῆς κόμης τῆς κ. ὑμῶν (5 a)
21. 5. φαλάκρωμα οὐ ξυρηθήσεσθε τὴν κ. (5 a)
— 10. τοῦ ἐπικεχυμένου ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ἐλαίου (5 a)
— 10. τὴν κ. οὐκ ἀποκιδαρώσει (5 a)
24. 14. ἐπιθήσουσι . . . τὰς χεῖρας αὐτῶν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
Nu. 1. 2. λάβετε ἀρχὴν . . . κατὰ κεφαλὴν αὐτῶν (1)
— 18, 20, 22. κατὰ κεφαλὴν αὐτῶν (1)
— 26, 28, 30, 32, 34, 36, 24, 38, 40, 42. κατὰ κεφαλὴν αὐτῶν –
3. 47. πέντε σίκλους κατὰ κεφαλήν (1)
5. 18. ἀποκαλύψει τὴν κ. τῆς γυναικός (5 a)
6. 5. ξυρὸν οὐκ ἐπελεύσεται ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 5. τρέφων κόμην τρίχα κεφαλῆς (5 a)
— 7. εὐχὴ θεοῦ αὐτοῦ . . . ἐπὶ κεφαλῆς αὐτοῦ (5 a)
— 9. μιανθήσεται ἡ κ. εὐχῆς αὐτοῦ (5 a)
— 9. ξυρήσεται τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 11. ἁγιάσει τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 12. ἐμιάνθη κεφαλὴ εὐχῆς αὐτοῦ –
— 18. ξυρήσεται ὁ ἡγούμενος . . . τὴν κ. τῆς εὐχῆς αὐτοῦ (5 a)
— 19. A μετὰ τὸ ξυρήσασθαι αὐτὸν τὴν κ. [B εὐχὴν] αὐτοῦ †
8. 12. ἐπιθήσουσι τὰς χεῖρας ἐπὶ τὰς κ. τῶν μόσχων (5 a)
De. 21. 6. νίψονται τὰς χεῖρας ἐπὶ τὴν κ. –
— 12. ξυρήσεις τὴν κ. αὐτῆς (5 a)
28. 13. καταστήσαι σε κύριος . . . εἰς κεφαλήν (5 a)
— 23. ὁ οὐρανὸς ὁ ὑπὲρ κεφαλῆς σου (5 a)
— 44. οὗτος ἔσται κεφαλή [A εἰς κεφαλήν] (5 a)
32. 42. ἀπὸ κεφαλῆς ἀρχόντων ἐχθρῶν [A ἐθνῶν] (5 a)
33. 16. ἔλθοισαν ἐπὶ κεφαλὴν Ἰωσήφ (5 a)
Jo. 7. 6. ἐπεβάλοντο [A -λον τὸν] χοῦν ἐπὶ τὰς κ. [A τὴν κ.] αὐτῶν (5 a)
Jd. 5. 26. διήλωσε κεφαλὴν αὐ. [A *al.*] (5 a)
— 30. εἰς κεφαλὴν ἀνδρός [A *al.*] (5 a)
7. 25. τὴν κ. Ὠρὴβ . . . ἤνεγκαν πρὸς Γ. (5 a)
8. 28. ἆραι κεφαλὴν αὐτῶν (5 a)
9. 25. ἐπὶ τὰς κ. τῶν ὀρέων (5 a)
— 36. A R ἀπὸ τῶν [B *om.*] κ. [A κορυφῶν] τῶν ὀρέων (5 a)
— 53. ἔρριψε . . . ἐπὶ κεφαλὴν Ἀβ. (5 a)
— 57. ἐπέστρεψεν ὁ θ. εἰς κεφαλὴν αὐ. [A *al.*] (5 a)
10. 18. A εἰς κεφαλὴν [B ἄρχοντα] πᾶσι τοῖς κατοικοῦσι Γ. (5 a)
Jd. 11. 8. A ἔσῃ ἡμῖν εἰς κεφαλήν [B ἄρχοντα] (5 a)
— 9. A ἐγὼ ὑμῖν ἔσομαι εἰς κεφαλήν [B ἄρχοντα] (5 a)
— 11. εἰς κεφαλὴν καὶ εἰς ἀρχηγόν [A *al.*] (5 a)
13. 5. σίδηρος ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ οὐκ ἀναβήσεται (5 a)
16. 13. τὰς ἑπτὰ σειρὰς τῆς κ. μου (5 a)
— 14. τὰς ἑπτὰ σειρὰς τῆς κ. αὐ. [A *al.*] –
— 17. σίδηρος οὐκ ἀνέβη ἐπὶ τὴν κ. μου [A *al.*] (5 a)
— 19. τὰς ἑπτὰ σειρὰς τῆς κ. αὐ. [A *al.*] (5 a)
— 22. θρὶξ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
I Ki. 1. 11. σίδηρος οὐκ ἀναβήσεται ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
4. 12. γῆ ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
5. 4. κεφαλὴ [A ἡ κ.] Δαγὼν καὶ ἀμφότερα τὰ ἴχνη (5 a)
10. 1. καὶ ἐπέχεεν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
14. 45. εἰ πεσεῖται [A *add.* ἀπὸ τῆς] τριχὸς τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
17. 5. περικεφαλαία ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
— 38. τὴν περικεφαλαίαν χαλκῆν περὶ [A ἐπὶ] τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 46. ἀφελῶ τὴν κ. σου ἀπὸ σοῦ (5 a)
— 51. ἀφεῖλε [A *add.* ἐν αὐτῇ] τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 54. ἔλαβε Δ. τὴν κ. τοῦ ἀλλοφύλου (5 a)
— 57. A καὶ ἡ κ. τοῦ ἀλλοφύλου ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ (5 a)
19. 13. ἧπαρ . . . ἔθετο πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (6)
— 16. καὶ ἧπαρ . . . πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (6)
25. 39. τὴν κακίαν Ν. ἀπέστρεψε κύριος εἰς κεφαλὴν αὐτοῦ (5 a)
26. 7. καὶ τὸ δόρυ . . . πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (6)
— 11. λάβε δὴ τὸ δόρυ ἀπὸ πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (6)
— 12. ἔλαβε Δ. τὸ δόρυ . . . ἀπὸ πρὸς κεφαλῆς (6)
— 16. ποῦ ἐστι τὰ πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (6)
29. 4. οὐχὶ ἐν ταῖς κ. τῶν ἀνδρῶν ἐκείνων (5 a)
II Ki. 1. 2. καὶ γῆ ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
— 10. τὸ βασίλειον τὸ ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 16. τὸ αἷμά σου ἐπὶ τὴν κ. σου (5 a)
2. 16. ἐκράτησαν ἕκαστος . . . τὴν κ. τοῦ πλησίον αὐτοῦ (5 a)
— 25. ἔστησαν ἐπὶ κεφαλὴν βουνοῦ ἑνός (5 a)
3. 8. μὴ κεφαλὴ κυνὸς ἐγώ εἰμι (5 a)
— 29. καταντησάτωσαν ἐπὶ κεφαλὴν Ἰ. (5 a)
4. 7. A R ἀφαιροῦσι [B ἀναφ.] τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 7. ἔλαβον τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 8. ἤνεγκαν τὴν κ. Ἰεβ. τῷ Δ. (5 a)
— 8. ἰδοὺ ἡ [A *om.*] κ. Ἰεβ. (5 a)
— 12. τὴν κ. Ἰεβ. ἔθαψαν (5 a)
12. 30. ἔλαβε τὸν στέφανον Μ. . . . ἀπὸ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
— 30. καὶ ἦν ἐπὶ τῆς κ. Δαυίδ (5 a)
13. 19. A R ἐπέθηκεν [B ἐ. σποδὸν] ἐπὶ τὴν κ. [A τῆς κ.] αὐτῆς (5 a)
— 19. ἐπέθηκε τὰς χεῖρας αὐτῆς ἐπὶ τὴν κ. αὐτῆς (5 a)
14. 26. ἐν τῷ κείρεσθαι αὐτὸν τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 26. ἔστησε τὴν τρίχα τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
15. 30. καὶ τὴν κ. ἐπικεκαλυμμένος (5 a)
— 30. ἐπεκάλυψεν ἀνὴρ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 32. καὶ γῆ ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
16. 9. ἀφελῶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
18. 9. A R περιεπλάκη [B ἐκρεμάσθη] ἡ κ. αὐτοῦ (5 a)
20. 21. ἡ [A *om.*] κ. αὐτοῦ ῥιφήσεται (5 a)
— 22. ἀφεῖλε τὴν κ. Σ. (5 a)
22. 44. φυλάξεις με εἰς κεφαλὴν ἐθνῶν (5 a)
III Ki. 2. 32. ἀπέστρεψε . . . τὸ αἷμα . . . εἰς κεφαλὴν αὐτοῦ (5 a)
— 33. ἐπεστράφη [A ἀπ.] τὰ αἵματα αὐ. εἰς κεφαλὴν αὐ. καὶ εἰς κεφαλὴν [A τὴν κ.] τοῦ σπέρματος αὐ. (5 a, 5 a)
3. 1 (2. 37). τὸ αἷμά σου ἔσται ἐπὶ τὴν κ. σου (5 a)
— 1 (2. 44). ἀνταπέδωκε . . . τὴν κακίαν σου εἰς κεφαλήν σου (5 a)
7. 16. δοῦναι ἐπὶ τὰς κ. τῶν στύλων (5 a)
— 19. ἐπὶ τῶν κ. τῶν στύλων (5 a)
— 22. A ἐπὶ τῶν κ. ἔργου κρίνου (5 a)
— 35 *bis*. ἐπὶ τῆς κ. τῆς μεχωνώθ (5 a)
— 41. ἐπὶ τῶν κ. τῶν στύλων δύο (5 a)
8. 1. A συμπάσας κ. τῶν ῥάβδων (5 a)
— 8. ἐνεβλέποντο αἱ κ. τῶν ἡγιασμένων (5 a)
— 32. δοῦναι τὴν ὁδὸν αὐτοῦ εἰς κεφαλὴν αὐ. (5 a)
19. 6. πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ ἐγκρυφίας ὀλυρίτης (6)
20 (21). 12. A ἐκάθισαν τὸν Ναβ. ἐν κεφαλῇ [R ἀρχῇ] τοῦ λαοῦ (5 a)
21 (20). 31. καὶ σχοινία ἐπὶ τὰς κ. ἡμῶν (5 a)
— 32. ἔθεσαν σχοινία ἐπὶ τὰς κ. αὐτῶν (5 a)
IV Ki. 2. 3. A B² λαμβάνει τὸν κύριόν σου ἐπάνωθεν [B¹ R ἀπ.] τῆς κ. σου (5 a)
— 5. λαμβάνει κύριος τὸν κύριόν σου ἐπάνωθεν [A ἀπ.] τῆς κ. σου (5 a)
4. 19. τὴν κ. μου τὴν κ. μου (5 a, 5 a)
6. 25. ἐγενήθη κεφαλὴ ὄνου πεντήκοντα ἀργυρίου [B² σίκλων ἀ.] (5 a)
— 31. εἰ στήσεται ἡ κ. Ἐλ. ἐπ' αὐτῷ (5 a)
— 32. ἀπέστειλεν . . . ἀφελεῖν τὴν κ. μου (5 a)
9. 3. ἐπιχεεῖς ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 6. ἐπέχεε τὸ ἔλαιον ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 30. ἠγάθυνε τὴν κ. αὐτῆς (5 a)
10. 6. λάβετε τὴν κ. ἀνδρῶν (5 a)
— 7. ἔθηκαν τὰς κ. αὐτῶν ἐν καρτάλλοις (5 a)
— 8. A R ἤνεγκαν [B -α] τὰς κ. τῶν υἱῶν τοῦ βασ. (5 a)
19. 21. ἐπὶ σοὶ [A σὲ] κεφαλὴν αὐτῆς [A *om.*] ἐκίνησε (5 a)
25. 27. ὕψωσεν Εὐ. . . . τὴν κ. Ἰ. (5 a)
I Ch. 10. 9. ἔλαβον τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 10. τὴν κ. [S¹ *om.*] αὐτοῦ ἔθηκαν ἐν οἴκῳ Δ. (1)
12. 19. ἐν ταῖς κ. τῶν ἀνδρῶν ἐκ. ἐπιστρέψει (5 a)
20. 2. ἔλαβε Δ. τὸν στέφανον Μ. . . . ἀπὸ τῆς κ. αὐτοῦ. (5 a)
— 2. ἦν ἐπὶ τὴν κ. Δ. (5 a)
23. 3. ἐγένετο ὁ ἀριθμὸς αὐ. κατὰ κεφαλὴν αὐ. (1)
— 24. οὗτοι υἱοὶ Λευὶ . . . κατὰ κεφαλὴν αὐ. (1)
25. 1. ἐγένετο ὁ ἀριθμὸς αὐτῶν κατὰ κεφαλὴν αὐ. –
II Ch. 3. 15. καὶ τὰς κ. αὐτῶν πήχεων πέντε (5 a)
— 16. καὶ ἔδωκεν [A ἔθηκεν] ἐπὶ τῶν κ. τῶν στύλων (5 a)
4. 12. ἐπὶ τῶν κ. τῶν στύλων δύο (5 a)
— 12. συγκαλύψαι τὰς κ. τῶν χωθαρέθ †
— 12. ἃ ἐστιν ἐπὶ [A ἐπάνω] τῶν κ. τῶν στύλων (5 a)
5. 9. ἐβλέποντο αἱ κ. τῶν ἀναφορέων (5 a)
6. 23. ἀποδοῦναι ὁδοὺς αὐτοῦ εἰς κεφαλὴν αὐ. (5 a)
I Es. 4. 30. ἀφαιροῦσαν τὸ διάδημα ἀπὸ τῆς κ. τοῦ βασ.
8. 71. A R κατέτιλα [B -έτεινον] τοῦ τριχώματος τῆς κ.
— 75. ἐπλεόνασαν ὑπὲρ τὰς κ. ἡμῶν
II Es. 9. 3. ἔτιλλον ἀπὸ τῶν τριχῶν τῆς κ. μου (5 a)
— 6. ἐπληθύνθησαν ὑπὲρ κεφαλῆς ἡμῶν (5 a)
Ne. 4. 4 (3. 36). ἐπίστρεψον ὀνειδισμὸν αὐτῶν εἰς κεφαλὴν αὐτῶν (5 a)
9. 1. R καὶ σποδῷ ἐπὶ κεφαλῆς αὐτῶν –
Ju. 4. 11. ἐσποδώσαντο τὰς κ. αὐτῶν
8. 3. ὁ καύσων ἦλθεν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ
— 22. τὴν ἐρήμωσιν . . . ἐπιστρέψει εἰς κεφαλὴν ἡμῶν
9. 1. ἐπέθετο [S² ἔθ.] σποδὸν ἐπὶ τὴν κ. αὐτῆς
— 9. ἀπόστειλον τὴν ὀργήν σου εἰς κεφαλὰς αὐτῶν
— 10. S¹ τὴν ὀργήν σου εἰς κεφαλὰς αὐτῶν
— 10. S¹ ἀπόστειλον τὴν ὀργήν σου εἰς κεφαλὰς αὐτῶν
10. 3. τὰς τρίχας τῆς κ. αὐτῆς
13. 6. ὃς ἦν πρὸς κεφαλῆς Ὀλ.
— 7. ἐδράξατο τῆς κόμης τῆς κ. αὐτοῦ
— 8. καὶ ἀφεῖλε τὴν κ. αὐτοῦ
— 9. παρέδωκε τῇ ἄβρᾳ αὐτῆς τὴν κ. Ὀλ.
— 15. προελοῦσα τὴν κ. ἐκ τῆς πήρας
— 15. ἰδοὺ ἡ κ. Ὀλ.
— 18. κατεύθυνέ σε εἰς τραῦμα κεφαλῆς
14. 1. λαβόντες τὴν κ. ταύτην
— 6. καὶ εἶδε τὴν κ. Ὀλ.
— 11. ἐκρέμασαν τὴν κ. Ὀλ. ἐκ τοῦ τείχους
— 15. καὶ ἡ κ. αὐτοῦ ἀφῄρητο ἀπ' αὐτοῦ
— 18. καὶ ἡ κ. οὐκ ἔστιν ἐπ' αὐτῷ
Es. 4. 17. κοπριῶν ἔπλησεν τὴν κ.
— 17. ὅ ἐστιν ἐπὶ τῆς κ. μου [A *om.*]
5. 1. ἐπὶ τὴν κ. [A τῆς κ.] τῆς ἄβρας
6. 8. S² διάδημα βασιλείας ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 12. λυπούμενος κατὰ κεφαλῆς [S² λ. κατακεκαλυμμένος κεφαλήν] (5 a)
Jb. 1. 17. οἱ ἱππεῖς ἐποίησαν ἡμῖν κεφαλὰς [A S² ἀρχὰς] τρεῖς (5 a)
— 20. ἐκείρατο τὴν κόμην τῆς κ. [A κ. αὐτοῦ] (5 a)
— 20. A κατεπάσατο γῆν ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ –
2. 7. ἀπὸ ποδῶν ἕως κεφαλῆς (3)
— 12. A καταπασάμενοι γῆν ἐπὶ τὰς κ. αὐτῶν [B S *om.* ἐπὶ τ. κ. αὐ.] (5 a)
16. 5 (4). κινήσω δὲ καθ' ὑμῶν κεφαλήν (5 a)
19. 9. ἀφεῖλε δὲ στέφανον ἀπὸ κεφαλῆς μου (5 a)
29. 3. ηὔγει ὁ λύχνος αὐ. ὑπὲρ κεφαλῆς αὐ. (5 a)
40. 26 (31). ἐν πλοίοις ἁλιέων κεφαλὴν αὐτοῦ (5 a)

Ps. 3. 3. καὶ ὑψῶν τὴν κ. μου (5 a)
7. 16. ἐπιστρέψει ὁ πόνος αὐ. εἰς κεφαλὴν αὐ. (5 a)
17 (18). 43. καταστήσεις με εἰς κεφαλὴν ἐθνῶν (5 a)
20 (21). 3. ἔθηκας ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ στέφανον (5 a)
21 (22). 7. ἐκίνησαν κεφαλήν (5 a)
22 (23). 5. ἐλίπανας ἐν ἐλαίῳ τὴν κ. μου (5 a)
26 (27). 6. ὕψωσε τὴν [B³ S² om.] κ. μου (5 a)
37 (38). 4. αἱ ἀνομίαι μου ὑπερῆραν τὴν κ. μου (5 a)
39 (40). 12. ἐπληθύνθησαν ὑπὲρ τὰς τρίχας τῆς κ. μου (5 a)
43 (44). 14. κίνησιν κεφαλῆς [A²-ὴν] ἐν τοῖς λαοῖς (5 a)
59 (60). 7. Ἐφραὶμ κραταίωσις τῆς κ. μου (5 a)
65 (66). 12. ἐπεβίβασας ἀνθρώπους ἐπὶ τὰς κ. ἡμῶν (5 a)
67 (68). 21. συνθλάσει κεφαλὰς ἐχθρῶν αὐ. (5 a)
68 (69). 4. ἐπληθύνθησαν ὑπὲρ τὰς τρίχας τῆς κ. μου (5 a)
73 (74). 13. σὺ συνέτριψας τὰς κ. τῶν δρακόντων (5 a)
— 14. B² R συνέτριψας τὰς κ. [S συνέθλασας τὴν κ.] τοῦ δράκοντος (5 a)
82 (83). 2. οἱ μισοῦντές σε ἦραν κεφαλήν (5 a)
107 (108). 8. Ἐφραὶμ ἀντίληψις τῆς κ. μου (5 a)
108 (109). 25. ἐσάλευσαν κεφαλὰς αὐτῶν (5 a)
109 (110). 6. συνθλάσει κεφαλάς (5 a)
— 7. διὰ τοῦτο ὑψώσει κεφαλήν (5 a)
117 (118). 22. οὗτος ἐγενήθη εἰς κεφαλὴν γωνίας (5 a)
132 (133). 2. A S¹ ὡς μύρον ἐπὶ κεφαλήν [S² R -ῆς] (5 a)
139 (140). 7. ἐπεσκίασας ἐπὶ τὴν κ. μου (5 a)
— 9. ἡ κ. τοῦ κυκλώματος αὐτῶν (5 a)
140 (141). 5. ἔλαιον δὲ ἁμαρτωλοῦ μὴ λιπανάτω τὴν κ. μου (5 a)
Pr. 4. 9. ἵνα δῷ τῇ σῇ κ. στέφανον χαρίτων (5 a)
10. 6. εὐλογία κυρίου ἐπὶ κεφαλὴν [A S¹ -ῆς] δικαίου (5 a)
— 22. A S εὐλογία κυρίου ἐπὶ κεφαλῆς [B -ὴν] δικαίου –
11. 26. εὐλογία δὲ εἰς κεφαλὴν τοῦ μεταδιδόντος (5 a)
25. 22. ἄνθρακας πυρὸς [A om.] σωρεύσεις ἐπὶ τὴν κ. [S¹ τῆς κ.] αὐτοῦ (5 a)
Ec. 2. 14. τοῦ σοφοῦ οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτοῦ ἐν κεφαλῇ αὐτοῦ (5 a)
9. 8. S R ἔλαιον ἐπὶ κεφαλῆς [A B -ήν] σου μὴ ὑστερησάτω (5 a)
Ca. 2. 6. εὐώνυμος αὐτοῦ ὑπὸ τὴν κ. μου (5 a)
4. 8. ἀπὸ κεφαλῆς Σανείρ (5 a)
5. 2. ἡ κ. μου ἐπλήσθη δρόσου (5 a)
— 11. κεφαλὴ αὐτοῦ χρυσίον κεφάζ (5 a)
7. 5 (6). κεφαλή σου ἐπὶ σὲ ὡς K. καὶ πλόκιον κεφαλῆς σου ὡς πορφύρα (5 a, 5 a)
8. 3. εὐώνυμος αὐτοῦ ὑπὸ τὴν κ. μου [A om.] (5 a)
Wi. 18. 24. μεγαλωσύνη σου ἐπὶ διαδήματος κεφαλῆς αὐτοῦ
Si. 4. 7. μεγιστᾶνι [S² πρεσβυτέρῳ] ταπεινοῦ τὴν κ. σου
11. 1. σοφία ταπεινοῦ ἀνύψωσε [A -σει] κεφαλήν
— 13. ἀνύψωσε κεφαλὴν αὐτοῦ
12. 18. κινήσει τὴν κ. αὐτοῦ
13. 7. τὴν κ. αὐτοῦ κινήσει ἐπὶ σοί
17. 23. τὸ ἀνταπόδομα αὐτῶν εἰς κεφαλὴν αὐ. ἀποδώσει [S ἀνταποδ.]
20. 11. ἔστιν ὃς ἀπὸ ταπεινώσεως ἦρε κεφαλήν
25. 15. οὐκ ἔστι κεφαλὴ ὑπὲρ κεφαλὴν ὄφεως
27. 25. ὁ βάλλων λίθον εἰς ὕψος ἐπὶ κεφαλὴν αὐτοῦ βάλλει
33 (36). 10. σύντριψον κεφαλὰς ἀρχόντων ἐχθρῶν
38. 3. ἐπιστήμη ἰατροῦ [S¹ καιροῦ] ἀνυψώσει κεφαλὴν [S τὴν κ.] αὐτοῦ
44. 23. κατέπαυσεν ἐπὶ κεφαλὴν Ἰακώβ
Am. 2. 7. καὶ ἐκονδύλιζον εἰς κεφαλὰς πτωχῶν (5 a)
5. 11. κατεκονδύλιζον πτωχούς [A εἰς κεφαλὰς πτωχῶν] –
8. 10. καὶ ἐπὶ πᾶσαν κεφαλὴν φαλάκρωμα (5 a)
9. 1. καὶ διάκοψον εἰς κεφαλὰς πάντων (5 a)
Jl. 3 (4). 4, 7. ἀνταποδώσω τὸ ἀνταπόδ. ὑμ. εἰς κεφαλὰς ὑμ. (5 a)
Ob. 1. 15. τὸ ἀνταπόδομά σου ἀνταποδοθήσεται εἰς κεφαλήν σου (5 a)
Jn. 2. 6. ἔδυ ἡ κ. μου εἰς σχισμὰς ὀρέων (5 a)
4. 6. καὶ ἀνέβη ὑπὲρ κεφαλῆς τοῦ Ἰωνᾶ –
Jn. 4. 6. τοῦ εἶναι σκιὰν ὑπεράνω τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
— 8. ἐπάταξεν ὁ ἥλιος ἐπὶ τὴν κ. Ἰ. (5 a)
Hb. 3. 13. βαλεῖς [A S² ἔβαλας] εἰς κεφαλὰς ἀνόμων θάνατον (5 a)
— 14. διέκοψας ἐν ἐκστάσει κεφαλὰς δυναστῶν (5 a)
Za. 1. 21 (2. 4). καὶ οὐδεὶς αὐτῶν ἦρε κεφαλήν (5 a)
3. 6 (5). ἐπίθετε κίδαριν καθαρὰν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 6 (5). A B S² ἐπέθηκαν κίδαριν καθαρὰν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
6. 11. ἐπιθήσεις ἐπὶ τὴν κ. Ἰ. (5 a)
Is. 1. 5. πᾶσα κ. εἰς πόνον (5 a)
— 6. ἀπὸ ποδῶν ἕως κεφαλῆς (5 a)
3. 24. ἀντὶ τοῦ κόσμου τῆς κ. τοῦ χρυσίου †
7. 8. ἡ κ. Ἀρὰμ Δαμασκὸς καὶ ἡ κ. Δαμασκοῦ Ῥασίμ [S¹ om. καὶ . . . Ῥ.] (5 a, 5 a)
— 9. ἡ κ. Ἐφραὶμ Σομόρων καὶ ἡ κ. Σομόρων υἱὸς τοῦ Ῥ. (5 a, 5 a)
— 20. ξυρήσει . . . τὴν κ. (5 a)
8. 8. ὃς δυνήσεται κεφαλὴν ἆραι †
9. 14 (13). ἀφεῖλε κύριος ἀπὸ Ἰ. κεφαλήν (5 a)
15. 2. ἐπὶ πάσης κεφαλῆς φαλάκρωμα (5 a)
19. 15. ποιήσει κεφαλὴν καὶ οὐράν (5 a)
35. 10. εὐφροσύνη αἰώνιος ὑπὲρ κεφαλῆς αὐτῶν ἐπὶ γὰρ τῆς κ. [B¹ om. ἐπὶ . . . κ.] αὐτῶν αἴνεσις (5 a, –)
37. 22. ἐπὶ σοὶ κεφαλὴν ἐκίνησε θυγάτηρ Ἱερ. (5 a)
43. 4. δώσω . . . ἄρχοντας ὑπὲρ τῆς κ. σου (2)
51. 11. ἐπὶ κεφαλῆς γὰρ [A S ἐ. γὰρ τῆς κ.] αὐτῶν αἴνεσις (5 a)
59. 17. περιέθετο περικεφαλαίαν [S add. ὡς] σωτηρίου ἐπὶ τῆς κ. (5 a)
61. 7. εὐφροσύνη αἰώνιος ὑπὲρ κεφαλῆς αὐτῶν –
Je. 2. 37. αἱ χεῖρές σου ἐπὶ τῆς κ. σου (5 a)
7. 29. κεῖρε [A -ραι] τὴν κ. σου †
9. 1 (8. 23). τίς δώσει κεφαλῇ μου ὕδωρ (5 a)
13. 18. καθῃρέθη ἀπὸ κεφαλῆς [A τῆς κ.] ὑμῶν στέφανος †
14. 4. ἐπεκάλυψαν τὰς κ. [A S τὴν κ.] αὐτῶν (5 a)
18. 16. κινήσουσι τὴν [S¹ om.] κ. [A τὰς κ.] αὐτῶν (5 a)
31 (48). 37. πᾶσαν κεφαλὴν ἐν παντὶ τόπῳ ξυρηθήσονται [A S ξυρήσ.] (5 a)
38 (31). 7. χρεμετίσατε ἐπὶ κεφαλὴν [A -ῆς] ἐθνῶν (5 a)
52. 31. ἔλαβεν Οὐλ. . . . τὴν κ. Ἰωακείμ (5 a)
Ba. 5. 2. ἐπίθου τὴν μίτραν ἐπὶ τὴν κ. σου
La. 1. 5. ἐγένοντο οἱ θλίβοντες αὐτὴν εἰς κεφαλήν (5 a)
2. 10. ἀνεβίβασαν χοῦν ἐπὶ [S εἰς] τὴν κ. αὐ. (5 a)
— 15. ἐκίνησαν τὴν κ. αὐτῶν (5 a)
— 17. A ὕψωσε κεφαλὰς [B S κέρας] θλίβοντός σε (4)
3. 5. ἐκύκλωσε κεφαλήν μου (5 a)
— 54. A R ὑπερεχύθη ὕδωρ ἐπὶ τὴν [B om.] κ. μου (5 a)
5. 16. ἔπεσεν ὁ στέφανος ἡμῶν τῆς κ. (5 a)
Ep. Je. 9. κατασκευάζουσι στεφάνους ἐπὶ τὰς κ. τῶν θεῶν αὐτῶν
— 22. ἐπὶ τὴν κ. αὐτῶν ἐφίπτανται νυκτερίδες χελιδόνες
— 31. τὰς κ. καὶ τοὺς πώγωνας ἐξυρημένους [A -οι]
— 31. ὧν αἱ κ. ἀκάλυπτοί εἰσιν
Ez. 1. 22. ὁμοίωμα ὑπὲρ κεφαλῆς (5 a)
— 25. τοῦ στερεώματος τοῦ ὄντος ὑπὲρ κεφαλῆς αὐτῶν (5 a)
— 26. A τοῦ στερεώματος τοῦ ὑπὲρ κεφαλῆς αὐτῶν (5 a)
5. 1. ἐπάξεις αὐτὴν ἐπὶ τὴν κ. σου (5 a)
7. 18. ἐπὶ πᾶσαν κεφαλὴν φαλάκρωμα (5 a)
9. 10. τὰς ὁδοὺς αὐ. εἰς κεφαλὰς αὐ. δέδωκα (5 a)
10. 1. τοῦ στερεώματος τοῦ ὑπὲρ κεφαλῆς τῶν Χερ. (5 a)
11. 21. τὰς ὁδοὺς αὐ. εἰς τὰς [A om.] κ. αὐ. δέδωκα (5 a)
13. 18. ἐπιβόλαια ἐπὶ πᾶσαν κ. (5 a)
16. 12. ἔδωκα . . . στέφανον καυχήσεως ἐπὶ τὴν κ. σου (5 a)
— 43. τὰς ὁδούς σου εἰς κεφαλήν σου δέδωκα (5 a)
17. 19. δώσω αὐτὴν εἰς κεφαλὴν αὐτοῦ (5 a)
— 22. A δώσω ἀπὸ κεφαλῆς παραφυάδων αὐτῆς (5 a)
22. 31. τὰς ὁδοὺς αὐ. εἰς κεφαλὰς αὐ. δέδωκα (5 a)
Ez. 23. 15. ποικίλματα . . . καὶ ἐπὶ τῶν κ. αὐτῶν (5 a)
— 42. στέφανον καυχήσεως ἐπὶ τὰς κ. αὐτῶν (5 a)
24. 23. αἱ κόμαι ὑμῶν ἐπὶ τῆς κ. ὑμῶν (5 a)
26. 16. ἀφελοῦνται [A¹ καθελ., A² ἑλοῦσιν] τὰς μίτρας ἀπὸ τῶν κ. αὐτῶν –
27. 30. ἐπιθήσουσιν ἐπὶ τὴν κ. αὐτῶν γῆν (5 a)
29. 18. πᾶσα κ. φαλακρά [A -ρωμα] (5 a)
32. 27. ἔθηκαν τὰς μαχαίρας αὐ. ὑπὸ τὰς κ. αὐ. (5 a)
33. 4. τὸ αἷμα αὐτοῦ ἐπὶ τῆς κ. [A τὴν κ.] αὐτοῦ ἔσται (5 a)
44. 18. κιδάρεις λινᾶς ἔξουσιν ἐπὶ ταῖς κ. αὐ. (5 a)
— 20. τὰς κ. αὐτῶν οὐ ξυρήσονται . . . καλύψουσι [A B¹ -ψωσι] τὰς κ. αὐτῶν (5 a, 5 a)
Da. LXX. Su. 34. ἐπέθηκαν τὰς χεῖρας αὐτῶν ἐπὶ τῆς κ. αὐτῆς
2. 32. ἦν κεφαλὴ αὐτῆς ἀπὸ χρυσίου χρηστοῦ (5 b)
— 38. σὺ εἶ ἡ κ. ἡ χρυσῆ (5 b)
3. 21. καὶ τὰς τιάρας αὐ. ἐπὶ τῶν κ. αὐ. –
4. 16. κινήσας τὴν κ. –
7. 1. ὅραμα εἶδε παρὰ κεφαλήν (5 b)
— 6. καὶ τέσσαρες κ. τῷ θηρίῳ (5 b)
— 9. τὸ τρίχωμα τῆς κ. αὐτοῦ (5 b)
— 20. περὶ τῶν δέκα κεράτων αὐτοῦ τῶν ἐπὶ τῆς κ. (5 b)
Bel 35. ἐπιλαβόμενος . . . τῆς κόμης αὐτοῦ τῆς κ.
Da. TH. Su. 34. ἔθηκαν τὰς χεῖρας ἐπὶ τὴν κ. [A τῆς κ.] αὐτῆς
— 55. ὀρθῶς ἔψευσαι εἰς τὴν σεαυτοῦ κ.
— 59. ὀρθῶς ἔψευσαι καὶ σὺ εἰς τὴν σεαυτοῦ κ.
1. 10. καὶ καταδικάσητε τὴν κ. μου τῷ βασ. (5 a)
2. 28. αἱ ὁράσεις τῆς κ. σου (5 b)
— 32. ἦς ἡ κ. χρυσίου χρηστοῦ [A B² καθαροῦ] (5 b)
— 38. σὺ εἶ ἡ κ. ἡ χρυσῆ (5 b)
3. 27 (94). ἡ θρὶξ τῆς κ. αὐτῶν οὐκ ἐφλογίσθη (5 b)
4. 2. αἱ ὁράσεις τῆς κ. μου συνετάραξάν με (5 b)
7. 1. καὶ αἱ ὁράσεις τῆς κ. αὐτοῦ (5 b)
— 6. καὶ τέσσαρες κ. τῷ θηρίῳ (5 b)
— 9. ἡ θρὶξ τῆς κ. αὐτοῦ ὡσεὶ ἔριον καθαρόν (5 b)
— 15. αἱ ὁράσεις τῆς κ. μου ἐτάρασσόν με (5 b)
— 20. περὶ τῶν κεράτων αὐτοῦ τῶν δέκα τῶν ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (5 b)
Bel 36. βαστάσας τῆς κόμης τῆς κ. αὐτοῦ
I Ma. 3. 47. A R καὶ σποδὸν ἐπὶ τὰς κ. [S τὴν κ.] αὐτῶν
4. 39. ἐπέθεντο σποδὸν ἐπὶ τὴν κ. αὐτῶν [S om. ἐπὶ τ. κ. αὐ.]
6. 35. περικεφαλαῖαι χαλκαῖ ἐπὶ τῶν κ. αὐτῶν
7. 47. τὴν κ. Νικάνορος ἀφεῖλον
11. 13. περιέθετο δύο διαδήματα περὶ τὴν κ. αὐτοῦ
— 17. ἀφεῖλε Ζαβδ. . . . τὴν κ. Ἀλεξ.
— 71. ἐπέθετο γῆν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ
II Ma. 1. 16. R τὰς κ. ἀφελόντες [A om.] . . . παρέρριψαν [A παραρίψαντες]
7. 7. τὸ τῆς κ. δέρμα . . . περισύροντες
10. 25. γῇ τὰς κ. καταπάσαντες
15. 30. τὴν τοῦ Νικ. κ. ἀποτεμόντας
— 32. τὴν τοῦ μιαροῦ Νικ. κ.
— 35. R ἐξέδησε δὲ τὴν τοῦ Νικ. κ. [A προτομήν]
III Ma. 1. 18. R κόνει τὰς κ. [A κόμας] πασάμεναι
IV Ma. 9. 28. τὴν τῆς κ. δορὰν . . . ἀπέσυραν
15. 15. τὰς τῶν κ. . . . σάρκας ὥσπερ προσωπεῖα προκειμένας
— 20. ἐπὶ κεφαλαῖς κεφαλὰς ἀποδειροτομουμένας

[Aq. Ge. 47. 31 : Ex. 28. 32 : Le. 19. 27 : Dt. 5. 23 (20) : 29. 10 (9), 18 (17) : 32. 33 : I Ki. 11. 11 : 13. 18 : 28. 2 : II Ki. 5. 24 : III Ki. 8. 1 : Jb. 20. 6 : Ps. 23 (24). 7 : 26 (27). 6 : 73 (74). 13, 14 : 82 (83). 3 : 132 (133). 2 : 136 (137). 6 : 138 (139). 17 : 139 (140). 10 : Pr. 1. 9 : Is. 9. 15 (14) : 40. 21 : 51. 20 : 58. 5 : Ez. 6. 13 : 10. 11 : 38. 2.]
[Sm. Le. 19. 27 : Jd. 5. 2, 26 : I Ki. 28. 2 : 31. 9 : II Ki. 1. 16 : 5. 24 : Jb. 16. 4 : 20. 6 : Ps. 26 (27). 6 : 27 (28). 7 : 43 (44). 15 : 82 (83). 3 : 132 (133). 2 : 138 (139). 17 : Ca. 4. 8 *bis* : Is. 9. 15 (14) : 37. 22 : 40. 21 : 58. 5 : Ez. 13. 18 : Za. 4. 2.]
[Th. Le. 19. 27 : Jd. 5. 26 : 10. 18 : I Ki. 28. 2 : Jb. 2. 12 : 20. 6 : Is. 9. 15 (14) : 58. 5 : Je. 14. 3 : Ez. 1. 26 : 17. 22 : Da. 2. 29 : 4. 7†.]
[Al. Jd. 5. 26 : I Ki. 31. 9 : Is. 28. 1 : Hb. 3. 13.]
[Heb. Jb. 4. 15 : Ez. 13. 18.]
[Quint. Ps. 26 (27). 6.]

κεφαλίς. (1) אֶדֶן (2) וָו (3) כֹּתֶרֶת (4) מְגִלָּה (5) קֶרֶשׁ (6) רֹאשׁ

Ex. 26. 24. A ἔσονται ἴσοι ἐκ τῶν κ. [B -λῶν] (6)
— 32, 37. αἱ κ. αὐτῶν χρυσαῖ (2)
27. 17. αἱ κ. αὐτῶν ἀργυραῖ (2)
37. 4 (36. 36). αἱ κ. αὐτῶν χρυσαῖ (2)
— 6 (36. 38). B τὰς κ. [A -λὰς] αὐτῶν (2)
— 15 (38. 17), 17 (38. 19). αἱ κ. αὐτῶν περιηργυρωμέναι (6?)
38. 20 (36. 36). ἐχώνευσε τὰς κ. τὰς ἀργυρᾶς . . . καὶ τὰς κ. τὰς χαλκᾶς (1?, †)
39. 4 (38. 27). A R εἰς τὴν χώνευσιν τῶν ἑκατὸν [A *om.*] κ. τῆς σκ. καὶ εἰς τὰς [B *add.* ἑκατὸν] κ. τοῦ καταπετάσματος ἑκατὸν κεφαλίδες εἰς τὰ ἑκ. τάλαντα τάλαντον τῇ [A ἐν τ.] κ. (1 *quater*)
— 6 (38. 28). κατεχρύσωσε τὰς κ. αὐ. (6)
40. 18. ἐπέθηκε τὰς κ. [A κ. αὐτῆς] (5)
Nu. 3. 36 : 4. 31. τὰς κ. τῆς σκηνῆς (5)
III Ki. 7. 20. A ἐπὶ τῆς κ. τῆς δευτέρας (3)
— 31. A ἔσωθεν τῆς κ. (3)
II Es. 6. 2. καὶ εὑρέθη . . . κ. μία (4)
Ps. 39 (40). 7. ἐν κεφαλίδι βιβλίου γέγραπται περὶ ἐμοῦ (4)
Ez. 2. 9. ἐν αὐτῇ κ. βιβλίου (4)
3. 1. κατάφαγε τὴν κ. ταύτην (4)
— 2. ἐψώμισέ με τὴν κ. (4)
— 3. ἡ κοιλία σου πλησθήσεται τῆς κ. ταύτης (4)
[Aq. III Ki. 7. 20 (9) : IV Ki. 25. 17 : Is. 8. 1 : Je. 36 (43). 4 : 52. 22.]
[Sm. Je. 52. 22 *bis* : Za. 5. 1.]
[Th. Je. 52. 22.]

κεφφά.

[Th. Is. 19. 15.]

κεφφουρέ (A), **κεφουρέ** (R). (1) כְּפוֹרֵי

I Ch. 28. 17. R καὶ θυισκῶν [A *om.* κ. θ.] κ. (1)

κεφφουρῆς (B), **κεφουρῆς** (R). (1) כְּפוֹרֵי

II Es. 1. 9 (10). κ. [A χεφουρῆ] χρυσοῖ τριάκοντα (1)

κεχάρ, *vid.* **καιχάρ.**

κέχχαρ.

[Aq. Je. 37 (44). 21.]

κηδεία (-δία).

II Ma. 4. 49. τὰ πρὸς τὴν κ. αὐτῶν
5. 10. κηδείας οὐδ' ἠστινοσοῦν . . . μετέσχε

κηδεμονία.

IV Ma. 4. 4. τὸν μὲν Σ. τῆς εἰς τὸν βασ. κ. ἐπῄνει
— 20. S R καταλῦσαι [A *om.*] τὴν τοῦ ἱεροῦ κ.

κηδεμών.

II Ma. 4. 2. τὸν κ. τῶν ὁμοεθνῶν . . . ἐτόλμα λέγειν

κηδιᾶν.

Si. 22. 13. A οὐ μὴ κηδιάσῃς [B S ἀκηδ.] ἐν τῇ ἀπονοίᾳ αὐτοῦ

κηλιδοῦσθαι. (1) כָּתַם ni.

Je. 2. 22. κεκηλίδωσαι ἐν ταῖς ἀδικίαις σου (1)
Da. LXX. 11. 33. ἐν προνομῇ ἡμερῶν κηλιδωθήσονται –

κηλίς.

Wi. 13. 14. πᾶσαν κηλῖδα τὴν ἐν αὐτῷ καταχρίσας
II Ma. 6. 25. κηλῖδα τοῦ γήρως κατακτήσωμαι

κημός (κι.). (1) חֶח (2) סוּגַר (3) רָסָן

Ps. 31 (32). 9. ἐν χαλινῷ καὶ κημῷ (3)
Ez. 19. 4. ἤγαγον αὐτὸν ἐν κημῷ εἰς γῆν Αἰγ. (1)
— 9. ἔθεντο αὐτὸν ἐν κημῷ (2)
[Aq., Th. Pr. 26. 3.]
[Sm. Ps. 31 (32). 9.]

κῆπος. (1) *a.* גַּן *b.* גִּנָּה *c.* גַּנָּה

De. 11. 10. ὡσεὶ κῆπον λαχανίας (1 *a*)
III Ki. 20 (21). 2. ἔσται μοι εἰς κῆπον λαχάνων (1 *a*)
— 2. ἔσται μοι εἰς κῆπον λαχάνων –
IV Ki. 21. 18. ἐτάφη ἐν τῷ [A *om.*] κ. τοῦ οἴκου αὐτοῦ ἐν κήπῳ Ὀζά (1 *a*, 1 *a*)
— 26. ἐν τῷ τάφῳ αὐ. ἐν τῷ [A *om.*] κ. Ὀζά (1 *a*)
25. 4. αὕτη ἡ ἐστιν τοῦ κ. τοῦ βασ. (1 *a*)
Ne. 3. 16. ἕως κήπου τάφου Δαυίδ †
Ne. 3. 26. ἕως κήπου πύλης τοῦ ὕδατος †
Es. 7. 7. ἐξανέστη . . . εἰς τὸν κ. (1 *b*)
— 8. ἐπέστρεψεν δὲ ὁ βασ. ἐκ [A ἀπὸ] τοῦ κ. (1 *b*)
Ec. 2. 5. ἐποίησά μοι κήπους (1 *c*)
Ca. 4. 12. κῆπος κεκλεισμένος ἀδελφή μου . . . κῆπος κεκλεισμένος (1 *a*, †)
— 15. πηγὴ κήπου καὶ [A S κήπων] φρέαρ ὕδατος ζῶντος (1 *a*)
— 16. διάπνευσον κῆπόν μου (1 *a*)
5. 1 (4. 16). καταβήτω ἀδελφιδός μου εἰς κῆπον αὐτοῦ [A μου] (1 *a*)
— 1. εἰσῆλθον εἰς κῆπον (1 *a*)
6. 1 (2). κατέβη εἰς κῆπον αὐτοῦ [A μου] (1 *a*)
— 1 (2). ποιμαίνειν ἐν κήποις (1 *a*)
— 10 (11). εἰς κῆπον καρύας κατέβην (1 *b*)
8. 13. ὁ καθήμενος ἐν κήποις (1 *a*)
Si. 24. 31. ποτιῶ μου τὸν κ.
Am. 4. 9. ἐπληθύνατε κήπους ὑμῶν (1 *c*)
9. 14. R καὶ ποιήσουσι [A καταφυτεύσουσιν, B φυτεύσουσιν] κήπους (1 *c*)
Is. 1. 29. ᾐσχύνθησαν ἐπὶ τοῖς κ. (1 *c*)
58. 11. ἔσται ὡς κ. μεθύων (1 *a*)
61. 11. ὡς κ. [A -ον] τὰ σπέρματα αὐτοῦ (1 *c*)
65. 3. θυσιάζουσιν [A θυμι.] ἐν τοῖς [S¹ *om.*] κ. (1 *c*)
66. 17. οἱ . . . καθαριζόμενοι εἰς τοὺς κ. (1 *c*)
Je. 36 (29). 28. φυτεύσατε κήπους (1 *c*)
52. 7. ὃ ἦν κατὰ τὸν κ. τοῦ βασιλέως (1 *a*)
Ep. Je. 17. A καθιδρυμένων αὐτῶν ἐν τοῖς κ. [B οἴκοις]
— 71. τὸν αὐτὸν τρόπον καὶ τῇ ἐν κήπῳ ῥάμνῳ
Ez. 36. 35. ἡ γῆ ἐκείνη ἠφανισμένη ἐγενήθη ὡς κ. τρυφῆς (1 *a*)
Da. LXX. Su. 58. ἐν ποίῳ τοῦ κ. τόπῳ κατέλαβες αὐτούς
[Aq. Ge. 2. 8 : 3. 2 (1) : Ca. 8. 13 : Is. 1. 29 : 51. 3 : Je. 31 (38). 12 : Ez. 31. 8.]
[Sm. Ca. 8. 13 : Is. 1. 29 : Je. 31 (38). 12.]
[Th. Ge. 3. 2 (1) : Ca. 8. 13 : Is. 1. 29 : 51. 3 *bis* : Je. 39 (46). 4 : Ez. 28. 13 : 31. 8.]
[Quint. Ca. 8. 13.]

κηρία. (1) מַרְבַּדִּים

Pr. 7. 16. A κηρίαις [B S κειρ.] τέτακα τὴν κλίνην μου (1)

κηρίον. (1) יַעַר (2) נֹפֶת (3) צוּף

I Ki. 14. 27. ἔβαψεν αὐτὸ εἰς τὸ κ. [B¹ σκῆπτρον] τοῦ μέλιτος (1)
Ps. 18 (19). 10. γλυκύτερα ὑπὲρ μέλι καὶ κηρίον (2 + 3)
117 (118). 12. ἐκύκλωσάν με ὡσεὶ μέλισσαι κηρίον –
118 (119). 103. S¹ ὑπὲρ μέλι καὶ κηρίον [A S²R *om.* καὶ κ.] τῷ στόματί μου –
Pr. 16. 24. κηρία μέλιτος λόγοι καλοί (3)
24. 13. φάγε μέλι, υἱέ, ἀγαθὸν γὰρ κηρίον (2)
27. 7. ψυχὴ ἐν πλησμονῇ οὖσα κηρίοις ἐμπαίζει (2)
Ca. 4. 11. κηρίον ἀποστάζουσι χείλη σου (2)
Si. 24. 20. A ἡ κληρονομία μου ὑπὲρ μέλιτος καὶ κηρίου [B S μ. κηροῦ]
Ez. 20. 6. κ. [B² δυνατή] ἐστὶ παρὰ πᾶσαν τὴν γῆν †
— 15. κ. ἐστὶ παρὰ πᾶσαν τὴν γῆν †

κηρογονία.

IV Ma. 14. 19. περὶ τὸν τῆς κ. καιρόν

κηρός. (1) דּוֹנַג, דּוֹנָג

Ju. 16. 15. ὡς κηρὸς τακήσονται
Ps. 21 (22). 14. ἐγενήθη ἡ καρδία μου ὡσεὶ κηρὸς τηκόμενος (1)
57 (58). 8. ὡσεὶ κηρὸς ὁ τακεὶς ἀνταναιρεθήσονται †
67 (68). 2. ὡς τήκεται κηρὸς ἀπὸ προσώπου πυρός (1)
96 (97). 5. τὰ ὄρη ὡσεὶ κηρὸς ἐτάκησαν (1)
Si. 24. 20. ἡ κληρονομία μου ὑπὲρ μέλιτος κηροῦ [A καὶ κηρίου]
Mi. 1. 4. αἱ κοιλάδες τακήσονται ὡς κηρός (1)
Is. 64. 1. A R ὡς κ. ἀπὸ προσώπου [B S *om.*] πυρὸς τήκεται †
[Th. Ps. 57 (58). 9.]

κήρυγμα. (1) קוֹל (2) קְרִיאָה

II Ch. 30. 5. διελθεῖν κήρυγμα ἐν παντὶ Ἰσρ. (1)
I Es. 9. 3. ἐγένετο κήρυγμα ἐν ὅλῃ τῇ Ἰ.
Pr. 9. 3. συγκαλοῦσα μετὰ ὑψηλοῦ κηρύγματος ἐπὶ κρατῆρα †
Jn. 3. 2. κήρυξον ἐν αὐτῇ κατὰ τὸ κ. τὸ ἔμπροσθεν (2)

κῆρυξ. (1) כָּרוּז

Ge. 41. 43. ἐκήρυξεν ἔμπροσθεν αὐτοῦ κῆρυξ †
Si. 20. 15. ἀνοίξει τὸ στόμα αὐτοῦ ὡς κῆρυξ
Da. LXX. 3. 4. ὁ κ. ἐκήρυξε τοῖς ὄχλοις (1)
Da. TH. 3. 4. ὁ κ. ἐβόα ἐν ἰσχύϊ (1)
IV Ma. 6. 4. ἑτέρωθεν κ. ἐπιβοῶντος

κηρύσσειν. (1) זָעַק hi. (2) כָּרַז aph. (3) נָתַן קוֹל (4) הֶעֱבִיר קוֹל (5) *a.* קָרָא *b.* קְרָא (6) רוּעַ hi.

Ge. 41. 43. ἐκήρυξεν ἔμπροσθεν αὐτοῦ κῆρυξ (5 *a*)
Ex. 32. 5. ἐκήρυξεν Ἀαρὼν λέγων (5 *a*)
36. 6. ἐκήρυξεν ἐν τῇ παρεμβολῇ (4)
IV Ki. 10. 20. A R καὶ ἐκήρυξαν [B -εν] (5 *a*)
II Ch. 20. 3. A B¹ ἐκήρυξαν [B² R -ε] νηστείαν (5 *a*)
24. 9. κηρυξάτωσαν ἐν Ἰούδᾳ (3)
36. 22. κηρύξαι [A τοῦ κ.] ἐν πάσῃ τῇ βασ. (4)
I Es. 2. 2. A R ἐκήρυξεν ἐν [B *om.*] ὅλῃ τῇ βασ.
Es. 6. 9. κηρυσσέτω [S¹ -αι, S² -ωσαν] διὰ τῆς πλατείας τῆς πόλεως (5 *a*?)
— 11. καὶ ἐκήρυσσε λέγων (5 *a*)
Pr. 1. 21. ἐπ' ἄκρων δὲ τειχέων κηρύσσεται (5 *a*)
8. 1. σὺ τὴν σοφίαν κηρύξεις (5 *a*)
Ho. 5. 8. κηρύξατε ἐν τῷ οἴκῳ Ὠν (6)
Mi. 3. 5. καὶ κηρύσσοντας ἐπ' αὐτὸν εἰρήνην (5 *a*)
Jl. 1. 14. κηρύξατε θεραπείαν (5 *a*)
2. 1. κηρύξατε ἐν ὄρει ἁγίῳ μου (6)
— 15. κηρύξατε θεραπείαν (5 *a*)
3 (4). 9. κηρύξατε ταῦτα ἐν τοῖς ἔθνεσιν (5 *a*)
Jn. 1. 2 : 3. 2. καὶ κήρυξον ἐν αὐτῇ (5 *a*)
3. 4. καὶ ἐκήρυξε καὶ εἶπεν (5 *a*)
— 5. καὶ ἐκήρυξαν νηστείαν (5 *a*)
— 7. ἐκηρύχθη . . . ἐν τῇ N. παρὰ τοῦ βασ. (1)
Ze. 3. 14 : Za. 9. 9. κήρυσσε, θύγατερ Ἱερ. (6)
Is. 61. 1. κηρῦξαι αἰχμαλωτοῖς ἄφεσιν (5 *a*)
Da. LXX. 3. 4. ὁ κῆρυξ ἐκήρυξε τοῖς ὄχλοις (5 *b*)
Da. TH. 5. 29. καὶ ἐκήρυξε περὶ αὐτοῦ (2)
I Ma. 5. 49. A R ἐπέταξεν Ἰούδας κηρῦξαι [S τοῦ κ.]
10. 63. κηρύξατε τοῦ μηδένα ἐντυγχάνειν κατ' αὐτοῦ
— 64. R καθὼς ἐκήρυξαν [A S -εν]
[Sm. Ps. 104 (105). 1 : Je. 7. 2 : 20. 8.]

κῆτος. (1) *a.* דָּג *b.* דָּגָה (2) לִוְיָתָן (3) רַהַב (4) תַּנִּין

Ge. 1. 21. ἐποίησεν ὁ θεὸς τὰ κ. τὰ μέγαλα (4)
Jb. 3. 8. ὁ μέλλων τὸ μέγα κ. χειρώσασθαι (2)
9. 13. ὑπ' αὐτοῦ ἐκάμφθησαν κῆτη τὰ ὑπ' οὐρανόν (3?)
26. 12. ἐπιστήμῃ δὲ ἔστρωται [A S² -ωσε] τὸ κ. (3)
Si. 43. 25. κτίσις κητῶν [A S κτῆσις κτηνῶν]
Jn. 2. 1. προσέταξε κ. κήτει μεγάλῳ (1 *a*)
— 1. ἦν Ἰ. ἐν τῇ κοιλίᾳ τοῦ κ. (1 *a*)
— 2. προσηύξατο Ἰ. . . . ἐκ τῆς κοιλίας τοῦ κ. [S¹ ἐκ τ. κ. τ. κ.] (1 *b*)
— 11. καὶ προσετάγη . . . τῷ κ. (1 *a*)
Da. LXX., TH. 3. (79). εὐλογεῖτε κήτη . . . τὸν κ.
III Ma. 6. 8. βυθοτρεφοῦς ἐν γαστρὶ κήτους
[Aq. Ex. 7. 9 : Jb. 7. 12 : Ps. 73 (74). 13 : Is. 27. 1 : 51. 9.]
[Th. Is. 27. 1.]
[Heb. Ez. 29. 3.]

κίβδηλος. (1) שֵׁעֲטִנֵז

Le. 19. 19. ἱμάτιον ἐκ δύο ὑφασμένον κ. (1)
De. 22. 11. οὐκ ἐνδύσῃ κίβδηλον (1)
Wi. 2. 16. εἰς κίβδηλον ἐλογίσθημεν [S¹ ἐγενήθημεν] αὐτῷ
15. 9. δόξαν ἡγεῖται ὅτι κίβδηλα πλάσσει

κιβώριον.

[Sm., Th. Am. 9. 1.]

κιβωτός. (1) אָרוֹן (2) מִשְׁכָּן (3) תֵּבָה

Ge. 6. 14. ποίησον οὖν σεαυτῷ κιβωτόν (3)
— 14. νοσσιὰς ποιήσεις τὴν κ. (3)
— 15. οὕτω ποιήσεις τὴν κ. †
— 15. τὸ μῆκος τῆς κ. (3)
— 16. ἐπισυνάγων ποιήσεις τὴν κ. (3)
— 16. τὴν δὲ θύραν τῆς κ. (3)
— 18. εἰσελεύσῃ δὲ εἰς τὴν κ. (3)
— 19. εἰσάξεις εἰς τὴν κ. (3)
7. 1. εἴσελθε σὺ . . . εἰς τὴν κ. (3)

Ge. 7. 7. εἰσῆλθε δὲ Νῶε . . . εἰς τὴν κ. (3)
— 9. δύο δύο εἰσῆλθον . . . εἰς τὴν κ. (3)
— 13. εἰσῆλθε Νῶε . . . εἰς τὴν κ. (3)
— 15. εἰσῆλθον πρὸς Νῶε εἰς τὴν κ. (3)
— 16. ἔκλεισε κύριος . . . τὴν κ. –
— 17. ἐπῆρε τὴν κ. (3)
— 18. ἐπεφέρετο ἡ κ. ἐπάνω τοῦ ὕδατος (3)
— 23. N. καὶ οἱ μετ' αὐτοῦ ἐν τῇ κ. (3)
8. 1. ὅσα ἦν μετ' αὐτοῦ ἐν τῇ κ. (3)
— 3 (4). ἐκάθισεν ἡ κ. (3)
— 6. ἠνέῳξε Νῶε τὴν θυρίδα τῆς κ. (3)
— 9. ἀνέστρεψε πρὸς αὐτὸν εἰς τὴν κ. (3)
— 9. εἰσήγαγεν αὐτὴν . . . εἰς τὴν κ. (3)
— 10. ἐξαπέστειλε τὴν περιστερὰν ἐκ τῆς κ. (3)
— 13. ἀπεκάλυψε N. τὴν στέγην τῆς κ. (3)
— 16. ἔξελθε ἐκ τῆς κ. (3)
— 19. ἐξῆλθοσαν ἐκ τῆς κ. (3)
9. 10. ἀπὸ πάντων τῶν ἐξελθόντων ἐκ τῆς κ. (3)
— 18. οἱ ἐξελθόντες ἐκ τῆς κ. (3)
Ex. 25. 9 (10). ποιήσεις κιβωτὸν μαρτυρίου (1)
— 13 (14). τοὺς ἐν τοῖς κλίτεσι τῆς κ. (1)
— 13 (14). αἴρειν τὴν κ. ἐν αὐτοῖς (1)
— 14 (15). ἐν τοῖς δακτυλίοις τῆς κ. [A διαθήκης] (1)
— 15 (16). ἐμβαλεῖς εἰς τὴν κ. τὰ μαρτύρια (1)
— 20 (21). ἐπιθήσεις τὸ ἱλαστήριον ἐπὶ τὴν κ. (1)
— 20 (21). εἰς τὴν κ. ἐμβαλεῖς τὰ μαρτύρια (1)
— 21 (22). τῶν ὄντων ἐπὶ τῆς κ. (1)
26. 33. εἰσοίσεις ἐκεῖ . . . τὴν κ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 34. κατακαλύψεις . . . τὴν κ. τοῦ μαρτυρίου (1)
30. 6. ἐπὶ τῆς κ. τῶν μαρτυρίων (1)
— 26. R χρίσεις . . . τὴν κ. τοῦ μαρτ. (1)
31. 7. ποιήσουσι [A ποιήσ.] . . . τὴν κ. τῆς διαθήκης (1)
35. 11 (12). ἐργαζέσθω . . . τὴν κ. τοῦ μαρτυρίου (1)
38. 1 (37. 1). ἐποίησε B. τὴν κ. (1)
— 5 (37. 6). τὸ ἱλαστήριον ἐπάνωθεν [A ἄν.] τῆς κ. –
— 11 (37. 15). τοὺς διωστῆρας τῆς κ. –
39. 15 (35). τὴν κ. τῆς διαθήκης (1)
40. 3. A R θήσεις τὴν κ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 3. A R σκεπάσεις τὴν κ. [B κ. τοῦ μαρτυρίου] (1)
— 5. εἰς τὸ θυμιᾶν ἐναντίον [A ἐνώπιον] τῆς κ. (1)
— 20. B ἐνέβαλεν εἰς τὴν κ. [A εἰς αὐτήν] (1)
— 20. ὑπέθηκε τοὺς διωστῆρας ὑπὸ τὴν κ. (1)
— 21. εἰσήνεγκε τὴν κ. εἰς τὴν σκηνήν (1)
— 21. ἐσκέπασε τὴν κ. τοῦ μαρτυρίου (1)
Le. 16. 2. ὅ ἐστιν ἐπὶ τῆς κ. τοῦ μαρτυρίου (1)
Nu. 3. 31. ἡ φυλακὴ αὐτῶν ἡ κ. (1)
4. 5. κατακαλύψουσιν . . . τὴν κ. [A σκηνήν] (1)
7. 89. ὅ ἐστιν ἐπὶ τῆς κ. τοῦ μαρτυρίου (1)
10. 33. ἡ κ. τῆς διαθήκης κυρίου προεπορεύετο (1)
— 35. ἐν τῷ ἐξαίρειν τὴν κ. (1)
14. 44. ἡ δὲ κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
De. 10. 1. ποιήσεις σεαυτῷ κ. ξυλίνην [A λιθίνην] (1)
— 2. A R ἐμβαλεῖς αὐτὰς [B -ὰ] εἰς τὴν κ. (1)
— 3. ἐποίησα κιβωτὸν ἐκ ξύλων ἀσήπτων (1)
— 5. ἐνέβαλον τὰς πλάκας εἰς τὴν κ. (1)
— 8. αἴρειν τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
31. 9, 25. τοῖς αἴρουσι τὴν κ. τῆς διαθήκης κ. (1)
— 26. ἐκ πλαγίων τῆς κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
Jo. 3. 3. ὅταν ἴδητε τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
— 6. ἄρατε τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
— 6. ἦραν οἱ ἱερεῖς τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
— 8. τοῖς αἴρουσι τὴν κ. τῆς διαθήκης (1)
— 11. ἡ κ. διαθήκης . . . διαβαίνει (1)
— 13. τῶν αἰρόντων τὴν κ. τῆς διαθήκης κ. (1)
— 14. A R ἦρσαν τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου [B om.] (1)
— 15. οἱ αἴροντες τὴν κ. τῆς διαθήκης (1)
— 15. τῶν αἰρόντων τὴν κ. (1)
— 17. οἱ αἴροντες τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
4. 7. A² B ἀπὸ προσώπου κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (1)
— 9. τῶν αἰρόντων τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
— 10. οἱ αἴροντες τὴν κ. τῆς διαθήκης (1)
— 11. διέβη ἡ κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
— 16. τοῖς αἴρουσι τὴν κ. τῆς διαθήκης (1)
— 18. οἱ αἴροντες τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
6. 7 (8). ἡ κ. τῆς διαθήκης κυρίου ἐπακολουθείτω (1)
— 8 (9). ὀπίσω τῆς κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
— 10 (11). περιελθοῦσα ἡ κ. τῆς διαθήκης τοῦ θεοῦ (1)
Jo. 6. 11 (12). ἦραν οἱ ἱερεῖς τὴν κ. τῆς διαθήκης [A om. τ. δ.] κυρίου (1)
— 13 (14). ὄπισθεν τῆς κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
9. 2 (8. 33). ἔνθεν καὶ ἔνθεν τῆς κ. ἀπέναντι (1)
— 2 (8. 33). ἦραν τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
22. 19. A οὗ κατασκηνοῖ ἐκεῖ ἡ κ. [B σκηνὴ] κυρίου (2)
24. 33. λαβόντες οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὴν κ. –
Jd. 20. 27. ἐκεῖ κιβωτὸς διαθήκης κυρίου (1)
I Ki. 3. 3. οὗ ἡ κ. τοῦ θεοῦ (1)
4. 3. λάβωμεν τὴν κ. (1)
— 4. αἴρουσιν ἐκεῖθεν τὴν κ. (1)
— 4. ἀμφότεροι οἱ υἱοὶ Ἠλὶ μετὰ τῆς κ. (1)
— 5. ὡς ἦλθεν κιβωτός (1)
— 6. κιβωτὸς κυρίου ἥκει (1)
— 11. κιβωτὸς [A ἡ κ.] τοῦ θεοῦ ἐλήφθη (1)
— 13. ἐξεστηκυῖα περὶ τῆς κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 17. ἡ κ. τοῦ θεοῦ ἐλήφθη (1)
— 18. ὡς ἐμνήσθη τῆς κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 19. ἐλήφθη ἡ κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 21. ὑπὲρ τῆς κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 22. ἐν τῷ ληφθῆναι τὴν κ. κυρίου (1)
— 23. A ἐλήφθη ἡ κ. τοῦ θεοῦ –
5. 1. ἔλαβον τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 2. ἔλαβον . . . τὴν κ. κυρίου (1)
— 3, 4. Δαγὼν πεπτωκὼς . . . ἐνώπιον κιβωτοῦ (1)
— 7. οὐ καθήσεται κιβωτὸς τοῦ θεοῦ (1)
— 8. τί ποιήσωμεν κιβωτῷ θεοῦ (1)
— 8. μετελθέτω κιβωτὸς τοῦ θεοῦ (1)
— 8. καὶ μετῆλθε κιβωτὸς [A ἡ κ.] τοῦ θεοῦ (1)
— 10. ἐξαποστέλλουσι τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 10. B ὡς εἰσῆλθε κιβωτὸς θεοῦ (1)
— 10. τί ἀπεστρέψατε τὴν κ. τοῦ θεοῦ Ἰσρ. (1)
— 11. ἐξαποστείλατε τὴν κ. τοῦ θεοῦ Ἰσρ. (1)
— 12. ὡς εἰσῆλθε κιβωτὸς θεοῦ –
6. 1. ἦν ἡ κ. [A add. κυρίου] ἐν ἀγρῷ τῶν ἀλλοφύλων (1)
— 2. τί ποιήσωμεν τῇ [B¹ om.] κ. κυρίου (1)
— 3. εἰ ἐξαποστέλλετε . . . τὴν κ. διαθήκης (1)
— 8. λήψεσθε τὴν κ. [A add. κυρίου] (1)
— 11. A R ἔθεντο τὴν κ. κυρίου [B om.] ἐπὶ τὴν ἄμαξαν (1)
— 13. εἶδον κιβωτὸν κυρίου (1)
— 15. ἀνήνεγκαν τὴν κ. τοῦ κυρίου (1)
— 18. οὗ ἐπέθηκαν . . . τὴν κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 19. εἶδαν κιβωτὸν κυρίου (1)
— 20. πρὸς τίνα ἀναβήσεται κιβωτὸς κυρίου –
— 21. ἀπεστράφασν . . . τὴν κ. κυρίου (1)
7. 1. ἀνάγουσι τὴν κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 1. φυλάσσειν τὴν κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 2. ἀφ' ἧς ἡμέρας ἦν ἡ κ. ἐν K. (1)
14. 18. A ἦν ἡ κ. τοῦ θεοῦ [B al.] (1)
II Ki. 6. 2. τοῦ ἀναγαγεῖν ἐκεῖθεν τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 3. ἐπεβίβασεν τὴν κ. κυρίου (1)
— 4. σὺν τῇ κ. (1)
— 4. B ἐπορεύοντο ἔμπροσθεν τῆς κ. (1)
— 6. ἐξέτεινεν . . . ἐπὶ τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 7. ἀπέθανεν ἐκεῖ παρὰ τὴν κ. τοῦ κυρίου (1)
— 9. πῶς εἰσελεύσεται πρὸς μὲ ἡ κ. κυρίου (1)
— 10. τοῦ ἐκκλῖναι πρὸς αὐτὸν τὴν κ. (1)
— 11. ἐκάθισεν ἡ κ. τοῦ κυρίου εἰς οἶκον Ἀ. [A al.] (1)
— 12. ἕνεκεν τῆς κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 12. ἀνήγαγε τὴν κ. τοῦ κυρίου (1)
— 13. αἴροντες τὴν κ. (1)
— 15. ἀνήγαγον τὴν κ. κυρίου (1)
— 16. τῆς κ. [A κ. κυρίου] παραγινομένης (1)
— 17. φέρουσι τὴν κ. τοῦ κυρίου (1)
7. 2. ἡ κ. τοῦ θεοῦ κάθηται ἐν μέσῳ τῆς σκηνῆς (1)
11. 11. ἡ κ. καὶ Ἰσρ. . . . κατοικοῦσιν ἐν σκηναῖς (1)
15. 24. αἴροντες τὴν κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 24. ἔστησαν τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 25. ἀπόστρεψον τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 29. A R ἀπέστρεψε . . . τὴν κ. τοῦ θεοῦ [B om. τ. θ.] (1)
III Ki. 2. 26. ἦρας τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
8. 15. τοῦ κατὰ πρόσωπον κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (1)
6. 19. δοῦναι ἐκεῖ τὴν κ. διαθήκης κυρίου (1)
8. 1. τοῦ ἐνεγκεῖν [A ἀνεν.] τὴν κ. διαθήκης (1)
— 3. ἦραν οἱ ἱερεῖς τὴν κ. (1)
— 4. A ἀνεβίβασαν τὴν κ. κυρίου (1)
— 5. ἔμπροσθεν τῆς κ. (1)
— 6. εἰσφέρουσιν οἱ ἱερεῖς τὴν κ. (1)
— 7. ἐπὶ τὸν τόπον τῆς κ. (1)
III Ki. 8. 7. περιεκάλυπτον . . . ἐπὶ [A om.] τὴν κ. (1)
— 9. οὐκ ἦν ἐν τῇ κ. (1)
— 21. ἐθέμην ἐκεῖ τόπον τῇ κ. (1)
IV Ki. 12. 9 (10). ἔλαβεν Ἰ. ὁ ἱερεὺς κ. μίαν (1)
— 10 (11). πολὺ τὸ ἀργύριον ἐν τῇ κ. (1)
I Ch. 6. 31 (16). ἐν τῇ καταπαύσει τῆς κ. (1)
13. 3. μετενέγκωμεν τὴν κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (1)
— 5. τοῦ εἰσενέγκαι τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 6. τοῦ ἀναγαγεῖν ἐκεῖθεν τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 7. ἐπέθηκαν τὴν κ. τοῦ θεοῦ ἐπὶ ἅμαξαν καινήν (1)
— 9. τοῦ κατασχεῖν τὴν κ. (1)
— 10. διὰ τὸ ἐκτεῖναι τὴν χεῖρα αὐτοῦ ἐπὶ τὴν κ. (1)
— 12. πῶς εἰσοίσω τὴν κ. τοῦ θεοῦ πρὸς ἐμαυτόν (1)
— 13. οὐκ ἀπέστρεψε Δ. τὴν κ. πρὸς ἑαυτόν [S al.] (1)
— 14. ἐκάθισεν ἡ κ. τοῦ θεοῦ ἐν οἴκῳ Ἀβ. (1)
15. 1. ἡτοίμασε τὸν τόπον τῇ κ. [A τῆς κ., S¹ τὴν κ.] τοῦ θεοῦ (1)
— 2. οὐκ ἔστιν ἆραι τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 2. A R αἴρειν τὴν κ. κυρίου (1)
— 3. A² B S τοῦ ἀνενέγκαι τὴν κ. κυρίου (1)
— 12. ἀνοίσετε τὴν κ. τοῦ θεοῦ Ἰσρ. (1)
— 14. τοῦ ἀνενέγκαι τὴν κ. [A κ. κυρίου] θεοῦ Ἰσρ. (1)
— 15. ἔλαβον . . . τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 23. πυλωροὶ τῆς κ. (1)
— 24. ἔμπροσθεν τῆς κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 24. πυλωροὶ τῆς κ. [S τῇ κ.] τοῦ θεοῦ (1)
— 25. τοῦ ἀναγαγεῖν τὴν κ. τῆς διαθήκης (1)
— 26. αἴροντας τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
— 27. αἴροντες τὴν κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 28. ἀνάγοντες τὴν κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 29. ἐγένετο κιβωτὸς διαθήκης κυρίου (1)
16. 1. εἰσήνεγκαν τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 4. κατὰ πρόσωπον τῆς κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 6. ἐναντίον [S -τι] τῆς κ. τῆς διαθήκης (1)
— 37. ἔναντι [A -τίον] τῆς κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 37. τοῦ λειτουργεῖν ἐναντίον τῆς κ. (1)
17. 1. ἡ κ. διαθήκης κυρίου ὑποκάτω δέρρεων (1)
22. 19. τοῦ εἰσενέγκαι τὴν κ. διαθήκης κυρίου (1)
28. 2. οἶκον ἀναπαύσεως τῆς κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 18. σκιαζόντων ἐπὶ τῆς κ. διαθήκης κυρίου (1)
II Ch. 1. 4. κιβωτὸν τοῦ θεοῦ ἀνήνεγκε Δ. (1)
5. 2. τοῦ ἀνενέγκαι κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (1)
— 4. ἔλαβον πάντες οἱ Λευῖται τὴν κ. (1)
— 5. A καὶ ἀνήνεγκαν τὴν κ. (1)
— 6. οἱ ἐπισυνηγμένοι αὐτῶν ἔμπροσθεν τῆς κ. (1)
— 7. εἰσήνεγκαν οἱ ἱερεῖς τὴν κ. (1)
— 8. διαπεπετακότα τὰς πτέρυγας αὐτῶν ἐπὶ τὸν τόπον τῆς κ. (1)
— 8. A R συνεκάλυπτε τὰ Χερ. ἐπὶ [B om.] τὴν κ. (1)
— 10. οὐκ ἦν ἐν τῇ κ. πλὴν δύο πλάκες (1)
6. 11. ἔθηκα ἐκεῖ τὴν κ. (1)
— 41. σὺ καὶ ἡ κ. τῆς ἰσχύος σου (1)
8. 11. οὗ εἰσῆλθεν ἐκεῖ κιβωτὸς κυρίου (1)
35. 3. ἔθηκαν τὴν κ. τὴν ἁγίαν εἰς τὸν οἶκον (1)
I Es. 1. 3. ἐν τῇ θέσει τῆς ἁγίας κ. τοῦ κυρίου
— 54. καὶ τὰς κ. [A τὰ σκεύη κιβωτοῦ] τοῦ κυρίου
Ps. 131 (132). 8. σὺ καὶ ἡ κ. τοῦ ἁγιάσματός σου (1)
Je. 3. 16. κ. διαθήκης ἁγίου Ἰσραήλ (1)
II Ma. 2. 4. τὴν κ. ἐκέλευσεν ὁ προφήτης
— 5. τὴν σκηνὴν καὶ τὴν κ. . . . εἰσήνεγκεν ἐκεῖ
IV Ma. 15. 31. A R ἡ Νῶε κ. ἐν τῷ κοσμοπληθεῖ [S ἐθνοπλ.] κατακλυσμῷ

[Aq. Ge. 6. 17 (16): Ex. 2. 3: Jo. 4. 5: I Ki. 14. 18 *bis.*]
[Sm. Ex. 2. 3: Jo. 4. 5: I Ki. 6. 18: 14. 18: III Ki. 6. 19.]
[Th. Ex. 37. 5: Jo. 4. 5: I Ki. 14. 18.]
[Al. II Ch. 24. 8.]

κιγκλιδωτός.

[Aq. IV Ki. 1. 2.]

κίδαρις. (1) מִגְבָּעָה (2) מִצְנֶפֶת (3) פְּאֵר (4) צָנִיף

Ex. 28. 4. χιτῶνα κοσυμβωτὸν καὶ κίδαριν (2)
— 35 (39). ποιήσεις κίδαριν βυσσίνην (2)
— 36 (40). κιδάρεις ποιήσεις αὐτοῖς (1)
29. 9. περιθήσεις αὐτοῖς τὰς κ. (1)
36. 36 (39. 28). ἐποίησαν . . . τὰς κ. ἐκ βύσσου (2)
Le. 8. 13. περιέθηκεν αὐτοῖς κιδάρεις (1)

Le. 16. 4. καὶ κ. λινῆν περιθήσεται [A *al.*] (2)
I Es. 3. 6. καὶ κ. βυσσίνην καὶ μανιάκην
Ju. 4. 15. ἦν σποδὸς ἐπὶ τὰς κ. αὐτῶν
Si. 45. 12. στέφανον χρυσοῦν ἐπάνω κιδάρεως
Za. 3. 6 (5). ἐπίθετε κίδαριν καθαράν (4)
— 6 (5). A B S² ἐπέθηκαν κίδαριν καθαράν (4)
Ez. 21. 26 (31). ἀφείλου τὴν κ. (2)
44. 18. κ. λινᾶς ἔξουσιν ἐπὶ ταῖς κεφ. αὐ. (3)
[Aq. Ex. 28. 37: Le. 8. 9: Is. 62. 3.]
[Sm. Le. 8. 9: Is. 28. 5: 62. 3.]
[Th. Ex. 28. 37: Le. 8. 9.]

κιθάρα. (1) כִּנּוֹר (2) נֵבֶל (3) נְגִינָה (4) עוּגָב (5) קִיתָרוֹס

Ge. 4. 21. οὗτος ἦν ὁ καταδείξας . . . κιθάραν (4)
31. 27. μετὰ μουσικῶν . . . καὶ κιθάρας (1)
II Ch. 9. 11. καὶ κιθάρας καὶ νάβλας τοῖς ᾠδοῖς (1)
Jb. 21. 12. ἀναλαβόντες [A -λαμβάνοντα] . . . κιθάραν (1)
30. 9. κιθάρα ἐγὼ εἰμι αὐτῶν (3)
— 31. A R ἀπέβη δὲ εἰς πένθος [B S πάθος] μου ἡ κ. (1)
Ps. 32 (33). 2. ἐξομολογεῖσθε τῷ κυρίῳ ἐν κιθάρᾳ (1)
42 (43). 4. B ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε, ἐν κιθάρᾳ . . . ἐν κιθάρᾳ [A S R *om.* ἐν κ.] (1, –)
56 (57). 8. ἐξεγέρθητι ψαλτήριον καὶ κιθάρα (1)
70 (71). 22. ψαλῶ σοι ἐν κιθάρᾳ (1)
80 (81). 2. ψαλτήριον τερπνὸν μετὰ κιθάρας (2)
91 (92). 3. ἐν δεκαχόρδῳ ψαλτηρίῳ μετ' ᾠδῆς ἐν κιθάρᾳ (1)
97 (98). 5. ψάλατε τῷ κυρίῳ ἐν κιθάρᾳ ἐν κιθάρᾳ καὶ φωνῇ ψαλμοῦ (1, 1)
107 (108). 2. ἐξεγέρθητι ψαλτήριον καὶ κιθάρα (1)
146 (147). 7. ψάλατε τῷ θεῷ ἡμῶν ἐν κιθάρᾳ (1)
150. 3. αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν ψαλτηρίῳ καὶ κιθάρᾳ (1)
Is. 5. 12. μετὰ γὰρ κιθάρας καὶ ψαλτηρίου . . . τὸν οἶνον πίνουσι (1)
16. 11. ἡ κοιλία μου ἐπὶ Μωὰβ ὡς κ. ἠχήσει (1)
23. 16. λάβε κιθάραν (1)
24. 8. πέπαυται φωνὴ κιθάρας (1)
30. 32. μετὰ τυμπάνων [A S αὐλῶν] καὶ κιθάρας (1)
Da. LXX. 3. 5. τῆς σάλπιγγος σύριγγος καὶ κιθάρας (5)
— 7. τῆς σάλπιγγος σύριγγός τε καὶ κιθάρας (5)
— 10. τῆς σάλπιγγος σύριγγός τε καὶ σαμβύκης κιθάρας (5)
— 15. τῆς σάλπιγγος σύριγγός τε καὶ κιθάρας (5)
Da. TH. 3. 5. σάλπιγγος σύριγγός τε καὶ κιθάρας (5)
— 7, 10, 15. τῆς σάλπιγγος σύριγγός τε καὶ κιθάρας (5)
I Ma. 4. 54. ἐν ᾠδαῖς καὶ κιθάραις
[Aq. I Ki. 16. 23: I Ch. 25. 3: Ps. 70 (71). 22: 80 (81). 3: 91 (92). 4: 136 (137). 2: 146 (147). 7.]
[Sm. I Ki. 10. 5: 16. 16: Jb. 21. 12: Ps. 91 (92). 4: 150. 4.]
[Th. I Ki. 16. 16.]
[Al. Ps. 48 (49). 5: Is. 5. 12.]

κιθαρίζειν. (1) נָגַן pi.

Is. 23. 16. καλῶς κιθάρισον (1)
[Th. Ez. 33. 32.]

κικεών.

[Aq., Th. Jn. 4. 6.]

κινάμωμον, *vid.* **κιννάμωμον.**

κινδυνεύειν. (1) חוּב pi. (2) חָשַׁב pi. (3) יָקַשׁ ni. (4) סָכַן ni.

Ec. 10. 9. σχίζων ξύλα κινδυνεύσει [S -εύει] ἐν αὐτοῖς (4)
Si. 31 (34). 12. πλεονάκις ἕως θανάτου ἐκινδύνευσα
Jn. 1. 4. τὸ πλοῖον ἐκινδύνευε τοῦ συντριβῆναι [A S³ διαλυθῆναι] (2)
Is. 28. 13. κινδυνεύσουσι [S -σωσιν] καὶ ἁλώσονται (3)
Da. LXX. 1. 10. κινδυνεύσω τῷ ἰδίῳ τραχήλῳ (1)
II Ma. 15. 17. καὶ τὸ ἱερὸν κινδυνεύειν
III Ma. 5. 41. κινδυνεύει πολλάκις διαρπασθῆναι
[Th. Jb. 34. 9.]

κίνδυνος. (1) מֵצַר

To. 4. 4. πολλοὺς κ. ἑώρακεν ἐπὶ σοὶ ἐν τῇ κοιλίᾳ
Es. 4. 17. κίνδυνός μου ἐν χειρί μου
Ps. 114 (116). 3. κίνδυνοι ᾅδου εὗρόσάν με (1)
Wi. 18. 9. τῶν αὐτῶν . . . κινδύνων μεταλήψεσθαι τοὺς ἁγίους
Si. 3. 26. ὁ ἀγαπῶν κίνδυνον ἐν αὐτῷ ἐμπεσεῖται [A S ἀπολεῖται]
43. 24. διηγοῦνται τὸν [A *om.*] κ. αὐτῆς
I Ma. 11. 23. ἔδωκεν ἑαυτὸν τῷ κ.
14. 29. ἔδωκαν ἑαυτοὺς τῷ κ.
II Ma. 1. 11. ἐκ μεγάλων κ. ὑπὸ τοῦ θεοῦ σεσωσμένοι
III Ma. 2. 12. R ἐρρύσω αὐτοὺς ἐκ μεγάλων κ. [A κακῶν]
6. 26. τοὺς χειρίστους . . . ἐπιδεδειγμένους κ.
IV Ma. 3. 15. πάνδεινον εἶναι κ. τῇ ψυχῇ
13. 15. μέγας γὰρ ψυχῆς ἀγὼν καὶ κίνδυνος
[Aq. Je. 4. 31.]
[Sm. Ge. 42. 4.]

κινεῖν. (1) חוּשׁ hi. (2) מוּט ni. (3) מוּשׁ, מִיש (4) נָדַף ni. (5) נוּר *a.* qal. *b.* hi. (6) נוּם (7) נוּעַ *a.* qal. *b.* hi. (8) נָסַע (9) סוּר (10) פּוּץ hi. (11) פָּעַם ni. (12) רָמַשׂ (13) שָׁרַץ

Ge. 7. 14. πᾶν ἑρπετὸν κινούμενον ἐπὶ τῆς γῆς (12)
— 21. πᾶσα σὰρξ κινουμένη ἐπὶ τῆς γῆς (12)
— 21. πᾶν ἑρπετὸν κινούμενον ἐπὶ τῆς γῆς (13)
8. 17, 19. πᾶν ἑρπετὸν κινούμενον ἐπὶ τῆς γῆς (12)
9. 2. ἐπὶ πάντα τὰ κινούμενα ἐπὶ τῆς γῆς (12)
11. 2. ἐν τῷ κινῆσαι αὐτοὺς ἀπὸ ἀνατολῶν (8)
20. 1. ἐκίνησεν ἐκεῖθεν 'Α. (8)
Le. 11. 44. ἐν πᾶσι τοῖς ἑρπετοῖς τοῖς κινουμένοις ἐπὶ τῆς γῆς (12)
— 46. πάσης ψυχῆς τῆς κινουμένης ἐν τῷ ὕδατι (12)
Nu. 14. 44. οὐκ ἐκινήθησαν ἐκ [A ἐκ μέσου] τῆς παρεμβολῆς (3)
Jd. 6. 18. A μὴ κινηθῇς [B χωρισθῇς] ἐντεῦθεν (3)
9. 9, 11, 13. κινεῖσθαι ἐπὶ τῶν ξύλων [A *al.*] (7 *a*)
20. 37. καὶ τὸ ἔνεδρον ἐκινήθη [A *al.*] (1)
I Ki. 1. 13. τὰ χείλη αὐτῆς ἐκινεῖτο (7 *a*)
II Ki. 15. 20. σήμερον κινήσω σε μεθ' ἡμῶν (7 *b*, 7 *a**)
III Ki. 14. 15. A καθὰ κινεῖται ὁ ἄνεμος (5 *a*)
IV Ki. 19. 21. κεφαλὴν αὐτῆς [A *om.*] ἐκίνησε (7 *b*)
23. 18. μὴ κινησάτωσαν [A -ω] τὰ ὀστᾶ αὐ. (7 *b*)
II Ch. 35. 15. οὐκ ἦν αὐτοῖς κινεῖσθαι (9)
To. 8. 20. S οὐ μὴ κινηθῇς ἐντεῦθεν [A B *al.*]
Es. 3. 13. S¹ παντὶ διὰ παντὸς ἀνθρώπων κινούμενον [A B S² *al.*]
Jb. 13. 25. ὡς φύλλον κινούμενον ὑπὸ ἀνέμου (4)
16. 5 (4). κινήσω δὲ καθ' ὑμῶν κεφαλήν (7 *b*)
Ps. 21 (22). 7. ἐκίνησαν κεφαλήν (7 *b*)
103 (104). 5. A οὐ κινηθήσεται [S¹ κληθήσ., B S² κλιθήσ.] εἰς τὸν αἰῶνα (2)
Pr. 17. 13. οὐ κινηθήσεται κακὰ ἐκ τοῦ οἴκου [A εἰς τοὺς οἴκους] αὐτοῦ (3)
Ca. 2. 17: 4. 6. ἕως οὗ . . . κινηθῶσιν αἱ σκιαί (6)
Wi. 5. 11. πνεῦμα . . . σχιζόμενον βίᾳ ῥοίζου κινουμένων πτερύγων
Si. 12. 18. κινήσει τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ
13. 7. τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ κινήσει ἐπὶ σοί
Ze. 3. 1 (2. 15). καὶ κινήσει τὰς χεῖρας αὐτοῦ (7 *b*)
Is. 22. 25. κινηθήσεται ὁ ἄνθρωπος (3)
33. 20. οὐδὲ μὴ κινηθῶσιν οἱ πάσσαλοι τῆς σκηνῆς αὐτῆς (8)
37. 22. ἐπὶ σοὶ κεφαλὴν ἐκίνησε θυγάτηρ 'Ιερ. (7 *b*)
41. 7. οὐ κινηθήσονται (2)
46. 7. οὐ μὴ κινηθῇ (3)
Je. 10. 5 (4). καὶ οὐ κινηθήσονται (10)
14. 10. ἠγάπησαν κ. πόδας αὐτῶν (7 *a*)
18. 16. κινήσουσι τὴν [S *om.*] κεφαλὴν [A τὰς κ.] αὐτῶν (5 *b*)
31 (48). 17. κινήσατε αὐτῷ [A -ὸν, S¹ *om.*] πάντες κυκλόθεν αὐτοῦ (5 *a*)
Ba. 2. 35. οὐ κινήσω ἔτι τὸν λαόν μου 'Ισραὴλ ἀπὸ τῆς γῆς
La. 2. 15. ἐκίνησαν τὴν κεφαλὴν αὐτῶν (7 *b*)
Ep. Je. 27. μήτε [A μή ποτε] . . . δι' ἑαυτοῦ κινηθήσεται
Da. LXX. 2. 3. ἐκινήθη μου τὸ πνεῦμα (11)
3. (79). πάντα τὰ κινούμενα ἐν τοῖς ὕδασι
4. 16. κινήσας τὴν κεφαλήν –
11. 38. ἐπὶ τὸν τόπον αὐτοῦ κινήσει †
Da. TH. 3. (79). πάντα τὰ κινούμενα ἐν τοῖς ὕδασι
I Ma. 10. 74. ἐκινήθη τῇ διανοίᾳ
IV Ma. 1. 33. κινούμενοι πρὸς τὰς ἀπειρημένας τροφάς
IV Ma. 14. 6. τοῖς τῆς ψυχῆς ἀφηγήμασι κινοῦνται
— 6. R ὑπὸ ψυχῆς ἀθανάτου τῆς εὐσεβείας κινούμενοι [A S *om.*]
[Aq. Ge. 1. 26, 28: III Ki. 14. 15: Ps. 17 (18). 8: 68 (69). 35: Je. 15. 5: 49. 30 (30. 8).]
[Sm. Ge. 1. 30: Ex. 20. 25: Jb. 16. 4: Ps. 44 (45). 2: Is. 13. 2: 37. 22: Na. 1. 5.]
[Th. Ps. 77 (78). 21: Is. 29. 9: Ez. 21. 10 (15).]
[Quint. Ps. 77 (78). 21.]

κίνημα.

I Ma. 13. 44. καὶ ἐγένετο κ. μέγα ἐν τῇ πόλει
IV Ma. 1. 35. S R φιμοῦται [A φιλοτιμοῦνται] πάντα τὰ τοῦ σώματος κ.
[Th. Is. 28. 19.]

κίνησις. (1) *a.* נִיד *b.* מְנוֹד

Jb. 16. 6 (5). κίνησιν δὲ χειλέων οὐ φείσομαι (1 *a*)
Ps. 43 (44). 14. κίνησιν κεφαλῆς ἐν τοῖς λαοῖς (1 *b*)
Wi. 2. 2. ὁ λόγος σπινθὴρ ἐν κινήσει καρδίας ἡμῶν
7. 24. πάσης γὰρ κ. κινητικώτερον σοφία
II Ma. 5. 3. καὶ ἀσπίδων κινήσεις
[Sm. Jb. 13. 11: 41. 17: Ps. 43 (44). 15.]

κινητικός.

Wi. 7. 24. πάσης γὰρ κινήσεως κινητικώτερον σοφία

κιννάμωμον (κινάμ.). (1) קָנֶה הַטּוֹב (2) קִנָּמוֹן

Ex. 30. 23. κινναμώμου εὐώδους τὸ ἥμισυ τούτου (2)
Pr. 7. 17. τὸν δὲ οἶκόν μου κινναμώμῳ (2)
Ca. 4. 14. νάρδος καὶ κρόκος κάλαμος καὶ κινάμωμον [S² -ος] (2)
Si. 24. 15. ὡς κιννάμωμον καὶ ἀσπάλαθος ἀρωμάτων δέδωκα ὀσμήν
Je. 6. 20. κιννάμωμον ἐκ γῆς μακρόθεν (1)
[Th. Je. 6. 20.]

κινύρα. (1) יַד (2) כִּנּוֹר

I Ki. 10. 5. καὶ αὐλὸς καὶ κινύρα (2)
16. 16. ἄνδρα εἰδότα [A ἰδόντα] ψάλλειν ἐν κινύρᾳ (2)
— 16. καὶ ψαλῇ ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (1 ?)
— 23. ἐλάμβανε Δαυὶδ τὴν κ. (2)
II Ki. 6. 5. καὶ ἐν ᾠδαῖς καὶ ἐν κινύραις [A -ᾳ] (2)
III Ki. 10. 12. καὶ νάβλας καὶ κινύρας (2)
I Ch. 13. 8. καὶ ἐν [S *om.*] κινύραις καὶ ἐν νάβλαις (2)
15. 16. ἐν . . . νάβλαις κινύραις καὶ κυμβάλοις (2)
— 21. ἐν κινύραις ἀμασενείθ (2)
— 28. ἀναφωνοῦντες . . . ἐν κινύραις [S² -ᾳ] (2)
16. 5. ἐν ὀργάνοις νάβλαις [A ἐν ν. καὶ] κινύραις (2)
25. 1. τοὺς ἀποφθεγγομένους ἐν κινύραις (2)
— 3. ἐν κινύρᾳ ἀνακρουόμενοι ἐξομολογήσιν (2)
— 6. ἐν νάβλαις καὶ ἐν κινύραις (2)
II Ch. 5. 12. ἐν νάβλαις καὶ ἐν κινύραις (2)
20. 28. A R ἐν νάβλαις καὶ [B καὶ ἐν] κινύραις (2)
29. 25. ἐν νάβλαις καὶ ἐν κινύραις (2)
Ne. 12. 27. R καὶ κινύραι [S² -ας] (2)
Si. 39. 15. ἐν ᾠδαῖς χειλέων καὶ ἐν κινύραις
I Ma. 3. 45. ἐξέλιπεν αὐλὸς καὶ κινύρα
4. 54. ἐν ᾠδαῖς . . . καὶ κινύραις
13. 51. ἐν κινύραις καὶ ἐν κυμβάλοις

κιρνᾶν. (1) מָסַךְ

Ps. 101 (102). 9. τὸ πόμα μου μετὰ κλαυθμοῦ ἐκίρνων (1)

κιρρός.

[Aq. Pr. 8. 19: Is. 13. 12.]

κισσᾶν. (1) יָחַם pi.

Ps. 50 (51). 5. ἐν ἁμαρτίαις ἐκίσσησέ με ἡ μήτηρ μου (1)

κισσός.

II Ma. 6. 7. κισσοὺς ἔχοντες πομπεύειν τῷ Διον.
[Sm. Jn. 4. 6.]

κισσόφυλλον.

III Ma. 2. 29. παρασήμῳ Διονύσου κ.

κίτρις.

[Aq. Le. 23. 40.]

κιχρᾶν. (1) לָוָה hi. (2) שָׁאַל hi.

I Ki. 1. 28. κιχρῶ αὐτὸν τῷ κυρίῳ (2)
Ps. 111 (112). 5. χρηστὸς ἀνὴρ ὁ οἰκτείρων καὶ κιχρῶν (1)
Pr. 13. 11. δίκαιος οἰκτείρει καὶ κιχρᾷ –
[Sm. Ps. 111 (112). 5.]

κιών. (1) עַמּוּד

Jd. 16. 25. ἔστησαν αὐτὸν ἀνὰ μέσον τῶν κ. [A δύο στύλων] (1)
— 26. ψηλαφήσω τοὺς κ. [A *al.*] (1)
— 29. περιέλαβε Σ. τοὺς δύο κ. [A στύλους] (1)
III Ki. 15. 15. εἰσήνεγκε τοὺς κ. τοῦ πατρὸς αὐτοῦ καὶ τοὺς κ. αὐτοῦ εἰσήνεγκεν †, †

κλαγγή.

[Sm. Jb. 39. 19.]

κλάδευσις.

[Aq., Sm. Ca. 2. 12.]

κλάδος. (1) דָּלִית (2) יוֹנֶקֶת (3) כַּף (4) סָעִיף (5) כַּרְעַפָּה (6) *a.* עָנָף *b.* עֲנָף (7) פֹּאֵרָה (8) *a.* שׂוֹךְ *b.* שׂוֹכָה (9) שִׁבֹּלֶת

Le. 23. 40. λήψεσθε . . . κλάδους ξύλου δασεῖς . . . καὶ ἄγνου κλάδους (6 *a*, –)
Nu. 3. 37 : 4. 32. A καὶ τοὺς κλ. [B κάλους] αὐτῶν †
Jd. 9. 48. ἔκοψε κλάδον ξύλου [A *al.*] (8 *b*)
— 49. καὶ ἔκοψαν . . . κλάδον [A *al.*] (8 *a*)
Wi. 4. 4. κἂν [S¹ καὶ] γὰρ ἐν κλάδοις πρὸς καιρὸν ἀναθάλῃ
17. 18. περὶ ἀμφιλαφεῖς κλάδους ὀρνέων [A ἢ ὀρ.] ἦχος εὐμελής
Si. 1. 20. οἱ κλ. αὐτῆς μακροημέρευσις [S¹ -εύσουσιν]
6. 29. B S οἱ κλ. [A R κλοιοὶ] αὐτῆς εἰς στολὴν δόξης
14. 26. ὑπὸ τοὺς κλ. αὐτῆς αὐλισθήσεται
23. 25. οἱ κλ. αὐτῆς οὐ δώσουσι [A S οὐκ οἴσουσι] καρπόν
24. 16. ὡς τερέμινθος ἐξέτεινα κλάδους μου καὶ οἱ κλ. μου κλάδοι δόξης καὶ χάριτος
40. 15. ἔκγονα ἀσεβῶν οὐ πληθυνεῖ κλάδους
Ho. 14. 7. πορεύσονται οἱ κλ. αὐτοῦ (2)
Za. 4. 12. τί οἱ δύο κλ. τῶν ἐλαιῶν (9)
Is. 17. 6. ἢ πέντε ἐπὶ τῶν κλ. αὐτῶν καταλειφθῇ (4)
55. 12. τὰ ξύλα τοῦ ἀγροῦ ἐπικροτήσει τοῖς κλ. (3)
Je. 11. 16. ἠχρειώθησαν οἱ κλ. αὐτῆς (1)
Ez. 31. 5. ἐπλατύνθησαν οἱ κλ. αὐτοῦ (5 + 7)
— 6. ὑποκάτω τῶν κλ. αὐτοῦ ἐγεννῶσαν πάντα τὰ θηρία (7)
— 7. διὰ τὸ πλῆθος τῶν κλ. αὐτοῦ (1)
— 8. ἐλάται οὐκ ἐγένοντο ὅμοιαι τοῖς κλ. αὐτοῦ (7)
— 9. διὰ τὸ πλῆθος τῶν κλ. αὐτοῦ (1)
— 12. ἐν πάσαις ταῖς φάραγξιν ἔπεσαν οἱ κλ. αὐτοῦ (1)
Da. LXX. 4. 9. οἱ κλ. αὐτοῦ τῷ μήκει ὡς σταδίων τριάκοντα –
— 15. οἱ κλ. αὐτοῦ ἐδόθησαν εἰς πάντα ἄνεμον –
Da. TH. 4. 9. ἐν τοῖς κλ. αὐτοῦ κατῴκουν τὰ ὄρνεα (6 *b*)
— 11. ἐκτίλατε τοὺς κλ. [A καρπούς] αὐτοῦ (6 *b*)
— 11. καὶ τὰ ὄρνεα ἀπὸ τῶν κλ. αὐτοῦ (6 *b*)
— 18. ἐν τοῖς κλ. αὐτοῦ κατεσκήνουν [A -ῴκουν] τὰ ὄρνεα (6 *b*)
II Ma. 10. 7. θύρσους καὶ κλ. ὡραίους . . . ἔχοντες

[Aq. Ez. 17. 6 : 31. 3, 9, 13.]
[Sm. Jb. 8. 16 : Is. 27. 10 : 53. 2 : Ez. 17. 8 : 19. 11, 14 : 31. 13.]
[Th. Ez. 17. 6 : 19. 14 : 31. 3, 9, 13.]

κλαίειν. (1) *a.* בָּכָה *b.* בֶּכֶה *c.* בְּכִי (2) בָּרַךְ (3) בָּרַע (4) סָפַד (5) קָרָא (6) κλ. δάκρυσι נָטַף hi.

Ge. 21. 16. ἀναβοῆσαν δὲ τὸ παιδίον ἔκλαυσεν (1 *a*)
27. 38. R ἀνεβόησε φωνῇ Ἡ. καὶ ἔκλαυσεν (1 *a*)
29. 11. βοήσας τῇ φωνῇ αὐτοῦ ἔκλαυσε (1 *a*)
33. 4. ἔκλαυσαν ἀμφότεροι (1 *a*)
37. 35. ἔκλαυσεν αὐτὸν ὁ πατὴρ αὐτοῦ (1 *a*)
42. 24. ἀποστραφεὶς . . . ἔκλαυσεν Ἰωσήφ (1 *a*)
43. 30. ἐζήτει κλαῦσαι (1 *a*)
— 30. ἔκλαυσεν ἐκεῖ (1 *a*)
45. 14. R ἔκλαυσεν [A ἐπέπεσεν] ἐπ' αὐτῷ (1 *a*)
— 14. ἔκλαυσεν ἐπὶ τῷ τραχήλῳ αὐτοῦ (1 *a*)
— 15. ἔκλαυσεν ἐπ' αὐτοῖς (1 *a*)
46. 29. ἔκλαυσε κλαυθμῷ πίονι [A B² πλείονι] (1 *a*)
50. 1. ἔκλαυσεν αὐτόν [A ἐπ' αὐ.] (1 *a*)
— 17. ἔκλαυσεν Ἰωσὴφ λαλούντων αὐτῶν (1 *a*)
Ex. 2. 6. ὁρᾷ παιδίον κλαῖον (1 *a*)
Le. 10. 6. κλαύσονται τὸν ἐμπυρισμόν (1 *a*)
Nu. 11. 4. καὶ καθίσαντες ἔκλαιον (1 *a*)
— 10. ἤκουσε Μ. κλαιόντων αὐτῶν (1 *a*)
— 13. κλαίουσιν ἐπ' ἐμοί [A ἐμέ] (1 *a*)
— 18. ἐκλαύσατε ἔναντι κυρίου (1 *a*)
— 20. καὶ ἐκλαύσατε ἐναντίον αὐτοῦ (1 *a*)
14. 1. ἔκλαιεν ὁ λαὸς ὅλην τὴν νύκτα ἐκείνην (1 *a*)
20. 29. καὶ ἔκλαυσαν τὸν Ἀαρών (1 *a*)
25. 6. αὐτοὶ δὲ ἔκλαιον παρὰ τὴν θύραν (1 *a*)
De. 1. 45. καὶ καθίσαντες ἐκλαίετε (1 *a*)
21. 13. καὶ κλαύσεται τὸν πατέρα (1 *a*)
34. 8. ἔκλαυσαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. Μωυσῆν (1 *a*)
Jd. 2. 4. καὶ ἔκλαυσαν (1 *a*)
9. 7. καὶ ἔκλαυσε [A *add.* ἐπ' αὐτοῖς] (5)
11. 37. κλαύσομαι ἐπὶ τὰ παρθένιά μου (1 *a*)
— 38. ἔκλαυσεν ἐπὶ τὰ παρθένια αὐτῆς (1 *a*)
14. 16. ἔκλαυσεν ἡ γυνὴ Σαμψὼν πρὸς αὐτόν (1 *a*)
— 17. καὶ ἔκλαυσε πρὸς [A ἐπ'] αὐτόν (1 *a*)
15. 18. ἔκλαυσε [A ἐβόησεν] πρὸς κύριον (5)
16. 28. ἔκλαυσε [A ἐβόησεν] Σαμψὼν πρὸς κ. (5)
20. 23. καὶ ἔκλαυσαν ἐνώπιον κυρίου (1 *a*)
— 26. καὶ ἔκλαυσαν (1 *a*)
21. 2. καὶ ἔκλαυσαν κλαυθμὸν μέγαν (1 *a*)
Ru. 1. 9. καὶ ἔκλαυσαν (1 *a*)
— 14. καὶ ἔκλαυσαν ἔτι (1 *a*)
I Ki. 1. 7. καὶ ἔκλαιε (1 *a*)
— 8. τί ἐστί σοι ὅτι κλαίεις (1 *a*)
— 10. A R καὶ κλαίουσα [B λέγουσα καὶ] ἔκλαυσε (1 *a*, 1 *a*)
4. 19. καὶ ἔκλαυσε (3)
11. 4. καὶ ἔκλαυσαν (1 *a*)
— 5. τί ὅτι κλαίει ὁ λαός (1 *a*)
13. 16. B καὶ ἔκλαιον –
20. 41. ἔκλαυσεν ἔκ. τῷ [A τὸν] πλησίον αὐ. (1 *a*)
24. 17. καὶ ἔκλαυσε (1 *a*)
30. 4. καὶ ἔκλαυσαν ἕως ὅτου οὐκ ἦν ἐν αὐτοῖς ἰσχὺς ἔτι κλαίειν (1 *a*, 1 *a*)
II Ki. 1. 12. καὶ ἔκλαυσαν (1 *a*)
— 24. B κλαύσατε [A R *om.*] κλαύσατε τὸν ἐνδιδύσκοντα ὑμᾶς (–, 1 *a*)
3. 16. ἐπορεύετο . . . κλαίων ὀπίσω αὐτῆς (1 *a*)
— 32. ἔκλαυσεν ἐπὶ τοῦ τάφου αὐτοῦ (1 *a*)
— 32. ἔκλαυσε πᾶς ὁ λαός (1 *a*)
— 34. συνήχθη πᾶς ὁ λαὸς τοῦ κλαῦσαι αὐτόν (1 *a*)
12. 21. καὶ ἔκλαιες (1 *a*)
— 22. καὶ ἔκλαυσα (1 *a*)
13. 36. καὶ ἔκλαυσαν (1 *a*)
— 36. ἔκλαυσαν κλαυθμὸν μέγαν (1 *a*)
15. 23. πᾶσα ἡ γῆ ἔκλαιε φωνῇ μεγάλῃ (1 *a*)
— 30. A R ἀναβαίνων καὶ κλαίων (1 *a*)
— 30. ἀναβαίνοντες καὶ κλαίοντες (1 *a*)
18. 33 (19. 1). καὶ ἔκλαυσε (1 *a*)
19. 1 (2). ὁ βασιλεὺς κλαίει (1 *a*)
III Ki. 18. 45. A R καὶ ἔκλαιε [B -αεν] †
20 (21). 27. καὶ ἐπορεύετο κλαίων –
IV Ki. 8. 11. καὶ ἔκλαυσεν ὁ ἄνθρωπος τοῦ θεοῦ (1 *a*)
— 12. ὁ κύριός μου κλαίει [A καλεῖ] (1 *a*)
13. 14. ἔκλαυσεν ἐπὶ προσώπου αὐτοῦ (1 *a*)
20. 3. ἔκλαυσεν Ἐζ. κλαυθμῷ μεγάλῳ (1 *a*)
22. 19. καὶ ἔκλαυσας ἐνώπιόν μου (1 *a*)
II Ch. 34. 27. καὶ ἔκλαυσας κατεναντίον μου (1 *a*)
I Es. 8. 91. κλαίων χαμαιπετὴς ἔμπροσθεν τοῦ ἱεροῦ
9. 50. καὶ πάντες ἔκλαιον
II Es. 3. 12. ἔκλαιον φωνῇ μεγάλῃ (1 *a*)
10. 1. ὡς [S¹ *om.*] ἐξηγόρευσε [B¹ προσηγ.] κλαίων (1 *a*)
— 1. ἔκλαυσεν ὁ λαὸς καὶ ὕψωσε κλαίων (1 *a*, 1 *b*)
Ne. 1. 4. ἐκάθισα καὶ ἔκλαυσα (1 *a*)
8. 9. μὴ πενθεῖτε μηδὲ κλαίετε (1 *a*)
— 9. ἔκλαιε πᾶς ὁ λαός (1 *a*)
To. 2. 7. καὶ ἔκλαυσα
3. 1. λυπηθεὶς ἔκλαυσα [S *al.*]
— 10. S καὶ ἔκλαυσεν
5. 17. ἔκλαυσε δὲ Ἄννα ἡ μήτηρ αὐτοῦ
6. 1. ἐπαύσατο [S ἐσίγησεν] κλαίουσα
7. 6. κατεφίλησεν αὐτὸν καὶ ἔκλαυσε
— 7. ἐλυπήθη καὶ ἔκλαυσε [S *al.*]
— 8. ἡ γυνὴ αὐτοῦ καὶ Σ. ἡ θυγάτηρ αὐτοῦ ἔκλαυσαν [S *al.*]
— 17. εἰσήγαγεν αὐτὴν ἐκεῖ καὶ ἔκλαυσε
9. 6. S καὶ ἔκλαυσεν
10. 4. S ἤρξατο κλαίειν καὶ [A B *om.* κλ. κ.] θρηνεῖν
— 7. S ἐθρήνει καὶ ἔκλαιεν [A B *al.*]
11. 9. ἔκλαυσαν ἀμφότεροι [S *al.*]
— 14. ἔκλαυσε καὶ εἶπεν
Ju. 16. 17. καὶ κλαύσονται ἐν αἰσθήσει
Jb. 2. 12. βοήσαντες φωνῇ μεγάλῃ ἔκλαυσαν (1 *a*)
30. 25. ἐγὼ δὲ ἐπὶ παντὶ ἀδυνάτῳ ἔκλαυσα (1 *a*)
31. 38. εἰ δὲ καὶ οἱ αὔλακες αὐτῆς ἔκλαυσαν ὁμοθυμαδόν (1 *a*)
Ps. 77 (78). 64. αἱ χῆραι αὐτῶν οὐ κλαυσθήσονται (1 *a*)
94 (95). 6. κλαύσωμεν [A -ομεν] ἐναντίον [S¹ ἐνώπιον] κυρίου τοῦ ποιήσαντος ἡμᾶς (2)
125 (126). 6. AS¹ ἔκλαιον αἴροντες [S² R βάλλοντες] τὰ σπέρματα αὐ. (1 *a*)
136 (137). 1. ἐκλαύσαμεν ἐν τῷ μνησθῆναι ἡμᾶς τῆς Σιών (1 *a*)
Ec. 3. 4. καιρὸς τοῦ κλαῦσαι (1 *a*)
Wi. 7. 3. πρώτην φωνὴν τὴν ὁμοίαν πᾶσιν ἴσα [S ἅπασι] κλαίων
Si. 7. 34. μὴ ὑστέρει ἀπὸ κλαιόντων
22. 11. ἐπὶ νεκρῷ κλαῦσον ἐξέλιπε γὰρ φῶς καὶ ἐπὶ μωρῷ κλαῦσον . . . ἥδιον [A ἴδιον] κλαῦσον ἐπὶ νεκρῷ
Ho. 12. 4 (5). ἔκλαυσαν καὶ ἐδεήθησάν μου (1 *a*)
Mi. 2. 6. ἐν ἐκκλησίᾳ κυρίου μὴ κλαίετε δάκρυσι (6)
Jl. 1. 5. ἐκνήψατε . . . καὶ κλαύσατε (1 *a*)
— 18. ἔκλαυσαν βουκόλια βοῶν †
2. 17. κλαύσονται οἱ ἱερεῖς . . . κυρίῳ (1 *a*)
Is. 15. 2. ἐκεῖ ἀναβήσεσθε κλαίειν (1 *c*)
— 5. πρὸς σὲ κλαίοντες ἀναβήσονται (1 *c*)
16. 9. κλαύσομαι . . . ἄμπελον Σεβαμά (1 *a*)
22. 4. πικρῶς κλαύσομαι (1 *c*)
30. 19. Ἱερουσαλὴμ κλαυθμῷ ἔκλαυσεν (1 *a*)
33. 7. ἄγγελοι . . . πικρῶς κλαίοντες (1 *a*)
38. 3. ἔκλαυσεν Ἐζεκίας κλαυθμῷ μεγάλῳ (1 *a*)
Je. 9. 1 (8. 23). κλαύσομαι τὸν λαόν μου τοῦτον (1 *a*)
13. 17. κεκρυμμένως κλαύσεται ἡ ψυχὴ ὑμῶν (1 *a*)
22. 10. μὴ κλαίετε τὸν τεθνηκότα . . . κλαύσατε κλαυθμῷ τὸν ἐκπορευόμενον (1 *a*, 1 *a*)
— 18. B S οὐδὲ μὴ κλαύσονται αὐτόν (4)
27 (50). 4. κλαίοντες πορεύσονται (1 *a*)
31 (48). 5. ἀναβήσεται κλαίων ἐν ὁδῷ Ὠρ. (1 *c*)
41 (34). 5. ὡς ἔκλαυσαν τοὺς πατέρας σου . . . κλαύσονται καὶ σέ †, †
— 5. ἕως ᾅδου κόψονταί [A κλαύσ.] σε (4)
48 (41). 6. ἐπορεύοντο καὶ ἔκλαιον (1 *a*)
Ba. 1. 5. ἔκλαιον καὶ ἐνήστευον
La. 1. 1. ἐκάθισεν Ἱερεμίας κλαίων –
— 2. κλαίουσα ἔκλαυσεν [A ἐδάκρυσεν] ἐν νυκτί (1 *a*, 1 *a*)
— 15 (16). ἐπὶ τούτοις ἐγὼ κλαίω (1 *a*)
Ez. 24. 16. οὐδ' οὐ μὴ κλαυσθῇς [B¹ κλαυθῇς] (1 *a*)
— 23. οὔτε μὴ κλαύσητε [A -σθῆτε] (1 *a*)
27. 31. A κλαύσονται περὶ σοῦ (1 *a*)
Da. LXX. Su. 33. ἐκλαίοσαν οἱ παρ' αὐτῆς πάντες
— 35. ἀνακύψασα ἔκλαυσεν ἐν αὐτῇ
Da. TH. Su. 33. ἔκλαιον δὲ οἱ παρ' αὐτῆς
— 35. ἡ δὲ κλαίουσα ἀνέβλεψεν εἰς τὸν οὐρανόν
I Ma. 7. 36. καὶ ἔκλαυσαν καὶ εἶπον
9. 20. καὶ ἔκλαυσαν αὐτόν [A αὐ. ἐκεῖ]
IV Ma. 15. 19. οὐκ ἔκλαυσας

[Aq. Ps. 68 (69). 11 : Is. 30. 19 : 33. 7 : Je. 13. 17 : 41 (48). 6 : Ho. 12. 4 (5).]
[Sm. Jd. 2. 5 : Ps. 68 (69). 11 : 77 (78). 64 : 83 (84). 7 : Is. 30. 19 : 33. 7 : Je. 13. 17 : 41 (48). 6 : 48 (31). 32 : Ho. 12. 4 (5) : Ma. 2. 13.]
[Th. Is. 30. 19 : 33. 7 : Je. 41 (48). 6 : Ez. 27. 31 : Ho. 12. 4 (5) : Ma. 2. 13.]

κλάν. (1) פָּרַע ni. (2) פָּרַס (3) פָּרַשׂ (4) רָצַץ hi.

Jd. 9. 53. καὶ ἔκλασε [A συνέθλασεν] τὸ κράνιον αὐτοῦ (4)
Je. 16. 7. οὐ μὴ κλασθῇ ἄρτος ἐν πένθει αὐτῶν (2)
27 (50). 23. πῶς ἐκλάσθη [A S συνεκλ.] καὶ συνετρίβη ἡ σφῦρα πάσης τῆς γῆς (1)
La. 4. 4. A ὁ κλῶν [B διακλ.] οὐκ ἔστιν αὐτοῖς (3)
IV Ma. 9. 14. κατὰ πᾶν μέλος κλώμενος

[Aq. Ez. 17. 4 : 23. 3.]
[Sm. Ps. 146 (147). 3.]

κλάνιον.

[Aq. II Ki. 1. 10.]

κλάσμα. (1) פֶּלַח (2) *a.* פַּת *b.* פְּתוֹת

Le. 2. 6. διαθρύψεις αὐτὰ κλάσματα (2 *a*)
6. 21 (14). B θυσίαν ἐκ κλασμάτων (2 *a*)
Jd. 9. 53. R ἔρριψε γυνὴ μία κλάσμα ἐπιμύλιον [B -ου, A μύλου] (1)

Jd. 19. 5. A στήρισον τὴν καρδίαν σου κλάσματι [B ψωμῷ] ἄρτου (2 a)
I Ki. 30. 12. διδόασιν αὐτῷ κλάσμα παλάθης (1)
II Ki. 11. 21. οὐχὶ γυνὴ ἔρριψεν κλάσμα μύλου (1)
— 22. οὐχὶ γυνὴ ἔρριψεν . . . κλάσμα μύλου –
Ez. 13. 19. ἐβεβήλουν με ἕνεκεν κλασμάτων ἄρτων [A¹ al.] (2 b)
[Th. Le. 6. 21 (14) : Jd. 19. 5.]

κλαυθμός. (1) אֵבֶל (2) a. בֶּכָה b. בְּכִי (3) מְבוּכָה (4) עֶצֶב

Ge. 45. 2. ἀφῆκε φωνὴν μετὰ κλαυθμοῦ (2 b)
46. 29. ἔκλαυσε κλαυθμῷ πίονι [A B² πλείονι] †
De. 34. 8. αἱ ἡμέραι πένθους κλαυθμοῦ Μωυσῆ (2 b)
Jd. 21. 2 : II Ki. 13. 36. καὶ ἔκλαυσαν κλ. μέγαν (2 b)
IV Ki. 20. 3. ἔκλαυσεν Ἐζ. κλ. μεγάλῳ (2 b)
I Es. 5. 63. μετὰ κραυγῆς καὶ κλ. μεγάλου
— 65. διὰ τὸν κλ. τοῦ λαοῦ
8. 91. κλ. γὰρ ἦν μέγας ἐν τῷ πλήθει
II Es. 3. 13. ἀπὸ τῆς φωνῆς [A εὐφροσύνης] τοῦ κλ. (2 b)
Ju. 7. 29. ἐγένετο κλ. μέγας
14. 16. ἐβόησε . . . μετὰ κλαυθμοῦ
Jb. 16. 17 (16). ἡ γαστήρ μου συγκέκαυται ἀπὸ κλαυθμοῦ (2 b)
30. 31. ὁ δὲ ψαλμός μου εἰς κλαυθμὸν ἐμοί (2 a)
Ps. 6. 8. ABS² εἰσήκουσε κ. τῆς φωνῆς τοῦ κλ. μου (2 b)
29 (30). 5. τὸ ἑσπέρας αὐλισθήσεται κλαυθμός (2 b)
101 (102). 9. τὸ πόμα μου μετὰ κλαυθμοῦ ἐκίρνων (2 b)
Si. 38. 17. πίκρανον κλαυθμὸν καὶ θέρμανον κοπετόν
Mi. 7. 4. νῦν ἔσονται κλαυθμοὶ αὐτῶν (3)
Jl. 2. 12. καὶ ἐν κλαυθμῷ καὶ ἐν κοπετῷ (2 b)
Ma. 2. 13. ἐκαλύπτετε δάκρυσι τὸ θυσιαστ. κυρίου καὶ κλαυθμῷ (2 b)
Is. 15. 3. πάντες ὁλολύζετε μετὰ κλαυθμοῦ (2 b)
16. 9. κλαύσομαι ὡς τὸν κλ. Ἰαζήρ (2 b)
22. 12. ἐκάλεσε κύριος . . . κλαυθμόν (2 b)
30. 19. Ἱερουσαλὴμ κλαυθμῷ ἔκλαυσεν (2 a)
38. 3. ἔκλαυσεν Ἐζεκίας κλαυθμῷ μεγάλῳ (2 b)
65. 19. οὐκέτι μὴ ἀκουσθῇ ἐν αὐτῇ φωνὴ κλαυθμοῦ (2 b)
Je. 3. 21. φωνὴ ἐκ χειλέων ἠκούσθη κλαυθμοῦ (2 b)
22. 10. κλαύσατε κλαυθμῷ τὸν ἐκπορευόμενον (2 a)
31 (48). 5. ἐπλήσθη Ἀλὼθ ἐν κλαυθμῷ (2 b)
— 32. ὡς κλαυθμὸν Ἰαζὴρ ἀποκλαύσομαί σοι (2 b)
38 (31). 9. ἐν κλαυθμῷ ἐξῆλθον (2 b)
— 15. φωνὴ . . . ἠκούσθη . . . κλαυθμοῦ (2 b)
— 16. διαλειπέτω ἡ φωνή σου ἀπὸ κλαυθμοῦ (2 b)
Ba. 4. 11. ἐξαπέστειλα δὲ μετὰ κλαυθμοῦ
— 23. ἐξέπεμψα γὰρ ὑμᾶς μετὰ . . . κλαυθμοῦ
La. 5. 13. ἐκλεκτοὶ κλαυθμὸν ἀνέλαβον †
Da. LXX. 6. 20 (21). φωνῇ μεγάλῃ μετὰ κλαυθμοῦ (4)
II Ma. 13. 12. μετὰ κλαυθμοῦ καὶ νηστειῶν
[Aq. Ps. 83 (84). 7 : Is. 15. 5 : Je. 9. 10 (9) : Ma. 2. 13.]
[Sm., Th. Is. 30. 19.]

κλαυθμών. (1) בֶּכָא (2) בֹּכִים

Jd. 2. 1. ἀνέβη ἄγγελος κυρίου . . . ἐπὶ τὸν Κλ. (2)
— 5. τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου Κλαυθμῶνες [A -μών] (2)
II Ki. 5. 23. παρέσῃ αὐτοῖς πλησίον τοῦ κλ. †
— 24. τοῦ ἅλσους τοῦ κλ. †
Ps. 83 (84). 6. A S²R εἰς τὴν κοιλάδα [B S¹ ἐν τῇ κ.] τοῦ κλ. (1)
[Sm. Jd. 2. 5.]

κλείειν. (1) נוּף hi. (2) נָעַל (3) סָגַר
a. qal. b. ni. c. pu. d. hi.

Ge. 7. 16. ἔκλεισε κύριος . . . τὴν κιβωτόν (3 a)
Jo. 2. 5. ὡς δὲ ἡ πύλη ἐκλείετο (3 a)
— 7. καὶ ἡ πύλη ἐκλείσθη (3 a)
Jd. 9. 51. καὶ ἔκλεισαν ἔξωθεν αὐτῶν [A al.] (3 a)
20. 42. A ἔκλεισαν ἐνώπιον ἀνδρὸς Ἰσρ. [B al.] †
I Ki. 23. 20. κεκλείκασιν αὐτὸν εἰς τὰς χεῖρας τοῦ βασ. (3 d)
II Ch. 28. 24. ἔκλεισε τὰς θύρας οἴκου κυρίου (3 a)
Ne. 6. 10. κλείσωμεν τὰς θύρας αὐτοῦ (3 a)
7. 3. κλεισθωσαν αἱ θύραι (1)
Ne. 13. 19. A S R ἔκλεισαν [B -α] τὰς πύλας (3 b)
Jb. 12. 14. ἐὰν κλείσῃ [A δὲ καὶ ἀποκλ.] κατὰ ἀνθρώπων (3 a)
Ec. 12. 4. κλείσουσι θύρας [A -αν, S¹ -αι] ἐν ἀγορᾷ (3 c)
Ca. 4. 12. κῆπος κεκλεισμένος ἀδελφή μου . . . κῆπος κεκλεισμένος (2, 2)
Si. 30. 18. ἀγαθὰ ἐκκεχυμένα ἐπὶ στόματι κεκλεισμένῳ
42. 6. ὅπου χεῖρες πολλαὶ κλεῖσον
Is. 22. 22. κλείσει καὶ οὐκ ἔσται ὁ ἀνοίγων (3 a)
24. 10. κλείσει οἰκίαν [S² al.] (3 c)
60. 11. ἡμέρας καὶ νυκτὸς οὐ κλεισθήσονται (3 b)
Ez. 44. 1. αὕτη ἦν κεκλεισμένη (3 a)
— 2. ἡ πύλη αὕτη κεκλεισμένη ἔσται . . . ἔσται κεκλεισμένη (3 a, 3 a)
46. 1. πύλη ἡ ἐν τῇ αὐλῇ . . . ἔσται κεκλεισμένη (3 a)
— 2. ἡ πύλη οὐ μὴ κλεισθῇ ἕως ἑσπέρας (3 b)
— 12. κλείσει τὰς θύρας μετὰ τὸ ἐξελθεῖν αὐτόν (3 a)
Da. LXX. Bel 12. τοῦ ναοῦ ἐπὰν κλεισθῇ
Da. TH. Su. 17. τὰς θύρας τοῦ παραδείσου κλείσατε
— 20. αἱ θύραι τοῦ παραδείσου κέκλεινται
6. 18 (19). ἔκλεισεν ὁ θεὸς τὰ στόματα τῶν λεόντων –
Bel 14. ἔκλεισαν τὴν θύραν
[Aq. Is. 22. 22.]
[Sm. Ge. 8. 2 : Ps. 54 (55). 23.]
[Th. Is. 22. 22 : Da. 6. 18†.]

κλεῖθρον. (1) בְּרִיחַ (2) מַנְעוּל

Ne. 3. 3. θύρας αὐτῆς καὶ κλεῖθρα [S² τὰ κλ.] αὐτῆς (2)
— 6. B S κλεῖθρα [S² τὰ κλ.] αὐ. καὶ μοχλοὺς αὐ. (2)
— 13, 14. καὶ κλεῖθρα αὐτῆς καὶ μοχλοὺς αὐτῆς (2)
Jb. 26. 13. κλεῖθρα δὲ οὐρανοῦ δεδοίκασιν αὐτόν †
38. 10. περιθεὶς κλεῖθρα καὶ πύλας (1)
Ca. 5. 5. ἐπὶ χεῖρας τοῦ κλ. ἤνοιξα ἐγὼ τῷ ἀδελφιδῷ μου (2)
Ep. Je. 18. θυρώμασί τε καὶ κλείθροις

κλείς. (1) מַפְתֵּחַ (2) שִׁכְמָה

Jd. 3. 25. ἔλαβον τὴν κλ. (1)
I Ch. 9. 27. καὶ οὗτοι ἐπὶ τῶν κλ. (1)
Jb. 31. 22. ἀποσταίη ἄρα ὁ ὦμός μου ἀπὸ τῆς κλ. (2)
Is. 22. 22. S R δώσω αὐτῷ [A om.] τὴν κλ. οἴκου Δαυίδ (1)
Da. LXX. Bel 12. ἐπισφραγίσεις τὰς κλ. τοῦ ναοῦ
[Aq., Th. Is. 22. 22.]

κλέμμα. (1) a. גְּנֵבָה b. גְּנֵבָה

Ge. 31. 39. ἀπετίνυνον . . . κλέμματα ἡμέρας καὶ κλέμματα νυκτός (1 a, 1 a)
Ex. 22. 3 (2). πραθήτω ἀντὶ τοῦ κλ. (1 b)
— 4 (3). R ἐὰν δὲ καταλειφθῇ [A B -λημφ.] . . . τὸ κλ. (1 b)

κλέος. (1) שֵׁמַע

Jb. 28. 22. ἀκηκόαμεν δὲ αὐτῆς τὸ κλ. (1)
30. 8. κλέος ἐσβεσμένον [S¹ -ων] ἀπὸ γῆς –

κλέπτειν. (1) גָּנַב a. qal. b. ni. c. pi.
d. pu. e. גְּנַב

Ge. 30. 33. κεκλεμμένον ἔσται παρ' ἐμοί (1 a)
31. 19. ἔκλεψε δὲ Ῥαχὴλ τὰ εἴδωλα (1 a)
— 30. ἵνα τί ἔκλεψας τοὺς θεούς μου (1 a)
— 32. Ῥαχὴλ . . . ἔκλεψεν αὐτούς (1 a)
40. 15. κλοπῇ ἐκλάπην ἐκ γῆς Ἑβραίων (1 d)
44. 5. ἵνα τί ἐκλέψατέ μου τὸ κόνδυ –
— 8. πῶς ἂν κλέψαιμεν . . . ἀργύριον (1 a)
Ex. 20. 14 (15). οὐ κλέψεις (1 a)
21. 17 (16). ὃς ἐὰν κλέψῃ τίς τινα τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1 a)
22. 1 (21. 37). ἐὰν δέ τις κλέψῃ μόσχον (1 a)
— 7 (6). ἐὰν . . . κλαπῇ ἐκ τῆς οἰκίας τοῦ ἀνθρώπου (1 d)
— 7 (6). ἐὰν εὑρεθῇ ὁ κλέψας (1 e)
— 8 (7). ἐὰν δὲ μὴ εὑρεθῇ ὁ κλέψας (1 e)
— 12 (11). ἐὰν δὲ κλαπῇ παρ' αὐτοῦ (1 a+1 b)
Le. 19. 11. οὐ κλέψετε (1 a)
De. 5. 19 (17). οὐ κλέψεις (1 a)
24. 7. ἄνθρωπος κλέπτων ψυχήν (1 a)
Jo. 7. 11. κλέψαντες ἀπὸ τοῦ ἀναθέματος (1 a)
II Ki. 19. 41 (42). ἔκλεψάν σε οἱ ἀδελφοὶ ἡμῶν (1 a)
21. 12. οἳ ἔκλεψαν [A ἔθαψαν] αὐτούς (1 a)
IV Ki. 11. 2. ἔκλεψεν αὐτὸν ἐκ μέσου τῶν υἱῶν τοῦ βασ. (1 a)
II Ch. 22. 11. ἔκλεψεν αὐτὸν ἐκ μέσου υἱῶν τοῦ βασ. (1 a)
I Es. 4. 23. ἐκπορεύεται . . . λῃστεύειν καὶ κλέπτειν
— 24. καὶ ὅταν κλέψῃ καὶ ἁρπάσῃ
To. 1. 18. ἔθαψα αὐτοὺς κλέπτων [S al.]
— 18. S ἔκλεπτον τὰ σώματα αὐτῶν [A B al.]
Jb. 17. 2. A B S² ἔκλεψαν δέ μου τὰ ὑπάρχοντα ἀλλότριοι †
Pr. 6. 30. οὐ θαυμαστὸν ἐὰν ἁλῷ τις κλέπτων κλέπτει γὰρ ἵνα ἐμπλήσῃ τὴν ψυχὴν πεινῶν [A -ῶσαν] (1 e, 1 a)
24. 32 (30. 9). ἢ πενηθεὶς κλέψω (1 a)
Ob. 1. 5. οὐκ ἂν ἔκλεψαν τὰ ἱκανὰ ἑαυτοῖς (1 a)
Je. 7. 9. A B S² καὶ κλέπτετε (1 a)
23. 30. A S R τοὺς προφήτας . . . τοὺς κλέπτοντας τοὺς λόγους μου (1 c)
Da. LXX. Su. 12. ἐρχόμενοι ἔκλεπτον ἀλλήλους
[Aq. Ge. 31. 27.]

κλέπτης. (1) a. גָּנָב b. נַגָּב

Ex. 22. 2 (1). ἐὰν δὲ ἐν τῷ διορύγματι εὑρεθῇ ὁ κλ. (1 b)
De. 24. 7. ἀποθανεῖται ὁ κλ. ἐκεῖνος (1 b)
Jb. 24. 14. νυκτὸς ἔσται ὡς κλέπτης (1 b)
30. 5. ἐπανέστησάν μοι κλέπται (1 b)
Ps. 49 (50). 18. εἰ ἐθεώρεις κλέπτην (1 b)
Pr. 29. 24. ὃς μερίζεται [S² συμμερ., S¹ ἐρίζεται] κλέπτῃ (1 b)
Si. 5. 14. ἐπὶ γὰρ τῷ κλ. ἐστὶν αἰσχύνη
20. 25. αἱρετὸν κλέπτης ἢ [A om.] ὁ ἐνδελεχίζων ψεύδει
Ho. 7. 1. καὶ κλέπτης πρὸς αὐτὸν εἰσελεύσεται (1 b)
Jl. 2. 9. διὰ θυρίδων εἰσελεύσονται ὡς κλέπται (1 b)
Ob. 1. 5. εἰ κλέπται εἰσῆλθον πρὸς σέ (1 b)
Za. 5. 3. πᾶς ὁ κλ. ἐκ τούτου (1 a)
— 4. εἰσελεύσεται [A -σομαι] εἰς τὸν οἶκον τοῦ κλ. (1 b)
Is. 1. 23. οἱ ἄρχοντές σου ἀπειθοῦσι κοινωνοὶ κλεπτῶν (1 b)
Je. 2. 26. ὡς αἰσχύνη κλέπτου ὅταν ἁλῷ (1 b)
29 (49). 9. ὡς κλέπται ἐν νυκτὶ ἐπιθήσουσι χεῖρα [A S -ας] αὐτῶν (1 b)
Ep. Je. 57. οὔτε ἀπὸ κλεπτῶν οὔτε ἀπὸ ληστῶν
[Aq. Pr. 6. 30 : 29. 24.]
[Sm., Quint. Ho. 7. 1.]

κλεψιμαῖος.

To. 2. 13. μὴ κλεψιμαῖόν ἐστιν
— 13. οὐ γὰρ θεμιτόν ἐστι φαγεῖν κλεψιμαῖον [S al.]

κληδονίζεσθαι. (1) עָנַן po.

De. 18. 10. οὐχ εὑρεθήσεται . . . κληδονιζόμενος (1)
IV Ki. 21. 6 : II Ch. 33. 6. καὶ ἐκληδονίζετο (1)
[Aq. Le. 19. 26 : Mi. 5. 12 (11).]
[Sm. Is. 57. 3.]

κληδονισμός. (1) עָנָן po.

De. 18. 14. A οὗτοι κληδονισμῶν [B -όνων] . . . ἀκούσονται (1)
Is. 2. 6. ἐνεπλήσθη ὡς τὸ ἀπ' ἀρχῆς ἡ χώρα αὐτῶν κληδονισμῶν (1)

κληδών. (1) עָנָן po.

De. 18. 14. οὗτοι κληδόνων [A -ονισμῶν] . . . ἀκούσονται (1)
[Aq., Th. Je. 27 (34). 9.]

κλῆμα. (1) דָּלִית (2) זְמוֹרָה (3) נְטִישׁוֹת (4) עָנָף (5) קָצִיר (6) שָׂרִיג

Nu. 13. 24 (23). A R ἔκοψαν ἐκεῖθεν κλῆμα [B -ματα] (2)
Ps. 79 (80). 11. ἐξέτεινε τὰ κλ. αὐτῆς ἕως θαλάσσης (5)
Jl. 1. 7. ἐλεύκανε τὰ [A S om.] κλήματα αὐτῆς (6)
Na. 2. 2 (3). καὶ τὰ κλήματα αὐτῶν διέφθειραν (2)
Ma. 4. 1 (3. 19). οὐ μὴ ὑπολειφθῇ ἐξ αὐτῶν ῥίζα οὐδὲ κλῆμα (4)
Je. 31 (48). 32. κλήματά σου διῆλθε θάλασσαν (3)
Ez. 8. 17. A ἐκτείνουσιν τὸ κλ. (2)
15. 2. ἐκ πάντων τῶν ξύλων τῶν κλ. [B¹ om. τ. κλ.] (2)
17. 6. τοῦ ἐπιφαίνεσθαι αὐτὴν [A -τῇ] τὰ κλ. αὐτῆς (1)
— 7. τὰ κλ. αὐτῆς [A add. καὶ] ἐξαπέστειλεν αὐτῷ [A -ὴν] (1)

Ez. 17. 23. τὰ κλ. αὐτοῦ ἀποκατασταθήσεται (1)
19. 11. εἶδε τὸ μέγεθος αὐτῆς ἐν πλήθει κλημάτων αὐτῆς (1)
[Aq. Ez. 17. 6.]
[Sm. Is. 16. 8.]
[Th. Ps. 79 (80). 12 : Ez. 8. 17.]
[Quint. Ps. 79 (80). 12.]

κληματίζειν.

[Al. Le. 25. 4.]

κληματίς. (1) נְטִישׁוֹת (2) שְׂדֵמָה

De. 32. 32. ἡ κλ. αὐτῶν ἐκ Γομόρρας (2)
Is. 18. 5. τὰς κλ. ἀφελεῖ (1)
Da. LXX. 3. (46). στυππίον καὶ πίσσαν καὶ κληματίδα
Da. TH. 3. (46). πίσσαν καὶ στιππύον καὶ κληματίδα [A -as]
[Aq., Sm. Ge. 40. 10.]
[Th. Is. 25. 5.]

κληροδοσία. (1) נַחֲלָה

Ps. 77 (78). 55. ἐκληροδότησεν αὐτοὺς ἐν σχοινίῳ κληροδοσίας (1)
Ec. 7. 12 (11). A S ἀγαθὴ σοφία μετὰ κληροδοσίας [B -νομίας] (1)
Da. LXX. 11. 21. κατισχύσει βασιλεὺς ἐν κληροδοσίᾳ αὐτοῦ †
— 34. καὶ πολλοὶ ὡς ἐν κληροδοσίᾳ †
I Ma. 10. 89. ἔδωκεν αὐτῷ τὴν Ἀκκ. . . . εἰς κληροδοσίαν
[Aq. De. 4. 20 : Ps. 27 (28). 9 : 32 (33). 12 : 67 (68). 10.]
[Sm. Is. 49. 8.]

κληροδοτεῖν. (1) יָרַשׁ hi. (2) נָפַל hi.

II Es. 9. 12. καὶ κληροδοτήσητε [A -ρονομήσητε] τοῖς υἱοῖς ὑμῶν (1)
Ps. 77 (78). 55. ἐκληροδότησεν αὐτοὺς ἐν σχοινίῳ κληροδοσίας (2)
Si. 17. 11. νόμον ζωῆς ἐκληροδότησεν αὐτοῖς [A S² -ούς]
[Aq. De. 32. 8 : Pr. 8. 21 : Is. 57. 13.]
[Sm. Pr. 8. 21 : Is. 49. 8.]
[Th. Pr. 8. 21.]
[Al. Ex. 34. 9 : Pr. 13. 22.]

κληρονομεῖν. (1) אָחַז ni. (2) בָּזַז (3) חָלַק pi. (4) יָדַע (5) יָרַשׁ *a.* qal. *b.* hi. *c.* יְרֻשָּׁה (6) לָבַד (7) נָחַל *a.* qal. *b.* hi. *c.* hithp. *d.* נַחֲלָה *e.* חָלַק נַחֲלָה *f.* נָתַן נַחֲלָה

Ge. 15. 3. R ὁ δὲ οἰκογενής μου κληρονομήσει με (5 *a*)
— 4. R οὐ κληρονομήσει σε οὗτος (5 *a*)
— 4. R οὗτος κληρονομήσει σε (5 *a*)
— 7. δοῦναί σοι τὴν γῆν ταύτην κληρονομῆσαι (5 *a*)
— 8. ὅτι κληρονομήσω αὐτήν (5 *a*)
21. 10. οὐ γὰρ μὴ κληρονομήσει ὁ υἱὸς τῆς παιδίσκης (5 *a*)
22. 17 : 24. 60. κληρονομήσει τὸ σπέρμα σου τὰς πόλεις (5 *a*)
28. 4. κληρονομῆσαι τὴν γῆν (5 *a*)
47. 27. ἐκληρονόμησαν [A -μήθησαν] ἐπ' αὐτῆς (1)
Ex. 23. 30. ἕως ἂν . . . κληρονομήσῃς τὴν γῆν (7 *a*)
Le. 20. 24. A R κληρονομήσετε [B -σατε] τὴν γῆν αὐτῶν (5 *a*)
Nu. 14. 24. τὸ σπέρμα αὐτοῦ κληρονομήσει αὐτήν (5 *b*)
— 31. κληρονομήσουσι τὴν γῆν (4)
18. 20. ἐν τῇ γῇ αὐτῶν οὐ κληρονομήσεις (7 *a*)
— 23. οὐ κληρονομήσουσι κληρονομίαν (7 *a*)
— 24. οὐ κληρονομήσουσι κλῆρον (7 *a*)
21. 35. ἐκληρονόμησαν τὴν γῆν αὐτῶν (5 *a*)
26. 53. κληρονομεῖν ἐξ ἀριθμοῦ ὀνομάτων (7 *d*)
— 55. κατὰ φυλὰς πατριῶν αὐτῶν κληρονομήσουσιν (7 *a*)
27. 11. R κληρονομῆσαι [A B -σει] τὰ αὐτοῦ (5 *a*)
32. 19. οὐκέτι κληρονομήσωμεν ἐν αὐτοῖς (7 *a*)
33. 54. κατὰ φυλὰς πατριῶν ὑμῶν κληρονομήσετε (7 *c*)
34. 17. οἱ κληρονομήσουσιν ὑμῖν [A *om.*] τὴν γῆν (7 *a*)
35. 8. B ἣν κληρονομήσουσι [A R κατακλ.] (7 *a*)
De. 1. 8. κληρονομήσατε τὴν γῆν (5 *a*)
— 21. ἀναβάντες κληρονομήσατε [A -μεῖτε] (5 *a*)
De. 1. 39. αὐτοὶ κληρονομήσουσιν αὐτήν (5 *a*)
2. 9. δέδωκα τὴν Ἀρ. κληρονομεῖν (5 *c*)
— 24. ἐνάρχου κληρονομεῖν (5 *a*)
— 31. ἔναρξαι κληρονομῆσαι τὴν γῆν αὐτοῦ (5 *a*)
3. 12. A B² R τὴν γῆν ἐκείνην ἐκληρονομήσαμεν [B¹ ἐπρονομεύσ.] (5 *a*)
4. 1. καὶ εἰσελθόντες κληρονομήσητε τὴν γῆν (5 *a*)
— 5. εἰσπορεύεσθε ἐκεῖ κληρονομεῖν αὐτήν (5 *a*)
— 14. A R εἰσπορεύεσθε ἐκεῖ κληρονομῆσαι [B -μεῖν] αὐτήν (5 *a*)
— 22. κληρονομήσετε τὴν γῆν τὴν ἀγαθὴν ταύτην (5 *a*)
— 26. διαβαίνετε . . . ἐκεῖ κληρονομῆσαι [A κλ. αὐτήν] (5 *a*)
— 38. δοῦναί σοι τὴν γῆν αὐτῶν κληρονομεῖν (7 *d*)
— 47. ἐκληρονόμησαν τὴν γῆν αὐτοῦ (5 *a*)
5. 33 (30). A R ἣν [B ἧς] κληρονομήσετε (5 *a*)
6. 1. εἰσπορεύεσθε ἐκεῖ κληρονομῆσαι αὐτήν [A B² *om.*] (5 *a*)
— 18. καὶ κληρονομήσῃς [A -σεις] τὴν γῆν (5 *a*)
7. 1. A R εἰσπορεύῃ ἐκεῖ κληρονομῆσαι αὐτήν [B *om.*] (5 *a*)
8. 1. καὶ κληρονομήσητε τὴν γῆν (5 *a*)
9. 1. κληρονομῆσαι ἔθνη μεγάλα (5 *a*)
— 4. κληρονομῆσαι τὴν γῆν τὴν ἀγαθὴν ταύτην (5 *a*)
— 5. εἰσπορεύῃ κληρονομῆσαι τὴν γῆν αὐτῶν (5 *a*)
— 6. δίδωσί σοι τὴν γῆν . . . κληρονομῆσαι (5 *a*)
— 23. κληρονομήσατε τὴν γῆν (5 *a*)
10. 11. κληρονομείτωσαν τὴν γῆν (5 *a*)
11. 8. A R κληρονομήσητε [B -ετε] τὴν γῆν (5 *a*)
— 8. διαβαίνετε τὸν Ἰορδ. ἐκεῖ κληρονομῆσαι αὐτήν (5 *a*)
— 10, 11. εἰς ἣν εἰσπορεύῃ ἐκεῖ κληρονομῆσαι αὐτήν (5 *a*)
— 23. κληρονομήσετε ἔθνη μεγάλα (5 *a*)
— 29. διαβαίνειε ἐκεῖ κληρονομῆσαι αὐτήν (5 *a*)
— 31. εἰσελθόντες κληρονομῆσαι τὴν γῆν (5 *a*)
— 31. A καὶ κληρονομήσετε αὐτήν (5 *a*)
12. 2. οὓς ὑμεῖς κληρονομεῖτε [A κατακλ.] αὐτούς (5 *a*)
— 29. εἰσπορεύῃ ἐκεῖ κληρονομῆσαι τὴν γῆν (5 *a*)
16. 20. καὶ εἰσελθόντες κληρονομήσητε τὴν γῆν (5 *a*)
17. 14. καὶ κληρονομήσῃς αὐτήν [A -ῆς] (5 *a*)
19. 14. A² κληρονομῆσαι αὐτήν (5 *a*)
20. 15 (16). δίδωσί σοι κληρονομεῖν τὴν γῆν αὐτῶν (7 *d*)
21. 1. δίδωσί σοι κληρονομῆσαι (5 *a*)
23. 20 (21). A R εἰς ἣν εἰσπορεύῃ ἐκεῖ κληρονομῆσαι [B -μεῖν] αὐτήν (5 *a*)
25. 19. δίδωσί σοι κληρονομῆσαι [A *al.*] (7 *d* + 5 *a*)
26. 1. δίδωσί σοι κληρονομῆσαι [A *al.*] (7 *d*)
28. 21. εἰσπορεύῃ ἐκεῖ κληρονομῆσαι αὐτήν (5 *a*)
— 63. A R εἰσπορεύῃ ἐκεῖ κληρονομῆσαι [B -μεῖν] αὐτήν (5 *a*)
30. 5. ἣν ἐκληρονόμησαν οἱ πατέρες σου (5 *a*)
— 5. καὶ κληρονομήσεις αὐτήν (5 *a*)
— 16. A R εἰσπορεύῃ ἐκεῖ κληρονομῆσαι [B -μεῖν] αὐτήν (5 *a*)
— 18 : 31. 13. A R διαβαίνετε . . . κληρονομῆσαι [B -μεῖν] αὐτήν (5 *a*)
32. 47. διαβαίνετε . . . κληρονομῆσαι [A *add.* αὐτήν] (5 *a*)
33. 23. θάλασσαν καὶ λίβα κληρονομήσει (5 *a*)
Jo. 1. 15. καὶ κληρονομήσωσι [A -σουσιν] (5 *a*)
12. 7. ἔδωκεν αὐτὴν Ἰ. ταῖς φυλαῖς Ἰσρ. κληρονομεῖν [A -μίαν] (5 *c*)
14. 2. κατὰ κλήρους ἐκληρονόμησαν [B² -μήθησαν] (7 *d*)
16. 4. ἐκληρονόμησαν οἱ υἱοὶ Ἰωσήφ (7 *a*)
17. 6. ἐκληρονόμησαν κλῆρον (7 *a*)
— 14. διὰ τί ἐκληρονόμησας ἡμᾶς κλῆρον ἕνα (7 *f*)
18. 2. οἱ οὐκ ἐκληρονόμησαν [A οὐ κατεκλ.] (7 *e*)
— 3. κληρονομῆσαι τὴν γῆν (5 *a*)
19. 9. ἐκληρονόμησαν οἱ υἱοὶ Συμεών (7 *a*)
22. 9. ἣν ἐκληρονόμησαν αὐτήν [A *om.*] (1)
24. 4. ἔδωκα . . . τὸ ὄρος τὸ Σηεὶρ κληρονομῆσαι [A -νομίαν] αὐτῷ (5 *a*)
Jd. 1. 18. οὐκ ἐκληρονόμησεν Ἰ. τὴν Γάζαν (6)
— 19. ἐκληρονόμησε τὸ ὄρος (5 *b*)
— 19. A οὐκ ἐδύνατο κληρονομῆσαι τοὺς κατοικοῦντας [B *al.*] (5 *b*)
— 20. ἐκληρονόμησεν ἐκεῖθεν τὰς τρεῖς πόλεις (5 *b*)
— 21. τὸν Ἰεβ. . . . οὐκ ἐκληρονόμησαν [A ἐξῆραν] (5 *b*)
— 27. A οὐκ ἐκληρονόμησεν [B ἐξῆρεν] M. τὴν B. (5 *b*)
Jd. 3. 13. ἐκληρονόμησε τὴν πόλιν τῶν φοινίκων (5 *a*)
11. 2. οὐ κληρονομήσεις ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ πατρὸς ἡμῶν (7 *a*)
— 21. ἐκληρονόμησεν Ἰσρ. πᾶσαν τὴν γῆν (5 *a*)
— 21. A ἐκληρονόμησεν πᾶν τὸ ὅριον (5 *a* ?)
— 23. καὶ σὺ κληρονομήσεις αὐτόν (5 *a*)
— 24. ἃ ἐὰν κληρονομήσει σε [A *al.*] (5 *b*)
— 24. οὐχὶ . . . αὐτὰ κληρονομήσεις (5 *a*)
— 24. αὐτοὺς [A -ὰ] κληρονομήσομεν [A -ωμεν] (5 *a*)
18. 9. τοῦ κληρονομῆσαι [A τοῦ . . . κατακλ.] τὴν γῆν (5 *a*)
III Ki. 20 (21). 15. κληρονόμει τὸν ἀμπελῶνα Ναβ. (5 *a*)
— 16. κατέβη Ἀχ. . . . κληρονομῆσαι αὐτόν (5 *a*)
— 18. καταβέβηκεν ἐκεῖ κληρονομῆσαι αὐτόν (5 *a*)
— 19. ὡς σὺ ἐφόνευσας καὶ ἐκληρονόμησας [A -α] (5 *a*)
IV Ki. 17. 24. ἐκληρονόμησαν τὴν Σαμ. (5 *a*)
I Ch. 28. 6. B κληρονομήσει [A R οἰκοδομ.] τὸν οἶκόν μου †
— 8. ἵνα κληρονομήσητε τὴν γῆν τὴν ἀγαθήν (5 *a*)
I Es. 8. 83. εἰς ἣν εἰσέρχεσθε κληρονομῆσαι
II Es. 9. 11. εἰς ἣν εἰσπορεύεσθε κληρονομῆσαι αὐτήν (5 *a*)
— 12. A καὶ κληρονομήσητε [A -ροδοτήσητε] τοῖς υἱοῖς ὑμῶν (5 *b*)
Ne. 9. 15. εἰσελθεῖν κληρονομῆσαι τὴν γῆν (5 *a*)
— 22. ἐκληρόνόμησαν τὴν γῆν Σηών (5 *a*)
— 23. καὶ ἐκληρονόμησαν αὐτήν (5 *a*)
— 25. καὶ ἐκληρονόμησαν οἰκίας (5 *a*)
To. 3. 15. ὃ κληρονομήσει αὐτόν [S *al.*]
— 17. διότι Τωβίᾳ ἐπιβάλλει κληρονομῆσαι αὐτήν
4. 12. A B τὸ σπέρμα αὐτῶν κληρονομήσει γῆν
6. 11. S κληρονομῆσαι αὐτήν [A B *al.*]
— 11. S τὰ ὄντα τῷ πατρὶ αὐτῆς σοι δικαιοῦται κληρονομῆσαι
14. 13. ἐκληρονόμησε τὴν οὐσίαν αὐτῶν [S *al.*]
Ju. 5. 15. ἐκληρονόμησαν πᾶσαν τὴν ὀρεινήν
Ps. 5. *tit.* εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῆς κληρονομούσης †
24 (25). 13. τὸ σπέρμα αὐτοῦ κληρονομήσει γῆν (5 *a*)
36 (37). 9. αὐτοὶ κληρονομήσουσι τὴν γῆν (5 *a*)
— 11. οἱ δὲ πραεῖς κληρονομήσουσι γῆν (5 *a*)
— 22. οἱ εὐλογοῦντες αὐτὸν κληρονομήσουσι γῆν (5 *a*)
— 29. δίκαιοι δὲ κληρονομήσουσι γῆν (5 *a*)
43 (44). 3. οὐ γὰρ ἐν τῇ ῥομφαίᾳ αὐτῶν ἐκληρονόμησαν γῆν (5 *a*)
68 (69). 35. καὶ κληρονομήσουσιν αὐτήν (5 *a*)
82 (83). 12. A S κληρονομήσωμεν ἑαυτοῖς τὸ ἁγιαστήριον [B θυσιαστ.] (5 *a*)
104 (105). 44. πόνους λαῶν ἐκληρονόμησαν [A S² κατεκλ.] (5 *a*)
118 (119). 111. ἐκληρονόμησα τὰ μαρτύριά σου (7 *a*)
Pr. 3. 35. δόξαν σοφοὶ κληρονομήσουσιν (7 *a*)
11. 29. κληρονομήσει ἄνεμον (7 *a*)
13. 22. ἀγαθὸς ἀνὴρ κληρονομήσει υἱοὺς υἱῶν (7 *b*)
Si. 4. 13. ὁ κρατῶν αὐτῆς κληρονομήσει δόξαν
6. 1. ὄνομα γὰρ πονηρὸν αἰσχύνην καὶ ὄνειδος κληρονομήσει
10. 11. ἐν γὰρ τῷ ἀποθανεῖν ἄνθρωπον κληρονομήσει ἑρπετὰ καὶ θηρία
19. 3. σκώληκες κληρονομήσουσιν αὐτόν [S¹ τὴν γῆν]
20. 25. ἀμφότεροι δὲ ἀπώλειαν κληρονομήσουσιν
22. 4. θυγάτηρ φρονίμη κληρονομήσει ἄνδρα αὐτῆς
24. 8. A ἐν Ἰσραὴλ κληρονομήθητι [B S κατακλ.]
37. 26. ὁ σοφὸς ἐν τῷ λαῷ αὐ. κληρονομήσει πίστιν
39. 23. ὀργὴν αὐτοῦ ἔθνη κληρονομήσει
45. 22. ἐν γῇ λαοῦ οὐ κληρονομήσει
46. 1. ὅπως κληρονομήσῃ [A S κατακλ.] τὸν Ἰσ.
Ho. 9. 6. τὸ ἀργύριον αὐτῶν ὅλεθρος κληρονομήσει αὐτό [A *om.*] (5 *a*)
Ob. 1. 20. κληρονομήσουσι τὰς πόλεις τοῦ ναγέβ (5 *a*)
Ze. 2. 9. οἱ κατάλοιποι . . . κληρονομήσουσιν αὐτούς (7 *a*)
Za. 9. 4. κύριος κληρονομήσει αὐτούς [A S¹ αὐτήν] (5 *b*)
Is. 14. 21. ἵνα μὴ ἀναστῶσι καὶ τὴν γῆν κληρονομήσωσι [S -σουσιν] (5 *a*)
17. 14. κληρονομία τοῖς ὑμᾶς κληρονομήσασιν [S¹ -σουσιν, A *al.*] (2 ?)
34. 17. εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον κληρονομήσετε [A -σατε] (5 *a*)
49. 8. κληρονομῆσαι κληρονομίας ἐρήμους [A S *al.*] (7 *b*)
53. 12. κληρονομήσει πολλούς (3)
54. 3. τὸ σπέρμα σου ἔθνη κληρονομήσει (5 *a*)
57. 13. κληρονομήσουσι τὸ ὄρος τὸ ἅγιόν μου (5 *a*)

Is. 58. 11. **A** κληρονομήσουσι γενεὰς γενεῶν –
60. 21. δι' αἰῶνος κληρονομήσουσι τὴν γῆν (5 *a*)
61. 7. ἐκ δευτέρας κληρονομήσουσι τὴν γῆν [S[1] *al.*] (5 *a*)
62. 4. οὐκέτι κληθήσῃ [S[1] κληρονομηθ.] Καταλελειμμένη †
63. 18. ἵνα μικρὸν κληρονομήσωμεν τοῦ ὄρους τοῦ ἁγίου σου (5 *a*)
65. 9. κληρονομήσει τὸ ὄρος τὸ ἅγιόν μου καὶ κληρονομήσουσιν οἱ ἐκλεκτοί μου (5 *b*, 5 *a*)
Ez. 7. 24. **A** κληρονομήσουσιν τοὺς οἴκους αὐτῶν (5 *a*)
33. 25, 26. **A** τὴν γῆν κληρονομήσετε (5 *a*)
35. 10. κληρονομήσω αὐτάς (5 *a*)
36. 12. κληρονομήσουσιν ὑμᾶς (5 *a*)
45. 9. **A** τὴν γῆν κληρονομήσουσιν –
I Ma. 1. 32. τὰ κτήνη ἐκληρονόμησαν [S[1] *om.*, S[2] ἑκλ. ἑαυτοῖς]
2. 10. **A R** ποῖον ἔθνος οὐκ ἐκληρονόμησε [S *add.* ἐν] βασιλείᾳ
— 57. Δαυὶδ . . . ἐκληρονόμησε θρόνον βασιλείας
[**Aq.** Pr. 14. 18 : 30. 23 : Is. 34. 11 : 61. 7 : Je. 12. 13 : 32 (39). 23 : 49 (30). 2 : Ez. 33. 24.]
[**Sm.** Dt. 11. 11 : Pr. 14. 18 : 30. 23 : Is. 34. 11 : 57. 13 : 61. 7 : Je. 32 (39). 23 : 49 (30). 2 : Ez. 33. 24.]
[**Th.** Pr. 14. 18 : 30. 23 : Is. 34. 11 : 57. 13 : 61. 7 : Ez. 7. 24 : 33. 24, 25, 26.]
[**Al.** Dt. 2. 12 : 19. 14 : Jo. 22. 9.]

κληρονομία. (1) אֲחֻזָּה (2) נְּבוּל (3) גּוֹרָל (4) חֵלֶק (5) *a.* יָרֵשׁ *b.* יְרֻשָּׁה *c.* יְרֻשָּׁה *d.* מוֹרָשָׁה *e.* מוֹרֶשֶׁת (6) *a.* נַחֲלָה *b.* נַחֲלָת

Ge. 31. 14. μὴ ἔστιν ἡμῖν ἔτι . . . κληρονομία (6 *a*)
Ex. 15. 17. εἰς ὄρος κληρονομίας σου (6 *a*)
Nu. 18. 20. **B** καὶ κληρονομία σου (6 *a*)
— 23. οὐ κληρονομήσουσι κληρονομίαν (6 *a*)
24. 18. ἔσται Ἐδὼμ κληρονομία καὶ ἔσται κληρονομία Ἡσαῦ (5 *b*, 5 *b*)
26. 54. τοῖς πλείοσι πλεονάσεις τὴν κλ. καὶ τοῖς ἐλάττοσιν ἐλαττώσεις τὴν κλ. αὐτῶν (6 *a*, 6 *a*)
— 54. δοθήσεται ἡ κλ. αὐτῶν (6 *a*)
— 56. ἐκ τοῦ κλήρου μεριεῖς τὴν κλ. αὐτῶν (6 *a*)
27. 7. δόμα δώσεις αὐταῖς κατάσχεσιν κληρονομίας (6 *a*)
— 8. περιθήσετε τὴν κλ. αὐτοῦ τῇ θυγατρὶ αὐ. (6 *a*)
— 9. δώσετε τὴν κλ. τῷ ἀδελφῷ αὐτοῦ (6 *a*)
— 10. δώσετε τὴν κλ. τῷ ἀδ. τοῦ πατρὸς αὐ. (6 *a*)
— 11. δώσετε τὴν κλ. τῷ οἰκείῳ τῷ ἐγγυτατα αὐτοῦ (6 *a*)
32. 18. ἕκαστος εἰς τὴν κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
34. 2. **A B[2] R** αὕτη ἔσται ὑμῖν εἰς [B[1] εἰς τὴν] κληρονομίαν (6 *a*)
35. 8. ἕκαστος κατὰ τὴν κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
36. 2. ἀποδοῦναι τὴν γῆν τῆς κλ. (6 *a*)
— 2. δοῦναι τὴν κλ. Σ. . . . ταῖς θυγατράσιν αὐτοῦ (6 *a*)
— 3. προστεθήσεται εἰς [**A** εἰς τὴν] κληρονομίαν (6 *a*)
— 3. ἐκ τοῦ κλήρου τῆς κλ. ἡμῶν (6 *a*)
— 4. προστεθήσεται ἡ κλ. αὐτῶν ἐπὶ τὴν κλ. τῆς φυλῆς (6 *a*, 6 *a*)
— 4. ἀπὸ τῆς κλ. φυλῆς πατριᾶς ἡμῶν ἀφαιρεθήσεται ἡ κλ. αὐτῶν (6 *a*, 6 *a*)
— 7. οὐχὶ περιστραφήσεται κληρονομία . . . ἀπὸ φυλῆς (6 *a*)
— 7. ἕκαστος ἐν τῇ κλ. τῆς φυλῆς (6 *a*)
— 8. πᾶσα θυγάτηρ ἀγχιστεύουσα κληρονομίαν (6 *a*)
— 8. ἕκαστος τὴν κλ. τὴν πατρικήν (6 *a*)
— 9. ἕκαστος ἐν τῇ κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
— 12. ἐγενήθη ἡ κλ. αὐτῶν ἐπὶ τὴν φυλήν (6 *a*)
De. 2. 12. τὴν γῆν τῆς [**A** *om.*] κλ. αὐτοῦ (5 *c*)
3. 20. ἕκαστος εἰς τὴν κλ. αὐτοῦ (5 *c*)
9. 26. **A** καὶ τὴν κλ. [**B** μερίδα] σου (6 *a*)
12. 9. οὐ γὰρ ἤκατε . . . εἰς τὴν κλ. (6 *a*)
19. 14. ἐν τῇ κλ. ᾗ [**A** σου ἣν] κατεκληρονομήθης (6 *a*)
32. 9. σχοίνισμα κληρονομίας αὐτοῦ Ἰσρ. (6 *a*)
33. 4. κληρονομίαν συναγωγαῖς Ἰακώβ (5 *d*)
Jo. 1. 15. ἕκαστος εἰς τὴν κλ. αὐτοῦ (5 *c*)
11. 23. ἔδωκεν αὐτοὺς Ἰ. ἐν κληρονομίᾳ Ἰσρ. (6 *a*)
12. 6. ἔδωκεν αὐτὴν Μ. ἐν κληρονομίᾳ [**A** -ρῳ] (5 *c*)
— 7. **A** ἔδωκεν αὐτὴν Ἰ. . . . κληρονομίαν [**B** -νομεῖν] (5 *c*)
Jo. 13. 1. ἡ γῆ ὑπολέλειπται πολλὴ εἰς κληρονομίαν (5 *a*)
— 7. μέρισον τὴν γῆν ταύτην ἐν κληρονομίᾳ (6 *a*)
— 14. τῆς φυλῆς [**A** τῇ φ. τῇ] Λευὶ οὐκ ἐδόθη κληρονομία (6 *a*)
— 14. οὗτος κληρονομία αὐτῶν (6 *a*)
— 23. αὕτη ἡ κλ. υἱῶν Ῥουβήν (6 *a*)
— 28. αὕτη ἡ κλ. υἱῶν Γάδ (6 *a*)
15. 20. αὕτη ἡ κλ. φυλῆς υἱῶν Ἰούδα (6 *a*)
16. 5. ἐγενήθη τὰ ὅρια τῆς κλ. αὐτῶν (6 *a*)
— 8. αὕτη ἡ κλ. φυλῆς [**A** *add.* υἱῶν] Ἐφραΐμ (6 *a*)
— 9. ἀνὰ μέσον τῆς κλ. υἱῶν Μανασσῆ (6 *a*)
17. 4. δοῦναι ἡμῖν κληρονομίαν (6 *a*)
18. 7. ἐλάβοσαν τὴν κλ. αὐτῶν (6 *a*)
— 20, 28. αὕτη ἡ κλ. υἱῶν Βενιαμίν (6 *a*)
19. 1. καὶ ἐγενήθη ἡ κλ. αὐτῶν (6 *a*)
— 8. αὕτη ἡ κλ. φυλῆς υἱῶν Συμεών (6 *a*)
— 9. ἡ κλ. φυλῆς υἱῶν Συμεών (6 *a*)
— 10. ἔσται τὰ ὅρια τῆς κλ. αὐτῶν (6 *a*)
— 16. αὕτη ἡ κλ. τῆς φυλῆς υἱῶν Ζαβ. (6 *a*)
— 23. αὕτη ἡ κλ. φυλῆς υἱῶν Ἰσσ. (6 *a*)
— 31. αὕτη ἡ κλ. φυλῆς υἱῶν Ἀσήρ (6 *a*)
— 39. αὕτη ἡ κλ. φυλῆς υἱῶν Νεφθ. (6 *a*)
— 48. αὕτη ἡ κλ. φυλῆς υἱῶν Δάν (6 *a*)
24. 4. **A** ἔδωκα . . . τὸ ὄρος τὸ Σηεὶρ κληρονομίαν [**B** -μῆσαι] αὐτῷ (5 *a*)
Jd. 2. 6. ἦλθεν [**A** ἀπῆλθαν] . . . εἰς τὴν κλ. (6 *a*)
— 9. ἐν ὁρίῳ [**A** ὄρει] τῆς κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
18. 1. ἐζήτει ἑαυτῇ κληρονομίαν (6 *a*)
— 1. οὐκ ἐνέπεσεν αὐτῇ . . . κληρονομία (6 *a*)
20. 6. ἐν παντὶ ὁρίῳ κληρονομίας υἱῶν [**A** *om.*] Ἰσρ. (6 *a*)
21. 17. κληρονομία διασωζομένων [**A** σεσωσμένη] (5 *c*)
— 23. ὑπέστρεψαν εἰς [**A** ἀπ. ἐπὶ] τὴν κλ. αὐτῶν (6 *a*)
— 24. **A R** ἀνὴρ εἰς τὴν [**B** *om.*] κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
Ru. 4. 5. ὥστε ἀναστῆσαι [**A** -σασθαι] . . . ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
— 6. μή ποτε διαφθείρω τὴν κλ. μου (6 *a*)
— 10. τοῦ ἀναστῆσαι . . . ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
I Ki. 10. 1. ἔχρισέ σε κύριος ἐπὶ κληρονομίαν αὐτοῦ (6 *a*)
26. 19. μὴ ἐστηρίσθαι ἐν κληρονομίᾳ κυρίου (6 *a*)
II Ki. 14. 16. ἐξᾶραί με . . . ἀπὸ κληρονομίας θεοῦ (6 *a*)
20. 1. οὐδὲ κληρονομία ἡμῖν ἐν τῷ υἱῷ Ἰ. (6 *a*)
— 19. ἵνα τί καταποντίζεις κληρονομίαν κυρίου (6 *a*)
21. 3. εὐλογήσετε τὴν κλ. κυρίου (6 *a*)
III Ki. 8. 36. ἣν ἔδωκας . . . ἐν κληρονομίᾳ (6 *a*)
— 51. λαός σου καὶ κληρονομία σου (6 *a*)
— 53. **A R** διέστειλας αὐτοὺς [**B** *om.*] σαυτῷ εἰς κληρονομίαν (6 *a*)
12. 16. οὐκ ἔστιν ἡμῖν κληρονομία ἐν υἱῷ Ἰ. (6 *a*)
— 24. **B** οὐδὲ κληρονομία ἐν υἱῷ Ἰ. –
20 (21). 3. δοῦναι κληρονομίαν πατέρων μου σοί (6 *a*)
— 4. **A** οὐ δώσω σοι κληρονομίαν πατέρων μου (6 *a*)
— 6. οὐ δώσω σοι κληρονομίαν πατέρων μου †
IV Ki. 21. 14. ἀπεώσομαι τὸ ὑπόλειμμα τῆς κλ. μου (6 *a*)
I Ch. 16. 18. σχοίνισμα κληρονομίας ὑμῶν (6 *a*)
21. 12. ἐξολεθρεύων ἐν [**A** *om.*] πάσῃ κλ. Ἰσρ. (2)
II Ch. 6. 27. ἣν ἔδωκας τῷ λαῷ σου εἰς κληρονομίαν (6 *a*)
10. 16. καὶ κληρονομία ἐν υἱῷ Ἰεσσαί (6 *a*)
20. 11. ἀπὸ [**A** ἐκ] τῆς κλ. ἡμῶν (5 *c*)
31. 1. ἕκαστος εἰς τὴν κλ. αὐτοῦ (1)
To. 6. 11. σοὶ ἐπιβάλλει ἡ κλ. αὐτῆς [S *al.*]
— 12. τὴν κλ. σοι καθήκει λαβεῖν [S *al.*]
Ju. 4. 12. καὶ τὰς πόλεις τῆς κλ.
8. 22. τὴν ἐρήμωσιν τῆς κλ. ἡμῶν
9. 12. καὶ θεὸς κληρονομίας Ἰσρ.
13. 5. ἀντιλαβέσθαι τῆς κλ. σου
16. 21. ἀνέζευξεν ἕκαστος [**A** *om.*] εἰς τὴν κλ. αὐτοῦ
Es. 4. 17. ἀπολέσαι τὴν ἐξ ἀρχῆς κλ. σου
— 17. ἔλαβες τὸν Ἰσρ. . . . εἰς κλ. αἰώνιον
— 17. ἀφανίσαι κληρονομίαν σου
10. 3. ἐδικαίωσε τὴν κλ. αὐτοῦ
Jb. 31. 2. καὶ κληρονομία ἱκανοῦ (6 *a*)
42. 15. ἔδωκε δὲ αὐταῖς ὁ πατὴρ κληρονομίαν (6 *a*)
Ps. 2. 8. δώσω σοι ἔθνη τὴν κλ. σου (6 *a*)
15 (16). 5. κύριος ἡ μερὶς τῆς κλ. μου (4)
— 5. σὺ εἶ ὁ ἀποκαθιστῶν τὴν κλ. μου ἐμοί (3)
— 6. ἡ κλ. μου κρατίστη μοί ἐστιν (6 *b*)
27 (28). 9. εὐλόγησον τὴν κλ. σου (6 *a*)
32 (33). 12. ὃν ἐξελέξατο εἰς κληρονομίαν ἑαυτῷ (6 *a*)
Ps. 36 (37). 18. ἡ κλ. αὐτῶν εἰς τὸν αἰῶνα ἔσται (6 *a*)
46 (47). 4. ἐξελέξατο ἡμῖν τὴν κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
60 (61). 5. ἔδωκας κληρονομίαν τοῖς φοβουμένοις τὸ ὄνομά σου (5 *c*)
67 (68). 9. βροχὴν ἑκούσιον ἀφορίεις, ὁ θεός, τῇ κλ. σου (6 *a*)
73 (74). 2. ἐλυτρώσω ῥάβδον κληρονομίας σου (6 *a*)
77 (78). 62. τὴν κλ. αὐτοῦ ὑπερείδε (6 *a*)
— 71. καὶ Ἰσραὴλ τὴν κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
78 (79). 1. ἦλθοσαν ἔθνη εἰς τὴν κλ. σου (6 *a*)
93 (94). 5. τὴν κλ. σου ἐκάκωσαν (6 *a*)
— 14. τὴν κλ. αὐτοῦ οὐκ ἐγκαταλείψει (6 *a*)
104 (105). 11. σχοίνισμα κληρονομίας ὑμῶν (6 *a*)
105 (106). 5. τοῦ ἐπαινεῖσθαι μετὰ τῆς κλ. [S[1] ἐν τῇ κλ.] σου (6 *a*)
— 40. ἐβδελύξατο τὴν κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
110 (111). 6. τοῦ δοῦναι αὐτοῖς κληρονομίαν ἐθνῶν (6 *a*)
126 (127). 3. ἰδοὺ ἡ κλ. κυρίου υἱοί (6 *a*)
134 (135). 12. **A S** ἔδωκε τὴν γῆν αὐ. κληρονομίαν κληρονομίαν Ἰσραὴλ δούλῳ αὐ. (6 *a*, 6 *a*)
135 (136). 21. καὶ δόντι τὴν γῆν αὐτῶν κληρονομίαν (6 *a*)
— 22. κληρονομίαν Ἰσραὴλ δούλῳ [S[2] λαῷ] αὐτοῦ (6 *a*)
Ec. 7. 12 (11). ἀγαθὴ σοφία μετὰ κληρονομίας [**A S** -δοσίας] (6 *a*)
Si. 9. 6. ἵνα μὴ ἀπολέσῃς τὴν κλ. σου [S[1] *al.*]
22. 23. ἵνα ἐν τῇ κλ. αὐτοῦ συγκληρονομήσῃς
23. 12. μὴ εὑρεθήτω ἐν κληρονομίᾳ Ἰακώβ
24. 7. ἐν κληρονομίᾳ τίνος αὐλισθήσομαι
— 12. ἐν μερίδι κυρίου κληρονομίας αὐτοῦ
— 20. ἡ κλ. μου ὑπὲρ μέλιτος κηροῦ [**A** καὶ κηρίου]
— 23. κληρονομίαν συναγωγαῖς Ἰακώβ
30. 32 (33. 23). ἐν καιρῷ τελευτῆς διάδος κληρονομίαν
41. 6. τέκνων ἁμαρτωλῶν ἀπολεῖται κληρονομία
42. 3. περὶ δόσεως κληρονομίας ἑταίρων [**A S** ἑτέρων]
44. 11. μετὰ τοῦ σπέρμ. αὐ. διαμενεῖ ἀγαθὴ κλ.
— 23. ἔδωκεν αὐτῷ ἐν κληρονομίᾳ
45. 20. ἔδωκεν αὐτῷ κληρονομίαν
— 22. αὐτὸς γὰρ μερίς σου κληρονομία [**A S**[2] καὶ κλ.]
— 25. κληρονομία βασιλέως υἱοῦ ἐξ υἱοῦ μόνου κληρονομία Ἀαρὼν [**A** αὐτῷ, **S** αὐτῶν] καὶ τῷ σπέρματι αὐτοῦ
46. 8. εἰσαγαγεῖν αὐτοὺς εἰς κληρονομίαν
— 9. τὸ σπέρμα αὐ. κατέσχε κληρονομίαν [**A** *al.*]
Mi. 1. 14. ἐξαποστελλομένους ἕως κληρονομίας Γ. (5 *e*)
— 15. κληρονομία ἕως Ὀδ. ἥξει †
2. 2. διήρπαζον . . . ἄνδρα καὶ τὴν κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
7. 14. ποίμαινε . . . πρόβατα κληρονομίας σου (6 *a*)
— 18. τοῖς καταλοίποις τῆς κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
Jl. 2. 17. καὶ μὴ δῷς τὴν κλ. σου εἰς ὄνειδος (6 *a*)
3 (4). 2. διακριθήσομαι πρὸς αὐτοὺς . . . ὑπὲρ . . . τῆς κλ. μου (6 *a*)
— 6. ἐκ τῶν ὁρίων [S[3] *add.* τῆς κλ.] αὐτῶν (2 ?)
Za. 4. 7. ἐξοίσω τὸν λίθον τῆς κλ. ἰσότητα χάριτος †
Ma. 1. 3. ἔταξα . . . τὴν κλ. αὐτοῦ εἰς δώματα ἐρήμου (6 *a*)
Is. 17. 14. κλ. τοῖς ὑμᾶς κληρονομήσασιν [**A** τῶν ὑ. κληρονομησάντων] (3)
19. 25. **A S R** εὐλογημένος ὁ λαός μου . . . καὶ ἡ [**B** *add.* γῆ] κλ. μου Ἰσραήλ (6 *a*)
47. 6. ἐμίανας τὴν κλ. μου (6 *a*)
49. 8. κληρονομῆσαι κληρονομίας ἐρήμους [**A S** *al.*] (6 *a*)
54. 17. ἔστι κλ. τοῖς θεραπεύουσι κύριον [**A** -ίῳ] (6 *a*)
58. 14. ψωμιεῖ σε τὴν κλ. Ἰακώβ (6 *a*)
63. 17. διὰ τὰς φυλὰς τῆς κλ. σου (6 *a*)
Je. 2. 7. τὴν κλ. μου [**A** καὶ] ἔθεσθε εἰς βδέλυγμα (6 *a*)
3. 19. δώσω σοι γῆν ἐκλεκτὴν κληρονομίαν θεοῦ (6 *a*)
10. 16. ὁ πλάσας τὰ πάντα αὐτὸς κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
12. 7. ἀφῆκα τὴν κλ. μου (6 *a*)
— 8. ἐγενήθη ἡ κλ. μου ἐμοὶ ὡς λέων (6 *a*)
— 9. μὴ σπήλαιον ὑαίνης [**A** λῃστῶν] ἡ κλ. μου ἐμοί (6 *a*)
— 14. τάδε λέγει κύριος περὶ . . . τῶν ἁπτομένων τῆς κλ. μου (6 *a*)
— 15. κατοικιῶ αὐτοὺς ἕκαστον εἰς τὴν κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
16. 18. ἐπλημμέλησαν τὴν κλ. μου (6 *a*)

Je. 27 (50). 11. διαρπάζοντες τὴν κλ. μου (6 a)
28 (51). 19. ὁ πλάσας τὰ πάντα αὐτός ἐστι κλ. αὐτοῦ (6 a)
La. 5. 2. κλ. ἡμῶν μετεστράφη ἀλλοτρίοις (6 a)
Ez. 11. 15. ἡμῖν δέδοται ἡ γῆ εἰς κληρονομίαν (5 d)
25. 4. παραδίδωμι ὑμᾶς τοῖς υἱοῖς κεδὲμ εἰς κληρονομίαν (5 d)
— 10. δέδωκα αὐτῷ εἰς κληρονομίαν (5 d)
44. 28. ἔσται αὐτοῖς εἰς κληρονομίαν ἐγὼ κλ. αὐτοῖς (6 a, 6 a)
45. 1. ἐν τῷ καταμετρεῖσθαι ὑμᾶς τὴν γῆν ἐν κληρονομίᾳ (6 a)
46. 16. ἐὰν δῷ . . . ἐκ τῆς κλ. αὐτοῦ τοῦτο τοῖς υἱοῖς αὐτοῦ ἔσται κατάσχεσις κλ. [A al.] (6 a, 6 a)
— 17. A ἐὰν δὲ δῷ δόμα ἐκ τῆς κλ. αὐ. [B al.] (6 a)
— 17. πλὴν τῆς κλ. τῶν υἱῶν αὐτοῦ αὐτοῖς ἔσται (6 a)
— 18. οὐ μὴ λάβῃ ὁ ἀφηγούμενος ἐκ τῆς κλ. τοῦ λαοῦ (6 a)
— 18. A ἀπὸ τῆς κλ. αὐτοῦ (1)
47. 14. πεσεῖται ἡ γῆ αὕτη ὑμῖν ἐν κληρονομίᾳ (6 a)
— 22. μεθ' ὑμῶν φάγονται ἐν κληρονομίᾳ (6 a)
— 23. ἐκεῖ δώσετε κληρονομίαν αὐτοῖς (6 a)
48. 28. ἀπὸ . . . ὕδατος βαριμὼθ Κάδης κληρονομίας [A -α] (6 a)
I Ma. 2. 56. A ἔλαβε γῆν [S τὴν, R γῆς] κληρονομίαν
6. 24. αἱ κλ. ἡμῶν διηρπάζοντο
15. 33. ἀλλὰ τῆς κλ. τῶν πατέρων ἡμῶν
— 34. ἀντεχόμεθα τῆς κλ. τῶν [A ἡμῶν καὶ τ.] πατέρων ἡμῶν
II Ma. 2. 4. ἐθεάσατο τὴν τοῦ θεοῦ κλ.
— 17. R ἀποδοὺς τὴν κλ. [A κλ. αὐτοῦ] πᾶσι
[Aq. Ps. 46 (47). 5: 73 (74). 2: Pr. 17. 2: Je. 10. 16.]
[Sm. Jb. 27. 13: Pr. 17. 2: 20. 21.]
[Th. Jb. 27. 13: Pr. 17. 2: 20. 21: Je. 10. 16: 32 (39). 8: Ez. 35. 15.]

κληρονόμος. (1) יָרַשׁ

Jd. 18. 7. B κληρονόμος ἐκπιέζων θησαυρούς (1)
II Ki. 14. 7. ἐξαροῦμεν καί γε τὸν κλ. ὑμῶν (1)
Si. 23. 22. γυνὴ . . . παριστῶσα κληρονόμον ἐξ ἀλλοτρίου
Mi. 1. 15. ἕως τοῦς κλ. ἀγάγωσι (1)
Je. 8. 10. δώσω . . . τοὺς ἀγροὺς αὐτῶν τοῖς κλ. (1)
13. 25. S οὗτος ὁ κλ. [A B κλῆρός] σου καὶ μερίς †
[Aq., Sm. Je. 49 (30). 1: Mi. 1. 15.]

κλῆρος. (1) גּוֹרָל (2) חֶבֶל (3) a. חֵלֶק b. מַחֲלֹקֶת (4) a. יָרֵשׁ b. יְרֻשָּׁה c. מוֹרָשָׁה (5) מִשְׁפָּחָה (6) נַחֲלָה (7) פּוּר (8) קִרְבָּן

Ge. 48. 6. κληθήσονται ἐπὶ [A ἐν] τοῖς ἐκείνων κλ. (6)
49. 14. ἀναπαυόμενος ἀνὰ μέσον τῶν κλ. [A al.] †
Ex. 6. 8. δώσω ὑμῖν αὐτὴν ἐν κλήρῳ (4 c)
Le. 16. 8. R ἐπιθήσει Α. ἐπὶ τοὺς δύο χιμάρους κλήρους [A B om.] κλ. ἕνα τῷ κυρίῳ καὶ κλ. ἕνα τῷ ἀποπομπαίῳ (1 ter)
— 9. ἐφ' ὃν ἐπῆλθεν ἐπ' αὐτὸν ὁ κλ. τῷ κ. (1)
— 10. ὁ κλ. τοῦ ἀποπομπαίου (1)
Nu. 16. 14. A R ἔδωκας ἡμῖν κλῆρον [B καιρὸν] ἀγροῦ (6)
18. 21. δέδωκα πᾶν ἐπιδέκατον . . . ἐν κλήρῳ (6)
— 24. δέδωκα τοῖς Λευίταις ἐν κλήρῳ (6)
— 24. οὐ κληρονομήσουσι κλῆρον (6)
— 26. ὃ δέδωκα ὑμῖν παρ' αὐτῶν ἐν κλήρῳ (6)
26. 55. διὰ κλήρων μερισθήσεται ἡ γῆ (1)
— 56. ἐκ τοῦ κλ. μερεῖς τὴν κληρονομίαν αὐ. (1)
— 62. οὐ δίδοται αὐτοῖς κλῆρος (6)
27. 6 (7). περιθήσεις τὸν κλ. τοῦ πατρὸς αὐτῶν αὐταῖς (6)
32. 19. ἀπέχομεν τοὺς κλ. ἡμῶν (6)
33. 53. δέδωκα τὴν γῆν αὐτῶν ἐν κλήρῳ (4 a)
— 54. A B² R κατακληρονομήσετε . . . ἐν κλήρῳ [A κληρωτί] (1)
34. 13. κατακληρονομήσετε αὐτὴν μετὰ κλήρου (1)
— 14. ἀπέλαβον τοὺς κλ. αὐτῶν (6)
— 15. ἔλαβον τοὺς κλ. αὐτῶν (6)
35. 2. ἀπὸ τῶν κλ. κατασχέσεως αὐτῶν (6)
36. 2. ἀποδοῦναι τὴν γῆν . . . ἐν κλήρῳ (1)
— 3. ἀφαιρεθήσεται ὁ κλ. αὐτῶν (6)
— 3. ἐκ τοῦ κλ. τῆς κληρονομίας ἡμῶν (1)
— 9. οὐ [A om.] περιστραφήσεται κλῆρος ἐκ φυλῆς (6)
De. 2. 5. ἐν κλήρῳ δέδωκα . . . τὸ ὄρος τὸ Σηείρ (4 b)
— 9, 19. οὐ γὰρ μὴ δῶ . . . ἐν κλήρῳ (4 b)
— 19. τοῖς υἱοῖς Λὼτ δέδωκα αὐτὴν ἐν κλήρῳ (4 b)
3. 18. ἔδωκεν ὑμῖν τὴν γῆν ταύτην ἐν κλήρῳ (4 a)
4. 21. δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ (6)
5. 31 (28). ἣν ἐγὼ δίδωμι αὐτοῖς ἐν κλήρῳ (4 a)
9. 29. οὗτοι λαός σου καὶ κλῆρός σου (6)
10. 9. οὐκ ἔστι [A ἔσται] . . . μερὶς καὶ κλῆρος (6)
— 9. κύριος αὐτὸς κλ. αὐτοῦ (6)
11. 31: 12. 1. δίδωσιν ὑμῖν ἐν κλήρῳ (4 a)
12. 12. οὐκ ἔστιν αὐτῷ . . . κλῆρος μεθ' ὑμῶν (6)
14. 27. οὐκ ἔστιν αὐτῷ [A om.] . . . κλῆρος μετὰ σοῦ (6)
— 29. οὐκ ἔστιν αὐτῷ . . . κλῆρος μετὰ σοῦ (6)
15. 4. δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ (6)
— 7: 17. 14. A δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ [B om. ἐν κλ.] –
18. 1. οὐκ ἔσται τοῖς ἱερεῦσι . . . κλῆρος (6)
— 1. καρπώματα κυρίου [A -μα κυρίῳ] ὁ κλ. αὐτῶν (6)
— 2. κλῆρος δὲ οὐκ ἔσται αὐτοῖς [A -ῷ] (6)
— 2. κύριος αὐτὸς κλ. αὐτοῦ (6)
19. 10. δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ (6)
— 14. δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ (4 a ?)
21. 23. δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ (6)
24. 4. δίδωσί σοι [A ὑμῖν] ἐν κλήρῳ (6)
25. 15. δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ –
— 19: 26. 1. A δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ [B om. ἐν κλ.] (6)
26. 2. A δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ [B om. ἐν κλ.] –
29. 8 (7). ἔδωκα αὐτὴν ἐν κλήρῳ τῷ 'Ρ. (6)
Jo. 12. 6. A ἔδωκεν αὐτὴν Μωυσῆς ἐν κλήρῳ [B -ρονομίᾳ] (4 b)
— 7. κληρονομεῖν [A -μίαν] κατὰ κλῆρον αὐ. (3 b)
13. 6. διάδος αὐτὴν ἐν κλήρῳ τῷ 'Ισρ. (6)
14. 2. κατὰ κλήρους ἐκληρονόμησαν (6)
— 3. οὐκ ἔδωκε κλῆρον ἐν αὐτοῖς (6)
— 9. ἡ γῆ . . . σοὶ ἔσται ἐν κλήρῳ (6)
— 13. ἔδωκε Χεβρὼν . . . ἐν κλήρῳ (6)
— 14. ἐγενήθη ἡ Χεβρὼν . . . ἐν κλήρῳ (6)
17. 4. ἐδόθη αὐτοῖς . . . κλῆρος (6)
— 6. ἐκληρονόμησαν κλῆρον (6)
— 14. διὰ τί ἐκληρονόμησας ἡμᾶς κλ. ἕνα (1 + 6)
— 17. οὐκ ἔσται σοι κλ. εἷς (1)
18. 6, 8. ἐξοίσω ὑμῖν κλῆρον (1)
— 10. ἐνέβαλεν αὐτοῖς 'Ι. κλῆρον (1)
— 11. ἐξῆλθεν ὁ κλ. φυλῆς Βεν. (1)
— 11. ἐξῆλθεν ὅρια τοῦ κλ. αὐτῶν (1)
19. 1. ἐξῆλθεν ὁ δεύτερος κλ. [A κλ. ὁ δ.] τῶν υἱῶν Σ. (1)
— 1. ἀνὰ μέσον κλήρων [A -ου] υἱῶν 'Ιούδα (6)
— 2. καὶ ἐγενήθη ὁ κλ. αὐτῶν (6)
— 8. A αὕτη ἡ κληρονομία . . . κατὰ κλήρους [B δήμους] (5)
— 9. ἀπὸ τοῦ κλ. [A τῶν υἱῶν] 'Ιούδα (2)
— 9. ἐκληρονόμησαν . . . ἐν μέσῳ τοῦ κλ. αὐ. (6)
— 10. ἐξῆλθεν ὁ κλ. ὁ τρίτος (1)
— 17. ἐξῆλθεν ὁ κλ. ὁ τέταρτος (1)
— 24. ἐξῆλθεν ὁ κλ. ὁ πέμπτος (1)
— 32. ἐξῆλθεν ὁ κλ. ὁ ἕκτος (1)
— 40. ἐξῆλθεν ὁ κλ. ὁ ἕβδομος (1)
— 49. ἔδωκαν οἱ υἱοὶ 'Ισραὴλ κλῆρον (6)
— 51. ἐν ταῖς φυλαῖς 'Ισρ. κατὰ κλήρους (1)
21. 4. ἐξῆλθεν ὁ κλ. τῷ δήμῳ Καάθ (1)
— 10. τούτοις ἐγενήθη ὁ κλ. (1)
23. 4. ἐν τοῖς κλ. εἰς τὰς φυλὰς ὑμῶν (6)
24. 30. πρὸς τοῖς ὁρίοις τοῦ κλ. αὐτοῦ (6)
Jd. 1. 3. ἀνάβηθι μετ' ἐμοῦ ἐν τῷ κλ. μου (1)
— 3. πορεύσομαι . . . ἐν τῷ κλ. σου (1)
20. 9. ἀναβησόμεθα ἐπ' αὐτὴν ἐν κλήρῳ (1)
21. 22. ὡς κλῆρος [A κατὰ τὸν καιρὸν] πλημμελήσατε †
I Ch. 6. 54 (39). αὐτοῖς ἐγένετο ὁ κλ. (1)
— 61 (46). τοῖς υἱοῖς Κ. . . . κλήρῳ πόλεις δέκα (1)
— 63 (48). τοῖς υἱοῖς Μ. . . κλήρῳ πόλεις δέκα δύο (1)
— 65 (50). ἔδωκαν ἐν κλήρῳ . . . τὰς πόλεις ταύτας (1)
24. 5. διεῖλεν αὐτοὺς κατὰ κλ. τούτους (1)
— 7. ἐξῆλθεν ὁ κλ. [A ὁλόκληρος] ὁ πρῶτος (1)
— 31. καὶ ἔλαβον καὶ αὐτοὶ κλήρους (1)
25. 8. ἔβαλον καὶ αὐτοὶ κλήρους ἐφημεριῶν (1)
— 9. ἐξῆλθεν ὁ κλ. [A ὁλόκληρος] ὁ πρῶτος (1)
26. 13. καὶ ἔβαλον κλήρους (1)
— 14. ἔπεσεν ὁ κλ. τῶν πρὸς [A κατὰ] ἀνατολάς (1)
I Ch. 26. 14. ἔβαλον κλήρους (1)
— 14. ἐξῆλθεν ὁ κλ. βορρᾶ (1)
I Es. 4. 56. κλήρους καὶ ὀψώνια
Ne. 10. 34 (35). καὶ κλήρους ἐβάλομεν περὶ κλήρου ξυλοφορίας (1, 8)
11. 1. A S² ἔβαλον [B S¹ ἐλάβοσαν] κλήρους (1)
Es. 3. 7. καὶ ἔβαλε κλήρους (7 + 1)
— 7. καὶ ἔπεσεν ὁ κλ. –
4. 17. ἱλάσθητι τῷ κλ. σου
9. 24. ἔθετο ψήφισμα καὶ κλῆρον [S² ἔβαλεν Φοὺρ ὅ ἐστιν κλῆρος] (1)
— 26. ἐπεκλήθησαν . . . Φρ. διὰ τοὺς κλ. (7)
10. 3. B S ἐποίησε κλήρους δύο
— 3. A B² S ἦλθον οἱ δύο κλ. . . . εἰς ὥραν καὶ κλῆρον [R καιρόν]
Ps. 21 (22). 18. ἐπὶ τὸν ἱματισμόν μου ἔβαλον κλῆρον (1)
30 (31). 15. ἐν ταῖς χερσί σου οἱ κλ. μου †
67 (68). 13. ἐὰν κοιμηθῆτε ἀνὰ μέσον τῶν κλ. †
124 (125). 3. ἐπὶ τὸν κλ. τῶν δικαίων (1)
Pr. 1. 14. τὸν δὲ σὸν κλ. βάλε ἐν [S¹ om.] ἡμῖν (1)
18. 18. S² ἀντιλογίας παύει κλῆρος [A B S¹ σιγηρός] (1)
Wi. 2. 9. αὕτη ἡ μερὶς ἡμῶν καὶ ὁ κλ. οὗτος [A ἡμῶν]
3. 14. κλῆρος ἐν ναῷ κυρίου θυμηρέστερος
5. 5. ἐν ἁγίοις ὁ κλ. αὐτοῦ ἐστιν
Si. 14. 15. τοὺς κόπους σου εἰς διαίρεσιν [A S² -σεις] κλήρου [A -ων]
25. 19. κλῆρος ἁμαρτωλοῦ ἐπιπέσοι αὐτῇ
37. 8. μή ποτε βάλῃ ἐπὶ σοὶ κλῆρον
Ho. 5. 7. καταφάγεται . . . τοὺς κλ. αὐτῶν (3 a)
Mi. 2. 5. οὐκ ἔσται σοι βάλλων σχοινίον ἐν κλήρῳ (1)
Jl. 3 (4). 3. ἐπὶ τὸν λαόν μου ἔβαλον κλήρους (1)
Ob. 1. 11. καὶ ἐπὶ 'Ιερουσαλὴμ ἔβαλον κλήρους (1)
Jn. 1. 7. δεῦτε βάλωμεν κλήρους (1)
— 7. ἔβαλον κλήρους καὶ ἔπεσεν ὁ κλ. ἐπὶ 'Ι. (1, 1)
Na. 3. 10. ἐπὶ πάντα τὰ ἔνδοξα αὐτῆς βαλοῦσι κλήρους (1)
Is. 34. 17. αὐτὸς ἐπιβαλεῖ αὐτοῖς κλήρους (1)
57. 6. οὗτός σου ὁ κλ. (1)
Je. 12. 13. οἱ κλ. αὐτῶν οὐκ ὠφελήσουσιν αὐτούς †
13. 25. οὗτος ὁ κλ. [S -ρονόμος] σου καὶ μερίς (1)
Ez. 24. 6. AR οὐκ ἔπεσεν [B ἐπέπ.] ἐπ' αὐτὴν κλ. (1)
47. 22. βαλεῖτε αὐτὴν ἐν κλήρῳ (6)
48. 29. ἣν βαλεῖτε ἐν κλήρῳ (6)
Da. TH. 12. 13. ἀναστήσῃ εἰς τὸν κλ. σου (1)
I Ma. 2. 54. S ἔλαβε κλῆρον διαθήκης [A R ἔλ. διαθήκην]
[Aq. Ge. 49. 14: Jo. 21. 20: Jd. 5. 16: II Ki. 2. 16: Pr. 18. 18.]
[Sm. Le. 16. 8 bis: Jo. 21. 20: II Ki. 2. 16: Ps. 67 (68). 14: Pr. 18. 18: Je. 16. 19.]
[Th. Pr. 18. 18: Is. 47. 6: Da. 12. 13.]
[Al. Nu. 27. 8: 34. 14: Jo. 21. 4: Pr. 1. 14.]

κληροῦν. (1) לָכַד ni. (2) נָחַלָה (3) קָרָא ni.

I Ki. 14. 41. καὶ κληροῦται 'Ιων. (1)
Es. 4. 11. A οὐκ ἐκληρώθην [B S οὐ κέκλημαι] εἰσελθεῖν [S ἐλ.] (3)
Is. 17. 11. ᾗ ἂν ἡμέρᾳ κληρώσῃ καὶ ὡς πατὴρ ἀνθρώπου κληρώσῃ [S -σει] τοῖς υἱοῖς σου (2 ?, –)

κληρουργία.

[Sm. Ru. 4. 7.]

κληρουχεῖν.

[Sm. Ps. 81 (82). 8.]

κληρουχία. (1) נַחֲלָה

Ne. 11. 20. S² ἕκαστος ἐν τῇ κλ. αὐτοῦ (1)
[Sm. Ps. 46 (47). 5: 73 (74). 2.]

κληρωτί. (1) בַּגּוֹרָל, בְּגוֹרָל

Nu. 33. 54. A κατακληρονομήσετε . . . κλ. [B² R ἐν κλήρῳ] (1)
Jo. 21. 4. κλ. πόλεις δέκα τρεῖς (1)
— 5. κλ. πόλεις δέκα (1)
— 6. A κλ. [B om.] πόλεις δέκα τρεῖς (1)
— 7. κλ. πόλεις δώδεκα –
— 8. ἔδωκαν οἱ υἱοὶ 'Ισρ. . . . κλ. (1)

κλῆσις. (1) קְרָא

Ju. 12. 10. A οὐκ ἐκάλεσεν εἰς τὴν κλ. [B χρῆσιν] οὐδένα

Je. 38 (31). 6. ἔστιν ἡμέρα κλήσεως ἀπολογουμένων (1)
III Ma. 5. 14. ὁ πρὸς ταῖς κλ. τεταγμένος

κλητέος.

Ep. Je. 40. πῶς . . . κλητέον αὐτοὺς ὑπάρχειν θεούς
— 44. πῶς οὖν . . . κλητέον ὡς θεοὺς αὐτοὺς ὑπάρχειν
— 64. οὔτε κλητέον [A ἐκδεκτέον] αὐτοὺς θεούς

κλητός. (1) *a.* קָרָא *b.* מִקְרָא

Ex. 12. 16. κλητὴ ἁγία ἔσται ὑμῖν (1 *b*)
Le. 23. 2. ἃς καλέσετε αὐτὰς κλητὰς ἁγίας (1 *b*)
— 3. κλητὴ ἁγία τῷ κυρίῳ (1 *b*)
— 4. R αὗται αἱ ἑορταὶ . . . κληταὶ ἅγιαι [A B¹ *al.*] (1 *b*)
— 7. ἡ ἡμέρα ἡ πρώτη κλητὴ ἁγία ἔσται ὑμῖν (1 *b*)
— 8. ἡ ἡμέρα ἡ ἑβδόμη κλητὴ ἁγία ἔσται ὑμῖν (1 *b*)
— 21. καλέσετε ταύτην τὴν ἡμέραν κλητήν [A -ή] (1 *b*)
— 24, 27. κλητὴ ἁγία ἔσται ὑμῖν (1 *b*)
— 35. ἡ ἡμέρα ἡ πρώτη κλητὴ ἁγία (1 *b*)
— 36. ἡ ἡμέρα ἡ ὀγδόη κλητὴ ἁγία ἔσται ὑμῖν (1 *b*)
— 37. ἃς καλέσετε κλητὰς ἁγίας (1 *b*)
Nu. 28. 25. κλητὴ ἁγία ἔσται ὑμῖν (1 *b*)
Jd. 14. 11. ἔλαβον τριάκοντα κλητούς †
II Ki. 15. 11. διακόσιοι ἄνδρες ἐξ Ἱερ. κλητοί (1 *a*)
III Ki. 1. 41. Ἀδωνίας καὶ πάντες οἱ κλ. αὐτοῦ (1 *a*)
— 49. πάντες οἱ κλ. τοῦ Ἀδωνίου (1 *a*)
Ze. 1. 7. ἡγίακε τοὺς κλητοὺς αὐτοῦ (1 *a*)
III Ma. 5. 14. ἀθρόους τοὺς κλ. ἰδών
[Aq., Th. Pr. 9. 18 : Is. 1. 13 : 48. 12.]
[Sm. Pr. 9. 18 : Is. 1. 13 : 48. 12.]
[Al. Nu. 28. 16 : 29. 12 : I Ki. 9. 13.]

κλίβανος. (1) תַּנּוּר

Ge. 15. 17. ἰδοὺ κλίβανος καπνιζόμενος (1)
Ex. 8. 3 (7. 28). εἰσελεύσονται . . . ἐν τοῖς κλ. σου (1)
Le. 2. 4. R θυσίαν πεπεμμένην ἐκ κλιβάνου [A B λιβ.] (1)
6. 39 (7. 9). ἥτις ποιηθήσεται ἐν τῷ κλ. (1)
11. 35. κλίβανοι . . . καθαιρεθήσονται (1)
26. 26. πέψουσι δέκα γυναῖκες . . . ἐν κλ. ἑνί (1)
Ps. 20 (21). 9. θήσεις αὐτοὺς ὡς κλίβανον πυρός (1)
Ho. 7. 4. πάντες μοιχεύοντες ὡς κλ. καιόμενος (1)
— 6. διότι ἀνεκαύθησαν ὡς κλίβανος αἱ καρδίαι αὐτῶν (1)
— 7. πάντες ἐθερμάνθησαν ὡς κλίβανος (1)
Ma. 4. 1 (3. 19). ἔρχεται καιομένη ὡς κλίβανος (1)
La. 5. 10. τὸ δέρμα ἡμῶν ὡς κλ. ἐπελιώθη (1)
[Aq., Sm., Th. Is. 31. 9.]

κλίμα. (1) פִּנָּה

Jd. 20. 2. A ἔστη τὸ κλ. παντὸς τοῦ λαοῦ [B *al.*] (1)
[Aq. Le. 19. 27.]
[Sm. Nu. 24. 17.]

κλιμακτήρ. (1) *a.* מַעֲלָה *b.* מַעֲלֶה

Ez. 40. 22. ἐν ἑπτὰ κλιμακτῆρσιν ἀνέβαινον ἐπ' αὐτόν (1 *a*)
— 26. ἑπτὰ κλιμακτῆρες αὐτῇ (1 *a*)
— 31. ὀκτὼ κλιμακτῆρες (1 *b*)
— 34, 37. ὀκτὼ κλιμακτῆρες αὐτῇ (1 *a*)
43. 17. οἱ κλ. αὐτοῦ βλέποντες κατὰ ἀνατολάς (1 *a*)

κλίμαξ. (1) מַעֲלָה (2) סֻלָּם

Ge. 28. 12. ἰδοὺ κλίμαξ ἐστηριγμένη ἐν τῇ γῇ (2)
Ne. 3. 15. ἕως τῶν κλ. τῶν καταβαινουσῶν ἀπὸ πόλεως Δ. (1)
12. 37. ἀνέβησαν [S¹ -βόησαν] ἐπὶ κλίμακας πόλεως Δ. (1)
I Ma. 5. 30. αἴροντες κλίμακας καὶ μηχανάς
11. 59. ἀπὸ τῆς κλ. Τύρου ἕως τῶν ὁρίων Αἰγ.

κλίνειν. (1) אַט (2) יָרַד (3) כָּרַע (4) מוּט *a.* qal. *b.* ni. (5) מוּשׁ (6) נוּעַ (7) נָטָה *a.* qal. *b.* hi. (8) נָטַשׁ (9) עִיט (10) עָשָׁה (11) פָּנָה (12) צָעָה *a.* qal. *b.* pi. (13) רָפָה (14) שָׁכַב hi.

Jd. 7. 5. ὃς ἐὰν κλίνῃ ἐπὶ [A κάμψῃ] τὰ γόνατα (3)
— 6. ἔκλιναν [A ἔκαμψαν] ἐπὶ τὰ γόνατα (3)
9. 3. ἔκλινεν ἡ καρδία αὐ. ὀπίσω Ἀβ. (7 *a*)
16. 30. A ἔκλινεν [B ἐβάσταξεν] ἐν ἰσχύϊ (7 *a*)
19. 8. ἕως κλίναι τὴν ἡμέραν [A κλίνῃ ἡ ἡ.] (7 *a*)
Jd. 19. 9. A εἰς ἐσπέραν κέκλικεν [B ἠσθένησεν] ἡ ἡμέρα (13)
— 11. A καὶ ἡ ἡμέρα κεκλικυῖα [B προβεβήκει] σφόδρα (2)
I Ki. 4. 2. καὶ ἔκλινεν ὁ πόλεμος (8)
14. 32. ἐκλίθη ὁ λαὸς εἰς τὰ σκῦλα (9, 10*)
II Ki. 19. 14 (15). ἔκλινε τὴν καρδίαν παντὸς ἀνδρός (7 *c*)
22. 10. καὶ ἔκλινεν οὐρανούς (7 *b*)
III Ki. 2. 28. A B 'I. ἦν κεκλικὼς [R -ηκὼς] ὀπίσω Ἀδ. (7 *a*)
— 28. ὀπίσω Ἀβ. οὐκ ἔκλινε (7 *a*)
11. 3. A ἔκλιναν γυναῖκες αὐτοῦ τὴν καρδίαν αὐτοῦ (7 *b*)
20 (21). 27. A καὶ ἐπορεύθη κεκλιμένος [B *om.*] (1)
IV Ki. 8. 1. A κέκλικεν [B κέκληκε] κύριος λιμόν †
19. 16. κλῖνον, κύριε, τὸ οὖς σου (7 *b*)
20. 10. κοῦφον τὴν σκιὰν κλῖναι (7 *a*)
II Es. 7. 28. ἐπ' ἐμὲ ἔκλινεν ἔλεος (7 *b*)
9. 5. κλίνω ἐπὶ τὰ γόνατά μου (3)
— 9. ἔκλινεν ἐφ' ἡμᾶς ἔλεος (7 *b*)
Jb. 38. 37. οὐρανὸν [S -ὸς] δὲ εἰς γῆν ἔκλινε (14)
Ps. 16 (17). 6. κλῖνον τὸ οὖς σου ἐμοί (7 *b*)
17 (18). 9. ἔκλινεν οὐρανόν [S² -ούς] (7 *a*)
20 (21). 11. ἔκλιναν εἰς σὲ κακά (7 *a*)
30 (31). 2. κλῖνον πρὸς μὲ τὸ οὖς σου (7 *b*)
44 (45). 10. κλῖνον τὸ οὖς σου (7 *b*)
45 (46). 6. ἔκλιναν βασιλεῖαι (4 *a*)
48 (49). 4. κλινῶ εἰς παραβολὴν τὸ οὖς μου (7 *b*)
61 (62). 3. ὡς τοίχῳ κεκλιμένῳ καὶ φραγμῷ ὡσμένῳ (7 *a*)
70 (71). 2. κλῖνον πρὸς μὲ τὸ οὖς σου (7 *b*)
74 (75). 8. ἔκλινεν ἐκ τούτου εἰς τοῦτο †
77 (78). 1. κλίνατε τὸ οὖς ὑμῶν (7 *b*)
85 (86). 1. κλῖνον, κύριε, τὸ οὖς σου (7 *b*)
87 (88). 2. κλῖνον τὸ οὖς σου εἰς τὴν δέησίν μου (7 *b*)
101 (102). 2. κλῖνον πρὸς μὲ τὸ οὖς σου (7 *b*)
— 11. αἱ ἡμέραι μου ὡσεὶ σκιὰ ἐκλίθησαν (7 *a*)
103 (104). 5. οὐ κλιθήσεται [A κινηθ., S¹ κληθ.] εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος (4 *b*)
114 (116). 2. ἔκλινε τὸ οὖς αὐτοῦ ἐμοί (7 *b*)
118 (119). 36. κλῖνον τὴν καρδίαν μου (7 *b*)
— 112. ἔκλινα τὴν καρδίαν μου (7 *a*)
143 (144). 5. κλῖνον οὐρανούς σου (7 *b*)
Pr. 21. 1. ἐκεῖ [A *om.*] ἔκλινεν αὐτήν (7 *b*)
Si. 4. 8. κλῖνον πτωχῷ τὸ οὖς σου
6. 33. ἐὰν κλίνῃς [S ἐκκλ.] τὸ οὖς σου σοφὸς ἔσῃ
15. 4. καὶ οὐ μὴ κλιθῇ [S κλισθῇ]
51. 16. ἔκλινα ὀλίγον τὸ οὖς μου
Za. 14. 4. καὶ κλινεῖ τὸ ἥμισυ τοῦ ὄρους πρὸς βορρᾶν (5)
Is. 24. 20. ἔκλινεν [S¹ *add.* καὶ σεισθήσεται ἡ γῆ ἔκλινεν] ὡς ὁ μεθύων καὶ κραιπαλῶν (4 *a*, 6)
33. 23. ὁ ἱστός σου ἔκλινεν †
37. 17. B κλῖνον, κύριε, τὸ οὖς σου (7 *b*)
Je. 6. 4. κέκλικεν ἡ ἡμέρα (11)
17. 23. οὐκ ἔκλιναν τὸ οὖς αὐτῶν (7 *b*)
31 (48). 12. ἀποστελῶ αὐτῷ κλίνοντας καὶ κλινοῦσιν αὐτόν (12 *a*, 12 *b*)
41 (34). 14. οὐκ ἔκλιναν τὸ οὖς αὐτῶν (7 *b*)
42 (35). 15. οὐκ ἐκλίνατε τὰ ὦτα ὑμῶν (7 *b*)
51 (44). 5. οὐκ ἔκλιναν τὸ οὖς αὐτῶν (7 *b*)
Ba. 2. 16. κλῖνον, κύριε, τὸ οὖς σου
— 21. κλίνατε τὸν ὦμον ὑμῶν
Ep. Je. 27. μήτε ἐὰν κλιθῇ οὐ μὴ ὀρθωθῇ
Da. TH. 9. 18. κλῖνον, ὁ θεός μου, τὸ οὖς σου (7 *b*)
[Aq. I Ki. 8. 3 : III Ki. 11. 3 : 21. 27 : Ps. 26 (27). 9 : Pr. 4. 20 : 5. 13 : Ec. 12. 4 : Ca. 4. 6 : 5. 6.]
[Sm. Ps. 45 (46). 3 : 54 (55). 23 : Pr. 4. 20 : 5. 13 : Ca. 2. 17 : 4. 6 : Ez. 32. 18.]
[Th. I Ki. 8. 3 : III Ki. 21. 27 : Pr. 4. 20 : 5. 1, 13 : Is. 24. 19 *bis* : 37. 17 : Ez. 10. 11 : 32. 18.]
[Al. Nu. 21. 15 : I Ki. 10. 9 : Ps. 48 (49). 5 : 143 (144). 5.]
[Quint. Ps. 20 (21). 12.]

κλίνη. (1) מִטָּה (2) מִשְׁכָּב (3) עֶרֶשׂ

Ge. 48. 2. ἐκάθισεν ἐπὶ τὴν κλ. (1)
49. 33. ἐξάρας τοὺς πόδας αὐτοῦ ἐπὶ τὴν κλ. (1)
Ex. 8. 3 (7. 28). εἰσελεύσονται . . . ἐπὶ τῶν κλ. σου (1)
De. 3. 11. ἡ κλ. αὐτοῦ κλ. σιδηρᾶ (3, 3)
I Ki. 19. 13. καὶ ἔθετο ἐπὶ τὴν κλ. (1)
— 15. ἀγάγετε αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλ. (1)
I Ki. 19. 16. ἰδοὺ τὰ κενοτάφια ἐπὶ τῆς κλ. (1)
II Ki. 3. 31. ἐπορεύετο ὀπίσω τῆς κλ. (1)
4. 7. ἐκάθευδεν ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ (1)
— 11. ἐπὶ τῆς κοίτης [B² κλ.] αὐτοῦ (2)
III Ki. 17. 19. ἐκοίμισεν [A -ησεν] αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλ. [A κλ. αὐτοῦ] (1)
20 (21). 4. ἐκοιμήθη ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ (1)
IV Ki. 1. 4. ἡ κλ. [A κλ. σου] ἐφ' ἧς ἀνέβης ἐκεῖ (1)
— 6. ἡ κλ. [A *om.* ἡ κλ.] ἐφ' ἧς ἀνέβης (1)
— 16. ἡ κλ. ἐφ' ἧς ἀνέβης (1)
4. 10. θῶμεν αὐτῷ ἐκεῖ κλίνην (1)
— 21. ἐκοίμισεν αὐτὸν ἐπὶ τὴν κλ. (1)
— 32. κεκοιμισμένον [A -μημένον] ἐπὶ τὴν κλ. αὐτοῦ (1)
11. 2. καὶ τὴν τροφὸν αὐτοῦ ἐν τῷ ταμείῳ τῶν κλ. (1)
II Ch. 16. 14. ἐκοίμισαν αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλ. (2)
22. 11. εἰς ταμεῖον κλινῶν (1)
24. 25. ἐθανάτωσαν αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ (1)
To. 8. 4. ἀνέστη Τωβίας ἀπὸ τῆς κλ. [S *al.*]
14. 11. ἐξέλιπεν ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐπὶ τῆς κλ. [S *al.*]
Ju. 8. 3. A B S² καὶ ἔπεσεν ἐπὶ τὴν κλ.
10. 21. ἦν Ὀλ. ἀναπαυόμενος ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ
13. 2. A B καὶ Ὀλ. προπεπτωκὼς ἐπὶ τὴν κλ. ἑαυτοῦ
— 4. A B στᾶσα Ἰ. παρὰ τὴν κλ. αὐτοῦ
— 6. A B προσελθοῦσα τῷ κανόνι τῆς κλ.
— 7. A B ἐγγίσασα τῆς κλ.
15. 11. πάντα τὰ ἀργυρώματα καὶ τὰς κλ.
Es. 1. 6. κλ. χρυσαῖ καὶ ἀργυραῖ (1)
7. 8. Ἀ. δὲ ἐπιπεπτώκει ἐπὶ τὴν κλ. (1)
Jb. 7. 13. παρακαλέσει με ἡ κλ. μου (3)
Ps. 6. 6. λούσω καθ' ἑκάστην νύκτα τὴν κλ. μου (1)
40 (41). 3. ἐπὶ κλίνης ὀδύνης αὐτοῦ (3)
131 (132). 3. εἰ ἀναβήσομαι ἐπὶ κλίνης στρωμνῆς μου (3)
Pr. 7. 16. κειρίαις [A κηρ.] τέτακα τὴν κλ. μου (3)
26. 14. οὕτως ὀκνηρὸς ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ (1)
Ca. 1. 16. πρὸς κλίνῃ ἡμῶν σύσκιος (3)
3. 7. ἰδοὺ ἡ κλ. τοῦ Σαλωμών (1)
Si. 23. 18. ἄνθρωπος παραβαίνων ἀπὸ τῆς κλ. αὐτοῦ [A *al.*]
48. 6. ὁ καταγαγὼν . . . δεδοξασμένους ἀπὸ κλίνης αὐτῶν
Am. 6. 4. οἱ καθεύδοντες ἐπὶ κλινῶν ἐλεφαντίνων (1)
Ez. 23. 41. ἐκάθου ἐπὶ κλίνης ἐστρωμένης (1)
[Aq. Ge. 47. 31 : I Ki. 28. 23.]
[Sm. Ge. 47. 31 : I Ki. 28. 23 : Am. 3. 12.]
[Th. I Ki. 28. 23 : Am. 3. 12.]
[Heb. Ge. 47. 31.]

κλισία.

III Ma. 6. 31. A κλισίας κατεμερίσαντο πλήρεις χαρμονῆς [R *al.*]

κλίτος. (1) *a.* יָרֵךְ *b.* יַרְכָה (2) כֶּתֶף (3) מוּל (4) מִקְצוֹעַ (5) פֵּאָה (6) פַּעַם (7) צַד (8) צֵלָע (9) *a.* קָצֶה *b.* קָצָה (10) רְחוֹב

Ex. 25. 11 (12). ἐπιθήσεις ἐπὶ τὰ τέσσαρα κλ. (6)
— 11 (12). δύο δακτυλίους ἐπὶ τὸ κλ. τὸ ἕν (8)
— 11 (12). δύο δακτυλίους ἐπὶ τὸ κλ. τὸ δεύτ. (8)
— 13 (14). εἰς τοὺς δακτυλίους τοὺς ἐν τοῖς κλ. τῆς κιβωτοῦ (8)
— 17 (18). ἐξ ἀμφοτέρων τῶν κλ. τοῦ ἱλαστηρίου (9 *b*)
— 18 (19). Χερουβ εἷς ἐκ τοῦ κλ. τούτου (9 *b*)
— 18 (19). Χερουβ εἷς ἐκ τοῦ κλ. τοῦ δευτ. (9 *b*)
— 18 (19). ποιήσεις τοὺς δύο Χερουβὶμ ἐπὶ τὰ δύο κλ. (9 *b*)
— 31 (32). τρεῖς καλαμίσκοι . . . ἐκ τοῦ κλ. τοῦ ἑνὸς αὐτῆς (7)
— 31 (32). τρεῖς καλαμίσκοι . . . ἐκ τοῦ κλ. τοῦ δευτέρου (7)
26. 18. ἐκ τοῦ κλ. τοῦ πρὸς βορρᾶν (5)
— 20. τὸ κλ. τὸ δεύτερον . . . εἴκοσι στύλους (8)
— 27. κλίτει τῆς σκηνῆς τῷ δευτέρῳ (8)
— 27. τῷ [A *om.*] κλ. τῆς σκηνῆς τῷ πρὸς θάλασσαν (8)
— 28. ἀπὸ τοῦ ἑνὸς κλ. εἰς τὸ ἕτερον κλ. (9 *a*, 9 *a*)
27. 4. ὑπὸ [A B² ἐπὶ] τὰ τέσσαρα κλ. (9 *b*)
— 9. εἰς τὸ κλ. τὸ πρὸς λίβα (5)
— 9. μῆκος ἑκατὸν πήχεων τῷ ἑνὶ κλ. (5)
— 11. A R τῷ κλ. [B *om.* τῷ κλ.] τῷ πρὸς ἀπηλιώτην [A βορρᾶν] (5)
— 14. τὸ ὕψος τῶν ἱστίων τῷ κλ. τῷ ἑνί (2)

Ex. 27. 15. τὸ κλ. τὸ δεύτερον . . . τῶν ἱστίων τὸ ὕψος (2)
28. 24. ἐπ' ἀμφοτέρων τῶν κλ. τοῦ λογείου (9 *b*)
30. 4. εἰς τὰ δύο κλ. ποιήσεις (8)
37. 9 (38. 11). A² B τὸ κλ. τὸ πρὸς βορρᾶν (5)
— 9 (38. 11). B τὸ κλ. τὸ πρὸς νότον –
— 10 (38. 12). τὸ κλ. τὸ πρὸς [A κατὰ] θάλασσαν (5)
— 11 (38. 13). τὸ κλ. τὸ πρὸς ἀνατολάς (5)
38 (37). 3. δύο ἐπὶ τὸ κλ. τὸ ἓν καὶ δὺο ἐπὶ τὸ κλ. τὸ δεύτερον (8, 8)
— 10 (37. 13). δύο ἐπὶ τοῦ κλ. τοῦ ἑνὸς καὶ δύο ἐπὶ τοῦ κλ. τοῦ δευτέρου [A *al.*] (–, 5)
40. 22. ἐπὶ τὸ κλ. τῆς σκηνῆς τοῦ μαρτυρίου (1 *a*)
— 24. εἰς τὸ κλ. τῆς σκηνῆς τὸ πρὸς νότον (1 *a*)
Nu. 34. 3. ἔσται ὑμῖν τὸ κλ. τὸ πρὸς λίβα [A βορρᾶ] (5)
35. 5. μετρήσεις . . . τὸ κλ. τὸ πρὸς ἀνατολὰς . . . καὶ τὸ κλ. τὸ πρὸς λίβα . . . καὶ τὸ κλ. τὸ πρὸς θάλασσαν . . . καὶ τὸ κλ. τὸ πρὸς βορρᾶν (5 *quater*)
III Ki. 7. 39. ἀπὸ τοῦ κλ. τοῦ νότου (3)
II Ch. 29. 4. εἰς τὸ κλ. τὸ πρὸς ἀνατολάς (10)
Ps. 90 (91). 7. πεσεῖται ἐκ τοῦ κλ. σου χιλιάς (7)
127 (128). 3. A S¹ ὡς ἄμπελος εὐθηνοῦσα ἐν τοῖς [S² R ταῖς] κλ. τῆς οἰκίας σου (1 *b*)
Ez. 46. 21. αὐλὴ κατὰ τὰ [A *om.*] κλ. τῆς αὐλῆς [A *add.* αὐλή] (4)
— 21. κατὰ τὸ κλ. αὐλή (4)
— 22. καὶ [A κλίτη] τῆς αὐλῆς αὐλὴ μικρά (4)
47. 1. τὸ ὕδωρ κατέβαινεν ἀπὸ τοῦ κλ. τοῦ δεξιοῦ (2)
— 2. τὸ ὕδωρ κατεφέρετο ἀπὸ τοῦ κλ. τοῦ δεξιοῦ (2)
[Th. I Ki. 14. 38.]

κλιτύς. (1) יַרְכָה
Ps. 127 (128). 3. S² R ὡς ἄμπελος εὐθηνοῦσα ἐν ταῖς [A S¹ τοῖς] κλ. τῆς οἰκίας σου (1)

κλοιός, κλοιόν (?). (1) מוֹטָה (2) עֲבֹטִיט (3) עֹל (4) עָנָק (5) רָבִיד
Ge. 41. 42. περιέθηκε κλοιὸν χρυσοῦν (5)
De. 28. 48. ἐπιθήσει κλ. σιδηροῦν ἐπὶ τὸν τράχηλόν σου (3)
Jd. 8. 26. A πλὴν τῶν κλ. τῶν χρυσῶν [B *al.*] (4)
III Ki. 12. 4. ὁ πατήρ σου ἐβάρυνε τὸν [A τὸ] κλ. ἡμῶν (3)
— 4. καὶ ἀπὸ τοῦ κλ. αὐτοῦ τοῦ βαρέως (3)
— 9. κούφισον ἀπὸ τοῦ κλ. (3)
— 10. ὁ πατήρ σου ἐβάρυνε τὸν κλ. ἡμῶν (3)
— 11. ὁ πατήρ μου ἐπεσάσσετο ὑμᾶς κλ. βαρεῖ κἀγὼ προσθήσω ἐπὶ τὸν κλ. ὑμῶν (3, 3)
— 14. ὁ πατήρ μου ἐβάρυνε τὸν κλ. ὑμῶν κἀγὼ προσθήσω ἐπὶ τὸν κλ. ὑμῶν (3, 3)
— 24. B ὁ πατήρ σου ἐβάρυνε τὸν κλ. αὐτοῦ ἐφ' ἡμᾶς –
I Ch. 18. 7. ἔλαβε Δ. τοὺς κλ. τοὺς χρυσοῦς †
Jb. 40. 21 (26). A καὶ εἰλήσεις κλοιὸν ἐν τῷ μυκτῆρι αὐτοῦ [B S *al.*] †
Pr. 1. 9. καὶ κλοιὸν χρύσεον περὶ σῷ τραχήλῳ (4)
Si. 6. 24. εἰς τὸν κλ. αὐτῆς τὸν τράχηλόν σου
— 29. A R οἱ κλ. [B S κλάδοι] αὐτῆς εἰς στολὴν δόξης
Hb. 2. 6. βαρύνων τὸν κλ. αὐτοῦ στιβαρῶς (2 ?)
Is. 43. 14. A S² Χαλδαῖοι ἐν κλοιοῖς [B S¹ πλ.] δεθήσονται †
Je. 34 (27). 2. ποίησον δεσμοὺς καὶ κλοιούς (1)
35 (28). 10. ἔλαβεν Ἀνανίας . . . τοὺς κλ. (1)
— 12. μετὰ τὸ συντρῖψαι Ἀνανίαν τοὺς κλ. (1)
— 13. κλοιοὺς ξυλίνους συνέτριψας καὶ ποιήσω ἀντ' αὐτῶν κλοιοὺς σιδηροῦς (1, 1)
Ez. 34. 27. A ἐν τῷ συντρῖψαί με τὸν ζυγὸν τοῦ κλ. [B *om.* τ. κλ.] αὐτῶν (3)
Da. TH. 8. 25. ὁ ζυγὸς τοῦ κλ. αὐτοῦ κατευθυνεῖ †
[Aq. II Ki. 8. 7 : Je. 28 (35). 10.]
[Sm. Is. 58. 9 : Je. 28 (35). 10 : Ez. 20. 37.]
[Th. Ps. 128 (129). 4 : Is. 10. 27 : 58. 6, 9 : Je. 28 (35). 10.]
[Al. Le. 26. 13.]
[Quint. Ps. 128 (129). 4.]

κλονεῖν.
[Aq. Ge. 45. 24 : Ex. 15. 14, 15 : Dt. 28. 65 : I Ki. 28. 15 : II Ki. 7. 10 : 18. 33 (19. 1) : Ps. 4. 5 : Is. 5. 25 : 13. 13 : 14. 9, 16 : 32. 11 : 64. 2 (1).]
[Sm. Jd. 9. 13.]

κλόνησις.
[Aq. Je. 3. 17, 26 : 14. 1 : 37. 2.]

κλόνος.
[Aq. Ez. 12. 18.]

κλοπή. (1) גְּנֵב *a.* qal. *b.* pu. *c.* גְּנֻבָה
Ge. 40. 15. κλοπῇ ἐκλάπην ἐκ γῆς Ἑβραίων (1 *b*)
Pr. 9. 17. καὶ ὕδατος κλοπῆς [A κοπῆς] γλυκεροῦ (1 *a*)
Wi. 14. 25. κλοπὴ καὶ δόλος
Si. 41. 19. ἀπὸ τόπου οὗ παροικεῖς περὶ κλοπῆς [S πλοκῆς]
Ho. 4. 2. ἀρὰ κ. ψεῦδος κ. φόνος κ. κλοπή (1 *a*)
Je. 31 (48). 27. ἐν κλοπαῖς σου εὑρέθη (1 *c*)
[Sm. Jb. 4. 12.]
[Th. Ex. 22. 12 (11).]

κλοποφορεῖν. (1) גָּנַב
Ge. 31. 26. ἐκλοποφόρησάς με (1)

κλύδων. (1) *a.* סָעַר *b.* סַעַר
Pr. 23. 34. ὥσπερ κυβερνήτης ἐν πολλῷ κλύδωνι †
Wi. 14. 5. διελθόντες κλύδωνα σχεδίᾳ διεσώθησαν
19. 7. χλοηφόρον πεδίον ἐκ κλύδωνος βιαίου
Jn. 1. 4. ἐγένετο κλύδων μέγας ἐν τῇ θαλάσσῃ (1 *b*)
— 11. ἡ θάλασσα . . . ἐξήγειρε μᾶλλον κλύδωνα (1 *a*)
— 12. ὁ κλ. ὁ μέγας οὗτος ἐφ' ὑμᾶς ἐστί (1 *b*)
I Ma. 6. 11. ἕως τίνος θλίψεως ἦλθον καὶ κλ. μεγάλου
IV Ma. 7. 5. περιέκλασε τοὺς μαινομένους [S ἐπιμ.] τῶν παθῶν κλ.
15. 31. κοσμοφοροῦσα καρτερῶς [A -οὺς] ὑπήνεγκε [S -έμεινε] τοὺς κλ.

κλυδωνίζεσθαι. (1) גָּרַשׁ
Is. 57. 20. οἱ δὲ ἄδικοι κλυδωνισθήσονται (1)

κλύζειν.
[Aq. Ps. 31 (32). 6 : Is. 28. 15.]
[Sm. Is. 28. 15.]

κλώδαλον.
Wi. 11. 15. A² ἐθρήσκευον κλώδαλα [A¹ B S κνώδ.] εὐτελῆ

κλώθειν. (1) פָּתִיל (2) שָׁזַר hoph. (3) שְׁנִי
Ex. 25. 4. βύσσον κεκλωσμένην –
26. 1. ἐκ βύσσου κεκλωσμένης (2)
— 1, 31, 36. κοκκίνου κεκλωσμένου (3)
— 36. βύσσου κεκλωσμένης (2)
27. 9. A R ἐκ βύσσου κεκλωσμένης (2)
— 16. κοκκίνου κεκλωσμένου (3)
— 16. βύσσου κεκλωσμένης (2)
— 18 : 28. 6. ἐκ βύσσου κεκλωσμένης (2)
28. 8. βύσσου κεκλωσμένης (2)
— 15. κοκκίνου κεκλωσμένου (3)
— 15. βύσσου κεκλωσμένης [A -ου] (2)
— 29 (33). βύσσου κεκλωσμένης –
— 33 (37). ἐπὶ ὑακίνθου κεκλωσμένης (1)
31. 4. A καὶ τὴν βύσσον τὴν κεκλωσμένην –
35. 6. βύσσου κεκλωσμένην –
36. 9 (39. 2). ἐκ . . . βύσσου κεκλωσμένης (2)
— 10 (39. 3). σὺν . . . τῇ βύσσῳ τῇ κεκλωσμένῃ –
— 12 (39. 5), 15 (39. 8), 32 (39. 24), 36 (39. 28) : 37. 3 (36. 35), 5 (36. 37), 7 (38. 9), 14 (38. 16), 16 (38. 18). βύσσου κεκλωσμένης (2)
Le. 14. 4. καὶ κεκλωσμένον κόκκινον (3)
— 6. A καὶ τὸ κεκλωσμένον [B κλωστὸν] κόκκινον (3)
— 49. καὶ κεκλωσμένον κόκκινον (3)
— 51. καὶ τὸ κεκλωσμένον κόκκινον (3)
— 52. καὶ ἐν τῷ κεκλωσμένῳ κοκκίνῳ (3)
Si. 45. 11. κεκλωσμένῃ κόκκῳ ἔργῳ τεχνίτου
[Heb. Ex. 39. 29 (37).]

κλών. (1) בַּד (2) עֵרֶב
Jb. 18. 13. βρωθείησαν αὐτοῦ κλῶνες ποδῶν (1 ?)
40. 17 (22). σκιάζονται δὲ . . . κλῶνες ἀγροῦ [A S² ἄγνου] (2)
Wi. 4. 5. περικλασθήσονται κλῶνες ἀτέλεστοι [A -τατοι]

κλῶσμα. (1) פָּתִיל
Nu. 15. 38. ἐπιθήσετε . . . κλ. ὑακίνθινον (1)
Jd. 16. 9. A ὃν τρόπον διασπᾶται κλῶσμα [B *al.*] (1)
Si. 6. 30. οἱ δεσμοὶ αὐτῆς κλῶσμα ὑακίνθινον
[Sm. Je. 52. 21.]
[Th. Ex. 28. 28 : Jd. 16. 9.]

κλωστός. (1) שָׁנִי
Le. 14. 6. καὶ τὸ κλ. [A κεκλωσμένον] κόκκινον (1)

κνᾶν.
[Heb. Jb. 2. 8.]

κναφεύς, *vid.* **γναφεύς.**

κνήμη. (1) *a.* שׁוֹק *b.* שֹׁק
De. 28. 35. ἐπὶ τὰ γόνατα καὶ ἐπὶ τὰς κν. (1 *a*)
Jd. 15. 8. ἐπάταξεν αὐτοὺς κνήμην ἐπὶ μηρόν (1 *a*)
Ps. 146 (147). 10. οὐδὲ ἐν ταῖς κν. τοῦ ἀνδρὸς εὐδοκεῖ (1 *a*)
Ca. 5. 15. κνῆμαι αὐτοῦ στῦλοι μαρμάρινοι (1 *a*)
Is. 47. 2. S R ἀνάσυρε [A B -ραι] τὰς κν. (1 *a*)
Da. TH. 2. 33. αἱ κν. σιδηραῖ (1 *b*)
[Aq. Ex. 29. 22 : I Ki. 9. 24.]
[Sm. Ex. 29. 22 : Pr. 26. 7.]
[Th. Ex. 29. 22.]
[Al. Le. 7. 32 : 8. 25 : 9. 21.]

κνημίς. (1) מִצְחָה
I Ki. 17. 6. κν. χαλκαῖ ἐπάνω τῶν σκελῶν αὐτοῦ (1)
[Aq., Sm., Th. Le. 8. 25.]

κνήφη. (1) חֶרֶס
De. 28. 27. καὶ ψώρᾳ ἀγρίᾳ καὶ κνήφῃ (1)

κνίδη. (1) חוֹחַ
Jb. 31. 40. ἀντὶ πυροῦ ἄρα ἐξέλθοι μοι κνίδη (1)
[Sm. Is. 55. 13.]

κνίζειν. (1) בָּלַס
Am. 7. 14. αἰπόλος ἤμην κνίζων συκάμινα (1)
[Aq., Th. Pr. 6. 13 : 16. 30.]
[Sm. Pr. 16. 30.]

κνίς.
[Aq., Th. Is. 34. 13.]
[Sm. Is. 34. 13 : 55. 13.]

κνώδαλον.
Wi. 11. 15. ἐθρήσκευον . . . κνώδαλα [A κλώδ.] εὐτελῆ
16. 1. διὰ πλήθους κνωδάλων ἐβασανίσθησαν
17. 9. κνωδάλων παρόδοις . . . ἐκσεσοβημένοι [A ἐκπεφοβ.]

κοθωνός. (1) כְּתֹנֶת
II Es. 2. 69. καὶ κοθωνοὶ [A χιτῶνας] τῶν ἱερέων ἑκατόν (1)

κοιλάς. (1) גַּיְא (2) עֵמֶק (3) שַׁקְעֲרוּרוֹת
Ge. 14. 8. παρετάξαντο . . . ἐν τῇ κ. τῇ ἁλυκῇ (2)
— 10. ἡ δὲ κ. ἡ ἁλυκὴ φρέατα ἀσφάλτου (2)
— 17. R εἰς τὴν κ. τοῦ [A τὴν] Σ. (2)
37. 14. ἀπέστειλεν αὐτὸν ἐκ τῆς κ. τῆς Χ. (2)
Le. 14. 37. ὄψεται τὴν ἀφὴν . . . κ. χλωριζούσας (3)
Nu. 14. 25. κατοικοῦσιν ἐν τῇ κ. (2)
Jo. 17. 16. ἐν τῇ κ. Ἰεζραέλ (2)
19. 48. καταβῆναι εἰς τὴν κ. –
Jd. 1. 19. τοὺς κατοικοῦντας τὴν κ. (2)
— 34. καταβῆναι εἰς τὴν κ. (2)
5. 14. A ἐν κοιλάδι ἀδελφοῦ σου Βενιαμείν [B *al.*] †
— 15. ἐν κοιλάσιν ἀπέστειλεν ἐν ποσὶν αὐτοῦ [A *al.*] (2)
6. 33. A R παρενέβαλον ἐν τῇ [B *om.*] κ. Ἰ. (2)
7. 1. παρεμβολὴ Μαδιὰμ . . . ἐν [A ἐν τῇ] κοιλάδι (2)
— 8. καὶ ἡ παρεμβολὴ Μ. . . . ἐν τῇ κ. (2)
— 12. βεβλημένοι [A παρεμβεβλήκεισαν] ἐν τῇ κ. (2)
18. 28. καὶ αὐτὴ ἐν τῇ [A *om.*] κ. (2)
I Ki. 6. 13. ἐθέριζον θερισμὸν πυρῶν ἐν κοιλάδι (2)
17. 2. παρεμβάλλουσιν ἐν τῇ κ. (2)
— 19. A καὶ πᾶς ἀνὴρ Ἰσρ. ἐν τῇ κ. τῆς δρυός (2)
21. 9 (10). ὃν ἐπάταξας ἐν τῇ κ. Ἠλᾶ (2)
31. 7. οἱ ἐν τῷ πέραν τῆς κ. [A *om.* τ. κ.] (2)
II Ki. 5. 18. συνέπεσαν εἰς τὴν κ. τῶν Τιτάνων (2)
— 22. συνέπεσαν ἐν τῇ κ. τῶν Τιτάνων (2)
18. 18. τὴν στήλην [A -λωσιν] τὴν ἐν τῇ κ. τοῦ βασ. (2)
23. 13. παρενέβαλον ἐν τῇ κ. Ῥ. (2)
III Ki. 21 (20). 23. A R καὶ οὐ θεὸς κοιλάδων [B -ος] –
— 28. καὶ οὐ θεὸς κοιλάδων (2)

I Ch. 11. 15. ἐν τῇ κ. τῶν γιγάντων (2)
14. 9. συνέπεσαν ἐν [S om.] τῇ κ. τῶν γιγάντων (2)
— 13. ἐν τῇ κ. τῶν γιγάντων (2)
18. 12. ἐν κοιλάδι [S τῇ κ.] τῶν ἁλῶν (1)
— 13. ἔθετο ἐν τῇ κ. φρουράς †
II Ch. 20. 26. ἐκάλεσαν τὸ ὄνομα . . . Κοιλὰς εὐλογίας (2)
25. 11. ἐπορεύθη εἰς τὴν κ. τῶν ἁλῶν (1)
Ps. 59 (60). 6. τὴν κ. τῶν σκηνῶν διαμετρήσω (2)
64 (65). 13. αἱ κ. πληθυνοῦσι σῖτον (2)
83 (84). 6. A S² R εἰς τὴν κ. [B S¹ ἐν τῇ κ.] τοῦ κλαυθμῶνος (2)
107 (108). 7. τὴν κ. τῶν σκηνῶν διαμετρήσω [S al.] (2)
Ca. 2. 1. ἐγὼ . . . κρίνον τῶν κ. (2)
Ho. 1. 5. συντρίψω τὸ τόξον τοῦ Ἰ. ἐν [A add. τῇ] κοιλάδι τοῦ Ἰ. (2)
2. 15 (17). καὶ δώσω αὐτῇ . . . τὴν κ. Ἀ. (2)
Mi. 1. 4. αἱ κοιλάδες τακήσονται ὡς κηρός (2)
Jl. 3 (4). 2. καὶ κατάξω αὐτὰ εἰς τὴν κ. Ἰωσαφάτ (2)
— 12. ἀναβαινέτωσαν πάντα τὰ ἔθνη εἰς τὴν κ. Ἰω. (2)
— 14. ἦχοι ἐξήχησαν ἐν τῇ κ. [S¹ -λῃ] τῆς δίκης (2)
— 14. ἐγγὺς ἡμέρα κ. ἐν τῇ κ. τῆς δίκης (2)
Je. 21. 13. ἐγὼ πρὸς σὲ τὸν κατοικοῦντα τὴν κ. σόρ (2)
[Aq. Jo. 7. 26 : 13. 19, 27 : I Ki. 17. 2 : Jb. 39. 21 : Ps. 59 (60). 8 : 83 (84). 7 : Is. 22. 7 : 65. 10 : Je. 47 (29). 5 : 48 (31). 8.]
[Sm. Jo. 7. 24, 26 : 13. 19, 27 : 19. 27 : Jd. 7. 25 : Jb. 39. 10 : Ps. 83 (84). 7 : Is. 22. 7 : 65. 10 : Je. 17. 26 : 32 (39). 44 : 48 (31). 8.]
[Th. Jo. 7. 24 : 13. 19 : Jd. 5. 14 : 7. 25 : I Ki. 13. 18 : 17. 2 : Jb. 39. 21 : Is. 22. 7 : 65. 10 : Je. 31 (38). 40 : Ob. 19.]
[Al. Jo. 11. 16.]

κοίλασμα. (1) מוֹקֵשׁ
Is. 8. 14. ἐν κοιλάσματι ἐγκαθήμενοι ἐν Ἱερ. (1 ?)

κοιλία. (1) בֶּטֶן (2) בֵּן pl. (3) בֶּחֹן (4) כְּרֵשׂ (5) *a.* מֵעִים *b.* מְעִין (6) קֶרֶב (7) רֶחֶם (8) ἐκ [A ἀπὸ] τῆς κ. φωνεῖν הָגַג hi.
Ge. 3. 14. ἐπὶ τῷ στήθει σου καὶ τῇ κ. πορεύσῃ (3)
25. 23. δύο λαοὶ ἐκ τῆς κ. σου διασταλήσονται (5 *a*)
— 24. R ἦν δίδυμα ἐν τῇ κ. [A γαστρὶ] αὐτῆς (1)
30. 2. ὃς ἐστέρησέ σε καρπὸν κοιλίας (1)
38. 27. A τῇδε ἦν δίδυμα ἐν τῇ κ. [R γαστρὶ] αὐ. (1)
41. 21 *bis*. εἰσῆλθον εἰς τὰς κ. αὐτῶν (6)
Ex. 29. 13. πᾶν τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κ. (6)
— 22 : Le. 3. 3. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον τὴν κ. (6)
Le. 3. 3. πᾶν τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κ. (6)
— 9. R πᾶν τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον τὴν κ. (6)
— 9. τὸ στέαρ τῆς [R ἐπὶ τῆς] κ. (6)
— 14. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον [A καλ.] τὴν κ. (6)
— 14. A² B πᾶν τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κ. (6)
4. 11. πᾶσαν αὐτοῦ τὴν σάρκα σὺν . . . τῇ κ. (6)
8. 19 (21). τὴν κ. . . . ἔπλυνεν ὕδατι (6)
— 24 (25). τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κ. (6)
9. 14. ἔπλυνε τὴν κ. (6)
— 19. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον ἐπὶ τῆς κ. –
11. 42. πᾶς ὁ πορευόμενος ἐπὶ κοιλίας (3)
Nu. 5. 21. καὶ τὴν κ. σου πεπρησμένην (1)
— 22. εἰσελεύσεται τὸ ὕδωρ . . . εἰς τὴν κ. σου (5 *a*)
— 27. πρησθήσεται τὴν κ. (1)
De. 7. 13. εὐλογήσει τὰ ἔκγονα τῆς κ. σου (1)
28. 4. εὐλογημένα τὰ ἔκγονα τῆς κ. σου (1)
— 11. ἐν [A ἐπὶ] τοῖς ἐκγόνοις τῆς κ. σου (1)
— 18. ἐπικατάρατα τὰ ἔκγονα τῆς κ. σου (1)
— 53. φάγῃ τὰ ἔκγονα τῆς κ. σου (1)
30. 9. ἐν τοῖς ἐκγόνοις τῆς κ. σου (1)
Jd. 3. 21. ἐνέπηξεν αὐτὴν ἐν τῇ κ. [A εἰς τὴν κ.] (1)
— 22. οὐκ ἐξέσπασε τὴν μάχαιραν ἐκ τῆς κ. αὐτοῦ (1)
13. 5. Ναζὶρ θεοῦ ἔσται τὸ παιδάριον ἀπὸ τῆς κ. [A al.] (1)
16. 17. ἀπὸ [A ἐκ] κοιλίας μητρός μου (1)
Ru. 1. 11. μὴ ἔτι μοι υἱοὶ ἐν τῇ κ. μου (5 *a*)
II Ki. 7. 12. ὃς ἔσται ἐκ τῆς κ. σου (5 *a*)
16. 11. ὁ υἱός μου ὁ ἐξελθὼν ἐκ τῆς κ. μου (5 *a*)
20. 10. ἐξεχύθη ἡ κ. αὐτοῦ εἰς τὴν γῆν (5 *a*)
I Ch. 17. 11. ὃ ἔσται ἐκ τῆς κ. σου (2)
II Ch. 21. 15. ἐν μαλακίᾳ πονηρᾷ ἐν νόσῳ κοιλίας (5 *a*)
— 15. ἕως οὗ ἐξέλθῃ ἡ κ. σου (5 *a*)
— 18. ἐπάταξεν αὐτὸν κύριος εἰς τὴν κοιλίαν (5 *a*)
— 19. ἐξῆλθεν ἡ κ. αὐτοῦ μετὰ τῆς νόσου (5 *a*)
32. 21. τῶν ἐξελθόντων ἐκ κοιλίας αὐτοῦ (5 *a*)
To. 4. 4. πολλοὺς κινδύνους ἑώρακεν ἐπὶ σοὶ ἐν τῇ κ.
Jb. 1. 21. αὐτὸς γυμνὸς ἐξῆλθον ἐκ κοιλίας μητρός μου (1)
2. 9. υἱοὶ καὶ θυγατέρες [A add. τῆς] ἐμῆς κοιλίας ὠδῖνες –
3. 11. διὰ τί γὰρ ἐν κοιλίᾳ οὐκ ἐτελεύτησα (7)
10. 18. ἵνα τί οὖν ἐκ κοιλίας με ἐξήγαγες (7)
15. 35. ἡ δὲ κ. αὐτοῦ ὑποίσει [S¹ οὐκ οἴσει] δόλον [A πόνον] (1)
20. 15. A ἐξεμεθήσεται ἐκ κοιλίας αὐτοῦ [B S om. ἐκ κ. αὐ.] (1)
30. 27. ἡ κ. μου ἐξέζεσε (5 *a*)
31. 15. γεγόναμεν δὲ ἐν τῇ αὐτῇ κ. (7)
38. 8. ἐκ κοιλίας μητρὸς αὐτῆς ἐκπορευομένη (7)
Ps. 21 (22). 10. ἐκ κοιλίας [S² ἀπὸ γαστρὸς] μητρός μου θεός μου εἶ σύ (1)
— 14. ἐγενήθη ἡ καρδία μου . . . ἐν μέσῳ τῆς κ. μου (5 *a*)
39 (40). 8. A S καὶ τὸν νόμον σου ἐν μέσῳ τῆς κ. [B καρδίας] μου (5 *a*)
70 (71). 6. ἐκ κοιλίας μητρός μου σύ μου εἶ σκεπαστής (5 *a*)
131 (132). 11. S² R ἐκ καρποῦ τῆς κ. σου (1)
Pr. 18. 20. ἀπὸ καρπῶν [A -οῦ] στόματος ἀνὴρ πίμπλησι κοιλίαν αὐτοῦ (1)
20. 27. ὃς ἐρευνᾷ ταμεῖα κοιλίας (1)
— 30. πληγαὶ δὲ εἰς ταμεῖα κοιλίας (1)
24. 15. μηδὲ ἀπατηθῇς χορτασίᾳ κοιλίας –
— 70 (31. 2). τί τέκνον ἐμῆς κ. (1)
26. 22. S² οὗτοι δὲ τύπτουσιν εἰς ταμεῖα κοιλίας [A B S¹ σπλάγχνων] (1)
Ca. 5. 4. ἡ κ. μου ἐθροήθη ἐπ' αὐτόν (5 *a*)
— 14. κοιλία αὐτοῦ πυξίον ἐλεφάντινον (5 *a*)
7. 2 (3). κοιλία σου θημωνία σίτου (1)
Wi. 7. 2. R ἐν κοιλίᾳ μητρὸς ἐγλύφην σάρξ
Si. 19. 12. οὕτως λόγος ἐν κοιλίᾳ μωροῦ
23. 6. κοιλίας ὄρεξις καὶ συνουσιασμός
36. 23 (20). πᾶν βρῶμα φάγεται κοιλία
40. 30. ἐν κοιλίᾳ αὐτοῦ πῦρ καήσεται
51. 5. ἐκ βάθους κοιλίας ᾅδου
— 21. ἡ κ. μου ἐταράχθη ἐκζητῆσαι αὐτήν
Ho. 9. 16. ἀποκτενῶ τὰ ἐπιθυμήματα κοιλίας αὐτῶν (1)
12. 3 (4). ἐν τῇ κ. ἐπτέρνισε τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ (1)
Mi. 6. 7. εἰ δῶ . . . καρπὸν κοιλίας μου (1)
Jn. 2. 1. ἦν Ἰ. ἐν τῇ κ. τοῦ κήτους (5 *a*)
— 2. A B S² ἐκ τῆς κ. τοῦ κήτους (5 *a*)
— 3. εἰσήκουσέ μου ἐκ κοιλίας ᾅδου (1)
Hb. 3. 16. ἐπτοήθη ἡ κοιλία [S² καρδία] μου ἀπὸ φωνῆς (1)
Is. 8. 19. οἱ ἐκ [A ἀπὸ] τῆς κ. φωνοῦσιν (8)
16. 11. ἡ κ. μου ἐπὶ Μωὰβ ὡς κιθάρα ἠχήσει (5 *a*)
44. 2. ὁ πλάσας σε ἐκ κοιλίας (1)
— 24. πλάσσων [S ὁ πλάσας] σε ἐκ κοιλίας (1)
46. 3. οἱ αἰρόμενοι ἐκ κοιλίας (1)
48. 8. ἄνομος ἔτι ἐκ κοιλίας κληθήσῃ (1)
— 19. τὰ ἔκγονα [S ἔγγ.] τῆς κ. σου (5 *a*)
49. 1. ἐκ κοιλίας μητρός μου ἐκάλεσε τὸ ὄνομά μου (1+5 *a*)
— 5. λέγει κύριος ὁ πλάσας με ἐκ κοιλίας (1)
— 15. τοῦ μὴ ἐλεῆσαι τὰ ἔκγονα [S ἔγγ.] τῆς κ. αὐτῆς (1)
Je. 1. 5. πρὸ τοῦ με πλάσαι σε ἐν κοιλίᾳ [A ἐκ κοιλίας] (1)
4. 19. A S² R τὴν κ. μου τὴν κ. μου [B S¹ om. τ. κ. μ.] ἀλγῶ (5 *a*, 5 *a*)
28 (51). 34. ἔπλησε τὴν κ. αὐτοῦ ἀπὸ τῆς τρυφῆς μου (4)
La. 1. 20. ἡ κ. μου ἐταράχθη (5 *a*)
2. 20. εἰ φάγονται γυναῖκες καρπὸν κοιλίας αὐτῶν –
Ez. 3. 3. ἡ κ. σου πλησθήσεται τῆς κεφαλίδος ταύτης (1)
7. 19. αἱ κ. αὐτῶν οὐ μὴ πληρωθῶσι (5 *a*)
Da. LXX., TH. 2. 32. ἡ κ. καὶ οἱ μηροὶ χαλκοῖ (5 *b*)
II Ma. 7. 22. εἰς τὴν ἐμὴν ἐφάνητε κ.
10. 4. πεσόντες ἐπὶ κοιλίαν
[Aq. Jb. 15. 35 : Ps. 39 (40). 9 : Je. 31 (38). 20.]
[Sm. Is. 16. 11.]
[Th. Jb. 30. 27 : Ps. 39 (40). 9.]
[Al. Ex. 29. 17 : Le. 1. 9 : 4. 8 : 7. 3 : 8. 16 : Nu. 25. 8 : Pr. 13. 24 *bis* : 26. 22.]

κοῖλος. (1) רֵכָה (2) נָבַב (3) *a.* עֵמֶק *b.* עָמֹק
Ex. 27. 8. κοῖλον σανιδωτὸν ποιήσεις αὐτό (2)
Le. 13. 32, 34. ἡ ὄψις . . . οὐκ ἔστι κοίλη ἀπὸ τοῦ δέρματος (3 *b*)
Jo. 9. 5. καὶ τὰ κ. τῶν ὑποδημάτων αὐτῶν †
I Es. 2. 17. R καὶ κριταὶ [B om., A κραταιοὶ] οἱ ἐν κ. Συρίᾳ
— 24. A R κάθοδος [B ἔξ.] οὐκέτι σοι ἔσται εἰς κ. Συρίαν
— 27. καὶ φορολογοῦντες κ. Συρίαν
4. 48. πᾶσι τοῖς τοπάρχαις ἐν κ. Συρίᾳ
6. 29. ἀπὸ τῆς φορολογίας κ. Συρίας
7. 1. Σισ. ἔπαρχος κ. Συρίας
8. 67. A R καὶ τοῖς ἐπάρχοις κ. [B om.] Συρίας
Wi. 17. 19. R ἀντανακλωμένη ἐκ κοιλοτάτων [A B S -ότητος] ὀρέων ἠχώ
Jl. 3 (4). 14. ἐν τῇ κοιλάδι [S¹ -λῃ] τῆς δίκης (3 *a*)
Jn. 1. 5. Ἰ. δὲ κατέβη εἰς τὴν κ. τοῦ πλοίου (1)
I Ma. 10. 69. Ἀπολλώνιον τὸν ὄντα ἐπὶ [S² add. τῆς] κ. Συρίας
II Ma. 3. 5. τὸν . . . κ. Συρίας . . . στρατηγόν
— 8. τὰς κατὰ κ. Συρίαν . . . πόλεις
4. 4 : 8. 8. τὸν κ. Συρίας καὶ Φοινίκης στρατηγόν
10. 11. κ. δὲ Συρίας καὶ Φοιν. στρατηγὸν πρώταρχον
III Ma. 3. 15. τὰ κατοικοῦντα κ. Συρίαν καὶ Φοιν. ἔθνη
[Aq., Th. Le. 13. 3.]
[Sm. Jd. 1. 15.]
[Al. Le. 13. 20 : 14. 37.]

κοιλοσταθμεῖν. (1) סָפַן (2) צָפָה pi.
III Ki. 6. 9. ἐκοιλοστάθμησε τὸν οἶκον (1)
— 15. ἐκοιλοστάθμησε συνεχόμενα ξύλοις ἔσωθεν (2)

κοιλόσταθμος. (1) סָפַן
Hg. 1. 4. τοῦ οἰκεῖν ἐν οἴκοις ὑμῶν κοιλοστάθμοις (1)

κοιλότης.
Wi. 17. 19. A B S ἀντανακλωμένη ἐκ κοιλότητος [R -οτάτων] ὀρέων ἠχώ

κοίλωμα. (1) בֶּתֶר
Ge. 23. 2. ἐν πόλει Ἀ. ἥ ἐστιν ἐν τῷ κ. –
III Ki. 7. 15. τεσσάρων δακτύλων τὰ κ. †
Ca. 2. 17. νεβρῷ ἐλάφων ἐπὶ ὄρη κοιλωμάτων (1)
8. 14. A S¹ τῇ δορκάδι ἐπὶ τὰ ὄρη κοιλωμάτων [B ἀρωμάτων, S² R τῶν ἀρωμάτων] †
Ez. 43. 14. ἐκ βάθους τῆς ἀρχῆς τοῦ κ. αὐτοῦ †
II Ma. 1. 19. κατέκρυψαν ἐν κοιλώματι φρέατος

κοιμᾶν. (1) בּוּת (2) הָיָה ni. (3) הָלַךְ (4) יָגַע (5) יָשַׁב (6) יָשַׁן (7) לִין (8) נָחַת (9) סָבַךְ pu. (10) רָבַץ (11) רָדַם ni. (12) שָׁכַב *a.* qal. *b.* hi. *c.* hoph. *d.* מִשְׁכָּב
Ge. 19. 4. πρὸ τοῦ κοιμηθῆναι . . . περιεκύκλωσαν (12 *a*)
— 32. κοιμηθῶμεν μετ' αὐτοῦ (12 *a*)
— 33. ἐκοιμήθη μετὰ τοῦ πατρὸς αὐτῆς (12 *a*)
— 33. R ἐν τῷ κοιμηθῆναι αὐτόν [A -ήν] (12 *a*)
— 34. ἐκοιμήθην χθὲς μετὰ τοῦ πατρὸς ἡμ. (12 *a*)
— 34. κοιμήθητι μετ' αὐτοῦ (12 *a*)
— 35. ἐκοιμήθη μετὰ τοῦ πατρὸς αὐτῆς (12 *a*)
— 35. R ἐν τῷ κοιμηθῆναι αὐτόν [A -ήν] (12 *a*)
24. 11. A ἐκοίμησεν [S R -μισε] τὰς καμήλους †
— 54. ἔφαγον . . . καὶ ἐκοιμήθησαν (7)
26. 10. ἐκοιμήθη τις . . . μετὰ τῆς γυναικός σου (12 *a*)
28. 11. ἐκοιμήθη ἐκεῖ (7)
— 11. ἐκοιμήθη ἐν τῷ τόπῳ ἐκείνῳ (12 *a*)
30. 15. κοιμηθήτω μετὰ σοῦ (12 *a*)
— 16. ἐκοιμήθη μετ' αὐτῆς (12 *a*)
31. 54. ἐκοιμήθησαν ἐν τῷ ὄρει (7)
32. 13 (14). ἐκοιμήθη ἐκεῖ (7)
— 21 (22). ἐκοιμήθη . . . ἐν τῇ παρεμβολῇ (7)
34. 2. ἐκοιμήθη μετ' αὐτῆς (12 *a*)
— 7. κοιμηθεὶς μετὰ τῆς θυγατρὸς Ἰ. (12 *a*)
35. 21 (22). ἐκοιμήθη μετὰ Βαλλᾶς (12 *a*)
39. 7, 12, 14. κοιμήθητι μετ' ἐμοῦ (12 *a*)
— 17. R κοιμηθήσομαι μετὰ σοῦ [A -θητι μετ' ἐμοῦ] –
41. 21. ἐξεγερθεὶς δὲ ἐκοιμήθην –

Ge. 47. 30. κοιμηθήσομαι μετὰ τῶν πατέρων μου (12 a)
49. 9. ἀναπεσὼν ἐκοιμήθης ὡς λέων (10)
Ex. 22. 16 (15). ἐὰν . . . κοιμηθῇ μετ' αὐτῆς (12 a)
— 19 (18). πᾶν κοιμώμενον μετὰ κτήνους (12 a)
— 27 (26). ἐν τίνι κοιμηθήσεται (12 a)
23. 18. οὐδὲ μὴ κοιμηθῇ στέαρ τῆς ἑορτῆς μου ἕως πρωΐ (7)
34. 25. οὐ κοιμηθήσεται εἰς τὸ πρωΐ θύματα [A -μίαμα] (7)
Le. 14. 47. ὁ κοιμώμενος ἐν τῇ οἰκίᾳ (12 a)
15. 4. A B¹ ἐφ' ᾗ [B² ἦν, R ἧς] ἂν κοιμηθῇ ἐπ' αὐτῆς (12 a)
— 18. ἐὰν κοιμηθῇ ἀνὴρ μετ' αὐτῆς (12 a)
— 24. ἐὰν δὲ κοίτῃ κοιμηθῇ τις μετ' αὐτῆς (12 a)
— 24. ἐφ' ᾗ ἂν κοιμηθῇ ἐπ' αὐτῆς (12 a)
— 26. ἐφ' ἣν ἂν κοιμηθῇ ἐπ' αὐτῆς (12 a)
— 33. ὃς ἂν κοιμηθῇ μετὰ ἀποκαθημένης (12 a)
18. 22. οὐ κοιμηθήσῃ κοίτην γυναικός (12 a)
19. 13. οὐ μὴ κοιμηθήσεται ὁ μισθὸς . . . παρὰ σοί (7)
— 20. ἐάν τις κοιμηθῇ . . . κοίτην σπέρματος (12 a)
20. 11. ἐάν τις κοιμηθῇ μετὰ γυναικὸς τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (12 a)
— 12. ἐάν τις κοιμηθῇ μετὰ νύμφης αὐτοῦ (12 a)
— 13. ὃς ἂν κοιμηθῇ . . . κοίτην γυναικός (12 a)
— 18. ὃς ἂν κοιμηθῇ μετὰ γυναικὸς ἀποκαθημένης (12 a)
— 20. ὃς ἂν κοιμηθῇ μετὰ τῆς συγγενοῦς αὐ. (12 a)
26. 6. καὶ κοιμηθήσεσθε (12 a)
Nu. 5. 13. καὶ κοιμηθῇ τις μετ' αὐτῆς κοίτην σπέρματος (12 a)
— 19. εἰ μὴ κεκοίμηταί τις μετὰ σοῦ (12 a)
23. 24. οὐ κοιμηθήσεται (12 a)
De. 16. 4. οὐ κοιμηθήσεται ἀπὸ τῶν κρεῶν (7)
21. 23. οὐ κοιμηθήσεται [A οὐκ ἐπικ.] τὸ σῶμα αὐτοῦ (7)
22. 22. ἄνθρωπος κοιμώμενος μετὰ γυναικός (12 a)
— 22. τὸν ἄνδρα τὸν κοιμώμενον μετὰ τῆς γυναικός (12 a)
— 23. καὶ . . . κοιμηθῇ μετ' αὐτῆς [A² κ. ταύτης] (12 a)
— 25. καὶ βιασάμενος κοιμηθῇ μετ' αὐτῆς (12 a)
— 25. ἀποκτενεῖτε [A add. τὸν ἄνθρωπον] τὸν κοιμώμενον μετ' αὐτῆς (12 a)
— 28. καὶ βιασάμενος [A β. αὐτὴν] κοιμηθῇ μετ' αὐτῆς (12 a)
— 29. ὁ ἄνθρωπος ὁ κοιμηθεὶς μετ' αὐτῆς (12 a)
24. 12. οὐ κοιμηθήσῃ ἐν τῷ ἐνεχύρῳ (12 a)
— 13. κοιμηθήσεται ἐν τῷ ἱματίῳ αὐτοῦ (12 a)
27. 20. A R ὁ κοιμώμενος μετὰ γυναικὸς τοῦ [B ἐκ] πατρὸς αὐτοῦ (12 a)
— 21. ὁ κοιμώμενος μετὰ παντὸς [A om.] κτήνους (12 a)
— 22. ὁ κοιμώμενος μετὰ ἀδελφῆς (12 a)
— 23. ὁ κοιμώμενος μετὰ νύμφης [A πενθερᾶς] αὐτοῦ (12 a)
— 23. B ὁ κοιμώμενος μετὰ ἀδελφῆς γυναικὸς αὐτοῦ –
31. 16. σὺ κοιμᾷ [A -ασαι] μετὰ τῶν πατέρων σου (12 a)
Jo. 2. 8. πρὶν ἢ κοιμηθῆναι αὐτούς (12 a)
6. 10 (11). καὶ ἐκοιμήθη ἐκεῖ (7)
Jd. 5. 27. ἔπεσε καὶ [A om.] ἐκοιμήθη (12 a)
16. 3. καὶ ἐκοιμήθη Σαμψών (12 a)
— 14. ἐν τῷ κοιμᾶσθαι αὐτόν [A al.] –
Ru. 3. 4. ἐν τῷ κοιμηθῆναι αὐτόν (12 a)
— 4. ὅπου [A οὗ] κοιμᾶται ἐκεῖ (12 a)
— 4. καὶ κοιμηθῇ (12 a)
— 7. καὶ ἦλθε κοιμηθῆναι (12 a)
— 8. γυνὴ κοιμᾶται πρὸς ποδῶν αὐτοῦ (12 a)
— 13. κοιμήθητι ἕως πρωΐ (12 a)
— 14. καὶ ἐκοιμήθη πρὸς ποδῶν αὐτοῦ (12 a)
I Ki. 3. 9. ἐκοιμήθη ἐν τῷ τόπῳ αὐτοῦ (12 a)
— 15. κοιμᾶται Σαμ. ἕως πρωΐ (12 a)
9. 25. καὶ ἐκοιμήθη –
II Ki. 7. 12. κοιμηθήσῃ μετὰ τῶν πατέρων σου (12 a)
11. 4. ἐκοιμήθη μετ' αὐτῆς (12 a)
— 9. ἐκοιμήθη Οὐρίας παρὰ τῇ θύρᾳ (12 a)
— 11. καὶ κοιμηθῆναι μετὰ τῆς γυναικός μου (12 a)
— 13. τοῦ κοιμηθῆναι ἐπὶ [A καὶ ἐ.] τῆς κοίτης (12 a)
12. 11. κοιμηθήσεται μετὰ τῶν γυναικῶν σου (12 a)
— 16. A ηὐλίσθη καὶ ἐκοιμήθη [B om. κ. ἐκ.] ἐπὶ τῆς γῆς (12 a)
— 24. ἐκοιμήθη μετ' αὐτῆς (12 a)
13. 5. κοιμήθητι ἐπὶ τῆς κοίτης σου (12 a)
II Ki. 13. 6. καὶ ἐκοιμήθη Ἀμ. (12 a)
— 8. καὶ αὐτὸς κοιμώμενος (12 a)
— 11. κοιμήθητι μετ' ἐμοῦ (12 a)
— 14. ἐκοιμήθη μετ' αὐτῆς (12 a)
— 31. ἐκοιμήθη ἐπὶ τὴν γῆν (12 a)
III Ki. 1. 2. κοιμηθήσεται μετ' αὐτοῦ (12 a)
— 21. ὡς ἂν κοιμηθῇ ὁ κύριός μου (12 a)
2. 10. ἐκοιμήθη Δαυὶδ μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
3. 19. A ὡς ἐκοιμήθη [B ἐπεκ.] ἐπ' αὐτόν (12 a)
11. 21. κεκοίμηται Δ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)
— 43. ἐκοιμήθη Σαλ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
— 44. B ὁ βασ. Σαλ. ἐκοιμήθη μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a ?)
12. 24. B κοιμᾶται μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ –
14. 20. A καὶ ἐκοιμήθη μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
— 31. καὶ ἐκοιμήθη Ῥ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
15. 8. καὶ ἐκοιμήθη Ἀβ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
— 24. καὶ ἐκοιμήθη Ἀσά (12 a)
16. 6. καὶ ἐκοιμήθη Β. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
— 28. καὶ ἐκοιμήθη Ζ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
— 28 (22. 50 [51]). B καὶ ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)
17. 19. A ἐκοίμησεν [B -ισεν] αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλίνης (12 b)
19. 5. καὶ ἐκοιμήθη (12 a)
— 6. καὶ ἐπιστρέψας ἐκοιμήθη (12 a)
20 (21). 4. ἐκοιμήθη ἐπὶ τῆς κλίνης αὐτοῦ (12 a)
22. 40. καὶ ἐκοιμήθη Ἀ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
— 51. A R καὶ ἐκοιμήθη Ἰωσ. [B om.] μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)
IV Ki. 4. 11. καὶ ἐκοιμήθη ἐκεῖ (12 a)
— 20. ἐκοιμήθη ἐπὶ τῶν γονάτων αὐτῆς (5)
— 32. A τὸ παιδάριον τεθνηκὸς κεκοιμημένον [B -μισμένον] (12 c)
— 34. ἐκοιμήθη ἐπὶ τὸ παιδάριον (12 a)
8. 24. καὶ ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)
9. 16. A ἀνὴρ δυνάμεως ἐκοιμήθη ἐκεῖ [B om. ἐ. ἐ.] (12 a)
10. 35 : 13. 9, 13. καὶ ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)
14. 16. καὶ ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν πατέρων [A om.] αὐτοῦ (12 a)
— 22. μετὰ τὸ κοιμηθῆναι τὸν βασ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)
— 29. καὶ ἐκοιμήθη Ἱερ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
15. 7. καὶ ἐκοιμήθη Ἀ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
— 22. καὶ ἐκοιμήθη Μ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
— 38. καὶ ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
16. 20. καὶ ἐκοιμήθη Ἀ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
20. 21. καὶ ἐκοιμήθη Ἐζ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
21. 18. καὶ ἐκοιμήθη Μ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
24. 6. καὶ ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν πατέρων (12 a)
I Ch. 17. 11. καὶ κοιμηθήσῃ μετὰ τῶν πατ. σου (3)
II Ch. 9. 31. καὶ ἐκοιμήθη Σαλωμών (12 a)
16. 13. καὶ ἐκοιμήθη Ἀσὰ μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
21. 1. ἐκοιμήθη Ἰωσ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)
26. 2. μετὰ τὸ κοιμηθῆναι τὸν βασ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)
— 23. καὶ ἐκοιμήθη Ὀ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
27. 9. καὶ ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
28. 27. καὶ ἐκοιμήθη Ἄ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
32. 33. καὶ ἐκοιμήθη Ἐζ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
33. 20. καὶ ἐκοιμήθη Μ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
36. 8. καὶ ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ –
I Es. 3. 3. καὶ ἐκοιμήθη
To. 2. 9. ἐκοιμήθην μεμιαμμένος [S om.] παρὰ τὸν τοῖχον τῆς αὐλῆς
8. 1. S ἠθέλησαν κοιμηθῆναι
— 9. ἐκοιμήθησαν ἀμφότεροι [S om.] τὴν νύκτα
Jb. 3. 13. νῦν ἂν κοιμηθεὶς ἡσύχασα (12 a)
7. 4. ἐὰν κοιμηθῶ (12 a)
8. 17. ἐπὶ συναγωγὴν [A -ῇ] λίθων κοιμᾶται (9 ?)
14. 12. ἄνθρωπος δὲ κοιμηθεὶς οὐ μὴ ἀναστῇ (12 a)
20. 11. μετ' αὐτοῦ ἐπὶ χώματος κοιμηθήσεται (12 a)
21. 13. ἐν δὲ ἀναπαύσει ᾅδου ἐκοιμήθησαν (8)
— 26. ἐπὶ γῆς κοιμῶνται [A -μηθήσονται] (12 a)
22. 11. κοιμηθέντα δὲ ὕδωρ σε ἐκάλυψε †
27. 19. S² R πλούσιος κοιμηθήσεται [A B S¹ κοιμηθεὶς] καὶ οὐ προσθήσει (12 a)
— 20. A κοιμηθέντι [B S om.] συναντήσονται [B S -ήντησαν] αὐτῷ –
39. 9. βουλήσεται δὲ . . . κοιμηθῆναι ἐπὶ φάτνης σου (7)
40. 16 (21). ὑπὸ παντοδαπὰ δένδρα κοιμᾶται (12 a)
Ps. 3. 5. ἐγὼ ἐκοιμήθην καὶ ὕπνωσα (12 a)
4. 8. ἐν εἰρήνῃ ἐπὶ τὸ αὐτὸ κοιμηθήσομαι (12 a)
Ps. 40 (41). 8. μὴ ὁ κοιμώμενος οὐχὶ προσθήσει τοῦ ἀναστῆναι (12 a)
56 (57). 4. ἐκοιμήθην τεταραγμένος (12 a)
67 (68). 13. ἐὰν κοιμηθῆτε ἀνὰ μέσον τῶν κλήρων (12 a)
Pr. 4. 16. οὐ κοιμῶνται †
Ec. 2. 23. ἐν νυκτὶ οὐ κοιμᾶται ἡ καρδία αὐτοῦ (12 a)
4. 11. ἐὰν κοιμηθῶσι δύο (12 a)
Wi. 17. 14. τὸν αὐτὸν ὕπνον κοιμώμενοι
Si. 25. 1. S¹ ἐκοιμήθην [? ἐκοσμ.]
Is. 1. 21. ἐν ᾗ δικαιοσύνη ἐκοιμήθη ἐν αὐτῇ (7)
5. 27. οὐδὲ νυστάξουσιν οὐδὲ κοιμηθήσονται (6)
14. 8. ἀφ' οὗ σὺ κεκοίμησαι (12 a)
— 18. πάντες οἱ βασ. τῶν ἐθνῶν ἐκοιμήθησαν (12 a)
21. 13. ἐν τῷ δρυμῷ ἑσπέρας κοιμηθήσῃ (7)
43. 17. ἐκοιμήθησαν [B¹ κοιμηθήσονται] καὶ οὐκ ἀναστήσονται (12 a)
50. 11. ἐν λύπῃ κοιμηθήσεσθε (12 a)
57. 8. ἠγάπησας τοὺς κοιμωμένους μετὰ σοῦ (12 d)
65. 4. ἐν τοῖς σπηλαίοις κοιμῶνται διὰ ἐνύπνια (7)
Je. 3. 25. ἐκοιμήθημεν ἐν τῇ αἰσχύνῃ ἡμῶν (12 a)
30. 12 (49. 23). A ἐξέστησαν ἐκοιμήθησαν [B S al.] †
51. 33 (45. 3). ἐκοιμήθην ἐν στεναγμοῖς (4)
La. 2. 21. ἐκοιμήθησαν εἰς τὴν ἔξοδον (12 a)
Ep. Je. 43. ὅταν δέ τις αὐτῶν . . . κοιμηθῇ [A add. μετ' αὐτῆς]
Ez. 4. 4. κοιμηθήσῃ ἐπὶ τὸ πλευρόν σου τὸ ἀριστερόν (12 a)
— 4. ὃς κοιμηθήσῃ ἐπ' αὐτοῦ (12 a)
— 6. κοιμηθήσῃ ἐπὶ τὸ πλευρόν σου τὸ δεξιόν (12 a)
23. 8. μετ' αὐτῆς ἐκοιμῶντο ἐν νεότητι αὐτῆς (12 a)
31. 18. κοιμηθήσῃ μετὰ τραυματιῶν μαχαίρας (12 a)
32. 19. A κοιμήθητι μετὰ ἀπεριτμήτων (12 c)
— 19 (20). κοιμηθήσεται πᾶσα ἡ ἰσχὺς αὐτοῦ –
— 20 (21). κοιμήθητι μετὰ ἀπεριτμήτων (12 a)
— 27. ἐκοιμήθησαν μετὰ τῶν γιγάντων (12 a)
— 28. κοιμηθήσῃ μετὰ τετραυματισμένων μαχαίρᾳ (12 a)
— 29. οὗτοι [A αὐτοὶ ἐκοιμήθησαν] μετὰ τραυματιῶν [A add. μαχαίρας] ἐκοιμήθησαν (–, 12 a)
— 30. ἐκοιμήθησαν ἀπερίτμητοι (12 a)
— 32. κοιμηθήσεται ἐν μέσῳ ἀπεριτμήτων (12 c)
34. 14. κοιμηθήσονται καὶ ἐκεῖ ἀναπαύσονται (10)
Da. LXX. 8. 18. ἐκοιμήθην ἐπὶ πρόσωπον χαμαί (11)
Da. TH. 6. 18 (19). καὶ ἐκοιμήθη ἄδειπνος (1)
8. 27. ἐγὼ Δανὴλ ἐκοιμήθην (2 ?)
I Ma. 11. 6. καὶ ἐκοιμήθησαν ἐκεῖ
16. 4. ἐκοιμήθησαν ἐν Μωδ.
II Ma. 12. 45. τοῖς μετ' εὐσεβείας κοιμωμένοις
[Aq. III Ki. 14. 20 : Jb. 11. 18 : Ps. 40 (41). 9 : 56 (57). 5 : Pr. 6. 9 : 23. 34 : 24. 33 : Is. 56. 10 : Ez. 32. 30 : Ho. 2. 18 (20).]
[Sm. Ps. 56 (57). 5 : Pr. 6. 9 : 23. 34 : 24. 33 : Is. 50. 11 : 56. 10 : Ez. 32. 30.]
[Th. Ps. 56 (57). 5 : Pr. 6. 9 : 23. 34 : 24. 33 : Ez. 32. 19, 30 : Da. 6. 18.]
[Quint. Ps. 56 (57). 5.]

κοίμησις.

Si. 46. 19. πρὸ καιροῦ κοιμήσεως αἰῶνος
48. 13. ἐν κοιμήσει ἐπροφήτευσε τὸ σῶμα αὐτοῦ

κοίμητρον.

[Sm. Jb. 4. 18.]

κοιμίζειν. (1) בָּרַךְ hi. (2) יָשֵׁן pi. (3) לִין hi. (4) שָׁכַב *a.* qal. *b.* hi. *c.* hoph.

Ge. 24. 11. S R ἐκοίμισε [A -μησεν τας καμήλους (1)
Jd. 16. 14. A καὶ ἐκοίμισεν αὐτὸν Δ. [B al.] –
— 19. ἐκοίμισε Δ. τὸν Σαμψὼν [A ἐκ. αὐτόν] (2)
I Ki. 2. 22. A ὡς ἐκοίμιζον τὰς γυναῖκας (4 a)
II Ki. 8. 2. κοιμίσας αὐτοὺς ἐπὶ τὴν γῆν (4 b)
III Ki. 3. 20. ἐκοίμισεν αὐτὸν ἐν τῷ κόλπῳ αὐ. (4 b)
— 20. τὸν υἱὸν αὐτῆς τὸν τεθνηκότα ἐκοίμισεν (4 b)
17. 19. ἐκοίμισεν [A -ησεν] αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλίνης (4 b)
IV Ki. 4. 21. ἐκοίμισεν αὐτὸν ἐπὶ τὴν κλίνην (4 b)
— 32. τὸ παιδάριον τεθνηκὸς κεκοιμισμένον [A -μημένον] (4 c)
II Ch. 16. 14. ἐκοίμισαν αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλίνης (4 b)
Jb. 24. 7. γυμνοὺς πολλοὺς ἐκοίμισαν ἄνευ ἱματίων (3 ?)

Jb. 24. 10. γυμνοὺς δὲ ἐκοίμισαν ἀδίκως †
Na. 3. 18. ἐκοίμισε τοὺς δυνάστας σου †
[Th. Jd. 16. 19.]

κοινῇ (*adv.*).
Si. 18. 1. ὁ ζῶν εἰς τὸν αἰῶνα ἔκτισε τὰ πάντα κ.
50. 17. A B² S πᾶς ὁ λαὸς κ. κατέσπευσαν [B¹ R -σε]
Da. TH. Su. 14. κ. συνετάξαντο καιρόν
II Ma. 4. 5. R τὸ δὲ συμφέρον [A -φορον] κ. . . . σκοπῶν
9. 26. τῶν εὐεργεσιῶν κ. καὶ κατ' ἰδίαν
[Quint. Ho. 7. 12.]

κοινολογεῖσθαι.
I Ma. 14. 9. S R πάντες περὶ ἀγαθῶν ἐκοινολογοῦντο [A -γουν]
15. 28. ἀπέστειλε . . . Ἀθηνόβιον . . . κοινολογησόμενον αὐτῷ
[Sm. Ps. 54 (55). 15.]

κοινολογία.
II Ma. 14. 22. τὴν ἁρμόζουσαν ἐποιήσαντο κ.

κοινός, *cf.* κοινῇ. (1) אֶחָד (2) חֶבֶר
Es. 5. 1. κ. τὸ πρόσταγμα ἡμῶν ἐστιν
Pr. 1. 14. κοινὸν δὲ βαλάντιον κτησώμεθα πάντες (1)
15. 23. οὐδὲ μὴ εἴπῃ καίριόν τι καὶ καλὸν τῷ κ. –
21. 9. ἢ ἐν κενονιαμένοις . . . καὶ ἐν οἴκῳ [S¹ κοινῷ] κ. (†, 2)
25. 24. ἢ μετὰ γυναικὸς λοιδόρου ἐν οἰκίᾳ κοινῇ (2)
Wi. 7. 3. ἔσπασα τὸν κ. ἀέρα
I Ma. 1. 47. θύειν ὕεια καὶ κτήνη κ. [S¹ πολλά]
— 62. τοῦ μὴ φαγεῖν κοινά
II Ma. 8. 29. κ. ἱκετείαν ποιησάμενοι
9. 21. φροντίσαι τῆς κ. πάντων ὑμῶν ἀσφαλείας
10. 8. ἐδογμάτισάν τε μετὰ κ. προστάγματος
12. 4. R κατὰ [A μετὰ] δὲ τὸ κ. τῆς πόλεως ψήφισμα
15. 6. κ. τῶν περὶ τὸν Ἰ. συστήσασθαι τρόπαιον
— 36. ἐδογμάτισαν δὲ πάντες μετὰ κ. ψηφίσματος
III Ma. 2. 33. τῆς κ. συναναστροφῆς . . . ἐστέρουν
4. 4. λαμβάνοντας πρὸ τῶν ὀφθαλμῶν τὸν κ. ἔλεον
6. 36. κ. ὁρισάμενοι περὶ τούτων θεσμόν
7. 17. κατὰ κοινὴν αὐτῶν β.
IV Ma. 1. 24. θυμὸς δὲ κ. πάθος ἐστὶν ἡδονῆς
3. 21. πρὸς τὴν κ. νεωτερίσαντες ὁμόνοιαν

κοινοῦν.
IV Ma. 7. 6. S R γαστέρα ἐκοίνωσας [A ἐκοινώνησας] μιαροφαγίᾳ

κοινωνεῖν. (1) אָרַב (2) בָּחַר pu. (3) חָבַר
a. pu. *b.* hithp. *c.* חֶבְרָה
II Ch. 20. 35. ἐκοινώνησεν Ἰ. βασ. Ἰ. πρὸς Ὀ. (3 *b*)
Jb. 34. 8. ἢ οὐδ' οὐ κοινωνήσας μετὰ ποιούντων τὰ ἄνομα [A S *al.*] (3 *c*)
Pr. 1. 11. ἐλθὲ μεθ' ἡμῶν κοινώνησον αἵματος (1?)
Ec. 9. 4. ὃς κοινωνεῖ πρὸς πάντας τοὺς ζῶντας (2*, 3 *a*)
Wi. 6. 23. οὗτος οὐ κοινωνήσει [A -νωνεῖ] σοφίᾳ
Si. 13. 1. ὁ κοινωνῶν ὑπερηφάνῳ ὁμοιωθήσεται αὐτῷ
— 2. ἰσχυροτέρῳ σου καὶ πλουσιωτέρῳ μὴ κοινώνει
— 2. τί κοινωνήσει χύτρα πρὸς λέβητα
— 17. τί κοινωνήσει λύκος ἀμνῷ
II Ma. 5. 20. R τῶν τοῦ ἔθνους δυσπετημάτων . . . ἐκοινώνησε [A -αν]
14. 25. ἐκοινώνησε βίου
III Ma. 2. 31. ὡς μεγάλης τινὸς κοινωνήσοντες εὐκλείας
4. 11. πρὸς τὸ μηδὲ ταῖς δυνάμεσιν αὐτοῦ κοινωνεῖν
IV Ma. 7. 6. A γαστέρα ἐκοινώνησας [S R ἐκοίνωσας] μιαροφαγίᾳ
[Sm. Ps. 1. 1.]
[Th. Is. 44. 11.]

κοινωνία. (1) תְּשׁוּמֶת יָד
Le. 6. 2 (5. 21). ἢ περὶ κοινωνίας ἢ περὶ ἁρπαγῆς (1)
Wi. 8. 18. εὔκλεια [A εὐκλεὴς] ἐν κοινωνίᾳ λόγων αὐτῆς
III Ma. 4. 6. πρὸς βίου κοινωνίαν γαμικὸν ὑπεληλυθυῖαι παστόν
[Quint. Ho. 7. 4.]

κοινωνός. (1) *a.* חָבֵר *b.* חֶבְרָת
IV Ki. 17. 11. καὶ ἐποίησαν κοινωνούς †
Es. 8. 13. τὴν ἄμεμπτον τῆς βασιλείας κ. Ἐσθήρ
Pr. 28. 24. οὗτος κοινωνός ἐστιν ἀνδρὸς ἀσεβοῦς (1 *a*)
Si. 6. 10. A B S² ἔστι φίλος κοινωνὸς τραπεζῶν
Si. 41. 18. B S ἀπὸ κοινωνοῦ καὶ φίλου περὶ ἀδικίας
42. 3. περὶ λόγου κοινωνοῦ [S -ῶν] καὶ ὁδοιπόρων
Ma. 2. 14. αὕτη κοινωνός σου καὶ γυνὴ διαθήκης σου (1 *b*)
Is. 1. 23. οἱ ἄρχοντές σου ἀπειθοῦσι κοινωνοὶ κλεπτῶν (1 *a*)

κοινῶς.
To. 2. 2. S καὶ φάγεται κ. μετ' ἐμοῦ
5. 13. ἐπορευόμεθα κ. εἰς Ἱεροσόλυμα [S *al.*]
6. 5. S ἐπορεύθησαν ἀμφότεροι κ. [A B *al.*]
8. 7. S συγκαταγηρᾶσαι κ. [A B *al.*]
— 13. S καὶ ὑπνοῦντας κ.
9. 6. ὥρθρευσαν κ. καὶ ἦλθον εἰς τὸν γάμον
11. 4. S ἐπορεύθησαν ἀμφότεροι κ. [A B *al.*]

κοιτάζεσθαι. (1) לִין (2) רָבַץ *a.* qal. *b.* hi. (3) שָׁכַב
Le. 15. 20. ἐφ' [B¹ *om.*] ὃ ἂν κοιτάζηται ἐπ' αὐτό (3)
De. 6. 7. καὶ κοιταζόμενος καὶ διανιστάμενος [A ἀνιστ.] (3)
11. 19. A καὶ κοιταζομένους [B καθεύδοντός] σου (3)
Ps. 103 (104). 22. ἐν [S¹ ἐπὶ] ταῖς μάνδραις [A S²] εἰς τὰς μ.] αὐτῶν κοιτασθήσονται (2 *a*)
Ca. 1. 7. ποῦ κοιτάζεις ἐν μεσημβρίᾳ (2 *b*)
Ze. 2. 14. ἐκεῖνοι ἐν τοῖς φατνώμασιν αὐ. κοιτασθήσονται (1)
3. 13. αὐτοὶ νεμήσονται καὶ κοιτασθήσονται (2 *a*)
Je. 40 (33). 12. καταλύματα ποιμένων κοιταζόντων πρόβατα (2 *b*)
Da. TH. 4. 12. ἐν τῇ δρόσῳ τοῦ οὐρανοῦ κοιτασθήσεται †
[Aq. Dt. 11. 19.]
[Sm. Dt. 11. 19: Is. 27. 10: Da. 4. 12.]
[Th. Dt. 11. 19: Da. 4. 12†.]

κοιτασία. (1) שְׁכֵבָה
Le. 20. 15. ὃς ἂν δῷ κοιτασίαν αὐτοῦ (1)

κοίτη. (1) דֹּבֶר (2) יָצוּעַ (3) מְאוּרָה
(4) *a.* מָעוֹן *b.* מְעוֹנָה (5) *a.* רָבַץ *b.* רֶבֶץ
(6) *a.* שָׁכַב *b.* שְׁכָבָה *c.* שְׁכֵבָה *d.* מִשְׁכָּב
e. מִשְׁכַּב (7) תַּחַת
Ge. 49. 4. ἀνέβης γὰρ ἐπὶ τὴν κ. τοῦ πατρός σου (6 *d*)
Ex. 10. 23. οὐκ ἐξανέστη [A ἀν.] οὐδεὶς ἐκ τῆς κ. αὐτοῦ (7)
21. 18. κατακλιθῇ δὲ ἐπὶ τὴν κ. (6 *d*)
Le. 15. 4. πᾶσα κ. . . . ἀκάθαρτός ἐστι (6 *d*)
— 5. ὃς ἂν ἅψηται τῆς κ. αὐτοῦ (6 *d*)
— 16. ᾧ [A ὃς] ἐὰν ἐξέλθῃ ἐξ αὐτοῦ κοίτη σπέρματος (6 *b*)
— 17. ἐφ' ὃ ἐὰν ᾖ ἐπ' αὐτὸ κοίτη σπέρματος (6 *b*)
— 18. ἐὰν κοιμηθῇ ἀνὴρ . . . κοίτην σπέρματος (6 *b*)
— 21. ὃς ἐὰν ἅψηται τῆς κ. αὐτῆς (6 *d*)
— 23. ἐν τῇ κ. αὐτῆς οὔσης (6 *d*)
— 24. ἐὰν δὲ κοίτῃ κοιμηθῇ τις μετ' αὐτῆς (6 *a*)
— 24. πᾶσα κ. . . . ἀκάθαρτος ἔσται (6 *d*)
— 26. πᾶσαν κ. . . . κατὰ τὴν κ. τῆς ἀφέδρου ἔσται αὐτῇ (6 *d*, 6 *d*)
— 32. ἐάν τινι ἐξέλθῃ ἐξ αὐτοῦ κοίτη σπέρματος (6 *b*)
18. 20. οὐ δώσεις κοίτην σπέρματός σου (6 *c*)
— 22. οὐ κοιμηθήσῃ κοίτην γυναικός (6 *d*)
— 23. οὐ δώσεις τὴν [A *om.*] κ. σου (6 *c*)
19. 20. ἐάν τις κοιμηθῇ . . . κοίτην σπέρματος (6 *b*)
20. 13. ὃς ἂν κοιμηθῇ . . . κοίτην γυναικός (6 *d*)
22. 4. ᾧ ἂν ἐξέλθῃ ἐξ αὐτοῦ κοίτη σπέρματος (6 *b*)
Nu. 5. 13. καὶ κοιμηθῇ τις . . . κοίτην σπέρματος (6 *b*)
— 20. καὶ ἔδωκέ τις τὴν κ. αὐτοῦ (6 *c*)
31. 17. ἥτις ἔγνω κοίτην ἄρσενος (6 *d*)
— 18. ἥτις οὐκ οἶδε [A ἔγνω] κοίτην ἄρσενος (6 *d*)
— 35. αἳ οὐκ ἔγνωσαν κοίτην ἀνδρός (6 *d*)
Jd. 21. 11. εἰδυῖαν [A γινώσκουσαν] κοίτην ἄρσενος (6 *d*)
— 12. εἰς κοίτην ἀνδρός (6 *d*)
II Ki. 4. 5. ἐκάθευδεν ἐν τῇ κ. τῆς μεσημβρίας (6 *d*)
— 11. ἀπεκτάγκασιν ἄνδρα . . . ἐπὶ τῆς κ. [B² κλίνης] αὐτοῦ (6 *d*)
11. 2. ἀνέστη Δ. ἀπὸ τῆς κ. αὐτοῦ (6 *d*)
— 13. τοῦ κοιμηθῆναι ἐπὶ [A καὶ ἐ.] τῆς κ. αὐ. (6 *d*)
13. 5. κοιμήθητι ἐπὶ τῆς κ. σου (6 *d*)
II Ki. 17. 28. ἤνεγκαν δέκα κοίτας καὶ ἀμφιτάπους (6 *d*)
III Ki. 1. 47. προσεκύνησεν ὁ β. ἐπὶ τὴν κ. (6 *d*)
I Ch. 5. 1. ἐν τῷ ἀναβῆναι ἐπὶ τὴν κ. τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (2)
Ju. 13. 1. ἀπῴχοντο εἰς τὰς κ. αὐτῶν
Es. 4. 17. B S βδελύσσομαι κοίτην ἀπεριτμήτων
Jb. 7. 13. ἀνοίσω δὲ πρὸς ἐμαυτὸν . . . τῇ κ. μου (6 *d*)
33. 15. ἐπὶ νυσταγμάτων ἐπὶ κοίτης (6 *d*)
— 19. ἤλεγξεν αὐτὸν ἐπὶ [A *om.*, S ἐν] μαλακίᾳ ἐπὶ κοίτης (6 *d*)
36. 28. οἴδασι δὲ κοίτης τάξιν –
37. 8. ἡσύχασαν δὲ ἐπὶ κοίτης (4 *b*)
38. 40. δεδοίκασι γὰρ ἐν κοίταις αὐτῶν (4 *b*)
Ps. 4. 4. ἐπὶ ταῖς κ. ὑμῶν κατανύγητε [A -νοίγητε] (6 *d*)
35 (36). 4. A S ἀνομίαν διελογίσατο [B ἐλ.] ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (6 *d*)
40 (41). 3. ὅλην τὴν κ. αὐτοῦ ἔστρεψας (6 *d*)
149. 5. ἀγαλλιάσονται ἐπὶ τῶν κ. αὐτῶν (6 *d*)
Pr. 7. 17. διέρραγκα τὴν κ. μου κροκίνῳ [A S² κρόκῳ] (6 *d*)
Ca. 3. 1. ἐπὶ κοίτην μου . . . ἐζήτησα (6 *d*)
Wi. 3. 13. ἥτις οὐκ ἔγνω κοίτην ἐν παραπτώματι
— 16. ἐκ παρανόμου κοίτης σπέρμα ἀφανισθήσεται
Si. 23. 18. A ἄνθρωπος πόρνος ἀπὸ τῆς κ. αὐτοῦ [B S *al.*]
34 (31). 19. ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ οὐκ ἀσθμαίνει
40. 5. ἐν καιρῷ ἀναπαύσεως ἐπὶ κοίτης
41. 22. μὴ ἐπιστῇς ἐπὶ τὴν κ. αὐτῆς
Ho. 7. 14. ἀλλ' ἢ ὠλόλυζον ἐν ταῖς κ. αὐτῶν (6 *d*)
Mi. 2. 1. ἐργαζόμενοι κακὰ ἐν ταῖς κ. αὐτῶν (6 *d*)
— 12. ὡς ποίμνιον ἐν μέσῳ κοίτης αὐτῶν (1)
Is. 11. 8. ἐπὶ κοίτην ἐκγόνων ἀσπίδων τὴν χεῖρα ἐπιβαλεῖ (3)
17. 2. καταλελειμμένη . . . εἰς κοίτην ποιμνίων (5 *a*?)
56. 10. ἐνυπνιαζόμενοι κοίτην (6 *a*)
57. 7. ἐκεῖ σου ἡ κ. (6 *d*)
Je. 10. 22. τοῦ τάξαι τὰς πόλεις Ἰ. εἰς . . . κοίτην στρουθῶν (4 *a*)
27 (50). 6. ἐπελάθοντο κοίτης αὐτῶν (5 *b*)
Ez. 23. 17. ἦλθοσαν . . . εἰς κοίτην καταλύντων (6 *d*)
Da. LXX. 4. 7. ἐπὶ τῆς κ. μου ἐκάθευδον (6 *e*)
— 15. ἀναστὰς τὸ πρωὶ ἐκ τῆς κ. μου –
7. 1. ὅραμα εἶδε . . . ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (6 *e*)
— 2. ἐπὶ τῆς κ. μου ἐθεώρουν –
Da. TH. 2. 28. αἱ ὁράσεις τῆς κεφαλῆς σου ἐπὶ τῆς κ. σου (6 *e*)
— 29. οἱ διαλογισμοί σου ἐπὶ τῆς κ. σου (6 *e*)
4. 2. ἐταράχθην ἐπὶ τῆς κ. μου (6 *e*)
— 7. ἐπὶ τῆς κ. μου ἐθεώρουν (6 *e*)
— 10. ἐθεώρουν . . . ἐπὶ τῆς κ. μου (6 *e*)
7. 1. καὶ αἱ ὁράσεις . . . ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (6 *e*)
I Ma. 1. 5: 6. 8. ἔπεσεν ἐπὶ τὴν κ.
[Aq., Sm. Ps. 4. 5: Is. 57. 2, 7, 8: Ez. 32. 25.]
[Th. Jb. 7. 13: Is. 57. 2, 7, 8 *bis*: Ez. 32. 25: Da. 2. 29 *bis*: 4. 7.]
[Al. Ez. 32. 25.]

κοιτών. (1) חֶדֶר (2) מְקֵרָה (3) מִשְׁכָּב
Ex. 8. 3. εἰς τὰ ταμεῖα [B -μεῖα] τῶν κ. σου (3)
Jd. 3. 24. A ἐν τῇ ἀποχωρήσει τοῦ κ. [B *al.*] (2)
15. 1. A εἰσελεύσομαι . . . εἰς τὸν κ. [B *al.*] (1)
II Ki. 4. 7. ἐκάθευδεν . . . ἐν τῷ κ. αὐτοῦ (1+3)
13. 10. καὶ εἰσήνεγκε . . . εἰς τὸν κ. (1)
III Ki. 21 (20). 30. εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἶκον τοῦ κ. (1)
IV Ki. 6. 12. ἐν τῷ ταμείῳ τοῦ κ. σου (3)
I Es. 3. 3. ἀνέλυσεν εἰς τὸν κ.
Ju. 13. 3. στῆναι ἔξω τοῦ κ. αὐτῆς
— 4. οὐδεὶς κατελείφθη ἐν τῷ κ.
14. 15. εἰσῆλθεν εἰς τὸν κ.
16. 19. ὃ ἔλαβεν ἑαυτῇ ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ
Ec. 10. 20. ἐν ταμιείοις κοιτώνων σου μὴ καταράσῃ πλούσιον (3)
Jl. 2. 16. ἐξελθέτω νυμφίος ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ (1)
Ez. 8. 12. ἕκαστος αὐτῶν ἐν τῷ κ. τῷ κρυπτῷ αὐτῶν (1)
[Al. Ge. 43. 30.]

κόκκινος (*incl.* κόκκινον *subst.*). (1) כַּרְמִיל
(2) שָׁנִי (3) *a.* תּוֹלָע *b.* תּוֹלֵעָה
Ge. 38. 28. ἔδησεν ἐπὶ τὴν χεῖρα αὐ. κόκκινον (2)
— 30. R ἐφ' ᾧ ἦν ἐπὶ τῇ χειρὶ [A τὴν χ.] αὐ. τὸ κ. (2)
Ex. 25. 4. κόκκινον διπλοῦν (3 *b*)

Ex. 26. 1, 31, 36: 27. 16. κοκκίνου κεκλωσμένου (3 b)
28. 5. λήψονται . . . τὸ κ. καὶ τὴν βύσσον (3 b + 2)
— 8. κοκκίνου διανενησμένου (3 b)
— 15. κοκκίνου κεκλωσμένου (3 b)
— 29 (33). κοκκίνου διανενησμένου (3 b)
31. 4. ἐργάζεσθαι . . . τὸ κ. τὸ νηστόν —
35. 6. κόκκινον διπλοῦν (3 b)
— 23. A πορφύρα καὶ κόκκινον (3 b + 2)
— 25. ἤνεγκαν . . . τὸ κ. καὶ τὴν βύσσον (3 b + 2)
— 35. ποικιλτὰ ὑφᾶναι τῷ κ. (3 b + 2)
36. 9 (39. 2). ἐκ . . . κοκκίνου νενησμένου (3 b)
— 10 (39. 3). σὺν τῷ κ. τῷ διανενησμένῳ [B¹ om. τ. δ.] (3 b [3 b + 2])
— 12 (39. 5), 15 (39. 8). ἐκ . . . κοκκίνου διανενησμένου (3 b)
— 32 (39. 24), 37 (39. 29). κοκκίνου νενησμένου (3 b)
37. 3 (36. 35), 5 (36. 37), 16 (38. 18). ἐξ . . . κοκκίνου νενησμένου (3 b)
— 23 (38. 23). ὑφᾶναι τῷ κ. (3 b + 2)
39. 13 (1). πορφύραν καὶ τὸ κ. (3 b + 2)
Le. 14. 4. καὶ κεκλωσμένον κόκκινον (3 b)
— 6. καὶ τὸ κλωστὸν [A κεκλωσμένον] κ. (3 b)
— 49. καὶ κεκλωσμένον κ. (3 b)
— 51. καὶ τὸ κεκλωσμένον κ. (3 b)
— 52. καὶ ἐν τῷ κεκλωσμένῳ κ. (3 b)
Nu. 4. 8. ἐπιβαλοῦσιν ἐπ' αὐτὴν ἱμάτιον κ. (3 b + 2)
19. 6. λήψεται ὁ ἱερεὺς . . . κόκκινον (2 + 3 b)
Jo. 2. 18. τὸ σπαρτίον τὸ κ. τοῦτο ἐκδήσεις (2)
II Ki. 1. 24. τὸν ἐνδιδύσκοντα ὑμᾶς κόκκινα (2)
II Ch. 2. 7 (6). ἐν τῇ πορφύρᾳ καὶ ἐν τῷ κ. (1)
— 14 (13). ἐν τῇ βύσσῳ καὶ ἐν τῷ κ. (1)
3. 14. καὶ κοκκίνου καὶ βύσσου (1)
Ca. 4. 3. ὡς σπαρτίον τὸ [A om.] κ. χείλη σου (2)
6. 5 (6). ὡς σπαρτίον τὸ [A S om.] κ. χείλη σου —
Is. 1. 18. ἐὰν δὲ ὦσιν ὡς κ. (3 a)
3. 23. τὰ ὑακίνθινα καὶ κόκκινα [A S τὰ κ.] —
Je. 4. 30. ἐὰν περιβάλῃ κόκκινον [S -να] (2)
[Sm. Ex. 28. 5: 35. 23, 35: 39. 1 (13): Is. 1. 18.]
[Th. Ex. 28. 5: 35. 23, 35: 39. 1 (13).]
[Al. Ca. 6. 5 (6).]

κόκκος. (1) תּוֹלָע
Si. 45. 11. κεκλωσμένῃ κόκκῳ ἔργῳ τεχνίτου
La. 4. 5. S R οἱ τιθηνούμενοι ἐπὶ κόκκων [A κόλπων, B -κῳ] (1)
[Aq. Ca. 4. 3: 6. 5 (6).]
[Quint. Ca. 4. 3.]

κολαβρίζεσθαι. (1) דָּכָא hithpa.
Jb. 5. 4. κολαβρισθείησαν [A σκολ.] δὲ ἐπὶ θύραις ἡσσόνων (1)

κολάζειν.
I Es. 8. 24. καὶ πάντες . . . ἐπιμελῶς κολασθήσονται
Wi. 3. 4. ἐν ὄψει ἀνθρώπων ἐὰν κολασθῶσιν
11. 5. δι' ὧν γὰρ ἐκολάσθησαν οἱ ἐχθροὶ αὐτῶν
— 8. πῶς τοὺς ὑπεναντίους ἐκόλασας
— 16. διὰ τούτων κολάζεται [S καὶ κολ.]
12. 14. A B S περὶ ὧν ἐκόλασας [R ἀπώλεσας]
— 15. αὐτὸν τὸν μὴ ὀφείλοντα κολασθῆναι καταδίκασαι
— 27. ἐπὶ τούτοις οὓς [S¹ οὖν] ἐδόκουν θεοὺς ἐν αὐτοῖς κολαζόμενοι
14. 10. τὸ πραχθὲν σὺν τῷ δράσαντι κολασθήσεται
16. 1. δι' ὁμοίων ἐκολάσθησαν ἀξίως
— 9. ἄξιοι ἦσαν ὑπὸ τοιούτων [S¹ τούτων] κολασθῆναι
18. 11. ὁμοίᾳ δὲ δίκῃ δοῦλος ἅμα δεσπότῃ κολασθείς
— 22. λόγῳ τὸν κολάζοντα ὑπέταξεν
Si. 23. 21. A ὃς οὐχ ὑπενόησεν κολασθήσεται [B S al.]
Da. LXX. 6. 12 (13). ἀλλὰ καὶ κολάσῃς τὸν ἄνθρ. —
I Ma. 7. 7. A S καὶ ἐκολάσατο [R κολασάτω] αὐτούς
II Ma. 6. 14. μεχρὶ τοῦ καταντήσαντας αὐτοὺς . . . κολάσαι
III Ma. 3. 26. τούτων γὰρ ὁμοῦ κολασθέντων
7. 3. κολάζεσθαι ξενιζούσαις ἀποστατῶν τιμωρίαις
— 14. R κατὰ τὴν ὁδὸν ἐκολάζοντο [A ἀπέκτεννον]
IV Ma. 2. 11. S διὰ κακίαν αὐτοὺς [A -ῶν, R -ὰ] κολάζων
8. 6. κολάζειν τοὺς ἀπειθοῦντάς μου τοῖς ἐπιτάγμασιν
18. 5. καὶ ἀποθανὼν κολάζεται
[Aq. II Ki. 8. 1.]
[Sm. Pr. 22. 23 bis: Ec. 7. 14 (13) (?).]

κολαιός, *cf.* **κολεός.** (1) תַּעַר
I Ki. 17. 51. A ἐξέσπασεν αὐτὴν ἐκ τοῦ κ. αὐτῆς (1)

κολακεύειν.
I Es. 4. 31. κολακεύει αὐτήν
Jb. 19. 17. προσεκαλούμην δὲ κολακεύων υἱοὺς παλλακίδων μου —
Wi. 14. 17. ἵνα τὸν ἀπόντα ὡς παρόντα κολακεύωσι [A -σωσιν]

κολάπτειν. (1) נָזִית (2) חָרַת (3) כְּרֻתוֹת
Ex. 32. 16. ἡ γραφὴ . . . κεκολαμμένη ἐν ταῖς πλαξί (2)
III Ki. 7. 9. πάντα ταῦτα ἐκ λίθων . . . κεκολαμμένα (1)
— 12. A R καὶ στίχος κεκολαμμένης [B κεκολημένης] κέδρου (3)
Si. 45. 11. ἐν γραφῇ κεκολαμμένη κατ' ἀριθμὸν φυλῶν Ἰσραήλ
Je. 10. 4. καὶ χρυσίῳ κεκαλλωπισμένα [S¹ κεκολαμμ.] †
III Ma. 2. 27. A ἐκόλαψεν [R ἔξεκ.] γραφήν

κόλασις. (1) מְכִשׁוֹל (2) λαμβάνειν τὴν κ. כֶּלֶם ni.
Wi. 11. 13. ἤκουσαν διὰ τῶν ἰδίων κ. εὐεργετουμένους [A S -ημένους] αὐτούς
16. 2. ἀνθ' ἧς κολάσεως εὐεργετήσας τὸν λαόν σου
— 24. ἡ γὰρ κτίσις . . . ἐπιτείνεται εἰς κόλασιν κατὰ τῶν ἀδίκων
19. 4. τὴν λείπουσαν ταῖς βασάνοις . . . κόλασιν
Je. 18. 20. τὴν κ. αὐτῶν ἔκρυψάν μοι †
Ez. 14. 3. τὴν κ. τῶν ἀδικιῶν αὐτῶν ἔθηκαν (1)
— 4, 7. τὴν κ. τῆς ἀδικίας αὐτοῦ τάξῃ (1)
18. 30. οὐκ ἔσονται ὑμῖν εἰς κόλασιν ἀδικίας (1)
43. 11. λήψονται τὴν κ. αὐτῶν περὶ πάντων (2)
44. 12. ἐγένετο τῷ οἴκῳ [A om.] Ἰσρ. εἰς κόλασιν ἀδικίας (1)
II Ma. 4. 38. τοῦ κυρίου τὴν ἀξίαν αὐτῷ κ. ἀποδόντος
III Ma. 1. 3. κομίσασθαι τὴν ἐκείνου κ.
7. 10. τυχεῖν . . . τῆς ὀφειλομένης κ.
IV Ma. 8. 9. ἐπὶ δειναῖς κ. ἕνα ἕκαστον ὑμῶν . . . ἀπολέσαι
13. 7. S τὴν τῶν παθῶν ἐνίκησεν κ. [A R ἀκολασίαν]
[Aq. Je. 11. 20: 20. 10.]
[Th. Ez. 7. 19.]

κολαστήριον.
IV Ma. 10. 4. A R εἴ τι ἔχετε κ.

κολεός, *cf.* **κολαιός.** (1) נֶדֶן (2) תַּעַר
II Ki. 20. 8. περιεζωσμένος μάχαιραν . . . ἐν κολεῷ αὐτῆς (2)
I Ch. 21. 27. κατέθηκε [A καθῆκεν] τὴν ῥομφαίαν εἰς τὸν κ. (1)
Je. 29 (47). 6. ἀποκατάστηθι εἰς τὸν κ. σου (2)
Ez. 21. 3 (8). ἐκσπάσω τὸ ἐγχειρίδιόν μου ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ (2)
— 4 (9). ἐξελεύσεται τὸ ἐγχειρίδιόν μου ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ (2)
— 5 (10). ἐξέσπασα τὸ ἐγχειρίδιόν μου ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ (2)
[Aq., Sm., Th. Ez. 21. 30 (35).]

κολίανδρον.
[Al. Nu. 11. 7.]

κολλᾶν. (1) דָּבַק *a.* qal. *b.* pu. *c.* hi. *d.* hoph. (2) נָגַע hi. (3) נָגַשׁ (4) נָצַר (5) רָבַץ
De. 6. 13. πρὸς αὐτὸν κολληθήσῃ —
10. 20. πρὸς αὐτὸν κολληθήσῃ (1 a)
28. 60. καὶ κολληθήσονται ἐν σοί (1 a)
29. 20 (19). κολληθήσονται ἐν αὐτῷ πᾶσαι αἱ ἀραί (5)
Ru. 2. 8. κολλήθητι μετὰ τῶν κορασίων μου (1 a)
— 21. B μετὰ τῶν παιδαρίων [R κορασίων] μου κολλήθητι [A R τῶν ἐμῶν προσκ.] (1 a)
II Ki. 20. 2. ἀνὴρ Ἰ. ἐκολλήθη τῷ βασ. αὐτῶν (1 a)
III Ki. 7. 12. B καὶ στίχος κεκολλημένης [A κεκολαμμένης] κέδρου †
11. 2. εἰς αὐτοὺς ἐκολλήθη Σαλ. τοῦ ἀγαπῆσαι (1 a)
IV Ki. 1. 18 (3. 3). ἐν ταῖς ἁμαρτίαις οἴκου Ἰερ. . . . ἐκολλήθη (1 a)
3. 3. ἐν τῇ ἁμαρτίᾳ Ἰερ. . . . ἐκολλήθη (1 a)
5. 27. ἡ λέπρα N. κολληθήσεται ἐν σοί (1 a)
18. 6. ἐκολλήθη τῷ κυρίῳ (1 a)
I Es. 4. 20. πρὸς τὴν ἰδίαν γυναῖκα κολλᾶται
To. 6. 17. ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐκολλήθη σφόδρα αὐτῇ [A S al.]
Jb. 29. 10. γλῶσσα αὐτῶν τῷ λάρυγγι αὐτῶν ἐκολλήθη (1 a)
38. 38. κεκόλληκα δὲ αὐτῶν ὥσπερ λίθῳ κύβον [A al.] (1 b)
41. 7 (8). εἷς τοῦ [A ἐκ τοῦ] ἑνὸς κολλῶνται (3)
— 14 (15). σάρκες δὲ σώματος [S om.] αὐτοῦ κεκόλληνται (1 a)
Ps. 21 (22). 15. ἡ γλῶσσά μου κεκόλληται τῷ λάρυγγί μου (1 d)
24 (25). 21. ἄκακοι καὶ εὐθεῖς ἐκολλῶντό μοι (4)
43 (44). 25. ἐκολλήθη εἰς γῆν ἡ γαστὴρ ἡμῶν (1 a)
62 (63). 8. ἐκολλήθη ἡ ψυχή μου ὀπίσω σου (1 a)
100 (101). 3. οὐκ ἐκολλήθη μοι καρδία σκαμβή (1 a)
101 (102). 5. ἐκολλήθη τὸ ὀστοῦν μου τῇ σαρκί μου (1 a)
118 (119). 25. ἐκολλήθη τῷ ἐδάφει ἡ ψυχή μου (1 a)
— 31. ἐκολλήθην τοῖς μαρτυρίοις σου, κύριε (1 a)
136 (137). 6. κολληθείη ἡ γλῶσσά μου τῷ λάρυγγί μου (1 a)
Si. 2. 3. κολλήθητι αὐτῷ καὶ μὴ ἀποστῇς
19. 2. ὁ κολλώμενος πόρναις τολμηρότερος [S -ρὸς] ἔσται
Je. 13. 11. καθάπερ κολλᾶται τὸ περίζωμα . . . οὕτως ἐκόλλησα πρὸς ἐμαυτὸν τὸν οἶκον τοῦ Ἰσρ. (1 a, 1 c)
Ba. 1. 20. ἐκολλήθη εἰς ἡμᾶς τὰ κακά
3. 4. ἐκολλήθη [A προσεκ.] ἡμῖν τὰ κακά
La. 2. 2. τὰ ὀχυρώματα . . . ἐκόλλησεν εἰς τὴν γῆν (2)
4. 4. ἐκολλήθη ἡ γλῶσσα θηλάζοντος (1 a)
I Ma. 3. 2. A R ὅσοι [S οἱ] ἐκολλήθησαν τῷ πατρὶ αὐ.
6. 21. ἐκολλήθησαν αὐτοῖς τινες τῶν ἀσεβῶν
[Aq. Dt. 4. 4: 30. 20: I Ki. 31. 2: II Ki. 1. 6: Jb. 19. 20: Je. 42 (49). 16: Ez. 29. 4.]
[Sm. Je. 42 (49). 16.]
[Th. Jb. 41. 8.]

κόλλη. (1) מְחוּגָה
Is. 44. 13. ἐν κόλλῃ ἐρρύθμισεν αὐτό (1)
[Aq., Th. Is. 41. 7.]

κόλλησις.
[Sm. Is. 41. 7.]

κολλύρα. (1) לְבִיבוֹת
II Ki. 13. 6. B κολλυρισάτω . . . δύο κολλύρας [A R -ρίδας] (1)
[Aq., Th. Ex. 29. 2, 23: Le. 2. 4: 8. 26.]
[Sm. Ex. 29. 2, 23: Le. 2. 4: 8. 26: Jd. 7. 13: I Ki. 2. 36: 10. 3: Je. 37 (44). 21.]
[Al. Le. 7. 12 bis, 13: 24. 5: Nu. 6. 15.]

κολλυρίζειν. (1) לָבַב pi.
II Ki. 13. 6. AR κολλυρισάτω . . . δύο κολλυρίδας [B -ρας] (1)
— 8. ἐκολλύρισε κατ' ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ (1)

κολλύριον. (1) נִקְדִּים
III Ki. 12. 24 B (*cf.* A 14. 3). καὶ κολλύρια τοῖς τέκνοις αὐτοῦ (1)
— 24. B ἄρτους καὶ δύο κολλύρια
— 24. B καὶ κολλύρια καὶ στάμνον μέλιτος
[Aq. III Ki. 14. 3.]

κολλυρίς. (1) חַלָּה (2) לְבִיבוֹת (3) נִקְדִּים
II Ki. 6. 19. διεμέρισε . . . κολλυρίδα ἄρτου (1)
13. 6. A R κολλυρισάτω . . . δύο κολλυρίδας [B -ρας] (2)
— 8. ἤψησε τὰς κ. (2)
— 10. ἔλαβε Θ. τὰς κ. (2)
III Ki. 14. 3. A καὶ κολλυρίδα τοῖς τέκνοις αὐτοῦ (3)
[Aq., Sm., Th. Le. 2. 4.]
[Al. Le. 7. 12: 24. 5: Nu. 6. 15.]

κολοβόκερκος. (1) קָלַט
Le. 22. 23. A² B πρόβατον ὠτότμητον ἢ κ. (1)

κολοβόριν. (1) חָרֵם
Le. 21. 18. ἄνθρωπος τυφλὸς . . . ἢ κ. (1)

κολοβός.

[Aq., Sm. Is. 37. 27.]

κολοβότης.

[Aq. Ex. 6. 9.]

κολοβοῦν. (1) קָצַץ pi.

II Ki. 4. 12. κολοβοῦσι τὰς χεῖρας αὐτῶν (1)
[Aq. Jd. 16. 16 : Jb. 21. 4 : Is. 59. 1 : Za. 11. 8.]
[Sm. Jb. 21. 4 : Is. 28. 20 : 59. 1.]
[Th. Is. 28. 20.]

κολόκυνθα (-τα). (1) קִיקָיוֹן

Jn. 4. 6. καὶ προσέταξε κ. ὁ θ. κολοκύνθῃ (1)
— 6. ἐχάρη Ἰ. ἐπὶ τῇ κ. χαρὰν μεγάλην (1)
— 7. ἐπάταξε τὴν κολόκυνθαν καὶ ἀπεξηράνθη (1)
— 9. εἰ σφόδρα λελύπησαι σὺ ἐπὶ τῇ κ. (1)
— 10. σὺ ἐφείσω ὑπὲρ τῆς κ. (1)

κολοκυνθίς.

[Al. IV Ki. 4. 39.]

κόλπος. (1) חֵיק, חוֹק, חֵק (2) חֹפֶן (3) חֹצֶן (4) צַלְחַת

Ge. 16. 5. δέδωκα τὴν παιδίσκην μου εἰς τὸν κ. σου (1)
Ex. 4. 6. εἰσένεγκον τὴν χεῖρά σου εἰς τὸν κ. σου (1)
— 6. εἰσήνεγκε τὴν χεῖρα αὐτοῦ εἰς τὸν κ. αὐτοῦ (1)
— 6. ἐξήνεγκε τὴν χεῖρα αὐτοῦ ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ –
— 7. εἰσένεγκον τὴν χεῖρά σου εἰς τὸν κ. σου (1)
— 7. εἰσήνεγκε τὴν χεῖρα εἰς τὸν κ. αὐτοῦ (1)
— 7. ἐξήνεγκεν αὐτὴν ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ (1)
Nu. 11. 12. λάβε αὐτὸν [A -ούς] εἰς τὸν κ. σου (1)
De. 13. 6 (7). ἡ γυνή σου ἡ ἐν κόλπῳ σου (1)
28. 54. A R τὴν γυναῖκα τὴν ἐν τῷ [B om.] κ. (1)
— 56. τὸν ἄνδρα αὐτῆς τὸν ἐν κόλπῳ [A τῷ κ.] αὐτῆς (1)
Ru. 4. 16. ἔθηκεν [A add. τοῦτο] εἰς τὸν κ. αὐτῆς (1)
II Ki. 12. 3. ἐν τῷ κ. αὐτοῦ ἐκάθευδε (1)
— 8. ἔδωκα . . . ἐν τῷ κ. σου (1)
III Ki. 3. 20. ἐκοίμισεν αὐτὸν ἐν τῷ κ. αὐτῆς (1)
— 20. ἐκοίμισεν ἐν τῷ κ. μου (1)
17. 19. ἔλαβεν αὐτὸν ἐκ τοῦ κ. αὐτῆς (1)
22. 35. ἀπέχυνε τὸ αἷμα . . . εἰς τὸν κ. τοῦ ἅρματος –
— 35. ἐξεπορεύετο τὸ αἷμα . . . ἕως τοῦ κ. τοῦ ἅρματος (1)
Jb. 19. 27. πάντα δέ μοι συντετέλεσται ἐν κόλπῳ [S¹ κόπῳ] (1)
23. 12. ἐν δὲ κόλπῳ μου ἔκρυψα ῥήματα αὐτοῦ †
31. 34. ἐξελθεῖν θύραν μου κ. κενῷ –
Ps. 34 (35). 13. ἡ προσευχή μου εἰς κόλπον μου ἀποστραφήσεται [A -ήτω] (1)
73 (74). 11. τὴν χεῖρά σου καὶ τὴν δεξιάν σου [S¹ om. καὶ τὴν δ. σου] ἐκ μέσου τοῦ κ. σου (1)
78 (79). 12. ἀπόδος . . . εἰς τὸν κ. αὐτῶν τὸν ὀνειδισμὸν αὐτῶν (1)
88 (89). 50. B S οὗ ὑπέσχου [A R -ον] ἐν τῷ κ. μου (1)
128 (129). 7. καὶ τὸν κ. αὐτοῦ ὁ τὰ δράγματα συλλέγων (3)
Pr. 6. 27. ἀποδήσει τις πῦρ ἐν κόλπῳ (1)
16. 33. εἰς κόλπους ἐπέρχεται πάντα τοῖς ἀδίκοις (1)
17. 23. λαμβάνοντος δῶρα ἐν κόλποις [A S -ῳ] ἀδίκως [S -ῳ] (1)
19. 24. ὁ ἐγκρύπτων εἰς τὸν κ. αὐτοῦ χεῖρας ἀδίκως (4)
24. 27 (30. 4). τίς συνήγαγεν ἀνέμους ἐν κόλπῳ (2)
26. 15. κρύψας ὀκνηρὸς τὴν χεῖρα ἐν τῷ κ. αὐτοῦ (4)
Ec. 7. 10 (9). θυμὸς ἐν κόλπῳ ἀφρόνων ἀναπαύσεται (1)
Si. 9. 1. μὴ ζήλου γυναῖκα τοῦ κ. σου
Ho. 8. 1. εἰς κόλπον αὐτῶν ὡς γῆ †
Is. 49. 22. ἄξουσι τοὺς υἱούς σου ἐν κόλπῳ (3)
65. 6. ἕως ἂν ἀποδώσω εἰς τὸν κ. αὐτῶν [A S al.] (1)
— 7. ἀποδώσω τὰ ἔργα αὐτῶν εἰς [S ἐπὶ] τὸν κ. αὐτῶν (1)
Je. 39 (32). 18. ἀποδιδοὺς ἁμαρτίας πατέρων εἰς κόλπους [S -ον] τέκνων αὐτῶν (1)
La. 2. 12. ἐν τῷ ἐκχεῖσθαι ψυχὰς αὐτῶν εἰς κόλπον μητέρων αὐτῶν (1)
La. 4. 5. A οἱ τιθηνούμενοι ἐπὶ κόλπων [R κόκκων, B κόκκῳ] †
[Aq. Ps. 88 (89). 51 : Is. 40. 11 : Ez. 43. 14.]
[Sm. Ps. 88 (89). 51 : Is. 40. 11.]
[Th. Jb. 19. 27 : Is. 40. 11.]

κόλπωμα. (1) חֵיק

Ez. 43. 13. παλαιστῆς κ. βάθους [A τὸ κ. βάθος πῆχυς] ἐπὶ πῆχυν (1)
[Al. Ez. 43. 13.]

κολυμβᾶν.

[Al. Is. 25. 11.]

κολυμβήθρα. (1) בְּרֵכָה

IV Ki. 18. 17. ἐν τῷ ὑδραγωγῷ τῆς κ. τῆς ἄνω (1)
Ne. 2. 14. καὶ εἰς κολυμβήθρον τοῦ βασ. (1)
3. 15. καὶ τὸ τεῖχος κολυμβήθρας [S¹ al.] (1)
— 16. ἕως τῆς κ. τῆς γεγονυίας (1)
Ec. 2. 6. ἐποιησά μοι κολυμβήθρας ὑδάτων (1)
Na. 2. 8 (9). N. ὡς [A ἦν] κολυμβήθρα ὕδατος τὰ ὕδατα [A τείχη ὕ.] (1)
Is. 7. 3. ἔξελθε . . . πρὸς τὴν κ. τῆς ἄνω ὁδοῦ (1)
22. 9. ἀπέστρεψε τὸ ὕδωρ τῆς ἀρχαίας κ. (1)
— 11. ἐποιήσατε ἑαυτοῖς ὕδωρ . . . ἐσώτερον τῆς κ. τῆς ἀρχαίας (1)
36. 2. ἔστη ἐν τῷ ὑδραγωγῷ τῆς κ. τῆς ἄνω (1)
[Aq. II Ki. 2. 13 : 4. 12.]
[Sm. II Ki. 4. 12 : Ca. 7. 4 (5).]
[Th. II Ki. 2. 13.]

κόμβος.

[Al. Ge. 42. 35 *bis.*]

κόμη. (1) עֹרֶף (2) פֵּאָה (3) פְּאֵר (4) פֶּרַע

Le. 19. 27. οὐ ποιήσετε σισόην ἐκ τῆς κ. (2)
Nu. 6. 5. τρέφων κόμην τρίχα κεφαλῆς (4)
Ju. 13. 7. ἐδράξατο τῆς κ. τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ
Jb. 1. 20. ἐκείρατο τὴν κ. τῆς κεφαλῆς –
16. 13 (12). λαβών με τῆς κ. διέτιλε (1)
38. 32. ἕσπερον ἐπὶ κόμης αὐτοῦ ἄξεις [A καὶ ἄ.] αὐτά †
Ez. 24. 23. αἱ κ. ὑμῶν ἐπὶ τῆς κεφαλῆς ὑμῶν (3)
44. 20. τὰς κ. αὐτῶν οὐ ψιλώσουσι (4)
Da. LXX. Bel 35. ἐπιλαβόμενος . . . τῆς κ. αὐτοῦ
Da. TH. Bel 36. βαστάσας τῆς κ. τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ
III Ma. 1. 18. A κόνει τὰς κ. [R κεφαλὰς] πασάμεναι
4. 6. κόνει τὴν μυροβρεχῆ πεφυρμέναι κ.
[Th. Jb. 38. 32.]

κομιδῆ.

IV Ma. 3. 1. A ἔστι δὲ κ. γελοῖος ὁ λογισμός [R λόγος]

κομίζειν. (1) יָבַל aph. (2) לָקַח (3) נָשָׂא

Ge. 38. 20. κομίσασθαι . . . τὸν ἀρραβῶνα (2)
Le. 20. 17. ἁμαρτίαν κομιοῦνται (3)
I Es. 2. 14. τὰ δὲ πάντα σκεύη ἐκομίσθη [A διεκ.]
4. 5. τῷ βασ. κομίζουσι πάντα
9. 39. κόμισαι τὸν νόμον Μ.
— 40. AR ἐκόμισεν [B ἐδοκίμασεν] Ἔ. . . . τὸν νόμον
II Es. 6. 5. R καὶ ἐκόμισεν [A ἐκόσμ.] εἰς Βαβ. (1)
To. 7. 12. κομίζου αὐτὴν ἀπὸ τοῦ νῦν κατὰ τὴν κρίσιν [S al.]
— 13. κομίζου αὐτήν [S al.]
9. 2. κόμισαί μοι τὸ ἀργύριον
Jb. 22. 8. A ἐκόμισας δὲ πτωχοὺς ἐπὶ γῆς [B S al.] †
Ps. 39 (40). 15. κομισάσθωσαν παραχρῆμα αἰσχύνην αὐτῶν †
Wi. 18. 21. προσευχὴν [S² -ῆς] καὶ θυμιάματος ἐξιλασμὸν κομίσας
Si. 29. 6. μόλις κομίσεται [A -ιεῖται] τὸ ἥμισυ
Ho. 2. 9 (11). κομιοῦμαι τὸν σῖτόν μου (2)
Ez. 16. 52. κόμισαι βάσανόν σου (3)
— 54. ὅπως κομίσῃ τὴν βάσανόν σου (3)
— 58. τὰς ἀσεβείας σου . . . σὺ κεκόμισαι αὐτάς [A al.] (3)
I Ma. 13. 37. τὸν στέφανον τὸν χρυσοῦν . . . κεκομίσμεθα
II Ma. 7. 11. R ταῦτα πάλιν ἐλπίζω κομίσασθαι [A -ίζεσθαι]
— 29. R ἵνα ἐν τῷ ἐλέει . . . κομίσωμαί σε [A al.]
8. 33. R ἄξιον τῆς δυσσεβείας ἐκομίσαντο [A -ατο] μισθόν
10. 1. τὸ μὲν ἱερὸν ἐκομίσαντο
13. 8. ἐν σποδῷ τὸν θάνατον ἐκομίσατο
III Ma. 1. 3. κομίσασθαι τὴν ἐκείνου κόλασιν
— 8. καὶ ξένια κομιοῦντας
7. 22. πάντα τὰ ἑαυτῶν πάντες ἐκομίσαντο
IV Ma. 3. 14. S ἐκόμισαν [A R ἐγέμ.] τῷ βασ. τὸ ποτόν
[Sm. Jb. 27. 13.]
[Th. Jb. 27. 13 : Ez. 16. 58.]

κόμμα.

I Ma. 15. 6. ποιῆσαι κ. ἴδιον

κόμπος.

Es. 8. 13. τοῖς τῶν ἀπειραγάθων κ. ἐπαρθέντες
III Ma. 6. 5. βαρέα λαλοῦντα κόμπῳ καὶ θράσει

κονδοκέρατος.

[Al. Le. 22. 23.]

κόνδυ. (1) גָּבִיעַ (2) כּוֹס

Ge. 44. 2. τὸ κ. μου τὸ ἀργυροῦν ἐμβάλετε (1)
— 5. ἵνα τί ἐκλέψατέ μου τὸ κ. τὸ ἀργυροῦν –
— 9. R παρ' ᾧ ἂν εὕρῃς [A -ρεθῇ] τὸ κ. –
— 10. παρ' ᾧ ἂν εὑρεθῇ τὸ κ. –
— 12. εὗρε τὸ κ. (1)
— 16. παρ' ᾧ εὑρέθη τὸ κ. (1)
— 17. ὁ ἄνθρωπος παρ' ᾧ εὑρέθη τὸ κ. (1)
Is. 51. 17. τὸ κ. τοῦ θυμοῦ ἐξέπιες (2)
— 22. εἴληφα . . . τὸ κ. τοῦ θυμοῦ (2)
[Th. Is. 51. 17.]

κονδυλίζειν.

Am. 2. 7. καὶ ἐκονδύλιζον εἰς κεφαλὰς πτωχῶν –
Ma. 3. 5. ἐπὶ . . . τοὺς κονδυλίζοντας ὀρφανούς –

κονδυλισμός. (1) גְּדוּף

Ze. 2. 8. ἤκουσα . . . κονδυλισμοὺς υἱῶν Ἀμμών (1)

κονία. (1) מוּצָק (2) שִׂיד (3) κ. λεπτή אַבְנֵי־גִר

De. 27. 2, 4. κονιάσεις αὐτοὺς κονίᾳ (2)
Jb. 28. 4. διακοπὴ χειμάρρου ἀπὸ κονίας †
38. 38. κέχυται δὲ ὥσπερ γῆ [A γῆς] κονία (1?)
Am. 2. 1. κατέκαυσαν τὰ ὀστᾶ βασιλέως . . . εἰς κονίαν (2)
Is. 27. 9. ὅταν θῶσι [A θῶ] . . . ὡς κονίαν λεπτήν (3)
[Sm., Th. Jb. 28. 4.]

κονίαμα. (1) גִּיר

Da. LXX. 5. 1. ἐπέγραψαν . . . ἐπὶ τοῦ κ. –
— 5. ἔγραψαν . . . ἐπὶ τοῦ κ. (1)
Da. TH. 5. 5. ἔγραφον . . . ἐπὶ τὸ κ. τοῦ τοίχου (1)

κονιᾶν. (1) שִׂיד

De. 27. 2, 4. κονιάσεις αὐτοὺς κονίᾳ (1)
Pr. 21. 9. ἢ ἐν κεκονιαμένοις μετὰ ἀδικίας †

κονίεσθαι.

[Aq. Ge. 32. 24 (25).]
[Sm. II Ki. 1. 2.]

κονιορτός. (1) *a.* אָבָק *b.* אֲבָקָה (2) חֹמֶר (3) מֹץ (4) מַק (5) עִיר (6) עָפָר (7) שִׁפְעָה

Ex. 9. 9. γενηθήτω κονιορτός (1 *a*)
De. 9. 21. καὶ ἐγένετο ὡσεὶ κονιορτός (6)
— 21. ἔρριψα τὸν κ. εἰς τὸν χειμάρρουν (6)
28. 24. δῴη κύριος . . . τὸν ὑετὸν τῇ γῇ σου κονιορτόν (1 *a*)
IV Ki. 9. 17. εἶδε τὸν κ. Ἰού (7)
— 17. κονιορτὸν ἐγὼ βλέπω (7)
Jb. 21. 18. ὥσπερ κονιορτὸς ὃν ὑφείλατο λαίλαψ (3)
Ca. 3. 6. τεθυμαμένη . . . ἀπὸ πάντων κ. μυρεψοῦ [S¹ -ψικοῦ] (1 *b*)
Na. 1. 3. καὶ νεφέλαι κονιορτὸς ποδῶν αὐτοῦ (1 *a*)
Is. 3. 24. ἔσται ἀντὶ ὀσμῆς ἡδείας κ. (4)
5. 24. τὸ ἄνθος αὐτῶν ὡς κ. ἀναβήσεται (1 *a*)
10. 6. θεῖναι αὐτὰς εἰς κονιορτόν (2)
17. 13. ὡς κονιορτὸν τροχοῦ καταιγὶς φέρουσα –
29. 5. A S R ἔσται ὡς κ. ἀπὸ τροχοῦ [B τοιχ.] ὁ πλοῦτος τῶν ἀσεβῶν (1 *a*)
Ep. Je. 13. ἐκμάσσονται τὸ πρόσωπον αὐτῶν διὰ τὸν ἐκ τῆς οἰκίας κ.
— 17. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτῶν πλήρεις εἰσὶ κονιορτοῦ
Ez. 26. 10. κατακαλύψει [A καλ.] σε ὁ κ. αὐτῶν (1 *a*)

Da. TH. 2. 35. ὡσεὶ κονιορτὸς ἀπὸ ἅλωνος θερινῆς (5)
III Ma. 5. 48. κονιορτὸν ἰδόντες . . . οἱ Ἰουδαῖοι
[Th. DA. 2. 35.]
[Al. JB. 27. 21: Ps. 1. 4.]

κόνις.
III Ma. 1. 18. B κόνει τὰς κεφαλὰς [A κόμας] πασάμεναι
4. 6. κόνει τὴν μυροβρεχῆ πεφυρμέναι κόμην
[Sm. JB. 5. 6: 40. 8 (13): Ps. 21 (22). 30: 29 (30). 10.]

κοντάριον.
[Sm. Ps. 34 (35). 2.]

κοντός. (1) חֵץ (2) צִנָּה
I Ki. 17. 7. ὁ κ. τοῦ δόρατος αὐτοῦ ὡσεὶ μέσακλον (1)
Ez. 39. 9. καύσουσιν ἐν τοῖς ὅπλοις πέλταις καὶ κοντοῖς (2)
[Aq. NU. 25. 7.]

κόνυζα. (1) סִרְפַּד
Is. 55. 13. ἀντὶ δὲ τῆς κ. ἀναβήσεται μυρσίνη (1)
[Aq., Th. IS. 55. 13.]

κοπάζειν. (1) חָדַל (2) כָּלָה pi. (3) כָּלַם ni. (4) עָצַר ni. (5) קָלַל (6) שָׁבַךְ (7) שָׁקַט (8) שָׁקַע (9) שָׁתַק
Ge. 8. 1. ἐκόπασε τὸ ὕδωρ (6)
— 7. A εἰ κεκόπακεν τὸ ὕδωρ ἀπὸ τῆς γῆς –
— 8. εἰ κεκόπακε τὸ ὕδωρ ἀπὸ τῆς γῆς (5)
— 11. κεκόπακε τὸ ὕδωρ ἀπὸ τῆς γῆς (5)
Nu. 11. 2. καὶ ἐκόπασε τὸ πῦρ (8)
16. 48 (17. 13), 50 (17. 15). ἐκόπασεν ἡ θραῦσις (4)
Jo. 14. 15. ἡ γῆ ἐκόπασε τοῦ πολέμου (7)
Jd. 15. 7. καὶ ἔσχατον κοπάσω (1)
20. 28. A ἢ κοπάσω (1)
Ru. 1. 18. ἐκόπασε τοῦ λαλῆσαι (1)
I Ki. 17. 39. A ἐκόπασεν περιπατῆσαι [B al.] †
II Ki. 13. 39. ἐκόπασεν ὁ βασ. Δαυίδ (2)
23. 7. A ἀνὴρ κοπάσει [B οὐ κοπιάσει] ἐν αὐτοῖς †
— 10. A ἕως οὗ ἐκόπασεν [B -πίασεν] ἡ χεὶρ αὐτοῦ †
Es. 2. 1. ἐκόπασεν ὁ βασ. τοῦ θυμοῦ (6)
7. 10. ὁ βασ. ἐκόπασε τοῦ θυμοῦ (6)
Ps. 105 (106). 30. ἐκόπασεν ἡ θραῦσις (4)
Si. 23. 17. οὐ μὴ κοπάσῃ ἕως ἂν τελευτήσῃ
39. 28. τὸν θυμὸν τοῦ ποιήσαντος αὐτοὺς κοπάσουσι
43. 23. λογισμῷ αὐτοῦ ἐκόπασεν ἄβυσσον [S² -ος]
46. 7. κοπάσαι γογγυσμὸν πονηρίας
48. 10. κοπάσαι ὀργὴν πρὸ θυμοῦ
Ho. 8. 10. καὶ κοπάσουσι [A¹ κοπιάσ.] μικρὸν τοῦ χρίειν βασιλέα †
Am. 7. 5. καὶ εἶπα, Κύριε, κόπασον δή (1)
Jn. 1. 11. καὶ κοπάσει ἡ θάλασσα (9)
— 12. καὶ κοπάσει ἡ θάλασσα ἀφ' ὑμῶν (9)
Je. 14. 21. κόπασον διὰ τὸ ὄνομά σου †
Ez. 43. 10. κοπάσουσιν ἀπὸ τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν (3)
[Aq. I KI. 9. 5: CA. 2. 17: 4. 6.]
[Th. JB. 3. 17: Ez. 3. 11.]

κοπανίζειν. (1) דָּקַק aph.
III Ki. 3. 1 (cf. 4. 22 [5. 2]). B ἑξήκοντα κόροι ἀλεύρου κεκοπανισμένου –
4. 22 (5. 2). ἑξήκοντα κόροι ἀλεύρου κεκοπανισμένου –
Da. LXX. 7. 7. ἐσθίον καὶ κοπανίζον [cod. -ων] (1)

κοπετός. (1) בְּכִי (2) מִסְפֵּד (3) נְהִי
Ge. 50. 10. ἐκόψαντο αὐτὸν κοπετὸν μέγαν (2)
Es. 4. 3. κραυγὴ καὶ κοπετός (2)
Ps. 29 (30). 11. ἔστρεψας τὸν κ. μου εἰς χαρὰν ἐμοί (2)
Si. 38. 17. πίκρανον κλαυθμὸν καὶ θέρμανον κοπετόν
Am. 5. 16. ἐν πάσαις ταῖς πλατείαις κοπετός (2)
— 16. κληθήσεται γεωργὸς εἰς . . . κοπετόν (2)
— 17. καὶ ἐν πάσαις ὁδοῖς κοπετός (2)
Mi. 1. 8. ποιήσεται κοπετὸν ὡς δρακόντων (2)
Jl. 2. 12. ἐν νηστείᾳ . . . καὶ ἐν κοπετῷ (2)
Za. 12. 10. καὶ κόψονται ἐπ' αὐτὸν κοπετόν (2)
— 11. μεγαλυνθήσεται ὁ κ. ἐν Ἰ. ὡς κοπετὸς ῥοῦνος ἐν πεδίῳ ἐκκοπτομένου (2, 2)
Is. 22. 12. ἐκάλεσε κύριος . . . κλαυθμὸν καὶ κοπετόν (2)
Je. 6. 26. ποίησαι σεαυτῇ κοπετὸν οἰκτρόν (2)
9. 10 (9). ἐπὶ τὰ ὄρη λάβετε κοπετόν (1+3)
Ez. 27. 31. A κοπετὸν πικρὸν ἐκστήσονται (2)
I Ma. 2. 70. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. κ. μέγαν
4. 39. ἐκόψαντο κ. μέγαν
9. 20: 13. 26. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. κ. μέγαν
III Ma. 4. 3. B τίνες ἀγυιαὶ κοπετοῦ . . . οὐκ ἐμπιπλῶντο [A om. οὐκ ἐμπ.]
[Th. Ez. 27. 31: MI. 1. 11.]

κοπή. (1) נֶגֶף ni. (2) a. נָכָה hi. b. מַכָּה
Ge. 14. 17. B ἀπὸ τῆς κ. τοῦ Χ. (2 a)
De. 28. 25. δῴη σε κύριος ἐπὶ κοπήν [? ἐπικ., A B¹ ἐπισκοπήν] (1)
Jo. 10. 20. κόπτοντες αὐτοὺς κ. μεγάλην (2 b)
Ju. 15. 7. ἀναστρέψαντες ἀπὸ τῆς κ.
[Aq. DT. 24. 3 (1).]

κοπιᾶν. (1) אוּץ (2) חָדַל (3) חָלָה (4) חָשַׁל ni. (5) יָאַל hi. (6) a. יָגַע b. יָגֵעַ c. יָגַע d. יָגִיעַ (7) כָּשַׁל a. qal. b. ni. (8) לָאָה ni. (9) עוּף (10) עָיֵף (11) a. עָמַל b. עָמֵל (12) חוּל (13) חָלַל (14) יָעַף
De. 25. 18. τοὺς κοπιῶντας ὀπίσω σου (4)
— 18. σὺ δὲ ἐπείνας καὶ ἐκοπίας (6 c)
Jo. 24. 13. ἐφ' ἣν [A¹ ἧς] οὐκ ἐκοπιάσατε ἐπ' αὐτῆς [A -ήν] (6 a)
Jd. 5. 26. εἰς σφῦραν κοπιώντων [A al.] (11 b)
I Ki. 6. 12. καὶ ἐκοπίων †
14. 31. καὶ ἐκοπίασεν ὁ λαὸς σφόδρα (9)
17. 39. καὶ ἐκοπίασε περιπατήσας [A al.] (5)
II Ki. 17. 2. καὶ αὐτὸς κοπιῶν (6 c)
23. 7. ἀνὴρ οὐ κοπιάσει [A ἀ. κοπάσει] ἐν αὐτοῖς †
— 10. ἕως οὗ ἐκοπίασεν [A -πασεν] ἡ χεὶρ αὐτοῦ (6 a)
Jb. 2. 9. οὗς εἰς τὸ κενὸν ἐκοπίασα μετὰ μόχθων –
20. 18. εἰς κενὰ καὶ μάταια ἐκοπίασε (6 b)
39. 16. εἰς κενὸν ἐκοπίασεν ἄνευ φόβου (6 d)
Ps. 6. 6. ἐκοπίασα ἐν τῷ στεναγμῷ μου (6 a)
48 (49). 8. ἐκοπίασεν εἰς τὸν αἰῶνα (2?)
68 (69). 3. ἐκοπίασα κράζων (6 a)
126 (127). 1. εἰς μάτην ἐκοπίασαν (11 a)
Pr. 4. 12. ἐὰν δὲ τρέχῃς οὐ κοπιάσεις (7 b)
Ec. 2. 18. ὃν ἐγὼ κοπιῶ [A S μοχθῶ] ὑπὸ τὸν ἥλιον (11 b)
Wi. 6. 14. ὁ ὀρθρίσας ἐπ' [A πρὸς] αὐτὴν οὐ κοπιάσει
9. 10. ἵνα συμπαροῦσά μοι κοπιάσῃ
Si. 6. 19. ἐν γὰρ τῇ ἐργασίᾳ αὐτῆς ὀλίγον κοπιάσεις
11. 11. ἔστι κοπιῶν καὶ πονῶν καὶ σπεύδων
16. 27. οὔτε ἐπείνασαν οὔτε ἐκοπίασαν
24. 34: 30. 26 (33. 17). οὐκ ἐμοὶ μόνῳ ἐκοπίασα
34 (31). 3. ἐκοπίασε πλούσιος ἐν συναγωγῇ χρημάτων
— 4. ἐκοπίασε πτωχὸς ἐν ἐλαττώσει βίου
43. 30. μὴ κοπιᾶτε
51. 27. ἴδετε ἐν ὀφθαλμοῖς ὑμῶν ὅτι ὀλίγον ἐκοπίασα
Ho. 8. 10. κοπάσουσι [A¹ -πιάσ.] μικρόν (12 v. 13)
Is. 5. 27. οὐ πεινάσουσιν οὐδὲ [A om. π. οὐ.] κοπιάσουσιν (7 a)
16. 12. ἐκοπίασε Μωὰβ ἐπὶ τοῖς βωμοῖς (8?)
30. 5. μάτην κοπιάσουσι πρὸς λαόν †
31. 3. κοπιάσουσιν οἱ βοηθοῦντες (7 a)
33. 24. οὐ μὴ εἴπωσι, Κοπιῶ (3)
40. 28. οὐ πεινάσει οὐδὲ κοπιάσει (6 a)
— 30. κοπιάσουσι νεανίσκοι (6 a)
— 31. δραμοῦνται καὶ οὐ κοπιάσουσι (6 a)
43. 22. οὐδὲ κοπιᾶσαί σε ἐποίησα, Ἰσραήλ (6 a)
45. 14. ἐκοπίασεν Αἴγυπτος (6 d)
46. 1. ὡς φορτίον κοπιῶντι ἐκλελυμένῳ (10)
47. 13. κεκοπίακας ἐν ταῖς βουλαῖς σου (8)
— 15. ἐκοπίασας ἐν τῇ μεταβολῇ [A add. σου] (6 a)
49. 4. κενῶς ἐκοπίασα [B¹ al.] (6 a)
57. 10. ταῖς πολυοδίαις σου ἐκοπίασας (6 a)
63. 13. οὐκ ἐκοπίασαν (7 b)
65. 23. οἱ ἐκλεκτοί μου οὐ κοπιάσουσιν εἰς κενόν (6 a)
Je. 2. 24. πάντες οἱ ζητοῦντες αὐτὴν οὐ κοπιάσουσιν (14)
17. 16. οὐκ ἐκοπίασα κατακολουθῶν ὀπίσω σου (1?)
28 (51). 58. οὐ κοπιάσουσι λαοὶ εἰς κενόν (6 a)
La. 5. 5. ἐκοπιάσαμεν οὐκ ἀνεπαύθημεν (6 a)
I Ma. 10. 81. ἐκοπίασαν οἱ ἵπποι αὐτῶν
IV Ma. 9. 12. ὡς δὲ τύπτοντες ταῖς μάστιξιν ἐκοπίασαν
[Aq. JD. 5. 26: JB. 9. 29: PR. 23. 4: EC. 1. 3, 8: IS. 43. 22: JE. 6. 11: 20. 9: 51 (28). 30.]
[Sm. PR. 16. 26 bis: IS. 33. 1: 43. 22: JE. 6. 11.]
[Th. JB. 4. 2: Ps. 31 (32). 3: IS. 43. 22.]
[Al. I KI. 14. 28.]
[Quint. Ps. 48 (49). 9.]

κόπος. (1) אָוֶן (2) אוֹן (3) εἶναι ἐν κόποις בָּוַע (4) טֹרַח (5) יָגוֹן (6) יְגִיעַ (7) עָמָל (8) תֹּךְ
Ge. 31. 42. τὸν κ. τῶν χειρῶν μου εἶδεν ὁ θεός (6)
De. 1. 12. φέρειν τὸν κ. ὑμῶν (4)
Jd. 10. 16. ὠλιγώθη ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν κόπῳ Ἰσρ. (7)
Ne. 5. 13. ἐκ τοῦ οἴκου αὐτοῦ καὶ ἐκ κόπου αὐτοῦ (6)
Jb. 3. 10. A ἀπήλλαξε γὰρ ἂν κόπον [B S πόνον] (7)
4. 2. μὴ πολλάκις σοι λελάληται ἐν κόπῳ †
5. 6. οὐ γὰρ μὴ ἐξέλθῃ ἐκ τῆς γῆς κόπος (1)
— 7. ἄνθρωπος γεννᾶται κόπῳ [A ἐν κόπῳ γενν.] (7)
11. 16. τὸν κ. [A τῶν κ. σου] ἐπιλήσῃ (7)
19. 27. S¹ συντετέλεσται ἐν κόπῳ [A B S² κόλπῳ] †
Ps. 9. 28 (10. 7). ὑπὸ τὴν γλῶσσαν αὐτοῦ κόπος (7)
— 35 (10. 14). A σὺ κόπον [B S πόνον] . . . κατανοεῖς [B¹ -ήσεις] (7)
24 (25). 18. ἴδε . . . τὸν κ. μου (7)
54 (55). 10. S κόπος [B πόνος] ἐν μέσῳ αὐτῆς (7)
— 11. B S¹ οὐκ ἐξέλιπεν ἐκ τῶν πλατειῶν αὐτῆς κόπος [S² R τόκος] (8)
72 (73). 5. ἐν κόποις ἀνθρώπων οὐκ εἰσί (7)
— 16. τοῦτο κόπος ἐστὶν ἐναντίον μου [B¹ S al.] (7)
87 (88). 15. πτωχός εἰμι ἐγὼ καὶ ἐν κόποις (3)
89 (90). 10. τὸ πλεῖον αὐτῶν κόπος καὶ πόνος (7)
93 (94). 20. ὁ πλάσσων κόπον ἐπὶ προστάγματι [A S² -μα] (7)
106 (107). 12. ἐταπεινώθη ἐν κόποις ἡ καρδία αὐτῶν (7)
139 (140). 9. A² B S κόπος τῶν χειλέων αὐτῶν καλύψει αὐτούς (7)
Wi. 3. 11. καὶ οἱ κ. [S κ. αὐτῶν] ἀνόνητοι
10. 10. A S ἐπλήθυνε τοὺς κ. [B πόνους] αὐτοῦ
— 17. ἀπέδωκεν ὁσίοις μισθὸν κόπων αὐτῶν [S¹ -οῦ]
Si. 13. 26. εὕρεσις παραβολῶν διαλογισμοὶ μετὰ κόπου [A S -ων]
14. 15. τοὺς κ. σου εἰς διαίρεσιν κλήρου
22. 13. φύλαξαι ἀπ' αὐτοῦ ἵνα μὴ κόπον ἔχῃς
29. 4. A S πάρεσχον κόπον [B πόνον] τοῖς βοηθήσασιν αὐτοῖς
31 (34). 23. A S R τί ὠφέλησαν πλεῖον ἢ κόπους [B -ου]
Ho. 12. 3 (4). καὶ ἐν κόποις αὐτοῦ ἐνίσχυσε πρὸς θεόν (1?, 2?)
Mi. 2. 1. ἐγένοντο λογιζόμενοι κόπους (1)
Hb. 1. 3. ἵνα τί ἔδειξάς μοι κόπους καὶ πόνους (1)
3. 7. ἀντὶ κόπων εἶδον σκηνώματα Αἰθιόπων (1)
Za. 10. 2. οἱ ἀποφθεγγόμενοι ἐλάλησαν κόπους (1)
Ma. 2. 13. ἐκαλύπτετε τὸ θυσ. κυρ. . . . στεναγμῷ ἐκ κόπων †
Je. 20. 18. τοῦ βλέπειν κόπους καὶ πόνους [S¹ μόχθους] (7)
51. 33 (45. 3). προσέθηκε κύριος κόπον ἐπίπονόν μοι (5)
I Ma. 10. 15. διηγήσαντο . . . τοὺς κ.
[Aq. Ps. 93 (94). 20: 127 (128). 2: EC. 1. 3: IS. 45. 14: 55. 2: JE. 20. 5: EZ. 23. 29.]
[Sm. Ps. 77 (78). 46: 127 (128). 2: PR. 31. 7: EC. 2. 24: 4. 6: IS. 45. 14: 55. 2: EZ. 23. 29.]
[Th. JB. 16. 2: Ps. 127 (128). 2: IS. 45. 14: 59. 4.]
[Al. Ps. 54 (55). 12.]
[Heb. IS. 45. 14.]
[Quint. Ps. 54 (55). 11.]

κοποῦν. (1) יָגַע pi.
Ju. 13. 1. ἦσαν γὰρ πάντες κεκοπωμένοι
Ec. 10. 15. S μόχθος τοῦ ἄφρονος κοπώσει αὐτόν [A B al.] (1)
[Aq. Jo. 7. 3: IS. 43. 24.]
[Sm. Jo. 7. 3: JB. 16. 7: IS. 1. 14: 7. 13 bis: 43. 24: JE. 12. 5: 20. 9: 50 (27). 36.]
[Th. Jo. 7. 3.]

κοπρία. (1) אֵפֶר (2) אַשְׁפֹּת (3) דֹּמֶן (4) סוּחָה
I Ki. 2. 8. ἀπὸ κοπρίας ἐγείρει πτωχόν (2)

IV Ki. 9. 37. ὡς κοπρία ἐπὶ προσώπου τοῦ ἀγροῦ (3)
Ne. 2. 13. καὶ εἰς πύλην τῆς κ. (2)
3. 13. ἕως πύλης τῆς κ. (2)
— 14. τὴν πύλην τῆς κ. ἐκράτησε M. (2)
12. 31. ἐπάνω τοῦ τείχους τῆς [S⁴ τ. πύλης τῆς] κ. (2)
Es. 4. 17. κοπριῶν ἔπλησεν τὴν κεφαλήν
Jb. 2. 8. ἐκάθητο ἐπὶ τῆς κ. ἔξω τῆς πόλεως (1)
Ps. 112 (113). 7. ἀπὸ κοπρίας ἀνυψῶν πένητα (2)
Si. 27. 4. ἐν σείσματι κοσκίνου διαμένει κοπρία
Is. 5. 25. ἐγενήθη τὰ θνησιμαῖα αὐτῶν ὡς κ. ἐν μέσῳ ὁδοῦ (4)
La. 4. 5. περιεβάλλοντο [A -έλαβον] κοπρίας (2)
I Ma. 2. 62. R ἡ δόξα αὐτοῦ εἰς κοπρίαν [A S κόπρια]

κόπριον. (1) דֹּמֶן

Si. 22. 2. βολβίτῳ κοπρίων [A S -ίῳ] συνεβλήθη ὀκνηρός
Je. 32 (25). 33. οὐ μὴ κατορυγῶσιν [A -ύξω.] εἰς κόπρια (1)
I Ma. 2. 62. A S ἡ δόξα αὐτοῦ εἰς κόπρια [R -ίαν]
[Aq. Ps. 82 (83). 11.]
[Sm. Je. 22. 19.]

κόπρος. (1) גָּלָל (2) κ. περιστερῶν דִּבְיוֹנִים (3) דֹּמֶן (4) חֲרָאִים (5) חֲרִי (6) פֶּרֶשׁ (7) *a.* צֵאָה *b.* צוֹאָה

Ex. 29. 14. τὴν κ. κατακαύσεις πυρί (6)
Le. 4. 11. πᾶσαν αὐτοῦ τὴν σάρκα σὺν . . . τῇ κ. (6)
8. 17. A B² τὴν κ. αὐτοῦ (6)
16. 27. καὶ τὰ κρέα αὐτῶν καὶ τὴν κ. αὐτῶν (6)
Nu. 19. 5. τὸ αἷμα αὐτῆς σὺν τῇ κ. αὐτῆς (6)
III Ki. 14. 10. A καθὼς ἐπιλέγεται ἡ κ. (1)
IV Ki. 6. 25. τέταρτον τοῦ κάβου [A τέσσαρες κ.] κόπρου περιστερῶν (2, 5*)
18. 27. τοῦ φαγεῖν τὴν κ. αὐτῶν (7 *b*, 5*)
Ps. 82 (83). 10. ἐγενήθησαν ὡσεὶ κόπρος τῇ γῇ (3)
Is. 30. 22. ὡς κόπρον ὥσεις αὐτά †
36. 12. ἵνα φάγωσι κόπρον (7 *b*, 4*)
Ez. 4. 12. ἐν βολβίτοις κόπρου ἀνθρωπίνης ἐγκρύψεις [A κατακρ.] αὐτά (7 *a*)
[Aq. III Ki. 14. 10: Je. 16. 4: Ma. 2. 3 *bis*.]
[Sm. Je. 16. 4: Ma. 2. 3.]
[Th. Ma. 2. 3.]

κόπτειν. (1) אָסַף ni. (2) *a.* נָדַד hithpo. *b.* גְּדוּדָה (3) נָדַע *a.* pi. *b.* pu. (4) חָטַב (5) חָצַב (6) כָּרַת *a.* qal. *b.* hi. (7) *a.* כָּתַת hoph. *b.* כָּתִית (8) נָגַף (9) נָכָה hi. (10) סָפַד *a.* qal. *b.* ni. *c.* מְסַפֵּד (11) עָשָׂה (12) פּוּץ pil. (13) פָּלַשׁ hithp. (14) קָבַר (15) קוּט ni. (16) κ. τὴν οὐραγίαν זָנַב pi.

Ge. 23. 2. ἦλθε δὲ Ἀ. κόψασθαι Σάρραν (10 *a*)
32. 8 (9). R καὶ κόψῃ [A ἐκκ.] αὐτήν (9)
50. 10. ἐκόψαντο αὐτὸν κοπετὸν μέγαν (10 *a*)
Ex. 27. 20. ἔλαιον . . . καθαρὸν κεκομμένον (7 *b*)
29. 40. πεφυραμένης ἐν ἐλαίῳ κεκομμένῳ (7 *b*)
Le. 24. 2. ἔλαιον ἐλαΐνον καθαρὸν κεκομμένον (7 *b*)
Nu. 13. 24 (23). ἔκοψαν ἐκεῖθεν κλῆμα (6 *a*)
— 25 (24). ὃν ἔκοψαν ἐκεῖθεν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (6 *a*)
De. 19. 5. ἡ χεὶρ αὐτοῦ τῇ ἀξίνῃ κόπτοντος τὸ ξύλον (6 *a*)
25. 18. καὶ ἔκοψέ σου τὴν οὐραγίαν (16)
Jo. 10. 20. κόπτοντες αὐτοὺς κοπὴν μεγάλην (9)
11. 8. κόπτοντες αὐτοὺς κατεδίωκον (9)
Jd. 1. 4. ἔκοψαν [A ἐπάταξεν, B² ἐπάταξαν] αὐτούς (9)
— 5. ἔκοψαν [A ἐπάταξεν] τὸν Χαν. (9)
— 17. ἔκοψε [A ἐπάταξαν] τὸν Χαν. (9)
6. 30. A ἔκοψεν [B ὠλέθρευσε] τὸ ἄλσος (6 *a*)
9. 48. ἔκοψε κλάδον ξύλου [A φορτίον ξύλων] (6 *a*)
— 49. καὶ ἔκοψαν . . . κλάδον [A *al.*] (6 *a*)
20. 43. A ἔκοψαν [B κατέκοπτον] τὸν B. †
I Ki. 25. 1. καὶ κόπτονται αὐτόν (10 *a*)
28. 3. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. (10 *a*)
II Ki. 1. 12. καὶ ἐκόψαντο (10 *a*)
3. 31. κόπτεσθε ἐνώπιον [A ἔμπροσθεν] Ἀβ. (10 *a*)
5. 20. ἔκοψε [A διέκ.] τοὺς ἀλλοφύλους ἐκεῖ (9)
— 24. κόπτειν ἐν τῷ πολέμῳ τῶν ἀλλοφύλων (9)
11. 26. ἐκόψατο τὸν [A ἐπὶ τ.] ἄνδρα αὐτῆς (10 *a*)
III Ki. 5. 6 (20). κοψάτωσάν μοι ξύλα (6 *a*)
— 6 (20). A R εἰδὼς [B ἰδίως] ξύλα κόπτειν (6 *a*)
III Ki. 5. 11 (25). εἴκοσι χιλιάδας βαὶθ ἐλαίου κεκομμένου (7 *b*)
11. 15. ἔκοψαν πᾶν ἀρσενικὸν ἐν τῇ Ἰδ. (9)
12. 24. B καὶ τὸ παιδάριον κόψεται –
13. 29. A τοῦ κόψασθαι καὶ τοῦ θάψαι αὐτόν (10 *a*)
— 30. καὶ ἐκόψαντο [A -ατο] αὐτόν (10 *a*)
— 31. μετὰ τὸ κόψασθαι αὐτόν (14)
14. 13. A κόψονται αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. (10 *a*)
— 18. A ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. (10 *a*)
IV Ki. 17. 15. A ἣν ἔκοψεν σὺν πατράσιν αὐ. (6 *a*)
19. 23. ἔκοψα τὸ μέγεθος τῆς κέδρου αὐτοῦ (6 *a*)
II Ch. 2. 8 (7). οἶδασι κόπτειν ξύλα ἐκ τοῦ Λιβ. (6 *a*)
— 10 (9). τοῖς ἐργαζομένοις τοῖς κόπτουσι ξύλα (6 *a*)
— 16 (15). κόψομεν ξύλα ἐκ τοῦ Λιβ. (6 *a*)
31. 1. ἔκοψαν [A ἐξέκ.] τὰ ἄλση (3 *a*)
34. 4. καὶ ἔκοψε τὰ ἄλση (3 *a*)
— 7. πάντα τὰ ὑψηλὰ ἔκοψεν [A κατέκ.] (3 *a*)
Ju. 15. 5. καὶ ἔκοπτον [A -οντο] αὐτούς
Es. 5. 14. κοπήτω σοι [A *om.*] ξύλον (11)
Ec. 3. 4. καιρὸς τοῦ κόψασθαι (10 *a*)
12. 5. ἐκύκλωσαν [S² κυκλώσουσιν] ἐν ἀγορᾷ οἱ κοπτόμενοι (10 *a*)
Mi. 1. 8. ἕνεκεν τούτου κόψεται καὶ θρηνήσει (10 *a*)
— 11. κόψασθαι οἶκον ἐχόμενον αὐτῆς (10 *c*)
Jl. 1. 13. περιζώσασθε καὶ κόπτεσθε οἱ ἱερεῖς (10 *a*)
Hg. 1. 8. καὶ κόψατε [S¹ -ετε] ξύλα †
Za. 7. 5. ἐὰν . . . κόψησθε ἐν ταῖς πέμπταις (10 *a*)
12. 10. καὶ κόψονται [S¹ ὄψ.] ἐπ' αὐτὸν κοπετόν (10 *a*)
— 12. καὶ κόψεται ἡ γῆ κατὰ φυλὰς φυλάς (10 *a*)
14. 12. A B S² ἣν κόψει κ. πάντας τοὺς λαούς (8)
Is. 9. 10 (9). κόψωμεν [A S ἐκκ.] συκαμίνους (3 *b*)
10. 15. ἄνευ τοῦ κόπτοντος ἐν αὐτῇ (5)
14. 8. οὐκ ἀνέβη ὁ κόπτων ἡμᾶς (6 *a*)
15. 3. κόπτεσθε ἐπὶ τῶν δωμάτων αὐτῆς –
32. 12. ἐπὶ τῶν μαστῶν κόπτεσθε (10 *a*)
37. 24. ἔκοψα τὸ ὕψος τῆς κέδρου αὐτοῦ (6 *a*)
44. 14. ἔκοψε ξύλον ἐκ τοῦ δρυμοῦ (6 *a*)
Je. 4. 8. κόπτεσθε καὶ ἀλαλάξατε (10 *a*)
8. 2. οὐ κοπήσονται καὶ οὐ ταφήσονται (1)
16. 4. οὐ κοπήσονται καὶ οὐ ταφήσονται (10 *b*)
— 5. μὴ πορευθῆς τοῦ κόψασθαι (10 *a*)
— 6. οὐ μὴ κόψονται [A -ωνται] αὐτούς (10 *a*)
22. 18. B S οὐ μὴ κόψωνται [A R -ονται] αὐτόν (10 *a*)
23. 29. ὡς πέλυξ [A πέλεκυς] κόπτων πέτραν (12)
26 (46). 5. οἱ ἰσχυροὶ αὐτῶν κοπήσονται (7 *a*)
— 13. τοῦ κόψαι γῆν Αἰγύπτου [A *al.*] (9)
— 22. ὡς κόπτοντες ξύλα ἐκκόψουσι τὸν δρυμὸν αὐτῆς (4)
29 (47). 6 (5). ἕως τίνος κόψεις (2 *a*)
30 (49). 3. περιζώσασθε σάκκους καὶ κόψασθε (10 *a*)
31 (48). 2. ἐκόψαμεν αὐτὴν ἀπὸ ἔθνους (6 *b*)
— 37. πᾶσαι χεῖρες κόψονται (2 *b*)
32 (25). 34. κόπτεσθε οἱ κριοὶ τῶν προβάτων (13)
41 (34). 5. ἕως ᾅδου κόψονταί [A κλαύσ.] σε (10 *a*)
48 (41). 5. διερρηγμένοι [A -ηχότες] τὰ ἱμάτια καὶ κοπτόμενοι [S¹ *om.* τὰ ἱ. κ. κ.] (2 *a*)
51 (44). 8. R ἵνα κοπῆτε [A B S ἐκκ.] (6 *b*)
Ez. 6. 9. κόψονται πρόσωπα αὐτῶν (15)
9. 5. κόπτετε καὶ μὴ φείδεσθε (9)
— 7. καὶ κόπτετε (9)
— 8. ἐγένετο ἐν τῷ κ. αὐτούς (9)
20. 43. κόψεσθε [A² ὄψεσθαι] τὰ πρόσωπα ὑμῶν (15)
24. 16. οὐ μὴ κοπῇς (10 *a*)
— 23. οὔτε μὴ κόψησθε (10 *a*)
39. 10. A R οὐδὲ μὴ κόψωσιν [B -ουσιν] ἐκ τῶν δρυμῶν (4)
I Ma. 2. 70. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. κοπετὸν μέγαν
4. 39. ἐκόψαντο κοπετὸν μέγαν
9. 20. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. κοπετὸν μέγαν
12. 44. ἵνα τί ἔκοψας πάντα τὸν λαὸν τοῦτον
13. 26. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. κοπετὸν μέγαν
II Ma. 5. 12. κόπτειν ἀφειδῶς τοὺς ἐμπίπτοντας
10. 35. τὸν ἐμπίπτοντα ἔκοπτον
[Aq. Le. 22. 24: Dt. 19. 5: III Ki. 14. 13, 18: IV Ki. 17. 15: Pr. 27. 22: Is. 55. 3: 61. 8: Je. 25. 33 (32. 19): 34 (41). 5: Za. 12. 10.]
[Sm. I Ki. 31. 9: Ec. 12. 6: Za. 12. 10.]
[Th. Pr. 27. 22: Is. 51, 1: Je. 25. 33 (32. 19): Za. 12. 10.]

κοπώδης.

[Sm. Ec. 1. 8.]

κόπωσις. (1) יְגִיעָה

Ec. 12. 12. μελέτη πολλὴ κόπωσις σαρκός (1)

κόραξ. (1) עֹרֵב

Ge. 8. 7. ἀπέστειλε τὸν κ. (1)
Le. 11. 15. B² καὶ κόρακα [R πάντα κ.] καὶ τὰ ὅμοια αὐτῷ (1)
De. 14. 14. A² καὶ πάντα κ. καὶ τὰ ὅμοια αὐτῷ (1)
III Ki. 17. 4. τοῖς κ. ἐντελοῦμαι διατρέφειν σε (1)
— 6. οἱ κ. ἔφερον αὐτῷ ἄρτους (1)
Jb. 38. 41. τίς δὲ ἡτοίμασε κόρακι βοράν (1)
Ps. 146 (147). 9. καὶ τοῖς νεοσσοῖς τῶν κ. (1)
Pr. 24. 52 (30. 17). κόρακες ἐκ τῶν φαράγγων (1)
Ca. 5. 11. βόστρυχοι αὐτοῦ ἐλάται μέλανες ὡς κόραξ (1)
Ze. 2. 14. A B S² κόρακες ἐν τοῖς πυλῶσιν αὐτῆς †
Is. 34. 11. ἴβεις καὶ κόρακες κατοικήσουσιν ἐν αὐτῇ (1)
[Aq. Dt. 14. 14: III Ki. 17. 6.]
[Sm., Th. III Ki. 17. 6.]
[Sam. Ex. 8. 21 (17).]

κοράσιον. (1) יַלְדָּה (2) *a.* נַעַר *b.* נַעֲרָה (3) נָשִׁים

Ru. 2. 8. κολλήθητι μετὰ τῶν κ. μου (2 *b*)
— 21. R μετὰ τῶν κ. [A B παιδαρίων] τῶν ἐμῶν προσκολλήθητι [B μου κολλ.] (2 *a*)
— 22. A B ἐπορεύθης [R ἐξῆλθες] μετὰ τῶν κ. αὐτοῦ (2 *b*)
— 23. προσεκολλήθη Ῥοὺθ τοῖς κ. (2 *b*)
3. 2. οὗ ἦς μετὰ τῶν κ. αὐτοῦ (2 *b*)
I Ki. 9. 11. εὑρίσκουσι τὰ κ. ἐξεληλυθότα (2 *b*)
— 12. ἀπεκρίθη τὰ κ. αὐτοῖς –
20. 30. υἱὲ κορασίων αὐτομολούντων †
25. 42. καὶ πέντε κοράσια ἠκολούθουν αὐτῇ (2 *b*)
III Ki. 12. 24. B τὰ κ. σου ἐξελεύσονταί σοι –
To. 6. 12. τὸ κ. καλὸν καὶ φρόνιμόν ἐστι
— 12. S λαλήσω τῷ πατρὶ αὐτῆς περὶ τοῦ κ. [A B *al.*]
— 12. S λαλήσωμεν περὶ τοῦ κ.
— 13. ἀκήκοα ἐγὼ τὸ κ. δεδόσθαι ἑπτὰ ἀνδράσι [S *al.*]
Ju. 16. 12. υἱοὶ κορασίων κατεκέντησαν αὐτούς
Es. 2. 2. ζητηθήτω τῷ βασ. κοράσια (2 *b*)
— 3. καὶ ἐπιλεξάτωσαν [A -δειξ.] κοράσια [S² πάντα κ.] (2 *b*)
— 7. ἦν τὸ κ. καλὸν [S -ῆ] τῷ εἴδει (2 *b*)
— 8. συνήχθησαν κ. πολλὰ [S² τὰ κ.] εἰς Σοῦσαν [S¹ *om.* π. κ. εἰς Σ.] (2 *b*)
— 9. ἤρεσεν αὐτῷ τὸ κ. (2 *b*)
— 9. A B καὶ τὰ ἑπτὰ κ. τὰ ἀποδεδειγμένα [S R ὑποδ.] αὐτῇ (2 *b*)
— 12. καιρὸς κορασίου εἰσελθεῖν πρὸς τὸν βασ. (2 *b*)
— 12. A ὅταν ἀναπληρωθῇ καιρὸς κοράσια [B S *al.*] (3)
Jl. 3 (4). 3. τὰ κ. ἐπώλουν ἀντὶ οἴνου (1)
Za. 8. 5. αἱ πλατεῖαι . . . πλησθήσονται . . . κορασίων παιζόντων (1)
Da. Th. Su. 15. εἰσῆλθε . . . μετὰ δύο μόνων κ.
— 17. εἶπε τοῖς κ. [A κ. αὐτῆς]
— 19. ὡς ἐξῆλθοσαν τὰ κ.
— 21. ἐξαπέστειλας τὰ κ. ἀπὸ σοῦ
[Sm. Ge. 24. 61: Ex. 2. 5: Pr. 9. 3: 27. 27.]

κορεῖν (?). (1) דָּשֵׁן

De. 31. 20. καὶ ἐμπλησθέντες κορήσουσι (1)

κορεννύναι.

[Sm. Ps. 21 (22). 27.]
[Al. Ps. 102 (103). 5.]

κόρη. (1) אִישׁוֹן (2) בָּבָה

De. 32. 10. διεφύλαξεν αὐτὸν ὡς κόρην ὀφθαλμοῦ (1)
Ps. 16 (17). 8. φύλαξόν με ὡς κόρην [B¹ S¹ -αν] ὀφθαλμοῦ (1)
Pr. 7. 2. τοὺς δὲ ἐμοὺς λόγους ὥσπερ κόρας ὀμμάτων (1)
20. 20. αἱ δὲ κ. τῶν ὀφθαλμῶν αὐτοῦ ὄψονται [S ἔσονται] σκότος (†, 1*)
Si. 17. 22. χάριν ἀνθρώπου ὡς κόρην συντηρήσει
Za. 2. 8 (12). ὁ ἁπτόμενος τῆς κ. τοῦ ὀφθ. αὐ. (2)
III Ma. 5. 47. βουλόμενος . . . κόραις ὀφθαλμῶν θεάσασθαι
IV Ma. 18. 21. S R τὰς τῶν ὀμμάτων κ. ἐπήρωσε [A ἐπλήρ.]

κόριον, *cf.* **χόριον.** (1) גֹּד (2) חכפס

Ex. 16. 14. λεπτὸν ὡσεὶ κόριον λευκόν (2)
— 31. ὡς σπέρμα κορίου λευκόν (1)
Nu. 11. 7. τὸ δὲ μάννα ὡσεὶ σπέρμα κορίου ἐστί (1)

κορμός.

[**Aq.**, **Th.** Jb. 14. 7, 8: Is. 11. 1.]
[**Sm.** Jb. 14. 8: Is. 11. 1.]

κόρος (*corus*). (1) חֹמֶר (2) כֹּר

Lc. 27. 16. κόρου κριθῶν πεντήκοντα δίδραχμα ἀργυρίου (1)
Nu. 11. 32. ὁ τὸ ὀλίγον συνήγαγε δέκα κόρους (1)
III Ki. 3. 1 (*cf.* 4. 22 [5. 2]). **B** τριάκοντα κόροι σεμιδάλεως καὶ ἑξήκοντα κόροι ἀλεύρου (2, 2)
4. 22 (5. 2). τριάκοντα κόροι σεμιδάλεως καὶ ἑξήκοντα κόροι ἀλεύρου (2, 2)
5. 11 (25). εἴκοσι χιλιάδας κόρους [**A** -ων] πυροῦ (2)
II Ch. 2. 10 (9). **A R** κόρων πυροῦ [**B** *om.*] εἴκοσι χιλιάδας καὶ κριθῶν κόρων εἴκοσι χιλιάδας (2, 2)
27. 5. καὶ δέκα χιλιάδας κόρων πυροῦ (2)
I Es. 8. 20. ἕως πυροῦ κόρων ἑκατόν
II Es. 7. 22. ἕως πυροῦ κόρων ἑκατόν (2)
Ez. 45. 13. ἀπὸ τοῦ [**A** *add.* γομὸρ] κ. τῶν κριθῶν (1)

[**Aq.**, **Th.** Ez. 45. 13, 14 *bis*: Ho. 3. 2.]
[**Sm.** Ez. 45. 13: Ho. 3. 2.]

κόρος (*satietas*).

Es. 8. 13. τόν τε κ. οὐ δυνάμενοι φέρειν

[**Aq.** Ge. 15. 12: Ex. 8. 14 (10) *bis*: III Ki. 5. 11 (25): Is. 65. 15.]
[**Sm.** Ex. 8. 14 (10) *bis*: III Ki. 5. 11 (25): Is. 65. 15.]
[**Th.** Is. 65. 15.]

κορύνη. (1) חֲדֻשָּׁה

II Ki. 21. 16. καὶ αὐτὸς περιεζωσμένος κορύνην (1?)

κόρυς.

Wi. 5. 18. περιθήσεται κόρυθα κρίσιν ἀνυπόκριτον

κορυφαῖος.

[**Aq.** Ez. 23. 23.]

κορυφή. (1) מֵגַּד (2) קָדְקֹד (3) רֹאשׁ (4) צִיצִת רֹאשׁ

Ge. 49. 26. ἐπὶ κορυφῆς ὧν ἡγήσατο ἀδελφῶν (2)
Ex. 17. 9. ἕστηκα ἐπὶ τῆς κ. τοῦ βουνοῦ (3)
— 10. ἀνέβησαν ἐπὶ τὴν κ. τοῦ βουνοῦ (3)
19. 20. κατέβη . . . ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ὄρους (3)
— 20. ἐκάλεσε κ. Μωυσῆν ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ὄρους (3)
24. 17. ὡσεὶ πῦρ φλέγον ἐπὶ τῆς κ. τοῦ ὄρους (3)
38. 16 (37. 19). **A R** τὸ ἐνθέμιον . . . ἐπὶ τῆς [**B** *om.*] κ. ἄνωθεν –
Nu. 14. 40. ἀνέβησαν εἰς [**A** ἐπὶ] τὴν κ. τοῦ ὄρους (3)
— 44. ἀνέβησαν ἐπὶ τὴν [**A** *om.*] κ. τοῦ ὄρους (3)
20. 28. ἀπέθανεν Ἀ. ἐπὶ τῆς κ. τοῦ ὄρους (3)
21. 19 (20). ἀπὸ κορυφῆς τοῦ λελαξευμένου (3)
23. 9. ἀπὸ κορυφῆς ὀρέων ὄψομαι αὐτόν (3)
— 14. ἐπὶ κορυφὴν λελαξευμένου (3)
— 28. ἐπὶ κορυφὴν [**A** τὴν κ.] τοῦ Φογώρ (3)
De. 3. 27. **A R** ἀνάβηθι ἐπὶ κορυφὴν [**B** -ῇ] τοῦ [**B** *om.*] λελαξευμένου (3)
28. 35. ἀπὸ ἴχνους τῶν ποδῶν σου ἕως τῆς κ. σου (2)
33. 15. ἀπὸ κορυφῆς ὀρέων ἀρχῆς καὶ ἀπὸ κορυφῆς βουνῶν ἀενάων (3, 1)
— 16. καὶ ἐπὶ κορυφῆς δοξασθεὶς ἐπ' [**A** ἐν] ἀδελφοῖς (3)
34. 1. ἀνέβη Μ. . . . ἐπὶ κορυφὴν Φασγά (3)
Jo. 15. 8. ἐπὶ κορυφὴν ὄρους (3)
— 9. ἀπὸ κορυφῆς τοῦ ὄρους (3)
Jd. 6. 26. οἰκοδομήσεις θυσιαστήριον . . . ἐπὶ κορυφὴν Μ. [**A** *al.*] (3)
9. 7. ἔστη ἐπὶ κορυφὴν [**A** τῆς κ. τοῦ] ὄρους (3)
— 36. **A** ἀπὸ τῶν κ. [**B** ἀπὸ κεφαλῶν] τῶν ὀρέων (3)
16. 3. ἀνέβη ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ὄρους (3)
I Ki. 26. 13. ἔστη ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ὄρους (3)
II Ki. 14. 25. καὶ ἕως κορυφῆς αὐτοῦ (2)
III Ki. 18. 42. **A** ἀνέβη εἰς τὴν κ. τοῦ Καρμ. [**B** ἐπὶ τὸν Κάρμ.] (3)
IV Ki. 1. 9. Ἦ. ἐκάθητο ἐπὶ τῆς κ. τοῦ ὄρους (3)
Ju. 4. 5. προκατελάβοντο πάσας τὰς κ. τῶν ὀρέων
5. 1. ἐτείχισαν πᾶσαν κ. ὄρους ὑψηλοῦ
Ju. 6. 12. ὡς εἶδαν αὐτοὺς . . . ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ὄρους
— 12. **B S** ἐπῆλθον [**A R** ἀπ.] . . . ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ὄρους
7. 10. προσβῆναι ταῖς κ. τῶν ὀρέων αὐτῶν
— 13. ἀναβησόμεθα ἐπὶ τὰς πλησίον κ. τῶν ὀρέων
9. 13. καὶ κορυφῆς [**A** -ὴν] Σιών
Ps. 7. 16. ἐπὶ κορυφὴν αὐτοῦ ἡ ἀδικία αὐτοῦ καταβήσεται (2)
67 (68). 21. κορυφὴν τριχὸς διαπορευομένων ἐν πλημμελείαις αὐτῶν (2)
Pr. 1. 9. στέφανον γὰρ χαρίτων δέξῃ [**A** ἕξῃ] σῇ κ. (3)
Ho. 4. 13. ἐπὶ τὰς κ. τῶν ὀρέων ἐθυσίαζον (3)
Am. 1. 2. ἐξηράνθη ἡ κ. τοῦ Καρμήλου (3)
9. 3. ἐὰν ἐγκατακρυβῶσιν [**A** ἐγκρ.] εἰς τὴν κ. (3)
Mi. 4. 1. τὸ ὄρος κ. ἕτοιμον ἐπὶ τὰς κ. τῶν ὀρέων (3)
Jl. 2. 5. ἐπὶ τὰς κ. τῶν ὀρέων ἐξαλοῦνται (3)
Is. 28. 1. ἐπὶ τῆς κ. τοῦ ὄρους τοῦ παχέως (3)
Ez. 6. 13. **A** ἐν πάσαις κ. τῶν ὀρέων (3)
8. 3. ἀνέλαβέ με τῆς κ. μου (4)
17. 22. λήψομαι ἐγὼ . . . ἐκ [**A** *om.*] κορυφῆς (3)
43. 12. τὴν διαγραφὴν τοῦ οἴκου ἐπὶ τῆς κ. τοῦ ὄρους (3)
Da. LXX. 4. 9. ἡ κ. αὐτοῦ ἤγγισεν ἕως τοῦ οὐρ. –
Da. TH. Bel 36. ἐπελάβετο ὁ ἄγγελος κυρίου [**A** *om.*] τῆς κ. [**A** χειρὸς] αὐτοῦ
IV Ma. 10. 7. σὺν ἄκραις ταῖς τῶν δακτύλων κ.
14. 16. **A R** τὰ δὲ κατὰ τὰς [**S** *om.*] κ. ὀρέων

[**Aq.** Ez. 8. 3.]
[**Sm.** Ps. 67 (68). 22.]
[**Th.** I Ki. 24. 23: Ez. 6. 13: 8. 3.]
[**Al.** Dt. 33. 20.]

κορώνη.

Je. 3. 2. ἐκάθισας αὐτοῖς ὡσεὶ κ. ἐρημουμένη †
Ep. Je. 54. ὥσπερ γὰρ [**A** αἱ] κορῶναι ἀνὰ μέσον τοῦ οὐρανοῦ καὶ τῆς γῆς

κοσκινίζειν.

[**Aq.**, **Sm.** Am. 9. 9.]

κόσκινον.

Si. 27. 4. ἐν σείσματι κοσκίνου [**S**[1] κοκκ.] διαμένει κοπρία

[**Aq.**, **Sm.** Am. 9. 9.]

κοσκίνωμα.

[**Sm.**, **Th.** Ex. 35. 16.]

κοσμεῖν. (1) חוּר (2) יָעַד (3) עָדָה *a.* qal. *b.* hi. (4) עָרַךְ (5) צָפָה pi. (6) תָּקַן *a.* qal. *b.* pi.

II Ch. 3. 6. ἐκόσμησε τὸν οἶκον (5)
Ju. 10. 3. **S** ἐν οἷς ἐκοσμεῖτο [**A B** ἐστολίζετο]
12. 15. ἐκοσμήθη τῷ ἱματισμῷ
Es. 1. 6. κεκοσμημένῃ [**A** S[1] -νῳ] βυσσίνοις (1?)
Ec. 1. 15. **A** διεστραμμένον οὐ δυνήσεται τοῦ κοσμηθῆναι [**B S** ἐπικ.] (6 *a*)
7. 14 (13). τίς δυνήσεται κοσμῆσαι [**A** S[2] τοῦ κ.] (6 *b*)
Si. 16. 27. ἐκόσμησεν εἰς αἰῶνα τὰ ἔργα αὐ.
25. 1. S[1] ἐκοιμήθην [? ἐκοσμήθην]
29. 26. πάρελθε, πάροικε, κόσμησον τράπεζαν
38. 28. ἡ ἀγρυπνία αὐτοῦ κοσμῆσαι ἐπὶ συντελείας
42. 21. τὰ μεγαλεῖα τῆς σοφίας αὐτοῦ ἐκόσμησε
45. 12. ἐπιθυμήματα ὀφθαλμῶν κοσμούμενα ὡραῖα
47. 10. ἐκόσμησε καιροὺς μέχρι συντελείας
48. 11. οἱ ἐν ἀγαπήσει [S[1] -πῃ, S[2] ἀγαπήσει σου] κεκοσμημένοι
50. 9. ὡς σκεῦος χρυσίου ὁλοσφύρητον κεκοσμημένον παντὶ λίθῳ πολυτελεῖ
— 14. κοσμῆσαι προσφορὰν ὑψίστου παντοκράτορος
Mi. 6. 9. καὶ τίς [**A** τί] κοσμήσει πόλιν (2)
Je. 4. 30. ἐὰν . . . κοσμήσῃ κόσμῳ χρυσῷ (3 *a*)
Ep. Je. 11. κοσμοῦσί τε αὐτοὺς ὡς ἀνθρώπους τοῖς ἐνδύμασι
Ez. 16. 11. ἐκόσμησά σε κόσμῳ (3 *b*)
— 13. ἐκοσμήθης χρυσίῳ καὶ ἀργυρίῳ [**A** *al.*] (3 *a*)
— 58. **A** σὺ κεκόσμησαι [**B** κεκόμισαι] αὐτάς †
28. 40. ἐκόσμου κόσμῳ (3 *a*)
— 41. τράπεζα κεκοσμημένη πρὸ προσώπου αὐτῆς (4)
II Ma. 9. 16. καλλίστοις ἀναθήμασι κοσμήσειν
III Ma. 3. 5. κοσμοῦντες τὴν συναναστροφήν
III Ma. 5. 45. **A** φοβερῶς κεκοσμημένα κατασκευαῖς [**R** *al.*]
6. 1. πάσῃ τῇ κατὰ τὸν βίον ἀρετῇ κεκοσμημένος

[**Aq.** Jb. 40. 5 (10): Is. 61. 10: Je. 31 (38). 4.]
[**Sm.** Ps. 143 (144). 12: Is. 61. 10.]
[**Al.** Is. 57. 9.]
[**Quint.** IV Ki. 9. 30.]

κόσμημα.

[**Sm.** Ca. 1. 10.]

κόσμιον. (1) תָּקֵן pi.

Ec. 12. 9. οὗς ἐξιχνιάσεται [S[2] -άσατο] κόσμιον παραβολῶν (1)

[**Sm.** Jd. 8. 21, 26.]

κοσμοπληθής.

IV Ma. 15. 31. **A R** ἐν τῷ κ. [**S** ἐθνοπλ.] κατακλυσμῷ

κοσμοποιΐα.

IV Ma. 14. 7. ἑπτὰ τῆς κ. ἡμέραι

κόσμος. (1) כְּלִי (2) מַעֲדַנִּים (3) מַעֲשֶׂה (4) עָדִי (5) עֵדֶן (6) צְבָא (7) תְּכוּנָה (8) תִּפְאֶרֶת

Ge. *tit.* **A** γένεσις κόσμου –
2. 1. ἡ γῆ καὶ πᾶς ὁ κ. αὐτῶν (6)
Ex. 33. 5. ἀφέλεσθε [**A** -λετε] . . . τὸν κ. (4)
— 6. περιείλαντο οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὸν κ. αὐτῶν (4)
De. 4. 19. ἰδὼν . . . πάντα τὸν κ. τοῦ οὐρανοῦ (6)
17. 3. ἢ παντὶ τῶν ἐκ τοῦ κ. [**A** π. τῷ κ. τῷ ἐκ] τοῦ οὐρανοῦ (6)
II Ki. 1. 24. τὸν ἐνδιδύσκοντα ὑμᾶς κόκκινα μετὰ κόσμου ὑμῶν τὸν ἀναφέροντα κόσμον χρυσοῦν [**A** -σίον] (5, 4)
Ju. 1. 14. τὸν κ. αὐτῆς ἔθηκεν εἰς ὄνειδος αὐτῆς
10. 4. περιέθετο . . . πάντα τὸν κ. αὐτῆς
12. 15. τῷ ἱματισμῷ καὶ παντὶ τῷ κ. [**A** *om.* κ. π. τ. κ.] τῷ γυναικείῳ
Es. 4. 17. **B S** πάντα τόπον κόσμου ἀγαλλιάματος αὐ. [**A**[2] *al.*]
Pr. 17. 6 (**A** 4). τοῦ πιστοῦ ὅλος ὁ κ. τῶν χρημάτων –
20. 29. κόσμος νεανίαις σοφία (8)
28. 17. δώσει κόσμον τῇ σῇ ψυχῇ –
29. 17. δώσει κόσμον τῇ ψυχῇ σου (2)
Wi. 1. 14. σωτήριοι αἱ γενέσεις τοῦ κ.
2. 24. θάνατος εἰσῆλθεν εἰς τὸν κ.
5. 20. συνεκπολεμήσει [**S** συμπ.] δὲ αὐτῷ ὁ κ.
6. 24. πλῆθος δὲ σοφῶν σωτηρία κόσμου
7. 6. **S** μία δὲ πάντων εἴσοδος εἰς τὸν κ. [**A B** βίον]
— 17. εἰδέναι σύστασιν κόσμου
9. 3. καὶ διέπῃ τὸν κ. ἐν ὁσιότητι
— 9. ὅτε ἐποίεις τὸν κ.
10. 1. πρωτόπλαστον πατέρα κόσμου μόνον κτισθέντα
11. 17. ἡ . . . χεὶρ καὶ [S[2] ἡ καὶ] κτίσασα τὸν κ. ἐξ ἀμόρφου ὕλης
— 22. ὡς ῥοπὴ ἐκ πλαστίγγων ὅλος ὁ κ. ἐναντίον σου
13. 2. ἢ φωστῆρας οὐρανοῦ πρυτάνεις κόσμου θεοὺς ἐνόμισαν
— 3. S[2] ὁ γὰρ τοῦ κ. [**A B** S[1] κάλλους] γενεσιάρχης ἔκτισεν αὐτά
14. 6. ἡ ἐλπὶς τοῦ κ. ἐπὶ σχεδίας καταφυγοῦσα
— 14. εἰσῆλθεν [**A** S[1] θάνατος εἰσ.] εἰς κόσμον [**A S** τὸν κ.]
16. 17. ὑπέρμαχος γὰρ ὁ κ. ἐστὶ δικαίων [**A** -αίοις]
17. 20. ὅλος γὰρ ὁ κ. λαμπρῷ κατελάμπετο φωτί
18. 24. ἐπὶ γὰρ ποδήρους ἐνδύματος ἦν ὅλος ὁ κ.
Si. 6. 30. κόσμος γὰρ χρύσεός ἐστιν ἐπ' αὐτῆς
21. 21. ὡς κόσμος χρυσοῦς φρονίμῳ παιδεία
22. 17. ὡς κόσμος ψαμμωτὸς τοίχου ξυστοῦ [S[2] ξεστοῦ]
26. 16. κάλλος ἀγαθῆς γυναικὸς ἐν κόσμῳ οἰκίας αὐ.
35 (32). 5. σφραγὶς ἄνθρακος ἐπὶ κόσμῳ χρυσῷ
43. 9. κόσμος φωτίζων ἐν ὑψίστοις κύριος [**A** S[2] -ίου]
50. 19. ἕως συντελεσθῇ [S[2] συνετ.] κόσμος [**S** ὁ κ.] κυρίου
Na. 2. 9 (10). καὶ οὐκ ἦν πέρας τοῦ κ. αὐτῆς (7)
Is. 3. 18. **A S** ἀφελεῖ κύριος τὴν δόξαν τοῦ ἱματισμοῦ αὐτῶν καὶ τοὺς κ. αὐτῶν [**B** *om.* κ. τ. κ. αὐ.] (7?)
— 19. ἀφελεῖ . . . τὸν κ. τοῦ προσώπου αὐτῶν †
— 20. ἀφελεῖ . . . τὴν σύνθεσιν [**A** σύνεσιν] τοῦ κ. τῆς δόξης †
— 24. ἀντὶ τοῦ κ. τῆς κεφαλῆς τοῦ χρυσίου φαλάκρωμα ἕξεις (3)

Is. 3. 26. πενθήσουσιν αἱ θῆκαι τοῦ κ. ὑμῶν †
13. 10. ὁ Ὠ. καὶ πᾶς ὁ κ. [S¹ οἶκος] τοῦ οὐρανοῦ –
24. 21. ἐπάξει ὁ θεὸς ἐπὶ τὸν κ. τοῦ οὐρανοῦ τὴν χεῖρα (6)
40. 26. ὁ ἐκφέρων κατ' ἀριθμὸν τὸν κ. αὐ. (6)
49. 18. πάντας αὐτοὺς ὡς κόσμον [A S om. ὡς κ.] ἐνδύσῃ καὶ περιθήσεις αὐτοὺς ὡς κόσμον [S¹ -ος] νύμφη [A S -ης] (4, –)
61. 10. ὡς νύμφην κατεκόσμησέ με κόσμῳ (1)
Je. 2. 32. μὴ ἐπιλήσεται νύμφη τὸν κ. αὐτῆς (4)
4. 30. ἐὰν . . . κοσμήσῃ κόσμῳ χρυσῷ (4)
Ez. 7. 20. ἐκλεκτὰ κόσμου εἰς ὑπερηφανίαν ἔθεντο αὐτά (4)
16. 11. ἐκόσμησά σε κόσμῳ (4)
— 13. A ἐκοσμήθης κόσμῳ χρυσῷ καὶ ἀργυρῷ [B *al.*] –
23. 40. ἐκόσμου κόσμῳ (4)
I Ma. 1. 22. S R τὸν κ. τὸν χρυσοῦν [A -ὸν] τὸν κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ
2. 11. πᾶς ὁ κ. αὐτῆς ἀφῃρέθη
II Ma. 2. 2. βλέποντες . . . τὸν περὶ αὐτὰ κ.
3. 12. τοῦ τετιμημένου κατὰ τὸν σύμπαντα κ. ἱεροῦ
5. 3. καὶ χρυσῶν κόσμων ἐκλάμψεις
7. 9. ὁ δὲ τοῦ κ. βασ. . . . ἡμᾶς ἀναστήσει
— 23. ὁ τοῦ κ. κτίστης
8. 18. R καὶ τὸν ὅλον κ. . . . καταβαλεῖν [A -λαβεῖν]
12. 15. τὸν μέγαν τοῦ κ. δυνάστην
13. 14. R δοὺς δὲ τὴν ἐπιτροπὴν τῷ κτίστῃ [A κυρίῳ] τοῦ κ.
IV Ma. 5. 25. ὁ τοῦ κ. κτίστης
8. 23. ἐπιστεροῦμεν ἑαυτοὺς τοῦ γλυκέος κ.
16. 18. διὰ τὸν θεὸν τοῦ κ. μετελάβετε
17. 14. ὁ δὲ κ. . . . ἐθεώρει
[Aq. Ez. 24. 23.]
[Sm. Jb. 38. 4: Ez. 7. 20.]
[Th. Ex. 38. 10 (37. 8), 11 (37. 9), 12 (37. 10).]

κοσμοφορεῖν.
IV Ma. 15. 31. S R κοσμοφοροῦσα καρτερῶς [A -οῦς] ὑπήνεγκε [S -έμεινε] τοὺς κλύδωνας

κόσυμβος. (1) שְׁבִיסִים (2) שָׁבַץ pi.
Ex. 28. 35 (39). A οἱ κ. [B -βωτοὶ] τῶν χιτώνων ἐκ βύσσου (2)
Is. 3. 18. ἀφελεῖ . . . τοὺς κ. καὶ τοὺς μηνίσκους (1?)

κοσυμβωτός. (1) *a.* שָׁבַץ pi. *b.* תַּשְׁבֵּץ
Ex. 28. 4. χιτῶνα κοσυμβωτόν (1 *b*)
— 35 (39). οἱ κ. [A -βοι] τῶν χιτώνων ἐκ βύσσου (1 *a*)

κοτύλη. (1) בַּת (2) לֹג
Le. 14. 10. καὶ κοτύλην ἐλαίου μίαν (2)
— 12. καὶ τὴν κ. τοῦ ἐλαίου (2)
— 15. ἀπὸ τῆς κ. τοῦ ἐλαίου (2)
— 21. καὶ κοτύλην ἐλαίου μίαν (2)
— 24. καὶ τὴν κ. τοῦ ἐλαίου (2)
Ez. 45. 14. τὸ πρόσταγμα [A τὰ πρ.] τοῦ ἐλαίου κοτύλην ἐλαίου ἀπὸ δέκα [A τῶν δ.] κοτυλῶν ὅτι αἱ δέκα κ. εἰσὶ γομόρ (1 *ter*)

κουρά. (1) גֵּז (2) תְּבוּאָה
De. 18. 4. καὶ τὴν ἀπαρχὴν τῶν κ. τῶν προβάτων σου (1)
Jo. 5. 11 (12). B ἐκαρπίσαντο δὲ τὴν κ. [A R χώραν] (2)
Ne. 3. 15. τῇ κ. τοῦ βασιλέως †
Jb. 31. 20. ἀπὸ δὲ κουρᾶς ἀμνῶν [A ἀρνῶν] μου (1)
[Aq. I Ki. 6. 8: Ps. 71 (72). 6.]
[Sm., Th. Am. 7. 1.]
[Al. Nu. 6. 5.]

κουρεύς. (1) אִישׁ (2) גַּלָּב
Jd. 16. 19. A ἐκάλεσεν τὸν κ. [B ἐκ. ἄνδρα] (1)
Ez. 5. 1. λάβε σεαυτῷ ῥομφαίαν ὀξεῖαν ὑπὲρ ξυρὸν κουρέως (2)

κουφίζειν. (1) *a.* חִשַּׁף לַמַּטָּה מִ׳ *b.* חִשַּׁף ni.
(2) קָלַל hi.
Ex. 18. 22. κουφιοῦσιν [A -φίσουσιν] ἀπὸ σοῦ (2)
I Ki. 6. 5. ὅπως κουφίσῃ [A -ει] τὴν χεῖρα αὐτοῦ (2)
III Ki. 12. 4. κούφισον ἀπὸ τῆς δουλείας τοῦ πατρός σου (2)
— 9. κούφισον ἀπὸ τοῦ κλοιοῦ (2)
— 10. κούφισον ἀφ' ἡμῶν (2)
— 24. B κουφιεῖς σὺ ἐφ' ἡμᾶς –

I Es. 8. 86. ὁ κουφίσας [A ἐκούφ.] τὰς ἁμαρτίας ἡμῶν
II Es. 9. 13. ἐκούφισας ἡμῶν τὰς ἀνομίας (1 *a*)
Es. 5. 1. κουφίζουσα τὴν ἔνδυσιν αὐτῆς
Jb. 21. 30. εἰς ἡμέραν ἀπωλείας κουφίζεται ὁ πονηρός (1 *b*)
Jn. 1. 5. τοῦ κουφισθῆναι ἀπ' αὐτῶν (2)
[Th. Jb. 21. 30.]

κοῦφος. (1) קָלַל *a.* qal. *b.* ni. *c.* קַל
d. κ. εἶναι קָלַל ni.
I Ki. 18. 23. εἰ [B¹ *om.*] κοῦφον ἐν ὀφθαλμοῖς ὑμῶν (1 *b*)
II Ki. 1. 23. ὑπὲρ ἀετοὺς κοῦφοι (1 *a*)
2. 18. Ἀσαὴλ κοῦφος τοῖς ποσὶν αὐτοῦ (1 *c*)
IV Ki. 3. 18. A R κούφη [B -ος καὶ] αὐτὴ ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (1 *b*)
20. 10. κοῦφον τὴν σκιὰν κλῖναι (1 *b*)
I Ch. 12. 8. καὶ κοῦφοι ὡς δορκάδες –
Ec. 9. 11. οὐ τοῖς κ. ὁ δρόμος (1 *c*)
Wi. 5. 11. πληγῇ δὲ ταρσῶν μαστιζόμενον πνεῦμα κοῦφον
Si. 11. 21. κοῦφον ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου . . . πλουτίσαι [A -ῆσαι] πένητα
— 26. κοῦφον ἔναντι [A ἐν ὀφθαλμοῖς] κυρίου ἐν ἡμέρᾳ τελευτῆς
19. 4. ὁ ταχὺ ἐμπιστεύων κοῦφος καρδίᾳ
Is. 18. 2. πορεύσονται γὰρ ἄγγελοι κοῦφοι πρὸς ἔθνος μετέωρον (1 *c*)
19. 1. κύριος κάθηται ἐπὶ νεφέλης κούφης (1 *c*)
30. 16. ἐπὶ κούφοις ἀναβάταις [A S¹ -αι] ἐσόμεθα διὰ τοῦτο κοῦφοι ἔσονται οἱ διώκοντες ὑμᾶς (1 *c*, 1 *d*)
Je. 4. 13. κουφότεροι ἀετῶν οἱ ἵπποι αὐ. (1 *a*)
26 (46). 6. μὴ φευγέτω ὁ κ. (1 *c*)
La. 4. 19. κοῦφοι ἐγένοντο οἱ διώκοντες ἡμᾶς (1 *c*)
[Aq., Sm. Nu. 21. 5: Je. 2. 23.]
[Th. Nu. 21. 5: Pr. 14. 6: Je. 2. 23.]
[Al. Ex. 23. 15.]

κούφως. (1) קַל
Is. 5. 26. ταχὺ κ. ἔρχονται (1)
[Sm. Jb. 39. 34 (40. 4).]

κόφινος. (1) דּוּד (2) סַל
Jd. 6. 19. ἔθηκεν ἐν τῷ κ. [A *al.*] (2)
Ps. 80 (81). 6. αἱ χεῖρες αὐτοῦ ἐν τῷ κ. ἐδούλευσαν (1)
[Aq. Ge. 40. 16.]
[Sm. Ps. 80 (81). 7: Je. 24. 1.]

κόχλαξ (A κοχλάς?). (1) צָמֶר
I Ki. 14. 14. ἐν κόχλαξι [A κοχλάσιν] τοῦ πεδίου (1?)
I Ma. 10. 73. οὐκ ἔστι λίθος οὐδὲ κόχλαξ

κράββατος.
[Aq. Am. 3. 12.]

κραδαίνειν.
II Ma. 11. 8. πανοπλίαν χρυσῆν κραδαίνων
III Ma. 2. 21. κραδάνας αὐτὸν ὡς κάλαμον ὑπὸ ἀνέμου

κράζειν. (1) זָעַק *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi.
(2) נָהַק (3) *a.* צָעַק *b.* צְעָקָה (4) קָרָא
a. qal. *b.* ni. (5) רוּעַ *a.* hi. *b.* hithpal.
c. רָעַ (6) שְׁאָגָה (7) שָׁוַע pi.
Ge. 41. 55. R ἔκραξε δὲ [A ἐκέκραξεν δὲ πᾶς] ὁ λαός (3 *a*)
Ex. 5. 8. διὰ τοῦτο κεκράγασι (3 *a*)
22. 23 (22). κεκράξαντες καταβοήσωσι πρὸς μέ (3 *a*)
32. 17. τῆς φωνῆς [A B² τὴν φ.] τοῦ λαοῦ κραζόντων (5 *c*)
Nu. 11. 2. ἐκέκραξεν ὁ λαὸς πρὸς Μωυσῆν (3 *a*)
Jo. 6. 15 (16). εἶπεν Ἰησοῦς . . . Κεκράξατε (5 *a*)
Jd. 1. 14. ἔκραξεν ἀπὸ τοῦ ὑποζυγίου †
3. 9, 15. ἐκέκραξαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (1 *a*)
4. 3. ἐκέκραξαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (3 *a*)
6. 7 (6). A ἐκέκραξαν [B ἐβόησαν] οἱ υἱοὶ Ἰ. πρὸς κύριον (1 *a*)
— 8 (7). A ἐπεὶ ἐκέκραξαν οἱ υἱοὶ Ἰ. πρὸς κύριον (1 *a*)
10. 12. A καὶ ἐκεκράξατε [B ἐβοήσατε] πρὸς μέ (3 *a*)
18. 22. A ἔκραζον κατοπίσω Δάν [B *al.*] (1 *b*)

Jd. 18. 24. τί [A *add.* τοῦτο] κράζεις †
II Ki. 13. 19. ἐπορεύθη πορευομένη καὶ κράζουσα (1 *a*)
19. 4 (5). καὶ ἔκραξεν ὁ βασιλεύς (1 *a*)
— 28 (29). τοῦ κεκραγέναι με ἔτι πρὸς τὸν βασ. (1 *a*)
To. 2. 13. ἤρξατο κράζειν [A κρανάζειν]
6. 2. S καὶ ἔκραξεν
Ju. 14. 17. ἐξεπήδησεν εἰς τὸν λαὸν κράζων [S λέγων, A καὶ ἐβόησεν]
Es. 4. 17. A R πᾶς Ἰσρ. ἐκέκραξεν [S ἔκρ., B -αν] ἐξ ἰσχύος αὐτῶν
Jb. 6. 5. μὴ διὰ κενῆς κεκράξεται ὄνος ἄγριος (2)
19. 7. κεκράξομαι καὶ οὐδαμοῦ κρίμα (7)
30. 20. κέκραγα δὲ πρὸς σέ (7)
— 28. ἕστηκα δὲ ἐν ἐκκλησίᾳ κεκραγώς (7)
34. 20. τὸ κεκραγέναι καὶ δεῖσθαι ἀνδρός †
35. 9. ἀπὸ πλήθους συκοφαντούμενοι κεκράξονται (1 *c*)
— 12. ἐκεῖ κεκράξονται [A -ξον] (3 *a*)
38. 41. νεοσσοὶ γὰρ αὐ. πρὸς κ. κεκράγασι (7)
Ps. 3. 4. φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα (4 *a*)
4. 3. ἐν τῷ κεκραγέναι με πρὸς αὐτόν (4 *a*)
16 (17). 6. ἐγὼ ἐκέκραξα (4 *a*)
17 (18). 6. πρὸς τὸν θεόν μου ἐκέκραξα (7)
— 41. ἐκέκραξαν καὶ οὐκ ἦν ὁ σώζων (7)
21 (22). 2. κεκράξομαι ἡμέρας πρὸς σέ [S² *om.* ἡ. πρὸς σέ] (4 *a*)
— 5. πρὸς σὲ ἐκέκραξαν (1 *a*)
— 24. ἐν τῷ κεκραγέναι με πρὸς αὐτόν (7)
26 (27). 7. ἧς ἐκέκραξα [A ἐκ. πρὸς σέ] (4 *a*)
27 (28). 1. πρὸς σὲ, κύριε, ἐκέκραξα [A S κεκράξομαι] (4 *a*)
— 2. A ἧς ἐκέκραξα [B S ἐν τῷ δέεσθαί με] πρὸς σέ (7)
29 (30). 2. κύριε ὁ θεός μου, ἐκέκραξα πρὸς σέ (7)
— 8. πρὸς σὲ, κύριε, κεκράξομαι (4 *a*)
30 (31). 22. ἐν τῷ κεκραγέναι με πρὸς σέ (7)
31 (32). 3. ἀπὸ τοῦ κράζειν με ὅλην τὴν ἡμέραν (6)
33 (34). 6. οὗτος ὁ πτωχὸς ἐκέκραξε (4 *a*)
— 17. ἐκέκραξαν οἱ δίκαιοι (3 *a*)
54 (55). 16. ἐγὼ πρὸς τὸν θεὸν ἐκέκραξα (4 *a*)
56 (57). 2. κεκράξομαι πρὸς τὸν θ. τὸν ὕψιστον (4 *a*)
60 (61). 2. ἀπὸ τῶν περάτων τῆς γῆς πρὸς σὲ ἐκέκραξα (4 *a*)
64 (65). 13. κεκράξονται καὶ γὰρ ὑμνήσουσιν (5 *b*)
65 (66). 17. πρὸς αὐτὸν τῷ στόματί μου ἐκέκραξα (4 *a*)
68 (69). 3. ἐκοπίασα κράζων (4 *a*)
76 (77). 1. φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα (3 *a*)
85 (86). 3. πρὸς σὲ κεκράξομαι ὅλην τὴν ἡμέραν (4 *a*)
— 7. ἐν ἡμέρᾳ θλίψεώς μου ἐκέκραξα πρὸς σέ (4 *a*)
87 (88). 1. ἡμέρας ἐκέκραξα [A κεκράξομαι] (3 *a*)
— 9. ἐκέκραξα πρὸς σέ, κύριε, ὅλην τὴν ἡμ. (4 *a*)
— 13. κἀγὼ πρὸς σὲ, κύριε, ἐκέκραξα (7)
90 (91). 15. A S κεκράξεται πρὸς [B ἐπικαλέσεταί] μέ (4 *a*)
106 (107). 6. ἐκέκραξαν πρὸς κύριον (3 *a*)
— 13, 19. ἐκέκραξαν πρὸς κύριον (1 *a*)
— 28. ἐκέκραξαν πρὸς κύριον (3 *a*)
118 (119). 145. ἐκέκραξα ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου (4 *a*)
— 146. A S¹ ἐκέκραξά σε [S² R σοι] (4 *a*)
— 147. προέφθασα ἐν ὡρίᾳ καὶ ἐκέκραξα (7)
119 (120). 1. πρὸς κύριον . . . ἐκέκραξα (4 *a*)
129 (130). 1. A S¹ ἐκ βαθέων ἐκέκραξά σε [S² R σοι] κύριε (4 *a*)
140 (141). 1. κύριε, ἐκέκραξα πρὸς σέ (4 *a*)
— 1. ἐν τῷ κεκραγέναι με [S *om.*] πρὸς σέ (4 *a*)
141 (142). 1. φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα (1 *a*)
— 5. πρὸς σὲ, κύριε, ἐκέκραξα (1 *a*)
Ho. 8. 2. ἐμὲ κεκράξονται, Ὁ θεὸς, ἐγνώκαμέν σε (1 *a*)
Mi. 3. 4. οὕτως κεκράξονται πρὸς κύριον (1 *a*)
Jl. 1. 14. κεκράξατε πρὸς κύριον ἐκτενῶς (1 *a*)
Hb. 1. 1. ἕως τίνος, κύριε, κεκράξομαι [B¹ S² κρ.] (7)
Za. 7. 13. οὕτως κεκράξονται (4 *a*)
Is. 6. 3. ἐκέκραγεν [A S -γον] ἕτερος πρὸς τὸν ἕτερον (4 *a*)
— 4. ἀπὸ τῆς φωνῆς ἧς ἐκέκραγεν (4 *a*)
14. 31. κεκραγέτωσαν πόλεις τεταραγμέναι (1 *a*)
15. 4. κέκραγεν Ἐσεβών (1 *a*)
19. 20. κεκράξονται πρὸς κύριον [S¹ *om.* πρ. κ.] (3 *a*)
26. 17. ἐπὶ τῇ ὠδῖνι αὐτῆς ἐκέκραξεν (1 *a*)
31. 4. κεκράξῃ ἐπ' αὐτῇ [S -ήν] (4 *b*)
42. 2. οὐ κεκράξεται [A κρ.] οὐδὲ ἀνήσει (3 *a*)

Is. 65. 14. κεκράξεσθε διὰ τὸν πόνον (3 a)
— 24. πρὶν ἢ κεκράξαι αὐτούς (4 a)
Je. 4. 5. A R κεκράξατε [B S -ετε] μέγα (4 a)
11. 11. κεκράξονται πρὸς μέ (1 a)
— 12. κεκράξονται πρὸς τοὺς θεούς (1 a)
22. 20. ἀνάβηθι εἰς τὸν Λίβανον καὶ κράξον [A S κέκρ.] (3 a)
29 (47). 2. κεκράξονται [S¹ κρ.] οἱ ἄνθρωποι (1 a)
30 (49). 3. κεκράξατε [S κρ.], θυγατέρες Ῥ. (3 a)
31 (48). 2. φωνὴ κεκραγότων ἐξ Ὠρωναΐμ (3 b)
— 20. ὀλόλυζον καὶ κέκραξον [S¹ κρ.] (1 a)
32 (25). 34. ἀλαλάξατε, ποιμένες, καὶ κεκράξατε [A S -ετε] (1 a)
40 (33). 3. κέκραξον πρὸς μέ (4 a)
Ba. 3. 1. πνεῦμα ἀκηδιῶν κέκραγε [A ἐκέκραξε] πρὸς σέ
4. 20. κεκράξομαι πρὸς τὸν αἰώνιον [A add. ὕψιστον]
La. 3. 8. κεκράξομαι καὶ βοήσω (1 a)
Ez. 27. 30. κεκράξονται πικρόν [A -ρῶς] (1 a)
I Ma. 9. 46. νῦν οὖν κεκράξατε εἰς οὐρανόν
11. 49. ἐκέκραξαν [S¹ ἐκράτησαν] πρὸς τὸν βασ.
III Ma. 5. 23. R ἄρτι δὲ ἀλεκτρυὼν ἐκεκράγει [A -εν]
[Sm. Is. 33. 7.]
[Th. Jd. 10. 10: Jb. 35. 12: Ps. 3. 5: 54 (55). 17: 129 (130). 1: Pr. 8. 1.]
[Al. Ez. 8. 18.]
[Quint. Ps. 26 (27). 7: 27 (28). 2: 60 (61). 3: 129 (130). 1.]
[Sext. Ps. 27 (28). 2: 129 (130). 1.]

κραιπαλᾶν. (1) רָנַן hithpo. (2) *a.* שָׁבַר *b.* שִׁבּוֹר

Ps. 77 (78). 65. ὡς δυνατὸς κεκραιπαληκὼς ἐξ οἴνου (1)
Is. 24. 20. ἔκλινεν ὡς ὁ μεθύων καὶ κραιπαλῶν [S ὁ κρ.] (2 b)
29. 9. κραιπαλήσατε οὐκ ἀπὸ σίκερα (2 a)
[Aq. Ps. 77 (78). 65.]

κρᾶμα. (1) מָזֹג

Ca. 7. 2 (3). μὴ ὑστερούμενος κρᾶμα [A S κράματος] (1)
[Aq. Ez. 22. 18, 19.]

κρανίον. (1) גֻּלְגֹּלֶת

Jd. 9. 53. ἔκλασε [A συνέθλασεν] τὸ κρ. αὐτοῦ (1)
IV Ki. 9. 35. οὐχ εὗρον . . . ἄλλο τι ἢ τὸ κρ. (1)

κράσπεδον. (1) כָּנָף (2) צִיצִת

Nu. 15. 38. ποιησάτωσαν ἑαυτοῖς κράσπεδα (2)
— 38. ἐπιθήσετε ἐπὶ τὰ κρ. . . . κλῶσμα ὑακίνθινον (2)
— 39. ἔσται ὑμῖν ἐν τοῖς κρ. (2)
De. 22. 12. στρεπτὰ ποιήσεις . . . ἐπὶ τῶν τεσσάρων κρ. (1)
Za. 8. 23. καὶ ἐπιλάβωνται τοῦ κρ. ἀνδρὸς Ἰουδ. (1)
[Aq. Ez. 8. 3.]
[Sm. I Ki. 15. 27: Ez. 5. 3.]
[Th. I Ki. 24. 5: Ez. 8. 3.]

κραταιός. (1) אַדִּיר (2) אַמִּיץ (3) גִּבּוֹר (4) *a.* חָזָק *b.* חָזָק *c.* חֹזֶק (5) יָרֵא ni. (6) מָנָן (7) *a.* עַז *b.* עֹז *c.* עִזּוּז (8) *a.* עָצֵם *b.* עָצוּם *c.* עֹצֶם (9) עָרִיץ (10) תְּקֹף

Ex. 3. 19. οὐ προήσεται . . . ἐὰν μὴ μετὰ χειρὸς κρ. (4 b)
6. 1. ἐν γὰρ χειρὶ κρ. ἐξαποστελεῖ αὐτούς (4 b)
13. 3. ἐν γὰρ χειρὶ κρ. ἐξήγαγεν (4 c)
— 9. ἐν γὰρ χειρὶ κρ. ἐξήγαγέ σε κ. (4 b)
— 14. ἐν χειρὶ κρ. ἐξήγαγε κ. ἡμᾶς (4 c)
— 16. ἐν γὰρ χειρὶ κρ. ἐξήγαγέ σε κ. (4 c)
De. 3. 24. καὶ τὴν χεῖρα τὴν κρ. (4 b)
4. 34. καὶ ἐν χειρὶ κρ. (4 b)
5. 15. ἐξήγαγέ σε . . . ἐν χειρὶ κρ. (4 b)
6. 21. ἐξήγαγεν ἡμᾶς . . . ἐν χειρὶ κρ. (4 b)
7. 8. ἐξήγαγεν . . . ἐν χειρὶ κρ. (4 b)
— 19. τὴν χεῖρα τὴν κρ. καὶ τὸν βραχίονα τὸν ὑψηλόν (4 b)
— 21. θεὸς μέγας καὶ κρ. (5)
9. 26. καὶ ἐν τῇ χειρί σου τῇ κρ. (4 b)
— 29. B καὶ ἐν τῇ χειρί σου τῇ κρ. –
De. 11. 2. καὶ τὴν χεῖρα τὴν κρ. (4 b)
26. 8. καὶ ἐν χειρὶ κρ. (4 b)
29. 3 (2). A B² τὴν χεῖρα τὴν κρ. καὶ τὸν βραχίονα τὸν ὑψηλόν –
34. 12. καὶ [A add. πᾶσαν] τὴν χεῖρα τὴν κρ. (4 b)
Jo. 24. 4. εἰς ἔθνος μέγα καὶ πολὺ καὶ κρ. –
Jd. 5. 13. κατέβη αὐτῷ ἐν τοῖς κρ. [A al.] (3)
I Ki. 14. 51 (52). ἦν ὁ πόλεμος κρ. ἐπὶ τοὺς ἀλλοφύλους (4 b)
II Ki. 11. 15. ἐξ ἐναντίας τοῦ πολέμου τοῦ κρ. (4 b)
22. 31. τὸ ῥῆμα κυρίου κραταιὸν [A om.] πεπυρωμένον –
III Ki. 12. 24. B ἠρρώστησε . . . ἀρρωστίᾳ κρ. σφόδρα –
17. 17. ἦν [A om.] ἡ ἀρρωστία αὐτοῦ κρ. (4 b)
18. 2. ἡ [A ἦν] λιμὸς κραταιὰ [A -ὸς] ἐν Σαμ. (4 b)
19. 11. πνεῦμα μέγα κρ. διαλύον ὄρη (4 b)
II Ch. 6. 32. διὰ . . . τὴν χεῖρά σου τὴν κρ. (4 b)
I Es. 2. 17. A καὶ κραταιοὶ [B om., R κριταὶ] οἱ ἐν κοίλῃ Συρίᾳ
8. 47. A R κατὰ τὴν κρ. χεῖρα τοῦ κυρίου ἡμῶν
— 61. κατὰ τὴν κρ. χεῖρα τοῦ κυρίου ἡμῶν
II Es. 6. 4. A R καὶ δόμοι λίθινοι κρ. [B om.] †
Ne. 1. 10. καὶ ἐν τῇ χειρί σου τῇ κρ. (4 b)
9. 32. ὁ μέγας ὁ κρ. καὶ ὁ φοβερός (3)
Jb. 9. 4. σοφὸς γάρ ἐστι διανοίᾳ κρ. τε καὶ μέγας (2)
26. 2. ᾧ [A ὁ] βραχίων κραταιός ἐστι (7 b)
30. 21. χειρὶ κραταιᾷ με ἐμαστίγωσας (8 c)
Ps. 23 (24). 8. κύριος κραταιὸς καὶ δυνατός (7 c)
46 (47). 9. τοῦ θεοῦ οἱ κρ. τῆς γῆς σφόδρα ἐπήρθησαν (6)
53 (54). 3. κραταιοὶ ἐζήτησαν τὴν ψυχήν μου (9)
58 (59). 3. ἐπέθεντο ἐπ' ἐμὲ κραταιοί (7 a)
70 (71). 7. καὶ σὺ βοηθὸς κραταιός (7 b)
85 (86). 14. συναγωγὴ κραταιῶν [S¹ κραταιοί] (9)
134 (135). 10. ἀπέκτεινε βασιλεῖς κραταιούς (8 b)
135 (136). 12. ἐν χειρὶ κραταιᾷ καὶ ἐν βραχίονι ὑψηλῷ (4 b)
— 18. καὶ ἀποκτείναντι βασιλεῖς κραταιούς (1)
140 (141). 6. κατεπόθησαν ἐχόμενα πέτρας οἱ κρ. [S² κριταὶ] αὐτῶν †
Pr. 23. 11. ὁ γὰρ λυτρούμενος αὐτοὺς κύριος κραταιός ἐστι (4 b)
Ca. 8. 6. κραταιὰ ὡς θάνατος ἀγάπη (7 a)
Wi. 6. 8. τοῖς δὲ κρ. ἰσχυρὰ ἐφίσταται ἔρευνα
Si. 6. 14. φίλος πιστὸς σκέπη κραταιά
46. 1. κραταιὸς ἐν πολέμοις [A S -ῳ] Ἰησοῦς
— 6. ἐν [A S om.] λίθοις χαλάζης δυνάμεως κρ.
Am. 2. 14. ὁ κρ. οὐ μὴ κρατήσῃ τῆς ἰσχύος αὐτοῦ [A¹ al.] (4 b)
— 16. ὁ κρ. οὐ μὴ [A om. ὁ κρ. οὐ μὴ] εὑρήσει τὴν καρδίαν (2)
Hb. 3. 4. ἔθετο ἀγάπησιν κραταιὰν ἰσχύος αὐτοῦ (7 b)
Je. 21. 5. πολεμήσω ἐγὼ ὑμᾶς . . . ἐν βραχίονι [S add. ὑψηλῷ] κραταιῷ (4 b)
39 (32). 21. ἐξήγαγες τὸν λαόν σου . . . ἐν χειρὶ κραταιᾷ (4 b)
Ba. 2. 11. ἐξήγαγες τὸν λαόν σου ἐκ γῆς Αἰγύπτου ἐν χειρὶ κραταιᾷ
Ez. 3. 9. ἔσται διὰ παντὸς κραταιότερον πέτρας (4 b)
— 14. χεὶρ κυρίου ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ κραταιά (4 a)
20. 33. ἐν χειρὶ κραταιᾷ . . . βασιλεύσω ἐφ' ὑμᾶς (4 b)
— 34. ἐν χειρὶ κραταιᾷ καὶ ἐν βραχίονι ὑψηλῷ (4 b)
Da. TH. 2. 37. βασιλείαν ἰσχυρὰν καὶ κρ. (10)
8. 24. καὶ κραταιὰ ἡ ἰσχὺς αὐτοῦ (8 a)
9. 15. ὃς ἐξήγαγες τὸν λαόν σου . . . ἐν χειρὶ κρ. (4 b)
I Ma. 5. 6. εὗρε χεῖρα κρ.
[Aq. Ez. 30. 22.]
[Sm. Jd. 6. 26: Jb. 9. 19: Ps. 44 (45). 13: Is. 30. 29: 33. 21 *bis*: 34. 7: Hb. 1. 12.]
[Th. Jb. 9. 19: Ps. 27 (28). 8.]
[Al. Pr. 24. 5.]

κραταιότης. (1) גַּאֲוָה

Ps. 45 (46). 3. ἐταράχθησαν [A -θη] τὰ ὄρη ἐν τῇ κρ. αὐ. (1)

κραταιοῦν. (1) אָמַץ *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. *d.* hithp. *e.* מְאַמְּצִים (2) גָּבַר (3) חָזַק *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. *d.* hithp. *e.* חָזֵק (4) חָפַשׂ hithp. (5) כָּבַשׁ ni. (6) מָשַׁל (7) *a.* עָזַז *b.* עֹז *c.* מָעוֹז (8) עָצַם *a.* qal. *b.* hi. (9) פָּרַר po. (10) שָׁגַב *a.* ni. *b.* hi. (11) תָּקַן hoph. (12) תִּקֵּף

Jo. 18. 1. A ἡ γῆ ἐκραταιώθη [B ἐκρατήθη] ὑπ' αὐτῶν (5)
Jd. 3. 10. B ἐκραταιώθη χεὶρ αὐτοῦ (7 a)
Ru. 1. 18. κραταιοῦται αὐτὴ τοῦ πορεύεσθαι (1 d)
I Ki. 4. 9. κραταιοῦσθε καὶ γίνεσθε εἰς ἄνδρας (3 d)
17. 50. A ἐκραταίωσεν Δ. ὑπὲρ τὸν ἀλλόφυλον (3 a)
23. 16. ἐκραταίωσε τὰς χεῖρας αὐτοῦ (3 b)
30. 6. ἐκραταιώθη Δαυὶδ ἐν κυρίῳ θεῷ αὐτοῦ (3 d)
II Ki. 1. 23. ὑπὲρ λέοντας ἐκραταιώθησαν (2)
2. 7. A R κραταιούσθωσαν αἱ χεῖρες ὑμῶν (3 a)
3. 1. ὁ οἶκος Δαυὶδ . . . ἐκραταιοῦτο (3 e)
10. 11. ἐὰν κραταιωθῇ Συρία ὑπὲρ ἐμέ (3 a)
— 11. ἐὰν κραταιωθῶσιν υἱοὶ Ἀ. ὑπὲρ σέ (3 a)
— 12. κραταιωθῶμεν ὑπὲρ τοῦ λαοῦ ἡμῶν (3 d)
11. 23. ἐκραταίωσαν ἐφ' ἡμᾶς οἱ ἄνδρες (2)
— 25. κραταίωσον τὸν πόλεμον (3 c)
— 25. καὶ κραταίωσον αὐτόν (3 b)
13. 14. ἐκραταίωσεν [A -ώθη] ὑπὲρ αὐτήν (3 a)
22. 18. ἐκραταιώθησαν ὑπὲρ ἐμέ (1 a)
— 33. ὁ ἰσχυρὸς ὁ κραταιῶν με δυνάμει [A -ιν] (7 c)
23. 3. πῶς κραταιώσητε φόβον χριστοῦ [A al.] (6)
III Ki. 21 (20). 22. κραταιοῦ καὶ γνῶθι (3 d)
— 23. ἐκραταίωσεν [B² -τησεν] ὑπὲρ ἡμᾶς (3 a)
— 23. εἰ μὴ κραταιώσομεν ὑπὲρ αὐτούς (3 a)
— 25. κραταιώσομεν ὑπὲρ αὐτούς (3 a)
IV Ki. 3. 26. ἐκραταίωσεν ὑπὲρ αὐτὸν ὁ πόλεμος (3 a)
12. 6 (7). οὐκ ἐκραταίωσαν οἱ ἱερεῖς τὸ βεδέκ (3 b)
— 7 (8). τί ὅτι οὐκ ἐκραταιοῦτε τὸ βεδὲκ τοῦ οἴκου (3 b)
— 12 (13). ὅσα ἐξῳδιάσθη ἐπὶ τὸν οἶκον τοῦ κραταιῶσαι (3 a)
— 14 (15). ἐκραταίωσαν ἐν [A om.] αὐτῷ τὸν οἶκον κ. (3 b)
22. 6. τοῦ κραταιῶσαι τὸ βεδὲκ τοῦ οἴκου (3 b)
I Ch. 21. 4. A τὸ δὲ ῥῆμα τοῦ βασ. ἐκραταιώθη ἐπὶ τῷ [R ἴσχυσεν ἐ.] Ἰ. (3 a)
II Ch. 21. 4. καὶ ἐκραταιώθη (3 d)
23. 1. ἐκραταίωσεν Ἰωδαέ (3 d)
34. 8. κραταιῶσαι τὸν οἶκον κυρίου (3 b)
35. 22. πολεμεῖν αὐτὸν ἐκραταιώθη (4 ?)
II Es. 6. 22. κραταιῶσαι τὰς χεῖρας αὐτῶν (3 b)
7. 28. καὶ ἐγὼ ἐκραταιώθην (3 d)
10. 4. κραταιοῦ καὶ ποίησον (3 a)
Ne. 2. 18. ἐκραταιώθησαν αἱ χεῖρες αὐτῶν (3 b)
6. 9. ἐκραταίωσα τὰς χεῖράς μου (3 b)
Ju. 1. 13. ἐκραταιώθη ἐν τῷ πολέμῳ αὐτοῦ
13. 7. κραταίωσόν με, ὁ θεὸς Ἰσρ.
Jb. 36. 19. πάντας τοὺς κραταιοῦντας [S¹ -τοῦντας] ἰσχύν (1 e)
— 22. ὁ ἰσχυρὸς κραταιώσει [S -ῶς] ἐν [A σε ἐν] ἰσχύϊ αὐτοῦ (10 b)
Ps. 9. 19. μὴ κραταιούσθω ἄνθρωπος (7 a)
26 (27). 14. κραταιούσθω ἡ καρδία σου [A μου] (1 c)
30 (31). 24. κραταιούσθω ἡ καρδία ὑμῶν (1 c)
37 (38). 19. οἱ δὲ ἐχθροί μου . . . κεκραταίωνται ὑπὲρ ἐμέ (8 a)
63 (64). 5. ἐκραταίωσαν ἑαυτοῖς λόγον πονηρόν (3 b)
68 (69). 4. ἐκραταιώθησαν οἱ ἐχθροί μου (8 a)
73 (74). 13. σὺ ἐκραταίωσας . . . τὴν θάλασσαν (9)
79 (80). 15, 17. ὃν ἐκραταίωσας σεαυτῷ (1 b)
88 (89). 13. κραταιωθήτω ἡ χείρ σου (7 a)
102 (103). 11. ἐκραταίωσε κύριος τὸ ἔλεος αὐτοῦ (2)
104 (105). 4. ζητήσατε τὸν κ. καὶ κραταιώθητε (7 b)
— 24. ἐκραταίωσεν αὐτὸν ὑπὲρ τοὺς ἐχθροὺς αὐτοῦ (8 b)
116 (117). 2. ἐκραταιώθη τὸ ἔλεος αὐτοῦ ἐφ' ἡμᾶς (2)
138 (139). 6. ἐκραταιώθη οὐ μὴ δύνωμαι πρὸς αὐτήν (10 a)
— 17. λίαν ἐκραταιώθησαν αἱ ἀρχαὶ αὐτῶν (8 a)
141 (142). 6. ἐκραταιώθησαν ὑπὲρ ἐμέ (1 a)
La. 1. 16. ἐκραταιώθη ὁ ἐχθρός (2)
Da. TH. 4. 33. ἐπὶ τὴν βασιλείαν μου ἐκραταιώθην (11)
5. 20. τὸ πνεῦμα αὐτοῦ ἐκραταιώθη (12)
I Ma. 1. 62. S R πολλοὶ ἐν Ἰσρ. ἐκραταιώθησαν [A ἐκρεμάσθησαν]
[Aq. Le. 16. 8: Dt. 3. 28: I Ki. 17. 50: Ps. 26 (27). 14: 51 (52). 9: 138 (139). 17: Is. 19. 4: Je. 15. 8: 17. 16.]

[Sm. I Ki. 17. 50: II Ki. 3. 6: Pr. 31. 17: Is. 29. 23.]
[Th. I Ki. 17. 50: IV Ki. 12. 5 (6): Ps. 138 (139). 17: Pr. 21. 29: Is. 22. 21: 29. 23: 35. 3.]
[Quint. IV Ki. 12. 5 (6): Ps. 64 (65). 4.]

κραταίωμα. (1) סוֹד (2) סֶלַע (3) *a.* עֹז *b.* מָעוֹז (4) מִשְׂגָּב

I Ki. 2. 32. **A** ἐπιβλέψῃ κραταίωμά μου ὧν [? μουὼν] ἐν πᾶσιν †
Ps. 24 (25). 14. κραταίωμα κύριος τῶν φοβουμένων αὐτόν (1)
27 (28). 8. κύριος κραταίωμα τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (3 *a*)
30 (31). 3. κραταίωμα [**A S** -ωσίς] μου [**S** *om.*] . . . εἶ σύ (2)
42 (43). 2. σὺ εἶ [**A S**² *om.*] ὁ θεὸς [**S** θ. μου] κραταίωμά μου (3 *b*)
Je. 31 (48). 1. **A S** ἠσχύνθη ἀμὰθ τὸ κρ. [**B** *om.* τὸ κρ.] (4)
[Aq. Jd. 6. 26: Ps. 26 (27). 1: 30 (31). 3, 5: Pr. 10. 29: Da. 11. 38.]
[Sm. Pr. 10. 29: Is. 8. 13.]
[Th. I Ki. 2. 31: Ps. 30 (31). 3: Pr. 10. 29: Is. 41. 21.]
[Quint. Ps. 26 (27). 1.]
[Sext. Ps. 24 (25). 14.]

κραταιῶς. (1) בְּחֲזָקָה (2) שָׂגַב hi.

Jd. 8. 1. **A** ἐκρίνοντο μετ' αὐτοῦ κρ. [**B** *al.*] (1)
I Ki. 2. 16. λήψομαι κρ. (1)
Jb. 36. 22. **S** ὁ ἰσχυρὸς κρ. [**A B** -ώσει] ἐν [**A** σε ἐν] ἰσχύϊ αὐτοῦ (2)
Pr. 22. 3. πονηρὸν τιμωρούμενον κρ. –

κραταίωσις. (1) מָעוֹז (2) סֶלַע (3) תַּעֲצֻמוֹת

Ju. 7. 22. οὐκ ἦν κραταίωσις ἔτι ἐν αὐτοῖς
Ps. 30 (31). 3. **A S** κραταίωσίς [**B** -ωμά] μου [**S** *om.*] . . . εἶ σύ (2)
59 (60). 7. Ἐ. κραταίωσις τῆς κεφαλῆς μου (1)
67 (68). 35. δώσει . . . κραταίωσιν τῷ λαῷ (3)
[Aq. Is. 42. 25.]
[Sm. Ps. 138 (139). 15.]

κρατειλός (?).

[Sext. Ps. 28 (29). 1.]

κρατεῖν. (1) אָהֵב (2) אָחַז *a.* qal. *b.* pi. (3) אֲחִידָה (4) *a.* אָמַץ pi. *b.* אַמִּיץ *c.* מַאֲמָצִים (5) בּוֹא (6) חָזַק *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. *d.* hithp. *e.* חֲזָקָה (7) כָּבַשׁ ni. (8) כָּתַר hi. (9) לָכַד (10) מָלַךְ (11) מָשַׁל (12) עֲבֹדָה (13) עָנַק (14) עָצַר (15) קוּם hi. (16) שָׁפַט (17) תָּפַשׂ (18) תָּקַן hoph.

Ge. 19. 16. ἐκράτησαν οἱ ἄγγ. τῆς χειρὸς αὐ. (6 *c*)
21. 18. κράτησον τῇ χειρί σου αὐτό (6 *c*)
De. 2. 34: 3. 4. ἐκρατήσαμεν πασῶν τῶν πόλεων αὐτοῦ (9)
Jo. 18. 1. ἡ γῆ ἐκρατήθη [**A** ἐκραταιώθη] ὑπ' αὐτῶν (7)
Jd. 7. 8. **A** τῶν δὲ τριακοσίων ἀνδρῶν ἐκράτησεν [**B** *al.*] (6 *c*)
— 20. ἐκράτησαν . . . τὰς λαμπάδας [**A** *al.*] (6 *c*)
8. 12. ἐκράτησε τοὺς δύο βασιλεῖς **M.** (9)
16. 21. ἐκράτησαν αὐτὸν [**A** ἐπελάβοντο αὐτοῦ] οἱ ἀλλόφυλοι (2 *a*)
— 26. τὸν νεανίαν τὸν κατοῦντα τὴν χεῖρα αὐτοῦ [**A** *al.*] (6 *c*)
— 29. ἐκράτησεν ἕνα τῇ δεξιᾷ αὐτοῦ [**A** *al.*] –
19. 29. ἐκράτησε τὴν παλλακὴν αὐτοῦ [**A** *al.*] (6 *c*)
20. 6. ἐκράτησα τὴν παλλακήν μου [**A** *al.*] (2 *a*)
Ru. 3. 15. καὶ ἐκράτησεν αὐτό (2 *a*)
I Ki. 15. 27. ἐκράτησε Σαοὺλ τοῦ πτερυγίου (6 *c*)
17. 35. ἐκράτησα τοῦ [**A** τῆς] φάρυγγος αὐτοῦ (6 *c*)
II Ki. 1. 11. ἐκράτησε Δ. τῶν ἱματίων [**A** τὰ ἱ.] αὐτοῦ (6 *c*)
2. 16. ἐκράτησαν ἕκαστος . . . τὴν κεφαλὴν τοῦ πλησίον αὐτοῦ (6 *c*)
3. 6. **A**² **B** Ἀβ. ἦν κρατῶν τοῦ οἴκου Σαούλ (6 *d*)
— 29. μὴ ἐκλίποι . . . κρατῶν σκυτάλης [**A** -η] (6 *c*)
6. 6. καὶ ἐκράτησεν αὐτήν (2 *a*)
20. 9. ἐκράτησεν ἡ χεὶρ ἡ δεξιὰ . . . τοῦ πώγωνος Ἀμ. (2 *a*)
III Ki. 21 (20). 23. **B**² ἐκράτησεν [**A B**¹ -ταίωσεν] ὑπὲρ ἡμᾶς (6 *a*)
IV Ki. 4. 8. ἐκράτησεν αὐτὸν φαγεῖν ἄρτον (6 *c*)
11. 12. **AB** ἐκράτησεν [**R** ἐκρότησαν] τῇ χειρί †
12. 5 (6). κρατήσουσι [**A** -σωσιν] τὸ βεδὲκ τοῦ οἴκου (6 *b*)
I Ch. 19. 12. ἐὰν κρατήσῃ [**A** -σει] ὑπὲρ ἐμὲ Σύρος (6 *a*)
— 12. ἐὰν οἱ υἱοὶ Ἀ. κρατήσωσι ὑπὲρ σέ (6 *a*)
II Ch. 25. 5. κρατοῦντας δόρυ καὶ θυρεόν (2 *a*)
I Es. 4. 38. καὶ κρατεῖ εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος
— 50. **AR** πᾶσαν τὴν χώραν ἣν κρατοῦσιν [**B** -ήσουσιν]
Ne. 3. 6. τὴν πύλην . . . ἐκράτησαν (6 *c*)
— 7. **R** ἐπὶ χεῖρα αὐτῶν ἐκράτησαν (6 *c*)
— 8. **A S R** ἐπὶ χεῖρα αὐ. ἐκράτησεν [**B** -αν] (6 *c*)
— 9, 10. ἐπὶ χεῖρα αὐ. ἐκράτησε (6 *c*)
— 10. ἐπὶ χεῖρα [**S**¹ -ας] αὐ. ἐκράτησεν (6 *c*)
— 11. καὶ δεύτερος ἐκράτησε **M.** (6 *c*)
— 12. ἐπὶ χεῖρα αὐτοῦ ἐκράτησε (6 *c*)
— 13. τὴν πύλην τῆς φάραγγος ἐκράτησαν (6 *c*)
— 14. τὴν πύλην τῆς κοπρίας ἐκράτησε (6 *c*)
— 16. ὀπίσω αὐτοῦ ἐκράτησε Νεεμ. (6 *c*)
— 17. ὀπίσω αὐτοῦ ἐκράτησαν οἱ Λευῖται (6 *c*)
— 17. ἐπὶ χεῖρα αὐτοῦ ἐκράτησεν (6 *c*)
— 18. μετ' αὐτὸν ἐκράτησαν ἀδελφοὶ αὐτῶν (6 *c*)
— 19. ἐκράτησεν ἐπὶ χεῖρα αὐτοῦ (6 *b*)
— 20. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Βαρούχ (6 *c*)
— 21. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Μεραμώθ (6 *c*)
— 22. μετ' αὐτὸν ἐκράτησαν οἱ ἱερεῖς (6 *c*)
— 23. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Βεν. (6 *c*)
— 23. μετ' αὐτὸν ἐκράτησεν Ἀζ. (6 *c*)
— 24. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Βανί (6 *c*)
— 27. μετ' αὐτὸν ἐκράτησαν οἱ Θ. (6 *c*)
— 28. ἐκράτησαν οἱ ἱερεῖς (6 *c*)
— 29. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε [**B**¹ *om.*] Σαδδούκ (6 *c*)
— 29. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Σαμαΐα (6 *c*)
— 30. μετ' αὐτὸν ἐκράτησεν Ἀνανία (6 *c*)
— 30. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Μεσ. (6 *c*)
— 31. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Μελ. (6 *c*)
— 32. ἐκράτησαν οἱ χαλκεῖς (6 *c*)
4. 17 (11). ἐν μιᾷ ἐκράτει τὴν βολίδα (6 *c*)
— 21 (15). κρατοῦντες [**S** οἱ κρ.] τὰς λόγχας (6 *c*)
5. 16. ἐν ἔργῳ τοῦ τείχους τούτων οὐκ ἐκράτησα (6 *c*)
To. 6. 3. ἐκράτησε τὸν ἰχθὺν [**S** τοῦ ἰ.] τὸ παιδάριον
Ju. 1. 14. ἐκράτησε τῶν πύργων
5. 18. αἱ πόλεις αὐτῶν ἐκρατήθησαν
15. 7. ἐκράτησαν πολλῶν λαφύρων
Es. 1. 1. ἑκατὸν εἴκοσι ἑπτὰ χωρῶν ἐκράτησεν (10)
4. 17. βασιλεῦ πάντων κρατῶν [**S**² παντοκράτωρ]
Jb. 9. 19. **AS** ὅτι μὲν γὰρ ἰσχύϊ κρατεῖ [**B** ἰσχύει κράτει?] (4 *b*)
26. 9. **ABS**² ὁ κρατῶν πρόσωπον θρόνου (2 *b*)
36. 19. **S**¹ πάντας τοὺς κατοῦντας [**A B S**² -ταιοῦντας] ἰσχύν (4 *c*)
Ps. 55 (56). *tit.* ὁπότε ἐκράτησαν αὐτὸν οἱ ἀλλόφυλοι ἐν Γέθ (2 *a*)
72 (73). 6. ἐκράτησεν αὐτοὺς ἡ ὑπερηφανία (13)
— 23. ἐκράτησας τῆς χειρὸς τῆς δεξιάς μου (2 *a*)
136 (137). 9. μακάριος ὃς κρατήσει (2 *a*)
Pr. 8. 16. τύραννοι δ' ἐμοῦ κατοῦσι γῆς (16?)
12. 24. χεὶρ ἐκλεκτῶν κρατήσει εὐχερῶς [**A** ἐχθρῶν] (11)
14. 18. οἱ δὲ πανοῦργοι κρατήσουσιν αἰσθήσεως (8)
16. 32. ὁ δὲ κρατῶν ὀργῆς (11)
17. 2. κρατήσει δεσποτῶν [**S**¹ -ην] ἀφρόνων (11)
18. 21. οἱ δὲ κατοῦντες αὐτῆς ἔδονται (1)
24. 27 (30. 4). **B S** τίς ἐκράτησε τῶν [**A R** πάντων τῶν] ἄκρων τῆς γῆς (15)
26. 17. ὥσπερ ὁ κρατῶν κέρκου κυνός (6 *c*)
28. 22. οὐκ οἶδεν ὅτι ἐλεήμων κρατήσει αὐτοῦ (5)
Ec. 2. 3. τοῦ κρατῆσαι [**S**² κρατεῖν] ἐπ' εὐφροσύνῃ (2 *a*)
9. 12. **S**² οὕτως κρατηθήσονται –
Ca. 3. 4. ἐκράτησα αὐτόν (2 *a*)
7. 8 (9). κρατήσω τῶν ὑψέων αὐτοῦ (2 *a*)
Wi. 3. 8. κρατήσουσι λαῶν
6. 2. ἐνωτίσασθε, οἱ κατοῦντες πλήθους
10. 2. ἔδωκέ τε αὐτῷ ἰσχὺν κρατῆσαι ἁπάντων [**S**² ἀπὸ πάντων]
14. 19. ὁ μὲν γὰρ τάχα κατοῦντι βουλόμενος ἀρέσαι
Si. 1. 19. δόξαν κατούντων αὐτῆς [**S** -ην] ἀνύψωσε
4. 13. ὁ κρατῶν αὐτῆς κληρονομήσει δόξαν
10. 13. ὁ κρατῶν αὐτῆς ἐξομβρήσει βδέλυγμα
21. 14. πᾶσαν γνῶσιν οὐ κρατήσει
25. 11. ὁ κρατῶν αὐτοῦ τίνι ὁμοιωθήσεται
Si. 26. 7. ὁ κρατῶν αὐτῆς ὡς ὁ δρασσόμενος σκορπίου
27. 3. ἐὰν μὴ ἐν φόβῳ κυρίου κρατήσῃ κατὰ σπουδήν
28. 22. οὐ μὴ κρατήσῃ [**S** -σει] εὐσεβῶν
38. 25. τί σοφισθήσεται [**A** τίς ὀφθήσεται] ὁ κρατῶν ἀρότρου
Am. 2. 14. **A**²**B** οὐ μὴ κρατήσῃ τῆς ἰσχύος αὐτοῦ (4 *a*)
Na. 2. 1 (2). σκόπευσον ὁδὸν κράτησον ὀσφύος (6 *b*)
Hb. 1. 10. βαλεῖ χῶμα καὶ κρατήσει αὐτοῦ (9)
Is. 32. 17. κρατήσει ἡ δικαιοσύνη ἀνάπαυσιν (12?)
41. 13. ἐγὼ ὁ θεὸς ὁ κρατῶν τῆς δεξιᾶς σου (6 *c*)
42. 6. κρατήσω τῆς χειρός σου (6 *c*)
45. 1. οὗ [**S**¹ οὐκ] ἐκράτησα [**A** -ας] τῆς δεξιᾶς (6 *c*)
Je. 6. 23. τόξον καὶ ζιβύνην κρατήσουσιν (6 *c*)
20. 7. ἐκράτησας καὶ ἠδυνάσθης [**S** *al.*] (6 *a*)
Ba. 4. 1. πάντες οἱ κρατοῦντες αὐτήν [**A** -ῆς]
Ez. 7. 13. ἄνθρωπος ἐν ὀφθαλμῷ ζωῆς αὐτοῦ οὐ κρατήσει (6 *d*)
21. 11 (16). ἔδωκεν αὐτὴν ἑτοίμην τοῦ κρ. χεῖρα αὐτοῦ (17)
22. 14. εἰ κρατήσουσιν αἱ χεῖρές σου (6 *a*)
Da. LXX. 4. 29. κρατήσει τῆς δόξης σου –
— 34 (33). ἐν τῷ λαῷ μου ἐκράτησα (18?)
11. 43. κρατήσει τοῦ τόπου τοῦ χρυσίου (11)
Da. TH. 5. 12. καὶ ἀναγγέλλων κρατούμενα (3)
10. 8. οὐκ ἐκράτησα ἰσχύος (14)
11. 2. μετὰ τὸ κρατῆσαι αὐτὸν τοῦ πλούτου αὐτοῦ (6 *e*)
— 6. οὐ κρατήσει ἰσχύος βραχίονος (14)
Bel 19. ἐκράτησε τὸν βασιλέα
I Ma. 1. 2. καὶ ἐκράτησεν ὀχυρωμάτων
2. 10. καὶ οὐκ ἐκράτησε τῶν σκύλων αὐτῆς
10. 52. καὶ ἐκράτησα [**S**¹ -ας] τῆς ἀρχῆς
11. 49. **S**¹ ἐκράτησαν [**A R** ἐκέκραξαν, **S**² ἔκραξαν] πρὸς τὸν βασ.
14. 6. ἐκράτησε τῆς χώρας
15. 7. τὰ ὀχυρώματα . . . ὧν κρατεῖς
— 9. **S R** ὡς [**S**¹ ὧν] δ' ἂν κρατήσωμεν [**A** καταστήσωμεν] τῆς βασιλείας ἡμῶν
— 33. οὔτε ἀλλοτρίων κεκρατήκαμεν
II Ma. 4. 10. καὶ τῆς ἀρχῆς κρατήσας
— 27. ὁ δὲ Μεν. τῆς μὲν ἀρχῆς ἐκράτει
— 50. διὰ τὰς τῶν κρατούντων πλεονεξίας
5. 7. τῆς μὲν ἀρχῆς οὐκ ἐκράτησε
14. 2. κεκρατηκέναι τῆς χώρας
15. 37. κρατηθείσης τῆς πόλεως ὑπὸ τῶν Ἑβρ.
III Ma. 1. 1. τῶν ὑπ' αὐτοῦ κρατουμένων τόπων
5. 27. κατὰ πάντα ἀγνωσίᾳ κεκρατημένος
6. 25. **R** τίς τοὺς κρατήσαντας [**A** τοῦ κρ.] ἡμῶν . . . ἀποστήσας
IV Ma. 1. 5. εἰ τῶν παθῶν ὁ λογισμὸς κρατεῖ
— 6. οὐ γὰρ τῶν ἑαυτοῦ παθῶν ὁ λογισμὸς κρατεῖ
2. 6. τῶν ἐπιθυμιῶν κρατεῖν δύναται ὁ λογισμός
— 9. ὑπὸ τοῦ νόμου κρατεῖται διὰ τὸν λογισμόν
— 9. τῶν παθῶν ἐστιν ὁ λογισμὸς κρατῶν
— 10. ὁ γὰρ νόμος καὶ τῆς πρὸς γονεῖς εὐνοίας κρατεῖ
— 15. **A S** τῶν βιαιοτέρων δὲ παθῶν κρατεῖν [**R** ἐπικρ.]
— 20. εἰ μὴ γὰρ ἐδύνατο τῶν θυμῶν ὁ λογισμὸς κρατεῖν
— 24. **A R** πῶς οὖν . . . εἰ τῶν παθῶν ὁ λογισμὸς κρατεῖ λήθης καὶ ἀγνοίας οὐ κρατεῖ [**S** *om.* κρατεῖ . . . κρ.]
3. 1. ὁ λογισμὸς ἐπικρατεῖν [**S**² κρ.] φαίνεται
5. 23. ὥστε πασῶν τῶν ἡδονῶν . . . κρατεῖν
6. 32. εἰ γὰρ τὰ πάθη τοῦ λογισμοῦ κεκρατήκει
— 35. **AR** τῶν ἀλγηδόνων ἐπιδείκνυμι κεκρατηκέναι [**S** κρατεῖν] τὸν λογισμὸν ἀλλὰ καὶ τῶν ἡδονῶν κρατεῖν
7. 18. δύνανται κρατεῖν τῶν τῆς σαρκὸς παθῶν
14. 1. τῆς . . . φιλαδελφίας παθῶν κρατῆσαι
15. 26. δύο ψήφους κατοῦσα μήτηρ
16. 2. **S** οὐ μόνον τῶν παθῶν ἄνδρες ἐκράτησαν [**A R** ἐπεκρ.]
[Aq. Ps. 55 (56). 1: Ca. 7. 8 (9): Je. 8. 21: 46 (26). 9.]
[Sm. Ge. 22. 13: 49. 3: II Ki. 5. 8: Ec. 9. 11: Is. 33. 23: Je. 8. 21: 46 (26). 9: 52. 6: Ez. 26. 17.]
[Th. Jb. 23. 11: Ps. 76 (77). 5: Da. 5. 12†: 11. 2, 6.]
[Al. Dt. 32. 41: Pr. 31. 19.]
[Quint. Ps. 55 (56). 1.]

κρατερός.

[Sm. Ps. 48 (49). 15.]

κρατήρ. (1) אַגָּן (2) גָּבִיעַ

Ex. 24. 6. ἐνέχεεν εἰς κρατῆρας [A -ρα] (1)
25. 30 (31). οἱ κρ. . . . ἐξ αὐτῆς ἔσται (2)
— 32 (33). τρεῖς κρατῆρες ἐκτετυπωμένοι καρυΐσκους (2)
— 33 (34). τέσσαρες κρατῆρες ἐκτετυπωμένοι καρυΐσκους (2)
— 34 (35). τέσσαρες κρατῆρες ἐκτετυπωμένοι καρυΐσκους –
Pr. 9. 2. ἐκέρασεν εἰς κρατῆρα τὸν ἑαυτῆς οἶνον –
— 3. συγκαλοῦσα μετὰ ὑψηλοῦ κηρύγματος ἐπὶ κρατῆρα †
Ca. 7. 2 (3). ὀμφαλός σου κρατὴρ τορευτός (1)
[Sm. Is. 51. 17, 22: Je. 13. 12: 48 (31). 12.]

κράτησις.

Wi. 6. 3. ἐδόθη παρὰ τοῦ κυρίου ἡ κρ. ὑμῖν

κράτιστος, *vid.* κρείσσων.

κράτος. (1) אֵיתָן (2) אַמִּיץ (3) גֵּאוּת (4) *a.* חָזָק hi. *b.* חֲזָקָה (5) *a.* חֹסֶן *b.* חֵסֶן (6) עֹז (7) *a.* עֶצֶם *b.* עֹצֶם (8) רָשָׁף (9) תֹּקֶף

Ge. 49. 24. συνετρίβη μετὰ κράτους τὰ τόξα αὐτῶν (1)
De. 8. 17. καὶ τὸ κρ. τῆς χειρός μου (7 *b*)
Jd. 4. 3. ἔθλιψε τὸν Ἰσρ. κατὰ κράτος (4 *b*)
II Es. 8. 22. καὶ κράτος αὐτοῦ καὶ θυμὸς αὐτοῦ (6)
Ju. 2. 12. καὶ τὸ κρ. τῆς βασιλείας μου
5. 3. ἐν τίνι τὸ κρ. αὐτῶν
— 23. ἐν ᾧ οὐκ ἔστι δύναμις οὐδὲ κράτος
6. 3. ἀποστελεῖ τὸ κρ. αὐτοῦ
— 3. οὐχ ὑποστήσονται τὸ κρ. τῶν ἵππων ἡμῶν
9. 8. κάταξον τὸ κρ. αὐτῶν
— 9. δὸς . . . ὃ διενοήθην κράτος
— 11. οὐ γὰρ ἐν πλήθει τὸ κρ.
— 14. θεὸς πάσης δυνάμεως καὶ κράτους
11. 7. καὶ ζῇ τὸ κρ. αὐτοῦ
— 22. τοῦ γενηθῆναι ἐν χερσὶν ἡμῶν κράτος
13. 11. καὶ κράτος κατὰ τῶν ἐχθρῶν
Jb. 9. 19. ὅτι μὲν γὰρ ἰσχύει κράτει [? -εῖ, A S ἰσχύϊ κρατεῖ] (2)
12. 16. παρ' αὐτῷ κράτος καὶ ἰσχύς (6)
21. 23. ἐν κράτει ἀπλοσύνης [AS[4] ἀφροσύνης] αὐτοῦ (7 *a*)
Ps. 58 (59). 9. τὸ κρ. μου πρὸς σὲ φυλάξω (6)
61 (62). 11. τὸ κρ. τοῦ θεοῦ (6)
75 (76). 3. ἐκεῖ συνέτριψε τὰ κρ. τῶν τόξων (8)
85 (86). 16. δὸς τὸ κρ. σου τῷ παιδί σου (6)
88 (89). 9. σὺ δεσπόζεις τοῦ κρ. τῆς θαλάσσης (3)
89 (90). 11. τίς γινώσκει τὸ κρ. τῆς ὀργῆς σου (6)
Pr. 27. 24. οὐ τὸν αἰῶνα ἀνδρὶ κράτος (5 *a* ?)
Wi. 11. 21. κράτει βραχίονός σου τίς ἀντιστήσεται
12. 17. S[2] ἐν τοῖς εἰδόσι σου τὸ κρ. [A B S[1] *al.*]
15. 2. εἰδότες σου τὸ κρ. [S[1] κρίμα]
— 3. εἰδέναι σου τὸ κρ. ῥίζα ἀθανασίας
Si. 18. 5. κράτος μεγαλωσύνης αὐτοῦ τίς ἐξαριθμήσεται
29. 13. ὑπὲρ ἀσπίδα κράτους . . . πολεμήσει ὑπὲρ σοῦ
47. 5. ἔδωκεν ἐν τῇ δεξιᾷ αὐτοῦ κράτος
Is. 22. 21. τὸν στέφανόν σου δώσω αὐτῷ κατὰ [A S καὶ τὸ] κρ. †
40. 26. ἐν κράτει ἰσχύος αὐτοῦ οὐδέν σε ἔλαθε (2)
Da. LXX. 4. 27. ἐν ἰσχύϊ κράτους μου (5 *b*)
Da. TH. 4. 27. ἐν τῷ κρ. τῆς ἰσχύος μου (9)
11. 1. ἔστην εἰς κράτος καὶ ἰσχύν (4 *a*)
II Ma. 3. 34. τὸ μεγαλεῖον τοῦ θεοῦ κράτος
7. 17. θεώρει τὸ μεγαλεῖον αὐτοῦ κράτος
9. 17. καταγγέλλοντα τὸ τοῦ θεοῦ κρ.
11. 4. οὐδαμῶς ἐπιλογιζόμενος τὸ τοῦ θεοῦ κρ.
12. 28. R τὸν μετὰ κράτους συντρίβοντα τὰς . . . ἀλκάς [A ὁλκάς]
III Ma. 1. 27. τὸν πᾶν κρ. ἔχοντα
2. 6. ἐγνώρισας τὸ μέγα σου κρ.
3. 11. οὐ καθορῶν τὸ τοῦ μεγίστου θεοῦ κρ.
5. 13. δεῖξαι . . . κράτος ἔθνεσιν ὑπερηφάνοις
6. 5. ἔκδηλον δεικνὺς . . . τὸ σὸν κρ.
IV Ma. 6. 34. τὸ κρ. εἶναι τοῦ λογισμοῦ
[Aq. Ge. 49. 3: II Ki. 6. 14: Ps. 8. 3: 27 (28). 7: 28 (29). 1, 11: 60 (61). 4: 61 (62). 8: 77 (78). 61: 98 (99). 4: 150. 1: Pr. 18. 10, 19: Is. 26. 1: 51. 9.]
[Sm. Ps. 8. 3: 29 (30). 8: Pr. 8. 14: 24. 5: Is. 8. 11: 40. 26, 29: 42. 25: 51. 9: Ez. 34. 4.]
[Th. Jb. 21. 23: Pr. 10. 15: 18. 10: Is. 28. 6: 40. 26: 42. 25: 51. 9.]
[Al. Ge. 49. 3: Ps. 131 (132). 8: 139 (140). 8: Ez. 34. 4.]

κρατύνειν.

Wi. 14. 16. ἐν χρόνῳ κρατυνθὲν τὸ ἀσεβὲς ἔθος [S[1] ἔθνος]
[Sm. Ps. 26 (27). 14: 30 (31). 25: 63 (64). 6: Is. 35. 3.]
[Th. Ez. 27. 27.]
[Quint. Ps. 27 (28). 7.]

κραυάζειν (?).

To. 2. 13. A ἤρξατο κρ. [B S κράζειν]

κραυγάζειν. (1) רוּעַ hi.

II Es. 3. 13. ὁ λαὸς ἐκραύγασε φωνῇ μεγάλῃ (1)
[Sm. Je. 19. 7.]

κραυγή (κραυή). (1) בְּכִי (2) הֲנִיג (3) *a.* זַעַק *b.* זְעָקָה (4) מְרוֹם (5) צְוָחָה (6) צְעָקָה (7) קוֹל (8) רֶגַע (9) רַעַם (10) שְׁאוֹן (11) *a.* שָׁוַע pi. *b.* שִׁוָּעָה (12) תְּרוּעָה

Ge. 18. 20. κραυγὴ Σοδόμων . . . πεπλήθυνται (3 *b*)
— 21. εἰ κατὰ τὴν κρ. αὐτῶν . . . συντελοῦνται (6)
19. 13. ὑψώθη ἡ κρ. αὐτῶν (6)
Ex. 3. 8 (7). τῆς κρ. αὐτῶν ἀκήκοα (6)
— 9. κραυγὴ τῶν υἱῶν Ἰσρ. ἥκει πρὸς μέ (6)
11. 6. ἔσται κραυγὴ μεγάλη (6)
12. 30. ἐγενήθη κραυγὴ μεγάλη (6)
I Ki. 4. 6. ἤκουσαν οἱ ἀλλόφυλοι [A *add.* τὴν φωνὴν] τῆς κρ. (12)
— 6. τίς ἡ κρ. [A *add.* τοῦ ἀλαλαγμοῦ] ἡ μεγάλη αὕτη (12)
5. 12. ἀνέβη ἡ κρ. τῆς πόλεως εἰς τὸν οὐρανόν (11 *b*)
II Ki. 6. 15. μετὰ κραυγῆς καὶ μετὰ φωνῆς σάλπιγγος (12)
22. 7. καὶ ἡ κρ. μου ἐν τοῖς ὠσὶν αὐτοῦ (11 *b*)
III Ki. 12. 24. B ἐξῆλθεν ἡ κρ. εἰς ἀπαντήν –
I Es. 5. 63. μετὰ κραυγῆς καὶ κλαυθμοῦ μεγάλου
Ne. 5. 1. ἦν κραυγὴ τοῦ λαοῦ . . . μεγάλη (6)
— 6. καθὼς ἤκουσα τὴν κρ. αὐτῶν (3 *b*)
9. 9. καὶ τὴν κρ. αὐτῶν ἤκουσας (3 *b*)
Ju. 14. 19. καὶ ἐγένετο αὐτῶν κραυγή
Es. 4. 3. κραυγὴ καὶ κοπετός (1 ?)
Jb. 16. 19. μηδὲ εἴη τόπος τῇ κρ. [A τῆς κρ.] μου (4 ?)
34. 28. τοῦ ἐπαγαγεῖν ἐπ' αὐτὸν κραυγὴν πενήτων [A -ος] καὶ κραυγὴν πτωχῶν εἰσακούσεται (6, 6)
39. 25. σὺν ἅλματι καὶ κραυγῇ [S[1] *al.*] (12)
Ps. 5. 1. σύνες τῆς κρ. [A τῇ κρ.] μου (2)
9. 12. S οὐκ ἐπελάθετο τῆς κρ. [A φωνῆς, B δεήσεως] τῶν πενήτων (6)
17 (18). 6. ἡ κρ. μου ἐνώπιον αὐτοῦ εἰσελεύσεται (11 *b*)
101 (102). 1. ἡ κρ. μου πρὸς σὲ ἐλθάτω (11 *b*)
143 (144). 14. οὐδὲ κραυγὴ ἐν ταῖς ἐπαύλεσιν [S[2] πλατείαις] αὐτῶν (5)
Ec. 9. 17. ὑπὲρ κραυγὴν ἐξουσιαζόντων (3 *b*)
Am. 1. 14. καταφάγεται . . . μετὰ κραυγῆς (12)
2. 2. ἀποθανεῖται . . . μετὰ κραυγῆς (10)
Jn. 1. 2. ἀνέβη ἡ κρ. τῆς κακίας αὐτῆς πρὸς μέ –
2. 3. εἰσήκουσέ μου . . . κραυγῆς μου (11 *a*)
Ze. 1. 10. φωνὴ κραυγῆς ἀπὸ πύλης ἀποκεντούντων (6)
— 16. ἡμέρα σάλπιγγος καὶ κραυγῆς (12)
Is. 5. 7. οὐ δικαιοσύνην ἀλλὰ κραυγήν (6)
29. 6. A ἐπισκοπὴ γὰρ ἔσται μετὰ κραυγῆς [B S βροντῆς] (9)
30. 19. τὴν φωνὴν τῆς κρ. σου ἡνίκα εἶδεν (3 *a*)
58. 4. ἀκουσθῆναι ἐν κραυγῇ τὴν φωνὴν ὑμῶν (4 ?)
65. 19. φωνὴ κλαυθμοῦ καὶ φωνὴ κραυγῆς (3 *b*)
66. 6. A B S[2] φωνὴ κραυγῆς ἐκ πόλεως (10)
Je. 4. 19. κραυγὴν πολέμου καὶ ταλαιπωρίαν (12)
8. 19. ἰδοὺ φωνὴ κραυγῆς θυγατρὸς λαοῦ μου (11 *b*)
14. 2. ἡ κρ. τῆς Ἱερουσαλὴμ ἀνέβη (5)
18. 22. γενηθήτω κρ. ἐν ταῖς οἰκίαις αὐτῶν (3 *b*)
20. 16. ἀκουσάτω κραυγῆς τὸ πρωΐ (3 *b*)
26 (46). 12. τῆς κρ. σου ἐπλήσθη ἡ γῆ (5)
Je. 27 (50). 46. κρ. ἐν ἔθνεσιν ἀκουσθήσεται (3 *b*)
28 (51). 54. φωνὴ κραυγῆς ἐν Βαβυλῶνι (3 *b*)
29 (49). 21. κρ. θαλάσσης οὐκ [A κρ. σου ἐν θαλάσσῃ] ἠκούσθη (6)
31 (48). 5. κραυγὴν συντρίμματος ἠκούσατε [S -σα] (6)
— 34. αἴδε ἀπὸ [S[1] ἐπὶ] κραυγῆς Ἐσ. ἕως Αἰτάμ (3 *b*)
32 (25). 36. φωνὴ κραυγῆς τῶν ποιμένων (6)
38 (31). 35. ὁ δοὺς . . . κραυγὴν ἐν θαλάσσῃ (8)
Ez. 21. 22 (27). ὑψῶσαι φωνὴν μετὰ κραυγῆς (12)
27. 28. πρὸς τὴν κρ. τῆς φωνῆς [A π. τ. φωνὴν τῆς κρ.] σου (7 [3 *b*])
— 30. A ἀλλάξονται ἐπὶ σὲ τὴν κρ. αὐτῶν [B *al.*] (7)
Da. TH. Su. 26. ὡς δὲ ἤκουσαν τὴν κρ. ἐν τῷ παραδείσῳ
I Ma. 5. 31. AS ἡ κρ. τῆς πόλεως ἀνέβη . . . σάλπιγξι καὶ κρ. [R φωνῇ] μεγάλῃ
II Ma. 12. 37. καταρξάμενος . . . τὴν μεθ' ὕμνων κρ.
15. 29. γενομένης δὲ κρ. καὶ ταραχῆς
III Ma. 1. 16. κραυγῆς τε . . . τὸ ἱερὸν ἐμπλησάντων
— 28. ἐκ δὲ τῆς . . . τῶν ὄχλων συναγομένης κρ.
6. 23. ἀκούσας γὰρ τῆς κρ.
[Aq. Is. 15. 5, 8.]
[Sm. Ec. 9. 17: Is. 15. 8: Je. 48 (31). 34.]
[Th. Is. 15. 8: 32. 4.]

κρεάγρα. (1) יָעַ (2) *a.* מִזְלָג *b.* מַזְלֵג (3) סִיר

Ex. 27. 3. τὰς κρ. αὐτοῦ . . . ποιήσεις χαλκᾶ (2 *a*)
38. 23 (3). ἐποίησε . . . τὰς κρ. χαλκᾶς (2 *a*)
Nu. 4. 14. τὰ πυρεῖα καὶ τὰς κρ. (2 *a*)
I Ki. 2. 13. καὶ κρεάγρα τριόδους ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ (2 *b*)
— 14. ὃ ἐὰν ἀνέβῃ ἐν τῇ κρ. (2 *b*)
I Ch. 28. 17. καὶ τῶν κρ. καὶ σπονδείων (2 *a*)
II Ch. 4. 11. ἐποίησε Χ. τὰς κρ. (3)
— 16. τοὺς λέβητας καὶ τὰς κρ. (2 *a*)
Je. 52. 18. τὰς κρ. καὶ πάντα τὰ σκεύη τὰ χαλκᾶ (1 ?)

κρεανομεῖν. (1) נָתַח pi.

Le. 8. 19. τὸν κριὸν ἐκρεανόμησε κατὰ μέλη (1)

κρέας. (1) בָּשָׂר

Ge. 9. 4. κρέας ἐν αἵματι ψυχῆς οὐ φάγεσθε (1)
Ex. 12. 8. φάγονται τὰ κρ. . . . ὀπτὰ πυρί (1)
— 46. A οὐ καταλείψετε ἀπὸ τῶν κρ. –
— 46. οὐκ ἐξοίσετε . . . τῶν κρ. ἔξω (1)
16. 3. ἐπὶ τῶν λεβήτων τῶν κρ. (1)
— 8. ἑσπέρας κρέα φαγεῖν (1)
— 12. τὸ πρὸς ἑσπέραν ἔδεσθε κρέα (1)
21. 28. οὐ βρωθήσεται τὰ κρ. αὐτοῦ (1)
22. 31 (30). κρέας θηριάλωτον οὐκ ἔδεσθε (1)
29. 14. τὰ δὲ κρέα . . . κατακαύσεις (1)
— 31. ἑψήσεις τὰ κρ. ἐν τόπῳ ἁγίῳ (1)
— 32. ἔδονται . . . τὰ κρ. τοῦ κριοῦ (1)
— 34. ἐὰν δὲ καταλειφθῇ ἀπὸ τῶν κρ. (1)
Le. 6. 27 (20). πᾶς ὁ ἁπτόμενος τῶν κρ. αὐτῆς (1)
7. 5 (15). τὰ κρ. θυσίας αἰνέσεως σωτηρίου (1)
— 7 (17). τὸ καταλειφθὲν ἀπὸ τῶν κρ. τῆς θυσίας (1)
— 8 (18). ἐὰν δὲ φαγὼν φάγῃ ἀπὸ τῶν κρ. (1)
— 9 (19). κρέα ὅσα ἐὰν ἅψηται παντὸς ἀκαθάρτου (1)
— 9 (19). πᾶς καθαρὸς φάγεται κρέα (1)
— 10 (20). ἥτις ἐὰν φάγῃ ἀπὸ τῶν κρ. τῆς θυσίας (1)
— 11 (21). καὶ φάγῃ ἀπὸ τῶν κρ. τῆς θυσίας (1)
8. 17. A καὶ τὰ κρ. αὐτοῦ –
— 17. καὶ τὰ κρ. αὐτοῦ (1)
— 31. ἑψήσατε τὰ κρ. ἐν τῇ αὐλῇ τῆς σκηνῆς (1)
— 32. τὸ καταλειφθὲν τῶν κρ. (1)
9. 11. τὰ κρ. καὶ τὴν βύρσαν (1)
11. 8. ἀπὸ τῶν κρ. αὐτῶν οὐ φάγεσθε (1)
— 11. ἀπὸ τῶν κρ. αὐτῶν οὐκ ἔδεσθε (1)
16. 27. καὶ τὰ δέρματα αὐτῶν καὶ τὰ κρ. αὐτῶν (1)
22. 30. οὐκ ἀπολείψετε ἀπὸ τῶν κρ. εἰς τὸ πρωΐ †
Nu. 11. 4. τίς ἡμᾶς ψωμεῖ κρέα [B[1] κρέας] (1)
— 13. πόθεν μοι [A *om.*] κρέα (1)
— 13. δὸς ἡμῖν κρέα (1)
— 18. καὶ φάγεσθε κρέα (1)
— 18. τίς ἡμᾶς ψωμεῖ κρέα (1)
— 18. δώσει κύριος ὑμῖν κρέα φαγεῖν καὶ φάγεσθε κρέα (1, –)
— 20. ἕως ἂν ἐξέλθῃ ἐκ τῶν μυκτήρων ὑμῶν [B[1] *add.* κρέα] –
— 21. κρέα [A[2] -ας] δώσω αὐτοῖς φαγεῖν [A[2] *cm.*] (1)

Nu. 11. 33. τὰ κρ. ἔτι ἦν ἐν τοῖς ὀδοῦσιν αὐτῶν (1)
18. 18. τὰ κρ. ἔσται σοι (1)
19. 5. τὸ δέρμα καὶ τὰ κρ. αὐτῆς (1)
De. 12. 15. καὶ φάγῃ κρέα (1)
— 20. φάγομαι κρέα (1)
— 20. ὥστε φαγεῖν κρέα (1)
— 20. φάγῃ κρέα (1)
— 23. οὐ βρωθήσεται ἡ ψυχὴ μετὰ τῶν κρ. (1)
— 27. A R τὰ κρ. ἀνοίσεις ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον (1)
— 27. τὰ δὲ κρ. φάγῃ (1)
14. 8. ἀπὸ τῶν κρ. αὐτῶν οὐ φάγεσθε (1)
16. 4. οὐ κοιμηθήσεται ἀπὸ τῶν κρ. (1)
28. 53. κρέα υἱῶν σου καὶ θυγατέρων σου (1)
32. 42. R ἡ μάχαιρά μου φάγεται [A καταφ.] κρέα (1)
Jd. 6. 19. τὰ κρ. ἔθηκεν ἐν τῷ κοφίνῳ [A *al.*] (1)
— 20. λάβε τὰ κρ. (1)
— 21. ἥψατο τῶν κρ. (1)
— 21. κατέφαγε τὰ κρ. (1)
I Ki. 2. 13. ὡς ἂν ἥψηθη τὸ κρέας (1)
— 15. δὸς κρέας ὀπτῆσαι τῷ ἱερεῖ (1)
— 15. A R οὐ μὴ λάβω παρὰ σοῦ κρ. [B *om.*] ἑφθόν (1)
III Ki. 17. 6. A ἄρτους καὶ κρέας [B *om.* κ. κρ.] τὸ πρωῒ καὶ ἄρτον [B *om.* κ. ἅ.] καὶ κρέας [B -α] τὸ δείλης (1, 1)
Jb. 10. 11. δέρμα δὲ καὶ κρέας με ἐνέδυσας (1)
Ps. 49 (50). 13. μὴ φάγομαι κρέα ταύρων (1)
Pr. 23. 20. συμβολαῖς κρεῶν τε ἀγορασμοῖς (1)
Ho. 8. 13. ἐὰν θύσωσι θυσίαν καὶ φάγωσι κρέα (1)
Mi. 3. 3. ἐμέλισαν . . . ὡς κρέα εἰς χύτραν (1)
Hg. 2. 13 (12). ἐὰν λάβῃ ἄνθρωπος κρέας ἅγιον [S¹ ἄγριον] (1)
Za. 11. 16. καὶ τὰ κρ. τῶν ἐκλεκτῶν καταφάγεται (1)
Is. 22. 13. ὥστε φαγεῖν κρέα (1)
44. 16. ἐπ' αὐτοῦ κρ. ὀπτήσας ἔφαγε (1)
— 19. ὀπτήσας κρέα [A S -ας] ἔφαγε (1)
65. 4. οἱ ἔσθοντες κρ. ὕειον [AS κρέα ὑΐα] (1)
66. 17. ἔσθοντες κρέας [AS² -α] ὕειον [S¹ -α, S³ -ων] (1)
Je. 7. 21. φάγετε κρέα (1)
11. 15. μὴ εὐχαὶ καὶ κρέα ἅγια ἀφελοῦσιν (1)
37 (30). 16. κρέας αὐτῶν πᾶν ἔδονται †
Ez. 4. 14. R οὐδὲ εἰσελήλυθεν εἰς τὸ στόμα μου πᾶν κρ. ἕωλον [A²B¹ βέβηλον] (1)
11. 3. ἡμεῖς δὲ τὰ κρ. (1)
— 7. οὗτοί εἰσι τὰ κρ. (1)
— 11. A οὐ μὴ γένησθε ἐν μέσῳ αὐτῆς εἰς κρέα (1)
24. 10. ὅπως τακῇ [A ἐκτ.] τὰ κρ. (1)
39. 17. φάγεσθε κρέα (1)
— 18. κρέα γιγάντων φάγεσθε (1)
Da. LXX., TH. 10. 3. κρέας . . . οὐκ εἰσῆλθεν εἰς τὸ στόμα μου (1)
II Ma. 6. 18. ἠναγκάζετο φαγεῖν ὕειον κρ.
— 21. ἐνέγκαντα κρέα . . . δι' αὐτοῦ παρασκευασθέντα
— 21. τῶν ἀπὸ τῆς θυσίας κρ.
7. 1. ἀπὸ τῶν ἀθεμίτων ὑείων κρ. ἐφάπτεσθαι
IV Ma. 5. 2. καὶ κρ. ὑείων . . . ἀπογεύεσθαι
[Aq. Ge. 41. 2: Dt. 5. 26 (23): III Ki. 17. 6 *bis*: Jb. 12. 10: 19. 20: Ps. 26 (27). 2: 77 (78). 20.]
[Sm. III Ki. 17. 6 *bis*: Ps. 77 (78). 20: Is. 66. 17.]
[Th. III Ki. 17. 6 *bis*: Pr. 23. 20.]

κρείσσων, κρείττων, κράτιστος. (1) גֶּבֶר (2) *a.* טוֹב *b.* מֵיטַב (3) נָעִים (4) κράτιστος εἶναι שָׁפַר (5) κρείττων εἶναι נָעַם

Ex. 14. 12. κρεῖσσον γὰρ ἡμᾶς δουλεύειν τοῖς Αἰγ. (2 *a*)
Jd. 8. 2. B ἢ οὐχὶ κρεῖσσον [A κρείττω, R κρείττων] ἐπιφυλλὶς Ἐφρ. (2 *a*)
11. 25. A μὴ κρείσσων εἶ σὺ τοῦ B. [B *al.*] (2 *a*)
15. 2. A οὐκ *i.* ἡ ἀδελφὴ αὐ. . . . κρ. [B *al.*] (2 *a*)
I Ki. 15. 15. τὰ κράτιστα τοῦ ποιμνίου καὶ τῶν βοῶν (2 *b*)
III Ki. 19. 4. οὐ κρείσσων ἐγώ εἰμι ὑπὲρ τοὺς πατέρας μου (2 *a*)
Ju. 7. 27. AS κρεῖσσον γὰρ ἡμᾶς [B -ἶν] γενηθῆναι αὐτοῖς
Es. 1. 19. δότω ὁ βασ. γυναικὶ κρείττονι αὐτῆς (2 *a*)
Ps. 15 (16). 6. σχοινία ἐπέπεσάν [S ἔπεσάν] μοι ἐν τοῖς κρατίστοις καὶ γὰρ ἡ κληρονομία μου κρατίστη μοί ἐστιν (3, 4)
Ps. 22 (23). 5 (6). μεθύσκον ὡς [S² με ὡσεὶ] κράτιστον (2 *a*)
36 (37). 16. κρεῖσσον ὀλίγον τῷ δικαίῳ (2 *a*)
62 (63). 3. κρεῖσσον τὸ ἔλεός σου ὑπὲρ ζωάς (2 *a*)
83 (84). 10. κρείσσων [A -ον] ἡμέρα μία ἐν ταῖς αὐλαῖς σου (2 *a*)
Pr. 3. 14. κρεῖττον γὰρ αὐτὴν ἐμπορεύεσθαι (2 *a*)
8. 11. κρείσσων γὰρ σοφία λίθων πολυτελῶν (2 *a*)
— 19. κρείσσω [A κρεῖσσον] ἀργυρίου ἐκλεκτοῦ (2 *a*)
12. 2. κρείσσων ὁ εὑρὼν χάριν παρὰ κυρίῳ (2 *a*)
— 9. κρείσσων ἀνὴρ ἐν ἀτιμίᾳ δουλεύων ἑαυτῷ (2 *a*)
13. 12. A S R κρείσσων ἐναρχόμενος [B -οις, ? ἐν ἀρχ.] βοηθῶν [A S² -θεῖν] καρδίᾳ †
15. 16. κρείσσων μικρὰ μερίς (2 *a*)
— 17. κρείσσων ξενισμὸς . . . πρὸς φιλίαν (2 *a*)
— 29 (16. 8). κρείσσων ὀλίγη λῆψις μετὰ δικαιοσύνης (2 *a*)
16. 19. κρείσσων πραΰθυμος [A πρόθ.] μετὰ ταπεινώσεως (2 *a*)
— 32. κρείσσων ἀνὴρ μακρόθυμος ἰσχυροῦ (2 *a*)
— 32. κρείσσων καταλαμβανομένου πόλιν –
17. 1. κρείσσων ψωμὸς μεθ' ἡδονῆς ἐν εἰρήνῃ (2 *a*)
19. 22. κρείσσων δὲ πτωχὸς δίκαιος (2 *a*)
21. 9. κρεῖσσον οἰκεῖν ἐπὶ γωνίας ὑπαίθρου (2 *a*)
— 19. κρεῖσσον οἰκεῖν ἐν τῇ ἐρήμῳ (2 *a*)
24. 5. κρείσσων σοφὸς ἰσχυροῦ (1)
25. 7. κρεῖσσον γάρ σοι τὸ ῥηθῆναι (2 *a*)
— 24. B S κρεῖττον [A R κρεῖσσον] οἰκεῖν ἐπὶ γωνίας δώματος (2 *a*)
27. 5. κρείσσους ἔλεγχοι ἀποκεκαλυμμένοι κρυπτομένης φιλίας (2 *a*)
— 10. κρείσσων [A S -ον] φίλος ἐγγὺς ἢ ἀδελφὸς μακρὰν οἰκῶν (2 *a*)
28. 6. κρείσσων πτωχὸς πορευόμενος ἐν ἀληθείᾳ (2 *a*)
29. 1. κρείσσων ἀνὴρ ἐλέγχων ἀνδρὸς σκληροτραχήλου –
Wi. 4. 1. κρείσσων ἀτεκνία μετὰ ἀρετῆς
15. 17. κρείττων [A κρείσσων, S κρεῖσσον] γάρ ἐστι τῶν σεβασμάτων αὐτοῦ
Si. 10. 27. κρείσσων ἐργαζόμενος ἐν πᾶσιν
16. 3. S² κρείσσων γὰρ εἷς δίκαιος ποιῶν θέλημα κυρίου
— 3. κρείσσων γὰρ εἷς ἢ χίλιοι
18. 16. οὕτως κρείσσων λόγος ἢ δόσις
19. 24. κρείττων ἡττώμενος [B² ἠλαττωμένος] ἐν συνέσει
20. 31. κρείσσων [AS κρείττων] ἄνθρωπος ἀποκρύπτων τὴν μωρίαν αὐτοῦ
23. 27. οὐθὲν κρεῖττον φόβου κυρίου
29. 22. κρείσσων [S¹ -ον] βίος πτωχοῦ ὑπὸ σκέπην δοκῶν
30. 14. κρείσσων πτωχὸς ὑγιὴς καὶ ἰσχύων τῇ ἕξει
— 17. κρείσσων θάνατος ὑπὲρ ζωὴν πικράν
— 30 (33. 21). κρεῖσσον γάρ ἐστι τὰ τέκνα δεηθῆναί σου
36. 26 (23). A S R ἔστι δὲ θυγάτηρ θυγατρὸς κρείσσων [B -ον]
40. 28. κρεῖσσον ἀποθανεῖν ἢ ἐπαιτεῖν
41. 15. κρείσσων ἄνθρωπος ἀποκρύπτων τὴν μωρίαν αὐτοῦ
42. 14. κρείσσων πονηρία ἀνδρὸς ἢ ἀγαθοποιὸς γυνή
Am. 6. 2. τὰς κρατίστας ἐκ πασῶν τῶν βασιλειῶν τούτων (2 *a*)
Is. 56. 5. τόπον ὀνομαστὸν κρείττω [A S¹ κρείσσων] υἱῶν (2 *a*)
Ep. Je. 59. κρεῖσσον εἶναι βασιλέα . . . ἢ οἱ ψευδεῖς θεοί
— 68. τὰ θηρία ἐστὶ κρείττω αὐτῶν
— 73. κρ. οὖν ἄνθρωπος δίκαιος οὐκ ἔχων εἴδωλα
Ez. 32. 19. τίνος κρείττων εἶ (5)
Da. LXX. 1. 15. ἡ ἕξις τοῦ σώματος κρείσσων τῶν ἄλλων νεανίσκων (1 ?)
I Ma. 3. 59. κρεῖσσον ἡμᾶς ἀποθανεῖν
13. 5. οὐ γάρ εἰμι κρείσσων τῶν ἀδελφῶν μου
II Ma. 3. 2. τὸ ἱερὸν ἀποστολαῖς ταῖς κρατίσταις δοξάζειν
4. 12. τοὺς κρατίστους τῶν ἐφήβων
III Ma. 1. 2. τῶν . . . ὅπλων Πτολεμαϊκῶν τὰ κράτιστα
[Sm. Pr. 8. 19.]
[Th. Jd. 11. 25: 15. 2.]
[Al. Ps. 44 (45). 13.]
[Sext. Ps. 22 (23). 6.]

κρεμάζειν, κρεμᾶν, κρεμαννύναι. (1) חָזַק (2) נָתַן hoph. (3) תָּלָא (4) תָּלָה *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi.

Ge. 40. 19. κρεμάσει σε ἐπὶ ξύλου (4 *a*)
— 22. τὸν δὲ ἀρχισιτοποιὸν ἐκρέμασε (4 *a*)
41. 13. ἐκεῖνον δὲ κρεμασθῆναι (4 *a*)
De. 21. 22. καὶ κρεμάσητε [A -σῃ] αὐτὸν ἐπὶ ξύλου (4 *a*)
— 23. πᾶς κρεμάμενος ἐπὶ ξύλου (4 *a*)
28. 66. ἔσται ἡ ζωή σου κρεμαμένη [A κεκραμένη] (3)
Jo. 8. 29. τὸν βασιλέα τῆς Γαὶ ἐκρέμασεν (4 *a*)
10. 26. ἐκρέμασεν αὐτοὺς ἐπὶ πέντε ξύλων καὶ ἦσαν κρεμάμενοι ἐπὶ τῶν ξύλων (4 *a*, 4 *a*)
II Ki. 4. 12. καὶ ἐκρέμασαν αὐτούς (4 *a*)
18. 9. B ἐκρεμάσθη [A R περιεπλάκη] ἡ κεφαλὴ αὐτοῦ (1)
— 9. ἐκρεμάσθη ἀνὰ μέσον τοῦ οὐρανοῦ (2)
— 10. ἑώρακα τὸν Ἀβ. κρεμάμενον (4 *a*)
I Es. 6. 32. καὶ ἐπ' αὐτοῦ [A ἐπὶ τούτῳ] κρεμασθῆναι
Ju. 8. 24. ἐξ ἡμῶν κρέμαται ἡ ψυχὴ αὐτῶν
14. 1. κρεμάσατε αὐτὴν ἐπὶ τῆς ἐπάλξεως
— 11. ἐκρέμασαν τὴν κεφαλὴν Ὀλ. ἐκ τοῦ τείχους
Es. 2. 23. καὶ ἐκρέμασεν αὐτούς (4 *b*)
5. 14. κρεμασθήτω Μαρδ. ἐπὶ τοῦ ξύλου (4 *a*)
6. 4. εἰπεῖν τῷ βασ. κρεμάσαι τὸν Μαρδ. (4 *a*)
7. 10. καὶ ἐκρεμάσθη Ἀμάν (4 *a*)
8. 7. καὶ αὐτὸν ἐκρέμασα (4 *a*)
9. 13. ὥστε τοὺς δέκα [A *om.*] υἱοὺς Ἀ. κρεμάσαι [A -ασθῆναι] (4 *a*)
— 14. τὰ σώματα τῶν υἱῶν Ἀ. κρεμάσαι (4 *a*)
— 25. λέγων κρεμάσαι τὸν Μαρδ. –
— 25. καὶ ἐκρεμάσθη αὐτός (4 *a*)
Jb. 26. 7. κρεμάζων [A κρεμνῶν] γῆν ἐπὶ οὐδενός (4 *a*)
Ps. 136 (137). 2. ἐκρεμάσαμεν τὰ ὄργανα ἡμῶν (4 *a*)
Ca. 4. 4. χίλιοι θυρεοὶ κρέμανται ἐπ' αὐτόν (4 *a*)
La. 5. 12. ἄρχοντες ἐν χερσὶν αὐτῶν ἐκρεμάσθησαν (4 *b*)
Ez. 15. 3. τοῦ κρεμάσαι ἐπ' αὐτὸν [A -οῦ] πᾶν σκεῦος (4 *a*)
17. 23 (22). κρεμάσω αὐτὸν ἐν ὄρει μετεώρῳ Ἰσραήλ †
27. 10. περικεφαλαίας ἐκρέμασαν ἐν σοί (4 *c*)
— 11. τὰς φαρέτρας αὐτῶν ἐκρέμασαν (4 *c*)
I Ma. 1. 61. ἐκρέμασαν τὰ βρέφη
— 62. A πολλοὶ ἐν Ἰσρ. ἐκρεμάσθησαν [S R ἐκραταιώθησαν]
II Ma. 6. 10. ἐκ τῶν μαστῶν κρεμάσαντες τὰ βρέφη
15. 33. τὰ δ' ἐπίχειρα τῆς ἀνοίας . . . κρεμάσαι
[Aq. Dt. 21. 23: Ps. 136 (137). 2.]
[Sm. Nu. 25. 4: II Ki. 21. 6: Ps. 136 (137). 2.]
[Th. Dt. 21. 23.]
[Heb. Ge. 22. 13: Ez. 13. 18.]
[Al. Dt. 21. 23.]

κρεμαστός. (1) מְצָר

Jd. 6. 2. καὶ τὰ κρ. [A καὶ τοῖς ὀχυρώμασιν] (1)
III Ki. 7. 18. καὶ ἔργον κρ. . . . ἔργον κρ. †, †

κρεμνᾶν (?). (1) תָּלָה

Jb. 26. 7. A κρεμνῶν [B S κρεμάζων] γῆν ἐπὶ οὐδενός (1)

κρημνίζειν.

II Ma. 6. 10. κατὰ τοῦ τείχους ἐκρήμνισαν

κρημνός. (1) סֶלַע

II Ch. 25. 12. ἔφερον αὐτοὺς ἐπὶ τὸ ἄκρον τοῦ κρ. καὶ κατεκρήμνιζον αὐτοὺς ἀπὸ τοῦ ἄκρου τοῦ κρ. (1, 1)

κρήνη. (1) בְּרֵכָה

II Ki. 2. 13. A R συναντῶσιν αὐτοῖς ἐπὶ τὴν κρ. τὴν ἐν Γ. (1)
— 13. A R ἐκάθισαν οὗτοι ἐπὶ τὴν κρ. ἐντεῦθεν καὶ οὗτοι ἐπὶ τὴν κρ. ἐντεῦθεν [B *al.*] (1, 1)
4. 12. ἐκρέμασαν αὐτοὺς ἐπὶ τῆς κρ. (1)
III Ki. 3. 1. καὶ τὴν κρ. τῆς αὐλῆς
22. 38. ἀπένιψαν τὸ αἷμα [A ἅρμα] ἐπὶ τὴν κρ. Σαμ. (1)
IV Ki. 20. 20. τὴν κρ. καὶ τὸν ὑδραγωγόν (1)
Si. 48. 17. ᾠκοδόμησε κρήνας εἰς ὕδατα

κρηπίδωμα.

[Aq. Ez. 43. 14 *ter.*]

κρηπίς. (1) אוּלָם (2) גְּדֵיָה

Jo. 3. 15. ὁ δὲ Ἰορδ. ἐπλήρου καθ' ὅλην τὴν κρ. αὐτοῦ (2)
4. 18. ἐπορεύετο . . . δι' ὅλης τῆς κρ. (2)
I Ch. 12. 15. πεπληρωκὼς ἐπὶ πᾶσαν κρ. αὐτοῦ (2)
Jl. 2. 17. ἀνὰ μέσον τῆς κρ. τοῦ θυσιαστηρίου (1)
I Ma. 9. 43. ἦλθε . . . ἕως τῶν κρ. τοῦ Ἰορδάνου
II Ma. 10. 26. ἐπὶ τὴν ἀπέναντι τοῦ θυσιαστηρίου κρ. προσπεσόντες

κριθή. (1) שְׂעֹרָה

Ge. 26. 12. εὗρεν . . . ἑκατοστεύουσαν κριθήν †
Ex. 9. 31. τὸ δὲ λίνον καὶ ἡ κρ. ἐπλήγη (1)
— 31. ἡ γὰρ κρ. παρεστηκυῖα (1)
Le. 27. 16. κόρου κριθῶν πεντήκοντα δίδραχμα ἀργυρίου (1)
De. 8. 8. γῆ πυροῦ καὶ κριθῆς (1)
Ru. 1. 22. ἐν ἀρχῇ θερισμοῦ κριθῶν (1)
2. 17. ἐγενήθη ὡς οἰφὶ κριθῶν (1)
— 23. A B ἕως οὗ συντελεσεν [R τοῦ συντελέσαι] τὸν θερισμὸν τῶν κρ. (1)
3. 2. λικμᾷ τὸν ἅλωνα τῶν κρ. (1)
— 15. καὶ ἐμέτρησεν ἓξ κριθῶν (1)
— 17. τὰ ἓξ τῶν κρ. ταῦτα ἔδωκέ μοι (1)
II Ki. 14. 30. καὶ αὐτῷ ἐκεῖ κριθαί [A αὐ. κρ. εἰσι] (1)
17. 28. καὶ πυροὺς καὶ κριθάς (1)
21. 9. ἐν [A om.] ἀρχῇ θερισμοῦ κριθῶν (1)
— 10. ἐν ἀρχῇ θερισμοῦ κριθῶν –
III Ki. 4. 28 (5. 8). καὶ τὰς κρ. καὶ τὸ [A τὸν] ἄχυρον (1)
IV Ki. 7. 1. A B² R καὶ δίμετρον κριθῶν σίκλου (1)
— 16. καὶ δίμετρον κριθῶν σίκλου (1)
— 18. δίμετρον κριθῆς σίκλου (1)
I Ch. 11. 13. ἦν μερὶς τοῦ ἀγροῦ πλήρης κριθῶν (1)
II Ch. 2. 10 (9). καὶ κριθῶν κόρων εἴκοσι χιλιάδας (1)
— 15 (14). τὸν σῖτον καὶ τὴν κρ. (1)
27. 5. καὶ κριθῶν δέκα χιλιάδας (1)
Ju. 8. 2. ἐν ἡμέραις θερισμοῦ κριθῶν
Jb. 31. 40. ἀντὶ δὲ κριθῆς βάτος (1)
Ho. 3. 2. ἐμισθωσάμην . . . γομὸρ κριθῶν (1)
Jl. 1. 11. θρηνεῖτε κτήματα ὑπὲρ . . . κριθῆς (1)
Hg. 2. 17 (16). ἐνεβάλλετε εἰς κυψέλην κριθῆς εἴκοσι σάτα –
— 17 (16). καὶ ἐγένετο κριθῆς δέκα σάτα –
Is. 28. 25. πυρὸν καὶ κριθήν (1)
30. 24. ἄχυρα ἀναπεποιημένα ἐν κριθῇ λελικμημένῃ [A S -να] –
Je. 48 (41). 8. θησαυροὶ ἐν ἀγρῷ πυροὶ καὶ κριθαί (1)
Ez. 4. 9. λάβε σεαυτῷ πυροὺς καὶ κριθάς (1)
13. 19. ἕνεκεν δρακὸς κριθῶν (1)
45. 13. τὸ ἕκτον αὐτοῦ τοῦ οἰφὶ ἀπὸ τοῦ [A add. γομὸρ] κόρου τῶν κρ. (1)
[Aq., Sm. Je. 41 (48). 8: Ho. 3. 2 *bis*.]
[Th. Ho. 3. 2 *bis*.]
[Al. Le. 27. 16.]

κρίθινος. (1) שְׂעֹרָה

Nu. 5. 15. τὸ δέκατον τοῦ οἰφὶ ἄλευρον κρ. (1)
Jd. 5. 8. A ὡς ἄρτον κρ. †
7. 13. ἰδοὺ μαγὶς ἄρτου κρ. (1)
IV Ki. 4. 42. εἴκοσι ἄρτους κρ. (1)
Ez. 4. 12. ἐγκρυφίαν κρίθινον φάγεσαι αὐτά (1)

κρίκος. (1) אַגְמוֹן (2) אֶזֶן (3) וָו (4) קֶרֶס

Ex. 26. 6. ποιήσεις κρίκους πεντήκοντα χρυσοῦς (4)
— 6. συνάψεις τὰς αὐλαίας . . . τοῖς κρ. (4)
— 11. ποιήσεις κρίκους χαλκοῦς πεντήκοντα (4)
— 11. συνάψεις τοὺς κρ. ἐκ τῶν ἀγκυλῶν (4)
27. 10. οἱ κρ. αὐ. καὶ αἱ ψαλίδες ἀργυραῖ (3)
— 11. οἱ κρ. καὶ αἱ ψαλίδες τῶν στύλων (3)
37. 6 (36. 38). τοὺς στύλους αὐτῶν πέντε καὶ τοὺς κρ. [A κρ. αὐτῶν] (3)
38. 19. τοὺς κρ. τῆς σκηνῆς χρυσοῦς –
— 19. καὶ τοὺς κρ. τῆς αὐλῆς καὶ κρίκους εἰς τὸ ἐκτείνειν –, –
Jb. 38. 6. ἐπὶ τίνος οἱ κρ. [A στῦλοι] αὐτῆς πεπήγασι (2)
40. 21 (26). εἰ [A καὶ, R ἢ] δήσεις κρίκον [A εἰλήσεις κλοιόν] (1)
Is. 58. 5. οὐδ' ἂν κάμψῃς ὡς κρίκον τὸν τράχηλόν σου (1)
[Aq. Ex. 35. 11.]
[Sm. Is. 37. 29.]
[Th. Jb. 40. 21 (26).]
[Al. Ex. 26. 33.]

κρίμα. (1) *a.* אֵמֶר *b.* אִמְרָה (2) דָּבָר (3) דִּין (4) *a.* חֹק *b.* חֻקָּה (5) פֻּשַׁר (6) צְדָקָה (7) *a.* שְׁפָט *b.* מִשְׁפָּט *c.* שֶׁפֶט po.

Ex. 18. 22. τὰ δὲ βραχέα τῶν κρ. κρινοῦσιν αὐτοί (2)
23. 6. οὐ διαστρέψεις κρίμα πένητος (7 *b*)
Le. 18. 4. τὰ κρ. μου ποιήσετε (7 *b*)
— 5. φυλάξεσθε . . . πάντα τὰ κρ. μου (7 *b*)
20. 22. φυλάξασθε . . . τὰ κρ. μου (7 *b*)
26. 15. καὶ τοῖς κρ. μου προσοχθίσῃ ἡ ψυχὴ ὑμῶν (7 *b*)
— 43. τὰ κρ. μου ὑπερεῖδον (7 *b*)
— 46. ταῦτα τὰ κρ. μου (4 *a*)
Nu. 35. 24. κρινεῖ ἡ συναγωγὴ . . . κατὰ τὰ κρ. ταῦτα (7 *b*)
— 29. ἔσται ταῦτα ὑμῖν εἰς δικαίωμα κρίματος (7 *b*)
36. 13. τὰ δικαιώματα καὶ τὰ κρ. (7 *b*)
De. 4. 1. ἄκουε . . . τῶν κρ. [A ῥημάτων] (7 *b*)
— 8. δικαιώματα καὶ κρ. δίκαια (7 *b*)
— 45. A B² R καὶ τὰ κρ. (7 *b*)
5. 1. ἄκουε Ἰσραὴλ . . . τὰ κρ. (7 *b*)
— 31 (28): 6. 1. τὰ δικαιώματα καὶ τὰ κρ. (7 *b*)
6. 3. τὰ δικαιώματα καὶ τὰ κρ. –
— 20. τὰ δικαιώματα καὶ τὰ κρ. (7 *b*)
— 24. A τὰς ἐντολὰς καὶ τὰ κρ. [B *al.*] (4 *a*)
7. 11. τὰ δικαιώματα καὶ τὰ κρ. ταῦτα [B¹ αὐτοῦ] (7 *b*)
8. 11. τὰ κρ. καὶ τὰ δικαιώματα αὐτοῦ (7 *b*)
12. 1. A τὰ προστάγματα καὶ τὰ κρ. [B αἱ κρίσεις] (7 *b*)
21. 22. ἁμαρτία κρίμα θανάτου (7 *b*)
26. 16. ποιῆσαι . . . τὰ κρ. (7 *b*)
— 17. φυλάσσεσθαι . . . τὰ κρ. (7 *b*)
32. 41. ἀνθέξεται κρίματος ἡ χείρ μου (7 *b*)
Jd. 13. 12. A τί ἔσται τὸ κρ. τοῦ παιδαρίου [B *al.*] (7 *b*)
I Ki. 2. 10. καὶ ποιεῖν κρίμα –
II Ki. 8. 15. A R ἦν Δαυὶδ [B *om.*] ποιῶν κρίμα (7 *b*)
22. 23. πάντα τὰ κρ. αὐτοῦ κατεναντίον μου (7 *b*)
III Ki. 2. 3. φυλάσσειν . . . τὰ κρ. (7 *b*)
3. 11. τοῦ εἰσακούειν κρίμα (7 *b*)
— 28. ἤκουσαν πᾶς Ἰσρ. τὸ κρ. τοῦτο (7 *b*)
6. 12. A καὶ τὰ κρ. μου ποιῇς (7 *b*)
10. 9. τοῦ ποιεῖν κρίμα ἐν δικαιοσύνῃ [A καὶ δικαιοσύνην] καὶ ἐν κρίμασιν αὐτῶν (7 *b*, –)
18. 28. A κατετέμνοντο κατὰ τὸ κρ. αὐτῶν [B *om.* κ. τὸ κρ. αὐ., R *al.*] (7 *b*)
IV Ki. 11. 14. εἱστήκει ὁ βασ. . . . κατὰ τὸ κρ. (7 *b*)
17. 26. οὐκ ἔγνωσαν τὸ κρ. [A τὰ κρ.] τοῦ θεοῦ (7 *b*)
— 26. οὐκ οἴδασι τὸ κρ. τοῦ θεοῦ (7 *b*)
— 27. A R φωτιοῦσιν αὐτοὺς τὸ κρ. τοῦ θεοῦ [B *om.* τ. θ.] τῆς γῆς (7 *b*)
— 33. κατὰ τὸ κρ. τῶν ἐθνῶν (7 *b*)
— 34. ἐποίουν κατὰ τὸ κρ. αὐτῶν (7 *b*)
— 37. τὰ δικαιώματα καὶ τὰ κρ. (7 *b*)
— 40. A R οὐκ ἀκούσεσθε ἐπὶ [B ἔτι] τῷ κρ. αὐτῶν (7 *b*)
I Ch. 15. 13. οὐκ ἐζητήσαμεν ἐν κρίματι (7 *b*)
16. 12. καὶ κρίματα τοῦ στόματος αὐτοῦ (7 *b*)
— 14. ἐν πάσῃ τῇ γῇ τὰ κρ. αὐτοῦ (7 *b*)
18. 14. ἦν ποιῶν κρίμα (7 *b*)
22. 13. τοῦ ποιεῖν . . . τὰ κρ. (7 *b*)
28. 7. τοῦ φυλάξασθαι . . . τὰ κρ. μου (7 *b*)
II Ch. 4. 7. κατὰ τὸ κρ. αὐτῶν (7 *b*)
— 20. κατὰ τὸ κρ. (7 *b*)
6. 39. καὶ ποιήσεις κρίματα (7 *b*)
7. 17. καὶ τὰ κρ. μου φυλάξῃ (7 *b*)
9. 8. τοῦ ποιῆσαι κρίμα [A κρίσιν] (7 *b*)
19. 10. καὶ δικαιώματα καὶ κρίματα (7 *b*)
24. 24. μετὰ Ἰωὰς ἐποίησε κρίματα (7 *a*)
30. 16. κατὰ τὸ κρ. αὐτῶν (7 *b*)
33. 8. κατὰ πάντα νόμον . . . καὶ τὰ κρ. (7 *b*)
I Es. 8. 7. δικαιώματα καὶ [A πάντα τὰ δ. κ. τὰ] κρίματα –
9. 4. καὶ τὸ κρ. τῶν προκαθημένων πρεσβυτέρων
II Es. 7. 10. A R προστάγματα καὶ κρίματα [B κρίμα] (7 *b*)
— 26. τὸ κρ. ἔσται γινόμενον ἐξ αὐτοῦ (3)
Ne. 1. 7. τὰ προστάγματα καὶ τὰ κρ. (7 *b*)
8. 18. A S² R κατὰ τὸ κρ. (7 *b*)
9. 13. ἔδωκας αὐτοῖς κρ. εὐθέα (7 *b*)
— 29. B S ἐν τοῖς [A R *om.* ἐν τ.] κρ. σου ἡμάρτοσαν (7 *b*)
Ne. 10. 29 (30). A B καὶ κρίματα [S R τὰ κρ.] αὐ. (7 *b*)
Jb. 9. 15. τοῦ κρ. αὐτοῦ δεηθήσομαι (7 *c*)
— 19. τίς οὖν κρίματι αὐτοῦ ἀντιστήσεται (7 *b*)
13. 18. ἐγγύς εἰμι τοῦ κρ. μου (7 *b*)
14. 3. εἰσελθεῖν ἐν κρίματι (7 *b*)
19. 7. κεκράξομαι καὶ οὐδαμοῦ κρίμα (7 *b*)
— 29. εὐλαβήθητε δὴ καὶ ὑμεῖς ἀπὸ ἐπικαλύμματος [S² κρίματος ἐ., A κρίματος] †
23. 4. εἴποιμι [S¹ ἴδοιμι] δὲ ἐμαυτοῦ [A S² ἐπ' αὐτοῦ] κρίμα (7 *b*)
— 7. ἐξαγάγοι δὲ εἰς τέλος τὸ κρ. μόν (7 *b*)
29. 14. ἠμφιασάμην δὲ κρίμα ἴσα διπλοΐδι (7 *b*)
31. 13. εἰ δὲ καὶ ἐφαύλισα κρίμα θεράποντός μου (7 *b*)
32. 9. οὐδ' οἱ γέροντες οἴδασι κρίμα (7 *b*)
34. 5. ὁ κύριος ἀπήλλαξέ μου τὸ κρ. (7 *b*)
— 6. ἐψεύσατο δὲ τῷ κρ. μου (7 *b*)
36. 6. κρίμα πτωχῶν δώσει (7 *b*)
— 15. κρίμα δὲ πραέων ἐκθήσει †
— 17. οὐχ ὑστερήσει δὲ ἀπὸ δικαίων κρίμα (3)
40. 3 (8). μὴ ἀποποιοῦ μου τὸ κρ. (7 *b*)
Ps. 9. 16. γινώσκεται κύριος κρίματα ποιῶν (7 *b*)
— 26 (10. 5). ἀνταναιρεῖται τὰ κρ. σου (7 *b*)
16 (17). 2. τὸ κρ. μου [S¹ μοι] ἐξέλθοι (7 *b*)
17 (18). 22. πάντα τὰ κρ. αὐτοῦ ἐνώπιόν μου (7 *b*)
18 (19). 9. τὰ κρ. κυρίου ἀληθινά (7 *b*)
35 (36). 6. τὰ κρ. σου ὡσεὶ [A S *om.*] ἄβυσσος πολλή (7 *b*)
36 (37). 6. ἐξοίσει . . . τὸ κρ. σου ὡς μεσημβρίαν (7 *b*)
47 (48). 11. ἕνεκα τῶν κρ. σου (7 *b*)
71 (72). 1. τὸ κρ. σου τῷ βασιλεῖ δός (7 *b*)
80 (81). 4. καὶ κρίμα τῷ θεῷ Ἰακώβ (7 *b*)
88 (89). 14. κρίμα ἑτοιμασία τοῦ θρόνου σου (7 *b*)
— 30. καὶ τοῖς κρ. μου μὴ πορευθῶσιν (7 *b*)
96 (97). 2. δικαιοσύνη καὶ κρίμα κατόρθωσις τοῦ θρόνου αὐτοῦ (7 *b*)
— 8. ἠγαλλιάσαντο . . . ἕνεκεν τῶν κρ. σου (7 *b*)
102 (103). 6. καὶ κρίμα πᾶσι τοῖς ἀδικουμένοις (7 *b*)
104 (105). 5. καὶ τὰ κρ. τοῦ στόματος αὐτοῦ (7 *b*)
— 7. ἐν πάσῃ τῇ γῇ τὰ κρ. αὐτοῦ (7 *b*)
118 (119). 7. ἐν τῷ μεμαθηκέναι με τὰ κρ. τῆς δικαιοσύνης σου (7 *b*)
— 13. ἐξήγγειλα πάντα τὰ κρ. τοῦ στόματός σου (7 *b*)
— 20. τοῦ ἐπιθυμῆσαι τὰ κρ. [S¹ εἰς τὰ δικαιώματά] σου (7 *b*)
— 30. τὰ κρ. σου οὐκ ἐπελαθόμην (7 *b*)
— 39. τὰ κρ. σου χρηστά (7 *b*)
— 43. ἐπὶ τοῖς κρ. [S¹ τὰ κρ.] σου ἐπήλπισα (7 *b*)
— 52. ἐμνήσθην τῶν κρ. σου ἀπ' αἰῶνος, κύριε (7 *b*)
— 62. ἐπὶ τὰ κρ. τῆς δικαιοσύνης σου (7 *b*)
— 75. δικαιοσύνη τὰ κρ. σου (7 *b*)
— 102. ἀπὸ τῶν κρ. [S¹ κλιμ.] σου οὐκ ἐξέκλινα (7 *b*)
— 106. τοῦ φυλάξασθαι τὰ κρ. τῆς δικαιοσύνης σου (7 *b*)
— 108. τὰ κρ. σου δίδαξόν με (7 *b*)
— 120. ἀπὸ γὰρ τῶν κρ. σου ἐφοβήθην (7 *b*)
— 121. ἐποίησα κρίμα καὶ δικαιοσύνην (7 *b*)
— 132. κατὰ τὸ κρ. τῶν ἀγαπώντων τὸ ὄνομά σου (7 *b*)
— 149. κατὰ τὸ κρ. σου ζῆσόν με (7 *b*)
— 156. κατὰ τὸ κρ. [S¹ τὰ κρ.] σου ζῆσόν με (7 *b*)
— 160. πάντα τὰ κρ. τῆς δικαιοσύνης σου (7 *b*)
— 164. ἐπὶ τὰ κρ. τῆς δικαιοσύνης σου (7 *b*)
— 170. A κατὰ τὸ κρ. σου ζῆσόν με [S R *al.*] (1 *b*)
— 175. τὰ κρ. σου βοηθήσει μοι (7 *b*)
145 (146). 7. ποιοῦντα κρίμα τοῖς ἀδικουμένοις (7 *b*)
147. 8 (19). δικαιώματα καὶ κρίματα αὐ. τῷ Ἰσρ. (7 *b*)
— 9 (20). τὰ κρ. αὐτοῦ οὐκ ἐδήλωσεν αὐτοῖς (7 *b*)
149. 9. τοῦ ποιῆσαι ἐν αὐτοῖς κρίμα ἔγγραπτον (7 *b*)
Pr. 1. 3. καὶ κρίμα κατευθύνειν (7 *b*)
2. 9. συνήσεις δικαιοσύνην καὶ κρίμα (7 *b*)
8. 8. A μετὰ δικαιοσύνης πάντα τὰ κρ. [B S ῥήματα] τοῦ στόματός μου (1 *a*)
12. 5. λογισμοὶ δικαίων κρίματα (7 *b*)
21. 15. A S R εὐφροσύνη δικαίων ποιεῖν [B ποιεῖ] κρίμα (7 *b*)
28. 5. ἄνδρες κακοὶ οὐ συνήσουσι [B² S νοήσουσιν] κρίμα (7 *b*)
Ec. 5. 7. ἐὰν . . . ἁρπαγὴν κρίματος . . . ἴδῃς ἐν χώρᾳ (7 *b*)
Wi 12. 12. τίς ἀντιστήσεται τῷ κρ. σου
15. 2. S¹ εἰδότες σου τὸ κρ. [A B S² κράτος]
Si. 17. 12. τὰ κρ. αὐτοῦ ὑπέδειξεν αὐτοῖς

Si. 18. 14. τοὺς κατασπεύδοντας ἐπὶ τὰ κρ. αὐτοῦ
19. 25. ἔστι διαστρέφων χάριν τοῦ ἐκφᾶναι κρίμα
20. 4. οὕτως ὁ ποιῶν ἐν [S¹ om.] βίᾳ κρίματα
21. 5. τὸ κρ. αὐτοῦ κατὰ σπουδὴν ἔρχεται
30. 20. B² οὕτως ὁ ποιῶν ἐν βίᾳ κρίματα
35 (32). 16. οἱ φοβούμενοι κύριον εὑρήσουσι κρῖμα [S¹ χάριν]
38. 22. μνήσθητι τὸ κρ. αὐτοῦ [A μου, S om.]
— 33. διαθήκην κρίματος οὐ [S¹σου] διανοηθήσονται οὐδὲ μὴ ἐκφανῶσι δικαιοσύνην [A S παιδίαν] καὶ κρίμα
41. 2. καλόν [S² ὡς κ.] σου τὸ κρ. ἐστιν
— 3. μὴ εὐλαβοῦ κρίμα θανάτου
— 3. τοῦτο τὸ [A om.] κρ. παρὰ κυρίου πάσῃ σαρκί
42. 2. περὶ κρίματος δικαιῶσαι τὸν ἀσεβῆ
— 15. S² γέγονεν ἐν εὐλογίᾳ αὐτοῦ κρίμα
43. 10. A S R ἐν λόγοις ἁγίου [B -ίοις] στήσονται κατὰ κρίμα [? κατάκρ.]
— 13. ταχύνει ἀστραπὰς κρίματος αὐτοῦ
45. 5. διδᾶξαι . . . κρίματα αὐτοῦ τὸν Ἰσραήλ
— 17. ἐξουσίαν ἐν διαθήκαις κριμάτων
48. 7. ἐν Χωρὴβ κρίματα ἐκδικήσεως
Ho. 2. 19 (21). ἐν κρίματι καὶ ἐν ἐλέει (7 b)
5. 1. διότι πρὸς ὑμᾶς ἐστι τὸ κρ. (7 b)
— 11. κατεπάτησε τὸ [A om.] κρ. (7 b)
6. 6 (5). καὶ τὸ κρ. μου ὡς φῶς ἐξελεύσεται (7 b)
10. 4. ἀνατελεῖ ὡς ἄγρωστις κρίμα (7 b)
12. 6 (7). ἔλεον καὶ κρίμα φυλάσσου (7 b)
Am. 5. 7. ὁ ποιῶν εἰς ὕψος κρίμα (7 b)
— 15. καὶ ἀποκαταστήσατε ἐν πύλαις κρίμα (7 b)
— 24. καὶ κυλισθήσεται ὡς ὕδωρ κρίμα (7 b)
6. 13 (12). ἐξεστρέψατε εἰς θυμὸν κρίμα (7 b)
Mi. 3. 1. οὐχ ὑμῖν ἐστι τοῦ γνῶναι τὸ κρ. (7 b)
— 8. ἐν πνεύματι κυρίου καὶ κρίματος (7 b)
— 9. οἱ βδελυσσόμενοι κρίμα (7 b)
6. 8. ἀλλ' ἢ τοῦ ποιεῖν κρίμα (7 b)
7. 9. καὶ ποιήσει [A ἀποίσει] τὸ κρ. μου (7 b)
Hb. 1. 4. καὶ οὐ διεξάγεται εἰς τέλος κρίμα (7 b)
— 4. ἐξελεύσεται τὸ κρ. διεστραμμένον (7 b)
— 7. ἐξ αὐτοῦ τὸ κρ. αὐτοῦ ἔσται (7 b)
— 12. εἰς κρίμα τέταχας αὐτό [A αὐτόν] (7 b)
Ze. 2. 3. κρίμα ἐργάζεσθε (7 b)
3. 5. πρωὶ πρωὶ δώσει κρίμα [A τὸ κρ.] αὐτοῦ (7 b)
— 8. τὸ κρ. μου εἰς συναγωγὰς ἐθνῶν (7 b)
Za. 7. 9. κρίμα δίκαιον κρίνατε (7 b)
8. 16. κρίμα εἰρηνικὸν [A δίκαιον] κρίνατε (7 b)
Is. 1. 27. μετὰ γὰρ κρίματος σωθήσεται (7 b)
5. 16. ὑψωθήσεται κύριος σαβαὼθ ἐν κρίματι (7 b)
9. 7 (6). ἐν κρίματι καὶ ἐν δικαιοσύνῃ [A S δ. κ. ἐν κρ.] (7 b [6])
10. 2. ἁρπάζοντες κρ. [S -ματα] πενήτων τοῦ λαοῦ μου (7 b)
16. 5. κρίνων καὶ ἐκζητῶν κρίμα (7 b)
28. 26. παιδευθήσῃ κρίματι θεοῦ σου [S¹ κρ. θ. σ.] (7 b)
32. 16. ἀναπαύσεται ἐν τῇ ἐρήμῳ κρ. (7 b)
Je. 4. 12. λαλῶ κρίματα πρὸς αὐτούς (7 b)
5. 1. εἰ ἔστι ποιῶν κρ. (7 b)
7. 5. A ποιοῦντες ποιήσητε κρ. [B S κρίσιν] (7 b)
8. 7. ὁ δὲ λαός μου οὐκ ἔγνω τὰ κρ. κυρίου (7 b)
9. 24 (23). A²BS ἐγώ εἰμι κύριος ὁ ποιῶν ἔλεος καὶ κρ. (7 b)
12. 1. κρίματα λαλήσω πρὸς σέ (7 b)
21. 12. κρίνατε πρωὶ κρ. (7 b)
22. 13. ὁ οἰκοδομῶν . . . τὰ ὑπερῷα αὐτοῦ οὐκ ἐν κρίματι (7 b)
— 15. βέλτιόν [A S add. ἦν] σε ποιεῖν κρ. (7 b)
23. 5. ποιήσει κρ. καὶ δικαιοσύνην ἐπὶ τῆς γῆς (7 b)
26 (46). 28. παιδεύσω σε εἰς κρ. [A κρίσιν] (7 b)
28 (51). 9. ἤγγικεν εἰς οὐρανὸν τὸ κρ. αὐτῆς (7 b)
— 10. ἐξήνεγκε κύριος τὸ κρ. αὐτοῦ (6)
37 (30). 18. ὁ λαὸς κατὰ τὸ κρ. αὐ. καθεδεῖται (7 b)
39 (32). 7. A S σοὶ κρ. [B κρίσις] παραλαβεῖν εἰς κτῆσιν (7 b)
— 8. σοὶ κρ. κτήσασθαι αὐτόν [A al.] (7 b)
Ez. 5. 8. ποιήσω ἐν μέσῳ σου κρ. ἐνώπιον τῶν ἐθνῶν (7 b)
— 10. ποιήσω ἐν σοὶ κρίματα (7 a)
— 15. ἐν τῷ ποιῆσαί με ἐν σοὶ κρίματα (7 a)
7. 27. ἐν [A om.] τοῖς κρ. αὐ. ἐκδικήσω αὐτούς (7 b)
11. 9. ποιήσω ἐν ὑμῖν κρίματα (7 a)
18. 5. A R ὁ ποιῶν κρ. καὶ [B om. κρ. κ.] δικαιοσύνην (7 b)
— 8. κρ. δίκαιον ποιήσει (7 b)
— 27. ποιήσῃ κρ. καὶ δικαιοσύνην (7 b)
22. 29. οὐκ ἀναστρεφόμενοι μετὰ κρίματος (7 b)
Ez. 23. 24. δώσω πρὸ προσώπου αὐ. κρ. καὶ ἐκδικήσουσί σε ἐν τοῖς κρ. αὐ. (7 b, 7 b)
28. 22. ἐν τῷ ποιῆσαί με ἐν σοὶ κρίματα (7 a)
— 26. ὅταν ποιήσω κρ. (7 a)
30. 19. ποιήσω κρ. ἐν Αἰγύπτῳ (7 a)
33. 2. A ἐφ' ἣν ἂν ἐπαγάγω κρ. αἵματος [B ἐπάγω ῥομφαίαν] †
— 14. ποιήσῃ κρ. καὶ δικαιοσύνην (7 b)
— 16. κρ. καὶ δικαιοσύνην ἐποίησεν (7 b)
— 19. ποιήσῃ κρ. καὶ δικαιοσύνην (7 b)
34. 16. βοσκήσω αὐτὰ μετὰ κρίματος (7 b)
36. 27. τὰ κρ. μου φυλάξησθε (7 b)
37. 24. τὰ κρ. μου φυλάξονται (4 b)
44. 24. τὰ κρ. μου κρινοῦσι (7 b)
45. 9. κρ. καὶ δικαιοσύνην ποιήσατε (7 b)
Da. LXX. Su. 9. μηδὲ μνημονεύειν κρ. δικαίων
3. (28). καὶ κρίματα ἀληθείας ἐποίησας
9. 5. παρέθημεν . . . τὰ κρ. σου (7 b)
Da. TH. Su. 9. μηδὲ μνημονεύειν κρ. δικαίων
3. (28). κρίματα ἀληθείας ἐποίησας
5. 16. δύνασαι κρίματα συγκρῖναι (5)
7. 22. τὸ κρ. ἔδωκεν ἁγίοις ὑψίστου (3)
9. 5. ἐξεκλίναμεν . . . ἀπὸ τῶν κρ. σου (7 b)
— 26. κρίμα οὐκ ἔστιν ἐν αὐτῷ –
I Ma. 2. 24. ἀνήνεγκε θυμὸν κατὰ τὸ κρ.
— 29. ζητοῦντες δικαιοσύνην καὶ κρίμα
[Aq. Dt. 33. 10: III Ki. 18. 28: Jb. 34. 5: Ps. 88 (89). 15: 149. 9: Is. 28. 26: 32. 1: 61. 8: Je. 49. 12 (29. 13): 52. 9: Ez. 5. 6: 20. 11: 21. 27 (32): 23. 10.]
[Sm. Jb. 34. 5: Ps. 7. 7: 88 (89). 15: 98 (99). 4: 118 (119). 121: Is. 5. 16: 28. 26: 32. 1: Je. 22. 15: 49. 12 (29. 13): Ez. 18. 8, 17: 20. 11.]
[Th. Jd. 13. 12: Jb. 9. 15: 34. 23: Is. 5. 16: 28. 26: 32. 1: Je. 33 (40). 15: 39 (46). 5: 48 (31). 47: 49. 12 (29. 13): Ez. 5. 6: 18. 17: 20. 11: 23. 10: Da. 9. 26.]
[Al. I Ki. 2. 13: 8. 9: Ps. 9. 17.]

κρίνειν. (1) אָשַׁם hi. (2) בָּחַן (3) *a.* דִּין qal. *b.* ni. *c.* pe. *d.* דִּין subst. *e.* דַּיָּן *f.* **κρ. εἰκῇ** גָּרָה מָדוֹן (4) דָּרַשׁ (5) כּוּן hi. (6) מַשְׁאֵת (7) הַחֲוָא פְּשַׁר (8) רִיב *a.* verb. *b.* subst. *c.* רוּב (9) שָׁמַע (10) שָׁפַט *a.* qal. *b.* ni. *c.* מִשְׁפָּט *d.* בַּעַל מִשְׁפָּט (11) שׂוּם טְעַם (12) חָתַךְ ni. (13) **δίκαιον κρ.** צָדַק hi.

Ge. 15. 14. τὸ δὲ ἔθνος . . . κρινῶ ἐγώ (3 a)
16. 5. κρίναι ὁ θεὸς ἀνὰ μέσον ἐμοῦ καὶ σοῦ (10 a)
18. 25. ὁ κρίνων πᾶσαν τὴν γῆν (10 a)
19. 9. μὴ καὶ κρίσιν κρῖναι (10 a)
26. 21. ἐκρίνοντό δὲ καὶ περὶ ἐκείνου (8 a)
30. 6. ἔκρινέ μοι ὁ θεός (3 a)
31. 53. ὁ θεὸς . . . κρινεῖ ἀνὰ μέσον ἡμῶν (10 a)
49. 16. Δὰν κρινεῖ τὸν λαὸν αὐτοῦ (3 a)
Ex. 5. 21. ἴδοι ὁ θεὸς ὑμᾶς καὶ κρίναι (10 a)
18. 13. συνεκάθισε M. κρίνειν τὸν λαόν (10 a)
— 22. κρινοῦσι τὸν λαὸν πᾶσαν ὥραν (10 a)
— 22. τὰ δὲ βραχέα τῶν κριμάτων κρινοῦσιν αὐτοί (10 a)
— 26. ἐκρίνοσαν [A -ον] τὸν λαὸν πᾶσαν ὥραν (10 a)
— 26. πᾶν δὲ ῥῆμα ἐλαφρὸν ἐκρίνοσαν [A -ον] (10 a)
Le. 19. 15. ἐν δικαιοσύνῃ κρινεῖς τὸν πλησίον σου (10 a)
Nu. 35. 24. καὶ κρινεῖ ἡ συναγωγή (10 a)
De. 1. 16. κρίνατε [A -ετε] δικαίως ἀνὰ μέσον ἀνδρός (10 a)
— 17. κατὰ τὸν μέγαν κρινεῖς (9)
16. 18. κρινοῦσι τὸν λαὸν κρίσιν δικαίαν (10 a)
25. 1. A R καὶ κρίνωσι (10 a)
32. 36. κρινεῖ κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (3 a)
Jd. 3. 10. καὶ ἔκρινε τὸν Ἰσρ. (10 a)
— 30. καὶ ἔκρινεν αὐτοὺς A. –
4. 4. αὕτη ἔκρινε τὸν Ἰσρ. (10 a)
— 5. A ἀνέβαινον . . . ἐκεῖ τοῦ κρίνεσθαι [B εἰς κρίσιν] (10 c)
8. 1. A ἐκρίνοντο μετ' αὐτοῦ κραταιῶς [B al.] (8 a)
10. 2, 3. καὶ ἔκρινε τὸν Ἰσρ. (10 a)
11. 27. A R κρίναι κύριος ὁ [B om.] κρίνων σήμερον (10 a, 10 a)
12. 7. ἔκρινε Ἰ. τὸν Ἰσρ. (10 a)
— 8. ἔκρινε μετ' αὐτὸν τὸν Ἰσρ. Ἀβ. (10 a)
— 9. καὶ ἔκρινε τὸν Ἰσρ. (10 a)
Jd. 12. 11. καὶ ἔκρινε μετ' αὐτὸν τὸν Ἰσρ. (10 a)
— 11. A καὶ ἔκρινεν τὸν Ἰσρ. (10 a)
— 13. καὶ ἔκρινε μετ' αὐτὸν τὸν Ἰσρ. Ἀβ. (10 a)
— 13 (14): 15. 20: 16. 31. ἔκρινε τὸν Ἰσρ. (10 a)
21. 22. κρίνεσθαι πρὸς ὑμᾶς (8 a, 8 c*)
Ru. 1. 1. ἐν τῷ κρίνειν τοὺς κριτάς (10 a)
I Ki. 2. 10. αὐτὸς κρινεῖ ἄκρα γῆς (3 a)
4. 18. ἔκρινε τὸν Ἰσρ. εἴκοσι ἔτη (10 a)
24. 16. καὶ κρίναι τὴν κρίσιν μου (8 a)
25. 39. ὃς ἔκρινε τὴν κρίσιν τοῦ ὀνειδισμοῦ μου (8 a)
II Ki. 18. 19. ἔκρινε κύριος ἐκ χειρὸς τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ (10 a)
— 31. ἔκρινέ σοι κύριος σήμερον (10 a)
19. 9 (10). ἦν πᾶς ὁ λαὸς κρινόμενος (3 b)
III Ki. 3. 9. τίς δυνήσεται κρίνειν τὸν λαόν σου (10 a)
— 28. τὸ κρίμα τοῦτο ὃ [A om.] ἔκρινεν ὁ βασ. (10 a)
7. 7. οὗ κρινεῖ ἐκεῖ (10 a)
8. 32. κρινεῖς τὸν λαόν σου Ἰσρ. (10 a)
IV Ki. 15. 5. κρίνων [A -ειν] τὸν λαὸν τῆς γῆς (10 a)
23. 22. οἳ ἔκρινον [A -αν] τὸν Ἰσρ. (10 a)
I Ch. 16. 33. ἦλθε κρῖναι τὴν γῆν (10 a)
II Ch. 1. 10. τίς κρινεῖ τὸν λαόν σου τὸν μέγαν τοῦτον (10 a)
— 11. ὅπως κρίνῃς τὸν λαόν μου (10 a)
6. 23. καὶ κρινεῖς τοὺς δούλους σου (10 a)
19. 6. οὐκ ἀνθρώπῳ ὑμεῖς κρίνετε (10 a)
— 8. κρίνειν τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἱερ. (8 a)
20. 12. οὐ κρινεῖς ἐν αὐτοῖς (10 a)
24. 6. τοῦ εἰσενέγκαι . . . τὸ κεκριμένον ὑπὸ Μωυσῆ (6)
— 22. ἴδοι κύριος καὶ κρινάτω [A -έτω] (4)
26. 21. κρίνων τὸν λαὸν τῆς γῆς (10 a)
I Es. 3. 9. ὃν ἂν [A om.] κρίνῃ ὁ βασ.
6. 21. A R νῦν οὖν εἰ [B om.] κρίνεται
— 22. καὶ κρίνηται τῷ κυρίῳ βασ. ἡμῶν
8. 10. τὰ φιλάνθρωπα ἐγὼ κρίνας
— 94. ὡς ἐκρίθη σοι
II Es. 4. 9. τάδε ἔκρινε Ῥεούμ –
7. 25. ἵνα ὦσι κρίνοντες παντὶ τῷ λαῷ (3 e, 3 c*)
To. 3. 2. κρίσιν ἀληθινὴν καὶ δικαίαν σὺ κρίνεις εἰς τὸν αἰῶνα [S al.]
7. 12. S ἐκ τοῦ οὐρανοῦ κέκριταί σοι
Ju. 2. 3. ἔκριναν ὀλεθρεῦσαι πᾶσαν σάρκα
7. 24. κρίναι ὁ θεὸς ἀνὰ μέσον ἡμῶν καὶ ὑμῶν
11. 13. τὰς ἀπαρχὰς . . . κεκρίκασιν ἐξαναλῶσαι
Jb. 7. 18. A B S² εἰς ἀνάπαυσιν αὐτὸν κρινεῖς (2)
8. 3. μὴ ὁ κύριος ἀδικήσει κρίνων (10 c)
9. 3. ἐὰν γὰρ βούληται κριθῆναι αὐτῷ [A μετ' αὐτοῦ] (8 a)
10. 2. διὰ τί με οὕτως ἔκρινας [A -ες] (8 a)
13. 19. τίς γάρ ἐστιν ὁ κριθησόμενός μοι (8 a)
17. 10. S² οὐ μὴν δὲ ἀλλὰ πάντες κρίνατε [A B ἐρείδετε] †
22. 13. ἢ κατὰ τοῦ γνόφου κρίνει (10 a)
23. 13. εἰ δὲ καὶ αὐτὸς ἔκρινεν οὕτως †
27. 2. ὃς οὕτω με κέκρικε (10 c)
31. 13. κρινομένων αὐτῶν πρὸς μέ (8 a)
35. 14. κρίθητι δὲ ἐναντίον αὐτοῦ (3 a)
36. 31. ἐν γὰρ αὐτοῖς κρινεῖ λαούς (3 a)
37. 23. ὁ τὰ δίκαια κρίνων (10 c)
39. 32 (40. 2). S² μὴ κρίσιν μετὰ ἱκανοῦ κρίνεις [A B ἐκκλίνει, S¹ ἐκκλίνειν] †
— 34 (40. 4). τί ἔτι ἐγὼ κρίνομαι –
Ps. 2. 10. παιδεύθητε πάντες οἱ κρίνοντες τὴν γῆν (10 a)
5. 10. κρῖνον αὐτούς, ὁ θεός (1)
7. 8. κύριος κρινεῖ λαούς (3 a)
— 8. κρῖνόν με [A μοι], κύριε (10 a)
9. 4. ἐκάθισας ἐπὶ θρόνου ὁ κρίνων δικαιοσύνην (10 a)
— 8. αὐτὸς κρινεῖ τὴν οἰκουμένην ἐν δικαιοσύνῃ κρινεῖ λαοὺς ἐν εὐθύτητι (10 a, 3 a)
— 19. κριθήτωσαν ἔθνη ἐνώπιόν σου (10 b)
— 39 (10. 18). κρῖναι ὀρφανῷ καὶ ταπεινῷ (10 a)
25 (26). 1. κρῖνόν με, κύριε (10 a)
34 (35). 24. κρῖνόν με [A μοι], κύριε [S om.] (10 a)
36 (37). 33. ὅταν [A om.] κρίνηται [A -εται] αὐτῷ (10 b)
42 (43). 1. κρῖνόν με [A μοι], ὁ θεός (10 a)
50 (51). 4. ὅπως ἂν . . . νικήσῃς ἐν τῷ κρίνεσθαί σε (10 a)
53 (54). 1. ἐν τῇ δυνάμει σου κρῖνόν [S² κρίνεις] με (3 a)
57 (58). 1. εὐθεῖα κρίνετε, οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων (10 a)
— 11. ἄρα ἐστὶν ὁ θεὸς κρίνων αὐτούς (10 a)

Ps. 66 (67). 4. S[1] κρινεῖ τὴν οἰκουμένην ἐν δικαιοσύνῃ –
— 4. κρινεῖς [S -εῖ] λαοὺς ἐν εὐθύτητι (10 a)
71 (72). 2. κρίνειν τὸν λαόν σου ἐν δικαιοσύνῃ (3 a)
— 4. κρινεῖ τοὺς πτωχοὺς τοῦ λαοῦ (10 a)
74 (75). 2. ἐγὼ εὐθύτητας κρινῶ (10 a)
81 (82). 2. ἕως πότε κρίνετε ἀδικίαν (10 a)
— 3. κρίνατε ὀρφανὸν καὶ πτωχόν [A S al.] (10 a)
— 8. κρῖνον τὴν γῆν (10 a)
93 (94). 2. ὑψώθητι ὁ κρίνων τὴν γῆν (10 a)
95 (96). 10. κρινεῖ λαοὺς ἐν εὐθύτητι (3 a)
— 13. ἔρχεται κρῖναι τὴν γῆν (10 a)
— 13. κρινεῖ τὴν οἰκουμένην (10 a)
97 (98). 9. ἥκει κρῖναι τὴν γῆν (10 a)
— 9. κρινεῖ τὴν οἰκουμένην ἐν δικαιοσύνῃ (10 a)
108 (109). 7. ἐν τῷ κρίνεσθαι αὐτόν (10 b)
109 (110). 6. κρινεῖ ἐν [S[1] κρίνειν] τοῖς ἔθνεσι (3 a)
118 (119). 154. κρῖνον τὴν κρίσιν μου (8 a)
134 (135). 14. ὅτι κρινεῖ [S[1] οἰκτείρει] κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (3 a)
Pr. 17. 15. ὃς δίκαιον κρίνει τὸν ἄδικον [S δίκαιον] (13)
22. 23. ὁ γὰρ κύριος κρινεῖ αὐτοῦ τὴν κρίσιν [A δίκην, S[1] ψυχήν] (8 a)
23. 11. κρινεῖ τὴν κρίσιν αὐτῶν μετὰ σοῦ (8 a)
24. 35 (30. 12). ἔκγονον κακὸν δίκαιον ἑαυτὸν κρίνει †
— 73 (31. 5). ὀρθὰ κρῖναι [A -ειν] οὐ μὴ δύνωνται τοὺς ἀσθενεῖς (3 d)
— 76 (31. 8). κρῖνε πάντας ὑγιῶς (3 d)
— 77 (31. 9). καὶ κρῖνε [A -αι, S διάκρ.] δικαίως (10 a)
28. 25. ἄπιστος [A ἄπληστος] ἀνὴρ κρινεῖ εἰκῇ (10 f)
29. 7. ἐπίσταται δίκαιος κρίνειν πενιχροῖς (3 d)
— 9. ἀνὴρ σοφὸς κρίνει ἔθνη (10 b)
— 14. βασιλέως ἐν ἀληθείᾳ κρίνοντος πτωχούς (10 a)
Ec. 3. 17. σὺν τὸν ἀσεβῆ κρινεῖ ὁ θεός (10 a)
6. 10. οὐ δυνήσεται κριθῆναι [A S τοῦ κρ.] (3 a)
Wi. 1. 1. ἀγαπήσατε δικαιοσύνην οἱ κρίνοντες τὴν γῆν
2. 22. οὐδὲ ἔκριναν γέρας ψυχῶν ἀμώμων
3. 8. κρινοῦσιν ἔθνη
6. 4. οὐκ ἐκρίνατε ὀρθῶς
8. 9. ἔκρινα τοίνυν ταύτην ἀγαγέσθαι πρὸς συμβίωσιν
9. 3. καὶ ἐν εὐθύτητι ψυχῆς κρίσιν κρίνῃ [A -ει]
11. 9. πῶς ἐν ὀργῇ [S μετ' ὀργῆς] κρινόμενοι ἀσεβεῖς ἐβασανίζοντο
12. 10. κρίνων [S[1] κείνων] δὲ κατὰ βραχὺ ἐδίδους τόπον μετανοίας
— 13. οὐκ ἀδίκως ἔκρινας
— 18. σὺ δὲ . . . ἐν ἐπιεικείᾳ κρίνεις
— 21. μετὰ πόσης [S[2] πάσης] ἀκριβείας ἔκρινας τοὺς υἱούς σου
— 22. ἵνα σου τὴν ἀγαθότητα μεριμνῶμεν κρίνοντες κρινόμενοι δὲ προσδοκῶμεν ἔλεος
Si. 4. 9. μὴ ὀλιγοψυχήσῃς ἐν τῷ κρίνειν [S κρίνεσθαί] σε
— 15. ὁ ὑπακούων [S εἰσακ.] αὐτῆς κρινεῖ ἔθνη
8. 14. κατὰ γὰρ τὴν δόξαν αὐτοῦ κρινοῦσιν αὐτῷ
16. 12. ἄνδρα κατὰ τὰ ἔργα αὐτοῦ κρίνει [A κτείνει]
32 (35). 18. κρινεῖ δικαίως [A S[1] -οις] καὶ ποιήσει κρίσιν
— 19. ἕως κρίνῃ τὴν κρίσιν τοῦ λαοῦ αὐτοῦ
42. 8. περὶ παιδείας . . . ἐσχατογήρου κρινομένου πρὸς νέους [A al.]
45. 26. κρίνειν τὸν λαὸν αὐτοῦ ἐν δικαιοσύνῃ
46. 14. ἐν νόμῳ κυρίου ἔκρινε συναγωγήν
Ho. 2. 2 (4). κρίθητε πρὸς τὴν μητέρα ὑμῶν κρίθητε (8 a, 8 a)
13. 10. κρινάτω σε ὃν εἶπας (10 a)
Mi. 3. 11. οἱ ἡγούμενοι αὐ. μετὰ δώρων ἔκρινον (10 a)
4. 3. καὶ κρινεῖ ἀνὰ μέσον λαῶν πολλῶν (10 a)
6. 1. ἀνάστηθι κρίθητι πρὸς τὰ ὄρη (8 a)
Za. 7. 9. κρίμα δίκαιον κρίνατε (10 a)
8. 16. κρίμα εἰρηνικὸν [A δίκαιον] κρίνατε [A -ετε] (10 a)
Is. 1. 17. κρίνατε ὀρφανῷ (10 a)
— 23. ὀρφανοῖς οὐ κρίνοντες (10 a)
2. 4. κρινεῖ ἀνὰ μέσον τῶν ἐθνῶν [S add. πολλῶν] (10 a)
5. 3. κρίνατε ἐν ἐμοί (10 a)
11. 3. οὐ κατὰ τὴν δόξαν κρινεῖ (10 a)
— 4. κρινεῖ ταπεινῷ κρίσιν (10 a)
16. 5. κρίνων καὶ ἐκζητῶν κρίμα (10 a)
Is. 19. 20. κρίνων σώσει αὐτούς (8 a)
41. 6. ἦλθον ἅμα κρίνων ἕκαστος τῷ πλησίον –
43. 26. μνήσθητι καὶ κριθῶμεν (10 a)
49. 25. ἐγὼ δὲ τὴν κρίσιν σου κρινῶ (8 a)
50. 8. τίς ὁ κρινόμενός μοι (8 a)
— 8. τίς ὁ κρινόμενός μοι (10 d)
51. 22. ὁ θεὸς ὁ κρίνων τὸν λαὸν αὐτοῦ (8 a)
66. 16. κριθήσεται [A καταναλωθ.] πᾶσα ἡ γῆ (10 b)
Je. 2. 9. ἔτι κριθήσομαι πρὸς ὑμᾶς καὶ πρὸς τοὺς υἱοὺς τῶν υἱῶν ὑμῶν κριθήσομαι [S[1] al.] (8 a, 8 a)
— 35. ἐγὼ κρίνομαι πρὸς σέ (10 b)
5. 28. οὐκ ἔκριναν κρίσιν ὀρφανοῦ καὶ κρίσιν χήρας οὐκ ἐκρίνοσαν (3 a, 10 a)
11. 20. κύριε κρίνων δίκαια (10 a)
21. 12. κρίνατε πρωὶ κρίμα (3 a)
22. 16. οὐκ ἔκριναν κρίσιν ταπεινῷ [A -ῶν] (3 a)
27 (50). 34. κρίσιν κρινεῖ πρὸς τοὺς ἀντιδίκους αὐτοῦ (8 a)
28 (51). 36. κρινῶ τὴν ἀντίδικόν σου (8 a)
32 (25). 31. κρίνεται αὐτὸς πρὸς πᾶσαν σάρκα [S al.] (10 b)
37 (30). 13. οὐκ ἔστι κρίνων κρίσιν σου (3 a)
La. 3. 36. καταδικάσαι ἄνθρωπον ἐν τῷ κρίνεσθαι αὐτόν (8 b)
— 59. ἔκρινας τὴν κρίσιν μου (10 a)
Ep. Je. 64. οὕτε κρίσιν κρῖναι
Ez. 7. 8. κρινῶ σε ἐν ταῖς ὁδοῖς σου (10 a)
— 14. κρίνατε τὰ σύμπαντα (5)
11. 10. ἐπὶ τῶν ὀρέων τοῦ Ἰσραὴλ κρινῶ ὑμᾶς (10 a)
— 11. A ἐπὶ τῶν ὀρεῶν τοῦ Ἰσρ. κρινῶ ὑμᾶς (10 a)
18. 30. ἕκαστον κατὰ τὴν ὁδὸν αὐτοῦ κρινῶ ὑμᾶς (10 a)
20. 36. οὕτως [A κἀγὼ] κρινῶ ὑμᾶς (10 b)
21. 30 (35). ἐν τῇ γῇ τῇ ἰδίᾳ σου κρινῶ σε (10 a)
22. 2. εἰ [A οὐ] κρινεῖς τὴν πόλιν τῶν αἱμάτων (10 a)
23. 36. οὐ κρινεῖς τὴν Ὀολάν (10 a)
24. 14. κατὰ τὰ ἐνθυμήματά σου κρινῶ σε . . . κρινῶ σε κατὰ τὰ αἱματά σου καὶ κατὰ τὰ ἐνθυμήματά σου κρινῶ σε (10 a, –, –)
33. 20. ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ [A κατὰ τὰς ὁ. ὑμῶν] κρινῶ ὑμᾶς (10 a)
34. 22. κρινῶ ἀνὰ μέσον κριοῦ πρὸς κριόν (10 a)
35. 11. ἡνίκα ἂν κρίνω σε (10 a)
36. 19. κατὰ τὴν ἁμαρτίαν [A τὰς ἀνομίας] αὐτῶν ἔκρινα αὐτούς (10 a)
38. 22. κρινῶ αὐτὸν θανάτῳ (10 b)
44. 24. τὰ κρίματά μου κρινοῦσι (10 a)
Da. LXX. Su. 53. καὶ κρίνειν κρίσεις θάνατον ἐπιφερούσας
2. 6. δηλώσατέ μοι τὸ ἐνύπνιον καὶ κρίνατε (7)
— 7. οἱ παῖδές σου κρινοῦσι πρὸς ταῦτα (7)
3. 10. σὺ, βασιλεῦ, προσέταξας καὶ ἔκριναν (11)
— 29 (96). καὶ νῦν ἐγὼ κρίνω (11)
4. 15. τὸν ἡγούμενον τῶν κρινόντων τὰ ἐνύπνια –
— 23. ἐπάξουσι τὰ κεκριμένα ἐπὶ σέ –
9. 12. ὅσα ἔκριναν ἡμῖν (10 a)
— 24. ἑβδομήκοντα ἑβδομάδες ἐκρίθησαν (12)
Da. TH. Su. 6. ἦρχοντο πρὸς αὐτοὺς πάντες οἱ κρινόμενοι
— 53. κρίνων κρίσεις ἀδίκους
9. 12. οἱ ἔκρινον ἡμᾶς (10 a)
I Ma. 7. 42. κρῖνον αὐτὸν κατὰ τὴν κακίαν αὐτοῦ
9. 73. ἤρξατο Ἰων. κρίνειν τὸν λαόν
11. 33. A R τῷ ἔθνει τῶν Ἰ. . . . ἐκρίναμεν ἀγαθοποιῆσαι [S ἀγαθὸν ποι.]
II Ma. 6. 14. ἐφ' ἡμῶν ἔκρινεν εἶναι
11. 25. κρίνομεν τό τε ἱερὸν ἀποκατασταθῆναι αὐτοῖς
— 36. ἃ δὲ ἔκρινε προσανενεχθῆναι τῷ βασ.
13. 13. κρῖναι τὰ πράγματα
— 15. μετὰ νεανίσκων ἀρίστων κεκριμένων
15. 17. κρῖναι τὰ πράγματα
— 21. R καθὼς δὲ ἂν αὐτῷ κριθείη [A al.]
III Ma. 1. 6. ἔκρινε τὰς πλησίον πόλεις . . . παρακαλέσαι
2. 3. τοὺς ὕβρει . . . τι πράσσοντας κρίνεις
— 33. ὡς πολεμίους τοῦ ἔθνους ἔκρινον
6. 30. κρίνας αὐτοὺς . . . σωτήρια ἄγειν

[Aq. III Ki. 7. 7 (44): Jb. 21. 22: Ps. 9. 39 (10. 18): 36 (37). 33: 58 (54). 3: 81 (82). 1: 108 (109). 31: Is. 51. 5: Ez. 7. 27: 20. 4 *bis*: 22. 2 *bis*: 23. 24, 36, 45.]
[Sm. Ge. 6. 4 (3): Ps. 36 (37). 33: 42 (43). 1: 50 (51). 6: 81 (82). 1, 8: 108 (109). 31: Is. 11. 3: 25. 7: 51. 5: Ez. 7. 27: 22. 2 *bis*: 23. 24, 36: Hb. 1. 12.]
[Th. Is. 27. 8: 45. 9: 51. 5: Ez. 7. 27: 22. 2 *bis*: 23. 24, 36, 45.]
[Al. I Ki. 7. 6.]
[Quint. Ps. 58 (54). 3.]

κρίνον. (1) חֲבַצֶּלֶת (2) פֶּרַח (3) *a.* שׁוּשַׁן *b.* שׁוֹשַׁן *c.* שׁוֹשַׁנָּה

Ex. 25. 30 (31). τὰ κρ. . . . ἐξ αὐτῆς ἔσται (2)
— 32 (33). ἐν τῷ ἑνὶ καλαμίσκῳ σφαιρωτὴρ καὶ κρίνον (2)
— 33 (34). σφαιρωτῆρες καὶ τὰ κρ. αὐτῆς [A al.] (2)
— 34 (35). A οἱ σφαιρωτῆρες καὶ τὰ κρ. αὐτῆς –
Nu. 8. 4. ὁ καυλὸς αὐτῆς καὶ τὰ κρ. αὐ. (2)
III Ki. 7. 19. ἔργον κρίνου κατὰ τὸ αἰλάμ (3 a)
— 22. A ἐπὶ τῶν κεφαλῶν ἔργον κρίνου (3 b)
— 24 (26). B βλαστὸς κρίνου (3 b ?)
— 26. A βλαστὸς κρίνου (3 b)
II Ch. 4. 5. διαγεγλυμμένα βλαστοὺς κρίνου (3 c)
Ca. 2. 1. ἐγὼ . . . κρίνον τῶν κοιλάδων (3 c)
— 2. ὡς κρίνον ἐν μέσῳ ἀκανθῶν (3 c)
— 16. ὁ ποιμαίνων ἐν τοῖς κρ. (3 c)
4. 5. οἱ νεμόμενοι ἐν κρίνοις (3 c)
5. 13. χείλη αὐτοῦ κρίνα στάζοντα σμύρναν πλήρη (3 c)
6. 1 (2). συλλέγειν κρίνα (3 c)
— 2 (3). ὁ ποιμαίνων ἐν τοῖς κρίνοις (3 c)
7. 2 (3). θημωνία σίτου πεφραγμένη ἐν κρίνοις (3 c)
Si. 39. 14. ἀνθήσατε ἄνθος ὡς κρίνον
50. 8. ὡς κρίνα ἐπ' ἐξόδων [A S -ῳ] ὕδατος
Ho. 14. 6. ἀνθήσει ὡς κρίνον (3 c)
Is. 35. 1. ἀνθείτω ὡς κρίνον (1)

[Aq. Ps. 44 (45). 1: 59 (60). 1: 68 (69). 1: 79 (80). 1.]
[Th. Ps. 44 (45). 1.]
[Al. Ca. 2. 16.]
[Sext. Ca. 2. 16: 6. 2 (3).]

κριός. (1) אַדִּיר (2) אַיִל (3) דְּכַר (4) כַּר (5) עַתּוּד (6) פַּר (7) שֶׂה

Ge. 15. 9. λάβε μοι . . . κριὸν τριετίζοντα (2)
22. 13. ἰδοὺ κριὸς εἷς κατεχόμενος ἐν φυτῷ (2)
— 13. ἔλαβε τὸν κρ. καὶ ἀνήνεγκεν αὐτόν (2)
30. 40. ἔστησεν . . . κριὸν διάλευκον †
31. 10. R οἱ κρ. ἀναβαίνοντες [A ἀ. ἦσαν] ἐπὶ τὰ πρόβατα (5)
— 12. ἴδε . . . τοὺς κρ. ἀναβαίνοντας (5)
— 38. κριοὺς τῶν προβάτων σου οὐ κατέφαγον (2)
32. 14 (15). ἐξαπέστειλεν . . . κριοὺς εἴκοσι (2)
Ex. 25. 5: 26. 14. δέρματα κριῶν ἠρυθροδανωμένα (2)
29. 1. λήψῃ . . . κριοὺς ἀμώμους δύο (2)
— 3. προσοίσεις [B[1] -σει] . . . τοὺς δύο κρ. (2)
— 15. τὸν κρ. λήψῃ τὸν ἕνα (2)
— 15. ἐπιθήσουσιν . . . ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ κρ. (2)
— 16. A σφάξεις τὸν κρ. [B al.] (2)
— 17. τὸν κρ. διχοτομήσεις (2)
— 18. ἀνοίσεις ὅλον τὸν κρ. (2)
— 19. λήψῃ [A om.] τὸν κρ. τὸν δεύτερον (2)
— 19. ἐπιθήσει . . . ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ κρ. (2)
— 21. τὸ δὲ αἷμα τοῦ κρ. προσχεεῖς –
— 22. λήψῃ ἀπὸ τοῦ κρ. τὸ στέαρ αὐτοῦ (2)
— 26. λήψῃ . . . ἀπὸ τοῦ κρ. τῆς τελειώσεως (2)
— 27. ἀπὸ τοῦ κρ. τῆς τελειώσεως (2)
— 31. τὸν κρ. τῆς τελειώσεως λήψῃ (2)
— 32. ἔδονται . . . τὰ κρέα τοῦ κρ. (2)
35. 7, 23: 39. 21 (34). δέρματα κριῶν ἠρυθροδανωμένα (2)
Le. 5. 15. κρ. ἄμωμον ἐκ τῶν προβάτων (2)
— 16. ἐν τῷ κρ. τῆς πλημμελείας (2)
— 18. κρ. ἄμωμον ἐκ τῶν προβάτων (2)
6. 5 (5. 25). κριὸν ἀπὸ τῶν προβάτων ἄμωμον (2)
— 31 (7. 1). οὗτος ὁ νόμος τοῦ κρ. τοῦ περὶ τῆς πλημμελείας –
— 32 (7. 2). σφάξουσι τὸν κρ. τῆς πλημμελείας –
8. 2. καὶ τοὺς δύο κρ. (2)
— 18. προσήγαγε Μωυσῆς τὸν κρ. (2)
— 18. ἐπέθηκεν . . . ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ κρ. (2)
— 18. ἔσφαξε Μωυσῆς τὸν κρ. –
— 19 (20). τὸν κρ. ἐκρεανόμησε κατὰ μέλη (2)
— 20 (21). ἀνήνεγκε Μωυσῆς ὅλον τὸν κρ. (2)
— 21 (22). προσήγαγε Μ. τὸν κρ. τὸν δεύτερον κριὸν τελειώσεως (2, 2)

Le. 8. 21 (22). ἐπέθηκεν . . . ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ κρ. (2)
— 28 (29). ἐπίθεμα . . . ἀπὸ τοῦ κρ. τῆς τελειώσεως (2)
9. 2. καὶ κριὸν εἰς ὁλοκαύτωμα (2)
— 4. καὶ κριὸν εἰς θυσίαν σωτηρίου (2)
— 18. καὶ τὸν κρ. τῆς θυσίας τοῦ σωτηρίου (2)
— 19. ἀπὸ τοῦ μόσχου καὶ τοῦ κρ. (2)
16. 3. καὶ κριὸν εἰς ὁλοκαύτωμα (2)
— 5. καὶ κρ. ἕνα εἰς ὁλοκαύτωμα (2)
19. 21. προσάξει . . . κριὸν πλημμελείας (2)
— 22. ἐξιλάσεται . . . ἐν τῷ κρ. τῆς πλημμελείας (2)
23. 18. καὶ κρ. δύο ἀμώμους (2)
Nu. 5. 8. πλὴν τοῦ κρ. τοῦ ἱλασμοῦ [A ἐξι.] (2)
6. 14. καὶ κρ. ἕνα [A *om.*] ἄμωμον εἰς σωτήριον [B[1] -αν] (2)
— 17. τὸν κρ. ποιήσει θυσίαν (2)
— 19. τὸν βραχίονα ἑφθὸν ἀπὸ τοῦ κρ. (2)
7. 15. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. [B[1] καὶ κρ.] ἕνα (2)
— 17. δαμάλεις δύο κριοὺς [B[1] καὶ κρ.] πέντε (2)
— 21. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 23. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 27. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 29. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 33. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 35. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε [A *om.* κρ. π.] (2)
— 39. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 41. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 45. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 47. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 51. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 53. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 57. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 59. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 63. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 65. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 69. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 71. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 75. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 77. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 81. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 83. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 87. μόσχοι δώδεκα κριοὶ δώδεκα (2)
— 88. δαμάλεις εἴκοσι τέσσαρες κριοὶ [B[1] καὶ κρ.] ἑξήκοντα (2)
15. 6. καὶ τῷ κρ. . . . ποιήσεις [A *om.*] θυσίαν (2)
— 11. οὕτω ποιήσεις . . . τῷ κρ. τῷ ἑνί (2)
23. 1. ἑπτὰ μόσχους καὶ ἑπτὰ κρ. (2)
— 2. ἀνήνεγκε μόσχον καὶ κριόν (2)
— 4. ἀνεβίβασα μόσχον καὶ κριόν (2)
— 14. ἀνεβίβασε μόσχον καὶ κριόν (2)
— 29. ἑπτὰ μόσχους καὶ ἑπτὰ κρ. (2)
— 30. ἀνήνεγκε μόσχον καὶ κριόν (2)
28. 11. καὶ κρ. ἕνα (2)
— 12. δύο δέκατα σεμιδάλεως . . . τῷ κρ. τῷ ἑνί (2)
— 14. ἔσται τῷ κρ. τῷ ἑνί (2)
— 19. μόσχους ἐκ βοῶν δύο κρ. ἕνα (2)
— 20. δύο δέκατα τῷ κρ. τῷ ἑνί (2)
— 27. μόσχους ἐκ βοῶν δύο κρ. ἕνα (2)
— 28. δύο δέκατα τῷ κρ. τῷ ἑνί (2)
29. 2. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. [B[2] καὶ κρ.] ἕνα (2)
— 3. δύο δέκατα τῷ κρ. τῷ ἑνί (2)
— 8. μόσχον ἐκ βοῶν ἕνα κρ. ἕνα (2)
— 9. δύο δέκατα τῷ κρ. τῷ ἑνί (2)
— 13. προσάξετε . . . κριοὺς δύο (2)
— 14. δύο δέκατα τῷ κρ. τῷ ἑνὶ ἐπὶ τοὺς δύο κρ. (2, 2)
— 17. μόσχους δώδεκα κριοὺς δύο (2)
— 18. τοῖς μόσχοις καὶ τοῖς κρ. (2)
— 20. μόσχους ἕνδεκα κριοὺς δύο (2)
— 21. τοῖς μόσχοις καὶ τοῖς κρ. (2)
— 23. μόσχους δέκα κριοὺς δύο (2)
— 24. τοῖς μόσχοις καὶ τοῖς κρ. (2)
— 26. μόσχους ἐννέα κριοὺς δύο (2)
— 27. τοῖς μόσχοις καὶ τοῖς κρ. (2)
— 29. μόσχους ὀκτὼ κριοὺς δύο (2)
— 30. τοῖς μόσχοις καὶ τοῖς κρ. (2)
— 32. μόσχους ἑπτὰ κριοὺς δύο (2)
— 33. τοῖς μόσχοις καὶ τοῖς κρ. (2)
— 36. μόσχον ἕνα κρ. ἕνα (2)
— 37. τῷ μόσχῳ καὶ τῷ κρ. (2)
De. 32. 14. μετὰ στέατος ἀρνῶν καὶ κριῶν (2)
I Ki. 15. 22. καὶ ἡ ἐπακρόασις ὑπὲρ στέαρ κριῶν (2)
IV Ki. 3. 4. ἑκατὸν χιλιάδας κριῶν ἐπὶ πόκων [? ἐπιπ.] (2)
I Ch. 15. 26. ἔθυσαν . . . ἀν' [S[1] *om.*] ἑπτὰ κριούς (2)
29. 21. ἀνήνεγκε . . . κριοὺς χιλίους (2)
II Ch. 13. 9. πληρῶσαι τὰς χεῖρας . . . κριοῖς ἑπτά (2)
15. 11. A κριοὺς καὶ πρόβατα [B *al.*] †
17. 11. ἔφερον αὐτῷ κριοὺς προβάτων (2)
29. 21. ἀνήνεγκε μόσχους ἑπτὰ κριοὺς ἑπτά (2)
— 22. ἔθυσαν τοὺς κρ. (2)
— 32. μόσχοι ἑβδομήκοντα κριοὶ ἑκατόν (2)
I Es. 6. 29. εἰς ταύρους καὶ κριοὺς καὶ ἄρνας
7. 7. προσήνεγκαν . . . κρ. διακοσίους
8. 14. A[2]B εἰς ταύρους καὶ κριοὺς καὶ ἄρνας
— 65. A R προσήνεγκαν . . . κριοὺς ἐνενήκοντα ἕξ [B *al.*]
9. 20. καὶ εἰς ἐξιλασμὸν κριοὺς ὑπὲρ τῆς ἀγνοίας αὐτῶν
II Es. 6. 9. καὶ υἱοὺς βοῶν καὶ κριῶν (3)
— 17. προσήνεγκαν . . . κρ. διακοσίους (3)
7. 17. μόσχους κριοὺς ἀμνούς (3)
8. 35. προσήνεγκαν . . . κριοὺς ἐνενήκοντα ἕξ (2)
10. 19. A B S[2] καὶ πλημμελείας κριὸν ἐκ προβάτων (2)
To. 7. 8. ἔθυσαν κριὸν προβάτων [S *al.*]
8. 19. S καὶ κριοὺς τέσσαρας
Jb. 42. 8. λάβετε ἑπτὰ μόσχους καὶ ἑπτὰ κριούς (2)
Ps. 28 (29). 1. ἐνέγκατε τῷ κυρίῳ υἱοὺς κριῶν (2 ?)
64 (65). 13. ἐνεδύσαντο οἱ κρ. τῶν προβάτων (4 ?)
65 (66). 15. μετὰ θυμάματος καὶ κριῶν (2)
113 (114). 4. τὰ ὄρη ἐσκίρτησαν ὡσεὶ κριοί (2)
— 6. τὰ ὄρη, ὅτι ἐσκιρτήσατε ὡσεὶ κριοί (2)
Mi. 6. 7. εἰ προσδέξεται κύριος ἐν χιλιάσι κριῶν (2)
Is. 1. 11. πλήρης εἰμὶ ὁλοκαυτωμάτων κριῶν (2)
34. 6. ἀπὸ στέατος τράγων καὶ κριῶν (2)
— 7. συμπεσοῦνται . . . οἱ κρ. καὶ οἱ ταῦροι (6)
60. 7. κριοὶ [A οἱ κρ.] Ναβαιὼθ ἥξουσι (2)
Je. 28 (51). 40. καταβίβασον [S[1] -σω] αὐτοὺς . . . ὡς κριοὺς μετ' ἐρίφων (2)
32 (25). 34. κόπτεσθε οἱ κρ. τῶν προβάτων . . . καὶ πεσεῖσθε ὥσπερ οἱ κρ. οἱ ἐκλεκτοί (1, †)
— 35. ἀπολεῖται . . . σωτηρία ἀπὸ τῶν κρ. τῶν προβάτων (1)
— 36. ἀλαλαγμὸς τῶν προβάτων καὶ τῶν κρ. [S κρ. κ. τ. πρ.] (1)
La. 1. 6. ὡς κριοὶ οὐχ εὑρίσκοντες νομήν †
Ez. 27. 21. καμήλους καὶ κριοὺς καὶ ἀμνούς [A μόσχους] (2)
34. 17. διακρινῶ ἀνὰ μέσον . . . κριῶν [A -οῦ] (2)
— 22. κρινῶ ἀνὰ μέσον κριοῦ πρὸς κριόν (7, 7)
39. 18. κριοὺς καὶ μόσχους καὶ τράγους (2)
43. 23. προσοίσουσι . . . κριὸν ἐκ προβάτων ἄμωμον (2)
— 25. ποιήσεις . . . κριὸν ἐκ προβάτων (2)
45. 23. ποιήσει [A -εις] ὁλοκαυτώματα . . . ἑπτὰ κριοὺς ἀμώμους (2)
— 24. πέμμα τῷ κρ. ποιήσεις (2)
46. 4. προσοίσει . . . κριὸν ἄμωμον (2)
— 5. πέμμα τῷ κρ. (2)
— 6. κρ. ἄμωμος ἔσται (2)
— 7. καὶ πέμμα τῷ κρ. (6)
— 11. καὶ πέμμα τῷ κρ. (2)
Da. LXX. 3. (40). ἐν ὁλοκαυτώμασι κριῶν
8. 3. εἶδον κρ. ἕνα μέγαν (2)
— 4. εἶδον τὸν κρ. κερατίζοντα (2)
— 6. ἦλθεν ἐπὶ τὸν κρ. (2)
— 7. εἶδον αὐτὸν προσάγοντα πρὸς τὸν κρ. (2)
— 7. ἐπάταξε τὸν κρ. (2)
— 7. οὐκέτι ἦν ἰσχὺς ἐν τῷ κρ. (2)
— 7. οὐκ ἦν ὁ ῥυόμενος τὸν κρ. (2)
— 20. τὸν κρ. ὃν εἶδες (2)
Da. TH. 3. (40). ὡς ἐν ὁλοκαυτώσει [A -ώμασιν] κριῶν
8. 3. καὶ ἰδοὺ κριὸς εἷς (2)
— 4. ἴδον τὸν κρ. κερατίζοντα (2)
— 6. ἦλθεν ἕως τοῦ κρ. (2)
— 7. ἴδον αὐτὸν [A *om.*] φθάνοντα ἕως τοῦ κρ. (2)
— 7. ἔπαισε τὸν κρ. (2)
— 7. οὐκ ἦν ἰσχὺς τῷ κρ. (2)
— 7. οὐκ ἦν ὁ ἐξαιρούμενος τὸν κρ. (2)
— 20. ὁ κρ. ὃν εἶδες (2)
II Ma. 12. 15. τὸν ἀτερ κριῶν . . . κατακρημνίσαντα τὴν Ἱερ.

[Aq. Is. 34. 6 : Da. 8. 7.]
[Sm. Ex. 35. 23 : Is. 34. 6.]
[Th. Ex. 35. 23 : Is. 34. 6 : Da. 8. 7.]

κρίσις. (1) דָּבָר (2) *a.* דִּין subst. *b.* מִדּוֹן *c.* מִדָּן *d.* מָדָן *e.* דִּין verb. (3) מִצְוָה (4) נָקָם (5) פְּשַׁר (6) צֶדֶק (7) רִיב *a.* verb. *b.* subst. *c.* רָיִב (8) שָׁפַט *a.* qal. *b.* ni. *c.* שֶׁפֶט *d.* מִשְׁפָּט *e.* שְׁבוֹט (9) κρίσιν ποιεῖν נָקַם ni.

Ge. 14. 7. ἦλθοσαν ἐπὶ τὴν πηγὴν τῆς κρ. (8 *d*)
18. 19. ποιεῖν δικαιοσύνην καὶ κρίσιν (8 *d*)
— 25. οὐ ποιήσεις κρίσιν (8 *d*)
19. 9. μὴ καὶ κρίσιν κρῖναι (8 *a*)
Ex. 6. 6. λυτρώσομαι ὑμᾶς ἐν . . . κρ. μεγάλῃ (8 *c*)
15. 25. ἔθετο αὐτῷ δικαιώματα καὶ κρίσεις (8 *d*)
18. 15. ἐκζητῆσαι κρίσιν παρὰ τοῦ θεοῦ –
22. 9 (8). ἐνώπιον τοῦ θεοῦ ἐλεύσεται ἡ κρ. ἀμφοτέρων (1)
23. 2. ὥστε ἐκκλεῖσαι [A -κλῖναι] κρίσιν –
— 3. πένητα οὐκ ἐλεήσεις ἐν κρίσει (7 *b*)
— 6. οὐ διαστρέψεις κρίμα πένητος ἐν κρίσει αὐτοῦ (7 *b*)
24. 14. ἐάν τινι συμβῇ κρίσις (1)
28. 15. ποιήσεις λογεῖον τῶν κρ. (8 *d*)
— 23 (29). ἐπὶ τοῦ λογείου [A τὸ λ.] τῆς κρ. (8 *d*)
— 24 (30). θήσεις ἐπὶ τὸ λογεῖον τῆς κρ. (8 *d* ?)
— 26 (30). ἐπιθήσεις ἐπὶ τὸ λογεῖον τῆς κρ. (8 *d*)
— 26 (30). οἴσει Ἀ. τὰς κρ. τῶν υἱῶν Ἰσραήλ (8 *d*)
Le. 19. 15, 35. οὐ ποιήσετε ἄδικον ἐν κρίσει (8 *d*)
25. 18. ποιήσετε . . . πάσας τὰς κρ. μου (8 *d*)
Nu. 27. 4 (5). προσήγαγε Μ. τὴν κρ. αὐ. ἔναντι κ. (8 *d*)
— 11. ἔσται τοῦτο . . . δικαίωμα κρίσεως (8 *d*)
— 21. ἐπερωτήσουσιν αὐτὸν τὴν κρ. τῶν δήλων (8 *d*)
35. 12. ἕως ἂν στῇ . . . εἰς κρίσιν (8 *d*)
De. 1. 17. οὐκ ἐπιγνώσῃ πρόσωπον ἐν κρίσει (8 *d*)
— 17. ἡ κρ. τοῦ θεοῦ ἐστι (8 *d*)
4. 5. δέδειχα ὑμῖν δικαιώματα καὶ κρίσεις (8 *d*)
— 14. διδάξαι ὑμᾶς δικαιώματα καὶ κρίσεις (8 *d*)
10. 18. ποιῶν κρίσιν προσηλύτῳ (8 *d*)
11. 1. καὶ τὰς κρ. αὐτοῦ (3 ?)
— 32. καὶ τὰς κρ. ταύτας [A αὐτοῦ] (8 *d*)
12. 1. τὰ προστάγματα καὶ αἱ κρ. [A τὰ κρίματα] (8 *d*)
16. 18. κρινοῦσι τὸν λαὸν κρ. δικαίαν (8 *d*)
— 19. A R οὐκ ἐκκλινοῦσι κρίσιν (8 *d*)
17. 8. ἐὰν δὲ ἀδυνατήσῃ ἀπὸ σοῦ ῥῆμα ἐν κρίσει . . . ἀνὰ μέσον κρίσις κρίσεως . . . ῥήματα κρίσεως ἐν ταῖς πόλεσιν ὑμῶν (8 *d*, 2 *a*, 2 *a*, 7 *b*)
— 9. ἀναγγελοῦσί σοι τὴν κρ. (1 + 8 *d*)
— 11. κατὰ τὴν κρ. ἣν ἂν εἴπωσί σοι (8 *d*)
18. 3. αὕτη ἡ κρ. τῶν ἱερέων (8 *d*)
19. 6. τούτῳ οὐκ ἔστι κρίσις θανάτου (8 *d*)
24. 17. οὐκ ἐκκλινεῖς κρίσιν προσηλύτου (8 *d*)
25. 1. καὶ προσέλθωσιν εἰς κρίσιν (8 *d*)
27. 19. ὃς ἂν ἐκκλίνῃ κρίσιν προσηλύτου (8 *d*)
30. 10. τὰ δικαιώματα αὐτοῦ καὶ τὰς κρ. αὐτοῦ –
— 16. τὰ δικαιώματα αὐτοῦ καὶ τὰς κρ. αὐτοῦ (8 *d*)
32. 4. πᾶσαι αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ κρίσεις (8 *d*)
33. 21. καὶ κρίσιν αὐτοῦ μετὰ Ἰσρ. (8 *d*)
Jo. 20. 3. ἕως ἂν καταστῇ . . . εἰς κρίσιν (8 *d*)
— 6. A ἕως τῆς κατὰ πρόσωπον τῆς συναγωγῆς εἰς κρίσιν (8 *d*)
— 9. ἕως ἂν καταστῇ . . . εἰς κρίσιν –
24. 25. ἔδωκεν αὐτῷ νόμον καὶ κρίσιν (8 *d*)
Jd. 4. 5. ἀνέβαινον . . . εἰς κρίσιν [A *al.*] (8 *d*)
13. 12. τίς ἔσται κρ. τοῦ παιδίου [A *al.*] (8 *d*)
18. 7. ὡς κρίσις [A κατὰ τὴν σύγκρισιν τῶν] Σ. (8 *d*)
I Ki. 24. 16. καὶ κρίναι τὴν κρ. μου (7 *b*)
25. 39. ὃς ἔκρινε τὴν κρ. τοῦ ὀνειδισμοῦ μου (7 *b*)
II Ki. 15. 2. πᾶς ἀνὴρ ᾧ ἐγένετο κρίσις ἦλθε πρὸς τὸν βασ. εἰς κρίσιν (7 *b*, 8 *d*)
— 4. ᾧ [A οὗ] ἐὰν ᾖ ἀντιλογία καὶ κρίσις (8 *d*)
— 6. τοῖς παραγινομένοις εἰς κρίσιν (8 *d*)
III Ki. 8. 49. A ποιήσεις κρίσιν αὐτῶν (8 *d*)
11. 33. A διακριβείας μου καὶ κρίσεις μου (8 *d*)
IV Ki. 1. 7. τίς ἡ κρ. τοῦ ἀνδρός (8 *d*)
17. 34. καὶ κατὰ τὴν κρ. αὐτῶν (8 *d*)
25. 6. ἐλάλησε μετ' αὐτοῦ κρίσιν (8 *d*)
I Ch. 6. 32 (17). ἔστησαν κατὰ τὴν κρ. [A κρᾶσιν] αὐ. (8 *d*)
23. 31. κατὰ τὴν κρ. ἐπ' αὐτοῖς (8 *d*)
24. 19. κατὰ τὴν κρ. αὐτῶν διὰ χειρὸς Ἀαρών (8 *d*)
II Ch. 8. 14. κατὰ τὴν κρ. Δαυίδ (8 *d*)
9. 8. A τοῦ ποιῆσαι κρίσιν [B κρίμα] (8 *d*)
19. 6. καὶ μεθ' ὑμῶν λόγοι τῆς κρ. (8 *d*)

II Ch. 19. 8. κατέστησεν Ἰωσ. . . . εἰς κρίσιν κυρίου (8 *d*)
— 10. κρ. τὴν ἐλθοῦσαν ἐφ' [A πρὸς] ὑμᾶς (7 *b*)
20. 9. ῥομφαία κρίσις θάνατος (8 *e*)
35. 13. ὤπτησαν τὸ φασὲκ . . . κατὰ τὴν κρ. (8 *d*)
I Es. 4. 40. οὐκ ἔστιν ἐν τῇ κρ. αὐτῆς οὐδὲν ἄδικον
II Es. 3. 4. ὡς ἡ κρ. (8 *d*)
To. 1. 18. S ἐν ἡμέραις τῆς κρ.
3. 2. κρ. ἀληθινὴν καὶ δικαίαν σὺ κρίνεις εἰς τὸν αἰῶνα [S *al.*]
— 5. πολλαὶ αἱ κρ. σού εἰσι καὶ ἀληθιναί
6. 12. S κατὰ τὴν κρ. τῆς βίβλου M. [A B *al.*]
7. 12. κομίζου αὐτὴν ἀπὸ τοῦ νῦν κατὰ τὴν κρ. [S *al.*]
— 13. S κατὰ τὴν κρ. τὴν γεγραμμένην [A B *al.*]
— 14. S κατὰ τὴν κρ. τοῦ M. νόμου
Ju. 9. 6. καὶ ἡ κρ. [A αἱ κρ.] σου ἐν προγνώσει
16. 17. ἐκδικήσει αὐτοὺς ἐν ἡμέρᾳ κρίσεως
Es. 1. 13. ποιήσατε οὖν περὶ τούτου νόμον καὶ κρίσιν (2 *a*)
8. 13. τὴν καταξίαν τοῦ . . . θεοῦ . . . ἀποδόντος αὐτῷ κρ.
10. 3. A B² S R καὶ εἰς ἡμέραν κρίσεως
Jb. 6. 29. A S² μὴ εἴη ἄδικον ἐν κρίσει [B S¹ *om.* ἐν κρ.] –
9. 32. ἵνα ἔλθωμεν ὁμοθυμαδὸν εἰς κρίσιν (8 *d*)
13. 6. κρίσιν [A -σει] δὲ χειλέων μου προσέχετε (7 *b*)
22. 4. συνεισελεύσεταί σοι εἰς κρίσιν (8 *d*)
34. 4. κρίσιν ἑλώμεθα ἑαυτοῖς (8 *d*)
— 12. ἢ ὁ παντοκράτωρ ταράξει κρίσιν [A τὸ δίκαιον] (8 *d*)
35. 2. τί τοῦτο ἡγήσω ἐν κρίσει (8 *d*)
39. 32 (40. 2). μὴ κρίσιν μετὰ ἱκανοῦ ἐκκλίνει [? -εἰ] (7 *a*)
Ps. 1. 5. οὐκ ἀναστήσονται οἱ ἀσεβεῖς ἐν κρίσει (8 *d*)
9. 4. ἐποίησας τὴν κρ. μου (8 *d*)
— 7. ἡτοίμασεν ἐν κρίσει τὸν θρόνον αὐτοῦ (8 *d*)
24 (25). 9. ὁδηγήσει πραεῖς ἐν κρίσει (8 *d*)
32 (33). 5. ἀγαπᾷ ἐλεημοσύνην καὶ κρίσιν (8 *d*)
34 (35). 23. πρόσχες τῇ κρ. μου (8 *d*)
36 (37). 28. κύριος ἀγαπᾷ κρίσιν (8 *d*)
— 30. ἡ γλῶσσα αὐτοῦ λαλήσει [S¹ μελετήσει] κρίσιν (8 *d*)
71 (72). 2. καὶ τοὺς πτωχούς σου ἐν κρίσει (8 *d*)
75 (76). 8. ἐκ τοῦ οὐρανοῦ ἠκούτισας κρίσιν (2 *a*)
— 9. ἐν τῷ ἀναστῆναι εἰς κρίσιν τὸν θεόν (8 *d*)
93 (94). 15. ἕως οὗ δικαιοσύνη ἐπιστρέψῃ εἰς κρίσιν (8 *d*)
98 (99). 4. A B S² τιμὴ βασιλέως κρίσιν ἀγαπᾷ (8 *d*)
— 4. κρίσιν καὶ δικαιοσύνην ἐν Ἰ. σὺ ἐποίησας (8 *d*)
100 (101). 1. κρίσιν ᾄσομαί σοι (8 *d*)
105 (106). 3. μακάριοι οἱ φυλάσσοντες κρίσιν (8 *d*)
110 (111). 7. ἔργα χειρῶν αὐτοῦ ἀλήθεια καὶ κρίσις (8 *d*)
111 (112). 5. οἰκονομήσει τοὺς λόγους αὐτοῦ ἐν κρίσει (8 *d*)
118 (119). 84. πότε ποιήσεις ἐκ τῶν καταδιωκόντων με κρίσιν (8 *d*)
— 137. A R εὐθεῖς αἱ κρ. [S εὐθὴς ἡ κρ.] σου (8 *d*)
— 154. κρῖνον τὴν κρ. μου (7 *b*)
121 (122). 5. ἐκεῖ ἐκάθισαν θρόνοι εἰς κρίσιν (8 *d*)
139 (140). 12. ποιήσει κύριος τὴν κρ. τοῦ πτωχοῦ (2 *a*)
142 (143). 2. μὴ εἰσέλθῃς εἰς κρίσιν μετὰ τοῦ δούλου σου (8 *d*)
Pr. 6. 19. ἐπιπέμπει κρίσεις ἀνὰ μέσον ἀδελφῶν (2 *d*)
— 34. οὐ φείσεται ἐν ἡμέρᾳ κρίσεως (4)
15. 18. μακρόθυμος ἀνὴρ κατασβέσει κρίσεις (7 *b*)
16. 10. ἐν δὲ κρίσει οὐ μὴ πλανηθῇ τὸ στόμα αὐτοῦ (8 *d*)
18. 5. οὐδὲ ὅσιον ἐκκλίνειν τὸ δίκαιον ἐν κρίσει (8 *d*)
19. 28. στόμα δὲ ἀσεβῶν καταπίεται κρίσεις †
22. 23. ὁ γὰρ κύριος κρινεῖ αὐτοῦ τὴν κρ. [A δίκην, S¹ ψυχήν] (7 *b*)
23. 11. κρινεῖ τὴν κρ. αὐτῶν μετὰ σοῦ (7 *b*)
— 29. A B S τίνι θόρυβος; τίνι κρίσις [R -εις] (2 *c*, 2 *b* *)
24. 38 (23). A B αἰδεῖσθαι πρόσωπον ἐν κρίσει οὐ καλόν (8 *d*)
— 68 (30. 33). ἐξελεύσονται κρίσεις καὶ μάχαι (7 *b*)
26. 17. οὕτως ὁ προεστὼς ἀλλοτρίας κρίσεως (7 *b*)
28. 2. δι' ἁμαρτίας ἀσεβῶν κρίσεις ἐγείρονται †
Ec. 3. 16. εἶδον ὑπὸ τὸν ἥλιον τόπον τῆς κρ. (8 *d*)
8. 5. καιρὸν κρίσεως γινώσκει καρδία σοφοῦ (8 *d*)
— 6. παντὶ πράγματί ἐστι καιρὸς καὶ κρίσις (8 *d*)
11. 9. ἐπὶ πᾶσι τούτοις ἄξει σε ὁ θεὸς ἐν κρίσει (8 *d*)
12. 14. σύμπαν τὸ ποίημα ὁ θεὸς ἄξει ἐν κρίσει (8 *d*)
Wi. 5. 18. περιθήσεται κόρυθα κρίσιν ἀνυπόκριτον
Wi. 6. 5. κρίσις ἀπότομος ἐν τοῖς ὑπερέχουσιν γίνεται
8. 11. ὀξὺς εὑρεθήσομαι ἐν κρίσει
9. 3. καὶ ἐν εὐθύτητι ψυχῆς κρίσιν κρίνῃ [A -ει]
— 5. ἐλάσσων ἐν συνέσει κρίσεως
12. 25. ὡς παισὶν ἀλογίστοις τὴν κρ. εἰς ἐμπαιγμὸν ἔπεμψας
— 26. ἀξίαν θεοῦ κρίσιν πειράσουσιν
16. 18. θεοῦ κρίσει ἐλαύνονται [A -ωνται]
17. 1. μεγάλαι γάρ σου αἱ κρ.
Si. 3. 2. κρίσιν μητρὸς ἐστερέωσεν ἐφ' υἱοῖς
11. 9. ἐν κρίσει ἁμαρτωλῶν μὴ συνέδρευε
16. 26. ἐκ κρίσει κυρίου τὰ ἔργα αὐτοῦ ἀπ' ἀρχῆς
18. 20. πρὸ κρίσεως ἐξέταζε σεαυτόν
25. 4. ὡς ὡραῖον πολιαῖς κρίσις
29. 19. διώκων ἐργολαβείας ἐμπεσεῖται εἰς κρίσεις [A ἐγγύην]
30. 38 (33. 29). ἄνευ κρίσεως μὴ ποιήσῃς μηδέν
32 (35). 18. καὶ ποιήσει κρίσιν
— 19. ἕως κρίνῃ τὴν κρ. τοῦ λαοῦ αὐτοῦ
36 (33). 13. ἀποδοῦναι αὐτοῖς κατὰ τὴν κρ. αὐτοῦ
38. 16. κατὰ δὲ τὴν κρ. αὐ. περίστειλον τὸ σῶμα αὐ.
45. 10. λογείῳ [S λόγοι] κρίσεως δήλοις ἀληθείας
Ho. 4. 1. ὅτι κρίσις [A -εις] τῷ κ. πρὸς τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (7 *b*)
12. 2 (3). καὶ κρίσις [A -εις] τῷ κ. πρὸς Ἰ. (7 *b*)
Mi. 6. 2. R ἀκούσατε ὄρη [A βουνοί, B λαοί] τὴν κρ. (7 *b*)
— 2. ὅτι κρίσις τῷ κ. πρὸς τὸν λαὸν αὐτοῦ (7 *b*)
Hb. 1. 3. ἐξ ἐναντίας μου γέγονε κρίσις (7 *b*)
Ma. 3. 5. προσάξω πρὸς [A *om.*] ὑμᾶς ἐν κρίσει (8 *d*)
— 5. ἐπὶ . . . τοὺς ἐκκλίνοντας κρίσιν προσηλύτου –
Is. 1. 17. ἐκζητήσατε κρίσιν (8 *d*)
— 21. πόλις πιστὴ Σιὼν πλήρης κρίσεως (8 *d*)
— 23. κρίσιν χηρῶν [A S -ρας] οὐ προσέχοντες (7 *b*)
— 24. κρίσιν ἐκ τῶν ἐχθρῶν μου ποιήσω (9)
3. 13. καταστήσεται εἰς κρίσιν κύριος καὶ στήσει εἰς κρίσιν τὸν λαὸν αὐτοῦ (7 *a*, 2 *e*)
— 14. αὐτὸς κύριος εἰς κρίσιν ἥξει (8 *d*)
4. 4. ἐν πνεύματι κρίσεως (8 *d*)
5. 7. ἔμεινα τοῦ ποιῆσαι κρίσιν (8 *d*)
10. 2. ἐκκλίνοντες κρίσιν πτωχῶν (2 *a*)
11. 4. κρινεῖ ταπεινῷ κρίσιν (6)
26. 8. ἡ γὰρ ὁδὸς κυρίου κρίσις (8 *d*)
28. 6. καταλειφθήσονται ἐπὶ πνεύματι κρίσεως ἐπὶ κρίσιν (8 *d*, 8 *d*)
— 17. θήσω κρίσιν εἰς ἐλπίδα (8 *d*)
32. 1. ἄρχοντες μετὰ κρίσεως ἄρξουσι (8 *d*)
— 7. διασκεδάσαι λόγους [A -γισμοὺς] ταπεινῶν ἐν κρίσει (8 *d*)
33. 5. ἐνεπλήσθη Σιὼν κρίσεως καὶ δικαιοσύνης (8 *d*)
— 15. ἵνα μὴ ἀκούσῃ κρίσιν αἵματος –
34. 5. ἐπὶ τὸν λαὸν τῆς ἀπωλείας μετὰ κρίσεως (8 *d*)
— 8. ἡμέρα γὰρ κρίσεως κυρίου καὶ ἐνιαυτὸς ἀνταποδόσεως κρίσεως Σιών (4, 7 *b*)
35. 4. ὁ θεὸς ἡμῶν κρίσιν ἀνταποδίδωσι (4)
40. 14. τίς ἔδειξεν αὐτῷ κρίσιν (8 *d*)
— 27. ὁ θεός μου τὴν κρ. ἀφεῖλε (8 *d*)
41. 1. κρίσιν [A -εις] ἀναγγειλάτωσαν (8 *d*)
— 21. ἐγγίζει ἡ κρ. ὑμῶν (7 *b*)
42. 1. κρίσιν [A -εις] τοῖς ἔθνεσιν ἐξοίσει (8 *d*)
— 3. εἰς ἀλήθειαν ἐξοίσει κρίσιν (8 *d*)
— 4. ἕως ἂν θῇ ἐπὶ τῆς γῆς κρίσιν (8 *d*)
49. 4. ἡ κρ. μου παρὰ κυρίῳ [A -ίου] (8 *d*)
— 25. ἐγὼ δὲ τὴν κρ. σου κρινῶ (7 *c*)
51. 4. ἡ κρ. μου εἰς φῶς ἐθνῶν (8 *d*)
— 7. ἀκούσατέ μου οἱ εἰδότες κρίσιν (6)
53. 8. ἐν τῇ ταπεινώσει ἡ κρ. αὐτοῦ ἤρθη [S¹ ἤχθη] (8 *d*)
54. 17. ἀναστήσεται ἐπὶ σὲ εἰς κρίσιν (8 *d*)
56. 1. φυλάσσεσθε κρίσιν (8 *d*)
58. 2. ὡς λαὸς . . . κρίσιν θεοῦ αὐτοῦ μὴ ἐγκαταλελοιπὼς αἰτοῦσί με νῦν κρίσιν δικαίαν (8 *d*, 8 *d*)
— 4. εἰ [A S *om.*] εἰς κρίσεις καὶ μάχας νηστεύετε (7 *b*)
59. 4. οὐδὲ ἔστι κρ. ἀληθινή (8 *b*)
— 8. οὐκ ἔστι κρ. ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν [S¹ *al.*] (8 *d*)
— 9. ἀπέστη ἡ κρ. ἀπ' αὐτῶν (8 *d*)
— 11. ἀνεμείναμεν κρίσιν (8 *d*)
— 14. ἀπεστήσαμεν ὀπίσω τὴν κρ. (8 *d*)
— 15. οὐκ ἤρεσεν αὐτῷ ὅτι οὐκ ἦν κρ. (8 *d*)
63. 1. διαλέγομαι . . . κρίσιν σωτηρίου [S¹ -ίας] †
Je. 1. 16. λαλήσω πρὸς αὐτοὺς μετὰ κρίσεως (8 *d*)
4. 2. ζῇ κύριος μετὰ ἀληθείας ἐν κρίσει (8 *d*)
5. 4. οὐκ ἔγνωσαν . . . κρίσιν θεοῦ (8 *d*)
Je. 5. 5. αὐτοὶ ἐπέγνωσαν . . . κρίσιν θεοῦ (8 *d*)
— 28. παρέβησαν κρίσιν οὐκ ἔκριναν κρίσιν ὀρφανοῦ καὶ κρίσιν χήρας οὐκ ἐκρίνοσαν (2 *e*, 2 *a*, 8 *d*)
7. 5. ποιοῦντες ποιήσητε κρίσιν [A κρίμα] (8 *d*)
10. 24. παίδευσον ἡμᾶς . . . πλὴν ἐν κρίσει (8 *d*)
17. 11. ποιῶν πλοῦτον αὐτοῦ οὐ μετὰ κρίσεως (8 *d*)
22. 3. ποιεῖτε κρίσιν καὶ δικαιοσύνην (8 *d*)
— 16. οὐκ ἔκριναν κρίσιν ταπεινῷ [A -ῶν] οὐδὲ κρίσιν πένητος (2 *a*, –)
26 (46). 28. A παιδεύσω σε εἰς κρίσιν [B S κρίμα] (8 *d*)
27 (50). 34. κρίσιν κρινεῖ πρὸς τοὺς ἀντιδίκους αὐτοῦ (7 *a*)
31 (48). 21. κρ. ἔρχεται εἰς τὴν γῆν τοῦ Μεισώρ (8 *d*)
32 (25). 31. κρ. τῷ κ. ἐν τοῖς ἔθνεσιν (7 *b*)
33 (26). 11. κρ. θανάτου τῷ ἀνθρώπῳ τούτῳ (8 *d*)
— 16. οὐκ ἔστι τῷ ἀνθρώπῳ τούτῳ κρ. θανάτου (8 *d*)
37 (30). 13. οὐκ ἔστι κρίνων κρίσιν σου (2 *a*)
39 (32). 7. σοὶ κρίσις [A S κρίμα] παραλαβεῖν εἰς κτῆσιν (8 *d*)
52. 9. ἐλάλησεν αὐτῷ μετὰ κρίσεως (8 *d*)
La. 3. 35. τοῦ ἐκκλῖναι κρίσιν ἀνδρὸς κατέναντι προσώπου ὑψίστου (8 *d*)
— 59. ἔκρινας τὴν κρ. μου (8 *d*)
Ep. Je. 54. κρίσιν τε οὐ μὴ διακρίνωσιν ἑαυτῶν
— 64. οὐ δυνάτων ὄντων αὐτῶν οὔτε κρίσιν κρῖναι
Ez. 39. 21. ὄψονται πάντα τὰ ἔθνη τὴν κρ. μου (8 *d*)
44. 24. ἐπὶ κρίσιν αἵματος οὗτοι ἐπιστήσονται (7 *b*)
Da. LXX. Su. 6. ἤρχοντο κρίσεις ἐξ ἄλλων πόλεων πρὸς αὐτούς
— 53. καὶ κρίνειν κρίσεις θάνατον ἐπιφερούσας
2. 9. ὅτι καὶ τὴν τούτου κρ. δηλώσητε (5)
— 36. καὶ τὴν κρ. δὲ ἐροῦμεν ἐπὶ τοῦ βασ. (5)
— 45. καὶ πιστὴ ἡ τούτου κρ. (5)
3. (27). καὶ πᾶσαι αἱ κρ. σου ἀληθιναί
— (28). ἐν ἀληθείᾳ καὶ κρίσει ἐποίησας πάντα ταῦτα
— (31). ἐν ἀληθινῇ κρ. ἐποίησας
4. 20. ἡ κρ. τοῦ θεοῦ τοῦ μεγάλου ἥξει ἐπὶ σέ –
— 25. ὡς ἤκουσε τὴν κρ. τοῦ ὁράματος –
7. 16. τὴν κρ. τῶν λόγων ἐδήλωσέ μοι (5)
— 22. τὴν κρ. ἔδωκε τοῖς ἁγίοις τοῦ ὑψίστου (2 *a*)
— 26. ἡ κρ. καθίσεται (2 *a*)
Da. TH. Su. 53. κρίνων κρ. ἀδίκους
3. (27). πᾶσαι αἱ κρ. σου ἀλήθεια
— (28). ἐν ἀληθείᾳ καὶ κρίσει ἐπήγαγες ταῦτα πάντα
— (31). ἐν ἀληθινῇ κρ. ἐποίησας
4. 34. καὶ αἱ τρίβοι αὐτοῦ κρίσεις [A -ις] (2 *a*)
I Ma. 6. 22. S¹ R ἕως πότε οὐ ποιήσῃ [A S² -εις] κρίσιν
7. 18. οὐκ ἔστιν ἐν αὐτοῖς ἀλήθεια καὶ κρίσις
8. 32. ποιήσομεν αὐτοῖς τὴν κρ.
II Ma. 4. 43. περὶ δὲ τούτων ἐνέστη κρίσις
7. 35. οὔπω γὰρ τὴν τοῦ . . . θεοῦ κρ. ἐκπέφευγας
— 36. σὺ δὲ τῇ τοῦ θεοῦ κρ. . . . τὰ πρόστιμα . . . ἀποίσῃ
9. 4. τῆς ἐξ οὐρανοῦ δὴ κρ. συνούσης αὐτῷ
— 18. ἐπεληλύθει γὰρ ἐπ' αὐτὸν δικαία ἡ τοῦ θεοῦ κρ.
14. 18. τὴν κρίσιν δι' αἱμάτων ποιήσασθαι
— 38. κρίσιν εἰσενηνεγμένος Ἰουδαϊσμοῦ
15. 20. πάντων ἤδη προσδοκώντων τὴν ἐσομένην κρ.
III Ma. 2. 22. R δικαίᾳ περιπεπλεγμένον [A πεπληγ.] κρ.

[**Aq.** Le. 24. 22: Dt. 21. 17: III Ki. 7. 7 (44): 11. 33: Jb. 19. 29: 34. 6, 17: 37. 23: Ps. 9. 8: 98 (99). 4: 118 (119). 121, 156: Pr. 1. 3: 19. 28: 31. 5: Is. 5. 16: 10. 2: 28. 6 *bis*: 34. 5: 41. 1: Ez. 23. 45.]
[**Sm.** Le. 24. 22: Dt. 21. 17: I Ki. 30. 25: III Ki. 7. 7 (44): Jb. 8. 3: 19. 29: 23. 4: 27. 2: 34. 17: 40. 3 (8): Ps. 9. 8: 16 (17). 2: 32 (33). 5: 75 (76). 9: 111 (112). 5: 149. 9: Pr. 1. 3: 18. 17: 28. 25: 31. 8: Is. 10. 2: 25. 7: 28. 6 *bis*, 7: 34. 5: 40. 14: 41. 1, 21: 59. 9, 11: Je. 9. 24 (23): 30 (37). 11: 39 (46). 5: 46 (26). 28: Ez. 23. 45.]
[**Th.** Le. 24. 22: Dt. 21. 17: Jb. 19. 29: 34. 6: 39. 32 (40. 2): Pr. 1. 3: 19. 28: 31. 5: Is. 10. 2: 28. 6 *bis*: 34. 5: 41. 1: 54. 17: 58. 4: Je. 30 (37). 11: Ez. 23. 45: Jl. 3 (4). 2, 14.]
[**Al.** Le. 5. 10: Nu. 29. 6: Dt. 17. 9: Ps. 9. 26 (10. 5): 47 (48). 12.]
[**Quint.** Ps. 118 (119). 121: Pr. 31. 5.]
[**Sext.** Ps. 118 (119). 121.]

κριτήριον. (1) דִּין (2) מִשְׁפָּט

Ex. 21. 6. προσάξει αὐτὸν . . . πρὸς τὸ κρ. τοῦ θεοῦ –
Jd. 5. 10. καθήμενοι ἐπὶ κριτηρίου [A *al.*] †
III Ki. 7. 7. αἰλὰμ τοῦ κρ. (2)
Da. LXX. 7. 10. καὶ κριτήριον ἐκάθισε (1)
Da. TH. Su. 49. ἀναστρέψατε εἰς τὸ κρ.
7. 10. κριτήριον ἐκάθισε (1)
— 26. καὶ τὸ κρ. ἐκάθισε [A καθίσει] (1)
[Th. Da. 7. 26.]

κριτής. (1) *a.* דַּיָּן *b.* מָרוֹן (2) רַב (3) שֵׁבֶט (4) שָׁטַר (5) *a.* שָׁפַט *b.* מִשְׁפָּט (6) κρ. γίγνεσθαι רִיב

De. 1. 15. γραμματοεισαγωγεῖς τοῖς κρ. ὑμῶν (3)
— 16. ἐνετειλάμην τοῖς κρ. ὑμῶν (5 *a*)
16. 18. κριτὰς . . . ποιήσεις [A καταστήσεις] (5 *a*)
17. 9. ἐλεύσῃ πρὸς . . . τὸν κρ. (5 *a*)
— 12. ἡ τοῦ κρ. ὃς ἂν ᾖ [A γένηται] ἐν ταῖς ἡμέραις ἐκείναις (5 *a*)
19. 17. ἔναντι τῶν ἱερέων καὶ ἔναντι τῶν κρ. (5 *a*)
— 18. καὶ ἐξετάσωσιν οἱ κρ. ἀκριβῶς (5 *a*)
21. 2. ἡ γερουσία σου καὶ οἱ κρ. σου (5 *a*)
25. 2. A R καθιεῖς αὐτὸν ἔναντι τῶν κρ. [B *om.* ἔ. τ. κρ.] (5 *a*)
29. 10 (9). ἡ γερουσία ὑμῶν καὶ οἱ κρ. ὑμῶν (3 ?)
31. 28. ἐκκλησιάσατε πρὸς μὲ . . . τοὺς κρ. ὑμῶν (4 ?)
Jd. *tit.* κριταί (5 *a*)
2. 16. ἤγειρε κύριος κριτάς (5 *a*)
— 16 (17). τῶν κρ. [A αὐτῶν] οὐχ ὑπήκουσαν [A οὐκ ἐπ.] (5 *a*)
— 18. ἤγειρε κύριος αὐτοῖς κριτάς (5 *a*)
— 18. ἦν κύριος μετὰ τοῦ κρ. (5 *a*)
— 18. A ἐν χειρὶ τῶν κρ. [B *al.*] †
— 18. πάσας τὰς ἡμέρας τοῦ κρ. (5 *a*)
— 19. ὡς ἀπέθνησκεν ὁ κρ. (5 *a*)
— *subscr.* κριταί
Ru. 1. 1. ἐν τῷ κρίνειν τοὺς κρ. (5 *a*)
I Ki. 24. 16. γένοιτο κύριος εἰς κριτήν (1 *a*)
II Ki. 7. 11. ὧν ἔταξα κριτὰς ἐπὶ τὸν λαόν μου Ἰσρ. (5 *a*)
15. 4. τίς με καταστήσει κριτήν (5 *a*)
IV Ki. 23. 22. ἀφ' ἡμερῶν τῶν κρ. (5 *a*)
I Ch. 17. 6. A ἑνὶ τῶν κρ. Ἰσρ. (5 *a*)
— 10. ὧν ἔταξα κριτὰς ἐπὶ τὸν λαόν μου Ἰσρ. (5 *a*)
23. 4. καὶ κρ. ἑξακισχίλιοι (5 *a*)
28. 1. ἄρχοντας τῶν κρ. (3)
II Ch. 1. 2. καὶ τοῖς κρ. καὶ πᾶσι τοῖς ἄρχουσιν (5 *a*)
19. 5. καὶ κατέστησε κριτάς (5 *a*)
— 6. καὶ εἶπε τοῖς κρ. (5 *a*)
26. 11. διὰ χειρὸς . . . M. τοῦ κρ. (4)
34. 13. γραμματεῖς καὶ κριταί (4)
I Es. 2. 17. R καὶ κριταὶ [A κραταιοὶ, B *om.*] οἱ ἐν κοίλῃ Συρίᾳ
8. 23. ἀνάδειξον κριτὰς καὶ δικαστάς
9. 13. τοὺς πρεσβυτέρους καὶ τοὺς κρ.
II Es. 7. 25. κατάστησον . . . κριτάς (1 *a*)
10. 14. πρεσβύτεροι πόλεως καὶ πόλεως καὶ κριταί (5 *a*)
Jb. 9. 24. πρόσωπα κριτῶν αὐ. συγκαλύπτει (5 *a*)
12. 17. κριτὰς δὲ γῆς ἐξέστησε (5 *a*)
13. 8. ὑμεῖς δὲ αὐτοὶ κριταὶ γίνεσθε [A S γενέσθαι] (6)
Ps. 7. 11. ὁ θεὸς κριτὴς δίκαιος (5 *a*)
49 (50). 6. θεὸς [S ὁ θ.] κριτής ἐστι (5 *a*)
67 (68). 5. τοῦ πατρὸς τῶν ὀρφανῶν καὶ κριτοῦ τῶν χηρῶν (1 *a*)
74 (75). 7. ὁ θεὸς κριτής ἐστι (5 *a*)
140 (141). 6. S² κατεπόθησαν . . . οἱ κρ. [ABS¹ κραταιοὶ] αὐτῶν (5 *a*)
148. 11. ἄρχοντες καὶ πάντες κριταὶ γῆς (5 *a*)
Wi. 15. 7. κριτὴς ὁ πηλουργός
Si. 7. 6. μὴ ζήτει γενέσθαι κριτής
8. 14. μὴ δικάζου μετὰ κριτοῦ
10. 1. κριτὴς σοφὸς παιδεύσει τὸν λαὸν αὐτοῦ
— 2. κατὰ τὸν κρ. τοῦ λαοῦ αὐτοῦ
— 24. μεγιστὰν καὶ κριτὴς καὶ δυνάστης
32 (35). 12. κύριος κριτής ἐστι
41. 18. ἀπὸ κριτοῦ καὶ ἄρχοντος περὶ πλημμελείας
46. 11. A S²R καὶ οἱ κρ. ἕκαστος [B S¹ -ῳ] τῷ αὐτοῦ ὀνόματι
Ho. 7. 7. καὶ κατέφαγον τοὺς κριτὰς αὐ. [A *al.*] (5 *a*)
Am. 2. 3. καὶ ἐξολεθρεύσω κριτὴν ἐξ αὐτῆς (5 *a*)
Mi. 7. 3. ὁ κριτὴς εἰρηνικοὺς λόγους ἐλάλησε (5 *a*)
Hb. 1. 3. γέγονε κρίσις καὶ ὁ κριτὴς λαμβάνει (1 *b*)
Ze. 3. 3. οἱ κριταὶ αὐτῆς ὡς λύκοι τῆς Ἀραβίας (5 *a*)
Is. 1. 26. ἐπιστήσω τοὺς κρ. σου ὡς τὸ πρότερον (5 *a*)
30. 18. κρ. κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν [A S ἡμῶν ἐστι] (5 *b*)
33. 22. οὐ παρελεύσεταί με κύριος [A² *add.* πατὴρ κύριος] κρ. ἡμῶν (5 *a*)
63. 7. κύριος κρ. ἀγαθὸς τῷ οἴκῳ Ἰσραήλ (2 ?)
Ep. Je. 14. σκῆπτρον ἔχει ὡς ἄνθρωπος κρ. χώρας
Ez. 25. 16. A ἐξολεθρεύσω κριτὰς Σιδῶνος [B ἐ. Κρῆτας] †
Da. LXX. Su. 5. ἀπεδείχθησαν δύο πρεσβύτεροι ἐκ τοῦ λαοῦ κριταί
— 5. ἐξῆλθεν ἀνομία ἐκ Βαβ. ἐκ πρεσβυτέρων κρ.
— 29. ἀναστάντες οἱ δύο πρεσβύτεροι καὶ κρ.
— 34. ἀναστάντες δὲ οἱ πρεσβύτεροι καὶ κρ.
— 41. ὡς πρεσβυτέρων ὄντων καὶ κρ. τοῦ λαοῦ
9. 12. ὅσα ἐλάλησεν . . . ἐπὶ τοὺς κρ. ἡμῶν (5 *a*)
Da. TH. Su. 5. ἀπεδείχθησαν δύο πρεσβύτεροι ἐκ τοῦ λαοῦ κριταί
— 5. ἐξῆλθεν ἀνομία ἐκ Βαβ. ἐκ πρεσβυτέρων κρ.
— 41. ὡς πρεσβυτέροις τοῦ λαοῦ καὶ κριταῖς
9. 12. οὓς ἐλάλησεν . . . ἐπὶ τοὺς κρ. ἡμῶν (5 *a*)
I Ma. 2. 55. Ἰησοῦς . . . ἐγένετο κριτὴς ἐν Ἰσρ.
10. 37. S κριταὶ καταστα θήσονται [A R *al.*]
II Ma. 12. 6. ἐπικαλεσάμενος τὸν δίκαιον κρ. θεόν
[Aq. Ps. 140 (141). 6: Is. 40. 23: Mi. 5. 1 (4. 14).]
[Sm. I Ch. 26. 29: Ps. 74 (75). 8: 140 (141). 6: Mi. 5. 1 (4. 14).]
[Th. Jd. 2. 17: Jb. 9. 24: Mi. 5. 1 (4. 14).]
[Al. Nu. 25. 5: I Ch. 17. 6.]

κρίωμα.
[Aq. Ez. 40. 14 *bis.*]

κρόκη. (1) גַּבַּחַת (2) עֵרֶב

Le. 13. 48. ἢ ἐν στήμονι ἢ ἐν κρόκῃ (2)
— 49, 51. ἢ ἐν τῷ στήμονι ἢ ἐν τῇ κρ. (2)
— 52. ἢ τὸν στήμονα ἢ τὴν κρ. (2)
— 53. ἢ ἐν τῷ στήμονι ἢ ἐν τῇ κρ. (2)
— 55. ἢ ἐν τῷ στήμονι ἢ ἐν τῇ κρ. (1)
— 56. ἢ ἀπὸ τοῦ στήμονος ἢ ἀπὸ τῆς κρ. (2)
— 57. ἢ ἐν τῷ στήμονι ἢ ἐν τῇ κρ. (2)
— 58. ἢ ὁ στήμων ἢ ἡ κρ. (2)
— 59. ἢ στήμονος ἢ κρόκης (2)
[Sm. Jd. 16. 12.]

κρόκινος. (1) מֹר

Pr. 7. 17. διέρραγκα τὴν κοίτην μου κροκίνῳ [A S² κρόκῳ] (1)

κροκόδειλος. (1) ὁ κρ. ὁ χερσαῖος צָב

Le. 11. 29. ταῦτα ὑμῖν ἀκάθαρτα . . . ὁ κρ. ὁ χερσαῖος (1)

κρόκος. (1) כַּרְכֹּם (2) מֹר

Pr. 7. 17. A S² διέρραγκα τὴν κοίτην μου κρόκῳ [B S¹ κροκίνῳ] (2)
Ca. 4. 14. νάρδος καὶ κρόκος κάλαμος [S¹ -ον] καὶ κιννάμωμον (1)

κροκύφαντος.
[Aq. Is. 3. 19.]

κροκυφάντωτος (?).
[Aq. Je. 52. 22, 23.]
[Sm. Je. 52. 22.]

κρόμμυον (B), **κρόμυον** (A). (1) בָּצָל

Nu. 11. 5. καὶ τὰ κρ. καὶ τὰ σκόδρα (1)

κροσός (κρωσσός). (1) עֶבֶת (2) שַׂרְשָׂה (3) שַׁרְשָׁרָה

Ex. 28. 22. ποιήσεις . . . κρωσσοὺς συμπεπλεγμένους (2)
— 24. θήσεις ἐπὶ τὸ λογεῖον . . . τοὺς κρ. (1?)
36. 22 (39. 15). ἐποίησαν . . . κρωσσοὺς συμπεπλεγμένους (3)

κροσωτός (κροσσ.). (1) מִשְׁבְּצוֹת (2) שַׁרְשָׁרָה

Ex. 28. 14. ποιήσεις δύο κροσσωτά (2)
— 14. ἐπιθήσεις τὰ κρ. τὰ πεπλεγμένα (2)
Ps. 44 (45). 13. ἐν κροσωτοῖς χρυσοῖς περιβεβλημένη πεποικιλμένη [S¹ -οις] (1)

κρόταφος. (1) עַפְעַפַּיִם (2) רַקָּה

Jd. 4. 21. ἔπηξε τὸν πάσσαλον ἐν τῷ κρ. αὐτοῦ [A *al.*] (2)
Jd. 4. 22. καὶ ὁ πάσσαλος ἐν τῷ κρ. [A τῇ γνάθῳ] αὐτοῦ (2)
5. 26. διήλωσε κρόταφον αὐτοῦ [A *al.*] (2)
Ps. 131 (132). 4. καὶ ἀνάπαυσιν τοῖς κρ. μου (1)
[Aq. Jd. 4. 21.]
[Sm., Al. Jd. 5. 26.]
[Th. Ps. 131 (132). 4.]

κροτεῖν. (1) מָחָא *a.* qal. *b.* pi. (2) נָכָה hi. (3) סָפַק (4) שָׁפַק (5) תָּקַע

IV Ki. 11. 12. R ἐκρότησαν [A B ἐκράτησεν] τῇ χειρί (2)
Jb. 27. 23. S¹R κροτήσει ἐπ' αὐτοὺς [B -οῦ, A S² -ὸν] χεῖρας αὐ. (4)
Ps. 46 (47). 1. πάντα τὰ ἔθνη κροτήσατε χεῖρας (5)
97 (98). 8. ποταμοὶ κροτήσουσι χειρὶ ἐπὶ τὸ αὐτό (1 *a*)
Na. 3. 19. κροτήσουσι χεῖρας ἐπὶ σέ (5)
La. 2. 15. ἐκρότησαν ἐπὶ σὲ χεῖρας (3)
Ez. 6. 11. κρότησον τῇ χειρί (2)
21. 12 (17). κρότησον ἐπὶ τὴν χεῖρά σου (3)
— 14 (19). κρότησον χεῖρα [A τῇ χειρὶ] ἐπὶ χεῖρα (2)
— 17 (22). κροτήσω χεῖρά μου πρὸς χεῖρά μου (2)
25. 6. ἐκρότησας τὴν χεῖρά σου (1 *b*)
29. 7. ἐπεκρότησεν [B¹ ἐκρ., A ἐπεκράτ.] ἐπ' αὐτούς †
[Aq. IV Ki. 11. 12: Je. 31 (38). 19: Ez. 31. 15.]
[Sm. Je. 31 (38). 19.]
[Th. IV Ki. 11. 12: Jb. 27. 23: Ez. 22. 13.]
[Al. Ps. 65 (66). 1: 94 (95). 2: 97 (98). 4: 99 (100). 1.]
[Quint. IV Ki. 11. 12.]

κρούειν. (1) דָּפַק *a.* qal. *b.* hithp.

Jd. 19. 22. κρούοντες ἐπὶ [A καὶ ἔκρουσαν] τὴν θύραν (1 *b*)
Ju. 14. 14. ἔκρουσε τὴν αὐλαίαν [A αὐλὴν] τῆς σκηνῆς –
Ca. 5. 2. S τὸν νυμφίον κρούοντα ἐπὶ τὴν θύραν –
— 2. φωνὴ ἀδελφιδοῦ μου κρούει ἐπὶ τὴν θύραν (1 *a*)

κρουνηδόν.
II Ma. 14. 45. φερομένων κρ. τῶν αἱμάτων

κρουνισμός.
[Aq. II Ki. 5. 8.]

κρουνός.
[Sm. Ps. 41 (42). 8.]

κροῦσμα.
[Sm. Is. 1. 6.]

κρύβδην. (1) בִּפְתָר

II Ki. 12. 12. A σὺ ἐποίησας κρ. [B -βῇ] (1)

κρύβειν. (1) חָבָא hithp. (2) פָּלָא ni.

I Ki. 23. 23. A ὅπου κρύβεται ἐκεῖ (1)
IV Ki. 11. 3. ἦν μετ' αὐτῆς κρυβόμενος (1)
I Ch. 21. 20. A τέσσαρες υἱοὶ αὐτοῦ . . . κρυβόμενοι [B μεθ' ἁχαβίν] (1)
Je. 39 (32). 27. μὴ ἀπ' ἐμοῦ κρυβήσεταί [S¹-βεται] τι (2)
[Sm. Ps. 54 (55). 13: Is. 8. 17.]

κρυβῇ (1) חָבָא ni. (2) בַּלָּט (3) בִּפְתָר

Ge. 31. 26 (27). A ἵνα τί κρ. [R κρυφῇ] ἀπέδρας (1)
Ru. 3. 7. A ἡ δὲ ἦλθεν κρυβῇ [B κρυφῇ] (2)
I Ki. 19. 2. B κάθισον κρυβῇ [A R κρυφῇ] (3)
II Ki. 12. 12. σὺ ἐποίησας κρυβῇ [A κρύβδην] (3)
III Ma. 4. 12. τοὺς ἐκ τῆς πόλεως ὁμοεθνεῖς κρ. ἐκπορευομένους
[Aq., Th. Jo. 2. 1.]

κρύος.
[Aq. Ps. 77 (78). 47.]

κρύπτειν. (1) חָבָא *a.* ni. *b.* pu. *c.* hi. *d.* hoph. *e.* hithp. *f.* מַחֲבֵא *g.* חָבָה ni. (2) חָשַׁךְ hi. (3) טָמַן *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. (4) כָּחַד *a.* ni. *b.* pi. *c.* hi. (5) כָּסָה *a.* qal. *b.* pi. *c.* hithp. (6) לָאַט (7) מָנַע (8) נָחֵת (9) סָתַר *a.* ni.

b. pu. *c.* hi. *d.* hithp. *e.* סִתֵּר
(10) κεκρυμμένος בְּעֲלָטָה (11) עָלַם hi.
(12) פָּלָא ni. (13) צָפַן *a.* qal. *b.* ni.
c. hi. *d.* צָפִין *e.* מִצְפָּנִים

Ge. 3. 8. ἐκρύβησαν ὅ τε 'Α. καὶ ἡ γυνὴ αὐτοῦ (1 *e*)
— 10. ἐφοβήθην . . . καὶ ἐκρύβην (1 *a*)
4. 14. ἀπὸ τοῦ προσώπου σου κρυβήσομαι (9 *a*)
18. 17. R οὐ [A *om.*] μὴ κρύψω ἐγὼ ἀπὸ 'Α. (5 *b*)
31. 20. ἔκρυψε δὲ Ἰακὼβ Λάβαν †
37. 26. ἐὰν . . . κρύψωμεν τὸ αἷμα αὐτοῦ (5 *b*)
Ex. 2. 3. οὐκ ἐδύναντο αὐτὸ ἔτι κρύπτειν (13 *c*)
— 12. ἔκρυψεν αὐτὸν ἐν τῇ ἄμμῳ (3 *a*)
Nu. 5. 13. καὶ κρύψῃ (9 *a*)
De. 7. 20. A B^2 R ἕως ἂν ἐκτριβῶσιν . . . οἱ κεκρυμμένοι ἀπὸ σοῦ (9 *a*)
Jo. 2. 4. λαβοῦσα ἡ γυνὴ . . . ἔκρυψεν αὐτούς (13 *a*)
— 6. καὶ ἔκρυψεν αὐτούς (3 *a*)
— 16. καὶ κρυβήσεσθε ἐκεῖ (1 *a*)
6. 24 (25). ἔκρυψε τοὺς κατασκοπεύσαντας (1 *c*)
7. 19. μὴ κρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ (4 *b*)
— 21. τὸ ἀργύριον κέκρυπται ὑποκάτω αὐτῶν –
— 22. A R ταῦτα ἦν κεκρυμμένα [B ἐγκ.] (3 *a*)
10. 17. εὕρηνται οἱ πέντε βασιλεῖς κεκρυμμένοι (1 *a*)
Jd. 9. 5. ὅτι ἐκρύβη (1 *a*)
I Ki. 3. 17. μὴ δὴ κρύψῃς [A μὴ διακρ.] ἀπ' ἐμοῦ (4 *b*)
— 17. ἐὰν κρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ ῥῆμα (4 *b*)
— 18. καὶ οὐκ ἔκρυψεν ἀπ' αὐτοῦ (4 *b*)
10. 22. ἰδοὺ αὐτὸς κέκρυπται (1 *a*)
13. 6. B καὶ ἐκρύβη ὁ λαός (1 *e*)
14. 11. οὗ ἐκρύβησαν ἐκεῖ (1 *e*)
— 22. οἱ κρυπτόμενοι ἐν τῷ ὄρει Ἐφ. (1 *e*)
19. 2. κρύβηθι καὶ κάθισον κρυφῇ (1 *a*)
20. 2. κρύψει ὁ πατήρ μου τὸ ῥῆμα τοῦτο (9 *c*)
— 5. κρυβήσομαι [A πορεύσομαι] ἐν τῷ πεδίῳ (9 *a*)
— 19. οὗ κρυβῇς [A ἔκρ.] ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ ἐργασίμῃ (9 *a*)
— 24. κρύπτεται Δαυὶδ ἐν ἀγρῷ (9 *a*)
23. 19. οὐκ ἰδοὺ Δαυὶδ κέκρυπται (9 *d*)
24. 9. A ἔκρυψεν [B ἔκυψε] Δ. ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ †
II Ki. 14. 18. μὴ δὴ κρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ ῥῆμα (4 *b*)
17. 9. αὐτὸς νῦν κέκρυπται ἐν ἑνὶ τῶν βουνῶν (1 *a*)
19. 4 (5). ἔκρυψε [A ἐπέκρ.] τὸ πρόσωπον αὐτοῦ (6)
III Ki. 17. 3. κρύβηθι ἐν τῷ χειμάρρῳ Χ. (9 *a*)
18. 4. A B καὶ ἔκρυψεν [R κατέκρ.] αὐτούς (1 *c*)
— 13. ἔκρυψα ἀπὸ τῶν προφητῶν κυρίου (1 *c*)
22. 25. τοῦ κρυβῆναι [B^1 τοῦ κρυφίου] (1 *g*)
IV Ki. 6. 5. ὦ κύριε, καὶ αὐτὸ κεκρυμμένον †
— 9. ἐκεῖ Συρία κέκρυπται (8)
— 29. ἔκρυψε τὸν υἱὸν αὐτῆς (1 *c*)
7. 8. A καὶ ἔκρυψαν (3 *c*)
— 12. καὶ ἐκρύβησαν ἐν τῷ ἀγρῷ (1 *g*)
11. 2. καὶ ἔκρυψεν αὐτόν (9 *c*)
II Ch. 22. 11. ἔκρυψεν αὐτὸν Ἰωσ. (9 *c*)
— 11. ἔκρυψεν αὐτὸν ἀπὸ πρόσωπου Γ. –
To. 1. 19. καὶ ἐκρύβην
12. 7. μυστήριον βασιλέως καλὸν κρύψαι [A S κρύπτειν]
— 11. οὐ μὴ κρύψω ἀφ' ὑμῶν πᾶν ῥῆμα
— 11. μυστήριον βασιλέως κρύψαι καλόν
13. 6. οὐ μὴ κρύψῃ τὸ πρόσωπον αὐτοῦ ἀφ' ὑμῶν
Jb. 5. 21. ἀπὸ μάστιγος γλώσσης σε κρύψει (1 *a*)
13. 20. ἀπὸ τοῦ προσώπου σου οὐ [S *om.*] κρυβήσομαι (9 *a*)
— 24. διὰ τί ἀπ' ἐμοῦ κρύπτῃ [A S με ἀποκρύπτῃ] (9 *c*)
14. 13. ἔκρυψας [A κρύψεις] δέ με (9 *c*)
15. 18. A R οὐκ ἔκρυψαν πατέρες [B S -ας] αὐτῶν (4 *b*)
17. 4. B S^2 καρδίαν αὐτῶν ἔκρυψας [A -αν] ἀπὸ φρονήσεως (13 *a*)
18. 10. κέκρυπται ἐν τῇ γῇ σχοινίον αὐτοῦ (3 *a*)
20. 12. κρύψει αὐτὴν ὑπὸ τὴν γλῶσσαν αὐτοῦ (4 *c*)
23. 12. ἐν δὲ κόλπῳ μου ἔκρυψα ῥήματα αὐτοῦ (13 *a*)
24. 4. ὁμοθυμαδὸν δὲ ἐκρύβησαν πραεῖς γῆς (1 *b*)
28. 21. ἀπὸ πετεινῶν τοῦ οὐρανοῦ ἐκρύβη [A οὐκ ἔκρ.] (9 *a*)
29. 8. ἰδόντες με νεανίσκοι ἐκρύβησαν [A ἔκρ. ἑαυτοῖς] (1 *a*)
31. 33. εἰ δὲ καὶ . . . ἔκρυψα τὴν ἁμαρτίαν μου (5 *b* + 3 *a*)
34. 22. τοῦ κρυβῆναι τοὺς ποιοῦντας τὰ ἄνομα (9 *a*)
Jb. 34. 29. κρύψει πρόσωπον καὶ τίς ὄψεται αὐτόν (9 *c*)
38. 2. τίς οὗτος ὁ κρύπτων με [S^1 *om.*] βουλὴν . . . ἐμὲ δὲ οἴεται κρύπτειν (2, †)
40. 8 (13). κρύψον δὲ [A S^2 δὲ αὐτοὺς] εἰς γῆν [A S γ. ἔξω] (3 *a*)
42. 3. A B S^2 τίς γάρ ἐστιν ὁ κρύπτων σε βουλήν (11)
— 3. καὶ σὲ οἴεται κρύπτειν †
Ps. 9. 15. ἐν παγίδι ταύτῃ ᾗ ἔκρυψαν (3 *a*)
16 (17). 14. τῶν κεκρυμμένων σου ἐπλήσθη ἡ γαστὴρ αὐτῶν (13 *a*, 13 *d**)
26 (27). 5. ἔκρυψέ με ἐν σκηνῇ (13 *a*)
30 (31). 4. ἐκ παγίδος ταύτης ἧς ἔκρυψάν μοι (3 *a*)
— 19. ἧς ἔκρυψας τοῖς φοβουμένοις σε (13 *a*)
34 (35). 7. δωρεὰν ἔκρυψάν μοι διαφθορὰν παγίδος αὐτῶν (3 *a*)
— 8. ἡ θήρα ἣν ἔκρυψαν [S^2 -εν] (3 *a*)
37 (38). 9. ὁ στεναγμός μου οὐκ ἐκρύβη ἀπὸ σοῦ (9 *a*)
39 (40). 10. οὐκ ἔκρυψα . . . τὴν ἀλήθειάν σου (5 *b*)
— 10. οὐκ ἔκρυψα τὸ ἔλεός σου (4 *b*)
53 (54). *tit.* οὐκ ἰδοὺ Δαυὶδ κέκρυπται παρ' ἡμῖν (9 *d*)
54 (55). 12. ἐκρύβην ἂν ἀπ' αὐτοῦ (9 *a*)
63 (64). 5. διηγήσαντο τοῦ κρύψαι παγίδας (3 *a*)
68 (69). 5. αἱ πλημμέλειαί μου . . . οὐκ ἐκρύβησαν [S^2 ἀπεκρ.] (4 *a*)
77 (78). 4. οὐκ ἐκρύβη ἀπὸ τῶν τέκνων αὐτῶν εἰς γενεὰν ἑτέραν (4 *b*)
118 (119). 11. ἐν τῇ καρδίᾳ μου ἔκρυψα τὰ λόγιά σου (13 *a*)
138 (139). 15. οὐκ ἐκρύβη τὸ ὀστοῦν μου ἀπὸ σοῦ (4 *a*)
139 (140). 5. ἔκρυψαν ὑπερήφανοι παγίδα μοι (3 *a*)
141 (142). 3. ἔκρυψαν παγίδα μοι (3 *a*)
Pr. 1. 11. κρύψωμεν δὲ εἰς γῆν ἄνδρα δίκαιον ἀδίκως (13 *a*)
2. 1. ἐὰν δεξάμενος ῥῆσιν ἐμῆς ἐντολῆς κρύψῃς (13 *a*)
7. 1. τὰς δὲ ἐμὰς ἐντολὰς κρύψον παρὰ σεαυτῷ (13 *a*)
10. 14. σοφοὶ κρύψουσιν αἴσθησιν (13 *a*)
11. 13. πιστὸς δὲ πνοῇ κρύπτει πράγματα (5 *b*)
12. 16. κρύπτει δὲ τὴν ἑαυτοῦ ἀτιμίαν πανοῦργος (5 *a*)
17. 9. ὃς κρύπτει ἀδικήματα ζητεῖ φιλίαν ὃς δὲ μισεῖ κρύπτειν διΐστησι φίλους καὶ οἰκείους (5 *b*, †)
25. 2. δόξα θεοῦ κρύπτει λόγον (9 *c*)
— 4. A κρύπτε [B S τύπτε] ἀδόκιμον ἀργύριον †
26. 15. κρύψας ὀκνηρὸς τὴν χεῖρα ἐν τῷ κόλπῳ αὐτοῦ (3 *a*)
— 26. ὁ κρύπτων ἔχθραν συνίστησι δόλον (5 *c*)
27. 5. κρείσσους ἔλεγχοι ἀποκεκαλυμμένοι κρυπτομένης φιλίας (9 *b*)
Si. 1. 23. ἕως καιροῦ κρύψει τοὺς λόγους αὐτοῦ
6. 12. ἀπὸ τοῦ προσώπου σου κρυβήσεται
12. 8. οὐ κρυβήσεται ἐν κακοῖς ὁ ἐχθρός
16. 17. ἀπὸ [A παρὰ] κυρίου κρυβήσομαι
17. 15. οὐ κρυβήσονται ἀπὸ τῶν ὀφθαλμῶν αὐ.
— 20. οὐκ ἐκρύβησαν αἱ ἀδικίαι αὐτῶν ἀπ' αὐτοῦ
20. 30. σοφία κεκρυμμένη καὶ θησαυρὸς ἀφανής
22. 25. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ οὐ μὴ κρυβῶ
37. 10. ἀπὸ τῶν ζηλούντων σε κρύψον βουλήν
39. 19. οὐκ ἔστι κρυβῆναι ἀπὸ τῶν ὀφθαλμῶν αὐτοῦ
41. 14. σοφία δὲ κεκρυμμένη καὶ θησαυρὸς ἀφανής
42. 20. οὐκ ἐκρύβη ἀπ' αὐτοῦ οὐδὲ [A *om.*] εἷς λόγος
Ho. 6. 10 (9). ἔκρυψαν ἱερεῖς ὁδόν †
13. 14. παράκλησις κέκρυπται ἀπὸ [A ἐξ] ὀφθαλμῶν μου (9 *a*)
Ob. 1. 6. κατελήφθη [S κατελείφθη] αὐτοῦ τὰ κεκρυμμένα (13 *e*)
Is. 2. 10. κρύπτεσθε εἰς τὴν γῆν (3 *b*)
29. 14. τὴν σύνεσιν τῶν συνετῶν κρύψω (9 *d*)
32. 2. ἔσται ὁ ἄνθρωπος κρύπτων τοὺς λόγους αὐτοῦ [A τούτους] καὶ κρυβήσεται (1 *f*, 9 *e*)
42. 22. ὅπου ἔκρυψαν αὐτούς (1 *d*)
49. 2. ὑπὸ τὴν σκέπην τῆς χειρὸς αὐτοῦ ἔκρυψέ [S^1 ἐσκέπασέν] με . . . καὶ ἐν τῇ φαρέτρᾳ αὐτοῦ ἔκρυψέ [A S^2 ἐσκέπασέν] με (1 *c*, 9 *c*)
Je. 4. 29. εἰς τὰ ἄλση ἐκρύβησαν –
13. 5. ἔκρυψα αὐτὸ ἐν τῷ Εὐφράτῃ (3 *a*)
16. 17. S^1 οὐκ ἐκρύβησαν ἀπὸ προσώπου μου (9 *a*)
— 17. οὐκ ἐκρύβη τὰ ἀδικήματα αὐτῶν (13 *b*)
18. 20. τὴν κόλασιν αὐτῶν ἔκρυψάν μοι –
— 22. παγίδας ἔκρυψαν ἐπ' ἐμέ (3 *a*)
23. 24. εἰ κρυβήσεταί τις [A ἄνθρωπος] ἐν κρυφαίοις (9 *a*)
Je. 27 (50). 2. μὴ κρύψητε (4 *b*)
29 (49). 10. κρυβῆναι οὐ μὴ δύνωνται (1 *g*)
39 (32). 27. μὴ ἀπ' ἐμοῦ κρυβήσεταί [S^1 κρύβεται] τι [A ἔτι] (12)
43 (36). 19. A κρύβηθι [B S κατακρ.] σύ (9 *a*)
45 (38). 14. μὴ δὴ κρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ ῥῆμα (4 *b*)
— 25. μὴ κρύψῃς ἀφ' ἡμῶν (4 *b*)
49 (42). 4. οὐ μὴ κρύψω ἀφ' ὑμῶν ῥῆμα (7)
La. 3. 56. B μὴ κρύψῃς τὰ ὦτά σου εἰς τὴν δέησίν μου (11)
Ez. 12. 6. κεκρυμμένος ἐξελεύσῃ (10)
— 7. κεκρυμμένος ἐξῆλθον (10)
— 12. κεκρυμμένος ἐξελεύσεται διὰ τοῦ τοίχου (10)
Da. TH. Su. 16. οἱ δύο πρεσβύτεροι κεκρυμμένοι
— 18. ὅτι ἦσαν κεκρυμμένοι
— 37. νεανίσκος ὃς ἦν κεκρυμμένος
Bel 13. πεποιήκεισαν . . . κεκρυμμένην εἴσοδον
I Ma. 9. 38. ἐκρύβησαν ὑπὸ τὴν σκέπην τοῦ ὄρους
II Ma. 1. 33. A οὗ τὸ πῦρ ἔκρυψαν [R ἀπέκρ.]
12. 41. τοῦ τὰ κεκρυμμένα φανερὰ ποιοῦντος
[Aq. Ge. 31. 27 : Dt. 33. 19 : IV Ki. 7. 8† : Jb. 34. 22 : Ps. 12 (13). 2 : 16 (17). 14 : 30 (31). 5, 20 : Pr. 27. 16 : 28. 28 : Is. 32. 2 : 64. 7 (6) : Je. 16. 17 : 36 (43). 26.]
[Sm. Dt. 33. 19 : I Ki. 26. 1 : II Ki. 15. 28 : Jb. 15. 20 : 17. 4 : 24. 16 : Ps. 12 (13). 2 : 26. (27). 5 : 30 (31). 20, 21 : 31 (32). 1, 5 : 43 (44). 25 : 63 (64). 3, 6 : Pr. 27. 5, 16 : 28. 28 : Is. 64. 7 (6) : Je. 36 (43). 26.]
[Th. I Ki. 23. 26 : Jb. 15. 20 : 17. 4 : 24. 4 : 34. 22 : Ps. 12 (13). 2 : 31 (32). 1, 5 : Pr. 27. 16 : 28. 28 : Is. 64. 7 (6) : Je. 16. 17 : Da. 5. 12†.]
[Al. Ex. 2. 2 : Le. 20. 4 : Ps. 142 (143). 7.]
[Quint. Ps. 26 (27). 5 : 55 (56). 1 : Pr. 27. 16.]
[Sext. Ps. 31 (32). 1.]

κρυπτός. (1) אָטֵם (2) בָּקִיעַ (3) כָּסָה pi.
(4) מַשְׂכִּית (5) *a.* סָתַר ni. *b.* מְסֻתָּר
(6) רָז

De. 15. 9. μὴ γένηται ῥῆμα κρ. ἐν τῇ καρδίᾳ σου –
29. 29 (28). τὰ κρ. κυρίῳ τῷ θεῷ ἡμῶν (5 *a*)
III Ki. 6. 4. θυρίδας παρακυπτομένας κρ. (1)
IV Ki. 21. 7. A ἔθηκε τὸ κρ. τοῦ οἴκου ἐν τῷ ἄλσει [B *al.*] †
Wi. 7. 21. ὅσα τέ ἐστι κρυπτὰ καὶ ἐμφανῆ ἔγνων
Si. 1. 30. ἀποκαλύψει κύριος τὰ κρ. σου
3. 22. οὐ γάρ ἐστί σοι χρεία τῶν κρ.
4. 18. ἀποκαλύψει αὐτῷ τὰ κρ. αὐτῆς
8. 18. ἐνώπιον ἀλλοτρίου μὴ ποιήσῃς κρυπτόν
11. 4. κρυπτὰ τὰ ἔργα αὐτοῦ ἐν [A S *om.*] ἀνθρώποις
Is. 22. 9. ἀνακαλύψουσι τὰ κρ. τῶν οἴκων τῆς ἄκρας Δ. (2)
29. 10. καμμύσει τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτῶν . . . οἱ ὁρῶντες τὰ κρ. (3)
Je. 29 (49). 10. ἀνεκάλυψα τὰ [S^1 τε] κρ. αὐτῶν (5 *b*)
Ez. 8. 12. ἕκαστος αὐτῶν ἐν τῷ κοιτῶνι τῷ κρυπτῷ αὐτῶν (4 ?)
40. 16. θυρίδες κρυπταὶ ἐπὶ τὸ θεείμ (1)
41. 26. θυρίδες κρυπταί (1)
Da. LXX. 2. 47. ὁ ἐκφαίνων μυστήρια κρυπτὰ μόνος (6 ?)
Da. TH. Su. 42. ὁ θεὸς ὁ αἰώνιος ὁ τῶν κρ. γνώστης
Bel 21. ἔδειξαν αὐτῷ τὰς κρ. θύρας
I Ma. 10. 79. R ἀπέλιπεν Ἀπ. χιλίαν ἵππον ἐν κρυπτῷ [A S κρυπτῶς]
II Ma. 1. 16. τὴν τοῦ φατνώματος κρ. θύραν
[Aq. Ge. 42. 12.]
[Sm. Ge. 42. 9, 12 : Dt. 28. 27 : I Ki. 5. 6, 9 : Ps. 138 (139). 15.]
[Th. II Ki. 12. 12 : III Ki. 6. 4.]
[Al. I Ki. 5. 12.]

κρυπτῶς.
To. 12. 6. καλέσας τοὺς δύο κρυπτῶς
I Ma. 10. 79. A S ἀπέλιπεν Ἀπ. χιλίαν ἵππον κρ. [R ἐν κρυπτῷ]

κρυσταλλοειδής.
Wi. 19. 21. οὐδὲ τηκτὸν εὔτηκτον κρυσταλλοειδὲς γένος ἀμβροσίας τροφῆς

κρύσταλλος. (1) אֶקְדָּח (2) בְּדֹלַח (3) קִיטוֹר
(4) קֶרַח

Nu. 11. 7. τὸ εἶδος αὐτοῦ εἶδος [A ὡς εἰ.] κρυστάλλου (2)

Jb. 6. 16. ἐπιπεπτώκασί μοι ὥσπερ χιὼν ἢ κρύσταλλος πεπηγώς (4)
38. 29. ἐκ γαστρὸς δὲ τίνος ἐκπορεύεται ὁ [A S om.] κρύσταλλος (4)
Ps. 147. 6 (17). βάλλοντος κρύσταλλον αὐτοῦ ὡσεὶ ψωμούς (4)
148. 8. πῦρ χάλαζα χιὼν κρύσταλλος (3)
Wi. 16. 22. κρύσταλλος ὑπέμεινε [A -έμενε] πῦρ
Si. 43. 20. παγήσεται κρύσταλλος ἀφ' [A S ἐφ'] ὕδατος
Is. 54. 12. θήσω . . . τὰς πύλας σου λίθους κρυστάλλου (1)
Ez. 1. 22. ὡς ὅρασις κρυστάλλου (4)
[Sm. Jb. 38. 22.]

κρύφα.

[Sm. Jb. 13. 10: 31. 27.]

κρυφαῖος. (1) מִסְתָּר

Ex. 17. 16. ἐν χειρὶ κρυφαίᾳ πολεμεῖ κ. †
Wi. 17. 3. λανθάνειν γὰρ νομίζοντες ἐπὶ κρυφαίοις ἁμαρτήμασιν
Je. 23. 24. εἰ κρυβήσεταί τις [A ἄνθρωπος] ἐν κρυφαίοις (1)
La. 3. 10. αὐτός μοι λέων ἐν κρυφαίοις (1)
[Sm. Ps. 80 (81). 8: Is. 45. 15.]
[Th. Is. 45. 15.]

κρυφαίως. (1) בַּסֵּתֶר

Je. 44 (37). 17. ἠρώτα αὐτὸν ὁ βασ. κρ. [A al.] (1)
47 (40). 15. εἶπεν τῷ Γοδολίᾳ κρ. (1)
[Aq., Sm., Th. IV Ki. 15. 5: II Ch. 26. 21.]

κρυφῇ. (1) חָבָא ni. (2) ἐν κρ. a. בַּלָּאט b. בַּלָּט (3) a. סָתַר hi. b. בַּסֵּתֶר c. ἐν κρ. בַּסְּתָרָה (4) ἐν κρ. בְּתָרְמָה

Ge. 31. 26 (27). R ἵνα τί κρ. [A κρυβῇ] ἀπέδρας (1)
Ex. 11. 2. λάλησον οὖν κρυφῇ εἰς τὰ ὦτα τοῦ λαοῦ –
De. 28. 57. καταφάγεται γὰρ αὐτὰ . . . κρυφῇ (3 b)
Jd. 4. 21. εἰσῆλθε πρὸς αὐτὸν ἐν κρυφῇ [A al.] (2 a)
9. 31. ἀπέστειλεν ἀγγέλους . . . ἐν κρυφῇ [A μετὰ δώρων] (4)
Ru. 3. 7. ἡ δὲ ἦλθεν κρυφῇ [A κρυβῇ] (2 b)
4. 1. A κάθισον ὧδε κρυφῇ [B -φιε] †
I Ki. 19. 2. A R κάθισον κρυφῇ [B κρυβῇ] (3 b)
Jb. 13. 10. εἰ δὲ καὶ κρυφῇ πρόσωπα θαυμάσεσθε [A -σετε] (3 b)
Ps. 138 (139). 15. ὁ ἐποίησας ἐν κρυφῇ (3 c)
Wi. 18. 9. κρυφῇ γὰρ ἐθυσίαζον ὅσιοι [A om.] παῖδες ἀγαθῶν
Is. 29. 15. A B² S οὐαὶ οἱ ἐν κρυφῇ βουλὴν ποιοῦντες (3 a)
45. 19. οὐκ ἐν κρυφῇ λελάληκα (3 c)
48. 16. οὐκ ἀπ' ἀρχῆς ἐν κρυφῇ λελάληκα (3 c)
[Aq. Je. 37 (44). 17.]
[Sm. Ps. 63 (64). 5: Je. 13. 17.]
[Al. Ps. 138 (139). 15.]

κρυφιαστής.

[Aq. Ge. 41. 8, 24: Ex. 7. 11: 8. 7 (3).]

κρύφιος. (1) חָבָה ni. (2) סָתַם (3) a. סָתַר ni. b. סֵתֶר (4) פְּלִגֵי אַלְמֹנִי (5) תַּעֲלֻמָה

Jd. 3. 19. λόγος μοι κρ. πρὸς σέ (3 b)
Ru. 4. 1. κάθισον ὧδε κρύφιε [A -φῇ] (4)
III Ki. 22. 25. B¹ ὅταν εἰσέλθῃς ταμεῖον τοῦ ταμείου τοῦ κρ. [A B² R κρυβῆναι] (1)
Ps. 9 tit. εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῶν κρ. τοῦ υἱοῦ †
18 (19). 12. ἐκ τῶν κρ. μου καθάρισόν με (3 a)
43 (44). 21. γινώσκει τὰ κρ. τῆς καρδίας (5)
45 (46). tit. B ὑπὲρ τῶν κρ. ψαλμός [S al.] †
50 (51). 6. τὰ κρ. τῆς σοφίας σου ἐδήλωσάς μοι (2 ?)
Pr. 9. 17. ἄρτων κρυφίων ἡδέως ἅψασθε (3 b)
Wi. 14. 23. ἢ κρύφια μυστήρια . . . ἄγοντες
Si. 42. 1. καὶ ἀπὸ [S om.] ἀποκαλύψεων [A S -ως] λόγων κρυφίων
I Ma. 1. 53. A S³ ἔθεντο τὸν Ἰσρ. ἐν κρυφίοις [S¹ R κρύφοις]
2. 31. S κατέβησαν . . . εἰς τοὺς κρ. [A R κρύφους]
— 41. S ἀπέθανον οἱ ἀδελφοὶ ἡμῶν ἐν τοῖς κρ. [A R κρύφοις]
[Aq. IV Ki. 2. 14: Je. 41 (48). 8: 43 (50). 9.]
[Sm. IV Ki. 2. 14: Je. 41 (48). 8: 43 (50). 9: Ez. 33. 27.]
[Th. IV Ki. 2. 14: Je. 43 (50). 9: Ez. 28. 3.]

κρυφίως.

[Sm. Hb. 3. 14.]
[Al. II Ch. 26. 21.]

κρύφος.

I Ma. 1. 53. ἔθεντο τὸν Ἰσρ. ἐν κρύφοις [A S³ -ίοις]
2. 31. A R κατέβησαν . . . εἰς τοὺς κρ. [S -ίους]
— 36. οὐδὲ ἐνέφραξαν τοὺς κρ.
— 41. A R ἀπέθανον οἱ ἀδελφοὶ ἡμῶν ἐν τοῖς κρ. [S -ίοις]
[Th. Is. 30. 6†.]

κρύψις.

[Al. Le. 20. 4.]

κτᾶσθαι. (1) a. בָּעַל b. בַּעַל (2) הָיָה (3) יָלַד (4) יָרַשָּׁה (5) לָקַח (6) מָכַר (7) נָחַל (8) עָשָׂה (9) קָנָה a. qal. b. ni. c. hi. d. קִנְיָן e. מִקְנֶה (10) רָכַשׁ

Ge. 4. 1. ἐκτησάμην ἄνθρωπον διὰ τοῦ θεοῦ (9 a)
12. 5. ὅσα ἐκτήσαντο (10)
— 5. πᾶσαν ψυχὴν ἣν ἐκτήσαντο (8)
25. 10. τὸ σπήλαιον ὃ ἐκτήσατο Ἀ. (9 a)
33. 19. ἐκτήσατο τὴν μερίδα τοῦ ἀγροῦ (9 a)
36. 6. πάντα ὅσα ἐκτήσατο (9 d)
39. 1. ἐκτήσατο αὐτὸν Πετεφρῆς (9 a)
46. 6. R ἣν ἐκτήσαντο ἐν γῇ [A ἐκ γῆς] Χ. (10)
47. 19. κτῆσαι ἡμᾶς καὶ τὴν γῆν ἡμῶν (9 a)
— 20. ἐκτήσατο Ἰ. πᾶσαν τὴν γῆν . . . τῷ Φ. (9 a)
— 22. οὐκ ἐκτήσατο ταύτην [A om.] Ἰ. (9 a)
— 23. κέκτημαι ὑμᾶς καὶ τὴν γῆν ὑμῶν (9 a)
49. 30: 50. 13. ὃ ἐκτήσατο Ἀβ. τὸ σπήλαιον (9 a)
Ex. 15. 16. ὃν ἐκτήσω [A ἐλυτρώσω] (9 a)
21. 2. ἐὰν κτήσῃ παῖδα Ἑβραῖον (9 a)
Le. 22. 11. ἐὰν δὲ ἱερεὺς κτήσηται ψυχήν (9 a)
25. 14. ἐὰν καὶ κτήσῃ παρὰ τοῦ πλησίον σου (9 a)
— 15. κτήσῃ παρὰ τοῦ πλησίον (9 a)
— 28. ἔσται ἡ πρᾶσις τῷ κτησαμένῳ αὐτά (9 a)
— 30. κυρωθήσεται ἡ οἰκία . . . τῷ κτησαμένῳ αὐτὴν (9 a)
— 44. ἀπ' αὐτῶν κτήσεσθε [A -σασθε] δοῦλον (9 a)
— 45. ἀπὸ τούτων κτήσεσθε (9 a)
— 50. συλλογιεῖται πρὸς τὸν κεκτημένον αὐτόν (9 a)
27. 22. ἀπὸ τοῦ ἀγροῦ οὗ κέκτηται (9 e)
— 24. παρ' οὗ κέκτηται αὐτόν (9 a)
De. 28. 68. οὐκ ἔσται ὁ κτώμενος (9 a)
32. 6. οὐκ αὐτὸς οὗτός σου πατὴρ ἐκτήσατό σε (9 a)
Jo. 24. 32. οὗ ἐκτήσατο Ἰακώβ (9 a)
Ru. 4. 4. κτῆσαι ἐναντίον τῶν καθημένων (9 a)
— 5. τοῦ κτήσασθαί σε τὸν ἀγρόν (9 a)
— 5. αὐτὴν κτήσασθαί σε δεῖ (9 a)
— 8. κτῆσαι σεαυτῷ τὴν ἀγχιστείαν μου (9 a)
— 9. κέκτημαι πάντα τὰ τοῦ Ἐλ. (9 a)
— 10. Ῥοὺθ . . . κέκτημαι ἐμαυτῷ εἰς γυναῖκα (9 a)
II Ki. 12. 3. ἣν ἐκτήσατο καὶ περιεποιήσατο (9 a)
24. 21. κτήσασθαι παρὰ σοῦ τὸν ἅλωνα (9 a)
— 24. κτώμενος κτήσομαι παρὰ σοῦ (9 a, 9 a)
— 24. ἐκτήσατο Δ. τὸν ἅλωνα (9 a)
III Ki. 16. 24. ἐκτήσατο Ζ. τὸ ὄρος τὸ Σεμερών (9 a)
IV Ki. 12. 12 (13). τοῦ κτήσασθαι ξύλα καὶ λίθους (9 a)
22. 6. τοῦ κτήσασθαι ξύλα καὶ λίθους (9 a)
Ne. 5. 8. κεκτήμεθα τοὺς ἀδελφοὺς ἡμῶν (9 a)
— 16. ἀγρὸν οὐκ ἐκτησάμην (9 a)
Ju. 8. 22. ἐναντίον τῶν κτωμένων ἡμᾶς
Ps. 73 (74). 2. ἧς ἐκτήσω ἀπ' ἀρχῆς (9 a)
77 (78). 54. ὃ ἐκτήσατο ἡ δεξιὰ αὐτοῦ (9 a)
138 (139). 13. σὺ ἐκτήσω τοὺς νεφρούς μου (9 a)
Pr. 1. 5. ὁ δὲ νοήμων κυβέρνησιν κτήσεται (9 a)
— 14. κοινὸν δὲ βαλάντιον κτησώμεθα πάντες (2)
3. 31. μὴ κτήσῃ κακῶν ἀνδρῶν ὀνείδη †
4. 4. S² κτῆσαι σοφίαν καὶ σύνεσιν (9 a ?)
— 5. A κτῆσαι σοφίαν κτῆσαι σύνεσιν (9 a, 9 a)
16. 22. πηγὴ ζωῆς ἔννοια τοῖς κεκτημένοις (1 b)
17. 16. κτήσασθαι γὰρ σοφίαν [A -ας] ἀκάρδιος οὐ δυνήσεται (9 a)
— 21. καρδία δὲ ἄφρονος ὀδύνη τῷ κεκτημένῳ αὐτήν (3 ?)
18. 15. καρδία φρονίμου κτᾶται αἴσθησιν (9 a)
19. 8. ὁ κτώμενος φρόνησιν ἀγαπᾷ ἑαυτόν (9 a)
Pr. 22. 9. τὴν μέντοι ψυχὴν ἀφαιρεῖται τῶν κεκτημένων –
31. 29. πολλαὶ θυγατέρες ἐκτήσαντο πλοῦτον (8)
Ec. 2. 7. ἐκτησάμην δούλους καὶ παιδίσκας (9 a)
Wi. 7. 14. A S² ὃν οἱ κτησάμενοι [B S¹ χρησάμενοι] πρὸς θεὸν ἐστείλαντο φιλίαν
Si. 6. 4. ψυχὴ πονηρὰ ἀπολεῖ τὸν κτησάμενον αὐτήν
— 7. εἰ κτᾶσαι φίλον ἐν πειρασμῷ κτῆσαι αὐτόν
20. 23. ἐκτήσατο αὐτὸν ἐχθρὸν δωρεάν
22. 23. πίστιν κτῆσαι ἐν πτωχείᾳ μετὰ τοῦ πλησίον
24. 6. ἐν παντὶ λαῷ καὶ ἔθνει ἐκτησάμην [S² ἡγησάμην]
29. 6. A S² R ἐκτήσατο αὐτὸν ἐχθρὸν δωρεάν [B S¹ οὐ δ.]
30. 39 (33. 30). ἐν αἵματι ἐκτήσω αὐτόν
36. 29 (26). ὁ κτώμενος γυναῖκα ἐνάρχεται κτήσεως
51. 20. καρδίαν ἐκτησάμην μετ' αὐτῶν [A -ῆς] ἀπ' ἀρχῆς
— 21. διὰ τοῦτο ἐκτησάμην ἀγαθὸν κτῆμα
— 25. κτήσασθε ἑαυτοῖς ἄνευ ἀργυρίου
— 28. πολὺν χρυσὸν κτήσασθε ἐν αὐτῇ
Am. 8. 6. τοῦ κτᾶσθαι ἐν ἀργυρίῳ καὶ πτωχούς (9 a)
Za. 11. 5. ἃ οἱ κτησάμενοι κατέσφαζον (9 a)
Is. 1. 3. ἔγνω βοῦς τὸν κτησάμενον (9 a)
26. 13. κτῆσαι ἡμᾶς (1 a)
43. 24. οὐδὲ ἐκτήσω μοι ἀργυρίου θυσίασμα [A S θυμίαμα] (9 a)
57. 13. οἱ δὲ ἀντεχόμενοί μου κτήσονται γῆν (7)
Je. 13. 1. κτῆσαι σεαυτῷ περίζωμα λινοῦν (9 a)
— 2. ἐκτησάμην τὸ περίζωμα (9 a)
16. 19. ὡς ψευδῆ ἐκτήσαντο οἱ πατέρες ἡμῶν εἴδωλα (7)
19. 1. κτῆσαι βικὸν πεπλασμένον ὀστράκινον (9 a)
39 (32). 7. κτῆσαι [B² -σον] σεαυτῷ τὸν ἀγρόν μου τὸν ἐν Ἀναθώθ (9 a)
— 8. κτῆσαι σεαυτῷ τὸν ἀγρόν μου (9 a)
— 8. ὅτι σοὶ κρίμα κτήσασθαι αὐτόν [A al.] (4)
— 9. ἐκτησάμην τὸν ἀγρὸν Ἀναμεήλ (9 a)
— 15. A S ἔτι κτηθήσονται [B κτισθ.] ἀγροί (9 b)
— 25. κτῆσαι σεαυτῷ τὸν ἀγρὸν ἀργυρίου (9 a)
— 43. κτηθήσονται ἔτι ἀγροὶ ἐν τῇ γῇ (9 b)
— 44. κτήσονται ἀγροὺς ἐν ἀργυρίῳ (9 a)
Ep. Je. 59. ἐφ' ᾧ κεχρήσεται ὁ κτισμένος [A al.]
Ez. 5. 1. κτήσῃ [A -σαι] αὐτὴν σεαυτῷ (5)
7. 12. ὁ κτώμενος μὴ χαιρέτω (9 a)
— 13. ὁ κτώμενος πρὸς τὸν πωλοῦντα οὐκέτι μὴ ἐπιστρέψει (6)
8. 3. οὗ ἦν ἡ στήλη τοῦ κτωμένου (9 c)
II Ma. 7. 11. R ἐξ οὐρανοῦ ταῦτα κέκτημαι [A κέκληται]
[Aq. Pr. 4. 7 bis: 8. 22: Is. 11. 11: Je. 13. 4: 32 (39). 8, 44.]
[Sm. Ge. 4. 1: Ex. 15. 16: Ps. 77 (78). 54: Pr. 4. 7 bis: 8. 22: 18. 15: Is. 11. 11: Je. 13. 4: 32 (39). 44.]
[Th. Pr. 4. 7 bis: 8. 22: 20. 14: 23. 23: Is. 11. 11: Je. 13. 4.]
[Heb. Ge. 4. 1.]
[Al. Ge. 4. 1: Pr. 15. 32.]

κτείνειν. (1) הָרַג (2) הָרָה

Pr. 24. 11. ἐκπρίου κτεινομένους (2)
25. 5. κτεῖνε ἀσεβεῖς ἐκ προσώπου βασιλέως (1)
Si. 16. 12. A ἄνδρα κατὰ τὰ ἔργα αὐτοῦ κτείνει [B S κρινεῖ]
III Ma. 1. 2. ὡς μόνος κτεῖναι αὐτόν
[Aq., Sm. Ps. 138 (139). 19.]

κτενιστός.

[Sm. Is. 19. 9.]

κτῆμα. (1) הוֹן (2) a. כֶּרֶם b. כֹּרֶם (3) נַחֲלָה (4) שָׂדֶה

Jb. 20. 29. κτῆμα ὑπαρχόντων αὐτῷ [A -οῦ] παρὰ τοῦ ἐπισκόπου (3)
27. 13. κτῆμα [A S² ὀργὴ] δὲ δυναστῶν ἐλεύσεται [A ἐξελ.] (3)
Pr. 12. 27. κτῆμα δὲ τίμιον ἀνὴρ καθαρός (1)
23. 10. εἰς δὲ κτῆμα ὀρφανῶν μὴ εἰσέλθῃς (4)
31. 16. ἀπὸ δὲ καρπῶν χειρῶν αὐτῆς κατεφύτευσε κτῆμα (2 a)
Wi. 8. 5. εἰ δὲ πλοῦτός ἐστιν ἐπιθυμητὸν κτῆμα ἐν βίῳ
13. 17. περὶ δὲ κτημάτων καὶ γάμων αὐτοῦ . . . προσευχόμενος [S εὐχ.]
Si. 28. 24. περίφραξον τὸ κτ. [S στόμα] σου ἀκάνθαις
36. 30 (27). διαρπαγήσεται κτῆμα

Si. 51. 21. διὰ τοῦτο ἐκτησάμην ἀγαθὸν κτῆμα
Ho. 2. 15 (17). καὶ δώσω αὐτῇ τὰ κτ. αὐτῆς ἐκεῖθεν (2 *a*)
Jl. 1. 11. θρηνεῖτε κτήματα ὑπὲρ πυροῦ (2 *b*)
[Sm. Ps. 77 (78). 48: Je. 51 (28). 13.]

κτῆνος. (1) בְּהֵמָה (2) בְּעִיר (3) בָּקָר (4) חַיָּה (5) *a.* צֹאן *b.* צֹנָא (6) *a.* קִנְיָן *b.* מִקְנֶה (7) רְכוּשׁ

Ge. 1. 25. τὰ κτ. κατὰ γένος (1)
— 26. ἀρχέτωσαν . . . τῶν κτ. (1)
— 28. ἄρχετε . . . πάντων τῶν κτ, (4)
2. 20. ἐκάλεσεν Ἀ. ὀνόματα πᾶσι τοῖς κτ. (1)
3. 14. ἐπικατάρατος σὺ ἀπὸ πάντων τῶν κτ. (1)
6. 7. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
— 19. ἀπὸ πάντων τῶν κτ. –
— 20. ἀπὸ πάντων τῶν κτ. κατὰ γένος (1)
7. 2. ἀπὸ δὲ τῶν κτ. τῶν καθαρῶν (1)
— 2. ἀπὸ δὲ τῶν κτ. τῶν μὴ καθαρῶν (1)
— 8. ἀπὸ τῶν κτ. τῶν καθαρῶν (1)
— 8. ἀπὸ τῶν κτ. τῶν μὴ καθαρῶν (1)
— 14. πάντα τὰ κτ. κατὰ γένος (1)
— 21. πᾶσα σὰρξ . . . τῶν κτ. (1)
— 23. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
8. 1. B ἀνεμνήσθη [A ἐμν.] ὁ θεὸς . . . πάντων τῶν κτ. (1)
— 17. πᾶσα σὰρξ ἀπὸ πετεινῶν ἕως κτηνῶν (1)
— 19. πάντα τὰ κτ. . . . ἐξῆλθοσαν (4 ?)
— 20. ἔλαβεν ἀπὸ πάντων τῶν κτ. τῶν καθαρῶν (1)
9. 10. ἀπὸ ὀρνέων καὶ ἀπὸ κτηνῶν (1)
13. 2. Ἄβραμ δὲ ἦν πλούσιος σφόδρα κτήνεσι (6 *b*)
— 5. A πρόβατα καὶ βόες καὶ κτήνη [B σκηναί] †
— 7. ἀνὰ μέσον τῶν ποιμένων τῶν κτ. τοῦ Ἀ. (6 *b*)
— 7. ἀνὰ μέσον τῶν ποιμένων τῶν κτ. τοῦ Λ. (6 *b*)
26. 14. κτήνη προβάτων καὶ κτήνη βοῶν (6 *b*, 6 *b*)
29. 7. οὔπω ὥρα συναχθῆναι τὰ κτ. (6 *b*)
30. 29. ὅσα ἦν κτήνη σου μετ' ἐμοῦ (6 *b*)
— 43. ἐγένετο αὐτῷ κτήνη πολλά (5 *a* ?)
31. 9. πάντα τὰ κτ. τοῦ πατρὸς ὑμῶν (6 *b*)
— 43. B τὰ κτ. [A κτ. σου] κτήνη μου (5 *a*, 5 *a*)
33. 13. ἀποθανοῦνται πάντα τὰ κτ. (5 *a*)
— 17. τοῖς κτ. αὐτοῦ ἐποίησε σκηνάς (6 *b*)
34. 5. ἦσαν μετὰ τῶν κτ. αὐτοῦ (6 *b*)
— 23. τὰ κτ. αὐτῶν . . . οὐχ ἡμῶν ἔσται (6 *b*)
36. 6. ἔλαβε δὲ Ἡσαῦ . . . πάντα τὰ κτ. (1)
46. 32. τὰ κτ. . . . ἀγηόχασιν (5 *a*)
47. 1. τὰ κτ. καὶ οἱ βόες αὐτῶν . . . ἦλθον (5 *a*)
— 4. οὐ γάρ ἐστι νομὴ τοῖς κτ. τῶν παίδων σου (5 *a*)
— 4 (6). κατάστησον αὐτοὺς ἄρχοντας τῶν ἐμῶν κτ. (6 *b*)
— 16. φέρετε τὰ κτ. ὑμῶν (6 *b*)
— 16. δώσω ὑμῖν ἄρτους ἀντὶ τῶν κτ. ὑμῶν (6 *b*)
— 17. ἤγαγον δὲ τὰ κτ. πρὸς Ἰ. (6 *b*)
— 17. ἀντὶ πάντων τῶν κτ. αὐτῶν (6 *b*)
— 18. εἰ γὰρ ἐκλέλοιπε . . . τὰ κτ. πρὸς σέ (1)
Ex. 9. 3. χεὶρ κυρίου ἐπέσται [A ἔσ.] ἐν τοῖς κτ. σου (6 *b*)
— 4. ἀνὰ μέσον τῶν κτ. τῶν Αἰγ. καὶ ἀνὰ μέσον τῶν κτ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. [A κτ. τοῦ Ἰ.] (6 *b*, 6 *b*)
— 4. A ἀπὸ πάντων τῶν κτ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. [B *al.*] –
— 6. A² B ἐτελεύτησε πάντα τὰ κτ. τῶν Αἰγυπτίων (6 *b*)
— 6. B ἀπὸ δὲ τῶν κτ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. [A² κτ. τοῦ Ἰ.] (6 *b*)
— 7. B ἀπὸ πάντων [A² *om.*] τῶν κτ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (6 *b*)
— 19. κατάσπευσον συναγαγεῖν τὰ κτ. σου (6 *b*)
— 19. οἱ ἄνθρωποι καὶ τὰ κτ. . . . τελευτήσει (1)
— 20. συνήγαγε τὰ κτ. αὐτοῦ εἰς τοὺς οἴκους (6 *b*)
— 21. ἀφῆκε τὰ κτ. ἐν τοῖς πεδίοις (6 *b*)
— 22. ἔσται χάλαζα ἐπὶ . . . τὰ κτ. (1)
— 25. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
10. 26. τὰ κτ. ἡμῶν πορεύσεται μεθ' ἡμῶν (6 *b*)
11. 5. ἕως πρωτοτόκου παντὸς κτήνους (1)
— 7: 12. 12. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
12. 29. ἕως πρωτοτόκου παντὸς κτήνους [A *al.*] (1)
— 38. συνανέβη αὐτοῖς . . . κτήνη πολλὰ σφόδρα (6 *b*)
13. 2. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
— 12. πᾶν διανοίγον μήτραν . . . ἐν τοῖς κτ. σου (1)
— 15. ἕως προτοτόκων [A -ου] κτηνῶν (1)
17. 3. ἀποκτεῖναι . . . τὰ κτ. τῷ δίψει (6 *b*)
19. 13. ἐάν τε κτῆνος ἐάν τε ἄνθρωπος (1)
20. 10. σὺ καὶ . . . πᾶν κτῆνός σου (1)
Ex. 20. 17. οὐκ ἐπιθυμήσεις . . . παντὸς κτήνους αὐτοῦ –
22. 5 (4). ἀφῇ τὸ κτ. αὐτοῦ καταβοσκῆσαι (2)
— 10 (9). ἐὰν δέ τις δῷ τῷ πλησίον . . . πᾶν κτ. (1)
— 19 (18). πᾶν κοιμώμενον μετὰ κτήνους (1)
Le. 1. 2. ἀπὸ τῶν κτ. καὶ ἀπὸ τῶν βοῶν (1)
5. 2. ἢ τῶν θηησιμαίων κτ. τῶν ἀκαθάρτων (1 ?)
7. 15 (25). πᾶς ὁ ἔσθων στέαρ ἀπὸ τῶν κτ. (1)
— 16 (26). ἀπό τε τῶν κτ. καὶ ἀπὸ τῶν πετεινῶν (1)
11. 2. ταῦτα τὰ κτ. ἃ φάγεσθε ἀπὸ πάντων [B¹ *om.*] τῶν κτ. τῶν ἐπὶ τῆς γῆς (4, 6 *b*)
— 3. πᾶν κτ. διχηλοῦν ὁπλὴν . . . καὶ ἀνάγον μηρυκισμὸν ἐν τοῖς κτ. (–, 1)
— 26. καὶ ἐν πᾶσι τοῖς κτ. (1)
— 39. ἐὰν δὲ ἀποθάνῃ [A *add.* ἀπὸ] τῶν κτ. (1)
— 46. οὗτος ὁ νόμος περὶ τῶν κτ. (1)
19. 19. τὰ κτ. σου οὐ κατοχεύσεις ἑτεροζύγῳ (1)
20. 16. ἥτις προσελεύσεται πρὸς πᾶν κτ. (1)
— 16. ἀποκτενεῖτε τὴν γυναῖκα καὶ τὸ κτ. (1)
— 25. ἀνὰ μέσον τῶν κτ. τῶν καθαρῶν καὶ ἀνὰ μέσον τῶν κτ. τῶν ἀκαθάρτων (1, –)
— 25. οὐ βδελύξετε τὰς ψυχὰς ὑμῶν ἐν τοῖς κτ. (1)
24. 18. ὃς ἂν πατάξῃ κτῆνος (1)
25. 7. τοῖς κτ. σου καὶ τοῖς θηρίοις (1)
26. 22. καὶ ἐξαναλώσει τὰ κτ. ὑμῶν (1)
27. 9. ἐὰν δὲ ἀπὸ τῶν κτ. τῶν προσφερομένων (1)
— 10. ἐὰν δὲ ἀλλάσσων ἀλλάξῃ αὐτὸ κτῆνος κτήνει (1, 1)
— 11. ἐὰν δὲ πᾶν κτ. ἀκάθαρτον (1)
— 11. στήσει τὸ κτ. ἔναντι [A -ίου] τοῦ ἱερέως (1)
— 26. ὃ ἐὰν γένηται ἐν τοῖς κτ. σου (1)
— 28. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
Nu. 3. 13. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους ἐμοὶ ἔσονται (1)
— 41. καὶ τὰ κτ. τῶν Λευιτῶν ἀντὶ πάντων τῶν πρωτοτόκων ἐν τοῖς κτ. [B¹ *om.* ἐν τ. κτ.] τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1, 1)
— 45. καὶ τὰ κτ. τῶν Λευιτῶν ἀντὶ τῶν κτ. αὐτῶν (1, 1)
8. 17. ἀπὸ ἀνθρώπων [A -ου] ἕως κτήνους (1)
16. 32. καὶ τὰ κτ. αὐτῶν (7)
18. 15. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
— 15. τὰ πρωτότοκα τῶν κτ. τῶν ἀκαθάρτων (1)
20. 4. ἀποκτεῖναι ἡμᾶς καὶ τὰ κτ. ἡμῶν (2)
— 8. ποτιεῖτε τὴν συναγωγὴν καὶ τὰ κτ. αὐτῶν (2)
— 11. ἔπιεν ἡ συναγωγὴ καὶ τὰ κτ. αὐτῶν (2)
— 19. ἐγώ τε καὶ τὰ κτ. μου (6 *b*)
31. 9. καὶ τὴν ἀποσκευὴν αὐτῶν καὶ τὰ κτ. αὐτῶν (1)
— 11, 26. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
— 28. ἀπὸ τῶν ἀνθρώπων καὶ ἀπὸ τῶν κτ. (3)
— 30. καὶ ἀπὸ πάντων τῶν κτ. (1)
— 47. ἀπὸ τῶν ἀνθρώπων καὶ ἀπὸ τῶν κτ. (1)
32. 1. κτήνη [B¹ -ους] πλῆθος ἦν τοῖς υἱοῖς Ῥ. (6 *b*)
— 1. ἦν ὁ τόπος τόπος κτήνεσι (6 *b*)
— 4. καὶ τοῖς παισί σου κτήνη ὑπάρχει (6 *b*)
— 16. οἰκοδομήσομεν ὧδε τοῖς κτ. ἡμῶν (6 *b*)
— 24. καὶ ἐπαύλεις τοῖς κτ. ὑμῶν (5 *b*)
— 26. καὶ πάντα τὰ κτ. ἡμῶν (1)
— 30. διαβιβάσετε . . . τὰ κτ. αὐτῶν –
35. 3. ἔσται τοῖς κτ. αὐτῶν (1)
De. 2. 35. τὰ κτ. ἐπρονομεύσαμεν (1)
3. 7. τὰ παιδία καὶ πάντα τὰ κτ. (1)
— 19. τὰ τέκνα ὑμῶν καὶ τὰ κτ. ὑμῶν οἶδα ὅτι πολλὰ κτ. [A τὰ κτ.] ὑμῖν (6 *b*, 6 *b*)
4. 17. ὁμοίωμα παντὸς κτ. (1)
5. 14. καὶ πᾶν κτ. σου (1)
— 21 (18). οὔτε παντὸς κτ. αὐτοῦ –
7. 14. οὐκ ἔσται ἐν ὑμῖν . . . καὶ ἐν τοῖς κτ. σου (1)
11. 15. δώσει χορτάσματα . . . τοῖς [A ἐν τοῖς] κτ. σου (1)
14. 4. ταῦτα κτ. [A τὰ κτ.] ἃ φάγεσθε (1)
— 6. πᾶν κτ. διχηλοῦν [A -χηλεῦον] ὁπλὴν (1)
— 6. καὶ ἀνάγον μηρυκισμὸν ἐν τοῖς κτ. (1)
20. 14. AR πάντα τὰ κτ. καὶ πάντα [B *om.* π. τὰ κτ. κ. π.] . . . προνομεύσεις (1)
27. 21. ὁ κοιμώμενος μετὰ παντὸς [A *om.*] κτ. (1)
28. 11. ἐπὶ τοῖς ἐκγόνοις τῶν κτ. σου (1)
— 51. κατέδεται τὰ ἔκγονα τῶν κτ. σου (1)
30. 9. ἐν τοῖς ἐκγόνοις τῶν κτ. σου (1)
Jo. 1. 14. τὰ κτ. ὑμῶν κατοικείτωσαν ἐν τῇ γῇ (6 *b*)
8. 2. τὴν προνομὴν τῶν κτ. προνομεύσεις σεαυτῷ (1)
— 27. A πλὴν τῶν κτ. καὶ [B *om.* τ. κτ. κ.] τῶν σκύλων (1)
14. 4. τὰ ἀφωρισμένα αὐτῶν [A -οῖς] τοῖς κτ. καὶ τὰ κτ. [A *om.* κ. τ. κτ.] αὐτῶν (6 *b*, 6 *a*)
Jo. 21. 2. καὶ τὰ περισπόρια [A *om.* τὰ π.] τοῖς κτ. ἡμῶν (1)
22. 8. κτ. πολλὰ σφόδρα . . . διείλαντο (6 *b*)
Jd. 6. 5. A αὐτοὶ τὰ κτ. [B αὐ. καὶ αἱ κτήσεις] αὐτῶν (6 *b*)
20. 48. καὶ ἕως κτήνους [A *al.*] (1)
I Ki. 17. 44. καὶ τοῖς κτ. [A θηρίοις] τῆς γῆς (1)
23. 5. καὶ ἀπήγαγε [A οὐκ ἀπ.] τὰ κτ. αὐτῶν (6 *b*)
III Ki. 4. 33 (5. 13). ἐλάλησε περὶ τῶν κτ. (1)
18. 5. A οὐκ ἐξολεθρευθήσονται ἀπὸ τῶν κτ. [B σκηνῶν] (1)
IV Ki. 3. 9. οὐκ ἦν ὕδωρ . . . τοῖς κτ. (1)
— 17. αἱ κτήσεις ὑμῶν καὶ τὰ κτ. ὑμῶν (1)
I Ch. 4. 39. τοῦ ζητῆσαι νομὰς τοῖς κτ. αὐτῶν (5 *a*)
— 41. νομαὶ τοῖς κτ. αὐτῶν ἐκεῖ (5 *a*)
5. 9. κτ. αὐτῶν πολλὰ ἐν γῇ Γ. (6 *b*)
7. 21. κατέβησαν τοῦ λαβεῖν τὰ κτ. αὐ. (6 *b*)
II Ch. 20. 25. καὶ εὗρον κτ. πολλά †
26. 10. κτ. πολλὰ ὑπῆρχεν αὐτῷ (6 *b*)
32. 28. φάτναι παντὸς κτ. (1)
I Es. 2. 7. μεθ' ἵππων καὶ κτηνῶν
— 9. ἵπποις κτήνεσι [A καὶ κτ.] καὶ εὐχαῖς
5. 1. αἱ παιδίσκαι [A π. αὐτῶν] καὶ τὰ κτ. αὐτῶν
8. 50. τέκνοις ἡμῶν καὶ κτήνεσιν
9. 4. ἀνιερωθήσονται τὰ κτ. αὐτῶν
II Es. 1. 4. ἐν . . . ἀποσκευῇ καὶ κτήνεσι (1)
— 6. καὶ ἐν κτήνεσι καὶ ἐν ξενίοις (1)
Ne. 2. 12. καὶ κτῆνος οὐκ ἔστι μετ' ἐμοῦ εἰ μὴ τὸ κτ. [S² *al.*] (1, 1)
— 14. οὐκ ἦν τόπος τῷ κτ. παρελθεῖν (1)
9. 37. AB καὶ ἐν [S² ἐν τοῖς] κτήνεσιν ἡμῶν (1)
10. 35 (37). καὶ τὰ πρωτότοκα . . . κτηνῶν [S τῶν κτ.] ἡμῶν (1)
To. 1. 6. S καὶ τὰς δεκάτας τῶν κτ. [AB γενημάτων]
10. 11. Ῥαγουὴλ ἔδωκεν αὐτῷ . . . κτήνη [S *al.*]
Ju. 4. 10. τὰ νήπια αὐτῶν καὶ τὰ κτ. αὐτῶν
5. 9. καὶ ἐν κτ. πολλοῖς σφόδρα
8. 7. καὶ κτήνη καὶ ἀγρούς
11. 7. τὰ θηρία τοῦ ἀγροῦ καὶ τὰ κτ.
— 12. ἐβουλεύσαντο ἐπιβαλεῖν τοῖς κτ. αὐτῶν
Jb. 1. 3. ἦν τὰ κτ. αὐτοῦ πρόβατα ἑπτακισχίλια (6 *b*)
— 10. τὰ κτ. αὐτοῦ πολλὰ ἐποίησας ἐπὶ τῆς γῆς (6 *b*)
36. 28. ὥραν ἔθετο κτήνεσιν –
42. 12. ἦν δὲ τὰ κτ. αὐτοῦ πρόβατα μύρια τετρακισχίλια –
Ps. 8. 7. ἔτι δὲ καὶ τὰ κτ. τοῦ πεδίου (1)
35 (36). 6. ἀνθρώπους καὶ κτήνη σώσεις (1)
48 (49). 12, 20. παρασυνεβλήθη τοῖς κτ. τοῖς ἀνοήτοις (1)
49 (50). 10. κτήνη ἐν τοῖς ὄρεσι καὶ βόες (1)
77 (78). 48. παρέδωκεν ἐν χαλάζῃ [S¹ εἰς αἰχμαλωσίαν, S² εἰς χάλαζαν] τὰ κτ. αὐτῶν (2)
— 50. τὰ κτ. αὐτῶν εἰς θάνατον συνέκλεισε (4)
103 (104). 14. ὁ ἐξανατέλλων χόρτον τοῖς κτ. (1)
106 (107). 38. τὰ κτ. αὐτῶν οὐκ ἐσμίκρυνε (1)
134 (135). 8. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
146 (147). 9. καὶ διδόντι τοῖς κτ. τροφὴν αὐτῶν (1)
148. 10. τὰ θηρία καὶ πάντα τὰ κτ. (1)
Pr. 12. 10. δίκαιος οἰκτείρει ψυχὰς κτηνῶν αὐτοῦ (1)
24. 65 (30. 30). σκύμνος λέοντος ἰσχυρότερος κτηνῶν ὃς οὐκ ἀποστρέφεται οὐδὲ καταπτήσσει κτῆνος (1, †)
Ec. 3. 18. δεῖξαι ὅτι αὐτοὶ κτήνη εἰσί (1)
— 19. συνάντημα τοῦ κτ. (1)
— 19. τί ἐπερίσσευσεν ὁ ἄνθρωπος [S² τίς περισσεία τῷ ἀνθρώπῳ] παρὰ τὸ κτ. (1)
— 21. πνεῦμα τοῦ κτ. εἰ καταβαίνει (1)
Si. 7. 22. κτήνη σοί ἐστιν ἐπισκέπτου αὐτά
40. 8. μετὰ πάσης σαρκὸς ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους
43. 25. A S ποικιλία παντὸς ζῴου κτῆσις κτηνῶν [B κτίσις κητῶν]
Mi. 5. 8 (7). ὡς λέων ἐν κτήνεσιν ἐν τῷ δρυμῷ (1)
Jl. 1. 20. καὶ τὰ κτ. τοῦ πεδίου ἀνέβλεψαν πρὸς σέ (1)
2. 22. θαρσεῖτε κτήνη τοῦ πεδίου (1)
Jn. 3. 7. οἱ ἄνθρωποι καὶ τὰ κτ. . . . μὴ γευσάσθωσαν (1)
— 8. περιεβάλοντο σάκκους οἱ ἄνθρ. καὶ τὰ κτ. (1)
4. 11. ἐν ᾗ κατοικοῦσι . . . κτ. πολλά (1)
Ze. 1. 3. ἐκλιπέτω ἄνθρωπος καὶ κτήνη (1)
Hg. 1. 11. ἐπάξω ῥομφαίαν . . . ἐπὶ τὰ κτ. (1)
Za. 2. 4 (8). ἀπὸ πλήθους ἀνθρώπων καὶ κτηνῶν (1)
8. 10. καὶ ὁ μισθὸς τῶν κτ. οὐχ ὑπάρξει (1)
14. 15. αὕτη ἔσται ἡ πτῶσις . . . πάντων τῶν κτ. (1)
Is. 30. 23. βοσκηθήσεταί σου τὰ κτ. . . . τόπον πίονα (6 *b*)

Is. 46. 1. ἐγένετο τὰ γλυπτὰ αὐτῶν εἰς θηρία καὶ τὰ [A S om.] κτ. (1)
63. 14. καὶ ὡς κτήνη διὰ πεδίου (1)
Je. 7. 20. ἐπὶ τοὺς ἀνθρώπους καὶ ἐπὶ τὰ κτ. (1)
9. 10 (9). ἀπὸ πετεινῶν τοῦ οὐρανοῦ καὶ ἕως κτηνῶν [A τῶν κτ.] (1)
12. 4. ἠφανίσθησαν [A -ισας] κτήνη καὶ πετεινά (1)
21. 6. πατάξω . . . τοὺς ἀνθρώπους καὶ τὰ κτ. (1)
27 (50). 3. ἀπὸ ἀνθρώπου καὶ [A om.] ἕως κτήνους (1)
28 (51). 62. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
30. 10 (49. 32). πλῆθος κτηνῶν αὐτῶν εἰς ἀπώλειαν (6 b)
38 (31). 12. ἐπὶ γῆν σίτου . . . καὶ κτηνῶν (3 ?)
— 27. σπέρμα ἀνθρώπου καὶ σπέρμα κτήνους (1)
39 (32). 43. ἄβατος ἔσται ἀπὸ ἀνθρώπων [A S -ου] καὶ κτήνους (1)
40 (33). 10. ἔρημός ἐστιν ἀπὸ ἀνθρώπων καὶ κτηνῶν . . . παρὰ τὸ μὴ εἶναι ἄνθρωπον [S -ους] καὶ κτήνη (1, 1)
— 12. παρὰ τὸ μὴ εἶναι ἄνθρωπον καὶ κτ. [A -νη] (1)
43 (36). 29. ἐκλείψει [A ἐκτρίψει] ἀπ' αὐτῆς . . . κτήνη (1)
Ba. 3. 32. ἐνέπλησεν αὐτὴν κτηνῶν τετραπόδων
Ez. 8. 10. A πᾶσα ὁμοίωσις ἑρπετοῦ καὶ κτήνους (1)
14. 13. ἐξαρῶ ἐξ [A ἀπ'] αὐτῆς . . . κτήνη (1)
— 17. ἐξαρῶ ἐξ αὐτῆς ἄνθρωπον καὶ κτ. [A -νη] (1)
— 19, 21. τοῦ ἐξολεθρεῦσαι ἐξ αὐτῆς ἄνθρωπον καὶ κτ. (1)
24. 5. ἐξ ἐπιλέκτων κτηνῶν εἰλημμένων [A -να] (5 a)
25. 13. ἐξολεθρεύσω ἐξ αὐτῆς ἄνθρωπον καὶ κτ. (1)
27. 20. Δαιδὰν ἔμποροί σου μετὰ κτηνῶν ἐκλεκτῶν †
29. 8. ἀπολῶ ἀπὸ σοῦ ἀνθρώπους καὶ κτήνη [A al.] (1)
— 11. ποὺς ἀνθρώπου καὶ ποὺς κτήνους [A ἄνθρωπος καὶ κτ.] (1)
32. 13. AR ἀπολῶ πάντα τὰ [B om.] κτ. αὐτῆς . . . ἴχνος κτηνῶν [A -ους] οὐ μὴ καταπατήσῃ αὐτό (1, 1)
35. 7. ἀπολῶ ἀπ' αὐτοῦ ἀνθρώπους καὶ κτήνη †
36. 11. πληθυνῶ ἐφ' ὑμᾶς ἀνθρώπους καὶ κτήνη (1)
44. 31. ἐκ τῶν πετεινῶν καὶ ἐκ τῶν κτ. (1)
Da. LXX. 3. (81). πάντα τὰ θηρία καὶ τὰ κτ. τετράποδα
Da. TH. 3. (81). εὐλογεῖτε . . . τὰ κτ. τὸν κύριον
I Ma. 1. 32. AR καὶ τὰ κτ. ἐκληρονόμησαν [S¹ om., S² ἐκλ. ἑαυτοῖς]
— 47. θύειν ὕεια καὶ κτ. κοινά [S¹ πολλά]
2. 30. αἱ γυναῖκες αὐτῶν καὶ τὰ κτ. αὐτῶν
— 38. τὰ τέκνα αὐτῶν καὶ τὰ κτ. αὐτῶν
10. 33. SR καὶ τῶν [A om.] κτ. αὐτῶν
12. 23. τὰ κτ. ὑμῶν . . . ἡμῖν ἐστι
[Aq. Ge. 1. 26: Le. 27. 26: Dt. 28. 4: Jb. 40. 10 (15): Is. 30. 6: Je. 15. 3: 16. 4: 27 (34). 5: 33 (40). 12: Hb. 2. 17.]
[Sm. Le. 27. 26: Jb. 35. 11: Ps. 77 (78). 48: 103 (104). 14: Ec. 3. 19: Is. 30. 6: Hb. 2. 17 (?).]
[Th. Ex. 34. 19: Le. 27. 26: Jb. 40. 10 (15): Is. 30. 6: Je. 27 (34). 5: Ez. 8. 10: Da. 3. (81).]
[Al. Le. 5. 2: 18. 23 bis.]

κτηνοτρόφος. (1) a. מִקְנֶה b. ἀνὴρ κτ. אֱנוֹשׁ מִקְנֶה

Ge. 4. 20. οἰκούντων ἐν σκηναῖς κτηνοτρόφων (1 a)
46. 32. ἄνδρες γὰρ κτηνοτρόφοι ἦσαν (1 b)
— 34. ἄνδρες κτηνοτρόφοι ἐσμέν (1 b)
Nu. 32. 4. γῆ κτ. ἐστί (1 a)

κτηνώδης. (1) בְּהֵמָה

Ps. 72 (73). 22. κτηνώδης ἐγενόμην [S ἐγενήθην] παρὰ σοί (1)
[Sm. Ps. 72 (73). 22.]

κτῆσις. (1) אֲחֻזָּה (2) הוֹן (3) יְרֻשָׁה (4) a. קָנָה b. מִקְנֶה c. מִקְנֶה d. קִנְיָן (5) רְכוּשׁ

Ge. 23. 4. δότε οὖν μοι κτῆσιν τάφου (1)
— 9. R δότω [A -τε] μοι αὐτὸ . . . εἰς κτῆσιν μνημείου (1)
— 18. ἔστη ὁ ἀγρὸς . . . τῷ 'A. εἰς κτῆσιν (4 b)
— 20. ἐκυρώθη ὁ ἀγρὸς . . . τῷ 'A. εἰς κτῆσιν (1)
36. 43. ἐν τῇ γῇ τῆς κτ. αὐτῶν (1)
46. 6. ἀναλαβόντες . . . πᾶσαν τὴν κτ. (5)
49. 30. ὃ ἐκτήσατο 'A. . . . ἐν κτήσει μνημείου (1)
Ge. 49. 32. ἐν κτήσει τοῦ ἀγροῦ καὶ τοῦ σπηλαίου (4 c)
50. 13. ὃ ἐκτήσατο 'A. . . . ἐν κτήσει μνημείου (1)
Le. 14. 34. ἣν ἐγὼ δίδωμι ὑμῖν ἐν κτήσει (1)
20. 24. ἐγὼ δώσω ὑμῖν αὐτὴν ἐν κτήσει (3)
25. 10. εἰς ἕκαστος εἰς τὴν κτ. αὐτοῦ (1)
— 13. AB¹ ἐπανελεύσεται [AB² add. ἕκαστος] εἰς τὴν κτ. [B² R ἔγκτ.] (1)
— 16. A B¹ ἐλαττονώσει τὴν κτ. [B² R ἔγκτ.] αὐτοῦ (4 b)
Jd. 6. 5. αὐτοὶ καὶ αἱ κτ. [A αὐ. τὰ κτήνη] αὐτῶν (4 c)
18. 21. ἔθηκαν . . . τὴν κτ. [A add. αὐτοῦ] (4 c)
IV Ki. 3. 17. ὑμεῖς καὶ αἱ κτ. ὑμῶν (4 c)
I Ch. 28. 1. R καὶ πάσης τῆς κτ. τοῦ βασ. (4 c)
II Ch. 14. 15 (14). καί γε σκηνὰς κτήσεων . . . ἐξέκοψαν (4 c)
II Es. 8. 21. καὶ πάσῃ τῇ κτ. ἡμῶν (5)
Jb. 36. 33. κτῆσις [A -σεις] καὶ περὶ ἀδικίας (4 c)
Ps. 104 (105). 21. καὶ ἄρχοντα πάσης τῆς κτ. [AS κτίσεως] αὐτοῦ (4 d)
Pr. 1. 13. τὴν κτ. [A κτίσιν] αὐτοῦ τὴν πολυτελῆ καταλαβώμεθα (2)
8. 18. καὶ κτῆσις πολλῶν καὶ δικαιοσύνη (2)
10. 15. κτῆσις [S¹ κτίσις] πλουσίων πόλις ὀχυρά (2)
Ec. 2. 7. κτῆσις βουκολίου . . . πολλὴ [S¹ om.] ἐγένετό μοι (4 c)
Wi. 2. 6. A χρησώμεθα τῇ κτ. [B S κτίσει]
16. 24. A ἡ γὰρ κτ. [B S κτίσις] σοι τῷ ποιήσαντι ὑπηρετοῦσα
Si. 36. 29 (26). ὁ κτώμενος γυναῖκα ἐνάρχεται κτήσεως
42. 4. περὶ κτήσεως πολλῶν καὶ ὀλίγων
43. 25. AS ποικιλία παντὸς ζῴου κτῆσις κτηνῶν [B κτίσις κητῶν]
Je. 39 (32). 7. παραλαβεῖν εἰς κτῆσιν (4 a)
— 8. A σοὶ κρίμα παραλαβεῖν εἰς κτῆσιν [B al.] (4 a ?)
— 11. ἔλαβον τὸ βιβλίον τῆς κτ. τὸ ἐσφραγισμένον (4 b)
— 12. γραφόντων ἐν τῷ βιβλίῳ τῆς κτ. (4 b)
— 14. λάβε τὸ βιβλίον τῆς κτ. τοῦτο (4 b)
— 16. μετὰ τὸ δοῦναί με τὸ βιβλίον τῆς κτ. (4 b)
Ba. 3. 17. οὐκ ἔστι τέλος τῆς κτ. αὐτῶν
— 24. ἐπιμήκης ὁ τόπος τῆς κτ. αὐτοῦ
Ez. 38. 12. πεποιηκότας κτήσεις (4 c + 4 d)
— 13. ἀπενέγκασθαι κτῆσιν [A -σεις] (4 c + 4 d)
[Aq. Ps. 103 (104). 24: Pr. 4. 7: Is. 30. 23.]
[Sm. Dt. 18. 8: Jd. 1. 15 ter: Ps. 103 (104). 24: Pr. 4. 7: Is. 30. 23.]
[Th. Jd. 18. 21: Jb. 36. 33: Ps. 103 (104). 24: Pr. 4. 7: Is. 30. 23.]
[Al. Le. 25. 27, 51.]

κτητός.
[Sm. Hb. 2. 17 (?).]

κτήτωρ.
[Sm. Jl. 1. 11.]

κτίζειν. (1) בָּרָא a. qal. b. ni. (2) יָסַד ni. (3) יָצַר (4) פּוּן a. pil. b. pu. (5) עָמַד (6) קָנָה a. qal. b. ni. (7) שָׁכַן

Ge. 14. 19, 22. ὃς ἔκτισε τὸν οὐρ. καὶ τὴν γῆν (6 a)
Ex. 9. 18. ἀφ' ἧς ἡμέρας ἔκτισται (2)
Le. 16. 16. τῇ σκηνῇ τοῦ μαρτυρίου τῇ ἐκτισμένῃ ἐν αὐτοῖς (7)
De. 4. 32. ἧς ἔκτισεν ὁ θεὸς ἄνθρωπον (1 a)
32. 6. A καὶ ἔκτισέν [B ἔπλασέ] σε (4 a)
I Es. 4. 53. κτίσαι τὴν πόλιν
6. 13. παῖδες τοῦ κυρίου τοῦ κτίσαντος τὸν οὐρανόν
Ju. 13. 18. ὃς ἔκτισε τοὺς οὐρανούς
Ps. 32 (33). 9. αὐτὸς ἐνετείλατο καὶ ἐκτίσθησαν (5)
50 (51). 10. καρδίαν καθαρὰν κτίσον ἐν ἐμοί (1 a)
88 (89). 12. τὸν βορρᾶν . . . σὺ ἔκτισας (1 a)
— 47. μὴ γὰρ ματαίως ἔκτισας πάντας τοὺς υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων (1 a)
101 (102). 18. λαὸς ὁ κτιζόμενος αἰνέσει τὸν κύριον (1 b)
103 (104). 30. ἐξαποστελεῖς τὸ πνεῦμά σου καὶ κτισθήσονται (1 b)
148. 5. αὐτὸς ἐνετείλατο καὶ ἐκτίσθησαν (1 b)
Pr. 8. 22. κύριος ἔκτισέ με ἀρχὴν ὁδῶν αὐτοῦ εἰς ἔργα αὐτοῦ (6 a)
Ec. 12. 1. μνήσθητι τοῦ κτίσαντός σε (1 a)
Wi. 1. 14. ἔκτισε γὰρ εἰς τὸ εἶναι τὰ πάντα [S¹ al.]
2. 23. ὁ θεὸς ἔκτισε τὸν ἄνθρωπον ἐπ' ἀφθαρσίᾳ
Wi. 10. 1. πρωτόπλαστον πατέρα κόσμου μόνον κτισθέντα
11. 17. ἡ . . . χεὶρ καὶ [S² ἡ καὶ] κτίσασα τὸν κόσμον ἐξ ἀμόρφου ὕλης
13. 3. ὁ γὰρ τοῦ κάλλους [S² κόσμου] γενεσιάρχης ἔκτισεν αὐτά
Si. 1. 4. προτέρα πάντων ἔκτισται σοφία
— 9. κύριος αὐτὸς ἔκτισεν αὐτήν
7. 15. μὴ μισήσῃς . . . γεωργίαν ὑπὸ ὑψίστου ἐκτισμένην
10. 18. οὐκ ἔκτισται ἀνθρώποις ὑπερηφανία
17. 1. κύριος ἔκτισεν ἐκ γῆς ἄνθρωπον
18. 1. ὁ ζῶν εἰς τὸν αἰῶνα ἔκτισε τὰ πάντα κοινῇ
23. 20. πρὶν ἢ κτισθῆναι τὰ πάντα ἔγνωσται αὐτῷ
24. 8. ὁ κτίσας με κατέπαυσε τὴν σκηνήν μου
— 9. πρὸ τοῦ αἰῶνος ἀπ' ἀρχῆς [A ἀπαρχὴν] ἔκτισέ με
34 (31). 13. πονηρότερον ὀφθαλμοῦ τί ἔκτισται
— 27. αὐτὸς ἔκτισται εἰς εὐφροσύνην ἀνθρώποις [S¹ -ων]
36 (33). 10. ἐκ γῆς ἐκτίσθη Ἀδάμ
38. 1. καὶ γὰρ αὐτὸν ἔκτισε κύριος
— 4. κύριος ἔκτισεν ἐκ γῆς φάρμακα
— 12. καὶ γὰρ αὐτὸν ἔκτισε κύριος
39. 21. πάντα γὰρ εἰς χρείας [A S -αν] αὐτῶν ἔκτισται
— 25. ἀγαθὰ τοῖς ἀγαθοῖς ἔκτισται ἀπ' ἀρχῆς
— 28. ἔστι πνεύματα ἃ εἰς ἐκδίκησιν ἔκτισται
— 29. πάντα ταῦτα εἰς ἐκδίκησιν ἔκτισται
40. 1. ἀσχολία μεγάλη ἔκτισται παντὶ ἀνθρώπῳ
— 10. ἐπὶ τοὺς ἀνόμους ἐκτίσθη ταῦτα πάντα
44. 2. πολλὴν δόξαν ἔκτισεν ὁ κύριος
49. 14. οὐδὲ εἷς ἐκτίσθη οἷος Ἐνὼχ τοιοῦτος ἐπὶ τῆς γῆς
Ho. 13. 4. ὁ θεός σου ὁ . . . κτίζων γῆν –
— 4. οὗ αἱ χεῖρες ἔκτισαν πᾶσαν τὴν στρατιὰν τοῦ οὐρ. –
Am. 4. 13. ἐγὼ στερεῶν βροντὴν καὶ κτίζων πνεῦμα (1 a)
Hg. 2. 10 (9). εἰς περιποίησιν παντὶ τῷ κτίζοντι –
Ma. 2. 10. οὐχὶ θεὸς εἷς ἔκτισεν ὑμᾶς (1 a)
Is. 22. 11. τὸν κτίσαντα αὐτὴν οὐκ εἴδετε (3)
45. 7. ὁ ποιῶν εἰρήνην καὶ κτίζων κακά (1 a)
— 8. ἐγώ εἰμι κύριος ὁ κτίσας σε (1 a)
46. 11. ἔκτισα καὶ ἐποίησα (3)
54. 16. ἐγὼ ἔκτισά [A S κτίζω] σε . . . ἐγὼ δὲ ἔκτισά [S -κά] σε (1 a, 1 a)
Je. 38 (31). 22. ἔκτισε κύριος σωτηρίαν (1 a)
39 (32). 15. ἔτι κτισθήσονται [AS¹ κτηθ.] ἀγροὶ καὶ οἰκίαι (6 b)
Ez. 28. 13. ἀφ' ἧς ἡμέρας ἐκτίσθης (1 b + 4 b)
— 15. ἀφ' ἧς ἡμέρας σὺ ἐκτίσθης (1 b)
Da. LXX. 4. 34. τῷ κτίσαντι τὸν οὐρανὸν . . . ἐξομολογοῦμαι
Bel 4. κύριον τὸν θεὸν τὸν κτίσαντα τὸν οὐρανόν
Da. TH. Bel 5. θεὸν τὸν κτίσαντα τὸν οὐρανόν
III Ma. 2. 3. σὺ γὰρ εἶ ὁ κτίσας τὰ πάντα
— 9. κτίσας τὴν ἀπέραντον καὶ ἀμέτρητον γῆν
[Aq. Ge. 1. 1, 27 bis: Ps. 88 (89). 13: Is. 40. 26: 41. 20: 43. 7: 54. 17: 65. 17, 18: Je. 31 (38). 22.]
[Sm. Ge. 1. 27 ter: Ps. 88 (89). 13: Is. 40. 26: 41. 20: 43. 7: 54. 17: 65. 17, 18.]
[Th. Ge. 1. 27 bis: Ps. 88 (89). 13: Is. 40. 26: 41. 20: 43. 7: 54. 17: 57. 19: 65. 17, 18: Je. 31 (38). 22.]
[Quint. Ps. 88 (89). 13.]

κτίσις. (1) הוֹן (2) קִנְיָן

To. 8. 5. εὐλογησάτωσάν σε . . . πᾶσαι αἱ κτ. σου [S al.]
— 15. εὐλογείτωσάν σε . . . πᾶσαι αἱ κτ. σου
Ju. 9. 12. βασιλεῦ πάσης κτ. σου
16. 14. σοὶ δουλευσάτω πᾶσα ἡ κτ. σου
Ps. 73 (74). 18. μνήσθητι ταύτης τῆς κτ. σου [S om. τῆς κτ. σου] –
103 (104). 24. ἐπληρώθη ἡ γῆ τῆς κτ. σου (2)
104 (105). 21. A S καὶ ἄρχοντα πάσης τῆς κτ. [B κτήσεως] αὐτοῦ (2)
Pr. 1. 13. A τὴν κτ. [B S κτῆσιν] αὐτοῦ τὴν πολυτελῆ καταλαβώμεθα (1)
10. 15. κτῆσις [S¹ κτίσις] πλουσίων πόλις ὀχυρά (1)
Wi. 2. 6. χρησώμεθα τῇ κτ. [A κτήσει] ὡς νεότητι [A S¹ -τητος] σπουδαίως
5. 17. ὁπλοποιήσει [S¹ ὁδοπ.] τὴν κτ. εἰς ἄμυναν ἐχθρῶν

Wi. 16. 24. ἡ γὰρ κτ. [A κτῆσις] σοι τῷ ποιήσαντι ὑπηρετοῦσα
19. 6. ὅλη γὰρ ἡ κτ. . . . πάλιν ἄνωθεν διετυποῦτο
Si. 16. 17. τίς γὰρ ἡ ψυχή μου ἐν ἀμετρήτῳ κτίσει
43. 25. ποικιλία παντὸς ζῴου κτίσις κητῶν [A S κτῆσις κτηνῶν]
49. 16. ὑπὲρ πᾶν ζῷον ἐν τῇ [S² om.] κτ. Ἀδάμ
III Ma. 2. 2. δέσποτα πάσης τῆς κτ.
— 7. τῷ τῆς ἁπάσης κτ. δυναστεύοντι
6. 2. τὴν πᾶσαν διακυβερνῶν . . . κτ.
[Aq. Ez. 2. 10.]

κτίσμα.
Wi. 9. 2. ἵνα δεσπόζῃ τῶν ὑπὸ σοῦ γενομένων κτ.
13. 5. A R ἐκ γὰρ μεγέθους καλλονῆς [B S¹ κ. καὶ, S² καὶ κ.] κτισμάτων
14. 11. ἐν κτίσματι θεοῦ εἰς βδέλυγμα ἐγενήθησαν
Si. 36. 20 (17). δὸς μαρτύριον τοῖς ἐν ἀρχῇ κτ. σου
38. 34. κτίσμα αἰῶνος στηρίσουσι [S οὐ στ.]
III Ma. 5. 11. τὸ δὲ ἀπ' αἰῶνος χρόνου κτ. καλόν

κτίστης.
II Ki. 22. 32. τίς κτίστης ἔσται †
Ju. 9. 12. κτίστα τῶν ὑδάτων
Si. 24. 8. ἐνετείλατό μοι ὁ κτ. ἁπάντων
II Ma. 1. 24. κύριε ὁ θεὸς ὁ πάντων κτ.
7. 23. ὁ τοῦ κόσμου κτ.
13. 14. R δοὺς δὲ τὴν ἐπιτροπὴν τῷ κτ. [A κυρίῳ] τοῦ κόσμου
IV Ma. 5. 25. ἡμῖν συμπαθεῖ . . . ὁ τοῦ κόσμου κτ.
11. 5. τὸν πάντων κτ. εὐσεβοῦμεν
[Sm. Is. 43. 15.]

κτύπος.
Wi. 17. 19. κτύπος ἀπηνὴς καταρριπτομένων πετρῶν
[Aq. Jb. 28. 26, 27 : 38. 25.]
[Sm. Jb. 28. 26.]

κύαθος. (1) מְנַקִּית
Ex. 25. 28 (29). τοὺς κ. ἐν οἷς σπείσεις ἐν αὐτοῖς (1)
38. 12 (37. 16) : Nu. 4. 7. τὰς θυΐσκας καὶ τοὺς κ. (1)
Je. 52. 19. τὰς θυΐσκας καὶ τοὺς κ. . . . ἔλαβεν ὁ ἀρχιμάγειρος (1)

κύαμος. (1) פּוֹל
II Ki. 17. 28. καὶ ἄλφιτον καὶ κύαμον (1)
Ez. 4. 9. λάβε σεαυτῷ . . . κριθὰς καὶ κύαμον (1)

κυβερνᾶν. (1) תַּחְבֻּלוֹת
Pr. 12. 5. κυβερνῶσι δὲ ἀσεβεῖς δόλους [S¹ λόγοις] (1)
Wi. 10. 4. δι' εὐτελοῦς ξύλου τὸν δίκαιον κυβερνήσασα
14. 6. ἡ ἐλπὶς τοῦ κόσμου . . . τῇ σῇ κυβερνηθεῖσα χειρί
Da. LXX., TH. Su. 5. οἱ ἐδόκουν κυβερνᾶν τὸν λαόν

κυβέρνησις. (1) תַּחְבֻּלוֹת
Pr. 1. 5. ὁ δὲ νοήμων κυβέρνησιν κτήσεται (1)
11. 14. οἷς μὴ ὑπάρχει κυβέρνησις (1)
24. 6. μετὰ κυβερνήσεως γίνεται πόλεμος (1)
[Sm. Jb. 37. 12.]
[Th. Pr. 20. 18.]

κυβερνήτης. (1) חֹבֵל (2) שֹׁכֵב
Pr. 23. 34. ὥσπερ κυβερνήτης ἐν πολλῷ κλύδωνι (2 ?)
Ez. 27. 8. οὗτοι κυβερνῆταί σου (1)
— 27. οἱ κωπηλάται σου καὶ οἱ κ. σου (1)
— 28. οἱ κ. σου φόβῳ [A om.] φοβηθήσονται (1)
IV Ma. 7. 1. ὥσπερ γὰρ ἄριστος κ.
[Aq., Sm., Th. Ez. 27. 29 : Jn. 1. 6.]

κύβος. (1) גָּלִיל (2) רֶגֶב
Es. 1. 6. ἐπὶ κ. χρυσοῖς καὶ ἀργυροῖς (1)
Jb. 38. 38. κεκόλληκα δὲ αὐτὸν ὥσπερ λίθῳ κύβον [A al.] (2)

κυδίων (AS), κυδίως (B) (?).
To. 1. 2. ἥ ἐστιν ἐκ δεξιῶν κυδίως τῆς Νεφθ.

κυδοιμός. (1) חֲזִיוֹן קְלוֹת
Jb. 38. 25. ὁδὸν δὲ κυδοιμῶν τοῦ ὑετίσαι (1)

κῦδος. (1) סֹבֶל
Is. 14. 25. τὸ κ. αὐτῶν ἀπὸ τῶν ὤμων ἀφαιρεθήσεται (1)

κύειν, κυεῖν. (1) הָרָה a. qal. b. po.
Is. 59. 4. κύουσι πόνον (1 a)
— 13. ἐκύομεν καὶ ἐμελετήσαμεν ἀπὸ καρδίας ἡμῶν λόγους (1 b)
[Sm. Ge. 33. 13 : Ps. 7. 15 : 50 (51). 7 : Is. 33. 11.]
[Heb. Jb. 3. 3.]

κύησις. (1) הֵרָיוֹן
Ru. 4. 13. ἔδωκεν αὐτῇ κύριος κύησιν (1)
[Aq. Je. 20. 17.]
[Sm. Ge. 3. 17 (16) : Is. 64. 6 (5) : Je. 20. 17.]
[Th. Ge. 3. 17 (16).]

κύθρα, *vid.* χύτρα.

κυθρόπους, *vid.* χυτρόπους.

κυκᾶν.
[Sm. Ps. 2. 1.]

κύκησις.
[Sm. Ps. 68 (64). 3.]

κυκλεύειν. (1) סָבַב
IV Ki. 3. 25. B ἐκύκλευσαν [A R -ωσαν] οἱ σφενδονῆται [A -ισταί] (1)
[Sm. II Ki. 5. 23.]

κυκληδόν.
[Sm. Jb. 37. 12.]

κυκλόθεν. (1) כֹּל מֵעֲבַר (2) a. סָבִיב b. מִסָּבִיב c. סָבַב d. סָבִיב סָבִיב e. ὁ κ. מִסָּבִיב
Ex. 28. 29 (33). A B² ἐπὶ [B¹ R ὑπὸ] τὸ λῶμα . . . κ. [B R κάτωθεν] –
Jo. 21. 42. κατέπαυσεν αὐτοὺς [A -οῖς] κύριος κ. (2 b)
23. 1. ἀπὸ πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν κ. (2 b)
Jd. 2. 14. ἐν χερσὶ τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν κ. [A al.] (2 b)
8. 34. τῶν θλιβόντων αὐτοὺς [A ἐχθρῶν αὐτῶν] κ. (2 b)
I Ki. 10. 1. ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν αὐτοῦ κ. –
12. 11. ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν ὑμῶν τῶν κ. (2 e)
III Ki. 3. 1. ἕως συντελέσαι αὐτὸν . . . τὸ τεῖχος Ἱερ. κ. –
— 1 (*cf.* 4. 24 [5. 4]). B ἐκ πάντων τῶν μερῶν αὐτοῦ κ. (2 b)
4. 24 (5. 4). ἐκ πάντων τῶν μερῶν κ. (2 b)
5. 4 (18). ἀνέπαυσε κόμος ὁ θεός μου ἐμοὶ κ. (2 b)
6. 5. A ἔδωκεν . . . μέλαθρα κ. σὺν τοίχοις τοῦ οἴκου κ. [B om. σὺν τ. τ. οἴ. κ.] τῷ ναῷ (2 a, 2 a)
— 5. A ἐποίησεν πλευρὰς κ. (2 a)
— 6. διάστημα ἔδωκε τῷ οἴκῳ κ. (2 a)
— 36. στίχος κατειργασμένης κέδρου κ. [A om.] –
7. 24. ὑποκάτωθεν τοῦ χείλους αὐτῆς κ. ἐκύκλουν αὐτὴν δέκα ἐν πήχει κ. (2 a, 2 a)
— 36. καὶ τὰ κ. (2 a)
18. 32. ἐποίησε θάλασσαν . . . κ. τοῦ θυσιαστηρίου (2 a)
IV Ki. 25. 10. R τὸ τεῖχος Ἱερ. κ. κατέσπασεν [A al.] (2 a)
I Ch. 22. 9. ἀπὸ πάντων τῶν ἐχθρῶν κ. (2 b)
— 18. ἀνέπαυσεν ὑμᾶς κ. (2 b)
II Ch. 4. 2. ἐποίησε τὴν θάλασσαν . . . στρογγύλην κ. (2 a)
— 3. δέκα πήχεις περιέχουσι τὸν λουτῆρα κ. (2 a)
14. 7 (6). κατέπαυσεν ἡμᾶς κ. (2 b)
15. 15. κατέπαυσε κύριος αὐτοῖς κ. (2 b)
20. 30. κατέπαυσεν αὐτῷ ὁ θεὸς αὐτοῦ κ. (2 b)
32. 22. καὶ κατέπαυσεν αὐτοὺς κ. (2 b)
33. 14. ἐκπορευομένων [A πορ.] τὴν πύλην τὴν κ. (2 c)
II Es. 1. 6. πάντες οἱ κ. ἐνίσχυσαν [A ἴσχ.] (2 a)
Ne. 12. 28. ἀπὸ τῆς περιχώρου κ. (2 a)
Jb. 1. 10. A τὰ ἔξωθεν πάντων τῶν ὄντων αὐτῷ κ. [B S al.] (2 b)
18. 9. A ἔλθοισαν δὲ ἐπ' αὐτὸν παγίδες κ. [B S om.] –
— 11 (12). A ἡ σύλληψις αὐ. ἐπὶ τρίβων κ. [B S al.] (2 a)
Ps. 30 (31). 13. ἤκουσα ψόγον πολλῶν παροικούντων κ. (2 b)
Si. 45. 9. χρυσοῖς κώδωσι πλείστοις κ.
46. 5. ἐν τῷ θλῖψαι αὐτὸν ἐχθροὺς κ.
— 16. ἐν τῷ θλῖψαι ἐχθροὺς αὐτοῦ κ.
47. 7. ἐξέτριψε γὰρ ἐχθροὺς κ.
— 13. ᾧ ὁ θεὸς κατέπαυσε κ.
50. 12. κ. αὐτοῦ στέφανος ἀδελφῶν
51. 4. ἀπὸ πνιγμοῦ πυρᾶς κ.
Am. 3. 11. Τύρος κ. ἡ γῆ σου ἐρημωθήσεται (2 a)
Jl. 3 (4). 11. εἰσπορεύεσθε πάντα τὰ ἔθνη κ. (2 b)
— 12. καθιῶ τοῦ διακρῖναι πάντα τὰ ἔθνη κ. (2 b)
Za. 2. 5 (9). ἐγὼ ἔσομαι αὐτῇ . . . τεῖχος πυρὸς κ. (2 a)
7. 7. αἱ πόλεις κ. αὐτῆς [A αὐτῶν κ.] (2 a)
12. 6. καταφάγονται . . . πάντας τοὺς λαοὺς κ. (2 a)
14. 14. συνάξει τὴν ἰσχὺν πάντων τῶν λαῶν κ. (2 a)
Is. 30. 32. ἔσται αὐτῷ κ. (1)
Je. 6. 25. ῥομφαία τῶν ἐχθρῶν παροικεῖ κ. (2 b)
17. 26. ἥξουσιν ἐκ τῶν πόλεων Ἰ. καὶ κ. Ἱερ. (2 a)
20. 10. ἤκουσα ψόγον πολλῶν συναθροιζομένων κ. [B¹ add. κ.] (2 b, –)
26 (46). 5. οὐκ ἀνέστρεψαν περιεχόμενοι κ. (2 b)
27 (50). 29. παρεμβάλλετε ἐπ' αὐτὴν κ. (2 a)
28 (51). 2. οὐαὶ ἐπὶ Βαβυλῶνα κ. (2 b)
30. 7 (49. 29). καλέσατε ἐπ' [A om.] αὐτοὺς ἀπώλειαν κ. (2 b)
31 (48). 17. κινήσατε αὐτῷ [A -ὸν] πάντες κ. αὐτοῦ (2 a)
39 (32). 44. A διαμαρτύρῃ μάρτυρας . . . κ. [R κύκλῳ τῆς] Ἱερ. (2 a)
La. 2. 22. ἐκάλεσεν ἡμέραν ἑορτῆς παροικίας μου κ. (2 b)
Ez. 1. 18. οἱ νῶτοι αὐτῶν πλήρεις ὀφθαλμῶν κ. τοῖς τέσσαρσι (2 a)
— 28. οὕτως ἡ στάσις τοῦ φέγγους κ. (2 a)
5. 17. ῥομφαίαν ἐπάξω ἐπὶ σὲ κ. –
10. 12. οἱ τροχοὶ πλήρεις ὀφθαλμῶν κ. [A om.] (2 a)
16. 33. τοῦ ἔρχεσθαι πρὸς σὲ κ. (2 b)
— 37. συνάξω αὐτοὺς ἐπὶ σὲ κ. (2 b)
19. 8. ἔδωκαν ἐπ' αὐτὸν ἔθνη ἐκ [A ἀπὸ] χωρῶν κ. (2 a)
23. 22. ἐπάξω αὐτοὺς ἐπὶ σὲ κ. υἱοὺς Βαβυλῶνος (2 b)
37. 2. περιήγαγέ με ἐπ' αὐτὰ κ. κύκλῳ (2 a)
40. 16. ἔσωθεν τῆς πύλης τῆς αὐλῆς κ. (2 d)
— 25. τὰ αἰλαμμὼν κ. (2 d)
41. 5. τὸ εὖρος τῆς πλευρᾶς πηχῶν τεσσάρων κ. [A al.] (2 d)
— 11. τὸ εὖρος τοῦ φωτὸς τοῦ ἀπολοίπου πηχῶν πέντε πλάτος κ. (2 d)
— 12. εὖρος κ. (2 d)
— 17. A ἐφ' ὅλον τὸν οἶκον κ. [B al.] (2 d)
— 19. διαγεγλυμμένος [A add. ὅλος] ὁ οἶκος κ. (2 d)
42. 15. διεμέτρησε τὸ ὑπόδειγμα τοῦ οἴκου κ. (2 d)
43. 2. ὡς φέγγος ἀπὸ τῆς δόξης [A add. κυρίου] κ. –
— 12. πάντα τὰ ὅρια αὐτοῦ κ. (2 d)
— 13. γεῖσος ἐπὶ τὸ χείλος [A τοῦ χ.] αὐτοῦ κ. σπιθαμῆς (2 a)
— 17. τὸ γεῖσος αὐτῷ [A -ῶν] κ. κυκλούμενον αὐτῷ ἥμισυ πήχεως καὶ τὸ κύκλωμα αὐτοῦ πῆχυς κ. (2 a, 2 a)
45. 1. ἅγιον ἔσται ἐν πᾶσι τοῖς ὁρίοις αὐτοῦ κ. (2 a)
— 2. A R πεντακόσιοι ἐπὶ πεντακοσίους τετράγωνον κ. καὶ πήχεις πεντήκοντα διάστημα αὐτῶν [B -ῷ] κ. (2 a, 2 a)
Da. LXX. 7. 19. κατεσθίοντος πάντας κ. –
I Ma. 4. 60. κ. τείχη ὑψηλά
5. 1. ὅτε ἤκουσαν τὰ ἔθνη κ.
— 65. A S τοὺς πύργους αὐτῆς ἐνεπύρισεν [R -έπρησε] κ.
6. 62. S R καθεῖλεν [A καὶ καθεῖλεν] τὸ τεῖχος κ.
7. 24. S R ἐξῆλθεν εἰς πάντα τὰ ὅρια τῆς Ἰ. κ. [A καὶ κ.]
— 46. ἐξῆλθον ἐκ πασῶν τῶν κωμῶν τῆς Ἰ. κ.
10. 11. καὶ τὸ ὅρος Σιὼν κ.
— 45. A R καὶ ὀχυρῶσαι [S ὠχύρωσεν] κ.
13. 10. ὠχύρωσεν αὐτὴν κ.
IV Ma. 5. 1. τῶν στρατευμάτων αὐτῶν παρεστηκότων κ. ἐνόπλων
14. 17. περιϊπτάμενα κ. αὐτῶν
[Aq. Ex. 7. 24 : Ps. 30 (31). 14 (ἀπὸ κ.) : Je. 20. 3 : 51 (28). 2 : Ez. 42. 20.]
[Sm. Ps. 30 (31). 14 : Je. 20. 3.]
[Th. III Ki. 6. 5 : Je. 20. 3.]

κύκλος (*incl.* κύκλῳ), *cf.* κυκλόθεν, περικύκλῳ, ὑπερκύκλῳ. (1) אֹרַח (2) מִמַּעַל (3) נָקַף hi. (4) *a.* סָבִיב *b.* מִסָּבִיב *c.* מֵסַב *d.* סָבִיב סָבִיב *e.* סָבַב (5) עַל־פֶּה (6) תַּחַת

Ge. 23. 17. ὅ ἐστιν ἐν τοῖς ὁρίοις αὐτοῦ κύκλῳ (4 *a*)
35. 5. ἐπὶ τὰς πόλεις τὰς κύκλῳ αὐτῶν (4 *a*)
41. 48. τῶν πεδίων τῆς πόλεως τῶν κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
Ex. 7. 24. ὤρυξαν . . . κύκλῳ τοῦ ποταμοῦ (4 *a*)
16. 13. κύκλῳ τῆς παρεμβολῆς (4 *a*)
19. 12. ἀφοριεῖς τὸν λαὸν κύκλῳ (4 *a*)
25. 10 (11). ποιήσεις αὐτῇ κυμάτια . . . κύκλῳ (4 *a*)
— 23 (24). ποιήσεις αὐτῇ . . . κυμάτια [A -ον] . . . κύκλῳ –
— 23 (24). ποιήσεις αὐτῇ στεφάνην . . . κύκλῳ (4 *a*)
— 24 (25). ποιήσεις . . . κυμάτιον [A κ. χρυσοῦν] . . . κύκλῳ (4 *a*)
27. 17. πάντες οἱ στῦλοι . . . κύκλῳ κατηργυρωμένοι (4 *a*)
28. 28 (32). ὥαν ἔχον κύκλῳ τοῦ περιστομίου (4 *a*)
— 29 (33). ἐπὶ τοῦ λώματος τοῦ ὑποδύτου κύκλῳ (4 *a*)
— 30 (34). ἐπὶ [B[1] ὑπὸ] τοῦ λώματος τοῦ ὑποδύτου κύκλῳ (4 *a*)
29. 16. προσχεεῖς πρὸς τὸ θυσιαστήριον κύκλῳ (4 *a*)
— 21. προσχεεῖς πρὸς τὸ θυσιαστήριον κύκλῳ –
30. 3. καταχρυσώσεις . . . τοὺς τοίχους αὐτοῦ κύκλῳ (4 *a*)
— 3. ποιήσεις . . . στεφάνην χρυσῆν κύκλῳ (4 *a*)
36. 31 (39. 23). ὥαν ἔχον κύκλῳ (4 *a*)
— 33 (39. 25). ἐπὶ τὸ λῶμα τοῦ ὑποδύτου κύκλῳ (4 *a*)
— 34 (39. 26). ἐπὶ τοῦ λώματος [A[2] τὸ λ.] τοῦ ὑποδύτου κύκλῳ (4 *a*)
37. 18 (38. 20). πάντες οἱ πάσσαλοι τῆς αὐλῆς κύκλῳ χαλκοῖ (4 *a*)
38 (37). 2. A ἐποίησεν αὐτῇ κυμάτιον χρυσοῦν κύκλῳ (4 *a*)
39. 9 (38. 30). R τὰς βάσεις τῆς αὐλῆς [B πύλης, A σκηνῆς] κύκλῳ (4 *a*)
— 9 (38. 31). τοὺς πασσάλους τῆς αὐλῆς κύκλῳ (4 *a*)
— 10 (38. 31). A τὸ παράθεμα τὸ χαλκοῦν κύκλῳ [B *om.*] τοῦ θυσιαστ. –
40. 9 (8). πάντα τὰ αὐτῆς ἁγιάσεις κύκλῳ [A *al.*] (4 *a*?)
— 33. B ἔστησε τὴν αὐλὴν κύκλῳ τῆς σκηνῆς (4 *a*)
Le. 1. 5, 11. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κύκλῳ (4 *a*)
3. 2. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τῶν ὁλοκαυτωμάτων κύκλῳ (4 *a*)
— 8, 13. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κύκλῳ (4 *a*)
6. 32 (7. 2). ἐπὶ τὴν βάσιν τοῦ θυσιαστηρίου κύκλῳ (4 *a*)
8. 15. ἐπὶ τὰ κέρατα τοῦ θυσιαστηρίου κύκλῳ (4 *a*)
— 18 (19), 23 (24) : 9. 12. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κύκλῳ (4 *a*)
9. 18. πρὸς τὸ θυσιαστήριον κύκλῳ (4 *a*)
14. 41. τὴν οἰκίαν ἀποξύσουσιν ἔσωθεν κύκλῳ (4 *a*)
16. 18. ἐπὶ τὰ κέρατα τοῦ θυσιαστηρίου κύκλῳ (4 *a*)
17. 6. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κύκλῳ –
25. 31. αἷς οὐκ ἔστιν ἐν [A *om.*] αὐταῖς τεῖχος κύκλῳ (4 *a*)
— 44. ὅσοι κύκλῳ σού εἰσιν (4 *a*)
Nu. 1. 50. κύκλῳ τῆς σκηνῆς παρεμβαλοῦσι (4 *a*)
— 53 : 2. 2. κύκλῳ τῆς σκηνῆς τοῦ μαρτυρίου (4 *a*)
3. 37 : 4. 32. τοὺς στύλους τῆς αὐλῆς κύκλῳ (4 *a*)
11. 24. ἔστησεν αὐτοὺς κύκλῳ τῆς σκηνῆς (4 *a*)
— 31. ὁδὸν ἡμέρας ἐντεῦθεν κύκλῳ τῆς παρεμβολῆς (4 *a*)
— 32. ψυγμοὺς κύκλῳ τῆς παρεμβολῆς (4 *a*)
16. 24. ἀναχωρήσατε κύκλῳ ἀπὸ τῆς συναγωγῆς κ. (4 *b*)
— 27. ἀπέστησαν ἀπὸ τῆς σκηνῆς Κ. κύκλῳ (4 *b*)
— 34. πᾶς Ἰσραὴλ οἱ κύκλῳ αὐτῶν (4 *a*)
22. 4. ἐκλείξει . . . πάντας τοὺς κύκλῳ ἡμῶν (4 *a*)
32. 33. πόλεις τῆς γῆς κύκλῳ (4 *a*)
34. 12. καὶ τὰ ὅρια αὐτῆς κύκλῳ (4 *a*)
35. 2. τὰ προάστια τῶν πόλεων κύκλῳ αὐτῶν (4 *a*)
— 4. δισχιλίους πήχεις κύκλῳ (4 *a*)
De. 12. 10. ἀπὸ πάντων τῶν ἐχθρῶν ὑμῶν τῶν κύκλῳ (4 *b*)
17. 14. καθὰ καὶ τὰ λοιπὰ ἔθνη τὰ κύκλῳ μου (4 *a*)
21. 2. τὰς πόλεις τὰς κύκλῳ τοῦ τραυματίου (4 *a*)
25. 19. ἀπὸ πάντων τῶν ἐχθρῶν σου [A *om.*] τῶν κύκλῳ σου [A[1] *om.* τ. κ. σου] (4 *b*)
Jo. 6. 3. περίστησον αὐτῇ τοὺς μαχίμους [A πάντας τοὺς μαχητὰς] κύκλῳ (3)
— 19 (20). ἔπεσεν ἅπαν τὸ τεῖχος κύκλῳ (6)
15. 12. ταῦτα τὰ ὅρια υἱῶν Ἰούδα κύκλῳ (4 *a*)
18. 20. τὰ ὅρια αὐτῆς κύκλῳ κατὰ δήμους (4 *a*)
19. 8. αἱ κῶμαι αὐτῶν κύκλῳ [A αἱ περικ.] τῶν πόλεων (4 *a*)
21. 11. τὰ δὲ περισπόρια κύκλῳ [A τὰ κ.] αὐτῆς (4 *a*)
— 40. κύκλῳ τῶν πόλεων τούτων –
— 40. τὰ περισπόρια κύκλῳ τῆς πόλεως [A τῶν π.] (4 *a*)
24. 33. τοὺς θεοὺς τῶν ἐθνῶν τῶν κύκλῳ αὐτῶν
Jd. 7. 18. κύκλῳ ὅλης τῆς παρεμβολῆς (4 *a*)
— 21. κύκλῳ τῆς παρεμβολῆς (4 *a*)
20. 29. ἔθηκαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . . κύκλῳ (4 *a*)
I Ki. 14. 47. ἐπολέμει κύκλῳ πάντας τοὺς ἐχθρούς (4 *a*)
15. 21. A ἔλαβεν ὁ λαὸς τῶν κ. [B σκύλων] ποίμνια †
17. 3. B κύκλῳ [A R καὶ ὁ αὐλὼν] ἀνὰ μέσον αὐτῶν †
26. 5. ὁ λαὸς παρεμβεβληκὼς κύκλῳ αὐτοῦ (4 *a*)
— 7. ὁ λαὸς αὐτοῦ ἐκάθευδε κύκλῳ αὐτοῦ (4 *a*)
31. 9. κύκλῳ εὐαγγελίζοντες τοῖς εἰδώλοις αὐ. (4 *a*)
II Ki. 5. 9. ᾠκοδόμησεν αὐτὴν πόλιν κύκλῳ (4 *a*)
7. 1. κατεκληρονόμησεν αὐτὸν κύκλῳ ἀπὸ πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ τῶν κύκλῳ [A *om.* τ. κ.] (4 *b*, –)
22. 12. κύκλῳ αὐτοῦ ἡ σκηνὴ αὐτοῦ (4 *a*)
III Ki. 3. 1. καὶ τὸ τεῖχος Ἱερ. κύκλῳ (4 *a*?)
— 1. A καὶ τὸ τεῖχος Ἱερ. κύκλῳ (4 *a*)
4. 31 (5. 11). A ἐν πᾶσιν τοῖς ἔθνεσιν κύκλῳ (4 *a*)
6. 29. πάντας τοὺς τοίχους τοῦ οἴκου κύκλῳ (4 *c*)
7. 20. A πέντε στίχοι κύκλῳ (4 *a*)
— 23. στρογγύλον κύκλῳ τὸ αὐτό (4 *a*)
— 23. A ἐκύκλουν αὐτὴν κύκλῳ (4 *a*)
— 35. στρογγύλον κύκλῳ ἐπὶ τῆς κεφαλῆς (4 *a*)
— 12. A R τῆς αὐλῆς τῆς μεγάλης κύκλῳ [B -οι] (4 *a*)
18. 35. διεπορεύετο τὸ ὕδωρ κύκλῳ τοῦ θυσιαστηρίου (4 *a*)
IV Ki. 11. 8. κυκλώσατε ἐπὶ [A[1] πρὸς] τὸν βασ. κύκλῳ ἀνήρ (4 *a*)
— 11. καὶ τοῦ οἴκου ἐπὶ τὸν βασ. κύκλῳ (4 *a*)
25. 1. ᾠκοδόμησεν ἐπ' αὐτὴν περίτειχος κύκλῳ (4 *a*)
— 4. καὶ οἱ Χαλδ. ἐπὶ τὴν πόλιν κύκλῳ (4 *a*)
— 10. A τὸ τεῖχος . . . κύκλῳ κατέλυσαν [R *al.*] (4 *a*)
— 17. ἐπὶ τοῦ χωθὰρ κύκλῳ (4 *a*)
I Ch. 4. 33. πᾶσαι ἐπαύλεις αὐτῶν κύκλῳ τῶν πόλεων τούτων [A *al.*] (4 *a*)
6. 55 (40). καὶ τὰ περισπόρια αὐτῆς κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
10. 9. ἀπέστειλαν εἰς γῆν ἀλλοφύλων κύκλῳ (4 *a*)
11. 8. ᾠκοδόμησε τὴν πόλιν κύκλῳ (4 *b*)
28. 12. καὶ πάντων τῶν παστοφορίων τῶν κύκλῳ (4 *a*)
II Ch. 4. 3. κύκλῳ κυκλοῦσιν αὐτήν (4 *d*)
14. 14 (13). τὰς κώμας αὐτῶν κύκλῳ Γ. (4 *a*)
17. 10. ἐπὶ πάσαις ταῖς βασιλείαις τῆς γῆς κύκλῳ [A ταῖς κ.] Ἰ. (4 *a*)
23. 7. κυκλώσουσιν οἱ Λ. τὸν βασ. κύκλῳ (4 *a*)
— 10. ἐπὶ τὸν βασιλέα κύκλῳ (4 *a*)
34. 6. ἐν . . . τοῖς τόποις αὐτῶν κύκλῳ (4 *a*)
I Es. 4. 11. τηροῦσι κύκλῳ περὶ αὐτόν
— 34. στρέφεται ἐν τῷ κ. τοῦ οὐρανοῦ
Ne. 5. 17. ἀπὸ τῶν ἐθνῶν τῶν κύκλῳ ἡμῶν (4 *a*)
6. 16. πάντα τὰ ἔθνη τὰ κύκλῳ ἡμῶν (4 *a*)
Ju. 1. 2. ᾠκοδόμησεν . . . κύκλῳ τείχη
5. 22. A ὁ κύκλῳ τῆς σκηνῆς περιεστώς [B S *al.*]
6. 1. τῶν ἀνδρῶν τῶν κύκλῳ τῆς συνεδρίας
7. 20. ἔμεινε κύκλῳ αὐτῶν
15. 3. οἱ παρεμβεβληκότες [S παραβ.] . . . κύκλῳ B.
Es. 1. 6. κύκλῳ ῥόδα [A δόρα] πεπισμένα –
Jb. 1. 10. τὰ ἔξω πάντων τῶν ὄντων αὐτοῦ κύκλῳ [A -λόθεν] (4 *b*)
18. 11. κύκλῳ ὀλέσαισαν αὐτὸν ὀδύναι [A *al.*] (4 *a*)
19. 8. κύκλῳ περιῳκοδόμημαι (1 ?)
— 10. διέσπασέ με κύκλῳ καὶ ᾠχόμην (4 *a*)
29. 5. κύκλῳ δέ μου οἱ παῖδες (4 *a*)
41. 5 (6). κύκλῳ ὀδόντων αὐτοῦ φόβος (4 *a*)
Ps. 3. 6. τῶν κύκλῳ [A -ων] ἐπιτιθεμένων [A S συνεπ.] μοι (4 *a*)
11 (12). 8. A[2]BS κύκλῳ οἱ ἀσεβεῖς περιπατοῦσι (4 *a*)
17 (18). 11. κύκλῳ αὐτοῦ ἡ σκηνὴ αὐτοῦ (4 *a*)
33 (34). 7. κύκλῳ τῶν φοβουμένων αὐτόν (4 *a*)
43 (44). 13. A S[2] μυκτηρισμὸν καὶ χλευασμὸν [B καταγέλωτα] τοῖς κύκλῳ ἡμῶν (4 *a*)
49 (50). 3. κύκλῳ αὐτοῦ καταιγὶς σφόδρα (4 *a*)
Ps. 75 (76). 11. πάντες οἱ κύκλῳ αὐτοῦ οἴσουσι δῶρα (4 *a*)
77 (78). 28. κύκλῳ τῶν σκηνωμάτων αὐτῶν (4 *a*)
78 (79). 3. ἐξέχεαν τὸ αἷμα αὐτῶν ὡς ὕδωρ κύκλῳ Ἱερουσαλήμ (4 *a*)
— 4. μυκτηρισμὸς καὶ χλευασμὸς τοῖς κύκλῳ ἡμῶν (4 *a*)
88 (89). 8. καὶ ἡ ἀλήθειά σου κύκλῳ σου (4 *a*)
96 (97). 2. νεφέλη καὶ γνόφος κύκλῳ αὐτοῦ (4 *a*)
— 3. φλογεῖ κύκλῳ τοὺς ἐχθροὺς αὐτοῦ (4 *a*)
124 (125). 2. ὄρη κύκλῳ αὐτῆς καὶ κύριος κύκλῳ τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (4 *a*, 4 *a*)
127 (128). 3. οἱ υἱοί σου ὡς νεόφυτα ἐλαιῶν κύκλῳ τῆς τραπέζης σου (4 *a*)
Ec. 1. 6. ἐπὶ κύκλους αὐτοῦ ἐπιστρέφει τὸ πνεῦμα (4 *e*)
Ca. 3. 7. ἑξήκοντα δυνατοὶ κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
Wi. 7. 19. ἐνιαυτῶν [A S[1] -οῦ] κύκλους [S[1] -ου]
13. 2. ἢ ταχινὸν ἀέρα ἢ κύκλον ἄστρων [S[2] ἀστέρων]
Si. 23. 18. σκότος κύκλῳ μου
Na. 3. 8. ὕδωρ κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
Za. 12. 2. πρόθυρα σαλευόμενα πᾶσι τοῖς λαοῖς κύκλῳ (4 *a*)
Is. 6. 2. Σεραφὶμ εἱστήκεισαν κύκλῳ αὐτοῦ (2)
9. 18 (17). συγκαταφάγεται τὰ κύκλῳ τῶν βουνῶν πάντα †
19. 7. τὸ ἄχι τὸ χλωρὸν πᾶν τὸ κύκλῳ τοῦ ποταμοῦ (5)
42. 25. οἱ συμφλέγοντες αὐτοὺς κύκλῳ (4 *b*)
49. 18 : 60. 4. ἆρον κύκλῳ τοὺς ὀφθαλμούς σου (4 *a*)
Je. 1. 15. ἐπὶ πάντα τὰ τείχη τὰ κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
4. 17. ὡς φυλάσσοντες ἀγρὸν ἐγένοντο ἐπ' αὐτὴν κύκλῳ (4 *b*)
6. 3. πήξουσιν ἐπ' αὐτὴν σκηνὰς κύκλῳ (4 *a*)
12. 9. B S σπήλαιον κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
15. 14. καταδουλώσω [A -σουσίν] σε κύκλῳ τοῖς ἐχθροῖς σου –
21. 14. ἕδεται [A κατέδ.] πάντα τὰ κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
25. 9. ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη τὰ κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
27 (50). 14. παρατάξασθε ἐπὶ Βαβυλῶνα κύκλῳ (4 *a*)
— 32. καταφάγεται πάντα τὰ κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
31 (48). 39. ἐγκότημα πᾶσι τοῖς κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
38 (31). 39. περικυκλωθήσεται κύκλῳ ἐξ ἐκλεκτῶν λίθων [A *om.*] –
39 (32). 44. διαμαρτύρῃ μάρτυρας . . . κύκλῳ τῆς [A κυκλόθεν] Ἱερ. (4 *a*)
40 (33). 13. ἐν γῇ Βενιαμὶν καὶ ἐν ταῖς κύκλῳ Ἱερουσαλήμ (4 *a*)
52. 4. περιῳκοδόμησαν αὐτὴν τετραπέδοις κύκλῳ (4 *a*)
— 7. οἱ Χαλδαῖοι ἐπὶ τῆς πόλεως κύκλῳ [A ἐκύκλωσαν] (4 *a*)
— 14. πᾶν τεῖχος [A *add.* ἐν] Ἱερ. κύκλῳ (4 *a*)
— 21. τὸ πάχος [S πλάτος] αὐτοῦ δακτύλων τεσσάρων κύκλῳ †
— 22. ῥοαὶ ἐπὶ τοῦ γείσους κύκλῳ (4 *a*)
— 23. ἦσαν αἱ πᾶσαι ῥοαὶ ἑκατὸν ἐπὶ τοῦ δικτύου κύκλῳ (4 *a*)
Ba. 2. 4. πάσαις ταῖς βασιλείαις ταῖς κύκλῳ ἡμῶν
— 4. ἐν πᾶσι τοῖς λαοῖς τοῖς κύκλῳ [A *add.* ἡμῶν]
La. 1. 17. κύκλῳ αὐτοῦ [A *om.*] οἱ θλίβοντες αὐτόν (4 *a*)
2. 3. κατέφαγε πάντα τὰ κύκλῳ (4 *a*)
Ez. 1. 4. φέγγος κύκλῳ αὐτοῦ (4 *a*)
— 27. A ὡς ὅρασις πυρὸς ἔσωθεν αὐτοῦ κύκλῳ (4 *a*)
— 27. A[2]B τὸ φέγγος αὐτοῦ κύκλῳ (4 *a*)
2. 6. ἐπισυστήσονται ἐπὶ σὲ κύκλῳ –
4. 2. τάξεις τὰς βελοστάσεις κύκλῳ (4 *a*)
5. 2. τὸ τέταρτον κατακόψεις ἐν ῥομφαίᾳ κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
— 5. τὰς κύκλῳ αὐτῆς χώρας (4 *a*)
— 6. τὰ νόμιμά μου [A *add.* ἐκ] τῶν χωρῶν τῶν κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
— 7. ἐκ τῶν ἐθνῶν τῶν κύκλῳ ὑμῶν (4 *a*)
— 7. κατὰ τὰ δικαιώματα τῶν ἐθνῶν τῶν κύκλῳ ὑμῶν (4 *a*)
— 12. τὸ τέταρτόν σου ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται κύκλῳ σου (4 *a*)
— 14. καὶ τὰς θυγατέρας σου κύκλῳ σου (4 *a*)
— 15. ἔσῃ στενακτὴ . . . ἐν τοῖς ἔθνεσι τοῖς κύκλῳ σου (4 *a*)
6. 5, 13. κύκλῳ τῶν θυσιαστηρίων ὑμῶν (4 *a*)
8. 10. διαγεγραμμένα ἐπ' αὐτοῦ κύκλῳ [B[2] *add.* κύκλῳ] – (4 *d* [4 *a*, 4 *a*])
12. 14. πάντας τοὺς κύκλῳ αὐτοῦ . . . διασπερῶ (4 *a*)

Ez. 16. 57. ὄνειδος εἶ . . . πάντων τῶν κύκλῳ αὐτῆς θυγατέρων ἀλλοφύλων τῶν περιεχουσῶν σε κύκλῳ (4 a, 4 b)
23. 24. βαλεῖ φυλακὴν [A προφ.] ἐπὶ σὲ κύκλῳ (4 a)
26. 8. ποιήσει [A περιπ.] ἐπὶ σὲ κύκλῳ [A add. σου] χάρακα –
27. 11. A ἡ δύναμίς σου ἐπὶ τῶν τειχέων σου κύκλῳ [B om.] (4 a)
— 11. ἐκρέμασαν ἐπὶ τῶν ὅρμων σου κύκλῳ (4 a)
28. 24. A ἄκανθα ὀδύνης ἀπὸ τῶν κύκλῳ [B περικ.] αὐτῶν (4 a)
— 26. ἐν πᾶσι τοῖς ἀτιμήσασιν αὐτοὺς ἐν τοῖς κύκλῳ αὐτῶν (4 a)
31. 4. τοὺς ποταμοὺς αὐτῆς ἤγαγε κύκλῳ τῶν φυτῶν αὐτοῦ (4 a)
34. 26. A ἔσονται κύκλῳ [B δώσω αὐτοὺς περικ.] τοῦ ὄρους μου (4 a)
36. 3. μισηθῆναι ὑμᾶς ὑπὸ [A ἀπὸ τῶν ἐθνῶν] τῶν κύκλῳ ὑμῶν (4 b)
— 36. ὅσα ἂν καταλειφθῶσι κύκλῳ ὑμῶν (4 a)
37. 2. περιήγαγέ με ἐπ' αὐτὰ κυκλόθεν κύκλῳ (4 a)
40. 5. περίβολος ἔξωθεν τοῦ οἴκου κύκλῳ (4 d)
— 14. ἔξωθεν πήχεις εἴκοσι θεὶμ πύλης κύκλῳ [A al.] (4 d)
— 16. ὡσαύτως τοῖς αἰλὰμ θυρίδες κύκλῳ ἔσωθεν (4 d)
— 17. περίστυλα κύκλῳ τῆς αὐλῆς (4 d)
— 30. τῷ αἰλαμμὼν κύκλῳ πηχεῖς πεντήκοντα τὸ μῆκος αὐτῆς (4 d)
— 30. A αἰλαμμὼθ κύκλῳ μῆκος πέντε (4 d)
— 33. θυρίδες αὐτῇ καὶ αἰλαμμὼν κύκλῳ (4 d)
— 36. θυρίδες αὐτῇ κύκλῳ καὶ τὸ αἰλαμμὼν αὐτῆς [A add. κύκλῳ] (4 d, –)
— 43. παλαιστὴν ἔξουσι γεῖσος λελαξευμένον ἔσωθεν [A ἔξω.] κύκλῳ (4 d)
41. 6. ἐν τοῖς πλευροῖς [A add. τοῦ οἴκου] κύκλῳ (4 d)
— 7. πρὸς τὴν ἀνωτέραν κύκλῳ τοῦ οἴκου (4 d ?)
— 8. τὸ θραὲλ τοῦ οἴκου ὕψος κύκλῳ (4 d)
— 10. τὸ περιφερὲς τῷ οἴκῳ [A τοῦ οἴ.] κύκλῳ (4 d)
— 16. ὑποφαύσεις κύκλῳ τοῖς τρισίν (4 a)
— 16. τὰ πλησίον ἐξυλωμένα κύκλῳ (4 d)
— 17. ἐφ' ὅλον τὸν τοῖχον [A οἶκον] κύκλῳ [A -λόθεν] (4 d)
42. 20. διέταξεν αὐτὸν καὶ περίβολον αὐτῶν [A -ὸν] κύκλῳ (4 d)
43. 20. ἐπιθήσουσιν . . . ἐπὶ τὴν βάσιν κύκλῳ (4 a)
46. 23. ἐξέδραι κύκλῳ ἐν αὐταῖς κύκλῳ ταῖς τέσσαρσι καὶ μαγειρεῖα γεγονότα ὑποκάτω τῶν ἐξεδρῶν κύκλῳ (4 a ter)
Da. LXX. 5. 6. οἱ συνεταῖροι κύκλῳ αὐτοῦ ἐκαυχῶντο †
7. 7. κύκλῳ τοῖς ποσὶ καταπατοῦν †
— 12. τοὺς κύκλῳ αὐτοῦ ἀπέστησε †
I Ma. 1. 11. τῶν ἐθνῶν τῶν κύκλῳ ἡμῶν
— 31. A R καὶ τὰ τείχη αὐτῆς [S om.] κύκλῳ
— 37. ἐξέχεαν αἷμα ἁθῷον κύκλῳ τοῦ ἁγιάσματος
— 54. ἐν πόλεσιν Ἰούδα κύκλῳ
3. 25. τὰ ἔθνη τὰ κύκλῳ αὐτῶν
5. 10. A R τὰ ἔθνη τὰ [S om.] κύκλῳ ἡμῶν
— 38. πάντα τὰ ἔθνη τὰ κύκλῳ ἡμῶν
— 57. τὰ ἔθνη τὰ κύκλῳ ἡμῶν
6. 18. συγκλείοντες τὸν Ἰσρ. κύκλῳ τῶν ἁγίων
7. 17. αἵματα αὐτῶν ἐξέχεαν κύκλῳ Ἱερ.
10. 84. καὶ τὰς πόλεις τὰς κύκλῳ αὐτῆς
12. 13. οἱ βασιλεῖς οἱ κύκλῳ ἡμῶν
— 27. ἐξέβαλε προφύλακας κύκλῳ τῆς παρεμβολῆς
— 53. πάντα τὰ ἔθνη τὰ κύκλῳ αὐτῶν
14. 36. καὶ ἐμίαινον κύκλῳ τῶν ἁγίων
II Ma. 4. 32. καὶ τὰς κύκλῳ πόλεις
[Aq. Jb. 10. 8 : Ps. 26 (27). 6 : 88 (89). 8 : Ec 1. 6 : Je. 46 (26). 14 : 52. 4 : Ez. 1. 27 : 5. 14 : 8. 10 bis : 32. 22, 25 : 40. 17, 29 : 42. 20.]
[Sm. Ex. 7. 24 : 38. 31 (39. 9) : Le. 19. 27 : Ps. 26 (27). 6 : 43 (44). 14 : 77 (78). 28 : Is. 29. 3 : Je. 46 (26). 14 : 52. 4 : La. 1. 17 : Ez. 5. 14 : 8. 10 : 31. 4 : 32. 25.]
[Th. Ex. 7. 24 : 29. 20 : 37. 11, 12 bis : 38. 31 (39. 9) : Jb. 10. 8 : Je. 46 (26). 14 : Ez. 1. 27 : 5. 12, 14 : 8. 10 bis : 32. 25 : 40. 17, 29.]
[Al. Ps. 11 (12). 9 : 43 (44). 14.]

κυκλοτερῶς.
[Sm. Ez. 24. 5.]

κυκλοῦν. (1) a. חָנָה b. סָבִיב חָנָה (2) נָקַף hi. (3) סָבַב a. qal. b. ni. c. po. d. hi. e. סָבִיב (4) סֹחֵרָה (5) פָּשַׁט (6) שָׁפַךְ
Ge. 2. 11. οὗτος ὁ κυκλῶν πᾶσαν τὴν γῆν Εὐ. (3 a)
— 13. οὗτος ὁ κυκλῶν πᾶσαν τὴν γῆν Αἰθ. (3 a)
Ex. 13. 18. ἐκύκλωσεν ὁ θεὸς τὸν λαόν (3 d)
Nu. 34. 4. κυκλώσει ὑμᾶς τὰ ὅρια (3 b)
— 5. κυκλώσει τὰ ὅρια (3 b)
De. 2. 1. ἐκυκλώσαμεν τὸ ὄρος τὸ Σηείρ (3 a)
— 3. κυκλοῦν τὸ ὄρος τοῦτο (3 a)
32. 10. ἐκύκλωσεν αὐτόν (3 c)
Jo. 6. 6 (7). καὶ κυκλῶσαι τὴν πόλιν (3 a)
Jd. 11. 18. ἐκύκλωσε τὴν γῆν Ἐδώμ (3 a)
16. 2. καὶ ἐκύκλωσαν (3 a)
19. 22. ἐκύκλωσαν [A περιεκ.] τὴν οἰκίαν (3 b)
20. 5. καὶ ἐκύκλωσαν [A περιεκ.] ἐπ' ἐμέ (3 a)
I Ki. 7. 16. καὶ ἐκύκλου [A -ουν] Βαιθήλ (3 a)
II Ki. 18. 15. ἐκύκλωσαν δέκα παιδάρια (3 a)
22. 6. ὠδῖνες θανάτου ἐκύκλωσάν με (3 a)
24. 6. ἐκύκλωσαν εἰς Σιδῶνα [A al.] (3 e)
III Ki. 5. 3 (17). τῶν πολέμων τῶν κυκλωσάντων αὐτόν (3 a)
7. 15. ἐκύκλου αὐτὸν τὸ πάχος τοῦ στύλου (3 a)
— 23. A ἐκύκλουν αὐτὴν κύκλῳ (3 a)
— 24. ἐκύκλουν αὐτὴν δέκα (3 a)
22. 32. ἐκύκλωσαν αὐτὸν πολεμῆσαι †
IV Ki. 3. 9. ἐκύκλωσαν ὁδὸν ἑπτὰ ἡμερῶν (3 a)
— 25. A R ἐκύκλωσαν [B -ευσαν] οἱ σφενδονῆται [A -ισταί] (3 a)
6. 15. δύναμις κυκλοῦσα τὴν πόλιν (3 a)
8. 21. τὸν Ἐδὼμ τὸν κυκλώσαντα ἐπ' αὐτόν (3 a)
11. 8. κυκλώσατε ἐπὶ [A¹ πρὸς] τὸν βασ. (2)
II Ch. 4. 3. κύκλῳ κυκλοῦσιν αὐτήν (3 a)
18. 31. ἐκύκλωσαν αὐτὸν τοῦ πολεμεῖν (3 a)
21. 9. ἐπάταξεν Ἐδὼμ τὸν κυκλοῦντα αὐτόν (3 a)
23. 2. ἐκύκλωσαν τὸν Ἰούδαν (3 a)
— 7. οἱ Λευῖται κυκλώσουσι τὸν βασ. (2)
Ju. 2. 26. ἐκύκλωσε πάντας τοὺς υἱοὺς Μ.
5. 22. ὁ λαὸς ὁ κυκλῶν τὴν σκηνήν [A al.]
7. 19. ἐκύκλωσαν [A ἐκ. αὐτοὺς] πάντες οἱ ἐχθροὶ αὐτῶν
10. 18. ἐλθόντες ἐκύκλουν αὐτήν
13. 10. ἐκύκλωσαν τὴν φάραγγα ἐκείνην
Jb. 1. 17. ἐκύκλωσαν τὰς καμήλους (5)
16. 14 (13). ἐκύκλωσάν με λόγχαις (3 a)
19. 12. ταῖς ὁδοῖς μου ἐκύκλωσαν [A S add. με] ἐγκάθετοι (1 b)
22. 10. ἐκύκλωσάν σε παγίδες (3 e)
Ps. 7. 7. συναγωγὴ λαῶν κυκλώσει σε (3 c)
21 (22). 16. ἐκύκλωσάν με κύνες πολλοί (3 a)
25 (26). 6. κυκλώσω τὸ θυσιαστήριόν σου (3 c)
26 (27). 6. ἐκύκλωσα καὶ ἔθυσα (3 e)
31 (32). 7. λύτρωσαί με ἀπὸ τῶν κυκλωσάντων με (3 c)
— 10. τὸν δὲ ἐλπίζοντα ἐπὶ κύριον ἔλεος κυκλώσει (3 c)
47 (48). 12. κυκλώσατε Σιών (3 a)
48 (49). 5. ἡ ἀνομία τῆς πτέρνης μου κυκλώσει με (3 a)
54 (55). 10. ἡμέρας καὶ νυκτὸς κυκλώσει αὐτήν (3 c)
58 (59). 6, 14. κυκλώσουσι πόλιν (3 c)
87 (88). 17. ἐκύκλωσάν με ὡς ὕδωρ (3 a)
90 (91). 4. ὅπλῳ κυκλώσει σε ἡ ἀλήθεια αὐτοῦ (4 ?)
108 (109). 3. λόγοις μίσους ἐκύκλωσάν με (3 a)
117 (118). 10. πάντα τὰ ἔθνη ἐκύκλωσάν με (3 a)
— 11. κυκλώσαντες ἐκύκλωσάν με (3 a, 3 a)
— 12. ἐκύκλωσάν με ὡσεὶ μέλισσαι κηρίον (3 a)
Ec. 1. 6. κυκλοῖ πρὸς βορρᾶν [A -ᾷ] κυκλοῖ κυκλῶν πορεύεται τὸ πνεῦμα (3 a ter)
7. 26 (25). ἐκύκλωσα ἐγὼ καὶ ἡ καρδία μου (3 a)
9. 14. καὶ κυκλώσῃ αὐτήν (3 a)
12. 5. ἐκύκλωσαν [S² κυκλώσουσιν] ἐν ἀγορᾷ οἱ κοπτόμενοι (3 a)
Ca. 3. 2. κυκλώσω ἐν τῇ πόλει (3 c)
— 3. οἱ κυκλοῦντες ἐν τῇ πόλει (3 a)
5. 7. οἱ φύλακες οἱ κυκλοῦντες ἐν τῇ πόλει (3 a)
Si. 24. 5. γῦρον οὐρανοῦ ἐκύκλωσα μόνη
45. 9. ἐκύκλωσεν αὐτὸν ῥοΐσκοις
50. 12. ἐκύκλωσαν αὐτὸν ὡς στελέχη φοινίκων
Ho. 7. 2. νῦν ἐκύκλωσαν [A -εν] αὐτοὺς τὰ διαβούλια αὐτῶν (3 a)
11. 12 (12. 1). ἐκύκλωσέ με ἐν ψεύδει Ἐ. (3 a)
Jn. 2. 4. καὶ ποταμοί με ἐκύκλωσαν (3 c)
— 6. ἄβυσσος ἐκύκλωσέ με ἐσχάτη (3 c)
Hb. 2. 16. ἐκύκλωσεν [S¹ -αν] ἐπὶ σὲ ποτήριον δεξιᾶς κυρίου (3 a)
Za. 14. 10. κυκλῶν [A S² -οῦν] πᾶσαν τὴν γῆν (3 a)
Is. 29. 3. κυκλώσω ὡς Δαυὶδ ἐπὶ σέ (1 a)
37. 33. οὐδὲ μὴ κυκλώσῃ [A -ει] ἐπ' αὐτὴν χάρακα (6)
Je. 52. 7. A οἱ Χαλδαῖοι ἐπὶ τῆς πόλεως ἐκύκλωσαν [B S κύκλῳ] (3 e)
La. 3. 5. ἐκύκλωσε κεφαλήν μου (2)
Ez. 31. 15. ἐκώλυσα [A -εν, B² ἐκύκλωσα] πλῆθος ὕδατος †
43. 17. τὸ γεῖσος αὐτῷ κυκλόθεν κυκλούμενον αὐτῷ ἥμισυ πήχεως (3 e ?)
Da. LXX. Su. 37. κυκλοῦντες τὸ στάδιον εἴδομεν ταύτην
I Ma. 1. 45. S καὶ κυκλῶσαι [A R κωλῦσαι] ὁλοκαυτώματα
2. 45. A R καὶ ἐκύκλωσε [S ἐκέλευσεν] Ματ.
4. 7. καὶ ἵππον κυκλοῦσαν αὐτήν
6. 7. τὸ ἁγίασμα . . . ἐκύκλωσαν τείχεσιν ὑψηλοῖς
10. 80. ἐκύκλωσαν αὐτοῦ τὴν παρεμβολήν
12. 13. ἡμᾶς δὲ ἐκύκλωσαν πολλαὶ θλίψεις
13. 20. A R ἐκύκλωσεν [S -αν] ὁδὸν τὴν εἰς Ἄδωρα
— 43. καὶ ἐκύκλωσεν αὐτὴν παρεμβολαῖς
15. 14. καὶ ἐκύκλωσε τὴν πόλιν
IV Ma. 14. 8. περὶ τὴν ἑβδομάδα χορεύοντες οἱ μείρακες ἐκύκλουν
[Aq. Ge. 37. 7 : I Ki. 22. 18 : Ps. 21 (22). 17 : Je. 47 (29). 2 : 52. 21 : Ho. 11. 8.]
[Sm. Ps. 7. 8 : 16 (17). 9 : 21 (22). 17 : 54 (55). 11 : 58 (59). 7 : 117 (118). 11 : 139 (140). 10 : Je. 52. 21.]
[Th. Le. 19. 27 : I Ki. 22. 18 : Ps. 58 (59). 15 : Is. 28. 2.]
[Al. Ge. 43. 18 : Is. 28. 2.]
[Heb. Jb. 9. 9.]

κύκλωμα. (1) חֵיק (2) a. סָבִיב b. מֵסַב c. סָבַב (3) סַד (4) קָו
II Ch. 4. 2. καὶ τὸ κ. πήχεων τριάκοντα (4 + 2 c + 2 a)
Jb. 13. 27. A ἔθου δέ μου τὸν πόδα ἐν κυκλώματι [B S κολύματι] (3)
33. 11. A ἔθετο δὲ τὸν πόδα μου ἐν κυκλώματι [B S ξύλῳ] (3)
37. 12. αὐτὸς κυκλώματα διαστρέψει (2 b)
Ps. 139 (140). 9. ἡ κεφαλὴ τοῦ κ. αὐτῶν (2 b)
Ez. 43. 17. τὸ κ. αὐτοῦ πῆχυς κυκλόθεν (1)
48. 35. κ. δέκα καὶ ὀκτὼ χιλιάδες (2 a)
[Th. Jb. 37. 12.]

κυκλωπάζειν (?).
Je. 27 (50). 13. πᾶς ὁ διοδεύων . . . σκυθρωπάσει [S¹ κυκλωπ.] †

κύκλωσις.
Si. 43. 12. ἐγύρωσεν οὐρανὸν ἐν κυκλώσει δόξης
[Sm. Ps. 65 (66). 11.]

κύκνειος.
IV Ma. 15. 21. οὐδὲ κ. πρὸς φιληκοΐαν φωναί

κύκνος. (1) יַנְשׁוּף (2) רָחָם
Le. 11. 18. ταῦτα ἃ βδελύξεσθε . . . κύκνον (2)
De. 14. 16. ταῦτα οὐ φάγεσθε . . . κύκνον (1)
[Sm. Jb. 39. 13.]
[Th. Ze. 2. 14.]

κυλίειν. (1) גָּלַל a. qal. b. ni. (2) הָפַךְ hithp. (3) נָסַס hithpo. (4) עוּק hi. (5) שִׁים (6) שׁוּב (7) שָׁמַט
Jo. 10. 18. κυλίσατε λίθους ἐπὶ τὸ στόμα τοῦ σπηλαίου (1 a)
— 27. B¹ ἐκύλισαν [A B² R ἐπεκ.] λίθους (5)
Jd. 7. 13. A μαγὶς ἄρτου κριθίνου κυλιομένη [B στρεφομένη] (2)
I Ki. 14. 33. κυλίσατέ μοι λίθον ἐνταῦθα μέγαν (1 a)
IV Ki. 9. 33. κυλίσατε αὐτήν (7)
— 33. B καὶ ἐκύλισαν αὐτήν (7)
Pr. 26. 27. ὁ δὲ κυλίων λίθον ἐφ' ἑαυτὸν κυλίει (1 a, 6)
Ec. 10. 8. A ὁ κυλίων λίθον ἐφ' ἑαυτὸν κυλίει –
Si. 27. 27. ὁ ποιῶν πονηρὰ εἰς αὐτὸν [A S² -ὰ] κυλισθήσεται

Am. 2. 13. διὰ τοῦτο ἰδοὺ ἐγὼ κυλίω [A κωλύω] ὑποκάτω ὑμῶν ὃν τρόπον κυλίεται ἡ ἅμαξα (4, 4)
5. 24. καὶ κυλισθήσεται ὡς ὕδωρ κρίμα (1 b)
Za. 9. 16. διότι λίθοι ἅγιοι κυλίονται ἐπὶ τῆς γῆς (3)
[Aq. Ge. 32. 24 (25): Ps. 36 (37). 5: Ez. 27. 30.]
[Sm. Ge. 32. 24 (25): Am. 5. 24.]
[Th. Pr. 16. 3.]

κυλικεῖον.
I Ma. 15. 32. S R καὶ κυλικεῖον [A -κιον] μετὰ χρυσωμάτων

κυλίκινος.
Es. 1. 7. S¹ ἀνθράκιον κ. [A B S² -κινον κυλίκιον] προκείμενον †

κυλίκιον. (1) כְּלִי
Es. 1. 7. καὶ ἀνθράκινον κ. [S¹ -κιον κυλίκινον] προκείμενον (1?)
I Ma. 15. 32. A καὶ κυλίκιον [S R -κεῖον] μετὰ χρυσωμάτων
[Aq. Ec. 2. 8 *bis*.]

κύλισμα.
[Sm. Ez. 10. 13.]

κυλισμός.
[Th. Pr. 2. 18.]

κῦμα. (1) אֲפִיק נְחָלִים (2) גַּל (3) מַי (4) תְּהוֹם
Ex. 15. 8. ἐπάγη τὰ κ. ἐν μέσῳ τῆς θαλάσσης (4)
Jb. 6. 15. ὥσπερ κῦμα [A κύματα] παρῆλθόν με (1)
11. 16. ὥσπερ κῦμα παρελθόν (3)
38. 11. ἐν σεαυτῇ συντριβήσεταί σου τὰ κ. (2)
Ps. 41 (42). 7. τὰ κ. σου ἐπ' ἐμὲ διῆλθον (2)
45 (46). 3. S¹ ἐταράχθησαν τὰ κ. [A B S² ὕδατα αὐτῶν] (3)
64 (65). 7. ἤχους κυμάτων αὐτῆς (2)
88 (89). 9. τὸν δὲ σάλον τῶν κ. αὐτῆς σὺ κατα-πραΰνεις (2)
106 (107). 25. ὑψώθη τὰ κ. αὐτῆς (2)
— 29. ἐσίγησαν τὰ κ. αὐτῆς (2)
Wi. 5. 10. B¹ οὐδὲ ἀτραπὸν τρόπιος [B² τρίβων, S¹ τροπῖας, A S² τρόπεως] αὐτῆς ἐν κύμασιν
14. 1. ἄγρια μέλλων διοδεύειν κύματα
— 3. ὅτι ἔδωκας . . . ἐν κύμασι τρίβον ἀσφαλῆ
Si. 24. 6. ἐν κύμασι θαλάσσης . . . ἐκτησάμην [S² ἡγησάμην]
29. 18. ἐσάλευσεν αὐτοὺς ὡς κῦμα θαλάσσης
Jn. 2. 4. καὶ τὰ κ. σου ἐπ' ἐμὲ διῆλθον (2)
Za. 10. 11. καὶ πατάξουσιν ἐν θαλάσσῃ κύματα (2)
Is. 18. 4. ὡς φῶς καύματος [A¹ κύμ.] μεσημβρίας †
48. 18. ἡ δικαιοσύνη σου ὡς κ. θαλάσσης (2)
51. 15. ὁ . . . ἠχῶν τὰ κ. αὐτῆς (2)
Je. 5. 22. ἠχήσουσι [S ἰσχύσ.] τὰ κ. αὐτῆς (2)
28 (51). 42. ἐν ἤχῳ κυμάτων αὐτῆς (2)
38 (31). 35. ἐβόμβησε τὰ κ. αὐτῆς (2)
Ez. 26. 3. ὡς ἀναβαίνει ἡ θάλασσα [A *add.* ἐν] τοῖς κ. αὐτῆς (2)
II Ma. 9. 8. τοῖς τῆς θαλάσσης κ. ἐπιτάσσειν
IV Ma. 13. 6. S R τὰς τῶν [A *om.*] κ. ἀπειλὰς ἀνα-κόπτοντες
[Aq. Ps. 64 (65). 8.]
[Sm. Jb. 38. 11: Ps. 41 (42). 8.]

κυμαίνειν. (1) נָעַשׁ hithpa. (2) הָמָה
Wi. 5. 10. ὡς ναῦς διερχομένη κυμαινόμενον ὕδωρ
Is. 5. 30. ὡς φωνὴ θαλάσσης κυμαινούσης –
17. 12. ὡς θάλασσα κυμαίνουσα οὕτω ταραχθή-σεσθε (2)
Je. 6. 23. φωνὴ αὐτοῦ ὡς θάλασσα κυμαίνουσα (2)
26 (46). 7. ὡς ποταμοὶ κυμαίνουσιν [A -ανοῦσιν] ὕδωρ [S¹ *om.*] (1)

κυμάτιον. (1) זֵר
Ex. 25. 10 (11). κ. χρυσᾶ [A *om.*] στρεπτά (1)
— 23 (24). στρεπτὰ κ. χρυσᾶ [A *al.*] (1)
— 24 (25). ποιήσεις στρεπτὸν κ. [A κ. χρυσοῦν] (1)
38 (37). 2. A ἐποίησεν αὐτῇ κ. χρυσοῦν κύκλῳ (1)
[Th. Ex. 37. 11, 12.]

κυμβαλίζειν. (1) מְצִלָּתַיִם
Ne. 12. 27. καὶ ἐν ᾠδαῖς κυμβαλίζοντες (1)

κύμβαλον. (1) מְנַעֲנְעִים (2) מְצִלָּתַיִם (3) צְלָצַל (4) שָׁלִישׁ
I Ki. 18. 6. καὶ ἐν χαρμοσύνῃ καὶ ἐν κυμβάλοις (4)
II Ki. 6. 5. ἐν τυμπάνοις καὶ ἐν κυμβάλοις (1)
I Ch. 13. 8. ἐν τυμπάνοις καὶ ἐν κυμβάλοις (2)
15. 16. ἐν . . . νάβλαις κινύραις καὶ κυμβάλοις (2)
— 19. καὶ οἱ ψαλτῳδοὶ . . . ἐν κ. χαλκοῖς (2)
— 28. ἐν σάλπιγξι καὶ ἐν κυμβάλοις (2)
16. 5. Ἀσὰφ ἐν κυμβάλοις ἀναφωνῶν (2)
— 42. σάλπιγγες καὶ κύμβαλα (2)
25. 1. ἐν νάβλαις καὶ ἐν κυμβάλοις (2)
— 6. ἐν κυμβάλοις καὶ ἐν νάβλαις (2)
II Ch. 5. 12. ἐν κυμβάλοις καὶ ἐν νάβλαις (2)
— 13. ἐν σάλπιγξι καὶ ἐν κυμβάλοις (2)
29. 25. ἐν κυμβάλοις καὶ ἐν νάβλαις (2)
I Es. 5. 59. οἱ Λευῖται . . . ἔχοντες τὰ κ.
II Es. 3. 10. καὶ οἱ Λευῖται . . . ἐν [A *om.*] κυμ-βάλοις [B¹ *om.* ἐν κ.] (2)
Ju. 16. 2. ᾄσατε τῷ κυρίῳ μου ἐν κυμβάλοις
Ps. 150. 5. αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν κυμβάλοις εὐήχοις αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν κυμβάλοις ἀλαλαγ-μοῦ (3, 3)
I Ma. 4. 54. ἐν ᾠδαῖς . . . καὶ ἐν κυμβάλοις
13. 51. ἐν κινύραις καὶ ἐν κυμβάλοις
[Sm. Ps. 150. 5.]

κύμινον. (1) כַּמּוֹן
Is. 28. 25. σπείρει μικρὸν μελάνθιον καὶ κ. (1)
— 27. οὐδὲ τροχὸς ἁμάξης περιάξει ἐπὶ τὸ κ. (1)
— 27. τὸ δὲ κ. μετὰ ἄρτου βρωθήσεται (1)
[Sm. Is. 28. 27.]

κυνεῖν.
Da. Th. Bel 4. ἐπορεύετο . . . προσκυνεῖν [B² κυνεῖν] αὐτῷ

κυνηγεῖν. (1) צַיִד
Ge. 25. 27. ἦν Ἡ. ἄνθρωπος εἰδὼς κυνηγεῖν (1)

κυνήγιον.
Si. 13. 19. κυνήγια λεόντων ὄναγροι ἐν ἐρήμῳ

κυνηγός. (1) צַיִד
Ge. 10. 9. οὗτος ἦν γίγας κ. (1)
— 9. ὡς Νεβρὼδ γίγας κ. (1)
I Ch. 1. 10. οὗτος ἤρξατο εἶναι [A τοῦ εἶ.] γίγας κ. ἐπὶ τῆς γῆς –

κυνικός.
I Ki. 25. 3. καὶ ὁ ἄνθρωπος κ. †

κυνοκέφαλος.
[Sm. II Ki. 3. 8.]

κυνόμυια. (1) עָרֹב
Ex. 8. 21 (17). A R ἐξαποστέλλω [B ἐπ.] ἐπὶ σὲ . . . κυνόμυιαν (1)
— 21 (17). πλησθήσονται αἱ οἰκίαι . . . τῆς κ. (1)
— 22 (18). ἐφ' ἧς [A ᾗ] οὐκ ἔσται ἐκεῖ ἡ κ. (1)
— 24 (20). παρεγένετο ἡ κ. πλῆθος (1)
— 24 (20). ἐξωλεθρεύθη ἡ γῆ ἀπὸ τῆς κ. (1)
— 29 (25). ἀπελεύσεται ἀπὸ σοῦ ἡ κ. (1)
— 31 (27). περιεῖλε τὴν κ. ἀπὸ Φαραώ (1)
Ps. 77 (78). 45. ἐξαπέστειλεν εἰς αὐτοὺς κυνό-μυιαν (1)
104 (105). 31. εἶπε καὶ ἦλθε κυνόμυια (1)
[Sm. Ps. 77 (78). 45.]

κυοφορεῖν. (1) מָלֵא
Ec. 11. 5. ὡς ὀστᾶ ἐν γαστρὶ κυοφορούσης [A S τῆς κ.] (1)

κυοφορία.
IV Ma. 15. 6. ἑπτὰ κυοφορίαις τὴν . . . φιλοστοργίαν
16. 7. ὦ μάταιοι ἑπτὰ κ.

κυπαρίσσινος, κυπαρίστινος. (1) *a.* אֶרֶז *b.* אֶרֶז (2) שֶׁמֶן
III Ki. 6. 23. A δύο χερουβεὶν ξύλων κ. [B *om.* ξ. κ.] (2)
Ne. 8. 15. καὶ φύλλα ξύλων κ. (2)
Ez. 27. 5. A ταινίαι σανίδων κυπαριστίνων [B -ισσου] ἐκ τοῦ Λιβάνου ἐλήφθησαν (1 b)
— 24. κυπαρίσσινα πλοῖα [A ἐν κυπαρισσίνοις πλοίοις] (1 a)
[Al. Nu. 19. 6.]

κυπάρισσος. (1) אֶרֶז (2) בְּרוֹשׁ (3) בְּרוֹת
IV Ki. 19. 23. τὰ ἐκλεκτὰ κυπαρίσσων αὐτοῦ (2)
Jb. 40. 12 (17). ἔστησεν οὐρὰν ὡς κυπάρισσον (1)
Ca. 1. 17. φατνώματα ἡμῶν κυπάρισσοι (3)
Si. 24. 13. ὡς κυπάρισσος ἐν ὄρεσιν [A ὄρει] Ἑρμών
50. 10. ὡς κυπάρισσος ὑψουμένη ἐν νεφέλαις
Is. 37. 24. ἔκοψα . . . τὸ κάλλος τῆς κ. (2)
41. 19. θήσω εἰς τὴν ἄνυδρον γῆν . . . μυρσίνην καὶ κυπάρισσον (2?)
55. 13. ἀντὶ τῆς στοιβῆς ἀναβήσεται κ. (2)
60. 13. ἐν κυπαρίσσῳ . . . δοξάσαι τὸν τόπον τὸν ἅγιόν μου (2)
Ez. 27. 5. ταινίαι σανίδων κυπαρίσσου [A -στίνων] ἐκ τοῦ Λιβάνου (1)
31. 3. Ἀσσοὺρ κ. ἐν τῷ Λιβάνῳ (1)
— 8. κυπάρισσοι τοιαῦται [A *add.* οὐκ ἐγενή-θησαν] ἐν τῷ παραδείσῳ τοῦ θεοῦ (1)
[Sm. Is. 41. 19.]
[Al. Le. 14. 4.]
[Sext. Ps. 103 (104). 17.]

κυπρίζειν. (1) סְמָדַר
Ca. 2. 13. αἱ ἄμπελοι κυπρίζουσιν (1)
— 15. αἱ ἄμπελοι ἡμῶν κυπρίζουσαι [A S -ουσιν] (1)

κύπρινος.
[Quint. Ca. 1. 14.]

κυπρισμός. (1) סְמָדַר
Ca. 7. 12 (13). ἤνθησεν ὁ κ. (1)

κύπρος. (1) כֹּפֶר
Ca. 1. 14. A S R βότρυς τῆς κ. ἀδελφιδός μου ἐμοί (1)
4. 13. ἀποστολαί σου . . . κύπροι μετὰ νάρδων (1)

κύπτειν. (1) גָּהַר (2) סָגַד (3) קָדַד (4) שָׁחָה (5) שָׁחַח *a.* qal. *b.* ni.
Ge. 43. 28. κύψαντες προσεκύνησαν (3)
Ex. 4. 31. κύψας δὲ ὁ λαὸς προσεκύνησε (3)
12. 27. κύψας ὁ λαὸς προσεκύνησε (3)
34. 8. κύψας ἐπὶ τὴν γῆν προσεκύνησε (3)
Nu. 22. 31. καὶ κύψας προσεκύνησε (3)
I Ki. 24. 9. ἔκυψε [A ἔκρυψεν] Δ. ἐπὶ πρόσω-πον αὐτοῦ (3)
28. 14. ἔκυψεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (3)
II Ki. 17. 19. A ἔκυψεν [B ἔψυξεν] ἐπ' αὐτῷ ἀρ. †
III Ki. 1. 16, 31. καὶ ἔκυψε Βηρσαβεέ (3)
18. 42. ἔκυψεν ἐπὶ τὴν γῆν (1)
II Ch. 20. 18. κύψας Ἰωσ. ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (3)
Ne. 8. 6. καὶ ἔκυψαν (3)
Ju. 13. 17. κύψαντες προσεκύνησαν τῷ θεῷ
Ps. 9. 31 (10. 10). κύψει καὶ πεσεῖται (5 a)
Is. 2. 9. ἔκυψεν ἄνθρωπος (5 b)
46. 6. κύψαντες [S¹ -ας] προσκυνοῦσιν αὐτοῖς [A -ό, S -ῷ] (2)
51. 23. κύψον ἵνα παρέλθωμεν (4)
Ba. 2. 18. ὁ βαδίζει κύπτον καὶ ἀσθενοῦν
[Sm. Ps. 34 (35). 14: Is. 25. 12.]
[Al. Pr. 2. 18.]

κυρεία (-ρία). (1) *a.* מָשָׁל *b.* מִמְשָׁל *c.* מֹשֶׁל (2) שָׁלְטָן
Is. 40. 10. ὁ βραχίων μετὰ κυρίας (1 a)
Da. LXX. 11. 3. κυριεύσει κ. πολλῆς (1 b)
— 4. οὐδὲ κατὰ τὴν κ. αὐτοῦ (1 c)
Bel 4. ἔχοντα πάσης σαρκὸς κυρείαν
Da. Th. 4. 19. καὶ ἡ κ. [A κυρεία] σου εἰς τὰ πέρατα τῆς γῆς (2)
6. 26 (27). ἡ κ. [A κυρεία] αὐτοῦ ἕως τέλους (2)
11. 3. κυριεύσει κ. πολλῆς (1 b)
— 4. οὐδὲ κατὰ τὴν κ. αὐτοῦ (1 c)
— 5. κυριεύσει κ. πολλήν [A κυρειέας πολλῆς] (1 b)
Bel 5. ἔχοντα πάσης σαρκὸς κυρείαν
I Ma. 8. 24. A R πᾶσι τοῖς συμμάχοις αὐτῶν ἐν πάσῃ κ. [S τῇ κ.] αὐτῶν
[Th. Da. 11. 5.]

κυρία. (1) בַּעֲלָה (2) גְּבֶרֶת
Ge. 16. 4. ἠτιμάσθη ἡ κ. ἐναντίον αὐτῆς (2)
— 8. R ἀπὸ προσώπου Σάρας τῆς κ. μου (2)
— 9. R ἀποστράφηθι πρὸς τὴν κ. σου (2)
III Ki. 17. 17. ὁ υἱὸς τῆς γυναικὸς τῆς κ. τοῦ οἴκου (1)
IV Ki. 5. 3. ἡ δὲ εἶπε τῇ κ. αὐτῆς (2)

Ps. 122 (123). 2. ὡς ὀφθαλμοὶ παιδίσκης εἰς χείρας τῆς κ. αὐτῆς (2)
Pr. 24. 58 (30. 23). οἰκέτις ἐὰν ἐκβάλῃ τὴν ἑαυτῆς κ. (2)
Is. 24. 2. ἡ θεράπαινα ὡς ἡ κ. (2)

κυριακός.

II Ma. 15. 36. A Ἀδὰρ λέγεται τῇ κ. [R Συριακῇ] φωνῇ

κυρι**εία.** (1) מְמִשָׁל (2) שָׁלְטָן

Da. TH. 4. 19. A καὶ ἡ κ. [B κυρεία] σου εἰς τὰ πέρατα τῆς γῆς (2)
6. 26 (27). A ἡ κ. [B κυρεία] αὐτοῦ ἕως τέλους (2)
11. 5. A κυριεύσει κ. πολλῆς [B κυρείαν πολλήν] (1)

κυριεύειν. (1) זָרַע (2) יָרַשׁ *a.* qal. *b.* hi. (3) לָכַד (4) מָשַׁל (5) מִשְׁעֶנֶת (6) נָגַשׁ (7) רָדָה (8) רוּד (9) שְׁלֵם *a.* pe. *b.* aph. *c.* שַׁלִּיט

Ge. 3. 16. αὐτός σου κυριεύσει (4)
37. 8. ἢ κυριεῦων κυριεύσεις ἡμῶν (4, 4)
Ex. 15. 9. κυριεύσει ἡ χείρ μου (2 *b*)
Nu. 21. 18. ἐν τῷ κυριεῦσαι αὐτῶν (5)
24. 7. κυριεύσει ἐθνῶν πολλῶν (1 ?)
Jo. 12. 2. κυριεύων ἀπὸ Ἀρνῶν (4)
15. 16. καὶ κυριεύσῃ αὐτῆς (3)
24. 33. καὶ ἐκυρίευσεν [A κατεκ.] αὐτῶν –
Jd. 9. 2. κυριεῦσαι ὑμῶν ἑβδομήκοντα ἄνδρας [A *al.*] (4)
— 2. ἢ κυριεύειν ὑμῶν ἄνδρα ἕνα (4)
14. 4. οἱ ἀλλόφυλοι κυριεύοντες ἐν [A ἐκυρίευον τῶν υἱῶν] Ἰσρ. (4)
15. 11. R κυριεύουσιν [B -εύσ.] οἱ ἀλλόφυλοι ἡμῶν [A *al.*] (4)
II Ch. 14. 7 (6). ἐνώπιον [A ἐν ᾧ] τῆς γῆς κυριεύσομεν †
20. 6. κυριεύεις πασῶν τῶν βασιλειῶν τῶν ἐθνῶν (4)
I Es. 2. 27. βασιλεῖς . . . ἦσαν ἐν Ἱερ. κυριεύοντες
4. 3. καὶ κυριεύει αὐτῶν [A πάντων]
— 14. ἢ τίς ὁ κυριεύων αὐτῶν
— 15. ὃς κυριεύει τῆς θαλάσσης
— 22. αἱ γυναῖκες κυριεύουσιν ὑμῶν
Ju. 1. 13. ἐκυρίευσε τῶν πόλεων αὐτοῦ
10. 13. κυριεύσει πάσης τῆς ὀρεινῆς
15. 7. ἐκυρίευσαν τῶν λοιπῶν
Ps. 105 (106). 41. ἐκυρίευσαν αὐτῶν οἱ μισοῦντες αὐτούς (4)
Si. 37. 18. καὶ [A καὶ ἡ] κυριεύουσα ἐνδελεχῶς αὐτῶν [A -ῷ] γλῶσσά ἐστιν
44. 3. κυριεύοντες ἐν ταῖς βασιλείαις αὐ.
Is. 3. 4. ἐμπαῖκται κυριεύσουσιν αὐτῶν (4)
— 12. οἱ ἀπαιτοῦντες κυριεύουσιν [S¹ -εύσ.] ὑμῶν (4)
7. 18. ὃ κυριεύσει [A S -ύει] μέρος [A S² -ους] ποταμοῦ Αἰγύπτου –
14. 2. κυριευθήσονται οἱ κυριεύσαντες αὐτῶν (7, 6)
19. 4. βασιλεῖς σκληροὶ κυριεύσουσιν αὐτῶν (4)
42. 19. ἀλλ' ἢ οἱ κυριεύοντες αὐτῶν †
Je. 2. 31. οὐ κυριευθησόμεθα [A δουλευθ.] (8)
37 (30). 3. κυριεύσουσιν αὐτῆς (2 *a*)
Ba. 2. 34. κυριεύσουσιν αὐτῆς
3. 16. ποῦ εἰσιν . . . οἱ κυριεύοντες τῶν θηρίων
La. 5. 8. δοῦλοι ἐκυρίευσαν ἡμῶν (4)
Da. LXX. 2. 38. παρέδωκεν ὑπὸ τὰς χεῖράς σου κυριεύειν πάντων (9 *b*)
— 39. ἢ κυριεύσει πάσης τῆς γῆς (9 *a*)
3. 2. καὶ κυριεύων τῆς οἰκουμένης –
11. 3. κυριεύσει κυρείας πολλῆς (4)
Da. TH. 2. 39. ἢ κυριεύσει πάσης τῆς γῆς (9 *a*)
3. 27 (94). οὐκ ἐκυρίευσε τὸ πῦρ τοῦ σώματος αὐτῶν (9 *a*)
4. 22, 29. κυριεύει ὁ ὕψιστος τῆς βασιλείας (9 *c*)
5. 21. κυριεύει ὁ θεὸς [A *om.*] ὕψιστος (9 *c*)
6. 24 (25). ἐκυρίευσαν αὐτῶν οἱ λέοντες (9 *a*)
11. 3. κυριεύσει κυρείας πολλῆς (4)
— 4. τὴν κυρείαν αὐτοῦ ἣν ἐκυρίευσεν (4)
— 5. κυριεύσει κυρείαν πολλήν [A -ιείας πολλῆς] (4)
— 43. κυριεύσει ἐν τοῖς ἀποκρύφοις τοῦ χρυσοῦ (4)
I Ma. 6. 63. εὗρε Φίλ. κυριεύοντα τῆς πόλεως
7. 8. κυριεύοντα ἐν τῷ πέραν τοῦ ποταμοῦ
8. 16. καὶ κυριεύειν [S¹ *om.*] πάσης τῆς γῆς αὐτῶν
10. 76. ἐκυρίευσεν [S¹ -αν] Ἰωνάθαν Ἰόππης
I Ma. 11. 8. ἐκυρίευσε τῶν πόλεων τῆς παραλίας
14. 7. A R ἐκυρίευσε [S συνήγαγεν] Γαζαρῶν
15. 29. A R ἐκυριεύσατε τόπων [S *om.*] πολλῶν
IV Ma. 1. 4. τῶν . . . παθῶν κυριεύειν ἀναφαίνεται
2. 11. τῆς τέκνων φιλίας κυριεύει
[Aq. Ec. 2, 19 : 8, 9 : Je. 31 (38). 32.]
[Sm. Jb. 8. 18 : Is. 54. 5.]
[Th. Jb. 8. 18 : Pr. 12. 24 : Is. 19. 4 : 40. 10 : Da. 11. 5.]
[Al. Ps. 11 (12). 5.]

κύριος (subst.). (1) אָדוֹן (2) אֲדֹנִי (3) אֲדֹנָי יְהוָה (4) *a.* אֵל *b.* אֱלָהּ (5) אֱלוֹהַּ (6) אֱלֹהִים (7) בַּעַל (8) בָּעַל (9) גְּבִיר (10) יָהּ (11) *a.* יָהוֹ *b.* יְהוָה *c.* יְהוָה צְבָאוֹת *d.* אֱלֹהֵי צְבָאוֹת יְהוָה צְבָאוֹת (12) מָרֵא (13) צוּר (14) שַׁדַּי (15) שַׁלִּיט (16) κ. εἶναι מָשַׁל (17) κύριον καθιστάναι שְׁלַט aph. (18) κ. ὁ θεός, ὁ κύριος θεός, κύριος θεός *a.* יְהוָה *b.* אֱלֹהִים *c.* אֱלָהּ *d.* אָדוֹן *e.* יְהוָה (19) τὸ στόμα κυρίου יְהוָה (20) ἄγγελος κυρίου יְהוָה (21) τὸ πρόσωπον κυρίου יְהוָה (22) ὁ λόγος κυρίου יְהוָה (23) κ. παντοκράτωρ שַׁדַּי (24) τὸ ὄνομα κυρίου יְהוָה

Ge. 2. 4. ᾗ ἡμέρᾳ ἐποίησε κ. ὁ θεὸς τὸν οὐρανόν (11 *a*)
— 8. A ἐφύτευσεν κ. [R *om.*] ὁ θεὸς παράδεισον (11 *a*)
— 15. ἔλαβε κ. ὁ θεὸς τὸν ἄνθρωπον (11 *a*)
— 16. ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς τῷ Ἀδάμ (11 *a*)
— 18. εἶπε κ. ὁ θεός (11 *a*)
— 22. A ᾠκοδόμησεν κ. [R *om.*] ὁ θεὸς τὴν πλευράν (11 *a*)
3. 1. ὃν ἐποίησε κ. ὁ θεός (11 *a*)
— 8. ἤκουσαν τὴν φωνὴν κ. τοῦ θεοῦ (11 *a*)
— 8. ἐκρύβησαν . . . ἀπὸ προσώπου κ. τοῦ θεοῦ (11 *a*)
— 9. ἐκάλεσεν κ. ὁ θεὸς τὸν Ἀ. (11 *a*)
— 13. εἶπε κ. ὁ θεὸς τῇ γυναικί (11 *a*)
— 14. εἶπε κ. ὁ θεὸς τῷ ὄφει (11 *a*)
— 21. ἐποίησε κ. ὁ θεὸς . . . χιτῶνας (11 *a*)
— 22. A εἶπεν κ. [R *om.*] ὁ θεός (11 *a*)
— 23. ἐξαπέστειλεν αὐτὸν κ. ὁ θεός (11 *a*)
4. 3. ἤνεγκε Κ. . . . θυσίαν τῷ κ. (11 *a*)
— 6. εἶπε κ. ὁ θεὸς τῷ Κ. (18 *a*)
— 9. R εἶπε κ. [A *om.*] ὁ θεὸς πρὸς Κ. (18 *a*)
— 10. R εἶπε κύριος [A ὁ θεός] –
— 13. A εἶπε Κ. πρὸς τὸν κ. [R πρ. κ. τ. θεόν] (11 *a* [18 *a*])
— 15. εἶπεν αὐτῷ κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 15. ἔθετο κ. ὁ θεὸς σημεῖον (18 *a*)
— 26. ἐπικαλεῖσθαι τὸ ὄνομα κ. τοῦ θεοῦ (18 *a*)
5. 29. ἧς κατηράσατο κ. ὁ θεός (18 *a*)
6. 3. εἶπε κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 5. ἰδὼν δὲ κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 8. N. δὲ εὗρε χάριν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ (18 *a*)
— 12. εἶδε κ. ὁ θεὸς τὴν γῆν (18 *b*)
— 13. R εἶπε κ. [A *om.*] ὁ θεὸς τῷ N. (18 *b*)
— 22. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῷ κ. ὁ θεός (18 *b*)
7. 1. εἶπε κ. ὁ θεὸς πρὸς N. (18 *a*)
— 5. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῷ κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 16. ἔκλεισε κ. ὁ θεὸς τὴν κιβωτόν (18 *a*)
8. 15. R εἶπε κ. ὁ θεὸς πρὸς [A τῷ] N. (18 *b*)
— 20. R ᾠκοδόμησε N. θυσιαστήριον τῷ κ. [A θεῷ] (11 *a*)
— 21. ὠσφράνθη κ. ὁ θεὸς ὀσμὴν εὐωδίας (18 *a*)
— 21. εἶπε κ. ὁ θεός (18 *a*)
9. 12. εἶπε κ. ὁ θεὸς πρὸς N. (18 *b*)
— 26. εὐλογητὸς κ. ὁ θεὸς τοῦ Σήμ (11 *a*)
10. 9. γίγας κυνηγὸς ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ (18 *a*)
— 9. γίγας κυνηγὸς ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
11. 5. κατέβη κύριος ἰδεῖν τὴν πόλιν (11 *a*)
— 6. καὶ εἶπε κύριος (11 *a*)
— 8. διέσπειρεν αὐτοὺς κύριος (11 *a*)
— 9. συνέχεε κύριος τὰ χείλη πάσης τῆς γῆς (11 *a*)
— 9. R διέσπειρεν αὐτοὺς κύριος [A κ. ὁ θεός] (11 *a* [18 *a*])
12. 1. εἶπε κύριος τῷ Ἀ. (11 *a*)
— 4. καθάπερ ἐλάλησεν αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 7. ὤφθη κύριος τῷ Ἀ. (11 *a*)
— 7. ᾠκοδόμησεν ἐκεῖ Ἀ. θυσιαστ. κυρίῳ (11 *a*)
Ge. 12. 8. ᾠκοδόμησεν ἐκεῖ θυσιαστήριον τῷ κ. (11 *a*)
— 8. ἐπεκαλέσατο ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
13. 4. R ἐπεκαλέσατο . . . τὸ ὄν. τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 18. R ᾠκοδόμησεν ἐκεῖ θυσιαστ. τῷ [A *om.*] κ. (11 *a*)
14. 22. R πρὸς κ. [A *om.*] τὸν θεὸν τὸν ὕψιστον (11 *a*)
15. 1. ἐγενήθη ῥῆμα κυρίου πρὸς Ἀ. (11 *a*)
— 2. R δέσποτα κύριε, τί μοι δώσεις (11 *b*)
— 4. R φωνὴ κυρίου ἐγένετο πρὸς αὐτόν (11 *a*)
— 8. δέσποτα κύριε, κατὰ τί γνώσομαι (11 *b*)
— 18. R διέθετο κύριος τῷ Ἀ. διαθήκην (11 *a*)
16. 2. συνέκλεισέ με κύριος (11 *a*)
— 7. R εὗρε δὲ αὐτὴν ἄγγελος κυρίου (11 *a*)
— 8. R εἶπεν αὐτῇ ὁ ἄγγελος κυρίου –
— 9. R εἶπε δὲ αὐτῇ ὁ ἄγγελος κυρίου (11 *a*)
— 10, 11. εἶπεν αὐτῇ ὁ ἄγγελος κύριου (11 *a*)
— 11. ἐπήκουσε κύριος τῇ ταπεινώσει σου (11 *a*)
— 13. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα κυρίου (11 *a*)
17. 1. ὤφθη κύριος τῷ Ἀ. (11 *a*)
18. 3. κύριε, εἰ ἄρα εὗρον χάριν (2 ?, 1 ?)
— 12. ὁ δὲ κ. μου πρεσβύτερος (1)
— 13. εἶπε κύριος πρὸς Ἀ. (11 *a*)
— 17. ὁ δὲ κ. εἶπε (11 *a*)
— 19. φυλάξουσι τὰς ὁδοὺς κυρίου (11 *a*)
— 19. ὅπως ἂν ἐπαγάγῃ κύριος . . . πάντα (11 *a*)
— 20. εἶπε δὲ κύριος (11 *a*)
— 22. ἑστηκὼς ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 26. εἶπε δὲ κύριος (11 *a*)
— 27. ἠρξάμην λαλῆσαι πρὸς τὸν κ. (2)
— 30. μή τι, κύριε, ἐὰν λαλήσω (2)
— 31. ἔχω λαλῆσαι πρὸς τὸν κ. (2)
— 32. μή τι, κύριε, ἐὰν λαλήσω (2)
— 33. ἀπῆλθε δὲ ὁ κ. (11 *a*)
19. 2. ἰδού, κύριοι, ἐκκλίνατε (1)
— 13. ὑψώθη ἡ κραυγὴ αὐτῶν ἔναντι [A -ίον] κυρίου (11 *a*)
— 13. ἀπέστειλεν ἡμᾶς κύριος (11 *a*)
— 14. ἐκτρίβει κύριος τὴν πόλιν (11 *a*)
— 16. ἐν τῷ φείσασθαι κύριον αὐτοῦ (11 *a*)
— 18. δέομαι, κύριε (2)
— 24. κύριος ἔβρεξεν . . . πῦρ παρὰ κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 27. οὗ εἱστήκει ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 29. A ἐν τῷ ἐκτρῖψαι κύριον [R τὸν θεόν] (6)
— 29. ἐν τῷ καταστρέψαι κύριον τὰς πόλεις –
20. 4. εἶπε, Κύριε, ἔθνος ἀγνοοῦν . . . ἀπολεῖς (2)
— 18. συνέκλεισε κύριος . . . πᾶσαν μήτραν (11 *a*)
21. 1. κύριος ἐπεσκέψατο τὴν Σ. (11 *a*)
— 1. ἐποίησε κύριος τῇ Σ. (11 *a*)
— 2. καθὰ ἐλάλησεν αὐτῷ κύριος (6)
— 6. γέλωτά μοι ἐποίησε κύριος (6)
— 33. ἐπεκαλέσατο ἐκεῖ τὸ ὄνομα κυρίου (11 *a*)
22. 11. ἐκάλεσεν αὐτὸν ἄγγελος κυρίου (11 *a*)
— 14. κύριος εἶδεν (11 *a*)
— 14. ἐν τῷ ὄρει κύριος ὤφθη (11 *a*)
— 15. ἐκάλεσεν ἄγγελος κυρίου τὸν Ἀ. (11 *a*)
— 16. κατ' ἐμαυτοῦ ὤμοσα, λέγει κύριος (11 *a*)
23. 5 (6). μὴ, κύριε, ἄκουσον δὲ ἡμῶν (1)
— 11. παρ' ἐμοὶ γενοῦ, κύριε (1)
— 15. οὐχὶ, κύριε, ἀκήκοα γάρ (1)
24. 1. κύριος ηὐλόγησε τὸν Ἀ. (11 *a*)
— 3. ἐξορκιῶ σε κ. τὸν θεὸν τοῦ οὐρ. (11 *a*)
— 6 (7). κ. ὁ θεὸς τοῦ οὐρανοῦ (11 *a*)
— 9. ὑπὸ τὸν μηρὸν Ἀ. τοῦ κ. αὐτοῦ (2)
— 10. ἀπὸ τῶν καμήλων τοῦ κ. αὐτοῦ (2)
— 10. ἀπὸ πάντων τῶν ἀγαθῶν τοῦ κ. αὐτοῦ (2)
— 12. S R κύριε ὁ θεὸς τοῦ κ. μου [A *om.*] Ἀ. (11 *a*, 1)
— 12. ποίησον ἔλεος μετὰ τοῦ κ. μου Ἀ. (1)
— 14. R ἐποίησας ἔλεος μετὰ τοῦ κ. [A ἔ. τῷ κ.] μου Ἀ. (1)
— 18. ἡ δὲ εἶπε, Πίε, κύριε (1)
— 21. εἰ εὐώδωκε κύριος τὴν ὁδὸν αὐτοῦ (11 *a*)
— 26. R προσεκύνησε τῷ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 27. κύριος ὁ θεὸς τοῦ κ. μου Ἀ. (11 *a*, 1)
— 27. ὃς οὐκ ἐγκατέλιπε . . . ἀπὸ τοῦ κ. μου (1)
— 27. ἐμέ τ' εὐώδωκε κύριος εἰς οἶκον τοῦ ἀδελφοῦ τοῦ κ. μου (11 *a*, 1)
— 31. A S εὐλογητὸς κύριος [R -ίου] (11 *a*)
— 35. κύριος δὲ ηὐλόγησε τὸν κ. μου (11 *a*, 1)
— 36. ἔτεκε Σάρρα ἡ γυνὴ τοῦ κ. μου υἱὸν ἕνα τῷ κ. μου (1, 1)
— 37. ὥρκισέ με ὁ κ. μου (1)
— 39. εἶπα δὲ τῷ κ. μου (1)
— 40. κ. ὁ θεὸς [S *om.* ὁ θ.] . . . ἐξαποστελεῖ τὸν ἄγγελον (18 *a* [11 *a*])

Ge. 24. 42. κύριε ὁ θεὸς τοῦ κ. μου 'Α. (11 *a*, 1)
— 44. ἣν ἡτοίμασε κύριος (11 *a*)
— 44. πεποίηκας ἔλεος τῷ κ. μου 'Α. (1 ?)
— 48. S R προσεκύνησα τῷ [A *om.*] κ. καὶ εὐλόγησα κ. τὸν θεὸν τοῦ κ. μου 'Α. (11 *a*, 11 *a*, 1)
— 48. τὴν θυγατέρα τοῦ ἀδελφοῦ τοῦ κ. μου (1)
— 49. εἰ οὖν ποιεῖτε . . . δικαιοσύνην πρὸς τὸν κ. μου (1)
— 50. R παρὰ κυρίου ἐξῆλθε τὸ πρᾶγμα [A πρόσταγ.] τοῦτο (11 *a*)
— 51. ἔστω γυνὴ τῷ υἱῷ τοῦ κ. σου καθὰ ἐλάλησε κύριος (2, 11 *a*, 1)
— 52. R προσεκύνησεν . . . τῷ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 54. ἵνα ἀπέλθω πρὸς τὸν κ. μου (1)
— 56. κύριος εὐώδωσε τὴν ὁδόν μου (11 *a*)
— 56. ἵνα ἀπέλθω πρὸς τὸν κ. μου (1)
— 65. οὗτός ἐστιν ὁ κ. μου (1)
25. 21. ἐδέετο δὲ 'Ι. κυρίου (11 *a*)
— 22. πυθέσθαι παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 23. εἶπε κύριος αὐτῇ (11 *a*)
26. 2. ὤφθη δὲ αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 12. εὐλόγησε δὲ αὐτὸν κύριος (11 *a*)
— 22. ἐπλάτυνε κύριος ἡμῖν (11 *a*)
— 24. ὤφθη αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 25. ἐπεκαλέσατο τὸ ὄνομα κυρίου (11 *a*)
— 28. ἦν κύριος μετὰ σοῦ (11 *a*)
— 29. εὐλογημένος σὺ ὑπὸ κυρίου (11 *a*)
27. 7. εὐλογήσω σε ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 20. R ὃ παρέδωκε κ. ὁ θεός σου [A *om.*] (11 *a*)
— 27. ὃν εὐλόγησε κύριος (11 *a*)
— 29. γίνου κύριος τοῦ ἀδελφοῦ σου (9)
— 37. εἰ κύριον αὐτὸν πεποίηκά σου (9)
28. 13. ὁ δὲ κ. ἐπεστήρικο ἐπ' αὐτῆς (11 *a*)
— 16. ἔστι κύριος ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ (11 *a*)
— 20. ἐὰν ᾖ κ. ὁ θεὸς μετ' ἐμοῦ (18 *b*)
— 21. ἔσται κύριός μοι εἰς θεόν (11 *a*)
29. 31. ἰδὼν δὲ κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 32. εἶδέ μου κύριος τὴν ταπείνωσιν (11 *a*)
— 33. ἤκουσε κύριος ὅτι μισοῦμαι (11 *a*)
— 35. ἐξομολογήσομαι κυρίῳ (11 *a*)
30. 30. R εὐλόγησέ σε κ. ὁ θεός [A *om.* ὁ θ.] (18 *a* [11 *a*])
31. 3. εἶπε δὲ κύριος πρὸς 'Ι. (11 *a*)
— 35. μὴ βαρέως φέρε, κύριε (1)
32. 4 (5). οὕτως ἐρεῖτε τῷ κ. μου Ἡσαῦ (1)
— 5 (6). ἀναγγείλαι τῷ κ. μου Ἡσαῦ (1)
— 9 (10). κύριε ὁ εἶπας μοι (11 *a*)
— 18 (19). δῶρα ἀπέσταλκε τῷ κ. μου Ἡσαῦ (1)
33. 8. ἵνα εὕρῃ ὁ παῖς σου χάριν . . . κύριε (1)
— 13. ὁ κ. μου γινώσκει (1)
— 14. προελθάτω ὁ κ. μου (1)
— 14. ἕως τοῦ με ἐλθεῖν πρὸς τὸν κ. μου (1)
— 15. εὕρον χάριν ἐναντίον σου, κύριε (1)
38. 7. ἐγένετο δὲ *Ηρ . . . πονηρὸς ἔναντι [A -ίον] κυρίου (11 *a*)
39. 2. ἦν κύριος μετὰ 'Ιωσήφ (11 *a*)
— 2. R ἐγένετο . . . παρὰ τῷ κ. αὐτοῦ [A *om.*] (2)
— 3. R ᾔδει δὲ ὁ κ. αὐτοῦ ὅτι ὁ [A *om.*] κ. ἦν μετ' αὐτοῦ (2, 11 *a*)
— 3. κύριος εὐοδοῖ ἐν ταῖς χερσὶν αὐτοῦ (11 *a*)
— 4. εὗρεν 'Ι. χάριν ἐναντίον τοῦ κ. αὐτοῦ –
— 5. ηὐλόγησε κύριος τὸν οἶκον τοῦ Αἰγ. (11 *a*)
— 5. ἐγενήθη εὐλογία κυρίου ἐν [A ἐπὶ] πᾶσι (11 *a*)
— 7. ἡ γυνὴ τοῦ κ. αὐτοῦ (2)
— 8. εἶπε δὲ τῇ γυναικὶ τοῦ κ. αὐτοῦ (2)
— 8. εἰ ὁ κ. μου οὐ γινώσκει (1)
— 16. ἕως ἦλθεν ὁ κ. (2)
— 19. R ὡς ἤκουσεν ὁ κ. αὐτοῦ [A *om.*] (2)
— 20. R λαβὼν [A ἔλαβεν] ὁ κ. 'Ιωσήφ (1)
— 21. ἦν κύριος μετὰ 'Ιωσήφ (11 *a*)
— 23. διὰ τὸ τὸν κ. μετ' αὐτοῦ εἶναι (11 *a*)
— 23. R ὁ [A *om.*] κ. εὐώδου (11 *a*)
40. 1. ἥμαρτεν . . . ὁ ἀρχισιτοποιὸς τῷ κ. αὐτῶν (1)
— 7. οἳ ἦσαν . . . ἐν τῇ φυλακῇ παρὰ τῷ κ. αὐτοῦ (2)
42. 10. οἱ δὲ εἶπαν, Οὐχὶ, κύριε (1)
— 30, 33. ὁ ἄνθρωπος ὁ κ. τῆς γῆς (1)
43. 3. R ὁ ἄνθρωπος ὁ κ. τῆς γῆς [A *om.* ὁ κ. τ. γ.] –
— 20. δεόμεθα, κύριε (1)
44. 5. ἐν ᾧ πίνει ὁ κ. μου (1)
— 7. ἵνα τί λαλεῖ ὁ κ. κατὰ τὰ ῥήματα ταῦτα (1)
— 8. ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ κ. σου (1)
— 9. ἡμεῖς δὲ ἐσόμεθα παῖδες τῷ κ. ἡμῶν (1)
— 16. τί ἀντεροῦμεν τῷ κ. (1)

Ge. 44. 16. ἰδού ἐσμεν οἰκέται τῷ κ. ἡμῶν (1)
— 18. δέομαι, κύριε (1)
— 19. κύριε, σὺ ἠρώτησας (1)
— 20, 22. εἴπαμεν τῷ κ. (1)
— 24. R τὰ ῥήματα τοῦ κ. ἡμῶν [A *om.*] (1)
— 33. παραμενῶ . . . οἰκέτης τοῦ κ. (1)
45. 8. ἐποίησέ με . . . κύριον (1)
— 9. ἐποίησέ με ὁ θεὸς κύριον (1)
47. 18. μή ποτε ἐκτριβῶμεν ἀπὸ τοῦ κ. ἡμῶν (1)
— 18. εἰ γὰρ ἐκλέλοιπε τὸ ἀργύριον . . . πρὸς σὲ τὸν κ. (1)
— 18. A R ἐναντίον τοῦ κ. ἡμῶν [B *om.*] (1)
— 25. εὕρομεν χάριν ἐναντίον τοῦ κ. ἡμῶν (1)
48. 15. B ὁ κ. [A R θεὸς] ὁ τρέφων με (6)
49. 18. τὴν σωτηρίαν περιμένων κυρίου (11 *a*)
— 23. ἐνεῖχον αὐτῷ κύριοι τοξευμάτων (7)
Ex. 3. 2. ὤφθη δὲ αὐτῷ ἄγγελος κυρίου (11 *a*)
— 4. ὡς δὲ εἶδε κύριος (11 *a*)
— 4. ἐκάλεσεν αὐτὸν κύριος (6)
— 7. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 15, 16. κ. ὁ θεὸς τῶν πατέρων ὑμῶν (11 *a*)
4. 1. A οὐκ ὤπταί σοι κ. [B *om.*] ὁ θεός (18 *a*)
— 2. εἶπε δὲ αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 4. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 5. A ὤπταί σοι κ. [B *om.*] ὁ θεός (11 *a*)
— 6. εἶπε δὲ αὐτῷ κύριος πάλιν (11 *a*)
— 10. εἶπε δὲ Μ. πρὸς κύριον [A τὸν θεὸν], Δέομαι, κύριε (11 *a*, 2)
— 11. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. [A τῷ Μ.] (11 *a*)
— 11. A οὐκ ἐγὼ κ. [B *om.*] ὁ θεός (18 *a*)
— 13. εἶπε Μ., Δέομαι, κύριε (2)
— 14. θυμωθεὶς ὀργῇ κύριος ἐπὶ Μ. (11 *a*)
— 19, 21. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 22. τάδε λέγει κύριος (11 *a*)
— 24. συνήντησεν αὐτῷ ἄγγελος κυρίου (20)
— 27. εἶπε δὲ κύριος πρὸς 'Α. (11 *a*)
— 28. ἀνήγγειλε . . . πάντας τοὺς λόγους κυρίου (11 *a*)
5. 1. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς 'Ισρ. (11 *a*)
— 2. οὐκ οἶδα τὸν κ. (11 *a*)
— 3. R ὅπως θύσωμεν κ. [A B *om.*] τῷ θεῷ ἡμῶν (11 *a*)
— 22. ἐπέστρεψε δὲ Μ. πρὸς κύριον καὶ εἶπε, Δέομαι [A *om.*], κύριε (11 *a*, 2)
6. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 2. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 3. τὸ ὄνομά μου κύριος οὐκ ἐδήλωσα αὐτοῖς (11 *a*)
— 6. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 7. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 8. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 10. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 12. ἐλάλησε δὲ Μ. ἔναντι [A -τίον] κυρίου (11 *a*)
— 13. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 28. ᾗ ἡμέρᾳ ἐλάλησε κύριος Μωυσῇ (11 *a*)
— 29. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 29. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 30. εἶπε Μ. ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
7. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 5. ἐγώ εἰμι κύριος (11 *a*)
— 6. καθάπερ ἐνετείλατο αὐτοῖς κύριος (11 *a*)
— 8. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 10. καθάπερ ἐνετείλατο αὐτοῖς κύριος (11 *a*)
— 13. καθάπερ ἐνετείλατο [A ἐλάλησεν] αὐτοῖς κύριος (11 *a*)
— 14. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 16. κ. ὁ θεὸς τῶν 'Εβραίων (11 *a*)
— 17. τάδε λέγει κύριος (11 *a*)
— 17. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 19. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 20. καθάπερ ἐνετείλατο αὐτοῖς κύριος (11 *a*)
— 22. καθάπερ εἶπε κύριος (11 *a*)
— 25. μετὰ τὸ πατάξαι κύριον τὸν ποταμόν (11 *a*)
8. 1 (7. 26). εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 1 (7. 26). τάδε λέγει κύριος (11 *a*)
— 5 (1). εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 8 (4). εὔξασθε περὶ ἐμοῦ πρὸς κύριον (11 *a*)
— 8 (4). καὶ θύσωσι τῷ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 10 (6). οὐκ ἔστιν ἄλλος πλὴν κυρίου [A -ος] (11 *a* + 6)
— 12 (8). ἐβόησε Μ. πρὸς κύριον (11 *a*)
— 13 (9). ἐποίησε δὲ κύριος (11 *a*)
— 15 (11). καθάπερ ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
— 16 (12). εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 19 (15). καθάπερ ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
— 20 (16). εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 20 (16). τάδε λέγει κύριος (11 *a*)

Ex. 8. 22 (18). B ἐγώ εἰμι [A *om.*] κ. ὁ κ. [A R θεὸς] πάσης τῆς γῆς (11 *a*, – [18 *a*])
— 24 (20). ἐποίησε δὲ κύριος οὕτως (11 *a*)
— 25 (21). A R θύσατε κ. [B *om.*] τῷ θεῷ ὑμῶν (18 *b*)
— 26 (22). θύσομεν [A -ωμεν] κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (11 *a*)
— 27 (23). A θύσωμεν κ. [B *om.*] τῷ θεῷ ἡμῶν (11 *a*)
— 27 (23). καθάπερ εἶπε κύριος [A *om.*] ἡμῖν –
— 28 (24). A θύσετε κ. [B -σατε] τῷ θεῷ ὑμῶν (11 *a*)
— 28 (24). εὔξασθε οὖν περὶ ἐμοῦ πρὸς κύριον –
— 29 (25). θῦσαι κυρίῳ (11 *a*)
— 31 (27). ἐποίησε δὲ κύριος (11 *a*)
9. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 1. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς τῶν 'Εβρ. (11 *a*)
— 3. χεὶρ κυρίου ἐπέσται [A ἔσται] (11 *a*)
— 5. A² B ποιήσει κύριος τὸ ῥῆμα τοῦτο (11 *a*)
— 6. A² B ἐποίησε κύριος τὸ ῥῆμα τοῦτο (11 *a*)
— 8. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 12. A² B ἐσκλήρυνε δὲ κύριος τὴν καρδίαν Φ. (11 *a*)
— 12. A² B καθὰ συνέταξε κύριος (11 *a*)
— 13. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 13. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς τῶν 'Εβρ. (11 *a*)
— 20. ὁ φοβούμενος τὸ ῥῆμα κυρίου (11 *a*)
— 21. ὃς δὲ μὴ προσέσχε . . . εἰς τὸ ῥῆμα κυρίου (11 *a*)
— 22. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 23. κύριος ἔδωκε φωνάς (11 *a*)
— 23. ἔβρεξε κύριος χάλαζαν (11 *a*)
— 27. ὁ κ. δίκαιος (11 *a*)
— 28. εὔξασθε οὖν περὶ ἐμοῦ πρὸς κύριον (11 *a*)
— 29. R ἐκπετάσω . . . πρὸς τὸν κ. [A θεόν, B *om.* πρ. τ. κ.] (11 *a*)
— 29. τοῦ κ. ἡ γῆ (11 *a*)
— 30. A R οὐδέπω πεφόβησθε τὸν κ. [B θεόν] (11 *a* + 6)
— 33. ἐξέτεινε [A -επέτασεν] . . . πρὸς κύριον (11 *a*)
— 35. καθάπερ ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
10. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 2. ἐγὼ [A *add.* εἰμι] κύριος (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς τῶν 'Εβρ. (11 *a*)
— 7. A ὅπως λατρεύσωσι κ. [B *om.*] τῷ θεῷ αὐτῶν (11 *a*)
— 8. A R λατρεύσατε κ. [B *om.*] τῷ θεῷ ὑμῶν (11 *a*)
— 9. ἔστι γὰρ ἑορτὴ κυρίου [A B² *add.* τοῦ θεοῦ ἡμῶν] (11 *a* [18 *a*])
— 10. ἔστω οὕτω κύριος μεθ' ὑμῶν (11 *a*)
— 11. A λατρεύσατε τῷ κ. [B *al.*] (11 *a*)
— 12. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 13. A R κύριος [B *om.*] ἐπήγαγεν ἄνεμον [A *om.*] νότον (11 *a*)
— 16. ἡμάρτηκα ἐναντίον κ. τοῦ [B¹ *om.*] θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 17. προσεύξασθε πρὸς κ. τὸν θεὸν ὑμῶν (11 *a*)
— 18. A ηὔξατο πρὸς κύριον [B τὸν θεόν] (11 *a*)
— 19. μετέβαλε κύριος ἄνεμον (11 *a*)
— 20. ἐσκλήρυνε κύριος τὴν καρδίαν Φ. (11 *a*)
— 21. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 24. λατρεύσατε κ. τῷ θεῷ ὑμῶν (18 *a*)
— 25. ἃ ποιήσομεν κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (11 *a*)
— 26. λατρεῦσαι κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (11 *a*)
— 26. τί λατρεύσωμεν κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (18 *a*)
— 27. ἐσκλήρυνε δὲ κύριος τὴν καρδίαν Φ. (11 *a*)
11. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 3. κύριος δὲ ἔδωκε τὴν χάριν (11 *a*)
— 4. τάδε λέγει κύριος (11 *a*)
— 7. ὅσα παραδοξάσει κύριος (11 *a*)
— 9. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 10. ἐσκλήρυνε δὲ κύριος τὴν καρδίαν Φ. (11 *a*)
12. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 11. πάσχα ἐστὶ κυρίῳ [A -ίου] (11 *a*)
— 12. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 14. ἑορτάσετε αὐτὴν ἑορτὴν κυρίῳ (11 *a*)
— 23. καὶ παρελεύσεται κύριος (11 *a*)
— 23. παρελεύσεται κύριος τὴν θύραν (11 *a*)
— 25. ἣν ἂν δῷ κύριος ὑμῖν (11 *a*)
— 27. θυσία τὸ πάσχα τοῦτο κυρίῳ (11 *a*)
— 28. καθὰ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (11 *a*)
— 29. κύριος ἐπάταξε πᾶν πρωτότοκον (11 *a*)
— 31. λατρεύσατε κ. τῷ θεῷ ὑμῶν (18 *a*)
— 36. ἔδωκε κύριος τὴν χάριν (11 *a*)
— 41. ἐξῆλθε πᾶσα ἡ δύναμις κυρίου (11 *a*)
— 42. προφυλακή ἐστι τῷ κ. (11 *a*)
— 42. ἐκείνη ἡ νὺξ αὕτη προφυλακὴ κυρίῳ (11 *a*)

Ex. 12. 43. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 48. ποιησαι [A καὶ ποιῇ] τὸ πάσχα κυρίῳ (11 *a*)
— 50. καθὰ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (11 *a*)
— 51. ἐξήγαγε κύριος τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (11 *a*)
13. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 3. ἐξήγαγεν ὑμᾶς κύριος (11 *a*)
— 5. ἡνίκα ἐὰν εἰσαγάγῃ σε κ. ὁ θεός σου (18 *a*)
— 6. ἑορτὴ κυρίου (11 *a*)
— 8. ἐποίησε κ. ὁ θεός μοι (18 *a*)
— 9. ὅπως ἂν γένηται ὁ νόμος κυρίου (11 *a*)
— 9. ἐξήγαγέ σε κ. ὁ θεός [A *om.* ὁ θ.] (18 *a* [11 *a*])
— 11. ὡς ἂν εἰσαγάγῃ σε κ. ὁ θεός σου (18 *a*)
— 12. τὰ ἀρσενικὰ [A² *add.* ἁγιάσεις] τῷ κ. (11 *a*)
— 12. τὰ ἀρσενικὰ ἁγιάσεις τῷ κ. (11 *a*)
— 14. ἐξήγαγε κύριος ἡμᾶς (11 *a*)
— 15. B πᾶν πρωτότοκον τῷ κ. (11 *a*)
— 15. R τὰ ἀρσενικὰ τῷ κ. [A B *om.* τῷ κ.] –
— 16. ἐξήγαγέ σε κύριος (11 *a*)
— 19. ἐπισκέψεται ὑμᾶς κύριος (6)
14. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 4. ἐγώ εἰμι κύριος (11 *a*)
— 8. ἐσκλήρυνε κύριος τὴν καρδίαν Φ. (11 *a*)
— 10. ἀνεβόησαν δὲ οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 *a*)
— 13. R τὴν σωτηρίαν τὴν παρὰ τοῦ κ. [A B θεοῦ] (11 *a*)
— 14. κύριος πολεμήσει περὶ ὑμῶν (11 *a*)
— 15. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 18. ἐγώ εἰμι κύριος (11 *a*)
— 21. ὑπήγαγε κύριος τὴν θάλασσαν (11 *a*)
— 24. καὶ ἐπέβλεψε κύριος (11 *a*)
— 25. ὁ γὰρ κ. πολεμεῖ (11 *a*)
— 26. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 27. ἐξεείναξε κύριος τοὺς Αἰγ. (11 *a*)
— 30. ἐρρύσατο κύριος τὸν Ἰσρ. (11 *a*)
— 31. ἃ ἐποίησε κύριος τοῖς Αἰγ. (11 *a*)
— 31. ἐφοβήθη δὲ ὁ λαὸς τὸν κ. (11 *a*)
15. 1. A ᾖσε Μ. . . . τῷ κ. [B θεῷ] (11 *a*)
— 1. ᾄσωμεν τῷ κ. (11 *a*)
— 3. κ. συντρίβων πολέμους κύριος ὄνομα αὐτῷ (11 *a*, 11 *a*)
— 6. ἡ δεξιά σου, κύριε, δεδόξασται (11 *a*)
— 6. ἡ δεξιά σου χεὶρ, κύριε, ἔθραυσεν ἐχθρούς (11 *a*)
— 11. τίς ὅμοιός σοι ἐν θεοῖς, κύριε (11 *a*)
— 16. ἕως ἂν παρέλθῃ ὁ λαός σου, κύριε [B¹ *om.*] (11 *a*)
— 17. ὃ κατηρτίσω [A -ηργάσω], κύριε, ἁγίασμα, κύριε [B¹ *om.* ἁ. κ.], ὃ ἡτοίμασαν (11 *a*, 2)
— 18. κύριος [A -ιε] βασιλεύων τὸν αἰῶνα (11 *a*)
— 19. ἐπήγαγεν ἐπ' αὐτοὺς κύριος τὸ ὕδωρ (11 *a*)
— 21. ᾄσωμεν τῷ κ. (11 *a*)
— 25. ἐβόησε δὲ Μ. πρὸς κύριον (11 *a*)
— 25. ἔδειξεν αὐτῷ κύριος ξύλον (11 *a*)
— 26. τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 26. ἐγὼ γάρ εἰμι κ. ὁ θεός σου [A *om.* ὁ θ. σ.] (18 *a* [11 *a*])
16. 3. πληγέντες ὑπὸ κυρίου (11 *a*)
— 4. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 6. κύριος ἐξήγαγεν ὑμᾶς (11 *a*)
— 7. ὄψεσθε τὴν δόξαν κυρίου [A τοῦ θεοῦ] (11 *a*)
— 7. A ἐν τῷ εἰσακοῦσαι κ. [B *om.*] τὸν γογγυσμὸν ὑμῶν –
— 8. ἐν τῷ διδόναι κύριον . . . κρέα (11 *a*)
— 8. διὰ τὸ εἰσακοῦσαι κύριον τὸν γογγυσμὸν ὑμῶν (11 *a*)
— 10. ἡ δόξα κυρίου ὤφθη (11 *a*)
— 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 12. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 15. ὃν ἔδωκε κύριος ὑμῖν φαγεῖν (11 *a*)
— 16. ὃ συνέταξε κύριος (11 *a*)
— 23. B εἶπε δὲ κύριος [A R M.] πρὸς αὐτούς –
— 23. ὃ ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
— 23. ἀνάπαυσις ἁγία τῷ κ. (11 *a*)
— 25. ἔστι γὰρ σάββατα σήμερον τῷ κ. (11 *a*)
— 28. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 29. ὁ γὰρ κ. ἔδωκεν ὑμῖν (11 *a*)
— 32. ὃ συνέταξε κύριος (11 *a*)
— 32. ὡς ἐξήγαγεν ὑμᾶς κύριος –
— 34. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 *a*)
17. 1. διὰ ῥήματος κυρίου (11 *a*)
— 2. τί πειράζετε κύριον (11 *a*)
— 4. ἐβόησε δὲ Μ. πρὸς κύριον (11 *a*)
— 5. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 7. διὰ τὸ πειράζειν κύριον (11 *a*)
— 7. εἰ ἔστι κύριος ἐν ἡμῖν (11 *a*)
— 14. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
Ex. 17. 15. ᾠκοδόμησε Μ. θυσιαστήριον κυρίῳ [A *om.*] –
— 15. κύριος καταφυγή μου (11 *a*)
— 16. πολεμεῖ κύριος ἐπὶ Ἀμ. (11 *a*)
18. 1. ὅσα ἐποίησε κύριος Ἰσρ. (6)
— 1. ἐξήγαγε γὰρ κύριος τὸν Ἰσρ. (11 *a*)
— 8. ὅσα ἐποίησε κύριος τῷ Φ. (11 *a*)
— 8. ὅτι ἐξείλατο αὐτοὺς κύριος (11 *a*)
— 9. οἷς ἐποίησεν αὐτοῖς κύριος (11 *a*)
— 9. A ἐξείλατο κύριος [B *om.*] αὐτούς –
— 10. εὐλογητὸς κ. (11 *a*)
— 11. μέγας κ. παρὰ πάντας τοὺς θεούς (11 *a*)
19. 9. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 9. ἀνήγγειλε δὲ Μ. . . . πρὸς κύριον (11 *a*)
— 10. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 11. καταβήσεται κύριος (11 *a*)
— 20. κατέβη δὲ κύριος (11 *a*)
— 20. ἐκάλεσε κύριος Μ. (11 *a*)
— 22. οἱ ἐγγίζοντες κ. [A *om.*] τῷ θεῷ (18 *a*)
— 22. μή ποτε ἀπαλλάξῃ ἀπ' αὐτῶν κύριος [A πλῆθος] (11 *a*)
— 24. εἶπε δὲ αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 24. μή ποτε ἀπολέσῃ ἀπ' αὐτῶν κύριος –
20. 1. ἐλάλησε κύριος [A *add.* πρὸς Μ.] (6)
— 2. ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 5. ἐγὼ γάρ εἰμι κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 7. τὸ ὄνομα κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 7. οὐ γὰρ μὴ καθαρίσῃ κ. ὁ θεός σου [A *om.* ὁ θ. σ.] (18 *a* [11 *a*])
— 10. σάββατα κ. [A *om.*] τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 11. ἐποίησε κύριος τὸν οὐρανόν (11 *a*)
— 11. εὐλόγησε κύριος τὴν ἡμέραν τὴν ἑβδ. (11 *a*)
— 12. ἧς κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 22. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
21. 4. ἐὰν δὲ ὁ κ. δῷ αὐτῷ γυναῖκα (2)
— 4. ἡ γυνὴ . . . ἔσται τῷ κ. αὐ. (1)
— 5. ἠγάπηκα τὸν κ. μου (1)
— 6. προσάξει αὐτὸν ὁ κ. αὐτοῦ (2)
— 6. τρυπήσει ὁ κ. αὐτοῦ τὸ οὖς (2)
— 8. ἐὰν μὴ εὐαρεστήσῃ τῷ κ. αὐτῆς (1)
— 8. οὐ κύριός ἐστι πωλεῖν αὐτήν (16)
— 28. ὁ δὲ κ. τοῦ ταύρου ἀθῷος ἔσται (7)
— 29. διαμαρτύρωνται τῷ κ. αὐ. (7)
— 29. ὁ κ. αὐτοῦ προσαποθανεῖται (7)
— 32. ἀργυρίου . . . δώσει τῷ κ. αὐτῶν (2)
— 34. ὁ κ. τοῦ λάκκου ἀποτίσει (7)
— 34. ἀργύριον δώσει τῷ κ. αὐτῶν (7)
— 36. διαμεμαρτυρημένοι ὦσι τῷ κ. αὐτοῦ [B¹ *al.*] (7)
22. 8 (7). προσελεύσεται ὁ κ. τῆς οἰκίας (7)
— 11 (10). οὕτως προσδέξεται ὁ κ. αὐτοῦ (7)
— 12 (11). ἀποτίσει τῷ κ. [A πλησίον] (7)
— 14 (13). ὁ δὲ κ. μὴ ᾖ μετ' αὐτοῦ (7)
— 15 (14). ἐὰν δὲ ὁ κ. ᾖ μετ' αὐτοῦ (7)
— 20 (19). ὁ θυσιάζων . . . πλὴν κ. μόνῳ (11 *a*)
23. 17. ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ σου (1)
— 19. εἰσοίσεις εἰς τὸν οἶκον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 25. λατρεύσεις κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
24. 1. ἀνάβηθι πρὸς τὸν [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 1. προσκυνήσουσι μακρόθεν τῷ κ. –
— 3. οὓς ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
— 4. ἔγραψε Μ. πάντα τὰ ῥήματα κυρίου (11 *a*)
— 7. ὅσα ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
— 8. ἧς διέθετο κύριος (11 *a*)
— 12. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 16. ἐκάλεσε κύριος τὸν Μ. –
— 17. τὸ δὲ εἶδος τῆς δόξης κυρίου (11 *a*)
25. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
27. 21. καύσει ἐναντίον [A ἔναντι] κυρίου (11 *a*)
28. 12. A ἀναλήψεται Ἀ. . . . ἔναντι κυρίου . . . μνημόσυνον ἔναντι κυρίου [B *om.* ἔ. κ.] (11 *a*, –)
— 26 (30). A R ὅταν εἰσπορεύηται . . . ἔναντι [B -τίον] κυρίου (11 *a*)
— 26 (30). A R οἴσει Ἀ. . . . ἔναντι [B -τίον] κυρίου (11 *a*)
— 31 (35). A R εἰσιόντι . . . ἔναντι [B -τίον] κυρίου (11 *a*)
— 32 (36). ἁγίασμα κυρίου (11 *a*)
— 34 (38). δεκτὸν αὐτοῖς ἔναντι κυρίου (11 *a*)
29. 10. ἐπιθήσουσιν . . . ἔναντι κυρίου –
— 11. B σφάξεις . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 18. A R ὁλοκαύτωμα τῷ [B *om.*] κ. (11 *a*)
— 18. A B² θυσίασμα [B¹ R θυμίαμα] κυρίῳ ἐστι (11 *a*)
— 23. τῶν προτεθειμένων ἔναντι κυρίου (11 *a*)
Ex. 29. 24. ἀφόρισμα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 25. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 25. καρπωμά ἐστι κυρίῳ (11 *a*)
— 26. ἀφόρισμα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 28. ἀφαίρεμα κυρίῳ (11 *a*)
— 41. καρπωμα κυρίῳ (11 *a*)
— 42. θυσίαν . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 46. ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς αὐτῶν (11 *a*)
30. 8. θυμίαμα . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 10. ἅγιον τῶν ἁγίων ἐστὶ κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 12. λύτρα τῆς ψυχῆς αὐτοῦ κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 13. εἰσφορὰ κυρίῳ (11 *a*)
— 14. δώσουσι τὴν εἰσφορὰν κυρίῳ (11 *a*)
— 15. ἐν τῷ διδόναι τὴν εἰσφορὰν κυρίῳ (11 *a*)
— 16. μνημόσυνον ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 20. καὶ ἀναφέρειν . . . κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 22. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 34. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 37. ἁγίασμα ἔσται ὑμῖν κυρίῳ (11 *a*)
31. 1, 12. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 13. ἐγὼ κύριος ὁ ἁγιάζων ὑμᾶς (11 *a*)
— 14. B ἅγιον τοῦτό ἐστι κυρίου [R -ῳ] ὑμῖν [A *al.*] –
— 15. ἀνάπαυσις ἁγία τῷ κ. (11 *a*)
— 17. ἐποίησε κύριος τὸν οὐρανόν (11 *a*)
32. 5. ἑορτὴ τοῦ [A *om.*] κ. αὔριον (11 *a*)
— 7. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 11. ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ [A *al.*] (11 *a*)
— 11. ἵνα τί, κύριε, θυμοῖ ὀργῇ (11 *a*)
— 14. ἱλάσθη κύριος (11 *a*)
— 22. μὴ ὀργίζου, κύριε (1)
— 26. τίς πρὸς κύριον (11 *a*)
— 27. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 29. ἐπληρώσατε . . . κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 31. ὑπέστρεψε [A ἐπ.] δὲ Μ. πρὸς κύριον (11 *a*)
— 31. δέομαι, κύριε –
— 33. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 35. ἐπάταξε κύριος τὸν λαόν (11 *a*)
33. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 5. εἶπε κύριος τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (11 *a*)
— 7. πᾶς ὁ ζητῶν κύριον (11 *a*)
— 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 12. εἶπε Μ. πρὸς κύριον (11 *a*)
— 17. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 19. τῷ ὀνόματί μου κύριος [A ὁ. κυρίου] (11 *a*)
— 21. εἶπε κύριος (11 *a*)
34. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 4. καθότι συνέταξεν αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 5. κατέβη κύριος ἐν νεφέλῃ (11 *a*)
— 5. ἐκάλεσε τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
— 6. παρῆλθε κύριος πρὸ προσώπου αὐτοῦ (11 *a*)
— 6. A ἐκάλεσεν κύριος [A *om.*], K. ὁ θεός (11 *a*, 11 *a*)
— 9. συμπορευθήτω ὁ κ. μου [A σ. κ.] (2)
— 10. εἶπε [A² ἐλάλησεν] κύριος πρὸς Μ. –
— 10. ὄψεται . . . τὰ ἔργα κυρίου (11 *a*)
— 14. ὁ γὰρ κ. ὁ θεὸς . . . θεὸς ζηλωτής ἐστι (18 *a*)
— 23. ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ Ἰσρ. (1 + 11 *a*)
— 24. ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 26. εἰς τὸν οἶκον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 27. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 28. ἣν ἐκεῖ Μ. ἐναντίον [A -τι] κυρίου (11 *a*)
— 32. ὅσα ἐνετείλατο [A ἐλάλησεν] κύριος (11 *a*)
— 34. εἰσεπορεύετο Μ. ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 34. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῷ κύριος –
35. 1. οὓς εἶπε κύριος (11 *a*)
— 2. ἀνάπαυσις κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 3. ἐγὼ κύριος –
— 4. ὃ συνέταξε κύριος (11 *a*)
— 5. ἀφαίρεμα κυρίῳ (11 *a*)
— 5. οἴσουσι τὰς ἀπαρχὰς κυρίῳ (11 *a*)
— 10. ὅσα συνέταξε κύριος (11 *a*)
— 21. ἤνεγκαν ἀφαίρεμα κυρίῳ (11 *a*)
— 23 (22). ἤνεγκαν ἀφαιρέματα . . . κυρίῳ (11 *a*)
— 24. τὰ ἀφαιρέματα κυρίῳ (11 *a*)
— 29. ὅσα συνέταξε κύριος (11 *a*)
— 29. ἤνεγκαν . . . ἀφαίρεμα κυρίῳ (11 *a*)
36. 1, 5. ὅσα συνέταξε κύριος (11 *a*)
— 8 (39. 1), 12 (39. 5), 14 (39. 7), 29 (39. 21), 34 (39. 26). καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 *a*)
— 37 (39. 29). ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 *a*)
— 39 (39. 30). ἁγίασμα κυρίῳ (11 *a*)

Ex. 36. 40 (39. 31). ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ M. (11 a)
37 (38). 22. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ M. (11 a)
38. 27 (40. 32). καθάπερ συνέταξε κύριος τῷ M. (11 a)
39. 11 (32). καθὰ συνέταξε κύριος τῷ M. (11 a)
— 12 (32). εἰς τὸ λειτουργεῖν . . . ἔναντι κυρίου –
— 22 (42). ὅσα συνέταξε κύριος τῷ M. (11 a)
— 23 (43). ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ M. (11 a)
40. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (11 a)
— 16. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῷ [A συνέταξεν] κύριος (11 a)
— 19. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ M. (11 a)
— 21. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ M. (11 a)
— 23. προσέθηκεν . . . ἄρτους . . . ἔναντι [A -ίον] κυρίου (11 a)
— 23. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ M. (11 a)
— 25. ἐπέθηκε τοὺς λύχνους αὐτῆς ἔναντι [A -ίον] κυρίου ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ M. (11 a, 11 a)
— 27. καθάπερ [A ὃν τρόπον] συνέταξε κύριος τῷ M. (11 a)
— 34, 35. δόξης κυρίου ἐπλήσθη ἡ σκηνή (11 a)
Le. 1. 1. ἐλάλησε κύριος αὐτῷ (11 a)
— 2. ἐὰν προσαγάγῃ [A -φέρῃ] δῶρα τῷ κ. (11 a)
— 3. προσοίσει αὐτὸ . . . ἐναντίον [A -τι] κυρίου (11 a)
— 5. σφάξουσι τὸν μόσχον ἔναντι κυρίου (11 a)
— 9. ὀσμὴ εὐωδίας τῷ κ. (11 a)
— 10. τὸ δῶρον αὐτοῦ τῷ κ. –
— 11. σφάξουσιν αὐτὸ . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 13. ὀσμὴ εὐωδίας τῷ [A om.] κ. (11 a)
— 14. δῶρον τῷ κ. (11 a)
— 17. ὀσμὴ εὐωδίας τῷ κ. (11 a)
2. 1. θυσίαν τῷ κ. (11 a)
— 2. ὀσμὴ εὐωδίας τῷ κ. (11 a)
— 3. ἀπὸ τῶν θυσιῶν κυρίου (11 a)
— 4. θυσίαν . . . δῶρον κυρίῳ –
— 6. θυσία ἐστὶ κυρίῳ –
— 8. ἣν ἂν ποιῇ ἐκ τούτων τῷ κ. (11 a)
— 9. κάρπωμα ὀσμὴ εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 10. ἀπὸ τῶν καρπωμάτων κυρίου (11 a)
— 11. ἣν ἂν προσφέρητε κυρίῳ (11 a)
— 11. καρπῶσαι κυρίῳ δῶρον (11 a)
— 12. προσοίσετε αὐτὰ κυρίῳ (11 a)
— 12. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ –
— 13. ἅλα διαθήκης κυρίου (6)
— 13. προσοίσετε κυρίῳ τῷ θεῷ ὑμῶν ἅλας –
— 14. θυσίαν πρωτογεννημάτων τῷ κ. (11 a)
— 14. χίδρα ἐρικτὰ τῷ κ. –
— 16. κάρπωμά ἐστι κυρίῳ (11 a)
3. 1. τὸ δῶρον αὐτοῦ τῷ κ. –
— 1. A R ἄμωμον προσάξει αὐτὸ ἔναντι [B -ίου] κυρίου (11 a)
— 2. σφάξει αὐτὸ ἐναντίον κυρίου [A om. ἐ. κ.] –
— 3. προσάξουσιν . . . κάρπωμα κυρίῳ (11 a)
— 5. κάρπωμα ὀσμὴ εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 6. θυσίαν σωτηρίου τῷ κ. (11 a)
— 7. προσάξει αὐτὸ ἔναντι κυρίου (11 a)
— 9. R κάρπωμα τῷ κ. [A B θεῷ] (11 a)
— 11. ὀσμὴ εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ (11 a)
— 12. προσάξει ἔναντι κυρίου (11 a)
— 13. σφάξουσιν αὐτὸ ἔναντι κυρίου –
— 14. ἀνοίσει ἐπ' αὐτοῦ κάρπωμα κυρίῳ (11 a)
— 16. ὀσμὴ εὐωδίας τῷ κ. –
— 16. πᾶν τὸ στέαρ τῷ κ. (11 a)
4. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 2. ἐὰν ἁμάρτῃ ἔναντι κυρίου –
— 2. ἀπὸ τῶν προσταγμάτων κυρίου (11 a)
— 3. μόσχον ἐκ βοῶν ἄμωμον τῷ κ. (11 a)
— 4. προσάξει τὸν μόσχον . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 4. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα αὐτοῦ . . . ἔναντι κυρίου –
— 4. σφάξει τὸν μόσχον ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 6. προσρανεῖ ἀπὸ τοῦ αἵματος . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 7. τοῦ θυσιαστηρίου . . . τοῦ ἐναντίον [A ἔναντι] κυρίου (11 a)
— 13. μίαν ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντολῶν κυρίου (11 a)
— 15. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ μόσχου ἔναντι κυρίου (11 a)
— 15. A B² R σφάξουσι τὸν μόσχον ἔναντι κυρίου (11 a)
— 17. ῥανεῖ ἑπτάκις ἔναντι κυρίου (11 a)
— 18. ὅ ἐστιν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 22. ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντολῶν κυρίου τοῦ θεοῦ (11 a)

Le. 4. 24. οὗ σφάζουσι τὰ ὁλοκαυτώματα ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 27. ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντολῶν κυρίου (11 a)
— 31. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 35. ἐπὶ τὸ ὁλοκαύτωμα κυρίου (11 a)
5. 6. περὶ ὧν ἐπλημμέλησε κυρίῳ (11 a)
— 7. οἴσει περὶ τῆς ἁμαρτίας αὐτοῦ . . . κυρίῳ (11 a)
— 12. ἐπιθήσει ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον . . . κυρίῳ (11 a)
— 14. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 15. καὶ ἁμάρτῃ ἀκουσίως ἀπὸ τῶν ἁγίων κυρίου (11 a)
— 15. οἴσει τῆς πλημμελείας αὐτοῦ τῷ κ. (11 a)
— 17. ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντολῶν κυρίου (11 a)
— 19. ἐπλημμέλησε γὰρ . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
6. 1 (5. 20). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 2 (5. 21). καὶ παριδὼν παρίδῃ τὰς ἐντολὰς κυρίου (11 a)
— 5 (5. 25). A B οἴσει κυρίῳ [R τῷ κ.] κριόν (11 a)
— 6 (5. 26). ἐξιλάσεται περὶ αὐτοῦ . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 7 (1). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 14 (7). ἣν προσάξουσιν αὐτὴν . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 15 (8). τὸ μνημόσυνον αὐτῆς τῷ κ. (11 a)
— 17 (10). ἀπὸ τῶν καρπωμάτων κυρίου –
— 18 (11). ἀπὸ τῶν καρπωμάτων κυρίου (11 a)
— 19 (12). B ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 20 (13). B ὃ προσοίσουσι κυρίῳ (11 a)
— 21 (14). B εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 24 (17). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 25 (18). σφάξουσι . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 29 (22). A B ἅγια ἁγίων ἐστὶ κυρίου [R -ῳ] –
— 32 (7. 2). σφάξουσι . . . ἔναντι κυρίου –
— 35 (7. 5). κάρπωμα τῷ κ. (11 a)
7. 1 (11). ἣν προσοίσουσι κυρίῳ (11 a)
— 4 (14). ἀφαίρεμα κυρίῳ (11 a)
— 10 (20). οὗ ἐστι κυρίου (11 a)
— 11 (21). ὅ ἐστι κυρίου (11 a)
— 12 (22). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 15 (25). B κάρπωμα κυρίου [A R -ῳ] (11 a)
— 18 (28). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 19 (29). B ὁ προσφέρων θυσίαν σωτηρίου κυρίῳ [A -ίου, R om.] οἴσει τὸ δῶρον αὐτοῦ κυρίῳ (11 a, 11 a)
— 20 (30). προσοίσουσι τὰ καρπώματα κυρίῳ (11 a)
— 20 (30). ἐπιθεῖναι δόμα ἔναντι κυρίου (11 a)
— 25 (35). ἀπὸ τῶν καρπωμάτων κυρίου (11 a)
— 25 (35). τοῦ ἱερατεύειν τῷ κ. (11 a)
— 26 (36). καθὰ ἐνετείλατο κύριος (11 a)
— 28 (38). ὃν τρόπον ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῆ (11 a)
— 28 (38). προσφέρειν τὰ δῶρα αὐτῶν ἔναντι κυρίου (11 a)
8. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 4. ὃν τρόπον συνέταξεν αὐτῷ κύριος (11 a)
— 5. ὃ ἐνετείλατο κύριος ποιῆσαι (11 a)
— 9. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῆ (11 a)
— 13. καθάπερ [A καθὰ] συνέταξε κύριος τῷ M. (11 a)
— 17. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῆ (11 a)
— 20 (21). κάρπωμά ἐστι τῷ κ. καθάπερ ἐνετείλατο κύριος τῷ M. (11 a, 11 a)
— 25 (26). ἀπὸ τοῦ κανοῦ . . . τοῦ ὄντος ἔναντι κυρίου (11 a)
— 26 (27). ἀφαίρεμα ἔναντι κυρίου (11 a)
— 27 (28). κάρπωμά ἐστι τῷ κ. (11 a)
— 28 (29). ἐπίθεμα ἔναντι κυρίου (11 a)
— 28 (29). καθὰ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῆ (11 a)
— 34. ἣ ἐνετείλατο κύριος τοῦ ποιῆσαι (11 a)
— 35. φυλάξεσθε τὰ φυλάγματα κυρίου (11 a)
— 35. οὕτω γὰρ ἐνετείλατό μοι κύριος ὁ θεός –
— 36. οὓς συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῆ (11 a)
9. 2. προσένεγκε αὐτὰ ἔναντι κυρίου (11 a)
— 4. εἰς θυσίαν σωτηρίου ἔναντι κυρίου (11 a)
— 4. σήμερον κύριος ὀφθήσεται ἐν ὑμῖν (11 a)
— 5. ἔστησαν ἔναντι κυρίου (11 a)
— 6. ὃ εἶπε κύριος (11 a)
— 6. ὀφθήσεται ἐν ὑμῖν δόξα κυρίου (11 a)
— 7. καθάπερ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῆ (11 a)
— 10. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῆ (11 a)
— 21. ἀφαίρεμα ἔναντι κυρίου (11 a)
— 21. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῆ –
— 23. ὤφθη ἡ δόξα κυρίου παντὶ τῷ λαῷ (11 a)
— 24. ἐξῆλθε πῦρ παρὰ κυρίου (11 a)
10. 1. προσήνεγκαν ἔναντι κυρίου πῦρ ἀλλότριον ὃ οὐ προσέταξε κύριος αὐτοῖς (11 a, –)

Le. 10. 2. ἐξῆλθε πῦρ παρὰ κυρίου (11 a)
— 2. καὶ ἀπέθανον ἔναντι κυρίου (11 a)
— 3. ὃ εἶπε κύριος (11 a)
— 6. ὃν ἐνεπυρίσθησαν ὑπὸ κυρίου (11 a)
— 7. τὸ ἔλαιον γὰρ τῆς χρίσεως τὸ παρὰ κυρίου (11 a)
— 8. ἐλάλησε κύριος τῷ Ἀαρών (11 a)
— 11. ἃ ἐλάλησε κύριος πρὸς αὐτούς (11 a)
— 12, 13. ἀπὸ τῶν καρπωμάτων κυρίου (11 a)
— 15. ἀφορίσαι ἔναντι κυρίου (11 a)
— 15. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῆ (11 a)
— 17. καὶ ἐξιλάσησθε περὶ αὐτῶν ἔναντι κυρίου (11 a)
— 18. ὃν τρόπον μοι συνέταξε κύριος –
— 19. εἰ σήμερον προσαγηόχασι . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 19. μὴ ἀρεστὸν ἔσται κυρίῳ (11 a)
11. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 44. ἐγώ εἰμι κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 a)
— 44. ἅγιός εἰμι ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν –
— 45. ἐγώ εἰμι κύριος (11 a)
— 45. ἅγιός εἰμι ἐγὼ κύριος –
12. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 7. προσοίσει ἔναντι κυρίου (11 a)
13. 1 : 14. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
14. 11. καὶ ταῦτα ἔναντι κυρίου (11 a)
— 12. ἀφορεῖ αὐτὰ . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 16. ῥανεῖ [A -εῖ] . . . ἑπτάκις ἔναντι κυρίου (11 a)
— 18. ἐξιλάσεται . . . ὁ ἱερεὺς ἔναντι κυρίου (11 a)
— 20. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον ἔναντι [B¹ ἀπέν.] κυρίου –
— 23. προσοίσει αὐτὰ . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 24. ἐπιθήσει αὐτὰ ἐπίθεμα ἔναντι κυρίου (11 a)
— 27. ῥανεῖ ὁ ἱερεὺς . . . ἑπτάκις ἔναντι κυρίου (11 a)
— 29. ἐξιλάσεται περὶ αὐτοῦ . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 31. ἐξιλάσεται ὁ ἱερεὺς . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 33 : 15. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
15. 14. οἴσει αὐτὰ ἔναντι κυρίου (11 a)
— 15, 30. ἐξιλάσεται . . . ὁ ἱερεὺς ἔναντι κυρίου (11 a)
16. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 1. ἐν τῷ προσάγειν αὐτοὺς πῦρ ἀλλότριον ἔναντι κυρίου (11 a)
— 2. καὶ εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 7. στήσει αὐτοὺς ἔναντι κυρίου (11 a)
— 8. κλῆρον ἕνα τῷ κ. (11 a)
— 9. ἐπῆλθεν ἐπ' αὐτὸν ὁ κλῆρος τῷ κ. (11 a)
— 10. στήσει αὐτὸν ζῶντα ἔναντι κυρίου (11 a)
— 12. ἀπὸ τοῦ θυσιαστηρίου τοῦ ἀπέναντι κυρίου (11 a)
— 13. ἐπιθήσει τὸ θυμίαμα . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 15. σφάξει τὸν χίμαρον . . . ἔναντι κυρίου –
— 18. τὸ θυσιαστήριον τὸ ὂν ἀπέναντι κυρίου (11 a)
— 30. καθαρίσαι ὑμᾶς . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 34. καθὰ [A B² καθάπερ] συνέταξε κύριος τῷ M. (11 a)
17. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 2. ὃ ἐνετείλατο κύριος (11 a)
— 4. ἢ σωτήριον κυρίῳ [A -ίου] δεκτόν –
— 4. A B ὥστε μὴ [R om.] προσενέγκαι δῶρον κυρίῳ ἀπέναντι τῆς σκηνῆς κυρίου (11 a, 11 a)
— 5. καὶ οἴσουσι τῷ κ. (11 a)
— 5. θύσουσι θυσίαν σωτηρίου τῷ κ. αὐτά (11 a)
— 6. προσχεεῖ ὁ ἱερεὺς . . . ἀπέναντι κυρίου (11 a)
— 6. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 9. ποιῆσαι αὐτὸ τῷ κ. (11 a)
18. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 2, 4. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 a)
— 5. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (18 a)
— 6, 21. ἐγὼ κύριος (11 a)
— 30. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 a)
19. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 2. ἅγιος ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 a)
— 3, 4. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 a)
— 5. θυσίαν σωτηρίου τῷ κ. (11 a)
— 8. τὰ ἅγια κυρίου ἐβεβήλωσε (11 a)
— 10. ἐγώ εἰμι κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 a)
— 12. ἐγώ εἰμι [A om.] κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (18 a)
— 14. φοβηθήσῃ κύριον τὸν θεόν σου (18 b)
— 14, 16. ἐγώ εἰμι κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (18 a)
— 18. ἐγώ εἰμι κύριος (11 a)
— 21. προσάξει τῆς πλημμελείας αὐτοῦ τῷ κ. (11 a)
— 22. ἐξιλάσεται περὶ αὐτοῦ . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 23. ἣν κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν [B¹ om.] δίδωσιν ὑμῖν –

Le. 19. 24. ἔσται πᾶς ὁ καρπὸς αὐτοῦ ἅγιος αἰνετὸς τῷ κ. (11 *a*)
— 25. ἐγὼ εἰμι κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 28. ἐγὼ εἰμι [A *om.*] κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (18 *a*)
— 30. ἐγὼ εἰμι κύριος (11 *a*)
— 31. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 32. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (18 *a*)
— 34, 36. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 37. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (18 *a*)
20. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 7. ἅγιος ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν [A *al.*] (11 *a*)
— 8. ἐγὼ κ. [A κ. ὁ θεὸς ὑμῶν] ὁ ἁγιάζων ὑμᾶς (11 *a* [18 *a*])
— 24. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 26. ἐγὼ ἅγιός εἰμι [B¹ *om.*] κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (18 *a*)
21. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 6. τὰς γὰρ θυσίας κυρίου . . . προσφέρουσι (11 *a*)
— 7. ἅγιός ἐστι κυρίῳ τῷ [A *om.*] θεῷ αὐτοῦ (18 *b*)
— 8. A R τὰ δῶρα κ. τοῦ [B *om.*] θεοῦ ὑμῶν οὗτος προσφέρει (18 *b*)
— 8. ἅγιος ἐγὼ κ. ὁ ἁγιάζων αὐτούς (11 *a*)
— 12. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 15. ἐγὼ κ. ὁ ἁγιάζων αὐτόν (11 *a*)
— 16. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 23. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ ἁγιάζων αὐτούς (11 *a*)
— 24. A B¹ ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. καὶ Ἀ. [B² R ἐλ. Μ. πρ. Ἀ.] †
22. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 2. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 3. ὅσα ἂν ἁγιάζωσιν οἱ υἱοὶ Ἰσραὴλ τῷ κ. (11 *a*)
— 3. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (18 *a*)
— 8. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 9. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὁ ἁγιάζων αὐτούς (18 *a*)
— 15. ἃ αὐτοὶ ἀφαιροῦσι [A προσφέρουσιν] τῷ κ. (11 *a*)
— 16. ἐγὼ κ. ὁ ἁγιάζων αὐτούς (11 *a*)
— 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 20. οὐ προσάξουσι κυρίῳ –
— 21. ὃς ἂν προσενέγκῃ θυσίαν σωτηρίου τῷ κ. (11 *a*)
— 22. B οὐ προσάξουσι ταῦτα [A² αὐτὰ] τῷ κ. (11 *a*)
— 22. A² B οὐ δώσετε ἀπ' αὐτῶν . . . τῷ κ. (11 *a*)
— 24. οὐ προσάξεις αὐτὰ τῷ κ. (11 *a*)
— 26. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 27. δεχθήσεται . . . κάρπωμα κυρίῳ (11 *a*)
— 29. ἐὰν δὲ θύσῃς θυσίαν . . . κυρίῳ (11 *a*)
— 30. ἐγὼ εἰμι κύριος (11 *a*)
— 32. ἐγὼ κ. ὁ ἁγιάζων ὑμᾶς (11 *a*)
— 33. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
23. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 2. αἱ ἑορταὶ κυρίου . . . αὗταί εἰσιν (11 *a*)
— 3. κλητὴ ἁγία τῷ κ. –
— 3. σάββατά ἐστι τῷ κ. (11 *a*)
— 4. αὗται αἱ ἑορταὶ τῷ κ. (11 *a*)
— 5. πάσχα τῷ κ. (11 *a*)
— 6. ἑορτὴ τῶν ἀζύμων τῷ κ. (11 *a*)
— 8. προσάξετε ὁλοκαυτώματα τῷ κ. (11 *a*)
— 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 11. ἀνοίσει τὸ δράγμα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 12. εἰς ὁλοκαύτωμα τῷ κ. (11 *a*)
— 13. θυσία τῷ κ. ὀσμὴ εὐωδίας κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*, –)
— 16. προσοίσετε θυσίαν νέαν τῷ κ. (11 *a*)
— 17. πεφθήσονται πρωτογεννημάτων τῷ κ. (11 *a*)
— 18. ἔσονται ὁλοκαύτωμα τῷ κ. (11 *a*)
— 18. ὀσμὴν εὐωδίας τῷ κ. (11 *a*)
— 20. ἐπίθεμα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 20. ἅγια ἔσονται τῷ κ. (11 *a*)
— 22. ἐγὼ κ. ὁ [A *om.*] θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 23. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 25. προσάξετε ὁλοκαύτωμα κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 26. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 27. προσάξετε ὁλοκαύτωμα τῷ κ. (11 *a*)
— 28. ἐξιλάσασθαι . . . ἔναντι κυρίου τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 33. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 34. ἑορτὴ σκηνῶν ἑπτὰ ἡμέρας τῷ κ. (11 *a*)
— 36. προσάξετε ὁλοκαυτώματα τῷ κ. (11 *a*)
— 36. προσάξετε ὁλοκαυτώματα κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 37. αὗται αἱ ἑορταὶ κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 37. ὥστε προσενέγκαι καρπώματα τῷ κ. (11 *a*)
— 38. πλὴν τῶν σαββάτων κυρίου (11 *a*)
— 38. ἃ ἂν δῶτε τῷ κ. (11 *a*)
— 39. ἑορτάσατε τῷ κ. ἑπτὰ ἡμέρας (11 *a*)
— 40. εὐφρανθῆναι ἔναντι κυρίου τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
Le. 23. 43. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 44. ἐλάλησε Μωυσῆς τὰς ἑορτὰς κυρίου (11 *a*)
24. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 3. καύσουσιν αὐτὸ [B¹ -ὸν] . . . ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 4. καύσετε τοὺς λύχνους ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 6. ἐπιθήσετε αὐτοὺς . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 7. εἰς ἀνάμνησιν προκείμενα τῷ κ. (11 *a*)
— 8. προθήσεται ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 9. ἀπὸ τῶν θυσιαζομένων τῷ κ. (11 *a*)
— 12. διὰ προστάγματος κυρίου (11 *a*)
— 13. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 16. ὀνομάζων δὲ τὸ ὄνομα κυρίου (11 *a*)
— 16. ἐν τῷ ὀνομάσαι αὐτὸν τὸ ὄνομα κυρίου –
— 22. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 23. A B¹ καθὰ [B² R καθάπερ] συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 *a*)
25. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 2. ἣν ἐγὼ δίδωμι ὑμῖν σάββατα τῷ κ. (11 *a*)
— 4. σάββατα τῷ κ. (11 *a*)
— 17. φοβηθήσῃ κύριον τὸν θεόν σου (18 *b*)
— 17. ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 36. ἐγὼ κύριος –
— 38. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 43. φοβηθήσῃ κ. τὸν θεόν σου (18 *b*)
26. 1 (25. 35). ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 1. ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 2. ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 13. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 44. ὅτι ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς αὐτῶν (11 *a*)
— 45. ἐγὼ εἰμι κύριος (11 *a*)
— 46. ὃν ἔδωκε κύριος (11 *a*)
27. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 2. ὃς ἂν εὔξηται εὐχὴν . . . τῷ κ. (11 *a*)
— 9. ἐὰν δὲ ἀπὸ τῶν κτηνῶν . . . δῶρον τῷ κ. (11 *a*)
— 9. ὃς ἂν δῷ ἀπὸ τούτων τῷ κ. (11 *a*)
— 11. ἀφ' ὧν οὐ προσφέρεται . . . δῶρον τῷ κ. (11 *a*)
— 14. ὃς ἂν ἁγιάσῃ τὴν οἰκίαν αὐτοῦ ἁγίαν τῷ κ. (11 *a*)
— 16. ἐὰν δὲ ἀπὸ τοῦ ἀγροῦ . . . ἁγιάσῃ ἄνθρωπος τῷ κ. (11 *a*)
— 21. ἔσται ὁ ἀγρὸς . . . ἅγιος τῷ κ. (11 *a*)
— 22. ἐὰν δὲ ἀπὸ τοῦ ἀγροῦ . . . ἁγιάσῃ τῷ κ. (11 *a*)
— 23. ἀποδώσει τὴν τιμήν . . . ἅγιον τῷ κ. (11 *a*)
— 26. πᾶν πρωτότοκον . . . ἔσται τῷ κ. (11 *a*)
— 26. τῷ κ. ἐστίν (11 *a*)
— 28. ὃ ἐὰν ἀναθῇ ἄνθρωπος τῷ κ. (11 *a*)
— 28. πᾶν ἀνάθεμα ἅγιον ἁγίων ἔσται τῷ κ. (11 *a*)
— 30. πᾶσα δεκάτη . . . τῷ κ. ἐστὶν ἅγιον τῷ κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 32. τὸ δέκατον ἔσται ἅγιον τῷ κ. (11 *a*)
— 34. ἃς ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
Nu. 1. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 19. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 48. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 53. B¹ παρεμβαλέτωσαν ἐναντίον κυρίου [A B² ἐναντίοι] –
— 54. ἃ [A ὅσα] ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
2. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 2. A παρεμβαλέτωσαν . . . ἐναντίον κυρίου [B ἐναντίοι] –
— 33. καθὰ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 34. ὅσα συνέταξε [A καθὰ ἐνετείλατο] κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
3. 1. ἐν ᾗ ἡμέρᾳ ἐλάλησε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 4. ἐτελεύτησε Ν. καὶ Ἀ. ἔναντι κυρίου προσφερόντων αὐτῶν . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 5, 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 13. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 14. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 16. διὰ φωνῆς κυρίου ὃν τρόπον [A καθὰ] συνέταξεν αὐτοῖς κύριος (11 *a*, –)
— 39. διὰ φωνῆς κυρίου (11 *a*)
— 40. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 41. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 42. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κύριος [A κ. αὐτῷ] (11 *a*)
— 44. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 45. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 51. διὰ φωνῆς κυρίου ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*, 11 *a*)
4. 1, 17, 21. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 37, 41, 45. διὰ φωνῆς κυρίου ἐν χειρὶ Μωυσῆ (11 *a*)
— 49. διὰ φωνῆς κυρίου ἐπεσκέψατο (11 *a*)
— 49. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
Nu. 5. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 4. καθὰ ἐλάλησε κύριος Μωυσῇ [A τῷ Μ.] (11 *a*)
— 5. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 8. τὸ πλημμέλημα τὸ ἀποδιδόμενον κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 9. A R ὅσα ἐὰν προσφέρωσι κυρίῳ [B τῷ κ.] –
— 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 16. στήσει αὐτὴν ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 18. στήσει ὁ ἱερεὺς τὴν γυναῖκα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 21. δῴη σε κύριος ἐν ἀρᾷ (11 *a*)
— 21. ἐν τῷ δοῦναι κύριον τὸν μηρόν σου (11 *a*)
— 25. ἐπιθήσει τὴν θυσίαν ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 30. στήσει τὴν γυναῖκα αὐτοῦ ἔναντι κυρίου (11 *a*)
6. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 2. ἀφαγνίσασθαι ἁγνείαν κυρίῳ (11 *a*)
— 5. ὅσας [A ἃς] ηὔξατο κυρίῳ (11 *a*)
— 6. πάσας τὰς ἡμέρας τῆς εὐχῆς κυρίῳ [S³ τῷ κ.] (11 *a*)
— 8. ἅγιος ἔσται κυρίῳ (11 *a*)
— 12. ᾗ ἡγιάσθη [A ἡγίασεν] κυρίῳ [S τῷ κ.] (11 *a*)
— 14. προσάξει τὸ δῶρον αὐτοῦ κυρίῳ (11 *a*)
— 16. προσοίσει ὁ ἱερεὺς ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 17. A B ποιήσει θυσίαν σωτηρίου κυρίῳ [R τῷ κ.] (11 *a*)
— 20. ἐπίθεμα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 21. ὃς ἂν εὔξηται κυρίῳ δῶρον αὐτοῦ κυρίῳ (–, 11 *a*)
— 22. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 27. ἐγὼ κύριος εὐλογήσω αὐτούς –
— 24. εὐλογήσαι σε κύριος (11 *a*)
— 25. ἐπιφάναι κύριος τὸ πρόσωπον αὐτοῦ ἐπὶ σέ (11 *a*)
— 26. ἐπάραι κύριος τὸ πρόσωπον αὐτοῦ ἐπὶ σέ (11 *a*)
7. 3. ἤνεγκαν τὸ δῶρον [A τὰ δ.] αὐτῶν ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 4, 11. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 89. ἤκουσε τὴν φωνὴν κυρίου –
8. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 3. A B² R καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 4. ὃ ἔδειξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 5. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 10. προσάξεις τοὺς Λευίτας ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 11. ἀπόδομα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 11. ὥστε ἐργάζεσθαι τὰ ἔργα κυρίου (11 *a*)
— 12. τὸν ἕνα εἰς ὁλοκαύτωμα κυρίῳ (11 *a*)
— 13. στήσεις τοὺς Λευίτας ἔναντι κυρίου –
— 13. ἀπόδομα ἔναντι [A *om.*] κυρίου [A -ῳ] (11 *a*)
— 15. ἀποδώσεις αὐτοὺς ἔναντι κυρίου †
— 20. καθὰ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 21. ἀπόδομα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 22. καθὰ [B¹ καθὼς] συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 *a*)
— 23 : 9. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
9. 5. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 7. προσενέγκαι τὸ δῶρον κυρίῳ (11 *a*)
— 8. τί ἐντελεῖται κύριος περὶ ὑμῶν (11 *a*)
— 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 10. ποιήσει τὸ πάσχα κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 13. τὸ δῶρον κυρίῳ [A -ου] οὐ προσήνεγκε (11 *a*)
— 14. καὶ ποιήσει τὸ πάσχα κυρίῳ (11 *a*)
— 18. διὰ προστάγματος κυρίου παρεμβαλοῦσιν (11 *a*)
— 18. διὰ προστάγματος κυρίου ἀπαροῦσι (11 *a*)
— 20. διὰ φωνῆς κυρίου παρεμβαλοῦσι καὶ διὰ προστάγματος κυρίου ἀπαροῦσι [A ἐξαρ.] (11 *a*, 11 *a*)
— 23. διὰ προστάγματος κυρίου ἀπαροῦσι τὴν φυλακὴν κυρίου ἐφυλάξαντο [B¹ ἡν ἐφ.] διὰ προστάγματος κυρίου (11 *a ter*)
10. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 9. ἀναμνησθήσεσθε ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 10. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 13. ἐξῆραν πρῶτοι διὰ φωνῆς κυρίου (11 *a*)
— 29. εἰς τὸν τόπον ὃν εἶπε κύριος (11 *a*)
— 29. κύριος ἐλάλησε καλὰ περὶ Ἰσραήλ (11 *a*)
— 32. ὅσα [A ἃ] ἂν ἀγαθοποιήσῃ κύριος ἡμᾶς (11 *a*)
— 33. ἐξῆραν ἐκ τοῦ ὄρους κυρίου (11 *a*)
— 33. ἡ κιβωτὸς τῆς διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 35. ἐξεγέρθητι [B² ἐγ.], κύριε (11 *a*)
— 36. ἐπίστρεφε, κύριε, χιλιάδας μυριάδας (11 *a*)
11. 1. γογγύζων πονηρὰ ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 1. καὶ ἤκουσε κύριος (11 *a*)
— 1. ἐξεκαύθη ἐν αὐτοῖς πῦρ παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 2. ηὔξατο Μωυσῆς πρὸς κύριον (11 *a*)

Nu. 11. 3. ἐξεκαύθη ἐν αὐτοῖς παρὰ [A B² πῦρ π.] κυρίου (11 a)
— 10. ἐθυμώθη ὀργῇ κύριος σφόδρα (11 a)
— 11. εἶπε Μωυσῆς πρὸς κύριον (11 a)
— 16. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 18. ἐκλαύσατε ἔναντι κυρίου (11 a)
— 18. δώσει κύριος ὑμῖν κρέα φαγεῖν (11 a)
— 20. ἠπειθήσατε κυρίῳ (11 a)
— 21. A² εἶπε Μωυσῆς [B¹ add. πρὸς κύριον] –
— 23. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν, Μὴ χεὶρ κυρίου οὐκ ἐξαρκέσει (11 a, 11 a)
— 24. καὶ ἐλάλησε . . . τὰ ῥήματα κυρίου (11 a)
— 25. A κατέβη κύριος ἐν νεφέλῃ καὶ ἐλάλησε κύριος [B om.] πρὸς αὐτόν (11 a, –)
— 28. κύριε [A κ. μου] Μωυσῆ, κώλυσον αὐτούς (1)
— 29. τίς δῴη πάντα τὸν λαὸν κυρίου προφῆτας ὅταν δῷ κύριος τὸ πνεῦμα αὐτοῦ (11 a, 11 a)
— 31. πνεῦμα ἐξῆλθε παρὰ κυρίου (11 a)
— 33. κύριος ἐθυμώθη εἰς τὸν λαὸν [B¹ λ. αὐτοῦ] καὶ ἐπάταξε κύριος τὸν λαόν [A ἐν τῷ λ.] (11 a, 11 a)
12. 2. μὴ Μωυσῇ μόνῳ λελάληκε κύριος (11 a)
— 2. καὶ ἤκουσε κύριος (11 a)
— 4. εἶπε κύριος παραχρῆμα [B¹ om.] πρὸς Μ. (11 a)
— 5. κατέβη κύριος ἐν στύλῳ νεφέλης (11 a)
— 6. ἐὰν γένηται προφήτης ὑμῶν κυρίῳ [B¹-ου] (11 a)
— 8. τὴν δόξαν κυρίου [A μου] εἶδε (11 a)
— 9. ὀργὴ θυμοῦ κυρίου ἐπ' αὐτούς (11 a)
— 11. δέομαι, κύριε (1)
— 13. ἐβόησε Μωυσῆς πρὸς κύριον (11 a)
— 14. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
13. 2 (1). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 4 (3). ἐξαπέστειλεν [A ἀπ.] αὐτοὺς . . . διὰ φωνῆς κυρίου (11 a)
14. 3. ἵνα τί κύριος εἰσάγει ἡμᾶς (11 a)
— 8. εἰ αἱρετίζει [B ἐρεθίζει] ἡμᾶς κύριος (11 a)
— 9. ἀπὸ τοῦ κ. μὴ ἀποστάται γίνεσθε (11 a)
— 9. ὁ δὲ κ. ἐν ἡμῖν (11 a)
— 10. ἡ δόξα κυρίου ὤφθη (11 a)
— 11. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 13. εἶπε Μωυσῆς πρὸς κύριον (11 a)
— 14. σὺ εἶ κύριος ἐν τῷ λαῷ τούτῳ (11 a)
— 14. ὅστις . . . ὀπτάζῃ, κύριε (11 a)
— 16. παρὰ τὸ μὴ δύνασθαι κύριον εἰσαγαγεῖν (11 a)
— 17. ὑψωθήτω ἡ ἰσχύς [A χεὶρ] σου, κύριε (2)
— 18. κύριος μακρόθυμος καὶ πολυέλεος (11 a)
— 20. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 21. ἐμπλήσει ἡ δόξα κυρίου πᾶσαν τὴν γῆν (11 a)
— 26. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 28. ζῶ ἐγώ, λέγει κύριος (11 a)
— 35. ἐγὼ κύριος ἐλάλησα (11 a)
— 37. οἱ κατείπαντες . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 40. ὃν εἶπε κύριος (11 a)
— 41. ἵνα τί ὑμεῖς παραβαίνετε τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 42. οὐ γάρ ἐστι κύριος μεθ' ὑμῶν (11 a)
— 43. ἀπεστράφητε ἀπειθοῦντες κυρίῳ (11 a)
— 43. οὐκ ἔσται κύριος ἐν ὑμῖν (11 a)
— 44. ἡ δὲ κιβωτὸς τῆς διαθήκης κυρίου (11 a)
15. 1. εἶπε [A ἐλάλησεν] κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 3. ποιήσεις ὁλοκαύτωμα [A -σητε κάρπωμα] κυρίῳ (11 a)
— 3. A B ποιήσαι ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ [R τῷ κ.] (11 a)
— 4. ὁ προσφέρων τὸ δῶρον αὐτοῦ κυρίῳ (11 a)
— 5. κάρπωμα ὀσμὴν εὐωδίας τῷ κ. –
— 7. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 8. εἰς σωτήριον κυρίῳ (11 a)
— 10. κάρπωμα ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 13. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 14. κάρπωμα ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 14. οὕτω ποιήσει ἡ συναγωγὴ κυρίῳ –
— 15. καὶ ὁ προσήλυτος ἔσται ἔναντι κυρίου (11 a)
— 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 19. ἀφαίρεμα ἀφόρισμα κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 a)
— 21. δώσετε κυρίῳ ἀφαίρεμα (11 a)
— 22. ἃς ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 23. καθὰ συνέταξε κύριος πρὸς ὑμᾶς [A κ. ὑμῖν] (11 a)
— 23. ἧς συνέταξε κύριος πρὸς ὑμᾶς (11 a)
— 24. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 25. ἤνεγκαν τὸ δῶρον αὐτῶν κάρπωμα κυρίῳ περὶ τῆς ἁμαρτίας αὐτῶν ἔναντι κυρίου (11 a, 11 a)
— 28. καὶ ἁμαρτούσης ἀκουσίως ἔναντι κυρίου (11 a)
— 31. τὸ ῥῆμα κυρίου ἐφαύλισε (11 a)

Nu. 15. 35. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 36. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μ. [A al.] (11 a)
— 37. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 39. μνησθήσεσθε πασῶν τῶν ἐντολῶν κυρίου (11 a)
— 41 bis. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 a)
16. 3. καὶ ἐν αὐτοῖς κύριος (11 a)
— 3. διὰ τί κατανίστασθε ἐπὶ τὴν συναγωγὴν κυρίου (11 a)
— 7. ἐπίθετε ἐπ' αὐτὰ θυμίαμα ἔναντι κυρίου (11 a)
— 7. ὃν ἐκλέλεκται [B¹ -λέγεται, A ἂν ἐκλέξηται] κύριος (11 a)
— 9. τὰς λειτουργίας τῆς σκηνῆς κυρίου (11 a)
— 15. καὶ εἶπε πρὸς κύριον (11 a)
— 16. γίνεσθε ἕτοιμοι ἔναντι κυρίου (11 a)
— 17. A² B προσάξετε ἔναντι κυρίου (11 a)
— 19. ὤφθη ἡ δόξα κυρίου (11 a)
— 20. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 22. ἐπὶ πᾶσαν τὴν συναγωγὴν ὀργὴ κυρίου –
— 23. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 28. κύριος ἀπέστειλέ με (11 a)
— 29. οὐχὶ κύριος ἀπέσταλκέ με (11 a)
— 30. ἐν φάσματι δείξει κύριος (11 a)
— 30. παρώξυναν οἱ ἄνθρωποι οὗτοι τὸν κ. (11 a)
— 35. πῦρ ἐξῆλθε παρὰ κυρίου (11 a)
— 36 (17. 1). εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 38 (17. 3). προσηνέχθησαν ἔναντι κυρίου (11 a)
— 40 (17. 5). ἐπιθεῖναι θυμίαμα ἔναντι κυρίου (11 a)
— 40 (17. 5). καθὰ ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 41 (17. 6). ὑμεῖς ἀπεκτάγκατε τὸν λαὸν κυρίου (11 a)
— 42 (17. 7). ὤφθη ἡ δόξα κυρίου (11 a)
— 44 (17. 9). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 46 (17. 11). ἐξῆλθε γὰρ ὀργὴ [A¹ om.] ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 a)
17. 1 (16). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 7 (22). ἀπέθηκε Μωυσῆς τὰς ῥάβδους ἔναντι κυρίου (11 a)
— 9 (24). ἐξήνεγκε Μωυσῆς . . . ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 a)
— 10 (25). εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 11 (26). καθὰ [A ὅσα] συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῆ (11 a)
— 13 (28). πᾶς ὁ ἁπτόμενος τῆς σκηνῆς κυρίου (11 a)
18. 1. εἶπε κύριος πρὸς Ἀαρών (11 a)
— 6. δόμα δεδομένον κυρίῳ (11 a)
— 8. ἐλάλησε κύριος πρὸς Ἀαρών (11 a)
— 12. ὅσα ἂν δῶσι τῷ κυρίῳ (11 a)
— 13. ὅσα ἂν ἐνέγκωσι κυρίῳ (11 a)
— 15. ὅσα [B¹ ἃ] προσφέρουσι κυρίῳ (11 a)
— 17. κάρπωμα εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 19. ὅσα ἐὰν ἀφέλωσιν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. κυρίῳ (11 a)
— 19. διαθήκη ἁλὸς αἰωνίου ἔστιν ἔναντι κυρίου (11 a)
— 20. ἐλάλησε κύριος πρὸς Ἀαρών (11 a)
— 24. ὅσα ἂν ἀφορίσωσι κυρίῳ (11 a)
— 25. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 26. ἀφελεῖτε . . . ἀφαίρεμα κυρίῳ (11 a)
— 28. ἀπὸ πάντων τῶν ἀφαιρεμάτων κυρίου (11 a)
— 28. A R ἀφαίρεμα κυρίῳ [B om.] Ἀαρὼν τῷ ἱερεῖ (11 a)
— 29. ἀφελεῖτε ἀφαίρεμα κυρίῳ (11 a)
19. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 2. ὅσα συνέταξε κύριος (11 a)
— 13. τὴν σκηνὴν κυρίου ἐμίανεν (11 a)
— 20. τὰ ἅγια κυρίου ἐμίανεν (11 a)
20. 3. ὄφελον ἀπεθάνομεν [A ἀπωλόμεθα] . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 4. ἵνα τί ἀνηγάγετε τὴν συναγωγὴν κυρίου (11 a)
— 6. ὤφθη ἡ δόξα κυρίου πρὸς αὐτούς (11 a)
— 7. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 9. τὴν ῥάβδον τὴν ἀπέναντι κυρίου (11 a)
— 9. καθὰ συνέταξε κύριος –
— 12. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 13. ἐλοιδορήθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἔναντι κυρίου (11 a)
— 16. ἀνεβοήσαμεν πρὸς κύριον (11 a)
— 16. εἰσήκουσε κύριος τῆς φωνῆς ἡμῶν –
— 23. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 27. καθὰ συνέταξε κύριος αὐτῷ [B¹ om.] (11 a)
21. 2. ηὔξατο Ἰσραὴλ εὐχὴν κυρίῳ (11 a)
— 3. εἰσήκουσε κύριος τῆς φωνῆς Ἰσρ. (11 a)
— 6. ἀπέστειλε κύριος . . . τοὺς ὄφεις (11 a)
— 7. κατελαλήσαμεν κατὰ τοῦ κ. (11 a)
— 7. εὔξαι οὖν πρὸς κύριον (11 a)
— 8. A B² R ηὔξατο Μωυσῆς πρὸς κύριον –
— 8. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)

Nu. 21. 14. πόλεμος τοῦ [A om.] κ. τὴν Ζ. ἐφλόγισε (11 a)
— 16. ὃ εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 34. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 a)
22. 8. ἃ ἂν λαλήσῃ κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 13. ἀποτρέχετε πρὸς τὸν κ. ὑμῶν †
— 18. παραβῆναι τὸ ῥῆμα κυρίου τοῦ θεοῦ (11 a)
— 19. τί προσθήσει κύριος λαλῆσαι (11 a)
— 31. ὁρᾷ τὸν ἄγγελον κυρίου [A τοῦ θεοῦ] (11 a)
— 34. εἶπε Βαλαὰμ τῷ ἀγγέλῳ κυρίου (11 a)
23. 8. ὃν μὴ ἀρᾶται κύριος [A ὁ κ.] (4 a)
— 17. τί ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 21. κύριος ὁ θεὸς αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (11 a)
24. 1. καλόν ἐστιν ἐναντίον κυρίου (11 a)
— 6. ἃς ἔπηξε κύριος (11 a)
— 11. ἐστέρησέ σε κύριος τῆς δόξης (11 a)
— 13. παραβῆναι τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
25. 3. ὠργίσθη θυμῷ κύριος τῷ Ἰσρ. (11 a)
— 4. εἶπε κύριος τῷ Μ. [A πρὸς Μ.] (11 a)
— 4. παραδειγμάτισον αὐτοὺς κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 a)
— 4. ἀποστραφήσεται ὀργὴ θυμοῦ [B¹ om.] κυρίου (11 a)
— 10, 16: 26. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
26. 4. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 a)
— 9. ἐν τῇ ἐπισυστάσει κυρίου (11 a)
— 52. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 61. ἐν τῷ προσφέρειν αὐτοὺς . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 65. εἶπε κύριος [A om.] αὐτοῖς [B¹ -ῷ] (11 a)
27. 3. τῆς ἐπισυστάσης ἔναντι κυρίου (11 a)
— 4 (5). προσήγαγε Μ. τὴν κρίσιν αὐτῶν ἔναντι κυρίου (11 a)
— 5 (6). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 11. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 a)
— 12. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 15. εἶπε Μωυσῆς πρὸς κύριον (11 a)
— 16. ἐπισκεψάσθω κύριος . . . ἄνθρωπον (11 a)
— 17. οὐκ ἔσται ἡ συναγωγὴ κυρίου ὡσεὶ πρόβατα (11 a)
— 18. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 21. ἐπερωτήσουσιν αὐτὸν . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 22. καθὰ ἐνετείλατο αὐτῷ κύριος (11 a)
— 23. καθάπερ συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 a)
28. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 3. ὅσα προσάξετε κυρίῳ (11 a)
— 6. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 7. σπείσεις σπονδὴν σίκερα κυρίῳ (11 a)
— 8. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ [B¹ -ου] (11 a)
— 11. προσάξετε ὁλοκαυτώματα τῷ [A om.] κ. (11 a)
— 13. θυσίαν ὀσμὴν εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ (11 a)
— 15. χίμαρον . . . ἕνα περὶ ἁμαρτίας κυρίῳ [B¹ -ου] (11 a)
— 16. ἐν τῷ μηνὶ τῷ πρώτῳ . . . πάσχα κυρίῳ [B¹ -ου, A om. π. κ.] (11 a)
— 19. προσάξετε ὁλοκαυτώματα κάρπωμα [B¹ -ματα] κυρίῳ (11 a)
— 24. κάρπωμα εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ [B¹ -ίου] (11 a)
— 26. ὅταν προσφέρητε θυσίαν νέαν κυρίῳ (11 a)
— 27 : 29. 2. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
29. 6. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ [B¹ -ίου] (11 a)
— 8. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ [A om.] καρπώματα κυρίῳ [A om.] (11 a ?, –)
— 11. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ –
— 12. ἑορτάσατε αὐτὴν ἑορτὴν κυρίῳ [B¹ -ίου] (11 a)
— 13. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ [B¹ -ίου] (11 a)
— 36. A B¹ καρπώματα κυρίῳ [B² R τῷ κ.] (11 a)
— 39. ταῦτα ποιήσετε κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 a)
30. 1. ὅσα [A ἃ] ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῇ (11 a)
— 2. ὃ συνέταξε κύριος (11 a)
— 3. ὃς ἂν εὔξηται εὐχὴν κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 a)
— 4. ἐὰν δὲ γυνὴ εὔξηται εὐχὴν κυρίῳ (11 a)
— 6, 9, 13. κύριος καθαριεῖ αὐτήν (11 a)
— 17. ὅσα ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῇ (11 a)
31. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 3. παρατάξασθε ἔναντι κυρίου †
— 3. ἀποδοῦναι ἐκδίκησιν παρὰ τοῦ κ. (11 a)
— 7. καθὰ ἐνετείλατο κύριος Μωυσῇ (11 a)
— 16. καὶ ὑπεριδεῖν τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 16. ἐγένετο ἡ πληγὴ ἐν τῇ συναγωγῇ κυρίου (11 a)
— 21. ὃ συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 a)
— 25. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 28. ἀφελεῖτε τέλος κυρίῳ (11 a)
— 29. δώσεις . . . τῷ ἱερεῖ τὰς ἀπαρχὰς κυρίου (11 a)
— 30. τοῖς φυλάσσουσι τὰς φυλακὰς ἐν τῇ σκηνῇ κυρίου (11 a)

Nu. 31. 31. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῆ (11 a)
— 37. ἐγένετο τὸ τέλος κυρίῳ (11 a)
— 38, 39. καὶ τὸ τέλος κυρίῳ (11 a)
— 40. καὶ τὸ τέλος αὐτῶν κυρίῳ (11 a)
— 41. ἔδωκε Μωυσῆς τὸ τέλος κυρίῳ –
— 41. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῆ (11 a)
— 47. τοῖς φυλάσσουσι τὰς φυλακὰς σκηνῆς κυρίου ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῆ (11 a, 11 a)
— 50. προσενηνόχαμεν τὸ δῶρον κυρίῳ (11 a)
— 50. ἐξιλάσασθαι περὶ ἡμῶν ἔναντι κυρίου (11 a)
— 52. ὃ ἀφείλον κυρίῳ (11 a)
— 54. μνημόσυνον τῶν υἱῶν Ἰσρὴλ ἔναντι κυρίου (11 a)
32. 4. ἣν παραδέδωκε κύριος ἐνώπιον τῶν υἱῶν Ἰσρ. (11 a)
— 7. ἣν κύριος δίδωσιν αὐτοῖς (11 a)
— 9. ἣν ἔδωκε κύριος αὐτοῖς (11 a)
— 10. ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)
— 12. συνεπηκολούθησαν ὀπίσω κυρίου [A μου] (11 a)
— 13. ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)
— 13. οἱ ποιοῦντες τὰ πονηρὰ ἔναντι κυρίου (11 a)
— 14. προσθεῖναι ἔτι ἐπὶ τὸν θυμὸν τῆς ὀργῆς κυρίου (11 a)
— 20. ἐὰν ἐξοπλίσησθε ἔναντι κυρίου (11 a)
— 21. παρελεύσεται . . . τὸν Ἰορδάνην ἔναντι κυρίου (11 a)
— 22. καὶ κατακυρευθῇ ἡ γῆ ἔναντι κυρίου (11 a)
— 22. ἔσεσθε ἀθῷοι ἔναντι κυρίου (11 a)
— 22. ἐν κατασχέσει ἔναντι κυρίου (11 a)
— 23. ἁμαρτήσεσθε ἔναντι κυρίου (11 a)
— 25. καθὰ ὁ κ. ἡμῶν ἐντέλλεται (1)
— 27. ἐκτεταγμένοι ἔναντι κυρίου εἰς τὸν πόλεμον, ὃν τρόπον ὁ κ. λέγει (11 a, 1)
— 29. ἐὰν διαβῶσιν . . . εἰς πόλεμον ἔναντι κυρίου (11 a)
— 30. ἐὰν δὲ μὴ διαβῶσιν . . . ἔναντι κυρίου –
— 31. ὅσα ὁ κ. λέγει τοῖς θεράποσιν (11 a)
— 32. διαβησόμεθα . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
33. 2. ἔγραψε Μωυσῆς . . . διὰ ῥήματος κυρίου (11 a)
— 4. οὓς [A ὅσους] ἐπάταξε κύριος (11 a)
— 4. ἐποίησε τὴν ἐκδίκησιν κύριος (11 a)
— 38. ἀνέβη Ἀαρὼν . . . διὰ προστάγματος κυρίου (11 a)
— 50 : 34. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
34. 13. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος (11 a)
— 16. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 29. τούτοις [A οὗτοι οἷς] ἐνετείλατο κύριος (11 a)
35. 1, 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 34. ἐγὼ γάρ εἰμι κύριος (11 a)
36. 2. τῷ κ. ἡμῶν ἐνετείλατο κύριος (1, 11 a)
— 2. τῷ κ. συνέταξε κύριος (1, 11 a)
— 5. ἐνετείλατο M. . . . διὰ προστάγματος κυρίου (11 a)
— 6. ὃ συνέταξε κύριος ταῖς θυγατράσι Σ. (11 a)
— 10. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος M. [A πρὸς M.] (11 a)
— 13. ἃ ἐνετείλατο κύριος (11 a)
De. 1. 3. ὅσα ἐνετείλατο κύριος αὐτῷ (11 a)
— 6. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἐλάλησεν ἡμῖν (11 a)
— 10. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν ἐπλήθυνεν ὑμᾶς (11 a)
— 11. κ. ὁ θεὸς τῶν πατέρων ὑμῶν (11 a)
— 19. καθότι ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἡμῖν (11 a)
— 20. ὃ ὁ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν ὑμῖν (11 a)
— 21. παραδέδωκεν ἡμῖν κ. ὁ θεὸς . . . τὴν γῆν (11 a)
— 21. ὃν τρόπον εἶπε κ. ὁ θεός (11 a)
— 25. ἣν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν ἡμῖν (11 a)
— 26. ἠπειθήσατε τῷ ῥήματι κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 a)
— 27. διὰ τὸ μισεῖν κύριον ἡμᾶς (11 a)
— 30. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν ὁ προπορευόμενος (11 a)
— 31. ἐτροφοφόρησέν σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 32. οὐκ ἐνεπιστεύσατε κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (11 a)
— 34. ἤκουσε κύριος τὴν φωνὴν τῶν λόγων ὑμῶν (11 a)
— 36. διὰ τὸ προσκεῖσθαι αὐτὸν τὰ πρὸς κύριον (11 a)
— 37. ἐμοὶ ἐθυμώθη κύριος δι' ὑμᾶς (11 a)
— 41. ἡμάρτομεν ἔναντι [A -τίον] κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (18 a)
— 41. ὅσα ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἡμῖν (11 a)
— 42. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 43. παρέβητε τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 45. ἐκλαίετε ἔναντι κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν [A om. τ. θ. ἡ.] (18 a [11 a])
— 45. οὐκ εἰσήκουσε κύριος τῆς φωνῆς ὑμῶν (11 a)
De. 2. 1. ὃν τρόπον ἐλάλησε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 2. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 7. ὁ γὰρ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν εὐλόγησέ σε (11 a)
— 7. τεσσαράκοντα ἔτη κ. ὁ θεός σου μετὰ σοῦ (11 a)
— 9. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 12. ἣν δέδωκε κύριος αὐτοῖς (11 a)
— 14. καθότι ὤμοσε κύριος [B¹ om.] ὁ θεός [A om. ὁ θ.] (18 a [11 a])
— 15. A ἡ χεὶρ κυρίου [B τοῦ θεοῦ] ἦν ἐπ' αὐτοῖς (11 a)
— 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 21. ἀπώλεσεν αὐτοὺς κύριος (11 a)
— 29. ἣν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν ἡμῖν (11 a)
— 30. ἐσκλήρυνε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν τὸ πνεῦμα αὐτοῦ (11 a)
— 31. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 33. παρέδωκεν αὐτὸν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 36. τὰς πάσας παρέδωκε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 37. καθότι ἐνετείλατο ἡμῖν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
3. 2. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 3. παρέδωκεν αὐτὸν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 18. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν ἔδωκεν ὑμῖν (11 a)
— 20. ἕως ἂν καταπαύσῃ κ. ὁ θεός (18 a)
— 20. ἣν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν αὐτοῖς (11 a)
— 21. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 21. οὕτως ποιήσει κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (18 a)
— 22. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν αὐτὸς πολεμήσει (11 a)
— 23. καὶ ἐδεήθην κυρίου [B¹ ἐναντίον κ.] (11 a)
— 24. A B² κύριε κύριε [B¹ κ. ὁ θεός, R κ. θεέ] (2, 11 b)
— 26. ὑπερεῖδε κύριος ἐμέ (11 a)
— 26. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)
4. 1. ἣν κ. ὁ θεὸς τῶν πατέρων ὑμῶν δίδωσιν ὑμῖν (11 a)
— 2. φυλάσσεσθε τὰς ἐντολὰς κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 a)
— 3. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (18 a)
— 3. ἐξέτριψεν αὐτὸν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 4. ὑμεῖς δὲ οἱ προσκείμενοι κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (11 a)
— 5. καθὰ ἐνετείλατό μοι κύριος [A κ. ὁ θεός μου] (11 a + 6 [11 a])
— 7. ὡς κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἐν πᾶσιν (11 a)
— 10. ἔστητε ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 a)
— 10. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 12. ἐλάλησε κύριος [B² κ. ὁ θεὸς] πρὸς ὑμᾶς (11 a [18 a])
— 14. ἐμοὶ ἐνετείλατο κύριος (11 a)
— 15. ᾗ ἐλάλησε κύριος πρὸς ὑμᾶς (11 a)
— 19. ἃ ἀπένειμε κ. ὁ θεός σου αὐτά [B² om.] (11 a)
— 20. A ὑμᾶς δὲ ἔλαβεν κ. [B om.] ὁ θεός (18 a)
— 21. A B¹ κύριος [B² R κ. ὁ θεὸς] ἐθυμώθη μοι (11 a [18 a])
— 21. ἣν κ. ὁ θεός σου [A om.] δίδωσι (11 a)
— 23. μὴ ἐπιλάθησθε τὴν διαθήκην κ. τοῦ θεοῦ (11 a)
— 23. ὧν συνέταξέ σοι κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 24. κ. ὁ θεός σου πῦρ καταναλίσκον ἐστι (11 a)
— 25. καὶ ποιήσητε τὸ πονηρὸν [B¹ τὰ π.] ἐναντίον [A -τι] κυρίου τοῦ θεοῦ (11 a)
— 27. διασπερεῖ κύριος ὑμᾶς (11 a)
— 27. εἰς οὓς εἰσάξει κύριος ὑμᾶς ἐκεῖ (11 a)
— 29. ζητήσετε [A ἐκζ.] ἐκεῖ κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 a)
— 30. ἐπιστραφήσῃ πρὸς [A ἐπὶ] κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 31. θεὸς οἰκτίρμων κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 31. ἣν ὤμοσεν αὐτοῖς κύριος [A B¹ om.] –
— 34. ὅσα ἐποίησε κ. [B¹ om.] ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 35. κ. ὁ θεός σου οὗτος [A αὐτὸς] θεός ἐστι (18 a)
— 39. κ. ὁ θεός σου οὗτος θεός (18 a)
— 40. ἧς κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
5. 2. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν διέθετο πρὸς ὑμᾶς (11 a)
— 3. οὐχὶ τοῖς πατράσιν ὑμῶν διέθετο κύριος [A om.] (11 a)
— 4. ἐλάλησε κύριος πρὸς ὑμᾶς (11 a)
— 5. εἱστήκειν ἀνὰ μέσον κυρίου καὶ ὑμῶν (11 a)
— 5. ἀναγγεῖλαι ὑμῖν τὰ ῥήματα [A ἐνώπιον] κυρίου (11 a)
— 6. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 9. ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 11. οὐ λήψῃ τὸ ὄνομα κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 11. A B¹ οὐ γὰρ μὴ καθαρίσῃ κ. [B² R κ. ὁ θεός σου] (11 a [18 a])
— 12. ὃν τρόπον ἐνετείλατό σοι κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 14. σάββατα κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 14. B¹ ἐποίησεν κύριος τόν τε οὐρανόν –
— 15. ἐξήγαγέ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 15. συνέταξέ σοι [A σε] κ. ὁ θεός σου (11 a)
De. 5. 16. ὃν τρόπον ἐνετείλατό σοι [B¹ om.] κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 16. ἧς κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 22 (19). τὰ ῥήματα ταῦτα ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 22 (19). καὶ ἔδωκέ μοι [B² add. κύριος] –
— 24 (21). ἔδειξεν ἡμῖν κ. ὁ θεὸς ἡ. τὴν δόξαν αὐ. (11 a)
— 25 (22). ἀκοῦσαι τὴν φωνὴν κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 a)
— 27 (24). ὅσα ἐὰν εἴπῃ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 27 (24). A B² R ὅσα ἂν λαλήσει κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 28 (25). ἤκουσε κύριος τὴν φωνὴν τῶν λόγων ὑμῶν (11 a)
— 28 (25). εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 32 (29). ὃν τρόπον ἐνετείλατό σοι κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 33 (30). ἣν ἐνετείλατό σοι κ. ὁ θεός σου (11 a)
6. 1. ὅσα ἐνετείλατο κ. [B¹ om.] ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 2. ἵνα φοβῆσθε κ. τὸν θεὸν ὑμῶν (11 a)
— 3. καθάπερ ἐλάλησε κ. ὁ θεὸς τῶν πατέρων σου (11 a)
— 3. ὅσα ἐνετείλατο κύριος [B¹ Μωυσῆς] τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. –
— 4. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν κ. εἷς ἐστι (11 a, 11 a)
— 5. ἀγαπήσεις κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 10. ὅταν εἰσαγάγῃ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 10. B ἣν ὤμοσε κύριος [A R om.] –
— 12. μὴ ἐπιλάθῃ κ. τοῦ θεοῦ σου (18 a)
— 13. κ. τὸν θεόν σου φοβηθήσῃ [A προσκυνήσεις] (11 a)
— 15. θεὸς ζηλωτὴς κ. ὁ θεός σου ἐν σοί (11 a)
— 15. A B¹ μὴ ὀργισθεὶς θυμωθῇ [B¹ R -μῷ] κ. ὁ θεός σού σοι (11 a)
— 16. οὐκ ἐκπειράσεις κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 17. φυλάξῃ τὰς ἐντολὰς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 18. τὸ καλὸν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (18 a)
— 18. ἣν ὤμοσε κύριος (11 a)
— 19. καθὰ ἐλάλησε κύριος [A om.] (11 a)
— 20. ὅσα ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἡμῖν (11 a)
— 21. ἐξήγαγεν ἡμᾶς κύριος ἐκεῖθεν (11 a)
— 22. ἔδωκε κύριος σημεῖα (11 a)
— 23. A ἐξήγαγεν ἡμᾶς κ. ὁ θεὸς ἡμῶν [B om. κ. ὁ θ. ἡ.] –
— 23. A ἣν ὤμοσεν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν [B om. κ. ὁ θ. ἡ.] –
— 24. ἐνετείλατο ἡμῖν κύριος (11 a)
— 24. φοβεῖσθαι κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 a)
— 25. ποιεῖν . . . ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 a)
— 25. B καθὰ ἐνετείλατο ἡμῖν κύριος [A R om.] –
7. 1. ἐὰν δὲ εἰσαγάγῃ σε κ. ὁ θεός [A al.] (11 a)
— 2. παραδώσει αὐτοὺς κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 4. ὀργισθήσεται θυμῷ κύριος (11 a)
— 6. λαὸς ἅγιος εἶ κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 6. σὲ προείλατο κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 7. R προείλατο κύριος ὑμᾶς καὶ ἐξελέξατο κύριος [A B om.] ὑμᾶς (11 a, –)
— 8. παρὰ τὸ ἀγαπᾶν κύριον ὑμᾶς (11 a)
— 8. ἐξήγαγεν ὑμᾶς κύριος [A κ. ὑ. ἐκεῖθεν] (11 a)
— 8. ἐλυτρώσατό σε [B¹ om.] κύριος [AB¹ om.] –
— 9. κ. ὁ θεός σου οὗτος θεός (11 a)
— 12. διαφυλάξει κ. ὁ θεός σού σοι τὴν διαθήκην (11 a)
— 13. B¹ ἀγαπήσει σε κύριος [A B² R om.] –
— 13. A R ἧς [B ὡς] ὤμοσε κύριος –
— 15. A B² περιελεῖ κ. ὁ θεός [B¹ om. ὁ θ.] (18 a [11 a])
— 16. ἃ κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 18. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 19. ὡς ἐξήγαγέ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 19. οὕτω ποιήσει κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 a)
— 20. AB R τὰς σφηκίας ἀποστελεῖ κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 21. κ. ὁ θεός σου ἐν σοί (11 a)
— 22. καταναλώσει κ. ὁ θεός σου τὰ ἔθνη (11 a)
— 23. παραδώσει αὐτοὺς κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 25. βδέλυγμα κ. τῷ θεῷ σού ἐστι (11 a)
8. 1. ἣν ὤμοσε κ. ὁ θεὸς ὑμῶν [A om. ὁ θ. ὑ.] (11 a [18 a])
— 2. ἣν ἤγαγέ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 5. οὕτω κ. ὁ θεός σου παιδεύσει σε (11 a)
— 6. φυλάξῃ τὰς ἐντολὰς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 7. ὁ γὰρ κ. ὁ θεός σου εἰσάξει σε (11 a)
— 10. εὐλογήσεις κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 10. ἧς ἔδωκέν σοι κύριος [A B¹ R om.] –
— 11. μὴ ἐπιλάθῃ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)

De. 8. 14. καὶ ἐπιλάθῃ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 18. μνησθήσῃ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 18. ἣν ὤμοσε κύριος [A *om.*] τοῖς πατράσι σου –
— 19. ἐὰν λήθῃ ἐπιλάθῃ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 20. A B[1] ὅσα κ. [B[2]R κ. ὁ θεὸς] ἀπολλύει (11 *a* [18 *a*])
— 20. οὐκ ἠκούσατε τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
9. 3. κ. ὁ θεός σου οὗτος προπορεύσεται (11 *a*)
— 3. καθάπερ εἶπέ σοι κύριος (11 *a*)
— 4. ἐν τῷ ἐξαναλῶσαι κ. τὸν θεόν σου τὰ ἔθνη (11 *a*)
— 4. εἰσήγαγέ με κύριος (11 *a*)
— 4. A κύριος ἐξολεθρεύσει αὐτούς (11 *a*)
— 5. κύριος ἐξολεθρεύσει αὐτούς (11 *a* + 6)
— 5. A R ἣν ὤμοσε κύριος [B *om.*] τοῖς πατράσιν ἡμῶν (11 *a*)
— 6. κ. ὁ θεός σου [A *om.*] δίδωσί σοι τὴν γῆν (11 *a*)
— 7. ὅσα παρώξυνας κ. τὸν θεόν σου (11 *a*)
— 7. ἀπειθοῦντες διετελεῖτε τὰ πρὸς κύριον (11 *a*)
— 8. παρωξύνατε κύριον (11 *a*)
— 8. A R ἐθυμώθη κύριος [B *om.*] ἐφ' ὑμῖν (11 *a*)
— 9. ἃς διέθετο κύριος πρὸς ὑμᾶς (11 *a*)
— 10. ἔδωκέ μοι κύριος τὰς δύο πλάκας (11 *a*)
— 10. οὓς ἐλάλησε κύριος πρὸς ὑμᾶς (11 *a*)
— 11. ἔδωκε κύριος ἐμοὶ τὰς δύο πλάκας (11 *a*)
— 12, 13. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 *a*)
— 16. ἡμάρτετε ἐναντίον [A -τι] κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 16. ἧς ἐνετείλατο κύριος ὑμῖν (11 *a*)
— 18. ἐδεήθην ἐναντίον [A-τι] κυρίου δεύτερον (11 *a*)
— 18. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐναντίον [A -τι] κ. τοῦ θεοῦ (18 *a*)
— 19. παρωξύνθη κύριος ἐφ' ὑμῖν (11 *a*)
— 19. εἰσήκουσε κύριος ἐμοῦ (11 *a*)
— 20. A ἐπὶ Ἀαρὼν ἐθυμώθη κύριος [B *om.*] (11 *a*)
— 22. παροξύνοντες ἦτε κύριον [A κ. τὸν θεὸν ὑμῶν] (11 *a* [18 *a*])
— 23. ὅτε ἐξαπέστειλεν [A ἀπ.] ὑμᾶς κύριος (11 *a*)
— 23. ἠπειθήσατε τῷ ῥήματι κυρίου τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 24. ἀπειθοῦντες ἦτε τὰ πρὸς κύριον (11 *a*)
— 25. ἐδεήθην ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 25. εἶπε γὰρ κύριος ἐξολεθρεῦσαι ὑμᾶς (11 *a*)
— 26. A R κύριε κύριε [B *om.*] βασιλεῦ τῶν θεῶν (2, 11 *b*)
— 28. παρὰ τὸ μὴ δύνασθαι κύριον εἰσαγαγεῖν (11 *a*)
— 28. A παρὰ τὸ μισῆσαι κύριον [B *om.*] αὐτούς –
10. 1. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 *a*)
— 4. οὓς ἐλάλησε κύριος πρὸς ὑμᾶς (11 *a*)
— 4. ἔδωκεν αὐτὰς κύριος ἐμοί (11 *a*)
— 5. καθὰ ἐνετείλατό μοι κύριος (11 *a*)
— 8. διέστειλε κύριος τὴν φυλήν (11 *a*)
— 8. αἴρειν τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου παρεστάναι ἔναντι κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 9. κύριος αὐτὸς κλῆρος αὐτοῦ (11 *a*)
— 10. A R εἰσήκουσε [B ἤκ.] κύριος ἐμοῦ (11 *a*)
— 10. οὐκ ἠθέλησε κύριος ἐξολεθρεῦσαι ὑμᾶς (11 *a*)
— 11. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 *a*)
— 12. τί κ. ὁ θεός σου αἰτεῖται παρὰ σοῦ ἀλλ' ἢ φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν σου (11 *a*, 11 *a*)
— 12. λατρεύειν κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 13. φυλάσσεσθαι τὰς ἐντολὰς κ. τοῦ θεοῦ σου (18 *a*)
— 14. κ. τοῦ θεοῦ [B[1] κ. ὁ θεός] σου ὁ οὐρανός (11 *a*)
— 15. τοὺς πατέρας ὑμῶν προείλατο κύριος (11 *a*)
— 17. ὁ γὰρ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν οὗτος θεὸς τῶν θεῶν καὶ κ. τῶν κ. (11 *a*, 1, 1)
— 20. κ. τὸν θεόν σου φοβηθήσῃ [A προσκυνήσεις] (11 *a*)
— 22. ἐποίησέ σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
11. 1. ἀγαπήσεις κ. τὸν θεόν σου (11 *a*)
— 2. τὴν παιδείαν κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 4. ἀπώλεσεν αὐτοὺς κύριος [A κ. ὁ θεός] (11 *a* [18 *a*])
— 7. ἑώρακαν πάντα τὰ ἔργα κυρίου (11 *a*)
— 9. ἧς ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσιν ὑμῶν (11 *a*)
— 12. ἣν κ. ὁ θεός σου ἐπισκοπεῖται αὐτήν (11 *a*)
— 12. οἱ ὀφθαλμοὶ κ. τοῦ θεοῦ σου ἐπ' αὐτῆς (11 *a*)
— 13. ἀγαπᾶν κ. τὸν θεόν σου (11 *a*)
— 17. θυμωθεὶς ὀργῇ [A ὀργισθῇ] κύριος ἐφ' ὑμῖν (11 *a*)
— 17. ἧς ἔδωκεν ὁ κ. [A θεὸς] ὑμῖν (11 *a*)
— 21. ἧς ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσιν ὑμῶν (11 *a*)
— 22. ἀγαπᾶν κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 *a*)
— 23. ἐκβαλεῖ κύριος πάντα τὰ ἔθνη ταῦτα (11 *a*)

De. 11. 25. τὸν τρόμον ὑμῶν ἐπιθήσει κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 25. A ὃν τρόπον ἐλάλησε κύριος [B *om.*] πρὸς ὑμᾶς –
— 27. ἐὰν ἀκούσητε τὰς ἐντολὰς κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 28. ἐὰν μὴ ἀκούσητε [A εἰσακ.] τὰς ἐντολὰς κυρίου τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 29. ὅταν εἰσαγάγῃ σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 31. ἣν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν ὑμῖν (11 *a*)
12. 1. A R ἣν [B ᾗ] κ. ὁ θεὸς . . . δίδωσιν (11 *a*)
— 4. οὐ ποιήσετε οὕτω κ. τῷ θεῷ ὑμῶν (11 *a*)
— 5. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 7. φάγεσθε ἐκεῖ ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 7. καθότι εὐλόγησέ σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 9. ἣν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν ὑμῖν (11 *a*)
— 10. ἧς κ. ὁ θεὸς ἡμῶν κατακληρονομεῖ ὑμῖν (11 *a*)
— 11. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 11. R ὅσα ἂν εὔξησθε κ. [A B *om.*] τῷ θεῷ ὑμῶν (18 *a*)
— 12. εὐφρανθήσεσθε ἐναντίον [A -τι] κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 14. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου αὐτόν (18 *a*)
— 15. κατὰ τὴν εὐλογίαν κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 18. ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου φάγῃ αὐτό (11 *a*)
— 18. ᾧ [A οὗ] ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου αὐτῷ (11 *a*)
— 18. εὐφρανθήσῃ ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 20. ἐὰν δὲ ἐμπλατύνῃ κ. ὁ θεός σου τὰ ὅριά σου (11 *a*)
— 21. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 25. τὸ ἀρεστὸν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (18 *a*)
— 26. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (18 *a*)
— 27. A R ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 27. A R πρὸς τὴν βάσιν τοῦ θυσιαστηρίου κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 28. τὸ ἀρεστὸν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 29. ἐὰν δὲ ἐξολεθρεύσῃ κ. ὁ θεός σου τὰ ἔθνη (11 *a*)
— 31. A οὐ ποιήσεις οὕτω κ. [B *om.*] τῷ θεῷ σου τὰ βδελύγματα γὰρ ὁ κ. ἐμίσησεν [B *al.*] (11 *a*, 11 *a*)
13. 3 (4). πειράζει κ. ὁ θεός σου [A ὑμῶν] ὑμᾶς (11 *a*)
— 3 (4). A εἰ ἀγαπᾶτε κ. [B *om.*] τὸν θεὸν ὑμῶν (11 *a*)
— 4 (5). ὀπίσω κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν πορεύεσθε (11 *a*)
— 5 (6). πλανῆσαί σε ἀπὸ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 5 (6). ἧς ἐνετείλατό σοι κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 10 (11). ἀποστῆσαί σε ἀπὸ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 12 (13). ὧν κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 16 (17). ἐμπρήσεις τὴν πόλιν . . . ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 17 (18). ἵνα ἀποστραφῇ κύριος ἀπὸ θυμοῦ (11 *a*)
— 17 (18). A ὃν τρόπον ὤμοσε κύριος [B *om.*] τοῖς πατράσι σου –
— 18 (19). ἐὰν ἀκούσῃς [A εἰσακούσητε] τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 18 (19). τὸ καλὸν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
14. 1. υἱοί ἐστε κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 2. λαὸς ἅγιος εἶ κ. τῷ θεῷ σου καὶ σὲ ἐξελέξατο κ. ὁ θεός σου (11 *a*, 18 *a*)
— 21. λαὸς ἅγιος εἶ κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 23. A φάγῃ αὐτὸ ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ σου [B *om.* ἔ. κ. τ. θ. σ.] (11 *a*)
— 23. ᾧ ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου –
— 23. ἵνα μάθῃς φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν σου (11 *a*)
— 24. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 24. εὐλογήσει σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 25. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου [A *om.*] αὐτόν (11 *a*)
— 26. φάγῃ ἐκεῖ ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 29. ἵνα εὐλογήσῃ σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
15. 2. ἄφεσις κ. τῷ θεῷ σου (18 *a*)
— 4. εὐλογήσει σε κ. ὁ θεός σου (18 *a*)
— 4. ᾗ κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 5. εἰσακούσητε τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 6. κ. ὁ θεός σου εὐλόγησέ σε (11 *a*)
— 7. ᾗ κύριος ὁ θ. σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 9. καὶ καταβοήσεται [A β.] κατὰ σοῦ πρὸς κύριον (11 *a*)
— 10. εὐλογήσει σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 14. καθὰ εὐλόγησέ σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 15. A B[2] R ἐλυτρώσατο σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 18. εὐλογήσει σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 19. τὰ ἀρσενικὰ ἁγιάσεις κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)

De. 15. 20. ἔναντι κυρίου [A κ. τοῦ θεοῦ σου] φάγῃ αὐτό (11 *a* + 6 [11 *a*])
— 20. ᾧ ἐὰν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (18 *a*)
— 21. οὐ θύσεις αὐτὸ κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
16. 1. ποιήσεις τὸ πάσχα κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 2. θύσεις τὸ πάσχα κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 2. ᾧ ἐὰν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (18 *a*)
— 5. ὧν κ. ὁ θεός σου διδωσί σοι (11 *a*)
— 6. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 7. οὗ [A ᾧ] ἐὰν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου αὐτόν (11 *a*)
— 8. ἐξόδιον ἑορτὴ κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 10. ποιήσεις ἑορτὴν ἑβδομάδων κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 10. ὅσα ἂν δῷ [A *add.* σοι καθότι ηὐλόγησέν σε] κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 11. R εὐφρανθήσῃ ἐναντίον κ. [A B *om.*] τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 11. ᾧ ἐὰν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου αὐτόν (11 *a*)
— 14. A εὐφρανθήσῃ ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ [B ἐν τῇ ἑορτῇ] σου †
— 15. ἑορτάσεις κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 15. ᾧ ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (18 *a*)
— 15. ἐὰν δὲ εὐλογήσῃ σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 16. ὀφθήσεται . . . ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 16. ᾧ ἐὰν ἐκλέξηται αὐτὸν [A *om.*] κύριος –
— 16. οὐκ ὀφθήσῃ ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ σου κενός (18 *a*)
— 17. κατὰ τὴν εὐλογίαν κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 18. αἷς κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 20. ἣν κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 21. A παρὰ τὸ θυσιαστήριον κ. [B *om.*] τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 22. ἃ ἐμίσησε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
17. 1. οὐ θύσεις [A προσοίσεις] κ. τῷ θεῷ σου μόσχον (11 *a*)
— 1. βδέλυγμα κ. τῷ θεῷ σού ἐστιν (11 *a*)
— 2. ὃν κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 2. τὸ πονηρὸν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 8. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 10. οὗ ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (18 *a*)
— 12. λειτουργεῖν ἐπὶ τῷ ὀνόματι κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 14. ἣν κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 15. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεὸς [A θ. σου] αὐτόν (11 *a*)
— 16. ὁ δὲ κ. εἶπεν [A *add.* ὑμῖν] (11 *a*)
— 19. ἵνα μάθῃ φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν σου [A αὐτοῦ] (11 *a*)
18. 1. καρπώματα κυρίου [A -μα κυρίῳ] ὁ κλῆρος αὐτῶν (11 *a*)
— 2. κ. αὐτὸς κλῆρος αὐτοῦ (11 *a*)
— 5. αὐτὸν ἐξελέξατο κύριος [A κ. ὁ θεός σου] (11 *a* + 6 [11 *a*])
— 5. παρεστάναι ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ [A θ. σου] –
— 5. A εὐλογεῖν ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου [B αὐτοῦ] (11 *a*)
— 6. A ὃν ἂν ἐκλέξηται κύριος [B *om.*] (11 *a*)
— 7. λειτουργήσει τῷ ὀνόματι κ. τοῦ θεοῦ αὐτοῦ (11 *a*)
— 7. οἱ παρεστηκότες ἐκεῖ ἐναντίον [A -τι] κυρίου τοῦ θεοῦ σου [A *om.* τ. θ. σ.] (18 *a* [11 *a*])
— 9. ἣν κ. ὁ θεός σου [A *om.*] δίδωσί σοι (11 *a*)
— 12. ἔστι γὰρ βδέλυγμα κ. τῷ θεῷ σου (18 *a*)
— 12. κύριος [A κ. ὁ θεός σου] ἐξολεθρεύσει αὐτούς (11 *a* + 6 [11 *a*])
— 13. τέλειος ἔσῃ ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 14. οὐχ οὕτως ἔδωκε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 15. προφήτην . . . ἀναστήσει σοι κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 16. ὅσα ᾐτήσω παρὰ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 16. ἀκοῦσαι τὴν φωνὴν κ. τοῦ θεοῦ σου [A ἡμῶν] (11 *a*)
— 17. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 *a*)
— 21. ὃ οὐκ ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
— 22. ὅσα ἐὰν λαλήσῃ ὁ προφήτης ἐκεῖνος [A ἐπὶ] τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
— 22. ὃ οὐκ ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
19. 1. ἐὰν δὲ ἀφανίσῃ κ. ὁ θεός σου τὰ ἔθνη (11 *a*)
— 2. ἧς κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 3. ἣν καταμερίζει σοι κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 8. ἐὰν δὲ ἐμπλατύνῃ κ. ὁ θεός σου τὰ ὅριά σου (11 *a*)
— 8. καὶ δῷ σοι κύριος πᾶσαν τὴν γῆν –
— 9. ἀγαπᾶν κ. τὸν θεόν σου (11 *a*)

De. 19. 10. ᾗ [A ἣν] κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 14. A R ἣν [B ᾗ] κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 17. ἔναντι κυρίου καὶ ἔναντι τῶν ἱερέων (11 a)
20. 1. ὅτι κ. ὁ θεός σου μετὰ σοῦ (11 a)
— 4. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν ὁ προπορευόμενος (11 a)
— 13. ἕως ἂν παραδῷ σοι [A καὶ παραδώσει] αὐτὴν κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 14, 15. ὧν κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 17. ὃν τρόπον ἐνετείλατό σοι κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 18. καὶ ἁμαρτήσεσθε ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 a)
21. 1. ᾗ [A ἣν] κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 5. αὐτοὺς ἐπέλεξε [A ἐξελέξατο] κ. ὁ θεός (11 a)
— 8. οὓς ἐλυτρώσω, κύριε (11 a)
— 9. τὸ ἀρεστὸν ἔναντι κ. [A om.] τοῦ θεοῦ (18 a)
— 10. καὶ παραδῷ σοι [A αὐτοὺς] κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 23. ἣν κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
22. 5. βδέλυγμα κ. τῷ θεῷ σού ἐστι πᾶς ποιῶν ταῦτα (11 a)
23. 1 (2). οὐκ εἰσελεύσεται . . . εἰς ἐκκλησίαν [A² οἶκον] κυρίου (11 a)
— 2 (3) (A² B² R), 3 (4) *bis*. οὐκ εἰσελεύσεται . . . εἰς ἐκκλησίαν κυρίου (11 a)
— 5 (6). οὐκ ἠθέλησε κ. ὁ θεός σου εἰσακοῦσαι τοῦ B. καὶ μετέστρεψε κ. ὁ θεός σου τὰς κατάρας (11 a, 11 a)
— 5 (6). ἠγάπησέ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 8 (9). εἰσελεύσονται εἰς ἐκκλησίαν κυρίου (11 a)
— 14 (15). κ. ὁ θεός σου ἐμπεριπατεῖ ἐν τῇ παρεμβολῇ (11 a)
— 15 (16). A R οὐ παραδώσεις παῖδα τῷ κ. αὐτοῦ [B om.] ὃς προστέθειταί σοι παρὰ τοῦ κ. αὐτοῦ (1, 1)
— 18 (19). εἰς τὸν οἶκον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 18 (19). βδέλυγμα κ. τῷ θεῷ σού ἐστι (11 a)
— 20 (21). ἵνα εὐλογήσῃ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 21 (22). ἐὰν δὲ εὔξῃ εὐχὴν κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 21 (22). ἐκζητήσει κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 23 (24). A R ὃν τρόπον ηὔξω κ. [B om.] τῷ θεῷ (11 a)
24. 4. βδέλυγμά ἐστιν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (18 a)
— 4. ἣν κ. ὁ θεός σου [A ὑμῶν] δίδωσί σοι (11 a)
— 9. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 13. ἐλεημοσύνη ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 15. καταβοήσεται κατὰ [A οὐ κ. περὶ] σοῦ πρὸς κύριον (11 a)
— 18. ἐλυτρώσατό σε κ. ὁ θεός σου ἐκεῖθεν (11 a)
— 19. ἵνα εὐλογήσῃ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
25. 15. ἧς κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 16. A B² R ὅτι βδέλυγμα κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 18. A καὶ οὐκ ἐφοβήθη τὸν κ. [B θεόν] (6)
— 19. ἡνίκα ἐὰν καταπαύσῃ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 19. ᾗ κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
26. 1. ἣν κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 2. ἧς [A ἣν] κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 2. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 3. ἀναγγέλλω σήμερον κ. τῷ θεῷ μου (11 a)
— 3. ἣν ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσιν ἡμῶν (11 a)
— 4. ἀπέναντι τοῦ θυσιαστηρίου κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 5. ἐρεῖ [A -εῖς] ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 7. ἀνεβοήσαμεν πρὸς κ. τὸν θεόν (11 a)
— 7. εἰσήκουσε κύριος τῆς φωνῆς ἡμῶν (11 a)
— 8. ἐξήγαγεν ἡμᾶς κύριος (11 a)
— 10. ἧς ἔδωκάς μοι, κύριε [A om.] (11 a)
— 10. A R ἀφήσεις αὐτὰ ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 10. προσκυνήσεις [A add. ἐκεῖ] ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 11. οἷς ἔδωκέ σοι κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 13. ἐρεῖς ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 14. A R ὑπήκουσα [B ἐπήκ.] τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ (11 a)
— 16. κ. ὁ θεός σου ἐνετείλατό σοι (11 a)
— 18. κύριος εἴλατό σε σήμερον (11 a)
— 19. εἶναί σε λαὸν ἅγιον κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
27. 2. ἣν κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 3. ἣν κ. ὁ θεὸς τῶν πατέρων σου δίδωσί σοι (11 a)
— 3. ὃν τρόπον εἶπε κ. ὁ θεὸς τῶν πατέρων σού σοι (11 a)
— 5. οἰκοδομήσεις ἐκεῖ θυσιαστήριον κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 6. οἰκοδομήσεις θυσιαστήριον κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 6. ἀνοίσεις . . . κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 7. A θυσιαστήριον κ. τῷ θεῷ σου —
— 7. εὐφρανθήσῃ ἔναντι κ. του θεοῦ σου (11 a)

De. 27. 9. γέγονας εἰς λαὸν κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 10. εἰσακούσῃ τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 15. ὅστις ποιήσει . . . χωνευτὸν βδέλυγμα κυρίῳ (11 a)
28. 1. A ἣν κ. ὁ θεὸς ὑμῶν δίδωσιν ὑμῖν —
— 1. ἐὰν . . . ἀκούσῃς [A εἰσακούσητε] φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ (11 a)
— 1. δώσει σε κ. ὁ θεός σου [A om.] ὑπεράνω (11 a)
— 2. ἐὰν . . . ἀκούσῃς [A εἰσακ.] τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 7. παραδῷ [A add. σοι] κ. ὁ θεός σου τοὺς ἐχθρούς σου (18 a)
— 8. ἀποστείλαι κύριος ἐπὶ σὲ τὴν εὐλογίαν (11 a)
— 8. ἧς κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 9. ἀναστήσαι σε κύριος [A add. ὁ θεός σου] ἑαυτῷ λαὸν ἅγιον (11 a [18 a])
— 9. ἐὰν ἀκούσῃς [A εἰσακ.] τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 10. τὸ ὄνομα κυρίου ἐπικέκληταί σοι (11 a)
— 11. πληθυνεῖ σε κ. ὁ θεός σου (18 a)
— 11. ἧς ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσι σου (11 a)
— 12. ἀνοίξαι σοι κύριος τὸν θησαυρὸν αὐτοῦ (11 a)
— 13. καταστήσαι σε κ. ὁ θεός σου εἰς κεφαλήν (18 a)
— 13. ἐὰν ἀκούσῃς τῆς φωνῆς [A τῶν ἐντολῶν] κυρίου τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 15. ἐὰν μὴ εἰσακούσῃς τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 20. ἀποστείλαι [A ἐξαπ.] κύριος ἐπὶ σὲ [A κ. σοι] τὴν ἔνδειαν (11 a)
— 21. προσκολλήσαι κύριος εἰς σὲ τὸν θάνατον (11 a)
— 22. πατάξαι σε κύριος ἐν [A om.] ἀπορίᾳ (11 a)
— 24. δώῃ κ. ὁ θεός σου [A om. ὁ θ. σ.] τὸν ὑετόν (18 a [11 a])
— 25. A B¹ δώῃ σε κύριος ἐπισκοπήν [B² R ἐπὶ κοπήν] (11 a)
— 27. πατάξαι σε κύριος ἕλκει [A ἐν ἕ.] Αἰγυπτίῳ (11 a)
— 28. πατάξαι σε κύριος παραπληξίᾳ (11 a)
— 35. πατάξαι σε κύριος ἐν ἕλκει πονηρῷ (11 a)
— 36. ἀπαγάγοι κύριός σε (11 a)
— 37. εἰς οὓς ἂν ἀπαγάγῃ σε κύριος ἐκεῖ (11 a)
— 45. οὐκ εἰσήκουσας [A ἤκ.] τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 47. οὐκ ἐλάτρευσας κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 48. οὓς ἐπαποστελεῖ κύριος ἐπὶ σέ (11 a)
— 49. ἐπάξει κύριος ἐπὶ σὲ ἔθνος (11 a)
— 53. A ὅσα ἔδωκέ σοι κ. ὁ θεός σου [B om. κ. ὁ θ. σου] (11 a)
— 58. φοβεῖσθαι τὸ ὄνομα . . . κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 59. παραδοξάσει κύριος τὰς πληγάς σου (11 a)
— 61. πᾶσαν μαλακίαν...ἐπάξει κύριος ἐπὶ σέ (11 a)
— 62. οὐκ εἰσήκουσας τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ (11 a)
— 63. ὃν τρόπον εὐφράνθη κύριος ἐφ' ὑμῖν (11 a)
— 63. οὕτως εὐφρανθήσεται κύριος ἐφ' ὑμῖν (11 a)
— 64. διασπερεῖ σε κ. ὁ θεός σου (18 a)
— 65. δώσει σοι κύριος ἐκεῖ καρδίαν ἑτέραν [A ἀθυμοῦσαν] (11 a)
— 68. ἀποστρέψει σε κύριος εἰς Αἴγ. (11 a)
29. 1 (28. 69). οὓς [A ἧς] ἐνετείλατο κύριος Μωυσῇ (11 a)
— 2 (1). ὅσα ἐποίησε κύριος (11 a)
— 4 (3). οὐκ ἔδωκε κ. ὁ θεὸς ὑμῖν καρδίαν (18 a)
— 6 (5). κ. ὁ θεὸς ὑμῶν ἐγώ [A οὗτος κ. ὁ θ. ὑ.] (11 a)
— 10 (9). ὑμεῖς ἑστήκατε . . . ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 a)
— 12 (11). παρελθεῖν ἐν τῇ διαθήκῃ [A τὴν δ.] κ. τοῦ θεοῦ (11 a)
— 12 (11). ὅσα κ. ὁ θεός σου διατίθεται (11 a)
— 15 (14). τοῖς ὧδε οὖσι . . . ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ (11 a)
— 15 (14). A² τοῖς μὴ οὖσι . . . ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ [A¹ B om. ἕ. κ. τ. θ.] —
— 18 (17). τίνος ἡ διάνοια ἐξέκλινεν ἀπὸ κυρίου τοῦ θεοῦ (11 a)
— 20 (19). ἐκκαυθήσεται ὀργὴ κυρίου (11 a)
— 20 (19). ἐξαλείψει κύριος τὸ ὄνομα αὐτοῦ (11 a)
— 21 (20). διαστελεῖ αὐτὸν κύριος (11 a)
— 22 (21). ἃς ἀπέστειλε κύριος ἐπ' αὐτήν (11 a)
— 23 (22). ἃς κατέστρεψε κύριος (11 a)
— 24 (23). διὰ τί ἐποίησε κύριος οὕτω (11 a)
— 25 (24). κατέλιπον τὴν διαθήκην κυρίου τοῦ θεοῦ (11 a)
— 27 (26). ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)
— 28 (27). ἐξῆρεν αὐτοὺς κύριος (11 a)
— 29 (28). τὰ κρυπτὰ κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (11 a)

De. 30. 1. οὗ ἐὰν διασκορπίσῃ σε κύριος [A κ. ὁ θεός σου] (11 a + 6 [11 a])
— 2. καὶ ἐπιστραφήσῃ ἐπὶ κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 3. ἰάσεται κύριος τὰς ἁμαρτίας σου (11 a + 6)
— 3. εἰς οὓς διεσκόρπισέ σε κύριος [A κ. ὁ θεός σου] (11 a + 6 [11 a])
— 4. ἐκεῖθεν συνάξει σε κ. ὁ θεός σου καὶ ἐκεῖθεν λήψεταί σε κ. ὁ θεός σου [A om. κ. ὁ θ. σ.] (11 a, –)
— 5. A εἰσάξει σε κ. [B om.] ὁ θεός σου (11 a)
— 6. περικαθαριεῖ κύριος τὴν καρδίαν σου (11 a + 6)
— 6. ἀγαπᾶν κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 7. δώσει κ. ὁ θεός σου [A om. ὁ θ. σ.] τὰς ἀρὰς (11 a [11 a + 6])
— 8. B σὺ ἐπιστραφήσῃ ἐπὶ κύριον [A R om. ἐ. κ.] —
— 8. εἰσακούσῃ τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (18 a)
— 9. εὐλογήσει [A πολυωρήσει] σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 9. ἐπιστρέψει κ. ὁ θεός σου (18 a)
— 10. ἐὰν εἰσακούσῃς τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 10. ἐὰν ἐπιστραφῇς ἐπὶ κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 16. τὰς ἐντολὰς κ. τοῦ θεοῦ σου [A ὑμῶν] —
— 16. ἀγαπᾶν κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 16. εὐλογήσει σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 18. A ἧς κ. ὁ θεός σου δίδωσίν σοι —
— 20. ἀγαπᾶν κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 20. ἧς ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσι σου (11 a)
31. 2. κύριος δὲ εἶπε πρὸς μέ (11 a)
— 3. κ. ὁ θεός σου ὁ προπορευόμενος (11 a)
— 3. καθὰ ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 4. ποιήσει κ. ὁ θεός σου [A om. ὁ θ. σ.] αὐτοῖς (18 a [11 a])
— 5. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος ὑμῖν [A ἐνώπιον ὑμῶν] (11 a)
— 6. κ. ὁ θεός σου ὁ [A οὗτος ὁ] προπορευόμενος (11 a)
— 7. ἣν ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσιν ἡμῶν (11 a)
— 8. καὶ κ. ὁ συμπορευόμενος [A συμπροπ.] (11 a)
— 9. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 a)
— 11. ὀφθῆναι ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ (11 a)
— 11. ᾧ [A ὃν] ἂν ἐκλέξηται κύριος [A² add. ὁ θεός σου] —
— 12. ἵνα μάθωσι φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν (11 a)
— 13. μαθήσονται φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν (11 a)
— 14. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 15. καὶ κατέβη κύριος (11 a)
— 16. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 17. οὐκ ἔστι κ. ὁ θεός μου ἐν ἐμοί [A ὑμῖν] (18 b)
— 23. ἣν ὤμοσεν κύριος αὐτοῖς —
— 25. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 a)
— 26. τῆς κιβωτοῦ τῆς διαθήκης κ. τοῦ θεοῦ (11 a)
— 29. ποιήσετε τὰ πονηρὰ [A τὸ π.] ἐναντίον κυρίου (11 a)
32. 3. τὸ ὄνομα κυρίου ἐκάλεσα (11 a)
— 4. δίκαιος καὶ ὅσιος κ. †
— 6. ταῦτα κυρίῳ ἀνταποδίδοτε (11 a)
— 9. ἐγενήθη μερὶς κυρίου λαὸς αὐτοῦ (11 a)
— 12. κ. μόνος ἦγεν αὐτούς (11 a)
— 19. καὶ εἶδε κύριος (11 a)
— 27. καὶ οὐχὶ κύριος ἐποίησε ταῦτα πάντα (11 a)
— 30. καὶ κύριος [A ὁ κ.] παρέδωκεν αὐτούς (11 a)
— 36. κρινεῖ κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 a)
— 37. καὶ εἶπε κύριος —
— 43. ἐκκαθαριεῖ κύριος τὴν γῆν τοῦ λαοῦ αὐτοῦ —
— 48. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
33. 2. κύριος ἐκ Σινὰ ἥκει (11 a)
— 7. εἰσάκουσον, κύριε, φωνῆς Ἰούδα (11 a)
— 11. εὐλόγησον, κύριε, τὴν ἰσχὺν αὐτοῦ (11 a)
— 12. ἠγαπημένος ὑπὸ κυρίου (11 a)
— 13. ἀπ' εὐλογίας κυρίου ἡ γῆ αὐτοῦ (11 a)
— 21. δικαιοσύνην κύριος ἐποίησε (11 a)
— 23. ἐμπλησθήτω εὐλογίας παρὰ κυρίου (11 a)
— 29. λαὸς σωζόμενος ὑπὸ κυρίου (11 a)
34. 1. ἔδειξεν αὐτῷ κύριος πᾶσαν τὴν γῆν Γ. (11 a)
— 4. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 5. ἐτελεύτησε Μ. ὁ οἰκέτης κυρίου . . . διὰ ῥήματος κυρίου (11 a, 11 a)
— 9. καθότι ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (11 a)
— 10. ὃν ἔγνω κύριος αὐτόν (11 a)
— 11. ὃν ἀπέστειλεν αὐτὸν κύριος (11 a)
Jo. 1. 1. εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῦ (11 a)
— 9. ὅτι μετὰ σοῦ κ. ὁ θεός (11 a)
— 11. ἣν κ. ὁ θεὸς . . . δίδωσιν ὑμῖν (11 a)

Jo. 1. 13. A τὸ ῥῆμα κυρίου [B *om.*] ὃ ἐνετείλατο ὑμῖν Μ. ὁ παῖς κυρίου λέγων, Κ. ὁ θεὸς ὑμῶν κατέπαυσεν ὑμᾶς (–, 11 *a*, 11 *a*)
— 15. ἕως ἂν καταπαύσῃ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν τοὺς ἀδελφούς (18 *a*)
— 15. ἣν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν αὐτοῖς (11 *a*)
— 17. ἔστω κ. ὁ θεὸς ἡμῶν μετὰ σοῦ (11 *a*)
2. 9. ἔδωκεν ὑμῖν κύριος [B² ὁ κ.] τὴν γῆν (11 *a*)
— 10. κατεξήρανε κ. ὁ θεὸς τὴν ἐρυθρὰν θάλασσαν (18 *a*)
— 11. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν θεός (11 *a*)
— 12. ὀμόσατέ μοι κ. τὸν θεόν (18 *a*)
— 14. ὡς ἂν παραδῷ κύριος ὑμῖν τὴν πόλιν (11 *a*)
— 24. παρέδωκεν κύριος πᾶσαν τὴν γῆν (11 *a*)
3. 3. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 5. αὔριον ποιήσει κύριος ἐν ὑμῖν θαυμαστά [A -σια] (11 *a*)
— 6 *bis*. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου –
— 7. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 *a*)
— 9. ἀκούσατε τὸ ῥῆμα κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 10. A ὅτι ἐγὼ κ. [B ὅτι θεὸς] ζῶν ἐν ὑμῖν (4 *a*)
— 11. ἡ κιβωτὸς διαθήκης κυρίου πάσης τῆς γῆς (1)
— 13. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου πάσης τῆς γῆς (11 *a* + 1)
— 14. A R τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου [B *om.*] –
— 15. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου [A *om.* τ. δ. κ.] –
— 17. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 *a*)
4. 1. εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῦ [A πρὸς Ἰησοῦν] (11 *a*)
— 5. προσαγάγετε . . . πρὸ προσώπου κυρίου (11 *a* + 6)
— 7. A² B κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου πάσης τῆς γῆς (11 *a*)
— 8. καθότι ἐνετείλατο κύριος τῷ Ἰησοῦ –
— 8. καθάπερ συνέταξε κύριος τῷ Ἰησοῦ (11 *a*)
— 9. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου –
— 10. ἃ [A ὅσα] ἐνετείλατο κύριος (11 *a*)
— 11. ἡ κιβωτὸς τῆς διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 13. διέβησαν ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 14. ηὔξησε κύριος τὸν Ἰησοῦν (11 *a*)
— 15. εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῦ (11 *a*)
— 16. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης τοῦ μαρτυρίου κυρίου –
— 18. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 23. ἀποξηράναντος κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν τὸ ὕδωρ (11 *a*)
— 23. καθάπερ ἐποίησε κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν τὴν ἐρυθρὰν θάλασσαν ἣν ἀπεξήρανε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 *a*, –)
— 24. ἡ δύναμις τοῦ κ. ἰσχυρά ἐστι (11 *a*)
— 24. ἵνα ὑμεῖς σέβησθε κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 *a*)
5. 1. ἀπεξήρανε κ. ὁ θεὸς τὸν Ἰορδ. ποταμόν (18 *a*)
— 2. εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῦ (11 *a*)
— 6. A οἷς καὶ διώρισεν κύριος αὐτοῖς [B *om.* κ. αὐ.] (11 *a*)
— 6. ἣν ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσιν (11 *a*)
— 8 (9). εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῦ (11 *a*)
— 13 (14). ἐγὼ ἀρχιστράτηγος δυνάμεως κυρίου (11 *a*)
— 15 (16). λέγει [A εἶπεν] ὁ ἀρχιστράτηγος κυρίου (11 *a*)
6. 2. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 *a*)
— 6 (7). παραπορευέσθωσαν . . . ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 7 (8). παρελθέτωσαν . . . ἐναντίον τοῦ κ. (11 *a*)
— 7 (8). ἡ κιβωτὸς τῆς διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 8 (9). τῆς κιβωτοῦ τῆς διαθήκης κυρίου –
— 11 (12). τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης [A *om.* τ. δ.] κυρίου (11 *a*)
— 12 (13). προεπορεύοντο ἐναντίον κυρίου [A τοῦ κ.] (11 *a*)
— 13 (14). τῆς κιβωτοῦ τῆς διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 15 (16). παρέδωκε γὰρ κύριος ὑμῖν τὴν πόλιν (11 *a*)
— 16 (17). ἔσται ἡ πόλις ἀνάθεμα . . . κυρίῳ σαβαὼθ [A τῷ κ. τῶν δυνάμεων] (11 *a*)
— 18 (19). ἅγιον ἔσται τῷ κ. εἰς θησαυρὸν κυρίου εἰσενεχθήσεται (11 *a*, 11 *a*)
— 23 (24). εἰς θησαυρὸν κυρίου εἰσενεχθῆναι (11 *a*)
— 25 (26). ὥρκισεν Ἰ. . . . ἐναντίον κυρίου [A *om.* ἐ. κ.] (11 *a*?)
— 26 (27). ἦν κύριος μετὰ Ἰησοῦ (11 *a*)
7. 1. ἐθυμώθη κύριος ὀργῇ τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (11 *a*)
— 6. ἔπεσεν Ἰησοῦς . . . ἐναντίον κυρίου (11 *a*)

Jo. 7. 7. A δέομαι, κύριε κύριε [B *om.*] (2, 11 *b*)
— 10. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 *a*)
— 13. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 14. ἣν ἂν δείξῃ κύριος (11 *a*)
— 14 *bis*. ὃν ἂν δείξῃ [A ἐνδ.] κύριος (11 *a*)
— 15. παρέβη τὴν διαθήκην κυρίου (11 *a*)
— 19. δὸς δόξαν σήμερον τῷ κ. θεῷ Ἰσρ. (11 *a*)
— 20. ἥμαρτον ἐναντίον κ. θεοῦ Ἰσρ. (11 *a*)
— 23. ἔθηκαν αὐτὰ ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 25. ἐξολεθρεύσαι σε κύριος (11 *a*)
— 26. ἐπαύσατο κύριος τοῦ θυμοῦ τῆς ὀργῆς (11 *a*)
8. 1, 18. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 *a*)
— 27. κατὰ πρόσταγμα κυρίου ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Ἰησοῦ (11 *a*, –)
9. 2 (8. 30). θυσιαστήριον κ. τῷ θεῷ [A τῷ κ. θ.] Ἰσρ. (11 *a*)
— 2 (8. 31). Μωυσῆς ὁ θεράπων κυρίου (11 *a*)
— 2 (8. 31). ἀνεβίβασεν ἐκεῖ ὁλοκαυτώματα κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 2 (8. 33). τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 2 (8. 33). Μωυσῆς ὁ θεράπων κυρίου (11 *a*)
— 3. ὅσα ἐποίησε κύριος [A Ἰησοῦς] τῇ Ἱερ. †
— 9. ἐν ὀνόματι κυρίου τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 14. κύριον οὐκ ἐπηρώτησαν (11 *a*)
— 18. ὤμοσαν αὐτοῖς . . . κ. τὸν θεὸν Ἰσρ. (11 *a*)
— 19. ὠμόσαμεν αὐτοῖς κ. τὸν θεὸν Ἰσρ. (11 *a*)
— 24. ὅσα συνέταξε κ. ὁ θεός σου Μωυσῇ (11 *a*)
— 27. ὃν ἂν ἐκλέξηται κύριος –
10. 8. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 *a*)
— 10. ἐξέστησεν αὐτοὺς κύριος (11 *a*)
— 10. συνέτριψεν αὐτοὺς κύριος –
— 11. κύριος ἐπέρριψεν αὐτοῖς λίθους χαλάζης (11 *a*)
— 12. ἐλάλησεν Ἰησοῦς πρὸς κύριον (11 *a*)
— 12. A παρέδωκεν κ. [B *om.*] ὁ θεὸς τὸν Ἀμ. (18 *a*)
— 14. κύριος συνεπολέμησεν τῷ Ἰσρ. (11 *a*)
— 19. παρέδωκε γὰρ αὐτοὺς κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 *a*)
— 25. οὕτω ποιήσει κύριος πᾶσι τοῖς ἐχθροῖς (11 *a*)
— 30. παρέδωκεν αὐτὴν κύριος (11 *a*)
— 32. παρέδωκε κύριος τὴν Λαχίς (11 *a*)
— 35. παρέδωκεν αὐτὴν κύριος –
— 40. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 42. κ. ὁ θεὸς Ἰ. [A *om.* ὁ θ. Ἰ.] συνεπολέμει τῷ Ἰ. (11 *a* [11 *a* + 6])
11. 6. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 *a*)
— 8. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος (11 *a*)
— 9. ὃν τρόπον [A καθότι] ἐνετείλατο αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 12. Μωυσῆς ὁ παῖς κυρίου (11 *a*)
— 15. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 15. A ὧν συνέταξεν κύριος τῷ Μ. [B σ. αὐτῷ Μωυσῆς] (11 *a*)
— 20. διὰ κυρίου ἐγένετο (11 *a*)
— 20. ὃν τρόπον εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 23. καθότι ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
12. 6. Μωυσῆς ὁ παῖς κυρίου (11 *a*)
13. 1. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 *a*)
— 8. Μωυσῆς ὁ παῖς κυρίου (11 *a*)
— 14. κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. οὗτος κληρονομία αὐτῶν (11 *a*)
— 14. καθὰ εἶπεν αὐτοῖς κύριος –
14. 2. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κύριος (11 *a*)
— 5. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (11 *a*)
— 6. ὃ ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 7. A Μωυσῆς δοῦλος κυρίου [B ὁ παῖς τοῦ θεοῦ] (11 *a*)
— 8. ἐπακολουθήσαι κ. τῷ θεῷ μου (11 *a*)
— 9. ἐπακολουθήσαι ὀπίσω κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν [A *om.*] (11 *a*)
— 10. διέθρεψέ με κύριος (11 *a*)
— 10. ἀφ' οὗ ἐλάλησε κύριος τὸ ῥῆμα τοῦτο (11 *a*)
— 12. καθὰ εἶπε κύριος (11 *a*)
— 12. ἐὰν οὖν κύριος μετ' ἐμοῦ ᾖ (11 *a*)
— 12. ὃν τρόπον εἶπέ μοι κύριος (11 *a*)
— 14. τῷ προστάγματι κ. θεοῦ [A τοῦ θ.] Ἰσρ. (11 *a*)
17. 4. ἐδόθη αὐταῖς διὰ προστάγματος κυρίου (11 *a*)
18. 3. ἣν ἔδωκε [A *add.* ἡμῖν] κ. ὁ θεός (11 *a*)
— 6. ἔναντι [A -τίον] κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 7. ἱερατεία γὰρ κυρίου μερὶς αὐτοῦ (11 *a*)
— 7. Μωυσῆς ὁ παῖς κυρίου (11 *a*)
— 8. ἐξοίσω ὑμῖν κλῆρον ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 10. ἐνέβαλεν αὐτοῖς Ἰ. κλῆρον . . . ἔναντι [A -τίον] κυρίου (11 *a*)
19. 51. A R ἐν Σηλὼ ἔναντι [B -τίον, B¹ *add.* τοῦ] κυρίου (11 *a*)
20. 1. ἐλάλησε κύριος τῷ Ἰησοῦ (11 *a*)
21. 2. ἐνετείλατο κύριος ἐν χειρὶ Μ. (11 *a*)
— 3. διὰ προστάγματος κυρίου (11 *a*)

Jo. 21. 8. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (11 *a*)
— 40. B διὰ [A R κατὰ] πρόσταγμα [A -ματος] κυρίου –
— 41. ἔδωκε κύριος τῷ Ἰσρ. πᾶσαν τὴν γῆν (11 *a*)
— 42. κατέπαυσεν αὐτοὺς [A -οῖς] κύριος (11 *a*)
— 42. πάντας τοὺς ἐχθροὺς αὐτῶν παρέδωκε κύριος (11 *a*)
— 43. ὧν ἐλάλησε κύριος τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (11 *a*)
22. 2. Μ. ὁ παῖς κυρίου (11 *a*)
— 3. ἐφυλάξατε τὴν ἐντολὴν κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 4. κατέπαυσε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν τοὺς ἀδελφοὺς ἡμῶν (11 *a*)
— 5. Μωυσῆς ὁ παῖς κυρίου (11 *a*)
— 5. ἀγαπᾶν κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 *a*)
— 9. διὰ προστάγματος κυρίου (11 *a*)
— 16. τάδε λέγει πᾶσα ἡ συναγωγὴ κυρίου (11 *a*)
— 16. A ἣν ἐπλημμελήσατε ἔναντι κ. τοῦ [B -τίον τοῦ] θεοῦ Ἰσρ. ἀποστραφῆναι σήμερον ἀπὸ κυρίου (18 *b*, 11 *b*)
— 16. ἀποστάτας ὑμᾶς γενέσθαι ἀπὸ τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 17. ἐν τῇ συναγωγῇ κυρίου (11 *a*)
— 18. ἀπεστράφητε σήμερον ἀπὸ κυρίου (11 *a*)
— 18. ἐὰν ἀποστῆτε σήμερον ἀπὸ κυρίου (11 *a*)
— 19. τὴν γῆν τῆς κατασχέσεως κυρίου (11 *a*)
— 19. οὗ κατασκηνοῖ ἐκεῖ ἡ σκηνὴ [A κιβωτὸς] κυρίου (11 *a*)
— 19. A μὴ ἀπὸ κυρίου [B θεοῦ] ἀποστάται γενήθητε (11 *a*)
— 19. μὴ ἀπόστητε ἀπὸ κυρίου [A *om.* ἀ. κ.] –
— 19. ἔξω τοῦ θυσιαστηρίου κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 22. A ὁ θεὸς θεὸς κ. ἐστι καὶ ὁ θεὸς θ. κ. [B ὁ θ. θεὸς] αὐτὸς οἶδε (11 *a*, 11 *a* [6 + 11 *a*])
— 22. ἐπλημμελήσαμεν ἔναντι τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 23. ὥστε ἀποστῆναι ἀπὸ κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (18 *a*)
— 23. κύριος [A κ. αὐτὸς] ἐκζητήσει (11 *a*)
— 24. τί ὑμῖν κ. τῷ θεῷ Ἰσρ. (11 *a*)
— 25. ὅρια ἔθηκε κύριος (11 *a*)
— 25. οὐκ ἔστιν ὑμῖν μερὶς κυρίου (11 *a*)
— 25. ἵνα μὴ σέβωνται κύριον (11 *a*)
— 27. A R τοῦ λατρεύειν λατρείαν κυρίου [B -ῳ] (11 *a*)
— 27. οὐκ ἔστιν ὑμῖν μερὶς κυρίου (11 *a*)
— 28. ὁμοίωμα τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου (11 *a*)
— 29. ἡμᾶς ἀποστραφῆναι [A -στῆναι] ἀπὸ κυρίου (11 *a*)
— 29. B ἀποστῆσαι [R -ῆναι] ἀπὸ κυρίου (11 *a*)
— 29. πλὴν τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου [A *add.* τοῦ θ. ἡμῶν] (11 *a*)
— 31. μεθ' ἡμῶν κύριος (11 *a*)
— 31. οὐκ ἐπλημμελήσατε ἐναντίον κυρίου πλημμέλειαν (11 *a*)
— 31. ἐρρύσασθε τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. ἐκ χειρὸς κυρίου (11 *a*)
— 34. κ. ὁ θεὸς [A θ. θεὸς] αὐτῶν ἐστι (11 *a*)
23. 1. μετὰ τὸ καταπαῦσαι κύριον τὸν [A τ. θεὸν] Ἰσρ. (11 *a* [18 *a*])
— 3. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 *a*)
— 3. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν [A *add.* αὐτὸς] ὁ ἐκπολεμήσας ἡμῖν (11 *a*)
— 5. κ. δὲ ὁ θεὸς ἡμῶν οὗτος ἐξολεθρεύσει αὐτούς (11 *a*)
— 5. καθὰ ἐλάλησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ὑμῖν (11 *a*)
— 8. κ. τῷ θεῷ ἡμῶν προσκολληθήσεσθε (11 *a*)
— 9. ἐξολεθρεύσει [A -ωλέθρευσεν] αὐτοὺς κύριος (11 *a*)
— 10. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν οὗτος ἐξεπολέμει ἡμῖν (11 *a*)
— 11. τοῦ ἀγαπᾶν κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 *a*)
— 13. οὐ μὴ προσθῇ κύριος τοῦ ἐξολεθρεῦσαι (11 *a* + 6)
— 13. ἣν [A ἧς] ἔδωκεν ὑμῖν κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 14. ὧν εἶπε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 *a*)
— 15. A R ἃ ἐλάλησε κύριος ἐφ' [B πρὸς] ὑμᾶς (11 *a* + 6)
— 15. ἐπάξει κ. ὁ θεὸς [A *om.* ὁ θ.] ἐφ' ὑμᾶς (18 *a* [11 *a*])
— 15. ἧς ἔδωκε κύριος [A *add.* ὁ θ. ὑμῶν] ὑμῖν (11 *a* + 6 [11 *a*])
— 16. τὴν διαθήκην κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
24. 2. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 5. A ἐπάταξεν κύριος [B¹ -ξαν, B² R -ξα] τὴν Αἴγ. –
— 7. ἀνεβοήσαμεν πρὸς κύριον (11 *a*)
— 7. ὅσα ἐποίησε κύριος –
— 8. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος –

Jo. 24. 10. οὐκ ἠθέλησε κ. ὁ θεός σου [A om. ὁ θ. σ.] ἀπολέσαι –
— 11. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος [A om.] –
— 14. φοβήθητε κύριον [A τὸν κ.] (11 a)
— 14. λατρεύσατε κυρίῳ (11 a)
— 15. εἰ δὲ μὴ ἀρέσκει ὑμῖν λατρεύειν κυρίῳ (11 a)
— 15. λατρεύσομεν κυρίῳ (11 a)
— 16. μὴ γένοιτο ἡμῖν καταλιπεῖν κύριον (11 a)
— 17. κ. [A καὶ γὰρ] ὁ θεὸς ἡμῶν αὐτὸς θεός [A om. αὐ. θ.] ἐστιν (11 a)
— 18. ἐξέβαλε κύριος τὸν Ἀμορραῖον (11 a)
— 18. λατρεύσομεν κυρίῳ (11 a)
— 19. οὐ μὴ δύνησθε λατρεύειν κυρίῳ [A κ. τῷ θεῷ] (11 a [18 a])
— 20. ἡνίκα ἂν ἐγκαταλίπητε κύριον [A τὸν κ.] (11 a)
— 21. κυρίῳ λατρεύσομεν (11 a)
— 22. ὑμεῖς ἐξελέξασθε κυρίῳ [A τὸν κ.] λατρεύειν αὐτῷ (11 a)
— 23. εὐθύνατε τὴν καρδίαν ὑμῶν πρὸς κύριον θ. Ἰσρ. (11 a)
— 24. κυρίῳ λατρεύσομεν (11 a + 6)
— 26. ἔστησεν αὐτὸν Ἰησοῦς . . . ἀπέναντι κυρίου (11 a)
— 27. πάντα τὰ λεχθέντα αὐτῷ [A om.] ὑπὸ κυρίου (11 a)
— 27. ἡνίκα ἂν ψεύσησθε κ. τῷ θεῷ (18 b)
— 31. ἐλάτρευσεν Ἰσραὴλ τῷ κ. (11 a)
— 31. ὅσοι εἶδοσαν πάντα τὰ ἔργα κυρίου (11 a)
— 29. Ἰησοῦς υἱὸς Ναυὴ δοῦλος κυρίου (11 a)
— 30. καθὰ συνέταξεν αὐτοῖς [A om.] κύριος –
— 33. καὶ παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος –
Jd. 1. 1. ἐπηρώτων οἱ υἱοὶ Ἰσρ. διὰ τοῦ κ. [A ἐν κυρίῳ] (11 a)
— 2. καὶ εἶπε κύριος (11 a)
— 4. παρέδωκε [A ἔδωκεν] κύριος τὸν Χαν. (11 a)
— 19. ἦν κύριος μετὰ Ἰούδα (11 a)
— 22. κύριος ἦν [A Ἰούδας] μετ' αὐτῶν (11 a)
2. 1. ἀνέβη ἄγγελος κυρίου (11 a)
— 1. A κύριος κύριος ἀνεβίβασεν [B τάδε λέγει κ., Ἀνεβίβασα] ὑμᾶς –, –
— 4. ὡς ἐλάλησεν ὁ ἄγγελος κυρίου (11 a)
— 5. ἐθυσίασαν [A ἔθυσαν] ἐκεῖ τῷ κ. (11 a)
— 7. ἐδούλευσεν ὁ λαὸς τῷ κ. (11 a)
— 7. ὅσοι ἔγνωσαν πᾶν τὸ ἔργον κυρίου τὸ μέγα (11 a)
— 8. Ἰησοῦς υἱὸς Ναυὴ δοῦλος κυρίου (11 a)
— 10. οἱ [A ὅσοι] οὐκ ἔγνωσαν τὸν κ. (11 a)
— 11. ἐποίησαν . . . τὸ πονηρὸν ἐνώπιον [A ἐναντίον] κυρίου (11 a)
— 12. ἐγκατέλιπον τὸν κ. (11 a)
— 12. παρώργισαν τὸν κ. (11 a)
— 13. A ἐγκατέλιπον τὸν κ. [B αὐτόν] (11 a)
— 14. ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)
— 15. χεὶρ κυρίου ἦν ἐπ' αὐτούς [A ἦν αὐτοῖς] (11 a)
— 15. καθὼς ἐλάλησε κύριος καὶ καθὼς ὤμοσε κύριος (11 a, 11 a)
— 16. ἤγειρε κύριος κριτάς (11 a)
— 16. ἔσωσεν αὐτοὺς κύριος [A om.] –
— 17. A παρώργισαν τὸν κ. –
— 17. τοῦ εἰσακούειν τῶν λόγων [A ἐντολὰς] κυρίου (11 a)
— 18. ἤγειρε κύριος αὐτοῖς κριτάς (11 a)
— 18. ἦν κύριος μετὰ τοῦ κρ. (11 a)
— 18. παρεκλήθη κύριος ἀπὸ τοῦ στεναγμοῦ αὐτῶν (11 b)
— 20. ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)
— 22. εἰ φυλάσσονται τὴν ὁδὸν κυρίου (11 a)
— 23. ἀφήσει κύριος τὰ ἔθνη ταῦτα (11 a)
3. 1. ἃ ἀφῆκε κύριος αὐτά [A al.] (11 a)
— 4. εἰ ἀκούσονται τὰς ἐντολὰς κυρίου (11 a)
— 7. ἐποίησαν . . . τὸ πονηρὸν ἐναντίον [A -τι] κυρίου (11 a)
— 7. ἐπελάθοντο κ. τοῦ [A om.] θεοῦ αὐτῶν (11 a)
— 8. ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)
— 9. ἐκέκραξαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 a)
— 9. ἤγειρε κύριος σωτῆρα τῷ Ἰσρ. (11 a)
— 10. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (11 a)
— 10. παρέδωκε κύριος ἐν χειρὶ αὐτοῦ τὸν Χ. (11 a)
— 12. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιον [A ἔναντι] κυρίου (11 a)
— 12. ἐνίσχυσε κύριος τὸν Ἐγλώμ (11 a)
— 12. διὰ τὸ πεποιηκέναι αὐτοὺς τὸ πονηρὸν ἔναντι κυρίου (11 a)
— 15. ἐκέκραξαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 a)
— 15. A ἤγειρεν αὐτοῖς κύριος [B om.] σωτῆρα (11 a)
— 25. ὁ κ. αὐτῶν πεπτωκὼς ἐπὶ τὴν γῆν (1)
Jd. 3. 28. παρέδωκε κύριος . . . τοὺς ἐχθροὺς ἡμῶν (11 a)
4. 1. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιον [A ἔναντι] κυρίου (11 a)
— 2. ἀπέδοτο τοὺς υἱοὺς Ἰ. [A αὐτοὺς] κύριος (11 a)
— 3. ἐκέκραξαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 a)
— 6. οὐχὶ [A add. σοι] ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 8. ἐν ᾗ εὐδοῖ κύριος τὸν ἄγγελον μετ' ἐμοῦ –
— 9. ἀποδώσεται κύριος τὸν Σισάρα (11 a)
— 14. παρέδωκε κύριος τὸν Σισάρα (11 a)
— 14. κύριος ἐξελεύσεται [A ἐλ.] ἔμπροσθέν σου (11 a)
— 15. ἐξέστησε κύριος τὸν Σισάρα (11 a)
— 18. ἔκκλινον [A ἔκνευσον], κυριέ μου (1)
— 23. A ἐταπείνωσεν κύριος [B ἐτρόπωσεν] ὁ θεὸς τὸν Ἰ. (18 b)
— 24. A ἐπορεύθη χεὶρ κυρίου [B -εύετο χ. τῶν] υἱῶν Ἰσρ. –
5. 2. εὐλογεῖτε κύριον [A τὸν κ.] (11 a)
— 3. ἐγώ εἰμι τῷ κ. ἐγώ εἰμι ᾄσομαι [A al.] (11 a)
— 3. ψαλῶ τῷ κ. [A om. τῷ κ.] τῷ θεῷ Ἰσρ. (11 a)
— 4. κύριε, ἐν τῇ ἐξόδῳ σου (11 a)
— 5. ὄρη ἐσαλεύθησαν ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 a)
— 5. τοῦτο Σινὰ ἀπὸ προσώπου κ. θεοῦ Ἰσρ. (11 a)
— 9. εὐλογεῖτε κύριον [A τὸν κ.] (11 a)
— 11. δώσουσι δικαιοσύνας κύριε [A -ίῳ] (11 a)
— 11. κατέβη εἰς τὰς πόλεις λαὸς κυρίου (11 a)
— 13. λαὸς κυρίου κατέβη αὐτῷ [A al.] (11 a)
— 14. A κύριος ἐπολέμει μοι [B al.] †
— 23. εἶπεν ἄγγελος κυρίου (11 a)
— 23. εἰς βοήθειαν κυρίου (11 a)
— 23. A βοηθὸς ἡμῶν κύριος [B εἰς βοήθειαν] (11 a)
— 31. ἀπόλοιντο πάντες οἱ ἐχθροί σου, κύριος (11 a)
6. 1. ἐποίησαν . . . τὸ πονηρὸν ἐνώπιον [A ἔναντι] κυρίου (11 a)
— 1. ἔδωκεν [A παρέδ.] αὐτοὺς κύριος ἐν χειρὶ Μ. (11 a)
— 7 (6). ἐβόησαν [A ἐκέκραξαν] οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 a)
— 8 (7). A ἐπεὶ ἐκέκραξαν οἱ υἱοὶ Ἰ. πρὸς κύριον (11 a)
— 8. ἐξαπέστειλε κύριος ἄνδρα προφήτην (11 a)
— 8. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 10. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 a)
— 11. ἦλθεν ἄγγελος κυρίου (11 a)
— 12. ὤφθη αὐτῷ ὁ [A εὗρεν αὐτὸν] ἄγγελος κυρίου (11 a)
— 12. κύριος μετὰ σοῦ (11 a)
— 13. A ἐν ἐμοὶ κύριος κύριος [B κυριέ μου] (1, –)
— 13. εἰ ἔστι κύριος μεθ' ἡμῶν (11 a)
— 13. ἀνήγαγεν [A ἐξήγ.] ἡμᾶς κύριος (11 a)
— 13. A ἀπώσατο ἡμᾶς κύριος [B ἐξέρριψεν ἡ.] (11 a)
— 14. ἐπέστρεψε [A -έβλεψεν] πρὸς αὐτὸν ὁ ἄγγελος κυρίου (20)
— 15. ἐν ἐμοί, κυριέ μου [A om.] (2)
— 16. εἶπε πρὸς αὐτὸν ὁ ἄγγελος κυρίου, Κύριος ἔσται μετὰ σοῦ (11 a, –)
— 20. A εἶπε πρὸς αὐτὸν ὁ ἄγγελος κυρίου [B τοῦ θεοῦ] (6)
— 21. ἐξέτεινεν ὁ ἄγγελος κυρίου τὸ ἄκρον τῆς ῥάβδου (11 a)
— 21. ὁ ἄγγελος κυρίου ἐπορεύθη [A ἀπῆλθεν] (11 a)
— 22. ἄγγελος κυρίου οὗτός [A om.] ἐστι (11 a)
— 22. ἆ ἆ κυριέ μου [A om.] κύριε (2, 11 b)
— 22. εἶδον ἄγγελον κυρίου (11 a)
— 23. εἶπεν αὐτῷ κύριος (11 a)
— 24. ᾠκοδόμησεν . . . θυσιαστήριον τῷ κ. (11 a)
— 24. εἰρήνη κυρίου (11 a)
— 25. εἶπεν αὐτῷ κύριος (11 a)
— 26. οἰκοδομήσεις θυσιαστήριον τῷ [A om.] κ. (11 a)
— 27. ὃν τρόπον [A καθὰ] ἐλάλησε πρὸς αὐτὸν κύριος (11 a)
— 34. πνεῦμα κυρίου [A θεοῦ] ἐνέδυσε τὸν Γ. (11 a)
7. 2. εἶπε κύριος πρὸς Γ. (11 a)
— 3. A εἶπεν κύριος πρὸς αὐτόν –
— 4, 5, 7. εἶπε κύριος πρὸς Γ. (11 a)
— 9. εἶπε πρὸς αὐτὸν κύριος (11 a)
— 14. A παρέδωκεν κύριος [B ὁ θεὸς] ἐν χειρὶ αὐτοῦ (6)
— 15. καὶ προσεκύνησε κυρίῳ [A κύριον] –
— 15. παρέδωκε κύριος ἐν χειρὶ ἡμῶν (11 a)
— 18. ἐρεῖτε, Τῷ κ. (11 a)
— 20. ῥομφαία τῷ κ. (11 a)
— 22. ἔθηκε κύριος τὴν ῥομφαίαν [A ἔθετο κ. μάχαιραν] (11 a)
Jd. 8. 3. παρέδωκε κύριος τοὺς ἄρχοντας Μ. (6)
— 7. ἐν τῷ δοῦναι κύριον τὸν Ζ. (11 a)
— 19. ζῇ κύριος (11 a)
— 22. κύριε, ἄρξον ἡμῶν [A al.] –
— 23. κύριος ἄρξει ὑμῶν (11 a)
— 34. οὐκ ἐμνήσθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσ. κυρίου (11 a)
9. 57. A ἀπέστρεψεν κύριος εἰς τὴν κεφαλὴν αὐ. [B al.] (6)
10. 6. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιον [A ἔναντι] κυρίου (11 a)
— 6. ἐγκατέλιπον τὸν κ. (11 a)
— 7. ὠργίσθη θυμῷ [A ἐθυμώθη] κύριος ἐν Ἰσρ. (11 a)
— 10. ἐβόησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 a)
— 10. A ἐγκατελίπομεν τὸν κ. [B om.] θεόν (18 b)
— 11. εἶπε κύριος πρὸς τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (11 a)
— 15. εἶπαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 a)
— 15. A πλὴν, κύριε [B om.], ἐξελοῦ ἡμᾶς –
— 16. ἐδούλευσαν [A ἐλάτρευσαν] τῷ κ. μόνῳ [A om.] (11 a)
11. 9. καὶ παραδῷ αὐτοὺς κύριος (11 a)
— 10. κύριος ἔστω [A ἔσται ὁ] ἀκούων (11 a)
— 11. ἐλάλησεν Ἰ. . . . ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 21. παρέδωκε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. τὸν Σηών (11 a)
— 23. κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. [A om.] ἐξῆρε τὸν Ἀμ. (11 a)
— 24. οὓς ἐξῆρε κύριος [A al.] (11 a)
— 27. κρίναι κύριος ὁ κρίνων (11 a)
— 29. ἐγένετο ἐπὶ Ἰ. πνεῦμα κυρίου (11 a)
— 30. ηὔξατο Ἰ. εὐχὴν τῷ κ. (11 a)
— 31. καὶ ἔσται τῷ κ. (11 a)
— 32. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος (11 a)
— 35. ἤνοιξα κατὰ [A περὶ] σοῦ τὸ στόμα μου πρὸς κύριον (11 a)
— 36. ἤνοιξας τὸ στόμα σου πρὸς κύριον (11 a)
— 36. ἐν τῷ ποιῆσαί σοι κύριον ἐκδίκησιν [A al.] (11 a)
12. 3. ἔδωκεν [A παρέδ.] αὐτοὺς κύριος (11 a)
13. 1. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιον [A ἐναντίον] κυρίου (11 a)
— 1. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος [A om.] (11 a)
— 3. ὤφθη ἄγγελος κυρίου (11 a)
— 8. προσηύξατο Μ. πρὸς κύριον [A ἐδεήθη Μ. τοῦ κ.] (11 a)
— 8. ἐν ἐμοὶ, κύριε ἀδωναΐέ [A om.] (2)
— 13. εἶπεν ὁ ἄγγελος κυρίου πρὸς Μ. (11 a)
— 15. εἶπε Μ. πρὸς τὸν ἄγγελον κυρίου (11 a)
— 16. εἶπεν ὁ ἄγγελος κυρίου πρὸς Μ. (11 a)
— 16. τῷ [A om.] κ. ἀνοίσεις αὐτό (11 a)
— 16. ἄγγελος κυρίου αὐτός [A ἐστιν] (11 a)
— 17. εἶπε Μ. πρὸς τὸν ἄγγελον κυρίου (11 a)
— 18. εἶπεν αὐτῷ ὁ ἄγγελος κυρίου (11 a)
— 19. ἀνήνεγκεν ἐπὶ τὴν πέτραν τῷ κ. (11 a)
— 19. A τῷ θαυμαστὰ ποιοῦντι κ. [B al.] –
— 20. ἀνέβη ὁ ἄγγελος κυρίου (11 a)
— 21. οὐ προσέθηκεν ἔτι ὁ ἄγγελος κυρίου ὀφθῆναι (11 a)
— 21. ἄγγελος κυρίου οὗτος [A ἐστίν] (11 a)
— 23. εἰ ἤθελεν ὁ [A οὖν βούλεται] κ. θανατῶσαι ἡμᾶς (11 a)
— 24. εὐλόγησεν αὐτὸ κύριος (11 a)
— 25. ἤρξατο πνεῦμα κυρίου συνεκπορεύεσθαι [A συμπ.] (11 a)
14. 4. παρὰ κυρίου ἐστίν (11 a)
— 6, 19: 15. 14. ἥλατο [A κατηύθυνεν] ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (11 a)
15. 18. ἔκλαυσε [A ἐβόησεν] πρὸς κύριον (11 a)
16. 20. ὁ [A om.] κ. ἀπέστη ἀπάνωθεν [A ἀπ' αὐτοῦ] (11 a)
— 28. ἔκλαυσε [A ἐβόησεν] Σ. πρὸς κύριον (11 a)
— 28. A κύριε [B ἀδωναΐέ] κύριε, μνήσθητι (2, 11 b)
17. 2. εὐλογητὸς [A -γημένος] ὁ υἱός μου τῷ κ. (11 a)
— 3. ἡγίασα τὸ ἀργύριον τῷ κ. (11 a)
— 13. ἀγαθυνεῖ μοι [A ἠγαθοποίησέν με] κύριος (11 a)
18. 6. ἐνώπιον κυρίου ἡ ὁδὸς ὑμῶν (11 a)
19. 11. εἶπεν ὁ νεανίας [A τὸ παιδάριον] πρὸς τὸν κ. αὐτοῦ (1)
— 12. εἶπε πρὸς αὐτὸν ὁ κ. αὐτοῦ (1)
— 22. τὸν ἄνδρα τὸν κ. τοῦ οἴκου [A τῆς οἰκίας] (7)
— 23. ὁ ἀνὴρ ὁ κ. τοῦ οἴκου [A τῆς οἰκίας] (7)
— 26. A οὗ ἦν ὁ κ. [B ἀνὴρ] αὐτῆς ἐκεῖ (1)
— 27. A ἀνέστη ὁ κ. [B ἀνὴρ] αὐτῆς (1)
20. 1. ἐξεκκλησιάσθη . . . πρὸς κύριον (11 a)
— 2. ἐστάθησαν κατὰ πρόσωπον κυρίου [A al.] –
— 3. A ἀνέβησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον [B om. πρ. κ.] –

Jd. 20. 18. καὶ εἶπε κύριος (11 *a*)
— 23. ἔκλαυσαν ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 23. ἠρώτησαν [A ἐπηρ.] ἐν κυρίῳ (11 *a*)
— 23. καὶ εἶπε κύριος [A ὁ κ.] (11 *a*)
— 26. ἐκάθισαν ἐκεῖ ἐνώπιον [A ἔναντι] κυρίου (11 *a*)
— 26. ὁλοκαυτώσεις καὶ τελείας ἐνώπιον κυρίου [A *al.*] (11 *a*)
— 27. A ἐπηρώτησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν κυρίῳ (11 *a*)
— 27. ἐκεῖ κιβωτὸς διαθήκης κυρίου (6)
— 28 (27). B ἐπηρώτησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν κυρίῳ (11 *a*)
— 28. καὶ εἶπε κύριος (11 *a*)
— 35. ἐπάταξε [A ἐτρόπωσεν] κύριος τὸν B. (11 *a*)
21. 3. εἰς τί, κύριε θεὲ [A ὁ θεὸς] Ἰσρ. (11 *a*)
— 5. τίς οὐκ ἀνέβη [A ὁ μὴ ἀναβὰς] . . . πρὸς κύριον (11 *a*)
— 5. τοῖς οὐκ ἀναβεβηκόσι πρὸς κύριον [A *al.*] (11 *a*)
— 7. ἡμεῖς ὠμόσαμεν ἐν κυρίῳ (11 *a*)
— 8. ὃς [A ἥτις] οὐκ ἀνέβη πρὸς κύριον (11 *a*)
— 15. ἐποίησε κύριος διακοπήν (11 *a*)
— 19. ἑορτὴ κυρίου [A τῷ κ.] ἐν Σ. (11 *a*)
Ru. 1. 6. ἐπέσκεπται κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 *a*)
— 8. ποιήσαι κύριος μεθ' ὑμῶν ἔλεος (11 *a*)
— 9. δῴη κύριος ὑμῖν (11 *a*)
— 13. ἐξῆλθεν ἐν ἐμοὶ χεὶρ κυρίου (11 *a*)
— 17. τάδε ποιήσαι μοι κύριος (11 *a*)
— 21. κενὴν ἀπέστρεψέ με ὁ κ. (11 *a*)
— 21. κύριος ἐταπείνωσέ με (11 *a*)
2. 4. κύριος μεθ' ὑμῶν (11 *a*)
— 4. εὐλογήσαι σε κύριος (11 *a*)
— 12. ἀποτίσαι κύριος τὴν ἐργασίαν σου (11 *a*)
— 12. γένοιτο ὁ μισθός σου πλήρης παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 13. εὕροιμι χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου, κύριε (1)
— 20. εὐλογητός ἐστι τῷ κ. (11 *a*)
3. 10. εὐλογημένη σὺ τῷ κ. θεῷ [A *om.*] (18 *a* [11 *a*])
— 13. ζῇ κύριος (11 *a*)
— 13. A B σὺ εἶ κύριος –
4. 11. δῴη κύριος τὴν γυναῖκά σου (11 *a*)
— 12. οὗ δώσει κύριός σοι (11 *a*)
— 13. ἔδωκεν αὐτῇ κύριος κύησιν (11 *a*)
— 14. καὶ εἶπαν . . . Εὐλογητὸς κ. (11 *a*)
1 Ki. 1. 3. θύειν κ. τῷ θεῷ σαβαώθ (18 *a*)
— 3. Ὁ. καὶ Φ. ἱερεῖς τοῦ κ. (11 *a*)
— 5. κύριος ἀπέκλεισε [A ὁ κ. συναπ.] τὰ περὶ τὴν μήτραν αὐτῆς (11 *a*)
— 6. οὐκ ἔδωκεν αὐτῇ κύριος παιδίον –
— 6. συνέκλεισε [A συναπ.] κύριος τὰ περὶ τὴν μήτραν αὐτῆς (11 *a*)
— 7. ἐν τῷ ἀναβαίνειν αὐτὴν εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 8. ἰδοὺ ἐγὼ, κύριε [A *om.*] –
— 9. κατέστη ἐνώπιον κυρίου †
— 9. ἐπὶ τῶν φλιῶν ναοῦ κυρίου (11 *a*)
— 10. προσηύξατο πρὸς κύριον (11 *a*)
— 11. ηὔξατο εὐχὴν κυρίῳ [A τῷ κ.] –
— 11. ἀδωναῖ κύριε [A καὶ] Ἐλωὲ σαβαώθ (11 *a*)
— 12. προσευχομένη ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 14. πορεύου ἐκ προσώπου κυρίου –
— 15. καὶ εἶπεν, Οὐχὶ, κύριε [A κ. μου] (1)
— 15. ἐκχεῶ τὴν ψυχήν μου ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 19. προσκυνοῦσι τῷ κ. (11 *a*)
— 19. ἐμνήσθη αὐτῆς κύριος (11 *a*)
— 20. παρὰ κυρίου θεοῦ σαβαὼθ ᾐτησάμην αὐτόν (18 *a*)
— 22. ὀφθήσεται τῷ προσώπῳ κυρίου (11 *a*)
— 23. στήσαι κύριος τὸ ἐξελθὸν ἐκ τοῦ στόματός σου (11 *a*)
— 24. εἰσῆλθεν εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 25. προσήγαγον ἐνώπιον κυρίου –
— 25. ἣν ἐποίει . . . τῷ κ. –
— 26. ἐν ἐμοὶ, κύριε [A κύριος] (1)
— 26. A κύριέ μου (1)
— 26. ἐν τῷ προσεύξασθαι πρὸς κύριον (11 *a*)
— 27. A R ἔδωκέ μοι [B *om.*] κύριος τὸ αἴτημά μου (11 *a*)
— 28. κιχρῶ αὐτὸν τῷ κ. . . . χρῆσιν τῷ κ. (11 *a*, 11 *a*)
2. 1. ἐστερεώθη ἡ καρδία μου ἐν κυρίῳ (11 *a*)
— 2. οὐκ ἔστιν ἅγιος ὡς κύριος (11 *a*)
— 3. ὅτι θεὸς γνώσεων κύριος (11 *a*)
— 6. κύριος θανατοῖ καὶ ζωογονεῖ (11 *a*)
— 7. κύριος πτωχίζει καὶ πλουτίζει (11 *a*)
— 10. κύριος ἀσθενῆ ποιήσει ἀντίδικον αὐτοῦ κύριος ἅγιος (11 *a*, –)
— 10. γινώσκειν τὸν κ. –
— 10. κύριος ἀνέβη εἰς οὐρανούς (11 *a*)
— 10. κατέλιπεν αὐτὸν ἐκεῖ ἐνώπιον κυρίου –

1 Ki. 2. 11. λειτουργῶν τῷ προσώπῳ κυρίου (21)
— 12. οὐκ εἰδότες τὸν κ. (11 *a*)
— 14. τοῖς ἐρχομένοις θῦσαι κυρίῳ †
— 17. ἡ ἁμαρτία ἐνώπιον κυρίου τῶν παιδαρίων (11 *a*)
— 17. ἠθέτουν τὴν θυσίαν κυρίου (11 *a*)
— 18. λειτουργῶν ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 20. ἀποτίσαι σοι κύριος σπέρμα (11 *a*)
— 20. οὗ ἔχρησας τῷ [A B[1] *om.*] κ. (11 *a*)
— 21. ἐπεσκέψατο κύριος τὴν Ἄνναν (11 *a*)
— 21. ἐμεγαλύνθη τὸ παιδάριον Σαμ. ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 23. ἐκ στόματος παντὸς τοῦ λαοῦ κυρίου –
— 25. προσεύξονται ὑπὲρ αὐτοῦ πρὸς κύριον (6)
— 25. ἐὰν τῷ κ. ἁμάρτῃ (11 *a*)
— 25. ἐβούλετο κύριος διαφθεῖραι αὐτούς (11 *a*)
— 26. ἀγαθὸν μετὰ κυρίου καὶ μετὰ ἀνθρώπων (11 *a*)
— 27. τάδε λέγει κύριος (11 *a*)
— 30. τάδε εἶπεν κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 30. καὶ νῦν φησὶ κύριος (11 *a*)
3. 1. λειτουργῶν τῷ κ. (11 *a*)
— 1. ῥῆμα κυρίου ἦν τίμιον (11 *a*)
— 3. A Σαμ. ἐκάθευδεν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου [B ναῷ] (11 *a*)
— 4. καὶ ἐκάλεσε κύριος (11 *a*)
— 6. καὶ προσέθετο κύριος (11 *a*)
— 7. καὶ ἀποκαλυφθῆναι αὐτῷ ῥῆμα κυρίου (11 *a*)
— 8. καὶ προσέθετο κύριος καλέσαι (11 *a*)
— 8. κύριος κέκληκε τὸ παιδάριον (11 *a*)
— 9. A λάλει κύριε [B *om.*] (11 *a*)
— 10. καὶ ἦλθε κύριος (11 *a*)
— 11. καὶ εἶπε κύριος πρὸς Σαμ. (11 *a*)
— 15. ἤνοιξε τὰς θύρας οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 18. κ. αὐτὸς τὸ ἀγαθὸν . . . ποιήσει (11 *a*)
— 19. ἦν κύριος μετ' αὐτοῦ (11 *a*)
— 20. πιστὸς Σαμ. εἰς προφήτην τῷ κ. (11 *a*)
— 21. προσέθετο κύριος δηλωθῆναι (11 *a*)
— 21. ἀπεκαλύφθη κύριος πρὸς Σαμ. (11 *a*)
— 21. προφήτης γενέσθαι τῷ κ. [A τοῦ κ.] (11 *a*?)
— 21. πονηρὰ ἡ ὁδὸς αὐτῶν ἐνώπιον κυρίου –
4. 3. κατὰ τί ἔπταισεν ἡμᾶς κύριος (11 *a*)
— 4. τὴν κιβωτὸν [A *add.* τῆς διαθήκης] κυρίου [A *add.* τῶν δυνάμ.] (11 *c* [11 *a*])
— 5. ἡ κιβωτὸς [A *add.* διαθήκης] κυρίου (11 *a*)
— 6. κιβωτὸς κυρίου ἥκει (11 *a*)
— 8 (7). ἐξελοῦ ἡμᾶς, κύριε –
— 22. ἐν τῷ ληφθῆναι τὴν κιβωτὸν κυρίου (6)
5. 2. ἔλαβον ἀλλόφυλοι τὴν κιβωτὸν κυρίου [A τοῦ κ.] (6)
— 3. ἐβαρύνθη χεὶρ κυρίου –
— 4. ἐνώπιον κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 6. ἐβαρύνθη ἡ χεὶρ κυρίου (11 *a*)
— 9. γίνεται χεὶρ κυρίου τῇ [A ἐν τῇ] πόλει (11 *a*)
6. 1. A ἦν ἡ κιβωτὸς κυρίου [B *om.*] ἐν ἀγρῷ (11 *a*)
— 2. τί ποιήσωμεν τῇ κιβωτῷ κυρίου [A τοῦ κ.] (11 *a*)
— 3. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κ. θεοῦ Ἰσρ. (18 *b*)
— 5. δώσετε τῷ κ. δόξαν (6)
— 8. A λήψεσθε τὴν κιβωτὸν κυρίου [B *om.*] (6)
— 11. A R ἔθεντο τὴν κιβωτὸν κυρίου [B *om.*] ἐπὶ τὴν ἅμαξαν (11 *a*)
— 13. εἶδον κιβωτὸν κυρίου –
— 14. ὁλοκαύτωσιν [A -κάρπωσιν] τῷ κ. (11 *a*)
— 15. ἀνήνεγκαν τὴν κιβωτὸν τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 15. ἀνήνεγκαν . . . τῷ κ. (11 *a*)
— 17. ἃς ἀπέδωκαν . . . τῷ κ. (11 *a*)
— 18. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 19. εἶδαν κιβωτὸν κυρίου (11 *a*)
— 19. ἐπάταξε κύριος . . . πληγὴν μεγάλην (11 *a*)
— 20. A R διελθεῖν ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ [B *om.* κ. τ. θ.] τοῦ ἁγίου τούτου (11 *a*)
— 20. πρὸς τίνα ἀναβήσεται κιβωτὸς κυρίου –
— 21. ἀπεστρόφασιν . . . τὴν κιβωτὸν κυρίου (11 *a*)
7. 1. ἀνάγουσι τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 1. φυλάσσειν τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 2. ἐπέβλεψε πᾶς οἶκος Ἰσρ. ὀπίσω κυρίου (11 *a*)
— 3. ὑμεῖς ἐπιστρέφετε πρὸς κύριον (11 *a*)
— 3. ἑτοιμάσατε τὰς καρδίας ὑμῶν πρὸς κύριον (11 *a*)
— 4. ἐδούλευσαν κ. [A τῷ κ.] μόνῳ (11 *a*)
— 5. προσεύξομαι περὶ ὑμῶν πρὸς κύριον (11 *a*)
— 6. ἐξέχεαν ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 6. ἡμαρτήκαμεν ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 8. τοῦ μὴ βοᾶν πρὸς κ. θεόν σου (11 *a*)
— 9. ἀνήνεγκεν αὐτὸν . . . τῷ κ. (11 *a*)
— 9. ἐβόησε Σαμ. πρὸς κύριον (11 *a*)
— 9. ἐπήκουσεν αὐτοῦ κύριος (11 *a*)
— 10. καὶ ἐβρόντησε κύριος (11 *a*)

1 Ki. 7. 12. ἐβοήθησεν ἡμῖν κύριος (11 *a*)
— 13. ἐταπείνωσε κύριος τοὺς ἀλλοφύλους –
— 13. ἐγενήθη χεὶρ κυρίου ἐπὶ τοὺς ἀλλοφ. (11 *a*)
— 17. ᾠκοδόμησεν ἐκεῖ θυσιαστήριον τῷ κ. (11 *a*)
8. 6. προσηύξατο Σαμ. πρὸς κύριον (11 *a*)
— 7. εἶπε κύριος πρὸς Σαμ. (11 *a*)
— 10. εἶπε Σαμ. πᾶν τὸ ῥῆμα τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 18. οὐκ ἐπακούσεται κύριος ὑμῶν (11 *a*)
— 21. ἐλάλησεν αὐτοὺς εἰς τὰ ὦτα κυρίου (11 *a*)
— 22. εἶπε κύριος πρὸς Σαμ. (11 *a*)
9. 6. A[2] ὁ κ. θεὸς [A[1] B ἄνθρωπος] τοῦ θεοῦ ἐν τῇ πόλει †
— 15. A[2] B κύριος ἀπεκάλυψε τὸ ὠτίον Σαμ. (11 *a*)
— 17. κύριος ἀπεκρίθη αὐτῷ (11 *a*)
10. 1. οὐχὶ κέχρικέ σε κύριος (11 *a*)
— 1. σὺ ἄρξεις ἐν [A *om.*] λαῷ κυρίου –
— 1. ἔχρισέ σε κύριος (11 *a*?)
— 6. ἐφαλεῖται ἐπὶ σὲ πνεῦμα κυρίου (11 *a*)
— 17. παρήγγειλε Σαμ. παντὶ τῷ λαῷ πρὸς κ. (11 *a*)
— 18. τάδε εἶπε κύριος (11 *a*)
— 19. κατάστητε ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 22. ἐπηρώτησε [A *add.* ἔτι] Σαμ. ἔτι ἐν κυρίῳ (11 *a*)
— 22. καὶ εἶπε κύριος (11 *a*)
— 24. ὃν ἐκλέλεκται ἑαυτῷ κύριος (11 *a*)
— 25. καὶ ἔθηκεν ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 26. ὧν ἥψατο κύριος καρδίας αὐτῶν (6)
11. 6. B ἐφήλατο πνεῦμα κυρίου ἐπὶ Σαούλ (6)
— 7. ἐπῆλθεν ἔκστασις κυρίου ἐπὶ τὸν λαὸν Ἰσρ. (11 *a*)
— 13. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν ἐν Ἰσρ. (11 *a*)
— 15. ἔχρισε Σαμ. ἐκεῖ τὸν Σαοὺλ . . . ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 15. ἔθυσεν ἐκεῖ θυσίας . . . ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
12. 3. ἀποκρίθητε κατ' ἐμοῦ ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 5. μάρτυς κύριος ἐν ὑμῖν (11 *a*)
— 6. μάρτυς κύριος ὁ ποιήσας τὸν Μωυσῆν (11 *a*)
— 7. δικάσω [A δικαιώσω] ὑμᾶς ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 7. τὴν πᾶσαν δικαιοσύνην [A τὰς π. δ.] κυρίου (11 *a*)
— 8. ἐβόησαν οἱ πατέρες ἡμῶν πρὸς κύριον (11 *a*)
— 8. ἀπέστειλε κύριος τὸν Μωυσῆν (11 *a*)
— 9. ἐπελάθοντο κ. τοῦ θεοῦ [A τοῦ κ. θ.] αὐτῶν (11 *a*)
— 10. ἐβόησαν πρὸς κύριον (11 *a*)
— 10. ἐγκατελίπομεν τὸν κ. (11 *a*)
— 11. A ἀπέστειλε κύριος [B *om.*] τὸν Ἱερ. (11 *a*)
— 12. A B[2] R κ. ὁ θεὸς ὑμῶν βασιλεὺς ὑμῶν (11 *a*)
— 13. δέδωκε κύριος ἐφ' ὑμᾶς βασιλέα (11 *a*)
— 14. ἐὰν φοβηθῆτε τὸν κ. (11 *a*)
— 14. καὶ μὴ ἐρίσητε τῷ στόματι κυρίου (11 *a*)
— 14. ὀπίσω κυρίου πορευόμενοι (11 *a* + 6)
— 15. ἐὰν δὲ μὴ ἀκούσητε [A εἰσακ.] τῆς φωνῆς κυρίου καὶ ἐρίσητε τῷ στόματι κυρίου καὶ ἔσται χεὶρ κυρίου ἐφ' [A εἰς] ὑμᾶς (11 *a ter*)
— 16. ὃ ὁ κ. ποιήσει (11 *a*)
— 17. ἐπικαλέσομαι κύριον [A τὸν κ.] (11 *a*)
— 17. ἣν ἐποιήσατε ἐνώπιον κυρίου [A *om.*] (11 *a*)
— 18. B ἐπεκαλέσατο Σαμ. τὸν κ. (11 *a*)
— 18. B ἔδωκε κύριος φωνάς (11 *a*)
— 18. B ἐφοβήθησαν πᾶς ὁ λαὸς τὸν κ. (11 *a*)
— 19. B πρόσευξαι . . . πρὸς κ. θεόν σου (11 *a*)
— 20. B μὴ ἐκκλίνητε ἀπὸ ὄπισθεν κυρίου (11 *a*)
— 20. B δουλεύσατε τῷ κ. (11 *a*)
— 22. B οὐκ ἀπώσεται κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 *a*)
— 22. B κύριος προσελάβετο ὑμᾶς ἑαυτῷ (11 *a*)
— 23. B τοῦ ἁμαρτεῖν τῷ κ. (11 *a*)
— 23. B δουλεύσω τῷ κ. –
— 24. B φοβεῖσθε τὸν κ. (11 *a*)
13. 12. B τοῦ προσώπου τοῦ κ. οὐκ ἐδεήθην (11 *a*)
— 13. B ἣν ἐνετείλατό σοι κύριος (11 *a* + 6)
— 13. B ἡτοίμασε κύριος τὴν βασιλείαν σου (11 *a*)
— 14. B ζητήσει κύριος ἑαυτῷ ἄνθρωπον (11 *a*)
— 14. B ἐντελεῖται κύριος αὐτῷ (11 *a*)
— 14. B ὅ τι ἐνετείλατό σοι κύριος (11 *a*)
14. 6. B εἴ τι ποιήσαι κύριος ἡμῖν (11 *a*)
— 6. B οὐκ ἔστι τῷ κ. συνεχόμενον (11 *a*)
— 10, 12. παραδέδωκεν αὐτοὺς κύριος (11 *a*)
— 15. ἐγενήθη ἔκστασις παρὰ κυρίου (6)
— 22 (23). ἔσωσε κύριος . . . τὸν Ἰσρ. (11 *a*)
— 26. ἐφοβήθη ὁ λαὸς τὸν ὅρκον κυρίου –
— 33. ἡμάρτηκεν ὁ λαὸς τῷ κ. (11 *a*)
— 34. οὐ μὴ ἁμάρτητε τῷ κ. (11 *a*)
— 35. ᾠκοδόμησεν . . . θυσιαστήριον τῷ κ. (11 *a*)

1 Ki. 14. 35. οἰκοδομῆσαι θυσιαστήριον τῷ κ. (11 a)
— 39. ζῇ κύριος ὁ σώσας τὸν Ἰσρ. (11 a)
— 41. καὶ εἶπε Σαοὺλ, Κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. –
— 41. κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ., δὸς δήλους (11 a)
— 42. ὃν ἂν κατακληρώσηται κύριος –
— 45. ζῇ κύριος (11 a)
15. 1. ἐμὲ ἀπέστειλε κύριος (11 a)
— 1. ἄκουε τῆς φωνῆς [A τῶν λόγων] κυρίου (11 a)
— 2. τάδε εἶπε κύριος σαβαώθ (11 a)
— 10. ἐγενήθη ῥῆμα κυρίου πρὸς Σαμ. (11 a)
— 11. ἐβόησε πρὸς κύριον (11 a)
— 12. ἀνέφερεν ὁλοκαύτωσιν τῷ κ. –
— 13. εὐλογητὸς σὺ τῷ κ. (11 a)
— 13. ὅσα ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 15. ὅπως τυθῇ κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 16. ἃ ἐλάλησε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 17. καὶ ἔχρισέ σε κύριος (11 a)
— 18. καὶ ἀπέστειλέ σε κύριος (11 a)
— 19. ἵνα τί οὐκ ἤκουσας φωνῆς κυρίου (11 a)
— 19. ἐποίησας τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 20. ᾗ ἀπέστειλέ με κύριος (11 a)
— 21. A R θῦσαι [B om.] ἐνώπιον κ. θεοῦ ἡμῶν (11 a)
— 22. εἰ θελητὸν τῷ κ. ὁλοκαυτώματα [A -μα] (11 a)
— 22. τὸ ἀκοῦσαι φωνῆς κυρίου (11 a)
— 23. ὅτι ἐξουδένωσας τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 23. ἐξουδενώσει σε κύριος –
— 24. παρέβην τὸν λόγον κυρίου (11 a)
— 25. προσκυνήσω κ. τῷ [A om.] θεῷ σου (18 a)
— 26. ἐξουδένωσας τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 26. ἐξουδενώσει σε κύριος (11 a)
— 28. διέρρηξε κύριος τὴν βασιλείαν σου (11 a)
— 30. προσκυνήσω κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 31. προσεκύνησε [A add. Σαοὺλ] τῷ κ. (11 a)
— 33. ἔσφαξε . . . τὸν Ἀγὰγ ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 35. καὶ κύριος μετεμελήθη (11 a)
16. 1. εἶπε κύριος πρὸς Σαμ. (11 a)
— 2. καὶ εἶπε κύριος (11 a)
— 2. θῦσαι τῷ κ. ἥκω (11 a)
— 4. ἃ ἐλάλησεν αὐτῷ κύριος (11 a)
— 5. θῦσαι τῷ κ. ἥκω (11 a)
— 6. ἐνώπιον κυρίου χριστὸς αὐτοῦ (11 a)
— 7. εἶπε κύριος πρὸς Σαμ. (11 a)
— 8. A οὐδὲ τούτον ἐξελέξατο κύριος [B ὁ θεός] (11 a)
— 9. ἐν τούτῳ οὐκ ἐξελέξατο κύριος (11 a)
— 10. οὐκ ἐξελέξατο κύριος ἐν τούτοις (11 a)
— 12. καὶ ἀγαθὸς ὁράσει κυρίῳ –
— 12. εἶπε κύριος πρὸς Σαμ. (11 a)
— 13. ἐφήλατο πνεῦμα κυρίου ἐπὶ Δ. (11 a)
— 14. πνεῦμα κυρίου ἀπέστη ἀπὸ Σαούλ (11 a)
— 14. πνεῦμα πονηρὸν παρὰ κυρίου (11 a)
— 15. πνεῦμα κυρίου πονηρὸν πνίγει σε (6)
— 16. ζητησάτωσαν τῷ κ. ἡμῶν ἄνδρα (1 ?)
— 18. καὶ κύριος μετ' αὐτοῦ (11 a)
17. 32. μὴ δὴ συμπεσέτω καρδία τοῦ κ. μου †
— 37. κύριος ὃς ἐξείλατό με (11 a)
— 37. ἔσται κύριος μετὰ σοῦ (11 a)
— 45. ἐν ὀνόματι κ. θεοῦ σαβαώθ [A σ. θ.] (18 a [11 a])
— 45 (46). ἀποκλείσει σε κύριος (11 a)
— 47. οὐκ ἐν ῥομφαίᾳ καὶ δόρατι σώζει κύριος ὅτι τοῦ κ. ὁ πόλεμος καὶ παραδώσει κύριος ὑμᾶς (11 a, 11 a, –)
18. 12. A ἦν κύριος μετ' αὐτοῦ (11 a)
— 14. καὶ κύριος μετ' αὐτοῦ (11 a)
— 17. A πολέμει τοὺς πολέμους κυρίου (11 a)
— 28. κύριος μετὰ Δαυίδ (11 a)
19. 5. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μεγάλην (11 a)
— 6. ζῇ κύριος (11 a)
— 9. A ἐγένετο πνεῦμα κυρίου [B θεοῦ] πονηρὸν ἐπὶ Σ. (11 a)
20. 3. ζῇ κύριος (11 a)
— 8. εἰσήγαγες εἰς διαθήκην κυρίου (11 a)
— 12. κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. οἶδεν (11 a)
— 13. A τάδε ποιήσαι κύριος [B ὁ θεὸς] τῷ Ἰων. (11 a)
— 13. ἔσται κύριος μετὰ σοῦ (11 a)
— 14. A ποιήσεις μετ' ἐμοῦ ἔλεος κυρίου [B om.] (11 a)
— 15. ἐν τῷ ἐξαίρειν κύριον τοὺς ἐχθροὺς Δαυίδ (11 a)
— 16. ἐκζητήσαι κύριος ἐχθροὺς τοῦ Δ. (11 a)
— 22 (21). B οὐκ ἔστι λόγος κυρίου [A R om.] –
— 22 (21). ζῇ κύριος (11 a)
— 22. ἐξαπέσταλκέ σε κύριος (11 a)
— 23. ἰδοὺ κύριος μάρτυς (11 a)

1 Ki. 20. 38. A B^z R ἤνεγκε τὰς σχίζας [B^1 om. ἧ. τ. σχ.] πρὸς τὸν κ. αὐτοῦ (1)
— 42. ὀμωμόκαμεν . . . ἐν ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 42. κύριος ἔσται μάρτυς (11 a)
21. 6 (7). οἱ ἀφῃρημένοι ἐκ προσώπου κυρίου (11 a)
— 7 (8). συνεχόμενος . . . ἐνώπιον κυρίου (11 a)
22. 11. A τοὺς ἱερεῖς τοῦ κ. [B om. τ. κ.] τοὺς ἐν N. –
— 12. ἰδοὺ ἐγὼ, λάλει, κύριε (1)
— 17. θανατοῦτε τοὺς ἱερεῖς τοῦ κ. (11 a)
— 17. ἁμαρτῆσαι εἰς τοὺς ἱερεῖς κυρίου (11 a)
— 18. ἐθανάτωσε τοὺς ἱερεῖς κυρίου –
— 21. ἐθανάτωσε Σ. πάντας τοὺς ἱερεῖς τοῦ κ. (11 a)
23. 2. ἐπηρώτησε Δ. διὰ τοῦ κ. (11 a)
— 2. καὶ εἶπε κύριος (11 a)
— 4. ἐρωτῆσαι διὰ τοῦ κ. (11 a)
— 4. ἀπεκρίθη αὐτῷ [A om.] κύριος (11 a)
— 9. προσάγαγε τὸ ἐφοὺδ κυρίου –
— 10. καὶ εἶπε Δ., Κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 11. καθὼς ἤκουσεν ὁ δοῦλός σου, κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 11. καὶ εἶπε κύριος (11 a)
— 12. A καὶ εἶπεν κύριος (11 a)
— 14. οὐ παρέδωκεν αὐτὸν κύριος (6)
— 16. ἐκραταίωσε τὰς χεῖρας αὐτοῦ ἐν κυρίῳ (6)
— 18. διέθεντο . . . διαθήκην ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 21. εὐλογημένοι ὑμεῖς τῷ κ. (11 a)
24. 5. ἣν εἶπε κύριος πρὸς σέ (11 a)
— 7. μηδαμῶς μοι παρὰ κυρίου [A -ίῳ] (11 a)
— 7. A R εἰ ποιήσω τὸ ῥῆμα τοῦτο τῷ κ. μου [B om. τ. κ. μ.] τῷ χριστῷ κυρίου (1, 11 a)
— 7. χριστὸς κυρίου ἐστὶν οὗτος (11 a)
— 9. λέγων, Κύριε [A κ. μου] βασιλεῦ (1)
— 11. ὡς παρέδωκέ σε κύριος (11 a)
— 11. ἐποίσω χεῖρά μου ἐπὶ κύριόν μου (1)
— 11. χριστὸς κυρίου [A -ος] οὗτός [A om.] ἐστι (11 a)
— 13. δικάσαι κύριος ἀνὰ μέσον ἐμοῦ (11 a)
— 13. ἐκδικήσαι με κύριος ἐκ σοῦ (11 a)
— 16. γένοιτο κύριος εἰς κριτήν (11 a)
— 16. ἴδοι κύριος καὶ κρίναι –
— 19. ὡς ἀπέκλεισέ με κύριος (11 a)
— 20. R κύριος ἀποτίσει [B ἀνταπ.] αὐτῷ ἀγαθά [A al.] (11 a)
— 22. ὄμοσόν μοι ἐν κυρίῳ (11 a)
25. 10. ἕκαστος ἐκ προσώπου τοῦ κ. αὐτοῦ (1)
— 14. A R εὐλογῆσαι τὸν [B om.] κ. ἡμῶν (1)
— 17. συντετέλεσται ἡ κακία εἰς τὸν κ. ἡμῶν (1)
— 24. ἐν ἐμοὶ, κύριέ μου, ἡ ἀδικία μου (1)
— 25. μὴ δὴ θέσθω ὁ κ. μου καρδίαν αὐτοῦ (1)
— 25. R οὐκ εἶδον τὰ παιδάρια τοῦ κ. μου [A B π. σου] (1)
— 26. καὶ νῦν, κύριε, ζῇ κύριος (1, 11 a)
— 26. καθὼς ἐκώλυσέ σε κύριος (11 a)
— 26. οἱ ζητοῦντες τῷ κ. μου κακά (1)
— 27. ἣν ἐνήνοχεν ἡ δοῦλη σου τῷ κ. μου (1)
— 27. τοῖς παρεστηκόσι τῷ κ. μου (1)
— 28. ποιήσει κύριος τῷ κ. μου οἶκον πιστόν [A om.] (11 a, 1)
— 28. πόλεμον κυρίου μου ὁ κ. [A κ. μου] πολεμεῖ (11 a, 1)
— 29. ἔσται ψυχὴ κυρίου μου ἐνδεδεμένη ἐν δεσμῷ τῆς ζωῆς παρὰ κ. τῷ θεῷ (1, 11 a)
— 30. ποιήσει κύριος τῷ κ. μου πάντα (11 a, 1)
— 30. A ἐντελεῖταί σοι κύριος [B om.] εἰς ἡγούμενον –
— 31. καὶ σκάνδαλον [A add. καρδίας] τῷ κ. μου (1)
— 31. σῶσαι χεῖρα κυρίου μου αὐτοῦ (1)
— 31. ἀγαθῶσαι κύριος τῷ κ. μου (11 a, 1)
— 32. εὐλογητὸς κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 34. ζῇ κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 38. ἐπάταξε κύριος τὸν Νάβαλ (11 a)
— 39. εὐλογητὸς κ. (11 a)
— 39. τὴν κακίαν N. ἀπέστρεψε κύριος (11 a)
— 41. A νίψαι πόδας τῶν παίδων τοῦ κ. μου [B παίδων σου] (1)
26. 8. ἀπέκλεισε κύριος . . . τὸν ἐχθρόν σου (6)
— 9. τίς ἐποίσει χεῖρα αὐτοῦ ἐπὶ χριστὸν κυρίου (11 a)
— 10. ζῇ κύριος (11 a)
— 10. A R ἐὰν μὴ κύριος παίσῃ [B παιδεύσῃ] αὐτόν (11 a)
— 11. μηδαμῶς μοι [A om.] παρὰ κυρίου ἐπενεγκεῖν χεῖρά μου ἐπὶ χριστὸν κυρίου (11 a, 11 a)
— 12. A R θάμβος κυρίου [B -ος] ἔπεσεν ἐπ' αὐτούς (11 a)
— 15. διὰ τί οὐ φυλάσσεις τὸν κ. σου τὸν βασ. (1)

1 Ki. 26. 15. A R διαφθεῖραι τὸν [B om.] κ. σου τὸν βασ. (1)
— 16. ζῇ κύριος (11 a)
— 16. A R οἱ φυλάσσοντες τὸν βασ. τὸν [B om.] κ. ὑμῶν τὸν χριστὸν κυρίου (1, 11 a)
— 17. δοῦλός σου, κύριε βασιλεῦ (1)
— 18. ἵνα τί τοῦτο καταδιώκει ὁ κ. (1)
— 19. ἀκουσάτω ὁ κ. μου ὁ βασ. τὸ ῥῆμα (1)
— 19. ἐπικατάρατοι οὗτοι [A om.] ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 19. μὴ ἐστηρίσθαι ἐν κληρονομίᾳ κυρίου (11 a)
— 20. μὴ πέσοι τὸ αἷμά μου . . . ἐξ ἐναντίας προσώπου κυρίου (11 a)
— 23. κύριος ἐπιστρέψει ἑκάστῳ (11 a)
— 23. ὡς παρέδωκέ σε κύριος (11 a)
— 23. ἐπενεγκεῖν χεῖρά μου ἐπὶ χριστὸν κυρίου (11 a)
— 24. μεγαλυνθείη ἡ ψυχή μου ἐνώπιον κυρίου (11 a)
28. 6. ἐπηρώτησε Σαοὺλ διὰ κυρίου (11 a)
— 6. οὐκ ἐπεκρίθη αὐτῷ κύριος (11 a)
— 10. A ὤμοσεν αὐτῇ Σαοὺλ ἐν κυρίῳ [B om. ἐν κ.] (11 a)
— 10. ζῇ κύριος (11 a)
— 16. κύριος ἀφέστηκεν ἀπὸ σοῦ (11 a)
— 17. πεποίηκε κύριός σοι καθὼς ἐλάλησε κύριος (11 a, –)
— 17. διαρρήξει κύριος τὴν βασιλείαν σου (11 a)
— 18. οὐκ ἤκουσας φωνῆς κυρίου (11 a)
— 18. ἐποίησε κύριός σοι (11 a)
— 19. παραδώσει κύριος τὸν Ἰσρ. (11 a)
— 19. τὴν παρεμβολὴν Ἰσρ. δώσει κύριος (11 a)
29. 4. ἐν τίνι διαλλαγήσεται οὗτος τῷ κ. αὐτοῦ (1)
— 6. ζῇ κύριος (11 a)
— 8. πολεμῆσαι τοὺς ἐχθροὺς τοῦ κ. μου τοῦ βασ. (1)
— 10. οἱ παῖδες τοῦ κ. σου οἱ ἥκοντες (1)
30. 6. ἐκραταιώθη Δ. ἐν κ. θεῷ αὐτοῦ (11 a)
— 8. ἐπηρώτησε Δ. διὰ τοῦ κ. (11 a)
— 13. κατέλιπέ με ὁ κ. μου (1)
— 15. μὴ παραδοῦναί με εἰς χεῖρας τοῦ κ. (1)
— 23. μετὰ τὸ παραδοῦναι τὸν κ. ἡμῖν (11 a)
— 23. παρέδωκε κύριος τὸν γεδδούρ –
— 26. τῶν σκύλων τῶν ἐχθρῶν κυρίου (11 a)
II Ki. 1. 10. ἐνήνοχα αὐτὰ τῷ κ. μου (1)
— 14. διαφθεῖραι τὸν χριστὸν κυρίου (11 a)
— 16. ἐθανάτωσα τὸν χριστὸν κυρίου (11 a)
2. 1. ἐπηρώτησε Δ. ἐν κυρίῳ (11 a)
— 1. καὶ εἶπε κύριος πρὸς αὐτόν (11 a)
— 5. A R εὐλογημένοι ὑμεῖς τῷ κ. (11 a)
— 5. A R πεποιήκατε τὸ ἔλεος τοῦ θεοῦ ἐπὶ τὸν κ. ὑμῶν (1)
— 5. R ἐπὶ Σαοὺλ τὸν χριστὸν κυρίου [A al.] –
— 6. A R ποιήσαι κύριος μεθ' ὑμῶν ἔλεος (11 a)
— 7. τέθνηκεν ὁ κ. ὑμῶν Σαούλ (1)
— 27. ζῇ κύριος (6)
3. 9. καθὼς ὤμοσε κύριος τῷ Δ. (11 a)
— 18. κύριος ἐλάλησε περὶ Δαυίδ (11 a)
— 21. συναθροίσω πρὸς [A² add. τὸν] κύριόν μου τὸν βασ. (1)
— 28. ἀθῷός εἰμι . . . ἀπὸ κυρίου (11 a)
— 39. ἀποδῷ [A ἀνταπ.] κύριος τῷ ποιοῦντι (11 a)
4. 8. ἔδωκε κύριος τῷ κ. [A κ. μου] βασ. ἐκδίκησιν (11 a, 1)
— 9. ζῇ κύριος (11 a)
5. 2. εἶπε κύριος πρὸς σέ (11 a)
— 3. διέθετο αὐτοῖς . . . ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 9 (8). οὐκ εἰσελεύσονται εἰς οἶκον κυρίου –
— 10. καὶ κ. [A κ. ὁ θεὸς] παντοκράτωρ μετ' αὐτοῦ (11 a et 6 [11 a])
— 12. ἡτοίμασεν αὐτὸν κύριος (11 a)
— 19. ἠρώτησε Δαυὶδ διὰ κυρίου (11 a)
— 19. εἶπε κύριος πρὸς Δαυίδ (11 a)
— 20. διέκψυε κύριος τοὺς ἐχθρούς (11 a)
— 23. ἐπηρώτησε Δαυὶδ διὰ κυρίου καὶ εἶπε κύριος (11 a, –)
— 24. ἐξελεύσεται κύριος ἔμπροσθέν σου (11 a)
— 25. καθὼς ἐνετείλατο αὐτῷ κύριος (11 a)
6. 2. A R ἐφ' ἣν ἐπεκλήθη τὸ ὄνομα τοῦ [B om.] κ. τῶν δυνάμεων (11 a)
— 3. ἐπεβίβασεν τὴν κιβωτὸν κυρίου (6)
— 5. παίζοντες ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 7. ἐθυμώθη κύριος (11 a)
— 7. παρὰ τὴν κιβωτὸν τοῦ κ. (6 ?)
— 8. διέκψυε κύριος διακοπήν (11 a)
— 9. ἐφοβήθη Δ. τὸν κ. (11 a)
— 9. πῶς εἰσελεύσεται . . . ἡ κιβωτὸς κυρίου [A τοῦ κ.] (11 a)
— 10. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 a)

II Ki. 6. 11. ἐκάθισεν ἡ κιβωτὸς τοῦ [A ἐκεῖ γλωσσόκομον] κ. (11 *a*)
— 11. εὐλόγησε κύριος ὅλον τὸν οἶκον (11 *a*)
— 12. εὐλόγησε κύριος τὸν οἶκον Ἀβ. (11 *a*)
— 12. ἀνήγαγε τὴν κιβωτὸν τοῦ κ. (6)
— 14. ἀνεκρούετο . . . ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 15. ἀνήγαγον τὴν κιβωτὸν κυρίου (11 *a*)
— 16. A τῆς κιβωτοῦ κυρίου [B *om.*] παραγινομένης (11 *a*)
— 16. ἀνακρουόμενον ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 17. φέρουσι τὴν κιβωτὸν τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 17. ἀνήνεγκε [A -ήγαγεν] . . . ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 18. ἐν ὀνόματι κυρίου τῶν δυνάμεων (11 *a*)
— 21. ἐνώπιον κυρίου ὀρχήσομαι [A *om.*] (11 *a*)
— 21. εὐλογητὸς κ. –
— 21. ὀρχήσομαι ἐνώπιον κυρίου [A *om.* ἐ. κ.] (11 *a*)
7. 1. κύριος κατεκληρονόμησεν αὐτόν (11 *a*)
— 3. ὅτι κύριος μετὰ σοῦ (11 *a*)
— 4. ἐγένετο ῥῆμα κυρίου πρὸς N. (11 *a*)
— 5. τάδε λέγει κύριος (11 *a*)
— 8. τάδε λέγει κ. παντοκράτωρ (11 *a*)
— 11. ἀπαγγελεῖ σοι κύριος (11 *a*)
— 18. ἐκάθισεν ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 18. τίς εἰμι ἐγὼ, κύριέ μου κύριε (2, 11 *b*)
— 19. R ἐνώπιόν σου, κύριέ μου κύριε [A B *om.*] (2, 11 *b*)
— 19. οὗτος δὲ . . . κύριέ μου κύριε [A *om.*] (2, 11 *b*)
— 20. R σὺ οἶδας τὸν δοῦλόν σου, κύριέ μου κύριε [A B *om.* μ. κ.] (2, 11 *b*)
— 22. A B τοῦ μεγαλῦναί σε, κύριε [R *om.*] κύριέ μου (11 *a*, 6)
— 24. σὺ, κύριε, ἐγένου αὐτοῖς εἰς θεόν (11 *a*)
— 25. καὶ νῦν, κύριέ μου (11 *a* + 6)
— 25. ἕως αἰῶνος, κύριε παντοκράτωρ [A *om.*] –
— 26. A κύριε παντοκράτωρ θεὲ ἐπὶ τὸν Ἰσρ. (11 *a*)
— 27. κύριε παντοκράτωρ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 27. λέγει κύριος παντοκράτωρ θεὸς Ἰσρ. –
— 28. καὶ νῦν, κύριέ μου κύριε [A *om.*] (2, 11 *b*)
— 29. σὺ εἶ, κύριέ μου κύριε, ἐλάλησας (2, 11 *b*)
8. 6. ἔσωσε κύριος τὸν Δαυίδ (11 *a*)
— 11. ταῦτα ἡγίασεν ὁ βασ. Δ. τῷ κ. (11 *a*)
— 14. ἔσωσε κύριος τὸν Δαυίδ (11 *a*)
9. 9. πάντα . . . δέδωκα τῷ υἱῷ τοῦ κ. [A τῷ οἴκῳ τῷ κ.] σου (1)
— 10. εἰσοίσεις τῷ υἱῷ τοῦ κ. σου ἄρτους (1)
— 10. Μεμφιβοσθὲ υἱὸς τοῦ κ. σου (1)
— 11. ὅσα ἐντέταλται ὁ κ. μου ὁ βασ. (1)
10. 3. εἶπον . . . πρὸς Ἀ. τὸν κ. αὐτῶν (1)
— 12. κύριος ποιήσει τὸ ἀγαθόν (11 *a*)
11. 9. μετὰ τῶν δούλων τοῦ κ. αὐτοῦ (1)
— 11. ὁ κ. μου Ἰ. καὶ οἱ δοῦλοι τοῦ κ. μου (1, 1)
— 13. μετὰ τῶν δούλων τοῦ κ. αὐ. (1)
— 27. ὃ ἐποίησε Δ. ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 *a*)
12. 1. ἀπέστειλε κύριος τὸν Νάθαν (11 *a*)
— 5. ζῇ κύριος (11 *a*)
— 7. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 8. ἔδωκά σοι τὸν οἶκον τοῦ κ. σου καὶ [A *om.*] τὰς [A ἔδωκα τ.] γυναῖκας τοῦ κ. σου (1, 1)
— 9. ἐφαύλισας τὸν λόγον κυρίου (11 *a*)
— 11. τάδε λέγει κύριος (11 *a*)
— 13. ἡμάρτηκα τῷ κ. (11 *a*)
— 13. κύριος παρεβίβασε τὸ ἁμάρτημά σου (11 *a*)
— 14. παρώξυνας τοὺς ἐχθροὺς κυρίου (11 *a*)
— 15. ἔθρανσε κύριος τὸ παιδίον [A -δάριον] (11 *a*)
— 22. εἰ ἐλεήσει με κύριος (11 *a*)
— 24. κύριος ἠγάπησεν αὐτόν (11 *a*)
— 25. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰ. ἕνεκεν κυρίου (11 *a*)
13. 32. μὴ εἰπάτω ὁ κ. μου ὁ βασ. [A *al.*] (1)
— 33. μὴ θέσθω ὁ κ. μου ὁ βασ. . . . ῥῆμα (1)
14. 9. ἐπ' ἐμέ, κύριέ μου βασιλεῦ (1)
— 11. μνημονευσάτω δὴ . . . τὸν κ. θεὸν αὐτοῦ (11 *a*)
— 11. ζῇ κύριος (11 *a*)
— 12. λαλησάτω δὴ . . . πρὸς τὸν κ. μου (1)
— 15. λαλῆσαι πρὸς τὸν βασ. τὸν [B¹ *om.*] κ. μου (1)
— 15. R λαλησάτω δὴ πρὸς τὸν κ. μου [A B *om.* τ. κ. μ.] τὸν βασ. –
— 17. εἴη δὴ ὁ λόγος τοῦ κ. μου (1)
— 17. οὕτως ὁ κ. μου ὁ βασ. (1)
— 17. κ. ὁ θεός σου ἔσται μετὰ σοῦ (11 *a*)
— 18. λαλησάτω δὴ ὁ κ. μου ὁ βασ. (1)
— 19. ζῇ ἡ ψυχή σου, κύριέ μου βασιλεῦ (1)
— 19. ὧν ἐλάλησεν μου ὁ βασ. (1)

II Ki. 14. 20. καὶ ὁ κ. μου σοφός (1)
— 22. ἐν ὀφθαλμοῖς σου, κύριέ μου βασιλεῦ (1)
— 22. ἐποίησεν ὁ κ. μου ὁ βασ. τὸν λόγον –
15. 7. ἃς ηὐξάμην τῷ κ. ἐν Χ. (11 *a*)
— 8. ἐὰν . . . ἐπιστρέψῃ με κύριος [A ὁ κ.] (11 *a*)
— 8. λατρεύσω τῷ κ. (11 *a*)
— 15. ὅσα αἱρεῖται ὁ κ. ἡμῶν ὁ βασ. (1)
— 20. κύριος ποιήσει μετὰ σοῦ ἔλεος –
— 21. ζῇ κύριος καὶ ζῇ ὁ κ. μου ὁ βασ. (11 *a*, 1)
— 21. οὗ ἐὰν ᾖ ὁ κ. μου (1)
— 24. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (6)
— 25. ἐὰν εὕρω χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 *a*)
— 31. διασκέδασον δὴ . . . κύριε ὁ θεός μου (18 *a*)
16. 3. καὶ ποῦ ὁ υἱὸς τοῦ κ. σου (1)
— 4. εὕροιμι χάριν . . . κύριέ μου βασιλεῦ (1)
— 8. ἐπέστρεψεν ἐπὶ σὲ κύριος πάντα τὰ αἵματα (11 *a*)
— 8. ἔδωκε κύριος τὴν βασιλείαν (11 *a*)
— 9. ἵνα τί καταρᾶται . . . τὸν κ. μου τὸν βασ. (1)
— 10. κύριος εἶπεν αὐτῷ καταρᾶσθαι τὸν Δ. (11 *a*)
— 11. ὅτι εἶπεν αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 12. εἶπως ἴδοι κύριος ἐν τῇ ταπεινώσει μου (11 *a*)
— 12. A ἐπιστρέψει κύριός [B *om.*] μοι ἀγαθά (11 *a*)
— 18. κατόπισθεν οὗ ἐξελέξατο κύριος (11 *a*)
17. 14. καὶ κύριος ἐνετείλατο (11 *a*)
— 14. ὅπως ἂν ἐπαγάγῃ κύριος . . . τὰ κακὰ πάντα (11 *a*)
18. 19. ἔκρινε κύριος ἐκ χειρὸς τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ (11 *a*)
— 28. εὐλογητὸς κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 28. ἐν τῷ κ. μου τῷ βασ. (1)
— 31. εὐαγγελισθήτω ὁ κ. μου ὁ β. (1)
— 31. ἔκρινέ σοι κύριος σήμερον (11 *a*)
— 32. οἱ ἐχθροὶ τοῦ κ. μου τοῦ βασ. (1)
19. 7 (8). ἐν κυρίῳ ὤμοσα (11 *a*)
— 19 (20). μὴ διαλογισάσθω ὁ κ. μου ἀνομίαν (1)
— 19 (20). ᾗ ὁ κ. μου [A *add.* ὁ βασ.] ἐξεπορεύετο (1)
— 20 (21). εἰς ἀπαντὴν τοῦ κ. μου τοῦ βασ. (1)
— 21 (22). κατηράσατο τὸν χριστὸν κυρίου (11 *a*)
— 26 (27). κυρίε μου [A *om.*] βασιλεῦ, ὁ δοῦλός σου (1)
— 27 (28). μεθώδευσεν . . . πρὸς τὸν κ. μου (1)
— 27 (28). ὁ κ. μου ὁ βασ. ἐποίησεν τὸ καλόν (1)
— 28 (29). ἄνδρες θανάτου τῷ κ. μου τῷ βασ. (1)
— 30 (31). μετὰ τὸ παραγενέσθαι τὸν κ. μου (1)
— 35 (36). εἰς φορτίον ἐπὶ τὸν κ. μου τὸν βασ. (1)
— 37 (38). διαβήσεται μετὰ τοῦ κ. μου τοῦ βασ. (1)
20. 6. λάβε μετὰ σεαυτοῦ τοὺς παῖδας τοῦ κ. σου (1)
— 19. ἵνα τί καταποντίζεις κληρονομίαν κυρίου (11 *a*)
21. 1. ἐζήτησε Δ. τὸ πρόσωπον τοῦ κ. (11 *a*)
— 1. καὶ εἶπε κύριος (11 *a*)
— 3. εὐλογήσατε τὴν κληρονομίαν κυρίου (11 *a*)
— 6. ἐξηλιάσωμεν αὐτοὺς τῷ κ. . . . ἐκλεκτοὺς [A -ὸς] κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 7. διὰ τὸν ὅρκον κυρίου (11 *a*)
— 9. ἐξηλίασαν αὐτοὺς . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
22. 1. ἐλάλησε Δ. τῷ κ. τοὺς λόγους (11 *a*)
— 1. ἐν ᾗ ἡμέρᾳ ἐξείλατο αὐτὸν κύριος (11 *a*)
— 2. κύριε, πέτρα μου (11 *a*)
— 4. αἰνετὸν ἐπικαλέσομαι κύριον (11 *a*)
— 7. ἐπικαλέσομαι κύριον (11 *a*)
— 8. ἐθυμώθη κύριος αὐτοῖς –
— 14. ἐβρόντησεν ἐξ οὐρανοῦ κύριος (11 *a*)
— 16. ἐν τῇ ἐπιτιμήσει κυρίου (11 *a*)
— 19. ἐγένετο κύριος ἐπιστήριγμά μου (11 *a*)
— 21. ἀνταπέδωκέ μοι κύριος (11 *a*)
— 22. ἐφύλαξα ὁδοὺς κυρίου (11 *a*)
— 25. ἀποδώσει μοι κύριος (11 *a*)
— 29. σὺ ὁ λύχνος μου, κύριε (11 *a*)
— 29. κύριος [A κ. μου] ἐκλάμψει μοι τὸ σκότος μου (11 *a*)
— 31. τὸ ῥῆμα κυρίου κραταιὸν [A *om.*] πεπυρωμένον (11 *a*)
— 32. τίς ἰσχυρὸς πλὴν κυρίου (11 *a*)
— 42. βοήσονται . . . πρὸς κύριον (11 *a*)
— 47. ζῇ κύριος (11 *a*)
— 48. ἰσχυρὸς [A S ὑψηλὸς] κ. ὁ διδούς (4 *a*)
— 50. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε (11 *a*)
23. 1. A ὃν ἀνέστησε κύριος ἐπὶ χριστὸν κυρίου [B *om.*] θεοῦ Ἰακώβ (–, 18 *b*)
— 2. πνεῦμα κυρίου ἐλάλησεν ἐν ἐμοί (11 *a*)
— 3. A πῶς κραταιώσητε φόβον κυρίου [B χριστοῦ] (6)
— 4. οὗ κύριος [A *om.*] παρῆλθεν ἐκ φέγγους –
— 10, 12. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μεγάλην (11 *a*)

II Ki. 23. 16. ἔσπεισεν αὐτὸ τῷ κ. (11 *a*)
— 17. ἵλεώς μοι, κύριε (11 *a*)
24. 1. προσέθετο ὀργὴν κύριος [A B² -ὴ κυρίου] ἐκκαῆναι (11 *a*)
— 3. προσθείη κύριος ὁ θεὸς πρὸς τὸν λαόν (11 *a*)
— 3. καὶ ὀφθαλμοὶ τοῦ κ. μου τοῦ βασ. ὁρῶντες (1)
— 3. ὁ κ. μου ὁ βασ. ἵνα τί βούλεται (1)
— 10. εἶπε Δ. πρὸς κύριον (11 *a*)
— 10. ἐποίησα νῦν, κύριε [A *al.*] (11 *a*)
— 11. λόγος κυρίου ἐγένετο πρὸς Γάδ (11 *a*)
— 12. B τάδε λέγει κύριος (11 *a*)
— 14. ἐμπεσοῦμαι δὴ ἐν χειρὶ κυρίου (11 *a*)
— 15. ἔδωκε κύριος ἐν Ἰσρ. θάνατον (11 *a*)
— 16. παρεκλήθη κύριος ἐπὶ [A ἐν] τῇ κακίᾳ (11 *a*)
— 16. ὁ ἄγγελος κυρίου ἦν παρὰ τῇ ἅλῳ (11 *a*)
— 17. εἶπε Δαυὶδ πρὸς κύριον (11 *a*)
— 18. στῆσον τῷ κ. θυσιαστήριον (11 *a*)
— 19. καθ' ὃν τρόπον ἐνετείλατο αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 21. ἦλθεν ὁ κ. μου ὁ βασ. πρὸς τὸν δοῦλον αὐτοῦ (1)
— 21. τοῦ οἰκοδομῆσαι θυσιαστήριον τῷ κ. (11 *a*)
— 22. ἀνενεγκάτω ὁ κ. μου ὁ βασ. τῷ κ. τὸ ἀγαθόν (1, –)
— 23. κ. ὁ θεός σου [A *om.*] εὐλογήσαι σε (11 *a*)
— 24. οὐκ ἀνοίσω τῷ κ. μου θεῷ ὁλοκαύτωμα δωρεάν (11 *a*)
— 25. ᾠκοδόμησεν . . . θυσιαστήριον κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 25. ἐπήκουσε κύριος τῇ γῇ (11 *a*)
III Ki. 1. 2. A ζητησάτωσαν τῷ κ. ἡμῶν [B *om.* τ. κ. ἡ.] τῷ βασ. (1)
— 2. θερμανθήσεται ὁ κ. μου ὁ βασ. (1)
— 11. ὁ κ. ἡμῶν Δ. [A ὁ βασ. Δ.] οὐκ ἔγνω (1)
— 13. οὐχὶ σὺ, κύριέ μου βασιλεῦ, ὤμοσας (1)
— 17. ἡ δὲ εἶπε, Κύριε [A K. μου βασιλεῦ] (1)
— 17. A R σὺ ὤμοσας ἐν κ. [B *om.*] τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 18. σὺ, κύριέ μου βασιλεῦ, οὐκ ἔγνως (1)
— 20. καὶ σὺ, κύριέ μου βασιλεῦ (1)
— 20. τίς καθήσεται ἐπὶ τοῦ θρόνου τοῦ κ. μου (1)
— 21. ὡς ἂν κοιμηθῇ ὁ κ. μου ὁ βασ. (1)
— 24. κύριέ μου βασιλεῦ, σὺ εἶπας (1)
— 27. εἰ διὰ τοῦ κ. μου τοῦ βασ. γέγονε τὸ ῥῆμα τοῦτο (1)
— 27. τίς καθήσεται ἐπὶ τὸν θρόνον τοῦ κ. μου (1)
— 29. ζῇ κύριος (11 *a*)
— 30. A R καθὼς ὤμοσά σοι ἐν κ. θεῷ [B τῷ θ.] Ἰσρ. (11 *a*)
— 31. ζήτω ὁ κ. μου ὁ βασ. Δ. (1)
— 33. λάβετε τοὺς δούλους τοῦ κ. ὑμῶν (1)
— 36. A R πιστώσαι κ. [B *om.*] ὁ θεὸς τοῦ κ. μου τοῦ βασ. (11 *a*, 1)
— 37. καθὼς ἦν κύριος μετὰ τοῦ κ. μου τοῦ βασ. (11 *a*, 1)
— 37. ὑπὲρ τὸν θρόνον τοῦ κ. μου τοῦ βασ. Δ. (1)
— 43. ὁ κ. ἡμῶν ὁ βασ. Δ. ἐβασίλευσε τὸν Σαλ. (1)
— 47. εὐλογῆσαι τὸν κ. ἡμῶν τὸν βασ. Δ. (1)
— 48. εὐλογητὸς κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
2. 3. A R φυλάξεις τὴν φυλακὴν κ. [B *om.*] θεοῦ σου (11 *a*)
— 4. ἵνα στήσῃ κύριος τὸν λόγον αὐτοῦ (11 *a*)
— 8. ὤμοσα αὐτῷ ἐν κυρίῳ (11 *a*)
— 14 (15). παρὰ κυρίου ἐγένετο αὐτῷ (11 *a*)
— 23. ὤμοσεν ὁ βασ. Σαλ. κατὰ τοῦ κ. (11 *a*)
— 24. ζῇ κύριος (11 *a*)
— 24. καθὼς ἐλάλησε κύριος –
— 26. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (3)
— 27. τοῦ μὴ εἶναι ἱερέα τοῦ κ. (11 *a*)
— 27. πληρωθῆναι τὸ ῥῆμα κυρίου (11 *a*)
— 28. ἔφυγεν Ἰ. εἰς τὸ σκήνωμα τοῦ κ. (11 *a*)
— 29. ἔφυγεν Ἰ. εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ κ. (11 *a*)
— 29. ἔφυγον πρὸς κύριον [A τὸν κ.] –
— 30. ἦλθε B. . . . εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ κ. (11 *a*)
— 32. ἀπέστρεψεν κύριος τὸ αἷμα (11 *a*)
— 33. γένοιτο εἰρήνη ἕως αἰῶνος παρὰ κυρίου (11 *a*)
3. 1 (4. 29 [5. 9]). ἔδωκε κύριος φρόνησιν τῷ Σαλ. (6)
— 1. ἕως συντελέσαι αὐτὸν . . . τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 1 (9. 25). ὃ ᾠκοδόμησε τῷ κ. (11 *a*)
— 1 (9. 25). ἐθυμία ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 1. μετὰ τὸ οἰκοδομῆσαι αὐτὸν τὸν οἶκον τοῦ κ. (11 *a*)
— 1 (2. 8). ὤμοσα αὐτῷ κατὰ τοῦ κ. (11 *a*)
— 1 (2. 38). ὃ ἐλάλησας, κύριέ μου βασιλεῦ (1)
— 1 (2. 42). οὐχὶ ὤρκισά σε κατὰ τοῦ κ. (11 *a*)
— 1 (2. 43). οὐκ ἐφύλαξας τὸν ὅρκον κυρίου [A τοῦ κ.] (11 *a*)
— 1 (2. 44). ἀνταπέδωκε κύριος τὴν κακίαν σου (11 *a*)

III Ki. 3. 1 (2. 45). ἕτοιμος ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 1. A ἕως οὗ συνετέλεσεν οἰκοδομῶν . . . τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 2. οὐκ ᾠκοδομήθη οἶκος τῷ κ. [A ὀνόματι κυρίου] (11 a)
— 3. ἠγάπησε Σαλ. τὸν κ. (11 a)
— 5. ὤφθη κύριος [A ὁ κ.] τῷ Σαλ. (11 a)
— 5. εἶπε κύριος πρὸς Σαλ. (6)
— 7. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεός μου (11 a)
— 10. ἤρεσεν [A ἡ. ὁ λόγος] ἐνώπιον κυρίου (2)
— 11. εἶπε κύριος πρὸς αὐτόν (6)
— 15. τοῦ κατὰ πρόσωπον κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (11 a)
— 17. ἐν ἐμοὶ, κύριε [A κ. μου] (1)
— 26. ἐν ἐμοὶ, κύριε (1)
4. 29 (5. 9). ἔδωκε κύριος φρόνησιν [A σοφίαν] τῷ Σαλ. (6)
— 34 (3. 1). B ἕως συντελέσαι αὐτὸν τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
5. 3 (17). οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κ. θεοῦ μου (11 a)
— 3 (17). A R ἕως τοῦ δοῦναι κύριον [B om.] αὐτούς (11 a)
— 4 (18). ἀνέπαυσε κ. ὁ θεός μου ἐμοί (11 a)
— 5 (19). οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κ. θεοῦ μου (11 a)
— 5 (19). καθὼς ἐλάλησε κ. ὁ θεὸς πρὸς Δ. (18 a)
— 12 (26). κύριος ἔδωκε σοφίαν τῷ Σαλ. (11 a)
6. 1. A ᾠκοδόμει τὸν οἶκον τῷ κ. (11 a)
— 1. B ἐθεμελίωσε τὸν οἶκον κυρίου (11 a ?)
— 2. ὃν ᾠκοδόμησεν ὁ βασ. τῷ κ. (11 a)
— 11. A ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σαλ. (11 a)
— 19. δοῦναι ἐκεῖ τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 a)
— 37. A ἐθεμελίωσεν τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
7. 40. ἃ ἐποίησε . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 45. ἃ ἐποίησε . . . τῷ οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 45. οἱ στῦλοι . . . τοῦ οἴκου κυρίου [A τοῦ κ.] –
— 48. R ἃ ἐποίησεν ἐν οἴκῳ κυρίου [B om., A al.] (11 a)
— 51. ὃ ἐποίησε . . . οἴκου κυρίου (11 a)
— 51. ἔδωκεν εἰς τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου (11 a)
— 12. A ᾠκοδόμησεν αὐλὴν οἴκου κυρίου (11 a)
8. 1. B τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 1. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 a)
— 4. A ἀνεβίβασαν τὴν κιβωτὸν κυρίου (11 a)
— 6. A εἰσφέρουσιν . . . τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου [B om. δ. κ.] (11 a)
— 9. ἃ διέθετο κύριος (11 a)
— 10. A ἡ νεφέλη ἔπλησε τὸν οἶκον κυρίου [B om.] (11 a)
— 11. A ἔπλησε δόξα κυρίου τὸν οἶκον κυρίου [B om.] (11 a, 11 a)
— 12. A κύριος εἶπεν τοῦ σκηνῶσαι ἐν γνόφῳ (11 a)
— 15. εὐλογητὸς κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 17. οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 18. εἶπε κύριος πρὸς Δ. τὸν πατέρα μου (11 a)
— 20. ἀνέστησε κύριος τὸ ῥῆμα αὐτοῦ (11 a)
— 20. A B² R καθὼς ἐλάλησε κύριος [B¹ om.] (11 a)
— 20. ᾠκοδόμησα τὸν οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 21. ἐν ᾗ ἐστιν ἐκεῖ διαθήκη κυρίου (11 a)
— 21. ἣν διέθετο κύριος μετὰ τῶν πατέρων –
— 22. κατὰ πρόσωπον τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου (11 a)
— 23. καὶ εἶπε, Κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 25. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 b)
— 26. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (18 b)
— 28. ἐπιβλέψῃ . . . κύριε [A om.] ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 44. προσεύξονται ἐν ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 53. ἐν τῷ ἐξαγαγεῖν σε . . . κύριε κύριε [A om. κ. κ.] (2, 11 b)
— 53. A R κύριος εἶπε κατοικεῖν ἐν γνόφῳ [B ἐκ γνόφου] –
— 54. προσευχόμενος πρὸς κύριον (11 a)
— 54. ἀπὸ προσώπου τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου (11 a)
— 56. εὐλογητὸς κ. σήμερον (11 a)
— 57. γένοιτο κ. ὁ θεὸς ἡμῶν μεθ' ἡμῶν (11 a)
— 59. ὡς [A οὕς] δεδέηται ἐνώπιον κ. θεοῦ ἡμῶν (18 a)
— 59. ἐγγίζοντες πρὸς κ. θεὸν ἡμῶν (11 a)
— 60. κύριος [A κ. αὐτὸς] ὁ θεὸς αὐτὸς θεός (18 a)
— 61. ἔστωσαν αἱ καρδίαι ἡμῶν τέλειαι πρὸς κύριον (11 a)
— 62. ἔθυσαν θυσίαν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 63. A R ἃς [B¹ ἣν, B² ὧν] ἔθυσε τῷ κ. (11 a)
— 63. ἐνεκαίνισε τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 64. τὸ κατὰ πρόσωπον τοῦ οἴκου κυρίου (11 a)

III Ki. 8. 64. τὸ θυσιαστήριον τὸ χαλκοῦν τὸ ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 65. ἐποίησε Σαλ. τὴν ἑορτὴν . . . ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 65. εὐφραινόμενος ἐνώπιον κ. θεοῦ ἡμῶν –
— 66. οἷς ἐποίησε κύριος τῷ Δαυίδ (11 a)
9. 1. οἰκοδομεῖν [A B²-μῶν] τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 2. ὤφθη κύριος τῷ Σαλ. (11 a)
— 3. εἶπε πρὸς αὐτὸν κύριος (11 a)
— 8. ἕνεκα τίνος ἐποίησε κύριος οὕτως (11 a)
— 9. ἐγκατέλιπον κύριον [A τὸν κ.] (11 a)
— 9. ἐπήγαγε κύριος [B¹ om.] . . . τὴν κακίαν ταύτην (11 a)
— 10. τὸν οἶκον κυρίου καὶ τὸν οἶκον τοῦ βασ. (11 a)
— 15. A οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 25. A ὃν ᾠκοδόμησεν τῷ κ. (11 a)
— 25. A ἐθυμία αὐτὸς εἰς πρόσωπον κυρίου (11 a)
10. 1. ἤκουσε . . . τὸ ὄνομα κυρίου (11 a)
— 5. ἣν ἀνέφερεν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 9. γένοιτο κ. ὁ θεός σου εὐλογημένος (11 a)
— 9. διὰ τὸ ἀγαπᾶν κύριον τὸν Ἰσρ. (11 a)
— 12. ὑποστηρίγματα τοῦ οἴκου κυρίου (11 a)
— 22 (9. 15). B οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 24. ἧς ἔδωκε κύριος τῇ καρδίᾳ αὐτοῦ (6)
11. 2. ὧν ἀπεῖπε κύριος τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (11 a)
— 4. οὐκ ἦν ἡ καρδία αὐτοῦ τελεία μετὰ κυρίου (11 a)
— 6. ἐποίησε Σαλ. τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 6. οὐκ ἐπορεύθη ὀπίσω κυρίου (11 a)
— 9. ὠργίσθη κύριος ἐπὶ Σαλ. (11 a)
— 9. ἐξέκλινε καρδίαν αὐτοῦ ἀπὸ κυρίου (11 a)
— 10. ἃ ἐνετείλατο αὐτῷ κ. ὁ θεός (18 a)
— 10. B οὐδ' ἦν ἡ καρδία αὐτοῦ τελεία μετὰ κυρίου –
— 11. εἶπε κύριος πρὸς Σαλ. (11 a)
— 14 (B), 23 (A). ἤγειρε κύριος σατὰν τῷ Σαλ. (11 a)
— 14 (B), 23 (A). Ἀδαδ. βασιλέα Σουβὰ κύριον αὐτοῦ (1)
— 31. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 33. A οὐκ ἐπορεύθη ἐνώπιον κυρίου [B om. ἐ. κ.] –
12. 15. ἦν μεταστροφὴ πρὰ κυρίου (11 a)
— 15. A ὃ ἐλάλησεν κύριος [B om.] ἐν χειρὶ Ἀ. (11 a)
— 22. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σαμ. (6)
— 24. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 24. ἤκουσαν τοῦ λόγου κυρίου (11 a)
— 24. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 24 B (cf. A 14. 22). ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 24. B καὶ ῥῆμα κυρίου μετ' αὐτοῦ –
— 24 ter. B τάδε λέγει κύριος –
— 24. B τὸ παιδάριον κόψεται, Οὐαὶ κύριε –
— 24. B ῥῆμα καλὸν περὶ τοῦ κ. –
— 24. B λόγος κυρίου ἐγένετο πρὸς Σαμ. –
— 24 bis. B τάδε λέγει κύριος –
— 24. B ἐγένετο ῥῆμα κυρίου πρὸς Σαμ. –
— 24. B τάδε λέγει κύριος –
— 24. B ἤκουσαν τοῦ λόγου κυρίου –
— 24. B κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου –
— 27. ἀναφέρειν θυσίαν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 27. ἐπιστραφήσεται . . . πρὸς κύριον καὶ κύριον αὐτῶν (–, 1)
— 30. R εἴασαν τὸν οἶκον κυρίου –
13. 1. παρεγένετο ἐν λόγῳ κυρίου (11 a)
— 2. ἐπεκάλεσε . . . ἐν λόγῳ κυρίου (11 a)
— 2. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 3. ὃ ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 5. ἔδωκεν ὁ ἄνθρωπος τοῦ θεοῦ ἐν λόγῳ κυρίου (11 a)
— 6. A R δεήθητι τοῦ προσώπου κυρίου [B om.] (11 a)
— 6. ἐδεήθη . . . τοῦ προσώπου κυρίου (11 a)
— 9. οὕτως ἐνετείλατό μοι ἐν λόγῳ κύριος (11 a)
— 17. οὕτως ἐντέταλταί μοι ἐν λόγῳ κύριος (11 a)
— 18. ἄγγελος λελάληκε . . . ἐν ῥήματι κυρίου (11 a)
— 20. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς τὸν προφήτην (11 a)
— 21. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 21. παρεπίκρανας τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 21. ἣν ἐνετείλατό σοι κύριος ὁ θεός σου (11 a)
— 26. ὃς παρεπίκρανε τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 26. A ἔδωκεν αὐτὸν ὁ κ. τῷ λέοντι (11 a)
— 26. A κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 32. ὃ ἐλάλησεν ἐν λόγῳ κυρίου (11 a)
14. 5. A κύριος εἶπεν πρὸς Ἀ. (11 a)
— 7. A τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 11. A ὅτι κύριος ἐλάλησεν (11 a)
— 13. A εὑρέθη ἐν αὐτῷ ῥῆμα καλὸν περὶ τοῦ κ. θεοῦ Ἰσρ. (11 a)

III Ki. 14. 14. A ἀναστήσει κύριος ἑαυτῷ βασιλέα (11 a)
— 15. A κύριος πλήξει τὸν Ἰσρ. (11 a)
— 15. A παροργίζοντες τὸν κ. (11 a)
— 16. A παραδώσει κύριος τὸν Ἰσρ. –
— 18. A κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 21. ἣν ἐξελέξατο κύριος (11 a)
— 22. ἐποίησε Ἰ. τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 24. ὧν ἐξῆρε κύριος (11 a)
— 26. τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου (11 a)
— 28. ὅτε εἰσεπορεύετο ὁ βασ. εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
15. 3. οὐκ ἦν ἡ καρδία αὐτοῦ τελεία μετὰ κυρίου (11 a)
— 4. ἔδωκεν αὐτῷ κύριος [A κ. ὁ θεὸς] κατάλειμμα (11 a + 6 [11 a])
— 5. ἐποίησε Δ. τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 11. ἐποίησεν Ἀσὰ τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 14. ἡ καρδία Ἀσὰ ἦν τελεία μετὰ κυρίου (11 a)
— 15. εἰσήνεγκεν εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 18. A R ἐν θησαυροῖς οἴκου κυρίου [B om. οἴ. κ.] (11 a)
— 26. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 29. B κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 30. ᾧ [A ὡς] παρώργισε τὸν κ. (11 a)
— 34. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
16. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν χειρὶ Ἰού (11 a)
— 7. ἐλάλησε κύριος ἐπὶ [A περὶ] B. (11 a)
— 7. ἣν ἐποίησεν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 12. κατὰ τὸ ῥῆμα ὃ ἐλάλησε κύριος [A κ. τ. ῥ. κυρίου ὃ ἐλ.] (11 a)
— 13. τοῦ παροργίσαι κύριον (11 a)
— 19. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 24. ἐκτήσατο . . . παρὰ Σεμὴρ τοῦ κ. τοῦ ὄρους –
— 24. ἐπὶ τῷ ὀνόματι Σ. τοῦ κ. τοῦ ὄρους (1)
— 25. ἐποίησεν Ζ. τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 26. A R τοῦ παροργίσαι τὸν κ. [B om. τ. κ.] (11 a)
— 28 (22. 43). B τοῦ ποιεῖν τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 30. ἐποίησεν . . . τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 33. A R τοῦ παροργίσαι τὸν κ. [B om. τ. κ.] (11 a)
— 34. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
17. 1. ζῇ κ. ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων (11 a)
— 2. ἐγένετο ῥῆμα [A λόγος] κυρίου πρὸς Ἠ. (11 a)
— 5. B κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 8. ἐγένετο ῥῆμα κυρίου πρὸς Ἠ. (11 a)
— 12. ζῇ κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 14. τάδε λέγει κύριος [A κ. ὁ θεὸς Ἰσρ.] (11 a + 6 [11 a])
— 14. τοῦ δοῦναι κύριον τὸν ὑετόν (11 a)
— 16. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 20. οἴμοι, κύριε (11 a + 6)
— 21. ἐπεκαλέσατο τὸν κ. καὶ εἶπε, Κύριε ὁ θεός μου (11 a, 11 a)
— 22. A ἤκουσεν κύριος ἐν φωνῇ Ἠλία (11 a)
— 24. ῥῆμα κυρίου ἐν στόματί σου ἀληθινόν (11 a)
18. 1. ῥῆμα κυρίου ἐγένετο πρὸς Ἠ. (11 a)
— 3. Ἀβδ. ἦν φοβούμενος τὸν κ. σφόδρα (11 a)
— 4. ἐν τῷ τύπτειν τὴν Ἰ. τοὺς προφήτας κυρίου (11 a)
— 7. εἰ σὺ εἶ αὐτός, κύριέ μου Ἠλιού (1)
— 8. λέγει [A εἰπὸν] τῷ κ. σου (1)
— 10. ζῇ κύριος ὁ θεός σου (11 a)
— 10. οὗ οὐκ ἀπέστειλεν ὁ κ. μου (1)
— 11. ἀνάγγελε τῷ κ. σου (1)
— 12. πνεῦμα κυρίου ἀρεῖ σε (11 a)
— 12. ὁ δοῦλός σού ἐστι φοβούμενος τὸν κ. (11 a)
— 13. οὐκ ἀπηγγέλη [A ἀν.] σοι τῷ κ. μου (1)
— 13. ἐν τῷ ἀποκτείνειν Ἰ. τοὺς προφήτας κυρίου (11 a)
— 13. ἔκρυψα ἀπὸ τῶν προφητῶν κυρίου (11 a)
— 14. λέγε τῷ κ. σου (1)
— 15. ζῇ κύριος τῶν δυνάμεων (11 a)
— 18. ἐν τῷ καταλιμπάνειν ὑμᾶς τὸν κ. θεὸν ὑμῶν (18 a)
— 21. εἰ ἔστι κύριος ὁ θεός (11 a)
— 22. ὑπολέλειμμαι προφήτης τοῦ κ. μονώτατος (11 a)
— 24. ἐπικαλέσομαι ἐν ὀνόματι κ. τοῦ θεοῦ μου (18 a)
— 31. ὡς ἐλάλησε κύριος πρὸς αὐτόν (11 a)
— 32. ᾠκοδόμησε τοὺς λίθους ἐν ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 32 (31). A ἰάσατο τὸ θυσιαστήριον κυρίου [B om.] –
— 36. κύριε ὁ θεὸς Ἀβραάμ (11 a)
— 36. B ἐπάκουσόν μου, κύριε –
— 36. A R σὺ εἶ [B om.] κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (18 b)
— 37. ἐπάκουσόν μου, κύριε (11 a)
— 37. A R σὺ εἶ [B om.] κ. ὁ θεός (11 a)
— 38. ἔπεσε πῦρ παρὰ κυρίου (11 a)

III Ki. 18. 39. ἀληθῶς κ. ὁ θεὸς αὐτὸς ὁ θεός [A κ. αὐ. ἐστιν ὁ θ.] (11 a)
— 46. χεὶρ κυρίου ἐπὶ [A ἐγένετο ἐπὶ] τὸν Ἠ. (11 a)
19. 4. A κύριε [B om.], λάβε τὴν ψυχήν μου ἀπ' ἐμοῦ, κύριε (11 a, –)
— 7. ἐπέστρεψεν ὁ ἄγγελος κυρίου (11 a)
— 9. ῥῆμα κυρίου πρὸς αὐτόν (11 a)
— 10. ἐζήλωκα τῷ κ. παντοκράτορι (11 a + 6)
— 11. στήσῃ ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 11. παρελεύσεται κύριος (11 a)
— 11. πνεῦμα . . . συντρῖβον πέτρας ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 11. R οὐκ [B om.] ἐν τῷ πνεύματι κύριος [A B -ίου] (11 a)
— 12 (11). οὐκ ἐν τῷ συσσεισμῷ κύριος (11 a)
— 12. οὐκ ἐν τῷ πυρὶ κύριος (11 a)
— 12. A κἀκεῖ κύριος –
— 14. ἐζήλωκα τῷ κ. παντοκράτορι (11 a + 6)
— 15. εἶπε κύριος πρὸς αὐτόν (11 a)
20 (21). 17. εἶπε κύριος πρὸς Ἠ. (11 a)
— 19 bis. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 20. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 23. τῇ Ἰ. ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 25. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 26. ὃν [A ὧν] ἐξωλέθρευσε κύριος (11 a)
— 27. κατενύγη Ἀχ. ἀπὸ προσώπου τοῦ [A om.] κ. †
— 28. ἐγένετο ῥῆμα κυρίου ἐν χειρὶ δούλου αὐτοῦ (11 a)
— 28. καὶ εἶπε κύριος –
21 (20). 4. καθὼς ἐλάλησας [A ἐλ. μοι], κύριέ μου βασιλεῦ (1)
— 9. λέγετε τῷ κ. ὑμῶν (1)
— 13. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 13. γνώσῃ ὅτι ἐγὼ κύριος (11 a)
— 14. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 23. A θεὸς ὀρέων κ. ὁ [B om. κ. ὁ] θεὸς Ἰσρ. (18 b)
— 28. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 28. θεὸς ὀρέων κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (18 a)
— 28. γνώσῃ ὅτι ἐγὼ κύριος (11 a)
— 35. εἶπε . . . ἐν λόγῳ κυρίου (11 a)
— 36. οὐκ ἤκουσας τῆς φωνῆς κυρίου (11 a)
— 42. τάδε λέγει κύριος (11 a)
22. 5. ἐπερωτήσατε δὴ σήμερον τὸν κ. (11 a)
— 6. δώσει κύριος εἰς χεῖρας τοῦ βασ. (2)
— 7. οὐκ ἔστιν ὧδε προφήτης τοῦ κ. (11 a)
— 7. ἐπερωτήσομεν τὸν κ. δι' αὐτοῦ –
— 8. εἰς τὸ ἐπερωτῆσαι δι' αὐτοῦ τὸν κ. (11 a)
— 11. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 12. δώσει κύριος εἰς χεῖράς σου (11 a)
— 14. ζῇ κύριος (11 a)
— 14. ἃ [A om.] ἐὰν εἴπῃ κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 15. εὐοδώσει κύριος εἰς χεῖρα τοῦ βασ. (11 a)
— 16. ὅπως λαλήσῃς . . . ἐν ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 17. καὶ εἶπε κύριος, Οὐ κύριος τούτοις θεός [A om.] (11 a, 1)
— 19. ἄκουε ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 19. A εἶδον τὸν κ. [B om. τ. κ.] θεὸν Ἰσρ. (18 a)
— 20. καὶ εἶπε κύριος (11 a)
— 21. ἔστη ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 22 (21). εἶπε πρὸς αὐτὸν κύριος (11 a)
— 23. ἔδωκε κύριος πνεῦμα ψευδές (11 a)
— 23. κύριος ἐλάλησεν ἐπὶ σὲ κακά (11 a)
— 24. ποῖον [A π. τοῦτο παρῆλθεν] πνεῦμα κυρίου (11 a)
— 28. οὐ λελάληκε κύριος ἐν ἐμοί (11 a)
— 38. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 43. τοῦ ποιῆσαι τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς [A ἐνώπιον] κυρίου (11 a)
— 53. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον [A ἐνώπιον] κυρίου (11 a)
— 54. παρώργισε τὸν κ. θεὸν Ἰσρ. (11 a)
IV Ki. 1. 3. ἄγγελος κυρίου ἐκάλεσεν Ἠ. (11 a)
— 4, 6. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 15. ἐλάλησεν ἄγγελος κυρίου πρὸς Ἠ. (11 a)
— 16. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 17. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 18 (3. 2). ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 18 (3. 3). ἐθυμώθη ὀργῇ κύριος –
2. 1. ἐν τῷ ἀνάγειν κύριον . . . Ἠ. (11 a)
— 2. A κύριος ἀπέστειλέν με ἕως B. [B al.] (11 a)
— 2. ζῇ κύριος (11 a)
— 3. κύριος σήμερον λαμβάνει τὸν κ. σου (11 a, 1)
— 4. κύριος ἀπέσταλκέ με εἰς Ἱερ. (11 a)
IV Ki. 2. 4. ζῇ κύριος (11 a)
— 5. σήμερον λαμβάνει κύριος τὸν κ. σου (11 a, 1)
— 6. κύριος ἀπέσταλκέ με ἕως [A om.] εἰς τὸν Ἰορδ. (11 a)
— 6. ζῇ κύριος (11 a)
— 14. A ποῦ, κύριε [B om.], ὁ θεὸς Ἠ. (11 a)
— 16. ζητησάτωσαν τὸν κ. σου (1)
— 16. A R μή ποτε ᾖρεν [B εὗρεν] αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (11 a)
— 19. καθὼς ὁ κ. βλέπει (1)
— 21. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 24. κατηράσατο αὐτοῖς ἐν ὀνόματι κυρίου (11 a)
3. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 10. κέκληκε κύριος τοὺς τρεῖς βασ. (11 a)
— 11. οὐκ ἔστιν ὧδε προφήτης τοῦ κ. (11 a)
— 11. ἐπιζητήσωμεν τὸν κ. παρ' αὐτοῦ (11 a)
— 12. A R ἔστιν σὺν αὐτῷ ῥῆμα κυρίου [B om.] (11 a)
— 13. κέκληκε κύριος τοὺς τρεῖς βασιλεῖς (11 a)
— 14. ζῇ κύριος τῶν δυνάμεων (11 a)
— 15. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν χεὶρ κυρίου (11 a)
— 16, 17. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 18. A R κούφη [B -ος καὶ] αὐτὴ ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
4. 1. δοῦλος ἦν φοβούμενος τὸν κ. (11 a)
— 7. A ἀπήγγειλε κυρίῳ [B τῷ ἀνθρώπῳ] τοῦ θεοῦ †
— 16. A R μὴ, κύριε [B κ. μου] (1)
— 27. κύριος ἀπέκρυψεν ἀπ' ἐμοῦ (11 a)
— 28. μὴ ᾐτησάμην υἱὸν παρὰ τοῦ κ. μου (1)
— 30. ζῇ κύριος (11 a)
— 33. προσηύξατο πρὸς κύριον (11 a)
— 43. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 44. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
5. 1. ἀνὴρ μέγας ἐνώπιον τοῦ κ. αὐτοῦ (1)
— 1. ἐν αὐτῷ ἔδωκε [A ἔθηκε] κύριος σωτηρίαν Σ. (11 a)
— 3. ὄφελον ὁ κ. μου ἐνώπιον τοῦ προφήτου (1)
— 4. ἀπήγγειλε τῷ κ. ἑαυτῆς (1)
— 11. A ἐν ὀνόματι κυρίου [B θεοῦ] αὐτοῦ (11 a + 6)
— 16. ζῇ κύριος (11 a)
— 17. ἀλλ' ἢ τῷ κ. τῷ ῥήματι τούτῳ (11 a)
— 18. ἱλάσεται κύριος τῷ δούλῳ σου (11 a)
— 18. ἐν τῷ εἰσπορεύεσθαι τὸν κ. μου εἰς οἶκον Ῥ. (1)
— 18. ἱλάσεται δὴ κύριος τῷ δούλῳ σου (11 a)
— 20. ἐφείσατο ὁ κ. μου τοῦ Ναιμάν (1)
— 20. ζῇ κύριος (11 a)
— 22. ὁ κ. μου ἀπέστειλέ με [A πρὸς σέ] (1)
— 25. παρεστήκει πρὸς τὸν κ. αὐτοῦ (1)
6. 5. ὦ κύριε, καὶ αὐτὸ κεκρυμμένον (1)
— 12. οὐχὶ, κύριέ μου βασιλεῦ (1)
— 15. ὦ [A om.] κύριε, πῶς ποιήσομεν (1)
— 17. καὶ εἶπε, Κύριε (11 a)
— 17. διήνοιξε κύριος τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ (11 a)
— 18. προσηύξατο πρὸς κύριον (11 a)
— 20. ἄνοιξον δὴ, κύριε, τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐ. (11 a)
— 20. A R διήνοιξε κύριος [B om.] τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτῶν (11 a)
— 22. ἀπελθέτωσαν πρὸς τὸν κ. αὐτῶν (1)
— 23. ἀπῆλθον πρὸς τὸν κ. αὐτῶν (1)
— 26. σῶσον, κύριε βασιλεῦ (1)
— 27. μὴ σέ σώσαι κύριος (11 a)
— 32. φωνὴ τῶν ποδῶν τοῦ κ. αὐτοῦ (1)
— 33. αὕτη ἡ κακία παρὰ κυρίου (11 a)
— 33. τί ὑπομείνω τῷ κ. [A om. τ. κ.] ἔτι (11 a)
7. 1. ἄκουσον λόγον κυρίου (11 a)
— 1. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 2. ποιήσει κύριος καταράκτας ἐν οὐρανῷ (11 a)
— 6. κύριος ἀκουστὴν ἐποίησε . . . Συρίας φωνήν (2)
— 16. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 19. κύριος ποιεῖ καταράκτας ἐν τῷ οὐρανῷ (11 a)
8. 1. κέκληκε κύριος λιμὸν ἐπὶ τὴν γῆν (11 a)
— 5. κύριε βασιλεῦ, αὕτη ἡ γυνή (1)
— 8. ἐπιζήτησον τὸν κ. παρ' αὐτοῦ (11 a)
— 10. ἔδειξέ μοι κύριος ὅτι θανάτῳ ἀποθανῇ (11 a)
— 12. ὁ [A om.] κ. μου κλαίει [A καλεῖ] (1)
— 13. A ὦ κύριε [B al.] –
— 13. ἔδειξέ μοι κύριός σε (11 a)
— 14. εἰσῆλθε πρὸς τὸν κ. αὐτοῦ (1)
— 18. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 19. οὐκ ἠθέλησε κύριος διαφθεῖραι τὸν Ἰ. (11 a)
— 27. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
9. 3, 6. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 6. κέχρικά σε εἰς βασιλέα ἐπὶ λαὸν κυρίου (11 a)
IV Ki. 9. 7. ἐξολεθρεύσεις τὸν οἶκον Ἀχ. τοῦ κ. σου (1)
— 7. καὶ τὰ αἵματα πάντων τῶν δούλων κυρίου (11 a)
— 11. ἐξῆλθε πρὸς τοὺς παῖδας τοῦ κ. αὐτοῦ (1)
— 12. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 25. κύριος ἔλαβεν ἐπ' αὐτὸν τὸ λῆμμα [A ῥῆμα] τοῦτο (11 a)
— 26 bis. φησὶ κύριος (11 a)
— 26. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 31. ὁ φονευτὴς τοῦ κ. μου (1)
— 36. καὶ εἶπε, Λόγος κυρίου (11 a)
10. 2. μεθ' ὑμῶν οἱ υἱοὶ τοῦ κ. ὑμῶν (1)
— 3. ἐν τοῖς υἱοῖς τοῦ κ. ὑμῶν (1)
— 3. πολεμεῖτε ὑπὲρ τοῦ οἴκου τοῦ κ. ὑμῶν (1)
— 6. ἀνδρῶν τῶν υἱῶν [A om. τ. υἱ.] τοῦ κ. ὑμῶν (1)
— 9. συνεστράφην ἐπὶ τὸν κ. μου (1)
— 10. ἀπὸ τοῦ ῥήματος κυρίου (11 a)
— 10. οὗ [A ὅ τι] ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 10. κύριος ἐποίησεν ὅσα ἐλάλησεν (11 a)
— 16. ἐν τῷ ζηλῶσαί με τῷ κ. (11 a)
— 17. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 23. εἰ ἔστι μεθ' ὑμῶν τῶν δούλων κυρίου (11 a)
— 30. καὶ εἶπε κύριος πρὸς Ἰ. (11 a)
— 31. πορεύεσθαι ἐν νόμῳ κ. θεοῦ Ἰσρ. (11 a)
— 32. ἤρξατο κύριος συγκόπτειν (11 a)
11. 3. A R κρυβόμενος ἐν οἴκῳ κυρίου [B om.] (11 a)
— 4. ἀπήγαγεν αὐτοὺς . . . εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 4. διέθετο αὐτοῖς διαθήκην κυρίου –
— 4. A ὥρκισεν αὐτοὺς ἐν τῇ διαθήκῃ κυρίου [B ὤρκωσε] (11 a)
— 7. φυλάξουσι τὴν φυλακὴν οἴκου κυρίου (11 a)
— 10. τοὺς τρισσοὺς . . . τοὺς ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 13. εἰσῆλθε . . . εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 15. μὴ [A εἰ μὴ] ἀποθάνῃ ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 17. διέθετο Ἰ. διαθήκην ἀνὰ μέσον κυρίου (11 a)
— 17. τοῦ εἶναι εἰς λαὸν τῷ κ. (11 a)
— 18. ἔθηκεν ὁ ἱερεὺς ἐπισκόπους εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 19. κατήγαγον τὸν βασ. ἐξ οἴκου κυρίου (11 a)
12. 2 (3). ἐποίησεν Ἰ. τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 4 (5). τὸ εἰσοδιαζόμενον ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 4 (5). ἐνεγκεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 9 (10). A R ἐν τῷ οἴκῳ ἀνδρὸς οἴκου [B -ῳ] κυρίου (11 a)
— 9 (10). A ἔδωκαν . . . πᾶν τὸ ἀργύριον τὸ εὑρεθὲν ἐν οἴκῳ κυρίου κυρίῳ [B om.] (11 a, –)
— 10 (11). τὸ ἀργύριον τὸ εὑρεθὲν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 11 (12). τὰ ἔργα τῶν ἐπισκόπων [A ἐπὶ σκευῶν] οἴκου κυρίου (11 a)
— 11 (12). τοῖς οἰκοδόμοις τοῖς ποιοῦσιν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 12 (13). τοῦ κατασχεῖν τὸ βεδὲκ οἴκου κυρίου (11 a)
— 13 (14). οὐ ποιηθήσεται οἴκῳ [A -ου] κυρίου (11 a)
— 13 (14). τοῦ ἀργυρίου τοῦ εἰσενεχθέντος ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 14 (15). ἐκραταίωσαν ἐν αὐτῷ τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 16 (17). ὅτι [A ὅτι οὐκ] εἰσηνέχθη ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 18 (19). τὸ εὑρεθὲν ἐν θησαυροῖς οἴκου κυρίου (11 a)
13. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 3. ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)
— 4. ἐδεήθη Ἰ. τοῦ προσώπου κυρίου (11 a)
— 4. ἐπήκουσεν αὐτοῦ κύριος (11 a)
— 5. ἔδωκε κύριος σωτηρίαν τῷ Ἰσρ. (11 a)
— 11. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 17. βέλος σωτηρίας τῷ κ. (11 a)
— 23. ἠλέησε κύριος αὐτούς (11 a)
— 23. οὐκ ἠθέλησε κύριος διαφθεῖραι αὐτούς –
14. 3. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 6. ὡς ἐνετείλατο κύριος (11 a)
— 14. τὰ εὑρεθέντα ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 24. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 25. κατὰ τὸ ῥῆμα κ. θεοῦ Ἰσρ. (11 a)
— 26. εἶδε κύριος τὴν ταπείνωσιν Ἰσρ. (11 a)
— 27. οὐκ ἐλάλησε κύριος ἐξαλεῖψαι (11 a)
15. 3. ἐποίησε τὸ εὐθὲς [A ἀγαθὸν] ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 5. ἥψατο κύριος τὸν βασ. [A τοῦ β.] (11 a)
— 9. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 12. ὁ λόγος κυρίου ὃν ἐλάλησεν (11 a)

IV Ki. 15. 18, 24, 28. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 34. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 35. ᾠκοδόμησε τὴν πύλην οἴκου κυρίου (11 a)
— 37. ἤρξατο κύριος ἐξαποστέλλειν (11 a)
16. 2. οὐκ [B¹ om.] ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου θεοῦ (11 a)
— 3. ὃν ἐξῆρε κύριος (11 a)
— 8. τὸ εὑρεθὲν ἐν θησαυροῖς οἴκου κυρίου (11 a)
— 13 (14). τὸ θυσιαστήριον . . . τὸ ἀπέναντι κυρίου (11 a)
— 14. προσήγαγε τὸ πρόσωπον τοῦ οἴκου κυρίου –
— 14. καὶ ἀπὸ τοῦ ἀνὰ μέσον τοῦ οἴκου κυρίου (11 a)
— 18. τὸν θεμέλιον . . . ᾠκοδόμησεν ἐν οἴκῳ κυρίου –
— 18. A R τὴν εἴσοδον . . . ἐπέστρεψεν ἐν [B om.] οἴκῳ κυρίου (11 a)
17. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 7. ἥμαρτον οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τῷ κ. θεῷ αὐτῶν (11 a)
— 8. ὃν ἐξῆρε κύριος (11 a)
— 9. οὐχ οὕτως κατὰ κ. θεοῦ αὐτῶν (11 a)
— 11. ἃ ἀπῴκισεν κύριος (11 a)
— 11. τοῦ παροργίσαι τὸν κ. (11 a)
— 12. οἷς εἶπε κύριος αὐτοῖς (11 a)
— 12. οὐ ποιήσετε τὸ ῥῆμα τοῦτο κυρίῳ –
— 13. διεμαρτύρατο κύριος ἐν τῷ Ἰσρ. (11 a)
— 14. A οἱ οὐκ ἐπίστευσαν κ. θεῷ αὐτῶν (11 a)
— 15. R ὧν ἐνετείλατο κύριος [A B om.] αὐτοῖς (11 a)
— 16. ἐγκατέλιπον τὰς ἐντολὰς κ. θεοῦ αὐτῶν (11 a)
— 17. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 18. ἐθυμώθη κύριος σφόδρα ἐν τῷ Ἰσρ. (11 a)
— 19. οὐκ ἐφύλαξε τὰς ἐντολὰς κυρίου [B¹ om., A τοῦ κ.] (11 a)
— 19. ἀπεώσαντο [A ἀπῳκίσαντο] τὸν κ. –
— 20. R καὶ ἐθυμώθη κύριος (11 a)
— 21. ἐξέωσεν . . . τὸν Ἰσρ. ἐξόπισθε κυρίου (11 a)
— 23. μετέστησε κύριος τὸν Ἰσρ. (11 a)
— 23. καθὼς ἐλάλησε κύριος –
— 25. οὐκ ἐφοβήθησαν τὸν κ. (11 a)
— 25. ἀπέστειλε κύριος ἐν αὐτοῖς τοὺς λέοντας (11 a)
— 26. A ἀπέστειλεν κύριος [B om.] . . . τοὺς λέοντας –
— 28. πῶς [A ὅπως] φοβηθῶσι τὸν κ. (11 a)
— 32. ἦσαν φοβούμενοι τὸν κ. (11 a ?)
— 32. ἦσαν φοβούμενοι τὸν κ. (11 a)
— 33. τὸν κ. ἐφοβοῦντο (11 a)
— 34. ἣν ἐνετείλατο κύριος (11 a)
— 35. διέθετο κύριος μετ' αὐτῶν [A om. μετ' αὐ.] διαθήκην (11 a)
— 36. τῷ κ. ὃς ἀνήγαγεν ὑμᾶς (11 a)
— 39. τὸν κ. θεὸν ὑμῶν φοβηθήσεσθε (11 a)
— 41. ἦσαν . . . φοβούμενοι τὸν κ. (11 a)
18. 3. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 5. ἐν κ. θεῷ Ἰσρ. ἤλπισε (11 a)
— 6. ἐκολλήθη τῷ κ. (11 a)
— 7. ἦν κύριος μετ' αὐτοῦ (11 a)
— 12. οὐκ ἤκουσαν τῆς φωνῆς κ. θεοῦ αὐτῶν (11 a)
— 12. Μωσῆς ὁ δοῦλος κυρίου (11 a)
— 15. τὸ εὑρεθὲν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 16. A συνέκοψεν Ἐζ. τὰς θύρας ναοῦ κυρίου [B om.] (11 a)
— 22. ἐπὶ κ. θεὸν πεποίθαμεν (11 a)
— 23. μίχθητε δὴ τῷ κ. μου (1)
— 24. τῶν δούλων τοῦ κ. μου τῶν ἐλαχίστων (1)
— 25. μὴ ἄνευ κυρίου ἀνέβημεν (11 a)
— 25. κύριος εἶπε πρὸς μέ (11 a)
— 27. μὴ ἐπὶ [A πρὸς] τὸν κ. σου καὶ πρὸς σὲ ἀπέστειλέ με ὁ κ. μου (1, 1)
— 30. μὴ ἐπελπιζέτω ὑμᾶς Ἐζ. πρὸς κύριον (11 a)
— 30. ἐξελεῖται κύριος [A ἡμᾶς κ.] (11 a)
— 32. κύριος ῥύσεται ὑμᾶς (11 a)
— 35. ὅτι ἐξελεῖται κύριος τὴν Ἱερ. (11 a)
19. 1. εἰσῆλθεν εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 4. εἴ πως εἰσακούσεται κύριος ὁ θεός σου . . . πάντας τοὺς λόγους Ῥ. (11 a)
— 4. ὃν ἀπέστειλεν αὐτὸν . . . ὁ κ. αὐτοῦ (1)
— 4. οἷς ἤκουσε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 6. τάδε ἐρεῖτε πρὸς τὸν κ. ὑμῶν (1)
— 6. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 14. ἀνέβη εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 14. ἀνέπτυξεν αὐτὰ Ἐζ. ἐναντίον κυρίου (11 a)
— 15. A προσηύξατο Ἐζ. εἰς πρόσωπον κυρίου (11 a)
— 15. καὶ εἶπε, Κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)

IV Ki. 19. 16. κλῖνον, κύριε, τὸ οὖς σου (11 a)
— 16. ἄνοιξον, κύριε, τοὺς ὀφθαλμούς σου (11 a)
— 17. κύριε, ἠρήμωσαν βασ. Ἀσσ. τὰ ἔθνη (11 a)
— 19. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 19. σὺ [A σὺ εἶ] κύριος ὁ θεὸς μόνος (11 a)
— 20. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων (11 a)
— 21. ὃν ἐλάλησε κύριος ἐπ' [A πρὸς] αὐτόν (11 a)
— 23. A R ὠνείδισας κύριον [B κ. σου] (2)
— 31. ὁ ζῆλος κυρίου τῶν δυνάμεων ποιήσει τοῦτο (11 a)
— 32. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 33. λέγει κύριος (11 a)
— 35. ἐξῆλθεν ἄγγελος κυρίου (11 a)
20. 1. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 2. ἤξατο πρὸς κύριον (11 a)
— 3. κύριε, μνήσθητι δή (11 a)
— 4. ῥῆμα κυρίου ἐγένετο πρὸς αὐτόν (11 a)
— 5. τάδε λέγει κύριος ὁ θ. Δ. (11 a)
— 5. ἀναβήσῃ εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 8. ἰάσεται κύριός με (11 a)
— 8. ἀναβήσομαι εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 9. τοῦτο τὸ σημεῖον παρὰ κυρίου (11 a)
— 9. ποιήσει κύριος τὸν λόγον (11 a)
— 11. ἐβόησεν Ἠ. ὁ προφήτης πρὸς κύριον (11 a)
— 16. ἄκουσον λόγον κυρίου (11 a)
— 17. ὃ εἶπε κύριος [A ὁ κ.] (11 a)
— 19. ἀγαθὸς ὁ λόγος κυρίου (11 a)
21. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 2. ὧν ἐξῆρε κύριος (11 a)
— 4. ᾠκοδόμησε θυσιαστήριον ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 5. ἐν ταῖς δυσὶν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (11 a)
— 6. τοῦ ποιεῖν τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 7. ᾧ εἶπε κύριος πρὸς Δ. (11 a)
— 9. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου –
— 9. ἃ ἠφάνισε κύριος (11 a)
— 10. καὶ ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 12. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 16. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 20. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (1 a)
— 22. ἐγκατέλιπε τὸν κ. (11 a)
— 22. οὐκ ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ κυρίου (11 a)
22. 2. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 3. τὸν Σ. . . . τὸν γραμματέα οἴκου κυρίου (11 a)
— 4. τὸ εἰσενεχθὲν ἐν οἴκῳ [A εἰς οἶκον] κυρίου (11 a)
— 5. τῶν καθεσταμένων ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 5. τοῖς ποιοῦσι τὰ ἔργα τοῖς ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 8. βιβλίον τοῦ νόμου εὗρον ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 9. εἰσῆλθεν ἐν οἴκῳ [A εἰς οἶκον] κυρίου †
— 9. τὸ εὑρεθὲν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου –
— 9. καθεσταμένων ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 13. ἐκζητήσατε τὸν κ. (11 a)
— 13. μεγάλη ἡ ὀργὴ κυρίου (11 a)
— 15, 16. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 18. τὸν ἀποστείλαντα ὑμᾶς ἐκζητῆσαι τὸν κ. (11 a)
— 18. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 19. B¹ ἐνετράπης τὸ πρόσωπον [A B² R ἀπὸ προσώπου] κυρίου [R om.] (11 a)
— 19. λέγει κύριος (11 a)
23. 2. ἀνέβη ὁ βασ. εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 2. τοῦ εὑρεθέντος ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 3. διέθετο διαθήκην ἐνώπιον κυρίου τοῦ πορεύεσθαι ὀπίσω κυρίου (11 a, 11 a)
— 4. ἐξαγαγεῖν ἐκ τοῦ ναοῦ κυρίου (11 a)
— 6. ἐξήνεγκε τὸ ἄλσος ἐξ οἴκου κυρίου (11 a)
— 7. τῶν καθησὶμ τῶν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 9. οὐκ ἀνέβησαν . . . πρὸς τὸ θυσιαστήριον κυρίου (11 a)
— 11. ἐν τῇ εἰσόδῳ οἴκου κυρίου (11 a)
— 12. ἐν ταῖς δυσὶν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (11 a)
— 16. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 19. οὓς ἐποίησαν . . . παροργίζειν κύριον –
— 21. ποιήσατε πάσχα τῷ κ. θ. ἡμῶν (11 a)
— 23. ἐγενήθη τὸ πάσχα [A π. τοῦτο] τῷ κ. (11 a)
— 24. οὗ εὗρε . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 25. ὃς ἐπέστρεψε πρὸς κύριον (11 a)
— 26. οὐκ ἀπεστράφη κύριος ἀπὸ θυμοῦ (11 a)
— 27. καὶ εἶπε κύριος (11 a)
— 32. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 37. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς [A ἐνώπιον] κυρίου (11 a)
24. 2. A R ἀπέστειλε κύριος [B om.] . . . τοὺς μονοζώνους M. (11 a)

IV Ki. 24. 2. κατὰ τὸν λόγον κυρίου (11 a)
— 3. ἐπὶ τὸν θυμὸν κυρίου ἦν (11 a)
— 4. οὐκ ἠθέλησε κύριος ἱλασθῆναι (11 a)
— 9. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 13. πάντας τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου (11 a)
— 13. ἃ ἐποίησε Σαλ. . . . ἐν τῷ ναῷ κυρίου κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a, 11 a)
— 19. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον [A ἐν ὀφθαλμοῖς] κυρίου (11 a)
— 20. ἐπὶ τὸν θυμὸν κυρίου ἦν (11 a)
25. 9. ἐνέπρησε τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 13. τοὺς στύλους . . . τοὺς ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 13. τὴν θάλασσαν . . . τὴν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 16. ἃ ἐποίησε Σαλ. τῷ οἴκῳ κυρίου (11 a)
I Ch. 2. 3. ἦν *Ηρ . . . πονηρὸς ἐναντίον κυρίου (11 a)
6. 31 (16). οὓς κατέστησε Δ. . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 32 (17). A R ἕως οὗ ᾠκοδόμησε Σαλ. τὸν οἶκον κυρίου [B om.] (11 a)
9. 19. A R πατέρες αὐτῶν ἐπὶ τῆς παρεμβολῆς κυρίου [B om.] (11 a)
— 20. A R ἡγούμενος ἦν . . . ἔμπροσθεν κυρίου [B om.] (11 a)
— 23. ἐπὶ τῶν πυλῶν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
10. 13. A αἷς ἠνόμησε τῷ κ. [B S θεῷ] (11 a)
— 13. κατὰ τὸν λόγον κυρίου [S τοῦ κ.] (11 a)
— 14. οὐκ ἐζήτησε [A ἐξεζ. τὸν] κύριον [S -ος] (11 a)
— 14. A καθότι οὐκ ἠρώτησεν ἐν κυρίῳ –
11. 2. A S εἶπεν [B εἶ. Ἰσρ.] κύριός [A κ. ὁ θεός σού] σοι (11 a + 6 [11 a])
— 3. διέθετο αὐτοῖς ὁ βασ. Δ. διαθήκην . . . ἐναντίον κυρίου (11 a)
— 3. κατὰ τὸν λόγον κυρίου (11 a)
— 9. καὶ κ. παντοκράτωρ μετ' αὐτοῦ (11 a)
— 10. κατὰ τὸν λόγον κυρίου (11 a)
— 14. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μεγάλην (11 a)
— 18. ἔσπεισεν αὐτὸ τῷ κ. (11 a)
12. 19. ἐπιστρέψει πρὸς τὸν κ. αὐτοῦ Σαούλ (1)
— 23. κατὰ τὸν λόγον κυρίου (11 a)
13. 2. καὶ παρὰ κ. θεοῦ ἡμῶν εὐοδωθῇ (11 a)
— 6. τὴν κιβωτὸν τοῦ θεοῦ κυρίου (11 a)
— 10. A S R ἐθυμώθη κύριος ὀργῇ [B om.] (11 a)
— 11. διέκοψε κύριος διακοπὴν ἐν Ὀζά (11 a)
14. 2. ἡτοίμασεν αὐτὸν κύριος (11 a)
— 10. B S εἶπεν αὐτῷ κύριος [A² om.] (11 a)
— 17. κύριος ἔδωκε τὸν φόβον αὐτοῦ (11 a)
15. 2. αὐτοὺς ἐξελέξατο κύριος (11 a)
— 2. A R αἴρειν τὴν κιβωτὸν κυρίου (6)
— 3. A² B τοῦ ἀνενέγκαι τὴν κιβωτὸν κυρίου [S τοῦ κ.] (11 a)
— 14. A τὴν κιβωτὸν τοῦ κ. [B S om.] θεοῦ Ἰσρ. (11 a)
— 25. A τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου [B S om.] (11 a)
— 26. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 a)
— 27. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου –
— 28. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 a)
— 29. κιβωτὸς διαθήκης κυρίου (11 a)
16. 1. A προσήνεγκαν . . . ἐναντίον τοῦ κ. [B S θεοῦ] (6)
— 2. εὐλόγησε τὸν λαὸν ἐν ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 4. τῆς κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (11 a)
— 4. S αἰνεῖν κύριον [A τὸν κ.] θεὸν [B τὸν θ.] Ἰσρ. (11 a)
— 6. S τῆς κιβωτοῦ τῆς διαθήκης τοῦ κ. [A B θεοῦ] (6)
— 7. τοῦ αἰνεῖν τὸν κ. (11 a)
— 8. R ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. [A B S om. τ. κ.] (11 a)
— 9. ἃ ἐποίησε κύριος –
— 11. R ζητήσατε τὸν κ. [A B S om. τ. κ.] (11 a)
— 14. A R αὐτὸς [B S om.] κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 23. ᾄσατε τῷ κ. (11 a)
— 25. ὅτι μέγας κύριος (11 a)
— 28. δότε τῷ κ. . . . δότε τῷ κ. δόξαν (11 a, 11 a)
— 29. A R δότε τῷ κ. δόξαν (11 a)
— 29. προσκυνήσατε κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 a)
— 31. κύριος βασιλεύων [A ἐβασίλευσεν] (11 a)
— 33. εὐφρανθήσεται . . . ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 a)
— 34. ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. (11 a)
— 36. εὐλογημένος κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 36. ᾔνεσαν τῷ κ. (11 a)
— 37. τῆς κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (11 a)
— 39. ἐναντίον τῆς σκηνῆς κυρίου (11 a)
— 40. τοῦ ἀναφέρειν ὁλοκαυτώματα τῷ κ. (11 a)
— 40. κατὰ πάντα τὰ γεγραμμένα ἐν νόμῳ κυρίου (11 a)

I Ch. 16. 41. τοῦ αἰνεῖν τὸν κ. (11 a)
17. 1. ἡ κιβωτὸς διαθήκης κυρίου (11 a)
— 3. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Νάθαν (6)
— 4. οὕτως εἶπε κύριος (11 a)
— 7. τάδε λέγει κ. παντοκράτωρ (11 a)
— 10. B S οἰκοδομήσει σε [A R σοι] κύριος (11 a)
— 16. ἐκάθισεν ἀπέναντι [S -τίον] κυρίου (11 a)
— 16. τίς εἰμι ἐγὼ, κύριε [A -ος] (11 a)
— 17. ὕψωσάς με, κύριε ὁ θεός (11 a)
— 20. κύριε, οὐκ ἔστιν ὅμοιός σοι (11 a)
— 22. A S σὺ, κύριε [B -ος], αὐτοῖς εἰς θεόν (11 a)
— 23. καὶ νῦν, κύριε, ὁ λόγος σου (11 a)
— 24. κύριε κύριε παντοκράτωρ θεὸς Ἰσρ. (11 a, –)
— 25. A σὺ, κύριε [B S om., R κ. ὁ θεός μου], ἤνοιξας (6 [11 b])
— 26. καὶ νῦν, κύριε, σὺ εἶ (11 a)
— 27. AR σὺ, κύριε [BS om.], εὐλόγησας (11 a)
18. 6. ἔσωζεν κύριος τὸν Δαυίδ (11 a)
— 11. ἡγίασεν Δαυὶδ τῷ κ. (11 a)
— 13. AR ἔσωζε κύριος τὸν Δ. [BS om. τ. Δ.] (11 a)
19. 13. BS κύριος τὸ ἀγαθὸν [AR ἀ. ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ] ποιήσει (11 a)
— 17. ἐπολέμησεν αὐτόν [S ? add. κύριος] –
21. 3. προσθείη κύριος ἐπὶ τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 a)
— 3. AB οἱ ὀφθαλμοὶ κυρίου [A -οι, R τοῦ κ.] μου . . . βλέποντες (1)
— 3. πάντες τῷ κ. μου παῖδες (1)
— 3. ἵνα τί [B¹ ἵνα] ζητεῖ κύριός [A ὁ κ.] μου τοῦτο (1)
— 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Γάδ (11 a)
— 10, 11. οὕτω λέγει κύριος (11 a)
— 12. ἢ τρεῖς ἡμέρας ῥομφαίαν κυρίου (11 a)
— 12. καὶ ἄγγελος κυρίου ἐξολεθρεύων (11 a)
— 13. ἐμπεσοῦμαι δὴ εἰς χεῖρας κυρίου (11 a)
— 14. ἔδωκε κύριος θάνατον ἐν Ἰσρ. (11 a)
— 15. εἶδε κύριος (11 a)
— 15. καὶ ὁ ἄγγελος κυρίου ἑστώς (11 a)
— 16. εἶδε τὸν ἄγγελον κυρίου (11 a)
— 17. κύριε ὁ θεὸς, γενηθήτω ἡ χεὶρ σου (11 a)
— 17. καὶ μὴ ἐν τῷ λαῷ σου εἰς ἀπώλειαν, κύριε –
— 18. ἄγγελος κυρίου εἶπε τῷ Γάδ (11 a)
— 18. A² κύριε, ἵνα λάβῃ [A¹ B R ἵ. ἀναβῇ] –
— 18. τοῦ στῆσαι θυσιαστήριον τῷ κ. (11 a)
— 19. ὃν ἐλάλησεν ἐν ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 22. οἰκοδομήσω . . . θυσιαστήριον τῷ κ. (11 a)
— 23. ποιησάτω ὁ κ. μου . . . τὸ ἀγαθόν (1)
— 24. οὐ μὴ λάβω ἃ ἐστί σοι κυρίῳ (11 a)
— 24. τοῦ ἀνενέγκαι ὁλοκαύτωσιν [A εἰς ὁ.] δωρεὰν κυρίῳ –
— 26. ᾠκοδόμησεν Δ. ἐκεῖ θυσιαστήριον κυρίῳ (11 a)
— 26. καὶ ἐβόησε πρὸς κύριον (11 a)
— 27. εἶπε κύριος πρὸς τὸν ἄγγελον (11 a)
— 28. A R εἰσήκουσεν αὐτῷ κύριος [B om.] (11 a)
— 29. σκηνὴ κυρίου ἣν ἐποίησε M. (11 a)
— 30. ἀπὸ προσώπου τῆς ῥομφαίας ἀγγέλου κυρίου (11 a)
22. 1. οὗτός ἐστιν ὁ οἶκος κυρίου [A om.] τοῦ θεοῦ (11 a)
— 5. ὁ οἶκος τοῦ οἰκοδομῆσαι τῷ κ. (11 a)
— 6. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον τῷ κ. [A ὀνόματι κυρίου] (11 a)
— 7. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 8. ἐγένετό μοι [A ἐπ' ἐμὲ] λόγος κυρίου (11 a)
— 11. ἔσται μετὰ σοῦ κύριος (11 a)
— 11. οἰκοδομήσεις οἶκον τῷ κ. θεῷ σου (11 a)
— 12. δῴη σοι σοφίαν . . . κύριος (11 a)
— 12. τοῦ ποιεῖν τὸν νόμον κυρίου τοῦ θ. σου (11 a)
— 13. ἃ ἐνετείλατο κύριος τῷ M. (11 a)
— 14. ἡτοίμασα εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 16. καὶ κύριος μετὰ σοῦ (11 a)
— 18. οὐχὶ κύριος μεθ' ὑμῶν (18 a)
— 18. ὑπετάγη ἡ γῆ ἐναντίον κυρίου (11 a)
— 19. τοῦ ζητῆσαι τῷ κ. θεῷ ὑμῶν (11 a)
— 19. A οἰκοδομήσατε ἁγίασμα κ. [B om.] τῷ θεῷ ὑμῶν (11 a)
— 19. τοῦ εἰσενέγκαι τὴν κιβωτὸν διαθήκης κ. (11 a)
— 19. τὸν οἰκοδομούμενον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 a)
23. 4. R ἐπὶ τὰ ἔργα οἴκου κυρίου [A B om.] (11 a)
— 5. αἰνοῦντες τῷ κ. (11 a)
— 5. οἷς ἐποίησε τοῦ αἰνεῖν τῷ κ. –
— 13. τοῦ θυμιᾶν ἐναντίον τοῦ κ. (11 a)
— 24. τὰ ἔργα λειτουργίας οἴκου κυρίου (11 a)
— 25. κατέπαυσε κύριος ὁ θεὸς Ἰσρ. [A τῷ Ἰσρ.] (11 a)
— 28. τοῦ λειτουργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)

I Ch. 23. 30. ἐξομολογεῖσθαι τῷ κ. (11 a)
— 31. τῶν ἀναφερομένων ὁλοκαυτωμάτων τῷ κ. (11 a)
— 31. κατὰ τὴν κρίσιν ἐπ' αὐτοῖς διὰ παντὸς τῷ κ. (11 a)
— 32. τοῦ λειτουργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
24. 5. ἦσαν . . . ἄρχοντες κυρίου (6)
— 19. τοῦ εἰσπορεύεσθαι εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 19. ὡς ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
25. 3. ἐξομολόγησιν καὶ αἴνεσιν τῷ κ. (11 a)
— 6. ἐν οἴκῳ θεοῦ [A κυρίου] (11 a)
— 7. δεδιδαγμένοι ᾄδειν κυρίῳ (11 a)
26. 12. λειτουργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 20. ἐπὶ τῶν θησαυρῶν οἴκου κυρίου (6)
— 22. ἐπὶ τῶν θησαυρῶν οἴκου κυρίου (11 a)
— 30. εἰς πᾶσαν λειτουργίαν κυρίου [A τῷ κ.] (11 a)
— 32. εἰς πᾶν πρόσταγμα κυρίου [A al.] (6)
27. 23. κύριος εἶπε πληθῦναι τὸν Ἰσρ. (11 a)
28. 2. τῆς κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (11 a)
— 2. καὶ στάσιν ποδῶν κυρίου ἡμῶν (6)
— 4. ἐξελέξατο κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. ἐν ἐμοί (11 a)
— 5. πολλοὺς υἱοὺς ἔδωκέ μοι κύριος (11 a)
— 5. ἐπὶ θρόνου βασιλείας κυρίου (11 a)
— 8. κατὰ πρόσωπον πάσης ἐκκλησίας κυρίου (11 a)
— 8. ζητήσατε πάσας τὰς ἐντολὰς κυρίου (11 a)
— 9. πάσας καρδίας ἐτάζει [A ἐξετ.] κύριος (11 a)
— 10. κύριος ᾑρέτικέ σε (11 a)
— 12. τὸ παράδειγμα . . . τῶν αὐλῶν οἴκου κυρίου (11 a)
— 12. AR τῶν εἰς τὰς ἀποθήκας οἴκου [B om.] κυρίου (6)
— 13. εἰς πᾶσαν ἐργασίαν λειτουργίας οἴκου κυρίου (11 a)
— 13. A R τῆς λατρείας οἴκου κυρίου (11 a)
— 18. ἐπὶ τῆς κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (11 a)
— 19. πάντα ἐν γραφῇ χειρὸς κυρίου (11 a)
— 20. κ. ὁ θεός μου μετὰ σοῦ (11 a + 6)
— 20. πᾶσαν ἐργασίαν λειτουργίας οἴκου κυρίου (11 a)
— 20. καὶ τὸ παράδειγμα οἴκου κυρίου –
— 21. εἰς πᾶσαν λειτουργίαν οἴκου κυρίου [A τοῦ θεοῦ] (6)
29. 1. εἰς ὃν ᾑρέτικεν ἐν αὐτῷ κύριος (6)
— 1. οὐκ ἀνθρώπῳ [A add. ἢ οἰκοδομὴ] ἀλλ' ἢ κυρίῳ θεῷ (11 a)
— 5. πληρῶσαι τὰς χεῖρας αὐτοῦ σήμερον κυρίῳ (11 a)
— 7. ἔδωκαν εἰς τὰ ἔργα τοῦ οἴκου κυρίου (6)
— 8. ἔδωκαν εἰς τὰς ἀποθήκας οἴκου κυρίου (11 a)
— 9. προεθυμήθησαν τῷ κ. (11 a)
— 10. εὐλόγησεν ὁ βασ. Δ. τὸν κ. (11 a)
— 10. εὐλογητὸς εἶ, κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 11. σοὶ, κύριε, ἡ μεγαλωσύνη (11 a)
— 12. σὺ πάντων ἄρχεις, κύριε –
— 13. καὶ νῦν, κύριε, ἐξομολογούμεθά σοι (6)
— 16. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν . . . ἐκ χειρός σού ἐστι (11 a)
— 17. καὶ ἔγνων, κύριε (6)
— 18. κύριε ὁ θεὸς Ἀβρ. . . . φύλαξον ταῦτα (11 a)
— 20. εὐλογήσατε κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 a)
— 20. εὐλόγησε πᾶσα ἡ ἐκκλησία κύριον (11 a)
— 20. προσεκύνησαν κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 a)
— 21. ἔθυσε Δ. τῷ κ. θυσίας (11 a)
— 22. ἔπιον ἐναντίον κυρίου (11 a)
— 22. ἔχρισαν αὐτὸν τῷ κ. (11 a)
— 25. ἐμεγάλυνε κύριος τὸν Σαλ. (11 a)

II Ch. 1. 1. καὶ κ. ὁ θεὸς αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (11 a)
— 3. ἣν ἐποίησε M. παῖς κυρίου (11 a)
— 5. ἐκεῖ ἦν ἔναντι τῆς σκηνῆς κυρίου (11 a)
— 6. τὸ θυσιαστήριον τὸ χαλκοῦν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 9. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεὸς, πιστωθήτω (11 a)
2. 1 (1. 18). τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 4 (3). οἰκοδομῶ οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 4 (3). ἐν ταῖς ἑορταῖς τοῦ κ. [A κ. τοῦ] θεοῦ ἡμῶν (11 a)
— 5 (4). R μέγας κύριος [A B om.] ὁ θεὸς ἡμῶν (18 b)
— 11 (10). ἐν τῷ ἀγαπῆσαι κύριον τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 a)
— 12 (11). εὐλογητὸς κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 12 (11). ὃς οἰκοδομήσει οἶκον τῷ κ. (11 a)
— 14 (13). μετὰ . . . σοφῶν Δαυὶδ κυρίου μου (1)
— 15 (14). ἃ [A ὃν] εἶπεν ὁ κ. μου (1)
3. 1. τοῦ οἰκοδομεῖν τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 1. οὗ ὤφθη κύριος τῷ Δ. –
4. 16. ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)

II Ch. 4. 19. ἐποίησε Σαλ. πάντα τὰ σκεύη οἴκου κυρίου (6)
— 22 (5. 1). ἣν ἐποίησε Σαλ. ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
5. 1. A R ἔδωκεν εἰς θησαυρὸν οἴκου [B om.] κυρίου (6)
— 2. τοῦ ἀνενέγκαι κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 a)
— 7. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 a)
— 10. ἃ διέθετο κύριος μετὰ τῶν υἱῶν Ἰσρ. (11 a)
— 13. τοῦ ἐξομολογεῖσθαι καὶ αἰνεῖν τῷ κ. (11 a)
— 13. ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. (11 a)
— 13. ὁ οἶκος ἐνεπλήσθη νεφέλης δόξης κυρίου (11 a)
— 14. A² ἀπὸ προσώπου τῆς νεφέλης δόξης κυρίου [B om. δ. κ.] –
— 14. A²B ἐνέπλησε δόξα κυρίου τὸν οἶκον τοῦ θεοῦ (11 a)
6. 1. A²B κύριος εἶπε τοῦ κατασκηνῶσαι [A² κατοικῆσαι] (11 a)
— 4. εὐλογητὸς κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 7. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 8. εἶπε κύριος πρὸς Δ. (11 a)
— 10. ἀνέστησε κύριος τὸν λόγον τοῦτον [A αὐτοῦ] (11 a)
— 10. καθὼς ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 10. ᾠκοδόμησα τὸν οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 11. ἐν ᾗ ἐκεῖ διαθήκη κυρίου (11 a)
— 12. ἔστη κατέναντι τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου (11 a)
— 14. καὶ εἶπε, Κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 16, 17. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 19. ἐπιβλέψῃ . . . ἐπὶ τὴν δέησίν μου, κύριε ὁ θεός (11 a)
— 40. κύριε, ἔστωσαν δὴ οἱ ὀφθαλμοί σου ἀνεῳγμένοι (6)
— 41. ἀνάστηθι, κύριε ὁ θεός (11 a)
— 41. ἱερεῖς σου, κύριε ὁ θεός (11 a)
— 42. κύριε ὁ θεὸς, μὴ ἀποστρέψῃς (11 a)
7. 1. δόξα κυρίου ἔπλησε τὸν οἶκον (11 a)
— 2. εἰσελθεῖν εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 2. ἔπλησε δόξα κυρίου τὸν οἶκον (11 a)
— 3. καὶ ἡ δόξα κυρίου ἐπὶ τὸν οἶκον (11 a)
— 3. ἤνουν τῷ κ. (11 a)
— 4. θύοντες θύματα ἔναντι κυρίου (11 a)
— 6. ἐν ὀργάνοις ᾠδῶν κυρίου (11 a)
— 6. τοῦ ἐξομολογεῖσθαι ἔναντι κυρίου (11 a)
— 7. τὸ μέσον τῆς αὐλῆς τῆς ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 10. οἷς ἐποίησε κύριος τῷ Δ. (11 a)
— 11. συνετέλεσε Σαλ. τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 11. τοῦ ποιῆσαι ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 12. R ὤφθη κύριος [AB ὁ θεὸς] τῷ Σαλ. (11 a)
— 21. χάριν τίνος ἐποίησε κύριος τῇ γῇ ταύτῃ (11 a)
— 22. διότι ἐγκατέλιπον κύριον (11 a)
8. 1. ᾠκοδόμησε Σαλ. τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 11. οὗ εἰσῆλθεν ἐκεῖ κιβωτὸς κυρίου (11 a)
— 12. ἀνήνεγκε Σαλ. ὁλοκαυτώματα τῷ κ. (11 a)
— 12. A ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κυρίου [B om.] (11 a)
— 12. R ὃ ᾠκοδόμησε κυρίῳ [A B om.] –
— 16. ἕως οὗ ἐτελείωσε Σαλ. τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
9. 4. ἃ ἀνέφερεν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 8. ἔστω κ. ὁ θεός σου εὐλογημένος (11 a)
— 8. τοῦ δοῦναί σε . . . εἰς βασιλέα τῷ κ. θεῷ [A τῷ λαῷ] σου (11 a)
— 8. ἐν τῷ ἀγαπῆσαι κ. τὸν θεόν σου τὸν Ἰσρ. (18 b)
— 11. ἀναβάσεις τῷ οἴκῳ κυρίου (11 a)
10. 15. ἀνέστησε κύριος τὸν λόγον αὐτοῦ (11 a)
11. 2. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σαμαίαν (11 a)
— 4. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 4. ἐπήκουσαν [A ὑπ.] τοῦ λόγου κυρίου (11 a)
— 14. μὴ λειτουργεῖν [A τοῦ μὴ λ. τῷ] κυρίῳ (11 a)
— 16. τοῦ ζητῆσαι κύριον [A τὸν κ.] θεὸν Ἰσρ. (11 a)
— 16. θῦσαι κυρίῳ θεῷ [A τῷ θ.] τῶν πατέρων αὐτῶν (11 a)
12. 1. ἐγκατέλιπε τὰς ἐντολὰς κυρίου (11 a)
— 2. ἥμαρτον ἐναντίον κυρίου (11 a)
— 5. οὕτως εἶπε κύριος (11 a)
— 6. καὶ εἶπαν, Δίκαιος ὁ κ. (11 a)
— 7. ἐν τῷ ἰδεῖν κύριον (11 a)
— 7. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σαμ. (11 a)
— 9. τοὺς θησαυροὺς τοὺς ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 11. ἐν τῷ εἰσελθεῖν τὸν βασ. εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 12. ἀπεστράφη ἀπ' αὐτοῦ ὀργὴ κυρίου (11 a)
— 13. ἐν τῇ πόλει ᾗ ἐξελέξατο κύριος (11 a)
— 14. ἐκζητῆσαι τὸν [A om.] κ. (11 a)
13. 5. κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. ἔδωκε βασιλέα ἐπὶ τὸν Ἰσρ. (11 a)
— 6. A R ἀπέστη [B ἀν.] ἀπὸ τοῦ κ. αὐτοῦ (1)
— 8. κατὰ πρόσωπον βασιλείας κυρίου (11 a)
— 9. οὐκ ἐξεβάλετε τοὺς ἱερεῖς κυρίου (11 a)

II Ch. 13. 10. κ. τὸν θεὸν ἡμῶν οὐκ ἐγκατελίπομεν (11 a)
— 10. οἱ ἱερεῖς αὐτοῦ λειτουργοῦσι τῷ κ. (11 a)
— 11. θυμιῶσι τῷ κ. (11 a)
— 11. φυλάσσομεν ἡμεῖς τὰς φυλακὰς κυρίου (11 a)
— 12. μεθ' ἡμῶν ἐν ἀρχῇ κύριος (6)
— 12. πολεμήσετε πρὸς κ. θεὸν τῶν πατέρων (11 a)
— 14. ἐβόησαν πρὸς κύριον (11 a)
— 15. κύριος ἐπάταξε τὸν Ἱερ. (6)
— 16. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος (6)
— 18. ἤλπισαν ἐπὶ κ. θεὸν τῶν πατέρων αὐτῶν (11 a)
— 20. ἐπάταξεν αὐτὸν κύριος (11 a)
14. 2 (1). AR τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κ. τοῦ [B om.] θεοῦ αὐτοῦ (11 a)
— 4 (3). ἐκζητῆσαι τὸν κ. [A κ. τὸν] θεόν (11 a)
— 6 (5). κατέπαυσεν αὐτῷ κύριος (11 a)
— 7 (6). AR καθὼς ἐξεζητήσαμεν [B ἐζ.] κύριον (11 a)
— 11 (10). ἐβόησεν Ἀσὰ πρὸς κ. θεὸν αὐτοῦ καὶ εἶπε, Κύριε (11 a, 11 a)
— 11 (10). κατίσχυσον ἡμᾶς, κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 11 (10. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν, μὴ κατισχυσάτω (11 a)
— 12 (11). ἐπάταξε κύριος τοὺς Αἰθίοπας (11 a)
— 13 (12). συνετρίβησαν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 14 (13). ἐγενήθη ἔκστασις κυρίου ἐπ' αὐτούς (11 a)
15. 1. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (6)
— 2. κύριος μεθ' ὑμῶν (11 a)
— 4. ἐπιστρέψει αὐτοὺς ἐπὶ κ. θεὸν Ἰσρ. (11 a)
— 5. ἔκστασις κυρίου ἐπὶ πάντας †
— 8. R ἐνεκαίνισε [A B ἀν.] τὸ θυσιαστήριον κυρίου (11 a)
— 8. ὃ ἦν ἔμπροσθεν τοῦ ναοῦ κυρίου (11 a)
— 9. κ. ὁ θεὸς αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (11 a)
— 11. καὶ ἔθυσε τῷ κ. (11 a)
— 12. ζητῆσαι κ. θεὸν τῶν πατέρων αὐτῶν (11 a)
— 13. ὃς ἐὰν μὴ ἐκζητήσῃ κύριον (11 a)
— 14. ὤμοσαν ἐν κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 a)
— 15. κατέπαυσε κύριος αὐτοῖς κυκλόθεν (11 a)
— 18. A B τὰ ἅγια οἴκου κυρίου [R om.] τοῦ θεοῦ (18 b)
16. 2. ἐκ θησαυρῶν οἴκου κυρίου (11 a)
— 7. καὶ μὴ πεποιθέναι σε [A om.] ἐπὶ κ. θεόν σου (11 a)
— 8. ἐν τῷ πεποιθέναι σε [A om.] ἐπὶ κύριον (11 a)
— 9. οἱ ὀφθαλμοὶ κυρίου ἐπιβλέπουσιν (11 a)
— 12. A R οὐκ ἐζήτησε τὸν [A ἐξεζ.] κύριον [B -ος] (11 a)
17. 3. ἐγένετο κύριος μετὰ Ἰωσαφάτ (11 a)
— 4. κ. τὸν θεὸν τοῦ πατρὸς αὐτοῦ ἐξεζήτησε (18 b)
— 5. κατεύθυνε κύριος τὴν βασιλείαν (11 a)
— 6. ὑψώθη καρδία αὐτοῦ ἐν ὁδῷ κυρίου (11 a)
— 9. μετ' αὐτῶν βίβλος νόμου κυρίου (11 a)
— 10. ἐγένετο ἔκστασις κυρίου (11 a)
— 16. ὁ προθυμούμενος τῷ κ. (11 a)
18. 4. ζήτησον δὴ σήμερον τὸν κ. (11 a)
— 6. οὐκ ἔστιν ὧδε προφήτης τοῦ κ. ἔτι (11 a)
— 7. τοῦ ζητῆσαι τὸν κ. δι' αὐτοῦ (11 a)
— 10. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 11. καὶ δώσει κύριος εἰς χεῖρας τοῦ βασ. (11 a)
— 13. ζῇ κύριος (11 a)
— 15. τὴν ἀλήθειαν ἐν ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 16. καὶ εἶπε κύριος (11 a)
— 18. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 a)
— 18. εἶδον τὸν [A om.] κ. καθήμενον ἐπὶ θρόνου (11 a)
— 19. καὶ εἶπε κύριος (11 a)
— 20. καὶ ἔστη ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 20. καὶ εἶπε κύριος (11 a)
— 22. ἔδωκε κύριος πνεῦμα ψευδές (11 a)
— 22. κύριος ἐλάλησεν ἐπὶ σὲ κακά (11 a)
— 23. A πνεῦμα κυρίου παρ' ἐμοῦ (11 a)
— 23. πνεῦμα κυρίου παρ' ἐμοῦ (11 a)
— 27. οὐκ ἐλάλησε κύριος ἐν ἐμοί (11 a)
— 31. κύριος ἔσωσεν αὐτόν (11 a)
19. 2. ἢ μισουμένῳ ὑπὸ κυρίου φιλιάζεις (11 a)
— 2. ἐγένετο ἐπὶ σὲ ὀργὴ παρὰ κυρίου (11 a)
— 3. ἐκζητῆσαι τὸν κ. (6)
— 4. ἐπέστρεψεν αὐτοὺς ἐπὶ κύριον (11 a)
— 6. ὅτι οὐκ ἀνθρώπῳ . . . ἀλλ' ἢ τῷ κ. (11 a)
— 7. γενέσθω φόβος κυρίου ἐφ' ὑμᾶς (11 a)
— 7. οὐκ ἔστι μετὰ κ. θεοῦ ἡμῶν ἀδικία (11 a)
— 8. κατέστησεν Ἰ. τῶν ἱερέων . . . εἰς κρίσιν κυρίου (11 a)
— 9. οὕτω ποιήσετε ἐν φόβῳ κυρίου (11 a)
— 10. οὐχ ἁμαρτήσονται τῷ κ. [A θεῷ] (11 a)
— 11. εἰς πᾶν λόγον κυρίου (11 a)
— 11. ἔσται κύριος μετὰ τοῦ ἀγαθοῦ (11 a)

II Ch. 20. 3, 4. ἐκζητῆσαι τὸν κ. (11 a)
— 4. ζητῆσαι τὸν κ. (11 a)
— 5. ἀνέστη Ἰωσ. . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 6. κύριε ὁ θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν (11 a)
— 7. οὐχὶ σὺ ὁ κ. [A al.] (6)
— 12. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (18 b)
— 13. πᾶς Ἰ. ἑστηκὼς ἔναντι [A -τίον] κυρίου (11 a)
— 14. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (11 a)
— 15. τάδε λέγει κύριος ὑμῖν αὐτοῖς (11 a)
— 17. ἴδετε τὴν σωτηρίαν κυρίου μεθ' ὑμῶν (11 a)
— 17. καὶ κύριος μεθ' ὑμῶν (11 a)
— 18. ἔπεσον ἔναντι [A -τίον] κυρίου προσκυνῆσαι κυρίῳ (11 a, 11 a)
— 19. αἰνεῖν κυρίῳ θεῷ [A τῷ θ.] Ἰσρ. (11 a)
— 20. ἐμπιστεύσατε ἐν [A om.] κ. θεῷ ὑμῶν (11 a)
— 21. ἐξομολογεῖσθε [A -θαι] τῷ κ. (11 a)
— 22. ἔδωκε κύριος πολεμεῖν τοὺς υἱοὺς Ἀ. (11 a)
— 26. ἐκεῖ γὰρ ηὐλόγησαν τὸν κ. (11 a)
— 27. εὔφρανεν αὐτοὺς κύριος (11 a)
— 28. εἰσῆλθον . . . εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 29. καὶ ἐγένετο ἔκστασις κυρίου (6)
— 29. ἐπολέμησε κύριος πρὸς τοὺς ὑπεναντίους Ἰσρ. (11 a)
— 32. τοῦ ποιῆσαι τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 33. πρὸς κύριον θεὸν τῶν πατέρων αὐτῶν (18 b)
— 37. ἔθραυσε κύριος τὸ ἔργον σου (11 a)
21. 6. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον κυρίου (11 a)
— 7. οὐκ ἐβούλετο κύριος ἐξολεθρεῦσαι (11 a)
— 10. κ. [A τὸν κ.] θεὸν τῶν πατέρων αὐτοῦ (11 a)
— 12. τάδε λέγει κ. θεὸς [A ὁ θ.] Δανίδ (11 a)
— 14. κύριος πατάξει σε πληγὴν μεγάλην (11 a)
— 16. ἐπήγειρε κύριος ἐπὶ Ἰ. τοὺς ἀλλοφύλους (11 a)
— 18. ἐπάταξεν αὐτὸν κύριος εἰς τὴν κοιλίαν (11 a)
22. 4. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον κυρίου (11 a)
— 7. A R πρὸς Ἰηοὺ [B om.] υἱὸν Ναμ. χρισθὲν κυρίου (11 a)
— 9. ὃς ἐζήτησε [A ἐκζητήσει] τὸν κ. (11 a)
23. 1. A R ἔλαβε τοὺς ἑκατοντάρχους . . . εἰς οἶκον κυρίου [B om.] †
— 3. καθὼς ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 5. πᾶς ὁ λαὸς ἐν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (11 a)
— 6. μὴ εἰσελθέτω εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 6. A R φυλασσέτω φυλακὰς κυρίου [B -ίῳ] (11 a)
— 12. εἰσῆλθε πρὸς τὸν βασ. εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 14. μὴ ἀποθανέτω ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 16. εἶναι λαὸν τῷ κ. (11 a)
— 18. A B¹ ἐνεχείρησεν [B² R -ισεν] Ἰ. . . . τὰ ἔργα οἴκου κυρίου (11 a)
— 18. A² B διέστειλε Δ. ἐπὶ τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 18. A² B ἀνενέγκαι ὁλοκαυτώματα κυρίῳ [A² τῷ κ.] (11 a)
— 19. ἐπὶ τὰς πύλας οἴκου κυρίου (11 a)
— 20. ἐπεβίβασαν [A ἀνεβ.] τὸν βασ. εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
24. 2. ἐποίησεν Ἰ. τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 4. ἐπισκευάσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 5. κατισχῦσαι τὸν οἶκον κυρίου (6)
— 7. τὰ ἅγια οἴκου κυρίου (11 a)
— 8. τεθήτω ἐν πύλῃ οἴκου κυρίου (11 a)
— 9. εἰσενέγκαι κυρίῳ καθὼς εἶπε Μ. (11 a)
— 12. εἰς τὴν ἐργασίαν οἴκου κυρίου (11 a)
— 12. ἐπισκευάσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 12. B ἐπισκευάσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 13. ἀνέστησαν τὸν οἶκον κυρίου (6)
— 14. ἐποίησαν σκεύη εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 14. ἀνήνεγκαν ὁλοκαυτώσεις ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 18. B ἐγκατέλιπον τὸν κ. θεόν [A κ. τ. θ., R οἶκον κυρίου θεοῦ] (11 a)
— 19. ἐπιστρέψαι πρὸς κύριον (11 a)
— 20. τάδε λέγει κύριος (6)
— 20. τί παραπορεύεσθε τὰς ἐντολὰς κυρίου (11 a)
— 20. ἐγκατελίπετε τὸν κ. (11 a)
— 21. ἐν αὐλῇ οἴκου κυρίου (11 a)
— 22. ἴδοι κύριος καὶ κρινάτω (11 a)
— 24. ὅτι ἐγκατέλιπον κύριον (11 a)
25. 2. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 4. κατὰ τὴν διαθήκην τοῦ νόμου κυρίου –
— 4. ὡς ἐνετείλατο κύριος (11 a)
— 7. οὐκ ἔστι κύριος μετὰ Ἰσρ. (11 a)
— 8. καὶ τροπώσεταί σε [A om.] κύριος (6)
— 8. ὅτι ἐστὶ παρὰ κυρίου (6)
— 9. ἔστι τῷ κ. δοῦναί σοι πλεῖστα τούτων (11 a)
— 15. ἐγένετο ὀργὴ κυρίου ἐπὶ Ἀμ. (11 a)
— 20. ὅτι παρὰ κυρίου ἐγένετο (6)
— 24. τὰ εὑρεθέντα ἐν οἴκῳ κυρίου (6)
— 27. ᾧ ἀπέστη Ἀμ. ἀπὸ κυρίου (11 a)

II Ch. 26. 4. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 5. ἦν ἐκζητῶν τὸν κ. (6)
— 5. τοῦ συνιόντος ἐν φόβῳ κυρίου (6)
— 5. ἐζήτησε τὸν κ. (11 a)
— 5. εὐώδωσεν αὐτῷ κύριος (6)
— 7. κατίσχυσεν αὐτὸν κύριος (6)
— 16. ἠδίκησεν ἐν κ. θεῷ αὐτοῦ (11 a)
— 16. εἰσῆλθεν εἰς τὸν ναὸν κυρίου (11 a)
— 17. καὶ μετ' αὐτοῦ ἱερεῖς τοῦ κ. (11 a)
— 18. A R οὐ σοὶ . . . θυμιᾶσαι τῷ [B θῦσαι] κ. (11 a)
— 18. ἀπέστης ἀπὸ κυρίου –
— 18. εἰς δόξαν παρὰ κ. θεοῦ (11 a)
— 19. ἡ λέπρα ἀνέτειλεν . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 20. ἤλεγξεν αὐτὸν κύριος (11 a)
— 21. ἀπεσχίσθη ἀπὸ οἴκου κυρίου (11 a)
27. 2. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 2. οὐκ εἰσῆλθεν εἰς τὸν ναὸν κυρίου (11 a)
— 3. ᾠκοδόμησε τὴν πύλην οἴκου κυρίου (11 a)
— 6. A R ἡτοίμασε τὰς ὁδοὺς αὐτοῦ ἐναντίον [B -τι] κυρίου θεοῦ αὐ. (11 a)
28. 1. οὐκ ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 3. ὃν ἐξωλέθρευσε κύριος (11 a)
— 5. παρέδωκεν αὐτὸν κ. ὁ θεὸς αὐτοῦ (11 a)
— 6. ἐν τῷ αὐτοὺς καταλιπεῖν τὸν κ. θεόν (11 a)
— 9. ἐκεῖ ἦν ὁ προφήτης τοῦ κ. (11 a)
— 9. ὀργὴ κυρίου . . . ἐπὶ τὸν Ἰούδαν (11 a)
— 10. μαρτυρῆσαι κ. θεῷ [A τῷ θ.] ὑμῶν (11 a)
— 11. A R ὀργὴ θυμοῦ [B om.] κυρίου ἐφ' ὑμῖν (11 a)
— 13. εἰς τὸ ἁμαρτάνειν τῷ κ. (11 a)
— 13. R καὶ ὀργὴ θυμοῦ [B om.] κυρίου [A B κ. θεοῦ] ἐπὶ τὸν Ἰσρ. –
— 18. ἔλαβον . . . ἐν οἴκῳ κυρίου [A om. ἐν οἴ. κ.] –
— 19. ἐταπείνωσε κύριος τὸν Ἰούδαν (11 a)
— 19. ἀπέστη ἀποστάσει ἀπὸ κυρίου (11 a)
— 21. ἔλαβεν Ἄχ. τὰ ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 22. προσέθηκε τοῦ ἀποστῆναι ἀπὸ κυρίου (11 a)
— 24. ἀπέστησεν Ἄχ. τὰ σκεύη οἴκου κυρίου (6)
— 24. ἔκλεισε τὰς θύρας οἴκου κυρίου (11 a)
— 25. καὶ παρώργισαν κύριον (11 a)
29. 2. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 3. ἀνέῳξε τὰς θύρας οἴκου κυρίου (11 a)
— 5. ἁγνίσατε τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 6. A B ἐποίησαν τὸ πονηρὸν ἐναντίον κυρίου [R add. θεοῦ ἡμῶν] (11 a + 6 [11 a])
— 6. ἀπέστρεψαν τὸ πρόσωπον ἀπὸ τῆς σκηνῆς κυρίου (11 a)
— 8. ὠργίσθη ὀργῇ [A θυμῷ] κύριος (11 a)
— 10. διαθήκην κυρίου θεοῦ Ἰσρ. (11 a)
— 11. A R ἐν ὑμῖν ᾑρέτικε κύριος [B om.] (11 a)
— 15. ἡγνίσθησαν . . . διὰ προστάγματος κυρίου (11 a)
— 15. A R καθαρίσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 16. εἰσῆλθον . . . εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 16. τὴν εὑρεθεῖσαν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου καὶ εἰς τὴν αὐλὴν οἴκου κυρίου (11 a, 11 a)
— 17. εἰσῆλθαν εἰς τὸν ναὸν κυρίου [A τοῦ κ.] (11 a)
— 17. ἥγνισαν τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 18. ἡγνίσαμεν πάντα τὰ ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 19. ἔστιν ἐναντίον τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου (11 a)
— 20. ἀνέβη εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 21. ἀναβαίνειν ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κυρίου (11 a)
— 25. ἔστησε τοὺς Λευίτας ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 25. δι' ἐντολῆς κυρίου τὸ πρόσταγμα (11 a)
— 27. ἤρξαντο ᾄδειν κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 a)
— 30. ὑμνεῖν τὸν κ. ἐν λόγοις Δ. (11 a)
— 31. ἐπληρώσατε τὰς χεῖρας ὑμῶν κυρίῳ (11 a)
— 31. φέρετε θυσίας καὶ αἰνέσεως εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 31. B ἀνήνεγκεν ἡ ἐκκλησία θυσίας . . . εἰς οἶκον κυρίου –
— 32. εἰς ὁλοκαύτωσιν κυρίῳ πάντα ταῦτα (11 a)
— 35. κατωρθώθη τὸ ἔργον ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
30. 1. ἐλθεῖν εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 1. ποιῆσαι τὸ φασὲκ τῷ κ. (11 a)
— 5. ποιῆσαι τὸ φασὲκ κυρίῳ (11 a)
— 6. R ἐπιστρέψατε πρὸς κ. [A B om.] θεὸν Ἀβ. (11 a)
— 7. οἳ ἀπέστησαν ἀπὸ κυρίου (11 a)
— 8. δότε δόξαν κ. τῷ θεῷ (18 a)
— 8. δουλεύσατε τῷ κ. θεῷ ὑμῶν (11 a)
— 9. ἐν τῷ ἐπιστρέφειν ὑμᾶς πρὸς κύριον (11 a)
— 9. ἐλεήμων καὶ οἰκτίρμων κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 12. ἐγένετο χεὶρ κυρίου δοῦναι αὐτοῖς (6)
— 12. κατὰ τὰ προστάγματα . . . ἐν λόγῳ κυρίου (11 a)

II Ch. 30. 15. εἰσήνεγκαν . . . ἐν οἴκῳ [A εἰς οἶκον] κυρίου (11 a)
— 17. τῷ μὴ δυναμένῳ ἁγνισθῆναι τῷ κ. (11 a)
— 18. κ. ἀγαθὸς [A ὁ ἁ.] ἐξιλάσθω (11 a)
— 19. ἐκζητῆσαι κ. τὸν θεὸν τῶν πατέρων αὐτῶν (6 + 11 a)
— 20. ἐπήκουσε κύριος τῷ Ἐζ. (11 a)
— 21. καθυμνοῦντες τῷ κ. (11 a)
— 21. καὶ οἱ ἱερεῖς . . . ἐν ὀργάνοις τῷ κ. (11 a)
— 22. τῶν συνιόντων σύνεσιν ἀγαθὴν τῷ κ. (11 a)
— 22. ἐξομολογούμενοι τῷ [A om.] κ. (11 a)
31. 2. ἐν ταῖς αὐλαῖς οἴκου κυρίου (11 a)
— 3. τὰς γεγραμμένας ἐν τῷ νόμῳ κυρίου (11 a)
— 4. ἐν τῇ λειτουργίᾳ οἴκου κυρίου (11 a)
— 6. καὶ ἡγίασαν τῷ κ. θεῷ αὐτῶν (11 a)
— 8. ηὐλόγησαν τὸν κ. (11 a)
— 10. φέρεσθαι εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 10. κύριος ηὐλόγησε τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 a)
— 11. ἑτοιμάσαι παστοφόρια εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 13. Ἀζ. ὁ ἡγούμενος οἴκου κυρίου (6)
— 14. R δοῦναι τὰς ἀπαρχὰς κυρίου [A B -ῳ] (11 a)
— 16. παντὶ τῷ εἰσπορευομένῳ εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 20. τὸ εὐθὲς ἐναντίον τοῦ [A om.] κ. θεοῦ αὐτοῦ (11 a)
— 21. ᾧ [A ἐν ᾧ] ἤρξατο . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (6)
32. 8. μεθ' ἡμῶν δὲ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 11. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν σώσει ὑμᾶς (11 a)
— 16. ἐλάλησαν παῖδες αὐτοῦ ἐπὶ κύριον (11 a)
— 17. ὀνειδίζειν τὸν κ. θεὸν Ἰσρ. (11 a)
— 21. ἀπέστειλε κύριος ἄγγελον (11 a)
— 22. ἔσωσε κύριος Ἐζεκίαν (11 a)
— 23. πολλοὶ ἔφερον δῶρα τῷ κ. (11 a)
— 24. προσηύξατο πρὸς κύριον (11 a)
— 26. A R οὐκ ἐπῆλθεν ἐπ' αὐτοὺς ὀργὴ κυρίου [B θεοῦ] (11 a)
— 29. ἔδωκεν αὐτῷ κύριος ἀποσκευὴν πολλήν (6)
— 31. ἐγκατέλιπεν αὐτὸν κύριος (6)
33. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον [A ἐνώπιον] κυρίου (11 a)
— 2. οὓς ἐξωλέθρευσε κύριος (11 a)
— 4. ᾠκοδόμησε θυσιαστήρια ἐν οἴκῳ κυρίου οὗ εἶπε κύριος (11 a, 11 a)
— 5. ἐν ταῖς δυσὶν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (11 a)
— 6. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐναντίον κυρίου (11 a)
— 7. A ἔθηκε τὸ γλυπτὸν . . . ἐν οἴκῳ κυρίου [B θεοῦ] (6)
— 9. ἃ ἐξῆρε κύριος [A om.] (11 a)
— 10. ἐλάλησε κύριος ἐπὶ Μαν. (11 a)
— 11. ἤγαγε κύριος ἐπ' αὐτοὺς τοὺς ἄρχοντας (11 a)
— 12. ἐζήτησε τὸ πρόσωπον θεοῦ τοῦ κ. αὐτοῦ (6)
— 13. κύριος αὐτός ἐστι θεός [A ὁ θ.] (11 a)
— 15. περιεῖλε . . . τὸ γλυπτὸν ἐξ οἴκου κυρίου (11 a)
— 15. ἃ ᾠκοδόμησεν ἐν ὄρει οἴκου κυρίου (11 a)
— 16. κατώρθωσε τὸ θυσιαστήριον κυρίου (11 a)
— 16. τοῦ δουλεύειν κ. θεῷ Ἰσρ. (11 a)
— 17. πλὴν κ. ὁ θεὸς αὐτῶν (11 a)
— 18. A ἐπ' ὀνόματι κ. [B om.] θεοῦ Ἰσρ. (11 a)
— 22. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 23. οὐκ ἐταπεινώθη ἐναντίον κυρίου (11 a)
34. 2. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐναντίον κυρίου (11 a)
— 3. τοῦ ζητῆσαι κ. τὸν θεὸν Δαυίδ (18 b)
— 8. κραταιῶσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 9. A τὸ εἰσενεχθὲν εἰς οἶκον κυρίου [B θεοῦ] (6)
— 10. οἱ καθεσταμένοι ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 10. οἱ ἐποίουν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 14. τὸ εἰσοδιασθὲν εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 14. εὗρε . . . βιβλίον νόμου κυρίου (11 a)
— 15. βιβλίον νόμου εὗρον ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 17. τὸ εὑρεθὲν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 21. A R ζητήσατε τὸν [B om.] κ. περὶ ἐμοῦ (11 a)
— 21. μέγας ὁ θυμὸς κυρίου ἐκκέκαυται (11 a)
— 21. A R οὐκ εἰσήκουσαν [B ἤκ.] . . . τῶν λόγων κυρίου (11 a)
— 23. οὕτως εἶπε κύριος (11 a)
— 24. οὕτω λέγει κύριος (11 a)
— 26. τοῦ ζητῆσαι τὸν κ. (11 a)
— 26. οὕτω λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 27. ἐγὼ ἤκουσα, φησὶ κύριος (11 a)
— 30. ἀνέβη ὁ βασ. εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 30. τοὺς εὑρεθέντας ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 31. διέθετο διαθήκην ἐναντίον κυρίου τοῦ πορευθῆναι ἐνώπιον κυρίου (11 a, 11 a)
— 32. ἐποίησαν . . . διαθήκην ἐν οἴκῳ κυρίου (6)
— 33. τοῦ δουλεύειν κυρίῳ θεῷ αὐτῶν (11 a)
— 33. οὐκ ἐξέκλινεν ἀπὸ ὄπισθε κυρίου (11 a)
35. 1. ἐποίησεν Ἰ. τὸ φασὲκ τῷ κ. θεῷ αὐ. (11 a + 6)

II Ch. 35. 2. κατίσχυσεν αὐτοὺς εἰς τὰ ἔργα οἴκου κυρίου (11 a)
— 3. τοῦ ἁγιασθῆναι αὐτοὺς τῷ [A om.] κ. (11 a)
— 3. λειτουργήσατε τῷ κ. θεῷ ὑμῶν (11 a)
— 6. τοῦ ποιῆσαι κατὰ τὸν λόγον κυρίου (11 a)
— 12. τοῦ προσάγειν τῷ κ. (11 a)
— 16. ἡτοιμάσθη πᾶσα ἡ λειτουργία κυρίου (11 a)
— 16. ἐνεγκεῖν . . . ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κυρίου (11 a)
— 18. ὃ ἐποίησεν . . . τῷ κ. –
— 19. οὗ εὗρε Χ. . . . ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου –
— 19. ὃς ἐπέστρεψε πρὸς κύριον –
— 19. οὐκ ἀπεστράφη κύριος ἀπὸ ὀργῆς –
— 19. οὗ ὠργίσθη θυμῷ κύριος –
— 19. καὶ εἶπε κύριος –
— 26. γεγραμμένα ἐν νόμῳ κυρίου (11 a)
36. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου –
— 5. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον κυρίου (11 a + 6)
— 5. ἀπέστειλε κύριος . . . τοὺς Χαλδαίους –
— 5. κατὰ τὸν λόγον κυρίου –
— 5. θυμὸς κυρίου ἦν ἐπὶ Ἰούδαν –
— 5. οὐκ ἠθέλησε κύριος ἐξολεθρεῦσαι αὐτούς –
— 7. μέρος τῶν σκευῶν οἴκου κυρίου (11 a)
— 9. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 10. μετὰ τῶν σκευῶν . . . οἴκου κυρίου (11 a)
— 12. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 12. οὐκ ἐνετράπη . . . ἐκ στόματος κυρίου (11 a)
— 13. τοῦ μὴ ἐπιστρέψαι πρὸς κ. θεὸν Ἰσρ. (11 a)
— 14. ἐμίαναν τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 15. ἐξαπέστειλε κύριος ὁ θεός (11 a)
— 16. ἕως ἀνέβη ὁ θυμὸς κυρίου (11 a)
— 18. R καὶ τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου [A B om. οἴ. κ.] (11 a)
— 19. ἐνέπρησε τὸν οἶκον κυρίου (6)
— 21. τοῦ πληρωθῆναι λόγον κυρίου (11 a)
— 22. μετὰ τὸ πληρωθῆναι ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 22. ἐξήγειρε κύριος τὸ πνεῦμα Κύρου (11 a)
— 23. ἔδωκέ μοι κ. ὁ θεὸς τοῦ οὐρανοῦ (11 a)
I Es. 1. 1. ἤγαγεν Ἰ. τὸ πάσχα . . . τῷ κ. αὐτοῦ
— 2. στήσας τοὺς ἱερεῖς . . . ἐν τῷ ἱερῷ τοῦ κ.
— 2. ἁγιάσαι ἑαυτοὺς τῷ κ.
— 3. ἐν τῇ θέσει τῆς ἁγίας κιβωτοῦ τοῦ κ.
— 4. λατρεύετε τῷ κ. θεῷ [A κ. τ. θ.] ὑμῶν
— 6. κατὰ τὸ πρόσταγμα τοῦ [A om.] κ.
— 11. προσενεγκεῖν τῷ κ.
— 17. συνετελέσθη τὰ τῆς θυσίας τοῦ κ. [A τῷ κ.]
— 18. προσαχθῆναι [A -ενεχθ.] . . . ἐπὶ τὸ τοῦ κ. θυσιαστήριον
— 23. ὠρθώθη τὰ ἔργα Ἰ. ἐνώπιον τοῦ κ. αὐτοῦ
— 24. περὶ τῶν ἡμαρτηκότων . . . εἰς τὸν κ.
— 24. οἱ λόγοι τοῦ κ. ἀνέστησαν ἐπὶ Ἰσρ.
— 27. οὐχὶ πρὸς σὲ ἐξαπέσταλμαι ὑπὸ κυρίου
— 27. κύριος μετ' ἐμοῦ ἐστι καὶ κύριος μετ' ἐμοῦ ἐπισπεύδων ἐστίν
— 27. μὴ ἐναντιοῦ τῷ κ.
— 28. οὐ προσέχων ῥήμασιν . . . ἐκ στόματος κυρίου
— 33. τῆς συνέσεως αὐτοῦ ἐν τῷ νόμῳ κυρίου [A τοῦ κ.]
— 39. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον [A ἔναντι] κυρίου
— 41. ἀπὸ τῶν ἱερῶν σκευῶν τοῦ κ. λαβών
— 44. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἔναντι κυρίου
— 45. ἅμα τοῖς ἱεροῖς σκεύεσι τοῦ κ.
— 47. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου
— 47. τῶν ῥηθέντων λόγων . . . ἐκ στόματος τοῦ κ.
— 48. ὁρκισθεὶς . . . τῷ ὀνόματι τοῦ κ.
— 48. παρέβη τὰ νόμιμα κύριου θεοῦ Ἰσρ.
— 49. ἐμίαναν τὸ ἱερὸν τοῦ κ.
— 51. ᾗ ἡμέρᾳ ἐλάλησε κύριος
— 54. πάντα τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ κ.
— 54. τὰς κιβωτοὺς [A τὰ σκεύη κιβωτοῦ] τοῦ κ.
— 55. ἐνεπύρισαν τὸν οἶκον τοῦ [A om.] κ.
— 57. εἰς ἀναπλήρωσιν ῥήματος τοῦ [A ἁ. λόγου] κ.
2. 1. εἰς συντέλειαν ῥήματος κυρίου
— 2. ἤγειρε κύριος τὸ πνεῦμα Κύρου
— 3. ἐμὲ ἀνέδειξε βασιλέα . . . ὁ κ. τοῦ Ἰσρ. κ. ὁ ὕψιστος
— 5. A ἔστω ὁ κ. κ. [B om.] αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ
— 5. οἰκοδομείτω τὸν οἶκον τοῦ [A om.] κ.
— 5. οὗτος ὁ κ. ὁ κατασκηνώσας ἐν Ἱερ.
— 7. εἰς τὸ ἱερὸν τοῦ κ. τὸ ἐν Ἱερ.
— 8. ὧν ἤγειρε κύριος τὸ πνεῦμα
— 8. οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ κ.
— 10. A R ἐξήνεγκε τὰ ἱερὰ [B ἅγια] σκεύη τοῦ κ.
— 17. βασιλεῖ Ἀρτ. κυρίῳ οἱ παῖδές σου
— 18. γνωστὸν ἔστω τῷ κ. [A κ. μου] βασ.
— 21. προσφωνῆσαι τῷ κ. βασ.

I Es. 2. 24. ὑποδεικνύομέν σοι, κύριε βασιλεῦ
4. 46. ὅ σε [B¹ ὅσα] ἀξιῶ, κύριε βασιλεῦ
5. 50. ἀνέφερον . . . ὁλοκαυτώματα κυρίῳ [A τῷ κ.]
— 58. ἔστησαν τοὺς Λ. . . . ἐπὶ τῶν ἔργων τοῦ κ.
— 58. ποιοῦντες εἰς τὰ ἔργα ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ κ. [A θεοῦ]
— 58. ᾠκοδόμησαν . . . τὸν ναὸν τοῦ κ.
— 60. ὑμνοῦντες τῷ κ.
— 61. εὐλογοῦντες [A ὁμολογ.] τῷ κ.
— 62. ὑμνοῦντες τῷ κ. ἐπὶ τῇ ἐγέρσει τοῦ οἴκου κυρίου [A τοῦ κ.]
— 67. οἰκοδομοῦσι τὸν ναὸν τῷ κ.
— 69. ἀκούομεν τοῦ κ. ὑμῶν
— 70. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίῳ
— 71. οἰκοδομήσομεν τῷ κ. τοῦ Ἰσρ.
6. 1. ἐπροφήτευσεν . . . ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου
— 2. ἤρξαντο οἰκοδομεῖν τὸν οἶκον τοῦ κ.
— 2. συνόντων τῶν προφητῶν τοῦ κ.
— 5. χάριν ἐπισκοπῆς γενομένης . . . παρὰ τοῦ κ.
— 8. πάντα γνωστὰ ἔστω τῷ κ. ἡμῶν
— 9. οἰκοδομοῦντας οἶκον τῷ κ. μέγαν
— 13. ἐσμὲν παῖδες τοῦ κ.
— 15. ἥμαρτον εἰς τὸν κ. τοῦ Ἰσρ.
— 19. καὶ τὸν ναὸν τοῦ κ. [A κ. τοῦτον] οἰκοδομηθῆναι
— 20. A R ἐνεβάλετο [B¹ εἰσεβάλ.] τοὺς θεμελίους τοῦ οἴκου κυρίου [A τοῦ κ.]
— 21. A B ἐν τοῖς βασιλικοῖς βιβλιοφυλακίοις τοῦ κ. [R Κύρου]
— 22. τὴν οἰκοδομὴν τοῦ οἴκου [B¹ om.] κυρίου
— 22. καὶ κρίνηται τῷ κ. βασιλεῖ ἡμῶν
— 24. προσέταξε τὸν οἶκον τοῦ κ. . . . οἰκοδομῆσαι
— 26. τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ οἴκου κυρίου
— 27. ἐᾶσαι δὲ τὸν παῖδα [A add. τοῦ] κυρίου Ζορ.
— 27. τὸν οἶκον τοῦ [A om.] κ. ἐκεῖνον οἰκοδομεῖν
— 28. μέχρι τοῦ ἐπιτελεσθῆναι τὸν οἶκον τοῦ κ.
— 29. εἰς θυσίαν τῷ κ.
— 33. ὁ κ. οὗ τὸ ὄνομα αὐτοῦ ἐπικέκληται ἐκεῖ
— 33. ἢ κακοποιῆσαι τὸν οἶκον κυρίου [A τοῦ κ.]
7. 4. διὰ προστάγματος τοῦ κ.
— 7. εἰς τὸν ἐγκαινισμὸν τοῦ ἱεροῦ τοῦ κ.
— 9. ἔστησαν . . . ἐπὶ τῶν ἔργων κυρίου
— 13. ζητοῦντες τὸν κ.
— 14. εὐφραινόμενοι ἔναντι κυρίου [A τοῦ κ.]
— 15. κατισχῦσαι . . . ἐπὶ τὰ ἔργα κυρίου
8. 6. κατὰ τὴν . . . εὐοδίαν παρὰ τοῦ κ.
— 7. μηδὲν παραλείπειν τῶν ἐκ τοῦ νόμου κυρίου
— 8. ἀναγνώστην τοῦ νόμου κυρίου
— 9. ἀναγνώστῃ τοῦ νόμου κυρίου
— 12. ᾧ [A ὡς] ἔχει νόμῳ [A R ἐν τῷ ν.] κυρίου [A τοῦ κ.]
— 13. ἀπενεγκεῖν δῶρα τῷ κ.
— 13. καὶ ἀργύριον . . . τῷ κ. [A om.]
— 14. A² B εἰς τὸ ἱερὸν τοῦ κ.
— 15. A R προσενεγκεῖν θυσίας τῷ κ. [B om. τ. κ.]
— 15. B ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τοῦ κ. [A θεοῦ, R κ. θεοῦ]
— 17. A R τὰ [B κατὰ] ἱερὰ σκεύη τοῦ κ. [B σκ. σου]
— 25. εὐλογητὸς μόνος ὁ κ.
— 27. κατὰ τὴν ἀντίληψιν κυρίου
— 46. ἐν τῷ οἴκῳ [A ἐν τόπῳ] τοῦ κ. ἡμῶν
— 47. A R κατὰ τὴν κραταιὰν χεῖρα τοῦ κ. ἡμῶν
— 50. εὐξάμην . . . ἔναντι κυρίου [A κ. τοῦ θεοῦ] ἡμῶν
— 52. ἰσχὺς τοῦ κ. ἡμῶν ἔσται μετὰ τῶν ἐπιζητούντων
— 53. ἐδεήθημεν τοῦ κ. ἡμῶν
— 55. τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ οἴκου τοῦ κ. ἡμῶν
— 58. A ὑμεῖς ἅγιοί ἐστε τῷ κ. κύριος [B om.] καὶ τὰ σκεύη
— 58. καὶ τὸ ἀργύριον εὐχὴ τῷ κ. κ. τῶν πατέρων ἡμῶν
— 59. ἐν τοῖς παστοφορίοις τοῦ οἴκου τοῦ κ.
— 60. ἤνεγκαν εἰς τὸ ἱερὸν τοῦ κ.
— 61. κατὰ τὴν κραταιὰν χεῖρα τοῦ κ. ἡμῶν
— 61. A ἐρρύσατο ἡμᾶς . . . κύριος [B om.]
— 62. παρεδόθη ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου [A τοῦ κ.]
— 65. προσήνεγκαν θυσίας τῷ θεῷ τοῦ Ἰσρ. κυρίῳ
— 66. ἅπαντα θυσίαν τῷ κ.
— 67. ἐδόξασαν . . . τὸ ἱερὸν τοῦ κ.
— 72. A R ἐπεκινοῦντο ἐπὶ [B om.] τῷ ῥήματι κυρίου
— 73. ἐκτείνας τὰς χεῖρας πρὸς τὸν κ.
— 74. κύριε, ᾖσχυμμαι

I Es. 8. 78. ἐγενήθη ἡμῖν ἔλεος παρὰ τοῦ κ. κυρίου [A σοῦ, κύριε]
— 79. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ κ.
— 80. οὐκ ἐγκατελείφθημεν ὑπὸ [A ἀπὸ] τοῦ κ. ἡμῶν
— 81. A R καὶ δοξάσαι τὸ ἱερὸν τοῦ κ. [B *om.* τ. κ.]
— 82. τί ἐροῦμεν, κύριε
— 86. σὺ γάρ, κύριε, ὁ κουφίσας [A κ., ἐκ.]
— 89. κύριε [B[1] *om.*] τοῦ Ἰσρ., ἀληθινὸς εἶ
— 92. ἡμάρτομεν εἰς τὸν κ. [A *add.* θεόν]
— 93. γινέσθω ἡμῖν ὁρκωμοσία πρὸς τὸν κ.
— 94. A R πειθαρχοῦσι τοῦ νόμου [A τῷ νόμῳ] κυρίου [B τοῦ κ.]
9. 8. δότε ὁμολογίαν δόξαν τῷ κ. θεῷ
— 13. ἕως τοῦ λῦσαι τὴν ὀργὴν κυρίου [A τοῦ κ.]
— 39. R τὸν παραδοθέντα ὑπὸ κυρίου [B τοῦ, A τοῦ κ.] θεοῦ Ἰσρ.
— 46. A R εὐλόγησεν Ἔ. τῷ κ. θ. [B *om.* τ. κ. θ.] τῷ ὑψίστῳ θεῷ
— 47. A R προσεκύνησαν τῷ κ. [B θεῷ]
— 48. ἐδίδασκον τὸν νόμον κυρίου
— 48. B ἀνεγίνωσκον τὸν νόμον τοῦ κ.
— 50. ἡ ἡμέρα αὕτη ἐστὶν ἁγία τῷ κ.
— 52. ἁγία γὰρ ἡ ἡμέρα τῷ κ.
— 52. ὁ γὰρ κ. [A θεὸς κ.] δοξάσει ἡμᾶς
II Es. 1. 1. A R τοῦ τελεσθῆναι λόγον [B[1] *om.*] κυρίου [B *om.*] (11 *a*)
— 1. A R ἐξήγειρε κύριος [B *om.*] τὸ πνεῦμα Κύρου (11 *a*)
— 2. A R πάσας τὰς βασιλείας τῆς γῆς [B *om.* τ. γ.] ἔδωκέ μοι κύριος [B *om.*] (11 *a*)
— 5. A R οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίου [B *om.*] (11 *a*)
— 7. A R ἐξήνεγκε τὰ σκεύη οἴκου κυρίου [B *om.*] (11 *a*)
— 9. B κυρίῳ [A R ψυκτῆρες] χρυσοῖ τριάκοντα †
2. 68. ἐν τῷ ἐλθεῖν αὐτοὺς εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
3. 3. ἀνέβη ἐπ' αὐτὸ ὁλοκαύτωσις τῷ κ. (11 *a*)
— 5. A εἰς πάσας ἑορτὰς κυρίῳ [B *om.*, R τῷ κ.] (11 *a*)
— 5. παντὶ ἑκουσιαζομένῳ ἑκούσιον τῷ κ. (11 *a*)
— 6. ἀναφέρειν ὁλοκαυτώσεις τῷ κ. (11 *a*)
— 6. ὁ οἶκος κυρίου οὐκ ἐθεμελιώθη (11 *a*)
— 8. R τὰ ἔργα ἐν [A θεοῦ] οἴκῳ [B *om.* ἐν οἴ.] κυρίου (11 *a*)
— 10. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 10. τοῦ αἰνεῖν τὸν κ. (11 *a*)
— 11. ἐν αἴνῳ καὶ ἀνθομολογήσει τῷ κ. (11 *a*)
— 11. αἰνεῖν τῷ κ. ἐπὶ θεμελιώσει οἴκου κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
4. 1. οἰκοδομοῦσιν οἶκον τῷ κ. (11 *a*)
— 3. οἰκοδομήσομεν τῷ κ. θεῷ ἡμῶν (11 *a*)
5. 1. A ἐν ὀνόματι κυρίου [B *om.*] θεοῦ Ἰσρ. (18 *c*)
6. 21. τοῦ ἐκζητῆσαι κύριον (11 *a*)
— 22. A R εὔφρανεν αὐτοὺς κύριος [B *om.*] (11 *a*)
— 22. A κύριος [B *om.*] ἐπέστρεψε καρδίαν βασ. –
7. 6. ὃν ἔδωκε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 6. A R χεὶρ κυρίου [B *om.*] θεοῦ αὐτοῦ ἐπ' αὐτόν (11 *a*)
— 11. βιβλίου λόγων ἐντολῶν κυρίου (11 *a*)
— 12. A R Ἔ. γραμματεῖ νόμου κ. [B *om.*] τοῦ θεοῦ (18 *c*)
— 15. καὶ εἰς οἶκον κυρίου ἀργύριον –
— 15. B τῷ κ. [A R θεῷ] τοῦ Ἰσρ. (4 *b*)
— 27. εὐλογητὸς κ. ὁ θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν (11 *a*)
— 27. A R τοῦ δοξάσαι τὸν [B -άσαντος] οἶκον κυρίου [B *om.*] (11 *a*)
— 28. A ὡς χεὶρ κυρίου [B θεοῦ] ἡ ἀγαθὴ ἐπ' ἐμέ (11 *a* + 6)
8. 28. ὑμεῖς ἅγιοι τῷ κ. [A κ. θεῷ] (11 *a* [18 *a*])
— 28. ἑκούσια τῷ κ. θεῷ πατέρων ἡμῶν (11 *a*)
— 29. εἰς σκηνὰς οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 35. A R τὰ πάντα ὁλοκαυτώματα τῷ κ. [B -ωμάτων] (11 *a*)
9. 5. A R ἐκπετάζω τὰς [B *om.*] χεῖράς μου πρὸς κύριον [B *om.*] τὸν θεόν (11 *a*)
— 6. A R καὶ εἶπα, Κύριε [B *om.*] (6)
— 8. R ἐπιεικεύσατο [A B -εσκευάσ.] ἡμῖν κ. [B *om.*] ὁ θεὸς ἡμῶν (11 *a*)
— 9. οὐκ ἐγκατέλιπεν ἡμᾶς κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (18 *b*)
— 15. B S κύριε ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
10. 3. S[2] ἐν βουλῇ κυρίου (2)
— 11. S[2] R ὅτε αἴνεσιν κυρίῳ [A τῷ κ., B S[1] *om.*] (11 *a*)
Ne. 1. 5. μὴ δὴ [S[1] *om.* μὴ δή], κύριε ὁ θεός (11 *a*)
— 11. S[2] R μὴ δή, κύριε [A B S[1] *om.*] (2)
5. 13. ᾔνεσαν τὸν κ. [S[2] λόγον κυρίου] (11 *a* [22])
Ne. 8. 1. A S[2] R ὃ ἐνετείλατο κύριος [B S[1] *om.*] τῷ Ἰσρ. (11 *a*)
— 6. B ηὐλόγησεν Ἔ. τὸν [A S R *om.*] κ. (11 *a*)
— 6. προσεκύνησαν τῷ κ. (11 *a*)
— 8. διέστελλεν ἐν [A *om*] ἐπιστήμῃ κυρίου –
— 8. S καὶ συνῆκεν ὁ λαὸς κυρίου [A B *om.*] –
— 9. S R ἡμέρα ἁγία ἐστὶ τῷ [A B *om.*] κ. (11 *a*)
— 10. ἁγία ἐστὶν ἡ ἡμέρα τῷ κ. ἡμῶν (1)
— 10. R ἐστὶ κύριος [A B S *om.*] ἰσχὺς ἡμῶν (11 *a*)
— 14. ᾧ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (11 *a*)
9. 3. R ἐν βιβλίῳ νόμου κυρίου [A B S *om.*] θεοῦ αὐτῶν (11 *a*)
— 3. ἦσαν ἐξαγορεύοντες τῷ κ. –
— 3. A S R καὶ προσκυνοῦντες τῷ κ. [B *om.*] (11 *a*)
— 4. ἐβόησαν . . . πρὸς κ. τὸν θεὸν αὐτῶν (11 *a*)
— 5. εὐλογεῖτε κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 *a*)
— 6. σὺ εἶ αὐτὸς κ. μόνος (11 *a*)
— 7. A S[2] σὺ εἶ κ. [B *om.*] ὁ θεός (11 *a*)
10. 29 (30). A R πάσας τὰς ἐντολὰς κυρίου [B S[1] ἡμῶν, S[2] τοῦ θεοῦ] (11 *a* + 1)
— 34 (35). A S R ἐπὶ [A B περὶ] τὸ θυσιαστήριον κ. [B τοῦ] θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 35 (36). A S R εἰς οἶκον κυρίου [B *om.*] (11 *a*)
— 39 (40). A οὐκ ἐγκαταλείψομεν τὸν οἶκον κυρίου [B S τοῦ] θεοῦ ἡμῶν (18 *b*)
13. 1. S[1] ἐν ἐκκλησίᾳ [S[2] εἰς ἐκκλησίαν τοῦ] κυρίου [A S[2] τοῦ θεοῦ, B θεοῦ] (6)
— 14. ἐν οἴκῳ κ. τοῦ [A S[2] *om.*] θεοῦ [S[1] οἴ. θ. κ.] (18 *b*)
To. 2. 2. ὃς μέμνηται τοῦ κ. [S *om.* τ. κ.]
— 12. ἀπέστελλε τοῖς κ.
— 13. ἀπόδος αὐτὸ τοῖς κ.
— 14. ἔλεγον ἀποδιδόναι αὐτὸ τοῖς κ.
3. 2. δίκαιος εἶ, κύριε
— 3. S καὶ νῦν σύ, κύριε
— 6. S λύπη πολλὴ μετ' ἐμοῦ, κύριε [A B *al.*]
— 6. S μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρόσωπόν σου, κύριε [A B *om.*]
— 10. S ἀλλὰ δεηθῆναι τοῦ κ.
— 11. εὐλογητὸς εἶ, κύριε ὁ θεός μου [S *al.*]
— 12. κύριε, τοὺς ὀφθαλμούς μου καὶ τὸ πρόσωπόν μου εἰς σὲ δέδωκα [S *al.*]
— 14. σὺ γινώσκεις, κύριε [S δέσποτα]
— 15. S κύριε, νῦν εἰσάκουσον [A B *al.*]
— 16. A εἰσήκουσεν κύριος τῆς προσευχῆς [B S *al.*]
4. 5. πάσας τὰς ἡμέρας, παιδίον, κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν μνημόνευε [S *al.*]
— 19. A B ἐν παντὶ καιρῷ εὐλόγει κ. τὸν θεόν
— 19. αὐτὸς ὁ κ. δίδωσι πάντα τὰ ἀγαθά [S *al.*]
— 19. S ὃν ἂν θέλῃ κύριος [A B *om.*] ταπεινοῖ
— 21. A ἐὰν φοβηθῇς τὸν κ. [B S θεόν]
— 21. S ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ σου [A B ἐν. αὐτοῦ]
5. 19. ὡς γὰρ δέδοται ἡμῖν ζῆν παρὰ τοῦ κ.
6. 17. S δεήθητε τοῦ κ. τοῦ οὐρανοῦ [A B *al.*]
7. 11. S κύριος ποιήσει ἐν ὑμῖν
— 12. S ὁ κ. τοῦ οὐρανοῦ εὐοδώσει ὑμᾶς [A B *al.*]
— 18. ὁ κ. τοῦ οὐρανοῦ καὶ τῆς γῆς δῴη σοι χάριν
8. 4. ἵνα ἐλεήσῃ ἡμᾶς ὁ κ. [S *al.*]
— 7. κύριε [S *om.*], οὐ διὰ πορνείαν ἐγὼ λαμβάνω τὴν ἀδελφήν μου
9. 6. S δῴη σοι κύριος εὐλογίαν οὐρανοῦ
10. 12. S ὁ κ. τοῦ οὐρανοῦ εὐοδώσαι ὑμᾶς [A B *al.*]
— 13. ἀποκαταστήσαι σε ὁ [S *om.*] κ. τοῦ οὐρανοῦ
— 13. ἵνα εὐφρανθῶ ἐνώπιον τοῦ κ. [S *al.*]
11. 1. S εὐλογῶν τῷ κ. τοῦ οὐρανοῦ [A B *al.*]
— 4. S συνῆλθεν αὐτοῖς ὁ κ. [A B σ. ὁ κύων]
12. 12, 15. S ἐνώπιον τῆς δόξης κυρίου [A B *al.*]
— 20. S εὐλογεῖτε ἐπὶ τῆς γῆς κύριον
— 22. A R ὡς ὤφθη αὐτοῖς ὁ [B S *om.*] ἄγγελος κυρίου [S θεοῦ]
13. 4. καθότι αὐτὸς κ. ἡμῶν
— 6. εὐλογήσατε τὸν κ. τῆς δικαιοσύνης
— 10. B ἐξομολογοῦ τῷ κ. ἀγαθῶς [A *al.*]
— 11. ἔθνη πολλὰ μακρόθεν ἥξει πρὸς τὸ ὄνομα κ. τοῦ θ. [S *al.*]
— 13. εὐλογήσουσι τὸν κ. τῶν δικαίων [S τοῦ αἰῶνος]
— 15. S εὐλόγει τὸν κ. [A B θεόν]
14. 2. προσέθετο φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν [S *al.*]
— 6. πάντα τὰ ἔθνη ἐπιστρέψουσιν ἀληθινῶς φοβεῖσθαι κ. τὸν θ. [S *al.*]
— 6. εὐλογήσουσι πάντα τὰ ἔθνη κύριον [A τὸν κ., S *al.*]
— 7. A B ὑψώσει κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ
— 7. χαρήσονται πάντες οἱ ἀγαπῶντες κ. τὸν θεόν [S *al.*]
To. 14. 15. S εὐλόγησεν κ. τὸν θεόν
Ju. 2. 5. ὁ βασ. ὁ μέγας ὁ κ. πάσης τῆς γῆς
— 13. ἕν τι τῶν ῥημάτων τοῦ κ. σου
— 14. ἐξῆλθεν Ὀλ. ἀπὸ προσώπου τοῦ κ. αὐτοῦ
— 15. A S προσέταξεν [B ἐκέλευσεν] αὐτῷ ὁ κ. αὐτοῦ
4. 2. περὶ Ἱερ. καὶ τοῦ ναοῦ κυρίου . . . ἐταράχθησαν
— 11. ἐξέτειναν τοὺς σάκκους αὐτῶν κατὰ πρόσωπον κυρίου
— 13. εἰσήκουσε κύριος τῆς φωνῆς αὐτῶν
— 13. κατὰ πρόσωπον τῶν ἁγίων κυρίου
— 14. πάντες οἱ παρεστηκότες ἐνώπιον κυρίου
— 14. A B οἱ λειτουργοῦντες κυρίῳ
— 15. ἐβόων πρὸς κύριον
5. 5. ἀκουσάτω δὴ λόγου ὁ κ. μου
— 20. καὶ νῦν, δέσποτα κύριε
— 21. παρελθάτω δὴ ὁ κ.
— 21. μή ποτε ὑπερασπίσῃ ὁ κ. αὐτῶν καὶ ὁ [S *om.* κ. αὐ. κ. ὁ] θεὸς αὐτῶν
6. 4. A S R ὁ βασ. Ναβ. ὁ [B *om.*] κ. πάσης τῆς γῆς
— 13. ἀπῴχοντο πρὸς τὸν κ. αὐτῶν
— 18. S προσεκύνησαν κ. [A B *om.*] τῷ θεῷ
— 19. κύριε ὁ θεὸς τοῦ οὐρανοῦ
7. 19. ἀνεβόησαν πρὸς κ. θεὸν [S τὸν θ.] αὐτῶν
— 28. καὶ τὸν θεὸν ἡμῶν καὶ κύριον τῶν πατ. ἡμῶν
— 29. ἐβόησαν πρὸς κύριον
— 30. ἐπιστρέψει κύριος . . . τὸ ἔλεος αὐτοῦ
8. 11. ἐὰν μὴ ἐν αὐταῖς ἐπιστρέψῃ ὁ [A *om.*] κ.
— 13. κύριον παντοκράτορα ἐξετάζετε
— 14. μὴ παροργίζετε κύριον
— 16. μὴ ἐνεχυράζετε τὰς βουλὰς κυρίου
— 21. S ἐκζητήσει [B ζητ.] κύριος [A B *om.*] τὴν βεβήλωσιν
— 23. εἰς ἀτιμίαν θήσει αὐτὴν κύριος
— 25. εὐχαριστήσωμεν κ. τῷ θεῷ ἡμῶν
— 27. μαστιγοῖ κύριος τοὺς ἐγγίζοντας αὐτῷ
— 31. ἀποστελεῖ κύριος τὸν [S ἡμῖν τὸν] ὑετόν
— 33. ἐπισκέψεται κύριος τὸν Ἰσρ.
— 35. καὶ κ. ὁ θεὸς ἔμπροσθέν σου
9. 1. A εἰς τὸν οἶκον τοῦ κ. [B S θεοῦ]
— 1. καὶ ἐβόησε . . . Ἰ. πρὸς κύριον
— 2. κύριε ὁ θεὸς τοῦ πατρός μου Σ.
— 7. σὺ εἶ κύριος συντρίβων πολέμους
— 8. κύριος ὄνομά σοι
— 11. A ταπεινῶν εἶ κύριος [B S θεός]
10. 15. εἰς πρόσωπον τοῦ κ. [S πρὸς τὸν κ.] ἡμῶν
11. 4. καθὰ γίνεται τοῖς δούλοις τοῦ κ. μου
— 5. οὐκ ἀναγγελῶ ψεῦδος τῷ κ. μου
— 6. οὐκ ἀποπεσεῖται ὁ κ. μου τῶν ἐπιτηδευμάτων
— 10. δέσποτα κύριε, μὴ παρέλθῃς
— 11. ἵνα μὴ γένηται ὁ κ. μου ἔκβολος
— 17. A B μενῶ παρὰ σοί, κύριέ μου
— 22. A B ἐν δὲ τοῖς φαυλίσασι τὸν κ. μου
12. 4. A B ζῇ ἡ ψυχή σου, κύριέ μου
— 4. A R ἕως ἂν ποιήσῃ κύριος [B *om.*]
— 6. A B ἐπιταξάτω δὴ ὁ κ. μου
— 8. B ἐδέετο τοῦ [A *om.*] κ. θεοῦ Ἰσρ.
— 13. A B ἐλθοῦσα πρὸς τὸν κ. μου
— 14. A B τίς εἰμι ἐγὼ ἀντεροῦσα τῷ κ. μου
— 18. A B πίομαι δή, κύριε
13. 1. A B ἐκ προσώπου τοῦ κ. αὐτοῦ
— 4. A B κύριε ὁ θεὸς πάσης δυνάμεως
— 7. A κραταίωσόν με, κύριε [B *om.*] ὁ θεὸς Ἰσρ.
— 14. A αἰνεῖτε τὸν κ. [B S θεόν]
— 14. A αἰνεῖτε τὸν κ. [B θεόν]
— 15. καὶ ἐπάταξεν αὐτὸν ὁ κ.
— 16. καὶ ζῇ κύριος [A ὁ κ.]
— 18. καὶ εὐλογημένος κ. ὁ θεός [S θ. σου]
14. 13. ἔγειρον δὴ τὸν κ. ἡμῶν
15. 8. ἃ ἐποίησε κύριος τῷ Ἰσρ.
— 10. εὐλογημένη γίνου παρὰ τῷ παντοκράτορι κ.
16. 2. A S R ᾄσατε τῷ κ. μου [B *om.*]
— 3. θεὸς [A ὁ θ.] συντρίβων πολέμους κύριος
— 6. κ. παντοκράτωρ ἠθέτησεν αὐτούς
— 12. ἀπώλοντο ἐκ παρατάξεως κυρίου μου
— 13. A ὑμνήσω τῷ κ. [B θεῷ μου] ὕμνον
— 13. κύριε, μέγας εἶ
— 16. ὁ δὲ φοβούμενος τὸν κ. μέγας διὰ παντός
— 17. κ. παντοκράτωρ ἐκδικήσει αὐτούς
— 19. A S εἰς ἀνάθεμα τῷ κ. [B θεῷ] ἔδωκε
Es. 4. 8. ἐπικάλεσαι τὸν [A *om.*] κ. †
— 17. ἐδεήθη κυρίου [S[2] τοῦ κ.] μνημονεύων πάντα τὰ ἔργα κυρίου [S[2] τοῦ κ.] καὶ εἶπε, Κύριε κύριε [A κ. θεὲ κ.]
— 17. κύριος εἶ πάντων
— 17. ὃς ἀντιτάξεταί σοι τῷ κ.

Es. 4. 17. σὺ οἶδας, κύριε
— 17. πλὴν σοῦ τοῦ κ. μου
— 17. καὶ νῦν, κύριε . . . φεῖσαι τοῦ λαοῦ σου
— 17. ἵνα ζῶντες ὑμνῶμέν σου τὸ ὄνομα, κύριε
— 17. R αἰνούντων σε, κύριε [A B S *om.*]
— 17. Ἐσθὴρ . . . κατέφυγεν ἐπὶ τὸν κ.
— 17. εἰδεῖτο κ. θεοῦ Ἰσρ.
— 17. καὶ εἶπεν, Κύριέ μου [A ὁ θεός μου]
— 17. A ἐγὼ ἤκουον, κύριε [B S *om.*]
— 17. σὺ, κύριε, ἔλαβες τὸν Ἰσρ.
— 17. δίκαιος εἶ, κύριε
— 17. S μὴ παραδῶς, κύριε, τὸ σκῆπτρόν σου, κύριε [A B *om.*]
— 17. μνήσθητι, κύριε
— 17. καὶ μὴ ἐχούσῃ [A ἐ. βοηθὸν] εἰ μὴ σέ, κύριε
— 17. πλὴν ἐπὶ σοὶ, κύριε ὁ θεὸς Ἀβ.
5. 2. εἶδόν σε, κύριε
— 2. θαυμαστὸς εἶ, κύριε
6. 1. ὁ δὲ κ. ἀπέστησε τὸν ὕπνον ἀπὸ τοῦ βασ. –
10. 3. B S ἔσωσε κύριος [A *om.*] τὸν λαὸν αὐτοῦ
— 3. ἐρρύσατο κύριος [A S^2 *om.*] ἡμᾶς
— 3. A ἐμνήσθη ὁ κ. [B S θεὸς] τοῦ λαοῦ αὐτοῦ
Jb. 1. 6. ἦλθον οἱ ἄγγελοι τοῦ θεοῦ παραστῆναι ἐνώπιον τοῦ κ. [S^1 θεοῦ] (11 *a*)
— 7. εἶπεν ὁ κ. τῷ διαβόλῳ [A πρὸς τὸν διάβολον] (11 *a*)
— 7. ἀποκριθεὶς ὁ διάβολος τῷ κ. εἶπε (11 *a*)
— 8. εἶπεν αὐτῷ ὁ κ. [A θεός] (11 *a*)
— 9. ἀπεκρίθη δὲ ὁ διάβολος καὶ εἶπεν [A *om.* καὶ εἶπεν] ἐναντίον τοῦ κ. (11 *a*)
— 10. μὴ δωρεὰν Ἰὼβ σέβεται τὸν κ. [A θεόν] (6)
— 12. εἶπεν ὁ κ. τῷ διαβόλῳ (11 *a*)
— 12. ἐξῆλθεν ὁ διάβολος παρὰ τοῦ [A ἀπὸ προσώπου] κ. (11 *a*)
— 20. A S^2 πεσὼν χαμαὶ προσεκύνησε τῷ κ. [B S^1 *om.* τῷ κ.] –
— 21. ὁ κ. ἔδωκεν ὁ κ. ἀφείλατο ὡς τῷ κ. ἔδοξεν οὕτως ἐγένετο εἴη τὸ ὄνομα κυρίου εὐλογημένον (11 *a*, 11 *a*, –, 11 *a*)
— 22. οὐδὲν ἥμαρτεν Ἰὼβ ἐναντίον τοῦ κ. [A *al.*] –
2. 1. ἦλθον οἱ ἄγγελοι τοῦ θεοῦ παραστῆναι ἔναντι [A ἐνώπιον] κυρίου [S τοῦ κ.] (11 *a*)
— 1. B S^2 παραστῆναι ἐναντίον τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 2. εἶπεν ὁ κ. τῷ διαβόλῳ (11 *a*)
— 2. εἶπεν ὁ διάβολος ἐνώπιον τοῦ [A ἔναντι] κ. (11 *a*)
— 3. εἶπε δὲ ὁ κ. πρὸς τὸν διάβολον [A Σατανᾶν] (11 *a*)
— 4. ὑπολαβὼν δὲ ὁ διάβολος εἶπε τῷ κ. (11 *a*)
— 6. εἶπε δὲ ὁ κ. τῷ διαβόλῳ (11 *a*)
— 7. ἐξῆλθε δὲ ὁ διάβολος ἀπὸ [A παρὰ] τοῦ κ. (11 *a*)
— 9. εἰπόν τι ῥῆμα εἰς [A πρὸς] κύριον (6)
— 10. εἰ τὰ ἀγαθὰ ἐδεξάμεθα ἐκ χειρὸς κυρίου (6)
3. 4. μὴ ἀναζητήσαι αὐτὴν ὁ κ. ἄνωθεν (5)
— 19. θεράπων δεδοικὼς [A S^2 οὐ δ.] τὸν κ. αὐτοῦ (1)
— 23. A συνέκλεισε γὰρ ὁ κ. [B S θεὸς] κατ' αὐτοῦ (5)
4. 9. ἀπὸ προστάγματος κυρίου ἀπολοῦνται (5)
— 17. μὴ καθαρὸς ἔσται βροτὸς ἐναντίον τοῦ [A S ἔναντι] κ. (5)
5. 8. ἐγὼ δεηθήσομαι κυρίου κύριον δὲ . . . ἐπικαλέσομαι (4 *a*, 6)
— 17. μακάριος δὲ ἄνθρωπος ὃν ἤλεγξεν ὁ κ. (5)
6. 4. βέλη γὰρ κυρίου ἐν τῷ σώματί [A στόματί] μού ἐστιν (14)
— 8. τὴν ἐλπίδα μου δῴη ὁ κ. [A θεός] (5)
— 9. ἀρξάμενος ὁ κ. τρωσάτω με (5)
— 14. ἐπισκοπῇ δὲ κυρίου ὑπερεῖδέ με (14)
7. 2. ὥσπερ θεράπων δεδοικὼς τὸν κ. αὐτοῦ †
8. 3. μὴ ὁ κ. ἀδικήσει κρίνων (4 *a*)
— 5. ὄρθριζε πρὸς κύριον παντοκράτορα δεόμενος (4 *a*)
— 13. τὰ ἔσχατα πάντων τῶν ἐπιλανθανομένων τοῦ κ. [A θεοῦ] (4 *a*)
— 20. ὁ γὰρ κ. οὐ μὴ ἀποποιήσηται τὸν ἄκακον (4 *a*)
9. 2. πῶς γὰρ ἔσται δίκαιος βροτὸς παρὰ κυρίῳ (4 *a*)
10. 2. ἐρῶ πρὸς κύριον (5)
11. 5. πῶς ἂν ὁ κ. λαλήσαι πρὸς σέ (5)
— 6. ἄξιά σοι ἀπέβη [A παρέβη] ἀπὸ κυρίου (5)
— 7. ἢ [A μὴ] ἴχνος κυρίου εὑρήσεις (5)
12. 6. ὅσοι παροργίζουσι [A γὰρ ὀργ.] τὸν κ. (4 *a*)
— 9. χεὶρ κυρίου ἐποίησε ταῦτα (11 *a*)
13. 3. ἐγὼ πρὸς κύριον λαλήσω (14)
— 7. πότερον οὐκ ἔναντι κυρίου λαλεῖτε (4 *a*)
Jb. 13. 11. A φόβος δὲ κυρίου [B S παρ' αὐτοῦ] ἐπιπεσεῖται ὑμῖν †
15. 4. συνετελέσω δὲ ῥήματα τοιαῦτα ἔναντι τοῦ [A *om.*] κ. (4 *a*)
— 8. ἢ σύνταγμα κυρίου ἀκήκοας (5)
— 13. θυμὸν ἔρρηξας ἔναντι κυρίου (4 *a*)
— 25. ἦρκε χεῖρας ἐναντίον τοῦ [A -τι] κ. ἔναντι δὲ κυρίου παντοκράτορος ἐτραχηλίασεν (4 *a*, 23)
16. 12 (11). παρέδωκε γάρ με ὁ κ. εἰς χεῖρας ἀδίκου (4 *a*)
— 21 (20). A B S^2 ἀφίκοιτό μου ἡ δέησις πρὸς κύριον (5)
— 22 (21). B S^2 εἴη δὲ ἔλεγχος ἀνδρὶ [A ὁ ἔλ. μου] ἔναντι κυρίου (5)
18. 21. οὗτος δὲ ὁ τόπος τῶν μὴ εἰδότων τὸν κ. (4 *a*)
19. 2. ὁ [S *om.*] κ. ἐποίησέ με οὕτως –
— 6. κύριός [A B^1 ὁ κ.] ἐστιν ὁ ταράξας (5)
— 21. χεὶρ γὰρ κυρίου ἡ ἁψαμένη μού ἐστι (5)
— 22. διὰ τί με διώκετε ὥσπερ καὶ ὁ [S^1 *om.* κ. ὁ] κ. (4 *a*)
— 27 (26). παρὰ γὰρ κυρίου ταῦτά μοι συνετελέσθη (5 ?)
20. 29. αὕτη ἡ μερὶς ἀνθρώπου ἀσεβοῦς παρὰ κυρίου (6)
21. 9. μάστιξ δὲ παρὰ κυρίου οὐκ ἔστιν ἐπ' [B^1 *om.*] αὐτοῖς (5)
— 14. λέγει δὲ κυρίῳ [S τῷ κ., A ὁ ἀσεβὴς τῷ κ.] (4 *a*)
— 20. ἀπὸ [A ὑπὸ] δὲ κυρίου μὴ διασωθείη (14)
— 22. οὐχὶ ὁ [S *om.*] κ. ἐστιν ὁ διδάσκων σύνεσιν (4 *a*)
22. 2. οὐχὶ ὁ κ. ἐστιν ὁ διδάσκων σύνεσιν (4 *a*)
— 3. τί γὰρ μέλει τῷ κ. (14)
— 17. κύριος [A ὁ κ.] τί ποιήσει ὑμῖν (4 *a*)
— 23. ἐὰν δὲ . . . ταπεινώσῃς σεαυτὸν ἔναντι κυρίου (14)
— 26. παρρησιασθήσῃ [A ἐνπαρρησιάσῃ] ἐναντίον [A S -τι] κυρίου (14)
23. 16. κύριος δὲ ἐμαλάκυνε τὴν καρδίαν μου (4 *a*)
24. 1. διὰ τί δὲ κύριον [A -ιε] ἔλαθον ὧραι [A -ας] (14)
25. 4. πῶς γὰρ ἔσται δίκαιος βροτὸς ἔναντι κυρίου (4 *a*)
27. 2. A S^2 ζῇ κύριος [S^1 ὁ κ., B ὁ θεὸς] ὃς οὕτω με κέκρικε (4 *a*)
— 8. πεποιθὼς [A μὴ π.] ἐπὶ κύριον ἄρα [A εἰ ἄρα] σωθήσεται (5)
— 9. ἢ τὴν δέησιν αὐτοῦ ἀκούσῃ ὁ κ. [B S εἰσακούσεται ὁ θεός] (4 *a*)
— 11. ἀναγγελῶ ὑμῖν τί ἐστιν ἐν χειρὶ κυρίου (4 *a*)
— 13. αὕτη ἡ μερὶς ἀνθρώπου ἀσεβοῦς παρὰ κυρίου (4 *a*)
28. 23. A S^2 ὁ κ. [B S^1 θεὸς] εὖ συνέστησεν αὐτῆς τὴν ὁδόν (6)
29. 4. A S^2 ὁ κ. [B S^1 θεὸς] ἐπισκοπὴν ἐποιεῖτο τοῦ οἴκου μου (5)
31. 6. οἶδε δὲ ὁ κ. τὴν ἀκακίαν μου (5)
— 14. ἐὰν ἔτασίν μου ποιῆται ὁ κ. (4 *a*)
— 23. A S R φόβος γὰρ κυρίου [B *om.*] συνέσχε με (4 *a*)
— 28. ἐψευσάμην ἐναντίον κυρίου τοῦ ὑψίστου (4 *a*)
— 35. χεῖρα δὲ κυρίου εἰ μὴ ἐδεδοίκειν (14)
— 39. εἰ δὲ καὶ ψυχὴν κυρίου τῆς γῆς ἐκλαβὼν [A -βαλὼν] ἐλύπησα (7)
32. 2. ἀπέφηνεν ἑαυτὸν δίκαιον ἐναντίον κυρίου (6)
— 13. εὕρομεν σοφίαν κυρίῳ προσθέμενοι (4 *a*)
33. 14. ἐν γὰρ τῷ ἅπαξ λαλῆσαι ὁ κ. (4 *a*)
— 23. B^1 ἐὰν νοήσῃ τῇ καρδίᾳ ἐπιστραφῆναι πρὸς κύριον [B^2 S ἐπὶ κ., A ἐπὶ τὸν κ.] –
— 26. εὐξάμενος δὲ [A εὔξεται] πρὸς κύριον (5)
34. 5. ὁ κ. ἀπήλλαξέ μου τὸ κρίμα (4 *a*)
— 9. ἐπισκοπῇ αὐτῷ [A -οῦ] παρὰ κυρίου (6)
— 10. μή μοι εἴη ἔναντι κυρίου ἀσεβῆσαι (4 *a*)
— 12. οἴη δὲ τὸν κ. ἄτοπα ποιήσειν (4 *a*)
— 23. ὁ γὰρ κ. πάντας [A τὰ πάντα] ἐφορᾷ (4 *a* ?)
— 37. πολλὰ λαλούντων [A -οῦσιν] ῥήματα ἐναντίον τοῦ [A -τι] κ. (4 *a*)
35. 2. δίκαιός εἰμι ἔναντι κυρίου (4 *a*)
— 13. ἄτοπα γὰρ οὐ βούλεται ἰδεῖν ὁ κ. (4 *a*)
36. 5. ὁ κ. οὐ μὴ ἀποποιήσηται τὸν ἄκακον (4 *a*)
— 12. παρὰ τὸ μὴ βούλεσθαι αὐτοὺς εἰδέναι τὸν κ. –
— 33. κύριος κτῆσις [A -σεις] καὶ περὶ ἀδικίας –
37. 2. ἄκουε ἀκοὴν ἐν [S^1 *om.*] ὀργῇ θυμοῦ κυρίου †
Jb. 37. 14. στῆθι νουθετούμενος [A S -τοῦ] δύναμιν κυρίου (4 *a*)
38. 1. εἶπεν ὁ κ. τῷ Ἰὼβ διὰ λαίλαπος (11 *a*)
— 41. νεοσσοὶ γὰρ αὐτοῦ πρὸς κύριον κεκράγασι [A *al.*] (4 *a*)
39. 31 (40. 1). ἀπεκρίθη κύριος ὁ θεὸς τῷ Ἰώβ (18 *a*)
— 33 (40. 3). λέγει [A εἶπεν] τῷ κ. (11 *a*)
— 34 (40. 4). νουθετούμενος καὶ ἐλέγχων κύριον [A ἐλεγχόμενος ὑπὸ κυρίου] –
40. 1 (6). ἔτι δὲ ὑπολαβὼν ὁ κ. εἶπε τῷ Ἰώβ (11 *a*)
— 4 (9). ἢ βραχίων σοί ἐστι κατὰ τοῦ κυρίου [A S^2 κατὰ κύριον] (4 *a*)
— 14 (19). τοῦτ' ἔστιν ἀρχὴ πλάσματος κυρίου (4 *a*)
42. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει τῷ κ. (11 *a*)
— 4. ἄκουσον δέ μου, κύριε –
— 7. μετὰ τὸ λαλῆσαι τὸν κ. πάντα τὰ ῥήματα ταῦτα τῷ Ἰὼβ εἶπεν ὁ κ. Ἐλιφάς (11 *a*, 11 *a*)
— 9. καθὼς συνέταξεν αὐτοῖς ὁ κ. (11 *a*)
— 10. ὁ δὲ κ. ηὔξησε τὸν Ἰώβ (11 *a*)
— 10. ἔδωκε δὲ ὁ κ. διπλᾶ [A *al.*] (11 *a*)
— 11. οἷς ἐπήγαγεν αὐτῷ ὁ κ. [S^1 θεός] (11 *a*)
— 12. ὁ δὲ κ. εὐλόγησε τὰ ἔσχατα Ἰώβ (11 *a*)
— 18. ἀναστήσεσθαι μεθ' ὧν ὁ κ. ἀνίστησιν –
Ps. 1. 2. ἐν τῷ νόμῳ κυρίου τὸ θέλημα αὐτοῦ (11 *a*)
— 6. γινώσκει κύριος ὁδὸν δικαίων (11 *a*)
2. 2. οἱ ἄρχοντες συνήχθησαν . . . κατὰ τοῦ κ. (11 *a*)
— 4. ὁ κ. ἐκμυκτηριεῖ αὐτούς (2)
— 6 (7). διαγγέλλων τὸ πρόσταγμα κυρίου (11 *a* ?)
— 7. κύριος εἶπε πρὸς μέ (11 *a* ?)
— 11. δουλεύσατε τῷ κ. ἐν φόβῳ (11 *a*)
— 12. μή ποτε ὀργισθῇ κύριος –
3. 1. κύριε, τί ἐπληθύνθησαν οἱ θλίβοντές με (11 *a*)
— 3. σὺ δὲ, κύριε [A *om.*], ἀντιλήπτωρ μου εἶ (11 *a*)
— 4. φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα (11 *a*)
— 5. ὅτι κύριος ἀντιλήψεταί [S ἀντελάβετό] μου (11 *a*)
— 7. ἀνάστα, κύριε, σῶσόν με, ὁ θεός μου (11 *a*)
— 8. τοῦ κ. ἡ σωτηρία μου (11 *a*)
4. 3. ἐθαυμάστωσε κύριος τὸν ὅσιον αὐτοῦ κύριος εἰσακούσεταί μου (11 *a*, 11 *a*)
— 5. ἐλπίσατε ἐπὶ κύριον (11 *a*)
— 6. τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου, κύριε (11 *a*)
— 8. σὺ, κύριε, κατὰ μόνας ἐπ' ἐλπίδι κατῴκισάς με (11 *a*)
5. 1. τὰ ῥήματά μου ἐνώτισαι, κύριε (11 *a*)
— 3. πρὸς σὲ προσεύξομαι, κύριε (11 *a*)
— 5. ἐμίσησας, κύριε [B^2 S *om.*], πάντας τοὺς ἐργαζομένους τὴν ἀνομίαν –
— 6. ἄνδρα αἱμάτων καὶ δόλιον βδελύσσεται κύριος (11 *a*)
— 8. κύριε, ὁδήγησόν με ἐν τῇ δικαιοσύνῃ σου (11 *a*)
— 10. παρεπίκρανάν σε, κύριε –
— 12. κύριε, ὡς ὅπλῳ εὐδοκίας ἐστεφάνωσας ἡμᾶς (11 *a*)
6. 1. κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξῃς με (11 *a*)
— 2. ἐλέησόν με, κύριε, ὅτι ἀσθενής εἰμι (11 *a*)
— 2. A S R ἴασαί με, κύριε [B *om.*] (11 *a*)
— 3. καὶ σὺ, κύριε, ἕως πότε (11 *a*)
— 4. ἐπίστρεψον, κύριε, ῥῦσαι τὴν ψυχήν μου (11 *a*)
— 8. A B S^2 εἰσήκουσε κύριος τῆς φωνῆς τοῦ κλαυθμοῦ μου (11 *a*)
— 9. εἰσήκουσε [A S^2 ἥκ.] κύριος τῆς δεήσεώς μου κύριος τὴν προσευχήν μου προσεδέξατο (11 *a*, 11 *a*)
7. *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυὶδ ὃν ᾖσε τῷ κ. (11 *a*)
— 1. κύριε ὁ θεός μου, ἐπὶ σοὶ ἤλπισα (11 *a*)
— 3. κύριε ὁ θεός μου, εἰ ἐποίησα τοῦτο (11 *a*)
— 6. ἀνάστηθι, κύριε, ἐν ὀργῇ σου (11 *a*)
— 6. ἐξεγέρθητι, κύριε [S^1 *om.*] ὁ θεός μου †
— 8. κύριος κρινεῖ λαοὺς κρίνόν με [A μοι], κύριε (11 *a*, 11 *a*)
— 17. ἐξομολογήσομαι κυρίῳ [A S^1 τῷ κ.] κατὰ τὴν δικαιοσύνην αὐ. καὶ ψαλῶ τῷ ὀνόματι κυρίου τοῦ ὑψίστου (11 *a*, 11 *a*)
8. 1, 9. κύριε ὁ κ. ἡμῶν, ὡς θαυμαστὸν τὸ ὄνομά σου (11 *a*, 1)
9. 1. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε (11 *a*)
— 7. ὁ κ. εἰς τὸν αἰῶνα μένει (11 *a*)
— 9. ἐγένετο κύριος καταφυγὴ τῷ πένητι (11 *a*)
— 10. οὐκ ἐγκατέλιπες τοὺς ἐκζητοῦντάς σε, κύριε (11 *a*)
— 11. ψάλατε τῷ κ. τῷ κατοικοῦντι ἐν Σιών (11 *a*)
— 13. ἐλέησόν με, κύριε (11 *a*)
— 16. γινώσκεται κύριος κρίματα ποιῶν (11 *a*)
— 19. ἀνάστηθι, κύριε (11 *a*)

Ps. 9. 20. κατάστησον, κύριε, νομοθέτην ἐπ' αὐτούς (11 *a*)
— 22 (10. 1). ἵνα τί, κύριε, ἀφέστηκας μακρόθεν (11 *a*)
— 25 (10. 3). παρώξυνε τὸν κ. ὁ ἁμαρτωλός (11 *a*)
— 33 (10. 12). ἀνάστηθι, κύριε ὁ θεός [A S^2 θ. μου] (11 *a*)
— 37 (10. 16). βασιλεύσει κύριος εἰς τὸν αἰῶνα (11 *a*)
— 38 (10. 17). τὴν ἐπιθυμίαν τῶν πενήτων εἰσήκουσε κύριος [S^2 -σας, κύριε] (11 *a*)
10 (11). 1. ἐπὶ τῷ κ. πέποιθα (11 *a*)
— 5. κύριος ἐν ναῷ ἁγίῳ αὐτοῦ κύριος ἐν οὐρανῷ ὁ θρόνος αὐτοῦ (11 *a*, 11 *a*)
— 6. κύριος ἐξετάζει τὸν δίκαιον (11 *a*)
— 8. δίκαιος κύριος καὶ δικαιοσύνας ἠγάπησεν (11 *a*)
11 (12). 1. σῶσόν με, κύριε (11 *a*)
— 3. ἐξολεθρεύσαι [A -σει] κύριος πάντα τὰ χείλη τὰ δόλια (11 *a*)
— 4. τίς ἡμῶν κύριός ἐστιν (1)
— 5. νῦν ἀναστήσομαι λέγει κύριος (11 *a*)
— 6. τὰ λόγια κυρίου λόγια ἁγνά (11 *a*)
— 7. σὺ, κύριε, φυλάξεις ἡμᾶς (11 *a*)
12 (13). 1. ἕως πότε, κύριε, ἐπιλήσῃ μου εἰς τέλος (11 *a*)
— 3. εἰσάκουσόν μου [S *om.*], κύριε ὁ θεός μου (11 *a*)
— 6. ᾄσω τῷ κ. τῷ εὐεργετήσαντί με καὶ ψαλῶ τῷ ὀνόματι κυρίου τοῦ ὑψίστου (11 *a*, –)
13 (14). 2. A^2 B S κύριος ἐκ τοῦ οὐρανοῦ διέκυψεν (11 *a*)
— 4. τὸν κ. οὐκ ἐπεκαλέσαντο (11 *a*)
— 5. S^2 κύριος [A B S^1 *om.*] ὁ θεὸς ἐν γενεᾷ δικαίᾳ [A S^2 -ων] (18 *b*)
— 6. ὅτι [S^2 ὁ δὲ] κύριος ἐλπὶς αὐτοῦ ἐστι (11 *a*)
— 7. ἐν τῷ ἐπιστρέψαι κύριον τὴν αἰχμαλωσίαν (11 *a*)
14 (15). 1. κύριε, τίς παροικήσει ἐν τῷ σκηνώματί σου (11 *a*)
— 4. τοὺς δὲ φοβουμένους κύριον δοξάζει (11 *a*)
15 (16). 1. φύλαξόν με, κύριε [S^1 ὁ θεός] (4 *a*)
— 2. εἶπα τῷ κ., Κύριός [S^1 θεός] μου εἶ σύ (11 *a*, 2)
— 5. κύριος ἡ μερὶς τῆς κληρονομίας μου (11 *a*)
— 7. εὐλογήσω τὸν κ. τὸν συνετίσαντά με (11 *a*)
— 8. προορώμην τὸν κ. ἐνώπιόν μου διὰ παντός (11 *a*)
16 (17). 1. εἰσάκουσον, κύριε, τῆς δικαιοσύνης μου (11 *a*)
— 8. φύλαξόν με [S^2 *add.* κύριε] –
— 13. ἀνάστηθι, κύριε, πρόφθασον αὐτούς (11 *a*)
— 14. κύριε ἀπολύων ἀπὸ γῆς (11 *a*)
17 (18). *tit.* εἰς τὸ τέλος τῷ παιδὶ κυρίου Δ ἐλάλησε τῷ κ. τοὺς λόγους τῆς ᾠδῆς ταύτης ἐν ἡμέρᾳ ᾗ ἐρρύσατο αὐτὸν κύριος (11 *a ter*)
— 1. ἀγαπήσω σε, κύριε ἰσχύς μου (11 *a*)
— 2. κύριος στερεώμά μου καὶ καταφυγή μου (11 *a*)
— 3. αἰνῶν ἐπικαλέσομαι κύριον [S^2 τὸν κ.] (11 *a*)
— 6. ἐν τῷ θλίβεσθαί με ἐπεκαλεσάμην τὸν κ. (11 *a*)
— 13. ἐβρόντησεν ἐξ οὐρανοῦ κύριος [A S^2 ὁ κ.] (11 *a*)
— 15. ἀπὸ ἐπιτιμήσεώς σου, κύριε (11 *a*)
— 18. ἐγένετο κύριος ἀντιστήριγμά μου (11 *a*)
— 20. ἀνταποδώσει μοι κύριος κατὰ τὴν δικαιοσύνην μου (11 *a*)
— 21. ἐφύλαξα τὰς ὁδοὺς κυρίου (11 *a*)
— 24. ἀνταποδώσει μοι κύριος κατὰ τὴν δικαιοσύνην μου (11 *a*)
— 28. σὺ φωτιεῖς λύχνον μου, κύριε (11 *a*)
— 30. τὰ λόγια κυρίου πεπυρωμένα (11 *a*)
— 31. τίς θεὸς πλὴν [S παρὲξ] τοῦ κ. (11 *a*)
— 41. πρὸς κύριον καὶ οὐκ εἰσήκουσεν αὐτῶν (11 *a*)
— 46. ζῇ κύριος καὶ εὐλογητὸς ὁ θεός (11 *a*)
— 49. ἐξομολογήσομαί σοι ἐν ἔθνεσι, κύριε (11 *a*)
18 (19). 7. ὁ νόμος τοῦ [A *om.*] κ. ἄμωμος ἐπιστρέφων ψυχὰς ἡ μαρτυρία κυρίου πιστή (11 *a*, 11 *a*)
— 8. τὰ δικαιώματα κυρίου εὐθέα εὐφραίνοντα καρδίαν ἡ ἐντολὴ κυρίου τηλαυγὴς φωτίζουσα ὀφθαλμούς (11 *a*, 11 *a*)
— 9. ὁ φόβος κυρίου ἁγνὸς διαμένων εἰς αἰῶνα αἰῶνος τὰ κρίματα κυρίου ἀληθινὰ δεδικαιωμένα ἐπὶ τὸ αὐτό (11 *a*, 11 *a*)
— 14. κύριε βοηθέ μου καὶ λυτρωτά μου (11 *a*)
19 (20). 1. ἐπακούσαι σου κύριος ἐν ἡμέρᾳ θλίψεως (11 *a*)
— 4. A S^2 δῴη σοι κύριος [B S^1 *om.*] κατὰ τὴν καρδίαν σου –
Ps. 19 (20). 5. S ἐν ὀνόματι κυρίου [A B *om.*] θεοῦ ἡμῶν μεγαλυνθησόμεθα· πληρώσαι κύριος πάντα τὰ αἰτήματά σου (18 *b*, 11 *a*)
— 6. ἔσωσε κύριος τὸν χριστὸν αὐτοῦ (11 *a*)
— 7. ἐν ὀνόματι κυρίου [A *om.*] θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 9. κύριε, σῶσον τὸν βασιλέα (11 *a*)
20 (21). 1. κύριε, ἐν τῇ δυνάμει σου εὐφρανθήσεται ὁ βασιλεύς (11 *a*)
— 7. ὁ βασιλεὺς ἐλπίζει ἐπὶ κύριον (11 *a*)
— 9. A B S^1 κύριε [S^2 R -ος] ἐν ὀργῇ σου [S^2R αὐτοῦ] συνταράξει [S^2R -ζει] αὐτούς (11 *a*)
— 13. ὑψώθητι, κύριε, ἐν τῇ δυνάμει σου (11 *a*)
21 (22). 8. ἤλπισεν [B^1 -σαν] ἐπὶ κύριον (11 *a*)
— 19. σὺ δὲ, κύριε, μὴ μακρύνῃς τὴν βοήθειάν μου [S^1 σου] (11 *a*)
— 23. οἱ φοβούμενοι κύριον [S^2 τὸν κ.] αἰνέσατε αὐτόν (11 *a*)
— 25. S^2 τὰς εὐχάς μου τῷ κ. [A B S^1 *om.* τῷ κ.] ἀποδώσω –
— 26. αἰνέσουσι κύριον οἱ ἐκζητοῦντες αὐτόν (11 *a*)
— 27. ἐπιστραφήσονται πρὸς κύριον πάντα τὰ πέρατα τῆς γῆς (11 *a*)
— 28. τοῦ κ. ἡ βασιλεία (11 *a*)
— 30. ἀναγγελήσεται τῷ κ. γενεὰ ἡ ἐρχομένη (2)
— 31. A S λαῷ . . . ὃν ἐποίησεν κύριος [B ὁ κ.] –
22 (23). 1. κύριος ποιμαίνει με (11 *a*)
— 6. τὸ κατοικεῖν με ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
23 (24). 1. τοῦ κ. ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα αὐτῆς (11 *a*)
— 3. τίς ἀναβήσεται εἰς τὸ ὄρος τοῦ κ. (11 *a*)
— 5. οὗτος λήψεται εὐλογίαν παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 6. S^1 αὕτη ἡ γενεὰ ζητούντων τὸν κ. [ABS^1 ζ. αὐτόν] †
— 8. κύριος κραταιὸς καὶ δυνατὸς κύριος δυνατὸς ἐν πολέμῳ (11 *a*, 11 *a*)
— 10. κύριος τῶν δυνάμεων αὐτός ἐστιν οὗτος [A S^2 *om.*] ὁ βασιλεὺς τῆς δόξης (11 *a*)
24 (25). 1. πρὸς σὲ, κύριε, ἦρα τὴν ψυχήν μου (11 *a*)
— 4. τὰς ὁδούς σου, κύριε, γνώρισόν μοι (11 *a*)
— 6. A S R μνήσθητι τῶν οἰκτιρμῶν σου, κύριε [B *om.*] (11 *a*)
— 7. ἕνεκα τῆς χρηστότητός σου, κύριε (11 *a*)
— 8. χρηστὸς καὶ εὐθὺς ὁ κ. (11 *a*)
— 10. πᾶσαι αἱ ὁδοὶ κυρίου ἔλεος καὶ ἀλήθεια (11 *a*)
— 11. ἕνεκα τοῦ ὀνόματός σου, κύριε (11 *a*)
— 12. τίς ἐστιν ἄνθρωπος ὁ φοβούμενος τὸν κ. (11 *a*)
— 14. κραταίωμα κύριος τῶν φοβουμ. αὐτόν (11 *a*)
— 14. A B^1 τὸ ὄνομα κυρίου τῶν φοβουμένων [A ἐπικαλεσαμένων] αὐτόν –
— 15. οἱ ὀφθαλμοί μου διὰ παντὸς πρὸς τὸν κ. (11 *a*)
— 21. ὑπέμεινά σε, κύριε [S *om.*] –
25 (26). 1. κρῖνόν με, κύριε (11 *a*)
— 1. A S ἐπὶ τῷ κ. ἐλπίζων οὐ μὴ ἀσθενήσω [B σαλευθῶ] (11 *a*)
— 2. A B S^2 δοκίμασόν με, κύριε (11 *a*)
— 6. A S R κυκλώσω τὸ θυσιαστήριόν σου, κύριε [B *om.*] (11 *a*)
— 8. κύριε, ἠγάπησα εὐπρέπειαν οἴκου σου (11 *a*)
— 11. A S^2 λύτρωσαί με, κύριε [B S^1 *om.*] –
— 12. ἐν ἐκκλησίαις εὐλογήσω σε, κύριε (11 *a*)
26 (27). 1. κύριος φωτισμός μου καὶ σωτήρ μου (11 *a*)
— 1. κύριος ὑπερασπιστὴς τῆς ζωῆς μου (11 *a*)
— 4. μίαν ᾐτησάμην παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 4. τοῦ κατοικεῖν με ἐν οἴκῳ κυρίου [S^1 τοῦ κ.] (11 *a*)
— 4. A S^2R τοῦ θεωρεῖν με τὴν τερπνότητα κυρίου [B S^1 τοῦ κ.] (11 *a*)
— 6. A ὕψωσε κύριος [B S *om.*] τὴν κεφαλήν μου ἐπ' ἐχθρούς μου –
— 6. ᾄσομαι καὶ ψαλῶ τῷ κ. (11 *a*)
— 7. εἰσάκουσον, κύριε, τῆς φωνῆς μου (11 *a*)
— 8. S^2 κύριον ζητήσω –
— 8. τὸ πρόσωπόν σου, κύριε, ζητήσω (11 *a*)
— 10. ὁ δὲ κ. προσελάβετό με (11 *a*)
— 11. νομοθέτησόν με, κύριε (11 *a*)
— 13. πιστεύω τοῦ ἰδεῖν τὰ ἀγαθὰ κυρίου (11 *a*)
— 14 *bis.* ὑπόμεινον τὸν κ. (11 *a*)
27 (28). 1. πρὸς σὲ, κύριε, ἐκέκραξα (11 *a*)
— 2. S^2 εἰσάκουσον, κύριε [A B S^1 *om.*], τῆς φωνῆς τῆς δεήσεώς μου –
— 4. S^2 κύριε [A B S^1 *om.*], κατὰ τὰ ἔργα αὐτῶν –
— 5. οὐ συνῆκαν [A -κα] εἰς τὰ ἔργα κυρίου (11 *a*)
— 6. εὐλογητὸς κύριος (11 *a*)
— 7. κύριος βοηθός μου καὶ ὑπερασπιστής μου (11 *a*)
— 8. κύριος κραταίωμα τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (11 *a*)
Ps. 28 (29). 1. ἐνέγκατε τῷ κ., υἱοὶ θεοῦ, ἐνέγκατε τῷ κ. υἱοὺς κριῶν (11 *a*, 11 *a*)
— 1. ἐνέγκατε τῷ κ. δόξαν καὶ τιμήν (11 *a*)
— 2. ἐνέγκατε τῷ κ. δόξαν ὀνόματι αὐτοῦ προσκυνήσατε τῷ κ. ἐν αὐλῇ ἁγίᾳ αὐτοῦ (11 *a*, 11 *a*)
— 3. φωνὴ κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων (11 *a*)
— 3. κύριος ἐπὶ ὑδάτων πολλῶν (11 *a*)
— 4. φωνὴ κυρίου ἐν ἰσχύϊ φωνὴ κυρίου ἐν μεγαλοπρεπείᾳ (11 *a*, 11 *a*)
— 5. φωνὴ κυρίου συντρίβοντος κέδρους συντρίψει κύριος τὰς κέδρους τοῦ Λιβάνου (11 *a*, 11 *a*)
— 7. φωνὴ κυρίου διακόπτοντος φλόγα πυρός (11 *a*)
— 8. φωνὴ κυρίου συσσείοντος ἔρημον συσσείσει κύριος τὴν ἔρημον Κάδης (11 *a*, 11 *a*)
— 9. φωνὴ κυρίου καταρτιζομένου [S^2 -νη] ἐλάφους (11 *a*)
— 10. κύριος τὸν κατακλυσμὸν κατοικιεῖ καὶ καθεῖται κύριος βασιλεὺς εἰς τὸν αἰῶνα (11 *a*, 11 *a*)
— 11. κύριος ἰσχὺν τῷ λαῷ αὐτοῦ δώσει κύριος εὐλογήσει τὸν λαὸν αὐτοῦ ἐν εἰρήνῃ (11 *a*, 11 *a*)
29 (30). 1. ὑψώσω σε, κύριε (11 *a*)
— 2. κύριε ὁ θεός μου, ἐκέκραξα πρὸς σέ (11 *a*)
— 3. κύριε, ἀνήγαγες ἐξ ᾅδου τὴν ψυχήν μου (11 *a*)
— 4. ψάλατε τῷ κ., οἱ ὅσιοι αὐτοῦ (11 *a*)
— 7. κύριε, ἐν τῷ θελήματί σου παράσχου (11 *a*)
— 8. πρὸς σὲ, κύριε, κεκράξομαι (11 *a*)
— 10. ἤκουσε κύριος καὶ ἠλέησέ με κύριος ἐγενήθη βοηθός μου (11 *a*, 11 *a*)
— 12. ἔστρεψας τὸν κοπετόν μου [S^2 *add.* κύριε] –
— 12. κύριε ὁ θεός μου, . . . ἐξομολογήσομαί σοι (11 *a*)
30 (31). 1. ἐπὶ σοὶ, κύριε, ἤλπισα (11 *a*)
— 4. A S^2R σὺ εἶ ὁ ὑπερασπιστής μου, κύριε [B S^1 *om.*] –
— 5. ἐλυτρώσω με, κύριε ὁ θεὸς τῆς ἀληθείας (11 *a*)
— 6. ἐγὼ δὲ ἐπὶ τῷ κ. ἤλπισα (11 *a*)
— 9. ἐλέησόν με, κύριε, ὅτι θλίβομαι (11 *a*)
— 14. ἐγὼ δὲ ἐπὶ σοὶ ἤλπισα, κύριε (11 *a*)
— 17. κύριε, μὴ καταισχυνθείην (11 *a*)
— 19. ὡς πολὺ τὸ πλῆθος τῆς χρηστότητός σου, κύριε [S *om.*] –
— 21. εὐλογητὸς κύριος (11 *a*)
— 22. εἰσήκουσας, κύριε [A S *om.*], τῆς φωνῆς τῆς δεήσεώς μου –
— 23. ἀγαπήσατε τὸν κ. πάντες οἱ ὅσιοι αὐτοῦ ὅτι [S^1 *om.*] ἀληθείας ἐκζητεῖ κύριος (11 *a*, 11 *a*)
— 24. πάντες οἱ ἐλπίζοντες ἐπὶ κύριον [S τὸν κ.] (11 *a*)
31 (32). 2. μακάριος ἀνὴρ οὗ οὐ μὴ λογίσηται κύριος ἁμαρτίαν (11 *a*)
— 5. A S R ἐξαγορεύσω κατ' ἐμοῦ τὴν ἀνομίαν [B ἁμαρτίαν] τῷ κ. (11 *a*)
— 10. τὸν δὲ ἐλπίζοντα ἐπὶ κύριον ἔλεος κυκλώσει (11 *a*)
— 11. εὐφράνθητε ἐπὶ κύριον (11 *a*)
32 (33). 1. ἀγαλλιᾶσθε δίκαιοι ἐν τῷ [S^2 *om.*] κ. (11 *a*)
— 2. ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. ἐν κιθάρᾳ (11 *a*)
— 4. εὐθὺς ὁ λόγος τοῦ κ. (11 *a*)
— 5. A S^2 ἀγαπᾷ ἐλεημοσύνην καὶ κρίσιν ὁ κ. [B S^1 *om.* ὁ κ.] τοῦ ἐλέους κυρίου πλήρης ἡ γῆ (–, 11 *a*)
— 6. τῷ λόγῳ τοῦ [A S *om.*] κ. οἱ οὐρανοὶ ἐστερεώθησαν (11 *a*)
— 8. φοβηθήτω τὸν κ. πᾶσα ἡ γῆ (11 *a*)
— 10. κύριος διασκεδάζει βουλὰς ἐθνῶν (11 *a*)
— 11. ἡ δὲ βουλὴ τοῦ κ. εἰς τὸν αἰῶνα μένει (11 *a*)
— 12. μακάριον τὸ ἔθνος οὗ ἐστι κύριος ὁ θεὸς αὐτοῦ (11 *a*)
— 13. ἐξ οὐρανοῦ ἐπέβλεψεν ὁ κ. (11 *a*)
— 18. οἱ ὀφθαλμοὶ κυρίου ἐπὶ τοὺς φοβουμένους αὐτόν (11 *a*)
— 20. ἡ ψυχὴ ἡμῶν ὑπομένει τῷ κ. (11 *a*)
— 22. γένοιτο τὸ ἔλεός σου, κύριε, ἐφ' ἡμᾶς (11 *a*)
33 (34). 1. εὐλογήσω τὸν κ. ἐν παντὶ καιρῷ (11 *a*)
— 2. ἐν τῷ κ. ἐπαινεσθήσεται ἡ ψυχή μου (11 *a*)
— 3. μεγαλύνατε τὸν κ. σὺν ἐμοί (11 *a*)
— 4. ἐξεζήτησα τὸν κ. (11 *a*)
— 6. ὁ κ. εἰσήκουσεν αὐτοῦ [S^1 -ῶν] (11 *a*)
— 7. παρεμβαλεῖ ἄγγελος κυρίου [A αὐτοῦ] (11 *a*)
— 8. ἴδετε ὅτι χρηστὸς ὁ κ. (11 *a*)

Ps. 33 (34). 9. φοβήθητε τὸν κ. πάντες οἱ ἅγιοι αὐ. (11 *a*)
— 10. οἱ δὲ ἐκζητοῦντες τὸν κ. οὐκ ἐλαττωθήσονται (11 *a*)
— 11. φόβον κυρίου διδάξω ὑμᾶς (11 *a*)
— 15. ὀφθαλμοὶ κυρίου ἐπὶ δικαίους (11 *a*)
— 16. πρόσωπον δὲ κυρίου ἐπὶ ποιοῦντας κακά (11 *a*)
— 17. ὁ κ. εἰσήκουσεν αὐτῶν (11 *a*)
— 17. ἐρρύσατο αὐτούς [S² *add.* ὁ κ.] –
— 18. ἐγγὺς κύριος τοῖς συντετριμμένοις τὴν καρδίαν (11 *a*)
— 19. A R ἐκ πασῶν αὐτῶν ῥύσεται αὐτοὺς ὁ κ. [B S *om.* ὁ κ.] (11 *a*)
— 20. A S² φυλάσσει κύριος [B S¹ *om.*] πάντα τὰ ὀστᾶ αὐτῶν –
— 22. λυτρώσεται κύριος ψυχὰς δούλων αὐτοῦ (11 *a*)
34 (35). 1. δίκασον, κύριε, τοὺς ἀδικοῦντάς με (11 *a*)
— 5. ἄγγελος κυρίου [S ὁ κυρίου] ἐκθλίβων αὐτούς (11 *a*)
— 6. ἄγγελος κυρίου καταδιώκων αὐτούς (11 *a*)
— 9. ἡ δὲ ψυχή μου ἀγαλλιάσεται ἐπὶ [S¹ ἐν] τῷ κ. (11 *a*)
— 10. A κύριε κύριε [B S *om.*], τίς ὅμοιός σοι (11 *a*, –)
— 17. κύριε, πότε ἐπόψῃ (2)
— 18. B ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε [A S *om.*] –
— 22. εἶδες, κύριε, μὴ παρασιωπήσῃς· κύριε [A¹ *om.*], μὴ ἀποστῇς ἀπ' ἐμοῦ (11 *a*, 2)
— 23. ἐξεγέρθητι, κύριε [S² *om.*], καὶ πρόσχες τῇ κρίσει μου, ὁ θεός μου καὶ ὁ κ. μου, εἰς τὴν δίκην μου (–, 2)
— 24. κρῖνόν με [A μοι], κύριε [S *om.*], κατὰ τὴν δικαιοσύνην [S¹ ἐλεημοσύνην] σου, κύριε ὁ θεός μου (–, 11 *a*)
— 27. μεγαλυνθήτω ὁ κ. [S¹ θεός] (11 *a*)
35 (36). *tit.* τῷ δούλῳ κυρίου τῷ Δ. [A *al.*] (11 *a*)
— 5. κύριε, ἐν τῷ οὐρανῷ τὸ ἔλεός σου (11 *a*)
— 6. ἀνθρώπους καὶ κτήνη σώσεις, κύριε (11 *a*)
36 (37). 3. ἔλπισον ἐπὶ κύριον (11 *a*)
— 4. καταπρύφησον τοῦ κ. (11 *a*)
— 5. ἀποκάλυψον πρὸς κύριον τὴν ὁδόν σου (11 *a*)
— 7. ὑποτάγηθι τῷ κ. (11 *a*)
— 9. οἱ δὲ ὑπομένοντες τὸν κ. (11 *a*)
— 13. ὁ δὲ κ. ἐκγελάσεται αὐτόν (2)
— 17. A S² R ὑποστηρίζει δὲ τοὺς δικαίους ὁ [B S¹ *om.*] κ. (11 *a*)
— 18. γινώσκει κύριος τὰς ὁδοὺς τῶν ἀμώμων (11 *a*)
— 20. οἱ δὲ ἐχθροὶ τοῦ κ. . . . ἐξέλιπον (11 *a*)
— 23. παρὰ κυρίου τὰ διαβήματα ἀνθρώπου [S¹ ἀνδρί] (11 *a*)
— 24. κύριος ἀντιστηρίζει χεῖρα αὐτοῦ (11 *a*)
— 28. κύριος ἀγαπᾷ κρίσιν (11 *a*)
— 33. ὁ δὲ κ. οὐ μὴ ἐγκαταλίπῃ αὐτόν (11 *a*)
— 34. ὑπόμεινον τὸν κ. (11 *a*)
— 39. A S² R σωτηρία δὲ τῶν δικαίων παρὰ κυρίου [B S¹ -ῳ] (11 *a*)
— 40. A B S³ βοηθήσει αὐτοῖς κύριος (11 *a*)
37 (38). 1. κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξῃς με (11 *a*)
— 9. A S κύριε [B καὶ] ἐναντίον σοῦ πᾶσα ἡ ἐπιθυμία μου (2)
— 15. ἐπὶ σοί, κύριε, ἤλπισα, σὺ εἰσακούσῃ, κύριε ὁ θεός μου (11 *a*, 2)
— 21. μὴ ἐγκαταλίπῃς με, κύριε (11 *a*)
— 22. κύριε τῆς σωτηρίας μου (2)
38 (39). 4. γνώρισόν μοι, κύριε, τὸ πέρας μου (11 *a*)
— 7. τίς ἡ ὑπομονή μου; οὐχὶ ὁ [S² *om.*] κ. (2)
— 12. A S R εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου, κύριε [B *om.*] (11 *a*)
39 (40). 1. ὑπομένων ὑπέμεινα τὸν κ. (11 *a*)
— 3. ἐλπιοῦσιν ἐπὶ κύριον (11 *a*)
— 4. οὗ ἐστι τὸ ὄνομα κυρίου ἐλπὶς αὐτοῦ (11 *a*)
— 5. πολλὰ ἐποίησας σύ, κύριε ὁ θεός μου (11 *a*)
— 9. κύριε, σὺ ἔγνως τὴν δικαιοσύνην μου [A S² σου] (11 *a*)
— 11. σὺ δέ, κύριε, μὴ μακρύνῃς τοὺς οἰκτιρμούς σου (11 *a*)
— 13. εὐδόκησον, κύριε, τοῦ ῥύσασθαί με, κύριε, εἰς τὸ βοηθῆσαί μοι πρόσχες [A σπεῦσον] (11 *a*, 11 *a*)
— 16. πάντες οἱ ζητοῦντές σε, κύριε –
— 16. μεγαλυνθήτω ὁ κ. (11 *a*)
— 17. κύριος [A ὁ κ.] φροντιεῖ μοι (2)
40 (41). 1. ἐν ἡμέρᾳ πονηρᾷ ῥύσεται αὐτὸν ὁ [S *om.*] κ. (11 *a*)
— 2. A S κύριος διαφυλάξαι [B φυλ.] αὐτόν (11 *a*)
— 3. κύριος βοηθήσαι [A -σει] αὐτῷ ἐπὶ κλίνης ὀδύνης αὐτοῦ (11 *a*)

Ps. 40 (41). 4. κύριε, ἐλέησόν με (11 *a*)
— 10. σὺ δὲ, κύριε, ἐλέησόν με (11 *a*)
— 13. εὐλογητὸς κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
41 (42). 6. A S¹ μνησθήσομαί σου, κύριε [B S² *om.*] –
— 8. ἡμέρας ἐντελεῖται κύριος τὸ ἔλεος αὐτοῦ (11 *a*)
42 (43). 4. B ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε [A S R *om.*], ἐν κιθάρᾳ –
43 (44). 23. ἵνα τί ὕπνοῖς, κύριε (2)
— 26. ἀνάστα, κύριε, βοήθησον ἡμῖν –
44 (45). 11. αὐτός ἐστιν ὁ [S² *om.*] κ. σου (1)
45 (46). 7. κύριος τῶν δυνάμεων μεθ' ἡμῶν (11 *a*)
— 8. A R ἴδετε τὰ ἔργα τοῦ [B S *om.*] κ. [A S² θεοῦ] (11 *a*)
— 11. κύριος [A¹ *om.*, S κ. ὁ θεὸς] τῶν δυνάμεων μεθ' ἡμῶν (11 *a*)
46 (47). 2. κύριος ὕψιστος φοβερός (11 *a*)
— 5. κύριος ἐν φωνῇ σάλπιγγος (11 *a*)
47 (48). 1. μέγας κύριος καὶ αἰνετὸς σφόδρα (11 *a*)
— 8. ἐν πόλει κυρίου τῶν δυνάμεων (11 *a*)
— 11. ἕνεκα τῶν κριμάτων σου, κύριε [S¹ *om.*] –
49 (50). 1. θεὸς θεῶν κύριος ἐλάλησε (11 *a*)
50 (51). 15. κύριε, τὰ χείλη μου ἀνοίξεις (2)
— 18. ἀγάθυνον, κύριε [S¹ *om.*], ἐν τῇ εὐδοκίᾳ σου τὴν Σιών –
52 (53). 4. S¹ τὸν κ. [B S² θεὸν] οὐκ ἐπεκαλέσαντο (6)
— 6. B S¹ ἐν τῷ ἐπιστρέψαι [B¹ R ἀποστρ.] κύριον [S² τὸν θεόν] (6)
53 (54). 4. ὁ κ. ἀντιλήπτωρ τῆς ψυχῆς μου (2)
— 6. S R ἐξομολογήσομαι τῷ ὀνόματί σου, κύριε [B *om.*] (11 *a*)
54 (55). 9. καταπόντισον, κύριε, καὶ καταδίελε τὰς γλώσσας αὐτῶν (2)
— 16. ὁ κ. εἰσήκουσέ μου (11 *a*)
— 22. ἐπίρριψον ἐπὶ κύριον τὴν μέριμνάν σου (11 *a*)
— 23. ἐγὼ δὲ ἐλπιῶ ἐπὶ σὲ [S² σοί], κύριε –
55 (56). 1. B ἐλέησόν με, κύριε [S R ὁ θεός] (6)
— 4. S¹ ἐπὶ [B ἐν] τῷ κ. [B S² θεῷ] ἤλπισα (6)
— 10. B ἐπὶ τῷ κ. [S R θεῷ] αἰνέσω ῥῆμα (6)
— 10. ἐπὶ τῷ κ. αἰνέσω λόγον (11 *a*)
— 11. S¹ ἐπὶ τῷ κ. [B S² R θεῷ] ἤλπισα (6)
— 13. S² τοῦ εὐαρεστῆσαι ἐνώπιον κυρίου [B S¹ τοῦ] θεοῦ (18 *b*)
56 (57). 9. ἐξομολογήσομαί σοι ἐν λαοῖς, κύριε (2)
57 (58). 6. B S¹ τὰς μύλας τῶν ὀδόντων συνέθλασεν κύριος [S² R ὁ κ.] (11 *a*)
58 (59). 1. S¹ ἐξελοῦ με, κύριε [B S² *om.*], ἐκ τῶν ἐχθρῶν μου –
— 3. οὔτε ἡ ἁμαρτία μου, κύριε (11 *a*)
— 5. κύριε ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 8. σύ, κύριε, ἐκγελάσῃ αὐτούς (11 *a*)
— 11. ὁ ὑπερασπιστής μου, κύριε (2)
61 (62). 12. σοῦ, κύριε, τὸ ἔλεος (2)
62 (63). 11. S¹ ὁ δὲ βασιλεὺς εὐφρανθήσεται ἐπὶ τῷ κ. [B S² θεῷ] (6)
63 (64). 10. B S¹ εὐφρανθήσεται δίκαιος ἐπὶ [S² R ἐν] τῷ κ. (11 *a*)
65 (66). 16. B S¹ πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν κ. [S² R θεόν] (6)
— 18. μὴ εἰσακουσάτω κύριος (2)
67 (68). 4. κύριος ὄνομα αὐτῷ (10)
— 11. κύριος δώσει ῥῆμα τοῖς εὐαγγελιζομένοις (2)
— 16. ὁ κ. κατασκηνώσει εἰς τέλος (11 *a*)
— 17. B S¹ ὁ [S² R *om.*] κύριος ἐν αὐτοῖς ἐν Σινὰ ἐν τῷ ἁγίῳ (2)
— 19. κύριος ὁ θεὸς εὐλογητὸς εὐλογητὸς κύριος ἡμέραν καθ' ἡμέραν (10, 2)
— 20. τοῦ κ. [S² *add.* κυρίου] αἱ διέξοδοι τοῦ θανάτου (11 *b* + 2 [11 *b*, 2])
— 22. εἶπε κύριος, Ἐκ Βασὰν ἐπιστρέψω (2)
— 26. τὸν [S² *om.*] κ. ἐκ πηγῶν Ἰσραήλ (2)
— 31. S¹ Αἰθιοπία προφθάσει χεῖρα αὐτῆς τῷ κ. [B S² θεῷ] (6)
— 32. S¹ ᾄσατε τῷ κ. [B S² θεῷ] (6)
— 32. ψάλατε τῷ κ. [S¹ θεῷ] (2)
68 (69). 6. S κύριε κύριε [B *om.*] τῶν δυνάμεων (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 13. ἐγὼ δὲ τῇ προσευχῇ μου πρὸς σέ, κύριε (11 *a*)
— 16. εἰσάκουσόν μου, κύριε (11 *a*)
— 33. εἰσήκουσε τῶν πενήτων ὁ κ. (11 *a*)
69 (70). *tit.* εἰς τὸ σῶσαί με κύριον –
— 1. B¹ κύριε, εἰς τὸ βοηθῆσαί μοι σπεῦσον [S¹ θέλησον] (11 *a*)
— 4. οἱ ζητοῦντές σε [S² *add.* κύριε] –
— 5. βοηθός μου καὶ ῥύστης μου εἶ σύ, κύριε (11 *a*)

Ps. 70 (71). 1. S R ἐπὶ σοὶ, κύριε [B ὁ θεὸς], ἤλπισα (11 *a*)
— 5. σὺ εἶ ἡ ὑπομονή μου, κύριε, κύριος ἡ ἐλπίς μου ἐκ νεότητός μου (2, 11 *b*)
— 16. εἰσελεύσομαι ἐν δυναστείᾳ κυρίου· κύριε, μνησθήσομαι τῆς δικαιοσύνης σου μόνου (2, 11 *b*)
71 (72). 17. ἔστω τὸ ὄνομα αὐ. [S² τοῦ κ.] εὐλογημένον †
— 18. εὐλογητὸς κύριος ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a* + 6)
72 (73). 20. κύριε, ἐν τῇ πόλει σου τὴν εἰκόνα αὐτῶν ἐξουδενώσεις (2)
— 28. B τὸ προσκολλᾶσθαι τῷ κ. [S R θεῷ] (6)
— 28. τίθεσθαι ἐν τῷ κ. τὴν ἐλπίδα μου (2 + 11 *b*)
73 (74). 8. καταπαύσωμεν τὰς ἑορτὰς κυρίου [S τοῦ θεοῦ] (4 *a*)
— 18. ἐχθρὸς ὠνείδισε τὸν κ. (11 *a*)
74 (75). 8. ποτήριον ἐν χειρὶ κυρίου (11 *a*)
— 9. ἐγὼ δὲ ἀγαλλιάσομαι [S¹ *add.* κυρίῳ] –
75 (76). 11. ἀπόδοτε κυρίῳ τῷ θεῷ ἡμῶν (11 *a*)
76 (77). 1. φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα (6)
— 7. μὴ εἰς τοὺς αἰῶνας ἀπώσεται κύριος (2)
— 11. ἐμνήσθην τῶν ἔργων κυρίου (10)
77 (78). 4. ἀπαγγέλλοντες τὰς αἰνέσεις κυρίου (11 *a*)
— 21. ἤκουσε κύριος καὶ ἀνεβάλετο (11 *a*)
— 59. S¹ ἤκουσεν κύριος [B S² ὁ θεός] (6)
— 65. ἐξηγέρθη ὡς ὁ ὑπνῶν κύριος (2)
78 (79). 5. ἕως πότε, κύριε, ὀργισθήσῃ εἰς τέλος (11 *a*)
— 9. ἕνεκα τῆς δόξης τοῦ ὀνόματός σου, κύριε –
— 12. ὃν ὠνείδισάν σε, κύριε (2)
79 (80). 4. κύριε ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων (11 *a*)
— 7. κύριε ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων (18 *b*)
— 19. κύριε ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων (11 *a*)
80 (81). 10. ἐγὼ γάρ εἰμι κύριος ὁ θεός σου (11 *a*)
— 15. οἱ ἐχθροὶ κυρίου ἐψεύσαντο αὐτῷ (11 *a*)
82 (83). 3. A ἐπὶ τὸν λαόν σου, κύριε [B S *al.*] –
— 16. ζητήσουσι τὸ ὄνομά [A πρόσωπόν] σου, κύριε (11 *a*)
— 18. γνώτωσαν ὅτι ὄνομά σοι κύριος (11 *a*)
83 (84). 1. ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματά σου, κύριε τῶν δυνάμεων (11 *a*)
— 2. ἐκλείπει ἡ ψυχή μου εἰς τὰς αὐλὰς τοῦ κ. [S¹ θεοῦ] (11 *a*)
— 3. τὰ θυσιαστήριά σου, κύριε τῶν δυνάμεων (11 *a*)
— 5. οὗ ἐστιν ἡ ἀντίληψις αὐτοῦ παρὰ σοῦ, κύριε [S² *om.*] –
— 8. κύριε ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων (11 *a*)
— 11. ἔλεον καὶ ἀλήθειαν ἀγαπᾷ κύριος (11 *a*)
— 11. κύριος οὐχ ὑστερήσει [S² οὐ στερήσει] τὰ ἀγαθά (11 *a*)
— 12. κύριε [S² κύριε ὁ θεὸς] τῶν δυνάμεων (11 *a* [18 *a*])
84 (85). 1. εὐδόκησας, κύριε, τὴν γῆν σου (11 *a*)
— 7. δεῖξον ἡμῖν, κύριε, τὸ ἔλεός σου (11 *a*)
— 7. A B τὸ σωτήριόν σου, κύριε [S R *om.*] –
— 8. ἀκούσομαι τί λαλήσει ἐν ἐμοὶ κ. ὁ θεός (4 *a*)
— 12. ὁ κ. δώσει χρηστότητα (11 *a*)
85 (86). 1. κλίνον, κύριε, τὸ οὖς σου (11 *a*)
— 3. ἐλέησόν με, κύριε (2)
— 4. πρὸς σέ, κύριε [S¹ *om.*], ἦρα τὴν ψυχήν μου (2)
— 5. σὺ, κύριε, χρηστὸς καὶ ἐπιεικής (2)
— 6. ἐνώτισαι, κύριε, τὴν προσευχήν μου (11 *a*)
— 8. οὐκ ἔστιν ὅμοιός σοι ἐν θεοῖς, κύριε (2)
— 9. προσκυνήσουσιν ἐνώπιόν σου, κύριε (2)
— 11. ὁδήγησόν με, κύριε, τῇ ὁδῷ σου (11 *a*)
— 12. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε ὁ θεός μου (2)
— 15. σὺ, κύριε ὁ θεὸς, οἰκτίρμων καὶ ἐλεήμων (2)
— 17. σὺ, κύριε, ἐβοήθησάς μοι (11 *a*)
86 (87). 2. ἀγαπᾷ κύριος τὰς πύλας Σιών (11 *a*)
— 6. κύριος διηγήσεται ἐν γραφῇ λαῶν (11 *a*)
87 (88). 1. κύριε ὁ θεὸς τῆς σωτηρίας μου (11 *a*)
— 2. κλῖνον τὸ οὖς σου εἰς τὴν δέησίν μου, κύριε [B⁴ S *om.*] –
— 9. ἐκέκραξα πρὸς σέ, κύριε, ὅλην τὴν ἡμέραν (11 *a*)
— 13. κἀγὼ πρὸς σέ, κύριε, ἐκέκραξα (11 *a*)
— 14. A S¹ ἵνα τί, κύριε, ἀπωθεῖς τὴν ψυχήν [B S² προσευχήν] μου (11 *a*)
88 (89). 1. τὰ ἐλέη σου, κύριε, εἰς τὸν αἰῶνα ᾄσομαι (11 *a*)
— 5. ἐξομολογήσονται οἱ οὐρανοὶ τὰ θαυμάσιά σου, κύριε (11 *a*)
— 6. τίς ἐν νεφέλαις ἰσωθήσεται τῷ κ. (11 *a*)
— 6. καὶ τίς [A S² *om.* καὶ τίς] ὁμοιωθήσεται τῷ κ. [S¹ θεῷ] ἐν υἱοῖς θεοῦ (11 *a*)

Ps. 88 (89). 8. κύριε ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων, τίς ὅμοιός σοι; δυνατὸς εἶ, κύριε (11 a, 10)
— 15. κύριε, ἐν τῷ φωτὶ τοῦ προσώπου σου πορεύσονται (11 a)
— 18. τοῦ κ. ἡ ἀντίληψις (11 a)
— 46. ἕως πότε, κύριε, ἀποστρέφεις [B -ψεις, R -φῃ] (11 a)
— 49. ποῦ ἐστι τὰ ἐλέη σου τὰ ἀρχαῖα, κύριε (2)
— 50. μνήσθητι, κύριε, τοῦ ὀνειδισμοῦ τῶν δούλων σου (2)
— 51. οὗ ὠνείδισαν οἱ ἐχθροί σου, κύριε (11 a)
— 52. εὐλογητὸς κύριος εἰς τὸν αἰῶνα (11 a)
89 (90). 1. κύριε, καταφυγὴ ἐγενήθης ἡμῖν (2)
— 4. ἐν ὀφθαλμοῖς σου [A S² add. κύριε] –
— 13. ἐπίστρεψον, κύριε, ἕως πότε (11 a)
— 17. ἔστω ἡ λαμπρότης κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν ἐφ' ἡμᾶς (11 a [2])
90 (91). 2. ἐρεῖ τῷ κ. [B¹ S¹ θεῷ] (11 a)
— 9. σὺ, κύριε, ἡ ἐλπίς μου (11 a)
91 (92). 1. ἀγαθὸν τὸ ἐξομολογεῖσθαι τῷ κ. (11 a)
— 4. εὔφρανάς με, κύριε, ἐν τῷ ποιήματί σου (11 a)
— 5. ὡς ἐμεγαλύνθη τὰ ἔργα σου, κύριε (11 a)
— 8. σὺ δὲ ὕψιστος εἰς τὸν αἰῶνα, κύριε (11 a)
— 9. A² S ὅτι ἰδοὺ οἱ ἐχθροί σου, κύριε (11 a)
— 13. πεφυτευμένοι ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 15. εὐθὴς κύριος ὁ θεός μου (11 a)
92 (93). 1. ὁ [B¹ om.] κ. ἐβασίλευσεν (11 a)
— 1. ἐνεδύσατο κύριος δύναμιν (11 a)
— 3. ἐπῆραν οἱ ποταμοὶ, κύριε (11 a)
— 4. θαυμαστὸς ἐν ὑψηλοῖς ὁ κ. (11 a)
— 5. τῷ οἴκῳ σου πρέπει ἁγίασμα, κύριε (11 a)
93 (94). 1. θεὸς ἐκδικήσεων κύριος (11 a)
— 3. ἕως πότε ἁμαρτωλοὶ, κύριε (11 a)
— 5. τὸν λαόν σου, κύριε, ἐταπείνωσας (11 a)
— 7. οὐκ ὄψεται κύριος [S¹ ὁ κ.] (10)
— 11. κύριος γινώσκει τοὺς διαλογισμοὺς τῶν ἀνθρώπων (11 a)
— 12. ὃν ἂν σὺ παιδεύσῃς, κύριε (10)
— 14. οὐκ ἀπώσεται κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 a)
— 17. εἰ μὴ ὅτι κύριος ἐβοήθησέ μοι (11 a)
— 18. τὸ ἔλεός σου [A¹ om. τὸ ἔ. σου], κύριε, ἐβοήθει μοι (11 a)
— 19. κύριε [A S² om.], κατὰ τὸ πλῆθος τῶν ὀδυνῶν μου –
— 22. ἐγένετό μοι κύριος εἰς καταφυγήν (11 a)
— 23. A S² ἀποδώσει αὐτοῖς κύριος κατὰ [B S¹ om. κ. κατὰ] τὴν ἀνομίαν αὐτῶν –
— 23. ἀφανιεῖ αὐτοὺς κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
94 (95). 1. ἀγαλλιασόμεθα τῷ κ. (11 a)
— 3. θεὸς μέγας κύριος (11 a)
— 3. B S² οὐκ ἀπώσεται κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ –
— 6. κλαύσωμεν ἐναντίον κυρίου τοῦ ποιήσαντος ἡμᾶς (11 a)
95 (96). 1. ᾄσατε τῷ κ. ᾆσμα καινὸν ᾄσατε τῷ κ., πᾶσα ἡ γῆ (11 a, 11 a)
— 2. ᾄσατε τῷ κ. (11 a)
— 4. μέγας κύριος καὶ αἰνετὸς σφόδρα (11 a)
— 5. ὁ δὲ κ. τοὺς οὐρανοὺς ἐποίησεν (11 a)
— 7. ἐνέγκατε τῷ κ. αἱ πατριαὶ τῶν ἐθνῶν ἐνέγκατε τῷ κ. δόξαν καὶ τιμήν (11 a, 11 a)
— 8. ἐνέγκατε τῷ κ. δόξαν ὀνόματι αὐτοῦ (11 a)
— 9. προσκυνήσατε τῷ κ. ἐν αὐλῇ ἁγίᾳ αὐτοῦ (11 a)
— 10. ὁ [A S² ὅτι] κ. ἐβασίλευσε (11 a)
— 13. ἀγαλλιάσονται πάντα τὰ ξύλα . . . πρὸ [A S² ἀπὸ] προσώπου κυρίου (11 a)
96 (97). 1. ὁ κ. ἐβασίλευσεν (11 a)
— 5. τὰ ὄρη ὡσεὶ κηρὸς ἐτάκησαν ἀπὸ προσώπου κυρίου ἀπὸ προσώπου κυρίου [S om.] πάσης τῆς γῆς (11 a, 1)
— 8. ἕνεκεν τῶν κριμάτων σου, κύριε (11 a)
— 9. σὺ εἶ [A S² om.] κύριος ὕψιστος (11 a)
— 10. οἱ ἀγαπῶντες τὸν κ. μισεῖτε πονηρόν [A B³ S² -ρά] (11 a)
— 10. φυλάσσει κύριος τὰς ψυχὰς τῶν ὁσίων αὐτοῦ –
— 12. A S² R εὐφράνθητε δίκαιοι ἐν [B S¹ ἐπὶ] τῷ κ. (11 a)
97 (98). 1. B S ᾄσατε τῷ κ. ᾆσμα καινὸν ὅτι θαυμαστὰ ἐποίησεν κύριος [A R ὁ κ.] (11 a, –)
— 2. ἐγνώρισε κύριος τὸ σωτήριον αὐτοῦ (11 a)
— 4. A B² S ἀλαλάξατε τῷ κ. [B¹ R θεῷ] πᾶσα ἡ γῆ (11 a)
— 5. ψάλατε τῷ κ. ἐν κιθάρᾳ (11 a)
— 6. ἀλαλάξατε ἐνώπιον τοῦ βασιλέως κυρίῳ [A B² S² -ου] (11 a)
Ps. 97 (98). 9. A S² τὰ ὄρη ἀγαλλιάσονται ἀπὸ προσώπου κυρίου [B S¹ om. ἀπὸ πρ. κ.] (11 a)
98 (99). 1. ὁ [B¹ S¹ om.] κύριος ἐβασίλευσεν (11 a)
— 2. κύριος ἐν Σιὼν μέγας (11 a)
— 5. ὑψοῦτε κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν (11 a)
— 6. ἐπεκαλοῦντο τὸν κ. (11 a)
— 8. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν, σὺ ἐπήκουες αὐτῶν (11 a)
— 9. ὑψοῦτε κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν (11 a)
— 9. ἅγιος κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
99 (100). 1. ἀλαλάξατε τῷ κ. πᾶσα ἡ γῆ (11 a)
— 2. δουλεύσατε τῷ κ. ἐν εὐφροσύνῃ (11 a)
— 3. γνῶτε ὅτι κύριος αὐτός ἐστιν ὁ θεός [A S² θ. ἡμῶν] (11 a)
— 5. ὅτι χρηστὸς κύριος (11 a)
100 (101). 1. κρίσιν ᾄσομαί σοι, κύριε (11 a)
— 8. τοὺς ἐξολεθρεύσαι ἐκ πόλεως κυρίου (11 a)
101 (102). τίτ. ὅταν . . . ἐναντίον κυρίου ἐκχεῖ τὴν δέησιν αὐτοῦ (11 a)
— 1. κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου (11 a)
— 12. σὺ δὲ, κύριε, εἰς τὸν αἰῶνα μένεις (11 a)
— 15. φοβηθήσονται τὰ ἔθνη τὸ ὄνομά σου, κύριε [A¹ S -ίου] (11 a)
— 16. οἰκοδομήσει κύριος τὴν Σιών (11 a)
— 18. λαὸς ὁ κτιζόμενος αἰνέσει τὸν κ. (10)
— 19. κύριος ἐξ οὐρανοῦ ἐπὶ τὴν γῆν ἐπέβλεψε (11 a)
— 21. τοῦ ἀναγγεῖλαι ἐν Σιὼν τὸ ὄνομα κυρίου (11 a)
— 22. A S² R καὶ βασιλεῖς [B S¹ -είας] τοῦ δουλεύειν τῷ κ. (11 a)
— 25. κατ' ἀρχὰς τὴν γῆν σὺ, κύριε [S¹ om. σὺ κ.], ἐθεμελίωσας –
102 (103). 1, 2. εὐλόγει ἡ ψυχή μου τὸν κ. (11 a)
— 6. ποιῶν ἐλεημοσύνας ὁ κ. (11 a)
— 8. οἰκτίρμων καὶ ἐλεήμων ὁ κ. (11 a)
— 11. ἐκραταίωσε κύριος τὸ ἔλεος αὐτοῦ –
— 13. ᾠκτείρησε κύριος τοὺς φοβουμένους αὐτόν (11 a)
— 17. τὸ δὲ ἔλεος τοῦ κ. ἀπὸ τοῦ αἰῶνος (11 a)
— 19. κύριος ἐν τῷ οὐρανῷ ἡτοίμασε τὸν θρόνον αὐτοῦ (11 a)
— 20. εὐλογεῖτε τὸν κ. πάντες οἱ ἄγγελοι αὐτοῦ (11 a)
— 21. εὐλογεῖτε τὸν κ. πᾶσαι αἱ δυνάμεις αὐ. (11 a)
— 22. εὐλογεῖτε τὸν κ. πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ (11 a)
— 22. εὐλόγει ἡ ψυχή μου τὸν κ. (11 a)
103 (104). 1. εὐλόγει ἡ ψυχή μου τὸν κ. (11 a)
— 1. B κύριε [A S R om.] κύριε ὁ θεός μου, ἐμεγαλύνθης σφόδρα (11 a, 11 a)
— 16. S¹ χορτασθήσεται τὰ ξύλα τοῦ κ. [A B S²] πεδίου] (11 a)
— 24. ὡς ἐμεγαλύνθη τὰ ἔργα σου, κύριε (11 a)
— 31. ἤτω ἡ δόξα κυρίου εἰς τὸν αἰῶνα [A S² τοὺς αἰ.] (11 a)
— 31. εὐφρανθήσεται κύριος ἐπὶ τοῖς ἔργοις αὐτοῦ (11 a)
— 33. ᾄσω τῷ κ. ἐν τῇ ζωῇ μου (11 a)
— 34. ἐγὼ δὲ εὐφρανθήσομαι ἐπὶ τῷ κ. (11 a)
— 35. εὐλόγει ἡ ψυχή μου τὸν κ. (11 a)
104 (105). 1. ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. (11 a)
— 3. εὐφρανθήτω καρδία ζητούντων τὸν κ. (11 a)
— 4. ζητήσατε τὸν κ. (11 a)
— 7. αὐτὸς κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 19. τὸ λόγιον τοῦ κ. ἐπύρωσεν αὐτόν (11 a)
— 21. κατέστησεν αὐτὸν κύριον τοῦ οἴκου αὐ. (1)
105 (106). 1. ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. ὅτι χρηστός (11 a)
— 2. τίς λαλήσει τὰς δυναστείας τοῦ κ. (11 a)
— 4. μνήσθητι ἡμῶν, κύριε (11 a)
— 16. Ἀαρὼν τὸν ἅγιον κυρίου (11 a)
— 21. ἐπελάθοντο τοῦ [A S om.] θεοῦ [S¹ κυρίου] (4 a)
— 25. οὐκ εἰσήκουσαν τῆς φωνῆς κυρίου (11 a)
— 34. ἃ εἶπε κύριος αὐτοῖς (11 a)
— 40. ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)
— 44. A R εἶδε κύριος [S om.] ἐν τῷ θλίβεσθαι αὐτούς –
— 47. σῶσον ἡμᾶς, κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 48. εὐλογητὸς κύριος ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 a)
106 (107). 1. ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. ὅτι χρηστός (11 a)
— 2. εἰπάτωσαν οἱ λελυτρωμένοι ὑπὸ κυρίου (11 a)
— 6. ἐκέκραξαν πρὸς κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαι αὐτούς (11 a)
— 8. ἐξομολογησάσθωσαν τῷ κ. τὰ ἐλέη αὐ. (11 a)
— 13. ἐκέκραξαν πρὸς κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαι αὐτούς (11 a)
Ps. 106 (107). 15. ἐξομολογησάσθωσαν τῷ κ. τὰ ἐλέη αὐ. (11 a)
— 19. ἐκέκραξαν πρὸς κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαι αὐτούς (11 a)
— 21. ἐξομολογησάσθωσαν τῷ κ. τὰ ἐλέη αὐ. (11 a)
— 24. αὐτοὶ εἶδον τὰ ἔργα κυρίου (11 a)
— 28. ἐκέκραξαν πρὸς κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαι αὐτούς (11 a)
— 31. ἐξομολογησάσθωσαν τῷ κ. τὰ ἐλέη αὐ. (11 a)
— 43. συνήσει τὰ ἐλέη τοῦ κ. (11 a)
107 (108). 3. ἐξομολογήσομαί σοι ἐν λαοῖς, κύριε (11 a)
108 (109). 14. ἀναμνησθείη ἡ ἀνομία τῶν πατέρων αὐτοῦ ἔναντι κυρίου (11 a)
— 15. γενηθήτωσαν ἐναντίον κυρίου διὰ παντός (11 a)
— 20. τοῦτο τὸ ἔργον τῶν ἐνδιαβαλλόντων με παρὰ κυρίῳ (11 a)
— 21. A S¹ σὺ, κύριε, κύριε, ποίησον μετ' ἐμοῦ ἔλεος [S² R om.] (11 b, 2)
— 26. βοήθησόν μοι, κύριε ὁ θεός μου (11 a)
— 27. σὺ, κύριε, ἐποίησας αὐτήν (11 a)
— 30. ἐξομολογήσομαι τῷ [S² om.] κ. σφόδρα ἐν τῷ στόματί μου (11 a)
109 (110). 1. εἶπεν ὁ κ. τῷ κ. μου (11 a, 1)
— 2. A S¹ ῥάβδον δυνάμεως ἐξαποστελεῖ κύριος [S² R σοι κ.] (11 a)
— 4. ὤμοσε κύριος καὶ οὐ μεταμεληθήσεται (11 a)
— 5. κύριος ἐκ δεξιῶν σου συνέθλασεν . . . βασιλεῖς (2)
110 (111). 1. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε, ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου (11 a)
— 2. μεγάλα τὰ ἔργα κυρίου (11 a)
— 4. ἐλεήμων καὶ οἰκτίρμων ὁ κ. (11 a)
— 9. λύτρωσιν ἀπέστειλε [S² add. κύριος] –
— 10. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (11 a)
111 (112). 1. μακάριος ἀνὴρ ὁ φοβούμενος τὸν κ. (11 a)
— 4. A οἰκτίρμων καὶ δίκαιος κ. ὁ θεός [S R om. κ. ὁ θ.] –
— 7. A R ἐλπίζειν ἐπὶ κύριον [S τὸν κ.] (11 a)
112 (113). 1. αἰνεῖτε παῖδες κύριον [A τὸν κ.] αἰνεῖτε τὸ ὄνομα κυρίου [S¹ αὐτοῦ] (11 a, 11 a)
— 2. εἴη τὸ ὄνομα κυρίου εὐλογημένον (11 a)
— 3. αἰνετὸν [S¹ αἰνεῖτε] τὸ ὄνομα κυρίου (11 a)
— 4. ὑψηλὸς ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη ὁ κ. (11 a)
— 5. τίς ὡς κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
113 (114). 7. ἀπὸ προσώπου κυρίου ἐσαλεύθη ἡ γῆ (1)
113. 9 (115. 1). μὴ ἡμῖν, κύριε, μὴ ἡμῖν . . . δὸς δόξαν (11 a)
— 17 (115. 9). οἶκος Ἰσραὴλ ἤλπισεν ἐπὶ κύριον (11 a)
— 18 (115. 10). οἶκος Ἀαρὼν ἤλπισεν ἐπὶ κύριον (11 a)
— 19 (115. 11). οἱ φοβούμ. τὸν [A om.] κ. ἤλπισαν ἐπὶ κύριον [S ἐπ' αὐτόν] (11 a, 11 a)
— 20 (115. 12). κύριος μνησθεὶς ἡμῶν εὐλόγησεν ἡμᾶς (11 a)
— 21 (115. 13). εὐλόγησε τοὺς φοβουμ. τὸν κ. (11 a)
— 22 (115. 14). προσθείη κύριος ἐφ' ὑμᾶς (11 a)
— 23 (115. 15). εὐλογημένοι ὑμεῖς τῷ κ. (11 a)
— 24 (115. 16). S R ὁ οὐρανὸς τοῦ οὐρανοῦ [A τῷ οὐ.] τῷ κ. (11 a)
— 25 (115. 17). οὐχ οἱ νεκροὶ αἰνέσουσί σε, κύριε (10)
— 26 (115. 18). ἡμεῖς οἱ ζῶντες εὐλογήσωμεν τὸν κ. (10)
114 (116). 1. εἰσακούσεται κύριος [S¹ ὁ θεὸς] τῆς φωνῆς τῆς δεήσεώς μου (11 a)
— 4. τὸ ὄνομα κυρίου ἐπεκαλεσάμην, Ὦ κύριε, ῥῦσαι τὴν ψυχήν μου (11 a, 11 a)
— 5. ἐλεήμων ὁ κ. καὶ δίκαιος (11 a)
— 5. καὶ [S¹ add. κύριος] ὁ θεὸς ἡμῶν (18 b)
— 6. φυλάσσων τὰ νήπια ὁ κ. (11 a)
— 7. S R κύριος εὐηργέτησέ σε [A με] (11 a)
— 9. εὐαρεστήσω ἐνώπιον κυρίου ἐν χώρᾳ ζώντων (11 a)
115. 3 (116. 12). τί ἀνταποδώσω τῷ κ. (11 a)
— 4 (116. 13). τὸ ὄνομα κυρίου ἐπικαλέσομαι (11 a)
— 5 (116. 14). R τὰς εὐχάς μου τῷ κ. ἀποδώσω (11 a)
— 6 (116. 15). τίμιος ἐναντίον κυρίου ὁ θάνατος τῶν ὁσίων αὐτοῦ (11 a)
— 7 (116. 16). ὦ κύριε, ἐγὼ δοῦλος σός (11 a)

Ps. 115. 8 (116. 17). A S^2 R ἐν ὀνόματι κυρίου ἐπικαλέσομαι (11 *a*)
— 9 (116. 18). τὰς εὐχάς μου τῷ κ. ἀποδώσω (11 *a*)
— 10 (116. 19). ἐν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (11 *a*)
116 (117). 1. αἰνεῖτε τὸν κ. πάντα τὰ ἔθνη (11 *a*)
— 2. ἡ ἀλήθεια τοῦ κ. μένει εἰς τὸν αἰῶνα (11 *a*)
117 (118). 1. ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. (11 *a*)
— 4. A R εἰπάτωσαν δὴ πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν κ. (11 *a*)
— 5. ἐκ θλίψεως [S ἐν θλίψει] ἐπεκαλεσάμην τὸν κ. (10)
— 6, 7. κύριος ἐμοὶ βοηθός (11 *a*)
— 8. ἀγαθὸν πεποιθέναι ἐπὶ κύριον (11 *a*)
— 9. ἀγαθὸν ἐλπίζειν ἐπὶ κύριον (11 *a*)
— 10, 11, 12. τῷ ὀνόματι κυρίου ἠμυνάμην αὐτούς (11 *a*)
— 13. ὁ [S^1 *om.*] κ. ἀντελάβετό μου (11 *a*)
— 14. ἰσχύς μου καὶ ὕμνησίς μου ὁ κ. (10)
— 15. δεξιὰ κυρίου ἐποίησε δύναμιν (11 *a*)
— 16. δεξιὰ κυρίου ὕψωσέ με (11 *a*)
— 16. A S^2 R δεξιὰ κυρίου ἐποίησε δύναμιν (11 *a*)
— 17. A S^1 ἐκδιηγήσομαι [S^2 R διηγ.] τὰ ἔργα κυρίου (10)
— 18. A R παιδεύων ἐπαίδευσέ με ὁ [S *om.*] κ. (10)
— 19. εἰσελθὼν ἐν αὐταῖς ἐξομολογήσομαι τῷ κ. (10)
— 20. αὕτη ἡ πύλη τοῦ κ. (11 *a*)
— 23. παρὰ κυρίου ἐγένετο αὕτη (11 *a*)
— 24. A R ἣν ἐποίησεν ὁ [S *om.*] κ. (11 *a*)
— 25. ὦ κύριε, σῶσον δή, ὦ κύριε, εὐόδωσον δή (11 *a*, 11 *a*)
— 26. εὐλογημένος ὁ ἐρχόμενος ἐν ὀνόματι κυρίου· εὐλογήκαμεν ὑμᾶς ἐξ οἴκου κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 27. θεὸς κύριος καὶ ἐπέφανεν ἡμῖν (11 *a*)
— 29. ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. (11 *a*)
118 (119). 1. οἱ πορευόμενοι ἐν νόμῳ κυρίου (11 *a*)
— 7. ἐξομολογήσομαί σοι [A S^1 *add.* κύριε] –
— 12. εὐλογητὸς εἶ, κύριε (11 *a*)
— 31. ἐκολλήθην τοῖς μαρτυρίοις σου, κύριε (11 *a*)
— 33. νομοθέτησόν με, κύριε, τὴν ὁδὸν τῶν δικαιωμάτων σου (11 *a*)
— 41. ἔλθοι ἐπ' ἐμὲ τὸ ἔλεός σου, κύριε (11 *a*)
— 52. ἐμνήσθην τῶν κριμάτων σου ἀπ' αἰῶνος, κύριε (11 *a*)
— 55. ἐμνήσθην ἐν νυκτὶ τοῦ ὀνόματός [S^1 τὸ ὅ.] σου, κύριε (11 *a*)
— 57. μερίς μου εἶ, κύριε (11 *a*)
— 64. S R τοῦ ἐλέους σου, κύριε [A ἐλ. κυρίου] πλήρης ἡ γῆ (11 *a*)
— 64. τὰ δικαιώματά σου [S^1 *add.* κύριε] –
— 65. χρηστότητα ἐποίησας μετὰ τοῦ δούλου σου, κύριε (11 *a*)
— 68. χρηστὸς εἶ σὺ, κύριε –
— 75. ἔγνων, κύριε (11 *a*)
— 85. οὐχ ὡς ὁ νόμος σου, κύριε –
— 89. εἰς τὸν αἰῶνα, κύριε, ὁ λόγος σου διαμένει (11 *a*)
— 93. S ἔζησάς με, κύριε [A R *om.*] –
— 94. S^1 σός εἰμι, κύριε [A S^2 R ἐγώ] †
— 97. ὡς ἠγάπησα τὸν νόμον σου, κύριε –
— 107. ἐταπεινώθην ἕως σφόδρα, κύριε (11 *a*)
— 108. τὰ ἑκούσια τοῦ στόματός μου εὐδόκησον δὴ [S^1 εὐλόγησον], κύριε (11 *a*)
— 124. ποίησον μετὰ τοῦ δούλου σου [A *add.* κύριε] –
— 126. καιρὸς τοῦ ποιῆσαι τῷ κ. (11 *a*)
— 137. δίκαιος εἶ, κύριε (11 *a*)
— 145. ἐπάκουσόν μου, κύριε (11 *a*)
— 149. τῆς φωνῆς μου ἄκουσον, κύριε (11 *a*)
— 151. ἐγγὺς εἶ, κύριε (11 *a*)
— 156. οἱ οἰκτιρμοί σου πολλοί, κύριε (11 *a*)
— 159. τὰς ἐντολάς σου ἠγάπησα, κύριε (11 *a*)
— 166. προσεδόκων τὸ σωτήριόν σου, κύριε (11 *a*)
— 168. πᾶσαι αἱ ὁδοί μου ἐναντίον σου, κύριε [A^1 S^1 *om.*] –
— 169. ἐγγισάτω ἡ δέησίς μου ἐνώπιόν σου, κύριε [S^1 *add.* κύριε] (11 *a*, –)
— 170. εἰσέλθοι τὸ ἀξίωμά μου ἐνώπιόν σου, κύριε [S^1 *om.*] –
— 174. ἐπεπόθησα τὸ σωτήριόν σου, κύριε (11 *a*)
119 (120). 1. πρὸς κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαί με ἐκέκραξα (11 *a*)
— 2. κύριε, ῥῦσαι τὴν ψυχήν μου ἀπὸ χειλέων ἀδίκων (11 *a*)
120 (121). 2. ἡ βοήθειά μου παρὰ κυρίου (11 *a*)
Ps. 120 (121). 5. κύριος φυλάξει σε κύριος σκέπη σου ἐπὶ χεῖρα δεξιάν σου (11 *a*, 11 *a*)
— 7. κύριος φυλάξει σε ἀπὸ παντὸς κακοῦ φυλάξει τὴν ψυχήν σου ὁ κ. [S^1 *om.* ὁ κ.] (11 *a*, –)
— 8. κύριος φυλάξει τὴν εἴσοδόν σου (11 *a*)
121 (122). 1. εἰς οἶκον κυρίου πορευσόμεθα (11 *a*)
— 4. ἐκεῖ γὰρ ἀνέβησαν αἱ φυλαὶ φυλαὶ κυρίου (10)
— 4. τοῦ ἐξομολογήσασθαι τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
— 9. S R ἕνεκα τοῦ οἴκου κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν ἐξεζήτησα ἀγαθά σοι [A *om.*] (11 *a*)
122 (123). 2. ὡς ὀφθαλμοὶ δούλων εἰς χεῖρας τῶν κ. αὐτῶν (1)
— 2. οὕτως οἱ ὀφθαλμοὶ ἡμῶν πρὸς κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν (11 *a*)
— 3. ἐλέησον ἡμᾶς, κύριε (11 *a*)
123 (124). 1. εἰ μὴ ὅτι κύριος ἦν ἐν ἡμῖν (11 *a*)
— 2. εἰ μὴ ὅτι κύριος ἦν ἐν ἡμῖν (11 *a*)
— 6. εὐλογητὸς κύριος (11 *a*)
— 8. ἡ βοήθεια ἡμῶν ἐν ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
124 (125). 1. οἱ πεποιθότες ἐπὶ κύριον (11 *a*)
— 2. κύριος κύκλῳ τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (11 *a*)
— 3. S^2 R οὐκ ἀφήσει κύριος [A S^1 *om.*] τὴν ῥάβδον τῶν ἁμαρτωλῶν –
— 4. ἀγάθυνον, κύριε, τοῖς ἀγαθοῖς (11 *a*)
— 5. ἀπάξει κύριος μετὰ τῶν ἐργαζομένων τὴν ἀνομίαν (11 *a*)
125 (126). 1. ἐν τῷ ἐπιστρέψαι κύριον τὴν αἰχμαλωσίαν Σιών (11 *a*)
— 2. ἐμεγάλυνε κύριος τοῦ ποιῆσαι μετ' αὐτῶν (11 *a*)
— 3. ἐμεγάλυνε κύριος τοῦ ποιῆσαι μεθ' ἡμῶν (11 *a*)
— 4. ἐπίστρεψον, κύριε, τὴν αἰχμαλωσίαν ἡμῶν (11 *a*)
126 (127). 1. S R ἐὰν μὴ κύριος [A ὁ κ.] οἰκοδομήσῃ οἶκον (11 *a*)
— 1. S R ἐὰν μὴ κύριος [A ὁ κ.] φυλάξῃ πόλιν (11 *a*)
— 3. ἡ κληρονομία κυρίου υἱοί (11 *a*)
127 (128). 1. μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν κ. (11 *a*)
— 4. οὕτως εὐλογηθήσεται ἄνθρωπος ὁ φοβούμενος τὸν κ. (11 *a*)
— 5. εὐλογήσαι σε κύριος ἐκ Σιών (11 *a*)
128 (129). 4. κύριος δίκαιος συνέκοψεν αὐχένας ἁμαρτωλῶν (11 *a*)
— 8. εὐλογία κυρίου ἐφ' ὑμᾶς εὐλογήκαμεν ὑμᾶς ἐν ὀνόματι κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
129 (130). 1. A S^1 ἐκ βαθέων ἐκέκραξά σε [S^2 R σοι], κύριε (11 *a*)
— 2. κύριε, εἰσάκουσον τῆς φωνῆς [A προσευχῆς] μου (2)
— 3. ἐὰν ἀνομίας παρατηρήσῃ, κύριε, κύριε, τίς ὑποστήσεται (10, 2)
— 5. ὑπέμεινά σε, κύριε (11 *a*)
— 6. ἤλπισεν ἡ ψυχή μου ἐπὶ τὸν κ. (2)
— 6. S^2 ἐλπισάτω Ἰσρ. ἐπὶ τὸν κ. (11 *a* ?)
— 7. A R ἐλπισάτω Ἰσραὴλ ἐπὶ τὸν κ. (11 *a*)
— 7. παρὰ τῷ κ. τὸ ἔλεος (11 *a*)
130 (131). 1. κύριε, οὐχ ὑψώθη ἡ καρδία μου (11 *a*)
— 3. ἐλπισάτω Ἰσραὴλ ἐπὶ τὸν κ. (11 *a*)
131 (132). 1. μνήσθητι, κύριε, τοῦ Δαυίδ (11 *a*)
— 2. ὡς ὤμοσε τῷ κ. (11 *a*)
— 5. ἕως οὗ εὕρω τόπον τῷ κ. (11 *a*)
— 8. ἀνάστηθι, κύριε, εἰς τὴν ἀνάπαυσίν σου (11 *a*)
— 11. ὤμοσε κύριος τῷ Δαυὶδ ἀλήθειαν (11 *a*)
— 13. ἐξελέξατο κύριος τὴν Σιών (11 *a*)
132 (133). 3. ἐνετείλατο κύριος τὴν εὐλογίαν (11 *a*)
133 (134). 1. εὐλογεῖτε τὸν κ. πάντες οἱ δοῦλοι κυρίου οἱ ἑστῶτες ἐν οἴκῳ κυρίου [S^1 *om.* ἐν οἴ. κ.] (11 *a ter*)
— 2. εὐλογεῖτε τὸν κ. (11 *a*)
— 3. εὐλογήσαι σε κύριος ἐκ Σιών (11 *a*)
134 (135). 1. αἰνεῖτε τὸ ὄνομα κυρίου αἰνεῖτε δοῦλοι κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 2. οἱ ἑστῶτες ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 3. αἰνεῖτε τὸν κ. ὅτι ἀγαθὸς κύριος (10, 11 *a*)
— 4. τὸν Ἰακὼβ ἐξελέξατο ἑαυτῷ ὁ κ. (10)
— 5. μέγας κύριος καὶ ὁ κ. ἡμῶν παρὰ πάντας τοὺς θεούς (11 *a*, 1)
— 6. ὅσα ἠθέλησεν ὁ κ. [S^2 *om.* ὁ κ.] (11 *a*)
— 13. κύριε, τὸ ὄνομά σου εἰς τὸν αἰῶνα (11 *a*)
— 13. A S κύριε [S^2 R καὶ] τὸ μνημόσυνόν σου εἰς γενεὰν καὶ γενεάν (11 *a*, 11 *a*)
— 14. A S^2 R ὅτι κρινεῖ [S^1 οἰκτείρει] κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 *a*)
Ps. 134 (135). 19. οἶκος Ἰσραὴλ εὐλογήσατε τὸν κ. οἶκος Ἀαρὼν εὐλογήσατε τὸν κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 20. οἶκος Λευὶ εὐλογήσατε τὸν κ. οἱ φοβούμενοι τὸν κ. εὐλογήσατε τὸν κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 21. εὐλογητὸς κύριος ἐκ Σιών (11 *a*)
135 (136). 1. ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. (11 *a*)
— 3. ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. τῶν κ. (1, 1)
— 23. A S^2 R ἐν τῇ ταπεινώσει ἡμῶν ἐμνήσθη ἡμῶν ὁ κ. –
— 26. A S^1 ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. [S^2 R θεῷ] τοῦ οὐρανοῦ (4 *a*)
136 (137). 4. πῶς ᾄσωμεν τὴν ᾠδὴν κυρίου ἐπὶ γῆς ἀλλοτρίας (11 *a*)
— 7. μνήσθητι, κύριε, τῶν υἱῶν Ἐδώμ (11 *a*)
137 (138). 1. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε, ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου –
— 4. ἐξομολογησάσθωσάν σοι, κύριε, πάντες οἱ βασιλεῖς τῆς γῆς (11 *a*)
— 5. ᾄσάτωσαν ἐν ταῖς ὁδοῖς κυρίου ὅτι μεγάλη ἡ δόξα κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 6. ὅτι ὑψηλὸς κύριος (11 *a*)
— 8. κύριε [A -ος] ἀνταποδώσεις [A -σει] ὑπὲρ ἐμοῦ· κύριε, τὸ ἔλεός σου εἰς τὸν αἰῶνα [S *add.* κύριε] . . . μὴ παρίδῃς (11 *a*, 11 *a*)
138 (139). 1. κύριε, ἐδοκίμασάς με (11 *a*)
— 4. κύριε, σὺ ἔγνως πάντα τὰ ἔσχατα (11 *a*)
— 13. σὺ [S^1 *add.* κύριε] ἐκτήσω τοὺς νεφρούς μου, κύριε –, –
— 21. οὐχὶ τοὺς μισοῦντάς σε, κύριε, ἐμίσησα (11 *a*)
— 23. A δοκίμασόν με, κύριε [B S ὁ θεός] (4 *a*)
139 (140). 1. ἐξελοῦ με, κύριε, ἐξ ἀνθρώπου πονηροῦ (11 *a*)
— 4. φύλαξόν με, κύριε [S *om.*], ἐκ χειρὸς ἁμαρτωλοῦ (11 *a*)
— 6. A S R εἶπα τῷ κ., Θεός μου εἶ σὺ, ἐνώτισαι, κύριε [B -ος], τὴν φωνὴν τῆς δεήσεώς μου (11 *a*, 11 *a*)
— 7. κύριε κύριε, δύναμις τῆς σωτηρίας μου (11 *b*, 2)
— 8. μὴ παραδῷς με, κύριε, ἀπὸ τῆς ἐπιθυμίας μου ἁμαρτωλῷ (11 *a*)
— 12. ποιήσει κύριος τὴν κρίσιν τοῦ πτωχοῦ (11 *a*)
140 (141). 1. κύριε, ἐκέκραξα πρὸς σέ (11 *a*)
— 3. θοῦ, κύριε, φυλακὴν τῷ στόματί μου (11 *a*)
— 8. πρὸς σέ, κύριε κύριε [A^1 S^1 *om.*], οἱ ὀφθαλμοί μου (11 *b*, 2)
141 (142). 1. φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα (11 *a*)
— 1. B S φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐδεήθην [A *al.*] (11 *a*)
— 5. πρὸς σέ, κύριε, ἐκέκραξα (11 *a*)
— 7. τοῦ ἐξομολογήσασθαι τῷ ὀνόματί σου, κύριε [S^2 *om.*] –
142 (143). 1. κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου (11 *a*)
— 7. ταχὺ εἰσάκουσόν μου, κύριε (11 *a*)
— 8. γνώρισόν μοι, κύριε, ὁδόν –
— 8. πρὸς σὲ [S^2 *add.* κύριε] ἦρα τὴν ψυχήν μου –
— 9. ἐξελοῦ με ἐκ τῶν ἐχθρῶν μου, κύριε (11 *a*)
— 11. ἕνεκα τοῦ ὀνόματός σου, κύριε, ζήσεις σε (11 *a*)
143 (144). 1. εὐλογητὸς κύριος ὁ θεός μου (11 *a*)
— 3. κύριε, τί [A τίς] ἐστιν ἄνθρωπος ὅτι ἐγνώσθης [S ἐγνωρίσθης] αὐτῷ (11 *a*)
— 5. κύριε, κλῖνον οὐρανούς σου (11 *a*)
— 15. μακάριος ὁ λαὸς οὗ κύριος ὁ θεὸς αὐτοῦ [S^1 *al.*] (11 *a*)
144 (145). 3. μέγας ὁ [A S^2 *om.*] κ. καὶ αἰνετὸς σφόδρα (11 *a*)
— 8. οἰκτίρμων καὶ ἐλεήμων ὁ κ. (11 *a*)
— 9. χρηστὸς κύριος τοῖς ὑπομένουσι [A S^2 *al.*] (11 *a*)
— 10. ἐξομολογησάσθωσάν σοι, κύριε, πάντα τὰ ἔργα σου (11 *a*)
— 13. πιστὸς κύριος ἐν τοῖς λόγοις αὐτοῦ –
— 14. ὑποστηρίζει κύριος πάντας τοὺς καταπίπτοντας (11 *a*)
— 17. δίκαιος κύριος ἐν πάσαις ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (11 *a*)
— 18. ἐγγὺς κύριος πᾶσι τοῖς ἐπικαλουμένοις αὐτόν (11 *a*)
— 20. φυλάσσει κύριος πάντας τοὺς ἀγαπῶντας αὐτόν (11 *a*)
— 21. αἴνεσιν κυρίου λαλήσει τὸ στόμα μου (11 *a*)
145 (146). 1. αἴνει ἡ ψυχή μου τὸν κ. (11 *a*)
— 2. αἰνέσω κύριον ἐν ζωῇ μου (11 *a*)
— 5. ἡ ἐλπὶς αὐτοῦ ἐπὶ κύριον τὸν θεὸν αὐτοῦ (11 *a*)
— 7. κύριος λύει πεπεδημένους (11 *a*)

Ps. 145 (146). 8. κύριος σοφοῖ τυφλούς (11 a)
— 8. κύριος ἀνορθοῖ κατερραγμένους κύριος ἀγαπᾷ δικαίους (11 a, 11 a)
— 9. κύριος φυλάσσει τοὺς προσηλύτους (11 a)
— 10. βασιλεύσει κύριος εἰς τὸν αἰῶνα (11 a)
146 (147). 1. αἰνεῖτε τὸν [S om.] κ. (10)
— 2. οἰκοδομῶν Ἱερουσαλὴμ ὁ κ. (11 a)
— 5. μέγας ὁ κ. ἡμῶν (1)
— 6. ἀναλαμβάνων πραεῖς ὁ κ. (11 a)
— 7. ἐξάρξατε τῷ κ. ἐν ἐξομολογήσει (11 a)
— 11. εὐδοκεῖ κύριος ἐν τοῖς φοβουμένοις αὐτόν (11 a)
147. 1 (12). ἐπαίνει Ἱερουσαλὴμ τὸν κ. (11 a)
148. 1. αἰνεῖτε τὸν κ. ἐκ τῶν οὐρανῶν (11 a)
— 5. αἰνεσάτωσαν τὸ ὄνομα κυρίου (11 a)
— 7. αἰνεῖτε τὸν κ. ἐκ τῆς γῆς (11 a)
— 13. αἰνεσάτωσαν τὸ ὄνομα κυρίου (11 a)
149. 1. ᾄσατε τῷ κ. ᾆσμα καινόν (11 a)
— 4. εὐδοκεῖ κύριος ἐν λαῷ αὐτοῦ (11 a)
150. 6. πᾶσα πνοὴ αἰνεσάτω τὸν κ. (10)
151. 3. τίς ἀναγγελεῖ τῷ κ. μου; αὐτὸς κύριος αὐτὸς εἰσακούει
— 5. οὐκ εὐδόκησεν ἐν αὐτοῖς κύριος [A ὁ κ.]
Pr. 1. 7. A R ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου [B S θεοῦ] (11 a)
— 29. τὸν δὲ λόγον [S² φόβον] τοῦ [A S² om.] κ. οὐ προείλαντο (11 a)
2. 5. συνήσεις φόβον κυρίου (11 a)
— 6. κύριος δίδωσι σοφίαν (11 a)
3. 4. ἐνώπιον κυρίου καὶ ἀνθρώπων (6)
— 9. τίμα τὸν κ. ἀπὸ σῶν δικαίων πόνων (11 a)
— 11. μὴ ὀλιγώρει παιδείας κυρίου (11 a)
— 12. A S ὃν γὰρ ἀγαπᾷ κύριος παιδεύει [B ἐλέγχει] (11 a)
— 18. A S² R τοῖς ἐπερειδομένοις ἐπ' αὐτὴν ὡς ἐπὶ κύριον ἀσφαλής [B S¹ om.] –
— 26. ὁ γὰρ κ. ἔσται ἐπὶ πασῶν ὁδῶν σου (11 a)
— 32. ἀκάθαρτος γὰρ ἔναντι κυρίου πᾶς παράνομος (11 a)
— 34. κύριος ὑπερηφάνοις ἀντιτάσσεται –
6. 16. A S οἷς μισεῖ ὁ κ. [B θεός] (11 a)
7. 2. τίμα τὸν κ. καὶ ἰσχύσεις –
8. 13. φόβος κυρίου μισεῖ ἀδικίαν (11 a)
— 22. κύριος ἔκτισέ με ἀρχὴν ὁδῶν αὐτοῦ (11 a)
— 26. κύριος ἐποίησε χώρας καὶ ἀοικήτους †
— 35. ἑτοιμάζεται θέλησις παρὰ κυρίου (11 a)
9. 10. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (11 a)
10. 3. οὐ λιμοκτονήσει κύριος ψυχὴν δικαίαν (11 a)
— 6. εὐλογία κυρίου ἐπὶ κεφαλὴν [A S¹ -ῆς] δικαίου –
— 22. A S εὐλογία κυρίου ἐπὶ κεφαλῆς [B -ὴν] δικαίου (11 a)
— 27. φόβος κυρίου προστίθησιν ἡμέρας (11 a)
— 29. ὀχύρωμα ὁσίου φόβος κυρίου (11 a)
11. 1. ζυγοὶ δόλιοι βδέλυγμα ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 20. βδέλυγμα κυρίῳ διεστραμμέναι ὁδοί (11 a)
12. 2. κρείσσων ὁ εὑρὼν χάριν παρὰ κυρίῳ (11 a)
— 22. βδέλυγμα κυρίῳ χείλη ψευδῆ (11 a)
14. 2. ὁ πορευόμενος ὀρθῶς φοβεῖται τὸν κ. (11 a)
— 26. ἐν φόβῳ κυρίου ἐλπὶς ἰσχύος (11 a)
— 27. πρόσταγμα κυρίου πηγὴ ζωῆς (11 a)
15. 3. ἐν παντὶ τόπῳ ὀφθαλμοὶ κυρίου (11 a)
— 8. θυσίαι ἀσεβῶν [S ἁμαρτωλῶν] βδέλυγμα κυρίῳ (11 a)
— 9. βδέλυγμα κυρίῳ ὁδοὶ ἀσεβοῦς (11 a)
— 11. ᾅδης καὶ ἀπώλεια φανερὰ παρὰ τῷ κ. (11 a)
— 16. κρεῖσσον μικρὰ μερὶς μετὰ φόβου κυρίου (11 a)
— 25. οἴκους ὑβριστῶν κατασπᾷ κύριος (11 a)
— 26. βδέλυγμα κυρίῳ λογισμὸς ἄδικος (11 a)
— 27 (16. 6). τῷ δὲ φόβῳ κυρίου ἐκκλίνει πᾶς ἀπὸ κακοῦ (11 a)
— 28 (16. 7). δεκταὶ παρὰ κυρίῳ ὁδοὶ ἀνθρώπων δικαίων (11 a)
16. 4 (15. 33). A R φόβος κυρίου [B S θεοῦ] παιδεία καὶ σοφία (11 a)
— 5. ὁ ζητῶν τὸν κ. εὑρήσει γνῶσιν –
— 5 (4). πάντα τὰ ἔργα τοῦ [A om.] κ. μετὰ δικαιοσύνης (11 a)
— 11. ῥοπὴ ζυγοῦ δικαιοσύνης παρὰ κυρίῳ [A -ου] (11 a)
— 20. A πεποιθὼς δὲ ἐπὶ κυρίῳ [B S θεῷ] (11 a)
— 33. παρὰ δὲ κυρίου πάντα τὰ δίκαια (11 a)
17. 3. οὕτως ἐκλεκταὶ καρδίαι [S¹ καρδία ἐκλέγεται] παρὰ κυρίῳ [A θεῷ] (11 a)
— 11. ὁ δὲ κ. ἄγγελον ἀνελεήμονα ἐκπέμψει αὐτῷ –
Pr. 18. 10. ἐκ μεγαλωσύνης ἰσχύος ὄνομα κυρίου [S¹ -φ] (11 a)
— 22. ἔλαβε δὲ παρὰ θεοῦ [A S² κυρίου] (11 a)
19. 14. A R παρὰ δὲ κυρίου [B S θεοῦ] ἁρμόζεται γυνὴ ἀνδρί (11 a)
— 21. ἡ δὲ βουλὴ τοῦ κ. εἰς τὸν αἰῶνα μένει (11 a)
— 23. φόβος κυρίου εἰς ζωὴν ἀνδρί (11 a)
20. 22. ὑπόμεινον τὸν κ. (11 a)
— 10. ἀκάθαρτα ἐνώπιον κυρίου καὶ ἀμφότερα (11 a)
— 12. κυρίου ἔργα καὶ ἀμφότερα (11 a)
— 23. βδέλυγμα κυρίῳ δισσὸν στάθμιον (11 a)
— 24. παρὰ κυρίου εὐθύνεται τὰ διαβήματα ἀνδρί (11 a)
— 27. φῶς κυρίου πνοὴ ἀνθρώπων (11 a)
21. 2. κατευθύνει δὲ καρδίας κύριος (11 a)
— 27. θυσίαι ἀσεβῶν βδέλυγμα κυρίῳ –
— 31. παρὰ δὲ κυρίου ἡ βοήθεια (11 a)
22. 2. ἀμφοτέρους δὲ ὁ κ. ἐποίησε (11 a)
— 4. γενεὰ σοφίης φόβος κυρίου (11 a)
— 11. ἀγαπᾷ κύριος ὁσίας καρδίας –
— 12. οἱ δὲ ὀφθαλμοὶ κυρίου διατηροῦσιν αἴσθησιν (11 a)
— 14. ὁ δὲ μισηθεὶς ὑπὸ κυρίου ἐμπεσεῖται εἰς αὐτόν (11 a)
— 19. ἵνα σου γένηται ἐπὶ κύριον ἡ ἐλπίς (11 a)
— 23. ὁ γὰρ κ. [S¹ om.] κρινεῖ αὐτοῦ τὴν κρίσιν [A δίκην, S¹ ψυχήν] (11 a)
23. 11. ὁ γὰρ λυτρούμενος αὐτοὺς κύριος κραταιός ἐστι –
— 17. ἐν φόβῳ κυρίου ἴσθι ὅλην τὴν ἡμέραν (11 a)
24. 7. σοφοὶ οὐκ ἐκκλίνουσιν ἐκ στόματος κυρίου –
— 12. κύριος [A ὁ κ.] καρδίας πάντων γινώσκει –
— 18. ὄψεται κύριος καὶ οὐκ ἀρέσει αὐτῷ (11 a)
25. 22. ὁ δὲ κ. ἀνταποδώσει σοι ἀγαθά (11 a)
27. 18. ὃς δὲ φυλάσσει τὸν ἑαυτοῦ κ. τιμηθήσεται (1)
— 20. βδέλυγμα κυρίῳ στηρίζων ὀφθαλμόν –
28. 5. οἱ δὲ ζητοῦντες τὸν κ. (11 a)
— 25. ὃς δὲ πέποιθεν ἐπὶ κύριον ἐν ἐπιμελείᾳ ἔσται (11 a)
29. 13. ἐπισκοπὴν ἀμφοτέρων ποιεῖται ὁ κ. (11 a)
— 23. τοὺς δὲ ταπεινόφρονας ἐρείδει δόξῃ κύριος –
— 25. ὁ δὲ πεποιθὼς ἐπὶ κυρίῳ [S -ον] εὐφρανθήσεται (11 a)
— 26. παρὰ δὲ κυρίου γίνεται τὸ δίκαιον ἀνδρί (11 a)
31. 30. φόβον δὲ κυρίου αὕτη αἰνείτω (11 a)
Ec. 7. 30 (29). A ἐποίησεν ὁ κ. [B S θεὸς] σὺν τὸν ἄνθρωπον εὐθῆ (6)
Wi. 1. 1. φρονήσατε περὶ τοῦ κ ἐν ἀγαθότητι
— 7. πνεῦμα κυρίου πεπλήρωκε τὴν οἰκουμένην
— 9. λόγων δὲ αὐτοῦ ἀκοὴ πρὸς κύριον ἥξει
2. 13. παῖδα κυρίου ἑαυτὸν ὀνομάζει
3. 8. βασιλεύσει αὐτῶν κύριος εἰς τοὺς αἰῶνας
— 10. οἱ . . . τοῦ κ. ἀποστάντες
— 14. μηδὲ ἐνθυμηθεὶς κατὰ τοῦ κ. πονηρά
— 14. κλῆρος ἐν ναῷ κυρίου θυμηρέστερος
4. 13. ἀρεστὴ γὰρ ἦν [S¹ om.] κυρίῳ [S¹ ἐν κ.] ἡ ψυχὴ αὐτοῦ
— 17. εἰς τί ἠσφαλίσατο αὐτὸν ὁ κ.
— 18. αὐτοὺς δὲ ὁ κ. ἐκγελάσεται
5. 7. τὴν δὲ ὁδὸν κυρίου οὐκ ἔγνωμεν [S ἐπέγν.]
— 15. ἐν κυρίῳ ὁ μισθὸς αὐτῶν
— 16. S λήψονται . . . τὸ διάδημα τοῦ κάλλους ἐκ χειρὸς κυρίου ὅτι δεξιᾷ κυρίου σκεπάσει αὐτούς [A B al.]
6. 3. ἐδόθη παρὰ τοῦ [A om.] κ. ἡ κράτησις ὑμῖν
8. 20. ἐνέτυχον τῷ κ.
9. 1. κύριε τοῦ ἐλέους σου
— 13. τίς ἐνθυμηθήσεται τί θέλει ὁ κ.
— 18. A κύριε [B S καὶ] τὰ ἀρεστά σου
10. 16. εἰσῆλθεν εἰς ψυχὴν θεράποντος κυρίου
— 20. ὕμνησαν, κύριε, τὸ ὄνομα τὸ ἅγιόν σου
11. 13. ᾔσθοντο τοῦ κ. [S² σου, κύριε]
12. 2. ἵνα . . . πιστεύσωσιν [A -σωμεν, S¹ om.] ἐπὶ σὲ, κύριε
16. 12. ὁ σὸς, κύριε, λόγος
— 26. οἱ υἱοί σου οὓς ἠγάπησας, κύριε
19. 9. αἰνοῦντές σε, κύριε, τὸν ῥυόμενον αὐτούς
— 22. κατὰ πάντα γὰρ, κύριε, ἐμεγάλυνας τὸν λαόν σου
Si. 1. 1. πᾶσα σοφία παρὰ κυρίου
— 8. καθήμενος ἐπὶ τοῦ θρόνου αὐ. κύριος
— 11. φόβος κυρίου δόξα καὶ καύχημα
— 12. φόβος κυρίου τέρψει καρδίαν
— 13. τῷ φοβουμένῳ τὸν κ. εὖ ἔσται ἐπ' ἐσχάτων
Si. 1. 14. A S ἀρχὴ σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κ. [B θεόν]
— 16. πλησμονὴ σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κ.
— 18. στέφανος σοφίας φόβος κυρίου
— 20. ῥίζα σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κ.
— 25. κύριος [S ὁ κ.] χορηγήσει σοι αὐτήν
— 26. σοφία γὰρ καὶ παιδεία φόβος κυρίου
— 27. μὴ ἀπειθήσῃς [S¹ ἀπιστήσῃς] φόβῳ κυρίου
— 30. ἀποκαλύψει κύριος τὰ κρυπτά σου
— 30. οὐ προσῆλθες φόβῳ κυρίου
2. 1. εἰ προσέρχῃ δουλεύειν κυρίῳ θεῷ [A S om.]
— 7. οἱ φοβούμενοι τὸν κ. ἀναμείνατε τὸ ἔλεος αὐτοῦ
— 8. οἱ φοβούμενοι κύριον [S τὸν κ.] πιστεύσατε αὐτῷ
— 9. οἱ φοβούμενοι κύριον [S τὸν κ.] ἐλπίσατε εἰς ἀγαθά
— 10. τίς ἐνεπίστευσε κυρίῳ [S¹ τῷ κ.] καὶ κατησχύνθη
— 11. οἰκτίρμων καὶ ἐλεήμων ὁ κ.
— 14. τί ποιήσετε ὅταν ἐπισκέπτηται ὁ [S¹ om.] κ.
— 15. οἱ φοβούμενοι κύριον [S² τὸν κ.] οὐκ ἀπειθήσουσι ῥημάτων αὐ. [A al.]
— 16. οἱ φοβούμενοι κύριον [S² τὸν κ.] ζητήσουσιν εὐδοκίαν αὐτοῦ
— 17. οἱ φοβούμενοι κύριον [S² τὸν κ.] ἑτοιμάσουσι καρδίας αὐτῶν
— 18. ἐμπεσούμεθα εἰς χεῖρας κυρίου
3. 2. ὁ γὰρ κ. ἐδόξασε πατέρα ἐπὶ τέκνοις
— 6. ὁ εἰσακούων κυρίου ἀναπαύσει μητέρα αὐτοῦ
— 16. κεκατηραμένος ὑπὸ [A παρὰ] κυρίου ὁ παροργίζων μητέρα αὐτοῦ
— 18. ἔναντι κυρίου εὑρήσεις χάριν
— 20. μεγάλη ἡ δυναστεία τοῦ [A S om.] κ.
4. 13. οὗ εἰσπορεύεται εὐλογήσει [A S -γεῖ] κύριος
— 14. τοὺς ἀγαπῶντας αὐτὴν ἀγαπᾷ ὁ [S om.] κ.
— 28. κύριος ὁ θεὸς πολεμήσει ὑπὲρ σοῦ
5. 3. ὁ γὰρ κ. ἐκδικῶν ἐκδικήσει σε [A S om.]
— 4. ὁ γὰρ κ. ἐστι μακρόθυμος
— 7. μὴ ἀνάμενε ἐπιστρέψαι πρὸς [S ἐπὶ] κύριον
— 7. ἐξάπινα γὰρ ἐξελεύσεται ὀργὴ κυρίου [S al.]
6. 16. οἱ φοβούμενοι κύριον [S τὸν κ.] εὑρήσουσιν αὐτόν
— 17. ὁ φοβούμενος κύριον εὐθύνει φιλίαν αὐτοῦ
— 37. διανοοῦ ἐν τοῖς προστάγμασι κυρίου
7. 4. μὴ ζήτει παρὰ κυρίου ἡγεμονίαν
— 5. μὴ δικαιοῦ ἔναντι κυρίου
— 9. ἐν τῷ προσενέγκαι με θεῷ [S¹ κυρίῳ]
— 29. ἐν ὅλῃ ψυχῇ σου εὐλαβοῦ τὸν κ.
— 31. φοβοῦ τὸν κ. καὶ δόξασον ἱερέα
9. 16. ἐν φόβῳ κυρίου ἔστω τὸ καύχημά σου
10. 4. ἐν χειρὶ κυρίου ἐξουσία τῆς γῆς
— 5. ἐν χειρὶ κυρίου εὐοδία ἀνδρός
— 7. μισητὴ ἔναντι κυρίου καὶ ἀνθρώπων ὑπερηφανία
— 12. ἀνθρώπου ἀφισταμένου ἀπὸ κυρίου
— 13. παρεδόξασε κύριος τὰς ἐπαγωγάς
— 14. θρόνους ἀρχόντων καθεῖλεν ὁ κ.
— 15. ῥίζας ἐθνῶν ἐξέτιλεν ὁ [S om.] κ.
— 16. χώρας ἐθνῶν κατέστρεψεν ὁ κ.
— 19. σπέρμα ἔντιμον ποῖον; οἱ φοβούμενοι τὸν κ.
— 20. οἱ φοβούμενοι κύριον ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ
— 22. τὸ καύχημα αὐτῶν φόβος κυρίου
— 24. οὐκ ἔστιν αὐτῶν τις μείζων τοῦ φοβουμένου [A τῶν φοβουμένων] τὸν κ.
11. 4. θαυμαστὰ τὰ ἔργα κυρίου
— 12. οἱ ὀφθαλμοὶ κυρίου ἐπέβλεψαν αὐτῷ
— 14. πτωχεία καὶ πλοῦτος παρὰ κυρίου ἐστί
— 17. δόσις κυρίου παραμένει εὐσεβέσι [S² -λαβεσιν]
— 21. πίστευε τῷ [AS δὲ] κ.
— 21. κοῦφον ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου . . . πλουτίσαι [A -ῆσαι] πένητα
— 22. εὐλογία κυρίου ἐν μισθῷ [A ἐμμέσῳ] εὐσεβοῦς
— 26. κοῦφον ἔναντι [A ἐν ὀφθαλμοῖς] κυρίου ἐν ἡμέρᾳ τελευτῆς
14. 11. προσφορὰς κυρίῳ ἀξίως πρόσαγε
15. 1. ὁ φοβούμενος κύριον ποιήσει αὐτό
— 9. οὐ παρὰ κυρίου ἀπεστάλη
— 10. ὁ κ. εὐοδώσει αὐτόν
— 11. μὴ εἴπῃς ὅτι διὰ κύριον ἀπέστην
— 13. πᾶν βδέλυγμα ἐμίσησε κύριος [A S ὁ κ.]
— 18. πολλὴ σοφία τοῦ κ.
16. 2. εἰ μὴ ἔστι φόβος κυρίου μετ' αὐτῶν
— 3. S² κρείσσων γὰρ εἷς δίκαιος ποιῶν θέλημα κυρίου
— 11. S² ἔλεος γὰρ καὶ ὀργὴ παρὰ κυρίου [A S¹ παρ' αὐτῷ, B παρ' αὐτοῦ]
— 17. μὴ εἴπῃς ὅτι ἀπὸ [A παρὰ] κυρίου κρυβήσομαι

Si. 16. 26. ἐν κρίσει κυρίου τὰ ἔργα αὐτοῦ ἀπ' ἀρχῆς
— 29. κύριος εἰς [A ἐπὶ] τὴν γῆν ἐπέβλεψε
17. 1. κύριος ἔκτισεν ἐκ γῆς ἄνθρωπον
— 17. μερὶς κυρίου Ἰσραὴλ ἐστιν
— 20. πᾶσαι αἱ ἁμαρτίαι αὐτῶν ἔναντι κυρίου
— 25. ἐπίστρεφε ἐπὶ κύριον καὶ ἀπόλειπε ἁμαρτίας
— 28. ζῶν καὶ ὑγιὴς αἰνέσει τὸν κ.
— 29. ὡς μεγάλη ἡ ἐλεημοσύνη τοῦ κ.
18. 2. κύριος μόνος δικαιωθήσεται
— 6. οὐκ ἔστιν ἐξιχνιάσαι τὰ θαυμάσια τοῦ [S om.] κ.
— 11. ἐμακροθύμησε κύριος [S ὁ κ.] ἐπ' αὐτοῖς
— 13. ἔλεος δὲ κυρίου ἐπὶ πᾶσαν σάρκα
— 23. μὴ γίνου ὡς ἄνθρωπος πειράζων τὸν κ.
— 26. πάντα ἐστὶ ταχινὰ ἔναντι κυρίου
19. 20. πᾶσα σοφία φόβος κυρίου
21. 6. ὁ φοβούμενος κύριον [A τὸν θεὸν] ἐπιστρέψει ἐν καρδίᾳ
— 11. συντέλεια τοῦ φόβου κυρίου σοφία
23. 1. κύριε, πάτερ καὶ δέσποτα ζωῆς μου
— 4. κύριε, πάτερ καὶ θεὲ ζωῆς μου
— 10. AS² ὁ ὀμνύων καὶ ὁ ὀνομάζων διὰ παντὸς τὸ ὄνομα κυρίου [BS¹ om. τὸ ὄ. κ.]
— 19. ὀφθαλμοὶ κυρίου μυριοπλασίως ἡλίου φωτεινότεροι
— 27. οὐθὲν κρεῖττον φόβου κυρίου καὶ οὐθὲν γλυκύτερον τοῦ προσέχειν ἐντολαῖς κυρίου
24. 12. ἐν μερίδι κυρίου κληρονομίας αὐτοῦ
25. 1. ἀνέστην ὡραία ἔναντι κυρίου
— 6. τὸ καύχημα αὐτῶν φόβος κυρίου
— 10. οὐκ ἔστιν ὑπὲρ τὸν φοβούμενον τὸν κ.
— 11. φόβος κυρίου ὑπὲρ πᾶν ὑπερέβαλεν
26. 3. ἐν μερίδι φοβουμένων κύριον [A τὸν κ.] δοθήσεται
— 14. δόσις κυρίου γυνὴ σιγηρά
— 16. ἥλιος ἀνατέλλων ἐν ὑψίστοις κυρίου
— 28. ὁ κ. ἑτοιμάσει εἰς ῥομφαίαν αὐτόν
27. 3. ἐὰν μὴ ἐν φόβῳ κυρίου κρατήσῃ κατὰ σπουδήν
— 24. ὁ κ. μισήσει [A ἐμίσει, S¹ μισεῖ] αὐτόν
28. 1. ὁ ἐκδικῶν παρὰ κυρίου εὑρήσει ἐκδίκησιν
— 3. παρὰ κυρίου ζητεῖ ἴασιν
— 23. οἱ καταλείποντες κύριον ἐμπεσοῦνται εἰς αὐτήν
30. 19. οὕτως ὁ ἐκδιωκόμενος ὑπὸ κυρίου
— 25 (33. 16). ἐν εὐλογίᾳ κυρίου ἔφθασα
31 (34). 13. πνεῦμα φοβουμένων κύριον ζήσεται
— 14. ὁ φοβούμενος κύριον οὐ μὴ [A κ. πολλὰ, S κ. οὐδὲν] εὐλαβηθήσεται
— 15. φοβουμένου τὸν κ. μακαρία ἡ ψυχή
— 16. οἱ ὀφθαλμοὶ κυρίου ἐπὶ τοὺς ἀγαπῶντας αὐτόν
32 (35). 3. εὐδοκία κυρίου ἀποστῆναι ἀπὸ πονηρίας
— 4. μὴ ὀφθῇς ἐν προσώπῳ κυρίου κενός
— 8. ἐν ἀγαθῷ ὀφθαλμῷ δόξασον τὸν κ. [S add. θεόν]
— 11. κύριος ἀνταποδιδοὺς ἐστι
— 12. κύριος κριτής ἐστι
— 17. A ἕως ἐπισκέψηται κύριος [BS ὁ ὕψιστος]
— 18. ὁ κ. οὐ μὴ βραδύνῃ
33 (36). 5. οὐκ ἔστι θεὸς πλὴν σοῦ, κύριε
35 (32). 14. ὁ φοβούμενος κύριον [S τὸν κ.] ἐκδέξεται [B² ἐκλέξ.] παιδείαν
— 16. οἱ φοβούμενοι κύριον εὑρήσουσι κρίμα [S¹ χάριν]
— 24. ὁ πεποιθὼς κυρίῳ οὐκ ἐλαττωθήσεται
36 (33). 1. τῷ φοβουμένῳ κύριον [S τὸν κ.] οὐκ ἀπαντήσει κακόν
— 8. ἐν γνώσει κυρίου διεχωρίσθησαν
— 11. ἐν πλήθει ἐπιστήμης κύριος διεχώρισεν αὐτούς
36. 17 (14). ἐλέησον λαὸν, κύριε [S om.]
— 22 (19). εἰσάκουσον, κύριε, δεήσεως τῶν ἱκετῶν [A S οἰκ.] σου
— 22 (19). κύριος εἶ ὁ θεὸς τῶν αἰώνων
37. 21. οὐ γὰρ ἐδόθη αὐτῷ παρὰ κυρίου χάρις
38. 1. καὶ γὰρ αὐτὸν ἔκτισε κύριος [S ὁ κ.]
— 4. κύριος ἔκτισεν ἐκ γῆς φάρμακα
— 9. εὖξαι κυρίῳ καὶ αὐτὸς ἰάσεταί σε
— 12. καὶ γὰρ αὐτὸν ἔκτισε κύριος
— 14. καὶ γὰρ αὐτοὶ κυρίου δεηθήσονται
39. 5. ὀρθρίσαι πρὸς κύριον τὸν ποιήσαντα αὐτόν
— 6. ἐὰν κύριος [AS² ὁ κ.] ὁ μέγας θελήσῃ
— 7. ἐν προσευχῇ ἐξομολογήσεται κυρίῳ [S¹ om.]
— 8. ἐν νόμῳ διαθήκης κυρίου καυχήσεται
— 15. εὐλογήσατε κύριον ἐπὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις
— 16. τὰ ἔργα κυρίου πάντα ὅτι καλὰ σφόδρα
— 16. ἐν καιρῷ [S¹ κυρίῳ] αὐτοῦ ἔσται
— 33. τὰ ἔργα κυρίου πάντα ἀγαθά
— 35. εὐλογήσατε τὸ ὄνομα κυρίου

Si. 40. 26. ὑπὲρ ἀμφότερα φόβος κυρίου [S¹ θεοῦ]· οὐκ ἔστι φόβῳ [A S ἐν φ.] κυρίου [S¹ θεοῦ] ἐλάττωσις
— 27. φόβος κυρίου ὡς παράδεισος εὐλογίας
41. 3. τοῦτο τὸ κρίμα παρὰ κυρίου πάσῃ σαρκί
42. 15. μνησθήσομαι δὴ τὰ ἔργα κυρίου
— 15. ἐν λόγοις κυρίου τὰ ἔργα αὐτοῦ
— 16. A S² τῆς δόξης κυρίου [B S¹ αὐτοῦ] πλῆρες τὸ ἔργον αὐτοῦ
— 17. οὐκ ἐνεποίησε τοῖς ἁγίοις κύριος [S -ίου] ἐκδιηγήσασθαι πάντα τὰ θαυμάσια αὐτοῦ ἃ ἐστερέωσε κύριος ὁ παντοκράτωρ
— 18. ἔγνω γὰρ ὁ κ. [A S ὕψιστος] πᾶσαν εἴδησιν [S συνείδ.]
43. 5. μέγας κύριος [A ὁ κ.] ὁ ποιήσας αὐτόν
— 9. κόσμος φωτίζων ἐν ὑψίστοις κύριος [AS² -ίου]
— 29. φοβερὸς κύριος καὶ σφόδρα μέγας
— 30. δοξάζοντες κύριον [S² τὸν κ.] ὑψώσατε
— 33. πάντα γὰρ ἐποίησεν ὁ κ.
44. 2. πολλὴν δόξαν ἔκτισεν ὁ κ.
— 16. Ἐνὼχ εὐηρέστησε κυρίῳ
45. 16. προσαγαγεῖν κάρπωσιν [S -ωμα] κυρίῳ
— 19. εἶδε κύριος καὶ οὐκ εὐδόκησε
— 21. καὶ γὰρ θυσίας κυρίου φάγονται
— 23. ἐν τῷ ζηλῶσαι αὐτὸν ἐν φόβῳ κυρίου
46. 3. τοὺς γὰρ πολεμίους [S² -μους] κύριος [A S² -ίου] αὐτὸς ἐπήγαγεν [A ἀπ.]
— 5. S ἐπεκαλέσατο τὸν κ. [A B om.] ὕψιστον δυνάστην
— 6. ἐπήκουσεν αὐτῶν [AS -οῦ] μέγας κύριος
— 6. ἐναντίον κυρίου ὁ πόλεμος αὐτοῦ
— 9. ἔδωκεν ὁ κ. τῷ Χαλὲβ ἰσχύν
— 10. καλὸν τὸ πορεύεσθαι ὀπίσω κυρίου
— 11. ὅσοι οὐκ ἀπεστράφησαν ἀπὸ κυρίου
— 13. A S R ἠγαπημένος ὑπὸ κυρίου αὐτοῦ Σαμουὴλ [B om.] προφήτης κυρίου κατέστησε βασιλείαν [B -λέα]
— 14. ἐν νόμῳ κυρίου ἔκρινε συναγωγὴν καὶ ἐπεσκέψατο κύριος τὸν Ἰακώβ
— 16. ἐπεκαλέσατο τὸν κ. δυνάστην
— 17. ἐβρόντησεν ἀπ' οὐρανοῦ κύριος [S ὁ κ.]
— 19. ἐπεμαρτύρατο ἔναντι κυρίου καὶ χριστοῦ
47. 5. ἐπεκαλέσατο γὰρ κύριον τὸν ὕψιστον
— 6. ἤνεσεν αὐτὸν ἐν εὐλογίαις κυρίου
— 11. κύριος [B² χριστὸς] ἀφεῖλε τὰς ἁμαρτίας αὐτοῦ
— 18. ἐν ὀνόματι κυρίου τοῦ θεοῦ τοῦ ἐπικεκλημένου θεοῦ Ἰσραήλ
— 22. ὁ δὲ κ. οὐ μὴ καταλίπῃ [A ἐγκαταλείπῃ] τὸ ἔλεος αὐτοῦ
48. 3. ἐν λόγῳ κυρίου ἀνέσχεν οὐρανόν
— 13. S πᾶς λόγος κυρίου [AB οὐχ] ὑπερῆρεν αὐτόν
— 20. ἐπεκαλέσαντο [S¹ ἐπανεκ.] τὸν κ. τὸν ἐλεήμονα
— 22. ἐποίησε γὰρ Ἐζεκίας τὸ ἀρεστὸν κυρίῳ [S¹ om.]
49. 3. κατεύθυνε πρὸς κύριον τὴν καρδίαν [A ὁδὸν] αὐτοῦ
— 12. ἀνύψωσαν λαὸν [A ναὸν] ἅγιον κυρίῳ
50. 13. προσφορὰ κυρίου ἐν χερσὶν αὐτῶν
— 17. προσκυνῆσαι τῷ [A om.] κ. [S² θεῷ] αὐτῶν [A om.]
— 19. ἐδεήθη ὁ λαὸς κυρίου ὑψίστου
— 19. ἕως συντελεσθῇ κόσμος κυρίου
— 20. δοῦναι εὐλογίαν κυρίῳ [S -ίου] ἐκ χειλέων αὐτοῦ
— 21. S² ἐδευτέρωσεν ἐν [A ἐπὶ] προσκυνήσει κυρίου [A B S¹ om.]
— 29. φῶς κυρίου τὸ ἴχνος αὐτοῦ
51. 1. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε βασιλεῦ
— 8. ἐμνήσθην τοῦ ἐλέους σου, κύριε
— 10. ἐπεκαλεσάμην κύριον πατέρα κυρίου [S² τοῦ κ.] μου
— 12. εὐλογήσω τῷ ὀνόματι κυρίου
— 22. ἔδωκε κύριος γλῶσσάν μοι [AS μου] μισθόν μου [S μοι]

Ho. 1. 1. λόγος κυρίου ὃς ἐγενήθη πρὸς Ὠ. (11 a)
— 2. ἀρχὴ λόγου κυρίου ἐν [A πρὸς] Ὠ. (11 a)
— 2. καὶ εἶπε κύριος πρὸς Ὠ. (11 a)
— 2. ἐκπορνεύσει ἡ γῆ ἀπὸ ὄπισθεν τοῦ κ. (11 a)
— 4. καὶ εἶπε κ. πρὸς αὐτόν (11 a)
— 7. καὶ σώσω αὐτοὺς ἐν κ. θ. αὐτῶν (11 a)
2. 13 (15). ἐμοῦ δὲ ἐπελάθετο λέγει κ. (11 a)
— 16 (18). καὶ ἔσται ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ λέγει κ. (11 a)
— 20 (22). καὶ ἐπιγνώσῃ τὸν κ. (11 a)
— 21 (23). καὶ ἔσται ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμ., λέγει κ. (11 a)
— 23 (25). καὶ αὐτὸς ἐρεῖ, Κ. ὁ θ. μου εἶ συ (18 b)

Ho. 3. 1. καὶ εἶπε κ. πρὸς μέ (11 a)
— 5. ἐπιζητήσουσι κ. τὸν θ. αὐτῶν (11 a)
— 5. καὶ ἐκστήσονται ἐπὶ τῷ κ. (11 a)
4. 1. ἀκούσατε λόγον κυρίου, υἱοὶ Ἰ. (11 a)
— 1. ὅτι κρίσις τῷ κ. (11 a)
— 10. διότι τὸν κ. ἐγκατέλιπον (11 a)
— 15. καὶ μὴ ὀμνύετε ζῶντα κ. (11 a)
— 16. νῦν νεμήσει αὐτοὺς κύριος ὡς ἀμνόν (11 a)
5. 4. τὸν δὲ κ. οὐκ ἐπέγνωσαν (11 a)
— 6. πορεύσονται τοῦ ἐκζητῆσαι τὸν κ. (11 a)
— 7. ὅτι τὸν κ. ἐγκατέλιπον (11 a)
6. 1. ἐπιστρέψωμεν πρὸς κ. τὸν θ. ἡμῶν (18 a)
— 4 (3). διώξομεν τοῦ γνῶναι τὸν κ. (11 a)
— 10 (9). A ἔκρυψαν ἱερεῖς ὁδὸν κυρίου [B om.] –
7. 10. καὶ οὐκ ἐπέστρεψαν πρὸς κ. τὸν θ. αὐτῶν (11 a)
8. 1. ὡς ἀετὸς ἐπ' οἶκον κυρίου (11 a)
— 13. κύριος οὐ προσδέξεται αὐτά (11 a)
9. 3. οὐ κατῴκησαν ἐν τῇ γῇ τοῦ κ. (11 a)
— 4. οὐκ ἔσπεισαν τῷ κ. οἶνον (11 a)
— 4. οὐκ εἰσελεύσονται εἰς τὸν οἶκον κ. (11 a)
— 5. ἐν ἡμέρᾳ ἑορτῆς τοῦ κ. (11 a)
— 8. A μανίαν ἐν οἴκῳ κυρίου [B θεοῦ] κατέπηξαν (6)
— 14. δὸς αὐτοῖς, κύριε, τί δώσεις αὐτοῖς (11 a)
10. 3. οὐκ ἐφοβήθημεν τὸν κ. (11 a)
— 12. ἐκζητήσατε τὸν κ. (11 a)
11. 10. ὀπίσω κυρίου πορεύσομαι (11 a)
— 11. ἀποκαταστήσω αὐτοὺς . . . λέγει κ. (11 a)
12. 2 (3). καὶ κρίσις τῷ κ. πρὸς Ἰ. (11 a)
— 5 (6). ὁ δὲ κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ ἔσται μνημόσυνον αὐ. (11 a)
— 9 (10). ἐγὼ δὲ κ. ὁ θ. σου ἀνήγαγόν σε (11 a)
— 13 (14). ἐν προφήτῃ ἀνήγαγε κύριος τὸν Ἰ. (11 a)
— 14 (15). τὸν ὀνειδισμὸν αὐτοῦ ἀνταποδώσει αὐτῷ κύριος (2)
13. 4. ἐγὼ δὲ κ. ὁ θ. σου ὁ στερεῶν τὸν οὐρ. (11 a)
— 15. ἐπάξει καύσωνα ἄνεμον κύριος (11 a)
14. 2. ἐπιστράφηθι, Ἰ., πρὸς κ. τὸν θ. σου (11 a)
— 3. καὶ ἐπιστράφητε πρὸς κ. τὸν θ. ὑμῶν (18 a)
— 10. διότι εὐθεῖαι αἱ ὁδοὶ τοῦ κ. (11 a)
Am. 1. 2. κύριος ἐκ Σιὼν ἐφθέγξατο (11 a)
— 3. καὶ εἶπε κ. (11 a)
— 5. λέγει κύριος (11 a)
— 6. τάδε λέγει κ. (11 a)
— 8. ἀπολοῦνται αἱ κατάλοιποι . . . λέγει κύριος (2 + 11 b)
— 9, 11, 13. τάδε λέγει κ. (11 a)
— 15. ἱερεῖς . . . καὶ . . . ἄρχοντες ἐπὶ τὸ αὐτὸ, λέγει κ. (11 a)
2. 1. τάδε λέγει κ. (11 a)
— 3. πάντας αὐτῆς ἀποκτενῶ μετ' αὐτοῦ, λέγει κ. (11 a)
— 4. τάδε λέγει κ. (11 a)
— 4. ἀπώσασθαι αὐτοὺς τὸν νόμον τοῦ [A om.] κ. (11 a)
— 6. τάδε λέγει κ. (11 a)
— 11. μὴ οὐκ ἔστι ταῦτα, υἱοὶ Ἰσ.; λέγει κ. (11 a)
— 16. ὁ γυμνὸς διώξεται ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμέρᾳ, λέγει κ. (11 a)
3. 1. τὸν λόγον τ. ὃν ἐλάλησε κ. ἐφ' ὑμᾶς (11 a)
— 6. ἣν κ. οὐκ ἐποίησε (11 a)
— 7. οὐ μὴ ποιήσῃ κ. ὁ θεὸς πρᾶγμα (2)
— 8. κ. ὁ θεὸς ἐλάλησε (2)
— 10. ἃ ἔσται ἐναντίον αὐτῆς, λέγει κ. (11 a)
— 11. τάδε λέγει κ. ὁ θ. (2)
— 12. τάδε λέγει κ. (11 a)
— 13. λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (2 + 11 b)
— 15. A R προστεθήσονται ἕτεροι οἶκοι . . . λέγει κ. [B om.] (11 a)
4. 1. αἱ λέγουσαι τοῖς κ. αὐτῶν (1)
— 2. ὀμνύει κ. κατὰ τῶν ἁγίων αὐτοῦ (2 + 11 b)
— 3. ἀπορριφήσεσθε εἰς τὸ ὄρος τὸ Ῥ., λέγει κ. (11 a)
— 5. R ταῦτα ἠγάπησαν οἱ υἱοὶ Ἰσ., λέγει κ. [A B κ. ὁ θ.] (2 + 11 b [2])
— 6. οὐκ ἐπεστρέψατε πρὸς με, λέγει κ. (11 a)
— 8. οὐκ ἐπεστράφητε πρὸς με, λέγει κ. (11 a)
— 9, 10, 11. οὐδ' ὡς ἐπεστρέψατε πρὸς με, λέγει κ. (11 a)
— 13. κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (11 a)
5. 1. ἀκούσατε τὸν λόγον κυρίου [A¹ om.] τοῦτον –
— 3. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 b)
— 4. τάδε λέγει κ. πρὸς τὸν οἶκον Ἰ. (11 a)
— 6. ἐκζητήσατε τὸν κ. (11 a)
— 7. ὁ ποιῶν [A κ. ὁ θ. ὁ π.] εἰς ὕψος κρίμα –
— 8. κ. [A κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ] ὄνομα αὐτῷ (11 a [18 a])
— 14. ἔσται . . . μεθ' ὑμῶν κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (11 a)

Am. 5. 15. ὅπως ἐλεήσῃ κ. ὁ θ. ὁ παντοκρ. (11 *a*)
— 16. τάδε λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκρ. (11 *a*)
— 17. διότι ἐλεύσομαι διὰ μέσου σου, εἶπε κύριος (11 *a*)
— 18. οὐαὶ οἱ ἐπιθυμοῦντες τὴν ἡμέραν κυρίου (11 *a*)
— 18. ἵνα τί αὕτη ὑμῖν ἡ ἡμέρα τοῦ κ. (11 *a*)
— 20. οὐχὶ σκότος ἡ ἡμέρα τοῦ κ. (11 *a*)
— 25. A λέγει κύριος –
— 27. μετοικιῶ ὑμᾶς ἐπέκεινα Δαμασκοῦ, λέγει κύριος (11 *a*)
6. 8. ὄμοσε κύριος καθ' ἑαυτοῦ (2+11 *b*)
— 11 (10). ἕνεκα τοῦ μὴ ὀνομάσαι τὸ ὄνομα κυρίου (11 *a*)
— 12 (11). διότι ἰδοὺ κύριος ἐντέλλεται (11 *a*)
— 15 (14). B λέγει κ. τῶν δυν. (11 *a*+6)
7. 1. ἔδειξέ μοι κ. ὁ θ. [A *om.* ὁ θ.] (2 [2+11 *b*])
— 2. κύριε κύριε, ἵλεως γενοῦ (2, 11 *b*)
— 3. μετανόησον κύριε ἐπὶ τούτῳ (11 *a*)
— 3. καὶ τοῦτο οὐκ ἔσται λέγει κ. (11 *a*)
— 4. οὕτως ἔδειξέ μοι κύριος [A κ. ὁ θεός] (2+11 *b* [2])
— 4. ἐκάλεσε τὴν δίκην ἐν πυρὶ κύριος (2+11 *b*)
— 4. καὶ κατέφαγε τὴν μερίδα κυρίου [A *om.*] –
— 5. A καὶ εἶπα, Κύριε κύριε [B *om.*] (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 6. μετανόησον κύριε ἐπὶ τούτῳ (11 *a*)
— 6. καὶ τοῦτο οὐ μὴ γένηται, λέγει κ. (2+11 *b*)
— 7. οὕτως ἔδειξέ μοι κύριος (2 ?)
— 8. εἶπε κύριος πρὸς μέ, Τί σὺ ὁρᾷς (11 *a*)
— 8. εἶπε κ. πρὸς μέ, Ἰδοὺ ἐγὼ ἐντάσσω (2)
— 15. A R ἀνέλαβέ με κ. ἐκ τῶν προβάτων [B προφητῶν] (11 *a*)
— 15. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 16. καὶ νῦν ἄκουε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 17. διὰ τοῦτο τάδε λέγει κ. (11 *a*)
8. 1. οὕτως ἔδειξέ μοι κ. κ. [A *om.*] (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 2. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. ὀλολύξει τὰ φατνώματα . . . λέγει κ. κ. [A *om.*] (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 7. ὀμνύει κ. κατὰ τῆς ὑπερηφανίας Ἰακ. (11 *a*)
— 9. ἔσται ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμέρᾳ λέγει κ. κ. [A ὁ θ.] (2, 11 *b* [2])
— 11. ἡμέραι ἔρχονται, λέγει κ. (2+11 *b*)
— 11. λιμὸν τοῦ ἀκοῦσαι λόγον κυρίου (11 *a*)
— 12. AR ζητοῦντες τὸν λόγον τοῦ [B *om.*] κ. (11 *a*)
— 14. A ζῇ κ. [B *om.*] ὁ θ. σου Δάν (18 *b*)
9. 1. εἶδον τὸν κ. ἐφεστῶτα ἐπὶ τοῦ θυσιαστηρίου (2)
— 5. καὶ κ. κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (2, 18 *e*)
— 6. κ. παντοκράτωρ [A κ. ὁ θ. ὁ π.] ὄνομα αὐτῷ (11 *a* [18 *a*])
— 7. λέγει κ. (11 *a*)
— 8. οἱ ὀφθαλμοὶ κ. τοῦ θ. ἐπὶ τὴν βασιλείαν (2)
— 8. ἐξαρῶ τὸν οἶκον Ἰ., λέγει κ. (11 *a*)
— 12. A ὅπως ἐκζητήσωσιν οἱ κατάλοιποι . . . τὸν κ. [B *om.* τ. κ.] –
— 12. λέγει κ. [A κ. ὁ θ.] ὁ ποιῶν ταῦτα (11 *a* [18 *a*])
— 13. ἡμέραι ἔρχονται, λέγει κ. (11 *a*)
— 15. λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (11 *a*)
Mi. 1. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Μιχαίαν (11 *a*)
— 2. ἔσται κ. κ. [A *om.*] ἐν ὑμῖν εἰς μαρτύριον (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 2. κύριος ἐξ οἴκου ἁγίου αὐτοῦ (2)
— 3. ἰδοὺ κ. ἐκπορεύεται ἐκ τοῦ τόπου αὐτοῦ (11 *a*)
— 12. κατέβη κακὰ παρὰ κυρίου (11 *a*)
2. 3. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 5. ἐν ἐκκλησίᾳ κυρίου μὴ κλαίετε δάκρυσι (11 *a*)
— 7. οἶκος Ἰ. παρώργισε πνεῦμα κυρίου (11 *a*)
— 13. ὁ δὲ κ. ἡγήσεται αὐτῶν (11 *a*)
3. 4. οὕτως κεκράξονται πρὸς κύριον (11 *a*)
— 5. τάδε λέγει κ. ἐπὶ τοὺς προφήτας (11 *a*)
— 8. ἐὰν μὴ ἐγὼ ἐμπλήσω ἰσχὺν ἐν πνεύματι κυρίου (11 *a*)
— 11. καὶ ἐπὶ τὸν κ. ἐπανεπαύοντο (11 *a*)
— 11. οὐχὶ κύριος ἐν ἡμῖν ἐστιν (11 *a*)
4. 1. ἔσται . . . ἐμφανὲς τὸ ὄρος τοῦ κ. (11 *a*)
— 2. δεῦτε ἀναβῶμεν εἰς τὸ ὄρος κυρίου [A τοῦ κ.] (11 *a*)
— 2. ἐξελεύσεται . . . λόγος κυρίου ἐξ Ἱερ. (11 *a*)
— 4. τὸ στόμα κυρίου παντοκράτορος ἐλάλησε (11 *a*)
— 5. πορευσόμεθα ἐν ὀνόματι κυρίου [A *om.* θεοῦ (11 *a*)
— 6. ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ λέγει κ. συνάξω (11 *a*)
— 7. καὶ βασιλεύσει κύριος ἐπ' αὐτούς (11 *a*)
— 10. ἐκεῖθεν ῥύσεταί σε . . . κ. ὁ θ. σου (18 *a*)
— 12. AR αὐτοὶ δὲ οὐκ ἔγνωσαν τὸν λογισμὸν κυρίου [B -ον] (11 *a*)
Mi. 4. 13. ἀναθήσεις τῷ κ. τὸ πλῆθος αὐτῶν (11 *a*)
— 13. ἀναθήσεις . . . τὴν ἰσχὺν τῷ κ. πάσης τῆς γῆς (1)
5. 4 (3). ποιμανεῖ τὸ ποίμνιον . . . ἐν ἰσχύϊ κύριος (11 *a*)
— 4 (3). ἐν τῇ δόξῃ ὀνόματος κυρίου θ. [A τοῦ ὀν. κ. τοῦ θ.] (11 *a*)
— 7 (6). ὡς δρόσος παρὰ κυρίου πίπτουσα (11 *a*)
— 10 (9). ἐν τῇ ἡμ. ἐκ. λέγει κ. (11 *a*)
6. 1. ἀκούσατε δὴ λόγον· κ. κ. εἶπεν [A κυρίου ἃ ὁ κ. εἶπεν] (–, 11 *a*)
— 2. ἀκούσατε ὄρη [A βουνοὶ, B λαοὶ] τὴν κρίσιν τοῦ κ. (11 *a*)
— 2. κρίσις τῷ κ. πρὸς τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 *a*)
— 5. ὅπως γνωσθῇ ἡ δικαιοσύνη τοῦ κ. (11 *a*)
— 6. ἐν τίνι καταλάβω τὸν κύριον (11 *a*)
— 7. εἰ προσδέξεται κύριος [A ὁ κ.] ἐν χιλιάσι κριῶν (11 *a*)
— 8. ἢ τί κύριος ἐκζητεῖ παρὰ σοῦ (11 *a*)
— 8. ἕτοιμον . . . τοῦ πορεύεσθαι μετὰ κυρίου θεοῦ (18 *b*)
— 9. φωνὴ κυρίου τῇ πόλει ἐπικληθήσεται (11 *a*)
7. 7. ἐγὼ δὲ ἐπὶ τὸν κ. ἐπιβλέψομαι (11 *a*)
— 8. κύριος [A ὁ κ.] φωτεῖ μοι (11 *a*)
— 9. ὀργὴν κυρίου ὑποίσω (11 *a*)
— 10. ποῦ κ. ὁ θ. σου (11 *a*)
— 17. ἐπὶ τῷ κ. θ. ἡμῶν ἐκστήσονται (11 *a*)
Jl. 1. 1. λόγος κυρίου ὃς ἐγενήθη πρὸς Ἰωήλ (11 *a*)
— 9. ἐξῆρται θυσία καὶ σπονδὴ ἐξ οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 9. R οἱ λειτουργοῦντες θυσιαστηρίῳ κυρίου [A B S *om.*] (11 *a*)
— 14. A S³ κατοικοῦντας γῆν εἰς οἶκον κυρίου [B S¹ *om.*] θεοῦ [S² *om.*] (11 *a* [18 *b*])
— 14. κεκράξατε πρὸς κύριον ἐκτενῶς (11 *a*)
— 15. ἐγγὺς ἡ ἡμέρα κυρίου (11 *a*)
— 19. πρὸς σέ, κύριε, βοήσομαι (11 *a*)
2. 1. διότι πάρεστιν ἡμέρα κυρίου [A τοῦ κ.] (11 *a*)
— 1. A ὅτι ἐγγὺς ἡ ἡμέρα τοῦ κ. [BS *om.* ἡ ἡ. τ. κ.] –
— 11. καὶ κύριος δώσει φωνὴν αὐτοῦ (11 *a*)
— 11. μεγάλη ἡ ἡμέρα τοῦ κ. (11 *a*)
— 12. καὶ νῦν λέγει κ. ὁ θ. ὑμῶν (18 *a*)
— 13. ἐπιστράφητε πρὸς κ. τὸν θ. ὑμῶν (11 *a*)
— 14. σπονδὴν κ. τῷ θ. ἡμῶν (11 *a*)
— 17. οἱ ἱερεῖς οἱ λειτουργοῦντες κυρίῳ (11 *a*)
— 17. φείσαι, κύριε, τοῦ λαοῦ σου (11 *a*)
— 17. A ποῦ ἐστιν κύριος [B S *om.*] ὁ θεὸς αὐτῶν (18 *b*)
— 18. καὶ ἐζήλωσε κύριος τὴν γῆν αὐτοῦ (11 *a*)
— 19. ἀπεκρίθη κύριος (11 *a*)
— 21. ἐμεγάλυνε κύριος τοῦ ποιῆσαι (11 *a*)
— 23. εὐφραίνεσθε ἐπὶ τῷ κυρίῳ θεῷ ὑμῶν (11 *a*)
— 26. αἰνέσετε τὸ ὄνομα κ. τοῦ θ. [A *om.*] ὑμῶν (11 *a*)
— 27. ἐπιγνώσεσθε ὅτι . . . ἐγὼ κ. ὁ θ. ὑμῶν (11 *a*)
— 31 (3. 4). πρὶν ἐλθεῖν τὴν ἡμέραν κυρίου (11 *a*)
— 32 (3. 5). ὃς ἂν ἐπικαλέσηται τὸ ὄνομα κυρίου (11 *a*)
— 32 (3. 5). καθότι εἶπε κύριος (11 *a*)
— 32 (3. 5). οὗς κύριος προσκέκληται (11 *a*)
3 (4). 8. ὅτι κύριος ἐλάλησε (11 *a*)
— 14. ἐγγὺς ἡμέρα κυρίου ἐν τῇ κοιλάδι (11 *a*)
— 16. ABS² ὁ δὲ κύριος ἐκ Σιὼν ἀνακεκράξεται (11 *a*)
— 16. ὁ δὲ κύριος φείσεται τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (11 *a*)
— 17. ἐγὼ κ. ὁ θ. ὑμῶν ὁ κατασκηνῶν ἐν Σ. (11 *a*)
— 18. πηγὴ ἐξ οἴκου κυρίου ἐξελεύσεται (11 *a*)
— 21. καὶ κύριος κατασκηνώσει ἐν Σ. (11 *a*)
Ob. 1. 1. τάδε λέγει κ. ὁ θ. τῇ Ἰδουμαίᾳ (2)
— 1. ἀκοὴν ἤκουσα παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 4. ἐκεῖθεν κατάξω σε, λέγει κύριος (11 *a*)
— 8. ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμέρᾳ, λέγει κ. (11 *a*)
— 15. διότι ἐγγὺς ἡμέρα κυρίου (11 *a*)
— 18. διότι κ. ἐλάλησε (11 *a*)
— 21. καὶ ἔσται τῷ κυρίῳ ἡ βασιλεία (11 *a*)
Jn. 1. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἰωνᾶν (11 *a*)
— 3. τοῦ φυγεῖν . . . ἐκ [A S ἀπὸ] προσώπου κυρίου (11 *a*)
— 3. τοῦ πλεῦσαι . . . ἐκ προσώπου κυρίου (11 *a*)
— 4. καὶ κύριος ἐξήγειρε πνεῦμα (11 *a*)
— 9. δοῦλος κυρίου εἰμὶ ἐγώ –
— 9. τὸν κ. θ. τοῦ οὐρανοῦ ἐγὼ σέβομαι (11 *a*)
— 10. ἐκ προσώπου κυρίου ἦν φεύγων (11 *a*)
— 14. ἀνεβόησαν πρὸς κύριον [S¹ τὸν κ.] (11 *a*)
— 14. καὶ εἶπαν, Μηδαμῶς, κύριε (11 *a*)
— 14. σὺ, κύριε [S¹ *om.* σὺ κ.], ὃν τρόπον ἐβούλου πεποίηκας (11 *a*)
— 16. ἐφοβήθησαν . . . φόβῳ μεγάλῳ τὸν κ. (11 *a*)
Jn. 1. 16. καὶ ἔθυσαν θυσίαν τῷ κ. (11 *a*)
2. 1. καὶ προσέταξε κύριος κήτει μεγάλῳ (11 *a*)
— 2. προσηύξατο Ἰ. πρὸς κ. τὸν θ. αὐτοῦ (11 *a*)
— 3. A B S² ἐβόησα . . . πρὸς κ. τὸν θ. (11 *a*)
— 7. ἀναβήτω φθορὰ ζωῆς μου, κύριε ὁ θ. μου [A S⁴ *al.*] (11 *a*)
— 8. τοῦ κυρίου ἐμνήσθην (11 *a*)
— 10. ἀποδώσω σοι σωτηρίου τῷ κ. [A *al.*] (11 *a*)
— 11. S² R προσετάγη ἀπὸ κυρίου [A B S¹ *om.* ἀ. κ.] τῷ κήτει (11 *a*)
3. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἰ. ἐκ δευτέρου (11 *a*)
— 3. καθὰ [A καθὼς] ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
4. 2. προσεύξατο πρὸς κύριον (11 *a*)
— 2. S² R κύριε [A B S¹ ὦ κ.], οὐχ οὗτοι οἱ λόγοι μου (11 *a*)
— 3. νῦν, δέσποτα κύριε, λάβε τὴν ψυχήν μου (11 *a*)
— 4. καὶ εἶπε κύριος πρὸς Ἰ. (11 *a*)
— 6. προσέταξε κ. ὁ θ. κολοκύνθῃ (11 *a*)
— 7. A προσέταξε κύριος [B S *om.*] ὁ θεὸς σκώληκι [S¹ *al.*] (18 *b*)
— 8. A προσέταξεν κύριος [B S *om.*] ὁ θεός (18 *b*)
— 9. εἶπεν [A S³ *add.* κύριος] ὁ θεός (18 *b*)
— 10. εἶπε κύριος, Σὺ ἐφείσω ὑπὲρ τῆς κολοκύνθης (11 *a*)
Na. 1. 2. θεὸς ζηλωτὴς καὶ ἐκδικῶν κύριος (11 *a*)
— 2. B² R ἐκδικῶν κύριος [A B¹ S *om.* ἐκ. κ.] μετὰ θυμοῦ (11 *a*)
— 2. ἐκδικῶν κύριος τοὺς ὑπεναντίους αὐτοῦ (11 *a*)
— 3 κύριος μακρόθυμος καὶ μεγάλη ἡ ἰσχύς (11 *a*)
— 3. καὶ ἀθῷον οὐκ ἀθῳώσει κύριος (11 *a*)
— 7. χρηστὸς κύριος τοῖς ὑπομένουσιν αὐτόν (11 *a*)
— 9. τί λογίζεσθε ἐπὶ τὸν κύριον (11 *a*)
— 11. ἐξελεύσεται λογισμὸς κατὰ τοῦ κ. (11 *a*)
— 12. τάδε λέγει κύριος κατάρχων ὑδάτων πολλῶν (11 *a*)
— 14. S R καὶ ἐντελεῖται περὶ [A B ὑπὲρ] σοῦ κύριος (11 *a*)
2. 2 (3). ἀπέστρεψε κύριος τὴν ὕβριν Ἰακώβ (11 *a*)
— 13 (14). ἐγὼ ἐπὶ σέ, λέγει κύριος παντοκράτωρ [A ὁ π.] (11 *a*)
3. 5. ἐγὼ ἐπὶ σέ, λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (18 *a*)
Hb. 1. 2. ἕως τίνος, κύριε, κεκράξομαι (11 *a*)
— 12. οὐχὶ σὺ ἀπ' ἀρχῆς, κύριε ὁ θεὸς ὁ ἅγιός μου (11 *a*)
— 12. κύριε, εἰς κρίμα τέταχας αὐτό [A -όν] (11 *a*)
2. 2. καὶ ἀπεκρίθη πρὸς με κύριος (11 *a*)
— 13. οὐ ταῦτά ἐστι παρὰ κ. παντοκράτορος (11 *a*)
— 14. τοῦ γνῶναι τὴν δόξαν κυρίου (11 *a*)
— 16. ἐκύκλωσεν ἐπὶ σὲ ποτήριον δεξιᾶς κυρίου (11 *a*)
— 20. ὁ δὲ κύριος ἐν ναῷ ἁγίῳ αὐτοῦ (11 *a*)
3. 2. κύριε, εἰσακήκοα τὴν ἀκοήν σου (11 *a*)
— 2. S κύριε [A B *om.*], κατενόησα τὰ ἔργα σου
— 8. μὴ ἐν ποταμοῖς ὠργίσθης, κύριε (11 *a*)
— 9. ἐνέτειναις τόξον . . . λέγει κύριος –
— 18. ἐγὼ δὲ ἐν [A ἐπὶ] τῷ κ. ἀγαλλιάσομαι (11 *a*)
— 19. κ. ὁ θ. δύναμίς μου (11 *b*)
Ze. 1. 1. λόγος κυρίου ὃς ἐγενήθη πρὸς Σοφ. (11 *a*)
— 2. ἐκλιπέτω . . . λέγει κύριος, ἐκλιπέτω ἄνθρωπος (11 *a*)
— 3. ἐξαρῶ τοὺς ἀνόμους . . . λέγει κύριος (11 *a*)
— 5. BS τοὺς ὀμνύοντας κατὰ τοῦ [S¹ τὰ τοῦ] κ. (11 *a*)
— 5. καὶ τοὺς ὀμνύοντας κατὰ τοῦ [S² *add.* κυρίου] βασιλέως –
— 6. καὶ τοὺς ἐκκλίνοντας ἀπὸ τοῦ κ. (11 *a*)
— 6. καὶ τοὺς μὴ ζητοῦντας [A ζητήσαντας] τὸν κ. (11 *a*)
— 6. καὶ τοὺς μὴ ἀντεχομένους τοῦ κ. †
— 7. εὐλαβεῖσθε ἀπὸ προσώπου κ. [S¹ τοῦ κ.] τοῦ θ. (2)
— 7. διότι ἐγγὺς ἡμέρα τοῦ κ. (11 *a*)
— 7. ὅτι ἡτοίμακε κύριος τὴν θυσίαν αὐτοῦ (11 *a*)
— 8. καὶ ἔσται ἐν ἡμέρᾳ θυσίας κυρίου (11 *a*)
— 9. τοὺς πληροῦντας τὸν οἶκον κυρίου θεοῦ [S³ *om.*, A τοῦ θ.] αὐτῶν (18 *d* [1])
— 10. ἔσται ἐν τῇ ἡμ. ἐκ. λέγει κύριος (11 *a*)
— 12. οὐ μὴ ἀγαθοποιήσῃ κύριος (11 *a*)
— 14. ὅτι ἐγγὺς ἡμέρα κυρίου ἡ μεγάλη (11 *a*)
— 14. φωνὴ ἡμέρας κυρίου πικρὰ . . . τέτακται (11 *a*)
— 17. ὅτι τῷ κ. ἐξήμαρτον (11 *a*)
— 18. ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς κυρίου (11 *a*)
2. 2. πρὸ τοῦ ἐπελθεῖν ἐφ' ὑμᾶς ὀργὴν κυρίου [S³ *om.* πρὸ . . . κ.] (11 *a*)
— 2. πρὸ τοῦ ἐπελθεῖν . . . ἡμέραν θυμοῦ κυρίου (11 *a*)
— 3. ζητήσατε τὸν κ. (11 *a*)
— 3. ὅπως σκεπασθῆτε ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς κυρίου (11 *a*)
— 5. λόγος κυρίου ἐφ' ὑμᾶς [A πρὸς ὑμᾶς] (11 *a*)

Ze. 2. 7. ὅτι ἐπέσκεπται αὐτοὺς κ. ὁ θ. αὐτῶν (11 *a*)
— 9. ζῶ ἐγὼ, λέγει κ. τῶν δυνάμεων (11 *a*)
— 10. ἐμεγαλύνθησαν ἐπὶ τὸν κ. τὸν παντοκράτορα (11 *a*)
— 11. ἐπιφανήσεται [A S[1] ἐπιφανὴς ἔσται] κύριος (11 *a*)
3. 2. ἐπὶ τῷ κ. οὐκ ἐπεποίθει (11 *a*)
— 5. ὁ δὲ κ. δίκαιος ἐν μέσῳ αὐτῆς (11 *a*)
— 8. διὰ τοῦτο ὑπόμεινόν με, λέγει κύριος (11 *a*)
— 9. τοῦ ἐπικαλεῖσθαι πάντας τὸ ὄνομα κυρίου (11 *a*)
— 12. εὐλαβηθήσονται ἀπὸ τοῦ ὀνόματος κυρίου [A τοῦ κ.] (11 *a*)
— 15. περιεῖλε κύριος τὰ ἀδικήματά σου (11 *a*)
— 15. βασιλεὺς Ἰσραὴλ [A S[2] βασιλεύσει ὁ] κύριος (11 *a*)
— 16. ἐν τῷ καιρῷ ἐκείνῳ ἐρεῖ κύριος τῇ Ἱερ. –
— 17. κ. ὁ θ. σου ἐν σοί (11 *a*)
— 19. ἐγὼ ποιῶ ἐν σοὶ ἕνεκέν σου . . . λέγει κύριος –
— 20. ἐν τῷ ἐπιστρέφειν με τὴν αἰχμαλωσίαν . . . λέγει κύριος (11 *a*)
Hg. 1. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν χειρὶ Ἀγγαίου (11 *a*)
— 2. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 2. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 3. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν χειρὶ Ἀγγαίου (11 *a*)
— 5. νῦν τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 6. A διότι τάδε λέγει κ. παντοκρ. –
— 7. τάδε λέγει κ. παντοκράτωρ (11 *a*)
— 8. καὶ ἐνδοξασθήσομαι, εἶπε κύριος (11 *a*)
— 9. τάδε λέγει κ. παντοκράτωρ (11 *a*)
— 12. ἤκουσε Ζορ. . . . τῆς φωνῆς κ. τοῦ θ. αὐ. (11 *a*)
— 12. καθότι ἐξαπέστειλεν αὐτὸν κ. ὁ θ. αὐ. (11 *a*)
— 12. ἐφοβήθη ὁ λαὸς ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 *a*)
— 13. καὶ εἶπεν Ἀγγαῖος ἄγγελος κυρίου ἐν ἀγγέλοις [A *om.* κ. ἐν ἀγγ.] κυρίου τῷ λαῷ. Ἐγὼ εἰμι μεθ' ὑμῶν, λέγει κύριος [S *al.*] (11 *a ter*)
— 14. ἐξήγειρε κύριος τὸ πνεῦμα Ζοροβάβελ (11 *a*)
— 14. ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου παντοκράτορος θεοῦ (11 *a*)
2. 2 (1). ἐλάλησε κύριος ἐν χειρὶ Ἀγγ. τοῦ προφήτου (11 *a*)
— 5 (4). καὶ νῦν κατίσχυε, Ζοροβ., λέγει κύριος (11 *a*)
— 5 (4). κατισχυέτω πᾶς ὁ λαὸς τῆς γῆς, λέγει κύριος (11 *a*)
— 5 (4). λέγει κύριος ὁ παντοκρ. (11 *a*)
— 7 (6). A R τάδε [B S *om.*] λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
— 8 (7), 9 (8), 10 (9) *bis.* λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
— 11 (10). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἀγγ. τὸν προφήτην (11 *a*)
— 12 (11). τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 15 (14). ἐνώπιον ἐμοῦ, λέγει κύριος (11 *a*)
— 16 (15). πρὸ [A *om.*] τοῦ θεῖναι λίθον . . . ἐν τῷ ναῷ κυρίου (11 *a*)
— 18 (17). οὐκ ἐπεστρέψατε πρὸς με, λέγει κύριος (11 *a*)
— 19 (18). τεθεμελίωται ὁ ναὸς κυρίου (11 *a*)
— 21 (20). ἐγένετο λόγος κυρίου ἐκ δευτέρου πρὸς Ἀγ. (11 *a*)
— 24 (23). λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 24 (23). λήψομαί σε Ζ. . . . λέγει κύριος (11 *a*)
— 24 (23). λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
Za. 1. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ζαχαρίαν (11 *a*)
— 2. ὠργίσθη κύριος ἐπὶ τοὺς πατέρας ὑμῶν (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 3. λέγει κ. τῶν δυνάμ. [S[1] κ. παντοκρ.] (11 *a*)
— 3. λέγει κ. τῶν δυνάμ. [A κ. παντοκράτ.] (11 *a*)
— 4. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 4. τοῦ εἰσακοῦσαί μου, λέγει κύριος (11 *a*)
— 6. καθὼς παρατέτακται κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 7. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ζαχαρίαν (11 *a*)
— 9. καὶ εἶπα, Τί οὗτοι, κύριε (1)
— 10. οὗτοί εἰσιν οὓς ἐξαπέστειλε κύριος (11 *a*)
— 11. καὶ ἀπεκρίθησαν τῷ ἀγγέλῳ κυρίου (11 *a*)
— 12. καὶ ἀπεκρίθη ὁ ἄγγελος κυρίου (11 *a*)
— 12. καὶ εἶπε, Κύριε παντοκράτωρ (11 *a*)
— 13. ἀπεκρίθη κύριος παντοκράτωρ τῷ ἀγγέλῳ (11 *a*)
— 14. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 16. τάδε λέγει κύριος [A κ. παντοκράτωρ] (11 *a*)
— 16. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 17. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 17. ἐλεήσει κύριος ἔτι τὴν Σ. (11 *a*)
— 17. A αἱρετιεῖ κύριος [B S *om.*] τὴν Ἰ. –
Za. 1. 19 (2. 2). τί ἐστι ταῦτα, κύριε –
— 20 (2. 3). καὶ ἔδειξέ μοι κύριος τέσσαρας τέκτονας (11 *a*)
— 21 (2. 4). τὰ ἐπαιρόμενα κέρας ἐπὶ τὴν γῆν κυρίου †
2. 5 (9). ἐγὼ ἔσομαι αὐτῇ, λέγει [A φησὶν] κύριος (11 *a*)
— 6 (10). φεύγετε ἀπὸ γῆς βορρᾶ, λέγει κύριος (11 *a*)
— 6 (10). συνάξω ὑμᾶς, λέγει κύριος (11 *a*)
— 8 (12). διότι τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 9 (13). κύριος παντοκράτωρ ἀπέσταλκέ με (11 *a*)
— 10 (14). κατασκηνώσω ἐν μέσῳ σου, λέγει κύριος (11 *a*)
— 11 (15). καταφεύξονται ἔθνη πολλὰ ἐπὶ τὸν κ. (11 *a*)
— 11 (15). κύριος παντοκρ. ἐξαπέσταλκέ [A ἀπέσταλκέν] με (11 *a*)
— 12 (16). κατακληρονομήσει κύριος τὸν Ἰ. (11 *a*)
— 13 (17). εὐλαβείσθω πᾶσα σὰρξ ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 *a*)
3. 1. καὶ ἔδειξέ μοι κύριος τὸν Ἰ. τὸν ἱερέα . . . ἑστῶτα πρὸ προσώπου ἀγγέλου κυρίου (–, 11 *a*)
— 2. καὶ εἶπε κύριος πρὸς τὸν διάβολον (11 *a*)
— 3 (2) *bis.* ἐπιτιμήσαι κύριος ἐν σοί (11 *a*)
— 6 (5). καὶ ὁ ἄγγελος κυρίου εἱστήκει (11 *a*)
— 7 (6). διεμαρτύρατο ὁ ἄγγελος κυρίου πρὸς Ἰ. (11 *a*)
— 8 (7). τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 10 (9), 11 (10). λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
4. 4. τί ἐστι ταῦτα, κύριε (1)
— 5. A B S[2] καὶ εἶπα, Οὐχὶ, κύριε (1)
— 6. οὗτος ὁ λόγος κυρίου πρὸς Ζοροβάβελ (11 *a*)
— 6. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 8. καὶ ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς με (11 *a*)
— 9. διότι κύριος παντοκράτωρ ἐξαπέσταλκέ με (11 *a*)
— 10. A S ἑπτὰ οὗτοι ὀφθαλμοί εἰσιν κυρίου [B *om.*] (11 *a*)
— 13. καὶ εἶπα, Οὐχὶ, κύριε (1)
— 14. παρεστήκασι κυρίῳ [A τῷ κ.] πάσης τῆς γῆς (1)
5. 2. S εἶπε κύριος [A B *om.*] πρὸς με –
— 4. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
6. 4. τί ἐστι ταῦτα, κύριε (1)
— 5. παραστῆναι τῷ κ. πάσης τῆς γῆς (1)
— 9. καὶ ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς με (11 *a*)
— 12. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 12. καὶ οἰκοδομήσει τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 14. εἰς ψαλμὸν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 15. καὶ οἰκοδομήσουσιν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 15. κύριος παντοκράτωρ ἀπέσταλκέ με (11 *a*)
— 15. ἐὰν . . . εἰσακούσητε τῆς φωνῆς κ. τοῦ θ. ὑμῶν (11 *a*)
7. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ζαχαρίαν (11 *a*)
— 2. ἐξιλάσασθαι τὸν κ. (11 *a*)
— 3. ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου παντοκράτορος (11 *a*)
— 4. ἐγένετο λόγος κυρίου τῶν δυνάμεων πρὸς με (11 *a*)
— 7. ἐλάλησε κύριος ἐν χερσὶ τῶν προφητῶν (11 *a*)
— 8. καὶ ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ζαχαρίαν (11 *a*)
— 9. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 12. οὓς ἐξαπέστειλε κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 12. ἐγένετο ὀργὴ . . . παρὰ κυρίου παντοκράτορος (11 *a*)
— 13. οὐ μὴ εἰσακούσω, λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
8. 1. καὶ ἐγένετο λόγος κυρίου παντοκράτορος (11 *a*)
— 2. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κύριος [S[3] *add.* παντοκράτωρ] (11 *a*)
— 3. κληθήσεται . . . τὸ ὄρος κυρίου παντοκράτορος ὄρος ἅγιον (11 *a*)
— 4, 6. τάδε λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
— 6. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 7, 9. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 9. τεθεμελίωται ὁ οἶκ. κυρίου παντοκράτορος (11 *a*)
— 11. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 14. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 14, 17. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 18. ἐγένετο λόγος κυρίου παντοκράτορος πρὸς με (11 *a*)
— 19. A S[2] R τάδε [B S[1] *om.*] λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 20. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 21. δεηθῆναι τοῦ προσώπου κυρίου (11 *a*)
— 21. ἐκζητῆσαι τὸ πρόσωπον κυρίου παντοκράτορος (11 *a*)
Za. 8. 22. ἐκζητῆσαι τὸ πρόσωπ. κυρίου παντοκράτορος [S[1] *om.*] (11 *a*)
— 22. ἐξιλάσασθαι τὸ πρόσωπον κυρίου (11 *a*)
— 23. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
9. 1. λῆμμα λόγου κυρίου ἐν γῇ Σεδράχ (11 *a*)
— 1. διότι κύριος ἐφορᾷ ἀνθρώπους (11 *a*)
— 4. διὰ τοῦτο κύριος κληρονομήσει αὐτούς [A S[2] αὐτήν] (2)
— 14. καὶ κύριος ἔσται ἐπ' αὐτούς (11 *a*)
— 14. κύριος παντοκράτωρ ἐν σάλπιγγι σαλπιεῖ (2)
— 15. κύριος παντοκράτωρ ὑπερασπιεῖ αὐτούς (11 *a*)
— 16. σώσει αὐτοὺς κ. ὁ θ. αὐτῶν [A *om.* ὁ θ. αὐ.] (11 *a* [11 *a* + 6])
10. 1. αἰτεῖσθε παρὰ κυρίου ὑετόν (11 *a*)
— 1. κύριος ἐποίησε φαντασίας (11 *a*)
— 3. ἐπισκέψεται κ. ὁ θ. ὁ παντοκρ. τὸ ποίμνιον (18 *a*)
— 5. διότι κύριος [A κ. παντοκράτωρ] μετ' αὐτῶν (11 *a*)
— 6. διότι ἐγὼ κ. ὁ θ. αὐτῶν (11 *a*)
— 7. καὶ χαρεῖται ἡ καρδία αὐτῶν ἐπὶ τῷ κ. (11 *a*)
— 12. καὶ κατισχύσω αὐτοὺς ἐν κυρίῳ θεῷ αὐτῶν (18 *a*)
— 12. ἐν τῷ ὀνόμ. αὐ. κατακαυχήσονται, λέγει κύριος (11 *a*)
11. 4. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 5. εὐλογητὸς κύριος (11 *a*)
— 6. οὐ φείσομαι . . . λέγει κύριος [A κ. παντοκράτωρ] (11 *a*)
— 11. διότι λόγος κυρίου [A[1] *om.*] ἐστί (11 *a*)
— 13. καὶ εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 *a*)
— 13. καὶ ἐνέβαλον αὐτοὺς εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 15. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 *a*)
12. 1. λῆμμα λόγου κυρίου ἐπὶ τὸν Ἰσ., λέγει κύριος (11 *a*, 11 *a*)
— 4. ἐν τῇ ἡμ. ἐκείνῃ, λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
— 5. τοὺς κατοικοῦντας Ἰ. ἐν κυρίῳ παντοκρ. θεῷ (11 *a*)
— 7. καὶ σώσει κύριος τὰ σκηνώματα Ἰούδα (11 *a*)
— 8. ὑπερασπιεῖ κύριος ὑπὲρ τῶν κατοικούντων (11 *a*)
— 8. ὡς ἄγγελος κυρίου ἐνώπιον αὐτῶν (11 *a*)
13. 2. ἐν τῇ ἡμ. ἐκείνῃ, λέγει κύριος σαβαώθ [A *om.*] (11 *a* [11 *c*])
— 3. ψευδῆ ἐλάλησας ἐπ' [A ἐν] ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
— 7. λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
— 8. ἔσται ἐν πάσῃ τῇ γῇ [A ἐν τῇ ἡμ. ἐκ.], λέγει κύριος (11 *a*)
— 9. καὶ αὐτὸς ἐρεῖ, Κ. ὁ θ. μου (11 *a*)
14. 1. ἰδοὺ ἡμέραι ἔρχονται τοῦ κ. (11 *a*)
— 3. καὶ ἐξελεύσεται κύριος (11 *a*)
— 5. ἥξει κ. ὁ θ. μου (11 *a*)
— 7. καὶ ἡ ἡμέρα ἐκείνη γνωστὴ τῷ κ. (11 *a*)
— 9. ἔσται κύριος εἰς βασιλέα (11 *a*)
— 9. ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ ἔσται κύριος εἷς (11 *a*)
— 12. A B S[2] ἣν κόψει κύριος πάντας τοὺς λαούς (11 *a*)
— 13. ἔσται ἐν τῇ ἡμ. ἐκ. ἔκστασις κυρίου μεγάλη (11 *a*)
— 16, 17. τοῦ προσκυνῆσαι τῷ βασιλεῖ κ. παντοκράτορι (11 *a*)
— 18. ἣν πατάξει κύριος πάντα τὰ ἔθνη (11 *a*)
— 20. ἔσται τὸ ἐπὶ τὸν χαλινὸν τοῦ ἵππου ἅγιον τῷ κ. παντοκρ. (11 *a*)
— 20. ἔσονται οἱ λέβητες ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 21. ἅγιος [A ἅγιον] τῷ κ. παντοκρ. (11 *a*)
— 21. οὐκ ἔσται Χαν. ἔτι ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου παντοκρ. (11 *a*)
Ma. 1. 1. λῆμμα λόγου κυρίου ἐπὶ τὸν Ἰσραήλ (11 *a*)
— 2. ἠγάπησα ὑμᾶς, λέγει κύριος (11 *a*)
— 2. οὐκ ἀδελφὸς ἦν Ἠ. τοῦ Ἰ., λέγει κύριος (11 *a*)
— 2. S λέγει κύριος –
— 4. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 4. ἐφ' ὃν παρατέτακται κύριος ἕως αἰῶνος (11 *a*)
— 5. ἐμεγαλύνθη κύριος ὑπεράνω τῶν ὁρίων τοῦ Ἰ. (11 *a*)
— 6. καὶ δοῦλος τὸν κ. αὐτοῦ (1)
— 6. εἰ κύριός εἰμι ἐγώ (1)
— 6. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 7. τράπεζα κυρίου ἠλισγημένη [S ἐξουδενωμένη] ἐστί (11 *a*)
— 8, 9, 10, 11. λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
— 12. τράπεζα κυρίου ἠλισγημένη ἐστί (11 *a*)
— 13 *bis.* λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 14. καὶ θύει διεφθαρμένον τῷ κυρίῳ (2)

Ma. 1. 14: 2. 2. λέγει κύριος παντοκρ. (11 a)
2. 4. A ἐγὼ κύριος [B S om.] ἐξαπέσταλκα –
— 4. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 a)
— 7. διότι ἄγγελος κυρίου παντοκράτορός ἐστιν (11 a)
— 8. λέγει κύριος παντοκρ. (11 a)
— 11. ἐβεβήλωσεν Ἰ. τὰ ἅγια κυρίου (11 a)
— 12. ἐξολεθρεύσει κύριος τὸν ἄνθρωπον (11 a)
— 12. ἐκ προσαγόντων θυσίαν τῷ κ. παντοκράτορι (11 a)
— 13. ἐκαλύπτετε δάκρυσι τὸ θυσιαστήριον κυρίου (11 a)
— 14. ὅτι [A ὁ] κύριος διεμαρτύρατο ἀνὰ μέσον σου (11 a)
— 16. λέγει κ. ὁ θ. τοῦ [A θ. ὁ παντοκράτωρ θ.] Ἰσ. (11 a)
— 16. λέγει κύριος παντοκρ. (11 a)
— 17. πᾶς ποιῶν πονηρὸν καλὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
3. 1. ἐξαίφνης ἥξει εἰς τὸν ναὸν ἑαυτοῦ κύριος (1)
— 1. ἰδοὺ ἔρχεται, λέγει κύριος παντοκρ. (11 a)
— 3. ἔσονται τῷ κ. προσάγοντες θυσίαν (11 a)
— 4. καὶ ἀρέσει τῷ κ. θυσία Ἰ. καὶ Ἱερ. (11 a)
— 5. λέγει κύριος παντοκρ. (11 a)
— 6. διότι ἐγὼ κ. ὁ θ. ὑμῶν (18 a)
— 7, 10, 11, 12. λέγει κύριος παντοκρ. (11 a)
— 13. ἐβαρύνατε . . . τοὺς λόγους ὑμῶν, λέγει κύριος (11 a)
— 14. ἱκέται πρὸ προσώπου κυρίου παντοκράτορος (11 a)
— 16. κατελάλησαν [A ἐλάλησαν] οἱ φοβούμ. τὸν κ. [S¹ al.] (11 a)
— 16. καὶ προσέσχε κύριος (11 a)
— 16. ἔγραψε βιβλίον . . . τοῖς φοβουμένοις τὸν κ. (11 a)
— 17. ἔσονταί μοι, λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 a)
4. 1 (3. 19). A ἰδοὺ ἡμέρα κυρίου [B S om.] ἔρχεται καιομένη –
— 1 (3. 19), 3 (3. 21). λέγει κύριος παντοκρ. (11 a)
— 5 (3. 23). πρὶν ἐλθεῖν ἡμέραν κυρίου τὴν μεγάλην (11 a)
Is. 1. 2. κ. ἐλάλησεν (11 a)
— 3. καὶ ὄνος τὴν φάτνην τοῦ κ. αὐτοῦ (7)
— 4. ἐγκατελίπατε τὸν κ. (11 a)
— 9. εἰ μὴ κ. σαβαὼθ ἐγκατέλιπεν ἡμῖν σπέρμα (11 a)
— 10. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 a)
— 11. τί μοι πλῆθος τῶν θυσιῶν ὑμῶν, λέγει κ. (11 a)
— 18. διελεγχθῶμεν, λέγει κ. (11 a)
— 20. τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (11 a)
— 24. τάδε λέγει κ. ὁ δεσπότης σαβαώθ (1)
— 28. οἱ ἐγκαταλιπόντες τὸν κ. συντελεσθήσονται (11 a)
2. 1. A S ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου [B om. π. κ.] †
— 2. ἔσται . . . ἐμφανὲς τὸ ὄρος κυρίου [A τοῦ κ.] (11 a)
— 3. ἀναβῶμεν εἰς τὸ ὄρος κυρίου [A τοῦ κ.] . . . καὶ λόγος κυρίου ἐξ Ἱερουσαλήμ (11 a, 11 a)
— 5. πορευθῶμεν τῷ φωτὶ κυρίου (11 a)
— 10. ἀπὸ προσώπου τοῦ φόβου κυρίου (11 a)
— 11. οἱ γὰρ ὀφθαλμοὶ κυρίου ὑψηλοί . . . ὑψωθήσεται κ. μόνος (–, 11 a)
— 12. ἡμέρα γὰρ κυρίου σαβαὼθ ἐπὶ πάντα ὑβριστήν (11 a)
— 17. ὑψωθήσεται κ. μόνος (11 a)
— 19, 21. ἀπὸ προσώπου τοῦ φόβου κυρίου (11 a)
3. 1. κ. σαβαὼθ ἀφελεῖ . . . ἰσχύοντα (11 a)
— 8. τὰ πρὸς κύριον ἀπειθοῦντες (11 a)
— 13. καταστήσεται εἰς κρίσιν κ. (11 a)
— 14. αὐτὸς κ. εἰς κρίσιν ἥξει (11 a)
— 16. τάδε λέγει κ. (11 a)
— 17. κ. ἀνακαλύψει [A ἀποκ.] τὸ σχῆμα αὐτῶν (11 a)
— 18. ἀφελεῖ κ. τὴν δόξαν τοῦ ἱματισμοῦ αὐτῶν (2)
4. 4. ἐκπλυνεῖ κ. τὸν ῥύπον τῶν υἱῶν (2)
— 5. A πάσῃ τῇ δόξῃ κυρίου [B S om.] σκεπασθήσεται –
5. 7. ὁ γὰρ ἀμπελὼν κυρίου σαβαὼθ οἶκος τοῦ Ἰσραήλ (11 a)
— 9. ἠκούσθη γὰρ εἰς τὰ ὦτα κυρίου σαβαὼθ ταῦτα (11 a)
— 12. τὰ δὲ ἔργα κυρίου [S¹ θεοῦ, S³ τοῦ κ.] οὐκ ἐμβλέπουσι (11 a)
— 13. διὰ τὸ μὴ εἰδέναι αὐτοὺς τὸν κ. –
— 16. ὑψωθήσεται κ. σαβαὼθ ἐν κρίματι (11 a)
— 24. οὐ γὰρ ἠθέλησαν τὸν νόμον κυρίου σαβ. (11 a)
Is. 5. 25. ἐθυμώθη ὀργῇ [S ὠργίσθη θυμῷ] κ. σαβαώθ (11 a)
6. 1. εἶδον τὸν κ. καθήμενον (2)
— 3. ἅγιος ἅγιος ἅγιος κ. σαβαώθ (11 a)
— 5. τὸν βασιλέα κ. σαβαὼθ εἶδον (11 a)
— 8. ἤκουσα τῆς φωνῆς κυρίου (2)
— 11. ἕως πότε, κύριε (2)
7. 3. εἶπε κ. πρὸς Ἡσαΐαν (11 a)
— 7. τάδε λέγει κ. σαβαώθ (2)
— 10. προσέθετο κ. λαλῆσαι τῷ Ἄχαζ (11 a)
— 11. αἴτησαι σεαυτῷ σημεῖον παρὰ κυρίου θεοῦ σου (11 a)
— 12. οὐδὲ μὴ πειράσω κύριον (11 a)
— 13. πῶς κυρίῳ παρέχετε ἀγῶνα (6)
— 14. B S δώσει κ. αὐτὸς [A² -οῖς] ὑμῖν σημεῖον (2)
— 18. συριεῖ κ. μυίαις (11 a)
— 20. ξυρήσει κ. ἐν [A S om.] τῷ ξυρῷ (2)
8. 1. εἶπε κ. πρὸς μέ, Λάβε σεαυτῷ τόμον (11 a)
— 3. εἶπε κ. μοι, Κάλεσον τὸ ὄνομα αὐτοῦ (11 a)
— 5. προσέθετο κ. λαλῆσαί μοι ἔτι (11 a)
— 7. κ. ἀνάγει ἐφ' ὑμᾶς τὸ ὕδωρ τοῦ ποταμοῦ (2)
— 10. διασκεδάσει κ. –
— 11. οὕτω λέγει κ. (11 a)
— 13. κύριον αὐτὸν ἁγιάσατε (11 c)
— 18. τέρατα ἐν τῷ οἴκῳ [A om.] Ἰσραὴλ παρὰ κυρίου σαβαώθ (11 a)
9. 4 (3). A S τὴν γὰρ ῥάβδον . . . διεσκέδασεν κύριος [B om.] –
— 7 (6). ὁ ζῆλος κυρίου σαβαὼθ ποιήσει ταῦτα (11 a)
— 8 (7). θάνατον [S¹ λόγον] ἀπέστειλε κ. ἐπὶ Ἰακώβ (2)
— 13 (12). τὸν κ. οὐκ ἐζήτησαν [A S³ ἐξεζ.] (11 c)
— 14 (13). ἀφεῖλε κ. ἀπὸ Ἰσραὴλ κεφαλὴν καὶ οὐράν (11 a)
— 17 (16). οὐκ εὐφρανθήσεται ὁ κ. [A S θεός] (2)
— 19 (18). διὰ θυμὸν ὀργῆς κυρίου (11 c)
10. 12. ὅταν συντελέσῃ κ. πάντα ποιῶν (2)
— 12. S ἐπάξει κύριος ἐπὶ τὸν νοῦν [A B al.] –
— 16. ἀποστελεῖ κ. σαβαὼθ εἰς τὴν σὴν τιμὴν ἀτιμίαν (1+2)
— 23. λόγον συντετμημένον ποιήσει κ. [A S ὁ θεός] (2+11 c)
— 24. τάδε λέγει κ. [S¹ add. ὁ θεὸς, S² add. κύριος] σαβαώθ (2+11 b [2])
— 33. ὁ δεσπότης κ. σαβαὼθ συνταράσσει τοὺς ἐνδόξους (11 a)
11. 9. ἐνεπλήσθη ἡ σύμπασα τοῦ γνῶναι τὸν κ. (11 a)
— 11. προσθήσει ὁ [A S om.] κ. τοῦ δεῖξαι τὴν χεῖρα αὐτοῦ (2)
— 15. ἐρημώσει κ. τὴν θάλασσαν Αἰγύπτου (11 a)
12. 1. εὐλογῶ [A S³ -γήσω] σε, κύριε (11 a)
— 2. S σωτήρ μου κύριος [A B om.] –
— 2. ἡ δόξα μου καὶ ἡ αἴνεσίς μου κ. (10+11 a)
— 4. ὑμνεῖτε κύριον (11 a)
— 5. ὑμνήσατε τὸ ὄνομα κυρίου (24)
13. 4. κ. σαβαὼθ ἐντέταλται ἔθνει ὁπλομάχῳ (11 a)
— 5. κ. καὶ οἱ ὁπλομάχοι αὐτοῦ (11 a)
— 6. ἐγγὺς γὰρ ἡμέρα κυρίου (11 a)
— 9. ἰδοὺ γὰρ ἡμέρα κυρίου ἔρχεται (11 a)
— 13. διὰ θυμὸν ὀργῆς κυρίου σαβαώθ (11 a)
14. 1. ἐλεήσει κ. τὸν Ἰακώβ (11 a)
— 3. ἀναπαύσει σε κ. [A S¹ κ. ὁ θεὸς] ἀπὸ [A S² ἐκ] τῆς ὀδύνης (11 a [18 a])
— 5. συνέτριψε κ. [A S ὁ θεὸς] τὸν ζυγὸν τῶν ἁμαρτωλῶν (11 a)
— 22. λέγει κ. σαβαὼθ . . . τάδε λέγει κ. [S add. σαβ.] (11 a, 11 a)
— 24. τάδε λέγει κ. σαβαώθ (11 a)
— 26. ἣν βεβούλευται κ. –
— 32. κ. ἐθεμελίωσε Σιών (11 a)
16. 13. τοῦτο τὸ ῥῆμα ὃ ἐλάλησε κ. (11 a)
17. 3. τάδε λέγει κ. σαβαώθ (11 a)
— 6. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 a)
— 10. κυρίου τοῦ βοηθοῦ σου οὐκ ἐμνήσθης (13)
18. 4. οὕτως εἶπε κ. μοι (11 a)
— 7. ἀνενεχθήσεται δῶρα κυρίῳ σαβαὼθ . . . εἰς τὸν τόπον οὗ τὸ ὄνομα κυρίου σαβαώθ (11 a, 11 a)
19. 1. κ. κάθηται ἐπὶ νεφέλης κούφης (11 a)
— 4. παραδώσω Αἴγυπτον εἰς χεῖρας ἀνθρώπων κυρίων σκληρῶν . . . τάδε λέγει κ. σαβαώθ (1, 1+11 a)
— 12. τί βεβούλευται κ. σαβαὼθ ἐπ' Αἴγυπτον (11 a)
— 14. κ. γὰρ ἐκέρασεν αὐτοῖς πνεῦμα πλανήσεως (11 a)
Is. 19. 16. ἐν τρόμῳ ἀπὸ προσώπου τῆς χειρὸς κυρίου σαβ. (11 a)
— 17. φοβηθήσονται διὰ τὴν βουλὴν [A add. κυρίου σαβαὼθ] ἣν βεβούλευται κ. ἐπ' αὐτήν [S¹ -ούς] (11 a, †)
— 18. ὀμνύντες [A S³ -ύουσαι] τῷ ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 19. ἔσται θυσιαστήριον τῷ κ. ἐν χώρᾳ Αἰγυπτίων καὶ στήλη πρὸς τὸ ὅριον αὐτῆς τῷ κ. (11 a, 11 a)
— 20. ἔσται εἰς σημεῖον εἰς τὸν αἰῶνα κυρίῳ [S¹ -ος] ἐν χώρᾳ Αἰγύπτου ὅτι κεκράξονται πρὸς κύριον [S¹ om. πρ. κ.] (11 c, 11 a)
— 20. A S ἀποστελεῖ αὐτοῖς κύριος [B om.] ἄνθρωπον –
— 21. γνωστὸς ἔσται κ. τοῖς Αἰγυπτίοις καὶ γνώσονται οἱ Αἰγύπτιοι τὸν κ. . . . καὶ εὔξονται εὐχὰς τῷ κ. (11 a ter)
— 22. πατάξει κ. τοὺς Αἰγυπτίους πληγῇ [A S add. μεγάλῃ] . . . καὶ ἐπιστραφήσονται πρὸς κύριον (11 a, 11 a)
— 25. ἣν [A ᾗ] εὐλόγησε κ. σαβαώθ (11 a)
20. 2. ἐλάλησε κ. πρὸς Ἡσαΐαν (11 a)
— 3. εἶπε κ. (11 a)
21. 6. οὕτως εἶπε πρὸς μὲ κ. (2)
— 8. εἰς τὴν σκοπιάν· κύριος [A S -ίου· καὶ] εἶπεν (2)
— 10. ἃ ἤκουσα παρὰ κυρίου σαβαώθ (11 a)
— 16. οὕτως εἰπέ μοι κ. (2)
— 17. κ. [A S om.] ὁ θεὸς Ἰσραὴλ ἐλάλησε (11 a)
22. 5. πλάνησις [S¹ om., S³ -σεως] παρὰ κυρίου σαβαώθ (2+11 b)
— 12. ἐκάλεσε κ. [A S om.] κ. σαβαὼθ . . . κλαυθμόν (2, 11 b [2+11 b])
— 14. ἀνακεκαλυμμένα ταῦτά ἐστιν ἐν τοῖς ὠσὶ κυρίου σαβαώθ (11 a)
— 14. S² εἶπεν κύριος (2+11 c)
— 15. τάδε λέγει κ. σαβαώθ (2+11 b)
— 17. κ. σαβαὼθ ἐκβάλλει καὶ ἐκτρίψει ἄνδρα (11 a)
— 25. τάδε λέγει κ. σαβαὼθ . . . ὅτι κ. ἐλάλησε (11 a, 11 a)
23. 9. κ. σαβαὼθ ἐβουλεύσατο (11 a)
— 11. κ. σαβαὼθ ἐνετείλατο περὶ Χαναάν (11 a)
— 18. ἔσται αὐτῆς ἡ ἐμπορία . . . ἅγιον κυρίῳ [A S¹ τῷ κ.] (11 a)
— 18. ἀλλὰ τοῖς κατοικοῦσιν ἔναντι κυρίου (11 a)
— 18. εἰς συμβολὴν μνημόσυνον ἔναντι κυρίου [A¹ om. ἔ. κ.] –
24. 1. κ. καταφθείρει τὴν οἰκουμένην (11 a)
— 2. ὁ παῖς ὡς ὁ κ. (1)
— 3. τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (19)
— 5. A ἤλλαξαν τὰ προστάγματα κυρίου [B S om.] –
— 14. εὐφρανθήσονται ἅμα τῇ δόξῃ κυρίου (11 a)
— 15. ἡ δόξα κυρίου ἐν ταῖς νήσοις ἔσται τῆς θαλάσσης, τὸ ὄνομα κυρίου ἔνδοξον ἔσται (11 a, 11 a ?)
— 16 (15). κύριε ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 a)
— 23. A S βασιλεύσει κ. ἐν [B ἐκ] Σιών (11 c)
25. 1. A S κύριε ὁ θεὸς . . . γένοιτο, κύριε [B om.] (11 a, –)
— 6. ποιήσει κ. σαβαὼθ πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν (11 a)
— 8. ἀφεῖλε κ. [A om.] ὁ θεὸς πᾶν δάκρυον . . . τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε (2, 19)
— 9. S ἰδοὺ κ. [A B om.] ὁ θεὸς ἡμῶν (18 b)
— 9. B οὗτος κ. ὑπεμείναμεν αὐτῷ (11 a)
26. 4. ἐπὶ σοὶ ἐλπίδι [A S om.] ἤλπισαν, κύριε (11 a)
— 8. ἡ γὰρ ὁδὸς κυρίου κρίσις (11 a)
— 10. ἵνα μὴ ἴδῃ τὴν δόξαν κυρίου (11 a)
— 11. κύριε, ὑψηλός σου ὁ βραχίων (11 a)
— 12. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (18 a)
— 13. A B² S κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 13. κύριε, ἐκτὸς σοῦ ἄλλον οὐκ οἴδαμεν (1)
— 15. πρόσθες αὐτοῖς κακὰ, κύριε [S¹ -ος] (11 a)
— 16. κύριε, ἐν θλίψει ἐμνήσθην σου (11 a)
— 18 (17). διὰ τὸν φόβον σου, κύριε, ἐν γαστρὶ ἐλάβομεν (11 a)
— 20. ἕως ἂν παρέλθῃ ἡ ὀργὴ κυρίου –
— 21. κ. ἀπὸ τοῦ ἁγίου ἐπάγει τὴν ὀργήν (11 a)
27. 1. ἐπάξει ὁ θεὸς [S¹ κύριος] τὴν μάχαιραν (11 a)
— 4. ἐποίησε κ. [A S³ add. ὁ θεὸς] πάντα ὅσα συνέταξε [S¹ add. κύριος] †, †
— 12. A S συμφράξει [S συνταρ.] κ. [B ὁ θεὸς] ἀπὸ τῆς διώρυγος (11 a)
— 13. προσκυνήσουσι τῷ κ. (11 a)
28. 2. σκληρὸν [S¹ add. παρὰ κυρίου] ὁ θυμὸς κυρίου (2, –)

Is. 28. 5. ἔσται κ. σαβαὼθ ὁ στέφανος τῆς ἐλπίδος (11 *a*)
— 13. τὸ λόγιον κυρίου [A S λ. κ. τοῦ θεοῦ] (11 *a* [18 *a*])
— 14. ἀκούσατε λόγον τοῦ κυρίου (11 *a*)
— 16. οὕτω λέγει κ. κ. [A S *om.*] (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 21. ὥσπερ ὄρος ἀσεβῶν ἀναστήσεται κ. [A *om.*] (11 *a*)
— 22. συντετμημένα πράγματα ἤκουσα παρὰ κυρίου [S[1] τοῦ κ.] σαβαώθ (2+11 *b*)
— 29. ταῦτα παρὰ κυρίου σαβαὼθ ἐξῆλθε (11 *a*)
29. 6. ἔσται ὡς στιγμὴ παραχρῆμα παρὰ κυρίου σαβαώθ (11 *a*)
— 10. πεπότικεν ὑμᾶς κ. πνεύματι κατανύξεως (11 *a*)
— 13. εἶπε κ. (2)
— 15. οὐαὶ οἱ βαθέως βουλὴν ποιοῦντες καὶ οὐ διὰ κυρίου [B[1] *om.* κ. οὐ δ. κ.] (11 *a*)
— 19. ἀγαλλιάσονται πτωχοὶ διὰ κύριον (11 *a*)
— 22. τάδε λέγει κ. ἐπὶ τὸν οἶκον Ἰακώβ (11 *a*)
— 24. S μαθήσονται ὑπακούειν κυρίῳ [A B *om.*] –
30. 1. οὐαὶ τέκνα ἀποστάται [AS *add.* τάδε], λέγει κ. (11 *a*)
— 12. τάδε [AS[3] οὕτως] λέγει [AS *add.* κύριος] ὁ ἅγιος τοῦ Ἰσραήλ –
— 15. οὕτω λέγει κ. κ. [A S *om.*] ὁ ἅγιος τοῦ Ἰσραήλ (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 18. κριτὴς κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (18 *a* ?)
— 20. δώσει κ. ὑμῖν ἄρτον θλίψεως (2)
— 26. ὅταν ἰάσηται κ. τὸ σύντριμμα τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (11 *a*)
— 27. τὸ ὄνομα κυρίου ἔρχεται (11 *a*)
— 29. εἰσελθεῖν μετὰ αὐλοῦ εἰς τὸ ὄρος [A τὸν οἶκον] κυρίου [A S τοῦ κ.] (11 *a*)
— 30. ἀκουστὴν ποιήσει κ. [A S ὁ θεὸς] τὴν δόξαν (11 *a*)
— 31. διὰ γὰρ τῆς φωνῆς [A τὴν φ.] κυρίου (11 *a*)
— 33. ὁ θυμὸς κυρίου ὡς φάραγξ ὑπὸ θείου καιομένη (11 *a*)
31. 1. τὸν κ. οὐκ ἐζήτησαν [A S *al.*] (11 *a*)
— 3. ὁ δὲ κ. ἐπάξει τὴν χεῖρα αὐτοῦ (11 *a*)
— 4. οὕτως εἶπέ μοι κ. . . . οὕτως καταβήσεται κ. σαβαὼθ ἐπιστρατεῦσαι (11 *a*, 11 *a*)
— 5. οὕτως ὑπερασπιεῖ κ. σαβαὼθ [A *om.*] (11 *a*)
— 9. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
32. 6. λαλεῖν πρὸς κύριον πλάνησιν (11 *a*)
33. 2. κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς (11 *a*)
— 6. ἐπιστήμη καὶ εὐσέβεια πρὸς τὸν κ. [S[1] θεόν] (11 *a*)
— 10. νῦν ἀναστήσομαι, λέγει κ. (11 *a*)
— 18. A ἡ ψυχὴ ὑμῶν μελετήσει φόβον κυρίου [B S *om.*] –
— 21. τὸ ὄνομα κυρίου μέγα ὑμῖν [A ἔστιν] (11 *a*)
— 22. οὐ παρελεύσεταί με κ. [A[2] *add.* πατὴρ κ.] κριτὴς ἡμῶν κ. ἄρχων ἡμῶν κ. βασιλεὺς ἡμῶν κ. οὗτος ἡμᾶς σώσει (–, 11 *a ter*, –)
34. 2. θυμὸς κυρίου ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη (11 *a*)
— 6. ἡ μάχαιρα τοῦ [A S *om.*] κ. ἐνεπλήσθη αἵματος . . . θυσία τῷ [A S *om.*] κ. ἐν Βοσόρ (11 *a*, 11 *a*)
— 8. ἡμέρα γὰρ κρίσεως κυρίου (11 *a*)
— 16. κ. αὐτοῖς ἐνετείλατο †
35. 2. ὁ λαός μου ὄψεται τὴν δόξαν κυρίου (11 *a*)
— 10. συνηγμένοι διὰ κύριον (11 *a*)
36. 7. ἐπὶ κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν πεποίθαμεν (11 *a*)
— 8. μίχθητε τῷ κ. μου τῷ βασ. Ἀσσυρίων (1)
— 10. μὴ ἄνευ κυρίου ἀνέβημεν (11 *a*)
— 10. B S κ. εἶπε πρὸς μέ (11 *a*)
— 12. μὴ πρὸς τὸν κ. ὑμῶν ἢ πρὸς ὑμᾶς ἀπέσταλκέ με ὁ κ. μου (1, 1)
37. 1. ἀνέβη εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 4. εἰσακούσαι κ. ὁ θεός σου [A *om.*] τοὺς λόγους Ῥαβσάκου . . . οὓς ἤκουσε κ. ὁ θεός σου καὶ δεηθήσῃ πρὸς κύριόν σου [S[1] τὸν θεόν σου, A S[3] *om.* κ. δ. πρ. κ. σ.] (11 *a*, 11 *a*, –)
— 6. οὕτως ἐρεῖτε πρὸς τὸν κ. ὑμῶν, Τάδε λέγει κ. (1, 11 *a*)
— 14. B S ἀνέβη εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 14. ἤνοιξεν αὐτὸ ἐναντίον κυρίου [S[1] τοῦ κ.] (11 *a*)
— 15. προσηύξατο Ἐζ. πρὸς κύριον [S τὸν κ.] (11 *a*)
— 16. κ. [A S κύριε] σαβαὼθ ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
— 17. B κλίνον κύριε τὸ οὖς σου (11 *a*)
— 17. εἰσάκουσον, κύριε, ἄνοιξον, κύριε, τοὺς ὀφθαλμούς σου [A S *om.* ἄν. κ. τ. ὀ. σ.], εἴσβλεψον, κύριε (–, 11 *a*, –)

Is. 37. 18. R κύριε [A B S *om.*], ἠρήμωσαν . . . τὴν οἰκουμένην ὅλην (11 *a*)
— 20. κύριε [A -ος] ὁ θεὸς ἡμῶν, σῶσον ἡμᾶς (11 *a*)
— 21. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
— 24. δι' ἀγγέλων ὠνείδισας κύριον (2)
— 30. τοῦτο δέ σοι τὸ σημεῖον [S[1] *add.* παρὰ κυρίου] –
— 32. ὁ ζῆλος κυρίου σαβαὼθ ποιήσει ταῦτα (11 *a*)
— 33. οὕτως λέγει κ. ἐπὶ βασιλέα Ἀσσυρίων (11 *a*)
— 34. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 36. ἐξῆλθεν ἄγγελος κυρίου (11 *a*)
38. 1. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 2. προσηύξατο πρὸς κύριον (11 *a*)
— 3. μνήσθητι, κύριε (11 *a*)
— 4. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἡσαΐαν (11 *a*)
— 5. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Δαυίδ (11 *a*)
— 7. τοῦτο δέ σοι τὸ σημεῖον παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 14. τοῦ βλέπειν εἰς τὸ ὕψος τοῦ οὐρανοῦ πρὸς τὸν κ. (11 *a*)
— 16. κύριε, περὶ αὐτῆς γὰρ ἀνηγγέλη σοι (2)
— 20. A S κύριε [B θεὲ] τῆς σωτηρίας μου (11 *a*)
— 22. εἰς τὸν οἶκον [AS[2] *add.* κυρίου] τοῦ θεοῦ (18 *a*)
39. 5. ἄκουσον τὸν λόγον κυρίου σαβαώθ (11 *a*)
— 6. A λέγει κ. –
— 7. εἶπε δὲ ὁ θεός [S[1] κύριος] (11 *a*)
— 8. ἀγαθὸς ὁ λόγος κυρίου (11 *a*)
40. 1. A λέγει κ. [B S ὁ θεός] (6)
— 2. ἐδέξατο ἐκ χειρὸς κυρίου διπλᾶ (11 *a*)
— 3. ἑτοιμάσατε τὴν ὁδὸν κυρίου (11 *a*)
— 5. ὀφθήσεται ἡ δόξα κυρίου . . . ὅτι κ. ἐλάλησε (11 *a*, 11 *a*)
— 10. ἰδοὺ κ. [A S[1] *om.*] κ. μετὰ ἰσχύος ἔρχεται (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 13. τίς ἔγνω νοῦν κυρίου (11 *a*)
— 18. τίνι ὡμοιώσατε κύριον (4 *a*)
41. 17. ἐγὼ κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 20. χεὶρ κυρίου ἐποίησε ταῦτα (11 *a*)
— 21. λέγει κ. ὁ θεός (18 *a*)
42. 5. οὕτω λέγει κ. ὁ θεός (4 *a*)
— 6. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ἐκάλεσά σε ἐν δικαιοσύνῃ (18 *a*)
— 8. ἐγὼ κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 10. ὑμνήσατε τῷ κ. [S[1] θεῷ] ὕμνον καινόν (11 *a*)
— 13. κ. ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων ἐξελεύσεται (18 *a*)
— 21. κ. ὁ θεὸς ἐβουλεύσατο (18 *a*)
43. 1. οὕτως λέγει κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 3. ἐγὼ κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 10. λέγει κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 12. ἐγὼ [A *add.* μάρτυς, λέγει] κ. ὁ θεὸς ἔτι ἀπ' ἀρχῆς (18 *a*, 4 *a*)
— 14. οὕτως λέγει κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 15. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὁ ἅγιος ὑμῶν (18 *a*)
— 16. οὕτως λέγει κ. (11 *a*)
44. 2. οὕτω λέγει κύριος ὁ θεός (18 *a*)
— 14. ASR ἐκ τοῦ δρυμοῦ ὃ ἐφύτευσε κ. [B ὁ κ.] –
— 24. οὕτω λέγει κ. . . . Ἐγὼ κ. ὁ συντελῶν πάντα [A ταῦτα] (11 *a*, 11 *a*)
45. 1. οὕτω λέγει κ. ὁ θεὸς τῷ χριστῷ μου Κύρῳ (18 *a*)
— 3, 5. ἐγὼ κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 6. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς καὶ οὐκ ἔστιν ἔτι (18 *a*)
— 7. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὁ ποιῶν πάντα ταῦτα (18 *a*)
— 8. ἐγώ εἰμι κ. ὁ [S[1] ὁ θεὸς ὁ] κτίσας σε (11 *a* [18 *a*])
— 11. οὕτω λέγει κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 13. εἶπε κ. σαβαώθ (11 *a*)
— 14. οὕτω λέγει κ. σαβαώθ (11 *a*)
— 17. Ἰσραὴλ σώζεται ὑπὸ κυρίου σωτηρίαν αἰώνιον (11 *a*)
— 18. R οὕτως λέγει κ. ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν . . . Ἐγώ εἰμι κ. [A B S *om.*] (11 *a*, 11 *a*)
— 19. ἐγώ εἰμι κ. ὁ [A *om.* κ. ὁ] λαλῶν δικαιοσύνην (11 *a*)
— 24 (23). ὁμεῖται πᾶσα γλῶσσα τὸν θεόν [S[1] κ., AS[3] *al.*] (11 *a* ?)
— 26 (25). ἀπὸ κυρίου δικαιωθήσονται (11 *a*)
47. 4. ὁ ῥυσάμενός σε κ. σαβαώθ (11 *a*)
48. 1. οἱ ὀμνύοντες τῷ ὀνόματι κυρίου θεοῦ Ἰσραήλ (11 *a*)
— 2. κ. σαβαὼθ ὄνομα αὐτῷ (11 *a*)
— 16. κ. [AS *om.*] κ. ἀπέστειλέ με (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 17. A[2] B S οὕτω λέγει κ. ὁ ῥυσάμενός σε (11 *a*)
— 20. ἐρρύσατο κ. τὸν δοῦλον [A λαὸν] αὐ. (11 *a*)
— 22. οὐκ ἔστι χαίρειν, λέγει κ., τοῖς ἀσεβέσιν (11 *a*)
49. 1. στήσεται, λέγει κ. (11 *a*)
— 4. ἡ κρίσις μου παρὰ κυρίῳ [A -ίου] (11 *a*)
— 5. οὕτω λέγει κ. ὁ πλάσας με . . . δοξασθήσομαι ἐναντίον κυρίου (11 *a*, 11 *a*)

Is. 49. 7. οὕτως λέγει κ. ὁ ῥυσάμενός σε . . . προσκυνήσουσιν αὐτῷ ἕνεκεν κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 8. οὕτως λέγει κ. (11 *a*)
— 14. ἐγκατέλιπέ με κ. καὶ ὅτι [A S ὁ] κ. [A[2] θεὸς] ἐπελάθετό μου (11 *a*, 2)
— 15. A B S[2] εἶπε κ. –
— 18. ζῶ ἐγὼ, λέγει κ. (11 *a*)
— 22. B[2] R οὕτως λέγει κ. [A B[1] S *om.*] κ. (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 23. γνώσῃ ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 25. οὕτω λέγει κ. (11 *a*)
— 26. ἐγὼ κ. [A *om.*] ὁ ῥυσάμενός σε (11 *a*)
50. 1. οὕτως λέγει κ. (11 *a*)
— 4. κ. [A S *om.*] κ. δίδωσί μοι γλῶσσαν παιδείας [A σοφίας] (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 5. ἡ παιδεία κυρίου [A S[1] *om.*] κυρίου ἀνοίγει μου τὰ ὦτα (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 7. κ. κ. [A S[3] *om.*] βοηθός μοι [A S μου] ἐγενήθη (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 9. B[2] R ἰδοὺ κ. [A B[1] S *om.*] κ. βοηθήσει μοι (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 10. τίς ἐν ὑμῖν ὁ φοβούμενος τὸν κ. . . . πεποίθατε ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
51. 1. οἱ . . . ζητοῦντες τὸν κ. (11 *a*)
— 3. ὡς παράδεισον κυρίου [S[3] *om.* ως π. κ.] (11 *a*)
— 11. ὑπὸ γὰρ κυρίου ἀποστραφήσονται (11 *a*)
— 15. κ. σαβαὼθ ὄνομά μοι (11 *a*)
— 17. ἡ πιοῦσα ἐκ χειρὸς κυρίου τὸ ποτήριον τοῦ θυμοῦ αὐτοῦ (11 *a*)
— 20. οἱ πλήρεις θυμοῦ κυρίου ἐκλελυμένοι διὰ κυρίου τοῦ θεοῦ (11 *a*, 18 *b*)
— 22. οὕτω λέγει κ. ὁ θεός (1+11 *a*)
52. 3. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 4. B οὕτως λέγει κ. κ. [A S R *om.*] (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 5 *bis.* τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 8. ἡνίκα ἂν ἐλεήσῃ κ. τὴν Σιών (11 *a*)
— 9. ἠλέησε κ. [S[1] *om.*] αὐτήν (11 *a*)
— 10. ἀποκαλύψει κ. τὸν βραχίονα τὸν ἅγιον αὐτοῦ (11 *a*)
— 11. ἀφορίσθητε οἱ φέροντες τὰ σκεύη κυρίου (11 *a*)
— 12. A S προπορεύσεται [A πορ.] πρότερος [S πρὸ προσώπου] ὑμῶν κ. καὶ ὁ ἐπισυνάγων ὑμᾶς κ. ὁ [B *om.* κ. ὁ] θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*, 18 *b*)
53. 1. κύριε, τίς ἐπίστευσε τῇ ἀκοῇ ἡμῶν; καὶ ὁ βραχίων κυρίου τίνι ἀπεκαλύφθη (–, 11 *a*)
— 6. κ. παρέδωκεν αὐτὸν ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν (11 *a*)
— 10. κ. βούλεται καθαρίσαι αὐτόν (11 *a*)
— 10. βούλεται κ. ἀφελεῖν ἀπὸ τοῦ πόνου τῆς ψυχῆς αὐτοῦ (11 *a*)
54. 1. εἶπε γὰρ κ. (11 *a*)
— 5. κ. ὁ ποιῶν σε κ. σαβαὼθ ὄνομα αὐτῷ (8, 11 *a*)
— 6. κέκληκέ σε ὁ [A S *om.*] κ. (11 *a*)
— 8. εἶπεν ὁ ῥυσάμενός σε κ. (11 *a*)
— 11. ἵλεώς σοι, κύριε [AS κύριος ἵλεώς σοι] (11 *a*)
— 17. ἔστι κληρονομία τοῖς θεραπεύουσι κύριον [A -ίῳ] καὶ ὑμεῖς ἔσεσθέ μοι δίκαιοι [S[1] μου ἅγιοι], λέγει κ. (11 *a*, 11 *a*)
55. 5. ἐπὶ σὲ καταφεύξονται ἕνεκεν κυρίου [AS[3] *om.*] τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 6. ζητήσατε τὸν κ. [A S[3] θεόν] (11 *a*)
— 7. ἐπιστραφήτω ἐπὶ κύριον (11 *a*)
— 8. λέγει κ. (11 *a*)
— 13. ἔσται κ. εἰς ὄνομα (11 *a*)
56. 1. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 3. μὴ λεγέτω ὁ ἀλλογενὴς ὁ προσκείμενος πρὸς κύριον [S κυρίῳ], Ἀφορεῖ με ἄρα κ. ἀπὸ τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (11 *a*, 11 *a*)
— 4. τάδε λέγει κ. τοῖς εὐνούχοις (11 *a*)
— 6. τοῖς προσκειμένοις κυρίῳ [A πρὸς κύριον] δουλεύειν αὐτῷ καὶ ἀγαπᾶν τὸ ὄνομα κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 8. εἶπε κ. ὁ συνάγων τοὺς διεσπαρμένους Ἰσραήλ (2+11 *b*)
57. 6. S λέγει κ. –
— 15. A S[3] τάδε λέγει κ. [B S[1] *om.*] ὁ ὕψιστος –
— 15. A S[1] κ. [B S[2] *om.*] ὕψιστος –
— 19. καὶ εἶπε κ. (11 *a*)
— 21. A S εἶπεν κ. [B *om.*] ὁ θεός (18 *b*)
58. 6. λέγει κ. –

Is. 58. 14. ἔσῃ πεποιθὼς ἐπὶ κύριον . . . τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (11 *a*, 11 *a*)
59. 1. μὴ οὐκ ἰσχύει ἡ χεὶρ κυρίου τοῦ σῶσαι (11 *a*)
— 15. εἶδε κ. (11 *a*)
— 19. φοβηθήσονται οἱ ἀπὸ δυσμῶν τὸ ὄνομα κυρίου . . . ἥξει γὰρ ὡς ποταμὸς βίαιος ἡ ὀργὴ παρὰ κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 21. εἶπε κ. (11 *a*)
— 21. εἶπε γὰρ κύριος (11 *a*)
60. 1. ἡ δόξα κυρίου ἐπὶ σὲ ἀνατέταλκεν (11 *a*)
— 2. ἐπὶ δὲ σὲ φανήσεται κ. (11 *a*)
— 6. τὸ σωτήριον κυρίου εὐαγγελιοῦνται [S *add.* σοι] (11 *a*)
— 9. διὰ τὸ ὄνομα κυρίου τὸ ἅγιον (11 *a* + 6)
— 14. A B S κληθήσῃ πόλις κυρίου [R *om.*] Σιών (11 *a*)
— 16. ἐγὼ κ. ὁ σώζων σε (11 *a*)
— 19. ἔσται σοι κ. [S¹ *add.* εἰς] φῶς αἰώνιον (11 *a*)
— 20. ἔσται γάρ σοι κύριος [S¹ *add.* ὁ θεὸς] φῶς αἰώνιον (11 *a* [18 *a*])
— 22. ἐγὼ κ. κατὰ καιρὸν συνάξω αὐτούς (11 *a*)
61. 1. πνεῦμα κυρίου ἐπ' ἐμέ (2 + 11 *b*)
— 2. καλέσαι ἐνιαυτὸν κυρίου δεκτόν (11 *a*)
— 3. φύτευμα κυρίου εἰς δόξαν (11 *a*)
— 6. ὑμεῖς δὲ ἱερεῖς κυρίου κληθήσεσθε (11 *a*)
— 8. ἐγὼ γάρ εἰμι κ. ὁ ἀγαπῶν δικαιοσύνην (11 *a*)
— 9 (10). εὐφροσύνῃ [S -ην, A ἐν εὐ.] εὐφραν θήσονται ἐπὶ κύριον (11 *a*)
— 10. ἀγαλλιάσθω ἡ ψυχή μου ἐπὶ τῷ κ. (6)
— 11. ἀνατελεῖ κ. [A S *om.*] κ. δικαιοσύνην (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
62. 2. ὃ ὁ κ. ὀνομάσει αὐτό (11 *a*)
— 3. ἔσῃ στέφανος κάλλους ἐν χειρὶ κυρίου (11 *a*)
— 3. ἐν χειρὶ θεοῦ [S¹ κυρίου] σου (6)
— 4. B εὐδόκησε κ. ἐν σοί (11 *a*)
— 5. οὕτως εὐφρανθήσεται κ. ἐπὶ σοί (6)
— 6. οὐ σιωπήσονται μιμνησκόμενοι κυρίου (11 *a*)
— 8. ὤμοσε κ. κατὰ τῆς δόξας [B² δεξιᾶς] αὐτοῦ (11 *a*)
— 9. A B S² αἰνέσουσι κύριον (11 *a*)
— 11. κ. ἐποίησεν ἀκουστόν (11 *a*)
— 12. λαὸν ἅγιον λελυτρωμένον ὑπὸ κυρίου· σὺ δὲ κληθήσῃ [S¹ ἀπὸ κ. συνεκλήθη] (11 *a*)
63. 4. S² ἡμέρα γὰρ κυρίου [A B S¹ *om.*] ἀνταποδόσεως ἐπῆλθεν [B ἦλ.] αὐτοῖς –
— 7. τὸν ἔλεον κυρίου ἐμνήσθην (11 *a*)
— 7. τὰς ἀρετὰς κυρίου [B² αὐτοῦ κύριος κυρίου] ἐν πᾶσιν οἷς [A *add.* ὁ κ.] ἡμῖν ἀνταποδίδωσι· κ. κριτὴς ἀγαθός (11 *a*, 11 *a*, –)
— 9. A S¹ αὐτὸς κ. [B S² *om.*] ἔσωσεν αὐτούς –
— 14. κατέβη πνεῦμα παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 15. ἀνέσχου ἡμῶν [S² *add.* κύριε] –
— 16. σὺ, κύριε, πατὴρ ἡμῶν (11 *a*)
— 17. τί ἐπλάνησας ἡμᾶς, κύριε, ἀπὸ τῆς ὁδοῦ σου (11 *a*)
64. 2 (1). A S φανερὸν ἔσται τὸ ὄνομα κυρίου [B σου] †
— 8 (7). νῦν, κύριε, πατὴρ ἡμῶν σύ (11 *a*)
— 12 (11). ἐπὶ πᾶσι τούτοις ἀνέσχου, κύριε (11 *a*)
65. 7. λέγει κ. (11 *a*)
— 8. οὕτως λέγει κ. (11 *a*)
— 8. A S² εὐλογία κυρίου [B S¹ *om.*] ἐστὶν ἐν αὐτῷ –
— 13. τάδε λέγει κ. (2 + 11 *b*)
— 15. καταλείψετε γὰρ τὸ ὄνομα [S² *add.* τοῦ κ.] ὑμῶν εἰς πλησμονὴν τοῖς ἐκλεκτοῖς μου ὑμᾶς δὲ ἀνελεῖ κ. (–, 2 + 11 *b*)
— 25. λέγει κ. (11 *a*)
66. 1. A B S² οὕτως λέγει κ. (11 *a*)
— 2. λέγει κ. (11 *a*)
— 5. ἀκούσατε ῥήματα [A S τὸ ῥῆμα] κυρίου . . . ἵνα τὸ ὄνομα κυρίου δοξασθῇ (11 *a*, 11 *a*)
— 6. φωνὴ κυρίου ἀνταποδιδόντος ἀνταπόδοσιν (11 *a*)
— 9. οὐκ ἐμνήσθης μου, εἶπε κ. (11 *a*)
— 12. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 14. γνωσθήσεται ἡ χεὶρ κυρίου (11 *a*)
— 15. κ. ὡς πῦρ ἥξει (11 *a*)
— 16. ἐν γὰρ τῷ πυρὶ κυρίου κριθήσεται [A καταναλωθ.] πᾶσα ἡ γῆ . . . πολλοὶ τραυματίαι ἔσονται ὑπὸ κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 17. εἶπε κ. (11 *a*)
— 20. ἄξουσι τοὺς ἀδελφοὺς ὑμῶν . . . δῶρον κυρίῳ . . . εἶπε κ. ὡς ἀνενέγκαισαν . . . εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 *a ter*)

Is. 66. 21. εἶπε κ. (11 *a*)
— 22. λέγει [S¹ εἶπεν] κ. (11 *a*)
— 23. εἶπε κ. [S¹ κ. ὁ θεός, A¹ *om.*] (11 *a* [18 *a*])
Je. 1. 4. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς αὐτόν [A μέ] (11 *a*)
— 6. ὦ δέσποτα κύριε (11 *b*)
— 7. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 8. λέγει κ. (11 *a*)
— 9. ἐξέτεινε κ. τὴν χεῖρα αὐτοῦ πρὸς μὲ . . . καὶ εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*, 11 *a*)
— 11. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 12. A B S² εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 13. A B S² ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 14. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 15. λέγει κ. (11 *a*)
— 17. λέγει κ. –
— 19. εἶπε [A λέγει] κ. (11 *a*)
2. 2. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 2. λέγει κ. –
— 3. ἅγιος Ἰσραὴλ τῷ κ. ἀρχὴ γεννημάτων αὐτοῦ . . . φησὶ κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 4. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 5. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 6. ποῦ ἐστι κ. ὁ ἀναγαγὼν ἡμᾶς ἐκ γῆς Αἰγ. (11 *a*)
— 8. οὐκ εἶπαν, Ποῦ ἐστι κ. (11 *a*)
— 9. A B² S² λέγει κ. (11 *a*)
— 12. λέγει κ. (11 *a*)
— 17, 19. λέγει κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 19. λέγει κ. ὁ θεός σου (2)
— 22. λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός σου] (2 + 11 *b* [2])
— 29. λέγει κ. (11 *a*)
— 31. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 31. τάδε λέγει κ. –
— 37. ἀπώσατο κ. τὴν ἐλπίδα σου (11 *a*)
3. 1. λέγει κ. (11 *a*)
— 2. A λέγει κ. –
— 6, 11. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 12 *bis*. λέγει κ. (11 *a*)
— 13. εἰς κύριον τὸν θεόν σου ἠσέβησας (11 *a*)
— 13, 14, 16. λέγει κ. (11 *a*)
— 17. καλέσουσι τὴν Ἱερ. Θρόνος κυρίου (11 *a*)
— 19. γένοιτο, κύριε –
— 20. λέγει κ. (11 *a*)
— 22. σὺ [A *om.*] κ. ὁ θεὸς ἡμῶν εἶ (11 *a*)
— 23. διὰ κυρίου θεοῦ ἡμῶν ἡ σωτηρία τοῦ [A τῷ] Ἰσραήλ (11 *a*)
— 25. οὐχ ὑπηκούσαμεν [A οὐκ ἠκ.] τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
4. 1. λέγει κ. (11 *a*)
— 2. ζῇ κ. (11 *a*)
— 3. B S² τάδε [S¹ οὕτως] λέγει κ. τοῖς ἀνδράσιν Ἰούδα (11 *a*)
— 8. οὐκ ἀπεστράφη ὁ θυμὸς κυρίου ἀφ' ὑμῶν (11 *a*)
— 9. λέγει κ. (11 *a*)
— 10. εἶπα, Ὦ δέσποτα κύριε (11 *b*)
— 17. λέγει κ. (11 *a*)
— 26. A R ἐμπεπυρισμένα πυρὶ [B S *om.*] ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 *a*)
— 27. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
5. 1. λέγει κ. –
— 2. ζῇ κ., λέγουσι (11 *a*)
— 3. κύριε [A καὶ] οἱ ὀφθαλμοί σου εἰς πίστιν (11 *a*)
— 4. οὐκ ἔγνωσαν ὁδὸν κυρίου (11 *a*)
— 5. αὐτοὶ ἐπέγνωσαν ὁδὸν κυρίου (11 *a*)
— 9. λέγει κ. (11 *a*)
— 10. τοῦ κ. εἰσίν (11 *a*)
— 11. B λέγει κ. (11 *a*)
— 12. οἶκος Ἰούδα ἐψεύσατο τῷ κ. αὐτῶν (11 *a*)
— 13. λόγος κυρίου οὐχ ὑπῆρχεν ἐν αὐτοῖς –
— 14. τάδε λέγει κ. παντοκράτωρ (11 *a* + 6)
— 15. λέγει κ. (11 *a*)
— 18. λέγει κ. ὁ θεός σου (18 *a*)
— 19. τίνος ἕνεκεν ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἡμῖν πάντα ταῦτα (11 *a*)
— 22. λέγει κ. (11 *a*)
— 24. φοβηθῶμεν δὴ κύριον τὸν [S τ. κ.] θεὸν ἡμῶν (11 *a*)
— 29. λέγει κ. (11 *a*)
6. 6, 9. τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 10. τὸ ῥῆμα κυρίου ἐγένετο αὐτοῖς εἰς ὀνειδισμόν (11 *a*)
— 12. λέγει κ. (11 *a*)
— 15. εἶπε κ. (11 *a*)
— 16. τάδε λέγει κ. . . . ἐρωτήσατε τρίβους κυρίου (11 *a*, –)
— 21, 22. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 30. ἀπεδοκίμασεν αὐτοὺς κ. (11 *a*)

Je. 7. 2. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *c*)
— 4. ναὸς κυρίου ναὸς κυρίου ἐστίν (11 *a*, 11 *a*)
— 11, 19. λέγει κ. (11 *a*)
— 20. τάδε λέγει κ. (2 + 11 *b*)
— 21. τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 23. S ἀκούσατε τῆς φωνῆς κυρίου [A B μου] †
— 28. ὃ οὐκ ἤκουσε τῆς φωνῆς κυρίου (11 + 6)
— 29. ἀπεδοκίμασε [S *add.* αὐτοὺς] κ. (11 *c*)
— 30, 32 : 8. 1. λέγει κ. (11 *a*)
8. 4. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 7. ὁ δὲ λαός μου ἔγνω τὰ κρίματα κυρίου (11 *a*)
— 8. νόμος κυρίου ἐστὶν μεθ' ἡμῶν (11 *a*)
— 9. τὸν νόμον [A S λόγον] κυρίου ἀπεδοκίμασαν (11 *a*)
— 10 (13). λέγει κ. (11 *a*)
— 19. μὴ κ. οὐκ ἔστιν ἐν Σιών (11 *a*)
9. 3 (2), 6 (5). R φησὶ κύριος (11 *a*)
— 7 (6). τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 9 (8). λέγει κ. (11 *a*)
— 12 (11). ὦ [A S¹ ὁ] λόγος στόματος κυρίου πρὸς αὐτόν (11 *a*)
— 13 (12). εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 15 (14). τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *c*)
— 17 (16). τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 20 (19). A ἀκούσατε δὴ γυναῖκες λόγον κυρίου [B S θεοῦ] (11 *a*)
— 23 (22). τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 24 (23). A² B S ἐγώ εἰμι κ. ὁ ποιῶν ἔλεος (11 *a*)
— 24 (23), 25 (24) (A B S²). λέγει κ. (11 *a*)
10. 1. ἀκούσατε τὸν λόγον κυρίου –
— 1. A ὃν ἐλάλησεν κύριος [B S *om.*] (11 *a*)
— 2. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 12. κ. ὁ ποιήσας τὴν γῆν ἐν τῇ ἰσχύϊ αὐτοῦ –
— 16. κ. ὄνομα αὐτῷ [A -οῦ] (11 *c*)
— 18. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 21. τὸν κ. οὐκ ἐζήτησαν [A S ἐξεζ.] (11 *a*)
— 23. οἶδα, κύριε [S¹ -ον] (11 *a*)
— 24. παίδευσον ἡμᾶς, κύριε (11 *a*)
11. 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
— 5. γένοιτο, κύριε (11 *a*)
— 6, 9. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 11. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 16. ἐλαίαν ὡραίαν . . . ἐκάλεσε [S *add.* σε] κ. τὸ ὄνομά σου (11 *a*)
— 17. κ. ὁ καταφυτεύσας σε (11 *c*)
— 18. κύριε, γνώρισόν μοι (11 *a*)
— 20. κύριε κρίνων δίκαια (11 *c*)
— 21. τάδε λέγει κ. [A *add.* ὁ θεὸς] . . . Οὐ μὴ προφητεύσεις ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a* [18 *a*], 11 *a*)
12. 1. δίκαιος εἶ, κύριε (11 *a*)
— 3. σὺ, κύριε, γινώσκεις με (11 *a*)
— 12. μάχαιρα τοῦ κ. καταφάγεται (11 *a*)
— 13. αἰσχύνθητε [A *add.* αἰσχύνην] . . . ἐναντι κυρίου (11 *a*)
— 14. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 16. ζῇ κ. (11 *a*)
13. 1. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 2. ἐκτησάμην τὸ περίζωμα κατὰ τὸν λόγον κυρίου (11 *a*)
— 3. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 5. καθὼς ἐνετείλατό μοι κ. (11 *a*)
— 6. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 8. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 9, 13. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 14. λέγει κ. (11 *a*)
— 15. κ. ἐλάλησε (11 *a*)
— 16. δότε τῷ κ. θεῷ ὑμῶν δόξαν (11 *a*)
— 17. συνετρίβη τὸ ποίμνιον κυρίου (11 *a*)
— 25. λέγει κ. (11 *a*)
14. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερ. [A ὁ λ. ὁ γενάμενος πρ. Ἱ. παρὰ κ.] (11 *a*)
— 7. κύριε, ποίησον ἡμῖν ἕνεκέν σου (11 *a*)
— 8. ὑπομονὴ Ἰσραὴλ, κύριε –
— 9. σὺ ἐν ἡμῖν εἶ, κύριε (11 *a*)
— 10. οὕτως λέγει [S εἶπεν] κ. τῷ λαῷ τούτῳ (11 *a*)
— 11. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 13. εἶπα, Ὁ ὢν [A *add.* δέσποτα] κύριε (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 14. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 15. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 20. ἔγνωμεν, κύριε, ἁμαρτήματα ἡμῶν (11 *a*)
— 22. ὑπομενοῦμέν σε, κύριε [A S *om.*] (11 *a* + 6)
15. 1. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)

Je. 15. 2. τάδε λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός] (11 *a*)
— 3, 6. λέγει κ. (11 *a*)
— 15. κύριε, μνήσθητί μου (11 *a*)
— 16. κύριε παντοκράτωρ (11 *a* + 6)
— 19. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
16. 1. λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a* + 6)
— 3. τάδε λέγει κ. περὶ τῶν υἱῶν (11 *a*)
— 5. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 9. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *c*)
— 10. διὰ τί ἐλάλησε κ. [S¹ *om.*] ἐφ' ἡμᾶς πάντα τὰ κακὰ ταῦτα . . . ἣν ἡμάρτομεν ἔναντι κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*, 11 *a*)
— 11. λέγει κ. (11 *a*)
— 14. λέγει κ. καὶ οὐκ ἐροῦσιν ἔτι, Ζῇ κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 15. ζῇ κ. ὃς ἀνήγαγε τὸν οἶκον Ἰσραήλ (11 *a*)
— 16. λέγει κ. (11 *a*)
— 19. κύριε, σὺ [A *om.*] ἰσχύς μου (11 *a*)
— 21. γνώσονται ὅτι ὄνομά μοι κ. [S¹ ἐγὼ κ. ὅ. μ. κ., S³ ἐγὼ κ.] (–, 11 *a*)
17. 5. καὶ ἀπὸ κυρίου ἀποστῇ ἡ καρδία αὐτοῦ (11 *a*)
— 7. πέποιθεν ἐπὶ τῷ κ. καὶ ἔσται κ. ἐλπὶς αὐτοῦ (11 *a*, 11 *a*)
— 10. ἐγὼ κ. ἑτάζων καρδίας (11 *a*)
— 13. κύριε, πάντες οἱ καταλιπόντες σε καταισχυνθήτωσαν [S¹ *al.*] . . . ἐγκατέλιπον πηγὴν ζωῆς τὸν κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 14. ἴασαί με, κύριε (11 *a*)
— 15. ποῦ ἐστιν ὁ λόγος κυρίου (11 *a*)
— 19. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 20. ἀκούσατε τὸν [AS *om.*] λόγον κυρίου [B¹ *al.*] (11 *a*)
— 21. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 24. λέγει κύριος (11 *a*)
— 26. φέροντες αἴνεσιν εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
18. 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς Ἱερ. (11 *a*)
— 5. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 13. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 19. εἰσάκουσόν μου, κύριε (11 *a*)
— 23. σὺ, κύριε [A *add.* κύριε], ἔγνως ἅπασαν τὴν βουλὴν αὐτῶν (11 *a*)
19. 1. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. ἀκούσατε τὸν λόγον [A ἀ. λόγους, S τοὺς λ.] κυρίου . . . τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*, 11 *c*)
— 6. λέγει κ. (11 *a*)
— 11. τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 12. λέγει [S εἶπεν] κ. (11 *a*)
— 14. οὗ ἀπέστειλεν αὐτὸν κ. ἐκεῖ τοῦ προφητεῦσαι καὶ ἔστη ἐν τῇ αὐλῇ οἴκου κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 15. τάδε λέγει κ. (11 *c* + 6)
20. 1. οὗτος ἦν καθεσταμένος ἡγούμενος οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 2. ὃς ἦν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 3. οὐχὶ Πασχὼρ ἐκάλεσε κ. τὸ ὄνομά σου (11 *a*)
— 4. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 7. ἠπάτησάς με, κύριε (11 *a*)
— 8. ἐγενήθη λόγος κυρίου εἰς ὀνειδισμὸν ἐμοί (11 *a*)
— 9. οὐ μὴ ὀνομάσω τὸ ὄνομα κυρίου –
— 11. ὁ δὲ κ. μετ' ἐμοῦ καθὼς μαχητὴς ἰσχύων [A -υρός] (11 *a*)
— 12. κύριε δοκιμάζων δίκαια (11 *c*)
— 13. ᾄσατε τῷ κ. (11 *a*)
— 16. ἃς κατέστρεψε κ. ἐν θυμῷ (11 *a*)
21. 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (11 *a*)
— 2. ἐπερώτησον περὶ ἡμῶν τὸν κ. . . . εἰ ποιήσει κ. κατὰ πάντα τὰ θαυμάσια αὐτοῦ (11 *a*, 11 *a*)
— 4. τάδε λέγει κ. (11 *a* + 6)
— 7. οὕτως λέγει κ. (11 *a*)
— 8. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 11. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 12 : 22. 1. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
22. 2. ἄκουε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 5. λέγει κ. (11 *a*)
— 6. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 8. διὰ τί ἐποίησε κ. οὕτως τῇ πόλει ταύτῃ (11 *a*)
— 9. ἐγκατέλιπον τὴν διαθήκην κυρίου θεοῦ αὐτῶν (11 *a*)
— 11. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 16. λέγει κ. (11 *a*)
— 18. τάδε λέγει κ. . . . οἴμοι κύριε [A *om.* οἴ. κ.] (11 *a*, 1)

Je. 22. 24. λέγει κ. (11 *a*)
— 29. ἄκουε λόγον κυρίου (11 *a*)
23. 2. τάδε λέγει κ. (11 *a* + 6)
— 4, 5. λέγει κ. (11 *a*)
— 6. ὃ καλέσει αὐτὸν κ. (11 *a*)
— 9. ὡς ἄνθρωπος συνεχόμενος ἀπὸ οἴνου ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 *a*)
— 12. A φησὶν κ. (11 *a*)
— 15. τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 16. A B οὕτως λέγει κ. παντοκράτωρ (11 *a*)
— 16. καὶ οὐκ ἀπὸ στόματος κυρίου (11 *a*)
— 17. λέγουσι τοῖς ἀπωθουμένοις τὸν λόγον κυρίου (11 *a*)
— 18. τίς [A *om.*] ἔστη ἐν ὑποστήματι κυρίου (11 *a*)
— 19. ἰδοὺ σεισμὸς παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 20. οὐκέτι ἀποστρέψει ὁ θυμὸς κυρίου (11 *a*)
— 23 (A B² S), 24, 28, 29 (A S R). λέγει κ. (11 *a*)
— 30. A S R λέγει κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 33. τί τὸ λῆμμα κυρίου . . . λέγει κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 34. λῆμμα κυρίου (11 *a*)
— 35. τί ἀπεκρίθη κ. (11 *a*)
— 35. B S καὶ τί ἐλάλησε κ. (11 *a*)
— 36. λῆμμα κυρίου μὴ ὀνομάζετε ἔτι [AS *om.*] (11 *a*)
— 36. τὸ λῆμμα [A *add.* κυρίου] τῷ ἀνθρώπῳ ἔσται ὁ λόγος αὐ. [S³ κυρίου] –, †
— 37. διὰ τί ἐλάλησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (18 *a*)
— 38. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς ἡμῶν [AS *om.*] . . . λῆμμα κυρίου . . . οὐκ ἐρεῖτε, Λῆμμα κυρίου (18 *a*, 11 *a*, 11 *a*)
— 7. λέγει κ. καὶ οὐκ ἐροῦσιν ἔτι, Ζῇ κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 8. ζῇ κ. ὃς συνήγαγεν ἅπαν τὸ σπέρμα Ἰσ. (11 *a*)
24. 1. ἔδειξέ μοι κ. δύο καλάθους σύκων κειμένους κατὰ πρόσωπον ναοῦ κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 3. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 4. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 5. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
— 7. ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 8. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
25. 8. τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 12. A φησὶν κ. (11 *a*)
— 14 (49. 35). τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 18 (49. 39) : 26 (46). 5. λέγει κ. (11 *a*)
26 (46). 10. ἡ ἡμέρα ἐκείνη κυρίῳ τῷ θεῷ ἡμῶν ἡμέρα ἐκδικήσεως . . . καὶ καταφάγεται ἡ μάχαιρα κυρίου . . . θυσία τῷ κ. [A *add.* σαβαὼθ] ἀπὸ γῆς βορρᾶ (2, –, 2 + 11 *c* [11 *a*])
— 13. ἃ ἐλάλησε κ. ἐν χειρὶ Ἱερεμίου (11 *a*)
— 15. κ. [A ὁ κ.] παρέλυσεν αὐτόν (11 *a*)
— 18. λέγει κ. ὁ θεός (11 *c* ?)
— 23. λέγει κ. [S ὁ θεός, A *add.* ὁ θεός] (11 *a* [18 *a*])
— 28. λέγει κ. (11 *a*)
27 (50). 1. λόγος κυρίου [A *om.*] ὃν ἐλάλησεν [A *add.* κ.] (–, 11 *a*)
— 4. πορεύσονται τὸν κ. [S κ. τ.] θεὸν αὐτῶν ζητοῦντες (11 *a*)
— 5. καταφεύξονται πρὸς κύριον τὸν [AS *om.*] θεόν (18 *a*)
— 7. ἥμαρτον τῷ κ. (11 *a*)
— 13. ἔρημος ἀπὸ ὀργῆς κυρίου οὐ κατοικηθήσεται (11 *a*)
— 18. τάδε λέγει κ. (11 *c* + 6)
— 20. A φησὶν κ. (11 *a*)
— 20. λέγει κ. –
— 21. λέγει κ. (11 *a*)
— 24. τῷ κ. ἀντέστης (11 *a*)
— 25. ἤνοιξε κ. τὸν θησαυρὸν αὐτοῦ . . . ὅτι ἔργον τῷ [S¹ *om.*] κ. θεῷ [A *om.*] (11 *a*, 2 [2 + 11 *c*])
— 28. τὴν ἐκδίκησιν παρὰ κ. θεοῦ ἡμῶν [A αὐτῶν] (11 *a*)
— 29. πρὸς κύριον [AS τὸν κ.] ἀντέστη (11 *a*)
— 30. εἶπε κ. (11 *a*)
— 31. λέγει κ. (2 + 11 *c*)
— 33. τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 34. κ. παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (11 *a*)
— 40. εἶπε κ. (11 *a*)
— 45. ἀκούσατε τὴν βουλὴν κυρίου (11 *a*)
28 (51). 1. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 5. A οὐκ ἐχήρευσεν . . . ἀπὸ κ. [B S *om.*] θεοῦ αὐ. [B S *add.* ἀπὸ] κυρίου παντ. (18 *b*, 11 *a*)
— 6. καιρὸς ἐκδικήσεως αὐτῆς ἐστι παρὰ κυρίου (11 *a*)

Je. 28. 7. ποτήριον χρυσοῦν Βαβυλὼν ἐν χειρὶ κυρίου [S θεοῦ] (11 *a*)
— 10. ἐξήνεγκε κ. τὸ κρίμα αὐτοῦ . . . ἀναγγείλωμεν ἐν [A εἰς] Σιὼν τὰ ἔργα κ. τοῦ [AS *om.*] θεοῦ ἡμῶν (11 *a*, 11 *a*)
— 11. ἤγειρε κ. τὸ πνεῦμα βασιλέως Μήδων . . . ἐκδίκησις κυρίου ἐστίν (11 *a*, 11 *a*)
— 12. A B S² ποιήσει κ. ἃ ἐλάλησεν (11 *a*)
— 14. ὤμοσε κ. κατὰ τοῦ βραχίονος αὐτοῦ (11 *c*)
— 15. R κ. [A B S *om.*] ποιῶν γῆν –
— 19. κ. ὄνομα αὐτῷ (11 *c*)
— 24, 26. λέγει κ. (11 *a*)
— 27. S¹ λέγει κύριος –
— 29. ἐξανέστη ἐπὶ Βαβυλῶνα λογισμὸς κυρίου (11 *a*)
— 33. τάδε λέγει κ. (11 *c* + 6)
— 36. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 39. λέγει κ. (11 *a*)
— 50. οἱ μακρόθεν μνήσθητε τοῦ κ. (11 *a*)
— 51. εἰσῆλθον ἀλλογενεῖς . . . εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 52. λέγει [S τάδε λ.] κ. (11 *a*)
— 53. λέγει κύριος (11 *a*)
— 55. ἐξωλέθρευσε κ. τὴν Βαβυλῶνα (11 *a*)
— 56. A B S² κύριος ἀνταποδίδωσι (11 *a*)
— 57. κ. παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (11 *a*)
— 58. τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 59. ὃν ἐνετείλατο κ. [S¹ ὁ κ.] Ἱερεμίᾳ –
— 62. ἐρεῖς, Κύριε κύριε [S *om.*] (11 *a*, –)
29 (47). 1. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 4. ἐξολεθρεύσει κ. τοὺς [A τὰς] καταλοίπους τῶν νήσων (11 *a*)
— 6. ἕως τίνος κόψεις, ἡ μάχαιρα τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 7. κ. [S¹ ὁ κ.] ἐνετείλατο αὐτῇ ἐπὶ τὴν Ἀσκ. (11 *a*)
29 (49). 7. τῇ Ἰδουμαίᾳ τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 12. τάδε εἶπε [A λέγει] κ. (11 *a*)
— 13. λέγει κ. (11 *a*)
— 14. ἀκοὴν ἤκουσα παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 18. εἶπε κ. παντοκράτωρ (11 *a*)
— 20. ἀκούσατε βουλὴν κυρίου (11 *a*)
30 (49). 1. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 2. φησὶ κ. (11 *a*)
— 5. εἶπε κ. (2 + 11 *c*)
— 6 (49. 28). οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 10 (49. 32). εἶπε κ. (11 *a*)
— 15 (49. 26). φησὶ κ. (11 *c*)
31 (48). 1. οὕτως εἶπε κ. (11 *c* + 6)
— 8. καθὼς εἶπε κ. (11 *a*)
— 10. ἐπικατάρατος ὁ ποιῶν τὰ ἔργα κυρίου ἀμελῶς (11 *a*)
— 12. φησὶ κ. (11 *a*)
— 26. ἐπὶ κύριον ἐμεγαλύνθη (11 *a*)
— 35, 38. φησὶ κ. (11 *a*)
— 40. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 42. ἐπὶ τὸν [S *om.*] κ. ἐμεγαλύνθη (11 *a*)
32 (25). 15. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
— 17. ἔλαβον τὸ ποτήριον ἐκ χειρὸς κυρίου (11 *a*)
— 17. πρὸς ἃ ἀπέστειλέ με κ. (11 *a*)
— 27. οὕτως εἶπε κ. παντοκράτωρ (11 *a* + 6)
— 28. οὕτως εἶπε κ. (11 *c*)
— 30. κ. ἀφ' [S ἐφ'] ὑψηλοῦ χρηματιεῖ (11 *a*)
— 31. κρίσις τῷ κ. ἐν τοῖς ἔθνεσι . . . λέγει κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 32. οὕτως εἶπε κ. (11 *c*)
— 33. ἔσονται τραυματίαι ὑπὸ κυρίου ἐν ἡμέρᾳ κυρίου (11 *a*, †)
— 36. ὠλέθρευσε κ. τὰ βοσκήματα αὐτῶν (11 *a*)
33 (26). 1. ἐγενήθη ὁ λόγος οὗτος παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 2. οὕτως εἶπε κ., Στῆθι ἐν αὐλῇ οἴκου κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 2. πᾶσι τοῖς ἐρχομένοις προσκυνεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 4. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 7. τοῦ Ἱερ. λαλοῦντος . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 8. ἃ συνέταξεν αὐτῷ κ. λαλῆσαι (11 *a*)
— 9. ἐπροφήτευσας [S *add.* ἐπὶ] τῷ ὀνόματι κυρίου . . . ἐξεκκλησιάσθη πᾶς ὁ λαὸς ἐπὶ Ἱερ. ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 10. ἀνέβησαν ἐξ οἴκου τοῦ βασιλέως εἰς οἶκον κυρίου καὶ ἐκάθισαν ἐν προθύροις πύλης [A *add.* κυρίου] τῆς καινῆς (11 *a*, 11 *a*)
— 12. κ. ἀπέστειλέ με προφητεῦσαι (11 *a*)
— 13. ἀκούσατε τῆς φωνῆς κυρίου [S⁵ κ. τοῦ θεοῦ] καὶ παύσεται κ. ἀπὸ τῶν κακῶν (11 *a* + 6 [11 *a*], 11 *a*)

Je. 33 (26). 15. ἀπέσταλκέ με κ. πρὸς ὑμᾶς λαλῆσαι (11 *a*)
— 16. ἐπὶ τῷ ὀνόματι κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν ἐλάλησε πρὸς ἡμᾶς (11 *a*)
— 18. οὕτως εἶπε κ. (11 *c*)
— 19. οὐχ ὅτι ἐφοβήθησαν τὸν κ. καὶ ὅτι ἐδεήθησαν τοῦ προσώπου κυρίου [A αὐτοῦ] καὶ ἐπαύσατο κ. ἀπὸ τῶν κακῶν (11 *a ter*)
— 20. προφητεύων [A *add.* ἐπὶ] τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
34 (27). 2. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 4. συντάξεις αὐτοῖς πρὸς τοὺς κ. αὐτῶν εἰπεῖν, Οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ, Οὕτως ἐρεῖτε πρὸς τοὺς κ. [A *é.* τοῖς κ.] ὑμῶν (1, 11 *c*, 1)
— 8. εἶπε κ. (11 *a*)
— 15. φησὶ κ. (11 *a*)
— 16. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 16. σκεύη οἴκου κυρίου ἐπιστρέψει ἐκ Βαβ. (11 *a*)
— 18. εἰ ἔστι λόγος [S¹ νόμος] κυρίου ἐν αὐτοῖς ἀπαντησάτωσάν μοι (11 *a*)
— 19. ὅτι οὕτως εἶπε κ. (11 *c*)
— 22. λέγει κ. [S κ. ὁ θεός] (11 *a* [18 *a*])
35 (28). 1. εἶπέ μοι Ἀνανίας . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 2. οὕτως εἶπε κ. (11 *c* + 6)
— 3. ἀποστρέψω . . . τὰ σκεύη οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 5. κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν ἱερέων τῶν ἑστηκότων ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 6. A ἀληθῶς οὕτω ποιήσαι κ. στήσαι κύριος [BS *om.*] τὸν λόγον σου . . . τοῦ ἐπιστρέψαι τὰ σκεύη οἴκου κυρίου (11 *a ter*)
— 7. ἀκούσατε τὸν λόγον κυρίου –
— 9. ὃν ἀπέστειλεν αὐτοῖς κ. [A¹ *om.*] ἐν πίστει (11 *a*)
— 11. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 12. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (11 *a*)
— 13. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 14. οὕτως εἶπε κ. (11 *c* + 6)
— 15. οὐκ ἀπέσταλκέ σε κ. (11 *a*)
— 16. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
36 (29). 4. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *c*)
— 7. προσεύξεσθε περὶ αὐτῶν πρὸς κύριον (11 *a*)
— 8. οὕτως εἶπε κύριος (11 *c* + 6)
— 10. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 15. κατέστησεν ἡμῖν κ. προφήτας (11 *a*)
— 21. οὕτως εἶπε κ. ἐπὶ Ἀχιάβ (11 *c* + 6)
— 22. ποιήσαι σε κ. ὡς Σεδεκίαν ἐποίησε (11 *a*)
— 23. φησὶ κ. (11 *a*)
— 26. κ. ἔδωκέ σε ἱερέα ἀντὶ Ἰωδαὲ τοῦ ἱερέως γενέσθαι ἐπιστάτην ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 30. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (11 *a*)
— 31, 32. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
37 (30). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερεμίαν παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 2. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
— 3. φησὶ κ. . . . εἶπε κ. [A S *add.* παντοκράτωρ] (11 *a*, 11 *a*)
— 4. οὗτοι οἱ λόγοι οὓς ἐλάλησε κ. (11 *a*)
— 5. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 8. εἶπε κ. (11 *c*)
— 9. ἐργῶνται τῷ κ. θεῷ αὐτῶν (11 *a*)
— 12. οὕτως εἶπε [A λέγει] κ. (11 *a*)
— 17. φησὶ κ. (11 *a*)
— 18. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 21. φησὶ κ. (11 *a*)
— 23. ὀργὴ κυρίου ἐξῆλθε θυμώδης (11 *a*)
— 24. οὐ μὴ ἀποστραφῇ ὀργὴ θυμοῦ [S¹ *om.*] κυρίου (11 *a*)
38 (31). 1. εἶπε κ. (11 *a*)
— 2. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 3. κ. πόρρωθεν ὤφθη [AS ὀφθήσεται] αὐτῷ (11 *a*)
— 6. ἀνάβητε εἰς Σιὼν πρὸς κύριον τὸν θεὸν [A Σ. ἐν ὄρεσιν κυρίου θεοῦ] ἡμῶν (11 *a*)
— 7. οὕτως εἶπε κ. τῷ Ἰακώβ (11 *a*)
— 7. ἔσωσε κ. τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 *a*)
— 10. ἀκούσατε λόγους κυρίου (11 *a*)
— 11. ἐλυτρώσατο κ. τὸν Ἰακώβ (11 *a*)
— 12. ἥξουσιν ἐπ' ἀγαθὰ κυρίου (11 *a*)
— 15, 16. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 18. σὺ κ. ὁ θεός μου (11 *a*)
— 20. φησὶ κ. (11 *a*)
— 22. ἔκτισε κ. σωτηρίαν (11 *a*)
— 23. οὕτως εἶπε κ. . . . εὐλογημένος κ. ἐπὶ δίκαιον ὄρος (11 *c* + 6, 11 *a*)
Je. 38 (31). 27, 28. φησὶ κ. (11 *a*)
— 31. φησὶ [A S λέγει] κ. (11 *a*)
— 32, 33. φησὶ κ. (11 *a*)
— 34. γνῶθι τὸν κ. (11 *a*)
— 37 *bis.* φησὶ κ. (11 *a*)
— 35. οὕτως εἶπε κ. . . . κ. παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (11 *a*, 11 *a*)
— 36. φησὶ κ. (11 *a*)
— 36. A φησὶν κύριος –
— 38. φησὶ κ. (11 *a*)
— 38. οἰκοδομηθήσεται πόλις τῷ κ. [S¹ λαῷ] (11 *a*)
— 40. ἁγίασμα τῷ [S *om.*] κ. (11 *a*)
39 (32). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς Ἱερ. (11 *a*)
— 3. A B S² οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 6. λόγος κυρίου ἐγενήθη [A ἐγένετο λ. κ.] πρὸς Ἱερεμίαν (11 *a*)
— 8. ἔγνων ὅτι λόγος κυρίου ἐστί (11 *a*)
— 14. οὕτως εἶπε κ. παντοκράτωρ (11 *a*)
— 15. οὕτως εἶπε κ. (11 *c*)
— 16. προσευξάμην πρὸς κύριον (11 *a*)
— 17. ὁ ὢν κύριε [A *add.* κύριε], σὺ ἐποίησας τὸν οὐρανόν (2, 11 *b*)
— 18. S κ. μεγάλης βουλῆς (11 *c*)
— 19. κ. [AB ὁ θεὸς ὁ μέγας ὁ] παντοκράτωρ . . . καὶ μεγαλώνυμος κ. [S¹ *om.*, S³-є] –, –
— 26. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 27. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς πάσης σαρκός (11 *a*)
— 28. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ [S *om.* ὁ θ. Ἰ.] (18 *a* [11 *a*])
— 36. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
— 42. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
40 (33). 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (11 *a*)
— 2. οὕτως εἶπε κ. . . . κ. ὄνομα αὐτῷ (11 *a*, 11 *a*)
— 4. οὕτως εἶπε κ. [A S *add.* ὁ θεὸς Ἰσραήλ] (11 *a* + 6 [11 *a*])
— 10. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 11. ἐξομολογεῖσθε κυρίῳ [S τῷ κ.] παντοκράτορι ὅτι χρηστὸς κ. . . . εἰσοίσουσι δῶρα εἰς οἶκον κυρίου . . . εἶπε κ. (11 *a ter*)
— 12. οὕτως εἶπε κ. τῶν δυνάμεων [A¹ *om.* τ. δ.] (11 *a* [11 *c*])
— 13. εἶπε κ. (11 *a*)
41 (34). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερ. παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 2 *bis.* οὕτως εἶπε κ. (11 *a* + 6)
— 4. ἄκουσον τὸν λόγον κυρίου . . . οὕτως λέγει κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 5. R οὐαὶ [A B² ὦ] κύριε (11)
— 5. εἶπε κ. (11 *a*)
— 8. ὁ λόγος ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερ. παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 12. ἐγενήθη λόγος κυρίου [S¹ *om.*] πρὸς Ἱερεμίαν (11 *a*)
— 13. οὕτως εἶπε κ. [A *add.* ὁ θεὸς Ἰσραήλ] (11 *a* + 6 [11 *a*])
— 17. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 22. φησὶ κ. (11 *a*)
42 (35). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερ. παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 2. ἄξεις αὐτοὺς εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 4. εἰσήγαγον αὐτοὺς εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 12. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 13. οὕτως λέγει κ. (11 *c* + 6)
— 17. οὕτως εἶπε κ. (11 *a* + 11 *d* + 6)
— 18. B S οὕτως εἶπε κ. (11 *c* + 6)
43 (36). 1. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 4. ἔγραψεν . . . πάντας τοὺς λόγους κυρίου (11 *a*)
— 5. οὐ μὴ δύνωμαι εἰσελθεῖν εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 6. ἀναγνώσῃ . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 7. ἴσως πεσεῖται ἔλεος αὐτῶν κατὰ πρόσωπον κυρίου . . . μέγας ὁ θυμὸς καὶ ἡ ὀργὴ κυρίου (11 *a*, –)
— 7. A ἣν ἐλάλησεν κύριος [B S *om.*] (11 *a*)
— 8. τοῦ ἀναγνῶναι ἐν τῷ βιβλίῳ λόγους κυρίου ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 9. ἐξεκκλησίασαν νηστείαν κατὰ πρόσωπον κυρίου (11 *a*)
— 10. ἀνεγίνωσκε Βαρουχ . . . ἐν οἴκῳ κυρίου . . . ἐν προθύροις πύλης τοῦ [A *om.* π. τ.] οἴκου κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
11. ἤκουσε Μιχαίας . . . ἅπαντας τοὺς λόγους κυρίου (11 *a*)
— 13. S¹ ἀναγινώσκοντος Βαρουχ εἰς τὰ ὦτα κυρίου τοῦ θεοῦ [A B S² ὦ. τοῦ λαοῦ] †
Je. 43 (36). 27. A B S² ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (11 *a*)
— 29. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 30. οὕτως εἶπε κ. ἐπὶ Ἰωακίμ (11 *a*)
44 (37). 2. οὐκ ἤκουσαν . . . τοὺς λόγους κυρίου (11 *a*)
— 3. πρόσευξαι δὴ περὶ ἡμῶν πρὸς κύριον (11 *a* + 6)
— 6. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (11 *a*)
— 7. οὕτως εἶπε κ. (11 *a* + 6)
— 9. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 17. εἰ ἔστιν ὁ [A S *om.*] λόγος παρὰ [A S¹ *om.*] κυρίου [S¹ θεοῦ] (11 *a*)
— 20. κύριε [A *add.* μου] βασιλεῦ, πεσέτω τὸ ἔλεός μου (1)
45 (38). 2, 3. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 14. εἰς οἰκίαν ἀσελειαὴλ τὴν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 16. ζῇ κ. (11 *a*)
— 17. οὕτως εἶπε κ. (11 *a* + 11 *d* + 6)
— 20. ἄκουσον τὸν [A *om.*] λόγον κυρίου (11 *a*)
— 21. οὗτος ὁ λόγος ὃν ἔδειξέ μοι κ. (11 *a*)
— 27. οὐκ ἠκούσθη λόγος κυρίου –
46 (39). 15. πρὸς Ἱερεμίαν ἐγένετο λόγος κυρίου (11 *a*)
— 16. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *c*)
— 18. φησὶ κ. (11 *a*)
47 (40). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς Ἱερ. (11 *a*)
— 2. κ. ὁ θεός σου ἐλάλησε τὰ κακὰ ταῦτα (11 *a*)
— 3. ἐποίησε κ. (11 *a*)
48 (41). 5. τοῦ εἰσενεγκεῖν εἰς οἶκον [S ἐν τῷ οἴκῳ] κυρίου (11 *a*)
49 (42). 2. πρόσευξαι πρὸς κύριον τὸν θεόν σου (11 *a*)
— 3. ἀναγγειλάτω ἡμῖν κ. ὁ θεός σου τὴν ὁδόν (11 *a*)
— 4. προσεύξομαι πρὸς κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν . . . ὃν ἂν ἀποκριθήσεται κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 5. ἔστω κ. ἐν [A *om.*] ἡμῖν εἰς μάρτυρα (11 *a*)
— 5. ὃν ἐὰν ἀποστείλῃ κ. πρὸς ἡμᾶς (11 *a* + 6)
— 6. τὴν φωνὴν κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν . . . ἀκουσόμεθα (11 *a*)
— 6. ἀκουσόμεθα τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 7. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (11 *a*)
— 9. οὕτως εἶπε κ. (11 *a* + 6)
— 11. φησὶ κ. (11 *a*)
— 13. πρὸς τὸ μὴ ἀκοῦσαι φωνῆς κυρίου (11 *a* + 6)
— 15. ἀκούσατε λόγον [S -ους] κυρίου (11 *a*)
— 15 (A B S²), 18. οὕτως εἶπε κ. (11 *c* + 6)
— 19. ἃ ἐλάλησε κ. [S¹ *om.*] ἐφ' ὑμᾶς (11 *a*)
— 20. πρόσευξαι περὶ ἡμῶν πρὸς κύριον (11 *a* + 6)
— 20. ἃ ἐὰν λαλήσει σοι κύριος (11 *a* + 6)
— 21. οὐκ ἠκούσατε [A εἰσηκ.] τῆς φωνῆς κυρίου (11 *a* + 6)
50 (43). 1. ἐπαύσατο Ἱερ. λέγων . . . πάντας τοὺς λόγους κυρίου [A *add.* θεοῦ αὐ.] οὓς ἀπέστειλεν αὐτὸν κ. [A *add.* ὁ θεὸς αὐ.] πρὸς αὐτούς (11 *a* + 6 [11 *a*], 11 *a* + 6 [11 *a*])
— 2. οὐκ ἀπέστειλέ σε κ. πρὸς ἡμᾶς (11 *a* + 6)
— 4. οὐκ ἤκουσεν . . . πᾶς ὁ λαὸς τῆς φωνῆς κυρίου [S τοῦ κ.] (11 *a*)
— 7. οὐκ ἤκουσαν τῆς φωνῆς κυρίου (11 *a*)
— 8. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερ. (11 *a*)
— 10. οὕτως εἶπε κ. (11 *c* + 6)
51 (44). 2. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *c*)
— 7. οὕτως εἶπε κ. παντοκράτωρ (11 *a* + 11 *d* + 6)
— 11. οὕτως εἶπε κ. (11 *c* + 6)
— 16. ὃν ἐλάλησας πρὸς ἡμᾶς [S *add.* ἐν] τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
— 21. οὐχὶ τοῦ θυμιάματος . . . ἐμνήσθη κ. (11 *a*)
— 22. οὐκ ἠδύνατο κ. ἔτι φέρειν (11 *a*)
— 23. ὧν ἡμάρτετε τῷ κ. καὶ οὐκ ἠκούσατε τῆς φωνῆς κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 24. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 25. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *c*)
— 26. ἀκούσατε λόγον κυρίου . . . εἶπε [A λέγει] κ. . . . ζῇ κ. [A S *add.* κύριος] ἐπὶ πάσῃ γῇ Αἰγ. (11 *a*, 11 *a*, 2 + 11 *b* [2, 11 *b*])
— 30. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 32 (45. 2). οὕτως εἶπε κ. ἐπὶ σοί (11 *a* + 6)
— 33 (45. 3). προσέθηκε κ. κόπον ἐπίπονόν μοι (11 *a*)
— 34 (45. 4). οὕτως εἶπε κ. [S *al.*] (11 *a*)
— 35 (45. 5). λέγει κ. (11 *a*)
52. 13. ἐνέπρησε τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 17. τοὺς στύλους τοὺς χαλκοῦς τοὺς ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 17. B S τὴν θάλασσαν τὴν χαλκῆν τὴν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)

Je. 52. 20. ἃ ἐποίησεν ὁ βασιλεὺς Σαλωμὼν εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
Ba. 1. 5. ηὔχοντο ἐναντίον [A εὐχὰς ἔναντι] κυρίου
— 8. ἐν τῷ λαβεῖν αὐτὸν τὰ σκεύη οἴκου κυρίου
— 10. ἀνοίσατε ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν
— 12. δώσει κ. ἰσχὺν ἡμῖν
— 13. προσεύξασθε περὶ ἡμῶν πρὸς κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν ὅτι ἡμάρτομεν τῷ [A *om.*] κ. θεῷ ἡμῶν καὶ οὐκ ἀπέστρεψεν ὁ θυμὸς κυρίου
— 14. ἐξαγορεῦσαι ἐν οἴκῳ κυρίου ἐν ἡμέρᾳ [A -αις] ἑορτῆς
— 15. τῷ κ. θεῷ ἡμῶν ἡ δικαιοσύνη
— 17. ὧν ἡμάρτομεν ἔναντι κυρίου
— 18. οὐκ ἠκούσαμεν τῆς φωνῆς κυρίου θεοῦ ἡμῶν πορεύεσθαι [A *add.* ἐν] τοῖς προστάγμασι κυρίου
— 19. ἧς ἐξήγαγε κ. τοὺς πατέρας ἡμῶν . . . ἤμεθα ἀπειθοῦντες πρὸς κύριον θεὸν ἡμῶν
— 20. ἣν συνέταξε κ. τῷ Μωυσῇ παιδὶ αὐτοῦ
— 21. οὐκ ἠκούσαμεν τῆς φωνῆς κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν
— 22. ποιῆσαι τὰ κακὰ κατ' ὀφθαλμοὺς κυρίου θεοῦ ἡμῶν
2. 1. ἔστησε κ. τὸν λόγον αὐτοῦ
— 4. οὗ διέσπειρεν αὐτοὺς κ. ἐκεῖ
— 5. ἡμάρτομεν κυρίῳ [A τῷ κ.] θεῷ ἡμῶν
— 6. τῷ κ. θεῷ ἡμῶν ἡ δικαιοσύνη
— 7. ἃ ἐλάλησε κ. ἐφ' ἡμᾶς
— 8. οὐκ ἐδεήθημεν τοῦ προσώπου κυρίου
— 9. ἐγρηγόρησε κ. ἐπὶ τοῖς κακοῖς καὶ ἐπήγαγε κ. ἐφ' ἡμᾶς ὅτι δίκαιος ὁ [A *om.*] κ. ἐπὶ πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ
— 10. πορεύεσθαι τοῖς προστάγμασι κυρίου
— 11. κύριε ὁ θεὸς Ἰσραήλ
— 12. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν
— 14. εἰσάκουσον, κύριε, τῆς προσευχῆς ἡμῶν
— 15. σὺ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν
— 16. A R κύριε, κάτιδε ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ ἁγίου σου . . . κλῖνον, κύριε [B -ος], τὸ οὖς σου
— 17. A ἄνοιξον, κύριε, [B *om.*] ὀφθαλμούς σου
— 17. δώσουσι δόξαν καὶ δικαίωμα τῷ κ.
— 18. δώσουσί σοι δόξαν καὶ δικαιοσύνην, κύριε
— 19. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν
— 21. οὕτως εἶπε κ.
— 22. ἐὰν μὴ ἀκούσητε τῆς φωνῆς κυρίου
— 27. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν
— 31. γνώσονται ὅτι ἐγὼ κ. ὁ θεὸς αὐτῶν
— 33. μνησθήσονται τῆς ὁδοῦ πατέρων αὐτῶν τῶν ἁμαρτόντων ἔναντι κυρίου
3. 1. κύριε παντοκράτωρ ὁ θεὸς Ἰσραήλ
— 2. ἄκουσον, κύριε
— 4. κύριε παντοκράτωρ ὁ θεὸς Ἰσραήλ
— 6. σὺ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν, καὶ αἰνέσομέν σε, κύριε
— 8. οἱ ἀπέστησαν ἀπὸ κυρίου θεοῦ ἡμῶν
La. 1. 5. κ. ἐταπείνωσεν αὐτήν (11 *a*)
— 9. ἴδε, κύριε, τὴν ταπείνωσίν μου (11 *a*)
— 11. ἴδε, κύριε [A *om.*], καὶ ἐπίβλεψον (11 *a*)
— 12. φθεγξάμενος ἐν ἐμοὶ ἐταπείνωσέ με κ. (11 *a*)
— 13. A ἔδωκέ με κ. [B S *om.*] ἠφανισμένην –
— 14. ἔδωκε κ. ἐν χερσί μου ὀδύνας (2)
— 15. ἐξῆρε πάντας τοὺς ἰσχυρούς μου ὁ [S *om.*] κ. ἐκ μέσου μου . . . ληνὸν ἐπάτησε κ. παρθένῳ θυγατρὶ Ἰούδα (2, 2)
— 17. ἐνετείλατο κ. τῷ Ἰακώβ (11 *a*)
— 18. δίκαιός ἐστι κ. (11 *a*)
— 20. ἴδε, κύριε, ὅτι θλίβομαι (11 *a*)
2. 1. πῶς ἐγνόφωσεν ἐν ὀργῇ αὐτοῦ κ. [A *om.*] τὴν θυγατέρα Σιών (2)
— 2. ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς αὐτοῦ κατεπόντισε κ. (2)
— 5. ἐγενήθη κ. ὡς ἐχθρός (2)
— 6. ἐπελάθετο κ. ἃ ἐποίησεν (11 *a*)
— 7. A R ἀπώσατο κ. θυσιαστήριον αὐτοῦ . . . φωνὴν ἔδωκαν ἐν οἴκῳ κυρίου [B S *om.*] (2, 11 *a*)
— 8. A ἀπέστρεψε κ. [B S *om.*] τοῦ διαφθεῖραι τεῖχος (11 *a*)
— 8. A οὐκ ἐπέστρεψε κύριος [B S *om.*] χεῖρα –
— 9. οὐκ εἶδον ὅρασιν παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 17. ἐποίησε κ. ἃ ἐνεθυμήθη (11 *a*)
— 18. ἐβόησε καρδία αὐτῶν πρὸς κύριον (2)
— 19. ἔκχεον ὡς ὕδωρ καρδίαν σου ἀπέναντι προσώπου κυρίου (2)
— 20. ἴδε, κύριε . . . ἀποκτενεῖς ἐν ἁγιάσματι κυρίου ἱερέα καὶ προφήτην (11 *a*, 2)
— 22. ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς κυρίου (11 *a*)
La. 3. 18. ἡ ἐλπίς μου ἀπὸ κυρίου (11 *a*)
— 22. R τὰ ἐλέη κυρίου ὅτι οὐκ ἐξέλιπέ με (11 *a*)
— 22. R μῆνας εἰς τὰς πρωΐας ἐλέησον, κύριε –
— 24. R μερίς μου κ. (11 *a*)
— 25. ἀγαθὸς κ. τοῖς ὑπομένουσιν αὐτόν (11 *a*)
— 26. ἡσυχάσει εἰς τὸ σωτήριον κυρίου (11 *a*)
— 31. οὐκ εἰς τὸν αἰῶνα ἀπώσεται κ. (2)
— 36. κ. οὐκ εἶπε (2)
— 37. A κύριος [B τίς] οὕτως εἶπε †
— 37. κ. οὐκ ἐνετείλατο (2)
— 40. ἐπιστρέψωμεν ἕως κυρίου (11 *a*)
— 50. καὶ ἴδῃ κ. ἐξ οὐρανοῦ (11 *a*)
— 55. B ἐπεκαλεσάμην τὸ ὄνομά σου, κύριε (11 *a*)
— 58. ἐδίκασας, κύριε, τὰς δίκας [A ἀδικίας] τῆς ψυχῆς μου (2)
— 59. ἴδες, κύριε, τὰς ταραχάς μου (11 *a*)
— 64. ἀποδώσεις αὐτοῖς ἀνταπόδομα, κύριε (11 *a*)
— 66. ἐξαναλώσεις αὐτοὺς ὑποκάτω τοῦ οὐρανοῦ, κύριε (11 *a*)
4. 11. συνετέλεσε κ. θυμὸν αὐτοῦ (11 *a*)
— 16. πρόσωπον κυρίου μερὶς αὐτῶν (11 *a*)
— 20. χριστὸς κ. συνελήφθη (11 *a*)
— 21. ἐπὶ σὲ διελεύσεται τὸ ποτήριον κυρίου –
5. 1. μνήσθητι, κύριε (11 *a*)
— 19. σὺ δέ, κύριε, εἰς τὸν αἰῶνα κατοικήσεις (11 *a*)
— 21. ἐπίστρεψον ἡμᾶς, κύριε, πρὸς σέ (11 *a*)
Ez. 1. 3. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἰεζεκιὴλ . . . ἐγένετο [A *add.* ἐκεῖ] ἐπ' ἐμὲ χεὶρ κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
2. 1 (1. 28). B αὕτη ἡ ὅρασις ὁμοιώματος [A² -μα τῆς] δόξης κυρίου (11 *a*)
— 4: 3. 11. A τάδε λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
3. 12. εὐλογημένη ἡ δόξα κυρίου ἐκ τοῦ τόπου αὐτοῦ (11 *a*)
— 14. A τὸ πνεῦμα κυρίου [B *om.*] ἐξῆρέ με –
— 14. χεὶρ κυρίου ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ κραταιά (11 *a*)
— 16. A² B ἐγένετο μετὰ τὰς ἑπτὰ ἡμέρας λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 22. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χεὶρ κυρίου (11 *a*)
— 23. R ἰδοὺ ἐκεῖ δόξα κυρίου εἱστήκει . . . καθὼς ἡ δόξα κυρίου [A B *om.*] ἣν ἴδον (11 *a*, –)
— 27. A τάδε λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
4. 13. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς τοῦ Ἰσραήλ (18 *a*?)
— 14. μηδαμῶς, κύριε [A *add.* κύριε] θεὲ Ἰσραήλ (2 [2, 18 *e*])
— 15, 16. A εἶπεν κ. [B *om.*] πρὸς μέ –
5. 5, 7, 8. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 11. λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 13. ἐγὼ κ. λελάληκα ἐν ζήλῳ μου (11 *a*)
— 15, 17. ἐγὼ κ. λελάληκα (11 *a*)
6. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. ἀκούσατε λόγον [A *add.* Ἀδωναΐ] κυρίου· τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*], 2 + 11 *b* [11 *b*])
— 7. ἐπιγνώσεσθε ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 10. ἐπιγνώσονται διότι ἐγὼ κ. [A *add.* οὐκ εἰς δωρεὰν] λελάληκα (11 *a*)
— 11. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 13. γνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 14, 15, 17. ἐγὼ κ. λελάληκα (11 *a*)
7. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 2. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 9. B ἐπιγνώσῃ διότι ἐγώ εἰμι κ. ὁ τύπτων (11 *a*)
— 4. ἐπιγνώσῃ διότι [A γν. ὅτι] ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 5. τάδε λέγει κ. (2 + 11 *b*)
— 10. ἰδοὺ ἡ [A *om.*] ἡμέρα κυρίου [A *om.*] –
— 19. A ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς κυρίου (11 *a*)
— 27. γνώσονται ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
8. 1. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χεὶρ [A *add.* Ἀδωναΐ] κυρίου (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 4. ἐκεῖ ἦν δόξα κυρίου θεοῦ Ἰσραήλ (18 *b*)
— 12. οὐχ ὁρᾷ ὁ κ., ἐγκαταλέλοιπεν κ. [A ἐ. κ., οὐκ ἑόρᾳ ὁ κ.] τὴν γῆν (11 *a*, 11 *a*)
— 14. ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῆς πύλης οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 16. εἰς τὴν αὐλὴν οἴκου κυρίου τὴν ἐσωτέραν καὶ ἐπὶ τῶν προθύρων τοῦ ναοῦ κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 16. τὰ ὀπίσθια αὐτῶν [A *add.* δεδωκότες] πρὸς τὸν ναὸν τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
9. 4. A εἶπε κύριος [B *al.*] πρὸς αὐτόν (11 *a*)
Ez. 9. 8. οἴμοι [A οἴμμοι Ἀδωναΐ] κύριε (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 9. ἐγκαταλέλοιπεν κ. τὴν γῆν (11 *a*)
— 9. οὐκ ἐφορᾷ ὁ κ. [A *al.*] (11 *a*)
10. 4. ἀπῆρεν ἡ δόξα κυρίου ἀπὸ τῶν χερουβὶμ . . . ἡ αὐλὴ ἐπλήσθη τοῦ φέγγους τῆς δόξης κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 18. ἐξῆλθε δόξα κυρίου ἀπὸ [A *add.* τοῦ αἰθρίου] τοῦ οἴκου (11 *a*)
— 19. τὰ πρόθυρα τῆς πύλης οἴκου κυρίου τῆς ἀπέναντι καὶ δόξα [A *add.* κυρίου] θεοῦ Ἰσραὴλ ἦν ἐπ' αὐτῶν ὑπεράνω (11 *a*, 18 *b*)
11. 1. ἤγαγέ με ἐπὶ τὴν πύλην τοῦ οἴκου κυρίου τὴν κατέναντι (11 *a*)
— 2. εἶπε κ. πρὸς μέ –
— 5. A R ἔπεσεν ἐπ' ἐμὲ πνεῦμα κυρίου [B *om.*] καὶ εἶπε πρὸς μέ, Λέγε, Τάδε λέγει κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 7. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 8. λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 10. ἐπιγνώσεσθε ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 12. A ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 13. οἴμοι οἴμοι [A *add.* Ἀδωναΐ] κύριε (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 14. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 15. μακρὰν ἀπέχετε ἀπὸ τοῦ κ. (11 *a*)
— 16, 17. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 20. A λέγει κ. –
— 21. λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 23. ἀνέβη ἡ δόξα κυρίου ἐκ μέσης τῆς πόλεως (11 *a*)
— 25. ἐλάλησα . . . πάντας τοὺς λόγους τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 25. A οὗς ἔδειξέ μοι κ. [B *om.*] –
12. 1, 8. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 10. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 15. γνώσονται διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 16. γνώσονται ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 19. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 20. ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 21. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 23. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 25. ἐγὼ κύριος λαλήσω τοὺς λόγους μου (11 *a*)
— 25. λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 26. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 28. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 28. A B² S λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
13. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 2. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 5. οὐκ ἀνέστησαν οἱ λέγοντες, Ἐν ἡμέρᾳ κυρίου (11 *a*)
— 6. λέγει [A² τάδε λ.] κ. καὶ [A *add.* ὁ] κ. οὐκ ἀπέσταλκεν αὐτούς (11 *a*, 11 *a*)
— 7. A φησὶν κ. (11 *a*)
— 8. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. . . . λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*], 2 + 11 *b* [11 *b*])
— 9. γνώσονται διότι ἐγὼ κ. [A εἰμι Ἀδωναΐ κ.] (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 13. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 14. ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 16. λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 18. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 20. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 21. ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 23. γνώσεσθε [A ἐπιγν.] ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
14. 2. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 4. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 4. ἐγὼ κ. ἀποκριθήσομαι αὐτῷ (11 *a*)
— 6. τάδε λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 7. ἐγὼ κ. ἀποκριθήσομαι αὐτῷ (11 *a*)
— 8. ἐπιγνώσεσθε ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 9. ἐγὼ κ. πεπλάνηκα τὸν προφήτην ἐκεῖνον (11 *a*)
— 11. λέγει [A² *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 12. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)

Ez. 14. 14, 16, 18, 20. λέγει [A² *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 21. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 23. λέγει [A² *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
15. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 6. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 7. ἐπιγνώσονται ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 8. λέγει κ. (2+11 *b*)
16. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. τῇ Ἱερουσαλήμ (2+11 *b*)
— 8, 14. λέγει [A² *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 19, 23, 30. λέγει κ. (2+11 *b*)
— 35. ἄκουε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 36. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 43, 48. λέγει κ. (2+11 *b*)
— 58. λέγει κ. (11 *a*)
— 59. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 62. ἐπιγνώσῃ ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 63. λέγει κ. (2+11 *b*)
17. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3, 9. τάδε λέγει κ. (2+11 *b*)
— 11. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 16. λέγει κ. (2+11 *b*)
— 19. τάδε λέγει κ. (2+11 *b*)
— 21. ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. λελάληκα (11 *a*)
— 22. τάδε λέγει κ. (2+11 *b*)
— 24. ἐγὼ κ. ὁ ταπεινῶν ξύλον ὑψηλὸν . . . ἐγὼ κ. λελάληκα (11 *a*, 11 *a*)
18. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3, 9. λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 23. A λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 25. οὐ κατευθύνει [A κατορθοῖ] ἡ ὁδὸς κυρίου (2)
— 29. οὐ κατορθοῖ ἡ ὁδὸς κυρίου (2)
— 30. λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 31. A λέγει κ. –
— 32. λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
20. 1. ἦλθον ἄνδρες . . . ἐπερωτῆσαι τὸν κ. (11 *a*)
— 2. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. (2+11 *b*)
— 3. λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 5. τάδε λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός] . . . ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (2+11 *b* [2], 11 *a*)
— 7. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 12. ἐγὼ κ. ὁ ἁγιάζων αὐτούς (11 *a*)
— 19, 20. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 26. A ἵνα γνῶσιν ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 27. τάδε λέγει [A² *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 30. τάδε λέγει κ. [A *add.* κ. ὁ θεός] (2+11 *b* [2, 18 *e*])
— 31. λέγει κ. (2+11 *b*)
— 33. B² λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 36. λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός] (2+11 *b* [2])
— 38. ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. κ. [A ὁ θεός] (11 *a*, –)
— 39. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 40. B λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 40. A λέγει κ. κ. –
— 42. ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 44. ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. . . . λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (11 *a*, 2+11 *b* [11 *b*])
— 45 (21. 1). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 47 (21. 3). ἄκουε λόγον κυρίου· τάδε λέγει κ. κ. [A ὁ θεὸς Ἰσραήλ] (11 *a*, 2, 11 *b*)
— 48 (21. 4). ἐγὼ κ. ἐξέκανσα αὐτό (11 *a*)
— 49 (21. 5.). μηδαμῶς, κύριε κύριε (2, 11 *b*)
21. 1 (6). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3 (8). B¹B τάδε λέγει κ. [A *add.* ὁ θεὸς, B² *add.* κύριος] (11 *a* [18 *a*])
— 5 (10). ἐγὼ κ. ἐξέσπασα τὸ ἐγχειρίδιόν μου (11 *a*)
— 7 (12). λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός, B¹ *add.* κύριος] (2+11 *b* [2, 11 *b*])
— 8 (13). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 9 (14). τάδε λέγει [A² *add.* 'Αδωναΐ] κ. (11 *a*)
— 13 (18). λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 17 (22). ἐγὼ κ. λελάληκα (11 *a*)
— 18 (23). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 24 (29). λέγει κ. [A *add.* κ. ὁ θεός] (2+11 *b* [2, 18 *e*])
— 26 (31). τάδε λέγει κ. [A *add.* κ. ὁ θεός] (2+11 *b* [2, 18 *e*])
— 28 (33). τάδε λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός] (2+11 *b* [2])

Ez. 21. 32 (37). ἐγὼ κ. λελάληκα (11 *a*)
22. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [2, 18 *e*])
— 12. A λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 14. ἐγὼ κ. λελάληκα (11 *a*)
— 16. γνώσεσθε [A γνώσῃ] διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 19. B τάδε λέγει κ. κ. [B *om.*, A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [2+11 *b*, 2+18 *e*])
— 22. ἐγὼ κ. ἐξέχεα τὸν θυμόν μου ἐφ' ὑμᾶς (11 *a*)
— 23. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 28. τάδε λέγει κ. καὶ κ. οὐκ ἐλάλησε (2+11 *b*, 11 *a*)
— 31. λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
23. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 22. τάδε λέγει κ. [A *add.* κ. ὁ θεὸς ἐπὶ σέ] (2+11 *b* [2, 18 *e*])
— 28. τάδε λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 32. τάδε λέγει κ. [A 'Αδωναΐ κ. κ. ὁ θεός] (2+11 *b* [2, 18 *e*])
— 34. λέγει κ. [A *add.* κ. ὁ θεός] (2+11 *b* [2, 18 *e*])
— 35. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 36. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 46. τάδε λέγει κ. [A 'Αδωναΐ] κ. (2, 11 *b*)
— 49. γνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. (2+11 *b*)
24. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3, 6, 9. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 14. ἐγὼ κ. λελάληκα . . . λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (11 *a*, 2+11 *b* [11 *b*])
— 15. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 20. λόγος κυρίου ἐγένετο πρὸς μὲ λέγων [A² τάδε λέγει 'Αδωναΐ κ.] (11 *a*)
— 21. τάδε λέγει κ. [A *add.* κ. ὁ θεός] (2+11 *b* [2, 18 *e*])
— 24. ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. (2+11 *b*)
— 27. ἐπιγνώσονται διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
25. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. ἀκούσατε λόγον κυρίου· τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b*, 2+11 *b* [11 *b*])
— 5. ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 6. τάδε λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός] (2+11 *b* [2])
— 7. ἐπιγνώσῃ διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 8. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 11. ἐπιγνώσονται διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 12, 13. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 14. λέγει κ. [A² *om.*] (2+11 *b*)
— 15, 16. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 17. ἐπιγνώσονται διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
26. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 5. A λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b*)
— 6. γνώσονται ὅτι ἐγὼ [A *add.* εἰμι] κ. (11 *a*)
— 7. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 14. ἐγὼ κ. [A *om.*] ἐλάλησα, λέγει κ. (11 *a*, 2+11 *b*)
— 15. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. κ. [A *add.* ἐπὶ σὲ] τῇ Σόρ (2, 11 *b*)
— 19. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 21. λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
27. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. τῇ [A 'Αδ. κ. ἐπὶ] Σ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 36. A λέγει κ. ὁ θεός –
28. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 2. τάδε λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός] (2+11 *b* [2])
— 6. τάδε λέγει κ. [A *add.* κ. ὁ θεός] (2+11 *b* [2, 18 *e*])
— 10. λέγει κ. [A² *om.*] (2+11 *b*)
— 11. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 12. τάδε λέγει κ. κ. [A *om.*] (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 20. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 22. τάδε λέγει κ. . . . γνώσῃ ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (2+11 *b*, 11 *a*)
— 23. γνώσονται διότι ἐγὼ εἰμι κ. (11 *a*)
— 24. γνώσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. [A *add.* ὁ θεός] (2+11 *b* [2])
— 25. τάδε λέγει κ. κ. [A ὁ θεός] (2, 11 *b*)
— 26. γνώσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς αὐτῶν (11 *a*)
29. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός] (2+11 *b* [2])
— 6. ἐγὼ εἰμι κ. (11 *a*)

Ez. 29. 8. τάδε λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός] (2+11 *b* [2])
— 9. γνώσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 *a*)
— 13. A τάδε λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 16. γνώσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. [A *add.* ὁ θεός] (2+11 *b* [2])
— 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 19, 20. τάδε λέγει κ. [A 'Αδωναΐ] κ. (2, 11 *b*)
— 21. γνώσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 *a*)
30. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 2. τάδε λέγει κ. (2+11 *b*)
— 3. ἐγγὺς ἡμέρα τοῦ κ. (11 *a*)
— 6. λέγει κ. (2+11 *b*)
— 8. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 10. τάδε λέγει κ. [A 'Αδωναΐ] κ. (2, 11 *b*)
— 12. ἐγὼ κ. λελάληκα (11 *a*)
— 13. τάδε λέγει κ. [A 'Αδωναΐ] κ. (2, 11 *b*)
— 19. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 20. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 22. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 25. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 26. γνώσονται πάντες ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
31. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 10. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 15. τάδε λέγει κ. [A 'Αδωναΐ] κ. (2, 11 *b*)
— 18. λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
32. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 8. λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 11. τάδε λέγει κ. [A 'Αδωναΐ, B¹ *om.*] κ. (2, 11 *b*)
— 14. λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 15. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 16. λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 31. λέγει κ. κ. [A ὁ θεός] (2, 11 *b*)
— 32. λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
33. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 11. τάδε λέγει [A² *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 17. οὐκ εὐθεῖα ἡ ὁδὸς τοῦ κ. (2)
— 20. οὐκ εὐθεῖα ἡ ὁδὸς κυρίου (2)
— 20. A λέγει κ. –
— 22. ἐγενήθη ἐπ' ἐμὲ χεὶρ κυρίου (11 *a*)
— 23. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 25. A οὕτως εἶπεν 'Αδωναΐ κ. (11 *b*)
— 27. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 29. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 30. ἀκούσωμεν τὰ ἐκπορευόμενα παρὰ κυρίου (11 *a*)
34. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 2. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 7. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 8. λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 9. A ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 10. τάδε λέγει κ. [A 'Αδωναΐ] κ. (2, 11 *b*)
— 11. τάδε λέγει κ. κ. [B¹ *om.*, A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 15. A² B γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. –
— 15, 17. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 20. τάδε λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 24. ἐγὼ κ. ἔσομαι αὐτοῖς εἰς θεὸν . . . ἐγὼ κ. ἐλάλησα (11 *a*, 11 *a*)
— 27. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 30. γνώσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς αὐτῶν . . . λέγει κ. κ. [B¹ *om.*] (11 *a*, 2, 11 *b*)
— 31. ἐγὼ κ. [B² *add.* κύριος] ὁ θεὸς ὑμῶν, λέγει κ. κ. (18 *b* [–, 18 *b*], 2, 11 *b*)
35. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. κ. [A *om.*] (2, 11 *b*)
— 4. γνώσῃ ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 *a*)
— 6. λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 9. γνώσῃ ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 *a*)
— 10. κ. [A ὁ κ.] ἐκεῖ ἐστι (11 *a*)
— 11. λέγει κ. [A *add.* κ.] (2+11 *b* [2, 11 *b*])
— 12. γνώσῃ ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 *a*)
— 13. A φησὶν κ. –
— 14. τάδε λέγει κ. (2+11 *b*)
— 15. γνώσῃ ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς αὐτῶν (18 *a*)
36. 1. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 2. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 3. τάδε λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 4. ἀκούσατε λόγον κυρίου· τάδε λέγει κ. (2+11 *b*, 2+11 *b*)
— 5. τάδε λέγει κ. κ. [A *om.*] (2, 11 *b*)
— 6. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 11. γνώσεσθε ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)

Ez. 36. 13. τάδε λέγει κ. [A 'Αδωναΐ] κ. (2, 11 *b*)
— 14. λέγει κ. [A 'Αδωναΐ] κ. (2, 11 *b*)
— 15. λέγει κ. κ. [A ὁ θεός] (2, 11 *b*)
— 16. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 20. λαὸς κυρίου οὗτοι (11 *a*)
— 22. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 23. γνώσονται τὰ ἔθνη ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 23. A λέγει 'Αδωναΐ κ. (11 *b*)
— 32. λέγει κ. [B² 'Αδωναΐ] κ. [A ὁ θεός] (2, 11 *b*)
— 32. A λέγει κύριος –
— 33. τάδε λέγει 'Αδωναΐ κ. [A λ. κ. ὁ θεός] (11 *b* [2])
— 36. ἐγὼ [A ἐ. εἰμι] κύριος ᾠκοδόμησα (11 *a*)
— 36. ἐγὼ κ. [A *add.* κ.] ἐλάλησα (11 *a*, –)
— 37. τάδε λέγει 'Αδωναΐ κ. [A λ. κ. κ. ὁ θεός] (11 *b* [2, 18 *e*])
— 38. γνώσονται ὅτι ἐγὼ [A *add.* εἰμι] κ. (11 *a*)
37. 1. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χεὶρ κυρίου καὶ ἐξήγαγέ με ἐν πνεύματι κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 3. A B κύριε κύριε [B *om.*], σὺ ἐπίστῃ αὐτά (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 4. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 5. A τάδε λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 6. γνώσεσθε ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 7. A ἐνετείλατό μοι κ. [B *om.*] –
— 9. A τάδε λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 11. ἐλάλησε κ. πρὸς μέ –
— 12. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 13. γνώσεσθε ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 14. γνώσεσθε ὅτι ἐγὼ κ. . . . λέγει κ. [A *add.* κ.] (11 *a*, 11 *a*, –)
— 15. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 19. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 21. τάδε λέγει κ. κ. [A λ. 'Αδωναΐ κ. ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 23. ἐγὼ κ. ἔσομαι αὐτοῖς εἰς θεόν –
— 28. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ ἁγιάζων αὐτούς (11 *a*)
— 28. A λέγει κύριος –
38. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. [A 'Αδωναΐ] κ. (2, 11 *b*)
— 10. τάδε λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 14. τάδε λέγει κ. [A *add.* κ. ὁ θεός] (2 + 11 *b* [2, 18 *e*])
— 17. τάδε λέγει κ. κ. [A λ. 'Αδωναΐ κ. ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 18. λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 20. σεισθήσονται ἀπὸ προσώπου κυρίου [A τοῦ κ.] οἱ ἰχθύες †
— 21. A λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 23. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
39. 1. A τάδε λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 5. A λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 6. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 7. ἐγώ εἰμι κ. [A *add.* κ. ὁ] ἅγιος ἐν [A *om.*] Ἰσραήλ (11 *a*)
— 8. λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 10, 13. λέγει κ. (2 + 11 *b*)
— 17. τάδε λέγει κ. (2 + 11 *b*)
— 20. A λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 22. ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς αὐτῶν (11 *a*)
— 25. τάδε λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 28. ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς αὐτῶν (11 *a*)
— 29. λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
40. 1. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χεὶρ κυρίου (11 *a*)
— 46. οἱ ἐγγίζοντες ἐκ τοῦ Λευὶ πρὸς κύριον (11 *a*)
41. 22. αὕτη ἡ τράπεζα ἡ πρὸ προσώπου [A τρ. κατὰ πρόσωπον] κυρίου [B³ *om.*] (11 *a*)
42. 13. οἱ ἱερεῖς υἱοὶ Σαδδουκ οἱ ἐγγίζοντες πρὸς κύριον (11 *a*)
43. 2. A ὡς φέγγος ἀπὸ τῆς δόξης κυρίου [B *om.*] κυκλόθεν †
— 4. δόξα κυρίου εἰσῆλθεν (11 *a*)
— 5. πλήρης δόξης κυρίου ὁ οἶκος (11 *a*)
— 18. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (2)
— 19. λέγει κ. ὁ θεός [A *add.* τοῦ Λευΐ] (2)
— 24. προσοίσετε ἐναντίον κυρίου . . . ἀνοίσουσιν αὐτὰ ὁλοκαυτώματα τῷ κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 27. λέγει κ. (2 + 11 *b*)
44. 2. εἶπε κ. πρὸς μὲ . . . κ. ὁ θεὸς τοῦ Ἰσραὴλ εἰσελεύσεται δι' αὐτῆς (11 *a*, 11 *a*)
— 3. τοῦ φαγεῖν ἄρτον ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 4. πλήρης δόξης ὁ οἶκος τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 5. εἶπε κ. πρὸς μὲ . . . κατὰ πάντα τὰ προστάγματα οἴκου κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 6, 9. τάδε λέγει κ. ὁ θεός (2)

Ez. 44. 11. A λειτουργοῦντες τῷ οἴκῳ κυρίου [B *om.*] –
— 12, 15, 27. λέγει κ. ὁ θεός (2)
45. 1. ἀφορεῖτε ἀπαρχὴν τῷ κ. (11 *a*)
— 4. τοῖς ἐγγίζουσι [A *add.* ἐν αὐτοῖς] λειτουργεῖν τῷ κ. (11 *a*)
— 9. τάδε λέγει κ. θεὸς . . . λέγει κ. θεός (2, 2)
— 15. λέγει κ. θεός (2)
— 18. τάδε λέγει κ. θεός (2)
— 23. ποιήσει [A -εις] ὁλοκαυτώματα τῷ κ. (11 *a*)
46. 1. τάδε λέγει κ. θεός (2)
— 3. προσκυνήσει ὁ λαὸς . . . ἐναντίον κυρίου [A τοῦ κ.] (11 *a*)
— 4. τὰ ὁλοκαυτώματα προσοίσει ὁ ἀφηγούμενος τῷ κ. (11 *a*)
— 9. ὅταν εἰσπορεύηται . . . ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 12. ὁλοκαύτωμα σωτηρίου τῷ κ. (11 *a*)
— 13. εἰς [A *om.*] ὁλοκαύτωμα καθ' ἡμέραν τῷ κ. (11 *a*)
— 14. τοῦ ἀναμίξαι τὴν σεμίδαλιν μαναὰ τῷ κ. (11 *a*)
— 16. τάδε λέγει κ. θεός [A λ. 'Αδωναΐ κ.] (2 [11 *b*])
47. 13. τάδε λέγει κ. θεός (2)
— 23. λέγει κ. θεός (2)
48. 9. ἣν ἀφοριοῦσι τῷ κ. (11 *a*)
— 14. ἅγιόν ἐστι τῷ κ. (11 *a*)
— 29. λέγει κ. θεός (2)
— 35. A κ. ἐκεῖ [B *om.* κ. ἐ.] ἔσται τὸ ὄνομα αὐτῆς (11 *a*)

Da. LXX. Su. 2. καλὴ σφόδρα καὶ φοβουμένη τὸν κ.
— 23. ἡ ἁμαρτεῖν ἐνώπιον κυρίου
— 35. ἡ δὲ καρδία αὐτῆς ἐπεποίθει ἐπὶ κ. τῷ θεῷ αὐτῆς
— 35. κύριε ὁ θεὸς ὁ αἰώνιος
— 35. εἰσήκουσε κύριος τῆς δεήσεως αὐτῆς
— 42. καὶ ἰδοὺ ἄγγελος κυρίου
— 53. τοῦ κ. λέγοντος, 'Αθῷον . . . οὐκ ἀποκτενεῖς
— 55. ὁ γὰρ ἄγγελος κυρίου σχίσει σου τὴν ψυχήν
— 59. ὁ ἄγγελος κυρίου τὴν ῥομφαίαν ἔστηκεν ἔχων
— 62. ὁ ἄγγελος κυρίου ἔρριψε πῦρ
1. 2. παρέδωκεν αὐτὴν κύριος εἰς χεῖρας αὐτοῦ (2)
— 2. μέρος τι τῶν ἱερῶν σκευῶν τοῦ κ. (6)
— 9. ἔδωκε κύριος τῷ Δαν. τιμήν (6)
— 10. ἀγωνιῶ τὸν κ. μου τὸν βασ. (1)
— 17. τοῖς νεανίσκοις ἔδωκεν ὁ κ. ἐπιστήμην (6)
2. 4. κύριε βασιλεῦ, εἰς τὸν αἰῶνα ζῆθι –
— 18. ζητῆσαι παρὰ τοῦ κ. τοῦ ὑψίστου (4 *b*)
— 19. Δανιὴλ εὐλόγησεν τὸν κ. τὸν ὕψιστον (4 *b*)
— 20. ἔσται τὸ ὄνομα τοῦ κ. τοῦ μεγάλου εὐλογημένον (4 *b*)
— 23. σοὶ, κύριε τῶν πατέρων μου, ἐξομολογοῦμαι (4 *b*)
— 37. σοὶ ὁ κ. τοῦ οὐρανοῦ τὴν ἀρχὴν . . . ἔδωκεν (4 *b*)
— 47. θεὸς τῶν θεῶν καὶ κύριος τῶν βασιλέων (12)
3. 9. κύριε βασιλεῦ, εἰς τὸν αἰῶνα ζῆθι –
— 17. ἔστι γὰρ . . . εἷς κύριος ἡμῶν –
— (24). ὕμνησαν τῷ κ.
— (25). ἐξωμολογεῖτο τῷ κ.
— (26). κύριε ὁ θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν
— (43). δὸς δόξαν τῷ ὀνόματί σου, κύριε
— (45). σὺ εἶ μόνος κ. ὁ θεός
— (49). ἄγγελος δὲ κυρίου συγκατέβη
— (52). κύριε ὁ θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν
— (57). εὐλογεῖτε πάντα τὰ ἔργα τοῦ κ. τὸν κ.
— (58). εὐλογεῖτε ἄγγελοι κυρίου τὸν κ.
— (59). εὐλογεῖτε οὐρανοὶ τὸν κ.
— (60). εὐλογεῖτε ὕδατα . . . τὸν κ.
— (61). εὐλογεῖτε πᾶσαι αἱ δυνάμεις κυρίου τὸν κ.
— (62). εὐλογεῖτε ἥλιος καὶ σελήνη τὸν κ.
— (63). εὐλογεῖτε ἄστρα τοῦ οὐρανοῦ τὸν κ.
— (64). εὐλογεῖτε πᾶς ὄμβρος καὶ δρόσος τὸν κ.
— (65). εὐλογεῖτε πάντα τὰ πνεύματα τὸν κ.
— (66). εὐλογεῖτε πῦρ καὶ καῦμα τὸν κ.
— (67). εὐλογεῖτε ῥῖγος καὶ ψῦχος τὸν κ.
— (68). εὐλογεῖτε δρόσοι καὶ νιφετοὶ τὸν κ.
— (69). εὐλογεῖτε πάγοι καὶ ψῦχος τὸν κ.
— (70). εὐλογεῖτε πάχναι καὶ χίονες τὸν κ.
— (71). εὐλογεῖτε νύκτες καὶ ἡμέραι τὸν κ.
— (72). εὐλογεῖτε φῶς καὶ σκότος τὸν κ.
— (73). εὐλογεῖτε ἀστραπαὶ καὶ νεφέλαι τὸν κ.
— (74). εὐλογείτω ἡ γῆ τὸν κ.
— (75). εὐλογεῖτε ὄρη καὶ βουνοὶ τὸν κ.
— (76). εὐλογεῖτε πάντα τὰ φυόμενα . . . τὸν κ.
— (77). εὐλογεῖτε ὄμβροι . . . τὸν κ.
— (78). εὐλογεῖτε θάλασσαι . . . τὸν κ.
— (79). εὐλογεῖτε κῆτη . . . τὸν κ.
— (80). εὐλογεῖτε πάντα τὰ πετεινὰ . . . τὸν κ.

Da. LXX. 3. (81). εὐλογεῖτε πάντα τὰ θηρία . . . τὸν κ.
— (82). εὐλογεῖτε οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων τὸν κ.
— (83). εὐλογεῖτε Ἰσραὴλ τὸν κ.
— (84). εὐλογεῖτε ἱερεῖς δοῦλοι κυρίου τὸν κ.
— (85). εὐλογεῖτε δοῦλοι τὸν κ.
— (86). εὐλογεῖτε πνεύματα . . . τὸν κ.
— (87). εὐλογεῖτε ὅσιοι . . . τὸν κ.
— (88). εὐλογεῖτε Ἀν. Ἀζ. Μισ. τὸν κ.
— (89). ἐξομολογεῖσθε τῷ κ.
— (90). πάντες οἱ σεβόμενοι τὸν κ.
— 28 (95). εὐλογητὸς κ. τοῦ Σεδράχ (4 *b*)
— 29 (96). ὃς ἂν βλασφημήσῃ εἰς τὸν κ. τὸν θ. Σ. (18 *c*)
4. 14. ἕως ἂν γνῷ τὸν κ. τοῦ οὐρανοῦ ἐξουσίαν ἔχειν (15)
— 20. ἄγγελος ἐν ἰσχύϊ ἀπεστάλη παρὰ τοῦ κ. †
— 23. κύριος ζῇ ἐν οὐρανῷ –
— 31. κατὰ πρόσωπον κ. τοῦ θεοῦ τοῦ οὐρανοῦ –
— 34. θεὸς τῶν θεῶν καὶ κύριος τῶν κ. –
— 34. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας τῷ κ. –
— 34. κ. τῷ θεῷ τοῦ οὐρανοῦ αἰνεῖτε –
6. 5 (6). καὶ δεῖται κ. τοῦ θεοῦ αὐτοῦ –
9. 3. ἔδωκα τὸ πρόσωπόν μου ἐπὶ κ. τὸν θεόν (2)
— 4. προσηυξάμην πρὸς κ. τὸν θεόν (11 *a*)
— 4. κύριε, σὺ εἶ ὁ θεός (2)
— 7. σοὶ, κύριε, ἡ δικαιοσύνη (2)
— 9. τῷ κ. ἡ δικαιοσύνη (2 + 6)
— 10. οὐκ ἠκούσαμεν τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 13. οὐκ ἐξεζητήσαμεν τὸ πρόσωπον κ. θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 13. διανοηθῆναι τὴν δικαιοσύνην σου, κύριε –
— 14. ἠγρύπνησε κ. ὁ θεὸς ἐπὶ τὰ κακά (18 *a*)
— 14. δίκαιος κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἐπὶ πάντα (11 *a*)
— 15. δέσποτα κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (18 *b*)
— 16. ὁ δῆμός σου, κύριε, εἰς ὀνειδισμόν –
— 18. πρόσχες, κύριε, τὸ οὖς σου (6)
— 18. ἀλλὰ διὰ τὸ σὸν ἔλεος, κύριε –
— 19. κύριε, ἐπάκουσον καὶ ποίησον (2)
— 20. καὶ δεόμενος . . . ἐναντίον κ. θεοῦ μοῦ (11 *a*)
— 23. ἐξῆλθε πρόσταγμα παρὰ κυρίου –
— 25. οἰκοδομήσεις Ἱερουσαλὴμ πόλιν κυρίῳ –
10. 12. ταπεινωθῆναι ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (18 *b*)
— 16. εἶπα τῷ ἑστηκότι ἀπέναντί μου, Κύριε (1)
— 17. λαλῆσαι μετὰ τοῦ κ. αὐτοῦ (1)
— 19. λαλησάτω ὁ κ. μου (1)
12. 8. κύριε, τίς ἡ λύσις τοῦ λόγου τούτου (1)
Bel 3. Δαν. δὲ προσηύχετο πρὸς κύριον
— 4. οὐδένα σέβομαι ἐγὼ εἰ μὴ κύριον
— 6. ὀμνύω δέ σοι κ. τὸν θεὸν τῶν θεῶν
— 33. ἐλάλησεν ἄγγελος κυρίου πρὸς Ἀμβ.
— 33. τάδε λέγει σοι κ. ὁ θεός
— 34. κύριε ὁ θεὸς, οὐχ ἑώρακα τὴν Βαβ.
— 35. ἐπιλαβόμενος αὐτοῦ ὁ ἄγγελος κυρίου
— 36. ὃ ἀπέστειλέ σοι κ. ὁ θεός
— 37. ἐμνήσθη γάρ μου κ. ὁ θεός
— 38. ὁ δὲ ἄγγελος κυρίου κατέστησε τὸν Ἀμβ.
— 38. ὁ δὲ κ. ὁ θεὸς ἐμνήσθη τοῦ Δαν.
— 40. μέγας ἐστὶ κ. ὁ θεός

Da. TH. Su. 2. καλὴ σφόδρα καὶ φοβουμένη τὸν κ.
— 23. ἡ ἁμαρτεῖν ἐνώπιον κυρίου
— 35. ἣν ἡ καρδία αὐτῆς πεποιθυῖα ἐπὶ κυρίῳ [A τῷ κ.]
— 44. εἰσήκουσε κύριος [A ἐπήκ. ὁ θεὸς] τῆς φωνῆς αὐτῆς
— 53. A B λέγοντος τοῦ κ. [R θεοῦ], 'Αθῷον . . . οὐκ ἀποκτενεῖς
1. 2. ἔδωκε κύριος ἐν χειρὶ αὐτοῦ τὸν Ἰωακείμ (2)
— 10. φοβοῦμαι ἐγὼ τὸν κ. μου (1)
2. 38. κατέστησέ σε κύριον πάντων (17)
— 47. A κύριος τῶν κ. καὶ βασ. [B *om.* τῶν κ. καὶ βασ.] τῶν βασιλέων (12)
3. 23. περιεπάτουν εὐλογοῦντες τὸν κ. –
— (26). κύριε ὁ θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν
— (43). δὸς δόξαν τῷ ὀνόματί σου, κύριε
— (45). σὺ εἶ κύριος θεὸς μόνος
— (49). ὁ δὲ ἄγγελος κυρίου συγκατέβη
— (52). κύριε ὁ θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν
— (57). εὐλογεῖτε πάντα τὰ ἔργα κυρίου τὸν κ.
— (59). εὐλογεῖτε οὐρανοὶ τὸν κ.
— (58). εὐλογεῖτε ἄγγελοι κυρίου τὸν κ.
— (60). εὐλογεῖτε ὕδατα . . . τὸν κ.
— (61). R εὐλογείτω πᾶσα ἡ δύναμις κυρίου [B *om.*] τὸν κ. [A *al.*]
— (62). εὐλογεῖτε ἥλιος καὶ σελήνη τὸν κ.
— (63). εὐλογεῖτε ἄστρα τοῦ οὐρανοῦ τὸν κ.

Da. TH. 3. (64). εὐλογείτω [A -εῖτε] πᾶς ὄμβρος καὶ δρόσος τὸν κ.
— (65). εὐλογεῖτε πάντα τὰ πνεύματα τὸν κ.
— (66). εὐλογεῖτε πῦρ καὶ καῦμα τὸν κ.
— (67). A εὐλογεῖτε ψῦχος καὶ καύσων τὸν κ.
— (68). A εὐλογεῖτε δρόσοι . . . τὸν κ.
— (71). εὐλογεῖτε νύκτες . . . τὸν κ.
— (72). εὐλογεῖτε φῶς καὶ σκότος τὸν κ.
— (69). εὐλογεῖτε ψῦχος καὶ καῦμα [A εὐ. πάγος καὶ ψ.] τὸν κ.
— (70). εὐλογεῖτε πάχναι . . . τὸν κ.
— (73). εὐλογεῖτε ἀστραπαὶ . . . τὸν κ.
— (74). εὐλογείτω ἡ γῆ τὸν κ.
— (75). εὐλογεῖτε ὄρη . . . τὸν κ.
— (76). εὐλογεῖτε πάντα τὰ φυόμενα . . . τὸν κ.
— (78). εὐλογεῖτε θάλασσαι . . . τὸν κ.
— (77). εὐλογεῖτε αἱ πηγαὶ τὸν κ.
— (79). εὐλογεῖτε κήτη . . . τὸν κ.
— (80). εὐλογεῖτε πάντα τὰ πετεινὰ . . . τὸν κ.
— (81). εὐλογεῖτε . . . τὰ κτήνη τὸν κ.
— (82). εὐλογεῖτε υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων τὸν κ.
— (83). εὐλογεῖτε [A -είτω] Ἰσραὴλ τὸν κ.
— (84). A εὐλογεῖτε ἱερεῖς κυρίου [B *om.*] τὸν κ.
— (85). A εὐλογεῖτε δοῦλοι κυρίου [B *om.*] τὸν κ.
— (86). εὐλογεῖτε πνεύματα . . . τὸν κ.
— (87). εὐλογεῖτε ὅσιοι . . . τὸν κ.
— (88). εὐλογεῖτε Ἀν. Ἀζ. Μι. τὸν κ.
— (89). ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. ὅτι χρηστός
— (90). πάντες οἱ σεβόμενοι τὸν κ.
— 27 (94). A B² προσεκύνησεν ὁ βασ. . . τῷ κ. –
4. 14. κύριός ἐστιν ὁ ὕψιστος τῆς βασιλείας (15)
— 16. κύριε, τὸ ἐνύπνιον ἔστω τοῖς μισοῦσί σε (12)
— 21. ὃ ἔφθασεν ἐπὶ τὸν κ. μου τὸν βασ. (12)
5. 23. ἐπὶ τὸν κ. θεὸν τοῦ οὐρανοῦ ὑψώθης (12)
9. 2. ὃς ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς Ἱερ. (11 *a*)
— 3. ἔδωκα τὸ πρόσωπόν μου πρὸς κ. τὸν θεόν (2)
— 4. προσευξάμην πρὸς κ. τὸν θεόν μου [A κ. τοῦ οὐρανοῦ] (11 *a* [11 *a* + 6])
— 4. κύριε ὁ θεὸς ὁ μέγας καὶ θαυμαστός (2)
— 7. σοὶ, κύριε, ἡ δικαιοσύνη (2)
— 7. A ᾗ ἠδέτησάν σε, κύριε [B *om.* σε κ.] –
— 8. ἐν [A *om.*] σοὶ, κύριε, ἐστὶν ἡμῶν [A *om.* ἐ. ἡ.] ἡ δικαιοσύνη (2)
— 9. τῷ κ. θεῷ ἡμῶν οἱ οἰκτιρμοί (2)
— 9. A ὅτι ἀπέστημεν ἀπὸ κυρίου [B *om.* ἀπὸ κ.] †
— 10. A R οὐκ εἰσηκούσαμεν τῆς φωνῆς κ. τοῦ [B τοῦ κ.] θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 13. οὐκ ἐδεήθημεν τοῦ προσώπου κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 14. καὶ ἐγρηγόρησε κύριος [A κ. ὁ θεὸς ἡμῶν] (11 *a* [18 *a*])
— 14. δίκαιος κ. [A *om.*] ὁ θεὸς ἡμῶν (11 *a*)
— 15. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (2)
— 16. κύριε, ἐν πάσῃ ἐλεημοσύνῃ σου (2)
— 17. εἰσάκουσον, κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (18 *b*)
— 17. ἕνεκέν σου, κύριε (2)
— 18. ἐπὶ τοὺς οἰκτιρμούς σου τοὺς πολλοὺς, κύριε –
— 19. A κύριε [B *om.*], εἰσάκουσον [B ἄκ.], κύριε, ἱλάσθητι, κύριε, πρόσχες, κύριε, ποίησον [B *om.*] (2 *ter*, –)
— 19. A ἕνεκέν σου, κύριε [B *om.*] ὁ θεός μου (18 *b*)
— 20. ῥιπτοῦντος τὸν ἔλεόν μου ἐναντίον τοῦ κ. [A *om.* τ. κ.] τοῦ θ. μου (11 *a*)
10. 12. A R κακωθῆναι ἐναντίον κ. [B *om.*] τοῦ θεοῦ σου (18 *b*)
— 16. κύριε, ἐν τῇ ὀπτασίᾳ σου (1)
— 17. πῶς δυνήσεται ὁ παῖς σου, κύριε, λαλῆσαι μετὰ τοῦ κ. μου τούτου (1, 1)
— 19. λαλείτω ὁ κ. μου (1)
12. 8. κύριε, τί τὰ ἔσχατα τούτων (1)
Bel 25. κ. τῷ θεῷ μου προσκυνήσω
— 34. εἶπεν ἄγγελος κυρίου τῷ [A πρὸς] Ἀμβ.
— 35. κύριε, Βαβυλῶνα οὐχ ἑώρακα
— 36. ἐπελάβετο ὁ ἄγγελος κυρίου [A *om.*] τῆς κορυφῆς [A χειρὸς] αὐτοῦ
— 41. κύριε ὁ θεὸς τοῦ Δανιήλ
I Ma. 2. 53. καὶ ἐγένετο κύριος Αἰγύπτου
4. 24. R εὐλόγουν εἰς οὐρανὸν τὸν κ. [A S *om.* τὸν κ.]
7. 37. R σὺ, κύριε [A S *om.*], ἐξελέξω τὸν οἶκον τοῦτον
— 41. R ἐξῆλθεν ἄγγελός σου, κύριε [A S *om.*]
9. 25. κατέστησεν αὐτοὺς κυρίους τῆς χώρας
II Ma. 1. 8. ἐδεήθημεν τοῦ κ.
— 24. R κύριε [A *om.*] κύριε ὁ θεὸς ὁ πάντων κτίστης
2. 2. ἵνα μὴ ἐπιλάθωνται τῶν προσταγμάτων τοῦ κ.
— 8. ὁ κ. ἀναδείξει ταῦτα
II Ma. 2. 8. ὀφθήσεται ἡ δόξα τοῦ κ.
— 10. Μωυσῆς προσηύξατο πρὸς κύριον
— 10. A Σαλωμὼν προσηύξατο πρὸς κύριον [R *om.* πρ. κ.]
— 22. τοῦ κ. . . . ἵλεω γενομένου αὐτοῖς
3. 22. A ἐπεκαλοῦντο τὸν παγκρατῆ κ. [R παντοκράτορα θεόν]
— 24. R ὁ τῶν πατέρων [A πνευμάτων] κ. [A *om.*]
— 30. οἱ δὲ τὸν κ. εὐλόγουν
— 30. R τοῦ παντοκράτορος ἐπιφανέντος κ. [A χριστοῦ]
— 33. R σοὶ κεχάρισται τὸ ζῆν ὁ [A *om.*] κ.
— 35. R θυσίαν ἀνενέγκας τῷ κ. [A -κὼν τῷ θεῷ]
4. 38. τοῦ κ. τὴν ἀξίαν αὐτῷ κόλασιν ἀποδόντος
5. 19. τὸν τόπον ὁ κ. ἐξελέξατο
— 20. R ὑπὸ τοῦ κ. [A *om.* ὑ. τ. κ.] ἐκοινώνησε
6. 30. τῷ κ. . . . φανερόν ἐστιν
7. 6. ὁ κ. ὁ θεὸς ἐφορᾷ
— 20. διὰ τὰς ἐπὶ κύριον ἐλπίδας
— 33. ὁ ζῶν κ. ἡμῶν βραχέως ἐπώργισται
— 40. παντελῶς ἐπὶ τῷ κ. πεποιθώς
8. 2. ἐπεκαλοῦντο τὸν κ.
— 5. τῆς ὀργῆς τοῦ κ. εἰς ἔλεον τραπείσης
— 14. ὁμοῦ δὲ τὸν κ. ἠξίουν
— 27. ἐξομολογούμενοι τῷ κ.
— 29. τὸν ἐλεήμονα κ. ἠξίουν
— 35. τῇ τοῦ κ. βοηθείᾳ
9. 5. ὁ δὲ πανεπόπτης κ.
10. 1. τοῦ κ. προάγοντος αὐτούς
— 4. ἠξίωσαν τὸν κ.
— 28. τὴν ἐπὶ τὸν κ. καταφυγήν
— 38. εὐλόγουν τῷ κ.
11. 6. ἱκέτευον . . . τὸν κ.
— 10. ἐλεήσαντος αὐτοὺς τοῦ κ.
12. 36. ἐπικαλεσάμενος ὁ Ἰούδας τὸν κ.
— 41. εὐλογήσαντες τὰ τοῦ δικαιοκρίτου κ.
13. 10. ἐπικαλέσασθαι τὸν κ.
— 12. καὶ καταξιωσάντων τὸν ἐλεήμονα κ.
— 13. R τῇ τοῦ κ. [A θεοῦ] βοηθείᾳ
— 14. A δοὺς δὲ τὴν ἐπιτροπὴν τῷ κ. [R κτίστῃ] τοῦ κόσμου
— 17. R διὰ τὴν ἐπαρήγουσαν αὐτῷ τοῦ κ. [A τῷ κ.] σκέπην
14. 35. σὺ, κύριε, τῶν ὅλων ἀπροσδεὴς ὑπάρχων
— 36. ἅγιε παντὸς ἁγιασμοῦ κύριε
15. 4. ἔστιν ὁ κ. ζῶν αὐτὸς ἐν οὐρανῷ
— 7. ἀντιλήψεως τεύξασθαι παρὰ τοῦ κ.
— 21. ἐπεκαλέσατο τὸν τερατοποιὸν κ.
— 34. εὐλόγησαν τὸν ἐπιφανῆ κ.
— 35. φανερὸν τῆς τοῦ κ. βοηθείας σημεῖον
III Ma. 2. 2. κύριε κύριε βασιλεῦ τῶν οὐρανῶν
5. 7. τὸν παντοκράτορα κ. . . . ἐπεκαλέσαντο
— 35. A τὸν ἐπιφανῆ θεὸν κ. [R καὶ] βασιλέα
6. 15. μεθ' ἡμῶν εἶ, κύριε
— 15. οὕτως ἐπιτέλεσον, κύριε
IV Ma. 2. 7. κύριός ἐστι τῶν παθῶν ὁ λογισμός
7. 23. μόνος γὰρ ὁ σοφὸς . . . ἐστι τῶν παθῶν κύριος

[**Aq.** GE. 2. 7, 8: 3. 2 (1): 4. 6, 26: 6. 7 (6): 8. 21: 18. 30: 23. 6, 11: 24. 31: 32. 9 (10): EX. 4. 13: 9. 33: 17. 16: 19. 22: 21. 8: 29. 18: LE. 2. 3: 23. 40, 41: 24. 9: 25. 2: 27. 26 *bis*: NU. 14. 14 *bis*: JO. 1. 15: 2. 14: JD. 4. 14: I KI. 6. 20: 25. 41: II KI. 6. 13, 14: 12. 14, 25: 21. 6: III KI. 5. 3 (17): 6. 19: 8. 12: 9. 25 *bis*: 11. 14: 13. 26 *bis*: 14. 5, 7, 11, 13, 14, 15 *bis*, 16, 18: 15. 4, 14, 18: 17. 22: 22. 6: IV KI. 2. 14: 10. 10: 11. 3, 4: 17. 11, 14, 15, 25: 23. 7: JB. 1. 6: 2. 1: 3. 19: PS. 1. 2: 2. 7: 6. 2: 9. 14, 21, 24 (10. 3), 33 (10. 12): 10 (11). 5: 12 (13). 2: 16 (17). 1, 14: 17 (18). 1: 24 (25). 10, 14: 26 (27). 4, 13: 28 (29). 10: 30 (31). 24: 34 (35). 17: 36 (37). 7, 20: 40 (41). 3, 4: 45 (46). 9: 49 (50). 1: 54 (55). 17: 55 (56). 11: 65 (66). 18: 68 (69). 7, 14: 71 (72). 18: 76 (77). 2: 80 (81). 16: 81 (82). 1: 82 (83). 19: 83 (84). 12, 13: 84 (85). 9: 85 (86). 11: 86 (87). 6: 87 (88). 15: 88 (89). 2, 47: 90 (91). 9: 103 (104). 16: 112 (113). 1 *bis*: 113 (114). 7: 114 (116). 4: 117 (118). 25 *bis*, 26: 120 (121). 8: 123 (124). 1: 129 (130). 1, 4, 6: 137 (138). 8: 146 (147). 7: PR. 8. 22: 10. 29: 12. 2: 17. 3: 21. 30: 22. 23: 29. 13: 30. 9: 31. 30: IS. 1. 24: 2. 2: 3. 8, 15 *bis*: 7. 11, 13, 14: 8. 18 *bis*: 10. 23 *bis*, 24: 11. 11, 15: 19. 1: 21. 17: 22. 14 *bis*: 23. 18 *bis*: 24. 2: 26. 4 *ter*: 28. 22: 30. 1: 34. 16: 35. 2: 36. 10: 37. 4: 38. 3, 14 *bis*, 16: 40. 13: 41. 13, 16: 47. 4: 48. 14, 22: 51. 3, 9: 52. 5, 8: 54. 10, 17: 58. 5: 59. 13, 19: 60. 9: 61. 1, 10: 62. 2, 6: 64. 9 (8): 66. 5: JE. 3. 10: 5. 11: 6. 11: 7. 1, 2 *ter*, 13, 29: 8. 3, 17: 9. 20 (19): 10. 6, 7, 10: 11. 20: 12. 12, 17: 13. 11, 12: 14. 6, 22: 15. 6, 11, 16, 20: 16. 1, 10, 19: 17. 7, 19: 18. 6: 20. 7, 12: 21. 10, 14: 22. 30: 23. 2, 28: 25. 3: 27 (34). 1, 11, 18, 22: 28 (35). 16: 29 (36). 11: 30 (37). 12: 31 (38). 6, 7, 16, 17, 22, 34, 37: 32 (39). 14, 17 *bis*, 25, 30: 34 (41). 5, 12: 36 (43). 1, 26: 37 (44). 20: 38 (45). 20: 39 (46). 17: 43 (50). 1: 46 (26). 10, 18, 25: 47 (29). 1: 48 (31). 43: 49 (30). 6: 50 (27). 5, 7, 14: 51 (28). 6, 10, 12, 51: LA. 4. 16: EZ. 4. 13: 18. 23: 34. 9: 44. 4: AM. 6. 10: 7. 3: ZA. 11. 13 *bis*.]

[**Sm.** GE. 2. 7: 4. 1: 8. 21: 19. 16: 24. 31 (!): 32. 9 (10): EX. 4. 24: 17. 16: 21. 8: 32. 9: LE. 2. 3: 16. 8: 23. 40, 41: 24. 9: 27. 26 *bis*: NU. 14. 14: DT. 4. 19: 9. 23: JO. 1. 15: 2. 14: JD. 4. 14: I KI. 3. 7: 6. 18, 20: 12. 7 *bis*: 13. 12: 15. 22: 16. 16: II KI. 6. 14: 12. 14, 25 *bis*: 15. 21 *bis*: 21. 6: III KI. 5. 3 (17): 6. 19: 11. 14: 15. 4: 17. 20: 22. 6: IV KI. 2. 14: 10. 10: 11. 3: 17. 15, 25: 23. 7: JB. 1. 6: 3. 19: 8. 3: PS. 1. 2: 6. 2: 9. 21, 24 (10. 3), 33 (10. 12): 12 (13). 2: 16 (17). 1, 14: 17 (18). 1, 31: 21 (22). 31: 24 (25). 14: 26 (27). 7, 11, 13: 28 (29). 10: 29 (30). 8, 9: 30 (31). 22, 24, 25: 32 (33). 13: 34 (35). 17: 36 (37). 7, 13, 18, 20: 39 (40). 2, 6: 40 (41). 3, 5, 11: 41 (42). 9: 44 (45). 12: 45 (46). 9: 49 (50). 1: 58 (59). 9, 12: 65 (66). 18: 67 (68). 12, 17, 21, 23: 68 (69). 7, 14, 32: 70 (71). 16: 71 (72). 18: 74 (75). 9: 76 (77). 12: 80 (81). 16: 82 (83). 19: 83 (84). 12: 84 (85). 9: 85 (86). 11: 86 (87). 6: 87 (88). 14, 15: 88 (89). 2, 7 *bis*, 47: 89 (90). 13, 17: 90 (91). 9: 91 (92). 16: 95 (96). 10: 103 (104). 1, 16: 109 (110). 4: 111 (112). 7: 112 (113). 1 *bis*: 114 (116). 4: 117 (118). 23, 25 *bis*, 26: 118 (119). 126: 120 (121). 8: 125 (126). 2: 129 (130). 1, 4: 137 (138). 8: 139 (140). 9: 146 (147). 7: PR. 3. 5: 8. 22, 35: 10. 29: 15. 11: 17. 3: 19. 3: 21. 30: 22. 4: 29. 13: 30. 9: IS. 1. 4, 24: 2. 2: 3. 8, 15: 6. 1, 12: 7. 11, 14: 8. 11, 13, 17, 18 *bis*: 10. 23 *bis*, 24: 11. 11, 15: 13. 5: 16. 14: 21. 17: 23. 18: 25. 8 *bis*, 9: 28. 21, 22, 29: 31. 9: 33. 6, 21: 34. 16: 35. 2: 36. 9, 10: 37. 4, 14: 38. 3, 11, 14, 20: 40. 7: 41. 13, 16: 42. 13, 19, 21: 43. 15: 48. 14, 22: 51. 3, 9: 52. 5, 8: 53. 6, 10: 54. 10, 17: 59. 13, 19, 20: 60. 9: 62. 2, 4, 6: 63. 7: 64. 9 (8): 65. 13, 15: 66. 5, 9: JE. 3. 10: 5. 11: 6. 11: 7. 1, 2 *ter*, 13, 29: 9. 12 (11), 20 (19): 11. 5, 20, 22: 12. 17: 13. 11, 12: 14. 22: 15. 11, 16, 20: 16. 1, 10, 19: 17. 7, 19: 18. 6: 20. 12, 13: 21. 10: 22. 30: 23. 28: 27 (34). 22: 29 (36). 11: 31 (38). 6, 7, 16, 17, 34, 37: 32 (39). 14, 17 *bis*, 25 *bis*, 30: 36 (43). 1, 26: 38 (45). 20: 39 (46). 17: 43 (50). 1: 46 (26). 10, 18: 47 (29). 1: 48 (31). 43: 49. 13 (29. 14): 50 (27). 5, 7, 14: 51 (28). 6, 10, 51: LA. 1. 12, 15, 17: EZ. 4. 13: 13. 5: 18. 23: 44. 4: 48. 10: HO. 3. 5: AM. 6. 10: 7. 3, 7: HB. 1. 12: ZA. 11. 13: 14. 7.]

[**Th.** GE. 2. 7: 8. 21: EX. 4. 13, 24: 17. 16: 21. 8: 29. 18: 32. 9: LE. 2. 3: 23. 40, 41: 24. 9: 27. 26 *bis*: DT. 1. 26: 9. 23: JO. 1. 15: 2. 14: JD. 4. 14: 6. 22 *bis*: 13. 8: 16. 28 *bis*: I KI. 6. 20: II KI. 12. 9, 14, 25: 14. 16: 15. 21 *bis*: III KI. 5. 3 (17): 6. 19: 13. 26 *bis*: 15. 4, 14: 22. 6: IV KI. 10. 10: 11. 3, 4 *bis*: 17. 25: JB. 2. 1: 3. 19: 12. 9: 31. 35: 36. 33: 37. 2: PS. 9. 21: 16 (17). 1: 24 (25). 14: 27 (28). 8: 29 (30). 11: 34 (35). 17: 40 (41). 3, 4: 49 (50). 1: 54 (55). 17: 68 (69). 7, 14: 71 (72). 18: 76 (77). 2: 82 (83). 19: 83 (84). 12: 84 (85). 9: 86 (87). 6: 87 (88). 15: 103 (104). 16: 117 (118). 25 *bis*, 26: 129 (130). 1: PR. 8. 22: 10. 29: 15. 11: 16. 2, 3, 4: 17. 3: 21. 30: 29. 13: IS. 1. 24: 2. 2: 7. 11: 8. 18 *bis*: 10. 23 *bis*, 24, 26: 11. 15: 16. 14: 21. 17: 22. 14 *bis*, 15, 25: 25. 9: 28. 2, 21, 22: 34. 16: 35. 2: 36. 10: 37. 4, 14, 17: 38. 3: 40. 7: 41. 13: 48. 14, 22: 51. 3, 9: 52. 5, 8: 54. 10, 17: 59. 19: 60. 9: 61. 1: 62. 2, 4, 6: 64. 9 (8): 65. 13, 15: 66. 5: JE. 2. 1: 3. 10: 5. 11, 22: 7. 1, 2 *ter*, 13: 8. 12,

17: 9. 22 (21): 10. 6, 7, 10: 11. 20, 22: 12. 17: 13. 11, 12: 15. 16. 20: 16. 19: 17. 19: 18. 6: 21. 10, 14: 22. 30: 23. 2, 23, 28, 36, 37 *bis*, 38: 25. 3: 27 (34). 11, 18 *bis*, 19, 21 *bis*, 22: 28 (35). 16: 29 (36). 11, 14 *bis*, 16, 17, 19 *bis*, 20, 25, 32 *bis*: 30 (37). 10, 11: 31 (38). 16, 17, 22, 34: 32 (39). 5, 14, 25: 33 (40). 14, 16, 17, 19, 20, 23, 24, 25: 37 (44). 20: 38 (45). 9: 43 (50). 1: 46 (26). 10, 18, 25, 26: 48 (31). 44, 47: 49 (30). 6: 50 (27). 7, 14: 51 (28). 51: Ez. 4. 13: 7. 19: 13. 5: 18. 23: 33. 27: 34. 9: 44. 4: Da. 2. 38, 47: 3 (58), (90): 9. 14: Jl. 1. 9: Am. 6. 10: 7. 7: Hg. 1. 13.]
[**Heb.** Ge. 4. 26: 24. 31: III Ki. 19. 14: IV Ki. 17. 15, 25: Ps. 103 (104). 16: Je. 1. 2.]
[**Al.** Ge. 4. 1: 44. 18: 47. 18: 49. 18: Ex. 8. 22 (18): 10. 11: 17. 16: Le. 6. 2 (5. 21): 7. 25: 10. 6: 21. 6: 24. 12: Nu. 3. 16 *bis*: 12. 11: 14. 9: 22. 13: 28. 16: 32. 27: Dt. 9. 18: 16. 1: Jd. 5. 13: I Ki. 1. 6, 11 *bis*: 5. 6: 11. 7: 12. 22: 23. 12: 28. 16, 18, 19 *bis*: III Ki. 22. 17: IV Ki. 10. 16: 13. 4: II Ch. 36. 22, 23: Jb. 2. 7: Ps. 4. 4: 7. 9: 9. 17: 10 (11). 5: 114 (116). 9: 118 (119). 126: 121 (122). 1: 124 (125). 2: 125 (126). 1: 134 (135). 5: 137 (138). 5: Pr. 3. 19: Is. 24. 14: 28. 2: 63. 7: Je. 1. 6 *bis*: 3. 16: 10. 10: Hb. 3. 19.]
[**Quint.** IV Ki. 10. 10: 11. 3, 4: 17. 15, 25: Ps. 1. 2: 24 (25). 14: 30 (31). 25: 71 (72). 18: 83 (84). 12: 90 (91). 9: 117 (118). 25 *bis*, 26: 129 (130). 1, 5.]
[**Sext.** Ps. 1. 2: 24 (25). 14: 71 (72). 18: 117 (118). 25 *bis*, 26: 129 (130). 1.]

κύριος (adj.).
I Ma. 8. 30. *ὃ ἐὰν προσθῶσιν . . . ἔσται κύρια*
IV Ma. 1. 19. *κυριωτάτη δὲ πάντων ἡ φρόνησις*

κυροῦν. (1) קוּם
Ge. 23. 20. *ἐκυρώθη ὁ ἀγρὸς . . . τῷ Ἀ. εἰς κτῆσιν* (1)
Le. 25. 30. *κυρωθήσεται ἡ οἰκία* (1)
Da. LXX. 6. 9 (10). *ὁ βασ. Δαρεῖος ἔστησε καὶ ἐκύρωσεν* –
IV Ma. 7. 9. *τὴν εὐνομίαν ἡμῶν . . . ἐκύρωσας*
[**Aq.** Ge. 23. 17.]
[**Sm.** Ez. 13. 6.]
[**Al.** I Ki. 15. 13.]

κυρτός. (1) גִּבֵּן (2) חָנֵר
Le. 21. 20. *ἢ κυρτὸς ἢ ἔφηλος* (1)
III Ki. 21 (20). 11. *μὴ καυχάσθω ὁ κ. ὡς ὁ ὀρθός* (2 ?)

κύτος. (1) חֲזוּת (2) שְׂאוֹן
Ps. 64 (65). 7. **SR** *ὁ συνταράσσων τὸ κ.* [**B** *ὕδωρ*] *τῆς θαλάσσης* (2)
Da. LXX. 4. 9 (8). *καὶ τὸ κ. αὐτοῦ ἕως τῶν νεφελῶν* (1)
— 19 (17). *καὶ τὸ κ. αὐτοῦ ἅψασθαι τῶν νεφελῶν* (1)
Da. TH. 4. 8. *καὶ τὸ κ. αὐτοῦ εἰς τὸ πέρας* [**A** *τὰ πέρατα*] (1)
— 17. *καὶ τὸ κ. αὐτοῦ εἰς πᾶσαν τὴν γῆν* (1)

κύφειν. (1) שַׁח
Jb. 22. 29. *κύφοντα ὀφθαλμοῖς σώσει* (1)
[**Sm.**, **Th.** Is. 60. 14.]

κυψέλη. (1) עֲרֻמָּה
Hg. 2. 17 (16). *ἐνεβάλλετε εἰς κυψέλην κριθῆς εἴκοσι σάτα*

κύων. (1) כֶּלֶב (2) עֶכֶס
Ex. 11. 7. *οὐ γρύξει κύων τῇ γλώσσῃ αὐτοῦ* (1)
22. 31 (30). *τῷ κ. ἀπορρίψατε αὐτό* (1)
De. 23. 18 (19). *οὐ προσοίσεις . . . ἄλλαγμα κυνός* (1)
Jd. 7. 5. *ὡς ἐὰν λάψῃ* [**A** *λήμψῃ*] *ὁ κ.* (1)
I Ki. 17. 43. *ὡσεὶ κύων ἐγώ εἰμι* (1)
— 43. **B** *ἀλλ' ἢ χείρων κυνός* –
24. 15. *ὀπίσω κυνὸς τεθνηκότος* (1)
II Ki. 3. 8. *μὴ κεφαλὴ κυνὸς ἐγώ εἰμι* (1)
9. 8. *ἐπέβλεψας ἐπὶ τὸν κ. τὸν τεθνηκότα* (1)
16. 9. *ἵνα τί καταρᾶται ὁ κ. ὁ τεθνηκὼς οὗτος* (1)
III Ki. 12. 24 (*cf.* **A** 14. 11). **B** *καταφάγονται οἱ κ.* (1 ?)
14. 11. **A** *καταφάγονται οἱ κ.* (1)
16. 4. *καταφάγονται αὐτὸν* [**A** *om.*] *οἱ κ.* (1)
20 (21). 19. *ᾧ ἔλειξαν . . . οἱ κ. τὸ αἷμα* **Nαβ.** *ἐκεῖ λείξουσιν οἱ κ.* [**A** *om. οἱ κ.*] *τὸ αἷμά σου* (1, 1)
— 23. *οἱ κ. καταφάγονται αὐτήν* (1)
III Ki. 20 (21). 24. *τὸν τεθνηκότα . . . φάγονται* [**A** *καταφ.*] *οἱ κ.* (1)
22. 38. *ἐξέλεξαν . . . οἱ κ. τὸ αἷμα* (1)
IV Ki. 8. 13. *ὁ κ. ὁ τεθνηκώς* [**A** *al.*] (1)
9. 10. *τὴν Ἰεζ. καταφάγονται οἱ κ.* (1)
— 36. *καταφάγονται οἱ κ. τὰς σάρκας Ἰεζ.* (1)
To. 5. 16. **A B** *ὁ κ. τοῦ παιδαρίου μετ' αὐτῶν*
6. 1. **S** *ὁ κ. ἐξῆλθεν μετ' αὐτοῦ*
11. 4. *συνῆλθεν ὁ κ. ὄπισθεν αὐτῶν* [**S** *al.*]
Ju. 11. 19. *οὐ γρύξει κύων τῇ γλώσσῃ αὐτοῦ*
Jb. 30. 1. *ἀξίους κυνῶν τῶν ἐμῶν νομάδων* [**A** *al.*] (1)
Ps. 21 (22). 16. *ἐκύκλωσάν με κύνες πολλοί* (1)
— 20. *καὶ ἐκ χειρὸς κυνὸς τὴν μονογενῆ μου* (1)
58 (59). 6, 14. *λιμώξουσιν ὡς κύων* (1)
67 (68). 23. *ἡ γλῶσσα τῶν κ. σου ἐξ ἐχθρῶν παρ' αὐτοῦ* (1)
Pr. 7. 22. *ὥσπερ κύων ἐπὶ δεσμούς* (2 ?)
26. 11. *ὥσπερ κύων ὅταν ἐπέλθῃ ἐπὶ τὸν ἑαυτοῦ ἔμετον* (1)
— 17. *ὥσπερ ὁ κρατῶν κέρκου κυνός* (1)
Ec. 9. 4. *ὁ κ. ὁ ζῶν αὐτὸς ἀγαθὸς ὑπὲρ τὸν λέοντα τὸν νεκρόν* (1)
Si. 13. 18. *τίς εἰρήνη ὑαίνῃ πρὸς κύνα*
Is. 56. 10. *κύνες ἐνεοὶ οὐ δυνήσονται ὑλακτεῖν* (1)
— 11. *οἱ κ. ἀναιδεῖς τῇ ψυχῇ* (1)
66. 3. *ὁ θύων μοι μόσχον ὡς ὁ ἀποκτέννων κύνα* (1)
Je. 15. 3. *ἐκδικήσω ἐπ' αὐτοὺς . . . τοὺς κ. εἰς διασπασμόν* (1)
[**Aq.** III Ki. 14. 11: Jb. 30. 1: Ps. 58 (59). 7, 15.]
[**Sm.** Jb. 30. 1: Ps. 58 (59). 7, 15: 67 (68). 24: Ec. 9. 4.]
[**Th.** Jb. 30. 1: Ps. 21 (22). 17: 58 (59). 7.]
[**Quint.** Ps. 58 (59). 7.]

κώδιον.
Ne. 3. 15. *τὸ τεῖχος κολυμβήθρας τῶν κ.* [**S**[1] *al.*] †
Ju. 12. 15. *ἔστρωσεν αὐτῇ . . . τὰ κ.*

κώδων. (1) פַּעֲמוֹן (2) רִמּוֹן
Ex. 28. 29 (33). *κώδωνας ἀνὰ μέσον τούτων περικύκλῳ* (1)
— 30 (34). *παρὰ ῥοΐσκον χρυσοῦν κώδωνα* (1)
36. 33 (39. 25). *ἐποίησαν κώδωνας χρυσοῦς* (1)
— 33 (39. 25). *ἐπέθηκαν τοὺς κ. ἐπὶ τὸ λῶμα* (1)
— 34 (39. 26). *κώδων χρυσοῦς καὶ ῥοΐσκος* (1)
II Ch. 4. 13. *καὶ κ. χρυσοῦς τετρακοσίους* (2)
Si. 45. 9. *ἐκύκλωσεν αὐτὸν ῥοΐσκοις χρυσοῖς κώδωσι πλείστοις κυκλόθεν*

κωελέθ.
[**Aq.** Ec. 12. 8.]

κώθων. (1) מִשְׁתֶּה
Es. 8. 17. **A B S**[2] *κώθων καὶ εὐφροσύνη* (1)
III Ma. 6. 31. *κ. σωτήριον συστησάμενοι*

κωθωνίζεσθαι. (1) יָשַׁב לִשְׁתּוֹת
I Es. 4. 63. *ἐκωθωνίζοντο μετὰ μουσικῶν*
Es. 3. 15. *ὁ δὲ βασ. καὶ Ἀμὰν ἐκωθωνίζοντο* (1)

κωκυτός.
III Ma. 6. 32. *κωκυτὸν ἀπωσάμενοι*
[**Sm.** Ps. 143 (144). 14.]

κωλέα. (1) שׁוֹק
I Ki. 9. 24. *ἤψησεν ὁ μάγειρος τὴν κ.* (1)

κωλέθ.
[**Aq.** Ec. 1. 1.]

κῶλον. (1) פֶּגֶר
Le. 26. 30. *θήσω τὰ κ. ὑμῶν ἐπὶ τὰ κ. τῶν εἰδώλων ὑμῶν* (1, 1)
Nu. 14. 29. *πεσεῖται τὰ κ. ὑμῶν* (1)
— 32. *τὰ κ. ὑμῶν πεσεῖται* (1)
— 33. *ἕως ἀναλωθῇ τὰ κ. ὑμῶν* (1)
I Ki. 17. 46. *δώσω τὰ κ. σου καὶ τὰ κ. παρεμβολῆς ἀλλοφύλων* (–, 1)
Is. 66. 24. *ὄψονται τὰ κ. τῶν ἀνθρώπων τῶν παραβεβηκότων ἐν ἐμοί* (1)

κωλύειν. (1) כָּלָא *a.* qal. *b.* ni. (2) מוּשׁ hi. (3) מָנַע (4) עָצַר (5) שׁוּב hi.
Ge. 23. 6. **B** *οὐ μὴ κωλύσει τὸ μνημεῖον αὐτοῦ* [**A** *al.*] (1 *a*)
Ex. 36. 6. *ἐκωλύθη ὁ λαὸς ἔτι προσφέρειν* (1 *b*)
Nu. 11. 28. *κύριε* [**A** *κ. μου*] *Μωυσῆ, κώλυσον αὐτούς* (1 *a*)
I Ki. 25. 26. *καθὼς ἐκώλυσέ σε κύριος* (3)
II Ki. 13. 13. *οὐ μὴ κωλύσῃ με ἀπὸ σοῦ* (3)
I Es. 2. 30. *ἤρξαντο κωλύειν τοὺς οἰκοδομοῦντας*
6. 6. *οὐκ ἐκωλύθησαν τῆς οἰκοδομῆς*
— 33. *κωλῦσαι ἢ κακοποιῆσαι τὸν οἶκον κυρίου*
To. 6. 12. **S** *οὐ μὴ δυνηθῇ Ῥ. κωλῦσαι αὐτήν* [**AB** *al.*]
— 8. 3. **S** *ἡ ὀσμὴ τοῦ ἰχθύος ἐκώλυσεν* [**A B** *al.*]
Jb. 12. 15. *ἐὰν κωλύσῃ τὸ ὕδωρ ξηρανεῖ τὴν γῆν* (4)
Ps. 39 (40). 9. *τὰ χείλη μου οὐ μὴ κωλύσω* (1 *a*)
118 (119). 101. *ἐκ πάσης ὁδοῦ πονηρᾶς ἐκώλυσα τοὺς πόδας μου* (1 *a*)
Ec. 8. 8. *τοῦ κωλῦσαι σὺν τὸ πνεῦμα* (1 *a*)
Si. 4. 23. *μὴ κωλύσῃς λόγον ἐν καιρῷ σωτηρίας*
18. 30. *ἀπὸ τῶν ὀρέξεών σου κωλύου* [**A** *μὴ κ.*]
19. 28. *ἐὰν ὑπὸ ἐλαττώματος ἰσχύος κωλυθῇ* [**S** *-ῇς*] *ἁμαρτεῖν*
20. 2. *ὁ ἀνθομολογούμενος ἀπὸ ἐλαττώσεως κωλυθήσεται*
— 21. *ἔστι κωλυόμενος ἁμαρτάνειν ἀπὸ ἐνδείας*
46. 7. *κωλῦσαι λαὸν ἀπὸ ἁμαρτίας*
Am. 2. 13. **A** *ἐγὼ κωλύω* [**B** *κυλίω*] *ὑποκάτω ὑμῶν* †
Mi. 2. 4. *οὐκ ἦν ὁ κωλύσων αὐτόν* (2 ?)
Is. 28. 6. **R** *ἰσχὺν κωλυόντων* [**A B S** *-ύων*] *ἀνελεῖν* (5 ?)
43. 6. *ἐρῶ . . . τῷ λιβὶ, Μὴ κώλυε* (1 *a*)
Ez. 31. 15. *ἐπέστησα* [**A** *ἐκώλυσα*] *τοὺς ποταμοὺς αὐτῆς καὶ ἐκώλυσα* [**A** *-σεν*, **B**[2] *ἐκύκλωσα*] *πλῆθος ὕδατος* (3, 1 *b*)
I Ma. 1. 45. **A R** *καὶ κωλῦσαι* [**S** *κυκλῶσαι*] *ὁλοκαυτώματα*
13. 49. *ἐκωλύοντο ἐκπορεύεσθαι*
III Ma. 1. 13. *οὐθεὶς ἐκώλυσε τῶν παρόντων*
3. 2. *ἀπὸ τῶν νομίμων αὐτοὺς κωλυόντων*
IV Ma. 4. 7. *ὡς οἷόν τε ἦν, ἐκώλυον*
5. 26. *τὰ δὲ ἐναντιωθησόμενα ἐκώλυσε σαρκοφαγεῖν*
14. 16. *καὶ τὸν προσιόντα κωλύει*
— 17. *εἰ δὲ καὶ μὴ δύναιντο κωλύειν*
[**Aq.** Pr. 1. 15: 30. 7: Je. 5. 25: 48 (31). 10: Ez. 31. 15.]
[**Sm.** Ps. 76 (77). 5: 118 (119). 101: Pr. 11. 26: 30. 7: Is. 32. 10: Je. 5. 25: 42 (49). 4: 48 (31). 10: Ez. 31. 15: Mi. 2. 6: Za. 9. 8.]
[**Th.** Ps. 118 (119). 101: Pr. 1. 15: 11. 26: 30. 7: Ez. 31. 15.]
[**Quint.**, **Sext.** Ps. 118 (119). 101.]

κώλυμα. (1) סַד
Jb. 13. 27. *ἔθου δέ μου τὸν πόδα ἐν κωλύματι* [**A** *κυκλώματι*] (1)
[**Th.** Le. 19. 19: Dt. 22. 9.]
[**Al.** Le. 19. 19.]

κωλυτικός.
IV Ma. 1. 3. *τῶν σωφροσύνης κ. παθῶν*
— 30. *διὰ τῶν κ. τῆς σωφροσύνης ἔργων*
2. 6. *τῶν κ. τῆς δικαιοσύνης παθῶν*

κωμάρχης. (1) פָּקִיד
Es. 2. 3. *καταστήσει ὁ βασ. κωμάρχας* (1)

κώμη. (1) בַּת (2) חַוָּה (3) חָצֵר (4) טִירָה (5) *a.* כְּפָר *b.* כְּפִיר *c.* כֹּפֶר (6) קִרְיָה (7) עִיר
Nu. 21. 32. *αὐτὴν καὶ τὰς κ. αὐτῆς* (1)
32. 42. *τὴν Κ. καὶ τὰς κ. αὐτῆς* (1)
Jo. 10. 39. *καὶ τὰς* [**A** *τὰς πάσας*] *κ. αὐτῆς* (6)
13. 30. *καὶ πάσας τὰς κ. Ἰαΐρ* (2)
15. 24. **B** *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* †
— 28. *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* –
— 32, 36, 41, 44. *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* (3)
— 45. *καὶ αἱ κ. αὐτῆς* (1)
— 46. **B** *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* (3)
— 47 *bis*. *καὶ αἱ κ. αὐτῆς* (1)
— 51. *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* (3)
— 54. **A** *καὶ αἱ κ.* [**B** *ἐπαύλεις*] *αὐτῶν* (3)
— 57, 59. *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* (3)
— 60. *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* –
— 62. *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* (3)
16. 7. *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* †
— 9. *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* (3)
17. 11. *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* (1)
— 11 *bis*. *καὶ τὰς κ. αὐτῆς* (1)

Jo. 17. 11. **A** καὶ τὰς κ. αὐτῆς (1)
— 11. καὶ τὰς κ. αὐτῆς –
— 16. καὶ ἐν ταῖς κ. αὐτῆς (1)
18. 24, 28 : 19. 6, 8, 16. καὶ αἱ κ. αὐτῶν (3)
19. 23. καὶ αἱ κ. [**A** ἐπαύλεις] αὐτῶν (3)
— 31, 48. καὶ αἱ κ. αὐτῶν (3)
21. 12. τὰς κ. αὐτῆς ἔδωκεν Ἰησοῦς (3)
I Ki. 6. 18. καὶ ἕως κώμης τοῦ Φερεζαίου (5 *c*)
I Ch. 2. 23. ἔλαβε Γ. . . . τὰς κ. Ἰ. . . . τὴν Κ. καὶ τὰς κ. αὐτῆς (2, 1)
5. 16. καὶ ἐν ταῖς κ. αὐτῶν (1)
6. 54 (39). αὗται αἱ κατοικίαι αὐτῶν ἐν ταῖς κ. αὐτῶν (4)
— 56 (41). καὶ τὰς κ. αὐτῆς (3)
7. 28. Βαιθὴλ καὶ αἱ κ. αὐτῆς (1)
— 28. Γάζερ καὶ αἱ κ. αὐτῆς (1)
— 28. Συχὲμ καὶ αἱ κ. αὐτῆς ἕως Γ. καὶ αἱ κ. αὐτῆς (1, 1)
— 29. Βαιθσ. καὶ αἱ κ. αὐτῆς Θ. καὶ αἱ κ. αὐτῆς (1, 1)
— 29. **A B** Βαλ. καὶ αἱ κ. αὐτῆς –
— 29. Μαγ. καὶ αἱ κ. αὐ. Δὼρ καὶ αἱ κ. αὐ. (1, 1)
8. 12. καὶ τὰς κ. αὐτῆς (1)
9. 16. ὁ κατοικῶν ἐν ταῖς κ. Νωτ. (3)
18. 1. τὴν Γὲθ καὶ τὰς κ. αὐτῆς (1)
27. 25. τῶν θησαυρῶν τῶν ἐν ἀγρῷ καὶ ἐν ταῖς κ. (6)
II Ch. 13. 19. τὴν Β. καὶ τὰς κ. αὐτῆς καὶ τὴν Ἰ. καὶ τὰς κ. αὐτῆς καὶ τὴν Ἐ. καὶ τὰς κ. [**A** θυγατέρας] αὐτῆς (1 *ter*)
14. 14 (13). ἐξέκοψαν τὰς κ. αὐτῶν (6)
28. 18. τὴν Σ. καὶ τὰς κ. αὐτῆς (1)
— 18. **A R** Θαμνὰ καὶ τὰς κ. αὐτῆς (1)
— 18. τὴν Γ. καὶ τὰς κ. αὐτῆς (1)
32. 28. καὶ κώμας [B[1] *om.*] καὶ [**A** B[1] *om.*] φάτνας –
I Es. 4. 50. ἵνα . . . ἀφίωσι τὰς κ.
5. 46. καὶ πᾶς Ἰσρ. ἐν ταῖς κ. αὐτῶν
Ne. 6. 2. ἐν ταῖς κ. ἐν πεδίῳ Ὠνώ (5 *b*)
11. 26. **S**[2] καὶ ἐν ταῖς κ. αὐτῆς (3)
Ju. 4. 4. **A** ἀπέστειλαν εἰς . . . κώμας [**B S** Κωνάς]
— 5. ἐτείχισαντο τὰς ἐν αὐτοῖς κ.
15. 7. **A S** καὶ αἱ κ. καὶ αἱ πόλεις [**B** καὶ ἐπαύλεις]
Ca. 7. 11 (12). αὐλισθῶμεν ἐν κώμαις (5 *a*)
Is. 32. 14. ἔσονται αἱ κ. σπηλαῖα ἕως τοῦ αἰῶνος †
42. 11. εὐφράνθητι ἔρημος καὶ αἱ κ. αὐτῆς (6)
Je. 19. 15. ἐπάγω . . . ἐπὶ τὰς κ. αὐτῆς ἅπαντα τὰ κακά (6)
30 (49). 25. κώμην ἠγάπησαν (7)
Ez. 38. 13. πᾶσαι αἱ κ. αὐτῶν [**A** χῶραι αὐτῆς] ἐροῦσί σοι (5 *b*)
I Ma. 7. 46. ἐξῆλθον ἐκ πασῶν τῶν κ. τῆς Ἰ.
II Ma. 8. 1. εἰς τὰς κ. προσεκαλοῦντο τοὺς συγγενεῖς
— 6. **R** πόλεις δὲ καὶ κώμας [**A** χώρας] . . . ἐνεπίμπρα
14. 16. συμμίσγουσιν αὐτοῖς ἐπὶ κώμην Δ.
[**Aq.** Jo. 15. 9.]
[**Sm.** I Ki. 6. 18.]
[**Th.** Ez. 38. 13.]
[**Sext.** Ps. 30 (31). 22.]

κῶμος.
Wi. 14. 23. ἐμμανεῖς ἐξάλλων θεσμῶν κώμους ἄγοντες
II Ma. 6. 4. ἀσωτίας καὶ κώμων . . . ἐπεπλήρωτο

κωνωπεῖον (-πιον).
Ju. 10. 21. ἦν Ὀλ. ἀναπαυόμενος . . . ἐν τῷ κ.
13. 9. ἀφεῖλε τὸ [**A** τὸν] κ. ἀπὸ τῶν στύλων
— 15. καὶ ἰδοὺ τὸ κ. [**A** κ. αὐτοῦ]
16. 19. καὶ τὸ κ. ὃ ἔλαβεν

κώπη. (1) מְשׁוֹט
Ez. 27. 6. ἐκ τῆς Βασανίτιδος ἐποίησαν τὰς κ. σου (1)
[**Aq.** Is. 33. 21.]

κωπηλάτης. (1) מַלָּח (2) *a.* שׁוֹט *b.* חָבַשׁ מָשׁוֹט
Ez. 27. 8. Ἀράδιοι ἐγένοντο κωπηλάται σου (2 *a*)
— 9. οἱ κ. αὐτῶν ἐγένοντό σοι ἐπὶ δυσμὰς δυσμῶν (1)
— 26. ἤγόν σε οἱ κ. σου (2 *a*)
— 27. οἱ κ. σου καὶ οἱ κυβερνῆταί σου (1)
— 29. καταβήσονται ἀπὸ τῶν πλοίων πάντες οἱ κ. (2 *b*)
— 34. ἔπεσον πάντες οἱ κ. σου –
[**Sm.** Is. 33. 21.]

κώρυκος.
[**Al.** IV Ki. 4. 42.]

κωφεύειν. (1) חָרַשׁ *a.* hi. *b.* hithp.
Jd. 16. 2. ἐκώφευσαν ὅλην τὴν νύκτα (1 *b*)
18. 19. εἶπαν αὐτῷ [**A** πρὸς αὐτὸν], Κώφευσον (1 *a*)
II Ki. 13. 20. καὶ νῦν, ἀδελφή μου, κώφευσον (1 *a*)
19. 10 (11). ἵνα τί ὑμεῖς κωφεύετε (1 *a*)
IV Ki. 18. 36. καὶ ἐκώφευσαν (1 *a*)
Jb. 6. 24. διδάξατέ με ἐγὼ δὲ κωφεύσω (1 *a*)
13. 5. εἴη δὲ ὑμῖν κωφεῦσαι (1 *a*)
— 13. κωφεύσατε ἵνα λαλήσω (1 *a*)
— 19. νῦν κωφεύσω καὶ ἐκλείψω (1 *a*)
33. 31. κώφευσον καὶ ἐγὼ εἰμι λαλήσω [**A** *al.*] (1 *a*)
— 33. κώφευσον καὶ διδάξω σε [**A** σε σοφίαν] (1 *a*)
[**Aq.** Ps. 27 (28). 1 : 31 (32). 3 : 38 (39). 13 : 108 (109). 1 : Pr. 17. 28 : Is. 41. 1 : Je. 38 (45). 27.]
[**Sm.**, **Quint.** Pr. 17. 28.]
[**Th.** Jb. 13. 19 : 33. 31, 33 : Pr. 17. 28 : Is. 41. 1.]

κωφός. (1) אִלֵּם (2) חֵרֵשׁ
Ex. 4. 11. τίς ἐποίησε δύσκωφον καὶ κωφόν (2)
Le. 19. 14. οὐ κακῶς ἐρεῖς κωφόν (2)
Ps. 37 (38). 13. ἐγὼ δὲ ὡσεὶ κωφὸς οὐκ ἤκουον (2)
57 (58). 4. ὡσεὶ ἀσπίδος κωφῆς καὶ βυούσης τὰ ὦτα αὐτῆς (2)
Wi. 10. 21. ἡ σοφία ἤνοιξε στόμα κωφῶν
Hb. 2. 18. πέποιθεν ὁ πλάσας . . . τοῦ ποιῆσαι εἴδωλα κωφά (1)
Is. 29. 18. ἀκούσονται ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ κωφοὶ λόγους βιβλίου (2)
35. 5. ὦτα κωφῶν ἀκούσονται (2)
42. 18. οἱ κ. ἀκούσατε (2)
— 19. κωφοὶ [**S** οἱ κ.] ἀλλ' ἢ οἱ κυριεύοντες αὐτῶν (2)
43. 8. κωφοὶ τὰ ὦτα ἔχοντες (2)
44. 11. κωφοὶ ἀπὸ ἀνθρώπων συναχθήτωσαν πάντες †
III Ma. 4. 16. κωφὰ καὶ μὴ δυνάμενα αὐτοῖς λαλεῖν
[**Sm.** Ps. 57 (58). 5 : Is. 42. 19 *bis.*]

κωφοῦν. (1) אִלֵּם ni.
Ps. 38 (39). 2. ἐκωφώθην καὶ ἐταπεινώθην (1)
— 9. ἐκωφώθην καὶ οὐκ ἤνοιξα τὸ στόμα μου (1)

Λ

λααρματταραί. (1) לְמַטְּרָה
I Ki. 20. 20. **A** πέμπων εἰς τὴν λ. [**B** *al.*] (1)

λάαρς.
[**Heb.** Ps. 11 (12). 7.]

λαβανί.
[**Heb.** Ho. 11. 1.]

λαβή. (1) נִצָּב
Jd. 3. 22. ἐπεισήνεγκε καί γε τὴν λ. (1)

λαβίς. (1) מַלְקָחַיִם
Ex. 38. 17 (37. 23). καὶ τὰς λ. αὐτῆς χρυσᾶς (1)
Nu. 4. 9. καὶ τοὺς λύχνους αὐ. καὶ τὰς λ. αὐτῆς (1)
II Ch. 4. 21. καὶ λαβίδες αὐτῶν (1)
Is. 6. 6. ὃν τῇ λ. ἔλαβεν ἀπὸ τοῦ θυσιαστηρίου (1)
[**Aq.**, **Sm.**, **Th.** Ex. 25. 37 (38).]

λάβρος. (1) סָחַף (2) ὑετὸς λ. שֶׁטֶף
Jb. 38. 25. τίς δὲ ἡτοίμασεν ὑετῷ λάβρῳ ῥύσιν (2)
— 34. **A** καὶ δρόμῳ [**B S** τρόμῳ] ὕδατος λάβρου [**B S** -ῳ] ὑπακούσεταί σου –
Pr. 28. 3. ὥσπερ ὑετὸς λάβρος καὶ ἀνωφελής (1)
IV Ma. 16. 3. ἐκφλεγομένη κάμινος λαβροτάτῳ πυρί
[**Aq.** Ps. 56 (57). 5 : 103 (104). 4.]

λαβώ, λοβώ. (1) לְבוֹא
Jd. 3. 3. ἀπὸ τοῦ ὄρους τοῦ Ἀ. ἕως λ. Ἐ. (1)

λάγανον (-ος?). (1) חַלָּה (2) רָקִיק (3) λ. ἀπὸ τηγάνου אֲשִׁישָׁה
Ex. 29. 2. **B** λάγανα ἄζυμα κεχρισμένα ἐν ἐλαίῳ (1)
— 23. λ. ἓν [B[2] ἕνα] ἀπὸ τοῦ κανοῦ τῶν ἀζύμων (2)
Le. 2. 4 : 7. 2 (12). λάγανα ἄζυμα διακεχρισμένα (2)
8. 25 (26). ἄρτον ἐξ ἐλαίου ἕνα καὶ λ. ἕν (2)
Nu. 6. 15. καὶ λ. ἄζυμα κεχρισμένα ἐν ἐλαίῳ (2)
— 19. καὶ λάγανον ἄζυμον ἕν (2)
II Ki. 6. 19. διεμέρισε . . . ἑκάστῳ . . . λάγανον ἀπὸ τηγάνου (3 ?)
I Ch. 23. 29. εἰς τὰ λ. τὰ ἄζυμα (2)

λαγχάνειν. (1) לָכַד
I Ki. 14. 47. **Σ.** ἔλαχε τοῦ βασιλεύειν (1)
Wi. 8. 19. ψυχῆς τε ἔλαχον ἀγαθῆς
III Ma. 6. 1. ἐν πρεσβείᾳ τὴν ἡλικίαν ἤδη λελογχώς

λαγών.
Si. 47. 19. **R** παρενέκλινας [**AB** παρανέκλ., **S** παρέκλ.] τὰς λ. σου γυναιξί
[**Aq.** Ps. 37 (38). 8.]
[**Sm.** II Ki. 3. 27 : Jb. 12. 18 : 40. 11 (16) : Is. 11. 5 : Je. 30 (37). 6.]
[**Th.** Jb. 40. 11 (16).]
[**Al.** Le. 3. 4 : 4. 9 : 7. 4.]

λαγωός. (1) שָׁפָן
Ps. 103 (104). 18. **AS**[2] πέτρα καταφυγὴ τοῖς λ. [**B S**[1] χοιρογρυλλίοις] (1)
[**Aq.** Le. 11. 6 (5) : Dt. 14. 7.]
[**Th.** Ps. 103 (104). 18.]

λάδανον.
[**Al.** Ge. 43. 11.]

λάθρα. (1) בֶּטֶא (2) *a.* בַּמִּסְתָּר *b.* בַּסֵּתֶר
De. 13. 6 (7). λάθρα λέγων (2 *b*)
I Ki. 18. 22. λαλήσατε ὑμεῖς λ. τῷ Δ. [**A** τὸν Δ.] (1)
26. 5. ἀνέστη Δ. λ. –
Jb. 31. 27. εἰ ἠπατήθη λ. ἡ καρδία μου (2 *b*)
Ps. 100 (101). 5. τὸν καταλαλοῦντα λ. τοῦ πλησίον αὐτοῦ (2 *b*)
Hb. 3. 14. ὡς ἔσθων πτωχὸς λάθρα (2 *a*)
I Ma. 9. 60. ἀπέστειλεν ἐπιστολὰς λάθρα
III Ma. 6. 24. λάθρα μηχανώμενοι τὰ μὴ συμφέροντα
[**Sm.** Ps. 55 (56). 7.]
[**Th.** Jb. 31. 27.]
[**Al.** Hb. 3. 14.]

λαθραῖος.
Wi. 1. 11. φθέγμα λαθραῖον [B² -ριον] κενὸν οὐ πορεύσεται

λαθραίως. (1) בְּלָט
I Ki. 24. 5. ἀφεῖλε τὸ πτερύγιον . . . λ. (1)
II Ma. 1. 19. λαθραίως κατέκρυψαν ἐν κοιλώματι
[Sm. Jb. 4. 12.]

λάθριος. (1) בַּסֵּתֶר
Pr. 21. 14. δόσις λάθριος ἀνατρέπει ὀργάς
Wi. 1. 11. φθέγμα λαθραῖον [B² -ριον] κενὸν οὐ πορεύσεται

λαϊκός.
[Aq. I Ki. 21. 4 (5).]
[Sm. I Ki. 21. 4 (5): Ez. 22. 26: 48. 15.]
[Th. I Ki. 21. 4 (5): Ez. 48. 15.]
[Al. I Ki. 21. 5 (6).]

λαϊκοῦν.
[Aq. Dt. 20. 6 *bis*: 28. 30: Ez. 7. 22.]
[Sm., Th. Dt. 20. 6 *bis*.]

λαιλαπίζειν.
[Aq. Ps. 49 (50). 3: 57 (58). 10: Is. 54. 11.]

λαιλαπώδης.
[Aq., Th. Ps. 54 (55). 9.]

λαῖλαψ. (1) סוּפָה (2) *a.* סַעַר *b.* סְעָרָה
Jb. 21. 18. ὥσπερ κονιορτὸς ὃν ὑφείλατο λαῖλαψ (1)
27. 20. S νυκτὶ δὲ ὑφείλατο αὐτὸν λαῖλαψ [AB γνόφος] (1)
38. 1. εἶπεν ὁ κύριος τῷ Ἰὼβ διὰ λαίλαπος καὶ νεφῶν (2 *b*)
Wi. 5. 14. ὡς πάχνη ὑπὸ λαίλαπος διωχθεῖσα λεπτή
— 23. ὡς λαῖλαψ ἐκλικμήσει αὐτούς
Si. 48. 9. ὁ ἀναληφθεὶς ἐν λαίλαπι [A λαμπάδι] πυρός
— 12. ὃς ἐν λαίλαπι ἐσκεπάσθη
Je. 32 (25). 32. λ. μεγάλη ἐκπορεύεται ἀπ' ἐσχάτου τῆς γῆς (2 *a*)
[Aq. Ps. 54 (55). 9: 106 (107). 29: Is. 41. 16: Ez. 13. 13.]
[Sm. Ps. 54 (55). 9: 57 (58). 10: Is. 32. 2.]
[Th. Ps. 54 (55). 9.]
[Al. IV Ki. 2. 11.]

λαιμαργία.
IV Ma. 1. 27. A R κατὰ δὲ τὸ σῶμα παντοφαγία καὶ λαιμαργία καὶ μονοφαγία [S *om.* κ. λ. κ. μ.]

λακάνη, *vid.* **λεκάνη.**

λάκκος. (1) *a.* בּאֹר *b.* בּוֹר *c.* בַּיִר *d.* בֵּית הַבּוֹר *e.* בְּאֵר (2) גֹּב (3) מַכְתֵּשׁ
Ge. 37. 20. ῥίψωμεν αὐτὸν εἰς ἕνα τῶν λ. (1 *b*)
— 22. ἐμβάλλετε αὐτὸν εἰς ἕνα τῶν λ. (1 *b*)
— 24. λαβόντες αὐτὸν ἔρριψαν εἰς τὸν λ. (1 *b*)
— 24. ὁ δὲ λ. κενός [A ἐκεῖνος] (1 *b*)
— 28. ἐξείλκυσαν . . . τὸν Ἰ. ἐκ τοῦ λ. (1 *b*)
— 29. ἀνέστρεψε δὲ Ῥουβὴν ἐπὶ τὸν λ. (1 *b*)
— 29. οὐχ ὁρᾷ τὸν Ἰ. ἐν τῷ λ. (1 *b*)
40. 15. ἐνέβαλόν με εἰς τὸν λ. τοῦτον (1 *b*)
Ex. 12. 29. τῆς αἰχμαλωτίδος τῆς ἐν τῷ λ. (1 *d*)
21. 33. ἐὰν δέ τις ἀνοίξῃ λάκκον ἢ λατομήσῃ [A *om.* λ. ἢ λατ.] λάκκον [B¹ *om.*] (1 *b*, 1 *b*)
— 34. ὁ κύριος τοῦ λ. ἀποτίσει (1 *b*)
Le. 11. 36. πλὴν πηγῶν ὑδάτων καὶ λάκκου (1 *b*)
Nu. 20. 17. οὐδὲ πιόμεθα ὕδωρ ἐκ λάκκου σου (1 *e*)
De. 6. 11. λάκκους λελατομημ. οὓς οὐκ ἐλατόμησας (1 *b*)
Jd. 15. 19. ἔρρηξεν ὁ θ. τὸν λ. [A *al.*] (3)
I Ki. 13. 6. B ἐκρύβη ὁ λαὸς . . . ἐν τοῖς λ. (1 *b*)
II Ki. 17. 18. καὶ αὐτῷ λάκκος ἐν τῇ αὐλῇ (1 *e*)
— 19. διεπέτασε τὸ ἐπικάλυμμα ἐπὶ πρόσωπον τοῦ λ. (1 *e*)
— 21. ἀνέβησαν ἐκ τοῦ λ. (1 *e*)
23. 15. τίς ποτιεῖ με ὕδωρ ἐκ τοῦ λ. (1 *b*, 1 *a**)
— 16. ὑδρεύσαντο ὕδωρ ἐκ τοῦ λ. (1 *b*, 1 *a**)
— 20. ἐπάταξε τὸν λέοντα ἐν μέσῳ τοῦ λ. (1 *b*, 1 *a**)
IV Ki. 18. 31. πίεται ὕδωρ τοῦ λ. αὐτοῦ (1 *b*)
I Ch. 11. 17. τίς ποτιεῖ με ὕδωρ ἐκ τοῦ λ. B. (1 *b*)
— 18. A B S² ὑδρεύσαντο ὕδωρ ἐκ τοῦ λ. (1 *b*)
— 22. ἐπάταξε τὸν λέοντα ἐν τῷ λ. (1 *b*)
II Ch. 26. 10. ἐλατόμησε λ. πολλούς (1 *b*)
Ne. 9. 25. ἐκληρονόμησαν . . . λ. λελατομημένους (1 *b*)
Ju. 7. 21. καὶ οἱ λ. ἐξεκενοῦντο
8. 31. εἰς πλήρωσιν τῶν λ. [S σάκκων] ἡμῶν
Ps. 7. 15. λάκκον ὤρυξε καὶ ἀνέσκαψεν αὐτόν (1 *b*)
27 (28). 1. ὁμοιωθήσομαι τοῖς καταβαίνουσιν εἰς λάκκον (1 *b*)
29 (30). 3. ἔσωσάς με ἀπὸ τῶν καταβαινόντων εἰς λάκκον (1 *b*)
39 (40). 2. ἀνήγαγέ με ἐκ λάκκου ταλαιπωρίας (1 *b*)
87 (88). 4. προσελογίσθην μετὰ τῶν καταβαινόντων εἰς λάκκον (1 *b*)
— 6. ἔθεντό με ἐν λάκκῳ κατωτάτῳ (1 *b*)
142 (143). 7. ὁμοιωθήσομαι τοῖς καταβαίνουσιν εἰς λάκκον (1 *b*)
Ec. 12. 6. καὶ συντροχάσῃ ὁ τροχὸς ἐπὶ τὸν λ. (1 *b*)
Wi. 10. 13. συγκατέβη αὐτῷ εἰς λάκκον
Si. 50. 3. A λάκκος [B S χαλκὸς] ὡσεὶ θαλάσσης τὸ περίμετρον
Za. 9. 11. ἐξαπέστειλας . . . ἐκ λάκκου οὐκ ἔχοντος ὕδωρ (1 *b*)
Is. 36. 16. A S R πίεσθε ὕδωρ τοῦ λ. [B χαλκοῦ] ὑμῶν (1 *b*)
51. 1. ἐμβλέψατε . . . εἰς τὸν βόθυνον τοῦ λ. (1 *b*)
Je. 2. 13. ὤρυξαν ἑαυτοῖς λάκκους συντετριμμ. (1 *a*)
6. 7. ὡς ψύχει λ. ὕδωρ (1 *c*, 1 *b**)
44 (37). 16. ἦλθεν Ἱερεμίας εἰς οἰκίαν τοῦ λ. (1 *b*)
45 (38). 6. ἔρριψαν αὐτὸν εἰς [A S *add.* τὸν] λάκκον Μελχίου . . . ἐχάλασαν αὐτὸν εἰς τὸν λ. καὶ ἐν τῷ λ. οὐκ ἦν ὕδωρ (1 *b*, †, 1 *b*)
— 7. ἔδωκαν Ἱερεμίαν εἰς τὸν λ. (1 *b*)
— 10. ἀνάγαγε αὐτὸν ἐκ τοῦ λ. (1 *b*)
— 11. ἔρριψεν αὐτὰ πρὸς Ἱερεμίαν εἰς τὸν λ. (1 *b*)
— 13. ἀνήγαγον αὐτὸν ἐκ τοῦ λ. (1 *b*)
La. 3. 53. ἐθανάτωσαν ἐν λάκκῳ ζωήν μου (1 *b*)
— 55. B ἐπεκαλεσάμην τὸ ὄνομά σου, κύριε, ἐκ λάκκου κατωτάτου (1 *b*)
Ez. 31. 16. μετὰ τῶν καταβαινόντων εἰς λάκκον (1 *b*)
32. 23. A ἔδωκαν τὰς ταφὰς αὐτῆς ἐν μηροῖς λάκκου (1 *b*)
Da. LXX. 6. 5 (6). ἵνα . . . ῥιφῇ εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων –
— 7 (8), 12 (13). ῥιφήσεται εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων (2)
— 14 (15). εἶπεν ῥιφῆναι τὸν Δ. εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων –
— 17 (18). Δ. ἐρρίφη εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων –
— 17 (18). ἐτέθη εἰς τὸ στόμα τοῦ λ. (2)
— 17 (18). ὅπως μὴ . . . αὐτὸν ἀνασπάσῃ ἐκ τοῦ λ. –
— 19 (20). ἔστη ἐπὶ τοῦ στόματος τοῦ λ. (2)
— 22 (23). ἔρριψάς με εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων –
Bel 31. ἦν δὲ λάκκος ἐν ᾧ ἐτρέφοντο λέοντες ἑπτά
— 30. ἐνεβάλοσαν τὸν Δ. . . . εἰς ἐκεῖνον τὸν λ.
— 30. ἦν ἐν τῷ λ. Δ. ἡμέρας ἕξ
— 33. ἀπένεγκε Δ. εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων
— 34. τὸν λ. οὐ γινώσκω ποῦ ἐστίν
— 35. ἔθηκεν αὐτὸν ἐπάνω τοῦ λ.
— 39. ἐγκύψας εἰς τὸν λ. ὁρᾷ αὐτόν
— 41. ἐξήγαγεν ὁ βασιλεὺς τὸν Δ. ἐκ τοῦ λ.
— 41. τοὺς αἰτίους . . . ἐνέβαλεν εἰς τὸν λ.
Da. TH. 6. 7 (8), 12 (13). ἐμβληθήσεται εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων (2)
— 16 (17). ἐνέβαλον αὐτὸν εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων (2)
— 17 (18). ἐπέθηκαν ἐπὶ τὸ στόμα τοῦ λ. (2)
— 19 (20). ἦλθεν ἐπὶ τὸν λ. τῶν λεόντων (2)
— 20 (21). ἐν τῷ ἐγγίζειν αὐτὸν τῷ λ. (2)
— 23 (24). τὸν Δ. εἶπεν ἀνενέγκαι ἐκ τοῦ λ. (2)
— 23 (24). καὶ ἀνηνέχθη Δ. ἐκ τοῦ λ. (2)
— 24 (25). εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων ἐνεβλήθησαν (2)
— 24 (25). οὐκ ἔφθασαν εἰς τὸ ἔδαφος τοῦ λ. (2)
Bel 31. ἔβαλον αὐτὸν εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων
— 32. ἦσαν δὲ ἐν τῷ λ. ἑπτὰ λέοντες
— 34. εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων
— 35. τὸν λ. οὐ γινώσκω
— 36. ἔθηκεν αὐτὸν . . . ἐπάνω τοῦ λ.
— 40. ἦλθεν ἐπὶ τὸν λ.
— 42. τοὺς δὲ αἰτίους . . . ἐνέβαλεν εἰς τὸν λ.
I Ma. 9. 33. παρενέβαλον ἐπὶ τὸ ὕδωρ λάκκου Ἀσ.
II Ma. 10. 37. τὸν Τ. ἀποκεκρυμμένον ἔν τινι λάκκῳ
IV Ma. 18. 13. ἐδόξαζε δὲ καὶ τὸν ἐν λάκκῳ λεόντων Δ.
[Aq. II Ki. 3. 26: Ps. 27 (28). 1: 29 (30). 4: 142 (143). 7: Pr. 5. 15: Is. 14. 15: 38. 18: Je. 6. 7: 37 (44). 16: 41 (48). 7: Ez. 26. 20: 32. 25.]
[Sm. Ps. 27 (28). 1: 29 (30). 4: 54 (55). 24: 87 (88). 5: Pr. 5. 15: Is. 24. 22: 38. 18: Je. 6. 7: 37 (44). 16: 38 (45). 6: 41 (48). 9: Ez. 26. 20: 32. 25.]
[Th. Pr. 5. 15: Is. 14. 15: 51. 1: Je. 6. 7: 37 (44). 16: 38 (45). 9: Ez. 26. 20: 32. 23, 25.]
[Al. Ps. 56 (57). 7: Je. 37 (44). 16.]
[Heb. Ez. 32. 23.]

λακτάλ.
[Heb. Ps. 109 (110). 3.]

Λακωνικός. (1) διαφανῆ Λακωνικά גְּלִינִים
Is. 3. 23. ἀφελεῖ . . . τὰ διαφανῆ Λακωνικά (1)

λαλεῖν. (1) אָמַר *a.* qal. *b.* hithp. *c.* אֵמֶר (2) דָּבַר *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* pu. *e.* hithp. *f.* דָּבָר *g.* דָּבָר, הָיָה דָּבָר, הָיָה (3) חָשַׁב (4) *a.* מָלַל pi. *b.* מְלַל pa. *c.* מִלָּה (5) נָבָא hithp. (6) נָגַד hi. (7) סָפַר pi. (8) פָּגַע (9) צָוָה pi. (10) קָרָא (11) רִיב
Ge. 12. 4. καθάπερ ἐλάλησεν αὐτῷ κύριος (2 *c*)
16. 13. τὸ ὄνομα κυρίου τοῦ λαλοῦντος πρὸς αὐτήν (2 *a*)
17. 3. καὶ ἐλάλησεν αὐτῷ ὁ θ. (2 *c*)
— 22. συνετέλεσε δὲ λαλῶν πρὸς αὐτόν (2 *c*)
— 23. καθὰ ἐλάλησεν αὐτῷ ὁ θεός (2 *c*)
18. 19. R ὅσα ἐλάλησε πρὸς [A ἐπ'] αὐτόν (2 *c*)
— 27. νῦν ἠρξάμην λαλῆσαι πρὸς τὸν κ. (2 *c*)
— 29. προσέθηκεν ἔτι λαλῆσαι πρὸς αὐτόν (2 *c*)
— 30. μή τι κύριε, ἐὰν λαλήσω (2 *c*)
— 31. ἐπειδὴ ἔχω λαλῆσαι πρὸς τὸν κ. (2 *c*)
— 32. μή τι κύριε, ἐὰν λαλήσω ἔτι ἅπαξ (2 *c*)
— 33. ὡς ἐπαύσατο λαλῶν τῷ Α. (2 *c*)
19. 14. καὶ ἐλάλησε πρὸς τοὺς γαμβροὺς αὐ. (2 *c*)
— 21. τὴν πόλιν περὶ ἧς ἐλάλησας (2 *c*)
20. 8. ἐλάλησε πάντα τὰ ῥήματα τ. εἰς τὰ ὦτα (2 *c*)
21. 1. ἐποίησε κύριος τῇ Σ. καθὰ ἐλάλησε (2 *c*)
— 2. καθὰ ἐλάλησεν αὐτῷ κ. (2 *c*)
23. 8. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς Ἀβ. λέγων (2 *c*)
— 8. λαλήσατε περὶ ἐμοῦ Ἐφρών (8)
— 16. ὃ ἐλάλησεν εἰς τὰ ὦτα (2 *c*)
24. 7. ὃς ἐλάλησέ μοι (2 *c*)
— 15. λαλοῦντα ἐν τῇ διανοίᾳ (2 *c*)
— 30. οὕτω λελάληκέ μοι ὁ ἄνθρωπος (2 *c*)
— 33. ἕως τοῦ λαλῆσαί με τὰ ῥήματά μου (2 *c*)
— 33. καὶ εἶπεν, Λάλησον (2 *c*)
— 45. λαλοῦντα ἐν τῇ διανοίᾳ μου (2 *c*)
— 51. καθὰ ἐλάλησε κύριος (2 *c*)
27. 5. Ῥεβέκκα δὲ ἤκουσε λαλοῦντος Ἰσαάκ (2 *c*)
— 6. ἤκουσα τοῦ πατρός σου λαλοῦντος πρὸς Ἠ. (2 *c*)
— 19. καθὰ ἐλάλησάς μοι (2 *c*)
28. 15. πάντα ὅσα ἐλάλησά σοι (2 *c*)
29. 6. A ἔτι αὐτοῦ λαλοῦντος –
— 9. ἔτι αὐτοῦ λαλοῦντος αὐτοῖς (2 *c*)
31. 24, 29. μή ποτε λαλήσῃς μετὰ Ἰ. πονηρά (2 *c*)
32. 19 (20). λαλήσατε τῷ Ἠσαῦ (2 *c*)
34. 3. ἐλάλησε κατὰ τὴν διάνοιαν (2 *c*)
— 6. ἐξῆλθε . . . πρὸς Ἰακὼβ λαλῆσαι αὐτῷ (2 *c*)
— 8. ἐλάλησεν Ἐμμὼρ αὐτοῖς (2 *c*)
— 13. ἐλάλησαν αὐτοῖς ὅτι ἐμίαναν (2 *c*)
— 20. ἐλάλησαν πρὸς τοὺς ἄνδρας (2 *c*)
35. 13. οὗ ἐλάλησε μετ' αὐτοῦ (2 *c*)
— 14. ᾧ ἐλάλησε μετ' αὐτοῦ (2 *c*)
— 15. ἐν ᾧ ἐλάλησε μετ' αὐτοῦ (2 *c*)
37. 4. οὐκ ἠδύναντο λαλεῖν αὐτῷ οὐδέν (2 *c*)
39. 10. ἡνίκα δὲ ἐλάλει τῷ Ἰωσήφ (2 *c*)
— 17. ἐλάλησεν αὐτῷ κατὰ τὰ ῥήματα τ. (2 *c*)
— 19. ὅσα ἐλάλησε πρὸς αὐτόν (2 *c*)
41. 9. καὶ ἐλάλησεν . . . πρὸς Φαραώ (2 *c*)
— 17. ἐλάλησε δὲ Φαραὼ τῷ Ἰωσήφ (2 *c*)
42. 7. καὶ ἐλάλησεν αὐτοῖς σκληρά (2 *c*)
— 22. οὐκ ἐλάλησα ὑμῖν λέγων (1 *a*)
— 30. λελάληκεν . . . πρὸς ἡμᾶς σκληρά (2 *c*)
43. 19. ἐλάλησαν αὐτῷ . . . λέγοντες (2 *c*)
44. 7. ἵνα τί λαλεῖ ὁ κύριος κατὰ τὰ ῥήματα τ. (2 *c*)
— 16. R ἢ τί λαλήσομεν [A -ωμεν] (2 *c*)
— 18. λαλησάτω ὁ παῖς σου ῥῆμα ἐναντίον σου (2 *c*)
45. 12. τὸ στόμα μου τὸ λαλοῦν πρὸς ὑμᾶς (2 *c*)
— 15. ἐλάλησαν οἱ ἀδελφοὶ αὐ. πρὸς αὐτόν (2 *c*)
— 27. ἐλάλησαν δὲ αὐτῷ πάντα τὰ ῥηθέντα (2 *c*)
49. 28. ταῦτα ἐλάλησεν αὐτοῖς ὁ πατὴρ αὐτῶν (2 *c*)

Ge. 50. 4. ἐλάλησεν Ἰωσὴφ πρὸς τοὺς δυνάστας Φ. (2 c)
— 4. λαλήσατε περὶ ἐμοῦ εἰς τὰ ὦτα Φαραώ (2 c)
— 17. λαλούντων αὐτῶν πρὸς αὐτόν (2 c)
— 21. ἐλάλησεν αὐτῶν εἰς τὴν καρδίαν (2 c)
Ex. 4. 10. ἀφ' οὗ ἤρξω λαλεῖν τῷ θεράποντι (2 c)
— 12. ὃ [A ἃ] μέλλεις λαλῆσαι (2 c)
— 14. λαλῶν λαλήσει αὐτός σοι (2 c, 2 c)
— 16. αὐτός σοι λαλήσει [A B² προσλαλήσει] πρὸς τὸν λαόν (2 c)
— 30. ἐλάλησεν Ἀαρὼν πάντα τὰ ῥήματα τ. ἃ ἐλάλησεν ὁ θεὸς πρὸς M. (2 c, 2 c)
5. 23. λαλῆσαι [A *add.* αὐτῷ] ἐπὶ τῷ σῷ ὀνόμ. (2 c)
6. 2. ἐλάλησε δὲ ὁ θεὸς πρὸς Μωυσῆν (2 c)
— 9. ἐλάλησε δὲ Μωυσῆς οὕτω τοῖς υἱοῖς Ἰ. (2 c)
— 11. λάλησον Φαραῷ (2 c)
— 12. ἐλάλησε δὲ M. ἔναντι κυρίου (2 c)
— 28. ἐλάλησε κύριος Μωυσῆ ἐν γῇ Αἰγ. (2 c)
— 29. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (2 c)
— 29. λάλησον πρὸς Φαραώ (2 c)
7. 2. σὺ δὲ λαλήσεις αὐτῷ πάντα (2 c)
— 2. λαλήσει πρὸς Φαραώ (2 c)
— 7. ἡνίκα ἐλάλησε [A -σαν] πρὸς Φαραώ (2 c)
— 9. καὶ ἐὰν λαλήσῃ πρὸς ὑμᾶς (2 c)
— 13. καθάπερ ἐνετείλατο [A ἐλάλησεν] αὐτοῖς (2 c)
8. 15 (11), 19 (15). καθάπερ ἐλάλησε κύριος (2 c)
9. 35. καθάπερ ἐλάλησε κύριος τῷ Μωυσῇ (2 c)
11. 2. λάλησον οὖν κρυφῇ εἰς τὰ ὦτα (2 c)
12. 3. λάλησον πρὸς πᾶσαν συναγωγήν (2 c)
— 25. καθότι ἐλάλησε (2 c)
14. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (2 c)
— 2. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσραήλ (2 c)
— 12. ὃ ἐλαλήσαμεν πρὸς σέ (2 c)
— 15. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσραήλ (2 c)
16. 10. ἡνίκα δὲ ἐλάλει Ἀ. πάσῃ συναγωγῇ (2 c)
— 11. καὶ ἐλάλησε κ. πρὸς Μωυσῆν (2 c)
— 12. λάλησον πρὸς αὐτούς (2 c)
— 23. ὃ ἐλάλησε κύριος (2 c)
19. 7. ἐκάλεσε [B¹ ἐλάλησε πρὸς] τοὺς πρεσβυτέρους (10)
— 9. ἵνα ἀκούσῃ ὁ λαὸς λαλοῦντός μου πρὸς σέ (2 c)
— 19. Μωυσῆς ἐλάλησεν [A ἐλάλει] (2 c)
20. 1. ἐλάλησε κ. πάντας τοὺς λόγους τ. (2 c)
— 19. λάλησον σὺ ἡμῖν (2 c)
— 19. καὶ μὴ λαλείτω πρὸς ἡμᾶς ὁ θεός (2 c)
— 22. ἐκ τοῦ οὐρανοῦ λελάληκα πρὸς ὑμᾶς (2 c)
23. 13. ὅσα εἴρηκα [A λελάληκα] πρὸς ὑμᾶς (1 a)
24. 3. οὓς ἐλάλησε κύριος (2 c)
— 7. ὅσα ἐλάλησε κύριος ποιήσομεν (2 c)
25. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (2 c)
— 21 (22). καὶ λαλήσω σοι ἄνωθεν τοῦ ἱλαστηρίου (2 c)
28. 3. καὶ σὺ λάλησον πᾶσι τοῖς σοφοῖς (2 c)
29. 42. ὥστε λαλῆσαί σοι (2 c)
30. 11, 17, 22. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (2 c)
— 31. τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ λαλήσεις (2 c)
31. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (2 c)
— 12. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (1 a)
— 18. κατέπαυσε λαλῶν αὐτῷ [A πρὸς αὐτόν] (2 c)
32. 7. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (2 c)
— 13. καὶ ἐλάλησας πρὸς αὐτούς (2 c)
— 28. καθὰ ἐλάλησεν αὐτοῖς (2 f)
33. 9. καὶ ἐλάλει Μωυσῆ (2 c)
— 11. καὶ ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (2 c)
— 11. B εἴ τις λαλήσει [A R -αι] πρὸς τὸν ἑαυτοῦ φίλον (2 c)
— 19. B λαλήσω ἐπὶ [A R καλέσω] τῷ ὀνόματί μου (10)
34. 10. εἶπε [A² ἐλάλησεν] κύριος πρὸς Μωυσῆν (1 a)
— 29. ἐν τῷ λαλεῖν αὐτὸν αὐτῷ (2 c)
— 31. ἐλάλησεν αὐτοῖς [A πρὸς αὐτοὺς] M. (2 c)
— 32. ὅσα ἐνετείλατο [A ἐλάλησεν] κ. πρὸς αὐτόν (2 c)
— 33. ἐπειδὴ κατέπαυσε λαλῶν πρὸς αὐτούς (2 c)
— 34. ἔναντι κυρίου λαλεῖν αὐτῷ (2 c)
— 34. ἐλάλει πᾶσι τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
40. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (2 c)
Le. 1. 1. ἐλάλησε κύριος αὐτῷ ἐκ τῆς σκηνῆς (2 c)
— 2. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσραήλ (2 c)
4. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (2 c)
— 2. λάλησον πρὸς τοὺς υἱοὺς Ἰσραήλ (2 c)
5. 14: 6. 1 (5. 20), 7 (1), 19 (12) (B), 24 (17). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (2 c)
6. 25 (18). λάλησον Ἀαρών (2 c)
7. 12 (22). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (2 c)
— 13 (23). λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσραήλ (2 c)
Le. 7. 18 (28). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (2 c)
— 19 (29). τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ λαλήσεις (2 c)
8. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (2 c)
9. 3. τῇ γερουσίᾳ Ἰσραὴλ λάλησον (2 c)
10. 8. ἐλάλησε κύριος τῷ Ἀαρών (2 c)
— 11. τὰ νόμιμα ἃ ἐλάλησε (2 c)
— 19. ἐλάλησεν Ἀαρὼν πρὸς Μωυσῆν (2 c)
11. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. καὶ Ἀαρών (2 c)
— 2. λαλήσατε τοῖς υἱοῖς Ἰσραήλ (2 c)
12. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (2 c)
— 2. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσραήλ (2 c)
13. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. καὶ Ἀαρών (2 c)
14. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (2 c)
— 33: 15. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. καὶ Ἀαρών (2 c)
15. 2. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσραήλ (2 c)
16. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (2 c)
— 2. λάλησον πρὸς Ἀαρὼν τὸν ἀδελφόν σου (2 c)
17. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (2 c)
— 2. λάλησον πρὸς Ἀαρών (2 c)
18. 2. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσραήλ (2 c)
19. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (2 c)
— 2. λάλησον τῇ συναγωγῇ (2 c)
20. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 2. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λαλήσεις (1 a)
21. 16. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 24. ἐλάλησε M. πρὸς Ἀ. [A B¹ *al.*] (2 c)
22. 1, 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 18. λάλησον Ἀαρὼν καὶ τοῖς υἱοῖς αὐ. (2 c)
— 26. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
23. 2. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
— 9, 23. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 24. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
— 26, 33. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 34. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
— 44. ἐλάλησε M. τὰς ἑορτὰς κυρίου (2 c)
24. 1, 13. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 15. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λάλησον (2 c)
— 23. ἐλάλησε M. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
25. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 2. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
27. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 2. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
Nu. 1. 1, 48: 2. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
3. 1. ἐλάλησε κύριος τῷ M. (2 c)
— 5, 11, 14, 44: 4. 1, 17, 21: 5. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
5. 4. καθὰ ἐλάλησε κύριος Μωυσῇ (2 c)
— 5. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 6. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
— 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 12. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
6. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 2. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
— 22. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 23. ABS² λάλησον Ἀαρὼν καὶ τοῖς υἱοῖς αὐ. (2 c)
7. 89. λαλῆσαι αὐτῷ (2 c)
— 89. τὴν φωνὴν κυρίου λαλοῦντος πρὸς αὐτόν (2 e)
— 89. καὶ ἐλάλει πρὸς αὐτόν (2 c)
8. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 2. λάλησον τῷ Ἀαρών (2 c)
— 5, 23: 9. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
9. 4. ἐλάλησε M. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
— 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 10. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
10. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 29. κύριος ἐλάλησε καλά (2 c)
11. 17. λαλήσω ἐκεῖ μετὰ σοῦ (2 c)
— 24. ἐλάλησε . . . τὰ ῥήματα κυρίου (2 c)
— 25. ἐλάλησε πρὸς αὐτόν (2 c)
12. 1. ἐλάλησε M. καὶ Ἀ. κατὰ M. [B¹ *al.*] (2 c)
— 2. μὴ Μωυσῇ μόνῳ λελάληκε [A ἐλάλησε] κ. (2 c)
— 2. οὐχὶ καὶ [A *add.* ἐν] ἡμῖν ἐλάλησε (2 c)
— 6. ἐν ὕπνῳ λαλήσω αὐτῷ (2 c)
— 8. στόμα κατὰ στόμα λαλήσω αὐτῷ (2 c)
13. 2 (1). ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
14. 28. ὃν τρόπον λελαλήκατε εἰς τὰ ὦτά μου [A *om.* εἰς τ. ὦ. μ.] (2 c)
— 35. ἐγὼ κύριος ἐλάλησα (2 c)
— 39. ἐλάλησε M. τὰ ῥήματα ταῦτα (2 c)
15. 1. A ἐλάλησεν [B εἶπε] κύριος πρὸς M. (2 c)
— 2. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
— 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 18. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
— 22. ἃς ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 35. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (1 a)
Nu. 15. 36. A καθὰ ἐλάλησεν κύριος πρὸς M. [B *al.*] (9)
— 38. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
16. 1. καὶ ἐλάλησε Κορέ †
— 5. ἐλάλησε πρὸς Κορέ (2 c)
— 20, 23. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 24. λάλησον τῇ συναγωγῇ (2 c)
— 26. ἐλάλησε πρὸς τὴν συναγωγήν (2 c)
— 31. ὡς δὲ ἐπαύσατο λαλῶν πάντας τοὺς λόγους τ. (2 c)
— 40 (17. 5). καθὰ ἐλάλησε κύριος (2 c)
— 44 (17. 9). ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 47 (17. 12). καθάπερ ἐλάλησεν αὐτῷ M. (2 c)
17. 1 (16). ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 2 (17). λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
— 6 (21). ἐλάλησε M. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
18. 8. ἐλάλησε κύριος πρὸς Ἀ. (2 c)
— 20. ἐλάλησε κύριος πρὸς Ἀ. (1 a)
— 25. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 26. καὶ τοῖς Λευίταις λαλήσεις (2 c)
19. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 2. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
20. 7. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 8. λαλήσατε πρὸς τὴν πέτραν (2 c)
22. 8. ἃ ἐὰν λαλήσῃ κύριος πρὸς μέ (2 c)
— 19. τί προσθήσει κ. λαλῆσαι πρὸς μέ (2 c)
— 20. ὃ ἂν λαλήσω [A εἴπω] πρὸς σέ (2 c)
— 35. τοῦτο φυλάξῃ λαλῆσαι (2 c)
— 38. δυνατὸς ἔσομαι λαλῆσαί τι (2 c)
— 38. τοῦτο λαλήσω [A φυλάξω λαλῆσαι] (2 c)
23. 5. οὕτως λαλήσεις (2 c)
— 12. τοῦτο φυλάξω λαλῆσαι (2 c)
— 16. καὶ τάδε λαλήσεις (2 c)
— 17. τί ἐλάλησε κύριος (2 c)
— 19. λαλήσει καὶ οὐχὶ ἐμμενεῖ (2 c)
— 26. οὐκ ἐλάλησά σοι λέγων (2 c)
— 26. ὃ ἐὰν λαλήσῃ ὁ θεός (2 c)
24. 12. οὐχὶ . . . ἐλάλησα λέγων (2 c)
25. 10, 16. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 16. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. –
26. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (1 a)
— 3. ἐλάλησε M. καὶ Ἐλ. [A *add.* μετ' αὐτῶν] (2 c)
— 52. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
27. 5 (6). ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (1 a)
— 6 (7). ὀρθῶς θυγατέρες Σ. λελαλήκασι (2 a)
— 7 (8). τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λαλήσεις (2 c)
— 18. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (1 a)
28. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
30. 1. ἐλάλησε M. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (1 a)
— 2. ἐλάλησε M. πρὸς τοὺς ἄρχοντας (2 c)
31. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 3. ἐλάλησε M. πρὸς τὸν λαόν (2 c)
— 25. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (1 a)
33. 50. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
— 51. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
34. 1, 16: 35. 1, 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
35. 10. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)
36. 1. ἐλάλησαν ἔναντι Μωυσῆ (2 c)
De. 1. 1. οὓς ἐλάλησε M. (2 c)
— 3. ἐλάλησε M. πρὸς πάντας υἱοὺς Ἰσρ. (2 c)
— 6. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἐλάλησεν ἡμῖν (2 c)
— 11. καθότι ἐλάλησεν ὑμῖν (2 c)
— 14. ὃ ἐλάλησας ποιῆσαι (2 c)
— 43. καὶ ἐλάλησα ὑμῖν (2 c)
2. 1. ὃν τρόπον ἐλάλησε κύριος πρὸς μέ (2 c)
— 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς μέ (2 c)
3. 26. μὴ προσθῇς ἔτι λαλῆσαι τὸν λόγον τ. (2 c)
4. 12. ἐλάλησε κύριος πρὸς ὑμᾶς (2 c)
— 15. ᾗ ἐλάλησε κ. πρὸς ὑμᾶς (2 c)
— 33. φωνὴν θεοῦ ζῶντος λαλοῦντος ἐκ μέσου τοῦ πυρός (2 c)
— 45. ὅσα ἐλάλησε M. (2 c)
5. 1. ὅσα ἐγὼ λαλῶ ἐν τοῖς ὠσὶν ὑμῶν (2 a)
— 4. ἐλάλησε κύριος πρὸς ὑμᾶς (2 c)
— 22 (19). τὰ ῥήματα ταῦτα ἐλάλησε κύριος (2 c)
— 24 (21). λαλήσει ὁ θεὸς πρὸς ἄνθρωπον (2 c)
— 26 (23). φωνὴν θεοῦ ζῶντος λαλοῦντος ἐκ μέσου τοῦ πυρός (2 c)
— 27 (24). AB²R λαλήσεις πρὸς ἡμᾶς πάντα ὅσα ἂν λαλήσῃ κύριος (2 c, 2 c)
— 28 (25). τὴν φωνὴν τῶν λόγων ὑμῶν λαλούντων πρὸς μέ (2 c)
— 28 (25). ὅσα ἐλάλησαν πρὸς σέ (2 c)
— 28 (25). ὀρθῶς πάντα ὅσα ἐλάλησαν (2 c)
— 31 (28). λαλήσω πρὸς σὲ τὰς ἐντολάς (2 c)
6. 3. καθάπερ ἐλάλησε κύριος (2 c)

De. 6. 7. καὶ λαλήσεις ἐν αὐτοῖς (2 c)
— 19. καθὰ ἐλάλησε κύριος (2 c)
9. 10. οὗς ἐλάλησε κύριος πρὸς ὑμᾶς (2 c)
— 13. λελάληκα πρὸς σέ –
10. 4. οὗς ἐλάλησε κ. πρὸς ὑμᾶς (2 c)
11. 19. λαλεῖν ἐν αὐτοῖς [A λ. αὐτά] (2 c)
— 25. ὃν τρόπον ἐλάλησε πρὸς ὑμᾶς (2 c)
12. 20. καθάπερ ἐλάλησέ σοι (2 c)
13. 2 (3). ὃ ἐλάλησε πρὸς σέ (2 c)
— 5 (6). ἐλάλησε γὰρ πλανῆσαί σε (2 c)
— 17 (18). A καθὼς ἐλάλησέ σοι –
15. 6. ὃν τρόπον ἐλάλησέ σοι (2 c)
18. 17. ὅσα ἐλάλησαν πρὸς σέ (2 c)
— 18. καὶ λαλήσει αὐτοῖς (2 c)
— 19. ὅσα ἐὰν λαλήσῃ ὁ προφήτης ἐκ. (2 c)
— 20. λαλῆσαι ἐπὶ τῷ ὀνόματί μου ῥῆμα (2 c)
— 20. ὃ οὐ προσέταξα λαλῆσαι (2 c)
— 20. ὃς ἂν λαλήσῃ ἐν [A ἐπ'] ὀνόματι θεῶν ἑτέρων (2 c)
— 21. ὃ οὐκ ἐλάλησε κύριος (2 c)
— 22. ὅσα ἐὰν λαλήσῃ ὁ προφήτης ἐκ. (2 c)
— 22. ὃ οὐκ ἐλάλησε κύριος (2 c)
— 22. ἐν ἀσεβείᾳ ἐλάλησεν ὁ προφήτης ἐκ. (2 c)
20. 2. λαλήσει τῷ λαῷ (2 c)
— 5. λαλήσουσιν οἱ γραμματεῖς πρὸς τὸν λαόν (2 c)
— 8. λαλῆσαι πρὸς τὸν λαόν (2 c)
— 9. ὅταν παύσωνται . . . λαλοῦντες πρὸς τὸν λαόν (2 c)
23. 23 (24). ὃ ἐλάλησας τῷ στόματί σου (2 c)
26. 19. καθὼς ἐλάλησε (2 c)
27. 9. ἐλάλησε M. . . . λέγοντες (2 c)
31. 1. συνετέλεσε M. λαλῶν πάντας τοὺς λόγους τ. (2 c)
— 3. καθὰ ἐλάλησε κύριος (2 c)
— 28. ἵνα λαλήσω εἰς τὰ ὦτα αὐτῶν (2 c)
— 30. ἐλάλησε M. . . . τὰ ῥήματα τῆς ᾠδῆς τ. (2 c)
32. 1. καὶ λαλήσω (2 c)
— 44. ἐλάλησε πάντας τοὺς λόγους τοῦ νόμου τ. (2 c)
— 45. ἐξετέλεσε M. λαλῶν (2 c)
— 48. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (2 c)
Jo. 10. 12. ἐλάλησεν 'I. πρὸς κύριον (2 c)
14. 6. ὃ ἐλάλησε κ. πρὸς M. (2 c)
— 10. ἐλάλησε κύριος τὸ ῥῆμα τοῦτο (2 c)
20. 1. ἐλάλησε κύριος τῷ 'Ιησοῦ (2 c)
— 2. λάλησον τοῖς υἱοῖς 'Ισρ. (2 c)
— 4. A λαλήσει ἐν τοῖς ὠσὶ τῶν πρεσβυτ. (2 c)
21. 43. ὧν ἐλάλησε κύριος τοῖς υἱοῖς 'Ισρ. (2 c)
22. 15. ἐλάλησαν πρὸς αὐτούς (2 c)
— 21. ἐλάλησαν τοῖς χιλιάρχοις 'Ισρ. (2 c)
— 28. ἐὰν . . . λαλήσωσι πρὸς ἡμᾶς (1 a)
— 30. οὗς ἐλάλησαν οἱ υἱοὶ 'P. (2 c)
— 33. ἐλάλησαν [A -εν] πρὸς τοὺς υἱοὺς 'Ισρ. †
23. 5. καθὰ ἐλάλησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ὑμῖν (2 c)
— 15. B ἃ ἐλάλησε κύριος πρὸς [A R ἐφ'] ὑμᾶς (2 c)
24. 27. ὅ τι [A ὅσα] ἐλάλησε πρὸς ἡμᾶς (2 c)
Jd. 1. 20. καθὼς ἐλάλησε M. (2 c)
2. 4. ὡς ἐλάλησεν ὁ ἄγγελος κυρίου (2 c)
— 15. καθὼς ἐλάλησε κύριος (2 c)
5. 12. λάλησον ᾠδήν [A λάλει μετ' ᾠδῆς] (2 c)
6. 17. ὅ τι ἐλάλησας [A σὺ λαλεῖς] μετ' ἐμοῦ (2 c)
— 27. ὃν τρόπον ἐλάλησε πρὸς αὐτὸν κύριος (2 c)
— 36, 37. καθὼς ἐλάλησας (2 c)
— 39. λαλήσω [A add. πρὸς σὲ] ἔτι ἅπαξ (2 c)
7. 3. λάλησον δὴ ἐν ὠσὶ [A εἰς τὰ ὦ.] τοῦ λαοῦ (10)
— 10 (11). ἀκούσῃ τί λαλήσουσι [A λαλοῦσιν] (2 c)
8. 3. ἐν τῷ λαλῆσαι αὐτὸν τὸν λόγον τοῦτον (2 c)
— 8. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς ὡσαύτως (2 c)
9. 1. ἐλάλησε πρὸς αὐτούς (2 c)
— 2. λαλήσατε δὴ ἐν τοῖς ὠσὶ πάντων (2 c)
— 3. ἐλάλησαν περὶ αὐτοῦ (2 c)
— 37. προσέθετο ἔτι Γ. τοῦ λαλῆσαι (2 c)
— 38. ὡς ἐλάλησας [A al.] (1 a)
11. 11. ἐλάλησεν 'I. πάντας τοὺς λόγους αὐ. (2 c)
12. 6. οὐ κατεύθυνε τοῦ λαλῆσαι οὕτως [A al.] (2 c)
13. 11. ὁ ἀνὴρ ὁ λαλήσας πρὸς τὴν γυναῖκα (2 c)
14. 7. ἐλάλησαν τῇ γυναικί (2 c)
15. 17. ὡς ἐπαύσατο λαλῶν [A al.] (2 c)
16. 10, 13. ἐλάλησας πρὸς μὲ ψευδῆ (2 c)
18. 7. A μὴ δυναμένους λαλῆσαι ῥῆμα [B al.] (2 f?)
19. 3. τοῦ λαλῆσαι ἐπὶ καρδίαν αὐτῆς (2 c)
— 30. καὶ λαλήσατε (2 c)
20. 3. λαλήσατε ποῦ ἐγένετο ἡ πονηρία αὕτη (2 c)
21. 13. ἐλάλησαν πρὸς τοὺς υἱοὺς Βεν. (2 c)
Ru. 1. 18. ἐκόπασε τοῦ λαλῆσαι πρὸς αὐτὴν ἔτι (2 c)
2. 13. ἐλάλησας ἐπὶ καρδίαν τῆς δούλης σου (2 c)
Ru. 4. 1. R ὃν ἐλάλησε [A B εἶπεν] Βοόζ (2 c)
I Ki. 1. 13. ἐλάλει ἐν τῇ καρδίᾳ αὐ. (2 c)
2. 3. μὴ λαλεῖτε ὑψηλά (2 c)
3. 9, 10. λάλει ὅτι ἀκούει ὁ δοῦλός σου (2 c)
— 12. ὅσα ἐλάλησα εἰς τὸν οἶκον αὐ. (2 c)
— 17. τί τὸ ῥῆμα τὸ λαληθὲν πρὸς σέ (2 c)
— 17. ἐκ πάντων λόγων τῶν λαληθέντων σοι (2 c)
8. 7. καθὰ ἂν λαλήσωσίν σοι (1 a)
— 21. ἐλάλησεν αὐτοὺς [A -οῖς] εἰς τὰ ὦτα κυρίου (2 c)
9. 6. ὃ ἐὰν λαλήσῃ (2 c)
— 21. ἵνα τί ἐλάλησας πρὸς ἐμέ (2 c)
11. 4. λαλοῦσι τοὺς λόγους (2 c)
14. 19. ὡς ἐλάλει Σ. πρὸς τὸν ἱερέα (2 c)
— 26. καὶ ἰδοὺ ἐπορεύετο λαλῶν †
15. 13. ὅσα ἐλάλησε κύριος (2 f)
— 16. ἃ ἐλάλησε κύριος πρὸς μέ (2 c)
— 16. εἶπεν αὐτῷ, Λάλησον (2 c)
16. 4. ἃ ἐλάλησεν αὐτῷ κύριος (2 c)
17. 23. A αὐτοῦ λαλοῦντος μετ' αὐτῶν (2 c)
— 23. A ἐλάλησε κατὰ ῥήματα ταῦτα (2 c)
— 28. A ἐν τῷ λαλεῖν αὐτὸν πρὸς τοὺς ἄνδρας (2 c)
— 31. A οὗς ἐλάλησεν Δαυίδ (2 c)
18. 1. A ὡς συνετέλεσεν λαλῶν πρὸς Σ. (2 c)
— 22. λαλήσατε ὑμεῖς λάθρα τῷ Δ. [A τὸν Δ.] (2 c)
— 23. ἐλάλησαν οἱ παῖδες Σ. . . . τὰ ῥήματα ταῦτα (2 c)
— 24. ἃ ἐλάλησε Δαυίδ (2 c)
19. 1. ἐλάλησε Σ. πρὸς 'Ιων. (2 c)
— 3. λαλήσω περὶ σοῦ πρὸς τὸν πατέρα μου (2 c)
— 4. ἐλάλησεν 'Ιων. περὶ Δ. ἀγαθά (2 c)
20. 23. ὃ ἐλαλήσαμεν ἐγὼ καὶ σύ (2 c)
— 26. οὐκ ἐλάλησε Σ. [A add. οὐδὲν] ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ (2 c)
22. 12. λάλει, κύριε –
24. 17. ὡς συνετέλεσε Δ. τὰ ῥήμ. ταῦτα λαλῶν (2 c)
25. 9. λαλοῦσι τοὺς λόγους τούτους πρὸς N. [A al.] (2 c)
— 17. οὐκ ἔστι λαλῆσαι πρὸς αὐτόν (2 c)
— 24. λαλησάτω δὴ ἡ δούλη σου εἰς τὰ ὦτά σου (2 c)
— 30. ὅσα ἐλάλησεν ἀγαθὰ ἐπὶ σέ (2 c)
— 39. ἐλάλησε περὶ 'Αβιγαίας (2 c)
— 40. ἐλάλησαν αὐτῇ λέγοντες (2 c)
26. 14. τῷ 'Αβ. ἐλάλησε –
28. 17. καθὼς ἐλάλησε κύριος ἐν χειρί μου (2 c)
— 21. οὗς ἐλάλησάς μοι (2 c)
II Ki. 2. 27. εἰ μὴ ἐλάλησας (2 c)
3. 18. κύριος ἐλάλησε περὶ Δ. (1 a)
— 19. ἐλάλησεν 'Αβ. ἐν τοῖς ὠσὶ Βεν. (2 c)
— 19. τοῦ λαλῆσαι εἰς τὰ ὦτα τοῦ Δ. (2 c)
— 27. λαλῆσαι πρὸς αὐτόν (2 c)
7. 7. εἰ λαλῶν ἐλάλησα πρὸς μίαν φυλὴν τοῦ 'Ισρ. (2 f, 2 c)
— 17. οὕτως ἐλάλησε N. πρὸς Δ. (2 c)
— 19. ἐλάλησας ὑπὲρ τοῦ οἴκου τοῦ δούλου σου (2 c)
— 20. τοῦ λαλῆσαι πρὸς σέ (2 c)
— 25. ὃ ἐλάλησας περὶ τοῦ δούλου σου (2 c)
— 25. A καθὼς ἐλάλησας (2 c)
— 27. καὶ νῦν καθὼς ἐλάλησας –
— 28. ἐλάλησας ὑπὲρ τοῦ δούλου σου τὰ ἀγαθὰ ταῦτα (2 c)
— 29. σὺ εἶ . . . ἐλάλησας (2 c)
11. 18. B λαλῆσαι πρὸς τὸν βασ. –
— 19. λαλῆσαι πρὸς τὸν βασ. (2 c)
12. 18. ἐλαλήσαμεν πρὸς αὐτόν (2 c)
13. 13. λάλησον δὴ πρὸς τὸν βασ. (2 c)
— 20. τοῦ λαλῆσαι εἰς τὸ ῥῆμα τοῦτο –
— 22. οὐκ ἐλάλησεν 'Αβ. μετὰ 'A. (2 c)
— 36. ἡνίκα συνετέλεσε λαλῶν (2 c)
14. 3. λαλήσεις πρὸς αὐτόν (2 c)
— 10. τίς ὁ λαλῶν πρὸς σέ (2 c)
— 12. λαλησάτω δὴ ἡ δούλη σου πρὸς τὸν κ. μου (2 c)
— 12. καὶ εἶπε, Λάλησον (2 c)
— 15. ὃ ἦλθον λαλῆσαι πρὸς τὸν βασ. (2 c)
— 15. λαλησάτω δὴ πρὸς τὸν βασ. (2 c)
— 18. λαλησάτω δὴ ὁ κ. μου ὁ βασ. (2 c)
— 19. ὧν ἐλάλησεν ὁ κ. μου ὁ βασ. (2 c)
17. 6. B ὃ [A R om.] ἐλάλησεν 'Αχ. (2 c)
— 6. εἰ δὲ μὴ σὺ λάλησον (2 c)
19. 7 (8). λάλησον εἰς τὴν καρδίαν τῶν δούλων σου (2 c)
— 11 (12). λαλήσατε πρὸς τοὺς πρεσβυτ. 'I. (2 c)
— 29 (30). ἵνα τί λαλεῖς ἔτι τοὺς λόγους σου (2 c)
II Ki. 20. 16. λαλήσω πρὸς αὐτόν (2 c)
— 18. λόγον ἐλάλησαν ἐν πρώτοις (2 c)
— 22. ἐλάλησε πρὸς πᾶσαν τὴν πόλιν –
22. 1. ἐλάλησε Δ. . . . τοὺς λόγους (2 c)
23. 2. πνεῦμα κυρίου ἐλάλησεν ἐν ἐμοί (2 c)
— 3. ἐμοὶ ἐλάλησε φύλαξ ἐξ 'Ισρ. (2 c)
24. 12. λάλησον πρὸς Δ. (2 c)
III Ki. 1. 14. ἔτι λαλούσης σου ἐκεῖ μετὰ τοῦ βασ. (2 c)
— 22. ἔτι αὐτῆς λαλούσης μετὰ τοῦ βασ. (2 c)
— 42. ἔτι αὐτοῦ λαλοῦντος (2 c)
2. 4. ὃν ἐλάλησε [A add. περὶ ἐμοῦ] (2 c)
— 13 (14). καὶ εἶπεν αὐτῷ, Λάλησον (2 c)
— 15 (16). καὶ εἶπεν αὐτῷ B., Λάλει (2 c)
— 18. ἐγὼ λαλήσω περὶ σοῦ τῷ βασ. (2 c)
— 19. λαλῆσαι αὐτῷ περὶ 'Αδ. (2 c)
— 23. ἐλάλησεν 'Αδ. τὸν λόγον τοῦτον (2 c)
— 24. καθὼς ἐλάλησε κύριος (2 c)
— 27. ὃ ἐλάλησεν ἐπὶ τὸν οἶκον 'H. (2 c)
— 30. τάδε λελάληκεν 'I. (2 c)
3. 1 (2. 38). ὃ ἐλάλησας (2 c)
— 22. ἐλάλησαν [A -ας] ἐνώπιον τοῦ βασ. (2 c)
4. 32 (5. 12). ἐλάλησε Σαλ. τρισχιλίας παραβολάς (2 c)
— 33 (5. 13). ἐλάλησεν ὑπὲρ [A περὶ] τῶν ξύλων (2 c)
— 33 (5. 13). ἐλάλησε περὶ τῶν κτηνῶν (2 c)
5. 5 (19). καθὼς ἐλάλησε κύριος (2 c)
— 12 (26). καθὼς ἐλάλησεν αὐτῷ (2 c)
6. 12. A ὃν ἐλάλησα πρὸς Δ. (2 c)
8. 15. ὃς ἐλάλησεν ἐν τῷ στόματι αὐ. (2 c)
— 20. τὸ ῥῆμα αὐτοῦ ὃ ἐλάλησε (2 c)
— 20. καθὼς ἐλάλησε (2 c)
— 24. A ὅσα ἐλάλησας αὐτῷ (2 c)
— 24. ἐλάλησας ἐν τῷ στόματί σου (2 c)
— 25. ἃ ἐλάλησας αὐτῷ (2 c)
— 26. A ὃ ἐλάλησας τῷ δούλῳ σου Δ. [B al.] (2 c)
— 53. καθὼς ἐλάλησας ἐν χειρὶ δούλου σου M. (2 c)
— 53. ἐλάλησε Σαλ. ὑπὲρ τοῦ οἴκου –
— 56. ὅσα [A ἃ] ἐλάλησεν (2 c)
— 56. οἷς ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. M. (2 c)
9. 5. καθὼς ἐλάλησα τῷ Δ. (2 c)
10. 2. ἐλάλησεν αὐτῷ πάντα (2 c)
— 7. οὐκ ἐπίστευσα τοῖς λαλοῦσί μοι (2 f)
12. 3. ἐλάλησεν ὁ λαὸς πρὸς τὸν βασ. (2 c)
— 7. ἐλάλησαν πρὸς αὐτόν (2 c)
— 7. B καὶ λαλήσῃς [A R -εις] αὐτοῖς λόγους ἀγαθούς (2 c)
— 9. A τῷ λαῷ τούτῳ τοῖς λαλήσασιν [B λέγουσι] πρὸς μέ (2 c)
— 10. ἐλάλησαν πρὸς αὐτόν (2 c)
— 10. τάδε λαλήσεις τῷ λαῷ τούτῳ τοῖς λαλήσασι πρὸς σέ (1 a, 2 c)
— 10. τάδε λαλήσεις πρὸς αὐτούς (2 c)
— 12. καθότι ἐλάλησεν αὐτοῖς ὁ βασ. (2 c)
— 14. ἐλάλησε πρὸς αὐτούς (2 c)
— 15. ὃ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ 'Αχ. (2 c)
— 24. B ἐλάλησεν εἰς τὰ ὦτα Σ. –
— 24. B ἐλάλησε 'P. εἰς τὰ ὦτα αὐ. –
— 24. B οὕτως ἐλάλησε πρὸς σὲ ὁ λαός –
— 24. B ἐλάλησεν αὐτοῖς τὰ αὐτά –
— 24. B οὕτως λαλήσεις πρὸς τὸν λ. –
13. 3. ὃ ἐλάλησε κύριος (2 c)
— 7. ἐλάλησεν ὁ βασ. πρὸς τὸν ἄνθρ. τοῦ θ. (2 c)
— 11. οὗς ἐλάλησε τῷ βασ. (2 c)
— 12. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς ὁ πατὴρ αὐ. (2 c)
— 18. ἄγγελος λελάληκε πρὸς μέ [A μοι] (2 c)
— 22. ᾧ [A ὡς] ἐλάλησε πρὸς σέ (2 c)
— 25. ἐλάλησαν [A -εν] ἐν τῇ πόλει (2 c)
— 26. A ὃ ἐλάλησεν αὐτῷ (2 c)
— 27. A ἐλάλησεν πρὸς τοὺς υἱοὺς αὐ. (2 c)
— 32. ὃ ἐλάλησεν ἐν λόγῳ κυρίου (10)
14. 2. A ἐλάλησεν ἐμὲ τοῦ βασιλεῦσαι (2 c)
— 5. A κατὰ τοῦτο λαλήσεις πρὸς αὐτήν (2 c)
— 11. A κύριος ἐλάλησεν (2 c)
— 18. A ὃ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. (2 c)
15. 29. B ὃ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου 'Αχ. (2 c)
16. 7. ἐν χειρὶ Εἰοὺ . . . ἐλάλησε κύριος (2 g)
— 12. ὃ ἐλάλησε κύριος ἐπὶ τὸν οἶκον B. (2 c)
— 34. ὃ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ 'I. (2 c)
17. 16. ὃ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ 'H. (2 c)
18. 24. ὃ ἐλάλησας –
— 29. ἐλάλησεν 'H. πρὸς τοὺς προφήτας –
— 31. ὡς ἐλάλησε κύριος πρὸς αὐτόν (2 g)
20 (21). 2. ἐλάλησεν 'Αχ. πρὸς Ναβ. (2 c)

III Ki. 20 (21). 4. **A** ὡς ἐλάλησε πρὸς αὐτὸν N. (2 *c*)
— 5. ἐλάλησε πρὸς αὐτόν (2 *c*)
— 6. ἐλάλησα πρὸς Ναβ. (2 *c*)
— 19. λαλήσεις πρὸς αὐτόν (2 *c*)
— 23. τῇ Ἰεζ. ἐλάλησε κύριος (2 *c*)
21 (20). 4. καθὼς ἐλάλησας [**A** *add.* μοι] (2*f*)
22. 8. οὐ λαλεῖ περὶ ἐμοῦ καλά (5)
— 13. ὁ ἄγγελος . . . ἐλάλησεν αὐτῷ (2 *c*)
— 13. λαλοῦσι πάντες οἱ προφῆται (2*f*)
— 13. λάλησον καλά (2 *c*)
— 14. ταῦτα λαλήσω (2 *c*)
— 16. ὅπως λαλήσῃς [**A** -εις] πρὸς μὲ ἀλήθειαν (2 *c*)
— 23. κύριος ἐλάλησεν ἐπὶ σὲ κακά (2 *c*)
— 24. ποῖον πνεῦμα κυρίου τὸ λαλῆσαν ἐν σοί [**A** *al.*] (2 *c*)
— 28. οὐ λελάληκε [**A** οὐκ ἐλάλησεν] κύριος ἐν ἐμοί (2 *c*)
— 38. ὃ ἐλάλησε (2 *c*)
IV Ki. 1. 3. λαλήσεις πρὸς αὐτούς (2 *c*)
— 6. λαλήσατε πρὸς αὐτόν (2 *c*)
— 7. **B** καθὰ ἐλάλησεν Ἠ. –
— 7. ἐλάλησε πρὸς αὐτούς (2 *c*)
— 7. τοῦ . . . λαλήσαντος πρὸς ὑμᾶς τοὺς λόγους τ. (2 *c*)
— 9, 11. ἐλάλησεν ὁ πεντηκόνταρχος πρὸς αὐτόν (2 *c*)
— 12, 13. ἐλάλησε πρὸς αὐτόν (2 *c*)
— 15. ἐλάλησεν ἄγγελος κυρίου πρὸς Ἠ. (2 *c*)
— 16. ἐλάλησε πρὸς αὐτόν (2 *c*)
— 17. ὃ ἐλάλησεν Ἠλ. (2 *c*)
2. 11. ἐπορεύοντο καὶ ἐλάλουν (2 *c*)
— 22. ὃ ἐλάλησε (2 *c*)
4. 17. ὡς ἐλάλησε πρὸς αὐτὴν Ἑλ. (2 *c*)
5. 4. οὕτως καὶ οὕτως ἐλάλησεν ἡ νεᾶνις (2 *c*)
— 13. ἐλάλησαν πρὸς αὐτόν (2 *c*)
— 13. μέγαν λόγον ἐλάλησεν ὁ προφήτης (2 *c*)
6. 12. οὓς ἐὰν λαλήσῃς ἐν τῷ ταμείῳ (2 *c*)
— 33. ἔτι αὐτοῦ λαλοῦντος μετ' αὐτῶν (2 *c*)
7. 17. καθὰ ἐλάλησεν ὁ ἄνθρωπος τοῦ θ. ὃς ἐλάλησεν (2 *c*, 2 *c*)
— 18. καθὰ ἐλάλησεν Ἑλ. (2 *c*)
8. 1. Ἑλ. ἐλάλησε πρὸς τὴν γυναῖκα (2 *c*)
— 4. ὁ βασ. ἐλάλει [**A** -λησεν] πρὸς Γ. (2 *c*)
9. 12. οὕτως καὶ οὕτως ἐλάλησε πρὸς μέ (1 *a*)
— 36. ὃν ἐλάλησεν ἐν χειρὶ Ἠλ. (2 *c*)
10. 10. οὗ [**A** ὅ τι] ἐλάλησε κύριος (2 *c*)
— 10. ὅσα ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. Ἠλ. (2 *c*)
— 17. ὃ ἐλάλησε πρὸς Ἠλ. (2 *c*)
14. 25. ὃ [**A** ὃς] ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. Ἰ. (2 *c*)
— 27. οὐκ ἐλάλησε κύριος ἐξαλεῖψαι (2 *c*)
15. 12. ὃν ἐλάλησε πρὸς Εἰοὺ (2 *c*)
17. 23. καθὼς ἐλάλησε κύριος (2 *c*)
18. 26. λάλησον δὴ πρὸς τοὺς παῖδάς σου Σ. (2 *c*)
— 26. οὐ λάλησεις . . . Ἰουδ. (2 *c*)
— 26. ἵνα τί λαλεῖς [**A** *om.* ἵ. τί λ.] ἐν τοῖς ὠσὶ τοῦ λαοῦ –
— 27. λαλῆσαι τοὺς λόγους τούτους (2 *c*)
— 28. καὶ ἐλάλησε (2 *c*)
19. 21. ὃν ἐλάλησε κύριος ἐπ' [**A** πρὸς] αὐτόν (2 *c*)
20. 9. ὃν ἐλάλησε (2 *c*)
— 14. τί ἐλάλησαν οἱ ἄνδρες οὗτοι (1 *a*)
— 19. ὃν ἐλάλησεν (2 *c*)
21. 10. ἐλάλησε κύριος ἐν χειρὶ δούλων αὐτοῦ (2 *c*)
22. 14. ἐλάλησαν πρὸς αὐτήν (2 *c*)
— 19. ὅσα ἐλάλησα ἐπὶ τὸν τόπον τοῦτον (2 *c*)
23. 16. ὃ ἐλάλησεν ὁ ἄνθρωπος τοῦ θεοῦ (10)
— 16. τοῦ ἀνθρώπου τοῦ θ. τοῦ λαλήσαντος τοὺς λόγους τούτους (10)
24. 2. ὃν ἐλάλησεν ἐν χειρὶ τῶν δούλων αὐ. (2 *c*)
25. 6. ἐλάλησε μετ' αὐτοῦ κρίσιν (2 *c*)
— 28. ἐλάλησε μετ' αὐτοῦ ἀγαθά (2 *c*)
I Ch. 17. 6. εἰ λαλῶν ἐλάλησα πρὸς μίαν φυλήν (2*f*, 2 *c*)
— 15. οὕτως ἐλάλησε N. πρὸς Δ. (2 *c*)
— 17. ἐλάλησας ἐπὶ τὸν οἶκον τοῦ παιδός σου (2 *c*)
— 23. ὃν ἐλάλησας πρὸς τὸν παῖδά σου (2 *c*)
— 23. **B** καθὼς ἐλάλησας (2 *c*)
— 26. ἐλάλησας . . . τὰ ἀγαθὰ ταῦτα (2 *c*)
21. 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Γάδ (2 *c*)
— 10. λάλησον πρὸς Δ. (2 *c*)
— 19. ὃν ἐλάλησεν ἐν ὀνόματι κυρίου (2 *c*)
22. 11. ὡς ἐλάλησε περὶ σοῦ (2 *c*)
II Ch. 6. 4. ὃς ἐλάλησεν ἐν στόματι αὐτοῦ (2 *c*)
— 10. ὃν ἐλάλησε (2 *c*)
— 10. καθὼς ἐλάλησε κύριος (2 *c*)
II Ch. 6. 15. ἃ ἐλάλησας αὐτῷ λέγων καὶ ἐλάλησας [**A** *om.* αὐ. λ. κ. ἐ.] ἐν στόματί σου (2 *c*, 2 *c*)
— 16. ἃ ἐλάλησας αὐτῷ (2 *c*)
— 17. ὃ ἐλάλησας τῷ παιδί σου τῷ Δ. (2 *c*)
9. 1. ἐλάλησε πρὸς αὐτόν (2 *c*)
10. 7. ἐλάλησαν αὐτῷ λέγοντες (2 *c*)
— 7. ἐὰν . . . λαλήσῃς αὐτοῖς λόγους ἀγαθούς (2 *c*)
— 9. οἱ ἐλάλησαν πρὸς μέ (2 *c*)
— 10. ἐλάλησαν αὐτῷ τὰ παιδάρια (2 *c*)
— 10. οὕτως λαλήσεις τῷ λαῷ τῷ λαλήσαντι πρὸς σέ (1 *a*, 2 *c*)
— 12. ὡς ἐλάλησεν ὁ βασ. (2 *c*)
— 14. ἐλάλησε πρὸς αὐτούς (2 *c*)
— 15. ὃν ἐλάλησεν ἐν χειρὶ Ἀχ. (2 *c*)
18. 7. μὴ λαλείτω ὁ βασ. οὕτως (1 *a*)
— 12. ἐλάλησεν αὐτῷ λέγων (2 *c*)
— 12. ἐλάλησαν οἱ προφῆται . . . ἀγαθά (2*f*)
— 12. καὶ λαλήσεις ἀγαθά (2 *c*)
— 13. αὐτὸ λαλήσω (2 *c*)
— 15. ἵνα μὴ λαλήσῃς [**A** -σεις] πρὸς μέ (2 *c*)
— 22. κύριος ἐλάλησεν ἐπὶ σὲ κακά (2 *c*)
— 23. **A** τοῦ λαλῆσαι πρὸς σέ –
— 23. τοῦ λαλῆσαι πρὸς σέ (2 *c*)
— 27. οὐκ ἐλάλησε κύριος ἐν ἐμοί (2 *c*)
23. 3. καθὼς ἐλάλησε κύριος (2 *c*)
24. 5. σπεύσατε λαλῆσαι (2*f*)
25. 16. ἐν τῷ λαλῆσαι αὐτῷ (2 *c*)
30. 22. ἐλάλησεν Ἐζ. ἐπὶ πᾶσαν καρδίαν τῶν Λ. (2 *c*)
32. 6. ἐλάλησεν ἐπὶ καρδίαν αὐ. (2 *c*)
— 16. ἐλάλησαν παῖδες αὐ. ἐπὶ κύριον (2 *c*)
— 19. ἐλάλησεν ἐπὶ θεὸν Ἱερ. (2 *c*)
33. 10. ἐλάλησε κύριος ἐπὶ Μ. (2 *c*)
— 18. καὶ λόγοι τῶν ὁρώντων λαλούντων πρὸς αὐτόν (2 *c*)
34. 22. ἐλάλησαν αὐτῇ κατὰ ταῦτα (2 *c*)
I Es. 1. 51. ᾗ ἡμέρᾳ ἐλάλησε κύριος
3. 21. πάντα διὰ ταλάντων ποιεῖ λαλεῖν
4. 1. ἤρξατο ὁ δεύτερος λαλεῖν
— 13. ὁ δὲ τρίτος . . . ἤρξατο λαλεῖν
— 33. ἤρξατο λαλεῖν περὶ τῆς ἀληθείας
— 41. ἐσιώπησε τοῦ λ.
5. 6. ὃς ἐλάλησεν . . . λόγους σοφούς
II Es. 8. 17. λόγους λαλῆσαι πρὸς τοὺς ἀδ. αὐ. (2 *c*)
Ne. 9. 13. καὶ ἐλάλησας πρὸς αὐτούς (2 *c*)
13. 24. οἱ υἱοὶ αὐ. ἥμισυ λαλοῦντες [**A** -οῦσιν] Ἀζ. (2 *c*)
— 24. οὐκ εἰσὶν ἐπιγινώσκοντες λαλεῖν Ἰουδ. (2 *c*)
To. 2. 6. **S** ὅσα ἐλάλησεν Ἀμ. [**A B** *al.*]
6. 10. **A B** λαλήσω περὶ αὐτῆς
— 12. λαλήσω τῷ πατρὶ αὐτῆς
— 12. **S** λαλήσωμεν περὶ τοῦ κορασίου
7. 7. **S** ἐλάλησεν καὶ εἶπεν αὐτῷ [**A B** *al.*]
— 8. λάλησον ὑπὲρ ὧν ἔλεγες [**S** *al.*]
14. 4. ὅσα ἐλάλησεν Ἰωνᾶς [**S** *al.*]
— 4. **S** ὅσα ἐλάλησαν οἱ προφῆται τοῦ Ἰ.
— 5. καθὼς ἐλάλησαν περὶ αὐτῆς οἱ προφῆται
— 8. **A B** ἃ ἐλάλησεν ὁ προφήτης Ἰωνᾶς
Ju. 2. 1. καθὼς ἐλάλησε
— 12. λελάληκα [S^2 ὅσα λ.] καὶ ποιήσω
5. 22. ὡς ἐπαύσατο Ἀ. λαλῶν τοὺς λόγους τ.
6. 5. ὃς [**S** ὡς] ἐλάλησας τοὺς λόγους τούτους
— 9. ἐλάλησα καὶ οὐδὲν διαπεσεῖται
— 17. ὅσα ἐλάλησεν [**A** -αν]
7. 16. καθὰ ἐλάλησαν
— 24. οὐ λαλήσαντες εἰρηνικά
8. 9. οὓς ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς Ὀ.
— 11. ὃν ἐλαλήσατε ἐναντίον τοῦ λαοῦ
— 11. ὃν ἐλαλήσατε ἀνὰ μέσον τοῦ θεοῦ
— 28. πάντα . . . ἀγαθῇ [**A S** ἐν ἀ.] καρδίᾳ ἐλάλησας
— 30. καθὰ ἐλαλήσαμεν αὐτοῖς
10. 9. ὧν ἐλαλήσατε μετ' ἐμοῦ
— 9. καθότι ἐλάλησαν [**A S** -εν]
11. 5. λαλησάτω ἡ παιδίσκη σου
— 9. ὃν ἐλάλησεν Ἀχ.
— 9. **S** ὅσα ἐλάλησε [**A B** ἐξελ.] παρὰ σοί
— 19. **A B** ταῦτα ἐλαλήθη μοι
— 23. **A B** ἐὰν ποιήσῃς καθὰ ἐλάλησας
13. 3. τῷ Β. ἐλάλησε κατὰ τὰ ῥήματα ταῦτα
14. 8. ἕως οὗ ἐλάλει αὐτοῖς
— 9. ὡς δὲ ἐπαύσατο λαλοῦσα
15. 8. καὶ [**S** *add.* τοῦ] λαλῆσαι μετ' αὐτῆς εἰρήνην
Es. 1. 13. κατὰ ταῦτα [S^1 *add.* ἃ] ἐλάλησεν Ἀ. (2*f*)
— 21. καθὰ ἐλάλησεν ὁ Μ. (2*f*)
2. 1. μνημονεύων οἷα ἐλάλησεν [S^1 -αν, **A** *al.*] †
Es. 3. 3. ἐλάλησαν οἱ ἐν τῇ αὐλῇ τοῦ βασ. (1 *a*)
— 4. ἐλάλουν [**A** S^2 ἔλεγον] αὐτῷ (1 *a*)
— 8. ἐλάλησε πρὸς τὸν βασ. (1 *a*)
4. 8. ἐλάλησε καθ' ἡμῶν εἰς θάνατον –
— 8. λάλησον τῷ βασ. περὶ ἡμῶν –
— 9. ἐλάλησεν αὐτῇ πάντας τοὺς λόγους τ. (6)
— 17. ὅσα ἐλάλησας [**A S** *add.* αὐτοῖς]
5. 2. λάλησόν μοι
6. 10. καλῶς [S^2 καθὼς] ἐλάλησας (2 *c*)
— 10. ὧν ἐλάλησας (2 *c*)
— 14. ἔτι αὐτῶν λαλούντων (2 *c*)
7. 9. τῷ λαλήσαντι [S^2 *add.* ἀγαθὰ] περὶ τοῦ βασ. (2 *c*)
8. 3. ἐλάλησε πρὸς τὸν βασ. (2 *c*)
Jb. 1. 16, 17, 18. ἔτι τούτου λαλοῦντος (2 *c*)
2. 10. ὥσπερ [**A** ἵνα τί ὥσπερ] μία τῶν ἀφρόνων γυναικῶν ἐλάλησας [**A** οὕτως ἐλ.] (2 *c*)
— 13. **A B** οὐδεὶς αὐτῶν [**B** -ῷ] ἐλάλησεν [**A** ἐλ. πρὸς αὐτὸν λόγον] (2 *a*)
4. 2. μὴ πολλάκις σοι λελάληται ἐν κόπῳ (2*f*)
6. 4. ὅταν ἄρξωμαι λαλεῖν †
7. 11. λαλήσω ἐν ἀνάγκῃ ὤν (2 *c*)
8. 2. μέχρι τίνος λαλήσεις ταῦτα (4 *a*)
9. 27. ἐπιλήσομαι λαλῶν †
— 35. οὐ μὴ φοβηθῶ ἀλλὰ λαλήσω [S^1 *al.*] (2 *c*)
10. 1. λαλήσω πικρίᾳ ψυχῆς μου συνεχόμενος (2 *c*)
11. 5. πῶς ἂν ὁ κύριος λαλήσαι [**S** -σει] πρὸς σέ (2 *c*)
13. 3. οὐ μὴν δὲ ἀλλ' ἐγὼ πρὸς κύριον λαλήσω (2 *c*)
— 7. πότερον οὐκ ἔναντι κυρίου λαλεῖτε (2 *c*)
— 8. **A** καλῶς γε λαλοῦντες –
— 13. κωφεύσατε ἵνα λαλήσω (2 *c*)
— 15. ἢ μὴν [**A** οὐ μὴν δὲ ἀλλὰ] λαλήσω †
— 22. ἢ [**A** *om.*] λαλήσεις (2 *c*)
15. 11. μεγάλως ὑπερβαλλόντως [**A** -βάλλον οὕτως] λελάληκας (2*f*?)
16. 4. κἀγὼ καθ' ὑμᾶς λαλήσω (2 *c*)
— 7 (6). ἐὰν γὰρ λαλήσω οὐκ ἀλγήσω τὸ τραῦμα †
18. 2. ἐπίσχες ἵνα καὶ αὐτοὶ λαλήσωμεν (2 *c*)
19. 4. λαλῆσαι ῥήματα ἃ οὐκ ἔδει †
— 7. **A** S^2 ἰδοὺ λαλῶ [**B** S^1 γελῶ] ὀνείδει [**A** -δη] καὶ οὐ λαλήσω †, †
— 18. ὅταν ἀναστῶ κατ' ἐμοῦ λαλοῦσιν (2 *c*)
21. 3. ἐγὼ δὲ λαλήσω (2 *c*)
27. 4. μὴ λαλήσειν τὰ χείλη μου ἄνομα [**A** *al.*] (2 *c*)
29. 9. ἁδροὶ δὲ ἐπαύσαντο λαλοῦντες (4 *c*)
— 22. ὁπόταν αὐτοῖς ἐλάλουν (4 *c*)
32. 7. οὐχ [**A** *om.*] ὁ χρόνος ἐστὶν ὁ λαλῶν (2 *c*)
— 14. λαλῆσαι τοιαῦτα ῥήματα (4 *c*)
— 16. οὐ γὰρ ἐλάλησα (2 *c*)
— 18. πάλιν λαλήσω †
— 20. λαλήσω ἵνα ἀναπαύσωμαι (2 *c*)
33. 2. ἐλάλησεν ἡ γλῶσσά μου (2 *c*)
— 14. ἐν γὰρ τῷ ἅπαξ λαλῆσαι ὁ κύριος (2 *c*)
— 31. καὶ ἐγώ εἰμι λαλήσω [**A** *al.*] (2 *c*)
— 32. λάλησον θέλω γὰρ δικαιωθῆναί σε (2 *c*)
34. 33. τί ἔγνως λάλησον (2 *c*)
— 35. Ἰὼβ δὲ οὐκ ἐν συνέσει ἐλάλησε [**A** -σας] (2 *c*)
— 37. πολλὰ λαλούντων [**A** λαλοῦσιν] ῥήματα (1 *c*)
39. 14. **A** ἐλάλησαν [**B S** *om.*] ὅτι ἀφήσει εἰς γῆν τὰ ᾠὰ αὐ. –
— 35 (40. 5). ἅπαξ λελάληκα [**A** ἐλάλησα] (2 *c*)
40. 22 (27). λαλήσει δέ σοι δεήσει [**A** -σεις] (2 *c*)
42. 4. ἵνα κἀγὼ λαλήσω (2 *c*)
— 7. μετὰ τὸ λαλῆσαι τὸν κ. πάντα τὰ ῥήμ. ταῦτα τῷ Ἰ. (2 *c*)
— 7. οὐ γὰρ ἐλαλήσατε ἐνώπιόν μου ἀληθὲς οὐδέν (2 *c*)
— 8. οὐ γὰρ ἐλαλήσατε ἀληθές [**A** *al.*] (2 *c*)
Ps. 2. 5. λαλήσει πρὸς αὐτοὺς ἐν ὀργῇ αὐτοῦ (2 *c*)
5. 6. ἀπολεῖς πάντας τοὺς λαλοῦντας τὸ ψεῦδος (2 *a*)
11 (12). 2. μάταια ἐλάλησεν ἕκαστος πρὸς τὸν πλησίον αὐ. (2 *c*)
— 2. ἐν καρδίᾳ ἐλάλησαν [**A** S^2 ἐλ. κακά] (2 *c*)
14 (15). 2. λαλῶν ἀλήθειαν ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (2 *a*)
16 (17). 3. ὅπως ἂν μὴ λαλήσῃ τὸ στόμα μου τὰ ἔργα τῶν ἀνθρ. (2*f*?)
— 10. τὸ στόμα αὐτῶν ἐλάλησεν ὑπερηφανίαν (2 *c*)
17 (18) *tit.* ἃ ἐλάλησε τῷ κυρίῳ τοὺς λόγους (2 *c*)
21 (22). 7. ἐλάλησαν ἐν χείλεσιν †
27 (28). 3. τῶν λαλούντων εἰρήνην μετὰ τῶν πλησίον αὐ. (2 *a*)
30 (31). 18. τὰ λαλοῦντα κατὰ τοῦ δικαίου ἀνομίαν (2 *a*)

Ps. 33 (34). 13. καὶ χείλη σου τοῦ μὴ λαλῆσαι δόλον (2 c)
34 (35). 20. ἐμοὶ μὲν εἰρηνικὰ ἐλάλουν (2 c)
36 (37). 30. ἡ γλῶσσα αὐτοῦ λαλήσει [S¹ μελετήσει] κρίσιν (2 c)
37 (38). 12. ἐλάλησαν ματαιότητας [S¹ -τα] (2 c)
38 (39). 3. ἐλάλησα ἐν γλώσσῃ μου (2 c)
39 (40). 5. ἀπήγγειλα καὶ ἐλάλησα (2 c)
40 (41). 6. A B′ S R μάτην ἐλάλει (2 c)
— 6. ἐλάλει ἐπὶ τὸ αὐτό (2 c)
48 (49). 3. τὸ στόμα μου λαλήσει σοφίαν (2 c)
49 (50). 1. θεὸς θεῶν κύριος ἐλάλησε (2 c)
— 7. λαλήσω σοι, Ἰσραήλ (2 c)
51 (52). 3. ἠγάπησας . . . ἀδικίαν ὑπὲρ τὸ λαλῆσαι δικαιοσύνην (2 c)
57 (58). 1. εἰ ἀληθῶς ἄρα δικαιοσύνην λαλεῖτε (2 c)
— 3. ἐλάλησαν ψευδῆ (2 a)
59 (60). 6. ὁ θεὸς ἐλάλησεν ἐν τῷ ἁγίῳ αὐτοῦ (2 c)
61 (62). 11. ἅπαξ ἐλάλησεν ὁ θεός (2 c)
62 (63). 11. ἐνεφράγη στόμα λαλούντων ἄδικα (2 a)
65 (66). 14. ἃς . . . ἐλάλησε τὸ στόμα μου (2 c)
72 (73). 8. ἐλάλησαν ἐν πονηρίᾳ ἀδικίαν εἰς τὸ ὕψος ἐλάλησαν (2 c, 2 c)
74 (75). 5. μὴ λαλεῖτε κατὰ τοῦ θεοῦ ἀδικίαν (2 c)
76 (77). 4. ἐταράχθη καὶ οὐκ ἐλάλησα (2 c)
80 (81). 8. B S¹ καὶ λαλήσω σοι –
84 (85). 8. ἀκούσομαι τί λαλήσει ἐν ἐμοὶ κ. ὁ θεὸς ὅτι λαλήσει εἰρήνην ἐπὶ τὸν λαὸν αὐ. (2 c, 2 c)
86 (87). 3. δεδοξασμένα ἐλαλήθη περὶ σοῦ (2 d)
88 (89). 19. ἐλάλησας ἐν ὁράσει τοῖς υἱοῖς σου (2 c)
93 (94). 4. λαλήσουσιν ἀδικίαν λαλήσουσι πάντες οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν (2 c, 1 b)
98 (99). 7. ἐν στύλῳ νεφέλης ἐλάλει πρὸς αὐτούς (2 c)
100 (101). 7. λαλῶν ἄδικα οὐ κατεύθυνεν (2 a)
105 (106). 2. τίς λαλήσει τὰς δυναστείας τοῦ κυρίου (4 a)
107 (108). 7. ὁ θεὸς ἐλάλησεν ἐν τῷ ἁγίῳ αὐτοῦ (2 c)
108 (109). 2. ἐλάλησαν κατ' ἐμοῦ γλώσσῃ δολίᾳ (2 c)
— 20. καὶ τῶν λαλούντων πονηρὰ κατὰ τῆς ψυχῆς μου (2 a)
113. 13 (115. 5). A R στόμα ἔχουσι καὶ οὐ λαλήσουσιν [S λαλοῦσιν] (2 c)
115. 1 (116. 10). ἐπίστευσα διὸ ἐλάλησα (2 c)
118 (119). 46. ἐλάλουν ἐν τοῖς μαρτυρίοις σου (2 c)
119 (120). 7. ὅταν ἐλάλουν αὐτοῖς (2 c)
121 (122). 8. ἐλάλουν δὲ εἰρήνην περὶ σοῦ (2 c)
126 (127). 5. ὅταν λαλῶσι τοῖς ἐχθροῖς αὐτῶν (2 c)
134 (135). 16. A R στόμα ἔχουσι καὶ οὐ λαλήσουσιν [S λαλοῦσιν] (2 c)
143 (144). 8, 11. ὧν τὸ στόμα ἐλάλησε ματαιότητα (2 c)
144 (145). 5. τὴν μεγαλοπρέπειαν τῆς δόξης τῆς ἁγιωσύνης σου λαλήσουσι (2 f)
— 6. A B S¹ τὴν δυναστείαν σου λαλήσουσιν (7 ?)
— 11. τὴν δυναστείαν σου λαλήσουσι (2 c)
— 21. αἴνεσιν κυρίου λαλήσει τὸ στόμα μου (2 c)
Pr. 2. 12. καὶ ἀπὸ ἀνδρὸς λαλοῦντος μηδὲν πιστόν (2 c)
7. 8. καὶ λαλοῦντα ἐν σκότει ἐσπερινῷ †
21. 28. ἀνὴρ δὲ ὑπήκοος φυλασσόμενος λαλήσει (2 c)
23. 33. τὸ στόμα σου τότε λαλήσει σκολιά (2 c)
24. 2. πόνους τὰ χείλη αὐτῶν λαλεῖ (2 c)
Ec. 1. 8. οὐ δυνήσεται ἀνὴρ τοῦ λαλεῖν (2 c)
— 10. ὃς λαλήσει καὶ ἐρεῖ (2 f)
— 16. ἐλάλησα ἐγὼ ἐν τῇ καρδίᾳ μου (2 c)
2. 15. περισσὸν ἐλάλησα ἐν καρδίᾳ μου (2 c)
— 15. ὁ ἄφρων ἐκ περισσεύματος λαλεῖ –
3. 4. καιρὸς τοῦ γελάσαι [S¹ γε λαλῆσαι] †
— 7. καιρὸς τοῦ λαλεῖν (2 c)
7. 22 (21). λόγους οὓς [S om.] λαλήσουσιν ἀσεβεῖς [A S² om.] (2 c)
8. 4. A S² καθὼς βασιλεὺς ἐξουσιάζων λαλεῖ [B S¹ om.] (2 f)
Ca. 8. 8. ἐν ἡμέρᾳ ᾗ ἐὰν λαληθῇ ἐν αὐτῇ (2 d)
Wi. 8. 12. λαλοῦντος ἐπὶ πλεῖον χεῖρα ἐπιθήσουσιν
Si. 13. 6. λαλήσει σοι [S om.] καλά
— 22. ἐλάλησεν ἀπόρρητα
— 23. πλούσιος ἐλάλησε
— 23. πτωχὸς ἐλάλησε
18. 19. πρὶν ἢ [S om.] λαλῆσαι μάνθανε
35 (32). 3. λάλησον, πρεσβύτερε
— 7. λάλησον, νεανίσκε
51. 25. ἤνοιξα τὸ στόμα μου καὶ ἐλάλησα
Ho. 2. 14 (16). λαλήσω ἐπὶ τὴν καρδίαν αὐ. (2 c)
Ho. 10. 4. λαλῶν ῥήματα προφάσεις (2 c)
12. 4 (5). ἐκεῖ ἐλαλήθη πρὸς αὐτούς (2 c)
— 10 (11). καὶ λαλήσω πρὸς προφήτας (2 c)
Am. 3. 1. ὃν ἐλάλησε κύριος (2 c)
— 8. κ. ὁ θ. ἐλάλησε (2 c)
Mi. 4. 4. τὸ στόμα κυρίου παντοκράτ. ἐλάλησε ταῦτα (2 c)
6. 12. καὶ οἱ κατοικοῦντες αὐτὴν ἐλάλουν ψευδῆ (2 c)
7. 3. καὶ ὁ κριτὴς εἰρηνικοὺς λόγους ἐλάλησε (2 a)
Jl. 3 (4). 8. ὅτι κύριος ἐλάλησε (2 c)
Ob. 1. 18. διότι κύριος ἐλάλησε (2 c)
Jn. 3. 2. ὃ ἐγὼ ἐλάλησα πρὸς σέ (2 a)
— 3. καθὰ ἐλάλησε κύριος (2 f)
— 10. ᾗ [A ἃ] ἐλάλησε τοῦ ποιῆσαι αὐτοῖς (2 c)
4. 2. A οὓς ἐλάλησα –
Hb. 2. 1. τοῦ ἰδεῖν τί λαλήσει ἐν ἐμοί (2 c)
Ze. 3. 13. καὶ οὐ λαλήσουσι μάταια (2 c)
Hg. 2. 2 (1). ἐλάλησε [S¹ ἔλαβεν] κύριος ἐν χειρὶ Ἀγ. (2 g)
Za. 1. 9. ὁ ἄγγελος ὁ λαλῶν ἐν ἐμοί (2 a)
— 13. τῷ ἀγγέλῳ τῷ λαλοῦντι ἐν ἐμοί (2 a)
— 14. ὁ ἄγγελος ὁ λαλῶν ἐν ἐμοί (2 a)
— 17. ὁ ἄγγελος ὁ λαλῶν ἐν ἐμοί –
— 19 (2. 2). πρὸς τὸν ἄγγελον τὸν λαλοῦντα ἐν ἐμοί (2 a)
2. 3 (7). ὁ ἄγγελος ὁ λαλῶν ἐν ἐμοί (2 a)
— 4 (8). λάλησον πρὸς τὸν νεανίαν (2 c)
4. 1. ὁ ἄγγελος ὁ λαλῶν ἐν ἐμοί (2 a)
— 4. πρὸς τὸν ἄγγελον τὸν λαλοῦντα ἐν ἐμοί (2 a)
— 5 : 5. 5. ὁ ἄγγελος ὁ λαλῶν ἐν ἐμοί (2 a)
5. 10 : 6. 4. πρὸς τὸν ἄγγελον τὸν λαλοῦντα ἐν ἐμοί (2 a)
6. 5. ὁ ἄγγελος ὁ λαλῶν ἐν ἐμοί –
— 8. καὶ ἐλάλησε πρὸς μέ (2 c)
7. 7. οὓς ἐλάλησε κύριος ἐν χερσὶ τῶν προφ. (10)
8. 16. λαλεῖτε ἀλήθειαν ἕκαστος πρὸς τὸν πλησίον (2 c)
10. 2. οἱ ἀποφθεγγόμενοι ἐλάλησαν κόπους (2 c)
— 2. καὶ τὰ ἐνύπνια ψευδῆ ἐλάλουν (2 c)
13. 3. ψευδῆ ἐλάλησας ἐπ' [A ἐν] ὀνόματι κυρίου (2 c)
Ma. 3. 16. ταῦτα κατελάλησαν [A ἐλάλησαν] οἱ φοβούμενοι (2 b)
Is. 1. 2. κύριος ἐλάλησεν (2 c)
— 20. τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (2 c)
7. 10. προσέθετο κύριος λαλῆσαι τῷ Ἄχας (2 c)
8. 5. προσέθετο κύριος λαλῆσαί μοι ἔτι (2 c)
— 10. A S R λόγον ὃν ἐὰν [B om.] λαλήσητε (2 c)
9. 17 (16). πᾶν στόμα λαλεῖ ἄδικα (2 a)
15. 4. A B² S¹ κέκραγεν Ἐσεβὼν καὶ ἐλάλησεν [B¹ Ἐλεαλή, S² om.] †
16. 9. A B² S τὰ δένδρα σου κατέβαλεν Ἐσεβὼν καὶ ἐλάλησεν [B¹ Ἐλεαλή] †
— 13. τοῦτο τὸ ῥῆμα ὃ ἐλάλησε κύριος . . . ὁπότε ἐλάλησε (2 c, –)
19. 18. ἔσονται πέντε πόλεις ἐν Αἰγ. λαλοῦσαι τῇ γλώσσῃ τῇ Χαν. (2 c)
20. 2. ἐλάλησε κύριος πρὸς Ἡσαΐαν (2 c)
21. 17. κύριος ὁ θεὸς Ἰσραὴλ ἐλάλησε (2 c)
22. 3. οἱ ἁλόντες [S¹ λαλοῦντες ?] σκληρῶς †
— 25. κύριος ἐλάλησε (2 c)
24. 3. τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (2 c)
25. 8. τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε (2 c)
28. 11. λαλήσουσι τῷ λαῷ τούτῳ (2 c)
29. 24. μαθήσονται λαλεῖν εἰρήνην †
30. 10. μὴ λαλεῖτε ἡμῖν ἀλλὰ ἡμῖν λαλεῖτε . . . ἑτέραν πλάνησιν (†, 2 c)
32. 4. μαθήσονται λ. εἰρήνην (2 c)
— 6. ὁ γὰρ μωρὸς μωρὰ λαλήσει . . . τοῦ συντελεῖν ἄνομα καὶ λ. πρὸς κύριον πλάνησιν (2 c, 2 c)
33. 15. λαλῶν εὐθεῖαν ὁδόν (2 a)
36. 11. λάλησον πρὸς τοὺς παῖδάς σου Συριστὶ . . . μὴ λάλει πρὸς ἡμᾶς Ἰουδαϊστί· καὶ ἵνα τί λαλεῖς εἰς τὰ ὦτα τῶν ἀνθρώπων (2 c, 2 c, –)
— 12. λαλῆσαι τοὺς λόγους τούτους [S³ om. λ. τ. λ. τ.] (2 c)
37. 22. ὃν ἐλάλησε περὶ αὐτοῦ ὁ θεός (2 c)
39. 8. ἀγαθὸς ὁ λόγος κυρίου ὃν ἐλάλησε (2 c + 1 a)
40. 2. λαλήσατε εἰς τὴν καρδίαν Ἱερουσαλήμ (2 c)
— 5. κύριος ἐλάλησε (2 c)
— 27. τί ἐλάλησας, Ἰσραήλ (2 c)
41. 1. λαλησάτωσαν ἅμα (2 c)
44. 7. S λαλησάτω [A B καλεσάτω] (10)
Is. 45. 19. οὐκ ἐν κρυφῇ λελάληκα . . . ἐγώ εἰμι κύριος ὁ λαλῶν δικαιοσύνην (2 c, 2 a)
46. 11. ἐλάλησα καὶ ἤγαγον (2 c)
48. 15. ἐγὼ ἐλάλησα ἐγὼ ἐκάλεσα (2 c)
— 16. οὐκ ἀπ' ἀρχῆς ἐν κρυφῇ λελάληκα [A S ἐλάλησα] (2 c)
52. 6. ἐγώ εἰμι αὐτὸς ὁ λαλῶν (2 c)
58. 9. ἔτι λαλοῦντός σου †
— 13. οὐδὲ λαλήσεις λόγον ἐν ὀργῇ (2 c)
— 14. τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (2 c)
59. 3. τὰ δὲ χείλη ὑμῶν ἐλάλησεν ἀνομίαν (2 c)
— 4. οὐθεὶς λαλεῖ δίκαια . . . λαλοῦσι κενά (10, 2 c)
— 13. ἐλαλήσαμεν ἄδικα (2 c)
65. 12. ἐλάλησα καὶ παρηκούσατε (2 c)
— 24. ἔτι λαλούντων αὐτῶν (2 c)
66. 4. ἐλάλησα καὶ οὐκ ἤκουσαν (2 c)
Je. 1. 6. οὐκ ἐπίσταμαι λ. (2 c)
— 7. ὅσα ἐὰν ἐντείλωμαί σοι λαλήσεις (2 c)
— 16. λαλήσω πρὸς αὐτοὺς μετὰ κρίσεως (2 c)
2. 29. ἵνα τί λαλεῖτε πρὸς μέ (11)
3. 5. ἐλάλησας καὶ ἐποίησας [S om. κ. ἐ.] τὰ πονηρὰ ταῦτα (2 c)
4. 12. λαλῶ κρίματα πρὸς αὐτούς (2 c)
— 28. ἐλάλησα καὶ οὐ μετανοήσω (2 c)
5. 5. λαλήσω αὐτοῖς [A πρὸς αὐτούς] (2 c)
— 14. ἀνθ' ὧν ἐλαλήσατε τὸ ῥῆμα τοῦτο (2 c)
6. 10. πρὸς τίνα λαλήσω (2 c)
7. 13. ἐλάλησα πρὸς ὑμᾶς (2 c)
— 14. A τῷ τόπῳ ᾧ ἐλάλησα [B ἔδωκα] ὑμῖν †
— 22. οὐκ ἐλάλησα πρὸς τοὺς πατέρας ὑμῶν (2 c)
8. 6. οὐχ οὕτω λαλήσουσιν [A λαλοῦσιν] (2 c)
9. 5 (4). ἀλήθειαν οὐ μὴ λαλήσωσι [A S -σουσιν]· μεμάθηκεν ἡ γλῶσσα αὐτῶν λ. ψευδῆ (2 c, 2 c)
— 8 (7). τῷ πλησίον αὐτοῦ λαλεῖ εἰρηνικά (2 c)
10. 1. ὃν ἐλάλησεν ἐφ' ὑμᾶς (2 c)
11. 2. λαλήσεις πρὸς ἄνδρας Ἰούδα (2 c)
— 17. ἐλάλησεν ἐπὶ σὲ κακά (2 c)
12. 1. κρίματα λαλήσω πρὸς σέ (2 c)
— 6. λαλήσουσι [B¹ λαλοῦσι] πρὸς [A ἐπὶ] σὲ καλά (2 c)
13. 15. κύριος ἐλάλησε (2 c)
14. 14. οὐκ ἐλάλησα πρὸς αὐτούς (2 c)
16. 10. διὰ τί ἐλάλησε κ. ἐφ' ἡμᾶς πάντα τὰ κακὰ ταῦτα (2 c)
18. 7. πέρας λαλήσω ἐπὶ ἔθνος (2 c)
— 8. A ὧν ἐλάλησα [B ἐλογισάμην] τοῦ ποιῆσαι αὐτοῖς (2 c + 3)
— 9. πέρας λαλήσω ἐπὶ ἔθνος (2 c)
— 10. ὧν ἐλάλησα τοῦ ποιῆσαι αὐτοῖς (1 a)
— 20. τοῦ λαλῆσαι ὑπὲρ αὐτῶν ἀγαθά (2 c)
19. 2. οὓς ἂν λαλήσω πρὸς σέ (2 c)
— 5. A ἃ οὐκ ἐνετειλάμην οὐδὲ ἐλάλησα [B om. οὐ. ἐ.] (2 c)
— 15. ἃ ἐλάλησα ἐπ' αὐτήν (2 c)
20. 9. οὐ μὴ λαλήσω ἔτι ἐπὶ τῷ ὀνόματι αὐ. (2 c)
22. 1. λαλήσεις ἐκεῖ τὸν λόγον τοῦτον (2 c)
— 21. ἐλάλησα [A S -αν] πρὸς σὲ ἐν τῇ παραπτώσει σου (2 c)
23. 16. ἀπὸ καρδίας αὐ. λαλοῦσι (2 c)
— 21. οὐδὲ ἐλάλησα πρὸς αὐτούς [S ἐλ. αὐτοῖς] . (2 c)
— 25. A R ἤκουσα ἃ λαλοῦσιν οἱ προφῆται [B S al.] (1 a)
— 35. B S τί ἐλάλησε κύριος (2 c)
— 37. διὰ τί [S τί ὅτι] ἐλάλησε κύριος (2 c)
25. 2. A B S² ὃν ἐλάλησε πρὸς πάντα τὸν λαὸν Ἰούδα (2 c)
— 3. ἐλάλησα πρὸς ὑμᾶς ὀρθρίζων (2 c)
— 13. οὓς ἐλάλησα κατ' αὐτῆς (2 c)
26 (46). 13. ἃ ἐλάλησε κυρίου ἐν χειρὶ Ἱερ. (2 c)
— 16. ἕκαστος πρὸς τὸν πλησίον αὐτοῦ ἐλάλει [A -ουν] (1 a)
27 (50). 1. ὃν ἐλάλησεν ἐπὶ Βαβ. (2 c)
28 (51). 12. A B S² ποιήσει κύριος ἃ ἐλάλησεν (2 c)
— 41. πῶς ἑάλω [S¹ ἐλάλησεν ?] . . . τὸ καύχημα †
— 62. ἐλάλησας ἐπὶ τὸν τόπον τοῦτον τοῦ ἐξολεθρεῦσαι αὐτόν (2 c)
33 (26). 7. τοῦ Ἱερεμίου λαλοῦντος τοὺς λόγους τούτους (2 c)
— 8. ἐγένετο Ἱερεμίου παυσαμένου λαλοῦντος πάντα ἃ συνέταξεν αὐτῷ κύριος λαλῆσαι [S om.] παντὶ τῷ λαῷ (2 c, 2 c)
— 13. ὧν ἐλάλησεν ἐφ' [S¹ πρὸς] ὑμᾶς (2 c)
— 15. λαλῆσαι εἰς τὰ ὦτα ὑμῶν πάντας τοὺς λόγους τούτους (2 c)

Je. 33 (26). 16. ἐπὶ τῷ ὀνόματι κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν ἐλάλησε πρὸς ἡμᾶς (2 c)
— 19. ὧν ἐλάλησεν ἐπ' αὐτούς (2 c)
34 (27). 12. πρὸς Σεδεκίαν βασιλέα Ἰούδα ἐλάλησα (2 c)
— 16. παντὶ τῷ λαῷ τούτῳ . . . ἐλάλησε (2 c)
37 (30). 4. οὓς ἐλάλησε κύριος ἐπὶ Ἰσραήλ (2 c)
39 (32). 4. λαλήσει στόμα αὐ. πρὸς στόμα αὐ. (2 c)
— 24. ὡς ἐλάλησας οὕτως ἐγένετο (2 c)
— 42. τὰ ἀγαθὰ ἃ ἐλάλησα ἐπ' αὐτούς (2 a)
41 (34). 3. A στόμα αὐ. μετὰ τοῦ στόματός σου λαλήσει (2 c)
— 5. λόγον ἐγὼ ἐλάλησα (2 c)
— 6. ἐλάλησεν Ἱερ. . . . πάντας τοὺς λόγους τούτους (2 c)
42 (35). 14. A ἐλάλησα πρὸς ὑμᾶς ὄρθρου [B S add. καὶ ἐλάλησα] (2 c, 2 c)
— 17. B S ἃ ἐλάλησα ἐπ' αὐτούς (2 c)
43 (36). 2. οὓς ἐλάλησα [A ἐχρημάτισα] πρὸς σὲ ἐπὶ Ἱερ. [A Ἰσρ.] . . . ἀφ' ἧς ἡμέρας λαλήσαντός μου πρὸς σέ (2 c, 2 c)
— 3. A ἃ ἐλάλησα ἐπ' αὐτούς [B S al.] (3)
— 4. οὓς ἐλάλησε [A ἐχρημάτισεν] πρὸς αὐτόν (2 c)
— 7. ἣν ἐλάλησεν ἐπὶ τὸν λαὸν [A τόπον] τοῦτον (2 c)
— 31. ἃ ἐλάλησα πρὸς [A ἐπ'] αὐτούς (2 c)
44 (37). 2. οὓς ἐλάλησεν ἐν χειρὶ Ἱερεμίου (2 c)
45 (38). 1. οὓς Ἱερεμίας ἐλάλει ἐπὶ τὸν λαόν (2 c)
— 4. λαλῶν πρὸς αὐτοὺς κατὰ τοὺς λόγους τούτους (2 c)
— 8. ἐλάλησε πρὸς τὸν βασιλέα (2 c)
— 25. ἐλάλησά σοι . . . τί ἐλάλησέ σοι ὁ βασιλεύς (2 c, 2 c)
— 25. τί ἐλάλησε πρὸς σὲ ὁ βασιλεύς (2 c)
47 (40). 2. κ. ὁ θεός σου ἐλάλησε τὰ κακὰ ταῦτα (2 c)
49 (42). 19. ἃ ἐλάλησε κύριος ἐφ' ὑμᾶς (2 c)
— 20. S R ἃ ἐὰν λαλήσει [A B -σῃ] σοι κύριος (1 a)
51 (44). 16. ὃν ἐλάλησας πρὸς ἡμᾶς (2 c)
— 25. ὑμεῖς γυναῖκες τῷ στόματι ὑμῶν ἐλαλήσατε (2 c)
— 31 (45. 1). ὁ λόγος ὃν ἐλάλησεν Ἱερ. (2 c)
52. 9. ἐλάλησεν αὐτῷ μετὰ κρίσεως (2 c)
— 32. ἐλάλησεν αὐτῷ χρηστά (2 c)
Ba. 2. 1. ὃν ἐλάλησεν ἐφ' ἡμᾶς
— 7. ἃ ἐλάλησε κύριος ἐφ' ἡμᾶς
— 20. καθάπερ ἐλάλησας ἐν χειρὶ τῶν παίδων σου τῶν προφητῶν
— 24. οὓς ἐλάλησας ἐν χερσὶ τῶν παίδων σου
— 28. καθὰ ἐλάλησας ἐν χειρὶ παιδός σου Μωυσῆ
Ep. Je. 8. οὐ δύνανται λ.
— 41. ὅταν ἴδωσιν ἐνεὸν οὐ δυνάμενον λαλῆσαι προσενεγκάμενοι τὸν B. ἀξιοῦσι φωνῆσαι [A τότε λαλῆσαι]
Ez. 2. 1 (1. 28). ἤκουσα φωνὴν λαλοῦντος (2 c)
— 1. λαλήσω πρὸς σέ (2 c)
— 2. ἤκουον αὐτοῦ λαλοῦντος πρὸς μέ (2 c)
— 7. λαλήσεις τοὺς λόγους μου πρὸς αὐτούς (2 c)
— 8. ἄκουε τοῦ λαλοῦντος πρὸς σέ (2 c)
3. 1. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσραήλ (2 c)
— 4. λάλησον τοὺς λόγους μου πρὸς αὐτούς (2 c)
— 10. οὓς λελάληκα μετὰ σοῦ (2 c)
— 11. λαλήσεις πρὸς αὐτούς (2 c)
— 18. A B οὐ διεστείλω αὐτῷ οὐδὲ ἐλάλησας [R om. οὐ. ἐ.] τοῦ διασεῖλασθαι (2 c)
— 22. ἐκεῖ λαληθήσεται πρὸς σέ (2 c)
— 24. ἐλάλησε πρὸς μέ (2 c)
— 27. ἐν τῷ λ. με πρὸς σέ (2 c)
5. 13. ἐγὼ κύριος λελάληκα ἐν ζήλῳ μου (2 c)
— 15, 17. ἐγὼ κύριος λελάληκα (2 c)
6. 10. ἐγὼ κύριος [A add. οὐκ εἰς δωρεὰν] λελάληκα (2 c)
10. 5. ὡς φωνὴ θεοῦ σαδδαὶ λαλοῦντος (2 c)
11. 25. ἐλάλησα . . . πάντας τοὺς λόγους τοῦ κ. (2 c)
12. 23. λαλήσεις πρὸς αὐτούς (2 c)
— 25. ἐγὼ κύριος λαλήσω τοὺς λόγους μου λαλήσω καὶ ποιήσω . . . λαλήσω λόγον καὶ ποιήσω (2 c ter)
— 28. οὓς ἂν λαλήσω· λαλήσω [A ὅτι λ. λόγον] καὶ ποιήσω (2 c, 2 f [–])
13. 7. A ἐγὼ οὐκ ἐλάλησα (2 c)
14. 4. λάλησον αὐτοῖς (2 c)
— 9. ἐὰν πλανήσῃ [A -ηθῇ] καὶ λαλήσῃ (2 c + 2 f)
17. 21, 24. ἐγὼ κύριος λελάληκα (2 c)
20. 3. λάλησον πρὸς τοὺς πρεσβυτέρους (2 c)
Ez. 20. 27. λάλησον πρὸς τὸν οἶκον τοῦ Ἰσραήλ (2 c)
21. 17 (22). ἐγὼ κύριος λελάληκα [A ἐλάλησα] (2 c)
— 32 (37): 22. 14. ἐγὼ κύριος λελάληκα (2 c)
22. 28. A R κύριος οὐκ ἐλάλησε [B οὐ λελάληκεν] (2 c)
23. 34. ἐγὼ λελάληκα [A ἐλάλησα] (2 c)
24. 14. ἐγὼ κύριος λελάληκα (2 c)
— 18. ἐλάλησα πρὸς τὸν λαὸν τὸ πρωΐ (2 c)
— 27. λαλήσεις [A ἐρεῖς] καὶ [A om.] οὐ μὴ ἀποκωφωθῇς οὐκέτι (2 c)
26. 5. ἐγὼ λελάληκα [A ἐλάλησα] (2 c)
— 14. ἐγὼ κύριος [A om.] ἐλάλησα (2 c)
28. 10. ἐγὼ ἐλάλησα (2 c)
29. 3. A καὶ λάλησον (2 c)
30. 12. ἐγὼ κύριος λελάληκα [A ἐλάλησα] (2 c)
33. 2. λάλησον τοῖς υἱοῖς τοῦ λαοῦ σου (2 c)
— 8. μὴ λαλήσῃς τοῦ φυλάξασθαι τὸν ἀσεβῆ [A al.] (2 c)
— 10. οὕτως ἐλαλήσατε λέγοντες (1 a)
— 30. οἱ λαλοῦντες περὶ σοῦ παρὰ τὰ τείχη . . . καὶ λαλοῦσιν [A ἐλάλουν] ἄνθρωπος τῷ ἀδελφῷ αὐτοῦ (2 b, 2 c)
34. 24. ἐγὼ κύριος ἐλάλησα (2 c)
36. 5. ἐλάλησα ἐπὶ τὰ λοιπὰ ἔθνη (2 c)
— 6. ἐν τῷ θυμῷ μου ἐλάλησα (2 c)
— 36. ἐγὼ κύριος [A add. κύριος] ἐλάλησα (2 c)
37. 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς μέ (1 a)
— 14. λελάληκα καὶ ποιήσω (2 c)
38. 17. περὶ οὗ ἐλάλησα πρὸ [A ἀφ'] ἡμερῶν τῶν ἔμπροσθεν (2 c)
— 19. ἐλάλησα εἰ μὴν ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ ἔσται σεισμός (2 c)
39. 5. ἐγὼ ἐλάλησα (2 c)
— 8. αὕτη ἐστὶν ἡ ἡμέρα ἐν ᾗ ἐλάλησα (2 c)
43. 6. φωνὴ ἐκ τοῦ οἴκου λαλοῦντος πρὸς μέ (2 c)
44. 5. ὅσα ἐγὼ λαλῶ μετὰ σοῦ (2 c)
Da. LXX. Su. 5. περὶ ὧν ἐλάλησεν ὁ δεσπότης
— 12. τίς . . . λαλήσει πρὸς αὐτήν
2. 4. ἐλάλησαν οἱ Χ. πρὸς τὸν βασιλέα (2 c)
3. (36). ἐλάλησας πρὸς αὐτοὺς λέγων
4. 29. οὐ μὴ λαλήσῃς μετὰ παντὸς ἀνθρώπου –
— 34. ὅσοι ἐλάλησαν εἰς τὸν θ. τοῦ οὐρανοῦ –
— 34. ὅσοι ἂν καταληφθῶσι λαλοῦντές τι –
7. 8. στόμα λαλοῦν μεγάλα (4 b)
— 11. ὧν τὸ κέρας ἐλάλει (4 b)
— 20. στόμα λαλοῦν μεγάλα (4 b)
— 25. ῥήματα εἰς τὸν ὕψιστον λαλήσει (4 b)
8. 13. ἤκουον ἑτέρου ἁγίου λαλοῦντος (2 c)
— 13. εἶπεν ὁ ἕτερος ἅγιος τῷ φελμουνὶ τῷ λαλοῦντι (2 c)
— 18. λαλοῦντος αὐτοῦ μετ' ἐμοῦ ἐκοιμήθην (2 c)
9. 6. οἱ ἐλάλησαν ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου (2 c)
— 12. ὅσα ἐλάλησεν ἐφ' ἡμᾶς (2 c)
— 20. ἐγὼ ἐλάλουν προσευχόμενος (2 c)
— 21. ἔτι λαλοῦντός μου ἐν τῇ προσευχῇ μου (2 c)
— 22. καὶ ἐλάλησε μετ' ἐμοῦ (2 c)
10. 11. οἷς ἐγὼ λαλῶ ἐπὶ σέ (2 a)
— 11. ἐν τῷ λαλῆσαι αὐτὸν μετ' ἐμοῦ (2 c)
— 15a ἐν τῷ αὐτὸν λαλῆσαι μετ' ἐμοῦ (2 c)
— 16. ἤνοιξα τὸ στόμα μου καὶ ἐλάλησα (2 c)
— 17. πῶς δυνήσεται ὁ παῖς λαλῆσαι (2 c)
— 19. ἐν τῷ λαλῆσαι αὐτὸν μετ' ἐμοῦ (2 c)
— 19. λαλείτω ὁ κύριός μου (2 c)
11. 27. ἐπὶ τραπέζῃ μιᾷ ψευδῆ λαλήσουσι (2 c)
— 36. λαλήσει ὑπέρογκα (2 c)
I Ma. 1. 24. S R καὶ ἐλάλησεν [A -σαν] ὑπερηφανείαν μεγάλην
— 30. καὶ ἐλάλησεν αὐτοῖς λόγους εἰρηνικούς
2. 23. ὡς ἐπαύσατο λαλῶν τοὺς λ. τούτους [S¹ om. τ. λ. τ.]
3. 23. ὡς δὲ ἐπαύσατο λαλῶν
4. 19. R ἔτι λαλοῦντος [A S πληροῦντος] Ἰούδα
7. 15. ἐλάλησε μετ' αὐτῶν λόγους εἰρηνικούς
— 34. ἐλάλησεν ὑπερηφάνως
— 42. R κακῶς ἐλάλησαν [A S -σεν] ἐπὶ τὰ ἅγιά σου
9. 55. οὐκ ἠδύνατο ἔτι λαλῆσαι λόγον
13. 17. δόλῳ λαλοῦσι πρὸς αὐτόν
II Ma. 12. 14. καὶ λαλοῦντες ἃ μὴ θέμις
III Ma. 4. 16. μὴ δυνάμενα αὐτοῖς λαλεῖν
— 16. R εἰς δὲ τὸν . . . θεὸν [A om. τὸν . . . θεὸν] τὰ μὴ καθήκοντα λαλῶν
6. 5. βαρέα λαλοῦντα κόμπῳ καὶ θράσει

[Aq. Ex. 4. 10: Le. 15. 2: III Ki. 8. 24: 13. 26, 27: 14. 2, 5, 11, 18: Jb. 1. 16: 4. 2: 13. 22: Ps. 26 (27). 7: 40 (41). 7: 49 (50). 1: 59 (60). 8: 61 (62). 12: 84 (85). 9: 119 (120). 7: Pr. 23. 16: 25. 11: Ec. 8. 4: Is. 8. 10: 21. 17: 30. 10: 33. 15: 38. 15: 58. 9: Je. 4. 12: 7. 13: 9. 22 (21): 10. 5: 26 (33). 2, 8: 28 (35). 7, 16: 29 (36). 23: 30 (37). 2: 35 (42). 14: 36 (43). 2: 43 (50). 1: 46 (26). 13: Ez. 29. 3: Ho. 7. 14: Za. 9. 10.]
[Sm. Ge. 24. 63: Le. 15. 2: III Ki. 8. 24: Jb. 4. 12: 13. 7, 22: 33. 14: 42. 3: Ps. 11 (12). 3: 16 (17). 10: 27 (28). 3: 34 (35). 20: 40 (41). 7: 49 (50). 1: 57 (58). 4: 58 (59). 13: 61 (62). 12: 72 (73). 8: 74 (75). 6: 84 (85). 9: 121 (122). 8: Pr. 23. 16: 25. 11: Ec. 7. 22 (21): 10. 14: Ca. 5. 6: Is. 8. 10: 16. 14: 21. 17: 25. 8: 29. 4: 30. 10: 32. 4: 33. 15: 40. 27: 63. 1: Je. 4. 12: 7. 13: 9. 12 (11), 22 (21): 10. 5: 26 (33). 2, 8: 29 (36). 23: 30 (37). 2: 36 (43). 2: Ez. 2. 1: 3. 18: 13. 7: 29. 3: Ho. 7. 14: Za. 9. 10.]
[Th. Le. 15. 2: III Ki. 13. 26, 27: Jb. 1. 16: 4. 2: 13. 22: 32. 16: 34. 33: 42. 7: Ps. 49 (50). 1: 84 (85). 9: 119 (120). 7: Pr. 18. 23: 25. 11: Ec. 8. 4: Is. 8. 10: 16. 14: 21. 17: 22. 25: 30. 10: 33. 15: 58. 13: Je. 4. 12: 10. 5: 23. 37: 28 (35). 16: 29 (36). 32: 33 (40). 14, 24: 35 (42). 17: 36 (43). 2: 39 (46). 5, 12: Ez. 6. 10: 29. 3: Da. 7. 25: Za. 9. 10.]
[Al. Ge. 35. 8: Ex. 31. 13: Nu. 22. 38: Dt. 3. 26: I Ki. 1. 16: 28. 17: Je. 43 (50). 1: Ez. 12. 25 bis.]
[Heb. IV Ki. 20. 19: Jb. 13. 19: 40. 22 (27).]
[Quint. Ps. 34 (35). 20.]

λάλημα. (1) שֵׁם (2) שְׁנִינָה
III Ki. 9. 7. ἔσται Ἰσρ. . . . εἰς λάλημα (2)
To. 3. 4. S ἔδωκας ἡμᾶς . . . εἰς . . . λάλημα [A B al.]
Ez. 23. 10. ἐγένετο λ. εἰς γυναῖκας (1)
36. 3. ἀνέβητε λ. γλώσσῃ [A al.] †

λαλητός.
Jb. 38. 14. καὶ λαλητὸν αὐτὸν [A -ὸ] ἔθου ἐπὶ γῆς †

λαλιά. (1) אֹמֶר (2) a. דָּבָר b. דִּבְרָה c. מִדְבָּר (3) מִשְׁמַע אָזְנַיִם
Jb. 7. 6. ὁ δὲ βίος μού ἐστιν ἐλαφρότερος λαλιᾶς [A S² δρομέως] †
29. 23. οὕτως οὗτοι τὴν ἐμὴν λ. [A λ. προσεδέχοντο] †
33. 1. λαλιὰν [A S² τὴν λ.] ἐνωτίζου μου (2 a)
Ps. 18 (19). 3. οὐκ εἰσὶ λαλιαὶ οὐδὲ λόγοι (1)
Ec. 3. 18. περὶ λαλιᾶς υἱῶν τοῦ ἀνθρώπου (2 b)
7. 15 (14). ἐποίησεν ὁ θεὸς περὶ λαλιᾶς (2 b)
Ca. 4. 3. ἡ λ. σου ὡραία (2 c)
6. 5 (6). ἡ λ. σου ὡραία –
Si. 5. 13. δόξα καὶ ἀτιμία ἐν λαλιᾷ
13. 11. ἐκ πολλῆς γὰρ λαλιᾶς πειράσει σε
19. 5. ὁ μισῶν λαλιὰν ἐλαττονοῦται
20. 5. ἔστι μισητὸς ἀπὸ πολλῆς λαλιᾶς

Si. 27. 14. λαλιὰ πολυόρκου ὀρθώσει τρίχας
32 (35). 14. ἐὰν ἐκχέῃ λαλιάν
35 (32). 4. μὴ ἐκχέῃς λαλιάν
42. 11. λαλιὰν ἐν πόλει καὶ ἔκκλητον λαοῦ
Is. 11. 3. οὐδὲ κατὰ τὴν λ. ἐλέγξει (3)
Da. LXX. 10. 6. φωνὴ λαλιᾶς αὐτοῦ ὡσεὶ φωνὴ θορύβου (2 *a*)
— 9. οὐκ ἤκουσα τὴν φωνὴν λαλιᾶς αὐτοῦ (2 *a*)
II Ma. 5. 5. γενομένης δὲ λαλιᾶς ψευδοῦς
8. 7. R λαλιά τις τῆς εὐανδρίας αὐ. οὗ διεχεῖτο [A *al.*]
15. 12. πρᾶον δὲ τὸν τρόπον καὶ λαλιὰν προϊέμενον
[Aq. Ps. 138 (139). 4.]
[Sm. Jb. 32. 14 : Ps. 141 (142). 7 : Is. 29. 4 *bis.*]
[Al. Ge. 35. 8.]

λαμανασσή.

[Heb. Ps. 8. 1.]

λαμασάλ.

[Heb. Ps. 48 (49). 5.]

λαμβάνειν. (1) אָחַז (2) אָרַשׁ pi. (3) בּוֹא hi. (4) הֵא (5) חָזַק hi. (6) חָלַק (7) יָצָא hi. (8) יָרַשׁ (9) יָשַׁב hi. (10) לָבַד *a.* qal. *b.* ni. (11) לָקַח *a.* qal. *b.* ni. *c.* pu. *d.* ho. *e.* מִקָּח *f.* מַלְקוֹחַ (12) מְכוּרָה (13) מָלֵא (14) מָצָא (15) נָכָה hi. (16) נָפַל hi. (17) נָשָׂא *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* hi. *e.* מַשָּׂאת *f.* נְשִׂיאָה (18) נָשַׂג hi. (19) סוּר (20) עָדָה (21) עָלָה (22) פּוּק hi. (23) צוּר (24) קִבֵּל pa. (25) קוּם hi. (26) קָרַב hi. (27) קָרַע (28) שׂוּם (29) שָׁבָה (30) תָּפַשׂ *a.* qal. *b.* ni. (31) λ. ἐν γαστρί הָרָה (32) πεῖραν λ. נָסָה pi. (33) αἰσχύνη λαμβάνει בּוֹשׁ (34) ὀδύνη λαμβάνει חִיל (35) φόβος λαμβάνει חָרַד (36) τρόμος λαμβάνει זָלַל ni.

Ge. 2. 15. ἔλαβε κύριος ὁ θεὸς τὸν ἄνθρωπον (11 *a*)
— 21. καὶ ἔλαβε μίαν τῶν πλευρῶν (11 *a*)
— 22. ἣν ἔλαβεν ἀπὸ τοῦ Ἀδ. (11 *a*)
— 23. ἐκ τοῦ ἀνδρὸς αὐ. ἐλήφθη [A *add.* αὕτη] (11 *c*)
3. 6. R λαβοῦσα ἀπὸ [A *om.*] τοῦ καρποῦ (11 *a*)
— 19. εἰς τὴν γῆν ἐξ ἧς ἐλήφθης (11 *c*)
— 22. R μὴ . . . λάβῃ ἀπὸ [A *om.*] τοῦ ξύλου (11 *a*)
— 23. ἐργάζεσθαι τὴν γῆν ἐξ ἧς ἐλήφθη (11 *c*)
4. 19. ἔλαβεν ἑαυτῷ Λάμεχ δύο γυναῖκας (11 *a*)
6. 2. ἔλαβον ἑαυτοῖς γυναῖκας ἀπὸ πασῶν (11 *a*)
— 21. σὺ δὲ λήψῃ σεαυτῷ ἀπὸ πάντων (11 *a*)
8. 9. ἔλαβεν αὐτὴν καὶ εἰσήγαγεν αὐτήν (11 *a*)
— 20. ἔλαβεν ἀπὸ πάντων τῶν κτηνῶν (11 *a*)
9. 23. καὶ λαβόντες . . . τὸ ἱμάτιον (11 *a*)
11. 29. ἔλαβον . . . ἑαυτοῖς γυναῖκας (11 *a*)
— 31. καὶ ἔλαβε Θάρρα τὸν Ἄβραμ (11 *a*)
12. 5. ἔλαβεν Ἀβ. Σάραν τὴν γυν. (11 *a*)
— 19. R ἔλαβον . . . ἐμαυτῷ [A *add.* εἰς] γυναῖκα (11 *a*)
— 19. ἰδοὺ ἡ γυνή σου . . . λαβὼν ἀπότρεχε (11 *a*)
14. 11. R ἔλαβον [A -εν] δὲ τὴν ἵππον πᾶσαν (11 *a*)
— 12. ἔλαβον δὲ καὶ τὸν Λὼτ τὸν υἱόν (11 *a*)
— 21. τὴν δὲ ἵππον λάβε σεαυτῷ (11 *a*)
— 23. εἰ . . . λήψομαι ἀπὸ πάντων (11 *a*)
— 24. οὗτοι λήψονται μερίδα (11 *a*)
15. 9. λάβε μοι δάμαλιν τριετίζουσαν (11 *a*)
— 10. ἔλαβε δὲ αὐτῷ πάντα ταῦτα (11 *a*)
16. 3. λαβοῦσα Σάρα . . . Ἄγαρ τὴν Αἰγ. (11 *a*)
17. 23. καὶ ἔλαβεν Ἀβραὰμ Ἰσμαὴλ τὸν υἱόν (11 *a*)
18. 4. ληφθήτω δὴ ὕδωρ (11 *d*)
— 5. καὶ λήψομαι ἄρτον (11 *a*)
— 7. R ἔλαβεν [A -ον] ἁπαλὸν μοσχάριον (11 *a*)
— 8. ἔλαβε δὲ βούτυρον καὶ γάλα (11 *a*)
19. 14. τοὺς εἰληφότας τὰς θυγατέρας αὐ. (11 *a*)
— 15. ἀναστὰς λάβε τὴν γυναῖκά σου (11 *a*)
20. 2. καὶ ἔλαβε τὴν Σάρραν (11 *a*)
— 3. περὶ τῆς γυναικὸς ἧς ἔλαβες (11 *a*)
— 14. ἔλαβε δὲ Ἀβ. χίλια δίδραχμα (11 *a*)
21. 14. καὶ ἔλαβεν ἄρτους καὶ ἀσκὸν ὕδατος (11 *a*)
— 18. καὶ λάβε τὸ παιδίον (17 *a*)

Ge. 21. 21. καὶ ἔλαβεν αὐτῷ ἡ μήτηρ γυναῖκα (11 *a*)
— 27. ἔλαβεν Ἀβραὰμ πρόβατα καὶ μόσχους (11 *a*)
— 30. τὰς ἑπτὰ ἀμνάδας λήψῃ παρ' ἐμοῦ (11 *a*)
22. 2. λάβε τὸν υἱόν σου τὸν ἀγαπητόν (11 *a*)
— 6. ἔλαβε . . . τὰ ξύλα τῆς ὁλοκαρπώσεως (11 *a*)
— 6. ἔλαβε δὲ μετὰ χεῖρας καὶ τὸ πῦρ (11 *a*)
— 10. λαβεῖν τὴν μάχαιραν (11 *a*)
— 13. ἔλαβε τὸν κριόν (11 *a*)
23. 13. τὸ ἀργύριον . . . λάβε παρ' ἐμοῦ (11 *a*)
24. 3. λάβῃς γυναῖκα τῷ υἱῷ μου (11 *a*)
— 4. λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱῷ μου Ἰ. ἐκεῖθεν (11 *a*)
— 7. ἔλαβέ με ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ πατρός (11 *a*)
— 7. λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱῷ μου ἐκεῖθεν (11 *a*)
— 10. ἔλαβεν . . . δέκα καμήλους (11 *a*)
— 22. ἔλαβεν ὁ ἄνθρωπος ἐνώτια χρυσᾶ (11 *a*)
— 37. οὐ λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱῷ μου (11 *a*)
— 38. λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱῷ μου ἐκεῖθεν (11 *a*)
— 40. λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱῷ μου ἐκ τῆς φυλῆς (11 *a*)
— 48. εὐώδωσέ με . . . λαβεῖν τὴν θυγατέρα (11 *a*)
— 51. ἰδοὺ Ῥεβέκκα . . . λαβὼν ἀπότρεχε (11 *a*)
— 65. ἡ δὲ λαβοῦσα τὸ θέριστρον (11 *a*)
— 67. καὶ ἔλαβε τὴν Ῥεβέκκαν (11 *a*)
25. 1. προσθέμενος δὲ Ἀβ. ἔλαβε γυναῖκα (11 *a*)
— 20. R ἔλαβε . . . ἑαυτῷ εἰς [A *om.*] γυναῖκα (11 *a*)
— 21. A ἔλαβεν [R συνέλ.] ἐν γαστρί (31)
26. 34. καὶ ἔλαβε γυναῖκα Ἰουδίθ (11 *a*)
27. 3. νῦν οὖν λάβε τὸ σκεῦος (17 *a*)
— 9. λάβε μοι ἐκεῖθεν δύο ἐρίφους (11 *a*)
— 14. πορευθεὶς δὲ ἔλαβε καὶ ἤνεγκε (11 *a*)
— 15. καὶ λαβοῦσα Ῥεβέκκα τὴν στολήν (11 *a*)
— 35. ἔλαβε τὴν εὐλογίαν σου (11 *a*)
— 36. τά τε πρωτοτόκιά μου εἴληφε (11 *a*)
— 36. R ἔλαβε [A εἴληφεν] τὴν εὐλογίαν μου (11 *a*)
— 46. εἰ λήψεται Ἰ. γυναῖκα (11 *a*)
28. 1. οὐ λήψῃ γυναῖκα ἐκ τῶν θυγατέρων (11 *a*)
— 2. λάβε σεαυτῷ ἐκεῖθεν γυναῖκα (11 *a*)
— 6. λαβεῖν ἑαυτῷ γυναῖκα (11 *a*)
— 6. οὐ λήψῃ γυναῖκα ἀπὸ τῶν θυγατέρων (11 *a*)
— 9. ἔλαβε τὴν Μαελὲθ . . . γυναῖκα (11 *a*)
— 11. ἔλαβεν ἀπὸ τῶν λίθων τοῦ τόπου (11 *a*)
— 18. ἔλαβε τὸν λίθον (11 *a*)
29. 23. καὶ λαβὼν Λείαν . . . εἰσήγαγε (11 *a*)
30. 9. ἔλαβε Ζελφὰν τὴν παιδίσκην αὐ. (11 *a*)
— 15. ὅτι ἔλαβες τὸν ἄνδρα μου (11 *a*)
— 15. μὴ καὶ τοὺς μανδραγόρας . . . λήψῃ (11 *a*)
— 37. ἔλαβε δὲ ἑαυτῷ Ἰ. ῥάβδον (11 *a*)
— 41. τὰ πρόβατα ἐν γαστρὶ λαμβάνοντα †
31. 1. εἴληφεν Ἰακὼβ πάντα τὰ τοῦ πατρός (11 *a*)
— 10. R τὰ πρόβατα ἐν γαστρὶ λαμβάνοντα [A *om.* ἐν γ. λ.] –
— 17. ἔλαβε τὰς γυναῖκας (17 *a*)
— 32. ἐπίγνωθι τί ἐστι . . . τῶν σῶν καὶ λάβε (11 *a*)
— 34. ἔλαβε τὰ εἴδωλα (11 *a*)
— 45. λαβὼν δὲ Ἰ. λίθον (11 *a*)
— 50. R εἰ λάβῃς [A λήψῃ] γυναῖκας πρὸς [A ἐπὶ] ταῖς θυγατράσι μου (11 *a*)
32. 13 (14). ἔλαβεν ὧν ἔφερεν δῶρα (11 *a*)
— 22 (23). ἔλαβε τὰς δύο γυναῖκας (11 *a*)
— 23 (24). ἔλαβεν αὐτούς (11 *a*)
33. 11. λάβε τὰς εὐλογίας μου (11 *a*)
— 11. καὶ ἐβιάσατο αὐτὸν καὶ ἔλαβε (11 *a*)
34. 2. καὶ λαβὼν αὐτὴν ἐκοιμήθη (11 *a*)
— 4. λάβε μοι τὴν παῖδα . . . εἰς γυναῖκα (11 *a*)
— 9. τὰς θυγατέρας ἡ. λάβετε τοῖς υἱοῖς (11 *a*)
— 16. ληψόμεθα ἡμῖν γυναῖκας (11 *a*)
— 17. R λαβόντες τὴν θυγατέρα [A τὰς θ.] (11 *a*)
— 21. τὰς θυγατέρας αὐ. ληψόμεθα ἡμῖν γυναῖκας (11 *a*)
— 25. ἔλαβον . . . ἕκαστος τὴν μάχαιραν αὐτοῦ (11 *a*)
— 26. ἔλαβον τὴν Δείναν ἐκ τοῦ οἴκου (11 *a*)
— 28. ὅσα ἦν ἐν τῷ πεδίῳ ἔλαβον (11 *a*)
36. 2. ἔλαβε τὰς γυναῖκας ἑαυτῷ (11 *a*)
— 6. ἔλαβε δὲ Ἠσαῦ τὰς γυναῖκας αὐτοῦ (11 *a*)
37. 24. λαβόντες αὐτὸν ἔρριψαν (11 *a*)
— 31. λαβόντες δὲ τὸν χιτῶνα τοῦ Ἰωσήφ (11 *a*)
38. 2. ἔλαβεν αὐτὴν καὶ εἰσῆλθε πρὸς αὐτήν (11 *a*)
— 6. ἔλαβεν Ἰούδας γυναῖκα Ἤρ (11 *a*)
— 18. ἐν γαστρὶ ἔλαβεν ἐξ αὐτοῦ (31)
— 28. λαβοῦσα δὲ ἡ μαῖα ἔδησεν (11 *a*)
39. 20. R λαβὼν [A ἔλαβεν] . . . Ἰωσὴφ ἐνέβαλεν (11 *a*)
40. 11. καὶ ἔλαβον τὴν σταφυλήν (11 *a*)
42. 16. καὶ λάβετε τὸν ἀδελφόν (11 *a*)
— 24. καὶ ἔλαβε τὸν Συμεὼν ἀπ' αὐτῶν (11 *a*)
— 33. τὸν δὲ ἀγορασμὸν . . . λαβόντες (11 *a*)
— 36. καὶ τὸν Βενιαμὶν λήψεσθε (11 *a*)

Ge. 43. 11. λάβετε ἀπὸ τῶν καρπῶν τῆς γῆς (11 *a*)
— 12. τὸ ἀργύριον . . . λάβετε ἐν ταῖς χερσίν (11 *a*)
— 13. καὶ τὸν ἀδελφὸν ὑμῶν λάβετε (11 *a*)
— 15. λαβόντες δὲ . . . τὰ δῶρα ταῦτα (11 *a*)
— 15. τὸ ἀργύριον . . . ἔλαβον ἐν ταῖς χερσίν (11 *a*)
— 18. τοῦ λαβεῖν ἡμᾶς εἰς παῖδας (11 *a*)
44. 29. ἐὰν οὖν λάβητε καὶ τοῦτον (11 *a*)
45. 19. λαβεῖν αὐτοῖς ἁμάξας ἐκ γῆς (11 *a*)
47. 23. λάβετε ἑαυτοῖς σπέρμα (4)
48. 13. λαβὼν δὲ Ἰ. τοὺς δύο υἱοὺς αὐ. (11 *a*)
— 22. ἣν ἔλαβον ἐκ χειρὸς . . . ἐν μαχαίρᾳ (11 *a*)
Ex. 2. 1. ὃς ἔλαβε τῶν θυγατέρων Λευί (11 *a*)
— 2. καὶ ἐν γαστρὶ ἔλαβε (31)
— 3. ἔλαβεν αὐτῷ . . . θίβιν (11 *a*)
— 9. ἔλαβε . . . τὸ παιδίον (11 *a*)
— 22. ἐν γαστρὶ δὲ λαβοῦσα . . . ἔτεκεν υἱόν –
4. 9. λήψῃ ἀπὸ τοῦ ὕδατος τοῦ ποταμοῦ (11 *a*)
— 9. τὸ ὕδωρ ὃ ἐὰν λάβῃς ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ (11 *a*)
— 17. τὴν ῥάβδον . . . λήψῃ ἐν τῇ χειρί σου (11 *a*)
— 20. ἔλαβε . . . τὴν ῥάβδον . . . ἐν τῇ χειρί (11 *a*)
— 25. καὶ λαβοῦσα Σ. ψῆφον περιέτεμε (11 *a*)
6. 7. λήψομαι ἐμαυτῷ ὑμᾶς λαὸν ἐμοί (11 *a*)
— 20. ἔλαβεν Ἀ. τὴν Ἰ. . . . ἑαυτῷ εἰς γυναῖκα (11 *a*)
— 23. ἔλαβε . . . τὴν Ἐλ. . . . αὐτῷ γυναῖκα (11 *a*)
— 25. ἔλαβε τῶν θυγατέρων Φ. αὐτῷ γυναῖκα (11 *a*)
7. 9. λάβε τὴν ῥάβδον (11 *a*)
— 15. τὴν ῥάβδον . . . λήψῃ ἐν τῇ χειρί σου (11 *a*)
— 19. λάβε τὴν ῥάβδον (11 *a*)
9. 8. λάβετε ὑμεῖς πλήρεις τὰς χεῖρας (11 *a*)
— 10. καὶ ἔλαβε [A -ον] τὴν αἰθάλην (11 *a*)
10. 26. ἀπ' αὐτῶν γὰρ ληψόμεθα λατρεῦσαι (11 *a*)
12. 3. λαβέτωσαν ἕκαστος πρόβατον (11 *a*)
— 5. ἀπὸ τῶν ἀρνῶν καὶ τῶν ἐρίφων λήψεσθε (11 *a*)
— 7. καὶ λήψονται ἀπὸ τοῦ αἵματος (11 *a*)
— 21. λάβετε ὑμῖν αὐτοῖς πρόβατον (11 *a*)
— 22. λήψεσθε δὲ δέσμην ὑσσώπου (11 *a*)
13. 19. ἔλαβε Μωυσῆς τὰ ὀστᾶ Ἰ. μεθ' ἑαυτοῦ (11 *a*)
14. 7. καὶ λαβὼν [A ἔλαβεν] . . . ἅρματα (11 *a*)
15. 14. ὠδῖνες ἔλαβον κατοικοῦντας (1)
— 15. ἔλαβεν αὐτοὺς τρόμος (1)
— 20. λαβοῦσα [A ἔλαβεν] δὲ . . . τὸ τύμπανον (11 *a*)
16. 33. λάβε στάμνον χρυσοῦν ἕνα (11 *a*)
17. 5. λάβε δὲ σεαυτῷ ἀπὸ τῶν πρεσβυτ. [A *al.*] (11 *a*)
— 5. καὶ τὴν ῥάβδον . . . λάβε ἐν τῇ χειρί (11 *a*)
— 12. καὶ λαβόντες λίθον (11 *a*)
18. 2. ἔλαβε δὲ . . . Σ. τὴν γυναῖκα (11 *a*)
— 12. ἔλαβεν . . . ὁλοκαυτώματα . . . τῷ θεῷ (11 *a*)
20. 7. οὐ λήψῃ τὸ ὄνομα . . . ἐπὶ ματαίῳ (17 *a*)
— 7. λαμβάνοντα τὸ ὄνομα αὐ. ἐπὶ ματαίῳ (17 *a*)
21. 10. ἐὰν δὲ ἄλλην λάβῃ ἑαυτῷ (11 *a*)
— 14. λήψῃ αὐτὸν θανατῶσαι (11 *a*)
23. 8. καὶ δῶρα οὐ λήψῃ (11 *a*)
24. 6. λαβὼν δὲ Μ. τὸ ἥμισυ τοῦ αἵματος (11 *a*)
— 7. καὶ λαβὼν τὸ βιβλίον . . . ἀνέγνω (11 *a*)
— 8. λαβὼν δὲ Μ. τὸ αἷμα (11 *a*)
25. 2. λάβετε [A *add.* μοι] ἀπαρχὰς παρὰ πάντων (11 *a*)
— 2. λήψεσθε τὰς ἀπαρχάς μου (11 *a*)
— 3. ἡ ἀπαρχὴ ἣν λήψεσθε παρ' αὐτῶν (11 *a*)
27. 20. λαβέτωσάν σοι ἔλαιον ἐξ ἐλαιῶν (11 *a*)
28. 5. καὶ αὐτοὶ λήψονται τὸ χρυσίον (11 *a*)
— 9. καὶ λήψῃ τοὺς δύο λίθους (11 *a*)
— 23 (29). λήψεται Ἀαρὼν τὰ ὀνόματα τῶν υἱῶν (17 *a*)
29. 1. λήψῃ δὲ μοσχάριον ἐκ βοῶν ἕν (11 *a*)
— 5. καὶ λαβὼν τὰς στολάς (11 *a*)
— 7. καὶ λήψῃ τοῦ ἐλαίου (11 *a*)
— 12. καὶ λήψῃ ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ μόσχου (11 *a*)
— 13. καὶ λήψῃ πᾶν τὸ στέαρ (11 *a*)
— 15. καὶ τὸν κριὸν λήψῃ τὸν ἕνα (11 *a*)
— 16. καὶ λαβὼν τὸ αἷμα προσχεεῖς (11 *a*)
— 19. καὶ λήψῃ [A *om.*] τὸν κριόν (11 *a*)
— 20. καὶ λήψῃ τοῦ αἵματος αὐτοῦ (11 *a*)
— 21. καὶ λήψῃ ἀπὸ τοῦ αἵματος (11 *a*)
— 22. λήψῃ ἀπὸ τοῦ κριοῦ τὸ στέαρ αὐτοῦ (11 *a*)
— 25. καὶ λήψῃ [A δέξῃ] αὐτὰ ἐκ τῶν χειρῶν (11 *a*)
— 26. καὶ λήψῃ τὸ στηθύνιον ἀπὸ τοῦ κριοῦ (11 *a*)
— 31. τὸν κριὸν τῆς τελειώσεως λήψῃ (11 *a*)
30. 12. ἐὰν λάβῃς τὸν συλλογισμὸν τῶν υἱῶν (17 *a*)
— 16. καὶ λήψῃ τὸ ἀργύριον τῆς εἰσφορᾶς (11 *a*)
— 23. καὶ σὺ λάβε ἡδύσματα (11 *a*)
— 34. λάβε σεαυτῷ ἡδύσματα (11 *a*)
32. 20. καὶ λαβὼν τὸν μόσχον . . . κατέκαυσεν (11 *a*)
33. 7. καὶ λαβὼν Μωυσῆς τὴν σκηνήν (11 *a*)

Ex. 34. 4. ἔλαβε Μ. τὰς δύο πλάκας (11 *a*)
— 16. λάβῃς τῶν θυγατέρων αὐτῶν τοῖς υἱοῖς (11 *a*)
35. 5. λάβετε παρ' ὑμῶν . . . ἀφαίρεμα κυρίῳ (11 *a*)
36. 3. ἔλαβον παρὰ Μ. π. τὰ ἀφαιρέματα (11 *a*)
40. 9. λήψῃ τὸ ἔλαιον τοῦ χρίσματος (11 *a*)
— 20. λαβὼν τὰ μαρτύρια ἐνέβαλεν (11 *a*)
Le. 4. 5. λαβὼν . . . τὰς χεῖρας ἀπὸ τοῦ αἵματος (11 *a*)
— 30. λήψεται . . . ἀπὸ τοῦ αἵματος αὐτῆς (11 *a*)
— 34. λαβὼν . . . ἀπὸ τοῦ αἵματος (11 *a*)
5. 1. λήψεται τὴν ἁμαρτίαν (17 *a*)
— 17. καὶ λάβῃ τὴν ἁμαρτίαν (17 *a*)
7. 8 (18). τὴν ἁμαρτίαν λήψεται (17 *a*)
— 24 (34). τὸ γὰρ στηθύνιον . . . εἴληφα (11 *a*)
8. 2. λάβε Ἀαρὼν καὶ τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ (11 *a*)
— 10. ἔλαβε Μωυσῆς ἀπὸ τοῦ ἐλαίου (11 *a*)
— 15. ἔλαβε Μωυσῆς ἀπὸ τοῦ αἵματος (11 *a*)
— 16. καὶ ἔλαβε Μωυσῆς πᾶν τὸ στέαρ (11 *a*)
— 22 (23). καὶ ἔλαβε Μ. ἀπὸ τοῦ αἵματος (11 *a*)
— 24 (25). καὶ ἔλαβε τὸ στέαρ καὶ τὴν ὀσφύν (11 *a*)
— 25 (26). ἔλαβεν ἄρτον ἕνα (11 *a*)
— 27 (28). ἔλαβε Μ. ἀπὸ τῶν χειρῶν αὐτῶν (11 *a*)
— 28 (29). καὶ λαβὼν Μωυσῆς τὸ στηθύνιον (11 *a*)
— 29 (30). ἔλαβε Μωυσῆς ἀπὸ τοῦ ἐλαίου (11 *a*)
9. 2. λάβε σεαυτῷ μοσχάριον (11 *a*)
— 3. λάβετε χίμαρον ἐξ αἰγῶν ἕνα (11 *a*)
— 5. καὶ ἔλαβον καθὸ ἐνετείλατο Μ. (11 *a*)
— 15. ἔλαβε τὸν χίμαρον (11 *a*)
10. 1. λαβόντες . . . ἕκαστος τὸ πυρεῖον (11 *a*)
— 12. λάβετε τὴν θυσίαν τὴν καταλειφθεῖσαν (11 *a*)
12. 8. καὶ λήψεται δύο τρυγόνας (11 *a*)
14. 4. λήψονται τῷ κεκαθαρισμένῳ δύο ὀρνίθια (11 *a*)
— 6. καὶ τὸ ὀρνίθιον τὸ ζῶν λήψεται αὐτό (11 *a*)
— 10. λήψεται δύο ἀμνοὺς ἀμώμους (11 *a*)
— 12. καὶ λήψεται ὁ ἱερεὺς τὸν ἀμνόν (11 *a*)
— 14. καὶ λήψεται ὁ ἱερεὺς ἀπὸ τοῦ αἵματος (11 *a*)
— 15. καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς ἀπὸ τῆς κοτύλης (11 *a*)
— 21. λήψεται ἀμνὸν ἕνα (11 *a*)
— 24. καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸν ἀμνόν (11 *a*)
— 25. καὶ λήψεται ὁ ἱερεὺς ἀπὸ τοῦ αἵματος (11 *a*)
— 42. καὶ λήψονται λίθους (11 *a*)
— 42. χοῦν ἕτερον λήψονται (11 *a*)
— 49. λήψεται ἀφαγνίσαι τὴν οἰκ. δὺο ὀρνίθια (11 *a*)
— 51. καὶ λήψεται τὸ ξύλον τὸ κέδρινον (11 *a*)
15. 14. λήψεται ἑαυτῷ δύο τρυγόνας (11 *a*)
— 29. λήψεται αὕτη [A *om.*] δύο τρυγόνας (11 *a*)
16. 5. λήψεται δύο χιμάρους (11 *a*)
— 7. λήψεται τοὺς δύο χιμάρους (11 *a*)
— 12. λήψεται τὸ πυρεῖον πλῆρες ἀνθράκων (11 *a*)
— 14, 18. λήψεται ἀπὸ τοῦ αἵμ. τοῦ μόσχου (11 *a*)
— 18. λήψεται ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ μόσχου (11 *a*)
— 22. λήψεται . . . τὰς ἀδικίας αὐ. (17 *a*)
17. 16. καὶ λήψεται ἀνόμημα αὐτοῦ (17 *a*)
18. 17. τὴν θυγατέρα τῆς θυγ. αὐ. οὐ λήψῃ (11 *a*)
— 18. γυναῖκα ἐπ' ἀδελφῇ αὐ. οὐ λήψῃ ἀντίζηλον (11 *a*)
19. 8. ὁ δὲ ἔσθων αὐτὸ ἁμαρτίαν λήψεται (17 *a*)
— 15. οὐ λήψῃ πρόσωπον πτωχοῦ (17 *a*)
— 17. οὐ λήψῃ δι' αὐτὸν ἁμαρτίαν (17 *a*)
20. 14. ὃς ἂν λάβῃ γυναῖκα (11 *a*)
— 17. ὃς ἂν λάβῃ τὴν ἀδ. αὐ. (11 *a*)
— 21. ὃς ἂν λάβῃ γυναῖκα τοῦ ἀδ. αὐ. (11 *a*)
21. 7. γυναῖκα πόρνην . . . οὐ λήψονται (11 *a*)
— 13. παρθένον ἐκ τοῦ γένους αὐτοῦ λήψεται [B[1] οὐ Λ.] (11 *a*)
— 14. ταύτας οὐ λήψεται (11 *a*)
— 14. παρθένον ἐκ τοῦ λαοῦ αὐ. λήψεται γυναῖκα (11 *a*)
22. 9. ἵνα μὴ λάβωσι δι' αὐτὰ ἁμαρτίαν (17 *a*)
23. 40. λήψεσθε . . . καρπὸν ξύλου ὡραῖον (11 *a*)
24. 2. λαβέτωσάν μοι ἔλαιον (11 *a*)
— 5. λήψεσθε σεμίδαλιν (11 *a*)
— 15. ἁμαρτίαν λήψεται (17 *a*)
25. 36. οὐ λήψῃ παρ' αὐτοῦ τόκον (11 *a*)
Nu. 1. 2. λάβετε ἀρχὴν πάσης συναγ. Ἰσρ. (17 *a*)
— 17. ἔλαβε . . . τοὺς ἄνδρας τούτους (11 *a*)
— 49. τὸν ἀριθμὸν αὐτῶν οὐ λήψῃ (17 *a*)
3. 6. λάβε τὴν φυλὴν Λ. (26)
— 12. εἴληφα [A ἤλιφα] τοὺς Λευίτας (11 *a*)
— 40. λάβετε [A -βε] τὸν ἀριθμὸν ἐξ ὀνόματος (17 *a*)
— 41. λήψῃ τοὺς Λευίτας ἐμοί (11 *a*)
— 45. B[1] λάβετε [A B[2] R -βε] τοὺς Λ. (11 *a*)
— 47. λήψῃ πέντε σίκλους κατὰ κεφαλήν (11 *a*)
— 47. κατὰ τὸ δίδραχμον τὸ ἅγ. λήψῃ (11 *a*)
— 49. ἔλαβε Μ. τὸ ἀργύριον (11 *a*)
— 50. ἔλαβε τὸ ἀργύριον (11 *a*)
Nu. 4. 2. λάβε τὸ κεφάλαιον τῶν υἱῶν Κ. (17 *a*)
— 9. λήψονται ἱμάτιον ὑακίνθινον (11 *a*)
— 12. λήψονται πάντα τὰ σκεύη τὰ λειτουργικά (11 *a*)
— 14. λήψονται ἱμάτιον πορφυροῦν –
— 22. λάβε τὴν ἀρχὴν τῶν υἱῶν Γ. (17 *a*)
5. 17. λήψεται ὁ ἱερεὺς ὕδωρ καθαρὸν ζῶν (11 *a*)
— 17. λαβὼν ὁ ἱ. ἐμβαλεῖ εἰς τὸ ὕδωρ (11 *a*)
— 25. λήψεται ὁ ἱ. . . . τὴν θυσίαν τῆς ζηλοτυπίας (11 *a*)
— 31. λήψεται τὴν ἁμαρτίαν αὐ. (17 *a*)
6. 19. λήψεται ὁ ἱ. τὸν βραχίονα ἑφθόν (11 *a*)
7. 5. λάβε παρ' αὐτῶν (11 *a*)
— 6. λαβὼν Μωυσῆς τὰς ἁμάξας (11 *a*)
8. 6. λάβε τοὺς Λευίτας (11 *a*)
— 8. λήψονται μόσχον ἕνα (11 *a*)
— 8. μόσχον ἐνιαύσιον ἐκ βοῶν λήψῃ (11 *a*)
— 16. εἴληφα αὐτοὺς ἐμοί (11 *a*)
— 18. ἔλαβον τοὺς Λευίτας (11 *a*)
9. 13. ἁμαρτίαν αὐτοῦ λήψεται ὁ ἄνθρ. ἐκ. (17 *a*)
11. 12. μὴ ἐγὼ ἐν γαστρὶ ἔλαβον πάντα τὸν λαὸν τ. (31)
— 12. λάβε αὐτὸν εἰς τὸν κόλπον σου (17 *a*)
12. 1. ἣν [A ἧς] ἔλαβε Μ. ὅτι γυναῖκα Αἰθ. ἔλαβε (11 *a*, 11 *a*)
13. 21 (20). λήψεσθε ἀπὸ τῶν καρπῶν τῆς γῆς (11 *a*)
14. 34. λήψεσθε τὰς ἁμαρτίας ὑμῶν (17 *a*)
16. 6. λάβετε ὑμῖν αὐτοῖς πυρεῖα (11 *a*)
— 15. οὐκ ἐπιθύμημα οὐδενὸς αὐτῶν εἴληφα (17 *a*)
— 17. λάβετε ἕκαστος τὸ πυρεῖον αὐτοῦ (11 *a*)
— 17 (18). ἔλαβεν ἕκαστος τὸ πυρεῖον αὐτοῦ (11 *a*)
— 39 (17. 4). ἔλαβεν Ἐλ. . . . τὰ πυρεῖα (11 *a*)
— 46 (17. 11). λάβε τὸ πυρεῖον (11 *a*)
— 47 (17. 12). ἔλαβεν Α. καθάπερ ἐλάλησεν (11 *a*)
— 47 (17. 12). A ἔλαβεν [B *om.*] καὶ ἐπέβαλε τὸ θυμίαμα –
17. 2 (17). λάβε παρ' αὐτῶν ῥάβδον (11 *a*)
— 9 (24). A R ἔλαβον [B ἔβαλεν] ἕκαστος τὴν ῥάβδον αὐ. (11 *a*)
18. 1. A R λήψεσθε τὰς ἁμαρτίας [B ἀπαρχάς] (17 *a*)
— 1. λήψεσθε τὰς ἁμαρτίας τῆς ἱερατείας ὑμῶν (17 *a*)
— 6. εἴληφα τοὺς ἀδελφοὺς ὑμῶν (11 *a*)
— 22. λαβεῖν ἁμαρτίαν θανατηφόρον (17 *a*)
— 23. λήψονται τὰ ἁμαρτήματα αὐτῶν (17 *a*)
— 26. ἐὰν λάβητε . . . τὸ ἐπιδέκατον (11 *a*)
— 28. ὅσα ἐὰν λάβητε παρὰ τῶν υἱῶν Ἰσρ. (11 *a*)
— 32. οὐ λήψεσθε [A οὗτοι λήψονται] δι' αὐτὸ ἁμαρτίαν (17 *a*)
19. 2. λαβέτωσαν πρὸς σὲ δάμαλιν (11 *a*)
— 4. λήψεται Ἐλ. ἀπὸ τοῦ αἵματος αὐτῆς (11 *a*)
— 6. λήψεται ὁ ἱ. ξύλον κέδρινον (11 *a*)
— 17. λήψονται τῷ ἀκαθάρτῳ ἀπὸ τῆς σποδιᾶς (11 *a*)
— 18. λήψεται ὕσσωπον (11 *a*)
20. 8. λάβε τὴν ῥάβδον (11 *a*)
— 9. ἔλαβε Μ. τὴν ῥάβδον (11 *a*)
— 25. λάβε τὸν Α. (11 *a*)
21. 25. ἔλαβεν Ἰσρ. πάσας τὰς πόλεις ταύτας (11 *a*)
— 26. ἔλαβον [A -εν] πᾶσαν τὴν γῆν αὐ. (11 *a*)
25. 4. λάβε πάντας τοὺς ἀρχηγούς (11 *a*)
— 7. λαβὼν σειρομάστην ἐν τῇ χειρί (11 *a*)
26. 2. λάβε τὴν ἀρχὴν πάσης συναγ. (17 *a*)
27. 18. λάβε πρὸς σεαυτὸν τὸν Ἰ. (11 *a*)
— 22. λαβὼν τὸν Ἰησοῦν (11 *a*)
30. 16. λήψεται τὴν ἁμαρτίαν αὐ. (17 *a*)
31. 11. ἔλαβον πᾶσαν τὴν προνομήν (11 *a*)
— 26. λάβε τὸ κεφάλαιον τῶν σκύλων (17 *a*)
— 29. ἀπὸ τοῦ ἡμίσους αὐτῶν λήψεσθε (11 *a*)
— 30. λήψῃ ἕνα ἀπὸ τῶν πεντήκοντα (11 *a*)
— 47. ἔλαβε Μ. ἀπὸ τοῦ ἡμισεύμ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (11 *a*)
— 49. εἰλήφασι τὸ κεφάλαιον τῶν ἀνδρῶν (17 *a*)
— 51, 54. ἔλαβε Μ. . . . τὸ χρυσίον (11 *a*)
32. 39. καὶ ἔλαβεν αὐτήν (10 *a*)
— 41. ἔλαβε τὰς ἐπαύλεις αὐτῶν (10 *a*)
— 42. ἔλαβε τὴν Καάθ (10 *a*)
34. 14. ἔλαβε φυλὴ υἱῶν Ῥ. (11 *a*)
— 15. ἔλαβον τοὺς κλήρους αὐτῶν (11 *a*)
— 18. ἄρχοντα ἕνα ἐκ φυλῆς λήψεσθε (11 *a*)
35. 31. οὐ λήψεσθε λύτρα περὶ ψυχῆς (11 *a*)
— 32. οὐ λήψεσθε λύτρα τοῦ φυγεῖν (11 *a*)
De. 1. 15. ἔλαβον ἐξ ὑμῶν ἄνδρας σοφούς (11 *a*)
— 23. ἔλαβον ἐξ ὑμῶν δώδεκα ἄνδρας (11 *a*)
De. 1. 25. ἐλάβοσαν [A -βον] . . . ἀπὸ τοῦ καρποῦ τῆς γῆς (11 *a*)
2. 6. ὕδωρ μέτρῳ λήψεσθε. †
— 35. τὰ σκῦλα τῶν πόλεων ἐλάβομεν (10 *a*)
3. 4. ἣν οὐκ ἐλάβομεν παρ' αὐτῶν (11 *a*)
— 8. ἐλάβομεν ἐν τῷ καιρῷ ἐκ. τὴν γῆν (11 *a*)
— 14. ἔλαβε πᾶσαν τὴν περίχωρον Α. (11 *a*)
4. 20. ὑμᾶς δὲ ἔλαβεν ὁ θεός (11 *a*)
— 34. λαβεῖν ἑαυτῷ ἔθνος ἐκ μέσου ἔθνους (11 *a*)
5. 11. οὐ λήψῃ τὸ ὄνομα . . . ἐπὶ ματαίῳ (17 *a*)
— 11. τὸν λαμβάνοντα τὸ ὄνομα αὐ. ἐπὶ ματαίῳ (17 *a*)
7. 3. τὴν θυγατ. αὐ. οὐ λήψῃ τῷ υἱῷ σου (11 *a*)
— 25. οὐ λήψῃ [A λαβεῖν] σεαυτῷ (11 *a*)
9. 9. λαβεῖν τὰς πλάκας τὰς λιθίνας (11 *a*)
— 21. ἔλαβον αὐτόν (11 *a*)
10. 17. οὐδ' οὐ μὴ λάβῃ δῶρον (11 *a*)
12. 26. τὰς εὐχάς σου λαβὼν ἥξεις (17 *a*)
14. 25. λήψῃ τὸ ἀργύριον ἐν ταῖς χερσί σου (23)
15. 17. λήψῃ τὸ ὀπήτιον (11 *a*)
16. 19. οὐδὲ λήψονται δῶρον (11 *a*)
19. 12. λήψονται αὐτὸν ἐκεῖθεν (11 *a*)
20. 7. καὶ οὐκ ἔλαβεν αὐτήν (11 *a*)
— 7. ἄνθρωπος ἕτερος λήψεται αὐτήν (11 *a*)
21. 3. λήψεται . . . δάμαλιν ἐκ βοῶν (11 *a*)
— 11. καὶ λάβῃς αὐτὴν σαυτῷ γυναῖκα (11 *a*)
22. 6. οὐ λήψῃ τὴν μητέρα μετὰ τῶν τέκνων (11 *a*)
— 7. τὰ δὲ παιδία λήψῃ σεαυτῷ (11 *a*)
— 13. ἐὰν δέ τις λάβῃ γυναῖκα (11 *a*)
— 14. τὴν γυναῖκα ταύτην εἴληφα (11 *a*)
— 15. λαβὼν ὁ πατὴρ τῆς παιδὸς (11 *a*)
— 18. λήψεται . . . τὸν ἄνθρωπον ἐκεῖνον (11 *a*)
— 30 (23. 1). οὐ λήψεται ἄνθρ. τὴν γυναῖκα τοῦ πατρὸς αὐ. (11 *a*)
24. 1. A[2] B ἐὰν δέ τις λάβῃ γυναῖκα (11 *a*)
— 3. ὃς ἔλαβεν αὐτὴν ἑαυτῷ γυναῖκα (11 *a*)
— 4. λαβεῖν αὐτὴν ἑαυτῷ γυναῖκα (11 *a*)
— 5. ἐὰν δέ τις λάβῃ γυναῖκα προσφάτως (11 *a*)
— 5. ἣν ἔλαβεν (11 *a*)
— 19. οὐκ ἀναστραφήσῃ λαβεῖν αὐτό (11 *a*)
25. 5. λήψεται αὐτὴν ἑαυτῷ γυναῖκα (11 *a*)
— 7. λαβεῖν τὴν γυναῖκα τοῦ ἀδ. αὐ. (11 *a*)
— 8. οὐ βούλομαι λαβεῖν αὐτήν (11 *a*)
26. 2. λήψῃ ἀπὸ τῆς ἀπαρχῆς τῶν καρπῶν (11 *a*)
— 4. λήψεται ὁ ἱερεὺς τὸν κάνθαλλον (11 *a*)
27. 25. ὃς ἂν λάβῃ δῶρα (11 *a*)
28. 30. γυναῖκα λήψῃ (2)
— 56. ἣ οὐχὶ πεῖραν ἔλαβεν ὁ ποὺς αὐτῆς (32)
29. 8 (7). ἐλάβομεν τὴν γῆν αὐτῶν (11 *a*)
30. 4. ἐκεῖθεν λήψεταί σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 12. τίς . . . λήψεται ἡμῖν αὐτήν (11 *a*)
— 13. A B[2] R καὶ λάβῃ [A λήψεται] ἡμῖν αὐτήν (11 *a*)
31. 26. λαβόντες τὸ βιβλίον τοῦ ν. τούτου (11 *a*)
Jo. 2. 4. λαβοῦσα ἡ γυνὴ τοὺς δύο ἄνδρας (11 *a*)
4. 8. A B λαβόντες [R ἀναλ.] δώδεκα λίθους (17 *a*)
— 20. οὓς ἔλαβεν ἐκ τοῦ Ἰ. (11 *a*)
6. 17 (18). μή ποτε . . . λάβητε ἀπὸ τοῦ ἀναθέματος (11 *a*)
7. 1. ἔλαβεν Α. . . . ἀπὸ τοῦ ἀναθέματος (11 *a*)
— 21. ἐνθυμηθεὶς αὐτῶν ἔλαβον (11 *a*)
— 24. ἔλαβεν Ἰ. τὸν Ἄχαρ (11 *a*)
8. 1. λάβε μετὰ σοῦ πάντας τοὺς ἄνδρας (11 *a*)
— 21. B ἔλαβον τὰ ἔνεδρα τὴν πόλιν (10 *a*)
9. 4. λαβόντες σάκκους παλαιούς (11 *a*)
— 11. λάβετε ἑαυτοῖς ἐπισιτισμόν (11 *a*)
— 14. ἔλαβον . . . τοῦ ἐπισιτισμοῦ αὐτῶν (11 *a*)
10. 1. ἔλαβεν Ἰ. τὴν Γαί (10 *a*)
— 28. τὴν Μ. ἐλάβοσαν [A -βον] (10 *a*)
— 30. ἔλαβον [A -εν] αὐτήν –
— 32, 35. ἔλαβεν αὐτήν (10 *a*)
— 39. ἔλαβον αὐτήν (10 *a*)
— 42. A τὴν γῆν αὐ. ἔλαβεν [B ἐπάταξεν] Ἰ. (10 *a*)
11. 12. τοὺς βασιλεῖς αὐ. ἔλαβεν Ἰ. (10 *a*)
— 16. ἔλαβεν Ἰ. πᾶσαν τὴν γῆν τὴν ὀρ. (11 *a*)
— 17. πάντας τοὺς βασιλεῖς αὐ. ἔλαβε (10 *a*)
— 19. ἢν οὐκ ἔλαβεν Ἰσρ. [A *al.*] †
— 19. πάντα [A -ας] ἐλάβοσαν [A -βεν] ἐν πολέμῳ (11 *a*)
— 23. ἔλαβεν Ἰ. πᾶσαν τὴν γῆν (11 *a*)
15. 16. ὃς ἐὰν λάβῃ . . . τὴν πόλιν τῶν γραμμάτων (15 ?)
— 17. ἔλαβεν αὐτὴν Γ. (10 *a*)
16. 10. καὶ ἔλαβεν αὐτήν [A τὴν πόλιν] –
18. 7. ἐλάβοσαν τὴν κληρονομίαν αὐ. (11 *a*)
21. 40. ἔλαβεν Ἰ. τὰς μαχαίρας τὰς πετρ. –

Jo. 24. 3. ἔλαβον τὸν πατέρα ὑμῶν (11 *a*)
— 26. ἔλαβε λίθον μέγαν (11 *a*)
— 33. λαβόντες . . . τὴν κιβωτὸν τοῦ θεοῦ –
Jd. 1. 6. B[1] κατελάβοσαν [B[2] R ἐλ., A ἔλαβον] αὐτόν (1)
— 24. A R ἔλαβον [B -αν] αὐτόν –
3. 6. ἔλαβον τὰς θυγατ. αὐ. ἑαυτοῖς (11 *a*)
— 21. ἔλαβε τὴν μάχαιραν (11 *a*)
— 25. ἔλαβον τὴν κλεῖδα (11 *a*)
4. 6. λήψῃ . . . δέκα χιλιάδας ἀνδρῶν (11 *a*)
— 21. ἔλαβεν Ἰ. . . . τὸν πάσσαλον τῆς σκηνῆς (11 *a*)
5. 19. δῶρον [A πλεονεξίαν] ἀργυρίου οὐκ ἔλαβον (11 *a*)
6. 20. λάβε τὰ κρέα (11 *a*)
— 25. λάβε τὸν μόσχον τὸν ταῦρον (11 *a*)
— 26. λήψῃ τὸν μόσχον τὸν δεύτερον (11 *a*)
— 27. ἔλαβε Γ. δέκα ἄνδρας (11 *a*)
7. 5. ὃς ἂν λάψῃ [A λήψῃ] τῇ γλώσσῃ αὐ. †
— 5. ὡς ἐὰν λάψῃ [A λήψῃ] ὁ κύων †
— 8. ἔλαβον τὸν ἐπισιτισμὸν τοῦ λαοῦ (11 *a*)
— 20. A ἐλάβοντο ἐν τῇ χειρὶ τῇ ἀρ. [B *al.*] (5)
8. 16. ἔλαβε [A -ον] τοὺς πρεσβυτ. τῆς πόλεως (11 *a*)
— 21. ἔλαβε τοὺς μηνίσκους (11 *a*)
9. 43. ἔλαβε [A παρέλ.] τὸν λαόν (11 *a*)
— 48. ἔλαβεν Ἀβ. τὰς ἀξίνας (11 *a*)
— 48. A ἔλαβεν αὐτό [B *al.*] (17 *a*)
11. 5. λαβεῖν [A παραλ.] τὸν Ἰ. ἀπὸ τῆς γῆς Τ. (11 *a*)
— 13. ἔλαβεν Ἰσρ. τὴν γῆν μου (11 *a*)
— 15. οὐκ ἔλαβεν Ἰσρ. τὴν γῆν Μ. (11 *a*)
13. 19. ἔλαβε Μ. τὸν ἔριφον τῶν αἰγῶν (11 *a*)
— 23. οὐκ ἂν ἔλαβεν [A ἐδέξατο] . . . θυσίαν (11 *a*)
14. 2. λάβετε αὐτὴν ἐμοί (11 *a*)
— 3. σὺ πορεύῃ λαβεῖν γυναῖκα (11 *a*)
— 3. ταύτην λάβε μοι (11 *a*)
— 8. ὑπέστρεψε [A ἐπ.] . . . λαβεῖν αὐτήν (11 *a*)
— 11. ἔλαβον τριάκοντα κλητούς [A *al.*] (11 *a*)
— 19. ἔλαβε τὰ ἱμάτια [A τὰς στολὰς] αὐ. (11 *a*)
15. 4. ἔλαβε λαμπάδας (11 *a*)
— 6. ἔλαβε τὴν γυναῖκα αὐτοῦ (11 *a*)
— 15. καὶ ἔλαβεν αὐτήν (11 *a*)
16. 12. ἔλαβε Δ. καλώδια [A *om.*] καινά (11 *a*)
— 14. ἔλαβε Δ. τὰς ἑπτὰ σειράς [A *al.*] –
— 31. ἔλαβον αὐτόν (17 *a*)
17. 2. οὓς ἔλαβες ἀργυρίου σεαυτῇ [A ἀ. τοὺς ληφθέντας σοι] (11 *c*)
— 2. ἐγὼ ἔλαβον αὐτό (11 *a*)
— 4. ἔλαβεν ἡ μήτηρ αὐ. διακοσίους ἀργυρίου (11 *a*)
18. 17 (A), 18. ἔλαβον τὸ γλυπτόν (11 *a*)
— 20. ἔλαβε τὸ ἐφώδ (11 *a*)
— 24. τὸ γλυπτόν μου . . . ἐλάβετε (11 *a*)
— 27. ἔλαβον ὃ ἐποίησε Μ. (11 *a*)
19. 1. ἔλαβεν αὐτῷ γυναῖκα παλλακήν (11 *a*)
— 28. ἔλαβεν αὐτὴν ἐπὶ τὸν ὄνον [A *al.*] (11 *a*)
— 29. ἔλαβε τὴν ῥομφαίαν [A μάχαιραν] (11 *a*)
20. 10. ληψόμεθα δέκα ἄνδρας (11 *a*)
— 10. λαβεῖν ἐπισιτισμόν (11 *a*)
21. 22. οὐκ ἐλάβομεν ἀνὴρ γυναῖκα αὐτοῦ (11 *a*)
— 23. ἔλαβον γυναῖκας (17 *a*)
Ru. 1. 4. ἐλάβοσαν ἑαυτοῖς γυναῖκας Μ. (17 *a*)
4. 2. ἔλαβε Β. δέκα ἄνδρας (11 *a*)
— 13. ἔλαβε Β. τὴν Ῥοὺθ (11 *a*)
— 16. ἔλαβε Ν. τὸ παιδίον (11 *a*)
I Ki. 2. 14. πᾶν . . . ἐλάμβανεν ἑαυτῷ ὁ ἱερεύς (11 *a*)
— 15. B οὐ μὴ λάβω παρὰ σοῦ [A R *add.* κρέας] ἑφθόν (11 *a*)
— 16. λάβε σεαυτῷ ἐκ πάντων (11 *a*)
— 16. λήψομαι κραταιῶς (11 *a*)
4. 3. λάβωμεν τὴν κιβωτὸν τοῦ θεοῦ ἡμῶν [A *al.*] (11 *a*)
— 11. κιβωτὸς θεοῦ ἐλήφθη (11 *b*)
— 17. ἡ κιβωτὸς τοῦ θεοῦ ἐλήφθη (11 *b*)
— 19. ἐλήφθη ἡ κιβωτὸς τοῦ θεοῦ (11 *b*)
— 21. ἐν τῷ ληφθῆναι τὴν κιβωτὸν κυρίου (11 *b*)
— 22. A ὅτι ἐλήφθη ἡ κιβ. τοῦ θεοῦ (11 *b*)
5. 1. ἔλαβον τὴν κιβωτὸν τοῦ θεοῦ (11 *a*)
— 2. ἔλαβον ἀλλόφυλοι τὴν κιβωτὸν κυρίου (11 *a*)
6. 7. λάβετε . . . ἅμαξαν καινήν (11 *a*)
— 8. λήψεσθε τὴν κιβωτόν (11 *a*)
— 10. ἔλαβον δύο βόας πρωτοτοκούσας (11 *a*)
7. 9. ἔλαβε Σαμ. ἄρνα γαλαθηνὸν ἕνα (11 *a*)
— 12. ἔλαβε Σαμ. λίθον ἕνα (11 *a*)
— 14. ἃς ἔλαβον οἱ ἀλλόφυλοι (11 *a*)
8. 3. καὶ ἐλάμβανον [A -αν] δῶρα (11 *a*)
— 11. τοὺς υἱοὺς ὑμῶν λήψεται (11 *a*)
I Ki. 8. 13. τὰς θυγατέρας ὑμῶν λήψεται (11 *a*)
— 14. τοὺς ἐλαιῶνας ὑ. τοὺς ἀγαθοὺς λήψεται (11 *a*)
— 16. τοὺς ὄνους ὑμῶν λήψεται (11 *a*)
9. 3. λάβε μετὰ σεαυτοῦ ἓν τῶν παιδαρίων (11 *a*)
— 22. ἔλαβε Σαμ. τὸν Σαούλ (11 *a*)
10. 1. ἔλαβε Σαμ. τὸν φακὸν τοῦ ἐλαίου (11 *a*)
— 4. λήψῃ ἐκ τῆς χειρὸς αὐτῶν (11 *a*)
— 23. λαμβάνει αὐτὸν ἐκεῖθεν (11 *a*)
11. 7. ἔλαβε δύο βόας (11 *a*)
12. 3. μόσχον τίνος εἴληφα ἢ ὄνον τίνος εἴληφα (11 *a*, 11 *a*)
— 3. ἐκ χειρὸς τίνος εἴληφα ἐξίλασμα (11 *a*)
— 4. οὐκ εἴληφας ἐκ χειρὸς οὐδενὸς οὐδέν (11 *a*)
14. 32. ἔλαβεν ὁ λαὸς ποίμνια (11 *a*)
— 42. A λάβετε [B βάλετε] ἀνὰ μέσον ἐμοῦ (16)
15. 21. ἔλαβεν ὁ λαὸς τῶν σκύλων ποίμνια (11 *a*)
16. 2. δάμαλιν βοῶν λάβε ἐν τῇ χειρί σου (11 *a*)
— 11. λάβε αὐτόν (11 *a*)
— 13. ἔλαβε Σαμ. τὸ κέρας τοῦ ἐλαίου (11 *a*)
— 20. ἔλαβεν Ἰ. γόμορ ἄρτων (11 *a*)
— 23. ἐλάμβανε Δ. τὴν κινύραν (11 *a*)
17. 17. A λάβε δὴ τοῖς ἀδ. σου οἰφὲὶ τούτου (11 *a*)
— 20. A ἔλαβεν καὶ ἀπῆλθεν (17 *a*)
— 34. καὶ ἐλάμβανε πρόβατον ἐκ τῆς ἀγέλης (17 *a*)
— 40. ἔλαβε τὴν βακτηρίαν αὐτοῦ (11 *a*)
— 49. ἔλαβεν ἐκεῖθεν [A *om.*] λίθον ἕνα (11 *a*)
— 51. ἔλαβε τὴν ῥομφαίαν αὐ. (11 *a*)
— 54. ἔλαβε Δ. τὴν κεφαλὴν τοῦ ἀλλοφύλου (11 *a*)
18. 2. A ἔλαβεν αὐτὸν Σαούλ (11 *a*)
19. 13. ἔλαβεν ἡ Μ. τὸ κενοτάφια (11 *a*)
— 14, 20. ἀπέστειλε Σ. ἀγγέλους λαβεῖν τὸν Δ. (11 *a*)
20. 22. λάβε αὐτήν –
— 31. λάβε τὸν νεανίαν (11 *a*)
21. 6 (7). ᾗ ἡμέρᾳ ἔλαβεν αὐτούς (11 *b*)
— 8 (9). τὰ σκεύη οὐκ εἴληφα ἐν τῇ χειρί μου (11 *a*)
— 9 (10). A εἰλημμένη [B ἐνειλ.] ἣν ἐν ἱματίῳ †
— 9 (10). εἰ ταύτην λήψῃ σεαυτῷ λάβε (11 *a*, 11 *a*)
24. 3. ἔλαβε μεθ' ἑαυτοῦ τρεῖς χιλιάδας ἀνδρῶν (11 *a*)
— 12. δεσμεύεις τὴν ψυχήν μου λαβεῖν αὐτήν (11 *a*)
25. 11. λήψομαι τοὺς ἄρτους μου (11 *a*)
— 18. ἔλαβε διακοσίους ἄρτους (11 *a*)
— 21. οὐκ ἐνετειλάμεθα λαβεῖν . . . οὐθέν †
— 27. λάβε τὴν εὐλογίαν –
— 27. A λάβε [B *om.*] καὶ δώσεις –
— 35. ἔλαβε Δ. . . . πάντα (11 *a*)
— 39. λαβεῖν αὐτὴν ἑαυτῷ εἰς γυναῖκα (11 *a*)
— 40. λαβεῖν σε αὐτῷ εἰς γυναῖκα (11 *a*)
— 43. τὴν Ἀχ. ἔλαβε Δ. ἐξ Ἰσρ. (11 *a*)
26. 11. λάβε δὴ τὸ δόρυ (11 *a*)
— 12. ἔλαβε Δ. τὸ δόρυ (11 *a*)
— 22. καὶ λαβέτω αὐτό (11 *a*)
27. 9. ἐλάμβανεν ποίμνια (11 *a*)
28. 24. ἔλαβεν ἄλευρα (11 *a*)
30. 11. καὶ λαμβάνουσιν αὐτόν (11 *a*)
— 16. οἷς ἔλαβον ἐκ γῆς ἀλλοφύλων (11 *a*)
— 18. ἃ ἔλαβον οἱ Ἀμ. (11 *a*)
— 19. ὧν ἔλαβον αὐτῶν (11 *a*)
— 20. ἔλαβε πάντα τὰ ποίμνια (11 *a*)
31. 4. ἔλαβε Σ. τὴν ῥομφαίαν (11 *a*)
— 12. ἔλαβον τὸ σῶμα Σ. (11 *a*)
— 13. λαμβάνουσι τὰ ὀστᾶ αὐ. (11 *a*)
II Ki. 1. 10. ἔλαβον τὸ βασίλειον (11 *a*)
2. 8. Ἀβ. . . . ἔλαβε τὸν Ἰεβ. (11 *a*)
— 21. λάβε σεαυτῷ τὴν πανοπλίαν αὐ. (11 *a*)
3. 14. A[2] B ἣν ἔλαβον [A[2] *add.* ἐμαυτῷ] ἐν ἑκατὸν ἀκροβυστίαις (2)
— 15. ἔλαβεν αὐτὴν παρὰ τοῦ ἀνδρὸς αὐ. (11 *a*)
4. 7. ἔλαβον τὴν κεφαλὴν αὐ. (11 *a*)
5. 13. ἔλαβε Δ. ἔτι γυναῖκας (11 *a*)
— 21. ἐλάβοσαν [A -βεν] αὐτοὺς Δ. καὶ οἱ ἄνδρες (17 *a*)
7. 8. ἔλαβόν σε ἐκ τῆς μάνδρας (11 *a*)
8. 1. ἔλαβε Δ. τὴν ἀφωρισμένην (11 *a*)
— 7. ἔλαβε Δ. τοὺς χλιδῶνας τοὺς χρυσοῦς (11 *a*)
— 7. ἔλαβεν αὐτὰ Σ. –
— 8. ἔλαβεν . . . χαλκὸν πολύν (11 *a*)
9. 5. ἔλαβεν αὐτὸν ἐκ τοῦ οἴκου Μ. (11 *a*)
10. 4. ἔλαβεν Ἀ. τοὺς παῖδας Δ. (11 *a*)
11. 4. ἔλαβεν αὐτήν (11 *a*)
— 5. ἐν γαστρὶ ἔλαβεν ἡ γυνή (31)
12. 4. ἐφείσατο λαβεῖν [A *add.* αὐτὴν] ἐκ τῶν ποιμνίων αὐ. (11 *a*)
— 4. ἔλαβε τὴν ἀμνάδα τοῦ πένητος (11 *a*)
— 9. τὴν γυναῖκα αὐ. ἔλαβες σεαυτῷ (11 *a*)
II Ki. 12. 10. ἔλαβες τὴν γυναῖκα τοῦ Οὐ. (11 *a*)
— 11. λήψομαι τὰς γυναῖκάς σου (11 *a*)
— 30. ἔλαβε τὸν στέφανον (11 *a*)
13. 8. ἔλαβε τὸ σταῖς [A στέαρ] (11 *a*)
— 9. ἔλαβε τὸ τήγανον (11 *a*)
— 10. ἔλαβε Θ. τὰς κολλυρίδας (11 *a*)
— 19. ἔλαβε Θ. σποδόν (11 *a*)
14. 2. ἔλαβεν ἐκεῖθεν γυναῖκα σοφήν (11 *a*)
— 14. λήψεται ὁ θ. [A *add.* τὴν] ψυχήν (17 *a*)
17. 13. λήψεται πᾶς [A *add.* ἀνὴρ] Ἰσρ. . . . σχοινία (17 *d*)
— 19. καὶ ἔλαβεν ἡ γυνή (11 *a*)
18. 14. ἔλαβεν Ἰ. τρία βέλη (11 *a*)
— 17. ἔλαβε τὸν Ἀβ. (11 *a*)
— 18. R Ἀβ. . . . ἔλαβε [A B *om.*] (11 *a*)
— 18. ἐν ᾗ ἐλήφθη [A *al.*] –
— 18. ἐστήλωσεν αὐτὴν λαβεῖν –
19. 30 (31). τὰ πάντα λαβέτω (11 *a*)
20. 3. ἔλαβεν ὁ βασ. τὰς δέκα γυναῖκας (11 *a*)
— 6. λάβε . . . τοὺς παῖδας τοῦ κυρίου σου (11 *a*)
— 22. A ἔλαβεν [B ἔβαλε] πρὸς Ἰ. †
21. 8. ἔλαβεν ὁ βασ. τοὺς δύο υἱοὺς Ῥ. (11 *a*)
— 10. ἔλαβε Ῥ. . . . τὸν σάκκον (11 *a*)
— 12. ἔλαβε τὰ ὀστᾶ Σ. (11 *a*)
22. 17. ἔλαβέ [A ἀνέλ.] με (11 *a*)
23. 6. οὐ χειρὶ ληφθήσονται (11 *a*)
— 16. ἔλαβαν [A -ον] καὶ παρεγένοντο (17 *a*)
24. 22. λαβέτω καὶ ἀνενεγκέτω (11 *a*)
III Ki. 1. 33. λάβετε τοὺς δούλους τοῦ κυρίου ὑμῶν (11 *a*)
— 39. ἔλαβε Σ. ὁ ἱερεὺς τὸ κέρας τοῦ ἐλαίου (11 *a*)
3. 1. ἔλαβε τὴν θυγατέρα Φ. (11 *a*)
— 1. A ἔλαβεν τὴν θυγατέρα Φ. (11 *a*)
— 20. ἔλαβε τὸν υἱόν μου (11 *a*)
— 24. λάβετε [A *add.* μοι] μάχαιραν (11 *a*)
4. 15. ἔλαβε τὴν Βασ. (11 *a*)
— 34 (3. 1). B ἔλαβε Σαλ. τὴν θυγ. Φ. (11 *a*)
7. 13. ἔλαβε τὸν Χ. ἐκ Τύρου (11 *a*)
— 48. ἔλαβεν ὁ βασ. Σαλ. τὰ σκεύη [A *al.*] †
— 8. ἣν ἔλαβε Σαλ. (11 *a*)
8. 31. ἐὰν λάβῃ ἐπ' αὐτὸν ἀράν (17 *a*)
9. 28. ἔλαβον ἐκεῖθεν χρυσίου ἑκατὸν εἴκοσι τάλαντα [A *al.*] (11 *a*)
10. 28. ἐλάμβανεν ἐκ Θ. ἐν ἀλλάγματι (11 *a*)
11. 1. ἔλαβε γυναῖκας ἀλλοτρίας †
— 12. ἐκ χειρὸς υἱοῦ σου λήψομαι αὐτήν (27)
— 13. ὅλην τὴν βασιλείαν οὐ μὴ λάβω (27)
— 18. λαμβάνουσιν ἄνδρας μετ' αὐτῶν (11 *a*)
— 31. λάβε σεαυτῷ δέκα ῥήγματα (11 *a*)
— 34. οὐ μὴ λάβω ὅλην τὴν βασιλείαν (11 *a*)
— 35. λήψομαι τὴν βασιλείαν (11 *a*)
— 37. καὶ σὲ λήψομαι (11 *a*)
12. 24 (*cf.* A 14. 3). B λάβε εἰς τὴν χεῖρά σου . . . ἄρτους (11 *a*)
— 24. B ἔλαβεν εἰς τὴν χεῖρα αὐ. ἄρτους –
— 24. B λάβε σεαυτῷ ἱμάτιον καινόν –
— 24. B λάβε σεαυτῷ δώδεκα ῥήγματα –
— 24. B καὶ ἔλαβεν Ἱερ. –
14. 3. A λάβε εἰς τὴν χεῖρά σου . . . ἄρτους (11 *a*)
— 26. ἔλαβε παντὰς τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 26. ἃ ἔλαβε Δ. –
— 26. τὰ πάντα ἃ [A *om.*] ἔλαβεν [A *add.* καὶ ἔλαβεν] ὅπλα τὰ χρυσᾶ (11 *a*, 11 *a*)
15. 18. ἔλαβεν Ἀ. τὸ ἀργύριον (11 *a*)
16. 31. ἔλαβε γυναῖκα τὴν Ἰεζ. (11 *a*)
17. 10. λάβε δὴ ὀλίγον ὕδωρ (11 *a*)
— 11. καὶ ἐπορεύθη λαβεῖν (11 *a*)
— 11. λήψῃ δή μοι ψωμὸν ἄρτου (11 *a*)
— 19. ἔλαβεν αὐτὸν ἐκ τοῦ κόλπου αὐ. (11 *a*)
— 23. A καὶ ἔλαβεν Ἠ. (11 *a*)
18. 4. ἔλαβεν Ἀβδ. ἑκατὸν ἄνδρας προφήτας (11 *a*)
— 26. ἔλαβον [A -εν] τὸν μόσχον (11 *a*)
— 31. ἔλαβεν Ἠ. δώδεκα λίθους (11 *a*)
— 33 (34). λάβετέ μοι τέσσαρας ὑδρίας ὕδατος (13)
19. 4. λάβε δὴ τὴν ψυχήν μου ἀπ' ἐμοῦ (11 *a*)
— 10, 14. ζητοῦσι τὴν ψυχήν μου λαβεῖν αὐτήν (11 *a*)
— 21. ἔλαβε τὰ ζεύγη τῶν βοῶν (11 *a*)
21 (20). 6. καὶ λήψονται (11 *a*)
— 21. ἔλαβε πάντας [A *om.*] τοὺς ἵππους (15)
— 33. λάβετε αὐτόν (11 *a*)
— 34. ἃς ἔλαβεν ὁ πατήρ μου (11 *a*)
22. 3. λαβεῖν αὐτὴν ἐκ χειρὸς βασιλέως Σ. (11 *a*)
— 26. λάβετε τὸν Μ. (11 *a*)
IV Ki. 2. 3. λαμβάνει τὸν κύριόν σου ἀπάνωθεν τῆς κεφ. σου (11 *a*)

IV Ki. 2. 5. λαμβάνει κύριος τὸν κύριόν σου (11 *a*)
— 8. ἔλαβεν Ἠλ. τὴν μηλωτὴν αὐ. (11 *a*)
— 14. ἔλαβε τὴν μηλωτὴν Ἠλ. (11 *a*)
— 20. λάβετέ μοι ὑδρίσκην καινήν (11 *a*)
— 20. καὶ ἔλαβον πρὸς αὐτόν (11 *a*)
3. 14. εἰ μὴ πρόσωπον Ἰωσ. . . . λαμβάνω (17 *a*)
— 15. λάβε [A ἴδε] μοι ψάλλοντα (11 *a*)
— 26. ἔλαβε μεθ' ἑαυτοῦ ἑπτακοσίους ἄνδρας (11 *a*)
— 27. ἔλαβε τὸν υἱὸν αὐ. τὸν πρωτότοκον (11 *a*)
4. 1. ἦλθε λαβεῖν τοὺς δύο υἱούς μου (11 *a*)
— 17. ἐν γαστρὶ ἔλαβεν ἡ γυνή (31)
— 29. λάβε τὴν βακτηρίαν μου (11 *a*)
— 36. λάβε τὸν υἱόν σου (17 *a*)
— 37. ἔλαβε τὸν υἱὸν αὐ. (17 *a*)
— 41. λάβετε ἄλευρον (11 *a*)
5. 5. ἔλαβεν ἐν τῇ χειρὶ αὐ. δέκα τάλ. ἀργ. (11 *a*)
— 15. λάβε τὴν εὐλογίαν παρὰ [A *om.*] τοῦ δούλου σου (11 *a*)
— 16. ζῇ κύριος . . . εἰ λήψομαι (11 *a*)
— 16. παρεβιάσατο αὐτὸν λαβεῖν (11 *a*)
— 20. τοῦ μὴ λαβεῖν ἐκ χειρὸς αὐ. ἃ ἐνήνοχεν (11 *a*)
— 20. λήψομαι παρ' αὐτοῦ τι (11 *a*)
— 23. λάβε διτάλαντον ἀργυρίου (11 *a*)
— 23. καὶ ἔλαβεν [A *al.*] –
— 24. ἔλαβεν ἐκ τῶν χειρῶν αὐ. –
— 26. καὶ νῦν ἔλαβες τὸ ἀργύριον (11 *a*)
— 26. καὶ νῦν ἔλαβες τὰ ἱμάτια (11 *a*)
6. 2. λάβωμεν ἐκεῖθεν ἀνὴρ εἷς δοκὸν μίαν (11 *a*)
— 7. ἔλαβεν αὐτό (11 *a*)
— 13. ἀποστεῖλας λήψομαι αὐτόν (11 *a*)
7. 8. καὶ ἔλαβον ἐκεῖθεν (17 *a*)
— 13. λαβέτωσαν δὴ πέντε τῶν ἵππων [A *al.*] (11 *a*)
— 14. ἔλαβον δύο ἐπιβάτας ἵππων (11 *a*)
8. 8. λάβε ἐν τῇ χειρί σου μαανά (11 *a*)
— 9. ἔλαβε μαανὰ ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (11 *a*)
— 15. ἔλαβε τὸν χαββά [A *al.*] (11 *a*)
9. 1. λάβε τὸν φακὸν τοῦ ἐλαίου τούτου (11 *a*)
— 3. λήψῃ τὸν φακὸν τοῦ ἐλαίου (11 *a*)
— 13. ἔλαβεν [A -ον] ἕκαστος τὸ ἱμάτιον αὐ. (11 *a*)
— 17. λάβε ἐπιβάτην (11 *a*)
— 25. ἔλαβεν ἐπ' αὐτὸν τὸ λῆμμα [A ῥῆμα] τοῦτο (17 *a*)
10. 6. λάβετε τὴν κεφαλὴν ἀνδρῶν (11 *a*)
— 7. ἔλαβον τοὺς υἱοὺς τοῦ βασ. (11 *a*)
— 15. A B ἔλαβεν [R εὗρε] τὸν Ἰων. (14)
11. 2. ἔλαβεν Ἰωσ. . . . τὸν Ἰωάς (11 *a*)
— 4. ἔλαβε τοὺς ἑκατοντάρχους (11 *a*)
— 9. ἔλαβεν ἀνὴρ τοὺς ἄνδρας αὐ. (11 *a*)
— 19. ἔλαβε τοὺς ἑκατοντάρχους (11 *a*)
12. 4 (5). ἀνὴρ ἀργύριον λαβὼν συντιμήσεως [A *al.*] †
— 4 (5). B ὃ ἐὰν λάβῃ [A R ἀναβῇ] ἐπὶ καρδίαν ἀνδρός (21)
— 5 (6). λαβέτωσαν ἑαυτοῖς οἱ ἱερεῖς (11 *a*)
— 7 (8). μὴ λάβητε [A -ετε] ἀργύριον (11 *a*)
— 8 (9). τοῦ μὴ λαβεῖν ἀργύριον παρὰ τοῦ λαοῦ (11 *a*)
— 9 (10). ἔλαβεν Ἰ. ὁ ἱερεὺς κιβωτὸν μίαν (11 *a*)
— 18 (19). ἔλαβεν Ἰ. . . . πάντα τὰ ἅγια (11 *a*)
13. 15. λάβε τόξον καὶ βέλη (11 *a*)
— 15. ἔλαβε . . . τόξον καὶ βέλη (11 *a*)
— 18. λάβε τόξα καὶ ἔλαβε (11 *a*, 11 *a*)
— 25. ἔλαβε τὰς πόλεις . . . ἃς ἔλαβεν ἐκ χειρὸς Ἰ. (11 *a*, 11 *a*)
14. 13. A τὸν Ἀμ. . . . ἔλαβεν [B συνέλ.] Ἰ. (30 *a*)
— 14. ἔλαβε τὸ χρυσίον (11 *a*)
— 21. ἔλαβε πᾶς ὁ λαὸς Ἰ. τὸν Ἀζ. (11 *a*)
15. 29. ἔλαβε τὴν Ἀΐν (11 *a*)
16. 8. ἔλαβεν Ἀχ. ἀργύριον (11 *a*)
18. 32. ἕως ἔλθω καὶ λάβω ὑμᾶς (11 *a*)
19. 4. καὶ λήψῃ προσευχήν (17 *a*)
— 14. ἔλαβεν Ἐζ. τὰ βιβλία (11 *a*)
20. 7. λαβέτωσαν παλάθην σύκων (11 *a*)
— 7. A καὶ ἐλήφθη (11 *a*)
— 17. ληφθήσεται πάντα τὰ ἐν τῷ οἴκῳ σου (17 *b*)
— 18. οὓς γεννήσεις λήψεται (11 *a*)
23. 4. B ἔλαβεν [A R ἔβαλε] τὸν χοῦν αὐ. εἰς B. (17 *a*)
— 16. ἔλαβε τὰ ὀστᾶ (11 *a*)
— 30. ἔλαβεν ὁ λαὸς τῆς γῆς τὸν Ἰ. (11 *a*)
— 34. τὸν Ἰ. ἔλαβε (11 *a*)
24. 7. ἔλαβε βασιλεὺς Βαβ. ἀπὸ τοῦ χειμάρρου (11 *a*)
— 12. ἔλαβεν αὐτὸν [A -οὺς] βασιλεὺς Βαβ. (11 *a*)
25. 14. τοὺς λέβητας . . . ἔλαβε (11 *a*)
— 15. καὶ τὰ πυρεῖα . . . ἔλαβεν (11 *a*)

IV Ki. 25. 18. ἔλαβεν ὁ ἀρχιμάγειρος τὸν Σ. (11 *a*)
— 19. ἔλαβεν εὐνοῦχον ἕνα (11 *a*)
— 20. ἔλαβεν αὐτοὺς Ναβ. (11 *a*)
I Ch. 2. 18. A R ἔλαβε [B ἐγέννησε] τὴν Γ. †
— 19. ἔλαβεν ἑαυτῷ Χ. τὴν Ἐ. (11 *a*)
— 21. οὗτος ἔλαβεν αὐτήν (11 *a*)
— 23. ἔλαβε Γ. . . . τὰς κώμας Ἰ. (11 *a*)
4. 18. ἣν ἔλαβε Μ. (11 *a*)
7. 15. Μ. ἔλαβε γυναῖκα τῷ Ἀ. (11 *a*)
— 21. κατέβησαν τοῦ [A *om.*] λαβεῖν τὰ κτήνη αὐ. (11 *a*)
— 23. καὶ ἔλαβεν ἐν γαστρί (31)
10. 4. ἔλαβε Σ. τὴν ῥομφαίαν (11 *a*)
— 9. ἔλαβον τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ (17 *a*)
— 12. ἔλαβον τὸ σῶμα Σ. (17 *a*)
11. 8. ἔλαβε τὴν πόλιν –
— 18. B¹ ἔλαβον [A B² S R *add.* καὶ ἦλθον] πρὸς Δ. (17 *a*)
14. 3. ἔλαβε Δ. ἔτι γυναῖκας ἐν Ἱερ. (11 *a*)
15. 15. ἔλαβον . . . τὴν κιβωτὸν τοῦ θεοῦ (17 *a*)
16. 29. λάβετε δῶρα (17 *a*)
17. 7. ἔλαβόν σε ἐκ τῆς μάνδρας (11 *a*)
18. 1. ἔλαβε τὴν Γέθ (11 *a*)
— 7. ἔλαβε Δ. τοὺς κλοιοὺς τοὺς χρυσοῦς (11 *a*)
— 8. ἔλαβε Δ. χαλκὸν πολὺν σφόδρα (11 *a*)
— 11. οὗ ἔλαβεν ἐκ πάντων τῶν ἐθνῶν (17 *a*)
19. 4. ἔλαβεν Ἀ. τοὺς παῖδας Δ. (11 *a*)
20. 2. ἔλαβε Δ. τὸν στέφανον Μ. (11 *a*)
21. 18. A² λάβῃ [B ἀναβῇ] τοῦ στῆσαι θυσιαστ. (21)
— 23. λάβε σεαυτῷ (11 *a*)
— 24. οὐ μὴ λάβω ἃ ἐστι σοὶ κυρίῳ (17 *a*)
23. 22. ἔλαβον αὐτὰς υἱοὶ Κείς (17 *a*)
24. 31. ἔλαβον καὶ αὐτοὶ κλήρους (16)
26. 27. ἃ ἔλαβεν ἐκ πόλεων [A τῶν πολέμων] –
27. 23. οὐκ ἔλαβε Δ. τὸν ἀριθμὸν αὐ. (17 *a*)
II Ch. 5. 4. ἔλαβον πάντες οἱ Λ. τὴν κιβωτόν (17 *a*)
6. 22. ἐὰν . . . λάβῃ ἐπ' αὐτὸν ἀράν (17 *a*)
8. 18. B ἔλαβεν [A R -ον] ἐκεῖθεν τὰ τετρακόσια καὶ πεντήκ. τάλαντα χρυσίου (11 *a*)
11. 18. ἔλαβεν ἑαυτῷ Ῥ. γυναῖκα (11 *a*)
— 20. ἔλαβεν ἑαυτῷ τὴν Μ. (11 *a*)
12. 9. ἔλαβε τοὺς θησαυροὺς (11 *a*)
— 9. τὰ πάντα ἔλαβε (11 *a*)
— 9. ἔλαβε τοὺς θυρεοὺς τοὺς χρυσοῦς (11 *a*)
13. 21. ἔλαβεν ἑαυτῷ γυναῖκας δέκα τέσσαρας (17 *a*)
14. 15 (14). ἔλαβον πρόβατα πολλά (29)
16. 2. ἔλαβεν Ἀ. χρυσίον (7)
— 6. ἔλαβε [A ἤγαγεν] πάντα τὸν Ἰούδα καὶ ἔλαβε τοὺς λίθους τῆς Ῥ. (11 *a*, 17 *a*)
18. 25. λάβετε τὸν Μ. (11 *a*)
19. 7. οὐδὲ λαβεῖν δῶρα (11 *e*)
22. 11. ἔλαβεν Ἰωσ. τὸν Ἰ. [A *al.*] (11 *a*)
23. 1. ἔλαβε τοὺς ἑκατοντάρχους (11 *a*)
— 8. ἔλαβον ἕκαστος τοὺς ἄνδρας αὐ. (11 *a*)
— 20. ἔλαβε τοὺς πατριάρχας (11 *a*)
24. 3. ἔλαβεν ἑαυτῷ Ἰ. δύο γυναῖκας (17 *a*)
26. 1. ἔλαβε πᾶς ὁ λαὸς τῆς γῆς τὸν Ὀ. (11 *a*)
28. 18. ἔλαβον τὴν Β. (10 *a*)
— 21. ἔλαβεν Ἀ. τὰ ἐν οἴκῳ κυρίου (6)
36. 1. ἔλαβεν ὁ λαὸς τῆς γῆς τὸν Ἰ. (11 *a*)
— 4. τὸν Ἰ. ἀδελφὸν αὐ. ἔλαβε Φ. (11 *a*)
I Es. 1. 41. ἀπὸ τῶν ἱερῶν σκευῶν τοῦ κ. λαβὼν Ναβ.
3. 13. λαβόντες τὸ γράμμα
4. 23. λαμβάνει ἄνθρωπος τὴν ῥομφ. αὐ.
— 39. οὐκ ἔστι παρ' αὐτὴν [A -ῆ] λ. πρόσωπα
— 44. πάντα τὰ σκεύη τὰ ληφθέντα ἐξ Ἱερ.
— 61. ἔλαβε τὰς ἐπιστολάς
5. 38. υἱοὶ Ἰ. τοῦ λαβόντος Αὐ. γυναῖκα
6. 20. οὐκ ἔλαβε συντέλειαν
— 32. ληφθῆναι ξύλον ἐκ τῶν ἰδίων αὐ.
8. 84. τὰς θυγ. αὐ. μὴ λάβητε [A δῶτε]
9. 12. παραγενηθήτωσαν λαβόντες χρόνον
II Es. 1. 4. λήψονται αὐτὸν ἄνδρες τοῦ τόπου αὐ. (17 *c*)
— 7. ἃ ἔλαβε Ναβ. (7)
2. 61. ὃς ἔλαβεν ἀπὸ θυγατέρων Β. (11 *a*)
5. 15. πάντα τὰ σκεύη λάβε (17 *f*)
9. 2. ἐλάβοσαν ἀπὸ θυγατέρων αὐ. (17 *a*)
— 12. ἀπὸ τῶν θυγατέρων αὐ. μὴ λάβητε (17 *a*)
10. 2. ἐκαθίσαμεν [S² ἐλάβομεν] γυναῖκας ἀλλοτρ. (9)
— 10. ἐκαθίσατε [S² ἐλάβετε] γυναῖκας ἀλλοτρ. (9)
— 14. ὃς ἐκάθισεν [S² οἱ λαβόντες] γυναῖκας ἀλλοτρ. (9)
— 18. οἱ ἐκάθισαν [S² ἔλαβον] γυναῖκας ἀλλοτρ. (9)
— 44. ἐλάβοσαν γυναῖκας ἀλλοτρίας (17 *a*)

Ne. 2. 1. ἔλαβον τὸν οἶνον (17 *a*)
5. 2, 3. ληψόμεθα σῖτον (11 *a*)
— 15. καὶ ἐλάβοσαν [S¹ -ον] παρ' αὐτῶν (11 *a*)
6. 18. ἔλαβε τὴν θυγατέρα Μ. (11 *a*)
7. 63. A S R ἔλαβον [B -εν] ἀπὸ θυγατέρων B. . . . γυναῖκας (11 *a*)
10. 30 (31). τὰς θυγ. αὐ. οὐ ληψόμεθα τοῖς υἱοῖς ἡ. (11 *a*)
11. 1. B S¹ ἐλάβοσαν [A S² ἐβάλον, R ἐβάλοσαν] κλήρους (16)
13. 25. ἐὰν λάβητε ἀπὸ τῶν θυγ. αὐ. (17 *a*)
To. 1. 9. ἔλαβον Ἄνναν γυναῖκα
3. 17. S παρὰ πάντας τοὺς θέλοντας λαβεῖν αὐτήν
4. 12. A B γυναῖκα πρῶτον λάβε ἀπὸ τοῦ σπέρματος τῶν πατ. σου
— 12. A B μὴ λάβῃς γ. ἀλλοτρίαν
— 12. A B ἔλαβον γυναῖκας ἐκ τῶν ἀδελφῶν αὐτῶν
— 13. A B λαβεῖν σεαυτῷ ἐξ αὐτῶν γυναῖκα
5. 2. πῶς δυνήσομαι λαβεῖν τὸ ἀργύριον [S *al.*]
— 3. S καὶ ἐλάβομεν ἑκατέρωσε
— 3. λάβε πορευθεὶς τὸ ἀργύριον [S *al.*]
6. 4. λαβὼν τὴν καρδίαν καὶ τὸ ἧπαρ [S *al.*]
— 12. S δεδικαίωταί σοι λαβεῖν αὐτήν
— 12. S ληψόμεθά σοι αὐτὴν νύμφην
— 12. τὴν κληρονομίαν σοι καθήκει λαβεῖν [S *al.*]
— 12. S ληψόμεθα αὐτήν
— 15. A² B ὑπὲρ τοῦ λαβεῖν σε γυναῖκα [A¹ S *al.*]
— 15. S καὶ λάβε
— 16. λήψῃ τέφραν θυμιαμάτων [S *al.*]
7. 10. σοὶ γὰρ καθήκει τὸ παιδίον μου λαβεῖν [S *al.*]
— 13. λαβὼν [S λαβόμενος] τῆς χειρὸς αὐτῆς
— 14. λαβὼν βιβλίον [S *al.*]
8. 2. ἔλαβε τὴν τέφραν τῶν θυμιαμάτων [S *al.*]
— 7. λαμβάνω τὴν ἀδελφήν μου ταύτην
— 21. λαβόντα τὸ ἥμισυ τῶν ὑπαρχόντων αὐτοῦ [S *al.*]
9. 2. λάβε μετὰ σεαυτοῦ παῖδα [S *al.*]
— 5. S ἔλαβεν γυναῖκα
11. 4. λάβε δὲ παρὰ χεῖρα τὴν χολὴν τοῦ ἰχθύος [S *al.*]
— 11. S ἐλάβετο αὐτοῦ [A B *al.*]
— 15. S ἔλαβεν Σάρραν . . . γυναῖκα
12. 4. S λάβειν τὸ ἥμισυ πάντων
— 5. λάβε τὸ ἥμισυ πάντων
14. 3. λάβε τοὺς υἱούς σου [S *al.*]
Ju. 1. 15. ἔλαβε τὸν Ἀρφ. ἐν τοῖς ὄρεσι Ῥ.
2. 5. λήψῃ μετὰ σεαυτοῦ ἄνδρας
17. ἔλαβε καμήλους καὶ ὄνους
— 22. ἔλαβε πᾶσαν τὴν δύναμιν αὐ.
3. 6. A S R ἔλαβεν [B -ον] ἐξ αὐτῶν . . . ἄνδρας ἐπιλέκτους
6. 9. οὐ ληφθήσονται [A συλληφθ.]
8. 14. R λόγους τῆς διανοίας αὐ. οὐ λήψεσθε [A B S *al.*]
— 21. ἐν τῷ ληφθῆναι ἡμᾶς
10. 4. καὶ ἔλαβε σανδάλια
12. 15. ἃ ἔλαβε [A -ον] παρὰ Βαγώου
— 19. καὶ λαβοῦσα ἔφαγε
14. 1. λαβόντες τὴν κεφαλὴν ταύτην
15. 11. λαβοῦσα αὕτη ἐπέθηκεν [S *al.*]
— 12. καὶ ἔλαβε [S¹ -ον] θύρσους
16. 8. ἔλαβε στολὴν λινῆν εἰς ἀπάτην αὐ.
— 19. ὃ ἔλαβεν ἑαυτῇ
Es. 3. 7. A ἔλαβεν [B S ἔβαλε] κλήρους (16)
4. 17. ἔλαβες τὸν Ἰσρ. ἐκ πάντων τῶν ἐθνῶν
6. 10. S² ταχέως λάβε σὺν τὸ ἔνδυμα (11 *a*)
— 11. ἔλαβε δὲ Ἀ. τὴν στολήν (11 *a*)
8. 2. ἔλαβε δὲ ὁ βασ. τὸν δακτύλιον (19)
— 13. ᾠήθη λαβὼν [A S² -εῖν] ἡμᾶς ἐρήμους
Jb. 2. 8. ἔλαβεν ὄστρακον (11 *a*)
15. 35. ἐν γαστρὶ δὲ λήψεται [A -ονται] ὀδύνας (31)
16. 13 (12). λαβών με τῆς κόμης διέτιλε (1)
31. 37. οὐθὲν λαβὼν παρὰ χρεωφειλέτου †
34. 31. πρὸς τὸν ἰσχυρὸν ὁ λέγων [S¹ *om.* ὁ λ.], Εἴληφα (17 *a*)
35. 7. τί ἐκ χειρός σου λήψεται (11 *a*)
38. 14. ἢ σὺ λαβὼν γῆν πηλὸν ἔπλασας ζῷον †
40. 23 (28). λήψῃ δὲ αὐτὸν δοῦλον αἰώνιον (11 *a*)
42. 8. λάβετε ἑπτὰ μόσχους καὶ ἑπτὰ κριούς (11 *a*)
— 8. ὅτι εἰ μὴ πρόσωπον αὐτοῦ λήψομαι (17 *a*)
— 17. λαβὼν δὲ γυναῖκα Ἀράβισσαν
Ps. 14 (15). 3. ὀνειδισμὸν οὐκ ἔλαβεν ἐπὶ τοὺς ἐγγιστα αὐτοῦ (17 *a*)
— 5. δῶρα ἐπ' ἀθῴοις οὐκ ἔλαβεν (11 *a*)
17 (18). 16. καὶ ἔλαβέ με (11 *a*)

Ps. 23 (24). 4. ὃς οὐκ ἔλαβεν ἐπὶ ματαίῳ τὴν ψυχὴν αὐτοῦ [A μου] (17 a)
— 5. οὗτος λήψεται εὐλογίαν παρὰ κυρίου (17 a)
30 (31). 13. τοῦ λαβεῖν τὴν ψυχήν μου ἐβουλεύσαντο (11 a)
48 (49). 15. ὅταν λαμβάνῃ με (11 a)
— 17. A B S² οὐκ ἐν τῷ ἀποθνήσκειν αὐτὸν λήψεται τὰ πάντα (11 a)
67 (68). 18. B²S ἔλαβες δόματα ἐν ἀνθρώποις [B¹R -ῳ] (11 a)
68 (69). 24. S¹ ὁ θυμός σου λάβοι αὐτούς [B S² al.] (18)
74 (75). 2. ὅταν λάβω καιρόν (11 a)
77 (78). 71. ἐξόπισθεν τῶν λοχευομένων ἔλαβεν αὐτόν (3)
80 (81). 2. λάβετε ψαλμὸν καὶ δότε τύμπανον (17 a)
81 (82). 2. πρόσωπα ἁμαρτωλῶν λαμβάνετε (17 a)
108 (109). 8. τὴν ἐπισκοπὴν αὐτοῦ λάβοι ἕτερος (11 a)
115. 4 (116. 13). ποτήριον σωτηρίου λήψομαι (17 a)
138 (139). 9. S¹ ἐὰν λάβοιμι τὰς πτέρυγάς μου [A B S² al.] (17 a)
— 20. λήψονται εἰς ματαιότητα τὰς πόλεις μου (17 a)
Pr. 7. 20. ἔνδεσμον ἀργυρίου λαβὼν ἐν χειρὶ αὐτοῦ (11 a)
8. 10. λάβετε παιδείαν καὶ μὴ ἀργύριον (11 a)
9. 7. ὁ παιδεύων κακοὺς λήψεται ἑαυτῷ ἀτιμίαν (11 a)
11. 21. λήψεται μισθὸν πιστόν [A -ῶν] †
17. 23. λαμβάνοντος δῶρα ἐν κόλποις ἀδίκως (11 a)
18. 22. ἔλαβε δὲ παρὰ θεοῦ ἱλαρότητα (22)
22. 25. μή ποτε . . . λάβῃς βρόχους τῇ σῇ ψυχῇ (11 a)
— 27. λήψονται τὸ στρῶμα τὸ ὑπὸ τὰς πλευράς σου (11 a)
Ec. 5. 14. οὐδὲν οὐ [A om.] λήψεται ἐν μόχθῳ αὐτοῦ (17 a)
— 18. λαβεῖν τὸ μέρος αὐτοῦ (17 a)
Wi. 5. 16. λήψονται τὸ βασίλειον τῆς εὐπρεπείας
— 17. λήψεται πανοπλίαν τὸν ζῆλον αὐτοῦ
— 19. λήψεται ἀσπίδα ἀκαταμάχητον ὁσιότητα
8. 18. ὅπως λάβω [S ἀγάγω] αὐτὴν εἰς ἐμαυτόν
11. 12. διπλῆ γὰρ αὐτοὺς ἔλαβε λύπη
13. 13. ξύλον . . . λαβὼν ἔγλυψεν
15. 8. ἐξ ἧς ἐλήφθη
Si. 4. 22. μὴ λάβῃς πρόσωπον κατὰ τῆς ψυχῆς σου
— 27. μὴ λάβῃς πρόσωπον δυνάστου
— 31. μὴ ἔστω ἡ χεὶρ σου ἐκτεταμένη εἰς τὸ λαβεῖν
14. 16. δὸς καὶ λάβε
29. 5. ἕως οὗ λάβῃ καταφιλήσει
32 (35). 13. οὐ λήψεται πρόσωπον ἐπὶ πτωχοῦ
35 (32). 2. ἵνα . . . λάβῃς στέφανον
37. 5. ἔναντι [A ἀπέν.] πολέμου λήψεται ἀσπίδα
38. 2. παρὰ βασιλέως λήψεται δόμα
42. 1. μὴ λάβῃς πρόσωπον τοῦ ἁμαρτάνειν
46. 19. χρήματα καὶ ἕως ὑποδημάτων . . . οὐκ εἴληφα [B²S² -φεν]
Ho. 1. 2. λάβε σεαυτῷ γυναῖκα πορνείας (11 a)
— 3. καὶ ἐπορεύθη καὶ ἔλαβε τὴν Γ. (11 a)
4. 8. ἐν ταῖς ἀδικίαις αὐτῶν λήψονται τὰς ψυχάς (17 a)
5. 14. πορεύσομαι καὶ λήψομαι (17 a)
13. 1. δικαιώματα αὐτὸς ἔλαβεν (17 a)
14. 3. λάβετε μεθ' ἑαυτῶν λόγους (11 a)
— 3. ὅπως μὴ λάβητε ἀδικίαν καὶ λάβητε [A -ετε] ἀγαθά (17 a, 11 a)
Am. 2. 11. καὶ ἔλαβον ἐκ τῶν υἱῶν ὑμῶν εἰς προφήτας (25)
4. 2. καὶ λήψονται ὑμᾶς ἐν ὅπλοις (17 c)
5. 1. ὃν ἐγὼ λαμβάνω ἐφ' ὑμᾶς θρῆνον (17 a)
— 12. λαμβάνοντες ἀλλάγματα (11 a)
6. 10. καὶ λήψονται οἱ οἰκεῖοι αὐτῶν (17 a)
9. 3. καὶ λήψομαι αὐτούς (11 a)
Mi. 1. 11. λήψεται ἐξ ὑμῶν πληγὴν ὀδύνης (11 a)
2. 4. ληφθήσεται ἐφ' ὑμᾶς παραβολή (17 a)
6. 16. καὶ ὀνείδη λαῶν λήψεσθε (17 a)
Jl. 3 (4). 5. τὸ χρυσίον μου ἐλάβετε (11 a)
Jn. 1. 15. καὶ ἔλαβον τὸν Ἰ. (17 a)
4. 3. λάβετε τὴν ψυχήν μου ἀπ' ἐμοῦ (11 a)
Hb. 1. 3. καὶ ὁ κριτὴς λαμβάνει (17 a)
2. 6. παραβολὴν κατ' αὐτοῦ λήψονται [S¹ -εται] (17 a)
Ze. 3. 18. τίς ἔλαβεν ἐπ' αὐτὴν ὀνειδισμόν (17 e)
Hg. 2. 2 (1). ἐλάλησε [S¹ ἔλαβεν] κύριος ἐν χειρὶ Ἀ. †
— 13 (12). ἐὰν λάβῃ ἄνθρωπος κρέας ἅγιον (17 a)
— 24 (23). λήψομαί σε Ζ. τὸν τοῦ Σ. (11 a)
Za. 6. 10. λάβε τὰ ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας (11 a)
— 11. καὶ λήψῃ ἀργύριον καὶ χρυσίον (11 a)
Za. 6. 13. καὶ αὐτὸς λήψεται ἀρετήν (17 a)
11. 7. καὶ λήψομαι ἐμαυτῷ δύο ῥάβδους (11 a)
— 10. ASR καὶ λήψομαι [B -ονται] τὴν ῥάβδον μου τὴν καλήν (11 a)
— 13. καὶ ἔλαβον τοὺς τριάκοντα ἀργυροῦς (11 a)
— 15. ἔτι λάβε σεαυτῷ σκεύη ποιμενικά (11 a)
14. 21. καὶ λήψονται ἐξ αὐτῶν καὶ ἑψήσουσιν (11 a)
Ma. 1. 8. εἰ λήψεται πρόσωπόν σου (17 a)
— 9. εἰ λήψομαι [S¹ -ονται] ἐξ ὑμῶν πρόσωπα ὑμῶν (17 a)
2. 3. καὶ λήψομαι [S³ -ονται] ὑμᾶς εἰς τὸ αὐτό (17 a)
— 9. ἀλλὰ ἐλαμβάνετε πρόσωπα ἐν νόμῳ (17 a)
— 13. ἢ λαβεῖν δεκτὸν ἐκ τῶν χειρῶν ὑμῶν (11 a)
Is. 2. 4. οὐ λήψεται ἔθνος ἐπ' ἔθνος μάχαιραν (17 a)
6. 6. ὃν τῇ λαβίδι ἔλαβεν ἀπὸ τοῦ θυσιαστηρίου (11 a)
7. 14. ἡ παρθένος ἐν γαστρὶ λήψεται [AS ἕξει] (31)
8. 1. λάβε σεαυτῷ τόμον [A add. χάρτου] καινοῦ (11 a)
— 3. ἐν γαστρὶ ἔλαβε (31)
— 4. λήψεται δύναμιν Δαμασκοῦ (17 a)
10. 9. οὐκ ἔλαβον τὴν χώραν τὴν ἐπάνω Βαβ. †
— 9. ἔλαβον Ἀραβίαν καὶ Δαμασκόν †
— 10. ὃν τρόπον ταύτας ἔλαβον (14)
— 10. πάσας τὰς ἀρχὰς [A S χώρας] λήψομαι †
— 29. φόβος λήψεται Ῥαμᾶ (35)
11. 5. A S ἀληθείᾳ εἰλημμένος [B εἰλημένος] τὰς πλευράς †
14. 2. λήψονται αὐτοὺς ἔθνη (11 a)
— 4. λήψῃ τὸν θρῆνον τ. ἐπὶ τὸν βασιλέα Βαβ. (17 a)
15. 7. λήψονται αὐτήν (17 a)
19. 9. αἰσχύνη λήψεται τοὺς ἐργαζομ. τὸ λίνον τὸ σχιστόν (33)
20. 1. ἔλαβεν [A S κατελάβετο] αὐτήν (10 a)
21. 3. ὠδῖνες ἔλαβόν με ὡς τὴν τίκτουσαν (1)
22. 6. οἱ δὲ Ἐλαμῖται ἔλαβον φαρέτρας (17 a)
23. 5. λήψεται αὐτοὺς ὀδύνη περὶ Τύρου (34)
— 16. λάβε κιθάραν (11 a)
26. 11. ζῆλος λήψεται λαὸν ἀπαίδευτον –
— 18. ἐν γαστρὶ ἐλάβομεν (31)
28. 4. πρὶν εἰς τὴν χεῖρα αὐτοῦ λαβεῖν αὐτὸ [AS³ om.] †
— 19. λήψεται ὑμᾶς (11 a)
30. 28. λήψεται αὐτοὺς κατὰ πρόσωπον αὐτῶν †
31. 4. ἐπὶ τῇ θήρᾳ ἣ ἔλαβε –
33. 14. λήψεται [S¹ -ονται] τρόμος τοὺς ἀσεβεῖς (1)
36. 1. ἔλαβεν [A συνέλ.] αὐτάς (30 a)
— 17. ἕως ἂν ἔλθω καὶ λάβω ὑμᾶς εἰς γῆν (11 a)
37. 14. ἔλαβεν Ἐζ. τὸ βιβλίον παρὰ τῶν ἀγγέλων (11 a)
38. 21. λάβε παλάθην ἐκ σύκων (17 a)
39. 6. λήψονται πάντα τὰ ἐν τῷ οἴκῳ σου (17 b)
— 7. ἀπὸ τῶν τέκνων σου . . . λήψονται (11 a)
40. 24. καταιγὶς ὡς φρύγανα λήψεται [A S³ ἀναλ.] αὐτούς (17 a)
41. 16. ἄνεμος λήψεται αὐτούς (17 a)
44. 15. λαβὼν ἀπ' αὐτοῦ ἐθερμάνθη (11 a)
47. 2. λάβε μύλον (11 a)
— 3. τὸ δίκαιον ἐκ σοῦ λήψομαι (11 a)
49. 24. μὴ λήψεταί τις παρὰ γίγαντος σκῦλα (11 d)
— 25. λήψεται σκῦλα (11 d)
— 25. λαμβάνων δὲ παρὰ ἰσχύοντος σωθήσεται (11 f)
51. 22. εἴληφα ἐκ τῆς χειρός σου τὸ ποτήριον τῆς πτώσεως (11 a)
52. 5. ἐλήφθη ὁ λαός μου δωρεάν (11 c)
57. 11. οὐδὲ ἔλαβές με εἰς τὴν διάνοιαν (28)
— 13. τούτους γὰρ πάντας ἄνεμος λήψεται (17 a)
64. 1 (63. 19), 3 (2). τρόμος λήψεται ἀπὸ σοῦ ὄρη (36)
66. 21. ἀπ' αὐτῶν λήψομαι [A add. ἐμαυτῷ, S ἐμοὶ] ἱερεῖς (11 a)
Je. 3. 14. λήψομαι ὑμᾶς ἕνα ἐκ πόλεως (11 a)
9. 10 (9). ἐπὶ τὰ ὄρη λάβετε κοπετόν (17 a)
— 18 (17). λαβέτωσαν ἐφ' ὑμᾶς θρῆνον (17 a)
13. 4. λάβε τὸ περίζωμα τὸ περὶ τὴν ὀσφύν σου (11 a)
— 6. λάβε ἐκεῖθεν τὸ περίζωμα (11 a)
— 7. ἔλαβον τὸ περίζωμα ἐκ τοῦ τόπου (11 a)
15. 15. ὡς ἔλαβον περὶ σοῦ ὀνειδισμόν (17 a)
16. 2. μὴ λάβῃς γυναῖκα (11 a)
20. 10. ληψόμεθα τὴν ἐκδίκησιν ἡμῶν ἐξ αὐτῶν (11 a)
23. 39. λαμβάνω καὶ ῥάσσω ὑμᾶς †
25. 9. λήψομαι πατριὰν ἀπὸ [S ἐκ τοῦ] βορρᾶ (11 a)
26 (46). 11. λάβε ῥητίνην τῇ παρθένῳ θυγατρὶ Αἰγ. (11 a)
27 (50). 24. εὑρέθης καὶ ἐλήφθης [A¹ -η] (30 b)
28 (51). 8. λάβετε ῥητίνην τῇ διαφθορᾷ αὐτῆς (11 a)
— 26. οὐ μὴ λάβωσιν ἀπὸ σοῦ λίθον εἰς γωνίαν (11 a)
Je. 28 (51). 32. ἀπ' ἐσχάτου τῶν διαβάσεων αὐτοῦ ἐλήφθησαν (30 b)
30 (49). 29. τὰ πρόβατα αὐτῶν λήψονται (11 a)
— 29. καμήλους αὐτῶν λήψονται ἑαυτοῖς (17 a)
31 (48). 1. ἐλήφθη Καριαθέμ (10 b)
— 41. ἐλήφθη Καριώθ (10 b)
32 (25). 15. λάβε τὸ ποτήριον τοῦ οἴνου τοῦ ἀκράτου τούτου (11 a)
— 17. ἔλαβον τὸ ποτήριον ἐκ χειρὸς κυρίου (11 a)
34 (27). 20. ὃν οὐκ ἔλαβε βασιλεὺς Βαβυλῶνος (11 a)
35 (28). 10. ἔλαβεν Ἀνανίας . . . τοὺς κλοιούς (11 a)
36 (29). 6. λάβετε γυναῖκας (11 a)
— 6. ABS² λάβετε τοῖς υἱοῖς ὑμῶν γυναῖκας (11 a)
— 22. λήψονται ἀπ' [A ἐπ'] αὐτῶν κατάραν (11 c)
38 (31). 4. A R ἔτι λήψῃ [B S ἐπιλ.] τύμπανόν σου (20)
— 19. ἔλαβον ὀνειδισμὸν ἐκ νεότητός μου (17 a)
39 (32). 3. ABS² λήψεται αὐτήν (10 a)
— 11. ἔλαβον τὸ βιβλίον τῆς κτήσεως τὸ ἐσφραγισμένον (11 a)
— 14. λάβε τὸ βιβλίον τῆς κτήσεως τοῦτο (11 a)
— 23. εἰσήλθοσαν καὶ ἔλαβον [AS -οσαν] αὐτήν (8)
— 28. λήψεται [S¹ -ουσιν] αὐτήν (10 a)
— 33. οὐκ ἤκουσαν [A ἠθέλησαν] ἔτι λαβεῖν παιδείαν (11 a)
41 (34). 22. λήψονται αὐτήν (10 a)
42 (35). 13. οὐ μὴ λάβητε παιδείαν (11 a)
43 (36). 2. λάβε σεαυτῷ χαρτίον βιβλίου (11 a)
— 14. λάβε αὐτὸ εἰς τὴν χεῖρά σου (11 a)
— 14. καὶ ἔλαβε B. τὸ χαρτίον (11 a)
— 21. λαβεῖν τὸ χαρτίον (11 a)
— 21. καὶ ἔλαβεν [S -ον] αὐτὸ ἐξ οἴκου Ἐλ. (11 a)
— 28. πάλιν λάβε σὺ [A σεαυτῷ] χαρτίον ἕτερον (11 a)
— 32. ἔλαβε Βαροὺχ χαρτίον ἕτερον (11 a)
45 (38). 3. συλλήψεται [A -ονται, S¹ λήψεται?] αὐτήν (10 a)
— 10. λάβε εἰς τὰς χεῖράς σου ἐντεῦθεν τριάκοντα ἀνθρ. (11 a)
— 11. ἔλαβεν Ἀβδεμέλεχ τοὺς ἀνθρώπους (11 a)
— 11. ἔλαβεν ἐκεῖθεν παλαιὰ ῥάκη (11 a)
46 (39). 14. ἔλαβον τὸν Ἱερεμίαν ἐξ αὐλῆς τῆς φυλακῆς (11 a)
47 (40). 1. ἐν τῷ λαβεῖν αὐτὸν ἐν χειροπέδαις (11 a)
— 2. ἔλαβεν αὐτὸν ὁ ἀρχιμάγειρος (11 a)
48 (41). 16. ἔλαβεν . . . πάντας τοὺς καταλοίπους τοῦ λαοῦ (11 a)
50 (43). 5. ἔλαβεν . . . πάντας τοὺς καταλοίπους (11 a)
— 9. λάβε σεαυτῷ λίθους μεγάλους (11 a)
52. 17. ἔλαβον τὸν χαλκὸν αὐτῶν (17 a)
— 19. ἃ ἦν ἀργυρᾶ ἀργυρᾶ ἔλαβεν ὁ ἀρχιμάγειρος (11 a)
— 24. ἔλαβεν ὁ ἀρχιμάγειρος τὸν ἱερέα τὸν πρῶτον (11 a)
— 25. A ἐκ τῆς πόλεως ἔλαβεν [BS om. ἐκ τ. π. ἔ.] εὐνοῦχον ἕνα (11 a)
— 26. ἔλαβεν αὐτοὺς Ναβ. ὁ ἀρχιμάγειρος (11 a)
— 31. ἔλαβεν . . . τὴν κεφαλὴν Ἰωακείμ (17 a)
Ba. 1. 2. ᾧ ἔλαβον οἱ Χαλδαῖοι τὴν Ἱερουσαλήμ
— 8. ἐν τῷ λαβεῖν αὐτὸν τὰ σκεύη οἴκου κυρίου
2. 17. ὃν ἐλήφθη τὸ πνεῦμα αὐτῶν
3. 29. τίς ἀνέβη εἰς τὸν οὐρανὸν καὶ ἔλαβεν αὐτήν
La. 4. 16. πρόσωπον ἱερέων οὐκ ἔλαβον (17 a)
Ep. Je. 5. μὴ . . . φόβος ὑμᾶς λάβῃ ἐπ' αὐτοῖς
— 9. λαμβάνοντες χρυσίον κατασκευάζουσι στεφάνους
Ez. 3. 10. πάντας τοὺς λόγους . . . λάβε εἰς τὴν καρδίαν σου (11 a)
4. 1. λάβε σεαυτῷ πλίνθον (11 a)
— 3. λάβε σεαυτῷ τήγανον σιδηροῦν (11 a)
— 4. λήψῃ τὰς ἀδικίας αὐ. (17 a)
— 5, 6. λήψῃ τὰς ἀδικίας τοῦ οἴκου Ἰ. (17 a)
— 9. λάβε σεαυτῷ πυροὺς (11 a)
5. 1. λάβε σεαυτῷ ῥομφαίαν ὀξεῖαν (11 a)
— 1. λήψῃ ζυγὸν σταθμίων (11 a)
— 2. λήψῃ τὸ τέταρτον (11 a)
— 3. λήψῃ ἐκεῖθεν ὀλίγους ἐν ἀριθμῷ (11 a)
— 4. ἐκ τούτων λήψῃ ἔτι (11 a)
10. 6. λάβε πῦρ ἐκ μέσου τῶν τροχῶν (11 a)
— 7. ἔλαβε καὶ ἔδωκε (17 a)
— 7. καὶ ἔλαβε καὶ ἐξῆλθε (11 a)
14. 10. λήψονται [A² λήψομαι] τὴν ἀδικίαν αὐ. (17 a)
15. 3. εἰ λήψονται ἐξ αὐτῆς ξύλον (11 d)
— 3. εἰ λήψονται ἐξ αὐτῆς πάσσαλον (11 a)
16. 16. ἔλαβες ἐκ τῶν ἱματίων σου (11 a)
— 17. ἔλαβες τὰ σκεύη τῆς καυχήσεώς σου (11 a)
— 18. ἔλαβες τὸν ἱματισμὸν τὸν ποικίλον σου (11 a)

Ez. 16. 20. ἔλαβες τοὺς υἱούς σου καὶ τὰς θυγ. σου (11 a)
— 32. παρὰ τοῦ ἀνδρὸς αὐτῆς λαμβάνουσα μισθώματα (11 a)
— 39. λήψονται τὰ σκεύη τῆς καυχήσεώς σου (11 a)
— 52. λάβε τὴν ἀτιμίαν σοῦ (17 a)
17. 3. ἔλαβε τὰ ἐπίλεκτα [A ἐκλ.] τῆς κέδρου (11 a)
— 5. ἔλαβεν ἀπὸ τοῦ σπέρματος τῆς γῆς (11 a)
— 12. λήψεται τὸν βασιλέα αὐτῆς (11 a)
— 13. λήψεται ἐκ τοῦ σπέρματος τῆς βασ. (11 a)
— 13. τοὺς ἡγεμόνας [A ἡγουμένους] τῆς γῆς λήψεται (11 a)
— 22. λήψομαι ἐγὼ ἐκ τῶν ἐκλεκτῶν [A ἐπιλ.] τῆς κέδρου (11 a)
18. 8. πλεονασμὸν οὐ λήψεται (11 a)
— 13. πλεονασμὸν ἔλαβεν (11 a)
— 17. τόκον οὐδὲ πλεονασμὸν οὐκ ἔλαβε (11 a)
— 19. οὐκ ἔλαβε τὴν ἀδικίαν (17 a)
— 20. ὁ δὲ υἱὸς οὐ λήψεται τὴν ἀδικίαν τοῦ πατρὸς οὐδὲ ὁ πατὴρ λήψεται τὴν ἀδικίαν τοῦ υἱοῦ (17 a, 17 a)
19. 1. λάβε θρῆνον ἐπὶ τὸν ἄρχοντα τοῦ Ἰσραήλ (17 a)
— 5. ἔλαβεν ἄλλον ἐκ τῶν σκύμνων αὐτῆς (11 a)
22. 12. δῶρα ἐλαμβάνοσαν [A -νον] ἐν σοί (11 a)
— 12. πλεονασμὸν ἐλαμβάνοσαν ἐν σοί (11 a)
— 25. τιμὰς λαμβάνοντες [A δῶρα ἐλάμβανον] (11 a)
23. 10. υἱοὺς καὶ θυγατέρας αὐτῆς ἔλαβον (11 a)
— 25. υἱούς σου καὶ θυγατέρας σου λήψονται (11 a)
— 26. λήψονται τὰ σκεύη τῆς καυχήσεώς σου (11 a)
— 29. λήψονται πάντας τοὺς πόνους σου (11 a)
— 35. λάβε τὴν ἀσέβειάν σου (17 a)
— 49. τὰς ἁμαρτίας τῶν ἐνθυμημάτων ὑμῶν λήψεσθε (17 a)
24. 5. ἀπὸ τῶν ὀστῶν ἐξ ἐπιλέκτων κτηνῶν εἰλημμένων [A -να] (11 a)
— 16. λαμβάνω ἐκ σοῦ τὰ ἐνθυμήματα τῶν ὀφθ. σου (11 a)
— 25. ὅταν λαμβάνω τὴν ἰσχὺν παρ' αὐτῶν (11 a)
26. 17. λήψονται ἐπὶ σὲ θρῆνον (17 a)
27. 2. λάβε ἐπὶ Σὸρ θρῆνον (17 a)
— 5. ταινίαι σανίδων κυπαρίσσου [A -στίνων] ἐκ τοῦ Λιβ. ἐλήφθησαν (11 a)
— 32. λήψονται οἱ υἱοὶ αὐτῶν ἐπὶ σὲ θρῆνον (17 a)
28. 12. λάβε θρῆνον ἐπὶ τὸν ἄρχοντα Τύρου (17 a)
29. 14. ἐν τῇ γῇ ὅθεν ἐλήφθησαν (12)
— 19. A λήψεται τὸ πλῆθος αὐτῆς (17 a)
30. 4. A λήψονται τὸ πλῆθος αὐτῆς (11 a)
32. 2. λάβε θρῆνον ἐπὶ Φαραώ (17 a)
— 24. ἐλάβοσαν τὴν βάσανον αὐτῶν (17 a)
— 30. A ἔλαβον [B ἀπήνεγκαν] τὴν βάσανον αὐτῶν (17 a)
33. 2. καὶ λάβῃ ὁ λαὸς τῆς γῆς ἄνθρωπον ἕνα (11 a)
— 6. ἐλθοῦσα ἡ ῥομφαία λάβῃ ἐξ αὐτῶν ψυχὴν αὕτη διὰ τὴν αὐτῆς ἀνομίαν ἐλήφθη (11 a, 11 b)
— 25. A ὀφθαλμοὺς ὑμῶν λήψεσθε πρὸς εἴδωλα ὑμῶν (17 a)
36. 7. οὗτοι τὴν ἀτιμίαν αὐτῶν λήψονται (17 a)
— 24. λήψομαι ὑμᾶς ἐκ τῶν ἐθνῶν (11 a)
— 30. ὅπως ἂν μὴ λάβητε ὀνειδισμὸν λιμοῦ (11 a)
37. 16. λάβε σεαυτῷ ῥάβδον (11 a)
— 16. ῥάβδον δευτέραν λήψῃ σεαυτῷ (11 a)
— 19. ἐγὼ λήψομαι τὴν φυλὴν Ἰωσήφ (11 a)
— 21. λαμβάνω πάντα οἶκον Ἰσραήλ (11 a)
38. 13. λαβεῖν ἀργύριον καὶ χρυσίον (17 a)
39. 10. οὐ μὴ λάβωσι ξύλα ἐκ τοῦ πεδίου (17 a)
— 26. λήψονται [A -ομαι] τὴν ἀτιμίαν αὐ. (17 a)
43. 11. λήψονται τὴν κόλασιν αὐτῶν †
— 20. λήψονται ἐκ τοῦ αἵματος αὐτοῦ (11 a)
— 21. λήψονται τὸν μόσχον τὸν περὶ [A ὑπὲρ] ἁμαρτίας (11 a)
— 22. λήψονται ἐρίφους δύο [A add. ἀπὸ] αἰγῶν ἀμώμους (26)
44. 10. λήψονται ἀδικίαν αὐτῶν (17 a)
— 12. A λήψονται τὴν ἀτιμίαν αὐτῶν (17 a)
— 13. λήψονται ἀτιμίαν αὐτῶν (17 a)
— 22. χήραν καὶ ἐκβεβλημένην οὐ λήψονται ἑαυτοῖς εἰς γυναῖκα . . . χήρα ἐὰν γένηται ἐξ ἱερέως λήψονται (11 a, 11 a)
45. 11. ἡ χοῖνιξ ὁμοίως μία ἔσται τοῦ λ. (17 a)
— 18. λήψεσθε μόσχον ἐκ βοῶν ἄμωμον (11 a)
— 19. λήψεται ὁ ἱερεὺς ἀπὸ τοῦ αἵματος (11 a)
— 20. A R λήψῃ [B om.] παρ' ἑκάστου ἀπόμοιραν [A ἀγνοοῦντος] –
46. 18. οὐ μὴ λάβῃ ὁ ἀφηγούμ. ἐκ τῆς κληρονομίας τοῦ λαοῦ (11 a)

Da. LXX. Su. 2. ἔλαβε γυναῖκα ᾗ ὄνομα Σ.
2. 6. λήψεσθε δόματα παντοία (24)
4. 16. τρόμου λαβόντος αὐτόν –
— 32. καὶ ὑπόνοιαί με εἰλήφασι –
— 32. ὕπνος με ἔλαβε πολύς –
— 34. ἀπὸ τοῦ φόβου αὐ. τρόμος εἴληφέ με –
11. 12. καὶ λήψεται τὴν συναγωγήν (17 b)
— 15. καὶ λήψεται τὴν πόλιν τὴν ὀχυράν (10 a)
— 18. καὶ λήψεται πολλούς (10 a)
Bel 26. λαβὼν ὁ Δ. πίσσης μνᾶς τριάκοντα
— 38. ὅθεν αὐτὸν ἔλαβε
Da. TH. Su. 2. καὶ ἔλαβε γυναῖκα ᾗ ὄνομα Σ.
— 55. ἤδη γὰρ ἄγγελος φάσιν θ. λαβὼν παρὰ τοῦ θ.
2. 6. τιμὴν πολλὴν λήψεσθε παρ' ἐμοῦ (24)
11. 12. καὶ λήψεται τὸν ὄχλον (17 b)
Bel 27. καὶ ἔλαβεν ὁ Δ. πίσσαν καὶ στέαρ
— 37. λάβε τὸ ἄριστον
I Ma. 1. 3. ἔλαβε σκῦλα πλήθους ἐθνῶν
— 19. ἔλαβε τὰ σκῦλα γῆς Αἰγύπτου
— 21. ἔλαβε τὸ θυσιαστήριον τὸ χρυσοῦν
— 23. ἔλαβε τὸ ἀργύριον καὶ τὸ χρυσίον
— 23. ἔλαβε τοὺς θησαυροὺς τοὺς ἀποκρύφους
— 24. λαβὼν πάντα ἀπῆλθεν εἰς τὴν γῆν αὐτοῦ
— 31. ἔλαβε τὰ σκῦλα τῆς πόλεως
2. 54. A R ἔλαβε διαθήκην [S κλῆρον διαθήκης]
— 56. R ἔλαβε γῆς [A γῆν, S τὴν] κληρονομίαν
3. 12. R ἔλαβε [A S -ον] τὰ σκῦλα αὐτῶν
— 12. τὴν μάχαιραν Ἀπ. ἔλαβεν Ἰούδας
— 31. τοῦ . . . λαβεῖν τοὺς φόρους
— 41. ἔλαβον ἀργύριον καὶ χρυσίον πολύ
— 41. τοῦ λαβεῖν τοὺς υἱοὺς Ἰσρ.
4. 18. R λήψετε [A S λάβετε] τὰ σκῦλα μετὰ παρρησίας
— 23. S R ἔλαβον [A -εν] χρυσίον πολύ
— 47. S R ἔλαβον [A -εν] λίθους ὁλοκλήρους
5. 3. ἔλαβε τὰ σκῦλα αὐτῶν
— 22. A R ἔλαβε [S -ον] τὰ σκῦλα αὐτῶν
— 28. ἔλαβε πάντα τὰ σκῦλα αὐτῶν
— 35. ἔλαβε τὰ σκῦλα αὐτῆς
— 51. S R ἔλαβε τὰ σκῦλα αὐτῆς [A τῆς πόλεως]
6. 6. οἷς ἔλαβον ἀπὸ τῶν παρεμβολῶν
— 12. ἔλαβον πάντα τὰ σκεύη τὰ ἀργυρᾶ
7. 47. ἔλαβον τὰ σκῦλα καὶ τὴν προνομήν
8. 7. ἔλαβον αὐτὸν ζῶντα
— 8. λαβόντες αὐτὰς παρ' αὐτοῦ
— 26. S R οὐθὲν [A ὅθεν] λαβόντες
9. 40. ἔλαβον πάντα τὰ σκῦλα αὐ.
— 53. S R ἔλαβε [A -ον] τοὺς υἱοὺς τῶν ἡγουμένων
10. 30. τοῦ ἐπιβάλλοντός μοι λαβεῖν
— 30. τοῦ λαβεῖν ἀπὸ τῆς γῆς Ἰ.
— 42. οὓς [S¹ ὅσα] ἐλάμβανον
— 84. ἔλαβε τὰ σκῦλα αὐτῶν
11. 24. λαβὼν ἀργύριον καὶ χρυσίον
— 34. ὧν ἐλάμβανεν ὁ βασ.
— 48. A R καὶ ἐλάβοσαν [S ἔλαβον] σκῦλα πολλά
— 56. ἔλαβε Τρύφων τὰ θηρία
— 62. ἔλαβε τοὺς υἱοὺς ἀρχόντων αὐτῶν
— 66. ἠξίωσαν αὐτὸν τοῦ δεξιᾶς [S¹ -ὰν] λαβεῖν
12. 8. ἔλαβε τὰς ἐπιστολάς
— 31. καὶ ἔλαβε τὰ σκῦλα αὐτῶν
13. 17. A R πέμπει [S add. τοῦ λαβεῖν] τὸ ἀργύριον
— 25. ἔλαβε τὰ ὀστᾶ Ἰ. τοῦ ἀδελφοῦ αὐτοῦ
— 50. ἐβόησαν πρὸς Σ. δεξιὰς λαβεῖν
14. 5. ἔλαβε τὴν Ἰόππην [S¹ ἵππον] εἰς λιμένα
15. 33. οὔτε γῆν ἀλλοτρίαν εἰλήφαμεν
16. 16. A R ἐλάβοσαν [S -ον] τὰ ὅπλα αὐτῶν
II Ma. 1. 14. χάριν τοῦ λαβεῖν τὰ χρήματα
— 19. οἱ τότε εὐσεβεῖς ἱερεῖς λαβόντες ἀπὸ τοῦ πυρός
— 35. πολλὰ διάφορα ἐλάμβανε καὶ μετεδίδου
2. 1. A² R ἐκέλευσε τοῦ πυρὸς λαβεῖν
4. 6. τὸν Σ. παῦλαν οὐ ληψόμενον τῆς ἀνοίας
— 25. λαβὼν δὲ τὰς βασιλικὰς ἐντολὰς παρεγένετο
— 32. νομίσας δὲ ὁ Μ. εἰληφέναι καιρὸν εὐφυῆ
— 34. ὁ Μ. λαβὼν ἰδίᾳ τὸν Α.
5. 7. αἰσχύνην λαβών
— 11. ἔλαβε τὴν μὲν πόλιν δορυάλωτον
— 16. ταῖς μιαραῖς χερσὶ τὰ ἱερὰ σκεύη λαμβάνων
— 25. λαβὼν ἀργοῦντας τοὺς Ἰουδαίους
7. 8. οὗτος τὴν ἑξῆς ἔλαβε βάσανον
8. 7. τὰς νύκτας . . . συνεργοὺς ἐλάμβανε
— 17. πρὸ ὀφθαλμῶν λαβόντας τὴν . . . ὕβριν
— 20. ὠφέλειαν πολλὴν ἔλαβον
— 25. τὰ δὲ χρήματα . . . ἐπὶ τὸν ἀγορασμὸν αὐτῶν ἔλαβον
9. 5. ἔλαβεν αὐτὸν ἀνήκεστος . . . ἀλγηδών
10. 3. πῦρ ἐκ τούτων λαβόντες

II Ma. 10. 20. ἑπτάκις δὲ μυριάδας δραχμὰς λαβόντες
— 24. ὡς δοριάλωτον ληψόμενος τὴν Ἰουδαίαν
— 30. τὸν Μακκαβαῖον μέσον λαβόντες
12. 12. λαβόντες δεξιὰς εἰς τὰς σκηνὰς αὐ.
— 28. ἔλαβον τὴν πόλιν ὑποχείριον
— 35. λαβόμενος τῆς χλαμύδος
— 35. τὸν κατάρατον λαβεῖν ζωγρίαν
13. 18. ὁ δὲ βασιλεὺς εἰληφὼς γεῦσιν
— 22. δεξιὰν ἔδωκεν ἔλαβεν ἀπῆει
14. 5. καιρὸν δὲ λαβὼν τῆς ἰδίας ἀνοίας συνεργόν
— 19. δοῦναι καὶ λαβεῖν δεξιάς
— 26. R ἀναλαβὼν [A λαβὼν] ἦκε πρὸς τὸν Δ.
— 46. λαβὼν ἑκατέραις ταῖς χερσίν
15. 16. λάβε τὴν ἁγίαν ῥομφαίαν δῶρον παρὰ τοῦ θ.
III Ma. 3. 28. τὴν οὐσίαν . . . ὑπὸ τὴν εὔθυναν λήψεται
4. 4. λαμβάνοντας πρὸ τῶν ὀφθαλμῶν τὸν κοινὸν ἔλεον
— 10. ἀγωγὴν ἐπιβούλων ἐν παντὶ τῷ κατάπλῳ λαμβάνωσι
— 15. ἀνήνυτον λαμβάνουσα τὸ τέλος
5. 5. δόξαντες ὁμοῦ λήψεσθαι τὸ φῦλον
6. 5. δόρατι τὴν πᾶσαν ὑποχείριον ἤδη λαβόντα γῆν
— 20. λήθη τὸ θράσος αὐτοῦ τὸ βαρύθυμον ἔλαβε
7. 10. λαβόντες δὲ τὴν ἐπιστολὴν ταύτην
— 16. R παντελῆ σωτηρίας ἀπόλαυσιν εἰληφότες [A al.]
IV Ma. 3. 12. κάλπην λαβόντες
4. 5. A R λαβὼν [S ἔλαβεν] τὴν περὶ αὐτῶν ἐξουσίαν ταχύ
— 6. ὅπως τὰ ἰδιωτικὰ . . . λάβοι χρήματα
5. 15. λαβὼν τοῦ λέγειν ἐξουσίαν
6. 29. ἀντίψυχον αὐτῶν λάβε τὴν ἐμὴν ψυχήν
8. 7. ἀρχὰς . . . ἡγεμονικὰς λήψεσθε
— 8. S λαβόντες [A R μεταλ.] Ἑλληνικοῦ βίου
12. 11. παρὰ τοῦ θ. λαβὼν τὰ ἀγαθά

[Aq. Ex. 9. 8 : 25. 2 : Nu. 3. 47 : I Ki. 17. 18 : 25. 35 : III Ki. 14. 3 : 17. 23 : IV Ki. 9. 13 : 11. 4 : Jb. 12. 20 : 40. 19 (24) : Ps. 50 (51). 13 : 74 (75). 3 : 77 (78). 71 : Pr. 1. 3 : 18. 5 : Is. 44. 14 : 51. 22 : 53. 4 : Je. 7. 16 : 16. 2 : 20. 5 : 37 (44). 17 : 38 (45). 6, 10 : 40 (47). 1, 2 : Ez. 5. 1 : 16. 58 : 20. 15 : Ho. 13. 1 : Za. 11. 10 : Ma. 2. 13.]
[Sm. Ge. 2. 23 : 49. 3 : Ex. 9. 8 : Nu. 3. 47 : I Ki. 17. 18 : IV Ki. 9. 13 : 11. 4 : Ps. 74 (75). 3 : Pr. 1. 19 : 18. 5 : 24. 11 : Is. 41. 16 : 47. 3 : 49. 24 : Je. 15. 15 : 38 (45). 6, 10 : 40 (47). 1, 2 : 48 (50). 10 : Ez. 16. 58 : 17. 5 : 24. 5 : Ho. 2. 19 (21).]
[Th. Ex. 9. 8 : 25. 2 : Nu. 3. 47 : I Ki. 25. 35 : IV Ki. 11. 4 : Jb. 4. 2 : 13. 8 : 34. 31 : 42. 8 : Pr. 6. 35 : 18. 5 : 20. 16 : Is. 33. 11 : 41. 16 : 44. 14 : 56. 12 : 59. 4, 13 : Je. 15. 15 : 20. 5 : 27 (34). 20 : 33 (40). 26 : 38 (45). 6 : 39 (46). 5, 12 : 44 (51). 12 : 48 (31). 46 : Ez. 5. 1 : 16. 58 : 27. 32 : 44. 12 : Ma. 2. 13.]
[Al. Le. 20. 17 : Nu. 16. 18 : Dt. 7. 25 : I Ki. 30. 22 : Ca. 7. 8 (9).]
[Heb. Jb. 16. 12.]

λαμία.

[Sm. Is. 34. 14.]

λαμπάδιον (-εῖον). (1) גֻּלָּה (2) מְנוֹרָה
Ex. 38. 16 (37. 19). καὶ τὰ λ. αὐτῶν (2 ?)
— 16 (37. 19). τὸ ἐπ' ἄκρου τοῦ λ. –
III Ki. 7. 49. AB²R καὶ τὰ λ. [B¹-δεῖα] καὶ τοὺς λύχνους †
Za. 4. 2. τὸ λ. ἐπάνω αὐτῆς (1)
— 3. μία ἐκ δεξιῶν τοῦ λ. αὐτῆς (1)

λαμπάς. (1) לַפִּיד (2) נִבְרַשְׁתָּא
Ge. 15. 17. R κλίβανος . . . καὶ λαμπάδες πυρός (1)
Ex. 20. 18. ἑώρα τὴν φωνὴν καὶ τὰς λ. (1)
Jd. 7. 16. ἔδωκε . . . λαμπάδας ἐν ταῖς ὑδρίαις (1)
— 20. ἐκράτησαν . . . τὰς λ. [A al.] (1)
15. 4. ἔλαβε λαμπάδας (1)
— 4. ἔθηκε λ. μίαν (1)
— 5. ἐξέκαυσε [A ἐξῆψεν] πῦρ ἐν ταῖς λ. (1)
Ju. 10. 22. καὶ λ. ἀργυραῖ προάγουσαι αὐτοῦ
Jb. 41. 10 (11). ἐκπορεύονται λαμπάδες καιόμεναι (1)
Si. 48. 1. ὁ λόγος αὐτοῦ ὡς λαμπὰς ἐκαίετο
— 9. A ὁ ἀναληφθεὶς ἐν λαμπάδι [B S λαίλαπι] πυρός
Na. 2. 4 (5). ἡ ὅρασις αὐτῶν ὡς λαμπάδες πυρός (1)
Za. 12. 6. A B S² καὶ ὡς λαμπάδα πυρός (1)
Is. 62. 1. τὸ δὲ σωτήριόν μου ὡς λ. καυθήσεται (1)

Ez. 1. 13. ὡς ὄψις λαμπάδων συστρεφομένων (1)
Da. LXX. 10. 6. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτοῦ ὡσεὶ λαμπάδες πυρός (1)
Da. TH. 5. 5. ἔγραφον κατέναντι τῆς λαμπάδος (2)
10. 6. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτοῦ ὡσεὶ λαμπάδες πυρός (1)
I Ma. 6. 39. κατηύγαζεν ὡς λαμπάδες πυρός [S[1] *om.*]
[Aq. Ca. 8. 6 *bis.*]
[Th. Da. 5. 5.]

λάμπειν. (1) זָהַר hi. (2) *a.* נָגַהּ *b.* נֹגַהּ (3) צָחַח

To. 13. 11. S φῶς λαμπρὸν λάμψει
Pr. 4. 18. αἱ δὲ ὁδοὶ τῶν δικαίων ὁμοίως φωτὶ λάμπουσι (2 *b*)
Wi. 5. 6. τὸ τῆς δικαιοσύνης φῶς οὐκ ἔλαμψεν [S *ἐπέλ.*] ἡμῖν [A *ἐν ἡ.*]
Is. 4. 2. A λάμψει [B S *ἐπιλ.*] ὁ θεὸς ἐν βουλῇ †
9. 2 (1). φῶς λάμψει ἐφ' ὑμᾶς (2 *a*)
Ba. 3. 34. οἱ δὲ ἀστέρες ἔλαμψαν ἐν ταῖς φυλακαῖς αὐ.
— 34. ἔλαμψαν μετ' εὐφροσύνης τῷ ποιήσαντι αὐτούς
La. 4. 7. ἔλαμψαν ὑπὲρ γάλα (3)
Ep. Je. 67. οὐδὲ ὡς ὁ ἥλιος λάμψουσιν [A *ἐκλ.*]
Da. TH. 12. 3. οἱ συνιέντες λάμψουσιν [A *ἐκλ.*] (1)
[Sm. Jb. 29. 3.]
[Th. Jb. 18. 5 : Da. 12. 3.]

λαμπηδών.

[Aq. Is. 58. 11.]

λαμπήνη. (1) מַד (2) מַעְגָּל (3) צָב

Jd. 5. 10. A καθήμενοι ἐπὶ λαμπηνῶν [B κριτηρίου] (1)
I Ki. 26. 5. Σ. ἐκάθευδεν ἐν λαμπήνῃ (2)
— 7. Σ. καθεύδων ὕπνῳ [A *om.*] ἐν λαμπήνῃ (2)
Is. 66. 20. ἄξουσι τοὺς ἀδελφοὺς ὑμῶν . . . ἐν λαμπήναις ἡμιόνων (3)
[Th. Is. 66. 20.]

λαμπηνικός. (1) צָב

Nu. 7. 3. ἐξ ἁμάξας λ. (1)

λαμπρός.

To. 13. 11. S φῶς λ. λάμψει
Wi. 6. 12. λαμπρὰ καὶ ἀμάραντός ἐστιν ἡ σοφία
17. 20. ὅλος γὰρ ὁ κόσμος λαμπρῷ κατελάμπετο φωτί
Si. 29. 22. ἐδέσματα λαμπρὰ ἐν ἀλλοτρίοις
33. 13 (30. 25). λαμπρὰ καρδία καὶ ἀγαθή
34 (31). 23. λαμπρὸν ἐπ' ἄρτοις εὐλογήσει χείλη
Ep. Je. 60. σελήνη καὶ ἄστρα ὄντα λαμπρά
[Sm. Ca. 5. 10 : La. 4. 7.]
[Th. Pr. 20. 11.]
[Al. Hb. 3. 11.]

λαμπρότης. (1) הָדָר (2) זֹהַר (3) נֹגַהּ זֶרַח (4) נֹעַם

Ps. 89 (90). 17. ἔστω ἡ λ. κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν ἐφ' ἡμᾶς (4)
109 (110). 3. ἐν ταῖς λ. [S[1] τῇ λ.] τῶν ἁγίων σου (1)
Is. 60. 3. καὶ ἔθνη τῇ λ. σου (3)
Ba. 4. 24. μετὰ δόξης μεγάλης καὶ λαμπρότητος τοῦ αἰωνίου
5. 3. δείξει τῇ ὑπ' οὐρανὸν πάσῃ τὴν σὴν λ.
Da. TH. 12. 3. ὡς ἡ λ. τοῦ στερεώματος (2)
[Sm. Is. 58. 11.]
[Th. Is. 58. 11 : Da. 12. 3 : Za. 4. 14.]

λαμπρύνειν.

[Sm. Ps. 118 (119). 9 : Pr. 20. 9.]

λαμπτήρ. (1) *a.* נִיר *b.* נֵר

Pr. 16. 28. λαμπτῆρα δόλου [S χόλου] πυρσεύσει κακοῖς †
20. 20. κακολογοῦντος πατέρα ἢ μητέρα σβεσθήσεται λαμπτήρ (1 *b*)
21. 4. λαμπτὴρ δὲ ἀσεβῶν ἁμαρτία (1 *a*)
24. 20. λαμπτὴρ δὲ ἀσεβῶν σβεσθήσεται (1 *b*)
[Al. Pr. 20. 27.]

λάμψις.

Ba. 4. 2. διόδευσον πρὸς τὴν λ.

λανθάνειν. (1) כָּחַד ni. (2) מָעַל (3) עָדַר ni. (4) עָלַם ni.

Le. 4. 13. καὶ λάθῃ ῥῆμα ἐξ ὀφθαλμῶν τῆς συναγωγῆς (4)
Le. 5. 3. καὶ ἔλαθεν αὐτόν (4)
— 4. καὶ λάθῃ αὐτὸν πρὸ ὀφθαλμῶν (4)
— 15. ψυχὴ ἣ ἂν λάθῃ αὐτὸν λήθῃ (2)
Nu. 5. 13. καὶ λάθῃ ἐξ ὀφθαλμῶν τοῦ ἀνδρὸς αὐ. (4)
— 27. καὶ λήθῃ λάθῃ τὸν ἄνδρα αὐτῆς (2)
II Ki. 17. 22. ἕως ἑνὸς οὐκ ἔλαθεν (3)
18. 13. πᾶς ὁ λόγος οὐ λήσεται ἀπὸ τοῦ βασ. (1)
To. 12. 13. A B οὐκ ἔλαθές με ἀγαθοποιῶν
Jb. 24. 1. διὰ τί δὲ κύριον ἔλαθον ὧραι [A *al.*] †
28. 21. λέληθε πάντα ἄνθρωπον (4)
34. 21. λέληθε δὲ αὐτὸν οὐδέν †
Wi. 1. 8. φθεγγόμενος ἄδικα οὐδεὶς μὴ λάθῃ
10. 8. ἵνα . . . μηδὲ λαθεῖν δυνηθῶσι
17. 3. λανθάνειν γὰρ νομίζοντες ἐπὶ κρυφαίοις ἁμαρτήμασιν
Is. 40. 26. οὐδέν σε ἔλαθε (3)
IV Ma. 3. 13. λαθόντες τοὺς τῶν πυλῶν ἀκροφύλακας
[Aq. Is. 59. 15.]
[Sm. Ps. 138 (139). 15 : Is. 34. 16 : Ho. 5. 3.]
[Th. Is. 34. 16.]
[Al. Ps. 138 (139). 15.]

λάξ.

IV Ma. 6. 8. λὰξ γέ τοι . . . ἔτυπτεν

λαξεύειν. (1) נָזִית (2) פִּסְנָה (3) פָּסַל (4) λ. λίθους נָזִית בְּנָה

Ex. 34. 1. λάξευσον σεαυτῷ δύο πλάκας (3)
— 4. καὶ ἐλάξευσε δύο πλάκας λιθίνας (3)
Nu. 21. 19 (20). ἀπὸ κορυφῆς τοῦ λελαξευμένου (2)
23. 14. ἐπὶ κορυφὴν Λελαξευμένου (2)
De. 3. 27. B ἀνάβηθι ἐπὶ κορυφῆ [A R τὴν κ. τοῦ] Λελαξευμένου (2)
10. 1. λάξευσον σεαυτῷ δύο πλάκας λιθίνας (3)
— 3. ἔλαξευσα τὰς πλάκας λιθίνας (3)
Ju. 1. 2. τείχη ἐκ λίθων λελαξευμένων
Is. 9. 10 (9). λαξεύσωμεν λίθους (4)
Ez. 40. 42. τέσσαρες τράπεζαι τῶν ὁλοκαυτωμ. λίθιναι λελαξευμέναι (1)
— 43. παλαιστὴν ἕξουσι γείσος λελαξευμένον †

λαξευτήριον. (1) כֵּילַפּוֹת

Ps. 73 (74). 6. ἐν πελέκει καὶ λαξευτηρίῳ κατέρραξαν αὐτήν (1)

λαξευτός. (1) פִּסְנָה

De. 4. 49. AB[1] ἀπὸ [B[3]R ὑπὸ] Ἀσ. τὴν λαξευτήν (1)
[Aq. Nu. 21. 20.]
[Th. Jd. 7. 11.]

λαογραφία.

III Ma. 2. 28. πάντας δὲ τοὺς Ἰουδ. εἰς λαογραφίαν . . . ἀχθῆναι

λαοκατάρατος.

[Sm. Pr. 11. 26.]

λαός. (1) אָדָם (2) אֲמָה (3) אֱנוֹשׁ (4) בַּיִת (5) בֵּן (6) גּוֹי (7) הָמוֹן (8) טַף (9) לְאֹם (10) מַחֲנֶה (11) מָקוֹם (12) מִשְׁפָּחָה (13) עֶבֶד (14) עַם, עָם (15) צֹאן (16) קָהָל (17) λ. ἀλλότριος זָר

Ge. 14. 16. R ἀπέστρεψε . . . τὸν λ. (14)
19. 4. ἀπὸ νεαν. ἕως πρ. ἅπας ὁ λ. ἅμα (14)
23. 7. προσεκύνησε τῷ λ. τῆς γῆς (14)
— 12. προσεκύνησεν Ἀβ. ἐναντίον τοῦ λ. τῆς γῆς (14)
— 13. R εἶπε . . . ἐναντίον [A *add.* παντὸς] τοῦ λ. τῆς γῆς (14)
25. 8. προσετέθη πρὸς τὸν λ. αὐτοῦ (14)
— 23. δύο λαοὶ ἐκ τῆς κοιλίας σου (9)
— 23. καὶ λαὸς λαοῦ ὑπερέξει (9, 9)
26. 11. συνέταξε . . . παντὶ τῷ λ. αὐτοῦ (14)
32. 7 (8). διεῖλε τὸν λαὸν τὸν μεθ' ἑαυτοῦ (14)
33. 15. καταλείψω . . . ἀπὸ τοῦ λ. (14)
34. 22. ὥστε εἶναι λαὸν ἕνα (14)
35. 6. καὶ πᾶς ὁ λ. ὃς ἦν μετ' αὐτοῦ (14)
41. 40. ὑπακούσεται πᾶς ὁ λ. μου (14)
— 55. R ἔκραξε δὲ [A *add.* πᾶς] ὁ λ. (14)
42. 6. ἐπώλει παντὶ τῷ λ. τῆς γῆς (14)
47. 21. τὸν λ. κατεδουλώσατο . . . εἰς παῖδας (14)
48. 19. καὶ οὗτος ἔσται εἰς λαόν (14)
49. 16. Δὰν κρινεῖ τὸν λ. αὐτοῦ (14)
— 29. ἐγὼ προστίθεμαι πρὸς τὸν ἐμὸν λ. (14)
Ge. 49. 33. καὶ προσετέθη πρὸς τὸν λ. αὐτοῦ (14)
50. 20. ἵνα διατραφῇ λ. πολύς (14)
Ex. 1. 20. ἐπλήθυνεν ὁ λ. (14)
— 22. συνέταξε . . . παντὶ τῷ λ. αὐτοῦ (14)
3. 7. τὴν κάκωσιν τοῦ λ. μου τοῦ ἐν Αἰγύπτῳ (14)
— 10. ἐξάγεις τὸν λ. μου τοὺς υἱοὺς Ἰσραήλ (14)
— 12. ἐξαγαγεῖν σε τὸν λ. μου ἐξ Αἰγύπτου (14)
— 21. δώσω χάριν τῷ λ. τούτῳ (14)
4. 16. λαλήσει [A B[2] προσλαλήσει] πρὸς τὸν λ. (14)
— 21. οὐ μὴ ἐξαποστείλῃ τὸν λ. (14)
— 23. ἐξαπόστειλον τὸν λ. μου (5)
— 30. ἐποίησε τὰ σημεῖα ἐναντίον τοῦ λ. (14)
— 31. καὶ ἐπίστευσεν ὁ λ. (14)
— 31. κύψας δὲ ὁ λ. προσεκύνησε –
5. 1. ἐξαπόστειλον τὸν λ. μου (14)
— 4. διαστρέφετε τὸν λ. μου (14)
— 5. πολυπληθεῖ ὁ λ. [A *add.* τῆς γῆς] (14)
— 6. συνέταξε . . . τοῖς ἐργοδιώκταις τοῦ λ. (14)
— 7. διδόναι ἄχυρον τῷ λ. (14)
— 10. ἔλεγον πρὸς τὸν λ. (14)
— 12. διεσπάρη ὁ λ. ἐν ὅλῃ γῇ [A *om.*] Αἰγ. (14)
— 16. ἀδικήσεις οὖν τὸν λ. σου (14)
— 22. τί ἐκάκωσας τὸν λ. τοῦτον (14)
— 23. ἐκάκωσε τὸν λ. τοῦτον (14)
— 23. καὶ οὐκ ἐρρύσω τὸν λ. σου (14)
6. 7. λήψομαι ἐμαυτῷ ὑμᾶς λαὸν ἐμοί (14)
7. 4. ἐξάξω . . . τὸν λ. μου . . . ἐκ γῆς (14)
— 14. τοῦ μὴ ἐξαποστεῖλαι τὸν λ. (14)
— 16 : 8. 1 (7. 26). ἐξαπόστειλον τὸν λ. μου (14)
8. 3 (7. 28). τῶν θεραπόντων σου καὶ τοῦ λ. σου (14)
— 4 (7. 29). ἐπὶ τὸν λ. σου ἀναβήσονται (14)
— 8 (4). ἀπ' ἐμοῦ καὶ ἀπὸ τοῦ ἐμοῦ λ. (14)
— 8 (4). ἐξαποστελῶ αὐτούς [A τὸν λ.] (14)
— 9 (5). εὔξομαι περὶ σοῦ . . . καὶ τοῦ λ. σου (14)
— 9 (5). ἀπὸ σοῦ καὶ ἀπὸ τοῦ λ. σου (4?)
— 11 (7). περιαιρεθήσονται . . . ἀπὸ τοῦ λ. σου (14)
— 20 (16). ἐξαπόστειλον τὸν λ. μου (14)
— 21 (17). ἐξαποστεῖλαι τὸν λ. μου (14)
— 21 (17). ἐξαποστέλλω . . . ἐπὶ τὸν λ. σου (14)
— 22 (18). ἐφ' ἧς ὁ λ. μου ἔπεστιν ἐπ' αὐτῆς (14)
— 23 (19). ἀνὰ μέσον τοῦ ἐμοῦ λ. (14)
— 23 (19). καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ σοῦ λ. (14)
— 29 (25). ἀπελεύσεται . . . ἀπὸ τοῦ λ. σου (14)
— 29 (25). τοῦ μὴ ἐξαποστεῖλαι τὸν λ. (14)
— 31 (27). ἀπὸ . . . τοῦ λ. αὐτοῦ (14)
— 32 (28). οὐκ ἠθέλησεν ἐξαποστεῖλαι τὸν λ. (14)
9. 1. ἐξαπόστειλον τὸν λ. μου (14)
— 2. ἐξαποστεῖλαι τὸν λ. μου –
— 7. A[2] B καὶ οὐκ ἐξαπέστειλε τὸν λ. (14)
— 13. ἐξαπόστειλον τὸν λ. μου (14)
— 14. εἰς τὴν καρδίαν σου . . . καὶ τοῦ λ. σου (14)
— 15. καὶ τὸν λ. σου θανατώσω (14)
— 17. ἔτι οὖν σὺ ἐμποιῇ τοῦ λ. μου (14)
— 27. ἐγὼ δὲ καὶ ὁ λ. μου ἀσεβεῖς (14)
10. 3. ἐξαπόστειλον τὸν λ. μου (14)
— 4. ἐξαποστεῖλαι τὸν λ. μου (14)
11. 2. λάλησον . . . εἰς τὰ ὦτα τοῦ λ. (14)
— 3. ἔδωκε τὴν χάριν τῷ λ. αὐτοῦ (14)
— 8. ἔξελθε σὺ καὶ πᾶς [B[1] *om.*] ὁ λ. σου (14)
12. 27. καὶ κύψας ὁ λ. προσεκύνησε (14)
— 31. ἐξέλθατε ἐκ τοῦ λ. μου (14)
— 33. κατεβιάζοντο οἱ Αἰγύπτιοι τὸν λ. (14)
— 34. ἀνέλαβε δὲ ὁ λ. τὸ σταῖς αὐτῶν (14)
— 36. ἔδωκε κύριος τὴν χάριν τῷ λ. αὐτοῦ (14)
13. 3. εἶπε δὲ Μωυσῆς πρὸς τὸν λ. (14)
— 17. ὡς δὲ ἐξαπέστειλε Φαραὼ τὸν λ. (14)
— 17. μεταμελήσῃ τῷ λ. ἰδόντι πόλεμον (14)
— 18. ἐκύκλωσεν . . . τὸν λ. ὁδόν (14)
— 22. οὐκ ἐξέλιπε . . . ἐναντίον τοῦ λ. παντός (14)
14. 3. καὶ ἐρεῖ Φαραὼ τῷ λ. αὐτοῦ [A[1] *om.* τ. λ. αὐ.] –
— 5. πέφευγεν ὁ λ. (14)
— 5. μετεστράφη ἡ καρδία . . . ἐπὶ τὸν λ. (14)
— 6. πάντα τὸν λ. αὐτοῦ συναπήγαγε (14)
— 13. εἶπε δὲ Μωυσῆς πρὸς τὸν λ. (14)
— 31. ἐφοβήθη δὲ ὁ λ. τὸν κύριον (14)
15. 13. ὡδήγησας . . . τὸν λ. σου (14)
— 16. A B[2] R ἕως ἂν παρέλθῃ ὁ λ. σου (14)
— 16. ἕως ἂν παρέλθῃ ὁ λ. σου οὗτος (14)
— 24. διεγόγγυζεν ὁ λ. ἐπὶ [A κατὰ] Μωυσῆ (14)
16. 4. ἐξελεύσεται ὁ λ. (14)
— 27. ἐξήλθοσάν τινες ἐκ τοῦ λ. (14)
— 30. καὶ ἐσαββάτισεν ὁ λ. (14)
17. 1. οὐκ ἦν δὲ ὕδωρ τῷ λ. πιεῖν (14)
— 2. καὶ ἐλοιδορεῖτο ὁ λ. πρὸς Μωυσῆν (14)

Ex. 17. 3. ἐδίψησε δὲ ἐκεῖ ὁ λ. ὕδατι (14)
— 3. διεγόγγυζεν ἐκεῖ ὁ λ. (14)
— 4. τί ποιήσω τῷ λ. τούτῳ (14)
— 5. προπορεύου τοῦ λ. τούτου [A *om.*] (14)
— 5. λάβε . . . ἀπὸ τῶν πρεσβυτέρων τοῦ λ. †
— 6. καὶ πίεται ὁ λ. (14)
— 13. τὸν Ἀμαλὴκ καὶ πάντα τὸν λ. αὐτοῦ (14)
18. 1. ὅσα ἐποίησε κύριος . . . τῷ ἑαυτοῦ λαῷ (14)
— 10. ἐξείλατο αὐτούς [A τὸν λ. αὐτοῦ] (14)
— 13. συνεκάθισε Μωυσῆς κρίνειν τὸν λ. (14)
— 13. παρειστήκει δὲ πᾶς ὁ λ. Μωυσῇ (14)
— 14. ὅσα ποιεῖ [A ἐποίει] τῷ λ. (14)
— 14. τί τοῦτο ὃ σὺ ποιεῖς τῷ λ. (14)
— 14. πᾶς δὲ ὁ λ. παρέστηκέ σοι (14)
— 15. παραγίνεται πρὸς μὲ ὁ λ. (14)
— 18. πᾶς ὁ λ. [A *add.* σου] οὗτος (14)
— 19. γίνου σὺ τῷ λ. τὰ πρὸς τὸν θεόν (14)
— 21. σεαυτῷ σκέψαι ἀπὸ παντὸς τοῦ λ. (14)
— 22. καὶ κρινοῦσι τὸν λ. πᾶσαν ὥραν (14)
— 23. καὶ πᾶς ὁ λ. οὗτος . . . ἥξει (14)
— 26. καὶ ἐκρίνοσαν τὸν λ. πᾶσαν ὥραν (14)
19. 5. ἔσεσθέ μοι λ. περιούσιος –
— 7. τοὺς πρεσβυτέρους τοῦ λ. [A Ἰσραήλ] (14)
— 8. ἀπεκρίθη δὲ πᾶς ὁ λ. (14)
— 8. τοὺς λόγους τούτους [A τοῦ λ.] (14)
— 9. ἵνα ἀκούσῃ ὁ λαὸς λαλοῦντός μου (14)
— 9. ἀνήγγειλε δὲ Μωυσῆς τὰ ῥήματα τοῦ λ. (14)
— 10. καταβὰς διαμάρτυραι τῷ λ. (14)
— 11. καταβήσεται . . . ἐναντίον παντὸς τοῦ λ. (14)
— 12. καὶ ἀφοριεῖς τὸν λ. κύκλῳ (14)
— 14. κατέβη . . . ἐκ τοῦ ὄρους πρὸς τὸν λ. (14)
— 15. καὶ εἶπε τῷ λ. (14)
— 16. πᾶς ὁ λ. ὁ [A *om.*] ἐν τῇ παρεμβολῇ (14)
— 17. καὶ ἐξήγαγε Μωυσῆς τὸν λ. (14)
— 18. καὶ ἐξέστη πᾶς ὁ λ. σφόδρα †
— 21. καταβὰς διαμάρτυραι τῷ λ. (14)
— 23. οὐ δυνήσεται ὁ λ. προσαναβῆναι (14)
— 24. οἱ δὲ ἱερεῖς καὶ ὁ λ. μὴ βιαζέσθωσαν (14)
— 25. κατέβη δὲ Μωυσῆς πρὸς τὸν λ. (14)
20. 18. πᾶς ὁ λ. ἑώρα τὴν φωνήν (14)
— 18. φοβηθέντες δὲ πᾶς ὁ λ. ἔστησαν (14)
— 21. εἱστήκει δὲ ὁ λ. μακρόθεν (14)
22. 25 (24). ἐὰν δὲ ἀργύριον ἐκδανείσῃς τῷ ἀδελφῷ [A[1] λαῷ] (14)
— 28 (27). ἄρχοντα τοῦ λ. σου οὐ κακῶς ἐρεῖς (14)
23. 22. ἔσεσθέ μοι λ. περιούσιος –
24. 2. ὁ δὲ λ. οὐ συναναβήσεται μετ' αὐτῶν (14)
— 3. διηγήσατο τῷ λ. πάντα τὰ ῥήματα (14)
— 3. ἀπεκρίθη δὲ πᾶς ὁ λ. (14)
— 7. ἀνέγνω εἰς τὰ ὦτα τοῦ λ. (14)
— 8. κατεσκέδασε τοῦ λ. (14)
30. 33. ἐξολεθρευθήσεται ἐκ τοῦ λ. αὐτοῦ [A *om.*] (14)
— 38. ἀπολεῖται ἐκ τοῦ λ. αὐ. (14)
31. 14. ἐκ μέσου τοῦ λ. αὐ. (14)
32. 1. καὶ ἰδὼν ὁ λ. ὅτι κεχρόνικε M. (14)
— 1. συνέστη ὁ λ. ἐπὶ Ἀαρών (14)
— 3. περιείλαντο πᾶς ὁ λ. τὰ ἐνώτια (14)
— 6. καὶ ἐκάθισεν ὁ λ. φαγεῖν (14)
— 7. ἠνόμησε γὰρ ὁ λαός σου (14)
— 11. ἵνα τί . . . θυμοῖ ὀργῇ εἰς τὸν λ. σου (14)
— 12. ἵλεως γενοῦ ἐπὶ τῇ κακίᾳ τοῦ λ. σου (14)
— 14. περιποιῆσαι [A ποιῆσαι] τὸν λ. αὐτοῦ (14)
— 17. τῆς φωνῆς τοῦ λ. κραζόντων (14)
— 21. τί ἐποίησέ σοι ὁ λ. οὗτος (14)
— 22. σὺ γὰρ οἶδας τὸ ὅρμημα τοῦ λ. τούτου (14)
— 25. ἰδὼν Μωυσῆς τὸν λ. (14)
— 28. ἔπεσαν ἐκ τοῦ λ. . . . εἰς τρισχιλίους (14)
— 30. εἶπε Μωυσῆς πρὸς τὸν λ. (14)
— 31. ἡμάρτηκεν ὁ λ. οὗτος ἁμαρτίαν (14)
— 34. καὶ ὁδήγησον τὸν λ. τοῦτον (14)
— 35. καὶ ἐπάταξε κύριος τὸν λ. (14)
33. 1. ἀνάβηθι ἐντεῦθεν σὺ καὶ ὁ λ. σου (14)
— 3. διὰ τὸ λαὸν σκληροτράχηλόν σε εἶναι (14)
— 4. ἀκούσας ὁ λ. τὸ ῥῆμα τὸ πονηρόν (14)
— 5. ὑμεῖς λ. σκληροτράχηλος (14)
— 8. εἱστήκει πᾶς ὁ λ. σκοπεύοντες (14)
— 10. ἑώρα πᾶς ὁ λ. τὸν στῦλον τῆς νεφέλης (14)
— 10. στάντες πᾶς ὁ λ. προσεκύνησαν (14)
— 12. ἀνάγαγε τὸν λ. τοῦτον (14)
— 13. ὅτι λ. σου τὸ ἔθνος τὸ μέγα τοῦτο (14)
— 16. εὕρηκα χάριν . . . ἐγώ τε καὶ ὁ λ. σου (14)
— 16. A B[2] R ἐνδοξασθήσομαι ἐγώ τε καὶ ὁ λ. σου (14)
34. 9. ὁ λ. γὰρ σκληροτράχηλός ἐστι (14)
— 10. διαθήκην ἐνώπιον παντὸς τοῦ λ. σου (14)
— 10. καὶ ὄψεται πᾶς ὁ λ. (14)

Ex. 36. 5. πλῆθος φέρει ὁ λ. κατὰ τὰ ἔργα (14)
— 6. ἐκωλύθη ὁ λ. ἔτι προσφέρειν (14)
Le. 4. 3. ἁμάρτῃ τοῦ τὸν [AB[1] *om.*] λ. ἁμαρτεῖν (14)
— 27. ψυχὴ μία . . . ἐκ τοῦ λ. τῆς γῆς (14)
7. 10 (20), 11 (21). ἀπολεῖται ἡ ψυχὴ ἐκ. ἐκ τοῦ λ. αὐτῆς (14)
— 15 (25). ἀπολεῖται . . . ἀπὸ [A ἐκ] τοῦ λ. αὐτῆς (14)
— 17 (27). ἀπολεῖται ἡ ψυχὴ ἐκ. ἀπὸ τοῦ λ. αὐτῆς (14)
9. 7. καὶ ποίησον τὰ δῶρα τοῦ λ. (14)
— 15. καὶ προσήνεγκε τὸ δῶρον τοῦ λ. (14)
— 15. τὸν χίμαρον τὸν περὶ τῆς ἁμαρτίας τοῦ λ. (14)
— 18. τῆς θυσίας τοῦ σωτηρίου τῆς τοῦ λ. (14)
— 22. ἐξάρας Ἀαρὼν τὰς χεῖρας ἐπὶ τὸν λ. (14)
— 23. ἐξελθόντες εὐλόγησαν πάντα τὸν λ. (14)
— 23. ὤφθη ἡ δόξα κυρίου παντὶ τῷ λ. (14)
— 24. καὶ εἶδε πᾶς ὁ λ. (14)
16. 15. τὸν χίμαρον . . . τὸν περὶ τοῦ λ. (14)
— 24. ποιήσει . . . τὸ ὁλοκάρπωμα τοῦ λ. (14)
— 24. B καὶ περὶ τοῦ λ. (14)
17. 4. ἐξολεθρευθήσεται . . . ἐκ τοῦ λ. αὐτῆς (14)
— 9. ἐξολεθρευθήσεται . . . ἐκ τοῦ λ. αὐτοῦ (14)
— 10. ἀπολῶ αὐτὴν ἐκ τοῦ λ. αὐ. (14)
18. 29 : 19. 8. ἐξολεθρευθήσονται . . . ἐκ τοῦ λ. αὐτῶν (14)
19. 18. οὐ μνησικακήσεις τοῖς υἱοῖς τοῦ λ. σου (14)
20. 3. ἀπολῶ αὐτὸν ἐκ τοῦ λ. αὐτοῦ (14)
— 5. ἀπολῶ αὐτὸν . . . ἐκ τοῦ λ. αὐτῶν (14)
— 6. ἀπολῶ αὐτὴν ἐκ τοῦ λ. αὐ. (14)
21. 4. οὐ μιανθήσεται [AB[1] *om.* οὐ μ.] ἐξάπινα ἐν τῷ λ. αὐτοῦ (14)
— 14. παρθένον ἐκ τοῦ λ. [A *om.*] αὐ. λήψεται γυναῖκα (14)
— 15. οὐ βεβηλώσει τὸ σπέρμα αὐ. ἐν τῷ λ. αὐ. (14)
23. 29. ἐξολεθρευθήσεται ἐκ τοῦ λ. αὐτῆς (14)
— 30. ἀπολεῖται ἡ ψυχὴ ἐκ. ἐκ τοῦ λ. αὐ. (14)
26. 12. ὑμεῖς ἔσεσθέ μου λαός (14)
Nu. 5. 21. ἐν μέσῳ τοῦ λ. σου (14)
— 27. εἰς ἀρὰν τῷ [A S[2] ἐν τῷ] λ. αὐτῆς (14)
9. 13. ἐξολεθρευθήσεται ἡ ψυχὴ ἐκ. ἐκ τοῦ λ. αὐ. (14)
11. 1. ἦν ὁ λ. γογγύζων πονηρά (14)
— 2. ἐκέκραξεν ὁ λ. πρὸς M. (14)
— 8. διεπορεύετο ὁ λ. (14)
— 11. ἐπιθεῖναι τὴν ὁρμὴν [A ὀργὴν] τοῦ λ. τ. ἐπ' ἐμέ (14)
— 12. μὴ ἐγὼ ἐν γαστρὶ ἔλαβον πάντα τὸν λ. τ. (14)
— 13. κρέα δοῦναι παντὶ τῷ λ. τούτῳ (14)
— 14. φέρειν τὸν λ. τοῦτον (14)
— 16. οὗτοί εἰσι πρεσβύτεροι τοῦ λ. (14)
— 17. συναντιλήψονται . . . τὴν ὁρμὴν τοῦ λ. (14)
— 18. καὶ τῷ λ. ἐρεῖς (14)
— 21. ὁ λ. ἐν οἷς εἰμι ἐν αὐτοῖς (14)
— 24. ἐλάλησε πρὸς τὸν λ. τὰ ῥήμ. κυρίου (14)
— 24. ἀπὸ τῶν πρεσβυτέρων τοῦ λ. (14)
— 29. τίς δῴη πάντα τὸν λ. κυρίου προφήτας (14)
— 32. ἀναστὰς ὁ λ. ὅλην τὴν ἡμέραν (14)
— 33. κύριος ἐθυμώθη εἰς τὸν λ. (14)
— 33. ἐπάταξε κύριος τὸν λ. [A ἐν τῷ λ.] (14)
— 34. ἐκεῖ ἔθαψαν τὸν λ. τὸν ἐπιθυμητήν (14)
— 35. ἐξῆρεν ὁ λ. εἰς Ἀσ. (14)
— 35. A B[2] R ἐγένετο ὁ λ. ἐν Ἀσ. –
12. 15. ὁ λ. οὐκ ἐξῆρεν (14)
13. 1 (12. 16). ἐξῆρεν ὁ λ. ἐξ Ἀσ. (14)
— 19 (18). ὄψεσθε . . . τὸν λ. τὸν ἐγκαθήμ. ἐπ' αὐτῆς (14)
— 31 (30). κατεσιώπησε Χ. τὸν λ. (14)
— 33 (32). πᾶς ὁ λ. ὃν ἑωράκαμεν (14)
14. 1. ἔκλαιεν ὁ λ. ὅλην τὴν νύκτα ἐκ. (14)
— 9. μὴ φοβηθῆτε τὸν λ. τῆς γῆς (14)
— 11. ἕως τίνος παροξύνει με ὁ λ. οὗτος (14)
— 13. ἀνήγαγες . . . τὸν λ. τοῦτον ἐξ αὐτῶν (14)
— 14. σὺ εἶ κύριος ἐν τῷ λ. τούτῳ (14)
— 15. ἐκτρίψεις τὸν λ. τοῦτον (14)
— 16. εἰσαγαγεῖν τὸν λ. τοῦτον [A αὐτούς] (14)
— 19. ἄφες τὴν ἁμαρτίαν τῷ λ. τούτῳ (14)
— 39. ἐπένθησεν ὁ λ. σφόδρα (14)
15. 26. ὅτι παντὶ τῷ λ. ἀκούσιον (14)
— 30. ἐξολεθρευθήσεται . . . ἐκ τοῦ λ. αὐτῆς (14)
16. 41 (17. 6). ὑμεῖς ἀπεκτάγκατε τὸν λ. κυρίου (14)
— 46 (17. 11). ἤρκται θραῦειν τὸν λ. –
— 47 (17. 12). ἤδη ἐνῆρκτο ἡ θραῦσις ἐν τῷ λ. (14)
— 47 (17. 12). ἐξιλάσατο περὶ τοῦ λ. (14)
— 48 (17. 13). B[1] ἐκόπασεν ἡ θραῦσις ἐν τῷ λ. [AB[2] R *om.* ἐν τ. λ.] –
20. 1. κατέμεινεν ὁ λ. ἐν Κ. (14)

Nu. 20. 3. ἐλοιδορεῖτο ὁ λ. πρὸς M. (14)
— 24. προστεθήτω Ἀ. πρὸς τὸν λ. αὐτοῦ (14)
21. 2. ἐάν μοι παραδῷς τὸν λ. τοῦτον ὑποχείριον (14)
— 4. ὠλιγοψύχησεν ὁ λ. ἐν τῇ ὁδῷ (14)
— 5. κατελάλει ὁ λ. πρὸς τὸν θεόν (14)
— 6. ἀπέστειλε κύριος εἰς τὸν λ. τοὺς ὄφεις (14)
— 6. ἔδακνον τὸν λ. (14)
— 6. ἀπέθανε λ. πολύς (14)
— 7. παραγενόμενος ὁ λ. πρὸς M. (14)
— 8 (7). A B[2] ηὔξατο M. . . . περὶ τοῦ λ. (14)
— 16. B συνάγαγε τὸν λ. (14)
— 23. συνήγαγε Σ. πάντα τὸν λ. αὐ. (14)
— 29. ἀπώλου, λαὸς Χαμώς (14)
— 33. ἐξῆλθεν . . . πᾶς ὁ λ. αὐ. (14)
— 34. παραδέδωκα . . . πάντα τὸν λ. αὐ. (14)
— 35. ἐπάταξεν . . . πάντα τὸν λ. αὐ. (14)
22. 3. ἐφοβήθη M. τὸν λ. σφόδρα (14)
— 5. ἐπὶ τοῦ ποταμοῦ γῆς υἱῶν λαοῦ αὐ. (14)
— 5. λαὸς ἐξελήλυθεν ἐξ Αἰγ. (14)
— 6. ἄρασαί μοι τὸν λ. τοῦτον (14)
— 11. λαὸς ἐξελήλυθεν ἐξ Αἰγ. (14)
— 12. οὐδὲ καταράσῃ τὸν λ. (14)
— 17. ἐπικατάρασαί μοι τὸν λ. τοῦτον (14)
— 41. ἔδειξεν αὐτῷ . . . μέρος τι τοῦ λ. (14)
23. 9. λ. μόνος κατοικήσει (14)
— 24. λαὸς ὡς σκύμνος ἀναστήσεται (14)
24. 14. τί ποιήσει ὁ λ. οὗτος τὸν λ. σου (14, 14)
25. 1. ἐβεβηλώθη ὁ λ. (14)
— 2. ἔφαγεν ὁ λ. τῶν θυσιῶν αὐτῶν (14)
— 4. λάβε πάντας τοὺς ἀρχηγοὺς τοῦ λ. (14)
— 4. A παραδειγμάτισον αὐτοὺς . . . κατέναντι τοῦ λ. [B ἡλίου] †
27. 13 : 31. 2. προστεθήσῃ πρὸς τὸν λ. σου (14)
31. 3. ἐλάλησε M. πρὸς τὸν λ. (14)
33. 14. οὐκ ἦν ἐκεῖ ὕδωρ τῷ λ. πιεῖν (14)
De. 2. 4. καὶ τῷ λ. ἔντειλαι (14)
— 16. ἐκ μέσου τοῦ λ. (14)
— 32. αὐτὸς καὶ πᾶς ὁ λ. αὐτοῦ (14)
— 33. αὐτὸν . . . καὶ πάντα τὸν λ. αὐ. (14)
3. 1. αὐτὸς καὶ πᾶς ὁ λ. αὐτοῦ (14)
— 2. αὐτὸν καὶ πάντα τὸν λ. αὐτοῦ (14)
— 3. καὶ τὸν Ὤγ . . . καὶ πάντα τὸν λ. αὐ. (14)
— 28. διαβήσεται πρὸ προσώπου τοῦ λ. τ. (14)
4. 6. ἰδοὺ λ. σοφὸς καὶ ἐπιστήμων (14)
— 10. ἐκκλησίασον πρὸς μὲ τὸν λ. (14)
— 20. εἶναι αὐτῷ λ. ἔγκληρον [B[1] εὔκλ.] (14)
5. 28 (25). ἤκουσα τὴν φωνὴν τῶν λόγων τοῦ λ. τούτου (14)
7. 6. λ. ἅγιος εἶ κυρίῳ τῷ θεῷ σου (14)
— 6. εἶναι αὐτῷ λ. περιούσιον (14)
9. 2. λ. μέγαν καὶ πολύν (14)
— 6. λ. σκληροτράχηλος εἶ (14)
— 12. ἠνόμησεν ὁ λ. σου (14)
— 13. ἑώρακα τὸν λ. τοῦτον (14)
— 13. λ. σκληροτράχηλός ἐστι (14)
— 26. μὴ ἐξολεθρεύσῃς τὸν λ. σου (14)
— 27. ἐπὶ τὴν σκληρότητα τοῦ λ. τούτου (14)
— 29. καὶ οὗτοι λαός σου (14)
10. 11. ἄπαρον ἐναντίον τοῦ λ. τούτου (14)
13. 9 (10). αἱ χεῖρες παντὸς τοῦ λ. ἐπ' ἐσχάτῳ (14)
14. 2. λ. ἅγιος εἶ κυρίῳ τῷ θεῷ σου (14)
— 2. γενέσθαι σε αὐτῷ λ. περιούσιον (14)
— 21. λ. ἅγιος εἶ κυρίῳ τῷ θεῷ σου (14)
16. 18. κρινοῦσι τὸν λ. κρίσιν δικαίαν (14)
17. 7. ἡ χεὶρ [A *add.* παντὸς] τοῦ λ. ἐπ' ἐσχάτων (14)
— 13. καὶ πᾶς ὁ λ. ἀκούσας φοβηθήσεται (14)
— 16. οὐδὲ μὴ ἀποστρέψῃ τὸν λ. εἰς Αἴγ. (14)
18. 3. τὰ παρὰ τοῦ λ. παρὰ τῶν θυόντων (14)
20. 1. ἐὰν δὲ . . . ἴδῃς . . . λ. πλείονά σου (14)
— 2. λαλήσει τῷ λ. (14)
— 5. λαλήσουσιν οἱ γραμματεῖς πρὸς τὸν λ. (14)
— 8. λαλήσει πρὸς τὸν λ. (14)
— 9. λαλοῦντες πρὸς τὸν λ. (14)
— 9. καταστήσουσιν . . . προηγουμένους τοῦ λ. (14)
— 11. ἔσται πᾶς ὁ λ. (14)
21. 8. ἵλεως γενοῦ τῷ λ. σου Ἰσρ. (14)
— 8. ἵνα μὴ γένηται αἷμα ἀναίτιον ἐν τῷ λ. σου Ἰσρ. (14)
26. 15. εὐλόγησον τὸν λ. σου τὸν Ἰσρ. (14)
— 18. γενέσθαι σε αὐτῷ λ. περιούσιον (14)
— 19. εἶναί σε λ. ἅγιον κ. τῷ θεῷ σου (14)
27. 9. γέγονας εἰς λαὸν κ. τῷ θεῷ σου (14)
— 11. ἐνετείλατο M. τῷ λ. (14)
— 12. εὐλογεῖν τὸν λ. (14)
— 15. A R ἀποκριθεὶς πᾶς [B *om.*] ὁ λ. ἐροῦσι (14)

De. 27. 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23. ἐροῦσι πᾶς ὁ λ. (14)
— 23. B ἐροῦσι πᾶς ὁ λ. –
— 24, 25, 26. ἐροῦσι πᾶς ὁ λαός (14)
28. 9. ἀναστήσαι σε κ. ἑαυτῷ λ. ἅγιον (14)
29. 13 (12). ἵνα στήσῃ σε αὐτῷ εἰς [A ἑαυ.] λαόν (14)
31. 7. εἰσελεύσῃ πρὸ προσώπου τοῦ λ. τούτου (14)
— 12. ἐκκλησιάσας τὸν λ. (14)
— 16. ἀναστὰς ὁ λ. οὗτος ἐκπορνεύσει (14)
32. 6. λ. μωρὸς καὶ οὐχὶ σοφός (14)
— 9. ἐγενήθη μερὶς κυρίου λαὸς αὐ. Ἰ. (14)
— 36. κρινεῖ κύριος τὸν λ. αὐτοῦ (14)
— 43. εὐφράνθητε ἔθνη μετὰ τοῦ λ. αὐ. (14)
— 43. ἐκκαθαριεῖ κ. τὴν γῆν τοῦ λ. αὐ. (14)
— 44. A προσῆλθεν M. πρὸς τὸν λ. [B *al.*] –
— 44. ἐλάλησε . . . εἰς τὰ ὦτα τοῦ λ. (14)
— 50. προστέθητι πρὸς τὸν λ. σου (14)
— 50. προσετέθη πρὸς τὸν λ. αὐτοῦ (14)
33. 3. ἐφείσατο τοῦ λ. αὐ. (14)
— 5. συναχθέντων ἀρχόντων λαῶν (14)
— 7. εἰς τὸν λ. αὐτοῦ ἔλθοις ἄν (14)
— 21. συνηγμένων ἅμα ἀρχηγοῖς λαῶν [A αὐτῶν] (14)
— 29. λ. σωζόμενος ὑπὸ κυρίου (14)
Jo. 1. 2. σὺ καὶ πᾶς ὁ λ. οὗτος (14)
— 6. ἀποδιελεῖς τῷ λ. τούτῳ τὴν γῆν (14)
— 10. ἐνετείλατο Ἰ. τοῖς γραμματεῦσι τοῦ λ. (14)
— 11. κατὰ μέσον τῆς παρεμβολῆς τοῦ λ. –
— 11. ἐντείλασθε τῷ λ. (14)
3. 3. ἐνετείλαντο τῷ λ. (14)
— 5. εἶπεν Ἰ. τῷ λ. (14)
— 6. προπορεύεσθε τοῦ λ. (14)
— 6. ἐπορεύοντο ἔμπροσθεν τοῦ λ. (14)
— 14. ἀπῆρεν ὁ λ. (14)
— 14. ἤροσαν τὴν κιβωτὸν . . . πρότεροι τοῦ λ. (14)
— 16. ὁ λ. εἱστήκει ἀπέναντι Ἱερ. (14)
— 17. ἕως συνετέλεσε πᾶς ὁ λ. διαβαίνων (6)
4. 1. ἐπεὶ συνετέλεσε πᾶς ὁ λ. διαβαίνων (6)
— 2. παραλαβὼν ἄνδρας ἀπὸ τοῦ λ. (14)
— 10. ἀναγγείλαι τῷ λ. (14)
— 10. ἔσπευσεν ὁ λ. (14)
— 11. ὡς συνετέλεσε πᾶς ὁ λ. διαβῆναι (14)
— 19. ὁ λ. ἀνέβη ἐκ τοῦ Ἰ. (14)
6. 5. ἀνακραγέτω πᾶς ὁ λ. ἅμα [A *om.*] (14)
— 5. εἰσελεύσεται πᾶς ὁ λ. (14)
— 6 (7). παραγγείλατε τῷ λ. (14)
— 9 (10). τῷ δὲ λ. ἐνετείλατο Ἰ. (14)
— 19 (20). ὡς δὲ ἤκουσεν ὁ λ. τῶν σαλπίγγων (14)
— 19 (20). ἠλάλαξε πᾶς ὁ λ. ἅμα (14)
— 19 (20). ἀνέβη πᾶς ὁ λ. εἰς τὴν πόλιν (14)
7. 3. μὴ ἀναβήτω πᾶς ὁ λ. (14)
— 3. μὴ ἀναγάγῃς ἐκεῖ τὸν λ. πάντα (14)
— 5. ἐπτόηθη ἡ καρδία τοῦ λ. (14)
— 7. διεβίβασεν ὁ παῖς σου τὸν λ. τοῦτον τὸν Ἰ. (14)
— 11. ἡμάρτηκεν ὁ λ. †
— 13. ἁγίασον τὸν λ. (14)
— 16. προσήγαγε τὸν λ. †
— 24. καὶ πᾶς ὁ λ. [A Ἰσραὴλ] μετ' αὐτοῦ †
8. 3. ἀνέστη Ἰ. καὶ πᾶς ὁ λ. ὁ πολεμιστής (14)
— 5. A ἐγὼ καὶ πᾶς ὁ λ. ὁ [B πάντες οἱ] μετ' ἐμοῦ (14)
— 10. ἐπεσκέψατο τὸν λ. (14)
— 10. ἀνέβησαν . . . κατὰ πρόσωπον τοῦ λ. (14)
— 11. πᾶς ὁ λ. ὁ πολεμιστὴς μετ' αὐτοῦ ἀνέβησαν (14)
— 14. αὐτὸς καὶ πᾶς ὁ λ. ὁ μετ' [A *om.* ὁ μ.] αὐτοῦ (14)
9. 2 (8. 33). εὐλογῆσαι τὸν λ. (14)
10. 5. αὐτοὶ καὶ πᾶς ὁ λ. αὐτῶν (10)
— 7. αὐτὸς καὶ πᾶς ὁ λ. ὁ πολεμιστής (14)
— 15. B[3] ἐπέστρεψεν Ἰ. καὶ πᾶς ὁ λ. Ἰσρ. –
— 21. ἀπεστράφη πᾶς ὁ λ. (14)
— 29. A Ἰ. καὶ πᾶς ὁ λ. ὁ [B π. Ἰσραὴλ] μετ' αὐτοῦ †
— 33. ἐπάταξεν . . . τὸν λ. αὐτοῦ (14)
11. 7. Ἰ. καὶ πᾶς ὁ λ. ὁ πολεμιστής (14)
14. 8. μετέστησαν τὴν καρδίαν [A διάνοιαν] τοῦ λ. (14)
17. 14. ἐγὼ δὲ λ. πολύς εἰμι (14)
— 15, 17. εἰ λ. πολὺς εἶ (14)
24. 2. εἶπεν Ἰ. πρὸς πάντα τὸν λ. (14)
— 16. ἀποκριθεὶς ὁ λ. εἶπε (14)
— 19. εἶπεν Ἰ. πρὸς τὸν λ. (14)
— 21. εἶπεν ὁ λ. πρὸς Ἰ. (14)
— 22. εἶπεν Ἰ. πρὸς τὸν λ. (14)
Jo. 24. 24. εἶπεν ὁ λ. πρὸς Ἰ. (14)
— 25. διέθετο Ἰ. διαθήκην πρὸς τὸν λ. (14)
— 27. εἶπεν Ἰ. πρὸς τὸν λ. (14)
— 28. ἀπέστειλεν Ἰ. τὸν λ. (14)
Jd. 1. 16. κατῴκησαν μετὰ τοῦ λ. (14)
2. 3. A τοῦ μετοικίσαι τὸν λ. †
— 4. ἐπῆραν ὁ λ. τὴν φωνὴν αὐτῶν (14)
— 6. ἐξαπέστειλεν Ἰ. τὸν λ. (14)
— 7. ἐδούλευσεν ὁ λ. τῷ κυρίῳ (14)
4. 13. ἐκάλεσε . . . πάντα τὸν λ. (14)
5. 2. ἐν τῷ ἑκουσιασθῆναι λαόν [A ἐν προαιρέσει λαοῦ] (14)
— 9. οἱ ἑκουσιαζόμενοι ἐν λαῷ [A *al.*] (14)
— 11. κατέβη . . . λαὸς [A ὁ λ.] κυρίου (14)
— 12. A ἐξεγείρου μυριάδας μετὰ λαοῦ –
— 13. λαὸς κυρίου κατέβη αὐτῷ [A *al.*] (14)
— 14. A λαὸς Ἐφρ. ἐτιμωρήσατο αὐτοὺς [B *al.*] †
— 14. ὀπίσω σου B. ἐν τοῖς λ. σου [A *al.*] (14)
— 18. Z. λαὸς ὠνείδισε ψυχήν [A *al.*] (14)
7. 1. ὤρθρισεν . . . πᾶς ὁ λ. μετ' [A ὁ μ.] αὐτοῦ (14)
— 2. πολὺς ὁ λ. ὁ μετὰ σοῦ (14)
— 3. λάλησον δὴ ἐν ὠσὶ [A εἰς τὰ ὦ.] τοῦ λ. (14)
— 3. ἐπέστρεψεν ἀπὸ τοῦ λ. (14)
— 4. ἔτι ὁ λ. πολύς (14)
— 5. κατήνεγκε [A κατεβίβασεν] τὸν λ. (14)
— 6. πᾶν τὸ κατάλοιπον τοῦ λ. (14)
— 7. πᾶς ὁ λ. πορεύονται (14)
— 8. ἔλαβον τὸν ἐπισιτισμὸν τοῦ λ. (14)
8. 5. εἰς τροφὴν τῷ λ. τούτῳ (14)
9. 29. τίς δῴη τὸν λ. τοῦτον ἐν χειρί μου (14)
— 32. σὺ καὶ ὁ λ. ὁ μετὰ σοῦ (14)
— 33. αὐτὸς καὶ ὁ λ. ὁ μετ' αὐτοῦ (14)
— 34. καὶ πᾶς ὁ λ. μετ' [A ὁ μ.] αὐτοῦ (14)
— 35. ἀνέστη Ἀβ. καὶ ὁ λ. ὁ μετ' αὐτοῦ (14)
— 36. εἶδε Γ. . . . τὸν λ. (14)
— 36. ἰδοὺ λαὸς καταβαίνει (14)
— 37. ἰδοὺ λαὸς καταβαίνων (14)
— 38. μὴ οὐχὶ οὗτος ὁ λ. [A *al.*] (14)
— 42. ἐξῆλθεν ὁ λ. εἰς τὸν ἀγρόν (14)
— 43. ἔλαβε [A παρέλ.] τὸν λ. (14)
— 43. B ὁ [A R *om.*] λ. ἐξῆλθεν ἐκ τῆς πόλεως (14)
— 45. τὸν λ. τὸν ἐν αὐτῇ ἀπέκτεινε (14)
— 48. καὶ πᾶς ὁ λ. ὁ μετ' αὐτοῦ (14)
— 48. εἶπε τῷ λ. τῷ [A πρὸς τὸν λ. τὸν] μετ' αὐτοῦ (14)
10. 16. A οὐκ εὐηρέστησαν ἐν τῷ λ. –
— 18. εἶπον ὁ λ. οἱ ἄρχοντες [A οἱ ἄ. τοῦ λ.] Γ. (14)
11. 11. ἔθηκαν αὐτὸν ὁ λ. ἐπ' αὐτούς (14)
— 20. συνῆξε Σ. πάντα τὸν λ. αὐτοῦ (14)
— 21. παρέδωκε κ. ὁ θεὸς . . . πάντα τὸν λ. αὐτοῦ (14)
— 23. ἀπὸ προσώπου [A ἐκ πρ. τοῦ] λαοῦ αὐ. Ἰσ. (14)
12. 2. ἐγὼ καὶ ὁ λ. μου (14)
14. 3. μὴ . . . ἐκ παντὸς τοῦ λ. [A ἐν παντὶ τῷ λ.] μου γυνή (14)
— 16. ὃ προεβάλου τοῖς υἱοῖς τοῦ λ. μου (14)
— 17. ἀπήγγειλε τοῖς υἱοῖς τοῦ λ. αὐ. (14)
16. 24. εἶδαν αὐτὸν ὁ λ. (14)
— 30. ἔπεσεν ὁ οἶκος . . . ἐπὶ πάντα τὸν λ. (14)
18. 7. εἶδαν τὸν λ. τὸν ἐν μέσῳ αὐτῆς [A *al.*] (14)
— 9. A εἴδομεν τὸν λ. †
— 10. εἰσελεύσεσθε πρὸς λαόν [A *al.*] (14)
— 20. ἦλθεν ἐν μέσῳ τοῦ λ. (14)
— 22. A οἱ ἄνδρες ὁ λ. οἱ ὄντες ἐν τοῖς οἴκοις [B *al.*] (3)
— 27. ἦλθον . . . ἐπὶ λ. ἡσυχάζοντα (14)
20. 2. A ἔστη τὸ κλίμα παντὸς τοῦ λ. [B *al.*] (14)
— 2. ἐν ἐκκλησίᾳ τοῦ λ. τοῦ θεοῦ (14)
— 8. ἀνέστη πᾶς ὁ λ. (14)
— 10. A λαβεῖν ἐπισιτισμὸν τῷ λ. [B *al.*] (14)
— 16. ἐκλεκτοὶ ἐκ παντὸς λ. [A *al.*] (14)
— 25. A διέφθειρεν ἐκ τοῦ λ. [B *al.*] †
— 26. ἀνέβησαν πάντες . . . καὶ πᾶς ὁ λ. (14)
— 31. ἐξῆλθον . . . εἰς συνάντησιν τοῦ λ. [A *al.*] (14)
— 31. πατάσσειν ἀπὸ τοῦ λ. τραυματίας [A *al.*] (14)
21. 2. ἦλθεν ὁ λ. εἰς B. [A *al.*] (14)
— 4. ὤρθρισεν ὁ λ. (14)
— 9. ἐπεσκέπη [A ἀπεσκόπει] ὁ λ. (14)
— 10. A καὶ τὰς γυναῖκας καὶ τὸν λ. (8)
— 15. ὁ λ. παρεκλήθη ἐπὶ τῷ B. (14)
Ru. 1. 6. ἐπέσκεπται κύριος τὸν λ. αὐ. (14)
— 10. ἐπιστρέφομεν εἰς τὸν λ. σου (14)
— 14. ἐπέστρεψεν εἰς τὸν λ. αὐτῆς †
— 15. ἀνέστρεψε . . . πρὸς λαὸν αὐτῆς (14)
— 16. ὁ λ. σου λαός μου (14, 14)
Ru. 2. 11. καὶ ἐπορεύθης πρὸς λαόν (14)
3. 11. οἶδε γὰρ πᾶσα φυλὴ λαοῦ μου (14)
4. 4. ἐναντίον τῶν πρεσβυτέρων τοῦ λ. μου (14)
— 9. εἶπε B. . . . παντὶ τῷ λ. (14)
— 10. καὶ ἐκ τῆς φυλῆς λαοῦ [A τοῦ λ.] αὐ. (11)
— 11. εἶπόσαν πᾶς ὁ λ. (14)
I Ki. 2. 8. καθίσαι [A *add.* αὐτὸν] μετὰ δυνασ-τῶν λαῶν –
— 13. τὸ δικαίωμα τοῦ ἱερέως παρὰ τοῦ λ. (14)
— 23. ἐκ στόματος παντὸς [A *om.*] τοῦ λ. κυρίου (14)
— 24. τοῦ μὴ δουλεύειν λαὸν θεῷ (14)
4. 3. ἦλθεν ὁ λ. εἰς τὴν παρεμβολήν (14)
— 4. ἀπέστειλεν ὁ λ. εἰς Σ. (14)
— 17. ἐγένετο πληγὴ μεγάλη ἐν τῷ λ. (14)
5. 10. θανατῶσαι ἡμᾶς καὶ τὸν λ. ἡμῶν (14)
— 11. οὐ μὴ θανατώσῃ ἡμᾶς καὶ τὸν λ. ἡ. (14)
6. 5 (4). πταῖσμα ἐν ὑμῖν . . . καὶ τῷ λ. –
— 19. ἐπένθησεν ὁ λ. (14)
— 19. ἐπάταξε κύριος ἐν τῷ λ. (14)
7. 9. ἀνήνεγκεν αὐτὸν . . . σὺν παντὶ τῷ λ. †
8. 7. ἄκουε τῆς φωνῆς τοῦ λ. (14)
— 10. εἶπε Σ. . . . πρὸς τὸν λ. (14)
— 19. οὐκ ἐβούλετο ὁ λ. ἀκοῦσαι τοῦ Σ. (14)
— 21. ἤκουσε Σ. πάντας τοὺς λόγους τοῦ λ. (14)
9. 9. τὸν προφήτην ἐκάλει ὁ λ. ἔμπροσθεν Ὁ βλέπων –
— 12. θυσία σήμερον τῷ λ. (14)
— 13. οὐ μὴ φάγῃ ὁ λ. (14)
— 16. εἰς ἄρχοντα ἐπὶ τὸν λ. μου Ἰσρ. (14)
— 16. σώσει τὸν λ. μου (14)
— 16. ἐπέβλεψα ἐπὶ τὴν ταπείνωσιν τοῦ λ. μου (14)
— 17. οὗτος ἄρξει ἐν τῷ λ. μου (14)
10. 1. εἰς ἄρχοντα ἐπὶ τὸν λ. αὐτοῦ †
— 1. σὺ ἄρξεις ἐν [A *om.*] λαῷ κυρίου –
— 11. καὶ εἶπεν ὁ λ. (14)
— 17. παρήγγειλε Σαμ. παντὶ τῷ λ. (14)
— 23. κατέστησεν ἐν μέσῳ τοῦ λ. (14)
— 23. ὑψώθη ὑπὲρ πάντα τὸν λ. (14)
— 24. εἶπε Σ. πρὸς πάντα τὸν λ. (14)
— 24. ἔγνωσαν πᾶς ὁ λ. (14)
— 25. εἶπε Σ. πρὸς τὸν λ. (14)
— 25. ἐξαπέστειλε Σ. πάντα τὸν λ. (14)
11. 4. λαλοῦσι τοὺς λόγους εἰς τὰ ὦτα τοῦ λ. (14)
— 4. ἦραν πᾶς ὁ λ. τὴν φωνὴν αὐτῶν (14)
— 5. τί ὅτι κλαίει ὁ λ. (14)
— 7. ἐπῆλθεν ἔκστασις κυρίου ἐπὶ τὸν λ. Ἰσρ. (14)
— 11. ἔθετο Σ. τὸν λ. εἰς τρεῖς ἀρχάς (14)
— 12. εἶπεν ὁ λ. πρὸς Σαμ. (14)
— 14. εἶπε Σαμ. πρὸς τὸν λ. (14)
— 15. ἐπορεύθη πᾶς ὁ λ. εἰς Γ. (14)
12. 5. εἶπε Σαμ. πρὸς τὸν λ. †
— 6. εἶπε Σαμ. πρὸς τὸν λ. (14)
— 18. B ἐφοβήθησαν πᾶς ὁ λ. τὸν κ. σφόδρα (14)
— 19. B εἶπαν πᾶς ὁ λ. πρὸς Σαμ. (14)
— 20. B εἶπε Σαμ. πρὸς τὸν λ. (14)
— 22. B οὐκ ἀπώσεται κύριος τὸν λ. αὐ. (14)
— 22. B προσελάβετο ὑμᾶς αὐτῷ εἰς λαόν (14)
13. 2. B τὸ κατάλοιπον τοῦ λ. ἐξαπέστειλεν (14)
— 5. B ἀναβαίνουσιν . . . λαὸς ὡς ἡ ἄμμος (14)
— 6. B ἐκρύβη ὁ λ. ἐν τοῖς σπηλαίοις (14)
— 7. B πᾶς ὁ λ. ἐξέστη ὀπίσω αὐτοῦ (14)
— 8. B διεσπάρη ὁ λ. αὐ. ἀπ' αὐτοῦ (14)
— 11. B ὡς διεσπάρη ὁ λ. ἀπ' ἐμοῦ (14)
— 14. B εἰς ἄρχοντα ἐπὶ τὸν λ. αὐτοῦ (14)
— 15. B τὸ κατάλειμμα τοῦ λ. ἀνέβη . . . ὀπίσω τοῦ λ. τοῦ πολεμιστοῦ –, –
— 15. B ἐπεσκέψατο Σ. τὸν λ. (14)
— 16. B ὁ λ. . . . ἐκάθισαν ἐν Γ. (14)
— 22. B ἐν χειρὶ παντὸς τοῦ λ. τοῦ μετὰ Σ. (14)
14. 3. B ὁ λ. οὐκ ᾔδει (14)
— 15. πᾶς ὁ λ. . . . ἐξέστησαν (14)
— 17. εἶπε Σ. τῷ λ. τῷ μετ' αὐτοῦ (14)
— 20. Σ. καὶ πᾶς ὁ λ. ὁ μετ' αὐτοῦ (14)
— 22 (23). πᾶς ὁ λ. ἦν μετὰ Σ. –
— 24. ἀρᾶται τῷ λ. (14)
— 24. οὐκ ἐγεύσατο πᾶς ὁ λ. ἄρτου (14)
— 26. εἰσῆλθεν ὁ λ. εἰς τὸν μελισσῶνα (14)
— 26. ἐφοβήθη ὁ λ. τὸν ὅρκον κυρίου (14)
— 27. ἐν τῷ ὁρκίζειν τὸν πατέρα αὐ. τὸν λ. (14)
— 28. ἀπεκρίθη εἷς ἐκ τοῦ λ. (14)
— 28. ὁρκίσας ὥρκισε τὸν λ. [A τῷ λ.] (14)
— 28. ἐξελύθη ὁ λ. (14)
— 30. ἔφαγεν ἔσθων σήμερον ὁ λ. (14)
— 31. ἐκοπίασεν ὁ λ. σφόδρα (14)

I Ki. 14. 32. ἐκλίθη ὁ λ. εἰς τὰ σκῦλα (14)
— 32. ἔλαβεν ὁ λ. ποίμνια –
— 32. ἤσθιεν ὁ λ. σὺν τῷ αἵματι (14)
— 33. ἡμάρτηκεν ὁ λ. τῷ κυρίῳ (14)
— 34. διασπάρητε ἐν τῷ λ. (14)
— 34. προσῆγε πᾶς ὁ λ. (14)
— 39. οὐκ ἦν ὁ ἀποκρινόμ. ἐκ παντὸς τοῦ λ. (14)
— 40. εἶπεν ὁ λ. πρὸς Σ. (14)
— 41. δὸς δὴ τῷ λ. σου [A al.] –
— 41. ὁ λ. ἐξῆλθε (14)
— 42. εἶπεν ὁ λ. πρὸς Σ. –
— 42. κατεκράτησε Σ. τοῦ λ. –
— 45. εἶπεν ὁ λ. πρὸς Σ. (14)
— 45. ὁ λ. τοῦ θεοῦ ἐποίησε τὴν ἡμ. ταύτην †
— 45. προσηύξατο ὁ λ. περὶ Ἰων. (14)
15. 1. εἰς βασιλέα [A add. ἐπὶ τὸν λ. αὐ.] ἐπὶ Ἰσρ. (14)
— 4. παρήγγειλε Σ. τῷ λ. (14)
— 8. πάντα τὸν λ. [A add. ἐξωλέθρευσεν] ἰ. ἀπέκτεινεν (14)
— 9. Σαοὺλ καὶ πᾶς ὁ λ. (14)
— 15. ἃ περιεποιήσατο ὁ λ. (14)
— 20. διὰ τὸ ἀκοῦσαί με τῆς φωνῆς τοῦ λ. †
— 21. ἔλαβεν ὁ λ. τῶν σκύλων ποίμνια (14)
— 24. ἐφοβήθην τὸν λ. (14)
— 30. ἐνώπιον πρεσβυτέρων Ἰσρ. [A λαοῦ μου] καὶ ἐνώπιον λαοῦ μου [A Ἰσρ.] (14, †)
17. 27. A εἶπεν αὐτῷ ὁ λ. (14)
— 30. A ἀπεκρίθη αὐτῷ ὁ λ. (14)
18. 5. A ἤρεσεν ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς τοῦ λ. (14)
— 13. εἰσεπορεύετο ἔμπροσθεν τοῦ λ. (14)
— 16. ἐξεπορεύετο πρὸ προσώπου τοῦ λ. †
23. 8. παρήγγειλε Σ. παντὶ τῷ λ. (14)
24. 10. ἵνα τί ἀκούεις τῶν λόγων τοῦ λ. (1)
26. 5. καὶ ὁ λ. παρεμβεβληκὼς κύκλῳ αὐτοῦ (14)
— 7. εἰσπορεύεται Δ. . . . εἰς τὸν λ. (14)
— 7. ὁ λ. αὐ. ἐκάθευδε κύκλῳ αὐτοῦ (14)
— 14. προσεκαλέσατο Δ. τὸν λ. (14)
— 15. εἰσῆλθεν εἷς ἐκ τοῦ λ. (14)
27. 12. ᾔσχυνται αἰσχυνόμενος ἐν τῷ λ. αὐ. (14)
30. 6. εἶπεν ὁ λ. λιθοβολῆσαι αὐτόν (14)
— 6. κατώδυνος ψυχὴ παντὸς τοῦ λ. (14)
— 21. εἰς ἀπάντησιν τοῦ λ. τοῦ μετ' αὐτοῦ (14)
— 21. προσήγαγε Δ. ἕως τοῦ λ. (14)
31. 9. εὐαγγελίζοντες . . . τῷ λ. [A add. αὐτῶν] (14)
II Ki. 1. 2. ἀνὴρ ἦλθεν [A om.] . . . ἐκ τοῦ λ. Σ. †
— 4. B ἔφυγεν ὁ λ. ἐκ τοῦ πολέμου (14)
— 4. πεπτώκασι πολλοὶ ἐκ τοῦ λ. (14)
— 12. ἔκλαυσαν . . . ἐπὶ τὸν λ. Ἰούδα (14)
2. 26. ἕως πότε οὐ μὴ εἴπῃς τῷ λ. (14)
— 27. ἀνέβη ὁ λ. (14)
— 28. ἀπέστησαν πᾶς ὁ λ. (14)
— 30. συνήθροισε πάντα τὸν λ. (14)
3. 31. εἶπε Δ. . . . πρὸς πάντα τὸν λ. (14)
— 32. ἔκλαυσε πᾶς ὁ λ. ἐπὶ Ἀβ. (14)
— 34. συνήχθη πᾶς ὁ λ. τοῦ κλαῦσαι αὐτόν (14)
— 35. ἦλθε πᾶς ὁ λ. (14)
— 36. ἔγνω πᾶς ὁ λ. (14)
— 36. ὅσα ἐποίησεν ὁ βασ. ἐνώπιον τοῦ λ. (14)
— 37. ἔγνω πᾶς ὁ λ. (14)
5. 2. σὺ ποιμανεῖς [A -αίνεις] τὸν λ. μου (14)
— 2. R εἰς ἡγούμενον ἐπὶ τὸν λ. μου [A B om. λ. μ.] Ἰσρ. –
— 12. ἐπήρθη ἡ βασ. αὐ. διὰ τὸν λ. αὐ. (14)
6. 2. ἐπορεύθη Δ. καὶ πᾶς ὁ λ. (14)
— 18. εὐλόγησε τὸν λ. (14)
— 19. διεμέρισε παντὶ τῷ λ. (14)
— 19. ἀπῆλθε πᾶς ὁ λ. (14)
— 21. καταστῆσαί με εἰς ἡγούμενον ἐπὶ τὸν λ. αὐ. (14)
7. 7. ᾧ ἐνετειλάμην ποιμαίνειν τὸν λ. μου Ἰσρ. (14)
— 8. εἰς ἡγούμενον ἐπὶ τὸν λ. μου [A om. ἐ. τ. λ. μ.] ἐπὶ τὸν Ἰσρ. (14)
— 10. θήσομαι τόπον τῷ λ. μου (14)
— 11. ὧν ἔταξα κριτὰς ἐπὶ τὸν λ. μου Ἰσρ. (14)
— 23. τίς ὡς λαός σου Ἰσρ. (14)
— 23. τοῦ λυτρώσασθαι αὐτῷ λαόν (14)
— 23. τοῦ ἐκβαλεῖν σε ἐκ προσώπου τοῦ λ. σου (14)
— 24. ἡτοίμασας σεαυτῷ τὸν λ. σου Ἰσρ. λαὸν ἕως αἰῶνος (14, 14)
8. 15. ἦν Δ. ποιῶν κρίμα . . . ἐπὶ πάντα τὸν λ. αὐ. (14)
10. 6. κατῃσχύνθησαν ὁ λ. [A add. ἐν] Δ. –
— 10. τὸ κατάλοιπον τοῦ λ. ἔδωκεν ἐν χειρὶ Ἀβ. (14)
— 12. κραταιωθῶμεν ὑπὲρ τοῦ λ. ἡμῶν (14)
II Ki. 10. 13. προσῆλθεν Ἰ. καὶ ὁ λ. αὐτοῦ (14)
11. 7. ἐπηρώτησε Δ. . . . εἰς εἰρήνην τοῦ λ. (14)
— 17. ἔπεσαν ἐκ τοῦ λ. (14)
12. 28. καὶ νῦν συνάγαγε τὸ κατάλοιπον τοῦ λ. (14)
— 29. συνήγαγε Δ. πάντα τὸν λ. (14)
— 31. τὸν λ. τὸν ὄντα [A om.] ἐν αὐτῇ ἐξήγαγε (14)
— 31. ἐπέστρεψε Δ. καὶ πᾶς ὁ λ. (14)
13. 34. λ. πολὺς πορευόμενος ἐν τῇ ὁδῷ (14)
14. 13. ἵνα τί ἐλογίσω τοιοῦτο ἐπὶ λαὸν θεοῦ (14)
— 15. ὄψεταί με ὁ λ. (14)
— 15. A B ἐρεῖ ὁ λ. [R ἡ δούλη] σου †
15. 12. ὁ λ. ὁ [A om.] πορευόμ. καὶ πολὺς μετὰ Ἀβ. (14)
— 18. B πᾶς ὁ λ. παρεπορεύετο –
— 23. πᾶς ὁ λ. παρεπορεύοντο (14)
— 23. πᾶς ὁ λ. καὶ ὁ βασ. [A om. κ. ὁ β.] παρεπορεύοντο (14)
— 24. ἕως ἐπαύσατο πᾶς ὁ λ. παρελθεῖν (14)
— 30. καὶ πᾶς ὁ λ. ὁ [A οἱ] μετ' αὐτοῦ (14)
16. 6. πᾶς ὁ λ. ἦν [A om.] . . . ἐκ δεξιῶν αὐ. (14)
— 14. ἦλθεν ὁ βασ. καὶ πᾶς ὁ λ. αὐ. [A al.] (14)
— 15. A Ἀβ. καὶ πᾶς ὁ λ. [B π. ἀνὴρ] Ἰσρ. εἰσῆλθεν εἰς Ἱερ. (14)
— 18. οὗ ἐξελέξατο κ. καὶ ὁ λ. οὗτος (14)
17. 2. φεύξεται πᾶς ὁ λ. (14)
— 3. ἐπιστρέψω πάντα τὸν λ. πρὸς σέ (14)
— 3. B παντὶ τῷ λ. ἔσται ἐν εἰρήνῃ [AR ἔ. εἰρήνη] (14)
— 8. οὐ μὴ καταλύσῃ τὸν λ. (14)
— 9. ἐγενήθη θραῦσις ἐν τῷ λ. (14)
— 16. μή ποτε καταπείσῃ [A -πίῃ] . . . πάντα [A om.] τὸν λ. (14)
— 22. ἀνέστη Δ. καὶ πᾶς ὁ λ. (14)
— 29. προσήνεγκαν . . . τῷ λ. (14)
— 29. ὁ λ. πεινῶν καὶ ἐκλελυμένος (14)
18. 1. ἐπεσκέψατο Δ. τὸν λ. (14)
— 2. ἀπέστειλε Δ. τὸν λ. (14)
— 2. εἶπε Δ. πρὸς τὸν λ. (14)
— 4. πᾶς ὁ λ. ἐξεπορεύετο (14)
— 5. B πᾶς ὁ λ. ἤκουσεν (14)
— 6. ἐξῆλθε πᾶς ὁ λ. (14)
— 7. ἔπταισεν ἐκεῖ [A add. πᾶς] ὁ λ. Ἰσρ. (14)
— 8. τοῦ καταφαγεῖν ἐκ τοῦ λ. ὑπὲρ οὗς κατέφαγεν ἐν τῷ λ. [A om. ἐν τ. λ.] (14, –)
— 16. ἀπέστρεψεν ὁ λ. (14)
— 16. ἐφείδετο Ἰ. τοῦ λ. (14)
19. 2 (3). ἐγένετο . . . εἰς πένθος παντὶ τῷ λ. (14)
— 2 (3). ἤκουσεν ὁ λ. (14)
— 3 (4). διεκλέπτετο ὁ λ. (14)
— 3 (4). καθὼς διακλέπτεται ὁ λ. (14)
— 8 (9). πᾶς ὁ λ. ἀνήγγειλαν (14)
— 8 (9). εἰσῆλθε πᾶς ὁ λ. (14)
— 9 (10). ἦν πᾶς ὁ λ. κρινόμενος (14)
— 39 (40). διέβη πᾶς ὁ λ. τὸν Ἰορδ. (14)
— 40 (41). A διέβη πᾶς ὁ λ. [B δ. ὁ βασ.] εἰς Γ. †
— 40 (41). καὶ πᾶς ὁ λ. Ἰ. διαβαίνοντες . . . καί γε τὸ ἥμισυ τοῦ λ. Ἰσρ. (14, 14)
20. 12. εἱστήκει πᾶς ὁ λ. (14)
— 15. πᾶς ὁ λ. . . . ἐνοοῦσαν καταβαλεῖν τὸ τεῖχος (14)
— 22. εἰσῆλθεν ἡ γυνὴ πρὸς πάντα τὸν λ. (14)
22. 28. τὸν λ. τὸν πτωχὸν σώσεις (14)
— 44. ῥύσῃ με ἐκ μάχης λαῶν (14)
— 44. λαὸς ὃν οὐκ ἔγνων ἐδούλευσάν [A -έν] μοι (14)
— 48. παιδεύων λαοὺς ὑποκάτω μου (14)
23. 10. ὁ λ. ἐκάθητο ὀπίσω αὐτοῦ (14)
— 11. ὁ λ. ἔφυγεν ἐκ προσώπου ἀλλοφύλων (14)
24. 2. ἐπίσκεψαι τὸν λ. (14)
— 2. γνώσομαι τὸν ἀριθμὸν τοῦ λ. (14)
— 3. προσθείη κ. ὁ θ. πρὸς τὸν λ. (14)
— 4. ἐπισκέψασθαι τὸν λ. Ἰσρ. (14)
— 9. τὸν ἀριθμὸν τῆς ἐπισκέψεως τοῦ λ. (14)
— 10. μετὰ τὸ ἀριθμῆσαι τὸν λ. (14)
— 15. ἤρξατο ἡ θραῦσις ἐν τῷ λ. –
— 15. ἀπέθανεν ἐκ τοῦ λ. (14)
— 16. τῷ ἀγγέλῳ τῷ διαφθείροντι ἐν τῷ λ. (14)
— 17. τὸν ἄγγελον τὸν τύπτοντα ἐν τῷ λ. (14)
— 21. συνεσχέθη ἡ θραῦσις ἐπάνω τοῦ λ. (14)
III Ki. 1. 39. εἶπε πᾶς ὁ λ. (14)
— 40. ἀνέβη πᾶς ὁ λ. ὀπίσω αὐτοῦ (14)
3. 1 (cf. 5. 16 [30]). ἐπιστάται τοῦ λ. [A τῷ λ.] (14)
— 2. ὁ λ. ἦσαν [A om. ὁ λ. ἦ.] θυμιῶντες (14)
— 8. ἐν μέσῳ τοῦ λ. σου ὃν ἐξελέξω λ. πολύν (14, 14)
— 9. διακρίνειν τὸν λ. σου ἐν δικαιοσύνῃ (14)
— 9. κρίνειν τὸν λ. σου τὸν βαρὺν τοῦτον (14)
III Ki. 4. 34 (5. 14). παρεγίνοντο πάντες οἱ λ. (14)
5. 7 (21). υἱὸν φρόνιμον ἐπὶ τὸν λ. τὸν πολὺν τοῦτον (14)
— 16 (30). A ἐπιστάται τοῦ λ. [B om. τ. λ.] (14)
6. 13. A οὐκ ἐγκαταλείψω τὸν λ. μου Ἰσρ. (14)
8. 16. ἐξήγαγον τὸν λ. μου (14)
— 16. τοῦ εἶναι ἐπὶ [A om.] τὸν λ. μου τὸν Ἰσρ. (14)
— 30. εἰσακούσῃ τῆς δεήσεως . . . τοῦ λ. σου [A al.] (14)
— 32. κρινεῖς τὸν λ. σου (13)
— 33. ἐν τῷ πταῖσαι τὸν λ. σου Ἰσρ. (14)
— 34. AB¹ ἵλεως ἔσῃ ταῖς ἁμαρτίαις τοῦ δούλου [B²R λαοῦ] σου (14)
— 36. A ἵλεως ἔσῃ ταῖς ἁμαρτίαις τοῦ λ. [B δούλου] σου καὶ τοῦ λ. σου Ἰσρ. (13, 14)
— 36. ἣν ἔδωκας τῷ λ. σου (14)
— 38. A παντὶ ἀνθρώπῳ παντὸς λ. σου [B om. π. λ. σ.] (14)
— 41. ὃς οὐκ ἔστιν ἀπὸ λαοῦ σου (14)
— 43. ὅπως γνῶσι πάντες οἱ λ. (14)
— 43. καθὼς ὁ λ. σου Ἰσρ. (14)
— 44. ἐξελεύσεται ὁ λ. σου εἰς πόλεμον (14)
— 51. λαός σου καὶ κληρονομία σου (14)
— 52. εἰς τὴν δέησιν τοῦ λ. σου Ἰσρ. (14)
— 53. ἐκ πάντων τῶν λ. τῆς γῆς (14)
— 56. ὃς ἔδωκε κατάπαυσιν τῷ λ. αὐ. (14)
— 59. AR καὶ τὸ δικαίωμα λαοῦ (14)
— 60. ὅπως γνῶσι πάντες οἱ λ. τῆς γῆς (14)
— 66. ἐξαπέστειλε τὸν λ. (14)
— 66. οἷς ἐποίησε κύριος . . . τῷ Ἰσρ. λαῷ αὐτοῦ (14)
9. 7. εἰς λάλημα εἰς πάντας τοὺς λ. (14)
— 23. A πεντακόσιοι ἐπικρατοῦντες ἐν τῷ λ. (14)
10. 22 (B), 9. 20 (A). B πάντα τὸν λ. τὸν ὑποδεδειγμ. [A R -λελειμμ.] (14)
12. 3. ἐλάλησεν ὁ λ. πρὸς τὸν βασ. Ῥ. (16?)
— 6. πῶς . . . ἀποκριθῶ τῷ λ. τούτῳ λόγον (14)
— 7. εἰ . . . ἔσῃ δοῦλος τῷ λ. τούτῳ (14)
— 9. τί ἀποκριθῶ τῷ λ. τούτῳ (14)
— 10. τάδε λαλήσεις τῷ λ. τούτῳ (14)
— 13. ἀπεκρίθη ὁ βασ. πρὸς τὸν λ. σκληρά (14)
— 15. οὐκ ἤκουσεν ὁ βασ. τοῦ λ. (14)
— 16. ἀπεκρίθη ὁ λ. τῷ βασ. [A add. λόγον] (14)
— 23. εἰπὸν . . . τῷ καταλοίπῳ τοῦ λ. (14)
— 24. B εἶπεν ὁ λ. πρὸς Ῥ. –
— 24. B εἶπεν Ἱερ. πρὸς τὸν λ. –
— 24. B τί ἀποκριθῶ τῷ λ. ῥῆμα –
— 24. B καθὼς ἀπέστειλεν ὁ λ. πρὸς αὐτόν –
— 24. B εἶπον οἱ πρεσβύτεροι τοῦ λ. –
— 24. B οὕτως ἐλάλησε πρὸς σὲ ὁ λ. –
— 24. B ταῦτα ἀπέστειλεν ὁ λ. πρὸς μὲ λέγων –
— 24. B οὕτως λαλήσεις πρὸς τὸν λ. –
— 24. B ἀπεκρίθη τῷ λ. –
— 24. B εἶπε πᾶς ὁ λ. –
— 24. B διεσπάρη πᾶς ὁ λ. ἐκ Σ. –
— 24. B εἰπὸν . . . πρὸς τὸ κατάλειμμα τοῦ λ. –
— 27. ἐὰν ἀναβῇ ὁ λ. οὗτος (14)
— 27. ἐπιστραφήσεται καρδία τοῦ [A om.] λ. (14)
— 28. εἶπε πρὸς τὸν λ. †
— 30. ἐπορεύετο ὁ λ. πρὸ προσώπου τῆς μιᾶς (14)
— 31. ἐποίησεν ἱερεῖς μέρος τι ἐκ τοῦ λ. (14)
13. 33. ἐποίησεν ἐκ μέρους τοῦ λ. ἱερεῖς (14)
14. 2. A τοῦ βασιλεῦσαι ἐπὶ τὸν λ. τούτον (14)
— 7. A ὕψωσά σε ἀπὸ μέσου λαοῦ (14)
— 7. A ἔδωκά σε ἡγούμενον ἐπὶ τὸν λ. μου Ἰσρ. (14)
15. 22. A παρήγγειλε παντὶ τῷ λ. [B om. τ. λ.] Ἰούδα –
16. 2. ἔδωκά σε ἡγούμενον ἐπὶ τὸν λ. [A δοῦλόν] μου Ἰσρ. (14)
— 2. ἐξήμαρτες τὸν λ. μου τὸν Ἰσρ. (14)
— 16. ἤκουσεν ὁ λ. . . . λεγόντων (14)
— 21. μερίζεται ὁ λ. Ἰσρ. (14)
— 21. ἥμισυ τοῦ λ. γίνεται ὀπίσω Θ. (14)
— 21. τὸ ἥμισυ τοῦ λ. γίνεται ὀπίσω Ζ. –
— 22. A ὑπερίσχυσεν ὁ λ. ὁ ἀκολουθῶν τῷ Ζ. (14)
— 22. A ἠττήθη [B om.] ὁ λ. ὁ ὢν ὀπίσω Θ. (14?)
— 22. B ὑπερεκράτησε τὸν λ. τὸν ὀπίσω Θ. (14)
18. 21. A προσήγαγεν Ἠ. πρὸς πάντα τὸν λ. [B πάντας] (14)
— 21. οὐκ ἀπεκρίθη ὁ λ. [A add. αὐτῷ] λόγον (14)
— 22. εἶπεν Ἠ. πρὸς τὸν λ. (14)
— 24. ἀπεκρίθησαν πᾶς ὁ λ. (14)
— 30. εἶπεν Ἠ. πρὸς τὸν λ. (14)
— 30. προσήγαγε πᾶς ὁ λ. πρὸς αὐτόν (14)
— 36. γνώτωσαν πᾶς ὁ λ. οὗτος [A π. ὁ λ. οὗ.] –
— 37. γνώτω [A -ωσαν] ὁ λ. (14)
— 37. ἔστρεψας τὴν καρδίαν τοῦ λ. τούτου †

III Ki. 18. 39. ἔπεσε πᾶς ὁ λ. [A *al.*] (14)
— 40. εἶπεν Ἠ. πρὸς τὸν λ. †
19. 21. καὶ ἔδωκε τῷ λ. (14)
20 (21). 9. καθίσατε τὸν Ναβ. ἐν ἀρχῇ τοῦ λ. (14)
— 12. A ἐκάθισαν τὸν N. ἐν κεφαλῇ [R ἀρχῇ] τοῦ λ. (14)
— 13. A κατέναντι τοῦ λ. (14)
21 (20). 8. εἶπαν αὐτῷ οἱ πρεσβύτ. καὶ πᾶς ὁ λ. (14)
— 10. εἰ ἐκποιήσει . . . παντὶ τῷ λ. τοῖς πεζοῖς μου (14)
— 15. ἐπεσκέψατο [A *add.* σύμπαντα] τὸν λ. (14)
— 42. καὶ ὁ λ. σου ἀντὶ τοῦ λ. αὐτοῦ (14, 14)
22. 5 (4). καθὼς ὁ λ. μου ὁ λ. σου (14, 14)
— 28. A ἀκούσατε λ. πάντες (14)
— 44. ἔτι ὁ λ. ἐθυσίαζεν (14)
IV Ki. 3. 7. ὡς ὁ λ. μου ὁ λ. σου (14, 14)
4. 13. ἐν μέσῳ τοῦ λ. [A *add.* μου] ἐγὼ εἰμι οἰκῶ (14)
— 41. ἔγχει τῷ λ. (14)
— 42. δότε τῷ λ. (14)
— 43. δὸς τῷ λ. (14)
6. 30. εἶδεν ὁ λ. τὸν σάκκον (14)
7. 16. ἐξῆλθεν ὁ λ. (14)
— 17, 20. συνεπάτησεν αὐτὸν ὁ λ. (14)
8. 21. ἔφυγεν ὁ λ. εἰς τὰ σκηνώματα αὐ. (14)
9. 6. εἰς βασιλέα ἐπὶ λαὸν [A τὸν λ.] κυρίου (14)
10. 9. εἶπε πρὸς πάντα τὸν λ. (14)
— 18. A B ἐζήλωσεν [R συνήθροισεν] Ἐιοὺ πάντα τὸν λ. (14)
11. 13. ἤκουσε Γ. τὴν φωνὴν τῶν τρεχόντων τοῦ λ. (14)
— 13. εἰσῆλθε πρὸς τὸν λ. (14)
— 14. καὶ πᾶς ὁ λ. τῆς γῆς χαίρων (14)
— 17. ἀνὰ μέσον τοῦ βασ. καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ λ. (14)
— 17. τοῦ εἶναι εἰς λαὸν τῷ κυρίῳ (14)
— 17. ἀνὰ μέσον τοῦ βασ. καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ λ. (14)
— 18. εἰσῆλθε πᾶς ὁ λ. τῆς γῆς (14)
— 19. ἔλαβε . . . πάντα τὸν λ. τῆς γῆς (14)
— 20. ἐχάρη πᾶς ὁ λ. τῆς γῆς (14)
12. 3 (4). ἔτι ὁ λ. ἐθυσίαζε (14)
— 8 (9). τοῦ μὴ λαβεῖν ἀργύριον παρὰ τοῦ λ. (14)
13. 7. οὐχ ὑπελείφθη τῷ Ἰ. λαός (14)
14. 4. ὁ λ. ἐθυσίαζε (14)
— 21. ἔλαβε πᾶς ὁ λ. Ἰ. τὸν Ἀζ. (14)
15. 4. ὁ λ. ἐθυσίαζε (14)
— 5. κρίνων [A κρίνειν] τὸν λ. τῆς γῆς (14)
— 10. A ἐπάταξαν αὐτὸν κατέναντι τοῦ λ. [B αὐ. κεβλαάμ] (14)
— 35. ὁ λ. ἐθυσίαζεν (14)
16. 15. καὶ τὴν ὁλοκαύτωσιν παντὸς [A *om.*] τοῦ λ. (14)
18. 26. ἐν τοῖς ὠσὶ τοῦ λ. (14)
20. 5. πρὸς Ἐζ. τὸν ἡγούμενον τοῦ λ. μου [A *om.*] (14)
21. 24. ἐπάταξεν ὁ [A πᾶς ὁ] λ. τῆς γῆς πάντας (14)
— 24. ἐβασίλευσεν ὁ λ. τῆς γῆς τὸν Ἰωσ. (14)
22. 4. ὃ συνήγαγον . . . παρὰ τοῦ λ. (14)
— 13. περὶ ἐμοῦ καὶ περὶ παντὸς τοῦ λ. (14)
23. 2. καὶ πᾶς ὁ λ. [A *add.* μετ' αὐτοῦ] (14)
— 3. ἔστη πᾶς ὁ λ. ἐν τῇ διαθήκῃ (14)
— 6. εἰς τὸν τάφον τῶν υἱῶν τοῦ λ. (14)
— 21. ἐνετείλατο ὁ βασ. παντὶ τῷ λ. (14)
— 30. ἔλαβεν ὁ λ. τῆς γῆς τὸν Ἰω. (14)
— 35. ἔδωκαν . . . τὸ χρυσίον μετὰ τοῦ λ. τῆς γῆς (14)
25. 3. οὐκ ἦσαν ἄρτοι τῷ λ. τῆς γῆς (14)
— 11. τὸ περισσὸν τοῦ λ. τὸ καταλειφθέν (14)
— 19. τὸν ἐκτάσσοντα τὸν λ. τῆς γῆς (14)
— 19. ἑξήκοντα ἄνδρας τοῦ λ. τῆς γῆς (14)
— 22. ὁ λ. ὁ καταλειφθεὶς ἐν τῇ γῇ Ἰ. [A *al.*] (14)
— 26. ἀνέστη πᾶς ὁ λ. (14)
I Ch. 5. 25. B ἐπόρνευσαν ὀπίσω θεῶν λαῶν [A R τῶν θ.] τῆς γῆς (14)
10. 9. τοῦ εὐαγγελίσασθαι . . . τῷ λ. (14)
11. 2. σὺ ποιμανεῖς τὸν λ. μου τὸν Ἰσρ. (14)
— 13. ὁ λ. ἔφυγεν ἀπὸ προσώπου ἀλλοφύλων (14)
12. 18. πορεύου καὶ ὁ [S *om.*] λ. σου †
13. 4. ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς τοῦ λ. (14)
14. 2. ηὐξήθη . . . διὰ τὸν λ. αὐ. Ἰσρ. (14)
16. 2. εὐλόγησε τὸν λ. ἐν ὀνόματι κυρίου (14)
— 8. γνωρίσατε ἐν λαοῖς τὰ ἐπιτηδεύμ. αὐ. (14)
— 20. καὶ ἀπὸ βασιλείας εἰς λ. ἕτερον (14)
— 24. R ἐξηγείσθε . . . ἐν πᾶσι τοῖς λ. τὰ θαυμάσια αὐ. (14)
— 36. καὶ ἐρεῖ πᾶς ὁ λ., Ἀμήν (14)
— 43. ἐπορεύθη ἅπας ὁ λ. (14)
17. 6. τοῦ ποιμαίνειν τὸν λ. μου (14)
— 7. τοῦ εἶναι εἰς ἡγούμενον ἐπὶ τὸν λ. μου Ἰ. (14)
— 9. θήσομαι τόπον τῷ λ. μου Ἰσρ. (14)
I Ch. 17. 10. ἔταξα κριτὰς ἐπὶ τὸν λ. μου Ἰσρ. (14)
— 13. S^1 αὐτὸς ἔσται μοι εἰς λαόν [A B S^2 υἱόν] (5)
— 21. οὐκ ἔστιν ὡς ὁ λ. σου Ἰσρ. ἔθνος [S^1-νη] (14)
— 21. τοῦ λυτρώσασθαι ἑαυτῷ λαόν (14)
— 21. τοῦ ἐκβαλεῖν ἀπὸ προσώπου λαοῦ σου (14)
— 22. ἔδωκας τὸν λ. σου Ἰσρ. σεαυτῷ λαόν (14, 14)
18. 14. ἦν ποιῶν κρίμα . . . τῷ παντὶ λ. αὐτοῦ (14)
19. 6. ἠσχύνθη λαὸς Δ. †
— 7. ἐμισθώσαντο . . . τὸν βασ. Μ. καὶ τὸν λ. αὐ. (14)
— 11. τὸ κατάλοιπον τοῦ λ. ἔδωκεν ἐν χειρὶ Ἀ. (14)
— 13. A R ἐνισχύσωμεν περὶ τοῦ λ. ἡμῶν (14)
— 14. παρετάξατο Ἰ. καὶ ὁ λ. ὁ μετ' αὐτοῦ (14)
20. 3. τὸν λ. τὸν ἐν αὐτῇ ἐξήγαγε [A -ήνεγκεν] (14)
— 3. ἀνέστρεψε Δ. καὶ πᾶς ὁ λ. αὐ. (14)
21. 3. προσθείη κύριος ἐπὶ τὸν λ. αὐ. (14)
— 3. A ἵνα μὴ γένηται εἰς ἁμαρτίαν τῷ λ. [B *om.*] Ἰ. –
— 5. τὸν ἀριθμὸν τῆς ἐπισκέψεως τοῦ λ. (14)
— 17. B τοῦ ἀριθμῆσαι [A R *add.* ἐν] τῷ λ. (14)
— 17. καὶ μὴ ἐν τῷ λ. σου εἰς ἀπώλειαν (14)
— 22. παύσεται ἡ πληγὴ ἐκ [A *om.*] τοῦ λ. (14)
22. 18. ὑπετάγη ἡ γῆ . . . ἐναντίον λαοῦ [A τοῦ λ.] αὐ. (14)
23. 25. κατέπαυσε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. τῷ [A τῷ Ἰ.] λ. αὐ. (14)
27. 1. A B οἱ λειτουργοῦντες τῷ λ. [R βασιλεῖ] †
— 24. ἤρξατο ἀριθμεῖν ἐν τῷ λ. –
28. 2. ἀκούσατέ μου, ἀδελφοὶ καὶ λαός μου (14)
— 21. καὶ οἱ ἄρχοντες καὶ πᾶς ὁ λ. (14)
29. 9. καὶ εὐφράνθη ὁ λ. (14)
— 14. τίς ὁ λ. σου (14)
— 17. τὸν λ. σου τὸν εὑρεθέντα ὧδε εἶδον (14)
— 18. ἐν διανοίᾳ καρδίας λαοῦ σου (14)
II Ch. 1. 9. ἐβασίλευσάς με ἐπὶ λ. πολύν (14)
— 10. ἐξελεύσομαι ἐνώπιον τοῦ λ. τούτου (14)
— 10. τίς κρινεῖ τὸν λ. σου τὸν μέγαν τοῦτον (14)
— 11. ὅπως κρίνῃς τὸν λ. μου (14)
— 14. καὶ ὁ λ. μετὰ τοῦ βασ. ἐν [A *om.*] Ἱερ. †
2. 11 (10). ἐν τῷ ἀγαπῆσαι κύριον τὸν λ. αὐτοῦ (14)
— 18 (17). B^1 τρισχιλίους ἑξακοσίους [A B^2 R *add.* ἐργοδιώκτας] ἐπὶ τὸν λ. (14)
6. 5. ἧς ἀνήγαγον τὸν λ. μου (14)
— 5. τοῦ εἶναι εἰς ἡγούμενον ἐπὶ τὸν λ. μου Ἰσρ. (14)
— 6. τοῦ [A^2 ὥστε] εἶναι ἐπὶ τὸν λ. [A^2 τοῦ λ.] μου Ἰσρ. (14)
— 21. B ἀκούσῃ τῆς δεήσεως τοῦ παιδός σου καὶ λαοῦ [A R *add.* σου] Ἰσρ. (14)
— 24. ἐὰν θραυσθῇ ὁ λ. σου Ἰσρ. (14)
— 25. ἵλεως ἔσῃ ταῖς ἁμαρτίαις [A *add.* τοῦ] λαοῦ σου Ἰσρ. (14)
— 27. ἵλεως ἔσῃ ταῖς ἁμαρτίαις [A τῶν ἁ.] . . . τοῦ λ. σου Ἰσρ. (14)
— 27. ἣν ἔδωκας τῷ λ. σου (14)
— 29. ἢ ἐὰν γένηται . . . παντὶ λ. σου Ἰσρ. (14)
— 32. B ὃς οὐκ ἐκ τοῦ λ. [A R *add.* σου] Ἰσρ. ἐστιν αὐτός (14)
— 33. ὅπως γνῶσι πάντες οἱ λ. τῆς γῆς (14)
— 33. τοῦ φοβεῖσθαί σε ὡς ὁ λ. σου Ἰσρ. (14)
— 34. ἐὰν δὲ ἐξέλθῃ ὁ λ. σου (14)
— 39. ἵλεως ἔσῃ τῷ λ. τῷ ἁμαρτόντι σοι (14)
7. 4. καὶ πᾶς ὁ λαὸς θύοντες θύματα (14)
— 5. ὁ βασ. καὶ πᾶς ὁ λ. (14)
— 10. ἀπέστειλε τὸν λ. (14)
— 10. οἷς ἐποίησε κύριος . . . τῷ Ἰσρ. λ. αὐ. (14)
— 13. ἐὰν ἀποστείλω θάνατον ἐν τῷ λ. μου (14)
— 14. ἐὰν ἐντραπῇ ὁ λ. μου (14)
8. 7. πᾶς ὁ λ. ὁ καταλειφθείς (14)
— 10. ἐργοδιωκτοῦντες ἐν τῷ λ. (14)
9. 8. A εἰς βασιλέα τῷ λ. [B κυρίῳ θεῷ] σου †
10. 5. ἀπῆλθεν ὁ λ. (14)
— 6. τοῦ ἀποκριθῆναι τῷ λ. τούτῳ λόγον (14)
— 7. ἐὰν . . . γένῃ εἰς ἀγαθὸν τῷ λ. τούτῳ (14)
— 9. ἀποκριθήσομαι λόγον τῷ λ. τούτῳ (14)
— 10. οὕτως λαλήσεις τῷ λ. (14)
— 12. ἦλθεν Ἱερ. καὶ πᾶς ὁ λ. (14)
— 15. οὐκ ἤκουσεν ὁ βασ. τοῦ λ. (14)
— 16. ἀπεκρίθη ὁ λ. πρὸς τὸν βασ. (14)
13. 9. ἐποιήσατε ἑαυτοῖς ἱερεῖς ἐκ τοῦ λ. (14)
— 17. ἐπάταξεν ἐν αὐτοῖς Ἀ. καὶ ὁ λ. αὐτοῦ (14)
14. 13 (12). κατεδίωξεν Ἀ. καὶ ὁ λ. αὐτοῦ (14)
16. 10. ἐλυμήνατο Ἀ. ἐν τῷ λ. (14)
17. 9. ἐδίδασκον τὸν λ. (14)
18. 2. ἔθυσεν αὐτῷ . . . καὶ τῷ λ. τῷ μετ' αὐτοῦ (14)
— 3. B ὡς ὁ λ. μου [A R σου] καὶ ὁ λ. σου [A R μου] (14, 14)
— 27. ἀκοῦσατε, λ. πάντες (14)
II Ch. 19. 4. ἐξῆλθεν εἰς τὸν λ. (14)
20. 7. A ἀπὸ προσώπου λαοῦ σου [B *om.* λ. σ.] Ἰσρ. (14)
— 21. ἐβουλεύσατο μετὰ τοῦ λ. (14)
— 25. ἦλθεν Ἰωσ. καὶ ὁ λ. αὐ. (14)
— 33. ὁ λ. οὐ κατεύθυνε τὴν καρδίαν (14)
21. 9. ἔφυγεν ὁ λ. εἰς τὰ σκηνώματα αὐ. –
— 14. πατάξει σε πληγὴν μεγάλην ἐν τῷ λ. σου (14)
— 19. οὐκ ἐποίησεν ὁ λ. αὐ. ἐκφοράν (14)
23. 5. πᾶς ὁ λ. ἐν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (14)
— 6. πᾶς ὁ λ. φυλασσέτω φυλακάς (14)
— 10. ἔστησε πάντα τὸν λ. (14)
— 12. ἤκουσε Γ. τὴν φωνὴν τοῦ λ. (14)
— 13. πᾶς ὁ λ. ηὐφράνθη (14)
— 16. ἀνὰ μέσον αὐτοῦ καὶ τοῦ λ. (14)
— 16. εἶναι λαὸν τῷ κυρίῳ (14)
— 17. εἰσῆλθε πᾶς ὁ λ. τῆς γῆς εἰς οἶκον B. (14)
— 20. ἔλαβε . . . τοὺς ἄρχοντας τοῦ λ. καὶ πάντα τὸν λ. τῆς γῆς (14, 14)
— 21. ηὐφράνθη πᾶς ὁ λ. τῆς γῆς (14)
24. 10. πάντες ἄρχοντες καὶ πᾶς ὁ λ. (14)
— 20. ἀνέστη ἐπάνω τοῦ λ. (14)
— 23. κατέφθειραν πάντας τοὺς ἄρχοντας τοῦ λ. ἐν τῷ λ. (14, 14)
25. 11. παρέλαβε τὸν λ. αὐ. (14)
— 15. τί ἐζήτησας τοὺς θεοὺς τοῦ λ. οἳ οὐκ ἐξείλαντο τὸν λ. αὐ. (14, 14)
26. 1. ἔλαβε πᾶς ὁ λ. τῆς γῆς τὸν Ὀ. (14)
— 21. κρίνων τὸν λ. τῆς γῆς (14)
27. 2. ἔτι ὁ λ. κατεφθείρετο (14)
29. 36. ηὐφράνθη Ἐζ. καὶ πᾶς ὁ λ. διὰ τὸ ἡτοιμακέναι τὸν θεὸν τῷ λ. (14, 14)
30. 3. ὁ λ. οὐ συνήχθη εἰς Ἱερ. (14)
— 13. συνήχθησαν εἰς Ἱερ. λ. πολύς (14)
— 18. πλεῖστον τοῦ λ. . . . οὐχ ἥγνισαν (14)
— 20. ἰάσατο τὸν λ. (14)
— 24. ἀπήρξαντο τῷ λ. μόσχους χιλίους (16)
— 27. ηὐλόγησαν τὸν λ. (14)
31. 4. εἶπαν τῷ λ. (14)
— 8. ηὐλόγησαν τὸν κ. καὶ τὸν λ. αὐ. Ἰσρ. (14)
— 10. κύριος ηὐλόγησε τὸν λ. αὐ. (14)
32. 4. συνήγαγε λ. πολύν (14)
— 6. ἔθετο ἄρχοντας τοῦ πολ. ἐπὶ [A εἰς] τὸν λ. (14)
— 8. κατεθάρρησεν ὁ λ. (14)
— 13. ὅ τι [A τί] ἐποίησα . . . πᾶσι τοῖς λ. τῶν χωρῶν (14)
— 13. σῶσαι τὸν λ. αὐ. ἐκ χειρός μου †
— 14. σῶσαι τὸν λ. αὐ. ἐκ χειρός μου (14)
— 15. τοῦ σῶσαι τὸν λ. αὐ. ἐκ χειρός μου (14)
— 17. οὐκ ἐξείλαντο λαοὺς αὐ. [A τοὺς λ. ἑαυ.] (14)
— 17. οὐ μὴ ἐξέληται ὁ θεὸς Ἐζ. λαὸν αὐ. (14)
— 18. ἐβόησε . . . ἐπὶ λαὸν Ἱερ. [A *al.*] (14)
— 19. A R ἐλάλησεν . . . ἐπὶ θεοὺς λαῶν [B θεοῦ Σαλ.] (14)
33. 10. ἐλάλησε κύριος . . . ἐπὶ τὸν λ. αὐτοῦ (14)
— 17. ὁ λ. ἔτι ἐπὶ τῶν ὑψηλῶν (14)
— 25. ἐπάταξεν ὁ λ. τῆς γῆς τοὺς ἐπιθεμ. [A -τιθεμ.] (14)
— 25. ἐβασίλευσεν ὁ λ. τῆς γῆς τὸν Ἰωσ. (14)
34. 30. καὶ πᾶς ὁ λ. ἀπὸ μεγάλου ἕως μικροῦ (14)
35. 3. λειτουργήσατε . . . τῷ [A *om.*] λ. αὐ. Ἰσρ. (14)
— 5. τοῖς ἀδελφοῖς ὑμῶν υἱοῖς τοῦ λ. (14)
— 7. ἀπήρξατο Ἰ. τοῖς υἱοῖς τοῦ λ. πρόβατα (14)
— 8. ἀπήρξαντο τῷ λ. (14)
— 12. παραδοῦναι αὐτοῖς . . . τοῖς υἱοῖς τοῦ [A^2 *om.*] λ. (14)
— 13. ἔδραμον πρὸς πάντας τοὺς υἱοὺς τοῦ λ. (14)
36. 1. ἔλαβεν ὁ λ. τῆς γῆς τὸν Ἰ. (14)
— 4. ἀπῆτει τὸ ἀργύριον . . . παρὰ τοῦ λ. τῆς γῆς –
— 14. ὁ λ. τῆς γῆς ἐπλήθυνεν τοῦ ἀθετῆσαι (14)
— 15. ἦν φειδόμενος τοῦ λ. αὐ. (14)
— 16. ἕως ἀνέβη ὁ θυμὸς κ. ἐν τῷ λ. αὐ. (14)
— 23. τίς ἐξ ὑμῶν ἐκ παντὸς τοῦ λ. αὐ. (14)
I Es. 1. 7. ἐδωρήσατο Ἰ. τῷ λ.
— 7. ἐδόθη κατ' ἐπαγγελίαν τῷ λ.
— 11. ἔστησαν . . . ἔμπροσθεν τοῦ λ.
— 13. ἀπήνεγκαν πᾶσι τοῖς ἐκ τοῦ λ.
— 49. καὶ οἱ ἡγούμ. δὲ τοῦ λ.
4. 10. πᾶς ὁ λ. αὐ. καὶ αἱ δυνάμεις αὐ. ἐνακούουσιν
— 15. αἱ γυναῖκες ἐγέννησαν . . . πάντα τὸν λ.
— 41. πᾶς ὁ λ. τότε ἐφώνησε
5. 46. κατῳκίσθησαν . . . οἱ ἐκ τοῦ λ.
— 62. πᾶς ὁ λ. ἐσάλπισαν
— 65. ὥστε τὸν λ. μὴ ἀκούειν . . . διὰ τὸν κλαυθμὸν τοῦ λ.
6. 16. τὸν λ. ἠχμαλώτευσαν

II Es. 1. 3. τίς ἐν ὑμῖν ἀπὸ παντὸς τοῦ λ. αὐ. (14)
2. 2. A R ἀνδρῶν ἀριθμὸς λαοῦ [B om.] Ἰσρ. (14)
— 70. B ἐκάθισαν . . . ἀπὸ [A R οἱ ἀπὸ] τοῦ λ. (14)
3. 1. συνήχθη ὁ λ. (14)
— 3. A R ἀπὸ τῶν λ. τῶν γαιῶν (14)
— 11. B πᾶς ὁ λ. ἐσήμαινον [R -ε, A -μανε] (14)
— 13. A R οὐκ ἦν ὁ [B om.] λ. ἐπιγινώσκων (14)
— 13. A R ἀπὸ τῆς φωνῆς τοῦ κλαυθμοῦ τοῦ λ. [B al.] (14)
— 13. ὁ [A om.] λ. ἐκραύγασε (14)
4. 4. A R ἦν ὁ λ. τῆς γῆς ἐκλύων χεῖρας τοῦ [B om.] λ. Ἰ. (14, 14)
5. 12. τὸν λ. ἀπῴκισεν εἰς Βαβ. (14)
6. 12. B καταστρέψει [A R -αι] πάντα βασ. καὶ λαόν (14)
7. 13. πᾶς ὁ ἐκουσιαζόμ. . . . ἀπὸ λαοῦ Ἰσρ. (14)
— 16. μετὰ ἑκουσιασμοῦ τοῦ λ. (14)
— 25. ἵνα ὦσι κρίνοντες παντὶ τῷ λ. (14)
8. 15. συνῆκα ἐν τῷ λ. (14)
— 36. ἐδόξασαν τὸν λ. (14)
9. 1. οὐκ ἐχωρίσθη ὁ λ. Ἰσρ. . . . ἀπὸ λαῶν τῶν γαιῶν (14, 14)
— 2. παρήχθη σπέρμα τὸ ἅγιον ἐν λαοῖς τῶν γαιῶν (14)
— 11. ἐν μετακινήσει λαῶν τῶν ἐθνῶν (14)
— 14. A S R ἐπιγαμβρεῦσαι [B γ.] τοῖς λ. (14)
10. 1. ἔκλαυσεν ὁ λ. (14)
— 2. γυναῖκας ἀλλοτρίας ἀπὸ λαῶν τῆς γῆς (14)
— 9. ἐκάθισε πᾶς [S om.] ὁ λ. (14)
— 11. διαστάλητε ἀπὸ λαῶν τῆς γῆς (14)
— 13. ἀλλὰ ὁ λ. πολύς (14)
Ne. 1. 8. διασκορπιῶ ὑμᾶς ἐν τοῖς λ. (14)
— 10. αὐτοὶ παῖδές σου καὶ λαός σου (14)
4. 13 (7). ἔστησα τὸν λ. κατὰ δήμους (14)
— 14 (8), 19 (13). εἶπα . . . πρὸς τοὺς καταλοίπους τοῦ λ. (14)
— 22 (16). εἶπα τῷ λ. (14)
5. 1. ἦν κραυγὴ τοῦ λ. . . . μεγάλη (14)
— 13. ἐποίησεν ὁ λ. τὸ ῥῆμα τοῦτο (14)
— 15. ἐξουσιάζονται ἐπὶ τὸν λ. (14)
— 18. βαρεῖα ἡ δουλεία ἐπὶ τὸν λ. τοῦτον (14)
— 19. ὅσα ἐποίησα τῷ λ. τούτῳ (14)
6. 1. ἕως τοῦ καιροῦ [S¹ λαοῦ] ἐκείνου †
7. 4. καὶ ὁ λ. ὀλίγος ἐν αὐτῇ (14)
— 5. συνῆξα . . . τὸν λ. (14)
— 7. ἄνδρες λαοῦ [B¹ υἱοῦ, B² τοῦ] Ἰσρ. (14)
— 72. S R ἔδωκαν οἱ κατάλοιποι τοῦ λ. (14)
— 73. οἱ ἀπὸ τοῦ λ. καὶ οἱ Ναθ. (14)
8. 1. συνήχθησαν πᾶς ὁ λ. (14)
— 3. καὶ ὅτα παντὸς τοῦ λ. εἰς τὸ βιβλίον τοῦ νόμου (14)
— 5. ἐνώπιον παντὸς τοῦ λ. (14)
— 5. αὐτὸς ἦν ἐπάνω τοῦ λ. (14)
— 5. ἔστη πᾶς ὁ λ. (14)
— 6. ἀπεκρίθη πᾶς ὁ λ. (14)
— 7. ἦσαν συνετίζοντες τὸν λ. (14)
— 7. καὶ ὁ λ. ἐν τῇ στάσει αὐ. (14)
— 8. συνῆκεν ὁ λ. [S add. κυρίου] ἐν τῇ ἀναγνώσει –
— 9. A S R καὶ οἱ συνετίζοντες τὸν λ. [B al.] (14)
— 9. εἶπαν παντὶ τῷ λ. (14)
— 9. ἔκλαιε πᾶς ὁ λ. (14)
— 11. A R κατεσιώπων πάντα [B S om.] τὸν λ. (14)
— 12. ἀπῆλθε πᾶς ὁ λ. (14)
— 13. συνήχθησαν . . . σὺν [A S om.] τῷ παντὶ λ. (14)
— 16. καὶ ἐξῆλθεν ὁ λ. (14)
9. 10. A B S² καὶ ἐν παντὶ τῷ λ. τῆς γῆς αὐ. (14)
— 22. ἔδωκας αὐτοῖς . . . λαούς (14)
— 24. ἔδωκας . . . τοὺς λ. τῆς γῆς (14)
— 30. ἔδωκας αὐτοὺς ἐν χειρὶ λαῶν τῆς γῆς (14)
— 32. ὃς εὗρεν ἡμᾶς . . . ἐν παντὶ τῷ λ. σου (14)
10. 14 (15). ἄρχοντες τοῦ λ. (14)
— 28 (29). καὶ οἱ κατάλοιποι τοῦ λ. (14)
— 28 (29). πᾶς ὁ προσπορευόμ. ἀπὸ λαῶν [A τοῦ λ.] τῆς γῆς (14)
— 30 (31). τοῦ μὴ δοῦναι θυγατέρας ἡ. τοῖς λ. τῆς γῆς (14)
— 31 (32). καὶ λαοὶ τῆς γῆς . . . οὐκ ἀγορῶμεν παρ' αὐτῶν (14)
— 34 (35). οἱ ἱερεῖς καὶ οἱ Λ. καὶ ὁ λ. (14)
11. 1. ἐκάθισαν οἱ ἄρχοντες τοῦ λ. (14)
— 1. A S² R οἱ κατάλοιποι τοῦ λ. ἐβάλοσαν [B S¹ ἐλάβοσαν] (14)
— 2. εὐλόγησεν ὁ λ. τοὺς πάντας ἄνδρας (14)
— 24. εἰς πᾶν χρῆμα [S² ῥῆμα] τῷ λ. (14)
Ne. 12. 30. ἐκαθάρισαν τὸν λ. (14)
— 38. S² τὸ ἥμισυ τοῦ λ. ἐπάνω τοῦ τείχους (14)
13. 1. ἀνεγνώσθη . . . ἐν ὠσὶ τοῦ λ. (14)
— 24. S² κατὰ γλῶσσαν λαοῦ καὶ λαοῦ (14, 14)
To. 4. 13. A B μὴ ὑπερηφανεύου . . . ἀπὸ τῶν . . . θυγατέρων τοῦ λ. σου
14. 7. ὁ λ. αὐτοῦ ἐξομολογήσεται τῷ θεῷ [S al.]
— 7. ὑψώσει κύριος τὸν λ. αὐτοῦ [S al.]
Ju. 4. 3. νεωστὶ πᾶς ὁ λ. συνελέλεκτο
— 8. A καὶ ἡ γερουσία παντὸς λ. [B S δήμου] Ἰ.
— 13. καὶ ἦν ὁ λ. νηστεύων
— 14. A B καὶ τὰ ἑκούσια δόματα τοῦ λ.
5. 3. τίς ὁ λ. οὗτος ὁ καθήμενος ἐν τῇ ὀρεινῇ
— 5. ἀναγγελῶ σοι τὴν ἀλήθειαν περὶ τοῦ λ.
— 6. ὁ λ. οὗτός εἰσιν ἀπόγονοι Χαλδαίων
— 20. εἰ μέν ἐστιν ἀγνόημα ἐν τῷ λ. τούτῳ
— 22. ἐγόγγυσε πᾶς ὁ λ.
— 23. ἰδοὺ γὰρ λαὸς ἐν ᾧ οὐκ ἔστι δύναμις
6. 6. διελεύσεται . . . ὁ λ. τῶν θεραπόντων μου
— 16. ἔστησαν τὸν Ἀ. ἐν μέσῳ παντὸς τοῦ λ.
— 18. πεσόντες ὁ λ. προσεκύνησαν
7. 1. παρήγγειλεν Ὀλ. . . . παντὶ τῷ [A om.] λ. αὐ.
— 7. ἀνέζευξεν εἰς τὸν λ. αὐ.
— 8. καὶ πάντες οἱ ἡγούμενοι τοῦ λ. Μ.
— 10. ὁ γὰρ λ. οὗτος τῶν υἱῶν Ἰσρ.
— 11. οὐ πεσεῖται ἐκ τοῦ λ. σου
— 13. ἡμεῖς καὶ ὁ λ. ἡμῶν ἀναβησόμεθα
— 23. ἐπισυνήχθησαν πᾶς ὁ λ. ἐπὶ Ὀ.
— 26. ἔκδοσθε τὴν πόλιν πᾶσαν εἰς προνομὴν τῷ λ. Ὀλ.
— 32. ἐσκόρπισε τὸν λ.
8. 9. ἤκουσε τὰ ῥήματα τοῦ λ. τὰ πονηρά
— 11. ὃν ἐλαλήσατε ἐναντίον τοῦ λ.
— 29. ἔγνω πᾶς ὁ λ. τὴν σύνεσίν σου
— 30. ὁ λ. ἐδίψησε σφόδρα
10. 19. τίς καταφρονήσει τοῦ λ. τούτου
11. 2. ὁ λ. σου ὁ κατοικῶν τὴν ὀρεινήν
— 13. A B ἄψασθαι οὐδένα τῶν ἐκ τοῦ λ.
— 22. A B ἀποστείλας σε ἔμπροσθεν τοῦ λ.
12. 8. A B εἰς ἀνάστημα τῶν υἱῶν τοῦ λ. αὐ.
13. 17. ἐξέστη πᾶς ὁ λ. σφόδρα
— 17. ὁ ἐξουδενώσας . . . τοὺς ἐχθροὺς τοῦ λ. σου
— 20. καὶ εἶπαν πᾶς ὁ λ.
14. 6. ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ τοῦ λ.
— 8. ἀπήγγειλεν αὐτῷ Ἰ. ἐν μέσῳ τοῦ λ.
— 9. ἠλάλαξεν ὁ λ.
— 17. ἐξεπήδησεν εἰς τὸν λ.
15. 10. καὶ εἶπε πᾶς ὁ λ.
— 11. ἐλαφύρευσε πᾶς [A S om.] ὁ λ. τὴν παρεμβ.
— 13. προῆλθε παντὸς τοῦ λ.
— 14. ὑπερεφώνει πᾶς ὁ λ. τὴν αἴνεσιν ταύτην
16. 3. ἐν μέσῳ [S add. τοῦ] λαοῦ ἐξείλατό με
— 18. ἡνίκα ἐκαθαρίσθη ὁ λ.
— 19. ὅσα ἔδωκεν ὁ λ. αὐτῇ
— 20. ἦν ὁ λ. εὐφραινόμενος
— 22. προσετέθη πρὸς τὸν λ. αὐ.
Es. 1. 1. κακοποιῆσαι . . . τὸν λ. αὐτοῦ
8. 13. ἀναμεμίχθαι δυσμενῆ λ. τινα
4. 8. ἀξιῶσαι αὐτὸν περὶ τοῦ λ. (14)
— 11. S² καὶ λαὸς ἐπαρχιῶν τοῦ βασ. (14)
— 17. φείσαι τοῦ λ. σου
7. 3. A B S¹ καὶ ὁ λόγος [S² R λαός] μου τῷ ἀξιώματί μου (14)
— 4. ἐπράθημεν γὰρ ἐγώ τε καὶ ὁ λ. μου (14)
8. 6. ἰδεῖν τὴν κάκωσιν τοῦ λ. μου (14)
— 11. S² πᾶσαν δύναμιν λαοῦ καὶ χώρας (14)
10. 3. ἔσωσε κύριος τὸν λ. αὐ.
— 3. B ἕνα τῷ λ. τοῦ θεοῦ [S τῷ θεῷ τοῦ λ.]
— 3. ἐμνήσθη ὁ θ. τοῦ λ. αὐτοῦ
— 3. ἐν τῷ λ. αὐ. Ἰσρ.
Jb. 18. 19. οὐκ ἔσται ἐπίγνωστος ἐν λαῷ [A τῷ λ.] αὐ. (14)
31. 30. θρυληθείην δὲ ἄρα ὑπὸ λαοῦ μου κακούμενος †
— 34. A οὐ γὰρ διετράπην πολυοχλίαν λαοῦ [B S πλήθους] (7)
34. 30. βασιλεύων ἄνθρωπον ὑποκριτὴν ἀπὸ δυσκολίας λαοῦ (14)
36. 20. τοῦ ἀναβῆναι λαοὺς ἀντ' αὐτῶν (14)
— 31. ἐν γὰρ αὐτοῖς κρινεῖ λαούς (14)
Ps. 2. 1. λαοὶ ἐμελέτησαν κενά (9)
3. 6. οὐ φοβηθήσομαι ἀπὸ μυριάδων λαοῦ (14)
— 8. ἐπὶ τὸν λ. σου ἡ εὐλογία σου (14)
7. 7. συναγωγὴ λαῶν κυκλώσει σε (9)
— 8. κύριος κρινεῖ λαούς (14)
9. 8. κρινεῖ λαοὺς ἐν εὐθύτητι (9)
Ps. 13 (14). 4. οἱ κατέσθοντες τὸν λ. μου (14)
— 7. ἐν τῷ ἐπιστρέψαι κ. τὴν αἰχμαλωσίαν τοῦ λ. αὐ. (14)
17 (18). 27. σὺ λαὸν ταπεινὸν σώσεις (14)
— 43. ἐξ ἀντιλογιῶν [S² -ίας] λαοῦ [A -ῶν] (14)
— 43. λαὸς ὃν [A ὃς] οὐκ ἔγνων ἐδούλευσέ μοι (14)
— 47. καὶ ὑποτάξας λαοὺς ὑπ' ἐμέ (14)
21 (22). 6. καὶ ἐξουθένημα λαοῦ (14)
— 31. ἀναγγελοῦσι τὴν δικαιοσύνην αὐ. λαῷ τῷ τεχθησομ. (14)
26 (27). 4. S¹ καὶ ἐπισκέπτεσθαι τὸν λ. [A B S² ναόν] †
27 (28). 8. κύριος κραταίωμα τοῦ λ. αὐτοῦ †
— 9. σῶσον τὸν λ. σου (14)
28 (29). 11. κύριος ἰσχὺν τῷ λ. αὐτοῦ δώσει κύριος εὐλογήσει τὸν λ. αὐτοῦ (14, 14)
32 (33). 10. ἀθετεῖ δὲ λογισμοὺς λαῶν (14)
— 12. λαὸς ὃν ἐξελέξατο εἰς κληρονομίαν ἑαυτῷ (14)
34 (35). 18. ἐν λαῷ βαρεῖ αἰνέσω σε (14)
43 (44). 2. ἐκάκωσας λαούς (9)
— 12. ἀπέδου τὸν λ. σου ἄνευ τιμῆς (14)
— 14. κίνησιν κεφαλῆς ἐν τοῖς λ. (9)
44 (45). 5. λαοὶ ὑποκάτω σου πεσοῦνται (14)
— 10. ἐπιλάθου τοῦ λ. σοῦ (14)
— 12. τὸ πρόσωπόν σου λιτανεύσουσιν οἱ πλούσιοι τοῦ λ. (14)
— 17. λαοὶ [A¹ om.] ἐξομολογήσονταί σοι εἰς τὸν αἰῶνα (14)
46 (47). 3. ὑπέταξε λαοὺς ἡμῖν (14)
— 9. ἄρχοντες λαῶν συνήχθησαν (14)
47 (48). 9. ἐν μέσῳ τοῦ λ. σου †
49 (50). 4. διακρῖναι τὸν λ. αὐτοῦ (14)
— 7. ἄκουσον, λαός μου (14)
52 (53). 4. οἱ κατεσθίοντες τὸν λ. μου (14)
— 6. ἐν τῷ ἀποστρέψαι κύριον τὴν αἰχμαλωσίαν τοῦ λ. αὐτοῦ (14)
55 (56) tit. εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τοῦ λ. †
— 7. ἐν ὀργῇ λαοὺς κατάξεις (14)
56 (57). 9. ἐξομολογήσομαί σοι ἐν λαοῖς (14)
59 (60). 3. ἔδειξας τῷ λ. σου σκληρά (14)
61 (62). 8. B ἐλπίσατε ἐπ' αὐτὸν πᾶσα συναγωγὴ λαοῦ [S² -ῶν] (14)
66 (67). 2. S¹ ἐν πᾶσιν τοῖς λ. [B S² π. ἔθνεσι] τὸ σωτήριόν σου (6)
— 3. ἐξομολογησάσθωσάν σοι λαοί, ὁ θεός, ἐξομολογησάσθωσάν σοι λαοὶ πάντες (14, 14)
— 4. B κρινεῖς [S κρινεῖ] λαοὺς ἐν εὐθύτητι (14)
— 5. ἐξομολογησάσθωσάν σοι λαοί, ὁ θεός, ἐξομολογησάσθωσάν σοι λαοὶ πάντες (14, 14)
67 (68). 7. ἐν τῷ ἐκπορεύεσθαί σε ἐνώπιον τοῦ λ. σου (14)
— 30. ἡ συναγωγὴ τῶν ταύρων ἐν ταῖς δαμάλεσι τῶν λ. (14)
— 35. δώσει δύναμιν καὶ κραταίωσιν τῷ λ. αὐ. (14)
71 (72). 2. κρίνειν τὸν λ. σου ἐν δικαιοσύνῃ (14)
— 3. ἀναλαβέτω τὰ ὄρη εἰρήνην τῷ λ. σου (14)
— 4. κρινεῖ τοὺς πτωχοὺς τοῦ λ. (14)
72 (73). 10. ἐπιστρέψει ὁ λ. μου ἐνταῦθα (14)
73 (74). 14. ἔδωκας αὐτὸν βρῶμα λαοῖς τοῖς Αἰθίοψι (14)
— 18. λαὸς ἄφρων παρώξυνε τὸ ὄνομά σου (14)
76 (77). 14. ἐγνώρισας ἐν τοῖς λ. τὴν δύναμίν σου (14)
— 15. ἐλυτρώσω ἐν τῷ βραχίονί σου τὸν λ. σου (14)
— 20. ὡδήγησας ὡς πρόβατα τὸν λ. σου (14)
77 (78). 1. προσέχετε λαός μου τὸν νόμον μου (14)
— 20. ἑτοιμάσαι τράπεζαν τῷ λ. αὐτοῦ (14)
— 52. ἀπῆρεν ὡς πρόβατα τὸν λ. αὐτοῦ (14)
— 62. συνέκλεισεν εἰς ῥομφαίαν τὸν λ. αὐτοῦ (14)
78 (79). 13. ἡμεῖς γὰρ λαός σου (14)
80 (81). 8. ἄκουσον λαός μου (14)
— 11. οὐκ ἤκουσεν ὁ λ. μου τῆς φωνῆς μου (14)
— 13. εἰ ὁ λ. μου ἤκουσέ μου (14)
82 (83). 3. ἐπὶ τὸν λ. σου κατεπανουργεύσαντο γνώμην (14)
84 (85). 2. ἀφῆκας τὰς ἀνομίας τῷ λ. σου (14)
— 6. ὁ λ. σου εὐφρανθήσεται ἐπὶ σοί (14)
— 8. λαλήσει εἰρήνην ἐπὶ τὸν λ. αὐτοῦ (14)
86 (87). 4. ἀλλόφυλος καὶ Τύρος καὶ λαὸς Αἰθιόπων †
— 6. κύριος διηγήσεται ἐν γραφῇ λαῶν (14)
88 (89). 3. S¹ ὕψωσα ἐκλεκτὸν ἐκ τοῦ λ. μου –
— 15. μακάριος ὁ λ. ὁ γινώσκων ἀλαλαγμόν (14)
— 19. ὕψωσα ἐκλεκτὸν ἐκ τοῦ λ. μου (14)

Ps. 93 (94). 5. τὸν λ. σου, κύριε, ἐταπείνωσαν (14)
— 8. σύνετε δὴ ἄφρονες ἐν τῷ λ. (14)
— 14. οὐκ ἀπώσεται κύριος τὸν λ. αὐτοῦ (14)
94 (95). 3. B S² οὐκ ἀπώσεται κύριος τὸν λ. αὐτοῦ –
— 7. ἡμεῖς λαὸς νομῆς αὐτοῦ (14)
95 (96). 3. ἐν πᾶσι τοῖς λ. τὰ θαυμάσια αὐτοῦ (14)
— 10. κρινεῖ λαοὺς ἐν εὐθύτητι (14)
— 13. κρινεῖ . . . λαοὺς ἐν τῇ ἀληθείᾳ αὐτοῦ (14)
96 (97). 6. εἶδοσαν πάντες οἱ λ. τὴν δόξαν αὐτοῦ (14)
97 (98). 9. κρινεῖ . . . λαοὺς ἐν εὐθύτητι (14)
98 (99). 1. ὀργιζέσθωσαν λαοί (14)
— 2. ὑψηλός ἐστιν ἐπὶ πάντας τοὺς λ. (14)
99 (100). 3. λαὸς αὐ. καὶ πρόβατα τῆς νομῆς αὐ. (14)
101 (102). 18. λαὸς ὁ κτιζόμ. αἰνέσει τὸν κ. (14)
— 22. ἐν τῷ συναχθῆναι λαοὺς ἐπὶ τὸ αὐτό (14)
104 (105). 13. καὶ ἐκ βασιλείας εἰς λαὸν ἕτερον (14)
— 20. ἄρχων λαῶν καὶ ἀφῆκεν αὐτόν (14)
— 24. ηὔξησε τὸν λ. αὐτοῦ σφόδρα (14)
— 25. τοῦ μισῆσαι τὸν λ. αὐτοῦ (14)
— 43. ἐξήγαγε τὸν λ. αὐτοῦ ἐν ἀγαλλιάσει (14)
— 44. πόνους λαῶν ἐκληρονόμησαν (9)
105 (106). 4. ἐν τῇ εὐδοκίᾳ τοῦ λ. σου (14)
— 40. ὠργίσθη θυμῷ κύριος ἐπὶ τὸν λ. αὐτοῦ (14)
— 48. ἐρεῖ πᾶς ὁ λ. (14)
106 (107). 32. A S² R ὑψωσάτωσαν αὐτὸν ἐν ἐκκλησίᾳ [S¹ -αις] λαοῦ (14)
107 (108). 3. ἐξομολογήσομαί σοι ἐν λαοῖς (14)
110 (111). 6. ἰσχὺν ἔργων αὐ. ἀνήγγειλε τῷ λ. αὐ. (14)
— 9. λύτρωσιν ἀπέστειλε τῷ λ. αὐτοῦ (14)
112 (113). 8. τοῦ καθίσαι αὐτὸν . . . μετὰ ἀρχόντων λαοῦ αὐτοῦ (14)
113 (114). 1. ἐν ἐξόδῳ . . . οἴκου Ἰακὼβ ἐκ λαοῦ βαρβάρου (14)
115. 5 (116. 14). R ἐναντίον παντὸς τοῦ λ. αὐτοῦ (14)
— 9 (116. 18). ἐναντίον παντὸς τοῦ λ. αὐτοῦ (14)
116 (117). 1. ἐπαινέσατε αὐτὸν πάντες οἱ λ. (2)
118 (119). 114. S¹ εἰς τὸν λ. σου ἤλπισα [A S² R al.] †
124 (125). 2. κύριος κύκλῳ τοῦ λ. αὐτοῦ (14)
134 (135). 12. R κληρονομίαν Ἰσραὴλ λαῷ [A S δούλῳ] αὐτοῦ (14)
— 14. A S² R ὅτι κρινεῖ [S¹ οἰκτείρει] κύριος τὸν λ. αὐ. (14)
135 (136). 16. τῷ διαγαγόντι τὸν λ. αὐ. ἐν τῇ ἐρήμῳ (14)
— 22. S² κληρονομίαν Ἰσραὴλ λαῷ [A S¹ R δούλῳ] αὐ. (13)
143 (144). 2. ὁ ὑποτάσσων τὸν λ. μου [A αὐτοῦ, S¹ σου] ὑπ' ἐμέ (14)
— 15. ἐμακάρισαν [S¹ -σα] τὸν λ. (14)
— 15. μακάριος ὁ λ. οὗ κύριος ὁ θεὸς αὐτοῦ (14)
148. 11. βασιλεῖς τῆς γῆς καὶ πάντες λαοί (9)
— 14. ὑψώσει κέρας λαοῦ αὐτοῦ (14)
— 14. λαῷ ἐγγίζοντι αὐτῷ (14)
149. 4. εὐδοκεῖ κύριος ἐν λαῷ [S² τῷ λ.] αὐ. (14)
— 7. τοῦ ποιῆσαι . . . ἐλεγμοὺς ἐν τοῖς λ. (9)
Pr. 14. 28. ἐν δὲ ἐκλείψει λαοῦ συντριβὴ δυνάστου (9)
24. 39 (24). ἐπικατάρατος λαοῖς ἔσται (14)
29. 2. ἐγκωμιαζομένων δικαίων εὐφρανθήσονται λαοί (14)
Ec. 4. 16. οὐκ ἔστι περασμὸς τῷ παντὶ λ. (14)
Wi. 3. 8. κρατήσουσι λαῶν
4. 15. οἱ δὲ λ. [A¹ ἄλλοι] ἰδόντες
6. 21. τύραννοι λαῶν, τιμήσατε σοφίαν
8. 14. διοικήσω λαούς
9. 7. σύ με προείλω βασιλέα λαοῦ σου
— 12. διακρινῶ τὸν λ. σου δικαίως
10. 15. αὕτη λαὸν ὅσιον . . . ἐρρύσατο
12. 19. ἐδίδαξας δέ σου τὸν λ. διὰ τῶν τοιούτων ἔργων
15. 14. οἱ ἐχθροὶ τοῦ λ. σου καταδυναστεύσαντες αὐτόν
16. 2. εὐεργετήσας τὸν λ. σου
— 20. ἀγγέλων τροφὴν ἐψώμισας τὸν λ. σου
18. 5. S¹ τοὺς δὲ ἐχθροὺς τοῦ λ. ὁμοθυμαδὸν ἀπώλεσας [A B S² al.]
— 7. προσεδέχθη ὑπὸ λαοῦ σου
— 13. ὡμολόγησαν θεοῦ υἱὸν λαὸν εἶναι
19. 5. ὁ μὲν λ. σου παράδοξον ὁδοιπορίαν περάσῃ
— 22. ἐμεγάλυνας τὸν λ. σου
Si. 9. 17. ὁ ἡγούμενος λαοῦ σοφὸς ἐν λόγῳ αὐτοῦ
10. 1. κριτὴς σοφὸς παιδεύσει τὸν λ. αὐτοῦ
— 2. κατὰ τὸν κριτὴν τοῦ λ. αὐτοῦ
Si. 10. 3. βασιλεὺς ἀπαίδευτος ἀπολεῖ τὸν λ. αὐτοῦ
16. 17. ἐν λαῷ πλείονι οὐ μὴ μνησθῶ
24. 1. ἐν μέσῳ λαοῦ αὐτῆς καυχήσεται
— 6. ἐν παντὶ λαῷ καὶ ἔθνει ἐκτησάμην
— 12. ἐρρίζωσα ἐν λαῷ δεδοξασμένῳ [S² δεδοκιμασμένῳ]
30. 27 (33. 18). ἀκούσατέ μου, μεγιστᾶνες λαοῦ
32 (35). 19. ἕως κρίνῃ τὴν κρίσιν τοῦ λ. αὐτοῦ
33 (36). 9. οἱ κακοῦντες τὸν λ. σου εὕρισαν ἀπώλειαν
34 (31). 9. ἐποίησε γὰρ θαυμάσια ἐν λαῷ αὐτοῦ
36. 17 (14). ἐλέησον λαόν, κύριε, κεκλημένον ἐπ' ὀνόματί σου
— 19 (16). καὶ ἀπὸ τῆς δόξης σου τὸν λ. σου
— 22 (19). κατὰ τὴν εὐλογίαν Ἀαρὼν περὶ τοῦ λ. [S¹ υἱοῦ] σου
37. 23. ἀνὴρ σοφὸς τὸν ἑαυτοῦ λ. παιδεύσει
— 26. ὁ σοφὸς ἐν τῷ λ. αὐτοῦ κληρονομήσει πίστιν
38. 32. S² εἰς βουλὴν λαοῦ ζητηθήσονται
41. 18. ἀπὸ συναγωγῆς καὶ λαοῦ περὶ ἀνομίας
42. 11. λαλιὰν ἐν πόλει καὶ ἔκκλητον λαοῦ
44. 4. ἡγούμενοι λαοῦ ἐν διαβουλίοις καὶ συνέσει [S ἐν σ.] γραμματείας λαοῦ
— 15. σοφίαν αὐτῶν διηγήσονται λαοί
45. 3. ἐνετείλατο αὐτῷ πρὸς λαὸν αὐτοῦ
— 7. ἔδωκεν αὐτῷ ἱερατείαν λαοῦ
— 9. εἰς μνημόσυνον υἱοῖς λαοῦ αὐτοῦ
— 15. εὐλογεῖν τὸν λ. αὐτοῦ
— 16. ἐξιλάσκεσθαι περὶ τοῦ λ. σου
— 22. πλὴν ἐν γῇ λαοῦ οὐ κληρονομήσει καὶ μερὶς οὐκ ἔστιν αὐτῷ ἐν λαῷ
— 23. καὶ στῆσαι [A στῆναι] αὐτὸν ἐν τροπῇ λαοῦ
— 24. προστάτην ἁγίων καὶ λαῷ [S² -οῦ] αὐτοῦ
— 26. κρίνειν τὸν λ. αὐτοῦ ἐν δικαιοσύνῃ
46. 7. κολῦσαι λαὸν ἀπὸ ἁμαρτίας
— 13. ἔχρισεν ἄρχοντας ἐπὶ τὸν λ. αὐτοῦ
— 20. ἐξαλεῖψαι ἀνομίαν λαοῦ
47. 4. ἐξῆρεν ὀνειδισμὸν ἐκ λαοῦ
— 5. ἀνυψῶσαι κέρας λαοῦ αὐτοῦ
— 23. κατέλιπε μετ' αὐτὸν ἐκ τοῦ σπέρματος αὐτοῦ λαοῦ ἀφροσύνην καὶ ἐλασσούμενον συνέσει Ῥ. ὃς ἀπέστησε λαὸν [A τὸν λ.] ἐκ βουλῆς αὐ.
48. 15. ἐν πᾶσι τούτοις οὐ μετενόησεν ὁ λ.
— 15. κατελείφθη ὁ λ. ὀλιγοστός
49. 2. κατευθύνθη ἐν ἐπιστροφῇ λαοῦ [S¹ αὐτοῦ]
— 12. ἀνύψωσαν λαὸν [A ναὸν] ἅγιον
— 15. ἡγούμενος ἀδελφῶν στήριγμα λαοῦ
50. 4. ὁ φροντίζων τοῦ λ. [S¹ τὸ ἔλεον] αὐτοῦ
— 5. ὡς [A ὃς] ἐδοξάσθη ἐν περιστροφῇ λαοῦ
— 17. πᾶς ὁ λ. κοινῇ κατέσπευσε
— 19. ἐδεήθη ὁ [S¹ om.] λ. κυρίου ὑψίστου
— 26. ὁ [S om.] λ. μωρὸς ὁ κατοικῶν ἐν Σικίμοις
Ho. 1. 9. κάλεσον τὸ ὄνομα αὐτοῦ Οὐ λαός μου (14)
— 9. διότι ὑμεῖς οὐ λαός μου (14)
— 10 (2. 1). οὗ ἐρρέθη αὐτοῖς, Οὐ λαός μου ὑμεῖς (14)
2. 1 (3). εἴπατε τῷ ἀδελφῷ ὑμῶν, Λαός μου (14)
— 23 (25). καὶ ἐρῶ τῷ οὐ λαῷ μου, Λαός μου εἶ σύ (14, 14)
4. 4. ὁ δὲ λ. μου ὡς ἀντιλεγόμενος ἱερεύς (14)
— 6. ὡμοιώθη ὁ λ. μου ὡς οὐκ ἔχων γνῶσιν (14)
— 8. ἁμαρτίας λαοῦ μου φάγονται (14)
— 9. καὶ ἔσται καθὼς ὁ λ. (14)
— 12. μέθυσμα ἐδέξατο καρδία λαοῦ μου (14)
— 14. καὶ ὁ λ. ὁ συνίων συνεπλέκετο μετὰ πόρνης (14)
6. 12 (11). ἐν τῷ ἐπιστρέφειν τὴν αἰχμαλωσίαν τοῦ λ. μου (14)
7. 8. Ἔ. ἐν τοῖς λ. αὐτοῦ συνεμίγνυτο (14)
9. 1. μὴδὲ εὐφραίνου καθὼς οἱ λαοί (14)
10. 5. ἐπένθησε λαὸς [A ὁ λ.] αὐτοῦ ἐπ' αὐτόν (14)
— 10. καὶ συναχθήσονται ἐπ' αὐτοὺς λαοί (14)
— 14. καὶ ἐξαναστήσεται ἀπώλεια ἐν τῷ λ. σου (14)
11. 7. ὁ λ. αὐτοῦ ἐπικρεμάμενος ἐκ τῆς κατοικίας αὐ. (14)
— 12 (12. 1). καὶ λ. ἅγιος κεκλήσεται θεοῦ †
Am. 1. 5. αἰχμαλωτευθήσεται λαός (14)
3. 6. καὶ λαὸς οὐ πτοηθήσεται (14)
7. 8. ἐν μέσῳ [A εἰς μέσον] λαοῦ μου (14)
— 15. προφήτευσον ἐπὶ τὸν λ. μου Ἰσραήλ (14)
8. 2. ἥκει τὸ πέρας ἐπὶ τὸν λ. μου Ἰσραήλ (14)
9. 10. τελευτήσουσι πάντες ἁμαρτωλοὶ λαοῦ μου (14)
— 14. A R ἐπιστρέψω τὴν αἰχμαλωσίαν τοῦ [B om.] λ. μου (14)
Mi. 1. 2. ἀκούσατε λαοὶ λόγους (14)
— 9. καὶ ἥψατο ἕως πύλης λαοῦ μου (14)
2. 4. μερὶς λαοῦ μου κατεμετρήθη ἐν σχοινίῳ (14)
— 8. ὁ λ. μου εἰς ἔχθραν ἀντέστη [A ἀντικατέστη] (14)
— 9. ἡγούμενοι λαοῦ μοῦ ἀπορριφήσονται (14)
— 11. ἐκ τῆς σταγόνος τοῦ λ. τούτου (14)
— 12. ἐκδέξομαι τοὺς καταλοίπους τοῦ Ἰσ. [A τοῦ λ. τούτου] †
3. 3. ὃν τρόπον κατέφαγον τὰς σάρκας τοῦ λ. μου (14)
— 5. τοὺς προφήτας τοὺς πλανῶντας τὸν λ. μου (14)
4. 1. καὶ σπεύσουσι πρὸς αὐτὸ λαοί (14)
— 3. καὶ κρινεῖ ἀνὰ μέσον λαῶν πολλῶν (14)
— 5. ὅτι πάντες οἱ λαοὶ πορεύσονται (14)
— 13. κατατήξεις [A λεπτυνεῖς] λ. πολλούς (14)
5. 7 (6), 8 (7). ἐν μέσῳ λαῶν πολλῶν (14)
6. 2. R ἀκούσατε ὄρη [A βουνοὶ, B λαοὶ] τὴν κρίσιν †
— 2. ὅτι κρίσις τῷ κυρίῳ πρὸς τὸν λ. αὐτοῦ (14)
— 3. λαός μου, τί ἐποίησά σοι (14)
— 5. λαός μου μνήσθητι δή (14)
— 15. καὶ ἀφανισθήσεται νόμμα λαοῦ μου –
— 16. καὶ ὀνείδη λαῶν λήψεσθε (14)
7. 14. ποίμαινε λαόν σου ἐν ῥάβδῳ σου (14)
Jl. 2. 2. χυθήσεται ἐπὶ τὰ ὄρη λαὸς πολὺς καὶ ἰσχυρός (14)
— 5. καὶ ὡς λαὸς πολὺς καὶ ἰσχυρός (14)
— 6. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ συντριβήσονται λαοί (14)
— 16. συναγάγετε λαόν [A τὸν λ.] (14)
— 17. φείσαι, κύριε, τοῦ λ. σου (14)
— 18. καὶ ἐφείσατο τοῦ λ. αὐτοῦ (14)
— 19. καὶ εἶπε τῷ λ. αὐτοῦ (14)
— 26. οὐ μὴ καταισχυνθῇ ὁ λ. μου εἰς τὸν αἰῶνα (14)
— 27. οὐ μὴ καταισχυνθῶσιν ἔτι ὁ λ. μου εἰς τὸν αἰ. (14)
3 (4). 2. διακριθήσομαι . . . ἐκεῖ ὑπὲρ τοῦ λ. μου (14)
— 3. ἐπὶ τὸν λ. μου ἔβαλον κλήρους (14)
— 16. ὁ δὲ κ. φείσεται τοῦ λ. αὐτοῦ (14)
Ob. 1. 13. μηδὲ εἰσέλθῃς εἰς πύλας λαῶν [A S³ λαοῦ] (14)
Jn. 1. 8. καὶ ἐκ ποίου λαοῦ εἶ σύ (14)
2. 5. πρὸς τὸν ναὸν [B¹ λαὸν] τὸν ἅγιόν σου †
3. 6. ἤγγισεν ὁ λόγος [S³ λαὸς] πρὸς τὸν βασιλέα †
Na. 3. 4. ἡ πωλοῦσα . . . λαοὺς [A S² φυλὰς] ἐν τοῖς φαρμάκοις (12)
— 13. ἰδοὺ ὁ λαός σου ὡς γυναῖκες ἐν σοί (14)
— 18. ἀπῆρεν ὁ λ. σου ἐπὶ τὰ ὄρη (14)
Hb. 2. 5. εἰσδέξεται πρὸς αὐτὸν πάντας τοὺς λ. (14)
— 8. πάντες οἱ ὑπολελειμμένοι λαοί (14)
— 10. συνεπέρανας λαοὺς πολλούς (14)
— 13. καὶ ἐξέλιπον λαοὶ ἱκανοὶ ἐν πυρί (14)
3. 10. ὄψονταί σε καὶ ὠδινήσουσι λαοί †
— 13. ἐξῆλθες εἰς σωτηρίαν λαοῦ σου (14)
— 16. τοῦ ἀναβῆναι εἰς λαὸν παροικίας μου (14)
Ze. 1. 11. ὅτι ὡμοιώθη πᾶς ὁ λ. Χαναάν (14)
2. 8. ἐν οἷς ὠνείδιζον τὸν λ. μου (14)
— 9. οἱ κατάλοιποι [A add. τοῦ] λαοῦ μου διαρπῶνται αὐτούς (14)
3. 9. τότε μεταστρέψω ἐπὶ λαοὺς γλῶσσαν (14)
— 12. ὑπολείψομαι ἐν σοὶ λαὸν πραῦν [A πολὺν] καὶ ταπεινόν (14)
— 20. εἰς καύχημα ἐν πᾶσι τοῖς λ. τῆς γῆς (14)
Hg. 1. 2. ὁ λ. οὗτος λέγουσιν (14)
— 12. καὶ πάντες οἱ κατάλοιποι τοῦ λ. (14)
— 12. ἐφοβήθη ὁ λ. ἀπὸ προσώπου κυρίου (14)
— 13. εἶπεν Ἀγγαῖος . . . τῷ λ. (14)
— 14. τὸ πνεῦμα τῶν καταλοίπων παντὸς τοῦ λ. (14)
2. 3 (2). πάντας τοὺς καταλοίπους τοῦ λ. (14)
— 5 (4). κατισχυέτω πᾶς ὁ λ. τῆς γῆς (14)
— 15 (14). οὕτως ὁ λαὸς οὗτος (14)
Za. 2. 11 (15). καὶ ἔσονται αὐτῷ εἰς λαόν (14)
7. 5. εἰπὸν πρὸς ἅπαντα τὸν λ. τῆς γῆς (14)
8. 6. ἐνώπιον τῶν καταλοίπων τοῦ λ. τούτου (14)
— 7. σώζω τὸν λ. μου (14)
— 8. καὶ ἔσονταί μοι εἰς λαόν (14)
— 11. ἐγὼ ποιῶ τοῖς καταλοίποις τοῦ λ. τούτου (14)
— 12. τοῖς καταλοίποις τοῦ λ. μου τούτου [A S³ om. τ.] (14)
— 20. ἔτι ἥξουσι λαοὶ πολλοί (14)
— 22. καὶ ἥξουσι λαοὶ πολλοί (14)

Za. 9. 16. σώσει αὐτοὺς κ. ὁ θ. . . . ὡς πρόβατα λαὸν αὐτοῦ (14)
10. 9. σπερῶ αὐτοὺς ἐν λαοῖς [A ἀλλήλοις] (14)
11. 10. ἣν διεθέμην πρὸς πάντας τοὺς λ. (14)
12. 2. τίθημι τὴν Ἰ. . . . πᾶσι τοῖς λ. κύκλῳ (14)
— 4. πάντας τοὺς ἵππους τῶν λ. [S¹ τοῦ λ.] πατάξω (14)
— 6. καταφάγονται . . . πάντας τοὺς λ. κυκλόθεν (14)
13. 9. λαός μου οὗτός ἐστι (14)
14. 2. οἱ δὲ κατάλοιποι τοῦ λ. μου (14)
— 12. A B S² κόψει κύριος πάντας τοὺς λ. (14)
— 14. συνάξει τὴν ἰσχὺν πάντων τῶν λ. κυκλόθεν (6)
Ma. 1. 4. λαὸς ἐφ' ὃν παρατέτακται κύριος (14)
Is. 1. 3. ὁ λ. με οὐ συνῆκεν (14)
— 4. λ. πλήρης ἁμαρτιῶν (14)
— 7. ἠρήμωται κατεστραμμένη ὑπὸ λαῶν ἀλλοτρίων (17)
— 10. προσέχετε νόμον [S¹ λόγον] θεοῦ, λαὸς [S¹ -ὸν] Γομόρρας (14)
2. 4. ἐξελέγξει [A S ἐλ.] λαὸν πολύν (14)
— 6. ἀνῆκε γὰρ τὸν λ. αὐ. τὸν οἶκον τοῦ Ἰσ. (14)
3. 5. συμπεσεῖται ὁ λ. (14)
— 7. οὐκ ἔσομαι ἀρχηγὸς τοῦ λ. τούτου (14)
— 12. λαός μου, οἱ πράκτορες ὑμῶν (14)
— 12. λαός μου, οἱ μακαρίζοντες ὑμᾶς (14)
— 13. στήσει εἰς κρίσιν τὸν λ. αὐτοῦ (14)
— 14. ἥξει μετὰ τῶν πρεσβυτέρων τοῦ λ. (14)
— 15. τί ὑμεῖς ἀδικεῖτε τὸν λ. μου (14)
5. 13. αἰχμάλωτος ὁ λ. μου ἐγενήθη (14)
— 25. ἐθυμώθη ὀργῇ κύριος σαβαὼθ ἐπὶ [A εἰς] τὸν λ. αὐτοῦ (14)
6. 5. ἐν μέσῳ λαοῦ ἀκάθαρτα χείλη ἔχοντος (14)
— 8. τίς πορεύσεται πρὸς τὸν λ. τοῦτον †
— 9. εἰπὸν τῷ λ. τούτῳ (14)
— 10. ἐπαχύνθη γὰρ καρδία τοῦ λ. τούτου (14)
7. 2. ἐξέστη ἡ ψυχὴ αὐ. καὶ ἡ ψυχὴ τοῦ λ. αὐ. (14)
— 8. ἐκλείψει ἡ βασιλεία Ἐφραὶμ ἀπὸ λαοῦ (14)
— 17. ἐπάξει ὁ θεὸς . . . ἐπὶ τὸν λ. σου (14)
8. 6. διὰ τὸ μὴ βούλεσθαι τὸν λ. τοῦτον τὸ ὕδωρ τοῦ Σ. (14)
— 11. ἀπειθοῦσι τῇ πορείᾳ τῆς ὁδοῦ τοῦ λ. τούτου (14)
— 12. ὃ ἐὰν εἴπῃ ὁ λ. οὗτος (14)
9. 2 (1). ὁ λ. ὁ πορευόμ. [A καθήμ.] ἐν σκότει (14)
— 3 (2). τὸ πλεῖστον τοῦ λ. ὃ κατήγαγες (6)
— 9 (8). γνώσονται πᾶς ὁ λ. τοῦ Ἐφραὶμ (14)
— 13 (12). ὁ λ. οὐκ ἐπεστράφη [A S ἀπ.] (14)
— 16 (15). ἔσονται οἱ μακαρίζοντες τὸν λ. τοῦτον πλανῶντες (14)
— 19 (18). ἔσται ὁ λ. ὡς . . . κατακεκαυμένος (14)
10. 2. ἁρπάζοντες κρίμα πενήτων τοῦ λ. μου (14)
— 6. τῷ ἐμῷ λ. συντάξω ποιῆσαι σκῦλα (14)
— 22. ἐὰν γένηται ὁ λ. Ἰσραὴλ ὡς ἡ ἄμμος τῆς θαλ. (14)
— 24. μὴ φοβοῦ, ὁ λ. μου οἱ κατοικοῦντες ἐν Σιὼν (14)
11. 11. τοῦ ζηλῶσαι τὸ καταλειφθὲν ὑπόλοιπον τοῦ λ. (14)
— 16. τῷ καταλειφθέντι μου λαῷ ἐν Αἰγ. (14)
13. 14. ὥστε ἄνθρωπον εἰς τὸν λ. αὐτοῦ ἀποστραφῆναι (14)
14. 20. τὸν λ. μου ἀπέκτειναις (14)
— 32. δι' αὐτοῦ σωθήσονται οἱ ταπεινοὶ τοῦ λ. (14)
18. 2. πρὸς ἔθνος μετέωρον καὶ ξένον λαὸν καὶ χαλεπόν (14)
— 7. ἀνενεχθήσεται δῶρα . . . ἐκ λ. τεθλιμμένου καὶ τετιλμένου καὶ ἀπὸ λ. μεγάλου (14, 14)
19. 25. εὐλογημένος ὁ λ. μου (14)
24. 2. ἔσται ὁ λ. ὡς ὁ ἱερεύς (14)
25. 3. εὐλογήσει σε ὁ λ. ὁ πτωχός (14)
— 8. τὸ ὄνειδος τοῦ λ. ἀφεῖλεν ἀπὸ πάσης τῆς γῆς (14)
26. 2. εἰσελθέτω λ. φυλάσσων δικαιοσύνην (6)
— 11. ζῆλος λήψεται λαὸν [A¹ -ὸς] ἀπαίδευτον (14)
— 20. βάδιζε, [A add. ὁ] λ. μου, εἴσελθε (14)
27. 11. οὐ γὰρ λ. ἐστιν ἔχων σύνεσιν (14)
28. 5. τῷ καταλειφθέντι τοῦ λ. [A B³ κ. μου λαῷ] (14)
— 11. λαλήσουσι τῷ λ. τούτῳ (14)
— 14. ἄρχοντες τοῦ λ. τούτου [S om.] τοῦ ἐν Ἱερ. (14)
29. 13. ἐγγίζει μοι ὁ λ. οὗτος (14)
— 14. προσθήσω τοῦ μεταθεῖναι τὸν λ. τοῦτον (14)
Is. 30. 5. μάτην κοπιάσουσι πρὸς λαόν (14)
— 9. ὁ [A B¹ S om.] λ. ἀπειθής ἐστιν (14)
— 19. λ. ἅγιος ἐν Σιὼν οἰκήσει (14)
— 26. ὅταν ἰάσηται κύριος τὸ σύντριμμα τοῦ λ. αὐ. (14)
32. 13. ἡ γῆ τοῦ λ. μου (14)
— 18. κατοικήσει ὁ λ. αὐτοῦ ἐν πόλει εἰρήνης (14)
33. 3. ἐξέστησαν λαοὶ ἀπὸ τοῦ φόβου σου (14)
— 19. τοὺς τρεφομένους μικρὸν καὶ μέγαν λαόν (14)
— 19. ὥστε μὴ ἀκοῦσαι λ. πεφαυλισμένος (14 ?)
— 24. ὁ λ. ἐνοικῶν ἐν αὐτοῖς (14)
34. 1. ἡ οἰκουμένη καὶ ὁ λ. ὁ ἐν αὐτῇ †
— 5. ἐπὶ τὸν λ. τῆς ἀπωλείας μετὰ κρίσεως (14)
35. 2. ὁ λ. μου ὄψεται τὴν δόξαν κυρίου †
40. 1. παρακαλεῖτε τὸν λ. [S¹ π. λαός] μου (14)
42. 5. διδοὺς πνοὴν τῷ λ. τῷ ἐπ' αὐτῆς (14)
— 22. ἐγένετο ὁ λ. πεπρονομευμένος (14)
43. 8. ἐξήγαγον λαὸν τυφλόν (14)
— 21. ἔδωκα . . . λαόν μου (14)
45. 13. τὴν αἰχμαλωσίαν τοῦ λ. μου ἐπιστρέψει †
47. 6. παρωξύνθην ἐπὶ τῷ λ. μου (14)
48. 20. A ἐρρύσατο κύριος τὸν λ. [B S δοῦλον] αὐτοῦ (13)
— 21. πίεται ὁ λ. μου –
49. 13. ἠλέησεν ὁ θεὸς τὸν λ. αὐ. καὶ τοὺς ταπεινοὺς τοῦ λ. αὐ. παρεκάλεσεν (14, –)
51. 4. ἀκούσατέ μου λ. μου (14)
— 7. λ. οὗ ὁ νόμος μου ἐν τῇ καρδίᾳ ὑμῶν (14)
— 16. λ. μου εἶ σύ (14)
— 22. οὕτως λέγει κύριος ὁ θεὸς ὁ κρίνων τὸν λ. αὐτοῦ (14)
52. 4. εἰς Αἴγυπτον κατέβη ὁ λ. μου τὸ πρότερον (14)
— 5. ἐλήφθη ὁ λ. μου δωρεάν (14)
— 6. γνώσεται ὁ λ. μου τὸ ὄνομά μου (14)
53. 8. ἀπὸ τῶν ἀνομιῶν τοῦ λ. μου ἤχθη εἰς θάνατον (14)
55. 5. λαοὶ . . . ἐπὶ σὲ καταφεύξονται (6)
56. 3. ἀφορεῖ με ἄρα κύριος ἀπὸ τοῦ λ. αὐτοῦ (14)
57. 14. ἄρατε σκῶλα ἀπὸ τῆς ὁδοῦ τοῦ λ. μου (14)
58. 1. ἀνάγγειλον τῷ λ. μου τὰ ἁμαρτήματα αὐ. (14)
— 2. ὡς λ. δικαιοσύνην [A add. θεοῦ] πεποιηκώς (6)
60. 5. πλοῦτος θαλάσσης καὶ ἐθνῶν καὶ λαῶν (6)
— 21. ὁ λ. σου πᾶς δίκαιος (14)
61. 9. τὰ ἔκγονα αὐτῶν ἐν μέσῳ τῶν λ. [A S³ om. ἐν μ. τ. λ.] (14)
62. 10. ὁδοποιήσατε τῷ λ. μου (14)
— 12. καλέσει αὐτὸν Λαὸν ἅγιον (14)
63. 8. εἶπεν, Οὐχ ὁ λ. μου (14)
— 14. οὕτως ἤγαγες τὸν λ. σου (14)
64. 9 (8). λ. σου πάντες ἡμεῖς (14)
65. 2. ἐξεπέτασα τὰς χεῖράς μου . . . πρὸς λαὸν ἀπειθοῦντα (14)
— 3. ὁ λ. οὗτος ὁ παροξύνων με ἐναντίον ἐμοῦ (14)
— 10. φάραγξ Ἀχὼρ εἰς ἀνάπαυσιν βουκολίων τῷ λ. μου (14)
— 18. ποιῶ . . . τὸν λ. μου εὐφροσύνην (14)
— 19. εὐφρανθήσομαι ἐπὶ τῷ λ. μου (14)
— 22. A S R ἔσονται [B om.] αἱ ἡμέραι τοῦ λ. μου (14)
Je. 1. 18. τέθεικά σε . . . ὡς τεῖχος χαλκοῦν . . . τῷ λ. τῆς γῆς (14)
2. 11. ὁ δὲ λ. μου ἠλλάξατο τὴν δόξαν αὐτοῦ (14)
— 13. δύο καὶ πονηρὰ ἐποίησεν ὁ λ. μου (14)
— 31. εἶπεν ὁ λ. μου, Οὐ κυριευθησόμεθα [A δουλευθ.] (14)
— 32. ὁ δὲ λ. μου ἐπελάθετό μου ἡμέρας (14)
4. 10. ἀπατῶν ἠπάτησας τὸν λ. τοῦτον (14)
— 11. ἐροῦσι τῷ λ. τούτῳ . . . ὁδὸς τῆς θυγατρὸς τοῦ λ. μου οὐκ εἰς καθαρόν (14, 14)
— 22. οἱ ἡγούμενοι τοῦ λ. μου ἐμὲ οὐκ ἤδεισαν (14)
5. 14. δέδωκα . . . τὸν λ. τοῦτον ξύλα (14)
— 21. λ. μωρὸς καὶ ἀκάρδιος (14)
— 23. τῷ δὲ λ. τούτῳ ἐγενήθη καρδία ἀνήκοος (14)
— 26. εὑρέθησαν ἐν τῷ λ. μου ἀσεβεῖς [A -ειαι] (14)
— 31. ὁ λ. μου ἠγάπησεν οὕτως (14)
6. 14. ἰῶντο τὸ σύντριμμα τοῦ λ. μου (14)
— 19. ἐπάγω ἐπὶ τὸν λ. τοῦτον κακά [S al.] (14)
— 21. δίδωμι ἐπὶ τὸν λ. τοῦτον ἀσθένειαν (14)
— 22. λ. ἔρχεται ἀπὸ βορρᾶ (14)
— 26. A R θύγατερ [B S² -τηρ, S¹ -τέρες] λαοῦ μου, περίζωσαι σάκκον (14)
— 27. δοκιμαστὴν δέδωκά σε ἐν λαοῖς δεδοκιμασμένοις (14)
7. 12. ἀπὸ προσώπου κακίας λαοῦ μου (14)
Je. 7. 16. μὴ προσεύχου περὶ [A ὑπὲρ] τοῦ λ. τούτου (14)
— 23. ἔσεσθέ μοι εἰς λαόν (14)
— 33. ἔσονται οἱ νεκροὶ τοῦ λ. τούτου (14)
8. 5. ἀπέστρεψεν ὁ λ. μου [A om.] οὗτος [S om.] ἀποστροφὴν ἀναιδῆ (14)
— 7. ὁ δὲ λ. μου οὐκ ἔγνω τὰ κρίματα κυρίου (14)
— 19. ἰδοὺ φωνὴ κραυγῆς θυγατρὸς λαοῦ μου (14)
— 21. ἐπὶ συντρίμματι θυγατρὸς λαοῦ μου ἐσκοτώθην (14)
— 22. διὰ τί οὐκ ἀνέβη ἴασις θυγατρὸς λαοῦ μου (14)
9. 1 (8. 23). κλαύσομαι τὸν λ. μου τοῦτον ἡμέρας καὶ νυκτός –
— 1 (8. 23). τοὺς τετραυματισμένους θυγατρὸς λαοῦ μου (14)
— 2 (1). καταλείψω τὸν λ. μου [S add. τοῦτον] (14)
— 7 (6). ποιήσω ἀπὸ προσώπου πονηρίας [S τῆς] θυγατρὸς λαοῦ μου (14)
— 9 (8). ἐν λαῷ τοιούτῳ οὐκ ἐκδικήσει ἡ ψυχή μου (6)
11. 4. ἔσεσθέ μοι εἰς λαόν (14)
— 11. ἐπάγω ἐπὶ τὸν λ. τοῦτον κακά †
— 14. μὴ προσεύχου περὶ [A ὑπὲρ] τοῦ λ. τ. (14)
12. 14. ἧς ἐμέρισα τῷ λ. μου Ἰσραήλ (14)
— 16. ἐὰν μαθόντες μάθωσι τὴν ὁδὸν τοῦ λ. [A om. τ. λ.] μου (14)
— 16. ἐδίδαξαν τὸν λ. μου ὀμνύειν τῇ Βαάλ (14)
— 16. καὶ οἰκοδομοθήσεται ἐν μέσῳ τοῦ λ. μου (14)
13. 11. τοῦ γενέσθαι μοι εἰς λαὸν ὄνομαστόν (14)
— 12. ἐρεῖς πρὸς τὸν λ. τοῦτον †
14. 6. A οὐκ ἦν χόρτος ἀπὸ λαοῦ ἀδικίας [B S om. ἀ. λ. ἀ.] –
— 10. οὕτως λέγει κύριος τῷ λ. τούτῳ (14)
— 11. μὴ προσεύχου περὶ τοῦ λ. τούτου εἰς ἀγαθά (14)
— 16. ἐν λιμῷ συντελεσθήσονται οἱ προφῆται καὶ ὁ λ. (14)
— 17. συντρίμματι συνετρίβη θυγάτηρ λαοῦ μου (14)
15. 1. ἐξαπόστειλον τὸν λ. τοῦτον †
— 7. ἐν πύλαις λαοῦ μου ἠτεκνώθησαν ἀπώλεσαν τὸν λ. μου [S al.] (†, 14)
— 20. δώσω σε [S σε ἐν] τῷ λ. τούτῳ ὡς τεῖχος ὀχυρόν (14)
16. 5. ἀφέστακα τὴν εἰρήνην μου ἀπὸ τοῦ λ. τούτου (14)
— 10. ὅταν ἀναγγείλῃς τῷ λ. τούτῳ ἅπαντα τὰ ῥήμ. τ. (14)
17. 19. στῆθι ἐν ταῖς πύλαις υἱῶν λαοῦ σου (14)
18. 15. ἐπελάθοντό μου [A S add. ὁ] λ. μου (14)
19. 1. ἄξεις ἀπὸ τῶν πρεσβυτέρων τοῦ λ. [A add. σου] (14)
— 11. συντρίψω τὸν λ. τοῦτον (14)
— 14. εἶπε πρὸς πάντα τὸν λ. (14)
21. 7. δώσω . . . τὸν λ. τὸν καταλειφθέντα . . . εἰς χεῖρας ἐχθρῶν αὐτῶν (14)
— 8. πρὸς τὸν λ. τοῦτον ἐρεῖς (14)
22. 2. σὺ καὶ ὁ οἶκός σου καὶ ὁ λ. σου (14)
— 4. αὐτοὶ καὶ οἱ παῖδες αὐτῶν καὶ ὁ λ. αὐτῶν (14)
23. 2. τάδε λέγει κύριος ἐπὶ τοὺς ποιμαίνοντας τὸν λ. μου (14)
— 3. εἰσδέξομαι τοὺς καταλοίπους [A τὸ κ.] τοῦ λ. μου (15)
— 13. ἐπλάνησαν τὸν λ. μου Ἰσραήλ (14)
— 14. S οἱ κατοικοῦντες αὐτὴν ὥσπερ λ. [A B om.] Γόμορρα –
— 22. τὸν λ. μου ἂν ἀπέστρεφον [A μ. ἀποστρέφειν] αὐτούς (14)
— 32. ἐπλάνησαν τὸν λ. μου ἐν τοῖς ψεύδεσιν αὐτῶν (14)
— 32. ὠφέλειαν οὐκ ὠφελήσουσι τὸν λ. τοῦτον (14)
— 33. ἐὰν ἐρωτήσωσίν σε ὁ λ. οὗτος (14)
— 34. ὁ προφήτης καὶ οἱ ἱερεῖς καὶ ὁ λ. (14)
— 7. S ὃς ἀνήγαγε [S¹ σύν.] τὸν λ. [A B οἶκον] Ἰσραὴλ (5)
24. 7. ἔσονταί μοι εἰς λαόν (14)
25. 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος . . . ἐπὶ πάντα τὸν λ. Ἰούδα (14)
— 2. A B S² ὃν ἐλάλησε πρὸς πάντα τὸν λ. Ἰούδα (14)
26 (46). 16. ἀναστρέψωμεν πρὸς τὸν λ. ἡμῶν [A al.] (14)
— 24. παρεδόθη εἰς χεῖρας λαοῦ ἀπὸ βορρᾶ (14)
27 (50). 6. πρόβατα ἀπολωλότα ἐγενήθη ὁ λ. μου (14)
— 16. ἕκαστος εἰς τὸν λ. [A τόπον] αὐτοῦ ἀποστρέψουσι (14)
— 41. λαὸς ἔρχεται ἀπὸ [A add. γῆς] βορρᾶ (14)
28 (51). 11. ἐκδίκησις λαοῦ αὐτοῦ ἐστιν †

Je. 28 (51). 58. οὐ κοπιάσουσι λαοὶ εἰς κενόν (14)
30 (49). 1. ὁ λ. αὐ. ἐν πόλεσιν αὐ. ἐνοικήσει (14)
32 (25). 19. ἐπότισα . . . πάντα τὸν λ. αὐτοῦ (14)
33 (26). 7. ἤκουσαν οἱ ἱερεῖς . . . καὶ πᾶς ὁ λ. (14)
— 8. ἃ συνέταξεν αὐτῷ κύριος λαλῆσαι [S *om.*] παντὶ τῷ λ. καὶ συνελάβοσαν αὐτὸν οἱ ἱερεῖς . . . καὶ πᾶς ὁ λ. (14, 14)
— 9. ἐξεκκλησιάσθη πᾶς ὁ λ. ἐπὶ Ἱερεμίαν (14)
— 11. εἶπαν οἱ ἱερεῖς . . . παντὶ τῷ λ. (14)
— 12. εἶπεν Ἱερεμίας . . . παντὶ τῷ λ. (14)
— 16. εἶπαν οἱ ἄρχοντες καὶ πᾶς ὁ λ. πρὸς τοὺς ἱερεῖς (14)
— 17. εἶπαν πάσῃ τῇ συναγωγῇ τοῦ λ. (14)
— 18. εἶπε παντὶ τῷ λ. Ἰούδα (14)
— 23. ἔρριψεν αὐτὸν εἰς τὸ μνῆμα [A -μεῖον] υἱῶν λαοῦ αὐ. (14)
— 24. τοῦ μὴ παραδοῦναι αὐτὸν εἰς χεῖρας τοῦ λ. (14)
34 (27). 16. παντὶ τῷ λ. τούτῳ καὶ τοῖς ἱερεῦσιν ἐλάλησα (14)
35 (28). 1. κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν ἱερέων καὶ παντὸς τοῦ λ. (14)
— 5. κατ' ὀφθαλμοὺς παντὸς τοῦ λ. (14)
— 7. εἰς τὰ ὦτα ὑμῶν καὶ εἰς τὰ ὦτα παντὸς τοῦ λ. (14)
— 10. ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς τοῦ λ. †
— 11. κατ' ὀφθαλμοὺς παντὸς [S *om.*] τοῦ λ. (14)
— 15. πεποιθέναι ἐποίησας τὸν λ. τοῦτον ἐπ' ἀδίκῳ (14)
36 (29). 1. οὗς ἀπέστειλεν Ἱερεμίας . . . πρὸς ἅπαντα τὸν λ. (14)
— 10. τοῦ τὸν λ. ὑμῶν ἀποστρέψαι εἰς τὸν τόπον τοῦτον †
37 (30). 3. ἀποστρέψω τὴν ἀποικίαν λαοῦ μου (14)
— 18. ὁ λ. κατὰ τὸ κρίμα αὐτοῦ καθεδεῖται †
38 (31). 1. ἔσονταί μοι εἰς λαόν (14)
— 7. ἔσωσε κύριος τὸν λ. αὐτοῦ (14)
— 14. ὁ λ. μου τῶν ἀγαθῶν μου ἐμπλησθήσεται (14)
— 33. αὐτοὶ ἔσονταί μοι εἰς λαόν (14)
— 38. οἰκοδομηθήσεται πόλις τῷ κ. [S[1] λαῷ] †
39 (32). 21. ἐξήγαγες τὸν λ. σου Ἰσραήλ (14)
— 38. ἔσονταί μοι εἰς λαόν (14)
— 42. ἐπήγαγον ἐπὶ τὸν λ. τοῦτον πάντα τὰ κακά (14)
40 (33). 9. ἔσται εἰς εὐφροσύνην . . . παντὶ τῷ λ. τῆς γῆς (6)
41 (34). 8. μετὰ τὸ συντελέσαι τὸν βασιλέα Σεδ. διαθήκην πρὸς τὸν λ. (14)
— 10. ἐπεστράφησαν πάντες οἱ μεγιστᾶνες καὶ πᾶς ὁ λ. (14)
— 19. δώσω . . . τοὺς ἱερεῖς καὶ τὸν λ. (14)
42 (35). 16. ὁ δὲ λ. οὗτος [A μου] οὐκ ἤκουσάν μου (14)
43 (36). 6. ἀναγνώσῃ . . . εἰς τὰ ὦτα τοῦ λ. (14)
— 6. ἐν ὡσὶ παντὸς Ἰούδα [A τοῦ λαοῦ] . . . ἀναγνώσῃ αὐτοῖς †
— 7. ἣν ἐλάλησεν ἐπὶ τὸν λ. [A τόπον] τοῦτον (14)
— 9. ἐξεκκλησίασαν νηστείαν . . . πᾶς ὁ λ. (14)
— 10. ἐν ὡσὶ [A εἰς τὰ ὦτα] παντὸς τοῦ λ. (14)
— 13. εἰς τὰ ὦτα τοῦ λ. [S[1] κυρίου τοῦ θεοῦ] (14)
— 14. ἐν ὡσὶ τοῦ λ. (14)
44 (37). 2. οὐκ ἤκουσαν αὐτὸς . . . καὶ ὁ λ. τῆς γῆς (14)
— 12. τοῦ ἀγοράσαι ἐκεῖθεν ἐν μέσῳ τοῦ λ. (14)
— 18. τί ἠδίκησά σε . . . καὶ τὸν λ. τοῦτον (14)
45 (38). 1. οὗς Ἱερεμίας ἐλάλει ἐπὶ τὸν λ. [S[1] ὄχλον] (14)
— 4. ἐκλύει . . . τὰς χεῖρας παντὸς τοῦ λ. (14)
— 4. οὐ χρησμολογεῖ εἰρήνην τῷ λ. τούτῳ [A *om.*] (14)
46 (39). 14. ἐκάθισεν ἐν μέσῳ τοῦ λ. (14)
47 (40). 5. οἴκησον μετ' αὐτοῦ ἐν μέσῳ τοῦ λ. (14)
— 6. ἐκάθισεν ἐν μέσῳ τοῦ λ. (14)
48 (41). 10. ἀπέστρεψεν Ἰσμαὴλ πάντα τὸν λ. (14)
— 13. εἶδε πᾶς ὁ λ. ὁ μετὰ Ἰσμαὴλ τὸν Ἰωάναν (14)
— 16. ἔλαβεν Ἰωάναν . . . πάντας τοὺς καταλοίπους τοῦ λ. (14)
49 (42). 1. πᾶς ὁ λ. ἀπὸ μικροῦ καὶ ἕως μεγάλου (14)
— 8. ἐκάλεσε . . . πάντα τὸν λ. (14)
50 (43). 1. ἐπαύσατο Ἱερεμίας λέγων πρὸς τὸν λ. (14)
— 4. οὐκ ἤκουσεν Ἰωάναν . . . καὶ πᾶς ὁ λ. (14)
51 (44). 15. καὶ πᾶς ὁ λ. οἱ καθήμενοι ἐν γῇ Αἰγ. (14)
— 20. εἶπεν Ἱερεμίας παντὶ τῷ λ. τοῖς δυνατοῖς καὶ ταῖς γυναιξὶ καὶ παντὶ τῷ λ. (14, 14)
— 21. οἱ βασιλεῖς ὑμῶν καὶ οἱ ἄρχοντες ὑμῶν καὶ ὁ λ. τῆς γῆς (14)
— 24. εἶπεν Ἱερεμίας τῷ λ. (14)
52. 6. οὐκ ἦσαν ἄρτοι τῷ λ. τῆς γῆς (14)

Je. 52. 16. τοὺς καταλοίπους [S λ.] τοῦ λ. κατέλιπεν ὁ ἀρχιμάγειρος †
— 25. ἔλαβεν . . . τὸν γραμματεύοντα τῷ λ. τῆς γῆς καὶ ἑξήκοντα ἀνθρώπους ἐκ τοῦ λ. τῆς γῆς (14, 14)
Ba. 1. 3, 4. ἐν ὡσὶ παντὸς τοῦ λ.
— 7. ἀπέστειλαν . . . πρὸς πάντα τὸν λ.
— 9. μετὰ τὸ ἀποικίσαι N. . . . τὸν λ. τῆς γῆς
2. 4. εἰς ὀνειδισμὸν καὶ ἄβατον ἐν πᾶσι τοῖς λ.
— 11. ὃς ἐξήγαγες τὸν λ. σου ἐκ γῆς Αἰγύπτου
— 30. λ. σκληροτράχηλός ἐστι
— 35. αὐτοὶ ἔσονταί μοι εἰς λαόν
— 35. οὐ κινήσω ἔτι τὸν λ. μου Ἰσραὴλ ἀπὸ τῆς γῆς
4. 5. θαρσεῖτε λαός μου
— 10. A εἶδον γὰρ τὴν αἰχμαλωσίαν τοῦ λ. [B *om.* τ. λ.] τῶν υἱῶν μου
La. 1. 1. ἡ πόλις ἡ πεπληθυμμένη λαῶν (14)
— 7. ἐν τῷ πεσεῖν τὸν λ. αὐτῆς εἰς χεῖρας θλίβοντος (14)
— 11. πᾶς ὁ λ. αὐτῆς καταστενάζοντες (14)
— 18. ἀκούσατε δὴ πάντες οἱ [S *om.*] λ. (14)
2. 11. ἐπὶ τὸ σύντριμμα τῆς θυγατρὸς [AS *add.* τοῦ] λαοῦ μου (14)
3. 14. ἐγενήθην γέλως παντὶ [A *add.* τῷ] λαῷ μου (14)
— 45. ἔθηκας ἡμᾶς ἐν μέσῳ τῶν λ. (14)
— 48. ἐπὶ τὸ σύντριμμα τῆς θυγατρὸς τοῦ λ. μου (14)
4. 3. ἐθήλασαν σκύμνοι αὐτῶν θυγατέρας [A -ες] λαοῦ μου (14)
— 6. ἐμεγαλύνθη ἀνομία θυγατρὸς λαοῦ μου (14)
— 10. A R ἐν τῷ συντρίμματι τῆς θυγατρὸς τοῦ [B *om.*] λ. μου (14)
Ez. 3. 5. οὐ πρὸς λ. βαθύγλωσσον σὺ ἐξαποστέλλῃ [A *al.*] (14)
— 6. οὐδὲ πρὸς λ. πολλοὺς ἀλλοφώνους (14)
— 11. εἴσελθε . . . πρὸς τοὺς υἱοὺς τοῦ λ. σου (14)
7. 23. ἡ γῆ πλήρης λαῶν †
— 27. αἱ χεῖρες τοῦ λ. τῆς γῆς παραλυθήσονται (14)
9. 9. ἐπλήσθη ἡ γῆ λαῶν πολλῶν †
11. 1. ἴδον . . . τοὺς ἀφηγουμένους τοῦ λ. (14)
— 20. ἔσονταί μοι εἰς λαόν (14)
12. 19. ἐρεῖς πρὸς τὸν λ. τῆς γῆς (14)
13. 9. ἐν παιδείᾳ τοῦ λ. μου οὐκ ἔσονται (14)
— 10. ἐπλάνησαν τὸν λ. μου (14)
— 17. στήρισον τὸ πρόσωπόν σου ἐπὶ τὰς θυγατέρας τοῦ λ. σου (14)
— 18. αἱ ψυχαὶ διεστράφησαν τοῦ λ. μου (14)
— 19. ἐβεβήλουν με πρὸς τὸν λ. μου (14)
— 19. ἐν τῷ ἀποφθέγγεσθαι ὑμᾶς λαῷ (14)
— 21, 23. ῥύσομαι τὸν λ. μου ἐκ χειρὸς ὑμῶν (14)
14. 1. R ἦλθον πρὸς μὲ . . . ἄνδρες τοῦ λ. [A *om.* τ. λ., B *om.* λ.] Ἰσρ. –
— 8. ἐξαρῶ αὐτὸν ἐκ μέσου τοῦ λ. μου (14)
— 9. ἀφανιῶ αὐτὸν ἐκ μέσου τοῦ λ. μου Ἰσραήλ (14)
— 11. ἔσονταί μοι εἰς λαόν (14)
17. 9. οὐκ ἐν βραχίονι μεγάλῳ οὐδὲ ἐν λαῷ πολλῷ (14)
— 15. τοῦ δοῦναι αὐτῷ ἵππους καὶ λαὸν πολύν (14)
18. 18. ἐναντία ἐποίησεν ἐν μέσῳ τοῦ λ. μου (14)
20. 34. ἐξάξω ὑμᾶς ἐκ τῶν λ. (14)
— 35. ἄξω ὑμᾶς εἰς τὴν ἔρημον τῶν λ. (14)
— 41. ἐν τῷ ἐξαγαγεῖν με ὑμᾶς ἐκ τῶν λ. (14)
— 41. ἁγιασθήσομαι ἐν ὑμῖν κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν λ. (6)
21. 12 (17). αὕτη ἐγένετο ἐν τῷ λ. μου (14)
— 12 (17). ἐπὶ ῥομφαίᾳ [B[2] ἐπεὶ ῥομφαία] ἐγένετο ἐν τῷ λ. μου (14)
22. 29. λαὸν [A τὸν λ.] τῆς γῆς ἐκπιεζοῦντες (14)
23. 24. ἅρματα καὶ τροχοὶ μετ' ὄχλου λαῶν (14)
24. 9. B μεγαλυνῶ τὸν λ. [A R δαλόν] †
— 18. ἐλάλησα πρὸς τὸν λ. τὸ πρωΐ (14)
— 19. εἶπε πρὸς μὲ ὁ λ. (14)
25. 7. ἐξολεθρεύω σε ἐκ τῶν λ. (14)
— 14. δώσω ἐκδίκησίν μου . . . ἐν χειρὶ λαοῦ μου Ἰσρ. (14)
26. 11. τὸν λ. σου μαχαίρᾳ ἀνελεῖ (14)
— 20. πρὸς τοὺς καταβαίνοντας εἰς βόθρον πρὸς λαὸν αἰῶνος (14)
27. 3. ἐρεῖς τῇ Σὸρ . . . τῷ ἐμπορίῳ τῶν λ. (14)
28. 25. ἁγιασθήσομαι ἐν αὐτοῖς καὶ ἐνώπιον τῶν λ. (6)
30. 11. διὰ χειρὸς Ναβουχοδονόσορ . . . αὐτοῦ καὶ τοῦ λ. αὐτοῦ (14)
31. 12. κατέβησαν . . . πάντες οἱ λ. τῶν ἐθνῶν (14)
32. 3. περιβαλῶ ἐπὶ σὲ δίκτυα λαῶν πολλῶν [A *al.*] (14)
— 9. παροργιῶ καρδίαν λαῶν πολλῶν (14)
33. 2. λάλησον τοῖς υἱοῖς τοῦ λ. σου (14)

Ez. 33. 2. λάβῃ ὁ λ. τῆς γῆς ἄνθρωπον ἕνα ἐξ αὐτῶν (14)
— 3. σημάνῃ τῷ λ. (14)
— 6. μὴ σημάνῃ [A *add.* τῷ λ.] τῇ σάλπιγγι καὶ ὁ λ. μὴ φυλάξῃται (–, 14)
— 12. εἰπὸν πρὸς τοὺς υἱοὺς τοῦ λ. σου (14)
— 17. ἐροῦσιν οἱ υἱοὶ τοῦ λ. σου (14)
— 30. οἱ υἱοὶ τοῦ λ. σου οἱ λαλοῦντες περὶ σοῦ (14)
— 31. ἔρχονται πρὸς σὲ ὡς συμπορεύεται λαός (14)
— 31. A κάθηνται ἐναντίον σου ὁ λ. μου [B *om.* ὁ λ. μ.] (14)
34. 30. αὐτοὶ λ. μου (14)
36. 8. τὸν καρπὸν ὑμῶν καταφάγεται ὁ λ. μου (14)
— 12. γεννήσω [A δώσω] ἐφ' ὑμᾶς ἀνθρώπους τὸν λ. μου Ἰσρ. (14)
— 15. ὀνειδισμοὺς λαῶν οὐ μὴ ἀνενέγκητε ἔτι [A *al.*] (14)
— 20. λ. κυρίου οὗτοι (14)
— 28. ἔσεσθέ μοι εἰς λαόν (14)
— 30. A ὅπως μὴ λάβητε ἔτι ὀνειδισμὸν λαοῦ [B *al.*] †
37. 13. τοῦ ἀναγαγεῖν με ἐκ τῶν τάφων τὸν λ. μου (14)
— 18. ὅταν λέγωσι πρὸς σὲ οἱ υἱοὶ τοῦ λ. σου (14)
— 23. ἔσονταί μοι εἰς λαόν (14)
— 27. αὐτοί μου ἔσονται [A ἔ. μοι] λ. (14)
38. 14. ἐν τῷ κατοικισθῆναι τὸν λ. μου Ἰσρ. (14)
— 16. ἀναβήσῃ ἐπὶ τὸν λ. μου Ἰσραὴλ ὡς νεφέλη (14)
39. 7. γνωσθήσεται ἐν μέσῳ λαοῦ μου Ἰσραήλ (14)
— 13. κατορύξουσιν αὐτοὺς πᾶς ὁ λ. τῆς γῆς (14)
42. 14. ὅταν ἅπτωνται τοῦ λ. (14)
44. 11. σφάξουσι . . . τὰς θυσίας τῷ λ. (14)
— 11. οὗτοι στήσονται ἐναντίον τοῦ λ. †
— 19. ἐν τῷ ἐκπορεύεσθαι αὐτοὺς . . . πρὸς τὸν λ. (14)
— 19. οὐ μὴ ἁγιάσωσι τὸν λ. ἐν ταῖς στολαῖς αὐ. (14)
— 23. τὸν λ. μου διδάξουσιν (14)
45. 8. οὐ καταδυναστεύσουσιν οὐκέτι . . . τὸν λ. μου (14)
— 9. A τὸν λ. μου καὶ τὴν γῆν κατακληρονομήσουσιν –
— 9. ἐξάρατε καταδυναστείαν ἀπὸ τοῦ λ. μου (14)
— 16. πᾶς ὁ λ. δώσει τὴν ἀπαρχὴν ταύτην (14)
— 22. ποιήσει . . . ὑπὲρ παντὸς τοῦ λ. τῆς γῆς μόσχον (14)
46. 3. προσκυνήσει ὁ λ. τῆς γῆς κατὰ τὰ πρόθυρα (14)
— 9. ὅταν εἰσπορεύηται ὁ λ. τῆς γῆς [A *om.* τ. γ.] ἐναντίον κυρίου (14)
— 18. οὐ μὴ λάβῃ ὁ ἀφηγούμ. ἐκ τῆς κληρονομίας τοῦ λ. (14)
— 18. ὅπως μὴ διασκορπίζηται ὁ λ. μου (14)
— 20. τοῦ ἁγιάζειν τὸν λ. (14)
— 24. ἑψήσουσιν ἐκεῖ . . . τὰ θύματα τοῦ λ. (14)
Da. LXX. Su. 5. δύο πρεσβύτεροι ἐκ τοῦ λαοῦ
— 5. ἐδόκουν κυβερνᾶν τὸν λαόν
— 41. πρεσβυτέρων ὄντων καὶ κριτῶν τοῦ λ.
— 59. ἕως ὁ λ. ἐξολεθρεύσει ὑμᾶς
3. 4. ὑμῖν παραγγέλλεται, . . . λαοὶ καὶ γλῶσσαι (2)
— 31 (98). Ναβ. ὁ βασ. πᾶσι τοῖς λ. (14)
4. 19. ἐπὶ ταῖς ἁμαρτίαις τοῦ λ. τοῦ ἡγιασμένου –
— 34. ποιήσω ἐγὼ καὶ ὁ λ. –
— 34. ἐν τῷ λ. μου ἐκράτησα –
7. 27. ἔδωκε λαῷ ἁγίῳ ὑψίστου βασιλεῦσαι (14)
8. 19. ἃ ἔσται . . . τοῖς υἱοῖς τοῦ λ. σου –
9. 7. ἡμῖν ἡ αἰσχύνη . . . καὶ παντὶ τῷ λ. Ἰσ. –
— 15. ὁ ἐξαγαγὼν τὸν λ. σου ἐξ Αἰγ. (14)
— 19. τὸ ὄνομά σου ἐπεκλήθη . . . ἐπὶ τὸν λ. σου (14)
— 20. τὰς ἁμαρτίας τοῦ λ. μου Ἰσ. (14)
— 24. ἑβδομήκ. ἑβδομάδες ἐκρίθησαν ἐπὶ τὸν λ. σου (14)
10. 14. τί ὑπαντήσεται τῷ λ. σου (14)
11. 32. ἐν ἁμαρτίαις διαθήκης μιανοῦσιν ἐν σκληρῷ λαῷ †
12. 1. ὁ ἑστηκὼς ἐπὶ τοὺς υἱοὺς τοῦ λ. σου (14)
— 1. ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμέρᾳ ὑψωθήσεται πᾶς ὁ λ. (14)
— 7. ἡ συντέλεια χειρῶν ἀφέσεως λαοῦ ἁγίου (14)
Da. TH. Su. 5. ἀπεδείχθησαν δύο πρεσβύτεροι ἐκ τοῦ λ.
— 5. οἱ ἐδόκουν κυβερνᾶν τὸν λ.
— 7. ἡνίκα ἀπέτρεχεν ὁ λ. μέσον ἡμέρας
— 28. συνῆλθεν ὁ λ. πρὸς τὸν ἄνδρα αὐτῆς Ἰ.
— 29. εἶπαν ἔμπροσθεν τοῦ λ.
— 34. ἀναστάντες . . . ἐν μέσῳ τῷ λ. [A τοῦ λ.]

Da. TH. Su. 41. ἐπίστευσεν αὐτοῖς . . . ὡς πρεσβυτέροις τοῦ λ.
— 47. ἐπέστρεψε δὲ πᾶς ὁ λ. πρὸς αὐτόν
— 50. ἀνέστρεψε πᾶς [B² om.] ὁ λ. μετὰ σπουδῆς
— 64. Δ. ἐγένετο μέγας ἐνώπιον τοῦ λ.
2. 44. λαῷ ἑτέρῳ οὐχ ὑπολειφθήσεται (14)
3. 4. ὑμῖν λέγεται λαοῖς [A ἔθνη λαοὶ] φυλαὶ γλῶσσαι (14)
— 7. ὅταν ἤκουον οἱ λ. τῆς φωνῆς τῆς σάλπιγγος (14)
— 7. πίπτοντες πάντες οἱ λ. φυλαὶ γλῶσσαι (14)
— 29 (96). πᾶς λαὸς φυλὴ γλῶσσα (14)
— 31 (98). πᾶσι τοῖς λ. φυλαῖς καὶ γλώσσαις (14)
5. 19. πάντες οἱ λ. φυλαὶ γλῶσσαι ἦσαν τρέμοντες (14)
6. 25 (26). ἔγραψε πᾶσι τοῖς λ. φυλαῖς γλώσσαις (14)
7. 14. πάντες οἱ λ. φυλαὶ καὶ γλῶσσαι (14)
8. 24. διαφθερεῖ ἰσχυροὺς καὶ λαὸν ἅγιον (14)
9. 6. οἱ ἐλάλουν . . . πρὸς πάντα τὸν λ. τῆς γῆς (14)
— 15. ὃς ἐξήγαγες τὸν λ. σου ἐκ γῆς Αἰ. (14)
— 16. ὁ λ. σου εἰς ὀνειδισμὸν ἐγένετο (14)
— 19. τὸ ὄνομά σου ἐπικέκληται . . . ἐπὶ τὸν λ. σου (14)
— 20. τὰς ἁμαρτίας τοῦ λ. μου Ἰσραήλ (14)
— 24. ἑβδομήκ. ἑβδομάδες συνετμήθησαν ἐπὶ τὸν λ. σου (14)
10. 14. ὅσα ἀπαντήσεται τῷ λ. σου (14)
11. 14. AR οἱ υἱοὶ τῶν λοιμῶν [B -πῶν] τοῦ λ. σου (14)
— 32. A καὶ λαοὶ ἀνομοῦντες διαθήκην ἐξάξουσιν ἐν ὀλισθήμασιν καὶ λαὸς γινώσκων θεόν [B al.] (–, 14)
— 33. οἱ συνετοὶ τοῦ λ. [Aσ. λ. μου] συνήσουσιν (14)
12. 1. ὁ ἑστηκὼς ἐπὶ τοὺς υἱοὺς τοῦ λ. σου (14)
— 1. ἐν τῷ καιρῷ ἐκείνῳ σωθήσεται ὁ λ. σου (14)
— 7. A διασκορπισμὸν λαοῦ ἡγιασμένου [B om. λ. ἡ.] (14)
I Ma. 1. 13. AR προεθυμήθησάν τινες ἀπὸ [S om.] τοῦ λ.
— 30. ἀπώλεσε λαὸν πολὺν ἐξ Ἰσραήλ
— 41. εἶναι πάντας λαὸν [A εἰς λ.] ἕνα
— 51. AR ἐποίησεν ἐπισκόπους ἐπὶ [S κατὰ] πάντα τὸν λ.
— 52. συνηθροίσθησαν ἀπὸ τοῦ λ. πρὸς αὐτοὺς πολλοί
2. 7. SR τὸ σύντριμμα [A τὰ σ.] τοῦ λ. μου
— 66. SR πολεμήσει [A -σετε] πόλεμον λαῶν
— 67. ἐκδικήσατε ἐκδίκησιν τοῦ λ. ὑμῶν
3. 3. ἐπλάτυνε δόξαν τῷ λ. αὐτοῦ
— 5. SR τοὺς ταράσσοντας τὸν λ. [A om.] αὐτοῦ
— 42. ἐνετείλατο ποιῆσαι τῷ λ. εἰς ἀπώλειαν
— 43. ἀναστήσωμεν τὴν καθαίρεσιν τοῦ λ. ἡμῶν
— 43. SR πολεμήσωμεν περὶ [S¹ om.] τοῦ λ. ἡμῶν [A om. πολ. . . . ἡ.] καὶ τῶν ἁγίων [S¹ λαῶν]
— 55. κατέστησεν Ἰ. ἡγουμένους τοῦ λ.
4. 17. εἶπε πρὸς τὸν λ.
— 31. SR σύγκλεισον . . . ἐν χειρὶ [A εἰς χεῖρας] λαοῦ σου Ἰσ.
— 55. ἔπεσον πᾶς ὁ λ. ἐπὶ πρόσωπον
— 58. ἐγενήθη εὐφροσύνη μεγάλη ἐν τῷ λ. σφόδρα
— 61. τοῦ ἔχειν τὸν λ. ὀχύρωμα
5. 2. ἤρξαντο τοῦ θανατοῦν ἐν τῷ λ.
— 4. οἱ ἦσαν τῷ λ. εἰς παγίδα
— 6. εὗρε χεῖρα κραταιὰν καὶ λαὸν πολύν
— 16. ὡς δὲ ἤκουσεν Ἰ. καὶ ὁ λ. τοὺς λόγους τούτους
— 18. R κατέλιπεν Ἰ. . . . καὶ Ἀ. ἡγούμενον τοῦ λ.
— 19. πρόσητε τοῦ λ. τούτου
— 30. ἰδοὺ λαὸς πολύς
— 42. ἔστησε τοὺς γραμματεῖς τοῦ λ. ἐπὶ τοῦ χειμάρρου
— 43. SR πᾶς ὁ λ. ὄπισθεν αὐτοῦ [A al.]
— 53. παρακαλῶν τὸν λ. κατὰ πᾶσαν τὴν ὁδόν
— 60. SR ἔπεσον . . . ἐκ τοῦ λ. τοῦ [A σου] Ἰσρ.
— 61. ἐγενήθη τροπὴ μεγ. ἐν τῷ λ. [S om.]
6. 19. ἐξεκκλησίασε πάντα τὸν λ.
— 24. R περικάθηνται [S -εκάθηντο] . . . υἱοὶ τοῦ λ. ἡμῶν [A al.]
— 44. ἔδωκεν ἑαυτὸν τοῦ σῶσαι τὸν λ. αὐτοῦ
7. 6. κατηγόρησαν [S¹ -ρῆσαι] τοῦ λ. πρὸς τὸν βασιλέα
— 18. ἐπέπεσεν . . . ὁ τρόμος εἰς πάντα τὸν λ.
— 19. συνέλαβε . . . τινας τοῦ λ.
— 22. πάντες οἱ ταράσσοντες τὸν λ. αὐτῶν
— 26. ἐνετείλατο αὐτῷ ἐξᾶραι τὸν λ.
— 33. ἀπὸ τῶν πρεσβυτέρων τοῦ λ.
I Ma. 7. 37. οἶκον προσευχῆς καὶ δεήσεως τῷ λ. σου
— 48. ηὐφράνθη ὁ λαὸς σφόδρα
9. 73. ἤρξατο Ἰωνάθαν κρίνειν τὸν λ.
10. 7. εἰς τὰ ὦτα παντὸς τοῦ λ.
— 46. ὡς δὲ ἤκουσεν Ἰ. καὶ ὁ λ.
— 80. ἐξετίναξαν τὰς σχίζας εἰς τὸν λ. [S¹ ναόν]
— 81. ὁ δὲ λ. εἱστήκει
12. 35. ἐξεκκλησίασε τοὺς πρεσβυτέρους τοῦ λ.
— 44. AR ἵνα τί ἔκοψας πάντα [S om.] τὸν λ. τ.
13. 2. εἶδε τὸν λ.
— 2. καὶ ἤθροισε τὸν λ.
— 7. ἀνεζωοπύρησε τὸ πνεῦμα τοῦ λ.
— 17. μή ποτε ἔχθραν ἄρῃ μεγάλην πρὸς τὸν λ.
— 42. AR ἤρξατο ὁ λ. Ἰσ. [S om.] γράφειν
14. 14. ἐστήρισε πάντας τοὺς ταπεινοὺς τοῦ λ. αὐτοῦ
— 28. ἐπὶ συναγωγῆς μεγάλης ἱερέων καὶ λαοῦ
— 30. προσετέθη πρὸς τὸν λαὸν αὐτοῦ
— 35. AS²R εἶδεν ὁ λ. [S¹ om. εἶ. ὁ λ.] τὴν πρᾶξιν [A S πίστιν] τοῦ Σ.
— 35. ὑψῶσαι τὸν λ. αὐτοῦ
— 44. οὐκ ἐξέσται οὐδενὶ [S¹ οὐθὲν] τοῦ λ.
— 46. εὐδόκησε πᾶς ὁ λ.
15. 35. ἐποίουν ἐν τῷ λ. πληγὴν μεγάλην
— 39. ὅπως πολεμήσῃ τὸν λ.
— 40. ἤρξατο τοῦ ἐρεθίζειν τὸν λ.
— 40. ἤρξατο . . . αἰχμαλωτίζειν τὸν λ.
16. 6. παρενέβαλε κατὰ πρόσωπον αὐ. αὐτὸς καὶ ὁ λ. αὐτοῦ
— 6. εἶδε τὸν λ. δειλούμενον
— 7. διεῖλε τὸν λ. καὶ τοὺς ἱππεῖς
II Ma. 1. 26. πρόσδεξαι τὴν θυσίαν ὑπὲρ παντὸς τοῦ λ. σου Ἰ.
— 29. καταφύτευσον τὸν λ. σου
2. 7. ἐπισυναγωγὴν τοῦ λ.
— 17. ὁ σώσας τὸν πάντα λαὸν αὐτοῦ
6. 16. οὐκ ἐγκαταλείπει τὸν ἑαυτοῦ λαόν
8. 2. R τὸν ὑπὸ πάντων καταπατούμενον [A -πονούμ.] λαόν
10. 21. συναγαγὼν τοὺς ἡγουμένους τοῦ λ.
13. 11. τὸν ἄρτι βραχέως ἀνεψυχότα λαόν
14. 15. τὸν . . . συστήσαντα τὸν ἑαυτοῦ λαόν
15. 14. προσευχόμενος περὶ τοῦ λ.
— 24. παραγενόμενοι ἐπὶ τὸν ἅγιόν σου λ.
III Ma. 2. 6. καταδουλωσάμενον τὸν λ. σου τὸν ἅγιον Ἰσ.
— 16. εὐδόκησας τὴν δόξαν σου ἐν τῷ λ. σου Ἰσ.
6. 3. μερίδος ἡγιασμένης σου λαὸν ἐν ξένῃ γῇ ξένον
IV Ma. 4. 26. τὰ δόγματα αὐτοῦ κατεφρονεῖτο ὑπὸ τοῦ λ.

[Aq. Ge. 49. 10: Ex. 5. 16: 11. 3: 19. 12: 32. 25: Le. 4. 3: Nu. 14. 14: Dt. 2. 21: 4. 19: 7. 19: 10. 11: 32. 43: Jd. 5. 2: I Ki. 9. 24: 26. 14: III Ki. 9. 23: 14. 2, 7 *bis*: 18 21: Jb. 18. 19: Ps. 17 (18). 28: 34 (35). 18: 44 (45). 18: 55 (56). 8: 58 (59). 12: 61 (62). 9: 79 (80). 5: 86 (87). 6: 88 (89). 51: 95 (96). 7: 113 (114). 1: Pr. 14. 28: 29. 18: Ec. 4. 16: 12. 9: Ca. 6. 11 (12): Is. 1. 3: 2. 3: 8. 9: 11. 10, 11: 13. 14: 30. 28: 33. 3, 12: 40. 7: 51. 16, 22: 61. 9: 63. 3, 8: Je. 6. 27: 9. 15 (14): 13. 10: 17. 19: 23. 27: 34 (41). 8, 19: 37 (44). 4: 41 (48). 10 *bis*: 44 (51). 20: 52. 15 *bis*: Ez. 26. 2: 33. 3: Da. 9. 24, 26: Ob. 13: Hb. 3. 13: Ze. 3. 9.]
[Sm. Ex. 19. 5, 12: 32. 9 *bis*, 25: Dt. 4. 19: 7. 19: 10. 11: 33. 7: Jd. 5. 14: I Ki. 26. 14: II Ki. 14. 13: III Ki. 18. 21: 22. 28: Jb. 36. 20: Ps. 17 (18). 28, 48: 34 (35). 18: 43 (44). 13: 44 (45). 18: 46 (47). 10 *bis*: 55 (56). 8: 58 (59). 12: 61 (62). 9: 67 (68). 8, 31: 77 (78). 62: 79 (80). 5: 80 (81). 12: 82 (83). 4: 86 (87). 6: 88 (89). 20: 95 (96). 7: 109 (110). 3: 113 (114). 1: Pr. 14. 28, 34: Ec. 12. 9: Ca. 6. 11 (12): Is. 2. 3: 6. 5, 10: 8. 9, 11, 12: 11. 11: 25. 8: 29. 14: 32. 13: 33. 12, 19 *bis*: 34. 1: 40. 1, 7: 51. 16, 22: 53. 8: 57. 1: 61. 9: 63. 3, 8: Je. 6. 27: 9. 15 (14): 12. 16: 13. 10: 23. 27: 30 (37). 22: 31 (38). 2: 44 (51). 20: La. 1. 1: Ez. 26. 2: 33. 3, 31: Da. 9. 24: Mi. 2. 8: Ze. 3. 9.]
[Th. Ex. 5. 16: 11. 3: 19. 12: 32. 9 *bis*, 25: Dt. 4. 19: 7. 19: 10. 11: 32. 43: Jd. 2. 12: 5. 2, 14: I Ki. 9. 24: 26. 14: II Ki. 14. 13: III Ki. 21 (20). 13: 22. 28: Jb. 36. 20: Ps. 44 (45). 18: 46 (47). 10 *bis*: 58 (59). 12: 73 (74). 14: 79 (80). 5: 86 (87). 6: 95 (96). 7: 104 (105). 20: Pr. 11. 14: 14. 28: Is. 1. 3: 2. 3: 8. 9: 10. 22: 11. 11: 30. 6, 28: 33. 3, 12: 40. 7: 51. 5: 53. 8: 57. 1: 61. 9: 63. 8: Je. 6. 27: 8. 11: 9. 15 (14): 13. 10: 29 (36). 16, 25: 30 (37). 22: 33 (40). 24 *bis*: 34 (41). 8: 39 (46). 8, 9 *bis*, 10: 48 (31). 46: 52. 28: Ez. 26. 2: 33. 31: Da. 7. 27†: 9. 20, 24: 12. 7†: Ze. 3. 9.]
[Heb. Ge. 49. 6: Dt. 32. 43 *bis*: Ps. 95 (96). 7.]
[Al. Ex. 9. 35: 15. 14: 17. 1: Le. 4. 3: 10. 3: 20. 2, 4: Nu. 7. 2: 11. 33: 14. 19: Dt. 32. 21: Jo. 3. 6: I Ki. 9. 2: Ps. 9. 12: 44 (45). 18: 124 (125). 2: Hb. 3. 13, 16.]
[Quint. Ps. 73 (74). 14: 86 (87). 6: Ca. 6. 11 (12): Hb. 3. 13.]
[Sext. Hb. 3. 13.]

λαπιστής.
Si. 20. 7. ὁ δὲ λ. . . . ὑπερβήσεται καιρόν [S¹ -ῷ]

λάπτειν. (1) לָקַק *a.* qal. *b.* pi.
Jd. 7. 5. ὃς ἂν λάψῃ [A λήψῃ] τῇ γλώσσῃ αὐ. (1 *a*)
— 5. ὡς ἐὰν λάψῃ [A λήψῃ] ὁ κύων (1 *a*)
— 6. ὁ ἀριθμὸς τῶν λαψάντων ἐν χειρὶ αὐτῶν [A al.] (1 *b*)
— 7. ἐν τοῖς τριακοσίοις ἀνδράσι τοῖς λάψασι (1 *b*)
[Sm. Jd. 7. 6: Ps. 67 (68). 24.]

λαρνάκιον.
[Sm. I Ki. 6. 8.]
[Al. I Ki. 6. 11.]

λάρναξ.
[Aq. I Ki. 6. 8.]

λάρος. (1) שְׁחַף
Le. 11. 15 (16): De. 14. 15. στρουθὸν καὶ γλαῦκα καὶ λάρον (1)

λάρυγξ. (1) גָּרוֹן (2) חֵךְ (3) מַלְקוֹחַ
Jb. 6. 30. ἢ ὁ λ. μου οὐχὶ σύνεσιν μελετᾷ (2)
12. 11. λάρυγξ δὲ σῖτα γεύεται (2)
20. 13. συνάξει αὐτὴν ἐν μέσῳ τοῦ λ. αὐτοῦ (2)
29. 10. γλῶσσα αὐτῶν τῷ λ. αὐτῶν ἐκολλήθη (2)
34. 3. λάρυγξ γεύεται βρῶσιν (2)
Ps. 5. 9. τάφος ἀνεῳγμένος ὁ λ. αὐτῶν (1)
13 (14). 3. B S¹ τάφος ἀνεῳγμένος ὁ λ. αὐτῶν –
21 (22). 15. ἡ γλῶσσά μου κεκόλληται τῷ λ. μου (3)
68 (69). 3. ἐβραγχίασεν ὁ λ. μου (1)
113. 15 (115. 7). οὐ φωνήσουσιν ἐν τῷ λ. αὐτῶν (1)
118 (119). 103. ὡς γλυκέα τῷ λ. μου τὰ λόγιά σου (2)
134 (135). 17. A οὐ φωνήσουσιν ἐν τῷ λ. αὐτῶν –
136 (137). 6. κολληθείη ἡ γλῶσσά μου τῷ λ. μου (2)
149. 6. αἱ ὑψώσεις τοῦ θεοῦ ἐν [A S *add.* τῷ] λάρυγγι αὐτῶν (1)
Ca. 2. 3. καρπὸς αὐτοῦ γλυκὺς ἐν λάρυγγί μου (2)
7. 9 (10). ὁ [A¹ S *om.*] λ. σου ὡς οἶνος ὁ ἀγαθός (2)
Si. 6. 5. λάρυγξ γλυκὺς πληθυνεῖ φίλους αὐτοῦ
[Aq., Sm. Ez. 3. 26.]
[Th. Jb. 33. 2: Pr. 23. 2: Ez. 3. 26.]

λατομεῖν. (1) חָצַב *a.* qal. *b.* pu. (2) כָּרָה
Ex. 21. 33. ἢ λατομήσῃ [A *om.* ἢ λατ.] λάκκον (2)
Nu. 21. 18. A B ἐλατόμησαν [R ἐξελ.] αὐτὸ βασιλεῖς ἐθνῶν (2)
De. 6. 11. B λάκκους λελατομημένους οὓς οὐκ ἐλατόμησας [A B² R ἐξελ.] (1 *a*, 1 *a*)
I Ch. 22. 2. λατομῆσαι λίθους ξυστούς (1 *a*)
II Ch. 26. 10. ἐλατόμησε λάκκους πολλούς (1 *a*)
Ne. 9. 25. ἐκληρονόμησαν . . . λάκκους λελατομημένους (1 *a*)
Jb. 28. 2. χαλκὸς δὲ ἴσα λίθῳ λατομεῖται †
Is. 22. 16. ἐλατόμησας σεαυτῷ ὧδε μνημεῖον (1 *a*)
51. 1. ἣν ἐλατομήσατε (1 *b*)
[Aq. Dt. 8. 9: Pr. 9. 1: Is. 51. 9: Ho. 6. 5.]
[Sm. III Ki. 7. 12 (49): Pr. 9. 1: Is. 51. 1, 9.]
[Th. Is. 51. 1, 9: Ho. 6. 5.]

λατομητός. (1) מַחְצֵב
IV Ki. 12. 12 (13). τοῦ κτήσασθαι . . . λίθους λ. (1)
22. 6. τοῦ κτήσασθαι . . . λίθους λ. (1)
[Sm. III Ki. 7. 12 (49).]

λατόμος. (1) חָצַב
III Ki. 3. 1 (5. 15 [29]). ὀγδοήκοντα χιλιάδες λατόμων (1)
5. 15 (29). ὀγδοήκοντα χιλιάδες λατόμων (1)
IV Ki. 12. 12 (13). καὶ τοῖς λ. τῶν λίθων (1)

I Ch. 22. 2. καὶ κατέστησε λατόμους (1)
II Ch. 2. 2 (1), 18 (17). ὀγδοήκοντα χιλιάδας λατόμων (1)
24. 12. ἐμισθοῦντο λατόμους (1)
I Es. 5. 54. ἔδωκαν ἀργύριον τοῖς λ.
II Es. 3. 7. ἔδωκαν ἀργύριον τοῖς λ. (1)

λατρεία (-ρία). (1) עֲבֹדָה

Ex. 12. 25. φυλάξασθε τὴν λ. ταύτην (1)
— 26. τίς ἡ λ. αὕτη (1)
13. 5. ποιήσεις τὴν λ. ταύτην (1)
Jo. 22. 27. B τοῦ λατρεύειν λατρείαν κυρίῳ [AR-ου] (1)
I Ch. 28. 13. A R τῶν λειτουργησίμων σκευῶν τῆς λ. οἴκου κ. [B *om.* τ. λ. οἴ. κ.] (1)
I Ma. 1. 43. εὐδόκησαν τῇ λ. αὐτοῦ
2. 19. ἀποστῆναι ἕκαστος ἀπὸ λατρείας πατέρων
— 22. παρελθεῖν τῆν λ. ἡμῶν δεξιάν
III Ma. 4. 14. S R προδεδηλωμένην τῶν ἔργων κατάπονον [A -τρόπον] λατρείαν
[Sm. Nu. 3. 7: 8. 24: Is. 32. 17.]

λατρεύειν. (1) אבד (2) *a.* עָבַד *b.* הָיָה עֹבֵד (3) *a.* פָּלַח *b.* אִיתַי פָּלַח (4) שָׁרַת pi.

Ex. 3. 12. λατρεύσετε τῷ θεῷ ἐν τῷ ὄρει τούτῳ (2 *a*)
4. 23. ἵνα μοι λατρεύσῃ (2 *a*)
7. 16. ἵνα μοι λατρεύσῃ ἐν τῇ ἐρήμῳ (2 *a*)
8. 1 (7. 26). ἵνα μοι λατρεύσωσιν (2 *a*)
— 20 (16). ἵνα μοι λατρεύσωσιν [A -σῃ] (2 *a*)
9. 1. ἵνα μοι λατρεύσωσιν (2 *a*)
— 13: 10. 3. ἵνα λατρεύσωσί μοι (2 *a*)
10. 7. ὅπως λατρεύσωσι τῷ θεῷ (2 *a*)
— 8. λατρεύσατε κυρίῳ τῷ θεῷ ὑμῶν (2 *a*)
— 11. λατρευσάτωσαν [A -σατε] τῷ θεῷ (2 *a*)
— 24. λατρεύσατε κυρίῳ τῷ θεῷ ὑμῶν (2 *a*)
— 26. ληψόμεθα λατρεῦσαι κυρίῳ τῷ θεῷ (2 *a*)
— 26. τί λατρεύσωμεν κυρίῳ (2 *a*)
12. 31. λατρεύσατε κυρίῳ (2 *a*)
20. 5: 23. 24. οὐδὲ μὴ λατρεύσῃς αὐτοῖς (2 *a*)
23. 25. καὶ λατρεύσεις κυρίῳ τῷ θεῷ σου (2 *a*)
Le. 18. 21. οὐ δώσεις λατρεύειν ἄρχοντι †
Nu. 16. 9. παρίστασθαι . . . λατρεύειν αὐτοῖς (4)
De. 4. 19. μὴ . . . λατρεύσῃς αὐτοῖς (2 *a*)
— 28. λατρεύσετε ἐκεῖ θεοῖς ἑτέροις (2 *a*)
5. 9. οὐδὲ μὴ λατρεύσῃς αὐτοῖς [A *al.*] (2 *a*)
6. 13. καὶ αὐτῷ [A *add.* μόνῳ] λατρεύσεις [A -σῃς] (2 *a*)
7. 4. λατρεύσει θεοῖς ἑτέροις (2 *a*)
— 16. οὐ [A οὐ μὴ] λατρεύσεις τοῖς θεοῖς αὐτῶν (2 *a*)
8. 19. καὶ λατρεύσῃς αὐτοῖς (2 *a*)
10. 12. λατρεύειν κυρίῳ τῷ θεῷ σου (2 *a*)
— 20. καὶ αὐτῷ [A *add.* μόνῳ] λατρεύσεις (2 *a*)
11. 13. καὶ λατρεύειν αὐτῷ (2 *a*)
— 16. μὴ . . . λατρεύσητε θεοῖς ἑτέροις (2 *a*)
— 28. πορευθέντες λατρεύειν θεοῖς ἑτέροις (1)
12. 2. ἐν οἷς ἐλάτρευσαν ἐκεῖ τοῖς θεοῖς αὐ. (2 *a*)
13. 2 (3). λατρεύσωμεν θεοῖς ἑτέροις (1+2 *a*)
— 6 (7), 13 (14). λατρεύσωμεν θεοῖς ἑτέροις (2 *a*)
17. 3. καὶ ἐλθόντες λατρεύσωσι θεοῖς ἑτέροις (2 *a*)
28. 14. λατρεύειν αὐτοῖς (2 *a*)
— 36. λατρεύσεις ἐκεῖ θεοῖς ἑτέροις (2 *a*)
— 47. οὐκ ἐλάτρευσας κ. τῷ θεῷ σου (2 *a*)
— 48. λατρεύσεις τοῖς ἐχθροῖς σου (2 *a*)
29. 18 (17). λατρεύειν τοῖς θεοῖς τῶν ἐθνῶν ἐκ. (2 *a*)
— 26 (25). ἐλάτρευσαν θεοῖς ἑτέροις (2 *a*)
30. 17. ἐὰν . . . λατρεύσῃς [A -σεις] αὐτοῖς (2 *a*)
31. 20. A R καὶ λατρεύσουσιν αὐτοῖς (2 *a*)
Jo. 22. 5. καὶ λατρεύειν αὐτῷ (2 *a*)
— 27. B τοῦ λατρεύειν λατρείαν κυρίῳ [AR-ου] (2 *a*)
23. 7. οὐδὲ μὴ λατρεύσητε [B¹ -σετε] (2 *a*)
— 16. καὶ πορευθέντες λατρεύσητε θεοῖς ἑτ. (2 *a*)
24. 2. ἐλάτρευσαν θεοῖς ἑτέροις (2 *a*)
— 14. λατρεύσατε αὐτῷ ἐν εὐθύτητι (2 *a*)
— 14. οἷς ἐλάτρευσαν οἱ πατέρες ἡμῶν (2 *a*)
— 14. B λατρεύετε [A R -εύσατε] κυρίῳ (2 *a*)
— 15. εἰ δὲ μὴ ἀρέσκει ὑμῖν λατρεύειν κυρίῳ (2 *a*)
— 15. ἐκλέξασθε . . . τίνι λατρεύσητε (2 *a*)
— 15. λατρεύσομεν [A -σωμεν] κυρίῳ (2 *a*)
— 16. ὥστε λατρεύειν θεοῖς ἑτέροις (2 *a*)
— 18. λατρεύσομεν [A -σωμεν] κυρίῳ (2 *a*)
— 19. οὐ μὴ δύνησθε λατρεύειν κυρίῳ (2 *a*)
— 20. ἡνίκα ἐὰν . . . λατρεύσητε θεοῖς ἑτέροις (2 *a*)
— 21. κυρίῳ λατρεύσομεν [A -σωμεν] (2 *a*)
— 22. ἐξελέξασθε κυρίῳ λατρεύειν αὐτῷ (2 *a*)
— 24. κυρίῳ λατρεύσομεν [A -σωμεν] (2 *a*)
Jo. 24. 31. ἐλάτρευσεν Ἰσρ. τῷ κυρίῳ (2 *a*)
Jd. 2. 11. ἐλάτρευσαν [A -ευον] τοῖς Βααλείμ (2 *a*)
— 13. ἐλάτρευσαν τῷ [A τῇ] Βαάλ (2 *a*)
— 19. λατρεύειν αὐτοῖς καὶ προσκυνεῖν αὐτοῖς (2 *a*)
3. 6. ἐλάτρευσαν τοῖς θεοῖς αὐτῶν (2 *a*)
— 7. ἐλάτρευσαν τοῖς [A ταῖς] Βααλείμ (2 *a*)
10. 6. A ἐλάτρευσαν ταῖς Βααλείμ [B *al.*] (2 *a*)
— 10. A ἐλατρεύσαμεν ταῖς B. [B *al.*] (2 *a*)
— 13. A ἐλατρεύσατε [B ἐδουλεύσ.] θεοῖς ἑτέροις (2 *a*)
— 16. A ἐλάτρευσαν τῷ κυρίῳ [B *al.*] (2 *a*)
II Ki. 15. 8. λατρεύσω τῷ κυρίῳ (2 *a*)
IV Ki. 17. 12. ἐλάτρευσαν τοῖς εἰδώλοις (2 *a*)
— 16. ἐλάτρευσαν τῷ Βαάλ (2 *a*)
— 33. τοῖς θεοῖς αὐτῶν ἐλάτρευον (2 *b*)
— 35. οὐ λατρεύσετε αὐτοῖς (2 *a*)
21. 21. ἐλάτρευσε τοῖς εἰδώλοις οἷς ἐλάτρευσεν ὁ πατὴρ αὐ. (2 *a*, 2 *a*)
II Ch. 7. 19. καὶ λατρεύσητε θεοῖς ἑτέροις (2 *a*)
I Es. 1. 4. λατρεύετε τῷ κ. θεῷ
4. 54. ἐν τίνι λατρεύουσιν ἐν αὐτῇ
Ju. 3. 8. B ὅπως αὐτῷ μόνῳ τῷ Ναβ. λατρεύωσι [S R -σωσιν, A -εύσει]
Si. 4. 14. οἱ λατρεύοντες αὐτῇ λειτουργήσουσιν ἁγίῳ
Ez. 20. 32. τοῦ λ. ξύλοις καὶ λίθοις (4)
Da. LXX. 3. 12. τῷ εἰδώλῳ σου οὐκ ἐλάτρευσαν (3 *a*)
— 14. διὰ τί . . . τοῖς θεοῖς μου οὐ λατρεύετε (3 *b*)
— 18. οὔτε τῷ εἰδώλῳ σου λατρεύομεν (3 *b*)
— 28 (95). ἵνα μὴ λατρεύσωσι . . . θεῷ ἑτέρῳ (3 *a*)
4. 34. ἀπὸ τοῦ νῦν αὐτῷ λατρεύσω –
6. 16 (17). ᾧ σὺ λατρεύεις ἐνδελεχῶς (3 *a*)
— 20 (21). ὁ θ. σου ᾧ λατρεύεις ἐνδελεχῶς (3 *a*)
— 26 (27). προσκυνοῦντες καὶ λατρεύοντες τῷ θ. τοῦ Δ. †
7. 14. πᾶσα δόξα αὐτῷ λατρεύουσα (3 *a*)
Da. TH. 3. 12. τοῖς θεοῖς σου οὐ λατρεύουσι (3 *a*)
— 14. εἰ . . . τοῖς θεοῖς μου οὐ λατρεύετε (3 *b*)
— 17. ᾧ ἡμεῖς λατρεύομεν (3 *a*)
— 18. τοῖς θεοῖς σου οὐ λατρεύομεν (3 *b*)
— 28 (95). ὅπως μὴ λατρεύσωσι . . . παντὶ θεῷ (3 *a*)
6. 16 (17), 20 (21). ᾧ σὺ λατρεύεις ἐνδελεχῶς (3 *a*)
III Ma. 6. 6. εἰς τὸ μὴ λατρεῦσαι τοῖς κενοῖς
[Sm. Nu. 3. 7: Ps. 21 (22). 31: Is. 53. 11: Je. 44 (51). 3: Ez. 20. 39.]
[Th. Dt. 28. 48: Je. 44 (51). 3.]
[Al. Ex. 10. 11: I Ki. 2. 24.]

λατρευτός. (1) עֲבֹדָה (2) ἔργον λ. מְלָאכָה

Ex. 12. 16. πᾶν ἔργον λ. οὐ ποιήσετε (2)
Le. 23. 7, 8, 21, 25, 35, 36: Nu. 28. 18, 25, 26: 29. 1. πᾶν ἔργον λ. οὐ ποιήσετε (1)
Nu. 29. 7. A πᾶν ἔργον λ. [B *om.*] οὐ ποιήσετε (2)
— 12, 35. πᾶν ἔργον λ. οὐ ποιήσετε (1)

λάτρις.

Jb. 2. 9. κἀγὼ πλανωμένη [A S² πλανῆτις] καὶ λάτρις –

λαφυρεῖν.

[Aq. Is. 59. 15.]

λαφυρεύειν.

Ju. 15. 11. ἐλαφύρευσε πᾶς ὁ λαὸς τὴν παρεμβολήν

λάφυρον. (1) שָׁלָל

I Ch. 26. 27. ἃ ἔλαβεν . . . ἐκ τῶν λ. (1)
Ju. 15. 7. ἐκράτησαν πολλῶν λ.
II Ma. 8. 30. R λάφυρα πλεῖστα [A πλείονος] ἐμερίσαντο
[Aq. Ge. 49. 27: Nu. 31. 12: Dt. 20. 14: Je. 12. 17: Ps. 67 (68). 13: Pr. 1. 13: Is. 33. 23: 53. 12.]
[Sm. Nu. 31. 12: Ps. 67 (68). 13.]
[Th. Nu. 31. 12.]
[Al. Ex. 15. 9: Dt. 2. 35: Jo. 7. 21: I Ki. 14. 32: Pr. 31. 11.]

λαχανεία (-νία). (1) יָרָק

De. 11. 10. ὡσεὶ κῆπον λαχανείας (1)

λάχανον. (1) *a.* יֶרֶק *b.* יָרָק

Ge. 9. 3. ὡς λάχανα χόρτου δέδωκα ὑμῖν τὰ πάντα (1 *a*)
III Ki. 20 (21). 2. ἔσται μοι εἰς κῆπον λαχάνων (1 *b*)
— 2. ἔσται μοι εἰς κῆπον λαχάνων –
Ps. 36 (37). 2. ὡσεὶ λάχανα χλόης ταχὺ ἀποπεσοῦνται (1 *a*)
Pr. 15. 17. κρείσσων ξενισμὸς μετὰ [A *om.*] λαχάνων (1 *b*)
[Aq. Ge. 1. 30: IV Ki. 4. 39.]
[Sm., Th. IV Ki. 4. 39.]

λέαινα. (1) אַרְיֵה (2) שַׁחַל

Jb. 4. 10. σθένος λέοντος φωνὴ δὲ λεαίνης (2)
Da. LXX., TH. 7. 4. τὸ πρῶτον ὡσεὶ λέαινα (1)
[Aq. Ps. 56 (57). 5: Ho. 5. 14.]
[Sm. Is. 21. 8: Ho. 5. 14.]
[Al. Ez. 19. 2.]

λεαίνειν, λειαίνειν. (1) רוּק hi. (2) שָׁחַק

II Ki. 22. 43. ἐλέανα αὐτοὺς ὡς χοῦν γῆς (2)
Jb. 14. 19. λίθους ἐλέαναν [A -εν] ὕδατα (2)
Ps. 17 (18). 42. ὡς πηλὸν πλατειῶν λεανῶ αὐτούς (1)
[Aq., Sm., Th. Pr. 29. 5: Is. 41. 7.]

λέβ.

Jo. 19. 29. καὶ ἀπὸ λ. καὶ Ἐχ. [A *al.*] †

λέβης. (1) דּוּד (2) כִּיּוֹר (3) סִיר (4) סַף

Ex. 16. 3. ἐκαθίσαμεν ἐπὶ τῶν λ. τῶν κρεῶν (3)
I Ki. 2. 14. ἐπάταξεν αὐ. εἰς τὸν λ. τὸν μέγαν (1?, 2?)
— 15. οὐ μὴ λάβω . . . ἐκ τοῦ λ. †
II Ki. 17. 28. ἤνεγκαν . . . λέβητας δέκα (4)
III Ki. 7. 40. ἐποίησε Χ. τοὺς λ. (2)
— 45. καὶ τοὺς λ. καὶ τὰς θερμαστρεῖς (3)
IV Ki. 4. 38. ἐπίστησον τὸν λ. (3)
— 39. ἐνέβαλεν εἰς τὸν λ. τοῦ ἑψέματος (3)
— 40. θάνατος ἐν τῷ λ. (3)
— 41. ἐμβάλετε εἰς τὸν λ. (3)
— 41. οὐκ ἐγενήθη ἔτι ἐκεῖ ῥῆμα πον. ἐν τῷ λ. (3)
25. 14. καὶ τοὺς λ. . . . ἔλαβε (3)
II Ch. 4. 16. καὶ τοὺς λ. καὶ τὰς κρεάγρας (3?)
35. 13. τὰ ἅγια ἥψησαν . . . ἐν τοῖς λ. (1)
I Es. 1. 12. ἥψησαν [A ὤπτησαν] ἐν τοῖς . . . λέβησι
Ps. 59 (60). 8: 107 (108). 9. Μωὰβ λέβης τῆς ἐλπίδος μου (3)
Ec. 7. 7 (6). ὡς φωνὴ ἀκανθῶν ὑπὸ τὸν λ. (3)
Si. 13. 2. τί κοινωνήσει χύτρα πρὸς λέβητα
Am. 4. 2. τοὺς μεθ' ὑμῶν εἰς λέβητας ὑποκαιομένους ἐμβαλοῦσιν [A *om.* ὑ. ἐμβ.] (3)
Mi. 3. 3. καὶ ἐμέλισαν ὡς σάρκας εἰς λέβητα (3)
Za. 14. 20. ἔσονται οἱ λ. ἐν τῷ οἴκῳ κ. ὡς φιάλαι (3)
— 21. ἔσται πᾶς λέβης ἐν Ἱερ. . . . ἅγιος τῷ κ. (3)
Je. 1. 13. A B S² λέβητα ὑποκαιόμενον (3)
Ez. 11. 3. αὕτη ἐστὶν ὁ λ. (3)
— 7. αὐτὴ δὲ ὁ λ. ἐστί (3)
— 11. A αὕτη ὑμῖν οὐκ ἔσται εἰς λέβητα (3)
24. 3. ἐπίστησον τὸν λ. (3)
— 6. λ. ἐν ᾧ ἐστιν ἰός (3)
II Ma. 7. 3. προσέταξε τήγανα καὶ λέβητας ἐκπυροῦν
IV Ma. 8. 13. καταπέλτας καὶ λέβητας
12. 1. ἐναπέθανε καταβληθεὶς εἰς λέβητα
18. 20. A R πῦρ φλέξας [S σβέσας] λέβησιν ὠμοῖς
[Aq. Ps. 59 (60). 10: 107 (108). 10: Je. 52. 19.]
[Sm. Ps. 59 (60). 10: 107 (108). 10: Je. 52. 18.]
[Quint. Ps. 107 (108). 10.]

λεβνή.

[Heb. Ps. 11 (12). 9.]

λέγειν. (1) אָמַר *a.* qal. *b.* ni. *c.* אֱמַר *d.* אֵמֶר *e.* אֹמֶר (2) בָּטָה (3) *a.* דָּבַר *b.* דֻּבַּר qal. *c.* pi. (4) מְצַוֶּה (5) מָשַׁל *a.* qal. *b.* pi. (6) נָאַם (7) סָפַר pi. (8) ὁ λέγων ψευδῆ με λέγειν כָּזַב hi. (9) τάδε λέγει נְאֻם

Ge. 1. 22, 28. εὐλόγησεν . . . λέγων (1 *a*)
2. 16. ἐνετείλατο κύριος . . . τῷ Ἀδὰμ λέγων (1 *a*)
4. 25. ἐπωνόμασε τὸ ὄνομα . . . λέγουσα –
5. 29. ἐπωνόμασε τὸ ὄνομα . . . λέγων (1 *a*)
8. 15. εἶπε κύριος . . . τῷ Νῶε λέγων (1 *a*)
9. 8. εἶπεν ὁ θεὸς τῷ Νῶε . . . λέγων (1 *a*)
15. 1. ἐγενήθη ῥῆμα κυρίου . . . λέγων (1 *a*)
— 2. R λέγει δὲ Ἄβραμ, Δέσποτα κύριε (1 *a*)
— 4. R φωνὴ κυρίου ἐγένετο . . . λέγουσα (1 *a*)
— 18. R διέθετο κύριος . . . διαθήκην, λέγων (1 *a*)
17. 3. καὶ ἐλάλησεν αὐτῷ ὁ θεὸς λέγων (1 *a*)
— 17. εἶπεν ἐν τῇ διανοίᾳ αὐτοῦ λέγων –

Ge. 18. 12. ἐγέλασε δὲ Σάρρα ἐν ἑαυτῇ λέγουσα (1 a)
— 13. ἐγέλασε Σ. ἐν ἑαυτῇ λέγουσα (1 a)
— 15. ἠρνήσατο δὲ Σάρρα λέγουσα (1 a)
19. 5. καὶ ἔλεγον πρὸς αὐτόν (1 a)
— 15. ἐσπούδαζον . . . τὸν Λὼτ λέγοντες (1 a)
— 37. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Μωὰβ λέγουσα –
— 39 (38). R ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐ. Ἀμμὰν λέγουσα [A om.] –
21. 22. εἶπεν Ἀβιμέλεχ . . . λέγων (1 a)
22. 7. R εἶπε δὲ [A λέγων], Ἰδοὺ τὸ πῦρ (1 a)
— 16. καὶ ἐκάλεσεν . . . τὸν Ἀβραὰμ . . . λέγων (1 a)
— 16. κατ' ἐμαυτοῦ ὤμοσα, λέγει κύριος (6)
— 20. καὶ ἀνηγγέλη . . . λέγοντες (1 a)
23. 3. καὶ εἶπεν . . . τοῖς υἱοῖς . . . λέγων (1 a)
— 4 (5). ἀπεκρίθησαν . . . πρὸς Ἀβ. λέγοντες (1 a)
— 8. καὶ ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς Ἀβ. λέγων (1 a)
— 10. ἀποκριθεὶς δὲ . . . εἶπεν . . . λέγων (1 a)
— 14. ἀπεκρίθη δὲ Ἐφρὼν τῷ Ἀβραὰμ λέγων (1 a)
24. 7. ὤμοσέ μοι λέγων (1 a)
— 30. τὰ ῥήματα Ῥεβέκκας . . . λεγούσης (1 a)
— 37. καὶ ὥρκισέ με ὁ κύριός μου λέγων (1 a)
26. 11. συνέταξε . . . παντὶ τῷ λαῷ αὐ. λέγων (1 a)
— 22. ἐπωνόμασε τὸ ὄνομα . . . λέγων (1 a)
27. 6. λαλοῦντος πρὸς Ἠσαῦ . . . λέγοντος (1 a)
28. 1, 6. ἐνετείλατο αὐτῷ λέγων (1 a)
— 20. ηὔξατο Ἰακὼβ εὐχὴν λέγων (1 a)
29. 32. ἐκάλεσε δὲ τὸ ὄνομα . . . λέγουσα (1 a)
30. 24. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐ. Ἰωσὴφ λέγουσα (1 a)
31. 1. τὰ ῥήματα τῶν υἱῶν Λ. λεγόντων (1 a)
— 29. ὁ θὲ θεὸς . . . εἶπε πρὸς μὲ λέγων (1 a)
32. 4 (5). καὶ ἐνετείλατο αὐτοῖς λέγων (1 a)
— 4 (5). οὕτως λέγει ὁ παῖς σου Ἰακώβ (1 a)
— 6 (7). ἀνέστρεψαν . . . πρὸς Ἰακὼβ λέγοντες (1 a)
— 17 (18). ἐνετείλατο τῷ πρώτῳ λέγων (1 a)
— 17 (18). ἐὰν . . . ἐρωτᾷ σε λέγων (1 a)
— 19 (20). ἐνετείλατο τῷ πρώτῳ . . . λέγων (1 a)
34. 4. εἶπε Συχὲμ πρὸς Ἐμμὼρ . . . λέγων (1 a)
— 8. ἐλάλησεν Ἐμμὼρ αὐτοῖς λέγων (1 a)
— 20. ἐλάλησαν πρὸς τοὺς ἄνδρας . . . λέγοντες (1 a)
37. 15. ἠρώτησε δὲ αὐτὸν . . . λέγων (1 a)
— 17. ἤκουσα γὰρ αὐτῶν λεγόντων (1 a)
— 35. οὐκ ἤθελε παρακαλεῖσθαι λέγων (1 a)
38. 13. ἀπηγγέλη Θ. τῇ νύμφῃ αὐ. λέγοντες (1 a)
— 22. λέγουσι μὴ εἶναι ὧδε πόρνην (1 a)
— 24. ἀνηγγέλη τῷ Ἰούδᾳ λέγοντες (1 a)
— 25. ἀπέστειλε πρὸς τὸν πενθερὸν αὐ. λέγουσα (1 a)
— 28. ἔδησεν ἐπὶ τὴν χεῖρα . . . λέγουσα (1 a)
39. 12. ἐπεσπάσατο αὐτὸν . . . λέγουσα (1 a)
— 14. καὶ εἶπεν αὐτοῖς λέγουσα (1 a)
— 14. εἰσῆλθε πρὸς μὲ λέγων –
— 17. ἐλάλησεν αὐτῷ κατὰ τὰ ῥήμ. τ. λέγουσα (1 a)
— 19. ὅσα ἐλάλησε πρὸς αὐτὸν λέγουσα (1 a)
40. 7. ἠρώτα τοὺς εὐνούχους . . . λέγων (1 a)
41. 9. ἐλάλησεν . . . πρὸς Φαραὼ λέγων (1 a)
— 15. ἀκήκοα περὶ σοῦ λεγόντων (1 a)
— 17. ἐλάλησε δὲ Φαραὼ τῷ Ἰωσὴφ λέγων –
— 51. R ἐκάλεσε . . . Μανασσῆ [A add. λέγων] –
42. 14. ἐστιν ὃ εἴρηκα ὑμῖν λέγων (1 a)
— 22. οὐκ ἐλάλησα ὑμῖν λέγων (1 a)
— 28. ἐταράχθησαν πρὸς ἀλλήλους λέγοντες (1 a)
— 29. ἀπήγγειλαν αὐτῷ πάντα . . . λέγοντες (1 a)
— 37. εἶπε δὲ Ῥουβὴν τῷ πατρὶ αὐ. λέγων (1 a)
43. 3. εἶπε δὲ αὐτῷ Ἰούδας λέγων (1 a)
— 3. R μεμαρτύρηται [A διαμεμ.] . . . λέγων (1 a)
— 5. εἶπεν ἡμῖν λέγων –
— 7. ἐρωτῶν ἐπηρώτησεν ἡμᾶς . . . λέγων (1 a)
— 20. ἐλάλησαν αὐτῷ . . . λέγοντες (1 a)
44. 1. ἐνετείλατο . . . λέγων (1 a)
— 4. R εἶπε τῷ ἐπὶ τῆς οἰκίας αὐ. [A add. λέγων] –
— 10. καὶ νῦν ὡς λέγετε οὕτως ἔσται (3 a)
— 19. ἠρώτησας τοὺς παῖδάς σου λέγων (1 a)
— 32. ἐκδέδεκται τὸ παιδίον . . . λέγων (1 a)
45. 9. τάδε λέγει ὁ υἱός σου Ἰωσήφ (1 a)
— 16. διεβοήθη ἡ φωνὴ . . . λέγοντες (1 a)
— 26. ἀνήγγειλαν αὐτῷ λέγοντες (1 a)
46. 3. R ὁ δὲ λέγει αὐτῷ [A λέγων], Ἐγώ εἰμι (1 a)
47. 1. ἀπήγγειλε τῷ Φαραὼ λέγων (1 a)
— 5. εἶπε Φαραὼ πρὸς Ἰωσὴφ λέγων (1 a)
— 15. ἦλθον δὲ . . . πρὸς Ἰωσὴφ λέγοντες (1 a)
48. 2. ἀπηγγέλη δὲ τῷ Ἰακὼβ λέγοντες (1 a)
— 20. καὶ εὐλόγησεν αὐτοὺς . . . λέγων (1 a)
— 20. ἐν ὑμῖν εὐλογηθήσεται Ἰσραὴλ λέγοντες (1 a)
50. 4. ἐλάλησεν Ἰ. . . . λέγων (1 a)
Ge. 50. 4. λαλήσατε περὶ ἐμοῦ . . . λέγοντες (1 a)
— 5. ὁ πατήρ μού με ὥρκισε λέγων (1 a)
— 16. ὁ πατήρ σου ὥρκισε . . . λέγων (1 a)
— 24. εἶπεν Ἰ. τοῖς ἀδ. αὐτοῦ λέγων [A om.] –
— 25. ὥρκισεν Ἰ. τοὺς υἱοὺς Ἰσραὴλ λέγων (1 a)
Ex. 1. 22. συνέταξε . . . τῷ λαῷ αὐτοῦ λέγων (1 a)
2. 10. ἐπωνόμασε δὲ τὸ ὄνομα . . . λέγουσα (1 a)
— 13. καὶ λέγει τῷ ἀδικοῦντι (1 a)
— 22. ἐπωνόμασε Μ. τὸ ὄνομα . . . λέγων (1 a)
3. 4. ἐκάλεσεν αὐτὸν κύριος . . . λέγων (1 a)
— 12. εἶπε δὲ ὁ θεὸς Μωυσῆ λέγων [A om. ὁ . . . λ.] –
— 14. εἶπεν ὁ θεὸς πρὸς Μωυσῆν λέγων [A om.] –
— 16. κύριος . . . ὤπταί μοι . . . λέγων (1 a)
4. 18. καὶ λέγει (1 a)
— 22. τάδε λέγει κύριος (1 a)
5. 1. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραήλ (1 a)
— 3. καὶ λέγουσιν αὐτῷ (1 a)
— 6. συνέταξε . . . τοῖς ἐργοδιώκταις . . . λέγων (1 a)
— 8. διὰ τοῦτο κεκράγασι λέγοντες (1 a)
— 10. ἔλεγον πρὸς τὸν λαὸν λέγοντες (1 a, 1 a)
— 10. τάδε λέγει Φαραώ (1 a)
— 13. κατέσπευδον αὐτοὺς λέγοντες (1 a)
— 14. ἐμαστιγώθησαν . . . λέγοντες (1 a)
— 15. κατεβόησαν πρὸς Φαραὼ λέγοντες (1 a)
— 16. καὶ τὴν πλίνθον ἡμῖν λέγουσι ποιεῖν (1 a)
— 17. διὰ τοῦτο λέγετε (1 a)
— 19. ἑώρων . . . ἑαυτοὺς ἐν κακοῖς λέγοντες (1 a)
6. 6. εἰπὸν τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ λέγων –
— 10. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μωυσῆν λέγων (1 a)
— 12. ἐλάλησε δὲ Μ. ἔναντι κυρίου λέγων (1 a)
— 29. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν λέγων (1 a)
— 29. λάλησον . . . ὅσα ἐγὼ λέγω πρὸς σέ (3 b)
7. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν λέγων –
— 8. εἶπε κ. πρὸς Μωυσῆν . . . λέγων (1 a)
— 9. καὶ ἐὰν λαλήσῃ πρὸς ὑμᾶς Φ. λέγων (1 a)
— 16. ἀπέσταλκέ με πρὸς σὲ λέγων (1 a)
— 17 : 8. 1 (7. 26), 20 (16). τάδε λέγει κύριος (1 a)
8. 25 (21). ἐκάλεσε . . . Ἀαρὼν λέγων (1 a)
9. 1. τάδε λέγει κύριος ὁ θ. τῶν Ἑβρ. (1 a)
— 5. A² B καὶ ἔδωκεν ὁ θεὸς ὅρον λέγων (1 a)
— 8. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μωυσῆν . . . λέγων –
— 13. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς τῶν Ἑβρ. (1 a)
10. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μωυσῆν λέγων –
— 3. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς τῶν Ἑβρ. (1 a)
— 7. καὶ λέγουσιν οἱ θεράποντες (1 a)
— 9. καὶ λέγει Μωυσῆς (1 a)
— 16. κατέσπευδε . . . καλέσαι Μωυσῆν . . . λέγων (1 a)
— 24. ἐκάλεσε Φ. Μωυσῆν καὶ Ἀ. λέγων (1 a)
— 28. καὶ λέγει [A add. αὐτῷ] Φαραώ (1 a)
— 29. λέγει δὲ Μωυσῆς, Εἴρηκας (1 a)
11. 4. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 8. καὶ προσκυνήσουσί με λέγοντες (1 a)
12. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μωυσῆν . . . λέγων (1 a)
— 3. λάλησον . . . λέγων (1 a)
— 26. ἐὰν λέγωσι πρὸς ὑμᾶς οἱ υἱοὶ ὑμῶν (1 a)
— 31. καθὰ λέγετε (3 c)
— 43. B εἶπε δὲ κύριος . . . λέγων [A R om.] –
13. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μωυσῆν λέγων (1 a)
— 8. ἀναγγελεῖς τῷ υἱῷ σου . . . λέγων (1 a)
— 14. ἐὰν δὲ ἐρωτήσῃ σε ὁ υἱὸς . . . λέγων (1 a)
— 19. ὥρκισε τοὺς υἱοὺς Ἰσραὴλ λέγων (1 a)
14. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν λέγων (1 a)
— 5. A ἀνηγγέλη τῷ Φαραὼ λέγοντες [B al.] –
— 12. ὃ ἐλαλήσαμεν πρὸς σὲ . . . λέγοντες (1 a)
15. 1. καὶ εἶπαν λέγοντες [A τῷ λέγειν] (1 a)
— 21. ἐξῆρχε δὲ αὐτῶν Μαριὰμ λέγουσα –
— 24. διεγόγγυζεν ὁ λ. . . . λέγοντες (1 a)
16. 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν λέγων (1 a)
— 12. λάλησον πρὸς αὐτοὺς λέγων (1 a)
17. 2. ἐλοιδορεῖτο ὁ λαὸς . . . λέγοντες [A καὶ ἔλεγον] (1 a)
— 3. διεγόγγυζεν ἐκεῖ ὁ λαὸς . . . λέγοντες (1 a)
— 4. ἐβόησε δὲ Μωυσῆς πρὸς κύριον λέγων (1 a)
— 7. διὰ τὸ πειράζειν κύριον λέγοντες (1 a)
18. 3. ὄνομα τῷ ἑνὶ αὐ. Γηρσὰμ λέγων (1 a)
— 4. τὸ ὄνομα . . . Ἐλίεζερ λέγων [A om.] –
— 6. ἀνηγγέλη δὲ Μωυσῆ λέγοντες –
— 14. ἰδὼν Ἰ. πάντα . . . λέγει (1 a)
— 15. καὶ λέγει Μωυσῆς τῷ γαμβρῷ (1 a)
19. 3. ἐκάλεσεν αὐτὸν ὁ θεὸς . . . λέγων (1 a)
— 12. καὶ ἀφοριεῖς τὸν λαὸν κύκλῳ λέγων (1 a)
— 21. εἶπεν ὁ θεὸς πρὸς Μωυσῆν λέγων –
— 23. σὺ γὰρ διαμεμαρτύρησαι ἡμῖν λέγων (1 a)
20. 1. ἐλάλησε . . . τοὺς λόγους τούτους λέγων (1 a)
— 20. καὶ λέγει αὐτοῖς Μωυσῆς (1 a)
Ex. 24. 3. ἀπεκρίθη δὲ πᾶς ὁ λαὸς . . . λέγοντες (1 a)
25. 1 : 30. 11, 17, 22. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
30. 31. τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ λαλήσεις λέγων (1 a)
31. 1, 12. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν λέγων (1 a)
— 13. σὺ σύνταξον τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ λέγων (1 a)
32. 1. καὶ λέγουσιν [A ἔλεγον] αὐτῷ (1 a)
— 2. καὶ λέγει αὐτοῖς Ἀαρὼν (1 a)
— 5. καὶ ἐκήρυξεν Ἀαρὼν λέγων (1 a)
— 7. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν λέγων –
— 12. μή ποτε εἴπωσιν οἱ Αἰγ. λέγοντες (1 a)
— 13. καὶ ἐλάλησας πρὸς αὐτοὺς λέγων –
— 17. λέγει πρὸς Μωυσῆν (1 a)
— 18. καὶ λέγει (1 a)
— 22. εἶπεν Ἀ. πρὸς Μωυσῆν [A add. λέγων] –
— 23. λέγουσι γάρ μοι (1 a)
— 27. καὶ λέγει [A εἶπεν] αὐτοῖς (1 a)
— 27. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραήλ (1 a)
33. 1. ἣν ὤμοσα . . . λέγων (1 a)
— 12. σύ μοι λέγεις (1 a)
— 14. καὶ λέγει (1 a)
— 15. καὶ λέγει [A εἶπεν] πρὸς αὐτόν (1 a)
— 18. καὶ λέγει (1 a)
35. 4. εἶπε Μ. . . . λέγων (1 a)
— 4. ὃ συνέταξε κύριος λέγων (1 a)
36. 5. A εἶπον πρὸς Μ. λέγοντες [B al.] (1 a)
— 6. καὶ ἐκήρυξεν . . . λέγων (1 a)
40. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν λέγων (1 a)
Le. 1. 1. ἐλάλησε κύριος αὐτῷ . . . λέγων (1 a)
4. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν λέγων (1 a)
— 2. λάλησον πρὸς τοὺς υἱοὺς Ἰσραὴλ λέγων (1 a)
5. 14 : 6. 1 (5. 20). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
6. 4 (5. 24). B ᾗ ἡμέρᾳ ἐλέχθη [A R ἐλεγχθῇ] †
— 7 (1). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 8 (2). ἔντειλαι Ἀαρὼν . . . λέγων (1 a)
— 19 (12) (B), 24 (17). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 25 (18). λάλησον Ἀαρὼν . . . λέγων (1 a)
7. 12 (22). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 13 (23). λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ λέγων [B¹ om.] (1 a)
— 18 (28). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 19 (29). τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ λαλήσεις λέγων (1 a)
8. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν λέγων (1 a)
— 31. ὃν τρόπον συντέτακταί μοι λέγων (1 a)
9. 3. τῇ γερουσίᾳ Ἰσραὴλ λάλησον λέγων (1 a)
10. 3. τοῦτό ἐστιν ὃ εἶπε κύριος λέγων (1 a)
— 8. ἐλάλησε κύριος τῷ Ἀ. λέγων (1 a)
— 16. ἐθυμώθη Μ. ἐπὶ Ἐλεάζαρ . . . λέγων (1 a)
— 19. ἐλάλησεν Ἀαρὼν πρὸς Μ. λέγων –
11. 1. ἐλάλησε κ. πρὸς . . . Ἀ. λέγων (1 a)
— 2. λαλήσατε τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λέγοντες (1 a)
12. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
13. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς . . . Ἀ. λέγων (1 a)
14. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 33. ἐλάλησε κύριος πρὸς . . . Ἀ. λέγων (1 a)
— 35. καὶ ἀναγγελεῖ τῷ ἱερεῖ λέγων (1 a)
15. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς . . . Ἀ. λέγων (1 a)
16. 2. εἶπε κύριος πρὸς Μ. [A add. λέγων] –
17. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν λέγων (1 a)
— 2. τὸ ῥῆμα ὁ ἐνετείλατο κύριος λέγων (1 a)
18. 1. καὶ εἶπε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
19. 1 : 20. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
21. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μ. λέγων –
— 16 : 22. 1, 17, 26. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
23. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 9, 23. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 24. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λέγων (1 a)
— 26, 33. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 34. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λέγων (1 a)
24. 1, 13. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
25. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. . . . λέγων (1 a)
— 20. ἐὰν δὲ λέγητε (1 a)
27. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
Nu. 1. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. . . . λέγων (1 a)
— 48. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
2. 1. ἐλάλησε κύριος . . . λέγων (1 a)
3. 5, 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 14. ἐλάλησε κύριος . . . λέγων (1 a)
— 40. εἶπε κύριος πρὸς Μ. λέγων –
— 44. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
4. 1, 17. ἐλάλησε κύριος . . . λέγων (1 a)
— 21 : 5. 1, 5. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
5. 6. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λέγων –

Nu. 5. 11: 6. 1, 22. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
6. 23. λάλησον Ἀαρὼν . . . λέγων (1 a)
— 23. οὕτως εὐλογήσετε . . . λέγοντες αὐτοῖς (1 a)
7. 4. εἶπε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
8. 1, 5, 23. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
9. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. . . . λέγων (1 a)
— 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 10. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λέγων (1 a)
10. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
11. 12. ὅτι λέγεις μοι (1 a)
— 13. κλαίουσιν ἐπ' ἐμοὶ λέγοντες (1 a)
— 18. ἐκλαύσατε ἔναντι κυρίου λέγοντες (1 a)
— 20. ἐκλαύσατε ἐναντίον αὐτοῦ λέγοντες (1 a)
— 27. καὶ εἶπε λέγων –
12. 13. ἐβόησε Μ. πρὸς κύριον λέγων (1 a)
13. 2 (1). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 33 (32). ἐξήνεγκαν ἔκστασιν . . . λέγοντες (1 a)
14. 7. εἶπαν πρὸς πᾶσαν συναγ. . . . λέγοντες (1 a)
— 15. ἐροῦσι τὰ ἔθνη . . . λέγοντες (1 a)
— 17. ὃν τρόπον εἶπας λέγων (1 a)
— 26. εἶπε κύριος πρὸς Μ. . . . λέγων (1 a)
— 28. λέγει κύριος (6)
— 40. ἀνέβησαν . . . λέγοντες (1 a)
15. 1. εἶπε [A ἐλάλησεν] κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 35. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων –
— 37. εἶπε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
16. 5. ἐλάλησε πρὸς Κορὲ . . . λέγων (1 a)
— 20. ἐλάλησε κύριος . . . λέγων (1 a)
— 23. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 24. λάλησον τῇ συναγωγῇ λέγων (1 a)
— 26. ἐλάλησε πρὸς τὴν συναγ. λέγων (1 a)
— 34. ὅτι [A add. εἶπαν] λέγοντες –
— 41 (17. 6). ἐγόγγυσαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . . λέγοντες (1 a)
— 44 (17. 9). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. . . . λέγων (1 a)
17. 1 (16). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 12 (27). εἶπαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . . λέγοντες (1 a)
18. 1. εἶπε κύριος πρὸς Ἀ. λέγων –
— 25. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
19. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. . . . λέγων (1 a)
— 2. ὅσα συνέταξε κύριος λέγων (1 a)
20. 3. ἐλοιδορεῖτο ὁ λαὸς . . . λέγοντες (1 a)
— 7. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 14. ἀπέστειλε Μ. . . . λέγων –
— 14. τάδε λέγει ὁ ἀδελφός σου Ἰσρ. (1 a)
— 19. λέγουσιν αὐτῷ οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1 a)
— 23. εἶπε κύριος πρὸς Μ. . . . λέγων (1 a)
21. 5. κατελάλει ὁ λαὸς . . . λέγοντες –
— 7. παραγενόμενος ὁ λ. . . . ἔλεγον (1 a)
— 14. λέγεται ἐν βιβλίῳ [A -λῳ] (1 b)
— 20 (21). ἀπέστειλε Μ. . . . λόγοις εἰρηνικοῖς λέγων (1 a)
22. 5. ἀπέστειλε . . . καλέσαι αὐτὸν λέγων (1 a)
— 10. ἀπέστειλεν αὐτοὺς πρὸς μὲ λέγων –
— 16. καὶ λέγουσιν αὐτῷ (1 a)
— 16. τάδε λέγει Βαλάκ (1 a)
— 28. καὶ λέγει [A εἶπεν] τῷ Β. (1 a)
— 30. λέγει ἡ ὄνος τῷ Β. (1 a)
— 32. A λέγει [B εἶπεν] αὐτῷ ὁ ἄγγ. τοῦ θ. (1 a)
23. 7. μετεπέμψατό με Β. . . . λέγων –
— 26. οὐκ ἐλάλησά σοι λέγων (1 a)
24. 12. οὐχὶ . . . ἐλάλησα λέγων (1 a)
25. 10, 16. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 16. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λέγων –
26. 1. A ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων [B om.] καὶ πρὸς Ἐλ. τὸν ἱ. λέγων (–, 1 a)
— 3. ἐλάλησε Μ. . . . λέγων (1 a)
— 52. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
27. 2. καὶ στᾶσαι . . . λέγουσιν (1 a)
— 5 (6). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 7 (8). τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λαλήσεις λέγων (1 a)
— 18. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων –
28. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 2. ἐρεῖς πρὸς αὐτοὺς λέγων –
30. 2. ἐλάλησε Μ. . . . λέγων (1 a)
31. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 3. ἐλάλησε Μ. πρὸς τὸν λαὸν λέγων (1 a)
— 25. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
32. 2. εἶπον πρὸς Μ. . . . λέγοντες (1 a)
— 5. καὶ ἔλεγον [A -οσαν] (1 a)
— 10. καὶ ὤμοσε λέγων (1 a)
— 16. προσῆλθον αὐτῷ καὶ ἔλεγον (1 a)
— 25. εἶπαν οἱ υἱοὶ Ῥ. . . . λέγοντες (1 a)
— 27. ὃν τρόπον ὁ κύριος λέγει (3 b)
Nu. 32. 31. ἀπεκρίθησαν οἱ υἱοὶ Ῥ. . . . λέγοντες (1 a)
— 31. ὅσα ὁ κύριος λέγει τοῖς θεράποντσιν (3 c)
33. 50. B¹ ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων [A B² R om.] κατὰ Ἱερ. [A B² R add. λέγων] (–, 1 a)
34. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
— 13. ἐνετείλατο Μ. . . . λέγων (1 a)
— 16. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
35. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. . . . λέγων (1 a)
— 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 a)
36. 5. ἐνετείλατο Μ. . . . λέγων (1 a)
— 5. οὕτως φυλὴ υἱῶν Ἰ. λέγουσι (3 b)
— 6. ὃ συνέταξε κύριος . . . λέγων (1 a)
De. 1. 5. ἤρξατο Μ. διασαφῆσαι . . . λέγων (1 a)
— 6. ἐλάλησεν ἡμῖν ἐν Χ. λέγων (1 a)
— 9. εἶπα πρὸς ὑμᾶς . . . λέγων (1 a)
— 16. ἐνετειλάμην τοῖς κριταῖς ὑμῶν . . . λέγων (1 a)
— 25. καὶ ἔλεγον (1 a)
— 28. ἀπέστησαν τὴν καρδίαν ὑμῶν λέγοντες (1 a)
— 34. παροξυνθεὶς ὤμοσε λέγων (1 a)
— 37. ἐθυμώθη κ. δι' ὑμᾶς λέγων (1 a)
2. 4. καὶ τῷ λαῷ ἔντειλαι λέγων (1 a)
— 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 26. ἀπέστειλα . . . λόγοις εἰρηνικοῖς λέγων (1 a)
3. 18. ἐνετειλάμην ὑμῖν . . . λέγων (1 a)
— 21. ἐνετειλάμην . . . λέγων (1 a)
— 23. ἐδεήθην κυρίου . . . λέγων (1 a)
4. 21. περὶ τῶν λεγομένων ὑφ' ὑμῶν (3 a)
5. 5. ἐστήκειν . . . λέγων (1 a)
— 24 (21). καὶ ἐλέγετε (1 a)
6. 20. ὅταν ἐρωτήσῃ σε ὁ υἱός σου αὔριον λέγων (1 a)
7. 17. ἐὰν δὲ λέγῃς ἐν τῇ διανοίᾳ σου (1 a)
9. 4. μὴ εἴπῃς ἐν τῇ καρδίᾳ σου . . . λέγων (1 a)
— 13. A B¹ εἶπε κύριος πρὸς μέ [B² R add. λέγων] (1 a ?)
— 13. λελάληκα πρὸς σὲ . . . λέγων (1 a ?)
— 23. ὅτε ἐξαπέστειλεν ὑμᾶς κ. . . . λέγων (1 a)
— 28. μὴ εἴπωσιν . . . λέγοντες –
12. 30. μὴ ἐκζητήσῃς . . . λέγων [A al.] (1 a)
13. 2 (3). ὃ ἐλάλησε πρὸς σὲ λέγων (1 a)
— 6 (7). ἐὰν δὲ παρακαλέσῃ σε . . . λάθρα λέγων (1 a)
— 12 (13). ἐὰν δὲ ἀκούσῃς . . . λεγόντων (1 a)
— 13 (14). ἀπέστησαν πάντας . . . λέγοντες (1 a)
15. 9. μὴ γένηται ῥῆμα . . . λέγων (1 a)
— 11. ἐγὼ σοι ἐντέλλομαι . . . λέγων (1 a)
— 16. ἐὰν δὲ λέγῃ πρὸς σέ (1 a)
18. 16. ὅσα ᾐτήσω . . . λέγοντες (1 a)
19. 7. ἐντέλλομαι τὸ ῥῆμα τοῦτο λέγων (1 a)
20. 5. λαλήσουσιν οἱ γραμματεῖς . . . λέγοντες (1 a)
22. 14. καὶ λέγῃ (1 a)
— 17. ἐπιτίθησιν αὐτῇ προφασιστικοὺς λόγους λέγων (1 a)
27. 1. προσέταξε Μ. . . . λέγων [B³ al.] (1 a)
— 9. ἐλάλησε Μ. . . . λέγοντες (1 a)
— 11. ἐνετείλατο Μ. . . . λέγων (1 a)
29. 19 (18). καὶ ἐπιφημίσηται . . . λέγων (1 a)
30. 12. οὐκ ἐν τῷ οὐρανῷ ἄνω ἐστὶ λέγων (1 a)
— 13. A B² R οὐδὲ πέραν τῆς θαλ. ἐστὶ λέγων (1 a)
31. 10. ἐνετείλατο Μ. αὐτοῖς . . . λέγων (1 a)
— 25. ἐνετείλατο τοῖς Λευίταις . . . λέγων (1 a)
32. 48. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. . . . λέγων (1 a)
33. 9. B¹ λέγων [A B² R ὁ λ.] τῷ πατρί (1 a)
— 27. ἐκβαλεῖ . . . λέγων, Ἀπόλλοιο (1 a)
34. 4. ἣν ὤμοσα Ἀβραὰμ . . . λέγων (1 a)
Jo. 1. 1. εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῦ . . . λέγων (1 a)
— 10. ἐνετείλατο Ἰ. . . . λέγων (1 a)
— 11. ἐντείλασθε τῷ λαῷ λέγοντες (1 a)
— 13. ὃ ἐνετείλατο ὑμῖν Μ. . . . λέγων (1 a)
2. 1. ἀπέστειλεν Ἰ. . . . λέγων (1 a)
— 2. ἀπηγγέλη τῷ βασ. Ἱερ. λέγοντες [A om.] (1 a)
— 3. εἶπε πρὸς Ῥ. λέγων (1 a)
— 4. εἶπεν αὐτοῖς λέγουσα –
3. 3. ἐνετείλαντο τῷ λαῷ λέγοντες (1 a)
— 8. ἔντειλαι τοῖς ἱερεῦσι . . . λέγων (1 a)
4. 1. εἶπε κύριος τῷ Ἰ. λέγων (1 a)
— 3. σύνταξον αὐτοῖς [A add. λέγων] (1 a)
— 6. ὅταν ἐρωτᾷ σε . . . λέγων (1 a)
— 7. A² B δηλώσεις τῷ υἱῷ σου λέγων –
— 15. εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῦ λέγων (1 a)
— 17. ἐνετείλατο Ἰ. τοῖς ἱερεῦσι λέγων (1 a)
— 21. ἔστησεν Ἰ. . . . λέγων (1 a)
— 21. ὅταν ἐρωτῶσιν ὑμᾶς . . . λέγοντες (1 a)
5. 15. λέγει [A εἶπεν] ὁ ἀρχιστράτηγος κ. πρὸς Ἰ. (1 a)
Jo. 6. 6 (7). εἶπεν αὐτοῖς λέγων –
— 9 (10). τῷ δὲ λαῷ ἐνετείλατο Ἰ. λέγων (1 a)
— 25 (26). ὤρκισεν Ἰ. . . . λέγων (1 a)
7. 2. ἀπέστειλεν Ἰ. . . . λέγων (1 a)
— 13. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (1 a)
8. 4. ἐνετείλατο αὐτοῖς λέγων (1 a)
9. 11. εἶπαν πρὸς ἡμᾶς . . . λέγοντες (1 a)
— 22. διὰ τί παρελογίσασθέ με λέγοντες (1 a)
— 24. ἀπεκρίθησαν τῷ Ἰ. λέγοντες (1 a)
10. 3. ἀπέστειλεν Ἀδ. . . . λέγων (1 a)
— 6. ἀπέστειλαν . . . εἰς Γ. λέγοντες (1 a)
— 17. ἀπηγγέλη τῷ Ἰ. λέγοντες (1 a)
— 24. συνεκάλεσεν Ἰ. πάντα Ἰσρ. . . . λέγων αὐτοῖς (1 a ?)
14. 9. ὤμοσε Μ. . . . λέγων (1 a)
15. 18. συνεβουλεύσατο αὐτῷ λέγουσα –
17. 4. καὶ ἔστησαν . . . λέγουσαι (1 a)
— 14. ἀντεῖπαν δὲ . . . τῷ Ἰ. λέγοντες (1 a)
— 17. εἶπεν Ἰ. τοῖς υἱοῖς Ἰ. [A add. λέγων] (1 a)
18. 8. ἐνετείλατο Ἰ. . . . λέγων (1 a)
20. 1. ἐλάλησε κύριος τῷ Ἰ. λέγων (1 a)
— 2. λάλησον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λέγων (1 a)
21. 2. εἶπον πρὸς αὐτοὺς . . . λέγοντες (1 a)
22. 8. A λέγων [B καὶ] ἐν χρήμασι πολλοῖς (1 a)
— 11. ἤκουσαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. λεγόντων (1 a)
— 15. ἐλάλησαν πρὸς αὐτοὺς λέγοντες (1 a)
— 16. τάδε λέγει πᾶσα ἡ συναγ. κυρίου (1 a)
— 21. ἐλάλησαν τοῖς χιλιάρχοις Ἰσρ. λέγοντες –
— 24. ἐποιήσαμεν τοῦτο λέγοντες (1 a)
— 24. A ἵνα μὴ εἴπωσιν . . . λέγοντες [B om.] (1 a)
24. 2. τάδε [A λέγων, T.] λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. [A add. λέγων] (–, 1 a, –)
— 27. ἀκήκοε πάντα τὰ λεχθέντα αὐτῷ (1 d)
Jd. 1. 1. ἐπηρώτων οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . . λέγοντες (1 a)
2. 1. τάδε λέγει κύριος [A al.] –
5. 1. ᾖσαν Δ. καὶ Β. . . . λέγοντες [A al.] (1 a)
6. 8. τάδε λέγει κύριος ὁ θ. Ἰσρ. (1 a)
— 13. διηγήσαντο ἡμῖν . . . λέγοντες (1 a)
— 32. ἐκάλεσεν αὐτὸ . . . λέγων [A al.] (1 a)
7. 2. μή ποτε καυχήσηται Ἰσρ. ἐπ' ἐμὲ λέγων (1 a)
— 3. λάλησον δὴ . . . λέγων (1 a)
— 24. ἀγγέλους ἀπέστειλε Γ. . . . λέγων (1 a)
8. 9. A εἶπεν . . . λέγων [B om.] (1 a)
— 15. ὠνειδίσατέ με λέγοντες (1 a)
9. 1. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς . . . λέγων (1 a)
— 31. ἀπέστειλεν ἀγγέλους . . . λέγων (1 a)
— 38. A ποῦ ἐστι νῦν τὸ στόμα σου τὸ λέγον [B al.] (1 a)
10. 10. ἐβόησαν . . . πρὸς κύριον λέγοντες (1 a)
11. 12. ἀπέστειλεν Ἰ. ἀγγέλους . . . λέγων (1 a)
— 15. A λέγων, Τάδε λέγει Ἰ. [B al.] (1 a, 1 a)
— 17. ἀπέστειλεν Ἰσρ. ἀγγέλους . . . λέγων (1 a)
13. 6. εἶπε τῷ ἀνδρὶ αὐτῆς λέγουσα (1 a)
15. 2. εἶπεν ὁ πατὴρ αὐτῆς λέγων [A om.] (1 a)
— 13. εἶπον [A ὤμοσαν] αὐτῷ λέγοντες (1 a)
16. 2. ἀνηγγέλη [A ἀπ.] τοῖς Γαζαίοις λέγοντες (1 a)
— 2. ἐκώφευσαν ὅλην τὴν νύκτα λέγοντες (1 a)
— 15. πῶς λέγεις [A ἐρεῖς] (1 a)
— 18. ἐκάλεσε τοὺς ἄρχοντας . . . λέγουσα (1 a)
18. 8. A ἔλεγον αὐτοῖς οἱ ἀδελφοί [B al.] (1 a)
— 24. τί τοῦτο λέγετε πρὸς μέ (1 a)
19. 22. εἶπον πρὸς τὸν ἄνδρα . . . λέγοντες (1 a)
— 30. πᾶς ὁ βλέπων [A ὁρῶν] ἔλεγεν (1 a)
— 30. A ἐνετείλατο τοῖς ἀνδράσιν . . . λέγων –
20. 8. ἀνέστη πᾶς ὁ λαὸς . . . λέγοντες [A λέγων] (1 a)
— 12. ἀπέστειλαν αἱ φυλαὶ Ἰσρ. . . . λέγοντες (1 a)
— 23. ἠρώτησαν ἐν κυρίῳ λέγοντες (1 a)
— 28. λέγοντες, Εἰ προσθῶμεν [A al.] (1 a)
21. 1. ὤμοσαν ἐν Μ. λέγοντες [A al.] (1 a)
— 5. ὁ ὅρκος μέγας ἦν . . . λέγοντες (1 a)
— 10. ἐνετείλαντο αὐτοῖς λέγοντες (1 a)
— 18. ὠμόσαμεν ἐν υἱοῖς Ἰσρ. λέγοντες (1 a)
— 20. ἐνετείλαντο τοῖς υἱοῖς Β. λέγοντες (1 a)
Ru. 2. 15. ἐνετείλατο Βοὸς . . . λέγων (1 a)
4. 4. ἀποκαλύψω τὸ οὖς σου λέγων (1 a)
— 17. ἐκάλεσαν . . . ὄνομα λέγουσαι (1 a)
I Ki. 1. 10. B προσηύξατο πρὸς κύριον λέγουσα [A R om.] –
— 11. ηὔξατο εὐχὴν κυρίῳ λέγουσα (1 a)
2. 15. ἔλεγε τῷ ἀνδρὶ τῷ θύοντι (1 a)
— 16. ἔλεγεν ὁ ἀνὴρ ὁ θύων [A al.] (1 a)
— 20. εὐλόγησεν Ἠ. τὸν Ἐ. . . . λέγων (1 a)
— 27. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 30. R τάδε λέγει [A B εἶπεν] κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (9)
— 36. ἥξει προσκυνεῖν αὐτῷ . . . λέγων (1 a)

I Ki. 5. 7, 8. καὶ λέγουσιν (1 a)
— 8. καὶ λέγουσιν οἱ Γ. (1 a)
— 10. ἐβόησαν οἱ Ἀσκ. λέγοντες (1 a)
6. 2. καλοῦσιν ἀλλόφυλοι . . . λέγοντες (1 a)
— 4. καὶ λέγουσι (1 a)
— 21. ἀποστέλλουσιν ἀγγέλους . . . λέγοντες (1 a)
7. 3. εἶπε Σαμ. . . . λέγων (1 a)
9. 9. τάδε ἔλεγεν [A -αν] ἕκαστος (1 a)
— 11. καὶ λέγουσιν αὐταῖς (1 a)
— 12. καὶ λέγουσιν αὐτοῖς [A om.] (1 a)
— 15. A²B ἀπεκάλυψε τὸ ὠτίον Σ. . . . λέγων (1 a)
— 26. ἐκάλεσε Σαμ. τὸν Σ. . . . λέγων (1 a)
10. 2. ἐδαψιλεύσατο δι' ὑμᾶς λέγων (1 a)
— 18. τάδε εἶπε κ. ὁ θ. Ἰσρ. λέγων –
11. 3. καὶ λέγουσιν αὐτῷ (1 a)
— 7. ἀπέστειλεν . . . ἐν χειρὶ ἀγγέλων λέγων (1 a)
— 14 : 12. 6. εἶπε Σαμ. πρὸς τὸν λαὸν λέγων –
12. 10. καὶ ἔλεγον (1 a)
13. 3. B σαλπίζει εἰς πᾶσαν τὴν γῆν λέγων (1 a)
— 4. B πᾶς Ἰσρ. ἤκουσε λεγόντων (1 a)
14. 11. καὶ λέγουσιν οἱ ἀλλόφυλοι (1 a)
— 12. καὶ λέγουσιν (1 a)
— 24. ἀρᾶται τῷ λαῷ λέγων (1 a)
— 28. ὥρκισε τὸν λαὸν [A τῷ λ.] . . . λέγων (1 a)
— 33. ἀπηγγέλη Σαοὺλ λέγοντες (1 a)
15. 10. ἐγενήθη ῥῆμα κυρίου πρὸς Σαμ. λέγων (1 a)
— 12. ἀπηγγέλη τῷ Σ. λέγοντες (1 a)
16. 19. ἀπέστειλε Σ. ἀγγέλους . . . λέγων (1 a)
— 22. ἀπέστειλε Σ. πρὸς Ἰ. λέγων (1 a)
17. 26. A εἶπεν Δ. . . . λέγων (1 a)
— 27. A εἶπεν αὐτῷ ὁ λαὸς . . . λέγων (1 a)
18. 7. καὶ ἔλεγον (1 a)
— 22. ἐνετείλατο Σ. τοῖς παισὶν αὐ. λέγων –
— 22. λαλήσατε ὑμεῖς λάθρα . . . λέγοντες (1 a)
19. 2. ἀπήγγειλεν Ἰων. τῷ Δ. λέγων (1 a)
— 6. καὶ ὤμοσε Σ. λέγων –
— 11. ἀπήγγειλε τῷ Δ. . . . λέγουσα (1 a)
— 14. λέγουσιν ἐνοχλεῖσθαι αὐτόν (1 a)
— 15. ἀποστέλλει ἐπὶ τὸν Δ. λέγων [A al.] (1 a)
— 19. ἀπηγγέλη τῷ Σ. λέγοντες (1 a)
— 24. διὰ τοῦτο ἔλεγον (1 a)
20. 21. ἀποστέλλω τὸ παιδάριον λέγων –
— 22. ἐὰν εἴπω λέγων τῷ παιδαρίῳ –
— 38. ἀνεβόησεν [A ἐβ.] Ἰων. . . . λέγων –
— 42. ὡς ὀμωμόκαμεν . . . λέγοντες (1 a)
21. 2 (3). ἐν τῷ τόπῳ τῷ λεγομ. Θεοῦ πίστις –
— 11 (12). οὐχὶ τούτῳ ἐξῆρχον αἱ χορεύουσαι λέγουσαι (1 a)
23. 1. ἀπηγγέλη τῷ Δ. λέγοντες (1 a)
— 2. ἐπηρώτησε Δ. διὰ τοῦ κυρίου λέγων (1 a)
— 19. ἀνέβησαν οἱ Ζ. . . . λέγοντες (1 a)
— 27. πρὸς Σ. ἦλθεν ἄγγελος λέγων (1 a)
24. 2. ἀπηγγέλη αὐτῷ λεγόντων [A λέγων] (1 a)
— 9. ἐβόησε Δ. ὀπίσω Σ. λέγων (1 a)
— 10. ἵνα τί ἀκούεις τῶν λόγων τοῦ λαοῦ λεγόντων (1 a)
— 14. καθὼς λέγεται ἡ παραβολὴ ἡ ἀρχαία (1 a)
25. 14. ἀπήγγειλεν ἐν τῶν παιδαρίων λέγων (1 a)
— 40. ἐλάλησαν αὐτῇ λέγοντες (1 a)
26. 1. ἔρχονται οἱ Ζ. . . . λέγοντες (1 a)
— 6. ἀπεκρίθη Δ. . . . λέγων (1 a)
— 14. τῷ Ἀβ. ἐλάλησε λέγων (1 a)
— 19. ἐξέβαλόν με . . . λέγοντες (1 a)
27. 1. εἶπε Δ. . . . λέγων –
— 11. γυναῖκα οὐκ ἐζωογόνησα . . . λέγων (1 a)
— 11. μὴ ἀναγγείλωσιν . . . λέγοντες (1 a)
— 12. ἐπιστεύθη Δ. . . . λέγων (1 a)
28. 10. ὤμοσεν αὐτῇ Σ. [A add. ἐν κυρίῳ] λέγων (1 a)
29. 4. καὶ λέγουσιν αὐτῷ (1 a)
— 5. ᾧ ἐξῆρχον ἐν χοροῖς λέγοντες (1 a)
— 9. οἱ σατράπαι τῶν ἀλλοφύλων λέγουσιν (1 a)
30. 8. ἐπηρώτησε Δ. διὰ τοῦ κυρίου λέγων (1 a)
— 20. τοῖς σκύλοις ἐκείνοις ἐλέγετο (1 a)
— 26. ἀπέστειλε τοῖς πρεσβυτέροις . . . λέγων (1 a)
II Ki. 1. 16. τὸ στόμα σου ἀπεκρίθη κατὰ σοῦ λέγων (1 a)
2. 1. ἐπηρώτησε Δ. ἐν κυρίῳ λέγων (1 a)
— 4. ἀπήγγειλαν τῷ Δ. λέγοντες (1 a)
— 22. προσέθετο ἔτι Ἀβ. λέγων τῷ Ἀσ. (1 a)
3. 12. ἀπέστειλεν Ἀβ. ἀγγέλους . . . λέγων (1 a)
— 13. λόγον ἕνα ἐγὼ αἰτοῦμαι . . . λέγων (1 a)
— 14. ἐξαπέστειλε . . . ἀγγέλους λέγων (1 a)
— 17. εἶπεν Ἀβ. . . . λέγων (1 a)
— 18. κύριος ἐλάλησε περὶ Δ. λέγων (1 a)
— 23. ἀπηγγέλη τῷ Ἰ. λέγοντες (1 a)

II Ki. 3. 35. ὤμοσε Δ. λέγων (1 a)
5. 6. ἀντέστησαν οἱ τυφλοὶ . . . λέγοντες (1 a)
— 19. ἠρώτησε Δ. διὰ κυρίου λέγων (1 a)
6. 9. ἐφοβήθη Δ. τὸν κύριον . . . λέγων (1 a)
— 12. ἀπηγγέλη τῷ βασ. Δ. λέγοντες (1 a)
7. 4. ἐγένετο ῥῆμα κυρίου πρὸς Ν. λέγων (1 a)
— 5. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 7. ᾧ ἐνετειλάμην . . . λέγων (1 a)
— 8. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 a)
— 27. A λέγει κύριος παντοκράτωρ –
— 27. ἀπεκάλυψας τὸ ὠτίον τοῦ δούλου σου λέγων (1 a)
11. 6. ἀπέστειλε Δ. πρὸς Ἰ. λέγων –
— 10. ἀνήγγειλαν τῷ Δ. λέγοντες (1 a)
— 15. ἔγραψεν ἐν βιβλίῳ λέγων (1 a)
— 19. ἐνετείλατο τῷ ἀγγέλῳ λέγων (1 a)
12. 7. τάδε λέγει κ. ὁ θ. Ἰσρ. (1 a)
— 11. τάδε λέγει κύριος (1 a)
13. 7. ἀπέστειλε Δ. . . . εἰς τὸν οἶκον λέγων (1 a)
— 28. ἐνετείλατο Ἀβ. τοῖς παιδαρίοις αὐ. λέγων (1 a)
— 30. ἡ ἀκοὴ ἦλθε πρὸς Δ. λέγων (1 a)
— 33. μὴ θέσθω ὁ κ. μου ὁ βασ. . . . ῥῆμα λέγων (1 a)
14. 32. ἀπέστειλα πρὸς σὲ λέγων (1 a)
— 32. ἀποστελῶ σε πρὸς τὸν βασ. λέγων (1 a)
15. 2. καὶ ἔλεγεν αὐτῷ (1 a)
— 8. εὐχὴν ηὔξατο ὁ δοῦλός σου . . . λέγων (1 a)
— 10. ἀπέστειλεν Ἀβ. κατασκόπους . . . λέγων (1 a)
— 13. παρεγένετο ἀπαγγέλλων πρὸς Δ. λέγων (1 a)
— 31. ἀνηγγέλη Δ. λέγοντες (1 a)
16. 7. οὕτως ἔλεγε Σ. (1 a)
17. 6. εἶπεν Ἀβ. πρὸς αὐτὸν λέγων (1 a)
— 16. ἀναγγείλατε [A ἀπ.] τῷ Δ. λέγοντες (1 a)
18. 5, 12. ἐνετείλατο ὁ βασ. . . . λέγων (1 a)
19. 1 (2). ἀνηγγέλη τῷ Ἰ. λέγοντες –
— 2 (3). ἤκουσεν ὁ λαὸς . . . λέγων (1 a)
— 4 (5). ἔκραξεν ὁ βασ. . . . λέγων –
— 8 (9). πᾶς ὁ λαὸς ἀνήγγειλαν λέγοντες (1 a)
— 9 (10). ἦν πᾶς ὁ λαὸς . . . λέγοντες (1 a)
— 11 (12). ὁ βασ. Δ. ἀπέστειλε . . . λέγων (1 a)
— 11 (12). λαλήσατε πρὸς τοὺς πρεσβυτ. Ἰ. λέγοντες (1 a)
— 14 (15). ἀπέστειλαν πρὸς τὸν βασ. λέγοντες –
— 21 (22). A ἀπεκρίθη Ἀβ. . . . λέγων [B καὶ εἶπεν] (1 a)
20. 18. καὶ εἶπε λέγουσα (1 a)
— 18. λόγον ἐλάλησαν ἐν πρώτοις λέγοντες (1 a)
21. 4. τί ὑμεῖς λέγετε (1 a)
— 17. ὤμοσαν οἱ ἄνδρες Δ. λέγοντες (1 a)
23. 3. λέγει ὁ θεὸς Ἰσρ. (1 a)
24. 1. ἐπέσεισε τὸν Δ. ἐν αὐτοῖς λέγων (1 a)
— 11. λόγος κυρίου ἐγένετο . . . λέγων (1 a)
— 12. λάλησον πρὸς Δ. λέγων –
— 12. B τάδε λέγει κύριος (1 a)
III Ki. 1. 5. Ἀδ. . . . ἐπήρετο λέγων (1 a)
— 6. οὐκ ἀπεκώλυσεν αὐτὸν . . . οὐδέποτε λέγων (1 a)
— 11. εἶπε Ν. πρὸς Β. μητέρα Σαλ. λέγων (1 a)
— 13. ἐρεῖς πρὸς αὐτὸν λέγουσα –
— 13. οὐχὶ σὺ . . . ὤμοσας . . . λέγων (1 a)
— 17. σὺ ὤμοσας . . . τῇ δούλῃ σου λέγων –
— 23. A ἀνηγγέλη τῷ βασ. λεγόντων [B om.] (1 a)
— 30. καθὼς ὤμοσά σοι . . . λέγων (1 a)
— 47. εἰσῆλθον οἱ δοῦλοι τοῦ βασ. . . . λέγοντες (1 a)
— 51. ἀνηγγέλη τῷ Σαλ. λέγοντες (1 a)
— 51. κατέχει τῶν κεράτων τοῦ θυσιαστ. λέγων (1 a)
2. 1. ἀπεκρίνατο Σαλ. υἱῷ αὐ. λέγων (1 a)
— 4. ὃν ἐλάλησε [A add. περὶ ἐμοῦ] λέγων (1 a)
— 4. ἐὰν φυλάξωσιν . . . λέγων (1 a)
— 8. ὤμοσα αὐτῷ ἐν κυρίῳ λέγων (1 a)
— 23. ὤμοσεν ὁ βασ. Σαλ. . . . λέγων (1 a)
— 29. ἀπηγγέλη τῷ Σαλ. λέγοντες –
— 29. ἀπέστειλε Σαλ. πρὸς Ἰ. λέγων –
— 29. ἀπέστειλε Σαλ. . . . λέγων (1 a)
— 30. τάδε λέγει ὁ βασ. (1 a)
— 30. εἶπε τῷ βασ. λέγων (1 a)
3. 1. ἐνετείλατο τῷ Σαλ. λέγων –
— 1 (2. 8). ὤμοσα αὐτῷ . . . λέγων (1 a)
— 1 (2. 39). ἀπηγγέλη τῷ Σεμ. λέγοντες (1 a)
— 1 (2. 41). ἀπηγγέλη τῷ Σαλ. λέγοντες –
— 1 (2. 42). ἐπεμαρτυράμην σοι λέγων (1 a)
— 22. A αὐτὴ ἔλεγεν, Οὐχί (1 a)

III Ki. 3. 23. σὺ λέγεις, Οὗτος ὁ υἱός μου ὁ ζῶν (1 a)
— 23. σὺ λέγεις, Οὐχί (1 a)
5. 2 (16). ἀπέστειλε Σαλ. πρὸς Χ. λέγων (1 a)
— 5 (19). καὶ ἰδοὺ ἐγὼ λέγω (1 a)
— 5 (19). καθὼς ἐλάλησε κύριος . . . λέγων (1 a)
— 8 (22). ἀπέστειλε πρὸς Σαλ. λέγων (1 a)
6. 11. A ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σαλ. λέγων (1 a)
8. 15. ἐν ταῖς χερσὶν αὐ. ἐπλήρωσε λέγων (1 a)
— 25. ἃ ἐλάλησας αὐτῷ λέγων (1 a)
— 47. καὶ δεηθῶσί σου λέγοντες (1 a)
— 55. εὐλόγησε . . . φωνῇ μεγάλῃ λέγων (1 a)
9. 5. καθὼς ἐλάλησα Δ. πατρί σου λέγων (1 a)
11. 31. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (1 a)
12. 3. ἐλάλησεν ὁ λαὸς . . . λέγοντες (1 a)
— 6. παρήγγειλεν ὁ βασ. . . . λέγων (1 a)
— 7. ἐλάλησαν πρὸς αὐτὸν λέγοντες (1 a)
— 9. τῷ λαῷ τούτῳ τοῖς λέγουσι [A λαλήσασιν] πρὸς μὲ λεγόντων (3 c, 1 a)
— 10. ἐλάλησαν πρὸς αὐτὸν . . . λέγοντες (1 a)
— 10. τοῖς λαλήσασι πρὸς σὲ λέγοντες (1 a)
— 12. ἐλάλησεν αὐτοῖς ὁ βασ. λέγων (1 a)
— 14. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς . . . λέγων (1 a)
— 16. ἀπεκρίθη ὁ λαὸς . . . λέγων (1 a)
— 22. ἐγένετο λόγος κυρίου . . . λέγων (1 a)
— 23. εἰπὸν τῷ Ῥ. . . . λέγων (1 a)
— 24. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 24. B ἐλάλησεν εἰς τὰ ὦτα . . . λέγων –
— 24 *ter*. B τάδε λέγει κύριος –
— 24. B λόγος κυρίου ἐγένετο . . . λέγων –
— 24. B τάδε λέγει κύριος –
— 24. B τάδε λέγει κύριος ἐπὶ τὰς δέκα φυλάς –
— 24. B ταῦτα ἀπέστειλεν πρὸς μὲ λέγων ὁ λαός [R al.] –
— 24. B λαλήσεις πρὸς τὸν λαὸν λέγων –
— 24. B ἀνέκραξαν ἅπαντες λέγοντες –
— 24. B¹R ἐγένετο ῥῆμα κ. πρὸς Σ. ἄνθρ. τοῦ θ. [B² add. λέγων] –
— 24. B εἰπὸν τῷ Ῥ. . . . λέγων –
— 24. B τάδε λέγει κύριος –
13. 2. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 3. δώσει ἐν τῇ ἡμ. ἐκείνῃ τέρας λέγων (1 a)
— 3. ὃ ἐλάλησε κύριος λέγων –
— 4. ἐξέτεινεν ὁ βασ. τὴν χεῖρα αὐ. . . . λέγων (1 a)
— 9. ἐνετείλατό μοι ἐν λόγῳ κύριος λέγων (1 a)
— 12. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς ὁ πατὴρ αὐ. λέγων –
— 17. ἐντέταλταί μοι ἐν λόγῳ κύριος λέγων –
— 18. ἄγγελος λελάληκε πρὸς μὲ . . . λέγων (1 a)
— 21. εἶπε πρὸς τὸν ἄνθρ. τοῦ θ. . . . λέγων (1 a)
— 21. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 22. ἐλάλησε πρὸς σὲ λέγων –
— 27. A ἐλάλησεν πρὸς τοὺς υἱοὺς αὐ. τῷ λέγειν (1 a)
— 31. εἶπε τοῖς υἱοῖς αὐ. λέγων (1 a)
14. 7. A τάδε λέγει κ. ὁ θ. Ἰσραήλ (1 a)
15. 18. ἐξαπέστειλεν αὐτοὺς [A om. ἐ. αὐ.] . . . λέγων (1 a)
16. 16. ἤκουσεν ὁ λαὸς . . . λεγόντων (1 a)
17. 8. A ἐγένετο ῥῆμα κυρίου πρὸς Ἠ. λέγων [B om.] (1 a)
— 14. τάδε λέγει κύριος (1 a)
18. 1. ῥῆμα κυρίου ἐγένετο πρὸς Ἠ. . . . λέγων (1 a)
— 8. λέγε [A εἰπὸν] τῷ κυρίῳ σου (1 a)
— 11. καὶ νῦν σὺ λέγεις (1 a)
— 14. καὶ νῦν σὺ λέγεις μοι (1 a)
— 14. λέγε τῷ κυρίῳ σου (1 a)
— 29. ἐλάλησεν Ἠ. . . . λέγων –
— 31. ὡς ἐλάλησε κύριος . . . λέγων (1 a)
20 (21). 2. ἐλάλησεν Ἀχ. . . . λέγων (1 a)
— 6. ἐλάλησα πρὸς Ναβ. . . . λέγων (1 a)
— 9. ἐγέγραπτο ἐν τοῖς βιβλίοις λέγων (1 a)
— 10. A R καταμαρτυρησάτωσαν αὐτοῦ λέγοντες (1 a)
— 13. κατεμαρτύρησαν αὐτοῦ λέγοντες [A al.] (1 a)
— 14. ἀπέστειλαν πρὸς Ἰεζ. λέγοντες (1 a)
— 17. εἶπε κύριος πρὸς Ἠ. . . . λέγων (1 a)
— 19. λαλήσεις πρὸς αὐτὸν λέγων (1 a)
— 19 *bis*. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 23. τῇ Ἰεζ. ἐλάλησε κύριος λέγων (1 a)
21 (20). 3, 5. τάδε λέγει υἱὸς Ἀδέρ (1 a)
— 5. ἐγὼ ἀπέστρεψα λέγων [A om.] (1 a)
— 9. λέγετε τῷ κυρίῳ ὑμῶν (1 a)
— 10. ἀπέστειλε [A ἀνταπ.] . . . υἱὸς Ἀ. λέγων (1 a)
— 13, 14. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 17. καὶ ἀπαγγέλλουσι τῷ βασ. Σ. λέγοντες [A al.] (1 a)

III Ki. 21 (20). 28. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 32. δοῦλός σου υἱὸς Ἀδὲρ λέγει (1 a)
— 33. A ἀδελφός σου υἱὸς Ἀδὲρ λέγει [B om.] –
— 42. τάδε λέγει κύριος (1 a)
22. 8. μὴ λεγέτω ὁ βασ. οὕτως (1 a)
— 11. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 12. ἐπροφήτευον οὕτως λέγοντες (1 a)
— 13. ἐλάλησεν αὐτῷ λέγων (1 a)
— 27. A τάδε λέγει ὁ βασ. (1 a)
— 31. ἐνετείλατο τοῖς ἄρχουσι . . . λέγων (1 a)
— 36. ἔστη ὁ στρατοκῆρυξ . . . λέγων (1 a)
IV Ki. 1. 3. ἐκάλεσεν Ἠ. τὸν Θ. λέγων –
— 4, 6. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 11. τάδε λέγει ὁ βασ. (1 a)
— 16 : 2. 21. τάδε λέγει κύριος (1 a)
3. 7. ἐξαπέστειλε πρὸς Ἰωσ. . . . λέγων (1 a)
— 16, 17. τάδε λέγει κύριος (1 a)
4. 1. ἐβόα πρὸς Ἐλ. λέγουσα (1 a)
— 31. ἀπήγγειλεν αὐτῷ λέγων (1 a)
— 43. τάδε λέγει κύριος (1 a)
5. 6. ἤνεγκε τὸ βιβλίον . . . λέγων (1 a)
— 8. ἀπέστειλε πρὸς τὸν βασ. Ἰσρ. λέγων (1 a)
— 10. ἀπέστειλεν Ἐλ. ἄγγελον . . . λέγων (1 a)
— 11. B¹ R ἰδοὺ εἶπον [B² δὴ ἔλεγον] (1 a)
— 22. ὁ κύριός μου ἀπέστειλέ με λέγων (1 a)
6. 8. ἐβουλεύσατο πρὸς τοὺς παῖδας αὐ. λέγων (1 a)
— 9. ἀπέστειλεν Ἐλ. . . . λέγων (1 a)
— 13. ἀνήγγειλαν αὐτῷ λέγοντες (1 a)
— 26. γυνὴ ἐβόησε πρὸς αὐτὸν λέγουσα (1 a)
7. 1. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 10. ἀνήγγειλαν αὐτοῖς λέγοντες (1 a)
— 12. ἐκρύβησαν ἐν τῷ ἀγρῷ λέγοντες (1 a)
— 14. ἀπέστειλεν ὁ βασ. . . . λέγων (1 a)
— 18. καθὰ ἐλάλησεν Ἐλ. . . . λέγων (1 a)
8. 1. Ἐλ. ἐλάλησε . . . λέγων (1 a)
— 4. ὁ βασ. ἐλάλει [A -λησεν] . . . λέγων (1 a)
— 6. ἔδωκεν αὐτῇ ὁ βασ. εὐνοῦχον ἕνα λέγων (1 a)
— 7. ἀνήγγειλαν αὐτῷ λέγοντες (1 a)
— 8. ἐπιζήτησον τὸν κύριον . . . λέγων (1 a)
— 9. ἀπέστειλέ με . . . λέγων (1 a)
9. 3. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 6. τάδε λέγει κύριος ὁ θ. Ἰσρ. (1 a)
— 12. ἐλάλησε πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 12. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 18. τάδε λέγει ὁ βασ. (1 a)
— 18. ἀπήγγειλεν ὁ σκοπὸς λέγων (1 a)
— 19. τάδε λέγει ὁ βασ. (1 a)
— 20. ἀπήγγειλεν ὁ σκοπὸς λέγων (1 a)
— 36. ὃν ἐλάλησεν . . . λέγων (1 a)
10. 1. ἔγραψεν Εἰοὺ . . . λέγων (1 a)
— 5. ἀπέστειλαν . . . πρὸς Εἰοὺ λέγοντες (1 a)
— 6. ἔγραψε πρὸς αὐτοὺς . . . λέγων (1 a)
— 8. καὶ ἀπήγγειλε λέγων (1 a)
— 21. B ἀπέστειλεν Εἰοὺ . . . λέγων –
11. 5. ἐνετείλατο αὐτοῖς λέγων (1 a)
14. 6. ὡς ἐνετείλατο κύριος λέγων (1 a)
— 8. ἀπέστειλεν Ἀμ. ἀγγέλους . . . λέγων (1 a)
— 9. ἀπέστειλεν Ἰ. . . . λέγων (1 a)
— 9. ὁ ἄκαν . . . ἀπέστειλε . . . λέγων (1 a)
15. 12. ὃν ἐλάλησε πρὸς Εἰοὺ λέγων (1 a)
16. 7. ἀπέστειλεν Ἀχ. ἀγγέλους . . . λέγων (1 a)
— 15. ἐνετείλατο ὁ βασ. Ἀχ. . . . λέγων (1 a)
17. 13. A R διεμαρτύρατο κύριος . . . λέγων [B λόγον] (1 a)
— 26. εἶπον τῷ βασ. Ἀσσ. λέγοντες (1 a)
— 27. ἐνετείλατο ὁ βασ. Ἀσσ. λέγων (1 a)
— 35. ἐνετείλατο αὐτοῖς λέγων (1 a)
18. 14. ἀπέστειλεν Ἐζ. . . . λέγων (1 a)
— 19, 29. τάδε λέγει ὁ βασ. (1 a)
— 30. μὴ ἐπελπιζέτω ὑμᾶς Ἐζ. . . . λέγων (1 a)
— 31. τάδε λέγει ὁ βασ. Ἀσσ. (1 a)
— 32. ἀπατᾷ ὑμᾶς λέγων (1 a)
— 36. ἐντολὴ τοῦ βασ. λέγων (1 a)
19. 3. τάδε λέγει Ἐζ. (1 a)
— 6. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 9. ἤκουσε περὶ Θ. . . . λέγων (1 a)
— 9. ἀπέστειλεν ἀγγέλους πρὸς Ἐζ. λέγων (1 a)
— 10. A τάδε ἐρεῖτε . . . τῷ λέγειν (1 a)
— 10. ἐφ' ᾧ σὺ πέποιθας ἐν αὐτῷ λέγων (1 a)
— 20. ἀπέστειλεν Ἡσ. . . . λέγων (1 a)
— 20. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων (1 a)
— 32. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 33. λέγει κύριος (6)
20. 1. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 2. ἤξατο πρὸς κύριον λέγων (1 a)
— 4. ῥῆμα κυρίου ἐγένετο πρὸς αὐτὸν λέγων (1 a)
IV Ki. 20. 5. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Δ. (1 a)
21. 10. ἐλάλησε κύριος . . . λέγων (1 a)
— 12. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (1 a)
22. 3. ἀπέστειλεν ὁ βασ. . . . λέγων (1 a)
— 10. εἶπε Σ. . . . λέγων (1 a)
— 12. ἐνετείλατο ὁ βασ. . . . λέγων (1 a)
— 15. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (1 a)
— 16. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 18. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (1 a)
— 19. λέγει κύριος (6)
23. 21. ἐνετείλατο ὁ βασ. παντὶ τῷ λαῷ λέγων (1 a)
I Ch. 4. 9. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐ. Ἰ. λέγουσα (1 a)
— 10. ἐπεκαλέσατο Ἰ. τὸν θεὸν Ἰσρ. λέγων (1 a)
11. 1. ἦλθε πᾶς Ἰσρ. . . . λέγοντες (1 a)
12. 19. παρὰ τῶν στρατηγῶν τῶν ἀλλοφ. λεγόντων (1 a)
13. 12. ἐφοβήθη Δ. . . . λέγων (1 a)
14. 10. ἠρώτησε Δ. διὰ τοῦ θεοῦ λέγων (1 a)
16. 18. λέγων, Σοὶ δώσω τὴν γῆν Χ. (1 a)
— 19. A ἐν τῷ λέγεσθαι [B S γενέσθαι] αὐτοὺς ὀλιγοστοὺς ἀριθμῷ †
17. 3. A ἐγένετο λόγος κυρίου . . . λέγων [B S om.] (1 a)
— 6. εἰ λαλῶν ἐλάλησα . . . λέγων (1 a)
— 7. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 a)
— 24. λεγόντων, Κύριε κύριε παντοκρ. (1 a)
21. 9. A R ἐλάλησε κύριος . . . λέγων [B om.] (1 a)
— 10. λάλησον πρὸς Δ. λέγων (1 a)
— 10, 11. οὕτως λέγει κύριος (1 a)
22. 8. ἐγένετό μοι [A ἐπ' ἐμὲ] λόγος κ. λέγων (1 a)
29. 10. εὐλόγησεν ὁ βασ. . . . λέγων (1 a)
II Ch. 2. 3 (2). ἀπέστειλε Σ. πρὸς Χ. . . . λέγων (1 a)
— 11 (10). R ἀπέστειλε πρὸς Σαλ. λέγων [A B om.] –
5. 13. καὶ ἔλεγον –
6. 4. ἐν χερσὶν αὐ. ἐπλήρωσε λέγων (1 a)
— 15. ἃ ἐλάλησας αὐτῷ λέγων [A al.] –
— 16. ἃ ἐλάλησας αὐτῷ λέγων (1 a)
— 37. καὶ δεηθῶσί σου . . . λέγοντες (1 a)
7. 18. ὡς διεθέμην . . . λέγων (1 a)
10. 3. B ἦλθον πρὸς Ῥ. λέγοντες [A R al.] (1 a)
— 6. συνήγαγεν ὁ βασ. . . . λέγων (1 a)
— 7. ἐλάλησαν αὐτῷ λέγοντες (1 a)
— 9. οἳ ἐλάλησαν πρὸς μὲ λέγοντες (1 a)
— 10. R ἐλάλησαν αὐτῷ . . . λέγοντες [A B om.] (1 a)
— 10. οὕτως λαλήσεις τῷ λαῷ . . . λέγων (1 a)
— 12. ὡς ἐλάλησεν ὁ βασ. λέγων (1 a)
— 14. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς . . . λέγων (1 a)
— 15. ἦν μεταστροφὴ παρὰ τοῦ θεοῦ λέγων –
— 16. ἀπεκρίθη ὁ λαὸς πρὸς τὸν βασ. λέγων (1 a)
11. 2. ἐγένετο λόγος κυρίου . . . λέγων (1 a)
— 3. εἰπὸν πρὸς Ῥ. . . . λέγων (1 a)
— 4. τάδε λέγει κύριος (1 a)
12. 7. ἐγένετο λόγος κυρίου . . . λέγων (1 a)
13. 8. λέγετε ὑμεῖς ἀντιστῆναι (1 a)
16. 2. καὶ ἀπέστειλε . . . λέγων (1 a)
18. 10. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 11. ἐπροφήτευον οὕτως λέγοντες (1 a)
— 12. ἐλάλησεν αὐτῷ λέγων (1 a)
— 30. ἐνετείλατο τοῖς ἄρχουσι . . . λέγων (1 a)
19. 9. ἐνετείλατο πρὸς αὐτοὺς λέγων (1 a)
20. 2. ὑπέδειξαν τῷ Ἰ. λέγοντες (1 a)
— 8. ᾠκοδόμησαν . . . ἁγίασμα . . . λέγοντες (1 a)
— 15. τάδε λέγει κύριος ὑμῖν αὐτοῖς (1 a)
— 21. B¹ καὶ ἔλεγεν [B² R -ον] (1 a)
— 37. ἐπροφήτευσεν Ἐλ. . . . λέγων (1 a)
21. 12. ἦλθεν αὐτῷ ἐν γραφῇ . . . λέγων (1 a)
— 12. τάδε λέγει κ. θεὸς Δ. τοῦ πατρός σου (1 a)
24. 20. τάδε λέγει κύριος (1 a)
25. 4. ὡς ἐνετείλατο κύριος λέγων (1 a)
— 7. ἦλθε πρὸς αὐτὸν λέγων (1 a)
— 17. A R ἀπέστειλε πρὸς Ἰ. . . . λέγων (1 a)
— 18. ἀπέστειλεν Ἰ. . . . λέγων (1 a)
— 18. ὁ χοζεὶ . . . ἀπέστειλε . . . λέγων (1 a)
28. 10. υἱοὺς . . . λέγετε κατακτήσεσθαι (1 a)
— 13. ἐφ' ἡμᾶς ὑμεῖς λέγετε (1 a)
30. 6. ἐπορεύθησαν οἱ τρέχοντες . . . λέγοντες (1 a)
— 18. προσηύξατο Ἐζ. περὶ αὐτῶν λέγων (1 a)
32. 4. ἐνέφραξε τὰ ὕδατα . . . λέγων (1 a)
— 6. ἐλάλησεν . . . λέγων (1 a)
— 9. ἀπέστειλε πρὸς Ἐζ. . . . λέγων (1 a)
— 10. οὕτως λέγει Σ. ὁ βασ. Ἀ. (1 a)
— 11. οὐχὶ Ἐζ. ἀπατᾷ ὑμᾶς . . . λέγων (1 a)
— 12. εἶπε τῷ Ἰούδᾳ . . . λέγων (1 a)
— 17. εἶπε περὶ αὐτοῦ λέγων (1 a)
II Ch. 34. 18. ἀπήγγειλε Σ. . . . λόγον [A om.] λέγων (1 a)
— 20. ἐνετείλατο ὁ βασ. . . . λέγων (1 a)
— 24. οὕτως λέγει κύριος (1 a)
— 26. οὕτως λέγει κ. ὁ θ. Ἰσρ. (1 a)
35. 21. ἀπέστειλε πρὸς αὐτὸν ἀγγέλους λέγων (1 a)
36. 22. παρήγγειλε κηρῦξαι . . . λέγων (1 a)
— 23. τάδε λέγει Κῦρος (1 a)
I Es. 1. 26. διεπέμψατο πρὸς αὐτὸν . . . λέγων
2. 2. ἐκήρυξεν . . . διὰ γραπτῶν λέγων
— 3. τάδε λέγει ὁ βασ. Περσῶν
4. 58. εὐλόγησε τῷ βασιλεῖ τοῦ οὐρ. λέγων
5. 68. λέγουσιν αὐτοῖς
6. 11. ἐπυνθανόμεθα . . . λέγοντες
— 13. ἀπεκρίθησαν ἡμῖν λέγοντες
8. 22. καὶ ὑμῖν δὲ λέγεται
— 41. ἐπὶ τὸν λεγόμ. Θ. ποταμόν
— 68. προσήλθοσάν μοι . . . λέγοντες
— 73. ἐκτείνας τὰς χεῖρας πρὸς τὸν κ. ἔλεγον
— 82. ἃ ἔδωκας . . . λέγων
9. 53. ἐκέλευον . . . λέγοντες
II Es. 1. 1. παρήγγειλε φωνὴν . . . λέγων (1 a)
5. 11. ἀπεκρίθησαν ἡμῖν λέγοντες (1 c)
8. 22. εἴπαμεν τῷ βασ. λέγοντες (1 a)
9. 1. ἤγγισαν πρὸς μὲ οἱ ἄρχ. λέγοντες (1 a)
— 11. A S R ἃς ἔδωκας ἡμῖν . . . λέγων [B om.] (1 a)
Ne. 1. 8. ὃν ἐνετείλω . . . λέγων [S¹ om.] (1 a)
5. 2. ἦσάν τινες λέγοντες (1 a)
— 3, 4. εἰσί τινες λέγοντες (1 a)
— 12. καθὼς σὺ [S² σοὶ] λέγεις [S¹ κ. οἱ λέγοντες] (1 a)
6. 2. ἀπέστειλε . . . πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 3. ἀπέστειλα ἐπ' αὐτοὺς . . . λέγων (1 a)
— 8. ἀπέστειλα πρὸς αὐτὸν λέγων (1 a)
— 8. A S¹ R ὡς [B S² οὕς] σὺ λέγεις (1 a)
— 9. φοβερίζουσιν ἡμᾶς λέγοντες (1 a)
— 19. τοὺς λόγους αὐ. ἦσαν λέγοντες πρὸς μέ (1 a)
8. 11. κατεσιώπων πάντα τὸν λαὸν λέγοντες (1 a)
To. 2. 3. S καὶ ἐπιστρέψας λέγει [A B al.]
— 6. S ὅσα ἐλάλησεν Ἀ. ἐπὶ Β. λέγων [A B al.]
— 8. οἱ πλησίον ἐπεγέλων λέγοντες [S al.]
— 14. S λέγει μοι αὐτή [A B al.]
— 14. ἔλεγον ἀποδιδόναι αὐτὸ τοῖς κυρίοις [S al.]
— 14. S ἀποκριθεῖσα λέγει μοι [A B al.]
3. 1. προσευξάμην μετ' ὀδύνης λέγων [S al.]
— 10. S καὶ λέγει [A B εἶπεν]
6. 10. S λέγει Ῥ. τῷ παιδαρίῳ [A B al.]
— 13. S ἤκουσα λεγόντων αὐτῶν
— 15. S καὶ λέγει αὐτῷ [A B al.]
7. 1. S λέγει αὐτῷ
— 8. λάλησον ὑπὲρ ὧν ἔλεγες [S al.]
8. 5. ἤρξατο Τωβίας λέγειν
— 10. ὤρυξε τάφον λέγων [S al.]
— 15. εὐλόγησε Ῥαγουὴλ τὸν θεὸν λέγων [S al.]
10. 4. S Ἄ. ἡ γυνὴ αὐ. λέγει [A B al.]
— 6. Τώβ. λέγει [S ἔλεγεν] αὐτῇ
— 10. Τωβίας λέγει [S al.]
— 12. ἐξαπέστειλε λέγων [S al.]
— 13. S Ἔ. λέγει Τωβίᾳ [A B al.]
11. 11. προσέπασε τὴν χολὴν . . . λέγων [S al.]
— 17. κατευλόγησεν αὐτὴν λέγων [S al.]
13. 8. A B λεγέτωσαν πάντες
— 18. ἐροῦσι πᾶσαι αἱ ῥῦμαι αὐ. . . . λέγοντες [S al.]
14. 3. S ἐνετείλατο αὐτῷ λέγων [A B al.]
— 11. A B ταῦτα αὐτοῦ λέγοντος
Ju. 2. 5. τάδε λέγει ὁ βασ. ὁ μέγας
3. 1. ἀπέστειλαν . . . ἀγγέλους . . . λέγοντες
4. 7. λέγων διακατασχεῖν τὰς ἀναβάσεις
6. 4. λέγει ὁ βασ. Ναβ.
— 18. ἐβόησαν λέγοντες
11. 3. καὶ νῦν λέγε μοι
12. 6. ἀπέστειλε πρὸς Ὀλ. λέγουσα
14. 17. S ἐξεπήδησεν . . . λέγων [A καὶ ἐβόησεν, B κράζων]
Es. 1. 18. ἀκούσασαι τὰ τῷ βασ. λεχθέντα [A ἀχθ.] ὑπ' αὐτῆς (3 a)
2. 15. ὃν ἐνετείλατο [A S² ἔλεγεν] ὁ εὐνοῦχος (1 a)
3. 3. τί παρακούεις τὰ ὑπὸ τοῦ βασ. λεγόμενα (4)
— 4. ἐλάλουν [A S² ἔλεγον] αὐτῷ (1 a)
— 8. ἐλάλησε πρὸς τὸν βασ. Ἀρτ. λέγων –
4. 15. ἐξαπέστειλεν Ἔ. . . . λέγουσα (1 a ?)
6. 9. καὶ κηρυσσέτω . . . λέγων –
— 11. καὶ ἐκήρυσσε λέγων –
8. 14. τὰ ὑπὸ τοῦ βασ. λεγόμενα ἐπιτελεῖν (3 a)
9. 25. λέγων κρεμάσαι τὸν Μαρδ. (1 a)
Jb. 1. 5. ἔλεγε γὰρ Ἰώβ (1 a)

Jb. 1. 17. **A** καὶ λέγει αὐτῷ [**B S** *al.*] (1 *a*)
— 18. ἄλλος ἄγγελος ἔρχεται λέγων τῷ Ἰώβ [**A** *al.*] (1 *a*)
2. 9. μέχρι τίνος καρτερήσεις λέγων –
3. 2. **A** καὶ ἀπεκρίθη Ἰὼβ [**B S** *om.* καὶ ἀπ. Ἰ.] λέγων (1 *a*)
4. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἐλιφὰς ὁ Θαιμανίτης λέγει (1 *a*)
6. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει (1 *a*)
7. 4. ἐὰν κοιμηθῷ λέγω, Πότε ἡμέρα (1 *a*)
8. 1. ὑπολαβὼν δὲ Βαλδὰδ ὁ Σαυχίτης λέγει (1 *a*)
9. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει (1 *a*)
— 7. ὁ λέγων τῷ ἡλίῳ [**A** ἡ. μὴ ἀνατέλλειν] καὶ οὐκ ἀνατέλλει (1 *a*)
11. 1. ὑπολαβὼν δὲ Σωφὰρ ὁ Μιναῖος λέγει (1 *a*)
— 2. ὁ τὰ πολλὰ λέγων καὶ ἀντακούσεται (3 *a*)
— 4. μὴ γὰρ λέγε, Ὅτι καθαρός εἰμι τοῖς ἔργοις (1 *a*)
12. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει (1 *a*)
15. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἐλιφὰζ ὁ Θ. λέγει (1 *a*)
16. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει (1 *a*)
18. 1. ὑπολαβὼν δὲ Βαλδὰδ ὁ Σαυχίτης λέγει (1 *a*)
19. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει (1 *a*)
20. 1. ὑπολαβὼν δὲ Σωφὰρ ὁ Μιναῖος λέγει (1 *a*)
21. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει (1 *a*)
— 14. λέγει δὲ κυρίῳ (1 *a*)
22. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἐλιφὰς ὁ Θαιμανίτης λέγει (1 *a*)
— 17. οἱ λέγοντες, Κύριος τί ποιήσει ἡμῖν (1 *a*)
23. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει (1 *a*)
24. 15. ὀφθαλμὸς μοιχοῦ ἐφύλαξε σκότος λέγων (1 *a*)
— 25. τίς ἐστιν ὁ φάμενος [**B**[2] λέγων] ψευδῆ με λέγειν (8)
25. 1. ὑπολαβὼν δὲ Βαλδὰδ ὁ Σαυχίτης λέγει (1 *a*)
— 5. **A** ὁ λέγων τῷ ἡλίῳ μὴ ἀνατέλλειν –
26. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει (1 *a*)
29. 1. **A** λέγει [**B S** εἶπε] τῷ προοιμίῳ (1 *a*)
32. 6. **A** ὑπολαβὼν δὲ Ἐλιοὺς . . . λέγει [**B S** εἶπε] (1 *a*)
— 17. ὑπολαβὼν δὲ Ἐλιοὺς λέγει –
33. 9. διότι λέγεις, Καθαρός εἰμι –
— 12. πῶς γὰρ λέγεις, Δίκαιός εἰμι †
— 13. λέγεις δέ, Διὰ τί τῆς δίκης [**A S**[2] δικαιοσύνης] μου –
— 27. ἀπομέμψεται [**A** -πέμψεται] ἄνθρωπος αὐτὸς ἑαυτῷ λέγων (1 *a*)
— 31 (34. 1): 34. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἐλιοὺς λέγει (1 *a*)
34. 18. ἀσεβὴς ὁ λέγων βασιλεῖ, Παρανομεῖς (1 *a*)
— 31. πρὸς τὸν ἰσχυρὸν ὁ λέγων [**S**[1] *om.* ὁ λ.] (1 *a*)
35. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἐλιοὺς λέγει (1 *a*)
36. 1. προσθεὶς δὲ Ἐλιοὺς ἔτι λέγει (1 *a*)
37. 19. παυσώμεθα πολλὰ λέγοντες †
39. 25. σάλπιγγος δὲ σημαινούσης λέγει [**A** ἐρεῖ], Εὖγε (1 *a*)
— 33 (40. 3). ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει [**A** εἶπεν] τῷ κυρίῳ (1 *a*)
41. 1. οὐδὲ ἐπὶ τοῖς λεγομένοις τεθαύμακας †
42. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει τῷ κυρίῳ (1 *a*)
Ps. 3. 2. πολλοὶ λέγουσι τῇ ψυχῇ μου (1 *a*)
4. 4. ἃ λέγετε ἐν ταῖς καρδίαις ὑμῶν (1 *a*)
— 6. πολλοὶ λέγουσι, Τίς δείξει ἡμῖν τὰ ἀγαθά (1 *a*)
11 (12). 5. νῦν ἀναστήσομαι, λέγει κύριος (1 *a*)
28 (29). 9. ἐν τῷ ναῷ αὐτοῦ πᾶς τις λέγει δόξαν (1 *a*)
39 (40). 15. οἱ λέγοντές μοι, Εὖγε εὖγε (1 *a*)
41 (42). 3. ἐν τῷ λέγεσθαί μοι καθ' ἑκάστην ἡμέραν (1 *a*)
— 10. ἐν τῷ λέγειν αὐτούς μοι καθ' ἑκάστην ἡμέραν (1 *a*)
44 (45). 1. λέγω ἐγὼ τὰ ἔργα μου τῷ βασιλεῖ (1 *a*)
69 (70). 3. οἱ λέγοντές μοι, Εὖγε εὖγε (1 *a*)
— 4. καὶ λεγέτωσαν διὰ παντός (1 *a*)
70 (71). 11. ἐβουλεύσαντο ἐπὶ τὸ αὐτὸ λέγοντες (1 *a*)
72 (73). 15. εἰ ἔλεγον, Διηγήσομαι οὕτως (1 *a*)
93 (94). 18. εἰ ἔλεγον, Σεσάλευται ὁ πούς μου (1 *a*)
104 (105). 11. λέγων, Σοὶ δώσω τὴν γῆν Χαναάν (1 *a*)
118 (119). 82. **B** λέγοντες, Πότε παρακαλέσεις με [**S** *al.*] (1 *a*)
136 (137). 7. μνήσθητι, κύριε, τῶν υἱῶν Ἐδὼμ . . . τῶν λεγόντων (1 *a*)
Pr. 1. 11. ἐὰν παρακαλέσωσί σε λέγοντες (1 *a*)
— 21. ἐπὶ δὲ πύλαις πόλεως θαρροῦσα λέγει (1 *a*)
4. 4. οἳ ἔλεγον καὶ ἐδίδασκόν με (1 *a*)
9. 4. λέγουσα, Ὅς ἐστιν ἄφρων ἐκκλινάτω πρὸς μέ –
— 16. ἐνδεέσιν δὲ φρονήσεως παρακελεύομαι λέγουσα (1 *a*)
12. 18. εἰσὶν οἱ λέγοντες τιτρώσκουσι μάχαιραι [**A** -αν] (2)
22. 13. προφασίζεται καὶ λέγει ὀκνηρός (1 *a*)
Pr. 23. 9. εἰς ὦτα ἄφρονος μηδὲν λέγε (3 *c*)
24. 23 (29. 27). μηδὲν ψεῦδος ἀπὸ γλώσσης βασιλεῖ λεγέσθω –
— 24 (30. 1). τάδε λέγει ὁ ἀνὴρ τοῖς πιστεύουσι θεῷ (6)
— 38 (23). ταῦτα δὲ λέγω ὑμῖν τοῖς σοφοῖς ἐπιγινώσκειν –
— 70 (31. 2). πρωτογενὲς, σοὶ λέγω υἱέ –
25. 7. ἃ εἶδον οἱ ὀφθαλμοί σου λέγε –
26. 13. λέγει ὀκνηρὸς ἀποστελλόμενος εἰς ὁδόν (1 *a*)
— 19. λέγουσιν ὅτι παίζων ἔπραξα (1 *a*)
Ec. 1. 16. ἐλάλησα ἐγὼ ἐν καρδίᾳ μου τῷ [**S** τοῦ] λέγειν (1 *a*)
Ca. 2. 10. καὶ λέγει μοι [**S** *om.*] (1 *a*)
Wi. 7. 15. **A S** ἐνθυμηθῆναι ἀξίως τῶν λεγομένων [**B** δεδομ.]
Si. *prol.* 6. τοῖς ἐκτὸς δύνασθαι τοὺς φιλομαθοῦντας χρησίμους εἶναι καὶ λέγοντας καὶ γράφοντας
— 16. οὐ γὰρ ἰσοδυναμεῖ αὐτὰ ἐν ἑαυτοῖς Ἑβραϊστὶ λεγόμενα
— 19. τὰ λοιπὰ τῶν βιβλίων οὐ μικρὰν ἔχει τὴν διαφορὰν ἐν [**S** *om.*] ἑαυτοῖς λεγόμενα
12. 16. **B**[2] ἐρεῖ σοι καλὰ λέγων
19. 10. ἀκήκοας λόγον [**S**[1] λέγων]
23. 18. λέγων ἐν [**A** *om.*] τῇ ψυχῇ αὐ., Τίς με ὁρᾷ
33 (36). 10. σύντριψον κεφαλὰς ἀρχόντων ἐχθρῶν λεγόντων
35 (32). 9. ἑτέρου λέγοντος μὴ πολλὰ ἀδολέσχει
51. 24. **A S**[1] ὑστερεῖτε λέγετε [**B** *om.*, **S**[2] ἢ λ.] ἐν τούτοις
Ho. 2. 13 (15), 16 (18), 21 (23). λέγει κύριος (6)
6. 1. ὀρθριοῦσι πρὸς μὲ λέγοντες –
11. 11. λέγει κύριος (6)
13. 2. αὐτοὶ λέγουσι, Θύσατε ἀνθρώπους (1 *a*)
Am. 1. 5. λέγει κύριος (1 *a*)
— 6. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
— 8. λέγει κύριος (1 *a*)
— 9, 11, 13. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
— 15. λέγει κύριος (1 *a*)
2. 1. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
— 3. λέγει κύριος (1 *a*)
— 4, 6. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
— 11. λέγει κύριος (6)
— 12. τοῖς προφήταις ἐνετέλλεσθε λέγοντες (1 *a*)
— 16. λέγει κύριος (6)
3. 1. ὃν ἐλάλησε κύριος . . . λέγων (1 *a*)
— 10. λέγει κύριος (6)
— 11. διὰ τοῦτο τάδε λέγει κύριος ὁ θεός (1 *a*)
— 12. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
— 13. λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (6)
— 15. **A R** λέγει κύριος [**B** *om.*] (6)
4. 1. δαμάλεις . . . αἱ λέγουσαι τοῖς κυρίοις αὐτῶν (1 *a*)
— 3. λέγει κύριος (6)
— 5. λέγει κ. ὁ θεός (6)
— 6, 8, 9, 10, 11. λέγει κύριος (6)
5. 3. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 *a*)
— 4. διότι τάδε λέγει κ. πρὸς τὸν οἶκον Ἰ. (1 *a*)
— 16. τάδε λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (1 *a*)
— 25. **A** λέγει κύριος –
— 27. λέγει κ. (1 *a*)
6. 14 (13). οἱ εὐφραινόμενοι ἐπ' οὐδενὶ λόγῳ οἱ λέγοντες (1 *a*)
— 15 (14). **B** λέγει κύριος τῶν δυνάμεων (6)
7. 3, 6. λέγει κύριος (1 *a*)
— 10. ἐξαπέστειλεν Ἀμ. . . . πρὸς Ἱερ. . . . λέγων (1 *a*)
— 11. διότι τάδε λέγει Ἀμώς (1 *a*)
— 16. σὺ λέγεις, Μὴ προφήτευε (1 *a*)
— 17. διὰ τοῦτο τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
8. 3. λέγει κύριος κύριος [**A** *om.*] (6)
— 5. λέγοντες [**A** οἱ λ.], Πότε διελεύσεται ὁ μὴν (1 *a*)
— 9. λέγει κύριος κύριος (6)
— 11. λέγει κύριος (6)
— 14. καὶ οἱ λέγοντες, Ζῇ ὁ θ. σου (1 *a*)
9. 7, 8. λέγει κύριος (6)
— 10. οἱ λέγοντες, Οὐ μὴ ἐγγίσῃ (1 *a*)
— 12. λέγει κύριος ὁ ποιῶν πάντα ταῦτα (6)
— 13. λέγει κύριος (6)
— 15. λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (1 *a*)
Mi. 2. 3. διὰ τοῦτο τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
— 4. θρηνηθήσεται θρῆνος ἐν μέλει λέγων (1 *a*)
— 7. ὁ λέγων, Οἶκος Ἰ. παρώργισε πνεῦμα κ. (1 *a*)
3. 5. τάδε λέγει κύριος ἐπὶ τοὺς προφήτας (1 *a*)
Mi. 3. 11. ἐπὶ τὸν κύριον ἐπανεπαύοντο λέγοντες (1 *a*)
4. 6. λέγει κύριος (6)
— 11. ἐπισυνήχθη ἐπὶ σὲ ἔθνη πολλὰ [**A** *add.* οἱ] λέγοντες (1 *a*)
5. 10 (9). λέγει κύριος (6)
7. 10. περιβαλεῖται αἰσχύνην ἡ λέγουσα πρὸς μέ (1 *a*)
Jl. 2. 12. καὶ νῦν λέγει κ. ὁ θ. ὑμῶν (6)
3 (4). 10. ὁ ἀδύνατος [**S**[1] δυνατὸς] λεγέτω (1 *a*)
Ob. 1. 1. τάδε λέγει κ. ὁ θ. τῇ Ἰδ. (1 *a*)
— 3. λέγων ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (1 *a*)
— 4, 8. λέγει κύριος (6)
Jn. 1. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἰ. . . . λέγων (1 *a*)
3. 1. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς Ἰ. ἐκ δευτέρου λέγων (1 *a*)
— 7. ἐκηρύχθη καὶ ἐρρέθη ἐν τῇ Ν. . . . λέγων (1 *a*)
— 8. ἀπέστρεψαν ἕκαστος ἀπὸ τῆς ὁδοῦ . . . λέγοντες –
Na. 1. 12. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
2. 13 (14). λέγει κύριος παντοκράτωρ (6)
3. 5. λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (6)
Hb. 2. 19. οὐαὶ ὁ λέγων [**S**[1] οἱ λ.] τῷ ξύλῳ (1 *a*)
3. 9. λέγει κύριος (1 *e*)
Ze. 1. 2, 3, 10. λέγει κ. (6)
— 12. οἱ δὲ λέγοντες ἐν ταῖς καρδίαις αὐτῶν [**A** *om.* ἐν τ. κ. α.] (1 *a*)
2. 9. λέγει κύριος τῶν δυνάμεων (6)
3. 1 (2. 15). ἡ λέγουσα ἐν καρδίᾳ αὐτῆς (1 *a*)
— 8. λέγει κύριος (6)
— 19. λέγει κύριος –
— 20. λέγει κύριος (1 *a*)
Hg. 1. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν χειρὶ Ἀγ. . . . λέγων –
— 1. εἶπον πρὸς Σ. . . . λέγων [**S**[2] *om.*] (1 *a*)
— 2. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ λέγων (1 *a*, 1 *a*)
— 2. ὁ λαὸς οὗτος λέγουσιν (1 *a*)
— 3. ἐγένετο λόγος κ. ἐν χειρὶ Ἀγ. . . . λέγων (1 *a*)
— 5. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 6. **A** διότι τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ –
— 7. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 9. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (9)
— 13. λέγει κύριος (6)
2. 2 (1). ἐλάλησε κ. ἐν χειρὶ Ἀγ. . . . λέγων (1 *a*)
— 3 (2). εἰπὸν δὴ πρὸς Ζ. . . . λέγων (1 *a*)
— 5 (4) *bis*. λέγει κύριος (6)
— 5 (4). λέγει κύριος ὁ παντοκράτωρ (6)
— 7 (6). **A R** τάδε [**B S** *om.*] λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 8 (7). λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 9 (8). λέγει κύριος παντοκράτωρ (6)
— 10 (9). λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 10 (9). λέγει κύριος παντοκράτωρ (6)
— 11 (10). ἐγένετο λόγος κ. πρὸς Ἀγ. . . . λέγων (1 *a*)
— 12 (11). τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 12 (11). ἐπερώτησον τοὺς ἱερεῖς νόμου λέγων (1 *a*)
— 15 (14), 18 (17). λέγει κύριος (6)
— 21 (20). ἐγένετο λόγος κυρίου . . . πρὸς Ἀγ. . . . λέγων (1 *a*)
— 22 (21). εἰπὸν πρὸς Ζ. τὸν τοῦ Σ. . . . λέγων (1 *a*)
— 24 (23). λέγει κύριος παντοκράτωρ (6)
— 24 (23). λέγει κύριος (6)
— 24 (23). λέγει κύριος παντοκράτωρ (6)
Za. 1. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ζ. . . . λέγων (1 *a*)
— 3. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 3. λέγει κύριος τῶν δυναμέων [**S**[1] *al.*] (6)
— 3. λέγει κύριος τῶν δυναμέων [**A** *al.*] (1 *a*)
— 4. ἐνεκάλεσαν . . . λέγοντες (1 *a*)
— 4. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 4. λέγει κύριος (6)
— 7. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς Ζ. . . . λέγων (1 *a*)
— 14. ἀνάκραγε λέγων, Τάδε λέγει κ. παντοκράτωρ (1 *a*, 1 *a*)
— 16. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
— 16. λέγει κύριος παντοκράτωρ (6)
— 17. ἀνάκραγε λέγων, Τάδε λέγει κ. παντοκράτωρ (1 *a*, 1 *a*)
2. 4 (8). εἴπε πρὸς αὐτὸν λέγων [**S**[1] *om.*] –
— 4 (8). λάλησον πρὸς τὸν νεανίαν ἐκ. λέγων (1 *a*)
— 5 (9). λέγει [**A** φησὶν] κύριος (6)
— 6 (10) *bis*. λέγει κύριος (6)
— 8 (12). τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 10 (14). λέγει κύριος (6)
3. 5 (4). εἴπε πρὸς τοὺς ἑστηκότας . . . λέγων (1 *a*)

Za. 3. 7 (6). διεμαρτύρατο ὁ ἄγγελος κ. πρὸς Ἰ. λέγων (1 *a*)
— 8 (7). τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 10 (9), 11 (10). λέγει κύριος παντοκράτωρ (6)
4. 4. εἶπα πρὸς τὸν ἄγγελον . . . λέγων [A *om.*] (1 *a*)
— 5. εἶπε πρὸς με λέγων [A *om.* πρὸς με λ.] –
— 6. A B S² ἀπεκρίθη καὶ εἶπε πρὸς με λέγων (1 *a*)
— 6. οὗτος ὁ λόγος κ. πρὸς Ζ. λέγων (1 *a*)
— 6. λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 8. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς με λέγων (1 *a*)
— 13. εἶπε πρὸς μέ [S³ *add.* λέγων] (1 *a*)
5. 4. λέγει κύριος παντοκράτωρ (6)
6. 8. ἐλάλησε πρὸς με λέγων (1 *a*)
— 9. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς με λέγων (1 *a*)
— 12. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
7. 3. λέγων πρὸς τοὺς ἱερεῖς . . . καὶ πρὸς τοὺς προφήτας λέγων [A *om.*] (1 *a*, 1 *a*)
— 4. ἐγένετο λόγος κ. τῶν δανάμεων πρὸς με λέγων (1 *a*)
— 5. εἰπὸν πρὸς ἅπαντα τὸν λαὸν . . . λέγων (1 *a*)
— 8. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς Ζ. λέγων (1 *a*)
— 9. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 13. λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
8. 1. ἐγένετο λόγος κ. παντοκράτορος λέγων (1 *a*)
— 2, 3, 4, 6. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
— 6. λέγει κύριος παντοκράτωρ (6)
— 7, 9. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 11. λέγει κύριος παντοκράτωρ (6)
— 14. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 14. λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 17. λέγει κύριος παντοκράτωρ (6)
— 18. A S² R ἐγένετο λόγος κυρίου . . . πρὸς με λέγων [B S¹ *om.*] (1 *a*)
— 19. A S² R τάδε [B S¹ *om.*] λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 20. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 21. συνελεύσονται κατοικοῦντες . . . λέγοντες (1 *a*)
— 23. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 23. ἐπιλάβωνται τοῦ κρασπέδου ἀνδρὸς Ἰ. λέγοντες (1 *a*)
10. 12. λέγει κύριος (6)
11. 4. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 5. οἱ πωλοῦντες αὐτὰ ἔλεγον (1 *a*)
— 6. λέγει κύριος [A κ. παντοκράτωρ] (6)
12. 1. λέγει κύριος (6)
— 4. λέγει κύριος παντοκράτωρ (6)
13. 2. λέγει κύριος σαβαώθ [A *om.*] (6)
— 7. λέγει κύριος παντοκράτωρ (6)
— 8. λέγει κύριος (6)
Ma. 1. 2. λέγει κύριος (1 *a*)
— 2. λέγει κύριος (6)
— 2. S λέγει κύριος –
— 4. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 6. λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 7. ἐν τῷ λέγειν ὑμᾶς (1 *a*)
— 8, 9, 10, 11. λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 12. ἐν τῷ λέγειν ὑμᾶς (1 *a*)
— 13 *bis*, 14 : 2. 2, 4, 8. λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
2. 16. λέγει κ. ὁ θ. τοῦ Ἰσραήλ (1 *a*)
— 16. λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 17. ἐν τῷ λέγειν ὑμᾶς (1 *a*)
3. 1, 5, 7, 10, 11, 12. λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 13. ἐβαρύνατε . . . τοὺς λόγους ὑμῶν, λέγει κ. (1 *a*)
— 17 : 4. 1 (3. 19), 3 (3. 21). λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
Is. 1. 11, 18. λέγει κύριος (1 *a*)
— 24. τάδε λέγει κύριος (6)
3. 6. ἐπιλήψεται ἄνθρωπος τοῦ ἀδελφοῦ αὐτοῦ . . . λέγων –
— 16 (15). τάδε λέγει κύριος (9)
4. 1. ἐπιλήψονται ἑπτὰ γυναῖκες ἀνθρώπου ἑνὸς λέγουσαι (1 *a*)
5. 19. οἱ λέγοντες, Τὸ τάχος ἐγγισάτω (1 *a*)
— 20. οὐαὶ οἱ λέγοντες τὸ πονηρὸν καλόν (1 *a*)
6. 3. ἔλεγον, Ἅγιος ἅγιος ἅγιος (1 *a*)
— 8. ἤκουσα τῆς φωνῆς κυρίου λέγοντος (1 *a*)
7. 2. ἀνηγγέλη εἰς τὸν οἶκον Δαυὶδ λέγων [A -γοντες] (1 *a*)
— 5. A S ἐβουλεύσαντο . . . λέγοντες [B *om.*] (1 *a*)
— 7. τάδε λέγει κύριος σαβαώθ (1 *a*)
— 10. προσέθετο κύριος λαλῆσαι τῷ Ἄχαζ, λέγων (1 *a*)
8. 11. οὕτω λέγει κύριος (1 *a*)
Is. 8. 11. ἀπειθοῦσι τῇ πορείᾳ τῆς ὁδοῦ τοῦ λαοῦ τούτου λέγοντες (1 *a*)
9. 9 (8). γνώσονται πᾶς ὁ λαὸς τοῦ Ἐφραὶμ . . . λέγοντες (1 *a*)
10. 24. τάδε λέγει κύριος σαβαώθ (1 *a*)
14. 22. λέγει κύριος σαβαὼθ . . . τάδε λέγει κύριος (6, 9)
— 24 (23). τάδε λέγει κύριος σαβαώθ (9?)
16. 14. νῦν λέγω (3 *c*+1 *a*)
17. 3. τάδε λέγει κύριος σαβαώθ (9)
— 6. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραήλ (9)
19. 4. τάδε λέγει κύριος σαβαώθ (9)
— 25. εὐλόγησε κύριος σαβαὼθ λέγων (1 *a*)
20. 2. ἐλάλησε κύριος πρὸς Ἡ. υἱὸν Ἀμὼς λέγων (1 *a*)
22. 13. A S R λέγοντες [B *om.*], Φάγωμεν καὶ πίωμεν –
— 15. τάδε λέγει κύριος σαβαώθ (1 *a*)
— 25. τάδε λέγει κύριος σαβαώθ (9)
26. 1. A S³ ἄσονται . . . λέγοντες [B S¹ *om.*] –
28. 12. λαλήσουσι τῷ λαῷ τούτῳ λέγοντες αὐτοῖς [AS² -ῷ] (1 *a*)
— 16. οὕτως λέγει κύριος κύριος (1 *a*)
29. 11. ὃ ἐὰν δῶσιν αὐτὸ ἀνθρώπῳ ἐπισταμένῳ γράμματα λέγοντες (1 *a*)
— 22. τάδε λέγει κύριος ἐπὶ τὸν οἶκον Ἰακώβ (1 *a*)
30. 1. λέγει [A S τάδε λ.] κύριος (6 [9])
— 10. οἱ λέγοντες τοῖς προφήταις (1 *a*)
— 12. τάδε [A S³ οὕτως] λέγει [A S *add.* κύριος] ὁ ἅγιος τοῦ Ἰσρ. (1 *a*)
— 15. οὕτω λέγει κύριος (1 *a*)
— 21. οἱ λέγοντες [S¹ οἱ λέγονται], Αὕτη ἡ ὁδός (1 *a*)
31. 9. τάδε λέγει κύριος (9)
33. 10. λέγει κύριος (1 *a*)
36. 4. τάδε λέγει ὁ βασιλεύς (1 *a*)
— 7. εἰ δὲ λέγετε [S¹ *al.*] (1 *a*)
— 14. τάδε λέγει ὁ βασιλεύς (1 *a*)
— 15. μὴ λεγέτω ὑμῖν Ἐζεκίας (1 *a*?)
— 16. τάδε λέγει ὁ βασιλεὺς Ἀσσυρίων (1 *a*)
— 18. μὴ ἀπατάτω ὑμᾶς Ἐζεκίας λέγων (1 *a*)
37. 3. τάδε λέγει Ἐζεκίας (1 *a*)
— 6. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
— 9. ἀπέστειλεν ἀγγέλους πρὸς Ἐζεκίαν λέγων (1 *a*)
— 10. ἐφ' ᾧ πέποιθας ἐπ' αὐτῷ λέγων (1 *a*)
— 15. προσηύξατο Ἐζεκίας πρὸς κύριον λέγων (1 *a*)
— 21. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραήλ (1 *a*)
— 33. οὕτως λέγει κύριος ἐπὶ βασιλέα Ἀσσ. (1 *a*)
— 34. τάδε λέγει κύριος (9)
38. 1. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
— 3. προσηύξατο πρὸς κύριον λέγων (1 *a*)
— 4. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἡσαΐαν λέγων (1 *a*)
— 5. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Δαυίδ (1 *a*)
39. 3. τί λέγουσιν οἱ ἄνθρωποι οὗτοι (1 *a*)
— 6. A λέγει κύριος –
40. 1. λέγει ὁ θεός [A λ. κύριος] (1 *a*)
— 6. φωνὴ λέγοντος, Βόησον (1 *a*)
41. 13. ἐγὼ ὁ θεός σου . . . ὁ λέγων σοι (1 *a*)
— 14. λέγει ὁ θεός (6)
— 21. λέγει κύριος ὁ θεὸς . . . λέγει ὁ βασιλεὺς Ἰακώβ (1 *a*, 1 *a*)
42. 5. οὕτω λέγει κύριος ὁ θεός (1 *a*)
— 17. οἱ λέγοντες τοῖς χωνευτοῖς (1 *a*)
— 22. οὐκ ἦν ὁ λέγων, Ἀπόδος (1 *a*)
43. 1. οὕτως λέγει κύριος ὁ θεός (1 *a*)
— 10. λέγει κύριος ὁ θεός (6)
— 12. A κἀγὼ μάρτυς, λέγει [B καὶ ἐγὼ] κύριος ὁ θεός (6)
— 14. οὕτως λέγει κύριος ὁ θεός (1 *a*)
— 16. οὕτως λέγει κύριος (1 *a*)
— 26. λέγε σὺ τὰς ἀνομίας σου πρῶτος (7)
44. 2. οὕτω λέγει κύριος ὁ θεός (1 *a*)
— 6. οὕτως λέγει ὁ θεός (1 *a*)
— 17. A R προσεύχεται [B S *add.* πρὸς αὐτὸ] λέγων (1 *a*)
— 24. οὕτω λέγει κύριος (1 *a*)
— 26. ὁ λέγων Ἱερουσαλὴμ, Κατοικηθήσῃ (1 *a*)
— 27. ὁ λέγων τῇ ἀβύσσῳ, Ἐρημωθήσῃ (1 *a*)
— 28. ὁ λέγων Κύρῳ φρονεῖν . . . ὁ λέγων Ἱερουσαλὴμ, Οἰκοδομηθήσῃ (1 *a*, 1 *a*)
45. 1. οὕτω λέγει κύριος ὁ θεὸς τῷ χριστῷ μου Κύρῳ (1 *a*)
— 10. ὁ λέγων τῷ πατρὶ, Τί γεννήσεις (1 *a*)
— 11. οὕτω λέγει κύριος ὁ θεός (1 *a*)
— 14. οὕτω λέγει κύριος σαβαώθ (1 *a*)
— 18. οὕτως λέγει κ. (1 *a*)
Is. 45. 25 (24). λέγων, Δικαιοσύνη καὶ δόξα [S¹ εἰρήνη] πρὸς αὐτὸν ἥξει (1 *a*)
47. 8. ἡ λέγουσα ἐν καρδίᾳ αὐτῆς (1 *a*)
48. 17. A²BS οὕτω λέγει κύριος ὁ ῥυσάμενός σε (1 *a*)
— 20. λέγετε, Ἐρρύσατο κύριος (1 *a*)
— 22. λέγει κύριος (1 *a*)
49. 1. λέγει κύριος –
— 5. οὕτω λέγει κύριος ὁ πλάσας με (1 *a*)
— 7. οὕτως λέγει κύριος ὁ ῥυσάμενός σε (1 *a*)
— 8. οὕτως λέγει κύριος (1 *a*)
— 9. λέγοντα τοῖς ἐν δεσμοῖς, Ἐξέλθατε (1 *a*)
— 15. S¹ ἃ λέγων [S² -ω, A B *al.*] †
— 18. λέγει κύριος (6)
— 22, 25 : 50. 1. οὕτως λέγει κύριος (1 *a*)
51. 22. οὕτω λέγει κύριος ὁ θεός (1 *a*)
52. 3. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
— 4. οὕτως λέγει κύριος (1 *a*)
— 5 *bis*. τάδε λέγει κύριος (9)
— 7. λέγων, Σιὼν βασιλεύσει σου ὁ θεός (1 *a*)
54. 17 : 55. 8. λέγει κύριος. (6)
56. 1. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
— 3. μὴ λεγέτω ὁ ἀλλογενὴς . . . μὴ λεγέτω εὐνοῦχος (1 *a*, 1 *a*)
— 4. τάδε λέγει κύριος τοῖς εὐνούχοις (1 *a*)
57. 6. S λέγει κύριος –
— 15. τάδε λέγει [A *add.* κύριος] ὁ ὕψιστος (1 *a*)
58. 2. ἐγγίζειν θεῷ ἐπιθυμοῦσι λέγοντες –
— 6. λέγει κύριος –
65. 5. οἱ λέγοντες, Πόρρω ἀπ' ἐμοῦ (1 *a*)
— 7. λέγει κύριος (1 *a*)
— 8. οὕτως λέγει κύριος (1 *a*)
— 13. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
— 25. λέγει κύριος (1 *a*)
66. 1. A B S² οὕτως λέγει κύριος (1 *a*)
— 2. λέγει κύριος (6)
— 12. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
— 22. λέγει [S¹ εἶπεν] κύριος (6)
Je. 1. 4. A ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς με λέγων [B S πρὸς αὐτόν] (1 *a*)
— 7. μὴ λέγε, Ὅτι νεώτερος ἐγώ εἰμι (1 *a*)
— 8. λέγει κύριος (6)
— 11. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς με λέγων (1 *a*)
— 13. A B S² ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς με . . . λέγων (1 *a*)
— 15. λέγει κύριος (6)
— 17. λέγει κύριος –
— 19. A λέγει [B S εἶπε] κύριος (6)
2. 2. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
— 2. λέγει κύριος –
— 5. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
— 9. A B² S² λέγει κύριος (6)
— 12. λέγει κύριος (6)
— 15. ἐπ' αὐτὸν ὠρύοντο λέοντες [S¹ λέγ.] †
— 17, 19. λέγει κύριος ὁ θεός σου –
— 19. λέγει κύριος ὁ θεός σου (6)
— 22, 29. λέγει κύριος (6)
— 31. τάδε λέγει κύριος –
— 35. ἐν τῷ λ. σε, Οὐχ ἥμαρτον (1 *a*)
3. 1. λέγει κύριος (6)
— 2. A λέγει κύριος –
— 12 *bis*, 13, 14, 16, 20 : 4. 1. λέγει κύριος (6)
4. 3. BS τάδε [S¹ οὕτως] λέγει κύριος τοῖς ἀνδράσιν Ἰ. (1 *a*)
— 9. λέγει κύριος (6)
— 10. ἠπάτησας . . . τὴν Ἱερ. λέγων (1 *a*)
— 17. λέγει κύριος (6)
— 27. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
5. 1. λέγει κύριος –
— 2. ζῇ κύριος, λέγουσι (1 *a*)
— 9, 11 (B). λέγει κύριος (6)
— 14. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 *a*)
— 15. λέγει κύριος (6)
— 18. λέγει κύριος ὁ θεός σου (6)
— 22, 29. λέγει κύριος (6)
6. 6, 9. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
— 12. λέγει κύριος (6)
— 14. καὶ λέγοντες, Εἰρήνη (1 *a*)
— 16, 21, 22. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
7. 3. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραήλ (1 *a*)
— 4. μὴ πεποίθατε ἐφ' ἑαυτοῖς . . . λέγοντες (1 *a*)
— 11, 19. λέγει κύριος (6)
— 20, 21. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)
— 23. τὸ ῥῆμα τοῦτο ἐνετειλάμην αὐτοῖς λέγων (1 *a*)
— 30, 32 : 8. 1. λέγει κύριος (6)
8. 4. τάδε λέγει κύριος (1 *a*)

Je. 8. 6. οὐκ ἔστιν ἄνθρωπος μετανοῶν ἀπὸ τῆς κακίας αὐτοῦ λέγων (1 a)
— 10 (13). λέγει κύριος (6)
9. 7 (6). τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 9 (8). λέγει κύριος (6)
— 15 (14). τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραήλ (1 a)
— 17 (16), 23 (22). τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 24 (23), 25 (24) (A B S²). λέγει κύριος (6)
10. 2, 18. τάδε λέγει κύριος (1 a)
11. 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς Ἱερ. λέγων (1 a)
— 3. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραήλ (1 a)
— 4. ἧς ἐνετειλάμην . . . λέγων (1 a)
— 6. ἀνάγνωθι τοὺς λόγους τούτους . . . λέγων (1 a)
— 11. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 19. ἐλογίσαντο λογισμὸν πονηρὸν λέγοντες –
— 21. τάδε λέγει κύριος ἐπὶ τοὺς ἄνδρας Ἀναθὼθ . . . τοὺς λέγοντας (1 a, 1 a)
12. 14. τάδε λέγει κ. περὶ πάντων τῶν γειτόνων (1 a)
13. 1. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 3, 8. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 9, 13. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 14, 25. λέγει κύριος (6)
14. 10. οὕτως λέγει [S εἶπεν] κύριος τῷ λαῷ τούτῳ (1 a)
— 13. προφητεύουσι καὶ λέγουσιν (1 a)
— 15. τάδε λέγει κύριος περὶ τῶν προφητῶν . . . οἱ λέγουσι [A οἱ λέγοντες] (1 a, 1 a)
15. 2. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 3, 6. λέγει κύριος (6)
— 19. τάδε λέγει κύριος (1 a)
16. 2. λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραήλ –
— 3. τάδε λέγει κύριος περὶ τῶν υἱῶν (1 a)
— 5. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 9. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραήλ (1 a)
— 11, 14, 16. λέγει κύριος (6)
17. 15. αὐτοὶ λέγουσι πρὸς μέ (1 a)
— 19, 21. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 24. λέγει κύριος (6)
18. 1. ὁ λόγος ὁ γενόμ. παρὰ κυρίου πρὸς Ἱερ. λέγων (1 a)
— 5. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 13. τάδε λέγει κύριος (1 a)
19. 3. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραήλ (1 a)
— 6. λέγει κύριος (6)
— 11. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 12. λέγει [S εἶπεν] κύριος (6)
— 15 : 20. 4. τάδε λέγει κύριος (1 a)
20. 15. ὁ ἄνθρωπος ὁ εὐαγγελισάμενος τῷ πατρί μου λέγων (1 a)
21. 1. ἀπέστειλε πρὸς αὐτὸν ὁ βασ. Σεδ. τὸν Π. . . . λέγων (1 a)
— 4. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 7. οὕτως λέγει κύριος (6)
— 8, 12. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 13. ἐγὼ πρὸς σὲ . . . τοὺς λέγοντας, Τίς πτοήσει ἡμᾶς (1 a)
22. 1, 3. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 5. λέγει κύριος (6)
— 6, 11. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 16. λέγει κύριος (6)
— 18. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 24. λέγει κύριος (6)
23. 2. τάδε λέγει κύριος ἐπὶ τοὺς ποιμαίνοντας (1 a)
— 4, 5. λέγει κύριος (6)
— 15. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 16. AB οὕτως λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 a)
— 17. λέγουσι τοῖς ἀπωθουμένοις τὸν λόγον κυρίου (1 a)
— 23 (A B² S), 24. λέγει κύριος (6)
— 25. προφητεύουσιν ἐπὶτῷ ὀνόματί μου ψευδῆ λέγοντες (1 a)
— 28, 29 (A S R). λέγει κύριος (6)
— 30. A S R λέγει κύριος ὁ θεός (6)
— 33. ἐὰν ἐρωτήσωσιν . . . ἱερεὺς ἢ προφήτης [S³ *add.* λέγων] (1 a)
— 33. λέγει κύριος (6)
— 38. τάδε λέγει κύριος ὁ θεός (1 a)
— 38. ἀπέστειλα πρὸς ὑμᾶς λέγων (1 a)
— 7. λέγει κύριος (6)
24. 4. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 5. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραήλ (1 a)
— 8. τάδε λέγει κύριος (1 a)
25. 2. ὃν ἐλάλησε . . . πρὸς πάντα τὸν λαὸν Ἰούδα . . . λέγων (1 a)
— 3. ἐλάλησα πρὸς ὑμᾶς ὀρθρίζων καὶ λέγων (3 c)

Je. 25. 5. ἀπέστελλον πρὸς ὑμᾶς τοὺς δούλους μου . . . λέγων (1 a)
— 8, 14 (49. 35). τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 18 (49. 39) : 26 (46). 5. λέγει κύριος (6)
26 (46). 18. λέγει κύριος ὁ θεός (6)
— 23. λέγει κύριος [S ὁ θεός, A *add.* ὁ θ.] (6)
— 28. λέγει κύριος (6)
27 (50). 17. λέοντες [S¹ λέγοντες] ἔξωσαν αὐτόν †
— 18. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 20, 21, 31. λέγει κύριος (6)
— 33 : 28 (51). 1. τάδε λέγει κύριος (1 a)
28 (51). 24, 26. λέγει κύριος (6)
— 27. S¹ λέγει κύριος –
— 33, 36. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 39. λέγει κύριος (6)
— 52. λέγει [S τάδε λ.] κύριος (6 [9])
— 53. λέγει κύριος (6)
— 57. λέγει ὁ βασιλεύς (6)
— 58 : 29 (47). 2. τάδε λέγει κύριος (1 a)
29 (49). 7. τῇ Ἰδουμαίᾳ τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 12. A τάδε λέγει [B S εἶπεν] κύριος (1 a)
— 13. λέγει κύριος (6)
30 (49). 4. θύγατερ ἰταμίας . . . ἡ λέγουσα –
32 (25). 31. λέγει κύριος (6)
33 (26). 8. συνελάβοσαν . . . λέγων [S¹ ἔλεγον] (1 a)
— 9. ἐπροφήτευσας τῷ ὀνόματι κυρίου λέγων (1 a)
— 12. εἶπεν Ἱερ. πρὸς τοὺς ἄρχοντας . . . λέγων (1 a)
— 18. A εἶπε παντὶ τῷ λαῷ Ἰούδα λέγων [B S *om.*] (1 a)
34 (27). 9. μὴ ἀκούετε τῶν ψευδοπροφητῶν ὑμῶν . . . τῶν λεγόντων (1 a)
— 12. ἐλάλησα κατὰ πάντας τοὺς λόγους τούτους λέγων (1 a)
— 16. τοῖς ἱερεῦσιν ἐλάλησα λέγων . . . μὴ ἀκούετε τῶν λόγων τῶν προφητῶν . . . λεγόντων (1 a, 1 a)
— 21 (22). λέγει κύριος (6)
35 (28). 1. εἶπε μοι Ἀνανίας . . . λέγων (1 a)
— 7. ὃν ἐγὼ λέγω εἰς τὰ ὦτα ὑμῶν (3 b)
— 11. εἶπεν Ἀνανίας κατ' ὀφθαλμοὺς παντὸς τοῦ λαοῦ λέγων (1 a)
— 12. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερ. . . . λέγων (1 a)
— 13. εἰπὸν πρὸς Ἀνανίαν λέγων (1 a)
36 (29). 3. ὃν ἀπέστειλε Σ. . . . εἰς Βαβ. λέγων (1 a)
— 22. λήψονται ἀπ' αὐτῶν κατάραν . . . λέγοντες (1 a)
— 28. ἀπέστειλε πρὸς ὑμᾶς εἰς Βαβ. λέγων (1 a)
— 30. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερ. λέγων (1 a)
— 31. ἀπόστειλον πρὸς τὴν ἀποικίαν λέγων (1 a)
37 (30). 2. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσ. λέγων (1 a)
— 12. A οὕτως λέγει [B S εἶπε] κύριος (1 a)
38 (31). 31. AS λέγει [B φησὶ] κύριος (6)
— 34. οὐ μὴ διδάξωσιν ἕκαστος τὸν πολίτην αὐτοῦ . . . λέγων (1 a)
39 (32). 3. A B S² ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου . . . λέγων, Διὰ τί σὺ προφητεύεις λέγων (1 a, 1 a)
— 6. λόγος κυρίου ἐγένετο πρὸς Ἱερεμίαν λέγων (1 a)
— 7. ἔρχεται πρὸς σὲ λέγων (1 a)
— 13. συνέταξα τῷ Βαρουχ κατ' ὀφθαλμοὺς αὐτῶν λέγων (1 a)
— 16. προσευξάμην πρὸς κύριον . . . λέγων (1 a)
— 25. λέγεις πρὸς μέ (1 a)
— 26. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 36. ἣν σὺ λέγεις (1 a)
— 43. ἐν τῇ γῇ ἣ σὺ λέγεις (1 a)
40 (33). 1. ἐγένετο λόγος κυρίου . . . λέγων (1 a)
— 10. ᾧ ὑμεῖς λέγετε (1 a)
— 11. φωνὴ λεγόντων [A -ος] (1 a)
41 (34). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερεμίαν . . . λέγων (1 a)
— 4. οὕτως λέγει κύριος (1 a)
— 12. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς Ἱερ. λέγων (1 a)
— 13. διεθέμην διαθήκην . . . λέγων (1 a)
42 (35). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερεμίαν . . . λέγων (1 a)
— 6. ὁ πατὴρ ἡμῶν ἐνετείλατο ἡμῖν λέγων [A εἶπας] (1 a)
— 12. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 13. οὕτως λέγει κύριος (1 a)
— 15. ἀπέστειλα πρὸς ὑμᾶς . . . τοὺς προφήτας λέγων (1 a)
43 (36). 1. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 5. ἐνετείλατο Ἱερεμίας τῷ Βαρουχ λέγων (1 a)
— 14. ἀπέστειλαν πάντες οἱ ἄρχοντες . . . λέγοντες [S¹ *om.*] (1 a)

Je. 43 (36). 17. τὸν Βαρουχ ἠρώτησαν λέγοντες (1 a)
— 27. ἐγένετο λόγος κυρίου . . . λέγων (1 a)
— 29. κατέκαυσας τὸ χαρτίον τοῦτο λέγων, Διὰ τί ἔγραψας ἐπ' αὐτῷ λέγων (1 a, 1 a)
44 (37). 3. ἀπέστειλεν . . . τὸν ἱερέα πρὸς Ἱερεμίαν λέγων (1 a)
— 6. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν λέγων (1 a)
— 9. μὴ ὑπολάβητε ταῖς ψυχαῖς ὑμῶν λέγοντες (1 a)
— 13. συνέλαβε τὸν Ἱερεμίαν λέγων (1 a)
— 19. οὗ εἰσιν οἱ προφῆται ὑμῶν οἱ προφητεύσαντες ὑμῖν λέγοντες (1 a)
45 (38). 1. οὗς Ἱερεμίας ἐλάλει ἐπὶ τὸν λαὸν λέγων (1 a)
— 10. ἐνετείλατο ὁ βασιλεὺς τῷ Ἀβδ. λέγων (1 a)
— 16. ὤμοσεν αὐτῷ ὁ βασιλεὺς λέγων (1 a)
— 20. ὃν ἐγὼ λέγω πρὸς σέ (3 b)
— 22. αὗται ἔλεγον, Ἠπάτησάν σε (1 a)
46 (39). 15. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φυλακῆς λέγων (1 a)
47 (40). 9. ὤμοσεν αὐτοῖς Γοδ. καὶ τοῖς ἀνδράσιν αὐτῶν λέγων (1 a)
— 16. ψευδῆ σὺ λέγεις ὑπὲρ [A κατὰ, S περὶ] Ἰσμ. (3 b)
49 (42). 13. εἰ λέγετε ὑμεῖς (1 a)
— 20. ἀποστείλαντές με λέγοντες (1 a)
50 (43). 1. λέγων πρὸς τὸν λαὸν πάντας τοὺς λόγους (3 c)
— 2. εἶπεν Ἀζ. υἱὸς Μ. καὶ Ἰ. . . . λέγοντες (1 a?)
— 2. οὐκ ἀπέστειλέ σε κύριος πρὸς ἡμᾶς λέγων [A εἰπεῖν] (1 a)
— 8. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερ. ἐν Τάφνας λέγων (1 a)
51 (44). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερεμίαν . . . λέγων (1 a)
— 4. ἀπέστειλα λέγων (1 a)
— 15. ἀπεκρίθησαν τῷ Ἱερεμίᾳ . . . λέγοντες (1 a)
— 20. εἶπεν Ἱερεμίας παντὶ τῷ λαῷ . . . λέγων (1 a)
— 25. ταῖς χερσὶν ὑμῶν ἐπληρώσατε λέγουσαι (1 a)
— 26. A λέγει [BS εἶπε] κύριος (1 a)
51. 35 (45. 5). λέγει κύριος (6)
Ba. 2. 20. A ἐλάλησας ἐν χειρὶ τῶν παίδων σου τῶν προφητῶν λέγων [B *om.*]
— 28. καθὰ ἐλάλησας . . . λέγων
Ez. 2. 4 : 3. 11. τάδε λέγει κύριος (1 a)
3. 12. A ἤκουσα κατόπισθέν μου φωνὴν σεισμοῦ μεγάλου λεγόντων [B *om.*] –
— 16. A² B ἐγένετο . . . λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 18. ἐν τῷ λ. με τῷ ἀνόμῳ (1 a)
— 27. τάδε λέγει κύριος (1 a)
4. 13. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς τοῦ Ἰσραήλ (1 a?)
5. 5, 7, 8. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 11. λέγει κύριος (6)
6. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 3, 11. τάδε λέγει κύριος (1 a)
7. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 2, 5. τάδε λέγει κύριος (1 a)
9. 1. ἀνέκραγεν εἰς τὰ ὦτά μου φωνῇ μεγάλῃ λέγων (1 a)
— 11. ἀπεκρίνατο λέγων (1 a)
10. 6. ἐγένετο ἐν τῷ ἐντέλλεσθαι αὐτὸν τῷ ἀνδρὶ . . . λέγων (1 a)
11. 3. οὗτοι οἱ ἄνδρες . . . οἱ λέγοντες (1 a)
— 5. λέγε, Τάδε λέγει κύριος (1 a, 1 a)
— 7. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 8. λέγει κύριος (6)
— 14. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 16, 17. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 20. A λέγει κύριος –
— 21. λέγει κύριος (6)
12. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 8. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ τὸ πρωὶ λέγων (1 a)
— 10. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 19. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 21. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 22. τίς ἡ παραβολὴ ὑμῖν ἐπὶ τῆς γῆς τοῦ Ἰσρ. λέγοντες (1 a)
— 23. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 25. λέγει κύριος (6)
— 26. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 27. λέγοντες λέγουσιν, Ἡ ὅρασις ἣν οὗτος ὁρᾷ (1 a, –)

Ez. 12. 28. τάδε λέγει κύριος . . . λέγει κύριος [B¹ om. λ. κ.] (1 a, 6)
13. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 3. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 5. οὐκ ἀνέστησαν οἱ λέγοντες –
— 6. μαντευόμενοι μάταια οἱ λέγοντες [A² add. τάδε] λέγει κύριος (1 a, 6)
— 7. A λέγετε, φησὶν κύριος (1 a)
— 8. τάδε λέγει κύριος . . . λέγει κύριος (1 a, 6)
— 10. ἐπλάνησαν τὸν λαόν μου λέγοντες (1 a)
— 13. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 16. λέγει κύριος (6)
— 18. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 20. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
14. 2. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 4. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 6. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 11. λέγει κύριος (6)
— 12. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 14, 16, 18, 20. λέγει κύριος (6)
— 21. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 23. λέγει κύριος (6)
15. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 6. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 8. λέγει κύριος (6)
16. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 3. τάδε λέγει κύριος τῇ Ἱερουσαλήμ (1 a)
— 8, 14, 19, 23, 30. λέγει κύριος (6)
— 36. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 43. λέγει κύριος (6)
— 44. ὅσα εἶπαν κατὰ σοῦ ἐν παραβολῇ λέγοντες (1 a)
— 48, 58. λέγει κύριος (6)
— 59. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 63. λέγει κύριος (6)
17. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 3, 9. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 11. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 16. λέγει κύριος (6)
— 19, 22. τάδε λέγει κύριος (1 a)
18. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 2. τί ὑμῖν ἡ παραβολὴ αὕτη . . . λέγοντες (1 a)
— 3. λέγει κύριος, ἐὰν γένηται ἔτι λεγομένη ἡ παραβολὴ αὕτη (6, 5 a)
— 9, 23. λέγει κύριος (6)
— 29. λέγουσιν ὁ οἶκος τοῦ Ἰσραήλ (1 a)
— 30. λέγει κύριος (6)
— 31. A λέγει κύριος –
— 32. λέγει κύριος (6)
20. 2. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 3. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 3. λέγει κύριος (6)
— 5. τάδε λέγει κύριος . . . ἀντελαβόμην τῇ χειρί μου αὐτῶν λέγων [B¹ -ει] (1 a, 1 a)
— 27, 30. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 31. λέγει κύριος (6)
— 32. ὃν τρόπον ὑμεῖς λέγετε (1 a)
— 33 (A B² R), 36. λέγει κύριος (6)
— 39. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 40. λέγει κύριος κύριος (6)
— 44. λέγει κύριος (6)
— 45 (21. 1). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 47 (21. 3). τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 49 (21. 5). αὐτοὶ λέγουσι πρὸς μέ, Οὐχὶ παραβολή ἐστι λεγομένη αὕτη (1 a, 5 b)
21. 1 (6). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 3 (8). A B² R τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 7 (12). λέγει κύριος (6)
— 8 (13). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 9 (14). τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 13 (18). λέγει κύριος κύριος (6)
— 18 (23). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 24 (29), 26 (31), 28 (33). τάδε λέγει κύριος (1 a)
22. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 3. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 12. λέγει κύριος (6)
— 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 19. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 23. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 28. λέγοντες, Τάδε λέγει κύριος (1 a, 1 a)
— 31. λέγει κύριος κύριος (6)
23. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 22. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 28. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 32. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 34. λέγει κύριος (6)
Ez. 23. 35. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 46. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
24. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ . . . λέγων (1 a)
— 3, 6, 9. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 14. λέγει κύριος (6)
— 15. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 20. λόγος κυρίου ἐγένετο πρὸς μὲ λέγων [A τάδε λέγει ἀδωναῖ κύριος] (1 a)
— 21. τάδε λέγει κύριος (1 a)
25. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 3, 6, 8, 12, 13. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 14. λέγει κύριος [A² om.] (6)
— 15, 16. τάδε λέγει κύριος (1 a)
26. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 3. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 5. λέγει κύριος (6)
— 7. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 14. λέγει κύριος (6)
— 15. τάδε λέγει κύριος κύριος τῇ [A ἐπὶ σὲ] Σόρ (1 a)
— 19. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 21. λέγει κύριος κύριος (6)
27. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 3. τάδε λέγει κύριος τῇ [A ἐπὶ] Σόρ (1 a)
— 36. A λέγει κύριος ὁ θεός –
28. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 2, 6. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 9. μὴ λέγων ἐρεῖς (1 a)
— 10. λέγει κύριος [A² om.] (6)
— 11. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 12. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 20. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 22. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 25. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
29. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 3. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 3. ἐπὶ Φαραὼ . . . τὸν λέγοντα, Ἐμοί εἰσιν οἱ ποταμοί (1 a)
— 8. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 9. ἀντὶ τοῦ λ. σε, Οἱ ποταμοὶ ἐμοί εἰσι (1 a)
— 13. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 19. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 20. τάδε λέγει κύριος κύριος (9)
30. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 2. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 6. λέγει κύριος (6)
— 10, 13. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 20. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 22. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
31. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 10. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 15. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 18. λέγει κύριος κύριος (6)
32. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 3. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 8. λέγει κύριος κύριος (6)
— 11. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 14. λέγει κύριος (6)
— 16. λέγει κύριος κύριος (6)
— 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 31, 32. λέγει κύριος κύριος (6)
33. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 10. οὕτως ἐλαλήσατε λέγοντες (1 a)
— 11. τάδε [A om.] λέγει κύριος (9 [6])
— 20. A λέγει κύριος –
— 21. ἦλθε . . . πρὸς μὲ . . . λέγων (1 a)
— 23. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 24. οἱ κατοικοῦντες τὰς ἠρημωμ. . . . λέγουσιν (1 a)
— 27. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 30. λαλοῦσιν ἄνθρωπος τῷ ἀδελφῷ αὐ. λέγοντες (1 a)
34. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 2. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 8. λέγει κύριος κύριος (6)
— 10, 11. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 15. τάδε λέγει κύριος κύριος (9)
— 17, 20. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 30, 31. λέγει κύριος κύριος (6)
35. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 3. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 6. λέγει κύριος κύριος (6)
— 11. λέγει κύριος (6)
— 14. τάδε λέγει κύριος (1 a)
36. 2, 3. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
Ez. 36. 4. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 5. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 6. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 13. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 14, 15. λέγει κύριος κύριος (6)
— 16. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 20. ἐν τῷ λέγεσθαι αὐτούς (1 a)
— 22. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 23. A λέγει ἀδωναῖ κύριος (6)
— 32. λέγει κύριος κύριος (6)
— 32. A λέγει κύριος –
— 33, 37. τάδε λέγει ἀδωναῖ κύριος (1 a)
37. 5, 9. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς μὲ λέγων . . . αὐτοὶ λέγουσι (–, 1 a)
— 12. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 14. λέγει κύριος (6)
— 15. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 18. ὅταν λέγωσι πρὸς σὲ οἱ υἱοὶ τοῦ λαοῦ σου [A add. λέγοντες] (1 a, 1 a)
— 19. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 21. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 28. A λέγει κύριος –
38. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ λέγων (1 a)
— 3, 10. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 14. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 17. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 18. λέγει κύριος κύριος (6)
— 21. λέγει κύριος (6)
39. 1. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 5. λέγει κύριος (6)
— 8. λέγει κύριος κύριος (6)
— 10, 13. λέγει κύριος (6)
— 17. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 20. λέγει κύριος (6)
— 25. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 29. λέγει κύριος κύριος (6)
43. 18. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραήλ (1 a)
— 19. λέγει κύριος ὁ θεός (6)
— 27. λέγει κύριος (6)
44. 6, 9. τάδε λέγει κύριος ὁ θεός (1 a)
— 12, 15, 27. λέγει κύριος ὁ θεός (6)
45. 9. τάδε λέγει κύριος θεός (1 a)
— 9, 15. λέγει κύριος θεός (6)
— 18: 46. 1, 16: 47. 13. τάδε λέγει κύριος θεός (1 a)
47. 23: 48. 29. λέγει κύριος θεός (6)
Da. LXX. Su. 13. εἰς τὸν ἕτερον ἀνέκρινε λέγων
— 35. ἀνακύψασα ἔκλαυσεν ἐν αὐτῇ λέγουσα
— 38. συνεπάμεθα ἀλλήλοις λέγοντες
— 51. μὴ βλέψητε . . . λέγοντες
— 53. τοῦ κυρίου λέγοντος, Ἀθῷον . . . οὐκ ἀποκτενεῖς
— 58. νῦν οὖν λέγε μοι
2. 7. ἀπεκρίθησαν δὲ ἐκ δευτέρου λέγοντες (1 c)
— 15. ἐπυνθάνετο αὐτοῦ λέγων (1 c)
3. (36). ἐλάλησας πρὸς αὐτοὺς λέγων
— (51). ἐξύψουν τὸν θεὸν ἐν τῇ καμίνῳ λέγοντες
4. 28. σοὶ λέγεται, N. βασιλεῦ (1 c)
— 32. ἄγγελος εἷς ἐκάλεσέ με . . . λέγων –
5. 7. ὁ βασιλεὺς ἐξέθηκε πρόσταγμα λέγων (1 c ?)
6. 4 (5). οἱ δύο νεανίσκοι πρὸς ἀλλήλους λέγοντες –
— 12 (13). οὕτως ποιήσω καθὼς λέγετε –
— 20 (21). ὁ βασιλεὺς ἐκάλεσε τὸν Δ. φωνῇ μεγ. . . . λέγων (1 c)
— 25 (26). Δ. ἔγραψε πᾶσι τοῖς ἔθνεσι . . . λέγων –
7. 16. ἀποκριθεὶς δὲ λέγει μοι (1 c)
Bel 26. ἔδειξεν αὐτὸν τῷ βασιλεῖ λέγων
— 33. ἐλάλησεν ἄγγελος κυρίου πρὸς Ἀ. λέγων
— 33. τάδε λέγει σοι κ. ὁ θ.
Da. TH. Su. 53. λέγοντος τοῦ κυρίου, Ἀθῷον . . . οὐκ ἀποκτενεῖς
— 58. νῦν οὖν λέγε μοι ὑπὸ τί δένδρον
2. 10. ἀπεκρίθησαν οἱ Χαλδαῖοι . . . καὶ λέγουσιν (1 c)
— 15. A ἐπυνθάνετο αὐτοῦ λέγων (1 c)
— 27. ἀπεκρίθη Δ. . . . καὶ εἶπε [B¹ λέγει] (1 c)
3. 4. ὑμῖν λέγεται λαοῖς φυλαὶ γλῶσσαι (1 c)
— 16. ἀπεκρίθησαν Σ. Μ. Α. λέγοντες τῷ βασ. (1 c)
— (51). ηὐλόγουν τὸν θ. . . . λέγοντες
4. 28. σοὶ λέγουσι, Ναβουχοδονόσορ βασιλεῦ (1 c)
6. 12 (13). προσελθόντες λέγουσι τῷ βασιλεῖ (1 c)
— 13 (14). λέγουσιν ἐνώπιον τοῦ βασ. (1 c)
— 15 (16). οἱ ἄνδρες ἐκεῖνοι λέγουσι τῷ βασιλεῖ (1 c)
7. 5. οὕτως ἔλεγον αὐτῇ (1 c)
Bel 37. ἐβόησεν Ἀ. λέγων
1 Ma. 1. 11. ἀνέπεισαν πολλοὺς λέγοντες

I Ma. 2. 17. εἶπον τῷ Μ. λέγοντες
— 27. ἀνέκραξε Μ. . . . φωνῇ μεγάλῃ λέγων
— 36. οὐδὲ ἐνέφραξαν τοὺς κρύφους λέγοντες
— 41. ἐβουλεύσαντο τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ λέγοντες
3. 50. ἐβόησαν φωνῇ εἰς τὸν οὐρανὸν λέγοντες
5. 10. ἀπέστειλαν γράμματα πρὸς Ἰ. . . . λέγοντες
— 15. SR ἀπαγγέλλοντες . . . λέγοντες ἐπισυνῆχθαι [A -θη]
— 19. ἐνετείλατο αὐτοῖς λέγων
— 38. ἀπήγγειλαν αὐτῷ λέγοντες
— 42. ἐνετείλατο αὐτοῖς λέγων
— 48. ἀπέστειλε πρὸς αὐτοὺς Ἰ. λόγοις εἰρηνικοῖς λέγων
6. 23. πορεύεσθαι τοῖς ὑπ' αὐτοῦ λεγομένοις
7. 6. κατηγόρησαν τοῦ λαοῦ πρὸς τὸν βασ. λέγοντες
— 15. ὤμοσεν αὐτοῖς λέγων
— 27. ἀπέστειλε . . . μετὰ δόλου λόγοις εἰρηνικοῖς λέγων
— 35. ὤμοσε μετὰ θυμοῦ λέγων
8. 31. ἐγράψαμεν αὐτῷ λέγοντες
9. 9. ἀπέστρεψαν αὐτὸν λέγοντες
— 58. ἐβουλεύσαντο πάντες οἱ ἄνομοι λέγοντες
10. 17. ἔγραψεν ἐπιστολὰς . . . λέγων
— 20. ἀπέστειλεν . . . στέφανον χρυσοῦν [S² add. λέγων]
— 51. ἀπέστειλεν Ἀ. . . . λέγων
— 55. ἀπεκρίθη Πτ. ὁ βασιλεὺς λέγων
— 69. ἀπέστειλε πρὸς Ἰ. τὸν ἀρχιερέα λέγων
— 72. καὶ λέγουσιν
11. 2. AR ἐξῆλθεν εἰς Σ. λόγοις εἰρηνικοῖς [S λέγων λόγους εἰρην.]
— 9. ἀπέστειλε πρέσβεις πρὸς Δ. τὸν βασ. λέγων
— 42. ἀπέστειλε Δ. πρὸς Ἰ. λέγων
— 49. ἐκέκραξαν πρὸς τὸν βασ. . . . λέγοντες
— 57. ἔγραψεν Ἀντ. ὁ νεώτερος . . . λέγων
13. 8. ἀπεκρίθησαν φωνῇ μεγάλῃ λέγοντες
— 14. ἀπέστειλε πρὸς αὐτὸν πρέσβεις λέγων
— 18. R μή ποτε ἔχθραν ἄρῃ μεγάλην πρὸς τὸν λαὸν λέγων [AS -οντες]
15. 28. κοινολογησάμενον αὐτῷ λέγων
II Ma. 2. 3. A² R ἕτερα τοιαῦτα λέγων
3. 13. ἔλεγεν εἰς τὸ βασιλικὸν ἀναληπτέα ταῦτα εἶναι
4. 2. ἐπίβουλον τῶν πραγμάτων ἐτόλμα λέγειν
— 47. εἰ καὶ ἐπὶ Σκυθῶν ἔλεγον
6. 23. ταχέως λέγων προπέμπειν εἰς τὸν ᾅδην
7. 5. ἀλλήλους παρεκάλουν . . . λέγοντες οὕτως
— 6. διεσάφησε Μωυσῆς λέγων
— 21. λογισμὸν . . . διεγείρασα λέγουσα πρὸς αὐτούς
9. 2. εἰσεληλύθει γὰρ εἰς τὴν λεγομένην Περσέπολιν
— 11. R ἤρξατο τὸ πολὺ τῆς ὑπερηφανίας λήγειν [A λέγειν]
— 13. ηὔχετο δὲ ὁ μιαρὸς . . . οὕτω λέγων
10. 32. συνέφυγεν εἰς Γ. λεγόμενον ὀχύρωμα
12. 17. διήνυσαν . . . πρὸς τοὺς λεγομένους Τ.
— 21. προεξαπέστειλε . . . τὰς γυναῖκας . . . εἰς τὸ λεγόμενον Κ.
— 32. μετὰ δὲ τὴν λεγομένην Πεντηκοστήν
14. 6. οἱ λεγόμενοι τῶν Ἰουδαίων Ἀσιδαῖοι
— 7. R λέγω [A λέγων] δὴ τὴν ἀρχιερωσύνην
— 26. ἔλεγε τὸν Ν. ἀλλότρια φρονεῖν
— 34. ἐπεκαλοῦντο . . . ταῦτα λέγοντες
15. 2. τῶν . . . συνεπομένων αὐτῷ Ἰουδαίων λεγόντων
— 22. ἔλεγε δὲ ἐπικαλούμενος τόνδε τὸν τρόπον
— 34. εὐλόγησαν τὸν ἐπιφανῆ κύριον λέγοντες
— 36. R Ἄδαρ λέγεται τῇ Συριακῇ [A κυριακῇ] φωνῇ
III Ma. 1. 3. τοῦτον δὲ διαγαγὼν Δ. ὁ Δ. λεγόμενος
— 12. δεῖν εἰσελθεῖν, λέγων
2. 17. μηδὲ ἀγαλλιάσωνται ἐν ὑπερηφανίᾳ . . . λέγοντες
4. 11. τούτων δὲ ἐπὶ τὴν λεγομένην σχεδίαν ἀχθέντων
— 20. R συνέβη σαφῶς αὐτὸν περὶ τούτου πεισθῆναι [A πιστωθῆναι] λεγόντων μετὰ ἀποδείξεως
6. 11. οἱ ματαιόφρονες εὐλογησάτωσαν . . . λέγοντες
— 23. μετὰ ὀργῆς τοῖς φίλοις διηπειλεῖτο λέγων
— 29. R ὁ μὲν οὖν ταῦτα ἔλεξεν [A ἐξέλεξεν]
7. 12. ὁ δὲ τἀληθὲς αὐτοὺς λέγειν παραδεξάμενος
IV Ma. 1. 3. λέγω δὴ φρονήσεως
— 5. γελοῖον ἐπιχειροῦντες λέγειν
— 12. περὶ τούτου . . . δὴ λέγειν ἐξέσται
2. 5. λέγει γοῦν ὁ νόμος
— 19. μὴ λογισμῷ τοὺς Σ. ἐθνηδὸν ἀποσφάξαντας λέγων
4. 2. τὸν Σ. τε καὶ Φ. καὶ Κ. στρατηγὸν ἔλεγεν
— 6. ταῖς τοῦ βασιλέως ἐντολαῖς ἤκειν ἔλεγεν
IV Ma. 4. 12. ἔλεγε γὰρ ἡμαρτηκώς
5. 15. λαβὼν τοῦ λέγειν ἐξουσίαν
6. 14. προσιόντες αὐτῷ τινες τῶν τοῦ βασιλέως ἔλεγον
8. 12. ταῦτα δὲ λέγων ἐκέλευσεν
9. 14. ἐκακηγόρει λέγων
— 16. τῶν δορυφόρων λεγόντων
— 19. R ταῦτα λέγοντι πῦρ ὑπέστρωσαν [AS al.]
— 22. μιμήσασθέ με, ἀδελφοί, λέγων
— 28. ὁ δὲ ταύτην βαρέως τὴν ἀλγηδόνα καρτερῶν ἔλεγεν
10. 12. τὸν τέταρτον ἐπεσπῶντο λέγοντες
11. 1. ὁ πέμπτος παρεπήδησε λέγων
— 9. τοιαῦτα λέγοντα οἱ δορυφόροι δήσαντες αὐτόν
— 12. καλὰς, ἔλεγεν, ἄκων, ὦ τύραννε, χάριτας
— 20. ὦ ἱεροπρεποῦς ἀγῶνος, ἔλεγεν
12. 3. παρηγορεῖν ἐπειρᾶτο λέγων
13. 2. ἐλέγομεν ἂν αὐτοὺς τούτοις νενικῆσθαι
— 8. παρεθάρσυνον ἀλλήλους λέγοντες
— 11. ὁ μέν, Θάρρει, ἀδελφέ, ἔλεγεν
— 12. ὁ δὲ καταμνησθεὶς ἔλεγε
— 13. ἑαυτοὺς, ἔλεγον, τῷ θεῷ ἀφιερώσωμεν
— 18. ἑνὶ ἑκάστῳ . . . ἔλεγον οἱ περιλειπόμενοι
16. 15. AR ἔλεγες [S -εν] τοῖς παισίν
17. 1. ἔλεγον δὲ καὶ τῶν δορυφόρων τινές
— 8. ταῦτα τοῖς ἀπὸ τοῦ ἔθνους εἰς μνείαν λεγόμενα
18. 6. ἔλεγε δὲ ἡ μήτηρ τῶν ἑπτὰ παίδων
— 12. S R ἔλεγε δὲ ὑμῖν [A ἡμῖν] τὸν ζηλωτὴν Φινεές
— 14. AR τὴν Ἡσαΐου γραφὴν τὴν λέγουσαν [S al.]
— 15. AR ἐμελῴδει ὑμῖν Δαυὶδ τὸν [S om.] λέγοντα
— 16. A R τὸν Σ. ἐπαροιμίαζεν ὑμῖν τὸν [S om.] λέγοντα
— 17. τὸν Ἰ. ἐπιστοποιεῖτο τὸν λέγοντα
— 18. R ᾠδὴν . . . ἐδίδαξε . . . τὴν διδάσκουσαν καὶ λέγουσαν [A om. καὶ λ., S al.]
[Aq. Ge. 15. 4: Ex. 2. 14: 15. 1: Dt. 15. 9: Jo. 1. 12: 2. 2: I Ki. 9. 24: III Ki. 13. 27: 14. 7: IV Ki. 19. 10†: Ps. 4. 5: 78 (79). 10: 86 (87). 5: Is. 41. 7: 52. 7: Je. 3. 1: 7. 1: 8. 3: 13. 12: 14. 10: 16. 1: 22. 14, 30: 23. 17: 26 (33). 1: 27 (34). 1: 30 (37). 12: 31 (38). 7, 37: 32 (39). 26: Ez. 30. 6: 33. 24: Mi. 2, 6.]
[Sm. Ge. 15. 4: Ex. 2. 14: 36. 5: Jo. 1. 12: 2. 2: II Ki. 5. 6 bis: III Ki. 17. 2: Jb. 19. 28: 29. 18: Ps. 9. 27 (10. 6): 29 (30). 7, 8: 39 (40). 16: 40 (41). 5, 6: 48 (49). 19: 72 (73). 11: 78 (79). 10: 82 (83). 5: 86 (87). 5: Ec. 1. 8: Is. 3. 15: 8. 5, 11: 16. 14: 40. 1, 27: 41. 7: 44. 28: 52. 5, 7: 58. 9: Je. 3. 16: 7. 1: 11. 22: 13. 12: 16. 1: 22. 14, 30: 26 (33). 1: 31 (38). 7, 37: 32 (39). 26: Ez. 13. 12: 20. 49 (21. 5): 30. 6: 33. 20, 24.]
[Th. Ge. 15. 4: Ex. 2. 14: 36. 5: Jo. 1. 12: 2. 2: I Ki. 9. 24: III Ki. 13. 27: 21 (20). 13: Jb. 34. 31: Ps. 78 (79). 10: Is. 3. 15: 8. 5: 16. 14: 22. 15: 41. 7: 52. 5: 56. 3: 58. 9: Je. 2. 1, 2: 5. 20: 7. 1: 8. 11: 9. 22 (21): 11. 7, 22: 13. 12: 22. 14, 30: 23. 23, 38: 26 (33). 1: 27 (34). 19, 21, 22: 29 (36). 16, 17, 24, 25 bis, 32: 30 (37). 10: 33 (40). 17, 19, 20, 23, 24, 25: 39 (46). 11: 46 (26). 18, 26: Ez. 18. 2: 30. 6: 33. 27: Da. 2. 15†: 6. 15.]
[Al. Nu. 16. 3: 21. 27: Ps. 9. 34 (10. 13).]
[Sext. Ps. 36 (37). 35.]

λεηλατεῖν.
II Ma. 2. 21. ὥστε τὴν ὅλην χώραν ὀλίγους ὄντας λεηλατεῖν

λειαίνειν, *vid. sub* **λεαίνειν.**

λεῖμμα, *cf.* **λίμμα.** (1) שְׁאֵרִית
IV Ki. 19. 4. A λήψῃ προσευχὴν περὶ τοῦ λ. [B λήμμ.] τοῦ εὑρισκομ. (1)
[Aq. Dt. 2. 34: 3. 3: Je. 52. 15.]
[Sm. Is. 37. 4.]
[Th. Is. 37. 4: Je. 27 (34). 19.]

λειόγλωσσος.
[Sm., Th. Pr. 6. 24.]

λεῖος. (1) *a.* חֶלֶק *b.* חֲלַקּוֹת (2) ὁδὸς λ. בִּקְעָה
Ge. 27. 11. ἐγὼ δὲ ἀνὴρ λ. (1 *a*)
I Ki. 17. 40. R πέντε λίθους λ. [B τελείους, A om.] (1 *b*)
Pr. 2. 20. εὕροσαν ἂν τρίβους δικαιοσύνης λείους –
12. 13. ὁ βλέπων λεῖα ἐλεηθήσεται –
Pr. 26. 23. χείλη λεῖα [S δόλια] καρδίαν καλύπτει λυπηράν †
Is. 40. 4. A S² ἡ τραχεῖα εἰς ὁδοὺς λείας [BS¹ εἰς πεδία] (2)
[Aq. Ge. 27. 16: Pr. 5. 3: 26. 28: Ez. 24. 7.]
[Sm. Ge. 27. 16: Ps. 11 (12). 3: 54 (55). 22: Pr. 5. 3: 26. 28: Is. 30. 10.]
[Th. Pr. 5. 3: 26. 28: Ez. 12. 24.]

λειοῦν.
[Aq. Pr. 28. 23.]

λείπειν. (1) לוּם hi. (2) פָּרַר ni. (3) λ. ἀλλήλους פָּרַר hithp.
Jb. 4. 11. σκύμνοι δὲ λεόντων ἔλιπον [A ἔλειπον] ἀλλήλους (3)
Pr. 4. 21. B¹ S² R ὅπως μὴ ἐκλίπωσί [A B² -λείπ., S¹ λίπ.] σε αἱ πηγαί σου (1)
11. 3. ἀποθανὼν δίκαιος ἔλιπε [A ἔλειπεν] μετάμελον †
19. 1 (4). ὁ δὲ πτωχὸς καὶ ἀπὸ τοῦ ὑπάρχοντος φίλου λείπεται (2)
Wi. 19. 4. ἵνα τὴν λείπουσαν [S λιπ.] τοῖς βασάνοις προαναπληρώσωσι κόλασιν
II Ma. 4. 45. ἤδη δὲ λελειμμένος ὁ Μ.
III Ma. 3. 18. A λειπόμενοι [R ἀπολ.] τῆς ἡμετέρας ἀλκῆς
4. 13. μὴ λειπομένοις κατὰ μηδένα τρόπον τῆς ἐκείνων τιμωρίας
[Aq. Ex. 10. 5: Je. 31 (38). 2.]
[Sm. Jd. 12. 4: Jb. 21. 34.]
[Al. Nu. 31. 49.]

λειποθυμεῖν, λειποτακτεῖν, λειποψυχεῖν, *vid. sub* **λιποθ., λιποτ., λιποψ.**

λειτουργεῖν. (1) כָּהַן pi. (2) *a.* עָבַד *b.* עֲבֹדָה (3) צָבָא *a.* verb. *b.* subst. (4) שָׁרַת pi. (5) שִׁמֵּשׁ pa.
Ex. 28. 31 (35). ἔσται Ἀαρὼν ἐν τῷ λειτουργεῖν ἀκουστὴ ἡ φωνὴ αὐ. (4)
— 39 (43). ὅταν προσπορεύωνται λειτουργεῖν (4)
29. 30. λειτουργεῖν ἐν τοῖς ἁγίοις (4)
30. 20. λειτουργεῖν καὶ ἀναφέρειν (4)
35. 19. ἐν αἷς λειτουργήσουσιν [A -γοῦσιν] (4)
36. 34 (39. 26). κώδων . . . εἰς τὸ λειτουργεῖν (4)
38. 27 (40. 32). προσπορεύωνται . . . λειτουργεῖν –
39. 12 (32). εἰς τὸ λειτουργεῖν ἐν αὐτοῖς –
— 13 (1). ὥστε λειτουργεῖν ἐν αὐταῖς (4)
Nu. 1. 50. αὐτοὶ λειτουργήσουσιν ἐν αὐτῇ (4)
3. 6. λειτουργήσουσιν αὐτῷ (4)
— 31. ὅσα λειτουργοῦσιν ἐν αὐτοῖς (4)
4. 3. πᾶς ὁ εἰσπορευόμ. λειτουργεῖν (3 *b*)
— 9. οἷς [A ὅσοι] λειτουργοῦσιν ἐν αὐτοῖς (4)
— 12. ὅσα λειτουργοῦσιν ἐν αὐτοῖς (4)
— 14. ὅσοις [A -οι] λειτουργοῦσιν ἐπ' αὐτῷ (4)
— 23. πᾶς ὁ εἰσπορευόμ. λειτουργεῖν (3 *a* + 3 *b*)
— 24. λειτουργεῖν καὶ αἴρειν (2 *a*)
— 26. ὅσα λειτουργοῦσιν ἐν αὐτοῖς (2 *a*?)
— 30. λειτουργεῖν τὰ ἔργα τῆς σκηνῆς (3 *b* + 2 *a*)
— 35. πᾶς ὁ εἰσπορευόμ. λειτουργεῖν (3 *b*)
— 37. πᾶς ὁ λειτουργῶν ἐν τῇ σκηνῇ (2 *a*)
— 39. πᾶς ὁ εἰσπορευόμ. λειτουργεῖν (3 *b*)
— 41. πᾶς ὁ λειτουργῶν ἐν τῇ σκηνῇ (2 *a*)
— 43. πᾶς ὁ εἰσπορευόμ. λειτουργεῖν (3 *b*)
8. 22. λειτουργεῖν τὴν λειτουργίαν αὐ. (2 *a*)
— 24. A λειτουργεῖν λειτουργίαν ἐν ἔργοις [B al.] (3 *a*)
— 26. λειτουργήσει ὁ ἀδελφὸς αὐτοῦ (4)
16. 9. λειτουργεῖν τὰς λειτουργίας τῆς σκηνῆς κ. (2 *a*)
18. 2. καὶ λειτουργείτωσάν σοι (4)
— 6. λειτουργεῖν τὰς λειτουργίας τῆς σκηνῆς (2 *a*)
— 7. λειτουργήσετε τὰς λειτουργίας (2 *a*)
— 21. ὅσα αὐτοὶ λειτουργοῦσι λειτουργίαν (2 *a*)
— 23. λειτουργήσει . . . τὴν λειτουργίαν τῆς σκηνῆς (2 *a*)
De. 10. 8. λειτουργεῖν καὶ ἐπεύχεσθαι (4)
17. 12. λειτουργεῖν ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου (4)
18. 5. λειτουργεῖν καὶ εὐλογεῖν (2 *a*)
— 7. λειτουργήσει τῷ ὀνόματι κυρίου (4)
I Ki. 2. 11. τὸ παιδάριον ἦν λειτουργῶν τῷ προσώπῳ κυρίου (4)
— 18. Σαμ. ἦν λειτουργῶν ἐνώπιον κυρίου (4)

I Ki. 3. 1. τὸ παιδάριον Σαμ. ἦν λειτουργῶν τῷ κ. (4)
II Ki. 19. 18 (19). ἐλειτούργησαν τὴν λειτουργίαν †
III Ki. 1. 4. ἐλειτούργει αὐτῷ (4)
— 15. B Ἀβ. ἡ Σ. ἡ [A om., R ἦν] λειτουργοῦσα τῷ βασ. (4)
8. 11. οὐκ ἐδύνατο οἱ ἱερεῖς στήκειν λ. (4)
19. 21. καὶ ἐλειτούργει αὐτῷ (4)
IV Ki. 6. 15. A ὤρθρισεν λειτουργεῖν [B ὁ λειτουργός] (4)
25. 14. ἐν οἷς λειτουργοῦσιν ἐν αὐτοῖς (4)
I Ch. 6. 32 (17). ἦσαν λειτουργοῦντες ἐναντίον τῆς σκηνῆς (4)
15. 2. καὶ λειτουργεῖν αὐτῷ ἕως αἰῶνος (4)
16. 4. ἔταξε . . . ἐκ τῶν Λ. λειτουργοῦντας [S¹ -ων] (4)
— 37. τοῦ λειτουργεῖν ἐναντίον τῆς κιβωτοῦ (4)
23. 13. λειτουργεῖν καὶ ἐπεύχεσθαι (4)
— 28, 32. τοῦ λειτουργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (2 b)
26. 12. λειτουργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (4)
27. 1. AB οἱ λειτουργοῦντες τῷ λαῷ [R βασιλεῖ] (4)
II Ch. 5. 14. οὐκ ἠδύναντο οἱ ἱ. τοῦ στῆναι λειτουργεῖν (4)
8. 14. B τοῦ λ. καὶ αἰνεῖν [A R al. κ. λ.] (4)
11. 14. μὴ [A τοῦ μὴ] λειτουργεῖν κυρίῳ (1)
13. 10. λειτουργοῦσι τῷ κυρίῳ (4)
15. 16. τοῦ μὴ [A om.] εἶναι τῇ Ἀστάρτῃ λειτουργοῦσαν †
17. 19. οὗτοι οἱ [A om.] λειτουργοῦντες τῷ βασ. (4)
22. 8. B λειτουργοῦντας τῷ Ὀχ. (4)
23. 6. καὶ οἱ λειτουργοῦντες τῶν Λ. (4)
29. 11. στῆναι ἐναντίον αὐτοῦ λειτουργεῖν καὶ εἶναι αὐτῷ λειτουργοῦντας (4, 4)
31. 2. ἐξομολογεῖσθαι καὶ λειτουργεῖν (4)
35. 3. λειτουργήσατε τῷ κ. θεῷ ὑμῶν (2 a)
Ne. 10. 36 (37). τοῖς ἱ. τοῖς λειτουργοῦσιν ἐν οἴκῳ (4)
Ju. 4. 14. A B καὶ οἱ λειτουργοῦντες κυρίῳ
Ps. 100 (101). 6. οὗτός μοι ἐλειτούργει (4)
Si. 4. 14. οἱ λατρεύοντες αὐτῇ λειτουργήσουσιν ἁγίῳ
7. 30. S¹ τοὺς λειτουργοῦντας αὐτῷ [A B S² τοὺς λειτουργοὺς αὐτοῦ] μὴ ἐγκαταλίπῃς
8. 8. μαθήσῃ . . . λειτουργῆσαι μεγιστᾶσι
10. 25. οἰκέτῃ σοφῷ ἐλεύθεροι λειτουργήσουσι
24. 10. ἐν σκηνῇ ἁγίᾳ ἐνώπιον αὐτοῦ ἐλειτούργησα [A -γουν]
45. 15. λειτουργεῖν αὐτῷ ἅμα καὶ ἱερατεύειν
50. 14. συντέλειαν λειτουργῶν ἐπὶ βωμῶν
— 19. S¹ τὴν λειτουργίαν αὐτοῦ ἐλειτούργησαν [A B S² ἐτελείωσαν]
Jl. 1. 9. ἱερεῖς οἱ λειτουργοῦντες θυσιαστηρίῳ (4)
— 13. θρηνεῖτε οἱ λειτουργοῦντες θυσιαστηρίῳ (4)
— 13. ὑπνώσατε ἐν σάκκοις λειτουργοῦντες θεῷ (4)
2. 17. οἱ ἱερεῖς οἱ λειτουργοῦντες κυρίῳ (4)
Je. 52. 18. ἐν οἷς ἐλειτούργουν [A -γων] ἐν αὐτοῖς (4)
Ez. 40. 46. οἱ ἐγγίζοντες ἐκ τοῦ Λευὶ πρὸς κύριον λ. αὐτῷ (4)
42. 14. ἐν οἷς λειτουργοῦσιν ἐν αὐτοῖς (4)
43. 19. τοῦ [A om.] λ. μοι μόσχον ἐκ βοῶν (4)
44. 11. ἔσονται ἐν τοῖς ἁγίοις μου λειτουργοῦντες . . . καὶ λειτουργοῦντες τῷ οἴκῳ . . . στήσονται ἐναντίον τοῦ λαοῦ τοῦ [A om.] λ. αὐτοῖς (4 ter)
— 12. ἐλειτούργουν αὐτοῖς πρὸ προσώπου τῶν εἰδώλων αὐ. (4)
— 15. προσάξουσι πρὸς μὲ τοῦ λ. μοι (4)
— 16. προσελεύσονται πρὸς τὴν τράπεζάν μου τοῦ λ. μοι (4)
— 17. οὐκ ἐνδύσονται ἔρια ἐν τῷ λ. αὐτούς (4)
— 19. ἐν αἷς αὐτοὶ λειτουργοῦσιν ἐν αὐταῖς (4)
— 27. τοῦ λ. ἐν τῷ ἁγίῳ (4)
45. 4. ἔσται τοῖς ἱερεῦσι τοῖς λειτουργοῦσιν ἐν τῷ ἁγίῳ καὶ ἔσται τοῖς ἐγγίζουσι λ. τῷ κυρίῳ (4, 4)
— 5. τοῖς Λευίταις τοῖς λειτουργοῦσι τῷ οἴκῳ αὐτοῦς (4)
46. 24. ἑψήσουσιν ἐκεῖ οἱ λειτουργοῦντες τῷ οἴκῳ (4)
Da. TH. 7. 10 χίλιαι χιλιάδες ἐλειτούργουν αὐτῷ (5)
I Ma. 10. 42. τοῖς ἱερεῦσι τοῖς λειτουργοῦσι
[Aq. Ge. 40. 4: Dt. 21. 5: Is. 56. 6: 60. 7: Ez. 27. 25.]
[Sm. Ex. 39. 1 (13): Is. 56. 6: 60. 7.]
[Th. Ex. 39. 1 (13): Is. 56. 6: 60. 7: Je. 33 (40). 21, 22: Jl. 1. 9.]

λειτούργημα. (1) עֲבֹדָה
Nu. 4. 32. καὶ πάντα τὰ λ. αὐτῶν (1)
7. 9. τὰ λ. τοῦ ἁγίου ἔχουσιν (1)

λειτουργήσιμος. (1) עֲבֹדָה
I Ch. 28. 13. τῶν ἀποθηκῶν τῶν λ. σκευῶν (1?)

λειτουργία (-εία). (1) מְלָאכָה (2) עֲבֹדָה (3) פֻּלְחָן (4) פְּעֻלָּה (5) צָבָא
Ex. 37. 19 (38. 21). τὴν λ. εἶναι τῶν Λευιτῶν (2)
Nu. 4. 24. αὕτη ἡ λ. τοῦ δήμου τοῦ Γ. (2)
— 27. ἔσται ἡ λ. τῶν υἱῶν Γ. κατὰ πάσας τὰς λ. αὐτῶν (2, 2)
— 28. αὕτη ἡ λ. τῶν υἱῶν Γ. (2)
— 33. αὕτη ἡ λ. δήμου υἱῶν Μ. (2)
7. 5. ἑκάστῳ κατὰ τὴν αὐτοῦ λ. (2)
— 7, 8. κατὰ τὰς λ. αὐτῶν (2)
8. 22. λειτουργεῖν τὴν λ. αὐτῶν (2)
— 24. A λειτουργεῖν λειτουργίαν ἐν αὐτοῖς [B al.] (5)
— 25. B¹ ἀποστήσεται [A B² R add. ἀπὸ] τῆς λ. (5 + 2)
16. 9. λειτουργεῖν τὰς λ. τῆς σκηνῆς κυρίου (2)
18. 4. κατὰ πάσας τὰς λ. τῆς σκηνῆς (2)
— 6. λειτουργεῖν τὰς λ. τῆς σκηνῆς τοῦ μαρτ. (2)
— 7. λειτουργήσετε τὰς λ. (2)
— 21. δέδωκα πᾶν ἐπιδέκατον . . . ἀντὶ τῶν λ. αὐ. (2)
— 21. ὅσα αὐτοὶ λειτουργοῦσι λειτουργίαν (2)
— 23. λειτουργήσει . . . τὴν λ. τῆς σκηνῆς (2)
— 31. μισθὸς οὗτος ὑμῖν ἐστιν ἀντὶ [B² ἀπὸ] τῶν λ. ὑμῶν (2)
II Ki. 19. 18 (19). ἐλειτούργησαν τὴν λ. [A add. τοῦ βασ.] †
I Ch. 6. 32 (17). ἔστησαν . . . ἐπὶ τὰς λ. αὐτῶν (2)
— 48 (33). εἰς πᾶσαν ἐργασίαν λειτουργίας σκηνῆς (2)
9. 13. εἰς ἐργασίαν λειτουργίας οἴκου τοῦ θεοῦ (2)
— 19. ἐπὶ τῶν ἔργων τῆς λ. (2)
— 28. ἐπὶ τὰ σκεύη τῆς λ. (2)
23. 24. ποιοῦντες τὰ ἔργα λειτουργίας οἴκου κ. (2)
— 26. οὐκ ἦσαν αἴροντες . . . εἰς τὴν λ. αὐ. (2)
— 28. ἐπὶ τὰ ἔργα λειτουργίας (2)
24. 3, 19. κατὰ τὴν λ. αὐτῶν (2)
26. 30. εἰς πᾶσαν λ. κυρίου (1)
28. 13. εἰς πᾶσαν ἐργασίαν λειτουργίας (2)
— 20. πᾶσαν ἐργασίαν λειτουργίας (2)
— 21. εἰς πᾶσαν λ. οἴκου κυρίου [A τοῦ θ.] (2)
II Ch. 8. 14. κατὰ τὰς λ. αὐτῶν (2)
31. 2. κατὰ τὴν ἑαυτοῦ λ. (2)
— 4. ἐν τῇ λ. οἴκου κυρίου †
— 16. λειτουργίαν ἐφημερίας διατάξεως αὐ. (2)
35. 10. κατωρθώθη ἡ λ. (2)
— 15. οὐκ ἦν αὐτοῖς κινεῖσθαι ἀπὸ τῆς λ. ἁγίων (2)
— 16. ἡτοιμάσθη πᾶσα ἡ λ. κυρίου (2)
II Es. 7. 19. τὰ διδόμ. σοι εἰς λειτουργίαν οἴκου θεοῦ (3)
Wi. 18. 21. τὸ τῆς ἰδίας λ. ὅπλον . . . κομίσας
Si. 50. 19. τὴν λ. αὐτοῦ ἐτελείωσαν [S¹ ἐλειτούργησαν]
Ez. 29. 20. ἀντὶ τῆς λ. αὐτοῦ [A τ. δουλείας] (4)
II Ma. 3. 3. πάντα τὰ πρὸς τὰς λ. τῶν θυσιῶν
4. 14. περὶ τὰς τοῦ θυσιαστηρίου λ. προθύμους εἶναι
[Al. Nu. 8. 25: 18. 7.]

λειτουργικός. (1) עֲבֹדָה (2) שָׁרֵת
Ex. 31. 9 (10). καὶ τὰς στολὰς τὰς λ. †
39. 13 (1). ἐποίησαν στολὰς λ. †
Nu. 4. 12. λήψονται πάντα τὰ σκεύη τὰ λ. (2)
— 26. καὶ πάντα τὰ σκεύη τὰ λ. (1)
7. 5. πρὸς τὰ ἔργα τὰ λ. τῆς σκηνῆς (1)
II Ch. 24. 14. σκεύη λειτουργικὰ ὁλοκαυτωμάτων (2)
[Sm., Th. Ex. 39. 1 (13).]

λειτουργός. (1) פֻּלַּח (2) שָׁרַת pi.
Jo. 1. 1. A τῷ Ἰησοῦ υἱῷ N. τῷ λ. [B ὑπουργῷ] M. (2)
II Ki. 13. 18. ἐξήγαγεν αὐτὴν ὁ λ. αὐ. ἔξω (2)
III Ki. 10. 5. καὶ τὴν στάσιν λειτουργῶν αὐτοῦ (2)
IV Ki. 4. 43. εἶπεν ὁ λ. αὐτοῦ (2)
6. 15. ὤρθρισεν ὁ λ. [A λειτουργεῖν] (2)
II Ch. 9. 4. καὶ στάσιν λειτουργῶν αὐτοῦ (2)
II Es. 7. 24. ἐν . . . λειτουργοῖς οἴκου θεοῦ (1)
Ne. 10. 39 (40). καὶ ἐκεῖ . . . οἱ λ. (2)
Ps. 102 (103). 21. λειτουργοὶ αὐτοῦ ποιοῦντες τὰ θελήματα αὐτοῦ (2)
103 (104). 4. καὶ τοὺς λ. αὐτοῦ πῦρ φλέγον (2)
Si. 7. 30. τοὺς λ. αὐτοῦ [S¹ -γοῦντας αὐτῷ] μὴ ἐγκαταλίπῃς
10. 2. κατὰ τὸν κριτὴν τοῦ λαοῦ αὐτοῦ οὕτως καὶ οἱ λ. αὐτοῦ
Is. 61. 6. ἱερεῖς κυρίου κληθήσεσθε λειτουργοὶ θεοῦ (2)
III Ma. 5. 5. οἵ τε πρὸς τούτοις λειτουργοί
[Aq., Sm., Th. Ex. 24. 13: Pr. 29. 12.]

λείχειν. (1) לָחַךְ pi. (2) לָקַק
III Ki. 20 (21). 19. ᾧ ἔλειξαν αἱ ὕες (2)
— 19. ἐκεῖ λείξουσιν οἱ κύνες τὸ αἷμά σου (2)
Ps. 71 (72). 9. οἱ ἐχθροὶ αὐτοῦ χοῦν λείξουσι (1)
Mi. 7. 17. λείξουσι χοῦν ὡς ὄφις σύροντες γῆν (1)
Is. 49. 23. τὸν χοῦν τῶν ποδῶν σου λείξουσι (1)

λειχήν (λιχήν). (1) יַלֶּפֶת (2) λειχῆνας ἔχων יַלֶּפֶת
Le. 21. 20. ψώρα ἀγρία ἢ λειχήν (1)
22. 22. A² B ἢ λειχῆνας ἔχοντα (2)

λείψανον.
[Sm. Jd. 5. 13: Ps. 16 (17). 14: 75 (76). 11: Ez. 11. 13.]

λεκάνη (λακ.). (1) כִּפָּל
Jd. 5. 25. γάλα ἔδωκεν ἐν λεκάνῃ [A al.] (1)
6. 38. πλήρης λεκάνη ὕδατος (1)

λεκτίς.
[Sm. Is. 66. 20.]

λεληθότως.
II Ma. 6. 11. λεληθότως ἄγειν τὴν ἑβδομάδα
8. 1. παρεισπορευόμενοι λεληθότως εἰς τὰς κώμας

λέξις. (1) כְּתָב (2) לָשׁוֹן (3) מִלָּה
Es. 1. 22. κατὰ τὴν λ. αὐτῶν (1 + 2)
3. 12. κατὰ τὴν αὐτῶν λ. [S² λῆξιν] (1 + 2)
8. 9. κατὰ τὴν ἑαυτῶν λ. (1 + 2)
Jb. 36. 2. ἔτι γὰρ ἐν ἐμοί ἐστι [A μοι ἔνεστιν] λέξις (3)
38. 1. μετὰ δὲ τὸ παύσασθαι Ἐλιοὺν τῆς λ. —
Si. prol. 15. συγγνώμην ἔχειν ἐφ' οἷς ἂν δοκῶμεν τῶν κατὰ τὴν ἑρμηνείαν πεφιλοπονημένων τισὶ τῶν λ. ἀδυναμεῖν [B¹ S¹ om.]
23. 12. ἔστι λέξις ἀντιπεριβεβλημένη θανάτῳ
II Ma. 2. 31. τὸ δὲ σύντομον τῆς λ. μεταδιώκειν

λεοντηδόν.
II Ma. 11. 11. R λ. [A λεόντινον] δὲ ἐντινάξαντες

λεόντινος.
II Ma. 11. 11. A λεόντινον [? A., R λεοντηδὸν] δὲ ἐντινάξαντες

λεοπετρία, *vid.* λεωπετρία.

λεπιδωτός.
[Sm., Th., I Ki. 17. 5.]

λεπίζειν. (1) פָּצַל pi.
Ge. 30. 37. καὶ ἐλέπισεν αὐτὰς Ἰ. λεπίσματα (1)
— 37. τὸ λευκὸν ὃ ἐλέπισε —
— 38. τὰς ῥάβδους ἃς ἐλέπισεν (1)
To. 3. 17. τοῦ Τωβὶτ λεπίσαι τὰ λευκώματα [A² S al.]
11. 13. ἐλεπίσθη ἀπὸ τῶν κανθῶν . . . τὰ λευκώματα [S al.]
I Ma. 1. 22. καὶ ἐλέπισε πάντα

λεπίς. (1) פַּח (2) קַשְׂקֶשֶׂת
Le. 11. 9. B ἐστὶν αὐτοῖς πτερύγια καὶ λεπίδες (2)
— 10. οὐκ ἔστιν αὐτοῖς πτερύγια οὐδὲ λεπίδες (2)
— 12. οὐκ . . . πτερύγια καὶ λεπίδες (2)
Nu. 16. 38 (17. 3). ποίησον αὐτὰ λ. ἐλατάς (1)
De. 14. 9. ἐστὶν ἐν [A om.] αὐτοῖς πτερύγια καὶ λεπίδες (2)
— 10. οὐκ ἔστιν αὐτοῖς πτερύγια καὶ λεπίδες (2)
[Aq., Sm. Ez. 29. 4 bis.]
[Th. Ez. 29. 4.]
[Al. Le. 13. 2, 7.]

λέπισμα. (1) פְּצָלוֹת
Ge. 30. 37. ἐλέπισεν αὐτὰς Ἰ. λ. λευκά (1)

λεπιστός.
[Al. Le. 23. 14.]

λέπρα. (1) *a.* צָרַעַת *b.* נֶגַע־צָרַעַת
Le. 13. 2. γένηται ἐν δέρματι . . . ἀφὴ λέπρας (1 a)
— 3. ἀφὴ λέπρας ἐστί (1 a)
— 8. λ. ἐστί (1 a)

Le. 13. 9. ἀφὴ λέπρας ἐὰν γένηται ἐν ἀνθρώπῳ (1 a)
— 11. λ. παλαιουμένη ἐστὶν ἐν τῷ δέρματι (1 a)
— 12. ἐὰν δὲ ἀνθοῦσα ἐξανθήσῃ ἡ λ. (1 a)
— 12. καὶ καλύψῃ ἡ λ. πᾶν τὸ δέρμα τῆς ἀφῆς (1 a)
— 13. ἐκάλυψεν ἡ λ. πᾶν τὸ δέρμα τοῦ χρωτός (1 a)
— 15. λ. ἐστίν (1 a)
— 20. λ. ἐστίν (1 b)
— 22. ἀφὴ λέπρας ἐστίν –
— 25. λ. ἐστιν (1 a)
— 25 (A² B), 27. ἀφὴ λέπρας ἐστίν (1 a)
— 29. γένηται . . . ἀφὴ λέπρας ἐν τῇ κεφαλῇ –
— 30. λ. [A add. ἐστιν] τῆς κεφαλῆς (1 a)
— 30. ἡ λ. τοῦ πώγωνός ἐστι –
— 42. λ. ἐστὶν ἐν τῷ φαλακρώματι αὐτοῦ (1 a)
— 43. ὡς εἶδος λέπρας ἐν δέρματι τῆς σαρκός (1 a)
— 47. ἐὰν γένηται ἀφὴ ἐν αὐτῷ λέπρας (1 a)
— 49. ἀφὴ λέπρας ἐστί (1 a)
— 51. λ. ἔμμονός ἐστιν ἡ ἀφή (1 a)
— 52. B² R ὅτι λ. ἔμμονός ἐστιν [A B¹ om. ἐμμ. ἐστιν] (1 a)
— 57. λ. ἐξανθοῦσά ἐστιν –
— 59. οὗτος ὁ νόμος ἀφῆς λέπρας ἱματίου (1 a)
14. 3. ἰᾶται ἡ ἀφὴ τῆς λ. ἀπὸ τοῦ λεπροῦ (1 a)
— 7. ἐπὶ τὸν καθαρισθέντα ἀπὸ τῆς λ. (1 a)
— 32. ὁ νόμος ἐν ᾧ ἐστιν ἡ ἀφὴ τῆς [A om.] λ. (1 a)
— 34. καὶ δώσω ἀφὴν λέπρας ἐν ταῖς οἰκίαις (1 a)
— 44. λ. ἔμμονός ἐστιν ἐν τῇ οἰκίᾳ (1 a)
— 54. οὗτος ὁ νόμος κατὰ πᾶσαν ἀφὴν λέπρας (1 a)
— 55. καὶ τῆς λ. ἱματίου καὶ οἰκίας (1 a)
— 57. οὗτος ὁ νόμος τῆς λ. (1 a)
De. 24. 8. πρόσεχε σεαυτῷ ἐν τῇ ἀφῇ τῆς λ. (1 a)
IV Ki. 5. 3. ἀποσυνάξει αὐτὸν ἀπὸ τῆς λ. αὐ. (1 a)
— 6. ἀποσυνάξεις αὐτὸν ἀπὸ [A ἐκ] τῆς λ. αὐ. (1 a)
— 7. ἀποσυνάξαι ἄνδρα ἀπὸ [A ἐκ] τῆς λ. αὐ. (1 a)
— 27. ἡ λ. N. κολληθήσεται ἐν σοί (1 a)
II Ch. 26. 19. ἡ λ. ἀνέτειλεν ἐν τῷ μετώπῳ αὐ. (1 a)

λεπρᾶν. (1) צָרַע *a.* qal. *b.* pu.

Le. 22. 4. καὶ οὗτος λεπρᾷ [A λεπρός] (1 a)
Nu. 12. 10. M. λεπρῶσα ὡσεὶ χιών (1 b)
— 10. καὶ ἰδοὺ λεπρῶσα (1 b)
[Aq., Th. Ex. 4. 6.]
[Al. Le. 21. 7.]

λεπρός. (1) צָרַע *a.* qal. *b.* pu.

Le. 13. 44. ἄνθρωπος λ. ἐστι (1 a)
— 45. καὶ ὁ λ. ἐν ᾧ ἐστιν ἡ ἀφή (1 a)
14. 2. οὗτος ὁ νόμος τοῦ λεπροῦ (1 b)
— 3. ἰᾶται ἡ ἀφὴ τῆς λέπρας ἀπὸ τοῦ λ. (1 a)
22. 4. A καὶ οὗτος λεπρός [B -ρᾷ] (1 a)
Nu. 5. 2. ἐξαποστειλάτωσαν . . . πάντα λ. (1 a)
II Ki. 3. 29. μὴ ἐκλίποι . . . γονορρυὴς καὶ λεπρός (1 b)
IV Ki, 5. 11. ἀποσυνάξει [A συν.] τὸ λ. (1 b)
7. 3. τέσσαρες ἄνδρες ἦσαν λ. παρὰ τὴν θύραν (1 b)
— 8. εἰσῆλθον οἱ λ. οὗτοι (1 b)
II Ch. 26. 20. ἰδοὺ αὐτὸς λ. ἐν τῷ μετώπῳ (1 b)
— 21. ἦν Ὀζ. ὁ βασιλεὺς λεπρός (1 b)
— 21. ἐν οἴκῳ ἀφφ. ἐκάθητο λεπρός (1 b)
— 23. λεπρός ἐστι (1 b)
[Sm. Nu. 5. 2.]
[Al. Le. 22. 4.]

λεπροῦσθαι. (1) צָרַע pu.

IV Ki. 5. 1. ὁ ἀνὴρ ἦν δυνατὸς ἰσχύϊ λελεπρωμένος (1)
— 27. ἐξῆλθεν ἐκ προσώπου αὐ. λελεπρωμένος (1)
15. 5. καὶ ἦν λελεπρωμένος (1)
[Sm. Ex. 4. 6.]

λεπτοκοπεῖν.

[Aq., Th. Is. 28. 28.]
[Sm. Is. 27. 9 : 28. 28.]

λεπτός. (1) *a.* דַּק *b.* דָּקַק qal. *c.* hi. *d.* λ. γίνεσθαι דָּקַק (2) כָּתַת (3) נָפַץ pu. (4) רַק (5) *a.* רֵק *b.* רִיק (6) λεπτὸν ποιεῖν זָרָה

Ge. 41. 3. ἑπτὰ βόες . . . λεπταὶ ταῖς σαρξί (1 a)
— 4. αἱ ἑπτὰ βόες αἱ αἰσχραὶ καὶ λ. ταῖς σαρξί (1 a)
— 6. στάχυες λεπτοὶ καὶ ἀνεμόφθοροι (1 a)
— 7. οἱ ἑπτὰ στάχυες οἱ λεπτοί (1 a)
— 19. αἰσχραὶ . . . καὶ λεπταὶ ταῖς σαρξίν (4)
— 20. αἱ ἑπτὰ βόες αἱ αἰσχραὶ καὶ λεπταί (4)
— 23. ἑπτὰ στάχυες λεπτοὶ καὶ ἀνεμόφθοροι (1 a)
— 24. οἱ ἑπτὰ στάχυες οἱ λ. καὶ ἀνεμόφθοροι (1 a)
Ge. 41. 27. αἱ ἑπτὰ βόες αἱ λ. αἱ ἀναβαίνουσαι (4)
— 27. οἱ ἑπτὰ στάχυες οἱ λ. (5 a)
Ex. 16. 14. ἰδοὺ . . . λεπτὸν ὡσεὶ κόριον λευκόν (1 a)
30. 7. θυμίαμα σύνθετον λ. –
— 36. καὶ συγκόψεις ἐκ τούτων λεπτόν (1 c)
32. 20. καὶ κατήλεσεν αὐτὸν [A om.] λεπτόν (1 b)
Le. 13. 30. ἐν αὐτῇ δὲ θρὶξ ξανθίζουσα λεπτή (1 a)
16. 12. θυμιάματος συνθέσεως λεπτῆς (1 a)
De. 9. 21. ἕως ἐγένετο λεπτόν (1 b)
III Ki. 19. 12. μετὰ τὸ πῦρ φωνὴ αὔρας λεπτῆς (1 a)
II Ch. 34. 7. τὰ εἴδωλα κατέκοψε λεπτά (1 c)
Wi. 5. 14. ὡς πάχνη ὑπὸ λαίλαπος διωχθεῖσα λεπτή
7. 22. ἔστι γὰρ ἐν [A om.] αὐτῇ πνεῦμα . . . λεπτόν
— 23. διὰ πάντων χωροῦν πνευμάτων . . . καθαρῶν λεπτοτάτων
Is. 27. 9. κατακεκομμένους ὡς κονίαν λεπτήν (3 ?)
30. 14. ἐκ κεραμίου λεπτά [A -τόν] (2)
— 22. τὰ περικεχρυσωμένα λεπτὰ ποιήσεις (6)
Je. 28 (51). 34. κατέλαβέ με σκότος λεπτόν (5 b)
Da. LXX. 2. 35. τότε λεπτὰ ἐγένετο ἅμα ὁ σίδηρος (1 d)
— 35. ἐγένετο ὡσεὶ λεπτότερον ἀχύρου –
[Aq., Th. Is. 29. 5 : 40. 15, 22.]
[Sm. Ex. 16. 14 *bis* : Is. 29. 5 : 40, 15, 22.]

λεπτύνειν. (1) דָּקַק *a.* qal. *b.* hi. *c.* דָּקַק peal. *d.* aph. (2) שָׁבַר pi. (3) שָׁחַק

II Ki. 22. 43. ὡς πηλὸν ἐξόδων ἐλέπτυνα αὐτούς (1 b)
IV Ki. 23. 6, 15. καὶ ἐλέπτυνεν εἰς χοῦν (1 b)
II Ch. 23. 17. καὶ τὰ εἴδωλα αὐ. ἐλέπτυναν (2)
34. 4. καὶ ἐλέπτυνε (1 b)
Ps. 17 (18). 42. λεπτυνῶ αὐτοὺς ὡς χοῦν (3)
28 (29). 6. λεπτυνεῖ αὐτὰς ὡς τὸν μόσχον τὸν Λίβανον †
Mi. 4. 13. καὶ κατατήξεις [A λεπτυνεῖς] λαοὺς πολλούς (1 b)
Is. 41. 15. λεπτυνεῖς βουνούς (1 a)
Je. 31 (48). 12. τὰ σκεύη αὐτοῦ λεπτυνοῦσι †
Da. TH. 2. 34. καὶ ἐλέπτυνεν αὐτοὺς εἰς τέλος (1 d)
— 35. τότε ἐλεπτύνθησαν εἰσάπαξ (1 c)
— 40. ὃν τρόπον ὁ σίδηρος λεπτύνει (1 d)
— 40. οὕτως πάντα λεπτυνεῖ (1 d)
— 44. λεπτυνεῖ καὶ λικμήσει πάσας τὰς βασ. (1 d)
— 45. καὶ ἐλέπτυνε τὸ ὄστρακον (1 d)
6. 24 (25). πάντα τὰ ὀστᾶ αὐτῶν ἐλέπτυναν (1 d)
7. 7, 19. ἐσθίον καὶ λεπτῦνον (1 d)
[Sm. Is. 28. 28.]
[Th. Is. 28. 28 : Da. 2. 45.]

λέπυρον. (1) פֶּלַח

Ca. 4. 3. ὡς λέπυρον ῥοᾶς μῆλόν σου (1)
6. 6 (7). ὡς λέπυρον τῆς ῥοᾶς μῆλόν σου (1)

λέσχη. (1) שִׂיחַ

Pr. 23. 29. τίνι δὲ ἀηδίαι καὶ λέσχαι (1)

λευιαθάν.

[Aq. Ez. 32. 2.]

λευκαθίζειν (?). (1) לָבָן

Le. 13. 39. R αὐγάζοντα λευκανθίζοντα [A B λευκαθ.] (1)
Ca. 8. 15. B τίς αὕτη ἡ ἀναβαίνουσα λελευκαθισμένη [A S R -καθ.] †

λευκαίνειν. (1) *a.* לָבַן hi. *b.* לָבָן

Le. 13. 19. οὐλὴ λευκὴ ἢ τηλαυγὴς λευκαίνουσα (1 b)
Ps. 50 (51). 7. ὑπὲρ χιόνα λευκανθήσομαι (1 a)
Jl. 1. 7. ἐλεύκανε τὰ κλήματα αὐτῆς (1 a)
Is. 1. 18. ὡς χιόνα λευκανῶ (1 a)
— 18. ὡς ἔριον λευκανῶ †

λευκανθίζειν. (1) לָבָן

Le. 13. 38. αὐγάσματα αὐγάζοντα λευκανθίζοντα (1)
— 39. R αὐγάζοντα λευκανθίζοντα [A B λευκαθ.] (1)
Ca. 8. 5. A S R τίς αὕτη ἡ ἀναβαίνουσα λελευκανθισμένη [B -καθ.] †

λεύκη. (1) לִבְנָה

Ho. 4. 13. ἔθνον ὑποκάτω δρυὸς κ. λεύκης (1)
Is. 41. 19. θήσω εἰς τὴν ἄνυδρον γῆν . . . κυπάρισσον καὶ λεύκην †
[Aq. Ho. 4. 13.]

λευκόπους.

[Sm. Ge. 30. 35.]

λευκός. (1) חוּם (2) חִוָּר (3) לָבָן (4) נָקָא (5) צַח (6) עָלֹד (7) נָלֹד

Ge. 30. 32. A διάραντον καὶ λ. [R *al.*] (5)
— 35. A ὃ ἦν λευκὸν ἐν αὐτοῖς [R *al.*] (3)
— 35. R ὃ ἦν λευκὸν ἐν αὐτοῖς [A *al.*] (1)
— 37. ἐλέπισεν αὐτὰς Ἰ. λεπίσματα λ. (3)
— 37. ἐφαίνετο ἐπὶ ταῖς ῥάβδοις τὸ λ. –
31. 8. τὰ λ. ἔσται σου μισθός (6)
— 8. τέξεται πάντα τὰ πρόβατα λευκά (6)
49. 12. λευκοὶ οἱ ὀδόντες αὐτοῦ ἢ γάλα (3)
Ex. 16. 14. ἰδοὺ . . . λεπτὸν ὡσεὶ κόριον λευκόν †
— 31. ἦν δὲ ὡσεὶ σπέρμα κορίου λευκόν (3)
Le. 13. 3. καὶ ἡ θρὶξ ἐν τῇ ἀφῇ μεταβάλῃ λευκή (3)
— 4. τηλαυγὴς λευκὴ ἦν ἐν τῷ δέρματι (3)
— 4. ἡ θρὶξ αὐτοῦ οὐ μετέβαλε τρίχα λ. (3)
— 10. ἰδοὺ οὐλὴ λευκὴ ἐν τῷ δέρματι (3)
— 10. καὶ αὕτη μετέβαλε τρίχα λευκήν (3)
— 13. ὅτι πᾶν μετέβαλε λευκόν (3)
— 16. καὶ μεταβάλῃ λευκή (3)
— 17. μετέβαλεν ἡ ἀφὴ εἰς τὸ λ. (3)
— 19. γένηται ἐν τῷ τόπῳ τοῦ ἕλκους οὐλὴ λ. (3)
— 20. ἡ θρὶξ αὐτῆς μετέβαλεν εἰς λευκήν (3)
— 21. οὐκ ἔστιν ἐν αὐτῷ θρὶξ λ. (3)
— 24. γένηται . . . αὐγάζον τηλαυγὲς λευκόν (3)
— 25. μετέβαλε θρὶξ λ. εἰς τὸ αὐγάζον (3)
— 26. οὐκ ἔστιν ἐν τῷ αὐγάζοντι θρὶξ λ. (3)
— 42. ἢ ἐν τῷ ἀναφαλαντώματι αὐτοῦ ἀφὴ λ. (3)
— 43. ἡ ὄψις τῆς ἀφῆς λευκὴ ἢ πυρρίζουσα (3)
Ec. 9. 8. ἔστωσαν ἱμάτιά σου λευκά (3)
Ca. 5. 10. ἀδελφιδός μου λευκὸς καὶ πυρρός (7)
Za. 1. 8. ἵπποι . . . ψαροὶ καὶ ποικίλοι καὶ λ. (3)
6. 3. ἐν τῷ ἅρματι τῷ τρίτῳ ἵπποι λ. (3)
— 6. οἱ λ. ἐξεπορεύοντο κατόπισθεν αὐτῶν (3)
Da. LXX. 7. 9. ὡσεὶ ἔριον λευκὸν καθαρόν (4)
Da. TH. 7. 9. τὸ ἔνδυμα αὐτοῦ ὡσεὶ χιὼν λευκόν (2)
II Ma. 11. 8. ἐφάνη . . . ἐν λευκῇ ἐσθῆτι
[Aq., Sm., Th. Le. 13. 4.]
[Al. Ex. 24. 10 : Le. 6. 10 (3) *bis* : 13. 30 : 16. 4 *bis*, 23.]

λευκότης.

Si. 43. 18. κάλλος λευκότητος αὐτῆς ἐκθαυμάσει ὀφθαλμός

λεύκωμα.

To. 2. 10. B ἐγενήθη λευκώματα [S *al.*]
— 10. S ἐξετυφλοῦντο οἱ ὀφθ. μου τοῖς λ.
3. 17. τοῦ Τωβὶτ λεπίσαι τὰ λ. [S *al.*]
6. 8. ἐγχρῖσαι ἄνθρωπον ὃς ἔχει λευκώματα [A -μα, S *al.*]
— 8. S ἐμφυσῆσαι ἐπ' αὐτοὺς ἐπὶ τῶν λ.
11. 8. ἀποβαλεῖται [S -λεπίσει] τὰ λ.
— 13. ἐλεπίσθη ἀπὸ τῶν κανθῶν τῶν ὀφθαλμῶν αὐτοῦ τὰ λ. [S *al.*]
[Aq., Sm., Th., Le. 21. 20.]

λεχώς, λοχώς.

Ep. Je. 29. τῶν θυσιῶν αὐτῶν ἀποκαθημένη καὶ λεχὼς [? -ὼ, A B² λοχὼ, B³ λοχὼς] ἅπτονται

λέων. (1) *a.* אָרִי *b.* אַרְיֵה (2) כְּפִיר (3) *a.* לָבִיא *b.* לָבִי (4) שַׁחַל (5) σκύμνος λέοντος *a.* כְּפִיר *b.* לַיִשׁ

Ge. 49. 9. σκύμνος λέοντος Ἰούδα (1 b)
— 9. ἀναπεσὼν ἐκοιμήθης ὡς λέων (1 b)
Nu. 23. 24. ὡς λέων γαυριωθήσεται (1 a)
24. 9. ἀνεπαύσατο ὡς λέων (1 a)
De. 33. 20. ὡς λέων ἀνεπαύσατο (3 a)
— 22. Δὰν σκύμνος λέοντος (1 b)
Jd. 14. 5. σκύμνος λέοντος [A -ων] ὠρυόμενος (1 a)
— 8. ἰδεῖν τὸ πτῶμα τοῦ λ. (1 b)
— 8. ἐν τῷ στόματι τοῦ λ. (1 b)
— 9. ἀπὸ στόματος τοῦ λ. ἐξεῖλε τὸ μέλι (1 b)
— 18. τί ἰσχυρότερον λέοντος (1 a)
I Ki. 17. 34. ὅταν ἤρχετο ὁ λ. (1 a)
— 36. τὸν λ. . . . ἔτυπτεν (1 a)
— 37. ὃς ἐξείλατό με ἐκ χειρὸς τοῦ λ. (1 a)
II Ki. 1. 23. ὑπὲρ λέοντας ἐκραταιώθησαν (1 a)
17. 10. καθὼς ἡ καρδία τοῦ λ. (1 b)
23. 20. ἐπάταξε τὸν λ. (1 a, 1 b*)
III Ki. 7. 29. λέοντες καὶ βόες καὶ χερ. (1 a)
— 29. ὑποκάτωθεν τῶν λ. . . . χῶραι (1 a)
— 36. χερ. καὶ λέοντες καὶ φοίνικες (1 a)

III Ki. 10. 19. καὶ δύο λέοντες ἑστηκότες [A om.] (1 a)
— 20. B καὶ δώδεκα λέοντες (1 a)
13. 24. εὗρεν αὐτὸν λέων ἐν τῇ ὁδῷ (1 b)
— 24. B ὁ λ. εἱστήκει (1 b)
— 25. ὁ λ. εἱστήκει ἐχόμενα τοῦ θνησιμαίου (1 b)
— 26. A ἔδωκεν αὐτὸν ὁ κύριος τῷ λ. (1 b)
— 28. ὁ ὄνος καὶ ὁ λ. εἱστήκεισαν (1 b)
— 28. οὐκ ἔφαγεν ὁ λ. τὸ σῶμα (1 b)
21 (20). 36. πατάξει σε λέων (1 b)
— 36. εὑρίσκει αὐτὸν λέων (1 b)
IV Ki. 17. 25. ἀπέστειλε κύριος ἐν αὐτοῖς τοὺς λ. (1 a)
— 26. ἀπέστειλεν εἰς αὐτοὺς τοὺς λ. (1 a)
I Ch. 11. 22. ἐπάταξε τὸν λ. ἐν τῷ λάκκῳ (1 a)
12. 8. καὶ πρόσωπον λέοντος πρόσωπα αὐτῶν (1 b)
II Ch. 9. 18. καὶ δύο λέοντες ἑστηκότες (1 a)
— 19. καὶ δώδεκα λ. ἑστηκότες ἐκεῖ (1 a)
I Es. 4. 24. τὸν λ. θεωρεῖ
Es. 4. 17. δὸς λόγον εὔρυθμον . . . ἐνώπιον τοῦ λ.
Jb. 4. 10. σθένος λέοντος φωνὴ δὲ λεαίνης (1 b)
— 11. σκύμνοι δὲ λεόντων ἔλιπον ἀλλήλους (3 a)
6. 7. βρόμον γὰρ ὁρῶ τὰ σῖτά μου ὥσπερ ὀσμὴν λέοντος †
10. 16. ἀγρεύομαι γὰρ ὥσπερ λέων εἰς σφαγήν (4)
28. 8. οὐ παρῆλθεν ἐπ' αὐτῆς λέων (4)
38. 39. θηρεύσεις δὲ λέουσι βορὰν (3 a)
Ps. 7. 2. μή ποτε ἁρπάσῃ ὡς λέων τὴν ψυχήν μου (1 b)
9. 30 (10. 9). B S ὡς λέων ἐν τῇ μάνδρᾳ αὐτοῦ (1 b)
16 (17). 12. ὡσεὶ λέων ἕτοιμος εἰς θήραν (1 b)
21 (22). 13. ὡς λέων ὁ ἁρπάζων καὶ ὠρυόμενος (1 b)
— 21. σῶσόν με ἐκ στόματος λέοντος (1 b)
34 (35). 17. ἀπὸ λεόντων τὴν μονογενῆ μου (2)
57 (58). 6. τὰς μύλας τῶν λ. συνέθλασεν κύριος (2)
90 (91). 13. καταπατήσεις λέοντα καὶ δράκοντα (2)
Pr. 19. 12. βασιλέως ἀπειλὴ ὁμοία βρυγμῷ λέοντος (2)
20. 2. οὐ διαφέρει ἀπειλὴ βασιλέως θυμοῦ λέοντος (2)
22. 13. λέων ἐν ταῖς ὁδοῖς (1 a)
24. 65 (30. 30). σκύμνος λέοντος ἰσχυρότερος κτηνῶν (5 b)
26. 13. λέων ἐν ταῖς ὁδοῖς (4)
28. 1. δίκαιος δὲ ὥσπερ λέων πέποιθε (2)
— 15. λέων πεινῶν καὶ λύκος διψῶν (1 a)
Ec. 9. 4. ὁ κύων ὁ ζῶν αὐτὸς ἀγαθὸς ὑπὲρ τὸν λ. τὸν νεκρόν (1 b)
Ca. 4. 8. ἀπὸ μανδρῶν λεόντων (1 a)
Wi. 11. 17. ἐπιπέμψαι αὐτοῖς . . . θρασεῖς λέοντας
Si. 4. 30. μὴ ἴσθι ὡς λέων ἐν τῷ οἴκῳ σου
13. 19. κυνήγια λεόντων ὄναγροι ἐν ἐρήμῳ
21. 2. ὀδόντες λέοντος οἱ ὀδόντες αὐτῆς
25. 16. συνοικῆσαι λέοντι καὶ δράκοντι
27. 10. A S R λέων θήραν [B θύραν] ἐνεδρεύει
— 28. ἡ ἐκδίκησις ὡς λέων ἐνεδρεύσει αὐτόν
28. 23. ἐξαποσταλήσεται ἐπ' αὐτοῖς ὡς λέων
47. 3. ἐν λέουσιν ἔπαισεν ὡς ἐν ἐρίφοις
Ho. 5. 14. ἐγὼ εἰμι . . . ὡς λέων τῷ οἴκῳ Ἰούδα (2)
11. 10. ὡς λέων ἐρεύξεται (1 b)
Am. 3. 4. εἰ ἐρεύξεται λέων ἐκ τοῦ δρυμοῦ αὐτοῦ (1 b)
— 8. λέων ἐρεύξεται (1 b)
— 12. ἐκσπάσῃ ὁ ποιμὴν ἐκ στόματος τοῦ λ. (1 a)
5. 19. ἐὰν φύγῃ ἄνθρ. ἐκ προσώπου τοῦ λ. (1 a)
Mi. 5. 8 (7). ἔσται τὸ ὑπόλειμμα Ἰ. . . . ὡς λέων ἐν κτήνεσιν (1 b)
Jl. 1. 6. οἱ ὀδόντες αὐτοῦ ὀδόντες λέοντος (1 b)
Na. 2. 11 (12). ποῦ ἐστι τὸ κατοικητήριον τῶν λ. (1 a)
— 11 (12). ποῦ ἐπορεύθη λέων τοῦ εἰσελθεῖν ἐκεῖ σκύμνον [A S² -ος] λέοντος (1 b, 1 b)
— 12 (13). λέων ἥρπασε τὰ ἱκανὰ τοῖς σκύμνοις (1 b)
— 12 (13). καὶ ἀπέπνιξε τοῖς λ. αὐτοῦ (3 b)
— 13 (14). τοὺς λ. σου καταφάγεται ῥομφαία (2)
Ze. 3. 3. οἱ ἄρχοντες αὐτῆς . . . ὡς λέοντες ὠρυόμενοι (1 a)
Za. 11. 3. φωνὴ ὠρυομένων λεόντων (2)
Is. 5. 29. ὀργιῶσιν ὡς λέοντες καὶ παρέστηκαν ὡς σκύμνοι λέοντος [A S al.] (3 a, 5 a)
11. 6. ταῦρος καὶ λέων ἅμα βοσκηθήσονται (2)
— 7. λέων ὡς [A S καὶ] βοῦς φάγονται ἄχυρα (1 b)
30. 6. λέων καὶ σκύμνος λέοντος (3 a, 5 b)
31. 4. ὃν τρόπον βοήσῃ ὁ [A om.] λ. (1 b)
35. 9. οὐκ ἔσται ἐκεῖ λ. (1 b)
38. 13. παρεδόθην ἕως πρωῒ ὡς λέοντι (1 a)
65. 25. λ. ὡς βοῦς φάγεται ἄχυρα (1 b)
Je. 2. 15. ἐπ' αὐτὸν ὠρύοντο λέοντες [S¹ λέγ.] (2)
— 30. κατέφαγε τοὺς προφήτας ὑμῶν ὡς λ. [B¹ om.] ὀλεθρεύων (1 b)
4. 7. ἀνέβη λ. ἐκ τῆς μάνδρας αὐτοῦ (1 b)
5. 6. ἔπαισεν αὐτοὺς λ. ἐκ τοῦ δρυμοῦ (1 b)
12. 8. ἐγενήθη . . . ὡς λ. ἐν δρυμῷ (1 b)
27 (50). 17. λέοντες [S¹ λέγ.] ἔξωσαν αὐτόν (1 a)
— 44. ὥσπερ λ. ἀναβήσεται ἀπὸ τοῦ Ἰορδάνου (1 b)
28 (51). 38. ἅμα ὡς λέοντες ἐξηγέρθησαν καὶ ὡς σκύμνοι λεόντων (2, 1 a)
29 (49). 19. ὥσπερ λ. ἀναβήσεται ἐκ μέσου τοῦ Ἰορδάνου (1 b)
32 (25). 38. ἐγκατέλιπεν ὥσπερ λ. κατάλυμα αὐτοῦ (2)
La. 3. 10. αὐτός μοι λ. ἐν κρυφαίοις (1 b*, 1 a)
Ez. 1. 10. πρόσωπον λέοντος ἐκ δεξιῶν τοῖς τέσσαρσι (1 b)
10. 14. A τὸ πρόσωπον τοῦ τρίτου πρόσωπον λέοντος (1 b)
19. 2. τί ἡ μήτηρ σου σκύμνος ἐν μέσῳ λεόντων ἐγενήθη ἐν μέσῳ λεόντων ἐπλήθυνε σκύμνους αὐ. (1 a, 2)
— 3. λ. ἐγένετο (2)
— 5. λέοντα ἔταξεν αὐτόν (2)
— 6. ἀνεστρέφετο ἐν μέσῳ λεόντων λ. ἐγένετο (1 a)
22. 25. οἱ ἀφηγούμενοι ἐν μέσῳ αὐτῆς ὡς λέοντες ὠρυόμενοι [A ἐρευγόμ.] (1 a)
32. 2. λέοντι ἐθνῶν ὡμοιώθης σύ (2)
41. 19. πρόσωπον λέοντος πρὸς τὸν φοίνικα (2)
Da. LXX. 4. 31. ἐγένοντο . . . οἱ ὄνυχές μου ὡσεὶ λέοντος –
6. 5 (6). ἵνα . . . ῥιφῇ εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. –
— 7 (8), 12 (13). ῥιφήσεται εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. (1 b)
— 14 (17). εἶπεν ῥιφῆναι τὸν Δ. εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. (1 b)
— 16 (17). αὐτὸς ἐξελεῖταί σε ἐκ χειρὸς τῶν λ. –
— 17 (18). Δ. ἐρρίφη εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. –
— 18 (19). ἀπέκλεισε τὰ στόματα τῶν λ. –
— 19 (20). ἔστη ἐπὶ τοῦ στόματος τοῦ λάκκου τῶν λ. (1 b)
— 20 (21). σέσωκέ σε ἀπὸ τῶν λ. (1 b)
— 22 (23). σέσωκέ με ὁ θεὸς ἀπὸ τῶν λ. (1 b)
— 22 (23). ἔρριψάς με εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. –
— 23 (24). οὐ παρηνώχλησαν αὐτῷ οἱ λ. –
— 24 (25). ἐρρίφησαν τοῖς λ. (1 b)
— 24 (25). καὶ οἱ λ. ἀπέκτειναν αὐτούς (1 b)
Bel 31. ἦν δὲ λάκκος ἐν ᾧ ἐτρέφοντο λέοντες ἑπτά
— 33. ἀπένεγκε Δ. εἰς τὸν λάκκον τῶν λ.
Da. TH. 4. 30. αἱ τρίχες αὐτοῦ ὡς λεόντων ἐμεγαλύνθησαν †
6. 7 (8), 12 (13). ἐμβληθήσεται εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. (1 b)
— 16 (17). ἐνέβαλον αὐτὸν εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. (1 b)
— 18 (19). ἔκλεισεν ὁ θεὸς τὰ στόματα τῶν λ. –
— 19 (20). ἦλθεν ἐπὶ τὸν λάκκον τῶν λ. (1 b)
— 20 (21). ἐξελέσθαι σε ἐκ στόματος τῶν λ. (1 b)
— 22 (23). ἐνέφραξε τὰ στόματα τῶν λ. (1 b)
— 24 (25). εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. ἐνεβλήθησαν (1 b)
— 24 (25). ἐκυρίευσαν αὐτῶν οἱ λ. (1 b)
— 27 (28). ἐξείλατο τὸν Δ. ἐκ χειρὸς τῶν λ. (1 b)
Bel 31. ἔβαλον αὐτὸν εἰς τὸν λάκκον τῶν λ.
— 32. ἦσαν δὲ ἐν τῷ λάκκῳ ἑπτὰ λέοντες
— 34. ἀπένεγκε τὸ ἄριστον . . . εἰς τὸν λάκκον τῶν λ.
I Ma. 2. 60. AR Δ. . . . ἐρρύσθη ἐκ στόματος λεόντων [S -ος]
3. 4. ὡμοιώθη λέοντι ἐν τοῖς ἔργοις αὐτοῦ
III Ma. 6. 7. τὸν διαβολαῖς φθόνου λέουσι κατὰ γῆς ῥιφέντα
IV Ma. 16. 3. οἱ περὶ Δ. λέοντες ἦσαν ἄγριοι
— 20. Δ. ὁ δίκαιος εἰς λέοντας ἐβλήθη
18. 13. ἐδύξαζε δὲ καὶ τὸν ἐν λάκκῳ λεόντων Δ.

[Aq. Ge. 49. 9: III Ki. 13. 26: Ps. 21 (22). 14: Is. 21. 8.]
[Sm. Ge. 49. 9: Jb. 4. 11: Ps. 21 (22). 14: 56 (57). 5: Ec. 9. 4.]
[Th. III Ki. 13. 26: Is. 38. 13: Ez. 10. 14: Da. 6. 18: Mi. 1. 8.]
[Heb. Jb. 10. 16.]

λεωπετρία (λεοπ.). (1) צָחִיחַ סֶלַע

Ez. 24. 7. ἐπὶ λεωπετρίαν τέταχα αὐτό (1)
— 8. δέδωκα τὸ αἷμα αὐτῆς ἐπὶ λεωπετρίαν (1)
26. 4. δώσω αὐτὴν [A σε] εἰς λεωπετρίαν (1)
— 14. δώσω σε [A add. εἰς] λεωπετρίαν (1)

λεωπετρίανδε.

[Aq. Ps. 67 (68). 7.]

λήγειν.

II Ma. 9. 7. ὁ δ' οὐδαμῶς τῆς ἀγερωχίας ἔληγεν
— 11. R ἤρξατο . . . λήγειν [A λέγειν] ὑποτεθραυσμένος
— 18. οὐδαμῶς δὲ ληγόντων τῶν πόνων
15. 24. οὗτος μὲν ἐν τούτοις ἔληξεν
III Ma. 3. 16. μηδέποτε ληγόντων τῆς ἀνοίας
6. 16. τοῦ δὲ Ἐ. λήγοντος ἄρτι τῆς προσευχῆς

λήθη. (1) מַעַל (2) שָׁכַח (3) ποιεῖν λήθην נָשָׁא

Le. 5. 15. ψυχὴ ἣ ἂν λάθῃ αὐτὸν λήθῃ (1)
Nu. 5. 27. καὶ λήθῃ λάθῃ τὸν ἄνδρα αὐτῆς (1)
De. 8. 19. ἐὰν λήθῃ ἐπιλάθῃ κ. τοῦ θεοῦ σου (2)
Jb. 7. 21. διὰ τί οὐκ ἐποιήσω τῆς ἀνομίας [A ἁμαρτίας] μου λήθην (3)
Wi. 16. 11. εἰς βαθεῖαν ἐμπεσόντες λήθην
17. 3. ἀφεγγεῖ λήθης παρακαλύμματι ἐσκορπίσθησαν
Si. 14. 7. κἂν εὖ ποιῇ ἐν λήθῃ ποιεῖ
III Ma. 5. 28. τῶν πρὶν αὐτῷ μεμηχανημένων λήθην
6. 20. λήθη τὸ θράσος αὐτοῦ τὸ βαρύθυμον ἔλαβε
IV Ma. 1. 5. λήθης καὶ ἀγνοίας οὐ δεσπόζει
2. 24. A R λήθης καὶ ἀγνοίας οὐ κρατεῖ

ληκύθιον.

[Aq. III Ki. 17. 12.]

λῆμμα. (1) a. מַשָּׂא b. שְׁאֵת c. מִשְׂאֵת (2) שְׁאֵרִית

II Ki. 14. 7. A ὥστε μὴ θέσθαι . . . ὄνομα καὶ λῆμμα [B κατάλειμμα κ. ὅ.] (2)
IV Ki. 9. 25. ἔλαβεν ἐπ' αὐτὸν τὸ λ. [A ῥῆμα] τοῦτο (1 a)
19. 4. B λήψῃ προσευχὴν περὶ τοῦ λ. [A R λείμμ.] τοῦ εὑρισκομ. (2)
Jb. 31. 23. ἀπὸ τοῦ λ. αὐτοῦ οὐχ ὑποίσω (1 b)
Na. 1. 1. λῆμμα N. βιβλίον ὁράσεως N. (1 a)
Hb. 1. 1. τὸ λ. ὃ εἶδεν Ἀμ. ὁ προφήτης (1 a)
— 7. τὸ λ. αὐτοῦ ἐξ αὐτοῦ ἐξελευσεται (1 b)
Hg. 2. 15 (14). μιανθήσεται ἕνεκεν τῶν λ. αὐ. τῶν ὀρθρινῶν –
Za. 9. 1. λῆμμα λόγου κ. ἐν γῇ Σ. καὶ Δ. (1 a)
12. 1: Ma. 1. 1. λῆμμα λόγου κ. ἐπὶ τὸν Ἰσ. (1 a)
Je. 23. 33. τί τὸ λ. κυρίου . . . ὑμεῖς ἐστε τὸ λ. [S¹ ῥῆμα] (1 a, 1 a)
— 34. οἱ ἂν εἴπωσι, Λ. κυρίου (1 a)
— 36. λ. κυρίου μὴ ὀνομάζετε ἔτι ὅτι τὸ λ. [A ὅτι λ. κυρίου] τῷ ἀνθρώπῳ ἔσται ὁ λόγος αὐ. (1 a, 1 a)
— 38. λῆμμα κυρίου . . . οὐκ ἐρεῖτε, Δ. κυρίου (1 a, 1 a)
La. 2. 14. εἴδοσάν σοι λήμματα μάταια (1 c)

[Aq. Pr. 31. 1: Je. 23. 39: Ez. 24. 25.]
[Sm. Pr. 26. 26: 31. 1: Is. 15. 1: 17. 1: 19. 1: 21. 13: 22. 1: 23. 1: 30. 6: Je. 23. 33, 39: 40 (47). 5: Ez. 12. 10: 20. 31: Hb. 1. 1: Ma. 1. 1.]
[Th. Jb. 31. 23: Pr. 31. 1: Is. 15. 1: 17. 1: 19. 1: 21. 13: 22. 1: 23. 1: 30. 6, 27: Je. 23. 33, 38: Ez. 20. 40: Hb. 1. 1: Ma. 1. 1.]

ληνός. (1) a. גַּת b. גִּתִּית (2) דֶּמַע (3) יֶקֶב (4) מַמְגֵרָה (5) רַהַט

Ge. 30. 38. R τοῖς [A ταῖς] λ. τῶν ποτιστηρίων (5)
— 41. R τὰς ῥάβδους . . . ἐν τοῖς [A ταῖς] λ. (5)
Ex. 22. 29 (28). ἀπαρχὰς ἅλωνος καὶ ληνοῦ σου (2)
Nu. 18. 27. ὡς . . . ἀφαίρεμα ἀπὸ ληνοῦ (3)
— 30. ὡς γέννημα ἀπὸ ληνοῦ (3)
De. 15. 14. A ἀπὸ τοῦ σίτου σου καὶ ἀπὸ τῆς λ. [B τοῦ οἴνου] σου (3)
16. 13. ἐν τῷ συναγαγεῖν σε . . . ἀπὸ τῆς λ. σου (3)
Jd. 6. 11. ῥαβδίζων σῖτον ἐν ληνῷ [A al.] (1 a)
IV Ki. 6. 27. μὴ ἀπὸ ἅλωνος ἢ ἀπὸ ληνοῦ [A τῆς λ.] (3)
Ne. 13. 15. εἶδον ἐν Ἰ. πατοῦντας ληνούς (1 a)
Ps. 8. tit. εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῶν λ. (1 b)
80 (81). tit. εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῶν λ. [A ἀλλοιωθησομένων] (1 b)
83 (84). tit. εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῶν λ. (1 b)
Pr. 3. 10. οἴνῳ δὲ αἱ λ. σου ἐκβλύζουσιν (3)
Si. 30. 25 (33. 16). ὡς τρυγῶν ἐπλήρωσα ληνόν
Ho. 9. 2. ἅλων καὶ ληνὸς οὐκ ἔγνω αὐτούς (3)

Jl. 1. 17. κατεσκάφησαν ληνοί (4)
2. 24. ὑπερχυθήσονται αἱ λ. οἴνου (3)
3 (4). 13. διότι πλήρης ἡ ληνός (1 a)
Is. 63. 2. τὰ ἐνδύματά σου ὡς ἀπὸ πατητοῦ ληνοῦ (1 a)
Je. 31 (48). 33. οἶνος ἦν ἐπὶ ληνοῖς σου (3)
La. 1. 15. ληνὸν ἐπάτησε κύριος (1 a)
[Aq. Ps. 83 (84). 1 : Is. 63. 2.]
[Sm. Ps. 8. 1 : 83 (84). 1 : Is. 10. 33 : 63. 3.]
[Th. Ps. 83 (84). 1 : Is. 10. 33.]

λῆξις.
Es. 3. 12. κατὰ τὴν αὐτῶν λέξιν [S² λῆξιν] †

ληπτός.
[Th. Ez. 17. 5.]

λῆρος.
IV Ma. 5. 10. ἀποσκεδάσεις τῶν λογισμῶν σου τὸν λ.

ληρώδης.
II Ma. 12. 44. R περισσὸν ἂν ἦν καὶ ληρῶδες ὑπὲρ νεκρῶν προσεύχεσθαι [A al.]

ληστεύειν.
I Es. 4. 23. ἐκπορεύεται ἐξοδεύειν καὶ λ.
[Quint. Ho. 7. 1.]

ληστήριον. (1) גְּדוּד
II Ch. 22. 1. τὸ λ. τὸ ἐπελθὸν ἐπ' αὐτούς (1)
36. 5. ἀπέστειλε . . . ληστήρια Σ. [A om. λ. Σ.] καὶ ληστήρια M. –, –
[Sm. Ho. 7. 1.]

ληστής. (1) גְּדוּד (2) פָּרִץ (3) שֹׁדֵד
Si. 36. 31 (28). τίς γὰρ πιστεύσει εὐζώνῳ ληστῇ
Ho. 7. 1. ἐκδιδύσκων ληστὴς ἐν τῇ ὁδῷ αὐτοῦ (1)
Ob. 1. 5. εἰ κλέπται εἰσῆλθον . . . ἢ λησταὶ νυκτός (3)
Je. 7. 11. μὴ σπήλαιον ληστῶν ὁ οἶκός μου (2)
12. 9. A μὴ σπήλαιον ληστῶν [B S ὑαίνης] ἡ κληρονομία μου ἐμοί †
18. 22. ἐπάξεις ἐπ' αὐτοὺς ληστὰς ἄφνω (1)
Ep. Je. 15. ἑαυτὸν δὲ ἐκ πολέμου καὶ ληστῶν οὐκ ἐξελεῖται
— 18. ὅπως ὑπὸ τῶν λ. μὴ συληθῶσι
— 57. οὔτε ἀπὸ ληστῶν οὐ μὴ διασωθῶσι θεοὶ ξύλινοι
Ez. 22. 9. A B ἄνδρες λησταὶ [R om.] ἦσαν [B om.] ἐν σοί †
[Th. Ho. 7. 1.]
[Al. Je. 12. 9.]

ληστρικός.
[Quint. Ho. 6. 9.]

ληστρίς.
[Sm. Ps. 136 (137). 8.]

λῆψις. (1) λῆψις δώρων מַתָּנָה
Pr. 15. 27. ὁ δὲ μισῶν δώρων λήψεις σώζεται (1)
— 29 (16. 8). κρείσσων ὀλίγη λῆψις μετὰ δικαιοσύνης –
Si. 41. 19. ἀπὸ σκορακισμοῦ λήψεως καὶ δόσεως
42. 7. δόσις καὶ λῆψις παντὶ [A S πάντα] ἐν γραφῇ
[Aq. Pr. 16. 23 : Is. 29. 24.]
[Sm. Is. 49. 24.]
[Th. Ge. 2. 23.]

λίαν. (1) מְאֹד (2) מַה, מַה־ (3) σφόδρα
λ. עַד־מְאֹד
Ge. 1. 31. καὶ ἰδοὺ καλὰ λ. (1)
4. 5. R ἐλυπήθη K. [A ἐλύπησεν τὸν K.] λ. (1)
I Ki. 11. 15. εὐφράνθη Σαμ. . . . ὥστε [A ἕως τε] λ. (1)
II Ki. 2. 17. ἐγένετο ὁ πόλεμος σκληρὸς ὥστε λ. (1)
III Ki. 3. 4. A αὐτὴ ὑψηλοτάτη καὶ μεγάλη λ. [B al.] †
I Es. 1. 30. ἠσθένησα γὰρ λ. –
To. 6. 12. τὸ κοράσιον . . . καλὸν λ. [A B al.]
— 17. S λίαν ἠγάπησεν αὐτήν [A B al.]
9. 4. ὀδυνηθήσεται [S λυπήσω αὐτὸν] λ.
10. 3. ἐλυπεῖτο λ. [S al.]
Jb. 29. 5. ὅτε ἤμην ὑλώδης λ. †
31. 31. λ. μου χρηστοῦ ὄντος –
Ps. 138 (139). 17. ἐμοὶ δὲ λ. ἐτιμήθησαν οἱ φίλοι σου, ὁ θ., λ. ἐκραταιώθησαν αἱ ἀρχαὶ αὐτῶν (2, 2)
Je. 24. 3. σῦκα τὰ χρηστὰ χρηστὰ λ. καὶ τὰ πονηρὰ πονηρὰ λ. (1, 1)
Je. 30 (49). 30. λ. ἐμβαθύνατε εἰς κάθισιν (1)
31 (48). 29. ὕβρισε λ. [A σφόδρα καὶ] ὕβριν αὐτοῦ (1)
Da. LXX. 11. 25. ἐν ὄχλῳ ἰσχυρῷ σφόδρα λίαν (3)
Da. TH. Bel 28. ἠγανάκτησαν λίαν καὶ συνεστράφησαν
II Ma. 11. 1. λίαν βαρέως φέρων ἐπὶ τοῖς γεγονόσι
IV Ma. 8. 17. ὦ τάλανες ἡμεῖς καὶ λίαν ἀνόητοι

λίβανος. (1) לְבוֹנָה, לְבֹנָה
Ex. 30. 34. στακτὴν . . . καὶ λίβανον διαφανῆ (1)
Le. 2. 1. καὶ ἐπιθήσει ἐπ' αὐτὸ λίβανον (1)
— 2. δραξάμενος . . . πάντα τὸν λ. αὐτῆς (1)
— 4. AB θυσίαν πεπεμμένην ἐκ λιβάνου [R κλιβ.] †
— 15. καὶ ἐπιθήσεις ἐπ' αὐτὴν λίβανον (1)
— 16. ἀνοίσει . . . πάντα τὸν λ. αὐτῆς (1)
5. 11. οὐκ ἐπιχεεῖ ἐπ' αὐτὸ ἔλαιον [B¹ λίβανον] †
— 11. οὐδὲ ἐπιθήσει ἐπ' αὐτὸ λίβανον (1)
6. 15 (8). τῆς θυσίας . . . σὺν τῷ λ. αὐτῆς (1)
24. 7. ἐπιθήσετε . . . λ. καθαρόν (1)
Nu. 5. 15. οὐδὲ ἐπιθήσει ἐπ' αὐτὸ λίβανον (1)
Ne. 13. 5. AB²S R διδόντες τὸν λ. (1)
— 9. ἐπέστρεψα ἐκεῖ . . . τὸν λ. (1)
Ca. 3. 6. τεθυμιαμένη σμύρναν καὶ λίβανον (1)
4. 6. πορεύσομαι ἐμαυτῷ . . . πρὸς τὸν βουνὸν τοῦ λ. (1)
— 11. ὀσμὴ ἱματίων σου ὡς ὀσμὴ λιβάνου †
Si. 24. 15. ὡς λιβάνου ἀτμὶς ἐν σκηνῇ
39. 14. ὡς λίβανος [S -ον] εὐωδιάσατε ὀσμήν
50. 9. ὡς πῦρ καὶ λίβανος ἐπὶ πυρίου
— 12. ὡς βλάστημα κέδρου ἐν τῷ λ.
Is. 43. 23. οὐδὲ ἔγκοπον ἐποίησά σε ἐν λιβάνῳ (1)
60. 6. λίβανον οἴσουσι (1)
66. 3. ὁ διδοὺς λίβανον εἰς μνημόσυνον (1)
Je. 6. 20. ἵνα τί μοι λίβανον ἐκ Σαβὰ φέρετε (1)
17. 26. φέροντες . . . μάννα καὶ λίβανον (1)
48 (41). 5. μάννα καὶ λ. ἐν χερσὶν αὐτῶν (1)
Ba. 1. 10. ἀγοράσατε τοῦ ἀργυρίου . . . λίβανον
III Ma. 5. 10. τοῦ λιβάνου μεμεστωμένους
[Aq. Ca. 4. 6.]
[Sm. Je. 41 (48). 5.]

λιβανοῦν.
III Ma. 5. 45. R πόμασιν οἴνου λελιβανωμένου [A πόμασιν οἴνῳ λελιβανωμένῳ]

λιβανωτός. (1) לְבוֹנָה
I Ch. 9. 29. καὶ ἐπὶ . . . τοῦ λ. καὶ τῶν ἀρωμάτων (1)
III Ma. 5. 2. δαψιλέσι δράκεσι λιβανωτοῦ . . . ποτίσαι
[Aq. Je. 41 (48). 5.]

λιβάς.
[Al. Ge. 49. 14.]

λιγμίζειν (?), *cf.* λικμᾶν. (1) נִעַ hi.
Am. 9. 9. ἐγὼ ἐντέλλομαι καὶ λικμήσω [A λιγμιῶ] (1)

λιγύριον. (1) לֶשֶׁם
Ex. 28. 19. λ. ἀχάτης ἀμέθυστος (1)
36. 19 (39. 12). λ. καὶ ἀχάτης καὶ ἀμέθυστος (1)
Ez. 28. 13. ἐνδέδεσαι . . . λ. καὶ ἀχάτην –

λιθάζειν. (1) סָקַל pi.
II Ki. 16. 6. λιθάζων ἐν [A om.] λίθοις τὸν Δ. (1)
— 13. καὶ λιθάζων ἐν λίθοις (1)

λιθέα.
[Aq. Ca. 5. 11.]

λιθία.
[Sext. Ca. 5. 11.]

λίθινος. (1) אֶבֶן (2) שֵׁשׁ
Ge. 35. 14. ἔστησεν . . . στήλην λ. (1)
Ex. 24. 12. καὶ δώσω σοι τὰ πυξία τὰ λ. (1)
31. 18. πλάκας λ. γεγραμμένας τῷ δακτύλῳ (1)
32. 15. πλάκες λ. καταγεγραμμέναι –
34. 1. λάξευσον σεαυτῷ δύο πλάκας λ. (1)
— 4. καὶ ἐλάξευσε δύο πλάκας λ. (1)
— 4. ἔλαβε M. τὰς δύο πλάκας τὰς λ. (1)
De. 4. 13. ἔγραψεν αὐτὰ ἐπὶ δύο πλάκας λ. (1)
5. 22 (19). B¹ ἔγραψεν αὐτὰ ἐπὶ δύο πλάκας [A B² R add. λ.] (1)
9. 9. λαβεῖν τὰς πλάκας τὰς λ. (1)
— 10. ἔδωκέ μοι κύριος τὰς δύο πλάκας τὰς λ. (1)
— 11. ἔδωκε κ. ἐμοὶ τὰς δύο πλάκας τὰς λ. (1)
10. 1. λάξευσον σεαυτῷ δύο πλάκας λ. (1)
— 1. A ποιήσεις σεαυτῷ κιβωτὸν λ. [B ξυλίνην] †
De. 10. 3. ἐλάξευσα τὰς πλάκας λ. [A τὰς δύο πλ. τὰς λ.] (1)
III Ki. 8. 9. οὐκ ἦν ἐν τῇ κιβωτῷ πλὴν δύο πλάκες λ. (1)
IV Ki. 16. 17. ἔδωκεν αὐτὴν ἐπὶ βάσιν λ. (1)
I Es. 6. 25. διὰ δόμων λ. ξυστῶν τριῶν
II Es. 6. 4. B δόμοι λ. [A R add. κραταιοὶ] τρεῖς (1)
Es. 1. 6. ἐπὶ στύλοις παρίνοις καὶ λ. (2)
Si. 27. 2. S² ἀνὰ μέσον ἁρμῶν λιθίνων [A B S¹ λίθων] παγήσεται πάσσολος
Ez. 11. 19. ἐκσπάσω τὴν καρδίαν τὴν λ. (1)
36. 26. ἀφελῶ τὴν καρδίαν τὴν λ. (1)
40. 42. τέσσαρες τράπεζαι τῶν ὁλοκαυτωμάτων λίθιναι (1)
Da. TH. 5. 4. ἤνεσαν τοὺς θεοὺς . . . λιθίνους (1)
— 23. τοὺς θεοὺς . . . λιθίνους . . . ἤνεσας (1)

λιθοβολεῖν. (1) סָקַל *a.* qal. *b.* ni. *c.* pu.
(2) רָגַם
Ex. 8. 26 (22). ἐὰν γὰρ θύσωμεν . . . λιθοβοληθησόμεθα (1 a)
19. 13. ἐν γὰρ λίθοις λιθοβοληθήσεται (1 b)
21. 28. λίθοις λιθοβοληθήσεται ὁ ταῦρος (1 b)
— 29. ὁ ταῦρος λιθοβοληθήσεται (1 b)
— 32. καὶ ὁ ταῦρος λιθοβοληθήσεται (1 b)
Le. 20. 2. λιθοβολήσουσιν αὐτὸν ἐν λίθοις (2)
— 27. λίθοις λιθοβολήσατε αὐτούς (2)
24. 14. λιθοβολήσουσιν αὐτὸν πᾶσα ἡ συναγ. (2)
— 16. λίθοις λιθοβολείτω αὐτόν (2)
— 23. ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν ἐν [B² om.] λίθοις (2)
Nu. 15. 35. λιθοβολήσατε αὐτὸν [A add. ἐν] λίθοις (2)
— 36. ἐλιθοβόλησεν [A -αν] αὐτὸν . . . λίθοις [A ἐν λ.] (2)
De. 13. 10 (11). λιθοβολήσουσιν αὐτὸν ἐν λίθοις (1 a)
17. 5. λιθοβολήσετε [A -σουσιν] αὐτοὺς ἐν λίθοις (1 a)
21. 21. λιθοβολήσουσιν αὐτὸν . . . ἐν λίθοις (2)
22. 21. λιθοβολήσουσιν αὐτὴν ἐν λίθοις (1 a)
— 24. λιθοβοληθήσονται ἐν λίθοις (1 a)
Jo. 7. 25. ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν λίθοις [A ἐν λ.] (2)
I Ki. 30. 6. εἶπεν ὁ λαὸς λιθοβολῆσαι αὐτόν (1 a)
III Ki. 12. 18. ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν ἐν λίθοις (2)
20 (21). 10. AR λιθοβολησάτωσαν αὐτόν (1 a)
— 13. B ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν [A R add. ἐν] λίθοις (1 a)
— 14, 15 (A). λελιθοβόληται Nαβ. (1 c)
II Ch. 10. 18. ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. λίθοις (2)
24. 21. καὶ ἐλιθοβόλησαν αὐτόν (2)
Si. 22. 1. S² λίθῳ ἠρδαλωμένῳ ἐλιθοβολήθη [A B S¹ συνεβλήθη] ὀκνηρός
Ez. 16. 40. λιθοβολήσουσί σε ἐν λίθοις (2)
23. 47. λιθοβόλησον ἐπ' [A om.] αὐτὰς λίθοις ὄχλων (2)

λιθοβολία.
[Al. Le. 24. 16.]

λιθοβόλον.
I Ma. 6. 51. ἔστησεν ἐκεῖ . . . πυροβόλα καὶ λιθοβόλα

λιθολογεῖσθαι.
[Aq. Mi. 3. 12.]

λιθολογία.
[Aq. Ps. 78 (79). 1.]

λιθόριον.
[Aq. Ps. 78 (79). 1.]

λίθος. (1) *a.* אֶבֶן *b.* אֹבֶן (2) כֶּתֶם
(3) מַצֵּבָה (4) סָקַל (5) פִּנִּים (6) צֹרוֹר
(7) רָגַם (8) λ. πολυτελής כֶּתֶם (9) λίθος
τίμιος פַּז (10) λίθοι πολυτελεῖς *a.* פִּנִּים
b. פְּנִינִים (11) λαξεύειν λίθους גָּזִית בָּנָה
Ge. 2. 12. ὁ ἄνθραξ καὶ ὁ λ. ὁ πράσινος (1 a)
11. 3. καὶ ἐγένετο αὐτοῖς ἡ πλίνθος εἰς λίθον (1 a)
28. 11. ἔλαβεν ἀπὸ τῶν λίθων τοῦ τόπου (1 a)
— 18. ἔλαβε τὸν λ. (1 a)
— 22. ὁ λ. οὗτος ὃν ἔστησα στήλην (1 a)
29. 2. λ. δὲ ἦν μέγας ἐπὶ τῷ στόματι (1 a)
— 3. ἀπεκύλιον τὸν λ. ἀπὸ τοῦ στόματος (1 a)
— 3. ἀπεκαθίστων τὸν λ. ἐπὶ τὸ στόμα (1 a)

Ge. 29. 8. ἀποκυλίσουσι τὸν λ. (1 a)
— 10. ἀπεκύλισε τὸν λ. ἀπὸ τοῦ στόματος (1 a)
31. 45. λαβὼν δὲ Ἰ. λίθον (1 a)
— 46. συλλέγετε λίθους (1 a)
— 46. καὶ συνέλεξαν λίθους (1 a)
Ex. 7. 19. ἔν τε τοῖς ξύλοις καὶ ἐν τοῖς λ. (1 a)
15. 5. κατέδυσαν εἰς βυθὸν ὡσεὶ λίθος (1 a)
17. 12. λαβόντες λίθον ὑπέθηκαν ἐπ' αὐτόν (1 a)
19. 13. ἐν γὰρ λίθοις λιθοβοληθήσεται (4)
20. 25. ἐὰν δὲ θυσιαστήριον ἐκ λίθων ποιῇς (1 a)
21. 18. πατάξωσι τὸν πλησίον λίθῳ (1 a)
— 28. λίθοις λιθοβοληθήσεται ὁ ταῦρος (4)
24. 4. ᾠκοδόμησε . . . δώδεκα λίθους (3)
25. 6 (7). καὶ λίθους σαρδίου (1 a)
— 6. καὶ λίθους εἰς τὴν γλυφήν (1 a)
28. 9. λήψῃ τοὺς δύο λίθους λίθους σμαράγδου (1 a, –)
— 10. ἓξ ὀνόματα ἐπὶ τὸν λ. τὸν ἕνα (1 a)
— 10. τὰ λοιπὰ ἐπὶ τὸν λ. τὸν δεύτερον (1 a)
— 11. διαγλύψεις τοὺς δύο λ. (1 a)
— 12. A R θήσεις τοὺς δύο λίθους (1 a)
— 12. λίθοι μνημοσύνου εἰσὶ τοῖς υἱοῖς Ἰ. (1 a)
— 17. στίχος λίθων ἔσται (1 a)
— 21. καὶ οἱ λ. ἔστωσαν ἐκ τῶν ὀνομάτων (1 a)
35. 8 (9). καὶ λίθους σαρδίου (1 a)
— 9. καὶ λίθους εἰς τὴν γλυφήν (1 a)
— 13. τοὺς λ. τοὺς τῆς σμαράγδου –
— 27. ἤνεγκαν τοὺς λ. τῆς σμαράγδου (1 a)
— 27. τοὺς λ. τῆς πληρώσεως εἰς τὴν ἐπωμίδα (1 a)
— 33. καὶ λιθουργῆσαι τὸν λ. (1 a)
36. 13 (39. 6). τοὺς λ. τῆς σμαράγδου (1 a)
— 14 (39. 7). λίθους μνημοσύνου τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1 a)
— 17 (39. 10). στίχος λίθων σάρδιον (1 a)
— 21 (39. 14). οἱ λ. ἦσαν ἐκ τῶν ὀνομάτων (1 a)
Le. 14. 40. ἐξελοῦσι τοὺς λ. ἐν οἷς ἐστιν ἡ ἁφή (1 a)
— 42. καὶ λήψονται λίθους ἀπεξυσμένους (1 a)
— 42. καὶ ἀντιθήσουσιν ἀντὶ τῶν λ. (1 a)
— 43. μετὰ τὸ ἐξελεῖν τοὺς λ. (1 a)
— 45. τὴν οἰκίαν . . . καὶ τοὺς λ. αὐτῆς (1 a)
20. 2. λιθοβολήσουσιν αὐτὸν ἐν λίθοις (1 a)
— 27. λίθοις λιθοβολήσατε αὐτούς (1 a)
24. 16. λίθοις λιθοβολείτω αὐτόν (7)
— 23. ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν ἐν [B² om.] λίθοις (1 a)
26. 1. οὐδὲ λίθον σκοπὸν θήσετε (1 a)
Nu. 14. 10. B¹ καταλιθοβολῆσαι αὐτούς [A B² R add. ἐν λίθοις] (1 a)
15. 35. λιθοβολήσατε αὐτὸν [A add. ἐν] λίθοις (1 a)
— 36. ἐλιθοβόλησεν αὐτὸν ... [A add. ἐν] λίθοις (1 a)
35. 17. ἐὰν δὲ ἐν λίθῳ . . . πατάξῃ αὐτόν (1 a)
— 23. ἢ παντὶ λίθῳ ἐν ᾧ ἀποθανεῖται (1 a)
De. 4. 28. λατρεύσετε ἐκεῖ . . . λίθοις (1 a)
8. 9. γῆ ἧς οἱ λ. [A add. αὐτῆς] σίδηρος (1 a)
13. 10 (11). λιθοβολήσουσιν αὐτὸν ἐν λίθοις (1 a)
17. 5. λιθοβολήσετε [A -σουσιν] αὐτοὺς ἐν λίθοις (1 a)
21. 21. λιθοβολήσουσιν αὐτὸν . . . ἐν λίθοις (1 a)
22. 21. λιθοβολήσουσιν αὐτὴν ἐν λίθοις (1 a)
— 24. λιθοβοληθήσονται ἐν λίθοις (1 a)
27. 2. στήσεις σεαυτῷ λ. μεγάλους (1 a)
— 3. γράψεις ἐπὶ τῶν λ. τούτων †
— 4. στήσετε τοὺς λ. τούτους (1 a)
— 5. οἰκοδομήσεις . . . θυσιαστήριον ἐκ λίθων (1 a)
— 6. λ. ὁλοκλήρους οἰκοδομήσεις (1 a)
— 8. γράψεις ἐπὶ τῶν λ. (1 a)
28. 36. λατρεύσεις ἐκεῖ . . . λίθοις (1 a)
— 64. δουλεύσεις ἐκεῖ . . . λίθοις (1 a)
29. 17 (16). τὰ εἴδωλα αὐτῶν ξύλον καὶ λίθον (1 a)
Jo. 4. 3. ἀνέλεσθε . . . ἑτοίμους δώδεκα λίθους (1 a)
— 5. ἀνελόμενος ἐκεῖθεν ἕκαστος λίθον (1 a)
— 6. A² B τί εἰσιν οἱ λ. οὗτοι ἡμῖν (1 a)
— 7. ἔσονται οἱ λ. οὗτοι ὑμῖν μνημόσυνον (1 a)
— 8. λαβόντες δώδεκα λίθους (1 a)
— 9. ἔστησε δὲ Ἰ. καὶ ἄλλους δώδεκα λ. (1 a)
— 11. καὶ οἱ λ. ἔμπροσθεν αὐτῶν †
— 20. τοὺς δώδεκα λ. τούτους . . . ἔστησεν Ἰ. (1 a)
— 21. τί εἰσιν οἱ λ. οὗτοι (1 a)
7. 25. ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν [A add. ἐν] λίθοις (1 a)
— 26. ἐπέστησαν αὐτῷ σωρὸν λίθων μέγαν (1 a)
8. 29. ἐπέστησαν αὐτῷ σωρὸν λίθων (1 a)
9. 2 (8. 31). θυσιαστήριον λ. ὁλοκλήρων (1 a)
— 2 (8. 32). ἔγραψεν Ἰ. ἐπὶ τῶν λ. (1 a)
10. 11. ἐπέρριψεν αὐτοῖς λίθους χαλάζης (1 a)
— 11. οἱ ἀποθανόντες διὰ τοὺς λ. τῆς χαλάζης (1 a)
— 18. κυλίσατε λίθους ἐπὶ τὸ στόμα τοῦ σπηλαίου (1 a)
Jo. 10. 27. ἐπεκύλισαν λίθους ἐπὶ τὸ σπήλαιον (1 a)
15. 6. προσαναβαίνει . . . ἐπὶ λίθον B. (1 a)
18. 18 (17). καταβήσεται ἐπὶ λίθον B. (1 a)
24. 26. ἔλαβε λ. μέγαν (1 a)
— 27. ὁ λ. οὗτος ἔσται ἐν ὑμῖν εἰς μαρτύριον (1 a)
Jd. 9. 5. ἀπέκτεινε τοὺς ἀδ. αὐ. . . . ἐπὶ λ. ἕνα (1 a)
— 18. ἀπεκτείνατε τοὺς υἱοὺς αὐ. . . . ἐπὶ λ. ἕνα (1 a)
20. 16. σφενδονῆται ἐν λίθοις [A βάλλοντες λίθους] (1 a)
I Ki. 6. 14. ἔστησαν ἐκεῖ παρ' αὐτῇ λ. μέγαν (1 a)
— 15. ἔθεντο ἐπὶ τοῦ λ. τοῦ μεγάλου (1 a)
— 18. καὶ ἕως λ. τοῦ μεγάλου †
7. 12. ἔλαβε Σαμ. λ. ἕνα (1 a)
— 12. Ἀβενέζερ λίθος τοῦ βοηθοῦ (1 a)
14. 33. κυλίσατέ μοι λ. ἐνταῦθα μέγαν (1 a)
17. 40. B ἐξελέξατο ἑαυτῷ πέντε λ. τελείους [R λείους, A om.] (1 a)
— 43. σὺ ἔρχῃ . . . ἐν ῥάβδῳ καὶ λίθοις [A -ῳ] –
— 49. ἔλαβεν ἐκεῖθεν λ. ἕνα (1 a)
— 49. διέδυ ὁ λ. . . . εἰς τὸ μέτωπον αὐ. (1 a)
— 50. A ἐκραταίωσεν Δ. . . . ἐν τῷ λ. (1 a)
25. 37. αὐτὸς γίνεται ὡς λίθος (1 a)
II Ki. 5. 11. ἀπέστειλε Χ. . . . τέκτονας λίθων (1 a)
12. 30. τάλαντον χρυσίου καὶ λ. τιμίου (1 a)
16. 6. λιθάζων ἐν [A om.] λίθοις τὸν Δ. (1 a)
— 13. καὶ λιθάζων ἐν λίθοις (1 a)
17. 13. ὅπως μὴ καταλειφθῇ ἐκεῖ μηδὲ λίθος (6)
18. 17. ἐστήλωσεν ἐπ' αὐτὸν σωρὸν λίθων (1 a)
20. 8. καὶ αὐτοὶ παρὰ τῷ λ. τῷ μεγάλῳ (1 a)
III Ki. 1. 9. A παρὰ τὸν λ. τοῦ Ζ. [B al.] (1 a)
5. 17 (32). ἡτοίμασαν τοὺς λ. (1 a)
6. 1 (5. 17 [31]). λ. μεγάλους [A add. λίθους] τιμίους . . . καὶ λ. ἀπελεκήτους (1 a ter)
— 7. λίθοις ἀκροτόμοις ἀγροῖς ᾠκοδομήθη (1 a)
— 18. A οὐκ ἐφαίνετο λίθος (1 a)
7. 9. πάντα ταῦτα ἐκ λ. τιμίων (1 a)
— 10. τὴν τεθεμελιωμένην ἐν τιμίοις λ. μεγάλοις λ. δεκαπήχεσιν (1 a, 1 a)
— 11. A καὶ ἐπάνωθεν λ. [B om.] τιμίοις (1 a)
10. 2. κάμηλοι αἴρουσαι . . . λ. τίμιον (1 a)
— 10. ἔδωκε τῷ Σαλ. . . . λ. τίμιον (1 a)
— 11. ἤνεγκε . . . λ. τίμιον (1 a)
— 22. ναῦς . . . λ. τορευτῶν [A al.] †
— 27. ἔδωκεν ὁ βασ. τὸ χρυσίον . . . ὡς λίθους (1 a)
12. 18. ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν ἐν λίθοις (1 a)
15. 22. αἴρουσι τοὺς λ. τῆς Ῥ. (1 a)
18. 31. ἔλαβεν Ἠ. δώδεκα λίθους (1 a)
— 32. ᾠκοδόμησε τοὺς λ. (1 a)
— 38. τοὺς λ. . . . ἐξέλειξε τὸ πῦρ (1 a)
20 (21). 13. B ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν [A add. ἐν] λίθοις (1 a)
IV Ki. 3. 19. πᾶσαν μερίδα ἀγαθὴν ἀχρειώσετε ἐν λίθοις (1 a)
— 25. ἔρριψαν ἀνὴρ τὸν λ. (1 a)
— 25. ἕως τοῦ καταλιπεῖν τοὺς λ. τοῦ τοίχου καθῃρημ. (1 a)
12. 12 (13). καὶ τοῖς λατόμοις τῶν λ. (1 a)
— 12 (13). τοῦ κτήσασθαι . . . λ. λατομητούς (1 a)
19. 18. οὐ θεοί εἰσιν ἀλλ' ἢ . . . λίθος (1 a)
22. 6. τοῦ κτήσασθαι . . . λ. λατομητούς (1 a)
23. 15. συνέτριψε τοὺς λ. αὐτοῦ †
I Ch. 12. 2. καὶ σφενδονῆται ἐν λίθοις (1 a)
20. 2. καὶ ἐν αὐτῷ λ. τίμιος (1 a)
22. 2. λατομῆσαι λ. ξυστούς (1 a)
— 14. ξύλα καὶ λίθους ἡτοίμασα (1 a)
— 15. τεχνῖται καὶ οἰκοδόμοι λίθων (1 a)
29. 2. ἡτοίμακα . . . λίθους συὸμ καὶ . . . λ. πολυτελεῖς . . . καὶ πάντα λ. τίμιον (1 a ter)
— 8. οἷς εὑρέθη παρ' αὐτοῖς λίθος (1 a)
II Ch. 1. 15. ἔθηκεν ὁ βασ. τὸ χρυσίον . . . ὡς λίθους (1 a)
2. 14 (13). εἰδότα ποιῆσαι . . . ἐν λίθοις (1 a)
3. 6. ἐκόσμησε τὸν οἶκον λ. τιμίοις (1 a)
9. 1. κάμηλοι αἴρουσαι . . . λ. τίμιον (1 a)
— 9. ἔδωκε τῷ βασ. . . . λ. τίμιον (1 a)
— 10. ἔφερον . . . λ. τίμιον (1 a)
— 27. ἔδωκεν ὁ βασ. τὸ χρυσίον . . . ὡς λίθους (1 a)
10. 18. ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν . . . λίθοις (1 a)
16. 6. ἔλαβε τοὺς λ. τῆς Ῥ. (1 a)
26. 14. ἡτοίμαζεν . . . σφενδόνας εἰς λίθους (1 a)
— 15. βάλλειν . . . λ. μεγάλοις (1 a)
32. 27. θησαυροὺς ἐποίησεν . . . τοῦ λ. τοῦ τιμίου (1 a)
34. 11. ἀγοράσαι λ. τετραπέδους (1 a)
I Es. 6. 9. οἶκον . . . καινὸν διὰ λ. ξυστῶν πολυτελῶν
II Es. 5. 8. οἰκοδομεῖται λ. ἐκλεκτοῖς (1 a)
Ne. 4. 2 (3. 34). B ἰάσονται τοὺς λ. (1 a)
Ne. 4. 3 (3. 35). καὶ καθελεῖ τὸ τεῖχος λίθων αὐ. (1 a)
9. 11. ἔρριψας εἰς βυθὸν ὡσεὶ λίθον (1 a)
To. 13. 16. καὶ λ. ἐντίμῳ τὰ τείχη σου [A S al.]
— 17. λίθῳ ἐκ [S om.] Σουφεὶρ ψηφολογηθήσονται
Ju. 1. 2. τείχη ἐκ λ. λελαξευμένων
6. 12. ἔβαλλον ἐν λίθοις ἐπ' αὐτούς
10. 21. ὃ ἦν ἐκ . . . λ. πολυτελῶν
Es. 1. 6. ἐπὶ λιθοστρώτου σμαραγδίτου λ. καὶ πιννίνου καὶ παρίνου λ. [A S al.] †
5. 1. ὅλος διὰ χρυσοῦ καὶ λ. πολυτελῶν
Jb. 5. 23. A μετὰ τῶν λ. τοῦ ἀγροῦ ἡ διαθήκη σου (1 a)
6. 12. μὴ ἰσχὺς λίθων ἡ ἰσχύς μου (1 a)
8. 17. ἐπὶ συναγωγὴν λίθων κοιμᾶται †
14. 19. λίθους ἐλέαναν ὕδατα (1 a)
28. 2. χαλκὸς δὲ ἴσα λίθῳ λατομεῖται (1 a)
— 3. A S R λίθος σκοτία [B -ας] καὶ σκιὰ θανάτου (1 a)
— 6. τόπος σαπφείρου οἱ λ. αὐτῆς (1 a)
31. 24. εἰ δὲ καὶ λίθῳ πολυτελεῖ ἐπεποίθησα (8)
38. 6. τίς δέ ἐστιν ὁ βαλὼν λίθον γωνιαῖον ἐπ' αὐτῆς (1 a)
— 38. κεκόλληκα δὲ αὐτὸν ὥσπερ λίθῳ κύβον [A al.] †
41. 6 (7). σύνδεσμος δὲ αὐτοῦ ὥσπερ σμυρίτης λίθος †
— 15 (16). ἡ καρδία αὐτοῦ πέπηγεν ὡς λίθος (1 a)
Ps. 18 (19). 10. ἐπιθυμητὰ ὑπὲρ χρυσίον καὶ λίθον τίμιον πολύν (9)
20 (21). 3. ἔθηκας ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ στέφανον ἐκ λίθου τιμίου (9)
90 (91). 12. μή ποτε προσκόψῃς πρὸς λίθον τὸν πόδα σου (1 a)
101 (102). 14. εὐδόκησαν οἱ δοῦλοί σου τοὺς λ. αὐτῆς (1 a)
117 (118). 22. λίθον ὃν ἀπεδοκίμασαν οἱ οἰκοδομοῦντες (1 a)
Pr. 3. 15. τιμιωτέρα δέ ἐστι λίθων πολυτελῶν (10 a*, 10 b)
8. 11. κρείσσων γὰρ σοφία λίθων πολυτελῶν (10 b)
— 12. B¹ κρείσσων γὰρ σοφία λ. πολυτελῶν –
— 19. βέλτιον ἐμὲ καρπίζεσθαι ὑπὲρ χρυσίον καὶ λίθον τίμιον (9)
24. 46 (31). οἱ δὲ φραγμοὶ τῶν λ. αὐτοῦ κατασκάπτονται (1 a)
26. 8. ὃς ἀποδεσμεύει λίθον ἐν σφενδόνῃ (1 a)
— 27. ὁ δὲ κυλίων λίθον ἐφ' ἑαυτὸν κυλίει (1 a)
27. 3. βαρὺ λίθος καὶ δυσβάστακτον ἄμμος (1 a)
31. 10. τιμιωτέρα δέ ἐστι λίθων πολυτελῶν ἡ τοιαύτη (10 b)
Ec. 3. 5. καιρὸς τοῦ βαλεῖν λίθους καὶ καιρὸς τοῦ συναγαγεῖν λίθους (1 a, 1 a)
10. 8. A ὁ κυλίων λίθον ἐφ' ἑαυτὸν κυλίει –
— 9. ἐξαίρων λίθους διαπονηθήσεται ἐν αὐτοῖς (1 a)
Ca. 5. 14. πυξίον ἐλεφάντινον ἐπὶ λίθου σαπφείρου †
Wi. 7. 9. οὐδὲ ὡμοίωσα αὐτῇ λίθον ἀτίμητον
11. 4. ἔαμα δίψης ἐκ λίθου σκληροῦ
13. 10. ἢ λίθον ἄχρηστον χειρὸς ἔργον ἀρχαίας
14. 21. τὸ ἀκοινώνητον ὄνομα λίθοις . . . περιέθεσαν
18. 24. πατέρων δόξαι ἐπὶ τετραστίχου λίθου [A -ων] γλυφῆς
Si. 6. 21. ὡς λίθος δοκιμασίας ἰσχυρὸς [S¹ -χὺς, S² -ύος] ἔσται ἐπ' αὐτῷ
21. 8. συνάγων αὐτοῦ τοὺς λ. εἰς χειμῶνα
— 10. ὁδὸς ἁμαρτωλῶν ὡμαλισμένη ἐκ λίθων
22. 1. λίθῳ ἠρδαλωμένῳ συνεβλήθη [S¹ ἐλιθοβολήθη] ὀκνηρός
— 20. βάλλων λίθον ἐπὶ πετεινὰ ἀποσοβεῖ αὐτά
27. 2. ἀνὰ μέσον ἁρμῶν λίθων [S² λιθίνων] παγήσεται πάσσαλος
— 25. ὁ βάλλων λίθον εἰς ὕψος
29. 10. μὴ ἰωθήτω ὑπὸ τὸν λ. εἰς ἀπώλειαν
43. 15. διεθρύβησαν λίθοι χαλάζης
45. 11. λίθοις πολυτελέσι γλύμματος σφραγῖδος
46. 6. ἐν [A S om.] λίθοις χαλάζης δυνάμεως κραταιᾶς
47. 4. ἐν τῷ ἐπᾶραι χεῖρα ἐν λίθῳ σφενδόνης
50. 9. κεκοσμημένον παντὶ λ. πολυτελεῖ
Mi. 1. 6. κατασπάσω εἰς χάος τοὺς λίθους αὐτῆς (1 a)
Hb. 2. 11. διότι λίθος ἐκ τοίχου βοήσεται (1 a)
— 19. οὐαὶ ὁ λέγων . . . τῷ λ., Ὑψώθητι (1 a)
Hg. 2. 16 (15). πρὸ τοῦ θεῖναι λίθον ἐπὶ λίθον ἐν τῷ ναῷ κυρίου (1 a, 1 a)
Za. 3. 10 (9). ὁ λ. ὃν ἔδωκα πρὸ προσώπου Ἰ. (1 a)
— 10 (9). ἐπὶ τὸν λ. τὸν ἕνα ἑπτὰ ὀφθαλμοί εἰσιν (1 a)
4. 7. ἐξοίσω τὸν λ. τῆς κληρονομίας (1 a)
— 10. ὄψονται τὸν λ. τὸν κασσιτέρινον (1 a)

Za. 5. 4. συντελέσει αὐτὸν . . . καὶ τοὺς λ. αὐτοῦ (1 a)
— 8. ἔρριψε τὸν λ. τοῦ μολίβου (1 a)
9. 15. καταχώσουσιν αὐτοὺς ἐν λίθοις σφενδόνης (1 a)
— 16. διότι λίθοι ἅγιοι κυλίονται ἐπὶ τῆς γῆς (1 a)
12. 3. θήσομαι τὴν Ἱερ. λίθον καταπατούμενον (1 a)
Is. 8. 14. οὐχ ὡς λίθου προσκόμματι συναντήσεσθε (1 a)
9. 10 (9). λαξεύσωμεν λίθους (11)
13. 12. ἄνθρωπος μᾶλλον ἔντιμος ἔσται ἢ ὁ λ. ὁ ἐν Σουφίρ (2)
27. 9. ὅταν θῶσι πάντας τοὺς λ. τῶν βωμῶν κατακεκομμένους (1 a)
28. 16. ἐμβάλλω εἰς τὰ θεμέλια Σιὼν λίθον πολυτελῆ (1 a)
37. 19. ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων ξύλα καὶ λίθοι (1 a)
54. 11. ἑτοιμάζω σοι ἄνθρακα τὸν λ. σου (1 a)
— 12. καὶ τὰς πύλας σου λίθους κρυστάλλου καὶ τὸν περίβολόν σου λίθους ἐκλεκτούς (1 a, 1 a)
60. 6. λίβανον οἴσουσι [A S¹ add. καὶ λίθον τίμιον] –
— 17. ἀντὶ δὲ λίθων σίδηρον (1 a)
62. 10. τοὺς λ. ἐκ τῆς ὁδοῦ διαρρίψατε (1 a)
Je. 2. 27. εἶπαν . . . τῷ λ., Σὺ ἐγέννησάς με (1 a)
3. 9. ἐμοίχευσε τὸ ξύλον καὶ τὸν λ. (1 a)
18. 3. ἐποίει ἔργον ἐπὶ τῶν λ. (1 b)
28 (51). 26. οὐ μὴ λάβωσιν ἀπὸ σοῦ λίθον εἰς γωνίαν καὶ λίθον εἰς θεμέλιον (1 a, 1 a)
— 63. ἐπιδήσεις ἐπ' αὐτὸ λίθον (1 a)
38 (31). 39. περικυκλωθήσεται κύκλῳ ἐξ ἐκλεκτῶν λίθων [A κύκλῳ] †
50 (43). 9. λάβε σεαυτῷ λίθους μεγάλους (1 a)
— 10. θήσει αὐτοῦ τὸν θρόνον ἐπάνω τῶν λ. τ. (1 a)
52. 4. R περιῳκοδόμησαν αὐτὴν τετραπέδοις λ. [A B S om.] †
La. 3. 53. ἐπέθηκαν λίθον ἐπ' ἐμοί (1 a)
4. 1. ἐξεχύθησαν λίθοι ἅγιοι (1 a)
— 7. ἐπυρώθησαν [A ἔτυρ.] ὑπὲρ λίθους σαπφείρου (5)
Ep. Je. 39. τοῖς ἀπὸ τοῦ ὄρους λίθοις ὡμοιωμένοι εἰσί
Ez. 1. 26. ὡς ὅρασις λίθου σαπφείρου (1 a)
10. 1. ὡς λ. σαπφείρου ὁμοίωμα θρόνου (1 a)
— 9. ὡς ὄψις λίθου ἄνθρακος (1 a)
13. 11. δώσω λ. πετροβόλους εἰς τοὺς ἐνδέσμους αὐ. (1 a)
— 13. τοὺς λ. τοὺς πετροβόλους ἐν θυμῷ ἐπάξω (1 a)
16. 40. λιθοβολήσουσί σε ἐν λίθοις (1 a)
20. 32. τοῦ λατρεύειν ξύλοις καὶ λίθοις (1 a)
23. 47. λιθοβόλησον ἐπ' [A om.] αὐτὰς λίθοις ὄχλων (1 a)
26. 12. τοὺς λ. σου καὶ τὰ ξύλα σου . . . ἐμβαλεῖ (1 a)
27. 22. μετὰ πρώτων ἡδυσμάτων καὶ λίθων χρηστῶν [A ἐκλεκτῶν] (1 a)
28. 13. πᾶν λίθον χρηστὸν ἐνδέδεσαι (1 a)
— 14. ἐγενήθης [A om.] ἐν μέσῳ λίθων πυρίνων (1 a)
— 16. ἤγαγέ σε τὸ Χερουβ ἐκ μέσου [A ἐμμέσῳ] λίθων πυρίνων (1 a)
38. 22. κρινῶ αὐτὸν . . . λίθοις χαλάζης (1 a)
Da. LXX. 2. 34. ἑώρακας ἕως ὅτου ἐτμήθη λίθος (1 a)
— 35. ὁ λ. ὁ πατάξας τὴν εἰκόνα ἐγένετο ὄρος (1 a)
— 45. ἑώρακας ἐξ ὄρους τμηθῆναι λίθον (1 a)
6. 17 (18). ἠνέχθη λίθος καὶ ἐτέθη εἰς τὸ στόμα (1 a)
11. 38. ἐν χρυσῷ καὶ ἀργύρῳ καὶ λίθῳ τιμίῳ (1 a)
I Ma. 2. 36. οὐδὲ λίθον ἐνετίναξαν αὐτοῖς
4. 43. ἦραν τοὺς λ. τοῦ μιασμοῦ εἰς τόπον ἀκάθ.
— 46. ἀπέθεντο τοὺς λ. ἐν τῷ ὄρει
— 47. ἔλαβον λίθους ὁλοκλήρους
5. 47. ἐνέφραξαν τὰς πύλας λίθοις
10. 11. A R οἰκοδομεῖν . . . ἐκ λίθων τετραγώνων [S¹ -απόδων, S³ -απέδων]
— 73. οὐκ ἔστι λίθος οὐδὲ κόχλαξ
13. 27. R ὕψωσεν αὐτὸν τῇ ὁράσει λίθῳ ξεστῷ [A ξυστῷ]
II Ma. 1. 31. ὁ N. ἐκέλευσε λίθους μείζονας κατασχεῖν
10. 3. πυρώσαντες λίθους καὶ πῦρ ἐκ τούτων λαβόντες

[Aq. Ex. 28. 17: Dt. 25. 13: I Ki. 4. 1: 5. 1: 17. 50: III Ki. 1. 9: 6. 18: Jb. 28. 3: 41. 20: Ps. 90 (91). 12: Ec. 10. 9: Is. 8. 14: 28. 16: 34. 11: 54. 11, 12.]
[Sm. Ex. 28. 17: I Ki. 4. 1: 17. 50: 20. 19: III Ki. 1. 9: 6. 18: Jb. 28. 3: 41. 20: Ps. 90 (91). 12: Ec. 10. 9: Ca. 5. 11: Is. 8. 14: 28. 16: 34. 11: 54. 11. 12: Ez. 28. 13.]
[Th. Ex. 28. 17: I Ki. 4. 1: 5. 1: 17. 50: 20. 19: III Ki. 1. 9: 6. 18: Jb. 28. 3: 41. 20: Pr. 17. 8: Is. 8. 14: 28. 16: 34. 11: 54. 11.]
[Al. Le. 19. 36: Jb. 5. 23.]
[Heb. Jb. 28. 2.]

λιθόστρωτον. (1) *a.* רִצְפָה *b.* רָצַף
II Ch. 7. 3. ἔπεσον . . . ἐπὶ τὸ λ. (1 a)
Es. 1. 6. ἐπὶ λιθοστρώτου σμαραγδίτου λίθου (1 a)
Ca. 3. 10. ἐντὸς αὐτοῦ λιθόστρωτον (1 b)

λιθουργεῖν. (1) חָרַשׁ
Ex. 35. 33. καὶ λιθουργῆσαι τὸν λ. (1)

λιθουργικός. (1) λ. τέχνη חָרַשׁ אֶבֶן
(2) τὰ λ. חֲרֹשֶׁת אֶבֶן
Ex. 28. 11. ἔργον λιθουργικῆς τέχνης (1)
31. 5. τὸ κόκκινον τὸ νηστὸν καὶ τὰ λ. (2)

λιθουργός.
Si. 45. 11. A S R ἐν δέσει χρυσίου ἔργῳ [B -ων] λιθουργοῦ

λιθώδης.
Si. 35 (32). 20. μὴ προσκόψῃς ἐν λιθώδεσι

λικμᾶν (λιχ.), *cf.* λιγμίζειν. (1) זָרָה *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* מְזֹרֶה (2) נוּעַ *a.* ni. *b.* hi. (3) סוּף aph. (4) סָחָה pi. (5) שָׁעַר pi.
Ru. 3. 2. λικμᾷ τὸν ἅλωνα τῶν κριθῶν (1 a)
III Ki. 14. 15. A καὶ λικμήσει αὐτούς (1 c)
Jb. 27. 21. λικμήσει αὐτὸν ἐκ τοῦ τόπου αὐτοῦ (5)
Wi. 11. 18. ἢ βρόμους [A S -ον] λικμωμένους [A λιχ.] καπνοῦ
— 20. λικμηθέντες ὑπὸ πνεύματος δυνάμεώς σου
Si. 5. 9. μὴ λίκμα ἐν παντὶ ἀνέμῳ
Am. 9. 9. ἐγὼ ἐντέλλομαι καὶ λικμήσω [A λιγμιῶ] (2 b)
— 9. ὃν τρόπον λικμᾶται ἐν τῷ λικμῷ (2 a)
Is. 17. 13. διώξεται ὡς χνοῦν ἀχύρου λικμώντων ἀπέναντι ἀνέμου –
30. 22. λικμήσεις ὡς ὕδωρ ἀποκαθημένης (1 a)
— 24. φάγονται ἄχυρα ἀναπεποιημένα ἐν κριθῇ λελικμημένῃ [A S -νυ] (1 d)
41. 16. καὶ λικμήσεις [S¹ λιχ.] (1 a)
Je. 30 (49). 32. λικμήσω αὐτοὺς παντὶ πνεύματι (1 c)
38 (31). 10. ὁ λικμήσας τὸν Ἰσραὴλ συνάξει αὐτόν (1 c)
Ez. 26. 4. λικμήσω [A -σουσιν] τὸν χοῦν αὐ. (4)
29. 12: 30. 23, 26. λικμήσω αὐτοὺς εἰς τὰς χώρας (1 c)
36. 19. ἐλίκμησα αὐτοὺς εἰς τὰς χώρας (1 b)
Da. TH. 2. 44. λικμήσει πάσας τὰς βασ. (3)

[Aq. III Ki. 14. 15: Is. 30. 22: 41. 16: Je. 15. 7: 51 (28). 2: Ma. 2. 3.]
[Sm. Ps. 43 (44). 12: Is. 41. 16: Je. 15. 7: 51 (28). 2.]
[Th. Pr. 20. 8: Is. 41. 16.]
[Al. Le. 26. 33: Jb. 18. 15.]

λικμητήριον.
[Sm. Je. 15. 7.]
[Th. Is. 30. 24.]

λικμητής.
[Aq., Sm. Je. 51 (28). 2.]

λικμήτωρ. (1) זָרָה pi.
Pr. 20. 26. λικμήτωρ ἀσεβῶν βασιλεὺς σοφός (1)

λικμός. (1) מְזֹרֶה
Am. 9. 9. ὃν τρόπον λικμᾶται ἐν τῷ λικμῷ (1)
[Aq. Je. 15. 7.]

λιλίθ.
[Aq. Is. 34. 14.]

λιμαγχονεῖν. (1) רָעַב hi.
De. 8. 3. καὶ ἐλιμαγχόνησέ σε (1)
[Sm., Th. Pr. 10. 3.]

λιμήν. (1) מָחוֹז
I Es. 5. 55. διαφέρειν σχεδίας εἰς τὸν Ἰόππης λ.
Ps. 106 (107). 30. A S² R ὡδήγησεν αὐτοὺς ἐπὶ λιμένα θελήματος αὐ. [S¹ *al.*] (1)
— 35. S ἔθετο ἔρημον εἰς λιμένας [A R λίμνας] ὑδάτων †
I Ma. 14. 5. ἔλαβε τὴν Ἰόππην [S¹ ἵππον] εἰς λιμένα
II Ma. 12. 6. τὸν μὲν λ. νύκτωρ ἐνέπρησε
— 9. ὑφῆψε τὸν λ.
14. 1. διὰ τοῦ κατὰ Τρ. λιμένος εἰσπλεύσαντα
IV Ma. 7. 3. S R ἔπλευσεν ἐπὶ τὸν τῆς ἀθανάτου [A θαν.] νίκης λιμένα
13. 6. S R προβλῆτες λιμένων πύργοι [A *al.*]
— 7. τὸν τῆς εὐσεβείας ὀχυρώσασα λιμένα

λίμμα, *cf.* λεῖμμα.
[Sm., Th. Is. 37. 4.]
[Al. Le. 18. 6, 12 (?), 17: 20. 19.]

λίμνη. (1) אֲגַם (2) בְּרֵכָה
Ps. 106 (107). 35. A R ἔθετο ἔρημον εἰς λίμνας [S λιμένας] ὑδάτων (1)
113 (114). 8. τοῦ στρέψαντος τὴν πέτραν εἰς λίμνας ὑδάτων (1)
Ca. 7. 4 (5). οἱ ὀφθαλμοί σου ὡς λίμναι ἐν Ἐσ. (2)
I Ma. 11. 35. τὰς τοῦ ἁλὸς λίμνας [S¹ *al.*]
II Ma. 12. 16. ὥστε τὴν παρακειμένην λ. τὸ πλάτος ἔχουσαν
[Aq. Ec. 2. 6: Is. 35. 7: 41. 18.]
[Al. Ex. 7. 19.]

λιμοκτονεῖν. (1) רָעַב hi.
Pr. 10. 3. οὐ λιμοκτονήσει κύριος ψυχὴν δικαίαν (1)

λιμός (λοιμός). (1) בֶּפֶן (2) *a.* רָעָב *b.* רָעַב *c.* רְעָבוֹן
Ge. 12. 10. ἐγένετο λ. ἐπὶ τῆς γῆς (2 a)
— 10. ἐνίσχυσεν ὁ λ. ἐπὶ τῆς γῆς (2 a)
26. 1. ἐγένετο δὲ λ. ἐπὶ τῆς γῆς (2 a)
— 1. χωρὶς τοῦ λ. τοῦ πρότερον (2 a)
41. 27. ἔσονται ἑπτὰ ἔτη λιμοῦ (2 a)
— 30. ἥξει δὲ ἑπτὰ ἔτη λιμοῦ (2 a)
— 30. καὶ ἀναλώσει ὁ λ. τὴν γῆν (2 a)
— 31. οὐκ ἐπιγνωσθήσεται . . . ἀπὸ τοῦ λ. (2 a)
— 36. εἰς τὰ ἑπτὰ ἔτη τοῦ λ. (2 a)
— 36. οὐκ ἐκτριβήσεται ἡ γῆ ἐν τῷ λ. (2 a)
— 50. πρὸ τοῦ ἐλθεῖν τὰ ἑπτὰ ἔτη τοῦ λ. (2 a)
— 54. τὰ ἑπτὰ ἔτη τοῦ λ. (2 a)
— 54. καὶ ἐγένετο λ. ἐν πάσῃ τῇ γῇ (2 a)
— 56. ὁ λ. ἦν ἐπὶ προσώπου πάσης τῆς γῆς (2 a)
— 57. ἐπεκράτησε γὰρ ὁ λ. ἐν πάσῃ τῇ γῇ (2 a)
42. 5. ἦν γὰρ ὁ λ. ἐν γῇ Χαναάν (2 a)
43. 1. ὁ δὲ λ. ἐνίσχυσεν ἐπὶ τῆς γῆς (2 a)
45. 6. τοῦτο γὰρ δεύτερον ἔτος λιμὸς ἐπὶ τῆς γῆς (2 a)
— 11. ἔτι γὰρ πέντε ἔτη λιμός (2 a)
47. 4. ἐνίσχυσε γὰρ ὁ λ. ἐν γῇ Χαναάν (2 a)
— 13. ἐνίσχυσε γὰρ ὁ λ. σφόδρα (2 a)
— 13. ἐξέλιπε . . . ἡ γὴ Χαναὰν ἀπὸ τοῦ λ. (2 a)
— 20. ἐπεκράτησε γὰρ αὐτῶν ὁ λ. (2 a)
Ex. 16. 3. ἀποκτεῖναι πᾶσαν τὴν συναγωγὴν τ. ἐν λ. (2 a)
De. 28. 48. ἐν λιμῷ . . . καὶ ἐν ἐκλείψει πάντων (2 a)
32. 24. τηκόμενοι λιμῷ (2 a)
Ru. 1. 1. ἐγένετο λιμὸς ἐν τῇ γῇ (2 a)
II Ki. 21. 1. ἐγένετο λ. ἐν ταῖς ἡμ. Δ. (2 a)
24. 13. εἰ ἐλθῇ [A εἰσέλθῃ] σοι τρία ἔτη λιμός (2 a)
III Ki. 8. 37. λιμὸς ἐὰν γένηται (2 a)
18. 2. καὶ ἡ [A ἦν] λ. κραταιὰ [A -ὸς] ἐν Σαμ. (2 a)
IV Ki. 4. 38. καὶ ὁ λ. ἐν τῇ γῇ (2 a)
6. 25. ἐγένετο λ. μέγας ἐν Σαμ. (2 a)
7. 4. καὶ ὁ λ. ἐν τῇ πόλει (2 a)
8. 1. κέκληκε κύριος λιμὸν ἐπὶ τὴν γῆν (2 a)
25. 3. ἐνίσχυσεν ὁ λ. ἐν τῇ πόλει (2 a)
I Ch. 21. 12. ἢ τρία ἔτη λιμοῦ (2 a)
II Ch. 6. 28. λιμὸς ἐὰν γένηται ἐπὶ τῆς γῆς (2 a)
20. 9. ἐὰν ἐπέλθῃ ἐφ' ἡμᾶς . . . λιμός (2 a)
32. 11. τοῦ παραδοῦναι ὑμᾶς . . . εἰς λιμόν (2 a)
To. 4. 13. A B ἡ γὰρ ἀχρειότης μήτηρ ἐστὶ τοῦ λ.
Ju. 5. 10. ἐκάλυψε γὰρ τὸ πρόσωπον τῆς γῆς Χ. λιμός [S ὁ λ.]
7. 14. τυκήσονται ἐν τῷ λ.
Jb. 5. 20. ἐν λιμῷ ῥύσεταί σε ἐκ θανάτου (2 a)
18. 12. ἔλθοιεν ἐν [A ἔλθοι] λιμῷ στενῷ (2 b)
30. 3. ἐν ἐνδείᾳ καὶ λιμῷ [A -ῶν] ἄγονος (1)
— 4. A B² S R ῥίζας ξύλων ἐμασῶντο ὑπὸ λ. μεγάλου –
Ps. 32 (33). 19. διαθρέψαι αὐτοὺς ἐν λιμῷ (2 a)

Ps. 36 (37). 19. ἐν ἡμέραις λιμοῦ χορτασθήσονται (2 c)
104 (105). 16. ἐκάλεσε λιμὸν ἐπὶ τὴν γῆν (2 a)
Si. 18. 25. μνήσθητι καιρὸν [A κατὰ κ.] λιμοῦ
39. 29. πῦρ καὶ χάλαζα καὶ λιμὸς καὶ θάνατος
40. 9. A B² S R λιμὸς καὶ σύντριμμα καὶ μάστιξ
48. 2. ἐπήγαγεν ἐπ' αὐτοὺς λιμὸν
51. 19. ἐν ποιήσει λιμοῦ [A μου] διηκριβασάμην
Am. 8. 11. ἐξαποστελῶ λιμὸν ἐπὶ τὴν γῆν οὐ λιμὸν ἄρτων οὐδὲ δίψαν ὕδατος ἀλλὰ λιμὸν τοῦ ἀκοῦσαι λόγον κυρίου (2 a, 2 a, –)
Is. 5. 13. πλῆθος ἐγενήθη νεκρῶν διὰ λιμόν (2 a)
8. 21. ἥξει ἐφ' ὑμᾶς σκληρὰ λ. (2 b)
14. 30. ἀνελεῖ δὲ λιμῷ τὸ σπέρμα σου (2 a)
51. 19. πτῶμα καὶ σύντριμμα λ. καὶ μάχαιρα (2 a)
Je. 5. 12. μάχαιραν καὶ λιμὸν οὐκ ὀψόμεθα (2 a)
11. 22. τελευτήσουσιν ἐν λιμῷ (2 a)
14. 12. ἐν λιμῷ . . . ἐγὼ συντελέσω αὐτούς (2 a)
— 13. οὐδὲ λ. ἔσται ἐν ὑμῖν (2 a)
— 15. μάχαιρα καὶ λ. οὐκ ἔσται ἐπὶ τῆς γῆς ταύτης (2 a)
— 15. ἐν λιμῷ συντελεσθήσονται οἱ προφῆται (2 a)
— 16. ἀπὸ προσώπου μαχαίρας καὶ τοῦ [S om.] λ. (2 a)
— 18. ἰδοὺ πόνος λιμοῦ (2 a)
15. 2. ὅσοι εἰς λιμὸν εἰς λιμόν (2 a, 2 a)
16. 4. ἐν λιμῷ συντελεσθήσονται (2 a)
17. 18. A ἐπάγαγε ἐπ' αὐτοὺς λιμὸν [B S ἡμέραν] πονηράν †
18. 21. δὸς τοὺς υἱοὺς αὐτῶν εἰς λιμόν (2 a)
21. 7. τὸν λαὸν τὸν καταλειφθέντα . . . ἀπὸ τοῦ λ. καὶ ἀπὸ τῆς μαχαίρας (2 a)
— 9. ἀποθανεῖται ἐν μαχαίρᾳ καὶ ἐν λιμῷ (2 a)
24. 10. ἀποστελῶ εἰς αὐτοὺς τὸν [A τὴν] λ. (2 a)
34 (27). 8. ἐν λιμῷ ἐπισκέψομαι αὐτούς (2 a)
39 (32). 24. ἀπὸ προσώπου μαχαίρας καὶ τοῦ λ. (2 a)
— 36. παραδοθήσεται . . . ἐν μαχαίρᾳ καὶ ἐν λιμῷ (2 a)
41 (34). 17. καλῶ ἄφεσιν ὑμῖν . . . εἰς τὸν λ. (2 a)
45 (38). 2. ἀποθανεῖται ἐν ῥομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ (2 a)
— 9. τοῦ ἀποκτεῖναι τὸν ἄνθρωπον τοῦτον ἀπὸ προσώπου τοῦ λ. (2 a)
49 (42). 16. ὁ [S om.] λ. . . . καταλήψεται ὑμᾶς (2 a)
— 17. ἐκλείψουσιν ἐν τῇ ῥομφαίᾳ καὶ ἐν τῷ λ. (2 a)
— 22. ἐν ῥομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ ἐκλείψετε (2 a)
51 (44). 12. πεσοῦνται ἐν ῥομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ (2 a)
— 13. ἐπεσκεψάμην ἐπὶ Ἱερ. . . . ἐν λιμῷ (2 a)
— 18. ἐν ῥομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ ἐξελίπομεν (2 a)
— 27. ἐκλείψουσι . . . ἐν ῥομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ (2 a)
52. 6. ἐστερέωθη ὁ λ. ἐν τῇ πόλει (2 a)
Ba. 2. 25. ἀπεθάνοσαν ἐν πόνοις πονηροῖς ἐν λιμῷ καὶ ἐν ῥομφαίᾳ
La. 2. 19. τῶν ἐκλυομένων λιμῷ (2 a)
— 21. ἐν ῥομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ ἀπέκτεινας –
4. 9. καλοὶ ἦσαν οἱ τραυματίαι ῥομφαίας ἢ οἱ τραυματίαι λιμοῦ (2 a)
5. 10. συνεσπάσθησαν ἀπὸ προσώπου καταιγίδων λιμοῦ (2 a)
Ez. 5. 12. τὸ τέταρτόν σου ἐν λιμῷ συντελεσθήσεται (2 a)
— 16. R ἐν τῷ ἀποστεῖλαί με βολίδας τοῦ λ. ἐπ' αὐτούς [A B al.] (2 a)
— 17. ἐξαποστελῶ ἐπὶ σὲ λιμόν (2 a)
6. 11. ἐν θανάτῳ καὶ ἐν λιμῷ πεσοῦνται (2 a)
— 12. ὁ περιεχόμενος ἐν λιμῷ συντελεσθήσεται (2 a)
7. 15. ὁ λ. καὶ ὁ θάνατος ἔσωθεν . . . τοὺς δ' ἐν τῇ πόλει λ. καὶ θάνατος συντελέσει (2 a, 2 a)
12. 16. ὑπολείψομαι ἐξ αὐτῶν ἄνδρας ἀριθμῷ . . . ἐκ λιμοῦ (2 a)
14. 13. ἐξαποστελῶ ἐπ' αὐτὴν λιμόν (2 a)
— 21. λιμὸν . . . καὶ θάνατον ἐξαποστείλω (2 a)
34. 29. οὐκέτι ἔσονται ἀπολλύμενοι λιμῷ (2 a)
36. 29. οὐ δώσω ἐφ' ὑμᾶς λιμόν (2 a)
— 30. ὅπως ἂν μὴ λάβητε ὀνειδισμὸν λιμοῦ [A λαοῦ] (2 a)
I Ma. 6. 54. κατεκράτησεν αὐτῶν ὁ λ.
9. 24. S R ἐγενήθη λιμὸς μέγας [A μεγάλη] σφόδρα
13. 49. A R ἀπώλοντο ἐξ αὐτῶν ἱκανοὶ τῇ [S τῷ] λ.
[Aq. Je. 14. 15, 18: 44 (51). 12: Ez. 5. 16.]
[Sm. Jb. 6. 5: Ps. 32 (33). 19.]
[Th. Je. 14. 15: 29 (36). 17, 18: 44 (51). 12.]
[Al. Jb. 5. 22: 18. 11.]

λιμώδης.
[Sm. Jb. 6. 5: 30. 7.]

λιμώσσειν. (1) חָמָה
Ps. 58 (59). 6, 14. λιμώξουσιν ὡς κύων (1)
[Aq. Is. 65. 13.]

λινοκαλάμη. (1) פִּשְׁתֵּי הָעֵץ
Jo. 2. 6. ἔκρυψεν αὐτοὺς ἐν τῇ λ. (1)

λίνον. (1) בַּד (2) a. פֵּשֶׁת b. פִּשְׁתָּה
Ex. 9. 31. τὸ δὲ λ. καὶ ἡ κριθὴ ἐπλήγη (2 b)
— 31. τὸ δὲ λ. σπερματίζον (2 b)
De. 22. 11. ἔρια καὶ λίνον ἐν τῷ αὐτῷ (2 a)
I Ki. 22. 18. A πάντας αἴροντας ἐφοὺδ λίνον [B om.] (1)
Pr. 31. 13. μηρυομένη ἔρια καὶ λίνον (2 a)
Is. 19. 9. τοὺς ἐργαζομένους τὸ λ. τὸ σχιστόν (2 a)
42. 3. λ. καπνιζόμενον οὐ σβέσει (2 b)
43. 17. ἐσβέσθησαν ὡς λ. ἐσβεσμένον [S² -ων] (2 b)
[Sm. Ez. 9. 2, 11: 10. 2.]

λινοῦς. (1) בַּד (2) פֵּשֶׁת
Ex. 28. 38 (42). ποιήσεις αὐτοῖς περισκελῆ λινᾶ (1)
Le. 6. 10 (3). ἐνδύσεται ὁ ἱερεὺς χιτῶνα λινοῦν (1)
— 10 (3). καὶ περισκελὲς λινοῦν ἐνδύσεται (1)
13. 48. ἢ ἐν τοῖς λινοῖς ἢ ἐν τοῖς ἐρέοις (2)
— 52. ἐν τοῖς ἐρέοις ἢ ἐν τοῖς λινοῖς (2)
16. 4. χιτῶνα λινοῦν ἡγιασμένον ἐνδύσεται (1)
— 4. περισκελὲς λινοῦν ἔσται ἐπὶ τοῦ χρωτός (1)
— 4. ζώνῃ λινῇ ζώσεται (1)
— 4. καὶ κίδαριν λινῆν περιθήσεται [A al.] (1)
— 23. ἐκδύσεται τὴν στολὴν τὴν λινῆν (1)
— 32. καὶ ἐνδύσεται τὴν στολὴν τὴν λινῆν (1)
Ju. 16. 8. ἔλαβε στολὴν λ.
Je. 13. 1. κτῆσαι σεαυτῷ περίζωμα λινοῦν (2)
Ez. 44. 17. στολὰς λινᾶς ἐνδύσονται (2)
— 18. κιδάρεις λινᾶς ἕξουσιν ἐπὶ ταῖς κεφαλαῖς αὐτῶν καὶ περισκελῆ λινᾶ ἕξουσιν ἐπὶ τὰς ὀσφύας αὐ. (2, 2)
[Sm. I Ki. 2. 18: II Ki. 6. 14.]
[Al. Le. 13. 47.]

λιπαίνειν. (1) דָּשֵׁן pi. (2) חָלַב (3) שָׁמַן
a. qal. b. hi. c. שָׁמֵן adj.
De. 32. 15. ἐλιπάνθη ἐπαχύνθη ἐπλατύνθη (3 a)
Ne. 9. 25. καὶ ἐλιπάνθησαν (3 b)
Ps. 22 (23). 5. ἐλίπανας ἐν ἐλαίῳ τὴν κεφαλήν μου (1)
140 (141). 5. ἔλαιον δὲ ἁμαρτωλοῦ μὴ λιπανάτω τὴν κεφαλήν μου †
Pr. 5. 3. ἢ πρὸς καιρὸν λιπαίνει σὸν φάρυγγα (2)
Si. 32 (35). 6. προσφορὰ δικαίου λιπαίνει θυσιαστήριον
38. 11. λίπανον προσφορὰν ὡς μὴ ὑπάρχων
Hb. 1. 16. ὅτι ἐν αὐτοῖς ἐλίπανε μερίδα αὐτοῦ (3 c)
[Aq. Ps. 118 (119). 70: Je. 5. 28.]
[Sm., Th. Is. 34. 7: Je. 5. 28.]
[Al. Pr. 15. 30.]

λιπαρός. (1) שָׁמֵן
Jd. 3. 29. ἐπάταξαν . . . πᾶν λ. [A al.] (1)
Ne. 9. 35. ἐν τῇ γῇ τῇ πλατείᾳ καὶ λ. (1)
Is. 30. 23. ὁ ἄρτος τοῦ γεννήματος τῆς γῆς σου ἔσται πλησμονὴ καὶ λιπαρός [S¹ al.] (1)
[Aq. Ps. 21 (22). 30: 77 (78). 31: Is. 28. 1.]
[Sm. Ps. 21 (22). 30: 77 (78). 31: Ez. 27. 18.]

λιπαρότης.
[Sm. Ps. 72 (73). 7.]

λίπασμα. (1) מַשְׁמַנִּים
I Es. 9. 51. φάγετε λιπάσματα
Ne. 8. 10. φάγετε λιπάσματα (1)
[Th. Is. 25. 6.]

λιποθυμεῖν.
IV Ma. 6. 26. μέλλων λιποθυμεῖν ἀνέτεινε τὰ ὄμματα
[Sm. Ge. 45. 26: Jd. 4. 21: Ps. 76 (77). 4.]

λίποσ.
[Sm. Nu. 11. 8: Jd. 9. 9: Ps. 72 (73). 7: Is. 66. 11.]

λιποτακτεῖν.
IV Ma. 9. 23. μή μου τὸν αἰῶνα λιποτακτήσητε

λιποψυχεῖν.
[Sm. Ge. 45. 26.]

λῖς.
[Aq. Jb. 4. 11.]
[Th. Ho. 5. 14.]

λίσσεσθαι.
Jb. 17. 2. A B S² λίσσομαι κάμνων †

λιτανεία (-νία).
II Ma. 3. 20. ἐποιοῦντο τὴν λιτανείαν
10. 16. οἱ δὲ περὶ τὸν Μ. ποιησάμενοι λιτανίαν
III Ma. 2. 21. εἰσακούσας τῆς ἐνθέσμου λιτανείας
5. 9. ἡ λ. ἐκτενῶς ἀνέβαινεν εἰς οὐρανόν

λιτανεύειν. (1) חָלָה pi.
Ps. 44 (45). 12. τὸ πρόσωπόν σου λιτανεύσουσιν οἱ πλούσιοι τοῦ λαοῦ (1)
II Ma. 14. 15. R ἐλιτάνευον [A -νευσαν] τὸν ἄχρι αἰῶνος συστήσαντα
[Aq. Is. 57. 10: Ho. 8. 10.]
[Sm. I Ki. 13. 12: Ps. 27 (28). 2.]

λιτός. (1) רִיק
Jd. 11. 3. A συνελέγοντο πρὸς τὸν Ἰ. ἄνδρες λ. [B κενοί] (1)

λιχάς.
[Aq. Is. 40. 12.]

λιχήν, *vid.* λειχήν.

λιχμᾶν, *vid.* λικμᾶν.

λιχνεία.
III Ma. 6. 36. οὐ πότου χάριν καὶ λιχνείας

λίψ. (1) דָּרוֹם (2) a. מַעֲרָב b. מַעֲרָבָה
(3) נֶגֶב (4) תֵּימָן
Ge. 13. 14. καὶ ἴδε . . . πρὸς βορρᾶν καὶ λίβα (3)
20. 1. ἐκίνησεν ἐκεῖθεν Ἀβ. εἰς γῆν πρὸς λίβα (3)
24. 62. κατῴκει ἐν τῇ γῇ τῇ πρὸς λίβα (3)
28. 14. ἐπὶ θάλασσαν καὶ ἐπὶ λίβα (3)
Ex. 27. 9. εἰς τὸ κλίτος τὸ πρὸς λίβα (3 + 4)
37. 7 (38. 9). τὴν αὐλὴν τὰ πρὸς λίβα [A¹ νότον] (3 + 4)
Nu. 2. 10. πρὸς λίβα δύναμις αὐτῶν (4)
3. 29. ἐκ πλαγίων τῆς σκηνῆς κατὰ λίβα [A¹ νότον] (4)
10. 6. αἱ παρεμβ. αἱ παρεμβάλλουσαι λίβα [A νότον] (4)
34. 3. τὸ κλίτος τὸ πρὸς λίβα [A βορρᾶ] (3)
— 3. ἔσται ὑμῖν τὰ ὅρια τὰ πρὸς λίβα (3)
— 4. κυκλώσει ὑμᾶς τὰ ὅρια ἀπὸ λιβός (3)
— 4. ἔσται ἡ διέξοδος αὐτοῦ πρὸς λίβα (3)
35. 5. καὶ τὸ κλίτος τὸ πρὸς λίβα (3)
De. 1. 7. πρὸς λίβα καὶ παραλίαν γῆν (3)
3. 27. κατὰ θάλασσαν . . . καὶ λίβα [A νότον] (4)
33. 23. θάλασσαν καὶ λίβα κληρονομήσει (1)
Jo. 15. 1. ἕως Κάδης πρὸς λίβα [A νότον] (3 + 4)
— 2. τὰ ὅρια ἀπὸ λιβός [A νότου] . . . ἀπὸ τῆς λοφιᾶς τῆς φερούσης ἐπὶ λίβα [A νότον] (3, 3)
— 3. B¹ ἀναβαίνει ἐπὶ [A B² R ἀπὸ] λιβός [A νότου] (3)
— 4. τοῦτό ἐστιν αὐ. ὅρια ἀπὸ λιβός [A νότου] (3)
— 7. ἥ ἐστι κατὰ λίβα [A νότον] τῇ φάραγγι (3)
— 8. B ἐπὶ νότου [A R νώτου] τοῦ Ἰ. ἀπὸ λιβός [A om. ἀ. λ.] (3)
— 10. παρελεύσεται ἐπὶ λίβα [A νότον] †
— 11. παρελεύσεται ὅρια ἐπὶ λίβα [A al.] †
17. 9. ἐπὶ φάραγγα Κ. ἐπὶ λίβα (3)
— 10. ἀπὸ λιβὸς τῷ Ἐφ. (3)
18. 5. Ἰ. στήσεται αὐτοῖς ὅριον ἀπὸ λιβός (3)
— 13. ἐπὶ νότου [A νότου] Λ. ἀπὸ λιβὸς αὐτῆς (3)
— 13. ἥ ἐστι πρὸς λίβα Βαιθ. (3)
— 14. τὸ βλέπον παρὰ θάλασσαν ἀπὸ λιβός (3)
— 14. ἀπὸ τοῦ ὄρους ἐπὶ πρόσωπον Β. λίβα (3)
— 15. μέρος τὸ πρὸς λίβα ἀπὸ μέρους Κ. (3)
— 16. B ἐπὶ νότον [A νότου, R νῶτον] Ἰ. ἀπὸ λιβός (3)
— 19. εἰς μέρος τοῦ Ἰορδ. ἀπὸ λιβός (3)
— 19. ταῦτα τὰ ὅριά ἐστιν ἀπὸ λιβός (3)
19. 8. πορευομένων Β. κατὰ λίβα (3)
II Ch. 28. 18. καὶ ἀπὸ λιβὸς τοῦ Ἰ. (3)
32. 30. πρὸς λίβα τῆς πόλεως Δ. (2 b)
33. 14. B¹ ἀπὸ λιβὸς κατὰ Γ. [A B² R νότον] (2 b)

Ps. 77 (78). 26. ἐπήγαγεν ἐν τῇ δυναστείᾳ αὐτοῦ λίβα (4)
Is. 43. 6. ἐρῶ . . . τῷ λ., Μὴ κώλυε (4)
Ez. 47. 19. τὰ πρὸς νότον καὶ λίβα (4)
— 19. τοῦτο τὸ μέρος νότος καὶ λ. (3)
48. 28. ἕως τῶν πρὸς λίβα (3+4)
Da. TH. 8. 4. κερατίζοντα κατὰ . . . βορρᾶν καὶ νότον [A add. καὶ λίβα] (3)
— 5. τράγος αἰγῶν ἤρχετο ἀπὸ λιβός (2 a)
[Aq. Is. 30. 6.]
[Sm. Ez. 20. 46 (21. 2): 40. 24.]
[Al. Hb. 3. 3.]

λοβός. (1) בֶּדֶל (2) יִתְרָה (3) תְּנוּךְ

Ex. 29. 13. λήψῃ . . . τὸν λ. τοῦ ἥπατος (2)
— 20. ἐπιθήσεις ἐπὶ τὸν λ. τοῦ ὠτὸς Ἀαρὼν (3)
— 20. καὶ ἐπὶ τοὺς λ. τῶν ὤτων τῶν υἱῶν (3)
— 22. λήψῃ . . . τὸν λ. τοῦ ἥπατος (2)
Le. 3. 4, 10. καὶ τὸν λ. τὸν ἐπὶ τοῦ ἥπατος (2)
— 15. καὶ τὸν λ. τοῦ ἥπατος σὺν τοῖς νεφροῖς (2)
4. 9: 6. 34 (7. 4). τὸν λ. τὸν ἐπὶ τοῦ ἥπατος (2)
7. 20 (30). τὸν λ. τοῦ ἥπατος προσοίσει †
8. 16. A R τὸν λ. τὸν ἐπὶ τοῦ ἥπατος [B al.] (2)
— 22 (23). ἐπὶ τὸν λ. τοῦ ὠτὸς Ἀαρὼν τοῦ δεξιοῦ (3)
— 23 (24). ἐπὶ τοὺς λ. τῶν ὤτων τῶν δεξιῶν (3)
— 24 (25). τὸν λ. τοῦ ἥπατος καὶ τοὺς δύο νεφρούς (2)
9. 10. τοὺς νεφροὺς καὶ τὸν λ. τοῦ ἥπατος (2)
— 19. καὶ τὸν λ. τὸν ἐπὶ τοῦ ἥπατος (2)
14. 14, 17. ἐπιθήσει ὁ ἱερεὺς ἐπὶ τὸν λ. τοῦ ὠτός (3)
— 25. καὶ ἐπιθήσει ἐπὶ τὸν λ. τοῦ ὠτός (3)
— 28. ἐπιθήσει . . . ἐπὶ τὸν λ. τοῦ ὠτός (3)
Am. 3. 12. ἐκσπάσῃ ὁ ποιμὴν . . . δύο σκέλη ἢ λοβὸν ὠτίου (1)
[Th. Ex. 29. 20.]

λοβώ, *vid.* λαβώ.

λογάς.
[Sm. Je. 51 (28). 27.]

λόγγη.
[Al. Le. 14. 10.]

λογεῖον (-ιον). (1) חֹשֶׁן

Ex. 28. 15. ποιήσεις λ. τῶν κρίσεων (1)
— 22. ποιήσεις ἐπὶ τὸ λ. κρωσσούς (1)
— 23 (29). λήψεται . . . ἐπὶ τοῦ λ. [A τὸ λ.] τῆς κρίσεως (1)
— 24 (29). θήσεις ἐπὶ τὸ λ. τῆς κρίσεως –
— 24 (29). ἐπ' ἀμφοτέρων τῶν κλιτῶν τοῦ λ. –
— 26 (30). ἐπιθήσεις ἐπὶ τὸ λ. τῆς κρίσεως (1)
29. 5. καὶ τὴν ἐπωμίδα καὶ τὸ λ. (1)
— 5. A R συνάψεις αὐτῷ τὸ λ. †
35. 27. καὶ [A add. εἰς] τὸ λ. καὶ τὰς συνθέσεις (1)
36. 15 (39. 8). ἐποίησαν [A -σεν τὸ] λ. (1)
— 16 (39. 9). διπλοῦν ἐποίησαν τὸ λ. (1)
— 22 (39. 15). ἐποίησαν ἐπὶ τὸ λ. κρωσσούς (1)
— 24 (39. 16). ἀμφοτέρας τὰς ἀρχὰς τοῦ λ. (1)
— 25 (39. 17). ἀμφοτέρων τῶν μερῶν τοῦ λ. (1)
— 27 (39. 19). πτερύγια ἐπ' ἄκρου τοῦ λ. (1)
— 29 (39. 21). συνέσφιγξε τὸ λ. (1)
— 29 (39. 21). A B² R ἵνα μὴ χαλᾶται τὸ λ. (1)
Le. 8. 8. ἐπεθήκεν ἐπ' αὐτὴν [A αὐτὸ] τὸ λ. (1)
— 8. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸ λ. τὴν δήλωσιν (1)
Si. 45. 10. λογείῳ κρίσεως δήλοις ἀληθείας
[Aq. Ex. 25. 6 (7): 28. 4: 35. 9.]
[Sm. Ex. 28. 4, 28.]
[Th. Ex. 25. 6 (7): 28. 4, 23 *bis*, 24, 26, 28: 35. 9.]

λογίζεσθαι. (1) חָיָה (2) חָשַׁב *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* חֻשַׁב (3) מָנָה ni. (4) קָרָא ni. (5) שׁוּב

Ge. 15. 6. καὶ ἐλογίσθη αὐτῷ εἰς δικαιοσύνην (2 a)
31. 15. οὐχ ὡς αἱ ἀλλότριαι λελογίσμεθα αὐτῷ (2 b)
Le. 7. 8 (18). οὐ λογισθήσεται [A λογίσεται] αὐτῷ (2 b)
17. 4. λογισθήσεται τῷ ἀνθρώπῳ ἐκείνῳ αἷμα (2 b)
25. 31. A B¹ πρὸς τὸν ἀγρὸν τῆς γῆς λογισθήτωσαν [B² R -θήσονται] (2 b)
27. 23. λογιεῖται πρὸς αὐτὸν . . . τὸ τέλος τῆς τιμῆς (2 c)
Nu. 18. 27. λογισθήσεται ὑμῖν τὰ ἀφαιρέμ. ὑμῶν (2 b)
— 30. λογισθήσεται τοῖς Λευίταις (2 b)
De. 2. 11. Ῥαφαεὶν λογισθήσονται καὶ οὗτοι (2 b)
De. 2. 20. γῆ Ῥαφαεὶν λογισθήσεται (2 b)
3. 13. γῆ Ῥαφαεὶν λογισθήσεται (4)
I Ki. 1. 13. ἐλογίσατο αὐτὴν Ἡ. εἰς μεθύουσαν (2 a)
18. 25. B ἐλογίσατο ἐμβαλεῖν αὐτόν (2 a)
II Ki. 4. 2. B B. ἐλογίζετο τοῖς υἱοῖς Βεν. (2 b)
14. 13. ἵνα τί ἐλογίσω τοιοῦτο ἐπὶ λαὸν θεοῦ (2 a)
— 14. καὶ λογιζόμενος [A διαλ. λογισμοὺς] τοῦ ἐξῶσαι (2 a)
19. 19 (20). R μὴ δὴ λογισάσθω [A B διαλ.] ὁ κύριός μου ἀνομίαν (2 a)
— 43 (44). καὶ οὐκ ἐλογίσθη ἡ λόγος μου (1)
III Ki. 10. 21. οὐκ ἦν λογιζόμενον [A -ισμένον] ἐν ταῖς ἡμ. Σ. (2 b)
II Ch. 5. 6. καὶ οἱ οὐ λογισθήσονται (3)
9. 20. οὐκ ἦν ἀργύριον λογιζόμενον (2 b)
Ne. 6. 2. καὶ αὐτοὶ λογιζόμ. ποιῆσαί μοι πονηρίαν (2 a)
— 6. λογίζεσθε ἀποστατῆσαι (2 a)
13. 13. πιστοὶ ἐλογίσθησαν ἐπ' αὐτούς (2 b)
To. 3. 10. S καὶ πάλιν ἐλογίσατο [A B al.]
10. 1. ἐλογίσατο ἑκάστης ἡμέρας [A S al.]
14. 4. S οἱ ἀδ. ἡμῶν . . . λογισθήσονται [A B al.]
Jb. 31. 28. καὶ τοῦτό μοι ἄρα ἀνομία ἡ μεγίστη λογισθείη [A λ. μεγάλη] –
34. 37. ἀνομία δὲ ἐφ' ἡμῖν λογισθήσεται [A ἔσται] †
41. 20 (21). ὡς καλάμη ἐλογίσθησαν [S -ίσατο] σφυρά (2 b)
— 23 (24). ἐλογίσατο ἄβυσσον εἰς περίπατον (2 a)
Ps. 31 (32). 2. A B S¹ οὗ [S² R φ] οὐ μὴ λογίσηται κύριος ἁμαρτίαν (2 a)
34 (35). 4. οἱ λογιζόμενοί μοι κακά (2 a)
35 (36). 4. ἀνομίαν ἐλογίσατο [A S διελ.] ἐπὶ τῆς κοίτης αὐτοῦ (2 a)
40 (41). 7. ἐλογίζοντο κακά μοι (2 a)
43 (44). 22. ἐλογίσθημεν ὡς πρόβατα σφαγῆς (2 b)
51 (52). 2. ὅλην τὴν ἡμέραν ἀδικίαν ἐλογίσατο ἡ γλῶσσά σου (2 a)
105 (106). 31. ἐλογίσθη αὐτῷ εἰς δικαιοσύνην (2 b)
118 (119). 119. παραβαίνοντας ἐλογισάμην πάντας τοὺς ἁμαρτωλούς †
139 (140). 2. οἵτινες ἐλογίσαντο ἀδικίας ἐν καρδίᾳ (2 a)
— 4. οἵτινες ἐλογίσαντο ὑποσκελίσαι τὰ διαβήματά μου (2 a)
143 (144). 3. ἢ υἱὸς ἀνθρώπου ὅτι λογίζῃ αὐτόν (2 c)
Pr. 16. 1 (9). καρδία ἀνδρὸς λογιζέσθω δίκαια (2 c)
— 30. A S λογίζεται [B διαλ.] διεστραμμένα (2 a)
17. 28. ἀνοήτῳ ἐπερωτήσαντι σοφίαν [A om.] σοφία λογισθήσεται (2 b)
24. 7. λογίζονται ἐν συνεδρίοις –
Ec. 10. 3. ἃ λογιεῖται πάντα ἀφροσύνη ἐστίν †
Wi. 2. 1. εἶπον γὰρ ἐν ἑαυτοῖς λογισάμενοι οὐκ ὀρθῶς
— 16. εἰς κίβδηλον ἐλογίσθημεν [S¹ ἐγενήθημεν] αὐτῷ
— 21. ταῦτα ἐλογίσαντο [S¹ -ίσθησαν]
3. 2. ἐλογίσθη κάκωσις ἡ ἔξοδος αὐτῶν
— 10. καθὰ ἐλογίσαντο ἔξουσιν ἐπιτιμίαν
— 17. εἰς οὐθὲν λογισθήσονται
5. 4. τὸν βίον αὐτοῦ ἐλογισάμεθα μανίαν
7. 9. ὡς πηλὸς λογισθήσεται ἄργυρος
8. 17. ταῦτα λογισάμενος ἐν ἐμαυτῷ
9. 6. εἰς [S¹ om.] οὐδὲν λογισθήσεται [S¹ -σονται]
14. 20. τὸν . . . ἄνθρωπον νῦν σέβασμα ἐλογίσαντο
15. 2. εἰδότες ὅτι σοὶ λελογίσμεθα
— 12. ἐλογίσαντο [B¹ S² -ατο] παίγνιον εἶναι τὴν ζωὴν ἡμῶν
— 15. πάντα τὰ εἴδωλα τῶν ἐθνῶν ἐλογίσαντο θεούς
17. 13. πλείονα λογίζεται τὴν [S ἀναλογ.] ἄγνοιαν
Si. 29. 6. λογιεῖται αὐτὸ ὡς εὕρεμα
40. 19. ὑπὲρ ἀμφότερα γυνὴ ἄμωμος λογίζεται
Ho. 7. 15. εἰς ἐμὲ ἐλογίσαντο πονηρά (2 c)
8. 12. τὰ νόμιμα αὐ. εἰς ἀλλότρια ἐλογίσθησαν (2 b)
Am. 6. 5. ὡς ἑπτηκότα ἐλογίσαντο (2 a)
Mi. 2. 1. ἐγένοντο λογιζόμενοι κόπους (2 a)
— 3. ἰδοὺ ἐγὼ λογίζομαι ἐπὶ τὴν φυλὴν ταύτην κακά (2 a)
Na. 1. 9. τί λογίζεσθε ἐπὶ τὸν κύριον (2 c)
— 11. A² λογιζόμενος ποιήσει [A¹-εται] ἐναντία [B S al.] †
Za. 8. 17. μὴ λογίζεσθε ἐν ταῖς καρδίαις ὑμῶν (2 a)
Is. 5. 28. οἱ πόδες τῶν ἵππων αὐτῶν ὡς στερεὰ πέτρα ἐλογίσθησαν (2 b)
10. 7. τῇ ψυχῇ οὐχ οὕτως λελόγισται [S¹ -θαι] (2 a)
13. 17. οὐ λογίζονται ἀργύριον (2 a)
29. 16. οὐχ ὡς ὁ πηλὸς τοῦ κεραμέως λογισθήσεσθε [S¹ -σεται] (2 b)
— 17. τὸ Χερμὲλ εἰς δρυμὸν λογισθήσεται (2 b)
Is. 32. 15. ὁ Χερμὲλ εἰς δρυμὸν λογισθήσεται (2 b)
33. 8. A S R οὐ μὴ λογίσησθε [B -σθήσεσθε] αὐτοὺς ἀνθρώπους (2 a)
40. 15. ὡς ῥοπὴ ζυγοῦ ἐλογίσθησαν ὡς σίελος λογισθήσονται [A al.] (2 b, †)
— 17. εἰς οὐθὲν ἐλογίσθησαν (2 b)
44. 19. οὐκ ἐλογίσατο [A S add. τῇ καρδίᾳ αὐ. οὐδ' ἂν ἐλογίσατο (? ἀνελ.) ἐν] τῇ ψυχῇ αὐτοῦ (5, –)
53. 3. ἠτιμάσθη καὶ οὐκ ἐλογίσθη (2 a)
— 4. ἐλογισάμεθα αὐτὸν εἶναι ἐν πόνῳ (2 a)
— 12. ἐν τοῖς ἀνόμοις ἐλογίσθη (3)
Je. 11. 19. ἐπ' ἐμὲ ἐλογίσαντο λογισμὸν πονηρόν (2 a)
18. 8. ὧν ἐλογισάμην [A ἐλάλησα] τοῦ ποιῆσαι αὐτοῖς (2 a)
— 11. λογίζομαι ἐφ' ὑμᾶς λογισμόν (2 a)
— 18. λογισώμεθα ἐπὶ Ἱερεμίαν λογισμόν (2 a)
23. 27. τῶν λογιζομένων τοῦ ἐπιλαθέσθαι τοῦ νόμου μου (2 a)
27 (50). 45. οὓς ἐλογίσατο [A διελ.] ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Χαλδ. (2 a)
29 (49). 20. ὃν ἐλογίσατο ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Θ. (2 a)
30 (49). 30. ἐλογίσατο [A add. ἐφ' ὑμᾶς] λογισμόν (2 a)
31 (48). 2. ἐλογίσατο [S¹ om., S³ -σαντο] ἐπ' αὐτὴν κακά (2 a)
33 (26). 3. ὧν ἐγὼ λογίζομαι τοῦ ποιῆσαι αὐτοῖς (2 a)
36 (29). 11. λογιοῦμαι ἐφ' ὑμᾶς λογισμὸν εἰρήνης (2 a)
43 (36). 3. ἃ ἐγὼ λογίζομαι ποιῆσαι αὐτοῖς [A al.] (2 a)
Ba. 3. 35. οὐ λογισθήσεται ἕτερος πρὸς αὐτόν
La. 4. 2. πῶς ἐλογίσθησαν εἰς ἀγγεῖα ὀστράκινα (2 b)
Ez. 11. 2. οὗτοι οἱ ἄνδρες οἱ λογιζόμενοι μάταια (2 a)
38. 10. λογιῇ λογισμοὺς πονηρούς (2 a)
Da. TH. 4. 32. οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν ὡς οὐδὲν ἐλογίσθησαν (2 d)
11. 24. ἐπ' Αἴγ. λογιεῖται λογισμούς [A al.] (2 c)
— 25. λογιοῦνται ἐπ' αὐτὸν λογισμούς (2 a)
I Ma. 2. 52. ἐλογίσθη αὐτῷ εἰς δικαιοσύνην [A αὐ. δικαιοσύνη]
3. 52. ἃ λογίζονται ἐφ' ἡμᾶς
4. 35. ἐλογίζετο πάλιν παραγενέσθαι
6. 9. ἐλογίσατο ὅτι ἀποθνήσκει
— 19. ἐλογίσατο Ἰ. ἐξᾶραι αὐτούς
10. 38. A R πρὸς τὸ [S om.] λογισθῆναι τοῦ γένεσθαι ὑφ' ἕνα
II Ma. 6. 12. λογίζεσθαι δὲ τὰς τιμωρίας μὴ πρὸς ὄλεθρον . . . εἶναι
11. 2. λογιζόμενος τὴν μὲν πόλιν Ἕ. οἰκητήριον ποιήσειν
III Ma. 4. 4. λογιζομένους τὴν ἄδηλον τοῦ βίου καταστροφήν
5. 16. ὃν ὁ βασιλεὺς λογισάμενος
IV Ma. 3. 15. ἐλογίσατο πάνδεινον εἶναι κίνδυνον τῇ ψυχῇ λογισθὲν ἰσοδύναμον τὸ ποτὸν αἵματι
8. 16. καίτοι λογισώμεθα
— 19. λογιούμεθα τὰς τῶν βασάνων ἀπειλάς
[Aq. Jb. 41. 21: Ps. 31 (32). 2: 34 (35). 20: 72 (73). 16: Pr. 17. 28: Is. 2. 22: 13. 17: 53. 3: Ho. 8. 12.]
[Sm. Ge. 11. 6: 42. 30: I Ki. 26. 24: II Ki. 14. 13 *bis*: Ps. 20 (21). 12: 31 (32). 2: 34 (35). 20: 72 (73). 16: 87 (88). 5: 118 (119). 119: Pr. 17. 28: Is. 2. 22: 53. 3, 4: Ho. 8. 12.]
[Th. II Ki. 14. 13: Jb. 41. 21, 24: Ps. 72 (73). 16: Is. 2. 22: 53. 3.]
[Al. Nu. 6. 12.]
[Quint. Ps. 34 (35). 20.]

λόγιον. (1) *a.* אֵמֶר *b.* אִמְרָה (2) דָּבָר (3) מַשָּׂאָה

Nu. 24. 4. B φησὶν ἀκούων λόγια θεοῦ [A add. ἰσχυροῦ, R ἰσχυροῦ] (1 a)
— 16. ἀκούων λόγια θεοῦ (1 a)
De. 33. 9. ἐφύλαξε τὰ λ. σου (1 b)
Ps. 11 (12). 6. τὰ λ. κυρίου λόγια ἁγνά (1 b, 1 b)
17 (18). 30. τὰ λ. κυρίου πεπυρωμένα (1 b)
18 (19). 14. ἔσονται εἰς εὐδοκίαν τὰ λ. τοῦ στόματός μου (1 a)
104 (105). 19. τὸ λ. τοῦ κυρίου ἐπύρωσεν αὐτόν (1 a)
106 (107). 11. παρεπίκραναν τὰ λ. τοῦ θεοῦ (1 a)

Ps. 118 (119). 11. ἐν τῇ καρδίᾳ μου ἔκρυψα τὰ λ. σου (1 b)
— 25. A S² ζῆσόν με [S ζήσομαι] κατὰ τὸ λ. [A¹ R τὸν λόγον] σου (2)
— 38. στῆσον τῷ δούλῳ σου [S¹ add. εἰς] τὸ λ. σου (1 b)
— 41. A τὸ σωτήριόν σου κατὰ λόγιόν [S¹ τὸ ἔλεος, S² R τὸν λόγον] σου (1 b)
— 50. A S² R τὸ λ. σου ἔζησέ με [S¹ σου οὐκ ἐξέκλινα] (1 b)
— 58. SR ἐλέησόν με κατὰ τὸ [A om.] λ. σου (1 b)
— 65. AS¹ κύριε, κατὰ τὸ λ. [S² R τὸν λόγον] σου (2)
— 67. τὸ λ. σου ἐφύλαξα (1 b)
— 76. κατὰ [S καὶ] τὸ λ. σου τῷ δούλῳ σου (1 b)
— 82. ἐξέλιπον οἱ ὀφθαλμοί μου εἰς τὸ λ. σου (1 b)
— 103. ὡς γλυκέα τῷ λάρυγγί μου τὰ λ. σου (1 b)
— 107. S¹ ζῆσόν με κατὰ τὸ λ. [A S² R τὸν λόγον] σου (2)
— 116. ἀντιλαβοῦ μου κατὰ τὸ λ. σου (1 b)
— 123. καὶ εἰς τὸ λ. τῆς δικαιοσύνης σου (1 b)
— 124. AS¹ ποίησον μετὰ τοῦ δούλου σου κατὰ τὸ λ. [S² R ἔλεός] σου †
— 133. τὰ διαβήματά μου κατεύθυνον κατὰ τὸ λ. σου (1 b)
— 140. πεπυρωμένον τὸ λ. σου σφόδρα (1 b)
— 148. τοῦ μελετᾶν τὰ λ. σου (1 b)
— 149. S¹ τῆς φωνῆς μου ἄκουσον, κύριε, κατὰ τὸ λ. [A S² R ἔλεός] σου †
— 158. τὰ λ. σου οὐκ ἐφυλάξαντο (1 b)
— 162. ἀγαλλιάσομαι ἐγὼ ἐπὶ τὰ λ. σου (1 b)
— 169. κατὰ τὸ λ. σου συνέτισόν με (2)
— 170. SR κατὰ τὸ λ. σου ῥῦσαί με [A al.] (1 b)
— 172. A S¹ φθέγξαιτο ἡ γλῶσσά μου τὸ λ. [S² R τὰ λ.] σου (1 b)
147. 4 (15). ὁ ἀποστέλλων τὸ λ. αὐτοῦ τῇ γῇ (1 b)
Wi. 16. 11. εἰς γὰρ ὑπόμνησιν τῶν λ. σου ἐνεκεντρίζοντο
Si. 36. 19 (16). R πλήσον Σιὼν ἆραι τὰ λ. [B ἀρεταλογίας, A S ἀρεταλόγιά] σου
Is. 5. 24. τὸ λ. τοῦ ἁγίου [A om.] Ἰσραὴλ παρώξυναν (1 b)
28. 13. ἔσται αὐτοῖς τὸ λ. κυρίου (2)
30. 11. ἀφέλετε ἀφ' ἡμῶν τὸ λ. τοῦ Ἰσραήλ †
— 27. μετὰ δόξης τὸ λ. τῶν χειλέων αὐτοῦ τὸ λ. ὀργῆς πλήρες (3, –)
[Aq. Ps. 118 (119). 41 : 137 (138). 2 : Is. 32. 9 : Je. 8. 9.]
[Th. Ps. 118 (119). 41.]
[Quint. Ps. 137 (138). 2.]

λογισμός. (1) a. מַחֲשָׁבָה, מַחֲשֶׁבֶת b. חֶשְׁבּוֹן c. חֶשְׁבֹּן d. חֶשֶׁב

II Ki. 14. 14. A διαλογιζόμενος λογισμοὺς τοῦ ἐξῶσαι [B al.] (1 a)
Ju. 8. 14. τὸν λ. αὐ. κατανοήσετε
Es. 1. 1. ἤκουσέ τε αὐτῶν τοὺς λ.
Ps. 32 (33). 10. ἀθετεῖ δὲ λογισμοὺς λαῶν (1 a)
— 11. λογισμοὶ τῆς καρδίας αὐτοῦ ἀπὸ γενεῶν εἰς γενεάς (1 a)
Pr. 6. 18. καὶ καρδία τεκταινομένη λ. κακούς (1 a)
12. 5. λογισμοὶ δικαίων κρίματα (1 a)
15. 22. ὑπερτίθενται λογισμοὺς οἱ μὴ τιμῶντες συνέδρια (1 a)
— 26. βδέλυγμα κυρίῳ λογισμὸς ἄδικος (1 a)
19. 21. πολλοὶ λογισμοὶ ἐν καρδίᾳ ἀνδρός (1 a)
Ec. 7. 28 (27). μία τῇ μιᾷ τοῦ εὑρεῖν λογισμόν (1 b)
— 30 (29). αὐτοὶ ἐζήτησαν λ. πολλούς (1 c)
9. 10. οὐκ ἔστι . . . λογισμὸς . . . ἐν ᾅδῃ (1 b)
Wi. 1. 3. σκολιοὶ γὰρ λ. χωρίζουσιν ἀπὸ θεοῦ
— 5. ἀπαναστήσεται ἀπὸ λ. ἀσυνέτων
9. 14. λογισμοὶ γὰρ θνητῶν δειλοί
11. 15. ἀντὶ δὲ λ. ἀσυνέτων ἀδικίας αὐτῶν
12. 10. οὐ μὴ ἀλλαγῇ ὁ λ. αὐτῶν εἰς τὸν αἰῶνα
17. 12. προδοσία [S προσδοκία] τῶν ἀπὸ λογισμοῦ βοηθημάτων
19. 3. ἕτερον ἐπεσπάσαντο λογισμὸν ἀνοίας
Si. 27. 4. σκύβαλα ἀνθρώπου ἐν λογισμῷ αὐτοῦ
— 5. A S² πειρασμὸς ἀνθρώπου ἐν λογισμῷ [B S¹ διαλ.] αὐτοῦ
— 7. πρὸ λογισμοῦ μὴ ἐπαινέσῃς ἄνδρα
40. 29. οὐκ ἔστιν αὐτοῦ ὁ βίος ἐν λογισμῷ [S διαλ.] ζωῆς
43. 23. λογισμῷ αὐτοῦ ἐκόπασεν ἄβυσσον
Mi. 4. 12. οὐκ ἔγνωσαν τὸν λογισμὸν κυρίου (1 a)
Na. 1. 11. ἐκ σοῦ ἐξελεύσεται λογισμὸς κατὰ τοῦ κ. πονηρά (1 d)
Is. 32. 7. A διασκεδάσαι λογισμοὺς [BS -γους] ταπεινῶν ἐν κρίσει †
66. 18. τὰ ἔργα αὐ. καὶ τὸν λ. αὐ. [S add. ἐπίσταμαι] (1 a)
Je. 4. 14. B²S ἕως πότε ὑπάρχουσιν ἐν σοὶ λογισμοὶ [A B¹ R διαλ.] πόνων σου (1 a)
11. 19. ἐπ' ἐμὲ ἐλογίσαντο λογισμὸν πονηρόν (1 a)
18. 11. λογίζομαι ἐφ' ὑμᾶς λογισμόν (1 a)
— 18. λογισώμεθα ἐπὶ Ἱερεμίαν λογισμόν (1 a)
27 (50). 45. ἀκούσατε . . . λογισμοὺς αὐτοῦ [A διαλ.] (1 a)
28 (51). 29. ἐξανέστη ἐπὶ Βαβυλῶνα λ. κυρίου (1 a)
29 (49). 20. ἀκούσατε . . . λογισμὸν αὐτοῦ (1 a)
30 (49). 30. ἐλογίσατο [A add. ἐφ' ὑμᾶς] λογισμόν (1 a)
36 (29). 11. λογιοῦμαι ἐφ' ὑμᾶς λογισμὸν εἰρήνης (1 a)
Ez. 38. 10. λογιῇ λογισμοὺς πονηρούς (1 a)
Da. LXX. 11. 24. οἱ λ. αὐτοῦ εἰς μάτην (1 a)
Da. TH. 11. 24. ἐπ' Αἴγ. λογιεῖται λογισμούς [A διαλ. αὐτοῦ] (1 a)
— 25. λογιοῦνται ἐπ' αὐτὸν λογισμούς (1 a)
I Ma. 11. 8. διελογίζετο περὶ Ἀ. λογισμοὺς πονηρούς
II Ma. 6. 23. ὁ δὲ λογισμὸν ἀστεῖον ἀναλαβών
7. 21. τὸν θῆλυν λογισμὸν ἄρσενι θυμῷ διεγείρασα
III Ma. 5. 12. τοῦ δὲ ἀμεταθέτου λ. μεγάλως διεψευσμένος
IV Ma. 1. 1. αὐτοδέσποτός ἐστι τῶν παθῶν ὁ εὐσεβὴς λ.
— 3. εἰ ἄρα τῶν . . . παθῶν ὁ λ. φαίνεται ἐπικρατεῖν
— 5. εἰ τῶν παθῶν ὁ λ. κρατεῖ
— 6. οὐ γὰρ τῶν ἑαυτοῦ παθῶν ὁ λ. κρατεῖ
— 7. A R αὐτοκράτωρ ἐστὶ τῶν παθῶν ὁ εὐσεβὴς [S om.] λ.
— 9. περικρατεῖ τῶν παθῶν ὁ λ.
— 13. αὐτοκράτωρ ἐστὶ τῶν παθῶν ὁ λ.
— 14. διακρίνωμεν δὲ τί ποτέ ἐστι λογισμός
— 14. εἰ πάντων ἐπικρατεῖ τούτων ὁ λογισμός
— 15. λογισμὸς μὲν δὴ τοίνυν ἐστὶ νοῦς
— 19. τῶν παθῶν ὁ λ. ἐπικρατεῖ
— 29. ὁ παγγέωργος λογισμὸς περικαθαίρων
— 30. ὁ γὰρ λ. τῶν μὲν ἀρετῶν ἐστιν ἡγεμών
— 30. αὐτοδέσποτός ἐστι τῶν παθῶν ὁ λ.
— 32. τούτων . . . ὁ λ. ἐπικρατεῖν φαίνεται
— 33. δύναται τῶν ὀρέξεων ἐπικρατεῖν ὁ λ.
— 34. ἀπεχόμεθα διὰ τὴν τοῦ λ. ἐπικράτειαν
— 35. SR φιμοῦται [A φιλοτιμοῦνται]...ὑπὸ τοῦ λ.
2. 2. AR ὅτι τῷ λ. [S om. τῷ λ.] διανοίᾳ περιεκράτησε
— 3. ἠκύρωσε τῷ λ. τὸν τῶν παθῶν οἶστρον
— 4. ἐπικρατεῖν ὁ λογισμὸς φαίνεται
— 6. τῶν ἐπιθυμιῶν κρατεῖν δύναται ὁ λ.
— 7. κύριός ἐστι τῶν παθῶν ὁ λ.
— 9. ὑπὸ τοῦ νόμου κρατεῖται διὰ τὸν λ.
— 9. τῶν παθῶν ἐστιν ὁ λ. κρατῶν
— 13. ὁ λ. ἐπικρατεῖν δύναται διὰ τὸν νόμον
— 15. τῶν . . . παθῶν ἐπικρατεῖν ὁ λ. φαίνεται
— 17. ἀλλὰ λογισμῷ τὸν θυμὸν διήτησεν
— 19. μὴ λογισμῷ τοὺς Σ. ἐθνηδὸν ἀποσφάξαντας
— 20. ἐδύνατο τῶν θυμῶν ὁ λ. κρατεῖν
— 24. A R εἰ τῶν παθῶν ὁ λ. κρατεῖ [S al.]
3. 1. R ἔστι δὲ κομιδῇ γελοῖος ὁ λόγος [A λογισμός]
— 1. AR τῶν ἑαυτοῦ παθῶν ὁ λ. ἐπικρατεῖν φαίνεται [S al.]
— 2. δύναται ὁ λ. παρασχέσθαι
— 3. S τῷ θυμῷ δυνατὸν τὸν λ. [A R om. τ. λ.] βοηθῆσαι
— 4. SR δύναται [A -τὸν] ὁ λ. συμμαχῆσαι
— 5. οὐ γὰρ ἐκριζωτὴς τῶν παθῶν ὁ λ. ἐστιν
— 16. ἀντιθεὶς τῇ ἐπιθυμίᾳ τὸν λ.
— 18. τῇ καλοκἀγαθίᾳ τοῦ λ. ἀποπτύσαι
— 19. τῆς ἱστορίας τοῦ σώφρονος λογισμοῦ
5. 10. S R ἀποσκεδάσεις τῶν λ. [A τὸν λ.] σου τὸν λῆρον
— 31. ὥστε μοι διὰ τὴν εὐσέβειαν μὴ νεάζειν τὸν λ.
— 38. τῶν δὲ ἐμῶν περὶ τῆς εὐσεβείας λογισμῶν
6. 7. ὀρθὸν εἶχε καὶ ἀκλινῆ τὸν λ.
— 30. ἀντέστη τῷ λ. διὰ τὸν νόμον
— 31. δεσπότης ἐστὶ τῶν παθῶν ὁ εὐσεβὴς λ.
— 32. εἰ γὰρ τὰ πάθη τοῦ λ. ἐκεκρατήκει
— 33. νυνὶ δὲ τοῦ λ. τὰ πάθη νικήσαντος
— 34. ὁμολογεῖν . . . τὸ κράτος εἶναι τοῦ λ.
— 35. τῶν ἀλγηδόνων . . . κεκρατηκέναι τὸν λ.
7. 1. κυβερνήτης ὁ τοῦ πατρὸς ἡμῶν Ἐ. λογισμός
— 4. διὰ τὸν ὑπερασπίζοντα τῆς εὐσεβείας λογισμόν
IV Ma. 7. 12. οὐ μετετράπη τὸν λ.
— 14. AR ἀνενέασε τῷ πνεύματι [S add. διὰ] τοῦ λ.
— 14. τῷ Ἰσ. λ. τὴν πολυκέφαλον στρέβλαν ἠκύρωσεν
— 16. ἡγεμών ἐστι τῶν παθῶν ὁ εὐσεβὴς λ.
— 17. οὐδὲ πάντες φρόνιμον ἔχουσι τὸν λ.
— 20. παθοκρατεῖσθαι διὰ τὸν ἀσθενῆ λογισμόν
— 24. μειρακίσκοι τῷ τῆς εὐσεβείας λ. φιλοσοφοῦντες
9. 17. ὥστε μου τὸν λ. ἄξαι
— 30. A R νικώμενον τὸν [S om.] τῆς τυραννίδος ὑπερήφανον λ.
10. 19. οὐ γὰρ παρὰ τοῦτο τὸν λ. ἡμῶν γλωσσοτομήσεις
11. 25. μεταπεῖσαι τὸν λ. ἡμῶν
— 27. διὰ τοῦτο ἀνίκητον ἔχομεν τὸν λ.
13. 1. αὐτοδέσποτός ἐστι τῶν παθῶν ὁ εὐσεβὴς λ.
— 3. τῷ ἐπαινουμένῳ λ. παρὰ θ. περιεγένοντο τῶν παθῶν
— 16. τῇ τοῦ θείου λογισμοῦ παθοκρατείᾳ
14. 2. ὦ βασιλέως λογισμοὶ βασιλικώτεροι
— 11. εἰ ὁ λ. περιεκράτησε τῶν ἀνδρῶν ἐκείνων
15. 1. ὦ λογισμὲ τέκνων παθῶν τύραννε
— 11. ἐπ' οὐδενὸς αὐτῶν τὸν λ. αὐ. . . . ἴσχυσαν μετατρέψαι
— 23. ὁ εὐσεβὴς λογισμὸς . . . ἐπέτεινε
16. 1. αὐτοκράτωρ ἐστὶ τῶν παθῶν ὁ εὐσεβὴς λ.
— 4. τῷ λ. τῆς εὐσεβείας κατέσβεσε τοσαῦτα . . . πάθη
18. 2. τῶν παθῶν δεσπότης ἐστὶν ὁ εὐσεβὴς λ.
[Aq. Ec. 7. 26 (25), 28 (27): Is. 65. 2: Je. 18. 18 : 29 (36). 11 : 49. 20 (29. 21).]
[Sm. II Ki. 14. 13 : Ec. 7. 26 (25), 28 (27): Je. 18. 18 : 49. 20 (29. 21).]
[Th. Pr. 15. 22 : 16. 3 : 20. 18 : 21. 5 : Ec. 7. 28 (27) : Is. 65. 2 : Je. 29 (36). 11 : Ez. 5. 7 : Da. 11. 25.]
[Al. Jb. 17. 1 : Pr. 15. 6.]
[Sext. Ps. 32 (33). 10.]

λογιστής. (1) חָשַׁב

II Ch. 26. 15. μηχανὰς μεμηχανευμένας λογιστοῦ (1)

λογοποιῖα.

[Sm. Ps. 101 (102). 1.]

λόγος. (1) a. אֵמֶר b. אִמְרָה c. אָמַר d. מֵאמַר e. מַאֲמָר (2) a. דָּבָר b. דִּבְרָה c. דִּבְרָה d. דָּבַר qal. e. pi. (3) טַעַם (4) מִלָּה (5) מִצְוָה (6) נְבוּאָה (7) סֵפֶר (8) פֶּה (9) פִּתְגָם (10) קוֹל (11) שָׂפָה (12) שֵׁבֶט (13) תְּבוּנָה (14) תּוֹרָה (15) λόγον ἔχειν דָּאַג λ. (16) σκοτεινὸς λ. מְלִיצָה (17) φοβερὸς λ. דְּאָגָה

Ge. 4. 23. ἐνωτίσασθέ μου τοὺς λ. (1 b)
29. 13. διηγήσατο τῷ Λ. πάντας τοὺς λ. τούτους (2 a)
34. 18. ἤρεσαν οἱ λ. ἐναντίον Ἐμμώρ (2 a)
Ex. 4. 28. ἀνήγγειλε . . . πάντας τοὺς λ. κυρίου (2 a)
5. 9. μὴ μεριμνάτωσαν ἐν λ. κενοῖς (2 a)
18. 19. ἀνοίσεις τοὺς λ. αὐτῶν πρὸς τὸν θεόν (2 a)
19. 7. παρέθηκεν αὐτοῖς πάντας τοὺς λ. τ. (2 a)
— 8. ἀνήγγεκε . . . τοὺς λ. τούτους [A τοῦ λαοῦ] (2 a)
20. 1. ἐλάλησε κύριος πάντας τοὺς λ. τούτους (2 a)
24. 3. π. τοὺς λ. οὓς ἐλάλησε κύριος ποιήσομεν (2 a)
— 8. διέθετο . . . περὶ πάντων τῶν λ. τούτων (2 a)
33. 17. τοῦτόν σοι τὸν λ. ὃν εἴρηκας ποιήσω (2 a)
34. 27. ἐπὶ γὰρ τῶν λ. τούτων τέθειμαί σοι (2 a)
— 28. τὰ ῥήματα ταῦτα . . . τοὺς δέκα λ. (2 a)
35. 1. οὗτοι οἱ λ. οὓς εἶπε κύριος ποιῆσαι (2 a)
Le. 8. 36. ἐποίησεν . . . πάντας τοὺς λ. (2 a)
Nu. 5. 21. B ὁρκιεῖ . . . ἐν τοῖς λ. [AR ὅρκοις] τῆς ἀρᾶς ταύτης †
11. 23. εἰ ἐπικαταλήψεταί σε ὁ λ. μου (2 a)
12. 6. ἀκούσατε τῶν λ. μου (2 a)
16. 31. ὡς δὲ ἐπαύσατο λαλῶν πάντας τοὺς λ. τούτους (2 a)
21. 20 (21). ἀπέστειλε Μ. . . . λ. εἰρηνικοῖς –
De. 1. 1. οὗτοι οἱ λ. οὓς ἐλάλησε Μ. (2 a)
— 18. ἐνετειλάμην ὑμῖν . . . πάντας τοὺς λ. (2 a)
— 32. ἐν τῷ λ. τούτῳ οὐκ ἐνεπιστεύσατε (2 a)
— 34. ἤκουσε κύριος τὴν φωνὴν τῶν λ. (2 a)
2. 26. ἀπέστειλα . . . λ. εἰρηνικοῖς (2 a)
3. 26. μὴ προσθῇς ἔτι λαλῆσαι τὸν λ. τοῦτον (2 a)

De. 4. 9. μὴ ἐπιλάθῃ πάντας τοὺς λ. (2 a)
— 30. εὑρήσουσί σε πάντες οἱ λ. οὗτοι (2 a)
5. 28 (25). ἤκουσε κύριος τὴν φωνὴν τῶν λ. ὑμῶν (2 a)
— 28 (25). ἤκουσα τὴν φωνὴν τῶν λ. τοῦ λαοῦ (2 a)
9. 10. ἐγέγραπτο πάντες οἱ λ. (2 a)
10. 4. ἔγραψεν . . . τοὺς δέκα λ. (2 a)
12. 28. ποιήσεις πάντας τοὺς λ. (2 a)
13. 3 (4). οὐκ ἀκούσεσθε τῶν λ. τοῦ προφήτου ἐκ. (2 a)
— 14 (15). B ἀληθῶς [A R -ῆς] σαφῶς ὁ λ. (2 a)
16. 19. ἐξαίρει λόγους δικαίων (2 a)
18. 19. ὃς ἐὰν μὴ ἀκούσῃ [A add. τῶν λ. αὐ.] (2 a)
22. 14. καὶ ἐπιθῇ αὐτῇ προφασιστικοὺς λ. (2 a)
— 17. ἐπιτίθησιν αὐτῇ προφασιστικοὺς λ. (2 a)
— 20. ἐὰν δὲ ἐπ' ἀληθείας γένηται ὁ λ. οὗτος (2 a)
27. 3. γράψεις . . . πάντας τοὺς λ. τοῦ νόμου τούτου (2 a)
— 26. ὃς οὐκ ἐμμένει ἐν πᾶσι τοῖς λ. τοῦ νόμου τ. (2 a)
28. 14. A οὐ παραβήσῃ ἀπὸ πάντων τῶν λ. [B al.] (2 a)
29. 1 (28. 69). οὗτοι οἱ λ. τῆς διαθήκης (2 a)
— 9 (8). φυλάξεσθε ποιεῖν πάντας τοὺς λ. (2 a)
31. 1. λαλῶν πάντας τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 12. ποιεῖν πάντας τοὺς λ. τοῦ νόμου τούτου (2 a)
— 24. γράφων πάντας τοὺς λ. τοῦ νόμου τούτου (2 a)
— 28. ἵνα λαλήσω . . . πάντας τοὺς λ. τούτους (2 a)
32. 44. ἐλάλησε πάντας τοὺς λ. τοῦ νόμου τ. (2 a)
— 46. προσέχετε . . . ἐπὶ πάντας τοὺς λ. τ. (2 a)
— 46. ποιεῖν πάντας τοὺς λ. τοῦ νόμου τούτου (2 a)
— 47. οὐχὶ λ. κενὸς [A καινὸς] οὗτος ὑμῖν (2 a)
— 47. ἕνεκεν τοῦ λ. τούτου μακροημερεύσετε (2 a)
33. 3. ἐδέξατο ἀπὸ τῶν λ. αὐτοῦ (2 b)
Jo. 2. 20. ἐὰν δέ τις . . . ἀποκαλύψῃ τοὺς λ. ἡμῶν τούτους (2 a)
14. 7. ἀπεκρίθην αὐτῷ λόγον (2 a)
20. 4. A λαλήσει . . . τοὺς λ. τούτους (2 a)
22. 30. ἀκούσας . . . τοὺς λ. (2 a)
— 32. ἀπεκρίθησαν αὐτοῖς τοὺς λ. (2 a)
23. 14. οὐκ ἔπεσεν εἷς λ. ἀπὸ πάντων τῶν λ. (2 a, 2 a)
Jd. 2. 4. ὡς ἐλάλησεν . . . τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 17. τοῦ εἰσακούειν τῶν λ. [A ἐντολὰς] κυρίου (5)
3. 19. λ. μοι κρύφιος πρὸς σέ (2 a)
— 20. λόγος θεοῦ μοι πρὸς σέ (2 a)
5. 29. ἀπέστρεψε λόγους αὐτῆς ἑαυτῇ [A al.] (1 a)
8. 3. ἐν τῷ λαλῆσαι αὐτὸν τὸν λ. τοῦτον (2 a)
9. 3. ἐλάλησαν . . . πάντας τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 30. ἤκουσε Z. . . . τοὺς λ. Γ. (2 a)
11. 11. ἐλάλησεν Ἰ. πάντας τοὺς λ. αὐ. (2 a)
— 28. οὐκ ἤκουσε . . . τῶν λ. Ἰ. [A al.] (2 a)
— 37. ποιησάτω δὴ . . . τὸν λ. τοῦτον [A al.] (2 a)
13. 12. νῦν ἐλεύσεται ὁ λ. σου [A al.] (2 a)
16. 16. ἐξέθλιψεν αὐτὸν ἐν λόγοις [A αὐ. τοῖς λ.] αὐ. (2 a)
18. 7. οὐκ ἔστι . . . καταισχύνων λόγον [A al.] (2 a)
— 7. λόγον οὐκ ἔχουσι πρὸς ἄνθρωπον [A λόγος οὐκ ἦν αὐτοῖς μετὰ Συρίας] (2 a)
— 9. A λόγος οὐκ ἦν αὐτοῖς μετὰ Συρίας –
— 28. λόγος οὐκ ἔστιν αὐτοῖς μετὰ ἀνθρώπου (2 a)
20. 7. δότε ἑαυτοῖς λόγον (2 a)
21. 11. A οὗτος ὁ λ. ὃν ποιήσετε [B al.] (2 a)
Ru. 4. 7. τοῦ στῆσαι πάντα [A τὸν] λ. (2 a)
I Ki. 3. 17. ἐκ πάντων λ. τῶν λαληθέντων σοι (2 a)
— 18. ἀπήγγειλε Σ. πάντας τοὺς λ. (2 a)
— 19. οὐκ ἔπεσεν ἀπὸ πάντων [B¹ om.] τῶν λ. αὐ. (2 a)
8. 21. ἤκουσε Σ. πάντας τοὺς λ. τοῦ λαοῦ (2 a)
11. 4. λαλοῦσι τοὺς λ. (2 a)
15. 1. ἄκουε τῆς φωνῆς [A add. τῶν λ.] κυρίου (2 a)
— 11. τοὺς λ. μου οὐκ ἐτήρησε (2 a)
— 24. παρέβην τὸν λ. κυρίου (8)
16. 18. ὁ ἀνὴρ πολεμιστὴς καὶ σοφὸς [A συνετὸς] λόγῳ (2 a)
17. 31. A ἠκούσθησαν οἱ λ. (2 a)
18. 8. πονηρὸν ἐφάνη τὸ ῥῆμα . . . περὶ τοῦ λ. τούτου (2 a ?)
— 26. εὐθύνθη ὁ λ. ἐν ὀφθαλμοῖς Δ. (2 a)
20. 22. B οὐκ ἔστι λόγος κυρίου [A R om.] –
22. 15. μὴ δότω ὁ βασ. . . . λόγον (2 a)
24. 8. ἔπεισε Δ. τοὺς ἄνδρας αὐ. ἐν λόγοις (2 a)
— 10. ἵνα τί ἀκούεις τῶν λ. τοῦ λαοῦ (2 a)
25. 9. λαλοῦσι τοὺς λ. τούτους πρὸς N. [A al.] (2 a)
— 24. B ἄκουσον τῆς δούλης σου λόγον [A τὸν λ., R -ων] (2 a)
28. 10. εἰ ἀπαντήσεταί σοι ἀδικία ἐν τῷ λ. τούτῳ (2 a)
— 20. ἐφοβήθη σφόδρα ἀπὸ τῶν λ. Σαμ. (2 a)
I Ki. 28. 21. ἤκουσα τοὺς λ. (2 a)
29. 10. λ. λοιμὸν μὴ θῇς –
30. 24. B τίς ὑπακούσεται [A R ἐπ.] ὑμῶν τῶν λ. τούτων (2 a)
II Ki. 1. 4. τίς ὁ λ. οὗτος (2 a)
3. 8. A² B ἐθυμώθη σφόδρα Ἀβ. περὶ τοῦ λ. (2 a)
— 13. λ. ἕνα ἐγὼ αἰτοῦμαι παρὰ σοῦ (2 a)
7. 17. κατὰ πάντας τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 21. A δ.ὰ τὸν λ. [B δοῦλόν] σου πεποίηκας (2 a)
— 28. οἱ λ. σου ἔσονται ἀληθινοί (2 a)
11. 18. ἀπήγγειλε . . . πάντας τοὺς λ. τοῦ πολέμου (2 a)
— 19. ἐν τῷ συντελέσαι πάντας τοὺς λ. τοῦ πολέμου (2 a)
12. 9. ἐφαύλισας τὸν λ. κυρίου (2 a)
13. 21. ἤκουσεν ὁ βασ. Δ. πάντας τοὺς λ. τ. (2 a)
— 22. ἐπὶ λόγου οὗ ἐταπείνωσε Θ. (2 a)
— 35. κατὰ τὸν λ. τοῦ δούλου σου (2 a)
14. 3. ἔθηκεν Ἰ. τοὺς λ. ἐν τῷ στόματι αὐ. (2 a)
— 13. ἢ ἐκ στόματος τοῦ βασ. ὁ λ. οὗτος (2 a)
— 17. εἶη δὴ ὁ λ. τοῦ κ. μου τοῦ βασ. εἰς θυσίας (2 a)
— 19. ἔθετο ἐν τῷ στόματι . . . πάντας τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 20. B ὃ ἐποίησεν . . . τὸν δόλον [A R λόγον] τοῦτον (2 a)
— 21. ἐποίησά σοι κατὰ τὸν λ. σου τοῦτον (2 a)
— 22. ἐποίησεν . . . τὸν λ. τοῦ δούλου αὐ. (2 a)
15. 3. οἱ λ. σου ἀγαθοὶ καὶ εὔκολοι (2 a)
16. 23. ὃν τρόπον ἐπερωτήσῃ ἐν λόγῳ τοῦ θ. (2 a)
17. 4. εὐθὺς ὁ λ. ἐν ὀφθαλμοῖς Ἀβ. (2 a)
— 6. ποιήσομεν κατὰ τὸν λ. αὐτοῦ (2 a)
18. 13. πᾶς ὁ [A om.] λ. οὐ λήσεται ἀπὸ τοῦ βασ. (2 a)
19. 11 (12). λόγος παντὸς [A -ὶ] Ἰσρ. ἦλθε πρὸς τὸν βασ. (2 a)
— 29 (30). ἵνα τί λαλεῖς ἔτι τοὺς λ. σου (2 a)
— 42 (43). ἵνα τί . . . ἐθυμώθης περὶ τοῦ λ. τούτου (2 a)
— 43 (44). καὶ οὐκ ἐλογίσθη ὁ λ. μου πρῶτός μοι (2 a)
— 43 (44). ἐσκληρύνθη ὁ λ. ἀνδρὸς Ἰ. ὑπὲρ τὸν λ. ἀνδρὸς Ἰσρ. (2 a, 2 a)
20. 17. ἄκουσον τοὺς λ. τῆς δούλης σου (2 a)
— 18. λόγον ἐλάλησαν ἐν πρώτοις (2 e)
— 21. οὐχ οὗτος ὁ λ. (2 a)
22. 1. ἐλάλησε Δ. τῷ κ. τοὺς λ. τῆς ᾠδῆς ταύτης (2 a)
23. 1. οὗτοι οἱ λ. Δ. οἱ ἔσχατοι (2 a)
— 2. ὁ λ. αὐ. ἐπὶ γλώσσης μου (4)
24. 3. ἵνα τί βούλεται ἐν τῷ λ. τούτῳ (2 a)
— 4. ὑπερίσχυσεν ὁ λ. τοῦ βασ. πρὸς Ἰ. (2 a)
— 11. λόγος κυρίου ἐγένετο πρὸς Γ. (2 a)
— 19. ἀνέβη Δ. κατὰ τὸν λ. Γάδ (2 a)
III Ki. 1. 7. ἐγένοντο οἱ λ. αὐ. μετὰ Ἰ. (2 a)
— 14. πληρώσω τοὺς λ. σου (2 a)
2. 4. ἵνα στήσῃ κύριος τὸν λ. αὐτοῦ (2 a)
— 13 (14). λόγος μοι πρὸς σέ (2 a)
— 23. ἐλάλησεν Ἀδ. τὸν λ. τοῦτον (2 a)
3. 10. A ἤρεσεν ὁ λ. [B om. ὁ λ.] ἐνώπιον κυρίου (2 a)
4. 27 (5. 7). οὐ παραλλάσσουσι λόγον (2 a)
5. 7 (21). καθὼς ἤκουσε Χ. τῶν λ. Σαλ. (2 a)
6. 1 (38). εἰς πάντα λ. αὐ. καὶ εἰς πᾶσαν διάταξιν αὐ. (2 a)
— 11. A ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σαλ. (2 a)
— 12. A στήσω τὸν λ. μου σὺν σοί (2 a)
8. 56. οὐ διεφώνησε λ. εἷς ἐν πᾶσι τοῖς λ. αὐτοῦ τοῖς ἀγαθοῖς (2 a, 2 a)
— 59. ἔστωσαν οἱ λ. [A add. μου] οὗτοι . . . ἐνώπιον κυρίου (2 a)
10. 3. ἀπήγγειλεν αὐτῇ Σ. πάντας τοὺς λ. αὐ. (2 a)
— 3. οὐκ ἦν λ. παρεωραμένος παρὰ τοῦ βασ. (2 a)
— 6. ἀληθινὸς ὁ λ. ὃν ἤκουσα ἐν τῇ γῇ μου περὶ τοῦ λ. σου (2 a, 2 a)
11. 10. καὶ ἐντειλαμένου αὐτῷ ὑπὲρ τοῦ λ. τούτου (2 a)
— 41. A R τὰ λοιπὰ τῶν λ. [B ῥημάτων] Σαλ. (2 a)
12. 6. πῶς . . . ἀποκριθῶ τῷ λαῷ τούτῳ λόγον (2 a)
— 7. καὶ λαλήσεις αὐτοῖς λ. ἀγαθούς (2 a)
— 16. A ἀπεκρίθη ὁ λαὸς τῷ βασ. λόγον [B om.] (2 a)
— 22. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σ. (2 a)
— 24. ἤκουσαν τοῦ λ. κυρίου (2 a)
— 24. B λόγος κυρίου ἐγένετο πρὸς Σ. –
III Ki. 12. 24. B ἤκουσαν τοῦ λ. κυρίου –
— 30. ἐγένετο ὁ λ. οὗτος εἰς ἁμαρτίαν (2 a)
13. 1. παρεγένετο ἐν λόγῳ κυρίου (2 a)
— 2. ἐπεκάλεσε . . . ἐν λόγῳ κυρίου (2 a)
— 4. ὡς ἤκουσεν . . . τῶν λ. τοῦ ἀνθρώπου τοῦ θ. (2 a)
— 5. ὃ ἔδωκεν ὁ ἄνθρ. τοῦ θ. ἐν λόγῳ κυρίου (2 a)
— 9. ἐνετείλατό μοι ἐν λόγῳ κύριος (2 a)
— 11. τοὺς λ. οὓς ἐλάλησε τῷ βασ. (2 a)
— 17. ἐντέταλταί μοι ἐν λόγῳ κύριος (2 a)
— 20. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς τὸν προφ. (2 a)
— 32. ὃ ἐλάλησεν ἐν λόγῳ κυρίου (2 a)
14. 29. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ῥ. (2 a)
— 29. ἐν βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
15. 7. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἀβ. (2 a)
— 7. ἐπὶ βιβλίῳ [A -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
— 23. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἀσά (2 a)
— 23. ἐπὶ βιβλίῳ [A -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
— 31. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ν. (2 a)
— 31. ἐν βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
16. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν χειρὶ Εἰού (2 a)
— 5. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Β. (2 a)
— 5. ἐν [A ἐπὶ] βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
— 14. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἠ. (2 a)
— 14. ἐν βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
— 20. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ζ. (2 a)
— 20. ἐν βιβλίῳ [A ἐπὶ βιβλίου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
— 27. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ζ. (2 a)
— 27. ἐν βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
— 28 (22. 45 [46]). B ἐν βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
17. 1. διὰ στόματος λόγου μου (2 a)
— 2. A ἐγένετο λόγος [B ῥῆμα] κυρίου πρὸς Ἠ. (2 a)
18. 21. οὐκ ἀπεκρίθη ὁ λαὸς [A add. αὐτῷ] λόγον (2 a)
20 (21). 4. A ἐκλελυμένος ἐπὶ τῷ λ. [B al.] (2 a)
— 27. ὑπὲρ τοῦ λ. ὡς [A οὗ] κατενύγη Ἀχ. †
21 (20). 9. ἐπέστρεψαν [A ἀνέστρ.] αὐτῷ λόγον (2 a)
— 12. ἀπεκρίθη αὐτῷ τὸν λ. τοῦτον (2 a)
— 33. ἀνέλεξαν τὸν λ. –
— 35. εἶπε πρὸς τὸν πλησίον αὐ. ἐν λόγῳ κυρίου (2 a)
22. 13. γίνου δὴ καὶ σὺ εἰς λόγους σου κατὰ τοὺς λ. ἑνὸς τούτων (2 a, 2 a)
— 39. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἀχ. (2 a)
— 39. ἐν βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
— 46. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἰωσ. (2 a)
— 46. B ἐν βιβλίῳ λόγων Ἰωσ. [A R al.] (2 a)
IV Ki. 1. 7. καὶ λαλήσαντος πρὸς ὑμᾶς τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 18. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ὀχ. (2 a)
— 18. ἐπὶ βιβλίῳ [A -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
4. 13. εἰ ἔστι λόγος σοι πρὸς τὸν βασ. (2 e)
5. 13. μέγαν λ. ἐλάλησεν ὁ προφήτης (2 a)
— 18. ἱλάσεται δὴ κύριος . . . ἐν τῷ λ. τούτῳ (2 a)
6. 11. ἐξεκινήθη . . . περὶ τοῦ λ. τούτου (2 a)
— 12. ἀναγγέλλει . . . πάντας τοὺς λ. (2 a)
— 30. ὡς ἤκουσεν ὁ βασ. Ἰσρ. τοὺς λ. τῆς γυν. (2 a)
7. 1. ἄκουσον λόγον κυρίου (2 a)
8. 23. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἰ. (2 a)
— 23. ἐπὶ [A ἐν] βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
9. 5. λόγος μοι πρὸς σέ (2 a)
— 36. λόγος κυρίου ὃν ἐλάλησεν (2 a)
10. 34. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Εἰού (2 a)
— 34. B ἐπὶ βιβλίῳ [A R -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
11. 5. οὗτος ὁ λ. ὃν ποιήσετε (2 a)
12. 19 (20). καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἰ. (2 a)
— 19 (20). ἐπὶ βιβλίῳ [A -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
13. 8. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἰ. (2 a)
— 8. ἐπὶ βιβλίῳ [A -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
— 12. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἰ. (2 a)
— 12. ἐπὶ βιβλίῳ [A -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
14. 15. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἰ. (2 a)
— 15. ἐπὶ [A ἐν] βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
— 18. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἀμ. (2 a)
— 18. ἐπὶ βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
— 28. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἱερ. (2 a)
— 28. ἐπὶ βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
15. 6. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἀζ. (2 a)
— 6. ἐπὶ βιβλίου [A ἐν βιβλίῳ] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)

IV Ki. 15. 11. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ζ. (2 a)
— 11. ἐπὶ βιβλίῳ [A -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
— 12. ὁ λ. κυρίου ὃν ἐλάλησε (2 a)
— 15. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Σ. (2 a)
— 15. ἐπὶ βιβλίῳ [A -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
— 21. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Μ. (2 a)
— 21. ἐπὶ βιβλίῳ [A -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
— 26. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Φ. (2 a)
— 26. ἐπὶ βιβλίῳ [A -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
— 31. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Φ. (2 a)
— 31. ἐπὶ βιβλίῳ [A -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
— 36. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἰ. (2 a)
— 36. ἐπὶ βιβλίῳ [A -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
16. 19. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἀχαζ (2 a)
— 19. ἐπὶ βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
17. 9. ὅσοι ἠμφιέσαντο οἱ υἱοὶ Ἰσρ. λόγους (2 a)
— 13. B διεμαρτύρατο κύριος . . . λόγον [A R λέγων] (1 c)
18. 20. πλὴν λόγοι χειλέων (2 a)
— 27. λαλῆσαι τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 28. ἀκούσατε τοὺς λ. τοῦ μεγάλου βασ. Ἀσσ. (2 a)
— 29. μὴ ἐπαιρέτω ὑμᾶς Ἐζ. λόγοις [A om.] –
— 36. οὐκ ἀπεκρίθησαν αὐτῷ λόγον (2 a)
— 37. ἀνήγγειλαν αὐτῷ τοὺς λ. Ῥ. (2 a)
19. 4. εἰσακούσεται κ. ὁ θ. σου πάντας [A om.] τοὺς λ. Ῥ. (2 a)
— 4. βλασφημεῖν ἐν λόγοις [A λόγους] (2 a)
— 6. μὴ φοβηθῆς ἀπὸ τῶν λ. (2 a)
— 16. ἄκουσον τοὺς λ. Σενν. (2 a)
— 21. οὗτος ὁ λ. ὃν ἐλάλησε κύριος (2 a)
20. 9. ποιήσει κύριος τὸν λ. (2 a)
— 13. οὐκ ἦν λόγος [A τόπος] ὃν οὐκ ἔδειξεν αὐτοῖς (2 a)
— 16. ἄκουσον λόγον [A τὸν λ.] κυρίου (2 a)
— 19. ἀγαθὸς ὁ λ. κυρίου (2 a)
— 20. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἐζ. (2 a)
— 20. ἐπὶ βιβλίῳ λόγων [A om.] τῶν ἡμερῶν (2 a)
21. 17. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Μ. (2 a)
— 17. ἐπὶ βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
— 25. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἀ. (2 a)
— 25. ἐπὶ βιβλίῳ [A -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
22. 11. ὡς ἤκουσεν ὁ βασ. τοὺς λ. βιβλίου (2 a)
— 13. περὶ τῶν λ. τοῦ βιβλίου τοῦ εὑρεθέντος τ. (2 a)
— 13. οὐκ ἤκουσαν . . . τῶν λ. τοῦ βιβλίου τ. (2 a)
— 16. ἐπάγω . . . πάντας τοὺς λ. τοῦ βιβλίου [A τῆς βίβλου] (2 a)
— 18. οἱ λ. οὓς ἤκουσας (2 a)
23. 2. ἀνέγνω . . . πάντας τοὺς λ. τοῦ βιβλίου (2 a)
— 3. τοῦ ἀναστῆσαι τοὺς λ. τῆς διαθήκης τ. (2 a)
— 16. τοῦ λαλήσαντος τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 17. ὁ . . . ἐπικαλεσάμενος τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 24. ἵνα στήσῃ τοὺς λ. τοῦ νόμου (2 a)
— 28. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἰωσ. (2 a)
— 28. ἐπὶ βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
24. 2. τοῦ κατισχῦσαι κατὰ τὸν λ. κυρίου (2 a)
— 5. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἰω. (2 a)
— 5. ἐπὶ βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
25. 30. λόγον ἡμέρας ἐν τῇ ἡμέρᾳ αὐ. (2 a)
I Ch. 10. 13 : 11. 3, 10. κατὰ τὸν λ. κυρίου (2 a)
12. 23. κατὰ τὸν λ. κυρίου (8)
13. 4. εὐθὺς ὁ λ. ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς τοῦ λαοῦ (2 a)
15. 15. ἐν λόγῳ θεοῦ κατὰ τὴν γραφήν (2 a)
16. 15. λόγον αὐ. ὃν ἐνετείλατο (2 a)
17. 3. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς N. (2 a)
— 15. κατὰ πάντας τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 23. ὁ λ. σου . . . πιστωθήτω (2 a)
21. 6. κατίσχυσε [A προσώχθισεν ὁ] λόγος τοῦ βασ. τὸν Ἰ. (2 a)
— 12. τί ἀποκριθῶ τῷ ἀποστείλαντι λόγον (2 a)
— 19. ἀνέβη Δ. κατὰ τὸν λ. Γ. (2 a)
22. 8. ἐγένετό μοι [A ἐπ' ἐμὲ] λόγος κυρίου (2 a)
23. 27. ἐν τοῖς λ. Δ. τοῖς ἐσχάτοις (2 a)
25. 5. ἐν λόγοις θεοῦ ὑψῶσαι κέρας (2 a)
26. 32. A εἰς πάντα λ. τοῦ θ. καὶ λόγον βασιλέως [B al.] (2 a, 2 a)
27. 1. εἰς πᾶν λόγον τοῦ βασ. . . . πᾶν λόγον τοῦ εἰσπορευομένου (2 a, –)
— 24. ἐν βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 a)
28. 21. εἰς πάντας τοὺς λ. σου (2 a)
29. 29. οἱ δὲ λοιποὶ λ. τοῦ βασ. Δ. . . . γεγραμμένοι εἰσὶν ἐν λόγοις Σαμ. . . . καὶ ἐπὶ λόγων N. . . . καὶ ἐπὶ λόγων Γάδ (2 a quater)
II Ch. 6. 10. ἀνέστησε κύριος τὸν λ. τοῦτον [A αὐτοῦ] (2 a)
II Ch. 8. 13. κατὰ τὸν λ. ἡμέρας ἐν ἡμέρᾳ (2 a)
— 14. κατὰ τὸν λ. ἡμέρας ἐν τῇ ἡμέρᾳ (2 a)
— 15. εἰς πάντα λ. καὶ εἰς τοὺς θησαυρούς (2 a)
9. 2. ἀνήγγειλεν αὐτῇ Σ. πάντας τοὺς λ. αὐ. (2 a)
— 2. B οὐ παρῆλθε λόγος ἀπὸ Σ. λόγος [A R om.] ὃν οὐκ ἀπήγγειλεν αὐτῇ (2 a, –)
— 5. ἀληθινὸς ὁ λ. ὃν ἤκουσα . . . περὶ τῶν λ. σου (2 a, 2 a)
— 6. οὐκ ἐπίστευσα τοῖς λ. (2 a)
— 29. καὶ οἱ κατάλοιποι λ. Σαλ. (2 a)
— 29. γεγραμμένοι ἐπὶ τῶν λ. Νάθαν . . . καὶ ἐπὶ τῶν λ. Ἀ. (2 a, 6)
10. 6. τοῦ ἀποκριθῆναι τῷ λαῷ τούτῳ λόγον (2 a)
— 7. ἐὰν . . . λαλήσῃς αὐτοῖς λ. ἀγαθούς (2 a)
— 9. ἀποκριθήσομαι λόγον τῷ λαῷ τούτῳ (2 a)
— 15. ἀνέστησε κύριος τὸν λ. αὐτοῦ (2 a)
11. 2. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σ. (2 a)
— 4. ἐπήκουσαν [A ὑπ.] τοῦ λ. κυρίου (2 a)
12. 7. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σ. (2 a)
— 12. ἐν Ἰούδᾳ ἦσαν λ. ἀγαθοί (2 a)
— 15. λόγοι Ῥ. οἱ πρῶτοι καὶ οἱ ἔσχατοι (2 a)
— 15. γεγραμμένοι ἐν τοῖς λ. Σ. (2 a)
13. 22. καὶ οἱ λοιποὶ λ. Ἀβία . . . καὶ οἱ λ. αὐτοῦ (2 a, 2 a)
15. 8. ἐν τῷ ἀκοῦσαι τοὺς λ. τούτους (2 a)
16. 11. οἱ λ. Ἀ. οἱ πρῶτοι καὶ οἱ ἔσχατοι (2 a)
18. 12. ἔστωσαν δὴ οἱ λ. σου ὡς ἑνὸς αὐτῶν (2 a)
— 18. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)
19. 3. λ. ἀγαθοὶ εὑρέθησαν ἐν σοί (2 a)
— 6. μεθ' ὑμῶν λόγοι τῆς κρίσεως (2 a)
— 11. εἰς πᾶν λόγον κυρίου (2 a)
— 11. πρὸς πᾶν λόγον βασιλέως (2 a)
20. 34. οἱ λοιποὶ λ. Ἰωσ. οἱ πρῶτοι . . . γεγραμμένοι ἐν λόγοις Ἰ. (2 a, 2 a)
23. 4. νῦν ὁ λ. οὗτος ὃν ποιήσετε (2 a)
25. 26. καὶ οἱ λοιποὶ λ. Ἀμ. οἱ πρῶτοι (2 a)
26. 22. καὶ οἱ λοιποὶ λ. Ὀ. (2 a)
27. 7. καὶ οἱ λοιποὶ λ. Ἰ. [A οἱ λ. Ἰ. οἱ λοιποί] (2 a)
28. 26. καὶ οἱ λοιποὶ λ. αὐ. (2 a)
29. 30. ὑμνεῖν τὸν κύριον ἐν λόγοις Δ. (2 a)
— 36. ἐξάπινα ἐγένετο ὁ λ. (2 a)
30. 4. ἤρεσεν ὁ λ. ἐναντίον τοῦ βασ. (2 a)
— 5. καὶ ἔστησαν λόγον (2 a)
— 12. τοῦ ποιῆσαι . . . ἐν λόγῳ κυρίου (2 a)
31. 5. ὡς προσέταξε τὸν λ. (2 a)
— 16. εἰς λόγον ἡμερῶν εἰς ἡμέρας (2 a)
32. 1. μετὰ τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 8. κατεθάρσησεν ὁ λαὸς ἐπὶ τοῖς λ. Ἐζ. (2 a)
— 32. B καὶ τὰ κατάλοιπα [A R λ.] τῶν λ. Ἐζ. (2 a)
33. 18. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Μαν. . . . καὶ [A add. οἱ] λόγοι τῶν ὁρώντων (2 a, 2 a)
— 19 (18). ἰδοὺ ἐπὶ λόγων προσευχῆς αὐτοῦ (2 a)
— 19. γέγραπται ἐπὶ τῶν [A om.] λ. τῶν ὁρώντων (2 a)
34. 16. ἀπέδωκεν ἔτι [A ἐπὶ] τῷ βασ. λόγον (2 a)
— 18. ἀπήγγειλε Σ. . . . λόγον [A om.] –
— 19. A R ὡς ἤκουσεν ὁ βασ. τοὺς λ. [B om. τ. λ.] τοῦ νόμου (2 a)
— 21. περὶ τῶν λ. τοῦ βιβλίου τοῦ εὑρεθέντος (2 a)
— 21. B οὐκ ἤκουσαν [A R εἰσήκ.] οἱ πατ. ἡμῶν τῶν λ. κυρίου (2 a)
— 24. ἐπάγω . . . τοὺς πάντας λ. τοὺς γεγραμμ. †
— 26. τοὺς λ. οὓς ἤκουσας (2 a)
— 27. ἐν τῷ ἀκοῦσαί σε τοὺς λ. μου (2 a)
— 28. ἀπέδωκαν τῷ βασ. λόγον (2 a)
— 30. B ἀνέγνω . . . τοὺς [A R om.] πάντας λ. βιβλίου (2 a)
— 31. τοῦ φυλάσσειν . . . τοὺς λ. τῆς διαθήκης (2 a)
35. 6. κατὰ τὸν λ. κυρίου διὰ χειρὸς Μ. (2 a)
— 19. ἵνα στήσῃ τοὺς λ. τοῦ νόμου –
— 22. οὐκ ἤκουσε τῶν λ. N. (2 a)
— 26. ἦσαν λόγοι Ἰ. καὶ ἡ ἐλπὶς αὐ. –
— 27. καὶ οἱ [A add. λοιποὶ] λ. αὐ. οἱ πρῶτοι (2 a)
36. 5. ἀπέστησαν μετὰ τὸν λ. τοῦτον κατὰ τὸν λ. κυρίου –, –
— 8. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἰ. (2 a)
— 8. ἐπὶ βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν –
— 16. ἦσαν . . . ἐξουθενοῦντες τοὺς λ. αὐτοῦ (2 a)
— 21. τοῦ πληρωθῆναι λόγον κυρίου (2 a)
I Es. 1. 24. οἱ λ. τοῦ κυρίου ἀνέστησαν ἐπὶ Ἰσρ.
— 47. οὐκ ἐνετράπη ἀπὸ τῶν ῥηθέντων λ. ὑπὸ Ἰ.
— 57. A εἰς ἀναπλήρωσιν λόγου κυρίου [B al.]
3. 5. εἴπωμεν ἕκαστος ἡμῶν ἕνα λ.
— 8. γράψαντες ἕκαστος τὸν ἑαυτοῦ λ.
— 9. οὗ [A om.] ὁ λ. αὐ. σοφώτερος
I Es. 3. 16. δηλώσουσι τοὺς λ. ἑαυτῶν
4. 5. τὸν λ. τοῦ βασ. οὐ παραβαίνουσιν
5. 6. ὃς ἐλάλησεν . . . λ. σοφούς
II Es. 1. 1. B[1] τοῦ τελεσθῆναι [A B[2] R add. λόγον, A R add. κυρίου] ἀπὸ στόματος Ἱερ. (2 a)
3. 4. λόγον ἡμέρας ἐν ἡμέρᾳ (2 a)
7. 11. τῷ γραμματεῖ βιβλίου λόγων ἐντολῶν κ. (2 a)
— 12. R τετελέσθω [A -ται ὁ, B -το] λόγος –
8. 17. λόγους λαλῆσαι πρὸς τοὺς ἀδ. αὐ. (2 a)
9. 3. ὡς ἤκουσα τὸν λ. τοῦτον (2 a)
— 4. πᾶς ὁ διώκων λόγον θεοῦ Ἰσρ. (2 a)
Ne. 1. 1. λόγοι N. υἱοῦ X. (2 a)
— 4. ἐν τῷ ἀκοῦσαί με τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 8. μνήσθητι δὴ τὸν λ. (2 a)
2. 18. B ἀπήγγειλα . . . πρὸς [A S τοὺς] λόγους τοῦ βασ. (2 a)
— 20. ἐπέστρεψα αὐτοῖς λόγον (2 a)
5. 6. καθὼς ἤκουσα . . . τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 8. οὐχ εὕρασαν λόγον (2 a)
— 9. A S R οὐκ ἀγαθὸς ὁ [B om.] λ. (2 a)
— 13. ὃς οὐ στήσει τὸν λ. τοῦτον (2 a)
— 13. ᾔνεσαν τὸν κύριον [S[2] λόγον κυρίου] –
— 13. ἐποίησεν ὁ λαὸς τὸ ῥῆμα τοῦτο [S[2] τὸν λ. τ.] (2 a)
6. 5. S[2] κατὰ τὸν λ. τοῦτον τὸ πέμπτον (2 a)
— 7. ἀπαγγελήσονται . . . οἱ λ. οὗτοι (2 a)
— 8. οὐκ ἐγενήθη ὡς οἱ λ. οὗτοι (2 a)
— 12. ἡ προφητεία λόγος κατ' ἐμοῦ (2 e)
— 19. τοὺς λ. αὐ. ἦσαν λέγοντες πρὸς μὲ καὶ λόγους μου ἦσαν ἐκφέροντες αὐτῷ (†, 2 a)
8. 9. ὡς ἤκουσαν τοὺς λ. τοῦ νόμου (2 a)
— 12. συνῆκαν ἐν τοῖς λ. (2 a)
— 13. ἐπιστῆσαι πρὸς πάντας τοὺς λ. τοῦ νόμου (2 a)
9. 8. ἔστησας τοὺς λ. σου (2 a)
12. 23. ἐπὶ βιβλίῳ [S[2] -ου] λόγων τῶν ἡμ. (2 a)
— 47. λόγον ἡμέρας ἐν ἡμέρᾳ αὐ. (2 a)
13. 17. τίς ὁ λ. οὗτος ὁ πονηρός (2 a)
To. 1. 1. βίβλος λόγων Τωβὶτ τοῦ Τωβιήλ
5. 20. μὴ λόγον ἔχε
— 20. S μὴ λόγον ἔχε
6. 15. οὐ μέμνησαι τῶν λ. [S τὰς ἐντολάς]
— 15. A[2] ὧν ἐνετείλατο . . . ὑπὲρ τοῦ λ. τούτου [A[1] B S al.]
— 15. τοῦ δαιμονίου μηδένα λ. ἔχε [S al.]
— 17. S μὴ λόγον ἔχε
— 17. S ὅτε ἤκουσε Τ. τῶν λ. Ῥ. [A B al.]
7. 9. μετέδωκε τὸν λ. τῷ Ῥαφαήλ [S al.]
8. 2. ἐμνήσθη τῶν λ. Ῥαφαήλ
10. 6. μὴ λόγον ἔχε
12. 6. τοὺς λ. τῶν ἔργων θεοῦ ἐντίμως ὑποδεικνύοντες [S al.]
13. 12. S οἱ ἐροῦσιν λ. σκληρόν [A B al.]
14. 1. S συνετελέσθησαν οἱ λ. τῆς ἐξομολογήσεως Τ. [A B al.]
— 4. S οὐ μὴ διαπέσῃ ῥῆμα ἐκ τῶν λ.
Ju. 2. 1. ἐγένετο λόγος ἐν οἴκῳ Ναβ.
— 3. οἱ οὐκ ἠκολούθησαν τῷ λ. τοῦ στόματος αὐ.
3. 1. ἀπέστειλαν . . . ἀγγέλους λ. εἰρηνικοῖς
5. 5. ἀκουσάτω δὴ λόγον ὁ κύριός μου
— 22. λαλῶν τοὺς λ. τούτους
6. 4. τὰ ῥήματα τῶν λ. [S τοῦ στόματος] αὐ.
— 5. ὃς ἐλάλησας τοὺς λ. τούτους
7. 9. ἀκουσάτω δὴ λόγον ὁ δεσπότης ἡμῶν
— 16. ἤρεσαν οἱ λ. αὐ. ἐνώπιον Ὀλ.
8. 9. ἤκουσε πάντας τοὺς λ. Ἰ.
— 11. οὐκ εὐθὺς ὁ λ. ὑμῶν
— 14. λόγους τῆς διανοίας αὐ. οὐ διαλήψεσθε
— 28. ὃς ἀντιστήσεται τοῖς λ. σου
9. 13. δὸς λόγον μου [S μοι]
10. 9. εἰς τελείωσιν τῶν λ.
11. 6. ἐὰν κατακολουθήσῃς τοῖς λ. τῆς παιδίσκης σου
— 9. καὶ νῦν [A S add. ὁ] λόγος [S[1] add. σου] ὃν ἐλάλησεν
— 10. μὴ παρέλθῃς τὸν λ. αὐτοῦ
— 20. ἤρεσαν οἱ λ. αὐ. ἐναντίον Ὀλ.
— 21. A B ἐν καλῷ προσώπῳ καὶ συνέσει λόγων
— 23. καὶ ἀγαθὴ ἐν τοῖς λ. σου
Es. 1. 1. ἐν παντὶ λ. ἤθελεν ἐπιγνῶναι αὐτό
— 1. ἔγραψεν ὁ βασ. τοὺς λ. τούτους
— 1. ἔγραψε περὶ τῶν λ. τούτων
— 1. καὶ ἐγένετο μετὰ τοὺς λ. τούτους –
— 20. ἀκουσθήτω ὁ νόμος [A S[2] λόγος] (9)
— 21. ἤρεσεν ὁ λ. τῷ βασιλεῖ (2 a)
2. 1. μετὰ τοὺς λ. τούτους (2 a)

Es. 2. 22. ἐδηλώθη Μαρδοχαίῳ ὁ [A *om.*] λ. (2 *a*)
3. 4. Μαρδοχαῖον τοῖς τοῦ βασ. λ. ἀντιτασσόμενον [A *al.*] (2 *a* ?)
4. 9. ἐλάλησεν αὐτῇ πάντας τοὺς λ. τ. (2 *a*)
— 12. ἀπήγγειλεν . . . πάντας τοὺς λ. Ἐ. (2 *a*)
— 17. δὸς λόγον εὔρυθμον εἰς τὸ στόμα μου
5. 1. παρεκάλει αὐτὴν λ. εἰρηνικοῖς
— 5. ὅπως ποιήσωμεν τὸν λ. Ἐ. [A *al.*] (2 *a*)
6. 1. εἰσφέρειν γράμματα μνημόσυνα [S² *add.* λόγων] (2 *a*)
— 10. μὴ παραπεσάτω σου λόγος (2 *a*)
7. 3. A B S¹ καὶ ὁ λ. [S²R λαός] μου τῷ ἀξιώματί μου †
— 8. S² ὁ λ. ἐξῆλθεν ἐκ τοῦ στόματος τοῦ βασ. (2 *a*)
8. 5. S² καὶ εὐθὺς ὁ λ. ἐνώπιον τοῦ βασ. (2 *a*)
— 17. S² ὁ λ. τοῦ βασιλέως [A B S¹ *al.*] (2 *a*)
9. 20. ἔγραψε δὲ Μ. τοὺς λ. τούτους (2 *a*)
— 26. διὰ τοὺς λ. τῆς ἐπιστολῆς ταύτης (2 *a*)
— 32. Ἐ. λόγῳ ἔστησεν (2 *e*)
10. 3. οὗ εἶδον περὶ τῶν λ. τούτων
— 3. οὐδὲ γὰρ παρῆλθεν ἀπ' αὐτῶν λόγος
Jb. 2. 13. A οὐδεὶς αὐτῶν ἐλάλησεν πρὸς αὐτὸν λόγον [B S *al.*] (2 *a*)
4. 12. εἰ δέ τι ῥῆμα ἀληθινὸν ἐγεγόνει ἐν λόγοις σου –
7. 13. ἀνοίσω δὲ πρὸς ἐμαυτὸν ἰδίᾳ λόγον [A διάλ.] †
9. 3. ἵνα μὴ ἀντείπῃ πρὸς ἕνα λόγον αὐτοῦ ἐκ χιλίων –
11. 12. ἄνθρωπος δὲ ἄλλως νήχεται λόγοις [A¹ ἀλόγοις] †
14. 3. οὐχὶ καὶ τούτου λόγον ἐποιήσω †
15. 3. ἐλέγχων . . . ἐν λόγοις οἷς οὐδὲν ὄφελος (4)
16. 5 (4). A εἶτ' ἐναλοῦμαι ὑμῖν λόγοις [B S ῥήμασι] (4)
19. 2. ἕως τίνος . . . καθαιρεῖτέ με λόγοις (4)
— 28. ῥίζαν λόγου εὑρήσομεν ἐν αὐτῷ (2 *a*)
21. 2. ἀκούσατέ μου τῶν λ. (4)
22. 4. ἢ λόγον σου ποιούμενος ἐλέγξει σε †
26. 14. S¹ ταῦτα μέρη λόγου [A B S² ὁδοῦ] αὐτοῦ καὶ ἐπὶ ἰκμάδα λόγου ἀκουσόμεθα ἐν αὐτῷ (†, 2 *a*)
32. 11. A ἤκουσα τοὺς λ. ὑμῶν –
— 11. ἄχρις οὗ ἐτάσητε λόγους [A τοὺς λ. ὑμῶν] (4)
— 15. ἐπαλαίωσαν ἐξ αὐτῶν λόγους (4)
33. 32. A S²R εἰ εἰσί σοι λόγοι [B S¹ εἰ ἐστι λόγος] (4)
34. 3. οὖς [A νοῦς] λόγους δοκιμάζει (4)
41. 3 (4). λόγον [A -ος] δυνάμεως ἐλεήσει τὸν ἴσον αὐτοῦ (2 *a*)
Ps. 7. *tit.* ὃν ᾖσε τῷ κ. ὑπὲρ τῶν λ. Χ. (2 *a*)
16 (17). 4. διὰ τοὺς λ. τῶν χειλέων σου (2 *a*)
17 (18). *tit.* ἃ ἐλάλησε τῷ κυρίῳ τοὺς λ. τῆς ᾠδῆς ταύτης (2 *a*)
18 (19). 3. οὐκ εἰσὶ λαλιαὶ οὐδὲ λόγοι (2 *a*)
21 (22). 1. μακρὰν ἀπὸ τῆς σωτηρίας μου οἱ λ. τῶν παραπτωμάτων μου (2 *a*)
32 (33). 4. εὐθὺς ὁ λ. τοῦ κυρίου (2 *a*)
— 6. τῷ λ. τοῦ κυρίου οἱ οὐρανοὶ ἐστερεώθησαν (2 *a*)
40 (41). 8. λόγον παράνομον κατέθεντο κατ' ἐμοῦ (2 *a*)
44 (45). 1. ἐξηρεύξατο ἡ καρδία μου λόγον ἀγαθόν (2 *a*)
49 (50). 17. ἐξέβαλες τοὺς λ. μου εἰς τὰ ὀπίσω (2 *a*)
50 (51). 4. ὅπως ἂν δικαιωθῇς ἐν τοῖς λ. σου (2 *a*)
54 (55). 21. ἠπαλύνθησαν οἱ λ. αὐτοῦ ὑπὲρ ἔλαιον (2 *a*)
55 (56). 3. ἐν τῷ θεῷ ἐπαινέσω τοὺς λ. μου (2 *a*)
— 5. ὅλην τὴν ἡμέραν τοὺς λ. μου ἐβδελύσσοντο (2 *a*)
— 10. ἐπὶ τῷ κυρίῳ αἰνέσω λόγον (2 *a*)
58 (59). 12. λόγον [S² -ος] χειλέων αὐτῶν (2 *a*)
63 (64). 5. ἐκραταίωσαν ἑαυτοῖς λόγον πονηρόν (2 *a*)
64 (65). 3. λόγοι ἀνόμων ὑπερεδυνάμωσαν ἡμᾶς (2 *a*)
90 (91). 3. ῥύσεταί με . . . ἀπὸ λόγου ταραχώδους †
102 (103). 20. ποιοῦντες τὸν λ. αὐ. τοῦ ἀκοῦσαι τῆς φωνῆς τῶν λ. αὐ. (2 *a*, 2 *a*)
104 (105). 8. ἐμνήσθη . . . λόγου οὗ ἐνετείλατο (2 *a*)
— 19. μέχρι τοῦ ἐλθεῖν τὸν λ. αὐτοῦ (2 *a*)
— 27. ἔθετο ἐν αὐτοῖς τοὺς λ. τῶν σημείων αὐ. (2 *a*)
— 28. παρεπίκραναν τοὺς λ. αὐτοῦ (2 *a*)
— 42. ἐμνήσθη τοῦ λ. τοῦ ἁγίου αὐτοῦ (2 *a*)
105 (106). 12. A B S¹ ἐπίστευσαν ἐν [S²R *om.*] τοῖς λ. [S² τῷ λ.] αὐτοῦ (2 *a*)
— 24. οὐκ ἐπίστευσαν τῷ λ. αὐτοῦ (2 *a*)
106 (107). 20. ἀπέστειλε τὸν λ. αὐτοῦ (2 *a*)

Ps. 108 (109). 3. λόγοις μίσους ἐκύκλωσάν με (2 *a*)
111 (112). 5. οἰκονομήσει τοὺς λ. αὐτοῦ ἐν κρίσει (2 *a*)
118 (119). 9. ἐν τῷ φυλάσσεσθαι τοὺς λ. σου (2 *a*)
— 16. οὐκ ἐπιλήσομαι τῶν λ. σου (2 *a*)
— 17. φυλάξω τοὺς λ. σου (2 *a*)
— 25. A¹ R ζῆσόν με [S ζήσομαι] κατὰ τὸν λ. [A² S τὸ λόγιόν] σου (2 *a*)
— 28. βεβαίωσόν με ἐν τοῖς λ. σου (2 *a*)
— 41. S² R τὸ σωτήριόν σου κατὰ τὸν λ. [A κ. λόγιον, S¹ κ. τὸ ἔλεός] σου (1 *b*)
— 42. A S ἀποκριθήσομαι τοῖς ὀνειδίζουσί με λόγον ὅτι ἤλπισα ἐπὶ τοὺς λ. [R τοῖς λ.] σου (2 *a*, 2 *a*)
— 43. μὴ περιέλῃς ἐκ τοῦ στόματός μου λόγον ἀληθείας (2 *a*)
— 49. A S¹ μνήσθητι τὸν λ. [S² R τῶν λ.] σου τῷ δούλῳ σου (2 *a*)
— 65. S² R κατὰ τὸν λ. [A S² τὸ λόγιόν] σου (2 *a*)
— 74. εἰς τοὺς λ. σου ἐπῆλπισα (2 *a*)
— 81. A S¹ εἰς τὸν λ. [S² R τοὺς λ.] σου ἐπήλπισα (2 *a*)
— 89. εἰς τὸν αἰῶνα, κύριε, ὁ λ. σου διαμένει (2 *a*)
— 101. ὅπως ἂν φυλάξω τοὺς λ. σου (2 *a*)
— 107. A S² R ζῆσόν με κατὰ τὸν λ. [S¹ τὸ λόγιόν] σου (2 *a*)
— 114. A S² R εἰς τοὺς λ. [S¹ τὸν λαόν] σου ἐπήλπισα (2 *a*)
— 130. ἡ δήλωσις τῶν λ. σου φωτεῖ (2 *a*)
— 139. S² R ἐπελάθοντο τῶν λ. [A S¹ ἐντολῶν] σου (2 *a*)
— 142. S¹ ὁ λ. [A S² R νόμος] σου ἀλήθεια (14)
— 147. εἰς τοὺς λ. σου ἐπήλπισα (2 *a*)
— 154. διὰ τὸν λ. σου ζῆσόν με (1 *b*)
— 160. ἀρχὴ τῶν λ. σου ἀλήθεια (2 *a*)
— 161. ἀπὸ τῶν λ. σου ἐδειλίασεν ἡ καρδία μου (2 *a*)
129 (130). 5. A S² R ὑπέμεινεν ἡ ψυχή μου εἰς τὸν λ. [S¹ νόμον] σου (2 *a*)
136 (137). 3. ἐπηρώτησαν ἡμᾶς . . . λόγους ᾠδῶν (2 *a*)
138 (139). 4. οὐκ ἔστι λόγος ἄδικος [S² ἔστι δόλος] ἐν γλώσσῃ μου (4)
140 (141). 4. μὴ ἐκκλίνῃς τὴν καρδίαν μου εἰς λόγους πονηρίας [S -ρούς] (2 *a*)
144 (145). 13. πιστὸς κύριος ἐν τοῖς [S² πᾶσιν τοῖς] λ. αὐτοῦ –
147. 4 (15). ἕως τάχους δραμεῖται ὁ λ. αὐτοῦ (2 *a*)
— 7 (18). ἀποστελεῖ τὸν λ. αὐτοῦ (2 *a*)
— 8 (19). ἀπαγγέλλων τὸν λ. αὐτοῦ τῷ Ἰακώβ (2 *a*)
148. 8. τὰ ποιοῦντα τὸν λ. αὐτοῦ (2 *a*)
Pr. 1. 2. νοῆσαί τε λόγους φρονήσεως (1 *a*)
— 3. δέξασθαί τε στροφὰς λόγων †
— 6. νοήσει τε παραβολὴν καὶ σκοτεινὸν λόγον (16)
— 23. διδάξω δὲ ὑμᾶς τὸν ἐμὸν λ. (2 *a*)
— 24. ἐξέτεινον λόγους †
— 29. τὸν δὲ λ. [S² φόβον] τοῦ κυρίου οὐ προείλαντο †
4. 4. ἐρειδέτω ὁ ἡμέτερος λ. εἰς σὴν καρδίαν [S διάνοιαν] (2 *a*)
— 10. δέξαι ἐμοὺς λ. (1 *a*)
— 20. τοῖς δὲ ἐμοῖς λ. παράβαλλε σὸν οὖς (1 *a*)
5. 1. ἐμοῖς δὲ λ. παράβαλλε σον οὖς (13)
— 7. μὴ ἀκύρους [S¹ μακρύνῃς] ποιήσῃς ἐμοὺς λ. (1 *a*)
7. 1. υἱέ, φύλασσε ἐμοὺς λ. (1 *a*)
— 2. τοὺς δὲ ἐμοὺς λ. ὥσπερ κόρας ὀμμάτων (14)
— 5. ἐάν σε λόγοις τοῖς πρὸς χάριν ἐμβάληται (1 *a*)
12. 5. S¹ κυβερνῶσι δὲ ἀσεβεῖς λόγοις [A B S² δόλους] †
— 6. λόγοι ἀσεβῶν δόλιοι (2 *a*)
— 25. φοβερὸς λόγος καρδίαν ταράσσει ἀνδρὸς δικαίου (17)
13. 5. λόγον ἄδικον μισεῖ δίκαιος (2 *a*)
14. 15. ἄκακος πιστεύει παντὶ λόγῳ (2 *a*)
15. 1. λόγος δὲ λυπηρὸς ἐγείρει ὀργάς (2 *a*)
16. 13. λόγους δὲ ὀρθοὺς ἀγαπᾷ (2 *d*)
— 21. οἱ δὲ γλυκεῖς ἐν λόγῳ πλείονα ἀκούσονται (11)
— 24. κηρία μέλιτος λόγοι καλοί (1 *a*)
17. 14. ἐξουσίαν δίδωσι λόγοις ἀρχὴ δικαιοσύνης †
18. 4. ὕδωρ βαθὺ λόγος ἐν καρδίᾳ ἀνδρός (2 *a*)
— 13. ὃς ἀποκρίνεται λόγον πρὶν ἀκοῦσαι (2 *a*)
19. 7. ὃς δὲ ἐρεθίζει λόγους οὐ σωθήσεται (1 *a*)
22. 12. φαυλίζει δὲ λόγους παράνομος (2 *a*)
— 17. λόγοις σοφῶν παράβαλλε σὸν οὖς καὶ ἄκουε ἐμὸν λ. (2 *a*, –)
— 21. διδάσκω οὖν σε ἀληθῆ λόγον (1 *a*)

Pr. 22. 21. τοῦ ἀποκρίνεσθαί σε λόγους [A -οις, S -ον] ἀληθείας (1 *a*)
23. 8. λυμανεῖται τοὺς λ. σου τοὺς καλούς (2 *a*)
— 9. μή ποτε μυκτηρίσῃ τοὺς συνετοὺς λόγους σου (4)
— 12. τὰ δὲ ὦτά σου ἑτοίμασον λόγοις αἰσθήσεως (1 *a*)
— 16. ἐνδιατρίψει λόγοις τὰ σὰ χείλη πρὸς τὰ ἐμὰ χείλη (2 *e*)
24. 23 (29. 27). λόγον φυλασσόμενος υἱὸς ἀπωλείας ἐκτὸς ἔσται –
— 23 (29. 27). τοὺς ἐμοὺς λ., υἱέ, φοβήθητι –
— 28 (30. 5). πάντες γὰρ λόγοι θεοῦ πεπυρωμένοι (1 *b*)
— 29 (30. 6). μὴ προσθῇς τοῖς λ. αὐτοῦ (2 *a*)
— 31 (30. 8). μάταιον λόγον καὶ ψευδῆ μακράν μου ποίησον (2 *a*)
— 41 (26). χείλη δὲ φιλήσουσιν ἀποκρινόμενα λόγους ἀγαθούς [A S² σοφούς] (2 *a*)
— 68 (30. 33). ἐὰν δὲ ἐξέλκῃς λόγους †
— 69 (31. 1). οἱ ἐμοὶ λ. εἴρηνται ὑπὸ θεοῦ (2 *a*)
— 76 (31. 8). ἄνοιγε σὸν στόμα λόγῳ θεοῦ †
25. 2. δόξα θεοῦ κρύπτει λόγον (2 *a*)
— 11. οὕτως εἰπεῖν λόγον (2 *a*)
— 12. λόγος σοφὸς εἰς εὐήκοον οὖς †
— 27. τιμᾶν δὲ χρὴ λόγους ἐνδόξους †
26. 6. ὁ ἀποστείλας δι' ἀγγέλου ἄφρονος λόγον (2 *a*)
— 18. προβάλλουσι λόγους εἰς ἀνθρώπους ὁ δὲ ἀπαντήσας τῷ λ. πρῶτος ὑποσκελισθήσεται †, –
— 22. λόγοι κερκώπων μαλακοί (2 *a*)
— 24. A² R ἐν δὲ τῇ καρδίᾳ τεκταίνεται δόλους [A¹ -ος, B¹ S λόγους] †
27. 11. ἀπόστρεψον ἀπὸ σοῦ ἐπονειδίστους λόγους (2 *a*)
29. 12. βασιλέως ἐπακούοντος λόγον ἄδικον (2 *a*)
— 19. λόγοις οὐ παιδευθήσεται οἰκέτης σκληρός (2 *a*)
— 20. ἐὰν ἴδῃς ἄνδρα ταχὺν ἐν λόγοις (2 *a*)
Ec. 1. 8. πάντες οἱ λ. ἔγκοποι (2 *a*)
5. 1. τοῦ ἐξενέγκαι λόγον πρὸ προσώπου τοῦ θεοῦ (2 *a*)
— 1. ἔστωσαν οἱ λ. σου ὀλίγοι (2 *a*)
— 2. φωνὴ ἄφρονος ἐν πλήθει λόγων (2 *a*)
— 6. ἐν πλήθει ἐνυπνίων . . . καὶ λ. πολλῶν (2 *a*)
6. 11. A B εἰσὶ λ. [S ὀλίγοι] πολλοὶ πληθύνοντες ματαιότητα (2 *a*)
7. 9 (8). ἀγαθὴ ἐσχάτη λόγων ὑπὲρ ἀρχὴν αὐτοῦ (2 *a*)
— 22 (21). εἰς πάντας λ. . . . μὴ θῇς καρδίαν σου (2 *a*)
8. 2. περὶ λόγου ὅρκου θεοῦ μὴ σπουδάσῃς (2 *c*)
— 3. μὴ στῇς ἐν λ. πονηρῷ (2 *a*)
9. 16. οἱ λ. αὐτοῦ οὐκ εἰσακουόμενοι [A S *al.*] (2 *a*)
— 17. λόγοι σοφῶν ἐν ἀναπαύσει ἀκούονται (2 *a*)
10. 1. B¹ τίμιον ὁ λόγος [A B² S R ὀλίγον] σοφίας ὑπὲρ δόξαν ἀφροσύνης μεγάλην –
— 12. λόγοι [S² -οις] στόματος σοφοῦ χάρις (2 *a*)
— 13. ἀρχὴ λόγων στόματος αὐτοῦ ἀφροσύνη (2 *a*)
— 14. ὁ ἄφρων πληθύνει λόγους (2 *a*)
— 20. ὁ ἔχων τὰς πτέρυγας ἀπαγγελεῖ λόγον σου (2 *a*)
12. 10. τοῦ εὑρεῖν λόγους θελήματος καὶ γεγραμμένον εὐθύτητος λόγους ἀληθείας (2 *a*, 2 *a*)
— 11. λόγοι σοφῶν ὡς τὰ βούκεντρα (2 *a*)
— 13. τέλος λόγου τὸ πᾶν ἄκουε (2 *a*)
Ca. 5. 6. ἐξῆλθεν [S ἀπῆλθεν] ἐν λόγῳ αὐτοῦ (2 *e*)
Wi. 1. 9. λόγων δὲ αὐτοῦ ἀκοὴ πρὸς κύριον ἥξει
— 16. ἀσεβεῖς δὲ . . . τοῖς λ. προσεκαλέσαντο αὐτόν
2. 2. ὁ λ. σπινθὴρ ἐν κινήσει καρδίας ἡμῶν
— 17. ἴδωμεν εἰ οἱ λ. αὐτοῦ ἀληθεῖς
— 20. ἔσται γὰρ αὐτοῦ ἐπισκοπὴ ἐκ λόγων αὐτοῦ
6. 9. πρὸς ὑμᾶς οὖν, ὦ τύραννοι, οἱ λ. μου
— 11. ἐπιθυμήσατε οὖν τῶν λ. μου
7. 16. ἐν γὰρ χειρὶ αὐτοῦ καὶ ἡμεῖς καὶ οἱ λ. ἡμῶν
8. 8. ἐπίσταται στροφὰς λόγων
— 18. ἐν κοινωνίᾳ λόγων αὐτῆς
9. 1. ὁ ποιήσας τὰ πάντα ἐν λόγῳ σου
12. 9. ἢ λόγῳ ἀποτόμῳ ὑφ' ἓν ἐκτρῖψαι
16. 12. ὁ σὸς, κύριε, λ. [S ὁ λ.] ὁ πάντα ἰώμενος
18. 15. ὁ παντοδύναμός σου λ. ἀπ' οὐρανῶν . . . ἥλατο
— 22. λόγῳ τὸν κολάζοντα ὑπέταξεν
Si. 1. 23. ἕως καιροῦ κρύψει τοὺς λ. αὐτοῦ
3. 8. ἐν ἔργῳ καὶ λόγῳ τίμα τὸν πατέρα σου

Si. 4. 23. μὴ κωλύσῃς λόγον ἐν καιρῷ σωτηρίας
— 24. ἐν γὰρ λόγῳ γνωσθήσεται σοφία
— 29. παρειμένος ἐν τοῖς ἔργοις [S² λόγοις] σου
5. 10. εἶς ἔστω σου ὁ λ.
7. 14. μὴ δευτερώσῃς λόγον ἐν προσευχῇ σου
— 36. ἐν πᾶσι τοῖς λ. σου μιμνήσκου τὰ ἔσχατά σου
8. 17. οὐ γὰρ δυνήσεται λόγον στέξαι
9. 17. ὁ ἡγούμενος λαοῦ σοφὸς ἐν λόγῳ [S¹ -οις] αὐ.
— 18. ὁ προπετὴς ἐν λόγῳ αὐτοῦ μισηθήσεται
11. 8. ἐν μέσῳ λόγων μὴ παρεμβάλλου
12. 12. ἐπ' ἐσχάτῳ ἐπιγνώσῃ τοὺς λ. μου
13. 11. μὴ πίστευε τοῖς πλείοσι λ. αὐτοῦ
— 12. ἀνελέημων ὁ μὴ συντηρῶν λόγους
— 23. τὸν λ. αὐτοῦ ἀνύψωσαν ἕως τῶν νεφελῶν
16. 24. ἐπὶ τῶν λ. μου πρόσεχε τῇ καρδίᾳ σου
18. 15. μὴ δῷς . . . ἐν πάσῃ δόσει λύπην λόγων
— 16. οὕτως κρείσσων λόγος ἢ δόσις
— 17. οὐκ ἰδοὺ λόγος ὑπὲρ δόμα ἀγαθόν
— 29. συνετοὶ ἐν λόγοις καὶ αὐτοὶ ἐσοφίσαντο
19. 7. μηδέποτε δευτερώσῃς λόγον
— 10. ἀκήκοας λόγον [S¹ λέγων] συναποθανέτω σοι
— 11. ἀπὸ προσώπου λόγου ὠδινήσει μωρός
— 12. οὕτως λόγος ἐν κοιλίᾳ μωροῦ
— 15. μὴ παντὶ λόγῳ πίστευε
20. 8. ὁ πλεονάζων λόγῳ [A -ον] βδελυχθήσεται
— 13. ὁ σοφὸς ἐν λόγῳ [A S -οις] ἑαυτὸν προσφιλῆ ποιήσει
— 27. λόγοι παραβολῶν
— 27. ὁ σοφὸς ἐν λόγοις προάξει ἑαυτόν
21. 15. λόγον σοφὸν ἐὰν ἀκούσῃ ἐπιστήμων
— 17. τοὺς λ. αὐτοῦ διανοηθήσεται ἐν καρδίᾳ
— 18. γνῶσις ἀσυνέτου ἀδιεξέταστοι λόγοι
— 25. λόγοι δὲ φρονίμων ἐν ζυγῷ σταθήσονται
22. 13. μετὰ ἄφρονος μὴ πληθύνῃς λόγον
23. 13. ἔστι γὰρ ἐν αὐτῇ λόγος ἁμαρτίας
— 15. ἄνθρωπος συνεθιζόμενος λόγοις ὀνειδισμοῦ
27. 6. οὕτως λόγος ἐνθυμήματος καρδίας [A -ίᾳ] ἀνθρώπου
— 23. ἐπὶ τῶν λ. σου ἐκθαυμάσει
— 23. ἐν τοῖς λ. σου δώσει σκάνδαλον
28. 25. τοῖς λ. σου ποίησον ζυγὸν καὶ σταθμόν
29. 3. στερέωσον λόγον
— 5. ἀποδώσει λόγους ἀκηδίας
31 (34). 11. πλείονα τῶν λ. μου σύνεσίς μου
34 (31). 22. εὑρήσεις τοὺς λ. μου
— 22. A ἐν πᾶσι τοῖς λ. [B S ἔργοις] σου γίνου ἐντρεχής
— 31. λόγον ὀνειδισμοῦ μὴ εἴπῃς αὐτῷ
35 (32). 8. κεφαλαίωσον λόγον [S om.]
— 12. μὴ ἁμάρτῃς λόγῳ ὑπερηφάνῳ [S¹ al.]
36 (33). 4. ἑτοίμασον λόγον
36. 24 (21). οὕτως καρδία συνετὴ λόγους ψευδεῖς
37. 16. ἀρχὴ παντὸς ἔργου λόγος
— 20. ἔστι σοφιζόμενος ἐν λόγοις μισητός
39. 17. ἐν λόγῳ αὐτοῦ ἔστη ὡς θημωνία ὕδωρ
— 31. ἐν τοῖς καιροῖς αὐ. οὐ παραβήσονται λόγον
41. 22. ἀπὸ φίλων περὶ λόγων [A S -ου] ὀνειδισμοῦ
42. 1. ἀπὸ δευτερώσεως καὶ λόγου ἀκοῆς καὶ ἀπὸ ἀποκαλύψεων λόγων κρυφίων
— 3. περὶ λόγου κοινωνοῦ [S -ῶν] καὶ ὁδοιπόρων
— 15. ἐν λόγοις κυρίου τὰ ἔργα αὐτοῦ
— 20. οὐκ ἐκρύβη ἀπ' αὐτοῦ οὐδὲ [A om.] εἷς λόγος
43. 5. ἐν λόγοις αὐτοῦ κατέσπευσε πορείαν
— 10. A S R ἐν λόγοις ἁγίου [B -ίοις] στήσονται κατὰ κρίμα
— 26. ἐν λόγῳ αὐτοῦ σύγκειται πάντα
— 27. συντέλεια λόγων τὸ πᾶν ἐστιν αὐτός
44. 4. σοφοὶ λόγοι ἐν [A ἐν λόγοις] παιδείᾳ αὐτῶν
45. 3. ἐν λόγοις αὐτοῦ σημεῖα κατέπαυσεν
— 10. λογείῳ [S λόγοι] κρίσεως
48. 1. ὁ λ. αὐτοῦ ὡς λαμπὰς ἐκαίετο
— 3. ἐν λόγῳ κυρίου ἀνέσχεν οὐρανόν
— 5. ὁ ἐγείρας νεκρὸν . . . ἐξ ᾅδου ἐν λόγῳ ὑψίστου
— 13. πᾶς λόγος οὐχ [S κυρίου] ὑπερῆρεν αὐτόν
51. 5. ἀπὸ γλώσσης ἀκαθάρτου καὶ λόγου ψευδοῖς
Ho. 1. 1. λόγος κυρίου ὃς ἐγενήθη πρὸς Ὠσηέ (2 a)
— 2. ἀρχὴ λόγου κυρίου ἐν [A πρὸς] Ὠσηέ (2 e)
4. 1. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)
13. 1. κατὰ τὸν λ. Ἐφ. δικαιώματα αὐτὸς ἔλαβεν (2 e)
14. 3. λάβετε μεθ' ἑαυτῶν λόγους (2 a)
Am. 1. 1. λόγοι Ἀμὼς οἱ ἐγένοντο ἐν ἀκκαρείμ (2 a)
3. 1 : 4. 1. ἀκούσατε τὸν λ. τοῦτον (2 a)
5. 1. ἀκούσατε τὸν λ. κυρίου τοῦτον (2 a)
— 10. καὶ λόγον ὅσιον ἐβδελύξαντο (2 d)
6. 14 (13). οἱ εὐφραινόμενοι ἐπ' οὐδενὶ λόγῳ (2 a)
Am. 7. 10. ὑπενεγκεῖν πάντας τοὺς λ. αὐτοῦ (2 a)
— 16. καὶ νῦν ἄκουε λόγον κυρίου (2 a)
8. 11. λιμὸν τοῦ ἀκοῦσαι λόγον κ. (2 a)
— 12. ζητοῦντες τὸν λ. τοῦ κυρίου (2 a)
Mi. 1. 1. καὶ ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Μιχαίαν (2 a)
— 2. ἀκούσατε λαοὶ λόγους †
2. 7. οὐχ οἱ λ. αὐτοῦ εἰσι καλοὶ μετ' αὐτοῦ (2 a)
4. 2. ἐξελεύσεται . . . λόγος κυρίου ἐξ Ἱερουσ. (2 a)
6. 1. ἀκούσατε δὴ λόγον –
7. 3. ὁ κριτὴς εἰρηνικοὺς λόγους ἐλάλησε (2 d)
Jl. 1. 1. λόγος κυρίου ὃς ἐγενήθη πρὸς Ἰωήλ (2 a)
2. 11. ὅτι ἰσχυρὰ ἔργα λόγων αὐτοῦ (2 a)
Jn. 1. 1 : 3. 1. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς Ἰωνᾶν (2 a)
3. 6. ἤγγισεν ὁ λ. [S³ λαὸς] πρὸς τὸν βασιλέα (2 a)
4. 2. οὐχ οὗτοι οἱ λ. μου (2 a)
Hb. 3. 5. πρὸ προσώπου αὐτοῦ πορεύσεται λόγος †
Ze. 1. 1. λόγος κ. ὃς ἐγενήθη πρὸς Σ. (2 a)
2. 5. λόγος κ. ἐφ' [A πρὸς] ὑμᾶς (2 a)
Hg. 1. 1, 3. ἐγένετο λόγος κ. ἐν χειρὶ Ἀ. (2 a)
— 12. πάντες οἱ κατάλοιποι . . . τῶν λ. Ἀ. (2 a)
2. 11 (10). ἐγένετο λόγος κ. πρὸς Ἀ. (2 a)
— 21 (20). ἐγένετο λόγος κ. ἐκ δευτέρου πρὸς Ἀ. (2 a)
Za. 1. 1. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς Ζ. (2 a)
— 6. πλὴν τοὺς λ. μου . . . δέχεσθε (2 a)
— 7. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς Ζ. (2 a)
— 13. λαλοῦντι ἐν ἐμοὶ . . . λόγους παρακλητικούς (2 a)
4. 6. οὗτος ὁ λ. κ. πρὸς Ζ. (2 a)
— 8 : 6. 9. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς μέ (2 a)
7. 1. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς Ζ. (2 a)
— 4. ἐγένετο λόγος κ. τῶν δυνάμεων πρὸς μέ (2 a)
— 7. οὐχ οὗτοι οἱ λ. εἰσίν (2 a)
— 8. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς Ζ. (2 a)
— 12. τοὺς λ. οὓς ἐξαπέστειλε κύριος (2 a)
8. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου παντοκράτορος (2 a)
— 9. τῶν ἀκουόντων . . . τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 16. οὗτοι οἱ λ. οὓς ποιήσετε (2 a)
— 18. ἐγένετο λόγος κ. παντοκράτορος πρὸς μέ (2 a)
9. 1. λῆμμα λόγου κ. ἐν γῇ Σ. καὶ Δ. (2 a)
11. 11. διότι λόγος κ. [A¹ om.] ἐστί (2 a)
12. 1 : Ma. 1. 1. λῆμμα λόγου κ. ἐπὶ τὸν Ἰσ. (2 a)
Ma. 2. 17. οἱ παροξύναντες τὸν θ. ἐν τοῖς λ. ὑμῶν (2 a)
3. 13. ἐβαρύνατε ἐπ' ἐμὲ τοὺς λ. ὑμῶν (2 a)
Is. 1. 10. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)
— 10. προσέχετε νόμον [S¹ λόγον] θεοῦ (14)
2. 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος [A S add. παρὰ κυρίου] πρὸς Ἡσαΐαν (2 a)
— 3. λ. κυρίου ἐξ Ἱερουσαλήμ (2 a)
8. 10. λόγον [A τὸν λ.] ὃν ἐὰν λαλήσητε (2 a)
9. 8 (7). S¹ λόγον [A B S² θάνατον] ἀπέστειλε κύριος ἐπὶ Ἰ. (2 a)
10. 23 (22). λόγον συντελῶν καὶ συντέμνων ἐν δικαιοσύνῃ –
— 23. ὅτι λόγον συντετμημένον ποιήσει κύριος –
11. 4. πατάξει γῆν τῷ λ. τοῦ στόματος αὐτοῦ (12)
28. 14. ἀκούσατε λόγον τοῦ κυρίου 2 a)
— 23. ἀκούετε τοὺς λ. μου (1 b)
29. 4. ταπεινωθήσονται εἰς τὴν γῆν οἱ λ. σου καὶ εἰς τὴν γῆν οἱ λ. σου δύσονται (2 e, 1 b)
— 11. ὡς οἱ λ. τοῦ βιβλίου τοῦ ἐσφραγισμένου τούτου (2 a)
— 18. ἀκούσονται ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκ. κωφοὶ λόγους βιβλίου (2 a)
— 21. οἱ ποιοῦντες ἁμαρτεῖν ἀνθρώπους ἐν λόγῳ (2 a)
30. 12. ἠπειθήσατε τοῖς λ. τούτοις . . . πεποιθὼς ἐγένου ἐπὶ τῷ λ. τούτῳ (2 a, †)
— 21. τὰ ὦτά σου ἀκούσονται τοὺς λ. τῶν ὀπίσω σε πλανησάντων (2 a)
31. 2. ὁ λ. αὐτοῦ οὐ μὴ ἀθετηθῇ (2 a)
32. 2. ἔσται ὁ ἄνθρωπος κρύπτων τοὺς λ. αὐτοῦ [A τούτους] †
— 7. καταφθεῖραι ταπεινοὺς ἐν λόγοις ἀδίκοις καὶ διασκεδάσαι λόγοις [A -γισμοὺς] ταπεινῶν ἐν κρίσει (1 a, 2 e)
— 9. εἰσακούσατε λόγους [A S³ τοὺς λ.] μου (1 b)
36. 5. μὴ . . . λόγοις [A ἐν λ.] χειλέων παράταξις γίνεται (2 a)
— 12. λαλῆσαι τοὺς λ. τούτους [S³ om. λ. τ. λ. τ.] (2 a)
— 13. ἀκούσατε τοὺς λ. τοῦ βασιλέως τοῦ μεγάλου (2 a)
— 14. μὴ ἀπατάτω ὑμᾶς Ἐζεκίας λόγοις –
— 21. οὐδεὶς ἀπεκρίθη αὐτῷ λόγον (2 a)
— 22. ἀνήγγειλαν [A ἀπ.] αὐτῷ τοὺς λ. Ῥ. (2 a)
Is. 37. 4. εἰσακούσαι κύριος ὁ θεός σου τοὺς λ. Ῥαβσάκου . . . ὀνειδίζειν λόγους (2 a, 2 a)
— 6. μὴ φοβηθῇς ἀπὸ τῶν λ. ὧν ἤκουσας (2 a)
— 17. ἴδε τοὺς λ. Σενναχηρείμ (2 a)
— 22. οὗτος ὁ λ. ὃν ἐλάλησε περὶ αὐτοῦ (2 a)
38. 4. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς Ἡσαΐαν (2 a)
39. 5. ἄκουσον τὸν λ. κυρίου σαβαώθ (2 a)
— 8. A S R ἀγαθὸς ὁ [B om.] λ. κυρίου (2 a)
41. 26. οὐδὲ ὁ ἀκούων ὑμῶν τοὺς λ. (1 a)
45. 23. οἱ λ. μου οὐκ ἀποστραφήσονται (2 a)
50. 4. ἡνίκα δεῖ εἰπεῖν λόγον (2 a)
51. 16. θήσω τοὺς λ. μου εἰς τὸ στόμα σου (2 a)
58. 13. οὐδὲ λαλήσεις λόγον ἐν ὀργῇ (2 a)
59. 13. ἐμελετήσαμεν ἀπὸ καρδίας ἡμῶν λόγους ἀδίκους (2 a)
66. 2. ἐπὶ τὸν ταπεινὸν . . . καὶ τρέμοντα τοὺς λ. μου (2 a)
— 5. οἱ τρέμοντες τὸν λ. αὐτοῦ (2 a)
Je. 1. 2. ὃς ἐγενήθη λ. τοῦ θεοῦ πρὸς αὐτόν (2 a)
— 4. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς αὐτόν [A μέ] (2 a)
— 9. δέδωκα τοὺς λ. μου εἰς τὸ στόμα σου (2 a)
— 11. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
— 12. A B S² ἐγρήγορα ἐγὼ ἐπὶ τοὺς λ. μου (2 a)
— 13. A B S² ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (2 a)
2. 4. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)
— 31. ἀκούσατε [A add. τὸν] λόγον κυρίου (2 a)
3. 12. ἀνάγνωθι τοὺς λ. τούτους (2 a)
5. 13. λ. [S¹ -ον] κυρίου οὐχ ὑπῆρχεν ἐν αὐτοῖς (2 e)
— 14. δέδωκα τοὺς λ. μου εἰς τὸ στόμα σου πῦρ (2 a)
6. 19. τῶν λ. [A τοῖς λ., S τῷ λ.] μου οὐ προσέσχον (2 a)
7. 2. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)
— 4. μὴ πεποίθατε ἐφ' ἑαυτοῖς ἐπὶ λ. ψευδέσιν (2 a)
— 8. εἰ δὲ ὑμεῖς πεποίθατε ἐπὶ λόγοις ψευδέσιν (2 a)
— 27. ἐρεῖς αὐτοῖς τὸν λ. τοῦτον (2 a)
8. 9. A S τὸν λ. [B νόμον] κυρίου ἀπεδοκίμασαν (2 a)
9. 12 (11). ᾧ [A S¹ ὁ] λ. στόματος κυρίου πρὸς αὐτόν (2 e)
— 20 (19). ἀκούσατε δὴ γυναῖκες λόγον θεοῦ καὶ δεξάσθω τὰ ὦτα ὑμῶν λόγους στόματος αὐτοῦ (2 a, 2 a)
10. 1. ἀκούσατε τὸν [A S om.] λ. κυρίου (2 a)
11. 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς Ἱερ. (2 a)
— 2. ἀκούσατε τοὺς λ. τῆς διαθήκης ταύτης (2 a)
— 3. οὐκ ἀκούσεται τῶν λ. [S -σει τῆς φωνῆς] τῆς διαθήκης ταύτης (2 a)
— 6. ἀνάγνωθι τοὺς λ. τούτους ἐν πόλεσιν Ἰούδα (2 a)
— 6. ἀκούσατε τοὺς λ. τῆς διαθήκης ταύτης (2 a)
— 10. οὐκ ἠθέλησαν εἰσακοῦσαι τῶν λ. μου (2 a)
13. 2. ἐκτησάμην τὸ περίζωμα κατὰ τὸν λ. κυρίου (2 a)
— 3, 8. ἐγενήθη λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
— 10. τοὺς μὴ βουλομένους ὑπακούειν τῶν λ. μου (2 a)
14. 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς Ἱερ. [A al.] (2 a)
— 17. ἐρεῖς πρὸς αὐτοὺς τὸν λ. τοῦτον (2 a)
15. 16. ὑπὸ τῶν ἀθετούντων τοὺς λ. σου (2 a)
— 16. ἔσται ὁ λ. σου ἐμοὶ εἰς εὐφροσύνην (2 a)
17. 15. ποῦ ἐστιν ὁ λ. κυρίου (2 a)
— 20. ἀκούσατε [B¹ om.] τὸν [A S om.] λ. κυρίου (2 a)
18. 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς Ἱερ. (2 a)
— 2. ἐκεῖ ἀκούσῃ τοὺς λ. μου (2 a)
— 5. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
— 18. οὐκ ἀπολεῖται . . . λ. ἀπὸ προφήτου (2 a)
— 18. ἀκουσόμεθα πάντας τοὺς λ. αὐ. (2 a)
— 22. ἐνεχείρησαν λόγον εἰς σύλληψίν μου †
19. 2. ἀνάγνωθι ἐκεῖ πάντας τοὺς λ. (2 a)
— 3. ἀκούσατε τὸν λ. [S τοὺς λ., A λόγους] κυρίου (2 a)
— 15. A τοῦ μὴ εἰσακούειν τῶν λ. [B S ἐντολῶν] μου (2 a)
20. 1. τοῦ Ἱερ. προφητεύοντος τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 8. πικρῷ λόγῳ μου γελάσομαι (2 e)
— 8. ἐγενήθη λ. κυρίου εἰς ὀνειδισμὸν ἐμοί (2 a)
21. 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς Ἱερ. (2 a)
— 11. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)
22. 1. λαλήσεις ἐκεῖ τὸν λ. τοῦτον (2 a)
— 2. ἄκουε λόγον κυρίου (2 a)
— 4. ἐὰν ποιοῦντες ποιήσητε τὸν λ. τοῦτον (2 a)
— 5. ἐὰν δὲ μὴ ποιήσητε τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 29. ἄκουε λόγον κυρίου (2 a)
23. 16. μὴ ἀκούετε τοὺς λ. [S τῶν λ.] τῶν προφητῶν (2 a)
— 17. λέγουσι τοῖς ἀπωθουμένοις τὸν λ. κυρίου (2 e)

Je. 23. 18. εἶδε τὸν λ. αὐτοῦ (2 a)
— 22. εἰ ἤκουσαν [S εἰσή.κ.] τῶν λ. μου (2 a)
— 28. ἐν ᾧ ὁ λ. μου πρὸς αὐτόν (2 a)
— 28. διηγησάσθω τὸν λ. μου ἐπ' ἀληθείας (2 a)
— 28. οὕτως οἱ λ. μου –
— 29. οὐκ ἰδοὺ οἱ λ. μου ὥσπερ [A add. φλέγον] πῦρ (2 a)
— 30. A S R πρὸς τοὺς προφήτας . . . τοὺς κλέπτοντας τοὺς λ. μου (2 a)
— 36. τὸ λῆμμα τῷ ἀνθρ. ἔσται ὁ λ. αὐ. [A al.] (2 a)
— 38. ἀνθ' ὧν εἴπατε τὸν λ. τοῦτον (2 a)
24. 4. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
25. 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερεμίαν (2 a)
— 8. οὐκ ἐπιστεύσατε τοῖς λ. μου (2 a)
— 13. ἐπάξω ἐπὶ τὴν γῆν ἐκ. πάντας τοὺς λ. μου (2 a)
26 (46). 1. ἐγένετο ὁ λ. οὗτος (2 a)
27 (50). 1. λ. [A S ὁ λ.] κυρίου ὃν ἐλάλησεν ἐπὶ Βαβ. (2 a)
28 (51). 59. ὁ λ. ὃν ἐνετείλατο κύριος Ἱερεμίᾳ (2 a)
— 60. ἔγραψεν . . . πάντας τοὺς λ. τ. (2 a)
— 61. ἀναγνώσῃ πάντας τοὺς λ. τούτους (2 a)
32 (25). 30. προφητεύσεις ἐπ' αὐτοὺς τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 30. λόγον χρηματιεῖ ἐπὶ [A ἀπὸ] τοῦ τόπου αὐ. †
33 (26). 1. ἐγενήθη ὁ λ. οὗτος παρὰ κυρίου (2 a)
— 2. χρηματιεῖς . . . ἅπαντας τοὺς λόγους (2 a)
— 5. εἰσακούειν τῶν λ. [A add. μου καὶ] τῶν παίδων μου (2 a)
— 7. τοῦ Ἱερεμίου λαλοῦντος τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 10. ἤκουσαν οἱ ἄρχοντες Ἰούδα τὸν λ. τοῦτον [A τῶν λ. τ.] (2 a)
— 12. προφητεῦσαι . . . πάντας τοὺς λ. (2 a)
— 15. λαλήσαι εἰς τὰ ὦτα ὑμῶν πάντας τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 20. ἐπροφήτευσε . . . κατὰ πάντας τοὺς λ. Ἱερεμίου (2 a)
— 21. ἤκουσεν . . . πάντας τοὺς λ. αὐτοῦ (2 a)
34 (27). 12. ἐλάλησα κατὰ πάντας τοὺς λ. τ. (2 a)
— 16. μὴ ἀκούετε τῶν λ. τῶν προφητῶν (2 a)
— 18. εἰ ἔστι λ. [S¹ νόμος] κυρίου ἐν αὐτοῖς (2 a)
35 (28). 6. στήσαι τὸν λ. σου ὃν σὺ προφητεύεις (2 a)
— 7. ἀκούσατε τὸν λ. κυρίου (2 a)
— 9. ἐλθύντος τοῦ λ. γνώσονται τὸν προφήτην (2 a)
— 12. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερ. (2 a)
36 (29). 1. οὗτοι οἱ λ. τῆς βίβλου (2 a)
— 10. ἐπιστήσω τοὺς λ. μου ἐφ' ὑμᾶς (2 a)
— 23. λόγον ἐχρημάτισαν ἐν τῷ ὀνόματί μου (2 a)
— 30. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (2 a)
37 (30). 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερεμίαν (2 a)
— 2. γράψον πάντας τοὺς λ. (2 a)
— 4. οὗτοι οἱ λ. οὓς ἐλάλησε κύριος (2 a)
38 (31). 10. ἀκούσατε λόγους [S -ον] κυρίου (2 a)
— 20. οἱ λ. μου ἐν αὐτῷ (2 e)
— 23. ἔτι ἐροῦσι τὸν λ. τοῦτον ἐν γῇ Ἰούδᾳ (2 a)
39 (32). 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου (2 a)
— 6. λ. κυρίου ἐγενήθη πρὸς Ἱερεμίαν (2 a)
— 8. ἔγνων ὅτι λ. κυρίου ἐστί (2 a)
— 26. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
40 (33). 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (2 a)
41 (34). 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερεμίαν (2 a)
— 4. ἄκουσον τὸν λ. κυρίου (2 a)
— 5. λόγον ἐγὼ ἐλάλησα (2 a)
— 6. ἐλάλησεν Ἱερ. . . . πάντας τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 8. ὁ λ. ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερ. παρὰ κυρίου (2 a)
— 12. ἐγενήθη λ. κυρίου [S¹ om.] πρὸς Ἱερεμίαν (2 a)
42 (35). 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερ. παρὰ κυρίου (2 a)
— 12. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
— 13. οὐ μὴ λάβητε παιδείαν τοῦ ἀκούειν τοὺς λ. μου (2 a)
43 (36). 1. ἐγενήθη λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
— 2. γράψον ἐπ' αὐτοῦ πάντας τοὺς λ. (2 a)
— 4. ἔγραψεν . . . πάντας τοὺς λ. κυρίου (2 a)
— 8. A R τοῦ ἀναγνῶναι ἐν τῷ βιβλίῳ τοὺς [B S om.] λ. κυρίου (2 a)
— 10. ἀνεγίνωσκε B. . . . τοὺς [A om.] λόγους Ἱερ. (2 a)
— 11. ἤκουσε M. . . . ἅπαντας τοὺς λ. κυρίου (2 a)
— 13. ἀνήγγειλεν αὐτοῖς M. πάντας τοὺς λ. (2 a)
— 16. ὡς ἤκουσαν πάντας τοὺς λ. (2 a)
— 16. ἀναγγείλωμεν τῷ βασ. ἅπαντας τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 17. ποῦ ἔγραψας πάντας [S om.] τοὺς λ. τούτους (2 a)
Je. 43 (36). 18. ἀνήγγειλέ μοι Ἱερ. πάντας τοὺς λ. τ. (2 a)
— 20. ἀνήγγειλαν τῷ βασ. πάντας τοὺς λ. (2 a)
— 24. οἱ ἀκούοντες πάντας [A -ες] τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 27. ABS² ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (2 a)
— 27. μετὰ τὸ κατακαῦσαι τὸν βασ. τὸ χαρτίον πάντας τοὺς λ. (2 a)
— 28. γράψον πάντας τοὺς λ. (2 a)
— 32. ἔγραψεν . . . ἅπαντας τοὺς λ. τοῦ βιβλίου (2 a)
— 32. προσετέθησαν αὐτῷ λόγοι πλείονες (2 a)
44 (37). 2. οὐκ ἤκουσαν . . . τοὺς λ. κυρίου (2 a)
— 6. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (2 a)
— 17. εἰ ἔστιν ὁ [AS om.] λ. παρὰ [AS¹ om.] κυρίου (2 a)
45 (38). 1. ἤκουσε Σαφανίας . . . τοὺς λ. (2 a)
— 4. λαλῶν πρὸς αὐτοὺς κατὰ τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 14. ἐρωτήσω σε λόγον (2 a)
— 19. λόγον ἔχω τῶν Ἰουδαίων τῶν πεφευγότων (15)
— 20. ἄκουσον τὸν [A om.] λ. κυρίου (10)
— 21. A S R οὗτος [B -ως] ὁ λ. ὃν ἔδειξέ μοι κύριος (2 a)
— 24. ἄνθρωπος μὴ γνώτω ἐκ τῶν λ. τούτων (2 a)
— 27. ἀνήγγειλεν αὐτοῖς κατὰ πάντας τοὺς λ. τούτους (2 a)
— 27. οὐκ ἠκούσθη λ. κυρίου (2 a)
46 (39). 15. πρὸς Ἱερεμίαν ἐγένετο λ. κυρίου (2 a)
— 16. φέρω τοὺς λ. μου . . . εἰς κακά (2 a)
47 (40). 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου (2 a)
49 (42). 3. ἀναγγειλάτω ἡμῖν κύριος . . . λόγον (2 a)
— 4. A²BS κατὰ τοὺς λ. ὑμῶν (2 a)
— 4. ὁ λ. ὃν ἂν ἀποκριθήσεται κύριος (2 a)
— 5. κατὰ πάντα τὸν λ. ὃν ἐὰν ἀποστείλῃ κύριος (2 a)
— 7. ἐγενήθη λ. κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (2 a)
— 15. ἀκούσατε λόγον [S -ους] κυρίου (2 a)
— 16. ὁ λιμὸς οὗ ὑμεῖς λόγον ἔχετε (15)
50 (43). 1. ἐπαύσατο Ἱερ. λέγων . . . πάντας τοὺς λ. κυρίου . . . πάντας τοὺς λ. τούτους (2 a, 2 a)
— 8. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (2 a)
51 (44). 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερεμίαν (2 a)
— 16. ὁ λ. ὃν ἐλάλησας πρὸς ἡμᾶς (2 a)
— 17. ποιήσομεν πάντα τὸν λ. (2 a)
— 20. εἶπεν . . . τοῖς ἀποκριθεῖσιν αὐτῷ λόγους (2 a)
— 24. ASR ἀκούσατε [B add. τὸν] λόγον κυρίου (2 a)
— 26. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)
— 28. λ. τίνος ἐμμενεῖ (2 a)
51. 31 (45. 1). ὁ λ. ὃν ἐλάλησεν Ἱερεμίας (2 a)
— 31 (45. 1). ὅτε ἔγραφε τοὺς λ. τούτους (2 a)
Ba. 1. 1. οὗτοι οἱ λ. τοῦ βιβλίου οὓς ἔγραψε Βαρούχ
— 3. ἀνέγνω Βαρουχ τοὺς λ. τοῦ βιβλίου τούτου
— 21. κατὰ πάντας τοὺς λ. τῶν προφητῶν
2. 1. ἔστησε κύριος τὸν λ. αὐτοῦ
— 24. ἔστησας τοὺς λ. σου
Ez. 1. 3. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς Ἰεζεκιήλ (2 a)
— 24. ἐν τῷ πορεύεσθαι αὐτὰ φωνὴ τοῦ λ. †
2. 6. τοὺς λ. αὐτῶν μὴ φοβηθῇς (2 a)
— 7. λαλήσεις τοὺς λ. μου πρὸς αὐτούς (2 a)
3. 4. λάλησον τοὺς λ. μου πρὸς αὐτούς (2 a)
— 6. ὧν οὐκ ἀκούσῃ τοὺς λ. (2 a)
— 10. πάντας τοὺς λ. οὓς λελάληκα μετὰ σοῦ λάβε (2 a)
— 16. ἐγένετο . . . λ. κυρίου πρὸς μέ [A¹ om. λ. κ. πρ. μέ] (2 a)
— 17. A² B ἀκούσῃ ἐκ στόματός μου λόγον (2 a)
6. 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
— 3. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)
7. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (2 a)
9. 11. A ἀπεκρίνατο λόγον [B om.] λέγων (2 a)
11. 14. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
— 25. ἐλάλησα . . . πάντας τοὺς λ. τοῦ κυρίου (2 a)
12. 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
— 8. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μὲ τὸ πρωΐ (2 a)
— 17, 21. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
— 23. ἠγγίκασιν αἱ ἡμέραι καὶ λ. πάσης ὁράσεως (2 a)
— 25. ἐγὼ κύριος λαλήσω τοὺς λ. μου . . . λαλήσω λόγον (2 a, 2 a)
— 26. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
— 28. οὐ μὴ μηκύνωσιν οὐκέτι πάντες οἱ λ. μου (2 a)
— 28. λαλήσω [A ὅτι λ. λόγον] (2 a)
13. 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
— 2. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)
— 6. ἤρξαντο τοῦ ἀναστῆσαι λόγον (2 a)
— 8. ἀνθ' ὧν οἱ λ. ὑμῶν ψευδεῖς (2 e)
Ez. 14. 2, 12: 15. 1: 16. 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
16. 35. ἄκουε λόγον κυρίου (2 a)
17. 1, 11: 18. 1: 20. 2, 45 (21. 1). ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
20. 47 (21. 3). ἄκουε λόγον κυρίου (2 a)
21. 1 (6), 8 (13), 18 (23): 22. 1, 17, 23: 23. 1: 24. 1, 15. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
24. 20. B λ. κυρίου ἐγένετο πρὸς μέ [A² al.] (2 a)
25. 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
— 3. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)
26. 1: 27. 1: 28. 1, 11, 20: 29. 1, 17: 30. 1, 20: 31. 1: 32. 1, 17: 33. 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
33. 7. ἀκούσῃ ἐκ στόματός μου λόγον (2 a)
— 8. A μὴ λαλήσῃς τοὺς λόγους [B om. τ. λ.] –
— 23. ἐγενήθη λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
34. 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
— 7, 9 (A). ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)
35. 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
36. 1, 4. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)
— 16. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)
37. 4. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)
— 15: 38. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (2 a)
Da. LXX. 1. 20. ἐν παντὶ λόγῳ καὶ συνέσει (2 a)
2. 5. ὁ λόγος ἀπ' ἐμοῦ ἀπέστη (4)
— 9. συνείπασθε γὰρ λόγους ψευδεῖς (4)
— 11. ὁ λ. ὃν ζητεῖς, βασιλεῦ (4)
4. 25. τούτους τοὺς λ. ἀγάπησον –
— 25. ἀκριβὴς γάρ μου ὁ λ. –
— 25. ἐπὶ συντελείᾳ τῶν λ. N. –
— 25. τοὺς λ. ἐν τῇ καρδίᾳ συνετήρησε –
— 28. ἔτι τοῦ λ. ἐν τῷ στόματι τοῦ βασ. ὄντος (4)
— 28. ἐπὶ συντελείας τοῦ λ. αὐτοῦ –
6. 12 (13). ἀκριβὴς ὁ λ. (4)
7. 1. ἔγραψεν εἰς κεφάλαια λόγων (4)
— 11. ἐθεώρουν τότε τὴν φωνὴν τῶν λ. (4)
— 16. καὶ τὴν κρίσιν τῶν λ. ἐδήλωσέ μοι (4)
— 28. ἕως καταστροφῆς τοῦ λ. (4)
12. 3. οἱ κατισχύοντες τοὺς λ. μου †
— 8. τίς ἡ λύσις τοῦ λ. τούτου †
Bel 12. ἤρεσε δὲ ὁ λ. τῷ βασιλεῖ
Da. TH. Su. 27. εἶπαν οἱ πρεσβῦται τοὺς λ. αὐτῶν
— 27. οὐκ ἐρρήθη λόγος τοιοῦτος περὶ Σ.
— 47. τίς ὁ λόγος οὗτος ὃν σὺ λελάληκας
2. 5. ὁ λ. ἀπ' ἐμοῦ ἀπέστη (4)
— 11. ὁ λ. ὃν ὁ βασιλεὺς ἐπερωτᾷ βαρύς (4)
4. 14. διὰ συγκρίματος εἶρ ὁ λόγος (9)
— 14. καὶ ῥῆμα [A λόγος] ἁγίων τὸ ἐπερώτημα (1 d)
— 28. ἔτι τοῦ λ. ἐν τῷ στόματι τοῦ βασ. ὄντος (4)
— 30. αὐτῇ τῇ ὥρᾳ ὁ λ. συνετελέσθη ἐπὶ N. (4)
6. 2 (3). τοῦ ἀποδιδόναι αὐτοῖς τοὺς σατράπας λόγον (3)
— 12 (13). εἶπεν ὁ βασιλεύς, Ἀληθινὸς ὁ λ. (4)
7. 11. ἀπὸ φωνῆς τῶν λ. τῶν μεγάλων [A λ. ὧν ἐλάλει] (4)
— 16. τὴν σύγκρισιν τῶν λ. ἐγνώρισέ μοι (4)
— 25. λόγους πρὸς τὸν ὕψιστον λαλήσει (4)
— 28. ἕως ὧδε τὸ πέρας τοῦ λόγου (4)
9. 2. ὃς ἐγενήθη λόγος κ. πρὸς Ἰ. τὸν προφήτην (2 a)
— 12. ἔστησε τοὺς λ. αὐτοῦ οὓς ἐλάλησεν (2 a)
— 23. ἐξῆλθε λόγος (2 a)
— 25. ἀπὸ ἐξόδου λόγου τοῦ ἀποκριθῆναι (2 a)
10. 1. λόγος ἀπεκαλύφθη τῷ Δ. (2 a)
— 1. καὶ ἀληθινὸς ὁ λ. (2 a)
— 6. ἡ φωνὴ τῶν λ. αὐτοῦ ὡς φωνὴ ὄχλου (2 a)
— 9. καὶ ἤκουσα τὴν φωνὴν τῶν λ. αὐτοῦ (2 a)
— 11. σύνες ἐν τοῖς λ. (2 a)
— 11. ἐν τῷ λαλῆσαι αὐτὸν πρὸς μὲ τὸν λ. τ. (2 a)
— 12. ἠκούσθησαν οἱ λ. σου (2 a)
— 12. ἐγὼ ἦλθον ἐν τοῖς λ. σου (2 a)
— 15. ἐν τῷ λαλῆσαι αὐτὸν . . . κατὰ τοὺς λ. τούτους (2 a)
12. 4. σὺ Δ. ἔμφραξον τοὺς λ. [A τὸ βιβλίον] καὶ σφράγισον τὸ βιβλίον [A τοὺς λ.] (2 a [7])
— 9. ἐμπεφραγμένοι καὶ ἐσφραγισμένοι οἱ λ. (2 a)
I Ma. 1. 12. ἠγαθύνθη ὁ λ. ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτῶν
— 30. ἐλάλησεν αὐτοῖς λόγους εἰρηνικούς
— 42. κατὰ τὸν λ. τοῦ βασιλέως
— 50. A R ὃς ἂν μὴ ποιήσῃ κατὰ τὸ ῥῆμα [S τὸν λ.] τοῦ βασ.
— 51. κατὰ πάντας τοὺς λ. τούτους ἔγραψε
2. 22. R τῶν λ. [S τὸν λ., A τὸν νόμον] τοῦ βασ. οὐκ ἀκουσόμεθα

I Ma. 2. 23. ὡς ἐπαύσατο λαλῶν τοὺς λ. τούτους [S¹ om. τ. λ. τ.]
— 33. ποιήσατε κατὰ τὸν λ. τοῦ βασιλέως
— 34. οὐδὲ ποιήσομεν τὸν λ. τοῦ βασιλέως
— 55. Ἰ. ἐν τῷ πληρῶσαι λόγον ἐγένετο κριτής
— 62. ἀπὸ λόγων ἀνδρὸς ἁμαρτωλοῦ μὴ φοβηθῆτε
3. 14. τοὺς ἐξουδενοῦντας τὸν λ. τοῦ βασιλέως
— 27. ὡς δὲ ἤκουσεν Ἀ. ὁ βασιλεὺς τοὺς λ. τούτους
— 39. καταφθεῖραι αὐτὴν [S¹ om.] κατὰ τὸν λ. τοῦ βασιλ.
— 42. SR ἐπέγνωσαν τοὺς λ. τοῦ βασ. [A τῆς βασιλείας]
5. 16. ὡς δὲ ἤκουσεν Ἰ. καὶ ὁ λαὸς τοὺς λ. τούτους
— 48. ἀπέστειλε πρὸς αὐτοὺς Ἰ. λόγοις εἰρηνικοῖς
6. 3. ἐγνώσθη [S¹ οὐκ ἐγ.] ὁ λ. τοῖς ἐκ τῆς πόλεως
— 8. ὡς ἤκουσεν ὁ βασιλεὺς τοὺς λ. τούτους
— 60. ἤρεσεν ὁ λ. ἐναντίον τοῦ βασιλέως
7. 10. ἀπέστειλεν ἀγγέλους . . . λόγοις εἰρηνικοῖς
— 11. οὐ προσέσχον τοῖς λ. αὐτῶν
— 15. ἐλάλησε μετ' αὐτῶν λόγους εἰρηνικούς
— 16. SR κατὰ τὸν λ. ὃν [A τοὺς λ. οὓς] ἔγραψεν
— 27. ἀπέστειλε πρὸς Ἰ. . . . λόγοις εἰρηνικοῖς
— 30. ἐγνώσθη ὁ λ. τῷ Ἰούδᾳ
— 33. μετὰ τοὺς λ. τούτους ἀνέβη N.
8. 10. ἐγνώσθη ὁ λ. αὐτοῖς
— 21. ἤρεσεν ὁ λ. ἐνώπιον αὐτῶν
— 29. κατὰ τοὺς λ. τούτους οὕτως ἔστησαν
— 30. ἐὰν δὲ μετὰ τοὺς λ. τούτους βουλεύσωνται
9. 22. τὰ περισσὰ τῶν λόγων Ἰ.
— 37. μετὰ δὲ τοὺς λ. τούτους ἀπήγγειλαν
— 55. οὐκ ἠδύνατο ἔτι λαλῆσαι λόγον
— 71. ἐποίησε κατὰ τοὺς λ. αὐτοῦ [S¹ -ῶ]
10. 3. ἀπέστειλε Δ. πρὸς Ἰ. ἐπιστολὰς λόγοις εἰρηνικοῖς
— 17. ἔγραψεν ἐπιστολὰς . . . κατὰ τοὺς λ. τούτους
— 22. ἤκουσε Δ. τοὺς λ. τούτους
— 24. γράψω αὐτοῖς κἀγὼ λόγους παρακλήσεως
— 25. ἀπέστειλεν αὐτοῖς κατὰ τοὺς λ. τούτους
— 40. δίδωμι . . . ἀπὸ τῶν λ. τοῦ βασ.
— 42. σίκλους . . . οὓς ἐλάμβανον . . . ἀπὸ τοῦ λ.
— 44. δοθήσεται ἐκ τοῦ λ. τοῦ βασιλέως [S² om. δ. . . . β.]
— 45. δοθήσεται ἐκ τοῦ λ. τοῦ βασιλέως
— 46. ὡς δὲ ἤκουσεν . . . ὁ λαὸς τοὺς λ. τούτους
— 47. ἐγένετο αὐτοῖς ἀρχηγὸς λόγων εἰρηνικῶν
— 51. ἀπέστειλεν Ἀ. πρὸς Πτ. . . . κατὰ τοὺς λ. τούτους
— 63. μηδεὶς αὐτῷ παρενοχλείτω περὶ παντὸς λ.
— 74. ὡς δὲ ἤκουσεν Ἰ. τῶν λόγων Ἀ.
— 88. ὡς ἤκουσεν Ἀ. ὁ βασιλεὺς τοὺς λ. τούτους
11. 2. ἐξῆλθεν εἰς Σ. λόγοις εἰρηνικοῖς [S λέγων λόγους εἰρηνικούς]
13. 7. ἅμα τῷ ἀκοῦσαι τῶν λ. τούτων
— 35. ἀπέστειλεν αὐτῷ Δ. . . . κατὰ τοὺς λ. τούτους
14. 23. τοῦ θέσθαι τὸ ἀντίγραφον τῶν λ. αὐτῶν
— 25. ὡς δὲ ἤκουσεν ὁ δῆμος τῶν λ. τούτων
— 46. ποιῆσαι κατὰ τοὺς λ. τούτους
15. 32. ἀπήγγειλεν αὐτῷ τοὺς λ. τοῦ βασ.
— 35. οὐκ ἀπεκρίθη αὐτῷ Ἀθ. λόγον
— 36. ἀπήγγειλεν αὐτῷ τοὺς λ. τούτους
16. 23. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ἰ. . . . ταῦτα γέγραπται
II Ma. 1. 14. τοῦ λαβεῖν τὰ χρήματα εἰς φερνὴν λόγον
2. 30. R περὶ πάντων ποιεῖσθαι λόγον [A περίπατον π. λόγῳ]
3. 6. μὴ προσήκειν αὐτὰ πρὸς τὸν τῶν θυσιῶν λ.
4. 36. ὑπὲρ τοῦ παρὰ λόγον τὸν Ὀ. ἀπεκτάνθαι
6. 29. διὰ τὸ τοὺς προειρημένους λόγους [A διὰ τῶν πρ. λόγων]
7. 24. οὐ μόνον διὰ λόγων ἐποιεῖτο τὴν παράκλησιν
9. 5. ἄρτι δὲ αὐτοῦ καταλήξαντος τὸν λόγον
10. 34. λόγους ἀθεμίτους προῖοντο
15. 11. ὡς τὴν ἐν τοῖς ἀγαθοῖς λόγοις παράκλησιν
— 17. παρακληθέντες δὲ τοῖς Ἰ. λόγοις πάνυ καλοῖς
— 37. καταπαύσω τὸν λ. [A τὸν λ. καταπαύσων]
— 39. τὸ τῆς κατασκευῆς τοῦ λ. τέρπει τὰς ἀκοάς
III Ma. *tit.* Μακκαβαίων λόγος
3. 14. κατὰ λόγον ἐπ' ἄριστον [A *om.*] τέλος ἀχθείσης
— 17. οἱ δὲ λόγῳ μὲν τὴν ἡμετέραν ἀποδεξάμενοι παρουσίαν
— 23. βδελύσσονται λόγῳ τε καὶ σιγῇ
5. 15. τὸν περὶ τούτων λόγον ποιούμενος
7. 8. περὶ τῶν γεγενημένων παρὰ λόγον
IV Ma. 1. 1. φιλοσοφώτατον λόγον ἐπιδείκνυσθαι μέλλων
IV Ma. 1. 2. ἀναγκαῖος εἰς ἐπιστήμην παντὶ ὁ λ.
— 12. οὕτως εἰς τὸν περὶ αὐτῶν τρέψομαι λόγον
— 15. R νοῦς μετὰ ὀρθοῦ λόγου [A ὀρθοῦς βίον] προτιμῶν τὸν σοφίας βίον [A λόγον]
3. 1. R ἔστι δὲ κομιδῇ γελοῖος ὁ λόγος [A λογισμός]
4. 7. τοῦ ἔθνους πρὸς τὸν λόγον σχετλιάσαντος
— 13. τούτοις ἐπαχθεὶς τοῖς λ. Ὀν. ὁ ἀρχιερεύς
5. 14. λόγον ᾔτησεν ὁ Ἐλεάζαρος
— 35. οὐδὲ καταισχυνῶ σε, φιλόσοφε λόγε
— 38. οὔτε λόγοις δεσπόσεις
7. 10. τοὺς τῆς θείας φιλοσοφίας λόγους
8. 16. ποίοις ἂν ἐχρήσαντο λόγοις
14. 9. ἀκούοντες τὸν παραχρῆμα ἀπειλῆς λόγον
16. 14. λόγοις εὑρέθης ἀνδρός
— 24. διὰ τούτων τῶν λ. ἡ ἐπταμήτωρ . . . ἔπεισε
[Aq. Jo. 6. 10: IV Ki. 17. 11: Jb. 6. 25: Ps. 5. 2: 18 (19). 4: 55 (56). 11: 64 (65). 4: Pr. 26. 22: Ec. 12. 10: Is. 8. 10: 9. 8 (7): 36. 5: Je. 1. 1: 5. 28: 6. 10, 19: 7. 1, 2 *bis*, 22, 23: 10. 1: 14. 1: 16. 1: 18. 2: 25. 3: 27 (34). 1: 29 (36). 23: 36 (43). 1: 38 (45). 24: 44 (51). 29: 46 (26). 13: 47 (29). 1: 51 (28). 59, 64: Ez. 14. 9: 34. 9.]
[Sm. Ge. 41. 32: 47. 12: Ex. 16. 16: 18. 14: Jo. 6. 10: Jd. 18. 7: III Ki. 3. 10: 12. 16: IV Ki. 17. 11: Jb. 2. 13: 4. 2: 6. 3: 16. 4: 21. 3: 24. 25: 26. 14: 32. 4, 11, 14: 33. 13: 35. 16: 36. 4: 37. 2: Ps. 18 (19). 4: 21 (22). 2: 34 (35). 20: 40 (41). 9: 44 (45). 2: 48 (49). 14: 51 (52). 6: 54 (55). 22: 55 (56). 5, 6, 11: 58 (59). 13: 63 (64). 4, 6: 64 (65). 4: 90 (91). 3: 118 (119). 49, 57, 116: 140 (141). 4: Pr. 2. 16: 4. 4: 11. 13: 17. 9: 25. 11: 26. 22: 31. 1: Ec. 5. 6: 7. 9 (8), 10 (9): 8. 4 *bis*: 12. 10: Is. 8. 10: 9. 8 (7): 29. 21: 36. 5: 37. 4: 40. 8: Je. 1. 1: 5. 28: 7. 1, 2 *bis*, 22, 23: 8. 9: 10. 1: 11. 6: 14. 1: 16. 1: 29 (36). 23: 32 (39). 27: 36 (43). 1: 38 (45). 24, 27: 44 (51). 4, 20: 47 (29). 1: Ez. 14. 9.]
[Th. Ge. 20. 10: Jo. 6. 10: II Ki. 12. 25: 14. 13: III Ki. 12. 16: Jb. 2. 13: 19. 28: 32. 11 *bis*, 15: 36. 4: 41. 4: Ps. 21 (22). 2: 63 (64). 4: 118 (119). 116: 147. 8 (19): Pr. 17. 9: 26. 22: Is. 8. 10: 9. 8 (7): 36. 5: 37. 4: 58. 13: Je. 1. 1: 2. 1: 5. 28: 7. 1, 2 *bis*: 10. 1: 11. 8: 18. 2: 23. 36: 25. 3: 29 (36). 19, 20: 33 (40). 14, 19, 23: 34 (41). 18: 44 (51). 29: Ez. 1. 24: 2. 6: 14. 9: 34. 9: 35. 13: Da. 2. 5: 4. 28: 5. 10: 7. 1†, 25, 28: 10. 1: Am. 4. 13: 5. 10: Hb. 3. 5.]
[Al. Le. 4. 13: Dt. 22. 24: Jd. 5. 29: III Ki. 15. 5: Ps. 144 (145). 5: Pr. 18. 4: Ca. 2. 14.]
[Sam. Nu. 31. 16.]
[Heb. Jb. 19. 28: Je. 1. 1.]
[Quint. IV Ki. 17. 11: Ps. 21 (22). 2: 55 (56). 5: 147. 8 (19).]
[Sext. Ps. 21 (22). 2: 129 (130). 4: 147. 8 (19).]

λόγχη. (1) חֶרֶב (2) לַהֶבֶת חֲנִית (3) מָחִי (4) רֹמַח (5) רַב

Jd. 5. 8. θυρεὸς ἐὰν ὀφθῇ καὶ λόγχη [A *al.*] (5)
I Ki. 17. 7. ἡ λ. αὐ. ἑξακοσίων σίκλων σιδήρου (2)
Ne. 4. 13 (7). ἔστησα . . . λόγχας αὐ. (5)
— 16 (10). καὶ λόγχαι καὶ θυρεοί (5)
— 21 (15). κρατοῦντες τὰς λ. (5)
Jb. 16. 14 (13). ἐκύκλωσάν με λόγχαις (4)
41. 17 (18). ἐὰν συναντήσωσιν αὐτῷ λόγχαι (1)
Ez. 26. 8 (9). τὰς λ. αὐτοῦ ἀπέναντί σου [A ἐπὶ σέ] δώσει (3?)
39. 9. ῥάβδοις χειρῶν καὶ λόγχαις (5)
II Ma. 5. 2. λόγχας σπειρηδὸν ἐξωπλισμένους
15. 11. οὐ τὴν ἀσπίδων καὶ λογχῶν ἀσφάλειαν
[Aq. Ps. 34 (35). 3: 54 (55). 22.]
[Sm. Jb. 41. 18: Ps. 34 (35). 3.]
[Th. Jb. 39. 23: Ps. 34 (35). 3.]
[Quint. Ps. 34 (35). 3.]

λοιδορεῖν. (1) גָּדַף (2) רִיב

Ge. 49. 23. εἰς ὃν διαβουλευόμενοι ἐλοιδόρουν †
Ex. 17. 2. ἐλοιδορεῖτο ὁ λαὸς πρὸς Μωυσῆν (2)
— 2. τί λοιδορεῖσθέ μοι (2)
21. 18. ἐὰν δὲ λοιδορῶνται δύο ἄνδρες (2)
Nu. 20. 3. ἐλοιδορεῖτο ὁ λαὸς πρὸς Μ. (2)
— 13. ἐλοιδορήθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (2)
De. 33. 8. ἐλοιδόρησαν αὐτόν (2)
Je. 36 (29). 27. S διὰ τί ἐλοιδορήσατε [A B συνελ.] Ἱερεμίαν (1)
II Ma. 12. 14. τοῖς περὶ τὸν Ἰ. λοιδοροῦντες
[Aq., Th. Je. 29 (36). 27.]
[Sm. Le. 24. 15: I Ki. 17. 43: Ec. 7. 22 (21), 23 (22): 10. 20: Je. 29 (36). 27.]
[Al. Le. 19. 14: 24. 11, 15, 16.]

λοιδόρησις. (1) מְרִיבָה

Ex. 17. 7. τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. Πειρασμὸς καὶ Λ. (1)

λοιδορία. (1) דִּבָּה (2) *a.* רִיב *b.* מְרִיבָה

Ex. 17. 7. διὰ τὴν λ. τῶν υἱῶν Ἰσραήλ (2 *a*)
Nu. 20. 24. ἐπὶ τοῦ ὕδατος τῆς λ. (2 *b*)
Pr. 10. 18. οἱ δὲ ἐκφέροντες λοιδορίας ἀφρονέστατοί εἰσιν (1)
20. 3. δόξα ἀνδρὶ ἀποστρέφεσθαι λοιδορίας (2 *a*)
Si. 22. 24. οὕτως πρὸ αἱμάτων λοιδορίαι
23. 8. λοίδορος [S¹ -ρίαι] καὶ ὑπερήφανος
27. 21. λοιδορίας ἐστὶ διαλλαγή
29. 6. κατάρας καὶ λοιδορίας ἀποδώσει αὐτῷ
[Al. Nu. 20. 13.]

λοίδορος. (1) *a.* מָדוֹן *b.* מְדָיָן

Pr. 25. 24. μετὰ γυναικὸς λοιδόρου ἐν οἰκίᾳ κοινῇ (1 *a**, 1 *b*)
26. 21. ἀνὴρ δὲ λοίδορος εἰς ταραχὴν μάχης (1 *a**, 1 *b*)
27. 15. ὡσαύτως καὶ γυνὴ λοίδορος ἐκ [S ἀπὸ] τοῦ ἰδίου οἴκου (1 *a**, 1 *b*)
Si. 23. 8. λοίδορος [S¹ -ρίαι] καὶ ὑπερήφανος σκανδαλισθήσονται ἐν αὐτοῖς

λοιμεύεσθαι.

Pr. 19. 19. ἐὰν δὲ λοιμεύηται καὶ τὴν ψυχὴν αὐτοῦ προσθήσει †

λοιμός (*adj.*). (1) בְּלִיַּעַל (2) *a.* לוּץ qal. *b.* pil. *c.* לָצוֹן (3) עָלֵז (4) עָרִיץ (5) פָּרִיץ (6) רָע (7) רַק (8) רָשָׁע

I Ki. 1. 16. μὴ δῷς τὴν δούλην σου εἰς θυγατέρα λ. (1)
2. 12. οἱ υἱοὶ Ἠ. τοῦ ἱερέως υἱοὶ λ. (1)
10. 27. υἱοὶ λ. εἶπαν (1)
25. 17. καὶ οὗτος υἱὸς λ. (1)
— 25. ἐπὶ τὸν ἄνθρωπον τὸν λ. τοῦτον (1)
29. 10. λόγον λ. μὴ θῇς –
30. 22. ἀπεκρίθη πᾶς ἀνὴρ λ. (6)
II Ch. 13. 7. συνήχθησαν πρὸς αὐτὸν ἄνδρες λ. (7)
Ps. 1. 1. ἐπὶ καθέδρᾳ λοιμῶν οὐκ ἐκάθισεν (2 *a*)
Pr. 19. 25. λοιμοῦ μαστιγουμένου ἄφρων πανουργότερος γίνεται (2 *a*)
21. 24. θρασὺς καὶ αὐθάδης καὶ ἀλάζων λοιμὸς καλεῖται (2 *a*)
22. 10. ἔκβαλε ἐκ συνεδρίου λοιμόν (2 *a*)
24. 9. ἀκαθαρσία δὲ ἀνδρὶ λοιμῷ ἐμμολυνθήσεται (2 *a*)
29. 8. A ἄνδρες λοιμοὶ [B S ἄνομοι] ἐξέκαυσαν πόλιν (2 *c*)
Ho. 7. 5. ἐξέτεινε τὴν χεῖρα αὐτοῦ μετὰ λοιμῶν (2 *b*)
Am. 4. 2. ἐμβαλοῦσιν [A *om.*] ἔμπυροι λοιμοί †
Is. 5. 14. καταβήσονται . . . οἱ λ. αὐτῆς (3)
Je. 15. 21. λυτρώσομαί σε ἐκ χειρὸς λοιμῶν [S *al.*] (4)
Ez. 7. 21. παριδώσω αὐτὰ . . . τοῖς λ. τῆς γῆς εἰς σκῦλα (8)
18. 10. ἐὰν γεννήσῃ υἱὸν λοιμόν (5)
28. 7. ἐπάγω ἐπὶ σὲ ἀλλοτρίους λοιμούς (4)
30. 11. λοιμοὶ ἀπὸ ἐθνῶν ἀπεσταλμένοι (4)
31. 12. ἐξωλέθρευσαν αὐτὸν ἀλλότριοι λοιμοί (4)
32. 12. λοιμοὶ ἀπὸ ἐθνῶν πάντες (4)
Da. TH. 11. 14. A R οἱ υἱοὶ τῶν λ. [B λοιπῶν] τοῦ λαοῦ (5)
I Ma. 10. 61. ἐπισυνήχθησαν πρὸς αὐτὸν ἄνδρες λ.
15. 3. R ἐπειδὴ ἄνδρες [A τινες ἄ., S ἐπεί τινες] λοιμοὶ κατεκράτησαν
— 21. εἴ τινες οὖν λοιμοὶ διαπεφεύγασιν
[Sm. Pr. 9. 12: 14. 6: 15. 12: 19. 29: 20. 1: 24. 9.]
[Th. Is. 35. 9: Ez. 18. 10: Da. 11. 14.]

λοιμός (*subst.*).

III Ki. 8. 37. R λοιμὸς [A B λιμὸς] ἐὰν γένηται †
Ez. 36. 29. οὐ δώσω ἐφ' ὑμᾶς λιμόν [B¹ λοιμόν] †
IV Ma. 15. 32. A καρτεροῖς ἂν λοιμοῖς ταῖς . . . βασάνοις συνεχομένῃ [S R *al.*]
[Aq. Ex. 5. 3: 9. 3, 15: Dt. 28. 21: Ez. 6. 12: 12. 16: Am. 4. 10.]
[Sm. Ex. 5. 3: 9. 3, 15: Ps. 77 (78). 48: 90 (91). 6: Je. 38 (45). 2: Ez. 6. 12: 12. 16.]

λοιμότης (λυμ.).
Es. 8. 13. τῇ τῶν ἀνάξια δυναστευόντων λ. [A *al.*]

λοιός (?).
[Sm. Is. 58. 5.]

λοιπός. (1) *a.* יָתַר qal. *b.* ni. *c.* יֶתֶר (2) כָּל (3) פֵּאָה (4) *a.* שְׁאָר *b.* שָׁאַר ni. *c.* שְׁאֵרִית

Ge. 45. 6. καὶ ἔτι λοιπὰ πέντε ἔτη –
Ex. 28. 10. τὰ ἓξ ὀνόματα τὰ λ. ἐπὶ τὸν λίθον (1 *b*)
29. 12. τὸ δὲ λ. πᾶν [A *om.*] αἷμα ἐκχεεῖς –
— 34. κατακαύσεις τὰ λ. πυρί (1 *b*)
39. 12 (32). τὸ δὲ λ. χρυσίον –
— 21 (34). καὶ τῶν λ. τὰ ἐπικαλύμματα –
Le. 2. 3. τὸ λ. ἀπὸ τῆς θυσίας 'Α. (1 *b*)
23. 22. οὐ συντελέσετε τὸ λ. τοῦ θερισμοῦ (3)
De. 8. 20. καθὰ καὶ τὰ λ. ἔθνη –
17. 14. καθὰ καὶ τὰ λ. ἔθνη τὰ κύκλῳ μου (2)
Jo. 6. 12 (13). καὶ ὁ λ. ὄχλος ὄπισθεν τῆς κιβωτοῦ –
— 13 (14). καὶ ὁ λ. ὄχλος ἅπας –
13. 27. καὶ τὴν λ. βασιλείαν Σ. (1 *c*)
17. 2. ἐγενήθη τοῖς υἱοῖς Μ. τοῖς λ. (1 *b*)
21. 34. τῷ δήμῳ υἱῶν Μ. τοῖς Λευίταις τοῖς λ. (1 *b*)
Jd. 20. 45, 47. ἐπέβλεψαν οἱ λ. [A *al.*] –
I Ki. 8. 5. καθὰ καὶ τὰ λ. ἔθνη (2)
15. 15. τὰ λ. ἐξωλέθρευσα (1 *a*)
III Ki. 11. 41. B τὰ λ. τῶν ῥημάτων [A R λόγων] Σαλ. (1 *c*)
14. 29. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Ρ. (1 *c*)
15. 7. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Αβ. (1 *c*)
— 23. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Ασά (1 *c*)
— 31. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων Ν. (1 *c*)
16. 5. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων Β. (1 *c*)
— 14. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Η. (1 *c*)
— 20, 27. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων Ζ. (1 *c*)
— 28 (22. 46 [47]). B καὶ τὰ λ. τῶν συμπλοκῶν (1 *c*)
22. 39. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Αχ. (1 *c*)
— 46. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Ιωσ. (1 *c*)
IV Ki. 1. 18. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Οχ. (1 *c*)
8. 23. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Ι. (1 *c*)
10. 34. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων Εἰού (1 *c*)
12. 19 (20). καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Ι. (1 *c*)
13. 8. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Ιω. (1 *c*)
— 12 : 14. 15. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Ι. (1 *c*)
14. 18. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Αμ. (1 *c*)
— 28. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Ιερ. (1 *c*)
15. 6. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Αζ. (1 *c*)
— 11. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων Ζ. (1 *c*)
— 15. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων Σ. (1 *c*)
— 21. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων Μ. (1 *c*)
— 26, 31. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων Φ. (1 *c*)
— 36. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Ι. (1 *c*)
16. 19. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων Ἄ. (1 *c*)
20. 20. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Εζ. (1 *c*)
21. 17. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων Μ. (1 *c*)
— 25. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Α. (1 *c*)
23. 28. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Ιωσ. (1 *c*)
24. 5. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Ιω. (1 *c*)
25. 11. τὸ λ. τοῦ στηρίγματος μετῆρε Ναβ. (1 *c*)
I Ch. 16. 41. καὶ οἱ λ. ἐκλεγέντες (4 *a*)
29. 29. οἱ δὲ λ. λόγοι τοῦ βασ. Δ. –
II Ch. 13. 22. καὶ οἱ λ. λόγοι 'Αβιά (1 *c*)
20. 34. οἱ λ. λόγοι 'Ιωσ. οἱ πρῶτοι (1 *c*)
24. 27. καὶ τὰ λ. ἰδοὺ [A 'Ιούδα] γεγραμμένα –
25. 26. καὶ οἱ λ. λόγοι 'Αμ. οἱ πρῶτοι (1 *c*)
26. 22. καὶ οἱ λ. λόγοι 'Ο. (1 *c*)
27. 7. καὶ οἱ λ. λόγοι 'Ι. [A οἱ λόγοι 'Ι. οἱ λ.] (1 *c*)
28. 26. καὶ οἱ λ. λόγοι αὐ. (1 *c*)
32. 32. AR καὶ τὰ λ. [B κατάλ.] τῶν λόγων 'Εζ. (1 *c*)
33. 18. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων Μαν. (1 *c*)
35. 26. R ἦσαν οἱ λ. λόγοι 'Ιωσία [A B *al.*] (1 *c*)
— 27. A καὶ οἱ λ. [B *om.*] λόγοι αὐ. οἱ πρῶτοι –
36. 8. καὶ τὰ λ. τῶν λόγων 'Ι. (1 *c*)
I Es. 2. 16. καὶ οἱ λ. οἱ τούτοις συντασσόμενοι –
— 25. ἀντέγραψεν . . . τοῖς λ. τοῖς συντασσομ.
5. 8. καὶ τὴν λ. 'Ιουδαίαν
7. 6. οἱ λ. οἱ ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας
8. 18. καὶ τὰ λ. ὅσα ἂν ὑποπίπτῃ σοι
II Es. 4. 7. ἔγραψεν . . . τοῖς λ. συνδούλοις (4 *a*)
Ne. 11. 20. S^2 τὸ δὲ λοιπὸν τοῦ 'Ισρ. οἱ ἱερεῖς (4 *a*)
To. 1. 7. S ἐδίδουν . . . τὴν δεκάτην τῶν λ. ἀκροδρύων [A B *al.*]
8. 21. καὶ τὰ λ. ὅταν ἀποθάνω [S *al.*]
Ju. 7. 18. καὶ ἡ λ. στρατιὰ τῶν 'Α.
11. 3. ἐν τῇ νυκτὶ ταύτῃ ζήσῃ καὶ εἰς τὸ λ.
15. 6. οἱ δὲ λ. οἱ κατοικοῦντες B.
— 7. ἐκυρίευσαν τῶν λ.
Es. 1. 3. δοχὴν ἐποίησε . . . τοῖς λ. ἔθνεσι –
— 18. αἱ τυραννίδες αἱ λ. τῶν ἀρχόντων Περσῶν –
2. 3. δοθήτω . . . ἡ λ. ἐπιμέλεια –
9. 16. οἱ δὲ λ. τῶν 'Ι. οἱ ἐν τῇ βασ. (4 *a*)
Si. *prol.* 18. τὰ λ. τῶν βιβλίων οὐ μικρὰν ἔχει τὴν διαφοράν
Za. 11. 9. A R τὰ κατάλοιπα [B S λοιπὰ] κατεσθιέτωσαν . . . τὰς σάρκας (4 *b*)
Is. 9. 1 (8. 23). οἱ λ. [S^2 κατάλ.] οἱ τὴν παραλίαν [A S^2 *add.* κατοικοῦντες] †
17. 3. τὸ λ. τῶν Σύρων [A S *add.* ἀπολεῖται] (4 *a*)
21. 17. S τὸ λ. [A B κατάλ.] τῶν τοξευμάτων τῶν ἰσχυρῶν υἱῶν Κηδὰρ ἔσται ὀλίγον (4 *a*)
38. 12. A κατέλιπον τὸ λ. [B S ἐπίλ.] τῆς ζωῆς μου –
44. 15. τὸ δὲ λ. εἰργάσαντο [A S *add.* εἰς] θεούς –
— 17. τὸ δὲ λ. ἐποίησεν εἰς [A *om.*] θεὸν γλυπτόν (4 *c*)
— 19. τὸ λ. αὐτοῦ εἰς βδέλυγμα ἐποίησε (1 *c*)
Je. 48 (41). 16. ἔλαβεν 'Ιωάναν . . . τὰ λ. [S^1 τὰς λ.] καὶ τοὺς εὐνούχους †
50 (43). 5. A S ἔλαβεν 'Ιωάναν . . . ἅπαντας τοὺς λ. [B καταλ.] 'Ιούδα (4 *c*)
— 6. A ἔλαβεν . . . τὰς γυναῖκας καὶ τὰ νήπια καὶ [B S *om. τ. ν.* καὶ] τὰ λ. –
52. 16. S τοὺς λ. [A B καταλ.] τοῦ λαοῦ κατέλιπεν ὁ ἀρχιμάγειρος †
Ez. 34. 18. τὸ λ. τοῖς ποσὶν ὑμῶν ἐταράσσετε (1 *b*)
36. 5. εἰ μὴν . . . ἐλάλησα ἐπὶ τὰ λ. ἔθνη (4 *c*)
Da. TH. 7. 12. τῶν λ. θηρίων ἡ ἀρχὴ μετεστάθη (4 *a*)
— 20. ἡ ὅρασις αὐτοῦ μείζων τῶν λ. †
11. 14. B οἱ υἱοὶ τῶν λ. [A R λοιμῶν] τοῦ λαοῦ σου †
12. 4. B ἔμφραξον τοὺς λ. [R λόγους, A τὸ βιβλίον] †
I Ma. 2. 44. οἱ λ. ἔφυγον εἰς τὰ ἔθνη σωθῆναι
3. 24. οἱ δὲ λ. ἔφυγον εἰς γῆν Φ.
5. 27. ἐν ταῖς λοιπαῖς [S ἄλλαις] πόλεσι τῆς Γ.
— 36. προκατελάβετο . . . τὰς λ. πόλεις τῆς Γ.
9. 18. 'Ιούδας ἔπεσε καὶ οἱ λ. ἔφυγον
10. 72. καὶ οἱ λ. οἱ βοηθοῦντες ἡμῖν
12. 6. οἱ ἱερεῖς καὶ ὁ λ. δῆμος τῶν 'Ι.
— 11. ἐν . . . ταῖς λοιπαῖς καθηκούσαις ἡμέραις
— 14. R παρενοχλεῖν ἡμῖν καὶ τοῖς λ. συμμάχοις [A S τοὺς λ. σ.]
— 45. S R παραδώσω σοι αὐτὴν καὶ τὰ λ. ὀχυρώματα καὶ τὰς δυνάμεις τὰς λ. [A πολλάς]
14. 20. Σπαρτιατῶν ἄρχοντες . . . τῷ λ. δήμῳ . . . χαίρειν
16. 23. τὰ λ. τῶν λόγων 'Ι. . . . γέγραπται
II Ma. 1. 23. τῶν δὲ λοιπῶν ἐπιφωνούντων
7. 4. τῶν λ. ἀδελφῶν καὶ τῆς μητρὸς συνορώντων
— 5. R ἄχρηστον δὲ αὐτὸν τοῖς ὅλοις [A λοιποῖς] γενόμενον
8. 28. μερίσαντες ἀπὸ τῶν σκύλων τὰ λοιπά
— 31. τὰ δὲ λοιπὰ τῶν σκύλων ἤνεγκαν εἰς 'Ιερ.
10. 36. εἰσδεξάμενοι δὲ τὴν λ. τάξιν
11. 3. καθὼς τὰ λ. τῶν ἐθνῶν τεμένη
— 19. εἰς τὸ λοιπὸν πειράσομαι παραίτιος . . . γενέσθαι
12. 11. ἐν τοῖς λ. ὠφελήσειν αὐτούς
— 31. εἰς τὰ λ. πρὸς τὸ γένος εὐμενεῖς εἶναι
14. 11. θᾶττον οἱ λ. φίλοι δυσμενῶς ἔχοντες
III Ma. 5. 5. τήν τε λοιπὴν ἐμηχανῶντο περὶ αὐτοὺς ἀσφάλειαν
6. 30. τὰ λ. πρὸς εὐωχίαν ἐπιτήδεια
[Aq. Je. 41 (48). 10.]
[Th. Je. 39 (46). 9 *bis.*]
[Al. Ex. 10. 5 : III Ki. 22. 47.]

λού. (1) לוּ
III Ki. 4. 10. B υἱὸς 'Εσὼθ Βηρνεμὰ λού (1)

λούειν. (1) רָחַץ *a.* qal. *b.* pu. (2) שָׁחָה hi.
Ex. 2. 5. κατέβη . . . λούσασθαι ἐπὶ τὸν ποταμόν (1 *a*)
29. 4. καὶ λούσεις αὐτοὺς ἐν ὕδατι (1 *a*)
40. 12. καὶ λούσεις αὐτοὺς ὕδατι (1 *a*)
Le. 8. 6. καὶ ἔλουσεν αὐτοὺς ὕδατι (1 *a*)
11. 40. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια [A *add.* καὶ λούσεται ὕδατι] –
— 40. A^2 B πλυνεῖ τὰ ἱμάτια καὶ λούσεται ὕδατι –
Le. 14. 8. καὶ λούσεται ἐν ὕδατι (1 *a*)
— 9. καὶ λούσεται τὸ σῶμα αὐτοῦ ὕδατι (1 *a*)
15. 5, 6, 7, 8, 10. καὶ λούσεται ὕδατι (1 *a*)
— 11, 13. καὶ λούσεται τὸ σῶμα ὕδατι (1 *a*)
— 16. λούσεται ὕδατι πᾶν τὸ σῶμα αὐτοῦ (1 *a*)
— 18. καὶ λούσονται ὕδατι (1 *a*)
— 21. καὶ λούσεται τὸ σῶμα αὐτοῦ ὕδατι (1 *a*)
— 22. καὶ λούσεται ὕδατι (1 *a*)
— 27. καὶ λούσεται τὸ σῶμα ὕδατι (1 *a*)
16. 4. λούσεται ὕδατι πᾶν τὸ σῶμα αὐτοῦ (1 *a*)
— 24, 26, 28. καὶ λούσεται τὸ σῶμα αὐτοῦ ὕδατι (1 *a*)
17. 15. καὶ λούσεται ὕδατι (1 *a*)
— 16. ἐὰν δὲ . . . τὸ σῶμα μὴ λούσηται ὕδατι (1 *a*)
22. 6. ἐὰν μὴ λούσηται τὸ σῶμα αὐ. ὕδατι (1 *a*)
Nu. 19. 7. λούσεται τὸ σῶμα αὐ. ὕδατι (1 *a*)
— 8. λούσεται τὸ σῶμα αὐτοῦ (1 *a*)
— 19. καὶ λούσεται ὕδατι (1 *a*)
De. 23. 11 (12). λούσεται τὸ σῶμα αὐ. ὕδατι (1 *a*)
Ru. 3. 3. σὺ δὲ λούσῃ (1 *a*)
II Ki. 11. 2. εἶδε γυναῖκα λουομένην [A λουμ.] (1 *a*)
12. 20. ἐλούσατο καὶ ἠλείψατο (1 *a*)
III Ki. 20 (21). 19. αἱ πόρναι λούσονται ἐν τῷ αἵματί σου –
22. 38. αἱ πόρναι ἐλούσαντο ἐν τῷ αἵματι (1 *a*)
IV Ki. 5. 10. λοῦσαι ἑπτάκις ἐν τῷ 'Ιορδ. (1 *a*)
— 12. οὐχὶ πορευθεὶς λούσομαι [A πορεύσ.] ἐν αὐτοῖς (1 *a*)
— 13. λοῦσαι καὶ καθαρίσθητι (1 *a*)
To. 2. 5. ἐπιτρέψας ἐλουσάμην
— 9. S ἐλουσάμην καὶ εἰσῆλθον [A B *al.*]
7. 8. S ὅτε ἐλούσαντο
Ps. 6. 6. λούσω καθ' ἑκάστην νύκτα τὴν κλίνην μου (2)
Ca. 5. 12. ὡς περιστεραὶ . . . λελουσμέναι [A S λελουμέναι] ἐν γάλακτι (1 *a*)
Is. 1. 16. λούσασθε καθαροὶ γένεσθε (1 *a*)
Ez. 16. 4. ἐν ὕδατι οὐκ ἐλούσθης (1 *b*)
— 9. ἔλουσά σε ἐν ὕδατι (1 *a*)
23. 40. εὐθὺς ἐλούου καὶ ἐστιβίζου τοὺς ὀφθαλμούς σου (1 *a*)
Da. TH. Su. 15. ἐπεθύμησε λούσασθαι ἐν τῷ παραδείσῳ
— 17. τὰς θύρας . . . κλείσατε ὅπως λούσωμαι
[Al. Is. 25. 11.]

λουτήρ. (1) יָם (2) כִּיּוֹר, כִּיֹּר
Ex. 30. 18. ποίησον λουτῆρα χαλκοῦν (2)
— 28. καὶ τὸν λ. [A *add.* καὶ τὴν βάσιν αὐτοῦ] (2)
31. 9. καὶ τὸν λ. καὶ τὴν βάσιν αὐτοῦ (2)
38. 26 (8). ἐποίησε τὸν λ. τὸν χαλκοῦν (2)
— 27 (40. 30). ἐποίησε τὸν λ. (2)
Le. 8. 11. καὶ τὸν λ. καὶ τὴν βάσιν αὐτοῦ (2)
Nu. 4. 14. συγκαλύψουσι τὸν λ. –
I Ki. 2. 14. ἐπάταξεν αὐτήν [A *add.* εἰς τὸν λ.] (2)
II Ki. 8. 8. ἐν αὐτῷ ἐποίησε . . . τοὺς λ. –
III Ki. 3. 1. ἐποίησε . . . τοὺς λ. τοὺς μεγάλους –
7. 30. ὠμίαι ὑποκάτω τῶν λ. (2)
10. 21. καὶ λ. χρυσοῖ –
IV Ki. 16. 17. μετῆρεν ἀπ' αὐτῶν τὸν λ. (2)
II Ch. 4. 3. περιέχουσι [A -σαι] τὸν λ. κυκλόθεν (1)
— 6. ἐποίησε λουτῆρας δέκα (2)
— 14. τοὺς λ. ἐποίησεν ἐπὶ τῶν μεχ. (2)
[Aq. I Ki. 2. 14: III Ki. 7. 38 (24) *bis.*]
[Sm. Ex. 35. 16 : 39. 39 (10): III Ki. 7. 38 (24) *bis.*]
[Th. Ex. 39. 39 (10).]
[Heb. Ex. 40. 11 (9).]

λουτρόν. (1) רַחְצָה
Ca. 4. 2 : 6. 5 (6). ἀγέλαι . . . αἱ ἀνέβησαν ἀπὸ τοῦ λ. (1)
Si. 31 (34). 25. τί ὠφέλησε τῷ [A S ἐν τῷ] λ. αὐτοῦ
[Aq. Ps. 59 (60). 10 : 107 (108). 10.]
[Quint. Ps. 107 (108). 10.]

λοφιά. (1) לְשׁוֹן
Jo. 15. 2. ἀπὸ τῆς λ. τῆς φερούσης ἐπὶ λίβα [A νότον] (1)
— 5. τὰ ὅρια αὐ. . . . ἀπὸ τῆς λ. τῆς θαλ. (1)
18. 19. ἐπὶ λοφιὰν τῆς θαλάσσης τῶν ἁλῶν (1)

λόφος.
[Quint. Ps. 64 (65). 11.]

λοχαγός.
[Sm. II Ki. 4. 2.]

λοχᾶν.
Wi. 14. 24. ἕτερος δ' ἕτερον ἢ λοχῶν [S² λοχεύων] ἀναιρεῖ

λοχεύειν. (1) עוּל
Ge. 33. 13. αἱ βόες λοχεύονται ἐπ' ἐμέ (1)
Ps. 77 (78). 71. ἐξόπισθεν τῶν λοχευομένων ἔλαβεν αὐτόν (1)
Wi. 14. 24. S² ἕτερος δ' ἕτερον ἢ λοχεύων [A B S¹ λοχῶν] ἀναιρεῖ
[Aq. I Ki. 6. 7.]

λόχος.
[Sm. Ge. 49. 19: I Ki. 30. 8, 15: II Ki. 3. 22: Jb. 19. 12.]
[Quint. Ho. 6. 9.]

λοχώς, *vid. sub* **λεχώς.**

λυγμός.
[Aq., Th. I Ki. 25. 31.]

λυδεοῦν (?).
[Aq. Is. 33. 9.]

λύειν. (1) נָשָׁא (2) נָשַׁל (3) נָתַר hi. (4) סָתַר (5) פָּתַח *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. (6) רָצָה ni. (7) שָׁרָא *a.* peal. *b.* pa.
Ge. 42. 27. λύσας δὲ εἷς τὸν μάρσιππον αὐτοῦ (5 *a*)
Ex. 3. 5. λῦσαι τὸ ὑπόδημα ἐκ τῶν ποδῶν σου (2)
Jo. 5. 15. λῦσαι [A λῦσον] τὸ ὑπόδημα (2)
I Es. 1. 55. ἔλυσαν τὰ τείχη Ἱερ.
9. 13. ἕως τοῦ λῦσαι τὴν ὀργὴν κ. ἀφ' ἡμῶν
— 46. ἐν τῷ λῦσαι τὸν ν.
II Es. 5. 12. B τὸν οἶκον ἔλυσεν τοῦτον [A R *al.*](4)
To. 3. 17. S λῦσαι Ἀσμ. τὸ δαιμόνιον τὸ πονηρόν [A B *al.*]
Ju. 6. 14. λύσαντες αὐτὸν ἀπήγαγον
9. 2. οἱ ἔλυσαν μήτραν παρθένου
Jb. 5. 20. ἐκ χειρὸς σιδήρου λύσει [A ῥύσεταί] σε –
39. 2. ὠδῖνας δὲ αὐτῶν ἔλυσας †
— 5. δεσμοὺς δὲ αὐτοῦ τίς ἔλυσεν (5 *c*)
42. 9. ἔλυσε τὴν ἁμαρτίαν αὐτοῖς [A S¹ -ῶν] διὰ Ἰώβ (1)
Ps. 101 (102). 20. τοῦ λῦσαι τοὺς υἱοὺς τῶν τεθανατωμένων (5 *c*)
104 (105). 20. καὶ ἔλυσεν αὐτόν (3)
145 (146). 7. κύριος λύει πεπεδημένους (3)
Si. 28. 2. δεηθέντος σου αἱ ἁμαρτίαι σου λυθήσονται
Is. 5. 27. οὐδὲ λύσουσι τὰς ζώνας αὐτῶν ἀπὸ τῆς ὀσφύος αὐτῶν (5 *b*)
14. 17. τοὺς ἐν ἐπαγωγῇ οὐκ ἔλυσε (5 *a*)
40. 2. λέλυται αὐτῆς ἡ ἁμαρτία (6)
58. 6. λῦε πάντα σύνδεσμον ἀδικίας (5 *c*)
Je. 47 (40). 4. ἔλυσά σε ἀπὸ τῶν χειροπέδων (5 *c*)
Da. LXX. 3. 25 (92). ὁρῶ ἄνδρας τέσσαρας λελυμένους (7 *a*)
Da. TH. 3. 25 (92). ὁρῶ ἄνδρας τέσσαρας λελυμένους (7 *a*)
5. 12. καὶ λύων συνδέσμους (7 *b*)
III Ma. 1. 4. R μετὰ . . . δακρύων τοὺς πλοκάμους [A πολέμους] λελυμένη
6. 27. λύσατε ἐκλύσατε ἄδικα δεσμά
— 29. οἱ δὲ ἐν ἀμερεῖ χρόνῳ λυθέντες
IV Ma. 3. 11. λύουσα κατέφλεγεν
7. 13. SR λελυμένων μὲν ἤδη τῶν τοῦ σώματος τόνων [A πόνων]
12. 8. S λύσατέ [A R ἀπολ.] με, φησίν
— 9. ταχέως ἔλυσαν αὐτόν
[Aq. Jb. 37. 1.]
[Sm. Ps. 72 (73). 2.]
[Th. Is. 54. 3: 58. 6: Da. 5. 16†: Am. 8. 4.]
[Al. Ge. 44. 11.]

λυθρώδης.
Wi. 11. 6. ἀντὶ μὲν πηγῆς . . . ποταμοῦ αἵματι λιθρώδει ταραχθέντες [A S -ος]

λύκος. (1) דֹּב (2) זְאֵב
Ge. 49. 27. Βενιαμὶν λ. ἅρπαξ τὸ πρωϊνὸν ἔδεται (2)
Pr. 28. 15. λέων πεινῶν καὶ λύκος διψῶν (1)
Si. 13. 17. τί κοινωνήσει λύκος ἀμνῷ
Hb. 1. 8. ὀξύτεροι ὑπὲρ τοὺς λ. τῆς Ἀρ. (2)
Ze. 3. 3. οἱ κριταὶ αὐτῆς ὡς λύκοι τῆς Ἀρ. (2)
Is. 11. 6. συμβοσκηθήσεται λ. μετὰ ἀρνός (2)
65. 25. λύκοι καὶ ἄρνες βοσκηθήσονται ἅμα (2)
Je. 5. 6. λ. ἕως τῶν οἰκιῶν ὠλέθρευσεν αὐτούς (2)
Ez. 22. 27. οἱ ἄρχοντες αὐτῆς ἐν μέσῳ αὐτῆς ὡς λύκοι (2)

λυμαίνειν (λοιμ.). (1) בָּקַע po. (2) חָבַל pa. (3) כָּרַסֵּם (4) סָלַף pi. (5) רָצַץ pi. (6) שָׁחַת *a.* pi. *b.* hi. *c.* ho. (7) תָּעַב pi.
Ex. 23. 8. τὰ γὰρ δῶρα . . . λυμαίνεται ῥήματα δίκαια (4)
II Ch. 16. 10. ἐλυμήνατο Ἀσὰ ἐν τῷ λαῷ (5)
Ps. 79 (80). 13. ἐλυμήνατο αὐτὴν σὺς ἐκ δρυμοῦ (3)
Pr. 18. 9. ἀδελφός ἐστι τοῦ λυμαινομένου ἑαυτόν (6 *b*)
— 22 (19. 3). ἀφροσύνη ἀνδρὸς λυμαίνεται τὰς ὁδοὺς αὐτοῦ (4)
23. 8. λυμανεῖται τοὺς λόγους σου τοὺς καλούς (6 *a*)
25. 26. ὥσπερ εἴ τις . . . ὕδατος ἔξοδον λυμαίνοιτο (6 *c*)
27. 13. ὑβριστὴς ὅστις τὰ ἀλλότρια λυμαίνεται †
Si. 28. 23. ὡς πάρδαλις λυμανεῖται αὐτούς
Am. 1. 11. καὶ ἐλυμήνατο μητέρα [A μήτραν] ἐπὶ γῆς (6 *a*)
Is. 65. 8. μὴ λυμήνῃ [S¹ -νητε, S³ -νηται] αὐτόν (6 *b*)
— 25. οὐδὲ λυμανοῦνται ἐπὶ τῷ ὄρει τῷ ἁγίῳ μου (6 *b*)
Je. 28 (51). 2. λυμανοῦνται τὴν γῆν αὐτῆς (1)
31 (48). 18. ἀνέβη εἰς σὲ λυμαινόμενος ὀχύρωμά σου (6 *a*)
Ez. 16. 25. ἐλυμήνω τὸ κάλλος σου (7)
Da. TH. 6. 22 (23). οὐκ ἐλυμήναντό με (2)
IV Ma. 18. 8. οὐδὲ ἐλυμήνατό μου τὰ ἁγνὰ τῆς παρθενίας

λυμεών.
IV Ma. 18. 8. οὐ διέφθειρέ με λυμεὼν τῆς ἐρημίας
— 8. R οὐδὲ ἐλυμήνατό μου . . . λυμεὼν ἀπατηλὸς [A S -της] ὄφις

λυπεῖν. (1) אָבַל (2) אֲנַם נָפַשׁ (3) בָּאַשׁ (4) דַּיָּי (5) חָרָה (6) כָּאַב (7) לָאָה hi. (8) עָצַב ni. (9) קָצַף *a.* qal. *b.* hithp. (10) רָגַז (11) רוּד hi. (12) *a.* רָעַע hi. *b.* רַע
Ge. 4. 5. R ἐλυπήθη Κάϊν [A ἐλύπησεν τὸν Κ.] (5)
45. 5. νῦν οὖν μὴ λυπεῖσθε (8)
De. 15. 10. οὐ λυπηθήσῃ [A -πήσῃ] τῇ καρδίᾳ σου (12 *a*)
I Ki. 29. 4. ἐλυπήθησαν ἐπ' αὐτῷ οἱ στρατηγοί (9 *a*)
II Ki. 13. 21. οὐκ ἐλύπησε τὸ πνεῦμα Ἀ. –
19. 2 (3). λυπεῖται ὁ βασ. ἐπὶ τῷ υἱῷ αὐ. (8)
IV Ki. 13. 19. ἐλυπήθη ἐπ' αὐτῷ ὁ ἄνθρωπος τοῦ θ. (9 *a*)
I Es. 1. 24. ἃ [A *om.*] ἐλύπησαν αὐτόν
9. 52, 53. μὴ λυπεῖσθε
Ne. 5. 6. καὶ ἐλυπήθην [A¹ -θησαν] σφόδρα (5)
To. 2. 10. S ἐλυποῦντο περὶ ἐμοῦ
3. 1. λυπηθεὶς ἔκλαυσα [S *al.*]
— 10. ἐλυπήθη σφόδρα [S ἐν τῇ ψυχῇ]
4. 3. μὴ λυπήσῃς αὐτήν [S τὸ πνεῦμα αὐ.]
7. 7. ἐλυπήθη καὶ ἔκλαυσε [S *al.*]
9. 4. S λυπήσω αὐτὸν λίαν [A B *al.*]
10. 3. ἐλυπεῖτο λίαν [S *al.*]
— 6. S μὴ λυποῦ περὶ αὐτοῦ
— 13. μὴ λυπήσῃς αὐτήν
13. 14. ὅσοι ἐλυπήθησαν ἐπὶ πάσαις ταῖς μάστιξί σου [S *al.*]
Es. 1. 12. ἐλυπήθη [S ὠργίσθη] ὁ βασ. καὶ ὠργίσθη [S ἐλυπήθη] (9 *a*, †)
2. 21. ἐλυπήθησαν οἱ δύο εὐνοῦχοι (9 *a*)
6. 12. Ἀ. δὲ ὑπέστρεψεν . . . λυπούμενος (1)
Jb. 31. 39. εἰ δὲ καὶ ψυχὴν κυρίου τῆς γῆς ἐκλαβὼν [A -βιλὼν] ἐλύπησα †
Ps. 54 (55). 2. ἐλυπήθην ἐν τῇ ἀδολεσχίᾳ μου (11)
Pr. 25. 20. A S οὕτως προσπεσὸν πάθος σώματι [B ἐν σ.] καρδίαν λυπεῖ (12 *b*)
Si. 3. 12. μὴ λυπήσῃς αὐτὸν ἐν τῇ ζωῇ αὐτοῦ
4. 2. ψυχὴν πεινῶσαν μὴ λυπήσῃς
26. 28. ἐπὶ δυσὶ λελύπηται ἡ καρδία μου
30. 5. ἐν τῇ τελευτῇ αὐτοῦ οὐκ ἐλυπήθη
— 9. σύμπαιξον αὐτῷ καὶ λυπήσει σε
Mi. 6. 3. τί ἐποίησά σοι ἢ τί ἐλύπησά σε (7)
Jn. 4. 1. ἐλυπήθη Ἰωνᾶς λύπην μεγάλην (12 *a*)
— 4. εἰ σφόδρα λελύπησαι σύ (5)
Jn. 4. 9. εἰ σφόδρα λελύπησαι σὺ ἐπὶ τῇ κολοκύνθῃ (5)
— 9. σφόδρα λελύπημαι ἐγὼ ἕως θανάτου (5)
Is. 8. 21. λυπηθήσεσθε (9 *b*)
15. 2. λυπεῖσθε ἐφ' ἑαυτούς [A S -οῖς] †
19. 10. πάντες οἱ ποιοῦντες τὸν ἰχθὺν λυπηθήσονται (2)
32. 11. λυπήθητε αἱ πεποιθυῖαι (10)
57. 17. βραχύ τι ἐλύπησα αὐτὸν . . . καὶ ἐλυπήθη (9 *a*, 9 *a*)
Je. 15. 18. ἵνα τί οἱ λυποῦντές με κατισχύουσί μου (6)
Ba. 2. 18. ἡ ψυχὴ ἡ λυπουμένη ἐπὶ τὸ μέγεθος
4. 8. ἐλυπήσατε δὲ καὶ τὴν ἐκθρέψασαν ὑμᾶς
— 33. λυπηθήσεται ἐπὶ τῇ ἑαυτῆς ἐρημίᾳ
La. 1. 22. ἡ καρδία μου λυπεῖται (4)
Ez. 16. 43. ἐλύπεις με ἐν πᾶσι τούτοις (10)
Da. LXX. 3. (50). οὐκ ἐλύπησε καὶ οὐ παρηνώχλησεν αὐτούς
6. 14 (15). καὶ λυπούμενος ὁ βασιλεὺς εἶπεν –
— 14 (15). τότε ὁ βασ. σφόδρα ἐλυπήθη ἐπὶ τὸν Δ. (3)
— 18 (19). ἦν λυπούμενος περὶ τοῦ Δ. –
Da. TH. 3. (50). οὐκ ἐλύπησεν οὐδὲ παρηνώχλησεν αὐτοῖς
6. 14 (15). πολὺ ἐλυπήθη ἐπ' αὐτῷ (3)
I Ma. 10. 22. καὶ ἐλυπήθη καὶ εἶπε
— 68. καὶ ἐλυπήθη σφόδρα
14. 16. καὶ ἐλυπήθησαν σφόδρα
IV Ma. 16. 12. ὡς οὐδ' ἀποθνησκόντων ἐλυπήθη
[Aq. I Ki. 30. 6: II Ki. 6. 8: Jn. 4. 4.]
[Sm. I Ki. 15. 11: II Ki. 6. 8: Jn. 4. 4.]
[Th. I Ki. 20. 34: II Ki. 6. 8: Jn. 4. 4.]

λύπη. (1) דַּיָּי (2) יָגוֹן (3) *a.* עֶצֶב *b.* עִצָּבוֹן *c.* עַצֶּבֶת *d.* מַעֲצֵבָה (4) רָעָה (5) תּוּגָה (6) προσμίγνυται λύπη כָּאֵב (7) ὁ ἐν λύπῃ אוֹבֵד
Ge. 3. 16. πληθύνων πληθυνῶ τὰς λ. σου (3 *b*)
— 16. ἐν λύπαις τέξῃ τέκνα (3 *a*)
— 17. ἐν λύπαις φάγῃ αὐτήν (3 *b*)
5. 29. διαναπαύσει ἡμᾶς . . . ἀπὸ τῶν λ. (3 *b*)
42. 38. κατάξετέ μου τὸ γῆρας μετὰ λύπης (2)
44. 29. κατάξετέ μου τὸ γῆρας μετὰ λύπης (4)
— 31. κατάξουσιν . . . μετὰ λύπης [A μετ' ὀδύνης] (2)
I Es. 3. 20. οὐ μέμνηται πᾶσαν λ.
To. 2. 5. ἤσθιον τὸν ἄρτον μου ἐν λύπῃ [S *al.*]
3. 6. λ. ἐστὶ πολλὴ ἐν ἐμοί [S *al.*]
— 10. S κατάξω τὸ γῆρας τοῦ πατρός μου μετὰ λύπης [A B *al.*]
7. 18. δῴη σοι χάριν ἀντὶ τῆς λ. σου ταύτης
14. 4. S καὶ ὁ οἶκος τοῦ θ. ἐν λύπῃ [A B *al.*]
Pr. 10. 1. υἱὸς δὲ ἄφρων λύπη τῇ μητρί (5)
— 10. ὁ ἐννεύων ὀφθαλμοῖς μετὰ δόλου συνάγει ἀνδράσι λύπας (3 *c*)
— 22. οὐ μὴ προστεθῇ αὐτῇ λύπη ἐν καρδίᾳ (3 *a*)
14. 13. ἐν εὐφροσύναις οὐ προσμίγνυται λύπη (6)
15. 13. ἐν δὲ λύπαις οὔσης σκυθρωπάζει (3 *c*)
24. 74 (31. 6). δίδοτε μέθην τοῖς ἐν λύπαις (7)
25. 20. οὕτως λύπη ἀνδρὸς βλάπτει καρδίαν †
Wi. 8. 9. παραίνεσις φροντίδων καὶ λύπης
11. 12. διπλῇ γὰρ αὐτοὺς ἔλαβε λύπη
Si. 12. 9. ἐν ἀγαθοῖς ἀνδρὸς οἱ ἐχθροὶ αὐτοῦ ἐν λύπῃ
14. 1. οὐ κατενύγη ἐν λύπῃ ἁμαρτίας [A S -ιῶν]
18. 15. μὴ δῷς . . . ἐν πάσῃ δύσει λύπην λόγων
22. 4. ἡ καταισχύνουσα εἰς λύπην γεννήσαντος
30. 21. μὴ δῷς εἰς λύπην τὴν ψυχήν σου
— 23. λύπην μακρὰν ἀπόστησον ἀπὸ σοῦ πολλοὺς γὰρ ἀπέκτεινεν ἡ [A *om.*] λ.
36. 25 (22). καρδία στρεβλὴ δώσει λύπην
37. 2. οὐχὶ λύπη ἔνι [B² S² μένει] ἕως θανάτου
38. 17. παρακλήθητι λύπης ἕνεκα
— 18. ἀπὸ λύπης γὰρ ἐκβαίνει θάνατος καὶ λύπη καρδίας κάμψει ἰσχύν
— 19. ἐν ἀπαγωγῇ παραβαίνει [A S² -μένει] καὶ λύπη
— 20. μὴ δῷς εἰς λύπην τὴν καρδίαν σου
Jn. 4. 1. ἐλυπήθη Ἰωνᾶς λύπην μεγάλην (4)
Is. 1. 5. πᾶσα καρδία εἰς λύπην (1)
35. 10. ἀπέδρα ὀδύνη καὶ λ. καὶ στεναγμός (2)
40. 29. διδοὺς . . . τοῖς μὴ ὀδυνωμένοις λύπην †
50. 11. ἐν λύπῃ κοιμηθήσεσθε (3 *d*)
51. 11. ἀπέδρα ὀδύνη καὶ λύπη καὶ στεναγμός (2)
I Ma. 6. 4. ἀπῆρεν [A ἀπῆλθεν] ἐκεῖθεν μετὰ λύπης μεγ.

I Ma. 6. 8. ἐνέπεσεν [S ἔπεσεν] εἰς ἀρρωστίαν ἀπὸ τῆς λ.
— 9. ἀνεκαινίσθη ἐπ' αὐτὸν λύπη μεγάλη
— 13. ἰδοὺ ἀπόλλυμαι λύπῃ μεγάλῃ
IV Ma. 1. 23. μετὰ δὲ τὸν πόνον λύπη
[Aq. Ge. 44. 31: 49. 3: Dt. 26. 14: Is. 40. 29: Je. 31 (38). 13.]
[Th. Je. 31 (38). 13.]
[Al. Ge. 41. 51: IV Ki. 3. 27.]

λυπηρός. (1) מָרָה (2) נָכֵא (3) עֶצֶב (4) רָע (5) λυπηρὸς εἶναι חָרָה

Ge. 34. 7. καὶ λυπηρὸν ἦν αὐτοῖς σφόδρα (5)
Pr. 14. 10. καρδία ἀνδρὸς αἰσθητικὴ λυπηρὰ ψυχὴ αὐτοῦ (1)
15. 1. λόγος δὲ λυπηρὸς ἐγείρει ὀργάς (3)
17. 22. ἀνδρὸς δὲ λυπηροῦ ξηραίνεται τὰ ὀστᾶ (2)
26. 23. χείλη λεῖα καρδίαν καλύπτει λυπηράν (4)
Wi. 2. 1. ὀλίγος ἐστὶ καὶ λυπηρὸς ὁ βίος ἡμῶν
[Sm. Pr. 25. 20: Je. 8. 18.]
[Al. Jb. 6. 25.]

λύρα.

[Aq. Ps. 150. 3.]
[Sm. I Ch. 25. 1, 3: Ps. 80 (81). 3: 136 (137). 2: 146 (147). 7: 150. 3.]

λυρίζειν.

Si. 9. 4. μετὰ ψαλλούσης [B² λυριζούσης] μὴ ἐνδελέχιζε [B² συνήθιζε]

λύσις. (1) פֻּשָּׁר

Ec. 7. 30 (8. 1). τίς οἶδε λύσιν ῥήματος (1)
Wi. 8. 8. ἐπίσταται . . . λύσεις αἰνιγμάτων
Da. LXX. 12. 8. τίς ἡ λ. τοῦ λόγου τούτου †

λυσιτέλεια.

II Ma. 2. 27. ζητοῦντι τὴν ἑτέρων λυσιτέλειαν

λυσιτελεῖν.

To. 3. 6. λυσιτελεῖ μοι ἀποθανεῖν
— 6. S λυσιτελεῖ μοι ἀποθανεῖν
Si. 20. 10. ἔστι δόσις ἣ οὐ λυσιτελήσει σοι
— 14. δόσις ἄφρονος οὐ λυσιτελήσει σοι
29. 11. λυσιτελήσει σοι μᾶλλον ἢ τὸ χρυσίον

λυσιτελής.

Si. 28. 21. λυσιτελὴς μᾶλλον ὁ ᾅδης αὐτῆς

λύτρον. (1) *a.* גְּאֻלָּה *b.* גָּאַל (2) כֹּפֶר (3) מְחִיר (4) *a.* פְּדוּת *b.* פָּדָה qal. *c.* ho. *d.* פְּדוּי *e.* פְּדְיוֹם

Ex. 21. 30. ἐὰν δὲ λύτρα ἐπιβληθῇ αὐτῷ (2)
— 30. δώσει λύτρα τῆς ψυχῆς αὐτοῦ (4 *a*)
30. 12. λύτρα [A τὰ λ.] τῆς ψυχῆς αὐτοῦ (2)
Le. 19. 20. καὶ αὕτη λύτροις οὐ λελύτρωται (4 *c*)
25. 24. λύτρα δώσετε τῆς γῆς (1 *a*)
— 26. καὶ εὑρεθῇ αὐτῷ τὸ ἱκανὸν λύτρα αὐτοῦ (1 *a*)
— 51, 52. ἀποδώσει τὰ λ. αὐτοῦ (1 *a*)
27. 31. ἐὰν δὲ λυτρῶται λύτρῳ ἄνθρ. τὴν δεκ. αὐ. (1 *b*)
Nu. 3. 12. λύτρα αὐτῶν ἔσονται —
— 46. καὶ τὰ λ. (4 *d*)
— 48. λίτρα τῶν πλεοναζόντων ἐν αὐτοῖς (4 *d*)
— 49. ἔλαβε . . . τὰ [A *om.*] λ. τῶν πλεοναζόντων (4 *e*)
— 51. ἔδωκε Μ. τὰ λ. τῶν πλεοναζόντων (4 *d*, 4 *e**)
18. 15. λύτροις λυτρωθήσεται τὰ πρωτότοκα (4 *b*)
35. 31. οὐ λήψεσθε λύτρα περὶ ψυχῆς (2)
— 32. οὐ λήψεσθε λύτρα τοῦ φυγεῖν (2)
Pr. 6. 35. οὐκ ἀνταλλάξεται οὐδενὸς λύτρου τὴν ἔχθραν (2)
13. 8. λύτρον ἀνδρὸς ψυχῆς ὁ ἴδιος πλοῦτος (2)
Is. 45. 13. οὐ μετὰ λύτρων οὐδὲ μετὰ δώρων (3)

λυτροῦν. (1) *a.* גָּאַל qal. *b.* ni. (2) עָרַף (3) פָּדָה *a.* qal. *b.* ni. (4) פַּלֵּט (5) פָּצָה (6) *a.* פָּרַק *b.* פָּרַק (7) קָנָה (8) שָׁגַב pi. (9) שִׁיזֵב

Ex. 6. 6. λυτρώσομαι ὑμᾶς ἐν βραχίονι ὑψηλῷ (1 *a*)
13. 13. ἐὰν δὲ μὴ ἀλλάξῃς λυτρώσῃ αὐτό (2 ?)
— 13. πᾶν πρωτότοκον ἀνθρώπου . . . λυτρώσῃ (3 *a*)
— 15. πᾶν πρωτότοκον . . . λυτρώσομαι (3 *a*)
Ex. 15. 13. τὸν λαόν σου τοῦτον ὃν ἐλυτρώσῃ (1 *a*)
— 16. ὁ λαός . . . ὃν ἐκτήσω [A ἐλυτρώσω] (7)
34. 20. πρωτότοκον ὑποζυγίου λυτρώσῃ προβάτῳ (3 *a*)
— 20. ἐὰν δὲ μὴ λυτρώσῃ αὐτό [A *om.*] (3 *a*)
— 20. πρωτότοκον τῶν υἱῶν σου λυτρώσῃ (3 *a*)
Le. 19. 20. καὶ αὕτη λύτροις οὐ λελύτρωται (3 *b*)
25. 25. λυτρώσεται τὴν πρᾶσιν τοῦ ἀδ. αὐτοῦ (1 *a*)
— 30. ἐὰν δὲ μὴ λυτρωθῇ (1 *b*)
— 33. ὃς ἂν λυτρωσάμενος παρὰ τῶν Λ. (1 *a*)
— 48. εἷς τῶν ἀδ. αὐ. λυτρώσεται αὐτόν (1 *a*)
— 49. υἱὸς ἀδελφοῦ πατρὸς λυτρώσεται αὐτόν (1 *a*)
— 49. ἢ ἀπὸ τῶν οἰκείων . . . λυτρώσεται αὐτόν (1 *a*)
— 49. A B¹ ἐὰν δὲ . . . λυτρώσηται [B² R -ῶται] αὐτόν (1 *b*)
— 54. ἐὰν δὲ μὴ λυτρῶται μετὰ ταῦτα (1 *b*)
27. 13. ἐὰν δὲ λυτρούμενος λυτρώσηται αὐτόν (1 *a*, 1 *a*)
— 15. ἐὰν δὲ . . . λυτρῶται [A -ώσηται] τὴν οἰκίαν αὐ. (1 *a*)
— 19. ἐὰν δὲ λυτρῶτι [A -οῦται] τὸν ἀγρόν (1 *a*)
— 20. ἐὰν δὲ μὴ λυτρῶται τὸν ἀγρόν (1 *a*)
— 20. οὐκέτι μὴ λυτρώσηται [A -σεται] αὐτόν (1 *b*)
— 27. ἐὰν δὲ μὴ λυτρῶται (1 *b*)
— 28. οὐκ ἀποδώσεται οὐδὲ λυτρώσεται (1 *b*)
— 29. πᾶν . . . οὐ λυτρωθήσεται [A -ώσεται] (3 *b*)
— 31. ἐὰν δὲ λυτρῶται λύτρῳ ἄνθρ. τὴν δεκ. αὐ. (1 *a*)
— 33. οὐ λυτρωθήσεται (1 *b*)
Nu. 18. 15. λύτροις λυτρωθήσεται τὰ πρωτότοκα (3 *a*)
— 15. τὰ πρωτότοκα τῶν κτηνῶν τῶν ἀκαθ. λυτρώσῃ (3 *a*)
— 17. πρωτότοκα αἰγῶν οὐ λυτρώσῃ (3 *a*)
De. 7. 8. B¹ ἐλυτρώσατο [B² R *add.* σε κ., A *add.* σε] ἐξ οἴκου δουλείας (3 *a*)
9. 26. ἣν ἐλυτρώσω (3 *a*)
13. 5 (6). τοῦ λυτρωσαμένου σε ἐκ τῆς δουλείας (3 *a*)
15. 15. A B² R ἐλυτρώσατό σε κ. ὁ θ. σου ἐκεῖθεν (3 *a*)
21. 8. οὓς ἐλυτρώσω (3 *a*)
24. 18. ἐλυτρώσατό σε κ. ὁ θ. σου ἐκεῖθεν (3 *a*)
II Ki. 4. 9. ὃς ἐλυτρώσατο τὴν ψυχήν μου (3 *a*)
7. 23. τοῦ λυτρώσασθαι αὐτῷ λαόν (3 *a*)
— 23. οὗ ἐλυτρώσω σεαυτῷ ἐξ Αἰγ. (3 *a*)
III Ki. 1. 29. ὃς ἐλυτρώσατο τὴν ψυχήν μου (3 *a*)
I Ch. 17. 21. τοῦ λυτρώσασθαι ἑαυτῷ λαόν (3 *a*)
21. οὓς [A οὗ] ἐλυτρώσω ἐξ Αἰγ. ἔθνη (3 *a*)
Ne. 1. 10. οὓς ἐλυτρώσω ἐν τῇ δυνάμει σου (3 *a*)
Es. 4. 17. ἣν σεαυτῷ ἐλυτρώσω
Ps. 7. 2. μὴ ὄντος λυτρουμένου μηδὲ σώζοντος (6 *a*)
24 (25). 22. λύτρωσαι ὁ θεὸς τὸν Ἰσραήλ (3 *a*)
25 (26). 11. λύτρωσαί με καὶ ἐλέησόν με (3 *a*)
30 (31). 5. ἐλυτρώσω με (3 *a*)
31 (32). 7. τὸ ἀγαλλίαμά μου λύτρωσαί με (4)
33 (34). 22. λυτρώσεται κύριος ψυχὰς δούλων αὐτοῦ (3 *a*)
43 (44). 26. λύτρωσαι ἡμᾶς ἕνεκεν τοῦ ὀνόματός σου (3 *a*)
48 (49). 7. ἀδελφὸς οὐ λυτροῦται [A -ῶται] λυτρώσεται ἄνθρωπος (3 *a*, 3 *a*)
— 15. ὁ θεὸς λυτρώσεται τὴν ψυχήν μου (3 *a*)
54 (55). 18. λυτρώσεται ἐν εἰρήνῃ τὴν ψυχήν μου (3 *a*)
58 (59). 1. ἐκ τῶν ἐπανιστανομένων ἐπ' ἐμὲ λύτρωσαί με (8)
68 (69). 18. καὶ λύτρωσαι αὐτήν (1 *a*)
70 (71). 23. ἡ ψυχή μου ἣν ἐλυτρώσω (3 *a*)
71 (72). 14. ἐξ ἀδικίας λυτρώσεται τὰς ψυχὰς αὐτῶν (1 *a*)
73 (74). 2. ἐλυτρώσω ῥάβδον κληρονομίας σου (1 *a*)
76 (77). 15. ἐλυτρώσω ἐν τῷ βραχίονί σου τὸν λαόν σου (1 *a*)
77 (78). 42. ἡμέρας ἧς ἐλυτρώσατο αὐτούς (3 *a*)
102 (103). 4. τὸν λυτρούμενον ἐκ φθορᾶς τὴν ζωήν σου (1 *a*)
105 (106). 10. ἐλυτρώσατο αὐτοὺς ἐκ χειρὸς ἐχθροῦ (1 *a*)
106 (107). 2. εἰπάτωσαν οἱ λελυτρωμένοι ὑπὸ κυρίου οὓς ἐλυτρώσατο ἐκ χειρὸς ἐχθροῦ (1 *a*, 1 *a*)
Ps. 118 (119). 134. λύτρωσαί με ἀπὸ συκοφαντίας ἀνθρώπων (3 *a*)
— 154. κρῖνον τὴν κρίσιν μου καὶ λύτρωσαί με (1 *a*)
129 (130). 8. αὐτὸς λυτρώσεται τὸν Ἰσραήλ (3 *a*)
135 (136). 24. ἐλυτρώσατο ἡμᾶς (6 *a*)
143 (144). 10. τῷ λυτρουμένῳ Δ. τὸν δοῦλον αὐ. (5)
Pr. 23. 11. ὁ γὰρ λυτρούμενος αὐτοὺς κύριος κραταιός ἐστι (1 *a*)
Si. 48. 20. ἐλυτρώσατο αὐτοὺς ἐν χειρὶ Ἡσαΐου
49. 10. ἐλυτρώσατο [A -αντο] αὐτοὺς ἐν πίστει ἐλπίδος
50. 24. ἐν ταῖς ἡμέραις αὐτοῦ λυτρωσάσθω ἡμᾶς
51. 2. ἐλυτρώσω τὸ σῶμά μου ἐξ ἀπωλείας
— 3. ἐλυτρώσω με κατὰ τὸ πλῆθος ἐλέους καὶ ὀνόματός σου
Ho. 7. 13. ἐγὼ δὲ ἐλυτρωσάμην αὐτούς (3 *a*)
13. 14. καὶ ἐκ θανάτου λυτρώσομαι αὐτούς (1 *a*)
Mi. 4. 10. ἐκεῖθεν λυτρώσεταί σε κ. ὁ θ. [B¹ *al.*] (1 *a*)
6. 4. καὶ ἐξ οἴκου δουλείας ἐλυτρωσάμην σε (3 *a*)
Ze. 3. 1. ὦ ἡ ἐπιφανὴς καὶ ἀπολελυτρωμένη [S² λελ.] πόλις (1 *b*)
— 15. λελύτρωταί σε [S¹ -ωσαι] ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν σου †
Za. 10. 8. διότι λυτρώσομαι αὐτούς (3 *a*)
Is. 35. 9. πορεύσονται ἐν αὐτῇ λελυτρωμένοι (1 *a*)
41. 14. ὁ θεός σου ὁ λυτρούμενός σε, Ἰσραήλ (1 *a*)
43. 1. ἐλυτρωσάμην σε (1 *a*)
— 14. οὕτως λέγει κ. ὁ θεὸς ὁ λυτρούμενος ὑμᾶς (1 *a*)
44. 22. λυτρώσομαί σε (1 *a*)
— 23. ἐλυτρώσατο [A ἠλέησεν] ὁ θεὸς τὸν Ἰ. (1 *a*)
— 24. οὕτω λέγει κύριος ὁ λυτρούμενός [A -ρόμ.] σε (1 *a*)
51. 11. ὁδὸν διαβάσεως ῥυομένοις καὶ λελυτρωμένοις (3 *a*)
52. 3. οὐ μετὰ ἀργυρίου λυτρωθήσεσθε (1 *b*)
62. 12. λελυτρωμένον ὑπὸ [S¹ ἀπὸ] κυρίου (1 *a*)
63. 9. αὐτὸς ἐλυτρώσατο αὐτούς (1 *a*)
Je. 15. 21. λυτρώσομαί σε [S *om.* λ. σ.] ἐκ χειρὸς λοιμῶν (3 *a*)
27 (50). 34. ὁ λυτρούμενος αὐτοὺς ἰσχυρός (1 *a*)
38 (31). 11. ἐλυτρώσατο κύριος τὸν Ἰακώβ (3 *a*)
La. 3. 58. ἐλυτρώσω τὴν ζωήν μου (1 *a*)
5. 8. λυτρούμενος οὐκ ἔστιν ἐκ τῆς χειρὸς αὐτῶν (6 *a*)
Da. LXX. 3. (88). ἐκ τοῦ πυρὸς ἐλυτρώσατο ἡμᾶς
4. 24. τὰς ἀδικίας σου ἐν ἐλεημοσύναις λύτρωσαι (6 *b*)
6. 27 (28). ὡς ἐλυτρώσατο ὁ θεὸς τοῦ Δ. τὸν Δ. (9)
Da. TH. 4. 24. τὰς ἁμαρτίας σου ἐν ἐλεημοσύναις λύτρωσαι (6 *b*)
I Ma. 4. 11. ἐστὶν ὁ λυτρούμενος καὶ σώζων [S¹ *om.* κ. σ.] τὸν Ἰ.
[Aq. Ps. 25 (26). 11: 73 (74). 2: Is. 29. 22.]
[Sm. Ps. 70 (71). 23: 73 (74). 2: Is. 29. 22.]
[Th. Ex. 15. 16: Is. 29. 22.]
[Al. Le. 27. 24, 27: Ps. 48 (49). 8 *bis.*]
[Quint. Ps. 25 (26). 11.]

λυτρών. (1) מוֹצָאָה (2) מַחֲרָאָה

IV Ki. 10. 27. B ἐπάταξεν [A R ἔταξαν] αὐτὸν εἰς λυτρῶνας (1, 2*)

λύτρωσις. (1) *a.* גְּאֻלָּה *b.* גְּאוּלִים (2) *a.* פָּדָה *b.* פְּדוּת *c.* פְּדוּת

Le. 25. 29. καὶ ἔσται ἡ λ. αὐτῆς (1 *a*)
— 29. ἔσται ἡ λ. αὐτῆς (1 *a*)
— 48. A B¹ λύτρωσις ἔσται αὐτῷ [B² R -οῦ] (1 *a*)
Nu. 18. 16. καὶ ἡ λ. αὐτοῦ ἀπὸ μηνιαίου (2 *a*)
Jd. 1. 15. δώσεις μοι λύτρωσιν ὕδατος †
— 15. ἔδωκεν αὐτῇ . . . λύτρωσιν [A τὴν λ.] μετεώρων καὶ [A *add.* τὴν] λ. ταπεινῶν †, †
Ps. 48 (49). 8. καὶ τὴν τιμὴν τῆς λ. τῆς ψυχῆς αὐτοῦ (2 *b*)
110 (111). 9. λύτρωσιν ἀπέστειλε τῷ λαῷ αὐτοῦ (2 *c*)
129 (130). 7. καὶ πολλὴ παρ' αὐτῷ λύτρωσις (2 *c*)
Is. 63. 4. ἐνιαυτὸς λυτρώσεως πάρεστι (1 *b*)
[Aq. Ec. 12. 6.]
[Th. Pr. 6. 35.]
[Al. Le. 5. 18: 6. 6 (5. 25), 17 (10): 7. 1, 37: 14. 12: 25. 26, 29.]

λυτρωτής. (1) גֹּאֵל

Ps. 18 (19). 14. κύριε βοηθέ μου καὶ λυτρωτά μου (1)
77 (78). 35. καὶ ὁ θεὸς ὁ ὕψιστος λυτρωτὴς αὐτῶν ἐστι (1)
[Al., Sam. Le. 25. 25.]

λυτρωτός. (1) גְּאֻלָּה

Le. 25. 31, 32. λυτρωταὶ διὰ παντὸς ἔσονται (1)

λυχνία. (1) מְנוֹרָה

Ex. 25. 30 (31). ποιήσεις λυχνίαν ἐκ χρυσίου καθαροῦ (1)
— 30 (31). τορευτὴν ποιήσεις τὴν λυχνίαν (1)
— 31 (32). τρεῖς καλαμίσκοι τῆς λ. (1)
— 31 (32). τρεῖς καλαμίσκοι τῆς λ. [A om. τῆς λ.] (1)
— 32 (33). τοῖς ἐκπορευομένοις ἐκ τῆς λ. (1)
— 33 (34). καὶ ἐν τῇ λ. [A ἐκ τῆς λ.] τέσσαρες (1)
— 34 (35). τοῖς ἐκπορευομένοις ἐκ τῆς λ. (1)
— 34 (35). καὶ ἐν τῇ λ. [A ἐκ τῆς λ.] τέσσαρες –
— 35 (36). A τοῖς ἐκπορευομένοις ἐκ τῆς λ. –
26. 35. ἐπιθήσεις . . . τὴν λ. (1)
30. 27. τὴν λ. καὶ πάντα τὰ σκεύη αὐτῆς (1)
31. 8. καὶ τὴν λ. τὴν καθαράν (1)
35. 16 (14). καὶ τὴν λ. τοῦ φωτός (1)
38. 13 (37. 17). ἐποίησε τὴν λ. ἡ φωτίζει (1)
39. 17 (37). καὶ τὴν λ. τὴν καθαράν (1)
40. 4. εἰσοίσεις τὴν λ. (1)
— 24. ἔθηκε τὴν λ. εἰς τὴν σκηνήν (1)
Le. 24. 4. ἐπὶ τῆς λ. τῆς καθαρᾶς καύσετε (1)
Nu. 3. 31. ἡ τράπεζα καὶ ἡ λ. (1)
4. 9. καλύψουσι τὴν λ. τὴν φωτίζουσαν (1)
8. 2. ἐκ μέρους κατὰ πρόσωπον τῆς λ. (1)
— 3. ἐκ τοῦ ἑνὸς μέρους κατὰ πρόσωπον τῆς λ. (1)
— 4. αὕτη ἡ κατασκευὴ τῆς λ. (1)
— 4. οὕτως ἐποίησε τὴν λ. (1)
III Ki. 7. 49. καὶ τὰς λ. πέντε ἐξ ἀριστερῶν (1)
IV Ki. 4. 10. θῶμεν αὐτῷ ἐκεῖ . . . λυχνίαν (1)
I Ch. 28. 15. λυχνιῶν τὴν ὁλκὴν ἔδωκεν αὐτῷ (1)
II Ch. 4. 7. ἐποίησε τὰς λ. τὰς χρυσᾶς δέκα (1)
— 20. ἐποίησε Σ. . . . τὰς λ. (1)
13. 11. καὶ ἡ λ. ἡ χρυσῆ (1)
Si. 26. 17. λύχνος ἐκλάμπων ἐπὶ λυχνίας ἁγίας
Za. 4. 2. ἰδοὺ λυχνία χρυσῆ ὅλη (1)
— 11. αἱ ἐκ δεξιῶν τῆς λ. [S¹ om. τ. λ.] (1)
Je. 52. 19. τὰς λ. [S om. τ. λ.] καὶ τὰς θυΐσκας . . . ἔλαβεν (1)
I Ma. 1. 21. ἔλαβε . . . τὴν λ. τοῦ φωτός
4. 49. εἰσήνεγκαν τὴν λ. . . . εἰς τὸν ναόν
— 50. ἐξῆψαν τοὺς λύχνους τοὺς ἐπὶ τῆς λ.
[Al. II Ki. 21. 17.]

λύχνος. (1) *a.* נִיר *b.* נֵר *c.* נֵיר

Ex. 25. 36 (37). ποιήσεις τοὺς λ. αὐτῆς ἑπτά (1 *b*)
— 36 (37). καὶ ἐπιθήσεις τοὺς λ. [A *add.* αὐτῆς] (1 *b*)
27. 20. ἵνα καίηται λ. διὰ παντός (1 *b*)
30. 8 (7). ὅταν ἐπισκευάζῃ τοὺς λ. (1 *b*)
— 8. καὶ ὅταν ἐξάπτῃ Ἀαρὼν τοὺς λ. (1 *b*)
38. 16 (37. 19). ὧσιν οἱ λ. ἐπ' [A ἐξ] αὐτῶν –
— 17 (37. 23). ἑπτὰ λύχνους . . . χρυσοῦς (1 *b*)
39. 17 (37). τὴν λυχνίαν . . . καὶ τοὺς λ. αὐτῆς λύχνους τῆς καύσεως (1 *b*, 1 *b*)
40. 4. καὶ ἐπιθήσεις τοὺς λ. αὐτῆς (1 *b*)
— 25. ἐπέθηκε τοὺς λ. αὐτῆς ἔναντι κυρίου (1 *b*)
Le. 24. 2. καῦσαι λύχνον διὰ παντός (1 *b*)
— 4. καύσετε τοὺς λ. (1 *b*)
Nu. 4. 9. τὴν λυχνίαν τὴν φωτίζουσαν καὶ τοὺς λ. αὐ. (1 *b*)
8. 2. ὅταν ἐπιτιθῇς τοὺς λύχνους (1 *b*)
— 2. φωτιοῦσιν οἱ ἑπτὰ λ. (1 *b*)
— 3. ἐξῆψε τοὺς λ. αὐτῆς (1 *b*)
I Ki. 3. 3. ὁ λ. τοῦ θεοῦ πρὶν ἐπισκευασθῆναι (1 *b*)
II Ki. 21. 17. οὐ μὴ σβέσῃς τὸν λ. Ἰσρ. [A μου] (1 *b*)
22. 29. σὺ ὁ λ. μου (1 *c*)
III Ki. 7. 49. τὰ λαμπαδεῖα καὶ τοὺς λ. (1 *b*)
IV Ki. 8. 19. δοῦναι αὐτῷ λύχνον (1 *a*)
I Ch. 28. 15. λυχνιῶν τὴν ὁλκὴν ἔδωκεν αὐτῷ καὶ τῶν λ. (1 *b*)
II Ch. 4. 20. ἐποίησε Σ. . . . τοὺς λ. τοῦ φωτός (1 *b*)
— 21. καὶ οἱ λ. αὐτῶν (1 *b*)
13. 11. καὶ οἱ λ. τῆς καύσεως (1 *b*)
21. 7. δοῦναι αὐτῷ λύχνον (1 *a*)
29. 7. ἔσβεσαν τοὺς λ. (1 *b*)
To. 8. 13. S ἦψαν τὸν λ.
Jb. 18. 6. ὁ δὲ λ. ἐπ' αὐτῷ σβεσθήσεται (1 *b*)
21. 17. ἀσεβῶν λύχνος σβεσθήσεται (1 *b*)
29. 3. ὡς ὅτε ἤγει ὁ [A om.] λ. αὐτοῦ (1 *b*)
Ps. 17 (18). 28. σὺ φωτιεῖς λύχνον μου (1 *b*)
Ps. 118 (119). 105. λύχνος τοῖς ποσί μου ὁ νόμος σου (1 *b*)
131 (132). 17. ἡτοίμασα λύχνον τῷ χριστῷ μου (1 *b*)
Pr. 6. 23. λύχνος ἐντολὴ νόμου καὶ φῶς (1 *b*)
20. 27. A φῶς κυρίου πνοὴ ἀνθρώπων ἢ λύχνος [BS om. ἢ λ.] (1 *b* ?)
31. 18. οὐκ ἀποσβέννυται ὁ λ. αὐτῆς ὅλην τὴν νύκτα (1 *b*)
Si. 26. 17. λύχνος ἐκλάμπων ἐπὶ λυχνίας ἁγίας
Ze. 1. 12. ἐξερευνήσω τὴν Ἱερ. μετὰ λύχνου (1 *b*)
Za. 4. 2. καὶ ἑπτὰ λύχνοι ἐπάνω αὐτῆς (1 *b*)
— 2. ἑπτὰ ἐπαρυστρίδες τοῖς λ. τοῖς ἐπάνω αὐτῆς (1 *b*)
Je. 25. 10. ἀπολῶ ἀπ' αὐτῶν . . . φῶς λύχνου (1 *b*)
Ep. Je. 19. λύχνους καίουσι καὶ πλείους ἢ ἑαυτοῖς [A πλείονας αὐτοῖς]
Da. LXX. 5. 1. ἐπὶ τοῦ κονιάματος κατέναντι τοῦ λ. –
I Ma. 4. 50. ἐξῆψαν τοὺς λ. τοὺς ἐπὶ τῆς λυχνίας
II Ma. 1. 8. B ἐξήψαμεν [A ἐξήγαγεν] τοὺς λύχνους
10. 3. θυμίαμα καὶ λύχνους . . . ἐποιήσαντο
[Aq., Sm. III Ki. 11. 36 : 15. 4 : Pr. 20. 27 : 24. 20.]
[Th. Ex. 35. 14 : Pr. 20. 27 : 24. 20.]

λωιαβίν.

[Heb. Ps. 91 (92). 7.]

λῶμα. (1) פֶּתִיל (2) שׁוּל

Ex. 28. 29 (33). ὑπὸ [A B² ἐπὶ] τὸ λ. τοῦ ὑποδύτου (2)
— 29 (33). ἐπὶ τοῦ λ. τοῦ ὑποδύτου κύκλῳ (2)
— 30 (34). ἐπὶ [B¹ ὑπὸ] τοῦ λ. [A δώμ.] τοῦ ὑποδύτου κύκλῳ (2)
36. 32 (39. 24). ἐπὶ τοῦ λ. τοῦ ὑποδύτου (2)
— 33 (39. 25). ἐπὶ τὸ λ. τοῦ ὑποδύτου (2)
— 34 (39. 26). ἐπὶ τοῦ λώματος [A² τὸ λ.] (2)
— 40 (39. 31). ἐπέθηκαν ἐπὶ τὸ λ. ὑακίνθινον (1)

λωποδυτεῖν.

I Es. 4. 24. ὅταν . . . ἁρπάσῃ καὶ λωποδυτήσῃ

λωποδύτης.

[Quint. Ho. 7. 1.]

λωφᾶν.

[Sm. Ge. 8. 1.]

M

μά.

IV Ma. 5. 29. S² οὐ μὰ τοὺς ἱεροὺς . . . ὅρκους [AS¹B *al.*]
10. 15. μὰ τὸν μακάριον . . . θάνατον

μαανά. (1) מְנֻחָה

IV Ki. 8. 8. B λάβε ἐν τῇ χειρί σου μ. [AR μαναά] (1)
— 9. B ἔλαβε μ. [AR μαναὰ] ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (1)
Ne. 13. 9. S² ἐπέστρεψα ἐκεῖ . . . τὴν μ. [B¹ μάννα, B² μανναείμ, S¹ βαανά, A μαναάν, R μαναά] (1)

μαασαναί (B), **μεσαναί** (A). (1) מִשְׁנֶה

II Ch. 34. 22. κατῴκει ἐν Ἱερ. ἐν μ. (1)

μαβά.

II Ch. 1. 13. B ἦλθε Σαλ. ἐκ μ. [AR βαμά] †

μαβδαρῖτις (**μαδβ.**). (1) מִדְבָּר

Jo. 5. 15. ἐν τῇ ἐρήμῳ τῇ μ. [B¹ μαδβ.] (1)
18. 12. ἔσται αὐτοῦ ἡ διέξοδος ἡ [B¹ om.] μ. (1)

μαγάλ.

[Th. I Ki. 26. 7.]

μαγειρεῖον. (1) *a.* מְבַשֵּׁלוֹת *b.* בָּשַׁל pi.

Ez. 46. 23. μαγειρεῖα γεγονότα ὑποκάτω τῶν ἐξεδρῶν κύκλῳ (1 *a*)
— 24. A οὗτοι οἱ οἶκοι τῶν μ. [B μαγείρων] (1 *b*)

μαγειρεύειν. (1) טָבַח

La. 2. 21. ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς σου ἐμαγείρευσας (1)

μαγείρισσα. (1) טַבָּחָה

I Ki. 8. 13. τὰς θυγ. ὑμῶν λήψεται . . . εἰς μαγειρίσσας (1)

μάγειρος. (1) בָּשַׁל pi. (2) טַבָּח

I Ki. 9. 23. εἶπε Σ. τῷ μ. (2)
— 24. ἤψησεν ὁ μ. τὴν κωλέαν (2)
La. 2. 20. ἐπιφυλλίδα ἐποίησε μ. †
Ez. 46. 24. οὗτοι οἱ οἶκοι τῶν μ. [A μαγειρείων] (1)

μαγικός.

Wi. 17. 7. μαγικῆς δὲ ἐμπαίγματα κατέκειτο τέχνης

μαγίς. (1) *a.* צְלוּל *b.* צְלִיל

Jd. 7. 13. μαγὶς ἄρτου κριθίνου στρεφομένη (1 *a**, 1 *b*)

μάγος. (1) אַשָּׁף

Da. LXX. 2. 2. εἰσενεχθῆναι . . . τοὺς μ. (1)
— 10. οὐκ ἐπερωτᾷ πάντα σοφὸν καὶ μ. (1)
Da. TH. 1. 20. δεκαπλασίονας παρὰ . . . τοὺς μ. (1)
2. 2. καλέσαι . . . τοὺς μ. (1)
— 10. οὐκ ἐπερωτᾷ ἐπαοιδὸν μάγον (1)
— 27. οὐκ ἔστι σοφῶν μάγων ἐπαοιδῶν (1)
4. 4. εἰσεπορεύοντο οἱ ἐπαοιδοὶ μάγοι (1)
Da. TH. 5. 7. τοῦ εἰσαγαγεῖν μάγους (1)
— 11. ἄρχοντα ἐπαοιδῶν μάγων . . . κατέστησεν αὐτόν (1)
— 15. εἰσῆλθον . . . οἱ σοφοὶ μάγοι (1)
[Aq. Dt. 18. 11 : I Ki. 28. 3, 7, 8, 9 : IV Ki. 21. 6 : 23. 24 : Is. 29. 4.]
[Sm. Ge. 41. 8, 24.]
[Th. Da. 1. 20 : 4. 4.]

μαγωζός.

[Aq., Sm. Ez. 27. 24.]

μαδᾶν. (1) מָרַט *a.* qal. *b.* ni.

Le. 13. 40. ἐὰν δέ τινι μαδήσῃ ἡ κεφαλὴ αὐτοῦ (1 *b*)
— 41. ἐὰν δὲ κατὰ πρόσωπον μαδήσῃ ἡ κεφαλή (1 *b*)
Ez. 29. 18. πᾶς ὦμος μαδῶν (1 *a*)

μαδαροῦν. (1) מָרַט

Ne. 13. 25. B καὶ ἐμαδάρωσα αὐτούς (1)

μαδβαρῖτις, *vid. sub* **μαβδαρῖτις.**

μαδών. (1) *a.* מְדִין *b.* מָדוֹן

II Ki. 21. 20. ἦν ἀνὴρ μ. (1 *a**, 1 *b*)

μαεβέρ. (1) מְעֻבָּר

III Ki. 4. 12. ἕως μ. Λ. [A *al.*] (1)

μαελέθ. (1) מַחֲלַת

Ps. 52 (53). *tit.* εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ μ. (1)
87 (88). *tit.* ᾠδὴ ψαλμοῦ . . . ὑπὲρ μ. (1)

μαεμωνί.

I Ki. 21. 2 (3). φελλανεὶ μ. [A *al.*] †

μάζα.

Da. LXX. Bel 26. ἐποίησε μάζαν
Da. TH. Bel 27. ἐποίησε μάζας
[Aq. Hb. 2. 11.]
[Th. Da. 14. 26.]

μαζούρ.

[Aq. Jb. 37. 9.]

μαζουρώθ. (1) מַזָּרוֹת

IV Ki. 23. 5. τοὺς θυμιῶντας . . . τοῖς μ. †
Jb. 38. 32. ἢ διανοίξεις μαζουρὼθ ἐν καιρῷ αὐτοῦ (1)
[Th. Jb. 38. 32.]

μάθημα. (1) אַלּוּף

Je. 13. 21. ἐδίδαξας αὐτοὺς ἐπὶ σὲ μαθήματα [A -ηταὶ] εἰς ἀρχήν (1)

μάθησις.

[Sm. Pr. 2. 17.]

μαθητής. (1) אַלּוּף

Je. 13. 21. A ἐδίδαξας αὐτοὺς ἐπὶ σὲ μαθητὰς [BS -ήματα] εἰς ἀρχήν (1)
20. 11. A καθὼς μ. ἰσχυρός [BS μαχητὴς ἰσχύων] †
26 (46). 9. A[1] ἐξέλθατε οἱ μαθηταὶ [A[2]B μαχ.] Λιθιόπων †

μαῖα. (1) יָלַד pi.

Ge. 35. 17. εἶπεν αὐτῇ ἡ μ. (1)
38. 28. λαβοῦσα δὲ ἡ μ. ἔδησεν (1)
Ex. 1. 15. εἶπεν . . . ταῖς μ. τῶν Ἑβρ. (1)
— 17. ἐφοβήθησαν δὲ αἱ μ. τὸν θεόν (1)
— 18. ἐκάλεσε δὲ ὁ βασιλεὺς Αἰγύπτου τὰς μ. (1)
19. εἶπαν δὲ αἱ μ. τῷ Φαραῷ (1)
— 19. πρὶν ἢ εἰσελθεῖν πρὸς αὐτὰς τὰς μ. (1)
— 20. εὖ δὲ ἐποίει ὁ θεὸς ταῖς μ. (1)
— 21. ἐπειδὴ ἐφοβοῦντο αἱ μ. τὸν θεόν (1)
[Sm. Ex. 1. 19 *bis.*]

μαιμάσσειν. (1) גִּיחַ (2) הָמָה

Jb. 38. 8. ὅτε ἐμαίμασσεν [S[1] -αξεν, A ἐμαιοῦτο καὶ] ἐκ κοιλίας μητρὸς αὐτῆς ἐκπορευομένη (1)
Je. 4. 19. τὰ αἰσθητήρια τῆς καρδίας μου μαιμάσσει [? με μάσσει] ἡ ψυχή μου [S[1] *om.* μ. ἡ ψ. μ.] (2)
[Th. Je. 4. 19.]

μαίνεσθαι. (1) הָלַל hithpo. (2) שָׁגַע pu.

Wi. 14. 28. ἢ γὰρ εὐφραινόμενοι μεμήνασιν
Je. 32 (25). 16. μανήσονται ἀπὸ προσώπου τῆς μαχαίρας (1)
36 (29). 26. γενέσθαι ἐπιστάτην . . . παντὶ ἀνθρώπῳ μαινομένῳ (2)
II Ma. 4. 4. καὶ Ἀπολλώνιον μαίνεσθαι
IV Ma. 7. 5. AR περιέκλασε τοὺς μαινομ. [S ἐπιμ.] τῶν παθῶν κλύδωνας
8. 5. μὴ μανῆναι τὴν αὐτὴν . . . μανίαν
10. 13. μὴ μανῇς . . . τὴν αὐτὴν μανίαν
[Sm. I Ki. 21. 15 (16) *bis.*]

μαιοῦσθαι. (1) גִּיחַ (2) חוּל pul. (3) יָלַד pi.

Ex. 1. 16. ὅταν μαιοῦσθε τὰς Ἑβραίας (3)
Jb. 26. 5. μὴ γίγαντες μαιωθήσονται [S[1] *al.*] (2)
38. 8. ὅτε ἐμαιοῦτο καὶ [BS[2] ἐμαίμασσεν, S[1] ἐμαίμαξεν] ἐκ κοιλίας μητρὸς αὐτῆς ἐκπορευομένη (1)
[Sm. Pr. 8. 25.]
[Th. Jb. 26. 5.]
[Quint. Ps. 28 (29). 9.]

μακαρίζειν. (1) אָשַׁר *a.* pi. *b.* pu. *c.* אָשֵׁר

Ge. 30. 13. R μακαριοῦσί [A -ίζουσίν] με (1 *a*)
Nu. 24. 17. μακαρίζω καὶ οὐκ ἐγγίζει †
Jb. 29. 10. οἱ δὲ ἀκούσαντες [A ἀ. περὶ ἐμοῦ] ἐμακάρισάν με †
— 11. οὗς ἤκουσε καὶ ἐμακάρισέ με (1 *a*)
Ps. 40 (41). 2. κύριος . . . μακαρίσαι αὐτὸν ἐν τῇ γῇ (1 *b*)
71 (72). 17. πάντα τὰ ἔθνη μακαριοῦσιν αὐτόν (1 *a*)
143 (144). 15. ἐμακάρισαν [S[1] -σα] τὸν λαὸν ᾧ ταῦτά ἐστι (1 *c*)
Ca. 6. 8 (9). καὶ μακαριοῦσιν αὐτήν (1 *a*)
— 9 (10). S καὶ ἐμακάρισαν αὐτήν –
Wi. 2. 16. μακαρίζει ἔσχατα δικαίων
18. 1. ὅτι μὲν οὖν [A οὖ] κἀκεῖνοι ἐπεπόνθεισαν ἐμακάριζον
Si. 11. 28. πρὸ τελευτῆς μὴ μακάριζε μηδένα
25. 7. ἐννέα ὑπονοήματα ἐμακάρισα ἐν καρδίᾳ
— 23. ἥτις οὐ μακαριεῖ τὸν ἄνδρα αὐτῆς
34 (31). 9. τίς ἐστι καὶ μακαριοῦμεν αὐτόν
37. 24. μακαριοῦσιν αὐτὸν πάντες οἱ ὁρῶντες
45. 7. ἐμακάρισεν αὐτὸν ἐν εὐκοσμίᾳ
Ma. 3. 12. μακαριοῦσιν ὑμᾶς πάντα τὰ ἔθνη (1 *a*)
— 15. καὶ νῦν ἡμεῖς μακαρίζομεν ἀλλοτρίους (1 *a*)
Is. 3. 12. οἱ μακαρίζοντες ὑμᾶς πλανῶσιν ὑμᾶς (1 *a*)
9. 16 (15). ἔσονται οἱ μακαρίζοντες τὸν λαὸν τοῦτον πλανῶντες (1 *a*)
IV Ma. 1. 10. τῶν δὲ τιμῶν μακαρίσαιμ' ἄν
16. 9. οὐδὲ μάμμη κληθεῖσα μακαρισθήσομαι
18. 13. ὃν καὶ ἐμακάριζεν
[Aq., Th. Pr. 4. 14 : 31. 28.]
[Sm. Ps. 16 (17). 11 : Pr. 31. 28 : Ec. 4. 2.]

μακάριος. (1) *a.* אָשֵׁר *b.* אֶשֶׁר

Ge. 30. 13. μακαρία ἐγὼ ὅτι μακαριοῦσί με (1 *a*)
De. 33. 29. μακάριος σύ, Ἰσραήλ (1 *b*)
III Ki. 10. 8. μ. αἱ γυναῖκές σου μ. οἱ παῖδές σου οὗτοι (1 *b*, 1 *b*)
II Ch. 9. 7. μ. οἱ ἄνδρες μ. οἱ παῖδές σου οὗτοι (1 *b*, 1 *b*)
To. 13. 14. μ. οἱ ἀγαπῶντές σε
— 14. S μ. οἱ χαρήσονται ἐπὶ τῇ εἰρήνῃ σου [A B *al.*]
— 14. μ. ὅσοι ἐλυπήθησαν ἐπὶ πάσαις ταῖς μάστιξί σου [S *al.*]
— 16. S μακάριος ἔσομαι
Jb. 5. 17. μακάριος δὲ ἄνθρωπος ὃν ἤλεγξεν ὁ κύριος (1 *b*)
Ps. 1. 1. μακάριος ἀνὴρ ὃς οὐκ ἐπορεύθη ἐν βουλῇ ἀσεβῶν (1 *b*)
2. 12. μακάριοι πάντες οἱ πεποιθότες ἐπ' αὐτῷ (1 *b*)
31 (32). 1. μακάριοι ὧν ἀφέθησαν αἱ ἀνομίαι (1 *b*)
— 2. μακάριος ἀνὴρ οὗ οὐ μὴ λογίσηται κύριος ἁμαρτίαν (1 *b*)
32 (33). 12. μακάριον [B[1] -ος] τὸ ἔθνος οὗ ἐστι κύριος ὁ θεὸς αὐτοῦ (1 *b*)
33 (34). 8. μακάριος ἀνὴρ ὃς ἐλπίζει ἐπ' αὐτόν (1 *b*)
39 (40). 4. μακάριος ἀνὴρ οὗ ἐστι τὸ ὄνομα κυρίου ἐλπὶς αὐτοῦ (1 *b*)
40 (41). 1. μακάριος ὁ συνίων ἐπὶ πτωχόν (1 *b*)
64 (65). 4. μακάριος ὃν ἐξελέξω καὶ προσελάβου (1 *b*)
83 (84). 4. μακάριοι πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν τῷ οἴκῳ σου (1 *b*)
— 5. μακάριος ἀνὴρ οὗ ἐστιν ἡ ἀντίληψις αὐτοῦ παρὰ σοῦ (1 *b*)
— 12. μακάριος ἄνθρωπος ὁ ἐλπίζων ἐπὶ σέ (1 *b*)
88 (89). 15. μακάριος ὁ λαὸς ὁ γινώσκων ἀλαλαγμόν (1 *b*)
93 (94). 12. μακάριος ὁ ἄνθρωπος ὃν ἂν σὺ παιδεύσῃς (1 *b*)
105 (106). 3. μακάριοι οἱ φυλάσσοντες κρίσιν (1 *b*)
111 (112). 1. μακάριος ἀνὴρ ὁ φοβούμενος τὸν κύριον (1 *b*)
118 (119). 1. μακάριοι ἄμωμοι ἐν ὁδῷ (1 *b*)
— 2. μακάριοι οἱ ἐξερευνῶντες τὰ μαρτύρια αὐτοῦ (1 *b*)
126 (127). 5. μακάριος ὃς πληρώσει τὴν ἐπιθυμίαν (1 *b*)
127 (128). 1. μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν κύριον (1 *b*)
— 2. μακάριος εἶ καὶ καλῶς σοι ἔσται (1 *b*)
136 (137). 8. μακάριος ὃς ἀνταποδώσει σοι τὸ ἀνταπόδομά σου (1 *b*)
— 9. μακάριος ὃς . . . ἐδαφιεῖ τὰ νήπιά σου πρὸς τὴν πέτραν (1 *b*)
143 (144). 15. μακάριος ὁ λαὸς οὗ κύριος ὁ θεὸς αὐτοῦ (1 *b*)
145 (146). 5. μακάριος οὗ ὁ θεὸς Ἰακὼβ βοηθός (1 *b*)
Pr. 3. 13. μακάριος ἄνθρωπος ὃς εὗρε σοφίαν (1 *b*)
8. 32. AS[2] μακάριοι οἱ ὁδούς μου φυλάσσοντες (1 *b*)
— 32 (34). μακάριος ἀνὴρ ὃς εἰσακούσεταί μου (1 *b*)
20. 7. μακαρίους τοὺς παῖδας αὐ. καταλείψει (1 *b*)
28. 14. μακάριος ἀνὴρ ὃς καταπτήσσει πάντα (1 *b*)
Ec. 10. 17. μακαρία σὺ γῆ (1 *b*)
Wi. 3. 13. μακαρία στεῖρα ἡ ἀμίαντος
Si. 14. 1. μακάριος ἀνὴρ ὃς οὐκ ὠλίσθησεν
— 2. μακάριος οὗ [A ἀνὴρ οὗ] κατέγνω ἡ ψυχή
Si. 14. 20. μακάριος ἀνὴρ ὃς ἐν σοφίᾳ τελευτήσει [S[2] μελετήσει]
25. 8. μακάριος ὁ συνοικῶν γυναικὶ συνετῇ
— 9. μακάριος ὃς [S[1] ἀνὴρ ὃς] εὗρε φρόνησιν
26. 1. γυναικὸς ἀγαθῆς μακάριος ὁ ἀνήρ
28. 19. μακάριος ὁ σκεπασθεὶς ἀπ' αὐτῆς
31 (34). 15. φοβουμένου τὸν κύριον μακαρία ἡ ψυχή
34 (31). 8. μακάριος πλούσιος ὃς εὑρέθη ἄμωμος
48. 11. μακάριοι οἱ ἰδόντες σε
50. 28. μακάριος ὃς ἐν τούτοις ἀναστραφήσεται
Is. 30. 18. μακάριοι οἱ ἐμμένοντες ἐπ' [AS ἐν] αὐτῷ (1 *b*)
31. 9. μ. ὃς ἔχει ἐν Σιὼν σπέρμα †
32. 20. μακάριοι οἱ σπείροντες ἐπὶ πᾶν ὕδωρ (1 *b*)
56. 2. μ. ἀνὴρ ὁ ποιῶν ταῦτα (1 *b*)
Ba. 4. 4. μακάριοί ἐσμεν, Ἰσραήλ
Da. LXX. 12. 12. μ. ὁ ἐμμένων (1 *b*)
Da. TH. 12. 12. μ. ὁ ὑπομένων (1 *b*)
IV Ma. 7. 15. ὦ μακαρίου γήρως
— 22. τὸ . . . ὑπομένειν μακάριόν ἐστιν
10. 15. μὰ τὸν μ. τῶν ἀδ. μου θάνατον
17. 18. τὸν μ. βιοῦσιν αἰῶνα
18. 9. μακάριος μὲν ἐκεῖνος
[Aq., Sm. Ps. 31 (32). 1 : 126 (127). 5 : 127 (128). 2.]
[Th. Ps. 126 (127). 5 : 127 (128). 2.]
[Quint., Sext. Ps. 31 (32). 1.]

μακαριότης.

IV Ma. 4. 12. ὑμνήσειν . . . τὴν τοῦ ἱεροῦ τόπου μ.
18. 19. A καὶ ἡ μ. [SR μακρότης] τῶν ἡμερῶν

μακαριστός. (1) אֶשֶׁר

Pr. 14. 21. ἐλεῶν δὲ πτωχοὺς μακαριστός [A *add.* ἔσται] (1)
16. 20. πεποιθὼς δὲ ἐπὶ θεῷ μακαριστός (1)
29. 18. ὁ δὲ φυλάσσων τὸν νόμον μακαριστός (1)
II Ma. 7. 24. ἅμα πλουτεῖν καὶ μακαριστὸν ποιήσειν
[Sm. Ps. 40 (41). 3.]

μακαρίως.

IV Ma. 12. 1. μ. ἐναπέθανε

μακράν, *cf.* **μακρός.** (1) אֲרֹךְ (2) סוּר (3) *a.* רָחַק qal. *b.* hi. *c.* רָחוֹק *d.* מֶרָחוֹק *e.* לְכֶרְחוֹק *f.* מֶרְחָק *g.* רַחִיק (4) ὁ μ. *a.* רָחוֹק *b.* מֶרָחוֹק *c.* מִמֶּרְחָק (5) οἱ μ. בַּמֶּרְחַקִּים (6) μ. ἀπέχειν *a.* רָחַק qal. *b.* hi. *c.* רָחוֹק (7) μ. ἀπωθεῖν רָחַק hi. (8) ἀφεστάναι μ., ἀποστῆναι μ. רָחַק (9) μ. γίγνεσθαι *a.* רָבָה *b.* רָחַק hi. (10) μ. εἶναι *a.* אָרֹךְ *b.* רָחַק *c.* רָחוֹק (11) μ. οἰκῶν רָחוֹק (12) μ. ποιεῖν *a.* נָצַל hi. *b.* רָחַק hi.

Ge. 44. 4. οὐκ ἀπέσχον μακράν (6 *b*)
Ex. 8. 28 (24). ἀλλ' οὐ μακρὰν ἀποτενεῖτε πορευθῆναι (3 *b*)
33. 7. ἔπηξεν . . . μακρὰν ἀπὸ τῆς παρεμβολῆς [B[1] *om.* μ. . . . π.] (3 *b*)
Nu. 9. 10. ἢ ἐν ὁδῷ μακρὰν ὑμῖν [A ἢ ἐν ὑ.] (3 *c*)
— 13. AR ἐν ὁδῷ μ. [B -ᾳ] οὐκ ἔστιν –
De. 12. 21. ἐὰν δὲ μ. [A -ρότερον] ἀπέχῃ σου ὁ τόπος (6 *a*)
13. 7 (8). ἢ τῶν μ. ἀπὸ σοῦ (4 *a*)
14. 24. ἐὰν δὲ μ. γένηται ἡ ὁδὸς ἀπὸ σοῦ (9 *a*)
— 24. μ. ἀπὸ σοῦ ὁ τόπος (3 *a*)
20. 15. πάσας τὰς πόλεις τὰς μ. οὔσας σου (10 *c*)
30. 11. AR οὐδὲ μακρὰν ἀπὸ σοῦ ἐστιν [B *om.*] (10 *c* [3 *c*])
Jo. 3. 4. μακρὰν ἔστω ἀνὰ μέσον ἡμῶν (3 *c*)
— 16. ἀφεστηκὸς μακρὰν σφόδρα (3 *b*)
8. 4. μὴ μ. γίνεσθε ἀπὸ [A *om.*] τῆς πόλεως (9 *b*)
9. 22. μ. ἀπὸ σοῦ ἐσμεν σφόδρα (10 *c*)
Jd. 18. 7. μ. εἰσι Σιδωνίων [A ἀπὸ Σιδῶνος] (10 *c*)
— 9. A μ. ἀπέχοντες ἐκ Σιδῶνος –
— 28. μ. ἐστιν ἀπὸ Σιδωνίων (10 *c*)
II Ki. 7. 19. ἐλάλησας ὑπὲρ τοῦ οἴκου . . . εἰς μ. (3 *d*)
15. 17. ἔστησαν ἐν οἴκῳ τῷ μ. (3 *f*)
III Ki. 8. 46. εἰς γῆν μ. καὶ ἐγγύς (3 *c*)
II Ch. 6. 36. εἰς γῆν μ. ἢ ἐγγύς (3 *c*)
II Es. 6. 6. μ. ὄντες ἐκεῖθεν (3 *g*)
Ne. 4. 19 (13). σκορπιζόμεθα . . . μ. ἀνὴρ ἀπὸ τοῦ ἀδ. αὐ. (3 *c*)

Es. 9. 20. τοῖς ἐγγὺς καὶ τοῖς μ. (3 c)
Jb. 30. 10. ἐβδελύξαντο δέ με ἀποστάντες μ. (8)
36. 3. ἀναλαβὼν τὴν ἐπιστήμην μου μ. (3 e)
Ps. 21 (22). 1. μ. ἀπὸ τῆς σωτηρίας μου οἱ λόγοι τῶν παραπτωμάτων μου (3 c)
64 (65). 5. B² S¹ καὶ ἐν [S² R τῶν ἐν] θαλάσσῃ μ. (3 c)
118 (119). 155. μ. ἀπὸ ἁμαρτωλῶν σωτηρία (3 c)
Pr. 2. 16. τοῦ μ. σε ποιῆσαι ἀπὸ ὁδοῦ εὐθείας (12 a)
4. 24. ἄδικα χείλη μ. ἀπὸ σοῦ ἄπωσαι (7)
5. 8. μ. ποίησον ἀπ' αὐτῆς σὴν ὁδόν (12 b)
13. 19. ἔργα δὲ ἀσεβῶν μ. ἀπὸ γνώσεως (2)
15. 29. μ. ἀπέχει ὁ θεὸς ἀπὸ ἀσεβῶν (6 c)
19. 7. φιλίως μ. ἔσται (10 b)
22. 15. ῥάβδος δὲ καὶ παιδεία μ. ἀπ' αὐτοῦ (3 b)
24. 31 (30. 8). μάταιον λόγον καὶ ψευδῆ μ. μου ποίησον (12 b)
27. 10. ἢ ἀδελφὸς μ. οἰκῶν (11)
Ec. 7. 25 (24). αὕτη ἐμακρύνθη ἀπ' ἐμοῦ μ. ὑπὲρ ὃ ἦν (3 c)
Wi. 14. 17. μὴ δυνάμενοι τιμᾶν ἄνθρωποι διὰ τὸ μ. οἰκεῖν
Si. 9. 13. μακρὰν ἄπεχε ἀπὸ ἀνθρώπου
13. 10. μὴ μ. ἀφιστῶ ἵνα μὴ ἐπιλησθῇς
15. 8. μακράν ἐστιν ὑπερηφανίας
16. 22. μακρὰν γὰρ ἡ διαθήκη
24. 32. ἐκφανῶ αὐτὰ ἕως εἰς μακράν
27. 20. μὴ αὐτὸν διώξῃς ὅτι μ. ἀπέστη
30. 23. λύπην μακρὰν ἀπόστησον ἀπὸ σοῦ
Mi. 4. 3. ἕως εἰς [A add. γῆν] μ. (3 c)
Jl. 3 (4). 8. εἰς ἔθνος μακρὰν ἀπέχον (6 c)
Za. 6. 15. καὶ οἱ μακρὰν ἀπ' αὐτῶν ἥξουσι (4 a)
10. 9. καὶ οἱ μακρὰν μνησθήσονταί μου (5)
Is. 5. 26. ἀρεῖ σύσσημον ἐν τοῖς ἔθνεσι τοῖς μ. (4 b)
27. 9. τὰ εἴδωλα αὐτῶν ἐκκεκομμένα ὥσπερ δρυμὸς μ. †
46. 12. οἱ μ. ἀπὸ τῆς δικαιοσύνης (3 c)
57. 9. πολλοὺς ἐποίησας τοὺς μ. ἀπὸ σοῦ †
— 19. ἔδωκα . . . εἰρήνην ἐπ' εἰρήνην τοῖς μ. (3 c)
59. 11. μ. ἀφέστηκεν ἀφ' ἡμῶν (8)
— 14. ἡ δικαιοσύνη μ. ἀφέστηκεν [A add. ἀφ' ἡμῶν] (3 d)
Je. 2. 5. ἀπέστησαν μ. ἀπ' ἐμοῦ (8)
36 (29). 28. μ. ἐστιν (10 a)
38 (31). 10. A ἀναγγείλατε εἰς νήσους τὰς μ. [R -ρόθεν, B S -ρότερον] (4 c)
Ba. 2. 29. A ἡ βόμβησις ἡ μεγ. . . . ἀποστρέψει εἰς μ. [B μικράν]
Ep. Je. 73. ἔσται γὰρ μ. ἀπὸ ὀνειδισμοῦ
Ez. 6. 12. ὁ δὲ μ. ἐν θανάτῳ τελευτήσει (3 c)
11. 15. μ. ἀπέχετε ἀπὸ τοῦ κυρίου (6 a)
12. 22. A μ. [B μακραὶ] αἱ ἡμέραι (1)
22. 5. ταῖς μ. ἀπεχούσαις [B² om.] ἀπὸ σοῦ (6 c [3c])
Da. LXX. Su. 51. διαχωρίσατέ μοι αὐτοὺς ἀπ' ἀλλήλων μ.
Da. TH. Su. 51. διαχωρίσατε αὐτοὺς ἀπ' ἀλλήλων μ.
9. 7. τοῖς ἐγγὺς καὶ τοῖς μ. (3 c)
I Ma. 8. 4. ὁ τόπος ἦν μ. ἀπέχων ἀπ' αὐτῶν σφόδρα
— 12. A R τῶν βασιλειῶν [S -λέων] τῶν ἐγγὺς καὶ τῶν μ.
[Aq. Ps. 21 (22). 2: Is. 17. 13: 57. 9 (εἰς μ.).]
[Sm. Jd. 18. 7: Ps. 37 (38). 12: 87 (88). 9, 19: Is. 6. 12: 57. 9 (εἰς μ.): 59. 9: Ez. 11. 16.]
[Th. Ps. 21 (22). 2: Is. 57. 9 (εἰς μ.).]
[Al. Jb. 18. 6.]
[Quint., Sext. Ps. 21 (22). 2.]

μακρόβιος. (1) הַאֲרִיךְ יָמִים
Wi. 3. 17. ἐάν τε γὰρ μακρόβιοι γένωνται
Is. 53. 10. ἡ ψυχὴ ὑμῶν ὄψεται σπέρμα μακρόβιον (1)
[Sm. Ec. 7. 16 (15).]

μακροβίωσις.
Ba. 3. 14. τοῦ γνῶναι ἅμα ποῦ ἔστι μ. καὶ ζωή

μακροημερεύειν. (1) הַאֲרִיךְ יָמִים (2) רָבָה יָמִים
De. 5. 33 (30). ὅπως . . . μακροημερεύσητε ἐπὶ τῆς γῆς (1)
6. 2. ἵνα μακροημερεύσητε (1)
11. 9. ἵνα μακροημερεύσητε ἐπὶ τῆς γῆς (1)
— 21. ἵνα μακροημερεύσητε [A πολυημ.] (2)
32. 47. μακροημερεύσετε [A -σητε] ἐπὶ τῆς γῆς (1)
Jd. 2. 7. ὅσοι ἐμακροημέρευσαν μετὰ Ἰ. (1)
Si. 1. 20. S¹ οἱ κλάδοι αὐτῆς μακροημερεύσουσιν [A B S² -ευσις]
3. 6. ὁ δοξάζων πατέρα μακροημερεύσει

μακροημέρευσις.
Si. 1. 12. φόβος κυρίου . . . δώσει . . . μακροημέρευσιν
— 20. οἱ κλάδοι αὐτῆς μακροημέρευσις [S¹ -εύσουσιν]
30. 22. ἀγαλλίαμα ἀνδρὸς μακροημέρευσις [S¹ μεγαλοημ.]

μακροήμερος. (1) μακροήμερος γίνεσθαι הַאֲרִיךְ יָמִים
De. 4. 40. ὅπως μακροήμεροι [A -χρόνιοι] γένησθε (1)
[Al. Dt. 5. 33 (30).]

μακρόθεν. (1) a. רָחַק hi. b. מֵרָחוֹק c. רָחוֹק d. בְּרָחוֹק e. מֵרָחָק f. מִמֶּרְחָק g. ἀπὸ μ. לְמֵרָחוֹק h. ἀπὸ μ. עַד־מֵרָחוֹק i. ὁ μ. מֵרָחוֹק j. ὁ μ. מִמֶּרְחָק
Ge. 21. 16. R ἐκάθητο ἀπέναντι αὐτοῦ μ. [A μακρότερον] (1 a)
— 16. R ἐκάθισεν [A -ητο] ἀπέναντι αὐτοῦ [A add. μακρόθεν] –
22. 4. οἶδε τὸν τόπον μακρόθεν (1 b)
37. 18. προεῖδον δὲ αὐτὸν μ. (1 b)
Ex. 2. 4. κατεσκόπευεν ἡ ἀδελφὴ αὐτοῦ μ. (1 b)
20. 18. φοβηθέντες δὲ πᾶς ὁ λαὸς ἔστησαν μ. (1 b)
— 21. εἱστήκει δὲ ὁ λαὸς μ. (1 b)
24. 1. καὶ προσκυνήσουσι μ. τῷ κυρίῳ (1 b)
De. 28. 49. ἐπάξει κ. ἐπὶ σὲ ἔθνος μ. (1 b)
29. 22 (21). ὃς ἂν ἔλθῃ ἐκ γῆς μ. (1 c)
Jo. 9. 6. ἐκ γῆς μ. ἥκαμεν (1 c)
— 9. ἐκ γῆς μ. σφόδρα ἥκασιν (1 c)
I Ki. 26. 13. ἔστη ἐπὶ τὴν κορυφὴν τοῦ ὄρους μ. (1 b)
III Ki. 8. 41. A καὶ ἔλθῃ ἀπὸ γῆς μ. (1 c)
IV Ki. 2. 7. ἔστησαν ἐξ ἐναντίας μ. (1 b)
19. 25. A μὴ οὐκ ἤκουσας ἀπὸ μ. (1 g)
II Ch. 6. 32. καὶ ἔλθῃ ἐκ γῆς μ. (1 c)
I Es. 5. 65. ὥστε μ. ἀκούεσθαι
II Es. 3. 13. ἠκούετο ἕως ἀπὸ μ. (1 g)
Ne. 12. 43. ἠκούσθη ἡ εὐφροσύνη . . . ἀπὸ μ. (1 h)
To. 13. 11. ἔθνη πολλὰ μ. ἥξει [S al.]
Ju. 13. 11. εἶπεν Ἰ. μ. τοῖς φυλάσσουσιν
Ps. 9. 22 (10. 1). ἵνα τί, κύριε, ἀφέστηκας μ. (1 d)
37 (38). 11. οἱ ἔγγιστά μου μ. [A S² ἀπὸ μ.] ἔστησαν (1 b [1 c])
137 (138). 6. τὰ ὑψηλὰ ἀπὸ μ. γινώσκει (1 e)
138 (139). 2. σὺ συνῆκας τοὺς διαλογισμούς μου ἀπὸ μ. (1 c)
Pr. 25. 25. οὕτως ἀγγελία ἀγαθὴ ἐκ γῆς μ. (1 e)
31. 14. ἐγένετο ὡσεὶ ναῦς ἐμπορευομένη μ. (1 f)
Si. 21. 7. γνωστὸς μ. ὁ δυνατὸς ἐν γλώσσῃ
Hb. 1. 8. καὶ ὁρμήσουσι μακρόθεν (1 b)
Is. 60. 4. ἥκασι πάντες οἱ υἱοί σου μ. (1 b)
— 9. ἀγαγεῖν τὰ τέκνα σου μ. (1 b)
Je. 4. 16. συστροφαὶ ἔρχονται ἐκ γῆς μ. (1 e)
6. 20. καὶ κιννάμωμον ἐκ γῆς μ. (1 e)
8. 19. φωνὴ κραυγῆς θυγατρὸς λαοῦ μου ἀπὸ γῆς μ. (1 e)
26 (46). 27. σώζων σε μ. (1 b)
28 (51). 50. οἱ [S εἰς γῆν] μ. μνήσθητε τοῦ κυρίου (1 i)
38 (31). 10. ἀναγγείλατε εἰς νήσους τὰς μ. [A -ράν, B S -ρότερον] (1 j)
Ba. 4. 15. ἐπήγαγε γὰρ ἐπ' αὐτοὺς [A add. ὁ θεὸς] ἔθνος μ.
Ez. 23. 40. τοῖς ἀνδράσι τοῖς ἐρχομένοις μ. (1 f)
[Aq. IV Ki. 19. 25 (εἰς ἀπὸ μ.): Ps. 137 (138). 6: Is. 30. 27: 49. 1.]
[Sm. Jb. 36. 25: Is. 30. 27: 49. 1.]
[Th. Is. 30. 27: 49. 1: Je. 30 (37). 10.]

μακροθυμεῖν. (1) a. אָרַךְ b. הַאֲרִיךְ אַף
Jb. 7. 16. οὐ γὰρ εἰς τὸν αἰῶνα ζήσομαι ἵνα μακροθυμήσω –
Pr. 19. 11. ἐλεήμων ἀνὴρ μακροθυμεῖ (1 b)
Ec. 8. 12. S² μακροθυμεῖ ἐπ' αὐτῷ (1 a)
Si. 2. 4. ἐν ἀλλάγμασι ταπεινώσεώς σου μακροθύμησον
18. 11. ἐμακροθύμησε κύριος ἐπ' αὐτοῖς
29. 8. πλὴν ἐπὶ ταπεινῷ μακροθύμησον
32 (35). 18. οὐδὲ μὴ μακροθυμήσει [A S -σῃ] ἐπ' αὐτοῖς
Ba. 4. 25. μακροθυμήσατε τὴν παρὰ τοῦ θεοῦ ἐπελθοῦσαν ὑμῖν ὀργήν
II Ma. 6. 14. ἀναμένει μακροθυμῶν ὁ δεσπότης
8. 26. R οὐκ ἐμακροθύμησαν [A -οτόνησαν]
[Aq. Jb. 6. 11.]

μακροθυμία. (1) a. אֶרֶךְ אַפַּיִם b. אֶרֶךְ אַפַּיִם
Pr. 25. 15. ἐν μακροθυμίᾳ εὐοδία βασιλεῦσι (1 a)
Si. 5. 11. ἐν μακροθυμίᾳ φθέγγου ἀπόκρισιν
Is. 57. 15. ὀλιγοψύχοις διδοὺς μακροθυμίαν †
Je. 15. 15. ἀθῴωσόν με ἀπὸ [S ἐκ] τῶν καταδιωκόντων με μὴ εἰς μακροθυμίαν (1 b)
I Ma. 8. 4. τῇ βουλῇ αὐ. καὶ τῇ μ.
[Aq. Pr. 19. 11.]
[Sm. Ec. 8. 12.]
[Th. Pr. 19. 11: Da. 4. 24†.]

μακρόθυμος. (1) אֶרֶךְ אַפַּיִם, אַרְכָּא (2) קַר רוּחַ (3) אֶרֶךְ רוּחַ (4) רָבָה רוּחַ
Ex. 34. 6. μ. καὶ πολυέλεος καὶ ἀληθινός (2)
Nu. 14. 18. κύριος μ. καὶ πολυέλεος (2)
Ne. 9. 17. καὶ σὺ θεὸς . . . μ. καὶ πολυέλεος (2)
Ps. 7. 11. ὁ θεὸς κριτὴς δίκαιος καὶ ἰσχυρὸς καὶ μ. –
85 (86). 15. σὺ, κύριε ὁ θεὸς, . . . μακρόθυμος καὶ πολυέλεος (2)
102 (103). 8: 144 (145). 8. ἐλεήμων ὁ κύριος μ. καὶ πολυέλεος (2)
Pr. 14. 29. μακρόθυμος ἀνὴρ πολὺς ἐν φρονήσει (2)
15. 18. μακρόθυμος δὲ καὶ τὴν μέλλουσαν καταπραΰνει (2 ?)
— 18. μακρόθυμος ἀνὴρ κατασβέσει κρίσεις (2)
16. 32. κρείσσων ἀνὴρ μακρόθυμος ἰσχυροῦ (2)
17. 27. μακρόθυμος δὲ ἀνὴρ φρόνιμος (4)
Ec. 7. 9 (8). A S² R ἀγαθὸν μακρόθυμος ὑπὲρ ὑψηλὸν πνεύματι [B S¹ al.] (3)
Wi. 15. 1. σὺ δὲ ὁ θεὸς ἡμῶν . . . μακρόθυμος
Si. 1. 22. ἕως καιροῦ ἀνθέξεται μακρόθυμος
2. 11. ἐλεήμων ὁ κύριος [S² add. μ. καὶ πολυέλεος]
5. 4. ὁ γὰρ κύριός ἐστι μακρόθυμος
Jl. 2. 13: Jn. 4. 2. μακρόθυμος καὶ πολυέλεος καὶ μετανοῶν (2)
Na. 1. 3. κύριος μακρόθυμος καὶ μεγάλη ἡ ἰσχύς (2)
Da. TH. 4. 24. ἴσως ἔσται μ. τοῖς παραπτώμασί σου ὁ θεός (1)
[Th. Da. 4. 24†.]

μακρός, *cf.* **μακράν.** (1) a. אָרֹךְ b. אֹרֶךְ c. אָרַךְ d. אֶרֶךְ (2) a. רָחוֹק b. מֵרָחוֹק (3) μακρότερος εἶναι רָבָה (4) ἐκ μακρῶν לְמֵרָחוֹק (5) μ. χρόνον ζῆν הַאֲרִיךְ יָמִים (6) γῆ μ. רָחוֹק
Nu. 9. 13. B ἐν ὁδῷ μ. [A R -ὰν] οὐκ ἔστιν –
De. 19. 6. B ἐὰν μακροτέρα ἦν [A R ᾖ] ἡ ὁδός (3)
I Ch. 17. 17. ἐλάλησας ἐπὶ τὸν οἶκον . . . ἐκ μακρῶν (4)
Jb. 11. 9. ἡ μακρότερα μέτρου γῆς [A al.] (1 a)
12. 12. A ἐν δὲ μακρῷ [B S πολλῷ] βίῳ ἐπιστήμη (1 b)
Pr. 7. 19. πεπόρευται δὲ ὁδὸν μακράν (2 b)
28. 16. ὁ δὲ μισῶν ἀδικίαν μακρὸν χρόνον ζήσεται (5)
Wi. 4. 13. ἐπλήρωσε χρόνους μακρούς
12. 24. τῶν πλάνης ὁδῶν μακρότερον ἐπλανήθησαν
17. 2. μακρᾶς πεδῆται νυκτός
Si. 10. 10. μακρὸν ἀρρώστημα σκώπτει ἰατρός [S² -όν]
Mi. 4. 3. ἕως εἰς μακράν [A γῆν μακ.] (6)
Is. 5. 18. οὐαὶ οἱ ἐπισπώμενοι τὰς ἁμαρτίας ὡς σχοινίῳ μακρῷ †
Ba. 4. 35. πῦρ γὰρ ἐπελεύσεται αὐτῇ . . . εἰς ἡμέρας μ.
Ep. Je. 3. ἔσεσθε ἐκεῖ ἔτη πλείονα καὶ χρόνον μακρόν
Ez. 12. 22. μακραὶ [A -ὰν] αἱ ἡμέραι (1 c)
— 27. εἰς καιροὺς μακροὺς οὗτος προφητεύει (2 a)
17. 3. ἀετὸς ὁ μέγας ὁ μεγαλοπτέρυγος ὁ μ. τῇ ἐκτάσει [A ἐκστ.] (1 d)
[Aq. Ez. 17. 3 (μήκιστος).]
[Sm. II Ki. 3. 1: Jb. 36. 3 (διὰ μακροῦ): Ec. 8. 13.]
[Th. Am. 1. 11 (εἰς μακρόν).]
[Al. Pr. 28. 16.]

μακρότερον (*adv.*). (1) רָחַק hi. (2) μ. ἀπέχειν רָחַק
Ge. 21. 16. A ἐκάθητο ἀπέν. αὐτοῦ μακρότερον [R μακρόθεν] (1)
De. 12. 21. A ἐὰν δὲ μακρότερον [B μακρὰν] ἀπέχῃ σου ὁ τόπος (2)

μακρότης. (1) *a.* אֹרֶךְ *b.* אַרְכָּה (2) ἀπὸ μακρότητος מֵאֲרִיךְ

De. 30. 20. ὅτι τοῦτο . . . ἡ μ. τῶν ἡμερῶν σου (1 *a*)
Ps. 20 (21). 4. ἔδωκας αὐτῷ μακρότητα ἡμερῶν (1 *a*)
22 (23). 6. καὶ τὸ κατοικεῖν με ἐν οἴκῳ κυρίου εἰς μακρότητα ἡμερῶν (1 *a*)
90 (91). 16. μακρότητι [A -τα] ἡμερῶν ἐμπλήσω αὐτόν (1 *a*)
92 (93). 5. τῷ οἴκῳ σου πρέπει ἁγίασμα, κύριε, εἰς μακρότητα ἡμερῶν (1 *a*)
Ec. 8. 12. ἀπὸ τότε καὶ ἀπὸ μακρότητος αὐτῶν (2)
La. 5. 20. καταλείψεις ἡμᾶς εἰς μακρότητα ἡμερῶν (1 *a*)
Da. TH. 7. 12. μακρότης ζωῆς ἐδόθη αὐτοῖς (1 *b*)
IV Ma. 18. 19. S R καὶ ἡ μ. [A μακαριότης] τῶν ἡμερῶν

μακροτονεῖν.

II Ma. 8. 26. A οὐκ ἐμακροτόνησαν [R -οθύμησαν]

μακροχρονεῖν.

[Sm. Jb. 12. 12.]

μακροχρονίζειν. (1) הַאֲרִיךְ יָמִים

De. 17. 20. ὅπως ἂν μακροχρονίσῃ [A -νιος ᾖ] (1)
32. 27. ἵνα μὴ μακροχρονίσωσιν [A -σουσιν] †

μακροχρόνιος. (1) μ. γίγνεσθαι הַאֲרִיךְ יָמִים (2) μ. εἶναι הַאֲרִיךְ יָמִים

Ex. 20. 12. ἵνα μ. γένῃ ἐπὶ τῆς γῆς τῆς ἀγαθῆς (1)
De. 4. 40. A ὅπως μακροχρόνιοι [B -ήμεροι] γένησθε (1)
5. 16. B ἵνα μακροχρόνιοι ἦτε [A R -ος γένῃ] (2 [1])
17. 20. A ὅπως ἂν μακροχρόνιος ᾖ [B -νίσῃ] (2)
[Al. Dt. 5. 16.]

μάκρυμμα. (1) תּוֹעֵבָה

II Es. 9. 1. οὐκ ἐχωρίσθη ὁ λαὸς Ἰ. . . . ἐν μακρύμμασιν αὐ. (1)
— 11. ἐν μακρύμμασιν [S¹ μακρύνσει] αὐτῶν (1)

μακρύνειν. (1) אָרַךְ hi. (2) כָּלָא (3) סוּר (4) רָחַק *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. *d.* רָחוֹק (5) ὁ μακρύνων ἑαυτὸν רָחֵק

Jd. 18. 22. αὐτοὶ ἐμάκρυναν [A αὐτῶν δὲ μεμακρυνκότων] ἀπὸ οἴκου Μ. (4 *c*)
Ju. 2. 13. οὐ μακρυνεῖς [A¹ -εῖ] τοῦ ποιῆσαι αὐτά
Ps. 21 (22). 19. μὴ μακρύνῃς τὴν βοήθειάν μου (4 *a*)
39 (40). 11. μὴ μακρύνῃς τοὺς οἰκτιρμούς σου ἀπ' ἐμοῦ (2)
54 (55). 7. ἰδοὺ ἐμάκρυνα φυγαδεύων (4 *c*)
55 (56). *tit.* ὑπὲρ τοῦ λαοῦ τοῦ ἀπὸ τῶν ἁγίων μεμακρυμμένου (4 *d*)
70 (71). 12. ὁ θεός, μὴ μακρύνῃς ἀπ' ἐμοῦ (4 *a*)
72 (73). 27. οἱ μακρύνοντες ἑαυτοὺς ἀπὸ σοῦ ἀπολοῦνται (5)
87 (88). 8. ἐμάκρυνας τοὺς γνωστούς μου ἀπ' ἐμοῦ (4 *c*)
— 18. ἐμάκρυνας ἀπ' ἐμοῦ φίλον (4 *c*)
102 (103). 12. ἐμάκρυνεν ἀφ' ἡμῶν τὰς ἀνομίας ἡμῶν (4 *c*)
108 (109). 17. καὶ μακρυνθήσεται ἀπ' αὐτοῦ (4 *a*)
118 (119). 150. ἀπὸ δὲ τοῦ νόμου σου ἐμακρύνθησαν (4 *a*)
119 (120). 5. οἴμοι ὅτι ἡ παροικία μου ἐμακρύνθη †
128 (129). 3. ἐμάκρυναν τὴν ἀνομίαν αὐτῶν (1)
Pr. 5. 7. S¹ μὴ μακρύνῃς [A B S² ἀκούρους] ποιήσῃς ἐμοὺς λόγους (3)
Ec. 3. 5. καιρὸς τοῦ μακρυνθῆναι ἀπὸ περιλήψεως (4 *a*)
7. 24 (23). αὕτη ἐμακρύνθη ἀπ' ἐμοῦ μακράν (4 *d*)
8. 13. οὐ μακρυνεῖ ἡμέρας ἐν σκιᾷ (1)
Is. 6. 12. μακρυνεῖ ὁ θεὸς τοὺς ἀνθρώπους (4 *b*)
49. 19. μακρυνθήσονται ἀπὸ σοῦ οἱ καταπίνοντές σε (4 *a*)
54. 2. μάκρυνον τὰ σχοινίσματά σου (1)
Je. 34 (27). 10. πρὸς τὸ μακρῦναι ὑμᾶς ἀπὸ τῆς γῆς ὑμῶν (4 *c*)
La. 1. 16. ἐμακρύνθη ἀπ' ἐμοῦ ὁ παρακαλῶν με (4 *a*)
I Ma. 8. 23. ἐχθρὸς μακρυνθείη ἀπ' αὐτῶν
[Aq. Jb. 13. 21: Pr. 4. 24: 22. 5: Ec. 7. 16 (15): Ez. 8. 6.]
[Sm. Pr. 4. 24: 22 5: Ez. 44. 10.]
[Th. Jb. 13. 21: Pr. 4. 24: 22. 5: Is. 26. 15: 46. 13: Ez. 8. 6: 11. 15.]

μάκρυνσις. (1) תּוֹעֵבָה

II Es. 9. 11. ἐν μακρύμμασιν [S¹ μακρύνσει] αὐτῶν (1)

μακρυσμός.

[Aq. Ps. 55 (56). 1: 119 (120). 5.]

μάλα (*valde*). (1) καὶ μ. אֲבָל

II Ki. 14. 5. καὶ μ. γυνὴ χήρα ἐγώ εἰμι (1)
III Ki. 1. 43. καὶ μ. ὁ κ. ἡμῶν . . . ἐβασίλευσε τὸν Σ. (1)
IV Ki. 4. 14. καὶ μ. υἱὸς οὐκ ἔστιν αὐτῇ (1)
To. 7. 10. S καὶ μ. τὴν ἀλήθειάν σου ὑποδείξω [A B *al.*]
10. 6. S καὶ μ. περισπασμὸς αὐτοῖς ἐγένετο ἐκεῖ
Da. LXX. 10. 21. καὶ μ. ὑποδείξω σοι (1)
II Ma. 8. 30. εὖ μ. ἐγκρατεῖς ἐγένοντο
10. 18. εἰς δύο πύργους ὀχυροὺς εὖ μάλα
— 32. εἰς Γ. λεγόμενον ὀχύρωμα εὖ μ. φρούριον
12. 18. καταλελοιπότα δὲ φρουρὰν . . . μ. ὀχυράν
IV Ma. 13. 13. φαιδροὶ καὶ μ. θαρραλέοι
[Sm. Ge. 42. 21.]

μάλα (*vox Hebr.*). (1) מֶלַח

II Ki. 8. 13. A ἐπάταξε τὴν Ἰδ. ἐν γῇ μ. [B *al.*] (1)

μαλάβαθρον.

[Sext. Ca. 2. 17.]

μάλαγμα. (1) חִתּוּל (2) רָכָךְ pu.

Wi. 16. 12. οὔτε μάλαγμα ἐθεράπευσεν αὐτούς
Is. 1. 6. οὐκ ἔστι μ. ἐπιθεῖναι (2)
Ez. 30. 21. τοῦ δοθῆναι ἐπ' αὐτὸν μ. (1)

μαλαγματίζειν.

[Sm. Ho. 6. 1.]

μαλακία. (1) אָסוֹן (2) *a.* חָלִי *b.* מַחֲלָה *c.* מַחֲלִיִּים (3) מַכְאוֹב, מַכְאֹב (4) תַּחֲלוּאָה

Ge. 42. 4. μή ποτε συμβῇ αὐτῷ μ. (1)
44. 29. καὶ συμβῇ αὐτῷ μ. ἐν τῇ ὁδῷ (1)
Ex. 23. 25. καὶ ἀποστρέψω μ. ἀφ' ὑμῶν (2 *b*)
De. 7. 15. περιελεῖ . . . πᾶσαν μ. (2 *a*)
28. 61. πᾶσαν μ. . . . ἐπάξει κ. ἐπὶ σέ (2 *a*)
II Ch. 6. 29. ἐὰν γνῷ ἄνθρωπος . . . τὴν μ. αὐ. (3)
16. 12. ἐν τῇ μ. αὐ. οὐκ ἐζήτησε τὸν κύριον (2 *a*)
21. 15. καὶ σὺ ἐν μ. πονηρᾷ (2 *a*)
— 15. ἕως οὗ ἐξέλθῃ ἡ κοιλία σου μετὰ τῆς μ. (2 *a*)
— 18. ἐπάταξεν αὐτὸν κ. εἰς τὴν κοιλίαν μαλακίαν [A -α] (2 *a*)
— 19. ἀπέθανεν ἐν μ. πονηρᾷ (4)
24. 25. ἐν τῷ ἐγκαταλιπεῖν αὐτὸν ἐν μ. μεγάλαις (2 *c*)
Jb. 33. 19. πάλιν δὲ ἤλεγξεν αὐτὸν ἐπὶ [A *om.*, S ἐν] μαλακίᾳ ἐπὶ κοίτης (3)
Is. 38. 9. ἀνέστη ἐκ τῆς μ. αὐτοῦ (2 *a*)
53. 3. ἄνθρωπος ἐν πληγῇ ὢν καὶ εἰδὼς φέρειν μαλακίαν (2 *a*)
[Th. Is. 53. 3.]

μαλακίζεσθαι. (1) אָסוֹן (2) דָּבָא pu. (3) חָלָא (4) חָלָה *a.* qal. *b.* ni. *c.* hithp. *d.* חָלִי

Ge. 42. 38. αὐτὸν μαλακισθῆναι ἐν τῇ ὁδῷ (1)
II Ki. 13. 5. καὶ μαλακίσθητι (4 *c*)
II Ch. 16. 12. καὶ ἐμαλακίσθη Ἀ. . . . τοὺς πόδας ἕως σφόδρα ἐμαλακίσθη (3, 4 *d*)
Jb. 24. 23. μαλακισθεὶς μὴ ἐλπιζέτω ὑγιασθῆναι [A ὑγιᾶναι] †
Is. 38. 1. ἐμαλακίσθη Ἐζεκίας ἕως θανάτου (4 *a*)
— 9. ἡνίκα ἐμαλακίσθη καὶ ἀνέστη (4 *a*)
39. 1. ἐμαλακίσθη ἕως θανάτου (4 *a*)
53. 5. μεμαλάκισται [A ἐμαλακίσθη] διὰ τὰς ἀνομίας [A S ἁμαρτίας] ἡμῶν (2)
Da. TH. 8. 27. ἐκοιμήθην καὶ ἐμαλακίσθην (4 *b*)
[Th. I Ki. 30. 13.]

μαλακός. (1) רַךְ (2) כְּמִתְלַהֲמִים

Jb. 40. 22 (27). λαλήσει δέ σοι δεήσει ἱκετηρίᾳ μαλακῶς [S¹ -κῇ, A *al.*] (1)
Pr. 25. 15. γλῶσσα δὲ μαλακὴ συντρίβει ὀστᾶ (1)
26. 22. λόγοι κερκώπων μαλακοί (2)
[Heb. Jb. 40. 22 (27).]

μαλακοψυχεῖν.

IV Ma. 6. 17. ὥστε μαλακοψυχήσαντας . . . ὑποκρίνασθαι

μαλακύνειν. (1) רָכַךְ hi.

Jb. 23. 16. κύριος δὲ ἐμαλάκυνε τὴν καρδίαν μου (1)

μαλακῶς. (1) רַכּוּת

Jb. 40. 22 (27). λαλήσει δέ σοι δεήσει ἱκετηρίᾳ μ. [A S *al.*] (1)

μαλάλ.

III Ki. 5. 11 (25). ἔδωκε . . . μαχεὶρ [A¹ μαλάλ, A² μαχάλ] τῷ οἴκῳ αὐ. †

μαλάσσειν.

[Sm. Ez. 23. 3.]

μαλεείν.

[Th. Je. 38 (45). 12.]

μάλη.

[Aq., Th. Pr. 26. 15.]
[Sm. Pr. 19. 24: 26. 15.]

μᾶλλον (*incl.* μάλιστα). (1) מ׳ (2) μ. ᾗ מ׳

Ge. 19. 9. σε κακώσωμεν μᾶλλον ἢ ἐκείνους (2)
29. 30. ἠγάπησε δὲ Ῥαχὴλ μᾶλλον ἢ Λείαν (2)
Nu. 13. 32 (31). ὅτι ἰσχυρότερόν ἐστιν ἡμῶν μᾶλλον (1)
14. 12. εἰς ἔθνος μέγα καὶ πολὺ μᾶλλον ἢ τοῦτο (2)
De. 9. 1. καὶ ἰσχυρότερα μᾶλλον ἢ ὑμεῖς (2)
— 14. καὶ πολὺ μᾶλλον ἢ τοῦτο (2)
11. 23. καὶ ἰσχυρὰ [A -ρότερα] μᾶλλον ἢ ὑμεῖς (2)
I Es. 4. 19. πάντες αὐτὴν αἱρετίζουσι μ. ἢ τὸ χρυσίον
— 25. πλείον ἀγαπᾷ ἄνθρωπος τὴν ἰδίαν γυναῖκα μ. ἢ τὸν πατ.
To. 2. 10. S τοσούτῳ μ. ἐξετυφλοῦντο οἱ ὀφθ. μου
3. 6. λυσιτελεῖ μοι [A *add.* μ.] ἀποθανεῖν [S *add.* μ.] ἢ ζῆν
— 6. S λυσιτελεῖ μοι ἀποθανεῖν μ. ἢ βλέπειν
12. 8. S μ. ἢ πλοῦτος μετὰ ἀδικίας [A B *al.*]
— 8. S μ. [A B *om.*] ἢ θησαυρίσαι χρυσίον
14. 4. ἔσται εἰρήνη μ. ἕως καιροῦ [S *al.*]
Jb. 20. 2. οὐχὶ συνίετε [A S² -ιέναι] μᾶλλον ἢ καὶ ἐγώ †
30. 26. ἰδοὺ συνήντησάν μοι μᾶλλον ἡμέραι κακῶν †
42. 12. A εὐλόγησε τὰ ἔσχατα Ἰ. μᾶλλον [B S *om.*] ἢ τὰ ἔμπροσθεν (2)
Ps. 83 (84). 10. μᾶλλον ἢ οἰκεῖν ἐπὶ σκηνώμασιν ἁμαρτωλῶν (2)
Pr. 5. 4. ἠκονημένον μᾶλλον μαχαίρας διστόμου †
15. 18. ὁ δὲ ἀσεβὴς ἐγείρει μᾶλλον –
16. 5. δεκτὰ δὲ παρὰ θεῷ μᾶλλον ἢ θύειν θυσίας –
18. 2. μᾶλλον γὰρ ἄγεται ἀφροσύνῃ †
21. 3. ἀρεστὰ παρὰ θεῷ μᾶλλον ἢ θυσιῶν αἷμα (2)
26. 12. ἐλπίδα μέντοι ἔσχε μᾶλλον ἄφρων αὐτοῦ (1)
28. 23. χάριτας ἔχει μᾶλλον τοῦ γλωσσοχαριτοῦντος (1)
29. 20. ἔλπιδα ἔχει μᾶλλον ὁ ἄφρων αὐτοῦ (1)
Wi. 8. 6. τίς αὐτῆς τῶν ὄντων μᾶλλόν ἐστι τεχνίτης
— 20. μᾶλλον δὲ ἀγαθὸς ὢν ἦλθον εἰς σῶμα ἀμίαντον
Si. *prol.* 12. ὅπως . . . πολλῷ μᾶλλον ἐπιπροσθῶσι [S ἔτι προσθήσουσιν]
4. 10. ἀγαπήσει σε μᾶλλον ἢ μήτηρ σου
11. 11. τόσῳ [A πόσῳ, B² S¹ τοσούτῳ] μᾶλλον ὑστερεῖται
13. 9. τόσῳ μᾶλλον προσκαλέσεταί σε
20. 18. ὀλίσθημα ἀπὸ ἐδάφους μᾶλλον ἢ ἀπὸ γλώσσης
28. 21. λυσιτελὴς μᾶλλον ὁ ᾅδης αὐτῆς
29. 11. λυσιτελήσει σοι μᾶλλον ἢ τὸ χρυσίον
Jn. 1. 11. ἐξήγειρε μᾶλλον κλύδωνα –
— 13. ἐξηγείρετο μᾶλλον ἐπ' αὐτούς –
4. 3. καλὸν τὸ ἀποθανεῖν με [S² *add.* μᾶλλον] ἢ ζῆν (2)
Is. 13. 12. ἔσονται οἱ καταλελειμμένοι ἔντιμοι μ. ἢ τὸ χρυσίον τὸ ἄπυρον καὶ ἄνθρωπος μ. ἔντιμος ἔσται ἢ ὁ λίθος ὁ ἐν Σουφίρ (2, 2)
54. 1. πολλὰ τὰ τέκνα τῆς ἐρήμου μ. ἢ τῆς ἐχούσης τὸν ἄνδρα (2)
Je. 8. 3. A εἵλαντο τὸν θάνατον μ. [B *om.*] ἢ τὴν ζωήν (2)
II Ma. 6. 19. τὸν . . . θάνατον μ. ἢ τὸν μετὰ μύσους βίον
— 23. μ. δὲ τῆς ἁγίας καὶ θεοκτίστου νομοθεσίας
7. 18. A μὴ πλανῶ μ. [R μάτην]

II Ma. 8. 7. μάλιστα τὰς νύκτας . . . ἐλάμβανε
III Ma. 1. 4. τῶν πραγμάτων μᾶλλον ἐρρωμένων
— 8. συνέβη μ. αὐτὸν προθυμηθῆναι
5. 3. συναγαγὼν τοὺς μάλιστα τῶν φίλων
6. 31. μᾶλλον δὲ ἐπ' αὐτῷ βεβηκότες
7. 5. μᾶλλον δὲ ὡς ἐπιβούλους
IV Ma. 3. 10. ὁ δὲ βασ. ὡς μάλιστα διψῶν
4. 22. μάλιστα χαίροιεν οἱ Ἱεροσολυμῖται
12. 9. ἐπιχαρέντες μάλιστα
13. 24. μᾶλλον ἑαυτοὺς ἠγάπων
15. 3. τὴν εὐσέβειαν μᾶλλον ἠγάπησε
— 4. μάλιστα διὰ τὸ πάθος
— 5. τοσούτῳ μᾶλλόν εἰσι φιλοτεκνότεραι
16. 13. μᾶλλον ὑπὲρ τῆς εὐσεβείας . . . προετρέπετο
— 24. μᾶλλον ἢ παραβῆναι τὴν ἐντολὴν τοῦ θ.
[Aq. Ge. 42. 21 : III Ki. 1. 43.]
[Sm. I Ki. 14. 30 : II Ki. 4. 11 : 16. 11 : Jb. 4. 19 : 15. 16 : 25. 6 : Ps. 68 (69). 32 : Ec. 9. 17.]

μαλλός.
[Sm. Ez. 8. 3.]

μαμζήρ.
[Aq., Sm. Dt. 23. 2 (3).]

μάμμη.
IV Ma. 16. 9. οὐδὲ μάμμη κληθεῖσα μακαρισθήσομαι

μάν. (1) מָן
Ex. 16. 31. ἐπωνόμασαν . . . τὸ ὄνομα αὐτοῦ μ. (1)
— 32. πλήσατε τὸ γομὸρ τοῦ μ. εἰς ἀποθήκην †
— 33. A R ἔμβαλε . . . πλῆρες τὸ γομὸρ τοῦ [B om.] μ. (1)
— 35. ἔφαγον τὸ μ. [A μάννα] (1)
— 35. ἐφάγοσαν τὸ μ. (1)
[Al. Ex. 16. 15.]

μανά. (1) מְנָחָה
Da. TH. 2. 46. A B² μαννὰ [B¹ μανὰ, R μαναὰ] καὶ εὐωδίας (1)

μαναά, μαναάν (?), μαναάμ. (1) מְנָחָה
IV Ki. 8. 8. A R λάβε ἐν τῇ χειρί σου μ. [B μαανά] (1)
— 9. A R ἔλαβε μ. [B μαανὰ] ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (1)
17. 3. A R ἐπέστρεψεν αὐτῷ μ. [B μανάχ] (1)
— 4. οὐκ ἤνεγκε μ. τῷ βασ. Ἀσσ. (1)
20. 12. B ἀπέστειλε Μ. . . . μαναὰν [R -ὰ, A παναὰ] πρὸς Ἐζ. (1)
II Ch. 7. 7. δέξασθαι . . . τὰ μ. (1)
Ne. 13. 5. B² διδόντες τὴν μαναάμ [A S -άν, R -ά] (1)
— 9. A ἐπέστρεψα ἐκεῖ . . . τὴν μαναάν [B¹ μάννα, B² μανναείμ, S¹ βαανά, S² μαανά, R μαναά] (1)
Ez. 45. 25. καθὼς τὸ μ. [A μαννὰ] καὶ καθὼς τὸ ἔλαιον (1)
46. 5. μ. [A μαννὰ] πέμμα τῷ κριῷ (1)
— 7. πέμμα τῷ μόσχῳ ἔσται μ. [A μαννά] (1)
— 11. ἔσται τὸ μ. [A μαννὰ] πέμμα τῷ μόσχῳ (1)
— 14. μ. [A μαννὰ] ποιήσει ἐπ' αὐτῷ (1)
— 14. τοῦ ἀναμίξαι τὴν σεμίδαλιν μ. [A μαννὰ] τῷ κυρίῳ (1)
— 15. τὸ μ. [A μαννὰ] καὶ τὸ ἔλαιον ποιήσετε τὸ πρωΐ (1)
— 20. ἐκεῖ πέψουσι τὸ μ. [A μαννὰ] τὸ παράπαν (1)
Da. TH. 2. 46. R μαναὰ [A B² μάννα, B¹ μανὰ] . . . εἶπε σπεῖσαι αὐτῷ (1)
[Th. Is. 66. 3 : Da. 2. 46.]
[Al. Le. 6. 23 (16) : Jo. 22. 23.]
[Heb. IV Ki. 16. 15 : Je. 14. 12.]

μανάχ. (1) מְנָחָה
IV Ki. 17. 3. B ἐπέστρεψεν αὐτῷ μ. [A R μαναά] (1)

μάνδρα. (1) גְּדֵרָה (2) חוֹחַ (3) מְנֻהָרָה (4) מָעוֹנָה (5) נָוֶה (6) סֻבָּה (7) סֹכָּה (8) עֵדֶר
Jd. 6. 2. A ἐποίησαν . . . μάνδρας [B al.] (3)
I Ki. 13. 6. B ἐκρύβη ὁ λαὸς . . . ἐν ταῖς μ. (2)
II Ki. 7. 8 : I Ch. 17. 7. ἔλαβόν σε ἐκ τῆς μ. (5)
II Ch. 32. 28. ἐποίησεν . . . μάνδρας εἰς τὰ ποίμνια (8)
Ju. 2. 26. ἐπρονόμευσε τὰς μ. αὐ.
3. 3. A B καὶ πᾶσαι αἱ μ. τῶν σκηνῶν ἡμῶν
Ps. 9. 30 (10. 9). B S ὡς λέων ἐν τῇ μ. αὐτοῦ (7)
Ps. 103 (104). 22. ἐν ταῖς μ. [S¹ ἐπὶ τ. μ., S² εἰς τὰς μ.] αὐτῶν κοιτασθήσονται (4)
Ca. 4. 8. ἀπὸ μανδρῶν λεόντων (4)
Am. 3. 4. εἰ δώσει σκύμνος φωνὴν αὐτοῦ ἐκ τῆς μ. αὐ. (4)
Ze. 2. 6. ἔσται Κρ. . . . μάνδρα προβάτων (1)
Je. 4. 7. A S R ἀνέβη λέων ἐκ τῆς [B om.] μ. αὐτοῦ (6)
Ez. 34. 14. ἔσονται αἱ μ. αὐτῶν ἐκεῖ (5)
[Aq. Je. 25. 38 (32. 24).]
[Sm. Ez. 25. 4.]
[Th. Jd. 6. 2.]
[Al. Hb. 3. 17.]

μανδραγόρας (-ος). (1) דּוּדַאי (2) μῆλα
μανδραγορῶν (-ου) דּוּדָאִים
Ge. 30. 14. R εὗρε μῆλα μανδραγορῶν [A -ου] (2)
— 14. δός μοι τῶν μ. τοῦ υἱοῦ σου (1)
— 15. τοὺς μανδραγόρας τοῦ υἱοῦ (1)
— 15. ἀντὶ τῶν μ. τοῦ υἱοῦ σου (1)
— 16. ἀντὶ τῶν μ. τοῦ υἱοῦ μου (1)
Ca. 7. 13 (14). οἱ μ. [A -ες] ἔδωκαν ὀσμήν (1)

μανδύας. (1) *a.* מַד *b.* מָדוּ
Jd. 3. 16. περιεζώσατο αὐτὴν ὑπὸ τὸν μ. (1 *a*)
I Ki. 17. 38. ἐνέδυσε Σ. τὸν Δ. [A om.] μανδύαν (1 *a*)
— 39. ἔζωσε . . . τὴν ῥομφαίαν αὐ. ἐπάνω τοῦ μ. αὐ. (1 *a*)
18. 4. A ἔδωκε . . . τὸν μ. αὐ. (1 *a*)
II Ki. 10. 4. ἀπέκοψε τοὺς μ. αὐτῶν (1 *b*)
20. 8. καὶ Ἰ. περιεζωσμένος μανδύαν (1 *a*)
I Ch. 19. 4. ἀφεῖλε τῶν μ. αὐ. τὸ ἥμισυ (1 *b*)
[Aq. I Ki. 4. 12.]

μανή. (1) מְנֵא
Da. LXX. 5. 1. μανὴ φάρες θεκέλ –
— 1. μανὴ ἠρίθμηται –
Da. TH. 5. 26 (25). μανὴ θεκὲλ φάρες (1)
— 26. μανὴ ἐμέτρησεν ὁ θ. τὴν βασ. σου (1)

μανθάνειν. (1) אָלַף (2) יָנַע (3) יָדַע (4) *a.* לָמַד qal. *b.* pi. *c.* תַּלְמִיד *d.* לְמוּד
Ex. 2. 4. μαθεῖν τί [A om.] τὸ ἀποβησόμενον (3)
De. 4. 10. ὅπως μάθωσι φοβεῖσθαί με (4 *a*)
5. 1. καὶ μαθήσεσθε αὐτά (4 *a*)
14. 23. ἵνα μάθῃς φοβεῖσθαι κύριον (4 *a*)
17. 19. ἵνα μάθῃ φοβεῖσθαι κύριον (4 *a*)
18. 9. οὐ μαθήσῃ ποιεῖν (4 *a*)
31. 12. ἵνα μάθωσι φοβεῖσθαι κύριον (4 *a*)
— 13. μαθήσονται φοβεῖσθαι κύριον (4 *a*)
I Ki. 1. 9. A ἐμάθετο [? ἐκάθητο, B om.] ἐπὶ τοῦ δίφρου †
I Ch. 25. 8. τελείων καὶ μανθανόντων (4 *c*)
Es. 1. 1. ἔμαθεν ὅτι ἑτοιμάζουσι
4. 5. μαθεῖν αὐτῇ [? αὕτη, A S² -ὸν] . . . τὸ ἀκρίβες (3)
Jb. 34. 36. οὐ μὴν δὲ ἀλλὰ μάθε, Ἰώβ †
Ps. 105 (106). 35. ἔμαθον τὰ ἔργα αὐτῶν (4 *a*)
118 (119). 7. ἐν τῷ μεμαθηκέναι με τὰ κρίματα τῆς δικαιοσύνης σου (4 *a*)
— 71. ὅπως ἂν μάθω τὰ δικαιώματά σου (4 *a*)
— 73. μαθήσομαι τὰς ἐντολάς σου (4 *a*)
Pr. 6. 8. μάθε ὡς ἐργάτις ἐστί –
17. 16. ὁ δὲ σκολιάζων τοῦ μαθεῖν ἐμπεσεῖται εἰς κακά –
22. 25. μή ποτε μάθῃς τῶν ὁδῶν αὐτοῦ (1)
Wi. 6. 1. μάθετε, δικασταὶ περάτων γῆς
— 9. ἵνα μάθητε σοφίαν
7. 13. ἀδόλως τε ἔμαθον
16. 26. ἵνα μάθωσιν οἱ υἱοί σου οὓς ἠγάπησας
Si. 8. 8. παρ' αὐτῶν μαθήσῃ παιδείαν [S σοφίαν]
— 9. καὶ γὰρ αὐτοὶ ἔμαθον παρὰ τῶν πατέρων αὐτῶν ὅτι παρ' αὐτῶν μαθήσῃ σύνεσιν
16. 24. ὄκουσόν μου, τέκνον, καὶ μάθε ἐπιστήμην
18. 19. πρὶν ἢ λαλῆσαι μάνθανε
Mi. 4. 3. καὶ οὐκέτι μὴ μάθωσι πολεμεῖν (4 *a*)
Is. 1. 17. μάθετε καλὸν ποιεῖν (4 *a*)
2. 4. οὐ μὴ μάθωσιν ἔτι πολεμεῖν (4 *a*)
8. 16. οἱ σφραγιζόμενοι τὸν νόμον τοῦ μὴ [A om.] μαθεῖν (4 *d*)
26. 9. δικαιοσύνην μάθετε (4 *b*)
— 10. οὐ μὴ μάθῃ δικαιοσύνην ἐπὶ τῆς γῆς (4 *a*)
28. 20. μάθετε ἀκούειν στενοχωρούμενοι †
29. 24. οἱ γογγύζοντες μαθήσονται ὑπακούειν καὶ αἱ γλῶσσαι αἱ ψελλίζουσαι μαθήσονται λαλεῖν εἰρήνην (4 *a*, 4 *a* ?)
Is. 32. 4. μαθήσονται λαλεῖν εἰρήνην –
47. 12. ἃ ἐμάνθανες ἐκ νεότητός σου (2)
Je. 9. 5 (4). μεμάθηκεν ἡ γλῶσσα αὐτῶν λαλεῖν ψευδῆ (4 *b*)
10. 2. κατὰ τὰς ὁδοὺς τῶν ἐθνῶν μὴ μανθάνετε [A πορεύεσθε] (4 *a*)
12. 16. ἐὰν μαθόντες [A μανθάνοντες] μάθωσι τὴν ὁδὸν τοῦ λαοῦ μου (4 *a*, 4 *a*)
13. 23. δυνήσεσθε εὖ ποιῆσαι μεμαθηκότες τὰ κακά (4 *d*)
Ba. 3. 14. μάθε ποῦ ἐστι φρόνησις
Ez. 19. 3. ἔμαθε τοῦ ἁρπάζειν ἁρπάγματα (4 *a*)
— 6. ἔμαθεν ἁρπάζειν ἁρπάγματα (4 *a*)
Da. LXX. Su. 38. μάθωμεν τίνες εἰσὶν οὗτοι
Da. TH. 7. 16. τὴν ἀκρίβειαν ἐζήτουν παρ' αὐτοῦ μαθεῖν [B¹ om.] –
I Ma. 10. 72. μάθε τίς εἰμι
II Ma. 7. 2. R ἐρωτᾶν καὶ μανθάνειν παρ' [A om.] ἡμῶν
III Ma. 1. 1. παρὰ τῶν ἀνακομισθέντων μαθών
IV Ma. 1. 17. δι' ἧς τὰ θεῖα σεμνῶς . . . μανθάνομεν
9. 5. παρὰ Ἐλεαζάρου μαθών
10. 16. ἵνα καὶ διὰ τούτων μάθῃς
[Aq. Is. 26. 10.]
[Sm. Ps. 118 (119). 71 : Is. 26. 10 : 29. 24 *bis*.]
[Th. Is. 26. 10 : Ez. 16. 61.]

μανία. (1) מִשְׁטָמָה
Ps. 39 (40). 4. οὐκ ἐπέβλεψεν εἰς . . . μανίας ψευδεῖς †
Wi. 5. 4. τὸν βίον αὐτοῦ ἐλογισάμεθα μανίαν
Ho. 9. 7. ἐπληθύνθη μανία [A μνεία] σου (1)
— 8. μανίαν ἐν οἴκῳ θεοῦ κατέπηξαν (1)
IV Ma. 8. 5. μὴ μανῆναι τὴν αὐτὴν . . . μ.
10. 13. μὴ μανῆς . . . τὴν αὐτὴν μ.
[Quint. Ho. 7. 16.]

μανιάκης. (1) *a.* המונכא (המונכא) *b.* הַמְנִיכָא
I Es. 3. 6. δώσει αὐτῷ . . . μανιάκην περὶ τὸν τράχ.
Da. LXX. 5. 7. μ. χρυσοῦν περιθήσει αὐτῷ (1 *a**, 1 *b*)
— 16. μ. χρυσοῦν περιθήσω σοι (1 *a**, 1 *b*)
— 29. μ. χρυσοῦν περιέθηκεν αὐτῷ (1 *a**, 1 *b*)
Da. TH. 5. 7. καὶ ὁ μ. ὁ χρυσοῦς ἐπὶ τὸν τράχηλον αὐ. (1 *a**, 1 *b*)
— 16. ὁ μ. ὁ χρυσοῦς ἔσται ἐπὶ τῷ τραχήλῳ σου (1 *a**, 1 *b*)
— 29. τὸν μ. τὸν χρυσοῦν περιέθηκαν (1 *a**, 1 *b*)
[Aq. Ge. 41. 42.]
[Sm. Ge. 41. 42 : Is. 3. 18.]

μανιώδης.
III Ma. 5. 45. εἰς κατάστημα μανιῶδες ἀγηοχώς

μάννα. (1) מָן (2) מְנָחָה
Ex. 16. 35. ἔφαγον τὸ μάν [A μ.] (1)
Nu. 11. 6. οὐδὲν πλὴν εἰς τὸ μ. οἱ ὀφθ. ἡμῶν (1)
— 7. τὸ δὲ μ. ὡσεὶ σπέρμα κορίου ἐστίν (1)
— 9. κατέβαινε τὸ μ. ἐπ' αὐτῆς (1)
De. 8. 3. ἐψώμισέ σε τὸ μ. (1)
— 16. τοῦ ψωμίσαντός σε τὸ μ. (1)
Jo. 5. 11 (12). ἐξέλιπε τὸ μ. (1)
— 11 (12). οὐκέτι ὑπῆρχε τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. μάννα (1)
Ne. 9. 20. τὸ μ. σου οὐκ ἀφυστέρησας (1)
13. 9. B¹ ἐπέστρεψα ἐκεῖ . . . τὴν μ. [B² μανναείμ, S¹ βαανά, S² μαανά, A μαναάν, R μαναά] (2)
Ps. 77 (78). 24. ἔβρεξεν αὐτοῖς μάννα φαγεῖν (1)
Je. 17. 26. θυμιάματα καὶ μ. καὶ λίβανον (2)
48 (41). 5. μ. καὶ λίβανος ἐν χερσὶν αὐτῶν (2)
Ba. 1. 10. ποιήσατε μ.
Ez. 45. 25. A καθὼς τὸ μ. [B μαναὰ] καὶ καθὼς τὸ ἔλαιον (2)
46. 5. A μ. [B μαναὰ] πέμμα τῷ κριῷ (2)
— 7. A πέμμα τῷ μόσχῳ ἔσται μ. [B μαναά] (2)
— 11. A ἔσται τὸ μ. [B μαναὰ] πέμμα τῷ μόσχῳ (2)
— 14. A μ. [B μαναὰ] ποιήσει ἐπ' αὐτῷ . . . τοῦ ἀναμίξαι τὴν σεμίδαλιν μ. [B μαναὰ] τῷ κυρίῳ (2, 2)
— 15. A τὸ μ. [B μαναὰ] καὶ τὸ ἔλαιον ποιήσετε πρωΐ (2)
— 20. A ἐκεῖ πέψουσι τὸ μ. [B μαναὰ] τὸ παράπαν (2)
Da. TH. 2. 46. A B² μ. [B¹ μανὰ, R μαναὰ] . . . εἶπε σπεῖσαι αὐτῷ (2)

μανναείμ. (1) מַנְחֶה

Ne. 13. 9. B² ἐπέστρεψα ἐκεῖ . . . τὴν μ. [B¹ μάννα, S¹ βαανά, S² μαανά, A μαναάν, R μαναά] (1)

μανούδ.

[Heb. Ps. 43 (44). 15.]

μαντεία (-τία). (1) חָזֶה (2) *a.* קֶסֶם *b.* קְסָמִים *c.* מִקְסָם

Nu. 23. 23. οὐδὲ μαντεία ἐν Ἰσρ. (2 *a*)
De. 18. 10. μαντευόμενος μαντείαν (2 *a*)
— 14. μαντείων ἀκούσονται (2 *b*)
IV Ki. 17. 17. ἐμαντεύοντο μαντείας [A *om.*] (2 *a*)
Si. 31 (34). 5. μαντεῖαι καὶ οἰωνισμοὶ καὶ ἐνύπνια μάταιά ἐστι
Mi. 3. 6. καὶ σκοτία ὑμῖν ἔσται ἐκ μαντείας (2 *b*)
Is. 16. 6. οὐχ οὕτως ἡ μ. σου †
44. 25. καὶ μαντείας ἀπὸ καρδίας (2 *b*)
Je. 14. 14. μαντείας . . . προφητεύουσιν ὑμῖν (2 *a*)
Ez. 13. 7. μαντείας ματαίας εἰρήκατε (2 *c*)
— 8. αἱ μ. ὑμῶν μάταιαι (1)
— 23. μαντείας [A -αν] οὐ μὴ μαντεύσησθε ἔτι (2 *a*)
21. 21 (26). τοῦ μαντεύσασθαι μαντείαν (2 *a*)
— 23 (28). αὐτὸς αὐτοῖς ὡς μαντευόμενος μαντείαν †
[Aq., Sm. I Ki. 15. 23: Je. 14. 14.]
[Al. Ge. 44. 5.]

μαντεῖον. (1) קֶסֶם

Nu. 22. 7. καὶ τὰ μ. ἐν ταῖς χερσὶν αὐτῶν (1)
Pr. 16. 10. μαντεῖον ἐπὶ χείλεσι βασιλέως (1)
Ez. 21. 22 (27). ἐγένετο τὸ μ. ἐπὶ Ἱερουσαλὴμ (1)
[Th. Je. 50 (27). 36.]

μαντεύεσθαι. (1) *a.* קָסַם *b.* מִקְסָם *c.* קֶסֶם

De. 18. 10. οὐχ εὑρεθήσεται . . . μαντευόμενος μαντείαν (1 *a*)
I Ki. 28. 9 (8). μίντευσαι δή μοι (1 *a*)
IV Ki. 17. 17. ἐμαντεύοντο μαντείας [A *om.*] (1 *a*)
Mi. 3. 11. οἱ προφῆται αὐτῆς μετὰ ἀργυρίου ἐμαντεύοντο (1 *a*)
Je. 34 (27). 9. μὴ ἀκούετε . . . τῶν μαντευομένων ὑμῖν (1 *a*)
Ez. 12. 24. μαντευόμενος τὰ πρὸς χάριν ἐν μέσῳ τῶν υἱῶν Ἰσραήλ (1 *b*)
13. 6. μαντευόμενοι μάταια (1 *c*)
— 23. μαντείας [A -αν] οὐ μὴ μαντεύσησθε ἔτι (1 *a*)
21. 21 (26). τοῦ μαντεύσασθαι μαντείαν (1 *a*)
— 23 (28). αὐτὸς αὐτοῖς ὡς μαντευόμενος μαντείαν (1 *a*)
— 29 (34). ἐν τῷ μαντεύεσθαί σε ψευδῆ (1 *a*)
22. 28. ὁρῶντες μάταια μαντευόμενοι ψευδῆ (1 *a*)
[Aq., Sm., Th. Ez. 13. 9.]
[Al. Ge. 44. 5.]

μάντις. (1) קָסַם

Jo. 13. 22. τὸν B. . . . τὸν μ. ἀπέκτειναν (1)
I Ki. 6. 2. καλοῦσιν ἀλλόφυλοι . . . τοὺς μ. (1)
Mi. 3. 7. καὶ καταγελασθήσονται οἱ μ. (1)
Za. 10. 2. ἐλάλησαν . . . οἱ μάντεις ὁράσεις ψευδεῖς (1)
Je. 36 (29). 8. μὴ ἀναπειθέτωσαν ὑμᾶς οἱ μ. ὑμῶν (1)
[Al. Le. 19. 31.]

μανώζ.

[Th. Jd. 6. 26.]

μαουέκ.

Jd. 6. 26. B ἐπὶ κορυφὴν τοῦ μαουέκ [A R *al.*] †

μαραά. (1) מַעֲרֶה

Jd. 20. 33. ἐπήρχετο . . . ἀπὸ μ. Γ. [A *al.*] (1)

μαραίνειν. (1) יָבֵשׁ pi.

Jb. 15. 30. τὸν βλαστὸν αὐτοῦ μαράναι [A -αίνει] ἄνεμος (1)
24. 24. ἐμαράνθη δὲ ὥσπερ μολόχη [A χλόη] ἐν καύματι †
Wi. 2. 8. στεψώμεθα ῥόδων κάλυξι πρὶν ἢ μαρανθῆναι
19. 21. φλόγες . . . εὐφθάρτων ζῴων οὐκ ἐμάραναν σάρκας

μαριμώθ. (1) מְרִיבוֹת

Ez. 47. 19. ἕως ὕδατος μ. Κ. (1)

μαρμάρινος. (1) שֵׁשׁ

Ca. 5. 15. κνῆμαι αὐτοῦ στῦλοι μαρμάρινοι (1)

μάρμαρος.

Ep. Je. 72. ἀπό τε τῆς πορφύρας καὶ τῆς μ. τῆς ἐπ' αὐτοὺς [A -ῶν] σηπομένης

μαρσίππιον (-συππ.). (1) כִּיס

Pr. 1. 14. μαρσίππιον ἐν γενηθήτω ἡμῖν (1)
Si. 18. 33. B S¹ οὐδέν σοί ἐστιν ἐν μαρσιππίῳ [A -σίππῳ, R -συπείῳ, S² βαλλαντίῳ]
Is. 46. 6. οἱ συμβαλλόμενοι χρυσίον ἐκ μαρσυππίου [A²S -σιππ., A¹ -σίππου] (1)

μάρσιππος. (1) אַמְתַּחַת (2) כִּיס (3) שַׂק

Ge. 42. 27. λύσας δὲ εἷς τὸν μ. αὐτοῦ (3)
— 27. ἦν ἐπάνω τοῦ στόματος τοῦ μ. (1)
— 28. καὶ ἰδοὺ τοῦτο ἐν τῷ μ. μου (1)
43. 12. τὸ ἀργύριον . . . ἐν τοῖς μ. ὑμῶν (1)
— 18. τὸ ἀποστραφὲν ἐν τοῖς μ. ἡμῶν (1)
— 21. καὶ ἠνοίξαμεν τοὺς μ. ἡμῶν (1)
— 21. τὸ ἀργύριον ἑκάστου ἐν τῷ μ. αὐτοῦ (1)
— 21. ἐν ταῖς χερσὶν [A τοῖς μ.] ἡμῶν †
— 22. ἐνέβαλε τὸ ἀργύριον εἰς τοὺς μ. ἡμῶν (1)
— 23. ἔδωκεν ὑμῖν θησαυροὺς ἐν τοῖς μ. ὑμῶν (1)
44. 1. πλήσατε τοὺς μ. τῶν ἀνθρώπων (1)
— 1. ἐπὶ τοῦ στόματος τοῦ μ. [A *add.* αὐτοῦ] (1)
— 2. ἐμβάλετε εἰς τὸν μ. τοῦ νεωτέρου (1)
— 8. ὃ εὕρομεν ἐν τοῖς μ. ἡμῶν (1)
— 11. καθεῖλαν ἕκαστος τὸν μ. αὐτοῦ (1)
— 11. ἤνοιξεν ἕκαστος τὸν μ. αὐτοῦ (1)
— 12. κόνδυ ἐν τῷ μ. τοῦ Βενιαμίν (1)
— 13. ἐπέθηκαν ἕκαστος τὸν μ. αὐτοῦ –
De. 25. 13. οὐκ ἔσται ἐν τῷ μ. σου στάθμιον (2)
Si. 18. 33. A οὐδέν σοί ἐστιν ἐν μαρσίππῳ [B S¹ -σιππίῳ, R -συπείῳ, S² βαλλαντίῳ]
Mi. 6. 11. καὶ ἐν μαρσίππῳ στάθμια δόλου (2)
Is. 46. 6. οἱ συμβαλλόμενοι χρυσίον ἐκ μαρσυππίου [A¹ μαρσίππου] (2)
[Th. Pr. 16. 11.]

μαρσυπεῖον.

Si. 18. 33. R οὐδέν σοί ἐστιν ἐν μαρσυπείῳ [A -σίππῳ, BS¹ -σιππίῳ, S² βαλλαντίῳ]

μαρτυρεῖν. (1) עוּד *a.* qal. *b.* hi. *c.* עֵד (2) עָנָה

Ge. 31. 46. ὁ βουνὸς οὗτος μαρτυρεῖ –
— 47. A βουνὸς μαρτυρεῖ [R μάρτυς] (1 *c*)
— 48. μαρτυρεῖ ὁ βουνὸς οὗτος (1 *c*)
— 48. καὶ μαρτυρεῖ ἡ στήλη αὕτη –
— 48. ἐκλήθη τὸ ὄνομα Βουνὸς μαρτυρεῖ (1 *c*)
43. 3. μεμαρτύρηται [A διαμεμ.] ἡμῖν (1 *b*)
Ex. 21. 36. καὶ διαμεμαρτυρημένοι [B¹ μεμ.] ὦσι †
Nu. 35. 30. B μάρτυς εἷς οὐ μαρτυρήσει ἐπὶ ψυχῆς [A R -ήν] (2)
De. 19. 15. μαρτυρῆσαι κατὰ ἀνθρώπου –
— 18. μάρτυς ἄδικος ἐμαρτύρησεν ἄδικα (1 *c*)
31. 19. ἡ ᾠδὴ αὕτη . . . μαρτυροῦσα [A εἰς μαρτύριον] ἐν υἱοῖς Ἰσρ. (1 *c*)
— 21. ἡ ᾠδὴ αὕτη κατὰ πρόσωπον μαρτυροῦσα (1 *c*)
II Ch. 28. 10. μαρτυρῆσαι κ. θεῷ ὑμῶν †
Wi. 17. 11. δειλὸν γὰρ ἰδίως πονηρία μαρτυρεῖ [A S -υρι]
La. 2. 13. τί μαρτυρήσω σοι (1 *a**, 1 *b*)
Da. LXX., TH. Su. 40. ταῦτα μαρτυροῦμεν
I Ma. 2. 37. μαρτυρεῖ ἐφ' ἡμᾶς [S¹ *om.* ἐφ' ἡ.] ὁ οὐρ.
[Aq., Sm. Jb. 29. 11.]

μαρτύρεσθαι.

Ju. 7. 28. μαρτυρόμεθα [S διαμ.] ὑμῖν τὸν οὐρανόν
I Ma. 2. 56. S ἐν τῷ μαρτύρασθαι ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ [A R *al.*]
[Sm. Ps. 49 (50). 7.]

μαρτυρία. (1) מוֹעֵד (2) *a.* עֵד *b.* עֵדוּת (3) שְׁהָדוּתָא

Ge. 31. 47. R βουνὸς τῆς μ. [A *al.*] (3)
Ex. 20. 16: De. 5. 20 (17). οὐ ψευδομαρτυρήσεις . . . μαρτυρίαν ψευδῆ (2 *a*)
I Ki. 9. 24. A εἰς μαρτυρίαν [B -ον] τέθειταί σοι (1)
Ps. 18 (19). 7. ἡ μ. κυρίου πιστὴ σοφίζουσα νήπια (2 *b*)
Pr. 12. 19. χείλη ἀληθινὰ κατορθοῖ μαρτυρίαν †
25. 18. ἀνὴρ ὁ καταμαρτυρῶν τοῦ [A κατὰ τοῦ] φίλου αὐτοῦ μαρτυρίαν ψευδῆ (2 *a*)
Si. 34 (31). 23. μαρτυρία [A S² ἡ μ.] τῆς καλλονῆς αὐ. πιστή
— 24. ἡ μ. τῆς πονηρίας αὐτοῦ ἀκριβής
45. 17. A διδάξαι τὸν Ἰακὼβ μαρτυρίαν [B S τὰ μαρτύρια]
IV Ma. 6. 32. τούτοις ἂν ἀπεδόμην τὴν τῆς ἐπικρατείας μ.
12. 17. A οὐκ ἀπαντομολῶ τῆς τῶν ἀδ. μου μ. [S R *al.*]
[Aq. IV Ki. 11. 12: Ps. 59 (60). 1: 118 (119). 152: Is. 64. 6 (5): Je 6. 18.]
[Sm. Ps. 59 (60). 1: 79 (80). 1: 80 (81). 6: 92 (93). 5: 118 (119). 152: Ho. 7. 12.]
[Th. Je. 11. 7.]
[Al. Ge. 31. 47.]

μαρτύριον. (1) מוֹעֵד (2) *a.* עֵד *b.* עֵדָה *c.* עֵדוּת *d.* תְּעוּדָה

Ge. 21. 30. ἵνα ὦσί μοι [A ὦσιν] εἰς μ. (2 *b*)
31. 44. ἔσται εἰς μ. ἀνὰ μέσον ἐμοῦ καὶ σοῦ (2 *a*)
Ex. 16. 34. A R ἀπέθηκεν Ἀαρὼν ἐναντίον τοῦ μ. [B θεοῦ] (2 *c*)
25. 9 (10). ποιήσεις κιβωτὸν μαρτυρίου –
— 15 (16). ἐμβαλεῖς εἰς τὴν κιβωτὸν τὰ μ. (2 *c*)
— 20 (21). εἰς τὴν κιβωτὸν ἐμβαλεῖς τὰ μ. (2 *c*)
— 21 (22). τῶν ὄντων ἐπὶ τῆς κιβωτοῦ τοῦ μ. (2 *c*)
26. 33. εἰσοίσεις . . . τὴν κιβωτὸν τοῦ μ. (2 *c*)
— 34. κατακαλύψεις . . . τὴν κιβωτὸν τοῦ μ. (2 *c*)
27. 21. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (1)
28. 39 (43). εἰσπορεύωνται εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
29. 4, 10. ἐπὶ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 10. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. –
— 11. B παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 30. εἰσελεύσεται εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
— 32. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 42. ἐπὶ [A *add.* τὰς] θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 44. ἁγιάσω τὴν σκηνὴν τοῦ μαρτυρίου (1)
30. 6. τοῦ ὄντος ἐπὶ τῆς κιβωτοῦ τῶν μ. (2 *c*)
— 16. εἰς τὸ κάτεργον τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 18. ἀνὰ μέσον τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 20. εἰσπορεύωνται εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
— 21. εἰσπορεύωνται εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. –
— 26. χρίσεις ἐξ αὐτοῦ τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
— 26. R κιβωτὸν τῆς σκηνῆς [AB *om.* τ. σκ.] τοῦ μ. (2 *c*)
— 27. B καὶ τὴν σκηνὴν τοῦ μ. –
— 36. θήσεις ἀπέναντι τῶν μ. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (2 *c*, 1)
31. 7. τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
— 18. τὰς δύο πλάκας τοῦ μ. (2 *c*)
32. 15. αἱ δύο πλάκες τοῦ μ. ἐν ταῖς χερσίν (2 *c*)
33. 7. καὶ ἐκλήθη σκηνὴ τοῦ μ. (1)
35. 12. τὴν κιβωτὸν τοῦ μ. –
— 21. εἰς πάντα τὰ ἔργα τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
37. 5 (36. 37). τῆς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. –
— 19 (38. 21). ἡ σύνταξις τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (2 *c*)
38. 26 (8). τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 27 (40. 32). εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
39. 8 (38. 30). τῆς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 10 (38. 31). ἐργαλεῖα τῆς σκηνῆς τοῦ μ. –
— 21 (40). τὰ ἔργα τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
40. 2. στήσεις τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
— 3. A R θήσεις τὴν κιβωτὸν τοῦ μ. (2 *c*)
— 3. B σκεπάσεις τὴν κιβωτὸν τοῦ μ. [A R *om.* τ. μ.] –
— 5. A ἐνώπιον τῆς κιβωτοῦ τοῦ μ. [B *al.*] (2 *c*)
— 5. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. –
— 6. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 12. ἐπὶ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 20. λαβὼν τὰ μ. ἐνέβαλεν (2 *c*)
— 21. ἐσκέπασε τὴν κιβωτὸν τοῦ μ. (2 *c*)
— 22. ἐπέθηκε . . . εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. ἐπὶ τὸ κλίτος τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1, –)
— 24. ἔθηκε . . . εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
— 26. ἔθηκε . . . ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (1)
— 29. τὰς θύρας τῆς σκηνῆς [A² *add.* τοῦ μ.] (1)
— 34. ἐκάλυψεν ἡ νεφέλη τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
— 35. εἰσελθεῖν εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
Le. 1. 1. ἐλάλησε . . . αὐτῷ ἐκ τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 3. πρὸς τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 5. ἐπὶ τῶν θυρῶν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
3. 2, 8, 13. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
4. 4. παρὰ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 5. εἰσοίσει αὐτὸ εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
— 7. ὅ ἐστιν ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (1)
— 7. ὅ ἐστι παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)

Le. 4. 14. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 16. εἰσοίσει . . . εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
— 18. ὅ ἐστιν ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (1)
— 18. τῶν πρὸς τῇ θύρᾳ τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
6. 16 (9), 26 (19). ἐν αὐλῇ τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 30 (23). εἰσενεχθῇ . . . εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
8. 3, 4. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 31. ἐν τῇ αὐλῇ τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 33. τῆς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 35. τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
9. 5. ἀπέναντι τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 23. εἰσῆλθε . . . εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
10. 7. ἀπὸ τῆς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 9. εἰσπορεύησθε εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
12. 6: 14. 11, 23. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
15. 14. ἐπὶ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 29. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
16. 2. ὅ ἐστιν ἐπὶ τῆς κιβωτοῦ τοῦ μ. –
— 7. παρὰ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 13. τὸ ἱλαστήριον τὸ ἐπὶ τῶν μ. (2 c)
— 16. τῇ σκηνῇ τοῦ μ. τῇ ἐκτισμένῃ (1)
— 17. οὐκ ἔσται ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (1)
— 20. τὸ ἅγιον καὶ τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
— 23. εἰσελεύσεται Ἀ. εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
— 33. ἅγιον τοῦ ἁγίου καὶ τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
17. 4. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 4. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1?)
— 5. ἐπὶ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 6. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 9. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
19. 21. παρὰ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
24. 3: Nu. 1. 1. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (1)
Nu. 1. 50. ἐπὶ τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (2 c)
— 53. κύκλῳ τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (2 c)
— 53. τὴν φυλακὴν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (2 c)
2. 2. κύκλῳ τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 17. ἀρθήσεται ἡ σκηνὴ τοῦ μ. (1)
3. 7. ἔναντι τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 8. πάντα τὰ σκεύη τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 10. ἐπὶ τῆς σκηνῆς τοῦ μ. –
— 25. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (1)
— 25. τὸ κατακάλυμμα τῆς θύρας [A¹ om. τ. θ.] τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 38. κατὰ πρόσωπον τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
4. 3, 4. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (1)
— 5. τὴν κιβωτὸν [A σκηνὴν] τοῦ μ. (2 c)
— 15, 23. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (1)
— 25. καὶ τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
— 25. καὶ τὸ κάλυμμα τῆς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 26. AB²R ὅσα ἐπὶ τῆς σκηνῆς τοῦ μ. –
— 28. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (1)
— 30. λειτουργεῖν τὰ ἔργα τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 31. κατὰ πάντα τὰ ἔργα αὐ. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (1)
— 33. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (1)
— 35. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. [A al.] (1)
— 37, 39, 41. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (1)
— 43. πρὸς τὰ ἔργα τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 47. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (1)
5. 17. ἐπὶ τοῦ ἐδάφους τῆς σκηνῆς τοῦ μ. –
6. 10. ἐπὶ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 13, 18. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
7. 5. τὰ ἔργα τὰ λειτουργικὰ τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 89. εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
— 89. ἐπὶ τῆς κιβωτοῦ τοῦ μ. (2 c)
8. 9. ἔναντι τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 15. τὰ ἔργα τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 19, 22, 24, 26. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (1)
9. 15. τὸν οἶκον τοῦ μ. (2 c)
10. 3. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 11. ἀπὸ τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (2 c)
11. 16. πρὸς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
12. 4. τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
— 5 (4). ἐξῆλθον . . . εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. –
— 5. ἐπὶ τῆς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. –
14. 10. ἐπὶ τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
16. 18. A²B παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 19. A²B παρὰ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 42 (17. 7). ἐπὶ τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
— 43 (17. 8). κατὰ πρόσωπον τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 50 (17. 15). ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
17. 4 (19). ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. κατέναντι τοῦ μ. (1, 2 c)
— 7 (22). ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (2 c)
— 8 (23). εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (2 c)
— 10 (25). ἀπόθες τὴν ῥάβδον Ἀ. ἐνώπιον τῶν μ. (2 c)
Nu. 18. 2. ἀπέναντι τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (2 c)
— 4. τὰς φυλακὰς τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 6. τὰς λειτουργίας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 21. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (1)
— 22. εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
— 23. τὴν λειτουργίαν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 31. τῶν ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. (1)
19. 4. ἀπέναντι τοῦ προσώπου τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
20. 6. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
25. 6. παρὰ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
27. 2. ἐπὶ τῆς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
31. 54. εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
De. 4. 45. ταῦτα τὰ μ. καὶ τὰ δικαιώμ. (2 b)
6. 17. τὰ μ. καὶ τὰ δικαιώματα (2 b)
— 20. τί [A τίνα] ἐστι τὰ μ. (2 b)
9. 15. AR αἱ δύο πλάκες τῶν μ. [B om. τ. μ.] †
31. 14. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 14. AB²B ἐπορεύθη . . . εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. –
— 14. AB²B παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
— 15. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. –
— 15. A¹B¹ παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς [A²B²R add. τοῦ μ.] –
— 19. A εἰς μαρτύριον [B μαρτυροῦσα] ἐν υἱοῖς Ἰσρ. (2 a)
— 26. ἔσται ἐκεῖ ἐν σοὶ εἰς μαρτύριον (2 a)
Jo. 4. 16. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης τοῦ μ. κ. (2 c)
18. 1. ἔπηξαν ἐκεῖ τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
19. 51. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
22. 27. ἵνα ᾖ τοῦτο μαρτύριον (2 a)
— 28. μαρτύριόν ἐστιν ἀνὰ μέσον ὑμῶν (2 a)
— 34. μαρτύριόν ἐστιν ἀνὰ μέσον αὐτῶν (2 a)
24. 27. ὁ λίθος οὗτος ἔσται ἐν ὑμῖν εἰς μαρτύριον (2 b)
— 27. οὗτος ἔσται ἐν ὑμῖν εἰς μαρτύριον (2 b)
Ru. 4. 7. τοῦτο ἦν μ. ἐν Ἰσρ. (2 d)
I Ki. 2. 22. A παρὰ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
9. 24. εἰς μαρτύριον [A -αν] τέθειταί σοι (1)
13. 8. B διέλιπεν ἑπτὰ ἡμέρας τῷ μ. (1)
— 11. B ὡς διετάξω ἐν τῷ μ. τῶν ἡμερῶν (1)
20. 35. καθὼς ἐτάξατο εἰς τὸ μ. Δ. (1)
III Ki. 2. 3. A καὶ τὰ μ. αὐτοῦ (2 b)
8. 4. καὶ τὸ σκήνωμα τοῦ μ. καὶ τὰ σκεύη τὰ ἅγια τὰ ἐν τῷ σκηνώματι τοῦ μ. (1, –)
IV Ki. 11. 12. ἔδωκεν ἐπ' αὐτὸν . . . τὸ μ. (2 c)
17. 15. καὶ τὰ μ. αὐ. ὅσα διεμαρτύρατο αὐτοῖς (2 b)
23. 3. τοῦ φυλάσσειν . . . τὰ μ. αὐτοῦ (2 b)
I Ch. 6. 32 (17). ἐναντίον τῆς σκηνῆς οἴκου μαρτυρίου (1)
9. 21. πυλωρὸς τῆς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
23. 32. τὰς φυλακὰς σκηνῆς τοῦ μ. (1)
29. 19. ποιεῖν . . . τὰ μ. σου (2 b)
II Ch. 1. 3. οὗ ἐκεῖ ἦν ἡ σκηνὴ τοῦ μ. τοῦ θεοῦ (1)
— 13. B πρὸ [A ἀπὸ] προσώπου σκηνῆς [A R τῆς σκ. τοῦ] μαρτυρίου (1)
5. 5. καὶ τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (1)
23. 11. ἔδωκεν ἐπ' αὐτὸν . . . τὰ μ. (2 c)
24. 6. εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ. (2 c)
34. 31. τοῦ φυλάσσειν . . . μαρτύρια (2 b)
Ne. 9. 34. οὐ προσέσχον . . . τὰ μ. σου (2 b)
Jb. 15. 34. μαρτύριον γὰρ ἀσεβοῦς θάνατος (2 b)
16. 9 (8). εἰς μαρτύριον ἐγενήθη [AS -ην] (2 a)
Ps. 24 (25). 10. τοῖς ἐκζητοῦσι τὴν διαθήκην αὐτοῦ καὶ τὰ μ. αὐτοῦ (2 b)
77 (78). 5. ἀνέστησε μαρτύριον ἐν Ἰακώβ (2 c)
— 56. τὰ μ. αὐτοῦ οὐκ ἐφυλάξαντο (2 b)
79 (80). tit. μαρτύριον τῷ Ἀσάφ (2 c)
80 (81). 5. μαρτύριον ἐν τῷ Ἰωσὴφ ἔθετο αὐτόν (2 c)
92 (93). 5. τὰ μ. σου ἐπιστώθησαν σφόδρα (2 b)
98 (99). 7. ἐφύλασσον τὰ μ. αὐτοῦ (2 b)
118 (119). 2. μακάριοι οἱ ἐξερευνῶντες τὰ μ. αὐτοῦ (2 b)
— 14. ἐν τῇ ὁδῷ τῶν μ. σου ἐτέρφθην (2 b)
— 22. τὰ μ. σου ἐξεζήτησα (2 b)
— 24. τὰ μ. σου μελέτη μού ἐστι (2 b)
— 31. ἐκολλήθην τοῖς μ. σου (2 b)
— 36. κλῖνον τὴν καρδίαν μου εἰς τὰ μ. σου (2 b)
— 46. ἐλάλουν ἐν τοῖς μ. σου ἐναντίον βασιλέων (2 b)
— 59. ἐπέστρεψα τοὺς πόδας μου εἰς τὰ μ. σου (2 b)
— 79. οἱ γινώσκοντες τὰ μ. σου (2 b)
— 88. φυλάξω τὰ μ. τοῦ στόματός σου (2 c)
— 95. τὰ μ. σου συνῆκα (2 b)
— 99. τὰ μ. σου μελέτη μού ἐστιν (2 b)
— 111. ἐκληρονόμησα τὰ μ. σου εἰς τὸν αἰῶνα (2 b)
— 119. ἠγάπησα τὰ μ. σου (2 b)
— 125. γνώσομαι τὰ μ. σου (2 b)
— 129. θαυμαστὰ τὰ μ. σου (2 b)
— 138. ἐνετείλω δικαιοσύνην τὰ μ. σου (2 b)
Ps. 118 (119). 144. δικαιοσύνη τὰ μ. σου εἰς τὸν αἰῶνα (2 b)
— 146. φυλάξω τὰ μ. σου (2 b)
— 152. κατ' ἀρχὰς ἔγνων ἐκ τῶν μ. σου (2 b)
— 157. ἐκ τῶν μ. σου οὐκ ἐξέκλινα (2 b)
— 167. ἐφύλαξεν ἡ ψυχή μου τὰ μ. σου (2 b)
— 168. ἐφύλαξα τὰς ἐντολάς σου καὶ τὰ μ. σου (2 b)
121 (122). 4. φυλαὶ κυρίου μαρτύριον τῷ Ἰσραήλ (2 c)
131 (132). 12. ἐὰν φυλάξωνται οἱ υἱοί σου . . . τὰ μ. μου ταῦτα (2 b)
Pr. 29. 14. ὁ θρόνος αὐτοῦ εἰς μαρτύριον καταστα θήσεται †
Wi. 10. 7. μαρτύριον τῆς πονηρίας καπνιζομένη καθέστηκε χέρσος
Si. 36. 20 (17). δὸς μαρτύριον τοῖς ἐν ἀρχῇ κτίσμασί σου
45. 17. διδάξαι τὸν Ἰακὼβ τὰ μ. [A Ἰ. μαρτυρίαν]
Ho. 2. 12 (14). καὶ θήσομαι αὐτὰ εἰς μαρτύριον †
Am. 1. 11. ἥρπασεν εἰς μαρτύριον φρίκην αὐτοῦ †
Mi. 1. 2. ἔσται κ. κ. ἐν ὑμῖν εἰς μαρτύριον (2 a)
7. 18. καὶ οὐ συνέσχεν εἰς μαρτύριον ὀργὴν αὐ. †
Ze. 3. 8. εἰς ἡμέραν ἀναστάσεώς μου εἰς μαρτύριον †
Is. 55. 4. μ. ἐν ἔθνεσιν ἔδωκα αὐτόν (2 a)
Je. 37 (30). 20. τὰ μ. αὐτῶν κατὰ πρόσωπόν μου ὀρθωθήσεται (2 b)
51 (44). 23. ἐν τοῖς μ. αὐτοῦ οὐκ ἐπορεύθητε (2 b)

[Aq. Dt. 31. 21: Is. 8. 16: 30. 8: Ze. 3. 8.]
[Sm. Ex. 33. 7: iv Ki. 11. 12: Is. 8. 16: 30. 8: Ze. 3. 8.]
[Th. Ex. 33. 7: 40. 30 (26): Nu. 3. 7: Jb. 19. 24: Is. 30. 8: Ze. 3. 8.]
[Sam. Ex. 38. 8 (26).]
[Al. Dt. 31. 19.]
[Quint. Mi. 7. 18.]

μάρτυς. (1) עֵד (2) שָׂהֲדוּתָא

Ge. 31. 44. ὁ θεὸς μ. ἀνὰ μέσον ἐμοῦ καὶ σοῦ –
— 47. A βουνὸς μάρτυς [R τῆς μαρτυρίας] (2)
— 47. R βουνὸς μ. [A μαρτυρεῖ] (1)
— 50. R θεὸς μ. μεταξὺ ἐμοῦ (1)
— 51. R καὶ μ. ἡ στήλη αὕτη –
Ex. 23. 1. γενέσθαι μ. ἄδικος (1)
Le. 5. 1. καὶ οὗτος μ. ἢ ἑώρακεν ἢ σύνοιδεν (1)
Nu. 5. 13. καὶ μάρτυς μὴ ἦν μετ' αὐτῆς (1)
23. 18. ἐνώτισαι μάρτυς υἱὸς Σ. †
35. 30. διὰ μαρτύρων φονεύσεις τὸν φονεύσαντα (1)
— 30. μ. εἰς οὐ μαρτυρήσει ἐπὶ ψυχῆς (1)
De. 17. 6. ἐπὶ δυσὶ μ. ἢ ἐπὶ τρισὶ μ. ἀποθανεῖται (1, 1)
— 6. οὐκ ἀποθανεῖται ἐφ' ἑνὶ μ. (1)
— 7. ἡ χεὶρ τῶν μ. ἔσται ἐπ' αὐτῷ (1)
19. 15. οὐκ ἐμμενεῖ μ. εἷς (1)
— 15. ἐπὶ στόματος δύο μαρτύρων καὶ ἐπὶ στόματος τριῶν μ. (1, 1)
— 16. ἐὰν δὲ καταστῇ μ. ἄδικος κατὰ ἀνθρώπου (1)
— 18. μ. ἄδικος ἐμαρτύρησεν ἄδικα (1)
Jo. 24. 22. μάρτυρες ὑμεῖς καθ' ὑμῶν (1)
Ru. 4. 9, 10. μάρτυρες ὑμεῖς σήμερον (1)
— 11. καὶ εἶπασαν . . . Μάρτυρες (1)
I Ki. 12. 5. μάρτυς κύριος ἐν ὑμῖν καὶ μάρτυς χριστὸς αὐ. (1, 1)
— 5. καὶ εἶπαν, Μάρτυς (1)
— 6. μάρτυς κύριος ὁ ποιήσας τὸν Μ. –
20. 23. κύριος μάρτυς ἀνὰ μέσον ἐμοῦ καὶ σοῦ –
— 42. κύριος ἔσται μ. ἀνὰ μέσον ἐμοῦ καὶ σοῦ –
III Ki. 17. 20. ὁ μ. τῆς χήρας μεθ' ἧς ἐγὼ κατοικῶ –
Jb. 16. 20 (19). ABS² ἰδοὺ ἐν οὐρανοῖς ὁ μ. μου (1)
Ps. 26 (27). 12. ἐπανέστησάν μοι μάρτυρες ἄδικοι (1)
34 (35). 11. ἀναστάντες μάρτυρες ἄδικοι (1)
88 (89). 37. καὶ ὁ μ. ἐν οὐρανῷ πιστός (1)
Pr. 6. 19. ἐκκαίει ψευδῆ μάρτυς ἄδικος (1)
12. 17. ὁ δὲ μ. τῶν ἀδίκων δόλιος (1)
— 19. μάρτυς δὲ ταχὺς γλῶσσαν ἔχει ἄδικον †
14. 5. μ. πιστὸς οὐ ψεύδεται ἐκκαίει δὲ ψευδῆ μ. ἄδικος (1, 1)
— 25. ῥύσεται ἐκ κακῶν ψυχὴν μάρτυς πιστός (1)
19. 5, 9. μάρτυς ψευδὴς οὐκ ἀτιμώρητος ἔσται (1)
21. 28. μάρτυς ψευδὴς ἀπολεῖται (1)
24. 43 (28). μὴ ἴσθι ψευδὴς μάρτυς ἐπὶ σὸν πολίτην (1)
Wi. 1. 6. τῶν νεφρῶν αὐτοῦ μάρτυς ὁ θεός
4. 6. μάρτυρές εἰσι πονηρίας κατὰ γονέων
17. 11. AS δειλὸν γὰρ ἰδίως πονηρία μάρτυρι [B -υρεῖ]
Ma. 3. 5. ἔσομαι μάρτυς [A¹ om.] ταχὺς ἐπὶ τὰς φαρμακούς (1)
Is. 8. 2. μάρτυράς μοι ποίησον πιστοὺς ἀνθρώπους (1)
43. 9. ἀγαγέτωσαν τοὺς μ. αὐτῶν (1)

Is. 43. 10. γένεσθέ μοι μάρτυρες καὶ ἐγὼ μ. (1, –)
— 12. ὑμεῖς ἐμοὶ μάρτυρες καὶ ἐγὼ [A κἀγὼ μ., λέγει] κύριος (1, –)
44. 8. μάρτυρες ὑμεῖς ἐστε (1)
Je. 36 (29). 23. ἐγὼ μ. φησὶ κύριος (1)
39 (32). 10. διεμαρτυράμην μάρτυρας (1)
— 25. ἐπεμαρτυράμην μάρτυρας (1)
— 44. διαμαρτύρῃ μάρτυρας (1)
49 (42). 5. ἔστω κύριος ἐν [A om.] ἡμῖν εἰς μάρτυρα δίκαιον καὶ πιστόν (1)
[Aq. Dt. 17. 6: Ps. 26 (27). 12: Pr. 19. 28: Is. 55. 4: Je. 32 (39). 12.]
[Sm. Pr. 12. 17: Is. 55. 4: Je. 32 (39). 12.]
[Th. Pr. 19. 28: Is. 44. 9.]
[Al. Ge. 31. 47, 52 bis: Nu. 35. 30.]

μαρυκᾶσθαι.
De. 14. 8. μηρυκισμὸν οὐ μαρυκᾶται [A οὐκ ἀναμ.] –

μασαναί. (1) מִשְׁנֶה
II Ch. 34. 22. R κατῴκει ἐν Ἱερ. ἐν μ. [A μεσ., B μασσ.] (1)

μασᾶν (μασσ.). (1) לָחֶם
Jb. 30. 4. A B² S R ῥίζας ξύλων ἐμασῶντο ὑπὸ λιμοῦ μεγάλου (1)
Si. 19. 9. A ἐν καιρῷ μασήσει [B S μισήσει] σε

μασέκ. (1) מָשֵׁךְ
Ge. 15. 2. R ὁ δὲ υἱὸς μ. τῆς οἰκογενοῦς μου (1)

μασενά. (1) מִשְׁנֶה
IV Ki. 22. 14. κατῴκει ἐν Ἱερ. ἐν τῇ μ. (1)

μασερέθ, μασερέμ.
I Ki. 23. 14. A ἐκάθισεν . . . ἐν μ. [B -έμ] †

μασθός, *vid.* μαστός.

μασμαρώθ.
Je. 52. 19. A S¹ R τὰς [B S² τὰ] μ. . . . ἔλαβεν ὁ ἀρχιμάγειρος †

μασογά, μασογάβ.
[Aq., Th. Je. 48 (31). 1.]

μασσᾶν, *vid.* μασᾶν.

μάσσειν. (1) הָמָה
Je. 4. 19. A B S² με μάσσει [? μαιμάσσει] ἡ ψυχή μου (1)

μαστιγοῦν. (1) כָּתַשׁ (2) נָגַע *a.* qal. *b.* pu. (3) נָכָה *a.* hi. *b.* ho. (4) שָׁטַם
Ex. 5. 14. ἐμαστιγώθησαν οἱ γραμματεῖς (3 *b*)
— 16. οἱ παῖδές σου μεμαστίγωνται (3 *b*)
De. 25. 2. A R μαστιγώσουσιν αὐτὸν [B om. μ. αὐ.] ἐναντίον αὐτῶν (3 *a*)
— 3. ἀριθμῷ τεσσαράκοντα μαστιγώσουσιν αὐτόν (3 *a*)
— 3. ἐὰν δὲ προσθῇς μαστιγῶσαι [A add. αὐτόν] (3 *a*)
III Ki. 12. 24. B ἐμαστίγου ὑμᾶς μάστιξιν –
II Ch. 25. 16. πρόσεχε μὴ μαστιγωθῇς (3 *a*)
To. 3. 9. τί ἡμᾶς μαστιγοῖς
11. 15. ἐμαστίγωσας καὶ ἐλέησάς με [S *al.*]
13. 2. αὐτὸς μαστιγοῖ καὶ ἐλεᾷ
— 5. μαστιγώσει ἡμᾶς ἐν ταῖς ἀδικίαις ἡμῶν [S *al.*]
— 9. A B μαστιγώσει ἐπὶ τὰ ἔργα τῶν υἱῶν σου
Ju. 8. 27. μαστιγοῖ κύριος τοὺς ἐγγίζοντας αὐτῷ
Jb. 15. 11. ὀλίγα ὧν ἡμάρτηκας μεμαστίγωσαι †
30. 21. χειρὶ κραταιᾷ με ἐμαστίγωσας (4)
Ps. 72 (73). 5. μετὰ ἀνθρώπων οὐ μαστιγωθήσονται (2 *b*)
— 14. ἐγενόμην μεμαστιγωμένος ὅλην τὴν ἡμέραν (2 *a*)
Pr. 3. 12. μαστιγοῖ δὲ πάντα υἱὸν ὃν παραδέχεται †
17. 10. ἄφρων δὲ μαστιγωθεὶς οὐκ αἰσθάνεται (3 *a*)
19. 25. λοιμοῦ μαστιγουμένου ἄφρων πανουργότερος γίνεται (3 *a*)
27. 22. ἐὰν μαστιγοῖς ἄφρονα (1)
Wi. 12. 22. τοὺς ἐχθροὺς ἡμῶν ἐν μυριότητι μαστιγοῖς
16. 16. ἐν ἰσχύϊ βραχίονός σου ἐμαστιγώθησαν
Si. 30. 14. πλούσιος μεμαστιγωμένος εἰς σῶμα αὐτοῦ
Je. 5. 3. ἐμαστίγωσας αὐτούς (3 *a*)
Da. LXX. 4. 23. καὶ μαστιγώσουσί σε –
II Ma. 3. 26. ἐμαστίγουν αὐτόν
— 34. R σὺ δὲ ὑπ' αὐτοῦ μεμαστιγωμένος [A *al.*]
— 38. μεμαστιγωμένον αὐτὸν προσδέξῃ
5. 18. μαστιγωθεὶς ἀνετράπη τοῦ θράσους
6. 30. σκληρὰς ὑποφέρω . . . ἀλγηδόνας μαστιγούμενος
[Aq. Ez. 28. 24.]
[Sm. Ex. 5. 16.]
[Th. Ex. 5. 16: Is. 53. 4.]

μαστίζειν. (1) נָכָה hi.
Nu. 22. 25. προσέθετο ἔτι μαστίξαι αὐτήν (1)
Wi. 5. 11. πληγῇ δὲ ταρσῶν μαστιζόμενον πνεῦμα κοῦφον
III Ma. 2. 21. τὸν . . . μεγάλως ἐπηρμένον ἐμάστιξεν

μάστιξ. (1) מַכְאוֹב (2) נֶגַע (3) *a.* נֶכֶה *b.* מַכֶּה (4) צֶלַע (5) שֵׁבֶט (6) שׁוֹט (7) שֶׁפֶט
III Ki. 12. 11, 14. ἐπαίδευσεν ὑμᾶς ἐν μάστιξιν (6)
— 24. B ἐμαστίγου ὑμᾶς μάστιξιν –
II Ch. 10. 11, 14. ἐπαίδευσεν ὑμᾶς ἐν μάστιξι (6)
To. 13. 14. ἐλυπήθησαν ἐπὶ πάσαις ταῖς μ. σου
Jb. 5. 21. ἀπὸ μάστιγος γλώσσης σε κρύψει (6)
21. 9. μάστιξ δὲ παρὰ κυρίου οὐκ ἔστιν ἐπ' [B¹ om.] αὐτοῖς (5)
Ps. 31 (32). 10. πολλαὶ αἱ μ. τοῦ ἁμαρτωλοῦ (1)
34 (35). 15. συνήχθησαν ἐπ' ἐμὲ μαστιγες· (3 *a*)
37 (38). 17. ἐγὼ εἰς μάστιγας ἕτοιμος (4)
38 (39). 10. ἀπόστησον ἀπ' ἐμοῦ τὰς μ. σου (2)
72 (73). 4. καὶ στερέωμα ἐν τῇ μ. αὐτῶν †
88 (89). 32. A S καὶ ἐν μάστιξι τὰς ἀδικίας [B ἁμαρτίας] αὐτῶν (2)
90 (91). 10. μάστιξ οὐκ ἐγγιεῖ τῷ σκηνώματί σου (2)
Pr. 19. 29. ἑτοιμάζονται ἀκολάστοις [S¹ -οι] μάστιγες (7)
26. 3. ὥσπερ μάστιξ ἵππῳ καὶ κέντρον ὄνῳ (6)
Si. 22. 6. μάστιγες καὶ παιδεία ἐν παντὶ καιρῷ σοφίας [S¹ -ία]
23. 2. τίς ἐπιστήσει ἐπὶ τοῦ διανοήματός μου μάστιγας
— 11. οὐκ ἀποστήσεται ἀπὸ τοῦ οἴκου αὐ. μάστιξ
26. 6. μάστιξ γλώσσης πᾶσιν ἐπικοινωνοῦσα
28. 17. πληγὴ μάστιγος ποιεῖ μώλωπας
30. 1. ἐνδελεχήσει μάστιγας αὐτῷ
39. 28. ἐν θυμῷ αὐτῶν ἐστερέωσαν μάστιγας αὐ.
40. 9. A B² S² R λιμὸς καὶ σύντριμμα καὶ μάστιξ [S¹ -ιγες]
Na. 3. 2. φωνὴ μαστίγων καὶ φωνὴ σεισμοῦ (6)
Is. 50. 6. τὸν νῶτόν μου ἔδωκα εἰς μάστιγας (3 *b*)
Je. 6. 7. πόνῳ καὶ μάστιγι παιδευθήσῃ (3 *b*)
II Ma. 7. 1. μάστιξι καὶ νευραῖς αἰκιζομένους
— 37. μετὰ ἐτασμῶν καὶ μαστίγων ἐξομολογήσασθαι
9. 11. θεία μ. . . . ἐπιτεινόμενος
IV Ma. 6. 3. μάστιξι κατῄκιζον
— 6. ἀπέξαινε ταῖς μ. τὰς σάρκας
9. 12. ὡς δὲ τύπτοντες ταῖς μ. ἐκοπίασαν
[Aq. Is. 28. 15, 18.]
[Sm. Pr. 6. 33: Is. 28. 15.]

μαστιστής (?).
IV Ma. 9. 11. A τὸν πρεσβύτατον αὐ. . . . παρήγαγον οἱ μ. [S R ὑπασπισταί]

μαστός (μασθός). (1) דּוֹד (2) *a.* שַׁד *b.* שֹׁד
Ge. 49. 25. εὐλογίας μαστῶν καὶ [A om.] μήτρας (2 *a*)
Jb. 3. 12. ἵνα τί δὲ μαστοὺς ἐθήλασα (2 *a*)
24. 9. ἥρπασαν ὀρφανὸν ἀπὸ μαστοῦ (2 *b*)
Ps. 21 (22). 9. ἡ ἐλπίς μου ἀπὸ μαστῶν τῆς μητρός μου (2 *a*)
Ca. 1. 2. ἀγαθοὶ μαστοί σου ὑπὲρ οἶνον (1)
— 4. ἀγαπήσομεν μαστούς σου ὑπὲρ οἶνον (1)
— 13. A S R ἀνὰ μέσον τῶν μ. μου αὐλισθήσεται (2 *a*)
4. 5. δύο μαστοί σου ὡς δύο νεβροὶ δίδυμοι δορκάδος (2 *a*)
— 10. τί ἐκαλλιώθησαν μαστοί σου (1)
— 10. τί ἐκαλλιώθησαν μαστοί σου [B¹ om. τί ἐ. μ. σ.] ἀπὸ οἴνου (1)
6. 11 (12). ἐκεῖ δώσω τοὺς μ. μου σοί –
7. 3 (4). δύο μαστοί σου ὡς δύο νεβροὶ δίδυμοι δορκάδος (2 *a*)
— 7 (8). οἱ μαστοί σου τοῖς βότρυσιν (2 *a*)
Ca. 7. 8 (9). ἔσονται δὴ μαστοί σου ὡς βότρυες τῆς ἀμπέλου (2 *a*)
— 12 (13). ἐκεῖ δώσω τοὺς μαστούς μου σοί (1)
8. 1. τίς δῴη σε . . . θηλάζοντα μαστοὺς μητρός μου (2 *a*)
— 8. μαστοὺς οὐκ ἔχει (2 *a*)
— 10. μαστοί [S οἱ μ.] μου ὡς πύργοι (2 *a*)
Ho. 2. 2 (4). ἐξαρῶ . . . τὴν μοιχείαν αὐ. ἐκ μέσου μαστῶν αὐ. (2 *a*)
9. 14. μήτραν ἀτεκνοῦσαν καὶ μ. ξηρούς (2 *a*)
Jl. 2. 16. συναγάγετε νήπια θηλάζοντα μαστούς (2 *a*)
Is. 28. 9. οἱ ἀπεσπασμένοι ἀπὸ μαστοῦ (2 *a*)
32. 12. ἐπὶ τῶν μ. κόπτεσθε (2 *a*)
66. 11. ἵνα . . . ἐμπλησθῆτε ἀπὸ μαστοῦ παρακλήσεως αὐτῆς (2 *b*)
Je. 18. 14. μὴ ἐκλείψουσιν ἀπὸ πέτρας μαστοί †
La. 2. 20. φονευθήσονται νήπια θηλάζοντα μαστούς †
4. 3. δράκοντες ἐξέδυσαν μαστούς (2 *a*)
Ez. 16. 4. οὐκ ἔδησας τοὺς μ. σου †
— 7. οἱ μ. σου ἀνωρθώθησαν (2 *a*)
23. 3. ἐκεῖ ἔπεσον οἱ μ. αὐτῶν (2 *a*)
— 21. οὗ οἱ μ. [A *add.* ἔπεσαν] νεότητός σου (2 *a*)
II Ma. 3. 19. ὑπεζωσμέναι δὲ ὑπὸ τοὺς μ.
6. 10. τούτων δὲ ἐκ τῶν μ. κρεμάσαντες τὰ βρέφη
III Ma. 5. 49. νεογνὰ πρὸς μαστοὺς ἔχουσαι βρέφη
— 50. τὰ νήπια χωρίσαντες τῶν μ.
IV Ma. 13. 21. R ἀφ' ὧν συντρέφονται ἐν ἀγκάλαις μαστῶν [A S *al.*]
[Aq. Nu. 11. 8: Is. 60. 16: 66. 11: Ez. 16. 8: 23. 34.]
[Sm. Is. 60. 16: 66. 11: Ez. 23. 21, 34.]
[Th. Is. 60. 16: 66. 11: Ez. 16. 8: 23. 34.]
[Quint. Ca. 8. 8.]

μασφάλ.
[Th. Le. 13. 6.]

μασφασσάτ.
Jo. 19. 29. ἕως πηγῆς μ. [A *al.*] †

μασχάλη.
[Aq. Pr. 19. 24.]

μάτ.
[Heb. Ps. 8. 6.]

ματαιοποιεῖν.
[Sm. Ps. 61 (62). 4.]

μάταιος. (1) אָוֶן (2) אַכְזִיב (3) אֱלִיל (4) הֶבֶל (5) חַטָּאת (6) חִנָּם (7) כָּזָב (8) רִיק, רֵק (9) שָׁעִיר (10) שָׁוְא (11) תֹּהוּ
Ex. 20. 7. οὐ λήψῃ τὸ ὄνομα . . . ἐπὶ ματαίῳ (10)
— 7. λαμβάνοντα τὸ ὄνομα αὐτοῦ ἐπὶ ματαίῳ (10)
23. 1. οὐ παραδέξῃ ἀκοὴν ματαίαν (10)
Le. 17. 7. οὐ θύσουσιν . . . τοῖς μ. (9)
De. 5. 11. οὐ λήψῃ τὸ ὄνομα κυρίου . . . ἐπὶ ματαίῳ (10)
— 11. τὸν λαμβάνοντα τὸ ὄνομα αὐ. ἐπὶ ματαίῳ (10)
III Ki. 16. 2. τοῦ παροργίσαι με ἐν τοῖς μ. αὐτῶν (5)
— 13. τοῦ παροργίσαι κ. τὸν θ. Ἰσρ. ἐν τοῖς μ. αὐ. (4)
— 26. B τοῦ παροργίσαι [A R *add.* τὸν κ. θ. Ἰσρ.] ἐν τοῖς μ. αὐ. (4)
IV Ki. 17. 15. B ὀπίσω τῶν μ. (4)
II Ch. 11. 15. κατέστησεν αὐτῷ ἱερεῖς . . . τοῖς μ. (9)
Es. 4. 17. εἰς ἀρετὰς ματαίων
Jb. 20. 18. εἰς κενὰ καὶ μάταια ἐκοπίασε †
Ps. 5. 9. ἡ καρδία αὐτῶν ματαία †
11 (12). 2. μάταια ἐλάλησεν ἕκαστος πρὸς τὸν πλησίον αὐ. (10)
23 (24). 4. ὃς οὐκ ἔλαβεν ἐπὶ ματαίῳ τὴν ψυχὴν αὐτοῦ (10)
59 (60). 11. ματαία σωτηρία ἀνθρώπου (10)
61 (62). 9. μάταιοι οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων (4)
93 (94). 11. κύριος γινώσκει τοὺς διαλογισμοὺς τῶν ἀνθρώπων ὅτι εἰσὶ μάταιοι (4)
107 (108). 12. ματαία σωτηρία ἀνθρώπου (10)
Pr. 12. 11. οἱ δὲ διώκοντες μάταια ἐνδεεῖς φρενῶν (8)
21. 6. μάταια διώκει ἐπὶ παγίδας θανάτου (4)
24. 31 (30. 8). μάταιον λόγον καὶ ψευδῆ μακράν μου ποίησον (10)
26. 2. οὕτως ἀρὰ ματαία οὐκ ἐπελεύσεται οὐδενί (6)

Pr. 31. 30. ματαιον κάλλος γυναικός (4)
Wi. 13. 1. ματαιοι μὲν γὰρ πάντες ἄνθρωποι φύσει
15. 8. κακόμοχθος θεὸν ματαιον ἐκ τοῦ αὐτοῦ πλάσσει πηλοῦ
Si. 31 (34). 5. οἰωνισμοὶ καὶ ἐνύπνια ματαιά ἐστι
Ho. 5. 11. ἤρξατο πορεύεσθαι ὀπίσω τῶν μ. †
6. 9 (8). πόλις ἐργαζομένη ματαια (1)
12. 1 (2). κενὰ καὶ ματαια ἐπλήθυνε (7)
Am. 2. 4. ἐπλάνησεν αὐτοὺς τὰ μ. [A[1] αἵματα] αὐ. (7)
Mi. 1. 14. οἴκους ματαίους εἰς κενὸν ἐγένοντο (2)
Jn. 2. 9. φυλασσόμενοι ματαια καὶ ψευδῆ (4)
Ze. 3. 13. καὶ οὐ λαλήσουσι ματαια (7)
Za. 10. 2. τὰ ἐνύπνια ψευδῆ ἐλάλουν ματαια παρεκάλουν (4)
11. 17. ὦ οἱ ποιμαίνοντες τὰ ματαια (3)
Ma. 3. 14. ματαιος ὁ δουλεύων θεῷ (10)
Is. 1. 13. ἐὰν φέρητε σεμίδαλιν ματαιον (10)
2. 20. ἐκβαλεῖ ἄνθρωπος τὰ βδελύγματα αὐτοῦ . . . τοῖς μ. †
22. 1. ἀνέβητε πάντες εἰς δώματα ματαια †
28. 29. ὑψώσατε ματαίαν παράκλησιν †
29. 8. ἐξαναστάντων ματαιον [S[1] -ων] τὸ ἐνύπνιον (8)
30. 7. Αἰγύπτιοι ματαια καὶ κενὰ ὠφελήσουσιν ὑμᾶς· ἀπάγγειλον αὐτοῖς ὅτι ματαία ἡ παράκλησις ὑμῶν αὕτη (4, †)
— 15. ἐπεποίθεις ἐπὶ τοῖς μ. ματαία ἡ ἰσχὺς ὑμῶν ἐγενήθη †, †
— 28. τοῦ ταράξαι ἔθνη ἐπὶ πλανήσει ματαία καὶ διώξεται αὐτοὺς πλάνησις [A S[2] add. ματαία] (10, †)
31. 2. ἐπαναστήσεται . . . ἐπὶ τὴν ἐλπίδα αὐτῶν τὴν μ. (1)
32. 6. ἡ καρδία αὐ. ματαια νοήσει (1)
33. 11. μ. ἔσται ἡ ἰσχὺς τοῦ πνεύματος ὑμῶν †
44. 9. A S[2] R πάντες ματαιοι [B S[1] -α] (11)
45. 19. A S R ματαιον ζητήσατε [B ζήσατε] (11)
49. 4. εἰς ματαιον καὶ εἰς οὐδὲν ἔδωκα τὴν ἰσχύν μου [B[1] al.] (11)
59. 4. πεποίθασιν ἐπὶ ματαίοις (11)
Je. 2. 5. ἐπορεύθησαν ὀπίσω τῶν μ. (4)
4. 30. εἰς ματαιον [A -την] ὁ ὡραϊσμός σου (10)
8. 19. παρώργισάν με ἐν μ. ἀλλοτρίοις (4)
10. 3. τὰ νόμιμα τῶν ἐθνῶν ματαια (4)
— 15. ματαιά ἐστιν ἔργα ἐμπεπαιγμένα (4)
28 (51). 18. ματαιά ἐστιν ἔργα μεμωκημένα (4)
La. 2. 14. προφῆταί σου εἶδοσάν σοι ματαια . . . εἶδοσάν σοι λήμματα μ. (10, 10)
4. 17. ματαια ἀποσκοπευόντων ἡμῶν (4)
Ez. 8. 10. ματαια βδελύγματα †
11. 2. οὗτοι οἱ ἄνδρες οἱ λογιζόμενοι ματαια (1)
13. 6. μαντευόμενοι ματαια (7)
— 7. μαντείας ματαίας εἰρήκατε (7)
— 8. αἱ μαντεῖαι ὑμῶν ματαιαι (7)
— 9. ἐπὶ τοὺς προφήτας . . . τοὺς ἀποφθεγγομένους ματαια (7)
— 19. ἐν τῷ ἀποφθέγγεσθαι ὑμᾶς λαῷ εἰσακούοντι ματαια ἀποφθέγματα (7)
21. 29 (34). ὅπως στίλβῃς ἐν τῇ ὁράσει σου τῇ μ. (10)
22. 28. οἱ προφῆται αὐτῆς . . . πεσοῦνται ὁρῶντες ματαια (10)
III Ma. 6. 11. μὴ τοῖς μ. . . . εὐλογησάτωσαν
IV Ma. 16. 7. ὦ ματαιοι ἑπτὰ κυοφορίαι
[Aq. Je. 14. 22 : Ez. 21. 29 (34).]
[Sm. I Ki. 12. 21 : Ps. 40 (41). 7 : 59 (60). 13 : 118 (119). 118 : 126 (127). 2 : Is. 29. 21 : 59. 4 : Je. 14. 22 : 16. 19 : Ez. 12. 24 : 21. 23 (28), 29 (34) : Ho. 10. 4 : Jn. 2. 9.]
[Th. Is. 30. 7 : Je. 10. 8 : Ez. 12. 24.]

ματαιότης. (1) *a.* הֶבֶל *b.* הֲבֵל (2) הַוָּה (3) רִיק (4) שָׁוְא

Ps. 4. 2. ἵνα τί ἀγαπᾶτε ματαιότητα [A -ας] (3)
25 (26). 4. οὐκ ἐκάθισα μετὰ συνεδρίου ματαιότητος [A -ας] (4)
30 (31). 6. B S ἐμίσησας τοὺς φυλάσσοντας [A R διαφ.] ματαιότητας [S[2] -α] διὰ κενῆς (1 *a*)
37 (38). 12. οἱ ζητοῦντες τὰ κακά μοι ἐλάλησαν ματαιότητας [S[1] -α] (2)
38 (39). 5. τὰ σύμπαντα ματαιότης (1 *a*)
39 (40). 4. οὐκ ἐπέβλεψεν εἰς ματαιότητας †
51 (52). 7. ἐνεδυναμώθη ἐπὶ τῇ μ. αὐτοῦ (2)
61 (62). 9. αὐτοὶ ἐκ ματαιότητος ἐπὶ τὸ αὐτό (1 *a*)
Ps. 77 (78). 33. ἐξέλιπον ἐν ματαιότητι αἱ ἡμέραι αὐτῶν (1 *a*)
118 (119). 37. τοῦ μὴ ἰδεῖν ματαιότητα (4)
138 (139). 20. λήψονται εἰς ματαιότητα τὰς πόλεις σου (4)
143 (144). 4. ἄνθρωπος ματαιότητι ὡμοιώθη (1 *a*)
— 8, 11. ὧν τὸ στόμα ἐλάλησε ματαιότητα (4)
Pr. 22. 8. ματαιότητα δὲ ἔργων αὐτοῦ συντελέσει –
Ec. 1. 2. ματαιότης ματαιοτήτων . . . ματαιότης ματαιοτήτων τὰ πάντα ματαιότης (1 *b*, 1 *a*, 1 *b*, 1 *a*, 1 *a*)
— 14. τὰ πάντα ματαιότης (1 *a*)
2. 1. καὶ ἰδοὺ καί γε τοῦτο ματαιότης (1 *a*)
— 11. καὶ ἰδοὺ τὰ πάντα ματαιότης (1 *a*)
— 15. καί γε τοῦτο ματαιότης (1 *a*)
— 17. πάντα ματαιότης (1 *a*)
— 19, 21. καί γε τοῦτο ματαιότης (1 *a*)
— 23. καί γε τοῦτο ματαιότης ἐστίν (1 *a*)
— 26. καί γε τοῦτο ματαιότης (1 *a*)
3. 19. πάντα ματαιότης (1 *a*)
4. 4. καί γε τοῦτο ματαιότης (1 *a*)
— 7. εἶδον ματαιότητα ὑπὸ τὸν ἥλιον (1 *a*)
— 8, 16. καί γε τοῦτο ματαιότης (1 *a*)
5. 6. ἐν πλήθει ἐνυπνίων καὶ ματαιοτήτων (1 *a*)
— 9. καί γε τοῦτο ματαιότης (1 *a*)
6. 2. τοῦτο ματαιότης (1 *a*)
— 4. ἐν ματαιότητι ἦλθε (1 *a*)
— 9. καί γε τοῦτο ματαιότης (1 *a*)
— 11. εἰσὶ λόγοι [S ὀλίγοι] πολλοὶ πληθύνοντες ματαιότητα (1 *a*)
7. 1 (6. 12). ἀριθμὸν ἡμερῶν ζωῆς ματαιότητος αὐτοῦ (1 *a*)
— 7 (6). καί γε τοῦτο ματαιότης (1 *a*)
— 16 (15). ἐν ἡμέραις ματαιότητός μου (1 *a*)
8. 10. καί γε τοῦτο ματαιότης (1 *a*)
— 14. ἔστι μ. ἡ πεποίηται ἐπὶ τῆς γῆς (1 *a*)
— 14. καί γε τοῦτο ματαιότης (1 *a*)
9. 2. ματαιότης ἐν τοῖς πᾶσι †
— 9. πάσας ἡμέρας ζωῆς ματαιότητός σου (1 *a*)
— 9. S πάσας ἡμέρας ματαιότητός σου [B πᾶσαι ἡμέραι ἡμέραι ἀτμοῦ σου] (1 *a*)
11. 8. πᾶν τὸ ἐρχόμενον ματαιότης (1 *a*)
— 10. ἡ νεότης καὶ ἡ ἄνοια ματαιότης (1 *a*)
12. 8. ματαιότης ματαιοτήτων . . . τὰ πάντα ματαιότης (1 *b*, 1 *a*, 1 *a*)
[Aq. Je. 7. 16 : Pr. 13. 11 : Is. 57. 13 : Je. 10. 8 : Jn. 2. 9.]
[Sm. Je. 4. 18 : 31. 5 : Ps. 106 (107). 40 : Ec. 5. 6 : Is. 5. 18 : 30. 28 : Je. 10. 8 : 14. 14.]
[Th. Je. 31. 5.]

ματαιοῦν. (1) בָּעַר ni. (2) הָבַל *a.* qal. *b.* hi. (3) כָּכַל *a.* ni. *b.* hi.

I Ki. 13. 13. B μεματαίωταί σοι (3 *a*)
26. 21. ἐν τῇ σήμερον μεματαίωμαι (3 *b*)
IV Ki. 17. 15. B καὶ ἐματαιώθησαν (2 *a*)
I Ch. 21. 8. ἐματαιώθην σφόδρα (3 *a*)
Ju. 6. 4. οὐ ματαιωθήσεται τὰ ῥήματα
Jb. 26. 5. S[1] μὴ γείτονες ματαιωθήσονται [ABS[2] al.] †
Je. 2. 5. καὶ ἐματαιώθησαν (2 *a*)
23. 16. ματαιοῦσιν ἑαυτοῖς ὅρασιν (2 *b*)
28 (51). 17. ἐματαιώθη [A ἐμωράνθη] πᾶς ἄνθρωπος ἀπὸ γνώσεως (1)
[Aq. Ps. 61 (62). 11.]
[Sm. Ps. 61 (62). 10.]
[Th. II Ki. 15. 31 : Jb. 15. 20 : Ps. 61 (62). 11.]

ματαιόφρων.
III Ma. 6. 11. μὴ τοῖς ματαίοις οἱ μ. εὐλογησάτωσαν

ματαίως. (1) הֶבֶל (2) רִיק (3) שָׁוְא (4) שֶׁקֶר

III Ki. 20 (21). 25. πλὴν μ. [A *add.* ἐπράθη] Ἀχ. †
Jb. 35. 16. Ἰὼβ μ. ἀνοίγει τὸ στόμα αὐτοῦ (1)
Ps. 3. 7. σὺ ἐπάταξας πάντας τοὺς ἐχθραίνοντάς μοι μ. †
34 (35). 19. μὴ ἐπιχαρείησάν μοι οἱ ἐχθραίνοντές μοι μ. [A S ἀδίκως] (4)
72 (73). 13. ἄρα μ. ἐδικαίωσα τὴν καρδίαν μου (2)
88 (89). 47. μὴ γὰρ μ. ἔκτισας πάντας τοὺς υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων (3)
[Sm. Ps. 7. 5 : 138 (139). 20 : Is. 45. 19.]

μάτην. (1) אָוֶן (2) הֶבֶל (3) חִנָּם (4) *a.* שָׁוְא *b.* לַשָּׁוְא (5) שֶׁקֶר (6) εἰς μ. שָׁוְא

III Ki. 20 (21). 20. μ. πέπρασαι –
Ps. 34 (35). 7. μ. ὠνείδισαν τὴν ψυχήν μου (3)
38 (39). 6. πλὴν μ. ταράσσονται (2)
— 11. A S πλὴν μ. [B μ. ταράσσεται] πᾶς ἄνθρωπος (2)
40 (41). 6. A B[2] S R μ. ἐλάλει (4 *a*)
62 (63). 9. εἰς μ. ἐζήτησαν τὴν ψυχήν μου †
126 (127). 1. εἰς μ. ἐκοπίασαν οἱ οἰκοδομοῦντες (6)
— 1. εἰς μ. ἠγρύπνησεν ὁ φυλάσσων (6)
— 2. εἰς μ. ὑμῖν ἐστι τοῦ ὀρθρίζειν (6)
Pr. 3. 30. μὴ φιλεχθρήσῃς πρὸς ἄνθρωπον μ. (3)
Is. 27. 3. μ. ποτιῶ αὐτήν †
28. 17. οἱ πεποιθότες μ. ψεύδει –
29. 13. μ. δὲ σέβονταί με †
30. 5. μ. κοπιάσουσι πρὸς λαόν †
41. 29. μ. οἱ πλανῶντες ὑμᾶς (1)
Je. 2. 30. μ. ἐπάταξα τὰ τέκνα ὑμῶν (4 *b*)
4. 30. A εἰς μ. [R S ματαιον] ὁ ὡραϊσμός σου (4 *a*)
8. 8. εἰς μ. ἐγενήθη σχοῖνος ψευδὴς γραμματεῦσιν (5)
Ez. 14. 23. οὐ μ. πεποίηκα πάντα (3)
Da. LXX. 11. 24. καὶ οἱ λογισμοὶ αὐ. εἰς μ. †
II Ma. 7. 18. R μὴ πλανῶ μ. [A μᾶλλον]
— 34. μὴ μ. μετεωρίζου
IV Ma. 16. 8. μ. ἐφ' ὑμῖν . . . πολλὰς ὑπέμεινα ὠδίνας
[Aq. Je. 9. 29 : Ps. 38 (39). 12 : Is. 59. 4 : Je. 46 (26). 11 (εἰς μ.).]
[Sm. I Ki. 19. 5 : Ps. 72 (73). 13 : Je. 46 (26). 11 (εἰς μ.).]
[Al. I Ki. 25. 21 (εἰς μ.).]

μάχαιρα. (1) בַּרְזֶל (2) חֲנִית (3) חֶרֶב (4) מַאֲכֶלֶת

Ge. 22. 6. ἔλαβε δὲ . . . τὴν μ. (4)
— 10. ἐξέτεινεν . . . τὴν χεῖρα αὐ. λαβεῖν τὴν μ. (4)
27. 40. ἐπὶ τῇ μ. σου ζήσῃ (3)
31. 26. ἀπήγαγες . . . ὡς αἰχμαλώτιδας μαχαίρᾳ (3)
34. 25. ἔλαβον . . . ἕκαστος τὴν μ. αὐτοῦ (3)
— 26. ἀπέκτειναν ἐν στόματι μαχαίρας (3)
48. 22. ἣν ἔλαβον . . . ἐν μ. μου καὶ τόξῳ (3)
Ex. 15. 9. ἀνελῶ τῇ μ. μου (3)
17. 13. ἐτρέψατο . . . ἐν φόνῳ μαχαίρας (3)
22. 24 (23). καὶ ἀποκτενῶ ὑμᾶς μαχαίρᾳ (3)
Le. 26. 8. πεσοῦνται οἱ ἐχθροὶ ὑμῶν . . . μαχαίρᾳ (3)
— 25. ἐπάξω ἐφ' ὑμᾶς μάχαιραν (3)
— 33. ἐξαναλώσει ὑμᾶς ἐκπορευομένη ἡ μ. (3)
Nu. 14. 43. καὶ πεσεῖσθε μαχαίρᾳ (3)
21. 24. ἐπάταξεν αὐτὸν Ἰσρ. φόνῳ μαχαίρας (3)
22. 29. εἰ εἶχον μάχαιραν ἐν τῇ χειρί (3)
— 31. καὶ τὴν μ. ἐσπασμένην ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (3)
De. 13. 15 (16). ἀνελεῖς . . . ἐν φόνῳ μαχαίρας (3)
20. 13. πατάξεις . . . ἐν φόνῳ μαχαίρας (3)
32. 25. ἔξωθεν ἀτεκνώσει αὐτοὺς μάχαιρα (3)
— 41. παροξυνῶ ὡς ἀστραπὴν τὴν μ. μου (3)
— 42. A R ἡ μ. μου φάγεται κρέα (3)
33. 29. καὶ ἡ μ. καύχημά σου (3)
Jo. 5. 2. ποίησον σεαυτῷ μ. πετρίνας (3)
— 3. ἐποίησεν Ἰ. μ. πετρίνας (3)
8. 24. ἐν στόματι ῥομφαίας [B[2] μαχαίρας] (3)
10. 11. οὓς ἀπέκτειναν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. μαχαίρᾳ (3)
— 28. B[1] ἐν στόματι μαχαίρας [A B[2] R ξίφους] (3)
— 30. ἐν στόματι ξίφους [B[2] μαχαίρας] (3)
19. 47. ἐν στόματι μαχαίρας (3)
21. 40. ἔλαβεν Ἰ. τὰς μ. τὰς πετρίνας –
24. 30. ἔθηκαν . . . τὰς μ. τὰς πετρίνας –
Jd. 1. 8. A ἐν στόματι μαχαίρας [B ῥομφαίας] (3)
3. 16. ἐποίησεν ἑαυτῷ Ἀ. μ. δίστομον (3)
— 21. ἔλαβε τὴν μ. (3)
— 22. οὐκ ἐξέσπασε τὴν μ. ἐκ τῆς κοιλίας αὐ. (3)
7. 22. A ἔθετο κύριος μάχαιραν [B al.] (3)
8. 20. A οὐκ ἔσπασε . . . τὴν μ. [B ῥομφ.] αὐτοῦ (3)
9. 54. A σπάσον τὴν μ. [B ῥομφαίαν] (3)
19. 29. A ἔλαβεν τὴν μ. [B ῥομφαίαν] (4)
20. 38. A πρὸς τὸ ἔνεδρον μάχαιρα [B al.] (3)
I Ki. 25. 13. A περιεζώσαντο ἀνὴρ τὴν μ. αὐ. καὶ περιεζώσατο καὶ Δ. τὴν μ. αὐ. (3, 3)
II Ki. 2. 16. μάχαιρα αὐ. εἰς πλευρὰν [A πλάγιον] τοῦ πλησίον αὐ. (3)

II Ki. 11. 25. φάγεται ἡ μ. (3)
15. 14. καὶ πατάξῃ τὴν πόλιν στόματι μαχαίρας (3)
18. 8. ὑπὲρ οὗς κατέφαγεν . . . ἡ μ. (3)
20. 8. ἐπ' αὐτῷ περιεζωσμένος μάχαιραν (3)
— 8. ἡ μ. ἐξῆλθεν †
— 10. Ἀμ. οὐκ ἐφυλάξατο τὴν μ. (3)
23. 10. προσεκολλήθη ἡ χεὶρ αὐ. πρὸς τὴν μ. (3)
III Ki. 3. 24. λάβετε [A *add.* μοι] μάχαιραν (3)
— 24. προσήνεγκαν τὴν μ. (3)
18. 28. B κατετέμοντο ἐν μαχαίρᾳ [A R -αις] (3)
IV Ki. 19. 37. ἐπάταξαν αὐτὸν ἐν μαχαίρᾳ (3)
I Ch. 5. 18. ἄνδρες αἴροντες . . . μάχαιραν (3)
21. 5. ἀνδρῶν ἐσπασμένων μάχαιραν (3)
— 5. A ἀνδρῶν ἐσπασμένων μάχαιραν (3)
— 12. καὶ μάχαιρα [A -αν] ἐχθρῶν σου (3)
II Ch. 23. 9. ἔδωκε τὰς μ. . . . ἐν οἴκῳ τοῦ θεοῦ (2)
— 14. ἀποθανέτω μαχαίρᾳ (3)
— 21. A τὴν Γοθ. ἐθανάτωσαν μαχαίρᾳ [B *om.*] (3)
29. 9. πεπλήγασιν οἱ πατέρες ὑμῶν μαχαίρᾳ (3)
I Es. 3. 22. A R μετ' οὐ πολὺ σπῶνται τὰς [B *om.*] μ.
Es. 3. 13. ἀπολέσαι . . . ταῖς τῶν ἐχθρῶν μ. [A *al.*]
Jb. 1. 15. τοὺς παῖδας ἀπέκτειναν ἐν μαχαίραις [A *al.*] (3)
— 17. A S R τοὺς παῖδας ἀπέκτειναν [S[1] -ώλεσαν] ἐν [B *om.*] μαχαίραις (3)
39. 23. ἐπ' αὐτῷ γαυριᾷ τόξον καὶ μάχαιρα [A ὀξυσθενὴς μ.] (2)
Ps. 56 (57). 4. ἡ γλῶσσα αὐτῶν μάχαιρα ὀξεῖα (3)
151. 7. σπασάμενος τὴν παρ' αὐτοῦ [A ἐκείνου] μ.
Pr. 5. 4. ἠκονημένον μᾶλλον μαχαίρας διστόμου (3)
12. 18. εἰσὶν οἱ λέγοντες τιτρώσκουσι μάχαιραι [A -αν] (3)
24. 23 (29. 27). μάχαιρα γλῶσσα βασιλέως καὶ οὐ σαρκίνη –
— 37 (30. 14). ἔκγονον κακὸν μαχαίρας τοὺς ὀδόντας ἔχει (3)
25. 18. ῥόπαλον καὶ μάχαιρα καὶ τόξευμα ἀκιδωτόν [A ἀκηλίδωτον] (3)
Si. 28. 18. πολλοὶ ἔπεσαν ἐν στόματι μαχαίρας
Za. 11. 17. μάχαιρα ἐπὶ τοὺς βραχίονας αὐτοῦ (3)
Is. 1. 20. μ. ὑμᾶς κατέδεται (3)
2. 4. συγκόψουσι τὰς μ. αὐ. εἰς ἄροτρα . . . οὐ λήψεται ἔθνος ἐπ' ἔθνος μάχαιραν (3, 3)
3. 25. μαχαίρᾳ πεσεῖται . . . μαχαίρᾳ πεσοῦνται (3, †)
10. 34. πεσοῦνται ὑψηλοὶ μαχαίρᾳ [A *al.*] (1)
13. 15. οἵτινες συνηγμένοι εἰσὶ μαχαίρᾳ πεσοῦνται (3)
14. 19. μετὰ πολλῶν τεθνηκότων ἐκκεκεντημένων μαχαίραις (3)
21. 15. διὰ τὸ πλῆθος τῆς μ. (3)
22. 2. οἱ τραυματίαι σου οὐ τραυματίαι ἐν μαχαίραις [A S τρ. μαχαίρας] (3)
27. 1. ἐπάξει ὁ θεὸς τὴν μ. τὴν ἁγίαν καὶ τὴν μεγάλην (3)
31. 8. οὐ μ. ἀνδρὸς οὐδὲ μ. ἀνθρώπου καταφάγεται αὐτὸν καὶ φεύξεται οὐκ ἀπὸ προσώπου μαχαίρας [A διώκοντος] (3 *ter*)
34. 5. ἐμεθύσθη ἡ μ. μου ἐν τῷ οὐρανῷ (3)
— 6. ἡ μ. τοῦ κυρίου ἐνεπλήσθη αἵματος (3)
37. 7. πεσεῖται μαχαίρᾳ ἐν τῇ γῇ αὐτοῦ (3)
— 38. ἐπάταξαν αὐτὸν μαχαίραις [S[1] -ας] (3)
41. 2. δώσει εἰς γῆν τὰς μ. αὐτῶν (3)
49. 2. ἔθηκε τὸ στόμα μου ὡς μάχαιραν ὀξεῖαν (3)
51. 19. πτῶμα καὶ σύντριμμα λιμὸς καὶ μ. (3)
65. 12. παραδώσω ὑμᾶς εἰς μάχαιραν (3)
Je. 2. 30. μ. κατέφαγε τοὺς προφήτας ὑμῶν (3)
4. 10. ἥψατο ἡ μ. ἕως τῆς ψυχῆς αὐτῶν (3)
5. 12. μάχαιραν καὶ λιμὸν οὐκ ὀψόμεθα (3)
9. 16 (15). ἐπαποστελῶ ἐπ' αὐτοὺς τὴν μ. (3)
11. 22. οἱ νεανίσκοι αὐτῶν ἐν μαχαίρᾳ ἀποθανοῦνται [A πεσοῦνται] (3)
12. 12. μ. τοῦ κυρίου καταφάγεται (3)
14. 12. ἐν μαχαίρᾳ καὶ ἐν λιμῷ καὶ ἐν θανάτῳ (3)
— 13. οὐκ ὄψεσθε μάχαιραν (3)
— 15. μ. καὶ λιμὸς οὐκ ἔσται ἐπὶ τῆς γῆς ταύτης (3)
— 16. ἀπὸ προσώπου μαχαίρας καὶ τοῦ λιμοῦ (3)
— 18. ἰδοὺ τραυματίαι μαχαίρας [A ῥομφαίας] (3)
15. 2. ὅσοι εἰς μάχαιραν εἰς μάχαιραν (3, 3)
— 3. ἐκδικήσω ἐπ' αὐτοὺς . . . τὴν μ. εἰς σφαγήν (3)
— 9. τοὺς καταλοίπους αὐτῶν εἰς μάχαιραν δώσω (3)
16. 4. ἐν μαχαίρᾳ πεσοῦνται (3)
18. 21. ἄθροισον αὐτοὺς εἰς χεῖρας μαχαίρας [S[1] *om.*] . . . οἱ νεανίσκοι αὐ. πεπτωκότες [A *add.* ἐν] μαχαίρᾳ ἐν πολέμῳ (3, 3)
Je. 19. 7. καταβαλῶ αὐτοὺς ἐν μαχαίρᾳ (3)
20. 4. πεσοῦνται ἐν μαχαίρᾳ ἐχθρῶν αὐτῶν . . . καὶ κατακόψουσιν ἐν μαχαίραις [A -ρᾳ] (3, 3)
21. 7. ἀπὸ τοῦ λιμοῦ καὶ ἀπὸ τῆς μ. . . . κατακόψουσιν αὐτοὺς ἐν στόματι μαχαίρας (3, 3)
— 9. ἀποθανεῖται ἐν μαχαίρᾳ (3)
24. 10. ἀποστελῶ εἰς αὐτοὺς . . . τὴν μ. (3)
25. 16 (49. 37). ἐπαποστελῶ ὀπίσω αὐτῶν τὴν μ. μου (3)
26 (46). 10. καταφάγεται ἡ [S *om.*] μ. κυρίου (3)
— 14. κατέφαγε μ. τὴν σμίλακά σου (3)
— 16 : 27 (50). 16. ἀπὸ πρυσώπου μαχαίρας Ἑλληνικῆς (3)
27 (50). 21. ἐκδίκησον, μ. [S -αν] †
— 35. παροξυνεῖ τοῖς κατοικοῦσι Βαβυλῶνα μάχαιραν (3)
— 36. μάχαιραν ἐπὶ τοὺς μαχητὰς αὐτῆς (3)
— 36. μάχαιραν ἐπὶ τοὺς ἵππους αὐτῶν (3)
— 37. μάχαιραν ἐπὶ τοὺς μαχητὰς αὐτῶν (3)
— 37. μάχαιραν ἐπὶ τοὺς θησαυρούς (3)
29 (47). 6. ἕως τίνος κόψεις, ἡ μ. τοῦ κυρίου (3)
31 (48). 2. ὄπισθέν σου βαδιεῖται μ. (3)
— 10. ἐξαίρων μάχαιραν αὐτοῦ ἀφ' αἵματος (3)
32. 2 (25. 16). μανήσονται ἀπὸ προσώπου τῆς μ. (3)
— 13 (25. 27). οὐ μὴ ἀναστῆτε ἀπὸ προσώπου τῆς μ. (3)
— 15 (25. 29). μάχαιραν ἐγὼ καλῶ (3)
— 17 (25. 31). οἱ δὲ ἀσεβεῖς ἐδόθησαν εἰς μάχαιραν (3)
— 24 (25. 38). ἀπὸ προσώπου τῆς [A *om.*] μ. τῆς μεγάλης †
33 (26). 23. ἐπάταξεν αὐτὸν ἐν μαχαίρᾳ (3)
34 (27). 8. ἐν μαχαίρᾳ [A S[1] *add.* πεσοῦνται] καὶ ἐν λιμῷ ἐπισκέψομαι αὐτούς (3)
38 (31). 2. μετὰ ὀλωλότων ἐν μαχαίρᾳ (3)
39 (32). 24. ἀπὸ προσώπου μαχαίρας καὶ τοῦ λιμοῦ (3)
— 36. ἐν μαχαίρᾳ καὶ ἐν λιμῷ καὶ ἐν ἀποστολῇ (3)
41 (34). 17. καλῶ ἄφεσιν ὑμῖν εἰς μάχαιραν (3)
La. 1. 20. ἔξωθεν ἠτέκνωσέ με μ. (3)
Ez. 5. 2, 12. μάχαιραν ἐκκενώσω ὀπίσω αὐτῶν (3)
26. 6. αἱ θυγατέρες αὐτῆς ἐν πεδίῳ μαχαίρᾳ ἀναιρεθήσονται [A *al.*] (3)
— 8. τὰς θυγατέρας σου τὰς ἐν τῷ πεδίῳ μαχαίρᾳ ἀνελεῖ (3)
— 9. τοὺς πύργους σου καταβαλεῖ ἐν ταῖς μ. αὐτοῦ (3)
— 11. τὸν λαόν σου μαχαίρᾳ ἀνελεῖ (3)
— 15. ἐν τῷ σπάσαι μάχαιραν ἐν μέσῳ σου †
28. 7. ἐκκενώσουσι τὰς μ. αὐτῶν ἐπὶ σέ (3)
— 23. πεσοῦνται τετραυματισμένοι [A *add.* ἐν] μαχαίραις (3)
30. 4. ἥξει μ. [A ἡ μ.] ἐπ' Αἰγυπτίους (3)
— 5, 6. μαχαίρᾳ πεσοῦνται ἐν αὐτῇ (3)
— 11. ἐκκενώσουσι πάντες τὰς μ. αὐτῶν (3)
— 17. ἐν [A *om.*] μαχαίρᾳ πεσοῦνται (3)
— 21. τοῦ δοθῆναι ἰσχὺν ἐπιλαβέσθαι μαχαίρας (3)
— 22. καταβαλῶ τὴν μ. αὐ. ἐκ τῆς χειρὸς αὐ. (3)
31. 17. ἐν τοῖς τραυματίαις ἀπὸ [A μετὰ τραυματιῶν] μαχαίρας (3)
— 18. κοιμηθήσῃ μετὰ τραυματιῶν μαχαίρας (3)
32. 12. ἥξει σοι ἐν μαχαίραις γιγάντων (3)
— 19 (20). ἐν μέσῳ μαχαίρας τραυματιῶν [A τρ. μαχαίρᾳ] πεσοῦνται (3)
— 21. ἐν μέσῳ τραυματιῶν μαχαίρας (3)
— 23. οἱ τραυματίαι οἱ πεπτωκότες μαχαίρᾳ (3 ?)
— 23. A πάντες αὐτοὶ τραυματίαι πίπτοντες μαχαίρᾳ (3)
— 24. οἱ τραυματίαι οἱ πεπτωκότες μαχαίρᾳ [A -αις] (3)
— 26. πάντες ἀπερίτμητοι τραυματίαι ἀπὸ [A *om.* τρ. ἀ.] μαχαίρας (3)
— 27. ἔθηκαν τὰς μ. αὐ. ὑπὸ τὰς κεφαλὰς αὐ. (3)
— 28. κοιμηθήσῃ μετὰ τετραυματισμένων μαχαίρᾳ (3)
— 29. οἱ δόντες τὴν ἰσχὺν αὐ. εἰς τραῦμα μαχαίρας οὗτοι μετὰ τραυματιῶν ἐκοιμήθησαν [A τρ. μαχαίρας] (3, –)
— 30. ἐκοιμήθησαν ἀπερίτμητοι μετὰ τραυματιῶν [A τετραυματισμένων] μαχαίρας (3)
— 31. A τραυματίαι μαχαίρᾳ Φαραώ (3)
Ez. 32. 32. μετὰ τραυματιῶν μαχαίρας Φαραώ (3)
33. 27. εἰ μὴν οἱ ἐν ταῖς ἠρημωμέναις μαχαίραις [A -ᾳ] πεσοῦνται (3)
35. 5. ἐν χειρὶ ἐχθρῶν μαχαίρᾳ [A ἐν καιρῷ ἐ. ἐν χ. μαχαίρας] (3)
— 8. τετραυματισμένοι μαχαίρᾳ πεσοῦνται ἐν σοί (3)
38. 4. πέλται καὶ περικεφαλαῖαι καὶ μάχαιραι (3)
— 8. ἥξει εἰς τὴν γῆν τὴν ἀπεστραμμένην ἀπὸ μαχαίρας (3)
— 21. καλέσω ἐπ' αὐτὸ καὶ πᾶν φόβον [A *add.* μαχαίρας] . . . μ. ἀνθρώπου ἐπὶ τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ ἔσται (3, 3)
39. 23. ἔπεσαν πάντες μαχαίρᾳ (3)
Da. TH. Bel 26. ἀποκτενῶ τὸν δράκοντα ἄνευ μαχαίρας
I Ma. 3. 12. τὴν μ. Ἀπ. ἔλαβεν Ἰ.
4. 6. S R μαχαίρας [A -αν] οὐκ εἶχον
10. 85. ἐγένοντο οἱ πεπτωκότες μαχαίρᾳ
II Ma. 5. 3. καὶ μαχαιρῶν σπασμούς
[Aq. Ex. 5. 3 : 20. 25 : Jd. 7. 22 : Ps. 63 (64). 4 : 75 (76). 4 : 149. 6 : Pr. 23. 1 : Ca. 3. 8 : Is. 3. 25 : 21. 15 : Je. 6. 25 : 31 (38). 2 : 33 (40). 4 : 47 (29). 6 : 48 (31). 10 : Ez. 32. 25 : Za. 13. 7.]
[Sm. Ex. 5. 3 : 20. 25 : Jd. 7. 22 : II Ki. 21. 16 : Jb. 15. 22 : 19. 29 : 39. 22 : 40. 14 (19) : 41. 18 : Ps. 7. 13 : 16 (17). 13 : 44 (45). 4 : 58 (59). 8 : 63 (64). 4 : 75 (76). 4 : 77 (78). 62 : Is. 21. 15 : Je. 31 (38). 2 : 33 (40). 4 : 47 (29). 6 : 48 (31). 10 : 50 (27). 21 : 51 (28). 50 : Ez. 21. 3 (8), 14 (19) : 31. 17 : 32. 25 : Za. 13. 7.]
[Th. Jd. 7. 22 : Jb. 39. 22 : Ps. 63 (64). 4 : Pr. 12. 18 : 23. 1 : 25. 18 : Is. 21. 15 : Je. 29 (36). 17 : 33 (40). 4 : 50 (27). 36 : Ez. 5. 12 : 21. 3 (8) : 32. 23, 25, 31 : 33. 26.]
[Al. Ps. 43 (44). 4 : 44 (45). 4 : Je. 33 (40). 6 : La. 2. 21 : Ez. 32. 25 : Hb. 1. 17 : 3. 11.]
[Sext. Ps. 75 (76). 4.]

μαχάλ. (1) מַכֹּלֶת
III Ki. 5. 11 (25). Σαλ. ἔδωκε . . . μαχεὶρ [A[1] μαλὰλ, A[2] μαχὰλ] τῷ οἴκῳ αὐ.

μαχαλίμ.
[Th. Ez. 27. 24.]

μαχβάρ. (1) מַכְבֵּר
IV Ki. 8. 15. R ἔλαβε τὸ μ. [A B *al.*] (1)
[Th., Heb. IV Ki. 8. 15.]

μαχείρ.
III Ki. 5. 11 (25). Σαλ. ἔδωκε . . . μ. [A[1] μαλὰλ, A[2] μαχὰλ] τῷ οἴκῳ αὐ. †

μάχεσθαι. (1) חָרַב ni. (2) חָרָה ni. (3) לָחַם ni. (4) נָכָה hi. (5) נָצָה ni. (6) רִיב
Ge. 26. 20. ἐμαχέσαντο . . . μετὰ τῶν ποιμένων (6)
— 22. καὶ οὐκ ἐμαχέσαντο περὶ αὐτοῦ (6)
31. 36. καὶ ἐμαχέσατο τῷ Λάβαν (6)
Ex. 21. 22. ἐὰν δὲ μάχωνται δύο ἄνδρες (5)
Le. 24. 10. ἐμαχέσαντο ἐν τῇ παρεμβολῇ (5)
De. 25. 11. ἐὰν δὲ μάχωνται ἄνθρωποι ἐπὶ τὸ αὐτό (5)
Jo. 9. 18. οὐκ ἐμαχέσαντο αὐτοῖς οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (4)
Jd. 11. 25. μὴ μαχόμενος [A μάχῃ] ἐμαχέσατο μετὰ Ἰσρ. (6, 6)
II Ki. 14. 6. ἐμαχέσαντο ἀμφότεροι ἐν τῷ ἀγρῷ (5)
IV Ki. 3. 23. ἐμαχέσαντο οἱ βασιλεῖς (1)
II Ch. 27. 5. ἐμαχέσατο πρὸς βασιλέα υἱῶν Ἀ. (3)
Ne. 5. 7. ἐμαχεσάμην πρὸς τοὺς ἐντίμους (6)
13. 11. S[2] R ἐμαχεσάμην τοῖς στρατηγοῖς [A B S[1] *om.* τ. στ.] (6)
— 17. ἐμαχεσάμην τοῖς υἱοῖς Ἰ. (6)
— 25. ἐμαχεσάμην μετ' αὐτῶν (6)
Ca. 1. 6. υἱοὶ μητρός μου ἐμαχέσαντο ἐν ἐμοί (2)
Is. 27. 8. μαχόμενος καὶ ὀνειδίζων ἐξαποστελεῖ αὐτούς (6)
28. 20. οὐ δυνάμεθα μ. †
Je. 40 (33). 5. τοῦ μ. πρὸς τοὺς Χαλδαίους (3)
II Ma. 10. 17. πάντας τε τοὺς ἐπὶ τῷ τείχει μαχομ.
12. 36. τῶν δὲ περὶ τὸν Ἔ. ἐπὶ πλεῖον μαχομένων
[Sm. Ge. 45. 24.]
[Th. Ca. 1. 6.]

μάχη. (1) מָדוֹן (2) מִלְחָמָה (3) מַצָּה (4) צָבָא (5) *a.* רִיב subst. *b.* מְרִיבָה *c.* רִיב verb.

Ge. 13. 7. καὶ ἐγένετο μ. ἀνὰ μέσον τῶν ποιμένων (5 *a*)
— 8. μὴ ἔστω μ. ἀνὰ μέσον ἐμοῦ καὶ σοῦ (5 *b*)
Jo. 4. 13. τετρακισμύριοι εὔζωνοι εἰς μάχην (4)
Jd. 11. 25. **A** μὴ μάχῃ [**B** μαχόμενος] ἐμαχέσατο (5 *c*)
20. 38. μετὰ τοῦ ἐνέδρου τῆς μ. [**A** *al.*] †
II Ki. 22. 44. ῥύσῃ με ἐκ μάχης λαῶν (5 *a*)
I Es. 1. 30. ἀποστήσατέ με ἀπὸ τῆς μ.
Es. 3. 13. **A** ἀπολέσαι . . . ταῖς τῶν ἐθνῶν μ. [**B S** *al.*]
Jb. 38. 23. εἰς ἡμέραν πολέμων [**A S** -ου] καὶ μάχης (2)
Pr. 15. 18. ἀνὴρ θυμώδης παρασκευάζει μάχας (1)
17. 1. **A S** οἶκος πλήρης [**B** *om.*] πολλῶν ἀγαθῶν . . . μετὰ μάχης (5 *a*)
— 14. προηγεῖται δὲ τῆς ἐνδείας στάσις καὶ μάχη (5 *a* ?)
— 19. φιλαμαρτήμων χαίρει [**A** κείρει] μάχαις (3)
24. 67 (30. 32). ἐὰν . . . ἐκτείνῃς τὴν χεῖρά σου μετὰ μάχης †
— 68 (30. 33). ἐξελεύσονται κρίσεις καὶ μάχαι (5 *a*)
25. 8. μὴ πρόσπιπτε εἰς μάχην ταχέως (5 *c*)
— 10 (9). ἡ δὲ μ. σου καὶ ἡ ἔχθρα οὐκ ἀπέσται †
26. 20. ἡσυχάζει μάχη (1)
— 21. ἀνὴρ δὲ λοίδορος εἰς ταραχὴν μάχης (5 *a*)
Si. 6. 9. **A B S**[2] μάχην ὀνειδισμοῦ σου ἀποκαλύψει
8. 16. μετὰ θυμώδους μὴ ποιήσῃς μάχην
27. 14. ἡ μ. αὐτῶν ἐμφραγμὸς [**S**[1] στεναγμὸς] ὠτίων
— 15. ἔκχυσις αἵματος μάχη ὑπερηφάνων
28. 8. ἀπόσχου ἀπὸ μάχης [**S**[2] ἀπόλιπε ἀπὸ μέθης]
— 8. ἄνθρωπος γὰρ θυμώδης ἐκκαύσει μάχην
— 10. κατὰ τὴν στερέωσιν τῆς μ. ἐκκαυθήσεται
— 11. μάχη κατασπεύδουσα ἐκχέει αἷμα
34 (31). 26. οὕτως οἶνος καρδίας ἐν μάχῃ ὑπερηφάνων
Is. 58. 4. εἰς κρίσεις καὶ μάχας νηστεύετε (3)
I Ma. 7. 28. μὴ ἔστω μάχη
10. 53. συνῆψα πρὸς αὐτὸν μάχην
II Ma. 10. 29 : 12. 11 : III Ma. 1. 4. γενομένης δὲ καρτερᾶς μ.
[**Aq.** Pr. 13. 10 : Je. 15. 10.]
[**Sm.** Jd. 12. 2 : Ps. 73 (74). 22 : 79 (80). 7 : Pr. 10. 12 : 13. 10 : 16. 28 : 18. 6 : 19. 13 : 22. 10 : 29. 22 : Je. 15. 10.]
[**Th.** Pr. 10. 12 : 13. 10 : 17. 14 : 22. 10 : Is. 41. 11, 12.]

μαχητής. (1) אֱנוֹשׁ הַמִּלְחָמָה (2) גִּבּוֹר (3) רִיב

Jo. 6. 3. **A** περίστησον αὐτῇ πάντας τοὺς μ. κύκλῳ [**B** *al.*] (1)
Jd. 3. 29. **A** ἐπάταξαν . . . πάντας τοὺς μ. [**B** *al.*] †
5. 23. **A** βοηθὸς ἡμῶν κύριος ἐν μ. δυνατοῖς [**B** *al.*] (2)
12. 2. ἀνὴρ μαχητὴς [**A** ἀντιδικῶν] ἤμην ἐγώ (3)
II Ki. 15. 18. **B** πάντες οἱ ἄδροὶ καὶ πάντες οἱ μ. –
24. 9. πεντακόσιαι χιλιάδες ἀνδρῶν μαχητῶν –
I Ch. 28. 1. **B** ἐξεκκλησίασε . . . τοὺς μ. [**A R** *add.* τῆς στρατιᾶς] ἐν Ἱερ. (2)
Am. 2. 14. **A**[2] **B** ὁ μ. οὐ μὴ σώσῃ τὴν ψυχὴν αὐτοῦ [**A**[2] *om.* οὐ μὴ . . . αὐτοῦ] (2)
Jl. 2. 7. ὡς μαχηταὶ δραμοῦνται (2)
3 (4). 9. ἐξεγείρατε τοὺς μαχητάς (2)
— 11. ὁ πραὺς ἔστω μαχητής (2)
Ob. 1. 9. πτοηθήσονται οἱ μ. σου οἱ ἐκ Θαιμάν (2)
Hb. 1. 6. **A** ἐξεγείρω . . . τοὺς Χ. τοὺς μ. [**B S** *om.* τ. μ.] –
Za. 9. 13. ψηλαφήσω σε ὡς ῥομφαίαν μαχητοῦ (2)
10. 5. ἔσονται ὡς μαχηταὶ πατοῦντες πηλόν (2)
— 7. ἔσονται ὡς μαχηταὶ τοῦ Ἐφραίμ (2)
Je. 20. 11. ὁ δὲ κύριος μετ' ἐμοῦ καθὼς μ. ἰσχύων [**A** *al.*] (2)
26 (46). 9. ἐξέλθατε οἱ μ. [**A**[1] μαθ.] Αἰθιόπων (2)
— 12. μ. πρὸς μαχητὴν ἠσθένησεν (2, 2)
27 (50). 9. ὡς βολὶς μαχητοῦ συνετοῦ οὐκ ἐπιστρέψει κενή (2)
— 36. μάχαιραν ἐπὶ τοὺς μ. αὐτῆς (2)
— 37. μάχαιραν ἐπὶ τοὺς μ. αὐτῶν †
28 (51). 30. ἐξέλιπε μ. Βαβυλῶνος τοῦ πολεμεῖν (2)
— 56. ἑάλωσαν οἱ μ. αὐτῆς (2)

μαχθάμ.
[**Quint.**, **Sext.** Ps. 15 (16). 1.]

μάχιμος. (1) אֱנוֹשׁ הַמִּלְחָמָה (2) חָלַץ (3) *a.* מָדוֹן *b.* מִדְיָן (4) נָצָה ni.

Jo. 5. 6. ἀπερίτμητοι ἦσαν οἱ πλεῖστοι αὐ. τῶν μ. (1)
6. 3. περίστησον αὐτῇ τοὺς μ. κύκλῳ [**A** *al.*] (1)
— 6 (7). οἱ μ. παραπορευέσθωσαν (2)
— 8 (9). οἱ δὲ μ. ἔμπροσθεν παραπορευέσθωσαν (2)
— 12 (13). εἰσεπορεύοντο οἱ μ. (2)
IV Ki. 19. 25. ἐγενήθη εἰς ἐπάρσεις ἀπὸ οἰκεσιῶν μ. (4)
Pr. 21. 9. **B**[4] μετὰ γυναικὸς μ. (3 *a**, 3 *b*)
— 19. **A S R** μετὰ γυναικὸς μαχίμου καὶ γλωσσώδους [**B** γλ. κ. μ.] (3 *a**, 3 *b*)
[**Sm.** Pr. 21. 9 : 27. 15.]
[**Th.** Pr. 21. 9.]

μαχούς (?).
Ne. 13. 21. **A** ἐκτενῶ τὴν μ. –

μάψαρ. (1) מִבְצָר
II Ki. 24. 7. ἦλθον εἰς μ. Τύρου (1)

μαωζεί, μαωζείμ, μαωζείν. (1) מָעֻזִּים
Da. TH. 11. 38. θεὸν μ. . . . δοξάσει (1)
[**Th.** Da. 11. 38.]

μαωζί. (1) מָעוֹז
Jd. 6. 26. **R** ἐπὶ κορυφὴν μ. τούτου (1)

μαώχ.
Jd. 6. 26. **A** ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ ὄρους μ. [**B** *al.*] †

μεγαλαυχεῖν. (1) גָּבַהּ (2) עָרַץ
Ps. 9. 39 (10. 18). **A S** ἵνα μὴ προσθῇ ἔτι τοῦ [**B** *om.*] μεγαλαυχεῖν ἄνθρωπος (2)
Si. 48. 18. ἐμεγαλαύχησεν ὑπερηφανίᾳ [**S** -ίαν] αὐτοῦ
Ze. 3. 11. οὐκέτι μὴ προσθῇς τοῦ μεγαλαυχῆσαι (1)
Ez. 16. 50. καὶ ἐμεγαλαύχουν (1)
II Ma. 15. 32. ἐπὶ τὸν . . . οἶκον ἐμεγαλαύχησε

μεγαλαύχημα.
[**Sm.** Ez. 32. 12.]

μεγαλαυχία.
IV Ma. 2. 15. καὶ μεγαλαυχίας καὶ βασκανίας

μεγαλεῖος (-λιος). (1) *a.* גֹּדֶל *b.* גָּדוֹל (2) עֲלִילָה

De. 11. 2. οὐδὲ ἴδοσαν . . . τὰ μ. αὐτοῦ (1 *a*)
To. 11. 15. ἀπήγγειλε . . . τὰ μ. τὰ γενόμενα αὐτῷ [**S** *al.*]
Ps. 70 (71). 19. ἃ ἐποίησας μεγαλεῖα (1 *b*)
104 (105). 1. **S**[1] ἀπαγγείλατε ἐν τοῖς ἔθνεσι τὰ μ. [**A B S**[2] ἔργα] αὐτοῦ (2)
105 (106). 21. **A**[2] τοῦ ποιήσαντος μεγαλεῖα [**A**[1] **B S** -λα] ἐν Αἰγ. (1 *b*)
Si. 17. 8. δεῖξαι αὐτοῖς τὸ μ. τῶν ἔργων αὐτοῦ
— 9. ἵνα διηγῶνται τὰ μ. τῶν ἔργων αὐτοῦ
— 13. μεγαλεῖον δόξης εἶδον οἱ ὀφθαλμοὶ αὐ.
18. 4. τίς ἐξιχνιάσει τὰ μ. αὐτοῦ
33 (36). 8. ἐκδιηγησάσθωσαν τὰ μ. σου
42. 21. τὰ μ. τῆς σοφίας αὐτοῦ ἐκόσμησε
43. 15. ἐν μεγαλείῳ αὐτοῦ ἴσχυσε νεφέλας
45. 24. ἱερωσύνης μεγαλεῖον εἰς τοὺς αἰῶνας
II Ma. 3. 34. διάγγελλε πᾶσι τὸ μ. τοῦ θ. κράτος
7. 17. θεώρει τὸ μ. αὐ. κράτος
III Ma. 7. 22. **R** τὰ μ. τοῦ μεγίστου [**A** μεγάλου] θεοῦ ποιήσαντος
[**Aq.**, **Sext.** Ps. 70 (71). 19.]
[**Sm.** Ps. 70 (71). 19 : Je. 32 (39). 21.]

μεγαλειότης. (1) רֻבִּי (2) תִּפְאֶרֶת
I Es. 1. 5. κατὰ τὴν μ. Σαλ.
4. 40. καὶ ἡ μ. τῶν πάντων αἰώνων
Je. 40 (33). 9. ἔσται . . . εἰς μεγαλειότητα [**S** -λωσύνην] παντὶ τῷ λαῷ (2)
Da. LXX. 7. 27. τὴν μ. αὐτῶν . . . ἔδωκε λαῷ ἁγίῳ (1)
[**Aq.** Ps. 70 (71). 21.]
[**Sm.** Ps. 70 (71). 21 : 130 (131). 1.]
[**Th.** Ez. 31. 18.]
[**Al.** Le. 7. 35.]

μεγαλόδοξος.
III Ma. 6. 18. ὁ μ. παντοκράτωρ καὶ ἀληθινὸς θεός

μεγαλοδόξως.
III Ma. 6. 39. μ. ἐπιφάνας τὸ ἔλεος αὐ.

μεγαλοημέρευσις.
Si. 30. 22. **S**[1] ἀγαλλίαμα ἀνδρὸς μεγαλοημέρευσεις [**A B S**[2] μακροημ.]

μεγαλόθυμος.
[**Th.** Pr. 19. 19.]

μεγαλοκράτωρ.
III Ma. 6. 2. βασιλεῦ μεγαλοκράτωρ

μεγαλομερής.
III Ma. 5. 8. ῥύσασθαι αὐτοὺς μετὰ μ. ἐπιφανείας

μεγαλομερῶς.
II Ma. 4. 22. **A** μ. [**R** -οπρεπῶς] δὲ . . . ἀποδεχθείς
— 49. **A** μ. [**R** -οπρεπῶς] ἐχορήγησαν
III Ma. 6. 33. εἰς οὐρανὸν ἀνθωμολογεῖτο μ.

μεγαλοποιεῖν.
Si. 50. 22. εὐλογήσατε τῷ θεῷ πάντες τῷ μεγαλοποιοῦντι [**A S** πάντων τῷ μεγάλα ποιοῦντι] πάντη

μεγαλοπρέπεια (-πία). (1) גַּאֲוָה (2) הָדָר (3) הוֹד (4) תִּפְאֶרֶת

Ps. 8. 1. ἐπήρθη ἡ μ. σου ὑπεράνω τῶν οὐρανῶν (3)
20 (21). 5. δόξαν καὶ μεγαλοπρέπειαν ἐπιθήσεις ἐπ' αὐτόν (2)
28 (29). 4. φωνὴ κυρίου ἐν μεγαλοπρεπείᾳ (2)
67 (68). 34. ἐπὶ τὸν Ἰσραὴλ ἡ μ. αὐτοῦ (1)
70 (71). 8. ὅλην τὴν ἡμέραν τὴν μ. [**S**[1] τῆς μ.] σου (4)
95 (96). 6. ἁγιωσύνη καὶ μεγαλοπρέπεια ἐν τῷ ἁγιάσματι αὐτοῦ (4)
103 (104). 1. **A S**[2] ἐξομολόγησιν καὶ μεγαλοπρέπειαν [**B S**[1] εὐπρέπειαν] ἐνεδύσω (2)
110 (111). 3. ἐξομολόγησις καὶ μεγαλοπρέπεια τὸ ἔργον αὐτοῦ (2)
144 (145). 5. τὴν μ. τῆς δόξης τῆς ἁγιωσύνης σου λαλήσουσι (2)
— 12. καὶ τὴν δόξαν τῆς μ. τῆς βασιλείας σου (2)
[**Th.** Ps. 103 (104). 1 : Is. 35. 2.]
[**Al.** Ps. 144 (145). 5.]

μεγαλοπρεπής. (1) גַּאֲוָה
De. 33. 26. καὶ ὁ μ. τοῦ στερεώματος (1)
II Ma. 8. 15. τῆς . . . ἐπικλήσεως τοῦ . . . μ. ὀνόματος αὐ.
15. 13. μεγαλοπρεπεστάτην εἶναι τὴν περὶ αὐτὸν ὑπεροχήν
III Ma. 2. 9. καὶ παρεδόξασας ἐν ἐπιφανείᾳ μ.

μεγαλοπρεπῶς.
II Ma. 4. 22. **R** μ. [**A** -ομερῶς] δὲ . . . παραδεχθείς
— 49. **R** μ. [**A** -ομερῶς] ἐχορήγησαν
IV Ma. 5. 24. ὥστε μόνον τὸν ὄντα θεὸν σέβειν μ.

μεγαλοπτέρυγος. (1) גָּדוֹל הַכְּנָפַיִם, גָּדֹל כְּנָפַיִם

Ez. 17. 3. ἀετὸς ὁ μέγας ὁ μ. (1)
— 7. ἐγένετο ἀετὸς ἕτερος μέγας μ. (1)

μεγαλορρημονεῖν (-ορη.). (1) גָּדַל hi. (2) הִגְדִּיל פֶּה

Ju. 6. 17. ὅσα ἐμεγαλορρημόνησεν Ὀλ.
Ps. 34 (35). 26. οἱ μεγαλορρημονοῦντες ἐπ' ἐμέ (1)
37 (38). 16. ἐπ' ἐμὲ ἐμεγαλορρημόνησαν (1)
54 (55). 12. εἰ ὁ μισῶν ἐπ' ἐμὲ ἐμεγαλορρημόνησεν (1)
Ob. 1. 12. **R** μὴ μεγαλορρημονῇ [**B** -ῇς, **A S** μεγαλορημονήσῃς] (2)
Ez. 35. 13. ἐμεγαλορρημόνησας ἐπ' ἐμὲ τῷ στόματί σου (1)

μεγαλορρημοσύνη (-ορη.). (1) עָתָק
I Ki. 2. 3. μὴ ἐξελθάτω μ. ἐκ τοῦ στόματος ὑ. (1)

μεγαλορρήμων (-ορη.). (1) מְדַבֵּר גְּדֹלוֹת
Ps. 11 (12). 3. ἐξολεθρεύσαι κύριος . . . γλῶσσαν μεγαλορρήμονα (1)
III Ma. 6. 4. ἐπαρθέντα . . . γλώσσῃ μ.

μεγαλόσαρκος. (1) גְּדֵל בָּשָׂר
Ez. 16. 26. ἐπὶ τοὺς υἱοὺς Αἰγύπτου τοὺς ὁμοροῦντάς σοι τοὺς μ. (1)

μεγαλοσθενής.
III Ma. 5. 13. R δεῖξαι τῆς [A *om.*] μ. αὐ. χειρὸς κράτος

μεγαλοφρονεῖν.
IV Ma. 6. 24. πρὸς τὰς ἀνάγκας οὕτως μεγαλοφρονοῦντα αὐτὸν ἰδόντες

μεγαλόφρων. (1) רוּם עֵינַיִם
Pr. 21. 4. μεγαλόφρων ἐφ' ὕβρει θρασυκάρδιος (1)
IV Ma. 6. 5. ὁ δὲ μ. . . . Ἑλ.
9. 21. ὁ μ. καὶ Ἀβραμιαῖος νεανίας

μεγαλόψυχος.
IV Ma. 15. 10. δίκαιοί τε γὰρ ἦσαν . . . καὶ μ.

μεγαλοψύχως.
III Ma. 6. 41. μ. τὴν ἐκτενίαν ἔχουσαν

μεγαλύνειν. (1) גָּבַר hi. (2) גָּדַל *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. *d.* hithp. *e.* גָּדֵל *f.* גָּדוֹל *g.* מְגַדְּלוֹ (3) פָּלָא pi. (4) רָבַב (5) *a.* רָבָה *b.* רָבָה pe. *c.* pa. (6) שָׂרַר
Ge. 12. 2. καὶ μεγαλυνῶ τὸ ὄνομά σου (2 *b*)
19. 19. ἐμεγάλυνας τὴν δικαιοσύνην σου (2 *c*)
43. 34. ἐμεγαλύνθη δὲ ἡ μερίς (5 *a*)
Nu. 15. 3, 8. μεγαλῦναι εὐχήν (3)
Jd. 5. 13. A ἐμεγάλυνεν ἡ ἰσχὺς αὐτοῦ [B *al.*] †
I Ki. 2. 21. ἐμεγαλύνθη τὸ παιδάριον Σαμ. (2 *a*)
— 26. τὸ παιδάριον Σαμ. ἐπορεύετο [A *add.* μεγαλυνόμενον] (2 *e*)
3. 19. καὶ ἐμεγαλύνθη Σαμ. (2 *a*)
12. 24. B ἃ ἐμεγάλυνε μεθ' ὑμῶν (2 *c*)
26. 24. καθὼς ἐμεγαλύνθη ἡ ψυχή σου (2 *a*)
— 24. οὕτως μεγαλυνθείη ἡ ψυχή μου (2 *a*)
II Ki. 5. 10. διεπορεύετο Δ. . . . μεγαλυνόμενος (2 *f*)
7. 22. ἕνεκεν τοῦ μεγαλῦναί [A -υνθῆναί] σε (2 *a*)
— 26. μεγαλυνθείη τὸ ὄνομά σου (2 *a*)
— 27. A μεγαλυνθείη τὸ ὄνομά σου –
22. 51. μεγαλύνων σωτηρίας βασιλέως αὐ. (2 *c**, 2 *g*)
III Ki. 1. 37, 47. μεγαλῦναι τὸν θρόνον αὐτοῦ (2 *b*)
10. 23. ἐμεγαλύνθη Σ. ὑπὲρ πάντας τοὺς βασ. (2 *a*)
I Ch. 11. 9. A ἐπορεύετο Δ. πορευόμενος καὶ μεγαλυνόμενος [BS *om.* κ. μ.] (2 *f*)
17. 24. R μεγαλυνθήτω τὸ ὄνομά σου (2 *a*)
29. 12. ἐν χειρί σου . . . μεγαλῦναι (2 *b*)
— 25. ἐμεγάλυνε κ. τὸν Σαλ. (2 *b*)
II Ch. 1. 1. ἐμεγάλυνεν αὐτὸν εἰς ὕψος (2 *b*)
9. 22. ἐμεγαλύνθη Σ. ὑπὲρ πάντας τοὺς βασ. (2 *a*)
II Es. 9. 6. αἱ πληημέλειαι ἡ. ἐμεγαλύνθησαν (2 *a*)
Ju. 12. 18. ἐμεγαλύνθη τὸ ζῆν μου ἐν ἐμοί
Es. 9. 4. S² ἐμεγαλύνετο γὰρ Μαρδοχαῖος (2 *f*)
Jb. 7. 17. τί γάρ ἐστιν ἄνθρωπος ὅτι ἐμεγάλυνας αὐτόν (2 *b*)
19. 5. ἔα δὲ ὅτι ἐπ' ἐμοὶ μεγαλύνεσθε (2 *c*)
Ps. 11 (12). 4. τὴν γλῶσσαν ἡμῶν μεγαλυνοῦμεν (1)
17 (18). 50. μεγαλύνων τὰς σωτηρίας τοῦ βασ. (2 *c*)
19 (20). 5. ἐν ὀνόματι θεοῦ ἡμῶν μεγαλυνθησόμεθα (2 *a*)
— 7. ἐν ὀνόματι κυρίου θεοῦ ἡμῶν μεγαλυνθησόμεθα [S¹ ἀγαλλιασόμεθα, S² ἐπικαλεσόμεθα] †
33 (34). 3. μεγαλύνατε τὸν κύριον σὺν ἐμοί (2 *b*)
34 (35). 27. AS μεγαλυνθήτω [B -θείη] ὁ κύριος (2 *a*)
39 (40). 16. μεγαλυνθήτω ὁ κύριος (2 *a*)
40 (41). 9. ἐμεγάλυνεν ἐπ' ἐμὲ πτερνισμόν (2 *c*)
56 (57). 10. ἐμεγαλύνθη ἕως τῶν οὐρανῶν τὸ ἔλεός σου (2 *f*)
68 (69). 30. μεγαλυνῶ αὐτὸν ἐν αἰνέσει (2 *b*)
69 (70). 4. μεγαλυνθήτω ὁ θεός (2 *a*)
91 (92). 5. ὡς ἐμεγαλύνθη τὰ ἔργα σου, κύριε (2 *a*)
103 (104). 1. ἐμεγαλύνθης σφόδρα (2 *a*)
— 24. ὡς ἐμεγαλύνθη τὰ ἔργα σου, κύριε (4)
125 (126). 2. ἐμεγάλυνε κύριος τοῦ ποιῆσαι μετ' αὐτῶν (2 *c*)
— 3. ἐμεγάλυνε κύριος τοῦ ποιῆσαι μεθ' ἡμῶν (2 *c*)
137 (138). 2. SR ἐμεγάλυνας ἐπὶ πᾶν [A πάντας] τὸ ὄνομα τὸ ἅγιόν σου (2 *c*)
Pr. 8. 16. δι' ἐμοῦ μεγιστᾶνες μεγαλύνονται (6)
Ec. 1. 16. ἰδοὺ ἐγὼ ἐμεγαλύνθην (2 *c*)
Ec. 2. 4. ἐμεγάλυνα ποίημά μου (2 *c*)
— 9. ἐμεγαλύνθην καὶ προσέθηκα (2 *a*)
Wi. 19. 22. ἐμεγάλυνας τὸν λαόν σου
Si. 33 (36). 4. μεγαλυνθείης [S¹ -θῇς] ἐν αὐτοῖς
43. 31. τίς μεγαλύνει [? -υνεῖ] αὐτὸν καθὼς ἐστι
45. 2. ἐμεγάλυνεν αὐτὸν ἐν φόβοις ἐχθρῶν
49. 11. πῶς μεγαλύνωμεν [S -ομεν] τὸν Ζοροβάβελ
50. 18. A S² ἐμεγαλύνθη [B S¹ ἐγλυκάνθη] μέλος
Am. 8. 5. τοῦ [A *om.*] μεγαλῦναι στάθμιον (2 *c*)
Mi. 1. 10. οἱ ἐν Γὲθ μὴ μεγαλύνεσθε †
5. 4 (3). σὺν μεγαλυνθήσονται [B¹ -σεται] ἕως ἄκρων τῆς γῆς (2 *a*)
Jl. 2. 20. B S ἐμεγάλυνε [A² ἐμεγαλύνθη] τὰ ἔργα αὐτοῦ (2 *c*)
— 21. ἐμεγάλυνε κύριος τοῦ ποιῆσαι (2 *c*)
Ze. 2. 8. ἐμεγάλυνοντο ἐπὶ τὰ ὅριά μου (2 *c*)
— 10. ἐμεγαλύνθησαν ἐπὶ τὸν κύριον (2 *c*)
Za. 12. 7. ὅπως μὴ μεγαλύνηται καύχημα οἴκου Δ. (2 *a*)
— 11. μεγαλυνθήσεται ὁ κοπετὸς ἐν Ἱερ. (2 *a*)
Ma. 1. 5. ἐμεγαλύνθη κύριος (2 *a*)
Is. 42. 21. ἵνα δικαιωθῇ καὶ μεγαλύνῃ αἴνεσιν (2 *c*)
Je. 5. 27. ἐμεγαλύνθησαν κ ὶ ἐπλούτησαν (2 *a*)
31 (48). 26. ἐπὶ κύριον ἐμεγαλύνθη (2 *c*)
— 42. ἐπὶ τὸν κύριον ἐμεγαλύνθη (2 *c*)
38 (31). 14. μεγαλυνῶ καὶ μεθύσω τὴν ψυχὴν τῶν ἱερέων –
La. 1. 9. ἐμεγαλύνθη ὁ ἐχθρός (2 *c*)
2. 13. ἐμεγάλυνθη ποτήριον συντριβῆς σου (2 *f*)
4. 6. ἐμεγαλύνθη ἀνομία θυγατρὸς λαοῦ μου (2 *a*)
Ez. 9. 9. ἀδικία τοῦ οἴκου Ἰσραὴλ καὶ Ἰούδα μεμεγάλυνται (2 *f*)
16. 7. ἐπληθύνθης καὶ ἐμεγαλύνθης (2 *a*)
24. 9. A R μεγαλυνῶ τὸν δαλόν [B λαόν] (2 *c*)
38. 23. μεγαλυνθήσομαι καὶ ἁγιασθήσομαι (2 *d*)
Da. LXX. 2. 48. ὁ βασ. Ναβ. Δαν. μεγαλύνας (5 *c*)
Da. TH. 2. 48. ἐμεγάλυνεν ὁ βασ. τὸν Δαν. (5 *c*)
4. 8. ἐμεγαλύνθη τὸ δένδρον (5 *b*)
— 17. A R τὸ δένδρον ὃ εἶδες τὸ [B *om.*] μεγαλυνθέν (5 *b*)
— 19. ἐμεγαλύνθης καὶ ἴσχυσας (5 *b*)
— 19. ἡ μεγαλωσύνη σου ἐμεγαλύνθη (5 *b*)
— 30. αἱ τρίχες αὐ. ὡς λεόντων ἐμεγαλύνθησαν (5 *b*)
8. 4. καὶ ἐμεγαλύνθη (2 *c*)
— 8. ὁ τράγος τῶν αἰγῶν ἐμεγαλύνθη (2 *c*)
— 9. ἐμεγαλύνθη περισσῶς πρὸς τὸν νότον (2 *a*)
— 10. ἐμεγαλύνθη ἕως τῆς δυνάμεως τοῦ οὐ. (2 *a*)
— 25. ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ μεγαλυνθήσεται (2 *c*)
11. 36. μεγαλυνθήσεται ἐπὶ πάντα θεόν (2 *d*)
— 37. ἐπὶ πάντας μεγαλυνθήσεται (2 *d*)
I Ma. 10. 3. AR ὥστε μεγαλῦναι [S -υνθῆναι] αὐτόν
[Aq. II Ki. 7. 22 : Ps. 143 (144). 12 : Is. 9. 3 (2) : 28. 29 : 30. 25 : 33. 18 : 51. 18.]
[Sm. Ps. 54 (55). 13 : 137 (138). 2 : Is. 9. 3 (2) : 28. 29 : 42. 21.]
[Th. Is. 9. 3 (2) : 28. 29 : 30. 25 : 33. 18 : Je. 48 (31). 26 : Da. 8. 8.]
[Al. Nu. 16. 13 *bis* : I Ki. 20. 41 : Ps. 138 (139). 6.]
[Quint., Sext. Ca. 6. 9 (10).]

μεγάλωμα. (1) תִּפְאָרָה
Je. 31 (48). 17. συντρίβη βακτηρία εὐκλεὴς ῥάβδος μεγαλώματος (1)

μεγαλώνυμος.
Je. 39 (32). 19. μ. κύριος –

μεγάλως. (1) גָּדוֹל (2) פָּלָא hi. (3) רֹב
Nu. 6. 2. ὃς ἐὰν μ. εὔξηται εὐχήν (2)
I Ch. 29. 9. Δ. ὁ βασ. εὐφράνθη μ. (1)
I Es. 5. 65. ὁ γὰρ ὄχλος ἦν ὁ σαλπίζων μ. [A -ωστί]
9. 54. καὶ εὐφρανθῆναι μ.
Ne. 12. 43. ὁ θ. ηὔφρανεν αὐτοὺς μ. (1)
To. 14. 3. μ. δὲ ἐγήρασε [S *al.*]
Jb. 4. 14. μ. μου τὰ ὀστᾶ διέσεισε (3)
15. 11. μ. ὑπερβαλλόντως [A -βάλλον οὕτως] λελάληκας †
17. 7. ABS² πεπολιόρκημαι μ. ὑπὸ πάντων †
24. 12. A ψυχὴ δὲ νηπίων ἐστέναξε μ. [BS μέγα] –
30. 30. τὸ δὲ δέρμα μου ἐσκότωται [A μεμελάνωται] μ. †
Wi. 11. 21. τὸ γὰρ μ. ἰσχύειν πάρεστί σοι πάντοτε
14. 22. S¹ μ. [B μεγάλῳ, A S² ἐν μεγάλῳ] ζῶντες ἀγνοίας πολέμῳ
Za. 11. 2. ὅτι μεγάλως μεγιστᾶνες ἐταλαιπώρησαν –
Da. LXX. 4. 16. μ. δὲ ἐθαύμασεν ὁ Δ. –
II Ma. 1. 11. μ. εὐχαριστοῦμεν αὐτῷ
II Ma. 2. 8. ἵνα ὁ τόπος καθαγιασθῇ μ.
3. 21. τοῦ μ. διαγωνιῶντος ἀρχιερέως
10. 38. τῷ κυρίῳ τῷ μ. εὐεργετοῦντι τὸν Ἰ.
15. 27. τῇ τοῦ θ. μ. εὐφρανθέντες ἐπιφανείᾳ
III Ma. 2. 21. τὸν ὕβρει καὶ θράσει μ. ἐπηρμένον
4. 16. μ. δὲ . . . ὁ βασ. χαρᾷ πεπληρωμένος
5. 12. τοῦ δὲ ἀμεταθέτου λογισμοῦ μ. διεψευσμένος

μεγαλωστί.
I Es. 5. 65. A ὁ γὰρ ὄχλος ἦν ὁ σαλπίζων μ. [B -ως]

μεγαλωσύνη. (1) אַדֶּרֶת (2) גְּבוּרָה (3) *a.* גֹּדֶל *b.* גֹּדוּלָה, גְּדוּלָה, גֻּדְלָה *c.* גֹּדֶל hi. *d.* מְגַדֵּל (4) רֻבִּי (5) תִּפְאֶרֶת
De. 32. 3. δότε μεγαλωσύνην τῷ θεῷ ἡμῶν (3 *a*)
II Ki. 7. 21. ἐποίησας πᾶσαν τὴν μ. ταύτην (3 *b*)
— 23. τοῦ ποιῆσαι μεγαλωσύνην (3 *b*)
I Ch. 17. 19. ἐποίησας τὴν πᾶσαν μ. (3 *b*)
22. 5. καὶ ὁ οἶκος . . . εἰς μεγαλωσύνην ἄνω (3 *c*)
29. 11. B σὺ [A R σοὶ] κύριε, ἡ μ. (3 *b*)
I Es. 4. 46. αὕτη ἐστὶν ἡ [A *om.*] μ. ἡ παρὰ σοῦ
To. 12. 6. B μεγαλωσύνην δίδοτε αὐτῷ
13. 4. ἐκεῖ ὑποδείξατε τὴν μ. αὐτοῦ [S *al.*]
— 6. AB δεικνύω τὴν ἰσχὺν καὶ τὴν μ. αὐ.
— 7. AB ἀγαλλιάσεται τὴν μ. αὐτοῦ
14. 2. S ἐξομολογείσθαι τὴν μ. τοῦ θ. [AB *al.*]
Ps. 78 (79). 11. κατὰ [S¹ καὶ] τὴν μ. τοῦ βραχίονός σου (3 *a*)
144 (145). 3. τῆς μ. αὐτοῦ οὐκ ἔστι πέρας (3 *b*)
— 6. AS²R τὴν μ. σου διηγήσονται [B -σομαι αὐτήν] (3 *b*)
150. 2. κατὰ τὸ πλῆθος τῆς μ. αὐτοῦ (3 *a*)
Pr. 18. 10. ἐκ μεγαλωσύνης ἰσχύος ὄνομα κυρίου (3 *d*)
Wi. 18. 24. μεγαλωσύνη [S² ἡ μ.] σου ἐπὶ διαδήματος κεφαλῆς αὐτοῦ
Si. 2. 18. ὡς γὰρ ἡ μ. αὐτοῦ
18. 5. κράτος μεγαλωσύνης αὐτοῦ τίς ἐξαριθμήσεται
39. 15. δότε τῷ ὀνόματι αὐτοῦ μεγαλωσύνην
44. 2. τὴν μ. [S² τῇ μ.] αὐτοῦ ἀπ' αἰῶνος
Za. 11. 3. ὅτι τεταλαιπώρηκεν ἡ μ. αὐτῶν (1)
Je. 40 (33). 9. S ἔσται . . . εἰς μεγαλωσύνην [AB -λειότητα] παντὶ τῷ λαῷ (5)
Da. LXX. 2. 20. ἡ μ. αὐτοῦ ἐστι (2)
4. 34. ἡ μ. μου ἀποκατεστάθη μοι –
Da. TH. 4. 19. ἡ μ. σου ἐμεγαλύνθη (4)
— 33. μ. περισσοτέρα προσετέθη μοι (4)
5. 18. τὴν μ. . . . ἔδωκε Ναβ. τῷ πατρί σου (4)
— 19. ἀπὸ τῆς μ. ἧς [B¹ *om.*] ἔδωκεν αὐτῷ (4)
7. 27. ἡ μ. τῶν βασ. τῶν ὑποκάτω παντὸς τοῦ οὐρ. (4)
I Ma. 9. 22. τὰ περισσὰ . . . τῆς μ. αὐ. οὐ κατεγράφη
[Aq. Ps. 130 (131). 1 : 144 (145). 6.]
[Th. Ps. 70 (71). 21 : 130 (131). 1 : 144 (145). 6.]

μέγας. (1) *a.* אַדִּיר *b.* אַדֶּרֶת (2) *a.* גָּדוֹל, גָּדֵל *b.* גָּדֵל *c.* גֹּדֶל *d.* גְּדֻלָּה *e.* גָּדֵל qal. *f.* hi. (3) הָמוֹן (4) יָרֵא ni. (5) כָּבֵד *a.* verb. *b.* adj. (6) מֹאר (7) עָצַב (8) עָצוּם (9) *a.* פָּלָא ni. *b.* פֶּלֶא (10) צוּר (11) רֹאשׁ (12) *a.* רַב *b.* רַבְרַב (13) *a.* רָבָה *b.* מַרְבֶּה *c.* רְבָה (14) רָם (15) שַׁגִּיא (16) μ. γίγνεσθαι *a.* גָּבַהּ *b.* גָּדַל (17) μ. εἶναι שָׁגָא hi. (18) τὸ μ. κῆτος לִוְיָתָן (19) μ. πλῆθος רַב (20) ἡ ἰσχὺς ἡ μ. גֹּדֶל (21) μείζων *a.* גְּבִירָה *b.* גָּדוֹל *c.* גָּדֵל *d.* רָבָה *e.* רַב (22) μείζων εἶναι *a.* רָבָה *b.* גָּדַל (23) μέγιστος רֹב (24) μέγα מְלֵא pi.
Ge. 1. 16. ἐποίησεν ὁ θ. τοὺς δύο φωστῆρας τοὺς μ. (2 *a*)
— 16. τὸν φωστῆρα τὸν μέγαν (2 *a*)
— 21. ἐποίησεν ὁ θεὸς τὰ κήτη τὰ μ. (2 *a*)
4. 13. μείζων ἡ αἰτία μου τοῦ ἀφεθῆναι (21 *b*)
10. 12. R αὕτη ἡ πόλις [A *add.* ἡ] μεγάλη (2 *a*)
— 21. τῷ Σὴμ . . . ἀδελφῷ Ἰάφεθ τοῦ μείζονος (21 *b*)
12. 2. ποιήσω σε εἰς ἔθνος μ. (2 *a*)
— 17. ἤτασεν . . . ἐτασμοῖς μ. καὶ πονηροῖς (2 *a*)
15. 12. φόβος σκοτεινὸς μ. ἐπιπίπτει αὐτῷ (2 *a*)
— 18. R ἕως τοῦ ποταμοῦ τοῦ μ. Εὐφράτου (2 *a*)
17. 20. καὶ δώσω αὐτὸν εἰς ἔθνος μέγα (2 *a*)

Ge. 18. 18. γινόμενος ἔσται εἰς ἔθνος μ. καὶ πολύ (2 a)
— 20. καὶ αἱ ἁμαρτίαι αὐτῶν μ. σφόδρα (5 a)
19. 11. τοὺς δὲ ἄνδρας . . . ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (2 a)
20. 9. ἐπήγαγες ἐπ' ἐμὲ . . . ἁμαρτίαν μεγάλην (2 a)
21. 8. ἐποίησεν Ἀβραὰμ δοχὴν μ. (2 a)
— 13. εἰς ἔθνος μ. ποιήσω αὐτόν –
— 18. εἰς γὰρ ἔθνος μ. ποιήσω αὐτόν (2 a)
25. 23. ὁ μείζων δουλεύσει τῷ ἐλάσσονι (21 e)
26. 13. καὶ προβαίνων μείζων ἐγένετο (2 b)
— 13. ἕως οὗ μ. ἐγένετο σφόδρα (16 b)
27. 33. ἐξέστη . . . ἔκστασιν μεγάλην σφόδρα (2 a)
— 34. ἀνεβόησε φωνὴν μεγάλην (2 a)
29. 2. λίθος δὲ ἦν μ. ἐπὶ τῷ στόματι (2 a)
— 16. ὄνομα τῇ μείζονι Λεία (21 b)
38. 11. ἕως μ. γένηται Σηλὼμ ὁ υἱός μου (16 b)
— 14. ἴδε γὰρ ὅτι μ. γέγονε Σηλώμ (16 b)
39. 14. καὶ ἐβόησα φωνῇ μ. (2 a)
45. 7. ἐκθρέψαι ὑμῶν κατάλειψιν μεγάλην (2 a)
— 28. μέγα μοί ἐστιν (12 a)
46. 3. εἰς γὰρ ἔθνος μ. ποιήσω σε ἐκεῖ (2 a)
48. 19. ὁ ἀδελφὸς αὐτοῦ . . . μείζων αὐτοῦ ἔσται (22 b)
50. 9. καὶ ἐγένετο ἡ παρεμβολὴ μ. σφόδρα (5 b)
— 10. καὶ ἐκόψαντο αὐτὸν κοπετὸν μ. (2 a)
— 11. πένθος μέγα τοῦτό ἐστι τοῖς Αἰγυπτίοις (5 b)
Ex. 1. 9. τὸ γένος τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ μ. πλῆθος (19)
2. 11. μ. γενόμενος Μωυσῆς ἐξῆλθε (16 b)
3. 3. ὄψομαι τὸ ὅραμα τὸ μ. τοῦτο (2 a)
6. 6. ἐν βραχίονι ὑψηλῷ καὶ κρίσει μ. (2 a)
7. 4. ἐξάξω . . . τὸν λ. . . . σὺν ἐκδικήσει μ. (2 a)
9. 3. ἐπέσται [A ἔσται] . . . θάνατος μ. σφόδρα (5 b)
11. 3. μ. ἐγενήθη σφόδρα (2 a)
— 6. καὶ ἔσται κραυγὴ μ. κατὰ πᾶσαν γῆν (2 a)
12. 30. καὶ ἐγενήθη κραυγὴ μ. (2 a)
14. 31. εἶδε . . . τὴν χεῖρα τὴν μ. (2 a)
18. 11. μ. κύριος παρὰ πάντας τοὺς θεούς (2 a)
19. 16. φωνὴ τῆς σάλπιγγος ἤχει μέγα (6)
23. 31. ἕως τοῦ μ. ποταμοῦ [A τ. π. τοῦ μ.] –
32. 10. καὶ ποιήσω σε εἰς ἔθνος μ. (2 a)
— 11. οὓς ἐξήγαγες . . . ἐν ἰσχύϊ μ. (2 a)
— 21. ἐπήγαγες ἐπ' αὐτοὺς ἁμαρτίαν μ. (2 a)
— 30. ὑμεῖς ἡμαρτήκατε ἁμαρτίαν μ. (2 a)
— 31. ἡμάρτηκεν ὁ λαὸς οὗτος ἁμαρτίαν μ. (2 a)
33. 13. λαός σου τὸ ἔθνος τὸ μ. [A¹ om. τὸ μ.] τοῦτο –
Le. 21. 10. ὁ ἱερεὺς ὁ μ. ἀπὸ τῶν ἀδ. αὐτοῦ (2 a)
Nu. 11. 33. ἐπάταξε . . . πληγὴν μ. σφόδρα (12 a)
13. 29 (28). καὶ πόλεις ὀχυραὶ τετειχισμ. μ. (2 a)
14. 12. ποιήσω σε . . . εἰς ἔθνος μ. (2 a)
— 19. κατὰ τὸ μ. ἔλεός σου (2 c)
22. 18. ποιῆσαι αὐτὸ μικρὸν ἢ μέγα (2 a)
34. 6. ἡ θάλασσα ἡ μ. ὁριεῖ (2 a)
— 7. ἀπὸ τῆς θαλάσσης τῆς μ. (2 a)
35. 25, 28. ἕως ἂν ἀποθάνῃ ὁ ἱερεὺς ὁ μ. (2 a)
— 28. μετὰ τὸ ἀπυθινεῖν τὸν ἱερέα τὸν μ. (2 a)
— 32. ἕως ἂν ἀποθάνῃ ὁ ἱερεὺς ὁ μ. –
De. 1. 7. ἕως τοῦ ποταμοῦ τοῦ μ. (2 a)
— 17. κατὰ τὸν μικρὸν καὶ κατὰ τὸν μ. κρινεῖς (2 a)
— 19. πᾶσαν τὴν ἔρημον τὴν μ. (2 a)
— 28. ἔθνος μ. καὶ πολύ (2 a)
— 28. πόλεις μ. καὶ τετειχισμέναι (2 a)
2. 7. πῶς διῆλθες τὴν ἔρημον τὴν μ. (2 a)
— 10, 21. ἔθνος μ. καὶ πολύ (2 a)
4. 6. τὸ ἔθνος τὸ μ. τοῦτο (2 a)
— 7, 8. ποῖον ἔθνος μ. (2 a)
— 11. B² θύελλα φωνὴ μ. [B¹ om. μ., A R om. φ. μ.] –
— 32. κατὰ τὸ ῥῆμα τὸ μ. τοῦτο (2 a)
— 34. AB²R καὶ ἐν ὁράμασι μ. (2 a)
— 36. ἔδειξέ σοι τὸ πῦρ αὐ. τὸ μ. (2 a)
— 37. ἐν τῇ ἰσχύϊ αὐτοῦ τῇ μ. (2 a)
— 38. ἐξολεθρεῦσαι ἔθνη μ. (2 a)
5. 22 (19). γνόφος θύελλα φωνὴ μ. (2 a)
— 25 (22). ἐξαναλώσει ἡμᾶς τὸ πῦρ τὸ μ. τοῦτο (2 a)
6. 10. δοῦναί σοι πόλεις μ. (2 a)
— 22. σημεῖα καὶ τέρατα μ. (2 a)
7. 1. ἐξαρεῖ ἔθνη μ. (12 a)
— 1. ἑπτὰ ἔθνη πολλά [B¹ μ., A μ. καὶ π.] (12 a)
— 19. τοὺς πειρασμοὺς τοὺς μ. (2 a)
— 19. B¹ καὶ τὰ τέρατα [A B² R add. τὰ μ. ἐκ.] –
— 21. θ. μέγας καὶ κραταιός (2 a)
— 23. ἀπολεῖς αὐτοὺς ἀπωλείᾳ μ. (2 a)
8. 15. διὰ τὴν ἐρήμου τῆς μ. (2 a)
— 17. ἐποίησέ μοι τὴν δύναμιν τὴν μ. τ. –
9. 1. κληρονομῆσαι ἔθνη μ. (2 a)
— 1. πόλεις μ. καὶ τειχήρεις (2 a)
— 2. λαὸν μ. καὶ πολύν (2 a)
De. 9. 14. ποιήσω σε εἰς ἔθνος μ. –
— 26. A ἐν τῇ ἰσχύϊ σου τῇ μ. (20)
— 26. ἐν τῇ ἰσχύϊ σου τῇ μ. –
— 26. A καὶ ἐν τῷ βραχίονί σου τῷ μ. [B ὑψηλῷ] –
— 29. ἐν τῇ ἰσχύϊ σου τῇ μ. (2 a)
10. 17. ὁ θεὸς ὁ μ. καὶ ἰσχυρός (2 a)
— 21. ὅστις ἐποίησεν ἐν σοὶ τὰ μ. (2 a)
11. 7. AR πάντα τὰ ἔργα κυρίου τὰ μ. [B om. τ. μ.] (2 a)
— 23. κληρονομήσετε ἔθνη μ. (2 a)
— 24. ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ τοῦ μ. –
15. 9. ἔσται ἐν σοὶ ἁμαρτία μ. –
18. 16. τὸ πῦρ τὸ μ. τοῦτο οὐκ ὀψόμεθα ἔτι (2 a)
25. 13. στάθμιον καὶ στάθμιον μ. ἢ μικρόν (2 a)
— 14. μέτρον καὶ μέτρον μ. ἢ μικρόν (2 a)
26. 5. ἐγένετο ἐκεῖ εἰς ἔθνος μ. καὶ πλῆθος πολύ [A add. καὶ μ.] (2 a, 12 a ?)
— 8. ἐν ἰσχύϊ αὐ. τῇ [A om. αὐ. τῇ] μ. . . . καὶ ἐν ὁράμασι μ. (–, 2 a)
27. 2. στήσεις σεαυτῷ λίθους μ. (2 a)
— 14. ἐροῦσι παντὶ Ἰσρ. φωνῇ μ. (14)
28. 59. πληγὰς μ. καὶ θαυμαστάς (2 a)
29. 3 (2). τοὺς πειρασμοὺς τοὺς μ. (2 a)
— 3 (2). καὶ τὰ τέρατα τὰ μ. ἐκεῖνα (2 a)
— 24 (23). τίς ὁ θυμὸς τῆς ὀργῆς ὁ μ. οὗτος (2 a)
— 28 (27). ἐν . . . παροξυσμῷ μ. σφόδρα (2 a)
34. 12. τὰ θαυμάσια τὰ μ. καὶ τὴν χεῖρα τὴν κραταιάν (2 a)
Jo. 1. 4. ἕως τοῦ ποταμοῦ τοῦ μ. ποταμοῦ (2 a)
6. 19 (20). ἀλαλαγμῷ μ. καὶ ἰσχυρῷ (2 a)
7. 1. ἐπλημμέλησαν . . . πλημμέλειαν μ. [A om.] †
— 9. τί ποιήσεις τὸ ὄνομά σου τὸ μ. (2 a)
— 26. ἐπέστησαν αὐτῷ σωρὸν λίθων μέγαν (2 a)
9. 1. οἱ ἐν πάσῃ τῇ παραλίᾳ τῆς θαλ. τῆς μ. (2 a)
10. 2. πόλις μ. Γαβαών (2 a)
— 10. συνέτριψεν αὐτοὺς κ. συντρίψει μ. [A -ιν μ.] (2 a)
— 20. κόπτοντες αὐτοὺς κοπὴν μ. σφόδρα (2 a)
11. 2. τοὺς βασιλεῖς τοὺς κατὰ Σιδῶνα τὴν μ. –
— 8. κατεδίωκον ἕως Σιδῶνος τῆς μ. (12 a)
13. 8. ἀπὸ τοῦ Ἰ. ἕως τῆς θαλάσσης τῆς μ. –
— 8. ἡ θάλασσα ἡ μ. ὁριεῖ –
14. 12. πόλεις ὀχυραὶ καὶ μ. (2 a)
15. 12. ἡ θάλασσα ἡ μ. ὁριεῖ (2 a)
— 47. ἡ θάλασσα ἡ μ. διορίζει (†*, 2 a)
17. 17. εἰ . . . ἰσχὺν μ. ἔχεις (2 a)
19. 9. ἐγενήθη ἡ μερὶς υἱῶν Ἰ. μείζων τῆς αὐτῶν (21 e)
— 28. ἕως Σιδῶνος τῆς μ. (12 a)
20. 6. A ἕως ἀποθάνῃ ὁ ἱερεὺς ὁ μ. (2 a)
22. 10. B¹ βωμὸν μ. ἐπὶ [AB²R om.] τοῦ ἰδεῖν (2 a)
23. 4. ἀπὸ τῆς θαλάσσης τῆς μ. ὁριεῖ (2 a)
— 9. ἔθνη μ. καὶ ἰσχυρά (2 a)
24. 4. ἐγένοντο ἐκεῖ εἰς ἔθνος μ. –
— 26. ἔλαβε λίθον μ. (2 a)
Jd. 2. 7. πᾶν τὸ ἔργον κυρίου τὸ μ. (2 a)
5. 15. μεγάλοι ἐξεικνούμενοι καρδίαν [A al.] (2 a)
— 16. μεγάλοι ἐξετασμοὶ καρδίας [A al.] (2 a)
11. 33 : 15. 8. ἐπάταξεν αὐτοὺς . . . πληγὴν μ. (2 a)
15. 18. τὴν σωτηρίαν τὴν μ. ταύτην (2 a)
16. 5. ἴδε ἐν τίνι ἡ ἰσχὺς αὐ. ἡ μ. (2 a)
— 6, 15. ἐν τίνι ἡ ἰσχύς σου ἡ μ. (2 a)
— 23. θῦσαι θυσίασμα μ. [A θυσίαν μ.] (2 a)
21. 2. ἔκλαυσαν κλαυθμὸν μ. (2 a)
— 5. ὁ ὅρκος μ. ἦν (2 a)
I Ki. 2. 14. ἐπάταξεν αὐτὴν εἰς τὸν λέβητα τὸν μ. –
— 17. ἦν ἡ ἁμαρτία . . . μεγάλη σφόδρα (2 a)
4. 5. ἀνέκραξε πᾶς Ἰσρ. φωνῇ μ. (2 a)
— 6. τίς ἡ κραυγὴ ἡ μ. αὕτη (2 a)
— 10. ἐγένετο πληγὴ μ. σφόδρα (2 a)
— 17. ἐγένετο πληγὴ μ. ἐν τῷ λαῷ (2 a)
5. 6. ἐγένετο σύγχυσις [A χ.] θανάτου μ. –
— 9. τάραχος μ. σφόδρα (2 a)
— 9. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (2 a)
6. 9. πεποίηκεν ἡμῖν τὴν κακίαν τ. τὴν μ. τ. (2 a)
— 14. ἔστησαν ἐκεῖ παρ' αὐτῇ λίθον μ. (2 a)
— 15. ἔθεντο ἐπὶ τοῦ λίθου τοῦ μ. (2 a)
— 18. καὶ ἕως λιθου τοῦ μ. (2 a)
— 19. ἐπάταξε κύριος . . . πληγὴν μ. σφόδρα (2 a)
7. 10. ἐβρόντησε κύριος ἐν φωνῇ μ. (2 a)
10. 2. εὑρήσεις δύο ἄνδρας . . . ἀλλομένους μεγάλα –
12. 16. ἴδετε τὸ ῥῆμα τὸ μ. τοῦτο (2 a)
— 17. ἡ κακία ὑμῶν μ. (12 a)
— 22. B διὰ τὸ ὄνομα αὐτοῦ τὸ μ. (2 a)
14. 20. σύγχυσις μ. σφόδρα (2 a)
— 24. ἠγνόησεν ἄγνοιαν μ. †
I Ki. 14. 30. B¹ νῦν ἂν μείζων [A B² R add. ἦν] ἡ πληγή (21 d [22 a])
— 33. κυλίσατέ μοι λίθον ἐνταῦθα μ. (2 a)
— 45. ὁ ποιήσας τὴν σωτηρίαν τὴν μ. ταύτην (2 a)
17. 13. A οἱ τρεῖς υἱοὶ Ἰ. οἱ μείζονες (21 b)
— 14. A οἱ τρεῖς οἱ μείζονες ἐπορεύθησαν ὀπίσω Σ. (21 b)
— 25. A πλουτίσει αὐτὸν ὁ βασ. πλοῦτον μ. (2 a)
— 28. A Ἐλ. ὁ ἀδ. αὐτοῦ ὁ μείζων (21 b)
18. 17. A ἡ θυγάτηρ μου ἡ μείζων M. (21 b)
19. 5. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μ. (2 a)
— 8. ἐπάταξεν . . . πληγὴν μ. σφόδρα (2 a)
— 22. A ἕως τοῦ φρέατος τοῦ μ. [B ἅλω] (2 a)
20. 2. AR οὐ μὴ ποιήσῃ ὁ πατήρ μου ῥῆμα μ. ἢ [B om. ῥ. μ. ἢ] μικρόν (2 a)
— 41. ἕως συντελείας μ. (2 f)
22. 15. ῥῆμα μικρὸν ἢ μ. (2 a)
23. 5. ἐπάταξεν ἐν αὐτοῖς πληγὴν μ. (2 a)
25. 2. καὶ ὁ ἄνθρωπος μ. σφόδρα (2 a)
— 36. ῥῆμα μικρὸν ἢ μ. (2 a)
28. 12. ἀνεβόησε φωνῇ μ. (2 a)
30. 2. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (2 a)
— 16. ἐν πᾶσι τοῖς σκύλοις τοῖς μ. (2 a)
— 19. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (2 a)
II Ki. 3. 38. ἡγούμενος μ. πέπτωκεν (2 a)
7. 9. κατὰ τὸ ὄνομα τῶν μ. (2 a)
13. 15. ἐμίσησεν αὐτὴν Ἀ. μῖσος μ. σφόδρα (2 a)
— 15. μ. τὸ μῖσος ὃ ἐμίσησεν αὐτήν (2 a)
— 15. B μείζων ἡ κακία ἡ ἐσχάτη –
— 16. εἶπεν αὐτῷ Θ. περὶ τῆς κακίας τῆς μ. ταύτης (2 a)
— 36. ἔκλαυσαν κλαυθμὸν μ. (2 a)
15. 23. πᾶσα ἡ γῆ ἔκλαιε φωνῇ μ. (2 a)
18. 7. ἐγένετο ἡ θραῦσις μ. (2 a)
— 9. ὑπὸ τὸ δάσος τῆς δρυὸς τῆς μ. (2 a)
— 17. ἔρριψεν αὐτὸν [A om.] εἰς χάσμα μ. . . . εἰς τὸν βόθυνον τὸν μ. (–, 2 a)
— 17. σωρὸν λίθων μέγαν σφόδρα (2 a)
— 29. εἶδον τὸ πλῆθος τὸ μ. (2 a)
19. 4 (5). ἔκραξεν ὁ βασ. [A add. ἐν] φωνῇ μ. (2 a)
— 32 (33). ἀνὴρ μ. ἐστὶν σφόδρα (2 a)
20. 8. καὶ αὐτοὶ παρὰ τῷ λίθῳ τῷ μ. (2 a)
23. 10, 12. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μ. (2 a)
24. 6. ἐκύκλωσαν εἰς Σ. [A add. τὴν μ.] –
III Ki. 1. 40. καὶ εὐφραινόμενοι εὐφροσύνην μ. (2 a)
2. 22. οὗτος ἀδελφός μου ὁ [A¹ om.] μ. ὑπὲρ ἐμέ (2 a)
3. 1. ἐποίησε . . . τοὺς λουτῆρας τοὺς μ. –
— 4. αὕτη ὑψηλοτάτη καὶ μ. (2 a)
— 6. σὺ ἐποίησας . . . ἔλεος μ. (2 a)
— 6. ἐφύλαξας αὐτῷ τὸ ἔλεος τὸ μ. τοῦτο (2 a)
— 15. ἐποίησε πότον μ. ἑαυτῷ –
4. 13. ἐξήκοντα πόλεις μ. τειχήρεις (2 a)
6. 1 (5. 17 [31]). ἄῤρουσι λίθους μ. (2 a)
7. 9. καὶ ἔξωθεν εἰς τὴν αὐλὴν τὴν μ. (2 a)
— 10. τὴν τεθεμελιωμ. ἐν τιμίοις λίθοις μ. (2 a)
— 12. B τῆς αὐλῆς τῆς μ. κύκλοι [A R -ῳ] (2 a)
8. 42. A ἀκούσουσιν τὸ ὄνομά σου τὸ μ. (2 a)
— 55. εὐλόγησε . . . φωνῇ μ. (2 a)
— 65. ἐκκλησία μ. ἀπὸ τῆς εἰσόδου Ἡ. (2 a)
10. 18. ἐποίησεν ὁ βασ. θρόνον ἐλεφάντινον μ. (2 a)
11. 19. B ἀδελφὴν Θεκ. τῆς [A τὴν, R om.] μείζω (21 a)
12. 24. B αὕτη ἦν μ. ἐν μέσῳ τῶν θυγ. τοῦ βασ. –
18. 27. ἐπικαλεῖσθε ἐν φωνῇ μ. (2 a)
— 28. ἐπεκαλοῦντο ἐν φωνῇ μ. (2 a)
— 45. ἐγένετο ὁ ὑετὸς μ. (2 a)
19. 11. πνεῦμα μ. κραταιὸν διαλῦον ὄρη (2 a)
21 (20). 13. εἰ ἑώρακας τὸν ὄχλον τὸν μ. τοῦτον (2 a)
— 21. ἐπάταξε πληγὴν μ. (2 a)
— 28. δώσω [A -σει] τὴν δύναμιν τὴν μ. τ. (2 a)
22. 31. μὴ πολεμεῖτε μικρὸν καὶ μέγαν (2 a)
IV Ki. 3. 27. ἐγένετο μετάμελος μ. ἐπὶ Ἰσρ. (2 a)
4. 8. καὶ ἐκεῖ γυνὴ μ. (2 a)
— 38. A ἐπίστησον τὸν λέβητα τὸν μ. [B om. τ. μ.] (2 a)
5. 1. Ναιμὰν . . . ἦν ἀνὴρ μ. (2 a)
— 13. μέγαν λόγον ἐλάλησεν ὁ προφήτης (2 a)
6. 23. παρέθηκεν αὐτοῖς παράθεσιν μ. (2 a)
— 25. ἐγένετο λιμὸς μ. ἐν Σαμ. (2 a)
7. 6. φωνὴν δυνάμεως μεγάλης (2 a)
8. 4. διήγησαι δὴ μοι πάντα τὰ μ. (2 a)
10. 19. θυσία μ. μοι τῷ Βάαλ (2 a)
— 21. B θυσίαν μ. ποιῶ –
12. 10 (11). ἀνέβη . . . ὁ ἱερεὺς ὁ μ. (2 a)
16. 15. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τὸ μ. πρόσφερε (2 a)

IV Ki. 17. 21. ἐξήμαρτεν αὐτοὺς ἁμαρτίαν μ. (2 a)
— 36. ὃς ἀνήγαγεν ὑμᾶς . . . ἐν ἰσχύϊ μ. (2 a)
18. 19. τάδε λέγει ὁ βασ. ὁ μ. βασιλεὺς Ἀσσ. (2 a)
— 28. A B ἐβόησε μεγάλῃ [R φωνῇ μ.] Ἰουδαϊστί (2 a)
— 28. ἀκούσατε τοὺς λόγους τοῦ μ. βασ. (2 a)
20. 3. ἔκλαυσεν Ἐζ. κλαυθμῷ μ. (2 a)
22. 4. ἀνάβηθι πρὸς Χ. τὸν ἱερέα τὸν μ. (2 a)
— 8. εἶπε Χ. ὁ ἱερεὺς ὁ μ. (2 a)
— 13. μ. ἡ ὀργὴ κυρίου ἡ ἐκκεχυμένη (2 a)
23. 2. ἀπὸ μικροῦ καὶ ἕως μεγάλου (2 a)
— 4. ἐνετείλατο . . . τῷ ἱερεῖ τῷ μ. (2 a)
— 26. B ἀπὸ θυμοῦ τῆς ὀργῆς αὐ. τοῦ μ. [A R τῆς μ.] (2 a)
25. 26. ἀπὸ μικροῦ καὶ ἕως μεγάλου (2 a)
I Ch. 9. 31. ἐπὶ τὰ ἔργα τῆς θυσίας τοῦ τηγάνου τοῦ μ. ἱερέως –
11. 14. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μ. (2 a)
12. 14. εἰς τοῖς ἑκατὸν μικρὸς καὶ μέγας τοῖς χιλίοις (2 a)
— 22. ἤρχοντο πρὸς Δ. εἰς δύναμιν μ. (2 a)
16. 25. μέγας κύριος καὶ αἰνετὸς σφόδρα (2 a)
17. 8. κατὰ τὸ ὄνομα τῶν μ. τῶν ἐπὶ τῆς γῆς (2 a)
— 21. τοῦ θέσθαι αὐτῷ ὄνομα μ. (2 a)
22. 8. πολέμους μ. ἐποίησας (2 a)
25. 8 ; 26. 13. κατὰ τὸν μικρὸν καὶ κατὰ τὸν μ. (2 a)
29. 1. καὶ τὸ ἔργον μ. (2 a)
II Ch. 1. 8. ἐποίησας μετὰ Δ. τοῦ πατρός μου ἔλεος μ. (2 a)
— 10. τίς κρινεῖ τὸν λαόν σου τὸν μ. τοῦτον (2 a)
2. 5 (4). ὁ οἶκος ὃν ἐγὼ οἰκοδομῶ μέγας ὅτι μ. ὁ θεὸς ἡμῶν (2 a, 2 a)
— 9 (8). ὁ οἶκος ὃν ἐγὼ οἰκοδομῶ μέγας (2 a)
3. 5. τὸν οἶκον τὸν μέγαν ἐξύλωσε (2 a)
4. 9. ἐποίησε . . . τὴν αὐλὴν τὴν μ. (2 a)
6. 32. καὶ ἔλθῃ . . . διὰ τὸ ὄνομά σου τὸ μ. (2 a)
7. 8. πᾶς Ἰσρ. μετ' αὐτοῦ ἐκκλησία μ. σφόδρα (2 a)
9. 17. ἐποίησεν ὁ βασ. θρόνον . . . μέγαν (2 a)
13. 17. ἐπάταξεν . . . πληγὴν μ. (12 a)
15. 14. ὤμοσαν . . . ἐν φωνῇ μ. (2 a)
16. 14. ἐποίησαν αὐτῷ ἐκφορὰν μ. (2 a)
17. 12. ἦν Ἰ. πορευόμενος μείζων (21 c)
18. 30. μὴ πολεμεῖτε τὸν μικρὸν καὶ τὸν μ. (2 a)
20. 19. αἰνεῖν κ. θεῷ Ἰσρ. ἐν φωνῇ μ. (2 a)
— 27. καὶ Ἰωσ. ἡγούμενος αὐ. ἐν εὐφροσύνῃ μ. –
21. 14. πατάξει σε πληγὴν μ. (2 a)
24. 11. ὁ προστάτης τοῦ ἱερέως τοῦ μ. (11)
— 25. ἐν τῷ ἐγκαταλιπεῖν αὐτὸν ἐν μαλακίαις μ. (12 a)
26. 15. βάλλειν . . . λίθοις μ. (2 a)
28. 5. B ἐπάταξεν ἑαυτῷ [A R ἐν αὐ.] πληγὴν μ. (2 a)
30. 21. ἐποίησαν . . . τὴν ἑορτὴν τῶν ἀζ. . . . ἐν εὐφροσύνῃ μ. (2 a)
— 26. ἐγένετο εὐφροσύνη μ. ἐν Ἱερ. (2 a)
31. 15. κατὰ τὸν μ. καὶ τὸν μικρόν (2 a)
32. 18. ἐβόησε φωνῇ μ. Ἰουδαϊστί (2 a)
34. 9. ἦλθον πρὸς Χ. τὸν ἱερέα τὸν μ. (2 a)
— 21. μ. ὁ θυμὸς κυρίου ἐκκέκαυται (2 a)
— 30. πᾶς ὁ λαὸς ἀπὸ μεγάλου ἕως μικροῦ (2 a)
35. 19. ἀπὸ ὀργῆς θυμοῦ αὐ. τοῦ μ. –
36. 18. πάντα τὰ σκεύη οἴκου θεοῦ τὰ μ. (2 a)
I Es. 1. 54. πάντα τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ κ. τὰ μ.
3. 1. ἐποίησε δοχὴν μ.
— 5. δώσει αὐτῷ Δ. ὁ βασ. δωρεὰς μ. καὶ ἐπινίκια μ.
4. 14. οὐ μέγας ὁ βασ.
— 28. οὐχὶ μέγας ὁ βασ. τῇ ἐξουσίᾳ αὐ.
— 34. μεγάλη ἡ γῆ καὶ ὑψηλὸς ὁ οὐρ.
— 35. οὐχὶ μέγας ὃς ταῦτα ποιεῖ
— 35. ἡ ἀλήθεια μεγάλη
— 41. μεγάλη ἡ ἀλήθεια καὶ ὑπερισχύει
5. 62. ἐβόησαν φωνῇ μ.
— 64. ἤλθοσαν . . . μετὰ . . . κλαυθμοῦ μ.
— 64. καὶ χαρὰ [A -ᾶς] μεγάλη τῇ φωνῇ
6. 9. οἰκοδομοῦντας οἶκον τῷ κ. μέγαν
— 14. διὰ βασιλέως τοῦ Ἰσρ. μεγάλου
8. 76. ἐσμὲν ἐν μ. ἁμαρτίᾳ
— 86. γίνεται διὰ . . . τὰς μ. ἁμαρτίας
— 91. κλαυθμὸς γὰρ ἦν μ. ἐν τῷ πλήθει
9. 2. B πενθῶν ὑπὲρ [A R ἐπὶ] τῶν ἀνομιῶν τῶν μ.
— 10. εἶπον μ. τῇ φωνῇ
II Es. 3. 11. B ἐσήμαινον φωνὴν μ. [A R al.] (2 a)
— 12. ἔκλαιον φωνῇ μ. (2 a)
— 13. ἐκραύγασε φωνῇ μ. (2 a)
4. 10. ὧν ἀπῴκισεν Ἀσ. ὁ μ. (12 a)
5. 8. εἰς οἶκον τοῦ θεοῦ τοῦ μ. (12 a)
II Es. 5. 11. βασιλεὺς τοῦ Ἰ. μέγας ᾠκοδόμησεν αὐτόν (12 a)
9. 7. ἐσμὲν ἐν πλημμελείᾳ μ. (2 a)
— 13. ἐν πλημμελείᾳ ἡμῶν τῇ μ. (2 a)
10. 12. μέγα τοῦτο τὸ ῥῆμά σου (2 a)
Ne. 1. 3. ἐν πονηρίᾳ μ. καὶ ἐν ὀνειδισμῷ (2 a)
— 5. ὁ ἰσχυρὸς ὁ μ. καὶ φοβερός (2 a)
— 10. ἐν τῇ δυνάμει σου τῇ μ. [S¹ om. τ. μ.] (2 a)
3. 1. ἀνέστη Ἐλ. ὁ ἱερεὺς ὁ μ. (2 a)
— 20. ἕως θύρας B. τοῦ ἱερέως τοῦ μ. (2 a)
— 27. ἐξ ἐναντίας τοῦ πύργου τοῦ μ. (2 a)
4. 14 (8). μνήσθητε τοῦ θεοῦ ἡμῶν τοῦ μ. (2 a)
5. 1. ἦν κραυγὴ τοῦ λαοῦ . . . μεγάλη (2 a)
— 7. ἔδωκα ἐπ' αὐτοὺς ἐκκλησίαν μ. (2 a)
6. 3. ἔργον μ. ἐγὼ ποιῶ (2 a)
— 16. S ἐπέπεσε φόβος μ. [A B om.] σφόδρα –
7. 4. ἡ πόλις πλατεῖα καὶ μ. (2 a)
8. 6. ηὐλόγησε Ἔ. κ. τὸν θεὸν τὸν μ. (2 a)
— 12. καὶ ποιῆσαι εὐφροσύνην μ. (2 a)
— 17. καὶ ἐγένετο εὐφροσύνη μ. (2 a)
9. 4. ἐβόησαν φωνῇ μ. [A om.] (2 a)
— 18. ἐποίησαν παροργισμοὺς μ. (2 a)
— 19. A σὺ ἐν οἰκτιρμοῖς σου τοῖς μ. [B S πολλοῖς] (12 a)
— 25. ἐν ἀγαθωσύνῃ σου τῇ μ. (2 a)
— 26. ἐποίησαν παροργισμοὺς μ. (2 a)
— 27. ἐν οἰκτιρμοῖς σου τοῖς μ. (12 a)
— 32. ὁ ἰσχυρὸς ὁ μ. ὁ κραταιός (2 a)
— 37. ἐν θλίψει μ. ἐσμέν (2 a)
11. 14. S² R υἱὸς τῶν μ. (2 a)
12. 31. S² R ἔστησα [R -αν] δύο περὶ αἰνέσεως μεγάλους (2 a)
— 43. ἔθυσαν . . . θυσιάσματα μ. (2 a)
13. 5. ἐποίησεν ἑαυτῷ γαζοφυλάκιον μ. [B¹ om.] (2 a)
— 27. ποιῆσαι πᾶσαν πονηρίαν [S² add. τὴν μ.] ταύτην (2 a)
— 28. ἀπὸ υἱῶν Ἰ. τοῦ Ἐλ. τοῦ ἱερέως τοῦ μ. νυμφίου τοῦ Σ. (2 a)
To. 3. 17. ἐνώπιον τῆς δόξης τοῦ μ. Ῥ. [S τοῦ θ.]
4. 13. A B ἐν τῇ ἀχρειότητι ἐλάττωσις καὶ ἔνδεια μ.
5. 12. ἐγὼ Ἀζαρίας Ἀνανίου τοῦ μ.
— 13. τοὺς υἱοὺς Σεμ. τοῦ μ.
— 13. A ἐκ ῥίζης μ. [B καλῆς, S ἀγαθῆς] εἶ
6. 2. S ἀναπηδήσας ἰχθὺς μ. [A B al.]
9. 4. ἐὰν χρονίσω μέγα [S al.]
11. 14. S εὐλογητὸν τὸ ὄνομα τὸ μ. αὐ. [A B al.]
— 14. S γένοιτο τὸ ὄνομα τὸ μ. αὐ. ἐφ' ἡμᾶς
12. 22. ἐξομολογοῦντο τὰ ἔργα τὰ μ. [S al.]
13. 2. S ἀνάγει ἐκ τῆς ἀπωλείας τῆς μ. [A B al.]
— 15. A R εὐλογείτω τὸν θεὸν τὸν βασιλέα τὸν μ. [B S al.]
Ju. 1. 1. ἐν Νιν. τῇ πόλει τῇ μ. [S τῇ μ. π.]
— 5. A S R ἐποίησε πόλεμον . . . ἐν [B om.] τῷ πεδίῳ τῷ μ.
— 8. καὶ τὸ μὲ πεδίον Ἐσρ.
2. 5. τάδε λέγει ὁ βασιλεὺς ὁ μ.
3. 2. ἡμεῖς οἱ παῖδες Ναβ. βασιλέως μεγάλου
— 9. A B S² ἥ ἐστιν ἀπέναντι τοῦ πρίονος τοῦ μ.
4. 6. ἔγραψεν Ἰω. ὁ ἱερεὺς ὁ μ.
— 8. καθὰ συνέταξεν αὐτοῖς Ἰ. ὁ ἱερεὺς ὁ μ.
— 9. ἀνεβόησαν . . . ἐν ἐκτενείᾳ μ.
— 9. ἐταπεινοῦσαν τὰς ψυχὰς αὐ. [S² add. νηστείᾳ μ.] ἐν ἐκτενείᾳ μ. [S om. ἐν ἐ. μ.]
— 14. Ἰω. ὁ ἱερεὺς ὁ μ. [S¹ om. ὁ μ.]
7. 23. ἀνεβόησαν [A ἐβ.] φωνῇ μ.
— 24. ἐποιήσατε ἐν ἡμῖν ἀδικίαν μ.
— 25. ἐν δίψῃ καὶ ἀπωλείᾳ μ.
— 29. καὶ ἐγένετο κλαυθμὸς μ.
— 29. ἐβόησαν πρὸς κ. τὸν θεὸν φωνῇ μ.
8. 19. ἔπεσον πτῶμα μ.
9. 1. ἐβόησε φωνῇ μ. [A -ὴν μ.]
13. 4, 13. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου
— 14. εἶπε πρὸς αὐτοὺς φωνῇ μ.
14. 9. ἠλάλαξεν ὁ λαὸς φωνῇ μ.
— 16. ἐβόησε φωνῇ μ.
— 19. ἐγένετο αὐτῶν κραυγὴ καὶ βοὴ μ.
15. 5. ὑπερεκέρασαν αὐτοὺς πληγῇ μ. [A -ὴν μ.]
— 8. Ἰ. ὁ ἱερεὺς ὁ μ.
— 9. σὺ γαυρίαμα μ. τοῦ Ἰσρ.
— 9. σὺ καύχημα μ. τοῦ γένους ἡμῶν
16. 13. κύριε, μέγας εἶ
— 16. ὁ δὲ φοβούμενος τὸν κύριον μέγας διὰ παντός
— 23. καὶ ἦν προβαίνουσα μεγάλη σφόδρα
Es. 1. 1. βασιλεύοντος Ἀρτ. τοῦ μ. βασιλέως [A S om.]
Es. 1. 1. ἄνθρωπος μ. θεραπεύων ἐν τῇ αὐλῇ τοῦ βασ.
— 1. καὶ ἰδοὺ δύο δράκοντες μ.
— 1. ἐγένετο αὐτῶν φωνὴ μ. [A -αὶ μ.]
— 1. κάκωσις καὶ τάραχος μ.
— 1. ἀπὸ μικρᾶς πηγῆς ποταμὸς μ.
— 5. S² ἀπὸ μεγάλου καὶ ἕως μικροῦ (2 a)
3. 13. βασιλεὺς μ. Ἀρτ. τοῖς ἀπὸ τῆς Ἰνδ.
4. 1. ἐβόα φωνῇ μ. (2 a)
— 3. πένθος μ. τοῖς Ἰουδαίοις (2 a)
8. 13. βασιλεὺς μ. Ἀρτ. τοῖς ἀπὸ τῆς Ἰνδ.
— 13. πολλοὶ . . . μείζον [S¹ ἄμεινον] ἐφρόνησαν
— 13. ὄντας δὲ υἱοὺς τοῦ ὑψίστου μεγίστου ζῶντος θεοῦ
10. 3. καὶ μέγας ἦν ἐν τῇ βασ. (2 a?)
— 3. ἐποίησεν ὁ θ. . . . τὰ τέρατα τὰ μ.
Jb. 1. 3. ἔργα μεγάλα ἦν αὐτῷ ἐπὶ τῆς γῆς (12 a)
— 19. πνεῦμα μέγα ἐπῆλθεν ἐκ τῆς ἐρήμου (2 a)
2. 12. βοήσαντες φωνῇ μεγάλῃ ἔκλαυσαν –
— 13. ἑώρων γὰρ τὴν πληγὴν δεινὴν οὖσαν καὶ μ. σφόδρα (2 e)
3. 8. ὁ μέλλων τὸ μέγα κῆτος χειρώσασθαι (18)
— 19. μικρὸς καὶ μέγας ἐκεῖ ἐστι (2 a)
5. 9. τὸν ποιοῦντα μεγάλα καὶ ἀνεξιχνίαστα (2 a)
9. 4. σοφὸς γάρ ἐστι διανοίᾳ κραταιός τε καὶ μέγας –
— 10. ὁ ποιῶν μεγάλα καὶ ἀνεξιχνίαστα (2 a)
— 22. μέγαν καὶ δυνάστην ἀπολλύει ὀργή †
10. 17. ὀργῇ δὲ μεγάλῃ μοι ἐχρήσω (13 a)
24. 12. ψυχὴ δὲ νηπίων ἐστέναξε μέγα [A μεγάλως] –
26. 3. οὐχ ᾧ μεγίστη [A ἡ μ.] δύναμις (23)
30. 4. A B² S R ῥίζας ξύλων ἐμασῶντο ὑπὸ λιμοῦ μεγάλου –
31. 28. τοῦτό μοι ἄρα ἀνομία ἡ μεγίστη λογισθείη [A λ. μεγάλη] †
36. 24. μεγάλα ἐστὶν αὐτοῦ τὰ ἔργα (17)
37. 5. ἐποίησε γὰρ μεγάλα (2 a)
— 22. ἐπὶ τούτοις μεγάλη ἡ δόξα (4)
38. 7. ἤνεσάν με φωνῇ [A ἐν φ.] μεγάλῃ –
40. 17 (22). σκιάζονται δὲ ἐν αὐτῷ δένδρα μεγάλα –
42. 3. μεγάλα καὶ θαυμαστὰ ἃ οὐκ ἐπιστάμην (9 a)
Ps. 18 (19). 13. καθαρισθήσομαι ἀπὸ ἁμαρτίας μεγάλης (12 a)
20 (21). 5. μεγάλη ἡ δόξα αὐτοῦ ἐν τῷ σωτηρίῳ σου (2 a)
21 (22). 25. παρὰ σοῦ ὁ ἔπαινός μου ἐν ἐκκλησίᾳ μεγάλῃ (12 a)
39 (40). 9. εὐηγγελισάμην δικαιοσύνην ἐν ἐκκλησίᾳ μεγάλῃ (12 a)
46 (47). 2. βασιλεὺς μέγας ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν (2 a)
47 (48). 1. μέγας κύριος καὶ αἰνετὸς σφόδρα (2 a)
— 2. ἡ πόλις τοῦ βασιλέως τοῦ μ. (12 a)
50 (51). 1. ἐλέησόν με, ὁ θεός, κατὰ τὸ μ. ἔλεός σου –
75 (76). 1. ἐν τῷ Ἰσραὴλ μέγα τὸ ὄνομα αὐτοῦ (2 a)
76 (77). 13. B S² τίς θεὸς [S¹ om.] μέγας ὡς ὁ θεὸς ἡμῶν (2 a)
85 (86). 10. μέγας εἶ σὺ καὶ ποιῶν θαυμάσια σὺ εἶ ὁ θεὸς μόνος ὁ μ. [A S om. ὁ μ.] (2 a, –)
— 13. τὸ ἔλεός σου μέγα ἐπ' ἐμέ (2 a)
88 (89). 7. μέγας καὶ φοβερὸς ἐπὶ πάντας τοὺς περικύκλῳ αὐτοῦ (12 a)
94 (95). 3. θεὸς μ. κύριος καὶ βασιλεὺς μ. (2 a, 2 a)
95 (96). 4. μέγας κύριος καὶ αἰνετὸς σφόδρα (2 a)
98 (99). 2. κύριος ἐν Σιὼν μέγας (2 a)
— 3. ἐξομολογησάσθωσαν τῷ ὀνόματί σου τῷ μ. (2 a)
103 (104). 25. αὕτη ἡ θάλασσα ἡ μ. καὶ εὐρύχωρος (2 a)
— 25. ζῷα μικρὰ μετὰ μεγάλων (2 a)
105 (106). 21. τοῦ ποιήσαντος μεγάλα [A² -λεία] ἐν Αἰγύπτῳ (2 a)
107 (108). 4. μέγα ἐπάνω τῶν οὐρανῶν τὸ ἔλεός σου (2 a)
108 (109). 26. κατὰ τὸ [S¹ add. μ.] ἔλεός σου –
110 (111). 2. μεγάλα τὰ ἔργα κυρίου (2 a)
113. 21 (115. 13). εὐλόγησε . . . τοὺς μικροὺς μετὰ τῶν μ. (2 a)
130 (131). 1. οὐδὲ ἐπορεύθην ἐν μεγάλοις (2 a)
134 (135). 5. ἐγὼ ἔγνων ὅτι μέγας κύριος (2 a)
135 (136). 4. τῷ ποιήσαντι θαυμάσια μεγάλα μόνῳ (2 a)
— 7. τῷ ποιήσαντι φῶτα μεγάλα μόνῳ (2 a)
— 17. τῷ πατάξαντι βασιλεῖς μεγάλους (2 a)
137 (138). 5. μεγάλη ἡ δόξα κυρίου (2 a)

Ps. 144 (145). 3. *μέγας ὁ κύριος καὶ αἰνετὸς σφόδρα* (2 *a*)
146 (147). 5. *μέγας ὁ κύριος ἡμῶν καὶ μεγάλη ἡ ἰσχὺς αὐτοῦ* (2 *a*, 12 *a*)
151. 5. *οἱ ἀδελφοί μου καλοὶ καὶ μεγάλοι*
Pr. 2. 3. A B[2] *τὴν δὲ αἴσθησιν ζητήσῃς μεγάλῃ τῇ φωνῇ* –
15. 16. *θησαυροὶ μεγάλοι μετὰ ἀφοβίας* (12 *a*)
16. 32. A S[2] *καὶ ἀνὴρ φρόνησιν ἔχων γεωργίου μεγάλου* –
18. 11. *ἡ δὲ δόξα αὐτῆς μέγα* [S[2] *μεγάλα*] *ἐπισκιάζει* †
20. 6. *μέγα ἄνθρωπος καὶ τίμιον ἀνὴρ ἐλεήμων* (12 *a*)
— 10. *στάθμιον μέγα καὶ μικρόν* †
24. 5. *καὶ ἀνὴρ φρόνησιν ἔχων γεωργίου μεγάλου* †
26. 25. *ἐάν σου δέηται ὁ ἐχθρὸς μεγάλῃ τῇ φωνῇ* –
27. 14. *ὃς ἂν εὐλογῇ φίλον τὸ πρωὶ μεγάλῃ τῇ φωνῇ* (2 *a*)
28. 16. *βασιλεὺς ἐνδεὴς προσόδων* [S[2] *χρημάτων*] *μέγας συκοφάντης* (12 *a*)
29. 6. *ἁμαρτάνοντι ἀνδρὶ μεγάλῃ παγίς* †
Ec. 2. 21. *τοῦτο ματαιότης καὶ πονηρία μ.* (12 *a*)
9. 13. *τοῦτο εἶδον σοφίαν . . . καὶ μεγάλη ἐστὶ πρὸς μέ* (2 *a*)
— 14. *καὶ ἦλθῃ ἐπ' αὐτὴν βασιλεὺς μ.* (2 *a*)
— 14. *καὶ οἰκοδομήσῃ ἐπ' αὐτὴν χάρακας μ.* (2 *a*)
10. 1. A R *ὑπὲρ δόξαν ἀφροσύνης μεγάλην* [B S *-λης*] †
— 4. *ἴαμα καταπαύσει ἁμαρτίας μεγάλας* (2 *a*)
— 6. S *ἐδόθη ἄφρων ἐν ὕψεσι μ. καὶ πλούσιοι μ.* [A B *om.*] *ἐν ταπεινῷ καθήσονται* (12 *a*, –)
Wi. 3. 5. *ὀλίγα παιδευθέντες μεγάλα εὐεργετηθήσονται*
6. 7. *μικρὸν καὶ μέγαν αὐτὸς ἐποίησεν*
14. 22. *μεγάλῳ* [A S[2] *ἐν μ.*, S[1] *-ως*] *ζῶντες ἀγνοίας πολέμῳ*
17. 1. *μεγάλαι γάρ σου αἱ κρίσεις*
18. 1. *τοῖς δὲ ὁσίοις σου μέγιστον ἦν φῶς*
Si. *prol.* 1. *πολλῶν καὶ μεγάλων ἡμῖν διὰ τοῦ νόμου . . . δεδομένων*
3. 18. *ὅσῳ μέγας εἶ*
— 20. *μεγάλη ἡ δυναστεία τοῦ κυρίου*
5. 15. *ἐν μεγάλῳ καὶ ἐν μικρῷ μὴ ἀγνόει*
7. 25. *ἔσῃ τετελεκὼς ἔργον μέγα*
10. 24. *οὐκ ἔστιν αὐτῶν τις μείζων τοῦ φοβουμένου* [A *τῶν φ.*] *τὸν κύριον*
17. 29. *ὡς μεγάλη ἡ ἐλεημοσύνη τοῦ κυρίου*
24. 29. *ἡ βουλὴ αὐ. ἀπὸ ἀβύσσου μεγάλης*
25. 10. *ὡς μέγας ὁ εὑρὼν σοφίαν*
— 22. *αἰσχύνη μεγάλη γυνὴ ἐὰν ἐπιχορηγῇ τῷ ἀνδρὶ αὐτῆς*
26. 8. *ὀργὴ μεγάλη γυνὴ μέθυσος*
29. 23. *ἐπὶ μικρῷ καὶ μεγάλῳ εὐδοκίαν ἔχε*
34 (31). 12. *ἐπὶ τραπέζης μεγάλης ἐκάθισας*
39. 6. *ἐὰν κύριος ὁ μ. θελήσῃ*
40. 1. *ἀσχολία μεγάλη ἔκτισται παντὶ ἀνθρώπῳ*
— 13. *ὡς βροντὴ μεγάλη ἐν ὑετῷ ἐξηχήσει*
41. 12. *χίλιοι μεγάλοι θησαυροὶ χρυσίου*
43. 5. *μέγας κύριος ὁ ποιήσας αὐτόν*
— 28. *αὐτὸς γὰρ ὁ μ. παρὰ πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ*
— 29. *φοβερὸς κύριος καὶ σφόδρα μέγας*
— 32. *πολλὰ ἀπόκρυφά ἐστι μείζονα τούτων*
44. 19. *Ἀβραὰμ μέγας πατὴρ πλήθους ἐθνῶν*
46. 1. *ἐγένετο κατὰ τὸ ὄνομα αὐτοῦ μέγας*
— 6. *ἐπήκουσεν αὐτῶν μέγας κύριος*
— 17. *ἐν ἤχῳ μεγάλῳ ἀκουστὴν ἐποίησε τὴν φωνὴν αὐ.*
48. 22. *ἃς ἐνετείλατο Ἡσαΐας ὁ προφήτης ὁ μ.*
— 24. *πνεύματι μεγάλῳ εἶδε τὰ ἔσχατα*
50. 1. *Σίμων Ὀνίου υἱὸς ἱερεὺς ὁ μ.*
— 16. *ἀκουστὴν ἐποίησαν φωνὴν μεγάλην*
— 22. A S *εὐλογήσατε τῷ θεῷ πάντων τῷ μεγάλα ποιοῦντι* [B *πάντες τῷ μεγαλοποιοῦντι*]
Ho. 1. 11 (2. 2). *μεγάλη ἡ ἡμέρα τοῦ Ἰεζ.* (2 *a*)
Am. 6. 12 (11). *πατάξει τὸν οἶκον τὸν μ. θλάσμασι* (2 *a*)
Jl. 2. 11. *διότι μεγάλη ἡ ἡμέρα τοῦ κ. μεγάλη καὶ ἐπιφανής* (2 *a*, –)
— 25. *ἡ δύναμίς μου ἡ μεγάλη ἣν ἐξαπέστειλα* (2 *a*)
— 31 (3. 4). *τὴν ἡμέραν κ. τὴν μεγάλην καὶ ἐπιφανῆ* (2 *a*)
Jn. 1. 2. *εἰς Νινευὴ τὴν πόλιν τὴν μεγάλην* (2 *a*)
— 4. *ἐγένετο κλύδων μέγας ἐν τῇ θαλάσσῃ* (2 *a*)
— 10. *ἐφοβήθησαν οἱ ἄνδρες φόβον μέγαν* [S[3] *-ῳ μ.*] (2 *a*)
Jn. 1. 12. *δι' ἐμὲ ὁ κλύδων ὁ μ. οὗτος ἐφ' ὑμᾶς* (2 *a*)
— 16. *ἐφοβήθησαν οἱ ἄνδρες φόβῳ μεγάλῳ* (2 *a*)
2. 1. *προσέταξε κύριος κήτει μεγάλῳ* (2 *a*)
3. 2. *εἰς Νινευὴ τὴν πόλιν τὴν μεγάλην* (2 *a*)
— 3. *ἡ δὲ Νινευὴ ἦν πόλις μ. τῷ θεῷ* (2 *a*)
— 5. *ἀπὸ μεγάλου αὐτῶν ἕως μικροῦ αὐτῶν* [A S[3] *al.*] (2 *a*)
4. 1. *καὶ ἐλυπήθη Ἰωνᾶς λύπην μεγάλην* (2 *a*)
— 6. *ἐχάρη Ἰ. ἐπὶ τῇ κολοκύνθῃ χαρὰν μεγάλην* (2 *a*)
— 11. *ὑπὲρ Νινευὴ τῆς πόλεως τῆς μεγάλης* [A *om. τ. μ.*] (2 *a*)
Na. 1. 3. *κ. μακρόθυμος καὶ μ. ἡ ἰσχὺς αὐ.* (2 *a*)
Ze. 1. 10. *καὶ συντριμμὸς μέγας ἀπὸ τῶν βουνῶν* (2 *a*)
— 14. *ὅτι ἐγγὺς ἡμέρα κυρίου ἡ μεγάλη* (2 *a*)
Hg. 1. 1. *εἰπὸν . . . πρὸς Ἰ. τὸν τοῦ Ἰ. τὸν ἱερέα τὸν μέγαν* (2 *a*)
— 12. *ἤκουσε . . . Ἰ. ὁ τοῦ Ἰ. ὁ ἱερεὺς ὁ μέγας* (2 *a*)
— 14. *τὸ πνεῦμα Ἰ. τοῦ Ἰ. τοῦ ἱερέως τοῦ μ.* (2 *a*)
2. 3 (2). *πρὸς Ἰ. τὸν τοῦ Ἰ. τὸν ἱερέα τὸν μέγαν* (2 *a*)
— 5 (4). *κατίσχυε, Ἰ. ὁ τοῦ Ἰ. ὁ ἱερεὺς ὁ μέγας* (2 *a*)
— 10 (9). *μεγάλη ἔσται ἡ δόξα τοῦ οἴκου τ.* (2 *a*)
Za. 1. 2. *ὠργίσθη κύριος . . . ὀργὴν μ.* –
— 14. *ἐζήλωκα . . . ζῆλον μ.* (2 *a*)
— 15. *ὀργὴν μ. ἐγὼ ὀργίζομαι* (2 *a*)
3. 1. *ἔδειξέ μοι κ. τὸν Ἰ. τὸν ἱερέα τὸν μέγαν* (2 *a*)
— 9 (8). *ἄκουε δή, Ἰ. ὁ ἱερεὺς ὁ μέγας* (2 *a*)
4. 6. *οὐκ ἐν δυνάμει μεγάλῃ οὐδὲ ἐν ἰσχύϊ* –
— 7. *τίς εἶ σὺ τὸ ὄρος τὸ μέγα* (2 *a*)
6. 11. *ἐπὶ τὴν κεφ. Ἰ. τοῦ Ἰ. τοῦ ἱερέως τοῦ μεγάλου* (2 *a*)
7. 12. *ἐγένετο ὀργὴ* [A *ὁρμὴ*] *μεγάλη παρὰ κ.* (2 *a*)
8. 2. *ἐζήλωκα τὴν Ἰ. . . . ζῆλον μέγαν* (2 *a*)
— 2. *καὶ θυμῷ μεγάλῳ ἐζήλωκα αὐτήν* (2 *a*)
14. 4. *χάος μέγα σφόδρα* (2 *a*)
— 13. *ἔσται . . . ἔκστασις κ. μεγάλη ἐπ' αὐτούς* (12 *a*)
Ma. 1. 11. *διότι μέγα τὸ ὄνομά μου ἐν τοῖς ἔθνεσι* (2 *a*)
— 14. *διότι βασιλεὺς μέγας ἐγώ εἰμι* (2 *a*)
4. 5 (3. 23). *ἡμέραν κ. τὴν μ. καὶ ἐπιφανῆ* (2 *a*)
Is. 1. 13. *τὰ σάββατα καὶ ἡμέραν μεγάλην οὐκ ἀνέχομαι* †
5. 9. *εἰς ἔρημον ἔσονται μεγάλαι καὶ καλαί* (2 *a*)
— 14. *καταβήσονται οἱ ἔνδοξοι καὶ οἱ μ.* (3)
7. 20. A S *ξυρήσει κύριος* [B *add. ἐν*] *τῷ ξυρῷ τῷ μ. καὶ μεμεθυσμένῳ* [B *ξ. τῷ μεμισθωμένῳ*] –
8. 1. *λάβε σεαυτῷ τόμον* [A *add. χάρτου*] *καινοῦ μ.* (2 *a*)
9. 2 (1). *ἴδετε φῶς μέγα* (2 *a*)
— 6 (5). *μεγάλης βουλῆς ἄγγελος* (9 *b*)
— 7 (6). *μεγάλη ἡ ἀρχὴ αὐτοῦ* (13 *b*)
— 14 (13). *ἀφεῖλε κύριος . . . μέγαν καὶ μικρόν* †
10. 12. R *ἐπισκέψομαι* [A B S *ἐπάξει*] *ἐπὶ τὸν νοῦν τὸν μ.* (2 *c*)
18. 7. *ἀπὸ λαοῦ μεγαλοῦ ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον* (4)
19. 22. A S *πατάξει κύριος τοὺς Αἰγυπτίους πληγῇ μεγάλῃ* [B *om.*] –
22. 5. *ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου πλανῶνται ἐπὶ τὰ ὄρη* †
— 18. *ῥίψει σε εἰς χώραν μεγάλην* †
— 24. *ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου* †
26. 4. *ὁ θεὸς ὁ μ. ὁ αἰώνιος* (10)
27. 1. *ἐπάξει ὁ θεὸς τὴν μάχαιραν τὴν ἁγίαν καὶ τὴν μ.* (2 *a*)
— 13. *σαλπιοῦσι* [A *add. ἐν*] *τῇ σάλπιγγι τῇ μ.* (2 *a*)
29. 6. A S R *ἐπισκοπὴ γὰρ ἔσται μετὰ . . . σεισμοῦ καὶ φωνῆς μεγάλης* [B *-ὴ μ.*] (2 *a*)
33. 4. *συναχθήσεται τὰ σκῦλα ὑμῶν* [A *add. ἀπὸ*] *μικροῦ καὶ μεγάλου* †
— 19. *ποῦ ἐστιν ὁ ἀριθμῶν τοὺς τρεφομένους* [A S *συστρ.*] *μικρὸν καὶ μ. λαόν* †
— 21. *τὸ ὄνομα κυρίου μέγα ὑμῖν* [A *ἔστιν*] (1 *a*)
— 22 (21). *ὁ γὰρ θεός μου μέγας ἐστίν* (1 *a*)
34. 6. *σφαγὴ μεγάλη ἐν τῇ Ἰδουμαίᾳ* (2 *a*)
36. 4. *ὁ μ. βασιλεὺς Ἀσσυρίων* (2 *a*)
— 13. *ἀνεβόησε* [A S *ἐβ.*] *φωνῇ μεγάλῃ Ἰουδαϊστὶ . . . ἀκούσατε τοὺς λόγους τοῦ βασιλέως τοῦ μ. βασιλέως Ἀσσυρίων* [S[1] *al.*] (2 *a*, 2 *a*)
38. 3. *ἔκλαυσεν Ἐζ. κλαυθμῷ μεγάλῳ* (2 *a*)
39. 2. A S *ἐχάρη ἐπ' αὐτοῖς Ἐζεκίας χαρὰν μεγάλην* [B *om. χ. μ.*] –
Is. 49. 6. *μέγα σοί ἐστι τοῦ κληθῆναί σε παῖδά μου* †
54. 7. *μετ' ἐλέους μεγάλου ἐλεήσω σε* (2 *a*)
60. 22. *ὁ ἐλάχιστος εἰς ἔθνος μέγα* (8)
Je. 4. 5. *κεκράξατε μέγα* (24)
— 6. *ἐπάγω . . . συντριβὴν μεγάλην* (2 *a*)
6. 1. *συντριβὴ μεγάλη γίνεται* (2 *a*)
— 13. *ἀπὸ μικροῦ αὐτῶν καὶ ἕως* [A *om.*] *μεγάλου* (2 *a*)
— 22. A S[2] *ἔθνος μέγα ἐξεγερθήσεται* [B S[1] *al.*] (2 *a*)
10. 22. *σεισμὸς μ. ἐκ γῆς βορρᾶ* (2 *a*)
11. 16. *μεγάλη ἡ θλῖψις ἐπὶ σέ* (2 *a*)
21. 5. *μετὰ θυμοῦ καὶ ὀργῆς μεγάλης* [A *ὁ. καὶ παροργισμοῦ μεγάλου*] (2 *a*)
— 6. *πατάξω πάντας . . . ἐν θανάτῳ μεγάλῳ* (2 *a*)
22. 8. *διὰ τί ἐποίησε κύριος οὕτως τῇ πόλει ταύτῃ τῇ μ.* (2 *a*)
27 (50). 22. *συντριβὴ μεγάλη ἐν γῇ Χαλδαίων* (2 *a*)
— 41. *ἔθνος μέγα καὶ βασιλεῖς πολλοί* (2 *a*)
28 (51). 54. *συντριβὴ μεγάλη ἐν γῇ* [A *ἐκ γῆς*] *Χαλδαίων* (2 *a*)
— 55. *ἀπώλεσεν ἀπ' αὐτῆς φωνὴν μεγάλην* (2 *a*)
31 (48). 3. *ὄλεθρον καὶ σύντριμμα μέγα* (2 *a*)
32. 18 (25. 32). *λαῖλαψ μεγάλη ἐκπορεύεται* (2 *a*)
— 24 (25. 38). *ἀπὸ προσώπου τῆς μαχαίρας τῆς μ.* †
33 (26). 19. *ἐποιήσαμεν κακὰ μεγάλα ἐπὶ ψυχὰς* [A *-αῖς*] *ἡμῶν* (2 *a*)
34 (27). 5. *ἐν τῇ ἰσχύϊ μου τῇ μ.* (2 *a*)
35 (28). 8. *ἐπὶ βασιλείας μεγάλας* [S *-ης*] *εἰς πόλεμον* (2 *a*)
37 (30). 7. R *ὅτι ἐγενήθη* [A B S *ἐ. ὅ.*] *μεγάλη ἡ ἡμέρα ἐκείνη* (2 *a*)
38 (31). 34. *εἰδήσουσί με ἀπὸ μικροῦ αὐτῶν ἕως μεγάλου αὐτῶν* (2 *a*)
39 (32). 17. *ἐποίησας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν* [A *add. ἐν*] *τῇ ἰσχύϊ σου τῇ μ.* (2 *a*)
— 18. *ὁ θεὸς ὁ μ. ὁ* [A S *καὶ*] *ἰσχυρός* (2 *a*)
— 19. *κύριος μεγάλης βουλῆς καὶ δυνατὸς τοῖς ἔργοις ὁ θεὸς ὁ μ. ὁ παντοκράτωρ* [S *al.*] (2 *a*, –)
— 21. *ἐν ὁράμασι μεγάλοις* (2 *a*)
— 37. *ἐν ὀργῇ μου καὶ τῷ θυμῷ μου καὶ παροξυσμῷ μεγάλῳ* (2 *a*)
— 42. *ἐπήγαγον ἐπὶ τὸν λαὸν τοῦτον πάντα τὰ κακὰ τὰ μ. ταῦτα* (2 *a*)
40 (33). 3. *ἀπαγγελῶ σοι μεγάλα καὶ ἰσχυρά* (2 *a*)
43 (36). 7. *μ. ὁ θυμὸς καὶ ἡ ὀργὴ κυρίου* (2 *a*)
48 (41). 9. *φρέαρ μέγα τοῦτό ἐστιν* –
49 (42). 1. *πᾶς ὁ λαὸς ἀπὸ μικροῦ καὶ ἕως μεγάλου* (2 *a*)
— 8. *ἀπὸ μικροῦ καὶ ἕως μεγάλου* (2 *a*)
50 (43). 9. *λάβε σεαυτῷ λίθους μεγάλους* (2 *a*)
51 (44). 7. *ποιεῖτε κακὰ μεγάλα ἐπὶ ψυχαῖς* [S[1] *-χὰς*] *ὑμῶν* (2 *a*)
— 12. *ἐκλείψουσιν ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου* (2 *a*)
— 15. *ἀπεκρίθησαν . . . συναγωγὴ μεγάλη* (2 *a*)
— 26. *ὥμοσα τῷ ὀνόματί μου τῷ μ.* (2 *a*)
51. 35 (45. 5). *ζητήσεις σεαυτῷ μεγάλα* (2 *a*)
52. 13. *πᾶσαν οἰκίαν μεγάλην ἐνέπρησεν* (2 *a*)
Ba. 1. 4. *ἐν ὡσὶ παντὸς τοῦ λαοῦ ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου*
2. 2. A R *τοῦ ἀγαγεῖν ἐφ' ἡμᾶς κακὰ μεγάλα*
— 11. *ἐν δυνάμει μεγάλῃ καὶ ἐν βραχίονι ὑψηλῷ*
— 27. *κατὰ πάντα οἰκτιρμόν σου τὸν μ.*
— 29. *ἡ βόμβησις ἡ μ. ἡ πολλὴ αὕτη ἀποστρέψει εἰς μικράν* [A *μακ.*]
3. 24. *ὡς μ. ὁ οἶκος τοῦ θεοῦ*
— 25. *μέγας καὶ οὐκ ἔχει τελευτήν*
4. 9. *ἐπήγαγέ μοι ὁ θεὸς πένθος μέγα*
— 24. *ἢ ἐπελεύσεται ὑμῖν μετὰ δόξης μεγάλης*
Ez. 1. 4. *νεφέλη μεγάλη ἐν αὐτῷ* (2 *a*)
3. 12. *ἤκουσα κατόπισθέν μου φωνὴν σεισμοῦ μεγάλου* (2 *a*)
8. 6. *ἀνομίας μεγάλας ποιοῦσιν ὧδε τοῦ ἀπέχεσθαι ἀπὸ τῶν ἁγίων μου καὶ ἔτι ὄψει ἀνομίας μείζονας* [A *al.*] (2 *a*, 21 *b*)
— 13. *ἔτι ὄψει ἀνομίας μείζονας* (21 *b*)
— 15. *ἔτι ὄψει ἐπιτηδεύματα μείζονα τούτων* (21 *b*)
9. 1. *ἀνέκραγεν εἰς τὰ ὦτά μου φωνῇ μεγάλῃ* (2 *a*)
11. 13. *ἀνεβόησα φωνῇ μεγάλῃ* (2 *a*)
17. 3. *ἀετὸς ὁ μ. ὁ μεγαλοπτέρυγος* (2 *a*)
— 6. A *ἐγένετο εἰς ἄμπελον μεγάλην* [B *om.*] –
— 7. *ἐγένετο ἀετὸς ἕτερος μ.* (2 *a*)
— 8. *τοῦ εἶναι εἰς ἄμπελον μεγάλην* (1 *b*)
— 9. *οὐκ ἐν βραχίονι μεγάλῳ* (2 *a*)
— 17. *οὐκ ἐν δυνάμει μεγάλῃ* (2 *a*)

Ez. 17. 23. ἔσται εἰς κέδρον μεγάλην (1 a)
21. 14 (19). ῥομφαία τραυματιῶν ἡ μ. (2 a)
25. 17. ποιήσω ἐν αὐτοῖς ἐκδικήσεις μ. (2 a)
29. 3. A R ἐγὼ ἐπὶ [B add. σὲ] Φαραὼ τὸν δράκοντα τὸν μ. (2 a)
— 18. κατεδουλώσατο τὴν δύναμιν αὐτοῦ δουλείᾳ μεγάλῃ (2 a)
31. 10. ἐγένου μ. τῷ μεγέθει (16 a)
36. 23. ἁγιάσω τὸ ὄνομά μου τὸ μ. [A ἅγιον] (2 a)
37. 10. A συναγωγὴ μεγάλη [B πολλὴ] σφόδρα (2 a)
38. 15. συναγωγὴ μεγάλη καὶ δύναμις πολλή (2 a)
— 19. ἔσται σεισμὸς μ. ἐπὶ γῆς Ἰσραήλ (2 a)
39. 17. ἣν τέθυκα ὑμῖν θυσίαν μεγάλην (2 a)
43. 14. πρὸς τὸ ἱλαστήριον τὸ μ. τοῦτο . . . ἀπὸ τοῦ ἱλαστηρίου τοῦ μικροῦ ἐπὶ τὸ ἱλαστήριον τὸ μ. πήχεις τέσσαρες (†, 2 a)
47. 10. ὡς [A om.] οἱ ἰχθύες τῆς θαλάσσης τῆς μ. [A al.] (2 a)
— 15. ἀπὸ θαλάσσης τῆς μ. τῆς καταβαινούσης (2 a)
— 19. παρεκτείνον ἐπὶ τὴν θάλασσαν τὴν μ. (2 a)
— 20. τοῦτο τὸ μέρος τῆς θαλάσσης τῆς μ. (2 a)
48. 28. ἕως τῆς θαλάσσης τῆς μ. (2 a)
Da. LXX. 2. 20. ἔστω τὸ ὄνομα τοῦ κ. τοῦ μ. εὐλογημένον –
— 31. ἦν ἡ εἰκὼν ἐκείνη μ. σφόδρα (15)
— 35. ὁ λίθος . . . ἐγένετο ὄρος μ. (12 a)
— 45. ὁ θεὸς ὁ μ. ἐσήμανε τῷ βασ. (12 a)
— 48. δοὺς δωρεὰς μ. καὶ πολλάς (12 b)
3. 3. συνήχθησαν . . . τύραννοι μ. ἐπ' ἐξουσιῶν –
— 33 (100). τὰ σημεῖα . . . ὡς μεγάλα καὶ ἰσχυρά (12 b)
— 33 (100). ὡς μ. καὶ ἰσχυρὰ ἡ βασ. αὐτοῦ (12 b ?)
4. 8. καὶ ἡ ὅρασις αὐ. μ. (13 c ?)
— 9. καὶ ἡ ὅρασις αὐ. μ. –
— 17. οὗ ἡ ὅρασις μ. (13 c)
— 20. ἡ κρίσις τοῦ θεοῦ τοῦ μ. ἥξει ἐπὶ σέ –
— 27. αὕτη ἐστὶ Βαβ. ἡ μ. (12 a)
— 31. τοῦ θεοῦ τῶν θεῶν τοῦ μ. ἐδεήθην –
— 32. ἐδεήθην . . . . τοῦ θεοῦ τῶν θεῶν τοῦ μ. –
— 34. ποιῆσαι . . . θαυμάσια μ. καὶ φοβερά –
— 34. ἠλλοίωσεν ἐπ' ἐμοὶ μ. πράγματα –
— 34. ἃς ἐποίησε μετ' ἐμοῦ ὁ θεὸς ὁ μ. –
— 34. καὶ τὰ θαυμάσια αὐτοῦ μ. –
5. 1. ἐποίησε δοχὴν μ. (12 a)
— 1. ἐποίησεν ἑστιατορίαν μ. (12 a ?)
— 7. ὁ βασ. ἐφώνησε φωνῇ μ. †
— 10. ὑπέδειξεν αὐτῇ ὡς μέγα ἐστί –
6. 3 (4). Δ. ἦν . . . μ. καὶ ἔνδοξος –
— 20 (21). ἐκάλεσε τὸν Δαν. φωνῇ μ. (7)
— 21 (22). Δαν. ἐπήχουσε φωνῇ μ. –
7. 2. ἐνέπεσον εἰς τὴν θάλασσαν τὴν μ. (12 a)
— 7. ἔχον ὀδόντας σιδηροῦς μ. (12 b)
— 8. καὶ στόμα λαλοῦν μεγάλα (12 b)
— 11. τὴν φωνὴν τῶν λόγων τῶν μ. (12 b)
— 17. ταῦτα τὰ θηρία τὰ μ. (12 b)
— 20. καὶ στόμα λαλοῦν μεγάλα (12 b)
8. 3. εἶδον κριὸν ἕνα μ. –
— 8. συνετρίβη αὐτοῦ τὸ κέρας τὸ μ. (2 a)
— 21. τὸ κέρας τὸ μ. τὸ ἀνὰ μέσον τῶν ὀφθ. αὐ. (2 a)
9. 4. σὺ εἶ ὁ θεὸς ὁ μ. (2 a)
— 12. ἐπαγαγεῖν ἐφ' ἡμᾶς κακὰ μ. (2 a)
10. 4. ἤμην ἐπὶ τοῦ χείλους τοῦ ποταμοῦ τοῦ μ. (2 a)
— 7. εἶδον ἐγὼ Δ. τὴν ὅρασιν τὴν μ. ταύτην –
— 8. εἶδον τὴν ὅρασιν τὴν μ. ταύτην (2 a)
11. 2. πλουτήσει πλοῦτον μ. (2 a)
— 5. δυναστεία μ. ἡ δυναστεία αὐ. (12 a)
— 13. συνάξει πόλεως συναγωγὴν μείζονα παρὰ τὴν πρώτην (21 e)
12. 1. παρελεύσεται Μ. ὁ ἄγγελος ὁ μ. (2 a)
Bel 17. μ. ἐστὶν ὁ Βήλ
— 40. μ. ἐστὶ κ. ὁ θεός
Da. TH. Su. 24. ἀνεβόησε φωνῇ μ. Σωσ.
— 42. ἀνεβόησε δὲ φωνῇ μ. Σωσ.
— 46. ἐβόησε φωνῇ μ.
— 60. ἀνεβόησε πᾶσα ἡ συν. φωνῇ μ.
— 64. Δ. ἐγένετο μέγας ἐνώπιον τοῦ λαοῦ
2. 10. πᾶς βασιλεὺς μ. (12 a)
— 31. μ. ἡ εἰκὼν ἐκείνη (15)
— 35. ὁ λίθος . . . ἐγενήθη ὄρος μέγα (12 a)
— 45. ὁ θεὸς ὁ μ. ἐγνώρισε τῷ βασ. (12 a)
— 48. δόματα [A add. πολλὰ καὶ] μ. . . . ἔδωκεν αὐτῷ (12 b)
3. 3. συνήχθησαν . . . τύραννοι μ. οἱ ἐπ' ἐξουσιῶν –
— 33 (100). τὰ σημεῖα . . . ὡς μεγάλα καὶ ἰσχυρά (12 b)
4. 27. οὐχ αὕτη ἐστὶ Βαβ. ἡ μ. (12 a)
Da. TH. Su. 5. 1. ἐποίησε δεῖπνον μ. [A om.] (12 a)
6. 20 (21). A ἐβόησε φωνῇ μ. [B ἰσχυρᾷ] (7)
7. 2. προσέβαλλον εἰς τὴν θάλασσαν τὴν μ. (12 a)
— 3. τέσσαρα θηρία μ. ἀνέβαινον (12 b)
— 7. A οἱ ὀδόντες αὐ. σιδηροῖ μ. [B om.] (12 b)
— 8. καὶ στόμα λαλοῦν μεγάλα (12 b)
— 11. ἀπὸ φωνῆς τῶν λόγων τῶν μ. [A om. τ. μ.] (12 b)
— 17. A ταῦτα τὰ θηρία τὰ μ. [B om. τὰ μ.] (12 b)
— 20. καὶ στόμα λαλοῦν μεγάλα (12 b)
— 20. καὶ ἡ ὅρασις αὐ. μείζων [A -ω] τῶν λοιπῶν (21 e)
8. 8. συνετρίβη τὸ κέρας αὐτοῦ τὸ μ. (2 a)
— 21. καὶ τὸ κέρας τὸ μ. (2 a)
9. 4. κύριε ὁ θεὸς ὁ μ. (2 a)
— 12. ἐπαγαγεῖν ἐφ' ἡμᾶς κακὰ μ. (2 a)
10. 1. δύναμις μ. καὶ σύνεσις ἐδόθη αὐτῷ (2 a)
— 4. ἤμην ἐχόμενα τοῦ ποταμοῦ τοῦ μ. (2 a)
— 7. ἔκστασις μ. ἐπέπεσεν ἐπ' αὐτούς (2 a)
— 8. ἴδον τὴν ὀπτασίαν τὴν μ. ταύτην (2 a)
11. 2. πλουτήσει πλοῦτον μ. (2 a)
— 13. ἐπελεύσεται εἰσοδία ἐν δυνάμει μ. (2 a)
— 25. ἐξεγερθήσεται . . . ἐν δυνάμει μ. (2 a)
— 25. συνάψει πόλεμον ἐν δυνάμει μ. (2 a)
12. 1. Μιχαὴλ ὁ ἄρχων ὁ μ. (2 a)
Bel 18. ἐβόησε φωνῇ μ.
— 18. μέγας εἶ, Βήλ
— 23. ἦν δράκων μ.
— 41. ἀναβοήσας φωνῇ μ.
— 41. μέγας εἶ, κυρίε
I Ma. 1. 17. εἰσῆλθεν . . . ἐν στόλῳ μ.
— 24. ἐλάλησεν ὑπερηφανίαν μ.
— 25. ἐγένετο πένθος μ.
— 30. ἐπάταξεν αὐτὴν πληγὴν μ.
— 33. ᾠκοδόμησαν τὴν πόλιν Δ. τείχει μ.
— 35. ἐγένετο εἰς μ. παγίδα
— 64. ἐγένετο ὀργὴ μ. ἐπὶ Ἰ. σφόδρα
2. 17. ἄρχων καὶ ἔνδοξος καὶ μέγας εἶ
— 19. εἶπε φωνῇ μ.
— 27. ἀνέκραξε Μ. . . . φωνῇ μ.
— 51. δέξασθε δόξαν μ.
— 70. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰ. κοπετὸν μ.
3. 10. συνήγαγεν . . . δύναμιν μ.
— 54. ἐβόησαν φωνῇ μ.
4. 23. ἔλαβον . . . πλοῦτον μ.
— 25. ἐγενήθη σωτηρία μ. τῷ Ἰ.
— 39. ἐκόψαντο κοπετὸν μ.
— 58. ἐγενήθη εὐφροσύνη μ.
5. 3. ἐπάταξεν αὐτοὺς πληγὴν μ.
— 16. ἐπισυνήχθη ἐκκλησία μ.
— 23. ἤγαγεν . . . μετ' εὐφροσύνης μ.
— 26. πᾶσαι αἱ πόλεις αὗται ὀχυραὶ καὶ μ.
— 31. A S ἡ κραυγὴ . . . ἀνέβη . . . κραυγῇ [R φωνῇ] μ.
— 34. S R ἐπάταξεν αὐτοὺς πληγὴν μ. [A πληγῇ μ.]
— 45. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου
— 45. συνήγαγεν . . . παρεμβολὴν μ. σφόδρα
— 46. αὕτη ἡ πόλις μ. ἐπὶ τῆς εἰσόδου
— 52. διέβησαν τὸν Ἰ. εἰς τὸ πεδίον τὸ μ.
— 61. ἐγενήθη τροπὴ μ.
6. 4. ἀπῆρεν ἐκεῖθεν μετὰ λύπης μ.
— 9. ἀνεκαινίσθη ἐπ' αὐτὸν λύπη μ.
— 11. ἕως τίνος θλίψεως ἦλθον καὶ κλύδωνος μ.
— 13. ἀπόλλυμαι λύπῃ μ.
— 27. μείζονα τούτων ποιήσουσι
— 41. ἦν γὰρ ἡ παρεμβολὴ μ. σφόδρα
7. 8. ἐπέλεξεν ὁ βασ. τὸν Β. . . . μέγαν ἐν τῇ βασ.
— 19. ἔθυσεν αὐτοὺς εἰς τὸ φρέαρ τὸ μ.
— 22. ἐποίησαν πληγὴν μ. ἐν Ἰ.
— 35. S R ἐξῆλθε μετὰ θυμοῦ μ. [A om.]
— 48. S² R ἡμέραν εὐφροσύνης μεγάλης [A S¹ -ην]
8. 4. ἐπάταξαν ἐν αὐτοῖς πληγὴν μ.
— 6. καὶ Ἀντίοχον τὸν μ. βασιλέα
— 7. διδόναι αὐτὸν . . . φόρον μέγαν [S¹ μεγάλην]
9. 20. ἐκόψαντο αὐτὸν . . . κοπετὸν μ.
— 24. S R ἐγενήθη λιμὸς μέγας [A μεγάλη] σφόδρα
— 27. ἐγένετο θλῖψις μ. ἐν τῷ Ἰ.
— 37. ποιοῦσι γάμον μ.
— 37. ἄγουσι . . . θυγατέρα ἑνὸς τῶν μ. μεγιστάνων Χ. μετὰ παραπομπῆς μ.
— 56. A R ἀπέθανεν Ἄ. . . . μετὰ βασάνου μεγάλης [S -ου]
10. 8. ἐφοβήθησαν φόβον μ.
— 37. A R ἐν τοῖς ὀχυρώμασι τοῦ βασ. τοῖς μ. [S al.]
I Ma. 10. 46. ἐπεμνήσθησαν τῆς κακίας τῆς μ.
— 48. A R συνήγαγεν . . . δυνάμεις μ. [S al.]
— 58. ἐποίησε τὸν γάμον αὐ. . . . ἐν δόξῃ μ.
— 69. συνήγαγε δύναμιν μ.
— 86. ἐξῆλθον . . . ἐν δόξῃ μ.
12. 20. Ὁ. βασιλεὺς Σπαρτ. Ὀνίᾳ ἱερεῖ μ. χαίρειν
— 36. ὑψῶσαι ὕψος μ.
— 49. εἰς τὴν Γαλ. καὶ τὸ πεδίον τὸ μ.
— 52. ἐπένθησε πᾶς Ἰσρ. πένθος μ.
13. 8. καὶ ἀπεκρίθησαν φωνῇ μ.
— 17. μή ποτε ἔχθραν ἄρῃ μεγάλην
— 26. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰ. κοπετὸν μ.
— 29. περιθεὶς στύλους μ.
— 32. ἐποίησε πληγὴν μ.
— 33. καὶ περιετείχισε . . . τείχεσι μ.
— 37. τοῦ ποιεῖν ὑμῖν εἰρήνην μ.
— 42. ἐπὶ Σίμωνος ἀρχιερέως μ.
— 44. ἐγένετο κίνημα μ. ἐν τῇ πόλει
— 45. ἐβόησαν φωνῇ μ.
— 51. συνετρίβη ἐχθρὸς μ. ἐξ Ἰ.
14. 11. εὐφράνθη Ἰ. εὐφροσύνην μ.
— 20. Σπαρτιατῶν ἄρχοντες . . . Σίμωνι ἱερεῖ μ.
— 24. ἔχοντα ἀσπίδα χρυσῆν μ.
— 27. A R ἐπὶ Σίμωνος τοῦ ἀρχιερέως [S add. μεγάλου]
— 28. ἐπὶ συναγωγῆς μ. ἱερέων
— 29. δόξῃ μ. ἐδόξασαν τὸ ἔθνος αὐ.
— 36. ἐποίουν πληγὴν μ.
— 39. ἐδόξασεν αὐτὸν δόξῃ μ.
15. 2. βασιλεὺς Ἀντίοχος Σίμωνι ἱερεῖ μ.
— 9. δοξάσομέν σε . . . δόξῃ μ.
— 29. ἐποιήσατε πληγὴν μ. ἐπὶ τῆς γῆς
— 35. ἐποίουν ἐν τῷ λαῷ πληγὴν μ.
— 36. A R ὠργίσθη ὁ βασ. ὀργὴν μ. [S ὀργῇ μ.]
16. 15. S R ἐποίησεν αὐτοῖς πότον μέγαν [A -α]
— 17. ἐποίησεν ἀθεσίαν μ.
II Ma. 1. 3. ποιεῖν αὐ. τὰ θελήμ. καρδίᾳ μ.
— 11. ἐκ μ. κινδύνων ὑπὸ τοῦ θ. σεσωσμένοι
— 22. ἀνήφθη πυρὰ μ.
— 31. R ἐκέλευσε λίθους μείζονας κατασχεῖν [A -αχεῖν]
2. 18. ἐξείλατο γὰρ ἡμᾶς ἐκ μ. κακῶν
— 19. R καὶ τὸν τοῦ ἱεροῦ τοῦ μ. [A μεγίστου] καθαρισμόν
3. 24. ἐπιφάνειαν μ. ἐποίησεν
— 35. εὐχὰς μεγίστας εὐξάμενος
— 36. ἔργα τοῦ μεγίστου θεοῦ
4. 50. μ. τῶν πολιτῶν ἐπίβουλος καθεστώς
5. 6. δυσημερίαν εἶναι τὴν μεγίστην
— 20. ἐν τῇ τοῦ μ. δεσπότου καταλλαγῇ
6. 13. μ. εὐεργεσίας σημεῖόν ἐστιν
9. 20. R εὔχομαι μὲν τῷ θ. τὴν μεγίστην χάριν
12. 15. ἐπικαλεσαμενοι τὸν μ. τοῦ κόσμου δυνάστην
14. 13. καταστῆσαι δὲ Ἄ. ἀρχιερέα τοῦ μεγίστου ἱεροῦ
— 31. παραγενόμενος ἐπὶ τὸ μέγιστον . . . ἱερόν
15. 18. μέγιστος δὲ καὶ πρῶτος ὁ . . . φόβος
III Ma. 1. 9. R θύσας τῷ μεγίστῳ [A πιστῷ] θεῷ
— 16. καὶ δεομένων τοῦ μεγίστου θεοῦ
2. 6. ἐγνώρισας τὸ μ. σου κράτος
— 9. πρὸς δόξαν τοῦ μ. . . . ὀνόματός σου
— 12. R ἐρρύσω αὐτοὺς ἐκ μ. κινδύνων [A κακῶν]
— 13. διὰ τὰς . . . μ. ἡμῶν ἁμαρτίας
— 31. ὡς μεγάλης τινὸς κοινωνήσοντες εὐκλείας
3. 7. μέγα τι τοῖς πράγμασιν ἐναντιουμένους
— 11. οὐ καθορῶν τὸ τοῦ μεγίστου θεοῦ κράτος
4. 16. R εἰς δὲ τὸν μέγιστον θεὸν τὰ μὴ καθήκοντα λαλῶν [A al.]
5. 23. ἐν τῷ μ. περιστύλῳ διεκίνει
— 25. ἐδέοντο τοῦ μεγίστου θεοῦ
— 51. ἀνεβόησαν φωνῇ μ.
6. 17. μέγα εἰς οὐρανὸν ἀνέκραξαν
7. 2. κατευθύνοντος ἡμῖν τοῦ μ. θεοῦ τὰ πράγματα
— 22. μετὰ φόβου μεγίστου ἀποδοῦναι αὐτοῖς
— 22. R τὰ μεγαλεῖα τοῦ μεγίστου [A μεγάλου] θεοῦ ποιήσαντος
IV Ma. 1. 2. τῆς μεγίστης ἀρετῆς . . . περιέχει ἔπαινον
5. 21. A R τὸ γὰρ ἐν [S ἐπὶ] μικροῖς καὶ ἐν [S om.] μεγάλοις παρανομεῖν
7. 10. καὶ παθῶν μέγιστε βασιλεῦ Ἑλ.
11. 23. μέγαν σοι προσβάλλων καὶ αὐτὸς ἀλάστορα
13. 15. μέγας γὰρ ψυχῆς ἀγών
15. 9. R μείζω τὴν [A -ων τὴν, S -ον] ἐν αὐτοῖς ἔσχε φιλοστοργίαν
16. 2. γυνὴ τῶν μεγίστων βασάνων ὑπερεφρόνησε

[Aq. Ge. 1. 16, 21 : 10. 21 : 39. 9 : 45. 7 : Ex. 18. 22 : Dt. 2. 21 : 7. 23 : Jd. 5. 16 : II Ki. 5 10 : IV Ki. 18. 19 : 23. 4 : 25. 9 : Jr. 1. 19 : Ps. 39 (40). 11 : 94 (95). 3 : 103 (104). 25 : Ec. 10. 6 : Is. 8. 1 : 56. 12 : Je. 6. 22 : 10. 6 *bis* : 14. 17 : 16. 10 : 25. 14 : 44 (51). 15 : Ez. 3. 13 : 37. 10 : 43. 14 : Da. 10. 1.]
[Sm. Ge. 1. 16, 21 : 41. 40 : Ex. 18. 22 : Dt 7. 23 : I Ki. 6. 18 : 14. 38 : II Ki. 7. 22 : IV Ki. 18. 19 : 23. 4 : Jb. 1. 3 : Ps. 15 (16). 3 : 77 (78). 25 : 94 (95). 3 : 103 (104). 1, 25 : 125 (126). 2 : Ec. 2. 4 : 9. 13 : 10. 4, 6 : Is. 8. 1 : 30. 25 : Je. 6. 22 : 14. 3, 17 : 16. 10 : 25. 14 : 32 (39). 19 : 51 (28). 55 : Ez. 3. 13 : 37. 10 : Am. 6. 2 : Jn. 1. 4.]
[Th. Ge. 1. 16, 21 : Ex. 18. 22 : Dt. 7. 23 : IV Ki. 18. 19 : 25. 9 : Jb. 37. 22 : Ps. 39 (40). 11 : 94 (95). 3 : 103 (104). 25 : Is. 8. 1 : 56. 12 : Je. 6. 22 : 8. 10 : 10. 6 *bis* : 16. 6, 10 : 25. 14 : Ez. 3. 13 : 8. 18 : 30. 22 : 37. 10 : Da. 2. 10, 31 : 7. 7†, 17† : 10. 1.]
[Al. Ge. 21. 8 : Ex. 11. 8 : Le. 19. 15 : Nu. 24. 13 : III Ki. 1. 40 : IV Ki. 3. 27 : II Ch. 16. 14 : Jb. 1. 3 : 37. 5 : Ps. 8. 2 : 134 (135). 5 : Ez. 8. 18 : Hb. 3. 5, 10.]
[Sam. Dt. 34. 1.]
[Quint. IV Ki. 18. 19 : 23. 4.]

μέγεθος. (1) גֹּבַהּ (2) גֹּדֶל (3) קוֹמָה

Ex. 15. 16. *μεγέθει βραχίονός σου ἀπολιθωθήτωσαν* (2)
I Ki. 16. 7. *μηδὲ εἰς τὴν ἕξιν μεγέθους αὐτοῦ* (3)
III Ki. 6. 23. *δέκα πήχεων μέγεθος ἐσταθμωμένον* (3)
7. 35. *ἥμισυ τοῦ πήχεος μέγεθος αὐτῆς* (3)
IV Ki. 19. 23. *ἔκοψα τὸ μ. τῆς κέδρου αὐ.* (3)
Ca. 7. 7 (8). *τοῦτο μέγεθός σου* (3)
Wi. 6. 7. *οὐδὲ ἐντραπήσεται μέγεθος*
13. 5. A R *ἐκ γὰρ μεγέθους καλλονῆς* [B S¹ *κ. καὶ*, S² *καὶ κ.*] *κτισμάτων*
Ba. 2. 18. *ἡ ψυχὴ ἡ λυπουμένη ἐπὶ τὸ μ.*
Ez. 17. 6. A *εἰς ἄμπελον . . . μικρὰν τῷ μ.* [B *om. τ. μ.*] (3)
19. 11. *ὑψώθη* [A *add. ἐν*] *τῷ μ. αὐ. ἐν μέσῳ στελεχῶν καὶ εἶδε τὸ μ. αὐ.* (3, 1)
31. 3. *Ἀσσοὺρ . . . ὑψηλὸς τῷ μ.* (3)
— 5. *ὑψώθη τὸ μ. αὐτοῦ παρὰ πάντα τὰ ξύλα τοῦ πεδίου* (3)
— 10. *ἐγένου μέγας τῷ μ.* (3)
— 14. *μὴ ὑψωθῶσιν ἐν τῷ μ. αὐτῶν πάντα τὰ ξύλα* (3)
II Ma. 15. 24. *μεγέθει βραχίονός σου καταπλαγείησαν*
[Sm. Ec. 2. 9 : Is. 37. 24.]
[Th. Is. 37. 24.]
[Al. Pr. 18. 10.]

μεγεθύνειν.
[Aq. Nu. 6. 5.]
[Sext. Ca. 6. 9 (10).]

μεγιστάν. (1) אַדִּיר (2) גָּדֹל (3) הַדַּבְּרִין (4) רַבְרְבָן (5) שַׂר

II Ch. 36. 18. *καὶ πάντας τοὺς θησαυροὺς . . . μεγιστάνων* (5)
I Es. 1. 38. *ἔδησεν Ἰ. τοὺς μ.*
3. 1. *ἐποίησε δοχὴν μεγ. . . . πᾶσι τοῖς μ. τῆς Μ.*
— 9. *ὃν ἂν κρίνῃ ὁ βασ. καὶ οἱ τρεῖς μ. τῆς Π.*
— 14. *ἐκάλεσε πάντας τοὺς μ. τῆς Π.*
4. 33. *οἱ μ. ἔβλεπον εἰς τὸν ἕτερον* [A *al.*]
8. 26. *ἐμὲ ἐτίμησεν ἔναντι . . . μεγιστάνων αὐτοῦ*
— 55. A R *καὶ οἱ* [B *om.*] *μ. καὶ πᾶς Ἰσρ.*
— 70. *μετεῖχον . . . οἱ μ. τῆς ἀνομίας ταύτης*
Ju. 2. 2. *συνεκάλεσε . . . πάντας τοὺς μ. αὐ.*
5. 22. *εἶπαν οἱ μ. Ὀλ.*
Es. 8. 14. S² *καὶ ἐπιβάται τῶν πορίων οἱ μ.* †
Pr. 8. 16. *δι' ἐμοῦ μεγιστᾶνες μεγαλύνονται* (5)
Si. 4. 7. *μεγιστᾶνι* [S² *πρεσβυτέρῳ*] *ταπεινοῦ τὴν κεφαλήν σου*
8. 8. *μαθήσῃ . . . λειτουργῆσαι μεγιστᾶσι*
10. 24. *μεγιστὰν καὶ κριτὴς καὶ δυνάστης δοξασθήσεται*
11. 1. *ἐν μέσῳ μεγιστάνων καθίσει αὐτόν*
20. 27. *ἄνθρωπος φρόνιμος ἀρέσει μεγιστᾶσιν*
— 28. *ὁ ἀρέσκων μεγιστᾶσιν ἐξιλάσεται ἀδικίαν*
23. 14. *ἀνὰ μέσον γὰρ μεγιστάνων συνεδρεύεις*
28. 14. *οἰκίας μεγιστάνων κατέστρεψε*
30. 27 (33. 18). *ἀκούσατέ μου, μεγιστᾶνες λαοῦ*
Si. 35 (32). 9. *ἐν μέσῳ μεγιστάνων μὴ ἐξισάζου* [S *ἐξουσιάζου*]
38. 3. *ἔναντι μεγιστάνων θαυμασθήσεται*
39. 4. *ἀνὰ μέσον μεγιστάνων ὑπηρετήσει*
Jn. 3. 7. *παρὰ τοῦ βασ. καὶ παρὰ τῶν μ. αὐ.* (2)
Na. 2. 5 (6). *καὶ μνησθήσονται οἱ μ. αὐτῶν* (1)
3. 10. *πάντες οἱ μ. αὐτῆς δεθήσονται χειροπέδαις* (2)
Za. 11. 2. *ὅτι μεγάλως μεγιστᾶνες ἐταλαιπώρησαν* (1)
Is. 34. 12. B¹ R *οἱ μ. αὐτῆς ἔσονται εἰς ἀπώλειαν* [A B² S *al.*] (5)
Je. 14. 3. *οἱ μ. αὐτῆς ἀπέστειλαν* [S¹ *-τησαν*] *τοὺς νεωτέρους αὐτῶν ἐφ' ὕδωρ* (1)
24. 8. *παραδώσω τὸν Σεδ. . . . καὶ τοὺς μ. αὐ.* (5)
25. 17 (49. 38). *ἐξαποστελῶ ἐκεῖθεν βασιλέα καὶ μεγιστᾶνας* (5)
27 (50). 35. *ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Βαβυλῶνα καὶ ἐπὶ τοὺς μ. αὐτῆς* (5)
32. 5 (25. 19). *τὸν Φαραὼ . . . καὶ τοὺς μ. αὐτοῦ* (5)
41 (34). 10. *ἐπεστράφησαν πάντες οἱ μ.* (5)
Ez. 30. 13. *ἀπολῶ* [A *add. βδελύγματα καὶ καταπαύσω*] *μεγιστᾶνας ἀπὸ Μέμφεως* †
Da. LXX. 1. 3. *ἐκ τῶν υἱῶν τῶν μ. τοῦ Ἰσρ.* –
5. 23. *σὺ καὶ οἱ μ. σου* (4)
6. 17 (18). *καὶ ἐν τοῖς δακτυλίοις τῶν μ. αὐ.* (4)
Da. TH. 3. 24 (91). *εἶπε τοῖς μ. αὐ.* (3)
4. 33. *οἱ μ. μου ἐζήτουν με* (4)
5. 1. *ἐποίησε δεῖπνον μέγα τοῖς μ. αὐ. χιλίοις* (4)
— 2, 3. *ὁ βασ. καὶ οἱ μ. αὐτοῦ* (4)
— 9. *οἱ μ. αὐ. συνεταράσσοντο* [A *-ον αὐτόν*] (4)
— 23. *σὺ καὶ οἱ μ. σου* (4)
6. 17 (18). *καὶ ἐν τῷ δακτυλίῳ τῶν μ. αὐτοῦ* (4)
I Ma. 9. 37. *θυγατέρα ἑνὸς τῶν μεγάλων μ.*
[Aq. Is. 32. 5 : Da. 3. 24 (91).]
[Sm. La. 1. 15.]
[Th. Je. 39 (46). 13 : Da. 3. 24 (91) : 5. 10.]
[Al. Je. 39 (46). 3.]

μεθαρμόζειν.
Wi. 19. 18. *δι' ἑαυτῶν γὰρ τὰ στοιχεῖα μεθαρμοζόμενα*

μεθαχαβείν. (1) מִתְחַבְּאִים

I Ch. 21. 20. *τέσσαρας υἱοὺς αὐ. μ.* [A *κρυβόμενοι*] (1)

μεθερμηνεύειν.
Si. *prol.* 23. *τοῦ μεθερμηνεῦσαι τήνδε τὴν βίβλον*

μέθη. (1) עָסִיס (2) *a.* שֵׁכָר *b.* שְׁכַר *c.* שִׁכָּרוֹן (3) **μεθύσκειν μέθῃ** שָׁכַר hi.

To. 4. 15. A B *οἶνον εἰς μέθην μὴ πίῃς*
— 15. A B *μὴ πορευθήτω μετὰ σοῦ μέθη ἐν τῇ ὁδῷ σου*
Ju. 13. 15. *ἐν ᾧ κατέκειτο ἐν ταῖς μ. αὐ.*
Pr. 20. 1. *ἀκόλαστον οἶνος καὶ ὑβριστικὸν μέθη* (2 *a*)
24. 74 (31. 6). *δίδοτε μέθην τοῖς ἐν λύπαις* (2 *a*)
Si. 28. 8. S² *ἀπόλιπε ἀπὸ μέθης* [A B S¹ *al.*]
34 (31). 30. *πληθύνει μέθη θυμὸν ἄφρονος εἰς πρόσκομμα*
Jl. 1. 5. *θρηνήσατε πάντες οἱ πίνοντες οἶνον εἰς μέθην* (1)
Hg. 1. 6. *ἐπίετε καὶ οὐκ εἰς μέθην* (2 *b*)
Is. 28. 7. *ἐσείσθησαν ἀπὸ τῆς μ.* [A S *add. τοῦ σίκερα*] (2 *a*)
Je. 28 (51). 57. *μεθύσει μέθῃ τοὺς ἡγεμόνας αὐτῆς* (3)
Ez. 23. 33. *τοῦ συντελέσαι μέθην* (2 *c*)
39. 19. *πίεσθε αἷμα εἰς μέθην ἀπὸ τῆς θυσίας μου* (2 *c*)
[Sm. Ez. 23. 33.]
[Th. Is. 28. 7 : 56. 12.]

μεθιστᾶν, μεθιστάναι, μεθιστάνειν. (1) מוּט (2) מוּשׁ (3) מָסָה hi. (4) סוּר *a.* qal. *b.* hi. (5) עָדָה aph. (6) פִּנָּה

De. 17. 17. B² *οὐδὲ μεταστήσεται* [A R *ἵνα μὴ μεταστῇ*] *αὐ. ἡ καρδία* (4 *a*)
30. 17. *ἐὰν μεταστῇ ἡ καρδία σου* (6)
Jo. 14. 8. *μετέστησαν τὴν καρδίαν* [A *διάνοιαν*] *τοῦ λαοῦ* (3)
Jd. 7. 5. A *μεταστήσεις αὐτὸν καθ' αὑτόν* –
9. 29. *μεταστήσω τὸν Ἀβ.* (4 *b*)
10. 16. A *μετέστησαν* [B *ἐξέκλιναν*] *τοὺς θεοὺς τοὺς ἀλλοτρίους* (4 *b*)
I Ki. 6. 12. *οὐ μεθίσταντο δεξιά* (4 *a*)
III Ki. 15. 13. *τὴν Ἀ. τὴν μητέρα αὐ. μετέστησε* (4 *b*)
III Ki. 18. 29. *μετάστητε ἀπὸ τοῦ νῦν* –
— 29. *μετέστησαν καὶ ἀπῆλθον* –
IV Ki. 3. 2. B *μετέστησε τὰς στήλας τοῦ Β.* (4 *b*)
12. 3 (4). *πλὴν τῶν ὑψηλῶν οὐ μετεστάθησαν* (4 *a*)
17. 23. *μετέστησε κύριος τὸν Ἰσρ. ἀπὸ προσώπου αὐ.* (4 *b*)
23. 33. *μετέστησεν αὐτὸν Φ. Ν.* †
II Ch. 15. 16. *τὴν Μ. τὴν μητέρα αὐ. μετέστησε* (4 *b*)
Am. 5. 23. *μετάστησον ἀπ' ἐμοῦ ἦχον ᾠδῶν σου* (4 *b*)
Is. 54. 10. *μηδὲ ἐν ἀπειλῇ σου τὰ ὄρη* [S *ὄρια*] *μεταστήσεσθαι* [A S *-ήσασ.*] . . . *οὐδὲ ἡ διαθήκη τῆς εἰρήνης σου οὐ μὴ μεταστῇ* (2, 1)
59. 15. *μετέστησαν τὴν διάνοιαν τοῦ συνιέναι* (4 *a*)
Da. LXX. Su. 56. *τοῦτον μεταστήσας*
2. 21. *μεθιστῶν βασιλεῖς καὶ καθιστῶν* (5)
Da. TH. Su. 56. *καὶ μεταστήσας αὐτόν*
2. 21. *καθιστᾷ βασιλεῖς καὶ μεθιστᾷ* (5)
7. 12. *ἡ ἀρχὴ μετεστάθη* (5)
— 26. *τὴν ἀρχὴν μεταστήσουσι* (5)
11. 31. *μεταστήσουσι τὸν ἐνδελεχισμόν* (4 *b*)
I Ma. 8. 13. *οὓς δ' ἂν βούλωνται μεθιστῶσι*
11. 63. *βουλόμενοι μεταστῆσαι αὐτὸν τῆς χρείας*
II Ma. 4. 10. A *τοὺς ὁμοφύλους μετέστησε* [R *μετῆγε*]
11. 23. *τοῦ πατρὸς ἡμῶν εἰς θεοὺς μεταστάντος*
III Ma. 2. 28. *τοὺς δὲ ἀντιλέγοντας . . . τοῦ ζῆν μεταστῆσαι*
3. 1. *χειρίστῳ μόρῳ τοῦ ζῆν μεταστῆσαι*
6. 12. R *τοὺς . . . ἐκ τοῦ ζῆν μεθιστανομ.* [A *-σταμ.*]
— 24. *ἐπιχειρεῖτε . . . τοῦ πνεύματος μεθιστᾶν*
[Sm. Ex. 14. 25 : II Ki. 7. 10.]
[Th. Jb. 12. 24 : Is. 17. 1.]

μεθλά.
Jd. 20. 48. *ἀπὸ πόλεως μ.* [A *al.*] †

μεθοδεύειν. (1) רָגַל pi.

II Ki. 19. 27 (28). A B¹ *μεθώδευσεν ὁ δοῦλός σου πρὸς τὸν κ. μου* [B² R *al.*] (1)
[Aq. Ex. 21. 13.]

μέθοδος.
Es. 8. 13. *πολυπλόκοις μεθόδων παραλογισμοῖς*
II Ma. 13. 18. *κατεπείρασε διὰ μεθόδων τοὺς τόπους*
[Sext. Ps. 24 (25). 4.]

μεθόριον.
Jo. 19. 27. A *πορεύεται τὸ μ.* –
[Sm. Ez. 47. 8.]

μεθύειν, μεθύσκειν. (1) חָלַם (2) רָוָה *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. *d.* רְוֵיָה *e.* רָוָה (3) שׁוּק pil. (4) שָׁכַר *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. *d.* hithpa. *e.* שְׁכוֹר, שִׁכּוֹר (5) שָׁתָה (6) **μεθύσκειν μέθῃ** שָׁכַר hi.

Ge. 9. 21. *καὶ ἐμεθύσθη* (4 *a*)
43. 34. *ἐμεθύσθησαν μετ' αὐτοῦ* (4 *a*)
De. 32. 42. *μεθύσω τὰ βέλη μου ἀφ' αἵματος* (4 *c*)
I Ki. 1. 13. *ἐλογίσατο αὐτὴν Ἠ. εἰς μεθύουσαν* (4 *e*)
— 14. *ἕως πότε μεθυσθήσῃ* (4 *d*)
25. 36. *καὶ αὐτὸς μεθύων ἕως σφόδρα* (4 *e*)
II Ki. 11. 13. *καὶ ἐμέθυσεν αὐτόν* (4 *b*)
III Ki. 16. 9. *αὐτὸς ἦν ἐν Θ. πίνων μεθύων* (4 *e*)
21 (20). 16. *υἱὸς Ἀ. πίνων μεθύων* (4 *e*)
Ju. 6. 4. *τὰ ὄρη αὐ. μεθυσθήσεται* [A *-σονται*]
Jb. 12. 25. *πλανηθείησαν δὲ ὥσπερ ὁ μεθύων* (4 *e*)
Ps. 22 (23). 5. *τὸ ποτήριόν σου μεθύσκον ὡς* [S² *με ὡσεὶ*] *κράτιστον* (2 *d*)
35 (36). 8. *μεθυσθήσονται ἀπὸ πιότητος οἴκου* (2 *a*)
64 (65). 9. *καὶ ἐμέθυσας αὐτήν* (3)
— 10. *τοὺς αὔλακας αὐτῆς μέθυσον* (2 *b*)
106 (107). 27. *ἐσαλεύθησαν ὡς ὁ μεθύων* (4 *e*)
Pr. 4. 17. *οἶνῳ δὲ παρανόμῳ μεθύσκονται* (5)
23. 30. *μὴ μεθύσκεσθε ἐν* [A S *om.*] *οἴνοις* [A *-ῳ*] –
Ca. 5. 1. *πίετε καὶ μεθύσθητε ἀδελφοί* (4 *a*)
Si. 1. 16. *μεθύσκει αὐτοὺς ἀπὸ τῶν καρπῶν αὐτῆς*
24. 31. *μεθύσω μου τὴν πρασιάν*
35 (32). 13. *εὐλόγησον τὸν . . . μεθύσκοντά σε ἀπὸ τῶν ἀγαθῶν αὐτοῦ*
39. 22. *ὡς κατακλυσμὸς ξηρὰν ἐμέθυσεν*
Ho. 14. 8. *ζήσονται καὶ μεθυσθήσονται σίτῳ* –
Jl. 1. 5. *ἐκνήψατε οἱ μεθύοντες ἐξ οἴνου αὐτῶν* (4 *e*)
Na. 3. 11. *καὶ σὺ μεθυσθήσῃ* (4 *a*)

Hb. 2. 15. μεθύσκων ὅπως ἐπιβλέπῃ ἐπὶ τὰ σπήλαια (4 b)
Is. 7. 20. A S τῷ ξυρῷ τῷ μεγάλῳ καὶ μεμεθυσμένῳ [B al.] †
19. 14. ὡς πλανᾶται ὁ μεθύων (4 e)
24. 20. ἔκλινεν ὡς ὁ μεθύων καὶ κραιπαλῶν (4 e)
28. 1. οἱ μεθύοντες ἄνευ οἴνου (1)
34. 5. ἐμεθύσθη ἡ μάχαιρά μου ἐν τῷ οὐρανῷ (2 b)
— 7. μεθυσθήσεται ἡ γῆ ἀπὸ τοῦ αἵματος (2 b)
36. 12. καὶ πίωσιν οὖρον μεθ' ὑμῶν [S¹ -ὰν μεθύων] ἅμα †
49. 26. καὶ μεθυσθήσονται (4 a)
51. 21. ἄκουε τεταπεινωμένη καὶ μεθύουσα οὐκ ἀπὸ οἴνου (4 a)
55. 10. ἕως ἂν μεθύσῃ τὴν γῆν (2 c)
58. 11. ἔσται ὡς κῆπος μεθύων (2 e)
Je. 26 (46). 10. μεθυσθήσεται ἀπὸ τοῦ αἵματος αὐτῶν (2 a)
28 (51). 7. ποτήριον χρυσοῦν Βαβυλὼν . . . μεθύσκον πᾶσαν τὴν γῆν (4 b)
— 39. μεθύσω αὐτούς (4 c)
— 57. μεθύσει [S¹ -ύει] μέθῃ τοὺς ἡγεμόνας αὐτῆς (6)
31 (48). 26. μεθύσατε αὐτόν (4 e)
32. 13 (25. 27). πίετε μεθύσθητε (4 a)
38 (31). 14. μεθύσω τὴν ψυχὴν τῶν ἱερέων (2 b)
— 25. ἐμέθυσα πᾶσαν ψυχὴν διψῶσαν (2 c)
La. 3. 15. ἐμέθυσέ με χολῆς (2 c)
4. 21. μεθυσθήσῃ καὶ ἀποχεεῖς (4 a)
I Ma. 16. 16. ὅτε ἐμεθύσθη Σ.
[Aq. Dt. 29. 19 (18): Pr. 5. 19: 7. 18: Is. 7. 20: 28. 1: Je. 31 (38). 12: Ez. 23. 42.]
[Sm. Dt. 29. 19 (18): Ps. 22 (23). 5: Pr. 7. 18: Is. 28. 1: 63. 6: Je. 31 (38). 12.]
[Th. Dt. 29. 19 (18): I Ki. 1. 14: Pr. 7. 18: Is. 24. 20: 28. 1, 3: 63. 6.]
[Al. I Ki. 1. 13.]
[Quint. Ps. 22 (23). 5: 64 (65). 11.]
[Sext. Ps. 22 (23). 5.]

μέθυσμα. (1) *a.* שֵׁכָר *b.* שִׁכָּרוֹן (2) תִּירוֹשׁ
Jd. 13. 4, 7. μὴ πίῃς . . . μέθυσμα [A σίκερα] (1 a)
— 14. σίκερα μέθυσμα [A *om.*] μὴ πιέτω (1 a)
I Ki. 1. 11. οἶνον καὶ μέθυσμα οὐ πίεται –
— 15. οἶνον καὶ μέθυσμα οὐ πέπωκα (1 a)
Ho. 4. 11. μέθυσμα ἐδέξατο καρδία λαοῦ (2)
Mi. 2. 11. ἐστάλαξέ σοι εἰς οἶνον καὶ μέθυσμα (1 a)
Je. 13. 13. πληρῶ . . . πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἱερ. μεθύσματι [S al.] (1 b)
[Aq. Dt. 14. 25 (26): 29. 6 (5): Ps. 68 (69). 13: Is. 5. 11: 28. 7 *bis*: 56. 12.]
[Sm. Ps. 68 (69). 13: Is. 5. 11: 28. 7.]
[Th. Is. 28. 7.]
[Al. Le. 10. 9.]

μέθυσος. (1) סֹבֵא (2) שִׁכּוֹר
Pr. 23. 21. πᾶς γὰρ μέθυσος καὶ πορνοκόπος πτωχεύσει (1)
26. 9. ἄκανθαι φύονται ἐν χειρὶ μεθύσου [A S τοῦ μ.] (2)
Si. 19. 1. ἐργάτης μέθυσος οὐ [S¹ -σου] πλουτισθήσεται
26. 8. ὀργὴ μεγάλη γυνὴ μέθυσος
IV Ma. 2. 7. τίνα τρόπον . . . μέθυσος μεταπαιδεύεται
[Sm. Pr. 11. 25.]

μεθωσεείμ. (1) מְתִיחַשִׁים
II Es. 2. 62. ἐζήτησαν γραφὴν αὐ. οἱ μ. (1)

μειάβ.
I Ki. 14. 15. A ὁ ἐν μ. [B οἱ ἐν μεσσὰφ] καὶ οἱ διαφθείροντες †

μειδηχέμ.
[Heb. Ma. 2. 13.]

μειδιᾶν (μηδ., μιδ.).
Si. 21. 20. ἀνὴρ δὲ πανοῦργος μόλις ἡσυχῇ μειδιάσει
[Aq. Am. 5. 9.]
[Sm. Ps. 38 (39). 14.]

μείζων, *vid. sub* **μέγας.**

μεινεί.
[Aq., Th. Is. 65. 11.]

μειοῦσθαι.
Si. 43. 7. φωστὴρ μειούμενος ἐπὶ συντελείᾳ [A S¹-a]

μειράκιον.
II Ma. 7. 25. γενέσθαι τοῦ μ. σύμβουλον
IV Ma. 8. 14. μειράκια, φοβήθητε
11. 24. ἓξ μειράκια κατελύσαμέν σου τὴν τυραννίδα
14. 4. οὐδεὶς ἓκ τῶν ἑπτὰ μ.

μειρακίσκος.
IV Ma. 7. 24. μειρακίσκοι . . . χαλεπωτέρων βασανιστηρίων ἐπεκράτησαν
11. 13. ὁ ἕκτος ἤγετο μ.

μεῖραξ.
IV Ma. 14. 6. οὕτως οἱ ἱεροὶ μ.
— 8. χορεύοντες οἱ μ. ἐκύκλουν

μεισώρ, μισώρ. (1) מִישׁוֹר
De. 3. 10. πᾶσαι πόλεις μ. (1)
Jo. 13. 9. καὶ πᾶσαν τὴν μ. ἀπὸ Μ. (1)
— 16. καὶ πᾶσαν τὴν μ. (1)
— 17. καὶ πάσας τὰς πόλεις τὰς οὔσας ἐν τῇ μ. [A βι.] (1)
— 21. καὶ πάσας τὰς πόλεις τοῦ μ. (1)
[Aq. Je. 48 (31). 8.]
[Al. II Ch. 26. 10.]

μέλαθρον. (1) *a.* יָצוּעַ *b.* יְצִיעַ (2) כַּתָּרֶת (3) שְׂקָפִים
III Ki. 6. 5. ἔδωκεν . . . μέλαθρα κυκλόθεν (1 a*, 1 b)
7. 20. καὶ μέλαθρον ἐπ' ἀμφοτέρων τῶν στύλων (2)
— 20. ἐπίθεμα τὸ [A *om.*] μ. τῷ πάχει †
— 4. καὶ μ. τρία (3)
[Th. III Ki. 7. 20 (9).]

μελαθροῦσθαι. (1) שָׁקַף
III Ki. 7. 5. καὶ αἱ χῶραι τετράγωνοι μεμελαθρωμέναι (1)

μελαίνεσθαι.
[Aq., Sm., Th. Je. 30. 30.]

μέλαν.
[Heb. Ez. 9. 2.]

μελάνθιον. (1) קֶצַח
Is. 28. 25. σπείρει μικρὸν μ. (1)
— 27. οὐ γὰρ μετὰ σκληρότητος καθαίρεται τὸ μ. (1)
— 27. ῥάβδῳ τινάσσεται [A S ἑκτ.] τὸ μ. (1)
[Aq. Is. 28. 25, 27.]

μελανία.
Si. 19. 26. ἔστι πονηρευόμενος συγκεκυφὼς μελανίᾳ

μελανοδοχεῖον.
[Aq. Ez. 9. 2, 11.]

μελανοῦσθαι. (1) *a.* שָׁחַר *b.* שְׁחַרְחַר
Jb. 30. 30. A τὸ δὲ δέρμα μου μεμελάνωται [BS ἐσκότωται] μεγάλως (1 a)
Ca. 1. 6. ἐγώ εἰμι μεμελανωμένη (1 b)
Ep. Je. 21. οὐκ αἰσθάνονται μεμελανωμένοι τὸ πρόσωπον αὐτῶν

μέλας. (1) חַכְלִלּוּת (2) שָׁחוֹר, שָׁחֹר
Le. 13. 37. καὶ θρὶξ μ. ἀνατείλῃ ἐν αὐτῷ (2)
Pr. 23. 29. B³ R τίνος πελιδνοὶ [A B¹ πέλειοι, B² μέλανες, S¹ πελιοῖ] οἱ ὀφθ. (1)
Ca. 1. 5. μέλαινά εἰμι καὶ καλή (2)
5. 11. βόστρυχοι αὐτοῦ ἐλάται μέλανες ὡς κόραξ (2)
Za. 6. 2. ἐν τῷ ἅρματι τῷ δευτέρῳ ἵπποι μ. (2)
— 6. ἐν ᾧ ἦσαν οἱ ἵπποι οἱ μέλανες (2)

μέλειν. (1) חֵפֶץ
To. 10. 5. οὐ μέλει μοι, τέκνον [S al.]
Jb. 22. 3. τί γὰρ μέλει τῷ κυρίῳ (1)
Wi. 12. 13. ᾧ μέλει περὶ πάντων
Is. 59. 5. ὁ μέλλων [S¹ μέλων] τῶν ᾠῶν αὐ. φαγεῖν –
I Ma. 14. 42, 43. A S ὅπως μέλῃ [R -οι] αὐτῷ

μέλεος.
IV Ma. 16. 6. ὦ μελέα ἔγωγε

μελετᾶν. (1) בִּין (2) דָּבַר pi. (3) הָגָה *a.* qal. *b.* po. *c.* הֶגֶה (4) שִׂיחַ *a.* qal. *b.* pil. (5) שָׂעָה (6) שָׁעַע *a.* pilp. *b.* hithp.
Jo. 1. 8. μελετήσεις ἐν αὐτῇ (3 a)
Jb. 6. 30. ἢ ὁ λάρυγξ μου οὐχὶ σύνεσιν μελετᾷ (1)
Jb. 27. 4. οὐδὲ ἡ ψυχή μου μελετήσει ἄδικα (3 a)
Ps. 1. 2. ἐν τῷ νόμῳ αὐτοῦ μελετήσει (3 a)
2. 1. καὶ λαοὶ ἐμελέτησαν κενά (3 a)
34 (35). 28. ἡ γλῶσσά μου μελετήσει τὴν δικαιοσύνην σου (3 a)
36 (37). 30. S¹ στόμα δικαίου μελετήσει σοφίαν καὶ ἡ γλῶσσα αὐτοῦ μελετήσει [ABS² λαλήσει] κρίσιν (3 a, 2)
37 (38). 12. δολιότητας ὅλην τὴν ἡμέραν ἐμελέτησαν (3 a)
62 (63). 6. ἐν τοῖς ὄρθροις ἐμελέτων εἰς σέ (3 a)
70 (71). 24. ἡ γλῶσσά μου . . . μελετήσει τὴν δικαιοσύνην σου (3 a)
76 (77). 6. ἔτη αἰώνια ἐμνήσθην καὶ ἐμελέτησα †
— 12. μελετήσω ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου (3 a)
89 (90). 9. τὰ ἔτη ἡμῶν . . . ἐμελέτων (3 c)
118 (119). 16. ἐν τοῖς δικαιώμασί σου μελετήσω (6 b)
— 47. ἐμελέτων ἐν ταῖς ἐντολαῖς σου (6 b)
— 70. ἐγὼ δὲ τὸν νόμον σου ἐμελέτησα (6 a)
— 117. μελετήσω ἐν τοῖς δικαιώμασί σου (5)
— 148. τοῦ μελετᾶν τὰ λόγιά σου (4 a)
142 (143). 5. ἐμελέτησα ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου ἐν ποιήμασι τῶν χειρῶν σου ἐμελέτων (3 a, 4 b)
Pr. 8. 7. ἀλήθειαν μελετήσει ὁ φάρυγξ μου (3 a)
11. 2. στόμα δὲ ταπεινῶν μελετᾷ σοφίαν –
15. 28. καρδίαι [S¹-a] δικαίων μελετῶσι πίστεις (3 a)
19. 27. μελετήσει ῥήσεις κακάς †
24. 2. ψευδῆ γὰρ μελετᾷ ἡ καρδία αὐτῶν (3 a)
Si. 6. 37. ἐν ταῖς ἐντολαῖς αὐτοῦ μελέτα διὰ παντός
14. 20. S² ὃς ἐν σοφίᾳ μελετήσει [ABS¹ τελευτήσει]
Is. 16. 7. τοῖς κατοικοῦσι δὲ Σὲθ μελετήσεις (3 a)
27. 8. οὐ σὺ ἦσθα [AS *add.* ὁ] μελετῶν τῷ πνεύματι τῷ σκληρῷ (3 a)
33. 18. ἡ ψυχὴ ὑμῶν μελετήσει φόβον (3 a)
38. 14. B² R ὡς περιστερὰ οὕτω μελετῶ [A B¹ S -τήσω] (3 a)
59. 3. ἡ γλῶσσα ὑμῶν ἀδικίαν μελετᾷ (3 a)
— 13. ἐμελετήσαμεν ἀπὸ καρδίας ἡμῶν λόγους ἀδίκους (3 b)
[Aq. Ps. 142 (143). 5: Is. 16. 7.]
[Sm. Ps. 62 (63). 7: Is. 59. 11.]
[Th. Is. 27. 8: 59. 11: Je. 48 (31). 31.]

μελέτη. (1) *a.* הֶגֶה *b.* הֲגִיוֹן *c.* הֲגִיגוּת (2) הֲגִיג (3) חִזָּיוֹן (4) לַהַג (5) שִׂיחָה (6) שַׁעֲשֻׁעִים
Jb. 33. 15. ἐνύπνιον ἢ [A ὡς φάσμα] ἐν μ. νυκτερινῇ (3)
37. 2. μελέτη ἐκ στόματος αὐτοῦ ἐξελεύσεται (1 a)
Ps. 18 (19). 14. ἡ μ. τῆς καρδίας μου ἐνώπιόν σου (1 b)
38 (39). 3. ἐν τῇ μ. μου ἐκκαυθήσεται πῦρ (2)
48 (49). 3. λαλήσει . . . ἡ μ. τῆς καρδίας μου σύνεσιν (1 c)
118 (119). 24. τὰ μαρτύριά σου μελέτη μού ἐστι (6)
— 77. ὁ νόμος σου μελέτη μού ἐστιν (6)
— 92. εἰ μὴ ὅτι ὁ νόμος σου μελέτη μού ἐστι (6)
— 97. ὅλην τὴν ἡμέραν μελέτη μού ἐστιν (5)
— 99. τὰ μαρτύριά σου μελέτη μού ἐστιν (5)
— 143. αἱ ἐντολαί σου μελέτη μου (6)
— 174. ὁ νόμος σου μελέτη μού ἐστι (6)
Ec. 12. 12. μελέτη πολλὴ κόπωσις σαρκός (4)
La. 3. 62. ἤκουσας . . . μελέτας αὐτῶν κατ' ἐμοῦ (1 b)
[Sm. Is. 59. 11.]
[Th. Je. 37. 2: Is. 59. 11.]

μελετητικός.
Ez. 7. 16. A ἔσονται ἐπὶ τῶν ὀρέων ὡς περιστεραὶ μ. [B *om.* ὡς π. μ.] †
[Th. Ez. 7. 16.]

μεληδόν.
[Al. Ex. 29. 17.]

μέλι. (1) דְּבַשׁ (2) נֹפֶת
Ge. 43. 11. δῶρα τῆς ῥητίνης καὶ τοῦ μ. (1)
Ex. 3. 8, 17. εἰς γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μ. (1)
13. 5. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μ. (1)
16. 31. τὸ δὲ γεῦμα αὐτοῦ ὡς ἐγκρὶς ἐν μ. (1)
33. 3. εἰς γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μ. (1)
Le. 2. 11. πᾶσαν γὰρ ζύμην καὶ πᾶν μ. (1)
20. 24: Nu. 13. 28 (27). γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μ. (1)
Nu. 14. 8. γῆ ἥτις ἐστὶν ῥέουσα γάλα καὶ μ. (1)
16. 13, 14. εἰς γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μ. (1)

De. 6. 3. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι (1)
8. 8. γῆ ἐλαίας ἐλαίου καὶ μέλιτος (1)
11. 9 : 26. 9. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι (1)
26. 10. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι –
— 15 : 27. 3 : 31. 20. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι (1)
32. 13. ἐθήλασαν μέλι ἐκ πέτρας (1)
Jo. 5. 6. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι (1)
Jd. 14. 8. συναγωγὴ μελισσῶν . . . καὶ μέλι (1)
— 9. ἀπὸ τοῦ στόματος τοῦ λέοντος ἐξεῖλε τὸ μ. (1)
— 18. τί γλυκύτερον μέλιτος (1)
I Ki. 14. 27. ἔβαψεν αὐτὸ εἰς τὸ κηρίον τοῦ μ. (1)
— 29. ἐγευσάμην βραχὺ τοῦ μ. τούτου (1)
— 43. ἐγευσάμην . . . βραχὺ μ. (1)
II Ki. 17. 29. ἤνεγκαν . . μέλι (1)
III Ki. 12. 24. (*cf.* A 14. 3). B λάβε . . . στάμνον μέλιτος (1)
— 24. B ἔλαβεν . . . στάμνον μέλιτος –
— 24. B ἵνα τί μοι ἐνήνοχας . . . στάμνον μέλιτος –
14. 3. A λάβε . . . στάμνον μέλιτος (1)
IV Ki. 18. 32. γῆ ἐλαίας ἐλαίου καὶ μέλιτος (1)
II Ch. 31. 5. ἀπαρχὴν . . . ἐλαίου καὶ μέλιτος (1)
Jb. 20. 17. μὴ ἴδοι . . νομὰς μέλιτος καὶ βουτύρου (1)
Ps. 18 (19). 10. καὶ γλυκύτερα ὑπὲρ μέλι καὶ κηρίον (1)
80 (81). 16. ἐκ πέτρας μέλι ἐχόρτασεν αὐτούς (1)
118 (119). 103. A S² R ὑπὲρ μέλι [S¹ μ. καὶ κηρίον] τῷ στόματί μου (1)
Pr. 5. 3. μέλι γὰρ ἀποστάζει ἀπὸ χειλέων γυναικὸς πόρνης (2)
16. 24. κηρία μέλιτος λόγοι καλοί (1)
24. 13. φάγε μέλι, υἱέ, ἀγαθὸν γὰρ κηρίον (1)
25. 16. μέλι εὑρὼν φάγε τὸ ἱκανόν (1)
— 27. ἐσθίειν μέλι πολὺ οὐ καλόν (1)
Ca. 4. 11. μέλι καὶ γάλα ὑπὸ τὴν γλῶσσάν σου (1)
5. 1. ἔφαγον ἄρτον μου μετὰ μελιτός μου (1)
Si. 24. 20. τὸ γὰρ μνημόσυνόν μου ὑπὲρ μέλι γλυκὺ [A S τὸ μ. τὸ γλ.] καὶ ἡ κληρονομία μου ὑπὲρ μέλιτος κηροῦ [A καὶ κηρίου]
39. 26. S R σεμίδαλις πυροῦ [A B πυρὸς] καὶ μέλι καὶ γάλα
46. 8. εἰς γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι
49. 1. ἐν παντὶ στόματι ὡς μέλι γλυκανθήσεται
Is. 7. 15, 22. βούτυρον καὶ μ. φάγεται (1)
Je. 11. 5. τοῦ δοῦναι αὐτοῖς γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μ. (1)
39 (32). 22. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μ. (1)
48 (41). 8. εἰσὶν ἡμῖν θησαυροὶ ἐν ἀγρῷ πυροὶ καὶ κριθαὶ μ. καὶ ἔλαιον (1)
Ba. 1. 20. δοῦναι ἡμῖν γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μ.
Ez. 3. 3. ἐγένετο ἐν τῷ στόματί μου ὡς μ. γλυκάζον (1)
16. 13. ἔλαιον καὶ μ. ἔφαγες (1)
— 19. ἔλαιον καὶ μ. ἐψώμισά σε (1)
20. 6, 15. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μ. (1)
27. 17. πρῶτον μ. καὶ ἔλαιον καὶ ῥητίνην (1)
[Aq. III Ki. 14. 3 : Je. 41 (48). 8.]
[Sm. Ex. 16. 31 : Jb. 20. 17 : Ca. 4. 11 : Je. 41 (48). 8.]

μελίζειν. (1) נָתַח pi. (2) פָּרַשׁ

Le. 1. 6. μελιοῦσιν αὐτὸ κατὰ μέλη (1)
Jd. 19. 29. ἐμέλισεν αὐτήν (1)
20. 6. καὶ ἐμέλισα αὐτήν (1)
I Ki. 11. 7. καὶ ἐμέλισεν αὐτάς (1)
III Ki. 18. 23. μελισάτωσαν καὶ ἐπιθέτωσαν [A *om.* κ. ἐ.] (1)
— 33. ἐμέλισε τὸ ὁλοκαύτωμα (1)
Mi. 3. 3. τὰ ὀστέα αὐτῶν . . . ἐμέλισαν ὡς σάρκας (2)
[Aq., Sm., Th. Le. 8. 20.]
[Al. Ex. 29. 17 : Le. 1. 12.]

μελικήριον.
[Sm. Ex. 16. 31.]

μέλισσα. (1) דְּבוֹרָה

De. 1. 44. ὡσεὶ ποιήσαισαν αἱ μ. (1)
Jd. 14. 8. συναγωγὴ [A συστροφὴ] μελισσῶν ἐν τῷ στόματι τοῦ λέοντος (1)
Ps. 117 (118). 12. ἐκύκλωσάν με ὡσεὶ μέλισσαι κηρίον (1)
Pr. 6. 8. πορεύθητι πρὸς τὴν μ. –
Si. 5. 7. S² ὡς μέλισσαι ἐκτριβήσῃ
11. 3. μικρὰ ἐν πετεινοῖς μέλισσα [S ἡ μ.]
Is. 7. 18. συριεῖ . . . τῇ μ. ἥ ἐστιν ἐν χώρᾳ Ἀσσυρίων (1)
IV Ma. 14. 19. μέλισσαι . . . ἀπαμύνονται τοὺς προσιόντας
[Al. Ge. 35. 8.]

μελισσών. (1) דְּבַשׁ

I Ki. 14. 25. δρυμὸς ἦν μελισσῶνος (1)
— 26. εἰσῆλθεν ὁ λαὸς εἰς τὸν μ. †

μέλλειν. (1) *fut. verbi* (2) אַחֲרוֹן (3) עָתִיד (4) ὁ μέλλων αἰών עַד

Ge. 43. 25. ἐκεῖ μέλλει ἀριστᾶν (1)
Ex. 4. 12. ὃ [A ἃ] μέλλεις λαλῆσαι (1)
To. 6. 17. S ὅταν μέλλῃς γίνεσθαι μετ' αὐτῆς [A B *al.*]
Ju. 10. 12. μέλλουσι δίδοσθαι ὑμῖν
Jb. 3. 8. ὁ μέλλων τὸ μέγα κῆτος χειρώσασθαι (3)
19. 25. ὁ ἐκλύειν με μέλλων ἐπὶ γῆς (2)
26. 2. τίνι μέλλεις βοηθεῖν –
Pr. 15. 18. μακρόθυμος δὲ καὶ τὴν μέλλουσαν καταπραΰνει –
Wi. 8. 8. οἶδε τὰ ἀρχαῖα καὶ τὰ μέλλοντα εἰκάζειν [A S² -ζει]
14. 1. ἄγρια μέλλων διοδεύειν κύματα
15. 9. ἔστιν αὐτῷ φροντὶς οὐχ ὅτι μέλλει κάμνειν
17. 21. εἰκὼν τοῦ μέλλοντος αὐτοὺς διαδέχεσθαι σκότους
18. 4. ἤμελλε τὸ ἄφθαρτον νόμου φῶς τῷ αἰῶνι δίδοσθαι
19. 2. προῄδει γὰρ αὐτῶν καὶ τὰ μέλλοντα
Is. 9. 6 (5). A S² πατὴρ τοῦ μέλλοντος αἰῶνος (4)
15. 7. μὴ καὶ οὕτως μέλλει σωθῆναι †
28. 24. A S² μὴ ὅλην τὴν ἡμέραν μέλλει [B ἀροτριάσει] ὁ ἀροτριῶν ἀροτριᾶν [B *om.*] (1)
47. 13. τί μέλλει ἐπὶ σὲ ἔρχεσθαι (1)
48. 6. ἃ μέλλει γίνεσθαι †
59. 5. ὁ μέλλων [S¹ μέλων] τῶν ᾠῶν αὐ. φαγεῖν –
Je. 36 (29). 10. ὅταν μέλλῃ πληροῦσθαι Βαβυλῶνι ἑβδομήκοντα ἔτη –
Ep. Je. 46. πῶς τε δὴ μέλλει τὰ ὑπ' αὐτῶν κατασκευασθέντα [A *add.* εἶναι]
I Ma. 13. 14. S R συνίπτειν αὐτῷ μέλλει [A *add.* εἰς] πόλεμον
II Ma. 1. 18. μέλλοντες οὖν ἄγειν . . . τὸν καθαρισμόν
2. 16. μέλλοντες οὖν ἄγειν τὸν καθαρισμόν
— 22. τοὺς μέλλοντας καταλύεσθαι νόμους
3. 18. R διὰ τὸ [A *add.* μὴ] μ. εἰς καταφρόνησιν ἔρχεσθαι
6. 29. μέλλων δὲ ταῖς πληγαῖς τελευτᾶν
7. 2. R τί [A *om.*] μέλλεις ἐρωτᾶν
— 18. μέλλων ἀποθνήσκειν ἔφη
8. 3. καὶ μέλλουσαν ἰσόπεδον γίνεσθαι
— 11. τὴν . . . μέλλουσαν παρακολουθήσειν . . . δίκην
13. 10. τοῖς τοῦ νόμου . . . στερεῖσθαι μέλλουσι
14. 41. τῶν δὲ πληθῶν μελλόντων τὸν πύργον καταλαβέσθαι
IV Ma. 1. 1. φιλοσοφώτατον λόγον ἐπιδείκνυσθαι μέλλων
6. 23. τί μέλλετε
— 26. καὶ μέλλων λιποθυμεῖν
8. 27. οἱ νεανίαι βασανίζεσθαι μέλλοντες
— 28. S ἦσαν γὰρ μέλλοντες [A R *om.*] περίφρονες τῶν παθῶν
9. 1. τί μέλλεις
10. 9. μέλλων δὲ ἀποθνήσκειν
11. 2. οὐ μέλλω . . . παραιτεῖσθαι
12. 16. ἀποθνήσκειν μέλλων ἔφη
17. 1. ἔμελλε καὶ αὐτὴ συλλαμβάνεσθαι
[Aq. Ge. 19. 16 : II Ki. 15. 28 : Ps. 36 (37). 37 : Hb. 2. 3.]
[Sm. Jb. 3. 8 : Ps. 36 (37). 37 : Ec. 1. 9.]
[Th. Ps. 36 (37). 37.]

μελοκοπία.
[Sm. Na. 3. 1.]

μέλος. (1) הֶגֶה (2) נִגּוּן

Ex. 29. 17. τὸν κριὸν διχοτομήσεις κατὰ μέλη (2)
Le. 1. 6. μελιοῦσιν αὐτὸ κατὰ μέλη (2)
— 12. διελοῦσιν αὐτὸ κατὰ μέλη (2)
8. 19 (20). τὸν κριὸν ἐκρεανόμησε κατὰ μέλη (2)
— 19 (20). τὴν κεφαλὴν καὶ τὰ μ. καὶ τὸ στέας (2)
9. 13. προσήνεγκαν αὐτὸ κατὰ μέλη (2)
Jd. 19. 29. ἐμέλισεν αὐτὴν εἰς δώδεκα μέλη [A *al.*] (2)
Jb. 9. 28. σείομαι πᾶσι τοῖς μέλεσιν †
31. 12. πῦρ γάρ ἐστι καιόμενον ἐπὶ πάντων τῶν μερῶν [S⁴ λερῶν, ? μελῶν] †
Si. 35 (32). 6. μέλος μουσικῶν ἐφ' ἡδεῖ οἴνῳ
40. 21. αὐλὸς καὶ ψαλτήριον ἡδύνουσι μέλη
44. 5. ἐκζητοῦντες μέλη μουσικῶν
47. 9. ἐξ ἠχοῦς αὐτῶν γλυκαίνειν μέλη
50. 12. ἐν δὲ τῷ δέχεσθαι μέλη ἐκ χειρῶν ἱερέων
— 18. ἐν πλείστῳ οἴκῳ [S² ἤχῳ] ἐγλυκάνθη [A S ἐμεγαλύνθη] μέλος
Mi. 2. 4. καὶ θρηνηθήσεται θρῆνος ἐν μέλει –
Ez. 2. 10. ἐγέγραπτο [A *add.* εἰς αὐτὴν] θρῆνος καὶ μ. καὶ οὐαί (1)
24. 6. κατὰ μ. αὐτῆς ἐξήνεγκεν (2)
II Ma. 1. 16. καὶ μέλη ποιήσαντες
7. 7. πρὸ τοῦ τιμωρηθῆναι κατὰ μέλος τὸ σῶμα
8. 24. τοῖς μ. ἀναπήρους . . . ἐποίησαν
9. 7. πάντα τὰ μ. τοῦ σώματος ἀποστρεβλοῦσθαι
III Ma. 2. 22. καὶ τοῖς μ. παραλελυμένον
5. 25. ἐν μ. γοεροῖς τείνοντες τὰς χεῖρας
6. 32. καταλήξαντες δὲ θρήνου πανόδυρτον μ.
IV Ma. 9. 14. κατὰ πᾶν μέλος κλώμενος
— 17. S R τέμνετέ μου τὰ [A *om.*] μ.
10. 20. τὰ τοῦ σώματος μ. ἀκρωτηριαζόμεθα
[Aq. Je. 9. 10 (9), 19 (18) : 48 (31). 31 : Ez. 24. 4 *bis.*]
[Sm. III Ki. 12. 10 : Ps. 9. 17 : 67 (68). 14 : Je. 9. 18 (17), 19 (18) : 48 (31). 31 : La. 4. 7 : Ez. 2. 10 : 17. 3 : 24. 4 *bis* : 27. 32. Am. 5. 16.]
[Th. Ez. 2. 10 : 24. 4 *bis* : 27. 32 : 32. 18.]
[Al. Le. 1. 8 : 8. 20.]

μελύνειν (?).
Si. 50. 18. ἐγλυκάνθη [A S² ἐμεγαλύνθη, S¹ ἐμελύνθη] μέλος

μελχό. (1) מַלְכָּה

III Ki. 11. 7. A καὶ τῷ μ. (1)

μελχόλ.
II Ki. 12. 30. ἔλαβε τὸν στέφανον μ. [A *om.*] τοῦ βασ. αὐ. †

μελχόμ.
[Aq., Sm. Am. 1. 15.]

μελῳδεῖν.
IV Ma. 18. 15. τὸν ὑμνογράφον ἐμελῴδει ὑμῖν Δ.
[Aq. Ps. 26 (27). 6 : 29 (30). 5 : 32 (33). 2 : 70 (71). 22 : 137 (138). 1 : 146 (147). 7.]
[Sm. Ps. 26 (27). 6 : 65 (66). 4 : 70 (71). 23 : 100 (101). 1 : 146 (147). 7.]
[Quint. Ps. 137 (138). 1.]

μελῴδημα.
[Aq. Ps. 4. 1 : 6. 1 : 8. 1 : 9. 1 : 11 (12). 1 : 18 (19). 1 : 19 (20). 1 : 21 (22). 1 : 22 (23). 1 : 23 (24). 1 : 28 (29). 1 : 29 (30). 1 : 38 (39). 1 : 40 (41). 1 : 45 (46). 1 : 46 (47). 1 : 48 (49). 1 : 61 (62). 1 : 76 (77). 1.]
[Al. Ps. 9. 17.]

μελῳδία.
IV Ma. 15. 21. A R οὐχ οὕτω σειρήνιοι μ. [S -δοί]
[Aq. Jb. 35. 10 : Ps. 80 (81). 3 : Is. 24. 16.]
[Sm. Jb. 30. 9 : Ps. 91 (92). 4.]

μελῳδός.
IV Ma. 10. 21. τὴν γὰρ τῶν θείων ὕμνων μ. γλῶτταν ἐκτέμνεις
15. 21. S οὐχ οὕτω σειρήνιοι μ. [A R -δίαι]
[Al. Ps. 67 (68). 26.]

μεμβραδέ.
III Ki. 4. 12. A ἕως μ. Ἰ. [B *al.*] †

μέμφεσθαι.
Si. 11. 7. πρὶν ἐξετάσῃς μὴ μέμψῃ
41. 7. πατρὶ ἀσεβεῖ μέμψεται τέκνα
II Ma. 2. 7. μεμψάμενος αὐτοῖς εἶπεν
[Heb. Jb. 1. 22.]

μέμψις. (1) תְּנוּאָה (2) תְּשֻׁאוֹת

Jb. 15. 15. A εἰ κατὰ ἁγίων οὐ πιστεύει μέμψις [B S *om.*] –
33. 10. μέμψιν δὲ κατ' ἐμοῦ εὗρεν (1)
— 23. ἀναγγείλῃ δὲ ἀνθρώπῳ τὴν ἑαυτοῦ μ. †
39. 7. μέμψιν δὲ φορολόγου οὐκ ἀκούων (2)
Wi. 13. 6. ἐπὶ [A ἔτι] τούτοις ἔστι μέμψις ὀλίγη
[Sm. Ec. 7. 15 (14).]

μέν. * μὲν οὖν.

Ge. 18. 12 : 27. 22†: 30. 42†: 38. 23 : 43. 4*, 14 : 44. 8, 26.
Ex. 1. 16 : 4. 23* : 9. 2* : 13. 21 : 32. 32.
Le. 3. 1 : 4. 3 : 7. 2 (12)†: 27. 7.
Nu. 5. 27† : 15. 3 : 22. 33.
De. 20. 11.
I Ki. 20. 14.
II Ki. 11. 25 : 15. 33†.
To. 3. 10† : 14. 10†.
Ju. 5. 20.
Es. 3. 11 : 5. 1 : 8. 13†, 14*.
Jb. 2. 10† : 8. 7 : 9. 19 : 12. 3, 11 ; 26. 12† : 28. 2 : 32. 6† : 41. 18 (19), 19 (20)† *bis* : 42. 5, 14, 17 *bis*, 17†.
Ps. 34 (35). 20.
Pr. 6. 10 : 11. 31 : 23. 14 : 25. 9.
Wi. 5. 13 : 7. 1, 30 : 11. 6, 10 : 13. 1†, 3, 16*, 18 : 14. 2, 8, 19 : 15. 9, 17 : 16. 3, 4†, 9, 14† *bis*, 18, 21 : 17. 5, 15 : 18. 1†, 1*†, 3, 4, 7, 16, 17 : 19. 5, 10, 14.
Si. 14. 18 *bis* : 23. 23 : 48. 16.
Hg. 1. 4.
Za. 1. 15 : 11. 7†.
Is. 6. 2 : 41. 7.
Je. 1. 16†.
Ep. Je. 20†, 55, 60.
Da. LXX. 1. 7: 2. 24, 33, 41, 42 : 3. 15, 23*, (46) : 12. 2 : Bel 6.
Da. TH. Su. 39, 53 : 2. 33†, 41, 42 : Bel 7†.
II Ma. 2. 25, 26, 27†, 28, 30, 32 : 3. 8, 19, 22*, 26, 29, 40 : 4. 11, 14, 15, 20†, 25, 26, 27, 29, 41, 42, 47 : 5. 7, 11, 14, 21, 22 *bis* : 6. 4, 16, 27 *bis* : 7. 9, 14, 36, 42* : 8. 18 : 9. 14, 20*, 28* : 10. 1, 9, 22*, 28*† : 11. 2, 5, 16, 18*, 19* : 12. 1, 6, 18, 24 : 14. 8 *bis*, 13, 27 : 15. 6, 12, 24, 27, 38†.
III Ma. 1. 20, 24 : 2. 1*†, 15, 31*†: 3. 3, 6*, 8, 11*, 17, 30 : 4. 9, 15*, 16†, 18 : 5. 3, 9*, 12, 42 : 6. 29*.
IV Ma. 1. 7*, 10*, 15†, 22*, 26, 30, 32, 33† : 2. 18 : 3. 9* : 4. 4, 14 : 5. 26, 38 : 6. 2, 12, 15†, 19, 21, 22 : 7. 13† : 8. 2 : 9. 8, 31† : 10. 10 : 11. 22† : 12. 4 *bis*, 14 : 13. 5, 11 : 14. 15 : 15. 16† : 16. 9, 17 : 18. 9†, 18.
[Sm. Ex. 14. 20 : Jb. 42. 11 : Ps. 58 (59). 8 : 74 (75). 8 : 75 (76). 13 : Ec. 4. 14 : Ho. 7. 1 : Za. 11. 7.]
[Th. Da. 13. 53.]
[Al. I Ki. 21. 5 (6).]
[Quint. Ho. 7. 1.]

μένειν. (1) אָחַר i. (2) אָרַךְ hi. (3) הָיָה (4) חָכָה pi. (5) יָחַל hi. (6) יָצָא (7) יָשַׁב (8) כּוּן ni. (9) כָּתַר pi. (10) לִין (11) עָדָא c. neg. (12) עָמַד (13) c. neg. פָּרַר hi. (14) קָוָה pi. (15) *a.* קוּם *b.* קָיַם (16) קָרָא ni.

Ge. 24. 55. μειάτω ἡ παρθένος μεθ' ἡμῶν (7)
45. 9. καὶ μὴ μείνῃς (12)
Ex. 9. 28. οὐκέτι προστεθήσεσθε μένειν (12)
Le. 13. 5. ἰδοὺ ἡ ἀφὴ μένει ἐναντίον αὐτοῦ (12)
— 23. ἐὰν δὲ κατὰ χώραν μείνῃ τὸ τηλαύγημα (12)
— 28. ἐὰν δὲ κατὰ χώραν μείνῃ τὸ αὐγάζον (12)
— 37. ἐὰν δὲ ἐνώπιον μείνῃ ἐπὶ χώρας τὸ θραῦσμα (12)
Nu. 30. 5. πάντες οἱ ὁρισμοὶ . . . μενοῦσιν αὐτῇ (15 *a*)
— 9. οἱ ὁρισμοὶ αὐτῆς . . . οὐ μενοῦσι (13)
— 10. μενοῦσιν αὐτῇ (15 *a*)
— 13. οὐ μενεῖ αὐτῇ (15 *a*)
Jd. 16. 2. **A** μείνωμεν καὶ ἀποκτείνωμεν αὐτόν [B *al.*] –
19. 9. **A** καὶ μείνατε ὧδε (10)
I Ki. 20. 11. μένε εἰς ἀγρόν (6)
II Ki. 18. 14. **B** οὐχ οὕτως μενῶ (5)
III Ki. 8. 16. **B** μεῖναι [**R** εἶναι] τὸ ὄνομά μου ἐκεῖ (3)
IV Ki. 7. 9. μένομεν ἕως φωτὸς τοῦ πρωΐ (4)
9. 3. καὶ οὐ μενεῖς (4)
II Ch. 29. 19. ἃ ἐμίανεν [**A**¹ ἔμεινεν] "A. †
I Es. 4. 38. καὶ ἡ ἀλήθεια μένει
To. 2. 2. ἰδοὺ μένω [**S** προσμενῶ] σε
5. 7. **S** μεῖνόν [**A B** ὑπόμ.] με
6. 7. **S** οὐ μὴ μείνωσιν μετ' αὐτοῦ [**A B** *al.*]
8. 20. **S** αὐτοῦ μενεῖς ἔσθων
To. 10. 9. μεῖνον παρ' ἐμοί [**S** μεῖνον, παιδίον, μεῖνον μετ' ἐμοῦ]
14. 8. **S** μὴ μείνῃς ὧδε
Ju. 7. 5. ἔμενον φυλάσσοντες
— 20. ἔμεινε [**A** ἔμενον] κύκλῳ αὐτῶν πᾶσα παρεμβολὴ 'A.
8. 7. καὶ ἔμενεν [**A S**¹ ἔμεινεν] ἐπ' αὐτῶν
11. 17. καὶ νῦν μενῶ παρὰ σοί
15. 2. οὐκ ἦν ἄνθρ. μένων κατὰ πρόσωπον τοῦ πλησίον
Jb. 15. 23. μένει εἰς πτῶμα (8)
— 29. οὔτε μὴ μείνῃ αὐτοῦ τὰ ὑπάρχοντα (15 *a*)
21. 11. μένουσι δὲ ὡς πρόβατα αἰώνια †
36. 2. μεῖνόν με μικρὸν ἔτι (9)
Ps. 9. 7. ὁ κύριος εἰς τὸν αἰῶνα μένει (7)
32 (33). 11. ἡ δὲ βουλὴ τοῦ κυρίου εἰς τὸν αἰῶνα μένει (12)
88 (89). 36. τὸ σπέρμα αὐτοῦ εἰς τὸν αἰῶνα μενεῖ (3)
101 (102). 12. σὺ δὲ, κύριε, εἰς τὸν αἰῶνα μένεις (7)
110 (111). 3. ἡ δικαιοσύνη αὐτοῦ μένει εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰ. (12)
— 10. ἡ αἴνεσις αὐτοῦ μένει εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος (12)
111 (112). 3, 9. ἡ δικαιοσύνη αὐτοῦ μένει εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος (12)
116 (117). 2. ἡ ἀλήθεια τοῦ κυρίου μένει εἰς τὸν αἰῶνα –
Pr. 15. 22. ἐν δὲ καρδίαις βουλευομένων μένει βουλή (15 *a*)
19. 21. ἡ δὲ βουλὴ τοῦ κυρίου εἰς τὸν αἰῶνα μένει (15 *a*)
Ec. 7. 16 (15). ἔστιν ἀσεβὴς μένων ἐν κακίᾳ αὐτοῦ (2)
Wi. 7. 27. μένουσα ἐν αὐτῇ τὰ πάντα καινίζει
11. 25. πῶς δὲ ἔμεινεν [**S** διέμ.] ἄν τι [**S**¹ ἔναντι]
16. 5. οὐ μέχρι τέλους ἔμεινεν ἡ ὀργή σου
17. 17. τὴν δυσάλυκτον ἔμενεν ἀνάγκην
18. 20. οὐκ ἐπὶ πολὺ ἔμεινεν ἡ ὀργή
19. 18. τὰ στοιχεῖα . . . πάντοτε μένοντα ἤχῳ [**S**² ἐν ἤ.]
Si. 18. 22. μὴ μείνῃς ἕως θανάτου δικαιωθῆναι
22. 18. οὐ μὴ ὑπομείνωσιν [**A** -μενοῦσιν, **S**¹ μείνωσιν]
37. 2. **B**² **S**² οὐχὶ λύπη μένει [**A B**¹ **S**¹ **R** ἔνι] ἕως θανάτου
42. 23. καὶ μένει εἰς τὸν αἰῶνα
44. 13. ἕως αἰῶνος μενεῖ [**S**² διαμ.] σπέρμα αὐτῶν
Za. 14. 10. Ῥαμὰ δὲ ἐπὶ τόπου μενεῖ (7)
Is. 5. 2. ἔμεινα τοῦ ποιῆσαι σταφυλήν (14)
— 4. διότι ἔμεινα τοῦ ποιῆσαι σταφυλήν (14)
— 7. ἔμεινα τοῦ ποιῆσαι κρίσιν (14)
— 11. οὐαὶ . . . οἱ μένοντες τὸ ὄψε (1)
7. 7. οὐ μὴ μείνῃ [**A S** ἐμμ.] ἡ βουλὴ αὕτη (15 *a*)
8. 17. μενῶ τὸν θεόν (4)
10. 32. παρακαλεῖτε σήμερον ἐν ὁδῷ τοῦ μεῖναι (12)
14. 20. οὐ μὴ μείνῃς εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (16)
— 24. ὃν τρόπον βεβούλευμαι οὕτως μενεῖ (15 *a*)
27. 9. οὐ μὴ μείνῃ τὰ δένδρα αὐτῶν (15 *a*)
30. 18. πάλιν μενεῖ ὁ θεὸς τοῦ οἰκτειρῆσαι ὑμᾶς (4)
32. 8. αὕτη ἡ βουλὴ μενεῖ (15 *a*)
40. 8. τὸ δὲ ῥῆμα τοῦ θεοῦ ἡμῶν μένει εἰς τὸν αἰῶνα (15 *a*)
46. 7. ἐὰν δὲ θῶσιν αὐτὸ ἐπὶ τοῦ τόπου αὐτοῦ μένει (12)
59. 9. μείναντες αὐγὴν ἐν ἀωρίᾳ περιεπάτησαν –
66. 22. ὁ οὐρανὸς καινὸς καὶ ἡ γῆ καινὴ ἃ ἐγὼ ποιῶ μένει ἐνώπιον ἐμοῦ (12)
Je. 26 (46). 15. ὁ μόσχος ὁ ἐκλεκτός σου οὐκ ἔμεινεν (12)
Ez. 48. 8. **B** ἀπὸ τῶν πρὸς ἀνατολὰς μενεῖ [**A R** *om.*] ἔσται [**A** *om.*] (3 ?)
Da. LXX. 6. 12 (13). μενεῖ ὁ ὁρισμός (11)
— 26 (27). αὐτὸς γάρ ἐστι θεὸς μένων (15 *b*)
8. 19. εἰς ὥρας καιροῦ συντελείας μενεῖ –
11. 6. καὶ μενεῖ εἰς ὥρας †
Bel 15. ἐπίδετε τὰς σφραγῖδας ὑ. εἰ μένουσιν
Da. TH. Su. 59. μένει γὰρ ὁ ἄγγελος τοῦ θ.
4. 23. ἡ βασιλεία σοῦ σοι μένει (15 *b*)
6. 26 (27). θεὸς . . . μένων εἰς τοὺς αἰῶνας (15 *b*)
I Ma. 11. 40. ἔμεινεν ἐκεῖ ἡμέρας πολλάς
13. 11. ἔμεινεν ἐκεῖ ἐν αὐτῇ
15. 7. τὰ ὀχυρώματα . . . μενέτω σοι
II Ma. 4. 50. **R** ἔμενεν ἐπὶ τῆς ἀρχῆς [**A** τῇ ἀ.]
II Ma. 7. 30. τίνα μένετε
8. 1. τοὺς μεμενηκότας ἐν τῷ Ἰουδαϊσμῷ
IV Ma. 18. 8. ἔμεινα δὲ χρόνον ἀκμῆς
[Sm. Ge. 13. 12 : Ps. 88 (89). 38 : Is. 37. 37 : Je. 37 (44). 21 : 38 (45). 2, 13 : La. 1. 1 : Ho. 8. 10.]
[Th. Mi. 5. 7 (6).]
[Al. Dt. 1. 46 : Jd. 19. 4, 6.]

μενί.

[Heb. Ps. 43 (44). 19.]

μέντοι.

Le. 7. 2 (12)†.
Pr. 5. 4† : 16. 25, 27 : 22. 9 : 26. 12.
IV Ma. 6. 15†.
[Sm. III Ki. 15. 14 : Ps. 115. 1 (116. 10).]
[Al. I Ki. 21. 5 (6).]

μέντοιγε.

Ps. 38 (39). 6.
[Sm. Jb. 18. 5 : Je. 36 (43). 25.]

μεργάβ (?).

III Ki. 4. 34 (9. 16). **B** τὸν Χαν. τὸν κατοικοῦντα ἐν μ. [**A** *al.*] †

μεριδάρχης.

I Ma. 10. 65. ἔθετο αὐτὸν . . . μεριδάρχην

μεριδαρχία.

I Es. 1. 5. κατὰ τὴν μ. τὴν πατρικὴν ὑμῶν
— 11. κατὰ τὰς μ. τῶν πατέρων
5. 4. τῶν ἀναβαινόντων . . . ἐπὶ τὴν μ. αὐ.
8. 28. κατὰ . . . τὰς μ.

μερίζειν. (1) גָּבַל (2) חָלַק *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* חֵלֶק *e.* חֶלְקָה *f.* מַחֲלֻקוֹת (3) חָצָה *a.* qal. *b.* ni. (4) כָּתַב (5) נָחַל *a.* qal. *b.* hi. *c.* נַחֲלָה

Ex. 15. 9. μεριῶ σκῦλα (2 *c*)
Nu. 26. 53. τούτοις μερισθήσεται ἡ γῆ (2 *b*)
— 55. διὰ κλήρων μερισθήσεται ἡ γῆ (2 *b*)
— 56. μεριεῖς τὴν κληρονομίαν αὐ. (2 *b*)
De. 18. 8. μερίδα μεμερισμένην φάγεται (2 *d*)
33. 21. ἐκεῖ ἐμερίσθη γῆ ἀρχόντων (2 *e*)
Jo. 13. 7. μέρισον τὴν γῆν ταύτην (2 *c*)
— 27. **A** ὁ Ἰορδ. μεριεῖ [**B** ὁριεῖ] (1)
14. 5. ἐμέρισαν [**A** -σαντο] τὴν γῆν (2 *a*)
18. 6. μερίσατε τὴν γῆν ἑπτὰ μερίδας (4)
I Ki. 23. 28. πέτρα ἡ μερισθεῖσα (2 *f*)
30. 24. κατὰ τὸ αὐτὸ μεριοῦνται (2 *a*)
III Ki. 16. 21. τότε μερίζεται ὁ λαὸς Ἰσρ. (2 *b*)
18. 6. ἐμέρισαν ἑαυτοῖς [**A** -σεν αὐ.] τὴν ὁδόν (2 *c*)
Ne. 9. 22. ἐμέρισας [**A** διεμ.] αὐτοῖς (2 *a*)
13. 13. μερίζειν τοῖς ἀδελφοῖς αὐ. (2 *a*)
To. 6. 17. **S** σοὶ γάρ ἐστιν μεμερισμένη [**A B** *al.*]
Jb. 31. 2. **R** τί [**B S**⁴ ἔτι, **A S**¹ *om.*] ἐμέρισεν [**S**¹ διεμ., **A** ἐπεμ.] ὁ θεὸς ἄνωθεν [**S**² ἀπάν.] (2 *d*)
39. 17. οὐκ [**S**¹ *om.*] ἐμέρισεν αὐτῇ ἐν τῇ συνέσει (2 *a*)
40. 25 (30). μεριτεύονται [**S**² μεριοῦνται] δὲ αὐτόν (3 *a*)
Pr. 8. 21. ἵνα μερίσω τοῖς ἐμὲ ἀγαπῶσιν ὕπαρξιν (5 *b*)
14. 18. μεριοῦνται ἄφρονες κακίαν (5 *a*)
19. 14. ὕπαρξιν μερίζουσι [**A** -ιοῦσιν] πατέρες παισί (5 *c*)
29. 24. ὃς μερίζεται [**S**¹ ἐρίζ., **S**² συμμερ.] κλέπτῃ (2 *a*)
Si. 41. 9. ἐὰν ἀποθάνητε εἰς κατάραν μερισθήσεσθε
44. 23. ἐν φυλαῖς ἐμέρισε δέκα δύο
45. 20. ἀπαρχὰς πρωτογεννημάτων ἐμέρισεν αὐτοῖς
Ho. 10. 2. ἐμέρισαν καρδίας αὐτῶν (2 *a*)
Is. 53. 12. τῶν ἰσχυρῶν μεριεῖ σκῦλα (2 *c*)
Je. 12. 14. ἧς ἐμέρισα τῷ λαῷ μου Ἰσραήλ (5 *b*)
28 (51). 34. ἐμερίσατό με †
Da. LXX. 11. 4. μερισθήσεται εἰς τοὺς τέσσαρας ἀνέμους τοῦ οὐρ. (3 *b*)
I Ma. 5. 20. ἐμερίσθησαν Σίμωνι ἄνδρες τρισχίλιοι
9. 11. ἐμερίσθη ἡ ἵππος εἰς δύο μέρη
II Ma. 8. 28. **R** ὀρφανοῖς μερίσαντες ἀπὸ τῶν σκύλων τὰ λοιπὰ . . . ἐμερίσαντο [**A** διεμ.]
— 30. λάφυρα πλεῖστα ἐμερίσαντο

IV Ma. 13. 19. ἅπερ ἡ . . . πρόνοια . . . τοῖς γεννωμ. ἐμέρισε
[Aq. Ge. 49. 27 : Dt. 4. 19 : 29. 26 (25) : Jo. 11. 17 : 12. 7 : Ps. 67 (68). 13 : Pr. 17. 2 : Is. 33. 23 : Je. 37 (44). 12 : Ez. 5. 1.]
[Sm. Ge. 49. 27 : Pr. 17. 2 : Je. 37 (44). 12 : Ez. 5. 1.]
[Th. Jb. 39. 17 : Pr. 17. 2 : Je. 37 (44). 12 : Ez. 5. 1.]

μέριμνα. (1) יְהָב

Ju. 8. 29. οὐκ ἐν τῇ σήμερον [S¹ σῇ μερίμνῃ] ἡ σοφία σου πρόδηλός ἐστιν
Es. 1. 1. τὰς μ. αὐ. ἐξηρεύνησε
Jb. 11. 18. ἐκ δὲ μερίμνης καὶ φροντίδος ἀναφανεῖταί σοι εἰρήνη †
Ps. 54 (55). 22. ἐπίρριψον ἐπὶ κύριον τὴν μ. σου (1)
Pr. 17. 12. ἐμπεσεῖται μέριμνα ἀνδρὶ νοήμονι †
Si. 30. 24. πρὸ καιροῦ γῆρας [S² -ρους] ἄγει μέριμνα [S -αν]
34 (31). 1. ἡ μ. αὐτοῦ ἀφιστᾷ [A -ατο] ὕπνον
— 2. μέριμνα ἀγρυπνίας ἀπαιτήσει νυσταγμόν
38. 29. ἐν μερίμνῃ κεῖται διὰ παντὸς ἐπὶ τὸ ἔργον αὐτοῦ
42. 9. ἡ μ. αὐ. ἀφιστᾷ ὕπνον
Da. LXX. 11. 26. καταναλώσουσιν αὐτὸν μέριμναι αὐτοῦ †
I Ma. 6. 10. συμπέπτωκα τῇ καρδίᾳ ἀπὸ τῆς μ.
[Aq. Ps. 30 (31). 11 : Ez. 4. 16 : 12. 19.]
[Sm. Ps. 12 (13). 3.]
[Th. Pr. 12. 25 : Ez. 12. 19.]
[Al. Ps. 54 (55). 3.]

μεριμνᾶν. (1) דְּאַג (2) כְּעַס (3) עִצֵּב (4) עָשָׂה (5) רָגַז (6) שְׁעָה

Ex. 5. 9. καὶ μεριμνάτωσαν [A -άσθωταν] ταῦτα (4)
— 9. μὴ μεριμνάτωσαν [A -άσθωσαν] ἐν λόγοις κενοῖς (6)
II Ki. 7. 10. οὐ μεριμνήσει οὐκέτι (5)
I Ch. 17. 9. καὶ οὐ μεριμνήσει ἔτι (5)
Ps. 37 (38). 18. μεριμνήσω ὑπὲρ τῆς ἁμαρτίας μου (1)
Pr. 14. 23. ἐν παντὶ μεριμνῶντι ἔνεστι περισσόν (3)
Wi. 12. 22. ἵνα σου τὴν ἀγαθότητα μεριμνῶμεν κρίνοντες
Ba. 3. 18. οἱ τὸ ἀργύριον τεκταίνοντες καὶ μεριμνῶντες
Ez. 16. 42. οὐ μὴ μεριμνήσω οὐκέτι (2)
[Aq. Is. 57. 11 : Je. 42 (49). 16.]
[Sm. Je. 42 (49). 16.]
[Th. Is. 57. 11.]
[Al. I Ki. 9. 20 : Ps. 118 (119). 27.]

μερίς. (1) *a.* חֵלֶק *b.* חֶלְקָה *c.* חֲלָקָה *d.* מַחֲלֹקֶת *e.* חָלַק pi. *f.* חֵלֶק (2) *a.* מָנָה *b.* מָנָת (3) מִשְׂאֵת (4) נֹא (5) נַחֲלָה (6) נָתַח (7) פְּלַגָּה (8) קָצָה

Ge. 14. 24. πλὴν . . . τῆς μ. τῶν ἀνδρῶν (1 *a*)
— 24. οὗτοι λήψονται μερίδα (1 *a*)
23. 9. R τὸ σπήλαιον . . . τὸ ὂν ἐν μέρει [A μερίδι] τοῦ ἀγροῦ (8)
31. 14. μὴ ἔστιν ἡμῖν ἔτι μ. (1 *a*)
33. 19. ἐκτήσατο τὴν μ. τοῦ ἀγροῦ (1 *b*)
43. 34. R ἦραν δὲ μερίδας [A -α] παρ' αὐτοῦ (3)
— 34. ἐμεγαλύνθη δὲ ἡ μερὶς B. παρὰ τὰς μ. πάντων (3, 3)
Ex. 29. 26. καὶ ἔσται σοι ἐν μερίδι (2 *a*)
Le. 6. 17 (10). μερίδα αὐτὴν ἔδωκα (1 *a*)
7. 23 (33). αὐτῷ ἔσται ὁ βραχίων . . . ἐν μερίδι (2 *a*)
8. 28 (29). καὶ ἐγένετο Μωυσῆ ἐν μερίδι (2 *a*)
Nu. 18. 20. μερὶς οὐκ ἔσται σοι ἐν αὐτοῖς (1 *a*)
— 20. ἐγὼ μερὶς σου (1 *a*)
31. 36. ἡ μ. τῶν ἐκπεπορευμ. εἰς τὸν πόλεμον (1 *a*)
De. 9. 26. μὴ ἐξολεθρεύσῃς . . . τὴν μ. [A κληρονομίαν] σου (5)
10. 9. οὐκ ἔστι τοῖς Λευίταις μερίς (1 *a*)
12. 12 : 14. 27, 29. οὐκ ἔστιν αὐτῷ μερίς (1 *a*)
18. 1. οὐκ ἔσται . . . μερὶς οὐδὲ κλῆρος (1 *a*)
— 8. μερίδα μεμερισμένην φάγεται (1 *a*)
32. 9. ἐγενήθη μερὶς κ. λαὸς αὐτοῦ 'I. (1 *a*)
Jo. 14. 4. οὐκ ἐδόθη μ. . . . τοῖς Λευίταις (1 *a*)
15. 13. ἔδωκε μερίδα ἐν μέσῳ υἱῶν 'I. (1 *a*)
18. 5. διεῖλεν αὐτοῖς ἑπτὰ μερίδας (1 *a*)
— 6. μερίσατε τὴν γῆν ἑπτὰ μερίδας (1 *a*)
— 7. οὐ γάρ ἐστι μ. τοῖς υἱοῖς Λ. (1 *a*)
Jo. 18. 7. ἱερατεία γὰρ κυρίου μερὶς αὐ. (5)
— 9. ἔγραψαν αὐτὴν κατὰ πόλεις ἑπτὰ μερίδας (1 *a*)
19. 9. ἐγενήθη ἡ [A *om.*] μ. υἱῶν 'I. μείζων τῆς αὐτῶν (1 *a*)
— 48. ἔθλιψαν ἀπ' αὐτῶν τὸ ὅριον τῆς μ. αὐτῶν –
21. 40. ἔδωκαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. μερίδα τῷ 'I. –
22. 25, 27. οὐκ ἔστιν ὑμῖν μερὶς κυρίου (1 *a*)
24. 32. κατώρυξαν . . . ἐν τῇ μ. τοῦ ἀγροῦ (1 *b*)
— 32. A B R ἔδωκεν αὐτὴν 'I. ἐν μερίδι (5)
Jd. 5. 15. εἰς τὰς μ. 'P. [A *al.*] (7)
19. 29. A ἐμέλισεν αὐτὴν . . . εἰς δώδεκα μερίδας [B *al.*] (6)
Ru. 2. 3. περιέπεσε περιπτώματι τῇ μ. τοῦ ἀγροῦ B. (1 *b*)
3. 7. κοιμηθῆναι ἐν μερίδι τῆς στοιβῆς (8)
4. 3. τὴν μ. τοῦ ἀγροῦ ἥ ἐστι τοῦ ἀδ. ἡμῶν (1 *b*)
I Ki. 1. 4. ἔδωκε τῇ Φ. . . . μερίδας (2 *a*)
— 5. τῇ Ἄ. ἔδωκε μ. μίαν (2 *a*)
9. 23. δός μοι τὴν μ. (2 *a*)
30. 24. B κατὰ τὴν μ. τοῦ καταβαίνοντος . . . οὕτως ἔσται μερὶς [A R ἡ μ. τοῦ] καθημένου (1 *a*, 1 *a*)
II Ki. 2. 16. μερὶς τῶν ἐπιβούλων (1 *b*)
14. 30. ἡ [A εἰ] μ. ἐν ἀγρῷ τοῦ 'I. ἐχόμενά μου (1 *b*)
— 30. ἐνέπρησαν αὐτὰς οἱ παῖδες 'AB. τὴν μ. (1 *b*)
— 30. ἐνεπύρισαν οἱ δοῦλοι 'AB. τὴν μ. (1 *b*?)
— 31. ἵνα τί ἐνεπύρισαν οἱ παῖδές σου τὴν μ. τὴν ἐμήν (1 *b*)
20. 1. οὐκ ἔστιν ἡμῖν μ. ἐν Δ. (1 *a*)
23. 11. ἦν ἐκεῖ μερὶς τοῦ ἀγροῦ (1 *b*)
— 12. ἐστηλώθη ἐν μέσῳ τῆς μ. (1 *b*)
III Ki. 12. 16. τίς ἡμῖν μερὶς ἐν Δ. (1 *a*)
— 24. B οὐ μερὶς ἡμῖν ἐν Δ. –
IV Ki. 3. 19. πᾶσαν μ. ἀγαθὴν ἀχρειώσετε (1 *b*)
— 25. καὶ πᾶσαν μ. ἀγαθήν (1 *b*)
9. 10. καταφάγονται οἱ κύνες ἐν τῇ μ. τοῦ 'Ισρ. (1 *a*)
— 21. εὗρον αὐτὸν ἐν τῇ μ. Ναβ. (1 *b*)
— 25. ῥίψαι αὐτὸν ἐν τῇ μ. ἀγροῦ N. (1 *b*)
— 26. ἀν-αποδώσω αὐτῷ ἐν τῇ μ. ταύτῃ (1 *b*)
— 26. ῥίψον αὐτὸν ἐν τῇ μ. (1 *b*)
— 36. ἐν τῇ μ. 'I. κα-αφάγονται (1 *a*)
— 37. ἔσται τὸ θνησιμαῖον . . . ἐν τῇ μ. 'I. (1 *a*)
I Ch. 11. 13. ἦν μερὶς τοῦ ἀγροῦ πλήρης κριθῶν (1 *b*)
— 14. ἔστη ἐν μέσῳ τῆς μ. (1 *b*)
II Ch. 10. 16. τίς ἡμῶν [A -ῖν] μερὶς ἐν Δ. (1 *a*)
31. 3. καὶ μερὶς τοῦ βασ. ἐκ τῶν ὑπαρχ. αὐτοῦ (2 *b*)
— 4. δοῦναι τὴν μ. τῶν ἱερέων (2 *b*)
— 19. δοῦναι μερίδα παντὶ ἀρσενικῷ (2 *a*)
35. 5. καὶ μερὶς οἴκου πατριᾶς τοῖς Λ. (1 *c*)
Ne. 2. 20. ὑμῖν οὐκ ἔστι μερίς (1 *a*)
8. 10. B ἀποστείλατε μερίδα [A S R -ας] τοῖς μὴ ἔχουσιν (2 *a*)
— 12. καὶ ἀποστέλλειν μερίδας (2 *a*)
11. 36. ἀπὸ τῶν Λ. μερίδες 'I. τῷ Βεν. (1 *d*)
12. 44. κατέστησαν . . . μερίδας [S² *add.* τοῦ νόμου] τοῖς ἱ. (2 *b*)
— 47. S¹ διδόντες μερίδας τῶν ᾀδόντων –
— 47. διδόντες μερίδας τῶν ᾀδόντων (2 *b*)
13. 10. μερίδες τῶν Λ. οὐκ ἐδόθησαν (2 *b*)
Es. 2. 9. ἔσπευσε δοῦναι αὐτῇ . . . τὴν μ. (2 *a*)
4. 17. μὴ ὑπερίδῃς τὴν μ. σου
9. 19. ἀποστέλλοντες μερίδας [S¹ -α] (2 *a*)
— 19. A B² S² ἐξαποστέλλοντες μερίδας [S¹ -α] –
— 22. ἐξαποστέλλοντας μερίδας τοῖς φίλοις (2 *a*)
Jb. 17. 5. A B S² τῇ μ. ἀναγγελεῖ κακίας (1 *a*)
20. 29. αὕτη ἡ μ. ἀνθρώπου ἀσεβοῦς παρὰ κυρίου (1 *a*)
24. 18. καταραθείη ἡ μ. αὐτῶν ἐπὶ γῆς (1 *b*)
27. 13. αὕτη ἡ μ. ἀνθρώπου ἀσεβοῦς παρὰ κυρίου (1 *a*)
30. 19. ἐν γῇ καὶ σποδῷ μου ἡ μ. †
Ps. 10 (11). 7. θεῖον καὶ πνεῦμα καταιγίδος ἡ μ. τοῦ ποτηρίου αὐτῶν (2 *b*)
15 (16). 5. A B S¹ κύριος ἡ [S² R *om.*] μ. τῆς κληρονομίας μου (2 *a*)
49 (50). 18. μετὰ μοιχῶν τὴν μ. σου ἐτίθει (1 *a*)
62 (63). 10. μερίδες ἀλωπέκων ἔσονται (2 *b*)
72 (73). 26. ἡ μ. μου ὁ θεὸς εἰς τὸν αἰῶνα
118 (119). 57. μερίς μου εἶ, κύριε (1 *a*)
141 (142). 5. μερίς μου ἐν γῇ ζώντων (1 *a*)
Pr. 15. 16. κρείσσων μικρὰ μερὶς μετὰ φόβου κυρίου –
20. 21. μερὶς ἐπισπουδαζομένη ἐν πρώτοις (5)
Ec. 2. 10. τοῦτο ἐγένετο μερίς μου ἀπὸ παντὸς μόχθου μου (1 *a*)
— 21. δώσει αὐτῷ [A -ὸν] μερίδα αὐτοῦ (1 *a*)
Ec. 3. 22 : 5. 17. αὐτὸ μερὶς αὐτοῦ (1 *a*)
9. 6. καί γε μερὶς οὐκ ἔστιν αὐτοῖς ἔτι (1 *a*)
— 9. αὐτὸ [S -ὸς] μερίς σου ἐν τῇ ζωῇ σου (1 *a*)
11. 2. δὸς μερίδα τοῖς ἑπτά (1 *a*)
Wi. 1. 16. ἄξιοί εἰσι τῆς ἐκείνου μερίδος εἶναι
2. 9. αὕτη ἡ μ. ἡμῶν
— 24. οἱ τῆς ἐκείνου μερίδος ὄντες
Si. 7. 31. δὸς τὴν μ. αὐτῷ καθὼς ἐντέταλταί σοι
11. 18. αὕτη ἡ μ. τοῦ [S¹ ἀπὸ τοῦ] μισθοῦ αὐτοῦ
14. 9. πλεονέκτου ὀφθαλμὸς οὐκ ἐμπίπλαται μερίδι [A -δα]
— 14. μερὶς ἐπιθυμίας ἀγαθῆς μή σε παρελθάτω
16. 26. ἀπὸ ποιήσεως αὐτῶν διέστειλε μερίδας αὐ.
17. 17. μερὶς κυρίου Ἰσραὴλ ἐστιν
24. 12. ἐν μερίδι κυρίου κληρονομίας αὐτοῦ
26. 3. γυνὴ ἀγαθὴ μερὶς ἀγαθὴ ἐν μερίδι φοβουμένων κύριον δοθήσεται
41. 21. ἀπὸ ἀφαιρέσεως μερίδος καὶ δόσεως
44. 23. διέστειλε [A -έστησεν] μερίδας αὐτοῦ
45. 22. μερὶς οὐκ ἔστιν αὐτῷ ἐν λαῷ αὐτὸς γὰρ μερίς σου κληρονομία [A S² καὶ κλ.]
Am. 4. 7. μερὶς μία βραχήσεται καὶ μερὶς ἐφ' ἣν οὐ βρέξω ξηρανθήσεται (1 *b*, 1 *b*)
7. 4. καὶ κατέφαγε τὴν μερίδα κυρίου [A *om.*] (1 *a*)
Mi. 2. 4. μερὶς λαοῦ μου κατεμετρήθη ἐν σχοινίῳ (1 *a*)
Na. 3. 8. ἑτοίμασαι μερίδα [S³ *om.* ἑ. μ.] . . . ἑτοίμασαι [S³ *om.*] μερίδα [S² -ίς] (1, 4?)
Hb. 1. 16. ὅτι ἐν αὐτοῖς ἐλίπανε μερίδα αὐτοῦ (1 *a*)
Za. 2. 12 (16). A S R κατακληρονομήσει κ. τὸν 'I. τὴν μ. [B τῇ μ.] αὐ. (1 *a*)
Is. 17. 14. αὕτη ἡ μ. τῶν ὑμᾶς προνομευσάντων (1 *a*)
57. 6. ἐκείνη σου ἡ μ. (1 *a*)
Je. 10. 16. οὐκ ἔστι τοιαύτη μ. τῷ 'Ιακώβ (1 *a*)
12. 10. A B ἐμόλυναν τὴν μ. μου (1 *b*)
— 10. ἔδωκαν τὴν μ. τὴν [A S ἔδ. μ.] ἐπιθυμητήν μου εἰς ἔρημον ἄβατον (1 *b*)
13. 25. οὗτος ὁ κλῆρός [S -ονόμος] σου καὶ μ. τοῦ ἀπειθεῖν ὑμᾶς ἐμοί (2 *a*)
28 (51). 19. οὐ τοιαύτη μ. τῷ 'Ιακώβ [A *al.*] (1 *a*)
La. 3. 24. R μ. μου κύριος (1 *a*)
4. 16. πρόσωπον κυρίου μ. αὐτῶν (1 *e*)
Ez. 45. 7. ὡς μία τῶν μ. ἀπὸ τῶν ὁρίων τῶν πρὸς θάλασσαν (1 *a*)
48. 8. καθὼς μία τῶν μ. (1 *a*)
— 21. ἐχόμενα τῶν μ. τοῦ ἀφηγουμένου (1 *a*)
Da. TH. 4. 12. μετὰ τῶν θηρίων ἡ μ. αὐ. (1 *f*)
— 20. μετὰ θηρίων ἀγρίων ἡ μ. αὐ. (1 *f*)
II Ma. 1. 26. διαφύλαξον τὴν μ. σου
14. 15. ἀντιλαμβανόμενον τῆς ἑαυτοῦ μ.
III Ma. 6. 3. μερίδος ἡγιασμένης σου λαόν
IV Ma. 18. 3. θείας μερίδος κατηξιώθησαν
[Aq. Je. 48 (31). 28 : 51 (28). 19.]
[Sm. Je. 17. 5 : Ps. 16 (17). 14 : Ec. 5. 18 : Je. 51 (28). 19.]
[Th. Je. 17. 5 : Is. 57. 6 *bis* : 61. 7.]
[Sam. Ge. 49. 23.]
[Al. Ge. 47. 22 : Le. 7. 34, 36 : 10. 14 : Nu. 36. 3 : Is. 61. 7.]

μερισμός. (1) *a.* מַחֲלֹקֶת *b.* מַחֲלָקָה

Jo. 11. 23. ἔδωκεν αὐτοὺς . . . ἐν μερισμῷ (1 *a*)
II Es. 6. 18. ἔστησαν . . . τοὺς Λ. ἐν μερισμοῖς αὐ. (1 *b*)

μεριτεύεσθαι. (1) חָצָה

Jb. 40. 25 (30). μεριτεύονται [S² μεριοῦνται] δὲ αὐτὸν Φοινίκων ἔθνη (1)

μέρος. (1) בֶּזֶא (2) הֲלָךְ (3) חֵלֶק (4) יָד (5) יַרְכָּה (6) מוּל (7) מִן (8) מִקְצוֹעַ (9) נַחֲלָה (10) עֵבֶר (11) פֵּאָה (12) פֶּלֶךְ (13) פַּעַם (14) צַד (15) צֶלַע (16) *a.* קָצֶה *b.* קְצָת *c.* קֵץ *d.* קָצָה (17) רֶבַע (18) רוּחַ (19) שְׁטַר, שֵׁבֶר (20) שָׂפָה (21) τὸ πέμπτον μ. חֲמִישִׁי (22) τρίτον μ. *a.* תִּלְתַּי *b.* תִּלְתִּי

Ge. 23. 9. R τὸ ὂν ἐν μ. [A μερίδι] τοῦ ἀγροῦ (16 *a*)
47. 24. δώσετε τὸ πέμπτον μ. τῷ Φ. (21)
— 24. τὰ δὲ τέσσαρα μ. ἔσται ὑμῖν αὐτοῖς (4)
Ex. 16. 35. παρεγένοντο εἰς μ. τῆς Φοινίκης (16 *a*)
25. 25 (26). ἐπὶ τὰ τέσσαρα μ. τῶν ποδῶν αὐτῆς (11)

Ex. 26. 4. ἐκ τοῦ ἑνὸς μ. εἰς τὴν συμβολήν (16 d)
— 5. ἐκ τοῦ μ. τῆς αὐλαίας (16 a)
— 19. τῷ στύλῳ . . . εἰς ἀμφότερα τὰ μ. αὐτοῦ (4)
— 19. B² R εἰς ἀμφότερα τὰ μ. αὐτοῦ (4)
— 21. τῷ στύλῳ τῷ ἑνὶ εἰς ἀμφότερα τὰ μ. αὐ. –
— 21. A R εἰς ἀμφότερα τὰ μ. αὐτοῦ –
— 22. κατὰ τὸ μ. τὸ πρὸς θάλασσαν (5)
— 25. τῷ ἑνὶ στύλῳ εἰς ἀμφότερα τὰ μ. αὐτοῦ –
— 26. τῷ ἑνὶ στύλῳ ἐκ τοῦ ἑνὸς μ. τῆς σκηνῆς (15)
— 35. ἐπὶ μέρους τῆς σκηνῆς τὸ πρὸς νότον (15)
— 35. ἐπὶ μέρους τῆς σκηνῆς τὸ πρὸς βορρᾶν (15)
28. 7. ἐπὶ τοῖς δυσὶ μέρεσιν ἐξηρτισμέναι (16 d)
32. 15. ἐξ ἀμφοτέρων τῶν μ. αὐτῶν (10)
36. 11 (39. 4). ἐπωμίδας συνεχούσας ἐξ ἀμφοτέρων τῶν μερῶν (16 b)
— 25 (39. 17). ἀμφοτέρων τῶν μ. τοῦ λογείου (16 b)
38 (37). 3. A ἐπὶ τὰ τέσσαρα μ. αὐτῆς (13)
— 14 (37. 17). ἐξ ἀμφοτέρων τῶν μ. αὐτῆς (14 ?)
— 24 (5). ἐκ τῶν τεσσάρων μ. (16 b)
Nu. 8. 2. ἐκ μέρους κατὰ πρόσωπον τῆς λυχνίας (6)
— 3. ἐκ τοῦ ἑνὸς μ. κατὰ πρόσ. τῆς λυχνίας (6)
11. 1. κατέφαγε μ. τι τῆς παρεμβολῆς (16 a)
20. 16. ἐκ μέρους τῶν ὁρίων σου (16 a)
22. 36. ὅ ἐστιν ἐκ μέρους τῶν ὁρίων (16 a)
— 41. ἔδειξεν αὐτῷ . . . μ. τι τοῦ λαοῦ (16 a)
23. 13. μ. τι αὐτοῦ ὄψῃ (16 a)
33. 6. ὅ ἐστι μέρος [A B² add. τι] τῆς ἐρήμου (16 a)
34. 3. ἀπὸ μέρους τῆς θαλάσσης τῆς ἁλυκῆς (16 a)
Jo. 2. 18. εἰσπορευόμεθα εἰς μέρος τῆς πόλεως †
3. 8. A R ἐπὶ μέρους [B μέσου] τοῦ ὕδατος τοῦ Ἰ. (16 a)
— 15. εἰς μέρος [A τὸ μ.] τοῦ ὕδατος τοῦ Ἰ. (16 a)
— 16. ἕως μέρους Κ. (14)
4. 19. κατὰ μέρος τὸ πρὸς ἡλίου ἀνατολάς (16 a)
12. 2. ἥ ἐστιν . . . κατὰ μέρος τῆς φάραγγος (20)
13. 27. ἕως μέρους τῆς θαλάσσης Χ. (16 a)
15. 2. ἕως μέρους θαλάσσης τῆς ἁλυκῆς (16 a)
— 5. τὰ ὅρια αὐ. . . . ἀπὸ τοῦ μ. τοῦ Ἰορδ. (16 a)
— 8. ἥ ἐστιν ἐκ μέρους γῆς Ῥ. (16 a)
18. 14. B¹ παρελεύσεται ἐπὶ τὸ ὅρος [A B² R μέρος] (11)
— 14. τοῦτό ἐστι τὸ μ. τὸ πρὸς θάλασσαν (11)
— 15. μέρος τὸ πρὸς λίβα ἀπὸ μέρους Κ. (11, 16 a)
— 16. καταβήσεται τὰ ὅρια ἐπὶ μέρους [A add. τοῦ ὄρους] (16 a)
— 16. ὅ ἐστιν ἐκ μέρους Ἐ. –
— 19. εἰς μέρος τοῦ Ἰορδ. ἀπὸ λιβός (16 a)
— 20. ὁ Ἰορδ. ὁριεῖ ἀπὸ μέρους ἀνατολῶν (11)
Jd. 7. 11. A κατέβη . . . εἰς μέρος [B πρὸς ἀρχὴν] τῶν πεντήκ. (16 a)
— 19. A ἐν μέρει [B ἀρχῇ] τῆς παρεμβολῆς (16 a)
18. 2. ἀπέστειλαν . . . πέντε ἄνδρας [A add. ἀπὸ μέρους αὐτῶν] (16 d)
I Ki. 6. 8. οὐ θήσετε . . . ἐκ μέρους αὐτῆς (14)
9. 27. αὐτῶν καταβαινόντων εἰς μέρος τῆς πόλεως (16 a)
23. 26. πορεύονται . . . ἐκ μέρους τοῦ ὄρους τούτου καὶ ἦν Δ. . . . ἐκ μέρους τοῦ ὄρους τούτου [A al.] (14, 14)
30. 14. ἐπεθέμεθα . . . ἐπὶ τὰ τῆς Ἰουδ. μ. †
II Ki. 13. 34. ἐκ μέρους τοῦ ὄρους (14)
III Ki. 3. 1 (B), 4. 24 (5. 4). ἦν αὐτῷ εἰρήνη ἐκ πάντων τῶν μ. †
6. 24. ἀπὸ μέρους πτερυγίου αὐτοῦ (16 d)
— 24. A καὶ ἕως μέρους πτερυγίου αὐ. [R al.] (16 d)
7. 30. καὶ τέσσαρα μ. αὐτῶν (13)
12. 31. ἐποίησεν ἱερεῖς μέρος τι ἐκ τοῦ λαοῦ (16 d)
13. 33. ἐποίησεν ἐκ μέρους τοῦ λαοῦ ἱερεῖς (16 d)
IV Ki. 7. 5. A B¹ εἰς μέσον [B² R μέρος] παρεμβολῆς Σ. (16 a)
— 8. εἰσῆλθον . . . ἕως μέρους τῆς παρεμβ. (16 a)
19. 23. εἰς ὕψος ὀρέων μηροὺς [B³ μέρος, A μέρους] τοῦ Λιβ. (5)
— 23. A εἰς μέρος τέλους αὐ. δρυμοῦ [B al.] (16 a*, 16 c)
II Ch. 36. 7. μέρος τῶν σκευῶν οἴκου κ. ἀπήνεγκεν (7)
II Es. 4. 20. μέρος δίδοται αὐτοῖς (2)
Ne. 3. 15. R ἄρχων μέρους τῆς Μ. (12)
7. 70. ἀπὸ μέρους ἀρχηγῶν τῶν πατριῶν (16 b)
11. 1. καὶ ἐννέα μέρη ἐν ταῖς πόλεσι (4)
To. 8. 3. S εἰς τὰ μ. [A B ἀνώτατα] Αἰγ.
Es. 8. 13. S¹ ὅσον ἐστὶ παρὰ μέρος ὑμῖν ἐκζητοῦν [A B S² al.]
Jb. 26. 14. ἰδοὺ ταῦτα μέρη ὁδοῦ [S¹ λόγου] αὐτοῦ (16 d)
30. 1. νῦν νουθετοῦσί με ἐν μέρει –
31. 12. πῦρ γάρ ἐστι καιόμενον ἐπὶ [A ἐκ] πάντων τῶν μ. †
Pr. 17. 2. ἐν δὲ ἀδελφοῖς διελεῖται μέρη (9)
29. 11. σοφὸς δὲ ταμιεύεται κατὰ μέρος †
Ec. 5. 18. λαβεῖν τὸ μ. αὐτοῦ (3)
Si. 23. 19. κατανοοῦντες εἰς [A om.] ἀπόκρυφα μέρη
37. 18. τέσσαρα μέρη ἀνατέλλει
Za. 13. 8. τὰ δύο μ. αὐτῆς ἐξολεθρευθήσεται –
Is. 7. 18. κυριεύσει μέρος [A S² -ους] ποταμοῦ Αἰγύπτου (16 a)
9. 1 (8. 23). Γαλιλαία τῶν ἐθνῶν [A B² S add. τὰ μ. τῆς Ἰουδαίας] –
18. 7. ὅ ἐστιν ἐν μέρει ποταμοῦ τῆς χώρας αὐτοῦ (1 ?)
37. 24. εἰσῆλθον εἰς ὕψος μέρους τοῦ δρυμοῦ (16 c)
Je. 30. 10 (49. 32). A ἐκ παντὸς μέρους [B πέραν] αὐτῶν οἴσω τὴν τροπὴν αὐτῶν †
32. 17 (25. 31). ἥκει ὄλεθρος ἐπὶ μ. [S¹ -ους] τῆς γῆς (16 a)
— 19 (25. 33). ἐκ μέρους τῆς γῆς καὶ ἕως εἰς μ. τῆς γῆς [S¹ om. καὶ . . . γῆς] (16 a, 16 a)
52. 23. ἦσαν αἱ ῥοαὶ ἐνενήκοντα ἓξ τὸ ἓν μ. (18)
Ez. 1. 8. ἐπὶ τὰ τέσσαρα μ. αὐτῶν (17)
— 17. ἐπὶ τὰ τέσσαρα μ. αὐτῶν ἐπορεύοντο (17)
10. 11. εἰς τὰ τέσσαρα μ. αὐτῶν ἐπορεύοντο (17)
40. 47. διεμέτρησε τὴν αὐλὴν . . . ἐπὶ τὰ τέσσαρα μ. αὐτῆς †
42. 20. τὰ τέσσαρα μέρη τοῦ αὐτοῦ καλάμου [A εἰς τ. τ. μ. τ. αὐ. μέτρου] (18)
43. 16. τετράγωνον ἐπὶ τὰ τέσσαρα μ. αὐτοῦ (17)
— 17. τὸ εὖρος ἐπὶ [A τετράγωνον ἐ. τὰ] τέσσαρα μέρη αὐτοῦ (17)
46. 21. περιήγαγέ με ἐπὶ τὰ τέσσαρα μ. τῆς αὐλῆς (8)
47. 19. τοῦτο τὸ μ. νότος καὶ λίψ (11)
— 20. τοῦτο τὸ μ. τῆς θαλάσσης τῆς μεγάλης ὁρίζει (11)
48. 1. κατὰ τὸ μ. [A μέτρον] τῆς καταβάσεως τοῦ περισχίζοντος . . . κατὰ μ. [A τὸ μ.] Ἡμὰθ αὐλῆς (4, 4)
Da. LXX. 1. 2. καὶ μέρος τι τῶν ἱερῶν σκευῶν τοῦ κ. (16 b)
2. 33. μέρος μέν τι σιδήρου μέρος δέ τι ὀστράκου (7, 7)
— 41. μέρος μέν τι ὀστράκου κεραμικοῦ (7)
— 41. μέρος δέ τι σιδήρου (7)
— 42. μέρος μέν τι σιδηροῦν (7)
— 42. μέρος δέ τι ὀστράκινον (7)
— 42. μέρος δέ τι τῆς βασ. ἔσται ἰσχυρόν (16 b)
— 42. μέρος τι ἔσται συντετριμμένον (7)
5. 7. ἐξουσία τοῦ τρίτου μ. τῆς βασ. (22 b)
— 16. ἐξουσίαν τοῦ τρίτου μ. τῆς βασ. μου (22 a)
— 29. ἔδωκεν ἐξουσίαν αὐτῷ τοῦ τρίτου μ. τῆς βασ. αὐ. (22 a)
Da. TH. 1. 2. ἀπὸ μέρους σκευῶν οἴκου τοῦ θ. (16 b)
2. 33. μέρος μέν τι σιδηροῦν (7)
— 33. καὶ μέρος δέ τι ὀστράκινον (7)
— 41. μέρος μέν τι ὀστράκινον (7)
— 41. μέρος δέ τι σιδηροῦν (7)
— 42. μέρος μέν τι σιδηροῦν (7)
— 42. μέρος δέ τι ὀστράκινον (7)
— 42. μέρος τι τῆς βασ. ἔσται ἰσχυρόν (16 b)
7. 5. εἰς μέρος ἓν ἐστάθη (19)
11. 45. ἥξει ἕως μέρους [A add. ὄρους] αὐτοῦ (16 c)
I Ma. 4. 19. ὤφθη μ. τι ἐκκύπτον ἐκ τοῦ ὄρους
6. 38. ἔστησεν ἐπὶ τὰ δύο μ. τῆς παρεμβ.
— 40. ἐξετάθη μ. τι τῆς παρεμβ. [S¹ al.]
9. 11. ἐμερίσθη ἡ ἵππος εἰς δύο μέρη
— 12. ἤγγισεν ἡ φάλαγξ ἐκ τῶν δύο μ.
— 15. S συνετρίβη τὸ δεξιὸν μ. [A R κέρας]
II Ma. 2. 30. R πολυπραγμονεῖν ἐν τοῖς [A ταῖς] κατὰ μέρος
3. 26. παραστάντες ἐξ ἑκατέρου μ.
8. 24. R ἀναπήρους τὸ πλεῖστον μ. τῆς τοῦ Ν. στρατιᾶς ἐποίησαν [A al.]
11. 20. R ὑπὲρ δὲ τῶν [A τούτων] κατὰ μέρος
15. 18. ἦν γὰρ . . . ἐν ἥττοι μ. κείμενος αὐτοῖς
— 20. τῶν θηρίων ἐπὶ μ. εὔκαιρον ἀποκατασταθέντων
— 21. A ἐπὶ μ. εὔκαιρον
— 33. R ἕφη κατὰ μέρος δώσειν τοῖς ὀρνέοις [A al.]
III Ma. 5. 11. ὕπνου μέρος ἀπέστειλε
— 17. εἰς εὐφροσύνην καταθέσθαι μέρος

[Aq. Ex. 25. 11 (12): 37 (38). 3: 37. 18: Ps. 16 (17). 14: Je. 49. 32 (30. 10).]
[Sm. Ex. 25. 11 (12): Jb. 32. 17: Is. 7. 18.]
[Th. Ex. 25. 11 (12): 37. 13 (38. 11): Jd. 7. 11: Is. 7. 18: Je. 52. 23: Da. 2. 42: 11. 45.]
[Al. IV Ki. 11. 7.]

μεσάβ. (1) *a.* מַצָּב *b.* מַצֻּבָה
I Ki. 14. 11. A εἰσῆλθον ἀμφότεροι εἰς μ. [B μεσσὰφ] τῶν ἀλλοφ. (1 a)
— 12. A ἀπεκρίθησαν οἱ ἄνδρες τῆς μ. [B ἄ. μεσσάφ] (1 b)

μεσάζειν.
Wi. 18. 14. νυκτὸς ἐν ἰδίῳ τάχει μεσαζούσης [B¹ μ. τὰ πάντα]
[Aq. I Ki. 17. 4.]

μέσακλον. (1) מָנוֹר
I Ki. 17. 7. ὡσεὶ μέσακλον ὑφαινόντων [A -ος] (1)

μεσαναί, *vid.* μαασαναί.

μεσαρά.
I Ki. 23. 19. A οὐκ ἰδοὺ Δ. κέκρυπται . . . ἐν μ. [B μεσσ.] †

μεσαράς.
I Ki. 24. 23. A ἀνέβησαν εἰς τὴν μ. [B μεσσαρὰ] στενήν †

μεσημβρία. (1) אוֹר (2) נֶגֶב (3) צָהַר עֵת צָהֳרַיִם (4) כָּחֹם הַיּוֹם (5)
Ge. 18. 1. καθημένου αὐτοῦ . . . μεσημβρίας (4)
43. 16. φάγονται οἱ ἄνθρωποι ἄρτους τὴν μ. (3)
— 25. R ἕως τοῦ ἐλθεῖν Ἰωσὴφ μεσημβρίας [A -ίᾳ] (3)
De. 28. 29. ἔσῃ ψηλαφῶν μεσημβρίας (3)
Jd. 5. 10. ἐπιβεβηκότες ἐπὶ ὄνου θηλείας μεσημβρίας [A al.] †
II Ki. 4. 5. ἐκάθευδεν ἐν τῇ κοίτῃ τῆς μ. (3)
III Ki. 18. 26. ἐκ πρωΐθεν ἕως μεσημβρίας (3)
— 27. καὶ ἐγένετο μεσημβρία (3)
21 (20). 16. καὶ ἐξῆλθε μεσημβρίας (3)
IV Ki. 4. 20. ἐκοιμήθη . . . ἕως μεσημβρίας (3)
Jb. 11. 17. ἐκ δὲ μεσημβρίας ἀνατελεῖ σοι ζωή (3)
Ps. 36 (37). 6. καὶ τὸ κρίμα σου ὡς μεσημβρίαν (3)
54 (55). 17. ἑσπέρας καὶ πρωὶ καὶ μεσημβρίας (3)
Ca. 1. 7. ποῦ κοιτάζεις ἐν μεσημβρίᾳ (3)
Si. 31 (34). 16. καὶ σκέπη ἀπὸ μεσημβρίας
43. 3. ἐν μεσημβρίᾳ αὐτοῦ ἀναξηραίνει χώραν
Am. 8. 9. δύσεται ὁ ἥλιος μεσημβρίας (3)
Ze. 2. 4. καὶ Ἄζωτος μεσημβρίας ἐκριφήσεται (3)
Is. 18. 4. ὡς φῶς καύματος μεσημβρίας (1)
58. 10. τὸ σκότος σου ὡς μ. (3)
59. 10. πεσοῦνται ἐν μεσημβρίᾳ ὡς ἐν μεσονυκτίῳ (3)
Je. 6. 4. ἀναβῶμεν ἐπ' αὐτὴν μεσημβρίας (3)
15. 8. ἐπήγαγον ἐπὶ μητέρα νεανίσκους [S -ου] ταλαιπωρίαν ἐν μεσημβρίᾳ (3)
20. 16. ἀκουσάτω κραυγῆς τὸ πρωὶ καὶ ἀλαλαγμοῦ μεσημβρίας (5)
Da. LXX. 8. 4. εἶδον τὸν κριὸν κερατίζοντα πρὸς . . . μεσημβρίαν (2)
— 9. ἐπάταξεν ἐπὶ μεσημβρίαν (2)
[Aq. Ps. 90 (91). 6.]
[Sm. I Ki. 27. 10: 30. 1, 27: Ps. 90 (91). 6: Ez. 20. 47 (21. 3).]
[Th. Ez. 40. 2.]

μεσημβρινός. (1) צָהַר
I Es. 9. 41. B ἕως μεσημβρινοῦ [A R al.]
Jb. 5. 14. τὸ δὲ μ. ψηλαφήσαισαν ἴσα νυκτί (1)
Ps. 90 (91). 6. ἀπὸ συμπτώματος καὶ δαιμονίου μεσημβρινοῦ (1)
Is. 16. 3. αὕτη διὰ παντὸς ἐν μ. σκοτίᾳ φεύγουσι (1)
[Aq. Ge. 6. 17 (16).]
[Sm. Ez. 20. 46 (21. 2).]

μεσθαάλ.
IV Ki. 10. 22. εἶπε τῷ ἐπὶ τοῦ οἴκου μ. [A al.] †

μεσίτης. (1) בֵּין
Jb. 9. 33. εἴθε [A εἰ γὰρ] ἦν ὁ μ. ἡμῶν (1)

μεσόγειος.
II Ma. 8. 35. τὴν δοξικὴν ἀποθέμενος ἐσθῆτα διὰ τῆς μ.

μεσονύκτιον. (1) *a.* חֲצוֹת־הַלַּיְלָה *b.* חֲצִי הַלַּיְלָה (2) נְשֶׁף
Jd. 16. 3. ἐκοιμήθη Σ. ἕως μεσονυκτίου (1 b)
— 3. A ἀνέστη περὶ τὸ μ. [B al.] (1 b)

Ru. 3. 8. ἐγένετο δὲ ἐν τῷ μ. (1 b)
Ps. 118 (119). 62. μεσονύκτιον ἐξεγειρόμην (1 a)
Is. 59. 10. πεσοῦνται ἐν μεσημβρίᾳ ὡς ἐν μεσονυκτίῳ (2)

μεσοπορεῖν (-ωρεῖν), **μεσόπωρος** (?).
Si. 34 (31). 21. ἀνάστα μεσοπωρῶν [S¹ -ον, S² -ορῶν] καὶ ἀναπαύσῃ

μεσοπόρφυρος. (1) מְעֻטָּפָה (2) χιτὼν μ. פְּתִיגִיל
Is. 3. 21. τὰ περιπόρφυρα καὶ τὰ μ. (1)
— 24. ἀντὶ τοῦ χιτῶνος τοῦ μ. περιζώσῃ σάκκον (2)

μέσος, *cf.* ἀνὰ μέσον *sub* ἀνά, ἐκ μέσου *sub* ἐκ, ἐν μέσῳ *sub* ἐν (1) *a.* בֵּין *b.* εἰς μέσον בֵּין (2) *a.* גֵּו *b.* גֵּו (3) *a.* חֲצִי *b.* חֲצוֹת *c.* מַחֲצִית (4) *a.* קָצֶה *b.* קֵץ (5) קֶרֶב (6) *a.* תָּוֶךְ *b.* בַּתָּוֶךְ, בְּתוֹךְ *c.* תִּיכוֹן
Ge. 2. 9. A τὸ ξύλον ἐν μέσῳ τῷ παραδείσῳ [R τοῦ π.] (6 a)
15. 10. διεῖλεν αὐτὰ μέσα (6 b)
37. 7. δεσμεύειν δράγματα ἐν μ. τῷ πεδίῳ (6 a)
Ex. 11. 4. περὶ μέσας νύκτας ἐγὼ εἰσπορεύομαι (3 b)
— 4. εἰσπορεύομαι εἰς μέσον Αἰγύπτου (6 a)
14. 16. εἰς μέσον τῆς θαλάσσης (6 a)
— 22, 23. εἰσῆλθον . . . εἰς μέσον τῆς θαλάσσης (6 a)
— 27. ἐξετίναξε . . . μέσον τῆς θαλάσσης (6 b)
24. 18. εἰς τὸ [A *om.*] μ. τῆς νεφέλης (6 a)
26. 28. ὁ μοχλὸς ὁ μ. . . . διϊκνείσθω (6 c)
28. 28 (32). ἔσται τὸ περιστόμιον ἐξ αὐτοῦ μέσον (6 b)
36. 31 (39. 23). ἐν τῷ μ. διυφασμένον (6 a)
Nu. 2. 17. ἡ παρεμβ. τῶν Λ. μέσον [A ἀνὰ μ.] τῶν παρεμβ. (6 b)
19. 6. εἰς μέσον τοῦ κατακούματος τῆς δαμάλεως (6 a)
33. 8. διέβησαν μέσον τῆς θαλάσσης (6 b)
35. 5. ἡ πόλις μέσον τούτου ἔσται ὑμῖν (6 b)
De. 3. 16. A B² R μέσον τοῦ χειμάρρου ὅριον (6 a)
Jo. 1. 11. κατὰ μέσον τῆς παρεμβολῆς τοῦ λαοῦ (5)
3. 8. B ἐπὶ μέσου [A R μέρους] τοῦ ὕδατος τοῦ Ἰ. (4 a)
4. 5. προσαγάγετε . . . εἰς μέσον τοῦ Ἰ. (6 a)
10. 13. ἔστη ὁ ἥλιος κατὰ μέσον τοῦ οὐρανοῦ (3 a)
Jd. 3. 19. A εἶπεν Ἐ. πᾶσιν ἐκ μέσου [B *al.*] †
7. 19. ἐν ἀρχῇ τῆς φυλακῆς μέσης [A *al.*] (6 c)
15. 4. ἀνὰ μέσον τῶν δύο κέρκων [A *add.* ἐν τῷ μ.] (6 a)
16. 29. A τοὺς δύο στύλους τοὺς μ. [B *al.*] (6 a)
I Ki. 5. 6. μέσον τῆς χώρας αὐ. ἀνεφύησαν μύες –
9. 14. αὐτῶν εἰσπορευομ. εἰς μέσον τῆς πόλεως (6 a)
— 18. προσήγαγε Σ. . . . εἰς μέσον τῆς πόλεως (6 a)
11. 11. εἰσπορεύονται μέσον τῆς παρεμβολῆς (6 b)
II Ki. 6. 17. ἀνέθηκαν αὐτὴν . . . εἰς μέσον τῆς σκηνῆς (6 a)
III Ki. 3. 20. ἀνέστη μέσης τῆς νυκτός (6 b)
6. 6. καὶ τὸ μ. ἔξ (6 c)
— 8. ἑλικτὴ ἀνάβασις εἰς τὸ μ. καὶ ἐκ τῆς μ. ἐπὶ τὰ τριώροφα (6 c, 6 c)
8. 64. ἡγίασεν ὁ βασ. τὸ μ. τῆς αὐλῆς (6 a)
14. 7. A ὕψωσά σε ἀπὸ μέσου λαοῦ (6 a)
IV Ki. 7. 5. A B¹ εἰς μέσον [B² R μέρος] παρεμβολῆς Σ. (4 a)
19. 23. εἰς μέσον [A μέρους, B³ μέρος] δρυμοῦ †
20. 4. ἦν Ἡσ. ἐν τῇ αὐλῇ τῇ μ. (6 c)
II Ch. 7. 7. ἡγίασε Σ. τὸ μ. τῆς αὐλῆς (6 a)
23. 5. καὶ τὸ τρίτον ἐν τῇ πύλῃ τῇ μ. †
I Es. 9. 41. A ἕως μέσου [R -ης] ἡμέρας [B *al.*]
Ne. 4. 11 (5). ἕως ὅτου ἔλθωμεν εἰς μέσον αὐ. (6 a)
8. 3. B¹ S¹ R ἕως ἡμίσους [A μέσου, B² S³ μεσούσης] τῆς ἡμ. (3 c)
To. 5. 6. S ἐν μέσῳ τῷ πεδίῳ
Ju. 11. 19. ἄξω σε διὰ μέσου τῆς Ἰ.
Es. 1. 1. οἰκῶν ἐν Σούσοις [A¹ μέσοις ?, A² μεσούσοις]
Jb. 29. 17. ἐκ μέσου [S -ων] τῶν ὀδόντων αὐτῶν –
Ps. 77 (78). 28. ἐπέπεσον εἰς μέσον τῆς παρεμβολῆς αὐτῶν (5)
81 (82). 1. ἐν μέσῳ δὲ θεοὺς διακρινεῖ (5)
100 (101). 2. ἐν μέσῳ τοῦ οἴκου [S¹ τῷ οἴκῳ] μου (5)
Ps. 135 (136). 14. καὶ διαγαγόντι τὸν Ἰσρ. διὰ μέσου [S¹ ἐν μέσῳ] αὐτῆς (6 a)
Pr. 27. 22. ἐν μέσῳ συνεδρίου [A -ῳ] ἀτιμάζων (6 a)
Wi. 12. 6. A S² ἐκ μέσου [B² μύσου] μύσταις θιάσου [B¹ S¹ R *al.*]
18. 15. εἰς μέσον τῆς ὀλεθρίας ἥλατο γῆς
Si. 27. 12. εἰς μέσον ἀσυνέτων συντήρησον καιρὸν εἰς μέσον δὲ διανοουμένων ἐνδελέχιζε
48. 17. εἰσήγαγεν εἰς μέσον αὐτῶν τὸν Γώγ [A αὐτῆς ὕδωρ, S² ἀγωγόν]
Am. 5. 17. ἐλεύσομαι [A ἐπελ.] διὰ μέσου σου (5)
7. 8. ἐντάσσω ἀδάμαντα ἐν μέσῳ [A εἰς μέσον] λαοῦ (5)
Za. 5. 8. R ἔρριψεν αὐτὴν εἰς μέσον [A B S ἐν μέσῳ] τοῦ μέτρου (6 a)
Is. 51. 23. ἔθηκας ὕσα τῇ γῇ τὰ μ. [A S μετάφρενα] σου ἔξω (2 a)
57. 2. ἦρται ἐκ τοῦ μ. †
Je. 21. 4. εἰς τὸ μέσον τῆς πόλεως ταύτης (6 a)
28 (51). 63. ῥίψεις αὐτὸ εἰς μέσον [S τὸ μ.] τοῦ Εὐφράτου (6 a)
44 (37). 4. διῆλθε διὰ μέσου [A ἀνὰ μέσον] τῆς πόλεως (6 a)
46 (39). 3. ἐκάθισαν ἐν [A *add.* τῇ] πύλῃ τῇ μ. (6 a)
48 (41). 7. εἰσελθόντων αὐτῶν εἰς τὸ [S *om.*] μ. τῆς πόλεως (6 a)
Ep. Je. 55. ὥσπερ δοκοὶ μέσοι κατακαυθήσονται
Ez. 1. 4. ἐν τῷ μ. αὐτοῦ ὡς ὅρασις [A ὁμοίωμα] ἠλέκτρου ἐν μέσῳ τοῦ πυρός (6 a, 6 a)
— 5. ἐν τῷ μ. ὡς ὁμοίωμα τεσσάρων ζῴων (6 a)
5. 2. τὸ τέταρτον ἐν πυρὶ ἀνακαύσεις ἐν μέσῃ τῇ πόλει (6 a)
— 4. ῥίψεις αὐτοὺς εἰς μέσον τοῦ πυρός (6 a)
9. 4. δίελθε μέσην Ἱερουσαλήμ (6 b)
10. 2. εἴσελθε εἰς τὸ μ. τῶν τροχῶν (1 a)
— 7. R ἐξέτεινε τὴν χεῖρα αὐ. εἰς μέσον τοῦ πυρὸς τοῦ ὄντος εἰς μέσον [A B ἐν μέσῳ] τῶν Χερ. (1 a ?, 1 a)
11. 23. ἀνέβη ἡ δόξα κυρίου ἐκ μέσης τῆς πόλεως (6 a)
22. 19. εἰσδέχομαι ὑμᾶς εἰς μέσον Ἱερουσαλήμ (6 a)
— 20. καθὼς εἰσδέχεται . . . μόλιβος εἰς μέσον καμίνου (6 a)
26. 12. τὸν χοῦν σου εἰς μέσον τῆς θαλάσσης σου ἐμβαλεῖ (6 a)
31. 3. εἰς μέσον νεφελῶν ἐγένετο ἡ ἀρχὴ αὐτοῦ (1 b)
— 10. ἔδωκας τὴν ἀρχήν σου εἰς μέσον νεφελῶν (1 a)
— 14. ἔδωκαν [A οὐκ ἔ.] τὴν ἀρχὴν αὐτῶν εἰς μέσον νεφελῶν (1 a)
41. 7. A ἐκ τῶν μ. [B γεισῶν] ἐπὶ τὰ τριώροφα (6 c)
42. 6. ἐξείχοντο τῶν ὑποκάτωθεν καὶ τῶν μ. ἀπὸ τῆς γῆς (6 c)
Da. LXX. Su. 62. ἔρριψε πῦρ διὰ μέσου αὐτῶν
3. (25). ἐν μέσῳ τῷ πυρὶ ὑποκαιομένης τῆς καμίνου
— (50). ἐποίησε τὸ μ. τῆς καμίνου
— 24 (91). οὐχὶ ἄνδρας τρεῖς ἐβάλομεν εἰς μέσον τοῦ πυρός (2 b)
Da. TH. Su. 7. ἡνίκα ἀπέτρεχεν ὁ λαὸς μέσον ἡμέρας
— 34. ἀναστάντες δὲ . . . ἐν μέσῳ τῷ λαῷ [A τοῦ λ.]
— 55. σχίσει σε μέσον
— 59. πρίσαί σε μέσον
3. 21. ἐβλήθησαν εἰς τὸ [A *om.*] μ. τῆς καμίνου (2 b)
— 23. ἔπεσον εἰς μέσον τῆς καμίνου (2 b)
— (50). ἐποίησε τὸ μ. τῆς καμίνου
— (88). ἐκ μέσου καμίνου [A ἐκ κ. μέσης] καιομένης φλογός
— 24 (91). εἰς μέσον τοῦ πυρός (2 b)
8. 5. κέρας [A *add.* θεωρητὸν ἀνὰ] μέσον τῶν ὀφθ. αὐ. (1 a)
I Ma. 5. 46. διὰ μέσου αὐτῆς πορεύεσθαι
6. 45. S R ἐπέδραμεν . . . εἰς μέσον τῆς φάλαγγος [A φάρ.]
10. 63. ἐξέλθατε . . . εἰς μέσον τῆς πόλεως
11. 45. ἐπισυνήχθησαν . . . εἰς μέσον τῆς πόλεως
II Ma. 10. 30. τὸν Μακκ. μέσον λαβόντες
14. 44. ἦλθε κατὰ μέσον τὸν κενεῶνα
IV Ma. 8. 4. περιέχοντας μέσην τὴν μητέρα
[Aq. Jd. 16. 29: III Ki. 14. 7: Je. 41 (48). 7: Da. 3. 23.]
[Sm. Jd. 16. 29: Ps. 81 (82). 1: 137 (138). 7: Ez. 10. 2.]
[Th. Jd. 16. 29: Is. 51. 23: Ez. 10. 2: Da. 3. 23.]
[Quint. Ca. 3. 10.]

μεσότης.
Wi. 7. 18. ἀρχὴν καὶ τέλος καὶ μεσότητα χρόνων

μεσοῦν. (1) *a.* חֲצִי *b.* מַחֲצִית (2) תִּיכוֹן (3) תְּקוּפָה
Ex. 12. 29. ἐγενήθη δὲ μεσούσης τῆς νυκτός (1 a)
34. 22. μεσοῦντος τοῦ ἐνιαυτοῦ (3)
Jd. 7. 19. A ἀρχομένης τῆς φυλακῆς τῆς μεσούσης [B *al.*] (2)
Ne. 8. 3. B¹ S¹ R ἕως ἡμίσους [B² S³ μεσούσης, A μέσου] τῆς ἡμέρας (1 l)
Ju. 12. 5. μέχρι μεσούσης τῆς [A *om.*] νυκτός
Je. 15. 9. ἐπέδυ ὁ ἥλιος αὐτῇ ἔτι μεσούσης [S ἐπιμ.] τῆς ἡμέρας –
III Ma. 5. 14. μεσούσης δὲ ἤδη τῆς δεκάτης ὥρας σχεδόν

μεσσαάρ.
[Heb. Ps. 109 (110). 3.]

μεσσάβ. (1) מַצָּב
I Ki. 14. 1. B διαβῶμεν εἰς μ. τῶν ἀλλοφ. (1)

μεσσαέ.
[Aq. IV Ki. 11. 6.]

μεσσαρά.
I Ki. 23. 19. οὐκ ἰδοὺ Δ. κέκρυπται . . . ἐν μ. [A μεσαρά] †
24. 23. ἀνέβησαν εἰς τὴν μ. [A μεσαρὰς] στενήν †

μεσσάφ. (1) *a.* מַצָּב *b.* מַצֵּבָה
I Ki. 14. 6. B διαβῶμεν εἰς μ. (1 a)
— 11. εἰσῆλθον ἀμφότεροι εἰς μ. [A μεσὰβ] τῶν ἀλλοφ. (1 a)
— 12. ἀπεκρίθησαν οἱ ἄνδρες μ. [A τῆς μεσάβ] (1 b)
— 15. οἱ ἐν μ. [A ὁ ἐν μειὰβ] καὶ οἱ διαφθείροντες (1 a)

μεσσέ.
[Th. Ez. 16. 10.]

μεσσί.
[Th. Ez. 16. 13.]

μεστός. (1) מְלֵא
Es. 5. 2. τὸ πρόσωπόν σου χαρίτων μεστόν
Pr. 6. 34. A B μεστὸς γὰρ ζήλου θυμὸς ἀνδρὸς αὐτῆς –
Na. 1. 10. καὶ ὡς καλάμη ξηρασίας μεστή (1)
Ez. 37. 1. τοῦτο ἦν μεστὸν ὀστέων (1)
[Sm. Ps. 64 (65). 10.]

μεστοῦσθαι.
III Ma. 5. 1. βαρείᾳ μεμεστωμένος ὀργῇ
— 10. καὶ τοῦ λιβάνου μεμεστωμένους

μετά. I. *c. gen.* * ὁ μετά.
Ge. 3. 6, 12: 6. 18†, 18, 19, 20: 7. 7, 13, 23*: 8. 1, 16, 17 *bis*, 18†: 9. 8, 10 *bis*, 12: 12. 4, 20†: 13. 1, 5: 14. 2 *bis*, 2† *ter*, 5* †, 17*, 24: 15. 14, 15†: 17. 4: 18. 16, 23, 25: 19. 30 *bis*, 32, 33, 34 *bis*, 35: 20. 16*: 21. 9, 10, 20, 22, 23 *bis*: 22. 3, 5: 23. 4 *bis*: 24. 3, 3†, 5, 8, 10, 12, 14†, 32*, 39, 40, 54*, 55, 58, 59*, 61: 26. 3, 8, 10, 20, 24, 28 *bis*, 29 *bis*, 31: 27. 35, 44: 28. 15, 20, 21: 29. 6, 9, 14, 19: 30. 15, 16, 29: 31. 3, 5†, 5, 13, 23, 24, 27 *bis*, 29, 38, 44, 50: 32. 4 (5), 6 (7), 7 (8), 24 (25), 25 (26), 28 (29) *bis*: 33. 1, 15, 15*: 34. 2, 5, 7, 13, 21, 22, 23: 35. 2*, 2* †, 3, 6, 13, 14, 15, 21: 37. 2 *ter*: 39. 2, 3, 7, 10, 12, 14, 17, 21, 23: 40. 7: 41. 12: 42. 4, 5, 13, 32, 33, 38 *bis*: 43. 3†, 4, 5 *bis*, 8, 12, 16, 22, 32 *bis*, 34: 44. 17, 18, 23, 26 *bis*, 29, 30, 31 *bis*, 33, 34: 45. 2: 46. 4, 6, 7, 7†, 26, 27†: 47. 30: 48. 1†, 21: 49. 24, 29: 50. 7, 9, 25.
Ex. 1. 14: 3. 12, 19: 10. 10, 24, 26: 11. 8: 12. 4, 11: 13. 19 *bis*: 14. 6, 25: 15. 20: 17. 5†: 18. 6, 12, 18, 19†, 23: 19. 24: 21. 3, 3†, 22: 22. 14 (13), 15 (14), 16 (15), 19 (18): 23. 1, 2 *ter*, 5: 24. 2, 14: 28. 37 (41): 29. 21 *bis*: 32. 12: 33. 3, 12, 15†, 16†: 34. 3, 4†, 9: 38. 22 (1).
Le. 5. 4: 8. 29 (30)† *bis*, 30†: 10. 9, 14, 15: 15. 18, 24, 33: 18. 22: 19. 20: 20. 11, 12, 13, 18, 20: 23. 18, 19, 20 *bis*: 25. 25*, 35*†, 35, 36, 41, 50, 53, 54: 26. 5, 9, 13, 24, 28, 41.

Nu. 1. 4, 5 : 3. 4 : 5. 13, 13†, 19 : 10. 29, 31, 32 : 11. 16, 17 *bis* : 13. 32 (31) : 14. 23, 42 : 16. 10, 25, 32 : 18. 1†, 2, 7, 11, 19 : 22. 12, 13, 14, 21, 22, 35 *bis*, 39, 40* : 23. 6, 13, 17, 21 : 25. 13†, 14 : 26. 3† : 30. 11 : 32. 29, 30 : 34. 13.
De. 1. 30, 42 : 2. 7 : 3. 1† : 5. 31 (28) : 8. 9 : 11. 6* : 12. 10, 12, 23 : 14. 27, 29 : 17. 19, 20† : 18. 1 : 19. 5 : 20. 1, 4, 10 : 22. 2, 4, 6, 9, 22 *bis*, 23†, 25 *bis*, 28, 29 : 23. 4 (5), 16 (17) : 25. 11 : 27. 20, 21, 22, 23, 23† : 29. 15 (14) *bis* : 31. 6, 8†, 16, 23, 27 : 32. 12, 14 *bis*, 24, 25, 43 : 33. 2, 21.
Jo. 1. 5 *bis*, 9, 17 *bis* : 2. 14†, 19 : 3. 7 *bis* : 6. 26 (27) : 7. 12† : 8. 1, 5*, 11, 14*† : 9. 4 : 10. 7, 15†, 29*†, 31, 34, 36 : 11. 4 : 13. 8*† : 14. 8, 12 : 20. 4† : 22. 7, 8, 14, 30, 31 : 23. 12*† : 24. 31, 30.
Jd. 1. 3 *ter*, 16†, 16, 17, 19, 21, 22, 24 : 2. 1*, 7, 18 : 3. 19*† : 4. 6, 8, 8†, 8, 9 *bis*, 10, 13*† : 5. 12† *bis*, 15, 20 : 6. 12, 13, 16, 17 : 7. 1*†, 2*, 4 *bis*†, 4 *bis*, 18*†, 19*† : 8. 1†, 4*†, 5*†, 9, 10, 35 *bis* : 9. 16 *bis*, 19, 19†, 31†, 32*, 33*, 34*†, 35*, 44*, 48* *bis* : 11. 3, 4, 8†, 11, 13†, 20†, 25, 27 : 12. 1 : 13. 9 : 14. 11 : 15. 3 : 16. 13†, 14†, 15, 30 : 17. 10 : 18. 7†, 9†, 19, 22*†, 25, 28 : 19. 3, 4, 10 *bis*, 19† : 20. 14†, 18†, 20† *bis*, 23†, 28†, 38†.
Ru. 1. 7, 8 *ter*, 10, 11, 18, 22† : 2. 4, 6, 8, 11, 19, 20 *bis*, 21, 22 : 3. 1, 2.
I Ki. 1. 18, 22, 24 *bis*, 26† : 2. 8, 19, 26 *bis* : 3. 19 : 4. 4 : 5. 7 : 6. 15 : 9. 3, 5*, 7*, 7†, 19, 24 : 10. 6†, 7, 26 : 12. 24† : 13. 2† *bis*, 15†, 16†, 22*† *bis* : 14. 2†, 7†, 13, 17*, 20*, 21 *bis*, 21*, 22 (23) : 15. 6 *bis*, 25, 26, 30 : 16. 5, 12, 18 : 17. 19†, 23†, 26†, 32, 33†, 37, 42 : 18. 12†, 14, 28 : 20. 5†, 8 *bis*, 13 *bis*, 14, 35 : 21. 1 (2) : 22. 2, 4, 6*, 8, 17, 23 : 23. 5*, 6, 13*, 23 : 24. 3 : 25. 7, 13, 25†, 25 : 26. 1†, 2, 6 *bis* : 27. 2*†, 3, 5 : 28. 1†, 1, 8, 16, 19 *bis* : 29. 2, 3, 4, 6, 9, 10 : 30. 9, 21*, 22 *bis* : 31. 5.
II Ki. 1. 11*, 24 : 2. 3*, 6† *bis*, 32* : 3. 8, 12 *bis*, 16, 20, 20*, 21, 22 *bis*, 31* : 5. 10, 21* : 6. 2*†, 13, 15 *bis*, 22 : 7. 3, 9, 12 : 8. 11, 11† : 9. 1, 3, 7 : 10. 2 *bis*, 13†, 17, 19 : 11. 1, 4, 9, 11, 13, 17 : 12. 3 *bis*, 11, 24 : 13. 11, 14, 16, 20, 22, 24, 26 *bis*, 27 : 14. 17, 19 : 15. 11, 12, 14*, 19 *bis*, 20, 20†, 20 *bis*, 22, 22*, 24, 27, 30*, 31, 33, 35, 36 : 16. 14†, 15, 17 *bis*, 18, 21* : 17. 2*, 10*, 12*, 16*, 22*†, 24, 29* : 18. 1*, 2 : 19. 7 (8), 16 (17), 17 (18) *bis*, 17 (18)†, 25 (26), 26 (27), 31 (32), 33 (34), 33 (34)†, 34 (35), 36 (37), 37 (38), 38 (39), 40 (41) *bis*, 41 (42) : 20. 6†, 15*† : 21. 4 *bis*, 15 *ter*, 17, 18, 19 : 22. 26 *bis*, 27 *bis* : 23. 5, 9 : 24. 2*.
III Ki. 1. 2, 7 *bis*, 9†, 14, 21, 22, 33, 37 *bis*, 44 : 2. 8, 10 : 3. 1, 6 *bis*, 18† : 5. 6 (20) : 8. 9, 21, 27, 57 *bis*, 62†, 65 : 9. 27 : 10. 22, 26 : 11 4 (3), 10†, 11, 17, 18, 21, 22, 38, 43, 44† : 12. 8 *bis*, 10, 24, 24† *quinquiens* : 13. 7, 8, 15, 16, 31 : 14. 20†, 31 *bis* : 15. 3, 8, 8†, 14, 24†, 24 : 16. 6, 17, 28, 28 (22. 44 [45])†, 28 (22. 50 [51])† *bis* : 17. 20 *bis* : 20 (21). 8 : 21 (20). 1, 12*†, 16† : 22. 4, 29, 40, 45, 50†, 51.
IV Ki. 1. 15 *bis* : 2. 16 : 3. 7, 26 : 4. 28 : 5. 26† : 6. 3, 4, 16* *bis*, 32, 33 : 8. 21*†, 24, 24†, 28 *bis*, 29 : 9. 15 *bis*, 16, 28†, 32 : 10. 2 *bis*, 15 *bis*, 16, 23, 35 : 11. 3, 8, 9† : 12. 21 (22) : 13. 9, 9†, 12, 13, 13†, 13, 23* : 14. 10, 15, 16 *bis*, 20, 22, 29 *bis* : 15. 7, 7†, 19†, 22, 25 *ter*, 38, 38† : 16. 20, 20† : 17. 35†, 38 : 18. 7, 26†, 27, 31 : 19. 9 : 20. 21 : 21. 18 : 23. 2, 2†, 18, 35 : 24. 6 : 25. 6, 25 *bis*, 28, 28*.
I Ch. 4. 10, 23 : 5. 19 : 6. 15 (5. 41) : 7. 4† : 8. 32 : 9. 1, 20, 25, 38† : 11. 9†, 9, 10 *bis*, 13 : 12. 27, 32, 34 : 13. 1, 2 : 15. 18 : 16. 41, 42 : 17. 2, 8, 11 : 18. 11 : 19. 2 *bis*, 14*, 19 : 20. 4, 5 : 21. 20, 20† : 22. 11, 15, 16, 18 : 25. 6, 7† : 27. 32 : 28. 20, 21 : 29. 22.
II Ch. 1. 1, 3†, 8, 14 : 2. 3 (2), 7 (6), 7 (6)*, 8 (7), 14 (13) : 5. 10, 12 : 6. 18 : 7. 8 : 8. 8†, 18 : 9. 21, 25 : 10. 8 *bis*, 10 : 12. 1, 3, 16 : 13. 8, 12 : 14. 1 (13. 23) : 15. 2 *bis*, 9 *bis*, 19 : 16. 9, 13 : 17. 3, 8, 8*, 9, 14, 15, 16, 17, 18 : 18. 2*, 2, 3 *bis*, 30* : 19. 6, 7, 11 : 20. 1, 17 *bis*, 21 : 21. 1, 3, 9 *bis*, 15, 19 : 22. 5, 7, 12 : 23. 1, 3, 7 : 24. 16 *ter*, 22, 24 : 25. 7 *bis*, 13, 19, 28 : 26. 2, 13, 17, 23 *bis*, 23† : 27. 9 : 28. 10, 27 : 32. 3, 7*, 7 *bis*, 8†, 8, 9, 21, 33 : 33. 20 : 35. 21*, 24 : 36. 8 *bis*, 10, 23.
I Es. 1. 12, 27 *bis*, 56† : 2. 5, 7, 30 : 3. 2*†: 4. 21, 36, 47*, 48, 63 : 5. 2 *ter*, 3, 8, 59, 64 : 6. 22 : 7. 4 : 8. 16, 28, 30, 31, 32 *bis*, 33, 34†, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 52, 54, 63 *bis*, 70†, 77, 95.
II Es. 1. 3, 4, 11† : 2. 2 : 3. 12 : 4. 2 : 5. 2 : 6. 8 : 7. 13, 16, 28 : 8. 1, 3, 4, 5†, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13†, 14, 24, 33 *bis* : 10. 4, 14, 15.
Ne. 2. 9, 12 *ter* : 3. 20†, 28† : 4. 13 (7), 22 (16)† : 7. 7 : 9. 17 : 10. 38 (39) : 12. 1, 40† : 13. 25.
To. 1. 3 : 2. 2†, 5†, 14 . 3. 1, 6, 6†, 8, 9, 10 : 4. 15† : 5. 3† *bis*, 4†, 5†, 6†, 7†, 8, 9†, 11†, 13†, 14†, 15†, 16, 16† *bis* : 6. 1† *ter*, 4†, 7†, 12†, 14, 17†, 17 : 8. 8, 9†, 16, 17, 21† : 9. 2, 2† : 10. 6†, 9† : 11. 6, 19† : 12. 1†, 2†, 3†, 6, 8, 8†, 8 *bis*, 8†, 18† *bis* : 13. 6, 10 : 14. 7†, 10, 12, 12† *bis*.
Ju. 1. 16 : 2. 2, 5 : 3. 7 : 5. 17 *bis* : 6. 8 : 7. 11†, 17, 24 : 8. 3, 26, 33 : 10. 9, 10† : 11. 6, 16† : 12. 3† *bis*, 4†, 11†, 13†, 16†, 17† : 13. 11, 16 : 14. 14, 16 : 15. 8, 10, 11†, 12*, 13*, 13 : 16. 20.
Es. 1. 1 *bis*, 12*†: 2. 20† : 3. 13 : 5. 12, 12† : 6. 13, 14† : 7. 8† : 8. 13†, 13 *quinquiens* : 9. 17, 18, 19 : 10. 3.
Jb. 1. 4, 6 : 2. 9 : 3. 14, 15 : 5. 23† : 9. 3† : 11. 5 : 12. 2 : 17. 16 : 20. 11 : 21. 21† : 26. 10 : 28. 14 : 29. 20 : 31. 5 : 33. 29, 31† : 34. 8 *bis* : 36. 7 : 37. 18 : 39. 32 (40. 2) : 40. 23 (28) : 42. 17.
Ps. 9. 6, 29 (10. 8) : 15 (16). 11 : 17 (18). 23, 25 *bis*, 26 *bis* : 20 (21). 6 : 22 (23). 4 : 25 (26). 4 *bis*, 5, 9 *bis* : 27 (28). 3 *ter* : 37 (38). 10 : 45 (46). 7, 11 : 46 (47). 9 : 49 (50). 11, 18 : 65 (66). 15 *bis* : 68 (69). 28, 30 : 72 (73). 5, 23, 24 : 76 (77). 6 : 77 (78). 8, 33, 37 : 80 (81). 2 : 82 (83). 7, 8 : 85 (86). 17 : 87 (88). 4 : 88 (89). 13, 24 : 90 (91). 15 : 91 (92). 3 : 100 (101). 6 : 101 (102). 9 : 103 (104). 25 : 105 (106). 5, 6 : 108 (109). 21 : 109 (110). 3 : 112 (113). 8 *bis* : 113. 21 (115. 13) : 118 (119). 65, 124 : 119 (120). 5, 6 : 124 (125). 5 : 125 (126). 2, 3 : 138 (139). 18 : 140 (141). 4 : 142 (143). 2 : 148. 12.
Pr. 1. 11, 15 : 2. 18 : 5. 5, 18, 23 : 6. 22 : 8. 8 : 9. 3 : 10. 7, 10 *bis* : 13. 10, 11 *bis*, 16 : 14. 17 : 15. 12, 16 *bis*, 17†, 17, 29 (16. 8) *bis* : 16. 5, 5 (4), 12, 19 *bis* : 17. 1 *bis* : 19. 10 : 20. 11 : 21. 9, 9†, 19 : 23. 7, 11, 35 : 24. 1, 3 *bis*, 4, 6 *bis*, 67 (30. 32), 71 (31. 3) *bis* : 25. 24, 28 : 26. 23 : 28. 8 : 31. 23.
Ec. 1. 11 : 2. 8†, 16 *bis* : 3. 22† : 4. 15 : 6. 10 : 7. 12 (11) : 9. 9.
Ca. 1. 11 : 4. 13 *bis*, 14 *bis* : 5. 1 *ter*, 17 (6. 1).
Wi. 4. 1 : 5. 8 : 7. 11 : 9. 9, 16 : 11. 9† : 12. 18, 20, 21 : 19. 2, 16.
Si. *prol.* 13 : 1. 1, 10, 14, 15 *bis* : 2. 9† : 4. 17 : 7. 34 : 8. 1, 2, 3, 14, 15, 16 *bis*, 17 : 9. 4, 9 *bis*, 10†, 14, 15 : 12. 15 : 13. 11, 13, 26 : 14. 19 : 16. 2 : 17. 12, 22 : 20. 26 : 22. 13, 23 : 24. 7 : 25. 16 : 27. 17 : 28. 16 : 29. 3 : 34 (31). 20 *bis* : 35 (32). 18 : 37. 10, 11 *octiens*, 12 : 40. 8, 23 : 41. 6 : 42. 10 : 44. 11, 20 : 47. 12†, 23 : 50. 22, 24 : 51. 20.
Ho. 2. 18 (20) *bis*, 18 (20)† : 3. 1 : 4. 5, 14 *ter* : 5. 5, 6 : 7. 5 : 9. 8 : 12. 1 (2), 4 (5) : 14. 3.
Am. 1. 14 : 2. 2 *bis*, 3 : 4. 2*, 10 : 5. 14 : 8. 10.
Mi. 2. 7 : 3. 11 *ter* : 6. 2, 8, 10 : 7. 13†.
Jl. 2. 26.
Jn. 1. 3† : 2. 10.
Na. 1. 2.
Hb. 3. 1.
Ze. 1. 12.
Hg. 1. 13 : 2. 5 (4).
Za. 8. 23 *bis* : 10. 5 : 14. 5.
Ma. 2. 5, 6 : 3. 8.
Is. 1. 27 *bis* : 3. 8, 14, 14† : 4. 2 : 5. 12 : 7. 24 : 8. 8, 10 : 9. 5 (4) : 10. 33 : 11. 6 : 12. 3 : 14. 7, 19 : 15. 3 : 16. 5 *bis* : 23. 3*†: 28. 15 *bis*, 21, 27, 28 : 29. 6 : 30. 27, 29, 30, 32 : 32. 1, 10, 18 : 33. 17 : 34. 5, 7, 15 : 35. 10 : 36. 2, 12† : 38. 3, 20 : 40. 10 *ter* : 41. 10 : 42. 13 : 43. 2, 5 : 45. 13 *ter* : 48. 1 *bis* : 51. 11 : 52. 3, 12 : 54. 7 : 57. 8, 9 : 58. 10† : 59. 19 : 60. 9 : 62. 5† : 63. 1, 3 : 65. 23 : 66. 20 *ter*.
Je. 1. 8, 16, 17, 19 : 3. 15 : 4. 2 : 6. 11 : 7. 21 : 8. 8, 18 : 14. 21*†: 15. 20 : 16. 8 : 17. 11 : 19. 10 : 20. 11 : 21. 5 : 22. 13 : 26 (46). 28 : 28 (51). 40 : 33 (26). 24 : 38 (31). 2, 4 : 41 (34). 3† : 47 (40). 4, 5 : 48 (41). 1, 2, 3, 11*, 13*†, 13*, 16* : 49 (42). 11 : 50 (43). 6 : 52. 9, 14*†, 32*.
Ba. 1. 7 : 3. 11, 34 : 4. 11 *bis*, 23 *bis*, 24, 29 : 5. 6, 9.
Ep. Je. 3, 7, 43†, 48.
Ez. 3. 10 : 7. 7 *bis*, 11 *bis* : 8. 18 : 10. 17 : 12. 18 *bis*, 19 *bis* : 13. 13, 14 : 16. 8, 34, 60*, 62 : 17. 16, 21† : 18. 13 : 21. 22 (27) : 22. 29 : 23. 8, 23, 24, 25 : 26. 7, 20 : 27. 7, 20, 22 : 28. 14, 17 : 31. 16, 17, 17†, 18 *bis* ; 32. 19†, 19, 20, 24, 27, 28, 29 *bis*, 30 *bis*, 32, 32† : 34. 16 : 36. 5 : 37. 26 : 38. 6, 7, 9, 15, 22*, 22 : 39. 4*†: 44. 5 : 46. 10, 10† : 47. 22, 23*.
Da. LXX. Su. 37 : 2. 11, 13*, 18* : 3. (42), 32 (99) : 4. 12, 26, 29, 31, 34 *bis* : 6. 3 (4), 19 (20), 20 (21) : 8. 18 : 9. 22, 26†, 26 : 10. 7, 11, 13, 15, 17, 19, 20, 21 : 11. 6, 8 *bis*, 11, 15, 17, 23 *bis*, 39.
Da. TH. Su. 15, 20, 21, 36, 37, 50, 63 : 1. 13, 19 : 2. 11, 18, 22, 43, 43† : 3. (42), 32 (99) : 4. 12, 20, 22, 29 : 5. 21 *bis* : 7. 13, 21 : 8. 18 : 9. 22 : 10. 7*, 13, 15, 17, 19, 20, 21 : 11. 6, 8 *bis*, 11, 17, 39, 40, 40† : Bel 10, 16.
I Ma. 1. 11 : 3. 2, 13, 15, 39 : 4. 8*, 13*†, 18, 56, 59 : 5. 18, 23, 58* : 6. 4, 49, 56†, 56, 58†, 58 : 7. 10 *bis*, 11, 15, 19*†, 20, 23*, 25*, 27, 28, 30, 35 *bis* : 8. 12, 20, 28 : 9. 1, 5, 9†, 16*, 24, 33*, 37, 39, 48*, 56, 60, 60*†, 62*, 67* : 10. 4 *bis*, 27, 60, 63 *bis*, 66, 71† : 11. 6, 7, 49, 54, 63, 73 : 12. 4, 24, 35, 42, 45 *bis*, 47, 48†, 50*, 51, 52* : 13. 11, 12 *bis*, 31, 51, 52† : 14. 5, 8 : 15. 32, 36 : 16. 3, 10, 15, 16*†.
II Ma. 1. 7*, 15 : 2. 22 : 3. 1, 22, 28 : 4. 22, 34, 39 : 5. 20, 24, 27* : 6. 4, 7, 16, 19* *bis* : 7. 1, 23, 37 : 10. 4, 6, 8, 28, 38 : 11. 6, 31 : 12. 24, 28, 33, 37*, 39, 45 : 13. 3, 12, 15 : 14. 1, 15, 32, 38 : 15. 1, 2, 6, 7, 17, 24, 25, 26, 28, 36.
III Ma. 1. 4, 16 : 2. 24 : 3. 20, 21, 23†, 25 : 4. 1 *bis*, 2, 4, 7, 8, 15, 20 : 5. 6, 7, 8, 18, 21, 24, 27, 31, 37, 44, 51 : 6. 14, 15, 23, 27, 28, 34, 35 : 7. 5, 12, 13, 14, 15, 16, 19, 21, 22.
IV Ma. 1. 10, 15 : 3. 7 : 4. 5, 8, 9, 10, 11, 25 : 5. 1, 22 : 8. 3, 11, 26 : 11. 22 : 15. 21 : 16. 15.

[**Aq.** Ge. 16. 6 : 26. 31 : 32. 24 (25), 28 (29) : 44. 31 : Ex. 38. 23 (37. 21) : Dt. 31. 27 : 32. 25 : Jo. 2. 12, 14 : Jd. 2. 7 : II Ki. 1. 24 : III Ki. 14. 20 : 15. 14, 24 : 22. 50 : IV Ki. 9. 28 : Jb. 9. 14 : 10. 12 : 13. 20 : 23. 6 : 30. 1 : 31. 13 : 40. 10 (15) : Ps. 17 (18). 26 : 25 (26). 9 : 27 (28). 1, 3 *ter* : 32 (33). 3 : 38 (39). 8 : 41 (42). 9 : 72 (73). 25 : 80 (81). 3 : 86 (87). 4 : 88 (89). 14, 39 : 109 (110). 3 : 125 (126). 2 : 142 (143). 7 : Pr. 8. 18 : 29. 24 : Ec. 1. 16 : Is. 8. 10 : 34. 7 : 38. 11 : Je. 12. 3 : 31 (38). 2 : 34 (41). 8 : 50 (27). 39 : 51 (28). 59 : Ez. 23. 36 : 30. 11 : 34. 30 : Ho. 4. 14 : Mi. 2. 7.]

[**Sm.** Ge. 26. 31 : 32. 24 (25) : Ex. 38. 23 (37. 21) : Jo. 2. 14 : Jd. 2. 7 : 5. 14 *bis* : 18. 7 : I Ki. 1. 24 : II Ki. 1. 24 : IV Ki. 9. 28 : Jb. 29. 18 : 30. 1 : 31. 5 : 36. 11 : Ps. 9. 31 (10. 10) : 17 (18). 14, 26 : 25 (26). 7, 9 *bis* : 26 (27). 6 : 27 (28). 3 *bis* : 32 (33). 3, 4 : 37 (38). 11 : 41 (42). 5 : 42 (43). 4 : 43 (44). 14 : 52 (53). 2 : 54 (55). 4 : 58 (59). 13 : 67 (68). 24, 31 : 68 (69). 11 : 72 (73). 5, 25 : 79 (80). 6 : 80 (81). 3 : 86 (87). 4 : 87 (88) 5 : 88 (89). 14 : 99 (100). 2 : 111 (112). 5 : 119 (120). 4 : 138 (139). 18 : Pr. 16. 8 : 21. 9 : Ec. 1. 16 : 4. 6 : 9. 7, 17 : 10. 17 : Ca. 1. 11 : 6. 9 (10) : Is. 8. 10 : 34. 7 : 38. 11 : 40. 14 : 53. 12 : 62. 11 : 65. 23 : 66. 10 : Je. 6. 14 : 12. 3*, 5 : 25. 26 (32. 12) : 31 (38). 4, 9 : 38 (45). 10 : 46 (26). 22 : 50 (27). 39 : Ez. 4. 16, 17 : 12. 18, 19 *bis* : 28. 14 : 30. 11 : 31. 17 : 34. 4 : Ho. 4. 14 : Ze. 1. 18.]

[**Th.** Ge. 3. 18 (17) : 26. 31 : 32. 28 (29) : Ex. 28. 1 : Le. 26. 39 : Nu. 8. 26 : Jo. 2. 12, 14 : Jd. 2. 7 : 3. 19* : III Ki. 15. 14, 24 : IV Ki. 11. 9 : Jb. 9. 14 : 10. 12 : 13. 20 : 29. 20 : 30. 1 : 31. 5 : 33. 26, 29 : 34. 9 : 36. 4 : 39. 32 (40. 2) : Ps. 17 (18). 26 : 56 (57). 5 : 125 (126). 2 : Pr. 8. 18 : 11. 2 : 21. 9 : Is. 8. 10 : 16. 5 : 34. 7 : 38. 11 : 45. 9 : 54. 17 : 62. 11 : 65. 23 : Je. 21. 2 : 26 (33). 22 : 29 (36). 16 : 30 (37). 11 : 33 (40). 21 : 39 (46). 5, 12 : Ez. 2. 6 : 12. 18 : 25. 6* : 30. 11 : 32. 19 : 34. 30 : Da. 3. (42) : 10. 13 : 11. 6 : Mi. 6. 8.]

[**Al.** Ge. 31. 27 : Ex. 11. 8 : 14. 25 : Le. 20. 20 : Nu. 14. 43 : Jo. 2. 12 : 23. 12 : Jd. 5. 8 : I Ki. 28. 19 *bis* : IV Ki. 1. 14 : Jb. 5. 23 : Ps. 9. 29 (10. 8) : 148. 12 : Pr. 5. 5 : 16. 19 : Ez. 21. 22 (27) : Hb. 3. 12 *bis*, 14.]

[**Sam.** Le. 20. 11, 20.]

[**Quint.** IV Ki. 9. 28 : 11. 9 : Ps. 17 (18). 26 : 25 (26). 9 : 27 (28). 3 *bis* : 56 (57). 5 : 109 (110). 3.]

[**Sext.** Ps. 27 (28). 3 *bis* : Ca. 1. 11.]

μετά. II. *c. dat.* (?).
Si. 9. 10†.

μετά. III. *c. acc.* * μετὰ τοῦτο ** μετὰ ταῦτα ‡ ὁ μετά
Ge. 4. 3: 5. 4, 7, 10, 13, 16, 19, 22, 26, 30: 6. 4 (*μετ' ἐκεῖνο*): 7. 10: 8. 3, 6: 9. 9, 28: 10. 1, 18*, 32: 11. 10, 11, 13 *bis*, 15, 17, 19, 21, 23, 25: 13. 14: 14. 17†: 15. 1, 14**: 16. 3: 17. 7 *bis*, 8, 9, 10, 19: 18. 5*, 19†: 22. 1, 6, 20: 23. 19**: 24. 36, 55**: 25. 11, 26*: 26. 18: 27. 1, 30: 28. 4: 30. 21*: 32. 20 (21)*: 33. 7**: 35. 12: 38. 24, 30*†: 39. 5, 7: 40. 1: 41. 1, 3, 6, 30**, 31**: 45. 15**: 48. 1, 4, 6**.
Ex. 2. 23: 3. 20**: 4. 18: 5. 1**: 7. 25: 10. 14**†: 11. 1**, 8**: 12. 41: 13. 14**: 18. 2, 13: 28. 39 (43): 29. 29: 30. 21: 32. 30: 34. 32**.
Le. 5. 3*: 13. 7, 34, 35, 55, 56: 14. 8**, 19*, 36**, 43 *ter*, 48: 15. 25, 28**: 16. 1, 26**, 28**, 32: 25. 15, 46, 48, 54**†: 26. 21**: 27. 18.
Nu. 4. 15**: 5. 26**: 6. 19, 20**: 7. 88 *bis*: 8. 15**, 22**: 9. 17**: 12. 14**: 13. 1 (12. 16)**, 26 (25): 18. 8, 19: 19. 7**: 25. 13†: 26. 1 (25. 19): 30. 16†: 31. 24**: 32. 22**: 35. 28.
De. 1. 4, 8: 4. 37, 40: 10. 15: 11. 9: 12. 25, 30: 14. 28: 21. 13**: 24. 4: 29. 22 (21): 31. 10.
Jo. 1. 1: 2. 16**: 3. 2: 5. 11 (12): 6. 12 (13)**: 9. 2 (8. 34)**, 16 *bis*: 22. 27: 23. 1 *bis*: 24. 6**, 29 (*μετ' ἐκεῖνα*), 33**.
Jd. 1. 1, 9**: 2. 10: 3. 31: 7. 10*†, 10**†: 10. 1, 3: 11. 4 (*μεθ' ἡμέρας*)†, 39†: 12. 8, 11, 13: 14. 8 (*μεθ' ἡμέρας*): 15. 1 (*μεθ' ἡμέρας*): 16. 4*†, 4**†: 19. 5*, 23.
Ru. 2. 11: 4. 4.
I Ki. 1. 9, 9†: 5. 9: 6. 9†: 9. 13**: 10. 5**: 11. 1, 5, 11: 24. 6**: 30. 23.
II Ki. 1. 1, 10: 2. 1**: 3. 28**: 5. 13: 7. 12: 8. 1**: 10. 1**: 13. 1**: 15. 1**: 17. 21: 19. 30 (31): 21. 14**, 18**: 23. 9, 11: 24. 10.
III Ki. 1. 13, 17, 20, 27, 30: 3. 1, 1**, 1 (2. 39), 12: 8. 1†: 10. 22 (B) [9. 21 (A)]†: 13. 23, 31, 33: 15. 4: 16. 22: 17. 7 (*μεθ' ἡμέρας*), 17**†: 18. 1: 19. 11, 12 *bis*: 20 (21). 1†, 16**: 21 (20). 15**.
IV Ki. 1. 1: 3. 5: 6. 24**: 8. 3: 9. 19†: 14. 17, 22: 18. 5: 23. 25.
I Ch. 2. 21**, 24: 8. 8: 11. 12: 17. 11: 18. 1**: 19. 1**: 20. 4**: 25. 3, 7†: 26. 16, 18: 27. 34: 28. 8†.
II Ch. 1. 12: 2. 17 (16): 8. 1, 8†: 11. 20**: 17. 15, 16, 18: 20. 1**, 35**: 21. 18**: 22. 4: 24. 4**, 17, 23, 25: 25. 14, 25: 26. 2: 32. 1, 9**, 23**: 33. 14**: 35. 14, 19 *bis*: 36. 5, 22.
I Es. 1. 13**, 25, 40†, 45: 3. 22 (*μετ' οὐ πολύ*): 5. 1**, 52**.
II Es. 3. 5*: 7. 1: 9. 10*, 13.
Ne. 3. 18, 20†, 21, 22, 23 *bis*, 24, 25, 27, 29 *bis*, 30 *bis*, 31: 4. 2 (3. 34)†: 13. 6.
To. 1. 9†, 21†: 11. 1**†, 4†: 14. 2† *bis*, 5**.
Ju. 2. 4: 8. 9, 33: 13. 9 (*μετ' ὀλίγον*): 16. 21, 25.
Es. 1. 1, 4**, 4†: 2. 1: 3. 1**: 8. 13‡, 13**.
Jb. 3. 1*†, 1**†: 10. 8**: 21. 21†: 38. 1: 42. 7, 16, 17 *ter*.
Ps. 15 (16). 4**: 48 (49). 13**: 95 (96). *tit.*: 126 (127). 2.
Pr. 20. 25.
Ec. 2. 18: 3. 22†.
Wi. 2.*: 4. 18*: 5. 11*: 8. 13‡: 15. 8 (*μετ' ὀλίγον*).
Si. 3. 31‡**: 13. 7**: 16. 29**: 17. 23**: 23. 20: 30. 4: 35 (32). 18: 41. 22: 44. 9, 12†: 46. 20: 47. 1*†, 12†, 23: 48. 8.
Ho. 3. 5**: 6. 3 (2).
Jl. 2. 2, 28 (3. 1)**.
Ze. 3. 1 (2. 15).
Is. 1. 26**: 6. 12**: 23. 15, 17: 27. 11: 43. 10: 44. 6**.
Je. 3. 7: 5. 31**†: 12. 15: 13. 6, 13†: 16. 16**: 21. 7**: 24. 1: 35 (28). 12: 38 (31). 33: 39 (32). 16, 18, 39: 41 (34). 8: 43 (36). 27: 47 (40). 1: 49 (42). 7.
Ba. 1. 9: 3. 37*.
La. 1. 1.
Ep. Je. 3*, 50**.
Ez. 3. 16†: 16. 20 (19)**†, 23: 20. 39**: 29. 13: 39. 14: 40. 1: 43. 23: 44. 26: 46. 12.
Da. LXX. 1. 15, 18: 2. 39: 4. 26, 31: 7. 5, 6**, 7**, 24: 8. 1, 4**: 9. 26, 27: Bel 39**.
Da. TH. 1. 5**, 15, 18: 2. 29**, 45**: 4. 26, 31: 8. 1: 9. 26: 11. 2, 6.
I Ma. 1. 1, 5**, 9, 20, 29: 3. 55*: 4. 13*†, 18**: 5. 37: 7. 33: 8. 7, 30: 9. 23, 37: 10. 34: 11. 10† (?), 54**: 13. 20**: 14. 24**: 16. 24.
II Ma. 2. 12†: 4. 14, 23: 6. 1 (*μετ' οὐ πολὺν δὲ χρόνον*): 7. 10, 18: 8. 28: 10. 3: 11. 1: 12. 4†, 27, 32: 14. 1: 15. 33†.
III Ma. 4. 17.
IV Ma. 1. 22, 23: 5. 6: 12. 7 (*μετὰ μικρὸν ὕστερον*).
[**Aq.** Ge. 18. 12: Dt. 31. 29: III Ki. 15. 4: 21 (20). 1: Ec. 10. 14‡: Je. 31 (38). 19 *bis*: 42 (49). 7: 49 (30). 6**: Da. 9. 26.]
[**Sm.** Ge. 14. 17: 18. 12: III Ki. 9. 10: 15. 4: IV Ki. 18. 10: Jb. 21. 3: Ps. 48 (49). 14‡: 118 (119). 109: Ec. 1. 11**: 3. 22**: 10. 14‡: 12. 2: Is. 18. 2: Je. 13. 27**: Ez. 20. 39: Da. 9. 26.]
[**Th.** Ex. 38. 23 (37. 21)**: Jd. 11. 39: III Ki. 15. 4: Jb. 21. 21: Pr. 20. 17*: Ec. 10. 14‡: Je. 34 (41). 8: 46 (26). 26**: 49 (30). 6**: Da. 1. 15: 2. 29**: 9. 26: 11. 2.]
[**Heb.** Ge. 5. 26: III Ki. 9. 10.]
[**Sam.** Ge. 5. 26.]
[**Al.** Ex. 18. 2: Le. 23. 11‡: Jo. 3. 2.]
[**Quint.** Ho. 7. 4 (*μ. μικρόν*).]

μεταβαίνειν.
Wi. 7. 27. *κατὰ γενεὰς εἰς ψυχὰς ὁσίας μεταβαίνουσα*
19. 19. *νηκτὰ μετέβαινεν ἐπὶ γῆς* [S[1] *εἰς γῆν*]
II Ma. 6. 1. **A** *μεταβαίνειν ἀπὸ τῶν πατρίων νόμων* [**R** *al.*]
— 9. *τοὺς δὲ μὴ προαιρουμ. μεταβαίνειν ἐπὶ τὰ Ἑλληνικά*
— 24. **R** *Ἐλεάζαρον . . . μεταβεβήκεναι* [**A** *-βῆναι*] *εἰς ἀλλοφυλισμόν*

μεταβάλλειν. (1) הָפַךְ *a.* qal. *b.* ni. (2) חָוַר (3) חָלַף (4) פָּשָׁה (5) שׁוּב
Ex. 7. 17. *μεταβαλεῖ εἰς αἷμα* (1 *b*)
— 20. *μετέβαλε πᾶν τὸ ὕδωρ . . . εἰς αἷμα* (1 *b*)
10. 19. *μετέβαλε κύριος ἄνεμον* (1 *a*)
Le. 13. 3. *καὶ ἡ θρὶξ ἐν τῇ ἀφῇ μεταβάλῃ λευκή* (1 *a*)
— 4. *ἡ θρὶξ αὐτοῦ οὐ μετέβαλε τρίχα λευκήν* (1 *a*)
— 7. *μεταβαλοῦσα μεταπέσῃ ἡ σημασία* (4)
— 10. *καὶ αὕτη μετέβαλε τρίχα λευκήν* (1 *a*)
— 13. *ὅτι πᾶν μετέβαλε λευκόν* (1 *a*)
— 16. *ἐὰν δὲ . . . μεταβάλῃ λευκή* (1 *b*)
— 17. *μετέβαλεν ἡ ἀφὴ εἰς τὸ λευκόν* (1 *b*)
— 20. *ἡ θρὶξ αὐτῆς μετέβαλεν εἰς λευκήν* (1 *a*)
— 25. *μετέβαλε θρὶξ λευκὴ εἰς τὸ αὐγάζον* (1 *b*)
— 55. *καὶ ἥδε μὴ μετέβαλεν ἡ ἀφὴ τὴν ὄψιν* (1 *a*)
Jo. 7. 8. *μετέβαλεν Ἰσρ. αὐχένα* (1 *a*)
8. 21. **B** *μεταβαλόμενοι* [**AR** *-βαλλ.*] *ἐπάταξαν τοὺς ἄνδρας* (5)
Ju. 10. 7. *ὡς δὲ εἶδον . . . τὴν στολὴν μεταβεβληκυῖαν*
Es. 5. 1. *μετέβαλε* [**S** *-ετο*] *τὸ χρῶμα αὐ.*
— 1. *μετέβαλεν* [S[1] *-ἔλαβεν*] *ὁ θ. τὸ πνεῦμα*
Jb. 10. 8. *μετὰ ταῦτα μεταβαλών με ἔπαισας* †
— 16. *πάλιν γὰρ μεταβαλὼν δεινῶς με ὀλέκεις* –
11. 19. *μεταβαλόμενοι* [S[1] *-βαλλ.*, **A** *-ου*] *δὲ πολλοί σου δεηθήσονται* –
Wi. 19. 19. *χερσαῖα γὰρ εἰς ἔνυδρα μετεβάλλετο*
Si. 18. 26. *ἀπὸ πρωΐθεν ἕως ἑσπέρας μεταβάλλει καιρός*
Hb. 1. 11. *τότε μεταβαλεῖ* [S[1] *-βάλλει*] *τὸ πνεῦμα* (3)
Is. 13. 8. *τὸ πρόσωπον αὐτῶν ὡς φλὸξ μεταβαλοῦσιν* †
29. 22. *οὐδὲ νῦν τὸ πρόσωπον μεταβαλεῖ* [**A S** *add.* Ἰσραήλ] (2)
60. 5. *μεταβαλεῖ εἰς* [**S** *ἐπὶ*] *σὲ πλοῦτος θαλάσσης* (1 *b*)
II Ma. 6. 29. **R** *τὴν μικρῷ πρότερον εὐμένειαν . . . μεταβαλόντων* [**A** *om.*]
III Ma. 1. 3. *ὕστερον δὲ μεταβαλὼν τὰ νόμιμα*
IV Ma. 6. 18. *εἰ νῦν μεταβαλοίμεθα*
— 24. **S R** *μαὶ μηδὲ πρὸς τὸν οἰκτιρμὸν αὐ. μεταβαλλόμενον* [**A** *-οι*]
IV Ma. 15. 14. **A R** *οὐ μετεβάλετο* [**S** *-βάλλ.*] *διὰ τὴν εὐσέβειαν*
[**Sm.** I Ki. 21. 13 (14): Ps. 29 (30). 12: 65 (66). 6: 77 (78). 44: Je. 13. 23.]
[**Al.** Le. 13. 6.]

μεταβολή. (1) סָחַר (2) תְּנוּפָה
Es. 4. 17. *ἀφ' ἡμέρας μεταβολῆς μου*
8. 13. *χρώμενοι* [**A** S[2] *οὐ χρ.*] *ταῖς μ.*
Wi. 7. 18. *τροπῶν ἀλλαγὰς καὶ μεταβολὰς καιρῶν*
Si. 37. 11. **S** *μετὰ ἐμπόρου περὶ μεταβολῆς* [**AB** *-λίας*]
Is. 30. 32. *πολεμήσουσιν αὐτὸν ἐκ μεταβολῆς* (2 ?)
47. 15. *ἐκοπίασας ἐν τῇ μ.* [**A S** *add.* σου] *ἐκ νεότητος* (1)
III Ma. 5. 40. **R** *ἐκ μεταβολῆς ἀναλύων τὰ σοὶ δεδογμένα* [**A** *al.*]
— 42. *τὰς γινομ. . . . ἐν αὐτῷ μ. τῆς ψυχῆς*
[**Al.** Hb. 3. 3.]

μεταβολία.
Si. 37. 11. *μετὰ ἐμπόρου περὶ μεταβολίας* [**S** *-λῆς*]

μεταβόλος. (1) *a.* סָחַר *b.* סַחַר
Is. 23. 2. *μεταβόλοι Φοινίκης* (1 *a*)
— 3. *σπέρμα μεταβόλων* †
— 3. *οἱ μ. τῶν ἐθνῶν* (1 *b*)
[**Sm.** Jb. 40. 25 (30).]
[**Th.** Ez. 17. 4: Ze. 1. 11.]
[**Al.** Ho. 12. 7 (8).]

μεταβούλευμα.
[**Sm.** Jb. 21. 2.]

μετάγειν. (1) סוּר hi. (2) שָׁבָה *a.* qal. *b.* ni.
III Ki. 8. 47. *οὗ μετήχθησαν ἐκεῖ* (2 *b*)
— 48. *οὗ μετήγαγες αὐτούς* (2 *a*)
II Ch. 6. 37. *οὗ μετήχθησαν ἐκεῖ* (2 *b*)
36. 3. *μετήγαγεν αὐτὸν ὁ βασ. εἰς Αἴγ.* (1)
I Es. 1. 45. *μετήγαγεν αὐτὸν εἰς Βαβ.*
2. 10. **B** *ἃ μετήγαγεν* [**AR** *-ήνεγκε*] *Ναβ.*
5. 69. *ὃς μετήγαγεν ἡμᾶς ἐνταῦθα*
Es. 8. 17. *τὴν τῶν Π. ἐπικράτησιν εἰς τοὺς Μ. μετάξαι*
Si. *prol.* 16. *ὅταν μεταχθῇ εἰς ἑτέραν γλῶσσαν*
10. 8. *βασιλεία . . . μετάγεται διὰ ἀδικίας*
II Ma. 1. 33. *οὗ τὸ πῦρ ἀπέκρυψαν οἱ μεταχθέντες ἱερεῖς*
4. 10. **R** *τοὺς ὁμοφύλους μετῆγε* [**A** *μετέστησε*]
[**Aq.** Ps. 32 (33). 10: 90 (91). 10.]
[**Sm.** Ec. 2. 3.]

μεταγενής.
I Es. 8. 1. *μεταγενέστερος τούτων ἐστί*
[**Sm.** Ps. 47 (48). 14.]

μεταγίνεσθαι.
II Ma. 2. 1. **R** *τοῦ πυρὸς λαβεῖν τοὺς μεταγινομ.* [**A** *-γεν.*]
— 2. *ὡς ἐνετείλατο τοῖς μεταγενομ.*

μεταγινώσκειν.
Es. 8. 13. **A** *μεταγνοῦσα μετὰ τῶν ἀθῴων* [**B S** *al.*]

μεταδιαιτᾶν.
IV Ma. 8. 8. *μεταδιαιτηθέντες ἐντρυφήσατε*

μεταδιδόναι. (1) שָׁבַר hi.
To. 7. 9. *μετέδωκε τὸν λόγον τῷ Ῥαγουήλ* [**S** *al.*]
Jb. 31. 17. *οὐχὶ ὀρφανῷ μετέδωκα* †
Pr. 11. 26. *εὐλογία δὲ εἰς κεφαλὴν τοῦ μεταδιδόντος* (1)
Wi. 7. 13. *ἀφθόνως τε μεταδίδωμι*
Ep. Je. 28. *οὔτε πτωχῷ οὔτε ἀδυνάτῳ μὴ* [**A** *om.*] *μεταδῶσι* [**A** *-διδόασιν*]
II Ma. 1. 35. *πολλὰ διάφορα ἐλάμβανε καὶ μετεδίδου*
8. 12. *μεταδόντος αὐτοῦ . . . τὴν παρουσίαν τοῦ στρατοπέδου*

μεταδιώκειν.
II Ma. 2. 31. *τὸ δὲ σύντομον τῆς λέξεως μεταδιώκειν*

μετάθεσις.
II Ma. 11. 24. *τῇ τοῦ πατρὸς ἐπὶ τὰ Ἑλληνικὰ μ.*

μεταίρειν. (1) גָּלָה hi. (2) נָסַע hi. (3) סוּג hi. (4) סוּר hi.

IV Ki. 16. 17. *μετῆρεν ἀπ' αὐτῶν τὸν λουτῆρα* (4)
25. 11. *τὸ λοιπὸν τοῦ στηρίγματος μετῆρε* Naβ. (1)
Ps. 79 (80). 8. *ἄμπελον ἐξ Αἰγύπτου μετῆρας* (2)
Pr. 22. 28. *μὴ μέταιρε ὅρια αἰώνια* (3)
[**Aq.** Ge. 12. 8 : Ps. 6. 8 : Pr. 25. 1.]
[**Sm.** Ps. 23 (24). 7.]
[**Al.** Pr. 23. 10.]

μεταίχμιον.
[**Sm.** Jd. 5. 16.]

μετακαλεῖν. (1) קָרָא
I Es. 1. 50. *ἀπέστειλεν . . . μετακαλέσαι αὐτούς*
Ho. 11. 1. *καὶ ἐξ* Al. *μετεκάλεσα τὰ τέκνα αὐτοῦ* (1)
— 2. *καθὼς μετεκάλεσα* [A -ατο] *αὐτούς* (1)
[**Sm.** Jb. 33. 30.]

μετακινεῖν. (1) מוּט (2) נִדָּה (3) נוּס hi. (4) נוּעַ *a.* qal. *b.* hi. (5) סוּג hi.

De. 19. 14. *οὐ μετακινήσεις ὅρια τοῦ πλησίον* (5)
32. 30. *δύο μετακινήσουσι μυριάδας* (3)
II Ki. 15. 20. B *μετακινήσω σε μεθ' ἡμῶν* (4 *a**, 4 *b*)
II Es. 9. 11. *γῆ μετακινουμένη ἐστίν* (2)
Is. 54. 10. *οὐδ' οἱ βουνοί σου μετακινηθήσονται* (1)
IV Ma. 14. 20. *οὐχὶ τὴν . . . μητέρα μετεκίνησε*
[**Sm.** Pr. 23. 10 : 27. 8.]
[**Th.** I Ki. 20. 30 : Is. 22. 3.]
[**Al.** II Ki. 7. 10.]
[**Quint.** Ps. 10 (11). 1.]

μετακίνημα.
[**Al.** Ps. 43 (44). 15.]

μετακίνησις. (1) חַטָּאת (2) נִדָּה
II Es. 9. 11. *ἐν μετακινήσει λαῶν τῶν ἐθνῶν* (2)
Za. 13. 1. *ἔσται πᾶς τόπος διανοιγόμενος . . . εἰς τὴν μ.* (1)
[**Aq.** Za. 13. 1.]
[**Al.** Le. 15. 19 : Ps. 54 (55). 23 : 65 (66). 9.]

μετακιρνᾶσθαι.
Wi. 16. 21. *πρὸς ὅ τις ἐβούλετο μετεκιρνᾶτο* [S² *μετεκρίνατο*]

μετακλᾶν.
[**Sm.** Ps. 74 (75). 11.]

μετακλίνειν.
[**Sm.** I Ki. 8. 3 : Ps. 43 (44). 19.]

μετακρίνεσθαι.
Wi. 16. 21. S² *πρὸς ὅ τις ἐβούλετο μετεκρίνατο* [A B S¹ -κιρνᾶτο]

μεταλαμβάνειν.
Es. 5. 1. *μετέβαλεν* [S¹ -έλαβεν] *ὁ θ. τὸ πνεῦμα*
Wi. 18. 9. *τῶν αὐτῶν . . . κινδύνων μεταλήψεσθαι τοὺς ἁγίους*
II Ma. 4. 21. *μεταλαβὼν Ἀντίοχος ἀλλότριον αὐτόν*
11. 6. *ὡς δὲ μετέλαβον . . . αὐτόν*
12. 5. *μεταλαβὼν δὲ ὁ Ἰ. τὴν γεγονυῖαν . . . ὠμότητα*
— 8. *μεταλαβὼν δὲ καὶ τοὺς ἐν Ἰ.*
— 21. *τὴν δὲ ἔφοδον μεταλαβών*
13. 10. *μεταλαβὼν δὲ Ἰ. ταῦτα*
— 23. *μετέλαβεν ἀπονενοῆσθαι τὸν Φίλ.*
15. 1. *μεταλαβὼν τοὺς περὶ τὸν Ἰ. ὄντας*
III Ma. 3. 1. *ἃ καὶ μεταλαμβάνων ὁ δυσσεβής*
4. 6. *ἀντὶ τέρψεως μεταλαβοῦσαι γόους*
IV Ma. 8. 8. A R *μεταλαβόντες* [S λαβ.] *Ἑλληνικοῦ βίου*
16. 18. *τοῦ κόσμου μετελάβετε*
[**Sm.** II Ki. 3. 35.]

μεταλλάσσειν. (1) מוּת
I Es. 1. 31. *μετήλλαξε τὸν βίον αὐ.*
Es. 2. 7. *ἐν δὲ τῷ μεταλλάξαι αὐτῆς τοὺς γονεῖς* (1)
— 20. *οὐ μετήλλαξε* [A *οὐκ ἤλλ.*] *τὴν ἀγωγὴν αὐ.* †
II Ma. 4. 7. *μεταλλάξαντος δὲ τὸν βίον Σελεύκου*
— 37. *διὰ τὴν τοῦ μετηλλαχότος σωφροσύνην*
5. 5. *ὡς μετηλλαχότος Ἀντιόχου τὸν βίον*
6. 31. *τοῦτον τὸν τρόπον μετήλλαξεν*
7. 7. *μεταλλάξαντος δὲ τοῦ πρώτου*
— 13. *καὶ τούτου δὲ μεταλλάξαντος*
— 14. R *μεταλλάσσοντα ὑπ' ἀνθρώπων* [A *al.*]
II Ma. 7. 40. R *τὸν βίον* [A *om. τ. β.*] *μετήλλαξε*
14. 46. *τόνδε τὸν τρόπον μετήλλαξεν*

μεταλλεύειν. (1) חָצַב
De. 8. 9. *ἐκ τῶν ὀρέων αὐτῆς μεταλλεύσεις χαλκόν* (1)
Wi. 4. 12. *ῥεμβασμὸς ἐπιθυμίας μεταλλεύει νοῦν ἄκακον*
16. 25. *εἰς πάντα* [S *om. εἰς π.*] *μεταλλευομένη*

μέταλλον.
I Ma. 8. 3. *τοῦ κατακρατῆσαι τῶν μ. τοῦ ἀργυρίου*

μεταμανθάνειν.
[**Sm.** Jb. 39. 35 (40. 5).]

μεταμέλεια. (1) נִחוּמִים
Ho. 11. 8. *συνεταράχθη ἡ μεταμέλειά μου* (1)
[**Th.** Pr. 31. 3.]

μεταμέλειν.
[**Sm.** Ps. 109 (110). 4.]

μεταμελεῖν. (1) אָשַׁם (2) נָחַם (3) נָחַם ni.
Ex. 13. 17. *μή ποτε μεταμελήσῃ τῷ λαῷ* (3)
I Ki. 15. 35. *καὶ κύριος μετεμελήθη* (3)
I Ch. 21. 15. *μετεμελήθη ἐπὶ τῇ κακίᾳ* (3)
Ps. 105 (106). 45. *μετεμελήθη κατὰ τὸ πλῆθος τοῦ ἐλέους αὐτοῦ* (3)
109 (110). 4. *ὤμοσε κύριος καὶ οὐ μεταμεληθήσεται* (3)
Pr. 5. 11. *μεταμεληθήσῃ* [A *μὴ μ.*] *ἐπ' ἐσχάτων* (2)
25. 8. *ἵνα μὴ μεταμεληθῇς ἐπ' ἐσχάτων* †
Wi. 19. 2. *προπέμψαντες αὐτοὺς διώξουσι μεταμεληθέντες*
Si. 30. 28 (33. 19). *ἵνα μὴ μεταμεληθεὶς δέῃ περὶ αὐτῶν*
35 (32). 19. *ἐν τῷ ποιῆσαί σε μὴ μεταμελοῦ*
Za. 11. 5. *καὶ οὐ μετεμέλοντο* (1)
Je. 20. 16. *οὐ μετεμελήθη* (3)
Ez. 14. 22. A B² R *μεταμεληθήσεσθε ἐπὶ τὰ κακά* (3)
I Ma. 11. 10. *μεταμέλημαι γάρ* [S¹ *al.*]
[**Aq.** Ge. 6. 7 (6), 8 (7) : I Ki. 15. 29 *bis.*]
[**Sm.** I Ki. 15. 11 : Ho. 14. 1.]
[**Th.** II Ki. 24. 16.]
[**Al.** Dt. 32. 36 : IV Ki. 13. 4.]

μετάμελος. (1) קֵצֶף
IV Ki. 3. 27. *ἐγένετο μ. μέγας ἐπὶ Ἰσρ.* (1)
Pr. 11. 3. *ἀποθανὼν δίκαιος ἔλιπε μετάμελον* †
III Ma. 2. 24. *οὐδαμῶς εἰς μετάμελον ἦλθεν*

μεταμορφοῦν.
[**Sm.** Ps. 33 (34). 1.]

μετανάστατος.
[**Th.** Is. 58. 7.]

μεταναστεύειν. (1) מוּט ni. (2) גוּר (3) נָסַח ni.
Ps. 10 (11). 2. *μεταναστεύου ἐπὶ τὰ ὄρη ὡς στρουθίον* (2)
51 (52). 5. *μεταναστεύσαι σε ἀπὸ σκηνώματος* (3)
61 (62). 6. *οὐ μὴ* [S¹ *om.*] *μεταναστεύσω* (1)
[**Aq.** Ps. 30 (31). 12 : Is. 16. 2.]
[**Th.** Is. 16. 3.]

μετανάστης.
[**Aq.**, **Th.** Je. 49 (30). 5.]

μεταναστρέφειν.
[**Sm.** Ze. 3. 9.]

μετανιστάναι. (1) נוּעַ
II Ki. 15. 20. B *μεταναστήσεις τὸν τόπον σου* –
Ps. 108 (109). 10. *σαλευόμενοι μεταναστήτωσαν οἱ υἱοὶ αὐτοῦ* (1)

μετανοεῖν. (1) נָחַם ni. (2) שׁוּב hi.
I Ki. 15. 29. *οὐδὲ μετανόησει* (1)
— 29. *οὐχ ὡς ἄνθρωπός ἐστι τοῦ μετανοῆσαι αὐτός* (1)
Pr. 20. 25. *μετὰ γὰρ τὸ εὔξασθαι μετανοεῖν γίνεται* †
24. 24 (29. 27). *δεξάμενος αὐτοὺς μετανόει* –
— 47 (32). *ὕστερον ἐγὼ μετενόησα* –
Wi. 5. 3. S *ἐροῦσιν ἑαυτοῖς* [A B S² *ἐν ἑ.*] *μετανοοῦντες*
Si. 17. 24. *πλὴν μετανοοῦσιν ἔδωκεν ἐπάνοδον*
Si. 48. 15. *ἐν πᾶσι τούτοις οὐ μετενόησεν ὁ λαός*
Am. 7. 3, 6. *μετανόησον κύριε ἐπὶ τούτῳ* (1)
Jl. 2. 13. *πολυέλεος καὶ μετανοῶν ἐπὶ ταῖς κακίαις* (1)
— 14. *τίς οἶδεν εἰ ἐπιστρέψει καὶ μετανοήσει* (1)
Jn. 3. 9. *τίς οἶδεν εἰ μετανοήσει ὁ θεός* (1)
— 10. *μετενόησεν ὁ θεὸς ἐπὶ τῇ κακίᾳ* [A *τὰ κακά*] (1)
4. 2. *πολυέλεος καὶ μετανοῶν ἐπὶ ταῖς κακίαις* (1)
Za. 8. 14. *καὶ οὐ μετενόησα* (1)
Is. 46. 8. *μετανοήσατε οἱ πεπλανημένοι* (2?)
— 9. S¹ *μετανοήσατε* [A B S² *om.*] *μνήσθητε τὰ πρότερα* –
Je. 4. 28. *ἐλάλησα καὶ οὐ μετανοήσω* (1)
8. 6. *οὐκ ἔστιν ἄνθρωπος μετανοῶν ἀπὸ τῆς κακίας αὐτοῦ* (1)
18. 8. *μετανοήσω περὶ τῶν κακῶν* (1)
— 10. *μετανοήσω περὶ τῶν ἀγαθῶν* (1)
38 (31). 19. *ὕστερον αἰχμαλωσίας μου μετενόησα* (1)
[**Sm.** Jb. 36. 10 : Is. 31. 6 : 55. 7 : Je. 18. 8 : Ez. 33. 12.]
[**Al.** Le. 5. 5 : 26. 40 : Nu. 23. 19.]
[**Quint.** Ho. 7. 10.]

μετάνοια.
Pr. 14. 15. *πανοῦργος δὲ ἔρχεται εἰς μετάνοιαν* †
Wi. 11. 23. *παροράς ἁμαρτήματα ἀνθρώπων εἰς μετάνοιαν*
12. 10. *ἐδίδους τόπον μετανοίας*
— 19. *δίδως ἐπὶ ἁμαρτήμασι μετάνοιαν*
Si. 44. 16. *Ἐνὼχ . . . μετετέθη ὑπόδειγμα μετανοίας ταῖς γενεαῖς*
[**Sm.** Is. 30. 15.]

μεταξύ.
Ge. 31. 50† *bis.*
Jd. 5. 27†.
III Ki. 15. 6† *bis*, 32† *bis.*
Wi. 4. 10 : 16. 19 : 18. 23.
[**Aq.** Ge. 1. 4 *bis*, 6, 14 *bis* : 49. 10 (*ἀπὸ μ.*) : I Ki. 20. 3 : III Ki. 15. 6 *bis*, 32 *bis* : Jb. 40. 25 (30).]
[**Sm.** I Ki. 20. 3 : Jb. 30. 7 : 40. 25 (30) : Ps. 56 (57). 5 : 67 (68). 14 : Je. 52. 7 : Ez. 8. 16 : Da. 11. 45.]
[**Al.** Ge. 31. 51 *bis.*]

μεταπαιδεύειν.
IV Ma. 2. 7. *τίνα τρόπον . . . μέθυσος μεταπαιδεύεται*

μεταπείθειν.
IV Ma. 11. 25. *μεταπεῖσαι τὸν λογισμὸν ἡμῶν*

μεταπέμπεσθαι. (1) לָקַח (2) נָחָה hi.
Ge. 27. 45. *ἀποστείλασα μεταπέμψομαί σε ἐκεῖθεν* (1)
Nu. 23. 7. *ἐκ Μεσ. μετεπέμψατό με* B. (2)
II Ma. 15. 31. *μετεπέμψατο τοὺς ἐκ τῆς ἄκρας*
III Ma. 5. 18. R *τὸν Ἕρμωνα μεταπεμψάμενος ὁ βασ.* [A *al.*]
IV Ma. 12. 3. *πλησιέστερον αὐτὸν μετεπέμψατο*
— 6. *τὴν μητέρα τοῦ παιδὸς μετεπέμψατο*
[**Sm.** Je. 16. 16.]

μεταπίπτειν. (1) פָּשָׁה
Le. 13. 5, 6. *οὐ μετέπεσεν ἡ ἁφὴ ἐν τῷ δέρματι* (1)
— 7. *μεταβαλοῦσα μεταπέσῃ ἡ σημασία* (1)
— 8. *μετέπεσεν ἡ σημασία ἐν τῷ δέρματι* (1)
III Ma. 3. 8. *μεταπεσεῖσθαι ταῦτα ὑπελάμβανον*

μέταρσις.
[**Aq.** I Ki. 2. 3 : Ps. 30 (31). 19 : Is. 23. 18.]

μετασκευάζειν.
Am. 5. 8. *ὁ ποιῶν πάντα καὶ μετασκευάζων* †

μεταστενάζειν. (1) סָפַק
Je. 38 (31). 19. *ὕστερον τοῦ γνῶναί με ἐστέναξα* [S¹ *γν. μετεστ.*] (1)

μεταστέφειν (?).
Je. 21. 4. S¹ *μεταστέφω* [A B S² -*στρέφω*] *τὰ ὅπλα τὰ πολεμικά* †

μεταστρέφειν. (1) הָפַךְ *a.* qal. *b.* ni. (2) סָבַב *a.* ni. *b.* hi.
Ex. 14. 5. *μετεστράφη ἡ καρδία Φ.* (1 *b*)
De. 23. 5 (6). *μετέστρεψε κ. ὁ θ. σου τὰς κατάρας εἰς εὐλογίαν* (1 *a*)

Jd. 5. 28. A ἐπιβλέπουσα ἐπὶ τοὺς μεταστρέφοντας Σ. [B *al.*]
I Ki. 10. 9. μετέστρεψεν αὐτῷ ὁ θ. καρδίαν ἄλλην (1 *a*)
II Ch. 36. 4. μετέστρεψε τὸ ὄνομα αὐ. Ἰ. (2 *b*)
I Es. 3. 20. πᾶσαν διάνοιαν μεταστρέφει
7. 15. μετέστρεψε τὴν βουλὴν τοῦ βασ. Ἀσσ.
Ps. 65 (66). 6. ὁ μεταστρέφων τὴν θάλασσαν εἰς ξηράν (1 *a*)
77 (78). 44. μετέστρεψεν εἰς αἷμα τοὺς ποταμοὺς αὐτῶν (1 *a*)
— 57. μετεστράφησαν εἰς τόξον στρεβλόν (1 *b*)
104 (105). 25. μετέστρεψε τὴν καρδίαν αὐ. (1 *a*)
— 29. μετέστρεψε τὰ ὕδατα αὐτῶν εἰς αἷμα (1 *a*)
Si. 11. 31. τὰ γὰρ ἀγαθὰ εἰς κακὰ μεταστρέφων ἐνεδρεύει
39. 23. ὡς μετέστρεψεν ὕδατα εἰς ἅλμην
Ho. 7. 8. Ἐ. ἐγένετο ἐγκρυφίας οὐ μεταστρεφόμενος (1 *a*)
11. 8. μετεστράφη ἡ καρδία μου ἐν τῷ αὐτῷ (1 *b*)
Am. 8. 10. μεταστρέψω τὰς ἑορτὰς ὑμῶν εἰς πένθος (1 *a*)
Jl. 2. 31 (3. 4). ὁ ἥλιος μεταστραφήσεται εἰς σκότος (1 *b*)
Ze. 3. 9. τότε μεταστρέψω ἐπὶ λαοὺς γλῶσσαν (1 *a*)
Je. 6. 12. μεταστραφήσονται αἱ οἰκίαι αὐτῶν εἰς ἑτέρους (2 *a*)
21. 4. μεταστρέφω [S¹ -στέφω] τὰ ὅπλα τὰ πολεμικά (2 *b*)
La. 5. 2. κληρονομία ἡμῶν μετεστράφη ἀλλοτρίοις (1 *b*)
Da. TH. 10. 8. ἡ δόξα [A ἕξις] μου μετεστράφη (1 *b*)
I Ma. 9. 41. μετεστράφη ὁ γάμος εἰς πένθος
III Ma. 5. 7. τὴν κατ' αὐτῶν μεταστρέψαι βουλὴν ἀνοσίαν
6. 22. μετεστράφη τοῦ βασ. ἡ ὀργὴ εἰς οἶκτον
[Aq. Ex. 28. 11: Ps. 59 (60). 3.]
[Sm. I Ki. 22. 18: Jb. 8. 3 *bis*: Ps. 31 (32). 4: Ze. 3. 9.]

μεταστροφή. (1) *a.* סִבָּה *b.* נְסִבָּה
III Ki. 12. 15. ἦν μεταστροφὴ παρὰ κυρίου (1 *a*)
II Ch. 10. 15. ἦν μεταστροφὴ παρὰ τοῦ θεοῦ (1 *b*)
[Aq. Jb. 37. 12.]

μετασχηματίζειν.
IV Ma. 9. 22. μετασχηματιζόμενος εἰς ἀφθαρσίαν
[Sm. I Ki. 28. 8.]

μετατιθέναι. (1) לָקַח (2) מוּט (3) סוּג hi.
(4) סוּת hi. (5) פָּלָא hi. (6) שׁוּב
Ge. 5. 24. μετέθηκεν αὐτὸν ὁ θεός (1)
De. 27. 17. ἐπικατάρατος ὁ μετατιθεὶς ὅρια (3)
III Ki. 20 (21). 25. μετέθηκεν αὐτὸν Ἰεζ. (4)
Es. 4. 17. μετάθες τὴν καρδίαν αὐ.
Ps. 45 (46). 2. ἐν τῷ . . . μετατίθεσθαι ὄρη ἐν καρδίαις θαλάσσης (2)
Pr. 23. 10. μὴ μεταθῇς ὅρια αἰώνια (3)
Wi. 4. 10. ζῶν μεταξὺ ἁμαρτωλῶν μετετέθη
Si. 6. 9. B S² ἔστι φίλος μετατιθέμενος εἰς ἔχθραν [A -όν]
44. 16. μετετέθη ὑπόδειγμα μετανοίας ταῖς γενεαῖς
49. 14. A καὶ αὐτὸς μετετέθη [B S ἀνελήφθη] ἀπὸ τῆς γῆς
Ho. 5. 10. ἐγένοντο . . . ὡς μετατιθέντες ὅρια (3)
Is. 29. 14. προσθήσω τοῦ μεταθεῖναι τὸν λαὸν τοῦτον καὶ μεταθήσω αὐτούς (5, 5)
— 17. μετατεθήσεται ὁ Λίβανος ὡς τὸ ὄρος τὸ Χέρμελ (6)
II Ma. 4. 46. ὡς ἀναψύξοντα τὸν βασ. μετέθηκε
7. 24. μεταθέμενον ἀπὸ τῶν πατρίων νόμων
III Ma. 1. 16. τὴν ὁρμὴν τοῦ κακῶς ἐπιβαλλομ. μεταθεῖναι
IV Ma. 2. 18. τὰ μὲν αὐτῶν μεταθεῖναι
[Aq. Ec 10. 9.]
[Sm. IV Ki. 16. 14: Je. 18. 8.]

μετατρέπειν.
IV Ma. 6. 5. κατ' οὐδένα τρόπον μετετρέπετο
7. 3. A R κατ' οὐδένα τρόπον μετέτρεψε [S ἔτρ.] τοὺς τῆς εὐσεβείας οἴακας
— 12. οὐ μετετράπη τὸν λογισμόν
15. 11. τὸν λογισμὸν αὐ. . . . ἴσχυσαν μετατρέψαι
— 18. οὐ μετέτρεψέ σε πρωτότοκος ἀποπνέων
[Aq. Ez. 1. 9.]
[Sm. Ez. 1. 9: 10. 11.]

μεταφέρειν. (1) סָבַב hi.
I Ch. 13. 3. μετενέγκωμεν τὴν κιβωτὸν τοῦ θ. ἡμῶν (1)
I Es. 2. 10. A R ἃ μετήνεγκε [B -ήγαγεν] Νάβ.
4. 48. μεταφέρειν ξύλα κέδρινα

μεταφορά.
[Th. Ho. 8. 13.]

μετάφρασις.
II Ma. 2. 31. τῷ τὴν μ. ποιουμένῳ συγχωρητέον

μετάφρενον. (1) אֶבְרָה (2) גֵּו
De. 32. 11. ἀνέλαβεν αὐτοὺς ἐπὶ τῶν μ. αὐ. (1)
Ps. 67 (68). 13. τὰ μ. αὐτῆς ἐν χλωρότητι χρυσίου (1)
90 (91). 4. ἐν τοῖς μ. αὐτοῦ ἐπισκιάσει σοι (1)
Is. 51. 23. A S ἔθηκας ἴσα τῇ γῇ τὰ μ. [B μέσα] σου ἕξω (2)
[Aq. Ez. 17. 3.]
[Heb. Ge. 49. 8.]

μεταφρονεῖν.
To. 4. 18. A μὴ μεταφρονήσῃς [B καταφρ.] ἐπὶ πάσης συμβουλίας

μεταφυτεύειν.
[Aq. Ps. 1. 3: 91 (92). 14.]
[Sm., Th. Ps. 91 (92). 14.]

μεταχεῖν.
IV Ma. 1. 29. A S καὶ πάντα τρόπον μεταχέων [R μετοχετεύων]

μεταχρωννύναι.
[Sm. Le. 13. 13.]

μετέπειτα.
Ju. 9. 5. καὶ τὰ [A *om.*] μ. . . . διενοήθης
Es. 3. 13. εἰς τὸν μ. χρόνον
III Ma. 3. 24. αἰφνιδίου μ. ταραχῆς ἐνστάσης ἡμῖν

μετέρχεσθαι. (1) סָבַב *a.* qal. *b.* hi.
I Ki. 5. 8. μετελθέτω κιβωτὸς τοῦ θεοῦ (1 *a*)
— 8. μετῆλθε κιβωτὸς τοῦ θεοῦ Ἰσρ. (1 *b*)
— 9. μετὰ τὸ μετελθεῖν αὐτήν (1 *b*)
Wi. 14. 30. ἀμφότερα δὲ αὐτοὺς μετελεύσεται τὰ δίκαια [A¹ ἄδικα]
I Ma. 15. 4. ὅπως μετέλθω τοὺς κατεφθαρκότας
IV Ma. 10. 21. σὲ δὲ ταχέως μετελεύσεται ὁ θεός
18. 22. ἡ θεία δίκη μετῆλθε καὶ μετελεύσεται τὸν ἀλάστορα

μετέχειν. (1) אֵת
I Es. 5. 40. μὴ μετέχειν τῶν ἁγίων [A *add.* αὐτούς]
8. 70. καὶ μετεῖχον οἱ προηγούμενοι
Pr. 1. 18. αὐτοὶ γὰρ οἱ φόνου μετέχοντες θησαυρίζουσιν ἑαυτοῖς κακά †
5. 17. μηδεὶς ἀλλότριος μετασχέτω σοι (1)
Wi. 16. 3. καὶ ξένης μετάσχωσι γεύσεως
19. 16. τοὺς ἤδη τῶν αὐτῶν [S *om.* τῶν αὐ.] μετεσχηκότας δικαίων
Si. 51. 28. A S² R μετάσχετε παιδείας [B S¹ -αν]
II Ma. 4. 14. ἔσπευδον μετέχειν τῆς . . . χορηγίας
5. 10. R οὔτε πατρῴου τάφου [A νόμου] μετέσχε
— 27. πρὸς τὸ μὴ μετασχεῖν τοῦ μολυσμοῦ
[Aq. Ps. 93 (94). 20.]
[Sm. Ex. 22. 11 (10).]
[Al. Ex. 22. 8 (7).]

μετεωρεῖν.
[Sm. Ec. 10. 9.]

μετεωρίζειν. (1) נָבַהּ hi. (2) נָשָׂא ni.
(3) רוּם *a.* qal. *b.* ni.
Ps. 130 (131). 1. οὐδὲ ἐμετεωρίσθησαν οἱ ὀφθαλμοί μου (3 *a*)
Mi. 4. 1. καὶ μετεωρισθήσεται ὑπεράνω τῶν βουνῶν (2)
Ob. 1. 4. ἐὰν μετεωρισθῇς ὡς ἀετός (1)
Ez. 10. 16. τοῦ μετεωρίζεσθαι ἀπὸ τῆς γῆς (3 *a*)
— 17. ἐν τῷ μετεωρίζεσθαι αὐτὰ ἐμετεωρίζοντο μετ' αὐτῶν (3 *a*, 3 *b*)
— 19. ἐμετεωρίσθησαν ἀπὸ τῆς γῆς (3 *b*)
II Ma. 5. 17. ἐμετεωρίζετο τὴν διάνοιαν ὁ Ἀντ.
7. 34. μὴ μάτην μετεωρίζου
III Ma. 6. 5. καὶ μετεωρισθέντα ἐπὶ τὴν ἁγίαν σου πόλιν
[Aq. Is. 7. 11: 52. 13: 55. 9.]
[Sm., Th. Is. 52. 13.]

μετεωρισμός. (1) מִשְׁבָּר
Ps. 41 (42). 7. πάντες οἱ μ. σου καὶ τὰ κύματά σου ἐπ' ἐμὲ διῆλθον (1)
87 (88). 7. πάντας τοὺς μ. σου ἐπήγαγες ἐπ' ἐμέ (1)
92 (93). 4. θαυμαστοὶ οἱ μ. τῆς θαλάσσης (1)
Si. 23. 4. μετεωρισμὸν ὀφθαλμῶν μὴ δῷς μοι
26. 9. πορνεία γυναικὸς ἐν μετεωρισμοῖς ὀφθαλμῶν
Jn. 2. 4. πάντες οἱ μ. σου . . . ἐπ' ἐμὲ διῆλθον (1)
II Ma. 5. 21. διὰ τὸν μ. τῆς καρδίας
[Aq. Ps. 9. 25 (10. 4).]

μετέωρος. (1) אָמִיר (2) גָּבֹהַּ (3) מַר
(4) מָשֹׁךְ pu. (5) נָטָה (6) נָשָׂא ni.
(7) עָלִי (8) *a.* רוּם *b.* רָאמוֹת *c.* מָרוֹם
(9) תֵּל (10) εἰς τὸ μ. כִּלְמַעְלָה
Jd. 1. 15. ἔδωκεν αὐτῇ . . . λύτρωσιν μετέωρων (7)
II Ki. 22. 28. ὀφθαλμοὺς ἐπὶ μετέωρων ταπεινώσεις (8 *a*)
Jb. 28. 18. μετέωρα καὶ γαβὶς οὐ μνησθήσεται (8 *b*)
Si. 22. 18. χάρακες [A χάλικες] ἐπὶ μετέωρου κείμενοι
37. 14. ἑπτὰ σκοποὶ ἐπὶ μετέωρου καθήμενοι ἐπὶ σκοπῆς
Is. 2. 12. ἡμέρα κυρίου . . . ἐπὶ πάντα ὑψηλὸν καὶ μετέωρον (6)
— 13. ἐπὶ πᾶσαν κέδρον τοῦ Λιβάνου τῶν ὑψηλῶν καὶ μ. (6)
5. 15. οἱ ὀφθαλμοὶ οἱ μ. ταπεινωθήσονται (2)
17. 6. ὡς ῥῶγες ἐλαίας δύο ἢ τρεῖς ἐπ' ἄκρου μετεώρου (1?)
18. 2. πορεύσονται γὰρ ἄγγελοι κοῦφοι πρὸς ἔθνος μετέωρον (4)
30. 25. ἐπὶ παντὸς βουνοῦ μετέωρου (6)
57. 7. ἐπ' ὄρος ὑψηλὸν καὶ μετέωρον (6)
Je. 38 (31). 37. ἐὰν ὑψωθῇ ὁ οὐρανὸς εἰς τὸ μετέωρον (10)
39 (32). 17. τῷ βραχίονί σου τῷ ὑψηλῷ καὶ τῷ μ. [S *om.* κ. τ. μ.] (5)
Ez. 3. 14. A ἐπορεύθην μ. [B *om.*] (3?)
— 15. εἰσῆλθον εἰς τὴν αἰχμαλωσίαν μ. (9?)
17. 23. κρεμάσω αὐτὸν ἐν ὄρει μετέωρῳ Ἰσραήλ (8 *c*)
[Aq., Sm. Is. 10. 33.]
[Th. Jb. 28. 18: Is. 10. 33: Ez. 6. 13.]
[Al. Ps. 137 (138). 6.]

μετεωρότης.
[Aq. I Ki. 16. 7: Jb. 11. 8: 40. 5 (10): Ez. 1. 18.]
[Th. I Ki. 16. 7.]

μετοικεῖν. (1) גָּלָה
II Ki. 15. 19. μετῴκηκας σὺ ἐκ τοῦ τόπου σου (1)

μετοικεσία. (1) *a.* יוֹם גָּלוּת *b.* גֹּלָה, גֹּלָה
c. גָּלוּת, גָּלֶת (2) מִשְׁבָּת
Jd. 18. 30. A ἕως τῆς μ. τοῦ Δάν [B *al.*] (1 *a*)
IV Ki. 24. 16. ἤγαγεν αὐτοὺς . . . μετοικεσίαν εἰς Βαβ. (1 *b*)
25. 27. A ἐν τῷ τριακοστῷ . . . ἔτει τῆς μ. [B ἀποικίας] (1 *c*)
I Ch. 5. 22. κατῴκησαν ἀντ' αὐτῶν ἕως τῆς μ. (1 *b*)
Ob. 1. 20. καὶ τῆς μ. ἡ ἀρχὴ αὕτη τοῖς υἱοῖς Ἰσ. (1 *c*)
— 20. καὶ ἡ μ. Ἱερ. ἕως Ἐφ. (1 *c*)
Na. 3. 10. αὐτὴ εἰς μετοικεσίαν πορεύσεται αἰχμάλωτος (1 *b*)
Je. 50 (43). 5. S τοὺς ἀποστρέψαντας εἰς μετοικεσίαν [A B ἀ. κατοικεῖν] ἐν τῇ γῇ †
La. 1. 7. A² ἐγέλασαν ἐπὶ μετοικεσίας [A¹ -κία, B S κατοικεσίᾳ] αὐτῆς (2)
Ez. 12. 11. ἐν μετοικεσίᾳ . . . πορεύσονται (1 *b*)
[Aq. Ez. 3. 11: 12. 3.]

μετοικία. (1) גַּל (2) גָּלָה hi. (3) מָגוֹר
(4) שְׁבָה
III Ki. 8. 47. ἐν γῇ μετοικίας αὐτῶν (4)
I Ch. 6. 15 (5. 41). ἐπορεύθη ἐν τῇ μ. (2)
Je. 9. 11 (10). δώσω τὴν Ἱερουσαλὴμ εἰς μετοικίαν (1)
20. 4. δίδωμί σε εἰς μετοικίαν (3)

μετοικίζειν. (1) נָלָה *a.* qal. *b.* hi. (2) גָּרַשׁ pi.
Jd. 2. 3. **A** οὐ προσθήσω τοῦ μετοικίσαι τὸν λαόν [**B** *al.*] (2)
I Ch. 5. 6. ὃν μετῴκισε Θ. (1 *b*)
— 26. μετῴκισε τὸν Ῥ. (1 *b*)
8. 6. μετῴκισαν αὐτοὺς εἰς Μ. (1 *b*)
I Es. 5. 7. οὓς μετῴκισε Ναβ.
Ju. 11. 14. τοὺς μετοικίσαντας αὐτοῖς τὴν ἄφεσιν
Ho. 10. 5. ὅτι μετῳκίσθη ἀπ' αὐτοῦ (1 *a*)
Am. 5. 27. καὶ μετοικιῶ ὑμᾶς ἐπέκεινα Δαμασκοῦ (1 *b*)
Je. 20. 4. μετοικιοῦσιν αὐτούς (1 *b*)
22. 12. ἐν τῷ τόπῳ οὗ μετῴκισα αὐτόν (1 *b*)
La. 1. 3. μετῳκίσθη Ἰουδαία ἀπὸ ταπεινώσεως αὐτῆς (1 *a*)

μέτοικος. (1) מָגוּר
Je. 20. 3. οὐχὶ Πασχὼρ ἐκάλεσε κύριος τὸ ὄνομά σου ἀλλ' ἢ Μέτοικον (1)
[**Th.** Je. 20. 3.]

μετουσία.
IV Ma. 2. 1. πρὸς τὴν τοῦ κάλλους μ. ἀκυροῦνται

μετοχετεύειν.
IV Ma. 1. 29. **B** καὶ πάντα τρόπον μετοχετεύων [**AS** μεταχέων]

μετοχή. (1) חָבַר pu.
Ps. 121 (122). 3. **SR** ὡς πόλις ἧς ἡ μ. [**A** οἱ μέτοχοι] αὐτῆς ἐπὶ τὸ αὐτό (1)

μέτοχος. (1) *a.* חָבֵר *b.* חָבַר qal. *c.* pu.
(2) μ. εἶναι בָּחַר (3) αἱμάτων μ. דָּמִים
I Ki. 20. 30. μέτοχος εἶ σὺ τῷ υἱῷ Ἰ. (2 ?)
Es. 8. 13. μετόχους αἱμάτων ἀθῴων καταστήσασα [**AS** *al.*]
Ps. 44 (45). 7. ἔχρισέ σε ὁ θεὸς . . . παρὰ τοὺς μ. σου (1 *a*)
118 (119). 63. μέτοχος ἐγώ εἰμι πάντων τῶν φοβουμένων σε (1 *a*)
121 (122). 3. **A** ὡς πόλις ἧς οἱ μ. [**SR** ἡ μετοχὴ] αὐτῆς ἐπὶ τὸ αὐτό (1 *c*)
Pr. 29. 10. ἄνδρες αἱμάτων μέτοχοι μισοῦσιν ὅσιον [**AS** *al.*] (3)
Ec. 4. 10. ὁ εἷς ἐγερεῖ τὸν μ. αὐτοῦ (1 *a*)
Ho. 4. 17. μέτοχος εἰδώλων Ἐφ. ἔθηκεν ἑαυτῷ σκάνδαλα (1 *b*)
III Ma. 3. 21. μετόχους τῶν ἀεὶ ἱερέων καταστῆσαι [**Aq.**, **Sm.**, **Th.** Pr. 28. 24.]

μετρεῖν. (1) מָדַד (2) מָנָה
Ex. 16. 18. **B** καὶ μετρήσαντες γομόρ [**B** τῷ γ., **A**² τὸ γ.] (1)
Nu. 35. 5. μετρήσεις . . . τὸ κλίτος τὸ πρὸς ἀνατολάς (1)
Ru. 3. 15. ἐμέτρησεν ἓξ κριθῶν (1)
Wi. 4. 8. οὐδὲ ἀριθμῷ ἐτῶν μεμέτρηται
Is. 40. 12. τίς ἐμέτρησε τῇ χειρὶ τὸ ὕδωρ (1)
Da. TH. 5. 26. ἐμέτρησεν ὁ θ. τὴν βασ. σου (2)
[**Aq.** Is. 40. 12 : Je. 31 (38). 37 : Ez. 42. 20.]
[**Sm.** II Ki. 8. 2 ; Is. 40. 12.]
[**Th.** Is. 40. 12.]

μέτρησις.
III Ki. 7. 38. τὸν χυτρόκαυλον τὸν ἕνα μετρήσει [**A** *al.*] –

μετρητής. (1) בַּת (2) סָאָה (3) פּוּרָה
III Ki. 18. 32. χωροῦσαν δύο μετρητὰς σπέρματος (2)
II Ch. 4. 5. χωροῦσαν [**A** -σα] μ. τρισχιλίους (1)
I Es. 8. 20. ἕως . . . οἴνου μετρητῶν ἑκατόν
Hg. 2. 17 (16). ἐξαντλῆσαι πεντήκοντα μετρητάς (3 ?)
Da. LXX. Bel 2. καὶ ἐλαίου μετρηταὶ [*cod.* -ὰς] ἕξ
Da. TH. Bel 3. καὶ οἴνου μετρηταὶ ἕξ
[**Aq.** Ez. 45. 14 *bis.*]
[**Th.** Da. 14. 2.]

μετριάζειν. (1) חָלָה
Ne. 2. 2. καὶ οὐκ εἶ μετριάζων (1)

μέτριος.
Si. 34 (31). 20. ὕπνος ὑγιείας ἐπὶ ἐντέρῳ μετρίῳ

μετρίως.
II Ma. 15. 38. εἰ δὲ εὐτελῶς καὶ μ.

μέτρον (-ος). (1) אֵיפָה, אֵפָה (2) אַמָּה
(3) בַּת (4) יָד (5) *a.* מִדָּה *b.* מְמַד *c.* מָדַד
(6) קָוֶה (7) סָאָה (8) *a.* קָו *b.* מְשׁוּרָה
(9) שָׁלִישׁ (10) τρία μ. אֵיפָה
Ge. 18. 6. φύρασον τρία μ. σεμιδάλεως (7)
Ex. 16. 36. τὸ δὲ γόμορ τὸ δέκατον τῶν τριῶν μ. ἦν (10)
26. 2. μ. τὸ αὐτὸ ἔσται πάσαις ταῖς αὐλαίαις (5 *a*)
— 8. τὸ αὐτὸ μ. [**A** *om.*] ἔσται ταῖς ἕνδεκα δέρρεσι (5 *a*)
Le. 19. 35. οὐ ποιήσετε ἄδικον . . . ἐν μέτροις (5 *a*)
De. 2. 6. ὕδωρ μέτρῳ λήψεσθε –
25. 14. οὐκ ἔσται ἐν τῇ οἰκίᾳ σου μ. καὶ μ. (1, 1)
— 15. **AB**²**R** μ. ἀληθινὸν καὶ δίκαιον ἔσται σοι (1)
III Ki. 6. 25. ἐν μ. ἑνὶ συντέλεια μία (5 *a*)
7. 37. μέτρον ἓν πάσαις (5 *a*)
— 9. **A** ἐκ λίθων τιμίων μέτρον ἀπελεκήτων [**B** *om.* μ. ἁ.] (5 *a*)
— 11. κατὰ τὸ μ. ἀπελεκήτων (5 *a*)
IV Ki. 7. 1, 16, 18. μέτρον σεμιδάλεως σίκλου (7)
21. 13. ἐκτενῶ ἐπὶ Ἱερ. τὸ μ. Σαμ. (8 *a*)
I Ch. 23. 29. καὶ εἰς πᾶν μ. (6 + 5 *a*)
II Ch. 2. 10 (9). **AB**²**R** καὶ οἴνου μέτρων εἴκοσι χιλιάδας καὶ ἐλαίου μέτρων [**A** κάδων, **B**¹ *om.* εἴ. . . . μ.] εἴκοσι χιλιάδας (3, 3)
Ne. 3. 19. μ. δεύτερον πύργου ἀναβάσεως (5 *a*)
— 20. μ. δεύτερον ἀπὸ τῆς γωνίας (5 *a*)
— 21. μ. [**A** -ος] δεύτερον ἀπὸ θύρας Β. (5 *a*)
— 24. μ. δεύτερον ἀπὸ Β. (5 *a*)
— 27. μ. δεύτερον ἐξ ἐναντίας τοῦ πύργου (5 *a*)
— 30. ἐκράτησεν Ἀν. . . . μ. δεύτερον (5 *a*)
Ju. 7. 21. ἐν μέτρῳ ἐδίδοσαν αὐτοῖς πιεῖν
Jb. 11. 9. ἢ μακρότερα μέτρου γῆς [**A** μέτρων γῆς ἐπίστασαι] (5 *a*)
28. 25. ὕδατος μέτρα ὅτε ἐποίησεν (5 *a*)
38. 5. τίς ἔθετο τὰ μ. αὐτῆς εἰ οἶδας (5 *b*)
Ps. 79 (80). 5. ποτιεῖς ἡμᾶς ἐν δάκρυσιν ἐν μέτρῳ (9)
Pr. 20. 10. στάθμιον μέγα καὶ μικρὸν καὶ μέτρα δισσά (1)
Wi. 11. 20. πάντα μέτρῳ . . . διέταξας
Si. 34 (31). 27. ἐὰν πίνῃς αὐτὸν μέτρῳ [**S**² ἐν μ.] αὐτοῦ
Am. 8. 5. τοῦ ποιῆσαι μικρὸν μέτρον (1)
Za. 1. 16. μέτρον ἐκταθήσεται [**A** ἐκτεθ.] ἐπὶ Ἱερ. (8 *a*, 8 *b**)
5. 6. τοῦτο τὸ μ. τὸ ἐκπορευόμενον (1)
— 7. ἐκάθητο ἐν μέσῳ τοῦ μ. [**A** ταλάντου] (1)
— 8. ἔρριψεν αὐτὴν ἐν μέσῳ τοῦ μ. (1)
— 9. καὶ ἀνέλαβον τὸ μ. ἀνὰ μέσον τῆς γῆς (1)
— 10. ποῦ αὗται ἀποφέρουσι τὸ μ. (1)
Is. 5. 10. ὁ σπείρων ἀρτάβας ἓξ ποιήσει μέτρα τρία (10)
44. 13. ἔστησεν αὐτὸ ἐν μέτρῳ (8 *a* ?)
La. 2. 8. ἐξέτεινε μ. (8 *a*)
Ez. 4. 11. ὕδωρ ἐν μέτρῳ πίεσαι (6)
— 16. ὕδωρ ἐν μέτρῳ καὶ ἐν ἀφανισμῷ πίονται (6)
40. 3. ἦν σπαρτίον οἰκοδόμων καὶ κάλαμος μ. [**A** *add.* ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ] (5 *a*)
— 5. κάλαμος τὸ μ. πηχῶν ἓξ ἐν πήχει (5 *a*)
— 10. μ. ἐν τοῖς τρισί· μ. ἐν τοῖς [**A** τῷ] αἰλὰμ ἔνθεν καὶ ἔνθεν (5 *a*, 5 *a*)
— 21. ἐγένετο κατὰ τὰ μ. τῆς πύλης (5 *a*)
— 24. διεμέτρησεν αὐτὴν . . . κατὰ τὰ μ. ταῦτα (5 *a*)
— 28. διεμέτρησε τὴν πύλην κατὰ τὰ μ. ταῦτα (5 *a*)
— 30 (29). τὰ αἰλαμμὼν κατὰ τὰ μ. ταῦτα (5 *a*)
— 32. διεμέτρησεν αὐτὴν κατὰ τὰ μ. ταῦτα (5 *a*)
— 33. τὰ αἰλαμμὼν κατὰ τὰ μ. ταῦτα (5 *a*)
— 35. διεμέτρησε κατὰ τὰ μ. ταῦτα (5 *a*)
41. 17. **A** ἐν τῷ ἔσωθεν καὶ ἐν τῷ ἔξωθεν μέτρα [**B** *om.*] (5 *a*)
42. 11. κατὰ τὰ μ. ἐξεδρῶν τῶν πρὸς βορρᾶν †
— 16. διεμέτρησε πεντακοσίους ἐν τῷ καλάμῳ τοῦ μ. (5 *a*)
— 17. πήχεις πεντακοσίους ἐν τῷ καλάμῳ τοῦ μ. (5 *a*)
— 18, 19. πεντακοσίους ἐν τῷ καλάμῳ τοῦ μ. (5 *a*)
— 20. **A** τὰ τέσσαρα μέρη τοῦ αὐτοῦ μ. [**B** καλάμου] (5 *c*)
43. 13. ταῦτα τὰ μ. τοῦ θυσιαστηρίου (5 *a*)
45. 10. μ. δίκαιον καὶ χοῖνιξ δικαία ἔσται [**B** -τω] ὑμῖν τοῦ μ. (1, 1)
— 11. **A** τὸ μ. πρὸς τὸ γομὸρ ἔσται ἴσον [**B** *al.*] (1)
— 13. **AR** ἕκτον [**A** ἑκατὸν τοῦ] μέτρου [**B** -ον] ἀπὸ τοῦ γομὸρ τοῦ πυροῦ (1)
46. 14. τὸ πρωῒ ἕκτον τοῦ μ. (1)
— 22. μ. ἐν ταῖς τέσσαρσι (5 *a*)
Ez. 47. 3. μ. ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ καὶ διεμέτρησε χιλίους ἐν τῷ μ. (8 *a*, 2)
— 4. **A** καὶ διεμέτρησεν ἐν τῷ μ. [**B** *om.* ἐν τ. μ.] χιλίους –
48. 1. **A** κατὰ τὸ μ. [**B** μέρος] τῆς καταβάσεως τοῦ περισχίζοντος (4)
— 16. ταῦτα τὰ μ. αὐτῆς (5 *a*)
— 30. αὗται αἱ διεκβολαὶ τῆς πόλεως αἱ πρὸς βορρᾶν τετρακισχίλιοι καὶ πεντακόσιοι μέτρῳ (5 *a*)
— 33. τὰ πρὸς νότον τετρακισχίλιοι καὶ πεντακόσιοι μέτρῳ (5 *a*)
— 34. τὰ πρὸς θάλασσαν τετρακισχίλιοι καὶ πεντακόσιοι μέτρῳ –
[**Aq.** Is. 9. 6 (5), 7 (6) : 28. 17 : 34. 11, 17.]
[**Sm.** Je. 28. 25 : 38. 5 : Ps. 79 (80). 6 : Is. 34. 11, 17.]
[**Th.** Is. 27. 8 *bis* : 28. 17 : 34. 11, 17.]
[**Al.** Jo. 3. 4.]

μέτωπον. (1) מֵצַח
Ex. 28. 34 (38) *bis.* ἔσται ἐπὶ τοῦ μ. Ἀαρών (1)
I Ki. 17. 49. ἐπάταξε τὸν ἀλλόφ. ἐπὶ τὸ μ. αὐτοῦ (1)
— 49. διέδυ ὁ λίθος . . . εἰς [**A** ἐπὶ] τὸ μ. αὐ. (1)
II Ch. 26. 19. ἡ λέπρα ἀνέτειλεν ἐν τῷ μ. αὐ. (1)
— 20. αὐτὸς λεπρὸς ἐν τῷ μ. (1)
Is. 48. 4. τὸ μ. σου χαλκοῦν (1)
Ez. 9. 4. δὸς σημεῖον ἐπὶ τὰ μ. τῶν ἀνδρῶν (1)
[**Aq.** Ez. 3. 7.]
[**Sm.** Je. 9. 26 (25) : Ez. 3. 7.]
[**Th.** Ex. 28. 25 : Ez. 3. 8 *bis*, 9.]

μεχονώθ.
[**Aq.** Je. 52. 17.]

μέχρι, μέχρις. * **μέχρις οὗ.**
Jo. 4. 23*.
I Es. 1. 57*†: 2. 30: 3. 2: 4. 51: 6. 6*†, 20, 28: 8. 77.
To. 2. 2†, 4†, 10†: 5. 7 (μέχρι ὅτου)†: 11. 1*†: 14. 4.
Ju. 5. 10*: 12. 5, 9*.
Es. 3. 13†: 4. 17 (μ. νῦν): 5. 1*.
Jb. 2. 7†, 9: 4. 20†: 8. 2: 18. 2: 26. 10: 32. 11†, 12†: 38. 11.
Ps. 45 (46). 9: 49 (50). 1: 70 (71). 17 (μ. νῦν†): 103 (104). 23: 104 (105). 19: 112 (113). 3: 129 (130). 6.
Ec. 3. 11.
Wi. 16. 5: 19. 1.
Si. 47. 10.
Da. TH. 11. 36*†.
I Ma. 4. 46: 9. 13†.
II Ma. 6. 14: 11. 30: 13. 14.
III Ma. 1. 1: 3. 27 *bis*: 4. 7, 15: 5. 40: 6. 6, 28, 40: 7. 4, 16.
IV Ma. 5. 37: 6. 18, 21, 26, 30: 7. 8, 16: 9. 28: 13. 1, 27: 15. 10, 15: 16. 1: 17. 7†, 10.
[**Sm.** Je. 27. 3*: 32. 12: Ps. 35 (36). 6: 73 (74). 23.]
[**Th.** Je. 32. 12.]
[**Al.** Nu. 21. 15.]

μεχωνώθ. (1) כְּתֹנוֹת, כֻּתֹּנוֹת (2) *a.* מְכוֹנָה, מְכֹנָה *b.* מְכֹנוֹת
III Ki. 7. 27. ἐποίησε δέκα μ. [**A** τὰς μ. δ.] χαλκᾶς (2 *b*)
— 27. πέντε πήχεις μῆκος τῆς μ. τῆς μιᾶς (2 *a*)
— 28. τοῦτο τὸ ἔργον τῶν μ. (2 *a*)
— 30. τέσσαρες τροχοὶ χαλκοῖ τῇ μ. τῇ μιᾷ (2 *a*)
— 32. χεῖρες ἐν τοῖς τροχοῖς ἐν τῷ μ. (2 *a*)
— 34. **B** ἐπὶ τῶν τεσσάρων γωνιῶν τῆς μ. τῇ μιᾷ [**AR** τῆς μιᾶς] ἐκ τῆς μ. οἱ ὦμοι αὐ. (2 *a*, 2 *a*)
— 35 *bis.* ἐπὶ τῆς κεφαλῆς τῆς μ. (2 *a*)
— 37. ἐποίησε πάσας τὰς δέκα μ. (2 *b*)
— 38. ἐπὶ τῇ μ. τῇ μιᾷ [**A** τῆς μ. τῆς μιᾶς] ταῖς δέκα μ. (2 *a*, 2 *b*)
— 39. ἔθετο τὰς πέντε μ. (2 *b*)
— 42. τὰ στρεπτὰ τῆς μ. †
— 43. καὶ τὰς μ. δέκα καὶ τοὺς χυτροκαύλους δέκα ἐπὶ τῶν μ. [**A** τῆς μ.] (2 *b*, 2 *b*)
IV Ki. 16. 17. τὰ συγκλείσματα τῶν μ. (2 *b*)
25. 13. τοὺς μ. . . . συνέτριψαν οἱ Χ. (2 *b*)
— 16. καὶ τὰ μ. ἃ ἐποίησε Σαλ. (2 *b*)

II Ch. 4. 14. τὰς μ. ἐποίησε δέκα καὶ τοὺς λουτῆρας ἐποίησεν ἐπὶ τῶν μ. (2 *b*, 2 *b*)
Ne. 7. 70. BS[1] ἔδωκαν . . . μ. [AS[2] χοθωνώθ, R χωθ.] (1)
— 72. BS[1] καὶ μ. [A S[2] χοθωνὼθ, R χωθ.] τῶν ἱερέων (1)
[Th. Je. 27 (34). 19.]

μή. ἐὰν μή *vid. sub* ἐάν εἰ δὲ μή *vid. sub* εἰ εἰ μή *vid. sub* εἰ ἵνα μή *vid. sub* ἵνα ὅπως μή *vid. sub* ὅπως ὅταν μή *vid. sub* ὅταν οὐ μή *vid. sub* οὐ οὐδὲ μή *vid. sub* οὐδέ οὐδ᾽ οὐ μή *vid. sub* οὐδέ οὐκέτι μή, οὐκέτι οὐ μή *vid. sub* οὐκέτι οὔτε μή, οὔτε οὐ μή *vid. sub* οὔτε ὥστε μή *vid. sub* ὥστε * μή *interrog.*

Ge. 3. 11, 17 : 4. 9*, 15 : 7. 2, 3, 8 *bis* : 13. 8 : 15. 1 : 16. 2 : 18. 3, 14*, 17*†, 23 : 19. 7, 8, 9*, 17, 19†, 21 : 20. 6 : 21. 12, 17, 23 : 22. 12 : 23. 5 : 24. 6, 8, 56 : 26. 2, 24, 29 : 27. 38* : 28. 13 : 30. 2*, 15* : 31. 14*, 20, 35 : 37. 8*, 22 *bis*, 27 : 38. 9, 22 : 41. 38* : 42. 22 : 43. 7*, 22 : 44. 7, 17, 18, 26, 31, 34 : 45. 5, 9, 20, 24 : 46. 3 : 47. 29 : 49. 4, 6 *bis* : 50. 19, 21.
Ex. 2. 14*† : 3. 5 : 5. 5, 9 : 7. 14 : 8. 29 (25) *bis* : 9. 17, 21 (ὃς δὲ μὴ προσέσχε) : 10. 10*, 11 : 14. 5, 11 : 19. 15, 24 : 20. 19, 19† : 21. 22 : 22. 8 (7)†, 11 (10) : 23. 21 : 32. 22 : 33. 5, 15 : 34. 3.
Le. 6. 40 (7. 10) : 10. 19* : 11. 47 : 13. 55 (ἥδε μὴ μετέβαλεν)† : 14. 32 : 16. 2 : 18. 24 : 19. 26, 30† : 20. 4 : 21. 3 : 23. 29 (ἥτις μὴ ταπεινωθήσεται) : 25. 14, 17, 23†.
Nu. 4. 18 : 5. 13† : 9. 7 : 10. 31 : 11. 12*, 22*, 29* : 12. 2*, 12 : 14. 9 *ter*, 16, 42† : 16. 9*, 13*, 15, 26 *bis* : 20. 10* : 21. 34, 35 : 22. 16, 30* : 23. 8 *bis* : 27. 3 (4) : 32. 5, 7.
De. 1. 21, 29 : 2. 5, 9 *bis*, 19, 19† : 3. 2, 3, 26 : 4. 9 *bis*, 16, 19, 23 : 5. 25 (22) : 6. 12, 15 : 7. 25 : 8. 11, 11†, 12, 17 : 9. 4, 7, 26, 27, 28 : 11. 16 : 12. 13, 19, 23, 30 : 15. 9 : 17. 12† : 20. 3 *bis*, 5, 6, 7, 19* : 22. 1, 1†, 4 : 23. 4 (5) : 25. 5 : 28. 13, 55, 61 : 29. 15 (14) : 31. 6, 8 : 32. 27 : 33. 6, 11.
Jo. 1. 9, 18 (ὅστις μὴ ἀκούσῃ†) : 2. 16 : 3. 4 : 5. 6 : 6. 9 (10), 9 (10)† : 7. 3 *bis*, 19 : 8. 1, 4, 22 : 9. 7 : 10. 6, 8, 19 *bis*, 25, 33 : 11. 6, 8 : 22. 17*, 19, 19†, 20*†, 22, 29 : 24. 16.
Jd. 2. 23 : 3. 1 : 4. 18 : 6. 18, 23, 27†, 31*, 39 (μὴ δὴ†) : 8. 1, 6*, 15* : 9. 9*†, 11*†, 13*, 41 : 11. 25* *bis* : 12. 5* : 13. 4 *bis*, 7 *bis*, 14 *bis* : 15. 12† : 16. 7, 8 : 18. 7†, 9, 19, 25 : 19. 23†, 23 *bis*, 24† : 21. 5† *bis*, 7.
Ru. 1. 11*, 12, 13*, 13, 13 (μὴ δή), 16, 20 (μὴ δή†) : 2. 8, 9, 15 : 3. 3, 10, 11, 14, 17.
I Ki. 1. 6, 16 : 2. 3 *ter*, 10 *ter*, 24 *ter* : 3. 17 (μὴ δή†) : 4. 20 : 6. 3 (μὴ δή) : 7. 8 *bis* : 8. 7 : 9. 5, 20 : 12. 20† *bis*, 21† : 13. 6†, 19† : 14. 36 : 15. 6, 23, 26 : 16. 1, 7 : 17. 32 (μὴ δή) : 18. 17† : 19. 4 : 20. 3, 26, 38 : 21. 2 (3)†, 15 (16)*† : 22. 5, 15, 23 : 23. 17, 28 : 25. 25 (μὴ δή), 26, 33 : 26. 9, 19, 20 : 27. 11 : 28. 13 : 29. 4 *bis*, 10 : 30. 15 *bis* : 31. 4.
II Ki. 1. 20†, 20, 21, 21† : 2. 26* : 3. 8*, 29 : 6. 22† : 9. 7 ; 10. 3* : 11. 25 : 12. 23* : 13. 12 *ter*, 20*, 20, 25 (μὴ δή), 25, 28, 32, 33 : 14. 2, 13, 18 (μὴ δή), 19*, 24 : 17. 16 : 18. 13, 16 : 19. 19 (20) (μὴ δή†), 19 (20), 21 (22)*, 35 (36)*†, 42 (43)* : 21. 5.
III Ki. 2. 15 (16), 20, 27 : 3. 1, 26, 27 : 8. 35, 57, 64 : 9. 20 : 10. 22 (9. 19) : 11. 2, 10 : 12. 24† *ter* : 13. 9 *ter*, 17†, 17 *bis*, 22†, 22 : 15. 13†, 17 : 18. 23, 25, 44 : 20. 3 : 21 (20). 8 *bis*, 11, 19 : 22. 8, 31.
IV Ki. 1. 3, 6, 15, 16† : 2. 18 : 3. 13* : 4. 3, 16 *bis*, 24, 28* : 5. 20 : 6. 9, 16, 27, 27*, 32*† : 7. 2* : 9. 15† : 10. 19, 25 : 12. 7 (8), 8 (9) *bis* : 17. 15 : 18. 25*, 27*, 29, 30, 31, 32, 33*, 34† : 19. 6, 10, 12* : 23. 18, 33 : 25. 24.
I Ch. 4. 10† : 10. 4 : 16. 22 *bis*, 30 : 19. 3* : 21. 17 : 22. 13 : 26. 27 : 28. 20.
II Ch. 6. 26, 42 : 11. 4, 14 : 13. 9, 12† : 14. 11 (10) : 15. 7, 16† : 16. 1, 7 : 18. 7, 30 : 20. 15, 17 : 23. 6, 14 : 25. 13, 16*, 16 : 29. 11 : 30. 7, 8, 17 : 32. 4, 7, 13*, 14*, 15 *ter* : 35. 21 : 36. 2, 13.
I Es. 1. 27, 35† : 2. 20 : 4. 49† : 5. 39, 40 : 8. 21, 23, 24†, 84 *bis*, 88 : 9. 51, 52, 53, 54.
II Es. 2. 63 : 6. 8 : 7. 24, 25, 26 : 9. 12 *bis*, 14†, 14.
Ne. 1. 5 (μὴ δή)†, 11 (μὴ δή), 11† : 4. 3 (3. 35)*, 6 (3. 38), 14 (8)† : 8. 9, 10†, 10, 11 : 9. 32 : 10. 30 (31) : 13. 14, 27.
To. 1. 11 : 2. 13*† : 3. 3, 6, 6†, 9, 10†, 13 : 4. 3 *bis*, 5 *bis*, 7† *bis*, 8†, 12†, 13†, 14†, 15† *bis*, 16†, 17†, 18†, 19, 21 : 5. 8, 13, 15†, 18, 20, 20† *bis* : 6. 14, 14†, 15†, 17 : 7. 11† : 8. 20† : 9. 3† : 10. 6, 6†, 7, 13 : 12. 6, 17 : 14. 8†, 10†.
Ju. 4. 12 : 5. 4 : 6. 2, 9 : 7. 11, 13 : 8. 14, 16 : 10. 16 : 11. 1, 10, 12 : 12. 7, 13.
Es. 1. 19† : 2. 10 : 3. 4†, 13†, 13 *bis* : 4. 13, 16, 17 *septiens* : 6. 10 : 8. 13 *bis*.
Jb. 1. 9*, 12 : 3. 4, 6, 7, 9, 9† *bis* : 4. 2*, 11, 17*, 20, 21 : 5. 17 : 6. 5*, 9, 10†, 12*, 29 : 8. 3*, 11* : 9. 7†, 16†, 17*, 34 : 10. 2 : 11. 3, 4, 7*†, 14 : 12. 2*†, 25† : 13. 15†, 21 : 14. 15 : 15. 6, 7*, 22, 31 : 16. 3*, 19 : 18. 21 : 20. 4*, 17, 26† : 21. 3†, 4*, 20 : 22. 12†, 15* : 24. 8, 23 : 25. 6† : 26. 5* : 27. 4†, 5, 9*†, 10* : 31. 34 : 33. 18, 24, 28 : 34. 9, 10, 33*, 36 : 36. 12, 19, 20, 21 : 37. 20* : 39. 32 (40. 2)* : 40. 2 (7), 3 (8)† : 41. 17 (18) (οὐδὲν μὴ ποιήσουσιν).
Ps. 4. 4 : 6. 1 : 7. 2, 11 : 9. 19, 32 (10. 11), 33 (10. 12) : 21 (22). 11, 19 : 24 (25). 2, 7, 20 : 25 (26). 9 : 26 (27). 9 *quater*, 12 : 27 (28). 1, 3 *bis* : 29 (30). 9* : 30 (31). 1, 17 : 31 (32). 9 *bis* : 33 (34). 13 : 34 (35). 19, 22 *bis*, 24, 25 : 35 (36). 11 *bis* : 36 (37). 1, 7, 8 : 37 (38). 1, 21 *bis* : 38 (39). 1 : 39 (40). 11, 17 : 40 (41). 2, 8* : 43 (44). 23 : 48 (49). 16 : 49 (50). 13*, 22† : 50 (51). 11 *bis* : 54 (55). 1 : 56 (57). *tit.* : 57 (58). *tit.* : 58 (59). *tit.*, 5, 11 : 61 (62). 10 *ter* : 65 (66). 7, 9, 18 : 67 (68). 30† : 68 (69). 6 *bis*, 15, 17†, 23, 25, 27, 28 : 70 (71). 1, 9 *bis*, 12, 18 : 73 (74). 19 *bis*, 21, 23 : 74 (75). *tit.*, 4 *bis*, 5 *bis* : 76 (77). 7*, 9*† *bis* : 77 (78). 7, 19*, 20* : 78 (79). 6†, 8 : 82 (83). 1 : 84 (85). 5*† : 87 (88). 10*, 11*, 12* : 88 (89). 47* : 89 (90). 3 : 93 (94). 20*† : 94 (95). 8 : 101 (102). 2, 24 : 102 (103). 2 : 104 (105). 15 *bis* : 105 (106). 23†, 23 : 108 (109). 1, 12, 14 : 113. 9 (115. 1) *bis* : 118 (119). 8, 10, 19, 31, 36, 37, 43, 116, 121, 122, 133† : 120 (121). 3 : 131 (132). 10 : 137 (138). 8 : 139 (140). 8 *bis* : 140 (141). 4, 5, 8 : 142 (143). 2, 7 : 145 (146). 3.
Pr. 1. 8, 10, 15 : 2. 16 : 3. 1, 3, 5, 6†, 7, 11, 21, 27, 28, 29, 30, 31 : 4. 2, 5, 6† *bis*, 13, 14, 15, 27 : 5. 2, 7, 9, 11†, 16†, 20 *bis* : 6. 3, 4, 7, 20, 25 : 7. 2, 25, 25† : 8. 10, 33† : 9. 8, 18 *bis* : 10. 12 : 11. 14 (οἷς μὴ ὑπάρχει), 29 : 14. 4 (οὗ μὴ εἰσί) : 15. 22 : 18. 9 : 19. 18 : 20. 22, 13 : 21. 13 : 22. 22 *bis*, 24 *bis*, 26, 28, 29 : 23. 3, 4, 6, 10 *bis*, 13, 17, 20, 22, 30 : 24. 1, 11, 15, 17 *bis*, 19, 23 (29. 27)†, 29 (30. 6), 30 (30. 7), 31 (30. 8), 33 (30. 10), 43 (28), 44 (29), 60 (30. 25) (οἷς μὴ ἔστιν), 71 (31. 3), 72 (31. 4), 75 (31. 7) : 25. 6, 8, 9 *bis* : 26. 4, 25 : 27. 1, 2 *bis*, 10 *bis* : 28. 9, 24.
Ec. 5. 1 *bis*, 3, 4, 4†, 5 *bis*, 7 : 7. 10 (9), 11 (10), 17 (16), 17 (16)†, 18 (17) *bis*, 19 (18), 22 (21) : 8. 2, 3 : 9. 2, 8 : 10. 4, 20 *bis* : 11. 6, 9† : 12. 1, 2, 6†.
Ca. 1. 6 : 3. 3* : 7. 2 (3).
Wi. 1. 2 *bis*, 8, 12 : 2. 7, 10 : 3. 14 : 4. 11, 15 : 9. 4 : 10. 8 : 11. 25 : 12. 15, 26 : 14. 5, 17 : 16. 27† : 17. 6†.
Si. 1. 27 *bis*, 29, 30 : 2. 2, 3, 7 : 3. 10, 12, 13, 21 *bis*, 23 : 4. 1 *bis*, 2 *bis*, 3 *bis*, 4 *bis*, 5 *bis*, 9, 20, 22 *bis*, 23, 25, 26 *bis*, 27 *bis*, 29, 30, 31 : 5. 1 *bis*, 2†, 3†, 4, 5, 6, 7 *bis*, 8, 9 *bis*, 14 *bis*, 15 : 6. 1, 2, 7, 23, 25, 27, 35 : 7. 1, 3, 4, 5 *bis*, 6, 7 *bis*, 8, 9, 10 *bis*, 11, 12, 13, 14 *bis*, 15, 16, 18, 19, 20, 21, 24, 25†, 26, 27, 30, 33, 34, 35 : 8. 1, 2, 3 *bis*, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10 *bis*, 11, 12, 13, 14, 15, 16 *bis*, 17, 18, 19 *bis* : 9. 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7 *bis*, 8, 9 *bis*, 10, 11, 12, 13 : 10. 6 *bis*, 26 *bis* : 11. 2 *bis*, 4 *bis*, 7, 8 *bis*, 9 *bis*, 10, 21, 23, 24, 28, 29 : 12. 3†, 3, 4, 5 *bis*, 7, 10, 12 *ter*, 12† : 13. 2 *bis*, 8, 8†, 10 *bis*, 11 *bis*, 12, 24 (ᾧ μὴ ἔστιν) : 14. 14 *bis* : 15. 11, 12 : 16. 1 *bis*, 2, 3 *bis*, 17, 17*† : 18. 15, 22 *bis*, 23, 30, 30†, 32, 32†, 33 : 19. 8 *bis*, 15 : 21. 1 : 22. 13 *bis*, 21, 22 : 23. 1 *bis*, 4, 6 *bis*, 9 *bis*, 12, 13, 14† : 25. 13 *bis*, 14 *bis*, 21 *bis*, 25 : 26. 11 : 27. 7, 20 : 28. 7, 26 : 29. 8†, 9, 10, 15, 20, 23† : 30. 10, 11, 11†, 21 *bis*, 28 (33. 19) *bis*, 29 (33. 20), 31 (33. 22), 38 (33. 28) (κἂν μή), 38 (33. 29) *bis* : 31 (34). 6, 14†, 14 : 32 (35). 4, 8, 12 *bis* : 33 (36). 9† : 34 (31). 12, 12†, 14 *bis*, 16 *bis*, 17, 18, 22, 25, 31 *quater* : 35 (32). 1, 3, 4 *bis*, 9 *bis*, 11 *bis*, 12, 19, 20 *bis*, 21 : 36. 31 (28) : 37. 6 *bis*, 10, 11, 27, 29 *bis* : 38. 9, 11, 12, 16, 20, 21 : 40. 28 : 41. 3, 22 *bis* : 42. 1 *bis*, 12 *bis* : 43. 30 : 51. 10, 29.
Ho. 2. 9 (11) : 4. 6†, 15 *quater* : 9. 1.
Am. 5. 5 *ter*, 14, 25* : 6. 11 (10), 15 (14) : 7. 16.
Mi. 1. 10 *bis* : 2. 6 : 4. 9* : 6. 10* : 7. 5 *bis*, 8.
Jl. 2. 13, 17 : 3 (4). 4*.
Ob. 1. 12 *ter*, 13†.
Jn. 1. 14† *bis* : 3. 7.
Hb. 1. 13 : 2. 5 : 3. 8.*
Ze. 1. 6 *bis* : 3. 6, 16.
Za. 1. 4, 5* : 7. 5*, 10 *bis*, 11, 12 : 8. 6*, 12*†, 17, *bis* : 9. 8.
Ma. 2. 15 : 3. 5, 18 : 4. 6 (3. 24).
Is. 1. 30 : 5. 6, 8*†, 13, 14 : 6. 11 *bis* : 7. 4, 13* : 8. 6, 12†, 16† : 10. 4, 15*, 24 : 13. 2† : 14. 29 : 15. 7* : 16. 1*, 3 : 21. 3 *bis* : 22. 4 : 23. 8* : 24. 10 : 25. 2† : 27. 7* : 28. 18, 22, 24* : 29. 12, 16* : 30. 10 *bis*, 33* : 35. 4 : 36. 5*, 10*, 11, 12*, 14, 15 *bis*, 18, 18*, 19* : 37. 6, 10, 12* : 40. 9, 19*, 27, 29 : 41. 10 *bis*, 14 : 42. 14* : 43. 1, 5, 6, 18†, 18 : 44. 2, 8, 21 : 45. 9* *bis*, 9*† : 48. 5† *bis* : 49. 15*, 15, 24* : 50. 2* : 51. 7†, 7 : 52. 11 : 54. 2, 4, 9 : 55. 1 (ὅσοι μὴ ἔχετε) : 56. 2 *bis*, 3 *bis*, 6 : 58. 1, 2, 11 (ἣν μὴ ἐξέλιπεν), 13 : 59. 1*, 2 : 63. 17 : 64. 9 (8) *bis* : 65. 1 *bis*, 5, 8.
Je. 1. 7, 8, 17 : 2. 14*, 15, 31*, 32* : 3. 1*, 5*, 12† : 4. 3, 4, 6, 7 : 5. 9*, 10†, 22*, 22*†, 29* : 6. 8 *bis*, 25 *bis* : 7. 4, 6 *ter*, 10, 11*, 16 *bis*, 16† *bis*, 19*, 32 : 8. 4*, 19*, 22* : 9. 4 (3), 9 (8)*†, 10 (9), 11 (10), 12 (11), 23 (22) *ter* : 10. 2 *bis*, 5, 24, 25 : 11. 12 (οἱ μὴ σώσουσιν)†, 14 *bis*, 15* : 12. 6, 9* : 13. 10, 12*, 15 : 14. 9*†, 9, 12, 17, 19*, 21 *bis*, 22* : 15. 15 : 16. 1, 5 *bis*, 5†, 12 : 17. 13†, 17, 18 *bis*, 21†, 21, 21†, 22†, 23, 23†, 24 *bis*, 27, 27† : 18. 10, 14*†, 14*, 23 *bis* : 19. 15 : 20. 14 : 22. 3 *ter*, 6, 10, 15*, 16, 18†† : 23. 14, 16, 36 : 25. 6 : 26 (46). 6 *bis*, 19, 27, 28 : 27 (50). 2, 7, 15, 26, 29 : 28 (51). 3, 6, 29, 50, 62 : 30 (49). 1* : 33 (26). 2, 19*, 24 *bis* : 34 (27). 9, 16 : 36 (29). 6, 8 *ter* : 38 (31). 2 : 39 (32). 27*, 40 : 40 (33). 10, 12 : 41 (34). 9, 18† : 42 (35). 8, 9, 14 : 43 (36). 19, 25† : 44 (37). 9 : 45 (38). 14 (μὴ δή†), 19, 24, 25 (μὴ δή†), 26 : 47 (40). 9, 15†, 16 : 48 (41). 8 : 49 (42). 11 *bis*, 13, 19 : 50 (43). 2 : 51 (44). 4†, 5, 7, 9*, 19* : 51. 35 (45. 5)†.
Ba. 1. 19 : 2. 5 : 3. 5, 28 : 4. 3.
La. 1. 4, 6†, 10 : 2. 18 *bis* : 3. 49, 56†, 57† : 4. 14, 15, 18.
Ep. Je. 5, 16, 23, 27† *ter*, 29, 41†, 45†, 65, 67† *bis*, 69.
Ez. 2. 6 *ter*, 8 : 3. 9, 21 : 4. 8†† : 7. 12 *bis* : 8. 15*†, 17* : 9. 5 *bis*, 6 : 13. 3, 22 : 15. 4*, 5*, 5*† : 17. 10*, 14, 18* : 18. 23*†, 25*, 29* : 20. 7, 15, 18 *quater* : 21. 30 (35) : 22. 30 : 24. 8 : 26. 19 : 28. 3*, 4*, 9* : 29. 15 : 33. 4, 8*, 15, 28 : 34. 2†, 5, 8, 10 : 36. 31 : 44. 2 : 46. 20.
Da. LXX. Su. 9, 23, 51 : 2. 24 : 3. 6, 11, 15, (34) *bis*, (35), (42) : 9. 11, 19 : 10. 12, 19 : Bel 8, 23*, 37.
Da. TH. Su. 9, 23, 43 : 2. 24 : 3. 6, 11, (34) *bis*, (35), (42) : 4. 16† : 5. 10 *bis* : 9. 11, 19 : 10. 12, 19 : Bel 7, 19, 24*†.
I Ma. 1. 50, 62 : 2. 62 : 3. 22 : 4. 8 *bis*, 17 : 5. 19, 42 : 6. 15† : 7. 3, 28, 38 : 9. 10 *bis*, 71 : 10. 16*, 38 : 11. 22 : 12. 10, 44 : 13. 5, 16, 46 : 15. 25†.
II Ma. 1. 5, 20 : 2. 3†, 11 : 3. 5, 6, 18† : 4. 19, 19† : 6. 1, 4, 9, 12 *bis*, 13 : 7. 16, 18, 19, 29, 34 : 8. 16 : 9. 12 : 10. 4 : 11. 24 : 12. 14 (ἃ μὴ θέμις) : 13. 11 : 14. 32, 43 : 15. 8, 17.
III Ma. 1. 11, 15, 27, 29 : 2. 17, 23, 28 : 3. 9*, 15 : 4. 13, 16 *bis* : 6. 6, 11, 24.
IV Ma. 2. 6, 10, 13, 19 : 3. 2, 4 : 4. 3, 13 : 5. 8, 18 (εἰ καὶ μή†), 19, 37 : 6. 7, 17, 21 : 8. 1, 5, 17†, 24 : 9. 3, 7, 23 : 10. 13 : 11. 16, 25 : 13. 10, 14, 18 : 14. 1, 11 : 16. 22, 23 : 17. 20.

[**Aq.** Ge. 3. 2 (1)*, 2 (1) : 18. 30 (μὴ δή) : 49. 4, 6 : 50. 19* : Ex. 23. 21 : Jo. 10. 19 : I Ki. 15. 6 : 16. 11* : 19. 24 : 25. 26, 33 : II Ki. 2. 20* :

IV Ki. 1. 16: Jb. 3. 8: 4. 11: 6. 29: 10. 2: 11. 14: 13. 20: 16. 3*: 20. 26: 27. 9, 20: 38. 18*: 40. 27 (32): Ps. 4. 5: 6. 2 *bis*: 18 (19). 4: 24 (25). 2, 7, 20: 25 (26). 9: 26 (27). 9 *ter*: 27 (28). 1, 3: 36 (37). 1: 38 (39). 9, 13: 50 (51). 13: 61 (62). 11: 71 (72). 7: 76 (77). 10*: 82 (83). 2: 93 (94). 20*: 108 (109). 1: 118 (119). 10, 121: 120 (121). 3: 131 (132). 10: 140 (141). 8: Pr. 3. 1, 30: 5. 7, 16: 6. 25, 27*: 14. 4: 19. 18: 23. 4: 24. 17, 19, 28: 25. 6: 30. 7: Is. 28. 22, 24*: 40. 19*: 41. 14: 57. 6*: 62. 6: 64. 9 (8): Je. 2. 2: 7. 16: 8. 18: 9. 11 (10): 13. 23*: 14. 21, 22*: 15. 12*: 18. 23 *bis*: 19. 11: 27 (34). 17: 31 (38). 36: 32 (39). 40: 34 (41). 9: 36 (43). 19: 37 (44). 9, 20: 38 (45). 24: 40 (47). 9: 44 (51). 22: 49. 7 (29. 8.*: 51 (28). 29, 37: Ez. 13. 22: 17. 14, 15*: 18. 18: 20. 9: Ho. 4. 15: Mi. 1. 10: 2. 6: Ma. 2. 13: 3. 8*.]

[**Sm.** Ge. 18. 25: 45. 24: 50. 19*: Ex. 21. 8: 23. 21: 28. 28: Jo. 10. 19: Jd. 16. 7: I Ki. 10. 11*: 15. 22*: 18. 23*, 26: 22. 15: 25. 25, 33: II Ki. 2. 20*: Jb. 3. 4, 9: 6. 5*, 6: 7. 6: 8. 3*: 10. 2: 11. 2*, 14: 13. 10*: 15. 8*: 21. 22*: 22. 3*: 23. 6: 25. 3*: 26. 5*: 27. 9, 20: 36. 20: 38. 4*, 18*: 39. 35 (40. 5): 40. 24 (29)*, 26 (31)*: Ps. 4. 5: 6. 2: 14 (15). 4: 24 (25). 7: 25 (26). 9: 26 (27). 9 *bis*, 12: 27 (28). 1 *bis*, 3: 29 (30). 4, 10*: 34 (35). 8 (ὁ μὴ οἶδεν), 22, 25: 36 (37). 1: 38 (39). 2, 3, 9, 13, 14: 43 (44). 24: 50 (51). 13: 58 (59). 5: 61 (62). 11 *bis*: 62 (63). 2: 65 (66). 7, 9, 18: 68 (69). 7 *bis*, 26: 70 (71). 9: 72 (73). 22: 73 (74). 23: 74 (75). 5 *bis*, 6: 77 (78). 38: 80 (81). 10: 82 (83). 2, 5: 87 (88). 9: 93 (94). 20*: 108 (109). 1: 118 (119). 136: 120 (121). 3: 131 (132). 10: 137 (138). 8: 139 (140). 9 *bis*: 140 (141). 4, 8: Pr. 1. 8: 3. 1, 5, 11 *bis*: 4. 12, 21: 6. 25, 27*: 14. 4: 22. 22, 24: 23. 10: 24. 15, 17, 19, 28: 25. 6, 8: 26. 20: 30. 7, 10: Ec. 1. 15: 5. 1: 7. 15 (14): 8. 3 *bis*, 11: 10. 4, 20: 11. 5 (ἐπεὶ μὴ οἶδας), 6, 8: Is. 2. 9: 5. 8: 8. 11: 16. 3: 28. 20, 24*: 30. 10: 33. 1, 21 (ὅπου μή): 38. 17: 40. 28*: 41. 14: 43. 18: 49. 24*: 54. 9 *bis*: 57. 1, 6*: 62. 6: 64. 12 (11)*: 66. 9*: Je. 6. 14: 7. 6: 14. 21 *bis*: 15. 12*: 20. 9: 22. 15*: 27 (34). 17: 34 (41). 9: 35 (42). 13: 37 (44). 9, 20: 40 (47). 9: 44 (51). 4 (μὴ δή): 49. 11 (29. 13): 50 (27). 33: 51 (28). 6: La. 3. 49: Ez. 3. 18, 20 (ἐπειδὴ μὴ προεφύλαξας): 13. 7, 22: 18. 18: 20. 39: 22. 14*, 24: 26. 18: Da. 4. 16: Ho. 4. 15: 7. 16: Mi. 1. 10: 2. 6: Ma. 2. 13: 3. 8*.]

[**Th.** Ge. 4. 7: 49. 4: Jo. 10. 19: Jd. 11. 25*: 16. 7: 19. 20: I Ki. 23. 12*: 25. 33: II Ki. 1. 21: 14. 13: Jb. 3. 16: 11. 14: 13. 20: 20. 4*, 26: 22. 4*, 15*: 26. 5*: 27. 9, 20: 36. 20: 38. 18*: 39. 11, 32*: 40. 23 (28)*: Ps. 36 (37). 1: 38 (39). 2, 13: 50 (51). 13: 61 (62). 11: 108 (109). 1: 120 (121). 3: 131 (132). 10: 140 (141). 8: Pr. 3. 1, 5, 11: 4. 21: 5. 23: 6. 25, 27*: 7. 25: 15. 22: 17. 12: 20. 19: 23. 23: 24. 17, 19, 28: 25. 6: 30. 7, 10: Is. 5. 8: 7. 13*: 10. 4: 16. 3: 28. 20, 22, 24*: 30. 6: 41. 14: 44. 8: 49. 15: 54. 9 *ter*: 57. 1, 6*: 58. 13: 62. 6, 7: Je. 2. 2: 14. 19*: 19. 11: 27 (34). 17, 18: 29 (36). 16: 30 (37). 10: 33 (40). 20, 21, 24, 26: 39 (46). 12: 44 (51). 22: 51 (28). 37: Ez. 17. 14, 15*: 18. 18: 22. 14*: 24. 14: Da. 4. 16†: Ho. 4. 15: Ma. 2. 13.]

[**Al.** Ge. 45. 24: Le. 19. 31: 25. 14: 26. 13: Nu. 12. 12: 14. 9: 16. 15: 22. 30*: 27. 8: Dt. 2. 5: I Ki. 9. 20: 22. 15: II Ki. 3. 33*: I Ch. 4. 10: Ps. 9. 20: 139 (140). 9: 140 (141). 4: 142 (143). 7: Pr. 1. 15: 3. 11: 22. 24: 24. 21: Ca. 2. 7: Je. 10. 1: 12. 9*.]

[**Sam.** Ge. 50. 19.]

[**Heb.** Ge. 17. 14: 49. 5 *bis*.]

[**Quint.** Ps. 26 (27). 9: 36 (37). 1: 38 (39). 9: 55 (56). 8: 93 (94). 20*: 137 (138). 8: Ho. 4. 15.]

μὴ οὐ, μὴ οὐχί.

Nu. 11. 23.
Jd. 6. 13†: 9. 38†: 10. 11†: 14. 3: 15. 2†.
I Ki. 6. 3: 20. 3.
IV Ki. 19. 25†: 20. 19†.
Jb. 22. 12†.
Ec. 6. 6.
Si. 7. 6.
Am. 2. 11.
Is. 50. 2: 59. 1.
Je. 23. 24.
I Ma. 3. 30.

[**Aq.** IV Ki. 19. 25: Ps. 13 (14). 4.]

[**Sm.** Dt. 32. 34: Jd. 10. 11: Jb. 13. 11: Ps. 13 (14). 4: 55 (56). 9: Is. 7. 13: Je. 22. 15: Am. 9. 7.]

μή ποτε. * **μή ποτε οὐ** ** *interrog.*

Ge. 3. 22: 19. 17, 19†: 20. 2: 24. 5*, 39 (*ind. fut.*†)*: 26. 7, 9: 27. 12, 45: 31. 24, 29, 31: 32. 11 (12): 38. 11, 23: 42. 4: 43. 12: 47. 18**: 50. 15.
Ex. 1. 10: 5. 3 (*ind. fut.*†): 13. 17: 19. 21, 22, 24: 20. 19†: 32. 12: 34. 12, 12†, 15.
Nu. 16. 34.
De. 9. 28†.
Jo. 6. 17 (18).
Jd. 3. 24**: 7. 2: 9. 54: 14. 15: 15. 12: 18. 25.
Ru. 4. 6.
I Ki. 4. 9†: 23. 22.
II Ki. 1. 20 *bis*: 17. 16: 20. 6.
III Ki. 18. 27 *bis*.
IV Ki. 2. 16.
II Es. 4. 22: 6. 8: 7. 23.
Ne. 6. 3.
To. 2. 13†: 3. 10†: 8. 10**†: 10. 2** *bis*.
Ju. 5. 21.
Jb. 1. 5.
Ps. 2. 12: 7. 2: 12 (13). 3, 4: 27 (28). 1: 37 (38). 16: 49 (50). 22: 58 (59). 11: 78 (79). 10: 90 (91). 12: 113. 10 (115. 2): 139 (140). 8.
Pr. 22. 25: 23. 9: 24. 33 (30. 10): 25. 16, 17 (*ind. fut.*†).
Ec. 7. 17 (16).
Ca. 1. 7.
Si. 7. 6: 8. 1, 2: 9. 3, 4, 5, 9: 11. 33: 12. 12: 19. 7†, 13*, 13*†, 14*†: 23. 14: 30. 12 (*ind. fut.*†): 34 (31). 17: 37. 8.: 42. 9 *bis*, 10 *ter*, 11.
Is. 6. 10: 8. 12†.
Je. 47 (40). 15†.
Ep. Je. 27† *ter*.
Da. TH. 1. 10.
I Ma. 4. 45, 60 (*ind. fut.*†): 12. 40 *bis*: 13. 17.
II Ma. 3. 32: 14. 22.
III Ma. 3. 24: 7. 4†.
IV Ma. 4. 13.

[**Aq.** Ex. 19. 22: I Ki. 20. 3: Ps. 2. 11: 27 (28). 1: 90 (91). 12: Je. 1. 17: 51 (28). 6: Ho. 7. 2.]

[**Sm.** Ps. 2. 11: 58 (59). 12: 139 (140). 11: Pr. 5. 9: Je. 1. 17: 6. 8.]

[**Th.** Je. 1. 17.]

[**Al.** Dt. 7. 25: Ps. 139 (140). 9, 11.]

μή πως.

Si. 28. 26 (*ind.*†).

[**Sm.** Is. 6. 10.]

μή τις, μή τι. * **μή τι οὐ.**

Ge. 18. 30, 32: 20. 9.
De. 29. 18 (17) *bis*.
II Es. 7. 23†.
Jb. 6. 22: 25. 3.
Pr. 3. 30.
Ma. 3. 8†.
Da. LXX. Bel 15.

[**Aq.** Ex. 2. 14: Jd. 4. 14*: Jb. 4. 2: 7. 1*: 10. 3: 11. 7: 14. 14: 15. 2, 8: 23. 6: 26. 5: 38. 28: 40. 26 (31): Pr. 14. 22*: 24. 12*: Is. 7. 13: 66. 8, 9: Ez. 13. 7, 12*: Am. 9. 7* *bis*: Mi. 2. 7*: Za. 3. 2*.]

[**Sm.** Ex. 2. 14: Jb. 6. 6: 40. 3 (8): Am. 9. 7*.]

[**Th.** Jb. 14. 14.]

[**Al.** I Ki. 22. 7: Jb. 10. 3: 13. 9.]

μηά (?). (1) מֵאָה

Ne. 12. 39. **S**[2] ἀπὸ πύργου τοῦ μ. (1)

μηδαμόθεν.

Wi. 17. 10. τὸν μηδαμόθεν φευκτὸν ἀέρα προσιδεῖν ἀρνούμενοι

μηδαμῶς. (1) אַהָהּ (2) *a.* אַל *b.* אַל־נָא (3) אָנָּה (4) *a.* חָלִילָה חָלִלָה *b.* חָלִלָה מִ׳ (חָלִילָה)

Ge. 18. 25. μ. σὺ ποιήσεις ὡς τὸ ῥῆμα τοῦτο (4 *b*)
— 25. καὶ ἔσται ὁ δίκαιος ὡς ὁ ἀσεβὴς μ. (4 *a*)
Ge. 19. 7. μ., ἀδελφοί, μὴ πονηρεύσησθε (2 *b*)
Jd. 19. 23. **A** μ. [**B** μή], ἀδελφοί, μὴ κακοποιήσητε (2 *a*)
I Ki. 2. 30. μ. ἐμοί (4 *a*)
12. 23. **B** καὶ ἐμοὶ μ. τοῦ ἁμαρτεῖν τῷ κ. (4 *b*)
20. 2, 9. μ. σοι [**A** σύ] (4 *a*)
22. 15. μ. μὴ δότω ὁ βασ. (4 *a*)
24. 7. μ. μοι παρὰ κυρίου [**A** -ῳ] (4 *a*)
26. 11. μ. μοι [**A** *om.*] παρὰ κυρίου (4 *a*)
To. 10. 10. **S** εἶπεν αὐτῷ, M.
Ju. 8. 14. μ., ἀδελφοί, μὴ παροργίζετε
Jn. 1. 14. ἀνεβύησαν . . . καὶ εἶπαν, M., κύριε (3)
Ez. 4. 14. εἶπα, M., κύριε (1)
20. 49 (21. 5). μ., κύριε (1)
Da. LXX. Bel 6. μ. μηδείς σε παραλογιζέσθω
II Ma. 7. 25. τοῦ δὲ νεανίου μ. προσέχοντος
15. 2. μ. οὕτως ἀγρίως . . . ἀπολέσῃς
— 36. μ. ἐᾶσαι ἀπαρασήμαντον τήνδε τὴν ἡμέραν

[**Sm.** Ge. 3. 23 (22): Ez. 4. 14.]

[**Th.** I Ki. 1. 15.]

μηδέ.

Ge. 19. 17: 21. 23 *bis*: 22. 12: 31. 52†: 45. 5.
Ex. 4. 1, 8, 9: 34. 3†.
Le. 25. 20: 26. 14.
De. 1. 21, 29: 2. 19†: 20. 3 *bis*: 22. 2: 31. 6 *bis*, 8.
Jo. 1. 9: 6. 9 (10)†: 8. 1: 10. 25: 22. 19†.
I Ki. 16. 7.
II Ki. 1. 21†: 17. 13.
III Ki. 8. 57.
I Ch. 22. 13: 28. 20.
II Ch. 20. 15, 17: 32. 7†.
I Es. 8. 22.
Ne. 8. 9.
To. 3. 9†.
Es. 1. 19: 4. 16.
Jb. 3. 4, 6, 7, 9†: 16. 19 (18): 20. 17: 40. 3 (8)†.
Ps. 6. 1: 7. 2: 24 (25). 2: 34 (35). 25: 36 (37). 1: 37 (38). 1: 68 (69). 15 *bis*: 82 (83). 1: 108 (109). 12: 120 (121). 3.
Pr. 1. 10: 3. 11, 31: 4. 5, 6† *bis*, 14, 27: 5. 20: 6. 4, 7 *bis*, 25 *bis*: 9. 18: 23. 6, 7, 20: 24. 1, 15, 19, 43 (28): 25. 6.
Ec. 7. 17 (16)†.
Wi. 1. 12: 2. 10: 3. 14: 4. 15: 10. 8: 13. 18.
Si. 7. 4, 12, 18, 20: 9. 1: 16. 1†: 17. 28: 18. 32†: 25. 25.
Ho. 9. 1.
Mi. 2. 6: 5. 7 (6).
Ob. 1. 13 *bis*, 13†, 14 *bis*.
Jn. 3. 7 *bis*.
Ze. 3. 6.
Za. 9. 8: 14. 18.
Is. 1. 20: 7. 4: 28. 22: 44. 8†: 54. 4, 9.
Je. 1. 17: 22. 10: 26 (46). 27.
Ez. 2. 6: 3. 9: 26. 20.
Da. LXX. Su. 9: 3. 28 (95): 6. 12 (13) *bis*: Bel 30.
Da. TH. Su. 9: 3. 28 (95)†.
II Ma. 8. 16: 9. 12, 15: 13. 7.
III Ma. 1. 11 *bis*: 2. 17 *bis*, 22: 4. 11, 11†: 7. 11.
IV Ma. 2. 13†: 6. 24, 35†: 8. 24: 9. 23: 13. 18.

[**Aq.** Pr. 4. 14: Is. 62. 7: Je. 7. 16 *bis*.]

[**Sm.** Jb. 3. 6: 35. 15: Ps. 24 (25). 2: 26 (27). 9: 68 (69). 16: 80 (81). 10: 140 (141). 4: Ec. 7. 22 (21): Is. 54. 9: 62. 7: Je. 7. 16: Ez. 3. 9, 18.]

[**Th.** Pr. 4. 14: Is. 44. 8: 58. 13 *bis*: 62. 7: Je. 30 (37). 10.]

[**Al.** Pr. 3. 31: 6. 25: Ca. 2. 7.]

μηδέποτε.

Si. 19. 7†.
III Ma. 3. 16: 7. 4†, 11.

μηδείς, μηθείς. (1) אָנֹן (2) *a.* אַיִן *b.* אַיִן c. ptcp. (3) אִישׁ c. neg. (4) אַל (5) דָּבָר (6) כֹּל c. neg. (7) לֹא (8) מְאוּמָה (9) מְעַט (10) τὰ μηδὲν ὄντα תֹּהוּ (11) μηδὲν πιστόν תַּחְפֻּכוֹת

Ge. 19. 8. **A** μὴ ποιήσητε μηδὲν [**R** *om.*] ἄδικον (5)
22. 12. μηδὲ ποιήσῃς αὐτῷ μηδέν (8)
Ex. 16. 19. μ. καταλειπέτω ἀπ' αὐτοῦ εἰς τὸ πρωί (3)

Ex. 16. 29. μ. ἐκπορευέσθω [A μ. ὑμῶν ἐκπ. ἕκαστος] (3)
22. 10 (9). ἐὰν . . . μ. γνῷ (2 b)
34. 3. καὶ μ. ἀναβήτω μετὰ σοῦ (3)
— 3. μηδὲ [A καὶ μηδεὶς] ὀφθήτω (3)
Nu. 16. 40 (17. 5). ὅπως ἂν μὴ προσέλθῃ μ. ἀλλογενής (3)
De. 28. 55. A διὰ τὸ μὴ καταλελείφθαι αὐτῷ μηθέν [B οὐδέν] (6)
Jo. 6. 9 (10). μηδὲ ἀκουσάτω μηθεὶς ὑμῶν τὴν φωνήν –
I Ki. 12. 21. B μὴ παραβῆτε ὀπίσω τῶν μηθὲν ὄντων (10)
21. 2 (3). μηδεὶς γνώτω [A μὴ γν. μ.] τὸ ῥῆμα (3)
III Ki. 18. 40. μηθεὶς σωθήτω ἐξ αὐτῶν (3)
IV Ki. 10. 21. B μηδεὶς ἀπολειπέσθω –
I Es. 2. 28. B ὅπως μηθὲν [AR μηδὲν] παρὰ ταῦτα γένηται
8. 7. εἰς τὸ μηδὲν παραλείπειν τῶν ἐκ τοῦ νόμου
— 22. ὅπως . . . μ. φορολογία . . . γίνηται
— 22. μηδένα ἔχειν ἐξουσίαν ἐπιβαλεῖν τι τούτοις
To. 4. 15. AB ὃ μισεῖς μηδενὶ ποιήσῃς
6. 15. τοῦ δαιμονίου μηδένα λόγον ἔχε [S al.]
8. 12. ἵνα . . . μηδεὶς γνῷ [A S al.]
11. 16. S καὶ ὑπὸ μηδενὸς χειραγωγούμενον
14. 4. S¹ οὗ μηθὲν [S² οὗ μὴ οὐδὲν] ἐλαττονωθῇ
Es. 4. 1. αἴρεται ἔθνος μηδὲν ἠδικηκός
Jb. 12. 5. μηδεὶς [S -θεὶς] πεποιθέτω πονηρὸς ὢν ἀθῶος ἔσεσθαι –
39. 34 (40. 4). A μηδὲν ὢν ἐγώ [BS al.] –
Ps. 55 (56). 7. ὑπὲρ τοῦ μηθενὸς σώσεις αὐτούς (1)
80 (81). 14. ἐν τῷ μηδενὶ ἂν τοὺς ἐχθροὺς αὐτῶν ἐταπείνωσα (9)
Pr. 2. 12. ἀπὸ ἀνδρὸς λαλοῦντος μηδὲν πιστόν (11)
5. 17. μηδεὶς ἀλλότριος μετασχέτω σοι (2 a)
13. 7. εἰσὶν οἱ πλουτίζοντες ἑαυτοὺς μηδὲν ἔχοντες (6)
23. 9. εἰς ὦτα ἄφρονος μηδὲν λέγε (4)
24. 23 (29. 27). μηδὲν ψεῦδος ἀπὸ γλώσσης βασιλεῖ λεγέσθω –
28. 1. φεύγει ἀσεβὴς μηδενὸς διώκοντος (2 b)
Ec. 7. 15 (14). AS ἵνα μὴ εὕρῃ ἄνθρωπος ὀπίσω αὐτοῦ μηδὲν [B οὐδέν] (8)
Wi. 2. 9. μηδεὶς ἡμῶν ἄμοιρος ἔστω τῆς ἡμετέρας ἀγερωχίας
17. 9. εἰ μηδὲν αὐτοὺς ταραχῶδες [S² τερατῶδες] ἐφόβει
Si. 4. 25. S² μὴ ἀντίλεγε τῇ ἀληθείᾳ κατὰ μηδέν [ABS¹ om. κατὰ μ.]
10. 6. μὴ πρᾶσσε μηδὲν ἐν ἔργοις ὕβρεως
11. 28. πρὸ τελευτῆς μὴ μακάριζε μηδένα
30. 38 (33. 29). ἄνευ κρίσεως μὴ ποιήσῃς μηδέν
35 (32). 19. ἄνευ βουλῆς μηθὲν [A μηδὲν] ποιήσῃς
Ho. 4. 4. ὅπως μ. μήτε δικάζηται μήτε ἐλέγχῃ μ. (3, 3)
Mi. 5. 7 (6). ὅπως μὴ συναχθῇ μηδεὶς (3 ?)
Jn. 3. 7. BS μὴ γευσάσθωσαν μηδὲν [A -θὲν, R om.] μηδὲ νεμέσθωσαν [S¹ add. μηδέν] (8, –)
Ze. 3. 6. παρὰ [A S³ διὰ] τὸ μηδένα ὑπάρχειν (3)
Is. 36. 21. διὰ τὸ προστάξαι τὸν βασιλέα μηδένα [S¹ -ὲν] ἀποκριθῆναι (7)
Je. 47 (40). 15. μ. γνώτω (3)
51 (44). 7. πρὸς τὸ μὴ καταλειφθῆναι ὑμῶν μηδένα †
Ba. 4. 12. μ. ἐπιχαιρέτω μοι τῇ χήρᾳ
Da. LXX. 2. 35. ὥστε μηδὲν καταλειφθῆναι ἐξ αὐτῶν (6 ?)
Bel 6. μηδείς σε παραλογιζέσθω
Da. TH. Su. 43. ἀποθνήσκω μὴ ποιήσασα μηδέν
I Ma. 10. 63. τοῦ μηδένα ἐντυγχάνειν . . . περὶ μ. πράγματος καὶ μηδεὶς αὐτῷ παρενοχλείτω
II Ma. 12. 3. ὡς μηδεμιᾶς ἐνεστώσης πρὸς αὐτοὺς δυσμενείας
— 4. καὶ μηδὲν ὕποπτον ἐχόντων
14. 28. μηδὲν τάνδρὸς ἠδικηκότος
III Ma. 2. 28. μηδένα . . . εἰς τὰ ἱερὰ αὐ. εἰσιέναι
3. 9. R παροραθήσεται . . . μηδὲν ἠγνοηκώς [A al.]
4. 13. μὴ λειπομένοις κατὰ μ. τρόπον τῆς ἐκείνων τιμωρίας
7. 8. μηθενὸς αὐτοὺς τὸ σύνολον καταβλάπτοντος
— 21. ὑπὸ μηδενὸς διασεισθέντες τῶν ὑπαρχόντων
IV Ma. 4. 24. κατὰ μηδ. τρόπον ἴσχυε καταλῦσαι
6. 35. S καὶ μηδὲν [AR μηδὲ] αὐταῖς ὑπείκειν
9. 12. μηδὲν ἀνύοντες
10. 7. κατὰ μηδένα τρόπον ἰσχύοντες αὐτὸν ἄγξαι
[Sm. Jd. 18. 7 bis: IV Ki. 23. 10: Ca. 8. 1: Je. 38 (45). 24: Ez. 13. 3: 33. 28.]
[Aq. Je. 39 (46). 12.]

μηδέποτε, *vid. sub* μηδέ.

μηδέτερος, μηθέτερος.
Pr. 24. 21. μηθετέρῳ [A μηδ.] αὐτῶν ἀπειθήσῃς †

μηελωείμ.
[Heb. Ps. 8. 6.]

μηήν.
[Heb. Ma. 2. 13.]

μηθείς, *vid.* μηδείς.

μηθέτερος, *vid.* μηδέτερος.

μηκέτι. (1) *a.* אַל *b.* עוֹד . . . אַל (2) לֹא (3) מִ׳

Ex. 36. 6. ἀνὴρ καὶ γυνὴ μ. ἐργαζέσθωσαν (1 b)
Jo. 22. 33. εἶπαν μ. ἀναβῆναι πρὸς αὐτούς (2)
II Ch. 16. 5. τοῦ μ. οἰκοδομεῖν τὴν Ῥ. (3)
To. 3. 10. S ὅπως . . . μ. ὀνειδισμοὺς ἀκούσω
— 13. μὴ ἀκοῦσαί με μ. ὀνειδισμόν
— 15. R μ. ἐλεῆσαί με [ABS al.]
5. 9. S οἱ μ. θεωροῦντες τὸ φῶς
6. 7. R μ. [A οὐκέτι οὐ μή, B οὐ μ.] ὀχληθῇ [S al.]
14. 10. μ. αὐλισθῆτε εἰς Νινευῆ [S al.]
Jb. 40. 27 (32). AS²R καὶ μ. γνέσθω (1 a)
Si. 21. 1. τέκνον, ἥμαρτες μὴ προσθῇς μ.
I Ma. 13. 39. μ. τελωνείσθω
II Ma. 4. 14. ὥστε μ. . . . προθύμους εἶναι τοὺς ἱερεῖς
10. 4. μ. περιπεσεῖν τοιούτοις κακοῖς
III Ma. 4. 17. μ. ἰσχύειν τὴν τῶν Ἰ. ἀπογραφὴν ποιεῖσθαι
[Sm. Ez. 32. 13.]

μῆκος. (1) *a.* אֹרֶךְ *b.* אֲרוּכָה

Ge. 6. 15. τριακοσίων πήχεων τὸ μῆκος (1 a)
12. 6. R διώδευσεν . . . τὴν γῆν [A om. τ. γ.] εἰς τὸ μ. αὐτῆς –
13. 17. διόδευσον τὴν γῆν εἰς τε τὸ μῆκος αὐ. (1 a)
Ex. 25. 9 (10), 16 (17). δύο πήχεων καὶ ἡμίσους τὸ μ. (1 a)
— 22 (23). ποιήσεις τράπεζαν . . . δύο πήχεων τὸ μ. (1 a)
26. 2. μ. τῆς αὐλαίας . . . ὀκτὼ . . . πήχεων (1 a)
— 8. τὸ μ. τῆς δέρρεως . . . τριάκοντα πήχεων (1 a)
— 13. B ἐκ τοῦ μ. τῶν δέρρεων (1 a)
27. 1. πέντε πήχεων τὸ [A om.] μ. (1 a)
— 9. μ. ἑκατὸν πήχεων τῷ ἑνὶ κλίτει (1 a)
— 11. ἱστία ἑκατὸν πήχεων μ. (1 a)
— 18. τὸ δὲ μ. τῆς ἄλλης ἑκατὸν ἐφ' ἑκατόν (1 a)
28. 16. διπλοῦν σπιθαμῆς τὸ μ. αὐτοῦ [A om.] (1 a)
30. 2. ποιήσεις αὐτὸ πήχεως τὸ μ. (1 a)
36. 16 (39. 9). σπιθαμῆς τὸ μ. [A add. αὐτοῦ] (1 a)
37. 2 (36. 9). εἴκοσι πήχεων μ. τῆς αὐλαίας (1 a)
— 16 (38. 18). εἴκοσι πήχεων τὸ μ. (1 a)
38 (37). 1. A δύο πήχεων καὶ ἡμίσους τὸ μ. αὐ. (1 a)
De. 3. 11. ἐννέα πήχεων τὸ μ. αὐτῆς (1 a)
Jd. 3. 16. σπιθαμῆς τὸ μ. αὐτῆς [A om.] (1 a)
III Ki. 6. 2. B¹ τεσσαράκοντα [B² add. πήχεις] μῆκος αὐ. [A al.] (1 a)
— 3. εἴκοσιν ἐν πήχει μῆκος αὐ. (1 a)
— 20. εἴκοσι πήχεις μῆκος (1 a)
7. 27. πέντε πήχεις μῆκος τῆς μεχ. τῆς μιᾶς (1 a)
— 2. ἑκατὸν πήχεις [A add. τὸ] μῆκος αὐ. (1 a)
— 6. τὸ αἰλὰμ τῶν στύλων πεντήκ. μῆκος [A al.] (1 a)
II Ch. 3. 3. μῆκος πήχεων ἡ διαμέτρησις ἡ πρώτη (1 a)
— 4. μῆκος . . . πήχεων εἴκοσι (1 a)
— 8. μῆκος αὐτοῦ ἐπὶ πρόσωπον (1 a)
— 8. καὶ τὸ μ. [A εὖρος] πήχεων εἴκοσι †
— 11. τὸ μ. πήχεων εἴκοσι (1 a)
4. 1. εἴκοσι πήχεων μῆκος (1 a)
6. 13. πέντε πήχεων τὸ μ. αὐτῆς (1 a)
24. 13. ἀνέβη μῆκος τῶν ἔργων (1 b)
Ju. 1. 2. εἰς μῆκος πηχῶν ἕξ
— 2. A ἐποίησε τὸ μ. [BS ὕψος] τοῦ τείχους
7. 3. παρέτειναν . . . εἰς μῆκος
Pr. 3. 2. μῆκος γὰρ βίου . . . προσθήσουσί σοι (1 a)
— 16. μῆκος γὰρ βίου . . . ἐν τῇ δεξιᾷ αὐ. (1 a)
16. 17. μῆκος δὲ βίου ὁδοὶ δικαιοσύνης –
Za. 2. 2 (6). τοῦ ἰδεῖν . . . πηλίκον τὸ μῆκος (1 a)
5. 2. ὁρῶ δρέπανον . . . μήκους [A μῆκος] πήχεων εἴκοσι (1 a)
Je. 52. 22. πέντε πήχεων τὸ μ. †
Ez. 40. 7. τὸ θεὲ τὸ ἴσον τῷ καλάμῳ τὸ μ. (1 a)
Ez. 40. 7. B καὶ ἴσον τῷ καλάμῳ μ. –
— 8. τὸ θεὲ τὸ τρίτον ἴσον τῷ καλάμῳ μ. [A τὸ μ.] –
— 18. κατὰ τὸ μ. τῶν πυλῶν τὸ περίστυλον (1 a)
— 20. διεμέτρησεν αὐτὴν τό τε μ. αὐτῆς (1 a)
— 21, 25. πηχῶν πεντήκοντα τὸ μ. αὐτῆς (1 a)
— 30 (29). πήχεις πεντήκοντα τὸ μ. αὐτῆς (1 a)
— 30. αἰλαμμὼθ κύκλῳ μ. πέντε καὶ εἴκοσι πήχεων (1 a)
— 33. πήχεις πεντήκοντα μ. αὐτῆς (1 a)
— 36. πήχεις πεντήκοντα [A add. τὸ] μ. αὐτῆς (1 a)
— 42. πήχεων δύο ἡμίσους τὸ μ. (1 a)
— 47. διεμέτρησε τὴν αὐλὴν μ. πήχεων ἑκατόν (1 a)
— 49. τὸ μ. τοῦ αἰλὰμ πηχῶν εἴκοσι (1 a)
41. 2. διεμέτρησε τὸ μ. αὐ. πηχῶν [A -χεις] τεσσαράκοντα (1 a)
— 4. διεμέτρησε τὸ μ. τῶν θυρῶν πηχῶν τεσσαράκοντα [A al.] (1 a)
— 12. μ. αὐτοῦ πήχεων ἐνενήκοντα (1 a)
— 13. διεμέτρησε κατέναντι τοῦ οἴκου μ. πηχῶν ἑκατὸν . . . οἱ τοῖχοι αὐτῶν μ. πηχῶν ἑκατόν (1 a, 1 a)
— 15. διεμέτρησε μ. [A τὸν τοῖχον] τοῦ διορίζοντος . . . τὰ ἀπόλοιπα ἔνθεν καὶ ἔνθεν πηχῶν ἑκατὸν τὸ μ. (1 a, –)
— 22. τὸ μ. πηχῶν δύο (1 a)
42. 2. ἐπὶ πήχεις ἑκατὸν μ. πρὸς βορρᾶν (1 a)
— 4. ἐπὶ πήχεις ἑκατὸν τὸ μ. †
— 7. μ. πήχεων πεντήκοντα (1 a)
— 8. τὸ μ. τῶν ἐξεδρῶν . . . ἦν πηχῶν πεντήκοντα (1 a)
— 11. κατὰ τὸ μ. αὐτῶν καὶ κατὰ τὸ εὖρος αὐτῶν (1 a)
43. 16. τὸ ἀριθὶ πηχῶν δώδεκα μήκους (1 a)
— 17. τὸ ἱλαστήριον πηχῶν δέκα τεσσάρων τὸ μ. (1 a)
45. 1. ἀφοριεῖτε ἀπαρχὴν . . . πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδας μ. (1 a)
— 3. διαμετρήσεις μ. πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδας (1 a)
— 5. εἴκοσι καὶ πέντε χιλιάδας μ. (1 a)
— 6. μ. πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδας (1 a)
— 7. τὸ μ. ὡς μία τῶν μερίδων . . . καὶ τὸ μ. ἐπὶ τὰ ὅρια τὰ πρὸς ἀνατολὰς τῆς γῆς (1 a, –)
46. 22. αὐλὴ μικρὰ μήκους πηχῶν τεσσαράκοντα (1 a)
48. 8. μ. καθὼς μία τῶν μερίδων (1 a)
— 9. μ. [A om.] πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδες (1 a)
— 10. A πρὸς νότον μ. [B om.] εἴκοσι καὶ πέντε χιλιάδες (1 a)
— 13. μ. πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδες . . . πᾶν τὸ μ. πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδες (1 a, 1 a)
— 18. τὸ περισσὸν τοῦ μ. τὸ ἐχόμενον τῶν ἀπαρχῶν τῶν ἁγίων (1 a)
— 21. ἐπὶ πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδας μ. †
Da. LXX. 4. 9. οἱ κλάδοι αὐ. τῷ μ. ὡς σταδίων τριάκοντα –
9. 27. ἀνοικοδομηθήσεται εἰς πλάτος καὶ μῆκος –
[Aq. III Ki. 6. 20: Ez. 42. 20.]
[Sm. I Ki. 28. 20: III Ki. 6. 20: Ps. 22 (23). 6.]
[Th. Ex. 37 (38). 1: 37. 10 (38. 11): III Ki. 6. 20.]
[Heb. Ez. 32. 23.]

μηκύνειν. (1) גָּדַל pi. (2) מָשַׁךְ ni.

Is. 44. 14. ὑετὸς ἐμήκυνεν (1)
Ez. 12. 25. οὐ μὴ μηκύνω ἔτι (2)
— 28. οὐ μὴ μηκύνωσιν οὐκέτι πάντες οἱ λόγοι μου (2)
[Aq. Ps. 128 (129). 3: Is. 57. 4.]
[Sm. Is. 57. 4.]

μηλέα.
[Sm. Ca. 8. 5.]

μῆλον. (1) רִקָּה (2) תַּפּוּחַ (3) μῆλα μανδραγορῶν (-ου) דּוּדָאִים

Ge. 30. 14. R εὗρε μῆλα μανδραγορῶν [A -ου] (3)
Pr. 25. 11. μῆλον χρυσοῦν ἐν ὁρμίσκῳ σαρδίου (2)
Ca. 2. 3. ὡς μῆλον ἐν τοῖς ξύλοις τοῦ δρυμοῦ (2)
— 5. στοιβάσατέ με [A om.] ἐν μήλοις (2)
4. 3. ὡς λέπυρον ῥοᾶς μῆλόν σου (1)
6. 6 (7). ὡς λέπυρον τῆς ῥοᾶς μῆλόν σου (1)
7. 8 (9). ὀσμὴ ῥινός σου ὡς μῆλα (2)
8. 5. ὑπὸ μῆλον ἐξήγειρά σε (2)
Jl. 1. 12. ῥοὰ καὶ φοῖνιξ καὶ μῆλον . . . ἐξηράνθησαν (2)
[Aq. Ca. 4. 3: 8. 5.]
[Sm. Ca. 2. 5.]

μηλωτή. (1) אַדֶּרֶת

III Ki. 19. 13. ἐπεκάλυψε τὸ πρόσωπον αὐ. ἐν τῇ μ. ἑαυ. (1)
— 19. ἐπέρριψε τὴν μ. αὐ. ἐπ' αὐτόν (1)
IV Ki. 2. 8. ἔλαβεν Ἠλ. τὴν μ. αὐτοῦ (1)
— 13. ὕψωσε τὴν μ. Ἠλ. (1)
— 14. ἔλαβε τὴν μ. Ἠλ. (1)

μήν (*certe*). εἰ μήν *vid. sub* εἰ ἢ μήν *vid. sub* ἢ * οὐ μὴν δὲ ἀλλά.

Es. 9. 27.
Jb. 2. 5*: 5. 8*: 12. 5*: 13. 3*, 15*†: 14. 12†: 17. 10*: 21. 17*: 27. 3, 6†, 7*, 8†: 28. 13†: 32. 21: 33. 1*: 34. 36*: 39. 22†.
Wi. 1. 8†: 6. 23.
Si. 9. 13†.
Is. 59. 6†.
III Ma. 5. 50*.
IV Ma. 15. 9*.
[Aq. Is. 26. 10.]
[Sm. Ec. 10. 3: Mi. 3. 8.]
[Th. Jb. 6. 21.]

μήν (*mensis*). (1) חֹדֶשׁ (2) *a.* יָרֵחַ *b.* יֶרֶח

Ge. 7. 11. τοῦ δευτέρου μ. ἑβδόμῃ καὶ εἰκάδι τοῦ μηνός (1, 1)
8. 3 (4). ἐκάθισεν ἡ κιβωτὸς ἐν μ. τῷ ἑβδόμῳ (1)
— 3 (4). ἑβδόμῃ καὶ εἰκάδι τοῦ μ. (1)
— 4 (5). ἠλαττονοῦτο ἕως τοῦ δεκάτου μ. (1)
— 5. καὶ ἐν τῷ δεκάτῳ [A ἐν δὲ τῷ ἑνδεκ.] μ. –
— 5. τῇ πρώτῃ τοῦ μ. (1)
— 13. B ἐγένετο . . . τοῦ πρώτου μ. [A τοῦ μ. τοῦ πρ.] –
— 13. μιᾷ τοῦ μ. ἐξέλιπε τὸ ὕδωρ (1)
— 14. ἐν δὲ τῷ δευτέρῳ μ. [A τῷ μ. τῷ δ.] (1)
— 14. ἑβδόμῃ καὶ εἰκάδι τοῦ μ. (1)
29. 14. ἦν μετ' αὐτοῦ μῆνα ἡμερῶν (1)
Ex. 2. 2. ἐσκέπασαν αὐτὸ μῆνας τρεῖς (2 *a*)
12. 2. ὁ μ. οὗτος ὑμῖν ἀρχὴ μηνῶν (1, 1)
— 2. πρῶτος . . . ἐν τοῖς μ. τοῦ ἐνιαυτοῦ (1)
— 3. τῇ δεκάτῃ τοῦ μ. τούτου λαβέτωσαν (1)
— 6. τῆς τεσσαρεσκαιδεκάτης τοῦ μ. τούτου (1)
— 18. τῇ . . . ἡμέρᾳ τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)
— 18. ἕως ἡμέρας μιᾶς καὶ εἰκάδος τοῦ μ. (1)
13. 4. ἐκπορεύεσθε ἐν μηνὶ τῶν νέων (1)
— 5. ποιήσεις . . . ἐν τῷ μ. τούτῳ (1)
16. 1. τῇ δὲ . . . ἡμέρᾳ τῷ μ. τῷ δευτέρῳ (1)
19. 1. τοῦ δὲ μ. τοῦ τρίτου τῆς ἐξόδου (1)
23. 15. κατὰ τὸν καιρὸν τοῦ μ. τῶν νέων (1)
34. 18. εἰς τὸν καιρὸν ἐν μηνὶ τῶν νέων (1)
— 18. ἐν γὰρ [A *add.* τῷ] μηνὶ τῶν νέων (1)
40. 2. ἐν ἡμέρᾳ μιᾷ [A *om.*] τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)
— 17. ἐγένετο ἐν τῷ μηνὶ τῷ πρώτῳ (1)
Le. 16. 29. B² R ἐν τῷ μ. τῷ ἑβδόμῳ δεκάτῃ τοῦ μ. [A B¹ *om.* δ. τ. μ.] ταπεινώσετε (1, 1)
23. 5. ἐν τῷ πρώτῳ μ. ἐν τῇ τεσσαρεσκαιδεκ. ἡμ. τοῦ μ. (1, 1)
— 6. ἐν τῇ πεντεκαιδεκ. ἡμ. τοῦ μ. τούτου (1)
— 24. τοῦ μ. τοῦ ἑβδ. μιᾷ τοῦ μ. (1, 1)
— 27. τῇ δεκάτῃ τοῦ μ. τοῦ ἑβδ. τούτου (1)
— 32. ἀπὸ ἑνάτης τοῦ μ. (1)
— 34. τῇ πεντεκαιδεκ. τοῦ μ. τοῦ ἑβδ. τούτου (1)
— 39. ἐν τῇ πεντεκαιδεκ. ἡμ. τοῦ μ. τοῦ ἑβδ. τ. (1)
— 41. ἐν τῷ μ. τῷ ἑβδ. ἑορτάσετε αὐτήν (1)
25. 9. ἐν [A *om.*] τῷ μ. τῷ ἑβδ. τῇ δεκάτῃ τοῦ μ. (1, 1)
Nu. 1. 1, 18. ἐν μιᾷ τοῦ μ. τοῦ δευτέρου ἔτους (1)
9. 1. ἐν τῷ μ. τῷ πρώτῳ (1)
— 3. τῇ τεσσαρεσκαιδεκ. ἡμ. τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)
— 5. τῇ τεσσαρεσκαιδεκ. ἡμ. τοῦ μ. (1)
— 11. ἐν τῷ μ. τῷ δευτέρῳ (1)
— 22. μηνὸς ἡμέρας πλεοναζούσης τῆς νεφ. (1)
10. 11. ἐν τῷ μ. τῷ δευτέρῳ εἰκάδι τοῦ μ. (1, 1)
11. 20. ἕως μηνὸς ἡμερῶν φάγεσθε (1)
— 21. φάγονται μῆνα ἡμερῶν (1)
20. 1. ἐν τῷ μ. τῷ πρώτῳ [B¹ τρίτῳ] (1)
28. 14. μῆνα ἐκ μηνὸς εἰς τοὺς μ. τοῦ ἐνιαυτοῦ (1 *ter*)
— 16. ἐν τῷ μ. τῷ πρώτῳ τεσσαρεσκαιδεκ. ἡμέρᾳ τοῦ μ. (1, 1)
— 17. B καὶ τῇ πεντεκαιδεκ. ἡμ. τοῦ μ. (1)
29. 1. καὶ τῷ μ. τῷ ἑβδόμῳ μιᾷ τοῦ μ. (1, 1)
— 7. τῇ δεκάτῃ τοῦ μ. τούτου (1)
— 12. τῇ πεντεκαιδεκ. ἡμ. τοῦ μ. τοῦ ἑβδ. τ. (1)
33. 3. τῷ μ. τῷ πρώτῳ τῇ πεντεκαιδεκ. ἡμ. τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1, 1)
Nu. 33. 38. τῷ μ. τῷ πέμπτῳ μιᾷ τοῦ μ. (1, 1)
De. 1. 3. ἐν τῷ ἑνδεκ. μ. μιᾷ τοῦ μ. (1, 1)
16. 1. φύλαξαι τὸν μ. τῶν νέων (1)
— 1. ἐν τῷ μ. τῶν νέων ἐξῆλθες (1)
21. 13. κλαύσεται τὸν πατέρα . . . μηνὸς ἡμέρας (2 *a*)
33. 14. καὶ ἀπὸ συνόδων μηνῶν (2 *a*)
Jo. 4. 19. δεκάτῃ τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)
5. 9 (10). τῇ τεσσαρεσκαιδεκάτῃ ἡμέρᾳ τοῦ μ. (1)
Jd. 11. 37. ἔασόν με δύο μῆνας (1)
— 38. ἀπέστειλεν αὐτὴν δύο μῆνας (1)
— 39. ἐν τέλει [A μετὰ τέλος] τῶν δύο μηνῶν (1)
19. 2. ἦν ἐκεῖ ἡμέρας μηνῶν τεσσάρων [A *al.*] (1)
20. 47. ἐκάθισαν . . . τέσσαρας μ. [A *al.*] (1)
I Ki. 6. 1. ἦν ἡ κιβ. ἐν ἀγρῷ τῶν ἀλλοφ. ἑπτὰ μῆνας (1)
11. 1 (10. 27). ὡς μετὰ μῆνα †
20. 24. παραγίνεται ὁ μ. (1)
— 27. τῇ ἐπαύριον τοῦ μ. (1)
— 34. ἐν [A *add.* ἡμέρᾳ] τῇ δευτέρᾳ τοῦ μ. (1)
27. 7. ἐγενήθη ὁ ἀριθμὸς τῶν ἡμ. . . . τέσσαρας μ. (1)
II Ki. 2. 11. A R ἑπτὰ ἔτη καὶ μῆνας ἕξ (1)
5. 5. ἑπτὰ ἔτη καὶ μῆνας ἓξ ἐβασίλευσεν (1)
6. 11. ἐκάθισεν . . . μῆνας τρεῖς (1)
24. 8. ἀπὸ τέλους ἐννέα μηνῶν (1)
— 13. ἢ τρεῖς μῆνας φεύγειν σε (1)
III Ki. 4. 7. μῆνα ἓν τῷ [A *om.* ἐν τῷ] ἐνιαυτῷ ἐγίνετο (1)
— 27 (5. 7). ἕκαστος μῆνα αὐτοῦ (1)
5. 14 (28). δέκα χιλιάδες ἐν τῷ μ. (1)
— 14 (28). μῆνα ἦσαν ἐν τῷ Λιβάνῳ καὶ δύο μῆνας ἐν οἴκῳ αὐ. (1, 1)
6. 1. ἐν μ. τῷ δευτέρῳ βασιλεύοντος τοῦ βασ. (1)
— 1 (37). ἐν μηνὶ N. [A Z.] καὶ τῷ δευτέρῳ [B¹ *om.*] μ. (2 *a*, –)
— 1 (38). ἐν μηνὶ B. οὗτος ὁ μ. ὁ ὄγδοος (2 *a*, 1)
8. 2. ἐν μηνὶ Ἀθ. (2 *a*)
— 2. A αὐτὸς ὁ μ. ἑβδομηκοστὸς ἕβδομος (1)
11. 16. ἓξ μῆνας ἐνεκάθητο ἐκεῖ Ἰ. (1)
12. 32. ἐν τῷ μ. τῷ ὀγδόῳ ἐν τῇ πεντεκαιδεκάτῃ ἡμέρᾳ τοῦ μ. (1, 1)
— 33. ἐν τῷ μ. τῷ ὀγδόῳ (1)
IV Ki. 15. 13. R ἐβασίλευσε Σ. μῆνα ἡμερῶν [A B *al.*] (2 *a*)
22. 3. ἐν τῷ μ. τῷ ὀγδόῳ [A ἑβδόμῳ] –
23. 31. A τρεῖς μῆνας [B τρίμηνον] ἐβασίλευσεν (1)
25. 1. ἐν τῷ μ. τῷ δεκάτῳ [A δευτέρῳ τεσσαρεσκαιδεκάτῃ τοῦ μ.] (1, 1)
— 2 (3). ἑνάτῃ τοῦ μ. (1)
— 8. ἐν τῷ μ. τῷ πέμπτῳ ἑβδόμῃ τοῦ μ. (1, 1)
— 25. ἐν [A *om.*] τῷ ἑβδόμῳ μ. (1)
— 27. ἐν τῷ δωδεκάτῳ μ. ἑβδόμῃ καὶ εἰκάδι τοῦ μ. (1, 1)
I Ch. 12. 15. ἐν τῷ μ. τῷ πρώτῳ (1)
13. 14. ἐκάθισεν ἡ κιβωτὸς . . . τρεῖς μῆνας [A ἡμέρας] (1)
21. 12. ἢ τρεῖς μῆνας φεύγειν σε (1)
27. 1. μῆνα ἐκ μηνὸς εἰς πάντας τοὺς μ. τοῦ ἐνιαυτοῦ (1 *ter*)
— 2. ἐπὶ τῆς διαιρέσεως τῆς πρώτης τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)
— 3. ἄρχων πάντων τῶν ἀρχόντων . . . τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)
— 4. ἐπὶ τῆς διαιρέσεως τοῦ μ. τοῦ δευτ. (1)
— 5. ὁ τρίτος τὸν μ. τὸν τρίτον (1)
— 7. ὁ τέταρτος εἰς τὸν μ. τὸν τέταρτον (1)
— 8. ὁ πέμπτος τῷ μ. τῷ πέμπτῳ (1)
— 9. ὁ ἕκτος τῷ [A *om.*] μ. τῷ ἕκτῳ (1)
— 10. ὁ ἕβδομος τῷ μ. τῷ ἑβδόμῳ (1)
— 11. ὁ ὄγδοος τῷ μ. τῷ ὀγδόῳ (1)
— 12. ὁ ἕνατος τῷ μ. τῷ ἑνάτῳ (1)
— 13. ὁ δέκατος τῷ μ. τῷ δεκάτῳ (1)
— 14. ὁ ἑνδέκατος τῷ μ. τῷ ἑνδεκάτῳ (1)
— 15. ὁ δωδέκατος εἰς τὸν μ. τὸν δωδέκατον (1)
II Ch. 3. 2. ἐν τῷ μ. τῷ δευτέρῳ (1)
5. 3. οὗτος ὁ μ. ἕβδομος (1)
7. 10. ἐν τῇ τρίτῃ καὶ εἰκοστῇ [A εἰκάδι] τοῦ μ. τοῦ ἑβδόμου (1)
8. 13. ἐν τοῖς μ. καὶ ἐν ταῖς ἑορταῖς (1)
15. 10. ἐν τῷ μ. τῷ τρίτῳ (1)
29. 3. ἐν τῷ πρώτῳ μ. (1)
— 17. νουμηνίᾳ τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)
— 17. τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὀγδόῃ τοῦ μ. (1)
— 17. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρισκαιδεκ. τοῦ μ. τοῦ πρώτου [A *al.*] (1)
II Ch. 30. 2. ποιῆσαι τὸ φασὲκ τῷ μ. τῷ δευτέρῳ (1)
— 13. ἐν τῷ μ. τῷ δευτέρῳ (1)
— 15. τῇ τεσσαρεσκαιδεκ. τοῦ μ. τοῦ δευτέρου (1)
31. 7. ἐν τῷ μ. τῷ τρίτῳ (1)
— 7. ἐν τῷ ἑβδόμῳ μ. (1)
35. 1. τῇ τεσσαρεσκαιδεκ. τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)
I Es. 1. 1. τῇ τεσσαρεσκαιδεκ. ἡμ. τοῦ μ. τοῦ πρώτου
— 35. ἐβασίλευσεν . . . μῆνας τρεῖς
— 44. βασιλεύει δὲ μῆνας τρεῖς
5. 6. μηνὶ Νισὰν τοῦ πρώτου μ.
— 47. ἐνστάντος δὲ τοῦ ἑβδόμου μ.
— 53. B ἀπὸ τῆς νουμηνίας τοῦ πρώτου [A R ἑβδ.] μ.
— 56. παραγενόμενος . . . εἰς Ἰ. μ. δευτέρου
— 57. τῇ νουμηνίᾳ τοῦ δευτέρου μ.
7. 5. ἕως τρίτης καὶ εἰκάδος μ. Ἀ.
— 10. ἐν τῇ τεσσαρεσκαιδεκ. τοῦ πρώτου μ.
8. 6. ἐν τῷ πέμπτῳ μ.
— 6. τῇ νουμηνίᾳ τοῦ πρώτου μ.
— 6. A ἐν τῇ νουμηνίᾳ τοῦ πέμπτου μ.
— 61. τῇ δωδεκάτῃ τοῦ πρώτου [A *om.*] μ.
9. 5. οὗτος ὁ μ. ἕνατος τῇ εἰκάδι τοῦ μ.
— 16. τῇ νουμηνίᾳ τοῦ μ. τοῦ δεκάτου
— 17. ἕως τῆς νουμηνίας τοῦ πρώτου μ.
— 37. B τῇ νουμηνίᾳ τοῦ ἑβδόμου μ. [A R μ. τοῦ ἑ.]
— 40. νουμηνίᾳ τοῦ ἑβδόμου μ.
II Es. 3. 1. ἔφθασεν ὁ μ. ὁ ἕβδομος (1)
— 6. ἐν ἡμέρᾳ μιᾷ τοῦ μ. τοῦ ἑβδ. (1)
— 8. ἐν μ. τῷ δευτέρῳ (1)
6. 15. ἕως ἡμέρας τρίτης μηνὸς Ἀ. (2 *b*)
— 19. τῇ τεσσαρεσκαιδεκ. τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)
7. 8. τῷ μ. τῷ πέμπτῳ (1)
— 9. ἐν μιᾷ τοῦ μ. τοῦ πέμπτου (1)
— 9. R ἐν δὲ τῇ πρώτῃ τοῦ μ. τοῦ πέμπτου (1)
8. 31. ἐν τῇ δωδεκ. τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)
10. 9. A S R οὗτος ὁ [B *om.*] μ. ὁ ἕνατος (1)
— 9. ἐν εἰκάδι τοῦ μ. (1)
— 16. A S R ἐν ἡμέρᾳ μιᾷ τοῦ μ. [B *om.*] τοῦ δεκάτου [S² δωδεκ.] (1)
— 17. A B S² ἕως ἡμέρας μιᾶς τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)
Ne. 1. 1. ἐν μηνὶ X. (1)
2. 1. ἐγένετο ἐν μηνὶ N. (1)
6. 15. S R πέμπτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ Ἐ. μηνός [A B *al.*] –
8. 1 (7. 73). ἔφθασεν ὁ μ. ὁ ἕβδομος (1)
— 1. S¹ ἔφθασεν ὁ μ. ὁ ἕβδομος –
— 2. ἐν ἡμέρᾳ μιᾷ τοῦ μ. τοῦ ἑβδόμου (1)
— 14. ἐν ἑορτῇ ἐν μ. τῷ ἑβδόμῳ (1)
9. 1. ἐν ἡμέρᾳ εἰκοστῇ καὶ τετάρτῃ τοῦ μ. τούτου (1)
Ju. 2. 1. δευτέρᾳ καὶ εἰκάδι τοῦ πρώτου μ.
3. 10. ἦν ἐκεῖ μῆνα ἡμερῶν
8. 4. ἔτη τρία καὶ μῆνας τέσσαρας
16. 20. ἦν ὁ λαὸς εὐφραινόμ. . . . ἐπὶ μῆνας τρεῖς
Es. 2. 12. ὅταν ἀναπληρώσῃ μῆνας δέκα δύο [A *al.*] (1)
— 12. μῆνας ἓξ ἀλειφόμεναι (1)
— 12. καὶ μῆνας ἓξ ἐν τοῖς ἀρώμασι (1)
— 16. τῷ δωδεκ. [S² δεκάτῳ] μ. (1)
3. 7. S² ἐν τῷ μ. τῷ πρώτῳ αὐτὸς ὁ μ. Νισάν (1, 1)
— 7. ἔβαλε κλῆρους . . μῆνα ἐκ μηνός (1, 1)
— 7. εἰς τὴν τεσσαρεσκαιδεκάτην τοῦ μ. (1)
— 12. ἐκλήθησαν . . . μηνὶ πρώτῳ [S² *add.* αὐτὸς ὁ μ. Νισάν] (1, –)
— 13. ἐν ἡμέρᾳ μιᾷ μηνὸς δωδεκάτου (1)
— 13. τῇ τεσσαρεσκαιδεκάτῃ τοῦ δωδεκ. [S¹ *om.*] μ. Ἀ.
8. 9. ἐν τῷ πρώτῳ [S² τρίτῳ] μ. (1)
— 9. A τρίτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ αὐτοῦ [S¹ δευτέρου] μ. [B S ἔτους] †
— 12. τῇ τρισκαιδεκ. τοῦ δωδεκάτου [A S¹ *om.*] μ. (1)
— 13. τῇ τρισκαιδεκ. τοῦ δωδεκάτου μ. Ἀ.
9. 1. ἐν γὰρ τῷ δωδεκ. μ. τρισκαιδεκ. [S¹ τεσσαρεσκαιδ.] τοῦ μ. (1, 1)
— 15. τῇ τεσσαρεσκαιδεκ. [S² τρισκαιδ.] τοῦ Ἀ. [S¹ μηνός, S² Ἀ. μ.] (1)
— 16. A τῇ τεσσαρεσκαιδεκάτῃ τοῦ Ἀ. [B S *al.*] –
— 17. τῇ τεσσαρεσκαιδεκ. τοῦ αὐτοῦ [S αὐ. τοῦ] μ. (1)
— 17. A τῇ τεσσαρεσκαιδεκ. τοῦ αὐτοῦ μ. †
— 19. τὴν τεσσαρεσκαιδεκ. τοῦ Ἀ. [S¹ μηνός, S² μ. Ἀδάρ] (1)
— 21. ἄγειν τε τὴν τεσσαρεσκαιδεκ. [S² *add.* τοῦ μ. Ἀ.] (1)
— 22. καὶ τὸν μ. . . . ἄγειν (1)
10. 3. ἔσονται αὐτοῖς . . . ἐν μηνὶ Ἀ.

Es. 10. 3. τῇ τεσσαρεσκαιδεκ. . . . τοῦ αὐτοῦ μ.
Jb. 3. 6. μηδὲ ἀριθμηθείη εἰς ἡμέρας μηνῶν (2 a)
7. 3. οὕτως κἀγὼ ὑπέμεινα μῆνας κενούς (2 a)
14. 5. ἀριθμητοὶ δὲ μῆνες αὐ. παρ' αὐτοῦ (1)
21. 21. ἀριθμοὶ μηνῶν αὐτοῦ διῃρέθησαν (1)
29. 2. A τίς ἄν με θείη μῆνα [B S om.] κατὰ μῆνα ἡμερῶν τῶν [B S om. ἡ. τ.] ἔμπροσθεν ἡμερῶν (–, 2 a)
39. 2. ἠρίθμησας δὲ μῆνας αὐ. πλήρεις τοκετοῦ (2 a)
Si. 43. 8. μὴν κατὰ τὸ ὄνομα αὐτῆς ἐστιν
Am. 4. 7. πρὸ τριῶν μηνῶν τοῦ τρυγητοῦ (1)
8. 5. πότε διελεύσεται ὁ μ. (1)
Hg. 1. 1. ἐν τῷ μηνὶ τῷ ἕκτῳ μιᾷ τοῦ μηνός (1, 1)
2. 1 (1. 15). A R τῇ τετράδι καὶ εἰκάδι τοῦ [B S om.] μ. τοῦ ἕκτου (1)
— 2 (1). τῷ μ. τῷ ἑβδόμῳ [A τῷ ἑ. μ.] μιᾷ καὶ εἰκάδι τοῦ μ. (–, 1)
— 11 (10). τετράδι καὶ εἰκάδι τοῦ ἐνάτου μ. [A μηνὶ τῷ ἐνάτῳ] –
— 19 (18). ἀπὸ τῆς τετράδος καὶ εἰκάδος τοῦ ἐνάτου μ. –
— 21 (20). τετράδι καὶ εἰκάδι τοῦ μ. (1)
Za. 1. 1. ἐν τῷ ὀγδόῳ μηνὶ ἔτους δευτέρου (1)
— 7. τῷ ἑνδεκάτῳ μ. οὗτός ἐστιν ὁ μ. Σ. (1, 1)
7. 1. τετράδι τοῦ μ. τοῦ ἐνάτου [A al.] (1)
— 3. ἐν τῷ μ. τῷ πέμπτῳ (1)
11. 8. ἐξαρῶ τοὺς τρεῖς ποιμένας ἐν μηνὶ ἑνί (2 a)
Is. 66. 23. ἔσται μῆνα ἐκ μηνὸς . . . ἥξει πᾶσα σάρξ (1, 1)
Je. 1. 3. ἕως τῆς αἰχμαλωσίας Ἱερουσαλὴμ ἐν τῷ πέμπτῳ μ. (1)
35 (28). 1. ἐν μηνὶ τῷ πέμπτῳ (1)
— 17. ἀπέθανεν ἐν [S om.] τῷ μ. τῷ ἑβδόμῳ [A τῷ ἑ. μ.] (1)
36 (29). 28. B διὰ τοῦ μ. τούτου –
43 (36). 9. A R ἐν [B S om.] τῷ μ. τῷ ἐνάτῳ (1)
46 (39). 1. ἐγένετο τῷ [A S ἐν τῷ] μ. [A ἔτει] τῷ ἐνάτῳ τοῦ Σεδ. βασ. Ἰ. [A add. ἐν τῷ μ. τῷ δεκάτῳ] (†, 1)
— 2. ἐν τῷ μ. τῷ τετάρτῳ ἐνάτῃ τοῦ μ. (1, 1)
48 (41). 1. ἐγένετο τῷ μ. τῷ ἑβδόμῳ (1)
52. 4. ἐν μηνὶ τῷ ἐνάτῳ [A ἐ. τῷ μ. τ. ἑβδόμῳ] δεκάτῃ τοῦ μ. (1, 1)
— 6. ἐν τῇ [A om. ἐν τῇ] ἐνάτῃ τοῦ μ. (1)
— 12. ἐν μηνὶ πέμπτῳ δεκάτῃ τοῦ μ. (1, 1)
— 31. ἐν τῷ δωδεκάτῳ μ. ἐν τῇ τετράδι καὶ εἰκάδι τοῦ μ. (1, 1)
Ba. 1. 2. ἐν [A om.] ἑβδόμῃ τοῦ μ.
La. 3. 22 (23). R μῆνας εἰς τὰς πρωΐας ἐλέησον (1)
Ez. 1. 1. ἐν τῷ [B¹ om. ἐν τῷ] τετάρτῳ μηνὶ πέμπτῃ τοῦ μ. (–, 1)
— 2. ἴδον ὁράσεις θεοῦ πέμπτῃ τοῦ μ. (1)
8. 1. ἐν τῷ πέμπτῳ μ. πέμπτῃ τοῦ μ. (–, 1)
20. 1. τῇ πεντεκαιδεκάτῃ [A ἐν τῷ πέμπτῳ μ. δεκάτῃ] τοῦ μ. (–, 1)
24. 1. ἐν τῷ μ. τῷ δεκάτῳ δεκάτῃ τοῦ μ. (1, 1)
26. 1. μιᾷ τοῦ μ. [A add. τοῦ πρώτου] (1)
29. 1. ἐν τῷ δεκάτῳ [A ἑνδ.] μ. μιᾷ τοῦ μ. (–, 1)
— 17. μιᾷ τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)
30. 20. ἐν τῷ πρώτῳ μ. ἑβδόμῃ τοῦ μ. (–, 1)
31. 1. ἐν τῷ τρίτῳ μ. μιᾷ τοῦ μ. (–, 1)
32. 1. ἐν τῷ δεκάτῳ [A¹ δωδ.] μηνὶ μιᾷ τοῦ μ. (1, 1)
— 17. ἐν τῷ δωδεκάτῳ ἔτει τοῦ πρώτου μ. [A ἐν τῷ πρώτῳ μ.] πεντεκαιδεκάτῃ τοῦ μ. (–, 1)
33. 21. ἐν τῷ δωδεκάτῳ μ. πέμπτῃ τοῦ μ. (–, 1)
40. 1. ἐν τῷ πρώτῳ μ. δεκάτῃ τοῦ μ. (†, 1)
45. 18. ἐν τῷ πρώτῳ μ. μιᾷ τοῦ μ. (–, 1)
— 20. A R οὕτως ποιήσεις ἐν τῷ μ. τῷ ἑβδόμῳ [B ἑ. μ.] μιᾷ τοῦ μ. λήψῃ [B om.] παρ' ἑκάστου ἀπόμοιραν [A ἀγνοοῦντος] (1, –)
— 21. ἐν τῷ πρώτῳ [A add. μ.] τεσσαρεσκαιδεκάτῃ τοῦ μ. ἔσται ὑμῖν τὸ πάσχα ἑορτή (–, 1)
— 25. A R ἐν τῷ ἑβδόμῳ μ. [B om.] πεντεκαιδεκάτῃ [A add. ἡμέρᾳ] τοῦ μ. (–, 1)
Da. LXX. 4. 26. μετὰ μῆνας δώδεκα (2 b)
10. 4. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τετάρτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)
Da. TH. 10. 4. ἐν ἡμέρᾳ εἰκοστῇ καὶ τετάρτῃ τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)
I Ma. 1. 58. τοῖς εὑρισκομ. ἐν παντὶ μ. καὶ μηνί
— 59. τῇ πέμπτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ μ.
4. 52. A R τῇ πέμπτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ μ. τοῦ ἐνάτου [S om. τ. ἑ.] οὗτος ὁ μ. Χασ.
— 59. ἀπὸ τῆς πέμπτης καὶ εἰκάδος τοῦ μ. Χασ.
I Ma. 7. 43. τῇ τρισκαιδεκάτῃ τοῦ μ. Ἄδαρ
9. 3. τοῦ μ. τοῦ πρώτου ἔτους τοῦ δευτέρου
— 54. τῷ μ. τῷ δευτέρῳ ἐπέταξεν Ἄ.
10. 21. τῷ ἑβδόμῳ μ. ἔτους ἑξηκοστοῦ
13. 51. A R τῇ τρίτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ δευτέρου μ. [S τοῦ μ.]
16. 14. ἐν μ. ἑνδεκάτῳ οὗτος ὁ μ. Σ.
II Ma. 1. 9. τὰς ἡμέρας τῆς σκηνοπηγίας τοῦ Χασ. μηνός
6. 7. εἰς τὴν κατὰ μῆνα τοῦ βασ. γενέθλιον ἡμέραν
7. 27. τὴν ἐν γαστρὶ περιενέγκασάν σε μῆνας ἐννέα
10. 5. τῇ πέμπτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ αὐτοῦ μ.
15. 36. τὴν τρισκαιδεκάτην τοῦ δωδεκάτου μ.
[Aq. Ex. 40. 2 : IV Ki. 25. 1 : Jb. 29. 2.]
[Sm. III Ki. 8. 2 : Jb. 29. 2 : Ez. 40. 1.]
[Th. Ex. 40. 2 : Jb. 21. 21.]
[Al. Ez. 47. 12.]

μήνη.
[Sm. Ps. 88 (89). 38.]

μηνιαῖος. (1) בֶּן־חֹדֶשׁ
Le. 27. 6. ἀπὸ δὲ μηνιαίου ἕως πενταετοῦς (1)
Nu. 3. 15, 22, 28, 34, 39, 40, 43. ἀπὸ μηνιαίου καὶ ἐπάνω (1)
18. 16. ἡ λύτρωσις αὐ. ἀπὸ μηνιαίου (1)
26. 62. ἀπὸ μηνιαίου καὶ ἐπάνω (1)
[Sm. Ps. 80 (81). 4.]

μηνίαμα.
Si. 40. 5. φόβος θανάτου καὶ μηνίαμα [A S μήνιμα]

μηνιᾶν.
Si. 10. 6. ἐπὶ παντὶ ἀδικήματι μὴ μηνιάσῃς [A S -ίσῃς] τῷ πλησίον

μηνίειν. (1) נָטַר
Le. 19. 18. οὐ μηνιεῖς [A¹ -οῖς] τοῖς υἱοῖς τοῦ λαοῦ σου (1)
Ps. 102 (103). 9. οὐδὲ εἰς τὸν αἰῶνα μηνιεῖ (1)
Si. 10. 6. A S ἐπὶ παντὶ ἀδικήματι μὴ μηνίσῃς [B -ιάσῃς] τῷ πλησίον
28. 7. μὴ μηνίσῃς τῷ πλησίον
Je. 3. 12. οὐ μηνιῶ ὑμῖν εἰς τὸν αἰῶνα (1)

μήνιμα.
Si. 40. 5. A S φόβος θανάτου καὶ μήνιμα [B -ίαμα]

μῆνις. (1) אֵיבָה (2) עֶבְרָה
Ge. 49. 7. ἐπικατάρατος . . . ἡ μ. αὐτῶν (2)
Nu. 35. 21. ἢ διὰ μῆνιν ἐπάταξεν αὐτόν (1)
Si. 27. 30. μῆνις καὶ ὀργὴ καὶ [S om.] ταῦτά ἐστι βδελύγματα
28. 5. αὐτὸς σὰρξ ὢν διατηρεῖ μῆνιν
[Aq. Je. 48 (31). 30.]
[Sm. Ez. 25. 12, 15 : Am. 1. 11.]
[Th. Is. 13. 9 : 16. 6.]

μηνίσκος. (1) שַׁהֲרֹנִים
Jd. 8. 21. ἔλαβε τοὺς μ. (1)
— 26. παρὲξ τῶν μ. καὶ τῶν στραγγαλίδων [A al.] (1)
Is. 3. 18. ἀφελεῖ κύριος . . . τοὺς μ. (1)
[Aq. Jd. 8. 26.]

μηνύειν.
II Ma. 3. 7. περὶ τῶν μηνυθέντων αὐτῷ χρημάτων
6. 11. μηνυθέντες τῷ Φ. συνεφλογίσθησαν
14. 37. ἐμηνύθη τῷ N.
III Ma. 3. 28. μηνύειν δὲ τὸν βουλόμενον
IV Ma. 4. 3. R μηνύσων [A S -ύων] πολλὰς . . . μυριάδας . . . τεθησαυρίσθαι
[Sm. Jb. 12. 8.]

μὴ οὐ, *vid. sub* μή.

μή ποτε, *vid. sub* μή.

μή πως, *vid. sub* μή.

μηρέμ.
[Heb. Ps. 109 (110). 3.]

μηρίον. (1) כֶּסֶל
Le. 3. 4, 10, 15. τὸ στέαρ τὸ ἐπ' αὐτῶν τὸ ἐπὶ τῶν μ. (1)
4. 9. τὸ ἐπ' αὐτῶν ὅ ἐστιν [A τὸ] ἐπὶ τῶν μ. (1)
6. 34 (7. 4). τὸ στέαρ τὸ ἐπ' αὐτῶν τὸ ἐπὶ τῶν μ. (1)
Jb. 15. 27. ἐποίησε περιστόμιον ἐπὶ τῶν μ. [A S μηρῶν] (1)
[Th. Jb. 15. 27.]

μηρός. (1) בֶּרֶךְ (2) a. יָרֵךְ b. יַרְכָה c. יַרְכָה (3) כֶּסֶל (4) בֵּין רַגְלַיִם
Ge. 24. 2. θὲς τὴν χεῖρά σου ὑπὸ τὸν μ. μου (2 a)
— 9. ἔθηκεν . . . τὴν χεῖρα αὐ. ὑπὸ τὸν μ. Ἀβ. (2 a)
32. 25 (26). ἥψατο τοῦ πλάτους τοῦ μ. αὐτοῦ (2 a)
— 25 (26). ἐνάρκησε τὸ πλάτος τοῦ μ. Ἰακώβ (2 a)
— 31 (32). ἐπέσκαζε τῷ μ. αὐτοῦ (2 a)
— 32 (33). ἐπὶ τοῦ πλάτους τοῦ μ. [A² add. Ἰακώβ] (2 a)
— 32 (33). ἥψατο τοῦ πλάτους τοῦ μ. Ἰακώβ (2 a)
46. 26. οἱ ἐξελθόντες ἐκ τῶν μ. αὐτοῦ (2 a)
47. 29. ὑπόθες τὴν χεῖρά σου ὑπὸ τὸν μ. μου (2 a)
49. 10. οὐκ ἐκλείψει . . . ἡγούμενος ἐκ τῶν μ. αὐ. (4)
50. 23. ἐτέχθησαν ἐπὶ μηρῶν Ἰωσήφ (1)
Ex. 28. 38 (42). ἀπὸ ὀσφύος ἕως μηρῶν ἔσται (2 a)
32. 27. θέσθε ἕκαστος τὴν ἑαυ. ῥομφαίαν ἐπὶ τὸν μ. (2 a)
Nu. 5. 21. ἐν τῷ δοῦναι κύριον τὸν μ. σου διαπεπτωκότα (2 a)
— 22. καὶ διαπεσεῖν μηρόν σου (2 a)
— 27. διαπεσεῖται ὁ μ. αὐτῆς (2 a)
De. 28. 57. τὸ ἐξελθὸν διὰ τῶν μ. αὐτῆς (4)
Jd. 3. 16. περιεζώσατο αὐτὴν . . . ἐπὶ τὸν μ. τὸν δεξιόν (2 a)
— 21. ἐπάνωθεν τοῦ μ. αὐτοῦ τοῦ δεξιοῦ (2 a)
8. 30. υἱοὶ ἑβδομήκ. ἐκπεπορευμένοι ἐκ μηρῶν αὐ. (2 a)
15. 8. ἐπάταξεν αὐτοὺς κνήμην ἐπὶ μηρόν (2 a)
19. 1. παροικῶν ἐν μηροῖς ὄρους Ἐφρ. (2 b)
— 18. ἕως μηρῶν [A add. ἕως] ὄρους Ἐφρ. (2 b)
IV Ki. 16. 14. ἔδειξεν αὐτὸ ἐπὶ μηρὸν τοῦ θυσιαστηρίου (2 a)
19. 23. εἰς ὕψος ὀρέων μηροὺς [B³ μέρος, A μέρους] τοῦ Λιβ. (2 b)
Ju. 9. 2. ἐγύμνωσαν μηρὸν εἰς αἰσχύνην [B¹ al.]
Jb. 15. 27. A S ἐποίησε περιστόμιον ἐπὶ τῶν μ. [B μηρίων] (3)
Ps. 44 (45). 3. περίζωσαι τὴν ῥομφαίαν σου ἐπὶ τὸν μ. σου (2 a)
Ca. 3. 8. ῥομφαία αὐτοῦ ἐπὶ μηρὸν αὐτοῦ (2 a)
7. 1 (2). ῥυθμοὶ μηρῶν σου ὅμοιοι ὁρμίσκοις (2 a)
Si. 19. 12. βέλος πεπηγὸς ἐν μηρῷ σαρκός
Ez. 7. 17 : 21. 7 (12). πάντες μηροὶ μολυνθήσονται ὑγρασίᾳ (1)
32. 23. A ἔδωκαν τὰς ταφὰς αὐτῆς ἐν μηροῖς λάκκου (2 b)
47. 4. διῆλθεν ἐν τῷ ὕδατι ὕδωρ ἕως τῶν μ. (1)
Da. LXX., TH. 2. 32. ἡ κοιλία καὶ οἱ μ. χαλκοῖ (2 c)
[Aq. Ge. 49. 13 : Ex. 25. 30 (31) : Le. 1. 11 : Ps. 47 (48). 3 : 127 (128). 3 : Is. 14. 15 : Je. 31 (38). 19 : Ez. 24. 4.]
[Sm. Ex. 25. 30 (31) : Ps. 44 (45). 4 : 47 (48). 3 : Je. 31 (38). 19 : Ez. 24. 4.]
[Th. Ge. 49. 10 : Ex. 1. 5 : 25. 30 (31) : Is. 14. 15 : 37. 24 : Ez. 24. 4 : 32. 23.]
[Al. Ps. 44 (45). 4.]
[Quint. Ps. 47 (48). 3.]

μηρύεσθαι. (1) דָּרַשׁ
Pr. 31. 13. μηρυομένη ἔρια καὶ λίνον (1)

μηρυκᾶσθαι (μαρ.). (1) עָלָה hi.
Le. 11. 26. μηρυκισμὸν οὐ μηρυκᾶται [A al.] (1)

μηρυκισμός. (1) גֵּרָה
Le. 11. 3. ἀνάγον μηρυκισμὸν ἐν τοῖς κτήνεσι (1)
— 4. ἀπὸ τῶν ἀναγόντων μηρυκισμόν (1)
— 4, 5, 6. ὅτι ἀνάγει μηρυκισμὸν τοῦτο (1)
— 7. καὶ τοῦτο οὐκ ἀνάγει μηρυκισμόν (1)
— 26. μηρυκισμὸν οὐ μηρυκᾶται [A al.] (1)
De. 14. 6. πᾶν κτῆνος . . . ἀνάγον μηρυκισμόν (1)
— 7. ἀπὸ τῶν ἀναγόντων μηρυκισμόν (1)
— 7. ὅτι ἀνάγουσι μηρυκισμόν (1)
— 8. μηρυκισμὸν οὐ μαρυκᾶται [A οὐκ ἀναμ.] (1)

μήτε.
Ge. 31. 52†.
III Ki. 3. 26 *bis*.
II Es. 7. 23†.
Ho. 4. 4 *bis*.
Ep. Je. 27† *bis*.
I Ma. 12. 36† *bis*.
II Ma. 10. 13.

III Ma. 3. 7 *bis* : 7. 8.
IV Ma. 2. 9 *bis*, 13† : 11. 25.
[Th. II Ki. 1. 21 : Ps. 6. 2.]

μήτηρ. (1) אֵם (2) בֶּן־אִשָּׁה (3) אִשָּׁה (4) יָלַד

Ge. 2. 24. τὸν πατέρα αὐτοῦ καὶ τὴν μ. αὐτοῦ (1)
3. 20. αὕτη μ. πάντων (1)
20. 12. ἀδελφὴ . . . ἐκ πατρὸς ἀλλ' οὐκ ἐκ μητρός (1)
21. 21. ἔλαβεν αὐτῷ ἡ μ. γυναῖκα (1)
24. 28. εἰς τὸν οἶκον τῆς μ. αὐτῆς (1)
— 53. δῶρα ἔδωκε . . . τῇ μ. αὐτῆς (1)
— 55. εἶπαν δὲ οἱ ἀδελφοὶ αὐτῆς καὶ ἡ μ. (1)
— 67. εἰς τὸν οἶκον τῆς μ. αὐτοῦ (1)
— 67. περὶ Σάρρας τῆς μ. αὐτοῦ (1)
27. 11. πρὸς Ῥεβέκκαν τὴν μ. αὐτοῦ (1)
— 13. εἶπε δὲ αὐτῷ ἡ μ. (1)
— 14. ἔλαβε καὶ ἤνεγκε τῇ μ. (1)
— 14. ἐποίησεν ἡ μ. αὐτοῦ ἐδέσματα (1)
28. 2. Βαθουὴλ τοῦ πατρὸς τῆς μ. σου (1)
— 2. Λάβαν τοῦ ἀδελφοῦ τῆς μ. σου (1)
— 5. Ῥεβέκκας τῆς μ. Ἰακὼβ καὶ Ἡσαῦ (1)
— 7. τοῦ πατρὸς καὶ τῆς μ. αὐτοῦ (1)
29. 1. Ῥεβέκκας μητρὸς Ἰακὼβ καὶ Ἡσαῦ –
— 10. Λάβαν ἀδελφοῦ τῆς μ. αὐτοῦ (1)
— 10. R τοῦ ἀδελφοῦ τῆς μ. αὐτοῦ (1)
— 10. Λάβαν τοῦ ἀδελφοῦ τῆς μ. αὐτοῦ (1)
30. 14. ἤνεγκεν αὐτὰ πρὸς Λείαν τὴν μ. αὐ. (1)
32. 11 (12). πατάξῃ με καὶ μητέρα ἐπὶ τέκνοις (1)
37. 10. ἐγώ τε καὶ ἡ μ. σου καὶ οἱ ἀδελφοί (1)
44. 20. ὑπελείφθη τῇ μ. [A τῷ πατρὶ] αὐτοῦ (1)
48. 7. ἀπέθανε Ῥαχὴλ ἡ μ. σου ἐν γῇ Χαναάν –
49. 26. εὐλογίας πατρός σου καὶ μητρός σου –
Ex. 2. 3. ἔλαβεν αὐτῷ ἡ μ. αὐτοῦ [A ἡ μ. αὐτῷ] –
— 8. ἐκάλεσε τὴν μ. τοῦ παιδίου (1)
20. 12. τὸν πατέρα σου καὶ τὴν μ. σου (1)
21. 15. τύπτει πατέρα [B¹ μητέρα] αὐ. ἢ μητέρα αὐ. (†, 1)
— 16 (17). πατέρα αὐτοῦ ἢ μητέρα αὐτοῦ (1)
22. 30 (29). ἔσται ὑπὸ τὴν μ. (1)
23. 19 : 34. 26. ἐν γαλακτὶ μητρὸς αὐτοῦ (1)
Le. 18. 7. ἀσχημοσύνην μητρός σου (1)
— 7. μ. γάρ σού ἐστιν (1)
— 9. τῆς ἀδελφῆς σου . . . ἐκ μητρός σου (1)
— 13. B ἀσχημοσύνην ἀδελφῆς μητρός σου (1)
— 13. οἰκεία [A *om.*] γὰρ μητρὸς σού ἐστιν (1)
19. 3. πατέρα αὐ. καὶ μητέρα αὐ. [A *om.* κ. μ. αὐ.] (1)
20. 9. ὃς ἂν κακῶς εἴπῃ . . . τὴν μ. αὐτοῦ (1)
— 9. μητέρα αὐτοῦ κακῶς εἶπεν (1)
— 14. ὃς ἐὰν λάβῃ γυναῖκα καὶ τὴν μ. αὐτῆς (1)
— 17. ἐκ πατρὸς αὐτοῦ ἢ ἐκ μητρὸς αὐτοῦ (1)
— 19. ἀσχημοσύνην . . . ἀδελφῆς μητρός σου (1)
21. 2. ἐπὶ πατρὶ καὶ [A *add.* ἐπὶ] μητρί (1)
— 11. ἐπὶ πατρὶ αὐτοῦ οὐδὲ ἐπὶ μητρὶ αὐτοῦ (1)
22. 27. ἔσται ἑπτὰ ἡμέρας ὑπὸ τὴν μ. (1)
24. 11. τὸ ὄνομα τῆς μ. αὐ. Σαλ. (1)
Nu. 6. 7. A B¹ ἐπὶ πατρὶ καὶ ἐπὶ [B² R *om.*] μητρί (1)
12. 12. ἔκτρωμα ἐκπορευόμ. ἐκ μήτρας μητρός (1)
De. 5. 16. τίμα . . . τὴν μ. σου (1)
13. 6 (7). ἐκ πατρός σου ἢ ἐκ μητρός σου (1)
14. 21. ἐν γαλακτὶ μητρὸς αὐτοῦ (1)
21. 13. κλαύσεται . . . τὴν μ. (1)
— 18. οὐχ ὑπακούων . . . φωνὴν μητρός (1)
— 19. συλλαβόντες αὐτὸν ὁ πατὴρ αὐ. καὶ ἡ μ. αὐ. (1)
22. 6. καὶ ἡ μ. θάλπῃ ἐπὶ τῶν νοσσῶν (1)
— 6. οὐ λήψῃ τὴν μ. μετὰ τῶν τέκνων (1)
— 7. ἀποστελεῖς τὴν μ. (1)
— 15. ὁ πατὴρ τῆς παιδὸς καὶ ἡ μ. (1)
27. 16. ἐπικατάρατος ὁ ἀτιμάζων . . . μητέρα αὐ. (1)
— 22. ὁ κοιμώμ. μετὰ ἀδελφῆς . . . μητρὸς [A ἐκ μ.] αὐ. (1)
33. 9. ὁ λέγων . . . τῇ μ. (1)
Jo. 2. 13. ζωγρήσατε . . . τὴν μ. μου (1)
— 18. τὴν μ. σου . . . συνάξεις (1)
6. 22 (23). ἐξηγάγοσαν . . . τὴν μ. αὐτῆς (1)
Jd. 5. 7. B ἕως οὗ ἀναστῇ μήτηρ ἐν Ἰσρ. [A R *al.*] (1)
— 28. παρέκυψε μήτηρ Σισάρα [A *al.*] (1)
8. 19. υἱοὶ τῆς μ. μου ἦσαν [A εἶσιν] (1)
9. 1. ἐπορεύθη Ἀβ. . . . πρὸς ἀδελφοὺς [A τοὺς ἀ. τῆς] μητρὸς αὐ. (1)
— 1. πρὸς πᾶσαν συγγένειαν οἴκου πατρὸς [A *om.*] μητρὸς αὐτοῦ (1)
— 3. ἐλάλησαν . . . οἱ ἀδελφοὶ τῆς μ. αὐτοῦ (1)
Jd. 14. 2. ἀπήγγειλε . . . τῇ μ. αὐτοῦ (1)
— 3. εἶπεν αὐτῷ . . . ἡ μ. αὐτοῦ (1)
— 4. ὁ πατὴρ αὐ. καὶ ἡ μ. αὐ. οὐκ ἔγνωσαν (1)
— 5. κατέβη . . . ἡ μ. αὐτοῦ (1)
— 6. οὐκ ἀπήγγειλε . . . τῇ μ. αὐτοῦ (1)
— 9. ἐπορεύθη . . . πρὸς τὴν μ. αὐτοῦ (1)
— 16. εἰ . . . τῇ μ. μου οὐκ ἀπήγγελκα (1)
16. 17. ἀπὸ κοιλίας μητρός μου (1)
17. 2. εἶπε τῇ μ. αὐτοῦ (1)
— 2. εἶπεν ἡ μ. αὐτοῦ (1)
— 3. ἀπέδωκε τοὺς χιλίους . . . τῇ μ. αὐτοῦ (1)
— 3. εἶπεν ἡ μ. αὐτοῦ (1)
— 4. ἀπέδωκε τὸ ἀργύριον τῇ μ. αὐτοῦ (1)
— 4. ἔλαβεν ἡ μ. αὐ. διακοσίους ἀργυρίου (1)
Ru. 1. 8. εἰς οἶκον μητρὸς αὐτῆς [A *al.*] (1)
2. 11. πῶς κατέλιπες . . . τὴν μ. σου (1)
I Ki. 1. 25. προσήγαγεν Ἄ. ἡ μ. τοῦ παιδαρίου [A τὸ π.] –
2. 19. διπλοΐδα μικρὰν ἐποίησεν αὐτῷ ἡ μ. αὐ. (1)
15. 33. οὕτως ἀτεκνωθήσεται . . . ἡ μ. σου (1)
20. 30. εἰς αἰσχύνην ἀποκαλύψεως μητρός σου (1)
22. 3. ὁ πατήρ μου καὶ ἡ μ. μου (1)
II Ki. 17. 25. Ἀβ. θυγατέρα N. ἀδελφοῦ Σ. μητρὸς Ἰ. (1)
19. 37 (38). παρὰ τῷ τάφῳ . . . τῆς μ. μου (1)
III Ki. 1. 11. εἶπε N. πρὸς B. μητέρα Σαλ. (1)
2. 13. εἰσῆλθεν Ἀδ. πρὸς B. μητέρα Σαλ. (1)
— 19. ἐτέθη θρόνος τῇ μ. τοῦ βασ. (1)
— 20. B αἴτησαι, μήτηρ [A R -ερ] ἐμή (1)
— 22. εἶπε τῇ μ. αὐτοῦ (1)
3. 27. αὕτη ἡ μ. αὐτοῦ (1)
11. 26. A καὶ ὄνομα τῆς μ. αὐ. Σ. [B *al.*] (1)
12. 24. B καὶ ὄνομα τῆς μ. αὐ. N. –
— 24. B καὶ ὄνομα τῆς μ. αὐ. Σ. –
14. 21. καὶ τὸ ὄνομα τῆς μ. αὐ. N. (1)
— 31. A καὶ ὄνομα τῆς μ. αὐ. N. (1)
15. 2. καὶ ὄνομα τῆς μ. αὐ. M. (1)
— 10. καὶ ὄνομα τῆς μ. αὐ. Ἀ. (1)
— 13. τὴν Ἀ. τὴν μ. αὐ. μετέστησε (1)
16. 28 (22. 42). B καὶ ὄνομα τῆς μ. αὐ. Γ. (1)
17. 23. B ἔδωκεν αὐτὸν [A R -ὸ] τῇ μ. αὐ. (1)
22. 42. καὶ ὄνομα τῇ μ. αὐ. Ἀζ. (1)
— 53. ἐν ὁδῷ Ἰεζ. τῆς μ. αὐτοῦ (1)
IV Ki. 1. 18 (3. 2). οὐδὲ ὡς ἡ μ. αὐτοῦ (1)
3. 2. B καὶ οὐχ ὡς ἡ μ. αὐτοῦ (1)
— 13. A καὶ πρὸς τοὺς προφήτας τῆς μ. σου (1)
4. 19. ἆρον αὐτὸν πρὸς τὴν μ. αὐ. (1)
— 20. R ἦρεν αὐτὸν πρὸς τὴν μ. αὐ. (1)
— 30. εἶπεν ἡ μ. τοῦ παιδαρίου (1)
8. 26. καὶ ὄνομα τῆς μ. αὐτοῦ Γ. (1)
9. 22. αἱ πορνεῖαι Ἰεζ. τῆς μ. σου (1)
11. 1. Γοθ. ἡ μ. Ὀχ. εἶδεν (1)
12. 1 (2). καὶ ὄνομα τῆς μ. αὐ. Ἀβιά (1)
14. 2. καὶ ὄνομα τῆς μ. [A τῇ μ.] αὐ. Ἰ. (1)
15. 2. καὶ ὄνομα τῇ [A *om.*] μ. αὐ. Χ. (1)
— 33. καὶ ὄνομα τῆς μ. αὐ. Ἰ. (1)
18. 2. καὶ ὄνομα τῇ μ. αὐ. Ἀβ. (1)
21. 1. καὶ ὄνομα τῇ μ. αὐ. Ὀ. (1)
— 19. καὶ ὄνομα τῇ μ. αὐ. M. (1)
22. 1. καὶ ὄνομα τῇ μ. αὐ. Ἰ. (1)
— 14. πρὸς Ὄλδαν τὴν προφῆτιν μητέρα Σ. (3)
23. 31. καὶ ὄνομα τῇ μ. αὐ. Ἀμ. (1)
— 36. καὶ ὄνομα τῇ μ. αὐ. Ἰ. (1)
24. 8. καὶ ὄνομα τῇ μ. αὐ. N. (1)
— 12. οἱ παῖδες αὐ. καὶ ἡ μ. αὐ. (1)
— 15. ἀπῴκισε . . . τὴν μ. τοῦ βασ. (1)
— 18. καὶ ὄνομα τῇ μ. αὐ. M. (1)
I Ch. 2. 26. αὕτη ἐστὶ μ. Ὀζόμ (1)
4. 9. ἡ μ. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐ. Ἰ. (1)
II Ch. 2. 14 (13). ἡ μ. αὐ. ἀπὸ θυγατέρων Δάν (2)
12. 13. ὄνομα τῆς μ. αὐ. N. (1)
13. 2. ὄνομα τῇ μ. αὐ. M. (1)
15. 16. τὴν M. τὴν μ. αὐ. μετέστησε (1)
20. 31. καὶ ὄνομα τῇ μ. αὐ. Ἀζ. (1)
22. 2. καὶ ὄνομα τῇ μ. αὐ. Γοθ. (1)
— 3. μήτηρ αὐ. ἦν σύμβουλος τοῦ ἁμαρτάνειν (1)
— 10. Γοθολία ἡ μ. Ὀχ. (1)
24. 1. καὶ ὄνομα τῇ μ. αὐ. Ἀ. (1)
25. 1. καὶ ὄνομα τῇ μ. αὐ. Ἰ. (1)
26. 3. καὶ ὄνομα τῇ μ. αὐ. Ἰ. (1)
27. 1. καὶ ὄνομα τῆς μ. αὐ. Ἰ. (1)
29. 1. καὶ ὄνομα τῇ μ. αὐ. Ἀ. (1)
36. 2. καὶ ὄνομα τῆς μ. αὐ. Ἀ. –
— 5. καὶ ὄνομα τῆς μ. αὐ. Z. –
I Es. 4. 21. οὔτε τὸν πατ. μέμνηται οὔτε τὴν μ.
I Es. 4. 25. πλεῖον ἀγαπᾷ ἄνθρ. τὴν ἰδίαν γυν. μᾶλλον ἢ . . . τὴν μ.
To. 1. 8. ἐνετείλατο Δεββωρὰ ἡ μ. τοῦ πατρός μου
4. 3. μὴ ὑπερίδῃς τὴν μ. σου [S *al.*]
— 13. A B ἡ γὰρ ἀχρειότης μήτηρ ἐστὶ τοῦ λιμοῦ
5. 16. S ἐφίλησεν . . . τὴν μ.
— 17. ἔκλαυσε δὲ Ἄννα ἡ μ. αὐτοῦ
6. 14. μὴ . . . κατάξω τὴν ζωὴν . . . τῆς μητρός μου
7. 14. S ἐκάλεσεν τὴν μ. αὐ. [A B *al.*]
8. 21. S ἐγώ σου ὁ πατὴρ καὶ Ἔ. ἡ μ. σου
9. 6. S δῴη σοι κ. εὐλογίαν . . . καὶ τῇ μ. τῆς γυναικός σου
10. 8. ὁ πατήρ μου καὶ ἡ μ. μου οὐκέτι ἐλπίζουσιν [S *al.*]
— 13. S ἀπὸ τοῦ νῦν ἐγώ σου μήτηρ
11. 17. καὶ ὁ πατήρ σου καὶ ἡ μ. σου [S *al.*]
14. 10. θάψον . . . τὴν μ. σου μετ' ἐμοῦ [S *al.*]
— 12. S ὅτε ἀπέθανεν ἡ μ. αὐ. [A B *al.*]
Ju. 8. 26. τὰ πρόβατα Λ. τοῦ ἀδ. τῆς μ. αὐ.
Jb. 1. 21. αὐτὸς γυμνὸς ἐξῆλθον ἐκ κοιλίας μητρός μου (1)
3. 10. ὅτι οὐ συνέκλεισε πύλας γαστρὸς μητρός μου –
— 12. A ἵνα τί δὲ μαστοὺς ἐθήλασα μητρός μου [B S *om.* μ. μου] –
— 16. ὥσπερ ἔκτρωμα ἐκπορευόμενον ἐκ μήτρας μητρός –
17. 14. μητέρα δέ μου καὶ ἀδελφὴν σαπρίαν (1)
31. 18. ἐκ γαστρὸς μητρός μου ὡδήγησα (1)
38. 8. ἐκ κοιλίας μητρὸς αὐτῆς ἐκπορευομένη –
42. 18. ἦν δὲ αὐτὸς πατρὸς μὲν . . . μητρὸς δὲ Βοσόρρας –
Ps. 21 (22). 9. ἡ ἐλπίς μου ἀπὸ μαστῶν τῆς μ. μου (1)
— 10. ἐκ κοιλίας [S² ἀπὸ γαστρὸς] μητρός μου θεός μου εἶ σύ (1)
26 (27). 10. ὅτι ὁ πατήρ μου καὶ ἡ μ. μου ἐγκατέλιπόν με (1)
49 (50). 20. κατὰ τοῦ υἱοῦ τῆς μ. σου ἐτίθεις σκάνδαλον (1)
50 (51). 5. ἐν ἁμαρτίαις ἐκίσσησέ με ἡ μ. μου (1)
68 (69). 8. καὶ ξένος τοῖς υἱοῖς τῆς μ. μου (1)
70 (71). 6. ἐκ κοιλίας μητρός μου σύ μου εἶ σκεπαστής (1)
86 (87). 5. μήτηρ Σιὼν ἐρεῖ ἄνθρωπος –
108 (109). 14. ἡ ἁμαρτία τῆς μ. αὐτοῦ μὴ ἐξαλειφθείη (1)
112 (113). 9. A R ὁ κατοικίζων . . . μητέρα ἐπὶ τέκνοις [S¹ μ. τέκνων] εὐφραινομένην [S¹ -ων, S² -η] (1)
130 (131). 2. ὡς τὸ ἀπογεγαλακτισμένον ἐπὶ τὴν μ. αὐτοῦ (1)
138 (139). 13. ἀντελάβου μου ἐκ γαστρὸς μητρός μου (1)
Pr. 1. 8. μὴ ἀπώσῃ θεσμοὺς μητρός σου (1)
4. 3. ἀγαπώμενος ἐν προσώπῳ μητρός (1)
6. 20. μὴ ἀπώσῃ θεσμοὺς μητρός σου (1)
10. 1. υἱὸς δὲ ἄφρων λύπη τῇ [S *om.*] μ. (1)
13. 1. S¹ υἱὸς πανοῦργος ὑπήκοος μητρί [ABS² πατρί] †
15. 20. υἱὸς δὲ ἄφρων μυκτηρίζει μητέρα αὐτοῦ (1)
17. 21. υἱὸς δὲ φρόνιμος εὐφραίνει μητέρα αὐτοῦ –
19. 26. ὁ . . . ἀποωθούμενος μητέρα αὐτοῦ καταισχυνθήσεται (1)
20. 20. κακολογοῦντος πατέρα ἢ μητέρα (1)
23. 22. μὴ καταφρόνει ὅτι γεγήρακέ σου ἡ μ. (1)
— 25. εὐφραινέσθω ὁ πατὴρ καὶ ἡ μ. ἐπὶ σοί (1)
24. 34 (30. 11). τὴν δὲ μ. οὐκ εὐλογεῖ (1)
— 52 (30. 17). ὀφθαλμὸν . . . ἀτιμάζοντα γῆρας μητρός (1)
— 69 (31. 1). ὃν ἐπαίδευσεν ἡ μ. αὐτοῦ (1)
28. 24. ὃς ἀποβάλλεται [A -βιάζεται] πατέρα ἢ μητέρα (1)
Ec. 5. 14. καθὼς ἐξῆλθεν ἀπὸ γαστρὸς μητρὸς αὐτοῦ γυμνός (1)
Ca. 1. 6. υἱοὶ μητρός μου ἐμαχέσαντο ἐν ἐμοί (1)
3. 4. εἰσήγαγον αὐτὸν εἰς οἶκον μητρός μου (1)
— 11. ἐστεφάνωσεν αὐτὸν ἡ μ. αὐτοῦ (1)
6. 8 (9). μία ἐστι τῇ μ. αὐτῆς (1)
8. 1. τίς δῴη σε . . . θηλάζοντα μαστοὺς μητρός μου (1)
— 2. εἰσάξω σε εἰς οἶκον μητρός μου (1)
— 5. ἐκεῖ ὠδίνησέ σε ἡ μ. σου (1)
Wi. 7. 2. ἐν κοιλίᾳ μητρὸς ἐγλύφην σάρξ
Si. 3. 2. κρίσιν μητρὸς ἐστερέωσεν ἐφ' υἱοῖς
— 4. ὡς ὁ ἀποθησαυρίζων ὁ δοξάζων μητέρα αὐτοῦ

Si. 3. 6. ὁ εἰσακούων κυρίου ἀναπαύσει μητέρα αὐτοῦ
— 9. κατάρα δὲ μητρὸς ἐκριζοῖ θεμέλια
— 11. ὄνειδος τέκνοις μήτηρ ἐν ἀδοξίᾳ
— 16. ὁ παροργίζων μητέρα αὐτοῦ
4. 10. γίνου . . . ἀντὶ ἀνδρὸς τῇ μ. αὐτῶν
— 10. ἀγαπήσει σε μᾶλλον ἢ μήτηρ σου
7. 27. μητρὸς ὠδῖνας μὴ ἐπιλάθῃ
15. 2. ὑπαντήσεται αὐτῷ ὡς μήτηρ
23. 14. μνήσθητι πατρὸς καὶ μητρός σου
40. 1. ἀφ' ἡμέρας ἐξόδου ἐκ γαστρὸς μητρὸς αὐτῶν ἕως ἡμέρας ἐπὶ ταφῇ εἰς μητέρα πάντων [A S *al.*]
41. 17. αἰσχύνεσθε ἀπὸ πατρὸς καὶ μητρός
Ho. 2. 2 (4). κρίθητε πρὸς τὴν μητέρα ὑμῶν (1)
— 5 (7). ὅτι ἐξεπόρνευσεν ἡ μ. αὐτῶν (1)
4. 5. νυκτὶ ὡμοίωσα τὴν μ. σου (1)
10. 14. μητέρα ἐπὶ τέκνοις ἠδάφισαν (1)
Am. 1. 11. ἐλυμήνατο μητέρα [A μήτραν] ἐπὶ γῆς †
Mi. 7. 6. θυγάτηρ ἐπαναστήσεται ἐπὶ τὴν μ. αὐτῆς (1)
Za. 13. 3. ἐρεῖ πρὸς αὐτὸν . . . ἡ μ. αὐτοῦ (1)
— 3. συμποδιοῦσιν αὐτὸν ὁ πατὴρ αὐ. καὶ ἡ μ. αὐτοῦ (1)
Is. 8. 4. πρὶν ἢ γνῶναι τὸ παιδίον καλεῖν πατέρα ἢ μητέρα (1)
45. 10. ὁ λέγων . . . τῇ μ. (3)
49. 1. ἐκ κοιλίας μητρός μου ἐκάλεσε τὸ ὄνομά μου (1)
— 15. A μὴ ἐπιλήσεται μ. [B S γυνὴ] τοῦ παιδίου αὐτῆς (3)
50. 1. ποῖον τὸ βιβλίον τοῦ ἀποστασίου τῆς μ. ὑμῶν . . . ταῖς ἀνομίαις ὑμῶν ἐξαπέστειλα τὴν μ. ὑμῶν (1, 1)
66. 13. ὡς εἴ τινα μ. παρακαλέσει (1)
Je. 15. 8. ἐπήγαγον ἐπὶ μητέρα νεανίσκους [S -ου] ταλαιπωρίαν (1)
— 10. οἴμοι ἐγώ, μῆτερ (1)
16. 3. περὶ τῶν μ. αὐτῶν τῶν τετοκυιῶν αὐτούς (1)
— 7. οὐ ποτιοῦσιν αὐτὸν ποτήριον εἰς παράκλησιν ἐπὶ πατρὶ καὶ μητρὶ αὐτοῦ (1)
20. 14. ἐν [S *om.*] ᾗ ἔτεκέν με ἡ μ. μου (1)
— 17. οὐκ ἀπέκτεινέ με ἐν μήτρᾳ [A *add.* μητρὸς] καὶ ἐγένετό μοι ἡ μ. μου τάφος μου (–, 1)
— 18. S[1] ἵνα τί τοῦτο ἐξῆλθον ἐκ μητρός [A B S[2] -ας] †
22. 26. ἀπορρίψω [A παραδώσω] σε καὶ τὴν μ. σου (1)
27 (50). 12. ᾐσχύνθη ἡ μ. ὑμῶν σφόδρα ἐνετράπη ἡ τεκοῦσα ὑμᾶς [B S *om.* ἐ. ἡ τ. ὑ.] μ. ἐπ' ἀγαθά (1, 4)
52. 1. A S R ὄνομα τῇ μ. [B -ιᾷ] αὐ. Ἀμειτάαλ (1)
La. 2. 12. ταῖς μ. αὐτῶν εἶπαν (1)
— 12. ἐν τῷ ἐκχεῖσθαι ψυχὰς αὐτῶν εἰς κόλπον μητέρων αὐτῶν (1)
5. 3. μητέρες ἡμῶν ὡς αἱ χῆραι (1)
Ez. 16. 3. ἡ μ. σου Χετταία (1)
— 44. A R καθὼς ἡ μ. καὶ ἡ θυγάτηρ [B *add.* θυγάτηρ] τῆς μ. (1)
— 45. ἡ μ. ὑμῶν Χετταία (1)
19. 2. τί ἡ μ. σου σκύμνος ἐν μέσῳ λεόντων (1)
— 10. ἡ μ. σου ὡς ἄμπελος (1)
22. 7. πατέρα καὶ μητέρα ἐκακολόγουν ἐν σοί (1)
23. 2. δύο γυναῖκες ἦσαν θυγατέρες μητρὸς μιᾶς (1)
44. 25. ἐπὶ πατρὶ καὶ ἐπὶ μητρὶ . . . μιανθήσεται (1)
Da. LXX. Su. 30. σὺν τῷ πατρὶ ἑαυτῆς καὶ τῇ μ.
I Ma. 13. 28. μίαν κατέναντι τῆς μιᾶς . . . τῇ μ.
II Ma. 7. 1. ἑπτὰ ἀδελφοὺς μετὰ τῆς μ. συλληφθέντας
— 4. τῶν λοιπῶν ἀδ. καὶ τῆς μ. συνορώντων
— 5. σὺν τῇ μ. γενναίως τελευτᾶν
— 20. ὑπεραγόντως δὲ ἡ μ. θαυμαστή
— 25. προσκαλεσάμενος ὁ βασ. τὴν μ.
— 41. ἐσχάτη δὲ τῶν υἱῶν ἡ μ. ἐτελεύτησε
III Ma. 1. 20. αἵ τε πρὸς τούτοις μητέρες
5. 49. γονεῖς παισὶ καὶ μητέρες νεάνισιν
IV Ma 1. 8. καὶ ἑπτὰ ἀδελφῶν καὶ τῆς τούτων μ.
— 10. τοὺς . . . ἀποθανόντας μετὰ τῆς μ. ἄνδρας
8. 3. ἀγόμενοι μετὰ γεραιᾶς μ. ἑπτὰ ἀδελφοί
— 4. περιέχοντας μέσην τὴν μ. [S[1] *al.*]
— 20. κατοικτειρήσωμεν τὸ τῆς μ. γῆρας
10. 2. καὶ ἡ αὐτὴ μ. ἐγέννησε
12. 6. τὴν μ. τοῦ παιδὸς μετεπέμψατο
— 7. ὁ δὲ τῆς μ. . . . προτρεψαμένης αὐτόν
14. 12. ἡ μ. γὰρ τῶν ἑπτὰ νεανίσκων
IV Ma. 14. 20. τὴν Ἀβρ. ὁμόψυχον τῶν νεανιῶν μ. [S *al.*]
15. 1. εὐσέβεια μητρὶ τέκνων ποθεινοτέρα
— 2. μήτηρ . . . τὴν εὐσέβειαν μᾶλλον ἠγάπησε
— 4. τὰς μ. τῶν πατέρων [S παθῶν, A *om.* τ. π.] καθεστάναι συμπαθεστέρας
— 5. S R πολυγονώτεραι ὑπάρχουσιν αἱ [A *om.*] μ.
— 6. A S[1] R πασῶν δὲ τῶν μ. ἐγένετο ἡ τῶν ἑπτὰ μ. φιλοτεκνοτέρα
— 11. εἰς συμπάθειαν ἑλκόντων τὴν μ.
— 12. ἡ μ. ἐπὶ τὸν . . . προετρέπετο θάνατον
— 13. καὶ μητέρων ἀδάμαστα πάθη
— 14. καθ' ἕνα στρεβλούμενον . . . ὁρῶσα μήτηρ
— 16. ὦ πικροτέρων μὲν νῦν μήτηρ πόνων πειρασθεῖσα
— 21. τέκνων φωναὶ μετὰ βασάνων μητέρα φωνούντων
— 22. πηλίκαις καὶ πόσαις τότε ἡ μ. . . . ἐβασανίζετο βασάνοις
— 24. S R ἃς πάσας ἡ γενναία μ. ἐξέλυσε [A *al.*]
— 26. δύο ψήφους κρατοῦσα μήτηρ
— 29. ὦ μήτηρ ἔθνους
16. 1. καὶ ἑπτὰ παίδων μήτηρ
— 4. κατέσβεσε . . . τηλικαῦτα πάθη ἡ μ.
— 5. καίπερ μήτηρ οὖσα
— 6. οὐδενὸς μήτηρ γεγένημαι
— 11. ἡ ἱερὰ καὶ θεοσεβὴς μ.
— 14. S ὦ μήτηρ [A R πατὴρ] . . . στρατιῶτι
17. 2. ὦ μήτηρ σὺν ἑπτὰ παισί
— 4. ὦ μήτηρ ἱερόψυχε
— 7. A[2] R οὐκ ἂν ἔφριττον οἱ θεωροῦντες [S *add.* ὁρῶντες] μητέρα
— 13. ἡ δὲ μ. τῶν ἑπτὰ παίδων ἐνήθλει
18. 6. ἔλεγε δὲ ἡ μ. τῶν ἑπτὰ παίδων
— 23. σὺν τῇ ἀθλοφόρῳ μ. . . . συναγελάζονται [S[1] *al.*]
[Aq. Ge. 24. 67: III Ki. 11. 26: IV Ki. 3. 13.]
[Sm. Ex. 23. 19: IV Ki. 3. 13: Ps. 50 (51). 7: 70 (71). 6: 130 (131). 2: Ca. 7. 13 (14): Je. 15. 10.]
[Th. Nu. 12. 12: IV Ki. 3. 13: Ca. 1. 6.]
[Al. Ge. 43. 29: Pr. 29. 15.]
[Sam. Le. 20. 20.]

μή τις, *vid. sub* μή.

μήτρα. (1) קֹבָה (2) רֶחֶם, רַחַם (3) שְׁגָר (4) τὰ περὶ τὴν μ. רַחַם
Ge. 20. 18. συνέκλεισε κύριος ἔξωθεν πᾶσαν μ. (2)
29. 31. ἤνοιξε τὴν μ. αὐτῆς (2)
30. 22. καὶ ἀνέῳξεν αὐτῆς τὴν μ. (2)
49. 25. εὐλογίας μαστῶν καὶ [A *om.*] μήτρας (2)
Ex. 13. 2. διανοῖγον πᾶσαν μ. ἐν τοῖς υἱοῖς Ἰσ. (2)
— 12. ἀφελεῖς πᾶν διανοῖγον μήτραν (2)
— 12. πᾶν διανοῖγον μήτραν ἐκ βουκολίων (3)
— 13. πᾶν διανοῖγον μήτραν ὄνου –
— 15: 34. 19. πᾶν διανοῖγον μήτραν (2)
Nu. 3. 12. ἀντὶ παντὸς πρωτοτόκου διανοίγοντος μήτραν (2)
8. 16. ἀντὶ τῶν διανοιγόντων πᾶσαν μ. (2)
12. 12. ἔκτρωμα ἐκπορευόμ. ἐκ μήτρας μητρός (2)
18. 15. πᾶν διανοῖγον [A *add.* πᾶσαν] μήτραν (2)
25. 8. καὶ τὴν γυναῖκα διὰ τῆς μ. αὐ. (1)
I Ki. 1. 5. ἀπέκλεισε τὰ περὶ τὴν μ. αὐ. (4)
— 6. συνέκλεισε κ. τὰ περὶ τὴν μ. αὐ. (2)
III Ki. 3. 26. ἐταράχθη ἡ μ. αὐτῆς (2)
Ju. 9. 2. οἱ ἕλυσαν μήτραν παρθένου
— 2. ἐγύμνωσαν [B[1] *add.* μήτραν παρθένου εἰς μίασμα] μηρόν
— 2. ἐβεβήλωσαν μήτραν εἰς ὄνειδος
Jb. 3. 16. ὥσπερ ἔκτρωμα ἐκπορευόμενον ἐκ μήτρας μητρός –
Ps. 21 (22). 10. ἐπὶ σὲ ἐπερρίφην ἐκ μήτρας (2)
57 (58). 3. ἀπηλλοτριώθησαν οἱ ἁμαρτωλοὶ ἀπὸ μήτρας (2)
Si. 1. 14. μετὰ πιστῶν ἐν μήτρᾳ συνεκτίσθη αὐτοῖς
49. 7. αὐτὸς ἐν μήτρᾳ ἡγιάσθη προφήτης
50. 22. τὸν ὑψοῦντα ἡμέρας ἡμῶν ἐκ μήτρας
Ho. 9. 14. μήτραν ἀτεκνοῦσαν (2)
Am. 1. 11. ἐλυμήνατο μητέρα [A μήτραν] ἐπὶ γῆς (2)
Je. 1. 5. πρὸ τοῦ σε ἐξελθεῖν ἐκ μήτρας [B[1] *om.* ἐκ μ.] (2)
20. 17. οὐκ ἀπέκτεινέ με ἐν μήτρᾳ [A *add.* μητρὸς] . . . ἡ μ. συλλήψεως αἰωνίας (2, 2)
— 18. ἵνα τί τοῦτο ἐξῆλθον ἐκ μήτρας [S[1] -ός] (2)
Ez. 20. 26. ἐν τῷ διαπορεύεσθαί με πᾶν διανοῖγον μήτραν (2)
[Aq. Ps. 109 (110). 3: Pr. 30. 16: Je. 20. 17: Ez. 20. 26.]
[Sm. Pr. 30. 16.]
[Th. Nu. 12. 12: Ps. 109 (110). 3.]
[Al. Jd. 5. 30: I Ki. 1. 6.]
[Quint. Ps. 109 (110). 3.]

μητριά (?). (1) אֵם
Je. 52. 1. B καὶ ὄνομα τῇ μ. [A S R μητρὶ] αὐ. Ἀμ. (1)

μητρόπολις. (1) אָב (2) אֵם (3) בִּירָה (4) עִיר הַמַּמְלָכָה (5) עִיר הַפָּרָזוֹת (6) קִרְיָה
Jo. 10. 2. ὡσεὶ μία τῶν μ. (4)
14. 15. μητρόπολις τῶν Ἐν. αὕτη †
15. 13. ἔδωκεν αὐτῷ Ἰ. τὴν πόλιν Ἀ. μητρόπολιν Ἐ. (1)
21. 11. ἔδωκεν αὐτοῖς τὴν Κ. μητρόπολιν τῶν Ἐ. (1)
II Ki. 20. 19. θανατῶσαι . . . μητρόπολιν ἐν Ἰσρ. (2)
Ne. 1. 1. S[1] τοῖς Σούσοις μητροπόλει (3 ?)
Es. 9. 19. A B[2] S οἱ δὲ κατοικοῦντες ἐν ταῖς μ. (5 ?)
Is. 1. 26. μ. πιστὴ Σιών (6)
[Aq., Th. Je. 49. 25 (30. 14).]
[Sm. Ps. 47 (48). 3: Je. 49. 25 (30. 14).]

μητρῷος.
IV Ma. 13. 19. διὰ τῆς μ. φυτεύσασα γαστρός

μηχανᾶσθαι.
Es. 8. 13. τοῖς ἐαυ. εὐεργέταις ἐπιχειροῦσι μηχανᾶσθαι
III Ma. 5. 5. τήν τε λοιπὴν ἐμηχανῶντο περὶ αὐτοὺς ἀσφάλειαν
— 22. ὡς εἰς τὸ παντοίους μηχανᾶσθαι . . . ἐμπαιγμούς
— 28. τῶν πρὶν αὐτῷ μεμηχανημ. λήθην . . . ἐντεθεικότος
6. 22. R ὑπὲρ τῶν ἔμπροσθεν αὐτῷ μεμηχανημ. [A -νευμ.]
— 24. λάθρα μηχανώμενοι τὰ μὴ συμφέροντα

μηχανεύειν. (1) מַחֲשֶׁבֶת
II Ch. 26. 15. μηχανὰς μεμηχανευμένας λογιστοῦ (1)
III Ma. 6. 22. A ὑπὲρ τῶν ἔμπροσθεν αὐτῷ μεμηχανευμ. [R -νημ.]

μηχανή. (1) חִשָּׁבוֹן
II Ch. 26. 15. ἐποίησεν . . . μ. μεμηχανευμένας (1)
I Ma. 5. 30. αἴροντες κλίμακας καὶ μηχανάς
6. 20. ἐποίησεν . . . μηχανάς
— 31. ἐποίησαν μηχανάς
— 37. ἐζωσμένοι ἐπ' αὐτοῦ μηχαναῖς
— 51. ἔστησεν ἐκεῖ . . . μηχανάς
— 52. ἐποίησαν καὶ αὐτοὶ μηχανὰς πρὸς τὰς μ. αὐ.
9. 64. καὶ ἐποίησε μηχανάς
— 67. ἐνεπύρισαν τὰς μ.
11. 20. ἐποίησεν . . . μ. πολλάς
15. 25. καὶ μηχανὰς ποιούμενος
II Ma. 12. 15. τὸν ἄτερ . . . μ. ὀργανικῶν κατακρημνίσαντα
III Ma. 4. 19. εἰς μηχανὴν τῆς ἐκφυγῆς
[Sm. Ps. 9. 12.]

μηχάνημα.
I Ma. 13. 29. A R ταύταις [S ταῦτα] ἐποίησε μηχανήματα
IV Ma. 7. 4. πολλοῖς καὶ ποικίλοις μ. ἀντέσχε
[Sm. Ps. 65 (66). 5: 76 (77). 13.]
[Al. Ps. 9. 12.]

μηχάνωμα.
[Sm. Le. 8. 7.]
[Th. Ex. 28. 27, 28: Le. 8. 7.]

μιαίνειν. (1) זָנַח hi. (2) חָטָא hi. (3) חָלַל *a.* ni. *b.* pi. (4) חָנֵף *a.* qal. *b.* hi. (5) טָמֵא *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* pu. *e.* hithp. *f.* hothp. *g.* טָמְאָה *h.* טָמֵא
Ge. 34. 5. ἐμίανεν ὁ υἱὸς Ἐμμὼρ Δείναν (5 *c*)
— 13, 27. ἐμίαναν Δείναν τὴν ἀδελφὴν αὐ. (5 *c*)
49. 4. ἐμίανας τὴν στρωμνήν (3 *b*)
Ex. 20. 25. καὶ μεμίανται (3 *b*)
Le. 5. 3. ἧς ἂν ἁψάμενος μιανθῇ (5 *a*)
11. 24. καὶ ἐν τούτοις μιανθήσεσθε (5 *e*)
— 43. οὐ μιανθήσεσθε ἐν τούτοις (5 *e*)
— 44. οὐ μιανεῖτε τὰς ψυχὰς ὑμῶν (5 *c*)

Le. 13. 3. καὶ μιανεῖ αὐτόν (5 c)
— 8. καὶ μιανεῖ αὐτὸν ὁ ἱερεύς (5 c)
— 11. μιανεῖ αὐτὸν ὁ ἱερεύς (5 c)
— 14. ᾗ ἂν ἡμέρᾳ ὀφθῇ . . . μιανθήσεται (5 a)
— 15. καὶ μιανεῖ αὐτὸν ὁ χρὼς ὁ ὑγιής (5 c)
— 20, 22, 25 (A² B), 27, 30. καὶ μιανεῖ αὐτὸν ὁ ἱερεύς (5 c)
— 44. μιανεῖ αὐτὸν ὁ ἱερεύς (5 c)
— 59. εἰς τὸ καθαρίσαι αὐτὸ ἢ μιᾶναι αὐτό (5 c)
15. 31. ἐν τῷ μιαίνειν αὐτοὺς τὴν σκηνήν μου (5 c)
— 32. ὥστε μιανθῆναι ἐν αὐτῇ (5 a)
18. 24. μὴ μιαίνεσθε ἐν πᾶσι τούτοις (5 e)
— 24. ἐν πᾶσι γὰρ τούτοις ἐμιάνθησαν (5 b)
— 25. R καὶ ἐξεμιάνθη [AB ἐμιάνθη] ἡ γῆ (5 a)
— 27. ἐμιάνθη ἡ γῆ (5 a)
— 28. ἐν τῷ μιαίνειν ὑμᾶς αὐτήν (5 c)
— 30. καὶ οὐ μιανθήσεσθε ἐν αὐτοῖς (5 e)
20. 3. ἵνα μιάνῃ τὰ ἅγιά μου (5 c)
21. 1. οὐ μιανθήσονται [A -σεσθε] ἐν τῷ ἔθνει αὐτῶν (5 e)
— 3. B² R ἐπὶ τούτοις μιανθήσεται [A B¹ -σεσθαι] (5 e)
— 4. B² R οὐ μιανθήσεται [AB¹ om. οὐ μ.] ἐξάπινα (5 e)
— 11. ἐπὶ πατρὶ αὐτοῦ . . . οὐ μιανθήσεται (5 e)
22. 5. ὃ μιανεῖ αὐτόν (5 a)
— 5. ἐν ᾧ μιανεῖ αὐτόν (5 a)
— 8. μιανθῆναι αὐτὸν ἐν αὐτοῖς (5 a)
Nu. 5. 3. οὐ μὴ [A om.] μιανοῦσι τὰς παρεμβ. αὐ. (5 c)
— 13. αὐτὴ δὲ ᾗ [A μὴ ᾗ] μεμιαμμένη (5 b)
— 14. αὐτὴ δὲ μεμίανται (5 b)
— 14. αὐτὴ δὲ μὴ ᾖ μεμιαμμένη (5 b)
— 19. εἰ μὴ παραβέβηκας μιανθῆναι (5 g)
— 20. εἰ δὲ σὺ . . . μεμίανσαι (5 b)
— 27. ἐὰν ᾖ μεμιαμμένη (5 b)
— 28. ἐὰν δὲ μὴ μιανθῇ ἡ γυνή (5 b)
— 29. καὶ μιανθῇ (5 b)
6. 7. οὐ μιανθήσεται ἐπ' αὐτοῖς (5 e)
— 9. μιανθήσεται ἡ κεφαλὴ εὐχῆς αὐτοῦ (5 c)
— 12. ἐμιάνθη κεφαλὴ εὐχῆς αὐτοῦ (5 h)
19. 13. τὴν σκηνὴν κυρίου ἐμίανεν (5 c)
— 20. ἄνθρωπος ὃς ἂν μιανθῇ (5 a)
— 20. τὰ ἅγια κυρίου ἐμίανεν (5 c)
35. 34. οὐ μιανεῖτε τὴν γῆν (5 c)
De. 21. 23. B οὐ [A R οὐ μὴ] μιανεῖτε τὴν γῆν (5 c)
24. 4. μετὰ τὸ μιανθῆναι αὐτήν (5 f)
— 4. οὐ μιανεῖτε τὴν γῆν (2)
IV Ki. 23. 8. ἐμίανε [A -αν] τὰ ὑψηλά (5 c)
— 10. B¹ μιανεῖτε [A -νεῖ τις, B³ ἐμίαναν, R ἐμίανε] τὸν ταφέθ (5 c)
— 13. τὸν οἶκον . . . ἐμίανεν ὁ βασ. (5 c)
— 16. καὶ ἐμίανεν αὐτό (5 c)
II Ch. 29. 19. ἃ ἐμίανεν [A¹ ἔμεινεν] "A. (1)
36. 14. ἐμίαναν τὸν οἶκον κυρίου (5 c)
I Es. 1. 49. ἐμίαναν τὸ ἱερὸν τοῦ κυρίου
To. 2. 9. ἐκοιμήθην μεμιαμμένος [S om.] παρὰ τὸν τοῖχον
Ju. 9. 8. ἐβουλεύσαντο . . . μιᾶναι τὸ σκήνωμα
Jb. 31. 11. τὸ μιᾶναι ἀνδρὸς γυναῖκα –
Ps. 78 (79). 1. ἐμίαναν τὸν ναὸν τὸν ἅγ. σου (5 c)
105 (106). 39. SR ἐμιάνθη ἐν τοῖς ἔργοις αὐτῶν (5 a)
Ec. 7. 19 (18). ἀπὸ τούτου μὴ μιάνῃς τὴν χεῖρά σου †
Wi. 7. 25. οὐδὲν μεμιαμμένον εἰς αὐτὴν παρεμπίπτει
Ho. 5. 3 : 6. 11 (10). ἐμιάνθη Ἰσραήλ (5 b)
9. 4. οἱ ἔσθοντες αὐτὰ μιανθήσονται (5 e)
Hg. 2. 14 (13). SR ἐὰν ἅψηται μεμιασμένος [AB μεμαμμένος] ἀκάθαρτος [A ἢ ἀκάθ. ψυχῇ] ἐπὶ ψυχῇ ἐπὶ [A ἀπὸ] παντὸς τούτων εἰ μιανθήσεται (5 h, 5 a)
— 14 (13). καὶ εἶπαν, Μιανθήσεται (5 a)
— 15 (14). μιανθήσεται ἕνεκεν τῶν λημμάτων αὐτῶν (5 h)
Is. 30. 22. μιανεῖς [A S³ ἐξαρεῖς] τὰ εἴδωλα τὰ περιηργυρωμένα (5 c)
43. 28. ἐμίαναν οἱ ἄρχοντες τὰ ἅγιά μου (3 b)
47. 6. ἐμίανας τὴν κληρονομίαν μου (3 b)
Je. 2. 7. ἐμιάνατε τὴν γῆν μου (5 c)
— 23. πῶς ἐρεῖς, Οὐκ ἐμιάνθην (5 b)
— 33. ἐπονηρεύσω τοῦ μιᾶναι τὰς ὁδούς σου †
3. 1. οὐ μιαινομένη μιανθήσεται ἡ γυνὴ ἐκείνη (4 a, 4 a)
— 2. ἐμίανας τὴν γῆν ἐν ταῖς πορνείαις σου (4 b)
7. 30. τοῦ μιᾶναι αὐτόν (5 c)
Ez. 4. 14. εἰ ἡ ψυχή μου οὐ μεμίανται (5 d)
5. 11. τὰ ἅγιά μου ἐμίανας (5 c)
Ez. 7. 22. μιανοῦσι τὴν ἐπισκοπήν μου (3 b)
— 24. μιανθήσεται τὰ ἅγια αὐτῶν (3 a)
9. 7. μιάνατε τὸν οἶκον (5 c)
14. 11. ἵνα μὴ μιαίνωνται ἔτι (5 e)
18. 6. τὴν γυν. τοῦ πλησίον αὐ. οὐ μὴ μιάνῃ (5 c)
— 11. τὴν γυναῖκα τοῦ πλησίον αὐτοῦ ἐμίανε (5 c)
— 15. τὴν γυν. τοῦ πλησίον αὐ. οὐκ ἐμίανε (5 c)
20. 7. ἐν τοῖς ἐπιτηδεύμασιν Αἰγ. μὴ μιαίνεσθε (5 e)
— 18. μὴ μιαίνεσθε (5 e)
— 26. R μιανῶ αὐτοὺς ἐν τοῖς δόγμασιν [AB δόμ.] αὐτῶν (5 c)
— 30. ἐν ταῖς ἀνομίαις τῶν πατέρων ὑμῶν ὑμεῖς μιαίνεσθε (5 b)
— 31. οἷς [A om.] ὑμεῖς μιαίνεσθε (5 b)
— 43. ἐν οἷς ἐμιαίνεσθε ἐν αὐτοῖς (5 b)
22. 3. τοῦ μ. αὐτὴν ἐν τοῖς αἵμασιν αὐτῶν (5 a)
— 4. ἐν τοῖς ἐνθυμήμασί σου οἷς ἐποίεις ἐμιαίνου (5 a)
— 11. τὴν νύμφην αὐτοῦ ἐμίαινεν [A al.] (5 c)
23. 7. ἐν πᾶσι τοῖς ἐνθυμήμασιν αὐτοῖς [A -ῆς] ἐμιαίνετο (5 b)
— 13. μεμίανται ὁδὸς μία τῶν δύο (5 b)
— 17. ἐμίαινον αὐτὴν ἐν τῇ πορνείᾳ αὐτῆς καὶ ἐμάνθη ἐν αὐτοῖς (5 c, 5 a)
— 30. ἐμιαίνου ἐν τοῖς ἐνθυμήμασιν [A ἐπιθ.] αὐτῶν (5 b)
— 38. τὰ ἅγιά μου ἐμίαινον (5 c)
24. 13. ἀνθ' ὧν ἐμιαίνου [A¹ -άνης ?, A² -άνθης] σύ (5 g)
33. 26. A ἀνὴρ τὸν πλησίον αὐτοῦ ἐμάνατε (5 c)
36. 17. ἐμίαναν αὐτὴν ἐν τῇ ὁδῷ αὐτῶν (5 c)
— 18. A ἐν τοῖς εἰδώλοις αὐτῶν ἐμίαναν αὐτήν (5 c)
37. 23. ἵνα μὴ μιαίνωνται ἔτι ἐν τοῖς εἰδώλοις αὐ. (5 e)
44. 25. ἐπὶ ψυχὴν ἀνθρώπου οὐκ εἰσελεύσονται τοῦ μιανθῆναι ἀλλ' ἢ ἐπὶ πατρὶ . . . μιανθήσεται (5 a, 5 e)
Da. LXX. 7. 26. καὶ βουλεύσονται μιᾶναι †
11. 31. μιανοῦσι τὸ ἅγιον τοῦ φόβου (3 b)
— 32. μιανοῦσιν ἐν σκληρῷ λαῷ (4 b)
I Ma. 1. 46. μιᾶναι ἁγίασμα καὶ ἁγίους
— 63. ἵνα μὴ μιανθῶσι τοῖς βρώμασι
4. 45. ἐμίαναν τὰ ἔθνη αὐτό
7. 34. ἐμίανεν αὐτούς
14. 36. καὶ ἐμίαινον κύκλῳ τῶν ἁγίων
III Ma. 7. 14. τὸν ἐμπεσόντα τῶν μεμιαμμένων ὁμοεθνῆ
IV Ma. 5. 36. A S² R οὐδὲ μιανεῖς [S¹ -εῖ] μου τὸ σεμνὸν γήρως στόμα
7. 6. οὐκ ἐμίανας τοὺς ἱεροὺς ὀδόντας
[Aq. Jb. 14. 4 : Is. 30. 22 : 52. 1 : Ez. 20. 26 : 36. 18 : Ho. 9. 3.]
[Sm. Is. 30. 22 : Ez. 7. 21 : Da. 1. 8.]
[Th. Is. 30. 22 : Ez. 18. 6 : 33. 26 : 36. 18.]
[Al. Le. 14. 36 : 15. 9 : Nu. 5. 2 : 19. 7.]

μιαιφονία.

IV Ma. 9. 9. SR διὰ τὴν ἡμῶν μ. [A μιαροφ.] αὐτάρκη
10. 11. διὰ τὴν ἀσέβειαν καὶ μ.

μιαιφόνος.

II Ma. 4. 38. τὸν μ. ἀπεκόσμησε
12. 6. παρεγένετο ἐπὶ τοὺς μ. τῶν ἀδελφῶν
[Sm. Ps. 25 (26). 9 : 54 (55). 24 : 138 (139). 19.]

μίανσις. (1) מְמֵא pi.

Le. 13. 44. μιάνσει [A B¹ om.] μιανεῖ αὐτὸν ὁ ἱερεύς (1)

μιαρός (-ερ.).

II Ma. 4. 19. ἀπέστειλεν Ἰ. ὁ μ. θεωρούς
5. 16. ταῖς μ. χερσὶ τὰ ἱερὰ σκεύη λαμβάνων
7. 34. ὦ . . . πάντων ἀνθρώπων μιαρώτατε
9. 13. ηὔχετο δὲ ὁ μ.
15. 32. τὴν τοῦ μ. Νικάνορος κεφαλήν
IV Ma. 4. 26. μιαρῶν ἀπογευομένους τροφῶν
9. 15. τύραννε μιαρώτατε
— 17. ὦ μιαροὶ διάκονοι
— 32. μιαρώτατε τύραννε
10. 10. ὦ μιαρώτατε τύραννε
11. 4. S ὦ μιαρώτατε [AR μισάρετε] καὶ μισάνθρωπε

μιαροφαγεῖν (-ερ.).

IV Ma. 5. 3. εἰ δέ τινες μὴ θέλοιεν μιαροφαγῆσαι
— 19. εἰ μιαροφαγήσαιμεν
— 25. οὐ μιαροφαγοῦμεν
— 27. S¹ ἀναγκάζειν ἡμᾶς μ. [AS²R παρανομεῖν]
8. 1. ἀναγκάσαι γέροντα μιαροφαγῆσαι
— 2. εἰ μὲν μιαροφαγήσαιεν
IV Ma. 8. 12. ὅπως . . . πείσειεν αὐτοὺς μιαροφαγῆσαι
— 29. συμβουλεύοντα αὐτοῖς μιαροφαγῆσαι
11. 16. AR βασανίζειν μὴ μιαροφαγοῦντας [S -α]
13. 2. εἰ . . . ἐμιαροφάγησαν

μιαροφαγία (-ερ.) (-εία).

IV Ma. 5. 27. ὅπως τῇ ἐχθίστῃ ἡμῶν μ. ταύτῃ ἐπεγελάσῃς
6. 19. ἵνα παράδειγμα γενώμεθα τῆς μ.
7. 6. S R ἐκοίνωσας [A -νώνησας] μιαροφαγίᾳ
11. 25. μήτε βιάσασθαι πρὸς τὴν μ.

μιαροφονία (-ερ.).

IV Ma. 9. 9. A διὰ τὴν ὑ. μ. [SR μιαιφ.] αὐτάρκη

μίασμα. (1) בֶּצַע (2) פֶּגוּל (3) שִׁקּוּץ

Le. 7. 8 (18). μ. ἐστιν (2)
Ju. 9. 2. οἱ ἔλυσαν μήτραν παρθένου εἰς μίασμα
— 2. καὶ ἐγύμνωσαν [B¹ add. μήτραν παρθένου εἰς μίασμα] μηρόν
— 4. ἐβδελύξαντο μίασμα αἵματος αὐτῶν
13. 16. εἰς μίασμα καὶ αἰσχύνην
Je. 39 (32). 34. ἔθηκαν τὰ μ. αὐτῶν ἐν τῷ οἴκῳ (3)
Ez. 33. 31. ὀπίσω τῶν μ. ἡ καρδία αὐτῶν (1)
I Ma. 13. 50. ἐκαθάρισε τὴν ἄκραν ἀπὸ τῶν μ.
[Al. Le. 14. 14 : 16. 16 : 18. 19 : 20. 21.]

μιασμός.

Wi. 14. 26. ψυχῶν μιασμὸς γενέσεως ἐναλλαγή
I Ma. 4. 43. ἦραν τοὺς λίθους τοῦ μ.
[Aq. Dt. 26. 14.]
[Sm. II Ki. 11. 4.]

μίγμα.

Si. 38. 8. μυρεψὸς ἐν τούτοις ποιήσει μίγμα

μιγνύναι. (1) מָלַח pu. (2) עָרַב hithpa. (3) שִׁית

Ge. 30. 40. οὐκ ἔμιξεν αὐτὰ εἰς τὰ πρόβατα (3)
Ex. 30. 35. μυρεψικὸν ἔργον μυρεψοῦ μεμιγμένον (1)
IV Ki. 18. 23. μίχθητε δὴ τῷ κυρίῳ μου (2)
Ps. 105 (106). 35. ἐμίγησαν ἐν τοῖς ἔθνεσι (2)
Pr. 14. 16. ὁ δὲ ἄφρων ἑαυτῷ πεποιθὼς μίγνυται ἀνόμῳ †
Is. 36. 8. μίχθητε τῷ κυρίῳ μου (2)

μικρολόγος.

Si. 14. 3. ἀνδρὶ μικρολόγῳ οὐ καλὸς ὁ πλοῦτος

μικρός (*incl.* σμικρότατος). (1) *a.* זְעִיר *b.* מִזְעָר (2) מִיכָל (3) מְעַט, מֶעָט (4) *a.* מִצְעָר *b.* צָעִיר *c.* צָעַר (5) קָטָן, קָטֹן (6) קָלַל ni. (7) שִׁפְלַת קוֹמָה (8) שֶׁצֶף (9) μικροῦ כְּמְעַט (10) μικρότερος *a.* צָעִיר *b.* קָטֹן (11) κατὰ μικρόν מְעַט (12) μικρότατος קָטֹן (13) μ. δάκτυλος לְקָטָן (14) μ. μερίς מְעַט (15) στάθμιον μέγα καὶ μ. אֶבֶן וָאֶבֶן (16) ποιεῖν μικρόν קָטַן hi. (17) κατὰ μικρὸν μικρόν מְעַט מְעַט (18) μικρὸν ὅσον ὅσον כְּמְעַט־רֶגַע

Ge. 19. 11. τοὺς δὲ ἄνδρας . . . ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγ. (5)
— 20. ἰδοὺ ἡ πόλις αὕτη . . . ἥ ἐστι μ. (4 a)
— 20. οὐ μικρά ἐστι (4 a)
24. 17. πότισόν με μικρὸν ὕδωρ ἐκ τῆς ὑδρίας (3)
— 43. πότισόν με ἐκ τῆς ὑδρίας σου μικρὸν ὕδωρ (3)
26. 10. μικροῦ ἐκοιμήθη τις (9)
30. 30. μικρὰ γὰρ ἦν ὅσα σοι (3)
42. 2. πρίασθε ἡμῖν μικρὰ βρώματα –
— 32. R ὁ δὲ μ. [A μικρότερος] μετὰ τοῦ πατρός (5 [10 b])
43. 2. πρίασθε ἡμῖν μικρὰ βρώματα (3)
44. 25. ἀγοράσατε ἡμῖν μικρὰ βρώματα (3)
47. 9. μικραὶ καὶ πονηραὶ γεγόνασιν αἱ ἡμέραι (3)
Ex. 17. 4. ἔτι μικρὸν καὶ λιθοβολήσουσί με (3)
23. 30. κατὰ μικρὸν [A μικρὸν μικρὸν] ἐκβαλῶ (11 *bis* [17])
Nu. 16. 9. μὴ μικρόν ἐστι τοῦτο ὑμῖν (3)
— 13. μὴ μικρὸν τοῦτο (3)
22. 18. ποιῆσαι αὐτὸ μικρὸν ἢ μέγα (5)
De. 1. 17. κατὰ τὸν μ. καὶ κατὰ τὸν μέγαν κρινεῖς (5)

De. 7. 22. κατὰ μικρὸν μικρόν (17)
25. 13. στάθμιον καὶ στάθμιον μέγα ἢ μ. (5)
— 14. μέτρον καὶ μέτρον μέγα ἢ μ. (5)
Jo. 22. 17. μὴ μικρὸν ἡμῖν τὸ ἁμάρτημα Φ. (3)
— 19. εἰ μ. ἡ γῆ ὑμῶν τῆς κατασχέσεως †
Jd. 4. 19. πότισόν με δὴ μ. ὕδωρ (3)
6. 15. ἐγώ εἰμι ὁ μικρότερος [A εἰ. μικρός] (10 a [4 b])
Ru. 2. 7. οὐ κατέπαυσεν ἐν τῷ ἀγρῷ μικρόν (3)
I Ki. 2. 19. διπλοΐδα μ. ἐποίησεν αὐτῷ (5)
5. 9. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (5)
9. 21. οὐχὶ . . . υἱὸς . . . τοῦ μ. [A -ότερου] σκήπτρου φυλῆς Ἰσρ. (5 [10 b])
15. 17. οὐχὶ μικρὸς σὺ εἶ ἐνώπιον αὐτοῦ (5)
16. 11. ἔτι ὁ μ. (5)
17. 28. A ἐπὶ τίνα ἀφῆκας τὰ μ. πρόβατα ἐκεῖνα (3)
20. 2. B οὐ μὴ ποιήσῃ ὁ πατήρ μου ῥῆμα μ. [A R al.] (5)
— 35. καὶ παιδάριον μ. μετ' αὐτοῦ (5)
22. 15 : 25. 36. ῥῆμα μ. ἢ μέγα (5)
30. 2, 19. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (5)
II Ki. 7. 19. κατεσμικρύνθην [A -η] μικρόν –
9. 12. τῷ Μεμφ. υἱὸς μ. (5)
12. 3. οὐδὲν ἀλλ' ἢ ἀμνὰς μία μ. (5)
— 8. εἰ μικρόν ἐστιν (3)
17. 20. παρῆλθαν μικρὸν τοῦ ὕδατος (2)
24. 25. μικρὸν ἦν ἐν πρώτοις –
III Ki. 2. 20. αἴτησιν μίαν μικρὰν ἐγὼ αἰτοῦμαι (5)
3. 7. ἐγώ εἰμι παιδάριον μ. (5)
8. 64. τὸ θυσιαστήριον . . . μικρὸν τοῦ μὴ δύνασθαι (5)
11. 17. καὶ Ἀδὲρ παιδάριον μ. (5)
17. 13. ποίησον ἐμοὶ ἐκεῖθεν ἐγκρυφίαν μ. (5)
18. 44. νεφέλη μ. ὡς ἴχνος ἀνδρός (5)
22. 31. μὴ πολεμεῖτε μικρὸν καὶ μέγαν (5)
IV Ki. 2. 23. παιδάρια μ. ἐξῆλθον (5)
4. 10. ποιήσωμεν δὴ αὐτῷ ὑπερῷον τόπον μ. (5)
5. 2. ᾐχμαλώτευσαν . . . νεάνιδα μ. (5)
— 14. ὡς σὰρξ παιδαρίου μ. (5)
23. 2 : 25. 26. ἀπὸ μικροῦ καὶ ἕως μεγάλου (5)
I Ch. 12. 14. εἷς τοῖς ἑκατὸν μικρός (5)
25. 8 : 26. 13. κατὰ τὸν μ. καὶ κατὰ τὸν μέγαν (5)
II Ch. 10. 10. ὁ μ. δάκτυλός μου παχύτερος (13)
12. 7. δώσω αὐτοὺς ὡς μικρὸν εἰς σωτηρίαν (3)
18. 30. μὴ πολεμεῖτε τὸν μ. (5)
21. 17. Ὀχ. ὁ μικρότατος τῶν υἱῶν αὐ. (12)
22. 1. τὸν Ὀχ. τὸν υἱὸν αὐ. τὸν μ. (5)
31. 15. κατὰ τὸν μέγαν καὶ [A add. κατὰ] τὸν μ. (5)
34. 30. πᾶς ὁ λαὸς ἀπὸ μεγάλου ἕως μικροῦ (5)
36. 18. πάντα τὰ σκεύη οἴκου θεοῦ . . . τὰ μ. (5)
I Es. 1. 54. πάντα τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ κ. . . . τὰ μ.
II Es. 9. 8. καὶ δοῦναι ζωοποίησιν μ. (3)
Ju. 13. 4, 13. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου
16. 16. μικρὸν πᾶσα θυσία εἰς ὀσμὴν εὐωδίας
Es. 1. 1. ἀπὸ μ. πηγῆς ποταμὸς μέγας
— 5. S² ἀπὸ μεγάλου καὶ ἕως μικροῦ (5)
10. 3. ἡ μ. πηγὴ ἣ ἐγένετο ποταμός
Jb. 2. 9. ἰδοὺ ἀναμένω [S¹ om.] χρόνον ἔτι μικρόν –
3. 19. μικρὸς καὶ μέγας ἐκεῖ ἐστι (5)
10. 20. ἔασόν με ἀναπαύσασθαι μικρόν [S ὀλίγον] (3)
36. 2. μεῖνόν με μικρὸν ἔτι (1 a)
Ps. 41 (42). 6. καὶ Ἑρμωνιεὶμ ἀπὸ ὄρους μικροῦ (4 a)
72 (73). 2. ἐμοῦ δὲ παρὰ μικρὸν ἐσαλεύθησαν οἱ πόδες (3)
103 (104). 25. ζῷα μικρὰ μετὰ μεγάλων (5)
113. 21 (115. 13). εὐλόγησε . . . τοὺς μ. μετὰ τῶν μεγάλων (5)
151. 1. μικρὸς ἤμην ἐν τοῖς ἀδελφοῖς μου
Pr. 6. 10. μικρὸν δὲ νυστάζεις (3)
15. 16. κρείσσων μικρὰ μερὶς μετὰ φόβου κυρίου (14)
20. 10. στάθμιον μέγα καὶ μικρόν (15)
Ec. 9. 14. πόλις μ. καὶ ἄνδρες ἐν αὐτῇ ὀλίγοι (5)
Ca. 2. 15. πιάσατε ἡμῖν ἀλώπεκας μικρούς (5)
3. 4. ὡς μικρὸν ὅτε παρῆλθον ἀπ' αὐτῶν (3)
8. 8. ἀδελφὴ ἡμῶν μικρά (5)
Wi. 6. 7. μικρὸν καὶ μέγαν αὐτὸς ἐποίησεν
15. 8. πρὸ μικροῦ ἐκ γῆς γεννηθείς
Si. prol. 18. τὰ λοιπὰ τῶν βιβλίων οὐ μικρὰν ἔχει τὴν διαφοράν
— 21. εὗρον οὐ μικρᾶς παιδείας ἀφόμοιον
5. 15. ἐν μεγάλῳ καὶ ἐν μικρῷ μὴ ἀγνόει
11. 3. μικρὰ ἐν πετεινοῖς μέλισσα
Si. 19. 1. ὁ ἐξουθενῶν τὰ ὀλίγα κατὰ μικρὸν πεσεῖται
25. 18. ἀνεστέναξε πικρά [S¹ μικρά]
— 19. μικρὰ πᾶσα κακία πρὸς κακίαν γυναικός
29. 23. ἐπὶ μικρῷ καὶ μεγάλῳ εὐδοκίαν ἔχε
Ho. 1. 4. ἔτι μικρὸν καὶ ἐκδικήσω τὸ αἷμα τοῦ Ἰ. (3)
8. 10. κοπάσουσι [A¹ κοπιάσουσιν] μικρὸν [A om.] τοῦ χρίειν βασιλέα (3)
Am. 6. 12 (11). πατάξει . . . τὸν οἶκον τὸν μ. ῥάγμασιν [A ῥήγ.] (5)
8. 5. τοῦ ποιῆσαι μικρὸν μέτρον (16)
Jn. 3. 5. ἀπὸ μεγάλου αὐτῶν ἕως μικροῦ αὐ. [A S³ al.] (5)
Za. 4. 10. διότι τίς ἐξουδένωσεν εἰς ἡμέρας μικράς (5)
13. 7. ἐπάξω τὴν χεῖρά μου ἐπὶ τοὺς μικρούς [A ποιμένας, S² ποιμένας τοὺς μικρούς] (4 c)
Is. 7. 13. μὴ μικρὸν ὑμῖν ἀγῶνα παρέχειν ἀνθρώποις (3)
9. 14 (13). ἀφεῖλε κύριος . . . μέγαν καὶ μικρόν †
10. 25. ἔτι γὰρ μικρὸν καὶ παύσεται ἡ ὀργή (3 + 1 b)
11. 6. παιδίον μικρὸν ἄξει αὐτούς (5)
18. 5. ἀφελεῖ τὰ βοτρύδια τὰ μ. τοῖς δρεπάνοις –
22. 5. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου –
— 24. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (5 ?)
26. 16. ἐν θλίψει μικρᾷ ἡ παιδεία σου ἡμῖν –
— 20. ἀποκρύβηθι μικρὸν ὅσον ὅσον (18)
28. 10. ἔτι μικρὸν ἔτι μικρὸν διὰ φαυλισμὸν χειλέων (1, 1)
— 13. ἔτι μικρὸν ἔτι μικρόν (1, 1)
— 25. σπείρει μικρὸν μελάνθιον –
29. 17. οὐκέτι μικρὸν καὶ μετατεθήσεται ὁ Λίβανος (3 + 1 b)
30. 14. ἐν ᾧ πῦρ ἀρεῖς καὶ ἐν ᾧ ἀποσυρεῖς ὕδωρ [S¹ om. ἀρ. κ. ἐν ᾧ ἀ. ὕ.] μικρόν †
33. 4. συναχθήσεται τὰ σκῦλα ὑμῶν [A add. ἀπὸ] μικροῦ καὶ μεγάλου †
— 19. μικρὸν καὶ μέγαν λαόν –
54. 7. ASR χρόνον μικρὸν κατέλιπόν [B ἐγκ.] σε (5)
— 8. ἐν θυμῷ μικρῷ ἀπέστρεψα τὸ πρόσωπόν μου ἀπὸ σοῦ (8)
63. 18. ἵνα μικρὸν [S¹ add. τι] κληρονομήσωμεν τοῦ ὄρους τοῦ ἁγίου σου (4 a)
Je. 6. 13. ἀπὸ μικροῦ αὐτῶν καὶ ἕως [A om.] μεγάλου (5)
28 (51). 33. ἔτι μικρὸν καὶ ἥξει ὁ ἀμητὸς αὐτῆς (3)
29 (49). 15. μικρὸν ἔδωκά σε ἐν ἔθνεσιν (5)
38 (31). 34. ἀπὸ μικροῦ αὐτῶν ἕως μεγάλου αὐτῶν (5)
49 (42). 1, 8. ἀπὸ μικροῦ καὶ ἕως μεγάλου (5)
51 (44). 12. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (5)
Ba. 1. 4. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου
2. 29. ἡ βόμβησις ἡ μεγάλη ἡ πολλὴ αὕτη ἀποστρέψει εἰς μικράν [A μακ.]
La. 4. 18. ἐθηρεύσαμεν μικροὺς ἡμῶν †
Ez. 8. 15. A μὴ μικρὰ τῷ οἴκῳ Ἰούδα τοῦ ποιεῖν τὰς ἀνομίας –
— 17. μὴ μικρὰ τῷ οἴκῳ Ἰούδα [A Ἰσραὴλ] τοῦ ποιεῖν τὰς ἀνομίας (6)
11. 16. ἔσομαι αὐτοῖς εἰς ἁγίασμα μικρόν (3)
16. 20. ὡς μικρὰ ἐξεπόρνευσας (3)
— 47. κατὰ τὰς ἀνομίας αὐτῶν ἐποίησας παρὰ μικρὸν καὶ ὑπέρκεισαι αὐτὰς [A add. παρὰ πικρὸν, ? μικρὸν] ἐν πάσαις ταῖς ὁ. σου (3, –)
17. 6. ἐγένετο εἰς ἄμπελον ἀσθενοῦσαν [A εὐθην.] καὶ μικράν [A add. τῷ μεγέθει] (7)
43. 14. ἀπὸ τοῦ ἱλαστηρίου τοῦ μ. (5)
46. 22. αὐλὴ μικρὰ μήκους πηχῶν τεσσαράκοντα †
Da. LXX. Su. 56. ἡ μ. ἐπιθυμία
7. 8. ἄλλο ἐν κέρας ἀνεφύη . . . μικρόν (1 a)
Da. TH. 7. 8. κέρας ἕτερον μ. ἀνέβη (1 a)
11. 34. βοηθήσονται βοήθειαν μ. (3)
I Ma. 5. 45. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου
II Ma. 3. 14. ἦν δὲ οὐ μικρὰ . . . ἀγωνία
— 30. τὸ μικρῷ πρότερον δέους . . . γέμον ἱερόν
6. 25. διὰ τὸ μικρὸν καὶ ἀκαριαῖον ζῆν
— 29. R τὴν μικρῷ πρότερον εὐμένειαν . . . μεταβαλόντων [A al.]
8. 8. κατὰ μικρὸν εἰς προκοπὴν ἐρχόμενον
9. 10. τὸν μικρῷ πρότερον . . . ἅπτεσθαι δοκοῦντα
10. 6. ὡς πρὸ μ. χρόνου . . . ἦσαν νεμόμενοι
IV Ma. 5. 19. μὴ μικρὰν οὖν εἶναι νομίσῃς ταύτην . . . ἁμαρτίαν
— 20. AR τὸ γὰρ ἐν [S ἐπὶ] μικροῖς καὶ ἐν [S om.] μεγάλοις παρανομεῖν
12. 7. ὡς ἐροῦμεν μετὰ μικρὸν ὕστερον
IV Ma. 15. 4. S R εἰς μικρὸν παιδὸς χαρακτῆρα [A παιδοχ.]
[Aq. Ge. 1. 16: Ca. 2. 15: Je. 31 (38). 34: 42 (49). 8: 48 (31). 4: Ez. 43. 14.]
[Sm. I Ki. 2. 19: III Ki. 12. 10: Ps. 41 (42). 7: 67 (68). 28: Is. 36. 9: Je. 50 (27). 45: Ez. 20. 43: Za. 13. 7.]
[Th. Ge. 1. 16: I Ki. 2. 19: Pr. 10. 20: Is. 7. 13: 22. 24: Je. 8. 10: 16. 6.]
[Al. Nu. 24. 13.]
[Quint. Ca. 8. 8: Ho. 7. 4.]

μικρότης. (1) קֹטֶן

III Ki. 12. 10. ἡ μ. μου παχυτέρα τῆς ὀσφύος τοῦ πατρός μου [A al.] (1)
— 24. B ἡ μ. μου παχυτέρα ὑπὲρ τὴν ὀσφύν –

μικρόψυχος.

[Al. Pr. 14. 29.]

μικρύνειν (σμ.). (1) אָמַל pul. (2) מְעַט a. qal. b. hi. c. מְעַט (3) קָטַן (4) קָצַר hi.

I Ch. 16. 19. ὡς [A ἕως] ἐσμικρύνθησαν (2 c)
17. 17. ἐσμικρύνθη ταῦτα ἐνώπιόν σου (3)
Ps. 88 (89). 45. ἐσμίκρυνας τὰς ἡμέρας (4)
106 (107). 38. τὰ κτήνη αὐ. οὐκ ἐσμίκρυνε (2 b)
Si. 17. 25. σμίκρυνον πρόσκομμα
32 (35). 8. A B S¹ μὴ μικρύνῃς [S² R σμικρ.] ἀπαρχὴν χειρῶν σου
Ho. 4. 3. A R πενθήσει ἡ γῆ καὶ σμικρυνθήσεται [B μικρ.] (1)
Je. 36 (29). 6. καὶ μὴ σμικρυνθῆτε (2 a)
Ba. 2. 34. οὐ μὴ σμικρυνθῶσι [B¹ μικρ.]
Da. LXX., TH. 3. (37). ἐσμικρύνθημεν παρὰ πάντα τὰ ἔθνη
[Aq. Ge. 32. 10 (11): Jd. 16. 16.]
[Th. Je. 30 (37). 19: Ho. 4. 3.]

μικρῶς.

II Ma. 14. 8. τὸ σύμπαν ἡμῶν γένος οὐ μ. ἀκληρεῖ

μῖλαξ (μιλάς), *vid. sub* σμῖλαξ.

μίλτος. (1) שֶׁשֶׁר

Wi. 13. 14. καταχρίσας μίλτῳ
Je. 22. 14. ὑπερῷα . . . κεχρισμένα ἐν μίλτῳ (1)

μιμεῖσθαι (μιμεῖν ?).

Ps. 30 (31). 6. ἐμίσησας [B¹ ἐμίμ.] τοὺς διαφυλάσσοντας ματαιότητας †
Wi. 4. 2. παροῦσάν τε μιμοῦνται [A τιμῶσιν] αὐτήν
15. 9. χαλκοπλάστας τε μιμεῖται
IV Ma. 9. 23. μιμήσασθέ με, ἀδελφοί
13. 9. μιμησώμεθα τοὺς τρεῖς . . . νεανίσκους
[Aq. Ez. 16. 61.]

μίμημα.

Wi. 9. 8. μίμημα σκηνῆς ἁγίας ἣν προητοίμασας
[Aq. Ez. 23. 14.]

μιμνήσκεσθαι. (1) זָכַר a. qal. b. ni. c. hi. (2) נָשָׁא (3) c. neg. סָלַח (4) עוּר hithp. (5) פָּקַד

Ge. 8. 1. A ἐμνήσθη [R ἀνεμν.] ὁ θ. τοῦ Νῶε (1 a)
9. 15. καὶ μνησθήσομαι τῆς διαθήκης μου (1 a)
— 16. καὶ ὄψομαι τοῦ μνησθῆναι διαθήκην (1 a)
19. 29. ἐμνήσθη ὁ θεὸς τοῦ Ἀβραάμ (1 a)
30. 22. ἐμνήσθη δὲ ὁ θεὸς Ῥαχήλ (1 a)
40. 13. μνησθήσεται Φαραὼ τῆς ἀρχῆς σου (2)
— 14. ἀλλὰ μνήσθητί μου διὰ σεαυτοῦ (1 a)
— 14. μνησθήσῃ περὶ ἐμοῦ (1 c)
— 20. ἐμνήσθη τῆς ἀρχῆς τοῦ οἰνοχόου (2)
— 23. καὶ οὐκ ἐμνήσθη . . . τοῦ Ἰ. (1 a)
42. 9. ἐμνήσθη Ἰωσὴφ τῶν ἐνυπνίων (1 a)
Ex. 2. 24. ἐμνήσθη ὁ θεὸς τῆς διαθήκης αὐτοῦ (1 a)
6. 5. καὶ ἐμνήσθην τῆς διαθήκης ὑμῶν (1 a)
20. 8. μνήσθητι τὴν ἡμέραν (1 a)
32. 13. μνησθεὶς . . . τῶν σῶν οἰκετῶν (1 a)
Le. 26. 42. μνησθήσομαι τῆς διαθήκης Ἰ. (1 a)
— 42. τῆς διαθήκης Ἀβρ. μνησθήσομαι (1 a)
— 43 (42). τῆς γῆς μνησθήσομαι (1 a)
— 45. μνησθήσομαι αὐτῶν τῆς διαθήκης (1 a)
Nu. 11. 5. ἐμνήσθημεν τοὺς ἰχθύας (1 a)
15. 39. μνησθήσεσθε πασῶν τῶν ἐντολῶν κυρίου (1 a)
— 40. ὅπως ἂν μνησθῆτε (1 a)
De. 5. 15. μνησθήσῃ ὅτι οἰκέτης ἦσθα (1 a)

De. 7. 18. μνησθήσῃ ὅσα ἐποίησε κ. (1 a)
8. 2. μνησθήσῃ πᾶσαν τὴν ὁδόν (1 a)
— 18. μνησθήσῃ κ. τοῦ θεοῦ σου (1 a)
9. 7. μνήσθητι μὴ ἐπιλάθῃ (1 a)
— 27. μνήσθητι Ἀβραάμ (1 a)
15. 15. μνησθήσῃ ὅτι οἰκέτης ἦσθα (1 a)
16. 3. ἵνα [A² om.] μνησθῆτε τὴν ἡμέραν τῆς ἐξοδίας ὑ. (1 a)
— 12. μνησθήσῃ ὅτι οἰκέτης ἐγένου (1 a)
24. 9. μνήσθητι ὅσα ἐποίησε κύριος (1 a)
— 18. B¹ ὅτι [A B² R μνησθήσῃ ὅτι] οἰκέτης ἦσθα (1 a)
— 20. μνησθήσῃ ὅτι οἰκέτης ἦσθα –
— 22. μνησθήσῃ ὅτι οἰκέτης ἦσθα (1 a)
25. 17. μνήσθητι ὅσα ἐποίησέ σοι Ἀμ. (1 a)
32. 7. μνήσθητε ἡμέρας αἰῶνος (1 a)
Jo. 1. 13. μνήσθητε τὸ ῥῆμα (1 a)
Jd. 8. 34. οὐκ ἐμνήσθησαν . . . κ. τοῦ θεοῦ (1 a)
9. 2. μνήσθητε ὅτι ὀστοῦν ὑμῶν . . . εἰμι (1 a)
16. 28. μνήσθητι δή μου (1 a)
I Ki. 1. 11. ἐὰν . . . μνησθῇς μου (1 a)
— 19. ἐμνήσθη αὐτῆς κύριος (1 a)
4. 18. ὡς ἐμνήσθη τῆς κιβωτοῦ τοῦ θεοῦ (1 c)
25. 31. μνησθήσῃ τῆς δούλης σου (1 a)
II Ki. 19. 19 (20). μὴ μνησθῇς ὅσα ἠδίκησεν (1 a)
IV Ki. 20. 3. μνήσθητι δὴ ὅσα περιεπάτησα (1 a)
II Ch. 6. 42. μνήσθητι τὰ ἐλέη Δ. (1 a)
24. 22. οὐκ ἐμνήσθη Ἰ. τοῦ ἐλέους (1 a)
I Es. 3. 20. οὐ μέμνηται πᾶσαν λύπην
— 21. οὐ μέμνηται βασιλέα
— 22. οὐ μέμνηται ὅταν πίνωσι
— 23. B οὐ μέμνηται [A R -νται] ἃ ἔπραξαν
4. 21. οὔτε τὸν πατέρα μέμνηται
— 43. μνήσθητι τὴν εὐχήν
Ne. 1. 8. μνήσθητι δὴ τὸν λόγον (1 a)
4. 14 (8). μνήσθητε τοῦ θεοῦ ἡμῶν (1 a)
5. 19. μνήσθητί μου ὁ θ. εἰς ἀγαθὸν πάντα (1 a)
6. 14. μνήσθητι ὁ θ. Τ. (1 a)
9. 17. A S² R οὐκ ἐμνήσθησαν [B S¹ ἀνεμν.] τῶν θαυμασίων σου (1 a)
13. 14, 22. μνήσθητί μου ὁ θεός (1 a)
— 29. μνήσθητι αὐτοῖς ὁ θεός (1 a)
— 31. μνήσθητί μου ὁ θεὸς ἡμῶν (1 a)
To. 1. 12. ἐμεμνήμην τοῦ θεοῦ ἐν ὅλῃ τῇ ψυχῇ μου
2. 2. ὃς μέμνηται τοῦ κυρίου [A S al.]
— 6. ἐμνήσθην τῆς προφητείας Ἀμώς [S al.]
3. 3. μνήσθητί μου
4. 1. ἐμνήσθη Τωβὶτ περὶ [S om.] τοῦ ἀργυρίου
— 4. μνήσθητι [S add. αὐτῆς] παιδίον
— 12. A B Νῶε . . . μνήσθητι, παιδίον
6. 15. οὐ μέμνησαι τῶν λόγων [S τὰς ἐντολάς]
8. 2. ἐμνήσθη τῶν λόγων Ῥαφαήλ
14. 7. S ἵνα ὦσιν μεμνημένοι τοῦ θ.
Ju. 8. 26. μνήσθητε ὅσα ἐποίησε
Es. 2. 1. οὔκετι ἐμνήσθη τῆς Ἀ. [A al.] (1 a)
4. 8. μνησθεῖσα [S¹ -εὶς ἀφ'] ἡμερῶν ταπεινώσεώς σου –
— 17. μνήσθητι, κύριε
10. 3. ἐμνήσθην γὰρ περὶ τοῦ ἐνυπνίου
— 3. ἐμνήσθη ὁ θ. τοῦ λαοῦ αὐτοῦ
Jb. 4. 7. μνήσθητι οὖν τίς [A οὖν ὅτι οὐδεὶς] καθαρὸς ὢν ἀπώλετο (1 a)
7. 7. μνήσθητι οὖν ὅτι πνεῦμά μου ἡ ζωή (1 a)
10. 9. μνήσθητι ὅτι πηλόν με ἔπλασας (1 a)
21. 6. ἐάν τε γὰρ μνησθῶ ἐσπούδακα (1 a)
24. 20. A εἶτα ἐμνήσθη αὐτῶν [B S ἀνεμνήσθη αὐτοῦ] ἡ ἁμαρτία (1 b ?)
28. 18. μετέωρα καὶ γαβὶς οὐ μνησθήσεται (1 b)
36. 24. μνήσθητι ὅτι μεγάλα ἐστὶν αὐτοῦ τὰ ἔργα (1 a)
40. 27 (32). μνησθεὶς πόλεμον τὸν γινόμενον [A -μου τοῦ γιγνομένου] (1 a)
Ps. 8. 4. ὅτι μιμνήσκῃ αὐτοῦ (1 a)
9. 12. ἐκζητῶν τὰ αἵματα αὐτῶν ἐμνήσθη (1 a)
15 (16). 4. οὐδὲ μὴ μνησθῶ τῶν ὀνομ. αὐ. (2)
19 (20). 3. μνησθείη πάσης θυσίας σου (1 a)
21 (22). 27. μνησθήσονται . . . πάντα τὰ πέρατα τῆς γῆς (1 a)
24 (25). 6. μνήσθητι τῶν οἰκτιρμῶν σου (1 a)
— 7. ἀγνοίας μου μὴ μνησθῇς (1 a)
— 7. κατὰ τὸ ἔλεός σου μνήσθητί μου (1 a)
41 (42). 4. ταῦτα ἐμνήσθην (1 a)
— 6. μνησθήσομαί σου ἐκ γῆς Ἰορδάνου (1 a)
44 (45). 17. μνησθήσονται [S² -σομαι] τοῦ ὀνόματός σου (1 c)
Ps. 70 (71). 16. μνησθήσομαι τῆς δικαιοσύνης σου μόνου (1 c)
73 (74). 2. μνήσθητι τῆς συναγωγῆς σου (1 a)
— 18. μνήσθητι ταύτης τῆς κτίσεώς σου [S om. τῆς κτ. σου] (1 a)
— 22. μνήσθητι τῶν ὀνειδισμῶν [S² τοῦ ὀ.] σου (1 a)
76 (77). 3. ἐμνήσθην τοῦ θεοῦ (1 a)
— 6. ἔτη αἰώνια ἐμνήσθην (1 a)
— 11. ἐμνήσθην τῶν ἔργων κυρίου ὅτι μνησθήσομαι ἀπὸ τῆς ἀρχῆς τῶν θαυμασίων σου (1 a, 1 c*, 1 a)
77 (78). 35. ἐμνήσθησαν ὅτι ὁ θεὸς βοηθὸς αὐτῶν ἐστι (1 a)
— 39. ἐμνήσθη ὅτι σάρξ εἰσι (1 a)
— 42. οὐκ ἐμνήσθησαν τῆς χειρὸς αὐτοῦ ἡμέρας (1 a)
78 (79). 8. μὴ μνησθῇς ἡμῶν ἀνομιῶν ἀρχαίων (1 a)
82 (83). 4. οὐ μὴ μνησθῇ τὸ ὄνομα Ἰσραὴλ ἔτι (1 b)
86 (87). 4. μνησθήσομαι Ῥαὰβ καὶ Βαβυλῶνος (1 c)
87 (88). 5. ὧν οὐκ ἐμνήσθης ἔτι (1 a)
88 (89). 47. μνήσθητι τίς μου ἡ ὑπόστασις (1 a)
— 50. μνήσθητι, κύριε, τοῦ ὀνειδισμοῦ τῶν δούλων σου (1 a)
97 (98). 3. ἐμνήσθη τοῦ ἐλέους αὐτοῦ (1 a)
102 (103). 14. μνήσθητι [A S² ἐμνήσθη] ὅτι χοῦς ἐσμεν (1 a)
— 18. τοῖς . . . μεμνημένοις τῶν ἐντολῶν αὐτοῦ (1 a)
104 (105). 5. μνήσθητε τῶν θαυμασίων αὐτοῦ (1 a)
— 8. ἐμνήσθη εἰς τὸν αἰῶνα διαθήκης αὐτοῦ (1 a)
— 42. ἐμνήσθη τοῦ λόγου τοῦ ἁγίου αὐτοῦ (1 a)
105 (106). 4. μνήσθητι ἡμῶν, κύριε (1 a)
— 7. οὐκ ἐμνήσθησαν τοῦ πλήθους τοῦ ἐλέους σου (1 a)
— 45. ἐμνήσθη τῆς διαθήκης αὐτοῦ (1 a)
108 (109). 16. οὐκ ἐμνήσθη τοῦ ποιῆσαι ἔλεος (1 a)
110 (111). 5. μνησθήσεται εἰς τὸν αἰῶνα διαθήκης αὐτοῦ (1 a)
113. 20 (115. 12). κύριος μνησθεὶς ἡμῶν [S¹ ἐμνήσθη ἡ. καὶ] εὐλόγησεν ἡμᾶς (1 a)
118 (119). 49. A S¹ μνήσθητι τὸν λόγον [S² R τῶν λ.] σου (1 a)
— 52. ἐμνήσθην τῶν κριμάτων σου ἀπ' αἰῶνος (1 a)
— 55. ἐμνήσθην ἐν νυκτὶ τοῦ ὀνόματός [S¹ τὸ ὅ.] σου (1 a)
131 (132). 1. μνήσθητι, κύριε, τοῦ Δαυίδ (1 a)
135 (136). 23. A S² R ἐμνήσθη ἡμῶν ὁ κύριος (1 a)
136 (137). 1. ἐν τῷ μνησθῆναι ἡμᾶς τῆς Σιών (1 a)
— 6. ἐὰν μή σου μνησθῶ (1 a)
— 7. μνήσθητι, κύριε, τῶν υἱῶν Ἐδὼμ τὴν ἡμέραν Ἱερουσαλήμ (1 a)
142 (143). 5. ἐμνήσθην ἡμερῶν ἀρχαίων (1 a)
Pr. 24. 75 (31. 7). ἵνα . . . τῶν πόνων μὴ μνησθῶσιν ἔτι (1 a)
Ec. 5. 19. B² R οὐ πολλὰ [A S -ὰς, B¹ οὐκ ἀλλὰ] μνησθήσεται τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ (1 a)
9. 15. ἄνθρωπος οὐκ ἐμνήσθη σὺν τοῦ ἀνδρὸς τοῦ πένητος ἐκείνου (1 a)
11. 8. μνησθήσεται τὰς ἡμέρας τοῦ σκότους (1 a)
12. 1. μνήσθητι τοῦ κτίσαντός σε (1 a)
Wi. 19. 10. ἐμέμνητο γὰρ ἔτι τῶν ἐν τῇ παροικίᾳ αὐ.
Si. 3. 31. μέμνηται εἰς τὰ μετὰ ταῦτα
7. 16. μνήσθητι ὅτι ὀργὴ οὐ χρονιεῖ
— 28. μνήσθητι ὅτι δι' αὐτῶν ἐγενήθης [A S ἐγενν.]
— 36. ἐν πᾶσι τοῖς λόγοις σου μιμνήσκου τὰ ἔσχατά σου
8. 5. μνήσθητι ὅτι πάντες ἐσμὲν ἐν ἐπιτίμοις
— 7. μνήσθητι ὅτι πάντες τελευτῶμεν
9. 12. μνήσθητι ὅτι ἕως ᾅδου οὐ μὴ δικαιωθῶσι
11. 25. ἐν ἡμέρᾳ κακῶν οὐ μνησθήσεται ἀγαθῶν
14. 12. μνήσθητι ὅτι θάνατος οὐ χρονιεῖ
15. 8. ἄνδρες ψεῦσται οὐ μὴ μνησθήσονται [S¹ -σωνται] αὐτῆς
16. 17. μὴ [A S καὶ] ἐξ ὕψους τίς μου [S¹ ὑψίστου] μνησθήσεται
— 17. ἐν λαῷ πλείονι οὐ μὴ μνησθῶ [A S γνωσθῶ]
18. 24. μνήσθητι θυμοῦ [S¹ θεοῦ] ἐν ἡμέραις τελευτῆς
— 25. μνήσθητι καιρὸν [A κατὰ κ.] λιμοῦ
23. 14. μνήσθητι πατρὸς καὶ μητρός σου
— 18. τῶν ἁμαρτιῶν μου οὐ μὴ μνησθήσεται ὁ ὕψιστος
28. 6. μνήσθητι τὰ ἔσχατα
— 7. μνήσθητι ἐντολῶν
33 (36). 8. μνήσθητι ὁρκισμοῦ [S ὁρισμοῦ]
34 (31). 13. μνήσθητι ὅτι κακὸν ὀφθαλμὸς πονηρός
Si. 38. 20. ἀπόστησον αὐτὴν μνησθεὶς τὰ ἔσχατα
— 22. μνήσθητι τὸ κρίμα αὐτοῦ
41. 3. μνήσθητι προτέρων σου καὶ ἐσχάτων
42. 15. μνησθήσομαι δὴ τὰ ἔργα κυρίου
49. 9. ἐμνήσθη τῶν ἐχθρῶν ἐν ὄμβρῳ
51. 8. ἐμνήσθην τοῦ ἐλέους σου, κύριε
Ho. 2. 17 (19). οὐ μὴ μνησθῶσιν οὐκέτι [A ἔτι] τὰ ὀνόμ. αὐτῶν (1 b)
7. 2. πάσας τὰς κακίας αὐτῶν ἐμνήσθην (1 a)
8. 13. νῦν μνησθήσεται τὰς ἀδικίας αὐτῶν (1 a)
9. 9. μνησθήσεται ἀδικίας αὐ. (1 a)
Am. 1. 9. οὐκ ἐμνήσθησαν διαθήκης ἀδελφῶν (1 a)
Mi. 6. 5. λαός μου μνήσθητι δὴ τί ἐβουλεύσατο (1 a)
Jn. 2. 8. τοῦ κυρίου ἐμνήσθην (1 a)
Na. 2. 5 (6). μνησθήσονται οἱ μεγιστᾶνες αὐ. (1 a)
Hb. 3. 2. ἐν ὀργῇ ἐλέους μνησθήσῃ (1 a)
Za. 10. 9. καὶ οἱ μακρὰν μνησθήσονταί μου (1 a)
Ma. 4. 4 (3. 22). μνήσθητε νόμου Μωσῆ τοῦ δούλου μου (1 a)
Is. 12. 4. μιμνήσκεσθε ὅτι ὑψώθη τὸ ὄν. αὐ. (1 c)
17. 10. κυρίου τοῦ βοηθοῦ σου οὐκ ἐμνήσθης (1 a)
26. 16. ἐν θλίψει ἐμνήσθην σου (5)
38. 3. μνήσθητι, κύριε, ὡς ἐπορεύθην ἐνώπιόν σου (1 a)
43. 25. οὐ μὴ μνησθήσομαι [A add. τὰς ἀδικίας σου] (1 a)
— 26. σὺ δὲ μνήσθητι (1 c)
44. 21. μνήσθητι ταῦτα Ἰακώβ (1 a)
46. 8. μνήσθητε ταῦτα καὶ στενάξατε (1 a)
— 9. μνήσθητε τὰ πρότερα ἀπὸ τοῦ αἰῶνος (1 a)
47. 7. οὐδὲ ἐμνήσθης τὰ ἔσχατα (1 a)
48. 1. μιμνησκόμενοι οὐ μετὰ ἀληθείας (1 c)
54. 4. ὄνειδος τῆς χηρείας σου οὐ μὴ μνησθήσῃ (1 a)
57. 11. οὐκ ἐμνήσθης οὐδὲ ἔλαβές με εἰς τὴν διάνοιαν (1 a)
62. 6. οὐ σιωπήσονται μιμνησκόμενοι κυρίου (1 c)
63. 7. τὸν ἔλεον κυρίου ἐμνήσθην (1 c)
— 11. ἐμνήσθη ἡμερῶν αἰωνίων (1 a)
64. 5 (4). τῶν ὁδῶν σου μνησθήσονται (1 a)
— 7 (6). οὐκ ἔστιν . . . ὁ μνησθεὶς ἀντιλαβέσθαι [S -τελάβετό] σου (4)
— 9 (8). μὴ ἐν καιρῷ μνησθῇς ἁμαρτιῶν ἡμῶν (1 a)
65. 17. οὐ μὴ μνησθῶσι τῶν προτέρων (1 b)
66. 9. οὐκ ἐμνήσθης μου †
Je. 2. 2. ἐμνήσθην ἐλέους νεότητός σου (1 a)
11. 19. τὸ ὄνομα αὐ. οὐ μὴ μνησθῇ οὐκέτι (1 b)
14. 10. νῦν μνησθήσεται τῆς ἀδικίας [A S τῶν ἁ.] αὐτῶν (1 a)
— 21. μνήσθητι μὴ διασκεδάσῃς τὴν διαθήκην σου (1 a)
15. 15. μνήσθητί μου καὶ ἐπίσκεψαί με (1 a)
18. 20. μνήσθητι ἑστηκότος μου κατὰ πρόσωπόν σου (1 a)
28 (51). 50. μνήσθητε τοῦ κυρίου (1 a)
38 (31). 20. μνείᾳ [S¹ -αν] μνησθήσομαι αὐτοῦ (1 a)
— 34. τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν οὐ μὴ μνησθῶ ἔτι (1 a)
40 (33). 8. οὐ μὴ μνησθήσομαι [S -θῶ] ἁμαρτιῶν αὐτῶν (3)
51 (44). 21. οὐχὶ τοῦ θυμιάματος . . . ἐμνήσθη κύριος (1 a)
Ba. 2. 32. μνησθήσονται τοῦ ὀνόματός μου
— 33. μνησθήσονται τῆς ὁδοῦ πατέρων αὐτῶν
3. 5. μὴ μνησθῇς ἀδικιῶν πατέρων ἡμῶν ἀλλὰ μνήσθητι χειρός σου
— 23. οὐδὲ ἐμνήσθησαν τὰς τρίβους αὐτῆς
4. 14. μνήσθητε τὴν αἰχμαλωσίαν τῶν υἱῶν μου
La. 1. 7. ἐμνήσθη Ἱερ. ἡμερῶν ταπεινώσεως αὐτῆς (1 a)
— 9. οὐκ ἐμνήσθη ἔσχατα [A -ων] αὐτῆς (1 a)
2. 1. οὐκ ἐμνήσθη ὑποποδίου ποδῶν αὐτοῦ (1 a)
3. 19. ἐμνήσθην ἀπὸ πτωχείας μου (1 a)
— 20. χολή μου μνησθήσεται (1 a)
5. 1. μνήσθητι, κύριε (1 a)
Ez. 3. 20. οὐ μὴ μνησθῶσιν αἱ δικαιοσύναι αὐτοῦ (1 b)
6. 9. μνησθήσονταί μου οἱ ἀνασωζόμενοι ἐξ ὑμῶν (1 a)
16. 22. οὐκ ἐμνήσθης [A -θη τὰς ἡμέρας] τῆς νηπιότητός σου (1 a)
— 43. οὐκ ἐμνήσθης [A add. τὴν ἡμέραν] τῆς νηπιότητός σου (1 a)
— 60. μνησθήσομαι ἐγὼ τῆς διαθήκης μου (1 a)
— 61. μνησθήσῃ τὴν ὁδόν σου (1 a)
— 63. ὅπως μνησθῇς καὶ αἰσχυνθῇς (1 a)
18. 22. R πάντα τὰ παραπτώματα . . . οὐ μνησθήσονται [B -σεται, A al.] (1 b)
— 24. πᾶσαι αἱ δικαιοσύναι αὐτοῦ ἃς ἐποίησεν οὐ μὴ μνησθῶσιν (1 b)

Ez. 20. 43. μνησθήσεσθε ἐκεῖ τὰς ὁδοὺς ὑμῶν (1 a)
21. 23 (28). αὐτὸς ἀναμιμνήσκων ἀδικίας αὐτοῦ μνησθῆναι †
23. 27. Αἰγύπτου οὐ μὴ μνησθῇς οὐκέτι (1 a)
33. 13. A αἱ δικαιοσύναι αὐ. ἃς ἐποίησεν οὐ μὴ μνησθῶσιν [B αὐ. οὐ μὴ ἀναμν.] (1 b)
— 16. A αἱ ἁμαρτίαι αὐτοῦ ἃς ἐποίησεν οὐ μὴ μνησθῶσιν ἔτι [B al.] (1 b)
36. 31. μνησθήσεσθε τὰς ὁδοὺς ὑμῶν τὰς πονηράς (1 a)
Da. LXX. 5. 11. ἐμνήσθη πρὸς αὐτὸν περὶ τοῦ Δ. –
Bel 37. ἐμνήσθη γάρ μου κ. ὁ θεός
— 38. ὁ δὲ κ. ὁ θεὸς ἐμνήσθη τοῦ Δ.
Da. TH. Bel 38. ἐμνήσθης γάρ μου
I Ma. 2. 51. μνήσθητε τῶν πατέρων ἡμῶν
4. 9. μνήσθητε ὡς ἐσώθησαν
— 10. καὶ μνησθήσεται διαθήκης πατέρων
5. 4. ἐμνήσθη τῆς κακίας υἱῶν B.
6. 12. R νῦν δὲ μιμνήσκομαι [A S μνήσκ.]
7. 38. μνήσθητι τῶν δυσφημιῶν αὐ.
9. 38. ἐμνήσθησαν Ἰωάννου [S¹ τοῦ αἵματος Ἰ.]
10. 5. μνησθήσεται γὰρ πάντων τῶν κακῶν
— 46. S ἐμνήσθησαν [A R ἐπεμν.] τῆς κακίας τῆς μεγ.
12. 11. A R μμνησκόμεθα [S μνησκ.] ὑμῶν
II Ma. 1. 2. R μνησθείη [A -θῆναι] τῆς διαθήκης αὐ.
8. 4. μνησθῆναι δὲ καὶ τῆς . . . ἀπωλείας
9. 26. μεμνημένους τῶν εὐεργεσιῶν
IV Ma. 13. 12. A R μνήσθητε [S¹ om.] πόθεν ἐστέ
15. 28. τῆς θεοσεβοῦς Ἁβρ. καρτερίας ἡ θυγάτηρ ἐμνήσθη
[Aq. Jb. 40. 27 (32): Ps. 24 (25). 7: 87 (88). 6: 118 (119). 49: Ec. 11. 8. Ho. 7. 2.]
[Sm. Jb. 28. 18.]
[Th. Jb. 28. 18: Ps. 102 (103). 14: Ez. 18. 22.]
[Al. Dt. 5. 12: Es. 2. 1.]

μινυρίζειν.

[Al. Ps. 48 (49). 4.]

μίξις.

Wi. 14. 25. S¹ πάντα δὲ ἐπὶ μίξιν [? ἐπίμιξιν, A B ἐπιμιξ, S² ἐπιμιξίαν] ἔχει [S² om.] αἷμα

μισάνθρωπος.

IV Ma. 11. 4. A R ὦ μισάρετε [S μιαρώτατε] καὶ μισάνθρωπε

μισάρετος.

IV Ma. 11. 4. A R ὦ μισάρετε [S μιαρώτατε] καὶ μισάνθρωπε

μίσγειν. (1) מָהַל (2) נָגַע

Ho. 4. 2. αἵματα ἐφ' αἵμασι μίσγουσι (2)
Is. 1. 22. μίσγουσι τὸν οἶνον ὕδατι (1)

μισεῖν. (1) זָעַם (2) מָאַס a. qal. b. ni. (3) צָרַר (4) קוּם (5) שָׂנֵא a. qal. b. ni. c. pi. d. שִׂנְאָה e. שָׂנִיא f. שָׂנֵא (6) שָׂאַף

Ge. 26. 27. ὑμεῖς δὲ ἐμισήσατέ με (5 a)
29. 31. ἐμισεῖτο [A μισεῖται] Λεία (5 a)
— 33. ἤκουσε κύριος ὅτι μισοῦμαι (5 a)
37. 4. ἐμίσησαν αὐτόν (5 a)
— 8. προσέθεντο ἔτι μισεῖν αὐτόν (5 a)
Ex. 18. 21. ἄνδρας δικαίους μισοῦντας ὑπερηφανίαν (5 a)
20. 5. ἀποδιδοὺς . . . τοῖς μισοῦσί με (5 a)
Le. 19. 17. οὐ μισήσεις τὸν ἀδελφόν σου (5 a)
26. 17. διώξονται ὑμᾶς οἱ μισοῦντες ὑμᾶς (5 a)
Nu. 10. 35. φυγέτωσαν πάντες οἱ μισοῦντές σε (5 c)
De. 1. 27. διὰ τὸ μισεῖν κύριον ἡμᾶς (5 d)
4. 42. καὶ οὗτος οὐ μισῶν αὐτόν (5 a)
5. 9. ἐπὶ τρίτην . . . γενεὰν τοῖς μισοῦσί με (5 a)
7. 10. καὶ ἀποδιδοὺς τοῖς μισοῦσι (5 a)
— 10. οὐχὶ βραδυνεῖ τοῖς μισοῦσι (5 a)
— 15. ἐπὶ πάντας τοὺς μισοῦντάς σε (5 a)
9. 28. παρὰ τὸ μισῆσαι [A add. κύριον] αὐτούς (5 d)
12. 31. ἃ ἐμίσησεν (5 a)
16. 22. ἃ ἐμίσησε κ. ὁ θεός σου (5 a)
19. 4. καὶ οὗτος οὐ μισῶν αὐτόν (5 a)
— 6. οὐ μισῶν ἦν αὐτόν (5 a)
— 11. ἄνθρωπος μισῶν τὸν πλησίον (5 a)
21. 15. καὶ μία αὐτῶν μισουμένη (5 a)
— 15. ἡ ἠγαπημένη καὶ ἡ μισουμένη (5 a)
— 15. καὶ γένηται υἱὸς πρωτότοκος τῆς μισουμ. (5 e)
De. 21. 16. τὸν υἱὸν τῆς μισουμ. τὸν πρωτότοκον (5 a)
— 17. τὸν πρωτότοκον υἱὸν τῆς μισουμ. (5 a)
22. 13. καὶ μισήσῃ αὐτήν (5 a)
— 16. μισήσας αὐτὴν νῦν οὗτος (5 a)
24. 3. καὶ μισήσῃ αὐτὴν ὁ ἀνὴρ ὁ ἔσχατος (5 a)
30. 7. καὶ ἐπὶ τοὺς μισοῦντάς σε (5 a)
32. 41. B καὶ τοῖς μισοῦσιν [A R add. με] ἀνταποδώσω (5 c)
— 43. καὶ τοῖς μισοῦσιν ἀνταποδώσει –
33. 11. οἱ μισοῦντες αὐτὸν μὴ ἀναστήτωσαν (5 c)
Jo. 20. 5. A οὐ μισῶν αὐτὸς αὐτόν (5 a)
Jd. 11. 7. οὐχὶ ὑμεῖς ἐμισήσατέ με (5 a)
14. 16. μεμίσηκάς με (5 a)
15. 2. μισῶν ἐμίσησας [A -σα] αὐτήν (5 a, 5 a)
II Ki. 5. 8. ἀπτέσθω . . . τοὺς μισοῦντας τὴν ψυχὴν Δ. (5 a)
13. 15. ἐμίσησεν αὐτὴν Ἀ. μῖσος μέγα σφόδρα (5 a)
— 15. μέγα τὸ μῖσος ὃ ἐμίσησεν αὐτήν (5 a)
— 22. ἐμίσει Ἀβ. τὸν Ἀ. (5 a)
18. 28. B ἀπέκλεισε τοὺς ἄνδρας τοὺς μισοῦντας τὴν χεῖρα αὐ. [A R al.] †
19. 6 (7). τοῦ ἀγαπᾶν τοὺς μισοῦντάς σε καὶ μισεῖν τοὺς ἀγαπῶντάς σε (5 a, 5 a)
22. 18. ἐρρύσατό με . . . ἐκ τῶν μισούντων με (5 a)
— 41. ἔδωκάς μοι νῶτον τοὺς μισοῦντάς με (5 c)
III Ki. 22. 8. καὶ ἐγὼ μεμίσηκα αὐτόν (5 a)
II Ch. 18. 7. ἐγὼ ἐμίσησα αὐτόν (5 a)
19. 2. ἢ μισουμένῳ ὑπὸ κυρίου φιλιάζεις (5 a)
To. 4. 15. A B ὃ μισεῖς μηδενὶ ποιήσῃς
13. 12. ἐπικατάρατοι πάντες οἱ μισοῦντές σε [S al.]
Ju. 5. 17. θεὸς μισῶν ἀδικίαν
Es. 4. 17. ἐμίσησα δόξαν ἀνόμων
Jb. 34. 17. ἴδε σὺ [A εἰ δέ σοι οὐκ οἴει] τὸν μισοῦντα ἄνομα (5 a)
Ps. 5. 5. ἐμίσησας, κύριε, πάντας τοὺς ἐργαζομένους τὴν ἀνομίαν (5 a)
10 (11). 6. μισεῖ τὴν ἑαυτοῦ ψυχήν (5 a)
17 (18). 17. ῥύσεταί με . . . ἐκ τῶν μισούντων με (5 a)
— 20. A B καὶ ἐκ τῶν μισούντων με –
— 40. τοὺς μισοῦντάς με ἐξωλέθρευσας (5 c)
20 (21). 8. ἡ δεξιά σου εὕροι πάντας τοὺς μισοῦντάς σε (5 a)
24 (25). 19. μῖσος ἄδικον ἐμίσησάν με (5 a)
25 (26). 5. ἐμίσησα ἐκκλησίαν πονηρευομένων (5 a)
30 (31). 6. A B² S ἐμίσησας [B¹ ἐμίμ.] τοὺς φυλάσσοντας [A R διαφ.] ματαιότητας (5 a)
33 (34). 21. οἱ μισοῦντες τὸν δίκαιον πλημμελήσουσι (5 a)
34 (35). 19. οἱ μισοῦντές με [A om.] δωρεάν (5 a)
35 (36). 2. τοῦ εὑρεῖν τὴν ἀνομίαν αὐτοῦ καὶ μισῆσαι (5 a)
37 (38). 19. ἐπληθύνθησαν οἱ μισοῦντέ με [A om.] ἀδίκως (5 a)
43 (44). 7. A B³ S R τοὺς μισοῦντας ἡμᾶς κατῄσχυνας (5 c)
— 10. οἱ μισοῦντες ἡμᾶς διήρπαζον ἑαυτοῖς (5 c)
44 (45). 7. ἐμίσησας ἀνομίαν [A ἀδικίαν] (5 a)
49 (50). 17. σὺ δὲ ἐμίσησας παιδείαν (5 a)
54 (55). 12. εἰ ὁ μισῶν ἐπ' ἐμὲ ἐμεγαλορρημόνησεν (5 c)
67 (68). 1. φυγέτωσαν οἱ μισοῦντες αὐτόν (5 c)
68 (69). 4. ἐπληθύνθησαν . . . οἱ μισοῦντέ με δωρεάν (5 a)
— 14. ῥυσθείην ἐκ τῶν μισούντων με (5 a)
73 (74). 4. ἐνεκαυχήσαντο οἱ μισοῦντέ σε (3)
— 23. ἡ ὑπερηφανία τῶν μισούντων σε ἀναβαίη [S² ἀνέβη] (4)
82 (83). 2. οἱ μισοῦντέ σε ἦραν κεφαλήν (5 c)
85 (86). 17. ἰδέτωσαν οἱ μισοῦντέ με [B² σε] (5 a)
88 (89). 23. τοὺς μισοῦντας αὐτὸν τροπώσομαι (5 c)
96 (97). 10. μισεῖτε πονηρόν (5 a)
100 (101). 3. ποιοῦντας παραβάσεις ἐμίσησα [S¹ al.] (5 a)
104 (105). 25. τοῦ μισῆσαι τὸν λαὸν αὐτοῦ (5 a)
105 (106). 10. ἔσωσεν αὐτοὺς ἐκ χειρὸς μισούντων [A S² -ος] (5 a)
— 41. ἐκυρίευσαν αὐτῶν οἱ μισοῦντες αὐτούς (5 a)
118 (119). 104. ἐμίσησα πᾶσαν ὁδὸν ἀδικίας (5 a)
— 113. παρανόμους ἐμίσησα (5 a)
— 128. πᾶσαν ὁδὸν ἄδικον ἐμίσησα (5 a)
— 163. ἀδικίαν ἐμίσησα καὶ ἐβδελυξάμην (5 a)
119 (120). 6. μετὰ τῶν μισούντων τὴν εἰρήνην ἤμην εἰρηνικός (5 a)
Ps. 128 (129). 5. ἀποστραφήτωσαν εἰς τὰ ὀπίσω πάντες οἱ μισοῦντες Σιών (5 a)
138 (139). 21. οὐχὶ τοὺς μισοῦντάς σε, κύριε, ἐμίσησα (5 c, 5 a)
— 22. τέλειον μῖσος ἐμίσουν αὐτούς (5 a)
Pr. 1. 22. ἀσεβεῖς γενόμενοι ἐμίσησαν αἴσθησιν (5 a)
— 29. ἐμίσησαν γὰρ σοφίαν (5 a)
5. 12. πῶς ἐμίσησα παιδείαν (5 a)
6. 16. χαίρει πᾶσιν οἷς μισεῖ ὁ θεός (5 a)
8. 13. φόβος κυρίου μισεῖ ἀδικίαν (5 a)
— 13. μεμίσηκα δὲ ἐγὼ διεστραμμένας ὁδοὺς κακῶν (5 a)
— 36. οἱ μισοῦντέ με [S¹ om.] ἀγαπῶσι θάνατον (5 c)
9. 8. ἵνα μὴ μισῶσί σε (5 a)
— 8. A S² ἄσοφον καὶ μισήσει σε –
11. 15. μισεῖ δὲ ἦχον ἀσφαλείας (5 a)
— 16. θρόνος δὲ ἀτιμίας γυνὴ μισοῦσα δίκαια –
12. 1. ὁ δὲ μισῶν ἐλέγχους ἄφρων (5 a)
13. 5. λόγον ἄδικον μισεῖ δίκαιος (5 a)
— 24. μισεῖ τὸν υἱὸν αὐ. (5 a)
14. 20. φίλοι μισήσουσι [A -σωσιν] φίλους πτωχούς (5 b)
15. 10. οἱ δὲ μισοῦντες ἐλέγχους τελευτῶσιν αἰσχρῶς (5 a)
— 27. ὁ δὲ μισῶν δώρων λήψεις σώζεται (5 a)
16. 3 (15. 32). ὃς ἀπωθεῖται παιδείαν μισεῖ ἑαυτόν (2 a)
17. 9. ὃς δὲ μισεῖ κρύπτειν διΐστησι φίλους †
19. 7. πᾶς ὃς ἀδελφὸν πτωχὸν μισεῖ [S¹ ποιεῖ] (5 a)
22. 14. ὁ δὲ μισηθεὶς ὑπὸ κυρίου ἐμπεσεῖται εἰς αὐτόν (1)
25. 17. μή ποτε πλησθείς σου μισήσῃ [A -σει] σε (5 a)
26. 28. γλῶσσα ψευδὴς μισεῖ ἀλήθειαν (5 a)
28. 16. ὁ δὲ μισῶν ἀδικίαν μακρὸν χρόνον ζήσεται (5 a)
29. 10. ἄνδρες αἱμάτων μέτοχοι μισοῦσιν [S -σήσουσιν, A ζητήσουσιν] ὅσιον (5 a)
— 24. μισεῖ τὴν ἑαυτοῦ ψυχήν (5 a)
Ec. 2. 17. ἐμίσησα ἐγὼ σὺμπαντα μόχθον μου (5 a)
— 18. ἐμίσησα ἐγὼ σύμπαντα μόχθον μου (5 a)
3. 8. καιρὸς τοῦ μισῆσαι (5 a)
8. 1. ἀναιδὴς προσώπῳ αὐτοῦ μισηθήσεται †
Wi. 11. 24. οὐδὲ γὰρ ἂν μισῶν τι κατεσκεύασας
12. 3. τοὺς παλαιοὺς οἰκήτορας τῆς ἁγίας σου γῆς μισήσας
Si. 7. 15. μὴ μισήσῃς ἐπίπονον ἐργασίαν
— 25. S¹ μισουμένῳ [S² μισούσῃ σε] μὴ ἐμπιστεύσῃς σεαυτόν
9. 18. ὁ προπετὴς ἐν λόγῳ αὐτοῦ μισηθήσεται
12. 6. ὁ ὕψιστος ἐμίσησεν ἁμαρτωλούς
15. 11. ἃ γὰρ ἐμίσησεν οὐ ποιήσεις
— 13. πᾶν βδέλυγμα ἐμίσησε κύριος
17. 26. σφόδρα μίσησον βδέλυγμα
19. 5. ὁ μισῶν λαλιὰν ἐλαττονοῦται κακίᾳ [A καρδίᾳ]
— 9. ἐν καιρῷ μισήσει [A μασ.] σε
20. 8. ὁ ἐνεξουσιαζόμενος [A ἐξ.] μισηθήσεται
21. 6. μισῶν ἐλεγμὸν [A ἔλεγχον] ἐν ἴχνει ἁμαρτωλοῦ
— 28. ἐν παροικήσει μισηθήσεται
25. 2. τρία δὲ εἴδη ἐμίσησεν ἡ ψυχή μου
— 14. πᾶσαν ἐπαγωγὴν καὶ μὴ ἐπαγωγὴν μισούντων
27. 24. πολλὰ ἐμίσησα καὶ οὐχ ὡμοίωσα αὐτῷ
— 24. ὁ κύριος μισήσει [A ἐμίσει, S¹ μισεῖ] αὐτόν
34 (31). 16. μὴ διαμασῶ μὴ μισηθῇς
36 (33). 2. ἀνὴρ σοφὸς οὐ μισήσει νόμον
42. 9. συνῳκηκυῖα [S² σ. ἀνδρὶ] μή ποτε μισηθῇ
Ho. 9. 15. ὅτι ἐκεῖ αὐτοὺς ἐμίσησα (5 a)
Am. 5. 10. ἐμίσησαν ἐν πύλαις ἐλέγχοντα (5 a)
— 15. μεμισήκαμεν τὰ πονηρά (5 a)
— 21. μεμίσηκα ἀπῶσμαι ἑορτὰς ὑμῶν (5 a)
6. 8. καὶ τὰς χώρας αὐ. μεμίσηκα (5 a)
Mi. 3. 2. μισοῦντες [A οἱ μ.] τὰ καλά (5 a)
Hg. 2. 15 (14). ἐμισεῖτε ἐν πύλαις ἐλέγχοντας –
Za. 8. 17. διότι ταῦτα πάντα ἐμίσησα (5 a)
Ma. 1. 3. τὸν δὲ Ἠ. ἐμίσησα (5 a)
2. 13. καὶ ταῦτα ἃ ἐμίσουν ἐποιεῖτε †
— 16. ἀλλὰ ἐὰν μισήσας ἐξαποστείλῃς (5 a)
Is. 1. 14. τὰς ἑορτὰς ὑμῶν μισεῖ ἡ ψυχή μου (5 a)
33. 15. μισῶν ἀνομίαν καὶ ἀδικίαν (2 a)
54. 6. οὐδ' ὡς γυναῖκα ἐκ νεότητος μεμισημένην (2 b)
60. 15. διὰ τὸ γεγενῆσθαί σε . . . μεμισημένην (5 a)
61. 8. ἐγὼ γάρ εἰμι κύριος . . . μισῶν ἁρπάγματα ἐξ ἀδικίας (5 a)

Is. 66. 5. εἴπατε ἀδελφοὶ ἡμῶν τοῖς μισοῦσιν ἡμᾶς (5 a)
Je. 12. 8. διὰ τοῦτο ἐμίσησα αὐτήν (5 a)
51 (44). 4. μὴ ποιήσητε τὸ πρᾶγμα τῆς μολύνσεως ταύτης ἧς ἐμίσησα (5 a)
Ez. 16. 27. παραδώσω [A add. σε] εἰς ψυχὰς μισούντων σε (5 a)
— 37. σὺν πᾶσιν οἷς ἐμίσεις (5 a)
23. 28. παραδίδωμί σε εἰς χεῖρας ὧν μισεῖς (5 a)
— 38. A ἃ ἐμίσουν ἐποίησαν –
35. 11. A ἐκ τοῦ μεμισηκέναι σε ἐν αὐτοῖς (5 d)
36. 3. ἀντὶ τοῦ ἀτιμασθῆναι ὑμᾶς καὶ μισηθῆναι ὑμᾶς (6 ?)
Da. LXX. 4. 16. τὸ ἐνύπνιον τοῦτο τοῖς μισοῦσί σε (5 f)
Da. TH. 4. 16. τὸ ἐνύπνιον ἔστω τοῖς μισοῦσί σε (5 f)
I Ma. 7. 26. Νικάνορα . . . μισοῦντα καὶ ἐχθραίνοντα τῷ Ἰ.
11. 21. ἐπορεύθησάν τινες μισοῦντες τὸ ἔθνος αὐ.
IV Ma. 9. 3. μὴ ἡμᾶς μισῶν ὑπὲρ αὐτοὺς ἡμᾶς ἐλέα
[Aq. Dt. 21. 16 : Jb. 34. 17 : Ps. 10 (11). 5 : 44 (45). 9 : 118 (119). 163 : Pr. 26. 24 : Is. 66. 5 : Je. 44 (51). 4.]
[Sm. Jb. 34. 17 : Ps. 20 (21). 9 : 35 (36). 3 : 40 (41). 8 : 43 (44). 11 : 68 (69). 5 : 82 (83). 3 : 88 (89). 24 : 118 (119). 163 : Pr. 1. 22, 29 : 8. 13 : 11. 15 : 26. 24 : 30. 23 : Is. 66. 5 : Ez. 35. 6.]
[Th. Pr. 1. 29 : 8. 13 : 11. 15 : 14. 17 : 26. 24 : Is. 66. 5 : Ez. 35. 6, 11.]
[Sam. Ge. 49. 23.]
[Al. Pr. 8. 13.]

μισητός. (1) זָעֵם (2) μισητὸν ποιεῖν עָבַר (3) μ. γυνή שְׂנוּאָה

Ge. 34. 30. μισητόν με πεποιήκατε (2)
Pr. 24. 39 (24). ἐπικατάρατος λαοῖς ἔσται καὶ μισητὸς εἰς ἔθνη (1)
— 58 (30. 23). μισητὴ γυνὴ ἐὰν τύχῃ ἀνδρὸς ἀγαθοῦ (3)
26. 11. ὥσπερ κύων ὅταν . . . μισητὸς γένηται †
Wi. 14. 9. ἐν ἴσῳ γὰρ μισητὰ θεῷ καὶ ὁ ἀσεβῶν καὶ ἡ ἀσέβεια αὐ.
Si. 10. 7. μισητὴ ἔναντι κυρίου καὶ ἀνθρώπων ὑπερηφανία
20. 5. ἔστι μισητὸς ἀπὸ πολλῆς λαλιᾶς
— 15. μισητὸς ἄνθρωπος ὁ τοιοῦτος
37. 20. ἔστι σοφιζόμενος ἐν λόγοις μισητός

μισθαάλ.

IV Ki. 10. 22. A εἶπεν Ἰ. τοῖς ἐπὶ τοῦ μ. [B al.] †

μισθαρνεῖν.

[Sm. I Ki. 2. 36.]
[Al. I Ki. 2. 5.]

μίσθιος. (1) שָׂכִיר

Le. 19. 13. A ὁ μισθὸς τοῦ μ. [B -θωτοῦ] (1)
25. 50. ἔσται τὸ ἀργ. τῆς πράσεως αὐ. ὡς μισθίου (1)
To. 5. 11. πατριὰν σὺ ζητεῖς ἢ μίσθιον [S al.]
Jb. 7. 1. καὶ ὥσπερ μισθίου [A -θοῦ] αὐθημερινοῦ ἡ ζωὴ αὐτοῦ (1)
Si. 7. 20. μηδὲ μίσθιον διδόντα ψυχὴν αὐτοῦ
31 (34). 22. ἐκχέων αἷμα ὁ ἀποστερῶν μισθὸν μισθίου
37. 11. S¹ R μετὰ μισθίου ἐφεστίου [B ἀφ., A S² ἐπαιτίου] περὶ συντελείας
[Al. Le. 25. 50.]

μισθός. (1) אֶשְׁכָּר (2) אֶתְנָן (3) מְחִיר (4) עֹנֶבֶת (5) a. פֹּעַל b. פְּעֻלָּה (6) a. שָׂכָר b. מַשְׂכֹּרֶת c. שָׂכִיר d. שֶׂכֶר (7) τοὺς μ. συνάγειν שָׂכַר hithp.

Ge. 15. 1. ὁ μ. σου πολὺς ἔσται σφόδρα (6 a)
29. 15. τίς ὁ μ. σου ἐστι (6 b)
30. 18. δέδωκέ μοι ὁ θεὸς τὸν μ. μου (6 a)
— 18. Ἰσσάχαρ ὅ ἐστι μισθός †
— 28. διάστειλον τὸν μ. σου πρὸς μέ (6 a)
— 32. πᾶν διάλευκον . . . ἔσται μοι μ. (6 a)
— 33. ἐστὶν ὁ μ. μου ἐνώπιόν σου (6 a)
31. 7. ἤλλαξε τὸν μ. μου (6 b)
— 8. τὰ ποικίλα ἔσται σου μ. (6 a)
— 8. τὰ λευκὰ ἔσται σου μ. (6 a)
— 41. παρελογίσω τὸν μ. μου (6 b)
Ex. 2. 9. ἐγὼ δὲ δώσω σοι τὸν μ. (6 a)
22. 15 (14). ἔσται αὐτῷ ἀντὶ τοῦ μ. αὐτοῦ (6 a)
Le. 19. 13. οὐ μὴ κοιμηθήσεται ὁ μ. τοῦ μισθωτοῦ (5 b)
Nu. 18. 31. μισθὸς οὗτος ὑμῖν ἐστιν (6 a)
De. 15. 18. AB ἐφέτιον [R ἐπέτειον] μ. τοῦ μισθωτοῦ (6 a)
24. 14. οὐκ ἀπαδικήσεις μισθὸν πένητος (6 c)
— 15. ἀποδώσεις τὸν μ. αὐτοῦ (6 a)
Ru. 2. 12. γένοιτο ὁ μ. σου πλήρης (6 b)
III Ki. 5. 6 (20). A μισθὸν δουλείας σοι δουλεύσω [B al.] (6 a)
II Ch. 15. 7. ἔστι μισθὸς τῇ ἐργασίᾳ ὑμῶν (6 a)
To. 2. 12. ἀπέδωκαν αὐτῇ καὶ αὐτοὶ τὸν μ. [S al.]
— 14. δῶρον δέδοται μοι ἐπὶ τῷ μ. [S al.]
4. 14. AB μισθὸς παντὸς ἀνθρώπου . . . μὴ αὐλισθήτω
5. 3. δώσω [S -σομεν] αὐτῷ μισθόν
— 7, 9. S δώσω σοι τὸν μ. σου
— 14. τίνα σοι ἔσομαι μ. διδόναι [S al.]
— 15. ἔτι προσθήσω σοι ἐπὶ τὸν μ. [S al.]
12. 1. ὅρα, τέκνον, μισθόν [S al.]
— 1. S προσθεῖναι αὐτῷ εἰς τὸν μ. [AB al.]
— 2. S πόσον αὐτῷ δώσω τὸν μ.
— 3. S πόσον αὐτῷ ἔτι δῶ μισθόν
— 5. S ὧν ἔχων ἦλθες εἰς τὸν μ. σου [A B al.]
Jb. 7. 1. A ὥσπερ μισθοῦ [BS -ίου] αὐθημερινοῦ ἡ ζωὴ αὐ. (6 c)
— 2. ἢ ὥσπερ μισθωτὸς ἀναμένων τὸν μ. αὐτοῦ (5 a)
Ps. 126 (127). 3. ὁ μ. τοῦ καρποῦ τῆς γαστρός (6 a)
Pr. 11. 18. σπέρμα δὲ δικαίων μισθὸς ἀληθείας (6 d)
— 21. ὁ δὲ σπείρων δικαιοσύνην λήψεται μισθὸν πιστόν [A -ῶν] †
17. 8. μισθὸς χαρίτων παιδεία τοῖς χρωμένοις †
Ec. 4. 9. ἐστὶν αὐτοῖς μ. ἀγαθὸς ἐν μόχθῳ αὐτῶν (6 a)
9. 5. οὐκ ἔστιν αὐτοῖς ἔτι μισθός (6 a)
— 6. A καί γε μισθὸς [BS μῖσος] αὐτῶν . . . ἤδη ἀπώλετο †
Wi. 2. 22. οὐδὲ μισθὸν ἤλπισαν ὁσιότητος
5. 15. ἐν κυρίῳ ὁ μ. αὐτῶν
10. 17. ἀπέδωκεν ὁσίοις μισθὸν κόπων αὐτῶν
Si. 2. 8. οὐ μὴ πταίσῃ ὁ μ. ὑμῶν
11. 18. αὕτη ἡ μερὶς τοῦ [S¹ ἀπὸ τοῦ] μ. αὐτοῦ
— 22. εὐλογία κυρίου ἐν μισθῷ [A ἐμμέσῳ] εὐσεβοῦς
31 (34). 22. ἐκχέων αἷμα ὁ [A καὶ] ἀποστερῶν μισθὸν μισθίου
36. 21 (18). δὸς μισθὸν τοῖς ὑπομένουσί σε
51. 22. ἔδωκε κύριος γλῶσσάν μοι [AS μου] μισθόν μου [S μοι]
— 30. δώσει τὸν μ. ὑμῶν ἐν καιρῷ αὐτοῦ
Mi. 3. 11. οἱ ἱερεῖς αὐτῆς μετὰ μισθοῦ ἀπεκρίνοντο (3)
Hg. 1. 6. ὁ τοὺς μ. συνάγων συνήγαγεν (7)
Za. 8. 10. πρὸ τῶν ἡμ. ἐκ. ὁ μ. τῶν ἀνθρ. οὐκ ἔσται εἰς ὄνησιν καὶ ὁ μ. τῶν κτηνῶν οὐχ ὑπάρξει (6 a, 6 a)
11. 12. δότε [A δότε στήσαντες] τὸν μ. μου (6 a)
— 12. ἔστησαν τὸν μ. μου τριάκοντα ἀργυροῦς (6 a)
Ma. 3. 5. ἐπὶ τοὺς ἀποστεροῦντας μισθὸν μισθωτοῦ (6 a)
Is. 23. 18. ἔσται αὐτῆς ἡ ἐμπορία καὶ ὁ μ. ἅγιον κυρίῳ (2)
40. 10. ἰδοὺ ὁ μ. αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (6 a)
62. 11. παραγέγονεν ἔχων τὸν ἑαυτοῦ μ. (6 a)
Je. 22. 13. τὸν μ. αὐτοῦ οὐ μὴ ἀποδώσει αὐτῷ (5 a)
38 (31). 16. ἔστι μ. τοῖς σοῖς ἔργοις (6 a)
Ez. 27. 15. τοῖς εἰσαγομ. ἀντεδίδους τοὺς μ. σου (1)
— 27. ὁ μ. σου καὶ τῶν συμμίκτων [A ἐν τῷ σ.] σου (4)
— 33. πόσον τινὰ [A καὶ τίνα] εὗρες μισθὸν ἀπὸ τῆς θαλάσσης (4)
29. 18. μ. οὐκ ἐγενήθη αὐτῷ (6 a)
— 19. ἔσται μ. τῇ δυνάμει αὐτοῦ (6 a)
II Ma. 8. 33. ἄξιον τῆς δυσσεβείας ἐκομίσαντο μισθόν
[Aq. Za. 11. 12.]
[Sm. Ge. 31. 7 : Za. 11. 12.]
[Al. Le. 25. 50 : Ps. 126 (127). 3.]

μισθοῦσθαι. (1) פָּרָה (2) סָכַר (3) a. שָׂכַר b. הָיָה שֹׂכֵר c. שְׂכִירָה

Ge. 30. 16. μεμίσθωμαι γάρ σε (3 a)
De. 23. 4 (5). ἐμισθώσαντο ἐπὶ σὲ τὸν B. (3 a)
Jd. 9. 4. ἐμισθώσατο . . . ἄνδρας κενούς (3 a)
18. 4. ἐμισθώσατό με (3 a)
II Ki. 10. 6. ἐμισθώσαντο τὴν Συρίαν (3 a)
IV Ki. 7. 6. ἐμισθώσατο . . . τοὺς βασ. τῶν X. (3 a)
I Ch. 19. 6. τοῦ μισθώσασθαι ἑαυτοῖς . . . ἅρματα (3 a)
— 7. B S ἐμισθώσαντο ἑαυτοῖς ἅρματα [A om.] (3 a)
II Ch. 24. 12. ἐμισθοῦντο λατόμους (3 b)
25. 6. ἐμισθώσατο ἀπὸ Ἰσρ. ἑκατὸν χιλιάδας (3 a)
II Es. 4. 5. μισθούμενοι ἐπ' αὐτούς (2)
Ne. 6. 12. ἐμισθώσαντο ἐπ' ἐμὲ ὄχλον (3 a)
13. 2. ἐμισθώσαντο ἐπ' αὐτὸν τὸν B. (3 a)
Ho. 3. 2. καὶ ἐμισθωσάμην ἐμαυτῷ πέντε καὶ δέκα ἀργ. (1)
Is. 7. 20. ἐν τῷ ξυρῷ τῷ μεμισθωμένῳ [A S al.] (3 c)
46. 6. μισθωσάμενοι χρυσοχόον (3 a)
I Ma. 5. 39. AS Ἄραβες μεμίσθωνται [R al.]
[Sm., Th. Is. 7. 20.]
[Quint. Ho. 8. 10.]

μισθοφορία.

[Sm. I Ki. 17. 18.]

μίσθωμα. (1) אֶתְנָה (2) אֶתְנָן, אֶתְנַן (3) גֵּרָה (4) נֶדֶן

De. 23. 18 (19). οὐ προσοίσεις μίσθωμα πόρνης (2)
Pr. 19. 13. οὐχ ἀγναὶ εὐχαὶ ἀπὸ μισθώματος ἑταίρας †
Ho. 2. 12 (14). μισθώματά μου ταῦτά ἐστιν (1)
Mi. 1. 7. πάντα τὰ μ. αὐτῆς ἐμπρήσουσιν ἐν πυρί (2)
— 7. ἐκ μισθωμάτων πορνείας συνήγαγε (2)
— 7. ἐκ μισθωμάτων πορνείας συνέστρεψεν (2)
Ez. 16. 31. ὡς πόρνη συνάγουσα μισθώματα (2)
— 32. παρὰ τοῦ ἀνδρὸς αὐτῆς λαμβάνουσα μισθώματα †
— 33. πᾶσι τοῖς ἐκπορνεύσασιν αὐτὴν προσεδίδου μισθώματα καὶ σὺ δέδωκας μισθώματα [A om. κ. σ. δ. μ.] πᾶσι τοῖς ἐρασταῖς σου (3, 4)
— 34. ἐν τῷ προσδιδόναι σε μισθώματα καὶ σοὶ μισθώματα οὐκ ἐδόθη (2, 2)
— 41. μισθώματα οὐ μὴ δῷς οὐκέτι (2)
[Aq. Is. 23. 18.]
[Sm. Ez. 16. 33.]

μίσθωσις.

[Aq. Ge. 31. 7.]

μισθωτής.

I Ma. 6. 29. ἦλθον πρὸς αὐτὸν δυνάμεις [S¹ -ει] μισθωταί

[Aq., Sm., Th. Is. 16. 14.]

μισθωτός. (1) שָׂכִיר

Ex. 12. 45. πάροικος ἢ [A καὶ] μ. οὐκ ἔδεται (1)
22. 15 (14). ἐὰν δὲ μ. ᾖ (1)
Le. 19. 13. ὁ μισθὸς τοῦ μ. [A -θίου] (1)
22. 10. πάροικος ἱερέως ἢ μισθωτός (1)
25. 6. καὶ τῷ μ. σου (1)
— 40. ὡς μισθωτὸς [A ὁ μ.] ἢ πάροικος ἔσται σοι (1)
— 53. ἀποδώσει τὰ λύτρα αὐ. ὡς μισθωτός †
De. 15. 18. AB ἐφέτιον [R ἐπέτειον] μισθὸν τοῦ μ. (1)
Ju. 4. 10. καὶ πᾶς πάροικος ἢ μ.
6. 2. καὶ οἱ μ. τοῦ Ἐφρ.
— 5. σὺ δὲ Ἀχ. μισθωτὲ τοῦ Ἀ.
Jb. 7. 2. ἢ ὥσπερ μισθωτὸς ἀναμένων τὸν μισθὸν αὐτοῦ (1)
14. 6. καὶ εὐδοκήσῃ τὸν βίον ὥσπερ ὁ μ. [A al.] (1)
Ma. 3. 5. ἐπὶ τοὺς ἀποστεροῦντας μισθὸν μισθωτοῦ (1)
Is. 16. 14. ἐν τρισὶν ἔτεσιν ἐτῶν μισθωτοῦ (1)
21. 16. ἔτι ἐνιαυτὸς ὡς ἐνιαυτὸς μισθωτοῦ (1)
28. 1. οἱ μ. Ἐφραΐμ †
— 3. καταπατηθήσεται ὁ στέφανος τῆς ὕβρεως οἱ μ. τοῦ Ἐφραΐμ †
Je. 26 (46). 21. οἱ μ. αὐτῆς ἐν αὐτῇ (1)
I Ma. 6. 29. ἦλθον πρὸς αὐτὸν δυνάμεις [S¹ -μει] μ.
[Aq., Th. Dt. 24. 16 (14).]
[Sm. Dt. 24. 16 (14) : Je. 46 (26). 21.]

μισοξενία.

Wi. 19. 13. χαλεπωτέραν μ. ἐπετήδευσαν

μισοποιεῖν.

[Aq. Ps. 80 (81). 16 : 82 (83). 3.]

μισοποιός.

[Sm. Ps. 80 (81). 16.]

μισοπονηρεῖν (-ρεύειν).
II Ma. 4. 49. R μισοπονηρήσαντες [A -ρεύσ.] τὰ πρὸς τὴν κηδείαν αὐ.
8. 4. καὶ μισοπονηρῆσαι

μισοπονηρία.
II Ma. 3. 1. διὰ τὴν Ὀνίου . . . μ.

μισοπόνηρος.
Es. 8. 13. μισοπόνηρον ὑπολαμβάνουσιν ἐκφεύξεσθαι δίκην [S¹ om.]

μῖσος. (1) שִׂנְאָה (2) שִׂנְאָה
II Ki. 13. 15. ἐμίσησεν αὐτὴν Ἀ. μ. μέγα σφόδρα (1)
— 15. μέγα τὸ μ. ὃ ἐμίσησεν αὐτήν (1)
Es. 4. 17. εἰς μῖσος τοῦ πολεμοῦντος ἡμᾶς
Ps. 24 (25). 19. μῖσος ἄδικον ἐμίσησάν με (1)
108 (109). 3. λόγοις μίσους ἐκύκλωσάν με (1)
— 5. ἔθεντο . . . μῖσος ἀντὶ τῆς ἀγαπήσεώς μου (1)
138 (139). 22. τέλειον μῖσος ἐμίσουν αὐτούς (1)
Pr. 10. 12. μῖσος ἐγείρει νεῖκος (1)
Ec. 9. 1. καί γε μῖσος οὐκ ἔστιν εἰδὼς ὁ ἄνθρωπος (1)
— 6. καί γε μῖσος [A μισθὸς] αὐτῶν . . . ἤδη ἀπώλετο (1)
Je. 24. 9. εἰς παραβολὴν καὶ εἰς μ. (2)
Ez. 23. 29. ποιήσουσιν ἐν σοὶ ἐν μίσει (1)
[Sm. Ps. 54 (55). 13 : Pr. 26. 26.]

μίσυβρις (-σόυβ.).
III Ma. 6. 9. καὶ νῦν μίσυβρι

μισώρ, *vid.* μεισώρ.

μίτρα. (1) מִצְנֶפֶת (2) פְּאֵר
Ex. 28. 33 (37). καὶ ἔσται ἐπὶ τῆς μ. (1)
— 33 (37). κατὰ πρόσωπον τῆς μ. ἔσται (1)
29. 6. ἐπιθήσεις τὴν μ. ἐπὶ τὴν κεφαλήν (1)
— 6. ἐπιθήσεις τὸ πέταλον . . . ἐπὶ τὴν μ. (1)
36. 36 (39. 28). ἐποίησαν . . . μίτραν ἐκ βύσσου (1)
— 40 (39. 31). ἐπίκεισθαι ἐπὶ τὴν μ. (1)
Le. 8. 9. ἐπέθηκε τὴν μ. ἐπὶ τὴν κεφαλήν (1)
— 9. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὴν μ. (1)
Ju. 10. 3. ἐπέθετο μίτραν ἐπ' αὐτῆς
16. 8. ἐδήσατο τὰς τρίχας αὐ. ἐν μίτρᾳ
Is. 61. 10. ὡς νυμφίῳ περιέθηκέ μοι μίτραν (2)
Ba. 5. 2. ἐπίθου τὴν μ. ἐπὶ τὴν κεφαλήν σου τῆς δόξης τοῦ αἰωνίου [A ἁγίου]
Ez. 26. 16. ἀφελοῦνται [A² ἑλοῦσιν] τὰς μ. ἀπὸ τῶν κεφαλῶν αὐτῶν †
[Aq. Ex. 28. 39.]
[Sam. Ex. 28. 4†.]
[Al. Le. 16. 4.]

μνᾶ. (1) דַּרְכְּמוֹן (2) מָנֶה
III Ki. 10. 17. τρεῖς μναῖ ἐνῆσαν χρυσοῦ [A -ίου] (2)
I Es. 5. 45. δοῦναι . . . χρυσίου μνᾶς χιλίας καὶ ἀργυρίου μνᾶς πεντακισχιλίας
II Es. 2. 69. μναῖ ἓξ μυριάδες καὶ χίλιαι καὶ ἀργυρίου μναῖ πεντακισχίλιαι [A *al.*] (1, 2)
Ne. 7. 71. καὶ ἀργυρίου [A *add.* μυρίας] μνᾶς δισχ. τριακοσ. (2)
— 72. S¹R καὶ ἀργυρίου μνᾶς [S² *al.*] (2)
Ez. 45. 12. δέκα καὶ πεντήκοντα σίκλοι ἡ μνᾶ ἔσται ὑμῖν (2)
Da. LXX. Bel 26. λαβὼν ὁ Δ. πίσσης μνᾶς τριάκοντα
I Ma. 14. 24. S² R ἀσπίδα . . . ὁλκῆς [AS¹ -ἦν] μνῶν χιλίων
15. 18. SR ἀσπίδα χρυσῆν ἀπὸ μνῶν χιλίων [A *al.*]
III Ma. 1. 4. δώσειν νικήσασιν ἑκάστῳ δύο μνᾶς χρυσίου

μνεία. (1) *a.* זָכָר *b.* זֵכֶר (2) μνείαν ποιεῖν זָכַר (3) ἐστὶ μνεία זָכָר ni. (4) μνεία γίγνεται זָכַר ni.
De. 7. 18. μνείᾳ μνησθήτῃ ὅσα ἐποίησε κ. (1 *a*)
Jb. 14. 13. ἐν ᾧ μνείαν μου ποιήσῃ (2)
Ps. 110 (111). 4. μνείαν ἐποιήσατο τῶν θαυμασίων αὐτοῦ (1 *b*)
Wi. 5. 14. ὡς μνεία [S¹ -αν] καταλύτου μονοημέρου παρώδευσε
Ho. 9. 7. ἐπληθύνθη μανία [A μνεία] σου †
Za. 13. 2. καὶ οὐκέτι ἔσται αὐτῶν μνεία (3)
Is. 23. 16. ἵνα σου μν. [A ἡ μν.] γένηται (4)
26. 8. ἠλπίσαμεν . . . ἐπὶ τῇ μν. (1 *b*)
32. 10. ἡμέρας ἐνιαυτοῦ μνείαν ποιήσασθε †
Je. 38 (31). 20. μνείᾳ [S¹ -αν] μνησθήσομαι αὐτοῦ (1 *a*)
Ba. 4. 27. ἔσται γὰρ ὑμῶν ὑπὸ τοῦ ἐπάγοντος μν.
5. 5. χαίροντας τῇ τοῦ θεοῦ μν.
Ez. 21. 32 (37). οὐ μὴ γένηταί σου μν. (4)
25. 10. ὅπως μὴ μν. γένηται τῶν υἱῶν Ἀμμών (4)
IV Ma. 17. 8. καὶ ταῦτα . . . εἰς μνείαν λεγόμενα

μνῆμα. (1) *a.* קֶבֶר *b.* קְבוּרָה
Ex. 14. 11. παρὰ τὸ μὴ ὑπάρχειν μνήματα ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1 *a*)
Nu. 11. 34. μνήματα τῆς ἐπιθυμίας (1 *a*)
— 35. ἀπὸ Μνημάτων ἐπιθυμίας ἐξῆρεν (1 *a*)
19. 16. ὃς ἂν ἅψηται . . . μνήματος (1 *a*)
— 18. ἐπὶ τὸν ἡμμένον . . . τοῦ μν. (1 *a*)
33. 16. παρενέβαλον ἐν Μνήμασι τῆς ἐπιθυμίας (1 *a*)
— 17. ἀπῆραν ἐκ Μνημάτων ἐπιθυμίας (1 *a*)
De. 9. 22. ἐν τοῖς Μν. τῆς ἐπιθυμίας (1 *a*)
Jo. 24. 30. ἔθηκαν μετ' αὐτοῦ εἰς τὸ μν. [A μνημεῖον] –
II Ch. 16. 14. ἔθαψαν αὐτὸν ἐν τῷ μν. (1 *a*)
34. 4. ἐπὶ πρόσωπον τῶν μν. τῶν θυσιαζόντων αὐτοῖς (1 *a*)
— 28. προστεθήσῃ πρὸς τὰ μν. σου (1 *a*)
Jb. 10. 19. διὰ τί γὰρ ἐκ γαστρὸς εἰς μνῆμα οὐκ ἀπηλλάγην [A ἀπῆλθον] (1 *a*)
Is. 65. 4. ἐν τοῖς μν. καὶ ἐν τοῖς σπηλαίοις κοιμῶνται διὰ ἐνύπνια (1 *a*)
Je. 33 (26). 23. ἔρριψεν αὐτὸν εἰς τὸ μν. [A μνημεῖον] υἱῶν λαοῦ αὐτοῦ (1 *a*)
Ez. 32. 23. περικύκλῳ τοῦ μν. αὐτοῦ πάντες οἱ τραυματίαι (1 *b*)
— 24. πᾶσα ἡ δύναμις αὐ. περικύκλῳ τοῦ μν. αὐ. (1 *b*)
— 26. περικύκλῳ τοῦ μν. αὐτοῦ πάντες τραυματίαι αὐτοῦ (1 *a*)
37. 12. ἀνοίγω τὰ μν. ὑμῶν καὶ ἀνάξω ὑμᾶς ἐκ τῶν μν. ὑμῶν (1 *a*, 1 *a*)

μνημεῖον. (1) *a.* קֶבֶר *b.* קְבוּרָה
Ge. 23. 6. ἐν τοῖς ἐκλεκτοῖς μνημείοις ἡμῶν (1 *a*)
— 6. οὐδεὶς . . . κωλύσει τὸ μν. αὐτοῦ (1 *a*)
— 9. εἰς κτῆσιν μνημείου (1 *a*)
35. 20. ἔστησεν Ἰ. στήλην ἐπὶ τοῦ μν. αὐτῆς (1 *b*)
— 20. R ἡ στήλη ἐπὶ τοῦ [A *om.* ἐ. τ.] μν. Ῥ. (1 *b*)
49. 30. ἐκτήσατο . . . ἐν κτήσει μνημείου (1 *a*)
50. 5. ἐν τῷ μν. ᾧ ὤρυξα ἐμαυτῷ (1 *a*)
— 13. ὃ ἐκτήσατο . . . ἐν κτήσει μνημείου (1 *a*)
Jo. 24. 30. A ἔθηκαν μετ' αὐτοῦ εἰς τὸ μν. [B μνῆμα] †
Ne. 2. 3. οἶκος μνημείων πατέρων μου (1 *a*)
— 5. εἰς πόλιν μνημείων πατέρων μου (1 *a*)
Wi. 10. 7. ἀπιστούσης ψυχῆς μνημεῖον ἑστηκυῖα στήλη ἁλός
Is. 22. 16. ἐλατόμησας σεαυτῷ ὧδε μν. καὶ ἐποίησας σεαυτῷ ἐν ὑψηλῷ μνημεῖον (1 *a*, 1 *a*)
26. 19. ἐγερθήσονται οἱ ἐν τοῖς μν. †
Je. 33 (26). 23. A ἔρριψεν αὐτὸν εἰς τὸ μν. [BS μνῆμα] υἱῶν λαοῦ αὐτοῦ (1 *a*)
Ez. 39. 11. δώσω τῷ Γὼγ τόπον ὀνομαστὸν μν. ἐν Ἰσραήλ [A¹ *om.* ἐν Ἰ.] (1 *a*)

μνήμη. (1) *a.* זֵכֶר, זֶכֶר *b.* זִכָּרוֹן
Ps. 29 (30). 4 : 96 (97). 12. ἐξομολογεῖσθε τῇ μν. τῆς ἁγιωσύνης αὐτοῦ (1 *a*)
144 (145). 7. μνήμην τοῦ πλήθους τῆς χρηστότητός σου ἐξερεύξονται (1 *a*)
Pr. 1. 12. ἄρωμεν αὐτοῦ τὴν μν. ἐκ γῆς †
10. 7. μνήμη δικαίων μετ' ἐγκωμίων (1 *a*)
Ec. 1. 11. οὐκ ἔστι μν. τοῖς πρώτοις καί γε τοῖς ἐσχάτοις γενομένοις οὐκ ἔσται αὐτῶν μνήμη (1 *b*, 1 *b*)
2. 16. ABS² οὐκ ἔστιν μνήμη [S¹ R ἡ μν.] τοῦ σοφοῦ μετὰ τοῦ ἄφρονος (1 *b*)
9. 5. ἐπελήσθη [AS ἐπλήσθη] ἡ μν. αὐτῶν (1 *a*)
Wi. 4. 1. ἀθανασία γάρ ἐστιν ἐν μνήμῃ αὐτῆς
— 19. ἡ μν. αὐτῶν ἀπολεῖται
8. 13. μνήμην αἰώνιον τοῖς μετ' ἐμὲ ἀπολείψω
10. 8. S¹ τῆς ἀφροσύνης ἀπέλιπον τῷ βίῳ μνήμην [ABS² μνημόσυνον]
11. 12. στεναγμὸς μνημῶν τῶν παρελθούσων [AS -θόντων]
II Ma. 2. 25. εἰς τὸ διὰ μνήμης ἀναλαβεῖν εὐκοπίαν
7. 20. καὶ μν. ἀγαθῆς ἀξία
[Aq. Ps. 6. 6.]
[Sm. II Ki. 8. 16 : Is. 26. 14.]

μνημονεύειν. (1) *a.* זָכַר *b.* זָכָר
Ex. 13. 3. μνημονεύετε τὴν ἡμέραν ταύτην (1 *a*)
II Ki. 14. 11. μνημονευσάτω δὴ ὁ βασ. τὸν κ. θεὸν αὐ. (1 *a*)
IV Ki. 9. 25. ὅτι μνημονεύω (1 *a*)
I Ch. 16. 12. μνημονεύετε [A -σατε] τὰ θαυμάσια αὐ. (1 *a*)
— 15. μνημονεύομεν [A -εύων] εἰς αἰῶνα διαθήκης αὐ. (1 *a*)
To. 4. 5. κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν μνημόνευε
— 19. μνημόνευε τῶν ἐντολῶν μου [S τὰς ἐντ. ταύτας]
14. 7. S μνημονεύοντες τοῦ θ. ἐν ἀληθείᾳ
Ju. 13. 19. ἀπὸ καρδίας ἀνθρώπων μνημονευόντων ἰσχὺν θεοῦ
Es. 2. 1. μνημονεύων οἷα ἐλάλησεν [A *al.*] (1 *a*)
4. 17. μνημονεύων πάντα τὰ ἔργα κυρίου
Ps. 6. 5. οὐκ ἔστιν ἐν τῷ θανάτῳ ὁ μνημονεύων σου (1 *b*)
62 (63). 6. εἰ ἐμνημόνευόν σου ἐπὶ τῆς στρωμνῆς μου (1 *a*)
Pr. 8. 21. μνημονεύσω τὰ ἐξ αἰῶνος ἀριθμῆσαι –
Wi. 2. 4. οὐθεὶς μνημονεύσει [S¹ -εύει] τῶν ἔργων ἡμῶν
Si. 37. 6. S¹ μὴ μνημονεύσῃς [A B S² ἀμνημονήσῃς] αὐτοῦ
Is. 43. 18. μὴ [A *om.*] μνημονεύετε τὰ πρῶτα (1 *a*)
Da. LXX., TH. Su. 9. μηδὲ μνημονεύειν κριμάτων δικαίων
I Ma. 12. 11. ὡς δέον ἐστὶ . . . μνημονεύειν ἀδελφῶν
II Ma. 9. 21. τὴν εὔνοιαν ἐμνημόνευον
10. 6. μνημονεύοντες ὡς . . . ἦσαν νεμόμενοι
[Sm. Ps. 24 (25). 7 *bis* : 73 (74). 22 : 87 (88). 6 : 96 (97). 12 : 102 (103). 14 : 110 (111). 5 : 118 (119). 49 : Je. 15. 15 : Ez. 21. 24 (29).]
[Quint. Ps. 8. 5.]

μνημόσυνον. (1) *a.* זֵכֶר *b.* זִכָּרוֹן *c.* אַזְכָּרָה *d.* זָכַר ni. (2) διδόναι εἰς μν. זָכַר hi.
Ex. 3. 15. μν. γενεῶν [A *om.*] γενεαῖς (1 *a*)
12. 14. καὶ ἔσται ἡ ἡμέρα ὑμῖν αὕτη μν. (1 *b*)
13. 9. ἔσται σοι . . . μν. πρὸ ὀφθαλμῶν σου (1 *b*)
17. 14. κατάγραψον τοῦτο εἰς μν. εἰς βιβλίον (1 *b*)
— 14. ἐξαλείψω τὸ [A τὸν] μν. [A *om.*] Ἀμαλήκ (1 *a*)
28. 12. λίθοι μνημοσύνου εἰσὶ τοῖς υἱοῖς Ἰσ. (1 *b*)
— 12. μν. [A *add.* ἔναντι κυρίου] περὶ αὐτῶν (1 *b*)
— 23 (29). εἰσιόντι εἰς τὸ ἅγιον μν. (1 *b*)
30. 16. ἔσται τοῖς υἱοῖς Ἰσ. μν. ἔναντι κυρίου (1 *b*)
36. 14 (39. 7). λίθους μνημοσύνου τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1 *b*)
Le. 2. 2. ἐπιθήσει ὁ ἱερεὺς τὸ μν. αὐτῆς (1 *c*)
— 9. ἀφελεῖ . . . ἀπὸ τῆς θυσίας τὸ μν. αὐτῆς (1 *c*)
— 16. ἀνοίσει . . . τὸ μν. αὐτῆς ἀπὸ τῶν χίδρων (1 *c*)
5. 12. τὸ μν. αὐτῆς ἐπιθήσει (1 *c*)
6. 15 (8). ὀσμὴν εὐωδίας τὸ μν. αὐτῆς τῷ κυρίῳ (1 *c*)
23. 24. μνημόσυνον σαλπίγγων (1 *b*)
Nu. 5. 15. θυσία μνημοσύνου ἀναμιμνήσκουσα ἁμαρτίαν (1 *b*)
— 18. δώσει . . . τὴν θυσίαν τοῦ μν. [B¹ *om.* τ. μν.] (1 *b*)
— 26. δράξεται . . . τὸ μν. αὐ. (1 *c*)
16. 40 (17. 5). μνημόσυνον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (1 *b*)
31. 54. μνημόσυνον τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1 *b*)
De. 32. 26. παύσω . . . τὸ μν. αὐτῶν (1 *a*)
Jo. 4. 7. ἔσονται οἱ λίθοι οὗτοι ὑμῖν μνημόσυνον (1 *b*)
Ne. 2. 20. ὑμῖν οὐκ ἔστι . . . μνημόσυνον ἐν Ἰ. (1 *b*)
To. 12. 12. προσήγαγον τὸ μν. τῆς προσευχῆς ὑμῶν
Es. 1. 1. ἔγραψεν ὁ βασ. τοὺς λόγους τούτους εἰς μνημόσυνον
2. 23. καταχωρίσαι εἰς μνημόσυνον –
8. 13. μνημόσυνον τῆς ἀπωλείας
9. 27 (28). αἱ δὲ ἡμ. αὗται μνημόσυνον ἐπιτελούμενον [A *al.*] (1 *d*)
— 28. τὸ μν. αὐ. οὐ μὴ ἐκλίπῃ (1 *a*)
— 32. ἐγράφη εἰς μνημόσυνον
10. 2. γέγραπται . . . εἰς μνημόσυνον †
Jb. 2. 9. ἠφάνισταί σου τὸ μν. ἀπὸ τῆς γῆς –
18. 17. τὸ μν. αὐτοῦ ἀπόλοιτο ἐκ γῆς (1 *a*)
Ps. 9. 6. ἀπώλετο τὸ μν. αὐτῶν μετ' ἠχοῦς (1 *a*)
33 (34). 16. τοῦ ἐξολεθρεῦσαι ἐκ γῆς τὸ μν. αὐτῶν (1 *a*)
101 (102). 12. καὶ τὸ μν. σου εἰς γενεὰν καὶ γενεάν (1 *a*)

Ps. 108 (109). 15. ἐξολεθρευθείη ἐκ γῆς τὸ μν. αὐ. (1 a)
111 (112). 6. εἰς μνημόσυνον αἰώνιον ἔσται δίκαιος (1 a)
134 (135). 13. τὸ μν. σου εἰς γενεὰν καὶ γενεάν (1 a)
Wi. 10. 8. τῆς ἀφροσύνης ἀπέλιπον τῷ βίῳ μνημόσυνον [S¹ μνήμην]
Si. 10. 17. κατέπαυσεν ἀπὸ [S ἐκ] γῆς τὸ μν. αὐτῶν
23. 26. καταλείψει [A -ψις] εἰς κατάραν τὸ μν. αὐτῆς
24. 20. τὸ γὰρ μν. μου ὑπὲρ μέλι γλυκύ
32 (35). 7. τὸ μν. αὐτῆς οὐκ ἐπιλησθήσεται
38. 11. ὁδὸς εὐωδίαν καὶ μνημόσυνον σεμιδάλεως
— 23. ἐν ἀναπαύσει νεκροῦ κατάπαυσον τὸ μν. αὐτοῦ
39. 9. οὐκ ἀποστήσεται τὸ μν. αὐτοῦ
41. 1. ὡς πικρόν σου τὸ μν. ἐστιν ἀνθρώπῳ
44. 9. εἰσὶν ὧν οὐκ ἔστι μνημόσυνον
45. 1. οὗ τὸ μν. ἐν εὐλογίαις
— 9. εἰς μνημόσυνον υἱοῖς λαοῦ αὐτοῦ
— 11. εἰς μνημόσυνον ἐν γραφῇ κεκολαμμένῃ κατ' ἀριθμὸν φυλῶν Ἰσραήλ
— 16. θυμίαμα καὶ εὐωδίαν εἰς μνημόσυνον
46. 11. εἴη τὸ μν. αὐτῶν ἐν εὐλογίαις
49. 1. μνημόσυνον Ἰωσίου εἰς σύνθεσιν θυμιάματος
— 13. A S² R Νεεμίου [B S¹ νέμουσιν] ἐπὶ πολὺ τὸ μν.
50. 16. ἀκουστὴν ἐποίησαν φωνὴν μεγάλην εἰς μνημόσυνον ἔναντι ὑψίστου
Ho. 12. 5 (6). ὁ δὲ κ. ὁ θ. . . . ἔσται μνημόσυνον αὐτοῦ (1 a)
14. 8. ἐξανθήσει ὡς ἄμπελος μνημόσυνον [A τὸ μν.] αὐτοῦ (1 a)
Ma. 3. 16. ἔγραψε βιβλίον μνημοσύνου ἐνώπιον αὐτοῦ (1 b)
Is. 23. 18. εἰς συμβολὴν μν. ἔναντι κυρίου †
57. 8. ὀπίσω τῶν σταθμῶν τῆς θύρας σου ἔθηκας μνημόσυνά [S¹ -όν] σου (1 b)
66. 3. ὁ διδοὺς λίβανον εἰς μν. ὡς βλάσφημος (2)
Ba. 4. 5. θαρσεῖτε λαός μου μν. Ἰσραήλ
I Ma. 3. 7. ἕως τοῦ αἰῶνος τὸ μν. αὐ. εἰς εὐλογίαν
— 35. καὶ ἆραι τὸ μν. αὐ.
8. 22. εἶναι παρ' αὐτοῖς ἐκεῖ μνημόσυνον εἰρήνης
12. 53. ἐξάρωμεν ἐξ ἀνθρώπων τὸ μν. αὐ.
14. 23. τοῦ μνημόσυνον ἔχειν τὸν δῆμον
II Ma. 6. 31. τὸν ἐαυ. θάνατον . . . μνημόσυνον ἀρετῆς καταλείπων
[Aq. Jb. 13. 12 : Ps. 29 (30). 5 : Is. 26. 14.]
[Sm. Jb. 13. 12.]
[Th. Jb. 13. 12 : Is. 26. 14.]

μνημόσυνος. (1) *a.* זִכָּרוֹן *b.* זֵכֶר ni.
Es. 6. 1. εἰσφέρειν γράμματα μνημόσυνα (1 a)
9. 27 (28). A αἱ δὲ ἡμ. αὗται μνημόσυναι ἐπιτελούμεναι [B S *al.*] (1 b)

μνησικακεῖν. (1) אָשַׁם (2) גָּמַל (3) חָשַׁב (4) שָׂטַם
Ge. 50. 15. μή ποτε μνησικακήσῃ ἡμῖν Ἰωσήφ (4)
Pr. 21. 24. ὃς δὲ μνησικακεῖ παράνομος †
Jl. 3 (4). 4. ἢ μνησικακεῖτε ὑμεῖς ἐπ' ἐμοὶ ὀξέως (2)
Za. 7. 10. κακίαν . . . μὴ μνησικακείτω ἐν ταῖς καρδίαις ὑμ. (3)
Ez. 25. 12. ἐμνησικάκησαν καὶ ἐξεδίκησαν δίκην (1)

μνησίκακος.
Pr. 12. 28. ὁδοὶ δὲ μνησικάκων εἰς θάνατον –

μνήσκεσθαι.
I Ma. 6. 12. A S νῦν δὲ μνήσκομαι [R μιμν.]
12. 11. S μνησκόμεθα [A R μιμν.] ὑμῶν

μνηστεύεσθαι. (1) אָרַשׂ *a.* pi. *b.* pu.
De. 20. 7. ὅστις μεμνήστευται γυναῖκα (1 a)
22. 23. παῖς παρθένος μεμνηστευμ. [A ἐμν.] ἀνδρί (1 b)
— 25. ἐὰν δὲ . . . εὕρῃ ἄνθρ. τὴν παῖδα τὴν μεμνηστευμ. (1 b)
— 27. ἐβόησεν ἡ νεᾶνις ἡ μεμνηστευμένη (1 b)
— 28. ἥτις οὐ μεμνήστευται (1 b)
To. 6. 12. S μνηστευσόμεθά σοι αὐτήν
Ho. 2. 19 (21). καὶ μνηστεύσομαί σε ἐμαυτῷ εἰς τὸν αἰῶνα (1 a)
— 19 (21). καὶ μνηστεύσομαί σε ἐμαυτῷ ἐν δικαιοσύνῃ (1 a)
— 20 (22). καὶ μνηστεύσομαί σε ἐμαυτῷ ἐν πίστει (1 a)
I Ma. 3. 56. εἶπεν τοῖς . . . μνηστευομένοις γυναῖκας
[Aq. II Ki. 3. 14.]

μογίλαλος (μογγ.). (1) אִלֵּם
Is. 35. 6. τρανὴ δὲ ἔσται γλῶσσα μογιλάλων (1)
[Aq. Ex. 4. 11 : Is. 56. 10.]
[Sm., Th. Ex. 4. 11.]
[Quint. Ps. 55 (56). 1.]

μόγις, *cf.* **μόλις.**
Wi. 9. 16. A S μ. [B μόλις] εἰκάζομεν τὰ ἐπὶ γῆς
III Ma. 7. 6. μ. τὸ ζῆν αὐτοῖς χαρισάμενοι

μοιχαλίς. (1) נָאַף *a.* qal. *b.* pi.
Pr. 18. 22. ὁ δὲ κατέχων μοιχαλίδα ἄφρων καὶ ἀσεβής –
24. 55 (30. 20). τοιαύτη ὁδὸς γυναικὸς μοιχαλίδος (1 b)
Ho. 3. 1. ἀγάπησον γυναῖκα . . . μοιχαλίν (1 b)
Ma. 3. 5. ἔσομαι μάρτυς ταχὺς . . . ἐπὶ τὰς μ. (1 b)
Ez. 16. 38. ἐκδικήσω σε ἐκδικήσει μοιχαλίδος (1 a)
23. 45. ἐκδικήσουσιν αὐτὰς ἐκδικήσει μοιχαλίδος καὶ ἐκδικήσει αἵματος ὅτι μοιχαλίδες εἰσί (1 a, 1 a)

μοιχᾶσθαι. (1) נָאַף *a.* qal. *b.* pi. *c.* נִאֲפוּם
Je. 3. 8. ἐν οἷς ἐμοιχᾶτο ἡ κατοικία τοῦ Ἰσραήλ (1 b)
5. 7. ἐμοιχῶντο καὶ ἐν οἴκοις πορνῶν κατέλυον (1 a)
7. 9. φονεύετε καὶ μοιχᾶσθε (1 a)
9. 2 (1). πάντες μοιχῶνται (1 b)
23. 14. ἑώρακα φρικτὰ μοιχωμένους (1 a)
36 (29). 23. ἐμοιχῶντο τὰς γυναῖκας τῶν πολιτῶν αὐτῶν (1 b)
Ez. 16. 32. ἡ γυνὴ ἡ [A ὡς γ.] μοιχωμένη ὁμοία σοι (1 b)
23. 37. ἐμοιχῶντο . . . τὰ ἐνθυμήματα αὐτῶν ἐμοιχῶντο (1 b, 1 b)
— 43. A οὐκ ἐν τούτοις μοιχῶνται [B -χεύουσι] (1 c)

μοιχεία (-χία). (1) *a.* נִאֲפוּפִים *b.* נָאַף *c.* נִאֲפִים
Wi. 14. 26. γάμων ἀταξία μοιχεία καὶ ἀσέλγεια
Ho. 2. 2 (4). ἐξαρῶ . . . τὴν μοιχείαν αὐτῆς (1 a)
4. 2. κλοπὴ καὶ μοιχεία κέχυται ἐπὶ τῆς γῆς (1 b)
Je. 13. 27. ὀφθήσεται ἡ ἀτιμία σου καὶ ἡ μ. [A αἱ μ.] σου (1 c)
[Aq., Sm., Th. Ez. 23. 43.]

μοιχεύειν. (1) נָאַף *a.* qal. *b.* pi. *c.* נִאֲפִים
Ex. 20. 13. οὐ μοιχεύσεις (1 a)
Le. 20. 10. ὃς ἂν μοιχεύσηται γυναῖκα ἀνδρός (1 a)
— 10. ὃς ἂν μοιχεύσηται γυναῖκα τοῦ πλησίον (1 a)
— 10. θανάτῳ θανατούσθωσαν ὁ μοιχεύων καὶ ἡ μοιχευομένη (1 a, 1 a)
De. 5. 18 (17). οὐ μοιχεύσεις (1 a)
Si. 23. 23. καὶ τὸ τρίτον ἐν πορνείᾳ ἐμοιχεύθη
Ho. 4. 13. καὶ αἱ νύμφαι ὑμῶν μοιχεύσουσι (1 b)
— 14. τὰς νύμφας ὑμῶν ὅταν μοιχεύωσιν (1 b)
7. 4. πάντες μοιχεύοντες ὡς κλίβανος καιόμενος (1 b)
Je. 3. 9. ἐμοίχευσε τὸ ξύλον καὶ τὸν λίθον (1 a)
Ez. 23. 43. οὐκ ἐν τούτοις μοιχεύουσι [A -χῶνται] (1 c)
[Quint. Ho. 7. 4.]

μοιχός. (1) נָאַף *a.* qal. *b.* pi.
Jb. 24. 15. ὀφθαλμὸς μοιχοῦ ἐφύλαξε σκότος (1 a)
Ps. 49 (50). 18. μετὰ μοιχῶν τὴν μερίδα σου ἐτίθεις (1 b)
Pr. 6. 32. ὁ δὲ μ. . . . ἀπώλειαν τῇ ψυχῇ αὐτοῦ περιποιεῖται (1 a)
Wi. 3. 16. τέκνα δὲ μοιχῶν ἀτέλεστα ἔσται
17. 4. ὁ κατέχων αὐτοὺς μυχός [A μῦθος, S¹ μοιχός]
Si. 25. 2. γέροντα μοιχὸν [S² μωρὸν καὶ μ. καὶ] ἐλαττούμενον συνέσει
Is. 57. 3. σπέρμα μοιχῶν καὶ πόρνης (1 b)
[Aq., Th. Je. 23. 10.]

μόλιβος, μόλυβος (μόλιβδος, μόλυβδος). (1) בְּדִיל (2) עֹפֶרֶת
Ex. 15. 10. ἔδυσαν ὡσεὶ μ. ἐν ὕδατι σφοδρῷ (2)
Nu. 31. 22. πλὴν . . . μολίβου καὶ κασσιτέρου (1)
Jb. 19. 24. ἐν γραφείῳ σιδηρῷ καὶ [A ἢ] μολίβῳ (2)
Si. 22. 14. A B S ὑπὲρ μόλιβον [R μόλυβδον] τί βαρυνθήσεται
47. 18. A B S ὡς μόλιβον [R -βδον] ἐπλήθυνας ἀργύριον
Za. 5. 7. R καὶ ἰδοὺ τάλαντον μολίβδου [A B -λίβου, S -λύβου] ἐξαιρόμενον (2)
Za. 5. 8. ἔρριψε τὸν λίθον τοῦ μολίβου εἰς τὸ στόμα αὐ. (2)
Je. 6. 29. ἐξέλιπε μ. (2)
Ez. 22. 18. ἀναμεμιγμένοι πάντες χαλκῷ . . . καὶ μολίβῳ [A -βδῳ] (2)
— 20. εἰσδέχεται . . . μ. [A -βδος] εἰς μέσον καμίνου [A *add.* πυρός] (1)
27. 12. S R κασσίτερον καὶ μόλιβον [A -βδον, B μόλυβον] ἔδωκαν τὴν ἀγοράν σου (2)

μόλις, *cf.* **μόγις.**
Pr. 11. 31. εἰ ὁ μὲν δίκαιος μ. σώζεται –
Wi. 9. 16. μ. [A S μόγις] εἰκάζομεν τὰ ἐπὶ γῆς
Si. 21. 20. ἀνὴρ δὲ πανοῦργος μ. ἡσυχῇ μειδιάσει
26. 29. μ. ἐξελεῖται ἔμπορος ἀπὸ πλημμελείας
29. 6. μ. κομίσεται τὸ ἥμισυ
35 (32). 7. λάλησον, νεανίσκε, εἰ χρεία σου μ. δὶς ἐὰν ἐπερωτηθῇς
III Ma. 1. 23. μ. τε ὑπό τε τῶν γεραιῶν . . . ἀποτραπέντες
5. 15. καὶ μ. διεγείρας

μολόχη.
Jb. 24. 24. ἐμαράνθη δὲ ὥσπερ μολόχη [A χλόη] ἐν καύματι †

μόλυβδος, μόλυβος, *cf.* **μόλιβος.**

μολύνειν. (1) בּוּם pil. (2) גָּאַל ni. (3) הָלַךְ (4) חָנַף (5) טָבַל (6) טָנַף pi. (7) פִּגֵּל (8) שָׁגַל ni. (9) שָׁכַב ni.
Ge. 37. 31. καὶ ἐμόλυναν τὸν χιτῶνα τῷ αἵματι (5)
I Es. 8. 83. γῆ μεμολυσμένη [A -λυμμ.] μολυσμῷ
To. 3. 15. οὐκ ἐμόλυνα τὸ ὄνομά μου
Ca. 5. 3. πῶς μολυνῶ αὐτούς (6)
Si. 13. 1. ὁ ἁπτόμενος πίσσης μολυνθήσεται [S¹ οὐ μ.]
21. 28. μολύνει τὴν ἑαυτοῦ ψυχὴν ὁ ψιθυρίζων
22. 13. οὐ μὴ μολυνθῇς ἐν τῷ ἐντιναγμῷ αὐτοῦ
Za. 14. 2. αἱ γυναῖκες μολυνθήσονται (8*, 9)
Is. 59. 3. αἱ γὰρ χεῖρες ὑμῶν μεμολυσμέναι [A S -υμμέναι] αἵματι (2)
65. 4. μεμολυμμένα πάντα τὰ σκεύη αὐτῶν (7)
Je. 12. 10. A B ἐμόλυναν τὴν μερίδα μου (1)
23. 11. ἱερεὺς καὶ προφήτης ἐμολύνθησαν (4)
La. 4. 14. ἐμολύνθησαν ἐν αἵματι (2)
Ez. 7. 17 : 21. 7 (12). πάντες μηροὶ μολυνθήσονται ὑγρασίᾳ (3)
I Ma. 1. 37. ἐμόλυναν τὸ ἁγίασμα [A¹ σάββατον]
II Ma. 6. 2. μολύναι δὲ καὶ τὸν ἐν Ἱερ. νεὼν
14. 3. ἑκουσίως δὲ μεμολυμμένος
IV Ma. 9. 20. ἐμολύνετο δὲ πάντοθεν αἵματι ὁ τροχός
[Aq. Jb. 3. 5 : Je. 13. 22 : Ma. 1. 7.]
[Sm., Th. IV Ki. 23. 10 : Is. 63. 3 : Ma. 1. 7.]

μόλυνσις. (1) תּוֹעֵבָה
Je. 51 (44). 4. μὴ ποιήσητε τὸ πρᾶγμα τῆς μ. ταύτης (1)

μολυσμός. (1) חֲנֻפָּה
I Es. 8. 83. γῆ μεμολυσμένη μολυσμῷ τῶν ἀλλογ.
Je. 23. 15. ἀπὸ τῶν προφητῶν Ἱερ. ἐξῆλθε μ. (1)
II Ma. 5. 27. πρὸς τὸ μὴ μετασχεῖν τοῦ μ.

μολχόλ (B), **μολχόμ** (A). (1) מַלְכָּם
I Ch. 20. 2. ἔλαβε Δ. τὸν στέφανον μ. βασιλέως αὐ. (1)
[Aq. Am. 5. 26 (μολχόμ).]

μονάζειν. (1) בָּדַד
Ps. 101 (102). 7. ὡσεὶ στρουθίον μονάζον [A -ων] ἐπὶ δώματι (1)
[Aq., Sm., Th., Quint. Ho. 8. 9.]

μόναρχος.
III Ma. 2. 2. ἅγιε ἐν ἁγίοις μόναρχε

μοναχός.
[Aq. Ge. 22. 2 : Ps. 21 (22). 21 : 24 (25). 16 : 34 (35). 17.]
[Sm. Ge. 2. 18 : Ps. 67 (68). 7.]
[Th. Ps. 67 (68). 7.]

μοναχοῦν.
[Aq. Ps. 85 (86). 11.]

μονή.
I Ma. 7. 38. μὴ δῷς αὐτοῖς μονήν

μονήμερος.
Wi. 5. 14. S ὡς μνεία καταλύτου μονημέρου [A B μονημ.]

μόνιμος. (1) עַד (2) תִּקְוָה
Ge. 49. 26. ὑπὲρ εὐλογίας ὀρέων μονίμων [A *al.*] (1)
Je. 38 (31). 17. μόνιμον τοῖς σοῖς τέκνοις (2)

μονιός. (1) זִיז
Ps. 79 (80). 13. A B² R μονιὸς [B¹ S ὄνος] ἄγριος κατενεμήσατο αὐτήν (1)
[Sm. Ps. 79 (80). 14.]

μονογενής. (1) *a.* יָחִיד *b.* רַק יָחִיד
Jd. 11. 34. αὕτη ἦν μονογενής (1 *b*)
To. 3. 15. μονογενής εἰμι τῷ πατρί μου
6. 10. A ἔστιν αὐτῷ θυγάτηρ μ. [B S *om.*]
— 14. S μονογενής [A B μόνος] εἰμι τῷ πατρί
8. 17. ἠλέησας δύο μονογενεῖς
Ps. 21 (22). 20. καὶ ἐκ χειρὸς κυνὸς τὴν μονογενῆ [A -ἦν] μου (1 *a*)
24 (25). 16. μονογενὴς καὶ πτωχός εἰμι ἐγώ (1 *a*)
34 (35). 17. ἀπὸ λεόντων τὴν μονογενῆ [A S² -ἦν] μου (1 *a*)
Wi. 7. 22. ἔστι γὰρ ἐν [A *om.*] αὐτῇ πνεῦμα . . . μονογενές
Ba. 4. 16. A ἀπὸ τῶν θυγατέρων τὴν μονογενῆν [R -ῆ, B S μόνην] ἠρήμωσαν
[Aq. Ge. 22. 2 : Ps. 67 (68). 7 : Pr. 4. 3 : Je. 6. 26.]
[Sm. Ge. 22. 12 : Pr. 4. 3 : Je. 6. 26.]
[Th. Pr. 4. 3.]

μονόζωνος. (1) גְּדוּד
II Ki. 22. 30. ἐν σοὶ δραμοῦμαι μονόζωνος (1)
IV Ki. 5. 2. Συρία ἐξῆλθον μονόζωνοι (1)
6. 23. οὐ προσέθεντο ἔτι μονόζωνοι Σ. τοῦ ἐλθεῖν (1)
13. 20. μονόζωνοι Μωὰβ ἦλθον (1)
— 21. εἶδον τὸν μ. (1)
24. 2. ἀπέστειλε κ. αὐτῷ τοὺς μ. τῶν Χ. καὶ τοὺς μ. [A *om.* τ. Χ. κ. τ. μ.] Σ. καὶ τοὺς μ. Μ. καὶ τοὺς μ. υἱῶν Ἀ. (1 *quater*)
Jb. 29. 25. κατεσκήνουν ὡσεὶ βασιλεὺς ἐν μονοζώνοις (1)
[Aq. II Ki. 3. 22.]
[Th. Jb. 19. 12 : 29. 25.]
[Quint. Ps. 67 (68). 7.]

μονόζως.
[Quint. Ps. 67 (68). 7.]

μονοήμερος.
Wi. 5. 14. ὡς μνεία καταλύτου μονημέρου [S μονημ.]

μονόκερως. (1) רְאֵים, רְאֵם, רֵים
Nu. 23. 22 : 24. 8. ὡς δόξα μονοκέρωτος αὐτῷ (1)
De. 33. 17. κέρατα μονοκέρωτος τὰ κέρατα αὐ. (1)
Jb. 39. 9. βουλήσεται δέ σοι μονόκερως [A ἀτράπελος μ.] δουλεῦσαι (1)
Ps. 21 (22). 21. σῶσον . . . ἀπὸ κεράτων μονοκερώτων τὴν ταπείνωσίν μου (1)
28 (29). 6. ὁ ἠγαπημένος ὡς υἱὸς μονοκερώτων (1)
77 (78). 69. ᾠκοδόμησεν ὡς μονοκερώτων τὸ ἁγίασμα αὐτοῦ †
91 (92). 10. ὑψωθήσεται ὡς μονοκέρωτος τὸ κέρας μου (1)
[Sm. Ps. 28 (29). 6 : Is. 34. 7.]

μονομαχεῖν. (1) לָחַם ni.
I Ki. 17. 10. μονομαχήσομεν [A -ωμεν] ἀμφότεροι (1)
Ps. 151. *tit.* ὅτε ἐμονομάχησε τῷ [A πρὸς τὸν] Γ.
[Sm. I Ki. 17. 8.]

μόνον. (1) אַךְ (2) לְבַד c. suff. (3) רַק
Ge. 19. 8. μ. εἰς τοὺς ἄνδρας τ. μὴ ποιήσητε (3)
24. 8. μ. τὸν υἱόν μου μὴ ἀποστρέψῃς (3)
27. 13. μ. ὑπάκουσόν μου (1)
34. 15. R μ. [A *om.*] ἐν τούτῳ ὁμοιωθησόμεθα (1)
— 22. μ. ἐν τούτῳ ὁμοιωθήσονται (1)
— 23. μ. ἐν τούτῳ ὁμοιωθῶμεν (1)
47. 22. χωρὶς τῆς γῆς τῶν ἱερέων μ. (3 ?)
— 26. R χωρὶς τῆς γῆς τῶν ἱερέων μ. [A -ων] (2)
Ex. 12. 16. τοῦτο μ. ποιηθήσεται ὑμῖν (2)
De. 22. 25. ἀποκτενεῖτε τὸν κοιμώμ. μετ' αὐτῆς μ. (2)
Jd. 6. 37. ἐὰν δρόσος γένηται ἐπὶ τὸν πόκον μ. (2)
— 39. γενέσθω ἡ ξηρασία ἐπὶ τὸν πόκον μ. (2)
— 40. ἐγένετο ξηρασία ἐπὶ τὸν πόκον μ. (2)
II Ki. 20. 21. δότε αὐτόν μοι μόνον (2)
II Ch. 18. 30. ἀλλ' ἢ τὸν βασ. Ἰσρ. μ. (2)
To. 5. 8. S μόνον [A B καὶ] μὴ χρονίσῃς
Ju. 11. 7. οὐ μόνον ἄνθρωποι διὰ σὲ δουλεύουσιν
Es. 1. 16. οὐ τὸν βασ. μόνον ἠδίκησεν Ἀ. (2)
8. 13. οὐ μόνον τοὺς ὑποτεταγμ. ἡμῖν ζητοῦσι κακοποιεῖν
— 13. οὐ μόνον ἐκ τῶν ἀνθρ. ἀνταναιροῦντες
— 13. οὐ μόνον ἀνθρώποις ἄβατος
Jb. 2. 6. μόνον τὴν ψυχὴν αὐ. διαφύλαξον (1)
19. 2. γνῶτε μόνον –
Wi. 10. 8. οὐ μ. ἐβλάβησαν τοῦ μὴ γνῶναι τὰ καλά
11. 19. ὧν οὐ μ. ἡ βλάβη ἠδύνατο συνεκτρῖψαι αὐτούς
16. 4. τούτοις δὲ μ. δειχθῆναι
17. 6. διεφαίνετο δ' αὐτοῖς μ. αὐτομάτη πυρά
19. 15. καὶ οὐ μ. ἀλλ' ἥτις ἐπισκοπὴ ἔσται
Si. *prol.* 4. οὐ μ. αὐτοὺς τοὺς ἀναγινώσκοντας δέον ἐστὶν ἐπιστήμονας γίνεσθαι
— 17. οὐ μ. δὲ ταῦτα
37. 1. ἔστι φίλος ὀνόματι μ. φίλος
45. 13. πλὴν τῶν υἱῶν αὐτοῦ μ.
I Ma. 6. 25. οὐκ ἐφ' ἡμᾶς μόνον ἐξέτειναν χεῖρα
11. 42. οὐ μόνον ταῦτα ποιήσω σοι
II Ma. 4. 55. οὐ μόνον τοῖς νέοις . . . ἐδείναζον
6. 31. οὐ μόνον τοῖς νέοις . . . ὑπόδειγμα . . . καταλείπων
7. 24. οὐ μόνον διὰ λόγων ἐποιεῖτο τὴν παράκλησιν
11. 9. οὐ μόνον ἀνθρώπους . . . τιτρώσκειν ὄντες ἕτοιμοι
III Ma. 1. 29. μὴ μόνον τοὺς ἀνθρώπους . . . ἠχεῖν
2. 26. οὐ μόνον ταῖς ἀναριθμήτοις ἀσελγείαις διηρκέσθη
3. 1. ὥστε οὐ μόνον . . . διοργίζεσθαι
— 23. οὐ μόνον ἀπεστρέψαντο τὴν ἀτίμητον πολιτείαν
IV Ma. 1. 11. οὐ μόνον ὑπὸ πάντων ἀνθρώπων
2. 4. οὐ μόνον δὲ τὴν . . . οἰστρηλασίαν
4. 20. ὥστε μὴ μόνον ἐπ' αὐτῇ τῇ ἄκρᾳ
5. 27. οὐ μόνον ἀναγκάζειν ἡμᾶς
6. 35. οὐ μόνον τῶν ἀλγηδόνων
8. 5. οὐ μόνον συμβουλεύω
— 15. οὐ μόνον οὐκ ἐφοβήθησαν
9. 10. οὐ μόνον ὡς κατὰ ἀπειθούντων
14. 1. ὡς μὴ μόνον τῶν ἀλγηδόνων
— 9. οἱ δὲ οὐ μόνον ὁρῶντες ἀλλ' οὐδὲ μόνον ἀκούοντες
16. 2. οὐ μόνον τῶν παθῶν
17. 20. οὐ μόνον οὖν ταύτῃ τῇ τιμῇ
18. 2. οὐ μόνον τῶν ἔνδοθεν
— 3. οὐ μόνον ὑπὸ τῶν ἀνθρώπων ἐθαυμάσθησαν
[Aq. Ec. 7. 30 (29).]
[Sm. Jb. 23. 6 : Ps. 38 (39). 6 : Ec. 5. 10 : 7. 30 (29) : Is. 28. 19 : 45. 14.]
[Th. I Ki. 1. 13.]

μόνορχις. (1) כְּרוֹת אֶשֶׁךְ
Le. 21. 20. ἢ λιχὴν ἢ μόνορχις (1)

μόνος, *cf.* **μόνον.** (1) אַךְ (2) בֶּן c. suff.
(3) *a.* לְבַד c. suff. *b.* לְבָדָד *c.* בָּדָד
(4) κατὰ μόνας *a.* לְבַד c. suff. *b.* לְבָד *c.* יַחַד *d.* בָּדָד *e.* לְבָדָד (5) רַק (6) μονώτατος לְבַד c. suff.
Ge. 2. 18. οὐ καλὸν εἶναι τὸν ἄνθρωπον μόνον (3 *a*)
3. 11, 17. τούτου μ. μὴ φαγεῖν –
7. 23. καὶ κατελείφθη μ. Νῶε (1)
21. 28. ἔστησεν Ἀβ. ἑπτὰ ἀμνάδας . . . μόνας (3 *a*)
— 29. ἃς ἔστησας μόνας (3 *a*)
32. 16 (17). ἔδωκεν αὐτὰ . . . ποίμνιον κατὰ μόνας (4 *a*)
— 24 (25). ὑπελείφθη δὲ Ἰακὼβ μ. (3 *a*)
42. 38. καὶ αὐτὸς μ. καταλέλειπται (3 *a*)
43. 32. καὶ παρέθηκαν αὐτῷ μόνῳ (3 *a*)
44. 20. αὐτὸς δὲ μόνος ὑπελείφθη (3 *a*)
47. 26. χωρὶς τῆς γῆς τῶν ἱερέων μόνον [A -ων] (3 *a*)
Ex. 18. 14. διὰ τί σὺ κάθησαι μ. (3 *a*)
— 18. B οὐ δυνήσῃ ποιεῖν σὺ μ. (3 *a*)
21. 3. ἐὰν αὐτὸς μ. εἰσέλθῃ (2)
— 3. καὶ μ. ἐξελεύσεται (2)
— 4. αὐτὸς δὲ μ. ἐξελεύσεται (2)
Ex. 22. 20 (19). ὁ θυσιάζων θεοῖς . . . πλὴν κυρίῳ μ. (3 *a*)
— 27 (26). ἔστι γὰρ . . . μόνον τοῦτο τὸ ἱμάτιον (3 *a*)
24. 2. ἐγγιεῖ Μωυσῆς μ. πρὸς τὸν θεόν (3 *a*)
Le. 16. 11. A B τὸν . . . τοῦ οἴκου αὐ. μόνον [R *al.*] –
Nu. 3. 9. A δεδομένοι δόμα οὗτοι μ. [B μοί] εἰσιν †
11. 14. οὐ δυνήσομαι ἐγὼ μόνος φέρειν (3 *a*)
— 17. οὐκ οἴσεις αὐτοὺς σὺ μόνος (3 *a*)
12. 2. μὴ Μωυσῇ μόνῳ λελάληκε κ. (5)
23. 9. λαὸς μ. κατοικήσει (3 *b*)
De. 1. 9. οὐ δυνήσομαι μόνος φέρειν ὑμᾶς (3 *a*)
— 12. πῶς δυνήσομαι μόνος φέρειν τὸν κόπον ὑμῶν (3 *a*)
6. 13. A καὶ αὐτῷ μόνῳ [B *om.*] λατρεύσῃς –
8. 3. οὐκ ἐπ' ἄρτῳ μόνῳ ζήσεται ὁ ἄνθρ. (3 *a*)
10. 20. A καὶ αὐτῷ μόνῳ [B *om.*] λατρεύσεις –
29. 14 (13). οὐχ ὑμῖν μόνοις ἐγὼ διατίθεμαι (3 *a*)
32. 12. κύριος μόνος ἤγεν αὐτούς (3 *c*)
33. 28. κατασκηνώσει Ἰσρ. πεποιθὼς μόνος (3 *c*)
Jo. 11. 13. Ἀσὼρ μόνην ἐνέπρησεν Ἰσρ. (3 *a*)
22. 20. B οὗτος εἷς μ. αὐτὸς ἀπέθανεν [A R *al.*] –
Jd. 3. 20. αὐτὸς ἐκάθητο . . . μονώτατος (6)
7. 5. στήσεις αὐτὸν κατὰ μόνας (4 *b*)
10. 16. ἐδούλευσαν τῷ κυρίῳ μόνῳ [A *al.*] –
17. 3. A ἡγίακα . . . κατὰ μόνας [B τῷ υἱῷ μου] †
I Ki. 7. 3. δουλεύσατε αὐτῷ μόνῳ (3 *a*)
— 4. ἐδούλευσαν κυρίῳ μόνῳ (3 *a*)
21. 1 (2). τί ὅτι σὺ μόνος (3 *a*)
II Ki. 10. 8. παρετάξαντο πόλεμον . . . μόνοι ἐν ἀγρῷ (3 *a*)
13. 32, 33. Ἀμνὼν μονώτατος ἀπέθανεν (6)
17. 2. πατάξω τὸν βασιλέα μονώτατον (6)
18. 24. ἀνὴρ τρέχων μόνος ἐνώπιον αὐτοῦ (3 *a*)
— 25. εἰ μόνος ἐστίν (3 *a*)
— 26. ἰδοὺ ἀνὴρ ἕτερος τρέχων μόνος (3 *a*)
III Ki. 8. 39. σὺ μονώτατος οἶδας τὴν καρδίαν (6)
11. 29. R ἀμφότεροι μόνοι [A B *om.*] ἐν τῷ πεδίῳ (3 *a*)
12. 20. παρὲξ σκήπτρου Ἰ. καὶ Βεν. μόνοι (3 *a*)
14. 13. A οὗτος μόνος εἰσελεύσεται τῷ Ἱερ. (3 *a*)
18. 6. Ἀβδ. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ ἄλλῃ μόνος (3 *a*)
— 7. ἦν Ἀβδ. ἐν τῇ ὁδῷ μόνος [A *om.*] –
— 7. ἦλθεν Ἠ. εἰς συνάντησιν αὐ. μόνος –
— 22. ὑπολέλειμμαι προφήτης τοῦ κ. μονώτατος (6)
— 37. A σὺ εἶ κ. ὁ θεὸς μόνος [B *om.*] –
19. 10, 14. ὑπολέλειμμαι ἐγὼ μονώτατος (6)
22. 31. ἀλλ' ἢ τὸν βασ. Ἰσρ. μονώτατον (6)
IV Ki. 10. 23. ὅτι ἀλλ' ἢ οἱ δοῦλοι τοῦ Β. μονώτατοι (6)
17. 18. οὐχ ὑπελείφθη πλὴν φυλὴ Ἰ. μονωτάτη (6)
19. 15. σὺ εἶ ὁ θεὸς μ. (3 *a*)
— 19. σὺ κύριος ὁ θεὸς μόνος (3 *a*)
II Ch. 6. 30. μόνος [A μονώτατος] γινώσκεις τὴν καρδίαν (3 *a* [6])
I Es. 4. 7. B¹ αὐτὸς εἶ [A B² R εἷς] μόνος ἐστίν
5. 71. ἡμεῖς γὰρ μόνοι οἰκοδομήσομεν
8. 25. εὐλογητὸς μ. ὁ κύριος
Ne. 9. 6. σὺ εἶ αὐτὸς κύριος μόνος (3 *a*)
To. 1. 6. κἀγὼ μόνος [S μονώτατος] ἐπορευόμην
6. 11. S πλὴν Σάρρας μόνης
— 11. σὺ μόνος εἶ τοῦ γένους αὐτῆς [S *al.*]
— 14. μόνος [S μονογενής] εἰμὶ τῷ πατρί
8. 6. οὐ καλὸν εἶναι τὸν ἄνθρωπον μ.
Ju. 3. 8. ὅπως αὐτῷ μόνῳ [S *om.*] τῷ Ναβ. λατρεύσωσι
11. 8. σὺ μόνος ἀγαθὸς ἐν πάσῃ βασ.
12. 10. ἐποίησεν Ὀλ. πότον τοῖς δούλοις αὐ. μόνοις
13. 2. ὑπελείφθη δὲ Ἰ. μόνη
Es. 3. 13. διειληφότες οὐν τόδε τὸ ἔθνος μονώτατον
4. 13. σωθήσῃ μόνη ἐν τῇ βασ.
— 17. σὺ εἶ μόνος
— 17 *bis.* βοήθησόν μοι τῇ μ.
Jb. 1. 15, 16. σωθεὶς δὲ [A καὶ ἐσώθην] ἐγὼ μόνος (5+3 *a*)
— 17, 19. ἐσώθην δὲ ἐγὼ μόνος (5+3 *a*)
9. 8. ὁ τανύσας τὸν οὐρανὸν μόνος (3 *a*)
12. 2. A μὴ [B S εἶτα] ὑμεῖς ἐστε ἄνθρωποι μόνοι [B S *om.*] –
15. 19. αὐτοῖς μόνοις ἐδόθη ἡ γῆ (3 *a*)
31. 17. εἰ δὲ καὶ τὸν ψωμόν μου ἔφαγον μόνος (3 *a*)
— 39. εἰ δὲ καὶ τὴν ἰσχὺν αὐτῆς ἔφαγον μόνος [S *om.*] ἄνευ τιμῆς –

Ps. 4. 8. σὺ, κύριε, κατὰ μόνας ἐπ' ἐλπίδι κατῴκισάς με (4 e)
32 (33). 15. ὁ πλάσας κατὰ μόνας τὰς καρδίας αὐτῶν (4 c)
50 (51). 4. σοὶ μόνῳ ἥμαρτον (3 a)
70 (71). 16. μνησθήσομαι τῆς δικαιοσύνης σου μόνου (3 a)
71 (72). 18. ὁ ποιῶν θαυμάσια μόνος (3 a)
76 (77). 14. ὁ ποιῶν θαυμάσια [S² add. μόνος] –
82 (83). 18. σὺ μόνος ὕψιστος ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν (3 a)
85 (86). 10. σὺ εἶ ὁ θεὸς μόνος (3 a)
135 (136). 4. τῷ ποιήσαντι θαυμάσια μεγάλα μόνῳ (3 a)
— 7. τῷ ποιήσαντι φῶτα μεγάλα μόνῳ –
140 (141). 10. κατὰ μόνας εἰμὶ ἐγώ (4 c)
148. 13. ὑψώθη τὸ ὄνομα αὐτοῦ μόνου (3 a)
Pr. 5. 17. A S R ἔστω σοι μόνῳ [B μόνα] ὑπάρχοντα (3 a)
9. 12. μόνος ἂν ἀντλήσεις κακά (3 a)
Wi. 10. 1. πατέρα κόσμου μόνον κτισθέντα διεφύλαξε
17. 21. R μόνοις δὲ ἐκείνοις ἐπετέτατο [A B ἐπέτατο, S ἐπέκειτο] βαρεῖα νύξ
18. 25. ἦν γὰρ μόνη ἡ πεῖρα τῆς ὀργῆς ἱκανή
Si. 18. 2. κύριος μόνος δικαιωθήσεται
24. 5. γῦρον οὐρανοῦ ἐκύκλωσα μόνη
— 34: 30. 26 (33. 17). οὐκ ἐμοὶ μόνῳ ἐκοπίασα
45. 25. κληρονομία βασιλέως υἱοῦ ἐξ υἱοῦ μόνου
Is. 2. 11, 17. ὑψωθήσεται κύριος μόνος (3 a)
3. 26. καταλειφθήσῃ μόνη †
5. 8. μὴ οἰκήσετε μόνοι ἐπὶ τῆς γῆς (3 a)
10. 8. σὺ μ. εἶ ἄρχων †
37. 16. σὺ εἶ ὁ θεὸς μ. πάσης βασιλείας τῆς οἰκουμένης (3 a)
— 20. σὺ εἶ ὁ θεὸς μ. (3 a)
44. 24. ἐξέτεινα τὸν οὐρανὸν μόνος (3 a)
49. 21. κατελείφθην μόνη (3 a)
Je. 15. 17. κατὰ μόνας ἐκαθήμην (4 d)
30. 9 (49. 31). μόνοι καταλύουσι (3 c)
39 (32). 30. οἱ υἱοὶ Ἰούδα μόνοι ποιοῦντες τὸ πονηρόν (1)
Ba. 4. 16. ἀπὸ τῶν θυγατέρων τὴν μ. [A μονογενῆν] ἠρήμωσαν
La. 1. 1. πῶς ἐκάθισε μόνη ἡ πόλις (3 c)
3. 28. καθήσεται κατὰ μόνας καὶ σιωπήσεται (4 d)
Ez. 14. 16, 18. αὐτοὶ μόνοι σωθήσονται (3 a)
Da. LXX. 2. 47. ὁ ἐκφαίνων μυστήρια κρυπτὰ μόνος –
3. (45). σὺ εἶ μ. κύριος ὁ θεός
10. 8. ἐγὼ κατελείφθην μόνος (3 a)
11. 27. δύο βασιλεῖς μ. δειπνήσουσιν †
Da. TH. Su. 14. ὅτε αὐτὴν δυνήσονται εὑρεῖν μόνην
— 15. εἰσῆλθε . . . μετὰ δύο μόνων κορασίων
— 36. περιπατούντων ἡμῶν ἐν τῷ παραδείσῳ μόνων
3. (45). σὺ εἶ κύριος θεὸς μ.
10. 7. ἴδον ἐγὼ Δ. μόνος τὴν ὀπτασίαν (3 a)
— 8. B μόνος [AR om.] ὑπελείφθην μόνος (–, 3 a)
Bel 14. ἐνώπιον τοῦ βασ. μόνου
I Ma. 10. 70. σὺ μονώτατος ἐπαίρῃ ἐφ' ἡμᾶς
12. 36. ἵνα ᾖ αὕτη κατὰ μόνας
13. 4. κατελείφθην ἐγὼ μόνος
II Ma. 1. 24. ὁ μ. βασιλεὺς καὶ χρηστὸς ὁ μ. χορηγός
— 25. ὁ μ. δίκαιος καὶ παντοκράτωρ καὶ αἰώνιος
7. 37. μόνος αὐτὸς θεός ἐστιν
15. 39. οἶνον κατὰ μόνας πίνειν
III Ma. 1. 2. ὡς μόνος κτεῖναι αὐτόν
— 11. ἀλλ' ἢ μόνῳ τῷ προηγουμ. πάντων ἀρχιερεῖ
3. 19. ὡς μονώτατοι . . . ὑψαυχενοῦντες
IV Ma. 5. 24. ὥστε μόνον τὸν ὄντα θεὸν σέβειν
7. 18. οὗτοι μόνοι δύνανται κρατεῖν
— 23. μόνος γὰρ ὁ σοφὸς . . . ἐστι τῶν πιθῶν κύριος
9. 18. μόνοι παῖδες Ἑβραίων . . . εἰσιν ἀνίκητοι
15. 17. ὦ μ. γυνὴ τὴν εὐσέβειαν . . . ἀποκυήσασα
16. 10. γυνὴ χήρα καὶ μόνη πολύθρηνος

[Aq. III Ki. 14. 13: Ez. 10. 2.]
[Sm. Ge. 22. 2: Jd. 3. 20 (κατὰ μόνας): Ps. 24 (25). 16: 32 (38). 15 (κατὰ μόνας): Pr. 9. 12: Ec. 8. 15: Is. 5. 8: 6. 13: 27. 10: 63. 3: Je. 32 (39). 30.]
[Th. Pr. 9. 12: Je. 32 (39). 30: Da. 14. 13.]
[Al. Le. 13. 46 (κατὰ μόνας): Dt. 3. 11: 33. 28 (κατὰ μόνας).]

μονότης.
[Sm. Ps. 21 (22). 21: 34 (35). 17.]

μονότροπος. (1) יָחִיד
Ps. 67 (68). 6. κατοικίζει μονοτρόπους ἐν οἴκῳ (1)

μονοῦσθαι.
[Aq. Ge. 49. 6.]
[Heb. Jb. 3. 7.]
[Al. Jb. 30. 3.]

μονοφαγία.
IV Ma. 1. 27. SR λαιμαργία καὶ μονοφαγία [A νομοφ.]

μονοφάγος.
IV Ma. 2. 7. μονοφάγος τις ὢν τὸ ἦθος

μόριον.
[Sm. Jb. 38. 31.]

μόρον.
I Ma. 6. 34. ἔδειξαν αἷμα σταφυλῆς καὶ μόρων

μόρος.
II Ma. 9. 28. οἰκτίστῳ μ. κατέστρεψε τὸν βίον
13. 7. τοιούτῳ μ. τὸν παράνομον συνέβη θανεῖν
III Ma. 3. 1. χειρίστῳ μ. τοῦ ζῆν μεταστῆσαι
5. 2. πρὸς συνάντησιν τοῦ μ. τῶν Ἰ.
— 8. ἐκ τοῦ παρὰ πόδας ἐν ἑτοίμῳ μόρου
6. 10. ἀπόλεσον ἡμᾶς μόρῳ
— 31. ἀντὶ πικροῦ καὶ δυσαιάκτου μ.

μορφή. (1) זִיו (2) צֶלֶם (3) תֹּאַר (4) תַּבְנִית (5) תְּמוּנָה
Jd. 8. 18. A ὡς εἶδος μορφὴ υἱῶν βασιλέων [B al.] (3)
To. 1. 13. ἔδωκεν ὁ ὕψιστος χάριν καὶ μορφήν
Jb. 4. 16. οὐκ ἦν μορφὴ πρὸ ὀφθαλμῶν μου (5)
Wi. 18. 1. μορφὴν δὲ οὐχ ὁρῶντες
Is. 44. 13. ἐποίησεν αὐτὸ ὡς μορφὴν ἀνδρός (4)
Da. LXX. 3. 19. ἡ μ. τοῦ προσώπου αὐ. ἠλλοιώθη (2)
Da. TH. 4. 33. ἡ μ. μου ἐπέστρεψεν ἐπ' ἐμέ (1)
5. 6. τοῦ βασ. ἡ μ. ἠλλοιώθη (1)
— 9. ἡ μ. αὐ. ἠλλοιώθη ἐν αὐτῷ (1)
— 10. ἡ μ. σου μὴ ἀλλοιούσθω (1)
7. 28. ἡ μ. μου ἠλλοιώθη (1)
IV Ma. 15. 4. ψυχῆς τε καὶ μορφῆς ὁμοιότητα

[Aq. Is. 52 14.]
[Sm. Dt. 4. 12.]
[Th. Da. 5. 6: 7. 28.]

μορφοῦν.
[Aq. Is. 44. 13.]

μόρφωμα.
[Aq. Ge. 31. 19: Jd. 17. 5: I Ki. 15. 23: 19. 13: Ho. 3. 4.]

μοσθάθ, μοσοάθ, μοσόθ. (1) מַשְׂחִית
IV Ki. 23. 13. B τὸν ἐκ δεξιῶν τοῦ ὄρους τοῦ μ. [A -οθ, R μοσθάθ] †

μοσφαιθάμ. (1) מִשְׁפָּתַיִם
Jd. 5. 16. A ἵνα τί μοι κάθησαι ἀνὰ μέσον τῶν μ. [B al.] (1)

μοσχάριον. (1) בֶּן־בָּקָר (2) עֵגֶל (3) פַּר, פָּר
Ge. 18. 7. ἔλαβον ἁπαλὸν μ. καὶ καλόν (1)
— 8. ἔλαβε δὲ βούτυρον . . . καὶ τὸ μ. (1)
Ex. 24. 5. ἔθυσαν θυσίαν . . . τῷ θεῷ μοσχάρια (3)
29. 1. λήψῃ δὲ μ. ἐκ βοῶν ἕν (3)
— 3. προσοίσεις αὐτὰ . . . καὶ τὸ μ. (3)
— 36. τὸ μ. [A add. τὸ] τῆς ἁμαρτίας ποιήσεις (3)
Le. 9. 2. λάβε . . . μ. ἐκ βοῶν περὶ ἁμαρτίας (2)
— 3. λάβετε . . . μ. καὶ ἀμνὸν ἐνιαύσιον (2)
— 8. τὸ μ. τὸ περὶ τῆς ἁμαρτίας (2)
Am. 6. 4. μοσχάρια ἐκ μέσου [A om.] βουκολίων γαλαθηνά (2)
Ma. 4. 2 (3. 20). σκιρτήσετε ὡς μοσχάρια ἐκ δεσμῶν ἀνειμένα (2)
Is. 11. 6. μοσχάριον καὶ ταῦρος καὶ λέων ἅμα βοσκηθήσονται (2)

[Th. II Ki. 17. 29.]
[Heb. Je. 2. 23.]

μόσχευμα.
Wi. 4. 3. ἐκ νόθων μ. οὐ δώσει ῥίζαν εἰς βάθος

μόσχος. (1) a. בָּקָר b. בֶּן הַבָּקָר (2) a. עֵגֶל b. עֶגְלָה (3) פַּר, פָּר (4) a. שׁוֹר b. תּוֹר (5) μ. ἐκ βοῶν שׁוֹר (6) μόσχος βοῶν בָּקָר
Ge. 12. 16. πρόβατα καὶ μόσχοι καὶ ὄνοι (1 a)
20. 14. ἔλαβε . . . πρόβατα καὶ μόσχους (1 a)
21. 27. ἔλαβεν Ἀβραὰμ πρόβατα καὶ μόσχους (1 a)
24. 35. ἔδωκεν αὐτῷ πρόβατα καὶ μόσχους (1 a)
Ex. 20. 24. τὰ πρόβατα καὶ τοὺς μ. ὑμῶν (1 a)
21. 33. καὶ ἐμπέσῃ ἐκεῖ μ. (4 a)
22. 1 (21. 37). ἐὰν δέ τις κλέψῃ μόσχον (4 a)
— 1 (21. 37). πέντε μόσχους ἀποτίσει ἀντὶ τοῦ μ. (1 a, 4 a)
— 9 (8). ἀδίκημα περί τε μόσχου καὶ ὑποζυγίου (4 a)
— 10 (9). ἐὰν δέ τις δῷ τῷ πλησίον ὑποζύγιον ἢ μόσχον (4 a)
— 30 (29). οὕτω ποιήσεις τὸν μ. σου (4 a)
29. 10. προσάξεις τὸν μ. ἐπὶ τὰς θύρας (3)
— 10. ἐπιθήσουσιν . . . ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ μ. (3)
— 11. B καὶ σφάξεις τὸν μ. ἔναντι κυρίῳ (3)
— 12. λήψῃ ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ μ. [A¹ al.] (3)
— 14. τὰ δὲ κρέα τοῦ μ. (3)
32. 4. ἐποίησεν αὐτὰ μόσχον χωνευτόν (2 a)
— 8. ἐποίησαν ἑαυτοῖς μόσχον (2 a)
— 19. ὁρᾷ τὸν μ. καὶ τοὺς χορούς (2 a)
— 20. καὶ λαβὼν τὸν μ. . . . κατέκαυσεν (2 a)
— 24. καὶ ἐξῆλθεν ὁ μ. οὗτος (2 a)
— 35. περὶ τῆς ποιήσεως τοῦ μ. οὗ ἐποίησεν (2 a)
34. 19. πᾶν [A om.] πρωτότοκον μόσχου (4 a)
Le. 1. 5. καὶ σφάξουσι τὸν μ. ἔναντι κυρίου (1 b)
4. 3. προσάξει . . . μόσχον ἐκ βοῶν (3)
— 4. προσάξει τὸν μ. παρὰ τὴν θύραν (3)
— 4. ἐπιθήσει . . . ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ μ. (3)
— 4. σφάξει τὸν μ. ἐνώπιον κυρίου (3)
— 5. λαβὼν . . . ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ μ. (3)
— 7. ἐπιθήσει . . . ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ μ. –
— 7. καὶ πᾶν τὸ αἷμα τοῦ μ. ἐκχεεῖ (3)
— 8. τὸ στέαρ τοῦ μ. τοῦ τῆς ἁμαρτίας (3)
— 10. τοῦ μ. τοῦ τῆς θυσίας τοῦ σωτηρίου (4 a)
— 11. τὸ δέρμα τοῦ μ. καὶ . . . τὴν σάρκα (3)
— 12. ἐξοίσουσιν ὅλον τὸν μ. (3)
— 14. προσάξει ἡ συναγωγὴ μόσχον ἐκ βοῶν (3)
— 15. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ μ. (3)
— 15. A B² R σφάξουσι τὸν μ. ἔναντι κυρίου (3)
— 16. εἰσοίσει ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ μ. (3)
— 17. βάψει . . . ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ μ. –
— 20. καὶ ποιήσει τὸν μ. (3)
— 20. ἐποίησε τὸν μ. τὸν τῆς ἁμαρτίας (3)
— 21. B²R ἐξοίσουσι τὸν μ. ὅλον [AB¹ om.] ἔξω (3)
— 21. κατακαύσουσι τὸν μ. †
— 21. κατέκαυσαν τὸν μ. τὸν πρότερον (3)
8. 2, 14. τὸν μ. τὸν περὶ τῆς ἁμαρτίας (3)
— 14. τοῦ μ. τοῦ τῆς ἁμαρτίας (3)
— 17. τὸν μ. . . . κατέκαυσεν (3)
9. 4. καὶ μόσχον καὶ κριὸν εἰς θυσίαν (4 a)
— 18. ἔσφαξε τὸν μ. καὶ τὸν κριόν (4 a)
— 19. καὶ τὸ στέαρ τὸ ἀπὸ τοῦ μ. (4 a)
16. 3. ἐν μόσχῳ ἐκ βοῶν περὶ ἁμαρτίας (3)
— 6. τὸν μ. τὸν περὶ τῆς ἁμαρτίας αὐτοῦ (3)
— 11 bis. τὸν μ. τὸν περὶ τῆς ἁμαρτίας (3)
— 14. λήψεται ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ μ. (3)
— 15. ὃν τρόπον ἐποίησε τὸ αἷμα τοῦ μ. (3)
— 18. λήψεται ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ μ. (3)
— 27. τὸν μ. τὸν περὶ τῆς ἁμαρτίας (3)
17. 3. μόσχον ἢ πρόβατον ἢ αἶγα (4 a)
22. 23. A²B καὶ μόσχον ἢ πρόβατον ὠτότμητον (4 a)
— 27. μόσχον ἢ πρόβατον ἢ αἶγα (4 a)
— 28. καὶ μόσχον ἢ πρόβατον (4 a)
23. 18. καὶ μόσχον ἕνα ἐκ βουκολίου (3)
25. 43. οὐ κατατενεῖς αὐτὸν ἐν τῷ μόχθῳ [B¹ μόσχῳ] †
27. 26. ἐάν τε μόσχον ἐάν τε πρόβατον (4 a)
Nu. 7. 3. καὶ μόσχον παρὰ ἑκάστου (4 a)
— 15, 21, 27, 33, 39, 45, 51, 57, 63, 69, 75, 81. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν (3)
— 87. πᾶσαι αἱ βόες . . . μόσχοι δώδεκα (3)
8. 8. λήψονται μ. ἕνα ἐκ βοῶν (3)
— 8. μ. ἐνιαύσιον ἐκ βοῶν λήψῃ (3)
— 12. ἐπὶ τὰς κεφαλὰς τῶν μ. (3)
15. 9. προσοίσει ἐπὶ τοῦ μ. θυσίαν (1 b)
— 11. οὕτω ποιήσεις τῷ μ. τῷ ἑνί (4 a)
— 24. καὶ ποιήσει πᾶσα ἡ συναγ. μ. ἕνα (3)
18. 17. πρωτότοκα μόσχων . . . οὐ λυτρώσῃ (4 a)
22. 4. ὡσεὶ ἐκλείξαι ὁ μ. τὰ χλωρά (4 a)

Nu. 22. 40. καὶ ἔθυσε B. . . . μόσχους (1 a)
23. 1. ἑτοίμασόν μοι ἐνταῦθα ἑπτὰ μόσχους (3)
— 2. ἀνήνεγκε μόσχον . . . ἐπὶ τὸν βωμόν (3)
— 4. ἀνεβίβασα μόσχον . . . ἐπὶ τὸν βωμόν (3)
— 14. ἀνεβίβασε μόσχον . . . ἐπὶ τὸν βωμόν (3)
— 29. ἑτοίμασόν μοι ὧδε ἑπτὰ μόσχους (3)
— 30. ἀνήνεγκε μόσχον . . . ἐπὶ τὸν βωμόν (3)
28. 11. προσάξετε . . . μόσχους ἐκ βοῶν δύο (3)
— 12. τρία δέκατα σεμιδάλεως . . . τῷ μ. τῷ ἑνί (3)
— 14. τὸ ἥμισυ τοῦ εἶν ἔσται τῷ μ. τῷ ἑνί [B[1] om. τ. μ. τ. ἑ.] (3)
— 19. προσάξετε . . . μόσχους ἐκ βοῶν δύο (3)
— 20. τρία δέκατα τῷ μ. τῷ ἑνί (3)
— 27. μόσχους ἐκ βοῶν δύο (3)
— 28. τρία δέκατα τῷ μ. τῷ ἑνί (3)
29. 2. ποιήσετε . . . μ. ἕνα ἐκ βοῶν (3)
— 3. τρία δέκατα τῷ μ. τῷ ἑνί (3)
— 8. προσοίσετε . . . μ. ἐκ βοῶν ἕνα (3)
— 9. τρία δέκατα τῷ μ. τῷ ἑνί (3)
— 13. προσάξετε . . . μόσχους ἐκ βοῶν (3)
— 14. τρία δέκατα τῷ μ. τῷ ἑνὶ τοῖς τρισκαίδεκα μ. (3, 3)
— 17. τῇ ἡμ. τῇ δευτ. μόσχους δώδεκα (3)
— 18. ἡ σπονδὴ αὐτῶν τοῖς μ. (3)
— 20. τῇ ἡμ. τῇ τρίτῃ μόσχους ἕνδεκα (3)
— 21. ἡ θυσία αὐ. . . . τοῖς μ. (3)
— 23. τῇ ἡμ. τῇ τετάρτῃ μόσχους δέκα (3)
— 24. αἱ σπονδαὶ αὐτῶν τοῖς μ. (3)
— 26. τῇ ἡμ. τῇ πέμπτῃ μόσχους ἐννέα (3)
— 27. αἱ σπονδαὶ αὐτῶν τοῖς μ. (3)
— 29. τῇ ἡμ. τῇ ἕκτῃ μόσχους ὀκτώ (3)
— 30. αἱ σπονδαὶ αὐτῶν τοῖς μ. (3)
— 32. τῇ ἡμ. τῇ ἑβδ. μόσχους ἑπτά (3)
— 33. αἱ σπονδαὶ αὐτῶν τοῖς μ. (3)
— 36. μόσχον ἕνα κριὸν ἕνα (3)
— 37. αἱ σπονδαὶ αὐτῶν τῷ μ. (3)
De. 9. 16. A ἐποιήσατε ὑμῖν αὐτοῖς μ. [B om.] χωνευτόν (2 a)
— 21. τὴν ἁμαρτ. ὑμῶν ἣν ἐποιήσατε τὸν μ. (2 a)
14. 4. μόσχον ἐκ βοῶν (5)
15. 19. οὐκ ἐργᾷ ἐν τῷ πρωτοτόκῳ μ. σου (4 a)
17. 1. οὐ θύσεις κ. τῷ θεῷ σου μόσχον (4 a)
18. 3. ἐάν τε μόσχον ἐάν τε πρόβατον (4 a)
22. 1. ἰδὼν τὸν μ. τοῦ ἀδελφοῦ σου (4 a)
— 4. οὐκ ὄψῃ [A[2] ὑπερόψῃ] . . . τὸν μ. αὐτοῦ (4 a)
— 10. ἐν μόσχῳ καὶ ὄνῳ ἐπὶ τὸ αὐτό (4 a)
28. 31. ὁ μ. σου ἐσφαγμένος ἐναντίον σου (4 a)
Jo. 6. 20 (21). καὶ ἕως μόσχου καὶ ὑποζυγίου (4 a)
7. 24. ἀνήγαγεν . . . τοὺς μ. αὐτοῦ (4 a)
Jd. 3. 31. A ἐν τῷ ἀροτρόποδι ἐκτὸς μόσχων βοῶν [B ἀ. τῶν β.] (6)
6. 4. A οὐχ ὑπελείποντο . . . μόσχον [B al.] (4 a)
— 25. λάβε τὸν μ. τὸν ταῦρον [A σιτευτὸν] . . . καὶ μ. δεύτερον ἑπταετῆ (3, 3)
— 26. λήψῃ τὸν μ. τὸν δεύτερον (3)
— 28. εἶδαν τὸν μ. τὸν δεύτερον [A ὁ μ. ὁ σιτευτός] (3)
I Ki. 1. 24. ἀνέβη . . . ἐν μ. τριετίζοντι (3)
— 25. ἔσφαξε τὸν μ. (3)
12. 3. μόσχον τίνος εἴληφα (4 a)
14. 34. προσαγαγεῖν ἐνταῦθα ἕκαστος τὸν μ. αὐ. (4 a)
15. 3. ἀπὸ μόσχου ἕως προβάτου (4 a)
22. 19. ἀπὸ . . . μόσχου καὶ ὄνου (4 a)
II Ki. 6. 6. περιέσπασεν αὐτὸν ὁ μ. (1 a)
— 13. καὶ θύμα μόσχος (4 a)
III Ki. 1. 9. ἐθυσίασεν Ἀδ. . . . μόσχους [A βόας] (1 a)
— 19. ἐθυσίασε μόσχους (4 a)
— 25. ἐθυσίασε [A ἐθυμίασεν] μόσχους (4 a)
8. 1 (cf. 4. 23 [5. 3]). B δέκα μ. ἐκλεκτοί (1 a)
4. 23 (5. 3). δέκα μ. ἐκλεκτοί (1 a)
10. 19. καὶ προτομαὶ μόσχων τῷ θρόνῳ †
18. 25. ἐκλέξασθε ἑαυτοῖς τὸν μ. τὸν ἕνα (3)
— 26. ἔλαβον τὸν μ. (3)
I Ch. 12. 40. ἔφερον . . . ἐπὶ τῶν μ. βρώματα . . . μόσχους καὶ πρόβατα (1 a, 1 a)
13. 9. ἐξέκλινεν αὐτὴν ὁ μ. (1 a)
15. 26. ἔθυσαν ἀν' [A S om.] ἑπτὰ μόσχους (3)
21. 23. δέδωκα τοὺς μ. εἰς ὁλοκαύτωσιν (1 a)
29. 21. ἀνήνεγκεν . . . μ. χιλίους (3)
II Ch. 4. 3. ὁμοίωμα μόσχων ὑποκάτω αὐτῆς (1 a)
— 3. A R ἐχώνευσαν τοὺς μ. [B μοχλούς] (1 a)
— 4. ἐποίησαν αὐτοὺς δώδεκα μόσχους (1 a)
— 15. καὶ τοὺς μ. τοὺς δώδεκα ὑποκάτω αὐτῆς (1 a)
5. 6. θύοντες μόσχους καὶ πρόβατα (1 a)
7. 5. μόσχων εἴκοσι καὶ δύο χιλιάδας (1 a)
11. 15. κατέστησεν αὐτῷ ἱερεῖς . . . τοῖς μ. (2 a)
13. 8. μεθ' ὑμῶν μ. χρυσοῖ [A[2] πολλοί] (2 a)
II Ch. 13. 9. B πληρῶσαι τὰς χεῖρας ἐκ μόσχων [A ἐξ μόσχοις, R ἐν μόσχῳ] (3)
15. 11. ἔθυσε . . . μ. ἑπτακοσίους [A al.] (1 a)
18. 2. ἔθυσεν αὐτῷ Ἀχ. . . . μ. πολλούς (1 a)
29. 21. ἀνήνεγκε μόσχους ἑπτά (3)
— 22. ἔθυσαν τοὺς μ. (1 a)
— 32. μόσχοι ἑβδομήκοντα (1 a)
— 33. καὶ οἱ ἡγιασμ. μ. ἑξακόσιοι (1 a)
30. 24. ἀπήρξατο τῷ Ἰ. τῇ ἐκκλησίᾳ χιλίους μ. (3)
— 24. ἀπήρξαντο τῷ λαῷ μ. χιλίους (3)
31. 6. ἤνεγκαν ἐπιδέκατα μόσχων (1 a)
35. 7. καὶ μόσχων τρεῖς χιλιάδας (1 a)
— 8. ἔδωκαν . . . μ. τριακοσίους (1 a)
— 9. ἀπήρξαντο . . . μ. πεντακοσίους (1 a)
I Es. 1. 7. ἐδωρήσατο Ἰ. τῷ λαῷ . . . μ. τρισχιλίους
— 8. ἔδωκε . . . μ. τριακοσίους
— 9. ἔδωκαν . . . μ. ἑπτακοσίους
II Es. 6. 17. προσήνεγκαν . . . μόσχους ἑκατόν (4 b)
7. 17. μόσχους κριοὺς ἀμνούς (4 b)
8. 35. προσήνεγκαν . . . μόσχους δώδεκα (3)
Ne. 5. 18. ἦν γινόμενον εἰς ἡμέραν μίαν μ. εἷς (4 a)
9. 18. ἐποίησαν ἑαυτοῖς μ. χωνευτόν (2 a)
To. 1. 5. S ἐθυσίαζον ἐκεῖνοι τῷ μ.
Jb. 1. 5. μόσχον ἕνα περὶ ἁμαρτίας –
42. 8. λάβετε ἑπτὰ μόσχους καὶ ἑπτὰ κριούς (3)
Ps. 21 (22). 12. περιεκύκλωσάν με μόσχοι πολλοί (3)
28 (29). 6. λεπτυνεῖ αὐτὰς ὡς τὸν μ. τὸν Λ. (2 a)
49 (50). 9. οὐ δέξομαι ἐκ τοῦ οἴκου σου μόσχους (3)
50 (51). 19. τότε ἀνοίσουσιν ἐπὶ τὸ θυσιαστήριόν σου μόσχους (3)
68 (69). 31. ἀρέσει τῷ θεῷ ὑπὲρ μόσχον νέον κέρατα ἐκφέροντα (4 a + 3)
105 (106). 19. ἐποίησαν μόσχον ἐν Χωρήβ (2 a)
— 20. ἐν ὁμοιώματι μόσχου ἔσθοντος χόρτον (4 a)
Pr. 15. 17. παράθεσις μόσχων μετὰ ἔχθρας (4 a)
Ho. 5. 6. μετὰ προβάτων καὶ μόσχων πορεύσονται (1 a)
8. 5. ἀπότριψαι τὸν μόσχον σου (2 a)
— 6. διότι πλανῶν ἦν ὁ μ. σου (2 a)
10. 5. τῷ μ. τοῦ οἴκου Ὠν παροικήσουσιν (2 b)
13. 2. μόσχοι γὰρ ἐκλελοίπασι (2 a)
Mi. 6. 6. ἐν ὁλοκαυτώμασιν ἐν μόσχοις ἐνιαυσίοις (2 a)
Is. 22. 13. ἐποίησαντο εὐφροσύνην καὶ ἀγαλλίαμα σφάζοντες μόσχους (1 a)
66. 3. ὁ θύων μοι μόσχον ὡς ὁ ἀποκτέννων κύνα (4 a)
Je. 3. 24. κατηνάλωσε . . . τὰ πρόβατα αὐτῶν καὶ τοὺς μ. [A μόχθους] αὐτῶν (1 a)
5. 17. κατέδονται . . . τοὺς μ. ὑμῶν [A om.] (1 a)
26 (46). 15. ὁ μ. ὁ ἐκλεκτός σου οὐκ ἔμεινεν –
— 21. ὥσπερ μ. σιτευτοὶ τρεφόμενοι ἐν αὐτῇ (2 a)
38 (31). 18. ὥσπερ μ. οὐκ ἐδιδάχθην (2 a)
41 (34). 18. τὸν μ. ὃν ἐποίησαν (2 a)
52. 20. οἱ μ. δώδεκα χαλκοῖ ὑποκάτω τῆς θαλ. (1 a)
Ez. 1. 10. πρόσωπον μόσχου ἐξ ἀριστερῶν τοῖς τέσσαρσι (4 a)
27. 21. A καμήλους καὶ κριοὺς καὶ μόσχους [B ἀμνούς] †
39. 18. κριοὺς καὶ μόσχους καὶ τράγους καὶ οἱ μ. ἐστεατωμένοι πάντες (†, 3)
43. 19. τοῦ λειτουργεῖν μοι μόσχον ἐκ βοῶν περὶ ἁμαρτίας (3)
— 21. λήψονται τὸν μ. τὸν περὶ [A ὑπὲρ] ἁμαρτίας (3)
— 22. καθότι ἐξιλάσαντο ἐν τῷ μ. (3)
— 23. προσοίσουσι μόσχον ἐκ βοῶν ἄμωμον (3)
— 25. ποιήσεις . . . μόσχον ἐκ βοῶν (3)
45. 18. λήψεσθε μόσχον ἐκ βοῶν ἄμωμον (3)
— 19. A λήψεται ὁ ἱερεὺς ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ μ. [B om. τ. μ.] τοῦ ἐξιλασμοῦ –
— 22. ποιήσει ὁ ἀφηγούμενος . . . μόσχον ὑπὲρ ἁμαρτίας (3)
— 23. ποιήσει [A -εις] ὁλοκαυτώματα τῷ κυρίῳ ἑπτὰ μόσχους (3)
— 24. πέμμα τῷ μ. καὶ πέμμα τῷ κριῷ ποιήσεις (3)
46. 6. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῆς νουμηνίας μόσχον [A add. υἱὸν βουκολίου] ἄμωμον (3)
— 7. πέμμα τῷ μ. ἔσται μαναά (3)
— 11. ἔσται τὸ μαναὰ πέμμα τῷ μ. (3)

[Aq. Ps. 28 (29). 6: Is. 66. 3: Je. 31 (38). 18: 34 (41). 18, 19: 50 (27). 11: Ho. 8. 5: 13. 2.]
[Sm. Ps. 28 (29). 6: Pr. 14. 4: Is. 27. 10: 34. 7: 66. 3: Je. 31 (38). 18: 46 (26). 21: Ez. 1. 7.]
[Th. Ex. 22. 4 (3): Le. 27. 26: Ps. 28 (29). 6: Is. 66. 3: Ez. 43. 19: Ho. 10. 5: 13. 2.]
[Quint. Ps. 28 (29). 6: Ho. 8. 5.]
[Sext. Ps. 28 (29). 6.]

μοσχόταυρος.

[Al. Le. 4. 3.]

μοτοῦν (μωτ.). (1) חָבַשׁ

Ho. 6. 2 (1). πατάξει καὶ μοτώσει ἡμᾶς (1)

[Aq. Jb. 5. 18: Is. 30. 26: 61. 1: Ez. 30. 21.]

μότωσις.

[Aq. Is. 1. 6.]

μουσικός. (1) זָמָר (2) שִׁיר

Ge. 31. 27. μετὰ μουσικῶν καὶ τυμπάνων (2)
I Es. 4. 63. ἐκωθωνίζοντο μετὰ μουσικῶν
5. 2. μετὰ μουσικῶν τυμπάνων καὶ αὐλῶν
— 59. ἔστησαν . . . μετὰ μουσικῶν
Si. 22. 6. μουσικὰ ἐν πένθει ἄκαιρος διήγησις
35 (32). 3. μὴ ἐμποδίσῃς μουσικά
— 5. σύγκριμα μουσικῶν ἐν συμποσίῳ [A -ᾳ] οἴνου
— 6. μέλος μουσικῶν ἐφ' ἡδεῖ οἴνῳ
40. 20. οἶνος καὶ μουσικὰ εὐφραίνουσι καρδίαν
44. 5. ἐκζητοῦντες μέλη μουσικῶν
49. 1. ὡς μουσικὰ ἐν συμποσίῳ οἴνου
Ez. 26. 13. καταλύσει τὸ πλῆθος τῶν μ. σου (2)
Da. LXX. 3. 5. συμφωνίας καὶ παντὸς γένους μουσικῶν (1)
— 7, 10, 15. καὶ παντὸς ἤχου μουσικῶν (1)
Da. TH. 3. 5, 7, 10, 15 (B). καὶ παντὸς γένους μουσικῶν (1)
I Ma. 9. 39. ἐξῆλθε . . . μετὰ τυμπάνων καὶ μουσικῶν
— 41. μετεστράφη . . . φωνὴ μουσικῶν αὐ. εἰς θρῆνον

μουώ. (1) מָעוֹן

I Ki. 2. 32. A ἐπιβλέψῃ κραταίωμα μ. (1)

μοχθεῖν. (1) יָגַע (2) a. עָמַל b. עָמֵל (3) תְּלָאָה

I Es. 4. 22. οὐχὶ πονεῖτε καὶ μοχθεῖτε
Ec. 1. 3. ᾧ μοχθεῖ ὑπὸ τὸν ἥλιον (2 a)
2. 11. ᾧ ἐμόχθησα τοῦ ποιεῖν (2 a)
— 18. A S ὃν ἐγὼ μοχθῶ [B κοπιῶ] ὑπὸ τὸν ἥλιον (2 b)
— 19. ἐν παντὶ μόχθῳ μου ᾧ ἐμόχθησα (2 a)
— 20. ᾧ ἐμόχθησα ὑπὸ τὸν ἥλιον (2 a)
— 21. ᾧ [A om., S[2] ὃς] οὐκ ἐμόχθησεν ἐν αὐτῷ (2 a)
— 22. ᾧ [S[1] om.] αὐτὸς μοχθεῖ ὑπὸ τὸν ἥλιον (2 b)
3. 9. ἐν οἷς αὐτὸς μοχθεῖ (2 b)
4. 8. τίνι ἐγὼ μοχθῶ (2 b)
5. 15. ᾗ μοχθεῖ εἰς ἄνεμον (2 a)
— 17. ᾧ ἐὰν μοχθῇ [A S -ήσῃ] ὑπὸ τὸν ἥλιον (2 a)
8. 17. ὅσα ἂν μοχθήσῃ [A ποιήσῃ] ἄνθρωπος (2 a)
9. 9. ᾧ σὺ μοχθεῖς ὑπὸ τὸν ἥλιον (2 b)
Is. 62. 8. ἐφ' ᾧ ἐμόχθησας (1)
La. 3. 5. ἐκύκλωσε κεφαλήν μου καὶ ἐμόχθησεν (3)

[Aq. Ps. 67 (68). 10: Pr. 26. 15.]
[Sm. Jb. 4. 2: Ec. 2. 19: 5. 15.]
[Th. Pr. 26. 15.]
[Al. Je. 12. 5.]

μοχθηρός.

Si. 26. 5. καταψευσμὸν ὑπὲρ θάνατον πάντα μοχθηρά
27. 15. ἡ διαλοιδόρησις αὐτῶν ἀκοὴ μοχθηρά [S[2] πονηρά]

μοχθηροῦσθαι.

[Aq. Jb. 6. 25.]

μόχθος. (1) אָוֶן (2) יָגוֹן (3) יְגִיעַ (4) עָמָל (5) פְּעֻלָּה (6) פֶּרֶךְ (7) תְּלָאָה

Ex. 18. 8. πάντα τὸν μ. τὸν γενόμενον αὐτοῖς (7)
Le. 25. 43. οὐ κατατενεῖς αὐτὸν ἐν τῷ μ. [B[1] μόσχῳ] (6)
— 46. οὐ κατατενεῖ αὐτὸν ἐν τοῖς μ. (6)
— 53. οὐ κατατενεῖς [A -τενίσῃς] αὐτὸν ἐν τῷ μ. (6)
Nu. 20. 14. σὺ ἐπίστῃ πάντα τὸν μ. (7)
23. 21. οὐκ ἔσται μ. ἐν Ἰ. (1)
De. 26. 7. B τὴν ταπείνωσιν ἡμῶν [A R add. καὶ τὸν μ. ἡ.] (4)
Ne. 9. 32. μὴ ὀλιγωθήτω . . . πᾶς ὁ μ. (7)
Jb. 2. 9. οὗς εἰς τὸ κενὸν ἐκοπίασα μετὰ μόχθων –
— 9. ἵνα ἀναπαύσωμαι τῶν μ. μου –
Ec. 1. 3. τίς περισσεία τῷ ἀνθρώπῳ ἐν παντὶ μ. αὐτοῦ (4)
2. 10. καρδία μου εὐφράνθη ἐν παντὶ μ. μου καὶ τοῦτο ἐγένετο μερίς μου ἀπὸ παντὸς μ. μου (4, 4)

Ec. 2. 11. ἐπέβλεψα . . . ἐν μόχθῳ [A μ. μου] (4)
— 18. ἐμίσησα ἐγὼ σύμπαντα μ. [S τὸν μ.] μου (4)
— 19. εἰ ἐξουσιάζεται ἐν παντὶ μ. μου (4)
— 20. τοῦ ἀποτάξασθαι τὴν καρδίαν [A S τῇ κ.] μου ἐν παντὶ μ. μου [A ἐπὶ π. τῷ μ.] (4)
— 21. ἐστὶν ἄνθρωπος ὅτι μόχθος αὐτοῦ ἐν σοφίᾳ (4)
— 22. γίνεται ἐν τῷ ἀνθρώπῳ ἐν παντὶ μ. αὐτοῦ (4)
— 24. ὃ δείξει τῇ ψυχῇ αὐτοῦ ἀγαθὸν ἐν μόχθῳ (4)
3. 13. καὶ ἴδῃ ἀγαθὸν ἐν παντὶ μόχθῳ αὐτοῦ (4)
4. 4. εἶδον ἐγὼ σύμπαντα [S σὺν πάντι] τὸν μ. (4)
— 6. πληρώματα δύο δρακῶν μόχθου (4)
— 8. οὐκ ἔστι περασμὸς τῷ παντὶ μ. αὐτοῦ (4)
— 9. ἐστὶν αὐτοῖς μισθὸς ἀγαθὸς ἐμ μόχθῳ αὐτῶν (4)
5. 14. οὐδὲν οὐ [A om.] λήψεται ἐν μόχθῳ αὐτοῦ (4)
— 17. τοῦ ἰδεῖν ἀγαθωσύνην ἐν παντὶ μ. αὐτοῦ (4)
— 18. τοῦ εὐφρανθῆναι ἐν μόχθῳ αὐτοῦ (4)
6. 7. πᾶς μ. ἀνθρώπου εἰς στόμα αὐτοῦ (4)
8. 15. αὐτὸ συμπρόσεσται αὐτῷ ἐν μόχθῳ αὐτοῦ (4)
9. 9. αὐτὸ μερίς σου . . . ἐν [S om.] τῷ μ. σου (4)
10. 15. μόχθος τῶν ἀφρόνων [A S τοῦ ἅ.] κακώσει [A σκοτώσει, S κοπώσει] αὐτούς (4)
Wi. 10. 10. εὐπόρησεν αὐτὸν ἐν μόχθοις
17. 17. τῶν κατ' ἐρημίαν [S -ας] ἐργάτης μόχθων
Is. 55. 2. ἵνα τί τιμᾶσθε ἀργυρίου καὶ τὸν μ. ὑμῶν οὐκ εἰς πλησμονήν (3)
61. 8. δώσω τὸν μ. αὐτῶν δικαίοις (5)
Je. 3. 24. ἡ δὲ αἰσχύνη κατηνάλωσε τοὺς μ. τῶν πατέρων ἡμῶν (3)
— 24. A τὰ πρόβατα αὐ. καὶ τοὺς μ. [B S μόσχους] αὐ. †
20. 18. S[1] τοῦ βλέπειν κόπους καὶ μόχθους [A B S[2] πόνους] (2)
28 (51). 35. ἔξωσάν με οἱ μ. [S ἐχθροί] μου †
La. 3. 65. ἀποδώσεις αὐτοῖς ὑπερασπισμὸν καρδίας μόχθον †
Ez. 23. 29. λήψονται . . . τοὺς μ. σου (3)
34. 4. τὸ ἰσχυρὸν κατειργάσασθε μόχθῳ (6)
[Aq. Ps. 72 (73). 16.]
[Sm. Ps. 9. 35 (10. 14): 72 (73). 16: 139 (140). 10: Hb. 1. 13.]
[Th. Ge. 3. 18 (17): Ps. 72 (73). 16.]

μοχθοῦν.
[Aq. Is. 7. 13 *bis*.]

μοχλός. (1) בְּרִיחַ
Ex. 26. 26. καὶ ποιήσεις μοχλοὺς ἐκ ξύλων (1)
— 27. καὶ πέντε μοχλοὺς τῷ στύλῳ τῷ ἑνί (1)
— 27. καὶ πέντε μοχλοὺς τῷ στύλῳ τῷ ὀπισθίῳ (1)
— 28. καὶ ὁ μ. ὁ μέσος ἀνὰ μέσον τῶν στύλων (1)
— 29. εἰς οὓς εἰσάξεις τοὺς μ. (1)
— 29. καὶ καταχρυσώσεις τοὺς μ. χρυσίῳ (1)
35. 11. καὶ τοὺς μ. καὶ τοὺς στύλους (1)
38. 18 (36. 34). ἐχρύσωσε τοὺς μ. χρυσίῳ (1)
— 24 (7). δακτυλίους . . . εὗρεῖς τοῖς μ. –
39. 14 (33). τὴν σκηνὴν . . . καὶ τοὺς μ. αὐτῆς (1)
40. 18. διενέβαλε τοὺς μ. (1)
Nu. 3. 36. καὶ τοὺς μ. αὐ. καὶ τοὺς στύλους αὐ. (1)
4. 31. καὶ τοὺς μ. καὶ τοὺς στύλους αὐ. (1)
De. 3. 5. τείχη ὑψηλὰ πύλαι καὶ μοχλοί (1)
Jd. 16. 3. ἀνεβάσταζεν αὐτὰς σὺν τῷ μ. (1)
I Ki. 23. 7. εἰς πόλιν θυρῶν καὶ μοχλῶν (1)
III Ki. 4. 13. καὶ μοχλοὶ χαλκοῖ (1)
II Ch. 4. 3. B ἐχώνευσαν τοὺς μ. [A R μόσχους] †
8. 5. τείχη πύλαι καὶ μοχλοί (1)
14. 7 (6). ποιήσωμεν . . . πύλας καὶ μοχλούς (1)
Ne. 3. 3. ἐστέγασαν [A ἔστησαν] . . . μοχλοὺς αὐ. (1)
— 6. ἔστησαν . . . μοχλοὺς αὐ. [A om. μ. αὐ.] (1)
— 13. ἔστησαν . . . μοχλοὺς [S -οῦ] αὐ. (1)
— 14. ἔστησαν . . . μοχλοὺς [A[1] -οῦ] αὐ. (1)
— 15. R ἔστησε τὰς θύρας αὐ. καὶ μοχλοὺς αὐ. (1)
Ps. 106 (107). 16. A R μοχλοὺς σιδηροῦς συνέθλασεν [S -έκλασεν] (1)
147. 2 (13). ἐνίσχυσε τοὺς μ. τῶν πυλῶν σου (1)
Si. 28. 25. τῷ στόματί σου ποίησον θύραν καὶ μοχλόν
49. 13. τοῦ . . . στήσαντος πύλας καὶ μοχλούς
Am. 1. 5. καὶ συντρίψω μοχλοὺς Δαμασκοῦ (1)
Jn. 2. 7. ἧς οἱ μοχλοὶ αὐτῆς κάτοχοι αἰώνιοι (1)
Na. 3. 13. καταφάγεται πῦρ τοὺς μ. σου (1)
Is. 45. 2. μοχλοὺς σιδηροῦς συγκλάσω (1)
Je. 28 (51). 30. συνετρίβησαν οἱ μ. αὐτῆς (1)
30. 9 (49. 31). οὐ βάλανοι οὐ μοχλοί (1)
La. 2. 9. συνέτριψε μοχλοὺς αὐτῆς (1)
Ep. Je. 18. τοὺς οἴκους αὐτῶν ὀχυροῦσιν οἱ ἱερεῖς . . . μοχλοῖς
Ez. 38. 11. ἐν ᾗ [A αἷς] οὐχ ὑπάρχει τεῖχος οὐδὲ μοχλοί (1)
I Ma. 9. 50. ἐν τείχεσιν ὑψηλοῖς . . . καὶ μοχλοῖς
12. 38. A R ὠχύρωσε . . . μοχλούς [S *al.*]
13. 33. καὶ περιετείχισε . . . μοχλοῖς
[Aq. Pr. 18. 19: Is. 27. 1: Am. 1. 5.]
[Sm. Ps. 73 (74). 6: 147. 2 (13): Je. 29 (36). 26: Am. 1. 5.]
[Th. Am. 1. 5.]

μυγάλη. (1) אֲנָקָה
Le. 11. 30. μ. καὶ χαμαιλέων καὶ χαλαβώτης (1)

μυεῖσθαι.
III Ma. 2. 30. ἐν τοῖς κατὰ τὰς τελετὰς μεμυημένοις ἀναστρέφεσθαι
[Sm. Nu. 25. 5.]

μύειν.
[Sm. Is. 6. 10.]

μυελός. (1) חֵלֶב (2) מֹחַ
Ge. 45. 18. καὶ φάγεσθε τὸν μ. τῆς γῆς (1)
Jb. 21. 24. μυελὸς δὲ [A ὁ δὲ μ.] αὐ. διαχεῖται (2)
33. 24. τὰ δὲ ὀστᾶ αὐτοῦ ἐμπλήσει μυελοῦ –
[Sm. Jb. 21. 24.]

μυελοῦν (-αλ.). (1) מֹחַ
Ps. 65 (66). 15. ὁλοκαυτώματα μεμυελωμένα ἀνοίσω σοι (1)
[Sm. Ps. 118 (119). 70.]

μυζᾶν.
[Aq., Sm., Th. Jb. 20. 16.]

μυζήτης.
[Sm. Ps. 77 (78). 46.]

μυθολόγος.
Ba. 3. 23. οἱ μ. καὶ οἱ ἐκζητηταὶ τῆς συνέσεως

μῦθος.
Wi. 17. 4. A οὐδὲ γὰρ ὁ κατέχων αὐτοὺς μῦθος ἀφόβους διεφύλαττεν [B S *al.*]
Si. 20. 19. μῖθος ἄκαιρος ἐν στόματι ἀπαιδεύτων ἐνδελεχισθήσεται

μυῖα. (1) זְבוּב
IV Ki. 1. 2. ἐπιζητήσατε ἐν τῷ B. μυῖαν θεὸν Ἀκκ. [A *al.*] (1)
— 3. ἐπιζητῆσαι ἐν τῷ B. μυῖαν θεὸν Ἀκκ. (1)
— 6. ζητῆσαι ἐν τῇ B. μυῖαν θεὸν Ἀκκ. (1)
— 16. B ζητῆσαι ἐν τῇ B. μυῖαν θεὸν Ἀκκ. [A *al.*] (1)
Ec. 10. 1. A S[2] R μυῖαι θανατοῦσαι σαπριοῦσι σκευασίαν ἐλαίου [B S[1] -ον] ἡδύσματος (1)
Wi. 16. 9. οὓς μὲν γὰρ ἀκρίδων καὶ μυιῶν ἀπέκτεινε δήγματα
Is. 7. 18. συρεῖ κύριος μυίαις (1)
[Sm. Ec. 10. 1.]

μυκᾶσθαι.
[Sm. Jb. 6. 5.]
[Al. I Ki. 6. 12.]

μυκτήρ. (1) אַף (2) נְחִירַיִם
Nu. 11. 20. ἕως ἂν ἐξέλθῃ ἐκ τῶν μ. ὑμῶν (1)
IV Ki. 19. 28. θήσω τὰ ἄγκιστρά μου ἐν τοῖς μ. σου (1)
Jb. 40. 21 (26). ἢ δήσεις κρίκον [A εἰλήσεις κλοιὸν] ἐν τῷ μ. αὐτοῦ (1)
41. 11 (12). ἐκ μυκτηρῶν αὐτοῦ ἐκπορεύεται καπνός (2)
Pr. 24. 68 (30. 33). ἐὰν δὲ ἐκπιέζῃς μυκτῆρας [S -α] (1)
Ca. 7. 4 (5). μυκτήρ σου ὡς πύργος τοῦ Λιβάνου (1)
Ez. 16. 12. ἔδωκα ἐνώπιον περὶ [A ἐπὶ] τὸν μ. σου (1)
23. 25. A R μυκτῆρά [B -άς] σου καὶ ὦτά σου ἀφελοῦσι (1)
IV Ma. 6. 25. δυσώδεις χυλοὺς εἰς τοὺς μ. αὐ. κατέχεον
15. 19. καὶ τοὺς μ. προσημειουμένους αὐτῶν τὸν θάνατον
[Aq. Ge. 2. 7: 24. 47: Is. 2. 22: La. 4. 20: Ez. 8. 17: Am. 4. 10.]
[Sm. Ge. 2. 7: Is. 2. 22: 37. 29: La. 4. 20: Ez. 8. 17: 16. 12: Am. 4. 10.]
[Th. Ge. 2. 7: Jb. 40. 21 (26): Is. 2. 22: Ez. 8. 17: Am. 4. 10.]

μυκτηρίζειν. (1) אַף (2) *a.* בוּז *b.* pass. הָיָה לְבוּז *c.* בָּזָה (3) הָתַל pi. (4) לָעַב hi. (5) לָעַג (6) נָאַץ
III Ki. 18. 27. καὶ ἐμυκτήρισεν αὐτοὺς Ἠ. (3)
IV Ki. 19. 21. ἐμυκτήρισέ σε παρθένος θυγάτηρ Σ. (5)
II Ch. 36. 16. ἦσαν μυκτηρίζοντες τοὺς ἀγγέλους αὐ. (4)
I Es. 1. 51. ἐμυκτήρισαν ἐν τοῖς ἀγγέλοις αὐ. [A *al.*]
Jb. 22. 19. ἄμεμπτος δὲ ἐμυκτήρισεν [A S[2] ἐμ. αὐτούς] (5)
Ps. 43 (44). 13. A[2] οἱ ἐχθροὶ ἡμῶν ἐμυκτήρισαν ἡμᾶς –
79 (80). 6. οἱ ἐχθροὶ ἡμῶν ἐμυκτήρισαν [S[2] -ιζον] ἡμᾶς (5)
Pr. 1. 30. ἐμυκτήριζον δὲ ἐμοὺς ἐλέγχους (6)
11. 12. μυκτηρίζει πολίτας ἐνδεὴς φρενῶν (2 *a*)
12. 8. νωθροκάρδιος δὲ μυκτηρίζεται (2 *b*)
15. 5. ἄφρων μυκτηρίζει παιδείαν πατρός (6)
— 20. υἱὸς δὲ ἄφρων μυκτηρίζει μητέρα αὐτοῦ (2 *c*)
23. 9. μή ποτε μυκτηρίσῃ τοὺς συνετοὺς λόγους σου (2 *a*)
Is. 37. 22. ἐμυκτήρισέ σε παρθένος θυγάτηρ Σιών (5)
Je. 20. 7. πᾶσαν ἡμέραν διετέλεσα μυκτηριζόμενος (5)
Ez. 8. 17. αὐτοὶ [A *add.* ἐκτείνουσιν τὸ κλῆμα] ὡς μυκτηρίζοντες (1)
I Ma. 7. 34. ἐμυκτήρισεν αὐτούς
[Aq. Pr. 1. 26.]
[Sm. Ps. 72 (73). 14: Pr. 1. 26.]
[Th. Pr. 1. 26: 2. 15.]
[Quint. Ca. 8. 1.]

μυκτηρισμός. (1) *a.* בוּז *b.* בָּזָה (2) לַעַג (3) מְעוֹנ
Ne. 4. 4 (3. 36). ἐγενήθημεν εἰς μυκτηρισμόν (1 *a*)
— 4 (3. 36). δὸς αὐτοὺς εἰς μυκτηρισμὸν [S[2] ὀνειδισμόν] (1 *b*)
Jb. 34. 7. πίνων μυκτηρισμὸν ὥσπερ ὕδωρ (2)
Ps. 34 (35). 16. ἐξεμυκτήρισάν με μυκτηρισμόν (3 ?)
43 (44). 13. B μυκτηρισμὸν καὶ καταγέλωτα [A S[2] χλευασμὸν] τοῖς κύκλῳ ἡμῶν (2)
78 (79). 4. ἐγενήθημεν . . . μυκτηρισμὸς καὶ χλευασμὸς τοῖς κύκλῳ ἡμῶν (2)
Ez. 23. 32. A ἔσται . . . εἰς μυκτηρισμόν (2)
II Ma. 7. 39. πικρῶς φέρων ἐπὶ τῷ μ.
[Th. Ez. 23. 32.]

μύλη. (1) מַלְחֲעוֹת (2) מְחַלְעוֹת
Jb. 29. 17. συνέτριψα δὲ μύλας ἀδίκων (2)
Ps. 57 (58). 6. τὰς μ. τῶν λεόντων συνέθλασεν (1)
Pr. 24. 37 (30. 14). A S μάχαιρας τοὺς ὀδόντας ἔχει καὶ τὰς μ. στομίδας [B τομ.] (2)
Jl. 1. 6. καὶ αἱ μύλαι αὐτοῦ σκύμνου (2)
[Sm. Jd. 15. 19: Ec. 12. 3.]

μύλος. (1) רֵחָיִם (2) κλάσμα μύλου פֶּלַח רֶכֶב
Ex. 11. 5. τῆς θεραπαίνης τῆς παρὰ τὸν μ. (1)
Nu. 11. 8. ἤλθον αὐτὸ ἐν τῷ μ. (1)
De. 24. 6. οὐκ ἐνεχυράσεις μύλον (1)
Jd. 9. 53. A ἔρριψε γυνὴ μία κλάσμα μύλου [B *al.*] (2)
II Ki. 11. 21. οὐχὶ γυνὴ ἔρριψε κλάσμα μύλου ἐπ' αὐτόν (2)
— 22. οὐχὶ γυνὴ ἔρριψεν ἐπ' αὐτὸν κλάσμα μύλου –
Is. 47. 2. λάβε μ. (1)
[Aq., Sm., Th. Jd. 9. 53.]

μυλών. (1) פֻּקָדָה
Je. 52. 11. ἔδωκεν αὐτὸν εἰς οἰκίαν μυλῶνος (1 ?)

μυξωτήρ. (1) צִנְּטֶרֶת
Za. 4. 12. ἐν ταῖς χερσὶ τῶν δύο μ. τῶν χρυσῶν (1)

μυρεψητήριον.
[Aq. Jb. 41. 23.]

μυρεψικός. (1) רֹקַח (2) *a.* רֹקַח *b.* מְרֻקָּחוֹת *c.* מְרֻקָּח *d.* רָקָח
Ex. 30. 25. μύρον μ. τέχνῃ μυρεψοῦ (2 *b*)
— 35. θυμίαμα μυρεψικὸν ἔργον μυρεψοῦ μεμιγμένον (2 *a*)
Ca. 3. 6. S[1] ἀπὸ πάντων κονιορτῶν μυρεψικοῦ [A B S[2] -ψοῦ] (1)
5. 13. ὡς φιάλαι τοῦ ἀρώματος φύουσαι μυρεψικά (2 *c*)
8. 2. ποτιῶ σε ἀπὸ οἴνου τοῦ μ. (2 *d*)

μυρέψιον.

[Sm. Is. 57. 9.]

μυρεψός. (1) רָבַל (2) *a.* רָקָח *b.* רַקָּח *c.* מְרַקַּחַת

Ex. 30. 25. μύρον μυρεψικὸν τέχνῃ μυρεψοῦ (2 *a*)
— 35. θυμίαμα μυρεψικὸν ἔργον μυρεψοῦ μεμιγμένον (2 *a*)
38. 25 (37. 29). καθαρὸν ἔργον μυρεψοῦ (2 *a*)
I Ki. 8. 13. τὰς θυγ. ὑ. λήψεται εἰς μυρεψούς (2 *b*)
I Ch. 9. 30. ἦσαν μυρεψοὶ τοῦ μύρου (2 *a*)
II Ch. 16. 14. καὶ γένη μύρων μυρεψῶν (2 *c*)
Ca. 3. 6. ἀπὸ πάντων κονιορτῶν μυρεψοῦ [S¹ -ψικοῦ] (1)
Si. 38. 8. μυρεψὸς ἐν τούτοις ποιήσει μίγμα
49. 1. ἐσκευασμένον [S -ου] ἔργῳ [A -ον] μυρεψοῦ [A -μοῦ]
[Sm. Ec. 10. 1.]
[Th. Is. 57. 9.]

μυριάς. (1) *a.* רְבָבָה *b.* רִבּוֹא *c.* רִבּוֹ
(2) **ἑξήκοντα μυριάδες** שֵׁשׁ־מֵאוֹת אֶלֶף

Ge. 24. 60. γίνου εἰς χιλιάδας μυριάδων (1 *a*)
Ex. 39. 3 (38. 26). εἰς τὰς ἑξήκοντα μ. (2)
Le. 26. 8. ἑκατὸν ὑμῶν διώξονται μυριάδας (1 *a*)
Nu. 10. 36. ἐπίστρεφε κύριε χιλιάδας μυριάδας ἐν τῷ Ἰσρ. (1 *a*)
De. 32. 30. δύο μετακινήσουσι μυριάδας (1 *a*)
33. 2. κατέσπευσεν . . . σὺν μυριάσι Κ. (1 *a*)
— 17. αὗται μυριάδες Ἐφρ. (1 *a*)
Jd. 5. 12. A ἐξεγείρου μυριάδας μετὰ λαοῦ –
I Ki. 18. 7. ἐπάταξε . . . Δ. ἐν μυριάσιν αὐτοῦ (1 *a*)
— 8. τῷ Δ. ἔδωκαν τὰς μ. (1 *a*)
21. 11 (12): 29. 5. ἐπάταξε . . . Δ. ἐν μυριάσιν αὐτοῦ (1 *a*)
II Ch. 9. 25. A τέσσαρες μ. θήλειαι ἵππων [B *al.*] †
I Es. 5. 41. μυριάδες τέσσαρες δισχίλιοι τριακόσιοι ἑξήκοντα [A *al.*]
II Es. 2. 64. ὡσεὶ τέσσαρες μ. δισχίλιοι τριακόσιοι ἑξήκοντα (1 *b*)
— 69. μναῖ ἓξ μ. καὶ χίλιαι [A *al.*] (1 *b*)
Ne. 7. 66. ὡσεὶ τέσσαρες μ. δισχ. τριακόσ. ἑξήκ. [A *al.*] (1 *b*)
— 71. χρυσίου δύο μυριάδας (1 *b*)
— 72. S¹ χρυσίου ἑβδομήκοντα μυριάδας [S² R *al.*] (1 *b*)
Ju. 2. 5. B¹ καὶ πλῆθος ἵππων . . . μυριάδας [R -ων, A B² S χιλιάδας] δέκα δύο
— 15. εἰς μυριάδας δέκα δύο
16. 4. B ἦλθεν ἐν μυριάσι δυνάμεων [A S R -ως] αὐ.
Ps. 3. 6. οὐ φοβηθήσομαι ἀπὸ μυριάδων λαοῦ (1 *a*)
90 (91). 7. πεσεῖται . . . μυριὰς ἐκ δεξιῶν σου (1 *a*)
Ca. 5. 10. ἐκλελοχισμένος ἀπὸ [S¹ ἐκ] μυριάδων (1 *a*)
Si. 47. 6. ἐν μυριάσιν ἐδόξασεν αὐτόν
Mi. 6. 7. εἰ προσδέξεται κ. . . . ἐν μυριάσι χιμάρων [A ἀρνῶν] (1 *a*)
Jn. 4. 11. πλείους ἢ δώδεκα μ. ἀνθρώπων (1 *c*)
Da. LXX. 3. (40). ὡς ἐν μυριάσιν ἀρνῶν πιόνων
7. 10. μύριαι μ. παρειστήκεισαν αὐτῷ (1 *c*)
Da. TH. 3. (40). ἐν μυριάσιν ἀρνῶν πιόνων
7. 10. μύριαι μ. παρειστήκεισαν αὐτῷ (1 *c*)
11. 12. καταβαλεῖ μυριάδας (1 *b*)
I Ma. 11. 45. εἰς ἀνδρῶν δώδεκα μυριάδας
— 47. ἀπέκτειναν . . . εἰς μυριάδας δέκα
15. 13. καὶ σὺν αὐτῷ δώδεκα μ. ἀνδρῶν
II Ma. 5. 14. ὀκτὼ δὲ μυριάδες . . . κατεφθάρησαν
8. 20. τὰς δώδεκα μ. [A¹ χιλιάδας] ἀπώλεσαν
10. 20. R ἑπτάκις δὲ μυριάδας [A μυρίας] δραχμὰς λαβόντες
11. 2. συναθροίσας περὶ τὰς ὀκτὼ μ.
— 4. πεφρενωμένος δὲ ταῖς μυριάσι
12. 20. ἔχοντα περὶ αὐτὸν μυριάδας δώδεκα πεζῶν
— 23. διέφθειρε δὲ εἰς μ. τρεῖς ἀνδρῶν
— 26. κατέσφαξε μυριάδας σωμάτων δύο
— 28. κατέστρωσαν δὲ τῶν ἔνδον εἰς μυριάδας δύο
13. 2. ἕκαστον ἔχοντα δύναμιν Ἑλλ. πεζῶν μυριάδας ἕνδεκα
15. 27. κατέστρωσαν οὐδὲν ἧττον μυριάδων τριῶν
IV Ma. 4. 3. πολλὰς ἰδιωτικῶν χρημάτων μ. . . . τεθησαυρίσθαι
[Aq. Dt. 33. 2: Ca. 5. 10.]
[Sm. Ps. 67 (68). 18: Ca. 5. 10.]
[Th., Quint. Ca. 5. 10.]
[Al. Nu. 10. 36 (35).]

μυρίκη.

[Aq. Je. 48 (31). 6.]

μύριοι.

Jd. 20. 10.
I Ch. 29. 7 *bis.*
Ne. 7. 71†.
Ju. 2. 15.
Es. 3. 9: 4. 7: 9. 16.
Jb. 42. 12.
Si. 16. 3†.
Da. LXX., TH. 7. 10.
II Ma. 10. 20†: 11. 11: 12. 19.
III Ma. 3. 21.

μυριοπλάσιος. (1) רִבּוֹא

Ps. 67 (68). 17. τὸ ἅρμα τοῦ θεοῦ μυριοπλάσιον (1)

μυριοπλασίως.

Si. 23. 19. ὀφθαλμοὶ κυρίου μ. ἡλίου φωτεινότεροι

μυριότης.

Wi. 12. 22. τοὺς ἐχθροὺς ἡμῶν ἐν μυριότητι μαστιγοῖς

μυρισμός.

Ju. 16. 8. ἠλείψατο τὸ πρόσωπον αὐ. ἐν μυρισμῷ [A¹ *al.*]

μυρμηκιᾶν. (1) יַבֶּלֶת

Le. 22. 22. A² B ἢ γλωσσότμητον ἢ μυρμηκιῶντα (1)

μυρμηκολέων. (1) לַיִשׁ

Jb. 4. 11. μυρμηκολέων ὤλετο παρὰ τὸ μὴ ἔχειν βοράν (1)

μύρμηξ. (1) נְמָלָה

Pr. 6. 6. ἴθι πρὸς τὸν μ., ὦ ὀκνηρέ (1)
24. 60 (30. 25). οἱ μ. οἷς μή ἐστιν ἰσχύς (1)

μυροβραχής (-βρεχής).

III Ma. 4. 6. τὴν μ. πεφυρμένα κόμην

μύρον. (1) בֹּשֶׂם (2) *a.* רֹקַח *b.* מְרַקַּחַת *c.* רָקַח pu. (3) *a.* שֶׁמֶן *b.* שֶׁמֶן הַטּוֹב

Ex. 30. 25. μ. μυρεψικὸν τέχνῃ μυρεψοῦ (2 *a*)
I Ch. 9. 30. ἦσαν μυρεψοὶ τοῦ μ. (2 *b*)
II Ch. 16. 14. καὶ γένη μύρων μυρεψῶν (2 *c*)
Ju. 10. 3. καὶ ἐχρίσατο μύρῳ παχεῖ
Ps. 132 (133). 2. ὡς μύρον ἐπὶ κεφαλῆς (3 *b*)
Pr. 27. 9. μύροις καὶ οἴνοις καὶ θυμιάμασι τέρπεται καρδία (3 *a*)
Ca. 1. 3. ὀσμὴ μύρων σου ὑπὲρ πάντα τὰ ἀρώματα (3 *a*)
— 3. μύρον ἐκκενωθὲν ὄνομά σου [A σοι] (3 *a*)
— 4. ὀπίσω σου εἰς ὀσμὴν μύρων σου δραμοῦμεν –
2. 5. στηρίσατέ με ἐν μύροις †
4. 10. S ὀσμὴ μύρων [A B ἱματίων] σου ὑπὲρ πάντα ἀρώματα (3 *a*)
— 14. σμύρνα ἀλοὲθ μετὰ πάντων πρώτων μ. (1)
Wi. 2. 7. οἶνου πολυτελοῦς καὶ μύρων πλησθῶμεν
Am. 6. 6. καὶ τὰ πρῶτα μύρα χριόμενοι (3 *a*)
Is. 25. 7. χρίσονται μ. ἐν τῷ ὄρει τούτῳ †
39. 2. ἔδειξεν αὐτοῖς τὸν οἶκον τοῦ νεχωθᾶ . . . καὶ τοῦ μ. (3 *b*)
Je. 25. 10. ἀπολῶ . . . ὀσμὴν μύρου †
Ez. 27. 17. ἐν σίτου πράσει καὶ μύρων καὶ κασίας †
[Aq. Ec. 10. 1.]
[Sm. Ps. 132 (133). 2: Ec. 7. 2 (1): Am. 6. 6.]

μυρσινεών.

[Aq., Sm. Za. 1. 8.]

μυρσίνη. (1) הֲדַס

Ne. 8. 15. ἐνέγκατε . . . φύλλα μυρσίνης (1)
Is. 41. 19. θήσω εἰς τὴν ἄνυδρον γῆν κέδρον καὶ πύξον μυρσίνην καὶ κυπάρισσον (1)
55. 13. ἀντὶ τῆς κονύζης ἀναβήσεται μ. (1)
[Sm. Is. 55. 13.]

μυρσινών.

Jd. 1. 35. A κατοικεῖν ἐν τῷ ὄρει τοῦ μ. [B *al.*] †
— 35. B ἐν τῷ μ. καὶ ἐν Θ. –

μῦς. (1) עַכְבָּר

Le. 11. 29. ἡ γαλῆ καὶ ὁ μ. καὶ ὁ κροκόδειλος (1)
I Ki. 5. 6. ἀνεφύησαν μύες –
6. 1. ἐξέζεσεν ἡ γῆ αὐτῶν μύας –
— 5 (4). A καὶ πέντε μύας χρυσοῦς [B *al.*] (1)
— 5. καὶ μῦς χρυσοῦς ὁμοίωμα τῶν μ. ὑμῶν τῶν χρυσῶν [A *al.*] (–, 1)
— 11. ἔθεντο . . . ἐπὶ τὴν ἅμαξαν . . . τοὺς μ. τοὺς χρυσοῦς (1)
— 18. καὶ μῦς οἱ χρυσοῖ [A *om.*] κατ' ἀριθμόν (1)
Is. 66. 17. ἔσθοντες . . . καὶ τὸν μ. (1)

μυσάζειν.

[Aq. I Ki. 25. 26.]

μυσαρία.

[Sm. Ez. 16. 58: 23. 27, 29.]

μυσαρός (-σερ.). (1) תֶּבֶל

Le. 18. 23. μυσαρὸν γάρ ἐστι (1)
[Al. Le. 26. 30.]

μυσάρχης.

II Ma. 5. 24. ἔπεμψε δὲ τὸν μ. Ἀπ.

μύσος.

Wi. 12. 6. B² ἐκ μύσου μυσταθείας σου [A B¹ S *al.*]
II Ma. 6. 19. τὸν . . . θάνατον μᾶλλον ἢ τὸν μετὰ μύσους βίον
— 25. καὶ μύσος . . . κατάκτήσομαι
[Aq. Ps. 25 (26). 10.]
[Sm. Le. 18. 17: Ps. 25 (26). 10: Ez. 22. 9: 23. 21, 48.]

μυσοῦν.

[Aq., Sm., Th. I Ki. 25. 33.]

μυστάθεια.

Wi. 12. 6. R θοῖναν καὶ αἵματος ἐκ μέσου [B² μύσου] μυσταθείας [B¹ S¹ -ᾳ] [A B² S² μύσταις θιάσου] σου

μύσταξ. (1) שָׂפָם

II Ki. 19. 24 (25). οὐδὲ ἐποίησε τὸν μ. αὐτοῦ (1)

μυστήριον. (1) רָז

To. 12. 7. μυστήριον βασιλέως καλὸν κρύψαι
— 11. μυστήριον βασιλέως κρύψαι καλόν
Ju. 2. 2. ἔθετο μετ' αὐτῶν τὸ μ. τῆς βουλῆς αὐ.
Wi. 2. 22. οὐκ ἔγνωσαν μυστήρια θεοῦ [B¹ αὐτοῦ]
6. 22. οὐκ ἀποκρύψω ὑμῖν μυστήρια
14. 15. παρέδωκε τοῖς ὑποχειρίοις μυστήρια
— 23. κρύφια μυστήρια . . . ἄγοντες
Si. 3. 18. S² πράεσιν ἀποκαλύπτει τὰ μ. αὐτοῦ
22. 22. πλὴν ὀνειδισμοῦ . . . καὶ μυστηρίου ἀποκαλύψεως
27. 16. ὁ ἀποκαλύπτων μυστήρια ἀπώλεσε πίστιν
— 17. ἐὰν δὲ ἀποκαλύψῃς τὰ μ. αὐτοῦ
— 21. ὁ δὲ ἀποκαλύψας μυστήρια [S -ον] ἀπήλπισε
Da. LXX. 2. 18. ζητῆσαι . . . περὶ τοῦ μ. τούτου (1)
— 19. τὸ μ. τοῦ βασ. ἐξεφάνη (1)
— 27. τὸ μ. ὃ ἑώρακεν ὁ βασ. (1)
— 28. ἔστι θεὸς ἐν οὐρανῷ ἀνακαλύπτων μυστήρια (1)
— 29. ἀνακαλύπτων μυστήρια ἐδήλωσέ σοι (1)
— 30. τὸ μ. τοῦτο ἐξεφάνθη (1)
— 47. ὁ ἐκφαίνων μυστήρια κρυπτὰ μόνος (1)
— 47. ἐδυνάσθης δηλῶσαι τὸ μ. τοῦτο (1)
Da. TH. 2. 18. οἰκτιρμοὺς ἐζήτουν . . . ὑπὲρ τοῦ μ. τούτου (1)
— 19. τῷ Δ. . . . τὸ μ. ἀπεκαλύφθη (1)
— 27. τὸ μ. . . . οὐκ ἔστι σοφῶν μάγων (1)
— 28. ἔστι θεὸς ἐν οὐρ. ἀποκαλύπτων μυστήρια (1)
— 29. ὁ ἀποκαλύπτων μυστήρια ἐγνώρισέ σοι (1)
— 30. τὸ μ. τοῦτο [A *om.*] ἀπεκαλύφθη (1)
— 47. ὁ ἀποκαλύπτων μυστήρια (1)
— 47. ἀποκαλύψαι τὸ μ. τοῦτο (1)
4. 6. πᾶν μ. οὐκ ἀδυνατεῖ σε (1)
II Ma. 13. 21. προσήγγειλε δὲ τὰ μ. τοῖς πολεμίοις
[Sm. Jb. 15. 8: Pr. 11. 13: Is. 24. 16 *bis.*]
[Th. Jb. 15. 8: Ps. 24 (25). 14: Pr. 20. 19: Is. 24. 16 *bis.*]
[Quint. Ps. 24 (25). 14.]

μύστης.
Wi. 12. 6. A B² S² θοῖναν καὶ αἵματος ἐκ μέσου [B² μύσου] μύστας θιάσου [B¹ S¹ μυσταθείᾳ, R μυσταθείας] σου

μυστικός.
[Sm. Is. 3. 3.]

μυστικῶς.
III Ma. 3. 10. μ. τινας ἐπισπώμενοι

μύστις.
Wi. 8. 4. μύστις γάρ ἐστι τῆς τοῦ θεοῦ ἐπιστήμης

μυχθίζειν.
[Aq. Ps. 2. 4.]

μυχθισμός.
[Aq. Ps. 122 (123). 4: Ho. 7. 16.]

μυχός.
Wi. 17. 4. οὐδὲ γὰρ ὁ κατέχων αὐτοὺς μυχὸς ἀφόβως διεφύλασσεν [A S¹ al.]
— 14. ἐξ ἀδυνάτου ᾅδου μυχῶν ἐπελθοῦσαν

μωήδ. (1) מוֹעֵד
Je. 26 (46). 17. R σαὼν ἐσβειὲ μ. [A B S al.] (1)

μωκᾶσθαι. (1) תַּעְתֻּעִים
Si. 31 (34). 18. θυσιάζων ἐξ ἀδίκου προσφορὰ μεμωκημένη [A μεμωμ.]
Je. 28 (51). 18. μάταιά ἐστιν ἔργα μεμωκημένα (1)
[Aq. Je. 10. 15.]

μώκημα.
Si. 31 (34). 18. οὐκ εἰς εὐδοκίαν μωκήματα [A S² μωμήματα] ἀνόμων

μῶκος.
Si. 36 (33). 6. ἵππος εἰς ὀχείαν ὡς φίλος μῶκος [S² μωρός]

μωκώρ.
[Heb. Ps. 35 (36). 10.]

μωλωπίζειν.
[Aq. Ca. 5. 7.]

μώλωψ. (1) חַבּוּרָה, חֲבוּרָה
Ge. 4. 23. ἀπέκτεινα . . . νεανίσκον εἰς μ. ἐμοί (1)
Ex. 21. 25. δώσει . . . μώλωπα ἀντὶ μώλωπος (1, 1)
Ju. 9. 13. εἰς τραῦμα καὶ μώλωπα αὐτῶν
Ps. 37 (38). 5. ἐσάπησαν οἱ μ. μου (1)
Si. 23. 10. ὥσπερ γὰρ οἰκέτης . . . ἀπὸ μώλωπος οὐκ ἐλαττωθήσεται
28. 17. πληγὴ μάστιγος ποιεῖ μώλωπας [A S -πα]
Is. 1. 6. οὔτε τραῦμα οὔτε μ. (1)
53. 5. τῷ μώλωπι αὐτοῦ ἡμεῖς ἰάθημεν (1)
[Aq., Th. Pr. 20. 30.]
[Sm. Is. 1. 6.]

μωμᾶσθαι. (1) מוּם
Pr. 9. 7. ἐλέγχων δὲ τὸν ἀσεβῆ μωμήσεται ἑαυτόν (1)
Wi. 10. 14. ψευδεῖς τε ἔδειξε τοὺς μωμησαμένους αὐτόν
Si. 31 (34). 18. A θυσιάζων ἐξ ἀδίκου προσφορὰ μεμωμημένη [B S μεμωκημ.]

μώμημα.
Si. 31 (34). 18. A S² οὐκ εἰς εὐδοκίαν μωμήματα [B S¹ μωκήματα] ἀνόμων

μωμητός. (1) מוּם
De. 32. 5. ἡμάρτοσαν οὐκ αὐτῷ τέκνα μωμητά (1)

μῶμος. (1) מוּם, מאום
Le. 21. 17. τίνι ἐὰν ᾖ ἐν αὐτῷ μῶμος (1)
— 18. ᾧ ἂν ᾖ ἐν αὐτῷ μῶμος (1)
— 21. ᾧ [A ὅς] ἐστιν ἐν αὐτῷ μῶμος (1)
— 21. ὅτι μῶμος ἐν αὐτῷ (1)
— 23. ὅτι μῶμον ἔχει (1)
22. 20. ὅσα ἂν ἔχῃ μῶμον ἐν αὐτῷ (1)
— 21. πᾶς μ. οὐκ ἔσται ἐν αὐτῷ (1)
— 25. B μῶμος ἐν αὐτοῖς (1)
24. 19. ἐάν τις δῷ μῶμον τῷ πλησίον (1)
— 20. καθότι ἂν δῷ μῶμον τῷ ἀνθρ. (1)
Nu. 19. 2. ἥτις οὐκ ἔχει ἐν αὐτῇ μῶμον (1)
De. 15. 21. ἐὰν [B¹ add. μὴ] ᾖ ἐν αὐτῷ μῶμος . . . μ. πονηρόν [A ἢ καὶ πᾶς μ. πονηρός] (1, 1)
17. 1. ἐν ᾧ ἐστιν ἐν αὐτῷ μῶμος (1)
19. 21. A B² καθότι ἂν δῷ μῶμον τῷ πλησίον –
II Ki. 14. 25. οὐκ ἦν ἐν αὐτῷ μῶμος (1)
Ca. 4. 7. μῶμος οὐκ ἔστιν ἐν σοί (1)
Si. 11. 31. ἐν τοῖς αἱρετοῖς [A ἑτέροις] ἐπιθήσει μῶμον
— 33. μή ποτε μῶμον εἰς τὸν αἰῶνα δῷ σοι
18. 15. ἐν ἀγαθοῖς μὴ δῷς μῶμον
20. 24. μῶμος πονηρὸς ἐν ἀνθρώπῳ ψεῦδος
30. 31 (33. 22). μὴ δῷς μῶμον ἐν τῇ δόξῃ σου
47. 20. ἔδωκας μῶμον ἐν [S om.] τῇ δόξῃ σου
Da. TH. 1. 4. οἷς οὐκ ἔστιν ἐν [B¹ om.] αὐτοῖς μ. (1)

μωραίνειν. (1) בָּעַר ni. (2) סָכַל a. ni. b. pi.
II Ki. 24. 10. ἐμωράνθην σφόδρα (2 a)
Si. 23. 14. καὶ τῷ ἐθισμῷ σου μωρανθῇς
Is. 19. 11. ἡ βουλὴ αὐτῶν μωρανθήσεται (1)
44. 25. R τὴν βουλὴν αὐτῶν μωραίνων [A B S -ρεύων] (2 b)
Je. 10. 14. ἐμωράνθη πᾶς ἄνθρωπος ἀπὸ γνώσεως (1)
28 (51). 17. A ἐμωράνθη [B S ἐματαιώθη] πᾶς ἄνθρωπος ἀπὸ γνώσεως (1)
[Aq. Je. 51 (28). 17.]
[Sm. Jb. 38. 36.]

μωρεύειν. (1) סָכַל pi.
Is. 44. 25. A B S τὴν βουλὴν αὐτῶν μωρεύων [R -ραίνων] (1)

μωρία.
Si. 20. 31: 41. 15. κρείσσων ἄνθρωπος ἀποκρύπτων τὴν μ. αὐ.
[Sm. Jb. 24. 12.]

μωρός. (1) אֱוִיל (2) a. נָבָל b. נְבָלָה (3) סָכָל (4) שָׂכַל hi.
De. 32. 6. λαὸς μ. καὶ οὐχὶ σοφός (2 a)
Jb. 16. 8. νῦν δὲ κατάκοπόν με πεποίηκε μωρὸν σεσηπότα †
Ps. 93 (94). 8. καὶ μωροί, ποτὲ φρονήσατε (4)
Si. 4. 27. μὴ ὑποστρώσῃς σεαυτὸν ἀνθρώπῳ μωρῷ
8. 17. μετὰ μωροῦ μὴ συμβουλεύου
16. 23. ἀνὴρ ἄφρων καὶ πλανώμενος διανοεῖται μωρά
18. 18. μωρὸς ἀχαρίστως ὀνειδιεῖ
19. 11. ἀπὸ προσώπου λόγου ὠδινήσει μωρός
— 12. οὕτως λόγος ἐν κοιλίᾳ μωροῦ
20. 13. χάριτες δὲ μωρῶν ἐκχυθήσονται
— 16. μωρὸς ἐρεῖ, Οὐχ ὑπάρχει μοι φίλος
— 20. ἀπὸ στόματος μωροῦ ἀποδοκιμασθήσεται παραβολή
21. 14. ἔγκατα μωροῦ ὡς ἀγγεῖον συντετριμμένον
— 16. ἐξήγησις μωροῦ ὡς ἐν ὁδῷ φορτίον
— 18. ὡς οἶκος ἠφανισμένος οὕτως μωρῷ σοφία
— 20. μωρὸς ἐν γέλωτι ἀνυψοῖ φωνὴν αὐτοῦ
— 22. ποὺς μωροῦ ταχὺς εἰς οἰκίαν
— 26. ἐν στόματι μωρῶν ἡ καρδία αὐτῶν
22. 7. συγκολλῶν ὄστρακον [S -ων] ὁ διδάσκων μωρόν
— 8. διηγούμενος νυστάζοντι ὁ διηγούμενος μωρῷ
— 11. ἐπὶ μωρῷ κλαῦσον
— 11. τοῦ δὲ μ. ὑπὲρ θάνατον ἡ ζωὴ πονηρά
— 12. μωροῦ δὲ καὶ ἀσεβοῦς πᾶσαι αἱ ἡμέραι τῆς ζωῆς
— 14. τί αὐτῷ ὄνομα ἀλλ' ἢ μωρός
— 18. καρδία δειλὴ ἐπὶ διανοήματος μωροῦ
25. 2. S² γέροντα μωρὸν καὶ μοιχὸν καὶ [A B S¹ γ. μοιχὸν] ἐλαττούμενον συνέσει
27. 13. διήγησις μωρῶν προσόχθισμα
36 (33). 5. τροχὸς ἁμάξης σπλάγχνα μωροῦ
— 6. S² ἵππος εἰς ὀχείαν ὡς φίλος μωρός [A B S¹ μῶκος]
42. 8. περὶ παιδείας ἀνοήτου καὶ μωροῦ
50. 26. ὁ λαὸς μωρὸς [A S ὁ μ.] ὁ κατοικῶν ἐν Σικίμοις
Is. 19. 11. μωροὶ ἔσονται οἱ ἄρχοντες Τάνεως (1)
32. 5. οὐκέτι μὴ εἴπωσι τῷ μ. ἄρχειν (2 a)
— 6. ὁ γὰρ μ. μωρὰ λαλήσει (2 a, 2 b)
Je. 5. 21. ἀκούσατε δὴ ταῦτα λαὸς μ. καὶ ἀκάρδιος (3)
Da. LXX. Su. 48. οὕτως μ. υἱοὶ Ἰσρ.
Da. TH. Su. 48. οὕτως μ. οἱ υἱοὶ Ἰσρ.
[Sm. Pr. 17. 21: Je. 10. 8.]

μωφεέθ.
[Sm. Je. 48 (31). 28.]

N

ναάλ. (1) נַחֲלִי
II Ki. 23. 30. A Ἀ. ἐκ ν. Ἐάς (1)

ναβαί.
Jo. 10. 40. B ἐπάταξεν Ἰ. . . . τὴν ν. [A R ναγέβ] †

νάβαλ. (1) נֵבֶל (2) נָבָל (3) נָפוֹל
I Ki. 10. 5. B καὶ ἔμπροσθεν αὐτῶν ν. [A R νάβλα] (1)
II Ki. 3. 33. εἰ κατὰ τὸν θάνατον ν. ἀποθανεῖται Ἀβ. (2)
— 34. οὐ προσήγαγεν ὡς ν. [A ναφά] (3)
[Heb. Je. 17. 11.]

νάβλα. (1) נֵבֶל
I Ki. 10. 5. A R καὶ ἔμπροσθεν αὐτῶν ν. [B νάβαλ] (1)
II Ki. 6. 5. παίζοντες . . . ἐν νάβλαις (1)
III Ki. 10. 12. ἐποίησεν . . . νάβλας καὶ κινύρας (1)
I Ch. 13. 8. καὶ ἐν κινύραις καὶ ἐν νάβλαις (1)
15. 16. ἐν ὀργάνοις νάβλαις κινύραις (1)
— 20. ἐν νάβλαις ἐπὶ ἀλ. (1)
— 28. ἀναφωνοῦντες νάβλαις (1)
16. 5. ἐν ὀργάνοις νάβλαις κινύραις (1)
25. 1. ἐν κινύραις καὶ ἐν νάβλαις (1)
— 6: II Ch. 5. 12. ἐν κυμβάλοις καὶ ἐν νάβλαις (1)
II Ch. 9. 11. ἐποίησεν . . . νάβλας τοῖς ᾠδοῖς (1)
20. 28. εἰσῆλθον . . . ἐν νάβλαις (1)
29. 25. ἐν κυμβάλοις καὶ ἐν νάβλαις (1)
I Ma. 13. 51. εἰσῆλθεν . . . ἐν νάβλαις
[Aq. Ps. 80 (81). 3: Am. 5. 23.]
[Sm. Ps. 80 (81). 3.]
[Al. Is. 5. 12.]

ναβρά.
IV Ki. 8. 15. A ἔλαβε τὸ ν. [? τὸν ἀβρά, B al.] †

ναγέβ. (1) נֶגֶב (2) ὁ ἐν ν. הַנֶּגֶב (3) ἡ γῆ ἡ ν. נֶגֶב
Jo. 10. 40. A R ἐπάταξεν Ἰ. . . . τὴν ν. [B ναβαί] (1)
11. 16. A ἔλαβεν Ἰ. . . . πᾶσαν τὴν γῆν τὴν ν. [R γ. ν., B al.] (3)
12. 8. ἐν τῇ ἐρήμῳ καὶ ν. [A ἐν Ἀγέβ] (1)
15. 19. εἰς γῆν ν. δέδωκάς με (1)
Ob. 1. 19. κατακληρονομήσουσιν οἱ ἐν ναγὲβ [S¹ ἀ.] τὸ ὄρος (2)
— 20. κληρονομήσουσι τὰς πόλεις τοῦ ναγέβ (1)
Je. 39 (32). 44: 40 (33). 13. ἐν πόλεσι τῆς ν. (1)

Ez. 20. 46 (21. 2.) προφήτευσον ἐπὶ δρυμὸν ἡγούμενον ν. (1)
— 47 (21. 3). ἐρεῖς τῷ δρυμῷ ν. (1)

ναδάβ. (1) נָדִיב

Ca. 7. 1 (2). ἐν ὑποδήμασι, θύγατερ ναδάβ [A Ἀμιναδάβ] (1)

ναζαραῖος.

[Al. Le. 25. 5.]

ναζείρ (ναζίρ). (1) נָזִיר

Jd. 13. 5. ν. θεοῦ ἔσται τὸ παιδάριον [A al.] (1)

ναζέρ.

[Th. Le. 21. 12.]

ναζηραῖος.

[Sm. Nu. 6. 18, 19.]

ναζιραῖος (-ειρ.). (1) נָזִיר

Jd. 13. 5. A ἡγιασμένον ναζιραῖον ἔσται τῷ θ. [B al.] (1)
— 7. A ναζειραῖον [B ἅγιον] θεοῦ ἐστιν (1)
16. 17. A ναζειραῖος [B ἅγιος] θεοῦ ἐγώ εἰμι (1)
[Al. Le. 25. 5, 11.]

ναθουρείμ.

Ne. 3. 11. B S καὶ ἕως πύργου τῶν ν. [A R al.] †

ναί. (1) אֲבָל (2) ν. δή וְאַף (3) הִנֵּה (4) ναὶ μήν כִּי

Ge. 17. 19. εἶπε δὲ ὁ Θ. πρὸς Ἀβ., Ναί (1)
42. 21. ναί, ἐν ἁμαρτίαις γάρ ἐσμεν (1)
To. 5. 6. S εἶπεν αὐτῷ, Ναί [A B al.]
Ju. 9. 12. ναὶ ναὶ ὁ θεὸς τοῦ πατρός μου
Jb. 19. 4. ναὶ δὴ ἐπ' ἀληθείας ἐγὼ ἐπλανήθην (2)
27. 8. A ναὶ μὴν τίς [B S καὶ τίς] γάρ ἐστιν ἐλπὶς ἀσεβεῖ (4)
Is. 48. 7. ν. γινώσκω αὐτά (3)

ναίειν.

Jb. 22. 12. μὴ οὐχὶ ὁ τὰ ὑψηλὰ ναίων ἐφορᾷ †

ναιώς, *cf.* **ναός, νεώς.**

II Ma. 4. 14. A τοὺς μὲν ναιῷ καταφρονοῦντας [R al.]
10. 3. A τὸν ναιὼ [R νεὼν] καθαρίσαντες

νακτά.

[Aq. Ex. 13. 16: Dt. 6. 8.]

νᾶμα. (1) עָסִיס

Ca. 8. 2. ἀπὸ νάματος ῥοῶν μου [B¹ σου] (1)

νᾶνος.

[Al. Le. 21. 20.]

ναός, *cf.* **ναιώς, νεώς.** (1) אוּלָם (2) בַּיִת (3) דְּבִיר (4) *a.* הֵיכָל *b.* הֵיכַל

I Ki. 1. 9. ἐπὶ τῶν φλιῶν ναοῦ κυρίου (4 *a*)
3. 3. ἐκάθευδεν ἐν τῷ ν. [A οἴκῳ κυρίου] (4 *a*)
II Ki. 22. 7. ἐπακούσεται ἐκ ναοῦ αὐ. φωνῆς μου (4 *a*)
III Ki. 6. 3. τὸ αἷλὰμ κατὰ πρόσωπον τοῦ ν. (4 *a*)
— 5. ἔδωκεν . . . μέλαθρα κυκλόθεν τῷ ν. (4 *a*)
— 17. τεσσαράκ. πηχῶν ἦν ὁ ν. [A οἶκος οὗτος ὁ ν. ὁ ἐσώτατος] (2 [4 *a*])
— 33. A οὕτως ἐποίησεν τῷ πυλῶνι τοῦ ν. [A¹ om. τ. ν.] (4 *a*)
— 36. B τοῦ οἴκου τοῦ κατὰ πρόσωπον τοῦ ν. –
7. 21. ἔστησε τοὺς στύλους τοῦ αἰλὰμ τοῦ ν. (4 *a*)
— 50. καὶ τὰς θύρας [A *add.* τοῦ οἴκου] τοῦ ν. (2 + 4 *a* [4 *a*])
— 12. A τοῦ οἴκου τοῦ κατὰ πρόσωπον τοῦ ν. [B al.] –
IV Ki. 18. 16. συνέκοψεν Ἐζ. τὰς θύρας ναοῦ (4 *a*)
23. 4. ἐξαγαγεῖν ἐκ τοῦ ν. κυρίου πάντα τὰ σκεύη (4 *a*)
24. 13. ἃ ἐποίησε Σαλ. . . . ἐν τῷ ν. κυρίου (4 *a*)
I Ch. 28. 11. ἔδωκε . . . τὸ παράδειγμα τοῦ ν. (1)
— 20. τὸ παράδειγμα τοῦ ν. –
II Ch. 3. 17. ἔστησε τοὺς στύλους κατὰ πρόσωπον τοῦ ν. (4 *a*)
4. 7, 8. ἔθηκεν ἐν τῷ ν. (4 *a*)
— 22. εἰς τὰς θύρας τοῦ οἴκου τοῦ ν. χρυσᾶς (4 *a*)
8. 12. ὃ ᾠκοδόμησεν ἀπέναντι τοῦ ν. (1)
15. 8. ὃ ἦν ἔμπροσθεν τοῦ ν. κυρίου (1)
II Ch. 26. 16. εἰσῆλθεν εἰς τὸν ν. κυρίου (4 *a*)
— 19. τοῦ θυμιᾶσαι ἐν τῷ ν. –
27. 2. οὐκ εἰσῆλθεν εἰς τὸν ν. κυρίου (4 *a*)
29. 7. ἀπέκλεισαν τὰς θύρας τοῦ ν. (1)
— 17. εἰσῆλθαν εἰς τὸν ν. κυρίου (1)
36. 7. ἔθηκεν αὐτὰ ἐν τῷ ν. αὐ. (4 *a*)
I Es. 1. 41. ἀπηρείσατο ἐν τῷ ν. αὐ.
2. 18. καὶ ναὸν ὑποβάλλονται
— 20. ἐνεργεῖται τὰ κατὰ τὸν ν.
4. 45. οἰκοδομῆσαι τὸν ν.
5. 53. ὁ ν. τοῦ θεοῦ οὔπω ᾠκοδόμητο
— 57. ἐθεμελίωσαν τὸν ν. [A οἶκον]
— 58. ᾠκοδόμησαν οἱ οἰκοδόμοι τὸν ν. τοῦ κ.
— 67. οἰκοδομοῦσι τὸν ν. τῷ κυρίῳ
6. 18. ἀπηρείσατο αὐτὰ ἐν τῷ αὐτοῦ ναῷ
— 18. ἐξήνεγκεν αὐτὰ . . . ἐκ τοῦ ν. τοῦ ἐν Βαβ.
— 19. ἀποθεῖναι ἐν τῷ ν. τῷ ἐν Ἱερ.
— 19. τὸν ν. τοῦ κ. [A *add.* τοῦτον] οἰκοδομηθῆναι
II Es. 5. 14. ἀπήνεγκεν αὐτὰ εἰς ναὸν τοῦ βασ. (4 *b*)
— 14. A R ἐξήνεγκεν αὐτὰ . . . ἀπὸ τοῦ [A *om.*] ν. (4 *b*)
6. 5. A R ἀπελθάτω εἰς τὸν ν. τὸν ἐν Ἱερ. (4 *b*)
To. 1. 4. ἡγιάσθη ὁ ν. τῆς κατασκηνώσεως
Ju. 4. 2. περὶ . . . τοῦ ν. κυρίου θεοῦ αὐ. ἐταράχθησαν
— 11. κατὰ πρόσωπον τοῦ ν.
5. 18. ὁ ν. τοῦ θεοῦ αὐ. ἐγενήθη εἰς ἔδαφος
Ps. 5. 7. προσκυνήσω πρὸς ναὸν ἅγιόν σου (4 *a*)
10 (11). 5. κύριος ἐν ναῷ ἁγίῳ αὐτοῦ (4 *a*)
17 (18). 6. ἤκουσεν ἐκ ν. ἁγίου αὐτοῦ φωνῆς μου (4 *a*)
26 (27). 4. ἐπισκέπτεσθαι τὸν ν. [S¹ λαὸν] αὐ. (4 *a*)
27 (28). 2. ἐν τῷ αἴρειν με χείράς μου εἰς [A S² πρὸς] ναὸν ἅγιόν σου (3)
28 (29). 9. ἐν τῷ ν. αὐτοῦ πᾶς τις λέγει δόξαν (4 *a*)
44 (45). 15. ἀχθήσονται εἰς ναὸν βασιλέως (4 *a*)
64 (65). 4. ἅγιος ὁ ν. σου (4 *a*)
67 (68). 29. ἀπὸ τοῦ ν. σου ἐπὶ Ἱερουσαλὴμ σοὶ οἴσουσι βασιλεῖς δῶρα (4 *a*)
78 (79). 1. ἐμίαναν τὸν ν. τὸν ἅγιόν σου (4 *a*)
137 (138). 2. προσκυνήσω πρὸς ναὸν ἅγιόν σου (4 *a*)
143 (144). 12. περικεκοσμημέναι ὡς ὁμοίωμα ναοῦ (4 *a*)
Wi. 3. 14. κλῆρος ἐν ναῷ κυρίου θυμηρέστερος
9. 8. οἰκοδομῆσαι ναὸν ἐν ὄρει ἁγίῳ σου
Si. 45. 9. ἀκουστὸν ποιῆσαι ἦχον ἐν ναῷ
49. 12. A ἀνύψωσαν ναὸν [B S λαὸν] ἅγιον κυρίῳ
50. 1. ἐν ἡμέραις αὐτοῦ ἐστερέωσε τὸν ν.
— 7. ὡς ἥλιος ἐκλάμπων ἐπὶ ναὸν ὑψίστου
51. 14. ἔναντι ναοῦ ἠξίουν περὶ αὐτῆς
Am. 8. 3. ὀλολύξει τὰ φατνώματα τοῦ ναοῦ (4 *a*)
Jl. 3 (4). 5. εἰσηνέγκατε εἰς τοὺς ν. [A θησαυροὺς] ὑμῶν (4 *a*)
Jn. 2. 5. ἐπιβλέψαι πρὸς ναὸν [B¹ λαὸν] τὸν ἅγιόν σου (4 *a*)
— 8. ἔλθοι . . . ἡ προσευχή μου εἰς ναὸν ἅγιον (4 *a*)
Hb. 2. 20. ὁ δὲ κύριος ἐν ναῷ ἁγίῳ αὐτοῦ (4 *a*)
Hg. 2. 10 (9). τοῦ ἀναστῆσαι τὸν ν. τοῦτον –
— 16 (15). πρὸ τοῦ θεῖναι λίθον ἐπὶ λίθον ἐν τῷ ν. κυρίου (4 *a*)
— 19 (18). ἧς τεθεμελίωται ὁ ν. κ. (4 *a*)
Za. 8. 9. καὶ ὁ ν. ἀφ' οὗ ᾠκοδόμηται (4 *a*)
Ma. 3. 1. ἥξει εἰς τὸν ν. ἑαυτοῦ κύριος (4 *a*)
Is. 66. 6. φωνὴ ἐκ ναοῦ (4 *a*)
Je. 7. 4. ν. κυρίου ν. κυρίου ἐστίν (4 *a*, 4 *a*)
24. 1. κατὰ πρόσωπον ναοῦ κυρίου (4 *a*)
Ba. 1. 8. τὰ σκεύη οἴκου κυρίου τὰ ἐξενεχθέντα ἐκ τοῦ ν.
Ez. 8. 16. ἐπὶ τῶν προθύρων τοῦ [A *om.*] ν. κυρίου . . . τὰ ὀπίσθια αὐτῶν [A *add.* δεδωκότες] πρὸς τὸν ν. τοῦ κυρίου (4 *a*, 4 *a*)
41. 1. εἰσήγαγέ με εἰς τὸν ν. (4 *a*)
— 4. κατὰ πρόσωπον τοῦ ν. (4 *a*)
— 15. ὁ ν. καὶ αἱ γωνίαι (4 *a*)
— 21. τὸ ἅγιον καὶ ὁ ν. ἀναπτυσσόμενος [A -να] τετράγωνα (4 *a*)
— 23. δύο θυρώματα τῷ ν. (4 *a*)
— 25. ἐπὶ τὰ θυρώματα τοῦ ν. Χερ. (4 *a*)
42. 19. διεμέτρησε κατέναντι τοῦ νότου [B² ναοῦ] –
Da. LXX. 3. (53). εὐλογημένος εἶ ἐν τῷ ν. τῆς ἁγίας δόξης σου
Bel 12. ἐπισφραγίσεις τὰς κλεῖδας τοῦ ν.
— 13. ἐκβαλόντας πάντας ἐκ τοῦ ν.
— 13. καταστῆσαι ὅλον τὸν ν. σποδῷ
— 13. σφραγισάμενος τὸν ν.
Da. TH. 3. (53). εὐλογημένος εἶ ἐν τῷ ν. τῆς ἁγ. δόξης σου
4. 26. ἐπὶ τῷ ν. τῆς βασ. αὐ. . . . περιπατῶν (4 *b*)
5. 2. ἃ ἐξήνεγκε . . . ἐκ τοῦ ν. τοῦ ἐν Ἱερ. (4 *b*)
— 3. ἃ ἐξήνεγκεν ἐκ τοῦ ν. τοῦ θεοῦ (4 *b*)
Bel 14. κατέσεισαν ὅλον τὸν ν.
I Ma. 1. 22. τὸν κόσμον . . . τὸν κατὰ πρόσωπον τοῦ ν.
2. 8. ἐγένετο ὁ ν. αὐ. ὡς ἀνὴρ ἔνδοξος
4. 49. εἰσήνεγκαν τὴν λυχνίαν . . . εἰς τὸν ν.
— 50. ἐφαίνοσαν ἐν τῷ ν.
— 57. κατεκόσμησαν τὸ κατὰ πρόσωπον τοῦ ν.
7. 36. ἔστησαν κατὰ πρόσωπον . . . τοῦ ν.
10. 80. ἐξετίναξαν τὰς σχίζας εἰς τὸν λαόν [S¹ ναόν]
II Ma. 4. 14. R τοῦ μὲν ν. καταφρονοῦντες [A al.]
8. 2. οἰκτεῖραι δὲ καὶ τὸν ν.
10. 5. τὸν καθαρισμὸν γενέσθαι τοῦ ν.
14. 35. ἠυδόκησας ναὸν . . . ἐν ἡμῖν γενέσθαι
15. 18. ὁ περὶ τοῦ καθηγιασμ. ν. φόβος
— 33. τὰ δὲ ἐπίχειρα . . . κατέναντι τοῦ ν. κρεμάσαι
III Ma. 1. 10. εἰς τὸν ν. εἰσελθεῖν
2. 1. R ἐξ ἐναντίας τοῦ ν. κάμψας τὰ γόνατα
3. 17. εἰσελθεῖν εἰς τὸν ν. αὐ.
5. 43. καὶ τὸν ἄβατον αὐ. ἡμῖν ναὸν πυρὶ πρηνέα
IV Ma. 8. 25. A οὐδὲ αὐτὸς ὁ ν. [S R νόμος] . . . ἡμᾶς θανατοῖ

[Aq. III Ki. 6. 17: Ps. 5. 8: 44 (45). 9: 47 (48). 10: Pr. 30. 28: Je. 50 (27). 28: Ez. 9. 6.]
[Sm. III Ki. 6. 17: Ps. 5. 8: 26 (27). 4: 44 (45). 9: 47 (48). 10: 67 (68). 30: Pr. 30. 28: Is. 6. 1: 44. 28: Je. 50 (27). 28: Jn. 2. 5.]
[Th. III Ki. 6. 17: Ps. 47 (48). 10: Pr. 30. 28: Is. 6. 1: Je. 50 (27). 28: Ez. 9. 6: Da. 14. 13: Jn. 2. 5.]
[Quint., Sext. Ps. 47 (48). 10.]
[Al. Is. 13. 22.]

νάπη. (1) אָפִיק (2) גִּבְעָה (3) גַּיְא, גַּי (4) חָרְבָּה (5) נַחַל (6) שְׁפִי

Nu. 21. 19 (20). A ἀπὸ Βαμὼθ εἰς νάπην [B Ἰανήν] (3)
24. 6. ὡσεὶ νάπαι σκιάζουσαι (5)
De. 3. 29. ἐνεκαθήμεθα ἐν νάπῃ (3)
Jo. 18. 16. κατὰ πρόσωπον νάπης Σ. (3)
Is. 40. 12. τίς ἔστησε . . . τὰς ν. ζυγῷ (2)
Je. 14. 6. ὄνοι ἄγριοι [S ὄναγροι] ἔστησαν ἐπὶ νάπας (6)
Ez. 6. 3. τάδε λέγει κύριος . . . ταῖς φάραγξι καὶ ταῖς ν. [A² ν. κ. ταῖς φ.] (2 [1])
36. 4. A τάδε λέγει κύριος . . . ταῖς ν. ταῖς ἐρημωμέναις [B al.] (4)
— 6. εἰπὸν . . . ταῖς φάραγξι καὶ ταῖς ν. (3)
[Sm. II Ki. 2. 24: Ca. 4. 6.]
[Al. Hb. 3. 6.]

νάρδος. (1) נֵרְדְּ

Ca. 1. 12. νάρδος μου ἔδωκεν ὀσμὴν αὐτοῦ (1)
4. 13. κύπροι μετὰ νάρδων (1)
— 14. νάρδος καὶ κρόκος (1)
[Aq. Ca. 1. 12.]

ναρκᾶν. (1) יָקַע

Ge. 32. 25 (26). ἐνάρκησε τὸ πλάτος τοῦ μηροῦ (1)
— 32 (33). τὸ νεῦρον ὃ ἐνάρκησεν †
— 32 (33). τοῦ νεύρου ὃ [A καὶ] ἐνάρκησεν †
Jb. 33. 19. πλῆθος ὀστῶν αὐτοῦ ἐνάρκησε †
Da. LXX. 11. 6. ὁ βραχίων αὐ. ναρκήσει †
[Th. Jb. 33. 19.]

νασείβ (-ίβ). (1) *a.* נְצִיב *b.* נְצִבֵי *c.* נְצָב

I Ki. 1. 1. ἐν ν. Ἐφρ. [A al.] †
10. 5. ἐκεῖ ν. ὁ ἀλλόφυλος (1 *b*)
13. 3. B ἐπάταξεν Ἰ. τὸν ν. τὸν ἀλλόφυλον (1 *a*)
— 4. B πέπαικε Σ. τὸν ν. τὸν ἀλλόφυλον (1 *a*)
III Ki. 16. 28 (22. 47 [48]). B ν. ὁ βασιλεύς (1 *c*)
[Al. III Ki. 22. 48.]

νασέφ, νασίφ. (1) נְצִיב

III Ki. 4. 19. ν. [A² -ιφ] εἷς [A *om.*] ἐν γῇ Ἰ. (1)

ναῦλα.

[Aq. Ps. 32 (33). 2.]
[Sm. Ps. 91 (92). 4: 150. 3.]

ναῦλον. (1) שָׂכָר

Jn. 1. 3. ABS² ἔδωκε τὸ ναῦλον αὐτοῦ (1)

ναῦλος.

[Aq. Ps. 150. 3.]

ναῦς. (1) *a.* אֳנִי *b.* אֳנִיָּה (2) טָחוּרִים (3) עֹפֶל

I Ki. 5. 6. ἐξέζεσεν αὐτοῖς εἰς τὰς ν. [A ἕδρας] (2, 3*)

III Ki. 9. 26. ναῦν . . . τὴν οὖσαν ἐχομένην Αἰ. (1 *a*)

— 27. ἀπέστειλε Χ. ἐν τῇ ν. (1 *a*)

10. 11. ἡ ν. Χ. ἡ αἴρουσα τὸ χρυσίον (1 *a*)

— 22. ναῦς Θ. τῷ βασ. ἐν τῇ θαλ. μετὰ τῶν νηῶν Χ. μία . . . ἤρχετο τῷ βασ. ναῦς (1 *a ter*)

16. 28 (22. 48 [49]). B ἐποίησε ναῦν εἰς Θ. (1 *b*)

— 28 (22. 48 [49]). B συνετρίβη ἡ ν. ἐν Γ. (1 *b*)

— 28 (22. 49 [50]). B ἐξαποστελῶ τοὺς παῖδάς σου . . . ἐν τῇ ν. (1 *b*)

22. 49. A ἐποίησεν νῆας τοῦ πορευθῆναι Ὠ. (1 *b*)

— 49. A συνετρίβησαν νῆες ἐν Ἀ. (1 *b*)

— 50. A πορευθήτωσαν δοῦλοί σου . . . ταῖς ν. (1 *b*)

II Ch. 9. 21. ναῦς τῷ βασ. ἐπορεύετο (1 *b*)

Jb. 9. 26. ἢ καί ἐστι ναυσὶν ἴχνος ὁδοῦ (1 *b*)

Pr. 24. 54 (30. 19). καὶ τρίβους νηὸς [S² -ως] ποντοπορούσης (1 *b*)

31. 14. ἐγένετο ὡσεὶ ναῦς ἐμπορευομένη μακρόθεν (1 *b*)

Wi. 5. 10. ὡς ναῦς διερχομένη κυμαινόμενον ὕδωρ

Da. TH. 11. 40. συναχθήσεται . . . ἐν ν. πολλαῖς (1 *b*)

IV Ma. 7. 1. πηδαλιουχῶν τὴν τῆς εὐσεβείας ν.

[Aq. III Ki. 22. 49 *bis*, 50: Ps. 47 (48). 8: Is. 33. 21.]

[Sm. Jb. 9. 26: Ps. 47 (48). 8.]

[Al. III Ki. 22. 49 *bis*, 50: Is. 43. 14.]

ναύτης.

[Aq. Ez. 27. 9.]

[Sm. Ez. 27. 29.]

ναυτικός. (1) אֳנִיָּה (2) מַלָּח

III Ki. 9. 27. ἀπέστειλε Χ. . . . ἄνδρας ν. (1)

Jn. 1. 5. καὶ ἐφοβήθησαν οἱ ναυτικοί (2)

ναφά. (1) נָפוֹל

II Ki. 3. 34. A οὐ προσήγαγεν ὡς ν. [B νάβαλ] (1)

νάφθα.

Da. LXX. 3. (46). ὑπέκαιον ὑποκάτωθεν αὐτῶν νάφθαν

Da. TH. 3. (46). καίοντες τὴν κάμινον νάφθαν

ναχάλ. (1) נַחַל

Je. 38 (31). 40. πάντες ἀσαρημὼθ ἕως ν. [A ἕ. χειμάρρου ν.] Κέδρων (1)

ναχαλεί (BS), **ναχαλή** (A). (1) נַחֲלִי

I Ch. 11. 32. Οὐρεὶ ἐκ ν. Γάας (1)

νεάζειν.

IV Ma. 5. 31. ὥστε . . . μὴ ν. τὸν λογισμόν

νεανίας. (1) *a.* בָּחוּר *b.* בָּחַר (2) יֶלֶד (3) *a.* נַעַר *b.* נֹעַר

Jd. 16. 26. εἶπε Σ. πρὸς τὸν ν. [A τὸ παιδάριον] (3 *a*)

17. 7. ἐγενήθη ν. ἐκ B. [A *al.*] (3 *a*)

— 11. ἐγενήθη ὁ ν. παρ' αὐτῷ [A *al.*] (3 *a*)

19. 3. B²R νεανίας [B¹ -νις, A τὸ παιδάριον] αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (3 *a*)

— 9. αὐτὸς . . . καὶ ὁ ν. [A τὸ παιδάριον] αὐτοῦ (3 *a*)

— 11. εἶπεν ὁ ν. [A τὸ παιδάριον] πρὸς τὸν κύριον αὐ. (3 *a*)

— 13. εἶπε τῷ ν. [A παιδαρίῳ] αὐτοῦ (3 *a*)

Ru. 3. 10. τὸ μὴ πορευθῆναί σε ὀπίσω νεανιῶν (1 *a*)

I Ki. 20. 31. λάβε τὸν ν. †

— 37 (38). ὀπίσω τοῦ ν. (3 *a*)

II Ki. 6. 1. συνήγαγεν ἔτι Δ. πάντα ν. (1 *a*)

10. 9. A ἐπέλεξεν ἐκ πάντων ν. [B τῶν νεανίσκων] Ἰσρ. (1 *b*)

III Ki. 12. 21. ἑκατὸν καὶ εἴκοσι χιλιάδες νεανιῶν (1 *a*)

I Ch. 19. 10. ἐξελέξατο ἐκ παντὸς ν. ἐξ Ἰσρ. (1 *a*)

I Es. 8. 91. AR ἄνδρες καὶ γυναῖκες καὶ [B *om.*] νεανίαι

Pr. 7. 7. ὃν ἂν ἴδῃ τῶν ἀφρόνων τέκνων νεανίαν ἐνδεῆ φρενῶν (3 *a*)

20. 29. κόσμος νεανίαις σοφία (1 *a*)

Ca. 2. 15. S ταῖς ν. ὁ νυμφίος τάδε –

Za. 2. 4 (8). λάλησον πρὸς τὸν ν. [S νεανίσκον] ἐκεῖνον (3 *a*)

Da. LXX. 1. 10. παρὰ τοὺς συντρεφομ. ὑμῖν ν. τῶν ἀλλογενῶν (2)

II Ma. 3. 26. ἕτεροι δὲ δύο προεφάνησαν αὐτῷ νεανίαι

— 33. οἱ αὐτοὶ ν. πάλιν ἐφάνησαν τῷ Ἡ.

7. 25. τοῦ δὲ ν. μηδαμῶς προσέχοντος

— 30. ὁ ν. εἶπε

10. 35. R εἴκοσι νεανίαι . . . πυρωθέντες [A *al.*]

12. 27. νεανίαι δὲ πρὸ τῶν τειχῶν καθεστῶτες

IV Ma. 8. 5. ὦ νεανίαι

— 27. οἱ ν. βασανίζεσθαι μέλλοντες

9. 13. περὶ ὃν κατατεινόμενος ὁ εὐγενὴς ν.

— 21. ὁ μεγαλόφρων καὶ Ἀβραμιαῖος ν.

— 25. ὁ ἱεροπρεπὴς ν. ἀπέρρηξε τὴν ψυχήν

14. 9. τὴν θλῖψιν τῶν ν. ἐκείνων φρίττομεν

— 20. AR τὴν Ἀβρ. ὁμόψυχον τῶν ν. [S -ίσκων] μητέρα

[Sm. Is. 9. 6 (5).]

νεανικός. (1) בָּחוּר

Je. 30. 15 (49. 26). S¹ πεσοῦνται νεανικοὶ [ABS² -ίσκοι] ἐν πλατείαις σου (1)

III Ma. 4. 8. μετὰ ἀκμαίας καὶ ν. ἡλικίας

νεανικότης.

[Sext. Ps. 9. 1: 109 (110). 3.]

νεανιότης.

[Aq. Ps. 9. 1: 45 (46). 1.]

νεᾶνις. (1) *a.* נַעַר *b.* נַעֲרָה (2) עַלְמָה

Ex. 2. 8. ἐλθοῦσα δὲ ἡ ν. ἐκάλεσε (2)

De. 22. 19. δώσουσι τῷ πατρὶ τῆς ν. (1 *b*)

— 20. καὶ μὴ εὑρεθῇ παρθένια τῇ ν. (1 *a**, 1 *b*)

— 21. ἐξάξουσι τὴν ν. (1 *a**, 1 *b*)

— 24. τὴν ν. ὅτι οὐκ ἐβόησεν (1 *a**, 1 *b*)

— 26. A B² τῇ δὲ ν. οὐ ποιήσετε οὐδέν [B¹ R *al.*] (1 *a**, 1 *b*)

— 26. A B² οὐκ ἔστιν τῇ ν. ἁμάρτημα θανάτου [B¹ R *al.*] (1 *a**, 1 *b*)

— 27. ἐβόησεν ἡ ν. ἡ μεμνηστευμένη (1 *a**, 1 *b*)

— 29. δώσει . . . τῷ πατρὶ τῆς ν. (1 *a**, 1 *b*)

Jd. 5. 8. A σκέπη νεανίδων σιρομαστῶν †

19. 3. B²R νεανίας [B¹ νεᾶνις, A τὸ παιδάριον] αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (1 *a*)

— 3. εἶδεν αὐτὸν ὁ πατὴρ τῆς ν. (1 *b*)

— 4. ὁ γαμβρὸς αὐ. ὁ πατὴρ τῆς ν. (1 *b*)

— 5, 6, 8. εἶπεν ὁ πατὴρ τῆς ν. (1 *b*)

— 9. ὁ γαμβρὸς αὐ. ὁ πατὴρ τῆς ν. (1 *b*)

21. 12. εὗρον . . . τετρακοσίας ν. παρθένους (1 *b*)

Ru. 2. 5. τίνος ἡ ν. αὕτη (1 *b*)

III Ki. 1. 2. ζητησάτωσαν . . . παρθένον ν. (1 *b*)

— 3. ἐζήτησαν ν. καλήν (1 *b*)

— 4. ἡ ν. καλὴ ἕως σφόδρα (1 *b*)

IV Ki. 5. 2. ἠχμαλώτευσαν . . . ν. μικράν (1 *b*)

— 4. οὕτως καὶ οὕτως ἐλάλησεν ἡ ν. (1 *b*)

Ps. 67 (68). 25. ἐν μέσῳ νεανίδων τυμπανιστριῶν (2)

Ca. 1. 3. διὰ τοῦτο νεάνιδες ἠγάπησάν σε (2)

— 4. S ταῖς ν. ἡ νύμφη διηγεῖται –

— 4. S τῆς νύμφης διηγησαμένης ταῖς ν. –

— 4. S αἱ ν. τῷ νυμφίῳ βοῶσιν –

— 10. S αἱ νεάνιδες πρὸς τὴν νύμφην –

2. 4. S ταῖς ν. ἡ νύμφη φησίν –

— 7. S ταῖς ν. ἡ νύμφη –

— 9. S ἡ νύμφη πρὸς τὰς ν. –

3. 5. S τὰς ν. ὁρκίζει ἡ νύμφη –

6. 7 (8). νεάνιδες ὧν οὐκ ἔστιν ἀριθμός (2)

Si. 20. 4. ἐπιθυμία εὐνούχου ἀποπαρθενῶσαι νεάνιδα

Da. TH. 11. 6. καὶ ἡ ν. καὶ ὁ κατισχύων αὐτήν †

III Ma. 4. 6. αἱ δὲ . . . γαμικὸν ὑπεληλυθυῖαι παστὸν ν.

5. 49. γονεῖς παισὶ καὶ μητέρες νεάνισιν

[Aq. Dt. 22. 28: Is. 7. 14.]

[Sm. Ex. 21. 9: Pr. 30. 19: Is. 7. 14.]

[Th. Jd. 5. 8: Pr. 9. 3: Is. 7. 14.]

[Al. I Ki. 9. 11.]

νεανίσκος. (1) אֶנוֹשׁ (2) *a.* בָּחוּר *b.* בָּחַר (3) יֶלֶד (4) נַעַר (5) עֶלֶם

Ge. 4. 23. ἀπέκτεινα . . . νεανίσκον εἰς μώλωπα (3)

14. 24. πλὴν ὧν ἔφαγον οἱ ν. (4)

19. 4. ἀπὸ ν. ἕως πρεσβυτέρου (4)

25. 27. ηὐξήθησαν δὲ οἱ ν. (4)

34. 19. οὐκ ἐχρόνισεν ὁ ν. τοῦ ποιῆσαι (4)

41. 12. ἦν δὲ ἐκεῖ μεθ' ἡμῶν ν. παῖς Ἑβραῖος (4)

Ex. 10. 9. τοῖς ν. [A *add.* ἡμῶν] καὶ πρεσβυτέροις (4)

24. 5. ἐξαπέστειλε τοὺς ν. τῶν υἱῶν Ἰσραήλ (4)

Nu. 11. 27. προσδραμὼν ὁ ν. (4)

De. 32. 25. νεανίσκος σὺν παρθένῳ (2 *a*)

Jo. 2. 1. ἀπέστειλεν Ἰ. . . . δύο νεανίσκους (1)

— 1. πορευθέντες οἱ δύο ν. εἰσήλθοσαν –

— 23. ὑπέστρεψαν οἱ δύο ν. (1)

6. 20 (21). ἀπὸ νεανίσκου καὶ ἕως πρεσβύτου (4)

— 21 (22). τοῖς δυσὶ ν. . . . εἶπεν Ἰ. (1)

— 22 (23). εἰσῆλθον οἱ δύο ν. (4)

Jd. 14. 10. οὕτως ποιοῦσιν οἱ ν. (2 *a*)

18. 3. ἐπέγνωσαν τὴν φωνὴν τοῦ ν. [A *al.*] (4)

— 15. εἰς τὸν οἶκον τοῦ ν. [A παιδαρίου] (4)

19. 19. οἶνός ἐστιν . . . τῷ ν. [A *al.*] (4)

20. 16. A ἐκλεκτοὶ ν. [B *al.*] (2 *a*)

I Ki. 9. 27. εἰπὸν τῷ ν. (4)

17. 55. A υἱὸς τίνος ὁ ν. οὗτος (4)

— 56. A υἱὸς τίνος ὁ ν. οὗτος (5)

20. 22. ἐὰν τάδε εἴπω τῷ ν. (5)

II Ki. 10. 9. B ἐπέλεξεν ἐκ πάντων τῶν ν. [A R π. νεανιῶν] Ἰσρ. (2 *b*)

II Ch. 11. 1. B ἑκατὸν ὀγδοήκ. χιλιάδες [A R -ας] νεανίσκων (2 *a*)

36. 17. ἀπέκτεινε τοὺς ν. αὐτῶν (2 *a*)

I Es. 1. 53. ἀπέκτειναν τοὺς ν. αὐτῶν

— 53. οὐκ ἐφείσαντο νεανίσκου

3. 4. οἱ τρεῖς ν. . . . εἶπαν

— 16. καλέσατε τοὺς ν.

4. 58. ὅτε ἐξῆλθεν ὁ ν.

8. 50. εὐξάμην ἐκεῖ νηστείαν τοῖς ν.

II Es. 10. 1. ἄνδρες καὶ γυναῖκες καὶ νεανίσκοι (3)

Ne. 4. 22 (16). R ἕκαστος μετὰ τοῦ ν. αὐ. αὐλίσθητε (4)

To. 5. 5. S πόθεν εἶ, νεανίσκε

— 7. S μεῖνόν με, νεανίσκε [A B *al.*]

— 9. S νεανίσκε, ὁ πατὴρ καλεῖ σε

7. 2. ὡς ὅμοιος ὁ ν. Τωβ.

8. 1. S ἀπήγαγον τὸν ν.

Ju. 2. 27. ἐπάταξε πάντας τοὺς ν. αὐτῶν

6. 16. πᾶς ν. αὐ. καὶ αἱ γυναῖκες

7. 22. οἱ ν. ἐξέλιπον ἀπὸ τῆς δίψης

— 23. ἐπισυνήχθησαν . . . οἱ ν.

10. 9. συνέταξαν τοῖς ν.

16. 5. καὶ τοὺς ν. μου ἀνελεῖν ἐν ῥομφαίᾳ

— 7. οὐ γὰρ ὑπέπεσεν ὁ δυνατὸς αὐ. ὑπὸ νεανίσκων

Es. 3. 13. S² ἀπὸ νεανίσκου (4)

Jb. 29. 8. ἰδόντες με νεανίσκοι ἐκρύβησαν (4)

Ps. 77 (78). 63. τοὺς ν. αὐτῶν κατέφαγε πῦρ (2 *a*)

148. 12. νεανίσκοι καὶ παρθένοι . . . αἰνεσάτωσαν τὸ ὄνομα κυρίου (2 *a*)

Pr. 20. 11. συμποδισθήσεται νεανίσκος μετὰ ὁσίου (4)

Ec. 4. 15. εἶδον σύμπαντας τοὺς ζῶντας . . . μετὰ τοῦ ν. τοῦ δευτέρου (3)

11. 9. εὐφραίνου, νεανίσκε, ἐν νεότητί σου (2 *a*)

Si. 35 (32). 7. λάλησον, νεανίσκε, εἰ χρεία σου

Am. 2. 11. ἔλαβον . . . ἐκ τῶν ν. ὑμῶν εἰς ἁγιασμόν (2 *a*)

4. 10. καὶ ἀπέκτεινα ἐν ῥομφαίᾳ τοὺς ν. ὑμῶν (2 *a*)

8. 13. ἐκλείψουσιν . . . οἱ νεανίσκοι ἐν δίψει (2 *a*)

Jl. 2. 28 (3. 1). καὶ οἱ ν. ὑμῶν ὁράσεις ὄψονται (2 *a*)

Za. 2. 4 (8). λάλησον πρὸς τὸν νεανίαν [S -νίσκον] ἐκ. (4)

9. 17. σῖτος νεανίσκοις καὶ οἶνος εὐωδιάζων (2 *a*)

Is. 3. 4. ἐπιστήσω νεανίσκους ἄρχοντας αὐτῶν (4)

9. 17 (16). ἐπὶ τοὺς ν. αὐτῶν οὐκ εὐφρανθήσεται ὁ κύριος (2 *a*)

13. 18. τοξεύματα νεανίσκων συντρίψουσι (4)

20. 4. ἄξει βασιλεὺς Ἀσσυρίων . . . νεανίσκους καὶ πρεσβύτας (4)

23. 4. οὐδὲ ἐξέθρεψα νεανίσκους (2 *a*)

31. 9 (8). οἱ δὲ ν. ἔσονται εἰς ἥττημα (2 *a*)

40. 30. κοπιάσουσι νεανίσκοι (2 *a* ?)

62. 5. ὡς συνοικῶν ν. παρθένῳ (2 *a*)

Je. 6. 11. ἔκχεῶ . . . ἐπὶ συναγωγὴν νεανίσκων ἅμα (2 *a*)

9. 21 (20). τοῦ ἐκτρῖψαι . . . νεανίσκους ἀπὸ τῶν πλατειῶν (2 *a*)

11. 22. οἱ ν. αὐτῶν ἐν μαχαίρᾳ ἀποθανοῦνται [A πεσοῦνται] (2 *a*)

15. 8. ἐπήγαγον ἐπὶ μητέρα νεανίσκους [S -ου] ταλαιπωρίαν (2 *a*)

18. 21. οἱ ν. αὐτῶν πεπτωκότες μαχαίρᾳ (2 *a*)

27 (50). 30. πεσοῦνται οἱ ν. αὐτῆς ἐν ταῖς πλατείαις αὐτῆς (2 *a*)

Je. 27 (50). 44. πάντα νεανίσκον ἐπ' αὐτὴν ἐπιστήσω (2 a)
28 (51). 3. μὴ φείσησθε ἐπὶ νεανίσκους αὐτῆς (2 a)
— 22. διασκορπιῶ ἐν σοὶ νεανίσκον καὶ παρθένον (4)
29 (49). 19. τοὺς ν. ἐπ' αὐτὴν ἐπιστήσατε (2 a)
30. 15 (49. 26). πεσοῦνται νεανίσκοι [S¹ -ικοὶ] ἐν πλατείαις σου (2 a)
31 (48). 15. ἐκλεκτοὶ νεανίσκοι αὐτοῦ κατέβησαν εἰς σφαγήν (2 a)
38 (31). 13. χαρήσονται παρθένοι ἐν συναγωγῇ νεανίσκων (2 a)
La. 1. 18. νεανίσκοι [S οἱ ν.] μου ἐπορεύθησαν ἐν αἰχμαλωσίᾳ (2 a)
2. 21. νεανίσκοι μου ἐπορεύθησαν ἐν αἰχμαλωσίᾳ (2 a)
5. 13. νεανίσκοι ἐν ξύλῳ ἠσθένησαν (4)
Ez. 9. 6. πρεσβύτερον καὶ νεανίσκον . . . ἀποκτείνατε (2 a)
23. 6. νεανίσκοι καὶ ἐπίλεκτοι [A ν. ἐπιλέκτους] (2 a)
— 12. νεανίσκοι ἐπίλεκτοι πάντες (2 a)
— 23. ἐπάξω . . . νεανίσκους ἐπιλέκτους (2 a)
30. 17. νεανίσκοι Ἡλίου πόλεως καὶ Βουβάστου ἐν μαχαίρᾳ πεσοῦνται (2 a)
Da. LXX. Su. 39. ὁ δὲ ν. ἔφυγε συγκεκαλυμμένος
1. 4. ἀγαγεῖν αὐτῷ . . . ν. ἀμώμους (3)
— 13. παρὰ τοὺς ἄλλους ν. τοὺς ἐσθίοντας (3)
— 15. κρείσσων τῶν ἄλλων ν. (3)
— 17. τοῖς ν. ἔδωκεν ὁ κ. ἐπιστήμην (3)
6. 4 (5). γνώμην ἐβουλεύσαντο ἐν ἑαυτοῖς οἱ δύο ν. –
Da. TH. Su. 21. ἦν μετὰ σοῦ νεανίσκος
— 37. ἦλθε πρὸς αὐτὴν νεανίσκος
— 40. ἐπηρωτῶμεν τίς ἦν ὁ ν.
1. 4. εἰσαγαγεῖν . . . νεανίσκους (3)
I Ma. 1. 26. παρθένοι καὶ νεανίσκοι ἠσθένησαν
2. 9. οἱ ν. αὐ. ἐν ῥομφαίᾳ ἐχθροῦ
14. 9. οἱ ν. ἐνεδύσαντο δόξας
II Ma. 7. 12. ἐκπλήσσεσθαι τὴν τοῦ ν. ψυχήν
13. 15. μετὰ ν. ἀρίστων κεκριμένων ἐπιβαλών
IV Ma. 3. 12. δύο νεανίσκοι στρατιῶται καρτεροί
13. 7. ἡ ἑπτάπυργος τῶν ν. εὐλογιστία
— 9. μιμησώμεθα τοὺς τρεῖς . . . ν.
14. 12. S² R ἡ μήτηρ γὰρ τῶν ἑπτὰ ν. ἐκ. [A S¹ *om.*]
— 20. S τὴν Ἀβρ. ὁμόψυχον τῶν ν. [A R -νιῶν] μητέρα
16. 17. S ὑμᾶς δὲ τοὺς ν. [A R νεωτέρους] καταπλαγῆναι
[Aq. Je. 31 (38). 13.]
[Sm II Ki. 1. 6: Jb. 24. 5: Ps. 77 (78). 31: Ca. 5. 15: Je. 6. 11.]
[Th. Da. 13. 40.]

νεαρός.
[Al. Ex. 13. 4.]

νέβελ. (1) נֵבֶל
I Ki. 1. 24. ἀνέβη . . . ἐν . . . ν. οἴνου (1)
II Ki. 16. 1. καὶ ἐπ' αὐτοῖς . . . ν. οἴνου (1)
Ho. 3. 2. γομὸρ κριθῶν καὶ νέβελ οἴνου †
[Aq. Je. 13. 12: 48 (31). 12.]
[Sm. I Ki. 1. 24: 10. 3.]
[Th. I Ki. 25. 18: Ho. 3. 2.]

νέβλ.
[Heb. Ps. 91 (92). 4.]

νεβρός. (1) עֹפֶר
Ca. 2. 9. ὅμοιός ἐστιν ἀδελφιδός μου . . . νεβρῷ ἐλάφων (1)
— 17. ὁμοιώθητι σὺ . . . νεβρῷ ἐλάφων (1)
4. 5: 7. 3 (4). ὡς δύο νεβροὶ δίδυμοι δορκάδος (1)
8. 14. ὁμοιώθητι . . . τῷ [A *om.*] ν. τῶν ἐλάφων (1)
[Sm. I Ki. 10. 3.]
[Th. Jb. 39. 1.]

νεγβαί.
[Th. Ez. 20. 46 (21. 2).]

νεδδά.
[Al. Le. 20. 21.]

νεέλασσα (-ασα). (1) נְעֻלָּסָה
Jb. 39. 13. A S²R πτέρυξ τερπομένων νεέλασσα [B S¹ *om.*] (1)

νέεσσα, *vid.* **νέσσα.**

νεεσσαράν (νεσσ.). (1) נָעֲצָר
I Ki. 21. 7 (8). συνεχόμενος ν. [A νεσσ.] ἐνώπιον κυρίου (1)

νεῖέρ. (1) נִיר
IV Ki. 11. 12. R ἔδωκεν ἐπ' αὐτὸν ν. [A B *al.*] (1)
[Th., Quint. IV Ki. 11. 12.]

νεῖκος, *vid.* **νῖκος.** (1) דִּגֶשׁ (2) *a.* מָדוֹן *b.* מִדָּן
Pr. 10. 12. μῖσος ἐγείρει νεῖκος (2 b)
22. 10. συνεξελεύσεται αὐτῷ νεῖκος (2 a)
29. 22. ἀνὴρ θυμώδης ἐγείρει [A S ὀρύσσει] νεῖκος (2 a)
Ho. 10. 11. Ἐφ. δάμαλις δεδιδαγμένη ἀγαπᾶν νεῖκος (1)
Ze. 3. 5. B² R καὶ οὐκ εἰς νεῖκος [A B¹ S νῖκος] ἀδικίαν –
Ez. 3. 8. A B τὸ ν. [R νῖκός] σου κατισχύσω κατέναντι τοῦ ν. [R νίκους] σου †, †
— 9. A δέδωκα τὸ ν. σου †

νεκριμαῖος. (1) נְבֵלָה
III Ki. 13. 30. A ἀνέπαυσε τὸ ν. αὐτοῦ (1)
[Aq. Dt. 14. 8.]

νεκρός. (1) חָרֵג (2) חָלָל (3) מוּת (4) נְבֵלָה (5) פֶּגֶר
Ge. 23. 3. ἀνέστη Ἀβ. ἀπὸ τοῦ ν. αὐτοῦ (3)
— 4. θάψω τὸν νεκρόν μου ἐκεῖ ἀπ' ἐμοῦ (3)
— 6. θάψον τὸν ν. σου (3)
— 6. τοῦ θάψαι τὸν ν. σου ἐκεῖ (3)
— 8. ὥστε θάψαι τὸν ν. μου ἀπὸ προσώπου μου (3)
— 11. θάψον τὸν ν. σου (3)
— 13. καὶ θάψω τὸν ν. μου ἐκεῖ (3)
— 15. σὺ δὲ τὸν ν. σου θάψον (3)
Le. 21. 5. φαλάκρωμα δὲ ξυρηθήσεσθε τὴν κεφ. ἐπὶ νεκρῷ –
Nu. 19. 16. ὃς ἐὰν ἅψηται . . . νεκροῦ (3)
De. 14. 1. οὐκ ἐπιθήσετε . . . ἐπὶ νεκρῷ (3)
18. 11. ἐπερωτῶν τοὺς ν. (3)
28. 26. ἔσονται οἱ ν. ὑμῶν κατάβρωμα (4)
Jd. 4. 22. Σεισάρα ἐρριμμένος [A πεπτωκὼς] νεκρός (3)
19. 28. ὅτι ἦν νεκρά [A *al.*] –
I Ki. 31. 8. ἔρχονται οἱ ἀλλόφ. ἐκδιδύσκειν τοὺς ν. (2)
II Ki. 19. 6 (7). πάντες ἡμεῖς σήμερον νεκροί (3)
III Ki. 3. 22. A ὁ υἱός σού ἐστιν ὁ ν. (3)
IV Ki. 19. 35. καὶ ἰδοὺ πάντες σώματα νεκρά (3)
23. 30. ἐπεβίβασαν αὐτὸν οἱ παῖδες αὐ. νεκρόν (3)
II Ch. 20. 24. πάντες ν. πεπτωκότες ἐπὶ τῆς γῆς (5)
To. 2. 8. ἰδοὺ πάλιν θάπτει τοὺς ν.
5. 9. S ὥσπερ οἱ ν. οἱ μηκέτι θεωροῦντες τὸ φῶς
— 9. S ζῶν ἐγὼ ἐν νεκροῖς εἰμι
12. 12. ὅτε ἔθαπτες τοὺς ν.
— 13. ὅπως ἀπελθὼν περιστείλῃς τὸν ν. [S *al.*]
Ju. 2. 8. ποταμὸς ἐπικλύζων τοῖς ν. αὐ. πληρωθήσεται
6. 4. τὰ πεδία αὐ. πληρωθήσεται [A *add.* τῶν] νεκρῶν αὐ.
14. 15. εὗρεν αὐτὸν . . . ἐρριμμένον νεκρόν
Ps. 30 (31). 12. ἐπελήσθην ὡσεὶ νεκρὸς ἀπὸ καρδίας (3)
87 (88). 5. ὡς ἄνθρωπος ἀβοήθητος ἐν νεκροῖς ἐλεύθερος (3)
— 10. μὴ τοῖς ν. ποιήσεις θαυμάσια (3)
105 (106). 28. ἔφαγον θυσίας νεκρῶν (3)
113. 25 (115. 17). οὐχ οἱ ν. αἰνέσουσί σε (3)
142 (143). 3. ἐκάθισέ με ἐν σκοτεινοῖς ὡς νεκροὺς αἰῶνος (3)
Ec. 9. 3. περιφέρεια . . . ὀπίσω αὐτῶν πρὸς τοὺς ν. (3)
— 4. ὁ κύων ὁ ζῶν αὐτὸς ἀγαθὸς ὑπὲρ τὸν λέοντα τὸν ν. (3)
— 5. οἱ ν. οὐκ εἰσὶ γινώσκοντες οὐδέν (3)
Wi. 4. 18. ἔσονται . . . εἰς ὕβριν ἐν νεκροῖς δι' [A *om.*] αἰῶνος
13. 10. ταλαίπωροι δὲ καὶ ἐν νεκροῖς αἱ ἐλπίδες αὐτῶν
— 18. R περὶ δὲ ζωῆς τὸν [A B S τὸ] ν. ἀξιοῖ
14. 15. εἰκόνα ποιήσας τὸν τότε [A ποτὲ] ν. ἄνθρωπον
15. 5. ποθεῖ τε νεκρᾶς εἰκόνος εἶδος ἄπνουν [A ἄγνουν]
Wi. 15. 17. θνητὸς δὲ ὢν νεκρὸν ἐργάζεται χερσὶν ἀνόμοις
18. 12. ἐν [S² *om.*] ἑνὶ ὀνόματι θανάτου νεκροὺς εἶχον ἀναριθμήτους
— 23. σωρηδὸν γὰρ ἤδη πεπτωκότων ἐπ' ἀλλήλων νεκρῶν
19. 3. προσοδυρόμενοι τάφοις νεκρῶν
Si. 7. 33. ἐπὶ νεκρῷ μὴ ἀποκωλύσῃς χάριν
8. 7. μὴ ἐπίχαιρε ἐπὶ νεκρῷ
17. 28. ἀπὸ νεκροῦ ὡς μηδὲ ὄντος ἀπόλλυται ἐξομολόγησις
22. 11. ἐπὶ νεκρῷ κλαῦσον
— 11. κλαῦσον ἐπὶ νεκρῷ
— 12. πένθος νεκροῦ ἑπτὰ ἡμέραι
31 (34). 25. βαπτιζόμενος ἀπὸ νεκροῦ καὶ πάλιν ἁπτόμενος αὐτοῦ
38. 16. ἐπὶ νεκρῷ κατάγαγε δάκρυα
— 23. ἐν ἀναπαύσει νεκροῦ κατάπαυσον τὸ μνημόσυνον
48. 5. ὁ ἐγείρας νεκρὸν ἐκ θανάτου
Is. 5. 13. πλῆθος ἐγενήθη νεκρῶν διὰ λιμόν †
8. 19. τί ἐκζητοῦσι περὶ τῶν ζώντων τοὺς ν. (3)
14. 19. ῥιφήσῃ ἐν τοῖς ὄρεσιν ὡς ν. ἐβδελυγμένος †
22. 2. οὐδὲ οἱ ν. σου νεκροὶ πολέμων (–, 3)
26. 14. οἱ δὲ ν. ζωὴν οὐ μὴ ἴδωσιν (3)
— 19. ἀναστήσονται οἱ ν. (3)
34. 3. οἱ δὲ τραυματίαι αὐ. ῥιφήσονται καὶ οἱ ν. (5)
37. 36. εὗρον πάντα τὰ σώματα νεκρά (3)
Je. 7. 33. ἔσονται οἱ ν. τοῦ λαοῦ τούτου εἰς βρῶσιν [A κατάβρωμα] (4)
9. 22 (21). ἔσονται οἱ ν. τῶν ἀνθρώπων εἰς παράδειγμα (4)
19. 7. δώσω τοὺς ν. αὐτῶν εἰς βρῶσιν (4)
40 (33). 5. πληρῶσαι αὐτὴν τῶν [A *om.*] ν. τῶν ἀνθρώπων (5)
Ba. 3. 10. συνεμάνθης τοῖς ν.
La. 3. 6. ἐν σκοτεινοῖς ἐκάθισέ με ὡς νεκροὺς [A με ἐν σκοτεινοῖς] αἰῶνος (3)
Ep. Je. 27. ὥσπερ νεκροῖς τὰ δῶρα αὐτοῖς παρατίθεται
— 32. ὥσπερ τινὲς ἐν παραδείπνῳ νεκροῦ
— 71. νεκρῷ ἐρριμμένῳ ἐν σκότει ἀφωμοίωνται οἱ θεοὶ αὐτῶν
Ez. 9. 7. πλήσατε [A -ηρώσ.] τὰς ὁδοὺς νεκρῶν (2)
11. 6. ἐπληθύνατε νεκροὺς ὑμῶν ἐν τῇ πόλει ταύτῃ (2)
— 7. τοὺς ν. ὑμῶν οὓς ἐπατάξατε [A ἐφονεύσατε] (2)
32. 18. καταβιβάσουσιν αὐτῆς τὰς θυγατέρας τὰ ἔθνη νεκράς †
37. 9. ἐμφύσησον εἰς τοὺς ν. τούτους (1)
II Ma. 12. 44. ὑπὲρ νεκρῶν εὔχεσθαι
IV Ma. 15. 20. καὶ ἐπὶ νεκροῖς [S¹ -οὺς] νεκροὺς πίπτοντας
[Sm. Ps. 16 (17). 14: 87 (88). 6, 11: Ec. 9. 3: Is. 26. 19.]
[Th. Is. 26. 14, 19: 41. 14.]
[Al. Le. 21. 11: Nu. 9. 6: 12. 12.]
[Heb. Ez. 44. 25.]

νέμειν. (1) חָלַק (2) עָמַד (3) רָבַץ (4) רָעָה
Ge. 36. 24. ὅτε ἔνεμε τὰ ὑποζύγια Σεβ. (4)
41. 3. ἐνέμοντο αἱ βόες παρὰ τὰς βόας (2)
— 18. καὶ ἐνέμοντο ἐν τῷ ἄχει (4)
— 19. A καὶ ἐνέμοντο ἐν τῷ ἄχει –
Ex. 34. 3. μὴ νεμέσθωσαν πλησίον τοῦ ὄρους (4)
Nu. 14. 33. ἔσονται νεμόμενοι ἐν τῇ ἐρήμῳ (4)
I Ki. 21. 7 (8). νέμων τὰς ἡμιόνους Σ. (4)
Ca. 4. 5. δύο νεβροὶ . . . οἱ νεμόμενοι ἐν κρίνοις (4)
Wi. 19. 9. ὡς γὰρ ἵπποι ἐνεμήθησαν
Si. 49. 13. B S¹ νέμουσιν [A S² R Νεεμίου] ἐπὶ πολὺ τὸ μνημόσυνον
Ho. 4. 16. νῦν νεμήσει αὐτοὺς κύριος (4)
Mi. 7. 14. νεμήσονται τὴν Β. καὶ τὴν Γ. (4)
Jn. 3. 7. μηδὲ νεμέσθωσαν (4)
Ze. 2. 7. νεμήσονται ἐν τοῖς οἴκοις (4)
— 14. καὶ νεμήσονται ἐν μέσῳ αὐτῆς ποίμνια (3)
3. 13. αὐτοὶ νεμήσονται καὶ κοιτασθήσονται (4)
Je. 27 (50). 19. νεμήσεται ἐν τῷ Καρμήλῳ (4)
Ez. 19. 7. ἐνέμετο [A *add.* ἐν] τῷ θράσει αὐτοῦ †
34. 18. τὴν καλὴν νομὴν ἐνέμεσθε (4)
— 19. τὰ πρόβατά μου τὰ πατήματα τῶν ποδῶν ὑμῶν ἐνέμοντο (4)
Da. LXX. 4. 12. ὅπως . . . χόρτον ὡς βοῦς νέμηται (1?)

II Ma. 10. 6. ὡς . . . τὴν τῶν σκηνῶν ἑορτὴν . . . ἦσαν νεμόμενοι
[Aq. Ps. 27 (28). 9 : 36 (37). 3 : Pr. 28. 7 : 29. 3 : Ca. 6. 1 (2) : Is. 11. 7 : 61. 5.]
[Sm. Jb. 39. 17 : Ps. 48 (49). 15 : Ca. 4. 5 : 5. 1 : 6. 1 (2) : Is. 5. 17 : 27. 10 : Je. 6. 3.]
[Th. Ge. 36. 24 : Pr. 28. 7 : Is. 11. 7.]
[Sext. Ps. 36 (37). 3 : Ca. 2. 16 : 6. 1 (2), 2 (3).]
[Al. Ca. 2. 16.]

νεογνός.

III Ma. 1. 20. τὰ δὲ ν. τῶν τέκνων
5. 49. νεογνὰ πρὸς μαστοὺς ἔχουσαι βοέφη

νεόκτιστος.

Wi. 11. 18. ἢ νεοκτίστους [A -ου] θυμοῦ [S -οὺς] πλήρεις θῆρας ἀγνώστους [S¹ θρασυγν.]

νεομηνία, *vid.* νουμηνία.

νέος. (1) אֶבְיוֹן (2) בְּכוּרִים (3) חָדָשׁ (4) נַעַר (5) οἶνος ν. עָסִיס (6) παῖς ν. נַעַר (7) νεώτερος *a.* יֶלֶד *b.* נַעַר *c.* צָעִיר *d.* קָטֹן, קָטָן *e.* צָעוּר

Ge. 9. 24. ὁ υἱὸς αὐτοῦ ὁ νεώτερος (7 *d*)
19. 31. ἡ πρεσβυτέρα πρὸς τὴν νεωτέραν (7 *c*)
— 34. εἶπεν ἡ πρεσβυτέρα πρὸς τὴν νεωτέραν (7 *c*)
— 35. εἰσελθοῦσα ἡ νεωτέρα ἐκοιμήθη (7 *c*)
— 39 (38). ἔτεκε δὲ καὶ ἡ νεωτέρα υἱόν (7 *c*)
27. 15, 42. τὸν υἱὸν αὐτῆς τὸν νεώτερον (7 *d*)
29. 16. ὄνομα τῇ νεωτέρᾳ Ῥαχήλ (7 *d*)
— 18. τῆς θυγατρός σου τῆς νεωτέρας (7 *d*)
— 26. δοῦναι τὴν νεωτέραν (7 *c*)
37. 2. ἑπτὰ ἐτῶν ἦν . . . ὢν νέος (4)
42. 13. ὁ νεώτερος μετὰ τοῦ πατρὸς ἡμῶν (7 *d*)
— 15. ὁ ἀδελφὸς ὑμῶν ὁ νεώτερος (7 *d*)
— 20, 34. τὸν ἀδελφὸν ὑμῶν τὸν νεώτερον (7 *d*)
43. 3, 5. ὁ ἀδελφὸς ὑμῶν ὁ νεώτερος –
— 29. οὗτος ὁ ἀδελφὸς ὑμῶν ὁ νεώτερος (7 *d*)
— 33. καὶ ὁ νεώτερος κατὰ τὴν νεότητα αὐτοῦ (7 *c*)
44. 2. εἰς τὸν μάρσιππον τοῦ νεωτέρου (7 *d*)
— 12. ἕως ἦλθεν ἐπὶ τὸν νεώτερον (7 *d*)
— 20. παιδίον νεώτερον γήρως αὐτοῦ (7 *d*)
— 23. ὁ ἀδελφὸς ὑμῶν ὁ νεώτερος (7 *d*)
— 26. ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν ὁ νεώτερος (7 *d*)
— 26. τοῦ ἀδελφοῦ τοῦ νεωτέρου (7 *d*)
48. 14. οὗτος δὲ ἦν ὁ νεώτερος (7 *c*)
— 19. ὁ ἀδελφὸς αὐτοῦ ὁ νεώτερος (7 *d*)
49. 22. υἱός μου νεώτατος †
Ex. 13. 4. ἐκπορεύεσθε ἐν μηνὶ τῶν ν. (1)
23. 15. κατὰ τὸν καιρὸν τοῦ μηνὸς τῶν ν. (1)
33. 11. Ἰησοῦς υἱὸς Ναυῆ νέος (4)
34. 18. εἰς τὸν καιρὸν ἐν μηνὶ τῶν ν. (1)
— 18. ἐν γὰρ [A *add.* τῷ] μηνὶ τῶν ν. ἐξῆλθες (1)
Le. 2. 14. νέα [AB¹ ἀπαλὸν ν.] πεφρυγμένα χίδρα (1)
23. 14. καὶ πεφρυγμένα χίδρα νέα †
— 16. προσοίσετε θυσίαν ν. τῷ κ. (3)
26. 10. παλαιὰ ἐκ προσώπου νέων ἐξοίσετε (3)
Nu. 14. 23. πᾶς νεώτερος ἄπειρος –
28. 26. τῇ ἡμέρᾳ τῶν ν. (2)
— 26. ὅταν προσφέρητε θυσίαν νέαν (3)
De. 1. 39. καὶ πᾶν παιδίον ν. ὅστις οὐκ οἶδε –
16. 1. φύλαξαι τὸν μῆνα τῶν ν. (1)
— 1. ἐν τῷ μηνὶ τῶν ν. ἐξῆλθες (1)
28. 50. νέον οὐκ ἐλεήσει (4)
Jo. 5. 10 (11). ἐφάγοσαν . . . ἄζυμα καὶ νέα †
15. 17. Γ. υἱὸς Κ. ἀδελφοῦ Χ. [A *add.* ὁ νεώτερος] –
Jd. 1. 13. Γ. υἱὸς Κ. ἀδελφοῦ Χ. ὁ νεώτερος [A *add.* ὑπὲρ αὐτόν] (7 *d*)
3. 9. τὸν Γ. υἱὸν Κ. ἀδελφοῦ Χ. τὸν νεώτερον ὑπὲρ αὐτόν [A ν. αὐτοῦ] (7 *d*)
8. 20. ὅτι ἔτι [A *om.*] νεώτερος ἦν (7 *b*)
9. 5. κατελείφθη Ἰ. υἱὸς Ἰ. ὁ νεώτερος (7 *d*)
15. 2. B μὴ οὐχὶ ἡ ἀδελφὴ αὐ. ἡ νεωτέρα αὐτῆς [AR *om.*] ἀγαθωτέρα (7 *d*)
18. 3. A ἐπέγνωσαν τὴν φωνὴν τοῦ παιδαρίου τοῦ νεωτέρου [B *al.*] (4 ?)
I Ki. 17. 14. A αὐτός ἐστιν ὁ νεώτερος (7 *d*)
III Ki. 16. 34. τῷ Σ. τῷ νεωτέρῳ αὐ. ἐπέστησε θύρας αὐ. (7 *c*)
I Ch. 12. 28. καὶ Σ. νέος δυνατὸς ἰσχύϊ (4)
I Ch. 24. 31. καθὼς οἱ ἀδελφοὶ αὐ. οἱ νεώτεροι (7 *d*)
29. 1. Σαλ. ὁ υἱός μου . . . ν. καὶ ἁπαλός (4)
II Ch. 10. 14. κατὰ τὴν βουλὴν τῶν νεωτέρων (7 *a*)
13. 7. καὶ Ῥ. ἦν νεώτερος (7 *b*)
15. 13. ἀπὸ νεωτέρου ἕως πρεσβυτέρου (7 *d*)
I Es. 1. 53. οὐκ ἐφείσαντο . . . νεωτέρου
To. 1. 4. νεωτέρου μου ὄντος [S ὅτε ἤμην νέος]
Jb. 13. 2. A καί γε νεώτερος ὑμῶν οὔκ εἰμι [B S καὶ οὐκ] ἀσυνετώτερός εἰμι ὑμῶν –
24. 5. ἠδύνθη αὐτῷ ἄρτος εἰς νεωτέρους (7 *b*)
32. 6. νεώτερος μέν εἰμι τῷ χρόνῳ (7 *c*)
Ps. 36 (37). 25. νεώτερος ἐγενόμην (7 *b*)
67 (68). 27. ἐκεῖ Βενιαμὶν νεώτερος ἐν ἐκστάσει (7 *c*)
68 (69). 31. ὑπὲρ μόσχον νέον κέρατα ἐκφέροντα καὶ ὁπλάς –
118 (119). 9. ἐν τίνι κατορθώσει νεώτερος [S¹ ὁ ν.] τὴν ὁδὸν αὐτοῦ (7 *b*)
— 141. νεώτερος ἐγώ εἰμι καὶ ἐξουδενωμένος (7 *c*)
148. 12. πρεσβῦται [S -τεροι] μετὰ νεωτέρων (7 *b*)
151. 1. καὶ νεώτερος ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ πατρός μου
Pr. 1. 4. παιδὶ δὲ νέῳ αἴσθησίν τε καὶ ἔννοιαν (6)
7. 10. ἢ ποιεῖ νέων ἐξίπτασθαι καρδίας †
22. 15. ἄνοια ἐξῆπται καρδίας νέου (4)
Ec. 10. 16. οὐαί σοι, πόλις, ἧς ὁ βασιλεύς σου νεώτερος (7 *b*)
Ca. 7. 13 (14). πάντα ἀκρόδρυα νέα πρὸς παλαιά (3)
Wi. 8. 10. τιμὴν παρὰ πρεσβυτέροις ὁ ν.
19. 11. εἶδον καὶ νέαν γένεσιν ὀρνέων
Si. 9. 10. οἶνος νέος φίλος νέος ἐὰν παλαιωθῇ
24. 25. ὡς Τίγρις ἐν ἡμέραις νέων
42. 8. περὶ παιδείας . . . ἐσχατογήρου κρινομένου πρὸς νέους
50. 8. ὡς ἄνθος ῥόδων ἐν ἡμέραις νέων
— 23. ἐν ἡμέραις [S¹ *add.* νέων] ἡμῶν
51. 13. ἔτι ὢν νεώτερος πρὶν ἢ πλανηθῆναί με
Za. 9. 9. ἐπιβεβηκὼς ἐπὶ ὑποζύγιον καὶ πῶλον νέον †
Is. 40. 30. πεινάσουσι γὰρ νεώτεροι (7 *b*)
49. 26. πίονται ὡς οἶνον νέον τὸ αἷμα αὐτῶν (5)
65. 20. ἔσται γὰρ ὁ ν. ἑκατὸν ἐτῶν (4)
Je. 1. 6. νεώτερος ἐγώ εἰμι (7 *b*)
— 7. μὴ λέγε ὅτι νεώτερος ἐγώ εἰμι (7 *b*)
14. 3. ἀπέστειλαν [S¹ -τησαν] τοὺς νεωτέρους αὐ. ἐφ' ὕδωρ (7 *e**, 7 *c*)
Ba. 3. 20. νεώτεροι εἶδον φῶς
Ez. 16. 46. ἡ ἀδελφή σου ἡ νεωτέρα σου . . . Σόδομα (7 *d*)
— 61. ἐν τῷ ἀναλαβεῖν σε τὰς ἀδελφάς σου τὰς πρεσβυτέρας σου σὺν ταῖς νεωτέραις σου (7 *d*)
Da. LXX. Su. 42. ἔδωκεν . . . πνεῦμα συνέσεως νεωτέρῳ ὄντι Δ.
— 52. προσήγαγον τὸν πρεσβύτερον τῷ νεωτέρῳ
— 55. εἶπε δὲ ὁ νεώτερος
— 60. πᾶσα ἡ συν. ἀνεβόησεν ἐπὶ τῷ νεωτέρῳ
— 63. οἱ νεώτεροι ἀγαπητοὶ Ἰακώβ
— 64. φυλασσώμεθα εἰς υἱοὺς δυνατοὺς νεωτέρους
— 64. εὐσεβοῦσι γὰρ νεώτεροι
Da. TH. Su. 45. ἐξήγειρεν ὁ θ. τὸ πνεῦμα τὸ ἅγ. παιδαρίου νεωτέρου
I Ma. 6. 17. ὃν ἐξέθρεψε νεώτερον
11. 54. καὶ Ἀντ. μετ' αὐτοῦ παιδάριον νεώτερον
— 57. ἔγραψεν Ἀντ. ὁ νεώτερος τῷ Ἰ.
13. 31. ἐπορεύετο δόλῳ μετὰ Α. τοῦ βασ. τοῦ νεωτέρου
II Ma. 5. 13. ἐγίνετο δὲ νέων . . . ἀναίρεσις
— 24. τὰς δὲ γυναῖκας καὶ τοὺς νεωτέρους πωλεῖν
6. 24. R πολλοὶ [A -οῖς] τῶν νέων ὑπολαβόντες Ἐλ.
— 28. τοῖς δὲ ν. ὑπόδειγμα γενναῖον καταλελοιπώς
— 31. οὐ μόνον τοῖς ν. . . . ὑπόδειγμα . . . καταλείπων
7. 24. ἔτι τοῦ νεωτέρου περιόντος
15. 17. ψυχὰς νέων ἐπανδρῶσαι
IV Ma. 2. 3. νέος γὰρ ὤν
6. 19. γενοίμεθα τοῖς ν. ἀσεβείας τύπος
9. 6. ἀποθάνοιμεν ἂν δικαιότερον ἡμεῖς οἱ ν.
11. 14. τῶν ἀδελφῶν μού εἰμι νεώτερος
12. 1. ὁ ἕβδομος παρεγίνετο πάντων νεώτερος
16. 17. AR ὑμᾶς δὲ τοὺς νεωτέρους [S νεανίσκους] καταπλαγῆναι
[Sm. Jb. 29. 8 : 32. 19 : Ps. 36 (37). 25 : 118 (119). 9 : Pr. 20. 11 : 29. 15 : Is. 60. 22 : Je. 48 (31). 4.]
[Th. Jb. 24. 5 : 29. 8 : 30. 1 : Pr. 22. 6 : Is. 65. 20 : Za. 13. 7.]
[Quint., Sext. Ps. 1. 1.]
[Al. Ps. 97 (98). 1 : 148. 12.]

νεοσσιά, *vid.* νοσσιά.

νεοσσός, *vid.* νοσσός, νεοττός.

νεότης. (1) בְּחוּרוֹת (2) יַלְדוּת (3) *a.* נַעַר *b.* נְעוּרִים *c.* נְעוּרוֹת (4) עוֹד (5) *a.* עֲלוּמִים *b.* עֲלֻמָה (6) צְעִירָה

Ge. 8. 21. R ἐκ νεότητος αὐτοῦ [A *om.*] (3 *b*)
43. 33. καὶ ὁ νεώτερος κατὰ τὴν ν. αὐ. (6)
48. 15. ὁ τρέφων με ἐκ νεότητος (4)
Le. 22. 13. κατὰ τὴν ν. αὐτῆς (3 *b*)
Nu. 22. 30. ἀπὸ [A ἐκ] νεότητός σου (4)
30. 4. ἐν τῇ νεότητι αὐτῆς (3 *b*)
— 17. ἀνὰ μέσον . . . θυγατρὸς ἐν νεότητι (3 *b*)
I Ki. 12. 2. διελήλυθα ἐνώπιον ὑμῶν ἐκ νεότητος [A *add.* μου] (3 *b*)
17. 33. αὐτὸς ἀνὴρ πολεμιστὴς ἐκ νεότητος αὐ. (3 *b*)
II Ki. 19. 7 (8). τὸ ἐπελθόν σοι ἐκ νεότητός σου (3 *b*)
III Ki. 18. 12. φοβούμενος τὸν κ. ἐκ νεότητος αὐ. (3 *b*)
Jb. 13. 26. περιέθηκας δέ μοι νεότητος ἁμαρτίας (3 *b*)
20. 11. ὀστᾶ αὐ. ἐνεπλήσθησαν νεότητος αὐ. (5 *a*)
31. 18. ἐκ νεότητός μου ἐξέτρεφον ὡς πατήρ (3 *b*)
36. 14. ἀποθάνοι τοίνυν ἐν νεότητι ἡ ψυχὴ αὐτῶν (3 *a*)
Ps. 24 (25). 7. ἁμαρτίας νεότητός μου . . . μὴ μνησθῇς (3 *b*)
42 (43). 4. πρὸς τὸν Θεὸν τὸν εὐφραίνοντα τὴν ν. μου †
70 (71). 5. κύριος ἡ ἐλπίς μου ἐκ νεότητός μου (3 *b*)
— 17. ἐδίδαξάς με, ὁ θεός, ἐκ νεότητός μου (3 *b*)
87 (88). 15. πτωχός εἰμι ἐγὼ . . . ἐκ νεότητός μου (3 *a*)
102 (103). 5. ἀνακαινισθήσεται ὡς ἀετοῦ ἡ ν. σου (3 *b*)
128 (129). 1, 2. πλεονάκις ἐπολέμησάν με ἐκ νεότητός μου (3 *b*)
143 (144). 12. ὧν οἱ υἱοὶ ὡς νεόφυτα ἱδρυμένα ἐν τῇ ν. αὐτῶν (3 *b*)
Pr. 2. 17. ἡ ἀπολιποῦσα διδασκαλίαν νεότητος (3 *b*)
5. 18. συνευφραίνου μετὰ γυναικὸς τῆς ἐκ νεότητός σου (3 *b*)
24. 54 (30. 19). καὶ ὁδοὺς ἀνδρὸς ἐν νεότητι (5 *b* ?)
Ec. 11. 9. εὐφραίνου, νεανίσκε, ἐν νεότητί σου καὶ ἀγαθυνάτω σε ἡ καρδία σου ἐν ἡμέραις νεότητός σου (2, 1)
— 10. ἡ ν. καὶ ἡ ἄνοια ματαιότης (2)
12. 1. μνήσθητι τοῦ κτίσαντός σε ἐν ἡμέραις νεότητός σου (1)
Wi. 2. 6. χρησώμεθα τῇ κτίσει ὡς νεότητι [A S¹ -τητος] σπουδαίως
4. 16. νεότης [A -τητος] τελεσθεῖσα ταχέως [S¹ *om.*] . . . γῆρας ἀδίκου
8. 2. ἐξεζήτησα ἐκ νεότητός μου
Si. 6. 18. ἐκ νεότητός σου [S *om.*] ἐπίλεξαι παιδείαν
7. 23. κάμψον ἐκ νεότητος τὸν τράχηλον αὐτῶν
25. 3. ἐν [A ἀ ἐν] νεότητι οὐ συναγήοχας
30. 11. μὴ δῷς αὐτῷ ἐξούσιαν ἐν νεότητι
— 12. R κάμψον τὸν τράχηλον αὐτοῦ ἐν νεότητι
42. 9. ἐν νεότητι αὐτῆς μή ποτε παρακμάσῃ
47. 4. ἐν νεότητι αὐτοῦ οὐχὶ ἀπέκτεινε γίγαντα
— 14. ὡς ἐσοφίσθης ἐν νεότητί σου
51. 15. ἐκ νεότητός μου ἴχνευον αὐτήν
Za. 13. 5. ἄνθρωπος ἐγένησέ με ἐκ νεότητός μου (3 *b*)
Ma. 2. 14. ἀνὰ μέσον γυναικὸς νεότητός σου (3 *b*)
— 15. γυναῖκα νεότητός σου μὴ ἐγκαταλίπῃς (3 *b*)
Is. 47. 12. ἃ ἐμάνθανες ἐκ νεότητός σου (3 *b*)
— 15. ἐκοπίασας ἐν τῇ μεταβολῇ ἐκ νεότητος (3 *b*)
54. 6. οὐδ' ὡς γυναῖκα ἐκ νεότητος μεμισημένην (3 *b*)
Je. 2. 2. ἐμνήσθην ἐλέους νεότητός σου (3 *b*)
3. 24. κατηνάλωσε τοὺς μόχθους τῶν πατέρων ἡμῶν ἀπὸ νεότητος ἡμῶν [AS αὐτῶν] (3 *b*)
— 25. ἡμάρτομεν . . . ἀπὸ νεότητος ἡμῶν (3 *b*)
22. 21. BS αὕτη ἡ ὁδός σου ἐκ νεότητός σου (3 *b*)
38 (31). 19. ἔλαβον ὀνειδισμὸν ἐκ νεότητός μου (3 *b*)
39 (32). 30. ποιοῦντες τὸ πονηρὸν κατ' ὀφθαλμούς μου ἐκ νεότητος αὐτῶν (3 *c*)
La. 3. 27. ὅταν ἄρῃ ζυγὸν ἐν νεότητι αὐτοῦ (3 *b*)
Ez. 23. 3. ἐξεπόρνευσαν ἐν Αἰγύπτῳ ἐν τῇ ν. αὐτῶν (3 *b*)
— 8. μετ' αὐτῆς ἐκοιμῶντο ἐν νεότητι [A τῇ ν.] αὐ. (3 *b*)
— 19. τοῦ ἀναμνῆσαι ἡμέραν [A -ας] νεότητός σου (3 *b*)
— 21. ἐπεσκέψω τὴν ἀνομίαν νεότητός σου . . . οὗ οἱ μαστοὶ [A *add.* ἔπεσαν] νεότητός σου (3 *b*, 3 *b*)

I Ma. 1. 6. R τοὺς συντρόφους [A S συνεκτρ.] αὐ. ἀπὸ [S ἐκ] νεότητος
2. 66. A R ἰσχυρὸς δυνάμει ἐκ νεότητος αὐ. [S al.]
16. 2. ἀπὸ νεότητος ἕως τῆς σήμερον ἡμέρας
IV Ma. 8. 8. ἐντρυφήσατε ταῖς ν. ὑμῶν
[Aq. Jb. 33. 25: Ps. 88 (89). 46: Is. 47. 15: Je. 31 (38). 19: 48 (31). 11: Ez. 16. 60.]
[Sm. Jb. 29. 4: Ps. 87 (88). 16: 88 (89). 46: 109 (110). 3: 126 (127). 4: Is. 47. 15: 54. 4, 6: Je. 48 (31). 11: Ez. 16. 60: 23. 21: Ho. 2. 15 (17).]
[Th. Jb. 31. 18: 33. 25: Ps. 109 (110). 3: 126 (127). 4: Is. 47. 15: 54. 4: Ez. 16. 60: Ho. 2. 15 (17).]
[Quint. Ps. 109 (110). 3.]
[Heb. Ge. 6. 6 (5).]

νεοττός.

IV Ma. 14. 15. προασπίζει τῶν ν.

νεοττοτροφία.

[Al. Jb. 39. 16.]

νεοῦν. (1) נִיר

Je. 4. 3. νεώσατε ἑαυτοῖς νεώματα (1)

νεόφυτος. (1) *a.* נָטַע *b.* נִטְעִים (2) שָׁתִיל

Jb. 14. 9. ποιήσει δὲ θερισμὸν ὥσπερ νεόφυτον (1 *a*)
Ps. 127 (128). 3. οἱ υἱοί σου ὡς νεόφυτα ἐλαιῶν (2)
143 (144). 12. ὧν οἱ υἱοὶ ὡς νεόφυτα ἱδρυμένα ἐν τῇ νεότητι αὐτῶν (1 *b*)
Is. 5. 7. ἄνθρωπος τοῦ Ἰούδα νεόφυτον ἠγαπημένον (1 *a*)

νέρ.

[Heb. Ho. 11. 1.]

νέσσα (νέεσσα). (1) נֹצָה

Jb. 39. 13. ἐὰν συλλάβῃ ἀσίδα καὶ νέσσα [A νέεσσα] (1)
[Th. Jb. 39. 13.]

νεσσαράν, *vid.* νεεσσαράν.

νεύειν.

Pr. 4. 25. τὰ δὲ βλέφαρά σου νευέτω δίκαια †
21. 1. οὗ ἐὰν θέλων νεῦσαι [A S² -ση] ἐκεῖ ἔκλινεν αὐτήν –
[Aq. Ex. 16. 10: Dt. 1. 40: I Ki. 13. 18: Ps. 45 (46). 6: Is. 13. 14: 53. 6: La. 4. 15: Ez. 10. 11: Ma. 2. 13.]
[Sm. Ma. 2. 13.]

νεῦμα. (1) שָׁקַר pi.

Is. 3. 16. ἐπορεύθησαν ὑψηλῷ τραχήλῳ καὶ ἐν [A S om.] νεύμασιν ὀφθαλμῶν (1)
II Ma. 8. 18. R τὸν ὅλον κόσμον ἐν [A om.] ἑνὶ ν. καταβαλεῖν

νευρά, νευρέα. (1) יֶתֶר

Jd. 16. 7. B ἐὰν δήσωσί με ἐν ἑπτὰ νευρέαις [A R -ραῖς] (1)
— 8. ἀνήνεγκαν . . . ἑπτὰ νευρὰς ὑγράς (1)
— 9. B διέσπασε τὰς νευρέας [A R -ρας] (1)
II Ma. 7. 1. μάστιξι καὶ νευραῖς αἰκιζομένους
[Aq., Sm. Ps. 10 (11). 2.]

νευροκοπεῖν. (1) עָקַר pi. (2) עָרַף

Ge. 49. 6. ἐνευροκόπησαν ταῦρον (1)
De. 21. 4. νευροκοπήσουσι τὴν δάμαλιν (2)
— 6. τῆς δαμάλεως τῆς νενευροκοπημένης (2)
Jo. 11. 6. τοὺς ἵππους αὐ. νευροκοπήσεις (1)
— 9. τοὺς ἵππους αὐ. ἐνευροκόπησε (1)
[Sm. II Ki. 8. 4.]

νεῦρον. (1) גִּיד (2) עָרַק

Ge. 32. 32 (33). οὐ μὴ φάγωσιν . . . τὸ ν. (1)
— 32 (33). R ἥψατο . . . τοῦ ν. ὃ [A² καὶ] ἐνάρκησεν (1)
49. 24. ἐξελύθη τὰ ν. βραχιόνων χειρὸς αὐτῶν –
Jb. 10. 11. ὀστέοις δὲ καὶ νεύροις με ἔνειρας (1)
30. 17. τὰ δὲ ν. μου διαλέλυται (2)
40. 12 (17). τὰ δὲ ν. αὐτοῦ [A αὐ. ὥσπερ σχοίνια] συμπέπλεκται (1)
Pr. 24. 23 (29. 27). σὺν νεύροις ἀνθρώπους [A -ου] ἀναλίσκει –
Is. 48. 4. ν. σιδηροῦν ὁ τράχηλός σου (1)
Ez. 37. 6. δώσω ἐφ' ὑμᾶς νεῦρα (1)
— 8. ἐπ' αὐτὰ νεῦρα καὶ σάρκες ἐφύοντο (1)
IV Ma. 7. 13. κεκμηκότων δὲ καὶ τῶν ν.

νεφέλη. (1) אֵד (2) מַאֲפֵל (3) נָשִׁיא (4) עָב (5) עֲבֹת (6) *a.* עָנָן *b.* עֲנָן (7) שַׁחַק

Ge. 9. 13. τὸ τόξον μου τίθημι ἐν τῇ ν. (6 *a*)
— 14. ἐν τῷ συννεφεῖν με νεφέλας (6 *a*)
— 14. ὀφθήσεται τὸ τόξον μου ἐν τῇ ν. (6 *a*)
— 16. καὶ ἔσται τὸ τόξον μου ἐν τῇ ν. (6 *a*)
Ex. 13. 21. ἡγεῖτο αὐτῶν . . . ἐν στύλῳ νεφέλης (6 *a*)
— 22. οὐκ ἐξέλιπε δὲ ὁ στῦλος τῆς ν. (6 *a*)
14. 19. ἐξῆρε δὲ καὶ ὁ στῦλος τῆς ν. (6 *a*)
— 24. ἐν στύλῳ πυρὸς καὶ νέφελης (6 *a*)
16. 10. ἡ δόξα κυρίου ὤφθη ἐν νεφέλῃ (6 *a*)
19. 9. παραγίνομαι . . . ἐν στύλῳ νεφέλης (6 *a*)
— 13. ὅταν . . . ἡ ν. ἀπέλθῃ –
— 16. ἐγένοντο φωναὶ . . . καὶ ν. γνοφώδης (6 *a*)
24. 15. καὶ ἐκάλυψεν ἡ ν. τὸ ὄρος (6 *a*)
— 16. καὶ ἐκάλυψεν αὐτὸ ἡ ν. ἓξ ἡμέρας (6 *a*)
— 16. ἐκάλεσε κ. τὸν Μωυσῆν . . . ἐκ μέσου τῆς ν. (6 *a*)
— 18. εἰσῆλθε Μ. εἰς τὸ μέσον τῆς ν. (6 *a*)
33. 9. κατέβαινεν ὁ στῦλος τῆς ν. (6 *a*)
— 10. ἑώρα . . . τὸν στῦλον τῆς ν. ἑστῶτα (6 *a*)
34. 5. καὶ κατέβη κύριος ἐν νεφέλῃ (6 *a*)
40. 34. ἐκάλυψεν ἡ ν. τὴν σκηνήν (6 *a*)
— 35. ἐπεσκίαζεν ἐπ' αὐτὴν ἡ ν. (6 *a*)
— 36. ἡνίκα δ' ἂν ἀνέβη ἡ ν. (6 *a*)
— 37. εἰ δὲ μὴ ἀνέβη ἡ ν. (6 *a*)
— 37. ἕως ἡμέρας ἧς ἀνέβη ἡ ν. –
— 38. ν. γὰρ ἦν ἐπὶ τῆς σκηνῆς ἡμέρας (6 *a*)
Le. 16. 2. ἐν γὰρ νεφέλῃ ὀφθήσομαι (6 *a*)
Nu. 9. 15. ἐκάλυψεν ἡ ν. τὴν σκηνήν (6 *a*)
— 16. ἡ ν. ἐκάλυπτεν αὐτὴν ἡμέρας (6 *a*)
— 17. ἡνίκα ἀνέβη ἡ ν. (6 *a*)
— 17. οὗ ἂν ἔστη ἡ ν. (6 *a*)
— 18. ἐν αἷς σκιάζει ἡ ν. (6 *a*)
— 19. ὅταν ἐφέλκηται ἡ ν. (6 *a*)
— 20. ὅταν σκεπάσῃ ἡ ν. (6 *a*)
— 21. ὅταν γένηται ἡ ν. ἀφ' ἑσπέρας ἕως πρωὶ καὶ ἀναβῇ ἡ ν. τὸ πρωί (6 *a*, 6 *a*)
— 21. A καὶ ἀναβῇ ἡ ν. (6 *a*)
— 22. πλεοναζούσης τῆς ν. [A om. τ. ν.] (6 *a*)
10. 11. ἀνέβη ἡ ν. (6 *a*)
— 12. ἔστη ἡ ν. ἐν τῇ ἐρήμῳ τοῦ Φ. (6 *a*)
— 34. ἡ ν. ἐγένετο σκιάζουσα ἐπ' αὐτοῖς (6 *a*)
11. 25. κατέβη κύριος ἐν νεφέλῃ (6 *a*)
12. 5. κατέβη κύριος ἐν στύλῳ νεφέλης (6 *a*)
— 10. ἡ ν. ἀπέστη ἀπὸ τῆς σκηνῆς (6 *a*)
14. 10. ἡ δόξα κυρίου ὤφθη ἐν νεφέλῃ †
— 14. ἡ ν. σου ἐφέστηκεν ἐπ' αὐτῶν (6 *a*)
— 14. ἐν στύλῳ νεφέλης σὺ πορεύῃ (6 *a*)
16. 42 (17. 7). ἐκάλυψεν αὐτὴν ἡ ν. (6 *a*)
De. 1. 33. καὶ ἐν νεφέλῃ ἡμέρας (6 *a*)
31. 15. κατέβη κύριος ἐν νεφέλῃ [A στύλῳ νεφέλης] (6 *a*)
— 15. ἔστη ὁ στῦλος τῆς ν. (6 *a*)
Jo. 24. 7. ἔδωκε νεφέλην καὶ γνόφον (2)
Jd. 5. 4. αἱ [A om.] ν. ἔσταξαν ὕδωρ (4)
II Ki. 22. 12. ἐπάχυνεν ἐν νεφέλαις ἀέρος [A -ων] (4)
III Ki. 8. 10. ἡ ν. ἔπλησε τὸν οἶκον (6 *a*)
— 11. ἀπὸ προσώπου τῆς ν. (6 *a*)
18. 44. ν. μικρὰ ὡς ἴχνος ἀνδρός (4)
— 45. ὁ οὐρανὸς συνεσκότασε νεφέλαις (4)
II Ch. 5. 13. ὁ οἶκος ἐνεπλήσθη νεφέλης δόξης κυρίου (6 *a*)
— 14. A² B ἀπὸ προσώπου τῆς ν. [A¹ om. τ. ν.] (6 *a*)
Ne. 9. 12. ἐν στύλῳ νεφέλης ὡδήγησας αὐτούς (6 *a*)
— 19. τὸν στῦλον τῆς ν. οὐκ ἐξέκλινας (6 *a*)
Jb. 22. 14. A S R νεφέλη [S νέφη] ἀποκρυφὴ [B -ῆς] αὐτοῦ (4)
26. 8. δεσμεύων ὕδωρ ἐν νεφέλαις αὐτοῦ (4)
35. 4 (5). κατάμαθε δὲ [A τὰ] νέφη [S¹ δὲ νεφέλη] (7)
36. 27. ἐπιχυθήσονται ὑετῷ εἰς νεφέλην (1)
— 29. ἐὰν συνῇ [A S² -ῆς] ἀπέκτασις [A S² ἐπέκτασιν] νεφέλης (4)
37. 11. ἐκλεκτὸν καταπλάσσει [A S² -ήσσει] νεφέλη (4)
Ps. 17 (18). 11. σκοτεινὸν ὕδωρ ἐν νεφέλαις ἀέρων (4)
— 12. ἀπὸ τῆς τηλαυγήσεως ἐνώπιον αὐτοῦ αἱ ν. διῆλθον (4)
35 (36). 5. καὶ ἡ ἀλήθειά σου ἕως τῶν ν. (7)
Ps. 56 (57). 10. ἕως τῶν ν. ἡ ἀλήθειά σου (7)
67 (68). 34. ἡ δύναμις αὐτοῦ ἐν ταῖς ν. (7)
76 (77). 17. φωνὴν ἔδωκαν αἱ ν. (7)
77 (78). 14. ὡδήγησεν αὐτοὺς ἐν νεφέλῃ ἡμέρας (6 *a*)
— 23. ἐνετείλατο νεφέλαις ὑπεράνωθεν (7)
88 (89). 6. τίς ἐν νεφέλαις ἰσωθήσεται τῷ κυρίῳ (7)
96 (97). 2. νεφέλη καὶ γνόφος κύκλῳ αὐτοῦ (6 *a*)
98 (99). 7. ἐν στύλῳ νεφέλης ἐλάλει πρὸς αὐτούς (6 *a*)
103 (104). 3. ὁ τιθεὶς νέφη τὴν [S¹ νεφέλην] ἐπίβασιν αὐ. (4)
104 (105). 39. διεπέτασε νεφέλην [S¹ -η] εἰς σκέπην αὐτοῖς (6 *a*)
107 (108). 4. ἕως τῶν ν. ἡ ἀλήθειά σου (7)
134 (135). 7. ἀνάγων νεφέλας ἐξ ἐσχάτου τῆς γῆς (3)
146 (147). 8. τῷ περιβάλλοντι τὸν οὐρανὸν ἐν νεφέλαις (4)
Ec. 11. 4. βλέπων ἐν ταῖς ν. οὐ θερίσει (4)
Wi. 2. 4. παρελεύσεται ὁ βίος ἡμῶν ὡς ἴχνη νεφέλης
5. 21. S ὡς ἀπὸ εὐκύκλου τόξου τῶν ν. [A B νεφῶν]
19. 7. ἡ τὴν παρεμβολὴν σκιάζουσα ν. [A τῇ . . . σκιαζούσῃ ν.]
Si. 13. 23. τὸν λόγον αὐτοῦ ἀνύψωσαν ἕως τῶν ν.
24. 4. ὁ θρόνος μου ἐν στύλῳ νεφέλης
32 (35). 16. ἡ δέησις αὐτοῦ ἕως νεφελῶν συνάψει
— 17. προσευχὴ ταπεινοῦ νεφέλας διῆλθε
— 20. ὡς νεφέλαι ὑετοῦ ἐν καιρῷ ἀβροχίας
43. 14. ἐξέπτησαν νεφέλαι ὡς πετεινά
— 15. ἐν μεγαλείῳ αὐτοῦ ἴσχυσε νεφέλας [A -αις]
50. 6. ὡς ἀστὴρ ἑωθινὸς ἐν μέσῳ νεφέλης [S -ῶν]
— 7. ὡς τόξον φωτίζον [S -ων] ἐν νεφέλαις δόξης
— 10. ὡς κυπάρισσος ὑψουμένη ἐν νεφέλαις
Ho. 6. 5 (4). τὸ δὲ ἔλεος ὑμῶν ὡς νεφέλη πρωϊνή (6 *a*)
13. 3. διὰ τοῦτο ἔσονται ὡς νεφέλη πρωϊνή (6 *a*)
Jl. 2. 2. ἡμέρα νεφέλης καὶ ὁμίχλης (6 *a*)
Na. 1. 3. καὶ νεφέλαι κονιορτὸς ποδῶν αὐτοῦ (6 *a*)
Ze. 1. 15. ἡμέρα νεφέλης καὶ ὁμίχλης (6 *a*)
Za. 2. 13 (17). ἐξεγήγερται ἐκ νεφελῶν ἁγίων αὐτοῦ †
Is. 4. 5. πάντα τὰ περικύκλῳ αὐτῆς σκιάσει ν. ἡμέρας (6 *a*)
5. 6. ταῖς ν. ἐντελοῦμαι τοῦ μὴ βρέξαι εἰς αὐτὸν ὑετόν (4)
14. 14. A S ἀναβήσομαι ἐπάνω τῶν ν. [B νεφῶν] (4)
18. 4. ὡς ν. δρόσου ἡμέρας ἀμητοῦ ἔσται πρὸ τοῦ θερισμοῦ (4)
19. 1. ἰδοὺ κύριος κάθηται ἐπὶ νεφέλης κούφης (4)
44. 22. ἀπήλειψα ὡς νεφέλην τὰς ἀνομίας σου (4)
45. 8. αἱ [S¹ om.] ν. ῥανάτωσαν δικαιοσύνην (7)
60. 8. τίνες οἵδε ὡς νεφέλαι πέπταται (4)
Je. 4. 13. ὡς ν. ἀνυβήσεται (6 *a*)
10. 13. ἀνήγαγε νεφέλας ἐξ ἐσχάτου τῆς γῆς (3)
28 (51). 16. ἀνήγαγε νεφέλας ἀπ' ἐσχάτου τῆς γῆς (3)
Ba. 3. 29. κατεβίβασεν αὐτὴν ἐκ τῶν ν.
La. 3. 44. ἐπεσκέπασας νεφέλην σεαυτῷ (6 *a*)
Ep. Je. 62. νεφέλαις [A -λη] ὅταν ἐπιταγῇ ὑπὸ τοῦ θεοῦ ἐπιπορεύεσθαι ἐφ' ὅλην τὴν οἰκουμένην
Ez. 1. 4. ν. μεγάλη ἐν αὐτῷ (6 *a*)
— 20. οὗ ἂν ἦν ἡ ν. ἐκεῖ τὸ πνεῦμα τοῦ πορεύεσθαι –
— 28. A² B ὡς ὅρασις τόξου ὅταν ᾖ ἐν τῇ ν. (6 *a*)
10. 3. ἡ ν. ἔπλησε τὴν αὐλὴν τὴν ἐσωτέραν (6 *a*)
— 4. ἔπλησε [B¹ ἐνέπλ.] τὸν οἶκον ἡ ν. (6 *a*)
30. 3. A R ἐγγὺς ἡμέρα τοῦ κυρίου ἡμέρα νεφέλης [B om.] (6 *a*)
— 18. ταύτην νεφέλη καλύψει (6 *a*)
31. 3. εἰς μέσον νεφελῶν [A τῶν ν.] ἐγένετο ἡ ἀρχὴ αὐτοῦ (5)
— 10. ἔδωκας τὴν ἀρχήν σου εἰς μέσον νεφελῶν [A τῶν ν.] (5)
— 14. ἔδωκαν [A οὐκ ἔ.] τὴν ἀρχὴν αὐτῶν εἰς μέσον νεφελῶν (5)
32. 7. ἥλιον ἐν νεφέλῃ καλύψω (6 *a*)
34. 12. ἐν ἡμέρᾳ ὅταν ᾖ γνόφος καὶ ν. [A ἡ. γνόφου κ. νεφέλης] . . . ἐν ἡμέρᾳ νεφέλης καὶ γνόφου (–, 6 *a*)
38. 9. ἥξεις ὡς νεφέλη κατακαλύψαι γῆν (6 *a*)
— 16. ἀναβήσῃ ἐπὶ τὸν λαόν μου Ἰσραὴλ ὡς ν. (6 *a*)
Da. LXX. 3. (73). εὐλογεῖτε . . . νεφέλαι τὸν κύριον
4. 9. καὶ τὸ κῦτος αὐ. ἕως τῶν ν. –
— 19. καὶ τὸ κῦτος αὐ. ἅψασθαι τῶν ν. –
7. 13. ἐπὶ τῶν ν. τοῦ οὐρανοῦ (6 *b*)
Da. TH. 3. (73). εὐλογεῖτε . . . νεφέλαι τὸν κύριον

Da. TH. 7. 13. μετὰ τῶν ν. τοῦ οὐρανοῦ (6 b)
II Ma. 2. 8. ὀφθήσεται . . . ἡ ν.
[Aq. Ex. 14. 20: Dt. 4. 11: Je. 51 (28). 9: Ez. 8. 11: 30. 3.]
[Sm. Ex. 14. 20: Dt. 4. 11: Jb. 7. 9: 36. 29: 37. 11: 38. 9: Ec. 12. 2: Je. 51 (28). 9: Ez. 30. 3.]
[Th. Dt. 4. 11: Jb. 36. 27, 29: 37. 11: Ez. 8. 11: 10. 4: 30. 3.]
[Al. Ge. 9. 14: Le. 16. 13.]

νεφθά. (1) נָפַת
III Ki. 4. 11. R υἱοῦ Ἀμ. πᾶσα ν. Δώρ [A B al.] (1)

νέφος. (1) נָשִׂיא (2) עָב (3) עָנָן (4) שַׁחַק (5) νέφη χρυσαυγοῦντα זָהָב
Jb. 7. 9. ὥσπερ νέφος ἀποκαθαρθὲν ἀπ' οὐρανοῦ (3)
20. 6. ἡ δὲ θυσία αὐτοῦ νεφῶν ἅψηται (2)
22. 14. S νέφη [A B νεφέλη] ἀποκρυφὴ [B -ῆς] αὐτοῦ (2)
26. 8. οὐκ ἐρράγη νέφος ὑποκάτω αὐτοῦ (3)
— 9. ἐκπετάζων [A σκέπων] ἐπ' αὐτὸν νέφος αὐτοῦ (3)
30. 15. ὥσπερ νέφος ἡ σωτηρία μου [A μ. παρῆλθεν] (2)
35. 4 (5). κατάμαθε δὲ [A τὰ] νέφη [S¹ -φέλη] (4)
36. 28. ἐσκίασε δὲ νέφη (4)
37. 11. διασκορπιεῖ νέφος φῶς αὐτοῦ (3)
— 16. ἐπίσταται [A -ασαι] δὲ διάκρισιν [S -θεσιν] νεφῶν (2)
— 21. ὥσπερ τὸ παρ' αὐτοῦ ἐπὶ νεφῶν [A ν. ἐξῆλθεν] (4 ?)
— 22. ἀπὸ βορρᾶ νέφη χρυσαυγοῦντα (5)
38. 1. εἶπεν ὁ κύριος τῷ Ἰὼβ διὰ λαίλαπος καὶ νεφῶν [A -ους] –
— 9. ἐθέμην δὲ αὐτῇ νέφος ἀμφίασιν (3)
— 34. καλέσεις δὲ νέφος φωνῇ (2)
— 37. τίς δὲ ὁ ἀριθμῶν νέφη σοφίᾳ [S¹ al.] (4)
40. 1 (6). εἶπε τῷ Ἰὼβ ἐκ [A διὰ] τοῦ ν. †
Ps. 103 (104). 3. ὁ τιθεὶς νέφη τὴν [S¹ νεφέλην] ἐπίβασιν αὐτοῦ (2)
Pr. 3. 20. νέφη δὲ ἐρρύησαν δρόσους [S² -ῳ] (4)
8. 28. ἰσχυρὰ ἐποίει τὰ ἄνω νέφη (4)
16. 15. οἱ δὲ προσδεκτοὶ αὐτῷ ὥσπερ νέφος ὄψιμον [S¹ -οι] (2)
25 14. ὥσπερ ἄνεμοι καὶ νέφη καὶ ὑετοὶ ἐπιφανέστατα (1 ?)
— 23. ἄνεμος βορέας ἐξεγείρει νέφη †
Ec. 11. 3. ἐὰν πλησθῶσι [A S πληρωθῶσιν] τὰ ν. ὑετοῦ (2)
12. 2. ἐπιστρέψουσι τὰ ν. ὀπίσω τοῦ ὑετοῦ (2)
Wi. 5. 21. ὡς ἀπὸ εὐκύκλου τόξου τῶν ν. [S νεφελῶν]
Is. 14. 14. ἀναβήσομαι ἐπάνω τῶν ν. [A S -φελῶν] (2)
[Th. Jb. 26. 9: Is. 25. 5.]
[Sam. Ex. 14. 20.]

νεφρός. (1) כִּלְיָה
Ex. 29. 13. λήψῃ . . . τοὺς δύο νεφρούς (1)
— 22. τὸν λοβὸν τοῦ ἥπατος καὶ τοὺς δύο ν. (1)
Le. 3. 4. καὶ τοὺς δύο ν. καὶ τὸ στέαρ (1)
— 4. τὸν λοβὸν τὸν ἐπὶ τοῦ ἥπατος σὺν τοῖς ν. (1)
— 10. ἀμφοτέρους τοὺς ν. καὶ τὸ στέαρ (1)
— 10. τὸν λοβὸν τὸν ἐπὶ τοῦ ἥπατος σὺν τοῖς ν. (1)
— 15. ἀμφοτέρους τοὺς ν. καὶ πᾶν τὸ στέαρ (1)
— 15. τὸν λοβὸν τοῦ ἥπατος σὺν τοῖς ν. (1)
4. 9. τοὺς δύο ν. καὶ τὸ στέαρ τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)
— 9. καὶ τὸν λοβὸν . . . σὺν τοῖς ν. (1)
6. 34 (7. 4). τοὺς δύο ν. καὶ τὸ στέαρ (1)
— 34 (7. 4). τὸν λοβὸν τὸν ἐπὶ τοῦ ἥπατος σὺν τοῖς ν. (1)
8. 16. τὸν λοβὸν . . . καὶ ἀμφοτέρους τοὺς ν. (1)
— 24 (25). καὶ τοὺς δύο ν. καὶ τὸ στέαρ (1)
9. 10. καὶ τὸ στέαρ καὶ τοὺς ν. (1)
— 19. τοὺς δύο νεφροὺς καὶ τὸ στέαρ (1)
De. 32. 14. μετὰ στέατος νεφρῶν πυροῦ (1)
Jb. 16. 14 (13). ἐκύκλωσάν με λόγχαις βάλλοντες εἰς νεφρούς μου (1)
Ps. 7. 9. ἑτάζων καρδίας καὶ νεφροὺς ὁ θεός (1)
15 (16). 7. ἕως νυκτὸς ἐπαίδευσάν με οἱ ν. μου (1)
25 (26). 2. πύρωσον τοὺς ν. μου (1)
72 (73). 21. οἱ ν. μου ἠλλοιώθησαν (1)
138 (139). 13. σὺ ἐκτήσω τοὺς ν. μου (1)
Wi. 1. 6. τῶν ν. αὐτοῦ μάρτυς ὁ θεός
Je. 11. 20. δοκιμάζων νεφροὺς καὶ καρδίας (1)
12. 2. πόρρω ἀπὸ τῶν ν. αὐτῶν (1)
17. 10. ἑτάζων καρδίας καὶ δοκιμάζων νεφρούς (1)
Je. 20. 12. κύριε . . . συνίων νεφροὺς καὶ καρδίας (1)
La. 3. 13. εἰσήγαγεν τοῖς ν. μου ἰοὺς φαρέτρας αὐτοῦ (1)
I Ma. 2. 24. ἐτρόμησαν οἱ ν. αὐ.
[Aq. Is. 34. 6.]
[Sm. Ps. 72 (73). 21: Pr. 23. 16: Is. 34. 6.]
[Th. Jb. 19. 27: Ps. 7. 10: Is. 34. 6.]

νεφώδης.
[Al. Is. 13. 2.]

νέφωσις.
[Aq. Jb. 3. 5.]

νεχωθά. (1) a. נְכֹחוֹ b. נְכֹחוֹ
IV Ki. 20. 13. ἔδειξεν αὐτοῖς ὅλον τὸν οἶκον τοῦ ν. (1 a*, 1 b)
Is. 39. 2. ἔδειξεν αὐτοῖς τὸν οἶκον τοῦ ν. (1 a)

νεχωτά. (1) נְכֹחָה
Is. 39. 2. ἔδειξεν αὐτοῖς τὸν οἶκον τοῦ νεχωθᾶ [S¹ -τᾶ] (1)

νέωμα. (1) נִיר
Je. 4. 3. νεώσατε ἑαυτοῖς νεώματα (1)

νεώς.
II Ma. 6. 2. A μολῦναι δὲ καὶ τὸν ἐν Ἱερ. νεώ [R -ών]
9. 16. A ὃν δὲ πρότερον ἐσκύλευσεν ἅγιον νεώ [R -ών]
10. 3. R τὸν νεὼν [A ναιὼ] καθαρίσαντες
— 5. ἐν ᾗ δὲ ἡμ. ὁ ν. . . . ἐβεβηλώθη
13. 23. ἐτίμησε τὸν νεώ
14. 33. R προτείνας τὴν δεξιὰν εἰς [A ἐπὶ] τὸν νεώ

νεωστί (-εί).
Ju. 4. 3. ν. πᾶς ὁ λαὸς συνελέλεκτο

νεωτερίζειν.
IV Ma. 3. 21. πρὸς τὴν κοινὴν νεωτερίσαντες ὁμόνοιαν

νεωτερικός.
III Ma. 4. 8. ἀντὶ εὐωχίας καὶ ν. ῥᾳθυμίας

νή. (1) νὴ τὴν ὑγίειαν חַי
Ge. 42. 15, 16. νὴ τὴν ὑγίειαν Φαραώ (1)
[Sm. I Ki. 1. 26: II Ki. 15. 21.]

νήθειν. (1) a. טָוָה b. מַטְוֶה (2) שָׁזַר hoph.
Ex. 26. 31. ὑακίνθου . . . καὶ βύσσου νενησμένης (2)
35. 25. σοφὴ τῇ διανοίᾳ ταῖς χερσὶ νήθειν (1 a)
— 25. ἤνεγκαν νενησμένα (1 b)
— 26. αἱ γυναῖκες . . . ἔνησαν τὰς τρίχας (1 a)
36. 9 (39. 2). κοκκίνου νενησμένου –
— 32 (39. 24). κοκκίνου νενησμένου (2)
— 37 (39. 29). κοκκίνου νενησμένου –
37. 3 (36. 35). καὶ κοκκίνου νενησμένου –
— 5 (36. 37). κοκκίνου νενησμένου καὶ βύσσου –
— 16 (38. 18). ἔργον . . . κοκκίνου νενησμένου –
[Sm., Th. Ex. 39. 1 (13).]

νηκτός.
Wi. 19. 19. νηκτὰ μετέβαινεν ἐπὶ γῆς

νῆμα.
[Sm. Ge. 14. 23.]
[Al. Ca. 6. 5 (6).]

νηπιοκτόνος.
Wi. 11. 7. εἰς ἔλεγχον νηπιοκτόνου διατάγματος

νήπιος. (1) טַף (2) παιδίον ν. יָנֵק (3) a. נַעַר b. נַעַר (4) עוֹלֵל, עוֹלָל (5) פְּתִי
I Ki. 15. 3: 22. 19. ἀπὸ νηπίου ἕως θηλάζοντος (4)
IV Ki. 8. 12. τὰ ν. αὐτῶν ἐνσείσεις (4)
Ju. 4. 10. καὶ τὰ ν. αὐ. καὶ τὰ κτήνη αὐ.
— 12. τοῦ μὴ δοῦναι εἰς διαρπαγὴν τὰ ν. αὐ.
7. 22. ἠθύμησεν τὰ ν. αὐτῶν
— 27. οὐκ ὀψόμεθα τὸν θάνατον τῶν ν. ἡμῶν
16. 5. καὶ τὰ ν. μου δώσειν εἰς προνομήν
Es. 8. 11. S² τοὺς θλίβοντας αὐτοὺς νήπια καὶ γυναῖκας (1)
Jb. 3. 16. ὥσπερ νήπιοι οἳ οὐκ εἶδον φῶς (4)
24. 12. ψυχὴ δὲ νηπίων ἐστέναξε μέγα †
31. 10. τὰ δὲ ν. μου ταπεινωθείη †
Jb. 33. 25. ἀπαλυνεῖ δὲ αὐτοῦ τὰς σάρκας ὥσπερ νηπίου (3 a)
Ps. 8. 2. ἐκ στόματος νηπίων καὶ θηλαζόντων κατηρτίσω αἶνον (4)
16 (17). 14. ἀφῆκαν τὰ κατάλοιπα τοῖς ν. αὐτῶν (4)
18 (19). 7. ἡ μαρτυρία κυρίου πιστὴ σοφίζουσα νήπια (5)
63 (64). 7. βέλος νηπίων ἐγενήθησαν αἱ πληγαὶ αὐτῶν †
114 (116). 6. φυλάσσων τὰ ν. ὁ κύριος (5)
118 (119). 130. ἡ δήλωσις τῶν λόγων σου . . . συνετιεῖ νηπίους (5)
136 (137). 9. ἐδαφιεῖ τὰ ν. σου πρὸς τὴν πέτραν (4)
Pr. 1. 32. ἀνθ' ὧν γὰρ ἠδίκουν νηπίους (5)
23. 13. μὴ ἀπόσχῃ νήπιον παιδεύειν [A -ων] (3 b)
Wi. 10. 21. γλώσσας νηπίων ἔθηκε τρανάς
12. 24. νηπίων δίκην ἀφρόνων ψευσθέντες
15. 14. τάλανες ὑπὲρ ψυχὴν [A -ὰς] νηπίου [A -ων]
18. 5. βουλευσαμένους δ' αὐτοὺς τὰ τῶν ὁσίων ἀποκτεῖναι ν.
Si. 30. 12. θλάσον τὰς πλευρὰς αὐτοῦ ὡς [A ἕως] ἔστι νήπιος
Ho. 11. 1. ὅτι νήπιος Ἰσ. (3 b)
Jl. 2. 16. συναγάγετε νήπια θηλάζοντα μαστούς (4)
Na. 3. 10. καὶ τὰ ν. αὐτῆς ἐδαφιοῦσιν (4)
Is. 11. 8. παιδίον νήπιον ἐπὶ τρωγλῶν [A S -ην] ἀσπίδων (2)
Je. 6. 11. ἐκχεῶ ἐπὶ νήπια ἔξωθεν (4)
9. 21 (20). τοῦ ἐκτρῖψαι νήπια ἔξωθεν (4)
50 (43). 6. A R τὰς γυναῖκας καὶ τὰ ν. [B S om. τ. ν., A add. καὶ] τὰ λοιπά (1)
51 (44). 7. ἐκκόψαι [A -ψω ἀφ'] ὑμῶν . . . νήπιον καὶ θηλάζοντα (4)
La. 1. 5. τὰ ν. αὐτῆς ἐπορεύθησαν ἐν αἰχμαλωσίᾳ (4)
2. 11. ἐν τῷ ἐκλείπειν νήπιον καὶ θηλάζοντα (4)
— 19. ἆρον πρὸς αὐτὸν χεῖράς σου περὶ ψυχῆς νηπίων σου (4)
— 20. φονευθήσονται νήπια θηλάζοντα μαστούς (4?)
4. 4. νήπια ᾔτησαν ἄρτον (4)
Ez. 9. 6. νήπια καὶ γυναῖκας ἀποκτείνατε (1)
45. 20. A παρ' ἑκάστου ἀγνοοῦντος καὶ ἀπὸ νηπίου [B ἑ. ἀπόμοιραν] (5)
I Ma. 2. 9. ἀπεκτάνθη τὰ ν. αὐ.
II Ma. 5. 13. παρθένων τε καὶ νηπίων σφαγαί
8. 4. τῆς τῶν ἀναμαρτήτων ν. παρανόμου ἀπολείας
9. 15. οἰωνοβρώτους δὲ σὺν τοῖς ν. ἐκρίψειν θηρίοις
III Ma. 3. 27. ἀπὸ γεραιοῦ μέχρι νηπίου
5. 50. τὰ ν. χωρίσαντες τῶν μαστῶν
6. 14. ἱκετεύει σε τὸ πᾶν πλῆθος τῶν ν.
[Aq. Ge. 43. 8: 47. 12: Ex. 10. 10: 12. 37: Nu. 31. 17, 18: Dt. 20. 14: Pr. 1. 22: Je. 6. 11.]
[Sm. Ge. 43. 8: Nu. 31. 17: Jb. 5. 2: Ps. 16 (17). 14: 18 (19). 8: Pr. 1. 4, 32: 9. 4: 14. 15: 21. 11: Is. 65. 20: Je. 6. 11: Ez. 45. 20: Ho. 14. 1.]
[Th. Le. 2. 14 (ap. Sw.): Ez. 45. 20: Ho. 11. 1.]
[Sam. Nu. 31. 18.]

νηπιότης. (1) נְעוּרִים
Ho. 2. 15 (17). κατὰ τὰς ἡμέρας νηπιότητος αὐτῆς (1)
Ez. 16. 22. οὐκ ἐμνήσθης [A add. τὰς ἡμέρας] τῆς ν. σου (1)
— 43. οὐκ ἐμνήσθης [A add. τὴν ἡμέραν] τῆς ν. σου (1)
— 60. ἐν ἡμέραις νηπιότητός σου (1)
[Aq. Pr. 1. 22.]

νῆσος. (1) אִי
Ge. 10. 5. ἀφωρίσθησαν νῆσοι τῶν ἐθνῶν (1)
— 32. ἀπὸ τούτων διεσπάρησαν νῆσοι τῶν ἐθνῶν –
Ps. 71 (72). 10. αἱ ν. δῶρα προσοίσουσι (1)
96 (97). 1. εὐφρανθήτωσαν νῆσοι πολλαί (1)
Si. 43. 23. ἐφύτευσεν αὐτὴν Ἰησοῦς [? ἐν αὐτῇ νήσους]
47. 16. εἰς νήσους πόρρω ἀφίκετο τὸ ὄνομά σου
Ze. 2. 11. προσκυνήσουσιν αὐτῷ . . . πᾶσαι αἱ ν. τῶν ἐθνῶν (1)
Is. 20. 6. ἐροῦσιν οἱ κατοικοῦντες ἐν τῇ ν. ταύτῃ (1)
23. 2. οἱ ἐνοικοῦντες ἐν τῇ ν. (1)
— 6. ὀλολύξατε οἱ κατοικοῦντες [A S ἐνοικ.] ἐν τῇ ν. ταύτῃ (1)
24. 15. ἡ δόξα κυρίου ἐν ταῖς ν. ἔσται τῆς θαλάσσης (1)
41. 1. ἐγκαινίζεσθε πρὸς μὲ νῆσοι (1)
42. 10. αἱ ν. καὶ οἱ κατοικοῦντες αὐτάς (1)
— 12. τὰς ἀρετὰς αὐτοῦ ἐν ταῖς ν. ἀναγγελοῦσι (1)

Is. 42. 15. θήσω ποταμοὺς εἰς νήσους (1)
45. 16. ἐγκαινίζεσθε πρὸς μὲ νῆσοι †
49. 1. ἀκούσατέ μου [S *add.* αἱ] νῆσοι (1)
— 22. εἰς τὰς ν. ἀρῶ σύσσημόν μου †
51. 5. ἐμὲ νῆσοι ὑπομενοῦσι (1)
60. 9. ἐμὲ αἱ [A S^3 *om.*] ν. ὑπέμειναν (1)
66. 19. ἐξαποστελῶ ἐξ αὐτῶν σεσωσμένους . . . εἰς τὰς ν. τὰς πόρρω (1)
Je. 2. 10. ἔλθετε [S διέλθατε] εἰς νήσους Χ. (1)
27 (50). 38. ἐν ταῖς [S^1 τοῖς] ν. οὗ [A *om.*, S σου] κατεκαυχῶντο †
— 39. κατοικήσουσιν ἰνδάλματα ἐν ταῖς ν. (1)
29 (47). 4. ἐξολεθρεύσει κύριος τοὺς [A τὰς] καταλοίπους τῶν ν. (1)
38 (31). 10. B ἀναγγείλατε εἰς νήσους τὰς μακρόθεν [A -ράν, B S -ρότερον] (1)
Ez. 26. 15. σεισθήσονται αἱ ν. (1)
— 18. φοβηθήσονται αἱ ν. ἀπὸ ἡμέρας πτώσεώς σου [A *add.* καὶ ταραχθήσονται νῆσοι] (1, 1)
27. 3. τῷ ἐμπορίῳ τῶν λαῶν ἀπὸ νήσων πολλῶν (1)
— 6. ἐποίησαν . . . οἴκους ἀλσώδεις ἀπὸ νήσων τῶν Χ. (1)
— 7. περιβαλεῖν σε . . . πορφύραν ἐκ τῶν ν. Ἐ. (1)
— 15. ἀπὸ νήσων ἐπλήθυναν τὴν ἐμπορίαν σου ὀδόντας (1)
— 35. οἱ κατοικοῦντες τὰς ν. ἐστύγνασαν ἐπὶ σέ (1)
39. 6. κατοικηθήσονται αἱ ν. ἐπ' εἰρήνης (1)
Da. TH. 11. 18. ἐπιστρέψει τὸ πρόσωπον αὐ. εἰς τὰς ν. (1)
I Ma. 6. 29. ἀπὸ νήσων θαλασσῶν ἦλθον
8. 11. τὰς ν. . . . κατέφθειραν
11. 38. ὧν ἐξενολόγησεν ἀπὸ τῶν ν.
14. 5. ἐποίησεν εἴσοδον ταῖς ν. [S^1 νόσοις] τῆς θαλ.
15. 1. ἀπέστειλεν . . . ἐπιστολὰς ἀπὸ τῶν ν. τῆς θαλ.
[Aq. Is. 23. 2 : 40. 15 : 41. 1 : 42. 4 : 59. 18 : Je. 25. 22 (32. 8) : Ez. 27. 3.]
[Sm. Is. 23. 2 : 40. 15 : 41. 1 : 42. 4 : 49. 1 : 59. 18.]
[Th. Is. 40. 15 : 41. 1 : 42. 4 : 59. 18 : Je. 25. 20 (32. 6), 22 (32. 8) : Ez. 26. 18 : 27. 3.]
[Heb. Is. 42. 4.]

νηστεία. (1) צוֹם

II Ki. 12. 16. ἐνήστευσε Δ. νηστείαν (1)
III Ki. 20 (21). 9. νηστεύσατε νηστείαν (1)
— 12. A R ἐκάλεσεν νηστείαν (1)
II Ch. 20. 3. ἐκήρυξαν νηστείαν (1)
I Es. 8. 50. εὐξάμην ἐκεῖ νηστείαν
— 73. ἐξεγερθεὶς ἐκ τῆς ν.
II Es. 8. 21. ἐκάλεσα ἐκεῖ νηστείαν (1)
Ne. 9. 1. συνήχθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν νηστείᾳ (1)
To. 12. 8. ἀγαθὸν προσευχὴ μετὰ νηστείας [S ἀληθείας]
Ju. 4. 9. ἐταπεινοῦσαν τὰς ψυχὰς αὐ. [S^2 *add.* νηστείᾳ μεγάλῃ]
Ps. 34 (35). 13. ἐταπείνουν ἐν νηστείᾳ τὴν ψυχήν μου (1)
68 (69). 10. B S^1 συνέκαμψα [S^2 -εκάλυψα] ἐν νηστείᾳ τὴν ψυχήν μου (1)
108 (109). 24. τὰ γόνατά μου ἠσθένησαν ἀπὸ νηστείας (1)
Jl. 1. 14. ἁγιάσατε νηστείαν (1)
2. 12. ἐν νηστείᾳ καὶ ἐν κλαυθμῷ καὶ ἐν κοπετῷ (1)
— 15. ἁγιάσατε νηστείαν (1)
Jn. 3. 5. καὶ ἐκήρυξαν νηστείαν (1)
Za. 7. 5. μὴ νηστείαν νενηστεύκατέ μοι (1)
8. 19. νηστεία ἡ τετρὰς καὶ νηστεία ἡ πέμπτη καὶ ν. ἡ ἑβδόμη καὶ ν. ἡ δεκάτη ἔσονται (1 *quater*)
Is. 1. 14. νηστείαν καὶ ἀργίαν . . . μισεῖ ἡ ψυχή μου –
58. 3. ἐν ταῖς ἡμέραις τῶν ν. ὑμῶν εὑρίσκετε τὰ θελήματα ὑμῶν (1)
— 5. οὐ ταύτην τὴν ν. ἐξελεξάμην . . . οὐδ' οὕτω καλέσετε νηστείαν δεκτήν (1, 1)
— 6. οὐχὶ τοιαύτην νηστείαν ἐγὼ ἐξελεξάμην (1)
Je. 43 (36). 6. ἐν ἡμέρᾳ νηστείας (1)
— 9. ἐξεκκλησίασαν νηστείαν (1)
Da. LXX. 2. 18. παρήγγειλε νηστείαν –
9. 3. εὑρεῖν . . . ἔλεος ἐν νηστείαις (1)
Da. TH. 9. 3. τοῦ ἐκζητῆσαι προσευχὴν . . . ἐν νηστείαις (1)
II Ma. 13. 12. καὶ καταξιωσάντων . . . μετὰ . . . νηστειῶν
[Aq., Sm. Ps. 68 (69). 11 : Za. 8. 19.]
[Th. Za. 8. 19.]

νηστεύειν. (1) צוּם (2) קָרָא

Ex. 38. 26 (8). κατόπτρων τῶν νηστευσασῶν αἳ ἐνήστευσαν παρὰ τὰς θύρας †, †
Jd. 20. 26 : I Ki. 7. 6. ἐνήστευσαν ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ (1)
I Ki. 31. 13. νηστεύουσιν ἑπτὰ ἡμέρας (1)
II Ki. 1. 12. ἐκόψαντο καὶ ἐνήστευσαν (1)
12. 16. ἐνήστευσε Δ. νηστείαν (1)
— 21. ἔτι ζῶντος ἐνήστευες [A *al.*] (1)
— 22. ἐνήστευσα καὶ ἔκλαυσα (1)
— 23. ἵνα τί τοῦτο ἐγὼ νηστεύω (1)
III Ki. 20 (21). 9. νηστεύσατε νηστείαν (2)
— 27. B καὶ ἐνήστευσε (1)
I Ch. 10. 12. ἐνήστευσαν ἑπτὰ ἡμέρας (1)
II Es. 8. 23. ἐνηστεύσαμεν καὶ ἐζητήσαμεν (1)
Ne. 1. 4. καὶ ἦμην νηστεύων (1)
Ju. 4. 13. ἦν ὁ λαὸς νηστεύων
8. 6. ἐνήστευε πάσας τὰς ἡμέρας τῆς χηρεύσεως αὐ.
Es. 4. 16. νηστεύσατε ἐπ' ἐμοί (1)
Si. 31 (34). 26. οὕτως ἄνθρωπος νηστεύων ἐπὶ τῶν ἁμαρτιῶν αὐτοῦ
Za. 7. 5. ἐὰν νηστεύσητε ἢ κόψησθε ἐν ταῖς πέμπταις (1)
— 5. μὴ νηστείαν νενηστεύκατέ μοι (1)
Is. 58. 3. τί ὅτι ἐνηστεύσαμεν (1)
— 4. εἰς κρίσεις καὶ μάχας νηστεύετε . . . ἵνα τί μοι νηστεύετε ὡς σήμερον (1, 1)
Je. 14. 12. ἐὰν νηστεύσωσιν [A -σουσιν] (1)
Ba. 1. 5. ἔκλαιον καὶ ἐνήστευον
I Ma. 3. 47. ἐνήστευσαν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ
[Aq., Sm., Th. Is. 58. 4.]
[Al. Le. 23. 29.]

νήστης, νῆστις. (1) טָוֹת

Da. LXX. 6. 18 (19). ηὐλίσθη νήστης [*cod.* νῆστις] (1)

νηστός.

Ex. 31. 4. καὶ τὸ κόκκινον τὸ ν. –

νήχεσθαι.

Jb. 11. 12. ἄνθρωπος δὲ ἄλλως νήχεται λόγοις [A^1 ἀλόγοις] †

νικᾶν. (1) זָכָה (2) חָמַד (3) נָצַח pi.

I Es. 3. 12. ὑπὲρ δὲ πάντα νικᾷ ἡ ἀλήθεια
4. 5. ἐὰν δὲ νικήσωσι
Ps. 50 (51). 4. ὅπως ἂν . . . νικήσῃς ἐν τῷ κρίνεσθαί σε (1)
Pr. 6. 25. μή σε νικήσῃ κάλλους ἐπιθυμία (2)
Wi. 4. 2. τὸν τῶν ἀμιάντων ἄθλων ἀγῶνα νικήσασα
16. 10. τοὺς δὲ υἱούς σου οὐδὲ ἰοβόλων δρακόντων ἐνίκησαν ὀδόντες
18. 22. ἐνίκησε δὲ τὸν ὄχλον οὐκ ἰσχύϊ τοῦ σώματος
Hb. 3. 19. τοῦ νικῆσαι [A S^2 *add.* με] ἐν τῇ ᾠδῇ [S^1 ὁδῷ] αὐ. (3)
II Ma. 3. 5. νικῆσαι τὸν Ὀ. μὴ δυνάμενος
8. 6. B οὐκ ὀλίγους τῶν πολεμίων ἐνίκα [A *om.*]
III Ma. 1. 4. δώσειν νικήσασιν ἑκάστῳ δύο μνᾶς χρυσίου
IV Ma. 1. 11. νικήσαντες τὸν τύραννον τῇ ὑπομονῇ
3. 17. νικῆσαι τὰς τῶν παθῶν ἀνάγκας
6. 10. ἐνίκα τοὺς βασανίζοντας
— 33. τοῦ λογισμοῦ τὰ πάθη νικήσαντος
7. 4. ἐνίκησε τοὺς πολιορκοῦντας
— 11. τὸν ἐμπυριστὴν ἐνίκησεν ἄγγελον [S^1 *al.*]
8. 1. ἐνικήθη περιφανῶς ὁ τύραννος
9. 6. ἃς καὶ ὁ παιδευτὴς ἡμῶν γέρων ἐνίκησε
— 30. ὁρῶν σου νικώμενον τὸν . . . λογισμόν
11. 20. οὐκ ἐνικήθημεν
13. 2. ἐλέγομεν ἂν αὐτοὺς τούτοις νενικῆσθαι
— 7. A R τὴν τῶν παθῶν ἐνίκησεν ἀκολασίαν [S κόλασιν]
16. 14. διὰ καρτερίαν καὶ τύραννον ἐνίκησα
17. 15. θεοσέβεια δὲ ἐνίκα
— 24. ἐνίκησε πάντας τοὺς πολεμίους
[Sm., Th., Al. Ps. 50 (51). 6.]

νίκη. (1) נֵצַח

I Ch. 29. 11. B σὺ [A R σοί], κύριε, . . . ἡ ν. (1)
I Es. 4. 59. παρὰ σοῦ [A *add.* ἡ] νίκη
Pr. 22. 9. νίκην καὶ τιμὴν περιποιεῖται ὁ δῶρα δούς –
I Ma. 3. 19. οὐκ ἐν πλήθει δυνάμεως νίκη πολέμου ἐστίν
II Ma. 10. 28. ἔγγυον ἔχοντες εὐημερίας καὶ νίκης
13. 15. A ἀναδοὺς δὲ . . . σύνθημα θεοῦ νίκην [R *al.*]
II Ma. 15. 8. προσδοκᾶν τὴν . . . ἐσομ. αὐτοῖς νίκην
— 21 R οὐκ ἔστι δι' ὅπλων ἡ ν. [A *om.* ἡ ν.]
— 21. τοῖς ἀξίοις περιποιεῖται τὴν ν.
III Ma. 3. 20. μετὰ νίκης διακομισθέντες
IV Ma. 7. 3. ἐπὶ τὸν τῆς ἀθανάτου ν. λιμένα

νίκημα.

I Es. 3. 9. A αὐτῷ δοθήσεται τὸ ν. [B νῖκος]

νικοποιός.

[Aq. Ps. 4. 1 : 5. 1 : 6. 1 : 8. 1 : 9. 1 : 10 (11). 1 : 11 (12). 1 : 12 (13). 1 : 13 (14). 1 : 17 (18). 1 : 18 (19). 1 : 19 (20). 1 : 21 (22). 1 : 30 (31). 1 : 35 (36). 1 : 38 (39). 1 : 39 (40). 1 : 40 (41). 1 : 41 (42). 1 : 43 (44). 1 : 44 (45). 1 : 45 (46). 1 : 46 (47). 1 : 48 (49). 1 : 52 (53). 1 : 53 (54). 1 : 54 (55). 1 : 55 (56). 1 : 59 (60). 1 : 61 (62). 1 : 76 (77). 1 : 108 (109). 1.]
[Th. Ps. 9. 1 : 10 (11). 1.]
[Quint. Ps. 9. 1 : 30 (31). 1 : 55 (56). 1.]
[Sext. Ps. 30 (31). 1.]

νῖκος, *cf.* νεῖκος. (1) נֶצַח

II Ki. 2. 26. μὴ εἰς νῖκος καταφάγεται ἡ ῥομφ. (1)
I Es. 3. 9. αὐτῷ δοθήσεται τὸ ν. [A νίκημα]
Jb. 36. 7. καθεῖ αὐτοὺς εἰς [A καὶ εἰς] νῖκος (1)
Am. 1. 11. τὸ ὄρμημα αὐ. ἐφύλαξεν εἰς νῖκος (1)
8. 7. εἰ ἐπιλησθήσεται εἰς νῖκος (1)
Ze. 3. 5. A B^1 S καὶ οὐκ εἰς νῖκος [B^2 R νεῖκος] ἀδικίαν –
Je. 3. 5. φυλαχθήσεται [A S διαφ.] εἰς νῖκος (1)
La. 3. 18. ἀπόλετο νῖκός μου καὶ ἡ ἐλπίς μου ἀπὸ κυρίου (1)
5. 20. ἵνα τί εἰς νῖκος ἐπιλήσῃ ἡμῶν (1)
Ez. 3. 8. R τὸ ν. [A B νεῖκός] σου κατισχύσω κατέναντι τοῦ ν. [A B νεῖκους] αὐτῶν †, †
II Ma. 10. 38. τῷ κυρίῳ . . . τὸ ν. αὐτοῖς διδόντι
IV Ma. 17. 12. R τὸ ν. ἀφθαρσία ἐν ζωῇ πολυχρονίῳ [A S *al.*]
[Aq. Ps. 48 (49). 10 : 73 (74). 1 : 88 (89). 47 : Pr. 21. 28 : Is. 25. 8 : 33. 20 : 34. 10 *bis* : 57. 16 : 63. 6 : Je. 15. 18 : Ez. 3. 9.]
[Sm. Ps. 73 (74). 3 : Pr. 21. 28 : Is. 63. 6.]
[Th. Ps. 4. 1 : 6. 1 : 8. 1 : 12 (13). 1 : 18 (19). 1 : 19 (20). 1 : 38 (39). 1 : 40 (41). 1 : 44 (45). 1 : 48 (49). 1 : 52 (53). 1 : 55 (56). 1 : Pr. 21. 28 : Is. 25. 8 : 33. 20 : 63. 6.]
[Quint. Ps. 48 (49). 10.]

νίπτειν. (1) מָטַר hi. (2) רָחַץ (3) שָׁטַף

a. qal. *b.* ni.

Ge. 18. 4. R καὶ νιψάτωσαν [A -άτω] τοὺς πόδας ὑμῶν (2)
19. 2. R καὶ νίψασθε [A νίψατε] τοὺς πόδας (2)
24. 32. R ἔδωκεν . . . ὕδωρ νίψασθαι [A *om.*] τοῖς ποσίν (2)
43. 24. ἤνεγκεν ὕδωρ νίψαι τοὺς πόδας αὐτῶν (2)
— 31. νιψάμενος τὸ πρόσωπον (2)
Ex. 30. 18. ποίησον λουτῆρα . . . ὥστε νίπτεσθαι (2)
— 19. νίψεται Ἀαρὼν . . . τὰς χεῖρας (2)
— 20. νίψονται ὕδατι (2)
— 21. νίψονται τὰς χεῖρας . . . ὕδατι (2)
— 21. νίψονται ὕδατι –
38. 27 (40. 31). ἵνα νίπτωνται . . . τὰς χεῖρας (2)
— 27 (40. 32). ἐνίπτοντο ἐξ αὐτοῦ (2)
Le. 15. 11. τὰς χεῖρας οὐ νένιπται (3 *a*)
— 12. σκεῦος ξύλινον νιφήσεται ὕδατι (3 *b*)
De. 21. 6. νίψονται τὰς χεῖρας (2)
Jd. 19. 21. ἐνίψαντο [A ἔνιψεν] τοὺς πόδας αὐτῶν (2)
I Ki. 25. 41. νίψαι πόδας τῶν παίδων σου (2)
II Ki. 11. 8. νίψαι τοὺς πόδας σου (2)
II Ch. 4. 6. εἰς τὸ νίπτεσθαι τοὺς ἱερεῖς ἐν αὐτῇ (2)
To. 7. 8. S ὅτε . . . ἐνίψαντο
Jb. 20. 23. νίψαι [A S^2 ῥίψαι] ἐπ' αὐτὸν ὀδύνας (1)
Ps. 25 (26). 6. νίψομαι ἐν ἀθῴοις τὰς χεῖράς μου (2)
57 (58). 10. τὰς χεῖρας αὐτοῦ νίψεται ἐν τῷ αἵματι τοῦ ἁμαρτωλοῦ (2)
72 (73). 13. ἐνιψάμην ἐν ἀθῴοις τὰς χεῖράς μου (2)
Ca. 5. 3. ἐνιψάμην τοὺς πόδας μου (2)
[Sm. Ps. 57 (58). 11 : 72 (73). 13.]

νίτρον. (1) נֶתֶר

Je. 2. 22. ἐὰν ἀποπλύνῃ [B^1 S^1 -ῃς] ἐν νίτρῳ (1)
[Sm. Pr. 25. 20.]

νιφετός. (1) רְבִיבִים

De. 32. 2. ὡσεὶ νιφετὸς ἐπὶ χόρτον (1)
Da. LXX. 3. (68). εὐλογεῖτε . . . νιφετοὶ τὸν κύριον
Da. TH. 3. (68). A εὐλογεῖτε . . . νιφετοὶ τὸν κύριον [Sm., Th. Mi. 5. 7 (6).]

νοεῖν. (1) בִּין *a.* qal. *b.* hi. *c.* hithpal. (2) עָשָׂה (3) שִׂים (4) שָׂכַל hi. (5) שָׁחַת hi. (6) שִׁית (7) ἀδύνατος νοῆσαι פָּלָא ni.

I Ki. 4. 20. οὐκ ἐνόησεν ἡ καρδία αὐ. (6)
II Ki. 12. 19. ἐνόησε Δ. (1 *a*)
20. 15. ἐνοοῦσαν καταβαλεῖν τὸ τεῖχος (5)
Jb. 15. 9. A τί σὺ νοήσεις [B S τί συνίεις σύ] (1 *a*)
33. 3. σύνεσις δὲ χειλέων μου καθαρὰ νοήσει [A *al.*] †
— 23. ἐὰν νοήσῃ τῇ καρδίᾳ –
Pr. 1. 2. νοῆσαί τε λόγους φρονήσεως (1 *b*)
— 3. νοῆσαί τε δικαιοσύνην ἀληθῆ (4)
— 6. νοήσει τε παραβολὴν καὶ σκοτεινὸν λόγον (1 *b*)
8. 5. νοήσατε ἄκακοι πανουργίαν (1 *b*)
16. 23. καρδία σοφοῦ νοήσει τὰ ἀπὸ τοῦ ἰδίου στόματος (4)
19. 25. νοήσει αἴσθησιν (1 *a*)
20. 24. θνητὸς δὲ πῶς ἂν νοήσαι τὰς ὁδοὺς αὐτοῦ (1 *a*)
23. 1. νοητῶς νόει τὰ παρατιθέμενά σοι (1 *a*)
24. 53 (30. 18). τρία δέ ἐστιν ἀδύνατά μοι νοῆσαι (7)
28. 5. B² S ἄνδρες κακοὶ οὐ νοήσουσιν [A B¹ R συνήσουσι] κρίμα (1 *a*)
29. 7. ὁ δὲ ἀσεβὴς οὐ νοεῖ [A S² συνήσει] γνῶσιν (1 *a*)
— 19. ἐὰν γὰρ καὶ νοήσῃ (1 *a*)
Wi. 4. 14. οἱ δὲ λαοὶ [A¹ ἄλλοι] ἰδόντες καὶ μὴ νοήσαντες
— 17. οὐ νοήσουσι τί ἐβουλεύσατο περὶ αὐτοῦ
13. 4. νοησάτωσαν ἀπ' αὐτῶν
Si. 11. 7. νόησον πρῶτον καὶ τότε ἐπιτίμα
14. 21. ἐν τοῖς ἀποκρύφοις αὐτῆς νοηθήσεται [A S ἐνοηθ.]
34 (31). 15. νόει τὰ τοῦ πλησίον ἐκ σεαυτοῦ
Is. 20. 4. S νοήσουσιν [A B *om.*] ὅτι οὕτως ἄξει . . . τὴν αἰχμαλωσίαν –
32. 6. ἡ καρδία αὐ. μάταια νοήσει (2)
44. 18. τοῦ νοῆσαι τῇ καρδίᾳ αὐτῶν (4)
47. 7. οὐκ ἐνόησας ταῦτα ἐν τῇ καρδίᾳ σου (3)
Je. 2. 10. νοήσατε σφόδρα (1 *c*)
10. 21. οὐκ ἐνόησε [S¹ ἠνόμησεν] πᾶσα ἡ νομή (4)
20. 11. νοῆσαι οὐκ ἠδύναντο . . . οὐκ ἐνόησαν ἀτιμίας αὐτῶν (†, 4)
23. 20. ἐπ' ἐσχάτου [A -ων] τῶν ἡμερῶν νοήσουσιν αὐτό (1 *c*)
Ep. Je. 42. οὐ δύνανται αὐτοὶ νοήσαντες καταλιπεῖν αὐτά
Da. TH. 12. 10. A οὐ νοήσουσιν [B συνήσ.] πάντες ἄνομοι (1 *a*)
II Ma. 14. 30. νοήσας οὐκ ἀπὸ τοῦ βελτίστου τὴν αὐστηρίαν εἶναι
IV Ma. 4. 7. S πάνδεινον εἶναι νοήσαντες [A R νομίσ.]
[Aq. Ec. 2. 3.]
[Sm. Jb. 31. 1 : Pr. 8. 5 : Ec. 2. 3.]
[Al. Ps. 49 (50). 22.]

νοερός.

Wi. 7. 22. ἔστι γὰρ ἐν [A *om.*] αὐτῇ πνεῦμα νοερόν
— 23. διὰ πάντων χωροῦν πνευμάτων νοερῶν καθαρῶν

νόημα.

Si. 21. 11. κατακρατεῖ τοῦ ἐννοήματος αὐ. [S¹ *om.* τ. ἐ. αὐ., S² τοῦ ν. αὐ.]
Ba. 2. 8. τοῦ ἀποστρέψαι ἕκαστον ἀπὸ τῶν ν. τῆς καρδίας αὐτῶν τῆς πονηρᾶς
III Ma. 5. 30. R διὰ τὸ . . . διεσκεδάσθαι πᾶν αὐ. τὸ [A *om.*] ν.

νοήμων. (1) בִּין *a.* ni. *b.* hi. (2) שָׂכַל hi.

Pr. 1. 5. ὁ δὲ ν. κυβέρνησιν κτήσεται (1 *a*)
10. 5. διεσώθη ἀπὸ καύματος υἱὸς νοήμων (2)
— 19. φειδόμενος δὲ χειλέων νοήμων ἔσῃ (2)
14. 35. δεκτὸς βασιλεῖ ὑπηρέτης νοήμων (2)
17. 2. οἰκέτης νοήμων κρατήσει δεσποτῶν ἀφρόνων (2)
Pr. 17. 12. ἐμπεσεῖται μέριμνα ἀνδρὶ νοήμονι †
28. 11. πένης δὲ νοήμων καταγνώσεται αὐτοῦ (1 *b*)
Si. 19. 29. S¹ ἀπὸ ὁράσεως ἐπιγνωσθήσεται νοήμων [A B S² ἀνὴρ] καὶ ἀπὸ ἀπαντήσεως προσώπου ἐπιγνωσθήσεται νοήμων
21. 7. ὁ δὲ ν. οἶδεν ἐν τῷ ὀλισθάνειν αὐτόν
Da. TH. 12. 10. οἱ ν. συνήσουσι (2)
[Th. Da. 12. 10.]

νόησις.

[Th. Je. 23. 20.]

νοητῶς. (1) בִּין

Pr. 23. 1. ν. νόει τὰ παρατιθέμενά σοι (1)

νοθεύειν.

Wi. 14. 24. ἢ νοθεύων ὀδυνᾷ

νόθος.

Wi. 4. 3. ἐκ νόθων μοσχευμάτων οὐ δώσει ῥίζαν

νόθως.

III Ma. 3. 17. τῷ δὲ πράγματι ν.

νομάς. (1) מַרְבֵּק (2) צֹאן (3) *a.* רְעִי *b.* רָעָה

I Ki. 28. 24. ἦν δάμαλις νομὰς ἐν τῇ οἰκίᾳ (1)
III Ki. 3. 1 (4. 23 [5. 3]). B εἴκοσι βόες νομάδες (3 *a*)
— 1 (4. 23 [5. 3]). [A R *al.*] B ἑκτὸς . . . ὀρνίθων ἐκλεκτῶν ν. –
4. 23 (5. 3). εἴκοσι βόες νομάδες (3 *a*)
I Ch. 27. 29. ἐπὶ τῶν βοῶν τῶν ν. τῶν ἐν τῷ Σ. (3 *b*)
Jb. 1. 3. ὄνοι θήλειαι νομάδες πεντακόσιαι [A -οι] –
20. 17. μὴ ἴδοι ἄμελξιν νομάδων –
30. 1. οὓς οὐχ ἡγησάμην ἀξίους κυνῶν τῶν ἐμῶν ν. (2)
42. 12. ὄνοι θήλειαι νομάδες χίλιαι –
II Ma. 12. 11. ἐλαττωθέντες οἱ ν. Ἄραβες

νομεύς.

[Aq. Is. 56. 11 : 63. 11 : Am. 1. 2 : Mi. 5. 5 (4).]
[Sm. I Ki. 21. 7 (8).]

νομή. (1) מַרְבֵּץ (2) *a.* מִרְעֶה *b.* מַרְעִית (3) *a.* נָאָה *b.* נָוֶה *c.* נָוֶה

Ge. 47. 4. οὐ γάρ ἐστι ν. τοῖς κτήνεσι (2 *a*)
I Ch. 4. 39. τοῦ ζητῆσαι νομὰς τοῖς κτήνεσιν αὐ. (2 *a*)
— 40. B¹ εὗρον ν. πίονας [A B² R πλείονας] καὶ ἀγαθάς (2 *a*)
— 41. νομαὶ τοῖς κτήνεσιν αὐτῶν ἐκεῖ (2 *a*)
Jb. 20. 17. μὴ ἴδοι . . . νομὰς μέλιτος καὶ βουτύρου †
— 27. S¹ ἀνακαλύψει δὲ αὐτοῦ ὁ οὐρανὸς τὰς ν. [A B S² ἀνομίας] †
39. 8. κατασκέψεται ὄρη νομὴν αὐτοῦ (2 *a*)
Ps. 73 (74). 1. ὠργίσθη ὁ θυμός σου ἐπὶ πρόβατα νομῆς σου (2 *b*)
78 (79). 13. B S¹ ἡμεῖς γὰρ λαός σου καὶ πρόβατα τῆς [S² R *om.*] ν. σου (2 *b*)
94 (95). 7. ἡμεῖς λαὸς νομῆς αὐτοῦ (2 *b*)
99 (100). 3. λαὸς αὐτοῦ καὶ πρόβατα τῆς [A S² *om.*] ν. αὐτοῦ (2 *b*)
Pr. 24. 15. A S R μὴ προσαγάγῃς ἀσεβῆ νομῇ [B -ὴν] δικαίων (3 *b*)
Si. 13. 19. οὕτως νομαὶ πλουσίων πτωχοί
Ho. 13. 6. ἐν γῇ ἀοικήτῳ κατὰ τὰς ν. αὐτῶν (2 *b*)
Am. 1. 2. καὶ ἐπένθησαν αἱ ν. τῶν ποιμένων (3 *a*)
Jl. 1. 18. ὅτι οὐχ ὑπῆρχε νομὴ αὐτοῖς (2 *a*)
Na. 2. 11 (12). καὶ ἡ [S¹ *om.*] νομὴ ἡ οὖσα τοῖς [A ἐν τοῖς] σκύμνοις (2 *a*)
Ze. 2. 6. καὶ ἔσται Κρήτη νομὴ ποιμνίων (3 *c*)
3. 1 (2. 15). νομὴ θηρίων (1)
Is. 49. 9. ἐν πάσαις ταῖς τρίβοις ἡ ν. αὐτῶν (2 *b*)
Je. 10. 21. οὐκ ἐνόησε [S¹ ἠνόμησεν] πᾶσα ἡ ν. (2 *b*)
— 25. τὴν ν. [S¹ τὸν νόμον] αὐτοῦ ἠρήμωσαν (3 *b*)
23. 1. διασκορπίζοντες τὰ πρόβατα τῆς ν. αὐτῶν [A S *al.*] (2 *b*)
— 3. καταστήσω αὐτοὺς εἰς τὴν ν. αὐτῶν (3 *b*)
— 10. ἐξηράνθησαν αἱ ν. τῆς ἐρήμου (3 *a*)
27 (50). 7. ν. δικαιοσύνης τῷ συναγαγόντι τοὺς πατέρας αὐτῶν (3 *b*)
— 19. ἀποκαταστήσω τὸν Ἰσ. εἰς τὴν ν. αὐ. (3 *b*)
— 45. ἐὰν μὴ ἀφανισθῇ ν. ἀπ' αὐτῶν (3 *b*)
La. 1. 6. ὡς κριοὶ οὐχ εὑρίσκοντες νομήν (2 *a*)
Ez. 25. 5. δώσω τὴν πόλιν τοῦ Ἀμμὼν εἰς νομὰς καμήλων καὶ τοὺς υἱοὺς Ἀμμὼν εἰς νομὴν [A προν.] προβάτων (3 *b*, 1)
34. 14. ἐν [A *om.*] νομῇ ἀγαθῇ βοσκήσω αὐτοὺς . . . ἐν νομῇ πίονι βοσκηθήσονται [A¹ *om.* ἐν . . . β.] (2 *a*, 2 *a*)
— 18. τὴν καλὴν ν. ἐνέμεσθε καὶ τὰ κατάλοιπα τῆς ν. ὑμῶν κατεπατεῖτε (2 *a*, 2 *a*)
Da. LXX. 4. 29. ἀπὸ τῆς χλόης τῆς γῆς ἔσται ἡ ν. σου –
II Ma. 5. 14. R τέσσαρες μὲν ἐν χειρῶν νομαῖς [A -οῖς]
[Aq. Ec. 1. 14, 17 : 2. 11 : 6. 9 : Is. 32. 14 : Je. 10. 21.]
[Sm: II Ki. 7. 8 : Ps. 64 (65). 13 : Ec. 1. 17 : Je. 10. 21 : Ho. 13. 6 : Jl. 2. 22.]
[Th. Ec. 1. 14 : 2. 11 : 6. 9.]

νομίζειν.

Wi. 13. 2. ἢ φωστῆρας οὐρανοῦ πρυτάνεις κόσμου θεοὺς ἐνόμισαν
17. 3. λανθάνειν γὰρ νομίζοντες ἐπὶ κρυφαίοις ἁμαρτήμασιν
Si. 29. 4. πολλοὶ ὡς εὕρεμα ἐνόμισαν δάνος
II Ma. 4. 32. νομίσας δὲ ὁ Μεν.
7. 19. μὴ νομίσῃς ἀθῷος ἔσεσθαι
8. 35. ὑπὸ τῶν κατ' αὐτὸν νομιζομ. ἐλαχίστων εἶναι
14. 4. R πρὸς δὲ τούτοις τῶν νομιζομ. [A τοῖς νομ.] θαλλῶν τοῦ ἱεροῦ
IV Ma. 2. 13. μὴ νομίσητε παράδοξον εἶναι
4. 7. A R πάνδεινον εἶναι νομίσαντες [S νοήσ.]
— 13. μή ποτε νομίσειεν ὁ βασ. Σ.
5. 16. οὐδεμίαν ἀνάγκην βιαιοτέραν νομίζομεν
— 18. S R ἐνομίζομεν [A νομ.] αὐτὸν εἶναι θεόν
— 19. μὴ μικρὰν οὖν εἶναι νομίσῃς ταύτην . . . ἁμαρτίαν
9. 4. χαλεπώτερον γὰρ αὐτοῦ τοῦ θανάτου νομίζομεν εἶναι
— 7. μὴ νομίσῃς ἡμᾶς βλάπτειν βασανίζων
[Sm. Jb. 13. 5 : Ps. 49 (50). 21.]

νομικός.

IV Ma. 5. 4. τὴν ἐπιστήμην νομικός

νόμιμος. (1) דָּת (2) *a.* חֹק *b.* חֻקָּה (3) תּוֹרָה

Ge. 26. 5. τὰ δικαιώματά μου καὶ τὰ ν. μου (3)
Ex. 12. 14. νόμιμον αἰώνιον [A *om.* ν. *al.*] ἑορτάσετε αὐτήν (2 *b*)
— 17. ποιήσετε τὴν ἡμέραν . . . ν. αἰώνιον (2 *b*)
— 24. τὸ ῥῆμα τοῦτο ν. [A *add.* αἰώνιον] σεαυτῷ (2 *a*)
27. 21. νόμιμον αἰώνιον εἰς τὰς γενεὰς ὑμῶν (2 *b*)
28. 39 (43). νόμιμον αἰώνιον αὐτῷ καὶ τῷ σπέρματι (2 *b*)
29. 28. ἔσται . . . τοῖς υἱοῖς αὐ. νόμιμον αἰώνιον (2 *a*)
30. 21. ἔσται αὐτοῖς νόμιμον αἰώνιον (2 *a*)
Le. 3. 17. νόμιμον εἰς τὸν αἰῶνα εἰς τὰς γενεάς (2 *b*)
6. 18 (11). νόμιμον αἰώνιον εἰς τὰς γενεὰς ὑμῶν (2 *a*)
— 22 (15). B¹ νόμιμος [B² R νόμος] αἰώνιος (2 *a*)
7. 24 (34). νόμιμον αἰώνιον παρὰ τῶν υἱῶν (2 *a*)
— 26 (36). νόμιμον αἰώνιον εἰς τὰς γενεὰς αὐ. (2 *b*)
10. 9. νόμιμον αἰώνιον εἰς τὰς γενεὰς ὑμῶν (2 *b*)
— 11. συμβιβάσεις . . . ἅπαντα τὰ ν. (2 *a*)
— 13. A R νόμιμον [B *add.* αἰώνιον] γάρ σοί ἐστι (2 *a*)
— 13. καὶ νόμιμον τοῖς υἱοῖς σου τοῦτο (2 *a*)
— 14. νόμιμον γάρ σοι (2 *a*)
— 14. καὶ νόμιμον τοῖς υἱοῖς σου ἐδόθη (2 *a*)
— 15. καὶ ἔσται σοι . . . νόμιμον αἰώνιον (2 *a*)
16. 29. ἔσται τοῦτο ὑμῖν νόμιμον αἰώνιον (2 *b*)
— 31. ταπεινώσετε τὰς ψυχὰς ὑ. νόμιμον αἰώνιον (2 *b*)
— 34. ἔσται τοῦτο ὑμῖν νόμιμον αἰώνιον (2 *b*)
17. 7. νόμιμον αἰώνιον ἔσται ὑμῖν (2 *b*)
18. 3. τοῖς [A ἐν τ.] ν. αὐτῶν οὐ πορεύσεσθε (2 *b*)
— 26. φυλάξεσθε πάντα τὰ ν. μου (2 *b*)
— 30. τῶν ν. [A ἀνόμων] τῶν ἐβδελυγμένων (2 *b*)
20. 23. οὐχὶ πορεύεσθε τοῖς ν. τῶν ἐθνῶν (2 *b*)
23. 14, 21, 31, 41 : 24. 3. νόμιμον αἰώνιον εἰς τὰς γενεὰς ὑμῶν (2 *b*)
24. 9. νόμιμον αἰώνιον (2 *a*)
Nu. 10. 8. ἔσται ὑμῖν νόμιμον αἰώνιον (2 *b*)
18. 8, 11, 19. νόμιμον αἰώνιον (2 *a*)
— 23. νόμιμον αἰώνιον εἰς τὰς γενεὰς αὐ. (2 *b*)
19. 10. ἔσται . . . νόμιμον αἰώνιον (2 *b*)

Nu. 19. 21. ἔσται ὑμῖν νόμιμον αἰώνιον (2 b)
I Es. 1. 48. παρέβη τὰ ν. κυρίου θεοῦ Ἰσρ.
Es. 8. 13. χρῆσθαι τοῖς ἑαυ. ν. [A S νόμοις]
Pr. 3. 1. υἱέ, ἐμῶν νομίμων μὴ ἐπιλανθάνου (3)
Ho. 8. 12. τὰ ν. αὐ. εἰς ἀλλότρια ἐλογίσθησαν (3)
Mi. 6. 15. καὶ ἀφανισθήσεται νόμιμα λαοῦ μου –
7. 11. ἀποτρίψεται νόμιμά σου ἡ ἡμ. ἐκ. [A al.] (2 a)
Za. 1. 6. τοὺς λόγους μου καὶ τὰ ν. μου δέχεσθε (2 a)
Ma. 3. 7. ἐξεκλίνατε νόμιμά μου (2 a)
Je. 10. 3. τὰ ν. τῶν ἐθνῶν μάταια (2 b)
33 (26). 4. τοῦ πορεύεσθαι ἐν τοῖς ν. [A νόμοις] μου (3)
Ez. 5. 6. τὰ ν. μου [A add. ἐκ] τῶν χωρῶν τῶν κύκλῳ αὐτῆς . . . ἐν τοῖς ν. μου οὐκ ἐπορεύθησαν (2 b, 2 b)
— 7. ἐν τοῖς ν. μου οὐκ ἐπορεύθητε (2 b)
16. 27. ἐξαρῶ τὰ ν. σου (2 a)
18. 19. πάντα τὰ ν. μου συνετήρησε (2 b)
20. 18. ἐν τοῖς ν. τῶν πατέρων ὑμῶν μὴ πορεύεσθε (2 a)
43. 11. πάντα τὰ ν. αὐτοῦ γνωριεῖς αὐτοῖς (3)
44. 5. κατὰ πάντα τὰ ν. αὐ. (3)
— 24. τὰ ν. μου καὶ τὰ προστάγματά μου . . . φυλάξονται (3)
Da. TH. 6. 5 (6). εἰ μὴ ἐν νομίμοις [A νόμοις] θεοῦ αὐτοῦ (1)
I Ma. 1. 14. κατὰ τὰ [S¹ om.] ν. τῶν ἐθνῶν
— 41. ἐγκαταλιπεῖν ἕκαστον τὰ ν. αὐ.
— 44. πορευθῆναι ὀπίσω νομίμων ἀλλοτρίων
3. 21. πολεμοῦμεν περὶ . . . τῶν ν. ἡμῶν
— 29. τοῦ ἆραι τὰ ν.
6. 59. τοῦ πορεύεσθαι τοῖς ν. αὐ.
— 59. χάριν γὰρ τῶν ν. αὐ. . . . ὠργίσθησαν
II Ma. 4. 11. R τὰς μὲν νομίμους [A -ας] καταλύων πολιτείας
11. 24. συγχωρηθῆναι αὐτοῖς τὰ ν.
III Ma. 1. 3. ὕστερον δὲ μεταβαλὼν τὰ ν.
3. 2. ὡς ἂν ἀπὸ τῶν ν. αὐτοὺς κωλυόντων
IV Ma. 5. 36. οὐδὲ νομίμου βίου ἡλικίαν
7. 6. R καθαρισμὸν ν. [A S om.] χωρήσασαν γαστέρα
— 15. ὦ . . . βίου νομίμου
15. 10. μέχρι θανάτου τὰ ν. φυλάσσοντας
[Th. Le. 23. 41: 24. 9.]

νομίμως.

IV Ma. 6. 18. τὴν ἐπ' αὐτῷ δόξαν ν. φυλάσσοντες

νόμισμα. (1) דַּרְכְּמוֹן (2) דָּת

II Es. 8. 36. ἔδωκαν τὸ ν. τοῦ βασ. (2)
Ne. 7. 71. R χρυσοῦ νομίσματος δύο μυριάδας [A B S al.] (1)
— 72. S³ χρυσοῦς ἐν νομίσμασιν δύο μυριάδας [S¹ R al.] (1)
I Ma. 15. 6. ποιῆσαι κόμμα ἴδιον ν. [S² om.]
[Sm. Nu. 3. 47: Jb. 42. 11.]

νομιστέον.

Ep. Je. 40. πῶς οὖν νομιστέον ἢ κλητέον αὐτοὺς ὑπάρχειν θεούς
— 44. πῶς οὖν νομιστέον ἢ κλητέον ὡς θεοὺς αὐτοὺς ὑπάρχειν
— 56. πῶς οὖν ἐκδεκτέον [A δ.] ἢ νομιστέον ὅτι εἰσὶ θεοί
— 64. οὔτε νομιστέον οὔτε κλητέον [A ἐκδεκτ.] ὑπάρχειν αὐτοὺς θεούς

νομοδότης.

[Sm. Ps. 75 (76). 12.]

νομοθεσία.

II Ma. 6. 23. μᾶλλον δὲ τῆς ἁγίας καὶ θεοκτίστου ν.
IV Ma. 5. 35. καὶ νομοθεσίας ἐπιστήμη
17. 16. S R τοὺς τῆς θείας [A ἀληθείας] ν. [S¹ -ᾳ] ἀθλητάς

νομόθεσμος. (1) תּוֹרָה

Pr. 31. 27 (26). ἀνοίγει σοφῶς καὶ [B S¹ -φοῖς] νομοθέσμως [S¹ -ους] (1)

νομοθέσμως. (1) תּוֹרָה

Pr. 31. 27 (26). τὸ στόμα δὲ ἀνοίγει σοφῶς καὶ [B S¹ -φοῖς] ν. [S¹ -ους] (1)

νομοθετεῖν. (1) יָרָה hi.

Ex. 24. 12. ἃς ἔγραψα νομοθετῆσαι αὐτοῖς (1)
De. 17. 10. ὅσα ἂν νομοθετηθῇ σοι (1)
Ps. 24 (25). 8. διὰ τοῦτο νομοθετήσει ἁμαρτάνοντας ἐν ὁδῷ (1)
— 12. νομοθετήσει αὐτῷ ἐν ὁδῷ ᾗ ᾑρετίσατο (1)
26 (27). 11. νομοθέτησόν με, κύριε (1)
83 (84). 6. εὐλογίας δώσει ὁ νομοθετῶν (1)
118 (119). 33. νομοθέτησόν με, κύριε, τὴν ὁδὸν τῶν δικαιωμάτων σου (1)
— 102. A R σὺ ἐνομοθέτησάς με [S μοι] (1)
— 104. A S¹ σὺ ἐνομοθέτησάς με –
II Ma. 3. 15. ἐπεκαλοῦντο . . . τὸν περὶ παραθήκης νομοθετήσαντα
IV Ma. 5. 25. συμπαθεῖ νομοθετῶν ὁ τοῦ κόσμου κτίστης

νομοθέτης.

Ps. 9. 20. κατάστησον, κύριε, νομοθέτην ἐπ' αὐτούς †

νόμος. (1) דָּבָר (2) דָּת (3) a. חֹק b. חֻקָּה (4) מִצְוָה (5) מִשְׁפָּט (6) פִּתְגָם (7) תּוֹרָה

Ex. 12. 43. οὗτος ὁ ν. τοῦ πάσχα (3 b)
— 49. ν. εἷς ἔσται τῷ ἐγχωρίῳ (7)
13. 9. γένηται ὁ ν. κυρίου ἐν τῷ στόματι (7)
— 10. φυλάξασθε τὸν ν. τοῦτον (3 b)
16. 4. εἰ πορεύσονται τῷ ν. [A ὀνόματί] μου (7)
— 28. τὰς ἐντολάς μου καὶ τὸν ν. μου (7)
18. 16, 20. τὰ προστάγματα τοῦ θεοῦ καὶ τὸν ν. αὐ. (7)
24. 12. τὸν ν. καὶ τὰς ἐντολὰς ἃς ἔγραψα (7)
Le. 6. 9 (2). οὗτος ὁ ν. τῆς ὁλοκαυτώσεως (7)
— 14 (7). οὗτος ὁ ν. τῆς θυσίας (7)
— 22 (15). B² R ν. [B¹ νόμιμος] αἰώνιος ἅπαν ἐπιτελεσθήσεται (3 a)
— 25 (18). οὗτος ὁ ν. τῆς ἁμαρτίας (7)
— 31 (7. 1). οὗτος ὁ ν. τοῦ κριοῦ (7)
— 37 (7. 7). ν. εἷς αὐτῶν (7)
7. 1 (11). οὗτος ὁ ν. θυσίας σωτηρίου (7)
— 27 (37). οὗτος ὁ ν. τῶν ὁλοκαυτωμάτων (7)
11. 46. οὗτος ὁ ν. περὶ τῶν κτηνῶν (7)
12. 7. οὗτος ὁ ν. τῆς τικτούσης ἄρσεν (7)
13. 59. οὗτος ὁ ν. ἀφῆς [A ἀφὴ] λέπρας (7)
14. 2. οὗτος ὁ ν. τοῦ λεπροῦ (7)
— 32. οὗτος ὁ ν. ἐν ᾧ ἐστὶν ἡ ἀφή (7)
— 54. οὗτος ὁ ν. κατὰ πᾶσαν ἀφὴν λέπρας (7)
— 57. οὗτος ὁ ν. τῆς λ. (7)
15. 3. οὗτος ὁ ν. τῆς ἀκαθαρσίας αὐτοῦ –
— 32. οὗτος ὁ ν. τοῦ γονορροοῦς (7)
19. 19. τὸν ν. μου φυλάξεσθε (3 b)
— 37. φυλάξεσθε πάντα τὸν ν. μου (3 b)
26. 46. ὁ ν. ὃν ἔδωκε κύριος (7)
Nu. 5. 29. οὗτος ὁ ν. τῆς ζηλοτυπίας (7)
— 30. ποιήσει αὐτῇ ὁ ἱ. πάντα τὸν ν. τοῦτον (7)
6. 13, 21. οὗτος ὁ ν. τοῦ εὐξαμένου (7)
— 21. ἣν ἂν εὕξηται κατὰ νόμον [A τὸν ν.] ἁγνείας (7)
9. 3. κατὰ τὸν ν. αὐτοῦ . . . ποιήσεις (3 b)
— 12, 14. κατὰ τὸν ν. τοῦ πάσχα (3 b)
— 14: 15. 15. ν. εἷς ἔσται ὑμῖν (3 b)
15. 15. ν. αἰώνιος εἰς τὰς γενεὰς ὑμῶν (3 b)
— 16. ν. εἷς ἔσται (7)
— 29. ν. εἷς ἔσται αὐτοῖς (7)
19. 2. αὕτη ἡ διαστολὴ τοῦ ν. (7)
— 14. καὶ οὗτος ὁ ν. (7)
31. 21. τοῦτο τὸ δικαίωμα τοῦ ν. (7)
De. 1. 5. διασαφῆσαι τὸν ν. τοῦτον (7)
4. 8. κατὰ πάντα τὸν ν. τοῦτον (7)
— 44. οὗτος ὁ ν. ὃν παρέθετο M. (7)
17. 11. κατὰ τὸν ν. καὶ κατὰ τὴν κρίσιν (7)
24. 8. κατὰ πάντα τὸν ν. –
27. 3. πάντας τοὺς λόγους τοῦ ν. τούτου (7)
— 8. γράψεις . . . πάντα τὸν ν. τοῦτον (7)
— 26. ἐν πᾶσι τοῖς λόγοις τοῦ ν. τούτου (7)
28. 58. πάντα τὰ ῥήματα τοῦ ν. τούτου (7)
— 61. ἐν τῷ βιβλίῳ τοῦ ν. τούτου (7)
29. 20 (19). A ἐν τῷ βιβλίῳ τοῦ ν. τούτου [B β. τούτῳ] –
— 21 (20). ἐν τῷ βιβλίῳ τοῦ ν. τούτου (7)
— 27 (26). ἐν τῷ βιβλίῳ τοῦ ν. τούτου –
— 29 (28). ποιεῖν πάντα τὰ ῥήματα τοῦ ν. τούτου (7)
30. 10. ἐν τῷ βιβλίῳ τοῦ ν. τούτου (7)
31. 9. ἔγραψε M. τὰ ῥήματα τοῦ ν. τούτου (7)
— 11. ἀναγνώσεσθε τὸν ν. τοῦτον (7)
— 12. ποιεῖν πάντας τοὺς λόγους τοῦ ν. τούτου (7)
— 24. γράφων πάντας τοὺς λόγους τοῦ ν. τούτου (7)
— 26. λαβόντες τὸ βιβλίον τοῦ ν. τούτου (7)
32. 44. ἐλάλησε πάντας τοὺς λόγους τοῦ ν. τούτου †
De. 32. 45. ἐξετέλεσε M. λαλῶν [A add. τοὺς ν. τούτους] (1)
— 46. ποιεῖν πάντας τοὺς λόγους τοῦ ν. τούτου (7)
33. 4. νόμον ὃν ἐνετείλατο ἡμῖν M. (7)
— 10. δηλώσουσι . . . τὸν ν. σου τῷ Ἰσρ. (7)
Jo. 1. 8. ἡ βίβλος τοῦ ν. τούτου (7)
9. 2 (8. 31). καθὰ γέγραπται ἐν τῷ ν. M. (7)
— 2 (8. 32). ἔγραψεν Ἰ. . . . νόμον Μωυσῆ (7)
— 2 (8. 34). πάντα τὰ ῥήματα τοῦ ν. τούτου (7)
— 2 (8. 34). κατὰ πάντα τὰ γεγραμμ. ἐν τῷ ν. M. (7)
22. 5. φυλάξασθε σφόδρα ποιεῖν . . . τὸν ν. (7)
23. 6. πάντα τὰ γεγραμμ. ἐν τῷ βιβλίῳ τοῦ ν. (7)
24. 25. ἔδωκεν αὐτῷ νόμον (3 a)
— 26. ἔγραψε . . . νόμον τοῦ θεοῦ (7)
II Ki. 7. 19. οὗτος δὲ ὁ ν. τοῦ ἀνθρώπου (7)
III Ki. 2. 3. B τὰ γεγραμμένα ἐν [A R add. τῷ] νόμῳ M. (7)
IV Ki. 10. 31. πορεύεσθαι ἐν νόμῳ κυρίου (7)
14. 6. ἐν βιβλίῳ νόμων [A βίβλῳ νόμῳ] M. (7)
17. 13. φυλάξατε . . . πάντα τὸν ν. (7)
— 34. κατὰ τὸν ν. καὶ κατὰ τὴν ἐντολήν (7)
— 37. τὸν ν. . . . φυλάσσεσθε (7)
22. 8. βιβλίον τοῦ ν. εὗρον (7)
— 11. τοὺς λόγους βιβλίου τοῦ ν. (7)
23. 24. ἵνα στήσῃ τοὺς λόγους τοῦ ν. (7)
— 25. κατὰ πάντα τὸν ν. Μωυσῆ (7)
I Ch. 16. 40. κατὰ πάντα τὰ γεγραμμ. ἐν νόμῳ κυρίου (7)
22. 12. τοῦ ποιεῖν τὸν ν. κ. τοῦ θεοῦ σου (7)
II Ch. 6. 16. A R τοῦ πορεύεσθαι ἐν τῷ ν. [B ὀνόματί] μου (7)
14. 4 (3). καὶ ποιῆσαι τὸν ν. (7)
15. 3. καὶ ἐν οὐ νόμῳ (7)
17. 9. βίβλος νόμου κυρίου (7)
23. 18. A² B καθὼς γέγραπται ἐν νόμῳ M. (7)
25. 4. κατὰ τὴν διαθήκην τοῦ [A om.] ν. κυρίου (7)
31. 3. τὰς ἑορτὰς τὰς γεγραμμ. ἐν τῷ ν. κυρίου (7)
— 21. ἐν τῷ ν. καὶ ἐν τοῖς προστάγμασιν (7)
33. 8. κατὰ πάντα τὸν ν. (7)
34. 14. εὗρε Χ. ὁ ἱερεὺς βιβλίον νόμου κυρίου (7)
— 15. βιβλίον νόμου εὗρον (7)
— 18. A βιβλίον νόμου [B om.] ὃ [A B² om.] ἔδωκέ μοι –
— 19. B ὡς ἤκουσεν ὁ βασ. [A R add. τοὺς λόγους] τοῦ ν. (7)
35. 12. A ἐν βιβλίῳ νόμῳ [B om.] M. –
— 19. ἵνα στήσῃ τοὺς λόγους τοῦ ν. –
— 19. κατὰ πάντα τὸν ν. M. –
— 26. γεγραμμένα ἐν νόμῳ κυρίου (7)
I Es. 1. 33. ἐν τῷ ν. κυρίου
5. 51. ὡς ἐπιτέτακται ἐν τῷ ν.
8. 3. ὡς γραμματεὺς εὐφυὴς ὢν ἐν τῷ M. ν.
— 7. εἰς τὸ μηδὲν παραλείπειν τῶν ἐκ τοῦ ν. κυρίου
— 8. ἀναγνώστην τοῦ ν. κυρίου
— 9. ἀναγνώστη τοῦ ν. κυρίου
— 12. B ἀκολούθως ᾧ ἔχει νόμῳ κυρίου [A R al.]
— 19. ἀναγνώστης τοῦ ν. τοῦ θ. τοῦ ὑψίστου
— 21. κατὰ τὸν τοῦ θεοῦ ν.
— 23. πάντας τοὺς ἐπισταμ. τὸν ν. τοῦ θ. σου
— 24. ὅσοι ἐὰν παραβαίνωσι τὸν ν. τοῦ θ. σου
— 87. παραβῆναι τὸν ν. σου
— 94. ὅσοι πειθαρχοῦσι τοῦ ν. [A τῷ ν.] κυρίου
9. 39. κόμισαι τὸν ν. M.
— 40. A R ἐκόμισεν [B ἐδοκίμασεν] . . . τὸν ν.
— 40. B ἀκοῦσαι τὸν ν. [A R τοῦ ν.]
— 41. A R ἐπέδωκαν πᾶν τὸ πλῆθος τὸν νοῦν εἰς τὸν ν. [B al.]
— 42. ἀναγνώστης τοῦ ν.
— 45. A ἀναλαβὼν Ἔ. τὸ βιβλίον τοῦ ν. [B om. τ. ν.]
— 46. ἐν τῷ λῦσαι τὸν ν.
— 48. ἐδίδασκον τὸν ν. κυρίου
— 48. B ἀνεγίνωσκον τὸν ν. τοῦ κυρίου
— 50. B ἐν τῷ ἀκοῦσαι τὸν ν. [A R τοῦ ν.]
II Es. 3. 2. κατὰ τὰ γεγραμμ. ἐν νόμῳ M. (7)
7. 6. αὐτὸς γραμματεὺς ταχὺς ἐν νόμῳ M. (7)
— 10. ζητῆσαι τὸν ν. (7)
— 12. Ἔσδρα γραμματεῖ νόμου κυρίου (2)
— 14. A R ἀπεστάλη . . . νόμῳ [B -ου] θεοῦ αὐτῶν (2)
— 21. Ἔ. . . . γραμματεὺς τοῦ ν. τοῦ θεοῦ (2)
— 25. πᾶσι τοῖς εἰδόσι νόμον τοῦ θεοῦ (2)
— 26. ὃς ἂν μὴ ᾖ ποιῶν [A add. τὸν] νόμον τοῦ θ. καὶ νόμον τοῦ βασ. ἑτοίμως (2, 2)
10. 3. ὡς ὁ ν. γενηθήτω [S² al.] (7)
Ne. 8. 1. ἐνέγκαι τὸ βιβλίον νόμου M. (7)
— 2. ἤνεγκεν . . . τὸν νόμον [A om. τ. ν.] (7)

Ne. 8. 3. καὶ ὥτα παντὸς τοῦ λαοῦ εἰς τὸ βιβλίον τοῦ ν. (7)
— 7. συνετίζοντες τὸν λαὸν εἰς τὸν ν. (7)
— 8. ἀνέγνωσαν ἐν βιβλίῳ νόμου τοῦ θ. (7)
— 9. ὡς ἤκουσαν τοὺς λόγους τοῦ ν. (7)
— 13. ἐπιστῆσαι πρὸς πάντας τοὺς λόγους τοῦ ν. (7)
— 14. εὕροσαν γεγραμμένον ἐν τῷ ν. (7)
— 18. ἀνέγνω ἐν βιβλίῳ νόμου [S -ῳ] τοῦ θ. (7)
9. 3. ἀνέγνωσαν ἐν βιβλίῳ νόμου θεοῦ αὐ. (7)
— 13. ἔδωκας αὐτοῖς . . . νόμους ἀληθείας (7)
— 14. νόμον [S² *add.* ὃν] ἐνετείλω αὐτοῖς (7)
— 26. ἔρριψαν τὸν ν. σου ὀπίσω σώματος αὐ. (7)
— 29. ἐπιστρέψαι αὐτοὺς εἰς τὸν ν. σου (7)
— 34. οὐκ ἐποίησαν τὸν ν. σου (7)
10. 28 (29). πᾶς ὁ προσπορευόμ. . . . πρὸς [A *add.* τὸν] νόμον τοῦ θ. (7)
— 29 (30). τοῦ πορεύεσθαι ἐν νόμῳ τοῦ θ. (7)
— 34 (35). A S R ὡς γέγραπται ἐν τῷ ν. [B ἐν βιβλίῳ] (7)
— 36 (37). ὡς γέγραπται ἐν τῷ ν. (7)
12. 44. κατέστησαν . . . μερίδας [S² *add.* τοῦ ν.] τοῖς ἱ. (7)
13. 3. ὡς ἤκουσαν τὸν ν. (7)
To. 1. 8. S ἐν τῷ ν. M.
6. 12. κατὰ τὸν ν. Μωυσῆ [S *al.*]
7. 13. κατὰ τὸν ν. Μωυσέως [S *al.*]
— 14. S κατὰ τὴν κρίσιν τοῦ M. νόμου
14. 9. A B τήρησον τὸν ν.
Ju. 11. 12. διεστείλατο αὐτοῖς ὁ θ. τοῖς ν. αὐτοῦ
Es. 1. 8. οὐ [S¹ *om.*] κατὰ προκείμενον ν. ἐγένετο (2)
— 13. ποιήσατε οὖν περὶ τούτου νόμον (2)
— 15. ἀπήγγειλαν αὐτῷ κατὰ τοὺς ν. (2)
— 19. γραφήτω κατὰ τοὺς ν. Μήδων καὶ Π. (2)
— 20. ἀκουσθήτω ὁ ν. [A S² λόγος] (6)
8. 8. οἱ δὲ ν. αὐ. ἔξαλλοι (2)
— 8. τῶν δὲ ν. τοῦ βασ. παρακοίουσιν (2)
— 13. τοῖς ν. ἀντίθετον [A S ἀντίτυπον] πρὸς πᾶν ἔθνος
— 13. διαγωγὴν νόμων ξενίζουσαν παραλλάσσον [A S¹ *al.*]
4. 16. εἰσελεύσομαι . . . παρὰ τὸν ν. (2)
8. 11. χρῆσθαι τοῖς ν. αὐτῶν —
— 13. δικαιοτάτοις δὲ πολιτευομένους νόμοις [S¹ *al.*]
— 13. A S χρῆσθαι τοῖς ἑαυ. ν. [B νομίμοις]
Jb. 34. 27. ἐξέκλιναν ἐκ νόμου θεοῦ †
Ps. 1. 2. ἐν τῷ ν. κυρίου τὸ θέλημα αὐτοῦ (7)
— 2. ἐν τῷ ν. αὐτοῦ μελετήσει ἡμέρας καὶ νυκτός (7)
18 (19). 7. ὁ ν. τοῦ κυρίου ἄμωμος (7)
36 (37). 31. ὁ ν. τοῦ θεοῦ αὐτοῦ ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (7)
39 (40). 8. τοῦ ποιῆσαι . . . τὸν ν. σου (7)
58 (59). 11. μή ποτε ἐπιλάθωνται τοῦ ν. [S² ὀνόματός] σου †
77 (78). 1. προσέχετε λαός μου τὸν ν. μου (7)
— 5. νόμον ἔθετο ἐν Ἰσραήλ (7)
— 10. ἐν τῷ ν. αὐτοῦ οὐκ ἤθελον πορεύεσθαι (7)
88 (89). 30. ἐὰν ἐγκαταλίπωσιν οἱ υἱοὶ αὐτοῦ τὸν ν. μου (7)
93 (94). 12. καὶ ἐκ τοῦ ν. σου διδάξῃς αὐτόν (7)
104 (105). 45. καὶ τὸν ν. αὐτοῦ ἐκζητήσωσιν (7)
118 (119). 1. οἱ πορευόμενοι ἐν νόμῳ κυρίου (7)
— 18. κατανόησω τὰ θαυμάσια ἐκ τοῦ ν. σου (7)
— 29. τῷ ν. σου ἐλέησόν με (7)
— 34. ἐξερευνήσω [S¹ ἐκζητήσω] τὸν ν. σου (7)
— 44. φυλάξω τὸν ν. σου διὰ παντός (7)
— 51. A R ἀπὸ δὲ τοῦ ν. σου οὐκ ἐξέκλινα (7)
— 53. ἀπὸ ἁμαρτωλῶν τῶν ἐγκαταλιμπανόντων τὸν ν. σου (7)
— 55. ἐφύλαξα τὸν ν. σου (7)
— 57. εἶπα τοῦ φυλάξασθαι τὸν ν. [S¹ τὰς ἐντολάς] σου (1)
— 61. τοῦ ν. σου οὐκ ἐπελαθόμην (7)
— 70. ἐγὼ δὲ τὸν ν. σου ἐμελέτησα (7)
— 72. A S¹ ἀγαθόν [S² R -ός] μοι ὁ ν. τοῦ στόματός σου (7)
— 77. ὁ ν. σου μελέτη μού ἐστιν (7)
— 85. ἀλλ' οὐχ ὡς ὁ ν. σου, κύριε (7)
— 92. εἰ μὴ ὅτι ὁ ν. σου μελέτη μού ἐστι (7)
— 97. ὡς ἠγάπησα τὸν ν. σου (7)
— 105. λύχνος τοῖς ποσί μου ὁ ν. σου (1)
— 109. τοῦ ν. [S¹ τὸν ν.] σου οὐκ ἐπελαθόμην (7)
— 113. τὸν δὲ ν. σου ἠγάπησα (7)
— 126. διεσκέδασαν τὸν ν. σου (7)
— 136. οὐκ ἐφύλαξα τὸν ν. σου (7)
— 142. ὁ ν. [S¹ λόγος] σου ἀλήθεια (7)
— 150. ἀπὸ δὲ τοῦ ν. σου οὐκ ἐμακρύνθησαν (7)
Ps. 118 (119). 153. τοῦ ν. [S¹ τὸν ν.] σου οὐκ ἐπελαθόμην (7)
— 163. τὸν δὲ ν. σου ἠγάπησα (7)
— 165. S R εἰρήνη πολλὴ τοῖς ἀγαπῶσι τὸν ν. [A τὸ ὄνομά] σου (7)
— 174. ὁ ν. σου μελέτη μού ἐστι (7)
129 (130). 5. S¹ ὑπέμεινεν ἡ ψυχή μου εἰς τὸν ν. [A S² R λόγον] (1)
Pr. 1. 8. A S ἄκουε, υἱέ, νόμους [B παιδείαν] πατρός σου †
3. 16. νόμον δὲ καὶ ἔλεον ἐπὶ γλώσσης φορεῖ †
4. 2. τὸν ἐμὸν ν. μὴ ἐγκαταλίπητε (7)
6. 20. φύλασσε νόμους πατρός σου (4)
— 23. λύχνος ἐντολὴ νόμου καὶ φῶς (7)
9. 10. τὸ γὰρ γνῶναι νόμον διανοίας ἐστὶν ἀγαθῆς †
13. 14. νόμος σοφοῦ πηγὴ ζωῆς (7)
— 15. τὸ δὲ γνῶναι νόμον διανοίας ἐστὶν ἀγαθῆς (2)
28. 4. οἱ ἐγκαταλείποντες τὸν ν. ἐγκωμιάζουσιν ἀσέβειαν (7)
— 4. οἱ δὲ ἀγαπῶντες τὸν ν. περιβάλλουσιν ἑαυτοῖς τεῖχος (7)
— 7. φυλάσσει νόμον [S¹ -ους] υἱὸς συνετός (7)
— 9. ὁ ἐκκλίνων τὸ οὖς αὐτοῦ μὴ εἰσακοῦσαι νόμου (7)
29. 18. ὁ δὲ φυλάσσων τὸν ν. μακαριστός (7)
Wi. 2. 11. ἔστω δὲ ἡμῶν ἡ ἰσχὺς νόμος τῆς δικαιοσύνης
— 12. ὀνειδίζει ἡμῖν ἁμαρτήματα νόμου
6. 4. οὐδὲ ἐφυλάξατε νόμον
— 18. ἀγάπη δὲ τήρησις νόμων αὐτῆς προσοχὴ δὲ νόμων βεβαίωσις ἀφθαρσίας
7. 20. φύσεις ζῴων καὶ νόμους καὶ [A B S² ζ. κ. θυμοὺς] θηρίων
9. 5. ἐλάσσων ἐν συνέσει κρίσεως καὶ νόμων
14. 16. τὸ ἀσεβὲς ἔθος [S¹ ἔθνος] ὡς νόμος [S¹ -ον] ἐφυλάχθη
16. 6. εἰς ἀνάμνησιν ἐντολῆς νόμου [A -ον] σου [S *om.*]
18. 4. ἤμελλε τὸ ἄφθαρτον νόμου φῶς [S¹ φωτὸς] τῷ αἰῶνι δίδοσθαι
— 9. τὸν τῆς θειότητος [S ὁσιότητος] ν. ἐν ὁμονοίᾳ διέθεντο
Si. *prol.* 1. πολλῶν καὶ μεγάλων ἡμῖν διὰ τοῦ ν. . . . δεδομένων
— 8. ἐπὶ πλεῖον ἑαυτὸν δοὺς εἴς τε τὴν τοῦ [A *om.*] ν. . . . ἀνάγνωσιν
— 12. S¹ διὰ τῆς ἐκ νόμου [A B S² ἐννόμου] βιώσεως
— 17. αὐτὸς ὁ ν. . . . οὐ μικρὰν ἔχει τὴν διαφοράν
— 27. ABS² προκατασκευαζομένους [S¹ R -οις] τὰ ἤθη ἐν νόμῳ [A ἐννόμως] βιοτεύειν
2. 16. οἱ ἀγαπῶντες αὐτὸν ἐμπλησθήσονται τοῦ [S *om.*] ν.
9. 15. πᾶσα διήγησίς σου ἐν νόμῳ ὑψίστου
15. 1. ὁ ἐγκρατὴς τοῦ ν. καταλήψεται αὐτήν [A -όν]
17. 11. νόμον ζωῆς ἐκληροδότησεν αὐτοῖς [AS² -ούς]
19. 17. δὸς τόπον νόμῳ ὑψίστου
— 20. ἐν πάσῃ σοφίᾳ ποίησις νόμου
— 24. περισσεύων ἐν φρονήσει [A συνέσει] καὶ παραβαίνων νόμον
21. 11. ὁ φυλάσσων νόμον
23. 23. πρῶτον μὲν γὰρ ἐν νόμῳ ὑψίστου [A -ῳ] ἠπείθησε
24. 23. νόμον ὃν ἐνετείλατο Μωυσῆς
31 (34). 8. ἄνευ ψεύδους συντελεσθήσεται νόμος
32 (35). 1. A B¹ S R ὁ συντηρῶν νόμον πλεονάζει προσφοράς [B² συμφοράς]
35 (32). 15. ὁ ζητῶν νόμον ἐμπλησθήσεται [S¹ ἐπιλησθ.] αὐτοῦ
— 24. ὁ πιστεύων νόμῳ προσέχει ἐντολαῖς
36 (33). 2. ἀνὴρ σοφὸς οὐ μισήσει νόμον
— 3. ἄνθρωπος συνετὸς ἐμπιστεύσει νόμῳ καὶ ὁ ν. αὐτῷ πιστός
38. 34. πλὴν τοῦ . . . διανοουμένου [A -ῳ] ἐν νόμῳ ὑψίστου
39. 8. ἐν νόμῳ διαθήκης κυρίου καυχήσεται
41. 8. οἵτινες ἐγκατελίπετε νόμον θεοῦ [S *om.*] ὑψίστου
42. 2. περὶ νόμου ὑψίστου καὶ διαθήκης
44. 19. ὃς συνετήρησε νόμον ὑψίστου
45. 5. ἔδωκεν αὐτῷ . . . νόμον ζωῆς καὶ ἐπιστήμης
— 17. A R ἐν νόμῳ αὐτοῦ φωτίσαι [B S φωνῆσαι] Ἰσραήλ
46. 14. ἐν νόμῳ κυρίου ἔκρινε συναγωγήν
49. 4. κατέλιπον γὰρ τὸν ν. τοῦ ὑψίστου
Ho. 4. 6. καὶ ἐπελάθου νόμον [A νόμου] θεοῦ σου (7)
8. 1. κατὰ τοῦ ν. μου ἠσέβησαν [B¹ *om.*] (7)
Am. 2. 4. ἕνεκα τοῦ ἀπώσασθαι αὐτοὺς τὸν ν. τοῦ κ. (7)
4. 5. καὶ ἀνέγνωσαν ἔξω νόμον †
Mi. 4. 2. ἐκ Σ. ἐξελεύσεται νόμος (7)
Hb. 1. 4. διὰ τοῦτο διεσκέδασται νόμος (7)
Ze. 3. 4. ἱερεῖς αὐτῆς . . . ἀσεβοῦσι νόμον [S¹ *al.*] (7)
Hg. 2. 12 (11). ἐπερώτησον τοὺς ἱερεῖς νόμον (7)
Za. 7. 12. τοῦ μὴ εἰσακούειν τοῦ ν. μου (7)
Ma. 2. 6. νόμος ἀληθείας ἦν ἐν τῷ στόματι αὐτοῦ (7)
— 7. νόμον ἐκζητήσουσιν ἐκ στόματος αὐτοῦ (7)
— 8. καὶ ἠσθενήσατε πολλοὺς ἐν νόμῳ (7)
— 9. ἀλλὰ ἐλαμβάνετε πρόσωπα ἐν νόμῳ (7)
4. 4 (3. 22). μνήσθητε νόμου M. τοῦ δούλου μου (7)
Is. 1. 10. προσέχετε νόμον θεοῦ (7)
2. 3. ἐκ γὰρ Σιὼν ἐξελεύσεται ν. (7)
5. 24. οὗ γὰρ ἠθέλησαν τὸν ν. κυρίου σαβαώθ (7)
8. 16. φανεροὶ ἔσονται οἱ σφραγιζόμενοι τὸν ν. (7)
— 20. νόμον γὰρ εἰς βοήθειαν ἔδωκεν (7)
24. 5. παρήλθοσαν [A παρέβησαν] τὸν ν. (7 *a*)
— 17. οἱ ἀθετοῦντες τὸν ν. —
30. 9. οὐκ ἠβούλοντο ἀκούειν τὸν ν. τοῦ θεοῦ (7)
33. 6. ἐν νόμῳ παραδοθήσονται †
42. 24. οὐδὲ ἀκούειν τοῦ ν. αὐτοῦ [S *al.*] (7)
51. 4. ν. παρ' ἐμοῦ ἐξελεύσεται (7)
— 7. λαὸς οὗ ὁ ν. μου ἐν τῇ καρδίᾳ ὑμῶν (7)
Je. 2. 8. οἱ ἀντεχόμενοι τοῦ ν. [A S *add.* μου] οὐκ ἠπίσταντό με (7)
6. 19. τὸν ν. μου ἀπώσαντο (7)
8. 8. ν. κυρίου ἐστὶν μεθ' ἡμῶν (7)
— 9. τὸν ν. [A S λόγον] κυρίου ἀπεδοκίμασαν (1)
9. 13 (12). διὰ τὸ ἐγκαταλιπεῖν αὐτοὺς τὸν ν. μου (7)
13. 25. A ὡς ἐπελάθου νόμου [B S *om.*] μου —
16. 11. τὸν ν. μου οὐκ ἐφυλάξαντο (7)
18. 18. οὐκ ἀπολεῖται ν. ἀπὸ ἱερέως (7)
23. 27. τοῦ ἐπιλαθέσθαι τοῦ ν. μου ἐν τοῖς ἐνυπνίοις αὐτῶν †
29 (49). 12. οἷς οὐκ ἦν ν. πιεῖν τὸ ποτήριον (5)
33 (26). 4. A τοῦ πορεύεσθαι ἐν τοῖς ν. [B S νομίμοις] μου (7)
34 (27). 18. S¹ εἰ ἔστι ν. [ABS² λόγος] κυρίου ἐν αὐτοῖς (1)
38 (31). 33. διδοὺς δώσω νόμους μου εἰς τὴν διάνοιαν αὐ. [S¹ *al.*] (7)
— 36. ἐὰν παύσωνται οἱ ν. οὗτοι ἀπὸ προσώπου μου (3 *a*)
51 (44). 23. ἐν τῷ ν. . . . οὐκ ἐπορεύθητε (3 *b*)
Ba. 2. 2. κατὰ τὰ γεγραμμένα ἐν τῷ ν. Μωυσῆ
— 28. γράψαι τὸν ν. σου ἐναντίον υἱῶν Ἰσ.
4. 1. ὁ ν. ὁ ὑπάρχων εἰς τὸν αἰῶνα
— 13. ἐξέκλιναν ἐκ νόμου θεοῦ
La. 2. 9. οὐκ ἔστι ν. (7)
Ez. 7. 26. ν. ἀπολεῖται ἐξ ἱερέως (7)
22. 26. οἱ ἱερεῖς αὐτῆς ἠθέτησαν νόμον [A τὸν ν.] μου (7)
43. 12. A οὗτος ὁ ν. τοῦ οἴκου (7)
Da. LXX. Su. 3. κατὰ τὸν ν. M.
— 61. ὡς ὁ ν. διαγορεύει
3. (30). τῶν ἐντολῶν τοῦ ν. σου οὐχ ὑπηκούσαμεν
7. 25. ἀλλοιῶσαι καιροὺς καὶ νόμον (2)
9. 10. κατακολουθῆσαι τῷ ν. σου (7)
— 11. πᾶς Ἰσρ. ἐγκατέλιπε τὸν ν. σου (7)
— 11. ὁ ὅρκος ὁ γεγραμμ. ἐν τῷ ν. M. (7)
Da. TH. Su. 3, 62. κατὰ τὸν ν. M.
6. 5 (6). A εἰ μὴ ἐν νόμοις [B νομίμοις] θεοῦ αὐτοῦ (2)
7. 25. τοῦ ἀλλοιῶσαι καιροὺς καὶ νόμον (2)
9. 10. πορεύεσθαι ἐν [A *om.*] τοῖς ν. αὐ. (7)
— 11. πᾶς Ἰσρ. παρέβησαν τὸν ν. σου (7)
— 11. ὁ ὅρκος ὁ γεγραμμ. ἐν νόμῳ M. (7)
— 13. καθὼς γέγραπται ἐν τῷ [A *om.*] ν. M. (7)
I Ma. 1. 49. ὥστε ἐπιλαθέσθαι τοῦ ν.
— 52. πᾶς ὁ ἐγκαταλιπὼν τὸν ν.
— 56. τὰ βιβλία τοῦ ν. . . . ἐνεπύρισαν
— 57. εἴ τις συνευδόκει τῷ ν.
2. 21. ἵλεως ἡμῖν καταλιπεῖν νόμον
— 22. A τὸν ν. [S λόγον, R τῶν λ.] τοῦ βασ. οὐκ ἀκουσόμεθα
— 26. ἐζήλωσε [S¹ ἔδωκαν] τῷ ν.
— 27. πᾶς ὁ ζηλῶν τῷ ν.
— 42. πᾶς ὁ ἑκουσιαζόμενος τῷ ν.
— 48. ἀντελάβοντο τοῦ ν.
— 50. ζηλώσατε τῷ ν.
— 58. A R ἐν τῷ ζηλῶσαι ζῆλον νόμου [S νόμον ζῆλους]
— 64. ἀνδρίζεσθε ἐν τῷ ν.
— 67. προσάξετε πρὸς ὑμᾶς πάντας τοὺς ποιητὰς τοῦ ν.

I Ma. 2. 68. προσέχετε εἰς τὰ προστάγματα τοῦ ν.
3. 48. ἐξεπέτασαν τὸ βιβλίον τοῦ ν.
— 56. ἀποστρέφειν ἕκαστον . . . κατὰ τὸν ν.
4. 42. ἐπέλεξεν ἱερεῖς ἀμώμους θελητὰς νόμου
— 47. ἔλαβον λίθους ὁλοκλήρους κατὰ τὸν ν.
— 53. ἀνήνεγκαν θυσίαν κατὰ τὸν ν.
10. 14. τινὲς τῶν καταλιπόντων τὸν ν.
— 37. πορευέσθωσαν τοῖς ν.
13. 3. A R ὅσα . . . ἐποιήσαμεν περὶ τῶν ν. [S *al.*]
— 48. οἵτινες τὸν ν. ποιοῦσι
14. 14. τὸν ν. ἐξεζήτησε
— 29. ὅπως σταθῇ . . . ὁ ν.
15. 21. ὅπως ἐκδικήσῃ . . . κατὰ τὸν ν. αὐ.
II Ma. 1. 4. διανοίξαι τὴν καρδίαν ὑμῶν ἐν τῷ ν. αὐ.
2. 2. A² R δοὺς αὐτοῖς τὸν ν.
— 3. A² R μὴ ἀποστῆναι τὸν ν. ἀπὸ τῆς καρδίας αὐ.
— 18. καθὼς ἐπηγγείλατο διὰ τοῦ ν.
— 22. τοὺς μέλλοντας καταλύεσθαι νόμους
3. 1. R τῶν ν. ἔτι [A ὅτι] κάλλιστα συντηρουμένων
4. 2. τὸν . . . ζηλωτὴν τῶν ν.
— 17. ἀσεβεῖν γὰρ εἰς τοὺς θείους ν.
5. 8. στυγούμενος ὡς τῶν ν. ἀποστάτης
— 10. A οὔτε πατρῴου ν. [R τάφου] μετέσχε
— 15. τὸν καὶ τῶν ν. καὶ τῆς πατρίδος προδότην
6. 1. A μεταβαίνειν ἀπὸ τῶν πατρίων ν. καὶ τοῖς τοῦ θεοῦ νόμου μὴ πολιτεύεσθαι [R *al.*]
— 5. τοῖς ἀποδιεσταλμ. ἀπὸ τῶν ν. ἀθεμίτοις
— 28. εἰς τὸ . . . γενναίως ὑπὲρ τῶν . . . ἁγίων ν. ἀπευθανατίζειν
7. 2. R παραβαίνειν τοὺς πατρίους ν. [A *al.*]
— 9. ἀποθανόντας ἡμᾶς ὑπὲρ τῶν αὐτοῦ ν.
— 11. διὰ τοὺς αὐτοῦ ν. ὑπερορῶ ταῦτα
— 23. ὑπερορᾶτε ἑαυτοὺς διὰ τοὺς αὐτοῦ νόμους
— 24. R μεταθέμενον ἀπὸ τῶν πατρίων ν. [A *om.*]
— 30. τοῦ δὲ προστάγματος ἀκούω τοῦ ν.
— 37. σῶμα . . . προδίδωμι περὶ τῶν πατρίων ν.
8. 21. ἑτοίμους ὑπὲρ τῶν ν. . . . ἀποθνήσκειν
— 36. διὰ τὸ ἀκολουθεῖν τοῖς ὑπ' αὐτοῦ προτεταγμ. νόμοις
10. 26. καθὼς καὶ ὁ ν. διασαφεῖ
11. 31. χρῆσθαι τοὺς Ἰ. τοῖς ἑαυτῶν . . . ν.
12. 40. ἀφ' ὧν ὁ ν. ἀπείργει τοὺς Ἰ.
13. 10. τοῖς τοῦ ν. . . . στερεῖσθαι μέλλουσι
— 14. A ἀγωνίσασθαι μέχρι θανάτου περὶ νόμων ἱεροῦ [R *al.*]
15. 9. παραμυθούμενος αὐτοὺς ἐκ τοῦ ν.
III Ma. 1. 12. R τοῦ τε ν. παραναγνωσθέντος [A παραγν.]
— 23. θαρραλέως ὑπὲρ τοῦ πατρῴου ν. τελευτᾶν
3. 4. τῷ τούτου νόμῳ πολιτευόμενοι
5. 36. R κατὰ δὲ τούτους τοὺς [A τοὺς αὐτοὺς] ν.
7. 5. νόμου Σκυθῶν ἀγριοτέραν ἐμπεπορπημένοι ὠμότητα
— 10. παραβεβηκότας τοῦ θεοῦ τὸν ν.
— 12. τοὺς παραβεβηκότας τοῦ θεοῦ τὸν ν.
IV Ma. 1. 17. αὕτη δὴ τοίνυν ἐστὶν ἡ τοῦ ν. παιδεία
— 34. A S² R τῶν ἀπηγορευμ. ἡμῖν κατὰ [S¹ διὰ] τὸν ν.
2. 5. λέγει γοῦν ὁ ν.
— 6. ὅτε μὴ ἐπιθυμεῖν εἴρηκεν ἡμᾶς ὁ ν.
— 8. τῷ ν. πολιτευόμενος
— 9. ὑπὸ τοῦ ν. κρατεῖται
— 10. ὁ γὰρ ν. καὶ τῆς πρὸς γονεῖς εὐνοίας κρατεῖ
— 13. ἐπικρατεῖν δύναται διὰ τὸν ν.
— 23. καὶ τούτῳ νόμον ἔδωκε
4. 23. τῷ πατρίῳ πολιτευόμενοι ν.
5. 16. θείῳ πεπειτσμένοι νόμῳ πολιτεύεσθαι
— 16. τῆς πρὸς τὸν ν. ἡμῶν εὐπειθείας
— 18. εἰ καὶ κατὰ ἀλήθειαν μὴ ἦν ὁ ν. ἡμῶν
— 21. ὡς ὁμοίως ὁ ν. ὑπερηφανεῖται
— 25. πιστεύοντες γὰρ θεοῦ καθεστάναι τὸν ν.
— 29. περὶ τοῦ φυλάξαι τὸν ν.
— 33. τὸν πάτριον καταλῦσαι ν.
— 34. οὐ ψεύσομαί σε, παιδευτὰ νόμε
6. 21. τὸν δὲ θεῖον ἡμῶν ν. . . . μὴ προασπίσαιμεν
— 27. ἀποθνήσκω διὰ τὸν ν.
— 30. ἀντέστη τῷ λογισμῷ διὰ τὸν ν.
7. 7. ὦ σύμφωνε νόμου
— 8. R τοὺς ἱερουργοῦντας [A S δημιουργ.] τὸν ν.
8. 25. S R οὐδὲ αὐτὸς ὁ ν. [A ναὸς] . . . ἡμᾶς θανατοῖ
9. 2. εἰ μὴ τῇ τοῦ ν. εὐπειθείᾳ
— 15. θείου ν. προασπίζοντα
10. 20. ὑπὲρ τοῦ ν. τοῦ θ. . . . ἀκρωτηριαζόμεθα
11. 5. κατὰ τὸν ἐνάρετον αὐ. ζῶμεν ν.
— 12. παρέχων τὴν εἰς τὸν ν. ἡμῶν καρτερίαν
— 27. θείου ν. προεστήκασιν ἡμῶν οἱ δορυφόροι
IV Ma. 13. 9. ἀποθάνωμεν ἀδελφοὶ περὶ τοῦ ν.
— 13. χρήσωμεν τῇ περὶ τὸν ν. φυλακῇ τὰ σώματα
— 22. καὶ τῆς ἡμετέρας ἐν νόμῳ θεοῦ ἀσκήσεως
— 24. νόμῳ γὰρ τῷ αὐτῷ παιδευθέντες
15. 9. καὶ τὴν πρὸς τὸν ν. αὐ. εὐπείθειαν
— 29. ἔκδικε τοῦ ν.
16. 16. A R ἐναγωνίσασθε . . . ὑπὲρ τοῦ πατρίου [S πατρῴου] ν.
18. 1. πείθεσθε τῷ ν. τούτῳ
— 10. ὃς ἐδίδασκεν ὑμᾶς . . . τὸν ν.
[Aq. Ge. 26. 5 : Le. 26. 46 : Jo. 1. 7 : Jb. 22. 22 : Ps. 1. 2 *bis* : 39 (40). 9 : 118 (119). 109, 126 : Pr. 6. 23 : Is. 1. 10 : 8. 16 : 42. 4 : Je. 31 (38). 33 : Ho. 8. 12.]
[Sm. Ge. 26. 5 : Le. 26. 46 : Dt. 33. 2 : Jo. 1. 7 : Ps. 1. 2 *bis* : 9. 21 : 39 (40). 9 : 118 (119). 105, 126, 136 : 129 (130). 4 : Pr. 6. 23 : 31. 26 : Is. 1. 10 : 8. 16 : 42. 4, 21 : Je. 31 (38). 33 : Ho. 8. 12 : Ma. 2. 9.]
[Th. Ge. 26. 5 : Le. 26. 46 : Jo. 1. 7 : Ps. 39 (40). 9 : 118 (119). 165 : 129 (130). 4 : Pr. 6. 23 : 31. 26 : Is. 1. 10 : 42. 4 : Je. 31 (38). 33 : 44 (51). 10.]
[Al. Jo. 8. 34 (9. 7).]
[Quint., Sext. Ps. 1. 2 *bis*.]
[Heb. Is. 42. 4.]

νομός. (1) מַמְלָכָה (2) נָוֶה

Is. 19. 2. καὶ νομὸς ἐπὶ νομόν (1, 1)
Je. 10. 25. τὴν νομὴν [S¹ τὸν ν.] αὐ. ἠρήμωσαν (2)
I Ma. 10. 30. καὶ ἀπὸ τῶν τριῶν ν. τῶν προστιθεμ. αὐτῇ
— 38. τοὺς τρεῖς ν. τοὺς προστεθέντας τῇ Ἰ.
11. 34. ἐστάκαμεν οὖν αὐτοῖς . . . τοὺς τρεῖς ν.
— 57. καθίστημί σε ἐπὶ τῶν τεσσάρων ν.
II Ma. 5. 14. A τέσσαρες μὲν ἐν χειρῶν νομοῖς [R -αῖς]
III Ma. 4. 3. τίς ν. ἢ πόλις

νομοφαγία.

IV Ma. 1. 36. A λιμαργία καὶ νομοφαγία [S R μονοφ.]

νομοφύλαξ.

IV Ma. 15. 32. οὕτως σὺ, ἡ ν.

νοσεῖν.

Wi. 17. 8. ταραχὰς ἀπελαύνειν ψυχῆς νοσούσης [S¹ *al.*]
— 8. οὗτοι καταγέλαστον εὐλάβειαν ἐνόσουν
[Sm. Ge. 48. 1 : I Ki. 30. 13.]

νοσερός. (1) תַּחֲלוּאָה

Je. 14. 15. ἐν θανάτῳ νοσερῷ ἀποθανοῦνται †
16. 4. ἐν θανάτῳ νοσερῷ ἀποθανοῦνται (1)

νόσος. (1) *a.* חֳלִי *b.* מַחֲלָה *c.* מַחֲלֶה (2) מַדְוֶה (3) מַכָּה (4) תַּחֲלוּאָה

Ex. 15. 26. πᾶσαν ν. . . . οὐκ ἐπάξω ἐπὶ σέ (1 *b*)
De. 7. 15. καὶ π. νόσους . . . οὐκ ἐπιθήσει (2)
28. 59. A B² R καὶ ν. πονηρὰς καὶ πιστάς (3)
29. 22 (21). ὄψονται . . . τὰς ν. αὐτῆς (4)
II Ch. 21. 15. ἐν μαλακίᾳ πονηρᾷ ἐν νόσῳ κοιλίας (1 *c*)
— 19. ἐξῆλθεν ἡ κοιλία αὐ. μετὰ τῆς ν. (1 *a*)
Jb. 24. 23. ἀλλὰ πεσεῖται νόσῳ †
Ps. 102 (103). 3. τὸν ἰώμενον πάσας τὰς ν. σου (4)
Si. 2. 5. S² ἐν νόσοις καὶ πενίᾳ ἐπ' αὐτῷ πεποιθὼς γίνου
37. 30. A S ἐν πολλοῖς γὰρ βρώμασιν ἔσται νόσος [B πόνος]
Ho. 5. 13. καὶ εἶδεν Ἐφ. τὴν ν. αὐτοῦ (1 *a*)
Da. LXX. Su. 57. τὴν ν. ὑμῶν ἐν ἀνομίᾳ ὑπενεγκεῖν
I Ma. 14. 5. εἴσοδον ταῖς νήσοις [S¹ νόσοις] τῆς θαλ.
[Aq. Is. 53. 4.]
[Sm. Ec. 5. 12 : Is. 1. 5 : 53. 3 : Je. 6. 7.]

νοσσεύειν. (1) דּוּר (2) קָנַן pi. (3) שָׁכַן

Si. 1. 15. μετὰ ἀνθρώπων θεμέλιον αἰῶνος ἐνόσσευσε
Is. 34. 15. ἐκεῖ ἐνόσσευσεν ἐχῖνος (2)
Je. 31 (48). 28. ὥσπερ περιστεραὶ νοσσεύουσαι [A αἱ ν. ?] ἐν πέτραις (2)
Ez. 31. 6. ἐν ταῖς παραφυάσιν αὐτοῦ ἐνόσσευσαν πάντα τὰ πετεινά (2)
Da. LXX. 4. 9. ἐν αὐτῷ τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ ἐνόσσευον (1)
— 18. πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρ. τὰ νοσσεύοντα ἐν αὐτῷ (3)
[Aq. Ps. 103 (104). 17.]

νοσσιά, νεοσσιά (-εία). (1) חֹר (2) קֵן

Ge. 6. 14. νοσσιὰς ποιήσεις τὴν κιβωτόν (2)
Nu. 24. 21. ἐὰν θῇς ἐν πέτρᾳ τὴν ν. σου (2)
Nu. 24. 22. B¹ ἐὰν γένηται τῷ B. νεοσσιὰ [A B² R νοσσ.] πανουργίας †
De. 22. 6. ἐὰν δὲ συναντήσῃς νοσσιᾷ ὀρνέων (2)
32. 11. ὡς ἀετὸς σκεπάσαι νοσσιὰν αὐ. (2)
Jb. 39. 27. γὺψ δὲ ἐπὶ νοσσιᾶς αὐτοῦ καθεσθεὶς αὐλίζεται (2)
Ps. 83 (84). 3. εὗρεν . . . τρυγὼν νοσσιὰν ἑαυτῇ (2)
Pr. 16. 16. νοσσιαὶ σοφίας αἱρετώτεραι χρυσίου νοσσιαὶ δὲ φρονήσεως αἱρετώτεραι ὑπὲρ ἀργύριον †, †
27. 8. ὥσπερ ὅταν ὄρνεον καταπετασθῇ ἐκ τῆς ἰδίας ν. (2)
Si. 36. 31 (28). οὕτως ἀνθρώπῳ μὴ ἔχοντι νοσσιάν
Ob. 1. 4. ἐὰν ἀνὰ μέσον τῶν ἄστρων θῇς νοσσιάν σου (2)
Na. 2. 12 (13). καὶ ἔπλησε θήρας νοσσιὰν αὐτοῦ (1)
Hb. 2. 9. τοῦ τάξαι εἰς ὕψος [S¹ οἶκον] νοσσιὰν αὐτοῦ (2)
Is. 10. 14. τὴν οἰκουμένην ὅλην καταλήψομαι τῇ χειρὶ ὡς νοσσιάν (2)
Je. 29 (49). 16. ὕψωσεν [A ἐὰν ὑψώσεις] ὥσπερ ἀετὸς νοσσιὰν αὐτοῦ (2)
IV Ma. 14. 19. πλήσσουσι τοὺς προσιόντας τῇ ν. αὐτῶν
[Aq. Ps. 83 (84). 4 : Is. 16. 2.]
[Sm. Je. 29. 18.]

νοσσίον. (1) אֶפְרֹחַ

Ps. 83 (84). 3. οὗ θήσει τὰ ν. ἑαυτῆς (1)

νοσσοποιεῖν.

Is. 13. 22. νοσσοποιήσουσιν ἐχῖνοι ἐν τοῖς οἴκοις αὐτῶν †
IV Ma. 14. 16. τὰ δὲ κατὰ τὰς κορυφὰς ὀρέων . . . νοσσοποιησάμενα [S¹ ἐννοσσοποιησόμενα, S² ἐννοσσοποιούμ.]

νοσσός, νεοσσός. (1) אֶפְרֹחַ (2) בֵּן (3) גּוֹזָל (4) יֶלֶד (5) קֵן

Le. 5. 7, 11. δύο νοσσοὺς [A νεοσσοὺς] περιστερῶν (2)
12. 8 : 14. 22. ἢ δύο νοσσοὺς [A νεοσσοὺς] περιστερῶν (2)
14. 30. τῶν νοσσῶν [A¹ νεοσσῶν] τῶν περιστερῶν (2)
15. 14, 29. δύο νοσσοὺς [A νεοσσοὺς] περιστερῶν (2)
Nu. 6. 10. οἴσει . . . δύο νοσσοὺς [A νεοσσοὺς] περιστερῶν (2)
De. 22. 6. ἐὰν δὲ συναντήσῃς . . . νοσσοῖς (1)
— 6. καὶ ἡ μήτηρ θάλπῃ ἐπὶ τῶν ν. (1)
32. 11. ἐπὶ τοῖς ν. αὐ. ἐπεπόθησεν (3)
Jb. 5. 7. νεοσσοὶ δὲ γυπὸς τὰ ὑψηλὰ πέτονται (2)
38. 41. νεοσσοὶ γὰρ αὐτοῦ πρὸς κύριον κεκράγασι (4)
39. 30. νεοσσοὶ δὲ αὐτοῦ φύρονται ἐν αἵματι (1)
Ps. 146 (147). 9. καὶ τοῖς ν. τῶν κοράκων τοῖς ἐπικαλουμένοις αὐτόν (2)
Pr. 24. 23 (29. 27). ὥστε ἄβρωτα εἶναι νεοσσοῖς ἀετῶν –
— 52 (30. 17). καταφάγοισαν αὐτὸν νεοσσοὶ ἀετῶν (2)
Is. 16. 2. ἔσῃ γὰρ ὡς πετεινοῦ ἀνιπταμένου ν. ἀφῃρημένος (5)
60. 8. ὡς περιστεραὶ σὺν νοσσοῖς [A νεοσσοῖς] ἐπ' ἐμέ [A S¹ *om.* ἐ. ἐ.] †
[Aq. Ps. 83 (84). 4.]
[Sm. Le. 1. 14.]
[Th. Ge. 15. 9.]

νοσφίζεσθαι. (1) לָקַח

Jo. 7. 1. ἐνοσφίσαντο ἀπὸ τοῦ ἀναθέματος (1 ?)
II Ma. 4. 32. εὐφυὴς χρυσώματά τινα τῶν τοῦ ἱεροῦ νοσφισάμενος

νότιον.

[Aq. I Ki. 20. 41.]
[Th. Hb. 3. 3.]

νότονδε.

[Aq. Ge. 12. 9.]

νότος. (1) דָּרוֹם (2) כָּתֵף (3) נֶגֶב (4) קָדִים (5) תֵּימָן

Ex. 10. 13. ἐπήγαγεν ἄνεμον [A *om.*] νότον (4)
— 13. ὁ ἄνεμος ὁ ν. ἀνέλαβε τὴν ἀκρίδα (4)
14. 21. ἐν ἀνέμῳ νότῳ βιαίῳ (4)

Ex. 26. 20. τὸ κλίτος τὸ δεύτερον τὸ πρὸς νότον †
— 35. ἐπὶ μέρους τῆς σκηνῆς τὸ πρὸς νότον (5)
27. 13. τὸ πρὸς νότον [A ἀνατολάς] †
37. 7 (38. 9). ἐποίησαν τὴν αὐλὴν τὰ πρὸς λίβα [A¹ νότον] (3)
— 9 (38. 11). B τὸ κλίτος τὸ πρὸς νότον –
40. 24. τὸ κλίτος τῆς σκηνῆς τὸ πρὸς νότον (3)
Nu. 2. 3. B οἱ παρεμβάλλοντες κατὰ νότον [A R π. πρῶτοι] †
3. 29. παρεμβαλοῦσιν . . . κατὰ λίβα [A¹ νότον] (5)
10. 6. A αἱ παρεμβ. αἱ παρεμβάλλουσαι νότον [B λίβα] (5)
13. 30 (29). ἐν τῇ γῇ τῇ πρὸς νότον (3)
34. 15. ἀπὸ νότου κατ' ἀνατολάς †
De. 3. 27. A κατὰ θάλασσαν . . . καὶ νότον [B λίβα] (5)
Jo. 15. 1. A ἕως Κάδης πρὸς νότον [B λίβα] (3)
— 2. A ἐγενήθη αὐ. τὰ ὅρια ἀπὸ νότου [B λιβὸς] . . . ἀπὸ τῆς λοφιᾶς τῆς φερούσης ἐπὶ νότον [B λίβα] (3, 3)
— 3. ἀναβαίνει ἐπὶ [A B² R ἀπὸ] λιβός [A νότου] (3)
— 4. A ταῦτά ἐστιν αὐ. τὰ ὅρια ἀπὸ νότου [B al.] (3)
— 7. A ἡ ἐστι κατὰ νότον [B λίβα] φάραγγι (3)
— 8. B ἐπὶ νότου [A R νώτου] τοῦ Ἰεβοῦς (2)
— 10. A παρελεύσεται ἐπὶ νότον [B λίβα] †
18. 13. A διελεύσεται . . . ἐπὶ νότου [B νώτου] (2)
— 16. B καταβήσεται Γ. ἐπὶ νότον [A R νῶτον] Ἰ. (2)
19. 34. A B συνάψει τῷ Ζ. ἀπὸ νότου [R νώτου] (3)
Jd. 1. 9. τὸν Χαν. τὸν κατοικοῦντα . . . τὸν ν. (3)
— 14. εἰς γῆν νότου ἐκδέδοσαί με –
— 15. εἰς γῆν νότου ἐκδέδοσαί με (3)
— 16. τὴν ἔρημον τὴν οὖσαν ἐν τῷ ν. Ἰ. (3 ?)
21. 19. καὶ ἀπὸ νότου τῆς Λ. (3)
I Ki. 13. 5. R ἐξ ἐναντίας β. κατὰ νότου [B νώτου] –
14. 5. B ἡ ὁδὸς ἡ ἄλλη ἀπὸ νότου (3)
27. 10. κατὰ νότον τῆς Ἰουδ. καὶ κατὰ νότον Ἰεσμ. καὶ κατὰ νότον τοῦ Κεν. (3 ter)
30. 1. Ἀμ. ἐπέθετο ἐπὶ τὸν ν. (3)
— 14. A R ἐπεθέμεθα ἐπὶ νότον τοῦ Χ. . . καὶ ἐπὶ νότον Χ. [B ἐ. τὸν Γ.] (3, 3)
— 27. καὶ τοῖς ἐν Ῥ. νότου (3)
II Ki. 24. 7. ἦλθαν κατὰ νότον Ἰούδα [A κ. τὸν Ἰορδ.] (3)
III Ki. 7. 25. οἱ τρεῖς ἐπιβλέποντες νότον (3)
— 39. ἀπὸ τοῦ κλίτους τοῦ ν. (3)
I Ch. 9. 24. κατὰ ἀνατολὰς θάλασσαν βορρᾶν νότον (3)
26. 15. τῷ Ἀ. νότου (3)
— 17. B νότον τῆς ἡμέρας τέσσαρες (3)
— 18. καὶ τῷ ν. τέσσαρες –
II Ch. 4. 4. καὶ οἱ τρεῖς [A add. βλέποντες] νότον (3)
33. 14. B¹ ἀπὸ λιβὸς κατὰ Γ. [A B² R νότον] †
Ju. 2. 23. πρὸς νότον τῆς Χ.
— 25. ἦλθεν ἕως ὁρίων Ἰ. τὰ [S τοῦ] πρὸς νότον
7. 18. ἀπέστειλαν ἐξ αὐτῶν πρὸς νότον
Jb. 9. 9. ὁ ποιῶν . . . ταμεῖα νότου (5)
37. 17. S² ἀπὸ νότου [? νώτου] (1)
38. 24. ἢ διασκεδάννυται νότος εἰς τὴν ὑπ' οὐρανόν (4)
39. 26. ἱέραξ . . . καθορῶν τὰ πρὸς νότον (5)
Ps. 77 (78). 26. ἀπῆρε νότον ἐξ οὐρανοῦ (4)
125 (126). 4. ὡς χειμάρρους ἐν τῷ ν. (3)
Ec. 1. 6. πορεύεται πρὸς νότον (1)
11. 3. ἐὰν πέσῃ ξύλον ἐν τῷ ν. (1)
Ca. 4. 16. ἐξεγέρθητι, βορρᾶ, καὶ ἔρχου, νότε (5)
Si. 43. 16. ἐν θελήματι πνεύσεται νότος
Za. 6. 6. ἐξεπορεύοντο ἐπὶ γῆν νότου (5)
— 7. οἱ ψαροὶ ἐξεπορεύοντο [S³ add. ἐπὶ γῆν νότου] –
14. 4. καὶ τὸ ἥμισυ αὐ. πρὸς νότον (3)
— 10. ἀπὸ Γ. ἕως Ῥ. κατὰ νότον Ἱερ. (3)
Je. 13. 19. πόλεις αἱ πρὸς νότον συνεκλείσθησαν (3)
17. 26. ἐκ τοῦ ὄρους καὶ ἐκ τῆς πρὸς νότον (3)
Ez. 27. 26. τὸ πνεῦμα τοῦ ν. συνέτριψέ σε (4)
40. 24. ἤγαγέ [A εἰσήγ.] με κατὰ νότον καὶ ἰδοὺ πύλη βλέπουσα πρὸς νότον (1, 1)
— 27. πύλη κατέναντι τῆς πύλης τῆς αὐλῆς τῆς ἐσωτέρας πρὸς νότον . . . πήχεις ἑκατὸν τὸ εὖρος πρὸς νότον (1, 1)
— 28. εἰσήγαγέ με εἰς τὴν αὐλὴν τὴν ἐσωτέραν τῆς πύλης τῆς πρὸς νότον (1)
— 44. μία . . . φέρουσα πρὸς νότον καὶ μία κατὰ νώτου τῆς πύλης τῆς πρὸς νότον (1, 4)
— 45. ἡ ἐξέδρα αὕτη ἡ βλέπουσα πρὸς νότον (1)
41. 11. ἡ θύρα ἡ μία πρὸς νότον (1)
42. 10. τὰ πρὸς νότον κατὰ πρόσωπον τοῦ ν. (4, –)
Ez. 42. 12. τῶν ἐξεδρῶν τῶν πρὸς νότον (1)
— 13. αἱ ἐξέδραι αἱ πρὸς νότον οὖσαι (1)
— 19. ἐπέστρεψε πρὸς νότον καὶ διεμέτρησε κατέναντι τοῦ ν. [B² ναοῦ] †, †
46. 9 bis. κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς πύλης τῆς πρὸς νότον (3)
47. 1. ἀπὸ νότου ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον (3)
— 19. τὰ πρὸς νότον καὶ λίβα ἀπὸ Θαιμάν (3)
— 19. τοῦτο τὸ μέρος ν. καὶ λίψ (5)
48. 10. πρὸς νότον [A add. μῆκος] εἴκοσι καὶ πέντε χιλιάδες (4+3)
— 16. ἀπὸ τῶν πρὸς νότον πεντακόσιοι καὶ τέσσαρες χιλιάδες (3)
— 17. B πρὸς νότον διακόσιοι καὶ πεντήκοντα (3)
— 33. τὰ πρὸς νότον τετρακισχίλιοι καὶ πεντακόσιοι μέτρῳ (3)
Da. LXX. 8. 9. ἐπάταξεν . . . ἐπὶ νότον [cod.¹ om. ἐ. ν.] (3 ?)
Da. TH. 8. 4. τὸν κριὸν κερατίζοντα κατὰ . . . νότον (3)
— 9. ἐμεγαλύνθη περισσῶς πρὸς τὸν ν. (3)
11. 5. ἐνισχύσει ὁ βασιλεὺς τοῦ ν. (3)
— 6. θυγάτηρ βασιλέως τοῦ ν. (3)
— 9. εἰς τὴν βασιλείαν τοῦ βασ. τοῦ ν. (3)
— 11. ἀγριανθήσεται βασιλεὺς τοῦ ν. (3)
— 14. ἐπαναστήσονται ἐπὶ βασιλέα τοῦ ν. (3)
— 15. οἱ βραχίονες τοῦ βασ. τοῦ ν. (3)
— 25. ἐξεγερθήσεται . . . ἐπὶ βασιλέα τοῦ ν. (3)
— 25. ὁ βασ. τοῦ ν. συνάψει πόλεμον (3)
— 29. ἥξει ἐν τῷ ν. (3)
— 40. συγκερατισθήσεται μετὰ τοῦ βασ. τοῦ ν. (3)
I Ma. 3. 57. παρενέβαλε κατὰ νότον Ἐ.
5. 65. S¹ R ἐν τῇ γῇ [A S² add. τῇ] πρὸς νότον
[Aq. Nu. 34. 3 : Dt. 3. 27 : Jo. 10. 40 : I Ki. 20. 41 : 27. 10 : Ps. 88 (89). 13 : Je. 13. 19 : 17. 26 : 32 (39). 44 : Ez. 20. 46 (21. 2) ter, 47 (21. 3) : Am. 1. 12 : Ob. 19.]
[Sm. Ge. 12. 9 : 13. 1, 3 : Nu. 34. 3 : Dt. 3. 27 : Jo. 10. 40 : Ps. 77 (78). 26 : 88 (89). 13 : Is. 30. 6 : Je. 32 (39). 44 : Ez. 20. 46 (21. 2) : 40. 2 : Am. 1. 12 : Ob. 19.]
[Th. Nu. 34. 3 : Dt. 3. 27 : Jb. 37. 17 : Ps. 88 (89). 13 : Is. 30. 6 : Ez. 20. 47 (21. 3) : Da. 8. 9 : 11. 5, 9 : Am. 1. 12 : Ob. 19 : Hb. 3. 3.]
[Al. Nu. 2. 10 : 3. 29 : 10. 6 : 21. 1 : 35. 5 : Dt. 1. 7 : 33. 23 : 34. 3 : Jo. 15. 21 : I Ki. 20. 41 : Za. 14. 10.]
[Heb. Jb. 9. 9.]
[Quint. Ps. 88 (89). 13.]

νουά.

Jd. 20. 43. ἐδίωξαν αὐτὸν ἀπὸ ν. [A al.] †

νουθεσία.

Wi. 16. 6. εἰς νουθεσίαν δὲ πρὸς ὀλίγον ἐταράχθησαν

νουθετεῖν. (1) a. בִּין hithpal. b. בִּינָה (2) יָסַר pi. (3) כָּהָה pi.

I Ki. 3. 13. οὐκ ἐνουθέτει αὐτούς (3)
Jb. 4. 3. εἰ γὰρ σὺ ἐνουθέτησας πολλούς (2)
23. 14. νουθετούμενος δὲ ἐφρόντισα αὐτοῦ †
30. 1. ἐλάχιστοι νῦν νουθετοῦσί με ἐν μέρει –
34. 16. εἰ δὲ μὴ νουθετῇ (1 b)
36. 12. διότι νουθετούμενοι ἀνήκοοι ἦσαν †
37. 14. στῆθι νουθετούμενος [A S -τοῦ] δύναμιν κυρίου (1 a)
38. 18. νενουθέτησαι δὲ τὸ εὖρος τῆς ὑπ' οὐρανόν (1 a)
39. 34 (40. 4). τί ἔτι ἐγὼ κρίνομαι νουθετούμενος –
Wi. 11. 10. τούτους μὲν γὰρ ὡς πατὴρ νουθετῶν ἐδοκίμασας
12. 2. ἐν οἷς ἁμαρτάνουσιν ὑπομιμήσκων νουθετεῖς
— 26. οἱ δὲ παιγνίοις ἐπιτιμήσεως μὴ νουθετηθέντες

νουθέτημα. (1) מוּסָר

Jb. 5. 17. νουθέτημα δὲ παντοκράτορος μὴ ἀπαναίνου (1)

νουθέτησις. (1) תְּבוּנָה

Ju. 8. 27. εἰς νουθέτησιν μαστιγοῖ κύριος
Pr. 2. 2. παραβαλεῖς δὲ αὐτὴν ἐπὶ νουθέτησιν τῷ υἱῷ σου (1 ?)

νουμηνία (νεομ.). (1) חֹדֶשׁ (2) אֶחָד לַחֹדֶשׁ (3) רֹאשׁ חֹדֶשׁ אֶחָד לַחֹדֶשׁ (4) νουμηνία τοῦ μηνός

Ex. 40. 2. ἐν ἡμέρᾳ μιᾷ . . . νουμηνίᾳ στήσεις (2)
— 17. νουμηνίᾳ ἐστάθη ἡ σκηνή (2)
Nu. 10. 10. ἐν ταῖς ν. ὑμῶν (3)
28. 11. A ἐν ταῖς ν. [B νεομ.] προσάξετε ὁλοκαυτώματα (3)
— 31. A πλὴν τοῦ ὁλοκαυτώματος τῆς ν. [B om. τ. ν.] –
29. 6. πλὴν τῶν ὁλοκαυτωμ. τῆς ν. (1)
I Ki. 20. 5. ἰδοὺ δὴ νεομηνία αὔριον (1)
— 18. B αὔριον νουμηνία [A R νεομ.] (1)
IV Ki. 4. 23. οὐ νεομηνία οὐδὲ σάββατον (1)
I Ch. 23. 31 : II Ch. 2. 4 (3). ἐν ταῖς ν. καὶ ἐν ταῖς ἑορταῖς (1)
II Ch. 29. 17. νουμηνίᾳ τοῦ μηνὸς τοῦ πρώτου (4)
31. 3. εἰς τὰς ν. καὶ εἰς τὰς ἑορτάς (1)
I Es. 5. 52. θυσίας σαββάτων καὶ νουμηνιῶν
— 53. B ἀπὸ τῆς ν. τοῦ πρώτου [A R ἑβδ.] μηνός
— 57. τῇ ν. τοῦ δευτέρου μηνός
8. 6. τῇ ν. τοῦ πρώτου μηνός
— 6. A ἐν τῇ ν. τοῦ πέμπτου μηνός
9. 16. τῇ ν. τοῦ μηνὸς τοῦ δεκάτου
— 17. ἕως τῆς ν. τοῦ πρώτου μηνός
— 37. τῇ ν. τοῦ μηνὸς τοῦ ἑβδόμου
— 40. νουμηνίᾳ τοῦ ἑβδόμου μηνός
II Es. 3. 5. εἰς τὰς ν. καὶ εἰς πάσας ἑορτάς (1)
Ne. 10. 33 (34). εἰς ὁλοκαύτωμα . . . τῶν ν. (1)
Ju. 8. 6. χωρὶς . . . προνουμηνιῶν καὶ νουμηνιῶν [A² B¹ om. κ. ν.]
Ps. 80 (81). 3. σαλπίσατε ἐν νεομηνίᾳ σάλπιγγι (1)
Ho. 2. 11 (13). καὶ ἀποστρέψω . . . τὰς ν. αὐ. (1)
Is. 1. 13. τὰς ν. ὑμῶν . . . οὐκ ἀνέχομαι (1)
— 14. τὰς ν. ὑμῶν [S om. τ. ν. ὑ.] καὶ τὰς ἑορτὰς ὑμῶν μισεῖ ἡ ψυχή μου (1)
Ez. 23. 34. τὰς ἑορτὰς καὶ τὰς ν. αὐτῆς ἀποστρέψω †
45. 17. αἱ θυσίαι καὶ αἱ σπονδαὶ [A add. ἔσονται] . . . ἐν ταῖς ν. (1)
46. 1. ἐν τῇ ἡ. τῆς ν. ἀνοιχθήσεται (1)
— 3. προσκυνήσει . . . ἐν ταῖς ν. (1)
— 6. ἐν τῇ ἡ. τῆς ν. μόσχον ἄμωμον (1)
I Ma. 10. 34. καὶ νουμηνίαι [S¹ -ία] καὶ ἡμέραι ἀποδεδειγμ.
[Aq. Je. 2. 24.]

νοῦς. (1) אֹזֶן (2) לֵב, לֵבָב (3) רוּחַ (4) ν. ἐπιγνώμων דַּעַת

Ex. 7. 23. οὐκ ἐπέστησε τὸν νοῦν αὐτοῦ (2)
Jo. 14. 7. ἀπεκρίθην αὐτῷ λόγον κατὰ τὸν ν. αὐ. (2)
I Es. 2. 9. ὧν ὁ ν. ἠγέρθη
9. 41. A R ἐπέδωκαν πᾶν τὸ πλῆθος τὸν ν. [B al.]
Ju. 8. 14. τὸν ν. αὐτοῦ ἐπιγνώσεσθε
Jb. 7. 17. ἢ ὅτι προσέχεις τὸν ν. εἰς αὐτόν (2)
— 20. ὁ ἐπιστάμενος τὸν ν. τῶν ἀνθρώπων †
12. 11. A B S νοῦς [R οὖς] μὲν γὰρ ῥήματα διακρίνει (1)
33. 16. τότε ἀνακαλύπτει νοῦν ἀνθρώπων (1)
34. 3. A νοῦς [B S οὖς] λόγους δοκιμάζει (1)
36. 19. μή σε ἐκκλινάτω [A -νῃ] ἑκὼν ὁ ν. δεήσεως †
Pr. 24. 71 (31. 3). καὶ τὸν σὸν νοῦν καὶ βίον εἰς ὑστεροβουλίαν †
29. 7. πτωχῷ οὐχ ὑπάρχει νοῦς [S¹ γνοῦς] ἐπιγνώμων (4 ?)
Wi. 4. 12. ῥεμβασμὸς ἐπιθυμίας μεταλλεύει νοῦν ἄκακον
9. 15. βρίθει τὸ γεῶδες σκῆνος νοῦν πολυφροντίδα
Is. 10. 7. ἀπαλλάξει ὁ ν. αὐτοῦ (2)
— 12. R ἐπισκέψομαι [A B S ἐπάξει] ἐπὶ τὸν ν. τὸν μέγαν (2)
40. 13. τίς ἔγνω νοῦν κυρίου (3)
41. 22. ἐπιστήσομεν τὸν ν. (2)
Da. LXX. Su. 9. διέστρεψαν τὸν ν. αὐ.
Da. TH. Su. 9. διέστρεψαν τὸν ἑαυτῶν ν.
II Ma. 15. 8. ἔχοντας δὲ κατὰ νοῦν τὰ προγεγονότα αὐτοῖς . . . βοηθήματα
III Ma. 1. 25. τὸν ἀγέρωχον αὐ. ν. ἐξιστάνειν
IV Ma. 1. 15. λογισμὸς . . . ἐστὶ νοῦς
— 35. ὑπὸ τοῦ σώφρονος νοὸς ἀνακαμπτόμενα
2. 16. ὁ σώφρων νοῦς ἀπωθεῖται
— 18. A R δυνατὸς [S ἱκανὸς] γὰρ ὁ σώφρων νοῦς
— 22. τὸν ἱερὸν ἡγεμόνα νοῦν . . . ἐνεθρόνισε
3. 17. δυνατὸς γὰρ ὁ σώφρων . . νοῦς νικῆσαι
5. 11. ἄξιον τῆς ἡλικίας ἀναλαβὼν νοῦν
14. 11. γυναικὸς νοῦς πολυτροπωτέρων ὑπερεφρόνησεν ἀλγηδόνων
16. 13. ὥσπερ ἀδαμάντινον ἔχουσα τὸν νοῦν

νυκτερεύειν.

[**Sm.** Ps. 90 (91). 1.]

νυκτερινός. (1) לֵיל

Jb. 4. 13. φόβῳ δὲ καὶ ἤχῳ νυκτερινῇ [**A** φόβοι καὶ ἠχὼ νυκτερινή] (1)
20. 8. ἔπτη δὲ ὥσπερ φάσμα [**A** φάντασμα, **S**[1] θαῦμα] νυκτερινόν (1)
33. 15. ἢ [**A** ὡς φάσμα] ἐν μελέτῃ ν. (1)
35. 10. ὁ κατατάσσων φυλακὰς νυκτερινάς (1)
Ps. 90 (91). 5. οὐ φοβηθήσῃ ἀπὸ φόβου ν. (1)
Pr. 7. 9. ἡνίκα ἂν ἡσυχία νυκτερινή [**A S** ν. ἦ] (1)
[**Aq.** Ca. 5. 2.]
[**Sm.** Jb. 4. 13: Ps. 89 (90). 4: Ca. 3. 8: 5. 2.]

νυκτερίς. (1) עֲטַלֵּף

Le. 11. 19. καὶ ἔποπα καὶ νυκτερίδα (1)
De. 14. 18. πορφυρίωνα καὶ νυκτερίδα (1)
Is. 2. 20. ἐκβαλεῖ ἄνθρωπος τὰ βδελύγματα αὐτοῦ . . . ταῖς ν. (1)
Ep. Je. 22. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτῶν ἐφίπτανται νυκτερίδες χελιδόνες [**A** χ. καὶ ν.]

νυκτικόραξ. (1) כּוֹס (2) קֹרָא (3) שָׁלָךְ

Le. 11. 17. καὶ νυκτικόρακα καὶ καταράκτην (1)
De. 14. 16 (17). ὕποπα . . . καὶ νυκτικόρακα (3)
I Ki. 26. 20. καθὼς καταδιώκει ὁ ν. ἐν τοῖς ὄρεσιν (2)
Ps. 101 (102). 6. ἐγενήθην ὡσεὶ νυκτικόραξ ἐν οἰκοπέδῳ (1)
[**Aq.**, **Th.**, **Quint.** Ps. 101 (102). 7.]

νυκτοπότιον.

[**Sm.** I Ki. 26. 11.]

νύκτωρ.

Si. 38. 27. ὅστις ν. ὡς ἡμέρᾳ [**A S** -ας] διάγει
II Ma. 12. 6. τὸν μὲν λιμένα ν. ἐνέπρησε
13. 15. ἐπιβαλὼν ν. ἐπὶ τὴν βασιλικὴν αὐλήν
III Ma. 1. 2. τὰ κράτιστα διεκομίσθη ν.

νυμφαγωγός. (1) מֵרֵעַ

Ge. 21. 22. Ἀβιμέλεχ καὶ Ὀχοζὰθ ὁ ν. αὐτοῦ –
— 32. Ἀβιμ. καὶ Ὀχοζ. ὁ ν. αὐτοῦ –
26. 26. Ὀχοζὰθ ὁ ν. αὐτοῦ (1)
Jd. 14. 20. **A** συνῴκησεν ἡ γυνὴ Σ. τῷ ν. αὐτοῦ [**B** *al.*] (1)

νυμφεύειν.

[**Aq.** I Ki. 18. 21.]

νύμφευσις. (1) חֲתֻנָּה

Ca. 3. 11. ἐν ἡμέρᾳ νυμφεύσεως αὐτοῦ (1)

νυμφευτής.

[**Aq.** Ex. 3. 1: 18. 1, 5.]

νύμφη. (1) בְּתוּלָה (2) כַּלָּה

Ge. 11. 31. ἔλαβε . . . τὴν Σ. τὴν ν. αὐ. (2)
38. 11. εἶπε δὲ Ἰούδας Θάμαρ τῇ ν. αὐτοῦ (2)
— 13. καὶ ἀπηγγέλη Θάμαρ τῇ ν. αὐτοῦ –
— 16. οὐ γὰρ ἔγνω ὅτι νύμφη αὐτοῦ (2)
— 24. ἐκπεπόρνευκε Θάμαρ ἡ ν. σου (2)
Le. 18. 15. ἀσχημοσύνην νύμφης σου (2)
20. 12. ἐάν τις κοιμηθῇ μετὰ νύμφης αὐτοῦ (2)
De. 27. 23. ὁ κοιμώμ. μετὰ νύμφης [**A** πενθερᾶς] αὐ. †
Ru. 1. 6. ἀνέστη αὕτη καὶ αἱ δύο ν. αὐ. (2)
— 7. καὶ αἱ δύο ν. αὐτῆς μετ' αὐτῆς (2)
— 8. **B** εἶπε N. ταῖς [**A R** *add.* δυσὶ] ν. αὐτῆς (2)
— 22. καὶ Ῥοὺθ ἡ M. ἡ ν. αὐτῆς (2)
2. 20. εἶπε N. τῇ ν. αὐτῆς (2)
— 22. εἶπε N. πρὸς Ῥοὺθ τὴν ν. αὐτῆς (2)
3. 1. **A** εἶπε δὲ N. τῇ ν. αὐ. [**B** *al.*] †
4. 15. ἡ ν. ἡ ἀγαπήσασά σε ἔτεκεν αὐτόν (2)
I Ki. 4. 19. νύμφη αὐ. γυνὴ Φ. συνειληφυῖα (2)
II Ki. 17. 3. ὃν τρόπον ἐπιστρέφει ἡ ν. πρὸς τὸν ἄνδρα αὐ. †
I Ch. 2. 4. καὶ Θ. ἡ ν. αὐ. ἔτεκεν αὐτῷ τὸν Φ. (2)
To. 6. 12. **S** ληψόμεθά σοι αὐτὴν νύμφην
11. 16. ἐξῆλθε T. εἰς συνάντησιν τῇ ν. αὐ. [**S** *al.*]
— 17. ὡς ἤγγισε Τωβὶτ Σάρρᾳ τῇ ν. αὐτοῦ [**S** *al.*]
12. 12. σὺ καὶ ἡ ν. σου Σάρρα [**S** *al.*]
— 14. ἰάσασθαί σε καὶ τὴν ν. σου Σ.
Ca. 1. 2. **A S** ἡ ν. –
— 4. **S** ἡ ν. διηγεῖται –
— 4. **S** τῆς ν. διηγησαμένης ταῖς νεάνισιν –
— 4. **S** βοῶσιν τὸ ὄνομα τῆς ν. –
Ca. 1. 5. **A S** ἡ ν. –
— 8. **S** ὁ νυμφίος πρὸς τὴν ν. –
— 10. **S** αἱ νεάνιδες πρὸς τὴν ν. –
— 12. **S** ἡ ν. πρὸς ἑαυτήν –
— 15. **S** ὁ νυμφίος πρὸς τὴν ν. –
— 16. **S** ἡ ν. πρὸς τὸν νυμφίον [**A** ἡ ν.] –
2. 2. **S** καὶ πρὸς τὴν ν. –
— 3. **S** ἡ ν. πρὸς τὸν νυμφίον –
— 4. **S** ταῖς νεάνισιν ἡ ν. φησίν –
— 6. **S** πρὸς τὸν νυμφίον ἡ ν. –
— 7. **S** ταῖς νεάνισιν ἡ ν. –
— 8. **S** ἀκήκοεν τοῦ νυμφίου ἡ ν. –
— 9. **S** ἡ ν. πρὸς τὰς νεάνιδας –
— 16. **S** ἡ ν. τάδε –
— 17. **A** ἡ ν. –
3. 3. **S** ἡ ν. τοῖς φύλαξιν εἶπεν –
— 5. **S** τὰς νεάνιδας ὁρκίζει ἡ ν. –
— 6. **S** ὁ νυμφίος πρὸς τὴν ν. [**A** *al.*] –
4. 8. δεῦρο ἀπὸ Λιβάνου, νύμφη (2)
— 9. ἐκαρδίωσας ἡμᾶς, ἀδελφή μου νύμφη (2)
— 10. τί ἐκαλλιώθησαν μαστοί σου, ἀδελφή μου νύμφη [**B**[1] *om.* ἀ. μ. ν.] (2)
— 11. κηρίον ἀποστάζουσι χείλη σου, νύμφη (2)
— 12. κῆπος κεκλεισμένος ἀδελφή μου, νύμφη (2)
— 16. **A** ἡ ν. –
5. 1. **S** ἡ ν. αἰτεῖται τὸν πατέρα –
— 1. **S** ὁ νυμφίος πρὸς τὴν ν. –
— 1. εἰσῆλθον εἰς κῆπόν μου, ἀδελφή μου νύμφη (2)
— 2. **S** ἡ ν. αἴσθεται τὸν νυμφίον –
— 2. **S**[1] ἡ ν. τάδε [**S**[2] ὁ νυμφίος] –
— 3. **S** ἡ ν. τάδε [**A** ἡ ν.] –
— 9. **S** πυνθάνονται τῆς ν. –
— 10. **S** ἡ ν. σημαίνει τὸν ἀδελφιδόν –
— 17. **S** πυνθάνονται τῆς ν. –
6. 1 (2). **S** ἡ δὲ ν. ἀποκρίνεται –
— 3 (4). **S** ὁ νυμφίος πρὸς τὴν ν. [**A** *al.*] –
— 9 (10). **S** εἶδον τὴν ν. [**A** ἡ ν.] –
— 10 (11). **S** ὁ νυμφίος πρὸς τὴν ν. –
— 11 (12). **S** ἡ ν. τάδε πρὸς τὸν νυμφίον –
— 12 (13). **S** ὁ νυμφίος πρὸς τὴν ν. –
7. 9 (10). **S** ἡ ν. –
8. 5. **S** ὁ νυμφίος τάδε πρὸς τὴν ν. –
— 10. **S** ἡ ν. παρρησιάζεται –
— 13. **S** ἡ ν. –
Wi. 8. 2. ἐζήτησα νύμφην ἀγαγέσθαι ἐμαυτῷ
Ho. 4. 13. καὶ αἱ νύμφαι ὑμῶν μοιχεύσουσι (2)
— 14. οὐ μὴ ἐπισκέψωμαι . . . ἐπὶ τὰς ν. ὑμῶν (2)
Mi. 7. 6. ἐπαναστήσεται . . . νύμφη ἐπὶ τὴν πενθερὰν αὐτῆς (2)
Jl. 1. 8. θρήνησον πρὸς μὲ ὑπὲρ νύμφην (1)
2. 16. ἐξελθάτω . . . νύμφη ἐκ τοῦ παστοῦ αὐτῆς (2)
Is. 49. 18. **B** περιθήσεις αὐτοὺς ὡς κόσμον ὡς νύμφη [**A S** -ης] (2)
61. 10. ὡς νύμφην κατεκόσμησέ με κόσμῳ (2)
62. 5. εὐφρανθήσεται νυμφίος ἐπὶ νύμφῃ [**S** -ην] (2)
Je. 2. 32. μὴ ἐπιλήσεται ν. τὸν κόσμον αὐτῆς (1)
7. 34: 16. 9: 25. 10. φωνὴν νυμφίου καὶ φωνὴν νύμφης (2)
40 (33). 11. φωνὴ νυμφίου καὶ φωνὴ νύμφης (2)
Ba. 2. 23. φωνὴν νυμφίου καὶ φωνὴν νύμφης
Ez. 22. 11. ἕκαστος τὴν ν. [**A** ἀδελφὴν] αὐτοῦ ἐμίαινεν [**A** -ον] (2)
I Ma. 9. 37. ἄγουσι τὴν ν. ἀπὸ N.
[**Aq.**, **Sm.** Is. 61. 10.]

νυμφίος. (1) חָתָן

Jd. 15. 6. **Σ.** ὁ ν. [**A** γαμβρὸς] τοῦ Θ. (1)
19. 5. εἶπεν . . . πρὸς τὸν ν. [**A** γαμβρὸν] αὐ. (1)
Ne. 13. 28. ἀπὸ υἱῶν Ἰ. τοῦ Ἐλ. τοῦ ἰ. τοῦ μεγάλου ν. τοῦ Σ. (1)
Ps. 18 (19). 5. αὐτὸς ὡς νυμφίος ἐκπορευόμενος ἐκ παστοῦ αὐτοῦ (1)
Ca. 1. 3. **A** ὁ ν. –
— 4. **S** διηγεῖται τὰ περὶ τοῦ ν. –
— 4. **S** αἱ νεάνιδες τῷ ν. βοῶσιν –
— 7. **S** πρὸς τὸν ν. χριστόν –
— 8. **S** ὁ ν. πρὸς τὴν νύμφην –
— 12. **S** ἡ νύμφη . . . πρὸς τὸν ν. [**A** ὁ ν.] –
— 15. **S** ὁ ν. πρὸς τὴν νύμφην –
— 16. **S** ἡ νύμφη πρὸς τὸν ν. [**A** *al.*] –
2. 1. **S** ὁ ν. πρὸς ἑαυτόν –
— 3. **S** ἡ νύμφη πρὸς τὸν ν. –
— 6. **S** πρὸς τὸν ν. ἡ νύμφη –
— 8. **S** ἀκήκοεν τοῦ ν. ἡ νύμφη –
— 9. **S** σημαίνουσα αὐταῖς τὸν ν. –
— 10. **A** ὁ ν. –
Ca. 2. 15. **S** τοῖς νεανίαις ὁ ν. τάδε –
3. 4. **S** εὑροῦσα τὸν ν. –
— 6. **A** ὁ ν. [**S** *add.* πρὸς τὴν νύμφην] –
5. 1. **S** ἵνα καταβῇ ὁ ν. –
— 1. **S** ὁ ν. πρὸς τὴν νύμφην [**A** ὁ ν.] –
— 1. **S** τοῖς πλησίον ὁ ν. –
— 2. **S** ἡ νύμφη αἴσθεται τὸν ν. –
— 2. **S**[2] ὁ ν. [**S**[1] ἡ νύμφη τάδε] –
6. 3 (4). **S** ὁ ν. πρὸς τὴν νύμφην [**A** ὁ ν.] –
— 10 (11). **S** ὁ ν. πρὸς τὴν νύμφην –
— 11 (12). **S** ἡ νύμφη τάδε πρὸς τὸν ν. –
— 12 (13). **S** ὁ ν. πρὸς τὴν νύμφην –
7. 1. **S** ταῖς θυγατράσιν ὁ ν. τάδε –
8. 5. **S** οἱ τοῦ ν. εἶπαν –
— 5. **S** ὁ ν. τάδε πρὸς τὴν νύμφην [**A** ὁ ν.] –
Jl. 2. 16. ἐξελθάτω νυμφίος ἐκ τοῦ κοιτῶνος αὐτοῦ (1)
Is. 61. 10. ὡς νυμφίῳ περιέθηκέ μοι μίτραν (1)
62. 5. εὐφρανθήσεται ν. ἐπὶ νύμφῃ [**S** -ην] (1)
Je. 7. 34: 16. 9: 25. 10. φωνὴν νυμφίου καὶ φωνὴν νύμφης (1)
40 (33). 11. φωνὴ νυμφίου καὶ φωνὴ νύμφης (1)
Ba. 2. 23. φωνὴν νυμφίου καὶ φωνὴν νύμφης
I Ma. 1. 27. πᾶς ν. ἀνέλαβε θρῆνον
9. 39. καὶ ὁ ν. ἐξῆλθε
[**Aq.**, **Sm.** Ex. 4. 25, 26: I Ki. 22. 14: Is. 61. 10.]
[**Th.** Ex. 4. 25, 26.]
[**Heb.** Ex. 4. 25.]

νυμφών.

To. 6. 13. πάντας ἐν τῷ ν. ἀπολωλότας [**S** *al.*]
— 16. ἐὰν εἰσέλθῃς εἰς τὸν ν.

νῦν, νυνί. (1) אַךְ (2) אֲפוֹא (3) *a.* הִנֵּה *b.* הִנֵּה־נָא *c.* וְהִנֵּה (4) הִנֵּה (5) *a.* יוֹם הַזֶּה *b.* הַיָּמִים הָהֵם (6) כָּעֵת (7) *v.* οὖν לָהֵן (8) נָא (9) *a.* עַתָּה *b.* וְעַתָּה *c.* כִּי עַתָּה (10) הַפַּעַם (11) καὶ νῦν *a.* אַךְ *b.* כִּי אַךְ *c.* עַתָּה *d.* וְגַם עַתָּה *e.* כָּעֵת (12) νῦν δέ, νυνὶ δέ *a.* אַךְ *b.* כִּי *c.* עַתָּה *d.* אַךְ־ עַתָּה *e.* כִּי־עַתָּה *f.* וְ *g.* אַךְ (13) νῦν οὖν *a.* הַלְאוֹ *b.* כָּעֵת *c.* עַתָּה *d.* וְעַתָּה *e.* כִּי עַתָּה *f.* וְ (14) νῦν ἔτι τοῦτο הַפַּעַם (15) τὸ νῦν *a.* הֵנָּה *b.* הַפַּעַם *c.* כָּעֵת *d.* עַתָּה (16) ἀπὸ τοῦ νῦν הַפַּעַם (17) ἕως τοῦ νῦν עֲדָנָה (18) ἐν τῷ νῦν καιρῷ *a.* הַפַּעַם *b.* בַּפַּעַם הַזֹּאת *c.* עַתָּה הַפַּעַם

Ge. 2. 23. τοῦτο ν. ὀστοῦν ἐκ τῶν ὀστέων μου (10)
3. 22. καὶ ν. μή ποτε ἐκτείνῃ τὴν χεῖρα (9 *a*)
4. 11. καὶ ν. ἐπικατάρατος σύ (9 *a*)
11. 6. καὶ ν. οὐκ ἐκλείψει ἀπ' αὐτῶν πάντα (9 *a*)
12. 19. καὶ ν. ἰδοὺ ἡ γυνή σου ἔναντί σου (9 *a*)
13. 14. οὗ ν. σὺ εἶ –
15. 16. **R** οὔπω γὰρ . . . ἕως τοῦ ν. (15 *a*)
18. 12. οὔπω μέν μοι γέγονεν ἕως τοῦ ν. †
— 27. νῦν ἠρξάμην λαλῆσαι πρὸς τὸν κ. (3 *b*)
19. 9. ν. οὖν σε κακώσωμεν (13 *c*)
20. 7. νῦν δὲ ἀπόδος τὴν γυναῖκα τῷ ἀνθρώπῳ (9 *a*)
21. 23. νῦν οὖν ὄμοσόν μοι τὸν θεόν (13 *d*)
22. 12. ν. γὰρ ἔγνων (9 *a*)
24. 42. ἐν ᾗ νῦν ἐγὼ πορεύομαι –
26. 22. νῦν ἐπλάτυνε κύριος ἡμῖν (9 *a*)
— 29. καὶ ν. εὐλογημένος σὺ ὑπὸ κυρίου (11 *c*)
27. 3. ν. οὖν λάβε τὸ σκεῦός σου (13 *d*)
— 8. ν. οὖν, υἱέ μου, ἄκουσον (13 *d*)
— 36. καὶ ν. ἔλαβε τὴν εὐλογίαν (3 *a* + 9 *a*)
— 43. ν. οὖν, τέκνον, ἄκουσόν μου (13 *d*)
29. 32. **R** ν. οὖν [**A** *om.*] ἀγαπήσει με ὁ ἀνήρ μου (13 *c* [9 *a*])
— 34. ἐν τῷ ν. καιρῷ . . . ἔσται ὁ ἀνήρ μου (18 *c*)
— 35. ν. ἔτι τοῦτο ἐξομολογήσομαι κυρίῳ (14)
30. 20. δεδώρηται ὁ θεὸς . . . ἐν τῷ ν. καιρῷ (18 *a*)
— 30. ν. οὖν πότε ποιήσω κἀγὼ . . . οἶκον (13 *d*)
31. 13. ν. οὖν ἀνάστηθι (13 *c*)
— 16. ν. οὖν ὅσα σοι εἴρηκεν ὁ θ. ποίει (13 *d*)
— 28. ν. δὲ ἀφρόνως ἔπραξας (12 *c*)
— 29. καὶ ν. ἰσχύει ἡ χείρ μου †
— 30. ν. οὖν πεπόρευσαι (13 *d*)

Ge. 31. 42. ν. ἂν . . . ἐξαπέστειλας (9 c)
— 44. ν. οὖν δεῦρο διαθῶμαι (13 d)
32. 4 (5). ἐχρόνισα ἕως τοῦ ν. (15 d)
— 10 (11). νυνὶ δὲ γέγονα εἰς δύο παρεμβολάς (9 a)
37. 20. ν. οὖν δεῦτε ἀποκτείνωμεν αὐτόν (13 d)
41. 33. ν. οὖν σκέψαι ἄνθρωπον φρόνιμον (13 d)
43. 21. τὸ ἀργύριον . . . ἀπεστρέψαμεν ν. –
44. 10. καὶ ν. ὡς λέγετε οὕτως ἔσται (9 a)
— 28. οὐκ ἴδον αὐτὸν ἄχρι [A ἔτι] ν. [A om.] (4)
— 30. ν. οὖν ἐὰν εἰσπορεύωμαι (13 d)
— 33. ν. οὖν παραμενῶ σοι παῖς (13 d)
45. 5. ν. οὖν μὴ λυπεῖσθε (13 d)
— 8. ν. οὖν οὐχ ὑμεῖς με ἀπεστάλκατε (13 d)
46. 30. ἀποθανοῦμαι ἀπὸ τοῦ ν. (16)
— 34. κτηνοτρόφοι . . . ἐκ παιδὸς ἕως τοῦ ν. (15 d)
47. 3. A ἐκ παιδιόθεν ἕως τοῦ ν. –
— 4. ν. οὖν κατοικήσομεν (13 d)
48. 5. ν. οὖν οἱ δύο υἱοί σου . . . ἐμοί εἰσιν (13 d)
50. 5. ν. οὖν ἀναβὰς θάψω τὸν πατέρα μου (13 d)
— 17. καὶ ν. δέξαι τὴν ἀδικίαν (9 a)
Ex. 3. 9. καὶ ν. ἰδοὺ κραυγὴ τῶν υἱῶν . . . ἥκει (9 a)
— 10. καὶ ν. δεῦρο ἀποστείλω σε (9 a)
4. 12. καὶ ν. πορεύου (9 a)
5. 5. ἰδοὺ ν. πολυπληθεῖ ὁ λαός (9 a)
— 18. νῦν οὖν πορευθέντες ἐργάζεσθε (13 d)
9. 14. ἐν τῷ γὰρ ν. καιρῷ ἐγὼ ἐξαποστέλλω (18 b)
— 15. ν. γὰρ ἀποστείλας τὴν χεῖρα πατάξω (9 a)
— 19. ν. οὖν κατάσπευσον συναγαγεῖν (13 d)
— 27. ἡμάρτηκα τὸ ν. (15 b)
10. 17. προσδέξασθε . . . τὴν ἁμαρτίαν ἔτι ν. (10)
18. 11. ν. ἔγνων ὅτι μέγας κύριος (9 a)
— 19. B ν. οὖν ἄκουσόν μου (13 c)
19. 5. καὶ ν. ἐὰν ἀκοῇ ἀκούσητε (9 a)
32. 10. καὶ ν. ἔασόν με (9 a)
— 30. καὶ ν. ἀναβήσομαι πρὸς τὸν θεόν (9 a)
— 32. καὶ ν. εἰ μὲν ἀφεῖς . . . ἄφες (9 a)
— 34. νυνὶ [B¹ σὺ] δὲ βάδιζε (9 a)
33. 5. ν. οὖν ἀφέλεσθε τὰς στολάς (13 d)
Nu. 11. 6. νυνὶ δὲ ἡ ψυχὴ ἡμῶν κατάξηρος (9 a)
14. 3. νῦν οὖν βέλτιον ἡμῖν ἐστιν (13 a)
— 17. καὶ νῦν ὑψωθήτω ἡ ἰσχύς σου (9 a)
— 19. ἀπ᾽ Αἰγύπτου ἕως τοῦ νῦν (15 a)
20. 16. καὶ νῦν ἐσμὲν ἐν Κάδης (3 a)
22. 4. νῦν ἐκλείξει ἡ συναγ. αὕτη πάντας (9 a)
— 6. καὶ νῦν δεῦρο ἄρασαί μοι τὸν λαὸν τ. (9 a)
— 11. καὶ νῦν δεῦρο ἄρασαί μοι αὐτόν (11 c)
— 19. καὶ νῦν ὑπομείνατε αὐτοῦ (9 a)
— 33. νῦν οὖν [A om.] σὲ μὲν ἀπέκτεινα (13 e[9 c])
— 34. καὶ νῦν εἰ μή σοι ἀρέσκει (9 a)
— 38. ἥκω πρὸς σὲ νῦν (9 a)
24. 11. νῦν οὖν φεῦγε εἰς τὸν τόπον σου (13 d)
— 11. καὶ νῦν ἐστέρησέ σε κύριος (3 a)
— 14. καὶ νῦν ἰδοὺ ἀποτρέχω (9 a)
— 17. δείξω αὐτῷ καὶ οὐχὶ νῦν (9 a)
31. 17. καὶ νῦν ἀποκτείνατε πᾶν ἀρσενικόν (9 a)
De. 2. 13. νῦν οὖν ἀνάστητε (13 c)
— 24. νῦν οὖν [A om.] ἀνάστητε –
4. 1. καὶ νῦν Ἰσραὴλ ἄκουε (9 a)
5. 25 (22). καὶ νῦν μὴ ἀποθάνωμεν (9 a)
9. 14. καὶ νῦν [A om. κ. ν.] ἔασόν με –
10. 12. καὶ νῦν, Ἰσραήλ (9 a)
— 22. νυνὶ δὲ ἐποίησέ σε κ. ὁ θεός σου (9 a)
12. 9. οὐ γὰρ ἤκατε ἕως τοῦ νῦν (15 d)
22. 17. νῦν οὗτος [A αὐτὸς νῦν] ἐπιτίθησιν αὐτῇ (3 c)
26. 10. καὶ νῦν ἰδοὺ ἐνήνοχα (9 a)
29. 28 (27). ἐξέβαλεν αὐτοὺς εἰς γῆν ἑτ. ὡσεὶ νῦν (5 a)
31. 19. A R καὶ νῦν [B om.] γράψατε (9 a)
Jo. 1. 2. νῦν οὖν ἀναστάς (13 d)
2. 12. καὶ νῦν ὀμόσατέ μοι (9 a)
3. 8. καὶ νῦν ἔντειλαι τοῖς ἱερεῦσι †
5. 13 (14). νυνὶ [A νῦν] παραγέγονα (9 a)
— 15. ἐφ᾽ ᾧ νῦν [A σὺ] ἕστηκας †
9. 6, 11. καὶ νῦν διάθεσθε ἡμῖν διαθήκην (9 a)
— 12. νῦν δὲ ἐξηράνθησαν (9 a + 3 a)
— 19. καὶ νῦν οὐ δυνησόμεθα ἅψασθαι αὐτῶν (9 a)
— 23. καὶ νῦν ἐπικατάρατοί ἐστε (9 a)
— 25. καὶ νῦν ἰδοὺ ἡμεῖς ὑποχείριοι ὑμῖν (9 a)
13. 7. καὶ νῦν μέρισον τὴν γῆν ταύτην (9 a)
14. 10. καὶ νῦν διέθρεψέ με κύριος (9 a + 3 a)
— 10. καὶ νῦν ἰδοὺ ἐγώ (9 a)
— 11. ἰσχύω νῦν εἰσελθεῖν (9 a)
— 12. καὶ νῦν αἰτοῦμαί σε (9 a)
— 12. νυνὶ δὲ οἱ Ἐν. ἐκεῖ εἰσίν (12 b)
22. 4. νῦν [A νυνὶ] δὲ κατέπαυσε κύριος (9 a)
Jo. 22. 4. νῦν οὖν ἀποστραφέντες (13 d)
— 19. καὶ νῦν εἰ μικρὰ ἡ γῆ (1)
24. 14. καὶ νῦν φοβήθητε κύριον (9 a)
— 23. καὶ νῦν περιέλεσθε τοὺς θεοὺς τοὺς ἀλλοτρ. (9 a)
Jd. 6. 13. καὶ νῦν ἐξέρριψεν ἡμᾶς (9 a)
— 31. μὴ ὑμεῖς νῦν δικάζεσθε –
7. 3. καὶ νῦν λάλησον δή [A al.] (9 a)
8. 2. τί ἐποίησα νῦν (9 a)
— 6, 15. μὴ χεὶρ Ζ. καὶ Σ. νῦν (9 a)
9. 16. καὶ νῦν εἰ ἐν ἀληθείᾳ . . . ἐποιήσατε (9 a)
— 32. καὶ νῦν ἀνάστηθι νυκτός (9 a)
— 38. A ποῦ ἐστι νῦν [B om.] τὸ στόμα σου (2)
— 38. ἔξελθε δὴ νῦν (9 a)
11. 7. διὰ τί ἤλθατε πρὸς μὲ νῦν [A al.] (9 a)
— 8. διὰ τοῦτο νῦν ἐπεστρέψαμεν [A al.] (9 a)
— 13. καὶ νῦν ἐπίστρεψον αὐτάς (9 a)
— 23. καὶ νῦν κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. ἐξῆρε τὸν Ἀ. (9 a)
— 25. καὶ νῦν μὴ ἐν ἀγαθῷ ἀγαθώτερος σύ (9 a)
— 27. καὶ νῦν [A om.] ἐγὼ εἰμι οὐχ ἡμαρτόν σοι –
13. 4. καὶ νῦν φύλαξαι δή (9 a)
— 7. καὶ νῦν μὴ πίῃς οἶνον (9 a)
— 12. νῦν ἐλεύσεται ὁ λόγος (9 a)
14. 2. καὶ νῦν λάβετε αὐτήν μοι (9 a)
15. 18. καὶ νῦν ἀποθανοῦμαι (9 a)
16. 10. νῦν οὖν [A om.] ἀνάγγειλόν μοι (13 c [9 a])
— 13. A ὡς νῦν [B ἰδοὺ] παρελογίσω με (4)
— 28. B μνήσθητι δή μου νῦν [A R om.] –
17. 3. καὶ νῦν [A om.] ἀποδώσω σοι αὐτό (9 a)
— 13. νῦν ἔγνων ὅτι ἀγαθυνεῖ μοι κύριος (9 a)
18. 14. καὶ νῦν γνῶτε ὅ τι ποιήσετε (9 a)
20. 9. καὶ νῦν τοῦτο τὸ ῥῆμα (9 a)
— 13. καὶ νῦν δότε τοὺς ἄνδρας (9 a)
Ru. 3. 2. καὶ νῦν οὐχὶ Βοὸς γνώριμος ἡμῶν (9 a)
— 11. καὶ νῦν, θύγατερ (9 a)
— 12. R καὶ ν. ὁ [A B καὶ ὅτι] ἀληθῶς ἀγχιστεὺς ἐγὼ εἰμι (9 a)
I Ki. 1. 16. ἐκτέτακα ἕως νῦν (4)
2. 16. ὅτι [A τί] νῦν δώσεις (9 a)
— 30. καὶ νῦν φησὶ κύριος (9 a)
6. 7. καὶ νῦν λάβετε . . . ἅμαξαν καινήν (9 a)
8. 5. καὶ νῦν κατάστησον ἐφ᾽ ἡμᾶς βασιλέα (11 c)
— 9. καὶ νῦν ἄκουε τῆς φωνῆς αὐ. (9 a)
9. 6. καὶ νῦν πορευθῶμεν (11 c)
— 12. νῦν διὰ τὴν ἡμέραν ἥκει (9 a)
— 13. καὶ νῦν ἀνάβητε (9 a)
10. 19. καὶ νῦν κατάστητε ἐνώπιον κυρίου (9 a)
12. 2. καὶ νῦν ἰδοὺ ὁ βασ. διαπορεύεται (9 a)
— 7. καὶ νῦν κατάστητε (9 a)
— 10. καὶ νῦν ἐξελοῦ ἡμᾶς (9 a)
— 13. καὶ νῦν ἰδοὺ ὁ βασιλεύς (9 a)
— 16. καὶ νῦν κατάστητε (9 a)
13. 12. B νῦν καταβήσονται οἱ ἀλλόφυλοι (9 a)
— 13. B νῦν ἡτοίμασε κ. τὴν βασιλείαν σου (9 a)
— 14. B καὶ νῦν ἡ βασιλεία σου οὐ στήσεται (9 a)
14. 30. B¹ νῦν ἂν μείζων [AB²R add. ἦν] ἡ πληγή (9 a)
15. 1. καὶ νῦν ἄκουε τῆς φωνῆς (9 a)
— 2. νῦν ἐκδικήσω ἃ ἐποίησεν Ἀμ. –
— 3. καὶ νῦν πορεύου (11 c)
— 25. καὶ νῦν ἆρον δὴ τὸ ἁμάρτημά μου (9 a)
17. 29. A τί ἐποίησα νῦν (9 a)
20. 29. καὶ νῦν εἰ [A νυνὶ] εὕρηκα χάριν (9 a)
— 31. νῦν οὖν ἀποστείλας (13 d)
21. 3 (4). B καὶ νῦν [A R add. εἰ] εἰσὶν ὑπὸ τὴν χεῖρά σου (9 a)
23. 11. καὶ νῦν εἰ καταβήσεται Σ. –
— 20. καὶ νῦν πᾶν τὸ πρὸς ψυχὴν τοῦ βασ. (9 a)
24. 15. καὶ νῦν ὀπίσω τίνος σὺ ἐκπορεύῃ –
— 21. καὶ νῦν ἰδοὺ ἐγὼ γινώσκω (9 a)
— 22. καὶ νῦν ὄμοσόν μοι (9 a)
25. 7. καὶ νῦν ἰδοὺ ἀκήκοα ὅτι κείρουσί σοι νῦν οἱ ποιμένες σου (9 a, 9 a)
— 17. καὶ νῦν γνῶθι (9 a)
— 26. καὶ νῦν, κύριε, ζῇ κύριος (9 a)
— 26. καὶ νῦν γένοιντο ὡς Ν. (9 a)
— 27. καὶ νῦν λάβε τὴν εὐλογίαν (9 a)
26. 8. καὶ νῦν πατάξω αὐτόν (9 a)
— 11. καὶ νῦν λάβε δὴ τὸ δόρυ (9 a)
— 16. καὶ νῦν ἴδε δὴ τὸ δόρυ τοῦ βασ. (9 a)
— 19. καὶ νῦν ἀκουσάτω ὁ κύριός μου (9 a)
— 20. καὶ νῦν μὴ πέσοι τὸ αἷμά μου (9 a)
27. 1. νῦν προστεθήσομαι . . . εἰς χεῖρας Σ. (9 a)
28. 2. οὕτω νῦν γνώσῃ †
— 15. καὶ νῦν κέκληκά σε –
— 22. καὶ νῦν ἄκουσον δὴ φωνῆς (9 a)
29. 7. καὶ νῦν ἀνάστρεφε (9 a)
I Ki. 29. 10. καὶ νῦν ὄρθρισον τὸ πρωΐ (9 a)
II Ki. 2. 6. A R καὶ νῦν ποιήσαι κ. μεθ᾽ ὑμῶν ἔλεος (9 a)
— 7. A R καὶ νῦν κραταιούσθωσαν αἱ χεῖρες ὑμῶν (9 a)
3. 18. καὶ νῦν ποιήσατε (9 a)
4. 11. καὶ νῦν ἄνδρες πονηροὶ ἀπεκτάγκασιν ἄνδρα δίκαιον (11 b)
— 11. καὶ νῦν ἐκζητήσω τὸ αἷμα αὐτοῦ (9 a)
7. 8. καὶ νῦν τάδε ἐρεῖς (9 a)
— 20. καὶ νῦν σὺ οἶδας τὸν δοῦλόν σου †
— 25. καὶ νῦν, κύριέ μου (9 a)
— 25. A καὶ νῦν [A ποίησον] καθὼς ἐλάλησας †
— 27. A καὶ νῦν καθὼς ἐλάλησας –
— 28. καὶ νῦν, κύριέ μου (9 a)
— 29. καὶ νῦν ἄρξαι (9 a)
12. 10. καὶ νῦν οὐκ ἀποστήσεται ῥομφαία (9 a)
— 23. καὶ νῦν τέθνηκεν (9 a)
— 28. καὶ νῦν συνάγαγε τὸ κατάλοιπον τοῦ λαοῦ (9 a)
13. 13. καὶ νῦν λάλησον δὴ πρὸς τὸν βασ. (9 a)
— 20. καὶ νῦν, ἀδελφή μου, κώφευσον (9 a)
— 33. καὶ νῦν μὴ θέσθω ὁ κύριός μου (9 a)
14. 15. καὶ νῦν ὃ ἦλθον λαλῆσαι (9 a)
— 32. καὶ νῦν ἰδοὺ τὸ πρόσωπον τοῦ βασ. οὐκ εἶδον (9 a)
15. 34. καὶ νῦν παῖς σού εἰμι –
— 34. καὶ νῦν ἐγὼ δοῦλος σός (9 a)
16. 11. καὶ προσέτι νῦν ὁ υἱὸς τοῦ Ἰ. (9 c)
17. 9. νῦν κέκρυπται ἐν ἑνὶ τῶν βουνῶν (9 a)
— 16. καὶ νῦν ἀποστείλατε ταχύ (9 a)
18. 3. καὶ νῦν ἀγαθὸν ὅτι ἔσῃ ἡμῖν (9 a)
19. 7 (8). καὶ νῦν ἀναστὰς ἔξελθε (9 a)
— 7 (8). ἐκ νεότητός σου ἕως τοῦ νῦν (15 d)
— 9 (10). καὶ νῦν πέφευγεν ἀπὸ τῆς γῆς (9 a)
— 10 (11). καὶ νῦν ἵνα τί ὑμεῖς κωφεύετε (9 a)
— 13 (14). καὶ νῦν τάδε ποιήσαι μοι ὁ θ. –
20. 6. νῦν κακοποιήσει ἡμᾶς Σ. (9 a)
— 6. καὶ νῦν σὺ λάβε . . . τοὺς παῖδας –
24. 10. νῦν, κύριε, παραβίβασον δὴ τὴν ἀνομίαν (9 b)
— 13. νῦν οὖν γνῶθι (13 c)
— 16. πολὺ νῦν [A πολὺν] ἄνες τὴν χεῖρά σου (9 a)
III Ki. 1. 12. καὶ νῦν δεῦρο συμβουλεύσω σοι (9 a)
— 18. καὶ νῦν ἰδοὺ Ἀδ. ἐβασίλευσε (9 a)
2. 15 (16). καὶ νῦν αἴτησιν μίαν ἐγὼ αἰτοῦμαι (9 a)
— 24. καὶ νῦν ζῇ κύριος (9 a)
3. 1. καὶ νῦν μὴ ἀθῳώσῃς αὐτόν –
— 2. οὐκ ᾠκοδομήθη . . . ἕως νῦν [A al.] (5 b)
— 7. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεός μου (9 a)
5. 4 (18). καὶ νῦν ἀνέπαυσε κ. ὁ θ. μου ἐμοί (9 a)
— 6 (20). καὶ νῦν ἔντειλαι (9 a)
8. 25, 26. καὶ νῦν, κύριε ὁ θ. Ἰσρ. (9 a)
12. 4. καὶ σὺ νῦν κούφισον (9 a)
— 10. καὶ σὺ νῦν κούφισον –
— 11. καὶ νῦν ὁ πατήρ μου ἐπεσάσσετο ὑμᾶς (9 a)
— 16. νῦν βόσκε τὸν οἶκόν σου (9 a)
— 24. B καὶ νυνὶ κουφιεῖς σὺ ἐφ᾽ ἡμᾶς [R al.] –
— 26. νῦν ἐπιστρέψει ἡ βασιλεία (9 a)
14. 14. καὶ τί καὶ νῦν (9 a)
18. 11. καὶ νῦν σὺ λέγεις (9 a)
— 14. καὶ νῦν σὺ λέγεις μοι (9 a)
— 19. καὶ νῦν ἀπόστειλον (9 a)
— 29. μετάστητε ἀπὸ τοῦ νῦν –
19. 4. ἱκανούσθω νῦν (9 a)
20 (21). 7. σὺ νῦν οὕτως ποιεῖς βασιλέα ἐπὶ Ἰσρ. (9 a)
22. 23. καὶ νῦν ἰδοὺ ἔδωκε κύριος (9 a)
IV Ki. 1. 14. καὶ νῦν ἐντιμωθήτω δή (9 a)
3. 15. καὶ νῦν λάβε [A ἴδε] μοι ψάλλοντα (9 a)
— 23. καὶ νῦν ἐπὶ τὰ σκῦλα, Μωάβ (9 a)
4. 26. νῦν δράμε εἰς ἀπαντὴν αὐ. (9 a)
5. 6. καὶ νῦν ὡς ἂν ἔλθῃ τὸ βιβλίον (9 a)
— 15. καὶ νῦν λάβε τὴν εὐλογίαν (9 a)
— 22. ἰδοὺ νῦν ἦλθον πρὸς μέ [A al.] (9 a)
— 26. καὶ νῦν ἔλαβες τὸ ἀργύριον –
— 26. καὶ νῦν ἔλαβες τὰ ἱμάτια –
7. 4. καὶ νῦν δεῦτε (9 a)
— 6. νῦν ἐμισθώσατο ἐφ᾽ ἡμᾶς (3 a)
— 9. καὶ νῦν δεῦρο (9 a)
8. 6. ἀπὸ τῆς ἡμέρας . . . ἕως τοῦ νῦν (15 d)
9. 26. καὶ νῦν ἄρας δή (9 a)
10. 2. καὶ νῦν ὡς ἂν ἔλθῃ (9 a)
— 19. καὶ νῦν πάντες οἱ προφῆται (9 a)
— 21. B καὶ νῦν πάντες οἱ δοῦλοι αὐ. –
12. 7 (8). καὶ νῦν μὴ λάβητε ἀργύριον (9 a)

IV Ki. 13. 19. καὶ νῦν τρὶς πατάξεις τὴν Σ. (9 a)
18. 20. νῦν οὖν [A καὶ νῦν] τίνι πεποιθὼς (13 c [11 c])
— 21. νῦν ἰδοὺ πέποιθας σαυτῷ (9 a)
— 23. καὶ νῦν μίχθητε δὴ τῷ κυρίῳ μου (9 a)
— 25. καὶ νῦν [A νῦν οὖν] μὴ ἄνευ κυρίου ἀνέβημεν (11 c [13 c])
19. 19. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (9 a)
I Ch. 17. 7. καὶ νῦν οὕτως ἐρεῖς (9 a)
— 23. καὶ νῦν, κύριε, ὁ λόγος σου (9 a)
— 26. καὶ νῦν, κύριε, σὺ εἶ αὐτὸς θεός (9 a)
— 27. καὶ νῦν ἤρξαι τοῦ εὐλογῆσαι (9 a)
21. 8. καὶ νῦν περίελε δὴ τὴν κακίαν (9 a)
— 12. καὶ νῦν ἴδε τί ἀποκριθῶ (9 a)
22. 11. καὶ νῦν, υἱέ μου, ἔσται μετὰ σοῦ κύριος (11 c)
— 19. νῦν δότε καρδίας ὑμῶν (9 a)
28. 8. καὶ νῦν κατὰ πρόσωπον πάσης ἐκκλ. (9 a)
— 9. καὶ νῦν, Σαλωμὼν υἱὲ, γνῶθι †
— 10. A R ἴδε νῦν [B τοίνυν] (9 a)
29. 13. καὶ νῦν, κύριε, ἐξομολογούμεθά σοι (9 a)
— 17. καὶ νῦν τὸν λαόν σου . . . εἶδον (9 a)
II Ch. 1. 9. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεός (11 c)
— 10. νῦν σοφίαν καὶ σύνεσιν δός μοι (9 a)
2. 7 (6). καὶ νῦν ἀπόστειλόν μοι ἄνδρα (9 a)
— 13 (12). καὶ νῦν ἀπέσταλκά σοι (9 a)
— 15 (14). καὶ νῦν τὸν σῖτον καὶ τὴν κριθήν (9 a)
6. 16, 17. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (9 a)
— 40. νῦν, κύριε, ἔστωσαν δὴ οἱ ὀφθ. σου (9 a)
— 41. καὶ νῦν ἀνάστηθι (9 a)
7. 15. νῦν οἱ ὀφθ. μου ἔσονται ἀνεῳγμ. (9 a)
— 16. καὶ νῦν ἐξελεξάμην (9 a)
10. 4. καὶ νῦν ἄφες ἀπὸ τῆς δουλείας (9 a)
— 11. καὶ νῦν ὁ πατήρ μου ἐπαίδευσεν ὑμᾶς (9 a)
— 16. νῦν βλέπε τὸν οἶκόν σου (9 a)
13. 8. καὶ νῦν λέγετε ὑμεῖς (9 a)
16. 9. A καὶ νῦν [B om. κ. ν.] ἠγνόηκας –
— 9. ἀπὸ τοῦ νῦν ἔσται μετὰ σοῦ πόλεμος (15 d)
18. 22. καὶ νῦν ἰδοὺ ἔδωκε κύριος (9 a)
19. 7. καὶ νῦν γενέσθω φόβος κυρίου ἐφ' ὑμᾶς (9 a)
20. 10. καὶ νῦν ἰδοὺ υἱοὶ Ἀ. (9 a)
— 11. καὶ νῦν ἰδοὺ αὐτοὶ ἐπιχειροῦσιν –
23. 4. νῦν ὁ λόγος οὗτος ὃν ποιήσετε –
25. 19. νῦν κάθησο ἐν οἴκῳ σου (9 a)
28. 10. καὶ νῦν υἱοὺς Ἰ. . . . λέγετε (9 a)
— 11. καὶ [A om.] νῦν ἀκούσατέ μου (9 a [9 b])
29. 5. νῦν ἁγνίσθητε (9 a)
— 9. ὃ καὶ νῦν ἐστιν †
— 10. νῦν ἐστιν ἐπὶ καρδίας (9 a)
— 11. καὶ νῦν μὴ διαλίπητε (11 c)
— 31. νῦν ἐπληρώσατε τὰς χεῖρας ὑμῶν (9 a)
30. 8. καὶ νῦν μὴ σκληρύνητε (11 c)
32. 15. R ν. οὖν [AB om.] μὴ ἀπατάτω ὑμᾶς Ἐζ. (13 d [9 b])
35. 3. νῦν οὖν λειτουργήσατε (13 c)
I Es. 1. 4. καὶ νῦν λατρεύετε
— 27. καὶ νῦν κύριος μετ' ἐμοῦ ἐστι
— 33. τὰ νῦν ἱστόρηται
2. 18. καὶ νῦν γνωστὸν ἔστω
— 24. νῦν οὖν ὑποδεικνύομέν σοι
— 28. νῦν οὖν [A om.] ἐπέταξα
4. 28. καὶ νῦν οὐ πιστεύετέ μοι
— 46. καὶ νῦν τοῦτό ἐστιν
6. 20. ἀπ' ἐκείνου μέχρι τοῦ νῦν
— 21. B νῦν οὖν [A R add. εἰ] κρίνεται
8. 78. καὶ νῦν κατὰ πόσον τι ἐγενήθη ἡμῖν
— 82. καὶ νῦν τί ἐροῦμεν
— 84. καὶ νῦν τὰς θυγ. ὑ. μὴ συνοικίσητε
— 90. A R ἰδοὺ νῦν [B om.] ἐσμεν ἐνώπιόν σου
— 92. καὶ νῦν ἐστιν ἐπάνω πᾶς Ἰσρ.
9. 8. καὶ νῦν δότε ὁμολογίαν
II Es. 4. 13. νῦν οὖν γνωστὸν ἔστω (13 b)
— 21. B νῦν [A R καὶ νῦν] θέτε γνώμην (6 [11 c])
5. 16. ἀπὸ τότε ἕως τοῦ [A om.] νῦν (15 c [6])
— 17. καὶ νῦν εἰ ἐπὶ τὸν βασ. ἀγαθόν (6)
6. 6. νῦν δώσετε (6)
— 7. A R νῦν [B om.] ἄφετε τὸ ἔργον –
9. 3. A οὕτως δεῖ καὶ ν. –
— 8. καὶ νῦν ἐπεσκευάσατο ἡμῖν ὁ θ. ἡ. (9 a)
— 10. τί [S² καὶ νῦν τί] εἴπωμεν (9 a)
— 12. καὶ νῦν τὰς θυγ. ὑμῶν μὴ δῶτε (9 a)
10. 2. καὶ νῦν ἐστὶν ὑπομονή (9 a)
— 3. καὶ νῦν διαθώμεθα (9 a)
— 11. καὶ νῦν δότε αἴνεσιν (9 a)
Ne. 5. 5. A R καὶ [B S om.] νῦν ὡς σὰρξ ἀδελφῶν ἡ. σὰρξ ἡμῶν (9 a [9 b])
6. 7. καὶ νῦν ἀπαγγελήσονται (9 a)
— 7. καὶ νῦν δεῦρο βουλευσώμεθα (9 a)
Ne. 6. 9. καὶ νῦν [S² om.] ἐκραταίωσα τὰς χεῖράς μου (9 a)
9. 32. καὶ νῦν ὁ θεὸς ἡμῶν (9 a)
To. 2. 3. S αὐτόθι νῦν ἐστραγγάληται [A B al.]
3. 3. S καὶ νῦν σὺ, κύριε
— 5. καὶ νῦν πολλαὶ αἱ κρίσεις σου
— 6. καὶ νῦν κατὰ τὸ ἀρεστόν
— 12. καὶ νῦν, κύριε [S al.]
— 15. S νῦν εἰσάκουσον ὀνειδισμόν μου [A B al.]
4. 13. A B καὶ νῦν, παιδίον, ἀγάπα
— 19. καὶ νῦν, παιδίον, μνημόνευε
— 20. καὶ νῦν ὑποδεικνύω σοι [S al.]
5. 3. S καὶ νῦν ἰδοὺ ἔτη εἴκοσι
— 3. S καὶ νῦν παιδίον
6. 12. καὶ νῦν [S om.] ἄκουσόν μου
— 12. S καὶ νῦν ἄκουσόν μου
— 14. καὶ νῦν ἐγὼ μόνος εἰμί [S al.]
— 14. καὶ νῦν ἐγὼ φοβοῦμαι
— 15. καὶ νῦν ἄκουσόν μου
7. 11. τὸ νῦν ἔχον ἡδέως γίνου [S al.]
— 12. κομίζου αὐτὴν ἀπὸ τοῦ νῦν [S al.]
8. 7. καὶ νῦν, κύριε [S al.]
— 21. S παρὰ σοῦ νῦν ἐσμεν ἡμεῖς
— 21. S ἀπὸ τοῦ νῦν εἰς τὸν αἰῶνα
10. 8. S καὶ νῦν ἀξιῶ σε
— 13. αὐτοὶ νῦν γονεῖς σού εἰσιν [S al.]
— 13. S ἀπὸ τοῦ νῦν ἐγώ σου μήτηρ
11. 9. ἀπὸ τοῦ νῦν ἀποθανοῦμαι
12. 12. καὶ νῦν ὅτε προσηύξω
— 14. καὶ νῦν ἀπέστειλέ με ὁ θ. [S al.]
— 20. καὶ νῦν ἐξομολογεῖσθε τῷ θεῷ [S al.]
13. 6. S καὶ νῦν [A B om.] θεάσασθε
14. 7. S καὶ νῦν, παιδία
— 8. καὶ νῦν, τέκνον
— 11. καὶ νῦν, παιδία
Ju. 5. 19. καὶ νῦν ἐπιστρέψαντες
— 20. καὶ νῦν, δέσποτα κύριε
7. 4. νῦν ἐκλείξουσιν οὗτοι
— 11. καὶ νῦν, δέσποτα
— 25. καὶ νῦν οὐκ ἔστι βοηθὸς ἡμῶν
— 26. καὶ νῦν ἐπικαλέσασθε αὐτούς
8. 12. καὶ νῦν τίνες ἐστὲ ὑμεῖς
— 13. καὶ νῦν κύριον παντοκράτορα ἐξετάζετε
— 24. καὶ νῦν, ἀδελφοί
— 31. καὶ νῦν δεήθητι
9. 5. καὶ τὰ νῦν . . . διενοήθης
10. 15. καὶ νῦν πρόσελθε ἐπὶ τὴν σκηνὴν αὐ.
11. 2. καὶ νῦν ὁ λαός σου
— 3. καὶ νῦν λέγε μοι
— 9. καὶ ν. ὁ λόγος ὃν ἐλάλησεν Ἀχ.
— 11. καὶ νῦν ἵνα μὴ γένηται
— 17. καὶ νῦν μενῶ παρὰ σοί
— 23. καὶ νῦν ἀστεία εἶ σύ
13. 5. ὅτι νῦν καιρὸς ἀντιλαβέσθαι
14. 8. καὶ νῦν ἀνάγγειλόν μοι
Es. 3. 13. οἱ πάλαι καὶ νῦν δυσμενεῖς
4. 17. καὶ νῦν, κύριε
— 17. καὶ νῦν ἡμάρτομεν [A al.]
— 17. καὶ νῦν οὐχ ἱκανώθησαν
— 17. ἀφ' ἡμέρας μεταβολῆς μου μέχρι νῦν
8. 13. καὶ νῦν καὶ μετὰ ταῦτα
Jb. 2. 9. αἵ με νῦν συνέχουσιν –
3. 13. νῦν ἂν κοιμηθεὶς ἡσύχασα (9 c)
4. 5. νῦν [A νυνὶ] δὲ ἥκει ἐπὶ σὲ πόνος (12 e)
6. 16. νῦν ἐπιπεπτώκασί μοι ὥσπερ χιών –
— 28. νυνὶ δὲ εἰσβλέψας εἰς πρόσωπα ὑμῶν (9 a)
— 29. S² νῦν ἄρξασθαι –
7. 21. νυνὶ [S¹ νῦν] δὲ εἰς γῆν ἀπελεύσομαι (12 e)
13. 19. νῦν κωφεύσω καὶ ἐκλείψω (9 a)
16. 8 (7). νῦν δὲ κατάκοπόν με πεποίηκε μωρὸν σεσηπότα (12 d)
— 20 (19). A B S² νῦν ἰδοὺ ἐν οὐρανοῖς ὁ μάρτυς μου (9 a)
30. 1. νυνὶ δὲ κατεγέλασάν μου ἐλάχιστοι νῦν νουθετοῦσί με (9 a, –)
— 9. νυνὶ δὲ κιθάρα ἐγώ εἰμι αὐτῶν (9 a)
— 16. νῦν ἐπ' ἐμὲ ἐκχυθήσεται [S² ἐκλυθ.] ἡ ψυχή μου (9 a)
35. 15. καὶ νῦν ὅτι οὐκ ἔστιν ἐπισκεπτόμενος ὀργὴν αὐτοῦ (9 a)
42. 5. νυνὶ δὲ ὁ ὀφθαλμός μου ἑώρακέ σε (9 a)
— 8. νῦν δὲ λάβετε ἑπτὰ μόσχους (9 a)
Ps. 2. 10. καὶ νῦν, βασιλεῖς, σύνετε (9 a)
11 (12). 5. νῦν ἀναστήσομαι, λέγει κύριος (9 a)
16 (17). 11. ἐκβαλόντες με νυνὶ περιεκύκλωσάν με (9 a)
Ps. 19 (20). 6. νῦν ἔγνων ὅτι ἔσωσε κύριος τὸν χριστὸν αὐτοῦ (9 a)
26 (27). 6. καὶ νῦν ἰδοὺ ὕψωσε τὴν κεφ. μου (9 a)
38 (39). 7. καὶ νῦν τίς ἡ ὑπομονή μου (9 a)
43 (44). 9. νυνὶ δὲ ἀπώσω καὶ κατῃσχυνας ἡμᾶς (12 a)
70 (71). 17. μέχρι νῦν [S² τοῦ νῦν] ἀπαγγελῶ τὰ θαυμάσιά σου (4 [15 a])
76 (77). 10. καὶ εἶπα, Νῦν ἠρξάμην –
112 (113). 2. εἴη τὸ ὄνομα κυρίου εὐλογημένον ἀπὸ τοῦ νῦν (15 d)
113. 26 (115. 18). εὐλογήσωμεν τὸν κύριον ἀπὸ τοῦ νῦν (15 d)
120 (121). 8. κύριος φυλάξει τὴν εἴσοδόν σου . . . ἀπὸ τοῦ νῦν (15 d)
124 (125). 2. κύριος κύκλῳ τοῦ λαοῦ αὐτοῦ ἀπὸ τοῦ νῦν (15 d)
130 (131). 3. ἐλπισάτω Ἰσραὴλ ἐπὶ τὸν κύριον ἀπὸ τοῦ νῦν (15 d)
Pr. 5. 7 : 7. 24 : 8. 32. νῦν οὖν, υἱὲ, ἄκουέ μου (13 d)
Ec. 4. 2. ὅσοι αὐτοὶ ζῶσιν ἕως τοῦ νῦν (17)
Wi. 14. 15. τὸν τότε [A ποτὲ] νεκρὸν ἄνθρωπον νῦν ὡς θεὸν ἐτίμησε
— 20. τὸν . . . τιμηθέντα ἄνθρωπον νῦν σέβασμα ἐλογίσαντο
Si. 11. 19. νῦν φάγομαι ἐκ τῶν ἀγαθῶν μου
— 23. τίνα ἀπὸ τοῦ νῦν ἔσται μου τὰ ἀγαθά
— 24. τί ἀπὸ τοῦ νῦν κακωθήσομαι
39. 35. καὶ νῦν ἐν πάσῃ καρδίᾳ καὶ στόματι ὑμνήσατε
50. 22. καὶ νῦν εὐλογήσατε τῷ θεῷ
Ho. 2. 7 (9). καλῶς μοι ἦν τότε ἢ ν. (9 a)
— 10 (12). καὶ ν. ἀποκαλύψω τὴν ἀκαθαρσίαν αὐ. (9 a)
4. 16. νῦν νεμήσει αὐτοὺς κύριος (9 a)
5. 3. ν. ἐξεπόρνευσεν Ἐφρ. (9 a)
— 7. ν. καταφάγεται αὐτοὺς ἡ ἐρυσίβη (9 a)
7. 2. ν. ἐκύκλωσαν αὐτοὺς τὰ διαβούλια αὐ. (9 a)
8. 8. ν. ἐγένετο ἐν τοῖς ἔθνεσιν (9 a)
— 10. ν. εἰσδέξομαι αὐτούς (9 a)
— 13. ν. μνησθήσεται τὰς ἀδικίας αὐ. (9 a)
10. 2. ν. ἀφανισθήσονται (9 a)
— 3. διότι ν. ἐροῦσιν (9 a)
11. 12 (12. 1). ν. ἔγνω αὐτοὺς ὁ θεός †
13. 2. R καὶ νῦν [A B om.] προσέθεντο τοῦ ἁμαρτάνειν (9 a)
Am. 6. 7. ν. αἰχμάλωτοι ἔσονται (9 a)
7. 16. καὶ ν. ἄκουε λόγον κυρίου (9 a)
Mi. 4. 7. βασιλεύσει κ. . . . ἀπὸ τοῦ νῦν ἕως εἰς τὸν αἰ. (15 d)
— 9. καὶ ν. ἵνα τί ἔγνως κακά (11 c)
— 10. ν. ἐξελεύσῃ ἐκ πόλεως (9 a)
— 11. καὶ νῦν ἐπισυνήχθη ἐπὶ σὲ ἔθνη (9 a)
5. 1 (4. 14). νῦν ἐμφραχθήσεται θυγάτηρ (9 a)
— 4 (3). ν. μεγαλυνθήσονται (9 a)
7. 4. ν. ἔσονται κλαυθμοὶ αὐτῶν (9 a)
— 10. ν. ἔσται εἰς καταπάτημα (9 a)
Jl. 2. 12. καὶ ν. λέγει κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 d)
Jn. 4. 3. καὶ νῦν, δέσποτα κύριε (9 a)
Na. 1. 13. καὶ ν. συντρίψω τὴν ῥάβδον αὐ. (9 a)
Hg. 1. 5. καὶ ν. τάδε λέγει κύριος παντοκρ. (9 a)
2. 4 (3). πῶς ὑμεῖς βλέπετε αὐτὸν ν. (9 a)
— 5 (4). καὶ ν. κατίσχυε (9 a)
— 16 (15). καὶ ν. θέσθε δὴ εἰς τὰς καρδίας ὑμῶν (9 a)
Za. 8. 11. καὶ ν. οὐ κατὰ τὰς ἡμ. τὰς ἔμπροσθεν ἐγὼ ποιῶ (9 a)
9. 8. διότι νῦν ἑώρακα ἐν τοῖς ὀφθαλμοῖς μου (9 a)
Ma. 1. 9. καὶ ν. ἐξιλάσκεσθε τὸ πρόσωπον τοῦ θεοῦ ὑ. (9 a)
2. 1. καὶ νῦν ἡ ἐντολὴ αὕτη πρὸς ὑμᾶς (9 a)
3. 15. καὶ νῦν ἡμεῖς μακαρίζομεν ἀλλοτρίους (9 a)
Is. 1. 21. νῦν δὲ φονευταί (9 a)
2. 5. καὶ νῦν, ὁ οἶκος Ἰ. –
— 10. καὶ νῦν, εἰσέλθετε –
3. 9 (8). διότι νῦν ἐταπεινώθη ἡ δόξα αὐ. –
— 13. ἀλλὰ νῦν καταστήσεται εἰς κρίσιν –
5. 3. καὶ νῦν, οἱ ἐνοικοῦντες ἐν Ἰερ. (9 a)
— 5. νῦν δὲ ἀναγγελῶ ὑμῖν (9 a)
9. 7 (6). ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ εἰς τὸν αἰῶνα [S ἕως τοῦ αἰ.] (15 d)
14. 15. νῦν δὲ εἰς ᾅδην καταβήσῃ (12 g)
16. 14. καὶ νῦν λέγω (9 a)
18. 2. A ἔθνος ἀνέλπιστον καὶ καταπεπατημένον νῦν [B S om.] †
— 2. νῦν οἱ ποταμοὶ τῆς γῆς –
— 7. ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον †

Is. 19. 12. ποῦ εἰσι νῦν οἱ σοφοί σου (2)
21. 2. νῦν στενάξω –
22. 1. τί ἐγένετό σοι ὅτι νῦν [A σοι ν. ὅτι] ἀνέβητε (2)
26. 11. καὶ νῦν πῦρ τοὺς ὑπεναντίους ἔδεται (11 a)
29. 22. οὐ νῦν αἰσχυνθήσεται Ἰ. (9 a)
— 22. οὐδὲ νῦν τὸ πρόσωπον μεταβαλεῖ (9 a)
— 23. S¹ ἀλλὰ τὰ νῦν δώσει [A B S² al.] †
30. 8. νῦν οὖν καθίσας γράψον (13 c)
33. 4. νῦν δὲ συναχθήσεται τὰ σκῦλα ὑμῶν (12 f)
— 10. νῦν ἀναστήσομαι . . . νῦν δοξασθήσομαι νῦν ὑψωθήσομαι (9 a ter)
— 11. νῦν ὄψεσθε νῦν αἰσθηθήσεσθε –, –
36. 5. καὶ νῦν ἐπὶ τίνα πέποιθας (11 c)
— 8. νῦν μίχθητε τῷ κυρίῳ μου (9 b)
— 10. καὶ νῦν μὴ ἄνευ κυρίου ἀνέβημεν (9 a)
37. 20. νῦν [A S σὺ] δὲ, κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (9 a)
— 26. νῦν δὲ ἐπέδειξα ἐξερημῶσαι ἔθνη (12 c)
— 28. νῦν δὲ τὴν ἀνάπαυσίν σου . . . ἐπίσταμαι (12 f)
40. 25. νῦν οὖν τίνι με ὡμοιώσατε (13 f)
— 28. καὶ νῦν οὐκ ἔγνως –
43. 1. καὶ νῦν οὕτως λέγει (9 a)
— 19. ἃ νῦν ἀνατελεῖ (9 a)
— 22. οὐ νῦν ἐκάλεσά σε –
44. 1. νῦν δὲ ἄκουσον (9 a)
47. 8. νῦν δὲ ἄκουε ταῦτα (9 a)
— 9. νῦν δὲ ἥξει ἐπὶ σέ (12 f)
— 12. στῆθι νῦν ἐν ταῖς ἐπαοιδαῖς σου (8)
48. 6. ἀκουστά σοι ἐποίησα τὰ καινὰ ἀπὸ τοῦ νῦν (15 d)
— 7. νῦν γίνεται καὶ οὐ πάλαι (9 a)
— 16. καὶ νῦν κύριος κύριος ἀπέστειλέ με (9 a)
— 19. οὐδὲ νῦν οὐ μὴ ἐξολεθρευθῇς –
49. 5. καὶ νῦν οὕτω λέγει κύριος (9 a)
— 19. νῦν στενοχωρήσει (9 a)
51. 3. καὶ σὲ νῦν παρακαλέσω †
— 13. καὶ νῦν ποῦ ὁ θυμὸς τοῦ θλίβοντός σε –
52. 5. καὶ νῦν τί ὧδέ ἐστε –
58. 2. αἰτοῦσί με νῦν κρίσιν δικαίαν –
59. 21. ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ εἰς τὸν αἰῶνα (15 d)
64. 8 (7). καὶ νῦν, κύριε (9 a)
— 9 (8). καὶ νῦν ἐπίβλεψον (8)
Je. 2. 18. καὶ νῦν τί σοι (9 a)
4. 12. νῦν δὲ ἐγὼ λαλῶ κρίματα (12 c)
7. 13. καὶ νῦν ἀνθ' ὧν ἐποιήσατε (9 a)
14. 10. νῦν μνησθήσεται τῆς ἀδικίας αὐ. (9 a)
18. 11. καὶ νῦν εἰπὸν πρὸς ἄνδρας Ἰ. (9 a)
33 (26). 13. καὶ νῦν βελτίους ποιήσατε τὰς ὁδοὺς ὑμῶν (9 a)
36 (29). 27. καὶ νῦν διὰ τί συνελοιδορήσατε Ἱερ. (9 a)
39 (32). 36. καὶ νῦν οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (9 a)
44 (37). 20. καὶ νῦν, κύριε βασιλεῦ (9 a)
49 (42). 19. καὶ νῦν γνόντες γνώσεσθε –
— 22. καὶ νῦν ἐν ῥομφαίᾳ . . . ἐκλείψετε (9 a)
51 (44). 7. καὶ νῦν οὕτως εἶπε κύριος παντοκρ. (9 a)
Ba. 2. 11. καὶ νῦν [A *om.* κ. ν.], κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ.
4. 24. ὥσπερ γὰρ νῦν ἑωράκασιν οἱ πάροικοι Σ.
— 28. A οὕτω νῦν [B *om.* οὖ. ν.] δεκαπλασιάσατε
Ep. Je. 4. νυνὶ δὲ ὄψεσθε ἐν Βαβ.
Ez. 4. 14. ἀπὸ γενέσεώς μου ἕως τοῦ νῦν (15 d)
7. 8. νῦν ἐγγύθεν ἐκχεῶ (9 a)
— 7. νῦν τὸ πέρας πρὸς σέ –
16. 57. ὃν τρόπον νῦν ὄνειδος εἶ †
19. 13. καὶ νῦν πεφύτευκαν αὐτήν (9 a)
26. 18. A καὶ νῦν [B *om.*] φοβηθήσονται (11 c)
27. 34. νῦν συνετρίβης ἐν θαλάσσῃ †
39. 25. νῦν ἀποστρέψω [A ἀναστρ. τὴν] αἰχμαλωσίαν (9 a)
43. 9. καὶ νῦν ἀπωσάσθωσαν (11 c)
Da. LXX. Su. 51. καὶ νῦν διαχωρίσατέ μοι αὐτούς
— 51. νῦν μὴ βλέψητε
— 52. νῦν ἥκασί σου αἱ ἁμαρτίαι
— 54. νῦν οὖν ὑπὸ τί δένδρον
— 58. νῦν οὖν λέγε μοι
— 59. νῦν ὁ ἄγγελος κυρίου
2. 9. νῦν οὖν ἐὰν τὸ ῥῆμα εἴπητέ μοι (7)
— 23. καὶ νῦν ἐσήμανάς μοι (6)
3. 15. καὶ νῦν εἰ μὲν ἔχετε ἑτοίμως (11 e)
— (31). καὶ νῦν πάντα ὅσα ἡμῖν ἐπήγαγες
— (33). καὶ νῦν οὐκ ἔστιν ἡμῖν ἀνοίξαι
— (41). καὶ νῦν ἐξακολουθοῦμεν
— 29 (96). καὶ νῦν ἐγὼ κρίνω –
4. 34. ἀπὸ τοῦ νῦν αὐτῷ λατρεύσω –
— 34. καὶ νῦν ὑποδείξω ὑμῖν
Da. LXX. 8. 26. καὶ νῦν πεφραγμένον τὸ ὅραμα †
9. 15. καὶ νῦν, δέσποτα κύριε (9 a)
— 17. καὶ νῦν ἐπάκουσον (9 a)
10. 20. καὶ νῦν ἐπιστρέψω (9 a)
11. 2. καὶ νῦν ἦλθον (9 a)
Da. TH. Su. 52. νῦν ἥκασιν αἱ ἁμαρτίαι σου
— 54. νῦν οὖν ταύτην εἴπερ εἶδες
— 58. νῦν οὖν λέγε μοι
2. 23. A καὶ νῦν [B *om.*] ἐγνώρισάς μοι (6)
3. 15. νῦν οὖν εἰ ἔχετε ἑτοίμως (11 f)
— (33). καὶ νῦν οὐκ ἔστιν ἡμῖν
— (41). καὶ νῦν ἐξακολουθοῦμεν
4. 34. νῦν οὖν ἐγὼ Ναβ. (13 b)
5. 12. νῦν οὖν κληθήτω (13 b)
— 15. καὶ νῦν εἰσῆλθον (6)
— 16. νῦν οὖν ἐὰν δυνηθῇς (13 b)
6. 8 (9). νῦν οὖν, βασιλεῦ (13 b)
9. 15. καὶ νῦν, κύριε ὁ θ. ἡμῶν (9 a)
— 17. καὶ νῦν εἰσάκουσον (9 a)
— 22. νῦν ἐξῆλθον συμβιβάσαι σε (9 a)
10. 11. νῦν ἀπεστάλην πρὸς σέ (9 a)
— 17. ἀπὸ τοῦ νῦν οὐ στήσεται ἐν ἐμοὶ ἰσχύς (15 d)
— 20. καὶ νῦν ἐπιστρέψω (9 a)
11. 2. καὶ νῦν ἀλήθειαν ἀναγγελῶ σοι (9 a)
I Ma. 2. 18. A S νῦν [R *add.* οὖν] πρόσελθε πρῶτος
— 33. R ἕως τοῦ νῦν ἱκανόν [A S *om.*]
— 40. νῦν τάχιον ἡμᾶς ὀλεθρεύσουσιν
— 49. νῦν ἐστηρίχθη ὑπερηφανία
— 50. A R καὶ [S *om.*] νῦν, τέκνα
4. 10. καὶ νῦν βοήσωμεν
— 18. ἀλλὰ στῆτε νῦν
5. 12. νῦν οὖν ἐλθὼν ἐξελοῦ ἡμᾶς
6. 11. ἐν ᾧ νῦν εἰμι
— 12. νῦν δὲ μιμνήσκομαι
— 58. νῦν οὖν δῶμεν δεξιάν
7. 7. νῦν οὖν ἀπόστειλον ἄνδρα
— 35. ἐὰν μὴ παραδοθῇ Ἰ. . . . τὸ νῦν
9. 9. σώζωμεν τὰς ἑαυτῶν ψυχὰς τὸ νῦν
— 30. νῦν οὖν σε ᾑρετισάμεθα
— 44. A R ἀναστῶμεν νῦν [S δή]
— 46. νῦν οὖν κεκράξατε
— 58. νῦν οὖν ἄξομεν τὸν Β.
10. 16. καὶ νῦν ποιήσομεν αὐτὸν φίλον
— 20. καὶ νῦν καθεστάκαμέν σε
— 27. A R καὶ [S *om.*] νῦν ἐμμείνατε
— 29. καὶ νῦν ἀπολύω ὑμᾶς
— 41. ἀπὸ τοῦ νῦν δώσουσιν
— 54. S R καὶ νῦν στήσωμεν [A *al.*]
— 54. A R καὶ νῦν [S *om.*] δός μοι
— 56. καὶ νῦν ποιήσω σοι
— 71. νῦν οὖν εἰ πέποιθας
— 73. καὶ νῦν οὐ δυνήσῃ
11. 35. τὰ ἀνήκοντα ἡμῖν ἀπὸ τοῦ νῦν
— 36. S² R ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ εἰς τὸν ἅπαντα χρόνον [A S¹ *al.*]
— 37. νῦν οὖν ἐπιμέλεσθε
— 43. νῦν οὖν ὀρθῶς ποιήσεις
12. 18. καὶ νῦν καλῶς ποιήσετε
— 22. καὶ νῦν ἀφ' οὗ ἔγνωμεν ταῦτα
— 45. καὶ νῦν ἀπόστειλον αὐτούς
— 53. νῦν οὖν πολεμήσωμεν αὐτούς
13. 5. καὶ νῦν μή μοι γένοιτο
— 16. καὶ νῦν ἀπόστειλον
— 20. ἦλθε Τρύφων [S¹ *add.* νῦν]
15. 5. νῦν οὖν ἵστημί σοι
— 8. ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ εἰς τὸν ἅπαντα χρόνον
— 30. νῦν οὖν παράδοτε
16. 3. A R νῦν [S νυνὶ] δὲ γεγήρακα
II Ma. 1. 6. καὶ νῦν ὧδέ ἐσμεν
— 9. καὶ νῦν ἵνα ἄγητε
6. 27. ἀνδρείως μὲν νῦν διαλλάξας τὸν βίον
7. 23. ὡς νῦν ὑπερορᾶτε ἑαυτούς
— 36. οἱ μὲν γὰρ νῦν ἡμέτεροι ἀδελφοί
10. 10. νυνὶ δέ . . . δηλώσομεν
13. 10. εἴποτε ἄλλοτε καὶ νῦν
14. 7. R δεῦρο [A δεύτερον] νῦν ἐλήλυθα
— 36. καὶ νῦν, ἅγιε . . . κύριε
15. 8. καὶ τὰ νῦν προσδοκᾶν τὴν . . . νίκην
— 23. καὶ νῦν, δυνάστα τῶν οὐρανῶν
III Ma. 1. 19. A πρὸς ἅπαν νῦν διατεταγμένην [R *al.*]
2. 13. ἰδοὺ δὴ νῦν, ἅγιε βασιλεῦ
4. 1. A μετὰ παρρησίας νῦν ἐκφαινομένης [R π. συνεκφ.] ἀπεχθείας
5. 38. τοὺς ἐλέφ. ἔτι καὶ νῦν καθόπλισον
6. 9. καὶ νῦν, μισύβρι
— 12. νῦν ἔπιδε
III Ma. 6. 28. ἀφ' ἡμετέρων μέχρι τοῦ νῦν προγόνων
IV Ma. 1. 12. νῦν αὐτίκα δὴ λέγειν ἔξεστι
6. 18. εἰ νῦν μεταβαλοίμεθα
— 33. νυνὶ δὲ τοῦ λογισμοῦ . . . νικήσαντος
9. 30. A R πλεῖον ἐμοῦ σε νῦν [S *om.*] βασανίζεσθαι
11. 8. A R νυνὶ δὲ ἀλλότριος ὤν
12. 19. σὲ δὲ καὶ ἐν τῷ νῦν βίῳ . . . τιμωρήσεται
13. 3. νυνὶ δὲ οὐχ οὕτως
14. 9. νῦν ἡμεῖς ἀκούοντες
15. 16. ὦ πικροτέρων μὲν νῦν μήτηρ πειρασθεῖσα
17. 18. τῷ θείῳ νῦν παρεστήκασι θρόνῳ
[Aq. Nu. 24. 17 : II Ki. 16. 11 : 18. 3 : III Ki. 14. 14 : Je. 6. 21 : 42. 5 : Ps. 2. 10 : 26 (27). 6 : Is. 52. 5 : Je. 27 (34). 6, 16 : 37 (44). 20 : 40 (47). 4 (Sw.) : 42 (49). 15 : Ez. 23. 43.]
[Sm. Ge. 3. 23 (22) : I Ki. 12. 7 : II Ki. 16. 11 : IV Ki. 2. 14 : 10. 10 : Je. 9. 24 : 24. 25 : 42. 5 : Ps. 26 (27). 6 : 38 (39). 8 : 73 (74). 6 : Is. 16. 14 : 52. 5 : Je. 27 (34). 16 : 42 (49). 15.]
[Th. Jd. 13. 12 : II Ki. 12. 10 : 18. 3 : Je. 13. 19 : 30. 16 : 35. 15 : 42. 5 : Is. 16. 14 : 29. 22 : 52. 5 : Je. 27 (34). 6, 16 : 37 (44). 20 : 40 (47). 4 (Sw.) : 42 (49). 15 : Da. 6. 8.]
[Al. Ex. 9. 27.]
[Quint. IV Ki. 5. 22 : Ps. 26 (27). 6.]

νύξ. (1) *a.* לַיִל *b.* לֵילִיָּא (2) נֶשֶׁף

Ge. 1. 5. τὸ σκότος ἐκάλεσε νύκτα (1 a)
— 14. A καὶ ἄρχειν τῆς ἡμέρας καὶ τῆς ν. –
— 14. ἀνὰ μέσον τῆς ἡμ. καὶ ἀνὰ μέσον τῆς ν. (1 a)
— 16. τὸν φωστῆρα . . . εἰς ἀρχὰς τῆς ν. (1 a)
— 18. καὶ ἄρχειν τῆς ἡμέρας καὶ τῆς ν. (1 a)
7. 4, 12. τεσσαράκοντα ἡμέρας καὶ τεσσαράκοντα νύκτας (1 a)
— 17. τεσσαράκοντα ἡμέρας καὶ τεσσαράκ. νύκτας –
8. 22. ἡμέραν καὶ νύκτα οὐ καταπαύσουσι (1 a)
14. 15. ἐπέπεσεν ἐπ' αὐτοὺς τὴν ν. (1 a)
19. 5. οἱ εἰσελθόντες πρὸς σὲ τὴν ν. (1 a)
— 33. R ἐπότισαν . . . ἐν τῇ ν. ἐκείνῃ [A ταύτῃ] (1 a)
— 33. R ἐν τῇ ν. ἐκείνῃ [A τὴν ν. ἐκείνην] –
— 34. R ἐν τῇ ν. ταύτῃ [A τὴν ν. ταύτην] (1 a)
— 35. ἐπότισαν δὲ καὶ ἐν τῇ ν. ἐκείνῃ (1 a)
20. 3. εἰσῆλθεν . . . πρὸς ᾹΒ. ἐν ὕπνῳ τὴν ν. (1 a)
26. 24. ὤφθη αὐτῷ κύριος ἐν τῇ ν. ἐκείνῃ (1 a)
30. 15. κοιμηθήτω μετὰ σοῦ τὴν ν. ταύτην (1 a)
— 16. ἐκοιμήθη μετ' αὐτῆς τὴν ν. ἐκείνην (1 a)
31. 24. ἦλθε . . . ὁ θεὸς . . . καθ' ὕπνον τὴν ν. (1 a)
— 39. καὶ κλέμματα [A *add.* τῆς] νυκτός (1 a)
— 40. τῆς ἡμέρας . . . καὶ . . . τῆς ν. (1 a)
32. 13 (14). ἐκοιμήθη ἐκεῖ τὴν ν. ἐκείνην (1 a)
— 21 (22). ἐκοιμήθη τὴν ν. ἐκείνην (1 a)
— 22 (23). ἀναστὰς δὲ τὴν ν. ἐκείνην (1 a)
40. 5. εἶδον . . . ἐνύπνιον ἐν μιᾷ ν. (1 a)
41. 11. εἴδομεν ἐνύπνιον . . . ἐν ν. μιᾷ (1 a)
46. 2. εἶπε δὲ ὁ θεὸς . . . ἐν ὁράματι τῆς ν. (1 a)
Ex. 10. 13. ἐπήγαγεν . . . νότον . . . ὅλην τὴν ν. (1 a)
11. 4. περὶ μέσας ν. ἐγὼ εἰσπορεύομαι (1 a)
12. 8. φάγονται τὰ κρέα τῇ ν. ταύτῃ ὀπτά (1 a)
— 12. διελεύσομαι ἐν γῇ . . . ἐν τῇ ν. ταύτῃ (1 a)
— 29. ἐγενήθη δὲ μεσούσης τῆς ν. (1 a)
— 30. καὶ ἀναστὰς [A ἀνέστη] Φαραὼ νυκτός (1 a)
— 31. ἐκάλεσε Φαραὼ Μωυσῆν . . . νυκτός (1 a)
— 41. ἐξῆλθε πᾶσα ἡ δύναμις κυρίου . . . νυκτός [A¹ *om.*] –
— 42. ἐκείνη ἡ ν. αὕτη προφυλακὴ κυρίῳ (1 a)
13. 21. τὴν δὲ ν. ἐν στύλῳ πυρός (1 a)
— 22. οὐκ ἐξέλιπε δὲ ὁ στῦλος . . . νυκτός (1 a)
14. 20. καὶ διῆλθεν ἡ ν. (1 a)
— 20. οὐ συνέμιξαν ἀλλήλοις ὅλην τὴν ν. (1 a)
— 21. ὑπήγαγε κ. τὴν θάλασσαν . . . ὅλην τὴν ν. (1 a)
24. 18. τεσσαράκοντα ἡμέρας καὶ τεσσαράκοντα ν. (1 a)
34. 28. ἦν ἐκεῖ . . . τεσσαράκοντα νύκτας (1 a)
40. 38. πῦρ ἦν ἐπ' αὐτῆς νυκτός (1 a)
Le. 6. 9 (2). ἐπὶ τῆς καύσεως . . . ὅλην τὴν ν. (1 a)
8. 35. ἡμέραν [A -ας] καὶ νύκτα [A -ας] (1 a)
Nu. 9. 16. καὶ εἶδος πυρὸς τὴν ν. (1 a)
— 21. ἡμέρας ἢ νυκτός (1 a)
11. 9. ὅταν κατέβῃ ἡ δρόσος . . . νυκτός (1 a)
— 32. ὅλην τὴν ἡμέραν καὶ ὅλην τὴν ν. (1 a)
14. 1. ὅλην τὴν ν. ἐκείνην (1 a)
— 14. καὶ ἐν στύλῳ πυρὸς τὴν ν. (1 a)
22. 8. καταλύσατε αὐτοῦ τὴν ν. (1 a)
— 19. ὑπομείνατε αὐτοῦ . . . τὴν ν. ταύτην (1 a)
— 20. B¹ ἦλθεν ὁ θεὸς πρὸς Β. [A B² R *add.* νυκτός] (1 a)
De. 1. 33. ὁδηγῶν ὑμᾶς ἐν πυρὶ νυκτός (1 a)

De. 9. 9. τεσσαράκοντα ἡμέρας καὶ τεσσαράκ. νύκτας (1 a)
— 11. διὰ τεσσαράκ. ἡμερῶν καὶ διὰ τεσσαράκ. νυκτῶν (1 a)
— 18, 25: 10. 10. τεσσαράκ. ἡμέρας καὶ τεσσαράκ. νύκτας (1 a)
16. 1. ἐξῆλθες ἐξ Αἰγύπτου νυκτός (1 a)
— 3. ἐξήλθετε ἐξ Αἰγύπτου [A² add. νυκτός] –
23. 10 (11). ἐκ ῥύσεως αὐτοῦ νυκτός (1 a)
28. 66. φοβηθήσῃ ἡμέρας καὶ νυκτός (1 a)
Jo. 1. 8. ἡμέρας καὶ νυκτός (1 a)
2. 3. τοὺς εἰσπεπορευμ. εἰς τὴν οἰκ. σου τὴν ν. –
4. 3. οὗ ἐὰν παρεμβάλητε ἐκεῖ τὴν ν. (1 a)
8. 3. ἀπέστειλεν αὐτοὺς νυκτός (1 a)
10. 9. ὅλην τὴν ν. εἰσεπορεύθη (1 a)
Jd. 6. 25. καὶ ἐγένετο ἐν [A om.] τῇ ν. ἐκείνῃ (1 a)
— 27. καὶ ἐποίησε νυκτός (1 a)
— 40. ἐποίησεν ὁ θ. οὕτως ἐν τῇ ν. ἐκ. (1 a)
7. 9. ἐγενήθη ἐν τῇ ν. ἐκείνῃ (1 a)
9. 32. καὶ νῦν ἀνάστηθι νυκτός (1 a)
— 34. ἀνέστη Ἀβ. . . . νυκτός (1 a)
16. 2. ἐνήδρευσαν . . . ὅλην τὴν ν. (1 a)
— 2. ἐκώφευσαν ὅλην τὴν ν. (1 a)
— 3. ἀνέστη ἐν ἡμίσει τῆς ν. [A al.] (1 a)
— 16. A ἐξέθλιψεν αὐτὸν . . . ὅλην τὴν ν. [B al.] †
19. 25. ὅλην τὴν ν. ἕως πρωΐ (1 a)
20. 5. ἐκύκλωσαν ἐπ' ἐμὲ . . . νυκτός (1 a)
Ru. 3. 2. λικμᾷ τὸν ἅλωνα τῶν κριθῶν ταύτῃ τῇ ν. (1 a)
— 13. αὐλίσθητι τὴν ν. (1 a)
I Ki. 14. 34. προσῆγεν . . . τὸ ἐν τῇ χειρὶ αὐ. [A add. τὴν ν.] (1 a)
— 36. καταβῶμεν ὀπίσω τῶν ἀλλοφ. τὴν ν. (1 a)
15. 11. ἐβόησε πρὸς κύριον ὅλην τὴν ν. (1 a)
— 16. ἃ ἐλάλησε κύριος πρὸς μὲ τὴν ν. (1 a)
19. 10. καὶ ἐγενήθη ἐν τῇ ν. ἐκείνῃ (1 a)
— 11. ἐὰν μὴ σὺ σώσῃς τὴν ψυχὴν σαυτοῦ τὴν ν. ταύτην (1 a)
— 24. ἔπεσε γυμνὸς . . . ὅλην τὴν ν. (1 a)
25. 16. ὡς τεῖχος ἦσαν περὶ ἡμᾶς καὶ τὴν ν. (1 a)
26. 7. εἰσπορεύεται Δ. . . . εἰς τὸν λαὸν τὴν ν. (1 a)
28. 8. ἔρχονται πρὸς τὴν γυναῖκα νυκτός (1 a)
— 20. οὐ γὰρ ἔφαγεν ἄρτον . . . ὅλην τὴν ν. ἐκείνην [A om.] (1 a)
— 25. ἀπῆλθον τὴν ν. ἐκείνην (1 a)
30. 12. τρεῖς ἡμέρας καὶ τρεῖς ν. (1 a)
31. 12. ἐπορεύθησαν ὅλην τὴν ν. (1 a)
II Ki. 2. 29. ὅλην τὴν ν. ἐκείνην (1 a)
— 32. ἐπορεύθη Ἰ. . . . ὅλην τὴν ν. (1 a)
4. 7. ἀπῆλθον . . . ὅλην τὴν ν. (1 a)
7. 4. καὶ ἐγένετο [A add. ἐν] τῇ ν. ἐκείνῃ (1 a)
17. 1. καταδιώξω ὀπίσω Δ. τὴν ν. (1 a)
— 16. μὴ αὐλισθῇς τὴν ν. (1 a)
19. 7 (8). εἰ αὐλισθήσεται ἀνὴρ μετὰ σοῦ τὴν ν. ταύτην (1 a)
21. 10. καὶ τὰ θηρία τοῦ ἀγροῦ νυκτός (1 a)
III Ki. 3. 5. ὤφθη κύριος τῷ Σαλ. . . . τὴν ν. (1 a)
— 19. ἀπέθανεν ὁ υἱὸς . . . τὴν ν. (1 a)
— 20. ἀνέστη μέσης τῆς ν. (1 a)
8. 29. τοῦ εἶναι ὀφθαλμούς σου ἠνεωγμ. . . . νυκτός (1 a)
— 29. ἧς προσεύχεται ὁ δοῦλός σου . . . νυκτός –
— 59. ἐγγίζοντες πρὸς κ. θεὸν ἡμῶν . . . νυκτός (1 a)
19. 8. τεσσαράκοντα ἡμέρας καὶ τεσσαράκ. νύκτας (1 a)
IV Ki. 6. 14. καὶ ἦλθον νυκτός (1 a)
7. 12. B ἔστη [A R ἀνέστη] ὁ βασ. νυκτός (1 a)
8. 21. A αὐτοῦ ἀναστάντος νυκτός [B om.] (1 a)
19. 35. καὶ ἐγένετο [A add. ἕως] νυκτός (1 a)
25. 4. ἐξῆλθον νυκτὸς ὁδὸν πύλης (1 a)
I Ch. 9. 33. ἡμέρα καὶ νὺξ ἐπ' αὐτοῖς (1 a)
17. 3 : II Ch. 1. 7. ἐν τῇ ν. ἐκείνῃ (1 a)
II Ch. 6. 20. τοῦ εἶναι ὀφθαλμούς σου ἀνεῳγμένους . . . ἡμέρας καὶ νυκτός (1 a)
7. 12. ὤφθη ὁ θ. τῷ Σαλ. τὴν ν. (1 a)
21. 9. ἠγέρθη νυκτός (1 a)
35. 14. ἐν τῷ ἀναφέρειν . . . τὰ ὁλοκαυτώμ. ἕως νυκτός (1 a)
Ne. 1. 6. ἣν ἐγὼ προσεύχομαι . . . ἡμέραν καὶ νύκτα (1 a)
2. 12. καὶ ἀνέστην νυκτός (1 a)
— 13. ἐξῆλθον ἐν πύλῃ τοῦ γ. [S² add. νυκτός] (1 a)
— 15. ἤμην ἀναβαίνων . . . νυκτός (1 a)
4. 9 (3). ἐστήσαμεν προφύλακας . . . ἡμέρας καὶ νυκτός (1 a)
— 22 (16). ἔστω ὑμῖν ἡ ν. προφυλακή (1 a)
6. 10. ἔρχονται νυκτὸς φονεῦσαί σε (1 a)
Ne. 9. 12. καὶ ἐν στύλῳ πυρὸς τὴν ν. (1 a)
— 19. καὶ τὸν στῦλον τοῦ πυρὸς τὴν ν. (1 a)
To. 2. 9. ἐν αὐτῇ τῇ ν. [S al.]
6. 1. S ἔτυχεν αὐτοῖς νὺξ μία
— 10. S τὴν ν. ταύτην δεῖ ἡμᾶς αὐλισθῆναι [A B al.]
— 12. S λαλήσω . . . τὴν ν. ταύτην [A B al.]
— 12. S λαλήσωμεν . . . τὴν ν. ταύτην
— 13. S τὴν ν. ὁπότε εἰσεπορεύοντο
— 15. τὴν ν. ταύτην δοθήσεταί σοι
7. 9. S ἡδέως γενοῦ τὴν ν. ταύτην [A B al.]
— 11. ἀπέθνησκον ὑπὸ τὴν ν. [S al.]
— 12. S εὐοδώσει ὑμᾶς . . . τὴν ν. ταύτην [A B al.]
8. 9. ἐκοιμήθησαν ἀμφότεροι τὴν ν.
10. 7. τὰς δὲ ν. [A add. ὅλας] οὐ διελίμπανε θρηνοῦσα [S al.]
Ju. 6. 21. ἐπεκαλέσαντο τὸν θ. . . . ὅλην τὴν ν. ἐκείνην
7. 5. ἔμενον φυλάσσοντες ὅλην [S¹ om.] τὴν ν. ἐκ. [S om.]
8. 33. στήσεσθε ἐπὶ τῆς πύλης τὴν ν. ταύτην
11. 3. ἐν τῇ ν. ταύτῃ ζήσῃ
— 5. οὐκ ἀναγγελῶ ψεῦδος . . . ἐν τῇ ν. ταύτῃ
— 17. θεραπεύουσα νυκτὸς καὶ ἡμέρας
— 17. ἐξελεύσεται ἡ δούλη σου κατὰ νύκτα
12. 5. μέχρι μεσούσης τῆς [A om.] ν.
— 7. ἐξεπορεύετο κατὰ νύκτα
13. 14. ἔθραυσε τοὺς ἐχθροὺς ἡμῶν . . . ἐν τῇ ν. ταύτῃ
Es. 1. 1. ἤθελεν ἐπιγνῶναι αὐτὸ ἕως τῆς [A om.] ν.
4. 16. ἐπὶ ἡμέρας τρεῖς νύκτα καὶ ἡμέραν (1 a)
6. 1. ἀπέστησε τὸν ὕπνον . . . τὴν ν. ἐκείνην (1 a)
Jb. 2. 13. ἑπτὰ ἡμέρας καὶ ἑπτὰ νύκτας (1 a)
3. 3. ἡ [S¹ σὴ] ν. ἐκείνη [A S ἐν] ᾗ εἶπαν (1 a)
— 4. ἡ ν. [A ἡμέρα] ἐκείνη εἴη σκότος †
— 6. A B S² καταραθείη ἡ ἡμέρα καὶ ἡ ν. ἐκείνη (1 a)
— 7. ἡ ν. ἐκείνη εἴη ὀδύνη [A -ηρά] (1 a)
— 9. σκοτωθείη τὰ ἄστρα τῆς ν. ἐκείνης (2)
5. 14. τὸ δὲ μεσημβρινὸν ψηλαφήσαισαν ἴσα νυκτί (1 a)
7. 3. νύκτες δὲ ὀδυνῶν δεδομέναι μοί εἰσιν (1 a)
17. 12. A B S² νύκτα εἰς ἡμέραν ἔθηκα (1 a)
18. 15. κατασκηνώσει ἐν τῇ σκηνῇ αὐτοῦ ἐν νυκτὶ [A καὶ ἐν σώματι] αὐτοῦ †
24. 14. νυκτὸς ἔσται ὡς κλέπτης (1 a)
27. 20. νυκτὶ δὲ ὑφείλατο αὐτὸν γνόφος [S λαῖλαψ] (1 a)
30. 17. νυκτὶ [A νύκτες] δέ μου τὰ ὀστᾶ συγκέχυται [A συνέθλασαν] (1 a)
34. 25. στρέψει νύκτα καὶ ταπεινωθήσονται (1 a)
36. 20. μὴ ἐξελκύσῃς τὴν ν. (1 a)
Ps. 1. 2. ἐν τῷ νόμῳ αὐτοῦ μελετήσει ἡμέρας καὶ νυκτός (1 a)
6. 6. λούσω καθ' ἑκάστην νύκτα τὴν κλίνην μου (1 a)
12 (13). 2. ὀδύνας ἐν καρδίᾳ μου ἡμέρας [A S² add. καὶ νυκτός] –
15 (16). 7. ἔτι δὲ καὶ ἕως νυκτὸς ἐπαίδευσάν με οἱ νεφροί μου (1 a)
16 (17). 3. ἐπεσκέψω νυκτός (1 a)
18 (19). 2. νὺξ νυκτὶ ἀναγγέλλει γνῶσιν (1 a, 1 a)
21 (22). 2. καὶ νυκτὸς καὶ οὐκ εἰς ἄνοιαν ἐμοί (1 a)
31 (32). 4. ἡμέρας καὶ νυκτὸς ἐβαρύνθη ἐπ' ἐμὲ ἡ χείρ σου (1 a)
41 (42). 3. ἐγενήθη τὰ δάκρυά μου ἐμοὶ ἄρτος ἡμέρας καὶ νυκτός (1 a)
— 8. καὶ νυκτὸς δηλώσει [A ᾠδὴ αὐτοῦ, S² ᾠδὴ αὐτῷ] (1 a)
54 (55). 10. ἡμέρας καὶ νυκτὸς κυκλώσει αὐτήν (1 a)
73 (74). 16. σή ἐστιν ἡ ν. (1 a)
76 (77). 2. ταῖς χερσί μου νυκτὸς ἐναντίον αὐτοῦ (1 a)
— 6. νυκτὸς μετὰ τῆς καρδίας μου ἠδολέσχουν (1 a)
77 (78). 14. ὅλην τὴν ν. ἐν φωτισμῷ πυρός [S¹ φωτός] (1 a)
87 (88). 1. ἡμέρας ἐκέκραξα καὶ ἐν νυκτὶ ἐναντίον σου (1 a)
89 (90). 4. καὶ φυλακὴ ἐν νυκτί (1 a)
91 (92). 2. καὶ τὴν ἀλήθειάν σου κατὰ νύκτα (1 a)
103 (104). 20. ἔθου σκότος καὶ ἐγένετο νύξ (1 a)
104 (105). 39. καὶ πῦρ τοῦ φωτίσαι αὐτοῖς τὴν ν. (1 a)
118 (119). 55. ἐμνήσθην ἐν νυκτὶ τοῦ ὀνόμ. σου (1 a)
120 (121). 6. οὐδὲ ἡ σελήνη τὴν ν. (1 a)
129 (130). 6. ἀπὸ φυλακῆς πρωΐας μέχρι νυκτός †
133 (134). 1. ἐν ταῖς ν. ἐπάρατε τὰς χείρας ὑμῶν (1 a)
135 (136). 9. τὴν σελήνην . . . εἰς ἐξουσίαν τῆς ν. (1 a)
138 (139). 11. νὺξ φωτισμὸς ἐν τῇ τρυφῇ μου (1 a)
— 12. B² S R νὺξ ὡς ἡμέρα φωτισθήσεται (1 a)
Pr. 31. 15. ἀνίσταται ἐκ νυκτῶν (1 a)
— 18. οὐκ ἀποσβέννυται ὁ λύχνος αὐτῆς ὅλην τὴν ν. (1 a)
Ec. 2. 23. ἐν νυκτὶ οὐ κοιμᾶται ἡ καρδία αὐτοῦ (1 a)
8. 16. καὶ ἐν ἡμέρᾳ καὶ ἐν νυκτί (1 a)
Ca. 3. 1. ἐν νυξὶν ἐζήτησα ὃν ἠγάπησεν ἡ ψυχή μου (1 a)
— 8. ἀπὸ θάμβους ἐν νυξί (1 a)
5. 2. οἱ βόστρυχοί μου ψεκάδων νυκτός (1 a)
Wi. 7. 30. τοῦτο μὲν γὰρ διαδέχεται νὺξ
10. 17. ἐγένετο αὐτοῖς . . . εἰς φλόγα ἄστρων τὴν ν.
17. 2. μακρᾶς πεδῆται νυκτὸς κατακλεισθέντες ὀρόφοις
— 5. οὔτε . . . ὑπέμενον τὴν στυγνὴν ἐκείνην νύκτα
— 14. τὴν ἀδύνατον ὄντως ν. καὶ ἐξ . . . ᾅδου μυχῶν ἐπελθοῦσαν
— 21. R μόνοις δὲ ἐκείνοις ἐπετέτατο [A B ἐπέτατο, S ἐπέκειτο] βαρεῖα νύξ
18. 6. ἐκείνη ἡ ν. προεγνώσθη πατράσιν ἡμῶν
— 14. νυκτὸς ἐν ἰδίῳ τάχει μεσαζούσης
Si. 40. 5. ὕπνος νυκτὸς [S¹ καὶ νὺξ] ἀλλοιοῖ γνῶσιν αὐτοῦ
Ho. 4. 5. νυκτὶ ὡμοίωσα τὴν μητέρα σου (1 a)
— 6. ὡμοιώθη [A νυκτὶ ὡμ.] ὁ λαός μου –
7. 6. ἐν τῷ καταράσσειν αὐτοὺς ὅλην τὴν ν. (1 a)
Am. 5. 8. καὶ ἡμέραν εἰς νύκτα συσκοτάζων (1 a)
Mi. 3. 6. διὰ τοῦτο νὺξ ὑμῖν ἔσται ἐξ ὁράσεως (1 a)
Ob. 1. 5. εἰ κλέπται εἰσῆλθον . . . ἢ λῃσταὶ νυκτός (1 a)
Jn. 2. 1. ἦν Ἰ. ἐν τῇ κοιλίᾳ . . . τρεῖς ἡμέρας καὶ τρεῖς νύκτας (1 a)
4. 10. ἐγενήθη ὑπὸ νύκτα καὶ ὑπὸ νύκτα ἀπώλετο (1 a, 1 a)
Za. 1. 8. ἑώρακα τὴν νύκτα (1 a)
14. 7. οὐχ ἡμέρα καὶ οὐ νύξ (1 a)
Is. 4. 5. ὡς καπνοῦ καὶ φωτὸς πυρὸς καιομένου νυκτός (1 a)
15. 1. νυκτὸς ἀπολεῖται ἡ Μωαβῖτις νυκτὸς γὰρ ἀπολεῖται τὸ τεῖχος τῆς Μ. (1 a, 1 a)
21. 8. ἔστην ὅλην τὴν ν. (1 a)
— 12. φυλάσσω τὸ πρωὶ καὶ τὴν ν. (1 a)
26. 9. ἐκ νυκτὸς ὀρθρίζει τὸ πνεῦμά μου (1 a)
27. 3. ἁλώσεται γὰρ νυκτός (1 a)
28. 19. ἐν νυκτὶ ἔσται ἐλπὶς πονηρά (1 a)
29. 7. ὡς ἐνυπνιαζόμενος καθ' ὕπνους [A ἐ. ἐνύπνιον, S ἐ. ἐν ὕπνῳ] νυκτός [A S om.] (1 a)
34. 10. ἔσται ἡ γῆ αὐτῆς ὡς πίσσα καιομένη νυκτὸς καὶ ἡμέρας (1 a)
38. 13. ἀπὸ γὰρ τῆς ἡμέρας ἕως νυκτὸς [A S τῆς ν.] παρεδόθην (1 a)
60. 11. ἡμέρας καὶ νυκτὸς οὐ κλεισθήσονται (1 a)
— 19. οὐδὲ ἀνατολὴ σελήνης φωτιεῖ σου τὴν ν. –
62. 6. κατέστησα φύλακας . . . ὅλην τὴν ν. (1 a)
Je. 6. 5. ἀναβῶμεν ἐπ' αὐτὴν [A διαβ. ἐν τῇ, S ἀ. ἐπ' αὐ. ἐν τῇ] νυκτί (1 a)
9. 1 (8. 23). κλαύσομαι τὸν λαόν μου τοῦτον ἡμέρας καὶ νυκτός (1 a)
14. 17. καταγάγετε ἐπ' ὀφθαλμοὺς ὑμῶν δάκρυα ἡμέρας καὶ νυκτός (1 a)
29 (49). 9. ὡς κλέπται ἐν νυκτί (1 a)
38 (31). 35. εἰς φῶς τῆς ν. (1 a)
43 (36). 30. καὶ ἐν τῷ παγετῷ τῆς ν. (1 a)
52. 7. οἱ πολεμισταὶ ἐξῆλθον νυκτός (1 a)
Ba. 2. 25. καὶ τῷ παγετῷ τῆς ν.
La. 1. 2. ἔκλαυσεν [A ἐδάκρυσεν] ἐν νυκτί (1 a)
2. 18. καταγάγετε ὡς χειμάρρους δάκρυα ἡμέρας καὶ νυκτός (1 a)
— 19. ἀγαλλίασαι ἐν [S om.] νυκτί (1 a)
Da. LXX. 2. 9. ὃ τὴν ν. ἑώρακα –
— 19. ἐν αὐτῇ τῇ ν. (1 b)
3. (71). εὐλογεῖτε νύκτες . . . τὸν κύριον
5. 1. ἐν αὐτῇ τῇ ν. –
7. 2. ἐθεώρουν καθ' ὕπνους νυκτός (1 b)
— 7, 13. ἐθεώρουν ἐν ὁράματι τῆς ν. (1 b)
— 15. ἐν τῷ ὁράματι τῆς ν. †
Da. TH. 2. 19. ἐν ὁράματι τῆς ν. (1 b)
3. (71). εὐλογεῖτε νύκτες . . . τὸν κύριον
4. 10. ἐν ὁράματι τῆς ν. †
5. 30. ἐν αὐτῇ τῇ ν. ἀνῃρέθη B. (1 b)
7. 2. A ἐν ὁράματι τῆς ν. (1 b)
— 13. ἐθεώρουν ἐν ὁράματι τῆς ν. (1 b)
Bel 15. ἦλθον τὴν ν.
I Ma. 4. 1. ἀπῆρεν ἡ παρεμβολὴ νυκτός
— 5. ἦλθε Γ. εἰς τὴν παρεμβολὴν Ἰ. νυκτός
5. 29. ἀπῆρεν ἐκεῖθεν νυκτός
— 50. ὅλην τὴν ἡμέραν ἐκ. καὶ ὅλην τὴν ν.
9. 58. συλλήψεται αὐτοὺς πάντας ἐν ν. μιᾷ
12. 26. ἐπιπεσεῖν ἐπ' αὐτοὺς τὴν ν.
— 27. ἑτοιμάζεσθαι εἰς πόλεμον δι' ὅλης τῆς ν.
13. 22. A ἐν τῇ ν. ἐκείνῃ ἦν χιὼν πολλή [R al.]

II Ma. 8. 7. τὰς ν. . . . συνεργοὺς ἐλάμβανε
12. 9. τοῖς Ἰαμνίταις νυκτὸς ἐπιβαλών
13. 10. δι' ἡμέρας καὶ νυκτὸς ἐπικαλεῖσθαι τὸν κ.
III Ma. 5. 11. ἐν νυκτὶ καὶ ἡμέρᾳ ἐπιβαλλόμενον
— 19. νυκτὸς τὸ προσταγὲν ἐπὶ τέλος ἤγηοχέναι
— 22. κατεχρήσαντο τὸν χρόνον τῆς ν.
[Aq. Ge. 1. 5, 16: 8. 22: Ex. 14. 20: Jo. 2. 2: IV Ki. 8. 21: Jb. 4. 13: 17. 12: 27. 20: 33. 15: Ps. 1. 2: 21 (22). 3: 31 (32). 4: 41 (42). 9: 138 (139). 11: Pr. 31. 15: Ca. 3. 8: Is. 29. 7: 30. 29: 38. 12: Je. 14. 17: 16. 13.]
[Sm. Ge. 1. 5, 16: 8. 22: Ex. 13. 21: Jo. 2. 2: Jb. 3. 3: 27. 20: 35. 10.: 36. 20: Ps. 1. 2: 21 (22). 3: 31 (32). 4: 41 (42). 9: 54 (55). 11: 76 (77). 3, 7: 138 (139). 11, 12: Pr. 31. 15: Is. 28. 19: 30. 29: 38. 12: Je. 14. 17: 16. 13: Za. 14. 7.]
[Th. Ge. 1. 5, 16: Ex. 13. 21: Jo. 2. 2: Jb. 17. 12: 18. 15: 24. 14: 27. 20: 34. 25: 35. 10: 36. 20: Ps. 21 (22). 3: Pr. 31. 15: Is. 30. 29: 38. 12: Je. 16. 13: 33 (40). 20 *bis*, 25: 39 (46). 4: Da. 5. 30: 7. 2†, 7†.]
[Sam. Ex. 14. 20.]
[Al. I Ki. 14. 34: Jb. 30. 17: Ps. 135 (136). 9.]
[Quint. IV Ki. 8. 21: Ps. 1. 2.]
[Sext. Ps. 1. 2.]
[Heb. Jb. 3. 3.]

νύσσειν.
Si. 22. 19. A S²R ὁ νύσσων ὀφθαλμὸν κατάξει δάκρυα καὶ ὁ [B S¹ *om.*] νύσσων καρδίαν ἐκφαίνει αἴσθησιν
III Ma. 5. 14. ἀθρόους τοὺς κλητοὺς ἰδὼν ἔνυξε

νύσταγμα. (1) תְּנוּמָה
Jb. 33. 15. ἐπὶ νυσταγμάτων ἐπὶ κοίτης (1)

νυσταγμός. (1) תְּנוּמָה
Ps. 131 (132). 4. εἰ δώσω . . . τοῖς βλεφάροις μου νυσταγμόν (1)
Si. 34 (31). 2. μέριμνα ἀγρυπνίας ἀπαιτήσει νυσταγμόν
Je. 23. 31. A S R πρὸς τοὺς προφήτας τοὺς . . . νυστάζοντας νυσταγμὸν αὐτῶν †
Da. LXX. 4. 32. νυσταγμὸς ἐπέπεσέ μοι –
[Aq. Sm. Pr. 6. 4.]
[Th. Ps. 131 (132). 4: Pr. 6. 4.]

νυστάζειν. (1) דָּלַף (2) נוּם (3) רָדַם ni. (4) שָׁנָה
II Ki. 4. 6. ἐνύσταξε καὶ ἐκάθευδεν †
Ps. 75 (76). 6. ἐνύσταξαν οἱ ἐπιβεβηκότες τοὺς ἵππους [B² S² τοῖς ἵπποις] (3)
118 (119). 28. ἐνύσταξεν ἡ ψυχή μου ἀπὸ ἀκηδίας (1)
120 (121). 3. μηδὲ νυστάξει ὁ φυλάσσων σε (2)
— 4. οὐ νυστάξει . . . ὁ φυλάσσων τὸν Ἰσραήλ (2)
Pr. 6. 10. μικρὸν δὲ νυστάζεις (4?)
24. 48 (33). ὀλίγον νυστάζω (4)
Si. 22. 8. διηγούμενος νυστάζοντι ὁ διηγούμενος μωρῷ
Na. 3. 18. ἐνύσταξαν οἱ ποιμένες σου (2)
Is. 5. 27. οὐδὲ νυστάξουσιν οὐδὲ κοιμηθήσονται (2)
56. 10. κύνες ἐνεοὶ . . . φιλοῦντες νυστάξαι (2)
Je. 23. 31. A S R πρὸς τοὺς προφήτας τοὺς . . . νυστάζοντας νυσταγμὸν αὐτῶν †
[Aq., Sm. Is. 56. 10.]

νωθρεύειν.
[Aq. Jd. 19. 8.]

νωθροκάρδιος. (1) נְעֲוַה־לֵב
Pr. 12. 8. νωθροκάρδιος δὲ μυκτηρίζεται (1)

νωθρός. (1) אֵיתָן νωθρός חָשֵׁךְ
Pr. 22. 29. καὶ μὴ παρεστάναι ἀνδράσι νωθροῖς (1)
Si. 4. 29. μὴ γίνου . . . νωθρὸς καὶ παρειμένος
11. 12. ἔστι νωθρὸς καὶ προσδεόμενος ἀντιλήψεως

νωθρότης.
III Ma. 4. 5. τὴν ἐκ τοῦ γήρως νωθρότητα

νωκεδείμ.
[Th. Am. 1. 1.]

νωκήδ (R), **νωκήθ** (AB). (1) נֹקֵד
IV Ki. 3. 4. Μ. βασιλεὺς Μωὰβ ἦν ν. (1)

νωτοκοπεῖν.
[Th. Ex. 13. 13: Is. 66. 3.]

νῶτον, νῶτος. (1) גַּב (2) גֵּו (3) כָּתֵף (4) מַפְרֵקֶת (5) מָתְנַיִם (6) עֹרֶף (7) שְׁכֶם
Ge. 9. 23. ἐπέθεντο ἐπὶ τὰ δύο νῶτα (7)
49. 8. αἱ χεῖρές σου ἐπὶ νώτου τῶν ἐχθρῶν σου (6)
Ex. 37. 12 (38. 14). πηχῶν τὸ κατὰ νώτου (3)
— 13 (38. 15). ἐπὶ τοῦ ν. τοῦ δευτέρου (3)
Nu. 34. 11. ἐπὶ νώτου θαλάσσης Χ. (3)
Jo. 15. 8. AR ἐπὶ νώτου [B νότου] τοῦ Ἰεβούς (3)
— 10. παρελεύσεται . . . ἐπὶ νώτου πόλιν Ἰ. (3)
— 11. διεκβάλλει τὸ ὅριον κατὰ νώτου Ἀ. (3)
18. 12. προσαναβήσεται τὰ ὅρια κατὰ νώτου Ἱερ. (3)
— 13. διελεύσεται . . . ἐπὶ νώτου [A νότου] Λ. (3)
— 16. AR καταβήσεται Γ. ἐπὶ νῶτον [B νότον] Ἰ. (3)
— 18. διελεύσεται κατὰ νώτου Β. (3)
— 18 (19). ἐπὶ νῶτον [A -ου] θάλασσαν ἀπὸ βορρᾶ (3?)
19. 34. R συνάψει τῷ Ζ. ἀπὸ νώτου [A B νότου] †
I Ki. 4. 18. συνετρίβη ὁ ν. αὐ. (4)
13. 5. B ἐξ ἐναντίας Β. κατὰ νώτου [R νότου] –
II Ki. 22. 41. τοὺς ἐχθρούς μου ἔδωκάς μοι νῶτον (6)
III Ki. 7. 33. οἱ ν. αὐτῶν καὶ ἡ πραγματεία αὐ. (1)
IV Ki. 17. 14. ἐσκλήρυναν τὸν ν. αὐτῶν ὑπὲρ τὸν ν. τῶν πατέρων αὐ. (6, 6)
Ne. 9. 29. ἔδωκαν ν. ἀπειθοῦντα (3)
Jb. 15. 26. ἐν πάχει νώτου [A πανεχίνῳ τῆς] ἀσπίδος αὐτοῦ (1)
Jb. 37. 17. S² ἀπὸ νώτου [? νότου] †
Ps. 17 (18). 40. τοὺς ἐχθρούς μου ἔδωκάς μοι νῶτον (6)
20 (21). 12. θήσεις αὐτοὺς νῶτον (7)
65 (66). 11. S²R ἔθου θλίψεις ἐπὶ τὸν ν. [BS¹ ἐνώπιον] ἡμῶν (5)
68 (69). 23. τὸν ν. αὐτῶν διὰ παντὸς σύγκαμψον (5)
80 (81). 6. ἀπέστησεν ἀπὸ ἄρσεων τὸν ν. αὐτοῦ (7)
128 (129). 3. A S ἐπὶ τοῦ ν. [R τὸν ν.] μου ἐτέκταινον οἱ ἁμαρτωλοί (1)
Si. 21. 15. ἀπέστρεψεν αὐτὸν ὀπίσω τοῦ ν. [A τῶν ὤτων] αὐτοῦ
Za. 7. 11. καὶ ἔδωκαν νῶτον παραφρονοῦντα (3)
Is. 17. 12. ν. ἐθνῶν πολλῶν ὡς ὕδωρ ἠχήσει †
50. 6. τὸν ν. μου ἔδωκα εἰς μάστιγας (2)
Je. 2. 27. ἔστρεψαν [S ἐπέστρ.] ἐπ' ἐμὲ νῶτα (6)
31 (48). 39. πῶς ἔστρεψε νῶτον Μωάβ (6)
39 (32). 33. ἀπέστρεψαν [S ἐπ.] πρὸς μὲ νῶτον (6)
Ba. 2. 33. ἀποστρέψουσιν [A ἐπιστρ.] ἀπὸ τοῦ ν. αὐτῶν τοῦ σκληροῦ
Ez. 1. 18. οὐκ ἐπέστρεφον ἐν τῷ πορεύεσθαι αὐτὰ οὐδ' οἱ ν. αὐτῶν . . . καὶ οἱ ν. αὐτῶν πλήρεις ὀφθαλμῶν (1, 1)
10. 12. οἱ ν. αὐτῶν . . . πλήρεις ὀφθαλμῶν (1)
40. 18. αἱ στοαὶ κατὰ νώτου τῶν πυλῶν (3)
— 40. κατὰ νώτου τοῦ ῥόακος τῶν ὁλοκαυτωμάτων . . . πρὸς ἀνατολὰς κατὰ νώτου τῆς δευτέρας (3, 3)
— 41. τέσσαρες ἔνθεν καὶ τέσσαρες ἔνθεν κατὰ νώτου τῆς πύλης (3)
— 44. μία κατὰ νώτου τῆς πύλης τῆς βλεπούσης πρὸς βορρᾶν φέρουσα πρὸς νότον καὶ μία κατὰ νώτου τῆς πύλης τῆς πρὸς νότον (3, 3)
42. 16. ἔστη κατὰ νώτου τῆς πύλης τῆς βλεπούσης κατὰ ἀνατολάς –
46. 19. εἰς τὴν εἴσοδον τῆς κατὰ νώτου τῆς πύλης (3)
III Ma. 3. 24. τοὺς δυσσεβεῖς τούτους κατὰ νώτου προδότας
IV Ma. 11. 19. τοῖς ν. προσέφερον
[Aq. Dt. 33. 11: Jb. 40. 11 (16): Ps. 65 (66). 11: 68 (69). 24: Pr. 30. 31: 31. 17: Je. 7. 26: 18. 17: Ez. 1. 27: 9. 11.]
[Sm. Is. 51. 23.]
[Th. Jb. 15. 26: Pr. 10. 13: 19. 29: 30. 31: 31. 17.]
[Quint. Ho. 5. 8.]

νωτοφόρος. (1) סַבָּל
II Ch. 2. 2 (1). ἑβδομήκ. χιλιάδας ἀνδρῶν [A³R *add.* νωτοφόρων] (1)
— 18 (17). ἑβδομήκ. χιλιάδας νωτοφόρων (1)
34. 13. καὶ ἐπὶ τῶν ν. (1)

νωχελεύεσθαι.
[Aq. Pr. 18. 9: 24. 10: Hb. 2. 4.]

Ξ

ξανθίζειν. (1) צָהֹב (2) שָׁחֹר
Le. 13. 30. ἐν αὐτῇ δὲ θρὶξ ξανθίζουσα λεπτή (1)
— 31. καὶ θρὶξ ξανθίζουσα οὐκ ἔστιν ἐν αὐτῇ (2)
— 32. καὶ θρὶξ ξανθίζουσα οὐκ ἔστιν ἐν αὐτῇ (1)

ξανθός. (1) צָהֹב
Le. 13. 36. περὶ τῆς τριχὸς τῆς ξ. (1)
[Aq. Le. 13. 36: Za. 1. 8.]
[Th. Le. 13. 36.]

ξέειν.
Jb. 7. 5. A τήκω δὲ βώλακας γῆς ἀπὸ ἰχῶρος ξέων [B S ξύων] †

ξενητία.
Wi. 18. 3. AB¹ ἥλιον δὲ ἀβλαβῆ φιλοτίμου ξενητίας [S¹φιλοτιμίας, B²S²R ξενιτείας] παρέσχες

ξενία.
Si. 29. 27. B¹ ἐπεξένωταί μοι ὁ ἀδελφὸς χρεία τῆς ξ. [A B²S R οἰκίας]

ξενίζειν.
Es. 3. 13. διαγωγὴν νόμων ξενίζουσαν παραλλάσσον [A S¹ *al.*]
Si. 29. 25. ξενιεῖς καὶ ποτιεῖς εἰς [AS¹ *om.*] ἀχάριστα
II Ma. 9. 6. τὸν . . . ξενιζούσαις συμφοραῖς ἑτέρων σπλάγχνα βασανίσαντα
III Ma. 7. 3. R κολάσασθαι ξενιζούσαις ἀποστατῶν τιμωρίαις [A *al.*]

ξένιον. (1) מִנְחָה (2) מִנְדָּרוֹת
Ki. 8. 2, 6. εἰς δούλους φέροντας ξένια (2)
Es. 1. 6. ἐνίσχυσαν [A ἰσχ.] . . . ἐν ξενίοις (1)
Si. 20. 29. ξένια καὶ δῶρα ἀποτυφλοῖ ὀφθαλμοὺς σοφῶν
Ho. 10. 6. ἀπήνεγκαν ξένια τῷ βασιλεῖ Ἰαρείμ (2)
I Ma. 10. 36. δοθήσεται αὐτοῖς ξένια
11. 24. S R λαβὼν . . . ἕτερα ξ. [A *al.*]
III Ma. 1. 8. καὶ ξένια κομιοῦντας

ξένιος.
II Ma. 6. 2. R καὶ τὸν ἐν Γ. . . . Διὸς ξ. [A *al.*]

ξενισμός. (1) אֲרֻחָה
Pr. 15. 17. κρείσσων ξενισμὸς μετὰ [A *om.*] λαχάνων (1)

ξενιτεία.
Wi. 18. 3. B² R ἥλιον δὲ ἀβλαβῆ φιλοτίμου ξενιτείας [A B¹ ξενητίας, S¹ φιλοτιμίας] παρέσχες

ξενολογεῖν.

I Ma. 4. 35. ἀπῆρεν εἰς Ἀντ. καὶ ἐξενολόγει
11. 38. ὧν ἐξενολόγησεν
15. 3. ἐξενολόγησα δὲ [S¹ καὶ ἐξενολόγησαν] πλῆθος

ξένος. (1) אֹרַח (2) גֵּר (3) נָכְרִי (4) קָרָא

Ru. 2. 10. καὶ ἐγὼ εἰμι ξένη (3)
I Ki. 9. 13. ἐσθίουσιν οἱ ξ. (4)
II Ki. 12. 4. τοῦ ποιῆσαι τῷ ξ. ὁδοιπόρῳ [A *om.*] (1)
15. 19. ξένος εἶ σύ (3)
Jb. 31. 32. ἔξω δὲ οὐκ ηὐλίζετο ξένος (2)
Ps. 68 (69). 8. καὶ ξένος τοῖς υἱοῖς τῆς μητρός μου (3)
Ec. 6. 2. ἀνὴρ ξ. φάγεται [S¹ καταφ.] αὐτόν [A S² -ά] (3)
Wi. 16. 2. εἰς ἐπιθυμίαν ὀρέξεως ξένην γεῦσιν
— 3. καὶ ξένης μετάσχωσι γεύσεως
— 16. ξένοις ὑετοῖς . . . διωκόμενοι
— 22. πῦρ . . . ἐν τοῖς [S² ξένοις] ὑετοῖς διαστράπτον
19. 5. ἐκεῖνοι δὲ ξένον εὕρωσι θάνατον
— 14. εὐεργέτας ξένους ἐδουλοῦντο
Si. 46. 12. καὶ τὸ ὄνομα αὐ. ἀντικαταλλασσόμενον [S¹ -αξοι ξένον]
Is. 18. 2. πορεύσονται γὰρ ἄγγελοι κοῦφοι πρὸς . . . ξένον λαὸν καὶ χαλεπόν †
La. 5. 2. οἱ οἶκοι ἡμῶν ξένοις (3)
I Ma. 11. 38. S πλὴν τῶν ξένων δυναμένων [A R -μεων]
II Ma. 5. 9. ἐπὶ ξένης ἀπώλετο
9. 28. ἐπὶ ξένης . . . κατέστρεψε τὸν βίον
10. 24. συναγαγὼν ξέναις δυνάμεις παμπληθεῖς
III Ma. 6. 3. λαὸν ἐν ξένῃ γῇ ξένον ἀδίκως ἀπολλύμενον
[Aq. Ex. 2. 22: Dt. 14. 20 (21): Jb. 19. 15: Pr. 27. 2, 13: Is. 28. 21.]
[Sm. II Ki. 12. 4: Ps. 80 (81). 10: Pr. 2. 16: 6. 24: 27. 2: Is. 61. 5.]
[Th. Jb. 19. 15: Pr. 6. 24: 20. 16: 23. 27: 27. 13.]

ξενοτροφεῖν.

II Ma. 10. 14. Γ. δὲ . . . ἐξενοτρόφει

ξέστης.

[Al. Le. 14. 10.]

ξεστός. (1) גִּזִּית

Si. 22. 17. S² ὡς κόσμος ψαμμωτὸς τοίχου ξεστοῦ [A B S¹ ξυστοῦ]
Am. 5. 11. οἴκους ξεστοὺς ᾠκοδομήσατε [A ξυστοὺς οἰκοδομήσετε] (1)
I Ma. 13. 27. S R ὕψωσεν αὐτὸν . . . λίθῳ ξ. [A ξυστῷ]

ξηραίνειν. (1) חָרַב (2) יָבֵשׁ *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. (3) נָשַׁת (4) שָׁאַף (5) שָׁמַד hi.

Ge. 8. 7. ἕως τοῦ ξηρανθῆναι τὸ ὕδωρ (2 *a*)
— 14. ἐξηράνθη ἡ γῆ (2 *a*)
Jo. 9. 12. νῦν δὲ ἐξηράνθησαν (2 *a*)
III Ki. 13. 4. ἐξηράνθη ἡ χεὶρ αὐτοῦ (2 *a*)
17. 7. ἐξηράνθη ὁ χειμάρρους (2 *a*)
Jb. 4. 21. καὶ ἐξηράνθησαν [A *al.*] †
8. 12. πρὸ τοῦ πιεῖν πᾶσα βοτάνη οὐχὶ ξηραίνεται [A *al.*] (2 *a*)
12. 15. ξηρανεῖ τὴν γῆν (2 *a*)
14. 11. ποταμὸς δὲ ἐρημωθεὶς ἐξηράνθη [A *al.*] (2 *a*)
18. 16. ὑποκάτωθεν αἱ ῥίζαι αὐτοῦ ξηρανθήσονται (2 *a*)
Ps. 21 (22). 15. ἐξηράνθη ὡσεὶ ὄστρακον ἡ ἰσχύς μου (2 *a*)
73 (74). 15. R σὺ ἐξήραναs ποταμοὺς ἠθάμ (2 *c*)
89 (90). 6. σκληρυνθείη καὶ ξηρανθείη (2 *a*)
101 (102). 4. ἐξηράνθη ἡ καρδία μου (2 *a*)
— 11. κἀγὼ ὡσεὶ χόρτος ἐξηράνθην (2 *a*)
105 (106). 9. ἐπετίμησε τῇ ἐρυθρᾷ θαλάσσῃ καὶ ἐξηράνθη [S¹ -ησαν] (1)
128 (129). 6. ὃς πρὸ τοῦ ἐκσπασθῆναι ἐξηράνθη (2 *a*)
Pr. 17. 22. ἀνδρὸς δὲ λυπηροῦ ξηραίνεται τὰ ὀστᾶ (2 *b*)
Si. 10. 17. ἐξήρανεν ἐξ αὐτῶν [A S *al.*]
40. 13. χρήματα ἀδίκων ὡς ποταμὸς ξηρανθήσεται
Ho. 9. 16. τὰς ῥίζας αὐτοῦ ἐξηράνθη (2 *a*)
Am. 1. 2. καὶ ἐξηράνθη ἡ κορυφὴ τοῦ Καρμήλου (2 *a*)
2. 9. καὶ ἐξήρανα τὸν καρπὸν αὐτοῦ (5)
Am. 4. 7. μερὶς ἐφ' ἣν οὐ βρέξω ξηρανθήσεται (2 *a*)
Jl. 1. 10. ἐξηράνθη οἶνος (2 *c*)
— 11. ἐξηράνθησαν [S² κατησχύνθησαν] γεωργοί (2 *c*?)
— 12. ἡ ἄμπελος ἐξηράνθη (2 *c*)
— 12. πάντα τὰ ξύλα τοῦ ἀγροῦ ἐξηράνθησαν [S³ -η] (2 *a*)
— 16. S² ἐξηράνθη [? -ήρθη, A B S¹ -ωλεθρεύθη] . . . εὐφροσύνη
— 17. ἐξηράνθη σῖτος (2 *c*)
— 20. ἐξηράνθησαν ἀφέσεις ὑδάτων (2 *a*)
Na. 1. 4. ἀπειλῶν θαλάσσῃ καὶ ξηραίνων αὐτήν (2 *b*)
Za. 10. 2. ἐξηράνθησαν [S³ -ήρθ.] ὡς πρόβατα †
— 11. ξηρανθήσεται [A -σονται] πάντα τὰ βάθη ποταμῶν (2 *c*)
11. 17. ὁ βραχίων αὐ. ξηραινόμενος ξηρανθήσεται (2 *a*, 2 *a*)
Is. 19. 5. ὁ δὲ ποταμὸς ἐκλείψει καὶ ξηρανθήσεται (2 *a*)
— 6. ξηρανθήσεται πᾶσα συναγωγὴ ὕδατος (1)
— 7. πᾶν τὸ σπειρόμενον διὰ τοῦ ποταμοῦ ξηρανθήσεται ἀνεμόφθορον (2 *a*)
27. 11. οὐκ ἔσται ἐν αὐτῇ πᾶν χλωρὸν διὰ τὸ ξηρανθῆναι (2 *a*)
37. 27. ἀνῆκα τὰς χεῖρας καὶ ἐξηράνθησαν †
40. 8. ἐξηράνθη ὁ χόρτος (2 *a*)
— 24. ἔπνευσεν ἐπ' αὐτοὺς καὶ ἐξηράνθησαν (2 *a*)
41. 17. ἡ γλῶσσα αὐτῶν ἀπὸ τῆς δίψης ἐξηράνθη [S¹ ξηρανθήσεται] (3)
42. 14. ἐκστήσω καὶ ξηρανῶ ἅμα (4)
— 15. B πάντα χόρτον αὐτῶν ξηρανῶ (2 *c*)
— 15. καὶ ἕλη ξηρανῶ (2 *c*)
44. 11. πάντες ὅθεν ἐγένοντο ἐξηράνθησαν †
— 27. τοὺς ποταμούς σου ξηρανῶ (2 *c*)
50. 2. ξηρανθήσονται οἱ ἰχθύες αὐτῶν ἀπὸ τοῦ μὴ εἶναι ὕδωρ †
51. 12. ὡσεὶ χόρτος ἐξηράνθησαν †
Je. 12. 4. πᾶς ὁ χόρτος τοῦ ἀγροῦ ξηρανθήσεται (2 *a*)
23. 10. ἐξηράνθησαν αἱ νομαὶ τῆς ἐρήμου (2 *a*)
28 (51). 36. ξηρανῶ [S ἐξαρῶ] τὴν πηγὴν [A S γῆν] αὐτῆς (2 *c*)
La. 4. 8. ἐξηράνθησαν ἐγενήθησαν ὥσπερ ξύλον (2 *a*)
Ez. 17. 9. ξηρανθήσεται πάντα τὰ προανατέλλοντα αὐτῆς (2 *a*)
— 10. οὐχὶ ἅμα τῷ ἅψασθαι αὐτῆς ἄνεμον τὸν καύσωνα ξηρανθήσεται [A *add.* ξηρασίᾳ] (2 *a*)
— 10. σὺν τῷ βώλῳ ἀνατολῆς αὐτῆς ξηρανθήσεται [A *om.*] (2 *a*)
— 24. ἐγὼ κύριος ὁ . . . ξηραίνων ξύλον χλωρόν (2 *c*)
19. 12. ἐξήρανε τὰ ἐκλεκτὰ αὐτῆς (2 *c*)
— 12. ἐξηράνθη ἡ ῥάβδος ἰσχύος αὐτῆς (2 *a*)
Da. LXX. 7. 8. ἐξηράνθησαν δι' αὐτοῦ †
[Aq. Ps. 128 (129). 6: Is. 40. 8: 51. 10.]
[Sm. Jd. 16. 7: Ps. 73 (74). 15: Is. 27. 11: 40. 8: 42. 15: 50. 2.]
[Th. Jb. 18. 16: Is. 40. 8: 42. 15.]
[Al. Is. 51. 10.]

ξηρασία. (1) חֹרֶב (2) *a.* יָבֵשׁ adj. *b.* יַבֶּשֶׁת *c.* יָבֵשׁ verb.

Jd. 6. 37. καὶ ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν ξηρασία (1)
— 39. γενέσθω ἡ [A *om.*] ξ. ἐπὶ τὸν πόκον (1)
— 40. ἐγένετο ξ. ἐπὶ τὸν πόκον μόνον (1)
Ne. 9. 11. παρήλθοσαν . . . ἐν ξηρασίᾳ (2 *b*)
Na. 1. 10. καὶ ὡς καλάμη ξηρασίας μεστή (2 *a*)
Ez. 17. 10. A ξηρανθήσεται ξηρασίᾳ [B *om.*] (2 *c*)
40. 43. τοῦ καλυπτεσθαι ἀπὸ τοῦ ὑετοῦ καὶ ἀπὸ τῆς ξ. †
[Aq., Sm., Th. Hg. 1. 11.]

ξηρός (*incl.* ἡ ξηρά). (1) חָרָבָה (2) *a.* יַבֶּשֶׁת *b.* יַבֶּשֶׁת *c.* יָבֵשׁ (3) צִיָּה (4) צַמָּק (5) ξ. γίγνεσθαι יָבֵשׁ

Ge. 1. 9. καὶ ὀφθήτω ἡ ξ. (2 *a*)
— 9. καὶ ὤφθη ἡ ξ. –
— 10. καὶ ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὴν ξ. Γῆν (2 *a*)
7. 22. R πᾶν ὃ [A πᾶς ὃς] ἦν ἐπὶ τῆς ξ. (1)
Ex. 4. 9. καὶ ἐκχεεῖς ἐπὶ τὸ ξ. (2 *a*)
— 9. ἔσται τὸ ὕδωρ . . . αἷμα ἐπὶ τοῦ ξ. (2 *b*)
14. 16. εἰς μέσον τῆς θαλάσσης κατὰ τὸ ξ. (2 *a*)
— 21. καὶ ἐποίησε τὴν θάλασσαν ξηράν (1)
— 22. εἰς μέσον τῆς θαλάσσης κατὰ τὸ ξ. (2 *a*)
— 29. ἐπορεύθησαν διὰ ξηρᾶς (2 *a*)
Ex. 15. 19. διὰ ξηρᾶς ἐν μέσῳ τῆς θαλάσσης (2 *a*)
Jo. 3. 17. ἔστησαν οἱ ἱερεῖς . . . ἐπὶ ξηρᾶς (1)
— 17. διέβαινον διὰ ξηρᾶς (1)
4. 18. A ἔθηκαν τοὺς πόδας ἐπὶ τῆς ξ. [B γῆς] (1)
— 22. ἐπὶ ξηρᾶς διέβη Ἰσρ. [A¹ *om.*] (2 *a*)
9. 5. ὁ ἄρτος αὐτῶν τοῦ ἐπισιτισμοῦ ξηρός [A *al.*] (2 *c*)
Jb. 24. 19. ἀναφανείη δὲ τὰ φυτὰ αὐτῶν ἐπὶ γῆς ξηρά (3?)
Ps. 65 (66). 6. ὁ μεταστρέφων τὴν θάλασσαν εἰς ξηράν (2 *a*)
94 (95). 5. τὴν ξ. αἱ χεῖρες αὐτοῦ ἔπλασαν (2 *b*)
Wi. 19. 7. ξηρᾶς ἀνάδυσις γῆς ἐθεωρήθη
Si. 6. 3. ἀφήσεις σεαυτὸν ὡς ξύλον [A φύλλον] ξηρόν
37. 3. πόθεν ἐνεκυλίσθης καλύψαι τὴν ξ. ἐν δολιότητι
39. 22. ὡς κατακλυσμὸς ξηρὰν ἐμέθυσεν
Ho. 9. 14. μήτραν ἀτεκνοῦσαν καὶ μαστοὺς ξηρούς (4)
Jn. 1. 9. ἐποίησε τὴν θάλασσαν καὶ τὴν ξηράν (2 *a*)
2. 11. ἐξέβαλε τὸν Ἰ. ἐπὶ τὴν ξηράν (2 *a*)
Hg. 2. 7 (6). σείσω . . . τὴν θάλασσαν καὶ τὴν ξηράν (1)
— 22 (21). σείω . . . τὴν θάλασσαν καὶ τὴν ξηράν –
Is. 9. 18 (17). ὡς ἄγρωστις ξηρὰ βρωθήσεται ὑπὸ πυρός †
37. 27. ἐγένοντο ὡς χόρτος ξ. [A χλωρὸς] ἐπὶ δωμάτων †
56. 3. ἐγώ εἰμι ξύλον ξηρόν (2 *c*)
Ez. 17. 24. ἀναθάλλων ξύλον ξηρόν [B¹ ξυρ.] (2 *c*)
20. 47 (21. 3). καταφάγεται ἐν σοὶ πᾶν ξύλον χλωρὸν καὶ πᾶν ξύλον ξηρόν (2 *c*)
37. 2. πολλὰ σφόδρα ἐπὶ προσώπου τοῦ πεδίου [A *add.* καὶ ἰδοὺ] ξηρὰ σφόδρα (2 *c*)
— 4. ἐρεῖς αὐτοῖς, Τὰ ὀστᾶ τὰ ξ. (2 *c*)
— 11. ξηρὰ γέγονε τὰ ὀστᾶ ἡμῶν (5)
Da. TH. 2. 10. οὐκ ἔστιν ἄνθρωπος ἐπὶ τῆς ξ. (2 *b*)
I Ma. 8. 23. ἐν τῇ θαλάσσῃ καὶ ἐπὶ τῆς ξ.
— 32. διὰ τῆς θαλάσσης καὶ διὰ τῆς ξηρᾶς
IV Ma. 18. 17. εἰ ζήσεται τὰ ὀστᾶ τὰ ξ. ταῦτα
[Aq., Th. Ge. 1. 10: Jo. 9. 5 (11).]
[Sm. Ge. 1. 10: Ex. 14. 16, 21: Jo. 9. 5 (11): Ps. 65 (66). 6.]
[Al. Le. 7. 10.]

ξηρότης.

[Sm. Ps. 67 (68). 7: Je. 17. 6.]

ξιφηφόρος.

IV Ma. 16. 20. τὴν πατρῴαν χεῖρα ξ.

ξίφος. (1) חֶרֶב

Jo. 10. 28. B¹ ἐν στόματι μαχαίρας [AB²R ξίφους] (1)
— 30. ἐν στόματι ξίφους [B² μαχαίρας] (1)
— 32. ἐν στόματι ξίφους (1)
— 33. ἐν στόματι ξίφους –
— 35, 37, 39. ἐν στόματι ξίφους (1)
11. 11. ἀπέκτειναν . . . ἐν ξίφει [A στόματι ξίφους] (1)
— 12, 14. ἐν στόματι ξίφους (1)
Jb. 3. 14. οἳ ἠγαυριῶντο ἐπὶ ξίφεσιν †
Wi. 18. 16. ξίφος ὀξὺ τὴν . . . ἐπιταγήν [A ὑποτ.] σου φέρων
Ez. 16. 40. κατασφάξουσί σε ἐν τοῖς ξ. αὐτῶν (1)
23. 47. κατακέντει αὐτὰς ἐν τοῖς ξ. αὐτῶν (1)
II Ma. 12. 22. ταῖς τῶν ξ. ἀκμαῖς ἀναπείρεσθαι
14. 41. A ὑπέθηκεν ἑαυτῷ τὸ [R *om.*] ξ.

ξόανον.

[Aq. Ez. 6. 4.]

ξύειν. (1) גָּרַד hithp.

Jb. 2. 8. ἵνα τὸν ἰχῶρα ξύῃ [A ἀποξέῃ] (1)
7. 5. τήκω δὲ βώλακας γῆς ἀπὸ ἰχῶρος ξύων [A ξέων] –

ξυλάριον, ξυλήριον. (1) עֵץ

III Ki. 17. 12. συλλέγω δύο ξυλάρια [A ξυλήρια] (1)

ξύλινος. (1) *a.* עֵץ *b.* אֶבֶן (2) τὸ ξύλινον χειροποίητον חֹמֶן

Le. 11. 32. ἀπὸ παντὸς σκεύους ξ. ἢ ἱματίου (1 *a*)
15. 12. σκεῦος ξύλινον νιφήσεται ὕδατι (1 *a*)
26. 30. ἐξολεθρεύσω τὰ ξ. χειροποίητα ὑμῶν (2)
27. 30. ἀπὸ . . . τοῦ καρποῦ τοῦ ξ. (1 *a*)
Nu. 31. 20. πᾶν σκεῦος ξ. ἀφαγνιεῖτε (1 *a*)

Nu. 35. 18. ἐὰν δὲ ἐν σκεύει ξ. . . . πατάξῃ αὐτόν (1 a)
De. 10. 1. ποιήσεις σεαυτῷ κιβωτὸν ξ. [A λιθίνην] (1 a)
28. 42. πάντα τὰ ξ. σου . . . ἐξαναλώσει ἡ ἐρυσίβη (1 a)
III Ki. 6. 31. B ἐποίησε θύρας [A add. ἐκ] ξυλίνων [A R ξύλων] ἀρκευθίνων (1 a)
I Es. 6. 25. διὰ . . . δόμου ξ. ἐγχωρίου καινοῦ ἑνός
9. 42. ἔστη . . . ἐπὶ τοῦ ξ. βήματος
II Es. 6. 4. καὶ δόμος ξ. εἷς (1 b)
Ne. 8. 4. ἔστη Ἔ. . . . ἐπὶ βήματος ξ. (1 a)
Si. 22. 16. ἱμάντωσις ξυλίνη ἐνδεδεμένη [A[1] om.] εἰς οἰκοδομήν
Je. 35 (28). 13. κλοιοὺς ξυλίνους συνέτριψας (1 a)
Ep. Je. 4. ὄψεσθε ἐν Βαβ. θεοὺς . . . ξ.
— 11. κοσμοῦσι . . . θεοὺς χρυσοῦς καὶ ξυλίνους
— 30. παρατιθέασι θεοῖς ἀργυροῖς . . . καὶ ξ.
— 39. τοῖς ἀπὸ τοῦ ὄρους λίθοις ὡμοιωμένοι εἰσὶ τὰ ξ.
— 50. ὑπάρχοντα γὰρ ξύλινα . . . γνωσθήσεται
— 55. ὅταν ἐμπέσῃ εἰς οἰκίαν θεῶν ξυλίνων
— 57. R οὐ μὴ διασωθῶσι [A -σώσουσιν, B διαθ.] θεοὶ ξύλινοι
— 59. ξ. στῦλος ἐν βασιλείοις
— 70. οἱ θεοὶ αὐτῶν εἰσι ξύλινοι
— 71. νεκρῷ ἐρριμμένῳ ἐν σκότει ἀφωμοίωνται οἱ θεοὶ αὐτῶν ξύλινοι
Ez. 41. 22. ὡς ὄψις θυσιαστηρίου ξυλίνου . . . οἱ τοῖχοι αὐτοῦ ξύλινοι (1 a, 1 a)
Da. TH. 5. 4. ᾔνεσαν τοὺς θεοὺς τοὺς . . . ξ. (1 b)
— 23. τοὺς θεοὺς τοὺς . . . ξ. . . . ᾔνεσας (1 b)
I Ma. 6. 37. πύργοι ξ. ἐπ' αὐτούς [S al.]
10. 30. ἀντὶ τοῦ ἡμίσους τοῦ καρποῦ τοῦ ξ.
[Sm. Ps. 73 (74). 5: Hb. 2. 11.]

ξυλοκόπος. (1) חֹטֵב עֵץ

De. 29. 11 (10). ἀπὸ ξυλοκόπου ὑμῶν (1)
Jo. 9. 21. ἔσονται ξυλοκόποι (1)
— 23. οὐ μὴ ἐκλείπῃ ἐξ ὑμῶν . . . ξυλοκόπος (1)
— 27. κατέστησεν αὐτοὺς . . . ξυλοκόπους (1)
— 27. B ἐγένοντο οἱ κατοικοῦντες Γ. ξυλοκόποι –

ξύλον. (1) נַהֲלֹל (2) סַד (3) a. עֵץ b. אָע (4) צֶלַע

Ge. 1. 11, 12. καὶ ξ. κάρπιμον ποιοῦν καρπόν (3 a)
— 29. πᾶν ξ. ὃ ἔχει ἐν ἑαυτῷ καρπόν (3 a)
2. 9. πᾶν ξ. ὡραῖον εἰς ὅρασιν (3 a)
— 9. καὶ τὸ ξ. τῆς ζωῆς (3 a)
— 9. τὸ ξ. τοῦ εἰδέναι γνωστὸν καλοῦ (3 a)
— 16. ἀπὸ παντὸς ξ. τοῦ ἐν τῷ παραδείσῳ (3 a)
— 17. ἀπὸ δὲ τοῦ ξ. τοῦ γινώσκειν καλόν (3 a)
3. 1. οὐ μὴ φάγητε ἀπὸ παντὸς ξ. (3 a)
— 2. R ἀπὸ καρποῦ τοῦ ξ. [A ἀπὸ παντὸς ξ.] (3 a)
— 3. τοῦ ξ. ὅ ἐστιν ἐν μέσῳ τοῦ παραδείσου (3 a)
— 6. καλὸν τὸ ξ. εἰς βρῶσιν (3 a)
— 8. ἐν μέσῳ τοῦ ξ. τοῦ παραδείσου (3 a)
— 11. εἰ μὴ ἀπὸ τοῦ ξ. . . . ἀπ' αὐτοῦ ἔφαγες (3 a)
— 12. αὕτη μοι ἔδωκεν ἀπὸ τοῦ ξ. (3 a)
— 17. καὶ ἔφαγες ἀπὸ τοῦ ξ. (3 a)
— 22. R καὶ λάβῃ ἀπὸ [A om.] τοῦ ξ. τῆς ζωῆς (3 a)
— 24. φυλάσσειν τὴν ὁδὸν τοῦ ξ. τῆς ζωῆς (3 a)
6. 14. κιβωτὸν ἐκ ξύλων τετραγώνων (3 a)
22. 3. καὶ σχίσας ξύλα εἰς ὁλοκάρπωσιν (3 a)
— 6. ἔλαβε δὲ Ἀβ. τὰ ξ. τῆς ὁλοκαρπώσεως (3 a)
— 7. ἰδοὺ τὸ πῦρ καὶ τὰ ξ. (3 a)
— 9. καὶ ἐπέθηκε τὰ ξ. (3 a)
— 9. ἐπέθηκεν αὐτὸν . . . ἐπάνω τῶν ξ. (3 a)
40. 19. καὶ κρεμάσει σε ἐπὶ ξύλου (3 a)
Ex. 7. 19. ἐγένετο αἷμα . . . ἔν τε τοῖς ξ. (3 a)
9. 25. καὶ πάντα τὰ ξ. τὰ ἐν τοῖς πεδίοις (3 a)
10. 5. πᾶν ξ. [A τὸ ξ.] τὸ φυόμ. ὑμῖν ἐπὶ τῆς γῆς (3 a)
— 12. πάντα τὸν καρπὸν τῶν ξ. –
— 15. κατέφαγε . . . πάντα τὸν καρπὸν τῶν ξ. (3 a)
— 15. χλωρὸν οὐδὲν ἐν τοῖς ξ. (3 a)
15. 25. καὶ ἔδειξεν αὐτῷ κύριος ξ. (3 a)
25. 5. δέρματα ὑακίνθινα καὶ ξύλα ἄσηπτα (3 a)
— 9 (10). ποιήσεις . . . ἐκ ξύλων ἀσήπτων (3 a)
— 12 (13). ξύλα ἄσηπτα [A ἐκ ξύλων ἀσήπτων] (3 a)
— 27 (28). ποιήσεις . . . ἐκ ξύλων ἀσήπτων (3 a)
26. 15. ποιήσεις στύλους . . . ἐκ ξύλων ἀσήπτων (3 a)
— 26. ποιήσεις μοχλοὺς ἐκ ξύλων ἀσήπτων (3 a)
27. 1. ποιήσεις θυσιαστήριον ἐκ ξ. ἀσήπτων (3 a)
Ex. 27. 6. ποιήσεις . . . ἀναφορεῖς ἐκ ξύλων ἀσήπτων (3 a)
30. 1. ποιήσεις . . . ἐκ ξύλων ἀσήπτων (3 a)
— 5. ποιήσεις σκυτάλας ἐκ ξύλων ἀσήπτων (3 a)
31. 5. τὰ ἔργα [A add. καὶ] τὰ τεκτονικὰ τῶν ξ. (3 a)
35. 7. δέρματα ὑακίνθινα καὶ ξύλα ἄσηπτα (3 a)
— 24. παρ' οἷς εὑρέθη ξύλα ἄσηπτα (3 a)
— 33. καὶ κατεργάζεσθαι τὰ ξύλα (3 a)
Le. 1. 7. ἐπιστοιβάσουσι ξύλα ἐπὶ τὸ πῦρ (3 a)
— 8. ἐπιστοιβάσουσιν . . . ἐπὶ [A καὶ] τὰ ξ. (3 a)
— 12. ἐπιστοιβάσουσιν . . . αὐτὰ ἐπὶ τὰ ξ. (3 a)
— 17. ἐπιθήσει αὐτὸ . . . ἐπὶ τὰ ξ. (3 a)
3. 5. ἐπὶ τὰ ξ. τὰ ἐπὶ τοῦ πυρός (3 a)
4. 12. κατακαύσουσιν αὐτὸν ἐπὶ ξύλων (3 a)
6. 12 (5). καύσει ὁ ἱερεὺς ἐπ' αὐτὸ ξύλα (3 a)
14. 4. ξ. κέδρινον καὶ κεκλωσμένον κόκκινον (3 a)
— 6. τὸ ξ. τὸ κέδρινον καὶ τὸ . . . κόκκινον (3 a)
— 45. καθελοῦσι τὴν οἰκίαν καὶ τὰ ξ. αὐτῆς (3 a)
— 49. δύο ὀρνίθια . . . καὶ ξ. κέδρινον (3 a)
— 51. καὶ λήψεται τὸ ξ. τὸ κέδρινον (3 a)
— 52. ἀφαγνιεῖ . . . ἐν τῷ ξ. τῷ κεδρίνῳ (3 a)
19. 23. καταφυτεύσετε πᾶν ξ. βρώσιμον (3 a)
23. 40. καρπὸν ξύλου ὡραῖον . . . καὶ κλάδους ξύλου [A -ων] δασεῖς (3 a, 3 a)
26. 4. τὰ ξ. τῶν πεδίων ἀποδώσει τὸν καρπὸν αὐ. (3 a)
— 20. τὸ ξ. τοῦ ἀγροῦ ὑ. οὐ δώσει τὸν καρπὸν αὐ. (3 a)
Nu. 15. 32. εὗρον ἄνδρα συλλέγοντα ξύλα (3 a)
— 33. οἱ εὑρόντες [A add. αὐτὸν] συλλέγοντα ξύλα [A τὰ ξ.] (3 a)
19. 6. λήψεται ὁ ἱ. ξ. κέδρινον (3 a)
De. 4. 28. λατρεύσετε ἐκεῖ . . . ξύλοις (3 a)
10. 3. ἐποίησα κιβωτὸν ἐκ ξ. ἀσήπτων (3 a)
16. 21. πᾶν ξ. . . . οὐ ποιήσεις σεαυτῷ (3 a)
19. 5. ὃς ἂν εἰσέλθῃ . . . συναγαγεῖν ξύλα (3 a)
— 5. τῇ ἀξίνῃ κόπτοντος τὸ ξ. (3 a)
— 5. ἐκπεσὸν τὸ σιδήριον ἀπὸ τοῦ ξ. (3 a)
20. 19. μὴ ἄνθρωπος τὸ ξ. τὸ ἐν τῷ ἀγρῷ (3 a)
— 20. ξύλον [A τὸ ξ.] ὃ ἐπίστασαι (3 a)
21. 22. καὶ κρεμάσητε αὐτὸν ἐπὶ ξύλου (3 a)
— 23. οὐ κοιμηθήσεται τὸ σῶμα αὐ. ἐπὶ τοῦ ξ. (3 a)
— 23. πᾶς κρεμάμενος ἐπὶ ξύλου –
28. 36. λατρεύσεις ἐκεῖ . . . ξύλοις (3 a)
— 64. δουλεύσεις ἐκεῖ . . . ξύλοις (3 a)
29. 17 (16). τὰ εἴδωλα αὐτῶν ξύλον καὶ λίθον (3 a)
Jo. 8. 29. τὸν βασ. τῆς Γ. ἐκρέμασεν ἐπὶ ξ. διδύμου (3 a)
— 29. ἦν ἐπὶ τοῦ ξ. –
— 29. καθείλοσαν τὸ σῶμα αὐτοῦ ἀπὸ τοῦ ξ. (3 a)
10. 26. ἐκρέμασεν αὐτοὺς ἐπὶ πέντε ξύλων (3 a)
— 26. ἦσαν κρεμάμενοι ἐπὶ τῶν ξ. (3 a)
— 27. καθεῖλον αὐτοὺς ἀπὸ τῶν ξ. (3 a)
Jd. 6. 26. ἀνοίσεις ὁλοκαύτωμα ἐν τοῖς ξ. τοῦ ἄλσους (3 a)
9. 8. ἐπορεύθη τὰ ξ. τοῦ χρῖσαι (3 a)
— 9. μὴ . . . πορεύσομαι κινεῖσθαι ἐπὶ τῶν ξ. [A al.] (3 a)
— 10. εἶπον τὰ ξ. τῇ συκῇ (3 a)
— 11. μὴ . . . πορεύσομαι κινεῖσθαι ἐπὶ τῶν ξ. [A al.] (3 a)
— 12. εἶπαν τὰ ξ. πρὸς τὴν ἄμπελον (3 a)
— 13. μὴ . . . πορεύσομαι κινεῖσθαι ἐπὶ τῶν ξ. [A al.] (3 a)
— 14. εἶπαν πάντα τὰ ξ. τῇ ῥάμνῳ (3 a)
— 15. εἶπεν ἡ ῥάμνος πρὸς τὰ ξ. (3 a)
— 48. ἔκοψε κλάδον ξύλου [A φορτίον ξύλων] (3 a)
I Ki. 6. 14. σχίζουσι τὰ ξ. τῆς ἁμάξης (3 a)
II Ki. 5. 11. ἀπέστειλε Χ. . . . ξ. κέδρινα καὶ τέκτονας ξύλων (3 a, 3 a)
21. 19. τὸ ξ. τοῦ δόρατος αὐ. ὡς ἀντίον (3 a)
23. 7. πλῆρες σιδήρου καὶ ξύλον δόρατος (3 a)
— 21. B δόρυ ὡς ξύλον διαβάθρας –
24. 22. τὰ σκεύη τῶν βοῶν εἰς ξύλα (3 a)
III Ki. 4. 33 (5. 13). ἐλάλησεν ὑπὲρ [A περὶ] τῶν ξ. (3 a)
5. 6 (20). κοψάτωσάν μοι ξύλα †
— 6 (20). ξύλα κόπτειν καθὼς οἱ Σιδ. (3 a)
— 8 (22). ξύλα κέδρινα καὶ πεύκινα (3 a)
— 17 (32). ἡτοίμασαν . . . τὰ ξ. (3 a)
6. 10. συνέσχε τὸν σύνδεσμον [A ἔνδ.] ἐν ξ. κεδρίνοις (3 a)
— 15. ᾠκοδόμησε . . . διὰ ξ. κεδρίνων (4)
— 15. ἐκοιλοστάθμησε συνεχόμενα ξύλοις (3 a)
— 23. A ἐποίησεν . . . δύο χερ. ξ. κυπαρισσίνων [B om. ξ. κ.] (3 a)
III Ki. 6. 31. A R ἐποίησε θύρας ἐκ [R om.] ξύλων [B θ. ξυλίνων] ἀρκευθίνων (3 a)
— 32. A καὶ δύο θύρας ξύλων πευκίνων (3 a)
— 33. A φλιαὶ ξύλων ἀρκεύθου (3 a)
— 34. ἐν ἀμφοτέραις ταῖς θύραις ξ. πεύκινα (3 a)
9. 11. ἀντελάβετο τοῦ Σαλ. ἐν ξ. κεδρίνοις (3 a)
— 11. B καὶ ἐν ξ. πευκίνοις (3 a)
10. 11. ἤνεγκε ξ. πελεκητὰ πολλὰ σφόδρα (3 a)
— 12. ἐποίησεν ὁ βασ. τὰ ξ. τὰ πελεκητά (3 a)
— 12. οὐκ ἐληλύθει τοιαῦτα ξ. πελεκητά [A om.] (3 a)
14. 23. καὶ ὑποκάτω παντὸς ξ. συσκίου (3 a)
15. 22. αἴρουσι . . . τὰ ξ. αὐτῆς (3 a)
17. 10. γυνὴ χήρα συνέλεγε ξύλα (3 a)
18. 23. B ἐπιθέτωσαν ἐπὶ τῶν ξ. (3 a)
— 23. A δώσω ἐπὶ τὰ ξ. (3 a)
IV Ki. 3. 19. πᾶν ξ. ἀγαθὸν καταβαλεῖτε (3 a)
— 25. πᾶν ξ. ἀγαθὸν κατέβαλον (3 a)
6. 4. ἔτεμνον τὰ ξ. (3 a)
— 6. ἀπέκνισε ξύλον (3 a)
12. 11 (12). ἐξέδοσαν τοῖς τέκτοσι τῶν ξ. (3 a)
— 12 (13). τοῦ κτήσασθαι ξύλα (3 a)
16. 4 : 17. 10. ὑποκάτω παντὸς ξ. ἀλσώδους (3 a)
19. 18. οὐ θεοί εἰσιν ἀλλ' ἢ . . . ξύλα (3 a)
22. 6. τοῦ κτήσασθαι ξύλα (3 a)
I Ch. 14. 1. ἀπέστειλε Χ. . . . ξ. κέδρινα . . . καὶ τέκτονας ξύλων (3 a, 3 a)
16. 32. ξύλον ἀγροῦ καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτῷ †
— 33. εὐφρανθήσεται τὰ ξ. τοῦ δρυμοῦ (3 a)
20. 5. ξύλον [A τὸ ξ.] δόρατος αὐ. ὡς ἀντίον ὑφαινόντων (3 a)
21. 23. δέδωκα . . . τὸ ἄροτρον εἰς ξύλα (3 a)
22. 4. ξ. κέδρινα οὐκ ἦν ἀριθμός (3 a)
— 4. ξ. κέδρινα εἰς πλῆθος (3 a)
— 14. ξύλα καὶ λίθους ἡτοίμασα (3 a)
— 15. οἰκοδόμοι λίθων καὶ τέκτονες ξύλων (3 a)
29. 2. ἡτοίμακα . . . ξύλα (3 a)
II Ch. 2. 8 (7). ἀπόστειλόν μοι ξ. κέδρινα (3 a)
— 8 (7). οἴδασι κόπτειν ξύλα (3 a)
— 9 (8). ἑτοιμάσαι μοι ξύλα (3 a)
— 10 (9). τοῖς ἐργαζομένοις τοῖς κόπτουσι ξύλα (3 a)
— 14 (13). εἰδότα ποιῆσαι . . . ἐν λίθοις καὶ ξύλοις (3 a)
— 16 (15). κόψομεν ξύλα ἐκ τοῦ Λιβάνου (3 a)
3. 5. τὸν οἶκον τὸν μέγαν ἐξύλωσε ξ. κεδρίνοις (3 a)
— 10. ἔργον ἐκ ξύλων †
7. 13. καταφαγεῖν τὸ ξ. †
9. 10. ἔφερον . . . ξ. πεύκινα (3 a)
— 11. ἐποίησεν ὁ βασ. τὰ ξ. τὰ πεύκινα ἀναβάσεις (3 a)
16. 6. ἔλαβε . . . τὰ ξ. αὐτῆς (3 a)
28. 4. καὶ ὑποκάτω παντὸς ξ. ἀλσώδους (3 a)
34. 11. ἀγοράσαι . . . ξύλα εἰς δοκούς (3 a)
I Es. 4. 48. μεταφέρειν ξ. κέδρινα
5. 55. εἰς τὸ παράγειν αὐτοὺς . . . ξ. κέδρινα
6. 9. B διὰ . . . ξ. τιθεμένων ἐν τοῖς οἴκοις [A R τοίχοις]
— 32. ληφθῆναι ξύλον ἐκ τῶν ἰδίων αὐ.
II Es. 3. 7. ἐνέγκαι ξ. κέδρινα (3 a)
5. 8. ξύλα ἐντίθεται ἐν τοῖς τοίχοις (3 b)
6. 11. καθαιρεθήσεται ξύλον ἐκ τῆς οἰκίας αὐ. (3 b)
Ne. 2. 8. ὥστε δοῦναί μοι ξύλα (3 a)
8. 15. ἐνέγκατε . . . φύλλα ξ. κυπαρισσίνων . . . καὶ φύλλα ξ. δασέος (3 a, 3 a)
9. 25. καὶ πᾶν ξ. βρώσιμον εἰς πλῆθος (3 a)
10. 35 (36). πρωτογενήματα καρποῦ παντὸς ξ. (3 a)
— 37 (38). καὶ τὸν καρπὸν παντὸς ξ. (3 a)
Es. 5. 14. κοπήτω σοι ξύλον (3 a)
— 14. κρεμασθήτω Μαρδ. ἐπὶ τοῦ ξ. †
— 14. ἡτοιμάσθη τὸ ξ. (3 a)
6. 4. κρεμάσαι τὸν Μαρδ. ἐπὶ τῷ ξ. (3 a)
7. 9. ξύλον [A S[2] τὸ ξ. ὃ] ἡτοίμασεν Ἀ. (3 a)
— 9. ὤρθωται ἐν τοῖς Ἀ. [S[2] add. ὑψηλὸν] ξύλον [A om.] –
— 10. ἐκρεμάσθη Ἀ. ἐπὶ τοῦ ξ. (3 a)
8. 7. αὐτὸν ἐκρέμασα ἐπὶ [A add. τοῦ] ξύλου (3 a)
9. 13. S[2] κρεμασθῆναι ἐπὶ ξύλου [A B S[1] al.] (3 a)
— 25. ἐκρεμάσθη αὐτὸς καὶ τὰ τέκνα αὐ. [S[3] add. ἐπὶ τοῖς ξ., A S[4] add. ἐπὶ τῶν ξ.] (3 a)
Jb. 24. 20. συντριβείη δὲ πᾶς ἄδικος ἴσα ξύλῳ ἀνιάτῳ (3 a)
30. 4. A B[2] S ῥίζας ξύλων ἐμασῶντο †
33. 11. ἔθετο δὲ ἐν ξύλῳ [A κυκλώματι] τὸν πόδα μου (2)

Jb. 41. 18 (19). χαλκὸν δὲ ὥσπερ ξύλον σαθρόν (3 a)
Ps. 1. 3. ὡς τὸ ξ. τὸ πεφυτευμένον παρὰ τὰς διεξόδους τῶν ὑδάτων (3 a)
73 (74). 5. ὡς ἐν δρυμῷ ξύλων ἀξίναις ἐξέκοψαν [S¹ διέκ.] (3 a)
95 (96). 12. ἀγαλλιάσονται πάντα τὰ ξ. τοῦ δρυμοῦ (3 a)
103 (104). 16. χορτασθήσεται τὰ ξ. τοῦ πεδίου [S¹ κυρίου] (3 a)
104 (105). 33. συνέτριψε πᾶν ξύλον ὁρίου αὐ. (3 a)
148. 9. ξύλα καρποφόρα καὶ πᾶσαι κέδροι (3 a)
Pr. 3. 18. ξύλον ζωῆς ἐστι πᾶσι τοῖς ἀντεχομένοις αὐτῆς (3 a)
12. 4. ὥσπερ δὲ ἐν ξύλῳ σκώληξ –
25. 20. ὥσπερ σὴς ἐν ἱματίῳ καὶ σκώληξ ξύλῳ †
26. 20. ἐν πολλοῖς ξύλοις θάλλει πῦρ (3 a)
— 21. ἐσχάρα ἄνθραξι καὶ ξύλα πυρί (3 a)
Ec. 2. 5. ἐφύτευσα ἐν αὐτοῖς ξύλον πᾶν καρποῦ (3 a)
— 6. A S R δρυμὸν βλαστῶντα ξύλα [B om.] (3 a)
10. 9. σχίζων ξύλα κινδυνεύσει ἐν αὐτοῖς (3 a)
11. 3. ἐὰν πέσῃ ξύλον ἐν τῷ νότῳ (3 a)
— 3. οὗ πεσεῖται τὸ ξ. (3 a)
Ca. 2. 3. ὡς μῆλον ἐν τοῖς ξ. τοῦ δρυμοῦ (3 a)
3. 9. φορεῖον ἐποίησεν . . . ἀπὸ ξύλων [S -ου] τοῦ Λιβ. (3 a)
4. 14. κιννάμωμον μετὰ πάντων ξ. τοῦ Λιβ. (3 a)
Wi. 10. 4. διὰ εὐτελοῦς ξύλου τὸν δίκαιον κυβερνήσασα
13. 13. ξύλον σκολιὸν καὶ ὄζοις συμπεφυκὸς λαβών
14. 1. A τοῦ φέροντος αὐτὸν ξύλου [B S πλοίου] σαθρότερον ξύλον ἐπιβοᾶται
— 5. ἐλαχίστῳ ξύλῳ πιστεύουσιν ἄνθρωποι ψυχάς
— 7. εὐλόγηται γὰρ ξύλον
— 21. τὸ ἀκοινώνητον ὄνομα λίθοις καὶ ξύλοις περιέθεσαν
Si. 6. 3. ἀφήσεις σεαυτὸν ὡς ξύλον [A φύλλον] ξηρόν
8. 3. μὴ ἐπιστοιβάσῃς ἐπὶ τὸ πῦρ αὐτοῦ ξύλα
27. 6. γεώργιον ξύλου ἐκφαίνει ὁ καρπὸς αὐτοῦ
34 (31). 7. ξύλον προσκόμματός [S¹ οὐδὲ προστάγματος] ἐστι τοῖς ἐνθυσιάζουσιν αὐτῷ
38. 5. οὐκ ἀπὸ ξύλου ἐγλυκάνθη ὕδωρ
Jl. 1. 12. πάντα τὰ ξ. τοῦ ἀγροῦ ἐξηράνθησαν [B¹ S³ al.] (3 a)
— 19. φλὸξ ἀνῆψε πάντα τὰ ξ. τοῦ ἀγροῦ (3 a)
2. 22. ὅτι ξύλον ἤνεγκε τὸν καρπὸν αὐτοῦ (3 a)
Hb. 2. 11. καὶ κάνθαρος ἐκ ξύλου φθέγξεται αὐτά (3 a)
— 19. οὐαὶ ὁ λέγων τῷ ξύλῳ (3 a)
Hg. 1. 8. καὶ κόψατε ξύλα (3 a)
2. 20 (19). ἡ ῥοὰ καὶ τὰ ξ. [S¹ φύλλα] τῆς ἐλαίας (3 a)
Za. 5. 4. συντελέσει αὐτὸν καὶ τὰ ξύλα αὐτοῦ (3 a)
12. 6. ὡς δαλὸν πυρὸς ἐν ξύλοις [S¹ om.] (3 a)
Is. 7. 2. ὃν τρόπον ἐν δρυμῷ ξ. ὑπὸ πνεύματος σαλευθῇ (3 a)
— 4. μηδὲ ἡ ψυχή σου ἀσθενείτω ἀπὸ τῶν δύο ξύλων †
— 19. A S καὶ ἐν παντὶ ξύλῳ (1)
10. 15. ὡς ἄν τις ἄρῃ ῥάβδον ἢ ξ. (3 a)
14. 8. τὰ ξ. τοῦ Λιβάνου [S¹ δρυμοῦ] εὐφράνθησαν ἐπὶ σοί †
30. 33. ξύλα κείμενα πῦρ καὶ ξύλα πολλά (†, 3 a)
34. 13. ἀναφυήσει εἰς τὰς πόλεις αὐτῶν ἀκάνθινα [A -θα καὶ] ξύλα †
37. 19. ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων ξύλα καὶ λίθοι (3 a)
40. 20. ξ. γὰρ ἄσηπτον ἐκλέγεται τέκτων (3 a)
44. 13. ἐκλεξάμενος τέκτων ξ. (3 a)
— 14. ἔκοψε ξ. ἐκ τοῦ δρυμοῦ (3 a)
— 23. οἱ βουνοὶ καὶ πάντα τὰ ξ. τὰ ἐν αὐτοῖς (3 a)
45. 20. οὐκ ἔγνωσαν οἱ αἴροντες τὸ ξ. [S¹ αἵ. ξύλα] γλύμμα αὐτῶν (3 a)
55. 12. πάντα τὰ ξ. τοῦ ἀγροῦ ἐπικροτήσει τοῖς κλάδοις (3 a)
56. 3. ἐγώ εἰμι ξ. ξηρόν (3 a)
60. 17. ἀντὶ δὲ ξύλων [A -ου] οἴσω σοι χαλκόν (3 a)
65. 22. κατὰ γὰρ τὰς ἡμέρας τοῦ ξ. τῆς ζωῆς (3 a)
Je. 2. 20. ὑποκάτω παντὸς ξύλου κατασκίου (3 a)
— 27. τῷ ξ. εἶπαν (3 a)
3. 6. ὑποκάτω παντὸς ξ. ἀλσώδους (3 a)
— 9. ἐμοίχευσε τὸ ξύλον καὶ τὸν λίθον (3 a)
— 13. ὑποκάτω παντὸς ξ. ἀλσώδους (3 a)
5. 14. δέδωκα . . . τὸν λαὸν τοῦτον ξύλα (3 a)
6. 6. ἔκκοψον τὰ ξύλα αὐτῆς (3 a)
7. 18. οἱ υἱοὶ αὐτῶν συλλέγουσι ξύλα (3 a)
— 20. καὶ ἐπὶ πᾶν ξ. τοῦ ἀγροῦ αὐτῶν (3 a)
10. 3. ξ. ἐστὶν ἐκ τοῦ δρυμοῦ ἐκκεκομμένον (3 a)
Je. 11. 19. ἐμβάλωμεν ξ. εἰς τὸν ἄρτον [A¹ τράχηλον, A² add. τράχηλον] αὐτοῦ (3 a)
17. 8. ἔσται ὡς ξ. εὐθηνοῦν παρ' ὕδατα (3 a)
26 (46). 22. ὡς κόπτοντες ξύλα ἐκκόψουσι τὸν δρυμὸν αὐτῆς (3 a)
38 (31). 12. ἔσται ἡ ψυχὴ αὐτῶν ὥσπερ ξ. ἔγκαρπον †
Ba. 5. 8. οἱ δρυμοὶ καὶ πᾶν ξ. εὐωδίας
La. 4. 8. ἐγενήθησαν ὥσπερ ξ. (3 a)
5. 4. ξύλα ἡμῶν ἐν ἀλλάγματι ἦλθεν ἐπὶ τὸν τράχηλον ἡμῶν (3 a)
— 13. νεανίσκοι ἐν ξύλῳ ἠσθένησαν (3 a)
Ez. 15. 2. τί ἂν γένοιτο τὸ ξ. τῆς ἀμπέλου ἐκ πάντων τῶν ξ. τῶν κλημάτων τῶν ὄντων ἐν τοῖς ξ. τοῦ δρυμοῦ (3 a ter)
— 3. εἰ λήψονται ἐξ αὐτῆς ξ. (3 a)
— 6. ὃν τρόπον τὸ ξ. τῆς ἀμπέλου ἐν τοῖς ξ. τοῦ δρυμοῦ (3 a, 3 a)
17. 24. γνώσονται πάντα τὰ ξ. τοῦ πεδίου [A ἀγροῦ] διότι ἐγὼ κύριος ὁ ταπεινῶν ξ. ὑψηλὸν καὶ ὑψῶν ξ. ταπεινὸν καὶ ξηραίνων ξ. χλωρὸν καὶ ἀναθάλλων ξ. ξηρόν (3 a quinquiens)
20. 28. ἴδον . . . πᾶν ξ. κατάσκιον (3 a)
— 32. τοῦ λατρεύειν ξύλοις καὶ λίθοις (3 a)
— 47 (21. 3). καταφάγεται ἐν σοὶ πᾶν ξ. χλωρὸν καὶ πᾶν ξ. ξηρόν (3 a, 3 a)
21. 10 (15). B ἀπόθου [A B ἀπωθοῦ] πᾶν ξ. (3 a)
24. 10. πληθυνῶ τὰ ξ. (3 a)
26. 12. τὰ ξ. σου καὶ τὸν χοῦν σου εἰς μέσον τῆς θαλάσσης σου ἐμβαλεῖ (3 a)
31. 4. τὰ συστήματα αὐτῆς ἐξαπέστειλεν εἰς πάντα τὰ ξ. τοῦ πεδίου (3 a)
— 5. ὑψώθη τὸ μέγεθος αὐτοῦ παρὰ πάντα τὰ ξ. τοῦ πεδίου (3 a)
— 8. πᾶν ξ. ἐν τῷ παραδείσῳ τοῦ θεοῦ οὐχ ὡμοιώθη αὐτῷ (3 a)
— 9. ἐζήλωσαν αὐτὸν τὰ ξ. τοῦ παραδείσου (3 a)
— 14. ὅπως μὴ ὑψωθῶσιν ἐν τῷ μεγέθει αὐτῶν πάντα τὰ ξ. τὰ ἐν τῷ ὕδατι (3 a)
— 15. πάντα τὰ ξ. τοῦ πεδίου ἐπ' αὐτῷ ἐξελύθησαν (3 a)
— 16. παρεκάλουν αὐτὸν ἐν γῇ [A add. κάτω] πάντα τὰ ξ. τῆς τρυφῆς (3 a)
— 18. καταβιβάσθητι μετὰ τῶν ξ. τῆς τρυφῆς (3 a)
34. 27. τὰ ξ. τὰ ἐν τῷ πεδίῳ δώσει [A ξ. τοῦ π. ἀποδ.] τὸν καρπὸν αὐτῶν [A -οῖς] (3 a)
36. 30. πληθυνῶ τὸν καρπὸν τοῦ ξ. (3 a)
39. 10. οὐ μὴ λάβωσι ξύλα ἐκ τοῦ πεδίου (3 a)
41. 25. σπουδαῖα ξύλα κατὰ πρόσωπον τοῦ αἰλὰμ ἔξωθεν (3 a)
47. 12. ἀναβήσεται ἐπὶ τοῦ χείλους αὐ. ἔνθεν καὶ ἔνθεν πᾶν ξ. βρώσιμον (3 a)
I Ma. 14. 8. καὶ τὰ ξ. τῶν πεδίων τὸν καρπὸν αὐ.
II Ma. 1. 21. ἐπιρρᾶναι τῷ ὕδατι τά τε ξ.
4. 41. οἱ δὲ ξύλων πάχη
IV Ma. 18. 16. ξύλον ζωῆς ἐστι
[Aq. Ge. 3. 2 (1): III Ki. 10. 11: 18. 23: Ps. 1. 3: 95 (96). 12: 103 (104). 16: Pr. 11. 30: Is. 7. 2: 57. 5: Je. 10. 8: 11. 19.]
[Sm. Ge. 1. 29 bis: 2. 17: Ex. 35. 7: Jd. 9. 13: II Ki. 6. 5: III Ki. 10. 11: Jb. 13. 27: 30. 4: Ps. 103 (104). 16: Pr. 11. 30: 26. 20: Is. 10. 19: 41. 19 bis: 57. 5: Je. 11. 19.]
[Th. Ge. 1. 29 bis: Ex. 25. 22 (23): 37 (38). 1, 4: 37. 10 (38. 11), 15 (38. 11): Jo. 2. 6: Jd. 9. 11: Ps. 103 (104). 16: Pr. 11. 30: Is. 57. 5: Je. 10. 8: 17. 2 (Sw.): Ez. 31. 18: Hb. 2. 11.]
[Al. Ge. 6. 15 (14): Nu. 19. 6: Is. 7. 19.]
[Heb. Ps. 103 (104). 16.]
[Quint. Hb. 2. 11.]

ξυλοπέδη.
[Aq. Jb. 13. 27: 33. 11.]

ξυλοῦν. (1) חָפָה pi. (2) סָפַן (3) עֵב (4) שָׁחִיף עֵץ (שָׁחִיף)
II Ch. 3. 5. τὸν οἶκον τὸν μέγαν ἐξύλωσε ξύλοις κεδρίνοις (1)
Je. 22. 14. ὑπερῷα . . . ἐξυλωμένα ἐν κέδρῳ (2)
Ez. 41. 16. ὁ οἶκος καὶ τὰ πλησίον ἐξυλωμένα κύκλῳ (4)
— 26. A τὰ πλευρὰ τοῦ οἴκου ἐξυλωμένα [B ἐζυγωμ.] (3)

ξυλοφορία. (1) קָרְבַּן הָעֵצִים
Ne. 10. 34 (35). περὶ κλήρου ξυλοφορίας (1)

ξυλοφόρος. (1) עֵץ
Ne. 13. 31. καὶ τὸ δῶρον τῶν ξ. (1)
[Al. Dt. 29. 11 (10).]

ξυνωρίς. (1) צֶמֶד פָּרָשִׁים
Is. 21. 9. αὐτὸς ἔρχεται ἀναβάτης ξυνωρίδος (1)

ξυρᾶν. (1) גָּלַח a. pi. b. pu. c. hithp. (2) גָּרַע (3) קָרַח a. qal. b. ni. c. קָרְחָה
Ge. 41. 14. ἐξύρησαν αὐτόν (1 a)
Le. 13. 33. καὶ ξυρηθήσεται τὸ δέρμα (1 c)
— 33. τὸ δὲ θραῦσμα οὐ ξυρηθήσεται (1 a)
— 34. μετὰ τὸ ξυρηθῆναι αὐτόν –
14. 8. ξυρηθήσεται αὐτοῦ πᾶσαν τὴν τρίχα (1 a)
— 9. ξυρηθήσεται πᾶσαν τὴν τρίχα αὐτοῦ (1 a)
— 9. πᾶσαν τὴν τρίχα αὐτοῦ ξυρηθήσεται (1 a)
21. 5. φαλάκρωμα οὐ ξυρηθήσεσθε [A -ήσεται] τὴν κεφ. (3 a)
— 5. τὴν ὄψιν τοῦ πώγωνος οὐ ξυρήσονται (1 a)
Nu. 6. 9. ξυρήσεται τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ (1 a)
— 9. τῇ ἡμέρᾳ τῇ ἑβδ. ξυρηθήσεται (1 a)
— 18. ξυρήσεται ὁ ἡγούμενος . . . τὴν κεφ. (1 a)
— 19. μετὰ τὸ ξυρήσασθαι αὐτὸν τὴν εὐχὴν [A κεφαλὴν] αὐ. (1 c)
De. 21. 12. ξυρήσεις τὴν κεφαλὴν αὐτῆς (1 a)
Jd. 16. 17. ἐὰν οὖν ξυρήσωμαι [A -σομαι] (1 b)
— 19. ἐξύρησε τὰς ἑπτὰ σειρὰς τῆς κεφ. αὐ. [A al.] (1 a)
— 22. καθὼς ἐξυρήσατο [A ἡνίκα ἐξυρήθη] (1 b)
II Ki. 10. 4. ἐξύρησε τοὺς πώγωνας αὐ. (1 a)
I Ch. 19. 4. ἐξύρησεν αὐτούς (1 a)
Mi. 1. 16. ξύρησαι καὶ κεῖραι ἐπὶ τὰ τέκνα (3 a)
Is. 7. 20. ξυρήσει κύριος ἐν [A S om.] τῷ ξυρῷ . . . τὴν κεφαλήν (1 a)
Je. 16. 6. οὐ ξυρηθήσονται (3 b)
31 (48). 37. πᾶσαν κεφαλὴν ἐν παντὶ τόπῳ ξυρηθήσονται [A S ξυρήσ.] καὶ πᾶς πώγων ξυρηθήσεται (3 c, 2)
48 (41). 5. ἦλθοσαν . . . ὀγδοήκοντα ἄνδρες ἐξυρημένοι πώγωνας (1 b)
Ep. Je. 31. τοὺς πώγωνας ἐξυρημένους [A -οι]
Ez. 44. 20. τὰς κεφαλὰς αὐτῶν οὐ ξυρήσονται (1 a)
[Sm. Je. 48 (31). 37.]
[Al. Nu. 6. 19.]

ξύρησις. (1) קָרְחָה
Is. 22. 12. ἐκάλεσε κύριος . . . ξύρησιν (1)

ξυρόν. (1) מוֹרָה (2) תַּעַר
Nu. 6. 5. ξ. οὐκ ἐπελεύσεται ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ. (2)
8. 7. ἐπελεύσεται ξυρὸν ἐπὶ πᾶν τὸ σῶμα αὐ. (2)
Jd. 16. 17. A ξυρὸν οὐκ ἀναβήσεται [B al.] (1)
Ps. 51 (52). 2. B¹S¹ ὡσεὶ ξυρὸν ἐξηκονημένον [B³ S²R ἠκ.] ἐποίησας δόλον (2)
Is. 7. 20. ξυρήσει κύριος ἐν [A S om.] τῷ ξ. τῷ μεμισθωμένῳ [A S μεγάλῳ καὶ μεμεθυσμένῳ] . . . τὴν κεφαλήν (2)
Je. 43 (36). 23. ἀπέτεμεν αὐτὰς τῷ ξ. τοῦ γραμματέως (2)
Ez. 5. 1. λάβε σεαυτῷ ῥομφαίαν ὀξεῖαν ὑπὲρ ξ. κουρέως (2)
[Th. Jd. 16. 17.]

ξυρός (?).
Ez. 17. 24. B¹ ἀναθάλλων ξύλον ξυρόν [AB²R ξηρ.] †

ξυστός. (1) גִּזִּית
I Ch. 22. 2. λατομῆσαι λίθους ξ. (1)
I Es. 6. 9. διὰ λίθων ξ. πολυτελῶν
— 25. διὰ δόμων λιθίνων ξ. τριῶν
Si. 22. 17. ὡς κόσμος ψαμμωτὸς τοίχου ξυστοῦ [S² ξεστοῦ]
Am. 5. 11. A οἴκους ξυστοὺς οἰκοδομήσετε [B ξεστοὺς ᾠκοδομήσατε] (1)
I Ma. 13. 27. A ὕψωσεν αὐτὸν . . . λίθῳ ξ. [S R ξεστῷ]

ξυστρωτός.
[Aq., Th. III Ki. 6. 18.]

O

ὁ, ἡ, τό, *passim.*

ὀβελίσκος. (1) חַדּוּדִים

Jb. 41. 21 (22). ἡ στρωμνὴ αὐτοῦ ὀβελίσκοι ὀξεῖς (1)
IV Ma. 11. 19. ὀβελίσκους ὀξεῖς πυρώσαντες

ὀβολός. (1) אֲנוֹרָה (2) גֵּרָה

Ex. 30. 13. εἴκοσι ὀβολοὶ τὸ δίδραχμον (2)
Le. 27. 25. εἴκοσι ὀβολοὶ ἔσται τὸ δίδραχμον (2)
Nu. 3. 47. εἴκοσι ὀβολοὺς τοῦ σίκλου [A -οὶ ὁ σ.] (2)
18. 16. εἴκοσι ὀβολοί εἰσι (2)
I Ki. 2. 36. προσκυνεῖν αὐτῷ ὀβολοῦ ἀργυρίου (1)
Pr. 17. 6 (A 4). τοῦ δὲ ἀπίστου οὐδὲ ὀβολός –
Ez. 45. 12. τὰ στάθμια εἴκοσι ὀβολοί (2)
[Aq., Th. Nu. 3. 47.]

ὀγδοήκοντα.

Ge. 5. 25†, 26†, 28: 16. 16: 35. 28.
Ex. 7. 7 *bis.*
Nu. 2. 9: 4. 48†.
Jo. 14. 10.
Jd. 3. 30.
II Ki. 19. 32 (33), 35 (36).
III Ki. 3. 1 (5. 29)†: 5. 15 (29): 12. 21†.
IV Ki. 10. 24†: 19. 35.
I Ch. 7. 5: 15. 9: 21. 5†: 25. 7.
II Ch. 2. 2 (1), 18 (17): 11. 1: 14. 8 (7)†: 17. 15, 18: 26. 17.
II Es. 8. 8, 14†.
Ne. 11. 18.
To. 14. 2†.
Es. 1. 4.
Ps. 89 (90). 10.
Ca. 6. 7 (8).
Is. 37. 36.
Je. 48 (41). 5.
I Ma. 7. 41.
II Ma. 4. 8: 8. 19: 11. 4: 15. 22.
[Aq., Sm., Th. Ge. 5. 25, 26: I Ki. 22. 18.]
[Heb., Sam. Ge. 5. 25, 26.]

ὀγδοηκοστός.

II Ma. 1. 10. R ἔτους ἑκατοστοῦ [A *om.*] ὀ. καὶ ὀγδόου
[Aq., Sm. III Ki. 6. 1.]

ὄγδοος. (1) *a.* שְׁמִינִי *b.* שְׁמֹנַת *c.* שְׁמֹנֶה *d.* שְׁמֹנָה

Ge. 17. 14. τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὀ. –
21. 4. τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὀ. (1 *b*)
Ex. 22. 30 (29). τῇ δὲ ὀγδόῃ ἡμέρᾳ [A ἡ. τῇ ὀ.] ἀποδώσεις μοι (1 *a*)
Le. 9. 1. καὶ ἐγενήθη τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὀ. (1 *a*)
12. 3. καὶ τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὀ. περιτεμεῖ (1 *a*)
14. 10. τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὀ. λήψεται δύο ἀμνούς (1 *a*)
— 23. προσοίσει αὐτὰ τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὀ. (1 *a*)
15. 14. τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὀ. λήψεται ἑαυτῷ (1 *a*)
— 29. τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὀ. λήψεται (1 *a*)
22. 27. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ὀ. (1 *a*)
23. 36. ἡ ἡμέρα ἡ ὀ. κλητὴ ἁγία ἔσται (1 *a*)
— 39. τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὀ. ἀνάπαυσις (1 *a*)
25. 22. σπερεῖτε τὸ ἔτος τὸ ὄ. (1 *a*)
Nu. 6. 10. τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὀ. οἴσει δύο τρυγόνας (1 *a*)
7. 54. τῇ ἡμ. τῇ ὀ. ἄρχων τῶν υἱῶν Μαν. (1 *a*)
29. 35. τῇ ἡμ. τῇ ὀ. ἐξόδιον ἔσται ὑμῖν (1 *a*)
III Ki. 6. 1 (38). οὗτος ὁ μὴν ὁ ὄ. (1 *a*)
8. 66. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὀ. (1 *a*)
12. 32, 33. ἐν τῷ μηνὶ τῷ ὀ. (1 *a*)
16. 29. A ἐν ἔτει τριακοστῷ καὶ ὀ. τοῦ Ἀσά [B *al.*] (1 *c*)
IV Ki. 15. 8. ἐν ἔτει τριακοστῷ καὶ ὀ. τῷ Ἀζ. (1 *c*)
22. 3. ἐν τῷ μηνὶ τῷ ὀ. [A ἑβδόμῳ] –
24. 12. ἐν ἔτει ὀ. τῆς βασιλείας αὐ. (1 *c*)
I Ch. 12. 12. Ἰωανὰν ὁ ὄ. (1 *a*)
24. 10. τῷ Ἀβ. ὁ ὄ. (1 *a*)
I Ch. 25. 15. ὁ ὄ. Ἰωσ. (1 *a*)
26. 4. R Ἀβδεδὼμ ὁ ὄγδοος –
— 5. A R Φ. ὁ ὄ. [B *om.* ὁ ὄ.] (1 *a*)
27. 11. ὁ ὄ. τῷ μηνὶ τῷ ὀ. (1 *a*, 1 *a*)
II Ch. 7. 9. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὀ. (1 *a*)
16. 1. ἐν τῷ ὀ. καὶ τριακοστῷ ἔτει τῆς βασ. Ἀ. †
23. 1. ἐν τῷ ἔτει τῷ ὀ. [A ἑβδόμῳ] †
29. 17. τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὀ. τοῦ μηνός (1 *d*)
34. 3. ἐν τῷ ὀ. ἔτει τῆς βασ. αὐτοῦ (1 *c*)
Ne. 8. 18. καὶ [S¹ *add.* ἐν] τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὀ. ἐξόδιον (1 *a*)
Ps. 6. *tit.* ὑπὲρ τῆς ὀγδόης ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (1 *a*)
11 (12). *tit.* εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῆς ὀγδόης ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (1 *a*)
Si. *prol.* 19. ἐν γὰρ τῷ ὀ. καὶ τριακοστῷ ἔτει ἐπὶ τοῦ Εὐεργέτου βασιλέως
Za. 1. 1. ἐν τῷ ὀ. μηνὶ ἔτους δευτέρου (1 *a*)
Je. 43 (36). 9. ἐγενήθη ἐν τῷ ἔτει τῷ ὀγδόῳ [A πέμπτῳ] †
Ez. 43. 27. ἀπὸ τῆς ἡμέρας τῆς ὀ. καὶ ἐπέκεινα (1 *a*)
I Ma. 4. 52. τοῦ [S² ἔτους] ὀ. καὶ τεσσαρακοστοῦ καὶ ἑκατοστοῦ ἔτους
II Ma. 1. 10. R ἔτους ἑκατοστοῦ [A *om.*] ὀγδοηκοστοῦ καὶ ὀγδόου
11. 21, 33, 38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ ὀ.
[Aq., Th. Ps. 11 (12). 1.]

ὅδε. (1) אֵלֶּה (2) הָא (3) הִנֵּה (4) *a.* כֹּה *b.* כָּכָה (5) *a.* τάδε כְּדֵנָה *b.* נָאם (6) κατὰ τάδε כֹּה (7) τάδε εἶπεν נָאם (8) τάδε λέγει נָאם

Ge. 25. 24: 38. 27. καὶ τῇδε ἦν δίδυμα (3)
43. 21. καὶ τάδε τὸ ἀργύριον ἑκάστου (3)
45. 9. τάδε λέγει ὁ υἱός σου Ἰ. (4 *a*)
50. 18. οἵδε ἡμεῖς σοὶ οἰκέται (3)
Ex. 4. 22. τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
5. 1. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 *a*)
— 10. τάδε λέγει Φ. (4 *a*)
7. 17: 8. 1 (7. 26), 20 (16). τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
8. 29 (25). ὅδε ἐγὼ ἐξελεύσομαι ἀπὸ σοῦ (3)
9. 1, 13: 10. 3. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς τῶν Ἑβρ. (4 *a*)
11. 4. τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
14. 10. A καὶ οἵδε [B *om.*] οἱ Αἰγ. ἐστρατοπέδευσαν (3)
17. 6. ὅδε ἐγὼ ἕστηκα (3)
19. 3: 20. 22. τάδε ἐρεῖς τῷ οἴκῳ Ἰ. (4 *a*)
32. 27. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 *a*)
Le. 10. 16. καὶ ὅδε ἐνεπεπύριστο (3)
13. 55. καὶ ἥδε μὴ μετέβαλεν ἡ ἁφὴ τὴν ὄψιν (3)
Nu. 14. 40. οἵδε ἡμεῖς ἀναβησόμεθα (3)
16. 42 (17. 7). καὶ τήνδε ἐκάλυψεν αὐτὴν ἡ νεφ. (3)
20. 14. τάδε λέγει ὁ ἀδελφός σου Ἰσρ. (4 *a*)
22. 16. τάδε λέγει Β. (4 *a*)
23. 6. ὅδε ἐφειστήκει ἐπὶ τῶν ὁλοκαυτωμ. (3)
— 16. καὶ τάδε λαλήσεις (4 *a*)
— 17. A B² καὶ ὅδε ἐφειστήκει [B¹ R *al.*] (3)
Jo. 7. 13. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 *a*)
22. 16. τάδε λέγει πᾶσα ἡ συναγωγὴ κυρίου (4 *a*)
24. 2. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 *a*)
Jd. 2. 1. τάδε λέγει κύριος [A *al.*] –
6. 8. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 *a*)
9. 31. A οἵδε πολιορκοῦσιν [B *al.*] (3)
11. 15. A τάδε [B οὕτω] λέγει Ἰ. (4 *a*)
— 37. ἥδε [A *om.*] εἶπε πρὸς τὸν πατέρα αὐ. –
19. 3. ἥδε εἰσήνεγκεν αὐτόν [A *al.*] –
— 30. A τάδε ἐρεῖτε πρὸς πάντα ἄνδρα Ἰσρ. –
Ru. 1. 17. τάδε ποιήσαι μοι κύριος καὶ τάδε προσθείη (4 *a*, 4 *a*)
I Ki. 2. 14. κατὰ τάδε [A ταῦτα δὲ] ἐποίουν (4 *b*)
— 27. τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
— 30. τάδε εἶπεν κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (7)
3. 17. τάδε ποιήσαι σοι ὁ θεός (4 *a*)
— 17. A R καὶ τάδε προσθείη (4 *a*)
9. 9. τάδε ἔλεγεν ἕκαστος (4 *a*)
I Ki. 10. 18. τάδε εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 *a*)
11. 7. κατὰ τάδε ποιήσουσι τοῖς βουσὶν αὐ. (6)
— 9. τάδε ἐρεῖτε τοῖς ἀνδράσιν Ἰ. (4 *a*)
14. 9 (B), 10. ἐὰν τάδε εἴπωσι πρὸς ἡμᾶς (4 *a*)
— 41. ἐὰν τάδε εἴπῃ [A -ῃς] –
— 44. τάδε ποιήσαι μοι ὁ θεὸς καὶ τάδε προσθείη (4 *a*, 4 *a*)
15. 2. τάδε εἶπε κύριος σαβ. (4 *a*)
18. 25. τάδε ἐρεῖτε τῷ Δαυίδ (4 *a*)
20. 7. ἐὰν τάδε εἴπῃ [A -ῃς] (4 *a*)
— 13. τάδε ποιήσαι ὁ θεὸς τῷ Ἰων. καὶ τάδε προσθείη (4 *a*, 4 *a*)
— 22. ἐὰν τάδε εἴπω τῷ νεανίσκῳ (4 *a*)
25. 6. καὶ ἐρεῖτε τάδε (4 *a*)
— 22. τάδε ποιήσαι ὁ θ. τῷ Δ. καὶ τάδε προσθείη (4 *a*, 4 *a*)
27. 11. τάδε Δ. ποιεῖ (4 *a*)
— 11. τόδε [A τάδε] τὸ δικαίωμα αὐ. (4 *a*)
II Ki. 3. 9. τάδε ποιήσαι ὁ θ. τῷ Ἀβ. καὶ τάδε προσθείη αὐτῷ (4 *a*, 4 *a*)
— 35. τάδε ποιήσαι μοι ὁ θ. καὶ τάδε προσθείη (4 *a*, 4 *a*)
7. 5. τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
— 8. τάδε ἐρεῖς τῷ δούλῳ μου Δ. (4 *a*)
— 8. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 *a*)
11. 25. τάδε ἐρεῖς πρὸς Ἰ. (4 *a*)
12. 7. τάδε λέγει κ. ὁ θ. Ἰσρ. (4 *a*)
— 11. τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
19. 13 (14). τάδε ποιήσαι μοι ὁ θ. καὶ τάδε προσθείη (4 *a*, 4 *a*)
24. 12. B τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
III Ki. 2. 23. τάδε ποιήσαι μοι ὁ θ. καὶ τάδε προσθείη (4 *a*, 4 *a*)
— 30. τάδε λέγει ὁ βασ. (4 *a*)
— 30. τάδε λελάληκεν Ἰ. καὶ τάδε ἀποκέκριταί μοι (4 *a*, 4 *a*)
11. 31. τάδε λέγει κ. ὁ θ. Ἰσρ. (4 *a*)
12. 10. τάδε λαλήσεις τῷ λαῷ τούτῳ (4 *a*)
— 10. τάδε λαλήσεις πρὸς αὐτούς (4 *a*)
— 24. τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
— 24 *sexiens.* B τάδε λέγει κύριος –
13. 2, 21. τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
14. 7. A τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 *a*)
17. 14. τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
19. 2. τάδε ποιήσαι μοι ὁ θ. καὶ τάδε προσθείη [A *al.*] (4 *a*, 4 *a*)
20 (21). 19 *bis.* τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
21 (20). 3, 5. τάδε λέγει υἱὸς Ἀδέρ (4 *a*)
— 10. τάδε ποιήσαι μοι ὁ θ. καὶ τάδε προσθείη [A *al.*] (4 *a*, 4 *a*)
— 13, 14, 28, 42: 22. 11. τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
22. 27. A τάδε λέγει ὁ βασ. (4 *a*)
IV Ki. 1. 4, 6. τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
— 11. τάδε λέγει ὁ βασ. (4 *a*)
— 16: 2. 21: 3. 16, 17: 4. 43. τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
6. 8. εἰς τὸν τόπον τ. τινὰ ἐλμωνὶ παρεμβαλῶ –
— 31. τάδε ποιήσαι μοι ὁ θεὸς καὶ τάδε προσθείη (4 *a*, 4 *a*)
7. 1: 9. 3. τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
9. 6. τάδε λέγει κύριος ὁ θ. Ἰσρ. (4 *a*)
— 12. τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
— 18, 19: 18. 19, 29. τάδε λέγει ὁ βασ. (4 *a*)
18. 31. τάδε λέγει ὁ βασ. Ἀσσ. (4 *a*)
19. 3. τάδε λέγει Ἐζ. (4 *a*)
— 6. τάδε ἐρεῖτε πρὸς τὸν κύριον ὑμῶν (4 *a*)
— 6. τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
— 10. A τάδε ἐρεῖτε πρὸς Ἐζ. (4 *a*)
— 20. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων (4 *a*)
— 32: 20. 1. τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
20. 5. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Δ. (4 *a*)
21. 12: 22. 15. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 *a*)
22. 16. τάδε λέγει κύριος (4 *a*)
— 18. τάδε ἐρεῖτε πρὸς αὐτόν (4 *a*)
— 18. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 *a*)

I Ch. 17. 7. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)
II Ch. 11. 4 : 18. 10. τάδε λέγει κύριος (4 a)
20. 15. τάδε λέγει κύριος ὑμῖν αὐτοῖς (4 a)
21. 12. τάδε λέγει κ. θεὸς Δ. (4 a)
24. 20. τάδε λέγει κύριος (4 a)
36. 23. τάδε λέγει Κῦρος (4 a)
I Es. 2. 3. τάδε λέγει ὁ βασ. Περσῶν
6. 23. ἐν ᾧ ὑπομνημάτιστο τάδε
8. 10. καὶ τῶνδε ἐν τῇ ἡμετέρᾳ βασιλείᾳ [A al.]
II Es. 4. 9. τάδε ἔκρινε Ῥ. β. †
5. 7. τάδε γέγραπται ἐν αὐτῷ (5 a)
Ju. 2. 5. τάδε λέγει ὁ βασιλεὺς ὁ μέγας
3. 2. ἰδοὺ [S¹ οἶδε] ἡμεῖς οἱ παῖδες Ναβ.
Es. 3. 13. τῆς δὲ ἐπιστολῆς ἐστὶ τὸ ἀντίγραφον τόδε
— 13. βασιλεὺς μέγας Ἀρτ. . . . τάδε γράφει
— 13. διειληφότες οὖν τόδε τὸ [A om.] ἔθνος
Jb. 30. 11. A ἀνοίξας γὰρ ὅδε [B S om.] φαρέτραν αὐ. –
33. 22. B¹ ἥδε ἡ ζωὴ αὐ. ἐν ᾅδῃ [AB³SR al.] –
Pr. 4. 17. οἶδε γὰρ σιτοῦνται σῖτα ἀσεβείας –
24. 24 (30. 1). τάδε [S¹ τί δὲ] λέγει ὁ ἀνήρ (5 b)
Ca. 1. 4. S αἷδε εἶπαν –
2. 15. S τοῖς νεανίαις ὁ νυμφίος τάδε –
— 16 : 5. 2, 3. S ἡ νύμφη τάδε –
6. 11 (12). S ἡ νύμφη τάδε πρὸς τὸν νυμφίον –
7. 1. S ταῖς θυγατράσιν ὁ νυμφίος τάδε –
8. 5. S ὁ νυμφίος τάδε πρὸς τὴν νύμφην –
Si. *prol.* 23. τοῦ μεθερμηνεῦσαι τήνδε [A om.] τὴν βίβλον
Am. 1. 6, 9, 11, 13 : 2. 1, 4, 6. τάδε λέγει κύριος (4 a)
3. 11. τάδε λέγει κ. ὁ θεός (4 a)
— 12. τάδε λέγει κύριος (4 a)
5. 3. τάδε λέγει κύριος κύριος (4 a)
— 4. τάδε λέγει κύριος (4 a)
— 16. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς ὁ παντοκρ. (4 a)
7. 11. τάδε λέγει Ἀ. (4 a)
— 17 : Mi. 3. 5. τάδε λέγει κύριος (4 a)
Ob. 1. 1. τάδε λέγει κ. ὁ θεός (4 a)
Na. 1. 12. τάδε λέγει κύριος (4 a)
Hg. 1. 2, 5. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)
— 6. A τάδε λέγει κύριος παντοκρ. –
— 7. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)
— 9. τάδε λέγει κύριος παντοκρ. (8)
2. 7 (6). AR τάδε [BS om.] λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)
— 12 (11) : Za. 1. 3, 4, 14. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)
Za. 1. 16. τάδε λέγει κύριος (4 a)
— 17 : 2. 8 (12) : 3. 8 (7) : 6. 12 : 7. 9 : 8. 2. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)
8. 3. τάδε λέγει κύριος (4 a)
— 4, 6, 7, 9, 14. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)
— 19. AS²R τάδε [BS¹ om.] λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)
— 20, 23 : 11. 4 : Ma. 1. 4. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)
Is. 1. 24. τάδε λέγει κύριος ὁ δεσπότης σαβ. (8)
3. 16 (15). τάδε λέγει κύριος (8)
7. 7 : 10. 24. τάδε λέγει κύριος σαβ. (4 a)
14. 22. τάδε λέγει κύριος (8)
— 24 (23) : 17. 3. τάδε λέγει κύριος σαβ. (8)
17. 6. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (8)
19. 4. τάδε λέγει κύριος σαβ. (8)
22. 15. τάδε λέγει κύριος σαβ. (4 a)
— 25. τάδε λέγει κύριος σαβ. (8)
29. 22. τάδε λέγει κύριος (4 a)
30. 1. AS τάδε [B om.] λέγει κύριος (8)
— 12. τάδε λέγει ὁ ἅγιος τοῦ Ἰσρ. [AS al.] (4 a)
31. 9. τάδε λέγει κύριος (8)
36. 4, 14, 16. τάδε λέγει ὁ βασ. (4 a)
37. 3. τάδε λέγει Ἑζ. (4 a)
— 6. τάδε λέγει κύριος (4 a)
— 21. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 a)
— 34. τάδε λέγει κύριος (8)
38. 1. τάδε λέγει κύριος (4 a)
— 5. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Δ. (4 a)
52. 3. τάδε λέγει κύριος (4 a)
— 5 *bis*. τάδε λέγει κύριος (8)
56. 1, 4. τάδε λέγει κύριος (4 a)
57. 15. τάδε λέγει ὁ [AS³ κύριος ὁ] ὕψιστος (4 a)
60. 8. τίνες οἷδε ὡς νεφέλαι πέτανται (1)
65. 13 : 66. 12 : Je. 2. 1, 5. τάδε λέγει κύριος (4 a)
Je. 2. 31. τάδε λέγει κύριος –
4. 3. BS² τάδε λέγει κύριος [S¹ al.] (4 a)
Je. 4. 27. τάδε λέγει κύριος (4 a)
5. 14. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)
6. 6, 9, 16, 21, 22. τάδε λέγει κύριος (4 a)
7. 3. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 a)
— 20, 21 : 8. 4 : 9. 7 (6). τάδε λέγει κύριος (4 a)
9. 15 (14). τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 a)
— 17 (16), 23 (22) : 10. 2, 18. τάδε λέγει κύριος (4 a)
11. 3. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 a)
— 11, 21 : 12. 14 : 13. 1, 9, 13 : 14. 15 : 15. 2, 19 : 16. 3, 5. τάδε λέγει κύριος (4 a)
16. 9. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 a)
17. 19, 21 : 18. 13. τάδε λέγει κύριος (4 a)
19. 3. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 a)
— 11, 15 : 20. 4 : 21. 4, 8, 12 : 22. 1, 3, 6, 11, 18 : 23. 2, 15. τάδε λέγει κύριος (4 a)
23. 38. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (4 a)
24. 5. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 a)
— 8 : 25. 8, 15 (49. 35) : 27 (50). 18, 33 : 28 (51). 1, 33, 36. τάδε λέγει κύριος (4 a)
28 (51). 52. S τάδε [AB om.] λέγει κύριος (8)
— 58 : 29 (47). 2 : 29 (49). 7. τάδε λέγει κύριος (4 a)
29 (49). 12. τάδε εἶπε [A λέγει] κύριος (4 a)
31 (48). 33. οὐκ ἐποίησαν αἷδε †
32 (25). 30. οἵδε ὥσπερ τρυγῶντες ἀποκριθήσονται †
Ez. 2. 4 : 3. 11, 27. τάδε λέγει κύριος [A add. κύριος] (4 a)
4. 13. τάδε λέγει κ. ὁ θ. τοῦ Ἰσρ. –
5. 5, 7, 8 : 6. 3, 11 : 7. 2. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ. κ.] (4 a)
7. 5 : 11. 5. τάδε λέγει κύριος (4 a)
11. 7, 16, 17. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ. κ.] (4 a)
12. 10. τάδε λέγει κύριος κύριος (4 a)
— 19, 23, 28 : 13. 3. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ. κ.] (4 a)
13. 6. A² τάδε [A¹B om.] λ. κύριος (8)
— 8, 13, 18. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ. κ.] (4 a)
— 20. τάδε λέγει κύριος κύριος (4 a)
14. 4. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ. κ.] (4 a)
— 6. τάδε λέγει κύριος κύριος [A add. ὁ θεός] (4 a)
— 21 : 15. 6. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ. κ.] (4 a)
16. 3. τάδε λέγει κύριος (4 a)
— 36, 59. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ. κ.] (4 a)
17. 3, 9, 19, 22 : 20. 3, 5. τάδε λέγει κύριος (4 a)
20. 27. τάδε λέγει κύριος [A² ἀδ. κ.] (4 a)
— 30. τάδε λέγει κύριος [A add. κύριος ὁ θεός] (4 a)
— 39. τάδε λέγει κύριος κύριος (4 a)
— 47 (21. 3). τάδε λέγει κύριος κύριος [A ὁ θεὸς Ἰσρ.] (4 a)
21. 3 (8). B²R τάδε λέγει κύριος [A add. ὁ θεός] (4 a)
— 9 (14). τάδε λέγει κύριος [A² ἀδ. κ.] (4 a)
— 24 (29), 26 (31). τάδε λέγει κύριος [A add. κ. ὁ θεός] (4 a)
— 28 (33). τάδε λέγει κύριος [A add. ὁ θεός] (4 a)
22. 3. τάδε λέγει κύριος κύριος [A add. ὁ θεός] (4 a)
— 19. B τάδε λέγει κύριος [A add. κ. ὁ θεός, R add. κύριος] (4 a)
— 28. τάδε λέγει κύριος (4 a)
23. 22. τάδε λέγει κύριος [A add. κύριος ὁ θεός] (4 a)
— 28. τάδε λέγει κ. κύριος [A add. ὁ θεός] (4 a)
— 32. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ. κ. κ. ὁ θεός] (4 a)
— 35. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ. κ.] (4 a)
— 46. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ.] κύριος (4 a)
24. 3, 6, 9. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ. κ.] (4 a)
— 20. A² τάδε λέγει ἀδ. κύριος [B al.] †
— 21. τάδε λέγει κύριος [A add. κύριος ὁ θεός] (4 a)
25. 3. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ. κύριος] (4 a)
— 6. τάδε λέγει κύριος [A add. ὁ θεός] (4 a)
— 8, 12, 13, 15, 16 : 26. 3, 7. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ. κ.] (4 a)
26. 15. τάδε λέγει [A add. ἀδ.] κύριος κύριος (4 a)
— 19. τάδε λέγει κύριος κύριος (4 a)
27. 3 : 28. 2. τάδε λέγει κύριος (4 a)
28. 6. τάδε λέγει κύριος [A add. κ. ὁ θεός] (4 a)
— 12. τάδε λέγει κύριος κύριος [A om.] (4 a)
— 22. τάδε λέγει κύριος (4 a)
— 25. τάδε λέγει κύριος κύριος [A add. ὁ θεός] (4 a)
29. 3, 8. τάδε λέγει κύριος [A add. ὁ θεός] (4 a)
— 13. τάδε λέγει κύριος [A add. κύριος] (4 a)
— 19. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ.] κύριος (4 a)
— 20. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ.] κύριος (8)
30. 2. τάδε λέγει κύριος (4 a)
— 10, 13. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ.] κύριος (4 a)
— 22. τάδε λέγει κύριος κύριος (4 a)
Ez. 31. 10. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ. κ.] (4 a)
— 15. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ.] κύριος (4 a)
32. 3. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ. κ.] (4 a)
— 11. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ., B¹ om.] κύριος (4 a)
33. 11. τάδε λέγει κύριος [A al.] (8)
— 27 : 34. 2. τάδε λέγει κύριος κύριος (4 a)
34. 10. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ.] κύριος (4 a)
— 11. τάδε λέγει κύριος κύριος [B¹ om., A add. ὁ θεός] (4 a)
— 15. τάδε λέγει κύριος κύριος (8)
— 17. τάδε λέγει κύριος κύριος (4 a)
— 20. τάδε λέγει κύριος κύριος [A add. ὁ θεός] (4 a)
35. 3. τάδε λέγει κύριος κύριος [A om.] (4 a)
— 14. τάδε λέγει κύριος (4 a)
36. 2. τάδε λέγει κύριος κύριος (4 a)
— 3. τάδε λέγει κύριος κύριος [A add. ὁ θεός] (4 a)
— 4. τάδε λέγει κύριος (4 a)
— 5. τάδε λέγει κύριος κύριος [A om.] (4 a)
— 6. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ. κ.] (4 a)
— 13. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ.] κύριος (4 a)
— 22. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ. κ.] (4 a)
— 33. τάδε λέγει ἀδ. κύριος [A λ. κ. ὁ θεός] (4 a)
— 37. τάδε λέγει ἀδ. κύριος [A λ. κ. κύριος ὁ θεός] (4 a)
37. 5, 9. τάδε λέγει κύριος [A add. κύριος] (4 a)
— 12, 19. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ. κ.] (4 a)
— 21. τάδε λέγει κύριος κύριος [A λ. ἀδ. κ. κ. ὁ θεός] (4 a)
38. 3. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ.] κύριος (4 a)
— 10. τάδε λέγει κύριος κύριος [A add. ὁ θεός] (4 a)
— 14. τάδε λέγει κύριος [A add. κύριος ὁ θεός] (4 a)
— 17. τάδε λέγει κύριος κύριος [A λ. ἀδ. κ. ὁ θεός] (4 a)
39. 1. τάδε λέγει κύριος [A add. κύριος] (4 a)
— 17. τάδε λέγει κύριος (4 a)
— 25. τάδε λέγει κύριος κύριος [A add. ὁ θεός] (4 a)
43. 18. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 a)
44. 6, 9. τάδε λέγει κ. ὁ θεός (4 a)
45. 9, 18 : 46. 1. τάδε λέγει κύριος θεός [A ὁ θ.] (4 a)
46. 16. τάδε λέγει κύριος [A ἀδ. κ.] θεός (4 a)
47. 13. τάδε λέγει κύριος θεός [A ὁ θεός] (4 a)
Da. LXX. Bel 33. τάδε λέγει σοι κ. ὁ θεός
Da. TH. 3. 25 (92). ὅδε [? ὁ δὲ, A ἰδοὺ] ἐγὼ ὁρῶ (2)
I Ma. 15. 15. AR ἐν αἷς ἐγέγραπτο τάδε [S ταῦτα]
II Ma. 6. 12. τοὺς ἐντυγχάνοντας τῇδε τῇ βίβλῳ
10. 8. R ἄγειν τάσδε τὰς ἡμέρας [A al.]
12. 40. διὰ τήνδε τὴν αἰτίαν τούσδε πεπτωκέναι
14. 33. τόνδε τὸν τοῦ θ. σηκὸν εἰς πεδίον ποιήσω
— 36. διατήρησον . . . ἀμίαντον τόνδε τὸν . . . οἶκον
— 46. τόνδε τὸν τρόπον μετήλλαξεν
15. 15. διδόντα δὲ προσφωνῆσαι τάδε
— 22. ἔλεγε δὲ . . . τόνδε τὸν τρόπον
— 36. μηδαμῶς ἐᾶσαι ἀπαρασήμαντον τήνδε τὴν ἡμέραν
III Ma. 3. 11. ἔγραψε κατ' αὐτῶν ἐπιστολὴν τ.
— 25. ἅμα τῷ προσπεσεῖν τὴν ἐπιστολὴν τ.
5. 3. ὁ μὲν τάδε προστάσσων
— 31. τήνδε . . . ἐσκεύασαν ἂν διψιλῆ θοῖναν
— 35. τῆσδε τῆς βοηθείας αὐ. τετευχότες
— 39. προεφέροντο τάδε
6. 1. προσηύξατο τάδε
IV Ma. 5. 7. τὴν τοῦδε τοῦ ζῴου σαρκοφαγίαν
— 13. τίς ἐστι τῆσδε τῆς θρησκείας ἐποπτικὴ δύναμις
8. 2. A τάδε [S R τότε] δὴ . . . ἐκέλευσεν
9. 8. διὰ τῆσδε τῆς κακοπαθείας καὶ ὑπομονῆς

[Aq. I Ki. 21. 2 (3) : III Ki. 14. 7 : IV Ki. 6. 8 : 19. 10 : Is. 30. 12 (Sw.) : Je. 13. 12 : 14. 10 : 22. 30 : 30 (37). 12 : 31 (38). 7, 37 : Ez. 28. 25 (P.) : 30. 6.]

[Sm. Ru. 4. 1 : Is. 30. 12 (Sw.) : Je. 11. 22 : 13. 12 : 22. 30 : 31 (38). 7, 37 : Ez. 28. 25 (P.) : 30. 6.]

[Th. I Ki. 21. 2 (3) : Is. 30. 12 (Sw.) : Je. 9. 22 (21) : 11. 22 : 13. 12 : 17. 5 (Sw.) : 22. 30 : 27 (34). 19, 21, 22 : 29 (36). 16, 17, 25 : 33 (40). 17, 20, 25 : Ez. 21. 3 (8) (Sw.) : 28. 25 (P.) : 30. 6 : 33. 27.]

ὁδεύειν. (1) הָלַךְ

III Ki. 6. 12. A ἐὰν ὁδεύῃς τοῖς προστάγμασίν μου (1)

To. 6. 5. ὥδευον ἀμφότεροι [S *al.*]
Wi. 5. 7. A ὡδεύσαμεν [B S διωδ.] ἐρήμους ἀβάτους
[Sm. Ex. 13. 21: Jb. 29. 25: Ps. 25 (26). 1, 11: 31 (32). 8: 49 (50). 23: 55 (56). 14: 80 (81). 13: 83 (84). 8, 12: 85 (86). 11: 90 (91). 6: Ec. 6. 9: Ez. 5. 17.]
[Th. Ex. 13. 21: Ps. 25 (26). 11.]
[Al. Je. 9. 13 (12).]

ὁδηγεῖν. (1) דָּרַךְ hi. (2) הָלַךְ *a.* qal. *b.* hi. (3) יָצָא hi. (4) יָרֶה hi. (5) נָהַג (6) נָחָה *a.* qal. *b.* hi.

Ex. 13. 17. οὐχ ὡδήγησεν αὐτοὺς . . . ὁδὸν γῆς (6 *a*)
15. 13. ὡδήγησας τῇ δικαιοσύνῃ σου τὸν λαόν (6 *a*)
32. 34. ὁδήγησον τὸν λαὸν τοῦτον (6 *a*)
Nu. 24. 8. θεὸς ὡδήγησεν αὐτὸν ἐξ Αἰγ. (3)
De. 1. 33. ὁδηγῶν ὑμᾶς ἐν πυρὶ νυκτός †
Jo. 24. 3. ὡδήγησα αὐτὸν ἐν πάσῃ τῇ γῇ (2 *b*)
II Ki. 7. 23: I Ch. 17. 21. ὡς ὡδήγησεν αὐτὸν ὁ θ. (2 *a*)
Ne. 9. 12. ἐν στύλῳ νεφέλης ὡδήγησας αὐτοὺς ἡμέρας καὶ ἐν στύλῳ πυρὸς [S¹ *add.* ὡδήγησας] τὴν νύκτα (6 *b*, –)
— 19. ὁδηγῆσαι αὐτοὺς ἐν τῇ ὁδῷ (6 *b*)
Jb. 31. 18. ἐκ γαστρὸς μητρός μου ὡδήγησα (6 *b*)
Ps. 5. 8. ὁδήγησόν με ἐν τῇ δικαιοσύνῃ σου (6 *a*)
22 (23). 3. ὡδήγησέν με ἐπὶ τρίβους δικαιοσύνης (6 *b*)
24 (25). 5. ὁδήγησόν με ἐπὶ τὴν ἀλήθειάν σου [A S¹ *al.*] (1)
— 9. ὁδηγήσει πραεῖς ἐν κρίσει (1)
26 (27). 11. ὁδήγησόν με ἐν τρίβῳ εὐθείᾳ (6 *a*)
30 (31). 3. ἕνεκεν τοῦ ὀνόματός σου ὁδηγήσεις με (6 *b*)
42 (43). 3. αὐτά με ὡδήγησαν (6 *b*)
44 (45). 4. ὁδηγήσει σε θαυμαστῶς ἡ δεξιά σου (4)
59 (60). 9. τίς ὁδηγήσει με ἕως τῆς Ἰδουμαίας (6 *a*)
60 (61). 2. ὡδήγησάς με (6 *b*)
66 (67). 4. ἔθνη ἐν τῇ γῇ ὁδηγήσεις [S -σει] (6 *b*)
72 (73). 24. ἐν τῇ βουλῇ σου ὡδήγησάς με (6 *b*)
76 (77). 20. ὡδήγησας ὡς πρόβατα τὸν λαόν σου (6 *a*)
77 (78). 14. ὡδήγησεν αὐτοὺς ἐν νεφέλῃ ἡμέρας (6 *b*)
— 53. ὡδήγησεν αὐτοὺς ἐν ἐλπίδι (6 *b*)
— 72. ἐν τῇ συνέσει τῶν χειρῶν αὐτοῦ ὡδήγησεν αὐτούς (6 *b*)
79 (80). 1. ὁ ὁδηγῶν ὡσεὶ πρόβατα τὸν Ἰωσήφ (5)
85 (86). 11. ὁδήγησόν με, κύριε, τῇ ὁδῷ σου (4)
89 (90). 16. ὁδήγησον τοὺς υἱοὺς αὐτῶν †
105 (106). 9. ὡδήγησεν αὐτοὺς ἐν ἀβύσσῳ (2 *b*)
106 (107). 7. ὡδήγησεν αὐτοὺς εἰς ὁδὸν εὐθεῖαν (1)
— 30. ὡδήγησεν αὐτοὺς ἐπὶ λιμένα [S¹ ἐπιμελείᾳ] θελήματος αὐ. (6 *b*)
107 (108). 10. τίς ὁδηγήσει με ἕως τῆς Ἰδ. (6 *a*)
118 (119). 35. ὁδήγησόν με ἐν τῇ τρίβῳ τῶν ἐντολῶν σου (1)
138 (139). 10. ἐκεῖ ἡ χείρ σου ὁδηγήσει με (6 *b*)
— 24. ὁδήγησόν με ἐν ὁδῷ αἰωνίᾳ (6 *a*)
142 (143). 10. τὸ πνεῦμά σου τὸ ἀγαθὸν ὁδηγήσει με ἐν τῇ εὐθείᾳ (6 *b*)
Pr. 11. 3. A τελειότης εὐθείων ὁδηγήσει αὐτούς (6 *b*)
Ec. 2. 3. καρδία μου ὡδήγησεν [S² ὡδ. με] ἐν σοφίᾳ (5)
Wi. 9. 11. ὁδηγήσει με ἐν ταῖς πράξεσί μου σωφρόνως
10. 10. δίκαιον ὡδήγησεν ἐν τρίβοις εὐθείαις
— 17. ὡδήγησεν αὐτοὺς ἐν ὁδῷ θαυμαστῇ
Is. 63. 14. ὡδήγησεν αὐτούς †
[Aq. Ps. 42 (43). 3: Pr. 4. 11: 6. 22.]
[Sm. Jb. 29. 25: Ps. 42 (43). 3: 60 (61). 3: 72 (73). 24: 77 (78). 53, 72: 138 (139). 10: Pr. 6. 22: Is. 55. 12.]
[Th. Jb. 31. 18: Ps. 42 (43). 3: 77 (78). 72: Pr. 6. 22: 11. 3: Is. 55. 12.]
[Quint. Ps. 42 (43). 3.]
[Al. Am. 2. 10.]

ὁδηγός.
II Es. 8. 1. οἱ ὁ. ἀναβαίνοντες μετ' ἐμοῦ †
Wi. 7. 15. αὐτὸς καὶ τῆς σοφίας ὁδηγός ἐστι
18. 3. στῦλον ὁδηγὸν [S¹ ὁλίγον] μὲν ἀγνώστου ὁδοιπορίας
I Ma. 4. 2. οἱ υἱοὶ τῆς ἄκρας ἦσαν αὐτῷ ὁδηγοί
II Ma. 5. 15. ὁδηγὸν ἔχων τὸν Μεν.
[Th. Da. 3. 24 (91) (Sw.).]

ὁδοιπορία (-εία).
Wi. 13. 18. περὶ δὲ ὁδοιπορίας [S¹ πορείας] τὸ μηδὲ βάσει χρῆσθαι δυνάμενον
18. 3. στῦλον ὁδηγὸν μὲν ἀγνώστου ὁδοιπορίας
19. 5. καὶ ὁ μὲν λαός σου παράδοξον ὁδοιπορίαν περάσῃ
I Ma. 6. 41. πάντες οἱ ἀκούοντες . . . ὁδοιπορίας τοῦ πλήθους
[Al. Jb. 6. 19.]

ὁδοιπόρος. (1) *a.* אֹרַח *b.* אֹרְחָה (2) הָלַךְ pi.

Ge. 37. 25. ὁδοιπόροι Ἰσμαηλῖται ἤρχοντο (1 *b*)
Jd. 19. 17. εἶδε τὸν ὁ. ἄνδρα [A ἄ. τ. ὁ.] (1 *a*)
II Ki. 12. 4. τοῦ ποιῆσαι τῷ ξένῳ ὁ. [A *om.*] (1 *a*)
Pr. 6. 11. ἐμπαραγίνεταί σοι ὥσπερ κακὸς ὁδοιπόρος ἡ πενία (2)
Si. 26. 12. ὡς δίψῶν ὁδοιπόρος τὸ στόμα ἀνοίγει
42. 3. περὶ λόγου κοινωνοῦ καὶ ὁδοιπόρων
[Aq. Jb. 31. 32: Je. 9. 2 (1): 14. 8.]
[Sm. Je. 9. 2 (1).]
[Th. Jd. 19. 17: II Ki. 12. 4: Je. 14. 8.]

ὁδοποιεῖν. (1) סָלַל (2) פָּלַס pi. (3) *a.* פָּנָה pi. *b.* פִּנָּה דֶּרֶךְ

Jb. 30. 12. ὡδοποίησαν [S² -εν] ἐπ' ἐμὲ τρίβους ἀπωλείας αὐ. (1)
Ps. 67 (68). 4. ὁδοποιήσατε τῷ ἐπιβεβηκότι ἐπὶ δυσμῶν (1)
77 (78). 50. ὡδοποίησε τρίβον τῇ ὀργῇ αὐτοῦ (2)
79 (80). 9. ὡδοποίησας ἔμπροσθεν αὐτῆς (3 *a*)
Wi. 5. 17. S¹ ὁδοποιήσει [A B S² ὁπλοπ.] τὴν κτίσιν εἰς ἄμυναν ἐχθρῶν
Is. 62. 10. ὁδοποιήσατε τῷ λαῷ μου (3 *b*)
[Aq. Ps. 77 (78). 50: Pr. 4. 26.]
[Sm. Is. 57. 14.]

ὁδός. (1) *a.* אֹרַח *b.* אָרַח (2) אָרֶץ (3) *a.* דֶּרֶךְ *b.* דָּרַךְ (4) *a.* הֲלִיךְ *b.* מַהֲלָךְ (5) חוּץ (6) יוֹם (7) מָבוֹא (8) מוֹצָא (9) מוֹרָד (10) מְסִלָּה (11) מַסְלוּל (12) מַעְגָּל (13) מִצְוָה (14) מָקוֹם (15) נְתִיבָה (16) רָחוֹב, רְחֹב (17) שָׁדֶה (18) ἡ ὁ. ἡ πονηρά רָעָה

Ge. 3. 24. φυλάσσειν τὴν ὁ. τοῦ ξύλου τῆς ζωῆς (3 *a*)
6. 12. κατέφθειρε πᾶσα σὰρξ τὴν ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
16. 7. R ἐπὶ τῆς πηγῆς ἐν τῇ ὁ. Σ. (3 *a*)
18. 5. παρελεύσεσθε εἰς τὴν ὁδὸν ὑμῶν –
— 19. φυλάξουσι τὰς ὁ. κυρίου (3 *a*)
19. 2. ἀπελεύσεσθε εἰς τὴν ὁ. ὑμῶν (3 *a*)
24. 21. εἰ εὐώδωκε κ. τὴν ὁ. αὐτοῦ ἢ οὔ (3 *a*)
— 40. κύριος ὁ θεὸς . . . εὐοδώσει τὴν ὁ. σου (3 *a*)
— 42. εἰ σὺ εὐοδοῖς τὴν ὁ. μου (3 *a*)
— 48. εὐώδωσέ με [A μοι] ἐν ὁδῷ ἀληθείας (3 *a*)
— 56. εὐώδωσε τὴν ὁ. μου (3 *a*)
28. 15. ἐν τῇ ὁ. πάσῃ οὗ ἂν πορευθῇς –
— 20. ἐν τῇ ὁ. ταύτῃ ᾗ ἐγὼ πορεύομαι (3 *a*)
30. 36. ἀπέστησεν ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3 *a*)
31. 23. ἐδίωξεν . . . ὁδὸν ἡμερῶν ἑπτά (3 *a*)
32. 1 (2). ἀπῆλθεν εἰς τὴν ὁ. ἑαυτοῦ (3 *a*)
33. 14. ἐνισχύσω ἐν τῇ ὁ. κατὰ σχολήν –
— 16. ἀπέστρεψε . . . εἰς τὴν ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
35. 3. διέσωσέ με ἐν τῇ ὁ. ᾗ ἐπορεύθην (3 *a*)
— 19. R ἐν τῇ ὁ. τοῦ ἱπποδρόμου [A *om. τ. ἱ.*] (3 *a*)
38. 16. ἐξέκλινε δὲ πρὸς αὐτὴν τὴν ὁ. (3 *a*)
— 21. ἡ γενομένη ἐν Αἰνὰν ἐπὶ τῆς ὁ. (3 *a*)
42. 25. δοῦναι αὐτοῖς ἐπισιτισμὸν εἰς τὴν ὁ. (3 *a*)
— 38. ἐν τῇ ὁ. ᾗ ἐὰν πορεύησθε (3 *a*)
44. 29. καὶ συμβῇ αὐτῷ μαλακία ἐν τῇ ὁ. –
45. 21. ἔδωκεν αὐτοῖς ἐπισιτισμὸν εἰς τὴν ὁ. (3 *a*)
— 23. αἰρούσας ἄρτους τῷ πατρὶ αὐ. εἰς ὁδόν (3 *a*)
— 24. μὴ ὀργίζεσθε ἐν τῇ ὁ. (3 *a*)
48. 7. κατώρυξα . . . ἐν τῇ ὁ. τοῦ ἱπποδρόμου (3 *a*)
49. 17. ὄφις ἐφ' ὁδοῦ ἐγκαθήμενος ἐπὶ τρίβου (3 *a*)
Ex. 3. 18. πορευσόμεθα . . . ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3 *a*)
4. 24. ἐγένετο δὲ ἐν τῇ ὁ. ἐν τῷ καταλύματι (3 *a*)
5. 3. πορευσόμεθα οὖν ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3 *a*)
8. 27 (23). ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν πορευσόμεθα (3 *a*)
12. 39. οὐδὲ ἐπισιτισμὸν ἐποίησαν . . . εἰς τὴν ὁ. –
13. 17. οὐχ ὡδήγησεν αὐτοὺς . . . ὁδὸν γῆς (3 *a*)
Ex. 13. 18. ἐκύκλωσεν . . . ὁδὸν τὴν εἰς τὴν ἔρημον (3 *a*)
— 21. δεῖξαι αὐτοῖς τὴν ὁ. (3 *a*)
18. 8. μόχθον τὸν γενόμενον . . . ἐν τῇ ὁ. (3 *a*)
— 20. σημανεῖς αὐτοῖς τὰς ὁ. (3 *a*)
23. 20. ἵνα φυλάξῃ σε ἐν τῇ ὁ. (3 *a*)
32. 8. παρέβησαν ταχὺ ἐκ τῆς ὁ. (3 *a*)
33. 3. ἵνα μὴ ἐξαναλώσω σε ἐν τῇ ὁ. (3 *a*)
Le. 26. 22. ἐρημωθήσονται αἱ ὁ. ὑμῶν (3 *a*)
Nu. 9. 10. ἢ ἐν ὁδῷ μακρὰν ὑμῖν (3 *a*)
— 13. B ἐν ὁδῷ μακρᾷ [A R μακρὰν] οὐκ ἔστι (3 *a*)
10. 33. ἐξῆραν . . . ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3 *a*)
— 33. προεπορεύετο . . . ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3 *a*)
11. 31. ὁδὸν ἡμέρας ἐντεῦθεν (3 *a*)
— 31. A B² R καὶ ὁδὸν ἡμέρας ἐντεῦθεν (3 *a*)
14. 25. ὁδὸν θάλασσαν ἐρυθράν (3 *a*)
20. 17. ὁδῷ βασιλικῇ πορευσόμεθα (3 *a*)
21. 1. ἦλθε γὰρ Ἰσρ. ὁδὸν Ἀθ. (3 *a*)
— 4. ὁδὸν ἐπὶ θάλασσαν ἐρυθράν (3 *a*)
— 4. ὠλιγοψύχησεν ὁ λαὸς ἐν τῇ ὁ. (3 *a*)
— 21 (22). τῇ [A *om.*] ὁ. πορευσόμεθα –
— 22. ὁ. βασιλικῇ πορευσόμεθα (3 *a*)
— 33. ἀνέβησαν ὁδὸν τὴν εἰς Β. (3 *a*)
22. 23. τὸν ἄγγελον τοῦ θ. ἀνθεστηκότα ἐν τῇ ὁ. (3 *a*)
— 23. ἐξέκλινεν ἡ ὄνος ἐκ τῆς ὁ. (3 *a*)
— 23. τοῦ εὐθῦναι αὐτὴν ἐν τῇ ὁ. (3 *a*)
— 31. τὸν ἄγγ. κυρίου ἀνθεστηκότα ἐν τῇ ὁ. (3 *a*)
— 32. ὅτι οὐκ ἀστεία ἡ ὁ. σου (3 *a*)
— 34. σύ μοι ἀνθέστηκας ἐν τῇ ὁ. (3 *a*)
33. 8. ἐπορεύθησαν ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3 *a*)
De. 1. 2. ἕνδεκα ἡμερῶν ἐκ Χ. ὁδός (3 *a*)
— 19. ὁδὸν ὄρους τοῦ Ἀμορραίου (3 *a*)
— 22. τὴν ὁ. δι' ἧς ἀναβησόμεθα (3 *a*)
— 31. B ὁδὸν ὄρους τοῦ Ἀμ. –
— 31. κατὰ πᾶσαν τὴν ὁ. εἰς ἣν ἐπορεύθητε (3 *a*)
— 33. ὃς προπορεύεται πρότερος ὑμῶν ἐν τῇ ὁ. (3 *a*)
— 33. δεικνύων ὑμῖν τὴν ὁ. (3 *a*)
— 40. ὁδὸν τὴν ἐπὶ τῆς ἐρυθρᾶς θαλ. (3 *a*)
2. 1. ὁδὸν θάλασσαν ἐρυθράν (3 *a*)
— 8. παρὰ τὴν ὁ. τὴν Ἄραβα (3 *a*)
— 8. παρήλθομεν ὁδὸν ἔρημον Μ. (3 *a*)
— 27. ἐν τῇ ὁ. πορεύσομαι (3 *a*)
3. 1. ἀνέβημεν ὁδὸν τὴν εἰς Β. (3 *a*)
5. 33 (30). κατὰ πᾶσαν τὴν ὁ. ἣν ἐνετείλατό σοι (3 *a*)
6. 7. πορευόμενος ἐν ὁδῷ (3 *a*)
8. 2. μνησθήσῃ πᾶσαν τὴν ὁ. (3 *a*)
— 6. B¹ πορεύεσθαι [A B² R *add.* ἐν] ταῖς ὁ. αὐ. (3 *a*)
9. 12. παρέβησαν ταχὺ ἐκ τῆς ὁ. (3 *a*)
— 16. παρέβητε ἀπὸ τῆς ὁ. (3 *a*)
10. 12. πορεύεσθαι ἐν πάσαις ταῖς ὁ. αὐ. (3 *a*)
11. 19. πορευομένου σου ἐν ὁδῷ (3 *a*)
— 22. πορεύεσθαι ἐν πάσαις ταῖς ὁ. αὐ. (3 *a*)
— 28. καὶ πλανηθῆτε ἀπὸ τῆς ὁ. (3 *a*)
— 30. ὁδὸν δυσμῶν ἡλίου (3 *a*)
13. 5 (6). ἐξῶσαί σε ἀπὸ [A ἐκ] τῆς ὁ. (3 *a*)
14. 24. ἐὰν δὲ μακρὰν γένηται ἡ ὁ. ἀπὸ σοῦ (3 *a*)
17. 16. ἀποστρέψαι τῇ ὁ. ταύτῃ (3 *a*)
19. 3. στόχασαί σοι τὴν ὁ. (3 *a*)
— 6. ἐὰν μακροτέρα ᾖ ἡ ὁ. (3 *a*)
— 9. πορεύεσθαι ἐν πάσαις ταῖς ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
22. 1. πλανώμενα ἐν τῇ ὁ. –
— 4. πεπτωκότας ἐν τῇ ὁ. (3 *a*)
— 6. ἐὰν δὲ συναντήσῃς . . . ἐν τῇ ὁ. (3 *a*)
23. 4 (5). παρὰ τὸ μὴ συναντῆσαι αὐτοὺς ὑμῖν . . . ἐν τῇ ὁ. (3 *a*)
24. 9. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεός . . . ἐν τῇ ὁ. (3 *a*)
25. 17. ὅσα ἐποίησέ σοι Ἀμ. ἐν τῇ ὁ. (3 *a*)
— 18. πῶς ἀντέστη σοι ἐν τῇ ὁ. (3 *a*)
26. 17. πορεύεσθαι ἐν πάσαις ταῖς ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
27. 18. ὁ πλανῶν τυφλὸν ἐν ὁδῷ (3 *a*)
28. 7. ὁδῷ [A ἐν ὁ.] μιᾷ ἐξελεύσονται (3 *a*)
— 7. ἐν ἑπτὰ ὁδοῖς φεύξονται (3 *a*)
— 9. ἐὰν . . . πορευθῇς ἐν πάσαις ταῖς ὁ. αὐ. (3 *a*)
— 25. ἐν ὁ. μιᾷ ἐξελεύσῃ πρὸς αὐτούς (3 *a*)
— 25. ἐν ἑπτὰ ὁδοῖς φεύξῃ (3 *a*)
— 29. οὐκ εὐοδώσει τὰς ὁ. σου (3 *a*)
— 68. ἐν τῇ ὁ. ᾗ εἶπα (3 *a*)
30. 16. πορεύεσθαι ἐν πάσαις ταῖς ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
31. 29. B ἐκκλινεῖτε ἀπὸ [A R ἐκ] τῆς ὁ. (3 *a*)
32. 4. πᾶσαι αἱ ὁ. αὐτοῦ κρίσεις (3 *a*)
Jo. 1. 8. B εὐοδώσει [A R -εις] τὰς ὁ. σου (3 *a*)
2. 7. κατεδίωξαν . . . ὁδὸν τὴν ἐπὶ τοῦ Ἰ. (3 *a*)
— 16. ἀπελεύσεσθε εἰς τὴν ὁ. ὑμῶν (3 *a*)
— 22. ἐξεζήτησαν . . . πάσας τὰς ὁ. (3 *a*)
3. 4. ἵνα ἐπίστησθε τὴν ὁ. (3 *a*)

Jo. 3. 4. οὐ γὰρ πεπόρευσθε τὴν ὁ. (3 a)
5. 4. ὅσοι ποτὲ ἐγένοντο ἐν τῇ ὁ. (3 a)
— 7. διὰ τὸ αὐτοὺς γεγεννῆσθαι κατὰ τὴν ὁ. ἀπεριτμήτους (3 a)
9. 11. λάβετε ἑαυτοῖς ἐπισιτισμὸν εἰς τὴν ὁ. (3 a)
— 13. πεπαλαίωται ἀπὸ τῆς πολλῆς ὁ. (3 a)
10. 10. κατεδίωξαν αὐτοὺς ὁδὸν ἀναβάσεως Ὠ. (3 a)
12. 3. ὁδὸν τὴν κατὰ Ἀσ. (3 a)
21. 40. τοὺς γενομένους ἐν τῇ ὁ. –
22. 5. πορεύεσθαι [A add. ἐν] πάσαις ταῖς ὁ. αὐτοῦ (3 a)
23. 14. ἐγὼ δὲ ἀποτρέχω τὴν ὁ. (3 a)
24. 17. διεφύλαξεν ἡμᾶς ἐν πάσῃ τῇ ὁ. (3 a)
Jd. 2. 17. ἐξέκλιναν ταχὺ ἐκ τῆς ὁ. (3 a)
— 19. οὐκ ἀπέρριψαν . . . τὰς ὁ. αὐ. [A al.] (3 a)
— 22. εἰ φυλάσσονται τὴν ὁ. κυρίου (3 a)
4. 9. οὐκ ἔσται τὸ προτέρημά σου ἐπὶ [A εἰς] τὴν ὁ. (3 a)
5. 6. ἐξέλιπον ὁδούς [A βασιλεῖς] (1 a)
— 6. ἐπορεύθησαν ὁ. διεστραμμέναις (1 a)
— 10. B πορευόμενοι ἐπὶ ὁδοὺς συνέδρων ἐφ' ὁδῷ (3 a, –)
8. 11. ἀνέβη Γ. ὁδὸν τῶν σκηνούντων (3 a)
9. 21. A ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ [B al.] –
— 25. ὃς παρεπορεύετο ἐπ' αὐτοὺς ἐν τῇ ὁ. (3 a)
— 37. ἀρχὴ ἑτέρα ἔρχεται δι' ὁδοῦ Ἡ. [A al.] (3 a)
15. 15. A σιαγόνα ὄνου ἐρριμμένην ἐν τῇ ὁ. [B al.] –
17. 8. τοῦ ποιῆσαι [A add. τὴν] ὁδὸν αὐτοῦ (3 a)
18. 5. εἰ εὐοδωθήσεται ἡ ὁ. ἡμῶν (3 a)
— 6. ἐνώπιον κυρίου ἡ ὁ. ὑμῶν (3 a)
— 26. ἐπορεύθησαν . . . εἰς [A add. τὴν] ὁδὸν αὐτῶν (3 a)
19. 9. ὀρθριεῖτε αὔριον εἰς [A add. τὴν] ὁδὸν ὑμῶν (3 a)
— 27. τοῦ πορευθῆναι τὴν ὁ. αὐτοῦ (3 a)
20. 31. πατάσσειν . . . τραυματίας . . . ἐν ταῖς ὁ. (10)
— 32. ἐκκενώσωμεν αὐτοὺς . . . εἰς τὰς ὁ. (10)
— 42. B ἐπέβλεψαν . . . εἰς [A R add. τὴν] ὁδὸν τῆς ἐρήμου (3 a)
— 45. A ἐκαλαμήσαντο . . . ἐν ταῖς ὁ. [B al.] (10)
21. 19. ἐπὶ τῆς ὁ. τῆς ἀναβαινούσης [A ἐν τῇ ὁ. τῇ ἀ.] (10)
Ru. 1. 7. ἐπορεύοντο ἐν τῇ ὁ. (3 a)
I Ki. 1. 18. ἐπορεύθη ἡ γυνὴ εἰς τὴν ὁ. αὐτῆς (3 a)
— 19. πορεύονται [A add. καὶ ἦλθον] τὴν ὁ. αὐτῶν –
3. 21. πονηρὰ ἡ ὁ. αὐ. ἐνώπιον κυρίου –
4. 13. σκοπεύων τὴν ὁ. (3 a)
6. 9. εἰ εἰς ὁδὸν ὅριον αὐτῆς πορεύσεται (3 a)
— 12. κατεύθυναν αἱ βόες ἐν τῇ ὁ. εἰς ὁδὸν Βαιθσ. (3 a, 3 a)
8. 3. οὐκ ἐπορεύθησαν οἱ υἱοὶ αὐ. ἐν ὁδῷ αὐτοῦ (3 a)
— 5. οὐ πορεύονται ἐν τῇ ὁ. σου (3 a)
9. 6. ὅπως ἀπαγγείλῃ ἡμῖν τὴν ὁ. ἡμῶν (3 a)
— 8. ἀπαγγελεῖ ἡμῖν τὴν ὁ. ἡμῶν (3 a)
12. 23. B δείξω ὑμῖν τὴν ὁ. τὴν ἀγαθήν (3 a)
13. 15. B ἀπῆλθεν ἐκ Γ. εἰς ὁδὸν αὐτοῦ [R om. εἰς ὁ. αὐ.] –
— 17. B ἐπιβλέπουσα ὁδὸν Γ. (3 a)
— 18. B ἐπιβλέπουσα ὁδὸν Β. (3 a)
— 18. B ἐπιβλέπουσα ὁδὸν Γ. (3 a)
14. 5. B ἡ ὁ. ἡ μία ἀπὸ βορρᾶ . . . καὶ ἡ ὁ. ἡ ἄλλη ἀπὸ νότου †, †
15. 2. ὡς ἀπήντησεν αὐτῷ ἐν τῇ ὁ. (3 a)
— 18. ἀπέστειλέ σε κύριος ἐν ὁδῷ (3 a)
— 20. ἐπορεύθην [A add. ἐν] τῇ ὁ. (3 a)
17. 52. ἔπεσον τραυματίαι . . . ἐν τῇ ὁ. τῶν πυλῶν (3 a)
18. 14. ἦν Δ. ἐν πάσαις ταῖς ὁ. αὐ. συνίων (3 a)
21. 5 (6). ἐν τῷ ἐξελθεῖν με εἰς ὁδόν –
— 5 (6). αὐτὴ ἡ ὁ. βέβηλος (3 a)
24. 4. εἰς τὰς ἀγέλας τῶν ποιμνίων τὰς ἐπὶ τῆς ὁ. (3 a)
— 8. κατέβη [A add. εἰς] τὴν ὁ. (3 a)
— 20. καὶ ἐκπέμψοι αὐτὸν ἐν ὁ. ἀγαθῇ (3 a)
25. 12. ἀπεστράφησαν . . . εἰς ὁδὸν αὐτῶν (3 a)
26. 3. παρενέβαλε Σ. . . . ἐπὶ τῆς ὁ. (3 a)
— 13. καὶ πολλὴ ἡ ὁ. ἀνὰ μέσον αὐτῶν (14)
— 25. A R ἀπῆλθε Δ. εἰς τὴν ὁ. [B τὸν τόπον] αὐ. (3 a)
27. 7. A B ὧν ἐκάθισε Δ. ἐν ὁδῷ [R ἀγρῷ] τῶν ἀλλοφ. (17)
28. 22. ὅτι πορεύῃ ἐν ὁδῷ (3 a)
29. 10. ὀρθρίσατε [A διορθρ.] ἐν τῇ ὁ. †
I Ki. 30. 2. ἀπῆλθον εἰς τὴν ὁ. αὐτῶν (3 a)
II Ki. 2. 24. ὁδὸν ἔρημον Γαβαών (3 a)
4. 7. ἀπῆλθον ὁδὸν τὴν κατὰ δυσμάς (3 a)
11. 10. οὐχὶ ἐξ ὁδοῦ σὺ ἔρχῃ (3 a)
13. 30. αὐτῶν ὄντων ἐν τῇ ὁ. (3 a)
— 34. λαὸς πολὺς πορευόμενος ἐν τῇ ὁ. (3 a)
— 34. ἄνδρας ἑώρακα ἐκ τῆς ὁ. –
15. 2. ἔστη ἀνὰ χεῖρα τῆς ὁ. τῆς πύλης (3 a)
— 23. παρεπορεύοντο ἐπὶ πρόσωπον ὁδοῦ τὴν ἔρημον (3 a)
16. 13. ἐπορεύθη Δ. . . . ἐν τῇ ὁ. (3 a)
18. 23. ἔδραμεν Ἀχ. ὁδὸν τὴν τοῦ Κ. (3 a)
22. 22. ἐφύλαξα ὁδοὺς κυρίου (3 a)
— 31. ἄμωμος ἡ ὁ. αὐτοῦ (3 a)
— 33. ἐξετίναξεν ἄμωμον τὴν ὁ. μου (3 a)
— 43. ὡς πηλὸν ἐξόδων [B³ ἐξ ὁδῶν] ἐλέπτυνα αὐτούς (5)
III Ki. 1. 49. ἦλθον [A ἀπῆλθεν] ἀνὴρ εἰς τὴν ὁ. αὐ. (3 a)
2. 2. πορεύομαι ἐν ὁδῷ πάσης τῆς γῆς (3 a)
— 3. τοῦ πορεύεσθαι ἐν ταῖς ὁ. αὐτοῦ (3 a)
— 4. ἐὰν φυλάξωσιν οἱ υἱοί σου τὴν ὁ. αὐ. (3 a)
3. 14. ἐὰν πορευθῇς ἐν τῇ ὁ. μου (3 a)
8. 25. ἐὰν φυλάξωνται τὰ τέκνα σου τὰς ὁ. αὐ. (3 a)
— 32. δοῦναι τὴν ὁ. αὐτοῦ (3 a)
— 36. δηλώσεις αὐτοῖς τὴν ὁ. τὴν ἀγαθήν (3 a)
— 39. δώσεις ἀνδρὶ κατὰ [A add. πάσας] τὰς ὁ. αὐ. (3 a)
— 44. ἐν ὁδῷ ᾗ ἐπιστρέψεις αὐτούς (3 a)
— 44. προσεύξονται . . . ὁδὸν [A -ὸς] τῆς πόλεως (3 a)
— 48. προσεύξονται πρὸς σὲ ὁδὸν γῆς αὐτῶν (3 a)
— 58. τοῦ πορεύεσθαι ἐν πάσαις ὁ. αὐτοῦ (3 a)
11. 29. εὗρεν αὐτὸν Ἀχ. . . . ἐν τῇ ὁ. (3 a)
— 29. ἀπέστησεν αὐτὸν ἐκ τῆς ὁ. –
— 33. οὐκ ἐπορεύθη ἐν ταῖς ὁ. μου (3 a)
— 38. ἐὰν . . . πορευθῇς ἐν ταῖς ὁ. μου (3 a)
12. 24. B οὐκ ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ Δ. –
13. 9. μὴ ἐπιστρέψῃς ἐν [B¹ om.] τῇ ὁ. (3 a)
— 10. ἀπῆλθεν ἐν ὁ. ἄλλῃ (3 a)
— 10. οὐκ ἀνέστρεψεν ἐν τῇ ὁ. (3 a)
— 12. ποίᾳ ὁδῷ πεπόρευται (3 a)
— 12. δεικνύουσιν αὐτῷ οἱ υἱοὶ αὐ. τὴν ὁ. (3 a)
— 17. μὴ ἐπιστρέψῃς ἐκεῖ ἐν τῇ ὁ. (3 a)
— 24. εὗρεν αὐτὸν λέων ἐν τῇ ὁ. (3 a)
— 24. ἦν τὸ σῶμα αὐ. ἐρριμμ. ἐν τῇ ὁ. (3 a)
— 25. εἶδον τὸ θνησιμαῖον ἐρριμμ. ἐν τῇ ὁ. (3 a)
— 26. ὁ ἐπιστρέψας αὐτὸν ἐκ τῆς ὁ. (3 a)
— 28. εὗρε τὸ σῶμα αὐ. ἐρριμμ. ἐν τῇ ὁ. (3 a)
15. 26. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ τοῦ πατρὸς αὐ. (3 a)
— 34. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ Ἱερ. (3 a)
16. 2. ἐπορεύθης ἐν τῇ ὁ. Ἱερ. (3 a)
— 19. πορευθῆναι ἐν ὁδῷ Ἱερ. (3 a)
— 26. ἐπορεύθη ἐν πάσῃ [A add. τῇ] ὁ. Ἱερ. (3 a)
— 28 (22. 43). B ἐπορεύθη ἐν τῇ ὁ. Ἀσά (3 a)
18. 6. ἐμέρισαν ἑαυτοῖς τὴν ὁ. (2)
— 6. Ἀχ. ἐπορεύθη ἐν ὁ. μᾷ [A ἄλλῃ μόνος] καὶ Ἀβδ. ἐπορεύθη ἐν ὁ. ἄλλῃ (3 a, 3 a)
— 7. ἦν Ἀβδ. ἐν τῇ ὁ. (3 a)
— 43. ἐπίβλεψον ὁδὸν τῆς θαλάσσης (3 a)
19. 4. ἐπορεύθη . . . ὁδὸν ἡμέρας (3 a)
— 7. πολλὴ ἀπὸ σοῦ ἡ ὁ. (3 a)
— 15. ἀνάστρεφε εἰς τὴν ὁ. σου (3 a)
— 15. ἥξεις εἰς τὴν ὁ. ἐρήμου Δαμ. –
21 (20). 38. ἔστη τῷ βασ. Ἰσρ. ἐπὶ τῆς ὁ. (3 a)
22. 43. ἐπορεύθη ἐν πάσῃ ὁ. Ἀσά (3 a)
— 53. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ Ἀχ. τοῦ πατρὸς αὐ. καὶ ἐν ὁδῷ Ἰεζ. (3 a, 3 a)
IV Ki. 2. 23. ἀναβαίνοντος αὐτοῦ ἐν τῇ ὁ. (3 a)
3. 8. ποίᾳ ὁ. ἀναβῶ (3 a)
— 8. ὁδὸν ἔρημον Ἐδώμ (3 a)
— 9. ἐκύκλωσαν ὁδὸν ἑπτὰ ἡμερῶν (3 a)
— 20. ὕδατα ἤρχοντο ἐξ ὁδοῦ Ἐδώμ (3 a)
6. 19. οὐχὶ . . . αὕτη ἡ ὁ. (3 a)
7. 15. πᾶσα ἡ ὁ. πλήρης ἱματίων (3 a)
8. 18. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ βασιλέων Ἰσρ. (3 a)
— 27. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ οἴκου Ἀχ. (3 a)
9. 27. ἔφυγεν ὁδὸν Β. (3 a)
10. 12. αὐτὸς ἐν Β. τῶν ποιμένων ἐν τῇ ὁ. (3 a)
11. 6. καὶ τὸ τρίτον ἐν τῇ πύλῃ τῶν ὁ. †
— 16. εἰσῆλθον ὁδὸν εἰσόδου τῶν ἵππων (3 a)
— 19. εἰσῆλθεν ὁδὸν πύλης τῶν παρατρεχόντων (3 a)
16. 3. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ βασιλέως Ἰσρ. (3 a)
17. 13. ἀποστράφητε ἀπὸ τῶν ὁ. ὑ. τῶν πον. (3 a)
18. 17. ἥ ἐστιν ἐν τῇ ὁ. τοῦ ἀγροῦ τοῦ γναφέως (10)
IV Ki. 19. 28. ἀποστρέψω σε ἐν τῇ ὁ. (3 a)
— 33. τῇ ὁ. ᾗ ἦλθεν (3 a)
21. 21. ἐπορεύθη ἐν πάσῃ ὁ. (3 a)
— 22. οὐκ ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ κυρίου (3 a)
22. 2. ἐπορεύθη ἐν πάσῃ ὁ. Δ. (3 a)
25. 4. ἐξῆλθον νυκτὸς ὁδὸν πύλης (3 a)
— 4. ἐπορεύθη ὁδὸν τὴν Ἄραβα (3 a)
II Ch. 6. 16. ἐὰν φυλάξωσιν οἱ υἱοί σου τὴν ὁ. αὐ. (3 a)
— 23. ἀποδοῦναι ὁδοὺς αὐ. εἰς κεφαλὴν αὐ. (3 a)
— 27. δηλώσεις αὐτοῖς τὴν ὁ. τὴν ἀγαθήν (3 a)
— 30. δώσεις ἀνδρὶ κατὰ τὰς ὁ. αὐ. (3 a)
— 31. ὅπως φοβῶνται πάσας [A τὰς] ὁ. σου (3 a)
— 34. ἐν ὁδῷ ᾗ ἀποστελεῖς αὐτούς (3 a)
— 34. κατὰ τὴν ὁ. τῆς πόλεως ταύτης (3 a)
— 38. καὶ προσεύξωνται ὁδὸν γῆς αὐ. (3 a)
7. 14. καὶ ἀποστρέψωσιν ἀπὸ τῶν ὁ. αὐ. τῶν πον. (3 a)
11. 17. ἐπορεύθη ἐν [A om.] ταῖς ὁ. Δ. (3 a)
17. 3. ἐπορεύθη ἐν ὁδοῖς τοῦ πατρός (3 a)
— 6. ὑψώθη καρδία αὐ. ἐν ὁδῷ κυρίου (3 a)
18. 23. B ποίᾳ τῇ ὁ. πνεῦμα [A R al.] (3 a)
20. 32. ἐπορεύθη ἐν [A om.] ταῖς ὁ. τοῦ πατρὸς αὐ. (3 a)
21. 6. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ βασιλέων Ἰ. (3 a)
— 12. B οὐκ ἐπορεύθης ἐν ὁδῷ Ἰωσ. (3 a)
— 12. καὶ ἐν ὁδοῖς Ἀσά (3 a)
— 13. ἐπορεύθης ἐν ὁδοῖς βασιλέων Ἰσρ. (3 a)
22. 3. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ οἴκου Ἀχ. (3 a)
27. 6. ἡτοίμασε τὰς ὁ. αὐτοῦ (3 a)
28. 2. κατὰ τὰς ὁ. βασιλέων Ἰσρ. (3 a)
34. 2. ἐπορεύθη ἐν ὁδοῖς Δ. (3 a)
II Es. 8. 21. ζητῆσαι παρ' αὐτοῦ ὁ. εὐθεῖαν ἡμῖν (3 a)
— 22. σῶσαι ἡμᾶς ἀπὸ ἐχθροῦ ἐν τῇ ὁ. (3 a)
— 27. χρυσοῖ εἴκοσι εἰς τὴν ὁ. †
— 31. ἀπὸ χειρὸς ἐχθροῦ . . . ἐν τῇ ὁ. (3 a)
Ne. 9. 12. τοῦ φωτίσαι αὐτοῖς τὴν ὁ. (3 a)
— 19. ὁδηγῆσαι αὐτοὺς ἐν τῇ ὁ. (3 a)
— 19. φωτίζειν αὐτοῖς τὴν ὁ. (3 a)
To. 1. 3. ἐγὼ Τωβὶτ ὁδοῖς ἀληθείας ἐπορευόμην
— 15. αἱ ὁ. αὐτοῦ ἠκαταστάθησαν [S al.]
2. 6. S καὶ πᾶσαι αἱ ὁ. ὑμῶν εἰς θρῆνος [A B al.]
3. 2. πᾶσαι αἱ ὁ. σου ἐλεημοσύναι
— 5. S² ἀληθιναὶ αἱ ὁ. σου [A B S¹ om. αἱ ὁ. σου]
4. 5. μὴ πορευθῇς ταῖς ὁ. τῆς ἀδικίας
— 15. A B μὴ πορευθήτω μετὰ σοῦ μέθη ἐν τῇ ὁ. σου
— 19. A B ὅπως αἱ ὁ. σου εὐθεῖαι γένωνται
5. 2. S τὰς ὁ. τὰς εἰς Μηδείαν οὐ γινώσκω
— 4. S ὃς ἐμπειρεῖ τῆς ὁ.
— 5. S ἐπίστῃ τὴν ὁ. [A B al.]
— 6. τῆς ὁ. ἐμπειρῷ [S al.]
— 6. S ἀπέχει ὁδὸν ἡμερῶν δύο τεταγμένων
— 9. S ἐπίσταμαι ἐγὼ τὰς ὁ. πάσας
— 9. S πάσας τὰς ὁ. αὐτῆς ἐγὼ γινώσκω
— 15. S ἡ ὁ. ἀσφαλής
— 16. ἕτοιμος γίνου πρὸς τὴν ὁ. [S al.]
— 16. A B ἡτοίμασεν ὁ υἱὸς αὐτοῦ τὰ πρὸς τὴν ὁ.
— 16. εὐοδώσει τὴν ὁ. ὑμῶν [S al.]
— 16. S πορευθῆναι τὴν ὁ. αὐ. [A B al.]
— 21. εὐοδωθήσεται ἡ ὁ. αὐτοῦ
6. 1. οἱ δὲ πορευόμενοι τὴν ὁ. [S al.]
10. 7. S περιεβλέπετο τὴν ὁ.
— 7. ἐπορεύετο καθ' ἡμέραν εἰς τὴν ὁ. [S al.]
— 13. S εὐώδωκεν τὴν ὁ. αὐ.
11. 1. A B εὐώδωσε τὴν ὁ. αὐτοῦ
— 5. περιβλεπομένη εἰς [S om.] τὴν ὁ.
— 15. S εὐωδώθη ἡ ὁ. αὐ.
Ju. 2. 21. ἀπῆλθον . . . ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν
4. 7. S δι' αὐτῶν ἦν ὁδὸς [A B ἡ εἴσ.] εἰς τὴν Ἰ.
5. 8. ἐξέβησαν ἐξ [S ἐκ τῆς] ὁδοῦ τῶν γονέων αὐ.
— 14. ἤγαγεν αὐτοὺς εἰς ὁδὸν τοῦ Σ.
— 18. ὅτε δὲ ἀπέστησαν ἀπὸ τῆς ὁ.
7. 22. S καὶ ἐν ταῖς διόδοις τῶν ὁ. [A B πυλῶν]
9. 6. πᾶσαι γὰρ αἱ ὁ. σου ἕτοιμοι
10. 13. δείξω πρὸ προσώπου αὐτοῦ ὁδόν
12. 8. κατευθύνει τὴν ὁ. αὐ.
13. 16. ὃς διεφύλαξέ με ἐν τῇ ὁ. μου
14. 4. καταστρώσατε αὐτοὺς ἐν ταῖς ὁ. αὐ.
15. 2. ἔφευγον ἐπὶ πᾶσαν ὁ. τοῦ πεδίου
Jb. 3. 23. A οὗ ἡ ὁ. ἀπεκρύβη (3 a)
4. 6. ἡ ἐλπίς σου καὶ ἡ κακία τῆς ὁ. σου (3 a)
6. 19. ἴδετε ὁδοὺς Θαιμανῶν (1 a)
8. 14. A καὶ ἡ ὁ. αὐτοῦ –
9. 26. ἢ καί ἐστι ναυσὶν ἴχνος ὁδοῦ –
12. 24. ἐπλάνησε δὲ αὐτοὺς ἐν [A S om.] ὁδῷ (3 a)

Jb. 13. 9. A εἰ γὰρ . . . προστεθήσεσθε ὁδῷ [BS *om.*] αὐτοῦ [BS -ῷ] –
16. 23 (22). ABS² ὁδῷ δὲ ᾗ οὐκ ἐπαναστραφήσομαι πορεύσομαι (1 *a*)
17. 9. ABS² σχοίη δὲ πιστὸς τὴν ἑαυτοῦ ὁ. (3 *a*)
19. 12. ταῖς ὁ. μου ἐκύκλωσαν ἐγκάθετοι (3 *a*)
21. 14. ὁδούς [A τὰς ὁ.] σου εἰδέναι οὐ βούλομαι (3 *a*)
— 29. ἐρωτήσατε παραπορευομένους ὁδόν (3 *a*)
— 31. τίς ἀπαγγελεῖ ἐπὶ προσώπου αὐ. τὴν ὁ. αὐ. (3 *a*)
22. 3. ἢ ὠφέλεια ὅτι ἁπλώσῃς τὴν ὁ. σου (3 *a*)
— 28. ἐπὶ δὲ ὁδοῖς [S¹ -ούς] σου [A σοι] ἔσται φέγγος (3 *a*)
23. 10. οἶδε γὰρ ἤδη ὁδόν μου (3 *a*)
— 11. ὁδοὺς γὰρ αὐτοῦ ἐφύλαξα (3 *a*)
24. 4. ἐξέκλιναν ἀδυνάτους ἐξ ὁδοῦ δικαίας [S¹ -ων] (3 *a*)
— 11. ὁδὸν δὲ δικαίαν [AB¹ -ων] οὐκ ᾔδεισαν (3 *b*?)
— 13. ὁδὸν δὲ δικαιοσύνης οὐκ ᾔδεισαν (3 *a*)
26. 14. ἰδοὺ ταῦτα μέρη ὁδοῦ [S¹ λόγου] αὐτοῦ (3 *a*)
28. 4. οἱ δὲ ἐπιλανθανόμενοι ὁδὸν δικαίαν [A ὁδοὺς δικαιοσύνης] ἠσθένησαν †
— 13. οὐκ οἶδε βροτὸς ὁδὸν αὐτῆς †
— 23. εὖ συνέστησεν αὐτῆς τὴν ὁ. (3 *a*)
— 26. καὶ ὁδὸν ἐν τινάγματι φωνάς [A¹ -ῆς] (3 *a*)
29. 4. ὅτε ἤμην ἐπιβρίθων [S¹ -τρίβων] ὁδούς [AS² -οῖς] †
— 6. ὅτε ἐχέοντο αἱ ὁ. μου βουτύρῳ (4 *a*)
— 25. ἐξελεξάμην ὁδὸν αὐτῶν (3 *a*)
31. 4. οὐχὶ αὐτὸς ὄψεται ὁδόν μου (3 *a*)
— 7. εἰ ἐξέκλινεν ὁ πούς μου ἐκ [A ἀπὸ] τῆς ὁ. (3 *a*)
33. 11. ἐφύλαξε δέ μου πάσας τὰς ὁ. (1 *a*)
— 29. ταῦτα πάντα ἐργᾶται ὁ ἰσχυρὸς ὁδοὺς τρεῖς μετὰ ἀνδρός †
— 31. A ταῦτα πάντα ἐργᾶται ὁ ἰσχυρὸς ὁδοὺς τρεῖς μετὰ ἀνδρός –
34. 8. A ἢ οὐδὲ κοινωνήσας ὁδοῦ μετὰ τῶν ποιούντων τὰ ἄνομα [BS *al.*] (1 *b*?)
38. 25. τίς δὲ ἡτοίμασεν ὑετῷ λάβρῳ ῥύσιν ὁδὸν δὲ κυδοιμῶν (3 *a*)

Ps. 1. 1. ἐν ὁδῷ ἁμαρτωλῶν οὐκ ἔστη (3 *a*)
— 6. γινώσκει κύριος ὁδὸν δικαίων καὶ ὁδὸς ἀσεβῶν ἀπολεῖται (3 *a*, 3 *a*)
2. 12. ἀπολεῖσθε ἐξ ὁδοῦ δικαίας (3 *a*)
5. 8. κατεύθυνον ἐνώπιόν σου τὴν ὁ. μου (3 *a*)
9. 26 (10. 5). βεβηλοῦνται αἱ ὁ. αὐτοῦ ἐν παντὶ καιρῷ (3 *a*)
13 (14). 3. BS σύντριμμα καὶ ταλαιπωρία ἐν ταῖς ὁ. αὐτῶν καὶ ὁδὸν εἰρήνης οὐκ ἔγνωσαν –, –
15 (16). 11. ἐγνώρισάς μοι ὁδοὺς ζωῆς (1 *a*)
16 (17). 4. ἐγὼ ἐφύλαξα ὁδοὺς σκληράς (1 *a*)
17 (18). 21. ἐφύλαξα τὰς ὁ. κυρίου (3 *a*)
— 30. ὁ θεός μου, ἄμωμος ἡ ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
— 32. ἔθετο ἄμωμον τὴν ὁ. μου (3 *a*)
18 (19). 5. ἀγαλλιάσεται ὡς γίγας δραμεῖν ὁδὸν αὐτοῦ (1 *a*)
24 (25). 4. τὰς ὁ. σου, κύριε, γνώρισόν μοι (3 *a*)
— 8. νομοθετήσει ἁμαρτάνοντας ἐν ὁδῷ (3 *a*)
— 9. AB²SR διδάξει πραεῖς ὁδοὺς αὐτοῦ (3 *a*)
— 10. πᾶσαι αἱ ὁ. κυρίου ἔλεος καὶ ἀλήθεια (1 *a*)
— 12. νομοθετήσει αὐτῷ ἐν ὁδῷ (3 *a*)
26 (27). 11. ABS¹ νομοθέτησόν με, κύριε, τῇ [S²R ἐν τῇ] ὁ. σου (3 *a*)
31 (32). 8. συμβιβῶ σε ἐν ὁδῷ ταύτῃ (3 *a*)
34 (35). 6. γενηθήτω ἡ ὁ. αὐτῶν σκότος (3 *a*)
35 (36). 4. παρέστη πάσῃ ὁδῷ οὐκ ἀγαθῇ (3 *a*)
36 (37). 5. ἀποκάλυψον πρὸς κύριον τὴν ὁ. σου (3 *a*)
— 7. AS²R μὴ παραζήλου ἐν τῷ κατευοδουμένῳ ἐν τῇ ὁ. [BS¹ ζωῇ] αὐ. (3 *a*)
— 18. γινώσκει κύριος τὰς ὁ. τῶν ἀμώμων (6)
— 23. τὴν ὁ. αὐτοῦ θελήσει [A θ. σφόδρα] (3 *a*)
— 34. φύλαξον τὴν ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
38 (39). 1. εἶπα, Φυλάξω τὰς ὁ. μου (3 *a*)
43 (44). 18. ἐξέκλινας τὰς τρίβους ἡμῶν ἀπὸ τῆς ὁ. σου (1 *a*)
48 (49). 13. αὕτη ἡ ὁ. αὐτῶν σκάνδαλον αὐτοῖς (3 *a*)
49 (50). 23. ἐκεῖ ὁδὸς ᾗ [S² ἣν] δείξω αὐτῷ τὸ σωτήριον θεοῦ (3 *a*)
50 (51). 13. διδάξω ἀνόμους τὰς ὁ. σου (3 *a*)
66 (67). 2. τοῦ γνῶναι ἐν τῇ γῇ τὴν ὁ. σου (3 *a*)
73 (74). 5. S¹ ὡς εἰς τὴν ὁ. [B εἴσοδον, S² ἔξοδον] ὑπεράνω †
76 (77). 13. ὁ θ., ἐν τῷ ἁγίῳ ἡ ὁ. σου (3 *a*)
— 19. ἐν τῇ θαλάσσῃ ἡ ὁ. σου (3 *a*)

Ps. 79 (80). 12. τρυγῶσιν αὐτὴν πάντες οἱ παραπορευόμενοι τὴν ὁ. (3 *a*)
80 (81). 13. Ἰσραὴλ ταῖς ὁ. μου εἰ ἐπορεύθη (3 *a*)
84 (85). 13. θήσει εἰς ὁδὸν τὰ διαβήματα αὐτοῦ (3 *a*)
85 (86). 11. ὁδήγησόν με, κύριε, τῇ ὁ. σου (3 *a*)
88 (89). 41. πάντες οἱ διοδεύοντες [A παραπορευόμενοι τὴν] ὁδόν (3 *a*)
90 (91). 11. AR τοῦ διαφυλάξαι σε ἐν πάσαις [BS *om.*] ταῖς ὁ. σου (3 *a*)
94 (95). 10. αὐτοὶ οὐκ ἔγνωσαν τὰς ὁ. μου (3 *a*)
100 (101). 2. ASR συνήσω ἐν ὁδῷ [B ᾧ ὁδῇ] ἀμώμῳ (3 *a*)
— 6. πορευόμενος ἐν ὁδῷ ἀμώμῳ (3 *a*)
101 (102). 23. ἀπεκρίθη αὐτῷ ἐν ὁδῷ ἰσχύος αὐτοῦ (3 *a*)
102 (103). 7. ἐγνώρισε τὰς ὁ. αὐτοῦ τῷ Μωυσῇ (3 *a*)
106 (107). 4. ὁδὸν πόλεως κατοικητηρίου οὐχ εὗρον (3 *a*)
— 7. ὡδήγησεν αὐτοὺς εἰς ὁδὸν εὐθεῖαν (3 *a*)
— 17. ἀντελάβετο αὐτῶν ἐξ ὁδοῦ ἀνομίας αὐτῶν (3 *a*)
— 40. ἐπλάνησεν αὐτοὺς ἐν ἀβάτῳ καὶ οὐχ ὁδῷ (3 *a*)
109 (110). 7. SR ἐκ χειμάρρου ἐν ὁδῷ πίεται [A π. ὕδωρ] (3 *a*)
118 (119). 1. μακάριοι ἄμωμοι ἐν ὁδῷ (3 *a*)
— 3. οὐ γὰρ οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν ἐν ταῖς ὁ. αὐτοῦ ἐπορεύθησαν (3 *a*)
— 5. ὄφελον κατευθυνθείησαν αἱ ὁ. μου (3 *a*)
— 9. ἐν τίνι κατορθώσει νεώτερος τὴν ὁ. αὐτοῦ (1 *a*)
— 14. ἐν τῇ ὁ. τῶν μαρτυρίων σου ἐτέρφθην (3 *a*)
— 15. κατανοήσω [S¹ ἐκζητήσω] τὰς ὁ. σου (1 *a*)
— 26. τὰς ὁ. σου ἐξήγγειλα (3 *a*)
— 27. ὁδὸν δικαιωμάτων σου συνέτισόν με (3 *a*)
— 29. ὁδὸν ἀδικίας ἀπόστησον ἀπ' ἐμοῦ (3 *a*)
— 30. ὁδὸν ἀληθείας ᾑρετισάμην (3 *a*)
— 32. ὁδὸν ἐντολῶν σου ἔδραμον (3 *a*)
— 33. νομοθέτησόν με, κύριε, τὴν ὁ. τῶν δικαιωμάτων σου (3 *a*)
— 37. ἐν τῇ ὁ. σου ζῆσόν με (3 *a*)
— 59. AS¹ διελογισάμην κατὰ [S²R *om.*] τὰς ὁ. σου (3 *a*)
— 101. ἐκ πάσης ὁδοῦ πονηρᾶς ἐκώλυσα τοὺς πόδας μου (1 *a*)
— 104. ἐμίσησα πᾶσαν ὁδὸν ἀδικίας (1 *a*)
— 128. πᾶσαν ὁδὸν ἄδικον ἐμίσησα (1 *a*)
— 151. πᾶσαι αἱ ὁ. σου ἀλήθεια (13)
— 168. πᾶσαι αἱ ὁ. μου ἐναντίον σου (3 *a*)
127 (128). 1. οἱ πορευόμενοι ἐν ταῖς ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
137 (138). 5. ᾀσάτωσαν ἐν ταῖς ὁ. κυρίου (3 *a*)
138 (139). 3. πάσας τὰς ὁ. μου προεῖδες (3 *a*)
— 24. ἴδε εἰ ὁδὸς [A ἢ εἴδες ὁδόν, B²S¹ ἢ εἶδες] ἀνομίας ἐν ἐμοί (3 *a*)
— 24. καὶ ὁδήγησόν με ἐν ὁδῷ αἰωνίᾳ (3 *a*)
141 (142). 3. ἐν ὁδῷ ταύτῃ ᾗ ἐπορευόμην (1 *a*)
142 (143). 8. γνώρισόν μοι, κύριε, ὁδόν (3 *a*)
144 (145). 17. δίκαιος κύριος ἐν πάσαις ταῖς ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
145 (146). 9. ὁδὸν ἁμαρτωλῶν ἀφανιεῖ (3 *a*)

Pr. 1. 15. μὴ πορευθῇς ἐν ὁδῷ [A π. ὁδοὺς] μετ' αὐτῶν (3 *a*)
— 19. αὗται αἱ ὁ. εἰσι πάντων τῶν συντελούντων τὰ ἄνομα (1 *a*)
— 31. ἔδονται τῆς ἑαυτῶν ὁ. τοὺς καρπούς (3 *a*)
2. 8. τοῦ φυλάξαι ὁδοὺς [A -ὸν] δικαιωμάτων καὶ ὁδὸν εὐλαβουμένων αὐτὸν διαφυλάξει (1 *a*, 3 *a*)
— 12. ἵνα ῥύσηταί σε ἀπὸ ὁδοῦ κακῆς (3 *a*)
— 13. ὧ οἱ ἐγκαταλείποντες ὁδοὺς εὐθείας τοῦ πορεύεσθαι ἐν ὁδοῖς σκότους (1 *a*, 3 *a*)
— 16. τοῦ μακράν σε ποιῆσαι ἀπὸ ὁδοῦ εὐθείας †
— 22. ὁδοὶ ἀσεβῶν ἐκ γῆς ὀλοῦνται –
3. 6. πάσαις [A ἐν π.] ὁδοῖς σου γνώριζε αὐτὴν ἵνα ὀρθοτομῇ τὰς ὁ. σου (3 *a*, 1 *a*)
— 17. αἱ ὁ. αὐτῆς ὁδοὶ καλαί (3 *a*, 3 *a*)
— 23. ἵνα πορεύῃ πεποιθὼς ἐν εἰρήνῃ πάσας τὰς ὁ. σου (3 *a*)
— 26. ὁ γὰρ κύριος ἔσται ἐπὶ πασῶν ὁδῶν σου †
— 31. μηδὲ ζηλώσῃς τὰς ὁ. αὐτῶν (3 *a*)
4. 10. ἵνα σοι γένωνται πολλαὶ ὁδοὶ βίου †
— 11. ὁδοὺς γὰρ σοφίας διδάσκω σε (3 *a*)
— 14. ὁδοὺς ἀσεβῶν μὴ ἐπέλθῃς μηδὲ ζηλώσῃς ὁδοὺς παρανόμων (1 *a*, 3 *a*)
— 18. αἱ δὲ ὁ. τῶν δικαίων ὁμοίως φωτὶ λάμπουσι (1 *a*)
— 19. αἱ δὲ ὁ. τῶν ἀσεβῶν σκοτειναί (3 *a*)
— 26. τὰς ὁ. σου κατεύθυνε (3 *a*)
— 27. ἀπόστρεψον δὲ σὸν πόδα ἀπὸ ὁδοῦ κακῆς †

Pr. 4. 27. ὁδοὺς γὰρ τὰς ἐκ δεξιῶν οἶδεν ὁ θεός –
5. 6. ὁδοὺς γὰρ ζωῆς οὐκ ἐπέρχεται (1 *a*)
— 8. μακρὰν ποίησον ἀπ' αὐτῆς σὴν ὁδόν (3 *a*)
— 21. ἐνώπιον γάρ εἰσι τῶν τοῦ θεοῦ ὀφθαλμῶν ὁδοὶ ἀνδρός (3 *a*)
6. 6. ζήλωσον ἰδὼν τὰς ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
— 12. ἀνὴρ ἄφρων καὶ παράνομος πορεύεται ὁδοὺς οὐκ ἀγαθάς †
— 23. λύχνος ἐντολὴ νόμου καὶ φῶς ὁδὸς [AS² καὶ ὁ.] ζωῆς (3 *a*)
7. 19. πεπόρευται δὲ ὁδὸν μακράν (3 *a*)
— 25. μὴ ἐκκλινάτω εἰς τὰς ὁ. [S¹ *om.* εἰς τὰς ὁ.] αὐτῆς ἡ καρδία σου (3 *a*)
— 27. ὁδοὶ ᾅδου ὁ οἶκος αὐτῆς (3 *a*)
8. 13. ὕβριν τε καὶ ὑπερηφανίαν καὶ ὁδοὺς πονηρῶν (3 *a*)
— 13. μεμίσηκα δὲ ἐγὼ διεστραμμένας ὁδοὺς κακῶν –
— 20. S¹ ἐν ὁδοῖς δικαιοσύνης περιπατῶ καὶ ἀνὰ μέσον ὁδῶν [ABS² τρίβων] δικαιώματος [AS² δικαιοσύνης] ἀναστρέφομαι (1 *a*, 15)
— 22. κύριος ἔκτισέ με ἀρχὴν ὁδῶν αὐτοῦ (3 *a*)
— 32. AS² μακάριοι οἱ ὁδοὺς μου φυλάσσοντες (3 *a*)
— 33. ἄνθρωπος ὃς τὰς ἐμὰς ὁ. φυλάξει –
9. 12. ἀπέλιπε γὰρ ὁδοὺς τοῦ ἑαυτοῦ ἀμπελῶνος –
— 15. A προσκαλουμένη τοὺς παριόντας ὁδὸν [BS *om.*] καὶ κατευθύνοντας ἐν ταῖς ὁ. αὐτῶν (3 *a*, 1 *a*)
10. 9. ὁ δὲ διαστρέφων τὰς ὁ. αὐτοῦ γνωσθήσεται (3 *a*)
— 17. ὁδοὺς δικαίας [AS² *om.*] ζωῆς φυλάσσει παιδεία (1 *a*)
11. 5. AS δικαιοσύνη ἀμώμου [B -ους] ὀρθοτομεῖ ὁδούς (3 *a*)
— 20. βδέλυγμα κυρίῳ διεστραμμέναι ὁδοὶ προσδεκτοὶ δὲ αὐτῷ πάντες ἄμωμοι ἐν ταῖς ὁ. αὐτῶν (†, 3 *a*)
12. 15. ὁδοὶ ἀφρόνων ὀρθαὶ ἐνώπιον αὐτῶν (3 *a*)
— 26. ἡ δὲ ὁ. τῶν ἀσεβῶν πλανήσει αὐτούς (3 *a*)
— 28. ἐν ὁδοῖς δικαιοσύνης ζωὴ ὁδοὶ δὲ μνησικάκων εἰς θάνατον (1 *a*, 3 *a*)
13. 6. A δικαιοσύνη φυλάσσει ἀκάκους ὁδῷ (3 *a*)
— 13. κατευθυνθήσεται ἡ ὁ. αὐτοῦ –
— 15. ὁδοὶ δὲ καταφρονούντων ἐν ἀπωλείᾳ (3 *a*)
14. 2. ὁ δὲ σκολιάζων ταῖς ὁ. αὐτοῦ ἀτιμασθήσεται (3 *a*)
— 8. σοφία πανούργων ἐπιγνώσεται τὰς ὁ. αὐ. (3 *a*)
— 12. ἔστιν ὁδὸς ἣ δοκεῖ παρὰ ἀνθρώποις ὀρθὴ εἶναι (3 *a*)
— 14. τῶν ἑαυτοῦ ὁ. πλησθήσεται θρασυκάρδιος (3 *a*)
15. 9. βδέλυγμα κυρίῳ ὁδοὶ ἀσεβοῦς (3 *a*)
— 19. ὁδοὶ ἀεργῶν ἐστρωμέναι ἀκάνθαις (3 *a*)
— 24. ὁδοὶ ζωῆς διανοήματα συνετοῦ (1 *a*)
— 28 (16. 7). δεκταὶ παρὰ κυρίῳ ὁδοὶ ἀνθρώπων δικαίων (3 *a*)
16. 5. ἀρχὴ ὁδοῦ ἀγαθῆς τὸ ποιεῖν τὰ δίκαια –
— 17. μῆκος δὲ βίου ὁδοὶ δικαιοσύνης –
— 17. ὃς φυλάσσει τὰς ἑαυτοῦ ὁ. τηρεῖ τὴν ἑαυτοῦ ψυχήν (3 *a*)
— 25. εἰσὶν ὁδοὶ δοκοῦσαι εἶναι ὀρθαὶ ἀνδρί (3 *a*)
— 29. ἀπάγει αὐτοὺς ὁδοὺς οὐκ ἀγαθάς (3 *a*)
— 31. ἐν δὲ ὁδοῖς δικαιοσύνης εὑρίσκεται (3 *a*)
17. 23. λαμβάνοντος δῶρα ἐν κόλποις [A -ῳ] ἀδίκως οὐ κατευοδοῦνται ὁδοὶ ἀσεβῆς δὲ ἐκκλίνει ὁδοὺς δικαιοσύνης (–, 1 *a*)
18. 22 (19. 3). ἀφροσύνη ἀνδρὸς λυμαίνεται τὰς ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
19. 16. ὁ δὲ καταφρονῶν τῶν ἑαυτοῦ ὁ. ἀπολεῖται (3 *a*)
20. 11. εὐθεῖα ἡ ὁ. αὐτοῦ †
— 24. θνητὸς δὲ πῶς ἂν νοήσαι τὰς ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
21. 8. πρὸς τοὺς σκολιοὺς σκολιὰς ὁδοὺς ἀποστέλλει ὁ θεός (3 *a*)
— 16. ἀνὴρ πλανώμενος ἐξ ὁδοῦ δικαιοσύνης (3 *a*)
— 21. ὁδὸς δικαιοσύνης καὶ ἐλεημοσύνης εὑρήσει ζωήν †
— 29. ὁ δὲ εὐθὺς αὐτὸς συνίει τὰς ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
22. 5. τρίβολοι καὶ παγίδες ἐν ὁδοῖς σκολιαῖς (3 *a*)
— 13. λέων ἐν ταῖς ὁ. (5)
— 14. εἰσὶν ὁδοὶ κακαὶ ἐνώπιον ἀνδρός –
— 14. ἀποστρέφειν δὲ δεῖ ἀπὸ ὁδοῦ σκολιᾶς καὶ κακῆς –
— 19. ἵνα . . . γνωρίσῃ σοι τὴν ὁ. σου †
— 25. μή ποτε μάθῃς τῶν ὁ. αὐτοῦ (1 *a*)
23. 26. οἱ δὲ σοὶ ὀφθαλμοὶ ἐμὰς ὁ. τηρείτωσαν (3 *a*)

Pr. 24. 54 (30. 19). ὁδοὺς ὄφεως ἐπὶ πέτρας . . . καὶ ὁδοὺς ἀνδρὸς ἐν νεότητι (3 *a*, 3 *a*)
— 55 (30. 20). τοιαύτη ὁδὸς γυναικὸς μοιχαλίδος (3 *a*)
25. 10. φύλαξον τὰς ὁ. σου εὐσυναλλάκτως –
— 19. ὁδὸς [A ὁδοὺς] κακοῦ καὶ ποὺς παρανόμου ὀλεῖται †
26. 6. ἐκ τῶν ἑαυτοῦ ὁ. ὄνειδος ποιεῖται †
— 13. λέγει ὀκνηρὸς ἀποστελλόμενος εἰς ὁδὸν, Λέων ἐν ταῖς ὁ. (–, 3 *a*)
28. 10. ὃς πλανᾷ εὐθεῖς ἐν ὁδῷ κακῇ (3 *a*)
— 18. ὁ δὲ σκολιαῖς ὁδοῖς πορευόμενος ἐμπλακήσεται (3 *a*)
— 23. ὁ ἐλέγχων ἀνθρώπου ὁδούς †
29. 27. βδέλυγμα δὲ ἀνόμῳ κατευθύνουσα ὁδός (3 *a*)
Ec. 10. 3. ἐν ὁδῷ ὅταν ἄφρων [S ἄφνω] πορεύηται (3 *a*)
11. 5. οὐκ ἔστι γινώσκων τίς ἡ ὁ. τοῦ πνεύματος (3 *a*)
— 9. ASR περιπάτει ἐν ὁδοῖς καρδίας σου [B *om.* κ. σου] ἄμωμος (3 *a*)
12. 5. θάμβοι ἐν τῇ ὁ. (3 *a*)
Wi. 2. 16. ἀπέχεται τῶν ὁ. ἡμῶν ὡς ἀπὸ ἀκαθαρσιῶν
5. 6. ἄρα ἐπλανήθημεν ἀπὸ ὁδοῦ ἀληθείας
— 7. τὴν δὲ ὁ. κυρίου οὐκ ἔγνωμεν [S ἐπέγν.]
— 12. S^1 ὡς ἀγνοήσαι τὴν ὁδὸν [A B S^2 δίοδον] αὐ.
10. 17. ὡδήγησεν αὐτοὺς ἐν ὁδῷ θαυμαστῇ
12. 24. τῶν πλάνης ὁ. μακρότερον ἐπλανήθησαν
14. 3. ἔδωκας καὶ ἐν θαλάσσῃ ὁδόν
18. 23. διέσχισε [S^2 διέκοψεν] τὴν πρὸς τοὺς ζῶντας ὁ.
19. 7. ἐξ ἐρυθρᾶς θαλάσσης ὁδὸς ἀνεμπόδιστος
Si. 2. 6. εὔθυνον τὰς ὁ. σου
— 15. οἱ ἀγαπῶντες αὐτὸν συντηρήσουσι τὰς ὁ. [S^2 ἐντολὰς] αὐτοῦ
6. 26. συντήρησον [AS τήρ.] τὰς ὁ. αὐτῆς
8. 15. μετὰ τολμηροῦ μὴ πορεύου ἐν ὁδῷ
11. 26. ἀποδοῦναι ἀνθρώπῳ κατὰ τὰς ὁ. αὐτοῦ
14. 21. ὁ διανοούμενος τὰς ὁ. αὐτῆς ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ
— 22. AS ἐν ταῖς ὁ. [B εἰσόδοις] αὐτῆς ἐνέδρευε
16. 20. τὰς ὁ. αὐτοῦ τίς ἐνθυμηθήσεται
17. 15. αἱ ὁ. αὐ. ἐναντίον αὐτοῦ διὰ παντός
— 19. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐ. ἐνδελεχεῖς ἐπὶ τὰς ὁ. αὐτῶν
21. 10. ὁδὸς ἁμαρτωλῶν ὡμαλισμένη ἐκ λίθων
— 16. ἐξήγησις μωροῦ ὡς ἐν ὁδῷ φορτίον
23. 19. ἐπιβλέποντες πάσας [S^2 ἐπὶ π.] ὁδοὺς ἀνθρώπων
30. 40 (33. 31). ἐν ποίᾳ ὁδῷ ζητήσεις αὐτόν
35 (32). 20. ἐν ὁδῷ ἀντιπτώματος μὴ πορεύου
— 21. μὴ πιστεύσῃς ἐν ὁδῷ ἀπροσκόπῳ
36 (33). 11. ἠλλοίωσε τὰς ὁ. αὐτῶν
— 13. πᾶσαι αἱ ὁ. αὐτοῦ κατὰ τὴν εὐδοκίαν αὐτοῦ
37. 9. καλὴ ἡ ὁ. σου
— 15. ἵνα εὐθύνῃ ἐν ἀληθείᾳ τὴν ὁ. σου
39. 24. αἱ ὁ. αὐτοῦ τοῖς ὁσίοις εὐθεῖαι
47. 23. ἔδωκε τῷ Ἐφραὶμ ὁδὸν ἁμαρτίας
48. 22. ἐνίσχυσεν ἐν ὁδοῖς Δαυὶδ τοῦ πατρὸς αὐτοῦ
49. 3. A κατεύθυνε πρὸς κύριον τὴν ὁ. [B S καρδίαν] αὐτοῦ
— 6. ἠρήμωσαν τὰς ὁ. αὐτῆς ἐν χειρὶ Ἱερεμίου
— 9. ἀγαθῶσαι τοὺς εὐθύνοντας ὁδοὺς [S^1 τὰς ὁ.]
Ho. 2. 6 (8). ἐγὼ φράσσω τὴν ὁ. αὐτῆς ἐν σκόλοψι (3 *a*)
— 6 (8). καὶ ἀνοικοδομήσω τὰς ὁδούς †
4. 9. ἐκδικήσω ἐπ' αὐτὸν τὰς ὁδοὺς αὐτοῦ (3 *a*)
6. 10 (9). ἔκρυψαν ἱερεῖς ὁδόν [A ὁδὸν κυρίου] (3 *a*)
7. 1. ἐκδιδύσκων λῃστὴς ἐν τῇ ὁ. αὐτοῦ (5)
9. 8. προφήτης παγὶς σκολιὰ ἐπὶ πάσας τὰς ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
12. 2 (3). κατὰ τὰς ὁ. αὐτοῦ . . . ἀποδώσει [A ἀνταποδ.] αὐτῷ (3 *a*)
13. 7. κατὰ τὴν ὁ. Ἀ. (3 *a*)
14. 10. εὐθεῖαι αἱ ὁ. τοῦ κυρίου (3 *a*)
Am. 2. 7. καὶ ὁδὸν ταπεινῶν ἐξέκλιναν (3 *a*)
4. 10. ἐξαπέστειλα εἰς ὑμᾶς θάνατον ἐν ὁδῷ Αἰ. (3 *a*)
5. 16. καὶ ἐν πάσαις ταῖς [A *om.*] ὁ. ῥηθήσεται (5)
— 17. καὶ ἐν πάσαις ὁ. κοπετός †
Mi. 4. 2. καὶ δείξουσιν ἡμῖν τὴν ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
— 5. οἱ λαοὶ πορεύσονται ἕκαστος τὴν ὁ. αὐτοῦ †
6. 16. καὶ ἐπορεύθητε ἐν ταῖς ὁ. [A βουλαῖς] αὐτῶν (8)
7. 10. ἔσται εἰς καταπάτημα ὡς πηλὸς ἐν ταῖς ὁ. (5)
Jl. 2. 7. ἕκαστος ἐν τῇ ὁ. αὐτοῦ πορεύσεται (3 *a*)
Jn. 3. 3. ὡσεὶ πορείας ὁδοῦ ἡμερῶν τριῶν (4 *b*?)
— 4. A ὡσεὶ πορείας ὁδοῦ ἡμέρας μιᾶς [B S *al.*] (4 *b*?)
3. 8. ἀπέστρεψαν ἕκαστος ἀπὸ τῆς ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
Jn. 3. 10. ἀπέστρεψαν ἀπὸ τῶν ὁ. αὐτῶν (3 *a*)
Na. 1. 3. ἐν συσσεισμῷ ἡ ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
2. 1 (2). σκόπευσον ὁδὸν κράτησον ὀσφύος (3 *a*)
— 4 (5). οἱ ἱππεῖς θορυβηθήσονται ἐν ταῖς ὁ. (5)
3. 10. ἐδαφιοῦσιν ἐπ' ἀρχὰς πασῶν τῶν ὁ. [S^1 ὀρέων] αὐτῆς (5)
Hb. 3. 19. S^1 τοῦ νικῆσαι ἐν τῇ ὁδῷ [A B S^2 ᾠδῇ] αὐ. †
Ze. 3. 6. ἐξερημώσω τὰς ὁ. αὐτῶν (5)
Hg. 1. 5. τάξατε δὴ τὰς καρδίας ὑμῶν εἰς τὰς ὁ. ὑμῶν (3 *a*)
— 7. θέσθε τὰς καρδίας ὑμῶν εἰς τὰς [S^1 *om.*] ὁ. (3 *a*)
Za. 1. 4. ἀποστρέψατε ἀπὸ τῶν ὁ. ὑμῶν τῶν πονηρῶν (3 *a*)
— 6. τοῦ ποιῆσαι ὑμῖν κατὰ τὰς ὁ. ἡμῶν (3 *a*)
3. 8 (7). ἐὰν ταῖς ὁ. μου πορεύῃ (3 *a*)
9. 3. χρυσίον ὡς πηλὸν ὁδῶν (5)
— 7. S^1 ἐκ μέσου ὁδῶν [A B S^2 ὀδόντων] αὐ. †
10. 5. πατοῦντες πηλὸν ἐν ταῖς ὁ. ἐν πολέμῳ (5)
Ma. 2. 8. ὑμεῖς δὲ ἐξεκλίνατε ἐκ τῆς ὁδοῦ (3 *a*)
— 9. ὑμεῖς οὐκ ἐφυλάξασθε τὰς ὁ. μου (3 *a*)
3. 1. καὶ ἐπιβλέψεται ὁδὸν πρὸ προσώπου μου (3 *a*)
Is. 2. 3. ἀναγγελεῖ ἡμῖν τὴν ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
5. 25. ἐγενήθη τὰ θνησιμαῖα αὐτῶν ὡς κοπρία ἐν μέσῳ ὁδοῦ (5)
7. 3. πρὸς τὴν κολυμβήθραν τῆς ἄνω ὁ. ἀγροῦ τοῦ γναφέως (10)
8. 11. ἀπειθοῦσι τῇ πορείᾳ τῆς ὁ. τοῦ λαοῦ τούτου (3 *a*)
9. 1 (8. 23). A S^2R ἡ γῆ Νεφθαλὶμ ὁδὸν θαλάσσης [B S^1 *om.* ὁ. θ.] (3 *a*)
10. 24. τοῦ ἰδεῖν ὁδὸν Αἰγύπτου (3 *a*)
— 26. ὁ θυμὸς αὐτοῦ τῇ ὁ. τῇ κατὰ θάλασσαν εἰς τὴν ὁ. τὴν κατ' Αἴγυπτον (–, 3 *a*)
— 32. παρακαλεῖτε σήμερον ἐν ὁδῷ [A τῇ ὁ.] τοῦ μεῖναι †
11. 16. A ἔσται ὁ. [B S δίοδος] τῷ καταλειφθέντι μου λαῷ (10)
15. 5. κλαίοντες ἀναβήσονται τῇ ὁ. Ἀρωνιείμ (3 *a*)
19. 23. ἔσται ἡ [A S *om.*] ὁ. Αἰγύπτου πρὸς Ἀσσυρίους (10)
21. 13. ἐν τῇ ὁ. Δαιδάν (1 *a*)
26. 7. ὁ. εὐσεβῶν εὐθεῖα ἐγένετο ἡ ὁ. τῶν εὐσεβῶν καὶ παρεσκευασμένη (1 *a*, –)
— 8. ἡ γὰρ ὁ. κυρίου κρίσις (1 *a*)
30. 11. ἀποστρέψατε ἡμᾶς ἀπὸ τῆς ὁ. ταύτης (3 *a*)
— 21. αὕτη ἡ ὁ. πορευθῶμεν ἐν αὐτῇ (3 *a*)
33. 8. ἐρημωθήσονται γὰρ αἱ τούτων ὁδοί (10)
— 15. λαλῶν εὐθεῖαν ὁδόν †
— 21. οὐ πορεύσῃ ταύτην τὴν ὁ. †
35. 8. ἔσται ἐκεῖ ὁ. καθαρὰ καὶ ὁ. ἁγία κληθήσεται . . . οὐδὲ ἔσται ἐκεῖ ὁ. ἀκάθαρτος (11+3 *a*, 3 *a*, †)
36. 2. ἐν τῇ ὁ. τοῦ ἀγροῦ τοῦ γναφέως (10)
37. 29. ἀποστρέψω σε τῇ ὁ. ᾗ ἦλθες ἐν αὐτῇ (3 *a*)
— 34. τῇ ὁ. ᾗ ἦλθεν ἐν αὐτῇ ἀποστραφήσεται (3 *a*)
40. 3. ἑτοιμάσατε τὴν ὁ. κυρίου (3 *a*)
— 4. AS^2 ἡ τραχεῖα εἰς ὁδοὺς λείας [BS^1 εἰς πεδίᾳ] †
— 14. ὁδὸν συνέσεως τίς ἔδειξεν αὐτῷ (3 *a*)
— 27. ἀπεκρύβη ἡ ὁ. μου ἀπὸ τοῦ θεοῦ (3 *a*)
41. 3. διελεύσεται ἐν εἰρήνῃ ἡ ὁ. τῶν ποδῶν αὐ. (1 *a*)
— 27. Ἱερουσαλὴμ παρακαλέσω εἰς ὁδόν [A ἐν ὁδῷ] †
42. 16. ἄξω τυφλοὺς ἐν ὁδῷ ᾗ οὐκ ἔγνωσαν (3 *a*)
— 24. οὐκ ἠβούλοντο ἐν ταῖς ὁ. αὐτοῦ πορεύεσθαι (3 *a*)
43. 16. κύριος ὁ διδοὺς ἐν θαλάσσῃ ὁδόν (3 *a*)
— 19. ποιήσω ἐν τῇ ἐρήμῳ ὁδόν (3 *a*)
45. 13. πᾶσαι αἱ ὁ. αὐτοῦ εὐθεῖαι (3 *a*)
46. 11. εὐώδωσα τὴν ὁ. αὐτοῦ †
48. 15. εὐώδωσα τὴν ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
— 17. A^2BS δέδειχά σοι τοῦ εὑρεῖν σε τὴν ὁ. (3 *a*)
49. 9. ἐν πάσαις ταῖς ὁ. βοσκηθήσονται (3 *a*)
— 11. θήσω πᾶν ὄρος εἰς ὁδόν (3 *a*)
51. 10. ἡ θεῖσα τὰ βάθη τῆς θαλάσσης ὁδὸν διαβάσεως ῥυομένοις (3 *a*)
53. 6. ἄνθρωπος τῇ ὁ. αὐτοῦ ἐπλανήθη (3 *a*)
55. 3. ἐπακολουθήσατε ταῖς ὁ. μου –
— 7. ἀπολιπέτω ὁ ἀσεβὴς τὰς ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
— 8. οὐδ' ὥσπερ αἱ ὁ. ὑμῶν αἱ ὁ. μου (3 *a*, 3 *a*)
— 9. ἀπέχει ἡ ὁ. μου ἀπὸ τῶν ὁ. ὑμῶν (3 *a*, 3 *a*)
— 11. εὐοδώσω τὰς ὁ. σου †
56. 11. πάντες [A S^3 *add.* ἐν] ταῖς ὁ. αὐτῶν ἐξηκολούθησαν (3 *a*)
Is. 57. 14. καθαρίσατε ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ ὁδοὺς καὶ ἄρατε σκῶλα ἀπὸ τῆς ὁ. τοῦ λαοῦ μου (3 *a*, 3 *a*)
— 17. ἐπορεύθη στυγνὸς ἐν ταῖς ὁ. αὐ. [S^2 *al.*] (3 *a*)
— 18. τὰς ὁ. αὐτοῦ ἑώρακα (3 *a*)
58. 2. γνῶναί μου τὰς ὁ. ἐπιθυμοῦσιν (3 *a*)
59. 7. σύντριμμα καὶ ταλαιπωρία ἐν ταῖς ὁ. αὐτῶν (10)
— 8. ὁδὸν εἰρήνης οὐκ οἴδασι [A ἔγνωσαν] καὶ οὐκ ἔστι κρίσις ἐν ταῖς ὁ. αὐτῶν (3 *a*, 12)
— 14. κατηναλώθη ἐν ταῖς ὁ. αὐτῶν ἡ ἀλήθεια (16)
62. 10. τοὺς λίθους ἐκ τῆς ὁ. διαρρίψατε (10)
63. 17. τί ἐπλάνησας ἡμᾶς, κύριε, ἀπὸ τῆς ὁ. σου (3 *a*)
64. 5 (4). τῶν ὁ. σου μνησθήσονται (3 *a*)
65. 2. τοῖς πορευομένοις ὁδῷ οὐ καλῇ [AS *al.*] (3 *a*)
66. 3. ἐξελέξαντο τὰς ὁ. αὐτῶν (3 *a*)
Je. 2. 18. τί σοι καὶ τῇ ὁ. [A κ. γῇ] Αἰγύπτου (3 *a*)
— 18. καὶ τί σοι καὶ τῇ ὁ. [A γῇ] Ἀσσυρίων (3 *a*)
— 23. ἴδε τὰς ὁ. σου ἐν τῷ πολυανδρίῳ (3 *a*)
— 23. τὰς ὁ. αὐτῆς ἐπλάτυνεν ἐφ' ὕδατα ἐρήμου (3 *a*)
— 25. ἀπόστρεψον τὸν πόδα σου ἀπὸ ὁδοῦ τραχείας †
— 33. τί ἔτι καλὸν ἐπιτηδεύσεις ἐν ταῖς ὁ. σου (3 *a*)
— 33. ἐπονηρεύσω τοῦ μιᾶναι τὰς ὁ. σου (3 *a*)
— 36. τοῦ δευτερῶσαι τὰς ὁ. σου (3 *a*)
3. 2. ἐπὶ ταῖς ὁ. [A *add.* αἷς] ἐκάθισας αὐτοῖς ὡσεὶ κορώνη (3 *a*)
— 13. διέχεας τὰς ὁ. σου εἰς ἀλλοτρίους (3 *a*)
— 21. ἠδίκησαν ἐν ταῖς ὁ. αὐτῶν (3 *a*)
4. 11. ὁδὸς τῆς θυγατρὸς τοῦ λαοῦ μου οὐκ εἰς καθαρόν (3 *a*)
— 18. αἱ ὁ. σου καὶ τὰ ἐπιτηδεύματά σου ἐποίησαν ταῦτά σοι (3 *a*)
5. 1. περιδράμετε ἐν ταῖς ὁ. Ἱερουσαλήμ (5)
— 4. οὐκ ἔγνωσαν ὁδὸν κυρίου καὶ κρίσιν θεοῦ (3 *a*)
— 5. ἐπέγνωσαν ὁδὸν κυρίου καὶ κρίσιν θεοῦ (3 *a*)
6. 16. στῆτε ἐπὶ ταῖς ὁ. (3 *a*)
— 16. ποία ἐστὶν ἡ ὁ. ἡ ἀγαθή (3 *a*)
— 25. ἐν ταῖς ὁ. μὴ βαδίζετε (3 *a*)
— 27. ἐν τῷ δοκιμάσαι με τὴν ὁ. αὐτῶν (3 *a*)
7. 3. διόρθωσατε τὰς ὁ. ὑμῶν (3 *a*)
— 5. ἐὰν διορθοῦντες διορθώσητε τὰς ὁ. ὑμῶν (3 *a*)
— 17. τί αὐτοὶ ποιοῦσιν . . . ἐν ταῖς ὁ. Ἱερ. (5)
— 23. πορεύεσθε ἐν πάσαις [S *om.*] ταῖς ὁ. μου (3 *a*)
10. 2. κατὰ τὰς ὁ. τῶν ἐθνῶν μὴ μανθάνετε [A πορεύεσθε] (3 *a*)
— 23. οὐχὶ τοῦ ἀνθρώπου ἡ ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
12. 1. τί ὅτι ὁδὸς ἀσεβῶν εὐοδοῦται (3 *a*)
— 4. οὐκ ὄψεται ὁ θεὸς ὁδοὺς ἡμῶν †
— 16. ἐὰν μαθόντες μάθωσι τὴν ὁ. τοῦ λαοῦ μου [A *al.*] (3 *a*)
14. 16. ἔσονται ἐρριμμένοι ἐν ταῖς ὁ. [A διόδοις] Ἱερουσαλήμ (5)
— 18. A ἐπορεύθησαν ὁδὸν [BS εἰς γῆν] ἣν οὐκ ᾔδεισαν (2)
16. 17. οἱ ὀφθαλμοί μου ἐπὶ πάσας τὰς ὁ. αὐ. (3 *a*)
17. 10. τοῦ δοῦναι ἑκάστῳ κατὰ τὰς ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
18. 11. ἀποστραφήτω δὴ ἕκαστος ἀπὸ ὁδοῦ αὐ. (3 *a*)
— 15. ἀσθενήσουσιν ἐν ταῖς ὁ. αὐτῶν σχοίνους αἰωνίους τοῦ ἐπιβῆναι τρίβους οὐκ ἔχοντας ὁδὸν εἰς πορείαν [A ὁ. πορείας] (3 *a*, 3 *a*)
21. 8. δέδωκα πρὸ προσώπου ὑμῶν τὴν ὁ. τῆς ζωῆς καὶ τὴν ὁ. τοῦ θανάτου (3 *a*, 3 *a*)
22. 21. B S αὕτη ἡ ὁ. σου ἐκ νεότητός σου (3 *a*)
23. 12. γενέσθω ἡ ὁ. αὐτῶν αὐτοῖς εἰς ὀλίσθημα (3 *a*)
— 14. τοῦ μὴ ἀποστραφῆναι ἕκαστον ἀπὸ τῆς ὁ. αὐτοῦ τῆς πονηρᾶς (18)
25. 5. ἀποστράφητε ἕκαστος ἀπὸ τῆς ὁ. αὐτοῦ τῆς πονηρᾶς (3 *a*)
27 (50). 5. ἕως [AS *add.* εἰς] Σιὼν ἐρωτήσουσι τὴν ὁ. (3 *a*)
31 (48). 5. ἀναβήσεται κλαίων ἐν ὁδῷ Ὠρωναΐμ (9)
— 19. ἐφ' ὁδοῦ στῆθι (3 *a*)
33 (26). 3. ἀποστραφήσονται ἕκαστος ἀπὸ τῆς [A *om.*] ὁ. αὐ. τῆς πονηρᾶς (3 *a*)
— 13. βελτίους ποιήσατε τὰς ὁ. ὑμῶν (3 *a*)
35 (28). 11. ᾤχετο Ἱερεμίας εἰς τὴν ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
38 (31). 9. αὐλίζων ἐπὶ διώρυγας ὑδάτων ἐν ὁδῷ ὀρθῇ (3 *a*)
— 21. ὁδὸν ᾗ ἐπορεύθης ἀποστράφηθι (3 *a*)
39 (32). 19. οἱ ὀφθαλμοί σου εἰς τὰς ὁ. τῶν υἱῶν τῶν ἀνθρώπων δοῦναι ἑκάστῳ κατὰ τὴν ὁ. [S τὰς ὁ.] αὐ. (3 *a*, 3 *a*)
— 39. δώσω αὐτοῖς ὁδὸν ἑτέραν (3 *a*)
42 (35). 4. S^2 τοῦ φυλάσσοντος τὴν ὁδόν [ABS^1 αὐλήν] †

Je. 42 (35). 15. ἀποστράφητε ἕκαστος ἀπὸ τῆς [S om.] ὁ. αὐτοῦ τῆς πονηρᾶς (3 a)
43 (36). 3. ἵνα ἀποστρέψωσιν ἀπὸ ὁδοῦ αὐτῶν τῆς πονηρᾶς (3 a)
— 7. ἀποστρέψουσιν ἐκ [A ἀπὸ] τῆς ὁ. αὐτῶν τῆς πονηρᾶς (3 a)
49 (42). 3. ἀναγγειλάτω ἡμῖν κύριος ὁ θεός σου τὴν ὁ. (3 a)
52. 7. ἐξῆλθον νυκτὸς κατὰ τὴν ὁ. τῆς πόλης . . . ἐπορεύθησαν [A ᾤχοντο] ὁδὸν τὴν εἰς Ἄραβα (3 a, 3 a)
— 24. τοὺς τρεῖς τοὺς φυλάττοντας τὴν ὁ. †
Ba. 2. 33. μνησθήσονται τῆς ὁ. πατέρων αὐτῶν
3. 13. τῇ ὁ. τοῦ θεοῦ εἰ ἐπορεύθης
— 20. ὁδὸν δὲ ἐπιστήμης οὐκ ἔγνωσαν
— 21. οἱ υἱοὶ αὐ. ἀπὸ τῆς ὁ. αὐ. πόρρω ἐγενήθησαν
— 23. ὁδὸν δὲ [A τῆς] σοφίας οὐκ ἔγνωσαν
— 27. οὐδὲ ὁδὸν ἐπιστήμης ἔδωκεν αὐτοῖς
— 31. οὐκ ἔστιν ὁ γινώσκων τὴν ὁ. αὐτῆς
— 36. ἐξεῦρε πᾶσαν ὁδὸν ἐπιστήμης
4. 13. οὐδὲ ἐπορεύθησαν ὁδοῖς ἐντολῶν θεοῦ
— 26. οἱ τρυφεροί μου ἐπορεύθησαν ὁδοὺς τραχείας
La. 1. 4. ὁδοὶ Σιὼν πενθοῦσι (3 a)
— 12. οἱ πρὸς ὑμᾶς πάντες παραπορευόμενοι ὁδόν (3 a)
2. 15. πάντες οἱ παραπορευόμενοι ὁδόν (3 a)
3. 9. ἀνῳκοδόμησεν ὁδούς μου (3 a)
— 40. ἐξηρευνήθη ἡ ὁ. ἡμῶν (3 a)
Ep. Je. 43. ἐν ταῖς ὁ. ἐγκάθηνται θυμιῶσαι τὰ πίτυρα
Ez. 3. 18. ἀποστρέψαι ἀπὸ τῶν ὁ. αὐτοῦ (3 a)
— 19. μὴ ἀποστρέψῃ ἀπὸ . . . τῆς ὁ. αὐ. (3 a)
7. 8. κρινῶ σε ἐν ταῖς ὁ. σου (3 a)
— 9. τὰς ὁ. σου ἐπὶ σὲ δώσω (3 a)
— 7 (3). ἐκδικήσω ἐν ταῖς ὁ. σου (3 a)
— 4. τὴν ὁ. σου ἐπὶ σὲ δώσω (3 a)
— 27. κατὰ τὰς ὁ. αὐτῶν ποιήσω αὐτοῖς (3 a)
9. 2. ἤρχοντο ἀπὸ τῆς ὁ. τῆς πύλης τῆς ὑψηλῆς (3 a)
— 7. πλήσατε [A -ηρώσ.] τὰς ὁ. νεκρῶν †
— 10. τὰς ὁ. αὐτῶν εἰς κεφαλὰς αὐτῶν δέδωκα (3 a)
11. 6. ἐνεπλήσατε τὰς ὁ. αὐ. τραυματιῶν (5)
— 21. τὰς ὁ. αὐ. εἰς τὰς κεφαλὰς αὐ. δέδωκα (3 a)
13. 22. τὸ καθόλου μὴ ἀποστρέψαι [A add. τὸν] ἀπὸ τῆς ὁ. αὐτοῦ τῆς πονηρᾶς (3 a)
14. 22, 23 (A B²R). ὄψεσθε τὰς ὁ. αὐτῶν (3 a)
16. 25. ἐπ' ἀρχῆς πάσης ὁδοῦ [A -ὴν πασῶν ἐξόδων] ᾠκοδόμησας τὰ πορνεῖά σου (3 a)
— 27. θυγατέρας ἀλλοφύλων τὰς ἐκκλινούσας σε ἐκ τῆς ὁ. σου (3 a)
— 31. τὸ πορνεῖον ᾠκοδόμησας ἐν πάσῃ ἀρχῇ [A ἐπὶ πάσης ἀρχῆς] ὁδοῦ (3 a)
— 43. τὰς ὁ. σου εἰς κεφαλήν σου δέδωκα (3 a)
— 47. οὐδ' ὡς ἐν ταῖς ὁ. αὐ. ἐπορεύθης . . . ὑπέρκεισαι αὐτὰς ἐν πάσαις ταῖς ὁ. σου (3 a, 3 a)
— 61. μνησθήσῃ τὴν ὁ. σου (3 a)
18. 11. ἐν τῇ ὁ. τοῦ πατρὸς αὐτοῦ τοῦ δικαίου οὐκ ἐπορεύθη †
— 23. ὡς τὸ ἀποστρέψαι αὐτὸν ἐκ τῆς ὁ. [A add. αὐτοῦ] τῆς πονηρᾶς (3 a)
— 25. οὐ κατευθύνει [A κατορθοῖ] ἡ ὁ. κυρίου (3 a)
— 25. μὴ ἡ ὁ. μου οὐ κατευθύνει (3 a)
— 25. οὐχὶ ἡ ὁ. ὑμῶν οὐ κατευθύνει (3 a)
— 29. οὐ κατορθοῖ ἡ ὁ. κυρίου· μὴ ἡ ὁ. μου οὐ κατορθοῖ (3 a, 3 a)
— 29. οὐχὶ ἡ ὁ. ὑμῶν οὐ κατορθοῖ (3 a)
— 30. ἕκαστον κατὰ τὴν ὁ. αὐτοῦ κρινῶ ὑμᾶς (3 a)
20. 43. μνησθήσεσθε ἐκεῖ τὰς ὁ. ὑμῶν (3 a)
— 44. ὅπως τὸ ὄνομά μου μὴ βεβηλωθῇ κατὰ τὰς ὁ. ὑμῶν τὰς κακάς (3 a)
21. 19 (24). διάταξον σεαυτῷ δύο ὁδοὺς . . . χεὶρ ἐν ἀρχῇ [A χεῖρα ἑτοιμάσουσιν ἐπ' ἀρχῆς] ὁδοῦ πόλεως (3 a, 3 a)
— 20 (25). ἐπ' ἀρχῆς ὁδοῦ διατάξεις (3 a)
— 21 (26). στήσεται βασιλεὺς Βαβ. ἐπὶ τὴν ἀρχαίαν ὁ. ἐπ' ἀρχῆς τῶν δύο ὁ. (3 a, 3 a)
22. 31. τὰς ὁ. αὐτῶν εἰς κεφαλὰς αὐτῶν δέδωκα (3 a)
23. 13. μεμίανται ὁ. μία τῶν δύο (3 a)
— 31. ἐν τῇ ὁ. τῆς ἀδελφῆς σου ἐπορεύθης (3 a)
24. 14. κατὰ τὰς ὁ. σου . . . κρινῶ σε (3 a)
27. 3. A ἐρεῖς τῇ Σὸρ τῇ κατοικούσῃ ἐπὶ τῆς ὁ. [B εἰσόδου] τῆς θαλάσσης (7)
33. 8. τοῦ φυλάξασθαι τὸν ἀσεβῆ [A ἀποστῆναι τὸν ἄνομον] ἀπὸ τῆς ὁ. αὐτοῦ (3 a)
— 9. ἐὰν προαπαγγείλῃς τῷ ἀσεβεῖ τὴν ὁ. αὐτοῦ (3 a)
— 9. καὶ μὴ ἀποστρέψῃ ἀπὸ τῆς ὁ. αὐτοῦ (3 a)
Ez. 33. 11. ὡς [A add. τὸ] ἀποστρέψαι τὸν ἀσεβῆ ἀπὸ τῆς ὁ. αὐτοῦ (3 a)
— 11. ἀποστρέψατε ἀπὸ τῆς ὁ. ὑμῶν [A τῶν ὁ. ὑ. τῶν πονηρῶν] (3 a)
— 17. οὐκ εὐθεῖα ἡ ὁ. τοῦ κυρίου· καὶ αὕτη ἡ ὁ. αὐτῶν οὐκ εὐθεῖα (3 a, 3 a)
— 20. οὐκ εὐθεῖα ἡ ὁ. κυρίου· ἕκαστον ἐν ταῖς ὁ. αὐτοῦ [A κατὰ τὰς ὁ. ὑμῶν] κρινῶ ὑμᾶς (3 a, 3 a)
36. 17. ἐμίαναν αὐτὴν ἐν τῇ ὁ. αὐτῶν (3 a)
— 17. κατὰ τὴν ἀκαθαρσίαν τῆς ἀποκαθημένης [A ἀφέδρου] ἐγενήθη ἡ ὁ. αὐτῶν πρὸ προσώπου μου (3 a)
— 19. κατὰ τὴν ὁ. [A τὰς ὁ.] αὐ. . . . ἔκρινα αὐτούς (3 a)
— 31. μνησθήσεσθε τὰς ὁ. ὑμῶν τὰς πονηράς (3 a)
— 32. ἐντράπητε ἐκ τῶν ὁ. ὑμῶν (3 a)
42. 15. ἐξήγαγέ με καθ' ὁδὸν τῆς πύλης τῆς βλεπούσης πρὸς [A B² κατ'] ἀνατολάς (3 a)
43. 2. δόξα θεοῦ Ἰσραὴλ ἤρχετο κατὰ τὴν ὁ. τὴν [A τῆς πύλης τῆς βλεπούσης] πρὸς ἀνατολάς (3 a)
— 4. κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης τῆς βλεπούσης κατὰ ἀνατολάς (3 a)
44. 1. ἐπέστρεψέ με κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης τῶν ἁγίων (3 a)
— 3. κατὰ τὴν ὁ. αἰλὰμ τῆς πύλης εἰσελεύσεται (3 a)
— 3. καὶ κατὰ τὴν ὁ. αὐτοῦ ἐξελεύσεται (3 a)
— 4. εἰσήγαγέ με κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης τῆς πρὸς βορρᾶν (3 a)
46. 2. εἰσελεύσεται ὁ ἀφηγούμενος κατὰ τὴν ὁ. τοῦ αἰλὰμ (3 a)
— 8. κατὰ τὴν ὁ. τοῦ αἰλὰμ τῆς πύλης εἰσελεύσεται (3 a)
— 8. κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης ἐξελεύσεται (3 a)
— 9. ὁ εἰσπορευόμενος κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης τῆς βλεπούσης [A om.] πρὸς βορρᾶν προσκυνεῖν ἐξελεύσεται κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης τῆς πρὸς νότον καὶ ὁ εἰσπορευόμενος κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης τῆς πρὸς νότον ἐξελεύσεται κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης τῆς πρὸς βορρᾶν (3 a quater)
47. 2. ἐξήγαγέ με κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης τῆς πρὸς βορρᾶν καὶ περιήγαγέ με τὴν ὁ. ἔξωθεν (3 a, 3 a)
Da. LXX. 3. (27). καὶ αἱ ὁ. σου εὐθεῖαι
Da. TH. 3. (27). καὶ εὐθεῖαι αἱ ὁ. σου
5. 23. καὶ πᾶσαι αἱ ὁ. σου (1 a)
I Ma. 5. 4. ἐν τῷ ἐνεδρεύειν αὐτοὺς ἐν ταῖς ὁ.
— 24. ἐπορεύθησαν ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν
— 28. ἀπέστρεψεν . . . ὁδὸν εἰς τὴν ἔρημον
— 46. S αὕτη ἡ πόλις μεγάλη ἐπὶ τῆς ὁ. [A R εἰσόδου]
— 53. παρακαλῶν τὸν λαὸν κατὰ πᾶσαν τὴν ὁ.
6. 33. A R κατὰ τὴν ὁ. [S add. αὐτῆς] B.
7. 45. ὁδὸν ἡμέρας μιᾶς ἀπὸ Ἀ.
8. 19. καὶ ἡ ὁ. πολλὴ σφόδρα
9. 2. ἐπορεύθησαν ὁδὸν τὴν εἰς Γ.
11. 4. ἐποίησαν γὰρ θημωνίας αὐτῶν ἐν τῇ ὁ. αὐ.
13. 20. ἐκύκλωσεν ὁδὸν τὴν εἰς Ἀ.
15. 41. ὅπως . . . ἐξοδεύωσι τὰς ὁ. τῆς Ἰ.
II Ma. 2. 6. ὥστε ἐπισημάνασθαι τὴν ὁ.
3. 19. κατὰ τὰς ὁ. ἐπλήθυον
III Ma. 7. 14. R κατὰ τὴν ὁ. ἐκολάζοντο [A al.]
IV Ma. 14. 5. ὥσπερ ἐπ' ἀθανασίας ὁδὸν τρέχοντες

[Aq. Ge. 19. 31 : 35. 16 : Nu. 21. 1 : 22. 23 : Dt. 11. 19 : Jd. 9. 37 : I Ki. 13. 18 : Jb. 4. 6 : 38. 25 : 40. 14 (19) : Ps. 5. 9 : 18 (19). 6 : 24 (25). 8, 9, 10, 12 : 26 (27). 11 : 31 (32). 8 : 48 (49). 14 : 85 (86). 11 : 90 (91). 11 : 118 (119). 29, 59 : 138 (139). 3 : Pr. 4. 14 : 9. 6 : 10. 29 : 14. 12 : 23. 19 : 30. 19 *bis* : Ec. 12. 5 : Is. 9. 1 (8. 23) : 15. 5 : 40. 14 : 56. 11 : 65. 2 : Je. 6. 16 : 7. 23 : 18. 11, 15 : Ez. 20. 46 (21. 2) : 28. 15 : 33. 9, 20.]
[Sm. Nu. 21. 1 : Dt. 11. 19 : Jd. 5. 6 : I Ki. 13. 18 : II Ki. 24. 6 : Jb. 22. 3 : 24. 4, 23 : 34. 11 : 40. 14 (19) : Ps. 5. 9 : 16 (17). 4 : 18 (19). 6 : 24 (25). 8, 9, 12 : 26 (27). 11 : 31 (32). 8 : 36 (37). 23 : 38 (39). 2 : 43 (44). 19 : 48 (49). 14 : 67 (68). 5 : 76 (77). 14 : 84. (85). 14 : 85 (86). 11 : 90 (91). 11 : 100 (101). 2 : 101 (102). 24 : 118 (119). 9, 29, 59 : 138 (139). 3 *bis* : Pr. 2. 18 : 8. 22 : 9. 6 : 10. 29 : 14. 12 : 15. 19 : 23. 19 : 30. 19 : Ec. 10. 3 : Is. 8. 11 : 9. 1 (8. 23) : 10. 24 : 30. 11 : 40. 3, 14 : 45. 13 : 62. 10 : 65. 2 : Je. 7. 23 : 12. 16 : 18. 11 : 52. 7 : Ez. 3. 18 : 7. 3 : 20. 46 (21. 2) : 28. 15 : 33. 9, 11, 20 : 40. 10 : 44. 4.]
[Th. Dt. 11. 19 : I Ki. 13. 18 : Jb. 3. 23 : 17. 9 : 19. 12 : 22. 3 : 29. 25 : 33. 29 : 40. 14 (19) : Ps. 18 (19). 6 : 26 (27). 11 : 118 (119). 59 : 138 (139). 3 : Pr. 4. 14 : 8. 22 : 10. 29 : 14. 12 : 16. 17 : 22. 6 : 23. 19 : 30. 19 *bis* : Is. 9. 1 (8. 23) : 40. 14 : 58. 13 : 62. 10 : 65. 2 : Je. 39 (46). 4 *bis* : Ez. 7. 3 : 28. 15 : 33. 9, 20 : 42. 4.]
[Heb. Ps. 118 (119). 59.]
[Al. Dt. 6. 7 : Jd. 9. 21 : I Ki. 21. 5 (6) : II Ki. 13. 34 : Jb. 6. 19 : 36. 26 : Ps. 137 (138). 5 : Pr. 1. 15 : 2. 20 : 10. 17 : 15. 10 : 16. 2 : Hb. 3. 6.]
[Quint. Ps. 24 (25). 10 : 26 (27). 11 : 43 (44). 19 : 138 (139). 3.]
[Sext. Ps. 26 (27). 11 : 138 (139). 3.]

ὀδούς. (1) שֵׁן (2) ὁ. ἐλεφάντινοι *a.* שֵׁן *b.* שִׁנְהַבִּים

Ge. 49. 12. λευκοὶ οἱ ὁ. αὐτοῦ ἢ γάλα (1)
Ex. 21. 24. ὀδόντα ἀντὶ ὀδόντος (1, 1)
— 27. ἐὰν δὲ τὸν ὁ. τοῦ οἰκέτου ἢ τὸν ὁ. τῆς θεραπαίνης αὐτοῦ ἐκκόψῃ (1, 1)
— 27. ἐξαποστελεῖ αὐτοὺς ἀντὶ τοῦ ὁ. αὐτῶν (1)
Le. 24. 20. ὀδόντα ἀντὶ ὀδόντος (1, 1)
Nu. 11. 33. τὰ κρέα ἔτι ἦν ἐν τοῖς ὁ. αὐτῶν (1)
De. 19. 21. ὀδόντα ἀντὶ ὀδόντος (1, 1)
32. 24. ὀδόντας θηρίων ἀποστελῶ εἰς αὐτούς (1)
I Ki. 13. 21. B τρεῖς σίκλοι εἰς τὸν ὁ. —
14. 4. A R ὀδοὺς πέτρας ἐκ τούτου [B al.] (1)
— 4. καὶ ὀδοὺς πέτρας ἐκ τούτου (1)
III Ki. 10. 22. A ναῦς . . . ὁ. ἐλεφαντίνων [B al.] (2 b)
II Ch. 9. 17. θρόνον ἐλεφάντινον ὀδόντων μέγαν (1 ?)
— 21. πλοῖα [A -ον] . . . γέμοντα [A -ον] . . . ὀδόντων ἐλεφαντίνων (2 b)
II Es. 8. 17. B τοῦ ἐνέγκαι ἡμῖν ὀδόντας [A R ᾄδοντας] †
Jb. 13. 14. ἀναλαβὼν τὰς σάρκας μου τοῖς ὁ. (1)
16. 10 (9). ἔβρυξεν ἐπ' ἐμὲ [S ἐμοὶ] τοὺς ὁ. (1)
19. 20. τὰ δὲ ὀστᾶ μου ἐν ὀδοῦσιν [A ὀδύναις] ἔχεται (1)
9. 17. ἐκ μέσου [S -ων] τῶν [A om.] ὁ. αὐ. ἅρπαγμα ἐξήρπασα [A -έσπασα] (1)
41. 5 (6). κύκλῳ ὀδόντων αὐτοῦ φόβος (1)
Ps. 3. 7. ὀδόντας ἁμαρτωλῶν συνέτριψας (1)
34 (35). 16. ἔβρυξαν ἐπ' ἐμὲ τοὺς ὁ. αὐτῶν (1)
36 (37). 12. βρύξει ἐπ' αὐτὸν τοὺς ὁ. αὐτοῦ (1)
56 (57). 4. οἱ ὁ. αὐτῶν ὅπλον [S² ὅπλα] καὶ βέλη (1)
57 (58). 6. ὁ θεὸς συνέτριψε τοὺς ὁ. αὐτῶν (1)
111 (112). 10. τοὺς ὁ. αὐτοῦ βρύξει (1)
123 (124). 6. ὃς οὐκ ἔδωκεν ἡμᾶς εἰς θήραν τοῖς ὁ. αὐτῶν (1)
Pr. 10. 26. ὥσπερ ὄμφαξ ὀδοῦσι βλαβερόν (1)
24. 37 (30. 14). ἔκγονον κακὸν μαχαίρας τοὺς ὁ. ἔχει (1)
25. 19. A ὀδοὺς [B S ὀδὸς] κακοῦ καὶ ποὺς παρανόμου ὀλεῖται (1)
Ca. 4. 2 : 6. 5 (6). ὀδόντες σου ὡς ἀγέλαι τῶν κεκαρμένων (1)
7. 9 (10). ἱκανούμενος χείλεσί [A ἐν χ.] μου καὶ ὀδοῦσιν †
Wi. 16. 10. τοὺς δὲ υἱούς σου οὐδὲ ἰοβόλων δρακόντων ἐνίκησαν ὀδόντες
18. 2. S¹ καὶ τοῦ διενεχθῆναι χάριν ὀδόντων [A B S² ἐδέοντο]
Si. 19. 30. στολισμὸς ἀνδρὸς καὶ γέλως ὀδόντων
21. 2. ὀδόντες λέοντος οἱ ὁ. αὐτῆς
30. 10. ἐπ' ἐσχάτῳ [A -ων] γομφιάσεις τοὺς ὁ. σου
39. 30. θηρίων ὀδόντες καὶ σκορπίοι καὶ ἔχεις
Am. 4. 6. ἐγὼ δώσω ὑμῖν γομφιασμὸν ὀδόντων (1)
Mi. 3. 5. τοὺς δάκνοντας ἐν τοῖς ὀδοῦσιν αὐτῶν (1)
Jl. 1. 6. οἱ ὁ. αὐτοῦ ὀδόντες λέοντος (1, 1)
Za. 9. 7. ἐξαρῶ . . . τὰ βδελύγματα αὐ. ἐκ μέσου ὀδόντων [S¹ ὀδῶν] αὐ. (1)
Je. 38 (31). 29. οἱ ὁ. τῶν τέκνων ἠμωδίασαν (1)
— 30. τοῦ φαγόντος τὸν ὄμφακα αἱμωδιάσουσιν οἱ ὁ. αὐτοῦ (1)
La. 2. 16. ἔβρυξαν ὀδόντας (1)
3. 16. ἐξέβαλε ψήφῳ ὀδόντας [A τοὺς ὁ.] μου (1)
Ez. 18. 2. οἱ ὁ. τῶν τέκνων ἐγομφίασαν (1)
— 4. A τοῦ φαγόντος τὸν ὄμφακα αἱμωδιάσουσιν οἱ ὁ. αὐτοῦ —

Ez. 27. 15. ἐπλήθυναν τὴν ἐμπορίαν σου ὀδόντας ἐλεφαντίνους (2 *a*)
Da. LXX. 7. 5. ἐν μέσῳ ὀδόντων αὐτῆς (1)
— 7. ἔχον ὀδόντας σιδηροῦς μεγάλους (1)
— 19. οἱ ὀ. αὐτοῦ σιδηροῖ (1)
Da. TH. 7. 5. ἀνὰ μέσον τῶν ὀ. αὐτῆς (1)
— 7, 19. οἱ ὀ. αὐ. σιδηροῖ (1)
IV Ma. 7. 6. οὐκ ἐμίανας τοὺς ἱεροὺς ὀ.

[Aq. Ps. 44 (45). 9 : Pr. 25. 19 : Ca. 6. 5 (6) : 7. 9 (10).]
[Sm. Jb. 19. 20 : Ps. 34 (35). 16 : 36 (37). 12 : 77 (78). 30 : Pr. 25. 19 : Ca. 6. 5 (6).]
[Th. Jb. 41. 6 : Pr. 25. 19 : Da. 7. 5.]
[Al. I Ki. 14. 5.]
[Heb. Pr. 25. 19.]

ὀδυνᾶν. (1) דָּוָה (2) חִיל (3) מָרַר hi.

To. 9. 4. ὀδυνηθήσεται λίαν [S *al.*]
Pr. 29. 21. ἔσχατον δὲ ὀδυνηθήσεται ἐφ' ἑαυτῷ †
Wi. 14. 24. ἕτερος δ' ἕτερον . . . νοθεύων ὀδυνᾷ
Hg. 2. 15 (14). ὀδυνηθήσονται ἀπὸ προσώπου πόνων [S² πονηρίων] αὐτῶν –
Za. 9. 5. καὶ ὀδυνηθήσεται [S¹ -σονται] σφόδρα (2)
12. 10. ὀδυνηθήσονται ὀδύνην [S -η] (3)
Is. 21. 10. οἱ [A *om.*] ὀδυνώμενοι ἀκούσατε †
40. 29. διδοὺς . . . τοῖς μὴ ὀδυνωμένοις λύπην †
53. 4. περὶ ἡμῶν ὀδυνᾶται †
La. 1. 13. ἔδωκέ με . . . ὅλην τὴν ἡμέραν ὀδυνωμένην [A ὀδυρωμ.] (1)
IV Ma. 18. 9. τὸν τῆς ἀτεκνίας οὐκ ὠδυνήθη καιρόν

[Aq. Jb. 19. 2.]
[Sm. Ge. 34. 7 : I Ki. 20. 34 : Is. 29. 2 : Ez. 18. 7.]

ὀδύνη. (1) אֵבֶל (2) אָוֶן (3) בַּלָּהָה (4) *a.* דָּוָה *b.* דְּוַי (5) *a.* הַוָּה *b.* הַיָּה (6) חֶבֶל (7) חִיל (8) יָגוֹן (9) לַעֲנָה (10) מְדֵוֶה (11) מָזוֹר (12) מַחַץ (13) *a.* מַכְאֹב *b.* כָּאֵב hi. (14) *a.* מַר *b.* מָמֶר *c.* מָרַר hi. *d.* מְרִירוּת (15) מְרִי (16) נֶגַע (17) נְדָדִים (18) סוּפָה (19) עָמָל (20) עֳנִי (21) *a.* עֶצֶב *b.* עֹצֶב (22) פַּלָּצוּת (23) רַעַשׁ (24) שַׁרְעַפִּים (25) תּוּגָה (26) μνείαν ποιεῖσθαι ἐν ὀδύνῃ רָנַן (27) ὀδύνη λαμβάνει חִיל (28) ὁ ἐν ὀδύνῃ מַר נֶפֶשׁ

Ge. 35. 18. υἱὸς ὀδύνης μου (2)
44. 31. B μετὰ λύπης [A μετ' ὀδύνης] εἰς ᾅδου (8)
Ex. 3. 8 (7). οἶδα γὰρ τὴν ὀ. αὐτῶν (13 *a*)
De. 26. 14. οὐκ ἔφαγον ἐν ὀδύνῃ ἀπ' αὐτῶν (2)
28. 60. ἐπιστρέψει πᾶσαν τὴν ὀ. Αἰγ. (10)
I Ki. 15. 23. ὀδύνη καὶ πόνος θεραπείαν [A θεραφεὶν] ἐπάγουσιν (15)
To. 3. 1. προσευξάμην μετ' ὀδύνης [S *al.*]
— 10. τὸ γῆρας αὐτοῦ κατάξω μετ' ὀδύνης εἰς ᾅδου [S *al.*]
6. 14. μὴ . . . κατάξω τὴν ζωὴν . . . μετ' ὀδύνης
Es. 9. 22. B ἀπὸ οδυνης εἰς ἀγαθὴν ἡμεραν [A εἰς χαράν] (1)
Jb. 2. 9. ἵνα ἀναπαύσωμαι . . . τῶν [A τῶν περιεχουσῶν με] ὀ. –
3. 7. ἡ νὺξ ἐκείνη εἴη ὀδύνη [A -ηρά] †
— 20. ζωὴ δὲ ταῖς ἐν ὀδύναις ψυχαῖς (14 *a*)
4. 8. οἱ δὲ σπείροντες αὐτὰ ὀδύνας θεριοῦσιν ἑαυτοῖς (19)
6. 2. τὰς δὲ ὀ. μου ἄραι ἐν ζυγῷ ὁμοθυμαδόν (5 *b**, 5 *a*)
7. 3. νύκτες δὲ ὀδυνῶν δεδομέναι μοί εἰσιν (19)
— 4. πλήρης δὲ γίνομαι ὀδυνῶν (17)
— 19. A B S ἕως ἂν καταπίω τὸν πτύελόν μου ἐν ὀδύνῃ [R *om.* ἐν ὀ.] –
15. 35. ἐν γαστρὶ δὲ λήψεται ὀδύνας (19)
18. 11. κύκλῳ [A κυκλόθεν] ὀλέσαισαν αὐτὸν ὀδύναι (3)
19. 20. A τὰ δὲ ὀστᾶ μου ἐν ὀδύναις [B S ὀδοῦσιν] ἔχεται †
20. 10. αἱ δὲ χεῖρες αὐτοῦ πυρσεύσαισαν [A ψηλαφήσουσιν] ὀδύνας [B¹ S¹ -αις] (2)
— 23. νίψαι [A ῥίψαι δέ] ἐπ' αὐτὸν ὀδύνας †
21. 6. ἔχουσι δέ μου τὰς σάρκας ὀδύναι (22)
Jb. 27. 20. συνήντησαν [A κοιμηθέντι συναντήσονται] αὐτῷ ὥσπερ ὕδωρ [S¹ σῆτες] αἱ [A *om.*] ὀ. (3)
30. 14. ἐν ὀδύναις πέφυρμαι †
— 15. ἐπιστρέφονταί μου αἱ ὀ. (3)
— 16. ἔχουσι δέ με ἡμέραι ὀδυνῶν (20)
— 22. ἔταξας δέ με ἐν ὀδύναις †
37. 9. ἐκ ταμιείων ἐπέρχονται [A ἐξέρχ.] ὀδύναι (18)
Ps. 12 (13). 2. ὀδύνας ἐν καρδίᾳ μου ἡμέρας (8)
30 (31). 10. ἐξέλιπεν ἐν ὀδύνῃ ἡ ζωή μου (8)
40 (41). 3. βοηθήσαι αὐτῷ ἐπὶ κλίνης ὀδύνης αὐτοῦ (4 *b*)
93 (94). 19. κατὰ τὸ πλῆθος τῶν ὀ. μου ἐν τῇ καρδίᾳ μου (24)
106 (107). 39. ἐκακώθησαν ἀπὸ θλίψεως κακῶν καὶ ὀδύνης (8)
114 (116). 3. θλῖψιν καὶ ὀδύνην εὗρον (8)
126 (127). 2. οἱ ἐσθίοντες ἄρτον ὀδύνης (21 *a*)
Pr. 6. 33. ὀδύνας τε καὶ ἀτιμίας ὑποφέρει (16)
17. 21. καρδία δὲ ἄφρονος ὀδύνη τῷ κεκτημένῳ αὐτήν (25)
— 25. καὶ ὀδύνη τῇ τεκούσῃ αὐτόν (14 *b*)
19. 13. A καὶ ὀδύνη τῇ τεκούσῃ αὐτοῦ –
24. 74 (31. 6). καὶ οἶνον πίνειν τοῖς ἐν ὀδύναις (28)
Wi. 4. 19. ἔσονται ἐν ὀδύνῃ
8. 16. οὐδὲ ὀδύνην ἡ συμβίωσις αὐτῆς
Si. 27. 29. ὀδύνη καταναλώσει αὐτοὺς πρὸ τοῦ θανάτου αὐτῶν
Ho. 5. 13. εἶδεν . . . Ἰούδας τὴν ὀ. αὐτοῦ (11)
— 13. καὶ οὐ μὴ διαπαύσῃ ἐξ ὑμῶν ὀδύνη (11)
Am. 8. 10. θήσομαι . . . τοὺς μετ' αὐτοῦ ὡς ἡμέραν ὀδύνης (14 *a*)
Mi. 1. 11. λήψεται ἐξ ὑμῶν πληγὴν ὀδύνης †
— 12. τίς ἤρξατο εἰς ἀγαθὰ κατοικούσῃ ὀδύνας (14 *a*?)
Hb. 1. 13. ἐπιβλέπειν ἐπὶ πόνους ὀδύνης [A S³ οὐ δυνήσῃ] †
Za. 12. 10. ὀδυνηθήσονται ὀδύνην [S ὀδύνῃ] (14 *c*)
Is. 14. 3. ἀναπαύσει σε κύριος ἀπὸ [A S² ἐκ] τῆς ὀ. καὶ τοῦ θυμοῦ σου (21 *b*)
19. 10. ἔσονται οἱ ἐργαζόμενοι [A διαλογιζ.] αὐτὰ ἐν ὀδύνῃ †
23. 5. λήψεται αὐτοὺς ὀ. περὶ Τύρου (27)
30. 26. τὴν ὀ. τῆς πληγῆς σου ἰάσεται (12)
32. 10. ἡμέρας ἐνιαυτοῦ μνείαν ποιήσασθε ἐν ὀδύνῃ μετ' ἐλπίδος (26)
35. 10. ἀπέδρα ὀ. καὶ λύπη καὶ στεναγμός (8)
38. 14 (15). ἀφείλατό μου τὴν ὀ. τῆς ψυχῆς (14 *a*)
51. 11. ἀπέδρα ὀ. καὶ λύπη καὶ στεναγμός (8)
Je. 8. 18. δήξονται ὑμᾶς ἀνίατα μετ' ὀδύνης καρδίας ὑμῶν ἀπορουμένης (8)
22. 23. ἐν τῷ ἐλθεῖν σοι ὀδύνας [A ὠδῖνας] (6+7)
23. 15. ψωμιῶ αὐτοὺς ὀδύνην [A -ας] (9)
La. 1. 14. ἔδωκε κύριος ἐν χερσί μου ὀδύνας –
5. 17. ἐγενήθη ὀ. [A *om.*] ὀδυνηρὰ ἡ καρδία ἡμῶν (4 *a*?)
Ez. 12. 18. τὸν ἄρτον σου μετ' ὀδύνης φάγεσαι (23)
21. 6 (11). ἐν ὀδύναις στενάξεις (14 *d*)
28. 24. οὐκ ἔσονται . . . σκόλοψ πικρίας καὶ ἄκανθα ὀδύνης (13 *b*)
Da. LXX. Su. 14. ἐξωμολογήσαντο πρὸς ἀλλήλους ἑκάτερος τὴν ὀ. αὐ.
Da. TH. Su. 10. οὐκ ἀνήγγειλαν ἀλλήλοις τὴν ὀ. ἑαυτῶν
II Ma. 9. 9. ζῶντος ἐν ὀδύναις
IV Ma. 14. 9. καὶ τοῦτο ταῖς διὰ πυρὸς ὀ.

[Aq. Jb. 15. 20.]
[Sm. Jb. 5. 6 : Ps. 30 (31). 11 : 54 (55). 11 : Pr. 19. 13 : Is. 50. 11 : Je. 8. 18.]
[Th. Le. 12. 2.]
[Al. Le. 12. 5 : Pr. 5. 5.]
[Quint., Sext. Ps. 93 (94). 23.]

ὀδυνηρός. (1) דָּוָה (2) חָלָה ni. (3) מָרַר ni.

III Ki. 2. 8 : 3. 1 (2. 8). κατηράσατό με κατάραν ὀ. (3)
Jb. 3. 7. A ἡ νὺξ ἐκείνη εἴη ὀδυνηρά [B S ὀδύνη] †
Je. 14. 17. πληγὴ ὀδυνηρὰ σφόδρα (2)
37 (30). 17. ἀπὸ πληγῆς ὀδυνηρᾶς ἰατρεύσω σε –
La. 5. 17. ἐγενήθη ὀδύνη [A *om.*] ὀδυνηρὰ ἡ καρδία ἡμῶν (1)

[Aq. Je. 8. 18 : 30 (37). 17.]
[Th. Is. 30. 22.]
[Al. Le. 15. 33.]

ὀδύρεσθαι. (1) דָּוָה (2) נוּד hithp.

Je. 38 (31). 18. ἀκὴν ἤκουσα Ἐφρ. ὀδυρομένου (2)
La. 1. 13. A ἔδωκέ με . . . ὅλην τὴν ἡμέραν ὀδυρωμένην [B S ὀδυνωμ.] (1)

[Sm. Ps. 31 (32). 3.]

ὀδυρμός. (1) תַּמְרוּרִים

Je. 38 (31). 15. φωνὴ ἐν Ῥαμᾷ [A S¹ τῇ ὑψηλῇ] ἠκούσθη θρήνου καὶ κλαυθμοῦ καὶ ὀδυρμοῦ (1)
II Ma. 11. 6. μετ' ὀδυρμῶν καὶ δακρύων ἱκέτευον

[Sm. Ps. 21 (22). 2.]

ὄζειν. (1) בָּאַשׁ

Ex. 8. 14 (10). καὶ ὤζεσεν ἡ γῆ (1)

ὄζος.

Wi. 13. 13. ξύλον σκολιὸν καὶ ὄζοις συμπεφυκός

ὅθεν. * ὅθεν ἄν, ὅθεν ἐάν.

Ge. 10. 14 : 13. 3 : 24. 5.
Ex. 5. 11* : 30. 36.
De. 9. 28 : 11. 10.
Jo. 20. 6†.
Ru. 2. 9*.
IV Ki. 17. 33.
I Ch. 1. 12†.
To. 12. 18†.
Ju. 8. 20 : 11. 16.
Jb. 10. 21 : 28. 1 : 34. 15.
Ps. 120 (121). 1†.
Wi. 12. 23 : 15. 12.
Is. 30. 32 : 44. 11.
Je. 7. 8.
Ep. Je. 16, 23, 64.
Ez. 29. 14.
Da. LXX. 2. 11 : Bel 38.
I Ma. 8. 26† (?).
II Ma. 4. 21, 34, 46 : 5. 11 : 10. 13 : 12. 45 : 14. 7.
III Ma. 2. 23 : 5. 42.
IV Ma. 3. 12, 16 : 4. 2 : 6. 12 : 9. 11 : 12. 16.

[Aq. Jb. 28. 1.]
[Sm. Jb. 28. 1 : Ps. 44 (45). 9 : Is. 51. 1 *bis*.]
[Th. Jb. 28. 1 : Is. 51. 1 : Je. 29 (36). 14.]

ὀθόνιον. (1) סָדִין (2) פִּשְׁתָּה

Jd. 14. 13. δώσετε . . . τριάκοντα ὀθόνια [A σινδόνας] (1)
Ho. 2. 5 (7). τῶν διδόντων μοι . . . τὰ ὀθ. μου (2)
— 9 (11). ἀφελοῦμαι . . . τὰ ὀθ. μου (2)

οἴ.

[Aq. Ze. 3. 18.]

οἰακίζειν.

Jb. 37. 10. οἰακίζει δὲ τὸ ὕδωρ ὡς ἐὰν βούληται [A *al.*] †

οἰάκωσις.

[Aq. Jb. 37. 12.]

οἴαξ.

IV Ma. 7. 3. μετέτρεψε τοὺς τῆς εὐσεβείας οἴ.

οἴεσθαι. (1) הִגֶּה

Ge. 37. 7. ᾤμην ὑμᾶς δεσμεύειν δράγματα (1)
40. 16. ᾤμην τρία κανᾶ χονδριτῶν αἴρειν (1)
41. 1. ᾤετο ἑστάναι ἐπὶ τοῦ ποταμοῦ (1)
— 17. ἐν τῷ ὕπνῳ μου ᾤμην ἑστάναι (1)
Es. 8. 13. ᾠήθη λαβὼν [A S² -εῖν] ἡμᾶς ἐρήμους –
9. 12. πῶς οἴει [S¹ αἰεὶ] ἐχρήσαντο –
Jb. 11. 2. ἢ καὶ ὁ εὔλαλος οἴεται εἶναι δίκαιος –
34. 12. οἴῃ δὲ τὸν κύριον ἄτοπα ποιήσειν –
— 17. A εἰ δὲ σοὶ οὐκ οἴει [B S ἴδε σὺ] τὸν μισοῦντα τὰ ἄνομα –
37. 23. οὐκ οἴει ἐπακούειν αὐτόν [A *al.*] –
38. 2. ἐμὲ δὲ οἴεται κρύπτειν –
40. 3 (8). οἴει [S -η] δέ [A μηδὲ οἶου] με ἄλλως σοι κεχρηματικέναι –
42. 3. καὶ σὲ οἴεται κρύπτειν –
Is. 57. 8. ᾤου [S ὡς] ὅτι ἐὰν ἀπ' ἐμοῦ ἀποστῇς πλεῖόν τι ἕξεις –
Da. LXX. 2. 11. καθάπερ οἴει –
I Ma. 5. 61. οἰόμενοι ἀνδραγαθῆσαι
6. 43. S ᾠήθη [A R ὤφθη] ὅτι ἐν αὐτῷ ἐστιν ὁ βασ.
II Ma. 5. 21. οἰόμενος . . . τὸ πέλαγος πορευτὸν θέσθαι
7. 24. ὁ δὲ Ἀντ. οἰόμενος καταφρονεῖσθαι

II Ma. 9. 4. ᾤετο καὶ τὴν . . . κακίαν . . . ἐναπερείσασθαι
— 8. τὰ τῶν ὀρέων οἰόμενος ὕψη στήσειν
13. 3. οἰόμενος δὲ ἐπὶ τῆς ἀρχῆς κατασταθήσεσθαι
IV Ma. 1. 33. ἐγὼ μὲν οἶμαι

οἰκεῖν (*incl.* ἡ οἰκουμένη). (1) אֱנוֹשׁ (2) גּוּר (3) דּוּר (4) יָשַׁב *a.* qal. *b.* ni. *c.* ho. *d.* יָתַב *e.* שִׁיבָה (5) נָתַן (6) שָׁכַן (7) ἡ οἰκουμένη *a.* אֶרֶץ *b.* חֵלֶד *c.* יָשַׁב *d.* תֵּבֵל

Ge. 4. 16. ᾤκησεν ἐν γῇ Ναίδ (4 *a*)
— 20. ἦν πατὴρ οἰκούντων ἐν σκηναῖς (4 *a*)
16. 3. τοῦ οἰκῆσαι Ἄβραμ ἐν γῇ Χαναάν (4 *a*)
19. 30. A ᾤκησεν [R κατῴκ.] ἐν τῷ σπηλαίῳ (4 *a*)
20. 1. καὶ ᾤκησεν ἀνὰ μέσον Κάδης (4 *a*)
24. 3. R μεθ' ὧν ἐγὼ οἰκῶ ἐν αὐτοῖς [A μετ' αὐτῶν, S[1] *om.* ἐν αὐ.] (4 *a*)
— 13. θυγατέρες τῶν οἰκούντων τὴν πόλιν (1)
25. 27. ἄνθρωπος ἄπλαστος οἰκῶν οἰκίαν (4 *a*)
27. 44. οἴκησον μετ' αὐτοῦ ἡμέρας τινάς (4 *a*)
29. 19. οἴκησον μετ' ἐμοῦ (4 *a*)
34. 16. R καὶ οἰκήσομεν [A -σωμεν] παρ' ὑμῖν (4 *a*)
— 21. οἰκείτωσαν ἐπὶ τῆς γῆς (4 *a*)
— 23. καὶ οἰκήσουσι μεθ' ἡμῶν (4 *a*)
35. 1. καὶ οἴκει ἐκεῖ (4 *a*)
36. 7. ἦν . . . πολλὰ τοῦ οἰκεῖν ἅμα (4 *a*)
— 8. R κατῴκησε [A ᾤκησεν] δὲ Ἠ. ἐν τῷ ὄρει (4 *a*)
Ex. 2. 15. καὶ ᾤκησεν [A κατῴκ.] ἐν γῇ Μαδ. (4 *a*)
16. 35. ἦλθον εἰς τὴν [A γῆν] οἰκουμένην (4 *b*)
De. 28. 30. οὐκ οἰκήσεις ἐν αὐτῇ (4 *a*)
Jo. 21. 40. ᾤκησεν ἐν αὐτῇ –
Jd. 9. 21. ᾤκησεν [A κατῴκ.] ἐκεῖ (4 *a*)
— 41. μὴ οἰκεῖν ἐν Σ. (4 *a*)
10. 1. ᾤκει [A κατῴκει] ἐν Σ. (4 *a*)
11. 3. ᾤκησεν [A κατῴκ.] ἐν γῇ Τώβ (4 *a*)
— 8. B πᾶσι τοῖς οἰκοῦσιν [A R κατοικ.] Γ. (4 *a*)
— 26. ἐν τῷ οἰκῆσαι [A οἴκῳ Ἰσρ.] ἐν Ἐσ. (4 *a*)
20. 15. ἐκτὸς τῶν οἰκούντων τὴν Γ. [A *al.*] (4 *a*)
21. 9. ἀπὸ [A *add.* τῶν] οἰκούντων Ἰαβεὶς Γ. (4 *a*)
— 10. πατάξατε τοὺς οἰκοῦντας Ἰ. [A *al.*] (4 *a*)
— 12. ἀπὸ οἰκούντων [A τῶν κατοικ.] Ἰ. (4 *a*)
— 21. αἱ θυγατέρες τῶν οἰκούντων [A κατοικ.] Σ. –
II Ki. 15. 8. ἐν τῷ οἰ. με ἐν Γ. (4 *a*)
— 19. οἴκει μετὰ τοῦ βασιλέως (4 *a*)
19. 32 (33). ἐν τῷ οἰ. αὐτὸν ἐν Μ. (4 *e*)
22. 16. ἀπεκαλύφθη θεμέλια τῆς οἰκουμένης (7 *d*)
III Ki. 3. 17. A R ᾤκουμεν [B οἰκ.] ἐν οἴκῳ ἑνί (4 *a*)
IV Ki. 4. 13. ἐν μέσῳ τοῦ λαοῦ ἐγὼ εἰμι οἰκῶ (4 *a*)
6. 1. ἐν ᾧ ἡμεῖς οἰκοῦμεν (4 *a*)
— 2. ποιήσωμεν ἑαυτοῖς ἐκεῖ τοῦ οἰ. ἐκεῖ (4 *a*)
19. 36. ᾤκησεν ἐν Νιν. (4 *a*)
I Ch. 4. 41. ᾤκησαν ἀντ' αὐτῶν (4 *a*)
II Ch. 34. 9. ἀπὸ . . . οἰκούντων ἐν Ἱερ. (4 *a**, †)
I Es. 2. 3. ἐμὲ ἀνέδειξε βασιλέα τῆς οἰκουμ.
— 6. ὅσοι οὖν κατὰ τοὺς τόπους οἰκοῦσι
— 16. οἰκοῦντες [A οἱ οἰ.] δὲ ἐν Σαμ.
— 18. B[1] τὴν πόλιν τὴν ἀποστάτιν . . . οἰκοῦσιν [A B[2] R οἰκοδομοῦσι]
— 25. τοῖς . . . οἰκοῦσιν ἐν τῇ Σαμ.
II Es. 4. 6. ἔγραψαν . . . ἐπὶ οἰκοῦντας Ἰ. (4 *a*)
— 17. τοὺς οἰκοῦντας ἐν Σαμ. (4 *d*)
Ne. 3. 26. οἱ Ν. ἦσαν οἰκοῦντες ἐν τῷ Ὠ. (4 *a*)
4. 12 (6). οἱ Ἰ. οἱ [S[1] *om.*] οἰκοῦντες ἐχόμενα αὐτῶν (4 *a*)
7. 3. στῆσον προφύλακας οἰκούντων ἐν Ἰ. (4 *a*)
13. 4. Ἐλ. ὁ ἱερεὺς οἰκῶν ἐν γαζοφυλακίῳ (5)
To. 5. 6. S τῷ ἀδ. ἡμῶν τῷ οἰκοῦντι ἐν Ἐκβ. [A B *al.*]
— 16. ὁ δὲ ἐν τῷ οὐρανῷ οἰκῶν [A κατοικῶν] θεός [S *al.*]
14. 7. S οἰκήσουσιν . . . ἐν τῇ γῇ Ἀβρ.
— 12. S ᾤκησεν ἐν Ἐκβ. [A B *al.*]
Ju. 5. 5. ὃς κατοικεῖ τὴν ὀρεινὴν τ. πλησίον σοῦ οἰκοῦντος
— 15. ᾤκησαν ἐν γῇ [S γῆν] Ἀμορραίων
Es. 1. 1. ἄνθρωπος Ἰ. οἰκῶν ἐν Σούσοις
3. 13. B S καὶ πάσης ἐπικρατήσας [A[2] *add.* τῆς] οἰκουμένης
— 13. ἐν πάσαις ταῖς κατὰ τὴν οἰκουμένην φυλαῖς
9. 19. S[2] οἱ διεσπαρμ. οἰκοῦντες [A B S[1] *om.*] ἐν πάσῃ χώρᾳ (4 *a*)
Ps. 9. 8. κρινεῖ τὴν οἰκουμένην ἐν δικαιοσύνῃ (7 *d*)
16 (17). 12. ὡσεὶ σκύμνος οἰκῶν ἐν ἀποκρύφοις (4 *a*)
Ps. 17 (18). 15. ἀνεκαλύφθη τὰ θεμέλια τῆς οἰκουμ. (7 *d*)
18 (19). 4. εἰς τὰ πέρατα τῆς οἰκουμένης (7 *d*)
23 (24). 1. ἡ οἰκουμένη καὶ πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ (7 *d*)
32 (33). 8. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκουμ. (7 *d*)
48 (49). 1. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκουμ. (7 *b*)
49 (50). 12. ἐμὴ γάρ ἐστιν ἡ οἰκουμένη (7 *d*)
66 (67). 4. S[1] κρινεῖ τὴν οἰκουμ. ἐν δικαιοσύνῃ –
71 (72). 8. ἕως περάτων τῆς οἰκουμένης (7 *a*)
76 (77). 18. B[2] S R ἔφαναν αἱ ἀστραπαί σου τῇ οἰκουμένῃ (7 *d*)
83 (84). 10. A B S[1] μᾶλλον ἢ οἰκεῖν [S[2] R οἰκ. με] ἐπὶ [A S[2] ἐν] σκηνώμασιν ἁμαρτωλῶν (3)
88 (89). 11. τὴν οἰκουμ. καὶ τὸ πλήρωμα αὐ. (7 *d*)
89 (90). 2. καὶ πλασθῆναι τὴν γῆν καὶ τὴν [A[1] *om.* κ. τ.] οἰκουμένην (7 *d*)
92 (93). 1. ἐστερέωσε τὴν οἰκουμένην (7 *d*)
95 (96). 10. κατώρθωσε τὴν οἰκουμένην (7 *d*)
— 13. κρινεῖ τὴν οἰκουμένην ἐν δικαιοσύνῃ (7 *d*)
96 (97). 4. ἔφαναν αἱ ἀστραπαὶ αὐ. τῇ οἰκουμ. (7 *d*)
97 (98). 7. ἡ οἰκουμ. καὶ οἱ κατοικοῦντες αὐτήν (7 *d*)
— 9. κρινεῖ τὴν οἰκουμένην ἐν δικαιοσύνῃ (7 *d*)
Pr. 8. 26. καὶ ἄκρα οἰκούμενα τῆς ὑπ' οὐρανῶν [A S -όν] †
— 31. ὅτε ἐνευφραίνετο [A ἠὐφρ.] τὴν οἰκουμένην συντελέσας (7 *d* + 7 *a*)
10. 30. ἀσεβεῖς δὲ οὐκ οἰκήσουσι [B[1] ἤκουσιν] γῆν (6)
21. 9. κρεῖσσον οἰκεῖν ἐπὶ γωνίας ὑπαίθρου (4 *a*)
— 19. κρεῖσσον οἰκεῖν ἐν τῇ ἐρήμῳ (4 *a*)
25. 24. κρεῖσσον οἰκεῖν ἐπὶ γωνίας δώματος (4 *a*)
27. 10. κρείσσων φίλος ἐγγὺς ἢ ἀδελφὸς μακρὰν οἰκῶν –
Wi. 1. 7. πνεῦμα κυρίου πεπλήρωκε τὴν οἰκουμένην
14. 17. μὴ δυνάμενοι τιμᾶν ἄνθρωποι διὰ τὸ μακρὰν οἰκεῖν
Si. 38. 32. A S[2] ἄνευ αὐτῶν οὐκ οἰκήσεται [S[1] -ηθήσεται, B -ισθήσεται] πόλις
Ho. 10. 14. τὰ τετειχισμένα σου οἰχήσεται [A οἰκήσεται] †
Hg. 1. 4. εἰ καιρὸς μὲν ὑμῖν ἐστι τοῦ οἰκεῖν ἐν οἴκοις ὑμῶν (4 *a*)
Is. 5. 8. μὴ οἰκήσετε [S -σητε] μόνοι ἐπὶ τῆς γῆς (4 *c*)
6. 5. ἐν μέσῳ λαοῦ ἀκάθαρτα χείλη ἔχοντος ἐγὼ οἰκῶ (4 *a*)
10. 14 (15). τὴν οἰκουμένην ὅλην καταλήψομαι τῇ χειρί (7 *c* ?)
— 23. λόγον συντετμημένον ποιήσει κ. ἐν τῇ οἰκουμένῃ ὅλῃ (7 *a*)
13. 5. καταφθεῖραι πᾶσαν τὴν οἰκουμ. [A S τ. οἰ. ὅλην] (7 *a*)
— 9. θεῖναι τὴν οἰκουμ. ἔρημον (7 *a*)
— 11. ἐντελοῦμαι τῇ οἰκουμ. ὅλῃ κακά (7 *d*)
14. 17. ὁ θεὶς τὴν οἰκουμ. ὅλην ἔρημον (7 *d*)
— 26. A S ἣν βεβούλευται κ. ἐπὶ τὴν οἰκουμ. ὅλην καὶ αὕτη ἡ χεὶρ ἡ ὑψηλὴ ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη τῆς οἰκουμ. [B *om.* τ. οἰ.] (7 *a*, †)
21. 12. παρ' ἐμοὶ οἴκει [S ᾤκει] †
23. 17. ἔσται ἐμπόριον πάσαις ταῖς βασιλείαις τῆς [B[1] *om.*] οἰκουμ. (7 *a*)
24. 1. κύριος καταφθείρει τὴν οἰκουμ. (7 *a*)
— 4. ἐφθάρη ἡ οἰκουμ. (7 *d*)
27. 6. ἐμπλησθήσεται ἡ οἰκουμ. τοῦ καρποῦ αὐ. (7 *d*)
30. 19. λαὸς ἅγιος ἐν Σ. οἰκήσει (4 *a*)
32. 18. B οἰκήσει [A S R κατοικ.] ὁ λαὸς αὐ. ἐν πόλει εἰρήνης (4 *a*)
33. 16. οἰκήσει [S -σῃ] ἐν ὑψηλῷ σπηλαίῳ (6)
34. 1. ἡ [S[2] *om.*] οἰκουμ. [S[1] οἱ οἰκοῦντες] καὶ ὁ λαὸς ὁ ἐν αὐτῇ (7 *d*)
— 11. ὀνοκένταυροι οἰκήσουσιν ἐν αὐτῇ –
37. 16. σὺ εἶ ὁ θεὸς μόνος πάσης βασιλείας τῆς οἰκουμ. (7 *a*)
— 18. ἠρήμωσαν βασιλεῖς Ἀσσυρίων τὴν οἰκουμ. ὅλην (7 *a*)
— 26 (27). καὶ οἰκοῦντας [A S ἐνοικ.] ἐν πόλεσιν ὀχυραῖς (4 *a*)
— 37. ᾤκησεν ἐν Νιν. (4 *a*)
62. 4. καὶ τῇ γῇ σου Οἰκουμένη †
Je. 5. 7. B ἐν τοῖς οἰκοῦσιν [A S R οὐκ οὖσι θεοῖς] †
10. 12. ὁ ἀνορθώσας τὴν οἰκουμ. ἐν τῇ σοφίᾳ αὐ. (7 *d*)
28 (51). 15. ἑτοιμάζων οἰκουμένην ἐν τῇ σοφίᾳ αὐ. (7 *d*)
Je. 31 (48). 28. A ᾤκησαν ἐν πέτραις οἰκοῦντες [B S π. οἱ κατοικ.] Μωάβ (6, 4 *a*)
42 (35). 4. A ὅς ἐστιν ἐγγὺς οἰκούντων [B S τοῦ οἴκου τῶν] ἀρχόντων †
— 7. ἐν σκηναῖς οἰκήσετε [A κατοικ.] (4 *a*)
— 9. A[1] πρὸς τὸ μὴ οἰκεῖν [A[2] B S οἰκοδομεῖν] οἰκίας †
— 10. ᾤκήσαμεν ἐν σκηναῖς (4 *a*)
— 11. ᾤκοῦμεν [A -κήσαμεν, S οἰκοῦμεν] ἐκεῖ (4 *a*)
— 15. οἰκήσετε ἐπὶ τῆς γῆς (4 *a*)
47 (40). 5. οἴκησον μετ' αὐτοῦ (4 *a*)
— 10. οἰκήσατε [A -σετε] ἐν ταῖς πόλεσιν (4 *a*)
49 (42). 14. ἐκεῖ οἰκήσομεν [S -σωμεν] (4 *a*)
50 (43). 2. μὴ εἰσέλθητε εἰς Αἴγυπτον οἰκεῖν [A κατοικ.] ἐκεῖ (2)
La. 4. 12. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκουμ. (7 *d*)
Ep. Je. 62. ἐπιπορεύεσθαι ἐφ' ὅλην τὴν οἰκουμ.
Ez. 38. 11. ἥξω ἐπὶ . . . οἰκοῦντας [A κατοικ.] ἐπ' εἰρήνης (4 *a*)
Da. LXX. Su. 1. ἦν ἀνὴρ οἰκῶν ἐν Βαβ.
2. 37. τὴν δόξαν ἔδωκεν ἐν πάσῃ τῇ οἰκουμ. –
3. 2. καὶ κυριεύων τῆς οἰκουμ. ὅλης –
— 2. καὶ πάντας τοὺς κατὰ τὴν οἰκουμ. –
— (45). καὶ ἔνδοξος ἐφ' ὅλην τὴν οἰκουμ.
— 31 (98). τοῖς οἰκοῦσιν ἐν πάσῃ τῇ γῇ (2)
4. 9. ἐν αὐτῷ ᾤκουν –
— 34. γλώσσαις πάσαις ταῖς οἰκούσαις ἐν πάσαις ταῖς χώραις –
— 34. καὶ πᾶσι τοῖς οἰκοῦσιν ἐν αὐταῖς –
6. 25 (26). τοῖς οἰκοῦσιν ἐν πάσῃ τῇ γῇ αὐ. (2)
Da. TH. Su. 1. ἦν ἀνὴρ οἰκῶν ἐν Βαβ.
3. (45). καὶ ἔνδοξος ἐφ' ὅλην τὴν οἰκουμ.
— 31 (98): 6. 25 (26). τοῖς οἰκοῦσιν ἐν πάσῃ τῇ γῇ (2)
I Ma. 9. 73. ᾤκησεν Ἰ. ἐν Μ.
10. 10. S R ᾤκησεν [A ἤκουσεν] Ἰ. ἐν Ἱερ.
13. 52. καὶ ᾤκει ἐκεῖ
— 53. καὶ ᾤκει ἐν Γ.
14. 34. S R ἐν ᾗ ᾤκουν [A -ουσαν] οἱ πολέμιοι
II Ma. 2. 22. τὸ περιβόητον καθ' ὅλην τὴν οἰκουμ. ἱερόν
5. 17. διὰ τὰς ἁμαρτίας τῶν τὴν πόλιν οἰκούντων
6. 2. καθὼς ἐτύγχανον οἱ τὸν τόπον οἰκοῦντες
12. 3. παρακαλέσαντες τοὺς σὺν αὐτοῖς οἰκοῦντας Ἰ.
[Aq. Ps. 32 (33). 8: 89 (90). 2: Is. 14. 21: Je. 35 (42). 7: 44 (51). 1: Hb. 3. 3.]
[Sm. Ex. 2. 21: IV Ki. 15. 5: Ps. 32 (33). 8: 60 (61). 8: 67 (68). 7: 89 (90). 2: 95 (96). 10: 97 (98). 7 *bis*: 124 (125). 1: 126 (127). 2: Is. 6. 5: 8. 14: 14. 21: 58. 12: Je. 35 (42). 7: 44 (51). 1, 14: 49. 8 (29. 9).]
[Th. Is. 14. 21: 58. 12: Hb. 3. 3.]
[Al. Le. 13. 46: Dt. 1. 7: 3. 29: II Ch. 36. 23: Jb. 22. 12: Hb. 3. 3, 6.]

οἰκεῖος. (1) אֱלוּף (2) אֱנוֹשׁ (3) בַּיִת (4) דּוֹד (5) *a.* שְׁאֵר *b.* שַׁאֲרָה

Le. 18. 6. πρὸς πάντα οἰκεῖα σαρκὸς αὐτοῦ (5 *a*)
— 12. B οἰκεία γὰρ πατρός σού ἐστιν (5 *a*)
— 13. οἰκεία γὰρ μητρός σού ἐστιν (5 *a*)
— 17. οἰκεῖαι γάρ σού εἰσιν (5 *b*)
21. 2. ἀλλ' ἢ οἱ τῷ οἰ. τῷ ἔγγιστα αὐτῶν (5 *a*)
25. 49. ἢ ἀπὸ τῶν οἰ. τῶν σαρκῶν αὐ. (5 *a*)
Nu. 25. 5. ἀποκτείνατε ἕκαστος τὸν οἰ. αὐτοῦ (2)
27. 11. δώσετε τὴν κληρονομίαν τῷ οἰ. (5 *a*)
I Ki. 10. 14. εἶπεν ὁ οἰ. αὐ. πρὸς αὐτόν (4)
— 15. εἶπεν ὁ οἰ. πρὸς Σ. (4)
— 16. εἶπε Σ. πρὸς τὸν οἰ. αὐτοῦ (4)
14. 50. Ἀβ. υἱὸς Νηρεὶ υἱοῦ οἰκείου Σ. (4)
I Ch. 4. 21. R γενέσεις οἰκείων [A B οἰκιῶν] ἐφρ. (3)
Jb. 19. 15. A γείτονες οἰκεῖοι θεράποντες [B S γ. οἰκίας] (3)
37. 10. A οἰκεία δὲ τὸ ὕδωρ [B S *al.*] †
Pr. 17. 9. διΐστησι φίλους καὶ οἰκείους (1)
Am. 6. 10. καὶ λήψονται οἱ οἰ. αὐτῶν (4)
Is. 3. 6. ἐπιλήψεται ἄνθρωπος . . . τοῦ οἰ. τοῦ πατρὸς αὐ. (3)
31. 9. ἔχει . . . οἰκείους ἐν Ἱερουσαλήμ †
58. 7. ἀπὸ τῶν οἰ. [S οἰκιῶν] τοῦ σπέρματός σου οὐχ ὑπερόψῃ †
I Ma. 1. 61. A ἐκρέμασαν τοὺς οἰ. [S R οἴκους] αὐ. [S R *al.*]
II Ma. 3. 18. A οἱ δὲ ἐκ τῶν οἰ. [R -κιῶν] . . . ἐξεπήδων
8. 33. A εἰς ἐν οἰ. [? οἰκίον] πεφευγότα [R *al.*]

II Ma. 15. 12. R ἐκμεμελετηκότα πάντα τὰ τῆς ἀρετῆς οἱ. [A ἴδια]
III Ma. 6. 8. ἀπήμαντον πᾶσιν οἱ. ἀνέδειξας

οἰκειότης. (1) שְׁאֵר

Le. 20. 19. τὴν γὰρ οἱ. ἀπεκάλυψεν [A -ας] (1)

οἰκειοῦν.

IV Ma. 5. 26. τὰ μὲν οἰκειωθησόμ. . . . ἐσθίειν

οἰκεσία.

IV Ki. 19. 25. ἐγενήθη εἰς ἐπάρσεις ἀπὸ οἰκεσιῶν μαχίμων †

οἰκέτης. (1) עֶבֶד

Ge. 9. 25. οἰκέτης ἔσται τοῖς ἀδελφοῖς αὐτοῦ (1)
— 26. R καὶ ἔσται Χαναὰν παῖς οἰκέτης [A *om.*] αὐτοῦ (1)
27. 37. τοὺς ἀδ. αὐ. πεποίηκα αὐτοῦ οἰκέτας (1)
44. 16. ἰδού ἐσμεν οἰκέται τῷ κυρίῳ ἡμῶν (1)
— 33. παῖς ἀντὶ τοῦ παιδίου οἰκέτης τοῦ κυρίου (1)
50. 18. οἵδε ἡμεῖς σοι οἰκέται (1)
Ex. 5. 15. σὺ [A *om.*] οὕτως ποιεῖς τοῖς σοῖς οἱ. (1)
— 16. ἄχυρον οὐ δίδοται τοῖς οἱ. σου (1)
12. 44. πάντα οἰκέτην [A *add.* τινός] (1)
21. 26. τὸν ὀφθαλμὸν τοῦ οἱ. αὐτοῦ (1)
— 27. ἐὰν δὲ τὸν ὀδόντα τοῦ οἱ. . . . ἐκκόψῃ (1)
32. 13. Ἰσαὰκ καὶ Ἰακὼβ τῶν σῶν οἱ. (1)
Le. 25. 39. οὐ δουλεύσει σοι δουλείαν οἰκέτου (1)
— 42. οἰκέται μού εἰσιν οὗτοι (1)
— 42. οὐ πραθήσεται ἐν πράσει οἰκέτου (1)
— 55. ἐμοὶ οἱ υἱοὶ Ἰσρ. οἰκέται εἰσίν (1)
Nu. 32. 5. δοθήτω ἡ γῆ αὕτη τοῖς οἱ. [A παισί] σου (1)
De. 5. 15. οἰκέτης ἦσθα ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1)
6. 21. οἰκέται ἤμεν τῷ Φ. (1)
15. 15. οἰκέτης ἦσθα ἐν γῇ Αἰγύπτου (1)
— 17. ἔσται σοι [A σου] οἰκέτης (1)
16. 12. μνησθήσῃ ὅτι οἰκέτης ἐγένου (1)
24. 18. οἰκέτης ἦσθα ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1)
— 20. οἰκέτης ἦσθα ἐν γῇ Αἰγύπτῳ –
— 22. οἰκέτης ἦσθα ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1)
34. 5. B²R ἐτελεύτησε Μ. ὁ [A B¹ *om.*] οἱ. κυρίου (1)
Jo. 5. 14. τί προστάσσεις τῷ σῷ οἱ. (1)
9. 8, 11. οἰκέται σού ἐσμεν (1)
I Es. 3. 19. τήν τε τοῦ οἱ. καὶ τὴν τοῦ ἐλευθέρου
4. 59. καὶ ἐγὼ σὸς οἱ.
To. 8. 9. S ἐκάλεσεν τοὺς οἱ.
— 18. ἐκέλευσε δὲ τοῖς οἱ. [S *al.*]
9. 2. S παράλαβε μετὰ σεαυτοῦ τέσσαρας οἱ. [A B *al.*]
— 5. S ἐπορεύθη Ῥ. καὶ οἱ τέσσαρες οἱ. [A B *om.* κ. οἱ τ. οἱ.]
Pr. 13. 13. οἰκέτῃ δὲ σοφῷ εὔοδοι ἔσονται πράξεις –
17. 2. οἰκέτης νοήμων κρατήσει δεσποτῶν ἀφρόνων (1)
19. 10. ἐὰν οἰκέτης ἄρξηται μεθ' ὕβρεως δυναστεύειν (1)
22. 7. οἰκέται ἰδίοις δεσπόταις δανειοῦσιν (1)
24. 33 (30. 10). μὴ παραδῷς οἰκέτην εἰς χεῖρας δεσπότου (1)
— 57 (30. 22). ἐὰν οἰκέτης βασιλεύσῃ (1)
— 58 (30. 23). S² καὶ οἰκέτης [A B S¹ -ις] ἐὰν ἐκβάλῃ τὴν ἑαυ. κυρίαν †
29. 19. λόγοις οὐ παιδευθήσεται οἰκέτης σκληρός [S¹ σκληροτράχηλος] (1)
— 21. ὃς καταστάταλᾷ ἐκ παιδὸς οἰκέτης ἔσται (1)
Si. 4. 30. μὴ ἴσθι . . . φαντασιοκοπῶν ἐν τοῖς οἱ. σου
6. 11. ἐπὶ τοὺς οἱ. σου παρρησιάσεται
7. 20. μὴ κακώσῃς οἰκέτην ἐργαζόμενον ἐν ἀληθείᾳ
— 21. A S R οἰκέτην συνετὸν [B ἀγαθὸν] ἀγαπάτω σου ἡ ψυχή
10. 25. οἰκέτῃ σοφῷ [S¹ συνετῷ] ἐλεύθεροι λειτουργήσουσι
23. 10. ὥσπερ γὰρ οἰκέτης ἐξεταζόμενος ἐνδελεχῶς
30. 33 (33. 24). ἄρτος καὶ παιδεία καὶ ἔργον οἰκέτῃ
— 35 (33. 26). οἰκέτῃ κακούργῳ στρέβλαι καὶ βάσανοι
— 39 (33. 30), 39 (33. 31). εἰ ἔστι σοι οἰκέτης
36. 22 (19). A S εἰσάκουσον, κύριε, δεήσεως τῶν οἱ. [B ἱκετῶν] σου
37. 11. οἰκέτῃ ἀργῷ περὶ πολλῆς ἐργασίας
42. 5. οἰκέτῃ πονηρῷ πλευρὰν αἱμάξαι
Is. 36. 9. οἰκέται εἰσὶν οἱ πεποιθότες ἐπ' Αἰγ. (1)

οἰκετία.

[Sm. Jb. 1. 3.]

οἰκετικός.

III Ma. 2. 28. εἰς λαογραφίαν καὶ οἱ. διάθεσιν ἀχθῆναι

οἰκέτις. (1) אָמָה (2) שִׁפְחָה

Ex. 21. 7. ἀποδῶται τὴν ἑαυ. θυγατέρα οἰκέτιν (1)
Le. 19. 20. καὶ αὕτη οἱ. διαπεφυλαγμένη (2)
Pr. 24. 58 (30. 23). οἰκέτις [S² -ης] ἐὰν ἐκβάλῃ τὴν ἑαυτῆς κυρίαν (2)
[Aq. Ex. 21. 7.]
[Al. Ex. 2. 5.]

οἴκημα. (1) גֵּב

To. 2. 4. ἀνειλόμην εἴς τι οἱ. [S *al.*]
Wi. 13. 15. ποιήσας αὐτῷ αὐτοῦ [S *om.*] ἄξιον οἴκημα
Ez. 16. 24. ᾠκοδόμησας σεαυτῇ οἱ. πορνικόν (1)

οἴκησις. (1) בִּירָנִית

II Ch. 17. 12. ᾠκοδόμησεν οἰκήσεις (1)
27. 4. ᾠκοδόμησεν . . . οἰκήσεις (1)
To. 13. 12. S καὶ ἐμπυρίζοντες τὰς οἱ. σου
Ju. 7. 14. ἐν ταῖς πλατείαις τῆς οἱ. αὐ.
I Ma. 13. 48. ᾠκοδόμησεν ἑαυτῷ ἐν αὐτῇ οἴκησιν
[Sm. I Ki. 19. 22 : Jb. 38. 20 : Ps. 48 (49). 15 : 90 (91). 9 : 103 (104). 17.]
[Th. Je. 9. 21 (20) : Am. 2. 5.]

οἰκητήριον.

II Ma. 11. 2. τὴν μὲν πόλιν Ἕλλησιν οἰκητήριον ποιήσειν
III Ma. 2. 15. R τὸ μὲν γὰρ οἱ. [A κατοικ.] σου οὐρανὸς . . . ἐστίν
[Aq. Ps. 67 (68). 6 : 90 (91). 9.]
[Sm., Th. Ps. 90 (91). 9.]
[Al. Je. 25. 30 (32. 16).]

οἰκητός. (1) מוֹשָׁב

Le. 25. 29. ἐὰν δέ τις ἀποδῶται οἰκίαν οἱ. (1)
II Ma. 9. 17. πάντα τόπον οἱ. ἐπελεύσεσθαι
III Ma. 4. 3. R τίς τὸ σύνολον οἱ. [A οἴκτιστος] τόπος

οἰκήτωρ. (1) אֹהֶל (2) εἶναι οἱ. שָׁכַן

I Ch. 4. 41. A ἐπάταξαν τοὺς οἱ. [B οἴκους] αὐ. (1)
Pr. 2. 21. A S χρηστοὶ ἔσονται οἰκήτορες γῆς (2)
Wi. 12. 3. τοὺς παλαιοὺς [S πάλαι] οἱ. τῆς ἁγίας σου γῆς μισήσας

οἰκία. (1) אֹהֶל (2) בַּיִת (3) חָצֵר (4) טַף (5) מָבוֹא (6) מוֹשָׁב

Ge. 17. 12. A ὁ οἰκογενὴς τῆς οἱ. σου [R *al.*] (2)
— 13. ὁ οἰκογενὴς τῆς οἱ. σου (2)
19. 3. A εἰσῆλθον εἰς τὴν οἱ. [R τὸν οἶκον] αὐ. (2)
— 4. περιεκύκλωσαν τὴν οἱ. (2)
24. 2. τῷ πρεσβυτέρῳ τῆς οἱ. αὐτοῦ (2)
— 31. ἐγὼ δὲ ἡτοίμασα τὴν οἰκίαν (2)
— 32. εἰσῆλθε δὲ ὁ ἄνθρωπος εἰς τὴν οἱ. (2)
25. 27. ἄνθρωπος ἄπλαστος οἰκῶν οἰκίαν (1)
31. 41. ἐγὼ εἰμι ἐν τῇ οἱ. σου (2)
33. 17. ἐποίησεν ἑαυτῷ ἐκεῖ οἰκίας (2)
34. 29. καὶ ὅσα ἦν ἐν ταῖς οἱ. (2)
39. 9. R οὐχ ὑπερέχει ἐν τῇ οἱ. ταύτῃ [A αὐτοῦ] (2)
— 11. εἰσῆλθεν Ἰωσὴφ εἰς τὴν οἱ. (2)
— 11. R οὐθεὶς ἦν τῶν [A *om.*] ἐν τῇ οἱ. ἔσω (2)
— 14. καὶ ἐκάλεσε τοὺς ὄντας ἐν τῇ οἱ. (2)
43. 16. R εἶπε [A ἐνετείλατο] τῷ ἐπὶ τῆς οἱ. αὐ. (2)
— 16. εἰσάγαγε τοὺς ἀνθρώπους εἰς τὴν οἱ. (2)
— 17. A εἰσήγαγε τοὺς ἀνθρ. εἰς τὴν οἱ. [R τὸν οἶκον] Ἰ. (2)
— 26. εἰσῆλθε δὲ Ἰωσὴφ εἰς τὴν οἱ. (2)
44. 1. τῷ ὄντι ἐπὶ τῆς οἱ. αὐτοῦ (2)
— 4. εἶπε τῷ ἐπὶ τῆς οἱ. αὐτοῦ (2)
50. 8. καὶ πᾶσα ἡ οἱ. ἡ πατρικὴ αὐτοῦ (2)
— 21. διαθρέψω ὑμᾶς καὶ τὰς οἱ. ὑμῶν (4)
Ex. 1. 21. ἐποίησαν ἑαυταῖς οἰκίας (2)
8. 9 (5). ἀφανίσαι τοὺς βατρ. . . . ἐκ τῶν οἱ. ὑμῶν (2)
— 11 (7). ἀπὸ [A ἐκ] τῶν οἱ. ὑμῶν (2)
— 13 (9). ἐτελεύτησαν οἱ βάτραχοι ἐκ τῶν οἱ. (2)
— 21 (17). πλησθήσονται αἱ οἱ. τῶν Αἰγυπτίων (2)
9. 19. ὅσα ἐὰν . . . μὴ εἰσέλθῃ εἰς οἰκίαν (2)
10. 6. καὶ πλησθήσονταί σου αἱ οἱ. (2)
— 6. καὶ αἱ οἱ. τῶν θεραπόντων σου (2)
— 6. καὶ πᾶσαι αἱ οἱ. ἐν πάσῃ γῇ (2)
12. 3. λαβέτωσαν . . . πρόβατον κατ' οἰκίαν (2)
— 4. ἐὰν δὲ ὀλιγοστοὶ ὦσιν οἱ ἐν τῇ οἱ. (2)
— 13. τὸ αἷμα ὑμῖν ἐν σημείῳ ἐπὶ τῶν οἱ. (2)
— 15. ἀφανιεῖτε ζύμην ἐκ τῶν οἱ. ὑμῶν (2)
Ex. 12. 19. ζύμη οὐχ εὑρεθήσεται ἐν ταῖς οἱ. ὑμῶν (2)
— 23. εἰσελθεῖν εἰς τὰς οἱ. ὑμῶν (2)
— 30. οὐ γὰρ ἦν οἱ. ἐν ᾗ οὐκ ἦν . . . τεθνηκώς (2)
— 46. ἐν οἱ. μιᾷ βρωθήσεται (2)
— 46. καὶ οὐκ ἐξοίσετε ἐκ τῆς οἱ. τῶν κρεῶν (2)
20. 17. οὐκ ἐπιθυμήσεις τὴν οἱ. τοῦ πλησίον (2)
22. 7 (6). καὶ κλαπῇ ἐκ τῆς οἱ. τοῦ ἀνθρώπου (2)
— 8 (7). προσελεύσεται ὁ κύριος τῆς οἱ. (2)
Le. 14. 34. δώσω ἀφὴν λέπρας ἐν ταῖς οἱ. τῆς γῆς (2)
— 35. καὶ ἥξει τίνος αὐτοῦ ἡ οἱ. (2)
— 35. ὥσπερ ἀφὴ ἑώραταί μου ἐν τῇ οἱ. (2)
— 36. προστάξει ὁ ἱερεὺς ἀποσκευάσαι τὴν οἱ. (2)
— 36. A B πρὸ τοῦ εἰσελθόντα τὸν ἱ. ἰδεῖν τὴν οἱ. [R ἀφήν] †
— 36. ὅσα ἐὰν ᾖ ἐν τῇ οἱ. (2)
— 36. εἰσελεύσεται ὁ ἱερεὺς καταμαθεῖν τὴν οἱ. (2)
— 37. ἐν τοῖς τοίχοις τῆς οἱ. (2)
— 38. ἐξελθὼν ὁ ἱερεὺς ἐκ τῆς οἱ. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς οἰκίας (2, 2)
— 38. καὶ ἀφοριεῖ ὁ ἱερεὺς τὴν οἱ. (2)
— 39. καὶ ὄψεται τὴν οἱ. –
— 39. ἐν τοῖς τοίχοις τῆς οἱ. (2)
— 41. τὴν οἱ. ἀποξύσουσιν ἔσωθεν κύκλῳ (2)
— 42. καὶ ἐξαλείψουσι τὴν οἱ. (2)
— 43. καὶ ἀνατείλῃ ἐν τῇ οἱ. (2)
— 43. καὶ μετὰ τὸ ἀποξυσθῆναι τὴν οἱ. (2)
— 44. εἰ διακέχυται ἡ ἀφὴ ἐν τῇ οἱ. (2)
— 44. λέπρα ἔμμονός ἐστιν ἐν τῇ οἱ. (2)
— 45. καὶ καθελοῦσι τὴν οἱ. (2)
— 46. ὁ εἰσπορευόμενος εἰς τὴν οἱ. (2)
— 47. ὁ κοιμώμενος ἐν τῇ οἱ. (2)
— 47. καὶ ὁ ἔσθων ἐν τῇ οἱ. (2)
— 48. οὐ διαχεῖται ἡ ἀφὴ ἐν τῇ οἱ. (2)
— 48. μετὰ τὸ ἐξαλειφθῆναι τὴν οἱ. (2)
— 48. καὶ καθαριεῖ ὁ ἱερεὺς τὴν οἱ. (2)
— 49. λήψεται ἀφαγνίσαι τὴν οἱ. δύο ὀρνίθια (2)
— 51. περιρρανεῖ ἐν αὐτοῖς ἐπὶ τὴν οἱ. (2)
— 52. ἀφαγνιεῖ τὴν οἱ. ἐν τῷ αἵματι (2)
— 53. καὶ ἐξιλάσεται περὶ τῆς οἱ. (2)
— 55. καὶ τῆς λέπρας ἱματίου καὶ οἰκίας (2)
25. 29. ἐὰν δέ τις ἀποδῶται οἱ. οἰκητήν (2)
— 30. κυρωθήσεται ἡ οἱ. ἡ οὖσα ἐν πόλει (2)
— 31. αἱ δὲ οἱ. αἱ ἐν ἐπαύλεσιν (2)
— 32. οἰκίαι τῶν πόλεων κατασχέσεως αὐ. (2)
— 33. ἡ διάπρασις αὐ. οἰκιῶν πόλεως κατασχ. (2)
— 33. οἰκίαι τῶν πόλεων τῶν Λ. κατάσχεσις αὐ. (2)
27. 14. ὃς ἂν ἁγιάσῃ τὴν οἱ. αὐ. ἁγίαν τῷ κ. (2)
— 15. ἐὰν δὲ . . . λυτρῶται τὴν οἱ. αὐτοῦ (2)
Nu. 19. 14. B¹ ἐὰν ἀποθάνῃ ἐν τῇ [A B²R *om.*] οἱ. (1)
— 14. πᾶς ὁ εἰσπορευόμ. εἰς τὴν οἱ. (1)
— 14. ὅσα ἐστὶν ἐν τῇ οἱ. (1)
31. 10. B πάσας τὰς πόλεις αὐ. τὰς ἐν ταῖς οἱ. [A R κατοικ.] αὐ. (6)
32. 18. οὐ μὴ ἀποστραφῶμεν εἰς τὰς οἱ. ἡμῶν (2)
De. 5. 21 (18). οὐκ ἐπιθυμήσεις τὴν οἱ. τοῦ πλησίον σου (2)
6. 9. ἐπὶ τὰς φλιὰς τῶν οἱ. ὑμῶν (2)
— 11. οἰκίας πλήρεις πάντων ἀγαθῶν (2)
8. 12. οἱ. καλὰς οἰκοδομήσας (2)
11. 20. ἐπὶ τὰς φλιὰς τῶν οἱ. [A οἴκων] ὑμῶν (2)
15. 16. ἠγάπηκέ σε καὶ τὴν οἱ. σου (2)
20. 5. ὁ οἰκοδομήσας οἱ. καινήν (2)
— 5, 6, 7, 8. ἀποστραφήτω εἰς τὴν οἱ. αὐτοῦ (2)
21. 12. εἰσάξεις αὐτὴν ἔνδον εἰς τὴν οἱ. σου (2)
— 13. B καθίεται [A R -ιεῖται] ἐν τῇ οἱ. σου (2)
22. 2. συνάξεις αὐτὸν ἔνδον εἰς τὴν οἱ. σου (2)
— 8. ἐὰν οἰκοδομήσῃς οἱ. καινήν (2)
— 8. οὐ ποιήσεις φόνον ἐν τῇ οἱ. σου (2)
24. 1 (A² B), 3. ἐξαποστελεῖ αὐτὴν ἐκ τῆς οἱ. αὐ. (2)
— 5. ἀθῷος ἔσται ἐν τῇ οἱ. αὐ. (2)
— 10. εἰσελεύσῃ εἰς τὴν οἱ. αὐ. (2)
25. 14. οὐκ ἔσται ἐν τῇ οἱ. σου μέτρον καὶ μέτρον (2)
26. 11. καὶ ἡ οἱ. [A¹ τῇ οἱ.] σου καὶ ὁ Λ. (2)
— 13. ἐξεκάθαρα τὰ ἅγια ἐκ τῆς οἱ. μου (2)
28. 30. οἰκίαν οἰκοδομήσεις (2)
Jo. 2. 1. εἰσήλθοσαν εἰς οἰκίαν [A τὴν οἱ.] γυναικός (2)
— 3. τοὺς εἰσπεπορευμ. εἰς τὴν οἱ. σου (2)
— 18. συνάξεις . . . εἰς τὴν οἱ. σου (2)
— 19. ὃς ἂν ἐξέλθῃ τὴν θύραν τῆς οἱ. [A τὴν οἱ.] σου ἔξω (2)
— 19. ὅσοι ἐὰν γένωνται μετὰ σοῦ ἐν τῇ οἱ. σου (2)
6. 21 (22). εἰσέλθατε εἰς τὴν οἱ. τῆς γυναικός (2)
— 22 (23). εἰσῆλθον . . . εἰς τὴν οἱ. τῆς γυναικός –
24. 15. ἐγὼ δὲ καὶ ἡ οἱ. [A ὁ οἶκος] μου (2)
Jd. 15. 6. A ἐνέπρησαν τὴν οἱ. τοῦ πατρὸς αὐ. καὶ αὐτήν [B *al.*] †

Jd. 18. 22. οἱ ἄνδρες οἱ ἐν ταῖς οἰ. [A al.] (2)
19. 15. συνάγων αὐτοὺς εἰς οἰκίαν [A τὸν οἶκον] (2)
— 18. συνάγων με εἰς τὴν οἰ. (2)
— 21. A εἰσήγαγεν αὐτὸν εἰς τὴν οἰ. αὐ. [B al.] (2)
— 22. ἐκύκλωσαν τὴν οἰ. (2)
— 22. A τὸν ἄνδρα τὸν κύριον τῆς οἰ. [B τοῦ οἴκου] (2)
— 22. ὃς εἰσῆλθεν [A τὸν ἐλθόντα] εἰς τὴν οἰ. σου (2)
— 23. A ὁ ἀνὴρ ὁ κύριος τῆς οἰ. [B τοῦ οἴκου] (2)
— 23. μετὰ τὸ εἰσελθεῖν τὸν ἄνδρα τ. εἰς τὴν οἰ. μου (2)
20. 5. ἐκύκλωσαν ἐπ' ἐμὲ ἐπὶ τὴν οἰ. [A al.] (2)
I Ki. 21. 15 (16). οὗτος οὐκ εἰσελεύσεται εἰς οἰκίαν (2)
28. 24. ἦν δάμαλις νομὰς ἐν τῇ οἰ. (2)
II Ki. 16. 2. τὰ ὑποζύγια τῇ οἰ. τοῦ βασ. (2)
17. 18. εἰσῆλθαν εἰς οἰκίαν ἀνδρός (2)
— 20. ἦλθαν οἱ παῖδες Ἀβ. . . . εἰς τὴν οἰ. (2)
III Ki. 13. 15. A δεῦρο μετ' ἐμοῦ εἰς τὴν οἰ. [B om. εἰς τ. οἰ.] (2)
IV Ki. 4. 35. ἐπορεύθη ἐν τῇ οἰ. (2)
I Ch. 4. 21. γενέσεις οἰκιῶν ἐφραθὰ ἀβάκ [A al.] (2)
12. 28. καὶ τῆς πατρικῆς οἰ. αὐ. ἄρχοντες (2)
15. 1. ἐποίησεν αὐτῷ οἰκίας (2)
II Es. 6. 11. καθαιρεθήσεται ξύλον ἐκ τῆς οἰ. αὐ. (2)
Ne. 3. 10. καὶ κατέναντι οἰκίας [A -α] αὐτοῦ (2)
4. 14 (8). S παρατάξασθε περὶ . . . οἰκιῶν [A B οἴκων] ὑ. (2)
5. 3. καὶ οἰκίαι ἡμῶν ἡμεῖς διεγγυῶμεν (2)
— 4. καὶ ἀμπελῶνες ἡμῶν καὶ οἰκίαι ἡμῶν –
— 11. ἐπιστρέψατε δὴ . . . οἰκίας αὐτῶν (2)
7. 3. ἀνὴρ ἀπέναντι οἰκίας αὐ. (2)
— 4. οὐκ ἦσαν οἰ. ᾠκοδομημέναι (2)
9. 25. ἐκληρονόμησαν οἰκίας πλήρεις πάντων ἀγαθῶν (2)
To. 7. 1. A B παρεγένετο εἰς τὴν οἰ. Ῥαγουήλ
— 1. εἰσήγαγεν αὐτοὺς εἰς τὴν οἰ. [S al.]
8. 11. ἦλθε Ῥ. εἰς τὴν οἰ. [S τὸν οἶκον]
11. 3. ἑτοιμάσωμεν τὴν οἰ.
— 17. S εἴσελθε εἰς τὴν οἰ. σου
13. 18. S πᾶσαι αἱ οἰ. αὐ. ἐροῦσιν [A B al.]
14. 13. S ἐκληρονόμησεν τὴν οἰ. Ῥ. [A B al.]
Es. 1. 22. ὥστε εἶναι φόβον αὐτοῖς ἐν ταῖς οἰ. αὐ. (2)
7. 8. βιάζῃ ἐν τῇ οἰ. μου (2)
Jb. 1. 10. οὐ σὺ περιέφραξας . . . τὰ ἔσω τῆς οἰ. αὐτοῦ (2)
— 13. ἔπινον οἶνον ἐν τῇ οἰ. τοῦ ἀδελφοῦ αὐτῶν (2)
— 19. ἥψατο τῶν τεσσάρων γωνιῶν τῆς οἰ. καὶ ἔπεσεν ἡ οἰ. ἐπὶ τὰ παιδία σου (2, –)
2. 9. κἀγὼ πλανωμένη [A S² πλανῆτις] . . . οἰκίαν ἐξ οἰκίας [S² add. περιερχομένη] –, –
4. 19. τοὺς δὲ κατοικοῦντας οἰκίας πηλίνας (2)
8. 15. ἐὰν ὑπερείσῃ τὴν οἰ. αὐτοῦ (2)
19. 15. γείτονες οἰκίας [A οἰκεῖοι θεράποντες] (2)
20. 15. ἐξ οἰκίας αὐτοῦ ἐξελκύσει αὐτὸν ἄγγελος †
24. 12. A ἐξ οἰκιῶν ἰδίων ἐξέβαλον αὐτούς [B S al.] –
— 16. διώρυξεν ἐν σκότει οἰκίας (2)
30. 23. οἰκία γὰρ παντὶ θνητῷ γῇ (2)
Ps. 48 (49). 11. οἱ τάφοι αὐτῶν οἰκίαι αὐτῶν εἰς τὸν αἰῶνα (2)
83 (84). 3. στρουθίον εὗρεν ἑαυτῷ οἰκίαν (2)
100 (101). 7. οὐ κατῴκει ἐν μέσῳ τῆς οἰ. μου (2)
103 (104). 17. τοῦ ἐρωδιοῦ ἡ οἰ. ἡγεῖται αὐτῶν (2)
127 (128). 3. ὡς ἄμπελος εὐθηνοῦσα ἐν ταῖς κλίτεσι τῆς οἰ. σου (2)
Pr. 14. 9. οἰκίαι παρανόμων [A ἀφρόνων] ὀφειλήσουσι καθαρισμὸν οἰκίαι δὲ δικαίων δεκταί †, †
— 11. οἰκίαι ἀσεβῶν ἀφανισθήσονται (2)
25. 24. μετὰ γυναικὸς λοιδόρου ἐν οἰκίᾳ κοινῇ (2)
Ec. 10. 18. ἐν ἀργείᾳ χειρῶν στάξει [A στενάξει] ἡ οἰ. (2)
12. 3. ἐὰν σαλευθῶσι φύλακες τῆς οἰ. (2)
Si. 4. 30. S μὴ ἴσθι ὡς λέων ἐν τῇ οἰ. [A B τῷ οἴκῳ] σου
21. 8. ὁ οἰκοδομῶν τὴν οἰ. αὐτοῦ ἐν χρήμασιν ἀλλοτρίοις
— 22. ποὺς μωροῦ ταχὺς εἰς οἰκίαν
— 23. ἄφρων ἀπὸ θύρας παρακύπτει εἰς οἰκίαν
26. 16. κάλλος ἀγαθῆς γυναικὸς ἐν κόσμῳ οἰκίας αὐ.
28. 14. οἰκίας μεγιστάνων κατέστρεψε
29. 23. S² ὀνειδισμὸν οἰκίας σου μὴ ἀκούσῃς
— 24. ζωὴ πονηρὰ ἐξ οἰκίας εἰς οἰκίαν
Si. 29. 27. ἐπεξένωταί μοι ὁ ἀδελφὸς χρεία τῆς οἰ. [B¹ ξενίας]
— 28. ἐπιτίμησις οἰκίας καὶ ὀνειδισμὸς δανειστοῦ
Am. 6. 9. A R ἐὰν ὑπολειφθῶσι δέκα ἄνδρες [B om. ἄν.] ἐν οἰκίᾳ μιᾷ (2)
— 10. ἐρεῖ τοῖς προεστηκόσι τῆς οἰ. (2)
Mi. 2. 9. ἀπορριφήσονται ἐκ τῶν οἰ. τρυφῆς αὐτῶν (2)
Jl. 2. 9. ἐπὶ ταῖς οἰ. [A τὰς οἰ.] ἀναβήσονται (2)
Ze. 1. 13. οἰκοδομήσουσιν οἰκίας (2)
Za. 5. 11. οἰκοδομῆσαι αὐτῷ οἰκίαν ἐν γῇ B. (2)
14. 2. καὶ διαρπαγήσονται αἱ οἰ. (2)
Is. 3. 22. τὰ ἐπιβλήματα τὰ κατὰ τὴν οἰ. †
5. 8. οὐαὶ οἱ συνάπτοντες οἰκίαν πρὸς οἰκίαν (2, 2)
— 9. ἐὰν γὰρ γένωνται οἰκίαι πολλαί (2)
13. 16. τὰς οἰ. αὐτῶν προνομεύσουσι [S¹ al.] (2)
— 21. ἐμπλησθήσονται αἱ οἰ. [A πλ. οἰ.] ἤχου (2)
24. 10. κλείσει οἰκίαν (2)
32. 13. ἐκ πάσης οἰκίας εὐφροσύνη ἀρθήσεται (2)
58. 7. S ἀπὸ τῶν οἰ. [A B οἰκείων] τοῦ σπέρματός σου †
65. 21. οἰκοδομήσουσιν οἰκίας (2)
Je. 5. 6. λύκος ἔως τῶν οἰ. ὠλέθρευσεν αὐτούς †
6. 12. μεταστραφήσονται αἱ οἰ. αὐτῶν εἰς ἑτέρους (2)
16. 8. εἰς οἰκίαν πότου οὐκ εἰσελεύσῃ (2)
17. 22. B S² μὴ ἐκφέρετε βαστάγματα ἐξ οἰκιῶν [A -κων] ὑμῶν (2)
18. 22. γενηθήτω κραυγὴ ἐν ταῖς οἰ. αὐτῶν (2)
19. 13. ἐν πάσαις ταῖς οἰ. ἐν αἷς ἐθυμίασαν (2)
22. 13. ὁ οἰκοδομῶν οἰκίαν αὐτοῦ οὐ μετὰ δικαιοσύνης (2)
36 (29). 5. A S¹ οἰκοδομήσατε οἰκίαν [S² -ας, B -κους] (2)
— 28. οἰκοδομήσατε οἰκίας (2)
39 (32). 15. κτισθήσονται [A κτήσ.] ἀγροὶ καὶ οἰκίαι (2)
— 29. κατακαύσουσι [A καύσωσιν] τὰς οἰ. [S¹ τὴν οἰ.] (2)
40 (33). 4. A S² περὶ οἰκίας [B S¹ οἴκων] τῆς πόλεως ταύτης [S¹ al.] (2)
42 (35). 2. S βάδισον εἰς οἰκίαν [A B -κον] Ἀρχαβείν (2)
— 3. ἐξήγαγον [A ἤγ.] . . . πᾶσαν τὴν οἰ. Ἀρχαβείν (2)
— 7. A R οἰκίας [B S -αν] οὐ μὴ οἰκοδομήσητε (2)
— 9. πρὸς τὸ μὴ οἰκοδομεῖν οἰκίας (2)
43 (36). 12. κατέβη εἰς οἰκίαν [A S -κον] τοῦ βασιλέως (2)
44 (37). 4. S οὐκ ἔδωκαν αὐτὸν εἰς οἰκίαν [A B οἶκον] τῆς φυλακῆς (2)
— 15. ἀπέστειλαν αὐτὸν εἰς τὴν οἰ. Ἰωνάθαν τοῦ γραμματέως ὅτι ταύτην ἐποίησαν εἰς οἰκίαν [A -κον] φυλακῆς (2, 2)
— 16. ἦλθεν Ἱερεμίας εἰς οἰκίαν τοῦ λάκκου (2)
— 18. δίδως με εἰς οἰκίαν φυλακῆς (2)
— 20. τί ἀποστρέφεις με εἰς οἰκίαν Ἰωνάθαν (2)
— 21. ἐνεβάλοσαν αὐτὸν εἰς οἰκίαν τῆς φυλακῆς (3)
45 (38). 7. αὐτὸς ἐν οἰκίᾳ τοῦ βασιλέως (2)
— 11. εἰσῆλθεν εἰς τὴν οἰ. τοῦ βασιλέως τὴν ὑπόγαιον (2)
— 14. ἐκάλεσεν αὐτὸν πρὸς ἑαυτὸν εἰς οἰκίαν ἀσελεσίλ (5)
— 17. ζήσῃ σὺ καὶ ἡ οἰ. σου (2)
— 22. αἱ καταλειφθεῖσαι ἐν οἰκίᾳ βασιλέως (2)
— 26. πρὸς τὸ μὴ ἀποστρέψαι [A S ἐπιστρ.] με εἰς οἰκίαν Ἰωνάθαν (2)
50 (43). 9. ἐν πύλῃ τῆς οἰ. Φαραώ [A om.] (2)
— 12. καύσει πῦρ ἐν οἰκίαις τῶν θεῶν αὐτῶν (2)
— 13. τὰς οἰ. αὐτῶν κατακαύσει ἐν πυρί (2)
52. 11. ἔδωκεν αὐτὸν εἰς οἰκίαν μυλῶνος (2)
— 13. ἐνέπρησε . . . πάσας τὰς οἰ. τῆς πόλεως καὶ πᾶσαν οἰκίαν μεγάλην ἐνέπρησεν (2, 2)
— 31. ἐξήγαγεν αὐτὸν ἐξ οἰκίας (2)
Ep. Je. 13. ἐκμάσσονται τὸ πρόσωπον αὐτῶν διὰ τὸν ἐκ τῆς οἰ. κονιορτόν
— 20. ἔστι μὲν ὥσπερ δοκὸς τῶν ἐκ τῆς οἰ.
— 21. μεμελανωμένοι τὸ πρόσωπον αὐτῶν ἀπὸ τοῦ καπνοῦ τοῦ ἐκ τῆς οἰ. [A γῆς καιομένου]
— 55. ὅταν ἐμπέσῃ εἰς οἰκίαν θεῶν ξυλίνων
— 59. σκεῦος ἐν οἰκίᾳ χρήσιμον . . . θύρα ἐν οἰκίᾳ διασῴζουσα τὰ ἐν αὐτῇ ὄντα
Ez. 11. 3. οὐχὶ προσφάτως ᾠκοδόμηνται αἱ οἰ. (2)
28. 26. οἰκοδομήσουσιν οἰκίας (2)
33. 30. ἐν τοῖς πυλῶσι τῶν οἰ. (2)
Da. LXX. 3. 29 (96). ἡ οἰ. αὐ. δημευθήσεται (2)
Da. TH. Su. 6. προσεκαρτέρουν ἐν τῇ οἰ. Ἰ.
Da. TH. Su. 26. ὡς δὲ ἤκουσαν . . . οἱ ἐκ [A ἀπὸ] τῆς οἰ.
5. 17. τὴν δωρεὰν τῆς οἰ. σου ἑτέρῳ δός –
I Ma. 1. 55. S R ἐπὶ τῶν θυρῶν [A -ρίδων] τῶν οἰ. . . . ἐθυμίων
3. 56. S R εἶπεν τοῖς οἰκοδομοῦσιν οἰκίας [A -αν]
11. 46. S κατελάβοντο οἱ ἐκ τῆς οἰ. [A R πόλεως]
13. 24. S¹ ἀπῆλθεν εἰς τὴν αὐ. οἰ. [A S² R τὴν γῆν αὐ.]
— 47. ἐκαθάρισε τὰς οἰ.
II Ma. 2. 29. τῆς καινῆς οἰ. ἀρχιτέκτονι
3. 18. R οἱ δὲ ἐκ τῶν οἰ. [A -κείων] . . . ἐξεπήδων
5. 12. R τοὺς εἰς τὰς οἰ. [A ἐν ταῖς οἰ.] ἀναβαίνοντας
13. 15. R σὺν τῷ κατ' οἰκίαν ὄχλῳ [A ὄντι]
III Ma. 4. 18. τῶν μὲν κατὰ τὰς οἰ. ἔτι συνεστηκότων
5. 40. A ἀναλύων τὰς οἰ. [R al.]
6. 25. τῆς οἰ. ἀποστήσας ἕκαστον
7. 18. R ἕως εἰς [A ἐπὶ] τὴν ἰδίαν οἰ.
IV Ma. 14. 15. τὰ μὲν ἥμερα κατὰ τὰς οἰ. ὀροφοιτῶντα

[Aq. Ge. 15. 2 : Jo. 2. 19 : Je. 39 (46). 14.]
[Sm. Jo. 2. 19 : III Ki. 5. 11 (25) : 13. 15 : Jb. 4. 19 : 20. 19 : 21. 21 : Ps. 48 (49). 12 : 67 (68). 7 : Je. 37 (44). 16.]
[Th. Ge. 15. 2 : Jo. 2. 19 : III Ki. 13. 15 : Je. 37 (44). 16.]
[Al. Le. 14. 36 : Dt. 6. 7 : Je. 32 (39). 29 : 37 (44). 16, 17.]

οἰκιάζειν (?).
Jb. 37. 10. S¹ οἰκιάζει [A B S² οἰακίζει] δὲ τὸ ὕδωρ ὡς ἐὰν βούληται [A al.] †

οἰκίδιον.
To. 2. 4. S εἰς ἓν τῶν οἰ. ἔθηκα [A B al.]
II Ma. 8. 33. R εἰς ἓν οἰ. [A οἰκεῖον, οἰκίον] πεφευγότας

οἰκίζειν.
Jb. 22. 8. ᾤκισας [A ἐκόμισας] δὲ τοὺς [A S² πτωχοὺς] ἐπὶ τῆς γῆς †
Si. 10. 3. πόλις οἰκισθήσεται ἐν συνέσει δυναστῶν
38. 32. ἄνευ αὐτῶν οὐκ οἰκισθήσεται [A S² -κήσεται, S¹ -κηθήσεται] πόλις

οἰκίον (?).
II Ma. 8. 33. A εἰς ἓν οἰ. πεφευγότα [R al.]

οἰκογενής. (1) בַּיִת (2) בֵּן (3) יָלִיד (4) *a.* בֶּן־בַּיִת *b.* יָלִיד בַּיִת
Ge. 14. 14. ἠρίθμησε τοὺς ἰδίους οἰ. αὐτοῦ (4 *b*)
15. 2. R ὁ δὲ υἱὸς Μασὲκ τῆς οἰ. μου (1)
— 3. R ὁ δὲ οἰ. μου κληρονομήσει με (4 *a*)
17. 12. καὶ οἰ. [A ὁ οἰ. τῆς οἰκίας σου] (4 *a* [2])
— 13. περιτομῇ περιτμηθήσεται ὁ οἰ. τῆς οἰκίας σου (3)
— 23. ἔλαβεν . . . πάντας τοὺς οἰ. αὐτοῦ (4 *b*)
— 27. περιετμήθη . . . καὶ οἱ οἰ. αὐτοῦ [A om.] (4 *b*)
Le. 22. 11. B¹ καὶ οἰκογενεῖς [A B² R οἱ οἰ.] αὐτοῦ (4 *b*)
I Es. 3. 1. ἐποίησε δοχὴν μεγ. . . . πᾶσι τοῖς οἰ. αὐ.
Ec. 2. 7. οἰκογενεῖς ἐγένοντό μοι (4 *a*)
Je. 2. 14. μὴ δοῦλός ἐστιν Ἰσραὴλ ἢ οἰ. ἐστι (4 *b*)

οἰκοδομεῖν. (1) בָּנָה *a.* qal. *b.* ni. *c.* בְּנֶה, בָּנֶא pe. *d.* ithp. (2) כּוּן hithp. (3) עָשָׂה
Ge. 2. 22. ᾠκοδόμησεν . . . τὴν πλευράν (1 *a*)
4. 17. καὶ ἦν οἰκοδομῶν πόλιν (1 *a*)
8. 20. ᾠκοδόμησε Νῶε θυσιαστήριον τῷ κυρίῳ (1 *a*)
10. 11. καὶ ᾠκοδόμησε τὴν Νινευί (1 *a*)
11. 4. δεῦτε οἰκοδομήσωμεν ἑαυτοῖς πόλιν (1 *a*)
— 5. τὸν πύργον ὃν ᾠκοδόμησαν οἱ υἱοί (1 *a*)
— 8. καὶ ἐπαύσαντο οἰκοδομοῦντες τὴν πόλιν (1 *a*)
12. 7. ᾠκοδόμησεν . . . θυσιαστήριον κυρίῳ (1 *a*)
— 8 : 13. 18. ᾠκοδόμησεν . . . θυσιαστήριον τῷ κυρίῳ (1 *a*)
22. 9. ᾠκοδόμησεν ἐκεῖ Ἀβ. τὸ θυσιαστ. (1 *a*)
26. 25 : 35. 7. ᾠκοδόμησεν ἐκεῖ θυσιαστήριον (1 *a*)
Ex. 1. 11. ᾠκοδόμησαν πόλεις ὀχυρὰς τῷ Φ. (1 *a*)
17. 15. ᾠκοδόμησε Μ. θυσιαστήριον κυρίῳ (1 *a*)
20. 25. οὐκ οἰκοδομήσεις αὐτοὺς τμητοὺς (1 *a*)
24. 4. ᾠκοδόμησε θυσιαστήριον ὑπὸ τὸ ὄρος (1 *a*)
32. 5. ᾠκοδόμησε θυσιαστήριον (1 *a*)
Nu. 13. 23 (22). X. ἑπτὰ ἔτεσιν ᾠκοδομήθη πρὸ τοῦ Τάνιν (1 *b*)

Nu. 21. 27. ἵνα οἰκοδομηθῇ . . . πόλις Σ. (1 b)
23. 1. οἰκοδόμησόν μοι ἐνταῦθα ἑπτὰ βωμούς (1 a)
— 14. ᾠκοδόμησεν ἐκεῖ ἑπτὰ βωμούς (1 a)
— 29. οἰκοδόμησόν μοι ὧδε ἑπτὰ βωμούς (1 a)
32. 16. A B[1] ἐπαύλεις προβάτων οἰκοδομήσωμεν [B[2] R -σομεν] (1 a)
— 24. B[1] καὶ οἰκοδομήσητε [A B[2] R -ετε] ὑμῖν αὐτοῖς πόλεις (1 a)
— 34. ᾠκοδόμησαν οἱ υἱοὶ Γὰδ τὴν Δ. (1 a)
— 37. ᾠκοδόμησαν τὴν Ἐσ. (1 a)
— 38. ἃς ᾠκοδόμησαν (1 a)
De. 6. 10. ἃς οὐκ ᾠκοδόμησας (1 a)
8. 12. οἰκίας καλὰς οἰκοδομήσας [A ᾠκ.] (1 a)
20. 5. τίς ὁ ἄνθρ. ὁ οἰκοδομήσας οἰκίαν καινήν (1 a)
— 20. οἰκοδομήσεις χαράκωσιν ἐπὶ τὴν πόλιν (1 a)
22. 8. ἐὰν οἰκοδομήσῃς οἰκίαν καινήν (1 a)
25. 9. ὃς οὐκ οἰκοδομήσει τὸν οἶκον (1 a)
27. 5. οἰκοδομήσεις ἐκεῖ θυσιαστήριον (1 a)
— 6. λίθους ὁλοκλήρους οἰκοδομήσεις (1 a)
28. 30. οἰκίαν οἰκοδομήσεις (1 a)
Jo. 6. 25 (26). ὃς οἰκοδομήσει τὴν πόλιν ἐκείνην (1 a)
9. 2 (8. 30). ᾠκοδόμησεν Ἰ. θυσιαστήριον (1 a)
19. 50. ᾠκοδόμησε τὴν πόλιν (1 a)
21. 40. ᾠκοδόμησεν Ἰ. τὴν πόλιν –
22. 10. ᾠκοδόμησαν . . . ἐκεῖ βωμόν (1 a)
— 11. ᾠκοδόμησαν . . . βωμόν (1 a)
— 16. οἰκοδομήσαντες ὑμῖν ἑαυτοῖς βωμόν (1 a)
— 19. διὰ τὸ οἰκοδομῆσαι ὑμᾶς βωμόν (1 a)
— 23. εἰ ᾠκοδομήσαμεν ἑαυτοῖς βωμόν (1 a)
— 26. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν βωμὸν τοῦτον (1 a)
— 29. ὥστε οἰκοδομῆσαι ἡμᾶς θυσιαστήριον (1 a)
24. 13. ἃς οὐκ [A *om.*] ᾠκοδομήκατε [A -σατε] (1 a)
Jd. 1. 26. ᾠκοδόμησεν ἐκεῖ πόλιν (1 a)
6. 24. ᾠκοδόμησεν ἐκεῖ Γ. θυσιαστήριον (1 a)
— 26. οἰκοδομήσεις θυσιαστήριον τῷ κ. (1 a)
— 28. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τὸ ᾠκοδομημ. [A *al.*] (1 a)
18. 28. ᾠκοδόμησαν τὴν πόλιν (1 a)
21. 4. ᾠκοδόμησαν [A -εν] ἐκεῖ θυσιαστήριον (1 a)
— 23. ᾠκοδόμησαν τὰς [A ἑαυτοῖς] πόλεις (1 a)
Ru. 4. 11. αἱ ᾠκοδόμησαν ἀμφότεραι τὸν οἶκον τοῦ Ἰσρ. (1 a)
I Ki. 2. 35. οἰκοδομήσω αὐτῷ οἶκον πιστόν (1 a)
7. 17. ᾠκοδόμησεν ἐκεῖ θυσιαστήριον (1 a)
14. 35. ᾠκοδόμησεν ἐκεῖ Σ. θυσιαστήριον (1 a)
— 35. τοῦτο ἤρξατο Σ. οἰκοδομῆσαι θυσιαστήριον (1 a)
II Ki. 5. 9. ᾠκοδόμησεν αὐτὴν πόλιν (1 a)
— 11. ᾠκοδόμησαν οἶκον τῷ Δ. (1 a)
7. 5. οὐ σὺ οἰκοδομήσεις μοι οἶκον (1 a)
— 7. οὐκ ᾠκοδομήκατέ μοι οἶκον κέδρινον (1 a)
— 11. οἶκον οἰκοδομήσεις αὐτῷ (3)
— 13. οἰκοδομήσει μοι οἶκον τῷ ὀνόματί μου (1 a)
— 27. οἶκον οἰκοδομήσω σοι (1 a)
24. 21. τοῦ οἰκοδομῆσαι θυσιαστήριον τῷ κ. (1 a)
— 25. ᾠκοδόμησεν ἐκεῖ Δ. θυσιαστήριον (1 a)
III Ki. 3. 1. R οἰκοδομῆσαι [A B *om.*] τὸν οἶκον αὐ. [B *om.* τ. οἶ. αὐ.] (1 a)
— 1. ᾠκοδόμησε τὴν ἄκραν ἔπαλξιν ἐπ' αὐτῆς –
— 1 (*cf.* A 9. 24). ὃν ᾠκοδόμησεν αὐτῇ (1 a)
— 1 (*cf.* A 9. 24). τότε ᾠκοδόμησε τὴν ἄκραν (1 a)
— 1 (*cf.* A 9. 25). ὃ ᾠκοδόμησε τῷ κυρίῳ (1 a)
— 1. ᾠκοδόμησε τὴν Ἀ. –
— 1. μετὰ τὸ οἰκοδομῆσαι αὐτὸν τὸν οἶκον τοῦ κ. –
— 1. ᾠκοδόμησε τὰς πόλεις ταύτας –
— 1 (2. 36). οἰκοδόμησον σεαυτῷ οἶκον (1 a)
— 1. A ἕως οὗ συνετέλεσεν οἰκοδομῶν τὸν οἶκον ἑ. (1 a)
— 1. B ᾠκοδόμησε τὴν Θ. –
— 2. οὐκ ᾠκοδομήθη οἶκος (1 b)
4. 34 (9. 17). B Σαλ. ᾠκοδόμησε τὴν Γ. (1 a)
5. 3 (17). οὐκ ἠδύνατο οἰκοδομῆσαι οἶκον (1 a)
— 5 (19). οἰκοδομήσω οἶκον (1 a)
— 5 (19). οἰκοδομήσει τὸν οἶκον τῷ ὀνόματί μου (1 a)
6. 1. A ᾠκοδόμει τὸν οἶκον τῷ κυρίῳ (1 a)
— 1 (38). A ᾠκοδόμησεν αὐτὸν ἐν ἑπτὰ ἔτεσιν (1 a)
— 2. ὃν ᾠκοδόμησεν ὁ βασ. (1 a)
— 3 (14). ᾠκοδόμησε τὸν οἶκον (1 a)
— 7. ἐν τῷ οἰκοδομεῖσθαι αὐτὸν λίθοις ἀκροτόμοις ἀργοῖς ᾠκοδομήθη (1 b, 1 b)
— 7. ἐν τῷ οἰκοδομεῖσθαι αὐτόν (1 b)
— 9. ᾠκοδόμησε τὸν οἶκον (1 a)
— 10. ᾠκοδόμησε τοὺς ἐνδέσμους (1 a)
— 12. A ὁ οἶκος οὗτος ὃν σὺ οἰκοδομεῖς (1 a)
— 14. A ᾠκοδόμησεν Σαλ. τὸν οἶκον (1 a)
— 15. ᾠκοδόμησε τοὺς τοίχους (1 a)
— 16. ᾠκοδόμησε τοὺς εἴκοσι πήχεις (1 a)
III Ki. 6. 36. ᾠκοδόμησε τὴν αὐλὴν τὴν ἐσωτάτην (1 a)
— 36. B ᾠκοδόμησε καταπέτασμα τῆς αὐλῆς –
7. 1. τὸν οἶκον ἑαυτῷ ᾠκοδόμησε Σαλ. (1 a)
— 2. ᾠκοδόμησε τὸν οἶκον δρυμῷ [A -οῦ] (1 a)
— 12. A ᾠκοδόμησεν αὐλὴν οἴκου κυρίου –
8. 1. B τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίου –
— 13. A ᾠκοδόμησα οἶκον κατοικητηρίου (1 a)
— 16. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον (1 a)
— 17. οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (1 a)
— 18. τοῦ [A *om.*] οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀνόμ. μου (1 a)
— 19. σὺ οὐκ οἰκοδομήσεις τὸν οἶκον (1 a)
— 19. οὗτος οἰκοδομήσει τὸν οἶκον (1 a)
— 20. ᾠκοδόμησα τὸν οἶκον (1 a)
— 27. ὁ οἶκος οὗτος ὃν ᾠκοδόμησα (1 a)
— 43. ὃν ᾠκοδόμησα (1 a)
— 44. οὗ ᾠκοδόμησα τῷ ὀνόματί σου (1 a)
— 48. καὶ τοῦ οἴκου οὗ ᾠκοδόμηκα [A -σα] (1 a)
— 53. ὡς συνετέλεσε τοῦ οἰκοδομῆσαι αὐτόν –
— 53. οἰκοδόμησον οἶκόν μου –
— 65. ἐν τῷ οἴκῳ ᾧ ᾠκοδόμησεν –
9. 1. B[1] R οἰκοδομεῖν [A B[2] -μῶν] τὸν οἶκον κυρίου (1 a)
— 3. ὃν ᾠκοδόμησας (1 a)
— 9. ὃν ᾠκοδόμησεν ἑαυτῷ –
— 10. ἐν οἷς ᾠκοδόμησε Σ. τοὺς δύο οἴκους (1 a)
— 11. A ᾠκοδόμησεν [B ἔδωκεν] ὁ βασ. Σ. τῷ Χ. εἴκοσι πόλεις †
— 24 (3. 1). A ὃν ᾠκοδόμησεν σὺν τὴν Μ. (1 a)
— 25 (3. 1). A ὃν ᾠκοδόμησεν τῷ κυρίῳ (1 a)
10. 4. καὶ τὸν οἶκον ὃν ᾠκοδόμησε (1 a)
— 22 (B), 9. 15 (A). οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κ. (1 a)
— 22 (B), 9. 17 (A). A ᾠκοδόμησεν Σαλ. τὴν Γ. (1 a)
— 22 (B), 9. 19 (A). οἰκοδομῆσαι ἐν Ἱερ. (1 a)
11. 7 (5). ᾠκοδόμησε Σ. ὑψηλὸν τῷ Χ. (1 a)
— 27. ᾠκοδόμησε τὴν ἄκραν (1 a)
— 38. οἰκοδομήσω σοὶ οἶκον πιστὸν καθὼς ᾠκοδόμησα τῷ Δ. (1 a, 1 a)
12. 24. B ᾠκοδόμησε Σαλ. τὴν Σ. –
— 24. B ᾠκοδόμησε τὴν ἄκραν –
— 24. B ᾠκοδόμησεν Ἱερ. ἐκεῖ χάρακα –
— 25. ᾠκοδόμησεν Ἱερ. τὴν Σίκ. (1 a)
— 25. ᾠκοδόμησε τὴν Φ. (1 a)
14. 23. ᾠκοδόμησαν ἑαυτοῖς ὑψηλά (1 a)
15. 17. ᾠκοδόμησε τὴν Ῥ. (1 a)
— 21. τοῦ οἰκοδομεῖν τὴν Ῥ. (1 a)
— 22. ἃ ᾠκοδόμησε B. (1 a)
— 22. ᾠκοδόμησεν . . . πᾶν βουνὸν Βεν. (1 a)
— 23. A R ἃς ᾠκοδόμησεν (1 a)
16. 24. ᾠκοδόμησε τὸ ὄρος (1 a)
— 24. B οὗ ᾠκοδόμησαν [A R -σεν] (1 a)
— 32. ὃν [A ὧν] ᾠκοδόμησεν ἐν Σαμ. (1 a)
— 34. ᾠκοδόμησεν Ἀχ. . . . τὴν Ἱερ. (1 a)
18. 32. ᾠκοδόμησε τοὺς λίθους (1 a)
21 (20). 12. οἰκοδομήσατε χάρακα –
22. 39. ὃν ᾠκοδόμησε (1 a)
IV Ki. 14. 22. ᾠκοδόμησε τὴν Αἰ. (1 a)
15. 35. ᾠκοδόμησε τὴν πύλην οἴκου κυρίου (1 a)
16. 11. ᾠκοδόμησεν Οὐ. . . . τὸ θυσιαστήριον (1 a)
— 18. τὸν θεμέλιον τῆς καθέδρας ᾠκοδόμησεν (1 a)
17. 9. ὧν ᾠκοδόμησαν ἑαυτοῖς ὑψηλά (1 a)
21. 3. ᾠκοδόμησε τὰ ὑψηλά (1 a)
— 4. ᾠκοδόμησε θυσιαστήριον ἐν οἴκῳ κυρίου (1 a)
— 5. ᾠκοδόμησε θυσιαστήριον (1 a)
23. 13. ὃν ᾠκοδόμησε Σαλ. (1 a)
25. 1. ᾠκοδόμησεν ἐπ' αὐτὴν περίτειχος (1 a)
I Ch. 6. 10 (5. 36). ἐν τῷ οἴκῳ ᾧ ᾠκοδόμησε Σαλ. (1 a)
— 32 (17). ἕως οὗ ᾠκοδόμησε Σ. τὸν οἶκον (1 a)
7. 24. ᾠκοδόμησε Βαιθ. τὴν κάτω (1 a)
8. 12. ᾠκοδόμησε τὴν Ὠ. (1 a)
11. 8. ᾠκοδόμησε τὴν πόλιν κύκλῳ (1 a)
14. 1. τοῦ οἰκοδομῆσαι αὐτῷ οἶκον (1 a)
17. 4. οὐ σὺ οἰκοδομήσεις μοι οἶκον (1 a)
— 6. οὐκ ᾠκοδομήκατέ μοι οἶκον κέδρινον (1 a)
— 10. οἰκοδομήσει σε [A σοι] κύριος (1 a)
— 12. αὐτὸς οἰκοδομήσει μοι οἶκον (1 a)
— 25. τοῦ [A *om.*] οἰκοδομῆσαι αὐτῷ οἶκον (1 a)
21. 22. οἰκοδομήσω ἐπ' αὐτῷ θυσιαστήριον (1 a)
— 26. ᾠκοδόμησε Δ. ἐκεῖ θυσιαστήριον (1 a)
22. 2. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ θεῷ (1 a)
— 5. ὁ οἶκος τοῦ οἰκοδομῆσαι τῷ κυρίῳ (1 a)
— 6. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον (1 a)
— 7. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον (1 a)
— 8. οὐκ οἰκοδομήσεις οἶκον (1 a)
— 10. οὗτος οἰκοδομήσει οἶκον (1 a)
— 11. οἰκοδομήσεις οἶκον τῷ κ. θεῷ σου (1 a)
I Ch. 22. 19. οἰκοδομήσατε ἁγίασμα τῷ θεῷ ὑμῶν (1 a)
— 19. εἰς οἶκον τὸν οἰκοδομούμ. τῷ ὀνόμ. κ. (1 b)
28. 2. οἰκοδομῆσαι οἶκον ἀναπαύσεως (1 a)
— 3. οὐκ οἰκοδομήσεις ἐμοὶ οἶκον (1 a)
— 6. A R οἰκοδομήσει [B κληρονομήσει] τὸν οἶκόν μου (1 a)
— 10. οἰκοδομῆσαι αὐτῷ οἶκον (1 a)
29. 16. οἰκοδομηθῆναι οἶκον τῷ ὀνόμ. τῷ ἁγ. σου (1 a)
II Ch. 2. 1 (1. 18). τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον (1 a)
— 3 (2). τοῦ οἰκοδομῆσαι ἑαυτῷ οἶκον (1 a)
— 4 (3). οἰκοδομῶ οἶκον (1 a)
— 5 (4). ὁ οἶκος ὃν ἐγὼ οἰκοδομῶ μέγας (1 a)
— 6 (5). τίς ἰσχύσει οἰκοδομῆσαι αὐτῷ οἶκον (1 a)
— 6 (5). τίς ἐγὼ οἰκοδομῶν αὐτῷ οἶκον (1 a)
— 9 (8). ὁ οἶκος ὃν ἐγὼ οἰκοδομῶ μέγας (1 a)
— 12 (11). ὃς οἰκοδομήσει οἶκον τῷ κυρίῳ (1 a)
3. 1. τοῦ οἰκοδομεῖν τὸν οἶκον κυρίου (1 a)
— 2. A B[2] R ἤρξατο οἰκοδομῆσαι [B[1] -μή] (1 a)
— 3. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον τοῦ θεοῦ (1 a)
6. 2. ᾠκοδόμηκα οἶκον τῷ ὀνόματί σου (1 a)
— 5, 7, 8. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον (1 a)
— 9. οὐκ οἰκοδομήσεις τὸν οἶκον (1 a)
— 9. οἰκοδομήσει τὸν οἶκον τῷ ὀνόματί μου (1 a)
— 10. ᾠκοδόμησα τὸν οἶκον (1 a)
— 18. τίς ὁ οἶκος οὗτος ὃν ᾠκοδόμησα (1 a)
— 33. ὃν ᾠκοδόμησα (1 a)
— 34. οὗ ᾠκοδόμηκα [A -σα] τῷ ὀνόματί σου (1 a)
— 38. οὗ ᾠκοδόμησα τῷ ὀνόματί σου (1 a)
8. 1. ἐν οἷς ᾠκοδόμησε Σ. τὸν οἶκον κυρίου (1 a)
— 2. B ᾠκοδόμησεν αὐτὰς Σαλ. (1 a)
— 4. ᾠκοδόμησε τὴν Θ. (1 a)
— 4. B πάσας τὰς πόλεις τὰς ὀχ. [A R *add.* ἃς] ᾠκοδόμησεν (1 a)
— 5. ᾠκοδόμησε τὴν B. τὴν ἄνω (1 a)
— 6. κατὰ τὴν ἐπιθυμίαν τοῦ οἰκοδομῆσαι (1 a)
— 11. ὃν ᾠκοδόμησεν αὐτῇ (1 a)
— 12. ὃ ᾠκοδόμησεν ἀπέναντι τοῦ ναοῦ (1 a)
9. 3. τὸν οἶκον ὃν ᾠκοδόμησε (1 a)
11. 5. ᾠκοδόμησε πόλεις τειχήρεις (1 a)
— 6. ᾠκοδόμησε τὴν B. (1 a)
14. 6 (5). R καὶ ᾠκοδόμησε (1 a)
— 7 (6). οἰκοδομήσωμεν τὰς πόλεις ταύτας (1 a)
16. 1. ᾠκοδόμησε τὴν Ῥ. (1 a)
— 5. τοῦ μηκέτι οἰκοδομεῖν τὴν Ῥ. (1 a)
— 6. ἃ ᾠκοδόμησε B. (1 a)
— 6. ᾠκοδόμησεν ἐν αὐτοῖς τὴν Γ. (1 a)
17. 12. ᾠκοδόμησεν οἰκήσεις (1 a)
20. 8. ᾠκοδόμησαν [B[1] *om.*] ἐν αὐτῇ ἁγίασμα (1 a)
26. 2. ᾠκοδόμησε τὴν Αἰ. (1 a)
— 6. ᾠκοδόμησε πόλεις Ἀζώτου (1 a)
— 9. ᾠκοδόμησεν Ὀ. πύργους (1 a)
— 10. ᾠκοδόμησε πύργους ἐν τῇ ἐρήμῳ (1 a)
27. 3. ᾠκοδόμησε τὴν πύλην οἴκου κυρίου (1 a)
— 3. ᾠκοδόμησε πολλά (1 a)
— 4. A B πόλεις ᾠκοδόμησεν (1 a)
32. 5. ᾠκοδόμησε πᾶν τὸ τεῖχος (1 a)
— 29. πόλεις ἃς ᾠκοδόμησεν αὐτῷ [A ἑαυ.] (3)
33. 3. ᾠκοδόμησε τὰ ὑψηλά (1 a)
— 4, 5. καὶ ᾠκοδόμησε θυσιαστήρια (1 a)
— 14. μετὰ ταῦτα ᾠκοδόμησε τεῖχος (1 a)
— 15. ἃ ᾠκοδόμησεν ἐν ὄρει οἴκου κυρίου (1 a)
— 19. ἐφ' οἷς ᾠκοδόμησε τὰ ὑψηλά (1 a)
35. 3. ὃν ᾠκοδόμησε Σαλ. (1 a)
36. 23. οἰκοδομῆσαι οἶκον αὐτῷ (1 a)
I Es. 1. 3. ἐν τῷ οἴκῳ ᾧ ᾠκοδόμησε Σ.
2. 4. οἰκοδομῆσαι αὐτῷ [A ἑαυ.] οἶκον
— 5. οἰκοδομείτω τὸν οἶκον
— 8. οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ κυρίῳ
— 18. A B[2] R τὴν πόλιν τὴν ἀποστάτιν . . . οἰκοδομοῦσι [B[1] οἰκοῦσιν]
— 19. ἐὰν οὖν ἡ πόλις αὕτη οἰκοδομηθῇ
— 24. ἐὰν ἡ πόλις αὕτη οἰκοδομηθῇ
— 28. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὴν πόλιν
— 30. ἤρξαντο κωλύειν τοὺς οἰκοδομοῦντας
4. 8. εἶπεν οἰκοδομῆσαι οἰκοδομοῦσιν
— 43. οἰκοδομῆσαι τὴν Ἱερ.
— 45. οἰκοδομῆσαι τὸν ναόν
— 47. οἰκοδομῆσαι τὴν Ἱερ.
— 48. ὅπως οἰκοδομήσωσι μετ' αὐτοῦ τὴν πόλιν
— 51. μέχρι τοῦ οἰκοδομηθῆναι
— 55. καὶ Ἱερ. οἰκοδομηθῆναι
— 63. καὶ οἰκοδομῆσαι Ἱερ.
5. 53. ὁ ναὸς τοῦ θεοῦ οὔπω ᾠκοδόμητο
— 58. ᾠκοδόμησαν οἱ οἰκοδόμοι τὸν ναόν
— 67. οἰκοδομοῦσι τὸν ναὸν τῷ κυρίῳ
— 70. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίῳ

I Es. 5. 71. ἡμεῖς γὰρ μόνοι οἰκοδομήσομεν
— 72. εἶργον τοῦ οἰκοδομεῖν
6. 2. ἤρξαντο οἰκοδομεῖν τὸν οἶκον τοῦ κ.
— 4. τὸν οἶκον τοῦτον οἰκοδομεῖτε
— 9. οἰκοδομοῦντας οἶκον τῷ κ. μέγαν
— 11. οἰκοδομεῖτε τὸν οἶκον τοῦτον
— 14. ᾠκοδομεῖτο οἶκος
— 17. τὸν οἶκον τοῦτον οἰκοδομῆσαι [A -ηθῆναι]
— 19. τὸν ναὸν τοῦ κυρίου οἰκοδομηθῆναι
— 20. οἰκοδομούμενος [A -ον] οὐκ ἔλαβε συντέλειαν
— 24. τὸν οἶκον τοῦ κυρίου . . . οἰκοδομῆσαι
— 27. τὸν οἶκον τοῦ κυρίου ἐκ. οἰκοδομεῖν
— 28. ἐπέταξα ὁλοσχερῶς οἰκοδομῆσαι
II Es. 1. 2. A R τοῦ [B om.] οἰκοδομῆσαι αὐτῷ οἶκον (1 a)
— 3. A R οἰκοδομησάτω τὸν οἶκον θεοῦ Ἰ. (1 a)
— 5. οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον (1 a)
3. 2. ᾠκοδόμησαν τὸ θυσιαστ. θεοῦ Ἰσρ. (1 a)
— 10. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίου (1 a)
4. 1. οἰκοδομοῦσιν οἶκον τῷ κυρίῳ (1 a)
— 2. οἰκοδομήσομεν μεθ' ὑμῶν (1 a)
— 3. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ θεῷ ἡ. (1 a)
— 3. οἰκοδομήσομεν τῷ κ. θεῷ ἡμῶν (1 a)
— 4. ἐνεπόδιζον αὐτοὺς [A -οῖς τοῦ] οἰκοδομεῖν (1 a)
— 12. A R ἣν [B om.] οἰκοδομοῦσι (1 c)
— 13. B ἐὰν ἡ πόλις ἐκ. οἰκοδομηθῇ [A R ἀνοικ.] (1 d)
— 16. ἐὰν ἡ πόλις ἐκ. οἰκοδομηθῇ (1 d)
— 21. ἡ πόλις ἐκ. οὐκ οἰκοδομηθήσεται (1 d)
5. 2. ἤρξαντο οἰκοδομῆσαι [A -μεῖν] τὸν οἶκον (1 c)
— 3. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον (1 c)
— 4. τῶν ἀνδρῶν τῶν οἰκοδομούντων τὴν πόλιν τ. (1 c)
— 8. οἰκοδομεῖται λίθοις ἐκλεκτοῖς (1 d)
— 9. A R τὸν οἶκον τοῦτον οἰκοδομῆσαι [B al.] (1 c)
— 11. οἰκοδομοῦμεν τὸν οἶκον ὃς ἦν ᾠκοδομημ. (1 c, 1 c)
— 11. βασιλεὺς τοῦ Ἰ. μέγας ᾠκοδόμησεν αὐτόν (1 c)
— 13. τὸν οἶκον τοῦ θ. τοῦτον οἰκοδομηθῆναι (1 c)
— 16. ἀπὸ τότε ἕως τοῦ νῦν ᾠκοδομήθη (1 d)
— 17. οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον τοῦ θ. ἐκεῖνον (1 c)
6. 3. A R οἶκος οἰκοδομηθήτω (1 d)
— 7. οἶκον τοῦ θ. ἐκεῖνον οἰκοδομείτωσαν (1 c)
— 8. A B τοῦ οἰκοδομῆσαι [R -ηθῆναι] οἶκον τοῦ θ. ἐκεῖνον (1 c)
— 14. A R οἱ πρεσβύτεροι τῶν Ἰ. ᾠκοδομοῦσαν [B οἰκοδομοῦσιν] (1 c)
— 14. B καὶ ᾠκοδόμησαν [A R ἀνῳκ.] (1 c)
Ne. 2. 18. ἀναστῶμεν καὶ οἰκοδομήσωμεν (1 a)
— 20. A S R καὶ οἰκοδομήσομεν [B -ωμεν] (1 a)
3. 1. ᾠκοδόμησαν τὴν πύλην τὴν προβατ. (1 a)
— 3. τὴν πύλην τὴν ἰχθ. ᾠκοδόμησαν (1 a)
— 13. αὐτοὶ ᾠκοδόμησαν αὐτήν (1 a)
4. 1 (3. 33). οἰκοδομοῦμεν τὸ τεῖχος (1 a)
— 2 (3. 34). οἰκοδομοῦσι τὴν ἑαυτῶν πόλιν †
— 10 (4). οὐ δυνησόμεθα οἱ. ἐν τῷ τείχει (1 a)
— 17 (11). ὀπίσω . . . τῶν οἰκοδομούντων ἐν τῷ τείχει (1 a)
— 18 (12). καὶ ᾠκοδομοῦσαν (1 a)
6. 1. B S[1] ᾠκοδομήθη [A S[2] R -μησα] τὸ τεῖχος (1 a)
— 6. οἰκοδομεῖς τὸ τεῖχος (1 a)
7. 1. ἡνίκα ᾠκοδομήθη τὸ τεῖχος (1 b)
— 4. οὐκ ἦσαν οἰκίαι ᾠκοδομημέναι (1 a)
12. 29. ἐπαύλεις ᾠκοδόμησαν ἑαυτοῖς (1 a)
To. 1. 4. ᾠκοδομήθη εἰς πάσας τὰς γενεὰς τοῦ αἰῶνος
13. 10. ἡ σκηνὴ αὐτοῦ οἰκοδομηθῇ σοι μετὰ χαρᾶς [S al.]
— 16. οἰκοδομηθήσεται Ἱερουσαλήμ
— 16. S αἱ θύραι Ἱερ. . . . οἰκοδομηθήσονται
— 16. S οἱ πύργοι Ἱερ. χρυσίῳ οἰκοδομηθήσονται [A B al.]
14. 5. οἰκοδομήσουσι τὸν οἶκον
— 5. οἰκοδομήσουσιν Ἱερουσαλὴμ ἐντίμως
— 5. ὁ οἶκος τοῦ θεοῦ ἐν αὐτῇ οἰκοδομηθήσεται
Ju. 1. 2. ᾠκοδόμησεν ἐπ' Ἐκβατάνων [S[1] -α]
16. 14. καὶ ᾠκοδόμησε [S -ήθησαν]
Jb. 12. 14. ἐὰν καταβάλῃ τίς οἰκοδομήσει (1 b)
Ps. 27 (28). 5. οὐ μὴ οἰκοδομήσεις αὐτούς (1 a)
50 (51). 18. οἰκοδομηθήτω τὰ τείχη Ἱερουσαλήμ (1 a)
68 (69). 35. οἰκοδομηθήσονται αἱ πόλεις τῆς Ἰουδαίας (1 a)
77 (78). 69. ᾠκοδόμησεν ὡς μονοκερώτων τὸ ἁγίασμα αὐτοῦ (1 a)
88 (89). 2. εἰς τὸν αἰῶνα ἔλεος οἰκοδομηθήσεται (1 b)
— 4. οἰκοδομήσω εἰς γενεὰν καὶ γενεὰν τὸν θρόνον σου (1 a)
Ps. 95 (96). tit. A B[2] S ὅτε ὁ οἶκος ᾠκοδομεῖτο [R -μηται, B[1] οἰκοδομεῖται] –
101 (102). 16. οἰκοδομήσει κύριος τὴν Σιών (1 a)
117 (118). 22. ὃν ἀπεδοκίμασαν οἱ οἰκοδομοῦντες (1 a)
121 (122). 3. Ἱερ. οἰκοδομουμένη ὡς πόλις (1 a)
126 (127). 1. A S[1] ἐὰν μὴ κύριος οἰκοδομήσῃ [A -σει] οἶκον εἰς μάτην ἐκοπίασαν οἱ οἰκοδομοῦντες αὐτόν [S[2] R om.] (1 a, 1 a)
146 (147). 2. οἰκοδομῶν Ἱερουσαλὴμ ὁ κύριος (1 a)
Pr. 9. 1. ἡ σοφία ᾠκοδόμησεν ἑαυτῇ οἶκον (1 a)
14. 1. σοφαὶ γυναῖκες ᾠκοδόμησαν οἴκους (1 a)
24. 3. μετὰ σοφίας οἰκοδομεῖται οἶκος (1 b)
Ec. 2. 4. ᾠκοδόμησά μοι οἴκους (1 a)
3. 3. καιρὸς τοῦ οἰκοδομεῖν [A S -ῆσαι] (1 a)
9. 14. καὶ οἰκοδομήσῃ [S -σει] ἐπ' αὐτὴν χάρακας μεγάλους (1 a)
Ca. 4. 4. ὡς πύργος Δαυὶδ . . . ὁ ᾠκοδομημένος εἰς θαλπιώθ (1 a)
8. 9. οἰκοδομήσωμεν ἐπ' αὐτὴν ἐπάλξεις ἀργυρᾶς (1 a)
Wi. 9. 8. οἰκοδομῆσαι ναὸν ἐν ὄρει ἁγίῳ σου
Si. 21. 8. ὁ οἰκοδομῶν τὴν οἰκίαν αὐτοῦ ἐν χρήμασιν ἀλλοτρίοις
31 (34). 23. εἷς οἰκοδομῶν καὶ εἷς καθαιρῶν
48. 17. ᾠκοδόμησε κρήνας εἰς ὕδατα
49. 7. ἡγιάσθη προφήτης . . . οἰκοδομεῖν
— 12. ἐν ἡμέραις αὐτῶν ᾠκοδόμησαν οἶκον [A B[1] πύργον]
Ho. 8. 14. καὶ ᾠκοδόμησαν τεμένη (1 a)
10. 1. ᾠκοδόμησε στήλας †
Am. 5. 11. οἴκους ξεστοὺς ᾠκοδομήσατε [A ξυστοὺς οἰκοδομήσετε] (1 a)
9. 6. ὁ οἰκοδομῶν εἰς τὸν οὐρανὸν ἀνάβασιν (1 a)
— 14. οἰκοδομήσουσι πόλεις τὰς ἠφανισμένας (1 a)
Mi. 3. 10. οἱ οἰκοδομοῦντες Σιὼν [A om.] ἐν αἵμασι (1 a)
Hb. 2. 12. οὐαὶ ὁ οἰκοδομῶν πόλιν ἐν αἵμασι (1 a)
Ze. 1. 13. καὶ οἰκοδομήσουσιν οἰκίας (1 a)
Hg. 1. 2. ὁ καιρὸς τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίου (1 b)
— 8. οἰκοδομήσατε τὸν οἶκον (1 a)
Za. 5. 11. οἰκοδομῆσαι αὐτῷ οἰκίαν ἐν γῇ B. (1 a)
6. 12. καὶ οἰκοδομήσει τὸν οἶκον κυρίου (1 a)
— 15. καὶ οἰκοδομήσουσιν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (1 a)
8. 9. ὁ ναὸς ἀφ' οὗ ᾠκοδόμηται [S[1] -ήθη] (1 b)
9. 3. καὶ ᾠκοδόμησε Τ. ὀχυρώματα αὐτῇ (1 a)
Ma. 1. 4. αὐτοὶ οἰκοδομήσουσι (1 a)
Is. 5. 2. ᾠκοδόμησα πύργον ἐν μέσῳ αὐτοῦ (1 a)
9. 10 (9). οἰκοδομήσωμεν ἑαυτοῖς πύργον (1 a)
10. 9. οὗ ὁ πύργος ᾠκοδομήθη –
25. 2. τῶν ἀσεβῶν πόλις τὸν αἰῶνα οὐ μὴ οἰκοδομηθῇ (1 b)
44. 26. ὁ λέγων . . . ταῖς πόλεσι τῆς Ἰ. Οἰκοδομηθήσεσθε (1 b)
— 28. ὁ λέγων Ἱερουσαλὴμ, Οἰκοδομηθήσῃ (1 b)
45. 13. οἰκοδομήσει τὴν πόλιν μου (1 a)
49. 17. ταχὺ οἰκοδομηθήσῃ ὑφ' ὧν καθῃρέθης †
54. 14. ἐν δικαιοσύνῃ οἰκοδομηθήσῃ (2)
58. 12. οἰκοδομηθήσονταί σου αἱ ἔρημοι αἰώνιοι (1 a)
60. 10. οἰκοδομήσουσιν ἀλλογενεῖς τὰ τείχη σου (1 a)
61. 4. οἰκοδομήσουσιν ἐρήμους αἰωνίας (1 a)
65. 21. οἰκοδομήσουσιν οἰκίας (1 a)
— 22. οὐ μὴ οἰκοδομήσουσι καὶ ἄλλοι ἐνοικήσουσι (1 a)
66. 1. ποῖον οἶκον οἰκοδομήσετέ μοι (1 a)
Je. 7. 31. ᾠκοδόμησαν τὸν βωμὸν τοῦ Ταφέθ (1 a)
12. 16. οἰκοδομηθήσεται [A -σονται] ἐν μέσῳ τοῦ λαοῦ μου (1 b)
19. 5. ᾠκοδόμησαν ὑψηλὰ τῇ Βάαλ (1 a)
22. 13. ὁ οἰκοδομῶν οἰκίαν αὐτοῦ (1 a)
— 14. ᾠκοδόμησας σεαυτῷ οἶκον σύμμετρον (1 a)
36 (29). 5. οἰκοδομήσατε οἴκους (1 a)
— 28. οἰκοδομήσατε οἰκίας (1 a)
37 (30). 18. οἰκοδομηθήσεται πόλις ἐπὶ τὸ ὕψος [A ἐ. τεῖχος] αὐτῆς (1 b)
38 (31). 4. οἰκοδομήσω σε καὶ οἰκοδομηθήσῃ (1 a, 1 b)
— 28. γρηγορήσω ἐπ' αὐτοὺς τοῦ οἰ. (1 a)
— 38. οἰκοδομηθήσεται [A S[1] -μήσεται] πόλις τῷ κυρίῳ [S[1] λαῷ] (1 b)
39 (32). 31. ἀφ' ἧς ἡμέρας ᾠκοδόμησαν αὐτήν (1 a)
— 35. ᾠκοδόμησαν τοὺς βωμοὺς τῇ Βάαλ (1 a)
40 (33). 7. οἰκοδομήσω αὐτοὺς καθὼς καὶ τὸ πρότερον (1 a)
42 (35). 7. οἰκίας οὐ μὴ οἰκοδομήσητε (1 a)
— 9. πρὸς τὸ μὴ οἰ. [A[1] οἰκεῖν] οἰκίας (1 a)
Je. 49 (42). 10. οἰκοδομήσω ὑμᾶς καὶ οὐ μὴ καθελῶ (1 a)
51. 34 (45. 4). οὗς ἐγὼ ᾠκοδόμησα ἐγὼ καθαιρῶ (1 a)
Ez. 4. 2. οἰκοδομήσεις ἐπ' αὐτὴν προμαχῶνας (1 a)
11. 3. οὐχὶ προσφάτως ᾠκοδόμηνται αἱ οἰκίαι (1 a)
13. 10. οὗτος οἰκοδομεῖ τοῖχον (1 a)
16. 24. ᾠκοδόμησας σεαυτῇ οἴκημα πορνικόν (1 a)
— 25. ᾠκοδόμησας τὰ πορνεῖά σου (1 a)
— 31. τὸ πορνεῖον ᾠκοδόμησας –
21. 22 (27). οἰκοδομῆσαι βελοστάσεις (1 a)
26. 14. οὐ μὴ οἰκοδομηθῇς ἔτι (1 b)
27. 5. κέδρος ἐκ Σενεὶρ ᾠκοδομήθη σοι (1 a)
28. 26. οἰκοδομήσουσιν οἰκίας (1 a)
36. 10. ἡ ἠρημωμένη οἰκοδομηθήσεται [A al.] (1 b)
— 33. οἰκοδομηθήσονται ἔρημοι (1 b)
— 36. ᾠκοδόμησα τὰς καθῃρημένας (1 a)
39. 15. οἰκοδομήσει παρ' αὐτὸ σημεῖον (1 a)
Da. LXX. 4. 27. ἣν ἐγὼ ᾠκοδόμησα (1 c)
9. 25. οἰκοδομήσεις Ἱερ. πόλιν κυρίῳ (1 a)
Da. TH. 4. 27. ἣν ἐγὼ ᾠκοδόμησα (1 c)
9. 25. καὶ τοῦ οἰκοδομῆσαι Ἱερ. (1 a)
— 25. οἰκοδομηθήσεται πλατεῖα (1 b)
I Ma. 1. 14. ᾠκοδόμησαν γυμνάσιον ἐν Ἱερ.
— 33. ᾠκοδόμησαν τὴν πόλιν Δ.
— 47. οἰκοδομῆσαι βωμούς
— 54. ᾠκοδόμησαν [S[1] -σεν] βδέλυγμα ἐρημώσεως
— 54. ᾠκοδόμησαν βωμούς
3. 56. εἶπεν τοῖς οἰκοδομοῦσιν οἰκίας
4. 47. S[2] R ᾠκοδόμησαν [A S[1] -σεν] τὸ θυσιαστήριον
— 48. ᾠκοδόμησαν τὰ ἅγια
— 60. ᾠκοδόμησαν . . . τὸ ὄρος Σιών
5. 1. ᾠκοδομήθη τὸ [S[1] -μητο] θυσιαστήριον
6. 7. A R ὁ ᾠκοδόμησεν [S καὶ ᾠκοδόμουν] ἐπὶ τὸ θυσιαστ.
9. 50. S[2] R ᾠκοδόμησε [A S[1] -σαν] πόλεις ὀχυράς
— 62. ᾠκοδόμησε τὰ καθῃρημένα αὐ.
10. 10. καὶ ἤρξατο οἰκοδομεῖν
— 11. οἰκοδομεῖν τὰ τείχη
— 12. οἷς ᾠκοδόμησε B.
— 44. τοῦ οἰκοδομηθῆναι . . . τὰ ἔργα τῶν ἁγίων
— 45. τοῦ οἰκοδομηθῆναι τὰ τείχη Ἱερ.
— 45. A S τοῦ οἰκοδομῆσαι [R -μηθῆναι] τὰ τείχη
12. 35. τοῦ οἰκοδομῆσαι ὀχυρώματα
— 37. A S[2] R τοῦ [S[1] τῷ] οἰκοδομεῖν τὴν πόλιν [A om. τ. π.]
— 38. ᾠκοδόμησε τὴν Ἄ.
13. 27. ᾠκοδόμησε Σ. ἐπὶ τὸν τάφον
— 33. S R ᾠκοδόμησε Σ. τὰ ὀχυρώματα [A τὸ ὀ.]
— 38. S R ἃ ᾠκοδομήκατε [A -ήσατε]
— 48. ᾠκοδόμησεν ἑαυτῷ ἐν αὐτῇ οἴκησιν
15. 7. ἃ ᾠκοδόμησας
— 39. S οἰκοδομῆσαι Κ. καὶ οἰκοδομῆσαι [A R ὀχυρῶσαι] τὰς πύλας
— 41. καὶ ᾠκοδόμησε τὴν Κ.
16. 9. ἣν ᾠκοδόμησε
— 15. ὃ ᾠκοδόμησε
— 23. ὧν ᾠκοδόμησε
II Ma. 1. 18. A ὁ [R om.] οἰκοδομήσας τό τε ἱερόν
9. 14. καὶ πολυάνδριον οἰκοδομῆσαι
III Ma. 3. 2. A τούτων δὲ οἰκοδομουμένων [R οἰκονομουμ.]
IV Ma. 18. 7. R ἐφύλασσον δὲ τὴν ᾠκοδομημ. [A S -μουμ.] πλευράν

[Aq. Ge. 16. 2 : III Ki. 5. 18 (32) : 6. 10, 16 : 8. 13 *bis* : 9. 24 *bis*, 25 : Ps. 77 (78). 69 : 121 (122). 3 : Je. 45. 4 (51. 34) : 52. 4.]
[Sm. III Ki. 6. 10, 16 : Jb. 3. 14 : Ps. 77 (78). 69 : 88 (89). 5 : 121 (122). 3 : 146 (147). 2 : Is. 45. 13 : Ez. 22. 30 : 27. 4.]
[Th. III Ki. 15. 23 : Ez. 13. 5 : 22. 30 : Da. 9. 25.]

οἰκοδομή. (1) בִּירָה (2) *a.* בִּנְיָה *b.* מִבְנֶה

I Ch. 26. 27. τοῦ μὴ καθυστερῆσαι τὴν οἰ. τοῦ οἴκου –
29. 1. A οὐκ ἀνθρώπῳ ἡ οἰ. [B om. ἡ οἰ.] (1)
II Ch. 3. 2. B[1] ἤρξατο οἰκοδομ [A B[2] R -μῆσαι] (2 a)
I Es. 2. 30. ἤργει ἡ οἰ. τοῦ ἱεροῦ
4. 51. εἰς τὴν οἰ. τοῦ ἱεροῦ δοθῆναι
5. 64. ἦλθοσαν . . . πρὸς τὴν τούτου οἰ.
— 73. τοῦ ἀποτελεσθῆναι [A ἐπιτ.] τὴν οἰ.
— 73. εἴρχθησαν τῆς οἰ.
6. 6. οὐκ ἐκωλύθησαν τῆς οἰ.
— 22. γενομένην τὴν οἰ. τοῦ οἴκου κυρίου
To. 14. 5. A B[2] οἰκοδομηθήσεται εἰς πάσας τὰς γενεὰς τοῦ αἰῶνος οἰκοδομῇ [B[1] S R al.]
Si. 22. 16. ἱμάντωσις ξυλίνη ἐνδεδεμένη [A[1] om.] εἰς οἰκοδομήν

Si. 40. 19. τέκνα καὶ οἰκοδομὴ πόλεως στηρίζουσιν ὄνομα
Ez. 16. 61. δώσω αὐτάς σοι εἰς οἰκοδομήν †
17. 17. ἐν οἰκοδομῇ βελοστάσεων (2 a)
40. 2. ἐπ' αὐτῷ [A -οῦ] ὡσεὶ οἰ. πόλεως ἀπέναντι (2 b)
I Ma. 16. 23. τὰ λοιπὰ . . . τῆς οἰ. τῶν τειχέων
[Aq. Ez. 40. 5.]
[Sm. Ez. 40. 5 : Hb. 2. 11.]
[Th. Ez. 11. 1 (P.).]

οἰκοδόμημα.

[Aq. Am. 9. 1.]

οἰκοδόμος. (1) בָּנָה (2) גָּדַר (3) חָרַשׁ
IV Ki. 12. 11 (12). ἐξέδοσαν . . . τοῖς οἰ. (1)
22. 6. τοῖς τέκτοσι καὶ τοῖς οἰ. (1)
I Ch. 14. 1. ἀπέστειλε X. . . . οἰκοδόμους [A add. τοίχων] (3)
22. 15. τεχνῖται καὶ οἰκοδόμοι λίθων (3)
29. 6. καὶ οἱ οἰ. [A -νόμοι] τοῦ βασ. –
II Ch. 34. 11. ἔδωκαν . . . τοῖς οἰ. (1)
I Es. 5. 58. ᾠκοδόμησαν οἱ οἰ. τὸν ναὸν τοῦ κ.
6. 4. τίνες εἰσὶν οἱ οἰ.
Ne. 4. 18 (12). A S R καὶ οἱ [B om.] οἰ. ἀνὴρ ῥομφαίαν αὐ. ἐζωσμένος (1)
Is. 58. 12. κληθήσῃ οἰ. φραγμῶν (2)
Ez. 40. 3. ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ ἦν σπαρτίον οἰκοδόμων †
[Th. Is. 58. 12.]

οἰκόνδε.

[Aq. Ex. 28. 26 : Ps. 67 (68). 7.]

οἰκονομεῖν. (1) כּוּל pilp.
Ps. 111 (112). 5. οἰκονομήσει τοὺς λόγους αὐτοῦ ἐν κρίσει (1)
II Ma. 3. 14. τὴν περὶ τούτων ἐπίσκεψιν οἰκονομήσων
III Ma. 3. 2. R τούτων δὲ οἰκονομουμένων [A οἰκοδ.]
[Sm. Ps. 111 (112). 5.]

οἰκονομία. (1) מְמִשְׁלָה (2) מַצָּב
Is. 22. 19. ἀφαιρεθήσῃ ἐκ τῆς οἰ. σου (2)
— 21. τὴν οἰ. σου δώσω εἰς τὰς χεῖρας αὐτοῦ (1)

οἰκονόμος. (1) עַל־הַבַּיִת (2) רַב בַּיִת (3) פְּקִדָּה
III Ki. 4. 6. Ἀχ. ἦν οἰκονόμος καὶ Ἐλ. ὁ οἰ. (1, –)
16. 9. ἐν τῷ οἴκῳ Ω. τοῦ οἰ. ἐν Θ. ( )
18. 3. ἐκάλεσεν Ἀχ. τὸν Ἀβδ. τὸν οἰ. (
IV Ki. 18. 18, 37. Ἐλ. υἱὸς Χελ. ὁ οἰ. (1)
19. 2. ἀπέστειλεν Ἐλ. τὸν οἰ. (1)
I Ch. 29. 6. A καὶ οἱ οἰ. [B -δόμοι] τοῦ βασ. –
I Es. 4. 47. B ἔγραψεν . . . πρὸς πάντας [A R add. τοὺς] οἰ.
— 49. πάντα . . . οἰ. μὴ [A[1] καὶ] ἐπελεύσεσθαι
8. 67. ἀπέδωκαν τὰ προστάγμ. . . . τοῖς βασιλικοῖς οἰ.
Es. 1. 8. καὶ ἐπέταξε τοῖς οἰ. (2)
8. 9. ὅσα ἐνετείλατο τοῖς οἰ. (3)
Is. 36. 3. Ἐλιακεὶμ ὁ τοῦ Χελκίου ὁ οἰ. (1)
— 11. S[1] εἶπε πρὸς αὐτὸν Ἐλιακεὶμ ὁ τοῦ Χ. ὁ οἰ. [A B S[2] om. ὁ τ. Χ. ὁ οἰ.] –
— 22. εἰσῆλθεν Ἐλιακεὶμ ὁ τοῦ Χελκίου ὁ οἰ. (1)
37. 2. ἀπέστειλεν Ἐλιακεὶμ τὸν οἰ. (1)

οἰκόπεδον. (1) חָרְבָּה
Ps. 101 (102). 6. ἐγενήθην ὡσεὶ νυκτικόραξ ἐν οἰκοπέδῳ (1)
108 (109). 10. ἐκβληθήτωσαν ἐκ τῶν οἰ. αὐτῶν (1)
Si. 49. 13. ἀνεγείραντος τὰ οἰ. ἡμῶν

οἶκος. (1) אֹהֶל (2) אַרְמוֹן (3) אֶרֶץ
(4) בִּירָה (5) בַּיִת (6) בִּיתָן (7) בֵּן
(8) *a.* הֵיכָל *b.* הֵיכַל (9) זְבוּל (10) לִשְׁכָּה
(11) מַחֲנֶה (12) מָעוֹן (13) מָקוֹם
(14) *a.* מִשְׁכָּן *b.* שָׁכֵן (15) נָאֶה (16) נַחֲלָה
(17) עֵבֶר (18) קֹדֶשׁ (19) קָהָל (20) תַּחַת
(21) οἰ. πατριᾶς (πατριῶν) מִשְׁפָּחָה
Ge. 7. 1. εἴσελθε σὺ καὶ πᾶς ὁ οἰ. σου (5)
9. 21. ἐγυμνώθη ἐν τῷ οἴ. αὐ. (1)
— 27. κατοικησάτω ἐν τοῖς οἴ. τοῦ Σήμ (1)
12. 1. ἔξελθε . . . ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ πατρός σου (5)
— 15. R εἰσήγαγον αὐτὴν εἰς τὸν οἴ. Φ. [A al.] (5)
— 17. τὸν Φαραὼ καὶ τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
17. 23. τῶν ἀνδρῶν τῶν ἐν τῷ οἴ. Ἀβραάμ (5)
Ge. 17. 27. καὶ πάντες οἱ ἄνδρες τοῦ οἴ. αὐτοῦ (5)
18. 19. τοῖς υἱοῖς αὐτοῦ καὶ τῷ οἴ. αὐτοῦ (5)
19. 2. R ἐκκλίνατε εἰς [A πρὸς] τὸν οἰ. τοῦ παιδ. (5)
— 3. R εἰσῆλθον εἰς τὸν οἴ. [A τὴν οἰκίαν] αὐτοῦ (5)
— 10. εἰσεσπάσαντο τὸν Λ. . . . εἰς τὸν οἴ. (5)
— 10. καὶ τὴν θύραν τοῦ οἴ. ἀπέκλεισαν –
— 11. τοὺς ὄντας ἐπὶ τῆς θύρας τοῦ οἴ. (5)
20. 13. ἐξήγαγέ με ὁ θ. ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ πατρός (5)
— 18. μήτραν ἐν τῷ οἴ. [A add. τοῦ] Ἀβιμέλεχ (5)
24. 7. ἔλαβέ με ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ πατρός μου (5)
— 27. εὐώδωκε κ. εἰς οἴ. τοῦ ἀδελφοῦ (5)
— 28. ἀνήγγειλεν εἰς τὸν οἴ. τῆς μητρός (5)
— 38. εἰς τὸν οἴ. τοῦ πατρός μου πορεύσῃ (5)
— 40. καὶ ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ πατρός (5)
— 67. εἰς τὸν οἴ. τῆς μητρὸς αὐτοῦ (1)
27. 15. ἣ ἦν παρ' αὐτῇ ἐν τῷ οἴ. (5)
28. 2. ἀπόδραθι . . . εἰς τὸν οἴ. Βαθουήλ (5)
— 17. οὐκ ἔστι τοῦτο ἀλλ' ἢ οἴ. θεοῦ (5)
— 19. τὸ ὄνομα τοῦ τόπου, Οἶκος θεοῦ (5)
— 21. εἰς τὸν οἴ. τοῦ πατρός μου (5)
— 22. ὁ λίθος οὗτος . . . ἔσται μοι οἴ. θεοῦ (5)
29. 13. εἰσήγαγεν αὐτὸν εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
30. 30. πότε ποιήσω κἀγὼ ἐμαυτῷ οἶκον (5)
31. 14. κληρονομία ἐν τῷ οἴ. τοῦ πατρὸς ἡμῶν (5)
— 30. εἰς τὸν οἴ. τοῦ πατρός σου ἀπελθεῖν (5)
— 33. ἠρεύνησεν εἰς τὸν οἴ. Λείας (1)
— 33. R ἐξῆλθεν [A ἐξελθὼν] ἐκ τοῦ οἴ. Λείας (1)
— 33. R ἠρεύνησε [A add. εἰς] τὸν οἴ. Ἰακώβ καὶ ἐν τῷ οἴ. τῶν δύο παιδισκῶν (1, 1)
— 33. εἰσῆλθε δὲ . . . εἰς τὸν οἴ. Ῥαχήλ (1)
— 35. ἠρεύνησε Λάβαν ἐν ὅλῳ τῷ οἴ. –
— 37. πάντα τὰ σκεύη τοῦ οἴ. μου –
— 37. ἀπὸ πάντων τῶν σκευῶν τοῦ οἴ. μου (5)
34. 19. πάντων τῶν ἐν τῷ οἴ. τοῦ πατρὸς αὐ. (5)
— 26. ἔλαβον τὴν Δ. ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ Συχέμ (5)
— 30. ἐκτριβήσομαι ἐγὼ καὶ ὁ οἴ. μου (5)
35. 2. εἶπε δὲ Ἰ. τῷ οἴ. αὐτοῦ (5)
36. 6. πάντα τὰ σώματα τοῦ οἴ. αὐτοῦ (5)
38. 11. κάθου χήρα ἐν τῷ οἴ. τοῦ πατρός σου (5)
— 11. ἐκάθητο ἐν τῷ οἴ. τοῦ πατρὸς αὐτῆς (5)
39. 2. ἐγένετο ἐν τῷ οἴ. παρὰ τῷ κυρίῳ (5)
— 4. κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ τοῦ οἴ. αὐτοῦ (5)
— 5. μετὰ τὸ καταστῆναι αὐτὸν ἐπὶ τοῦ οἴ. αὐ. (5)
— 5. ηὐλόγησε κύριος τὸν οἴ. τοῦ Αἰγυπτίου (5)
— 5. ἐν τῷ οἴ. καὶ ἐν τῷ ἀγρῷ αὐτοῦ (5)
— 8. οὐ γινώσκει . . . οὐδὲν ἐν τῷ οἴ. αὐτοῦ (5)
— 16. ἦλθεν ὁ κύριος εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
41. 10. ἐν φυλακῇ ἐν τῷ οἴ. τοῦ ἀρχιμαγείρου (5)
— 40. σὺ ἔσῃ ἐπὶ τῷ οἴ. μου (5)
42. 33. R τῆς σιτοδοσίας τοῦ οἴ. [A om. τ. οἴ.] ὑμῶν (5)
43. 17. R εἰς τὸν οἴ. [A τὴν οἰκίαν] Ἰωσήφ (5)
— 18. εἰσήχθησαν εἰς τὸν οἴ. τοῦ Ἰωσήφ (5)
— 19. τὸν ἐπὶ τοῦ οἴ. τοῦ Ἰωσήφ (5)
— 19. ἐν τῷ πυλῶνι τοῦ οἴ. (5)
— 26. προσήνεγκαν . . . τὰ δῶρα . . . εἰς τὸν οἴ. (5)
44. 8. πῶς ἂν κλέψαιμεν ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ κυρίου σου (5)
45. 2. ἀκουστὸν ἐγένετο εἰς τὸν οἴ. Φαραώ (5)
— 8. καὶ κύριον παντὸς τοῦ οἴ. αὐτοῦ (5)
— 16. διεβοήθη ἡ φωνὴ εἰς τὸν οἴ. Φαραώ (5)
46. 27. πᾶσαι ψυχαὶ οἴκου Ἰακὼβ αἱ εἰσελθοῦσαι (5)
— 31. οἱ ἀδελφοί μου καὶ ὁ οἴ. τοῦ πατρός (5)
47. 12. τοῖς ἀδελφοῖς καὶ παντὶ τῷ οἴ. τοῦ πατρός (5)
— 14. εἰσήνεγκεν . . . εἰς τὸν οἴ. Φαραώ (5)
— 24. A R καὶ πᾶσι τοῖς ἐν τοῖς [B om. ἐν τ.] οἴ. ὑμῶν (5)
50. 7. οἱ πρεσβύτεροι τοῦ οἴ. αὐτοῦ (5)
Ex. 6. 14. ἀρχηγοὶ οἴκων πατριῶν αὐτῶν (5)
— 17. υἱοὶ Γεδσὼν . . . οἶκοι πατριᾶς αὐτῶν (21)
— 19. οὗτοι οἱ [A om.] οἰ. πατριῶν Λευί (21)
7. 23. εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
8. 3 (7. 28). εἰσελεύσονται εἰς τοὺς οἴ. σου (5)
— 3 (7. 28). ἐπὶ [A εἰς] τοὺς οἴ. τῶν θεραπόντων (5)
— 21 (17). ἐξαποστέλλω . . . ἐπὶ τοὺς οἴ. ὑμῶν (5)
— 24 (20). παρεγένετο . . . εἰς τοὺς οἴ. Φαραώ (5)
— 24 (20). καὶ εἰς τοὺς οἴ. τῶν θεραπόντων (5)
9. 20. συνήγαγε τὰ κτήνη αὐτοῦ εἰς τοὺς οἴ. (5)
12. 3. κατ' οἴκους πατριῶν (5)
— 7. θήσουσιν . . . ἐπὶ τὴν φλιὰν ἐν τοῖς οἴ. (5)
— 22. οὐκ ἐξελεύσεσθε . . . τὴν θύραν τοῦ οἴ. αὐ. (5)
— 27. ἐσκέπασε τοὺς οἴ. τῶν υἱῶν Ἰσραήλ (5)
— 27. τοὺς δὲ οἴ. ἡμῶν ἐρρύσατο (5)
13. 3. ἐξήλθατε ἐκ γῆς Αἰγ. ἐξ οἴκου δουλείας (5)
— 14. ἐξήγαγε κ. ἡμᾶς . . . ἐξ οἴκου δουλείας (5)
Ex. 16. 29. καθήσεσθε ἕκαστος εἰς τοὺς οἴ. ὑμῶν (20)
— 29. A ἐκπορευέσθω ἕκ. ἐκ τοῦ οἴ. [B τόπου] αὐτοῦ (13)
19. 3. τάδε ἐρεῖς τῷ οἴ. Ἰακώβ (5)
20. 2. ἐκ γῆς Αἰγύπτου ἐξ οἴκου δουλείας (5)
— 22. τάδε ἐρεῖς τῷ οἴ. Ἰακώβ –
23. 19. εἰσοίσεις εἰς τὸν οἴ. κυρίου τοῦ θεοῦ (5)
34. 26. θήσεις [A εἰσοίσεις] εἰς τὸν οἴ. κυρίου (5)
Le. 9. 7. ἐξίλασαι περὶ σεαυτοῦ καὶ τοῦ οἴ. σου †
10. 6. οἱ δὲ ἀδ. ὑμῶν πᾶς ὁ [A om.] οἴ. Ἰσραήλ (5)
— 14. σὺ καὶ οἱ υἱοί σου καὶ ὁ οἴ. σου †
14. 8. διατρίψει ἔξω τοῦ οἴ. αὐτοῦ (1)
16. 6. περὶ αὐτοῦ καὶ τοῦ οἴ. αὐτοῦ (5)
— 11. A B αὐτοῦ καὶ τοῦ οἴ. αὐτοῦ [R al.] –
— 11, 17. περὶ αὐτοῦ καὶ τοῦ οἴ. αὐτοῦ (5)
— 24. περὶ αὐτοῦ καὶ περὶ τοῦ οἴ. αὐτοῦ –
22. 13. ἐπαναστρέψει ἐπὶ τὸν οἴ. τὸν πατρικόν (5)
26. 45. ὅτε ἐξήγαγον αὐτοὺς . . . ἐξ οἴκου δουλείας –
Nu. 1. 2. κατ' οἴκους πατριῶν (5)
— 4. κατ' οἴκους πατριῶν ἔσονται (5)
— 20, 22, 26, 28, 30, 32, 34, 36, 24, 38, 40, 42. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
— 44. κατὰ φυλὴν οἴκων πατριᾶς ἦσαν (5)
2. 2, 32, 34 : 3. 15, 20. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
3. 24. ὁ ἄρχων οἴκου πατριᾶς τοῦ δήμου τοῦ Γ. (5)
— 30. ὁ ἄρχων οἴκου πατριῶν τῶν δημῶν τοῦ Κ. (5)
— 35. ὁ ἄρχων οἴκου πατριῶν τοῦ δήμου τοῦ Μ. (5)
4. 2. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
— 4. A κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν –
— 22, 29, 34, 38, 40, 42. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
— 44. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν –
— 46. κατ' οἴκους πατριῶν (5)
7. 2. ἄρχοντες οἴκων πατριῶν αὐτῶν (5)
9. 15. ἐκάλυψεν ἡ νεφ. . . . τὸν οἴ. τοῦ μαρτυρίου (1)
12. 7. ἐν ὅλῳ τῷ οἴ. μου πιστός ἐστι (5)
14. 12. ποιήσω . . . τὸν οἴ. τοῦ πατρός σου εἰς ἔθνος μέγα –
16. 30. καταπίεται . . . τοὺς οἴ. αὐτῶν –
— 32. κατέπιεν . . . τοὺς οἴ. αὐτῶν (5)
17. 2 (17). ῥάβδον κατ' οἴκους πατριῶν (5)
— 2 (17). κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
— 3 (18). κατὰ φυλὴν οἴκου πατριῶν αὐτῶν (5)
— 6 (21). κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
— 8 (23). ἐβλάστησεν ἡ ῥάβδος Α. εἰς οἶκον Λ. (5)
18. 1. B οἱ υἱοί σου καὶ ὁ οἴ. πατριᾶς [A R τοῦ πατρός] σου (5)
— 11, 13. πᾶς καθαρὸς ἐν τῷ οἴ. σου ἔδεται αὐτά (5)
— 31. ὑμεῖς καὶ οἱ οἴ. ὑμῶν (5)
19. 18. περιρρανεῖ ἐπὶ τὸν οἴ. (1)
20. 29. ἔκλαυσαν τὸν Α. . . . πᾶς οἴ. Ἰσρ. (5)
22. 18. ἐὰν δῷ μοι Β. πλήρη τὸν οἴ. αὐ. ἀργυρίου (5)
24. 5. ὡς καλοὶ οἱ [A om.] οἰ. σου (1)
— 13. ἐάν μοι δῷ Β. πλήρη τὸν οἴ. αὐ. ἀργυρίου (5)
25. 14. ἄρχων οἴκου πατριᾶς τῶν Σ. (5)
— 15. οἴκου πατριᾶς ἐστι τῶν Μ. (5)
26. 2. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
30. 4. ἐν τῷ οἴ. τοῦ πατρὸς αὐτῆς (5)
— 11. ἐν τῷ οἴ. τοῦ ἀνδρὸς αὐτῆς (5)
— 17. ἐν οἴκῳ πατρός (5)
34. 14. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
36. 1. ἔναντι τῶν ἀρχόντων οἴκων πατριῶν †
De. 3. 29. ἐνεκαθήμεθα . . . σύνεγγυς οἴκου Φ. (5)
4. 46. ἐν φάραγγι ἐγγὺς οἴκου Φ. (5)
5. 6. ἐξ οἴκου δουλείας (5)
— 30 (27). ἀποστράφητε ὑμεῖς εἰς τοὺς οἴ. ὑμῶν (1)
6. 7. καθήμενος ἐν οἴκῳ (5)
— 12. ἐξ οἴκου δουλείας (5)
— 22. ἐν Φαραῷ καὶ ἐν τῷ οἴ. αὐτοῦ (5)
7. 8. ἐξ οἴκου δουλείας (5)
— 26. οὐκ εἰσοίσεις βδέλυγμα εἰς τὸν οἴ. σου (5)
8. 14. ἐξ οἴκου δουλείας (5)
11. 6. κατέπιεν . . . τοὺς οἴ. αὐτῶν (5)
— 19. καθημένου σου ἐν οἴκῳ (5)
— 20. A ἐπὶ τὰς φλιὰς τῶν οἴ. [B -κιῶν] ὑμῶν (5)
12. 7. ὑμεῖς καὶ οἱ οἴ. ὑμῶν (5)
13. 10 (11). ἐξ οἴκου δουλείας (5)
14. 26. A R σὺ καὶ ὁ οἴ. [B υἱός] σου (5)
15. 20. σὺ καὶ ὁ οἴ. σου (5)
16. 7. ἐλεύσῃ εἰς τοὺς οἴ. σου (1)

De. 19. 1. καὶ κατοικήσητε . . . ἐν τοῖς οἴ. αὐτῶν (5)
22. 21. A ἐπὶ τὰς θύρας οἴκου [B om.] τοῦ πατρὸς αὐ. (5)
— 21. ἐκπορνεῦσαι τὸν οἴ. τοῦ πατρὸς αὐ. (5)
23. 1 (2). A² οὐκ εἰσελεύσεται . . . εἰς οἶκον [B ἐκκλησίαν] κ. (19)
— 18 (19). οὐ προσοίσεις . . . εἰς τὸν οἴ. κυρίου (5)
25. 9. ὃς οὐκ οἰκοδομήσει τὸν οἴ. τοῦ ἀδ. αὐ. (5)
— 10. οἶκος τοῦ ὑπολυθέντος τὸ ὑπόδημα (5)
26. 15. κάτιδε ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ ἁγίου σου (12)
34. 6. ἔθαψαν αὐτὸν . . . ἐγγὺς οἴκου Φ. (5)
Jo. 2. 12. ἐν τῷ οἴ. τοῦ πατρός μου (5)
— 13. ζωγρήσατε τὸν οἴ. τοῦ πατρός μου –
— 13. B καὶ πάντα τὸν οἴ. μου –
— 18. πάντα τὸν οἴ. τοῦ πατρός σου συνάξεις (5)
6. 16 (17). ὅσα ἐστὶν ἐν τῷ οἴ. αὐτῆς (5)
— 24 (25). πάντα [A om.] τὸν οἴ. τὸν πατρικὸν αὐ. ἐζώγρησεν (5)
7. 14. προσάξετε κατ' οἶκον [A οἴκους] (5)
— 14. τὸν οἴ. . . . προσάξετε κατ' ἄνδρα (5)
13. 17. καὶ οἴκου [A -ους] M. (5)
20. 6. A ἐλεύσεται . . . πρὸς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
22. 4. ἀπέλθατε εἰς τοὺς οἴ. ὑμῶν (1)
— 6. ἐπορεύθησαν εἰς τοὺς οἴ. αὐτῶν (1)
— 7. ἐξαπέστειλεν αὐτοὺς Ἰ. εἰς τοὺς οἴ. αὐ. (1)
— 8. ἀπήλθοσαν εἰς τοὺς οἴ. αὐτῶν (1)
— 14. ἄρχων εἷς ἀπὸ οἴκου πατριᾶς (1)
— 14. ἄρχοντες οἴκων πατριῶν εἰσι (5)
24. 15. A ἐγὼ δὲ καὶ ὁ οἴ. [B ἡ οἰκία] μου (5)
Jd. 1. 23. A παρενέβαλον οἶκος Ἰσρ. κατὰ B. [B al.] (5)
— 35. ἐβαρύνθη χεὶρ οἴκου Ἰ. ἐπὶ τὸν Ἀμ. (5)
2. 1. ἀνέβη . . . ἐπὶ τὸν οἴ. Ἰσρ. –
— 6. A ἀπῆλθαν . . . ἕκαστος εἰς τὸν οἴ. αὐ. [B al.] (16)
4. 17. εἰρήνη ἦν . . . ἀνὰ μέσον οἴκου X. (5)
6. 8. B ἐξήγαγον ὑμᾶς ἐξ οἴκου δουλείας ὑμῶν (5)
— 15. ἐν οἴκῳ πατρός μου [A al.] (5)
— 27. ἐφοβήθη τὸν οἴ. τοῦ πατρὸς αὐ. (5)
8. 27. ἐγένετο . . . τῷ οἴ. αὐτοῦ εἰς σκῶλον (5)
— 29. ἐκάθισεν ἐν οἴκῳ [A τῷ οἴ.] αὐτοῦ (5)
— 35. οὐκ ἐποίησαν ἔλεος μετὰ τοῦ οἴ. Ἰ. (5)
9. 1. ἐλάλησε . . . πρὸς πᾶσαν συγγένειαν [A τὴν σ. τοῦ] οἴκου πατρὸς μητρὸς αὐτοῦ (5)
— 4. ἔδωκαν αὐτῷ . . . ἐξ [A ἐκ τοῦ] οἴκου B. (5)
— 5. εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἴ. τοῦ πατρὸς αὐ. (5)
— 6. καὶ πᾶς [A add. ὁ] οἴ. B. (5)
— 16. εἰ ἀγαθωσύνην ἐποιήσατε . . . μετὰ τοῦ οἴ. αὐ. (5)
— 18. ἐπανέστητε ἐπὶ τὸν οἴ. τοῦ πατρός μου (5)
— 19. εἰ ἐν ἀληθείᾳ . . . ἐποιήσατε . . . μετὰ τοῦ οἴ. αὐ. (5)
— 20. καὶ καταφάγοι . . . τὸν οἴ. B. (5)
— 20. ἐξέλθοι πῦρ . . . ἐκ [A ἀπὸ] τοῦ οἴ. B. (5)
— 23. ἠθέτησαν ἄνδρες Σ. ἐν τῷ οἴ. Ἀβ. –
— 27. εἰσήνεγκαν εἰς οἶκον θεοῦ αὐτῶν (5)
— 46. A εἰσῆλθον εἰς τὸ ὀχύρωμα οἴκου τοῦ B. [B al.] (5)
10. 9. A ἐκπολεμῆσαι . . . ἐν τῷ οἴ. Ἐφρ. [B al.] (5)
11. 2. οὐ κληρονομήσεις ἐν τῷ οἴ. τοῦ πατρὸς ἡ. (5)
— 7. ἐξεβάλετέ με ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ πατρός μου (5)
— 26. A ἐν τῷ οἴ. Ἰσρ. [B οἰκῆσαι] ἐν Ἐσ. †
— 31. ὃς ἂν ἐξέλθῃ ἀπὸ τῆς θύρας τοῦ οἴ. μου (5)
— 34. ἦλθεν Ἰ. . . . εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
12. 1. τὸν οἴ. σου ἐμπρήσομεν (5)
14. 15. μή ποτε κατακαύσωμεν . . . τὸν οἴ. τοῦ πατρός σου (5)
— 19. ἀνέβη εἰς τὸν οἴ. τοῦ πατρὸς αὐ. (5)
15. 6. R ἐνέπρησαν . . . τὸν οἴ. τοῦ πατρὸς αὐ. [A B al.] –
16. 21. ἦν ἀλήθων ἐν οἴκῳ τοῦ δεσμωτηρίου [A al.] (5)
— 25. καλέσατε τὸν Σ. ἐξ οἴκου φυλακῆς –
— 25. ἐκάλεσαν τὸν Σ. ἀπὸ οἴκου δεσμωτηρίου [A ἐξ οἴ. τῆς φυλακῆς] (5)
— 26. ἐφ' οἷς ὁ οἴ. στήκει ἐπ' αὐτούς [A al.] (5)
— 27. ὁ οἴ. πλήρης τῶν ἀνδρῶν (5)
— 29. περιέλαβε Σ. τοὺς δύο κίονας τοῦ οἴ. ἐφ' οὓς ὁ οἴ. εἱστήκει [A al.] (†, 5)
— 30. ἔπεσεν ὁ οἴ. (5)
— 31. κατέβησαν . . . ὁ [A πᾶς ὁ] οἴ. τοῦ πατρὸς αὐ. (5)
17. 4. ἐγενήθη ἐν οἴκῳ [A τῷ οἴ.] M. (5)
— 5. ὁ οἴ. [A ἀνὴρ] M. αὐτῷ οἶκος θεοῦ (†, 5)
Jd. 17. 8. καὶ ἕως οἴκου M. (5)
— 12. B ἐγένετο ἐν [A R ἐν τῷ] οἴκῳ M. (5)
18. 2. ἦλθον . . . ἕως οἴκου M. (5)
— 3. ἠυλίσθησαν . . . ἐν οἴκῳ M. [A al.] (5)
— 13. ἦλθον ἕως οἴκου M. (5)
— 14. ἔστιν ἐν τῷ οἴ. τούτῳ [A τοῖς οἴ. τ.] ἐφόδ (5)
— 15. B¹ εἰσῆλθον εἰς τὸν οἴ. τοῦ νεανίσκου τοῦ Λ. [A R add. εἰς τὸν, B² add. εἰς] οἶκον M. (5, 5)
— 17 (18). εἰσῆλθον ἐκεῖ [A om.] εἰς οἶκον M. (5)
— 19. εἶναί σε ἱερέα οἴκου ἀνδρὸς ἑνός (5)
— 19. ἱερέα . . . οἴκου εἰς δῆμον Ἰσρ. [A al.] –
— 22. αὐτοὶ ἐμάκρυναν ἀπὸ οἴκου M. [A al.] (5)
— 22. A οἱ ἄνδρες ὁ λαὸς οἱ ὄντες ἐν τοῖς οἴ. οἱ σὺν τῷ οἴ. μετὰ M. [B al.] (5, 5)
— 25. προσθήσουσι . . . τὴν ψυχὴν τοῦ οἴ. σου (5)
— 26. ἐπέστρεψεν εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
— 28. ἐν τῇ κοιλάδι τοῦ οἴ. Ῥ. [A al.] (5)
— 31. ἃς ἦν ὁ οἴ. τοῦ θεοῦ ἐν Σ. (5)
19. 2. ἀπῆλθε . . . εἰς οἶκον [A τὸν οἴ. τοῦ] πατρὸς αὐ. (5)
— 3. εἰσήνεγκεν αὐτὸν εἰς οἶκον [A ἕως οἴκου] πατρὸς αὐ. (5)
— 15. A ὁ συνάγων αὐτοὺς εἰς τὸν οἴ. [B εἰς οἰκίαν] (5)
— 18. εἰς τὸν οἴ. μου ἐγὼ πορεύομαι [A ἀποτρέχω] (5)
— 21. εἰσήνεγκεν αὐτὸν εἰς τὸν οἴ. [A τὴν οἰκίαν] αὐ. (5)
— 22. τὸν ἄνδρα τὸν κύριον τοῦ οἴ. [A τῆς οἰκίας] (5)
— 23. ὁ ἀνὴρ ὁ κύριος τοῦ οἴ. [A τῆς οἰκίας] (5)
— 26. παρὰ τὴν θύραν [A add. τοῦ πυλῶνος] τοῦ οἴ. (5)
— 27. ἤνοιξε τὰς θύρας τοῦ οἴ. (5)
— 27. παρὰ τὰς θύρας τοῦ οἴ. [A al.] (5)
— 29. A ἦλθεν εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (13)
20. 8. B οὐκ ἐπιστρέψομεν ἀνὴρ εἰς [AR add. τὸν] οἶκον αὐ. (5)
Ru. 1. 8. εἰς οἶκον μητρὸς [A τὸν οἴ. τοῦ πατρὸς] αὐ. (5)
— 9. ἑκάστη ἐν οἴκῳ ἀνδρὸς αὐτῆς (5)
4. 11. τὴν γυν. σου τὴν εἰσπορευομ. εἰς τὸν οἴ. σου (5)
— 11. ᾠκοδόμησαν ἀμφότεραι τὸν οἴ. τοῦ Ἰσρ. (5)
— 12. γένοιτο ὁ οἴ. σου ὡς ὁ οἴ. Φ. (5, 5)
I Ki. 1. 7. ἐν τῷ ἀναβαίνειν αὐτὴν εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 19. εἰσῆλθεν Ἐ. εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
— 21. ἀνέβη . . . πᾶς ὁ οἴ. αὐτοῦ (5)
— 24. εἰσῆλθεν εἰς [A add. τὸν] οἶκον κυρίου (5)
2. 11. A ἀπῆλθεν εἰς Ἀρμ. εἰς τὸν οἴ. αὐ. [B om. εἰς τ. οἴ. αὐ.] (5)
— 27. ἀπεκαλύφθη πρὸς οἶκον πατρός σου (5)
— 27. ὄντων αὐτῶν . . . δούλων τῷ οἴ. Φ. (5)
— 28. ἐξελεξάμην τὸν οἴ. τοῦ πατρός σου †
— 28. ἔδωκα τῷ οἴ. τοῦ πατρός σου (5)
— 30. ὁ οἴ. σου καὶ ὁ οἴ. τοῦ πατρός σου (5, 5)
— 31. ἐξολεθρεύσω . . . τὸ σπέρμα οἴκου πατρός σου (5)
— 32. οὐκ ἔσται σου πρεσβύτης ἐν οἴκῳ μου (5)
— 32. A οὐκ ἔσται πρεσβύτης ἐν τῷ οἴ. σου (5 ?)
— 33. πᾶς περισσεύων οἴκου σου (5)
— 35. οἰκοδομήσω αὐτῷ οἶ. πιστόν (5)
— 36. ὁ περισσεύων ἐν οἴκῳ [A add. σου] (5)
3. 3. A ἐκάθευδεν ἐν τῷ οἴ. κυρίου [B ναῷ] (8 a)
— 12. ὅσα ἐλάλησα εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)
— 13. ἐκδικῶ ἐγὼ τὸν οἴ. αὐ. (5)
— 14. ὤμοσα τῷ οἴ. Ἠ. (5)
— 14. εἰ ἐξιλασθήσεται ἀδικία οἴκου Ἠ. (5)
— 15. ἤνοιξε τὰς θύρας οἴκου κυρίου (5)
5. 2. εἰσήνεγκαν αὐτὴν εἰς οἶκον Δ. (5)
— 3. εἰσῆλθον εἰς οἶκον Δ. –
— 5. οὐκ ἐπιβαίνουσιν . . . πᾶς ὁ εἰσπορευόμ. εἰς οἶκον Δ. ἐπὶ βαθμὸν οἴκου Δ. (5, –)
6. 7. ἀπαγάγετε τὰ τέκνα . . . εἰς οἶκον (5)
— 10. τὰ τέκνα αὐ. ἀπεκώλυσαν εἰς οἶκον (5)
7. 1. εἰσάγουσιν αὐτὴν εἰς οἶκον Ἀμ. (5)
— 2. ἐπέβλεψε πᾶς [A add. ὁ] οἴ. Ἰσρ. ὀπίσω κυρίου (5)
— 3. εἶπε Σαμ. πρὸς πάντα οἴ. Ἰσρ. (5)
— 17. ἐκεῖ ἦν ὁ οἴ. αὐτοῦ (5)
9. 18. ποῖος ὁ [A om.] οἴ. τοῦ βλέποντος (5)
— 20. οὐ σοὶ καὶ [A add. παντὶ] τῷ οἴ. τοῦ πατρός σου (5)
10. 26. Σ. ἀπῆλθεν εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)
15. 34. Σ. ἀνέβη εἰς τὸν [A om.] οἴ. αὐ. (5)
I Ki. 17. 25. A τὸν οἴ. τοῦ πατρὸς αὐ. ποιήσει ἐλεύθερον (5)
18. 2. A ἐπιστρέψαι ἐν τῷ οἴ. τοῦ πατρὸς αὐ. (5)
— 10. A προσφήτευσεν ἐν μέσῳ οἴκου αὐ. (5)
19. 9. καὶ αὐτὸς ἐν οἴκῳ καθεύδων (5)
— 11. ἀπέστειλε Σ. ἀγγέλους εἰς οἶκον Δ. (5)
20. 15. οὐκ ἐξαρεῖς ἔλεός σου ἀπὸ τοῦ οἴ. μου (5)
— 15 (16). εὑρεθῆναι [A ἐξαρθ.] τὸ ὄν. τοῦ Ἰων. ἀπὸ τοῦ οἴ. Δ. (5)
22. 1. οἱ ἀδ. αὐ. καὶ [A add. πᾶς] ὁ οἴ. τοῦ πατρὸς αὐ. (5)
— 14. καὶ ἔνδοξος ἐν τῷ οἴ. σου (5)
— 15. καὶ ἐφ' ὅλον τὸν οἴ. τοῦ πατρός μου (5)
— 16. σὺ καὶ πᾶς ὁ οἴ. τοῦ πατρός σου (5)
— 22. αἴτιος τῶν ψυχῶν οἴκου τοῦ πατρός σου (5)
23. 18. Ἰων. ἀπῆλθεν εἰς οἶκον αὐτοῦ (5)
24. 22. οὐκ ἀφανεῖς τὸ ὄν. μου ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ πατρός μου (5)
25. 1. θάπτουσιν αὐτὸν ἐν οἴκῳ αὐτοῦ (5)
— 6. ὁ οἴ. σου καὶ πάντα τὰ σὰ ὑγιαίνοντα (5)
— 17. συντετέλεσται . . . εἰς [A add. πάντα] τὸν οἴ. αὐ. (5)
— 28. ποιήσει . . . οἴ. πιστόν [A om.] (5)
— 35. ἀνάβηθι . . . εἰς οἶκόν σου (5)
— 36. B¹ R καὶ ἴδοὺ αὐτῷ πότος [B² add. ἐν οἴκῳ αὐ., A add. ἐν τῷ οἴ. αὐ.] (5)
27. 3. οἱ ἄνδρες αὐ. ἕκαστος καὶ ὁ οἴ. αὐ. (5)
II Ki. 1. 12. ἔκλαυσαν . . . ἐπὶ τὸν οἴ. Ἰσρ. (5)
2. 3. ἕκαστος καὶ ὁ οἴ. αὐτοῦ (5)
— 4. τοῦ βασιλεύειν ἐπὶ τὸν οἴ. Ἰούδα (5)
— 7. ἐμὲ κέχρικεν ὁ οἴ. Ἰούδα (5)
— 10. A πλὴν τοῦ οἴ. Ἰ. οἱ ἦσαν ὀπίσω Δ. (5)
— 11. A ἃς Δ. ἐβασίλευσεν . . . ἐπὶ τὸν οἴ. Ἰ. (5)
3. 1. ἀνὰ μέσον τοῦ οἴ. Σ. καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ οἴ. Δ. (5, 5)
— 1. ὁ οἴ. Δ. ἐπορεύετο –
— 1. ὁ οἴ. Σ. ἐπορεύετο (5)
— 6. ἀνὰ μέσον τοῦ [A om.] οἴ. Σ. καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ [A om.] οἴ. Δ. (5, 5)
— 6. A² B Ἀβ. ἦν κρατῶν τοῦ οἴ. Σ. (5)
— 8. ἐποίησα σήμ. ἔλεος μετὰ τοῦ οἴ. Σ. (5)
— 8. οὐκ ἠυτομόλησα εἰς τὸν οἴ. Δ. †
— 10. περιελεῖν τὴν βασιλείαν ἀπὸ τοῦ οἴ. Σ. (5)
— 12. ἐπιστρέψαι πρὸς σὲ πάντα τὸν οἴ. Ἰσρ. –
— 19. ὅσα ἤρεσεν . . . ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς οἴ. B. (5)
— 29. καταντησάτωσαν . . . ἐπὶ πάντα τὸν οἴ. τοῦ πατρὸς αὐ. (5)
— 29. μὴ ἐκλίποι ἐκ τοῦ οἴ. Ἰ. γονορρυής (5)
4. 5. εἰσῆλθον . . . εἰς οἶκον Ἰεβ. (5)
— 6. ἡ θυρωρὸς τοῦ οἴ. ἐκάθαιρε πυρούς †
— 7. εἰσῆλθον εἰς τὸν οἴ. (5)
— 11. ἀπεκτάγκασιν ἄνδρα δίκαιον ἐν τῷ οἴ. αὐ. (5)
5. 9 (8). οὐκ εἰσελεύσονται εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 9. ᾠκοδόμησεν . . . τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
— 11. ᾠκοδόμησαν οἶκον τῷ Δ. (5)
6. 3. AB ἦρεν αὐτὴν εἰς οἶκον [R ἐξ οἴκου] Ἀμ. (5)
— 4. A ἦραν αὐτὴν ἀπὸ οἴκου Ἀμ. (5)
— 10. ἀπέκλινεν αὐτὴν Δ. εἰς οἶκον Ἀβ. (5)
— 11. ἐκάθισεν ἡ κιβ. τοῦ κ. εἰς οἶκον Ἀβ. [A al.] (5)
— 11. εὐλόγησε κύριος ὅλον τὸν οἴ. Ἀβ. [A al.] (5)
— 12. εὐλόγησε κύριος τὸν οἴ. Ἀβ. (5)
— 12. ἀνήγαγε τὴν κιβ. τοῦ κ. ἐκ τοῦ οἴ. Ἀβ. (5)
— 15. Δ. καὶ πᾶς ὁ οἴ. Ἰσρ. ἀνήγαγον τὴν κιβ. κυρίου (5)
— 19. ἀπῆλθε πᾶς ὁ λαὸς ἕκαστος εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)
— 20. ἐπέστρεψε Δ. εὐλογῆσαι τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
— 21. ὃς ἐξελέξατό με . . . ὑπὲρ πάντα τὸν οἴ. αὐ. (5)
7. 1. ἐκάθισεν . . . ἐν τῷ οἴ. αὐτοῦ (5)
— 2. κατοικῶ ἐν οἴ. κεδρίνῳ (5)
— 5. οὐ σὺ οἰκοδομήσεις μοι οἶκον (5)
— 6. οὐ κατῴκηκα ἐν οἴκῳ (5)
— 7. οὐκ ᾠκοδομήκατέ μοι οἴ. κέδρινον (5)
— 11. οἶκον οἰκοδομήσεις αὐτῷ (5)
— 13. οἰκοδομήσει μοι οἶκον τῷ ὀνόματί μου (5)
— 16. πιστωθήσεται ὁ οἴ. αὐτοῦ (5)
— 18. τίς ὁ οἴ. μου (5)
— 19. ἐλάλησας ὑπὲρ τοῦ οἴ. τοῦ δούλου σου (5)
— 25. ὃ ἐλάλησας περὶ . . . τοῦ οἴ. αὐτοῦ (5)
— 26. A ὁ οἴ. τοῦ δούλου σου Δ. ἔσται ἀνωρθωμένος (5)
— 27. οἶκον οἰκοδομήσω σοι (5)
— 29. εὐλόγησον τὸν οἴ. τοῦ δούλου σου (5)
— 29. εὐλογηθήσεται ὁ οἴ. τοῦ δούλου σου (5)
9. 1. εἰ ἔστιν ἔτι ὑπολελειμμένος τῷ οἴ. Σ. (5)
— 2. ἐκ τοῦ οἴ. Σ. παῖς ἦν (5)

II Ki. 9. 3. εἰ ὑπολέλειπται ἐκ τοῦ οἴ. [A τῷ οἴ.] Σ. ἔτι ἀνήρ (5)
— 4. ἰδοὺ ἐν οἴκῳ M. (5)
— 5. ἔλαβεν αὐτὸν ἐκ τοῦ οἴ. M. (5)
— 9. A ὅσα ἐστὶ . . . ὅλῳ τῷ οἴ. αὐ. δέδωκα τῷ οἴ. τῷ κυρίῳ [B τῷ υἱῷ τοῦ κ.] σου (5,7 ?)
— 12. πᾶσα ἡ κατοίκησις αὐ. οἶκου Σ. (5)
11. 2. περιεπάτει ἐπὶ τοῦ δώματος τοῦ οἴ. τοῦ βασ. (5)
— 4. ἀπέστρεψεν [A *add.* αὐτὴν] εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)
— 8. κατάβηθι εἰς τὸν οἴ. σου (5)
— 8. ἐξῆλθεν Οὐ. ἐξ οἴκου τοῦ βασ. (5)
— 9. A παρὰ τῇ θύρᾳ οἴκου [B *om.*] τοῦ βασ. (5)
— 9. οὐ κατέβη εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
— 10. οὐ κατέβη Οὐ. εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
— 10. τί ὅτι οὐ κατέβης εἰς τὸν οἴ. σου (5)
— 11. εἰσελεύσομαι εἰς τὸν οἴ. μου (5)
— 13. εἰς τὸν οἴ. αὐ. οὐ κατέβη (5)
— 27. συνήγαγεν αὐτὴν εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
12. 8. ἔδωκά σοι τὸν οἴ. τοῦ κυρίου σου (5)
— 8. ἔδωκά σοι τὸν οἴ. Ἰσρ. (5)
— 10. οὐκ ἀποστήσεται ῥομφαία ἐκ τοῦ οἴ. σου (5)
— 11. ἐξεγείρω ἐπὶ σὲ κακὰ ἐκ τοῦ οἴ. σου (5)
— 15. ἀπῆλθε N. εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)
— 17. ἀνέστησαν ἐπ' αὐτὸν οἱ πρεσβύτ. τοῦ οἴ. (5)
— 20. εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἴ. τοῦ θεοῦ (5)
— 20. εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
13. 7. ἀπέστειλε Δ. . . . εἰς τὸν οἴ. (5)
— 7. πορεύθητι δὴ εἰς τὸν οἴ. (5)
— 8. ἐπορεύθη Θ. εἰς τὸν οἴ. (5)
— 17. τὸ παιδάριον αὐ. τὸν προεστηκότα τοῦ οἴ. †
— 20. ἐκάθισε Θ. χηρεύουσα ἐν οἴκῳ Ἀβ. (5)
14. 8. ὑγιαίνουσα βάδιζε εἰς τὸν οἴ. σου (5)
— 9. καὶ ἐπὶ τὸν οἴ. τοῦ πατρός μου (5)
— 24. ἀποστραφήτω εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
— 24. ἀπέστρεψεν [A ἐπ.] Ἀβ. εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)
— 31. ἦλθε πρὸς Ἀβ. εἰς τὸν οἴ. (5)
15. 16. ἐξῆλθεν ὁ βασ. καὶ πᾶς ὁ οἴ. αὐτοῦ (5)
— 16. φυλάσσειν τὸν οἴ. (5)
— 17. ἔστησαν ἐν οἴκῳ τῷ μακράν (5)
— 35. ὃ ἐὰν ἀκούσῃς ἐξ οἴκου τοῦ βασ. (5)
16. 3. ἐπιστρέψουσί μοι [A *add.* ὁ] οἶκος Ἰσρ. τὴν βασ. (5)
— 5. ἐκ συγγενείας οἴκου Σαούλ (5)
— 8. ἐπέστρεψεν ἐπὶ σὲ κ. πάντα τὰ αἵματα τοῦ οἴ. Σ. (5)
— 21. φυλάσσειν τὸν οἴ. (5)
17. 23. ἀπῆλθεν εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
— 23. ἐνετείλατο τῷ οἴ. αὐτοῦ (5)
— 23. A ἐτάφη ἐν τῷ οἴ. [B τάφῳ] τοῦ πατρὸς αὐ. †
19. 5 (6). εἰσῆλθεν Ἰ. . . . εἰς τὸν οἴ. (5)
— 11 (12). τοῦ ἐπιστρέψαι πρὸς τὸν βασ. εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
— 11 (12). R ἦλθε πρὸς τὸν βασ. εἰς τὸν οἴ. αὐ. [A B *om.* εἰς τὸν οἴ. αὐ.] (5)
— 12 (13). τοῦ ἐπιστρέψαι τὸν βασ. εἰς τὸν οἴ. αὐ. –
— 17 (18). καὶ Σ. τὸ παιδάριον τοῦ οἴ. Σ. (5)
— 18 (19). B ἐξεγεῖραι [A R τοῦ ἐξ.] τὸν οἴ. τοῦ βασ. (5)
— 20 (21). πρότερος παντὸς οἴ. Ἰ. (5)
— 28 (29). οὐκ ἦν πᾶς ὁ οἴ. [A πάροικος] τοῦ πατρός μου (5)
— 30 (31). μετὰ τὸ παραγενέσθαι τὸν κ. μου . . . εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)
— 33 (34). A διαθρέψω τὸν οἴ. [B τὸ γῆράς] σου †
— 41 (42). διεβίβασαν . . . τὸν οἴ. αὐ. τὸν Ἰορδ. (5)
20. 3. εἰσῆλθε Δ. εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
— 3. ἃς ἀφῆκε φυλάσσειν τὸν οἴ. (5)
— 3. ἔδωκεν αὐτὰς ἐν οἴκῳ φυλακῆς (5)
21. 1. ἐπὶ Σ. καὶ ἐπὶ τὸν οἴ. αὐ. ἀδικία (5)
— 4. μετὰ Σ. καὶ μετὰ τοῦ οἴ. αὐ. (5)
— 22. ἐν Γὲθ τῷ Ῥ. οἶκος [A *om.*] –
23. 5. οὐ γὰρ οὕτος ὁ οἴ. μου μετὰ ἰσχυροῦ (5)
24. 17. γενέσθω δὴ ἡ χείρ σου . . . ἐν τῷ οἴ. τοῦ πατρός μου (5)
III Ki. 1. 53. δεῦρο εἰς τὸν οἴ. σου (5)
2. 24. ἐποίησέ μοι οἶκον (5)
— 27. ὃ ἐλάλησεν ἐπὶ τὸν οἴ. Ἠ. (5)
— 31. ἀπ' ἐμοῦ καὶ ἀπὸ τοῦ οἴ. τοῦ πατρός μου (5)
— 33. τῷ οἴ. αὐτοῦ . . . γένοιτο εἰρήνη (5)
— 34. ἔθαψεν αὐτὸν ἐν τῷ οἴ. αὐτοῦ (5)
3. 1. ἕως συντελέσαι αὐτὸν [A *add.* τὸν οἴ. αὐ. καὶ] τὸν οἴ. κυρίου [R *al.*] (5, 5)
— 1 (*cf.* A 9. 24). θυγάτηρ Φ. ἀνέβαινεν . . . εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)
— 1 (*cf.* A 9. 25). συνετέλεσε τὸν οἴ. (5)
III Ki. 3. 1. μετὰ τὸ οἰκοδομῆσαι αὐτὸν τὸν οἴ. τοῦ κ. –
— 1 (2. 36). οἰκοδόμησον σεαυτῷ οἶκον (5)
— 1. A ἕως οὗ συνετέλεσεν οἰκοδομῶν τὸν οἴ. ἑαυ. καὶ τὸν οἴ. κυρίου (5, 5)
— 1. B ἔδραμεν ἐπὶ τὸν οἴ. αὐτοῦ –
— 2. οὐκ ᾠκοδομήθη οἶκος (5)
— 17. ᾠκοῦμεν ἐν οἴ. ἑνί (5)
— 17. ἐτέκομεν ἐν τῷ οἴ. (5)
— 18. A οὐκ ἔστιν οὐθεὶς ἐν τῷ οἴ. [B μεθ' ἡμῶν] παρέξ ἀμφοτέρων ἡμῶν ἐν τῷ οἴ. (5, 5)
4. 7. χορηγεῖν . . . τῷ οἴ. αὐτοῦ (5)
— 12. καὶ πᾶς ὁ οἴ. Δάν (5)
— 34 (3. 1). B ἕως συντελέσαι αὐτὸν τὸν οἴ. κυρίου καὶ τὸν οἴ. ἑαυτοῦ (5, 5)
5. 3 (17). οὐκ ἠδύνατο οἰκοδομῆσαι οἶκον (5)
— 5 (19). οἰκοδομήσω οἶκον (5)
— 5 (19). οἰκοδομήσει τὸν οἴ. (5)
— 9 (23). τοῦ δοῦναι ἄρτους τῷ οἴ. μου (5)
— 11 (25). Σαλ. ἔδωκε . . . μαχ. τῷ οἴ. αὐ. (5)
— 14 (28). καὶ δύο μῆνας ἐν οἴκῳ αὐτῶν (5)
6. 1. A ᾠκοδόμει τὸν οἴ. τῷ κυρίῳ (5)
— 1 (5. 17 [31]). εἰς τὸν θεμέλιον τοῦ οἴ. (5)
— 1 (A 37). ἐθεμελίωσε τὸν οἴ. κυρίου (5)
— 1 (A 38). συνετελέσθη ὁ οἴ. (5)
— 2. ὁ οἴ. ὃν ᾠκοδόμησεν ὁ βασ. (5)
— 3. A κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ τοῦ οἴ. [B *om.* τ. οἴ.] (5)
— 3. εἰς τὸ πλάτος τοῦ οἴ. κατὰ πρόσωπον τοῦ οἴ. [A *al.*] (5, 5)
— 3. ᾠκοδόμησε τὸν οἴ. –
— 4. ἐποίησε τῷ οἴ. θυρίδας (5)
— 5. B ἔδωκεν ἐπ' αὐτὸν [A R ἐπὶ τὸν] τοῖχον τοῦ οἴ. (5)
— 5. A σὺν τοίχοις τοῦ οἴ. (5)
— 6. διάστημα ἔδωκε τῷ οἴ. κυκλόθεν ἔξωθεν τοῦ οἴ. ὅπως μὴ ἐπιλαμβάνωνται τῶν τοίχων τοῦ οἴ. (5, –, 5)
— 7. ὁ οἴ. ἐν τῷ οἰκοδομεῖσθαι αὐτόν (5)
— 7. οὐκ ἠκούσθη ἐν τῷ οἴ, [A *al.*] (5)
— 8. ὑπὸ τὴν ὠμίαν τοῦ οἴ. τὴν δεξιάν (5)
— 9. ᾠκοδόμησε τὸν οἴ. (5)
— 9. ἐκοιλοστάθμησε τὸν οἴ. κέδροις (5)
— 10. ᾠκοδόμησε τοὺς ἐνδέσμους δι' ὅλου τοῦ οἴ. (5)
— 12. A ὁ οἴ. οὗτος ὃν σὺ οἰκοδομεῖς (5)
— 14. A ᾠκοδόμησε Σαλ. τὸν οἴ. (5)
— 15. ᾠκοδόμησε τοὺς τοίχους τοῦ οἴ. . . . ἀπὸ τοῦ ἐδάφους τοῦ οἴ. (5, 5)
— 15. περιέσχε τὸ ἔσω τοῦ οἴ. (5)
— 16. A ἀπὸ τοῦ ἐδάφους τοῦ οἴ. [B *om.* τ. οἴ.] –
— 17. A τεσσαράκ. πηχῶν ἦν ὁ οἴ. οὗτος ὁ ναὸς ὁ ἐσώτατος [B *al.*] (5)
— 18. A διὰ κέδρου πρὸς τὸν οἴ. ἔσω πλοκήν (5)
— 19. ἐν μέσῳ τοῦ οἴ. ἔσωθεν (5)
— 21. A περιεπίλησε Σαλ. τὸν οἴ. ἔνδοθεν (5)
— 21 (22). ὅλον τὸν οἴ. περιέσχε χρυσίῳ [A *al.*] (5)
— 21 (22). ἕως συντελείας παντὸς τοῦ οἴ. (5)
— 27. ἐν μέσῳ τοῦ οἴ. τοῦ ἐσωτάτου (5)
— 27. αἱ πτέρυγες αὐ. αἱ ἐν μέσῳ τοῦ οἴ. (5)
— 29. πάντας τοὺς τοίχους τοῦ οἴ. (5)
— 30. τὸ ἔδαφος τοῦ οἴ. περιέσχε χρυσίῳ (5)
— 36. B καταπέτασμα τῆς αὐλῆς τοῦ αἰλὰμ τοῦ οἴ. –
7. 15. B ἐχώνευσε τὸ αἰλὰμ τοῦ οἴ. [A R *al.*] –
— 25. πάντα τὰ ὀπίσθια εἰς τὸν οἴ. (5)
— 39. ἀπὸ τῆς ὠμίας τοῦ οἴ. (5)
— 39. A πέντε ἐπ' ὠμίαν τοῦ οἴ. [R *al.*] (5)
— 39. ἀπὸ τῆς ὠμίας [A ὠμίδος] τοῦ οἴ. (5)
— 40. ἃ ἐποίησε . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 45. ἃ ἐποίησε Χ. . . . τῷ οἴ. κυρίου (5)
— 45. οἱ στῦλοι . . . τοῦ οἴ. τοῦ βασ. καὶ τοῦ οἴ. κυρίου –, –
— 48. ἃ ἐποίησεν ἐν οἴκῳ [A *al.*] (5)
— 50. καὶ τὰ θυρώματα τῶν θυρῶν τοῦ οἴ. (5)
— 50. A καὶ τὰς θύρας τοῦ οἴ. [B *om.* τ. οἴ.] τοῦ ναοῦ (5)
— 51. ὃ ἐποίησε Σ. οἴκου κυρίου (5)
— 51. τὸ χρυσίον ἔδωκεν εἰς τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου (5)
— 1. τὸν οἴ. ἑαυτῷ ᾠκοδόμησε Σαλ. (5)
— 1. A συνετέλεσεν ὅλον τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
— 2. ᾠκοδόμησε τὸν οἴ. δρυμῷ [A -οῦ] τοῦ Λ. (5)
— 3. ἐφάτνωσε τὸν οἴ. †
— 8. ὁ οἴ. αὐτῶν ἐν οἴκῳ [A οἴ. αὐτῷ ἐν ᾧ] καθήσεται ἐκεῖ (5, †)
— 8. καὶ οἶκον τῇ θυγατρὶ Φ. (5)
III Ki. 7. 12 (1). συνετέλεσε Σ. ὅλον τὸν οἴ. αὐ. [A ᾠκοδόμησεν αὐλὴν οἴκου κυρίου τὴν ἐσωτάτην τῶν αἰλὰμ τοῦ οἴ.] (5 [5, 5])
8. 1. B τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἴ. κυρίου καὶ τὸν οἴ. ἑαυτοῦ –, –
— 6. εἰς τὸ δαβὶρ τοῦ οἴ. [B² *al.*] (5)
— 10. ἡ νεφέλη ἔπλησε τὸν οἴ. (5)
— 11. ἔπλησε δόξα κυρίου τὸν οἴ. (5)
— 13. A ᾠκοδόμησα οἶκον κατοικητηρίου σοι (5)
— 16. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον (5)
— 17. οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (5)
— 18. τοῦ [A *om.*] οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀνόμ. μου (5)
— 19. σὺ οὐκ οἰκοδομήσεις τὸν οἴ. (5)
— 19. οὗτος οἰκοδομήσει τὸν οἴ. (5)
— 20. ᾠκοδόμησα τὸν οἴ. (5)
— 27. πλὴν καὶ ὁ οἴ. οὗτος (5)
— 29. τοῦ εἶναι ὀφθαλμούς σου ἠνεῳγμ. εἰς τὸν οἴ. τοῦτον (5)
— 31. καὶ ἐξαγορεύσῃ . . . ἐν τῷ οἴ. τούτῳ (5)
— 33. δεηθήσονται ἐν τῷ οἴ. τούτῳ (5)
— 38. καὶ διαπετάσῃ τὰς χεῖρας αὐ. εἰς τὸν οἴ. τοῦτον (5)
— 43. τὸ ὄν. σου ἐπικέκληται ἐπὶ τὸν οἴ. [B¹ τόπον] (5)
— 44. καὶ τοῦ οἴ. οὗ ᾠκοδόμησα (5)
— 48. καὶ τοῦ οἴ. οὗ ᾠκοδόμηκα (5)
— 53. ἐλάλησε Σαλ. ὑπὲρ τοῦ οἴ. –
— 53. B οἰκοδόμησον οἰκόν μου οἶκον ἐκπρεπῆ [A R εὐπρ.] σαυτῷ –, –
— 63. ἐνεκαίνισε τὸν οἴ. κυρίου ὁ βασ. (5)
— 64. τὸ μέσον τῆς αὐλῆς τὸ κατὰ πρόσωπον τοῦ οἴ. κυρίου (5)
— 65. ἐν τῷ οἴ. ᾧ ᾠκοδόμησεν –
9. 1. οἰκοδομεῖν [A B² -ῶν] τὸν οἴ. κυρίου καὶ τὸν οἴ. τοῦ βασ. (5, 5)
— 3. ἡγίακα τὸν οἴ. τοῦτον (5)
— 7. τὸν οἴ. τοῦτον . . . ἀπορρίψω ἐκ προσώπου μου (5)
— 8. ὁ οἴ. οὗτος ἔσται ὑψηλός (5)
— 8. ἕνεκα τίνος ἐποίησε κ. οὕτως . . . τῷ οἴ. τούτῳ (5)
— 9. ἐξ οἴκου δουλείας –
— 9. ἀνήγαγε Σ. τὴν θυγ. Φ. . . . εἰς [A *add.* τὸν] οἴ. αὐ. –
— 10. ἐν οἷς ᾠκοδόμησε Σαλ. τοὺς δύο οἴ. τὸν οἴ. κυρίου καὶ τὸν οἴ. τοῦ βασ. (5 *ter*)
— 24 A θυγατὴρ Φ. ἀνέβη . . . πρὸς οἶκον αὐτῆς –
— 25. A ἀπήρτισε σὺν τὸν οἴ. –
10. 4. εἶδε βασίλισσα Σ. . . . τὸν οἴ. (5)
— 5. ἣν ἀνέφερεν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 12. B ὑποστηρίγματα οἴκου [A R τοῦ οἴ.] κυρίου καὶ τοῦ οἴ. τοῦ βασ. (5, 5)
— 17. ἔδωκεν αὐτὰ εἰς οἶκον δρυμοῦ τοῦ Λ. (5)
— 21. πάντα τὰ σκεύη δρυμοῦ οἴκου [A οἴ. τοῦ δρ.] τοῦ Λ. (5)
— 22 (B): 9. 15 (A). οἰκοδομῆσαι τὸν οἴ. κυρίου καὶ τὸν οἴ. τοῦ βασ. (5, 5)
11. 18. ἔδωκεν αὐτῷ οἶκον (5)
— 28. ἐπὶ τὰς ἄρσεις οἴκου Ἰ. (5)
— 38. οἰκοδομήσω σοὶ οἴ. πιστόν (5)
12. 16. βόσκε τὸν οἴ. σου (5)
— 19. ἠθέτησεν Ἰσρ. εἰς τὸν οἴ. Δ. (5)
— 20. A R οὐκ ἦν ὀπίσω τοῦ οἴ. [B *om.* τ. οἴ.] Δ. (5)
— 21. τοῦ πολεμεῖν πρὸς οἶκον Ἰσρ. (5)
— 23. εἶπὸν . . . πρὸς πάντα οἴ. Ἰ. (5)
— 24. ἀποστρεφέτω ἕκαστος εἰς τὸν οἴ. ἑαυ. (5)
— 24. B ἐπὶ ἄρσεις οἴκου Ἰ. –
— 24. B ἐν ταῖς ἄρσεσιν οἴκου Ἐφρ. –
— 24. B εἶπὸν . . . πρὸς πάντα οἶκον Ἰ. –
— 24. B ἀναστρέφετε ἕκαστος εἰς τὸν οἴ. αὐ. –
— 26. B ἐπιστρέψει ἡ βασ. ἐν οἴκῳ [A R εἰς τὸν οἴ.] Δ. (5)
— 27. ἀναφέρειν θυσίαν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 30. R εἴασαν τὸν οἴ. κυρίου –
— 31. ἐποίησεν οἴκους ἐφ' ὑψηλῶν (5)
13. 2. υἱὸς τίκτεται τῷ οἴ. Δ. (5)
— 7. εἴσελθε μετ' ἐμοῦ εἰς οἶκον (5)
— 8. ἐὰν δῷς μοι τὸ ἥμισυ τοῦ οἴ. σου (5)
— 18. ἐπίστρεψον αὐτὸν . . . εἰς τὸν [A *om.* εἰς τὸν] οἴ. σου (5)
— 19. ἔφαγεν ἄρτον ἐν τῷ οἴ. αὐ. (5)
— 32. ὃ ἐλάλησεν . . . ἐπὶ τοὺς οἴ. τοὺς ὑψηλούς (5)
— 34. ἐγένετο . . . εἰς ἁμαρτίαν τῷ οἴ. Ἱερ. (5)
14. 4. A εἰσῆλθεν ἐν οἴκῳ Ἀχ. (5)
— 8. A ἔρρηξα σὺν τὸ βασίλειον ἀπὸ τοῦ οἴ. Δ. (5)

III Ki. 14. 10. A ἄγω κακίαν πρὸς σὲ εἰς οἶκον Ἱερ. (5)
— 10. A ἐπιλέξω οἶκου Ἱερ. (5)
— 12. A πορεύθητι εἰς τὸν οἶ. σου (5)
— 13. A εὑρέθη ἐν αὐτῷ ῥῆμα καλὸν . . . ἐν οἴκῳ Ἱερ. (5)
— 14. A πλήξει τὸν οἶ. Ἱερ. (5)
— 17. A ὡς εἰσῆλθεν ἐν τῷ προθύρῳ τοῦ οἶ. (5)
— 26. πάντας τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου καὶ τοὺς θησαυροὺς οἴκου τοῦ βασ. (5, 5)
— 27. οἱ φυλάσσοντες τὸν πυλῶνα οἴκου βασιλέως (5)
— 28. ὅτε εἰσεπορεύετο ὁ βασ. εἰς οἶκον κυρίου (5)
15. 15. τοὺς κίονας αὐ. εἰσήνεγκεν εἰς τὸν οἶ. κυρίου (5)
— 18. A τὸ εὑρεθὲν ἐν τοῖς θησαυροῖς τοῦ οἶ. κυρίου καὶ ἐν τοῖς θησαυροῖς οἴκου τοῦ βασ. [B *al.*] (5, 5)
— 20. AR καὶ τὴν Ἀβὲλ οἴκου M. [B *al.*] (5)
— 27. περιεκάθισεν αὐτὸν . . . ἐπὶ τὸν οἶ. B. (5)
— 29. B ἐπάταξε τὸν οἶ. Ἱερ. [A R *al.*] (5)
16. 3. ὀπίσω B. καὶ ὄπισθεν τοῦ οἶ. αὐ. (5)
— 3. B δώσω τὸν οἶ. αὐ. [A R σου] ὡς τὸν οἶ. Ἱερ. (5, 5)
— 7. B καὶ ἐπὶ τὸν οἶ. αὐ. (5)
— 7. τοῦ εἶναι κατὰ τὸν οἶ. [A καθὼς ὁ οἶ.] Ἱερ. (5)
— 9. πίνων μεθύων ἐν τῷ οἴ. Ὠ. (5)
— 12 (11). ἐπάταξεν ὅλον τὸν οἶ. B. (5)
— 12 (11). A ἐξέτριψε Z. ὅλον τὸν οἶ. B. (5)
— 12. ὃ ἐλάλησε κύριος ἐπὶ τὸν οἶ. B. [A *al.*] –
— 18. εἰς ἄντρον τοῦ οἶ. τοῦ βασ. (5)
— 18. ἐνεπύρισεν ἐπ' αὐτὸν τὸν οἶ. τοῦ βασ. (5)
— 32. ἐν οἴκῳ [A ἐνώπιον] τῶν προσοχθισμάτων αὐ. (5)
17. 17. ὁ υἱὸς τῆς γυναικὸς τῆς κυρίας τοῦ οἶ. (5)
— 23. κατήγαγεν αὐτὸν . . . εἰς τὸν οἶ. (5)
18. 18. σὺ καὶ ὁ υἱ. τοῦ πατρός σου (5)
20 (21). 2. ἐγγίων οὗτος τῷ οἶ. μου (5)
— 4. A ἦλθεν Ἀχ. πρὸς οἶκον αὐ. (5)
— 22. δώσω τὸν οἶ. σου ὡς τὸν οἶ. Ἱερ. . . . καὶ ὡς τὸν οἶ. B. (5 *ter*)
— 29. A ἐπάξω τὴν κακίαν ἐπὶ τὸν οἶ. αὐ. [B *om.* ἐ. τ. οἶ. αὐ.] (5)
21 (20). 6. ἐρευνήσουσι τὸν οἶ. σου καὶ τοὺς οἶ. τῶν παίδων σου (5, 5)
— 30. εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἶ. τοῦ κοιτῶνος †
— 31. A βασιλεῖς οἴκου [B *om.*] Ἰσρ. (5)
— 43. A ἀπῆλθεν ὁ βασ. Ἰσρ. πρὸς οἶκον αὐ. [B *om.* πρὸς οἶ. αὐ.] (5)
22. 17. ἕκαστος εἰς τὸν οἶ. αὐ. . . . ἀναστρεφέτω (5)
— 39. καὶ οἶ. ἐλεφάντινον ὃν ᾠκοδόμησε (5)
— 53. ἐν ταῖς ἁμαρτίαις οἴκου [A *om.*] Ἱερ. –
IV Ki. 1. 18 (3. 3). ἐν ταῖς ἁμαρτίαις οἴκου Ἱερ. –
— 18 (3. 3). ἐθυμώθη ὀργῇ κ. εἰς τὸν οἶ. Ἀχ. –
4. 2. τί ἔστι σοι ἐν τῷ οἴ. (5)
— 2. A R οὐκ ἔστι τῇ δούλῃ σου οὐδὲν ἐν τῷ οἴ. [B *om.* ἐν τ. οἴ.] (5)
— 32. εἰσῆλθεν Ἐλ. εἰς τὸν οἶ. (5)
— 33. εἰσῆλθεν Ἐλ. εἰς τὸν οἶ. –
5. 9. ἔστη ἐπὶ θύρας [A τῆς θ. τοῦ] οἴκου Ἐλ. (5)
— 18. ἐν τῷ εἰσπορεύεσθαι τὸν κ. μου εἰς οἶκον Ῥ. (5)
— 18. προσκυνήσω ἐν οἴκῳ Ῥ. (5)
— 18. B ἐν τῷ προσκυνεῖν αὐτὸν ἐν οἴκῳ Ῥ. (5)
— 24. παρέθετο ἐν οἴκῳ (5)
6. 32. ἐκάθητο ἐν τῷ οἴ. αὐτοῦ (5)
7. 9. ἀναγγείλωμεν εἰς τὸν οἶ. τοῦ βασ. (5)
— 11. ἀνήγγειλαν εἰς τὸν οἶ. τοῦ βασ. (5)
8. 1. δεῦρο σὺ καὶ ὁ οἶ. σου (5)
— 2. ἐπορεύθη αὐτὴ καὶ ὁ οἶ. αὐ. (5)
— 3. βοῆσαι πρὸς τὸν βασ. περὶ τοῦ οἴ. ἑαυ. (5)
— 5. βοῶσα πρὸς τὸν βασ. περὶ τοῦ οἴ. ἑαυ. (5)
— 18. καθὼς ἐποίησεν οἶκος Ἀχ. (5)
— 27. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ οἴκου Ἀχ. (5)
— 27. καθὼς ὁ οἶ. Ἀχ. (5)
— 27. A γαμβρὸς γὰρ οἴκου Ἀχ. ἐστιν (5)
9. 6. εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἶ. (5)
— 7. ἐξολεθρεύσεις τὸν οἶ. Ἀχ. (5)
— 8. καὶ ἐκ χειρὸς ὅλου τοῦ οἴ. Ἀχ. (5)
— 8. ἐξολεθρεύσεις τῷ οἴ. [A τοῦ οἴ.] Ἀχ. –
— 9. δώσω τὸν οἶ. Ἀχ. ὡς τὸν οἶ. Ἱερ. . . . καὶ ὡς τὸν οἶ. B. [A *al.*] (5 *ter*)
10. 3. πολεμεῖτε ὑπὲρ τοῦ οἴ. τοῦ κυρίου ὑμῶν (5)
— 5. ἀπέστειλαν οἱ ἐπὶ [A ἀπὸ] τοῦ οἴ. (5)
— 10. ἐλάλησε κύριος ἐπὶ τὸν οἶ. Ἀχ. (5)
— 11. ἐπάταξεν Ἰοὺ πάντας τοὺς ἐν τῷ οἴ. Ἀχ. καταλειφθέντας (5)
— 21. εἰσῆλθον εἰς τὸν οἶ. τοῦ B. (5)
IV Ki. 10. 21. ἐπλήσθη ὁ οἶ. τοῦ B. (5)
— 22. εἰπε τῷ ἐπὶ τοῦ οἴ. μεσθαάλ [A *al.*] –
— 23. εἰσῆλθεν . . . εἰς οἶκον τοῦ B. (5)
— 26 (25). ἐπορεύθησαν ἕως πόλεως οἴκου τοῦ B. (5)
— 26. A ἐξήνεγκαν τὴν στολὴν οἴκου [B *om.*] τοῦ B. (5)
— 27. A καθεῖλον τὸν οἶ. τοῦ B. (5)
— 30. ὅσα ἐν τῇ καρδίᾳ μου ἐποίησας τῷ οἴ. Ἀχ. (5)
11. 3. B ἦν μετ' αὐτῆς κρυβόμενος ἐν οἴκῳ [A R *add.* κυρίου] (5)
— 4. ἀπήγαγεν αὐτοὺς . . . εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 6 (5). φυλάξετε φυλακὴν οἴκου τοῦ βασ. (5)
— 6. φυλάξετε τὴν φυλακὴν τοῦ οἴ. (5)
— 7. φυλάξουσι τὴν φυλακὴν οἴκου κυρίου (5)
— 10. τοὺς τρισσοὺς τοῦ βασ. Δ. τοὺς ἐν οἴκῳ κ. (5)
— 11. ἀπὸ τῆς ὠμίας τοῦ οἴ. τῆς δεξιᾶς ἕως τῆς ὠμίας τοῦ οἴ. [A *om.* τ. δ. ἕ. τ. ὠ. τ. οἴ.] τῆς εὐωνύμου τοῦ θυσιαστηρίου καὶ τοῦ οἴ. (5 *ter*)
— 13. εἰσῆλθε . . . εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 15. μὴ [A εἰ μὴ] ἀποθάνῃ ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 16. ὁδὸν εἰσόδου τῶν ἵππων οἴκου τοῦ βασ. (5)
— 18. εἰσῆλθε πᾶς ὁ λαὸς . . . εἰς οἶκον τοῦ B. (5)
— 18. ἔθηκεν ὁ ἰ. ἐπισκόπους εἰς τὸν οἶ. κυρίου (5)
— 19. κατήγαγον τὸν βασ. ἐξ οἴκου κυρίου (5)
— 19. ὁδὸν πύλης τῶν παρατρεχόντων οἴκου τοῦ βασ. (5)
— 20. τὴν Γοθ. ἐθανάτωσαν . . . ἐν οἴκῳ τοῦ βασ. (5)
12. 4 (5). τὸ εἰσοδιαζόμενον ἐν τῷ [A *om.*] οἴ. κυρίου (5)
— 4 (5). ὃ ἐὰν λάβῃ . . . ἐνεγκεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 5 (6). κρατήσουσι τὸ [A τοῦ] βεδὲκ τοῦ οἴ. (5)
— 6 (7). οὐκ ἐκραταίωσαν οἱ ἰ. τὸ βεδὲκ τοῦ οἴ. (5)
— 7 (8). τί ὅτι οὐκ ἐκραταιοῦτε τὸ βεδὲκ τοῦ οἴ. (5)
— 7 (8). εἰς τὸ βεδὲκ τοῦ οἴ. δώσετε αὐτό (5)
— 8 (9). B τοῦ μὴ ἐνισχῦσαι τὸ βδέλυγμα [A R βεδὲκ] τοῦ οἴ. (5)
— 9 (10). B ἔδωκεν αὐτὴν . . . ἐν τῷ οἴ. ἀνδρὸς οἴκῳ [A R -ου] κυρίου (†, 5)
— 9 (10). πᾶν τὸ ἀργύριον τὸ εὑρεθὲν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 10 (11). τὸ ἀργύριον τὸ εὑρεθὲν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 11 (12). τὰ ἔργα τῶν ἐπισκόπων οἴκου κυρίου [A *al.*] (5)
— 11 (12). τοῖς οἰκοδόμοις τοῖς ποιοῦσιν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 12 (13). τοῦ κατασχεῖν τὸ βεδὲκ οἴκου κυρίου (5)
— 12 (13). ὅσα ἐξωδιάσθη ἐπὶ τὸν οἴ. (5)
— 13 (14). οὐ ποιηθήσεται οἴκῳ [A -ου] κυρίου (5)
— 13 (14). τοῦ ἀργ. τοῦ εἰσενεχθέντος ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 14 (15). ἐκραταίωσαν . . . τὸν οἴ. κυρίου (5)
— 16 (17). ὅ τι [A *add.* οὐκ] εἰσηνέχθη ἐν οἴκῳ κ. (5)
— 18 (19). ἐν θησαυροῖς οἴκου κυρίου καὶ οἴκου τοῦ βασ. (5, 5)
— 20 (21). ἐπάταξαν τὸν Ἰ. ἐν οἴκῳ M. (5)
13. 6. οὐκ ἀπέστησαν ἀπὸ ἁμαρτιῶν οἴκου Ἰ. (5)
14. 10. ἐνδοξάσθητι καθήμενος ἐν τῷ οἴ. σου (5)
— 14. τὰ εὑρεθέντα ἐν οἴκῳ κυρίου καὶ ἐν θησαυροῖς οἴκου τοῦ βασ. (5, 5)
15. 5. ἐβασίλευσεν ἐν οἴκῳ ἀφφουσώθ (5)
— 5. Ἰ. υἱὸς τοῦ βασ. ἐπὶ τῷ οἴ. (5)
— 25. ἐπάταξεν αὐτὸν . . . ἐναντίον οἴκου τοῦ βασ. (2 + 5)
— 35. ᾠκοδόμησε τὴν πύλην οἴκου κυρίου (5)
16. 8. τὸ εὑρεθὲν ἐν θησαυροῖς οἴκου κυρίου καὶ οἴκου τοῦ βασ. (5, 5)
— 14. προσήγαγε τὸ πρόσωπον τοῦ οἴ. κυρίου (5)
— 14. ἀπὸ τοῦ ἀνὰ μέσον τοῦ οἴ. κυρίου (5)
— 18. ᾠκοδόμησεν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 18. B ἐπέστρεψεν [A R *add.* ἐν] οἴκῳ κυρίου (5)
17. 4. ἔδησεν αὐτὸν ἐν οἴκῳ φυλακῆς (5)
— 21. πλὴν Ἰσρ. ἐπάνωθεν οἴκου Δ. (5)
— 29. ἔθηκαν ἐν οἴκῳ τῶν ὑψηλῶν (5)
— 32. κατῴκισαν τὰ βδελύγμ. αὐ. ἐν τοῖς οἴ. τῶν ὑψηλῶν –
— 32. ἐποίησαν ἑαυτοῖς ἐν οἴκῳ τῶν ὑψηλῶν (5)
18. 15. τὸ εὑρεθὲν ἐν οἴκῳ κυρίου καὶ ἐν θησαυροῖς οἴκου τοῦ βασ. (5, 5)
19. 1. εἰσῆλθεν εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 14. ἀνέβη εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 30. τὸν [A τὸ] διασεσωσμένον οἴκου Ἰ. (5)
— 37. αὐτοῦ προσκυνοῦντος ἐν οἴκῳ Ἐ. (5)
IV Ki. 20. 1. ἔντειλαι τῷ οἴ. σου (5)
— 5. ἀναβήσῃ εἰς [A -σεται εἰς τὸν] οἶκον κυρίου (5)
— 8. ἀναβήσομαι εἰς οἶκον [A τὸν οἶ.] κυρίου (5)
— 13. ἔδειξεν αὐτοῖς ὅλον τὸν οἶ. τοῦ νεχωθὰ . . . καὶ τὸν οἶ. τῶν σκευῶν (5, 5)
— 13. ὃν οὐκ ἔδειξεν αὐτοῖς Ἐζ. ἐν τῷ οἴ. αὐ. (5)
— 15. τί εἶδον ἐν τῷ οἴ. σου (5)
— 15. ὅσα ἐν τῷ οἴ. μου (5)
— 15. οὐκ ἦν ἐν τῷ οἴ. μου –
— 17. ληφθήσεται πάντα τὰ ἐν τῷ οἴ. σου (5)
— 18. ἔσονται εὐνοῦχοι ἐν τῷ οἴ. τοῦ βασ. B. (8 *a*)
21. 4. ᾠκοδόμησε θυσιαστήριον ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 5. ἐν ταῖς δυσὶν [A πάσαις] αὐλαῖς οἴκου κυρίου (5)
— 7. ἔθηκε τὸ γλυπτὸν τοῦ ἄλσους ἐν τῷ οἴ. [A κρυπτὸν τοῦ οἴ. ἐν τῷ ἄλσει] (5 [†])
— 7. ἐν τῷ οἴ. τούτῳ ἐν Ἱερ. ἐξελεξάμην (5)
— 13. καὶ τὸ στάθμιον οἴκου Ἀχ. (5)
— 18. ἐτάφη ἐν τῷ κήπῳ τοῦ οἴ. αὐτοῦ (5)
— 23. ἐθανάτωσαν τὸν βασιλέα ἐν τῷ οἴ. αὐ. (5)
22. 3. τὸν γραμματέα οἴκου [A τοῦ οἴ.] κυρίου (5)
— 4. τὸ εἰσενεχθὲν ἐν οἴκῳ [A εἰς οἶκον] κυρίου (5)
— 5. τῶν καθεσταμένων ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 5. τοῖς ποιοῦσι τὰ ἔργα τοῖς [A *om.*] ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 5. τοῦ κατισχῦσαι τὸ βεδὲκ τοῦ οἴ. (5)
— 6. τοῦ κραταιῶσαι τὸ βεδὲκ τοῦ οἴ. (5)
— 8. βιβλίον τοῦ νόμου εὗρον ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 9. εἰσῆλθεν ἐν οἴκῳ [A εἰς οἶκον] κυρίου –
— 9. τὸ εὑρεθὲν ἐν τῷ οἴ. κυρίου (5)
— 9. καθεσταμένων ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
23. 2. ἀνέβη ὁ βασ. εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 2. τοῦ εὑρεθέντος ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 6. ἐξήνεγκε τὸ ἄλσος ἐξ οἴκου κυρίου (5)
— 7. καθεῖλε τὸν οἶ. τῶν καδ. τῶν ἐν τῷ οἴ. κυρίου (5, 5)
— 8. καθεῖλε τὸν οἶ. τῶν πυλῶν †
— 11. ἐν τῇ εἰσόδῳ οἴκου κυρίου (5)
— 12. ἐν ταῖς δυσὶν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (5)
— 13. τὸν οἶ. τὸν ἐπὶ πρόσωπον Ἱερ. †
— 19. πάντας τοὺς οἴ. τῶν ὑψηλῶν (5)
— 24. οὗ εὗρε Χ. ὁ ἱερεὺς ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 27. καὶ τὸν οἶ. οὗ εἶπον (5)
24. 13. παντὰς τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου καὶ τοὺς θησαυροὺς οἴκου τοῦ βασ. (5, 5)
25. 9. ἐνέπρησε τὸν οἶ. κυρίου καὶ τὸν οἶ. τοῦ βασ. καὶ πάντας τοὺς οἴ. Ἱερ. καὶ πᾶν οἶ. ἐνέπρησεν (5 *quater*)
— 13. τοὺς στύλους τοὺς χαλκοῦς τοὺς ἐν οἴκῳ κυρίου . . . καὶ τὴν θάλ. τὴν χαλκῆν τὴν ἐν οἴκῳ κυρίου (5, 5)
— 16. ἃ ἐποίησε Σαλ. τῷ οἴ. κυρίου (5)
— 27. ἐξήγαγεν αὐτὸν ἐξ οἴκου φυλακῆς αὐ. (5)
— 30. ἐδόθη αὐτῷ ἐξ οἴκου τοῦ βασ. –
I Ch. 2. 10. ἄρχοντα τοῦ οἴ. Ἰ. (7)
— 54. Ἀταρὼθ οἴκου Ἰωάβ (5)
— 55. ἐκ M. πατρὸς οἴκου Ῥ. (5)
4. 21. γενέσεις οἰκιῶν . . . τῷ οἴ. Ἐ. (5)
— 31. καὶ οἶκον Βαρουμ. (5)
— 38. ἐν οἴκοις πατριῶν αὐτῶν (5)
— 41. ἐπάταξαν τοὺς οἴ. [A οἰκήτορας] αὐ. (1)
5. 13. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
— 15. ἄρχων οἴκου πατριῶν (5)
— 24. οὗτοι ἀρχηγοὶ οἴκου πατριῶν αὐ. (5)
— 24. ἄρχοντες τῶν οἴ. πατριῶν αὐτῶν (5)
6. 10 (5. 36). ἱεράτευσεν ἐν τῷ οἴ. (5)
— 31 (16). οὓς κατέστησε Δ. . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 32 (17). ἐναντίον τῆς σκηνῆς οἴκου μαρτυρίου (1)
— 32 (17). ἕως οὗ ᾠκοδόμησε Σ. τὸν οἴ. (5)
— 48 (33). ἀδελφοὶ αὐ. κατ' οἴκους πατριῶν αὐ. –
— 48 (33). εἰς πᾶσαν ἐργασίαν λειτουργίας σκηνῆς οἴκου τοῦ θεοῦ (5)
7. 2. ἄρχοντες οἴκων [A κατ' οἶκον] πατριῶν αὐ. (5)
— 4. κατ' οἴκους πατρικοὺς αὐ. (5)
— 7. ἄρχοντες οἴκων πατρικῶν (5)
— 9. ἄρχοντες οἴκων πατριῶν αὐ. (5)
— 23. ἐν κακοῖς ἐγένετο ἐν οἴκῳ μου (5)
9. 9. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
— 11. ἡγούμενος οἴκου τοῦ θεοῦ (5)
— 13. ἄρχοντες οἴκων πατριῶν (5)
— 13. εἰς ἐργασίαν λειτουργίας οἴκου τοῦ θεοῦ (5)
— 19. εἰς οἶκον πατρὸς αὐτοῦ (5)
— 23. ἐπὶ τῶν πυλῶν ἐν οἴκῳ κυρίου ἐν οἴκῳ τῆς σκηνῆς (5, 5)
— 26. ἐπὶ τῶν θησαυρῶν οἴκου τοῦ θ. (5)
10. 6. πᾶς ὁ οἶ. αὐ. ἐπὶ τὸ αὐτὸ ἀπέθανεν (5)

I Ch. 10. 10. ἐν οἴκῳ θεοῦ αὐτῶν (5)
— 10. τὴν κεφαλὴν αὐ. ἔθηκαν ἐν οἴκῳ Δ. (5)
12. 29. τὴν φυλακὴν [A φυλὴν] οἴκου Σ. (5)
— 30. κατ' οἴκους [S κατοικοῦντες] πατριῶν αὐ. (5)
13. 7. ἐξ οἴκου Ἀμιναδάβ (5)
— 13. ἐξέκλινεν αὐτὴν εἰς οἶκον Ἀβ. (5)
— 14. ἐκάθισεν ἡ κιβωτὸς τοῦ θ. ἐν οἴκῳ Ἀβ. (5)
14. 1. τοῦ οἰκοδομῆσαι αὐτῷ οἶκον (5)
15. 25. τοῦ ἀναγαγεῖν τὴν κιβωτὸν . . . ἐξ οἴκου Ἀ. (5)
16. 43. ἐπορεύθη . . . ἕκαστος εἰς τὸν οἶ. αὐ. (5)
— 43. τοῦ εὐλογῆσαι τὸν οἶ. αὐ. (5)
17. 1. ὡς κατῴκησε Δ. ἐν οἴκῳ αὐ. (5)
— 1. κατοικῶ ἐν οἴ. κεδρίνῳ (5)
— 4. οὐ σὺ οἰκοδομήσεις μοι οἶκον (5)
— 5. οὐ κατῴκησα ἐν οἴκῳ (5)
— 6. οὐκ ᾠκοδομήκατέ μοι οἶ. κέδρινον (5)
— 10. R οἶκον [A B S *om.*] οἰκοδομήσει σοι κύριος (5)
— 12. αὐτὸς οἰκοδομήσει μοι οἶκον (5)
— 14. πιστώσω αὐτὸν ἐν οἴκῳ μου (5)
— 16. τίς ὁ οἶ. μου (5)
— 17. ἐλάλησας ἐπὶ τὸν οἶ. τοῦ παιδός σου (5)
— 23. ὃν ἐλάλησας . . . ἐπὶ τὸν οἶ. αὐ. (5)
— 24. B S οἴκος [A R ὁ οἶ.] Δ. παιδός σου ἀνωρθωμένος (5)
— 25. τοῦ οἰκοδομῆσαι αὐτῷ οἶκον (5)
— 27. εὐλογῆσαι τὸν οἶ. τοῦ παιδός σου (5)
21. 17. γενηθήτω ἡ χείρ σου . . . ἐν τῷ οἴ. τοῦ πατρός μου (5)
22. 1. οὗτός ἐστιν ὁ οἶ. κ. τοῦ θεοῦ (5)
— 2. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ θεῷ (5)
— 5. ὁ οἶ. τοῦ οἰκοδομῆσαι τῷ κυρίῳ (5)
— 6. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶ. (5)
— 7. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον (5)
— 8. οὐκ οἰκοδομήσεις οἶκον (5)
— 10. οὗτος οἰκοδομήσει οἶκον (5)
— 11. οἰκοδομήσεις οἶκον τῷ κ. θεῷ σου (5)
— 14. ἡτοίμασα εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 19. τοῦ εἰσενέγκαι τὴν κιβωτὸν . . . εἰς οἶκον (5)
23. 4. ἀπὸ τῶν ἐργοδιωκτῶν ἐπὶ τὰ ἔργα οἴκου (5)
— 11. ἐγένοντο εἰς οἶκον πατριᾶς (5)
— 24. κατ' οἴκους πατριῶν αὐ. (5)
— 24. ποιοῦντες τὰ ἔργα λειτουργίας οἴκου κ. (5)
— 28. τοῦ λειτουργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 28. A R ἐπὶ τὰ ἔργα λειτουργίας οἴκου [B *om.*] τοῦ θεοῦ (5)
— 32. τοῦ λειτουργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
24. 3. κατ' οἴκους πατριῶν αὐ. –
— 4. εἰς οἴκους πατριῶν (5)
— 4. κατ' οἴκους πατριῶν (5)
— 6. οἴκου πατριᾶς εἷς εἷς τῷ Ἐλ. (5)
— 19. τοῦ εἰσπορεύεσθαι εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 30. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
25. 6. ὑμνῳδοῦντες ἐν οἴκῳ θεοῦ [A κυρίου] (5)
— 6. R εἰς τὴν δουλείαν οἴκου τοῦ θεοῦ (5)
26. 6. εἰς τὸν οἶ. τὸν πατρικὸν αὐ. (5)
— 12. λειτουργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 13. κατ' οἴκους πατριῶν αὐ. (5)
— 15. κατέναντι οἴκου ἑσ. (5)
— 20, 22. ἐπὶ τῶν θησαυρῶν οἴκου κυρίου (5)
— 27. τοῦ μὴ καθυστερῆσαι τὴν οἰκοδομὴν τοῦ οἴ. (5)
28. 2. οἰκοδομῆσαι οἶκον ἀναπαύσεως (5)
— 3. οὐκ οἰκοδομήσεις ἐμοὶ οἶκον (5)
— 4. ἀπὸ παντὸς οἴ. πατρός μου (5)
— 4. καὶ ἐξ οἴκου Ἰ. τὸν οἶ. τοῦ πατρός μου (5, 5)
— 6. B κληρονομήσει [A R οἰκοδομήσει] τὸν οἶ. μου (5)
— 10. οἰκοδομῆσαι αὐτῷ οἶκον (5)
— 11. τὸ παράδειγμα τοῦ ναοῦ καὶ τῶν οἴ. αὐ. . . . καὶ τοῦ οἴ. τοῦ ἐξιλασμοῦ (5, 5)
— 12. A R τὸ παράδειγμα . . . τῶν αὐλῶν οἴκου κ. καὶ . . . τῶν εἰς τὰς ἀποθήκας οἴκου [B *om.*] κ. (5, 5)
— 13. εἰς πᾶσαν ἐργασίαν λειτουργίας οἴκου κ. (5)
— 13. A R τῆς λατρείας οἴκου κυρίου (5)
— 20. πᾶσαν ἐργασίαν λειτουργίας οἴκου κ. (5)
— 20. τὸ παράδειγμα . . . τοῦ οἴ. αὐ. . . . καὶ τὸν οἴ. τοῦ ἱλασμοῦ καὶ τὸ παράδειγμα οἴκου κυρίου – *ter*
— 21. εἰς πᾶσαν λειτουργίαν οἴκου κ. (5)
29. 2. ἡτοίμακα εἰς οἶκον θεοῦ μου (5)
— 3. ἐν τῷ εὐδοκῆσαί με ἐν οἴκῳ θεοῦ μου (5)
— 3. δέδωκα εἰς οἶκον θεοῦ μου (5)
— 3. ἐκτὸς ὧν ἡτοίμακα εἰς τὸν [A *om.*] οἴ. τῶν ἁγ. (5)

I Ch. 29. 7. B ἔδωκαν εἰς τὰ ἔργα οἴκου [A R τοῦ οἴ.] κ. (5)
— 8. ἔδωκαν εἰς τὰς ἀποθήκας οἴκου κ. (5)
— 16. οἰκοδομηθῆναι οἶκον τῷ ὀνόμ. τῷ ἁγ. σου (5)
— 19. τὴν κατασκευὴν τοῦ οἴ. σου (4)
II Ch. 2. 1 (1. 18). τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀνόμ. κυρίου καὶ οἶκον τῇ βασ. αὐτοῦ (5, 5)
— 3 (2). τοῦ οἰκοδομῆσαι ἑαυτῷ οἶκον (5)
— 4 (3). οἰκοδομῶ οἶκον (5)
— 5 (4). ὁ οἴ. ὃν ἐγὼ οἰκοδομῶ μέγας (5)
— 6 (5). τίς ἰσχύσει οἰκοδομῆσαι αὐτῷ οἶκον (5)
— 6 (5). τίς ἐγὼ οἰκοδομῶν αὐτῷ οἶκον (5)
— 9 (8). ὁ οἴ. ὃν ἐγὼ οἰκοδομῶ μέγας (5)
— 12 (11). ὃς οἰκοδομήσει οἶκον τῷ κ. καὶ οἶκον τῇ βασ. αὐτοῦ (5, 5)
3. 1. τοῦ οἰκοδομεῖν τὸν οἴ. κυρίου (5)
— 3. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἴ. τοῦ θεοῦ (5)
— 4. αἰλὰμ κατὰ πρόσωπον τοῦ οἴ. †
— 4. B ἐπὶ πρόσωπον πλάτος [A R -ους] τοῦ οἴ. (5)
— 5. τὸν οἴ. τὸν μέγαν ἐξύλωσε (5)
— 6. ἐκόσμησε τὸν οἴ. λίθοις τιμίοις (5)
— 7. ἐχρύσωσε τὸν οἴ. (5)
— 8. ἐποίησε τὸν οἴ. τοῦ ἁγίου τῶν ἁγίων (5)
— 8. R πλάτος τοῦ οἴκου [A B *om.* τοῦ οἴ.] πήχεων εἴκοσι (5)
— 10. ἐποίησεν ἐν τῷ οἴ. τῷ ἁγίῳ τῶν ἁγίων χερ. δύο (5)
— 11. A R ἁπτομένη [B -αι] τοῦ τοίχου τοῦ οἴ. (5)
— 12. A ἁπτομένη τοῦ τοίχου τοῦ οἴ. (5)
— 13. τὰ πρόσωπα αὐτῶν εἰς τὸν οἴ. (5)
— 15. R ἐποίησεν ἔμπροσθεν τοῦ οἴ. [A B τοίχου] στύλους δύο (5)
4. 10. ἀπὸ γωνίας τοῦ οἴ. ἐκ δεξιῶν –
— 11. ἣν ἐποίησε . . . ἐν οἴκῳ τοῦ θεοῦ (5)
— 16. ἀνήνεγκε τῷ βασ. Σαλ. ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 17. ἐχώνευσεν αὐτὰ . . . ἐν οἴκῳ Σ. †
— 19. ἐποίησε Σ. πάντα τὰ σκεύη οἴκου κυρίου (5)
— 22. καὶ ἡ θύρα τοῦ οἴ. ἡ ἐσωτέρα (5)
— 22. εἰς τὰς θύρας τοῦ οἴ. τοῦ ναοῦ χρυσᾶς (5)
— 22 (5. 1). ἣν ἐποίησε Σ. ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
5. 1. A R ἔδωκεν εἰς θησαυρὸν οἴκου [B *om.*] κυρίου (5)
— 7. εἰς τὸ δαβεὶρ τοῦ οἴ. (5)
— 13. ὁ οἴ. ἐνεπλήσθη νεφέλης δόξης κυρίου (5)
— 14. A² B ἐνέπλησε δόξα κυρίου τὸν οἴ. τοῦ θεοῦ (5)
6. 2. ᾠκοδόμηκα οἶκον τῷ ὀνόματί σου (5+9)
— 5, 7, 8. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον (5)
— 9. οὐκ οἰκοδομήσεις τὸν οἴ. (5)
— 9. οἰκοδομήσει τὸν οἴ. τῷ ὀνόματί μου (5)
— 10. ᾠκοδόμησα τὸν οἴ. (5)
— 18. τίς ὁ οἴ. οὗτος ὃν ᾠκοδόμησα (5)
— 20. τοῦ εἶναι ὀφθαλμούς σου ἀνεῳγμένους ἐπὶ τὸν οἴ. τοῦτον (5)
— 22. ἐὰν . . . ἀράσηται . . . ἐν τῷ οἴ. τούτῳ (5)
— 24. καὶ δεηθῶσιν ἐναντίον σου ἐν τῷ οἴ. τ. (5)
— 29. καὶ διαπετάσῃ τὰς χεῖρας αὐ. εἰς τὸν οἴ. τ. (5)
— 33. ἐπικέκληται τὸ ὄνομά σου ἐπὶ τὸν οἴ. τ. (5)
— 34. κατὰ τὴν ὁδὸν . . . οἴκου (5)
— 38. καὶ τοῦ οἴ. οὗ ᾠκοδόμησα (5)
7. 1. δόξα κυρίου ἔπλησε τὸν οἴ. (5)
— 2. εἰσελθεῖν εἰς τὸν οἴ. κυρίου (5)
— 2. ἔπλησε δόξα κυρίου τὸν οἴ. (5)
— 3. ἡ δόξα κυρίου ἐπὶ τὸν οἴ. (5)
— 5. ἐνεκαίνισε τὸν οἴ. τοῦ θεοῦ ὁ βασ. (5)
— 7. τὸ μέσον τῆς αὐλῆς τῆς ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 11. συνετέλεσε Σ. τὸν οἴ. κυρίου καὶ τὸν οἴ. τοῦ βασ. (5, 5)
— 11. τοῦ ποιῆσαι ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 11. ἐν οἴκῳ αὐτοῦ εὐωδώθη (5)
— 12. ἐξελεξάμην . . . εἰς οἶκον θυσίας (5)
— 16. ἡγίακα τὸν οἴ. τοῦτον (5)
— 20. τὸν οἴ. τοῦτον . . . ἀποστρέψω (5)
— 21. ὁ οἴ. οὗτος ὁ ὑψηλός (5)
— 21. χάριν τίνος ἐποίησε κύριος . . . τῷ οἴ. τούτῳ (5)
8. 1. ἐν οἷς ᾠκοδόμησε Σ. τὸν οἴ. κυρίου καὶ τὸν οἴ. αὐτοῦ (5, 5)
— 11. ἀνήγαγεν . . . εἰς τὸν οἴ. (5)
— 16. ἕως οὗ ἐτελείωσε Σ. τὸν οἴ. κυρίου (5)
9. 3. εἶδε . . . τὸν οἴ. ὃν ᾠκοδόμησε (5)
— 4. ἃ ἀνέφερεν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 11. ἀναβάσεις τῷ οἴ. κυρίου καὶ τῷ οἴ. τοῦ βασ. (5, 5)
— 16. ἔδωκεν αὐτὰς ὁ βασ. ἐν οἴκῳ δρυμοῦ (5)
— 20. πάντα τὰ σκεύη οἴκου δρυμοῦ (5)

II Ch. 10. 16. νῦν βλέπε τὸν οἴ. σου (5)
— 19. ἠθέτησεν Ἰσρ. ἐν τῷ οἴ. Δ. (5)
11. 4. ἀποστρέφετε ἕκαστος εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)
12. 9. τοὺς θησαυροὺς τοὺς ἐν οἴκῳ κυρίου καὶ τοὺς θησαυροὺς τοὺς ἐν οἴκῳ τοῦ βασ. (5, 5)
— 11. ἐν τῷ εἰσελθεῖν τὸν βασ. εἰς οἶκον κυρίου (5)
15. 18. A B εἰσήνεγκε . . . τὰ ἅγια οἴκου κυρίου [R *om.*] (5)
16. 2. ἐκ θησαυρῶν οἴκου κυρίου καὶ οἴκου τοῦ βασ. (5, 5)
17. 14. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
18. 1. ἐπεγαμβρεύσατο ἐν οἴκῳ Ἀχ. –
— 16. A² B ἀναστρεφέτωσαν ἕκαστος εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)
— 26. ἀπόθεσθε τοῦτον εἰς οἶκον φυλακῆς (5)
19. 1. B¹ ἀπέστρεψεν [A B² ἐπ.] Ἰ. . . . εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)
— 11. ὁ ἡγούμενος εἰς οἶκον Ἰ. (5)
20. 5. ἀνέστη . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 9. στησόμεθα ἐναντίον τοῦ οἴ. (5)
— 9. τὸ ὄνομά σου ἐπὶ τῷ οἴ. τούτῳ (5)
— 28. εἰσῆλθον . . . εἰς οἶκον κυρίου (5)
21. 6. ὡς ἐποίησεν οἶκος Ἀχ. (5)
— 7. οὐκ ἐβούλετο κ. ἐξολεθρεῦσαι τὸν οἴ. Δ. (5)
— 13. ὡς ἐξεπόρνευσεν [A *add.* ὁ] οἶκος Ἀχ. (5)
— 17. ἣν εὗρον ἐν οἴκῳ τοῦ βασ. (5)
22. 3. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ οἴκου Ἀχ. (5)
— 4. ἐποίησε τὸ πον. . . . ὡς [A *add.* ὁ] οἶκος Ἀχ. (5)
— 7. B ἐξῆλθε . . . πρὸς υἱὸν N. . . . τὸν [R εἰς τὸν] οἴ. Ἀχ. [A *om.* τ. οἴ. Ἀ.] (5)
— 8. ὡς ἐξεδίκησεν Ἰ. τὸν οἴ. Ἀχ. (5)
— 9. οὐκ ἦν ἐν οἴκῳ Ὀχ. (5)
— 10. πᾶν τὸ σπέρμα τῆς βασ. ἐν οἴκῳ Ἰ. (5)
— 12. ἦν μετ' αὐτοῦ ἐν οἴκῳ τοῦ θ. κατακεκρυμμένος (5)
23. 1. B ἔλαβε τοὺς ἑκατοντάρχους . . . εἰς οἶκον [A R *add.* κυρίου] †
— 3. A² B διέθεντο . . . διαθήκην ἐν οἴκῳ τοῦ θ. (5)
— 3. βασιλευσάτω . . . ἐπὶ τὸν οἴ. Δ. (7)
— 5. A² R καὶ τὸ τρίτον ἐν οἴκῳ τοῦ βασ. (5)
— 5. πᾶς ὁ λαὸς ἐν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (5)
— 6. μὴ εἰσελθέτω εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 7. ὁ εἰσπορευόμ. εἰς τὸν οἴ. ἀποθανεῖται (5)
— 9. ἔδωκε τὰς μαχαίρας . . . ἐν οἴκῳ τοῦ θεοῦ (5)
— 10. ἀπὸ τῆς ὡμίας τοῦ οἴ. τῆς δεξιᾶς (5)
— 10. ἕως τῆς ὡμίας . . . τοῦ οἴ. (5)
— 12. εἰσῆλθε πρὸς τὸν βασ. εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 14. ἐκβάλετε αὐτὴν ἐκτὸς τοῦ οἴ. (5?)
— 14. μὴ ἀποθανέτω ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 15. διὰ τῆς πύλης τῶν ἱππέων τοῦ οἴ. τοῦ βασ. (5)
— 17. εἰσῆλθε πᾶς ὁ λαὸς τῆς γῆς εἰς οἶκον B. (5)
— 18. A B¹ ἐνεχείρησεν [B² R -ισεν] . . . τὰ ἔργα οἴκου κυρίου (5)
— 18. B ἃς [A² *om.*] διέστειλε Δ. ἐπὶ τὸν οἴ. κυρίου (5)
— 19. ἐπὶ τὰς πύλας οἴκου κυρίου (5)
— 20. ἐπεβίβασαν [A ἀνεβ.] τὸν βασ. εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 20. εἰσῆλθε . . . εἰς τὸν οἴ. τοῦ βασιλέως (5)
24. 4. ἐπισκευάσαι τὸν οἴ. κυρίου (5)
— 5. κατισχῦσαι τὸν οἴ. κυρίου (5)
— 7. κατέσπασαν τὸν οἴ. τοῦ θεοῦ (5)
— 7. τὰ ἅγια οἴκου κυρίου ἐποίησαν ταῖς B. (5)
— 8. τεθήτω ἐν πύλῃ οἴκου κυρίου (5)
— 12. εἰς τὴν ἐργασίαν οἴκου κυρίου (5)
— 12. ἐπισκευάσαι τὸν οἴ. κυρίου (5)
— 12. B ἐπισκευάσαι τὸν οἴ. κυρίου (5)
— 13. ἀνέστησαν τὸν οἴ. κυρίου (5)
— 14. ἐποίησαν σκεύη εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 14. ἀνήνεγκαν ὁλοκαυτώσεις ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 16. μετὰ τοῦ θεοῦ καὶ τοῦ οἴ. αὐτοῦ (5)
— 18. R ἐγκατέλιπον τὸν οἴ. κυρίου θεοῦ [A B *al.*] (5)
— 21. ἐν αὐλῇ οἴκου κυρίου (5)
25. 5. συνήγαγεν Ἀμ. τὸν οἴ. Ἰούδα –
— 5. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
— 19. νῦν κάθησο ἐν οἴκῳ σου (5)
— 24. τὰ εὑρεθέντα ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 24. καὶ τοὺς θησαυροὺς οἴκου τοῦ βασ. (5)
26. 19. ἡ λέπρα ἀνέτειλεν . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 21. ἐν οἴκῳ ἀφφ. ἐκάθητο λεπρός (5)
— 21. ἀπεσχίσθη ἀπὸ οἴκου κυρίου (5)
27. 3. τὴν πύλην οἴκου κυρίου [A *add.* καὶ] τὴν ὑψ. (5)

II Ch. 28. 7. καὶ τὸν Ἐ. ἡγούμενον τοῦ οἶ. αὐ. (5)
— 18. B ἐν οἴκῳ κυρίου καὶ τὰ ἐν οἴκῳ τοῦ βασ. –, –
— 21. ἔλαβεν Ἄ. τὰ ἐν οἴκῳ κυρίου καὶ τὰ ἐν οἴκῳ τοῦ βασ. (5, 5)
— 24. ἀπέστησεν Ἄ. τὰ σκεύη οἴκου κυρίου (5)
— 24. ἔκλεισε τὰς θύρας οἴκου κυρίου (5)
29. 3. ἀνέῳξε τὰς θύρας οἴκου κυρίου (5)
— 5. ἁγνίσατε τὸν οἶ. κυρίου (5)
— 15. A R καθαρίσαι τὸν οἶ. κυρίου (5)
— 16. εἰσῆλθον . . . ἕως εἰς τὸν οἶ. κυρίου (5)
— 16. τὴν εὑρεθεῖσαν ἐν τῷ οἶ. κυρίου καὶ εἰς τὴν αὐλὴν οἴκου κυρίου (8 *a*, 5)
— 17. ἥγνισαν τὸν οἶ. κυρίου (5)
— 18. ἡγνίσαμεν πάντα τὰ ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 20. ἀνέβη εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 25. ἔστησε τοὺς Λ. ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 31. φέρετε θυσίας . . . εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 31. B ἀνήνεγκεν . . . θυσίας . . . εἰς οἶκον κυρίου –
— 35. κατωρθώθη τὸ ἔργον ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
30. 1. ἐλθεῖν εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 15. εἰσήνεγκαν ὁλοκαυτώματα ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
31. 2. ἐν ταῖς αὐλαῖς οἴκου κυρίου (11)
— 4. ἐν τῇ λειτουργίᾳ οἴκου κυρίου –
— 10. Ἀζ. ὁ ἱερεὺς ὁ ἄρχων εἰς οἶκον Σ. (5)
— 10. ἐξ οὗ ἤρκται ἡ ἀπαρχὴ φέρεσθαι εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 11. ἑτοιμάσαι παστοφόρια εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 13. Ἀζ. ὁ ἡγούμενος οἴκου κυρίου (5)
— 16. παντὶ τῷ εἰσπορευομ. εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 17. κατ' οἴκους πατριῶν (5)
— 21. ᾧ [A ἐν ᾧ] ἤρξατο . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
32. 21. ἦλθεν εἰς οἶκον θεοῦ αὐτοῦ [A *al.*] (5)
33. 4. ᾠκοδόμησε θυσιαστήρια ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 5. ἐν ταῖς δυσὶν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (5)
— 7. ἔθηκε τὸ γλυπτὸν . . . ἐν οἴκῳ θεοῦ (5)
— 7. ἐν τῷ οἶ. τούτῳ . . . θήσω [A σωθήτω] τὸ ὄν. μου (5)
— 15. περιείλε . . . τὸ γλυπτὸν ἐξ οἴκου κυρίου (5)
— 15. ἃ ᾠκοδόμησεν ἐν ὄρει οἴκου κυρίου (5)
— 20. ἐν παραδείσῳ οἴκου αὐτοῦ (5)
— 24. ἐπάταξαν αὐτὸν ἐν οἴκῳ αὐτοῦ (5)
34. 8. τοῦ καθαρίσαι τὴν γῆν καὶ τὸν οἶ. (5)
— 8. κραταιῶσαι τὸν οἶ. κ. τοῦ θεοῦ αὐ. (5)
— 9. τὸ ἀργύριον τὸ εἰσενεχθὲν εἰς οἶκον θεοῦ (5)
— 10. οἱ καθεσταμένοι ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 10. οἱ ἐποίουν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 10. κατισχῦσαι τὸν οἶ. (5)
— 11. στεγάσαι τοὺς οἴ. (5)
— 14. τὸ εἰσοδιασθὲν εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 15. βιβλίον νόμου εὗρον ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 17. τὸ εὑρεθὲν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 30. ἀνέβη ὁ βασ. εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 30. τοὺς εὑρεθέντας [A τοῦ εὑρ.] ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 32. ἐποίησαν διαθήκην . . . ἐν οἴκῳ κυρίου –
35. 2. εἰς τὰ ἔργα οἴκου κυρίου (5)
— 3. ἔθηκαν τὴν κιβωτὸν τὴν ἁγ. εἰς τὸν οἶ. (5)
— 4. κατ' οἴκους πατριῶν ὑμῶν (5)
— 5. στῆτε ἐν τῷ οἶ. κατὰ τὰς διαιρέσεις οἴκων πατριῶν ὑμῶν (18, 5)
— 5. καὶ μερὶς οἴκου πατριᾶς τοῖς Λ. (5)
— 8. οἱ ἄρχοντες οἴκου θεοῦ (5)
— 12. κατ' οἴκους πατριῶν (5)
— 19. ἃ ἔδρασεν Ἰ. ἐν τῷ οἴ. –
— 19. οὗ εὗρε Χ. ὁ ἰ. ἐν τῷ οἴ. κυρίου –
— 19. ἀπωσάμην . . . τὸν οἴ. –
36. 7. μέρος τῶν σκευῶν οἴκου κυρίου (5)
— 10. μετὰ τῶν σκευῶν τῶν ἐπιθυμητῶν οἴκου κυρίου (5)
— 14. ἐμίαναν τὸν οἶ. κυρίου (5)
— 17. ἐν οἴκῳ ἁγιάσματος αὐ. (5)
— 18. πάντα τὰ σκεύη οἴκου θεοῦ (5)
— 18. R καὶ τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου [A B *om.* οἴ. κ.] (5)
— 19. ἐνέπρησε τὸν οἶ. κυρίου (5)
— 23. οἰκοδομῆσαι οἶκον αὐτῷ (5)
I Es. 1. 3. ἐν τῷ οἴ. ᾧ ᾠκοδόμησε Σ.
— 55. ἐνεπύρισαν τὸν οἴ. τοῦ κυρίου
2. 4. οἰκοδομῆσαι αὐτῷ οἶκον
— 5. οἰκοδομείτω τὸν οἴ. τοῦ κυρίου
— 8. οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ κυρίῳ
4. 55. R ἧς [A R *om.*] ἐπιτελεσθῇ ὁ οἴ.
5. 1. ἀρχηγοὶ οἴκου [A -ων] πατριῶν
— 5. καὶ Ἰ. . . . ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ Δ.

I Es. 5. 44. ἐγεῖραι τὸν οἶ. ἐπὶ τοῦ τόπου αὐ.
— 57. A ἐθεμελίωσαν τὸν οἶ. [B ναόν]
— 58. ποιοῦντες . . . ἐν τῷ οἴ. τοῦ κυρίου
— 62. ἐπὶ τῇ ἐγέρσει τοῦ οἴ. κυρίου
— 63. ἑωρακότες [A οἱ προεωρ.] τὸν πρὸ τούτου οἶκον
— 70. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶ. κυρίῳ
6. 2. ἤρξαντο οἰκοδομεῖν τὸν οἴ. τοῦ κυρίου
— 4. τὸν οἶ. τοῦτον οἰκοδομεῖτε
— 9. οἰκοδομοῦντας οἶκον τῷ κυρίῳ μέγαν
— 9. A ξύλων τιθεμένων ἐν τοῖς οἴ. [A R τοίχοις]
— 11. οἰκοδομεῖτε τὸν οἶ. τοῦτον
— 14. B ᾠκοδομείτο ὁ [A R *om.*] οἴ.
— 16. τόν τε οἴ. καθελόντες ἐνεπύρισαν
— 17. τὸν οἶ. τοῦτον οἰκοδομῆσαι [A *al.*]
— 18. ἃ ἐξήνεγκε Ναβ. ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ ἐν Ἱερ.
— 20. τοὺς θεμελίους τοῦ οἴ. κυρίου
— 22. A B² R γενομένην τὴν οἰκοδομὴν τοῦ οἴκου [B¹ *om.*] κυρίου
— 24. τὸν οἶ. τοῦ κυρίου . . . οἰκοδομῆσαι
— 25. τὸ δαπάνημα δοθῆναι ἐκ τοῦ οἴ. Κύρου
— 26. καὶ τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ οἴ. κυρίου
— 26. ἐξήνεγκε Ναβ. ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ ἐν Ἱερ.
— 26. ἀποκατασταθῆναι εἰς τὸν οἴ. τὸν ἐν Ἱερ.
— 27. τὸν οἶ. τοῦ κυρίου ἐκεῖνον οἰκοδομεῖν
— 28. μέχρι τοῦ ἐπιτελεσθῆναι τὸν οἶ. τοῦ κυρίου
— 33. κακοποιῆσαι τὸν οἴ. κυρίου ἐκεῖνον
7. 5. B συνετελέσθη ὁ οἴ. [A R *add.* ὁ ἅγιος]
8. 25. δοξάσαι τὸν οἴ. αὐτοῦ
— 46. τοὺς ἱερατεύοντας ἐν τῷ οἴ. τοῦ κ. ἡμῶν [A *al.*]
— 55. τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ οἴ. τοῦ κ. ἡμῶν
— 59. ἐν τοῖς παστοφορίοις τοῦ οἴ. τοῦ κ. ἡ.
— 62. τὸ χρυσίον παρεδόθη ἐν τῷ οἴ. κυρίου
— 79. ἐν τῷ οἴ. κυρίου
II Es. 1. 2. οἰκοδομῆσαι αὐτῷ οἶκον (5)
— 3. A R οἰκοδομησάτω τὸν οἴ. θεοῦ Ἰ. (5)
— 4. λήψονται αὐτὸν . . . εἰς οἶκον τοῦ θεοῦ (5)
— 5. οἰκοδομῆσαι τὸν οἴ. (5)
— 7. ἐξήνεγκε τὰ σκεύη οἴκου (5)
— 7. ἔδωκεν αὐτὰ ἐν οἴκῳ θεοῦ αὐ. (5)
2. 36. οἱ ἱερεῖς υἱοὶ Ἰ. τῷ οἴ. Ἰ. (5)
— 59. ἀναγγεῖλαι οἶκον πατριᾶς αὐ. (5)
— 68. ἐν τῷ ἐλθεῖν αὐτοὺς εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 68. ἠκουσιάσαντο εἰς οἶκον τοῦ θ. (5)
3. 6. ὁ οἴ. κυρίου οὐκ ἐθεμελιώθη (8 *a*)
— 8. τοῦ ἐλθεῖν αὐτοὺς εἰς οἶκον τοῦ θεοῦ (5)
— 8. A R ἐπὶ τοὺς ποιοῦντας τὰ ἔργα ἐν οἴκῳ κυρίου [B *al.*] (5)
— 9. τοὺς ποιοῦντας τὰ ἔργα ἐν οἴκῳ τοῦ θ. (5)
— 10. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἴ. κυρίου (8 *a*)
— 11. ἐπὶ τῇ θεμελιώσει οἴκου κυρίου (5)
— 12. οἱ εἴδοσαν τὸν οἴ. τὸν πρῶτον . . . καὶ τοῦτον τὸν οἴ. ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. (5, 5)
4. 1. οἰκοδομοῦσιν οἶκον τῷ κυρίῳ (8 *a*)
— 3. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ θ. ἡμῶν (5)
— 24. ἤργησε τὸ ἔργον οἴκου [A *om.*] τοῦ θεοῦ (5)
5. 2. ἤρξαντο οἰκοδομῆσαι τὸν οἴ. τοῦ θεοῦ (5)
— 3. B τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἴ. [A R *add.* τοῦτον] (5)
— 8. ἐπορεύθημεν . . . εἰς οἶκον τοῦ θ. τοῦ μεγ. (5)
— 9. A R τὸν οἴ. τοῦτον οἰκοδομῆσαι [B *al.*] (5)
— 11. οἰκοδομοῦμεν τὸν οἴ. (5)
— 12. B τὸν οἴ. ἔλυσεν τοῦτον [A R *al.*] (5)
— 13. τὸν οἴ. τοῦ θ. τοῦτον οἰκοδομηθῆναι (5)
— 14. A R τὰ σκεύη τοῦ οἴ. [B *om.* τοῦ οἴ.] τοῦ θ. (5)
— 14. ἃ Ναβ. ἐξήνεγκεν ἀπὸ οἴκου (8 *b*)
— 15. θὲς αὐτὰ ἐν οἴκῳ (8 *b*)
— 16. ἔδωκε θεμελίους τοῦ οἴ. τοῦ θεοῦ (5)
— 17. ἐπισκεπήτω ἐν οἴκῳ τῆς γάζης (5)
— 17. οἰκοδομῆσαι τὸν οἴ. τοῦ θ. ἐκεῖνον (5)
6. 3. ἔθηκε γνώμην περὶ οἴκου (5)
— 3. A R οἶκος οἰκοδομηθήτω (5)
— 4. ἡ δαπάνη ἐξ οἴκου τοῦ βασ. δοθήσεται (5)
— 5. τὰ σκεύη οἴκου τοῦ θ. . . . ἃ Ναβ. ἐξήνεγκεν ἀπὸ οἴκου τοῦ ἐν Ἱερ. (5, 8 *b*)
— 5. ἐτέθη ἐν οἴκῳ τοῦ θ. (5)
— 7. ἄφετε τὸ ἔργον οἴκου [A *om.*] τοῦ θ. (5)
— 7. οἶκον τοῦ θ. ἐκεῖνον οἰκοδομείτωσαν (5)
— 8. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τοῦ θ. ἐκεῖνον (5)
— 11. ὁ οἴ. αὐ. τὸ κατ' ἐμὲ ποιηθήσεται (5)
— 12. A R ἀφανίσαι τὸν οἴ. τοῦ θεοῦ [B *al.*] (5)
— 15. ἐτέλεσαν τὸν οἴ. τοῦτον (5)
— 16. ἐποίησαν . . . ἐγκαίνια τοῦ οἴ. τοῦ θ. (5)
— 17. προσήνεγκαν εἰς τὰ ἐγκαίνια τοῦ οἴ. [A *om.* τ. οἴ.] (5)

II Es. 6. 22. ἐν ἔργοις οἴκου τοῦ θ. Ἰσρ. (5)
7. 15. εἰς οἶκον κυρίου ἀργύριον †
— 16. τῶν ἐκουσιαζομ. εἰς οἶκον θεοῦ (5)
— 17. ἐπὶ θυσιαστηρίου τοῦ οἴ. τοῦ θ. ὑ. (5)
— 19. εἰς λειτουργίαν οἴκου θεοῦ (5)
— 20. κατάλοιπον χρείας οἴκου θεοῦ (5)
— 20. δώσεις ἀπὸ οἴκων γάζης βασιλέως (5)
— 23. εἰς οἶκον θεοῦ τοῦ οὐρανοῦ (5)
— 24. ἐν . . . λειτουργοῖς οἴκου θεοῦ (5)
— 27. A R τοῦ δοξάσαι τὸν οἴ. κυρίου [B *al.*] (5)
8. 17. εἰς οἶκον θεοῦ ἡμῶν (5)
— 25. τὰ σκεύη ἀπαρχῆς οἴκου θεοῦ ἡ. (5)
— 29. εἰς σκηνὰς οἴκου κυρίου (5)
— 30. ἐνεγκεῖν εἰς Ἱερ. εἰς οἶκον θεοῦ ἡμῶν (5)
— 33. ἐστήσαμεν τὸ ἀργύριον . . . ἐν οἴκῳ θεοῦ ἡ. (5)
— 36. ἐδόξασαν . . . τὸν οἴ. τοῦ θ. (5)
9. 9. τοῦ ὑψῶσαι αὐτοὺς τὸν οἴ. (5)
10. 1. προσευχόμενος ἐνώπιον [S *add.* τοῦ] οἴκου τοῦ θ. (5)
— 6. ἀπὸ προσώπου οἴκου τοῦ θ. (5)
— 9. ἐν πλατείᾳ οἴκου τοῦ θ. (5)
— 16. ἄνδρες ἄρχοντες πατριῶν τῷ οἴ. [A S¹ τῶν οἴ.] (5)
Ne. 1. 6. ἐγὼ καὶ ὁ οἴ. πατρός μου ἡμάρτομεν (5)
2. 3. οἶκος μνημείων πατέρων μου (5)
— 8. S² στεγάσαι τὰς πύλας τῆς βάρεως τοῦ οἴ. [A B S¹ *om.* τ. β. τ. οἴ.] (5)
— 8. δοῦναί μοι ξύλα . . . εἰς [S *add.* τὸν] οἶκον (5)
3. 23. κατέναντι οἴκου αὐτῶν (5)
— 23. ἐχόμενα οἴκου αὐτοῦ (5)
— 25. ὁ πύργος ὁ ἐξέχων ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ βασ. (5)
— 28. ἀνὴρ ἐξ ἐναντίας οἴκου ἑαυ. [A μετ' αὐ.] (5)
— 29. ἐξ ἐναντίας οἴκου ἑαυ. (5)
— 29. B ὁ φύλαξ οἴκου τῆς ἀνατολῆς [A S R *al.*] †
4. 14 (8). παρατάξασθε περὶ . . . οἴκων [S οἰκιῶν] ὑ. (5)
— 16 (10). ὀπίσω παντὸς οἴ. Ἰ. (5)
5. 13. οὕτως ἐκτινάξαι . . . ἐκ τοῦ οἴ. αὐ. (5)
6. 10. εἰσῆλθον εἰς οἶκον Σ. (5)
— 10. συναχθῶμεν εἰς οἶκον τοῦ θ. (5)
— 11. ὃς εἰσελεύσεται εἰς τὸν οἴ. (8 *a*)
7. 39. οἱ ἱερεῖς υἱοὶ Ἰ. εἰς οἶκον Ἰ. (5)
— 61. ἀπαγγεῖλαι οἴκους πατριῶν αὐ. (5)
8. 16. ἐν ταῖς αὐλαῖς οἴκου τοῦ θ. (5)
— 16. A καὶ ἕως οἴκου [B S πύλης] Ἐφρ. †
10. 32 (33). εἰς δουλείαν οἴκου τοῦ θεοῦ ἡμῶν (5)
— 33 (34). εἰς ἔργα οἴκου τοῦ θεοῦ ἡμῶν (5)
— 34 (35). ἐνέγκαι εἰς οἶκον θεοῦ ἡμῶν εἰς οἴκον [A S οἴκους] πατριῶν ἡμῶν (5, 5)
— 35 (36). καὶ ἐνέγκαι . . . εἰς οἶκον (5)
— 36 (37). ἐνέγκαι εἰς οἶκον θεοῦ ἡμῶν (5)
— 36 (37). ἐν οἴκῳ θεοῦ ἡμῶν (5)
— 37 (38). εἰς τὸ γαζοφυλάκιον οἴκου τοῦ θεοῦ [A *al.*] (5)
— 38 (39). ἀνοίσουσι . . . εἰς οἶκον θεοῦ ἡμῶν . . . εἰς οἶκον τοῦ θεοῦ [S² θησαυροῦ] (5, 5)
— 39 (40). οὐκ ἐγκαταλείψομεν τὸν οἴ. τοῦ θ. ἡμῶν (5)
11. 11. ἀπέναντι οἴκου τοῦ θεοῦ (5)
— 12. ποιοῦντες τὸ ἔργον τοῦ οἴ. (5)
— 16. S² ἐπὶ τοῦ ἔργου τοῦ ἐξωτάτου οἴκου τοῦ θ. (5)
— 22. ἀπέναντι ἔργου οἴκου [S¹ οἴ. ἔ.] τοῦ θ. (5)
12. 37. ἐπάνωθεν τοῦ οἴ. Δ. (5)
— 40. S² ἔστησαν . . . ἐν οἴκῳ τοῦ θ. (5)
13. 4. ἐν γαζοφυλακίῳ οἴκου θεοῦ ἡμῶν (5)
— 7. ἐν αὐλῇ οἴκου τοῦ θεοῦ (5)
— 8. ἔρριψα πάντα τὰ σκεύη οἴκου Τ. (5)
— 9. ἐπέστρεψα ἐκεῖ σκεύη οἴκου τοῦ θ. (5)
— 11. διὰ τί ἐγκατελείφθη ὁ οἴ. τοῦ θ. (5)
— 14. ὃ ἐποίησα ἐν οἴκῳ κ. τοῦ θεοῦ (5)
To. 1. 4. ἀπέστη ἀπὸ τοῦ οἴ. Ἱεροσολύμων [S *al.*]
— 5. ὁ οἴ. Νεφθ. τοῦ πατρός μου
2. 1. κατῆλθον εἰς τὸν οἴ. μου
3. 17. εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ [S *al.*]
6. 12. S ἀπάξωμεν αὐτὴν . . . εἰς τὸν οἴ. σου
— 15. S λαβεῖν γυναῖκα ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ πατρός σου [A B *al.*]
— 17. S ἐκ τοῦ σπέρματος τοῦ οἴ. τοῦ πατρὸς αὐ.
7. 1. S ἀπήγαγεν αὐτὸν εἰς τὸν οἴ. Ῥ. [A B *al.*]
— 1. S ἤγαγεν αὐτοὺς εἰς τὸν οἴ. αὐ. [A B *al.*]
8. 11. S ἦλθε Ῥ. εἰς τὸν οἴ. [A B τὴν οἰκίαν]
13. 16. S Ἱερ. οἰκοδομηθήσεται . . . οἶκος αὐ. [A B *al.*]
14. 4. ὁ οἴ. τοῦ θεοῦ ἐν αὐτῇ κατακαήσεται [S *al.*]

To. 14. 5. οἰκοδομήσουσι τὸν οἶ.
— 5. ὁ οἶ. τοῦ θεοῦ ἐν αὐτῇ οἰκοδομηθήσεται
Ju. 2. 1. ἐγένετο λόγος ἐν οἴκῳ Ναβ.
— 18. A B S² ἐξ οἴκου βασιλέως πολὺ σφόδρα
4. 3. καὶ ὁ οἶ. ἐκ τῆς βεβηλώσεως
— 15. A B εἰς ἀγαθὸν ἐπισκέψασθαι πάντα οἶ. Ἰ.
6. 17. ὅσα ἐμεγαλορρημόνησεν Ὀλ. εἰς τὸν οἶ. Ἰ.
— 21. παρέλαβεν αὐτὸν . . . εἰς οἶκον αὐ.
7. 32. τὰ τέκνα εἰς τοὺς οἶ. αὐ. ἀπέστειλεν
8. 4. ἦν Ἰ. ἐν τῷ οἶ. αὐ.
— 5. ἐπὶ τοῦ δώματος τοῦ οἶ. αὐ.
— 6. χωρὶς . . . χαρμοσυνῶν οἴκου Ἰ.
— 24. ὁ οἶ. . . . ἐπεστήρισται ἐφ' ἡμῖν
9. 1. ἦν ἄρτι προσφερόμενον . . . εἰς τὸν οἶ. τοῦ θ.
— 13. κατὰ τῆς διαθήκης σου καὶ οἶ. ἡγιασμένου σου . . . καὶ οἴκου κατασχέσεως υἱῶν σου
10. 2. κατέβη εἰς τὸν οἶ.
11. 7. Ναβ. καὶ πάντα τὸν οἶ. αὐ.
— 23. A B ἐν οἴκῳ βασιλέως Ναβ. καθήσῃ
12. 13. A B αἱ παρεστήκασιν ἐν οἴκῳ Ναβ.
13. 14. οὐκ ἀπέστησε τὸ ἔλεος αὐ. ἀπὸ τοῦ οἶ. Ἰ.
14. 5. τὸν ἐκφυυλίσαντα τὸν οἶ. τοῦ Ἰσρ.
— 6. ἐκάλεσαν τὸν Ἀ. ἐκ τοῦ οἶ. Ὀ.
— 10. προσετέθη πρὸς [A S εἰς] τὸν οἶ. Ἰσρ.
— 18. ἐποίησεν αἰσχύνην . . . εἰς τὸν οἶ. τοῦ βασ.
16. 21. S Ἰ. ἀπῆλθεν εἰς τὸν οἶ. αὐ. [A B *al.*]
— 23. ἐγήρασεν ἐν [A *om.*] τῷ οἶ. τοῦ ἀνδρὸς αὐ.
— 24. ἐπένθησεν [A -αν] αὐτὴν [S *add.* ὁ] οἶκος Ἰσρ.
Es. 1. 5. ἐν αὐλῇ [A S *add.* τοῦ] οἴκου τοῦ βασ. (6)
4. 14. σὺ δὲ καὶ ὁ οἶ. τοῦ πατρός σου (5)
— 17. σβέσαι δόξαν οἴκου σου
6. 4. S² ἐν τῇ αὐλῇ οἴκου τοῦ βασ. [A B S¹ *al.*] (5)
7. 8. S² εἰς τὸν οἶ. τοῦ πότου τοῦ οἴνου (5)
Jb. 3. 15. οἳ ἔπλησαν τοὺς οἴκους αὐτῶν ἀργυρίου (5)
5. 24. εἰρηνεύσει σου ὁ οἶκος [A *al.*] (1)
7. 10. οὐδ' οὐ μὴ ἐπιστρέψῃ εἰς τὸν ἴδιον οἶκον (5)
8. 14. ἀοίκητος γὰρ αὐτοῦ ἔσται ὁ οἶκος (5)
12. 5 (6). οἴκους τε αὐτοῦ [A μου] ἐκπορθεῖσθαι ὑπὸ ἀνόμων (1)
15. 28. εἰσέλθοι δὲ εἰς οἴκους ἀοικήτους (5)
— 34. πῦρ δὲ καύσει [A κατακ.] οἴκους δωροδεκτῶν (1)
17. 13. ᾅδης μου ὁ οἶκος (5)
18. 19. οὐδὲ σεσωσμένος ἐν τῇ ὑπ' οὐρανὸν ὁ οἶ. αὐ. –
— 21. οὗτοί εἰσιν οἱ [A *om.*] οἶκοι ἀδίκων (14 *a*)
20. 19. πολλῶν γὰρ δυνατῶν [A S² ἀδ.] οἴκους ἔθλασε (5)
— 26. κακώσαι δὲ αὐτοῦ ἐπήλυτος τὸν οἶκον (1)
— 28. ἑλκύσαι [S¹ ἐκλύσαι] τὸν οἶκον αὐτοῦ (5)
21. 9. οἱ οἶκοι αὐτῶν εὐθηνοῦσι (5)
— 21. τὸ θέλημα αὐτοῦ ἐν οἴκῳ αὐτοῦ (5)
— 28. ποῦ ἐστιν οἶκος ἄρχοντος [A ἀρχαῖος] (5)
22. 18. ἐνέπλησε τοὺς οἴκους αὐτῶν ἀγαθῶν (5)
24. 12. οἱ ἐκ πόλεως καὶ οἴκων ἰδίων †
27. 18. ἀπέβη δὲ ὁ οἶ. αὐ. ὥσπερ σῆτες [A -ός] (5)
29. 4. ὅτε ὁ θεὸς ἐπισκοπὴν ἐποιεῖτο τοῦ οἶ. μου (1)
30. 6. ὧν οἱ οἶκοι αὐτῶν ἦσαν τρῶγλαι πετρῶν (14 *b*)
Ps. 5. 7. εἰσελεύσομαι εἰς τὸν οἶκόν σου (5)
22 (23). 6. τὸ κατοικεῖν με ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
25 (26). 8. ἠγάπησα εὐπρέπειαν οἴκου σου (5)
26 (27). 4. τοῦ [A S¹ τὸ] κατοικεῖν με ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
29 (30). *tit.* ψαλμὸς ᾠδῆς τοῦ ἐγκαινισμοῦ τοῦ οἴκου (5)
30 (31). 2. εἰς οἶκον καταφυγῆς τοῦ σῶσαί με (5)
35 (36). 8. A R μεθυσθήσονται ἀπὸ πιότητος οἴκου [B S τοῦ οἴκου] σου (5)
41 (42). 4. διελεύσομαι . . . ἕως τοῦ οἶ. τοῦ θ. (5)
44 (45). 10. ἐπιλάθου . . . τοῦ οἴκου τοῦ πατρός σου (5)
48 (49). 16. ὅταν πληθυνθῇ ἡ δόξα τοῦ οἴκου αὐτοῦ (5)
— 17. S² οὐδὲ συγκαταβήσεται αὐτῷ ἡ δόξα τοῦ οἶ. [A B *om.* τοῦ οἶ.] αὐτοῦ –
49 (50). 9. οὐ δέξομαι ἐκ τοῦ οἴκου σου μόσχους (5)
51 (52). *tit.* ἦλθε Δαυὶδ εἰς τὸν οἶκον Ἀβιμέλεχ (5)
— 8. ἐγὼ δὲ ὡσεὶ ἐλαία κατάκαρπος ἐν τῷ οἶ. τοῦ θεοῦ (5)
54 (55). 14. ἐν τῷ οἴ. τοῦ θεοῦ ἐπορεύθημεν (5)
58 (59). *tit.* ἐφύλαξε τὸν οἶκον αὐ. (5)
64 (65). 4. πλησθησόμεθα ἐν τοῖς ἀγαθοῖς τοῦ οἴκου σου (5)
65 (66). 13. εἰσελεύσομαι εἰς τὸν οἶκόν σου (5)
67 (68). 6. ὁ θεὸς κατοικίζει μονοτρόπους ἐν οἴκῳ (5)
Ps. 67 (68). 12. καὶ ὡραιότητι τοῦ οἴκου διελέσθαι σκῦλα (5)
68 (69). 9. ὁ ζῆλος τοῦ οἶ. σου κατέφαγέ με (5)
73 (74). 20. ἐπληρώθησαν οἱ ἐσκοτωμένοι τῆς γῆς οἴκων ἀνομιῶν (15)
83 (84). 4. μακάριοι οἱ κατοικοῦντες ἐν τῷ οἴκῳ σου (5)
— 10. ἐξελεξάμην παραριπτεῖσθαι ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ θεοῦ (5)
91 (92). 13. πεφυτευμένοι ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (5)
92 (93). 5. τῷ οἴκῳ σου πρέπει ἁγίασμα (5)
95 (96). *tit.* ὅτε ὁ οἶκος ᾠκοδόμηται –
97 (98). 3. ἐμνήσθη . . . τῆς ἀληθείας αὐτοῦ τῷ οἴκῳ Ἰσραήλ (5)
100 (101). 2. διεπορευόμην . . . ἐν μέσῳ τοῦ οἴκου [S¹ τῷ οἴκῳ] μου (5)
104 (105). 21. κατέστησεν αὐτὸν κύριον τοῦ οἴκου αὐτοῦ (5)
111 (112). 3. δόξα καὶ πλοῦτος ἐν τῷ οἴκῳ αὐτοῦ (5)
112 (113). 9. ὁ κατοικίζων στεῖραν ἐν οἴκῳ (5)
113 (114). 1. A R οἴκου [S οἴκοι] Ἰακὼβ ἐκ λαοῦ βαρβάρου (5)
113. 17 (115. 9). οἶκος Ἰσραὴλ ἤλπισεν ἐπὶ κύριον –
— 18 (115. 10). οἶκος Ἀαρὼν ἤλπισεν ἐπὶ κύριον (5)
— 20 (115. 12). εὐλόγησε τὸν οἶ. Ἰσρ. εὐλόγησε τὸν οἶ. Ἀ. (5, 5)
115. 10 (116. 19). ἐν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (5)
117 (118). 2. εἰπάτω δὴ οἶκος Ἰσραὴλ ὅτι ἀγαθός –
— 3. εἰπάτω δὴ οἶκος Ἀαρὼν ὅτι ἀγαθός (5)
— 26. εὐλογήκαμεν ὑμᾶς ἐξ οἴκου κυρίου (5)
118 (119). 139. A S¹ ἐξέτηξέ με ὁ ζῆλος τοῦ οἴκου [S² R *om.* τοῦ οἴκου] σου –
121 (122). 1. εἰς οἶκον κυρίου πορευσόμεθα (5)
— 5. θρόνοι ἐπὶ οἶκον Δαυίδ (5)
— 9. ἕνεκα τοῦ οἴκου κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν (5)
126 (127). 1. ἐὰν μὴ κύριος οἰκοδομήσῃ οἶκον (5)
131 (132). 3. εἰ εἰσελεύσομαι εἰς σκήνωμα οἴκου μου (5)
133 (134). 1. οἱ ἑστῶτες ἐν οἴκῳ κυρίου [S¹ *om.* ἐν οἴ. κ.] ἐν αὐλαῖς οἴκου θεοῦ ἡμῶν (5, –)
134 (135). 2. οἱ ἑστῶτες ἐν οἴκῳ κυρίου ἐν αὐλαῖς οἴκου θεοῦ ἡμῶν (5, 5)
— 19. οἶκος Ἰσρ. εὐλογήσατε τὸν κύριον οἶκος Ἀ. εὐλογήσατε τὸν κύριον (5, 5)
— 20. οἶκος Λευὶ εὐλογήσατε τὸν κύριον (5)
151. 1. καὶ νεώτερος ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ πατρός μου
Pr. 1. 13. πλήσωμεν δὲ οἴκους ἡμετέρους [S -ων] σκύλων (5)
2. 18. ἔθετο γὰρ παρὰ τῷ θανάτῳ τὸν οἶκον αὐτῆς (5)
3. 33. κατάρα θεοῦ ἐν οἴκοις ἀσεβῶν (5)
5. 8. μὴ ἐγγίσῃς πρὸς θύραις οἴκων αὐτῆς (5)
— 10. οἱ δὲ σοὶ πόνοι εἰς οἴκους ἀλλοτρίων ἔλθωσι [A εἰσέλθωσιν] (5)
7. 6. ἀπὸ γὰρ θυρίδος ἐκ τοῦ οἴκου αὐτῆς εἰς τὰς πλατείας παρακύπτουσα (5)
— 8. παραπορευόμενον παρὰ γωνίαν ἐν διόδοις οἴκων αὐτῆς (5)
— 11. ἐν οἴκῳ δὲ οὐχ ἡσυχάζουσιν οἱ πόδες αὐτῆς (5)
— 17. τὸν δὲ οἶκόν μου κινναμώμῳ †
— 19. οὐ γὰρ πάρεστιν ὁ ἀνήρ μου ἐν οἴκῳ (5)
— 20. δι' ἡμερῶν πολλῶν ἐπανήξει εἰς τὸν οἶκον αὐτοῦ (5)
— 27. ὁδοὶ ᾅδου ὁ οἶκος αὐτῆς (5)
9. 1. ἡ σοφία ᾠκοδόμησεν ἑαυτῇ οἶκον (5)
— 14. ἐκάθισεν ἐπὶ θύραις τοῦ ἑαυτῆς οἴκου (5)
11. 29. ὁ μὴ συμπεριφερόμενος τῷ ἑαυτοῦ οἴκῳ (5)
12. 7. οἶκοι δὲ δικαίων παραμένουσι (5)
14. 1. σοφαὶ γυναῖκες ᾠκοδόμησαν οἴκους (5)
15. 6. A B S² οἴκοις δικαίων ἰσχὺς πολλή (5)
— 25. οἴκους ὑβριστῶν κατασπᾷ κύριος (5)
17. 1. A S οἶκος πλήρης [B *om.*] πολλῶν ἀγαθῶν (5)
— 13. οὐ κινηθήσεται κακὰ ἐκ τοῦ οἴκου [A εἰς τοὺς οἴκους] αὐτοῦ (5)
— 16 (19). ὃς ὑψηλὸν ποιεῖ τὸν ἑαυτοῦ οἶκον ζητεῖ συντριβήν †
19. 14. οἶκον καὶ ὕπαρξιν μερίζουσι πατέρες παισί (5)
21. 9. ἐν κεκονιαμένοις μετὰ ἀδικίας καὶ ἐν οἴκῳ κοινῷ (5)
23. 5. ὑποστρέφει εἰς τὸν οἶκον τοῦ προεστηκότος αὐτοῦ †
— 27. πίθος γὰρ τετρημένος ἐστὶν ἀλλότριος οἶκος –
24. 3. μετὰ σοφίας οἰκοδομεῖται οἶκος (5)
— 42 (27). ἀνοικοδομήσεις τὸν οἶκόν σου (5)
Pr. 24. 61 (30. 26). οἱ ἐποιήσαντο ἐν πέτραις τοὺς ἑαυτῶν οἴκους (5)
27. 10. εἰς δὲ τὸν οἶκον τοῦ ἀδελφοῦ σου μὴ εἰσέλθῃς ἀτυχῶν (5)
— 15. σταγόνες ἐκβάλλουσιν ἄνθρωπον . . . ἐκ τοῦ οἴκου αὐτοῦ –
— 15. ὡσαύτως καὶ γυνὴ λοίδορος ἐκ [S ἀπὸ] τοῦ ἰδίου οἴκου –
31. 15. ἔδωκε βρώματα τῷ οἴκῳ (5)
— 21. οὐ φροντίζει τῶν ἐν οἴκῳ ὁ ἀνὴρ αὐτῆς (5)
— 26 (27). στεγναὶ διατριβαὶ οἴκων αὐτῆς (5)
Ec. 2. 4. ᾠκοδόμησά μοι οἴκους (5)
4. 14. ἐξ οἴκου τῶν δεσμίων [A S -ῶν] ἐξελεύσεται (5)
— 17. ἐν ᾧ ἐὰν πορεύῃ εἰς οἶκον [A τὸν οἶ.] τοῦ θεοῦ (5)
7. 3 (2). ἀγαθὸν πορευθῆναι εἰς οἶκον πένθους ἢ ὅτι πορευθῆναι εἰς οἶκον πότου (5, 5)
— 5 (4). καρδία σοφῶν ἐν οἴκῳ πένθους (5)
— 5 (4). καρδία ἀφρόνων ἐν οἴκῳ εὐφροσύνης (5)
12. 5. ἐπορεύθη ὁ ἄνθρωπος εἰς οἶκον αἰῶνος αὐ. (5)
Ca. 1. 17. δοκοὶ οἴκων [S¹ *om.*] ἡμῶν κέδροι (5)
2. 4. εἰσαγάγετέ με εἰς οἶκον τοῦ οἴνου (5)
3. 4. εἰσήγαγον αὐτὸν εἰς οἶκον μητρός μου (5)
8. 2. εἰσάξω σε [S¹ *om.* εισ. σε] εἰς οἶκον μητρός μου (5)
Wi. 8. 16. εἰσελθὼν εἰς τὸν οἶ. μου
Si. 1. 17. πάντα τὸν οἶκον αὐτῆς ἐμπλήσει ἐπιθυμημάτων
3. 9. εὐλογία γὰρ πατρὸς στηρίζει οἴκους τέκνων
4. 30. μὴ ἴσθι ὡς λέων ἐν τῷ οἴκῳ [S τῇ οἰκίᾳ] σου
11. 29. μὴ πάντα ἄνθρωπον εἴσαγε εἰς τὸν οἶκόν σου
14. 24. ὁ καταλύων σύνεγγυς τοῦ οἴκου αὐτῆς
— 24. S¹ πήξει πάσσαλον ἐν τοῖς οἴκοις [A B S² τοίχοις] αὐ.
21. 4. οὕτως οἶκος ὑπερηφάνου [A S² -ων] ἐρημωθήσεται
— 18. ὡς οἶκος ἠφανισμένος οὕτως μωρῷ σοφία
23. 11. οὐκ ἀποστήσεται ἀπὸ τοῦ οἴκου αὐτοῦ μάστιξ
— 11. πλησθήσεται γὰρ ἐπαγωγῶν ὁ οἶκος αὐτοῦ
27. 3. ἐν τάχει καταστραφήσεται αὐτοῦ ὁ οἶκος
29. 21. οἶκος καλύπτων ἀσχημοσύνην
35 (32). 11. ἀπότρεχε εἰς οἶκον
47. 13. ἵνα στήσῃ οἶκον ἐπ' ὀνόματι αὐτοῦ
48. 15. ἄρχων τῷ [A S ἐν τῷ] οἴκῳ Δαυίδ
49. 12. ἐν ἡμέραις αὐτῶν ᾠκοδόμησαν οἶκον [A πύργον]
50. 1. ἐν ζωῇ αὐτοῦ ὑπέρραψεν [S² -έγραψεν] οἶκον
— 5. ἐν ἐξόδῳ οἴκου καταπετάσματος
— 18. ἐν πλείστῳ οἴκῳ [S² ἤχῳ] ἐγλυκάνθη [A S² ἐμεγαλύνθη] μέλος
51. 23. αὐλίσθητε ἐν οἴκῳ παιδείας
Ho. 1. 4. ἐκδικήσω τὸ αἷμα τοῦ Ἰ. ἐπὶ τὸν οἶ. Ἰ. (5)
— 4. καὶ καταπαύσω βασιλείαν οἴκου Ἰσ. (5)
— 6. οὐ μὴ προσθήσω ἔτι ἐλεῆσαι τὸν οἶ. Ἰσ. (5)
4. 15. μὴ ἀναβαίνετε εἰς τὸν οἶκον Ὠν [A B² τῆς ἀδικίας] (5)
5. 1. καὶ προτέχετε οἶκος Ἰσραήλ (5)
— 1. καὶ ὁ [A *om.*] οἶκος τοῦ βασιλέως ἐνωτίζεσθε (5)
— 8. κηρύξατε ἐν τῷ οἴκῳ Ὠν (5)
— 12. καὶ ὡς κέντρον τῷ οἶ. Ἰούδα (5)
— 14. καὶ ὡς λέων τῷ οἶ. Ἰούδα (5)
6. 11 (10). ἀνομίαν ἐποίησαν ἐν τῷ οἶ. τοῦ Ἰσραήλ (5)
8. 1. ὡς ἀετὸς ἐπ' οἶκον κυρίου (5)
9. 4. οὐκ εἰσελεύσονται εἰς τὸν [A *om.*] οἶ. κυρίου (5)
— 8. μανίαν ἐν οἴκῳ θεοῦ κατέπηξαν (5)
— 15. ἐκ τοῦ οἴ. μου ἐκβαλῶ αὐτούς (5)
10. 5. τῷ μόσχῳ τοῦ οἴ. Ὠν παροικήσουσιν (5)
— 14. ὡς ἄρχων Σ. ἐκ τοῦ οἴ. Ἱερ. (5)
— 15. οὕτως ποιήσω ὑμῖν, οἶκος τοῦ Ἰ. (5)
11. 11. ἀποκαταστήσω αὐτοὺς εἰς τοὺς οἴ. αὐτῶν (5)
— 12 (12. 1). ἐκύκλωσέ με . . . ἐν ἀσεβείαις οἴκος [A οἶκου] Ἰσραήλ (5)
12. 4 (5). ἐν τῷ οἴ. Ὠν [A μου] εὕρισάν με (5)
Am. 1. 4. ἐξαποστελῶ πῦρ εἰς τὸν οἶ. Ἀζ. (5)
2. 8. οἶνον . . . ἔπινον ἐν τῷ οἴ. τοῦ θεοῦ αὐτῶν (5)
3. 1. ἀκούσατε τὸν λόγον τοῦτον . . . οἶκος Ἰσραήλ (7)
— 13. καὶ ἐπιμαρτύρασθε τῷ οἴ. Ἰ. (5)
— 15. συγχεῶ καὶ πατάξω τὸν οἶ. τὸν περίπτερον ἐπὶ τὸν οἶ. τὸν θερινὸν καὶ ἀπολοῦνται οἶκοι ἐλεφάντινοι καὶ προστεθήσονται ἕτεροι οἶκοι πολλοί (5 *quater*)

Am. 5. 1. οἶκος Ἰσραὴλ ἔπεσεν (5)
— 3. ὑπολειφθήσονται δέκα τῷ οἴ. Ἰσραήλ (5)
— 4. τάδε λέγει κύριος πρὸς τὸν οἴ. Ἰσραήλ (5)
— 6. ὅπως μὴ ἀναλάμψῃ ὡς πῦρ ὁ οἶκος Ἰωσήφ (5)
— 6. καὶ οὐκ ἔσται ὁ σβέσων τῷ οἴκῳ Ἰσραήλ (5)
— 11. οἴκους ξεστοὺς ᾠκοδομήσατε [A ξυστοὺς οἰκοδομήσετε] (5)
— 19. καὶ εἰσπηδήσῃ εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
— 25. μὴ . . . θυσίας προσηνέγκατέ μοι, οἶκος Ἰσ. (5)
6. 1. οἴκος τοῦ Ἰσ., διάβητε πάντες καὶ ἴδετε (5)
— 10. ἐξενέγκαι τὰ ὀστᾶ αὐτῶν ἐκ τοῦ οἴκου (5)
— 12 (11). καὶ πατάξει τὸν οἴ. τὸν μέγαν θλάσμασι (5)
— 12 (11). καὶ τὸν οἴ. τὸν μικρὸν ῥάγμασιν [A ῥήγμασιν] (5)
— 15 (14). ἐγὼ ἐπεγείρω ἐφ' ὑμᾶς, οἶκος Ἰσραήλ (5)
7. 9. ἀναστήσομαι ἐπὶ τὸν οἶκον Ἰ. ἐν ῥομφαίᾳ (5)
— 10. συστροφὰς ποιεῖται κατὰ σοῦ Ἀ. ἐν μέσῳ οἴκου Ἰ. (5)
— 13. καὶ οἶκος βασιλείας ἐστί (5)
— 16. οὐ μὴ ὀχλαγωγήσῃς ἐπὶ τὸν οἴ. Ἰακώβ (5?)
9. 8. οὐκ εἰς τέλος ἐξαρῶ τὸν οἴ. Ἰ. (5)
— 9. λικμήσω ἐν πᾶσι τοῖς ἔθνεσι τὸν οἴ. Ἰ. (5)
Mi. 1. 2. κύριος ἐξ οἴκου ἁγίου αὐτοῦ (8 a)
— 5. καὶ διὰ ἁμαρτίαν οἴκου Ἰσραήλ (5)
— 5. A τίς ἡ ἀσέβεια οἴκου [B τοῦ] Ἰακώβ –
— 5. καὶ τίς ἡ ἁμαρτία οἴκου Ἰούδα †
— 10. μὴ ἀνοικοδομεῖτε ἐξ οἴκου κατὰ γέλωτα (5)
— 11. κόψασθαι οἶκον ἐχόμενον αὐτῆς (5)
— 14. διὰ τοῦτο δώσει . . . οἴκους ματαίους (5)
2. 2. καὶ οἴκους κατεδυνάστευον (5)
— 2. διήρπαζον ἄνδρα καὶ τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
— 7. οἴκος Ἰ. παρώργισε πνεῦμα κ. (5)
3. 1. ἀκούσατε δὴ ταῦτα αἱ ἀρχαὶ οἴκου Ἰ. καὶ οἱ κατάλοιποι οἴκου Ἰσ. (–, 5)
— 9. ἀκούσατε δὴ ταῦτα οἱ ἡγούμενοι οἴκου Ἰ. καὶ οἱ κατάλοιποι οἴκου Ἰσ. (5, 5)
— 12. τὸ ὄρος τοῦ οἴ. εἰς [A ὡς] ἄλσος δρυμοῦ (5)
4. 2. ἀναβῶμεν . . . εἰς τὸν οἴ. τοῦ θεοῦ Ἰακώβ (5)
5. 2 (1). σὺ Βηθ. οἶκος Ἐφραθὰ ὀλιγοστὸς εἶ –
6. 4. ἐξ οἴκου δουλείας ἐλυτρωσάμην σε (5)
— 10. μὴ πῦρ καὶ οἶκος ἀνόμου θησαυρίζων θησαυρούς (5)
— 16. ἐφύλαξας . . . πάντα τὰ ἔργα οἴκου Ἀχαάβ (5)
7. 6. ἐχθροὶ πάντες ἀνδρὸς [A οἱ ἄνδρες] οἱ ἐν τῷ οἴ. αὐτοῦ (5)
Jl. 1. 9. ἐξῆρται . . . σπονδὴ ἐξ οἴκου κυρίου (5)
— 13. ἀπέσχηκεν ἐξ οἴκου θεοῦ ὑμῶν θυσία (5)
— 14. πάντας κατοικοῦντας γῆν εἰς οἶκον θεοῦ (5)
— 16. ἐξωλεθρεύθη ἐξ οἴκου θεοῦ ὑμῶν εὐφροσύνη (5)
3 (4). 18. πηγὴ ἐξ οἴκου κυρίου ἐξελεύσεται (5)
Ob. 1. 17. κατακληρονομήσουσιν ὁ οἴ. Ἰακώβ (5)
— 18. ἔσται ὁ οἴ. Ἰ. πῦρ ὁ δὲ οἴ. Ἰωσ. φλόξ (5, 5)
— 18. ὁ δὲ οἴ. Ἡσ. εἰς καλάμην (5)
— 18. οὐκ ἔσται πυροφόρος τῷ οἴ. Ἡσ. (5)
Na. 1. 14. ἐξ οἴκου θεοῦ σου ἐξολεθρεύσω τὰ γλυπτά (5)
Hb. 2. 9. ὦ ὁ πλεονεκτῶν πλεονεξίαν κακὴν τῷ οἴ. αὐ. (5)
— 9. S¹ τοῦ τάξαι εἰς οἶκον [A B S² ὕψος] νοσσιὰν αὐ. †
— 10. ἐβουλεύσω αἰσχύνην τῷ οἴ. σου (5)
Ze. 1. 8. ἐκδικήσω . . . ἐπὶ τὸν οἶκον τοῦ βασιλέως (7)
— 9. τοὺς πληροῦντας τὸν οἴ. κυρίου θεοῦ (5)
— 13. καὶ οἱ οἶκοι αὐτῶν εἰς ἀφανισμόν (5)
2. 7. τοῖς καταλοίποις οἴκου Ἰούδα (5)
— 7. ἐπ' αὐτοὺς [A S² αὐτοῦ] νεμήσονται ἐν τοῖς οἴ. Ἀ. (5)
Hg. 1. 2. ὁ καιρὸς τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἴ. κυ. (5)
— 4. καιρὸς . . . τοῦ οἰκεῖν ἐν οἴκοις ὑμῶν κοιλοστάθμοις ὁ δὲ οἴ. ἡμῶν ἐξῃρήμωται (5, 5)
— 8. καὶ οἰκοδομήσατε τὸν οἴ. (5)
— 9. καὶ εἰσηνέχθη εἰς τὸν οἴ. (5)
— 9. ἀνθ' ὧν ὁ οἴ. μού ἐστιν ἔρημος (5)
— 9. ὑμεῖς δὲ διώκετε ἕκαστος εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
— 14. ἐποίουν ἔργα ἐν τῷ οἴ. (5)
2. 4 (3). ὃς εἶδε [A οἶδεν] τὸν οἴ. τοῦτον (5)
— 8 (7). πλήσω [A πληρώσω] τὸν οἴ. τοῦτον δόξης (5)
— 10 (9). μεγάλη ἔσται ἡ δόξα τοῦ οἴ. τούτου (5)
Za. 1. 16. ὁ οἴ. μου ἀνοικοδομηθήσεται ἐν αὐτῇ (5)
3. 8 (7). σὺ διακρινεῖς τὸν οἴ. μου (5)
4. 9. αἱ χεῖρες Ζ. ἐθεμελίωσαν τὸν οἴ. τοῦτον (5)
5. 4. εἰσελεύσεται [A -σομαι] εἰς τὸν οἴ. τοῦ κλέπτου καὶ εἰς τὸν οἶκον τοῦ ὀμνύοντος (5, 5)
Za. 5. 4. καὶ καταλύσει ἐν μέσῳ τοῦ οἴ. αὐτοῦ (5)
6. 10. εἰσελεύσῃ σὺ . . . εἰς τὸν οἶκον Ἰωσ. (5)
— 12. οἰκοδομήσει τὸν οἴ. κυρίου (8 a)
— 14. καὶ εἰς ψαλμὸν ἐν οἴκῳ κυρίου (8 a)
— 15. οἰκοδομήσουσιν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (8 a)
7. 3. λέγων πρὸς τοὺς ἱερεῖς τοὺς ἐν τῷ οἴ. κ. (5)
8. 9. ἀφ' ἧς ἡμέρας τεθεμελίωται ὁ οἴ. κ. (5)
— 13. ἦτε ἐν κατάρᾳ . . . οἶκος Ἰ. καὶ οἶκος [A ὁ οἴ.] Ἰσ. (5, 5)
— 15. καλῶς ποιῆσαι τὴν Ἰερ. καὶ τὸν οἴ. Ἰ. (5)
— 19. ἔσονται τῷ οἴ. Ἰ. εἰς χαράν (5)
9. 8. ὑποστήσομαι τῷ οἴ. μου ἀνάστημα (5)
10. 3. ἐπισκέψεται . . . τὸ ποίμνιον αὐτοῦ τὸν οἴ. Ἰ. (5)
— 6. κατισχύσω τὸν οἴ. Ἰ. καὶ τὸν οἴ. Ἰ. σώσω (5, 5)
11. 13. ἐνέβαλον αὐτοὺς εἰς τὸν [A om.] οἴ. κ. (5)
12. 4. ἐπὶ δὲ τὸν οἴ. Ἰ. διανοίξω τοὺς ὀφθαλμούς μου (5)
— 7. ὅπως μὴ μεγαλύνηται καύχημα οἴκου Δ. (5)
— 8. ὁ δὲ [A om. ὁ δὲ] οἴ. Δ. ὡς οἶκος θεοῦ (5, –)
— 10. ἐκχεῶ ἐπὶ τὸν οἴ. Δαυὶδ . . . πνεῦμα χάριτος (5)
— 12. φυλὴ οἴκου Δ. καθ' ἑαυτήν (5)
— 12. φυλὴ οἴκου Ν. καθ' ἑαυτήν (5)
— 13. φυλὴ οἴκου Δ. καθ' ἑαυτήν (5)
13. 1. πᾶς τόπος διανοιγόμενος τῷ [A ἐν τῷ] οἴ. Δ. (5)
— 6. ἃς ἐπλήγην ἐν τῷ οἴ. τῷ ἀγαπητῷ [A τοῦ ἀγ.] μου (5)
14. 20. ἔσονται οἱ λέβητες ἐν τῷ οἴ. κυρίου (5)
— 21. οὐκ ἔσται Χαν. ἔτι ἐν τῷ οἴ. κυρίου (5)
Ma. 3. 10. καὶ ἔσται ἡ διαρπαγὴ αὐ. ἐν τῷ οἴ. αὐτοῦ [S² τοῖς οἴ. ὑμῶν] (5)
Is. 2. 2. ὁ οἴ. τοῦ θεοῦ ἐπ' ἄκρου [A S -ων] τῶν ὀρέων (5)
— 3. ἀναβῶμεν . . . εἰς τὸν οἴ. τοῦ θεοῦ Ἰακώβ (5)
— 5. καὶ νῦν ὁ [S om.] οἴ. Ἰ. (5)
— 6. ἀνῆκε γὰρ τὸν λαὸν αὐ. τὸν οἴ. τοῦ Ἰ. (5)
3. 7. οὐ γὰρ ἔστιν ἐν τῷ οἴ. μου ἄρτος –
— 14. ἡ ἁρπαγὴ τοῦ πτωχοῦ ἐν τοῖς οἴ. ὑμῶν (5)
5. 5. A¹ καθελῶ τὸν οἶκον [A² B S τοίχον] αὐ. †
— 7. ὁ γὰρ ἀμπελὼν κυρίου σαβαὼθ οἴ. τοῦ Ἰσρ. (5)
6. 1. πλήρης ὁ οἴ. τῆς δόξης αὐτοῦ (8 a)
— 4. ὁ οἴ. ἐνεπλήσθη [A S ἐπλ.] καπνοῦ (5)
— 11. οἴκοι παρὰ τὸ μὴ εἶναι ἀνθρώπους (5)
7. 2. ἀνηγγέλη εἰς τὸν οἴ. Δαυίδ (5)
— 13. ἀκούσατε δὴ, οἴ. Δαυίδ (5)
— 17. ἐπάξει . . . ἐπὶ τὸν οἴ. τοῦ πατρός σου ἡμέρας (5)
8. 14. οἱ δὲ οἴ. [A S ὁ δὲ οἴ.] Ἰακὼβ ἐν παγίδι (5)
— 17. μενῶ τὸν θεὸν τὸν ἀποστρέψαντα τὸ πρόσωπον αὐτοῦ ἀπὸ τοῦ οἴ. Ἰακώβ (5)
— 18. ἔσται [A S add. εἰς] σημεῖα καὶ τέρατα ἐν τῷ οἴ. [A om.] Ἰσραήλ –
13. 10. S¹ ὁ Ὠρίων καὶ πᾶς ὁ οἴ. [A B S² κόσμος] τοῦ οὐρανοῦ τὸ φῶς οὐ δώσουσι –
— 22. νοσσοποιήσουσιν ἐχῖνοι ἐν τοῖς οἴ. αὐτῶν (8 a)
14. 1. προστεθήσεται πρὸς [A ἐπὶ] τὸν οἴ. Ἰακώβ (5)
— 2. S πληθυνθήσονται οἶκος Ἰσρ. [A B om. οἴ. Ἰ.] (5)
— 18. ἐκοιμήθησαν ἐν τιμῇ ἄνθρωποι [A ἕκαστος] ἐν τῷ οἴ. αὐτοῦ (5)
22. 8. ἐμβλέψονται . . . εἰς τοὺς ἐκλεκτοὺς οἴ. τῆς πόλεως (5)
— 9. ἀνακαλύψουσι τὰ κρυπτὰ τῶν οἴ. τῆς ἄκρας Δαυίδ (5)
— 10. καθείλοσαν τοὺς οἴ. Ἱερουσαλὴμ εἰς ὀχυρώματα (5)
— 18. A S R θήσει . . . τὸν οἴ. τοῦ ἄρχοντός σου εἰς καταπάτημα [B om. εἰς κ.] (5)
— 22. A S R τὴν κλεῖδα οἴκου Δαυίδ (5)
— 23. ἔσται εἰς θρόνον δόξης τοῦ οἴ. τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (5)
— 24. ἔσται πεποιθὼς ἐπ' αὐτὸν πᾶς ἔνδοξος ἐν τῷ οἴ. τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (5)
24. 12. οἴκοι ἐγκαταλελειμμένοι ἀπολοῦνται †
29. 22. τάδε λέγει κύριος ἐπὶ τὸν οἴ. Ἰακώβ (5)
30. 29. A εἰσελθεῖν μετὰ αὐλοῦ εἰς τὸν οἴ. [B S τὸ ὄρος] τοῦ κυρίου †
31. 2. ἐπαναστήσεται ἐπ' οἴκους ἀνθρώπων πονηρῶν (5)
32. 14. οἴκοι ἐγκαταλελειμμένοι πλοῦτον πόλεως ἀφήσουσιν οἴκους ἐπιθυμήματος [A S² π. καὶ οἴ. ἐπιθυμητοὺς ἀ.] (2, †)
37. 1. ἀνέβη εἰς τὸν οἴ. κυρίου (5)
Is. 37. 14. B S ἀνέβη εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 38. ἐν τῷ αὐτὸν προσκυνεῖν ἐν τῷ [A om.] οἴ. N. (5)
38. 1. τάξαι περὶ τοῦ οἴ. σου (5)
— 8. κατέβη τοὺς δέκα ἀναβαθμοὺς τοῦ οἴ. τοῦ πατρός σου –
— 20. οὐ παύσομαι εὐλογῶν σε . . . κατέναντι τοῦ οἴ. τοῦ θεοῦ (5)
— 22. ἀναβήσομαι εἰς τὸν οἴ. τοῦ θεοῦ (5)
39. 2. ἔδειξεν αὐτοῖς τὸν οἴ. τοῦ νεχωθᾶ . . . καὶ πάντας τοὺς οἴ. τῶν σκευῶν τῆς γάζης (5, 5)
— 2. ὃ οὐκ ἔδειξεν Ἐζεκίας ἐν τῷ οἴ. αὐ. (5)
— 4. τί εἶδοσαν [A ἴδον] ἐν τῷ οἴ. σου (5)
— 4. πάντα τὰ ἐν τῷ οἴ. μου εἴδοσαν (5)
— 4. καὶ οὐκ ἔστιν [A add. πρᾶγμα] ἐν τῷ οἴ. μου –
— 6. λήψονται πάντα τὰ ἐν τῷ οἴ. σου (5)
— 7. ποιήσουσι σπάδοντας ἐν τῷ οἴ. τοῦ βασιλέως τῶν Βαβ. (8 a)
42. 7. ἐξαγαγεῖν . . . ἐξ οἴκου φυλακῆς (5)
— 22. ἐν οἴκοις [S¹ τοῖς οἴ.] ἅμα ὅπου ἔκρυψαν αὐτούς (5)
44. 13. στῆσαι αὐτὸ ἐν οἴκῳ [S¹ om. ἐν οἴ.] (5)
— 28. τὸν οἴ. τὸν ἅγιόν μου θεμελιώσω (8 a)
46. 3. ἀκούετέ μου, οἶκος [S ὁ οἴ.] τοῦ Ἰακώβ (5)
48. 1. ἀκούσατε ταῦτα, οἶκος Ἰακώβ (5)
56. 5. δώσω αὐτοῖς ἐν τῷ οἴ. μου . . . τόπον ὀνομαστόν (5)
— 7. εὐφρανῶ αὐτοὺς ἐν τῷ οἴ. τῆς προσευχῆς μου . . . ὁ γὰρ οἴ. μου οἴ. προσευχῆς κληθήσεται (5 ter)
58. 1. ἀνάγγειλον . . . τῷ οἴ. Ἰ. τὰς ἀνομίας [S τὰ ἀνομήματα] αὐτῶν (5)
— 7. πτωχοὺς ἀστέγους εἴσαγε εἰς τὸν οἴ. σου (5)
60. 7. ὁ οἴ. τῆς προσευχῆς μου δοξασθήσεται (5)
62. 7. S¹ οὐκ ἔστι γὰρ ὑμῖν ὁ οἴ. [A B S² ὑ. ὅμοιος] †
63. 7. κύριος κριτὴς ἀγαθὸς τῷ οἴ. Ἰσραήλ (5)
— 15. ἴδε ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ ἁγίου σου (9)
64. 11 (10). ὁ οἴ. τὸ ἅγιον ἡμῶν . . . ἐγενήθη πυρίκαυστος (5)
66. 1. ποῖον οἶκον [A¹ om.] οἰκοδομήσετέ μοι (5)
— 20. ἀνενέγκαισαν . . . τὰς θυσίας αὐ. . . . εἰς τὸν οἴ. κυρίου (5)
Je. 2. 4. οἶκος Ἰ. καὶ πᾶσα πατριὰ οἴκου Ἰσρ. (5, 5)
3. 4. οὐχ ὡς οἶκόν με ἐκάλεσας †
— 18. συνελεύσονται οἶκος Ἰ. ἐπὶ τὸν οἴ. τοῦ Ἰ. (5, 5)
— 20. ἠθέτησεν εἰς ἐμὲ οἴ. Ἰσραήλ (5)
5. 7. ἐν οἴκοις πορνῶν κατέλυνον (5)
— 11. οἶκος [S ὁ οἴ.] Ἰσρ. καὶ οἶκος [S ὁ οἴ.] Ἰ. ἐψεύσατο τῷ κυρίῳ αὐτῶν (5, 5)
— 15. οἶκος Ἰσραήλ (5)
— 20. ἀναγγείλατε ταῦτα εἰς τὸν οἴ. Ἰακώβ (5)
— 20. R ἀκουσθήτω ἐν τῷ οἴ. [A B S om.] Ἰούδα –
— 27. οἱ οἴ. αὐτῶν πλήρεις δόλου (5)
7. 10. ἔστητε ἐνώπιον ἐμοῦ ἐν τῷ οἴ. (5)
— 11. μὴ σπήλαιον λῃστῶν ὁ οἴ. μου (5)
— 14. ποιήσω τῷ οἴ. [A τόπῳ τούτῳ] (5)
— 30. ἔταξαν τὰ βδελύγματα αὐτῶν ἐν τῷ οἴ. (5)
9. 26 (25). πᾶς οἴ. [S ὁ οἴ.] Ἰσραὴλ ἀπερίτμητοι [A S -ος] καρδίας αὐτῶν (5)
10. 1. ἀκούσατε . . . οἶκος Ἰσραήλ (5)
11. 10. διεσκέδασεν οἶκος Ἰσραὴλ καὶ οἶκος Ἰούδα τὴν διαθήκην μου (5, 5)
— 15. τί ἡ ἠγαπημένη ἐν τῷ οἴ. μου ἐποίησε βδέλυγμα (5)
— 17. ἐλάλησεν ἐπὶ σὲ κακὰ ἀντὶ τῆς κακίας οἴκου Ἰσραὴλ καὶ οἴκου Ἰούδα (5, 5)
12. 6. ὁ οἴ. τοῦ πατρός σου καὶ οὗτοι [A om. κ. οὗ.] ἠθέτησάν σε (5)
— 7. ἐγκαταλέλοιπα τὸν οἴ. μου (5)
13. 11. A S² R ἐκόλλησα πρὸς ἐμαυτὸν τὸν οἴ. τοῦ Ἰσραὴλ καὶ πάντα [B S¹ πᾶν] οἶκον Ἰούδα (5, 5)
16. 15. ἀνήγαγε τὸν οἴ. Ἰσραὴλ ἀπὸ γῆς βορρᾶ (7)
17. 22. A μὴ ἐκφέρετε βαστάγματα ἐξ οἴκων [B S² -ιῶν] ὑμῶν (5)
— 26. φέροντες αἴνεσιν εἰς οἶκον κυρίου (5)
18. 2. κατάβηθι εἰς οἶκον τοῦ κεραμέως (5)
— 3. A R κατέβην εἰς τὸν [B S om.] οἴ. τοῦ κεραμέως (5)
— 6. οἶκος Ἰσραήλ (5)
19. 13. οἶκοι [S οἱ οἴ.] Ἱερ. καὶ οἶκοι [S² οἱ οἴ.] βασιλέων Ἰούδα ἔσονται καθὼς ὁ τόπος ὁ διαπίπτων (5, 5)
— 14. ἔστη ἐν τῇ αὐλῇ οἴκου κυρίου (5)
20. 1. ἦν καθεσταμένος ἡγούμενος οἴκου κυρίου (5)

Je. 20. 2. ἦν ἐν πύλῃ οἴκου ἀποτεταγμένου [S¹ -ῃ] τοῦ ὑπερῴου ὃς ἦν ἐν οἴκῳ κυρίου (†, 5)
— 6. πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν τῷ οἴ. σου πορεύσεσθε (5)
21. 11. ὁ οἴ. βασιλέως Ἰούδα (5)
— 12. οἶκος Δαυίδ (5)
22. 1. κατάβηθι εἰς τὸν [S¹ ἐπ', S² om. τ.] οἴ. τοῦ βασιλέως Ἰούδα (5)
— 2. σὺ καὶ ὁ οἴ. σου καὶ ὁ λαός σου (17)
— 4. εἰσελεύσονται ἐν ταῖς πύλαις τοῦ οἴ. τούτου βασιλεῖς (5)
— 5. εἰς ἐρήμωσιν ἔσται ὁ οἴ. οὗτος (5)
— 6. τάδε λέγει κύριος κατὰ τοῦ οἴ. βασιλέως Ἰούδα (5)
— 14. ᾠκοδόμησας σεαυτῷ οἶκον σύμμετρον (5)
— 30. A ἄρχων ἔτι ἐν τῷ οἴ. [BS om.] Ἰούδα –
23. 11. ἐν τῷ οἴ. μου εἶδον πονηρίας αὐτῶν (5)
— 34. ἐκδικήσω . . . τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)
— 7. ἀνήγαγε τὸν οἴ. [S λαὸν] Ἰσραὴλ ἐκ γῆς Αἰγύπτου (7)
27 (50). 16. A ἕκαστος εἰς τὸν οἴ. [BS τὴν γῆν] αὐτοῦ φεύξεται (3)
28 (51). 33. οἶκοι βασιλέως Βαβυλῶνος ὡς ἅλων ὥριμος ἀλοηθήσονται †
— 51. εἰσῆλθον ἀλλογενεῖς εἰς τὰ ἅγια ἡμῶν εἰς οἶκον κυρίου (5)
31 (48). 13. κατῃσχύνθη οἴ. [A ὁ οἴ.] Ἰσρ. ἀπὸ B. (5)
— 22. ἐπ' οἶκον Δαιβλαθαΐμ (5)
— 23. ἐπ' οἶκον Γαιμὼλ καὶ ἐπ' οἶκον Μαών [S¹ *al.*] (5, 5)
33 (26). 2. στῆθι ἐν αὐλῇ οἴκου κυρίου . . . προσκυνεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (5, 5)
— 6. δώσω τὸν οἴ. τοῦτον ὥσπερ Σηλώ (5)
— 7. λαλοῦντος τοὺς λόγους τούτους ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 9. ὥσπερ Σηλὼ ἔσται ὁ οἴ. οὗτος . . . ἐξεκκλησιάσθη πᾶς ὁ λαὸς ἐπὶ Ἱερεμίαν ἐν οἴκῳ κυρίου (5, 5)
— 10. ἀνέβησαν ἐξ οἴκου τοῦ βασιλέως εἰς [S¹ *add.* οἶκον τοῦ βασ. εἰς] οἶκον κυρίου (5, –, 5)
— 12. προφητεῦσαι ἐπὶ τὸν οἴ. τοῦτον (5)
— 18. τὸ ὄρος τοῦ οἴ. εἰς [A ὡς] ἄλσος δρυμοῦ (5)
34 (27). 16. σκεύη οἴκου κυρίου ἐπιστρέψει ἐκ Βαβυλῶνος (5)
35 (28). 1. ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 3. ἀποστρέψω εἰς τὸν τόπον τοῦτον τὰ σκεύη οἴκου κυρίου (5)
— 5. κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν ἱερέων τῶν ἑστηκότων ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 6. τοῦ ἐπιστρέψαι τὰ σκεύη οἴκου κυρίου (5)
36 (29). 5. οἰκοδομήσατε οἴκους [AS² -ίας, S¹ -ίαν] (5)
— 26. γενέσθαι ἐπιστάτην ἐν τῷ οἴ. κυρίου (5)
38 (31). 31. διαθήσομαι τῷ οἴ. Ἰσραὴλ καὶ τῷ οἴ. Ἰούδα διαθήκην καινήν (5, 5)
— 33. ἣν διαθήσομαι τῷ οἴ. Ἰσραήλ (5)
39 (32). 2. ABS² ἥ ἐστιν ἐν οἴκῳ βασιλέως (5)
— 34. ἔθηκαν τὰ μιάσματα αὐτῶν ἐν τῷ οἴ. (5)
40 (33). 4. περὶ οἴκων [AS² -ίας] τῆς πόλεως τ. καὶ περὶ οἴκων βασιλέως Ἰ. [S¹ *al.*] (5, 5)
— 11. εἰσοίσουσι δῶρα [A *add.* αἰνέσεως] εἰς οἶκον κυρίου (5)
41 (34). 13. ἐξειλάμην αὐτοὺς ἐκ γῆς Αἰγύπτου ἐξ οἴκου δουλείας (5)
— 15. συνετέλεσαν διαθήκην κατὰ πρόσωπόν μου ἐν τῷ οἴ. (5)
42 (35). 2. βάδισον εἰς οἶκον [S -ίαν] Ἀρχαβεὶν . . . καὶ ἄξεις αὐτοὺς εἰς οἶκον κυρίου (5, 5)
— 4. εἰσήγαγον αὐτοὺς εἰς οἶκον κυρίου . . . ὃς ἐστιν ἐγγὺς τοῦ οἴ. τῶν [A ἐ. οἰκούντων] ἀρχόντων τῶν ἐπάνω τοῦ οἴ. Μαασαίου (5, 10, 10)
43 (36). 3. ἀκούσεται ὁ [A *om.*] οἴ. Ἰούδα πάντα τὰ κακά (5)
— 5. οὐ μὴ δύνωμαι εἰσελθεῖν εἰς οἶκον κυρίου (5)
— 6. ἐν οἴκῳ κυρίου ἐν ἡμέρᾳ νηστείας (5)
— 8. τοῦ ἀναγνῶναι ἐν τῷ βιβλίῳ τοὺς λόγους κυρίου ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
— 9. πᾶς ὁ λαὸς ἐν [A εἰς] Ἱερουσαλὴμ καὶ οἶκος [A ὁ οἴ.] Ἰούδα †
— 10. ἐν οἴκῳ κυρίου ἐν οἴκῳ Γαμαρίου . . . ἐν προθύροις πύλης τοῦ [A *om.* π. τ.] οἴ. κυρίου τῆς καινῆς (5, 10, 5)
Je. 43 (36). 12. AS κατέβη εἰς οἶκον [B -ίαν] τοῦ βασ. εἰς τὸν οἶκον τοῦ γραμματέως (5, 10)
— 20. τὸ χαρτίον [A βιβλίον] ἔδωκαν φυλάσσειν ἐν οἴκῳ Ἐλισαμά (10)
— 21. ἔλαβεν αὐτὸ ἐξ οἴκου Ἐλισαμά (10)
— 22. ὁ βασιλεὺς ἐκάθητο ἐν οἴκῳ χειμερινῷ (5)
44 (37). 4. οὐκ ἔδωκαν αὐτὸν εἰς οἶκον [S¹ -ίαν] τῆς φυλακῆς (5)
— 15. A ταύτην ἐποίησαν εἰς οἶκον [BS -ίαν] φυλακῆς (5)
45 (38). 14. εἰς οἰκίαν ἀσελεισὴλ τὴν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)
48 (41). 5. τοῦ εἰσενεγκεῖν εἰς οἶκον [S ἐν τῷ οἴ.] κυρίου (5)
52. 13. ἐνέπρησε τὸν οἴ. κυρίου καὶ τὸν οἴ. τοῦ βασιλέως (5, 5)
— 17. τοὺς στύλους τοὺς χαλκοῦς τοὺς ἐν οἴκῳ κυρίου καὶ τὰς βάσεις καὶ τὴν θάλασσαν τὴν χαλκῆν τὴν ἐν οἴκῳ κυρίου [A *om.* καὶ τὰς . . . κυρίου] συνέτριψαν (5, 5)
— 20. ἃ ἐποίησεν ὁ βασ. Σαλ. εἰς οἶκον κυρίου (5)
Ba. 1. 8. ἐν τῷ λαβεῖν αὐτὸν τὰ σκεύη οἴκου κυρίου
— 14. ἐξαγορεῦσαι ἐν οἴκῳ κυρίου
2. 16. κάτιδε ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ ἁγίου σου
— 26. ἔθηκας τὸν οἴ. . . . ὡς ἡ ἡμέρα αὕτη διὰ πονηρίαν οἴκου Ἰσραὴλ καὶ οἴκου Ἰούδα
3. 24. ὡς μέγας ὁ οἴ. τοῦ θεοῦ
La. 1. 20. ὥσπερ θάνατος ἐν οἴκῳ (5)
2. 7. AR φωνὴν ἔδωκαν ἐν οἴκῳ κυρίου [BS *om.*] (5)
5. 2. οἱ οἴ. ἡμῶν ξένοις (5)
Ep. Je. 17. καθιδρυμένων αὐτῶν ἐν τοῖς οἴ. [A κήποις]
— 18. τοὺς οἴ. αὐτῶν ὀχυροῦσιν οἱ ἱερεῖς
— 31. ἐν τοῖς οἴ. αὐτῶν οἱ ἱερεῖς διφρεύουσιν [A διαφθείρουσιν]
Ez. 2. 3. ἐξαποστέλλω ἐγώ σε πρὸς τὸν οἴ. τοῦ Ἰσραήλ (7)
— 5, 6. οἶκος παραπικραίνων ἐστί (5)
— 7. οἶκος παραπικραίνων ἐστί –
— 8. καθὼς ὁ οἴ. ὁ παραπικραίνων (5)
3. 4. εἴσελθε πρὸς τὸν οἴ. τοῦ Ἰσραήλ (5)
— 5. ἐξαποστέλλῃ πρὸς τὸν οἴ. τοῦ Ἰσραήλ (5)
— 7. ὁ δὲ οἴ. τοῦ Ἰσραὴλ οὐ μὴ θελήσουσιν εἰσακοῦσαί σου . . . πᾶς ὁ οἴ. Ἰσραὴλ φιλόνεικοί εἰσι (5, 5)
— 9. οἴ. παραπικραίνων ἐστί (5)
— 17. σκοπὸν δέδωκά σε τῷ οἴ. Ἰσραήλ (5)
— 24. ἐγκλείσθητι ἐν μέσῳ τοῦ οἴ. σου (5)
— 26, 27. οἴ. παραπικραίνων ἐστί (5)
4. 4. θήσεις τὰς ἀδικίας τοῦ οἴ. Ἰσραὴλ ἐπ' αὐτοῦ (5)
— 5. λήψῃ τὰς ἀδικίας τοῦ οἴ. Ἰσραήλ (5)
— 6. λήψῃ τὰς ἀδικίας τοῦ οἴ. Ἰούδα (5)
5. 4. ἐρεῖς παντὶ οἴκῳ Ἰσραήλ (5)
6. 11. εὖγε ἐπὶ πᾶσι τοῖς βδελύγμασιν οἴκου Ἰσραήλ (5)
7. 24. A κληρονομήσουσιν τοὺς οἴ. αὐτῶν (5)
8. 1. ἐκαθήμην ἐν τῷ οἴ. (5)
— 6. A ἃς ὁ οἴ. Ἰσραὴλ [B *om.* ἃς ὁ οἴ. Ἰ.] ποιοῦσιν (5)
— 10. πάντα τὰ εἴδωλα οἴκου Ἰσραὴλ διαγεγραμμένα (5)
— 11. ἑβδομήκοντα ἄνδρες ἐκ τῶν πρεσβυτέρων οἴκου Ἰσραήλ (5)
— 12. AR ἃ οἱ πρεσβύτεροι οἴκου [B τοῦ οἴ.] Ἰσρ. ποιοῦσιν (5)
— 14. ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῆς πύλης οἴκου κυρίου (5)
— 15. A μὴ μικρὰ τῷ οἴ. Ἰούδα –
— 16. εἰσήγαγέ με εἰς τὴν αὐλὴν οἴκου κυρίου τὴν ἐσωτέραν (5)
— 17. μὴ μικρὰ τῷ οἴ. Ἰούδα [A Ἰσραήλ] (5)
9. 3. εἰς τὸ αἴθριον τοῦ οἴ. (5)
— 6. οἱ ἦσαν ἔσω ἐν τῷ οἴ. (5)
— 7. μιάνατε τὸν οἴ. (5)
— 9. ἀδικία τοῦ οἴ. Ἰσρ. καὶ Ἰ. μεμεγάλυνται (5)
10. 3. τὰ Χερουβὶμ εἱστήκει ἐκ δεξιῶν τοῦ οἴ. (5)
— 4. ἀπῆρεν ἡ δόξα κυρίου . . . εἰς τὸ αἴθριον τοῦ οἴ. καὶ ἔπλησε τὸν οἴ. ἡ νεφέλη (5, 5)
— 18. ἐξῆλθε δόξα κυρίου ἀπὸ [A *add.* τοῦ αἰθρίου] τοῦ οἴ. (5)
— 19. ἔστησαν ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῆς πύλης οἴκου κυρίου (5)
11. 1. ἤγαγέ με ἐπὶ τὴν πύλην τοῦ οἴ. κυρίου τὴν κατέναντι (5)
— 5. οὕτως εἴπατε, οἶκος [A ὁ οἴ.] Ἰσραήλ (5)
— 15. πᾶς ὁ οἴ. τοῦ Ἰσραὴλ συντετέλεσται (5)
12. 2. οἴ. παραπικραίνων ἐστί (5)
Ez. 12. 3. A αἰχμαλωτευθήσῃ ἐκ τοῦ οἴ. [B τόπου] σου (13)
— 3. οἴ. παραπικραίνων ἐστί (5)
— 6. τέρας δέδωκά σε τῷ οἴ. Ἰσραήλ (5)
— 9. οὐκ εἶπαν πρὸς σὲ ὁ οἴ. τοῦ Ἰσραὴλ, Οἶκος [A *om.*] ὁ παραπικραίνων (5, 5)
— 10. παντὶ οἴκῳ Ἰσραὴλ . . . εἰπόν (5)
— 23. οὐκέτι μὴ εἴπωσι τὴν παραβολὴν ταύτην οἴκος τοῦ Ἰσραήλ –
— 25. ἐν ταῖς ἡμέραις ὑμῶν οἴ. ὁ παραπικραίνων (5)
— 27. AR ὁ [B *om.*] οἴ. Ἰσραὴλ ὁ παραπικραίνων (5)
13. 5. συνήγαγον ποίμνια [A *add.* καὶ] ἐπὶ τὸν οἴ. τοῦ Ἰσραήλ (5)
— 9. ἐν γραφῇ οἴκου Ἰσραὴλ οὐ γραφήσονται (5)
14. 4. ἄνθρωπος ἄνθρωπος ἐκ τοῦ οἴ. Ἰσραήλ (5)
— 5. ὅπως πλαγιάσῃ [A μὴ διαστρέψωσιν] τὸν οἴ. τοῦ Ἰσραήλ (5)
— 6. εἰπὸν εἰς [A πρὸς] τὸν οἴ. τοῦ Ἰσραήλ (5)
— 7. ἄνθρωπος ἄνθρωπος ἐκ τοῦ οἴ. Ἰσραήλ (5)
— 11. ὅπως μὴ πλανᾶται ἔτι ὁ οἴ. τοῦ Ἰσραὴλ ἀπ' ἐμοῦ (5)
16. 41. ἐμπρήσουσι τοὺς οἴ. σου [A *add.* ἐν] πυρί (5)
17. 2. εἰπὸν παραβολὴν πρὸς τὸν οἴ. τοῦ Ἰσραήλ (5)
— 12. εἰπὸν δὴ πρὸς τὸν οἴ. [A *add.* Ἰσραὴλ] τὸν παραπικραίνοντα (5)
18. 6. πρὸς [A ἐπὶ] τὰ ἐνθυμήματα οἴκου Ἰσραήλ (5)
— 15. εἰς τὰ ἐνθυμήματα οἴκου Ἰσραήλ (5)
— 25. AR πᾶς [B *om.*] οἴ. Ἰσραήλ (5)
— 29. λέγουσιν ὁ οἴ. τοῦ Ἰσραὴλ . . . οἶκος Ἰσραήλ (5, 5)
— 30. κρινῶ ὑμᾶς, οἶκος Ἰσραήλ (5)
— 31. ἵνα τί ἀποθνήσκετε, οἶκος Ἰσραήλ (5)
20. 1. ἦλθον ἄνδρες ἐκ τῶν πρεσβυτέρων οἴκου [A τοῦ οἴ.] Ἰσραήλ –
— 3. AR λάλησον πρὸς τοὺς πρεσβυτέρους τοῦ οἴ. [B *om.*] Ἰσραήλ –
— 5. ᾑρέτισα τὸν οἴ. Ἰσραὴλ καὶ ἐγνωρίσθην τῷ σπέρματι οἴκου [A τοῦ οἴ.] Ἰ. (–, 5)
— 13. εἶπα πρὸς τὸν οἴ. τοῦ Ἰσραήλ (5 ?)
— 13. A παρεπίκρανάν με ὁ οἴ. Ἰσραήλ (5)
— 27. λάλησον πρὸς τὸν οἴ. τοῦ Ἰσραήλ (5)
— 30. εἰπὸν πρὸς τὸν οἴ. τοῦ Ἰσραὴλ (5)
— 31. ἀποκριθῶ ὑμῖν, οἶκος τοῦ Ἰσραήλ (5)
— 39. ὑμεῖς, οἶκος Ἰσραήλ (5)
— 40. ἐκεῖ δουλεύσουσί μοι πᾶς οἴ. Ἰσραήλ (5)
22. 6. οἱ ἀφηγούμενοι οἴκου Ἰσραὴλ . . . συνεφύροντο –
— 18. γεγόνασί μοι ὁ οἴ. Ἰσραὴλ ἀναμεμιγμένοι (5)
23. 40 (39). οὕτως ἐποίουν ἐν μέσῳ τοῦ οἴ. μου (5)
— 47. τοὺς οἴ. αὐτῶν ἐμπρήσουσι [A -πυριοῦσιν] (5)
24. 3. εἰπὸν ἐπὶ τὸν οἴ. τὸν παραπικραίνοντα παραβολήν (5)
— 21. εἰπὸν πρὸς τὸν οἴ. τοῦ Ἰσραήλ (5)
25. 3. ἐπεχάρητε . . . ἐπὶ τὸν οἴ. τοῦ Ἰούδα (5)
— 8. ὃν τρόπον πάντα τὰ ἔθνη οἶκος Ἰσραὴλ καὶ Ἰούδα (5)
— 9. παραλύω . . . ἐκλεκτὴν γῆν οἶκον Βεθ. (5)
— 12. ἐν τῷ [A τοῦ] ἐκδικῆσαι αὐτοὺς ἐκδίκησιν εἰς τὸν οἴ. Ἰούδα (5)
26. 12. τοὺς οἴ. σου τοὺς ἐπιθυμητοὺς καθελεῖ (5)
27. 6. ἐποίησαν . . . οἴκους ἀλσώδεις ἀπὸ νήσων τῶν Χ. †
— 14. ἐξ οἴκου Θ. ἵπποι [A ἵππους] καὶ ἱππεῖς [A *add.* καὶ ἡμιόνους] ἔδωκαν ἀγοράν σου (5)
28. 24. οὐκ ἔσονται οὐκέτι ἐν [A *om.*] τῷ οἴ. τοῦ Ἰσραὴλ σκόλοψ (5)
29. 6. ἐγενήθης ῥάβδος καλαμίνη τῷ οἴ. Ἰσραήλ (5)
— 16. οὐκέτι ἔσονται τῷ οἴ. Ἰσραὴλ εἰς ἐλπίδα (5)
— 21. ἀνατελεῖ κέρας παντὶ τῷ οἴ. Ἰσραήλ (5)
33. 7. σκοπὸν δέδωκά σε τῷ οἴ. Ἰσραήλ (5)
— 10. εἰπὸν τῷ οἴ. Ἰσραήλ (5)
— 11. ἵνα τί ἀποθνήσκετε, οἶκος Ἰσραήλ (5)
— 20. κρινῶ ὑμᾶς, οἶκος Ἰσραήλ (5)
34. 30. οἶκος Ἰσραήλ (5)
35. 5. ἐνεκάθισας τῷ οἴ. Ἰσραὴλ δόλῳ (7)
36. 10. πᾶν οἶκον Ἰσραὴλ εἰς τέλος (5)
— 17. οἴ. Ἰσραὴλ κατῴκησεν ἐπὶ τῆς γῆς αὐτῶν (5)
— 21. ὃ ἐβεβήλωσαν οἶκος Ἰσραὴλ ἐν τοῖς ἔθνεσιν (5)
— 22. εἰπὸν τῷ οἴ. Ἰσραὴλ . . . Οὐχ ὑμῖν ἐγὼ ποιῶ, οἶκος Ἰσραήλ (5, 5)
— 32. ἐντράπητε ἐκ τῶν ὁδῶν ὑμῶν, οἶκος Ἰσραήλ (5)
— 37. ἔτι τοῦτο ζητηθήσομαι [A ζήτημα θήσ.] τῷ οἴ. Ἰσραήλ (5)

Ez. 37. 11. τὰ ὀστᾶ ταῦτα πᾶς οἶ. Ἰσραήλ ἐστι (5)
— 21. λαμβάνω πάντα οἶκον Ἰσραὴλ ἐκ μέσου τῶν ἐθνῶν (7)
38. 6. οἶκος τοῦ Θ. ἀπ' ἐσχάτου βορρᾶ (5)
39. 12. κατορύξουσιν αὐτοὺς οἶκος Ἰσραήλ (5)
— 22. γνώσονται οἶκος Ἰσραὴλ ὅτι ἐγώ εἰμι κύριος (5)
— 23. διὰ τὰς ἁμαρτίας αὐτῶν ᾐχμαλωτεύθησαν οἶκος Ἰσραήλ (5)
— 25. ἐλεήσω τὸν οἶ. Ἰσραήλ (5)
— 29. ἐξέχεα τὸν θυμόν μου ἐπὶ τὸν οἶ. Ἰσραήλ (5)
40. 4. δείξεις πάντα ὅσα σὺ ὁρᾷς τῷ οἶ. τοῦ Ἰσραήλ (5)
— 5. περίβολος ἔξωθεν τοῦ οἶ. κύκλῳ (5)
— 45. τοῖς ἱερεῦσι τοῖς φυλάσσουσι τὴν φυλακὴν τοῦ οἶ. (5)
— 47. τὸ θυσιαστήριον ἀπέναντι τοῦ οἶ. (5)
— 48. εἰσήγαγέ με εἰς τὸ αἴλαμ τοῦ οἶ. (5)
41. 5. διεμέτρησε τὸν τοῖχον τοῦ οἶ. (5)
— 6. A διάστημα ἐν τῷ τοίχῳ τοῦ οἶ. ἐν τοῖς πλευροῖς τοῦ οἶ. [B *om.* τ. οἶ.] κύκλῳ . . . μὴ ἅπτωνται τῶν τοίχων τοῦ οἶ. (5, –, 5)
— 7. A κατὰ τὸ πρόσθεμα ἐκ τοῦ οἴκου [B τοίχου] πρὸς τὴν ἀνωτέραν κύκλῳ τοῦ οἶ. (5, 5)
— 8. τὸ θραὲλ τοῦ οἶ. ὕψος κύκλῳ (5)
— 9. τὰ ἀπόλοιπα τὰ ἀνὰ μέσον τῶν πλευρῶν τοῦ οἶ. (5)
— 10. τὸ περιφερὲς τῷ οἶ. [A τοῦ οἶ.] κύκλῳ (5)
— 13. διεμέτρησε κατέναντι τοῦ οἶ. μῆκος πηχῶν ἑκατόν (5)
— 14. τὸ εὖρος κατὰ πρόσωπον τοῦ οἶ. (5)
— 15. κατὰ πρόσωπον τοῦ ἀπολοίπου τῶν κατόπισθεν τοῦ οἶ. ἐκείνου –
— 16. ὁ οἶ. καὶ τὰ πλησίον ἐξυλωμένα κύκλῳ †
— 17. A ἐφ' ὅλον τὸν οἶ. [B τοῖχον] κυκλόθεν [B -λῳ] †
— 19. διαγεγλυμμένος [A *add.* ὅλος] ὁ οἶ. κυκλόθεν (5)
— 26. τὰ πλευρὰ τοῦ οἶ. ἐζυγωμένα [A ἐξυλωμ.] (5)
42. 15. συνετελέσθη ἡ διαμέτρησις τοῦ οἶ. ἔσωθεν . . . διεμέτρησε τὸ ὑπόδειγμα τοῦ οἶ. κυκλόθεν (5, –)
— 20. ἀνὰ μέσον τοῦ προτειχίσματος τοῦ ἐν διατάξει τοῦ οἶ. –
43. 4. δόξα κυρίου εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἶ. (5)
— 5. πλήρης δόξης κυρίου ὁ οἶκος (5)
— 6. φωνὴ ἐκ τοῦ οἶ. λαλοῦντος πρὸς μέ (5)
— 7. κατασκηνώσει τὸ ὄνομά μου ἐν μέσῳ [A *add.* τοῦ] οἴκου Ἰσρ. (7)
— 7. καὶ οὐ βεβηλώσουσιν οὐκέτι οἶκος [A ὁ οἶ.] Ἰσραὴλ τὸ ὄνομα τὸ ἅγιόν μου (5)
— 10. δεῖξον τῷ οἶ. Ἰσραὴλ τὸν οἶ. (5, 5)
— 11, διαγράψεις τὸν οἶ. (5)
— 12. τὴν διαγραφὴν τοῦ οἶ. ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ ὄρους (5)
— 12. A οὗτος ὁ νόμος τοῦ οἶ. (5)
— 21. κατακαυθήσεται ἐν τῷ ἀποκεχωρισμένῳ του οἶ. (5)
44. 4. κατέναντι τοῦ οἶ. . . . πλήρης δόξης ὁ οἶ. τοῦ κυρίου (5, 5)
— 5. κατὰ πάντα τὰ προστάγματα οἴκου κυρίου (5)
— 5. τάξεις τὴν καρδίαν σου εἰς τὴν εἴσοδον τοῦ οἶ. (5)
— 6. ἐρεῖς πρὸς τὸν οἶ. τὸν παραπικραίνοντα πρὸς τὸν οἶ. τοῦ Ἰσραήλ . . . οἶκος Ἰσραήλ (–, 5, 5)
— 9. ἐν πᾶσιν υἱοῖς ἀλλογενῶν τῶν ὄντων ἐν μέσῳ οἴκου Ἰσραήλ (7)
— 11. θυρωροὶ ἐπὶ τῶν πυλῶν τοῦ οἶ. καὶ λειτουργοῦντες τῷ οἶ. [A *add.* κυρίου] (5, 5)
— 12. ἐγένετο τῷ οἶ. [A *om.*] Ἰσραὴλ εἰς κόλασιν ἀδικίας (5)
— 14. φυλάσσειν φυλακὰς τοῦ οἶ. (5)
— 15. ἐν τῷ πλανᾶσθαι οἶκον [A τὸν οἶ.] Ἰσρ. ἀπ' ἐμοῦ (7)
— 30. τοῦ θεῖναι εὐλογίας ὑμῶν ἐπὶ τοὺς οἶ. ὑμῶν (5)
45. 4. ἔσται αὐτοῖς τόπος εἰς οἴκους ἀφωρισμένους τῷ ἁγιασμῷ αὐτῶν (5)
— 5. τοῖς Λευίταις τοῖς λειτουργοῦσι τῷ οἶ. (5)
— 6. ὃν τρόπον ἡ ἀπαρχὴ τῶν ἁγίων παντὶ οἴκῳ Ἰσραὴλ ἔσονται (5)
— 8. τὴν γῆν κατακληρονομήσουσιν οἶκος Ἰσραήλ (5)
— 9. A τὴν γῆν κατακληρονομήσουσιν οἶκος τοῦ Ἰσρ. –
Ez. 45. 17. ἐν πάσαις ταῖς ἑορταῖς οἴκου Ἰσρ. . . . τοῦ ἐξιλάσκεσθαι ὑπὲρ τοῦ οἶ. Ἰσρ. (5, 5)
— 19. δώσει ἐπὶ τὰς φλιὰς τοῦ οἶ. (5)
— 20. ἐξιλάσεσθε τὸν οἶ. (5)
— 22. ποιήσει ὁ ἀφηγούμενος . . . ὑπὲρ αὐτοῦ καὶ τοῦ οἶ. –
46. 24. οὗτοι οἱ οἶ. τῶν μαγείρων οὗ ἑψήσουσιν ἐκεῖ οἱ λειτουργοῦντες τῷ οἶ. τὰ θύματα τοῦ λαοῦ (5, 5)
47. 1. A εἰσήγαγέ με ἐπὶ τὰ πρόθυρα τοῦ οἶ. καὶ ἰδοὺ ὕδωρ ἐξεπορεύετο ὑποκάτω τοῦ οὐδοῦ οἶ. [B *om.* τ. οἶ.] κατ' ἀνατολὰς ὅτι τὸ πρόσωπον τοῦ οἶ. ἐπέβλεπεν κατ' ἀνατολάς (5 *ter*)
48. 11. τοῖς φυλάσσουσι τὰς φυλακὰς τοῦ οἶ. –
— 21. τὸ ἁγίασμα τοῦ οἶ. ἐν μέσῳ αὐτῆς (5)
Da. LXX. Su. 4. παράδεισος γειτνιῶν τῷ οἶ. αὐ.
1. 2. εἰς οἶκον τοῦ θεοῦ αὐτοῦ (5)
— 4. ὥστε εἶναι ἐν τῷ οἶ. τοῦ βασ. (8 *a*)
— 5. δίδοσθαι αὐτοῖς ἔκθεσιν ἐκ τοῦ οἶ. βασιλέως –
2. 17. ἀπελθὼν Δ. εἰς τὸν οἶ. αὐ. (5)
4. 1. εἰρηνεύων ἤμην ἐν τῷ οἶ. μου (5)
— 19. ἐξηρήμωσας τὸν οἶ. τοῦ θεοῦ τοῦ ζῶντος –
— 27. καὶ οἶκος βασιλείας μου (5)
— 28. ἐξουθενημένῳ ἀνθρώπῳ ἐν τῷ οἶ. σου –
— 29. εὐφρανθήσεται ἐν τῷ οἶ. σου –
— 29. τὸν οἶ. τῆς τρυφῆς σου . . . ἕτερος ἕξει –
5. 1. ἐπέγραψαν ἐπὶ τοῦ τοίχου οἴκου αὐτοῦ –
— 2. ἐνέγκαι τὰ σκεύη . . . τοῦ οἶ. τοῦ θεοῦ (8 *b*)
— 5. ἔγραψαν ἐπὶ τοῦ τοίχου τοῦ οἶ. αὐ. (8 *b*)
— 23. τὰ σκεύη τοῦ οἶ. τοῦ θεοῦ τοῦ ζῶντος (5)
Bel 20. ἐπῆλθεν ἐπὶ τὸν οἶ.
Da. TH. Su. 4. παράδεισος γειτνιῶν τῷ οἶ. αὐ.
— 13. πορευθῶμεν δὴ εἰς οἶκον
1. 2. ἀπὸ μέρους τῶν σκευῶν οἴκου τοῦ θ. (5)
— 2. εἰς γῆν Σ. οἴκου [A -ον] τοῦ θεοῦ αὐ. (5)
— 2. εἰς τὸν οἶ. θησαυροῦ [A *om.*] τοῦ θεοῦ αὐ. (5)
— 4. ἑστάναι ἐν τῷ οἶ. [A *om.* ἐν τῷ οἶ.] (8 *a*)
2. 5. οἱ οἶ. ὑμῶν διαρπαγήσονται (5)
— 17. εἰσῆλθε Δ. εἰς τὸν οἶ. αὐ. (5)
3. 29 (96). καὶ οἱ οἶ. αὐ. εἰς διαρπαγήν [A *al.*] (5)
4. 1. εὐθηνῶν ἤμην ἐν τῷ οἶ. μου (5)
— 27. ᾠκοδόμησα εἰς οἶκον βασιλείας (5)
5. 5. ἐπὶ τὸ κονίαμα τοῦ τοίχου τοῦ [B¹ καὶ] οἶ. τοῦ βασ. (8 *b*)
— 10. εἰσῆλθεν ἡ βασίλισσα εἰς τὸν οἶ. τοῦ πότου (5)
— 23. τὰ σκεύη τοῦ οἶ. αὐ. ἤνεγκαν (5)
6. 10 (11). εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἶ. αὐτοῦ (5)
— 18 (19). ἀπῆλθεν ὁ βασ. εἰς τὸν οἶ. αὐ. (8 *b*)
Bel 10. ἦλθεν ὁ βασ. . . . εἰς τὸν οἶ. τοῦ Βῆλ
— 29. ἀποκτενοῦμέν σε καὶ τὸν οἶ. σου
I Ma. 1. 28. AR πᾶς ὁ [S *om.*] οἶ. Ἰ. ἐνεδύσατο αἰσχύνην
— 31. καθεῖλε τοὺς οἶ. αὐ.
— 61. SR τοὺς οἶ. [A οἰκείους] αὐ. προενόμευσαν [AS¹ *om.*]
2. 18. AR καὶ ὁ οἶ. [S² οἱ υἱοί] σου τῶν φίλων τοῦ βασ.
— 19. πάντα τὰ ἔθνη τὰ ἐν οἴκῳ τῆς βασ. τοῦ βασ.
3. 56. ἀποστρέφειν ἕκαστον εἰς τὸν οἶ. αὐ.
4. 46. ἀπέθεντο τοὺς λίθους ἐν τῷ ὄρει τοῦ οἶ.
— 48. ᾠκοδόμησαν . . . τὰ ἐντὸς τοῦ οἶ.
7. 2. ὡς εἰσεπορεύετο εἰς οἶκον βασιλείας
— 35. ἐμπυριῶ τὸν οἶ. τοῦτον
— 37. ἐξελέξω τὸν οἶ. τοῦτον . . . εἶναι οἶκον προσευχῆς
9. 55. ἐντείλασθαι περὶ τοῦ οἶ. αὐ.
10. 41. δώσουσιν εἰς τὰ ἔργα τοῦ οἶ.
12. 45. ἀπόστειλον αὐτοὺς εἰς τοὺς οἶ. αὐ.
13. 3. SR ἐγὼ . . . καὶ ὁ [A *om.*] οἶ. τοῦ πατρός μου
14. 26. αὐτὸς . . . καὶ ὁ οἶ. τοῦ πατρὸς αὐ.
16. 2. ἐγὼ . . . καὶ ὁ οἶ. τοῦ πατρός μου
II Ma. 2. 5. εὗρεν οἶκον ἀντρῴδη
14. 36. διατήρησον . . . ἀμίαντον τόνδε τὸν . . . οἶ.
15. 32. ἐπὶ τὸν ἅγιον τοῦ παντοκράτορος οἶ.
III Ma. 1. 20. αἱ μὲν κατ' οἴκους . . . ἠθροίζοντο
2. 10. ἀγαπῶν τὸν οἶ. τοῦ Ἰ.
— 18. κατεπατήσαμεν τὸν οἶ. τοῦ ἁγιασμοῦ
— 18. ὡς καταπατοῦνται οἱ οἶ. τῶν προσοχθισμάτων
5. 21. εἰς τὸν ἴδιον οἶ. ἕκαστος ἀνέλυσε
IV Ma. 18. 7. οὐχ ὑπερέβην πατρικὸν οἶ.
[Aq. Ge. 24. 4: 39. 20: Ex. 1. 21: Nu. 1. 45: Dt. 11. 19: 22. 21: Jo. 2. 12, 15: 7. 2: Jd. 7. 22: I Ki. 31. 10: III Ki. 3. 18: 5. 11 (25), 18 (32): 6. 10, 17, 18, 19: 8. 13: 9. 24, 25: 11. 20: 14. 4, 8, 10 *bis*, 12, 13, 14, 17: 15. 18: 20 (21). 31, 43: IV Ki. 8. 1: 10. 12: 11. 4: 12. 5 (6): 15. 5: 21. 7: 23. 7 *ter*: Jb. 39. 6: Ps. 30 (31). 3: 41 (42). 5: 67 (68). 13: 83 (84). 4: 103 (104). 17: Pr. 11. 29: 15. 27: 27. 27: Ca. 8. 7: Is. 2. 2: 7. 13: 8. 14, 17: 22. 22: 37. 2: 38. 1: 39. 2: Je. 6. 1: 7. 2: 12. 14: 16. 5: 31 (38). 27 *bis*: 37 (44). 4, 15 *bis*, 16, 17: 38 (45). 17: 43 (50). 13 *bis*: 51 (28). 51: 52. 31: Ez. 8. 6: 10. 18: 20. 44: 28. 25 (Sw.): 44. 4 (P.): Ho. 4. 15: 5. 8: 10. 5: Za. 11. 13.]
[Sm. Ge. 15. 2: Ex. 1. 21: Nu. 1. 45: Dt. 11. 19: Jo. 2. 15: 7. 2: I Ki. 2. 32: 25. 17: III Ki. 6. 17, 18, 19: 20 (21). 31: IV Ki. 8. 1: 10. 12: 12. 5 (6): 20. 1: 21. 7: 23. 7 *ter*: Jb. 8. 15: 39. 6: Ps. 25 (26). 8 *bis*: 41 (42). 5: 51 (52). 10: 54 (55). 15: 67 (68). 13: Pr. 11 17, 29: 15. 27: 21. 9: 25. 17: 27. 27: Is. 2. 2: 7. 13: 8. 14, 17: 22. 9, 10, 22 (Sw.): 37. 14: 38. 20: 39. 2: Je. 7. 2: 12. 14: 16. 5: 18. 6: 31 (38). 27 *bis*: 35 (42). 2, 3, 5: 37 (44). 15 *bis*: 38 (45). 7, 17: 43 (50). 13 *bis*: 49. 8 (29. 9): 51 (28). 51: 52. 31: Ez. 8. 6: 10. 18: 20. 44: 28. 25 (Sw.): 44. 4 (P.): Ho. 4. 15: Am. 3. 14, 15 *bis*: Za. 11. 13.]
[Th. Nu. 1. 45: Dt. 11. 19: Jo. 2. 12, 15: 7. 2: Jd. 9. 4: 10. 9: 19. 16: I Ki. 2. 32: II Ki. 12. 10: III Ki. 6. 5, 17, 18, 19: IV Ki. 8. 1: 11. 4: 12. 5 (6): Jb. 21. 21: 39. 6: Ps. 67 (68). 7: Pr. 11. 29: 15. 27: 21. 9: 27. 27: Is. 2. 2: 7. 13: 8. 14: 22. 22: 37. 2, 14: 38. 1: Je. 7. 2: 12. 14: 27 (34). 18 *bis*, 21 *bis*: 33 (40). 14 *bis*, 17: 35 (42). 18: 37 (44). 15: 39 (46). 7 (Sw.), 8 *bis*: 51 (28). 51: Ez. 6. 11 (P.): 7. 24: 8. 6: 9. 3: 10. 4: 11. 1 (P.): 13. 5: 20. 44: 28. 25 (Sw.): 35. 15: 43. 12 (Sw.): 44. 4 (P.): Da. 1. 2, 4: Ho. 4. 15: 10. 5.]
[Al. Le. 18. 9: Nu. 2 34: Dt. 13. 5 (6): Jd. 1. 23: I Ki. 10. 25: IV Ki. 11. 6: Ps. 121 (122). 1, 5: Pr. 2. 18: 15. 27: Je. 37 (44). 16: Ez. 20. 13: 41. 8.]
[Quint. Ps. 67 (68). 7.]

οἰκτείρειν. (1) חָנַן (2) יָדַע (3) נָתַן (4) רָחַם pi. (5) שׂוּב pil.

Ex. 33. 19. καὶ οἰκτειρήσω ὃν ἂν οἰκτείρω (4, 4)
Jd. 5. 30. οἰκτίρμων οἰκτειρήσει εἰς κεφ. ἀνδρός [A *al.*] †
III Ki. 8. 50. οἰκτειρήσουσιν εἰς [A *om.*] αὐτούς (4)
IV Ki. 13. 23. καὶ οἰκτείρησεν αὐτούς (4)
Ps. 4. 1. οἰκτείρησόν με (1)
36 (37). 21. ὁ δὲ δίκαιος οἰκτείρει καὶ διδοῖ (1)
58 (59). 5. μὴ οἰκτειρήσῃς πάντας τοὺς ἐργαζομένους τὴν ἀνομίαν (1)
59 (60). 1. ὠργίσθης καὶ ᾠκτείρησας ἡμᾶς (5)
66 (67). 1. ὁ θεὸς οἰκτειρήσαι ἡμᾶς (1)
76 (77). 9. ἢ ἐπιλήσεται τοῦ οἰκτειρῆσαι ὁ θεός (1)
101 (102). 13. σὺ ἀναστὰς οἰκτειρήσεις τὴν Σιὼν ὅτι καιρὸς τοῦ οἰκτειρῆσαι αὐτήν (4, 1)
— 14. τὸν χοῦν αὐτῆς οἰκτειρήσουσι (1)
102 (103). 13. καθὼς οἰκτείρει πατὴρ υἱοὺς ᾠκτείρησε κύριος τοὺς φοβουμένους αὐτόν (4, 4)
111 (112). 5. χρηστὸς ἀνὴρ ὁ οἰκτείρων [S οἰκτίρμων] (1)
122 (123). 2. ἕως οὗ οἰκτειρήσαι ἡμᾶς (1)
134 (135). 14. S¹ οἰκτείρει [A S²R ὅτι κρινεῖ] κύριος τὸν λαὸν αὐ. †
Pr. 12. 10. δίκαιος οἰκτείρει ψυχὰς κτηνῶν αὐτοῦ (2)
13. 9. δίκαιοι δὲ οἰκτείρουσι –
— 11. δίκαιος οἰκτείρει καὶ κιχρᾷ –
21. 26. ὁ δὲ δίκαιος ἐλεᾷ καὶ οἰκτείρει ἀφειδῶς (3 ?)
Si. 36. 18 (15). οἰκτείρησον πόλιν ἁγιάσματός σου Ἱερ.
Mi. 7. 19. καὶ οἰκτειρήσει ἡμᾶς (4)
Is. 27. 11. οὐ μὴ οἰκτειρήσῃ ὁ ποιήσας αὐτούς (4)
30. 18. μενεῖ ὁ θεὸς τοῦ οἰκτειρῆσαι ὑμᾶς (1)
Je. 13. 14. οὐκ οἰκτειρήσω ἀπὸ διαφθορᾶς [S¹ διασπ.] αὐτῶν (4)
21. 7. οὐ μὴ οἰκτειρήσω αὐτούς (4)
La. 3. 32. ὁ ταπεινώσας οἰκτειρήσει (4)
II Ma. 8. 2. οἰκτεῖραι δὲ καὶ τὸν ναόν
III Ma. 5. 51. οἰκτεῖραι . . . αὐτοὺς ἤδη πρὸς πύλαις ᾅδου καθεστῶτας
IV Ma. 5. 12. οἰκτειρήσεις τὸ σεαυτοῦ γῆρας

IV Ma. 5. 33. A R οὐχ οὕτως οἰκτειρήσω [S -ρομαι] τὸ ἐμαυτοῦ γῆρας
8. 10. οὗς . . . τῆς εὐμορφίας οἰκτείρομαι
[Aq. Is. 54. 10: 60. 10: Je. 30 (37). 18: 50 (27). 42.]
[Sm. Ps. 30 (31). 10: 40 (41). 5, 11: 50 (51). 3: Is. 33. 2: 49. 15: 54. 10: 60. 10: Je. 50 (27). 42.]
[Th. Is. 49. 15: 54. 10: 60. 10: Je. 33 (40). 26.]
[Al. IV Ki. 13. 4.]

οἰκτείρημα, οἰκτειρμα (?). (1) חֶסֶד
Je. 38 (31). 3. εἴλκυσά σε εἰς οἰ. [S¹ -τειρμα] (1)

οἰκτιρμός (-ειρ.). (1) *a.* חָנַן *b.* תַּחֲנוּן (2) *a.* רַחַם *b.* רַחֲמִין
II Ki. 24. 14. πολλοὶ οἱ οἰ. αὐτοῦ σφόδρα (2 *a*)
III Ki. 8. 50. δώσεις αὐτοὺς εἰς οἰκτιρμούς (2 *a*)
I Ch. 21. 13. πολλοὶ οἱ οἰ. αὐτοῦ (2 *a*)
II Ch. 30. 9. τὰ τέκνα ὑμῶν ἔσονται ἐν οἰκτιρμοῖς (2 *a*)
Ne. 1. 11. δὸς αὐτὸν εἰς οἰκτιρμούς (2 *a*)
9. 19. σὺ ἐν [S σὺν] οἰκτιρμοῖς σου τοῖς πολλοῖς (2 *a*)
— 27. ἐν οἰ. σου τοῖς μεγάλοις ἔδωκας αὐτοῖς (2 *a*)
— 28. ἐρρύσω αὐτοὺς ἐν οἰ. σου πολλοῖς (2 *a*)
— 31. ἐν οἰ. σου τοῖς πολλοῖς (2 *a*)
Ps. 24 (25). 6. μνήσθητι τῶν οἰ. σου (2 *a*)
39 (40). 11. μὴ μακρύνῃς τοὺς οἰ. σου ἀπ' ἐμοῦ (2 *a*)
50 (51). 1. κατὰ τὸ πλῆθος τῶν οἰ. σου ἐξάλειψον τὸ ἀνόμημά μου (2 *a*)
68 (69). 16. κατὰ τὸ πλῆθος τῶν οἰ. σου (2 *a*)
76 (77). 9. ἢ συνέξει ἐν τῇ ὀργῇ αὐ. τοὺς οἰ. αὐ. (2 *a*)
78 (79). 8. ταχὺ προκαταλαβέτωσαν ἡμᾶς οἱ οἰ. σου (2 *a*)
102 (103). 4. τὸν στεφανοῦντά σε ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς [S¹ -ῶ] (2 *a*)
105 (106). 46. ἔδωκεν αὐτοὺς εἰς οἰκτιρμούς (2 *a*)
118 (119). 77. ἐλθέτωσάν μοι οἱ οἰ. σου (2 *a*)
— 156. οἱ οἰ. σου πολλοί (2 *a*)
144 (145). 9. οἱ οἰ. αὐ. ἐπὶ πάντα τὰ ἔργα αὐ. (2 *a*)
Si. 5. 6. μὴ εἴπῃς, Ὁ οἰκτιρμὸς αὐτοῦ πολύς
Ho. 2. 19 (21). μνηστεύσομαί σε ἐμαυτῷ . . . ἐν οἰκτιρμοῖς (2 *a*)
Za. 1. 16. ἐπιστρέψω ἐπὶ Ἰ. ἐν [B¹ ἐπ'] οἰκτιρμῷ (2 *a*)
7. 9. ἔλεος καὶ οἰκτιρμὸν ποιεῖτε ἕκαστος (2 *a*)
12. 10. πνεῦμα χάριτος καὶ οἰκτιρμοῦ (1 *b*)
Is. 63. 15. ποῦ ἔστι τὸ πλῆθος τοῦ ἐλέους σου καὶ οἰκτιρμῶν [A S³ τῶν οἰ., S¹ -οί, S² οἱ οἰ.] σου (2 *a*)
Ba. 2. 27. κατὰ πάντα οἰκτιρμόν σου τὸν μέγαν
La. 3. 22. R οὐ συνετελέσθησαν οἱ οἰ. αὐτοῦ —
— 22. R οὐ συνετελέσθησαν οἱ οἰ. αὐ. (2 *a*)
Da. TH. 1. 9. ἔδωκεν ὁ θ. τὸν Δ. εἰς . . . οἰκτιρμόν (2 *a*)
2. 18. οἰκτιρμοὺς ἐζήτουν παρὰ τοῦ θεοῦ (2 *b*)
4. 24. καὶ τὰς ἀδικίας ἐν οἰκτιρμοῖς πενήτων (1 *a*)
9. 9. τῷ κυρίῳ θεῷ ἡμῶν οἱ οἰ. (2 *a*)
— 18. ῥιπτοῦμεν τὸν οἰ. ἡμῶν ἐνώπιόν σου (1 *b*)
— 18. ἀλλ' ἐπὶ τοὺς οἰ. σου τοὺς πολλούς (2 *a*)
I Ma. 3. 44. αἰτῆσαι ἔλεον καὶ οἰκτιρμούς
III Ma. 2. 20. ταχὺ προκαταλαβέτωσαν ἡμᾶς οἱ οἰ. σου
6. 2. τὴν πᾶσαν διακυβερνῶν ἐν οἰκτιρμοῖς κτίσιν
IV Ma. 6. 24. καὶ μηδὲ πρὸς τὸν οἰ. αὐ. μεταβαλλόμενον
[Aq. Ps. 102 (103). 4: Pr. 12. 10: Je. 31 (38). 9.]
[Sm. Ps. 102 (103). 4: Je. 31 (38). 9: Da. 2. 18 (Sw.).]
[Th. Ps. 102 (103). 4: Is. 63. 15 (Sw.): Je. 16. 5: Da. 2. 18.]
[Heb. Je. 31 (38). 2.]
[Quint. Ho. 6. 4.]

οἰκτίρμων (-είρ.). (1) *a.* חָנַן *b.* חַנּוּן (2) *a.* רַחוּם *b.* רַחֲמָנִי
Ex. 34. 6. κύριος ὁ θεὸς οἰ. καὶ ἐλέημων (2 *a*)
De. 4. 31. θεὸς οἰ. κ. ὁ θεός σου (2 *a*)
Jd. 5. 30. οἰκτίρμων οἰκτειρήσει εἰς κεφ. ἀνδρός [A *al.*] †
II Ch. 30. 9. ἐλέημων καὶ οἰ. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (2 *a*)
Ne. 9. 17. καὶ σύ, ὁ θεὸς, ἐλέημων καὶ οἰ. (2 *a*)
— 31. ἐλέημων καὶ οἰκτίρμων [S² *add.* εἶ] (2 *a*)
Ps. 77 (78). 38. αὐτὸς δέ ἐστιν οἰκτίρμων (2 *a*)
Ps. 85 (86). 15. σὺ, κύριε ὁ θεὸς, οἰκτίρμων καὶ ἐλέημων (2 *a*)
102 (103). 8. οἰκτίρμων καὶ ἐλέημων ὁ κύριος (2 *a*)
108 (109). 12. μηδὲ γενηθήτω οἰκτίρμων τοῖς ὀρφανοῖς αὐτοῦ (1 *a*)
110 (111). 4. ἐλέημων καὶ οἰκτίρμων ὁ κύριος (2 *a*)
111 (112). 4. ἐλέημων καὶ οἰκτίρμων καὶ δίκαιος (2 *a*)
— 5. S χρηστὸς ἀνὴρ ὁ οἰ. [A R οἰκτείρων] (1 *a*)
144 (145). 8. οἰκτίρμων καὶ ἐλέημων ὁ κύριος (1 *b*)
Si. 2. 11. οἰκτίρμων καὶ ἐλέημων ὁ κύριος
Jl. 2. 13. ὅτι ἐλέημων καὶ οἰκτίρμων ἐστί (2 *a*)
Jn. 4. 2. ἔγνων ὅτι σὺ ἐλέημων καὶ οἰκτίρμων (2 *a*)
La. 4. 10. χεῖρες γυναικῶν οἰκτιρμόνων ἥψησαν τὰ παιδία αὐτῶν (2 *b*)

οἴκτιστος.
II Ma. 9. 28. οἰκτίστῳ μόρῳ κατέστρεψε τὸν βίον
III Ma. 4. 3. A τίς τὸ σύνολον οἴκτιστος [R οἰκητὸς] τόπος

οἶκτος (οἰκτρός). (1) נְהִי
Es. 3. 13. ἄνευ παντὸς οἰ. [S¹ οἰκτροῦ] καὶ φειδοῦς
Je. 9. 19 (18). φωνὴ οἰκτροῦ [S² οἴκτου] ἠκούσθη ἐν Σ. (1)
— 20 (19). διδάξατε τὰς θυγατέρας ὑμῶν οἶκτον [A -τρόν] (1)
III Ma. 1. 4. R μετὰ οἴκτου . . . τοὺς πλοκάμους [A πολέμους] λελυμένη
5. 49. εἰς οἶκτον καὶ γόους τραπέντες
6. 22. μετεστράφη τοῦ βασ. ἡ ὀργὴ εἰς οἶκτον

οἰκτρός, *cf.* οἴκτιστος, οἶκτος. (1) תַּמְרוּרִים
Wi. 18. 10. οἰκτρὰ διεφέρετο [A -φένετο] θρηνουμένων [A S φωνὴ θρ.] παίδων
Je. 6. 26. πένθος ἀγαπητοῦ ποίησαι σεαυτῇ κοπετὸν οἰκτρόν (1)
III Ma. 5. 24. συνήθροιστο πρὸς τὴν οἰκτροτάτην θεωρίαν
IV Ma. 15. 18. οὐδὲ δεύτερος εἰς σὲ οἰκτρὸν βλέπων ἐν βασάνοις

οἴμη.
[Th. Je. 45. 3 (51. 33)†.]

οἴμμοι, οἴμοι. (1) אֲהָהּ (2) *a.* אוֹיְלִי *b.* אוֹי־נָא *c.* אוֹי *d.* אוֹי־נָא לִי (3) אַלְלַי לִי (4) הוֹי
Jd. 11. 35. A οἴμμοι [B ἆ ἆ] θύγατερ μου (1)
III Ki. 17. 20. οἴμοι [B¹ οἴμμοι] κύριε —
Jb. 10. 15. ἐάν τε γὰρ ἀσεβήσω, οἴμμοι (3)
Ps. 119 (120). 5. οἴμμοι ὅτι ἡ παροικία μου ἐμακρύνθη (2 *a*)
Jl. 1. 15. οἴμοι οἴμοι οἴμοι εἰς ἡμέραν (1, –, –)
Mi. 7. 1. οἴμοι ὅτι ἐγενήθην . . . οἴμοι ψυχή (3, †)
Je. 4. 31. οἰ. ἐγώ (2 *b*)
15. 10. οἰ. ἐγὼ, μῆτερ (2 *c*)
22. 18. B S οἰ. κύριε (4)
51. 33 (45. 3). οἰ. οἰ. ὅτι προσέθηκε κύριος κόπον (2 *d*, –)
La. 1. 21. A καὶ ἐγένετο οἰ. οἰ. [B S *al.*] †, †
Ez. 9. 8. οἰ. [A *add.* Ἀδωναῖ] κύριε (1)
11. 13. οἰ. οἰ. [A *add.* Ἀδωναῖ] κύριε (1, –)
I Ma. 2. 7. οἰ. ἵνα τί τοῦτο ἐγεννήθην ἰδεῖν
[Aq. Je. 10. 19.]
[Sm. Ps. 119 (120). 5: Is. 6. 5: 24. 16: Je. 10. 19.]
[Th. Jd. 6. 22†: Je. 45. 3 (51. 33).]

οἰμωγή.
III Ma. 6. 17. R ὥστε . . . ἀκατάσχετον οἰ. [A πτοὴν] ποιῆσαι
— 32. οἰ. τε πᾶσαν . . . ἀπωσάμενοι
[Aq. Ex. 2. 24: Ps. 11 (12). 6: Ma. 2. 13.]
[Sm. Ex. 2. 24: Ps. 11 (12). 6: 87 (88). 14: 101 (102). 2.]

οἰμώζειν, οἰμώσσειν.
IV Ma. 12. 15. κακῶς οἰμώξεις
[Sm. Ps. 71 (72). 12: Je. 51 (28). 52: Ma. 2. 13.]

οἰνάνθη.
[Sm. Ca. 2. 5, 13.]

οἰνία.
[Aq. Is. 62. 8: Za. 9. 17.]

οἰνόβρωτος (?).
III Ma. 6. 34. A οἰνοβρώτους [R οἰωνοβρ.] αὐτοὺς ἔσεσθαι τιθέμενοι

οἰνοδόχος.
To. 1. 22. A Ἀχ. δὲ ἦν ὁ οἰ. [B S *al.*]

οἰνοποτεῖν.
Pr. 24. 71 (31. 3). μετὰ βουλῆς οἰνοπότει —

οἰνοπότης. (1) סֹבֵא־יַיִן
Pr. 23. 20. μὴ ἴσθι οἰνοπότης (1)

οἶνος. (1) *a.* חֶמֶר *b.* חֲמַר (2) יַיִן (3) יָקֶב (4) סֹבֶא (5) שֵׁכָר (6) שֵׁמֶר (7) תִּירֹשׁ, תִּירוֹשׁ (8) οἰ. νέος עָסִיס
Ge. 9. 21. καὶ ἔπιεν ἐκ τοῦ οἴνου (2)
— 24. ἐξένηψε δὲ Νῶε ἀπὸ τοῦ οἴνου (2)
14. 18. ἐξήνεγκεν ἄρτους καὶ οἶνον (2)
19. 32. ποτίσωμεν τὸν πατέρα ἡμῶν οἶνον (2)
— 33. ἐπότισαν δὲ τὸν πατέρα αὐτῶν οἶνον (2)
— 34. ποτίσωμεν αὐτὸν οἶνον (2)
— 35. ἐπότισαν δὲ . . . τὸν πατέρα αὐτῶν οἶνον (2)
27. 25. εἰσήνεγκεν αὐτῷ οἶνον (2)
— 28. καὶ πλῆθος σίτου καὶ οἶνου (7)
— 37. σίτῳ καὶ οἴνῳ ἐστήριξα αὐτόν (7)
49. 11. πλυνεῖ ἐν οἴνῳ τὴν στολὴν αὐτοῦ (2)
— 12. χαροποιοὶ . . . ὑπὲρ οἶνον [A ἀπὸ οἰ.] (2)
Ex. 23. 25. εὐλογήσω . . . τὸν οἶ. σου [A¹ *om.* τ. οἰ. σ.] —
29. 40. τὸ τέταρτον τοῦ εἶν οἴνου (2)
32. 18. φωνὴν ἐξαρχόντων οἴνου —
Le. 10. 9. οἶνον καὶ σίκερα οὐ πίεσθε (2)
23. 13. τὸ τέταρτον τοῦ ἶν οἴνου (2)
Nu. 6. 3. ἀπὸ οἴνου καὶ σίκερα (2)
— 3. ἁγνισθήσεται ἀπὸ οἴνου —
— 3. ὄξος ἐξ οἴνου . . . οὐ πίεται (2)
— 4. οἶνον ἀπὸ στεμφύλλων . . . οὐ φάγεται (2)
— 20. πίεται ὁ ηὐγμένος οἶνον (2)
15. 5, 7, 10 (A B²). καὶ οἶνον εἰς σπονδήν (2)
18. 12. καὶ πᾶσα ἀπαρχὴ οἴνου (7)
28. 14. τὸ τέταρτον τοῦ ἶν ἔσται τῷ ἀμνῷ τῷ ἑνὶ οἴνου (2)
De. 7. 13. εὐλογήσει . . . τὸν οἶ. σου (7)
11. 14. εἰσοίσεις . . . τὸν οἶ. σου (7)
12. 17. τὸ ἐπιδέκατον . . . τοῦ οἶ. σου (7)
14. 23. οἴσετε τὰ ἐπιδέκατα . . . τοῦ οἶ. σου (7)
— 26. A R ἐπὶ οἴνῳ ἢ ἐπὶ σίκερα (2)
15. 14. ἐφοδιάσεις αὐτὸν . . . ἀπὸ τοῦ οἶ. [A τῆς ληνοῦ] σου (3)
18. 4. καὶ τὰς ἀπαρχὰς . . . τοῦ οἶ. σου (7)
28. 31. A ὁ οἶ. [B ὅνος] σου ἡρπασμένος ἀπὸ σοῦ †
— 39. οἶνον οὐ πίεσαι (2)
— 51. ὥστε μὴ καταλιπεῖν σοι . . . οἶνον (7)
29. 6 (5). οἶνον καὶ σίκερα οὐκ ἐπίετε (2)
32. 14. αἷμα σταφυλῆς ἔπιεν οἶνον (1 *a*)
— 33. θυμὸς δρακόντων ὁ οἶ. αὐτῶν (2)
— 38. ἐπίνετε τὸν οἶ. τῶν σπονδῶν αὐ. (2)
33. 28. ἐπὶ σίτῳ καὶ οἴνῳ [A σίτου κ. οἴνου] (7)
Jo. 9. 4. λαβόντες . . . ἀσκοὺς οἴνου παλαιούς (2)
— 13. οὗτοι οἱ ἀσκοὶ τοῦ οἴ. (2)
Jd. 9. 13. μὴ ἀπολείψασα τὸν οἶ. μου (7)
13. 4, 7. μὴ πίῃς οἶνον (2)
— 14. ὃ [A ὅσα] ἐκπορεύεται ἐξ ἀμπέλου τοῦ [A *om.*] οἴ. (2)
— 14. οἶνον . . . μὴ πιέτω (2)
19. 19. οἰνός ἐστιν ἐμοί (2)
I Ki. 1. 11. οἶνον καὶ μέθυσμα οὐ πίεται —
— 14. περιελοῦ τὸν οἶ. σου (2)
— 15. οἶνον καὶ μέθυσμα οὐ πέπωκα (2)
— 24. ἀνέβη . . . ἐν . . . νέβελ οἴνου (2)
10. 3. ἕνα αἴροντα ἀσκὸν οἴνου (2)
16. 20. ἔλαβεν Ἰ. . . . ἀσκὸν οἴνου (2)
25. 11. λήψομαι . . . τὸν οἶ. μου †
— 18. ἔλαβε . . . δύο ἀγγεῖα οἴνου (2)
— 37. ἐξένηψεν ἀπὸ τοῦ οἴ. N. (2)
II Ki. 13. 28. ὡς ἂν ἀγαθυνθῇ ἡ καρδία Ἀ. ἐν τῷ οἴ. (2)
16. 1. καὶ ἐπ' αὐτοῖς . . . νέβελ οἴνου (2)
— 2. καὶ ὁ οἶ. πιεῖν τοῖς ἐκλελυμένοις (2)
IV Ki. 18. 32. σίτου καὶ οἴνου καὶ ἄρτου (7)
I Ch. 9. 29. καὶ ἐπὶ τῆς σεμιδάλεως τοῦ οἴ. τοῦ ἐλαίου (2)
12. 40. ἔφερον . . . οἶνον καὶ ἔλαιον (2)
27. 27. τῶν ἐν τοῖς χωρίοις τοῦ οἴ. (2)

II Ch. 2. 10 (9). καὶ οἶνου μέτρων εἴκοσι χιλιάδας (2)
— 15 (14). καὶ τὸ ἔλαιον καὶ τὸν οἶ. (2)
11. 11. ἔδωκεν ἐν [A om.] αὐτοῖς . . . οἶνον (2)
31. 5. ἀπαρχὴν σίτου καὶ οἴνου (7)
32. 28. εἰς τὰ γεννήματα . . . ἐλαίου καὶ οἴνου (7)
I Es. 3. 10. ὑπερισχύει ὁ οἶ.
— 17. ὁ εἶπας περὶ τῆς ἰσχύος τοῦ οἶ.
— 18. πῶς ὑπερισχύει ὁ οἶ.
— 23. ὅταν ἀπὸ τοῦ οἶ. ἐγερθῶσιν [A γενηθ.]
— 24. οὐχ ὑπερισχύει ὁ οἶ.
4. 14. καὶ ὁ οἶ. ἰσχύει
— 16. ἐξ ὧν ὁ οἶ. γίνεται
— 37. ἄδικος ὁ οἶ.
6. 30. ὁμοίως δὲ καὶ . . . οἶνον καὶ ἔλαιον
8. 20. ἕως . . . οἴνου μετρητῶν ἑκατόν (1 b)
II Es. 6. 9. πυροὺς ἅλας οἶνον (1 b)
7. 22. B ἕως οἴνου ἀποθηκῶν ἑκατόν [A R al.] (1 b)
Ne. 2. 1. A S² R ἦν ὁ [B S¹ om.] οἶ. ἐνώπιον ἐμοῦ (2)
— 1. ἔλαβον τὸν οἶ. (2)
5. 11. ἐπιστρέψατε δὴ . . . τὸν οἶ. (7)
— 15. ἐν ἄρτοις καὶ ἐν οἴνῳ [S¹ al.] (2)
— 18. ἐν πᾶσιν οἴνοις τῷ πλήθει (2)
10. 37 (38). τὸν καρπὸν παντὸς ξύλου οἶνου καὶ ἐλαίου (7)
— 39 (40). τὰς ἀπαρχὰς . . . τοῦ οἴ. (7)
13. 5. A B² S² R διδόντες . . . τὴν δεκάτην τοῦ οἴ. [S¹ om. τ. οἴ.] (7)
— 12. ἤνεγκαν δεκάτην . . . τοῦ οἴ. (7)
— 15. ἐπιγεμίζοντας ἐπὶ τοὺς ὄνους καὶ οἶνον (2)
To. 1. 7. S ἐδίδουν . . . τὴν δεκάτην τοῦ οἴ. [A B al.]
4. 15. A B οἶνον εἰς μέθην μὴ πίῃς
Ju. 10. 5. ἔδωκε . . . ἀσκοπυτίνην [S ἀσκὸν] οἴνου
11. 13. καὶ τὰς δεκάτας τοῦ οἴ.
12. 1. καὶ τοῦ οἴ. αὐ. πίνειν
— 13. πίεσαι μεθ' ἡμῶν εἰς εὐφροσύνην οἶνον
— 20. ἔπιεν οἴ. πολὺν σφόδρα
13. 2. ἦν γὰρ περικεχυμένος αὐτῷ ὁ οἶ.
Es. 1. 7. οἶνος πολὺς καὶ ἡδύς (2)
4. 17. οὐδὲ ἔπιον οἶνον σπονδῶν
5. 6. S² ἐν δὲ τῷ πότῳ τοῦ οἴ. [A B S¹ om. τ. οἴ.] (2)
7. 2. S² ἐν τῷ πότῳ τοῦ οἴ. [A B S¹ om. τ. οἴ.] (2)
— 8. S² εἰς τὸν οἶκον τοῦ πότου τοῦ οἴ. (2)
Jb. 1. 13. ἔπινον οἶνον (2)
Ps. 4. 7. ἀπὸ καρποῦ σίτου καὶ οἴνου . . . ἐπληθύνθησαν (7)
59 (60). 3. ἐπότισας ἡμᾶς οἶνον κατανύξεως (2)
68 (69). 12. εἰς ἐμὲ ἔψαλλον οἱ πίνοντες τὸν [S² om.] οἶνον (5)
74 (75). 8. οἴνου ἀκράτου πλῆρες κεράσματος (2)
77 (78). 65. ὡς δυνατὸς κεκραιπαλησκὼς ἐξ οἴνου (2)
103 (104). 15. οἶνος εὐφραίνει καρδίαν ἀνθρώπου (2)
Pr. 3. 10. οἴνῳ δὲ αἱ ληνοί σου ἐκβλύζωσιν (7)
4. 17. οἴνῳ δὲ παρανόμῳ μεθύσκονται (2)
9. 2. ἐκέρασεν εἰς κρατῆρα τὸν ἑαυτῆς οἶνον (2)
— 5. πίετε οἶνον ὃν ἐκέρασα ὑμῖν (2)
12. 11. ὅς ἐστιν ἡδὺς ἐν οἴνων διατριβαῖς –
20. 1. ἀκόλαστον οἶνος καὶ ὑβριστικὸν μέθη (2)
21. 17. φιλῶν οἶνον καὶ ἔλαιον εἰς πλοῦτον (2)
23. 30. οὐ τῶν ἐγχρονιζόντων ἐν οἴνοις (2)
— 30. μὴ μεθύσκεσθε ἐν [A S om.] οἴνοις [A οἴνῳ] –
24. 72 (31. 4). οἶνον δὲ μὴ πινέτωσαν (2 + 5)
— 74 (31. 6). καὶ οἶνον πίνειν τοῖς ἐν ὀδύναις (2)
27. 9. μύροις καὶ οἴνοις καὶ θυμιάμασι τέρπεται καρδία –
Ec. 2. 3. εἰ ἡ καρδία μου ἑλκύσει ὡς οἶνον τὴν σάρκα μου (2)
9. 7. πίε ἐν καρδίᾳ ἀγαθῇ οἶνόν σου (2)
10. 19. οἶνον καὶ ἔλαιον τοῦ εὐφρανθῆναι [A S οἶνος εὐφραίνει] ζῶντας (2)
Ca. 1. 2. ἀγαθοὶ μαστοί σου ὑπὲρ οἶνον (2)
— 4. ἀγαπήσομεν μαστούς σου ὑπὲρ οἶνον (2)
2. 4. εἰσαγάγετέ με εἰς οἶκον τοῦ οἴνου (2)
4. 10. τί ἐκαλλιώθησαν μαστοί σου ἀπὸ οἴνου (2)
5. 1. ἔπιον οἶνόν μου μετὰ γάλακτός μου (2)
7. 9 (10). ὁ λάρυγξ σου ὡς οἶνος ὁ ἀγαθός (2)
8. 2. ποτιῶ σε ἀπὸ οἴνου τοῦ μυρεψικοῦ (2)
Wi. 2. 7. οἴνου πολυτελοῦς καὶ μύρων πλησθῶμεν
Si. 9. 9. μὴ συμβολοκοπήσῃς μετ' αὐτῆς ἐν οἴνῳ
— 10. οἶνος νέος φίλος νέος ἐὰν παλαιωθῇ
19. 2. οἶνος καὶ γυναῖκες ἀποστήσουσι συνετούς
34 (31). 25. ἐν οἴνῳ μὴ ἀνδρίζου πολλοὺς γὰρ ἀπώλεσεν ὁ οἶνος
— 26. οὕτως οἶνος καρδίας ἐν μάχῃ ὑπερηφάνων
Si. 34 (31). 27. ἔπισον ζωῆς οἶνος ἀνθρώπῳ
— 27. τίς ζωὴ ἐλασσουμένῳ οἴνῳ [A -ου, S² ἐν οἴνῳ]
— 28. οἶνος πινόμενος ἐν καιρῷ αὐτάρκης
— 29. πικρία ψυχῆς οἶνος πινόμενος [A γιν.] πολύς
— 31. ἐν συμποσίῳ οἴνου μὴ ἐλέγξῃς τὸν πλησίον
35 (32). 5. σύγκριμα μουσικῶν ἐν συμποσίῳ [A -ίᾳ] οἴνου
— 6. μέλος μουσικῶν ἐφ' ἡδεῖ οἴνῳ
40. 20. οἶνος καὶ μουσικὰ εὐφραίνουσι καρδίαν
49. 1. ὡς μουσικὰ ἐν συμποσίῳ οἴνου
Ho. 2. 8 (10). ἔδωκα αὐτῇ . . . τὸν οἶνον (7)
— 9 (11). κομιοῦμαι . . . τὸν οἶνόν μου (7)
— 22 (24). ἡ γῆ ἐπακούσεται . . . τὸν οἶ. (7)
3. 2. γομὸρ κριθῶν καὶ νέβελ οἴνου †
4. 11. οἶνον . . . ἐδέξατο καρδία λαοῦ μου (2)
7. 5. ἤρξαντο οἱ ἄρχοντες θυμοῦσθαι ἐξ οἴνου (2)
— 14. ἐπὶ σίτῳ καὶ οἴνῳ κατετέμνοντο (7)
9. 2. καὶ ὁ [A¹ om.] οἶνος ἐψεύσατο αὐτούς (7)
— 4. οὐκ ἔσπεισαν τῷ κυρίῳ οἶνον (2)
14. 8. ἐξανθήσει . . . ὡς οἶνος Λιβ. τῷ Ἐφ. (2)
Am. 2. 8. οἶνον ἐκ συκοφαντιῶν ἔπινον (2)
— 12. καὶ ἐποτίζετε τοὺς ἡγιασμένους οἶνον (2)
5. 11. A R οὐ μὴ πίητε τὸν οἶ. αὐτῶν [B ἐξ αὐτῶν] (2)
6. 6. οἱ πίνοντες τὸν διυλισμένον οἶνον (2)
9. 14. καὶ πίονται τὸν οἶνον αὐτῶν (2)
Mi. 2. 11. ἐστάλαξέ σοι εἰς οἶνον καὶ μέθυσμα (2)
6. 15. πιέσεις . . . οἶνον καὶ οὐ μὴ πίητε (7)
Jl. 1. 5. ἐκνήψατε οἱ μεθύοντες ἐξ οἴνου αὐτῶν –
— 5. θρηνήσατε πάντες οἱ πίνοντες οἶνον εἰς μέθην (2)
— 10. ἐξηράνθη οἶνος ὠλιγώθη ἔλαιον (7)
2. 19. ἐξαποστέλλω . . . τὸν σῖτον καὶ τὸν οἶ. (7)
— 24. ὑπερχυθήσονται αἱ ληνοὶ οἴνου (7)
3 (4). 3. τὰ κοράσια ἐπώλουν ἀντὶ οἴνου (2)
Ob. 1. 16. A S² R πίονται πάντα τὰ ἔθνη οἶνον †
Ze. 1. 13. οὐ μὴ πίωσι τὸν οἶ. αὐτῶν (2)
Hg. 1. 11. ἐπάξω ῥομφαίαν . . . ἐπὶ τὸν οἶ. (7)
2. 13 (12). ἐὰν . . . ἅψηται . . . οἴνου (2)
Za. 9. 15. ἐκπίονται αὐτοὺς ὡς [A S² τὸ αἷμα αὐτῶν ὡς] οἶνον (2)
— 17. οἶνος εὐωδιάζων εἰς παρθένους (7)
10. 7. καὶ χαρήσεται ἡ καρδία αὐτῶν ὡς ἐν οἴνῳ (2)
Is. 1. 22. μίσγουσι τὸν οἶ. ὕδατι (4)
5. 11. ὁ γὰρ οἶ. αὐτοὺς συγκαύσει (2)
— 12. μετὰ γὰρ κιθάρας . . . τὸν οἶ. πίνουσι (2)
— 22. οὐαὶ οἱ ἰσχύοντες ὑμῶν οἱ πίνοντες τὸν οἶ. (2)
16. 10. οὐ μὴ πατήσουσιν οἶνον εἰς τὰ ὑπολήνια (2)
22. 13. ὥστε φαγεῖν κρέα καὶ πιεῖν οἶνον (2)
24. 7. πενθήσει οἶνος (7)
— 9. οὐκ ἔπιον οἶνον (2)
— 11. ὀλολύζεται περὶ τοῦ οἴ. πανταχῇ (2)
25. 6. πίονται οἶνον (6)
28. 1. οἱ μεθύοντες ἄνευ οἴνου (2)
— 7. οὗτοι γὰρ οἴνῳ πεπλημμελημένοι . . . κατεπόθησαν διὰ τὸν οἶ. [A S al.] (2, 2)
29. 9. κραιπαλήσατε οὐκ ἀπὸ σίκερα οὐδὲ ἀπὸ οἴνου (2)
36. 17. γῆ σίτου καὶ οἴνου καὶ ἄρτων (7)
49. 26. πίονται ὡς οἶνον νέον τὸ αἷμα αὐτῶν (8)
51. 21. μεθύουσα οὐκ ἀπὸ οἴνου (2)
55. 1. R φάγετε [A S πίετε] ἄνευ ἀργυρίου καὶ τιμῆς οἴνου [A B S -ου] καὶ στέαρ (2)
62. 8. εἰ ἔτι πίονται υἱοὶ ἀλλότριοι τὸν οἶ. σου (7)
Je. 13. 12 bis. πᾶς ἀσκὸς πληρωθήσεται οἴνου (2)
23. 9. ὡς ἄνθρωπος συνεχόμενος ἀπὸ οἴνου (2)
28 (51). 7. ἀπὸ τοῦ οἴ. αὐτῆς ἐπίοσαν ἔθνη (2)
31 (48). 33. οἶνος ἦν ἐπὶ ληνοῖς σου (2)
32. 1 (25. 15). λάβε τὸ ποτήριον τοῦ οἴ. τοῦ ἀκράτου (2)
38 (31). 12. ἐπὶ γῆν σίτου καὶ οἴνου (7)
42 (35). 2. ποτιεῖς αὐτοὺς οἶνον (2)
— 5. ἔδωκα κατὰ πρόσωπον αὐτῶν κεράμιον οἴνου καὶ ποτήρια καὶ εἶπα, Πίετε οἶνον (2, 2)
— 6. οὐ μὴ πίωμεν οἶνον . . . οὐ πὴ πίητε οἶνον (2, 2)
— 8, 14. πρὸς τὸ μὴ πιεῖν οἶνον (2)
47 (40). 10. συναγάγετε οἶνον καὶ ὀπώραν (2)
— 12. συνήγαγον οἶνον (2)
La. 2. 12. ποῦ σῖτος καὶ οἶνος (2)
Ez. 16. 49. A ἐν εὐθηνίᾳ οἴνου [B om.] ἐσπατάλων –
27. 18. οἶνος [A -ον] ἐκ Χελβών (2)
— 18 (19). οἶνον εἰς τὴν ἀγοράν σου ἔδωκαν †
44. 21. οἶνον οὐ μὴ πίωσι πᾶς ἱερεύς (2)
Da. LXX. 1. 5. δίδοσθαι αὐτοῖς . . . ἀπὸ τοῦ οἴ. (2)
— 8. ἐν ᾧ πίνει οἴνῳ (2)
— 16. ἦν Ἀβ. ἀναιρούμενος . . . τὸν οἶ. αὐ. (2)
5. 1. Βαλτ, ἐνυψούμενος ἀπὸ τοῦ οἴ. –
— 2 (1). ἔπινεν οἶνον (1 b?)
— 23. καὶ ἔπινες οἶνον (1 b)
10. 3. οἶνος οὐκ εἰσῆλθεν εἰς τὸ στόμα μου (2)
Bel 10. οἶνος κερασθεὶς εἰσηνέχθη
— 14. ἐξέπιον τὸν οἶ.
— 20. καὶ εὗρε . . . τὸν οἶ.
— 32. καὶ στάμνον οἴ. κεκερασμένου
Da. TH. 1. 5. καὶ ἀπὸ τοῦ οἴ. τοῦ πότου αὐ. (2)
— 8. οὐ μὴ ἀλισγηθῇ . . . ἐν τῷ οἴ. (2)
— 16. καὶ τὸν οἴ. τοῦ πόματος αὐ. (2)
5. 1. κατέναντι τῶν χιλίων ὁ οἴ. (1 b)
— 2. εἶπεν ἐν τῇ γεύσει τοῦ οἴ. (1 b)
— 4. ἔπινον οἶνον (1 b)
— 23. οἶνον ἐπίνετε ἐν αὐτοῖς (1 b)
10. 3. οἶνος οὐκ εἰσῆλθεν εἰς τὸ στόμα μου (2)
Bel 3. καὶ οἶνου μετρηταὶ ἕξ
— 11. καὶ τὸν οἴ. κεράσας θές
II Ma. 15. 39. οἶνον κατὰ μόνας πίνειν
— 39. οἶνος ὕδατι συγκερασθείς
III Ma. 5. 2. οἱ πλείονι ἀκράτῳ ἅπ. τοὺς ἐλέφ. ποτίσαι
— 10. πεπληρωμένους τῆς τοῦ οἴ. πολλῆς χορηγίας
— 45. R εὐωδεστάτοις πόμασιν οἴνου λελιβανωμένου [A al.]
6. 30. ἐκέλευσεν οἴνους . . . χορηγεῖν

[Aq. I Ki. 1. 24: Jb. 1. 18: Ps. 59 (60). 5: 77 (78). 65: Pr. 4. 17: 20. 1: Is. 5. 12 (Sw.): 28. 1: 55. 1: 56. 12: Je. 48 (31). 33: Ez. 27. 18.]
[Sm. I Ki. 1. 24: Jb. 32. 19: Ps. 59 (60). 5: 74 (75). 9: 77 (78). 65: 103 (104). 15: Pr. 4. 17: 20. 1: Ca. 4. 10: Is. 28. 1: 55. 1: 65. 8: Je. 48 (31). 33: Ez. 27. 18: Ho. 3. 2: Am. 5. 11 (P.).]
[Th. Pr. 20. 1: Is. 28. 1: 55. 1: 56. 12: 65. 8: Da. 5. 1: 14. 2: Ho. 3. 2.]
[Al. Pr. 20. 1: Is. 5. 12.]
[Quint. Ho. 7. 14.]

οἰνοῦσθαι. (1) סָבָא

Ez. 23. 42. A πρὸς ἄνδρας ἐκ πλήθους ἀνθρώπων ἥκοντας οἰνωμένους [B om.] ἐκ τῆς ἐρήμου (1)

[Sm. Je. 25. 38 (32. 24): 46 (26). 16: 50 (27). 16.]
[Th. Ez. 23. 42 (Sw.).]

οἰνοφλυγεῖν (-φρύγειν?). (1) סָבָא

De. 21. 20. συμβολοκοπῶν οἰνοφλυγεῖ [B¹ -φρύγει] (1)

[Aq., Th. Is. 56. 12.]

οἰνοφλυγίζειν.

[Th. Is. 56. 12 (Sw.).]

οἰνοχοεῖν. (1) מַשְׁקֶה (2) שָׁתָה

Ge. 40. 13. ὡς ἦσθα οἰνοχοῶν (1)
Da. LXX. 5. 2. καὶ οἰνοχοῆσαι ἐν αὐτοῖς τοῖς ἑταίροις αὐ. (2)

οἰνοχόη. (1) שְׁדֵה

Ec. 2. 8. ἐποιησά μοι . . . οἰνοχόον [A S² -ους] καὶ οἰνοχόας (1?)

οἰνοχόος. (1) מַשְׁקֶה (2) שַׂר הַמַּשְׁקִים (3) שְׁדֵה

Ge. 40. 20. τῆς ἀρχῆς τοῦ οἰ. [A ἀρχιοιν.] (2)
III Ki. 10. 5. τὸν ἱματισμὸν αὐ. καὶ τοὺς οἰ. αὐ. (1)
II Ch. 9. 4. B ἱματισμὸν αὐ. καὶ οἰνοχόων [A R -ους] αὐτοῦ (1)
Ne. 1. 11. A S¹ R ἤμην οἰνοχόος [B S² εὐνοῦχος] τῷ βασ. (1)
To. 1. 22. Ἀχιάχαρος δὲ ἦν ὁ οἰ. [A S al.]
Ec. 2. 8. ἐποιησά μοι . . . οἰνοχόον [A S² -ους] καὶ οἰνοχόας (3?)

οἰνών.

[Sm. Ca. 2. 4.]

οἷος. (1) אֲשֶׁר (2) כָּמֹנִי (3) οἷος ἐγώ

a. אֲשֶׁר כָּמֹנִי *b.* כָּמֹנִי

Ge. 41. 19. αἰσχραὶ . . . οἷας οὐκ εἶδον τοιαύτας –
44. 15. R ὁ [A om.] ἄνθρωπος οἷ. ἐγώ (3 a)
III Ki. 18. 13. οὐκ ἀπηγγέλη . . . οἷα πεποίηκα (1)

I Es. 1. 21. οἶον ἤγαγεν Ἰωσ.
Ne. 6. 11. A τίς ἐστιν ὁ ἀνὴρ οἷος ἐγὼ φεύξεται ἢ τίς οἷος ὁ ἀνήρ [S² οἷ. ἐγώ, B S¹ al.] (3 b, 2 [3 b])
To. 10. 7. τὴν ὁδὸν ἔξω οἷας ἀπῆλθεν [S al.]
14. 5. οὐχ οἷος ὁ πρότερος [S al.]
Es. 2. 1. μνημονεύων οἷα ἐλάλησεν [A al.] (1)
Jb. 33. 27. οἷα συνετέλουν [A -ούμην] †
Si. 49. 14. οὐδὲ εἷς ἐκτίσθη οἷος Ἐνώχ
Da. LXX. 9. 12. οἷα οὐκ ἐγενήθη ὑπὸ τὸν οὐρανόν (1)
12. 1. οἷα οὐκ ἐγενήθη (1)
Da. TH. 9. 12. οἷα [A ἃ] οὐ γέγονεν (1)
12. 1. οἷα οὐ γέγονεν [B¹ om.] (1)
I Ma. 4. 27. A R οὐχ οἷα ἤθελε . . . καὶ οὐχ [S om.] οἷα ἐνετείλατο αὐτῷ
5. 56. οἷα ἐποίησαν
IV Ma. 1. 4. οἷον κακοηθείας
3. 2. οἷον, ἐπιθυμίαν τις ὑμῶν οὐ δύναται ἐκκόψαι
4. 7. ὡς οἷόν τε ἦν
[Sm. Jb. 33. 6.]

οἰστρηλασία.
IV Ma. 2. 4. τὴν τῆς ἡδυπαθείας οἰ. ἐπικρατεῖν ὁ λογισμὸς φαίνεται

οἶστρος.
IV Ma. 2. 3. ἠκύρωσε . . . τὸν τῶν παθῶν οἶ.
3. 18. σβέσαι τὰς τῶν οἴ. φλεγμονάς

οἰφί (-εί). (1) אֵפָה, אֵיפָה (2) סְאָה
Le. 5. 11. δέκατον τοῦ οἰφὶ σεμιδάλεως [A -λιν] (1)
6. 20 (13). τὸ δέκατον τοῦ οἰ. σεμιδάλεως (1)
Nu. 5. 15. προσοίσει . . . τὸ δέκατον τοῦ οἰ. (1)
15. 4. προσοίσει . . . δέκατον τοῦ οἰ. –
28. 5. ποιήσεις τὸ δέκατον τοῦ οἰ. (1)
Jd. 6. 19. ἐποίησεν . . . οἰ. ἀλεύρου (1)
Ru. 2. 17. ἐγενήθη ὡς οἰφὶ κριθῶν (1)
I Ki. 1. 24. ἀνέβη . . . ἐν . . . οἰ. σεμιδάλεως (1)
17. 17. A λάβε δὴ τοῖς ἀδ. σου οἰ. τούτου (1)
25. 18. ἔλαβε . . . πέντε οἰ. ἀλφίτου (2)
Ez. 45. 13. τὸ ἕκτον αὐτοῦ τοῦ οἰ. (1)
[Aq. Ex. 16. 36 (P.).]
[Sm. Za. 5. 6.]
[Al. Ex. 16. 36: Le. 19. 36.]

οἴχεσθαι. (1) בּוֹא (2) הָלַךְ (3) חָלַשׁ (4) סָרַח ni. (5) עָבַר (6) שָׁדַד a. pu. b. hoph.
Ge. 12. 4. καὶ ᾤχετο μετ' αὐτοῦ Λώτ (2)
25. 34. καὶ ἀναστὰς ᾤχετο (2)
31. 19. Λάβαν δὲ ᾤχετο κεῖραι τὰ πρόβατα (2)
II Ch. 8. 17. ᾤχετο Σ. εἰς Γ. (2)
— 18. B ᾤχετο [A R -οντο] μετὰ τῶν παίδων Σ. (1)
21. 9. ᾤχετο Ἰ. μετὰ τῶν ἀρχόντων (5)
I Es. 9. 54. ᾤχοντο πάντες φαγεῖν
To. 2. 7. ὅτε ἔδυ ὁ ἥλιος ᾠχόμην
5. 9. S πολλάκις ᾠχόμην εἰς Μηδείαν
8. 9. S καὶ ᾤχοντο
10. 7. S τὴν ὁδὸν ᾗ ᾤχετο ὁ υἱὸς αὐ. [A B al.]
12. 13. S καὶ ᾤχου [A B al.]
Jb. 14. 10. ἀνὴρ δὲ τελευτήσας ᾤχετο (3)
— 20. ὥσας αὐτὸν εἰς τέλος καὶ ᾤχετο (2)
19. 10. διέσπασέ με κύκλῳ καὶ ᾠχόμην (2)
30. 15. ᾤχετό μου ἡ ἐλπὶς ὥσπερ πνεῦμα †
Ho. 10. 14. τὰ περιτετειχισμένα σου οἰχήσεται [A οἰκήσεται] (6 b)
Je. 9. 10 (9). ἐξέστησαν ᾤχοντο (2)
10. 20. S¹ ἡ σκηνή σου ἐταλαιπώρησεν ᾤχετο [A B S² ὤλετο] (6 a)
16. 11. ᾤχοντο ὀπίσω θεῶν ἀλλοτρίων (2)
27 (50). 6. ἐξ ὄρους ἐπὶ βουνὸν ᾤχοντο (2)
29 (49). 7. ᾤχετο σοφία αὐτῶν (4)
31 (48). 11. εἰς ἀποικισμὸν οὐκ ᾤχετο (2)
35 (28). 11. ᾤχετο Ἱερεμίας εἰς τὴν ὁδὸν αὐτοῦ (2)
48 (41). 10. ᾤχετο εἰς τὸ πέραν υἱῶν Ἀμμών (2)
— 12. ᾤχοντο πολεμεῖν αὐτόν (2)
— 15. ᾤχετο πρὸς τοὺς υἱοὺς Ἀμμών (2)
— 17. ᾤχοντο καὶ ἐκάθισαν ἐν Γαβηρωχαμάα (2)
52. 7. A ᾤχοντο [B ἐπορεύθησαν] ὁδὸν τὴν εἰς ἄραβα (2)
Ba. 1. 22. ᾠχόμεθα ἕκαστος ἐν διανοίᾳ καρδίας αὐτοῦ [A ἡμῶν]
IV Ma. 4. 1. φυγὰς ᾤχετο τὴν πατρίδα προδώσων
— 14. ὁ μὲν παραδόξως διασωθεὶς ᾤχετο
[Aq. Jb. 4. 15.]

οἰωνίζεσθαι. (1) נָחַשׁ pi.
Ge. 30. 27. εἰ εὗρον χάριν . . . οἰωνισάμην ἄν (1)
44. 5. οἰωνισμῷ οἰωνίζεται ἐν αὐτῷ (1)
— 15. οἰωνισμῷ οἰωνιεῖται ὁ ἄνθρωπος (1)
Le. 19. 26. οὐκ οἰωνιεῖσθε (1)
De. 18. 10. οὐχ εὑρεθήσεται . . . οἰωνιζόμενος (1)
III Ki. 21 (20). 33. οἱ ἄνδρες οἰωνίσαντο (1)
IV Ki. 17. 17. B καὶ οἰωνίζοντο (1)
21. 6: II Ch. 33. 6. καὶ οἰωνίζετο (1)

οἰώνισμα. (1) a. אֱלִיל b. אֱלִיל (2) עָנָן po. (3) קֶסֶם
I Ki. 15. 23. ἁμαρτία οἰώνισμά ἐστιν (3)
Je. 14. 14. οἰωνίσματα καὶ προαιρέσεις καρδίας αὐτῶν αὐτοὶ προφητεύουσιν ὑμῖν (1 a*, 1 b)
34 (27). 9. μὴ ἀκούετε . . . τῶν οἰ. ὑμῶν (2)

οἰωνισμός. (1) a. נָחַשׁ pi. b. נַחַשׁ
Ge. 44. 5. οἰωνισμῷ οἰωνίζεται ἐν αὐτῷ (1 a)
— 15. οἰωνισμῷ οἰωνιεῖται ὁ ἄνθρωπος (1 a)
Nu. 23. 23. οὐ γάρ ἐστιν οἰ. ἐν Ἰ. (1 b)
Si. 31 (34). 5. μαντεῖαι καὶ οἰωνισμοὶ . . . μάταιά ἐστι

οἰωνόβρωτος.
II Ma. 9. 15. οἰωνοβρώτους δὲ . . . ἐκρίψειν θηρίοις
III Ma. 6. 34. R οἰωνοβρώτους [A οἰνοβρ.] αὐτοὺς ἔσεσθαι τιθέμενοι

οἰωνός. (1) נַחַשׁ
Nu. 24. 1. εἰς συνάντησιν τοῖς οἰ. (1)
[Sm. Ps. 77 (78). 48.]

ὀκλάζειν. (1) כָּרַע
III Ki. 8. 54. ὀκλακὼς ἐπὶ τὰ γόνατα αὐ. (1)
19. 18. ἃ οὐκ ὤκλασαν γόνυ [A om.] τῷ B. (1)
[Aq. Ps. 82 (83). 3.]
[Sm. Ge. 49. 9: Jd. 11. 35: I Ki. 4. 19: 24. 9: Ps. 16 (17). 13: 21 (22). 30: 71 (72). 9: 77 (78). 31.]

ὀκνεῖν. (1) מָנַע ni. (2) עָצַל ni.
Nu. 22. 16. μὴ ὀκνήσῃς ἐλθεῖν πρὸς με (1)
Jd. 18. 9. μὴ ὀκνήσητε τοῦ πορευθῆναι (2)
To. 12. 6. μὴ ὀκνεῖτε ἐξομολογεῖσθαι αὐτῷ
— 13. ὅτε οὐκ ὤκνησας ἀναστῆναι
Ju. 12. 13. μὴ ὀκνησάτω δὴ ἡ παιδίσκη ἡ καλὴ αὕτη
Si. 7. 35. μὴ ὄκνει ἐπισκέπτεσθαι ἄρρωστον
IV Ma. 14. 4. οὐδὲ πρὸς τὸν θάνατον ὤκνησεν

ὀκνηρεύειν.
[Al. Nu. 32. 9.]

ὀκνηρία. (1) עַצְלָה
Ec. 10. 18. ἐν ὀκνηρίαις ταπεινωθήσεται ἡ δόκωσις (1)
[Sm. Pr. 19. 15: Ec. 10. 18.]
[Th. Pr. 19. 15.]
[Al. Pr. 31. 27.]

ὀκνηρός. (1) a. עָצֵל b. עַצְלוּת
Pr. 6. 6. ἴθι πρὸς τὸν μύρμηκα, ὦ ὀκνηρέ (1 a)
— 9. ἕως τίνος, ὀκνηρὲ, κοτάκεισαι (1 a)
11. 16. πλούτου ὀκνηροὶ ἐνδεεῖς γίνονται –
18. 8. ὀκνηροὺς καταβάλλει φόβος †
20. 4. ὀνειδιζόμενος ὀκνηρὸς οὐκ αἰσχύνεται (1 a)
21. 25. ἐπιθυμίαι ὀκνηρὸν ἀποκτείνουσιν (1 a)
22. 13. προφασίζεται καὶ λέγει ὀκνηρός (1 a)
26. 13. λέγει ὀκνηρὸς ἀποστελλόμενος εἰς ὁδόν (1 a)
— 14. οὕτως ὀκνηρὸς ἐπὶ τῆς κλίνης αὐτοῦ (1 a)
— 15. κρύψας ὀκνηρὸς τὴν χεῖρα ἐν τῷ κόλπῳ αὐτοῦ (1 a)
— 16. σοφώτερος ἑαυτῷ ὀκνηρὸς φαίνεται (1 a)
31. 26 (27). σῖτα δὲ ὀκνηρὰ οὐκ ἔφαγε (1 b)
Si. 22. 1. λίθῳ ἠρδαλωμένῳ συνεβλήθη [S² ἐλιθοβολήθη] ὀκνηρός
— 2. βολβίτῳ κοπρίων συνεβλήθη ὀκνηρός
37. 11. μετὰ ὀκνηροῦ περὶ παντὸς ἔργου
[Aq. Pr. 15. 19.]
[Sm. Pr. 13. 4: 15. 19: 20. 4: 21. 25.]
[Th. Pr. 15. 19: 21. 25.]

ὀκτακισχίλιοι.
Nu. 2. 24: 3. 28: 4. 48.
I Ch. 29. 7.
I Ma. 5. 20, 34†: 10. 85: 15. 13†.
II Ma. 8. 20, 20†.

ὀκτακισχίλιος.
I Ma. 15. 13. A R καὶ ὀκτακισχιλία ἵππος [S al.]

ὀκτακόσιοι.
Ge. 5. 17, 19, 26†.
II Ki. 23. 8†: 24. 9.
I Ch. 12. 24, 30, 35.
II Ch. 13. 3.
I Es. 5. 11, 24†.
II Es. 2. 6.
Ne. 7. 11†, 12†, 13†, 14†: 11. 12†.
I Ma. 3. 24: 9. 6.
II Ma. 5. 21.
[Aq., Sm. Ge. 5. 4.]
[Th. Ge. 5. 4: Je. 52. 29.]

ὀκτάπηχυς. (1) שְׁמֹנֶה אַמּוֹת
III Ki. 7. 10. λίθοις δεκαπήχεσι καὶ τοῖς ὀ. (1)

ὀκτώ.
Ge. 5. 28: 14. 14: 17. 12: 22. 23: 46. 22.
Ex. 26. 2, 25: 37. 2 (36. 9).
Nu. 7. 8: 29. 29: 35. 7.
De. 2. 14.
Jo. 21. 39: 24. 33.
Jd. 3. 8, 14: 10. 8: 12. 13 (14): 20. 25, 44.
I Ki. 4. 15†: 17. 12†.
II Ki. 8. 13.
III Ki. 7. 15, 45.
IV Ki. 8. 17†: 10. 24†, 36: 15. 13†: 22. 1: 24. 8: 25. 17.
I Ch. 5. 13†: 12. 31, 35: 16. 38: 18. 12: 23. 3: 24. 4†: 25. 7: 26. 9.
II Ch. 11. 21 *bis*: 21. 5, 20†: 29. 17: 34. 1: 36. 9.
I Es. 1. 43: 5. 12, 18, 27: 8. 37, 47†.
II Es. 2. 16†, 23, 41: 8. 9, 11, 18.
Ne. 7. 11, 15, 16, 17†, 21, 22, 27†, 44, 45, 66†: 11. 6, 8, 13†, 14.
To. 14. 2† *bis*, 11†.
Ju. 7. 2†.
Jb. 42. 16†.
Ec. 11. 2.
Mi. 5. 5 (4).
Je. 48 (41). 15: 52. 22.
Ez. 10. 21: 40. 9, 15†, 31, 34, 37, 40†, 41: 43. 35.
I Ma. 4. 56, 59.
II Ma. 2. 12: 5. 14: 10. 6: 11. 2.
[Aq., Th. Mi. 5. 5 (4).]
[Sm. Je. 52. 21: Ez. 40. 49: Mi. 5. 5 (4).]

ὀκτωκαίδεκα, *vid. sub* **ὀκτώ** *et* **δέκα.**

ὀκτωκαιδέκατος. (1) a. שְׁמֹנֶה עָשָׂר, שְׁמֹנֶה עֶשְׂרֵה עֶשְׂרֵה
III Ki. 15. 1. ἐν τῷ ὀ. ἔτει βασιλεύοντος Ἰ. (1)
IV Ki. 1. 18 (3. 1). ἐν ἔτει ὀ. Ἰωσ. (1)
3. 1. B ἐν ἔτει ὀ. Ἰωσ. (1)
22. 3. ἐν τῷ ὀ. ἔτει τῷ βασ. Ἰ. (1)
23. 23. τῷ ὀ. ἔτει τοῦ βασ. Ἰωσ. (1)
I Ch. 24. 15. τῷ Ἀ. ὁ ὀ. (1)
25. 25. ὁ ὀ. Ἀνανίας (1)
II Ch. 13. 1. ἐν τῷ ὀ. ἔτει τῆς βασ. Ἱερ. (1)
34. 8. ἐν τῷ ὀ. ἔτει τῆς βασ. αὐτοῦ (1)
35. 19. τῷ ὀ. ἔτει τῆς βασ. Ἰ. (1)
I Es. 1. 22. ὀ. ἔτει βασιλεύοντος Ἰωσ.
Ju. 2. 1. ἐν τῷ ἔτει τῷ ὀ.
Je. 39 (32). 1. οὗτος ἐνιαυτὸς ὀ. τῷ βασιλεῖ Ναβουχοδονόσορ (1)
Da. LXX. 3. 1. ἔτους ὀ. Ναβ. βασιλεύς –
4. 1. ἔτους ὀ. τῆς βασ. Ναβ. –
Da. TH. 3. 1. ἔτους ὀ. Ναβ. ὁ βασ. –
I Ma. 14. 27. A R ὀκτωκαιδεκάτῃ [S² -φ] Ἐλούλ [S om.]
[Th. Je. 52. 29.]

ὄλβος.
Si. 30. 15. σῶμα εὔρωστον ἢ ὄλβος ἀμέτρητος

ὅλδ.
[Heb. Ps. 48 (49). 2.]

ὀλεθρεύειν (ὀλοθρ.). (1) יָרַשׁ hi. (2) כָּרַת *a.* qal. *b.* pu. *c.* hi. (3) עָבַר (4) שָׁדַד (5) שָׁחַת hi. (6) שָׁמַד hi. (7) θανάτῳ ὀλεθρεύεσθαι חָרַם hoph.

Ex. 12. 23. οὐκ ἀφήσει τὸν ὀλεθρεύοντα (5)
22. 20 (19). B ὁ θυσιάζων θεοῖς θανάτῳ ὀλεθρευθήσεται [A R *al.*] (7)
Nu. 4. 18. μὴ ὀλεθρεύσητε [A ἐξολ.] τῆς φυλῆς τὸν δῆμον (2 *c*)
De. 20. 20. τοῖτο ὀλέθρευσεις [A ἐξολ.] (5)
Jo. 8. 10. ὀλεθρεύων ὀλεθρεύσει . . . τὸν Χαν. (1)
7. 25. τί ὠλέθρευσας ἡμᾶς (3)
Jd. 6. 25. τὸ ἄλσος τὸ ἐπ' αὐτὸ ὀλεθρεύσεις [A *al.*] (2 *a*)
— 28. τὸ ἄλσος τὸ ἐπ' αὐτῷ ὠλέθρευτο [A *al.*] (2 *b*)
— 30. ὠλέθρευσε [A ἔκοψε] τὸ ἄλσος (2 *a*)
Ju. 2. 3. ὀλεθρεῦσαι πᾶσαν σάρκα
8. 15. ἢ καὶ ὀλεθρεῦσαι ἡμᾶς
Wi. 18. 25. τούτοις εἶξεν ὁ ὀλεθρεύων
Hg. 2. 23 (22). B ὀλεθρεύσω [A S² ἐξολ.] δύναμιν βασιλέων (6)
Je. 2. 30. μάχαιρα κατέφαγε τοὺς προφήτας ὑμῶν ὡς λέων [B¹ *om.*] ὀλεθρεύων (5)
5. 6. λύκος ἔως τῶν οἰκιῶν ὠλέθρευσεν αὐτούς (4)
22. 7. ἐπάξω ἐπὶ σὲ ἄνδρα ὀλεθρεύοντα (5)
32. 22 (25. 36). ὠλέθρευσε κύριος τὰ βοσκήματα αὐτῶν (4)
I Ma. 2. 40. A S νῦν τάχιον ἡμᾶς ὀλεθρεύσουσιν [R ἐξολ.]
III Ma. 6. 21. κατεπάτουν αὐτὰς καὶ ὠλέθρευον [Aq. Ge. 41. 36 : Is. 9. 14 (13) : 56. 5.] [Sm. Ze. 2. 5.]

ὀλέθρευσις. (1) יָרַשׁ hi.

Jo. 17. 13. A ὀλεθρεύσει [B ἐξολεθρεῦσαι] δὲ αὐτοὺς οὐκ ἐξωλέθρευσαν (1)

ὀλεθρία (-εία).

Es. 8. 13. ἀντ' ὀλεθρίας τοῦ ἐκλεκτοῦ γένους
III Ma. 4. 2. ὀλοφυρομένων τὴν ἀπροσδόκητον . . . ὀ.
5. 5. λήψεσθαι τὸ φῦλον πέρας τῆς ὀ. [Th. Ze. 2. 5.]

ὀλέθριος. (1) חֵרֶם

III Ki. 21 (20). 42. ἐξήνεγκας σὺ ἄνδρα ὀ. ἐκ χειρός σου (1)
Wi. 18. 15. ὁ . . . λόγος . . . εἰς μέσον τῆς ὀλεθρίας ἥλατο γῆς [Aq., Quint. Ze. 2. 5.] [Sm. Ez. 25. 16.]

ὄλεθρος. (1) אֵיד (2) כָּחַד hi. (3) *a.* מְשַׁמָּה *b.* שְׁמָמָה (4) פַּחַד (5) קִימוֹשׁ (קְמוֹשׁ) (6) *a.* שֹׁד *b.* שָׁדַד

III Ki. 13. 34. ἐγένετο τὸ ῥῆμα τοῦτο . . . εἰς ὄλεθρον (2)
Ju. 11. 15. δοθήσονταί σοι εἰς ὄλεθρον
Pr. 1. 26. ἡνίκα ἂν ἔρχηται ὑμῖν ὄλεθρος (4)
— 27. ὅταν ἔρχηται ὑμῖν ὄλεθρος –
21. 7. ὄλεθρος ἀσεβέσιν ἐπιξενωθήσεται (6 *a*)
Wi. 1. 12. μηδὲ ἐπισπᾶσθε ὄλεθρον ἔργοις [A ἐν ἔρ.] χειρῶν ὑμῶν
— 14. οὐκ ἔστιν ἐν αὐταῖς φάρμακον ὀλέθρου
18. 13. ἐπὶ τῷ τῶν πρωτοτόκων ὀ. ὡμολόγησαν θεοῦ υἱὸν λαὸν εἶναι
Si. 39. 30. ῥομφαία ἐκδικοῦσα [S² -διώκουσα] εἰς ὄλεθρον ἀσεβεῖς
Ho. 9. 6. τὸ ἀργύριον αὐ. ὄλεθρος κληρονομήσει αὐτό [A *om.*] (5 ?)
Ob. 1. 13. ἐν ἡμέρᾳ ὀλέθρου αὐ. (1)
Je. 28 (51). 55. ἔδωκεν εἰς ὄλεθρον φωνὴν αὐτῆς †
31 (48). 3. ὄλεθρον καὶ σύντριμμα μέγα (6 *a*)
— 8. ἥξει ὄ. ἐπὶ πᾶσαν πόλιν (6 *b*)
— 32. ἐπὶ τρυγηταῖς σου ὄ. ἐπέπεσε (6 *b*)
32. 17 (25. 31). ἐπὶ καθημένους τὴν γῆν ἥκει ὄ. †
Ez. 6. 14. εἰς ἀφανισμὸν καὶ εἰς ὄλεθρον (3 *a*)
14. 16. ἡ δὲ γῆ ἔσται εἰς ὄλεθρον (3 *b*)
II Ma. 6. 12. τὰς τιμωρίας μὴ πρὸς ὄλεθρον . . . εἶναι
13. 6. ἅπαντες προσωθοῦσιν εἰς ὄλεθρον
III Ma. 6. 30. ἐν ᾧ τόπῳ ἔδοξαν τὸν ὄ. ἀναλαμβάνειν
— 34. οἵ τε πρὶν εἰς ὄλεθρον
IV Ma. 10. 15. S¹ μὰ . . . τὸν αἰώνιον τοῦ τυράννου ὄ. καὶ τὸν ὄ. [A S²R *om.*] ἀΐδιον

ὀλεθροφόρος.

IV Ma. 8. 19. φευξόμεθα τὴν . . . ὀ. ἀλαζονείαν

ὀλέκειν. (1) חָבַל pu. (2) צוּק hi.

Jb. 10. 16. πάλιν γὰρ μεταβαλὼν δεινῶς με ὀλέκεις †
17. 1. A B S² ὀλέκομαι πνεύματι φερόμενος (1)
32. 18. A B S ὀλέκει γάρ με τὸ πνεῦμα τῆς γαστρός (2)

ὀλιγόβιος. (1) קְצַר יָמִים

Jb. 11. 2. εὐλογημένος γεννητὸς γυναικὸς ὀλιγόβιος –
14. 1. βροτὸς γὰρ γεννητὸς γυναικὸς ὀλιγόβιος (1)

ὀλιγοποιεῖν.

Si. 48. 2. τῷ ζήλῳ αὐτοῦ ὠλιγοποίησεν αὐτούς

ὀλίγος. (1) אֶחָד (2) אֶפֶס (3) מִזְעָר (4) מְעַט (5) מִצְעָר (6) מַת (7) ὁ τὸ ὀ. הַמְמֻעָט (8) ὀ. γίγνεσθαι צָעַר (9) ὀ. εἶναι מָעַט (10) ὀλίγον ποιεῖν מְעַט hi. (11) παρ' ὀλίγον כְּאַיִן

Ge. 29. 20. R ἦσαν ἐναντίον αὐτοῦ ὡς ἡμέραι ὀ. (1)
Ex. 16. 18. A² ὁ τὸ ὀλίγον [B ἔλαττον] (7)
Le. 25. 52. ἐὰν δὲ ὀλίγον καταλειφθῇ (4)
Nu. 11. 32. ὁ τὸ ὀ. συνήγαγε δέκα κόρους (7)
13. 19 (18). ἢ ὀλίγοι εἰσὶν ἢ πολλοί (4)
26. 56. ἀνὰ μέσον πολλῶν καὶ ὀλίγων (4)
De. 4. 27. καταλειφθήσεσθε ὀλίγοι [A -φ] ἀριθμῷ (6)
28. 38. καὶ ὀλίγα εἰσοίσεις (4)
Jo. 7. 3. ὀλίγοι γάρ εἰσι (4)
I Ki. 14. 6. B σώζειν ἐν πολλοῖς ἢ ἐν ὀλίγοις (4)
III Ki. 17. 10. λάβε δή μοι ὀ. ὕδωρ (4)
— 12. καὶ ὀ. ἔλαιον ἐν τῷ καψάκῃ (4)
IV Ki. 10. 18. Ἀχ. ἐδούλευσε τῷ Βάαλ ὀλίγα (4)
14. 26. B εἶδε . . . ὀλίγους τοὺς συγκεχυμ. [A R *al.*] (2 ?)
II Ch. 14. 11 (10). σώζειν ἐν πολλοῖς καὶ ἐν ὀλίγοις †
24. 24. ἐν ὀ. ἀνδράσι παρεγένετο δύναμις Σ. (5)
29. 34. οἱ ἱερεῖς ὀ. ἦσαν (4)
Ne. 2. 12. καὶ ἄνδρες ὀ. μετ' ἐμοῦ (4)
7. 4. καὶ ὁ λαὸς ὀ. ἐν αὐτῇ (4)
To. 4. 8. A B ἐὰν ὀλίγον σοι ὑπάρχῃ
— 8. A B κατὰ τὸ ὀ. μὴ φοβοῦ ποιεῖν ἐλεημοσύνην
12. 8. ἀγαθὸν τὸ ὀ. μετὰ δικαιοσύνης [S *al.*]
Ju. 13. 9. μετ' ὀλίγον ἐξῆλθε
Jb. 8. 7. ἔσται οὖν τὰ μὲν πρῶτά σου ὀλίγα (5)
10. 20. ἢ οὐκ ὀλίγος ἐστὶν ὁ βίος τοῦ χρόνου [A χρόνος τοῦ βίου] μου (4)
— 20. S ἔασόν με ἀναπαύσασθαι ὀλίγον [A B μικρόν] (4)
14. 21. ἐὰν δὲ ὀλίγοι γένωνται (8)
15. 11. ὀλίγα ὧν ἡμάρτηκας μεμαστίγωσαι (4)
Ps. 16 (17). 14. A B² S κύριε ἀπὸ ὀλίγων [B¹ R ἀπολύων] ἀπὸ γῆς (6)
36 (37). 10. ἔτι ὀλίγον καὶ οὐ μὴ ὑπάρξῃ (4)
— 16. κρεῖσσον ὀλίγον τῷ δικαίῳ (4)
72 (73). 2. παρ' ὀλίγον ἐξεχύθη τὰ διαβήματά μου (11)
108 (109). 8. γενηθήτωσαν αἱ ἡμέραι αὐτοῦ ὀλίγαι (4)
Pr. 5. 14. παρ' ὀλίγον ἐγενόμην ἐν παντὶ κακῷ (4)
6. 10. ὀλίγον μὲν ὑπνοῖς ὀλίγον δὲ κάθησαι (4, 4)
— 10. ὀλίγον δὲ ἐναγκαλίζῃ χερσὶ στήθη (4)
15. 29 (16. 8). κρείσσων ὀλίγη λῆψις μετὰ δικαιοσύνης (4)
24. 48 (33). ὀλίγον νυστάζω ὀλίγον δὲ καθυπνῶ ὀλίγον δὲ ἐναγκαλίζομαι χερσὶ στήθη (4 *ter*)
Ec. 5. 1. ἔστωσαν οἱ λόγοι σου ὀ. (4)
— 11. εἰ ὀλίγον καὶ εἰ πολὺ φάγεται (4)
6. 11. S εἰσὶν ὀλίγοι [A B λόγοι] πολλοὶ πληθύνοντες ματαιότητα †
9. 14. πόλις μικρὰ καὶ ἄνδρες ἐν αὐτῇ ὀ. (4)
10. 1. τίμιον ὀλίγον [B¹ ὁ λόγος] σοφίας (4)
Wi. 2. 1. ὀλίγος ἐστὶ καὶ λυπηρὸς ὁ βίος ἡμῶν
3. 5. ὀλίγα παιδευθέντες μεγάλα εὐεργετηθήσονται
4. 13. τελειωθεὶς ἐν ὀλίγῳ ἐπλήρωσε χρόνους μακρούς
7. 9. ὁ πᾶς χρυσὸς ἐν ὄψει αὐτῆς ψάμμος ὀλίγη
12. 2. τοὺς παραπίπτοντας κατ' ὀλίγον ἐλέγχεις
13. 6. ἐπὶ [A ἔτι] τούτοις ἔστι μέμψις ὀλίγη
14. 20. τὸν πρὸ ὀλίγου τιμηθέντα ἄνθρωπον
Wi. 15. 8. μετ' ὀλίγον πορεύεται ἐξ ἧς ἐλήφθη
16. 3. αὐτοὶ δὲ ἐπ' ὀλίγον ἐνδεεῖς γενόμενοι
— 6. εἰς νουθεσίαν δὲ πρὸς ὀλίγον ἐταράχθησαν
18. 3. S¹ ὀλίγον [A B S² ὁδηγὸν] μὲν ἀγνώστου ὁδοιπορίας
Si. 6. 19. ἐν γὰρ τῇ ἐργασίᾳ αὐτῆς ὀλίγον κοπιάσεις
18. 10. οὕτως ὀλίγα ἔτη ἐν [S¹ *om.*] ἡμέρᾳ αἰῶνος
19. 1. ὁ ἐξουθενῶν τὰ ὀ. κατὰ μικρὸν πεσεῖται
20. 12. ἔστιν ἀγοράζων πολλὰ ὀλίγου
— 15. ὀλίγα δώσει καὶ πολλὰ ὀνειδίσει
31 (34). 10. ὃς οὐκ ἐπειράθη ὀλίγα οἶδεν
34 (31). 19. ὡς ἱκανὸν ἀνθρώπῳ πεπαιδευμένῳ τὸ ὀ.
35 (32). 8. κεφαλαίωσον λόγον [S *om.*] ἐν ὀλίγοις πολλά
40. 6. ὀλίγον ὡς οὐδὲν ἐν ἀναπαύσει
42. 4. περὶ κτήσεως πολλῶν καὶ ὀλίγων
43. 32. ὀλίγα γὰρ ἑωράκαμεν τῶν ἔργων αὐτοῦ
51. 16. ἔκλινα ὀλίγον τὸ οὖς μου
— 27. ἴδετε ἐν ὀφθαλμοῖς ὑμῶν ὅτι ὀλίγον ἐκοπίασα
Hg. 1. 6. ἐσπείρατε πολλὰ καὶ εἰσηνέγκατε ὀλίγα (4)
— 9. ἐπεβλέψατε εἰς πολλὰ καὶ ἐγένετο ὀλίγα (4)
Za. 1. 15. ἀνθ' ὧν μὲν ἐγὼ ὠργίσθην ὀλίγα (4)
Is. 10. 7. τοῦ ἔθνη ἐξολεθρεῦσαι οὐκ ὀλίγα (4)
21. 17. τὸ κατάλοιπον [S λ.] τῶν τοξευμάτων τῶν ἰσχυρῶν υἱῶν Κηδὰρ ἔσται ὀλίγον (9)
24. 6. καταλειφθήσονται ἄνθρωποι ὀλίγοι (3)
Je. 10. 24. ἵνα μὴ ὀλίγους ἡμᾶς ποιήσῃς (10)
49 (42). 2. κατελείφθημεν ὀλίγοι ἀπὸ πολλῶν (4)
51 (44). 28. ἐπιστρέψουσιν εἰς γῆν Ἰούδα ὀλίγοι ἀριθμῷ [A -μοί] (6)
Ba. 2. 13. κατελείφθημεν ὀλίγοι ἐν τοῖς ἔθνεσιν
Ez. 5. 3. λήψῃ ἐκεῖθεν ὀλίγους ἐν ἀριθμῷ (4)
Da. TH. 11. 23. ὑπερισχύσει αὐτοὺς ἐν ὀ. ἔθνει (4)
I Ma. 3. 18. συγκλεισθῆναι πολλοὺς ἐν χερσὶν ὀλίγων
— 18. σώζειν ἐν πολλοῖς ἢ ἐν ὀλίγοις
— 29. A S καὶ οἱ φόροι [R φορολόγοι] τῆς χώρας ὀλίγοι
6. 54. ὑπελείφθησαν ἐν τοῖς ἁγίοις ἄνδρες ὀ.
— 57. ἡ τροφὴ ἡμῖν ὀλίγη
7. 1. ἀνέβη σὺν [S¹ ἐν] ἀνδράσιν [S¹ *add.* ἐν] ὀ.
— 28. ἥξω ἐν ἀνδράσιν ὀ.
— 50. ἠσύχασεν ἡ γῆ Ἰ. ἡμέρας ὀ.
9. 9. ἡμεῖς δὲ ὀλίγοι
12. 45. ἐπίλεξαι δὲ σεαυτῷ ἄνδρας ὀ.
15. 10. ὥστε ὀλίγους εἶναι τοὺς καταλειφθέντας
II Ma. 1. 15. κἀκείνου προσελθόντος μετ' ὀλίγων
2. 21. ὥστε τὴν ὅλην χώραν ὀλίγους ὄντας λεηλατεῖν
6. 17. δι' ὀλίγων δὲ ἐλευστέον ἐπὶ τὴν διήγησιν
8. 6. οὐκ ὀλίγους τῶν πολεμίων ἑνίκα
10. 24. τοὺς τῆς Ἀ. γενομ. ἵππους συναθροίσας οὐκ ὀλίγους
11. 1. R μετ' ὀ. δὲ παντελῶς χρόνον [A χρονίσκον]
12. 34. συνέβη πεσεῖν ὀλίγους τῶν Ἰουδ.
13. 19. A φρούριον ὀ. [R ὀχυρὸν] τῶν Ἰ. προσῆγεν
14. 30. συστρέψας οὐκ ὀλίγους τῶν περὶ ἑαυτόν
III Ma. 3. 23. τοὺς ἐν αὐτοῖς ὀλίγους πρὸς ἡμᾶς γνησίως διακειμένους
IV Ma. 6. 20. εἰ ἐπιβιώσομεν ὀ. χρόνον
15. 27. τὴν σώζουσαν ἑπτὰ υἱοὺς πρὸς ὀ. χρόνον σωτηρίαν [Aq. II Ki. 12. 8 : 16. 1 : Ps. 8. 6 (P.) : Pr. 5. 14 : 10. 20 : Is. 7. 13 : Ho. 8. 10.] [Sm. II Ki. 12. 8 : 16. 1 : Jb. 20. 5 : Ps. 106 (107). 38 : Is. 24. 6 : Da. 11. 23 (Sw.).] [Th. II Ki. 12. 8 : Jb. 15. 20 (P.) : Is. 24. 6 : 34. 12 : 54. 8 : Da. 11. 23.] [Al. Ge. 44. 25 : Ez. 34. 29.] [Quint. Ho. 7. 4.]

ὀλιγοστός. (1) אֶפֶס (2) מִזְעָר (3) מְעַט (4) מַת (5) צָעִיר (6) קָטֹן (7) ὀ. εἶναι מָעַט (8) ὀλιγοστὸν ποιεῖν מְעַט hi.

Ge. 34. 30. ἐγὼ δὲ ὀ. εἰμι ἐν ἀριθμῷ (4)
Ex. 12. 4. ἐὰν δὲ ὀλιγοστοὶ ὦσιν οἱ ἐν τῇ οἰκίᾳ (7)
Le. 26. 22. ὀλιγοστοὺς ποιήσω [A³ -ει] ὑμᾶς (8)
De. 7. 7. ὑμεῖς γάρ ἐστε ὀ. (3)
IV Ki. 14. 26. A R εἶδε . . . ὀλιγοστοὺς συγκεχυμ. [B *al.*] (1 ?)
I Ch. 16. 19. ἐν τῷ γενέσθαι [A λέγεσθαι] αὐτοὺς ὀ. ἀριθμῷ (4)
Ps. 104 (105). 12. ἐν τῷ εἶναι αὐτοὺς . . . ὀλιγοστούς (3)
Si. 48. 15. κατελείφθη ὁ λαὸς ὀλιγοστός
Am. 7. 2, 5. τίς ἀναστήσει τὸν Ἰ. ὅτι ὀλιγοστός ἐστι (6)

Mi. 5. 2 (1). σὺ Βηθ. οἶκος Ἐφραθὰ ὀλιγοστὸς εἶ τοῦ εἶναι (5)
Ob. 1. 2. ὀλιγοστὸν δέδωκά σε ἐν τοῖς ἔθνεσιν (6)
Is. 16. 14. καταλειφθήσεται ὁ. καὶ οὐκ ἔντιμος (3 + 2)
41. 14. μὴ φοβοῦ, Ἰακὼβ ὀλιγοστὸς Ἰσραήλ (4)
60. 22. ὁ ὁ. ἔσται εἰς χιλιάδας (6)
Ez. 29. 15. ὀλιγοστοὺς αὐτοὺς ποιήσω (8)
Da. LXX. 11. 23. καὶ ἐπὶ ἔθνος ἰσχυρὸν ἐν ὀ. ἔθνει (3)
I Ma. 3. 16. ἐξῆλθεν Ἰούδας . . . ὀλιγοστός
— 17. πῶς δυνησόμεθα ὀλιγοστοὶ ὄντες πολεμῆσαι
[Aq. Je. 10. 24.]
[Sm. Ps. 29 (30). 6: 80 (81). 15.]
[Al. I Ki. 9. 21.]

ὀλιγότης. (1) קָצַר pi.

Ps. 101 (102). 23. τὴν ὀ. τῶν ἡμερῶν μου ἀνάγγειλόν μοι (1)

ὀλιγοῦν. (1) אָמַל pul. (2) מְעַט *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. (3) כָּסַס (4) קָצַר

Jd. 10. 16. ὠλιγώθη ἡ ψυχὴ αὐτοῦ [A *al.*] (4)
IV Ki. 4. 3. μὴ ὀλιγώσῃς (2 *c*)
Ne. 9. 32. μὴ ὀλιγωθήτω . . . πᾶς ὁ μόχθος (2 *a*)
Ps. 11 (12). 1. ὠλιγώθησαν αἱ ἀλήθειαι ἀπὸ τῶν υἱῶν τῶν ἀνθρ. (3)
106 (107). 39. ὠλιγώθησαν καὶ ἐκακώθησαν ἀπὸ θλίψεως κακῶν (2 *a*)
Pr. 10. 27. ἔτη δὲ ἀσεβῶν ὀλιγωθήσεται (4)
Ec. 12. 3. ἤργησαν αἱ ἀλήθουσαι ὅτι ὠλιγώθησαν (2 *b*)
Jl. 1. 10. ἐξηράνθη οἶνος ὠλιγώθη ἔλαιον (1)
— 12. καὶ αἱ συκαῖ ὠλιγώθησαν (1)
Na. 1. 4. ὠλιγώθη ἡ Β. καὶ ὁ Κ. (1)
Hb. 3. 12. ἐν ἀπειλῇ ὀλιγώσεις γῆν †
[Aq., Ps. 106 (107). 38.]
[Sm. Ps. 106 (107). 39.]

ὀλιγοχρόνιος.

Wi. 9. 5. ἄνθρωπος ἀσθενὴς καὶ ὀ.

ὀλιγοψυχεῖν. (1) יָעֵף (2) עָיֵף (3) עָטַף hithp. (4) עָלַף hithp. (5) קָצַר נֶפֶשׁ

Nu. 21. 4. ὠλιγοψύχησεν ὁ λαός (5)
Jd. 8. 4. A ὀλιγοψυχοῦντες καὶ πεινῶντες [B *al.*] (2)
10. 16. A ὠλιγοψύχησεν ἐν τῷ κόπῳ Ἰσρ. [B *al.*] (5)
16. 16. ὠλιγοψύχησεν ἕως τοῦ ἀποθανεῖν [A *al.*] (5)
Ju. 7. 19. ὠλιγοψύχησε τὸ πνεῦμα αὐ.
8. 9. ὠλιγοψύχησαν [A -εν] ἐπὶ [A S ἐν] τῇ σπάνει τῶν ὑδάτων
Ps. 76 (77). 3. ὠλιγοψύχησε τὸ πνεῦμά μου (3)
Si. 4. 9. μὴ ὀλιγοψυχήσῃς ἐν τῷ κρίνειν [S -εσθαί] σε
7. 10. μὴ ὀλιγοψυχήσῃς ἐν τῇ προσευχῇ σου
Jn. 4. 8. ὠλιγοψύχησε καὶ ἀπελέγετο τὴν ψυχήν (4)
Hb. 2. 13. καὶ ἔθνη πολλὰ ὠλιγοψύχησαν (1)
[Sm., Th. Za. 11. 8.]

ὀλιγοψυχία. (1) קֹצֶר רוּחַ

Ex. 6. 9. οὐκ εἰσήκουσαν Μωυσῆ ἀπὸ τῆς ὀ. (1)
Ps. 54 (55). 8. προσεδεχόμην τὸν σώζοντά με ἀπὸ ὀλιγοψυχίας †

ὀλιγόψυχος. (1) מָהַר ni. (2) עֲצוּבַת רוּחַ (3) קְצַר־רוּחַ (4) ὀ. ἀνήρ רוּחַ נְכֵאָה (5) דַּכָּא וּשְׁפַל־רוּחַ

Pr. 14. 29. ὁ δὲ ὀ. ἰσχυρῶς ἄφρων (3)
18. 14. ὀλιγόψυχον δὲ ἄνδρα τίς ὑποίσει (4)
Is. 25. 5. ὡς ἄνθρωποι ὀλιγόψυχοι διψῶντες ἐν Σιών †
35. 4. παρακαλέσατε οἱ ὀ. τῇ διανοίᾳ (1)
54. 6. ὡς γυναῖκα καταλελειμμένην καὶ ὀλιγόψυχον [A[1] *om.* κ. ὀ.] (2)
57. 15. ὀλιγοψύχοις διδοὺς μακροθυμίαν (5)

ὀλιγωρεῖν. (1) מָאַס

Pr. 3. 11. μὴ ὀλιγώρει παιδείας κυρίου (1)

ὀλίγως.

[Aq. Is. 10. 7.]

ὀλιοῦν (?).

[Aq. Je. 14. 2.]

ὀλισθαίνειν, ὀλισθάνειν. (1) שָׁחַח

Pr. 14. 19. ὀλισθήσουσι κακοὶ ἔναντι ἀγαθῶν (1)
Si. 3. 24. ὑπόνοια πονηρὰ ὠλίσθησε διανοίας [A[1] -θη ἐν διανοίᾳ] αὐτῶν
Si. 9. 9. μή ποτε . . . τῷ πνεύματί σου ὀλισθήσῃς [A B[2] -σῃ, S -ῆς] εἰς ἀπώλειαν
14. 1. ὃς οὐκ ὠλίσθησεν ἐν στόματι αὐτοῦ
19. 16. A B S[1] ἔστιν ὀλισθάνων [S[2] R -αίνων] καὶ οὐκ ἀπὸ ψυχῆς
21. 7. A B S[1] ὁ δὲ νοήμων οἶδεν ἐν τῷ ὀλισθάνειν [S[2] R -αίνειν] αὐτόν
25. 8. ὃς ἐν γλώσσῃ οὐκ ὠλίσθησε
28. 26. πρόσεχε μή πως ὀλισθήσῃς [A S[1] -θῇς, S[2] -σεις] ἐν αὐτῇ

ὀλίσθημα (-θρημα). (1) דְּחִי (2) *a.* חֲלַקּוֹת *b.* חֲלַקְלַקּוֹת

Ps. 34 (35). 6. γενηθήτω ἡ ὁδὸς αὐτῶν σκότος καὶ ὀλίσθημα (2 *b*)
55 (56). 13. ἐρρύσω . . . τοὺς πόδας μου ἐξ [S[2] ἀπὸ] ὀλισθήματος (1)
114 (116). 8. ἐξείλατο . . . τοὺς πόδας μου ἀπὸ ὀλισθήματος (1)
Si. 20. 18. ὀλίσθημα ἀπὸ ἐδάφους μᾶλλον ἢ ἀπὸ γλώσσης
Je. 23. 12. γενέσθω ἡ ὁδὸς αὐτῶν αὐτοῖς εἰς ὀλίσθημα (2 *b*)
45 (38). 22. καταλύσουσιν ἐν ὀλισθήμασι πόδα σου †
Da. TH. 11. 21. A R κατισχύσει βασιλείας ἐν ὀλισθήμασι [B -θρήμ.] (2 *b*)
— 32. A R διαθήκην ἐξάξουσιν ἐν ὀλισθήμασι [B -θρήμ.] (2 *a*)
— 34. A R προστεθήσονται . . . πολλοὶ ἐν ὀλισθήμασι [B -θρήμ.] (2 *b*)
[Sm. Pr. 26. 28.]
[Th. Is. 30. 10.]

ὀλισθηρός.

[Aq. Is. 30. 10.]
[Sm. Pr. 2. 16: Ez. 12. 24.]
[Th. Pr. 7. 5.]

ὄλισθος.

[Sm. Ps. 72 (73). 18.]

ὀλίσθρημα, *vid.* ὀλίσθημα.

ὀλκή. (1) מִשְׁקָל

Ge. 24. 22. R ἐνώτια χρυσᾶ ἀνὰ δραχμὴν [A -ῆς] ὁλκῆς (1)
— 22. δύο ἑλλία . . . δέκα χρυσῶν ὁ. αὐτῶν (1)
Nu. 7. 13, 19, 25, 31, 37, 43, 49, 55, 61, 67, 73, 79. τριάκοντα καὶ ἑκατὸν ὁλκὴ αὐτοῦ (1)
II Ki. 21. 16. ὁ σταθμὸς . . . τριακοσίων σίκλων ὁλκῇ [A -ῆς] χαλκοῦ (1)
I Ch. 21. 25. σίκλους χρυσίου ὁλκῆς ἑξακοσίους (1)
28. 14. καὶ τὸν σταθμὸν τῆς ὁ. αὐτῶν (1)
— 15. λυχνιῶν τὴν ὁ. ἔδωκεν αὐτῷ (1)
II Ch. 3. 9. ὁλκὴ τῶν ἥλων ὁλκὴ τοῦ ἑνός (1, –)
4. 18. οὐκ ἐξέλιπεν ὁλκὴ τοῦ χαλκοῦ (1)
I Es. 8. 63. πρὸς ἀριθμὸν καὶ ὁλκὴν πάντα
— 64. ἐγράφη πᾶσα ἡ ὁ.
Si. 8. 2. μή ποτε ἀντιστήσῃ σου τὴν ὁ.
29. 13. A[2] S ὑπὲρ δόρυ ὁλκῆς [A[1] B ἀλκῆς] . . . πολεμήσει ὑπὲρ σοῦ
I Ma. 14. 24. S[2] R ἀσπίδα χρυσῆν μεγάλην ὁλκῆς [A S[1] -ὴν] μνῶν χιλίων
II Ma. 12. 28. A τὸν . . . συντρίβοντα τὰς τῶν πολεμίων ὁ. [R ἀλκάς]

ὀλκίον (ὁλκεῖον).

Ju. 15. 11. ἔδωκαν τῇ Ἰ. . . . τὰ ὁ.

ὀλλύναι. (1) אָבַד *a.* qal. *b.* pi. (2) בָּעַת pi. (3) כָּרַת ni. (4) רָצָה pi. (5) שָׁדַד *a.* qal. *b.* pu.

Jb. 4. 11. μυρμηκολέων ὤλετο παρὰ τὸ μὴ ἔχειν βοράν (1 *a*)
8. 13. A ἐλπὶς γὰρ ἀσεβοῦς ὀλεῖται [B S ἀπολ.] (1 *a*)
18. 11. B[3] S R ὀλέσαισαν [A -σειαν, B[1] -σαιαν, B[2] -σαιεν] αὐτὸν ὀδύναι (2)
20. 10. τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ ὀλέσαισαν [A θλάσειαν] ἥττονες (4 ?)
34. 17. τὸν ὀλλύντα τοὺς πονηρούς †
Pr. 1. 32. ἐξετασμὸς ἀσεβεῖς ὀλεῖ (1 *b*)
2. 22. ὁδοὶ ἀσεβῶν ἐκ γῆς ὀλοῦνται (3)
9. 18. γηγενεῖς παρ' αὐτῇ ὄλλυνται [S[2] ὀλοῖνται] –
10. 28. A S ἐλπὶς δὲ ἀσεβῶν ὄλλυται [B ἀπολεῖται] (1 *a*)
Pr. 11. 7. τελευτήσαντος ἀνδρὸς δικαίου οὐκ ὄλλυται ἐλπὶς τὸ δὲ καύχημα τῶν ἀσεβῶν ὄλλυται (1 *a*, 1 *a*)
13. 2. ψυχαὶ δὲ παρανόμων ὀλοῦνται [S ὄλλυνται] ἄωροι †
15. 5 (6). A S[2] οἱ δὲ ἀσεβεῖς ὀλόριζοι ἐκ γῆς ὀλοῦνται [B S[1] ἀπολ.] †
16. 33 (2). οἱ δὲ ἀσεβεῖς ἐν ἡμέρᾳ κακῇ ὀλοῦνται –
25. 19. ποὺς παρανόμου ὀλεῖται ἐν ἡμέρᾳ κακῇ †
Je. 10. 20. ἡ σκηνή σου ἐταλαιπώρησεν ὤλετο [S[1] ὤχ.] (5 *b*)
29 (49). 10. ὤλοντο διὰ χεῖρα ἀδελφοῦ αὐτοῦ (5 *b*)
30 (49). 3. ὅτι ὤλετο (5 *b*)
31 (48). 1. οὐαὶ ἐπὶ Ναβαῦ ὅτι ὤλετο (5 *b*)
— 15. ὤλετο Μωὰβ πόλις αὐτοῦ (5 *b*)
— 18. ὤλετο Μωάβ (5 *a*)
— 20. ὤλετο Μωάβ (5 *b*)
38 (31). 2. εὗρον θερμὸν ἐν ἐρήμῳ μετὰ ὀλωλότων ἐν μαχαίρᾳ †
— 2. βαδίσατε καὶ μὴ ὀλέσητε τὸν Ἰσραήλ †
[Aq. Je. 4. 11.]

ὄλμος.

[Aq. Jd. 15. 19: Pr. 27. 22: Ze. 1. 11.]
[Sm. Jd. 15. 19: Ze. 1. 11.]
[Th. Jd. 15. 19: Pr. 27. 22.]

ὁλοθρεύειν, *vid.* ὀλεθρεύειν.

ὁλοκαρποῦν.

Si. 45. 14. A S R θυσίαι [B -ίαν] αὐ. ὁλοκαρπωθήσονται
IV Ma. 18. 11. καὶ τὸν ὁλοκαρπούμενον Ἰσαάκ

ὁλοκάρπωμα. (1) עֹלָה

Le. 5. 10. B[2] R τὸ δεύτερον ποιήσει ὁ. [A B[1] -καύτωμα] (1)
16. 24. A B ποιήσει . . . τὸ ὁ. [R ὁλοκαύτωμα] αὐ. καὶ τὸ ὁ. τοῦ λαοῦ (1, 1)
Nu. 15. 3. ποιήσεις . . . ὁλοκάρπωμα [A -καυτώματα] (1)
Ju. 16. 16. S ἐλάχιστον πᾶν στέαρ εἰς ὁλοκάρπωμά [A B -καύτωμά] σοι
Wi. 3. 6. ὡς ὁλοκάρπωμα θυσίας προσεδέξατο αὐτούς
[Al. Le. 8. 18: Nu. 29. 8.]

ὁλοκάρπωσις. (1) עוֹלָה, עֹלָה

Ge. 8. 20. R ἀνήνεγκεν εἰς [A *om.*] ὁλοκάρπωσιν (1)
22. 2. ἀνένεγκε αὐτὸν ἐκεῖ εἰς ὁλοκάρπωσιν (1)
— 3. καὶ σχίσας ξύλα εἰς ὁλοκάρπωσιν (1)
— 6. ἔλαβε . . . τὰ ξύλα τῆς ὁλοκαρπώσεως (1)
— 7. ποῦ ἐστι τὸ πρόβατον τὸ εἰς ὁλοκάρπωσιν (1)
— 8. ὁ θ. ὄψεται ἑαυτῷ πρόβατον εἰς ὁλοκάρπωσιν (1)
— 13. ἀνήνεγκεν αὐτὸν εἰς ὁλοκάρπωσιν (1)
Le. 4. 34. B[2] R τοῦ θυσιαστηρίου τῆς ὁ. [A B[1] ὁλοκαυτώσεως] (1)
9. 3. λάβετε . . . ἀμνὸν . . . εἰς ὁλοκάρπωσιν (1)
I Ki. 6. 14. A τὰς βόας ἀνήνεγκαν ὁλοκάρπωσιν [B *al.*] (1)
Is. 40. 16. πάντα τὰ τετράποδα οὐχ ἱκανὰ εἰς ὁλοκάρπωσιν (1)
43. 23. R οὐκ ἤνεγκάς μοι [A B S οὐκ ἐμοὶ] πρόβατά σου τῆς ὁ. σου (1)

ὁλόκαυτος. (1) כָּלִיל

Le. 6. 23 (16). B πᾶσα θυσία ἱερέως ὁλόκαυτος ἔσται (1)

ὁλοκαύτωμα. (1) אִשֶּׁה (2) זֶבַח (3) כָּלִיל (4) מִנְחָה (5) עוֹלָה, עֹלָה

Ex. 10. 25. B δώσεις ἡμῖν ὁλοκαυτώματα καὶ θυσίας (2)
18. 12. ἔλαβεν Ἰ. . . . ὁλοκαυτώματα (5)
20. 24. θύσετε ἐπ' αὐτοῦ τὰ ὁ. ὑμῶν [A *om.*] (5)
24. 5. ἀνήνεγκαν ὁλοκαυτώματα (5)
29. 18. ἀνοίσεις ὅλον τὸν κριὸν . . . ὁλοκαύτωμα τῷ κ. (5)
30. 20. ἀναφέρειν τὰ ὁ. κυρίῳ (1)
— 28. τὸ θυσιαστήριον τῶν ὁ. (5)
32. 6. ἀνεβίβασεν ὁλοκαυτώματα (5)
Le. 1. 3. ἐὰν ὁλοκάυτωμα τὸ δῶρον αὐτοῦ (5)
— 6. ἐκδείραντες τὸ ὁ. μελιοῦσιν αὐτό (5)
— 10. τῶν ἐρίφων εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
3. 2. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τῶν ὁ. κύκλῳ –
— 5. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον ἐπὶ τὰ ὁ. (5)
4. 7. τὴν βάσιν τοῦ θυσιαστηρίου τῶν ὁ. (5)
— 24. οὗ σφάζουσι τὰ ὁ. (5)

Le. 4. 25. ἐπὶ τὰ κέρατα τοῦ θυσιαστηρίου τῶν ὁ. (5)
— 25. τὴν βάσιν τοῦ θυσιαστηρίου τῶν ὁ. (5)
— 29. οὗ σφάζουσι τὰ ὁ. (5)
— 30. ἐπὶ τὰ κέρατα τοῦ θυσιαστηρίου τῶν ὁ. (5)
— 33. οὗ σφάζουσι τὰ ὁ. (5)
— 35. ἐπιθήσει . . . ἐπὶ τὸ ὁ. κυρίῳ (1)
5. 7. οἴσει . . . ἕνα εἰς ὁλοκαύτωμα (5)
— 10. A B[1] τὸ δεύτερον ποιήσει ὁλοκαύτωμα [B[2] R -κάρπ.] (5)
— 12. τὸ θυσιαστήριον τῶν ὁ. (1)
6. 25 (18), 32 (7. 2). οὗ σφάζουσι τὸ ὁ. (5)
— 38 (7. 8). ὁ ἱερεὺς ὁ προσάγων ὁλοκαύτωμα ἀνθρώπου (5)
7. 27 (37). οὗτος ὁ νόμος τῶν ὁ. (5)
8. 18. τὸν κριὸν τὸν εἰς ὁλοκαύτωμα (5)
— 20 (21). ὁλοκαύτωμα ὅ ἐστιν εἰς ὀσμὴν εὐωδίας (5)
— 27 (28). ἐπὶ τὸ ὁ. τῆς τελειώσεως (5)
9. 2. λάβε . . . κριὸν εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
— 7. ποίησον . . . τὸ ὁ. σου (5)
— 12. καὶ ἔσφαξε τὸ ὁ. (5)
— 13. καὶ τὸ ὁ. προσήνεγκαν αὐτό (5)
— 14. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸ ὁ. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον (5)
— 16. προσήνεγκε τὸ ὁ. (5)
— 17. χωρὶς τοῦ ὁ. τοῦ πρωϊνοῦ (5)
— 22. τὰ ὁ. καὶ τὰ [A *om.* κ. τ.] τοῦ σωτηρίου (5)
— 24. κατέφαγε . . . τά τε ὁ. καὶ τὰ στέατα (5)
10. 19. τὰ περὶ τῆς ἁμαρτίας αὐ. καὶ τὰ ὁ. αὐτῶν (5)
12. 6. προσοίσει ἀμνὸν . . . εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
— 8. λήψεται δύο τρυγόνας . . . μίαν εἰς ὁλοκαύτωμα (5)
14. 13. οὗ σφάζουσι τὰ ὁ. (5)
— 19. σφάξει ὁ ἱερεὺς τὸ ὁ. (5)
— 20. ἀνοίσει [A[2] οἴσει] ὁ ἱερεὺς τὸ ὁ. (5)
— 22. ἔσται . . . ἡ μία εἰς ὁ. (5)
— 31. καὶ τὴν μίαν εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
15. 15. ποιήσει . . . μίαν εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
— 30. ποιήσει . . . τὴν μίαν εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
16. 3. καὶ κριὸν εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
— 5. λήψεται . . . κριὸν ἕνα εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
— 24. R καὶ ἐξελθὼν ποιήσει τὸ ὁ. [AB -κάρπ.] αὐ. (5)
17. 4. ποιῆσαι αὐτὸ εἰς ὁλοκάυτωμα –
— 8. ὃς ἂν ποιήσῃ ὁλοκάυτωμα (5)
22. 18. ὅσα ἂν προσενέγκωσι . . . εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
23. 8. προσάξετε ὁλοκαυτώματα τῷ κ. (1)
— 12. εἰς ὁλοκάυτωμα τῷ κ. (5)
— 18. ἔσονται ὁλοκάυτωμα τῷ κ. (5)
— 25. προσάξετε ὁλοκάυτωμα κυρίῳ (1)
— 27. προσάξετε ὁλοκάυτωμα τῷ κ. (1)
— 36. προσάξετε ὁλοκαυτώματα [A -μα] τῷ κ. (1)
— 36. προσάξετε ὁλοκαυτώματα [A -μα] κυρίῳ (1)
— 37. ὁλοκαυτώματα καὶ θυσίας αὐτῶν (5)
Nu. 6. 11. καὶ μίαν εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
— 14. A ἀμνὸν . . . ἕνα εἰς ὁλοκάυτωμα [B -ωσιν] (5)
— 16. ποιήσει . . . τὸ ὁ. αὐτοῦ (5)
7. 15. ἀμνὸν . . . εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
— 21, 27. ἀμνὸν ἕνα ἐνιαύσιον εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
— 33. ἀμνὸν ἕνα [A *om.*] . . . εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
— 39. ἀμνὸν ἕνα ἐνιαύσιον εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
— 45, 51, 57, 63. ἀμνὸν ἕνα [A *om.*] . . . εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
— 69. ἀμνὸν ἕνα . . . εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
— 75. ἀμνὸν ἐνιαύσιον ἕνα [A *om.*] εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
— 81. ἀμνὸν ἕνα [A[1] *om.*] . . . εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
— 87. B[1] πᾶσαι αἱ βόες αἱ εἰς ὁλοκάυτωμα [A B[2] R -ωσιν] (5)
8. 12. καὶ τὸν ἕνα εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
10. 10. σαλπιεῖτε . . . ἐπὶ τοῖς ὁ. (5)
15. 3. ποιήσεις ὁλοκαυτώματα [A κάρπωμα] κυρίῳ ὁλοκάρπωμα [A -καυτώματα] (1, 5)
— 6. εἰς ὁλοκάυτωμα ἢ εἰς θυσίαν –
— 8. ἐὰν δὲ . . . ποιῆτε εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
— 24. μόσχον ἕνα . . . εἰς ὁλοκάυτωμα (5)
23. 6. ἐφειστήκει ἐπὶ τῶν ὁ. αὐτοῦ (5)
28. 6. ὁλοκάυτωμα ἐνδελεχισμοῦ (5)
— 10. ὁλοκάυτωμα [A -ματος] σαββάτων (5)
— 11. προσάξετε ὁλοκαυτώματα τῷ κ. (5)
— 14. B τοῦτο ὁλοκάυτωμα [A R τὸ ὁ.] μῆνα ἐκ μηνός (5)
— 19. προσάξετε ὁλοκαυτώματα [A -μα] (1)
— 23. ὅ ἐστιν ὁλοκάυτωμα ἐνδελεχισμοῦ (5)
— 24. ἐπὶ τοῦ ὁ. τοῦ διὰ παντός (5)
— 27. καὶ προσάξετε ὁλοκαυτώματα (5)
— 30 (31). πλὴν τοῦ ὁ. τοῦ [A *add.* τῆς νουμηνίας . . . καὶ τὸ ὁ. τὸ] διὰ παντός (5, –)
Nu. 29. 2. καὶ ποιήσετε ὁλοκαυτώματα (5)
— 6. πλὴν τῶν ὁ. τῆς νουμηνίας (5)
— 6. B[1] καὶ τὰ ὁ. [A B[2] R τὸ ὁ. τὸ] διὰ παντός (5)
— 8. καὶ προσοίσετε ὁλοκαυτώματα [A -μα] (5)
— 13, 36. καὶ προσάξετε ὁλοκαυτώματα (5)
— 39. καὶ τὰ ὁ. ὑμῶν (5)
De. 12. 6. οἴσετε ἐκεῖ τὰ ὁ. ὑμῶν (5)
— 11. οἴσετε . . . τὰ ὁ. ὑμῶν (5)
— 13. μὴ ἀνενέγκῃς τὰ ὁ. σου (5)
— 14. ἐκεῖ ἀνοίσετε τὰ ὁ. ὑμῶν (5)
— 27. ποιήσεις τὰ ὁ. σου (5)
27. 6. B ἀνοίσεις ἐπ' αὐτὸ τὰ [A R *om.*] ὁ. (5)
Jo. 9. 2 (8. 31). ἀνεβίβασεν ἐκεῖ ὁλοκαυτώματα κυρίῳ (5)
22. 23. ὥστε ἀναβιβάσαι . . . θυσίαν ὁλοκαυτωμάτων (4)
Jd. 6. 26. ἀνοίσεις ὁλοκάυτωμα (5)
— 28. A ἀνηνεγμένος εἰς ὁλοκάυτωμα [B *al.*] –
11. 31. ἀνοίσω αὐτὸν ὁλοκάυτωμα (5)
13. 16. ἐὰν ποιήσῃς ὁλοκάυτωμα (5)
— 23. οὐκ ἂν ἔλαβεν . . . ὁλοκάυτωμα (5)
20. 26. A ἀνήνεγκαν ὁλοκαυτώματα σωτηρίου [B *al.*] (5)
21. 4. A ἀνήνεγκεν ὁλοκαυτώματα σωτηρίου [B *al.*] (5)
I Ki. 15. 22. εἰ θελητὸν τῷ κ. ὁλοκαυτώματα [A -μα] (5)
II Ki. 6. 17. B ἀνήνεγκεν αὐτῇ ὁλοκαυτώματα [A R *al.*] (5)
24. 22. οἱ βόες εἰς ὁλοκάυτωμα [A -ματα] (5)
— 24. οὐκ ἀνοίσω . . . ὁλοκάυτωμα δωρεάν (5)
III Ki. 9. 25. A ἀνεβίβασε Σ. . . . ὁλοκάυτωμα (5)
18. 29. ποιήσω τὸ ὁ. μου –
— 33. ἐμέλισε τὸ ὁ. †
— 33 (34). ἐπιχέετε ἐπὶ τὸ ὁ. (5)
— 38. κατέφαγε τὰ ὁ. (5)
IV Ki. 3. 27. ἀνήνεγκεν αὐτὸν ὁλοκάυτωμα (5)
5. 17. οὐ ποιήσει ἔτι . . . ὁλοκάυτωμα . . . θεοῖς ἑτ. (5)
10. 24. τοῦ ποιῆσαι . . . τὰ ὁ. (5)
I Ch. 6. 49 (34). θυμιῶντες ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τῶν ὁ. (5)
16. 1. προσήνεγκαν ὁλοκαυτώματα (5)
— 2. συνετέλεσε Δ. ἀναφέρων ὁλοκαυτώματα (5)
— 40. τοῦ ἀναφέρειν ὁλοκαυτώματα τῷ κ. ἐπὶ τοῦ θυσιαστηρίου τῶν ὁ. (5, 5)
21. 26. ἀνήνεγκεν ὁλοκαυτώματα (5)
— 29. θυσιαστήριον τῶν ὁ. . . . ἐν B. (5)
23. 31. ἐπὶ πάντων τῶν ἀναφερομ. ὁ. τῷ κυρίῳ (5)
29. 21. ἀνήνεγκεν ὁλοκαυτώματα τῷ θεῷ (5)
II Ch. 2. 4 (3). καὶ τοῦ ἀναφέρειν ὁλοκαυτώματα (5)
4. 6. τοῦ πλύνειν ἐν αὐτοῖς τὰ ἔργα τῶν ὁ. (5)
7. 1. κατέφαγε τὰ ὁ. (5)
— 7. ἐποίησεν ἐκεῖ τὰ ὁ. (5)
— 7. δέξασθαι τὰ ὁ. (5)
8. 12. ἀνήνεγκε Σ. ὁλοκαυτώματα (5)
9. 4. καὶ τὰ ὁ. ἃ ἀνέφερεν †
13. 11. θυμιῶσι τῷ κυρίῳ ὁλοκάυτωμα [A -ματα] (5)
23. 18. ἀνένεγκαι ὁλοκαυτώματα κυρίῳ [A[2] *al.*] (5)
24. 14. σκεύη λειτουργικὰ ὁλοκαυτωμάτων †
29. 7. ὁλοκαυτώματα οὐ προσήνεγκαν (5)
30. 15. εἰσήνεγκαν ὁλοκάυτωμα (5)
35. 14. ἐν τῷ ἀναφέρειν . . . τὰ ὁ. (5)
— 16. ἐνεγκεῖν τὰ ὁ. ἐπὶ τὸ θυσιαστ. κυρίου (5)
I Es. 4. 52. ὁλοκαυτώματα καρποῦσθαι
5. 50. ἀνέφερον . . . ὁλοκαυτώματα κυρίῳ
II Es. 8. 35. B τὰ πάντα ὁλοκαυτωμάτων [A R -τα τῷ κ.] (5)
Ne. 10. 33 (34). καὶ εἰς ὁλοκάυτωμα τοῦ ἐνδελεχισμοῦ (5)
Ju. 16. 16. ἐλάχιστον πᾶν στέαρ εἰς ὁλοκάυτωμά [S -κάρπωμά] σοι
— 18. ἀνήνεγκαν τὰ ὁ. αὐ. (5)
Ps. 19 (20). 3. τὸ ὁ. σου πιανάτω (5)
39 (40). 6. ὁλοκάυτωμα [A -ματα] καὶ περὶ ἁμαρτίας (5)
49 (50). 8. τὰ δὲ ὁ. σου ἐνώπιόν μού ἐστι διὰ παντός (5)
50 (51). 16. ὁλοκαυτώματα οὐκ εὐδοκήσεις (5)
— 19. εὐδοκήσεις . . . ἀναφορὰν καὶ ὁλοκαυτώματα (3)
65 (66). 13. εἰσελεύσομαι εἰς τὸν οἶκόν σου ἐν ὁλοκαυτώμασιν (5)
— 15. ὁλοκαυτώματα μεμνελωμένα ἀνοίσω σοι (5)
Ho. 6. 7 (6). θέλω . . . ἐπίγνωσιν θεοῦ ἢ ὁλοκαυτώματα (5)
Am. 5. 22. ἐὰν ἐνέγκητέ μοι ὁλοκαυτώματα [A τὰ ὁ.] (5)
Mi. 6. 6. εἰ καταλήψομαι αὐτὸν ἐν ὁλοκαυτώμασιν (5)
Is. 1. 11. πλήρης εἰμὶ ὁλοκαυτωμάτων κριῶν (5)
56. 7. τὰ ὁ. αὐτῶν καὶ αἱ θυσίαι αὐτῶν (5)
Je. 6. 20. τὰ ὁ. ὑμῶν οὐκ εἰσὶ δεκτά (5)
7. 21. τὰ ὁ. ὑμῶν συναγάγετε (5)
— 22. οὐκ ἐνετειλάμην αὐτοῖς . . . περὶ ὁλοκαυτωμάτων καὶ θυσίας [A -ιῶν] (5)
14. 12. ἐὰν προσενέγκωσιν ὁλοκαυτώματα (5)
17. 26. φέροντες ὁλοκαυτώματα καὶ θυσίαν (5)
Ba. 1. 10. ἀγοράσατε τοῦ ἀργυρίου ὁλοκαυτώματα
Ez. 40. 40. κατὰ νώτου τοῦ ῥόακος τῶν ὁ. †
— 42. τέσσαρες τράπεζαι τῶν ὁ. λίθιναι . . . σφάζουσιν ἐκεῖ τὰ ὁ. (5, 5)
43. 18. τοῦ ἀναφέρειν ἐπ' αὐτοῦ ὁλοκαυτώματα [A τὰ ὁ.] (5)
— 24. ἀνοίσουσιν αὐτὰ ὁλοκαυτώματα τῷ κ. (5)
— 27. ποιήσουσιν οἱ ἱερεῖς ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τὰ ὁ. ὑμῶν (5)
44. 11. σφάξουσι τὰ ὁ. καὶ τὰς θυσίας τῷ λαῷ (5)
45. 15. εἰς θυσίας καὶ εἰς ὁλοκαυτώματα (5)
— 17. διὰ τοῦ ἀφηγουμένου ἔσται τὰ ὁ. . . . ποιήσει . . . τὴν θυσίαν καὶ τὰ ὁ. (5, 5)
— 23. ποιήσει [A -εις] ὁλοκαυτώματα τῷ κ. (5)
— 25. καθὼς τὰ ὁ. καὶ καθὼς τὸ μαναά (5)
46. 2. ποιήσουσιν οἱ ἱερεῖς τὰ ὁ. αὐτοῦ (5)
— 4. τὰ ὁ. [A τὸ ὁ.] προσοίσει ὁ ἀφηγούμ. τῷ κ. (5)
— 12. ἐὰν δὲ ποιήσῃ ὁ ἀφηγούμενος ὁμολογίαν ὁλοκαύτωμα σωτηρίου τῷ κ. . . . καὶ ποιήσει τὸ ὁ. αὐτοῦ (5, 5)
— 13. ἀμνὸν ἐνιαύσιον ἄμωμον ποιήσει εἰς [A *om.*] ὁλοκάυτωμα (5)
— 15. ὁλοκαύτωμα διὰ παντός (5)
Da. LXX. 3. (40). ὡς ἐν ὁλοκαυτώμασι κριῶν
Da. TH. 3. (40). A ὡς ἐν ὁλοκαυτώμασιν [B -ώσει] κριῶν
I Ma. 1. 45. A R κωλῦσαι [S κυκλῶσαι] ὁλοκαυτώματα
4. 49. A S καὶ τὸ θυσιαστήριον τῶν ὁ. καὶ [R *om.* ὁ. κ.] θυμιαμάτων
— 53. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τῶν ὁ. τὸ καινόν
— 56. προσήνεγκαν ὁλοκαυτώματα
5. 54. προσήγαγον ὁλοκαυτώματα
II Ma. 2. 10. ἀνήλωσε τὰ ὁ.

[Aq. III Ki. 9. 25: Je. 42. 8.]
[Sm. Ps. 50 (51). 21: Je. 19. 5.]
[Th. Je. 33 (40). 18: Ma. 2. 13.]
[Al. Le. 1. 4: 8. 18: Jo. 22. 23.]

ὁλοκάυτωσις. (1) *a.* עֹלָה *b.* עֲלָה

Ex. 29. 25. ἀνοίσεις ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τῆς ὁ. (1 *a*)
Le. 4. 34. AB[1] θυσιαστηρίου τῆς ὁλοκαυτώσεως [B[2] R -καρπ.] (1 *a*)
— 34. τὴν βάσιν τοῦ θυσιαστηρίου τῆς ὁ. –
6. 9 (2). οὗτος ὁ νόμος τῆς ὁ. (1 *a*)
— 9 (2). αὕτη ἡ ὁ. ἐπὶ τῆς καύσεως αὐτῆς (1 *a*)
— 10 (3). ἀφελεῖ . . . τὴν ὁ. ἀπὸ τοῦ θυσιαστηρίου (1 *a*)
— 12 (5). στοιβάσει ἐπ' αὐτοῦ τὴν ὁ. (1 *a*)
— 38 (7. 8). τὸ δέρμα τῆς ὁ. ἧς προσφέρει (1 *a*)
Nu. 6. 14. ἀμνὸν . . . ἕνα εἰς ὁλοκάυτωσιν [A -ωμα] (1 *a*)
7. 87. πᾶσαι αἱ βόες αἱ εἰς ὁλοκάυτωσιν [B[1] -ωμα] (1 *a*)
15. 5. ποιήσετε ἐπὶ τῆς ὁ. (1 *a*)
— 8. R εἰς ὁλοκάυτωσιν [A B -ωμα] (1 *a*)
23. 17. ἐφειστήκει ἐπὶ τῆς ὁ. αὐτοῦ (1 *a*)
28. 3. εἰς ὁλοκάυτωσιν ἐνδελεχῶς (1 *a*)
— 10, 15. ἐπὶ τῆς ὁ. τῆς διὰ παντός (1 *a*)
— 23. πλὴν τῆς [A *om.*] ὁ. τῆς διὰ παντός (1 *a*)
29. 11. καὶ ἡ ὁ. ἡ διὰ παντός (1 *a*)
— 16, 19, 22, 25, 28, 31, 34, 38. πλὴν τῆς ὁ. τῆς διὰ παντός (1 *a*)
Jd. 20. 26: 21. 4. ἀνήνεγκαν ὁλοκαυτώσεις [A *al.*] (1 *a*)
I Ki. 6. 14. τὰς βόας ἀνήνεγκαν εἰς ὁλοκάυτωσιν [A -κάρπωσιν] (1 *a*)
— 15. ἀνήνεγκαν ὁλοκαυτώσεις (1 *a*)
7. 9. ἀνήνεγκεν αὐτὸν ὁλοκάυτωσιν (1 *a*)
— 10. ἣν Σαμ. ἀναφέρων τὴν ὁ. (1 *a*)
10. 8. ἀνενεγκεῖν ὁλοκάυτωσιν (1 *a*)
13. 9. B ὅπως ποιήσω ὁλοκάυτωσιν (1 *a*)
— 9. B ἀνήνεγκε τὴν ὁ. (1 *a*)
— 10. B ὡς συνετέλεσεν ἀναφέρων τὴν ὁ. (1 *a*)
— 12. B ἀνήνεγκα τὴν ὁ. (1 *a*)
15. 12. ἀνέφερεν ὁλοκάυτωσιν τῷ κ. –

II Ki. 6. 18. συνετέλεσε Δ. συναναφέρων τὰς ὁ. (1 a)
24. 25. ἀνήνεγκεν ὁλοκαυτώσεις (1 a)
III Ki. 3. 1 (cf. A 9. 25). ἀνέφερε τρεῖς . . . ὁλοκαυτώσεις (1 a)
— 4. χιλίαν [A λίαν] ὁ. ἀνήνεγκε Σαλ. (1 a)
— 15. ἀνήγαγεν ὁλοκαυτώσεις (1 a)
8. 64. ἐποίησεν ἐκεῖ τὴν ὁ. (1 a)
— 64. τοῦ μὴ δύνασθαι τὴν ὁ. . . . ὑπενεγκεῖν [A om.] (1 a)
10. 5. καὶ τὴν ὁ. αὐ. ἣν ἀνέφερεν (1 a)
IV Ki. 10. 25. ὡς συνετέλεσε ποιῶν τὴν ὁ. (1 a)
16. 13. ἐθυμίασε τὴν ὁ. αὐ. (1 a)
— 15. πρόσφερε τὴν ὁ. τὴν πρωϊνὴν . . . καὶ τὴν ὁ. τοῦ βασ. . . . καὶ τὴν ὁ. παντὸς τοῦ λαοῦ . . . καὶ πᾶν αἷμα ὁλοκαυτώσεως (1 a quater)
I Ch. 21. 23. δέδωκα τοὺς μόσχους εἰς ὁλοκαύτωσιν (1 a)
— 24. τοῦ ἀνενέγκαι [A add. εἰς] ὁλοκαύτωσιν (1 a)
— 26. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τῆς ὁ. (1 a)
— 26. κατανάλωσε τὴν ὁ. –
22. 1. τοῦτο τὸ θυσιαστήριον εἰς ὁλοκαύτωσιν (1 a)
II Ch. 1. 6. ἤνεγκεν ἐπ' αὐτὸ ὁ. χιλίαν (1 a)
24. 14. ἀνήνεγκαν ὁλοκαυτώσεις [A al.] (1 a)
29. 18. ἡγνίσαμεν . . . τὸ θυσιαστήριον τῆς ὁ. (1 a)
— 24. A² B περὶ παντὸς Ἰσραὴλ . . . ἡ ὁ. [A¹ B al.] (1 a)
— 27. ἀνενέγκαι τὴν ὁ. (1 a)
— 27. ἀναφέρειν τὴν ὁ. (1 a)
— 28. ἕως οὗ συνετελέσθη [A¹ -λεσεν] ἡ ὁ. (1 a)
— 31. καὶ πᾶς πρόθυμος τῇ καρδ. ὁλοκαυτώσεις (1 a)
— 32. ἐγένετο ὁ ἀριθμὸς τῆς ὁ. (1 a)
— 32. εἰς ὁλοκαύτωσιν κυρίῳ πάντα ταῦτα (1 a)
— 34. ἐκδεῖραι [A δ.] τὴν ὁ. (1 a)
— 35. ἡ ὁ. πολλὴ ἐν τοῖς στέασι . . . τῶν σπονδῶν τῆς ὁ. (1 a, 1 a)
31. 2. εἰς τὴν ὁ. καὶ εἰς τὴν θυσίαν τοῦ σωτ. (1 a)
— 3. εἰς τὰς ὁ. τὴν πρωϊνὴν καὶ τὴν δειλινὴν καὶ ὁλοκαυτώσεις εἰς σάββατα [A¹ al.] (1 a, 1 a)
35. 12. ἡτοίμασαν τὴν ὁ. (1 a)
I Es. 5. 49. προσενέγκαι ἐπ' αὐτοῦ ὁλοκαυτώσεις
II Es. 3. 2. τοῦ ἀνενέγκαι ἐπ' αὐτὸ ὁλοκαυτώσεις (1 a)
— 3. ἀνέβη ἐπ' αὐτὸ ὁλοκαύτωσις (1 a)
— 4. ἐποίησαν . . . ὁλοκαυτώσεις (1 a)
— 5. ὁλοκαυτώσεις [B² -σις] ἐνδελεχισμοῦ (1 a)
— 6. ἀναφέρειν ὁλοκαυτώσεις τῷ κ. (1 a)
6. 9. καὶ ἀμνοὺς εἰς ὁλοκαυτώσεις (1 b)
8. 35. προσήνεγκαν ὁλοκαυτώσεις τῷ θ. Ἰ. (1 a)
Ju. 4. 14. προσέφερον τὴν ὁ. τοῦ ἐνδελεχισμοῦ
Ez. 40. 38. A ἐκεῖ πλυνοῦσιν τὴν ὁ. (1 a)
— 39. A ὅπως σφάζωσιν τὴν ὁ. καὶ [B σφ. ἐν αὐτῇ] τὰ ὑπὲρ ἁμαρτίας (1 a)
Da. LXX. 3. (38). οὐδὲ ὁλοκαύτωσις οὐδὲ θυσία
Da. TH. 3. (38). οὐδὲ ὁλοκαύτωσις οὐδὲ θυσία
— (40). ὡς ἐν ὁλοκαυτώσει [A -ώμασιν] κριῶν
I Ma. 4. 44. ἐβουλεύσαντο περὶ τοῦ θυσιαστ. τῆς ὁ.
7. 33. δεῖξαι αὐτῷ τὴν ὁ.
[Aq. Ex. 31. 9: Jb. 42. 8: Je. 19. 5.]
[Sm. Ex. 31. 9: 35. 16: I Ki. 13. 12.]
[Th. Ex. 31. 9: 35. 16: Jb. 42. 8: Ez. 40. 39 (Sw.).]

ὁλοκληρία. (1) מְתֹם
Is. 1. 6. R οὐκ ἔστιν ἐν αὐτῷ ὁ. (1)
[Aq. Is. 1. 6.]

ὁλόκληρος. (1) נָצַב ni. (2) שָׁלֵם (3) תָּמִים
Le. 23. 15. ἑπτὰ ἑβδομάδας ὁ. (3)
De. 16. 9. A ἑπτὰ ἑβδομάδας ὁ. [B om.] –
27. 6. λίθους ὁ. οἰκοδομήσεις (2)
Jo. 9. 2 (8. 31). θυσιαστήριον λίθων ὁλοκλήρων (2)
I Ch. 24. 7: 25. 9. A ἐξῆλθεν ὁλόκληρος [B ὁ κλ.] ὁ πρῶτος †
Wi. 15. 3. τὸ γὰρ ἐπίστασθαί σε ὁλόκληρος δικαιοσύνη
Za. 11. 16. καὶ τὸ ὁλόκληρον οὐ μὴ κατευθύνῃ (1)
Ez. 15. 5. ἔτι αὐτοῦ ὄντος ὁλοκλήρου οὐκ ἔσται εἰς ἐργασίαν (3)
I Ma. 4. 47. ἔλαβον λίθους ὁ.
IV Ma. 15. 17. τὴν εὐσέβειαν ὁλόκληρον ἀποκυήσασα
[Sm. Le. 3. 9: Ps. 89 (90). 10: Ca. 4. 2: Je. 13. 19.]

ὁλολυγμός. (1) יְלָלָה
Ze. 1. 10. ἔσται . . . ὁλολυγμὸς ἀπὸ τῆς δευτέρας (1)
Is. 15. 8. ὁλολυγμὸς αὐ. ἕως τοῦ φρέατος τοῦ Αἰ. (1)
[Aq. Dt. 32. 10.]

ὁλολύζειν. (1) יָלַל hi. (2) צָוַחַה
Ho. 7. 14. ἀλλ' ἢ ὠλόλυζον ἐν ταῖς κοίταις αὐτῶν (1)
Am. 8. 3. καὶ ὁλολύξει τὰ φατνώματα τοῦ ναοῦ (1)
Za. 11. 2. ὁλολυξάτω πίτυς (1)
— 2. ὁλολύξατε, δρύες τῆς B. (1)
Is. 10. 10. ὁλολύξατε τὰ γλυπτὰ ἐν Ἱερουσαλὴμ †
13. 6. ὁλολύζετε (1)
14. 31. ὁλολύξατε [A S -ζετε] πύλαι πόλεων (1)
15. 2. ὁλολύξατε [A S -ζετε] (1)
— 3. πάντες ὁλολύζετε μετὰ κλαυθμοῦ (1)
16. 7. ὁλολύξει Μωὰβ ἐν γὰρ τῇ Μωαβίτιδι πάντες ὁλολύξουσι (1, 1)
23. 1. ὁλολύξατε [A S -ζετε] πλοῖα Καρχηδόνος (1)
— 6. ὁλολύξατε [A -ζετε] οἱ κατοικοῦντες [A S ἐνοικ.] ἐν τῇ νήσῳ ταύτῃ (1)
— 14. ὁλολύξατε [A S¹ -ζετε], πλοῖα Καρχηδόνος (1)
24. 11. ὁλολύζετε περὶ τοῦ οἴνου πανταχῇ (2)
52. 5. θαυμάζετε καὶ ὁλολύζετε (1)
65. 14. ἀπὸ συντριβῆς πνεύματος ὑμῶν ὁλολύξετε [S¹ -ύζ.] (1)
Je. 2. 23. ὀψὲ φωνὴ αὐτῆς ὠλόλυξε [S¹ -υζεν] †
31 (48). 20. ὁλόλυξον καὶ κέκραξον (1)
— 31. ἐπὶ Μωὰβ ὁλολύζετε πάντοθεν (1)
Ez. 21. 12 (17). ἀνάκραγε καὶ ὁλόλυξον (1)
[Aq. Je. 47 (29). 2: 49 (30). 3: 51 (28). 8.]
[Sm. Is. 52. 5: Je. 48 (31). 39 (Sw.): 51 (28). 8: Ez. 30. 2: Am. 8. 3.]
[Th. Is. 52. 5: Je. 48 (31). 39 (Sw.): Ez. 30. 2.]

ὁλόξηρος.
[Sm. Ps. 57 (58). 10.]

ὁλοπόρφυρος. (1) אַרְגָּמָן (2) תְּכֵלֶת
Nu. 4. 7. ἐπιβαλοῦσιν . . . ἱμάτιον ὁ. (2)
— 13. ἐπικαλύψουσιν . . . ἱμάτιον ὁ. (1)

ὁλορριζί (-ορι.).
Es. 3. 13. πάντας . . . ἀπολέσαι ὁ.

ὁλόρριζος (-όρι.).
Jb. 4. 7. πότε ἀληθινοὶ ὁλόριζοι ἀπώλοντο –
Pr. 15. 5. οἱ δὲ ἀσεβεῖς ὁλόριζοι ἐκ γῆς ἀπολοῦνται [A S² ὁλ.] –

ὅλος, cf. καθόλου. (1) a. כֹּל b. כָּלִיל (2) תָּמִים (3) δι' ὅλου תָּמִיד
Ge. 18. 26. R ὅλην τὴν πόλιν (1 a)
25. 25. ὅλος ὡσεὶ δορὰ δασύς (1 a)
31. 35. ἠρεύνησε Λάβαν ἐν ὅλῳ τῷ οἴ. –
41. 19. τοιαύτας ἐν ὅ. γῇ [A om.] Αἰγύπτου (1 a)
— 30. R ἐν ὅλῃ [A add. τῇ γῇ] Αἰγύπτῳ –
— 43. ἐφ' ὅλης [A add. τῆς] γῆς Αἰγύπτου (1 a)
Ex. 5. 12. διεσπάρη ὁ λαὸς ἐν ὅ. γῇ [A om.] Αἰγύπτῳ (1 a)
10. 13. ὅλην τὴν ἡμέραν ἐκείνην καὶ ὅλην τὴν νύκτα (1 a, 1 a)
14. 20. οὐ συνέμιξαν . . . ὅλην τὴν νύκτα (1 a)
— 21. ὑπήγαγε . . . ὅλην τὴν νύκτα (1 a)
19. 18. τὸ ὄρος τὸ Σινὰ ἐκαπνίζετο ὅλον (1 a)
22. 8 (7). ἐφ' ὅλης τῆς παρακαταθήκης –
— 11 (10). A μὴ . . . ἐφ' ὅλης [B καθόλου] τῆς παρακαταθήκης –
25. 35 (36). ὅλη τορευτὴ ἐξ ἑνὸς χρυσίου καθαροῦ (1 a)
— 39 (40). B¹ ὅλα [A B² R ὅρα] ποιήσεις †
28. 27 (31). ὑποδύτην ποδήρη ὅλον ὑακίνθινον (1 b)
29. 18. ἀνοίσεις ὅλον τὸν κριόν (1 a)
36. 30 (39. 22). ἔργον ὑφαντὸν ὅ. ὑακίνθινον (1 b)
38. 16 (37. 19). στερεὸν ὅλον χρυσοῦν –
Le. 4. 12. ἐξοίσουσιν ὅλον τὸν μόσχον ἔξω (1 a)
— 21. B² R ἐξοίσουσι τὸν μόσχον ὅ. [A B¹ om.] –
6. 9 (2). ὅλην τὴν νύκτα ἕως τὸ πρωΐ (1 a)
8. 20 (21). ἀνήνεγκε Μωυσῆς ὅλον τὸν κριόν (1 a)
13. 12. καθ' ὅλην τὴν ὅρασιν τοῦ ἱερέως (1 a)
25. 30. ἕως ἂν πληρωθῇ αὐτῆς ἐνιαυτὸς ὅ. (2)
Nu. 4. 6. ἱμάτιον ὅλον ὑακίνθινον (1 b)
— 16. ἡ ἐπισκοπὴ ὅλης τῆς σκηνῆς (1 a)
8. 4. στερεὰ ὅλη –
11. 32. ὅ. τὴν ἡμέραν καὶ ὅ. τὴν νύκτα καὶ ὅ. τὴν ἡμέραν τὴν [A τῇ] ἐπαύριον (1 a ter)
12. 7. ἐν ὅ. τῷ οἴκῳ μου πιστός ἐστι (1 a)
Nu. 14. 1. ὅ. τὴν νύκτα ἐκείνην –
32. 15. ἀνομήσετε εἰς ὅ. τὴν συναγωγὴν τ. (1 a)
De. 4. 29. ἐξ ὅ. τῆς καρδίας σου καὶ ἐξ ὅ. τῆς ψυχῆς σου (1 a, 1 a)
6. 5. ἐξ ὅ. τῆς διανοίας [A καρδίας] σου καὶ ἐξ ὅ. τῆς ψυχῆς σου καὶ ἐξ ὅ. τῆς δυνάμεώς σου (1 a ter)
10. 12: 11. 13. ἐξ ὅ. τῆς καρδίας σου καὶ ἐξ ὅ. τῆς ψυχῆς σου (1 a, 1 a)
13. 3 (4). ἐξ ὅ. τῆς καρδίας ὑμῶν καὶ ἐξ ὅ. τῆς ψυχῆς ὑμῶν (1 a, 1 a)
18. 1. τοῖς ἱερεῦσι τοῖς Λ. ὅλῃ φυλῇ Λ. (1 a)
26. 16. ἐξ ὅ. τῆς καρδίας ὑμῶν καὶ ἐξ ὅ. τῆς ψυχῆς ὑμῶν (1 a, 1 a)
30. 2, 6, 10. ἐξ ὅ. τῆς καρδίας σου καὶ ἐξ ὅ. τῆς ψυχῆς σου (1 a, 1 a)
Jo. 3. 15. καθ' ὅλην τὴν κρηπῖδα αὐτοῦ (1 a)
4. 18. ἐπορεύετο . . . δι' ὅ. τῆς κρηπῖδος (1 a)
10. 9. ὅ. τὴν νύκτα εἰσεπορεύθη (1 a)
22. 5. ἐξ ὅ. τῆς διανοίας [A καρδίας] ὑμῶν καὶ ἐξ ὅ. τῆς ψυχῆς ὑμῶν (1 a, 1 a)
Jd. 7. 18. κύκλῳ ὅ. τῆς παρεμβολῆς (1 a)
— 22. A ἐν ὅ. [B πάσῃ] τῇ παρεμβολῇ (1 a)
9. 45. ὅ. τὴν ἡμέραν ἐκείνην (1 a)
16. 2. ἐνήδρευσαν . . . ὅ. τὴν νύκτα (1 a)
— 2. ἐκώφευσαν ὅ. τὴν νύκτα (1 a)
— 16. A κατειργάσατο αὐτὸν . . . ὅ. τὴν νύκτα [B al.] (1 a)
19. 25. ὅ. τὴν νύκτα ἕως πρωΐ (1 a)
20. 37. A ἐπάταξαν ὅ. [B om.] τὴν πόλιν (1 a)
Ru. 2. 21. ἕως ἂν τελέσωσιν ὅ. τὸν ἀμητόν (1 a)
I Ki. 5. 12 (11). ἐγενήθη σύγχυσις ἐν ὅ. τῇ πόλει (1 a)
7. 3. εἰ ἐν ὅ. καρδίᾳ ὑμῶν ὑμεῖς ἐπιστρέφετε (1 a)
9. 21. καὶ τῆς φυλῆς τῆς ἐλαχίστης ἐξ ὅ. σκήπτρου Βεν. (1 a)
12. 20. B δουλεύσατε τῷ κ. ἐν ὅ. καρδίᾳ ὑμῶν (1 a)
— 24. B δουλεύσατε αὐτῷ . . . ἐν ὅ. καρδίᾳ ὑμῶν (1 a)
14. 23. ἦν ὁ πόλεμος διεσπαρμένος εἰς ὅ. πόλιν –
15. 11. ἐβόησε πρὸς κύριον ὅ. τὴν νύκτα (1 a)
19. 24. ὅ. τὴν ἡμ. ἐκείνην καὶ ὅ. τὴν νύκτα (1 a, 1 a)
20. 6. θυσία τῶν ἡμερῶν ἐκεῖ ὅ. τῇ φυλῇ (1 a)
22. 15. καὶ ἐφ' ὅλον τὸν οἶκον τοῦ πατρός μου (1 a)
28. 20. ὅ. τὴν ἡμ. [A add. ἐκείνην] καὶ ὅ. τὴν νύκτα ἐκείνην [A om.] (1 a, 1 a)
31. 12. ἐπορεύθησαν ὅ. τὴν νύκτα (1 a)
II Ki. 2. 29. ἀπῆλθον . . . ὅ. τὴν νύκτα ἐκείνην (1 a)
— 29. ἐπορεύθησαν ὅ. τὴν παρατείνουσαν (1 a)
— 32. ἐπορεύθη Ἰ. . . . ὅλην τὴν νύκτα (1 a)
4. 7. ἀπῆλθον . . . ὅ. τὴν νύκτα (1 a)
6. 11. εὐλόγησε κύριος ὅ. τὸν οἶκον Ἀβ. [A al.] (1 a)
9. 9. ὅσα ἐστὶ . . . ὅ. τῷ οἴκῳ αὐ. (1 a)
14. 7. ἐπανέστη ὅ. ἡ πατριὰ πρὸς τὴν δούλην σου (1 a)
III Ki. 2. 4. πορεύεσθαι . . . ἐν ὅ. καρδίᾳ αὐτῶν (1 a)
— 4. A καὶ ἐν ὅ. ψυχῇ αὐτῶν (1 a)
6. 10. ᾠκοδόμησε τοὺς ἐνδέσμους δι' ὅ. τοῦ οἴκου (1 a)
— 21 (22). ὅ. τὸν οἶκον περιέσχε χρυσίῳ (1 a)
— 22. A καὶ ὅ. τὸ ἔσω τοῦ δαβείρ (1 a)
7. 1. A συνετέλεσεν ὅ. τὸν οἶκον αὐτοῦ (1 a)
— 12 (1). συνετέλεσε Σ. ὅ. τὸν οἶκον αὐ. [A al.] (1 a)
8. 23. τῷ πορευομ. ἐνώπιόν σου ἐν ὅ. τῇ [A om.] καρδίᾳ αὐ. (1 a)
— 48. ἐν ὅ. καρδίᾳ αὐ. καὶ ἐν ὅ. ψυχῇ αὐτῶν (1 a, 1 a)
— 54. προσευχόμενος . . . ὅ. τὴν προσευχήν (1 a)
10. 8. οἱ παρεστηκότες ἐνώπιόν σου δι' ὅλου (3)
11. 13. ὅ. τὴν βασιλείαν [A add. ὅλην] οὐ μὴ λάβω (1 a, –)
— 34. οὐ μὴ λάβω ὅ. τὴν βασιλείαν (1 a)
15. 29. R ἐπάταξεν ὅ. τὸν οἶκον Ἱερ. [A B al.] (1 a)
16. 12 (11). ἐπάταξεν ὅ. τὸν οἶκον B. (1 a)
— 12. A ἐξέτριψε Z. ὅ. τὸν οἶκον B. (1 a)
IV Ki. 9. 8. καὶ ἐκ χειρὸς ὅλου τοῦ οἴκου Ἀχ. (1 a)
10. 31. πορεύεσθαι . . . ἐν ὅ. καρδίᾳ αὐ. (1 a)
20. 13. ἔδειξεν αὐτοῖς ὅ. τὸν οἶκον τοῦ νεχ. (1 a)
23. 25. ἐν ὅ. καρδίᾳ αὐ. καὶ ἐν ὅ. ψυχῇ αὐ. καὶ ἐν ὅ. ἰσχύϊ αὐ. (1 a ter)
II Ch. 1. 5. A Σαλ. καὶ ἡ ἐκκλησία ὅ. [B om.] –
6. 14. τοῖς πορευομ. ἐναντίον σου ἐν ὅ. καρδίᾳ (1 a)
— 38. ἐν ὅ. [A¹ om. ἐν ὅ.] καρδίᾳ καὶ ἐν ὅ. ψυχῇ αὐ. (1 a, 1 a)
15. 12. ἐξ ὅ. τῆς καρδίας καὶ ἐξ ὅ. τῆς ψυχῆς (1 a, 1 a)
— 15. ἐξ ὅ. τῆς ψυχῆς ὤμοσαν (1 a)

II Ch. 22. 9. ἐν ὅ. τῇ [A om.] καρδίᾳ αὐ. (1 a)
31. 21. ἐξ ὅ. ψυχῆς [A τῆς ψ.] αὐτοῦ (1 a)
34. 31. ἐν ὅ. καρδίᾳ καὶ ἐν ὅ. ψυχῇ (1 a, 1 a)
35. 19. ἐν ὅ. καρδίᾳ αὐ. καὶ ἐν ὅ. ψυχῇ αὐ. καὶ ἐν ὅ. τῇ [A om.] ἰσχύϊ αὐ. (– ter)
I Es. 1. 32. ἐν ὅ. τῇ Ἰ. ἐπένθησαν τὸν Ἰ.
2. 2. B ἐκήρυξεν [A R add. ἐν] ὅ. τῇ βασ. αὐ.
8. 23. ὅπως δικάζωσιν ἐν ὅ. Συρίᾳ
9. 3. ἐγένετο κήρυγμα ἐν ὅ. τῇ Ἰουδ.
II Es. 4. 20. A B ἐπικρατοῦντες ὅ. τῆς ἑσπέρας [R πέραν] τοῦ ποτ. (1 a)
To. 1. 12. ἐμεμνήμην τοῦ θεοῦ ἐν ὅ. τῇ [S om.] ψυχῇ μου
2. 2. S ὃς μέμνηται ἐν ὅ. καρδίᾳ αὐ. [A B al.]
10. 7. A τὰς δὲ νύκτας ὅ. [B om.] οὐ διελίμπανε θρηνοῦσα Τ. [S al.]
11. 15. S εὐλογῶν τὸν θ. ἐν ὅ. τῷ σώματι αὐ.
13. 6. ASR ἐν ὅ. τῇ [B om.] καρδίᾳ ὑμῶν καὶ ἐν ὅ. τῇ ψυχῇ ὑμῶν
— 6. A S R ἐν ὅ. τῷ στόματι [B σώματι] ὑμῶν
14. 6. S πάντα τὰ ἔθνη τὰ ἐν ὅ. τῇ γῇ [A B al.]
— 7. S ἐν ἀληθείᾳ καὶ ὅ. τῇ ἰσχύϊ αὐ.
Ju. 6. 21. ἐπεκαλέσαντο τὸν θ. . . . ὅ. τὴν νύκτα ἐκείνην
7. 5. ἔμενον φυλάσσοντες ὅ. [S¹ om.] τὴν νύκτα ἐκ.
Es. 5. 1. ὅλος διὰ χρυσοῦ καὶ λίθων πολυτελῶν
9. 22. τὸν μῆνα . . . ἄγειν ὅλον [A om.] –
Jb. 21. 23. ὅλος δὲ εὐπαθῶν καὶ εὐθηνῶν (1 a)
Ps. 9. 1. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε, ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου (1 a)
24 (25). 5. σὲ ὑπέμεινα ὅλην τὴν ἡμέραν (1 a)
31 (32). 3. ἀπὸ τοῦ κράζειν με ὅλην τὴν ἡμέραν (1 a)
34 (35). 28. ὅλην τὴν ἡμέραν τὸν ἔπαινόν σου (1 a)
36 (37). 26. ὅλην τὴν ἡμέραν ἐλεεῖ (1 a)
37 (38). 6. ὅλην τὴν ἡμέραν σκυθρωπάζων ἐπορευόμην (1 a)
— 12. δολιότητας ὅλην τὴν ἡμέραν ἐμελέτησαν (1 a)
40 (41). 3. ὅλην τὴν κοίτην αὐτοῦ ἔστρεψας (1 a)
43 (44). 8. ἐν τῷ θεῷ ἐπαινεθησόμεθα ὅλην τὴν ἡμέραν (1 a)
— 15. ὅλην τὴν ἡμέραν ἡ ἐντροπή μου (1 a)
— 22. ἕνεκέν σου θανατούμεθα ὅλην τὴν ἡμέραν (1 a)
51 (52). 1. ὅλην τὴν ἡμέραν ἀδικίαν ἐλογίσατο ἡ γλῶσσά σου (1 a)
55 (56). 1. ὅλην τὴν ἡμέραν πολεμῶν ἔθλιψέ με (1 a)
— 2. κατεπάτησάν με οἱ ἐχθροί μου ὅλην τὴν ἡμέραν (1 a)
— 3. B ἐπαινέσω τοὺς λόγους μου ὅλην τὴν ἡμέραν [S om. ὅ. τὴν ἡ.] –
— 5. ὅλην τὴν ἡμέραν τοὺς λόγους μου ἐβδελύσσοντο (1 a)
70 (71). 8. ὅλην τὴν ἡμέραν τὴν μεγαλοπρέπειάν σου (1 a)
— 15. ὅλην τὴν ἡμέραν τὴν σωτηρίαν σου (1 a)
— 24. ἡ γλῶσσά μου ὅλην τὴν ἡμέραν μελετήσει τὴν δικαιοσύνην σου (1 a)
71 (72). 15. ὅλην τὴν ἡμέραν εὐλογήσουσιν αὐτόν (1 a)
72 (73). 14. ἐγενόμην μεμαστιγωμένος ὅλην τὴν ἡμέραν (1 a)
73 (74). 22. τῶν ὀνειδισμῶν σου τῶν ὑπὸ ἄφρονος ὅλην τὴν ἡμέραν (1 a)
77 (78). 14. ὅ. τὴν νύκτα ἐν φωτισμῷ πυρός (1 a)
85 (86). 3. πρὸς σὲ κεκράξομαι ὅ. τὴν ἡμέραν (1 a)
— 12. ἐξομολογήσομαί σοι . . . ἐν ὅ. καρδίᾳ [S² τῇ κ.] μου (1 a)
87 (88). 9. ἐκέκραξα πρὸς σέ, κύριε, ὅλην τὴν ἡμέραν (1 a)
— 17. ἐκύκλωσάν με ὡς ὕδωρ ὅλην τὴν ἡμέραν (1 a)
88 (89). 16. ἀγαλλιάσονται ὅλην τὴν ἡμέραν (1 a)
101 (102). 8. ὅλην τὴν ἡμέραν ὠνείδιζόν με (1 a)
110 (111). 1. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε, ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου (1 a)
118 (119). 2. ἐν ὅλῃ καρδίᾳ ἐκζητήσουσιν αὐτόν (1 a)
— 10. ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου ἐξεζήτησά σε (1 a)
— 34. φυλάξω αὐτὸν ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου (1 a)
— 58. ἐδεήθην τοῦ προσώπου σου ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου (1 a)
— 69. ἐγὼ δὲ ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου ἐξερευνήσω τὰς ἐντολάς σου (1 a)
— 97. ὅλην τὴν ἡμέραν μελέτη μού ἐστιν (1 a)
— 145. ἐκέκραξα ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου (1 a)
137 (138). 1. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε, ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου (1 a)
139 (140). 2. ὅλην τὴν ἡμέραν παρετάσσοντο πολέμους (1 a)
Pr. 3. 5. ἴσθι πεποιθὼς ἐν ὅλῃ τῇ [A S² om.] καρδίᾳ ἐπὶ θεῷ (1 a)
17. 6 (A 4). τοῦ πιστοῦ ὅλος ὁ κόσμος τῶν χρημάτων –
21. 26. ἀσεβὴς ἐπιθυμεῖ ὅλην τὴν ἡμέραν ἐπιθυμίας κακάς (1 a)
23. 17. ἐν φόβῳ κυρίου ἴσθι ὅλην τὴν ἡμέραν (1 a)
24. 46 (31). καὶ χορτομανήσει ὅλος (1 a)
29. 11. ὅλον τὸν θυμὸν αὐτοῦ ἐκφέρει ἄφρων (1 a)
31. 18. οὐκ ἀποσβέννυται ὁ λύχνος αὐτῆς ὅλην τὴν νύκτα –
Ca. 4. 7. ὅλη καλὴ εἶ, πλησίον μου (1 a)
5. 16. φάρυγξ αὐτοῦ γλυκασμοὶ καὶ ὅλος ἐπιθυμία (1 a)
Wi. 8. 20. εἶπον ἐξ ὅλης τῆς καρδίας μου
11. 22. ὡς ῥοπὴ ἐκ πλαστίγγων ὅλος ὁ κόσμος ἐναντίον σου
17. 20. ὅλος γὰρ ὁ κόσμος λαμπρῷ κατελάμπετο φωτί
18. 24. ἐπὶ γὰρ ποδήρους ἐνδύματος ἦν ὅ. ὁ κόσμος
19. 6. ὅλη γὰρ ἡ κτίσις . . . πάλιν ἄνωθεν διετυποῦτο
Si. 6. 26. ἐν ὅ. δυνάμει σου συντήρησον τὰς ὁδοὺς αὐ.
7. 27. ἐν ὅλῃ καρδίᾳ [A δυνάμει σου] δόξασον τὸν πατέρα σου
— 29. ἐν ὅλῃ ψυχῇ σου εὐλαβοῦ τὸν κύριον
— 30. ἐν ὅλῃ δυνάμει ἀγάπησον τὸν ποιήσαντά σε
Ho. 7. 6. ἐν τῷ καταράσσειν αὐτοὺς ὅλην τὴν νύκτα (1 a)
12. 1 (2). ἐδίωξε καύσωνα ὅλην τὴν ἡμέραν (1 a)
Jl. 2. 12. ἐπιστράφητε πρὸς μὲ ἐξ ὅλης τῆς καρδίας ὑ. (1 a)
Na. 3. 1. ὦ πόλις αἱμάτων ὅλη ψευδὴς ἀδικίας πλήρης (1 a)
Ze. 3. 14. κατατέρπου ἐξ ὅλης τῆς καρδίας σου (1 a)
Za. 4. 2. ἑώρακα καὶ ἰδοὺ λυχνία χρυσῆ ὅλη (1 a)
Is. 9. 12 (11). τοὺς κατεσθίοντας τὸν Ἰσραὴλ ὅλῳ τῷ στόματι (1 a)
— 19 (18). διὰ θυμὸν ὀργῆς κυρίου συγκέκαυται ἡ γῆ ὅ. –
10. 14. τὴν οἰκουμένην ὅλην καταλήψομαι (1 a)
— 23. λόγον συντετμημένον ποιήσει κύριος ἐν τῇ οἰκουμένῃ ὅλῃ (1 a)
13. 5. A S καταφθεῖραι τὴν οἰκουμένην ὅλην [B κ. πᾶσαν τ. οἰ.] (1 a)
— 9. S θεῖναι τὴν οἰκουμένην ὅλην [A B om.] ἔρημον –
— 11. ἐντελοῦμαι τῇ οἰκουμένῃ ὅλῃ κακά –
14. 17. ὁ θεὶς τὴν οἰκουμένην ὅλην ἔρημον –
— 26. ἣν βεβούλευται κύριος ἐπὶ τὴν οἰκουμένην ὅλην (1 a)
21. 8. ἐπὶ τῆς παρεμβολῆς ἐγὼ ἔστην ὅλην τὴν νύκτα (1 a)
24. 10. S ἠρημώθη ὅλη ἡ γῆ [A B om. ὅ. ἡ γ.] πᾶσα πόλις –
28. 24. μὴ ὅλην τὴν ἡμέραν ἀροτριάσει [A S al.] (1 a)
37. 18. ἠρήμωσαν βασιλεῖς Ἀσσυρίων τὴν οἰκουμένην ὅλην (1 a)
45. 9. μὴ . . . ἀροτριάσει τὴν γῆν ὅλην τὴν ἡμέραν [A S² om. ὅ. τ. ἡ.] –
62. 6. κατέστησα φύλακας ὅλην τὴν ἡμέραν καὶ ὅλην τὴν νύκτα (1 a, 1 a)
65. 2. ἐξεπέτασα τὰς χεῖράς μου ὅλην τὴν ἡμέραν (1 a)
Je. 3. 10. οὐκ ἐπεστράφη . . . ἐξ ὅλης τῆς καρδίας αὐτῆς (1 a)
6. 6. ὅλη καταδυναστεία ἐν αὐτῇ (1 a)
24. 7. ἐπιστραφήσονται ἐπ' ἐμὲ ἐξ ὅλης τῆς καρδίας αὐτῶν (1 a)
36 (29). 13. ζητήσετέ με ἐν ὅλῃ καρδίᾳ ὑμῶν [A al.] (1 a)
La. 1. 13. ἔδωκέ με . . . ὅλην τὴν ἡμέραν ὀδυνωμένην (1 a)
3. 3. ἐν ἐμοὶ ἐπέστρεψε χεῖρα αὐτοῦ ὅλην τὴν ἡμέραν (1 a)
— 14. ψαλμὸς αὐτῶν ὅλην τὴν ἡμέραν (1 a)
— 62. μελέτας αὐτῶν κατ' ἐμοῦ ὅλην τὴν ἡμέραν (1 a)
Ep. Je. 62. ἐπιπορεύεσθαι ἐφ' ὅλην τὴν οἰκουμένην
Ez. 29. 2. προφήτευσον . . . ἐπ' Αἴγυπτον ὅλην (1 a)
38. 8. ἣ ἐγενήθη ἔρημος δι' ὅλου (3)
41. 17. ἐφ' ὅλον τὸν τοῖχον κύκλῳ [A al.] (1 a)
— 19. A διαγεγλυμμένος ὅ. [B om.] ὁ οἶκος κυκλόθεν (1 a)
Da. LXX. 3. 2. καὶ κυριεύων τῆς οἰκουμένης ὅλης –
— (41). ἐξακολουθοῦμεν ἐν ὅ. καρδίᾳ ἡμῶν
Da. LXX. 3. (45). καὶ ἔνδοξος ἐφ' ὅ. τὴν οἰκουμένην
— 30 (97). ἐξουσίαν δοὺς ἐφ' ὅ. τῆς χώρας –
Bel 13. καταστῆσαι ὅ. τὸν ναὸν σποδῷ
Da. TH. 3. (41). ἐξακολουθοῦμεν ἐν ὅ. καρδίᾳ
— (45). καὶ ἔνδοξος ἐφ' ὅ. τὴν οἰκουμένην
6. 1 (2). τοῦ εἶναι αὐτοὺς ἐν ὅ. [A πάσῃ] τῇ βασ. αὐ. (1 a)
— 3 (4). κατέστησεν αὐτὸν ἐφ' ὅ. τῆς βασ. αὐ. (1 a)
Bel 13. εἰσεπορεύοντο δι' ὅλου
— 14. κατέσεισαν ὅ. τὸν ναόν
I Ma. 5. 50. ὅ. τὴν ἡμέραν ἐκείνην καὶ ὅ. τὴν νύκτα
6. 18. ζητοῦντες κακὰ δι' ὅλου
12. 27. ἑτοιμάζεσθαι εἰς πόλεμον δι' ὅ. τῆς νυκτός
II Ma. 2. 21. ὥστε τὴν ὅ. χώραν ὀλίγους ὄντας λεηλατεῖν
— 22. τὸ περιβόητον καθ' ὅ. τὴν οἰκουμ. ἱερόν
— 29. τῆς ὅ. καταβολῆς φροντιστέον
3. 14. ἦν δὲ οὐ μικρὰ καθ' ὅ. τὴν πόλιν ἀγωνία
4. 38. περιαγαγὼν καθ' ὅ. τὴν πόλιν
— 47. τὸν μὲν τῆς ὅ. κακίας αἴτιον Μ.
5. 2. καθ' ὅ. τὴν πόλιν . . . φαίνεσθαι . . . ἱππεῖς
6. 3. A χαλεπὴ δὲ καὶ τοῖς ὅ. [R ὄχλοις] ἦν
7. 5. R ἄχρηστον δὲ αὐτὸν τοῖς ὅ. [A λοιποῖς] γενόμενον
8. 18. δυναμένῳ . . . τὸν ὅ. κόσμον . . . καταβαλεῖν
14. 35. τῶν ὅ. ἀπροσδεὴς ὑπάρχων
III Ma. 2. 3. καὶ τῶν ὅ. ἐπικρατῶν
6. 9. τῶν ὅ. σκεπαστά
— 39. R ὁ τῶν ὅ. [A πάντων] δυνάστης
IV Ma. 3. 7. δι' ὅ. ἡμέρας προσβαλὼν τοῖς ἄλλοφ.
7. 18. προνοοῦσιν ἐξ ὅ. καρδίας
— 21. πρὸς ὅ. τὸν τῆς φιλοσοφίας κανόνα
11. 10. ὅλος . . . ἀνακλώμενος ἐξεμελίζετο
12. 12. αἱ εἰς ὅ. τὸν αἰῶνα οὐκ ἀνήσουσί σε
13. 13. ἑαυτοὺς . . . ἀφιερώσωμεν ἐξ ὅ. τῆς καρδίας
17. 17. ὅ. τὸ συνέδριον αὐ. ἐξεθαύμασαν
[Aq. Ps. 31 (32). 3 : 36 (37). 26 : 43 (44). 23 : Is. 28. 24 : Je. 6. 6 : 35 (42). 3 (Sw.) : 52. 14 : Ez. 25. 6.]
[Sm. Dt. 4. 19 : I Ki. 28. 20 : Ps. 24 (25). 5 : 43 (44). 16 : 77 (78). 38 : Pr. 22. 16 : Ec. 12. 13 : Is. 28. 24 : 52. 5 : Je. 20. 7 : 32 (39). 30, 41 *bis* : 52. 14 : Ez. 8. 10 : 25. 15.]
[Th. Jb. 21. 23 : Ps. 43 (44). 23 : Is. 28. 24 : Je. 35 (42). 3 (Sw.) : Da. 3. (41) : 14. 13.]
[Al. Dt. 20. 15 : Ps. 9. 25 (10. 4) : Ec. 12. 13.]

ὁλοσφύρητος.
Si. 50. 9. ὡς σκεῦος χρυσίου ὁλοσφύρητον [S¹ ὁλοφ.]

ὁλοσχερής.
Ez. 22. 30. A ἑστῶτα πρὸ προσώπου μου τὸ ὁ. [B μ. ὁλοσχερῶς] †
III Ma. 5. 31. ἀποδεδειγμένων ὁλοσχερῆ βεβαίαν πίστιν

ὁλοσχερῶς.
I Es. 6. 28. ἐπέταξα ὁ. οἰκοδομῆσαι
Ez. 22. 30. ἑστῶτα πρὸ προσώπου μου ὁ. [A τὸ ὁλοσχερές] †

ὁλοτελῶς.
[Aq. Dt. 13. 16 (17).]

ὁλοφύρεσθαι.
III Ma. 4. 2. ὁλοφυρομένων τὴν ἀπροσδόκητον . . . ὀλεθρίαν
IV Ma. 16. 5. ὠλοφύρετο ἂν ἐπ' αὐτοῖς
— 11. οὐδένα ὠλοφύρετο ἡ ἱερὰ . . . μήτηρ

ὄλυνθος. (1) פֵּגָה
Ca. 2. 13. ἡ συκῆ ἐξήνεγκεν ὀλύνθους αὐτῆς (1)

ὁλύρα. (1) כֻּסֶּמֶת
Ex. 9. 32. ὁ δὲ πυρὸς καὶ ἡ ὁ. οὐκ ἐπλήγησαν (1)
Ez. 4. 9. λάβε σεαυτῷ πυροὺς . . . καὶ ὁλύραν (1)
[Th. Ez. 4. 9.]

ὁλυρίτης (-εί.).
III Ki. 19. 6. πρὸς κεφαλῆς αὐ. ἐγκρυφίας ὁ. †

ὅλως.
Jb. 34. 8. S² οὐδ' ὅλως κοινωνήσας [A B S¹ al.] –

ὁμαλίζειν. (1) יָשַׁר *a.* pi. *b.* hi. (2) שָׁוָה pi.
Si. 21. 10. ὁδὸς ἁμαρτωλῶν ὡμαλισμένη ἐκ λίθων
Is. 28. 25. ὅταν ὁμαλίσῃ τὸ πρόσωπον αὐτῆς (2)
45. 2. ὄρη ὁμαλιῶ (1 a, 1 b*)
[Sm. Jb. 39. 10 : Ps. 5. 9 : Is. 40. 3.]

ὁμαλισμός.

Mi. 7. 12. καὶ αἱ πόλεις σου ἥξουσιν εἰς ὁμαλισμόν †
Ba. 5. 7. φάραγγας πληροῦσθαι εἰς ὁμαλισμὸν τῆς γῆς

ὁμαλός.

[Aq. Nu. 31. 12: Dt. 1. 1, 7: 34. 1: Jo. 13. 9: I Ki. 23. 24: II Ki. 2. 29: 4. 7: Jb. 39. 6: Ps. 25 (26). 12 (P.): Is. 35. 6: 41. 19: 51. 3: Am. 6. 14.]
[Sm. Dt. 1. 1: 3. 10: Jo. 13. 9: Ps. 25 (26). 12: 142 (143). 10.]
[Th. II Ki. 2. 29: Ps. 25 (26). 12 (P.).]

ὀμβρεῖν.

[Aq. Ps. 77 (78). 2.]

ὄμβρημα. (1) נָזַל

Ps. 77 (78). 44. καὶ τὰ ὀ. αὐτῶν ὅπως μὴ πίωσιν (1)

ὄμβρος. (1) שָׁעִיר

De. 32. 2. ὡσεὶ ὄμβρος ἐπ' ἄγρωστιν (1)
Wi. 16. 16. ὄμβροις διωκόμενοι ἀπαραιτήτοις [A -ως]
Si. 49. 9. ἐμνήσθη τῶν ἐχθρῶν ἐν ὄμβρῳ
Da. LXX. 3. (64). εὐλογεῖτε, πᾶς ὄ. καὶ δρόσος, τὸν κύριον
— (77). εὐλογεῖτε, ὄμβροι . . . τὸν κύριον
Da. TH. 3. (64). εὐλογεῖτω πᾶς ὄ. . . . τὸν κύριον
[Aq. Ge. 7. 12: Ps. 67 (68). 10: Pr. 25. 23.]
[Sm. Jb. 28. 27: 37. 6.]
[Th. Da. 3. (77).]
[Al. Hb. 3. 10.]

ὁμείρεσθαι. (1) חָכָה pi.

Jb. 3. 21. A B[1] S οἱ ὁμείρονται [B[2] R ἱμ.] τοῦ θανάτου (1)
[Sm. Ps. 62 (63). 2.]

ὅμηρος. (1) צִיר

Is. 18. 2. ὁ ἀποστέλλων ἐν θαλάσσῃ ὅμηρα (1?)
I Ma. 1. 10. ὃς ἦν ὅμηρα ἐν τῇ Ῥώμῃ
8. 7. A R διδόναι ὅμηρα [S -ον]
9. 53. ἔλαβε τοὺς υἱοὺς τῶν ἡγουμ. . . . ὅμηρα
10. 6. τὰ ὅ. τὰ ἐν τῇ ἄκρᾳ εἶπε παραδοῦναι αὐτῷ
— 9. παρέδωκαν . . . τὰ ὅ.
11. 62. ἔλαβε τοὺς υἱοὺς τῶν ἀρχόντων αὐ. εἰς ὅμηρα
13. 16. καὶ δύο τῶν υἱῶν αὐ. ὅμηρα
[Aq. IV Ki. 14. 14: Pr. 13. 17.]
[Sm. Is. 57. 9.]
[Th. Is. 18. 2.]

ὁμιλεῖν. (1) דָּבַר pi. (2) הָלַךְ (3) רָוָה pi.

Ju. 12. 12. οὐχ ὁμιλήσαντες αὐτῇ
Pr. 5. 19. ἔλαφος φιλίας καὶ πῶλος σῶν χαρίτων ὁμιλείτω σοι (3)
15. 12. μετὰ δὲ σοφῶν οὐχ ὁμιλήσει (2)
23. 30. ὁμιλεῖτε ἀνθρώποις δικαίοις καὶ ὁμιλεῖτε ἐν περιπάτοις –, –
Si. 11. 20. στῆθι ἐν διαθήκῃ σου καὶ ὁμίλει ἐν αὐτῇ
Da. LXX. Su. 37. ἐθεωροῦμεν αὐτοὺς ὁμιλοῦντας ἀλλήλοις
— 57. ἐκεῖναι φοβούμεναι ὡμιλοῦσαν ὑμῖν
— 58. κατέλαβες αὐτοὺς ὁμιλοῦντας ἀλλήλοις
1. 19. ὡμίλησεν αὐτοῖς ὁ βασ. (1)
Da. TH. Su. 54. εἶδες αὐτοὺς ὁμιλοῦντας ἀλλήλοις
— 57. ἐκεῖναι φοβούμεναι ὡμίλουν ὑμῖν
— 58. κατέλαβες αὐτοὺς ὁμιλοῦντας ἀλλήλοις
[Aq. Ge. 24. 63: Jd. 5. 10: Ps. 68 (69). 13: 118 (119). 23.]
[Sm. III Ki. 18. 27: Jb. 12. 8: 15. 4: Ps. 82 (83). 4.]

ὁμιλία. (1) לָקַח (2) עֹנָה

Ex. 21. 10. τὴν ὁ. αὐτῆς οὐκ ἀποστερήσει (2)
Pr. 7. 21. ἀπεπλάνησε δὲ αὐτὸν πολλῇ ὁμιλίᾳ (1)
23. 29. S[6] τίνος φλυαρίαι ὁμιλίαι [A B S[1] al.] †
Wi. 8. 18. ἐν συγγυμνασίᾳ ὁμιλίας [A -ία] αὐτῆς φρόνησις
III Ma. 5. 18. R ἐπὶ πλεῖον δὲ προβαινούσης τῆς ὁ. [A al.]
[Aq. III Ki. 18. 27: Ps. 54 (55). 3: 103 (104). 34: Am. 4. 13.]
[Sm. Jb. 15. 8: Ps. 24 (25). 14: 54 (55). 15: 88 (89). 8: Is. 3. 3: 50. 4: Je. 23. 18: Ez. 13. 9.]

ὅμιλος.

[Aq. I Ki. 19. 20.]

ὁμίχλη. (1) חֹשֶׁךְ (2) כְּפוֹר (3) עֵיפָה (4) עֲרָפֶל

Jb. 24. 20. ὥσπερ δὲ ὁμίχλη δρόσου ἀφανὴς ἐγένετο †
38. 9. ὁμίχλῃ δὲ αὐτὴν ἐσπαργάνωσα (4)
Ps. 147. 5 (16). τοῦ . . . ὁμίχλην [S[1] -η] ὡσεὶ σποδὸν πάσσοντος (2?)
Wi. 2. 4. ὡς ὁμίχλη διασκεδασθήσεται
Si. 24. 3. ὡς ὁμίχλη [A -ην] κατεκάλυψα γῆν
43. 22. ἴασις πάντων [S[2] πάγων] κατὰ σπουδὴν ὁμίχλη
Am. 4. 13. ποιῶν ὄρθρον καὶ ὁμίχλην (3)
Jl. 2. 2: Ze. 1. 15. ἡμέρα νεφέλης καὶ ὁμίχλης (4)
Is. 29. 18. ἀκούσονται . . . οἱ ἐν τῇ ὁ. (1)
[Aq. Dt. 4. 11: Jb. 3. 5.]
[Sm. Ex. 20. 21: Ps. 96 (97). 2.]

ὁμιχλοῦν.

[Sm. Ps. 64 (65). 13.]

ὄμμα. (1) עַיִן

Pr. 6. 4. μὴ δῷς ὕπνον σοῖς ὄμμασι (1)
7. 2. τοὺς δὲ ἐμοὺς λόγους ὥσπερ κόρας ὀμμάτων (1)
9. 18. A B μηδὲ ἐπιστήσῃς τὸ σὸν ὄμμα [S R ὄνομα] πρὸς αὐτήν –
10. 26. ὥσπερ ὄμφαξ ὀδοῦσι βλαβερὸν καὶ καπνὸς ὄμμασιν (1)
23. 5. ἐὰν ἐπιστήσῃς τὸ σὸν ὄμμα πρὸς αὐτόν (1)
Wi. 11. 18. ἢ δεινοὺς ἀπ' ὀμμάτων σπινθῆρας ἀστραπτοντας
15. 15. οὔτε ὀμμάτων χρῆσις εἰς ὅρασιν
IV Ma. 5. 30. οὐδ' ἂν ἐκκόψῃς μου τὰ ὄ.
6. 26. ἀνέτεινε τὰ ὄ. πρὸς τὸν θεόν
18. 21. καὶ τὰς τῶν ὀ. κόρας ἐπήρωσε

ὀμνύειν, ὀμνύναι. (1) אָמַר (2) שְׁבַע *a.* ni. *b.* hi. (3) תָּפַשׁ

Ge. 21. 23. ὄμοσόν μοι τὸν θεὸν μὴ ἀδικήσειν (2 *a*)
— 24. καὶ εἶπεν Ἀβραάμ, Ἐγὼ ὀμοῦμαι (2 *a*)
— 31. ὅτι ἐκεῖ ὤμοσαν ἀμφότεροι (2 *a*)
22. 16. κατ' ἐμαυτοῦ ὤμοσα (2 *a*)
24. 7. καὶ ὤμοσέ μοι (2 *a*)
— 9. καὶ ὤμοσεν αὐτῷ περὶ τοῦ ῥήματος τ. (2 *a*)
25. 33. ὄμοσόν μοι σήμερον (2 *a*)
— 33. καὶ ὤμοσεν αὐτῷ (2 *a*)
26. 3. τὸν ὅρκον μου ὃν ὤμοσα τῷ Ἀβραάμ (2 *a*)
— 31. ὤμοσεν ἕκαστος [A ὤμοσαν ἄνθρωπος] τῷ πλησίον αὐ. (2 *a*)
31. 53. ὤμοσεν Ἰ. κατὰ τοῦ φόβου τοῦ πατρός (2 *a*)
47. 31. ὄμοσόν μοι καὶ ὤμοσεν αὐτῷ (2 *a*, 2 *a*)
50. 24. ἣν ὤμοσεν ὁ θ. τοῖς πατράσιν ἡμῶν (2 *a*)
Ex. 13. 5. ἣν ὤμοσε τοῖς πατράσι σου δοῦναι (2 *a*)
— 11. ὃν τρόπον ὤμοσε τοῖς πατράσι σου (2 *a*)
22. 8 (7). ὁμεῖται ἢ μὴν μὴ [A *om.*] αὐτὸν πεπονηρεῦσθαι –
32. 13. οἷς ὤμοσας [A *add.* αὐτοῖς] κατὰ σεαυτοῦ (2 *a*)
33. 1. τὴν γῆν ἣν ὤμοσα τῷ Ἀβραάμ (2 *a*)
Le. 6. 3 (5. 22). καὶ ὀμόσῃ ἀδίκως περὶ ἑνός (2 *a*)
— 4 (5. 24). οὗ ὤμοσε περὶ αὐτοῦ ἀδίκως (2 *a*)
19. 12. οὐκ ὀμεῖσθε τῷ ὀνόματί μου ἐπ' ἀδίκῳ (2 *a*)
Nu. 11. 12. ἣν ὤμοσας τοῖς πατράσιν αὐτῶν (2 *a*)
14. 16. ἣν ὤμοσεν αὐτοῖς (2 *a*)
— 23. ἣν ὤμοσα τοῖς πατράσιν αὐτῶν (2 *a*)
30. 3. ἢ ὀμόσῃ ὅρκον (2 *a*)
32. 10. καὶ ὤμοσε λέγων (2 *a*)
— 11. B ἣν ὤμοσε [A R -σα] τῷ Ἀβρ. (2 *a*)
De. 1. 8. ἣν ὤμοσα τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 *a*)
— 34. παροξυνθεὶς ὤμοσε λέγων (2 *a*)
— 35. ἣν ὤμοσα τοῖς πατράσιν αὐ. (2 *a*)
2. 14. καθότι ὤμοσε κ. ὁ θεὸς αὐτοῖς (2 *a*)
4. 21. ὤμοσεν ἵνα μὴ διαβῶ (2 *a*)
— 31. ἣν ὤμοσεν αὐτοῖς (2 *a*)
6. 10. ἣν ὤμοσε τοῖς πατράσι σου (2 *a*)
— 13. B[1] τῷ [AB[2]R ἐπὶ τῷ] ὀνόματι αὐ. ὀμῇ (2 *a*)
— 18. ἣν ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 *a*)
— 23. ἣν ὤμοσε δοῦναι (2 *a*)
7. 8. ὃν ὤμοσε τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 *a*)
— 12. ὃ ὤμοσε τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 *a*)
— 13. ἧς ὤμοσε κ. τοῖς πατράσι σου (2 *a*)
8. 1. ἣν ὤμοσε . . . τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 *a*)
— 18. ἣν ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσι σου (2 *a*)
9. 5. ἣν ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσιν ἡμῶν (2 *a*)
— 27. οἷς ὤμοσας κατὰ σεαυτοῦ –
De. 10. 11. ἣν ὤμοσα τοῖς πατράσιν αὐτῶν (2 *a*)
— 20. B τῷ [A R ἐπὶ τῷ] ὀνόματι αὐτοῦ ὀμῇ (2 *a*)
11. 9, 21. ἧς ὤμοσε κ. τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 *a*)
13. 17 (18): 19. 8. ὃν τρόπον ὤμοσε τοῖς πατράσι σου (2 *a*)
26. 3. ἣν ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσιν ἡμῶν (2 *a*)
— 15. καθὰ ὤμοσας τοῖς πατράσιν ἡμῶν (2 *a*)
28. 9. ὃν τρόπον ὤμοσε τοῖς πατράσι σου (2 *a*)
— 11. ἧς ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσι σου (2 *a*)
29. 13 (12). ὃν τρόπον ὤμοσε τοῖς πατράσι σου (2 *a*)
30. 20. ἧς ὤμοσε κ. τοῖς πατράσι σου (2 *a*)
31. 7. ἣν ὤμοσε κ. τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 *a*)
— 20, 21. ἣν ὤμοσα τοῖς πατράσιν αὐτῶν (2 *a*)
— 23. ἣν ὤμοσε κύριος αὐτοῖς (2 *a*)
32. 40. ὀμοῦμαι τὴν δεξιάν μου –
34. 4. ἣν ὤμοσα Ἀβραάμ (2 *a*)
Jo. 1. 6. ἣν ὤμοσα τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 *a*)
2. 12. καὶ νῦν ὀμόσατέ μοι (2 *a*)
5. 6. ἣν ὤμοσε κ. τοῖς πατράσιν αὐ. (2 *a*)
9. 15. ὤμοσαν αὐτοῖς οἱ ἄρχοντες τῆς συναγ. (2 *a*)
— 18. ὤμοσαν αὐτοῖς . . . κ. τὸν θεὸν Ἰσρ. (2 *a*)
— 19. ὠμόσαμεν αὐτοῖς κ. τὸν θεὸν Ἰσρ. (2 *a*)
— 20. ὃν ὠμόσαμεν αὐτοῖς (2 *a*)
14. 9. ὤμοσε Μ. ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμ. (2 *a*)
21. 41. ἣν ὤμοσε δοῦναι τοῖς πατράσιν αὐ. (2 *a*)
— 42. καθότι ὤμοσε τοῖς πατράσιν αὐ. (2 *a*)
Jd. 2. 1. ἣν ὤμοσα [A -σεν] τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 *a*)
— 15. καθὼς ὤμοσε κύριος αὐτοῖς (2 *a*)
8. 19. A καὶ ὤμοσεν αὐτοῖς –
15. 12. ὀμόσατέ μοι (2 *a*)
— 13. A ὤμοσαν [B εἶπον] αὐτῷ (1)
21. 1. ὤμοσαν [A -εν] ἐν Μ. (2 *a*)
— 7. ὠμόσαμεν ἐν κυρίῳ (2 *a*)
— 18. ὠμόσαμεν ἐν υἱοῖς [A οἱ υἱ.] Ἰσρ. (2 *a*)
I Ki. 3. 14. ὤμοσα τῷ οἴκῳ Ἠ. (2 *a*)
19. 6. καὶ ὤμοσε Σαούλ (2 *a*)
20. 17. προσέθετο ἔτι Ἰων. ὀμόσαι τῷ Δ. (2 *b*)
— 42. ὡς ὠμωμόκαμεν ἡμεῖς ἀμφότεροι (2 *a*)
24. 22. ὄμοσόν μοι ἐν κυρίῳ (2 *a*)
— 23. ὤμοσε Δ. τῷ Σ. (2 *a*)
28. 10. ὤμοσεν αὐτῇ Σ. (2 *a*)
30. 15. ὄμοσον δή μοι κατὰ τοῦ θεοῦ (2 *a*)
II Ki. 3. 9. καθὼς ὤμοσε κύριος τῷ Δ. (2 *a*)
— 35. ὤμοσε Δ. λέγων (2 *a*)
19. 7 (8). ἐν κυρίῳ ὤμοσα (2 *a*)
— 23 (24). ὤμοσεν αὐτῷ ὁ βασ. (2 *a*)
21. 2. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ὤμοσαν αὐτοῖς (2 *a*)
— 17. ὤμοσαν οἱ ἄνδρες Δ. (2 *a*)
III Ki. 1. 13. οὐχὶ σὺ . . . ὤμοσας τῇ δούλῃ σου (2 *a*)
— 17. σὺ ὤμοσας ἐν κ. τῷ θ. σου τῇ δούλῃ σου (2 *a*)
— 29. ὤμοσεν ὁ βασιλεύς (2 *a*)
— 30. καθὼς ὤμοσά σοι (2 *a*)
— 51. ὀμοσάτω μοι σήμερον Σαλ. (2 *a*)
2. 8. ὤμοσα αὐτῷ ἐν κυρίῳ (2 *a*)
— 23. ὤμοσεν ὁ βασ. Σαλ. (2 *a*)
3. 1 (2. 8). ὤμοσα αὐτῷ . . . λέγων (2 *a*)
IV Ki. 25. 24. ὤμοσε Γοδ. αὐτοῖς (2 *a*)
II Ch. 15. 14. ὤμοσαν [A -εν] ἐν κυρίῳ (2 *a*)
— 15. ἐξ ὅλης τῆς ψυχῆς ὤμοσαν (2 *a*)
I Es. 8. 96. καὶ ὤμοσαν
II Es. 10. 5. καὶ ὤμοσαν (2 *b*)
To. 9. 3. A B ὀμώμοκε Ῥ. μὴ ἐξελθεῖν με [S *al.*]
10. 7. ὤμοσε Ῥαγουὴλ ποιῆσαι
Ju. 1. 12. ὤμοσε κατὰ τοῦ θρόνου
8. 9. ὡς ὤμοσεν αὐτοῖς παραδώσειν τὴν πόλιν
Ps. 14 (15). 4. ὁ ὀμνύων τῷ πλησίον αὐτοῦ (2 *a*)
23 (24). 4. οὐκ ὤμοσεν ἐπὶ δόλῳ τῷ πλησίον αὐτοῦ (2 *a*)
62 (63). 11. ἐπαινεθήσεται πᾶς ὁ ὀμνύων ἐν αὐτῷ (2 *a*)
88 (89). 3. ὤμοσα Δαυὶδ τῷ δούλῳ μου (2 *a*)
— 35. ἅπαξ ὤμοσα ἐν τῷ ἁγίῳ μου (2 *a*)
— 49. ἃ ὤμοσας τῷ Δαυὶδ ἐν τῇ ἀληθείᾳ σου (2 *a*)
94 (95). 11. ὡς ὤμοσα ἐν τῇ ὀργῇ μου (2 *a*)
101 (102). 8. οἱ ἐπαινοῦντές με κατ' ἐμοῦ ὤμνυον (2 *a*)
109 (110). 4. ὤμοσε κύριος (2 *a*)
118 (119). 106. A R ὤμοσα [S ὀμώμοκα] καὶ ἔστησα (2 *a*)
131 (132). 2. ὡς ὤμοσε τῷ κυρίῳ (2 *a*)
— 11. ὤμοσε κύριος τῷ Δαυὶδ ἀλήθειαν (2 *a*)
Pr. 24. 32 (30. 9). καὶ ὀμόσω τὸ ὄνομα τοῦ θεοῦ (3)
Ec. 9. 2. ὡς ὁ ὀμνύων καθὼς ὁ τὸν ὅρκον φοβούμενος (2 *a*)
Wi. 14. 29. κακῶς ὀμόσαντες ἀδικηθῆναι οὐ προσδέχονται

Wi. 14. 30. ἀδίκως ὤμοσαν ἐν δόλῳ καταφρονήσαντες ὁσιότητος
— 31. ἡ τῶν ὀμνυμένων δύναμις
Si. 23. 10. ὁ ὀμνύων καὶ ὀνομάζων
— 11. εἰ διὰ κενῆς ὤμοσεν οὐ δικαιωθήσεται
Ho. 4. 15. μὴ ὀμνύετε ζῶντα κύριον (2 a)
Am. 4. 2. ὀμνύει κύριος κατὰ τῶν ἁγίων αὐτοῦ (2 a)
6. 8. ὤμοσε κύριος καθ' ἑαυτοῦ (2 a)
8. 7. ὀμνύει κύριος κατὰ τῆς ὑπερηφανίας Ἰ. (2 a)
— 14. οἱ ὀμνύοντες κατὰ τοῦ ἱλασμοῦ Σ. (2 a)
Mi. 7. 20. καθότι ὤμοσας τοῖς πατράσιν ἡμῶν (2 a)
Ze. 1. 5. B S τοὺς ὀμνύοντας κατὰ τοῦ κ. (2 a)
— 5. τοὺς ὀμνύοντας κατὰ τοῦ βασιλέως (2 a)
Za. 5. 4. τὸν οἶκον τοῦ ὀμνύοντος τῷ ὀνόματί μου ἐπὶ ψεύδει (2 a)
Ma. 3. 5. ἐπὶ τοὺς ὀμνύοντας τῷ ὀνόματί μου ἐπὶ ψεύδει (2 a)
Is. 19. 17. S[1] πᾶς ὃς ἐὰν ὀμόσῃ [A B S[2] ὀνομάσῃ] αὐτὴν αὐτοῖς †
— 18. ὀμνῦντες [S[1] -ύοντες, A S[3] -ύουσαί] τῷ ὀνόματι κυρίου (2 a)
45. 23. A[2] B S[2] κατ' ἐμαυτοῦ ὀμνύω [S[1] -ων] (2 a)
— 24 (23). ὀμεῖται πᾶσα γλῶσσα τὸν θεόν [A S[3] al.] (2 a)
48. 1. οἱ ὀμνύοντες τῷ ὀνόματι κυρίου (2 a)
54. 9. ὤμοσα αὐτῷ ἐν τῷ χρόνῳ ἐκείνῳ (2 a)
62. 8. ὤμοσε κύριος κατὰ τῆς δόξης [B[2] δεξιᾶς] αὐτοῦ (2 a)
65. 16. οἱ ὀμνύοντες [S[3] ὀμοῦντες] ἐπὶ τῆς γῆς ὁμοῦται τὸν θεὸν τὸν ἀληθινόν (2 a, 2 a)
Je. 4. 2. ἀπὸ τοῦ προσώπου μου εὐλαβηθῇ καὶ ὀμόσῃ (2 a)
5. 2. οὐκ ἐν [A ἐπὶ] ψεύδεσιν ὀμνύουσι (2 a)
— 7. ὄμνυον ἐν τοῖς οὐκ οὖσι θεοῖς (2 a)
7. 9. κλέπτετε καὶ ὀμνύετε ἐπ' ἀδίκῳ (2 a)
11. 5. ὃν ὤμοσα τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 a)
12. 16. τοῦ ὀμνύειν τῷ ὀνόματί μου (2 a)
— 16. ἐδίδαξαν τὸν λαόν μου ὀμνύειν τῇ Βάαλ (2 a)
22. 5. κατ' ἐμαυτοῦ ὤμοσα (2 a)
28 (51). 14. ὤμοσε κύριος κατὰ τοῦ βραχίονος αὐτοῦ (2 a)
29 (49). 13. κατ' ἐμαυτοῦ ὤμοσα (2 a)
39 (32). 22. ἣν ὤμοσας τοῖς πατράσιν αὐτῶν (2 a)
45 (38). 16. ὤμοσεν αὐτῷ ὁ βασιλεύς (2 a)
47 (40). 9. ὤμοσεν αὐτοῖς Γοδολίας (2 a)
51 (44). 26. ὤμοσα τῷ ὀνόματί μου τῷ μεγάλῳ (2 a)
Ba. 2. 34. ἣν ὤμοσα τοῖς πατράσιν αὐτῶν
Ez. 6. 9. ὀρώμοκα [A -ώμεχα] τῇ καρδίᾳ αὐτῶν †
16. 8. ὤμοσά [B[2] ὡμολόγησά] σοι (2 a)
20. 6. A ἣν ὤμοσα [B ἡτοίμασα] αὐτοῖς †
Da. LXX. 12. 7. ὤμοσε τὸν ζῶντα εἰς τὸν αἰῶνα θεόν (2 a)
Bel 6. ὀμνύω δέ σοι κ. τὸν θεὸν τῶν θεῶν
Da. TH. 12. 7. ὤμοσεν ἐν τῷ ζῶντι (2 a)
I Ma. 6. 61. ὤμοσεν [S[1] ὡμολόγησεν] αὐτοῖς ὁ βασ.
— 62. ὃν ὤμοσε
7. 15. καὶ ὤμοσεν αὐτοῖς
— 18. τὸν ὅρκον ὃν ὤμοσαν
— 35. ὤμοσε μετὰ θυμοῦ
9. 71. καὶ ὤμοσεν [S[1] -αν] αὐτῷ
II Ma. 13. 23. ὤμοσεν ἐπὶ πᾶσι τοῖς δικαίοις
14. 33. ὤμοσε ταῦτα
[Aq. Ps. 62 (63). 12: 118 (119). 106: Is. 19. 18: 54. 9 *bis*.]
[Sm. II Ki. 21. 2: Ps. 14 (15). 4: 118 (119). 106: Is. 19. 18: 54. 9 *bis*: Je. 49. 13 (29. 14).]
[Th. Ps. 118 (119). 106: Is. 19. 18: 54. 9 *bis*.]
[Al. Dt. 28. 9.]

ὁμογνώμων.

[Sm. Ps. 118 (119). 24.]

ὁμοεθνής.

II Ma. 4. 2. τὸν κηδεμόνα τῶν ὁ.
5. 6. πολεμίων καὶ οὐχ ὁμοεθνῶν τρόπαια καταβάλλεσθαι
12. 5. τὴν γεγονυῖαν εἰς τοὺς ὁ. ὠμότητα
15. 30. ὁ τὴν τῆς ἡλικίας εὔνοιαν εἰς ὁμοεθνεῖς διαφυλάξας
— 31. συγκαλέσας τοὺς ὁ.
III Ma. 4. 12. τοὺς ἐκ τῆς πόλεως ὁμοεθνεῖς κρυβῇ ἐκπορευομένους
7. 14. τὸν ἐμπεσόντα τῶν μεμιασμ. ὁμοεθνῆ

ὁμοζηλία.

IV Ma. 13. 25. ἡ γὰρ ὁ. τῆς καλοκἀγαθίας

ὁμοθυμαδόν. (1) *a.* יַחַד *b.* יְחִדָיו, יַחְדָּו

Ex. 19. 8. ἀπεκρίθη δὲ πᾶς ὁ λαὸς ὁ. (1 b)
Nu. 24. 24. αὐτοὶ ὁ. ἀπολοῦνται †
27. 21. αὐτὸς καὶ οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ὁ. –
I Es. 5. 47. συνήχθησαν ὁ. εἰς τὸ εὐρύχωρον
— 58. πάντες οἱ Λ. ὁ. ἐργοδιῶκται
9. 38. συνήχθη πᾶν τὸ πλῆθος ὁ.
Ju. 4. 12. ἐβόησαν πρὸς τὸν θεὸν Ἰ. ὁ.
7. 29. ἐν μέσῳ τῆς ἐκκλησίας πάντων ὁ.
13. 17. καὶ εἶπαν ὁ.
15. 2. ἐκχυθέντες ὁ. ἔφυγον
— 5. πάντες ὁ. ἐπέπεσον ἐπ' αὐτούς
— 9. εὐλόγησαν αὐτὴν πάντες ὁ.
Jb. 2. 11. παρεγένοντο πρὸς αὐτὸν ὁ. (1 b)
3. 18. ὁ. δὲ οἱ αἰώνιοι [A S δι' αἰῶνος] οὐκ ἤκουσαν φωνὴν φορολόγου (1 a)
6. 2. τὰς δὲ ὀδύνας μου ἆραι ἐν ζυγῷ ὁ. (1 a)
9. 32. ἵνα ἔλθωμεν ὁ. εἰς κρίσιν (1 b)
16. 11 (10). ὁ. δὲ κατέδραμον ἐπ' ἐμοί (1 a)
17. 16. ἢ ὁ. ἐπὶ χώματος καταβησόμεθα (1 a)
19. 12. ὁ. δὲ ἦλθον τὰ πειρατήρια αὐτοῦ ἐπ' ἐμοί (1 a)
21. 26. ὁ. δὲ ἐπὶ γῆς κοιμῶνται (1 a)
24. 4. ὁ. δὲ ἐκρύβησαν πραεῖς γῆς (1 a)
— 17. ὁ. αὐτοῖς τὸ πρωὶ σκιὰ θανάτου [A πρ. διεσκέδασεν] (1 b)
31. 38. εἰ δὲ καὶ οἱ αὔλακες αὐτῆς ἔκλαυσαν ὁ. (1 a)
34. 15. τελευτήσει πᾶσα σὰρξ ὁ. (1 a)
38. 33. τὰ ὑπ' οὐρανὸν ὁ. γινόμενα †
40. 8 (13). κρύψον δὲ εἰς γῆν ὁ. (1 a)
Wi. 10. 20. τήν τε ὑπέρμαχόν σου χεῖρα ᾔνεσαν ὁ.
18. 5. ὁ. ἀπώλεσας ἐν ὕδατι σφοδρῷ
— 12. ὁ. δὲ πάντες ἐν ἑνὶ ὀνόματι θανάτου
Je. 5. 5. ὁ. συνέτριψαν ζυγόν (1 b)
26 (46). 21. ἔφυγον ὁ. (1 b)
La. 2. 8. τεῖχος ὁ. ἠσθένησε (1 b)
III Ma. 4. 4. ὁ. ἐξαπεστέλλοντο
— 6. θρῆνον ἀνθ' ὑμεναίων ὁ. ἐξῆρχον
5. 50. πρηνεῖς ὁ. ῥίψαντες ἑαυτούς
6. 39. ἀπταίστους αὐτοὺς ἐρρύσατο ὁ.
[Aq. Ps. 33 (34). 4: Je. 6. 11.]
[Sm. Ps. 2. 2: 40 (41). 8: Is. 11. 7.]
[Th. Je. 24. 4, 17: Is. 11. 7 (Sw.): 22. 3.]
[Al. I Ki. 11. 7.]

ὁμοιοπαθής.

Wi. 7. 3. ἐπὶ τὴν ὁμοιοπαθῆ κατέπεσον γῆν
IV Ma. 12. 13. τοὺς ὁ. . . . γλωττοτομῆσαι

ὅμοιος. (1) *a.* דְּמוּת *b.* דָּמָה *c.* דְּמָה (2) כְּ׳ (3) כָּמוֹ, כָּמוֹ (4) כֵּן (5) כְּכִנֵּרֶד (6) מִשְׁלָל (7) καὶ τὰ ὅ. αὐτῷ לְמִינֵהוּ, לְמִינָהּ, לְמִינוֹ (8) καὶ τὰ ὅ. αὐτῶν לְמִינָהּ, לְמִינוֹ (9) ὅ. γίγνεσθαι שָׁוָה (10) ὅ. εἶναι *a.* דָּמָה qal. *b.* pi. *c.* hithp. *d.* כֵּן

Ge. 2. 20. οὐχ εὑρέθη βοηθὸς ὅ. αὐτῷ (5)
Ex. 15. 11. τίς ὅ. σοι ἐν θεοῖς (3)
— 11. τίς ὅ. σοι (3)
Le. 11. 14. καὶ τὸν ἰκτῖνα καὶ τὰ ὅ. αὐτῷ [A -ῶν] (7 [8])
— 15. καὶ λάρον καὶ τὰ ὅ. αὐτῷ [A αὐτῶν] (7 [8])
— 16 (R), 14 (B[2]). κόρακα καὶ τὰ ὅ. αὐτῷ (7)
— 16. B καὶ ἱέρακα καὶ τὰ ὅ. αὐτῷ (7)
— 19. ἐρωδιὸν καὶ χαραδριὸν καὶ τὰ ὅ. αὐτῷ [A -ῶν] (7 [8])
— 22. τὸν βροῦχον καὶ τὰ ὅ. αὐτῷ (7)
— 22. καὶ τὸν ἀττάκην καὶ τὰ ὅ. αὐτῷ (7)
— 22. καὶ ὀφιομάχην καὶ τὰ ὅ. αὐτῷ (7)
— 22. καὶ τὴν ἀκρίδα καὶ τὰ ὅ. αὐτῇ (7)
De. 14. 13. τὸν ἰκτῖνα καὶ τὰ ὅ. αὐτῷ (7)
— 14. A[2] πάντα κόρακα καὶ τὰ ὅ. αὐτῷ (7)
— 14 (A), 16 (B). ἱέρακα καὶ τὰ ὅ. αὐτῷ (7)
— 18. χαραδριὸν καὶ τὰ ὅ. αὐτῷ (7)
33. 29. τίς ὁμοιός σοι [A *om.*] λαός (3)
Jd. 8. 18. A ὅμοιός σοι ὅμοιος αὐτῶν [B *al.*] (3, 3)
I Ki. 10. 24. οὐκ ἔστιν ὅμοιος αὐτῷ (3)
II Ki. 9. 8. ἐπὶ τὸν κύνα τὸν τεθνηκότα τὸν ὅ. ἐμοί (3)
III Ki. 3. 12. μετὰ σὲ οὐκ ἀναστήσεται ὅμοιός σοι (3)
— 13. ὡς οὐ γέγονεν ἀνὴρ ὅ. σοι (3)
IV Ki. 3. 7. ὅμοιός μοι ὅμοιός σοι (3, 3)
18. 5. οὐκ ἐγενήθη ὅμοιος αὐτῷ (3)
23. 25. ὅμοιος αὐτῷ οὐκ ἐγενήθη (3)
— 25. μετ' αὐτὸν οὐκ ἀνέστη ὅμοιος αὐτῷ (3)
I Ch. 17. 20. οὐκ ἔστιν ὅμοιός σοι (3)
II Ch. 1. 12. ὡς [A *add.* σὺ] οὐκ ἐγενήθη ὅμοιός σοι (4)
II Ch. 6. 14. οὐκ ἔστιν ὅμοιός σοι θεός (3)
35. 18. οὐκ ἐγένετο φασὲκ ὅμοιον αὐτῷ (3)
— 19. ὅμοιος [A[1] -ως] αὐτῷ οὐκ ἐγενήθη –
— 19. μετ' αὐτὸν οὐκ ἀνέστη ὅμοιος [A *add.* αὐτῷ] –
Ne. 13. 26. οὐκ ἦν βασιλεὺς ὅ. αὐτῷ (3)
To. 7. 2. ὡς ὅ. ὁ νεανίσκος Τωβ.
8. 6. ποιήσωμεν αὐτῷ βοηθὸν ὅ. [A[1] *om.*] αὐτῷ
9. 6. S εἶδον Τ. τὸν ἀνεψιόν μου ὅ. αὐτῷ
Ju. 12. 3. δοῦναι [A *add.* τὰ] ὅμοια αὐτοῖς
Jb. 1. 8. A οὐκ ἔστιν ἄνθρωπος ὅμοιος αὐτῷ [B S ἔστι κατ' αὐτόν] (3)
2. 3. A οὐκ ἔστι κατ' αὐτὸν τῶν ἐπὶ τῆς γῆς ἄνθρωπος ὅμοιος αὐτῷ [B S ἄνθρ. ἄκακος] (3)
34. 29. S[1] καὶ κατὰ ἀνθρώπου ὁμοίου [A B S[2] ὁμοῦ] †
35. 8. ἀνδρὶ τῷ ὅ. σου ἡ ἀσέβειά σου (3)
37. 23. οὐχ εὑρίσκομεν ἄλλον ὅμοιον [A *add.* αὐτῷ] –
41. 24 (25). οὐκ ἔστιν οὐδὲν ἐπὶ τῆς γῆς ὅμοιον αὐτῷ (6)
Ps. 34 (35). 10. τίς ὁμοιός σοι (3)
49 (50). 21. ἔσομαί σοι ὅμοιος (3)
70 (71). 19. τίς ὅμοιός σοι (3)
85 (86). 8. οὐκ ἔστιν ὅμοιός σοι ἐν θεοῖς (3)
88 (89). 8. τίς ὅμοιός σοι (3)
113. 16 (115. 8). S R ὅμοιοι αὐτοῖς [A -ῶν] γένοιντο οἱ ποιοῦντες αὐτά (3)
134 (135). 18. ὅμοιοι αὐτοῖς γένοιντο οἱ ποιοῦντες αὐτά (3)
Pr. 19. 12. βασιλέως ἀπειλὴ ὁμοία βρυγμῷ λέοντος (2)
26. 4. ἵνα μὴ ὅμοιος γένῃ αὐτῷ (9)
— 8. ὅμοιός ἐστι τῷ διδόντι ἄφρονι δόξαν (10 d)
27. 19. S[1] ὥσπερ οὐχ ὅμοια πρόσωπα προσώποις οὕτως οὐδὲ αἱ διάνοιαι [A S[2] καρδίαι] ὅμοιαι [A B S[2] *om.*] τῶν ἀνθρ. †, –
Ca. 2. 9. ὅμοιός ἐστιν ἀδελφιδός μου τῇ δορκάδι (10 a)
7. 1 (2). ῥυθμοὶ μηρῶν σου ὅμοιοι ὁρμίσκοις (3)
Wi. 7. 3. πρώτην φωνὴν τὴν ὁμοίαν πᾶσιν ἴσα [S ἅπασι] κλαίων
11. 14. οὐχ ὅμοια δικαίοις διψήσαντες
15. 16. οὐδεὶς γὰρ αὐτῷ ὅμοιον ἄνθρωπος ἰσχύει πλάσαι θεόν [A S *al.*]
16. 1. δι' ὁμοίων ἐκολάσθησαν ἀξίως
18. 11. ὁμοίᾳ δὲ δίκῃ δοῦλος ἅμα δεσπότῃ κολασθείς
Si. 7. 12. μηδὲ φίλῳ [S[2] ἐπὶ φ.] τὸ ὅ. ποίει
13. 15. πᾶν ζῷον ἀγαπᾷ τὸ ὅ. αὐτῷ
— 16. τῷ ὁ. αὐτοῦ προσκολληθήσεται ἀνήρ
27. 9. πετεινὰ πρὸς τὰ ὅ. αὐτοῖς [A -ῶν] καταλύσει
28. 4. ἐπ' ἄνθρωπον ὅμοιον [S[1] τὸν ὅ.] αὐτῷ οὐκ ἔχει ἔλεος
30. 4. ὅμοιον γὰρ αὐτῷ κατέλιπε μετ' αὐτόν
44. 19. οὐχ εὑρέθη ὅμοιος [A ὅ. αὐτῷ] ἐν τῇ δόξῃ
45. 6. Ἀαρὼν ὕψωσεν ἅγιον ὅμοιον αὐτῷ
48. 4. τίς ὅμοιός σοι καυχᾶσθαι [A S -χήσεται]
Jl. 2. 2. ὅμοιος αὐτῷ [A αὐτοῦ] οὐ γέγονεν (3)
Is. 13. 4. φωνὴ ἐθνῶν πολλῶν ἐπὶ τῶν ὀρέων ὁμοία ἐθνῶν πολλῶν [S *al.*] (1 a)
14. 14. ἔσομαι ὅμοιος τῷ ὑψίστῳ (10 c)
23. 2. τίνι ὅμοιοι γεγόνασιν οἱ ἐνοικοῦντες ἐν τῇ νήσῳ †
62. 7. οὐκ ἔστι γὰρ ὑμῖν ὅ. [S[1] ὁ οἶκος] †
La. 1. 21. ἐγένοντο ὅμοιοι ἐμοί [A *al.*] (3)
Ez. 5. 9. ἃ οὐ ποιήσω ὅμοια αὐτοῖς ἔτι (3)
16. 32. ἡ γυνὴ ἡ [A ὡς γ.] μοιχωμένη ὁμοία σοι –
31. 8. αἱ πίτυες οὐχ ὅμοιαι ταῖς παραφυάσιν αὐ. καὶ ἐλάται οὐκ ἐγένοντο ὅμοιαι [A -οι] τοῖς κλάδοις αὐ. (1 b, 2)
Da. LXX. 1. 19. οὐχ εὑρέθη ἐν τοῖς σοφοῖς ὅμοιος τῷ Δ. (2)
4. 8. οὐκ ἦν ἄλλο ὅμοιον αὐτῷ –
Da. TH. 1. 19. οὐχ εὑρέθησαν . . . ὅμοιοι Δαν. (2)
3. 25 (92). ἡ ὅρασις τοῦ τετάρτου ὁμοία υἱῷ θεοῦ (1 c)
7. 5. θηρίον δεύτερον ὅμοιον ἄρκῳ (1 c)
I Ma. 9. 29. ἀνὴρ ὅ. αὐτῷ οὐκ ἔστιν
III Ma. 5. 20. κατὰ τὸ ὅ. ἑτοίμασον τοὺς ἐλέφαντας
IV Ma. 14. 14. ὁμοίαν τὴν πρὸς τὰ ἐξ αὐτῶν γεννώμ. συμπάθειαν
[Aq. Dt. 4. 32: II Ki. 18. 3: Ps. 49 (50). 21: Je. 10. 6, 7: 49. 19 (29. 20).]
[Sm. Ge. 44. 15: Dt. 4. 32: Jb. 31. 15: Ps. 91 (92). 8: 138 (139). 12: Ec. 3. 19: 9. 2: Je. 49. 19 (29. 20): La. 1. 21 (Sw.): Ez. 18. 14.]
[Th. Dt. 4. 32: Jd. 8. 18 *bis*: Da. 3. 25 (92).]
[Al. Nu. 23. 10: Ps. 147. 9 (20).]
[Quint. Ho. 5. 10.]

ὁμοιότης. (1) מִין

Ge. 1. 11. κατὰ γένος καὶ καθ' ὁμοιότητα –
— 11. A κατὰ γένος εἰς ὁμοιότητα [R *al.*] –
— 12. κατὰ γένος καὶ καθ' ὁμοιότητα (1)
Wi. 14. 19. ἐξεβιάσατο . . . τὴν ὁ. ἐπὶ τὸ κάλλιον
IV Ma. 15. 4. ψυχῆς τε καὶ μορφῆς ὁμοιότητα

ὁμοιοῦν. (1) אוּת ni. (2) דָּמָה *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. (3) מָשַׁל ni. (4) עָרַךְ

Ge. 34. 15. ἐν τούτῳ ὁμοιωθησόμεθα ὑμῖν (1)
— 22. ἐν τούτῳ μόνον ὁμοιωθήσονται ἡμῖν (1)
— 23. ἐν τούτῳ ὁμοιωθῶμεν αὐτοῖς (1)
Ps. 27 (28). 1. ὁμοιωθήσομαι τοῖς καταβαίνουσιν εἰς λάκκον (3)
39 (40). 5. ABS οὐκ ἔστι τίς ὁμοιωθήσεται (4)
48 (49). 12, 20. καὶ ὡμοιώθη αὐτοῖς (2 *b*)
82 (83). 1. ὁ θεός, τίς ὁμοιωθήσεταί σοι †
88 (89). 6. τίς [A S² *om.*] ὁμοιωθήσεται τῷ κ. (2 *a*)
101 (102). 6. ὡμοιώθην πελεκᾶνι ἐρημικῷ (2 *a*)
142 (143). 7. ὁμοιωθήσομαι τοῖς καταβαίνουσιν εἰς λάκκον (3)
143 (144). 4. ἄνθρωπος ματαιότητι ὡμοιώθη (2 *a*)
Ca. 1. 9. τῇ ἵππῳ μου . . . ὡμοίωσά σε (2 *c*)
2. 17. ὁμοιώθητι σὺ . . . τῷ δόρκωνι (2 *a*)
7. 7 (8). ὡμοιώθης [A -θη, S ὁμοιώθητι] τῷ φοίνικι (2 *a*)
8. 14. ὁμοιώθητι τῇ δορκάδι (2 *a*)
Wi. 7. 9. οὐδὲ ὡμοίωσα αὐτῇ [A -ὴν] λίθον ἀτίμητον
13. 14. ζῴῳ τινὶ εὐτελεῖ ὡμοίωσεν [S ἀφωμ.] αὐτό
Si. 13. 1. ὁ κοινωνῶν ὑπερηφάνῳ ὁμοιωθήσεται αὐτῷ
25. 11. ὁ κρατῶν αὐτοῦ τίνι ὁμοιωθήσεται
27. 24. καὶ οὐχ ὡμοίωσα αὐτῷ [A -οῖς]
36. 17 (14). ὃν πρωτογόνῳ [S² -τόκῳ] ὡμοίωσας
38. 27. καρδίαν αὐτοῦ δώσει εἰς ὁμοιῶσαι ζωγραφίαν
45. 2. ὡμοίωσεν αὐτὸν δόξῃ [A S ἐν δ.] ἁγίων
Ho. 4. 5. νυκτὶ ὡμοίωσα τὴν μητέρα σου (2 *a*)
— 6. ὡμοιώθη [A νυκτὶ ὡμ.] ὁ λαός μου (2 *b*)
12. 10 (11). καὶ ἐν χερσὶ προφητῶν ὡμοιώθην (2 *c*)
Ze. 1. 11. ὅτι ὡμοιώθη πᾶς ὁ λαὸς X. (2 *b*)
Is. 1. 9. ὡς Γόμορρα ἂν ὡμοιώθημεν (2 *a*)
40. 18. τίνι ὡμοιώσατε κύριον καὶ τίνι ὁμοιώματι ὡμοιώσατε αὐτόν (2 *c*, 4)
— 25: 46. 5. τίνι με ὡμοιώσατε (2 *c*)
La. 2. 13. τί ὁμοιώσω σοι (2 *c*)
Ep. Je. 39. τοῖς ἀπὸ τοῦ ὄρους λίθοις ὡμοιωμένοι εἰσί
Ez. 31. 2. τίνι ὡμοίωσας σεαυτὸν ἐν τῷ ὕψει σου (2 *a*)
— 8. πᾶν ξύλον . . . οὐχ ὡμοιώθη αὐτῷ (2 *a*)
— 18. τίνι ὡμοιώθης (2 *a*)
32. 2. λέοντι ἐθνῶν ὡμοιώθης σύ (2 *b*)
I Ma. 3. 4. ὡμοιώθη λέοντι
[Sm. Ex. 15. 11 : Ps. 27 (28). 1.: 130 (131). 2.]
[Th. Ps. 143 (144). 4 : Ez. 31. 8.]

ὁμοιόψηφος.

II Ma. 14. 20. A φανείσης ὁμοιοψήφου [R ὁμοψ.] γνώμης

ὁμοίωμα. (1) *a.* דְּמוּת *b.* דָּמָה (2) מַרְאֶה (3) עַיִן (4) צֶלֶם (5) תֹּאַר (6) תַּבְנִית (7) תְּמוּנָה

Ex. 20. 4. οὐδὲ παντὸς ὁμοίωμα (7)
De. 4. 12. ὁμοίωμα οὐκ εἴδετε (7)
— 15. οὐκ εἴδετε ὁμοίωμα (7)
— 16. γλυπτὸν ὁ. . . . ὁμοίωμα ἀρσενικοῦ (7, 6)
— 17. ὁμοίωμα παντὸς κτήνους (6)
— 17. ὁμοίωμα παντὸς ὀρνέου πτερωτοῦ (6)
— 18. ὁμοίωμα παντὸς ἑρπετοῦ (6)
— 18. ὁμοίωμα παντὸς ἰχθύος (6)
— 23. καὶ ποιήσητε . . . γλυπτὸν ὁ. πάντων (7)
— 25. καὶ ποιήσητε γλυπτὸν ὁ. παντός (7)
5. 8. οὐ ποιήσεις . . . παντὸς ὁμοίωμα (7)
Jo. 22. 28. ἴδετε ὁμοίωμα τοῦ θυσιαστηρίου κ. (6)
Jd. 8. 18. εἰς ὁμοίωμα υἱοῦ βασιλέως [A *al.*] (5)
I Ki. 6. 5. A ποιήσετε ὁμοίωμα τῶν ἑδρῶν ὑμῶν [B *al.*] (4)
— 5. ὁμοίωμα τῶν μυῶν ὑμῶν (4)
IV Ki. 16. 10. ἀπέστειλεν . . . τὸ ὁ. τοῦ θυσιαστηρίου (1 *a*)
II Ch. 4. 3. ὁμοίωμα μόσχων ὑποκάτω αὐτῆς (1 *a*)
Ps. 105 (106). 20. ἐν ὁμοιώματι μόσχου ἔσθοντος χόρτον (6)
143 (144). 12. περικεκοσμημέναι ὡς ὁμοίωμα ναοῦ (6)
Ca. 1. 11. ὁμοιώματα [S¹ -μα] χρυσίου ποιήσομέν σοι †
Si. 31 (34). 3. κατέναντι προσώπου ὁμοίωμα προσώπου
38. 28. κατέναντι ὁμοιώματος σκεύους οἱ ὀφθ. αὐ.
Is. 40. 18. τίνι ὁμοιώματι ὡμοιώσατε αὐτόν (1 *a*)
— 19. ὁμοίωμα κατεσκεύασεν αὐτόν †
Ez. 1. 4. A ὡς ὁμοίωμα [B ὅρασις] ἠλέκτρου (3)
— 5. ὡς ὁμοίωμα τεσσάρων ζῴων . . . ὁμοίωμα ἀνθρώπου ἐπ' αὐτοῖς (1 *a*, 1 *a*)
— 16. A² B ὁμοίωμα ἓν τοῖς τέσσαρσι (1 *a*)
— 22. ὁμοίωμα ὑπὲρ κεφαλῆς αὐ. τῶν ζῴων (1 *a*)
— 26. ὁμοίωμα θρόνου ἐπ' αὐτοῦ καὶ ἐπὶ τοῦ ὁ. τοῦ θρόνου ὁμοίωμα (1 *a ter*)
2. 1 (1. 28). αὕτη ἡ ὅρασις ὁμοιώματος [A -μα τῆς] δόξης κυρίου (1 *a*)
8. 2. ἰδοὺ ὁμοίωμα ἀνδρός (1 *a* + 2)
— 3. ἐξέτεινεν ὁμοίωμα χειρός (6)
10. 1. ὁμοίωμα θρόνου ἐπ' αὐτῶν (2 + 1 *a*)
— 8. ἴδον τὰ Χερουβὶμ ὁμοίωμα χειρῶν ἀνθρώπων (6)
— 10. ἡ ὄψις αὐτῶν ὁμοίωμα ἓν τοῖς τέσσαρσιν (1 *a*)
— 21. ὁμοίωμα χειρῶν ἀνθρώπου ὑποκάτωθεν τῶν πτερύγων αὐτῶν (1 *a*)
— 22. A ὁμοίωμα [B ὁμοίωσις] τῶν προσώπων αὐτῶν (1 *a*)
23. 15. ὁμοίωμα υἱῶν Χαλδαίων (1 *a*)
Da. LXX. 3. 25 (92). ἡ ὅρασις τοῦ τετάρτου ὁμοίωμα ἀγγέλου θεοῦ (1 *b*)
I Ma. 3. 48. ἐξηρεύνων τὰ ἔθνη τὰ ὁ. τῶν εἰδώλων αὐ.
[Aq. Ge. 5. 1 : Is. 40. 18.]
[Sm. Is. 40. 18 : Ez. 10. 1 : 28. 12.]
[Th. Is. 40. 18 : Ez. 10. 1.]
[Al. Le. 13. 10 : Ez. 1. 4.]

ὁμοίως. (1) כֵּן

I Ch. 28. 16. ἔδωκεν αὐτῷ ὁ. τὸν σταθμόν †
II Ch. 35. 19. A¹ ὁ. [A²B -ος] αὐτῷ οὐκ ἐγενήθη –
I Es. 5. 69. ὁ. γὰρ ὑμῖν ἀκούομεν
6. 30. ὁ. δὲ καὶ πυρὸν καὶ ἅλα
8. 20. ὁ. δὲ καὶ ἕως πυροῦ κόρων ἑκατόν
To. 5. 14. S τὰ δέοντά σοι ὁ. [A B ὡς καὶ] τῷ υἱῷ μου
12. 3. σὲ ὁ. [S *al.*] ἐθεράπευσε
Es. 1. 18. τολμήσουσιν ὁ. ἀτιμάσαι τοὺς ἄνδρας αὐ. †
Jb. 1. 16. τοὺς ποιμένας κατέφαγεν ὁ. –
Ps. 67 (68). 6. ὁ. τοὺς παραπικραίνοντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν τάφοις †
Pr. 1. 27. ἡ δὲ καταστροφὴ ὁ. καταιγίδι παρῇ (1)
4. 18. αἱ δὲ ὁδοὶ τῶν δικαίων ὁ. φωτὶ λάμπουσι (1)
19. 29. καὶ τιμωρίαι ὁ. ἄφροσιν †
Wi. 6. 7. ὁ. τε προνοεῖ περὶ πάντων
11. 11. καὶ ἀπόντες δὲ καὶ παρόντες ὁ. ἐτύχοντο
15. 7. τά τε ἐναντία πάνθ' ὁμοίως
18. 9. τῶν αὐτῶν ὁ. καὶ ἀγαθῶν καὶ κινδύνων
Si. 24. 11. ἐν πόλει ἠγαπημένῃ ὁ. με κατέπαυσε
Ez. 14. 10. κατὰ τὸ ἀδίκημα ὁ. τῷ προφήτῃ ἔσται –
45. 11. ἡ χοῖνιξ ὁ. μία ἔσται τοῦ λαμβάνειν †
II Ma. 10. 36. ἕτεροι δὲ ὁ. προσαναβάντες
IV Ma. 5. 21. ὡς ὁ. ὁ νόμος ὑπερηφανεῖται
11. 15. ἀποθνήσκειν ὀφείλομεν ὁ.
13. 27. A ἀλλ' ὁ. [S R ὅμως] καίπερ
[Aq. Ps. 28 (29). 6 *bis* : 57 (58). 9 : 77 (78). 69 : 87 (88). 6 : 140 (141). 7 : Is. 30. 22 : Je. 52. 22 : Ho. 8. 12.]
[Sm. Je. 9. 26 : 13. 28 : Ec. 2. 14 : Je. 52. 22.]
[Sext. Ps. 28 (29). 6.]

ὁμοίωσις. (1) *a.* דְּמוּת *b.* דָּמָה (2) תַּבְנִית (3) תְּכוּנִית

Ge. 1. 26. κατ' εἰκόνα ἡμετέραν καὶ καθ' ὁμοίωσιν (1 *a*)
Ps. 57 (58). 4. θυμὸς αὐτοῖς κατὰ τὴν ὁ. τοῦ ὄφεως (1 *a*)
Ez. 1. 10. ὁμοίωσις [A ἡ ὁ.] τῶν προσώπων αὐτῶν πρόσωπον ἀνθρώπου (1 *a*)
8. 10. A πᾶσα ὁ. ἑρπετοῦ καὶ κτήνους (2)
10. 22. ὁμοίωσις [A -ωμα] τῶν προσώπων αὐτῶν (1 *a*)
28. 12. σὺ [A *add.* εἶ] ἀποσφράγισμα ὁμοιώσεως (3)
Da. LXX. 7. 5. ἄλλο θηρίον ὁμοίωσιν ἔχον ἄρκου (1 *b*)
10. 16. ὡς ὁμοίωσις χειρὸς ἀνθρώπου (1 *a*)
Da. TH. 10. 16. ὡς ὁμοίωσις υἱοῦ ἀνθρώπου (1 *a*)
[Aq. Ge. 1. 26 : Ps. 16 (17). 15 : Ca. 3. 6 : Ez. 1. 13.]
[Sm. Ge. 1. 26 : 5. 1 : Ps. 16 (17). 15 : Ez. 1. 5.]
[Th. Ge. 1. 26 : Ez. 8. 10.]

ὁμολογεῖν. (1) יָדָה hi. (2) נָדַר (3) שָׁבַע ni.

I Es. 4. 60. καὶ σοὶ ὁμολογῶ
5. 61. A ὁμολογοῦντες [B εὐλογ.] τῷ κυρίῳ
Es. 1. 1. ὁμολογήσαντες ἀπήχθησαν
Jb. 40. 9 (14). ὁμολογήσω ὅτι δύναται ἡ δεξιά σου σῶσαι (1)
Wi. 18. 13. ὡμολόγησαν θεοῦ υἱὸν λαὸν εἶναι
Si. 4. 26. μὴ αἰσχυνθῇς ὁμολογῆσαι ἐφ' ἁμαρτίαις σου
Je. 51 (44). 25. ἃς ὡμολογήκαμεν [A S² -σαμεν, S¹ ὁμολογήσωμεν] (2)
Ez. 16. 8. B² καὶ ὡμολόγησά [A B¹ R ὤμοσά] σοι (3)
Da. TH. Su. 14. ὡμολόγησαν τὴν ἐπιθυμίαν αὐ.
I Ma. 6. 61. S¹ ὡμολόγησεν [A S² R ὤμοσεν] αὐτοῖς ὁ βασ.
II Ma. 6. 6. οὔτε ἁπλῶς Ἰουδαῖον ὁμολογεῖν εἶναι
IV Ma. 6. 34. ὁμολογεῖν ἡμᾶς τὸ κράτος εἶναι τοῦ λογισμοῦ
9. 16. ὁμολόγησον φαγεῖν
13. 5. τὴν τῆς εὐλογιστίας παθοκράτειαν ὁμολογεῖν
[Aq., Th. Pr. 28. 13.]
[Sm. Ps. 98 (99). 3.]

ὁμολογία. (1) נְדָבָה (2) נֶדֶר

Le. 22. 18. κατὰ πᾶσαν ὁ. αὐτῶν (2)
De. 12. 6. οἴσετε . . . τὰς ὁ. ὑμῶν (1)
— 17. φαγεῖν . . . τὰς ὁ. ὑμῶν (1)
I Es. 9. 8. δότε ὁμολογίαν δόξαν τῷ κυρίῳ
Am. 4. 5. καὶ ἐπεκαλέσαντο ὁμολογίας (1)
Je. 51 (44). 25. ποιήσομεν τὰς ὁ. ἡμῶν . . . ἐνεμείνατε ταῖς ὁ. [B² τὰς ὁ.] ὑμῶν (2, 2)
Ez. 46. 12. ἐὰν δὲ ποιήσῃ ὁ ἀφηγούμ. ὁμολογίαν (1)

ὁμόλογος.

Da. LXX. Su. 60. ὁμόλογους αὐτοὺς κατέστησεν ἀμφοτέρους ψευδομάρτυρας

ὁμολογουμένως.

IV Ma. 6. 31. ὁ. οὖν δεσπότης ἐστὶ τῶν παθῶν
7. 16. ὁ. ἡγεμὼν ἐστι τῶν παθῶν
16. 1. ὁ. αὐτοκράτωρ ἐστὶ τῶν παθῶν ὁ εὐσεβὴς λογισμός

ὁμολόγως. (1) נְדָבָה

Ho. 14. 5. ἀγαπήσω αὐτοὺς ὁμολόγως (1)

ὁμομήτριος. (1) בֶּן־אִמּוֹ

Ge. 43. 16. τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ τὸν ὁ. –
— 29. τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ τὸν ὁ. (1)
[Sm. Ps. 34 (35). 14.]
[Al. Le. 18. 11.]

ὁμονοεῖν. (1) דָּבַק

Le. 20. 5. καὶ πάντας τοὺς ὁμονοοῦντας αὐτῷ †
Es. 4. 17. εἰς συντέλειαν . . . τῶν ὁμονοούντων αὐτῷ
Da. LXX. 2. 43. οὐκ ἔσονται δὲ ὁμονοοῦντες (1)
[Aq. Dt. 1. 41.]

ὁμόνοια. (1) רֶגֶשׁ (2) ἐν ὁμονοίᾳ לֵב

Ps. 54 (55). 14. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ θεοῦ ἐπορεύθημεν ἐν ὁμονοίᾳ (1)
82 (83). 5. ἐβουλεύσαντο ἐν ὁμονοίᾳ ἐπὶ τὸ αὐτό (2)
Wi. 10. 5. ἐν ὁμονοίᾳ πονηρίας ἐθνῶν συγχυθέντων
18. 9. τὸν τῆς θειότητος [S ὁσιότητος] νόμον ἐν ὁμονοίᾳ διέθεντο
Si. 25. 1. ὁμόνοια ἀδελφῶν καὶ φιλία τῶν πλησίον
IV Ma. 3. 21. πρὸς τὴν κοινὴν νεωτερίσαντες ὁ.
13. 23. ἔσχον τὴν πρὸς ἀλλήλους ὁ.
— 25. ἐπέτεινεν αὐτῶν τὴν πρὸς ἀλλήλους ὁ.
[Sm. Da. 11. 6 (Sw.).]

ὁμοπάτριος. (1) מוֹלֶדֶת אָבִיךָ

Le. 18. 11. ὁμοπατρία ἀδελφή σού ἐστιν (1)

ὁμορεῖν, ὁμοροεῖν (A) (-ορρ.). (1) קָרוֹב (2) שָׁכֵן

I Ch. 12. 40. καὶ οἱ ὁμοροῦντες αὐτοῖς (1)
Je. 27 (50). 40. κατέστρεψεν ὁ θεὸς Σόδομα καὶ Γόμορρα καὶ τὰς ὁμορούσας αὐταῖς (2)
Ez. 16. 26. ἐξεπόρνευσας ἐπὶ τοὺς υἱοὺς Αἰγύπτου τοὺς ὁμοροῦντάς σοι (2)
[Sm. Za. 9. 2.]

ὅμορος. (1) אֲשֶׁר עַל־יַד (2) מְגֻרָשׁ

Nu. 35. 5. καὶ τὰ ὅ. τῶν πόλεων (2)
II Ch. 21. 16. ἐπήγειρε . . . τοὺς ὁ. τῶν Αἰθιόπων (1)
[Sm. Ez. 27. 4.]

ὁμόσπονδος.
III Ma. 3. 7. *μήτε ταῖς δυνάμεσιν ὁμοσπόνδους τοὺς ἀνθρ. γενέσθαι*

ὁμότροπος.
[Sm. Ps. 54 (55). 14.]

ὁμοῦ. (1) יַחַד (2) כְּאֶחָד
II Es. 2. 64. A R *πᾶσα δὲ ἡ ἐκκλησία ὁ.* [B *om.*](2)
Jb. 34. 29. *καὶ κατὰ ἔθνους καὶ κατὰ ἀνθρώπου ὁμοῦ* [S¹ *ὁμοίου*] (1)
Wi. 7. 11. *ἦλθε δέ μοι τὰ ἀγαθὰ ὁ. πάντα μετ' αὐτῆς*
Si. 22. 23. *ἵνα ἐν τοῖς ἀγαθοῖς αὐτοῦ ὁμοῦ πλησθῇς* [A *αὐ. εὐφρανθῇς σύ,* S *αὐ. εὐφρανθῇς*]
II Ma. 8. 14. *ὁ. δὲ τὸν κύριον ἠξίουν*
10. 15. *ὁ. δὲ τούτῳ καὶ οἱ Ἰουδαῖοι*
11. 7. *ὁ. δὲ καὶ προθύμως ἐξώρμησαν*
— 9. *ὁ. δὲ πάντες εὐλόγησαν*
13. 12. *πάντων δὲ τὸ αὐτὸ ποιησάντων ὁ.*
III Ma. 3. 26. *τούτων γὰρ ὁ. κολασθέντων*
4. 13. *τούτοις ὁ. τὸν αὐτὸν τρόπον . . . ποιῆσαι*
5. 5. *ἔννυχον δόξαντες ὁ. λήψεσθαι τὸ φύλον πέρας τῆς ὀλεθρίας*
— 21. *πάντες μετὰ χαρᾶς οἱ παρόντες ὁ. συναινέσαντες*
IV Ma. 8. 29. *πάντες διὰ μιᾶς φωνῆς ὁ.*
13. 13. *ἀλλήλους ὁ. πάντες ἐφορῶντες*
15. 12. *καθ' ἕνα παῖδα καὶ ὁ. πάντας*
[Aq. Dt. 15. 22 : 22. 10 : I Ki. 17. 10 : 31. 6 : II Ki. 2. 13, 16 : Ps. 54 (55). 15 : Is. 11. 7 : 41. 19 : 60. 13.]
[Sm. Ge. 3. 23 (22) : II Ki. 2. 13, 16 : Jb. 2. 11 : 3. 18 : 24. 4 : Ps. 36 (37). 38 : 47 (48). 5 : 48 (49). 3, 11 : 61 (62). 10 : 73 (74). 6 : 121 (122). 3 : 140 (141). 10 : Is. 52. 9 : 60. 13 : Je. 6. 11 : 10. 8 : 46 (26). 12.]
[Th. Is. 11. 7.]
[Al. I Ki. 11. 11.]
[Quint. Ps. 32 (33). 15 (P.).]

ὁμόφυλος.
II Ma. 4. 10. *τοὺς ὁ. μετῆγε*
III Ma. 3. 21. *πρὸς τοὺς ὁ. αὐ. ἀμνησικακίαν ἅπασι γνωρίζοντες*

ὁμόψηφος.
II Ma. 14. 20. R *φανείσης ὁμοψήφου* [A *ὁμοιοψ.*] *γνώμης*

ὁμόψυχος.
IV Ma. 14. 20. *τὴν Ἁβρ. ὁμόψυχον τῶν νεανιῶν μητέρα*

ὀμφακίζειν.
Is. 18. 5. *ὄμφαξ ἀνθήσει ἄνθος ὀμφακίζουσα* †

ὀμφαλός. (1) טַבּוּר (2) *a.* שֹׁר *b.* שָׁרִיר
Jd. 9. 37. *καταβαίνων . . . ἀπὸ τοῦ ἐχόμενα ὀ.* [A *τοῦ ὀ.*] *τῆς γῆς* (1)
Jb. 40. 11 (16). *ἡ δὲ δύναμις αὐτοῦ ἐπ' ὀμφαλοῦ γαστρός* (2 *b*)
Ca. 7. 2 (3). *ὀμφαλός σου κρατὴρ τορευτός* (2 *a*)
Ez. 38. 12. *κατοικοῦντας ἐπὶ τὸν ὀ. τῆς γῆς* (1)
[Al. Ez. 16. 4.]

ὄμφαξ. (1) בֹּכֶר (2) *ὄ. πρὸ ὥρας* נֶפֶן בִּכֹּרוֹ (3) חֹמֶץ
Jb. 15. 33. *τρυγηθείη δὲ ὡς ὄμφαξ πρὸ ὥρας* (2)
Pr. 10. 26. *ὥσπερ ὄμφαξ ὀδοῦσι βλαβερόν* (3)
Is. 18. 5. *ὄμφαξ ἀνθήσει ἄνθος ὀμφακίζουσα* (1)
Je. 38 (31). 29. *οἱ πατέρες ἔφαγον ὄμφακα* (1)
— 30. *τοῦ φαγόντος τὸν ὄ. αἱμωδιάσουσιν οἱ ὀδόντες αὐτοῦ* (1)
Ez. 18. 2. *οἱ πατέρες ἔφαγον ὄμφακα* (1)
— 4. A *τοῦ φαγόντος τὸν ὄ. αἱμωδιάσουσιν οἱ ὀδόντες αὐτοῦ* –
[Sm. Je. 31 (38). 30.]

ὅμως.
Wi. 13. 6. *ἀλλ' ὅμως ἐπὶ τούτοις ἔστι μέμψις ὀλίγη*
II Ma. 2. 27. *ὅ. διὰ τὴν τῶν πολλῶν εὐχαριστίαν*
14. 18. *ὅ. δὲ ἀκούων ὁ N.*
15. 5. *ὅ. οὐ κατέσχεν ἐπιτελέσαι*
IV Ma. 13. 27. S R *ἀλλ' ὅ.* [A *ὁμοίως*] *καίπερ*
15. 11. S R *ἀλλ' ὅ. καίπερ τοσούτων ὄντων* [A *al.*]
[Al. I Ki. 21. 5 (6) : Ps. 61 (62). 5.]

ὄναγρος. (1) עֲרָד (2) פֶּרֶא
Ps. 103 (104). 11. *προσδέξονται ὄναγροι εἰς δίψαν αὐτῶν* (2)
Si. 13. 19. *κυνήγια λεόντων ὄναγροι ἐν ἐρήμῳ*
Je. 14. 6. S *ὄναγροι* [A B *ὄνοι ἄγριοι*] *ἔστησαν ἐπὶ νάπας* (2)
Da. Th. 5. 21. *μετὰ ὀνάγρων ἡ κατοικία αὐ.* (1)
[Aq., Th. Ho. 8. 9.]
[Sm. Jb. 6. 5 : Ps. 103 (104). 11 : Ho. 8. 9.]
[Quint. Ps. 79 (80). 14 : Ho. 8. 9.]

ὀνάς.
[Aq. Nu. 22. 23 : Za. 9. 9.]
[Sm. Jd. 5. 10 : Za. 9. 9.]
[Al. Ge. 45. 23.]

ὀνειδίζειν. (1) חָפֵר *a.* qal. *b.* hi. (2) חָרַף *a.* qal. *b.* pi. (3) יָכַח hi. (4) כָּלַם hi. (5) נָדַף ni.
Jd. 5. 18. Z. *λαὸς ὠνείδισε* [A *ὀνειδίσας*] *ψυχήν* (2 *b*)
8. 15. *ἐν οἷς* [A *δι' οὓς*] *ὠνειδίσατέ με* (2 *b*)
I Ki. 17. 10. *ὠνείδισα τὴν παράταξιν Ἰσρ.* (2 *b*)
— 25. A *ὠνείδισεν τὸν Ἰσρ.* (2 *b*)
— 26. A *ὠνείδισεν παράταξιν θεοῦ ζῶντος* (2 *b*)
— 36. *ὃς ὠνείδισε παράταξιν θεοῦ ζῶντος* (2 *b*)
— 45. *ἣν ὠνείδισας σήμερον* (2 *b*)
II Ki. 21. 21. *ὠνείδισε τὸν Ἰσρ.* (2 *b*)
23. 9. *ἐν τῷ ὀνειδίσαι αὐτὸν ἐν τοῖς ἀλλοφ.* (2 *b*)
IV Ki. 19. 4, 16. *ὀνειδίζειν θεὸν ζῶντα* (2 *b*)
— 22. *τίνα ὠνείδισας* (2 *b*)
— 23. *ὠνείδισας κύριον* (2 *b*)
I Ch. 20. 7. *ὠνείδισε τὸν Ἰσρ.* (2 *b*)
II Ch. 32. 17. *ὀνειδίζειν τὸν κ. θεὸν Ἰσρ.* (2 *b*)
Ne. 6. 13. *ὅπως ὀνειδίσωσί με* (2 *b*)
To. 3. 7. *ταύτην ὀνειδισθῆναι ὑπὸ* [A *ἀπὸ*] *παιδισκῶν πατρὸς αὐ.* [S *al.*]
— 10. S *μή ποτε ὀνειδίσωσιν τὸν πατέρα μου* [A B *al.*]
Ps. 34 (35). 7. *μάτην ὠνείδισαν τὴν ψυχήν μου* (1 *a*)
41 (42). 10. *ὠνείδισάν* [A S² *-ιζόν*] *με οἱ θλίβοντές με* [A S² *ἐχθροί μου*] (2 *b*)
43 (44). 16. *ἀπὸ φωνῆς ὀνειδίζοντος* (2 *b*)
54 (55). 12. *εἰ ἐχθρὸς ὠνείδισέ με* (2 *b*)
68 (69). 9. *οἱ ὀνειδισμοὶ τῶν ὀνειδιζόντων σε* (2 *a*)
73 (74). 10. *ἕως πότε, ὁ θεός, ὀνειδιεῖ ὁ ἐχθρός* (2 *b*)
— 18. *ἐχθρὸς ὠνείδισε τὸν κύριον* (2 *b*)
78 (79). 12. *ὃν ὠνείδισάν σε* (2 *b*)
88 (89). 51. *οὗ ὠνείδισαν οἱ ἐχθροί σου, κύριε, οὗ ὠνείδισαν τὸ ἀντάλλαγμα τοῦ χριστοῦ σου* (2 *b*, 2 *b*)
101 (102). 8. *ὠνειδιζόν με οἱ ἐχθροί μου* (2 *b*)
118 (119). 42. A S¹ *τοῖς ὀνειδίζουσί με* [S² R *μοι*] *λόγον* (2 *a*)
Pr. 20. 4. *ὀνειδιζόμενος ὀκνηρὸς οὐκ αἰσχύνεται* †
25. 8. *ἡνίκα ἂν σε ὀνειδίσῃ ὁ σὸς φίλος* (4)
— 9. *μή σε ὀνειδίσῃ μὲν ὁ φίλος* †
Wi. 2. 12. *ὀνειδίζει ἡμῖν ἁμαρτήματα νόμου*
Si. 8. 5. *μὴ ὀνείδιζε ἄνθρωπον ἀποστρέφοντα ἀπὸ ἁμαρτίας*
18. 18. *μωρὸς ἀχαρίστως ὀνειδιεῖ*
20. 15. *ὀλίγα δώσει καὶ πολλὰ ὀνειδίσει*
22. 20. *ὁ ὀνειδίζων φίλον διαλύσει φιλίαν*
41. 7. *δι' αὐτὸν ὀνειδισθήσονται*
— 22. *μετὰ τὸ δοῦναι μὴ ὀνείδιζε*
43. 17. B S *φωνὴ βροντῆς αὐ. ὠνείδισεν* [A R *ὠδίνησε*] *γῆν*
Ze. 2. 8. *ἐν οἷς ὠνείδιζον τὸν λαόν μου* (2 *b*)
— 10. *διότι ὠνείδισαν* (2 *b*)
Is. 27. 8. *μαχόμενος καὶ ὀνειδίζων ἐξαποστελεῖ αὐτούς* †
37. 4. *ὁ. θεὸν ζῶντα καὶ ὁ. λόγους* (2 *b*, 3)
— 6. *οὓς ὠνείδισάν με οἱ πρέσβεις βασιλέως Ἀσσυρίων* (5)
— 17. *οὓς ἀπέστειλεν ὁ. θεὸν ζῶντα* (2 *b*)
— 23. *τίνα ὠνείδισας* (2 *b*)
— 24. *δι' ἀγγέλων ὠνείδισας κύριον* (2 *b*)
43. 12. *ὠνείδισα καὶ οὐκ ἦν ἐν ὑμῖν ἀλλότριος* †
54. 4. *μηδὲ ἐντραπῇς ὅτι ὠνείδισθης* (1 *b*)
65. 7. *ἐπὶ τῶν βουνῶν ὠνείδισάν με* (2 *b*)
Je. 15. 9. *κατησχύνθη καὶ ὠνείδισθη* (1 *a*)
Ep. Je. 43. *τὴν πλησίον ὀνειδίζει*
II Ma. 7. 24. *τὴν ὀνειδίζουσαν ὑφορώμενος φωνήν*
III Ma. 7. 8. B *μήτε ὀνειδίζειν περὶ τῶν γεγενημ. παρὰ λόγον* [A *al.*]
[Aq. Pr. 14. 31 : 17. 5.]
[Sm. Jb. 16. 10 (P.) : Ps. 41 (42). 11 : 43 (44). 17 : 88 (89). 52 : Pr. 14. 31 : 17. 5 : 27. 11.]
[Th. Jd. 5. 18 : Ps. 88 (89). 52 : Pr. 17. 5.]

ὀνείδισμα. (1) דִּבָּה
Ez. 36. 3. *καὶ εἰς ὀνείδισμα ἔθνεσιν* (1)

ὀνειδισμός. (1) בֹּזָה (2) גִּדּוּף (3) חֶרְפָּה (4) כְּלִמָּה (5) תּוֹכֵחָה
Jo. 5. 8 (9). *ἀφεῖλον τὸν ὀ. Αἰγύπτου* (3)
I Ki. 17. 26. A *ἀφελεῖ ὀνειδισμὸν ἀπὸ Ἰσρ.* (3)
25. 39. *ἔκρινε τὴν κρίσιν τοῦ ὀ. μου* (3)
Ne. 1. 3. *ἐν πονηρίᾳ μεγ. καὶ ἐν ὀνειδισμῷ* (3)
4. 4 (3. 36). *ἐπίστρεψον ὀνειδισμὸν αὐ. εἰς κεφ. αὐ.* (3)
— 4 (3. 36). S² *δὸς αὐτοὺς εἰς ὀνειδισμόν* [A B S¹ *μυκτηρισμόν*] (1)
5. 9. *οὐχ οὕτως . . . ἀπελεύσεσθε* [S *ἐπ.*] *ἀπὸ ὀνειδισμοῦ τῶν ἐχθρῶν ἡμῶν* (3)
To. 3. 4. *ἔδωκας ἡμᾶς εἰς . . . παραβολὴν ὀνειδισμοῦ* [S *al.*]
— 6. *ὁ. ψευδεῖς ἤκουσα*
— 6. S *καὶ μὴ ἀκούειν ὀνειδισμούς*
— 7. S *αὐτὴν ἀκοῦσαι ὀνειδισμοὺς ὑπὸ μιᾶς τῶν παιδισκῶν* [A B *al.*]
— 10. S *ὅπως . . . μηκέτι ὀνειδισμοὺς ἀκούσω*
— 13. *μὴ ἀκοῦσαί με μηκέτι ὀνειδισμόν* [S *-ούς*]
— 15. *ἀκοῦσαί με ὀνειδισμόν* [S *al.*]
8. 10. S *μή ποτε . . . γενώμεθα . . . ὀνειδισμός* [A B *al.*]
Ju. 4. 12. *καὶ τὰ ἅγια εἰς . . . ὀνειδισμόν*
5. 21. *ἐσόμεθα εἰς ὀνειδισμόν* [A S *ὄνειδος*]
Ps. 14 (15). 3. *ὀνειδισμὸν οὐκ ἔλαβεν ἐπὶ τοὺς ἐγγιστα αὐτοῦ* (3)
68 (69). 7. *ἕνεκά σου ὑπήνεγκα ὀνειδισμόν* (3)
— 9. *οἱ ὀ. τῶν ὀνειδιζόντων σε* (3)
— 10. S² R *ἐγενήθη εἰς ὀνειδισμοὺς* [B S¹ *-δν*] *ἐμοί* (3)
— 19. *σὺ γὰρ γινώσκεις τὸν ὀ. μου* (3)
— 20. *ὀνειδισμὸν προσεδόκησεν ἡ ψυχή μου* (3)
78 (74). 22. *μνήσθητι τῶν ὀ.* [S² *τοῦ ὀ.*] *σου* (3)
78 (79). 12. *ἀπόδος . . . εἰς τὸν κόλπον αὐτῶν τὸν ὀ. αὐτῶν* (3)
88 (89). 50. *μνήσθητι, κύριε, τοῦ ὀ. τῶν δούλων σου* (3)
118 (119). 39. *περίελε τὸν ὀ.* [S¹ *τὸ ὄνειδός*] *μου* (3)
Wi. 5. 3. *ὃν ἔσχομεν . . . εἰς παραβολὴν ὀνειδισμοῦ*
Si. 6. 9. A B S² *μάχην ὀνειδισμοῦ σου ἀποκαλύψει*
22. 22. *πλὴν ὀνειδισμοῦ καὶ ὑπερηφανίας*
23. 15. *ἄνθρωπος συνεθιζόμενος λόγοις ὀνειδισμοῦ*
27. 28. *ἐμπαιγμὸς καὶ ὀνειδισμὸς* [S *-δος*] *ὑπερηφάνων*
29. 23. S² *ὀνειδισμὸν οἰκίας σου μὴ ἀκούσῃς*
— 28. *ἐπιτίμησις οἰκίας καὶ ὀνειδισμὸς* [S¹ *-οῦ*] *δανειστοῦ*
34 (31). 31. *λόγον ὀνειδισμοῦ μὴ εἴπῃς αὐτῷ*
41. 22. *ἀπὸ φίλων περὶ λόγων* [A S *-ου*] *ὀνειδισμοῦ*
42. 14. *γυνὴ καταισχύνουσα εἰς ὀνειδισμόν*
47. 4. *ἐξῆρεν ὀνειδισμὸν ἐκ λαοῦ*
Ho. 12. 14 (15). *τὸν ὀ. αὐ. ἀνταποδώσει αὐτῷ κ.* (3)
Jl. 2. 19. *οὐ δώσω ὑμᾶς οὐκέτι εἰς ὀνειδισμόν* (3)
Ze. 2. 8. *ἤκουσα ὀνειδισμοὺς Μ.* (3)
3. 18. *τίς ἔλαβεν ἐπ' αὐτὴν ὀνειδισμόν* (3)
Is. 4. 1. *ἄφελε τὸν ὀ. ἡμῶν* (3)
37. 3. *ἡμέρα θλίψεως καὶ ὀνειδισμοῦ καὶ ἐλεγμοῦ καὶ ὀργῆς* (5)
43. 28. *ἔδωκα . . . Ἰσ.* [A *Ἱερ.*] *εἰς ὀνειδισμόν* (2)
47. 3. *φανήσονται οἱ ὀ. σου* (3)
51. 7. *μὴ* [S¹ *καὶ*] *φοβεῖσθε ὀνειδισμὸν ἀνθρώπων* (3)
Je. 6. 10. *τὸ ῥῆμα κυρίου ἐγένετο αὐτοῖς εἰς ὀνειδισμόν* (3)
12. 13. *αἰσχύνθητε . . . ἀπὸ ὀνειδισμοῦ ἔναντι κυρίου* †
15. 15. *ἔλαβον περὶ σοῦ ὀνειδισμόν* (3)
20. 8. *ἐγενήθη λόγος κυρίου εἰς ὀνειδισμὸν ἐμοί* (3)
23. 40. *δώσω ἐφ' ὑμᾶς ὀνειδισμὸν αἰώνιον* (3)
24. 9. A R *ἔσονται* [B S *om.*] *εἰς ὀνειδισμόν* (3)
25. 9. *δώσω αὐτοὺς . . . εἰς ὀνειδισμὸν αἰώνιον* †
28 (51). 51. *ἠκούσαμεν ὀνειδισμὸν ἡμῶν* (3)
29 (49). 13. *εἰς ὀνειδισμὸν . . . ἔσῃ* (3)

Je. 38 (31). 19. ἔλαβον ὀνειδισμὸν ἐκ νεότητός μου (3)
49 (42). 18. ἔσεσθε . . . εἰς ὀνειδισμόν (3)
51 (44). 8. ἵνα γένησθε . . . εἰς ὀνειδισμόν (3)
— 12. ἔσονται εἰς ὀνειδισμόν (3)
Ba. 2. 4. εἰς ὀνειδισμὸν καὶ ἄβατον
3. 8. διέσπειρας ἡμᾶς ἐκεῖ εἰς ὀνειδισμόν
La. 3. 30. χορτασθήσεται ὀνειδισμῶν (3)
— 61. ἤκουσας τὸν ὀ. αὐτῶν (3)
5. 1. ἴδε τὸν ὀ. ἡμῶν (3)
Ep. Je. 73. ἔσται γὰρ μακρὰν ἀπὸ ὀνειδισμοῦ
Ez. 21. 28 (33). τάδε λέγει κύριος . . . πρὸς τὸν ὀ. αὐτῶν (3)
22. 4. R δέδωκά σε εἰς ὀνειδισμὸν [A B -δος] τοῖς ἔθνεσι (3)
34. 29. ὀνειδισμὸν ἐθνῶν οὐ μὴ ἐνέγκωσιν ἔτι (4)
36. 6. ἀντὶ τοῦ ὀνειδισμοὺς ἐθνῶν ἐνέγκαι ὑμᾶς (4)
— 15. ὀνειδισμοὺς λαῶν [A -ὸν ἐθνῶν] οὐ μὴ ἀνενέγκητε (3)
— 30. ὅπως ἂν μὴ λάβητε ὀνειδισμὸν λιμοῦ [A λ. ἔτι ὀ. λαοῦ] (3)
Da. LXX. 9. 2. εἰς ἀναπλήρωσιν ὀνειδισμοῦ Ἱερ. †
— 16. ὁ δῆμός σου, κύριε, εἰς ὀνειδισμόν (3)
11. 18. ἐπιστρέψει ὀργὴν ὀνειδισμοῦ αὐτῶν ἐν ὅρκῳ κατὰ τὸν ὀ. αὐ. (3, 3)
12. 2. οἱ δὲ εἰς ὀνειδισμόν (3)
Da. TH. 9. 16. ὁ λαός σου εἰς ὀνειδισμὸν ἐγένετο (3)
11. 18. ἄρχοντας ὀνειδισμοῦ αὐτῶν (3)
— 18. ὀνειδισμὸς [A ὁ ὀ.] αὐ. ἐπιστρέψει αὐτῷ (3)
12. 2. καὶ οὗτοι εἰς ὀνειδισμόν (3)
I Ma. 1. 39. τὰ σάββατα αὐτῆς εἰς ὀνειδισμόν [S¹ om. εἰς ὀ.]
4. 58. S ἀπεστράφη ὀνειδισμὸς [A R -δος] ἐθνῶν
10. 70. ἐγὼ δὲ ἐγενήθην . . . εἰς ὀνειδισμόν
[Aq. Jb. 19. 5: Ps. 68 (69). 11, 21: Je. 31 (38). 19.]
[Sm. Ps. 68 (69). 21.]
[Th. Jb. 19. 5: Da. 9. 16.]

ὄνειδος. (1) חֶסֶד (2) חֶרְפָּה (3) כְּלִמָּה (4) לַעַג (5) חָמָס (6) διδόναι εἰς ὄ. חָרַף pi.

Ge. 30. 23. ἀφεῖλεν ὁ θεός μου τὸ ὄ. (2)
34. 14. ἔστι γὰρ ὄ. ἡμῖν (2)
Le. 20. 17. ὄνειδός ἐστιν (1)
I Ki. 11. 2. θήσομαι ὄνειδος ἐπὶ Ἰσρ. (2)
17. 36. ἀφελῶ σήμερον ὄνειδος ἐξ Ἰσρ. –
II Ki. 13. 13. ποῦ ἀποίσω τὸ ὄ. μου (2)
Ne. 2. 17. οὐκ ἐσόμεθα ἔτι ὄνειδος (2)
To. 3. 10. ὄνειδος αὐτῷ ἔσται [S al.]
Ju. 1. 14. ἔθηκεν εἰς ὄνειδος αὐτῆς
5. 21. A S ἐσόμεθα εἰς ὄνειδος [B -δισμόν]
8. 22. ἐσόμεθα . . . εἰς ὄνειδος
9. 2. ἐβεβήλωσαν μήτραν εἰς ὄνειδος
Jb. 19. 5. ἐνάλλεσθε δέ μοι ὀνείδει (2)
— 7. ἰδοὺ γελῶ [A S² λαλῶ] ὀνείδει [A B² -δη] (5)
Ps. 21 (22). 6. ὄνειδος ἀνθρώπων καὶ ἐξουθένημα λαοῦ (2)
30 (31). 11. παρὰ πάντας τοὺς ἐχθρούς μου ἐγενήθην ὄνειδος (2)
38 (39). 8. ὄνειδος ἄφρονι ἔδωκάς με (2)
43 (44). 13. ἔθου ἡμᾶς ὄνειδος [A εἰς ὄ.] τοῖς γείτοσιν ἡμῶν (2)
56 (57). 3. ἔδωκεν εἰς ὄνειδος τοὺς καταπατοῦντάς με (5)
77 (78). 66. ὄνειδος αἰώνιον ἔδωκεν αὐτοῖς (2)
78 (79). 4. ἐγενήθημεν εἰς ὄνειδος τοῖς γείτοσιν ἡμῶν (2)
88 (89). 41. ἐγενήθη ὄνειδος τοῖς γείτοσιν αὐτοῦ (2)
108 (109). 25. ἐγενήθην ὄνειδος αὐτοῖς (2)
118 (119). 22. περίελε ἀπ' ἐμοῦ ὄνειδος (2)
— 39. S¹ περίελε τὸ ὄ. [A S² R τὸν ὀνειδισμόν] μου (2)
122 (123). 4. τὸ ὄ. τοῖς εὐθηνοῦσι (4)
151. 7. ἦρα ὄνειδος ἐξ υἱῶν Ἰσραήλ
Pr. 3. 31. μὴ κτήσῃ κακῶν ἀνδρῶν ὀνείδη (5)
6. 33. τὸ δὲ ὄ. αὐτοῦ οὐκ ἐξαλειφθήσεται (2)
18. 3. ἐπέρχεται δὲ αὐτῷ ἀτιμία καὶ ὄνειδος (2)
— 13. ἀφροσύνη αὐτῷ ἐστι καὶ ὄνειδος (3)
19. 6. πᾶς δὲ ὁ κακὸς γίνεται ὄνειδος ἀνδρί [A al.] †
26. 6. ἐκ τῶν ἑαυτοῦ ὁδῶν ὄνειδος ποιεῖται (5)
Ca. 1. 4. S βοῶσιν τὸ ὄ. τῆς νύμφης –
Wi. 15. 5. ὧν ὄψις ἄφροσιν εἰς ὄνειδος [A S ὄρεξιν] ἔρχεται
Si. 3. 11. ὄνειδος τέκνοις μήτηρ ἐν ἀδοξίᾳ
6. 1. ὄνομα γὰρ πονηρὸν . . . ὄνειδος κληρονομήσει
Si. 23. 26. τὸ ὄ. αὐτῆς οὐκ ἐξαλειφθήσεται
27. 28. S ἐμπαιγμὸς καὶ ὄνειδος [A B -δισμὸς] ὑπερηφάνων
41. 6. μετὰ τοῦ σπέρματος αὐτῶν ἐνδελεχεῖ ὄνειδος
Mi. 2. 6. οὐ γὰρ ἀπώσεται ὀνείδη (3)
6. 16. καὶ ὀνείδη λαῶν λήψεσθε (2)
Ji. 2. 17. μὴ δῷς τὴν κληρονομίαν σου εἰς ὄνειδος (2)
Is. 25. 8. τὸ ὄ. τοῦ λαοῦ ἀφεῖλεν (2)
30. 3. τοῖς πεποιθόσιν ἐπ' Αἴγυπτον ὄνειδος (3)
— 5. ἀλλὰ εἰς αἰσχύνην καὶ ὄνειδος (2)
— 6. A S ἀλλὰ εἰς αἰσχύνην καὶ ὄνειδος –
54. 4. ὄνειδος τῆς χηρείας σου οὐ μὴ μνησθήσῃ (2)
59. 18. ὡς ἀνταποδώσων ἀνταπόδοσιν ὄ. τοῖς ὑπεναντίοις †
Ep. Je. 47. κατέλιπον γὰρ ψεύδη καὶ ὄνειδος τοῖς ἐπιγινομένοις
— 72. ἔσται ὄνειδος ἐν τῇ χώρᾳ
Ez. 16. 57. νῦν ὄνειδος εἶ θυγατέρων Συρίας (2)
22. 4. δέδωκά σε εἰς ὄνειδος τοῖς ἔθνεσι (2)
Da. LXX. 3. (33). ὄνειδος ἐγενήθη τῶν δούλων σου
Da. TH. 3. (33). ὄνειδος ἐγενήθη τοῖς δούλοις σου
I Ma. 4. 45. μή ποτε γένηται αὐτοῖς εἰς ὄνειδος
— 58. A R ἀπεστράφη ὄνειδος [S -δισμὸς] ἐθνῶν
IV Ma. 5. 8. τῶν χωρὶς ὀνείδους ἡδέων
[Aq. Ps. 38 (39). 9: Ez. 5. 14.]
[Sm. Ps. 68 (69). 11: 73 (74). 22: Pr. 14. 34: Is. 25. 8: 64. 11 (10): Ez. 5. 14.]
[Th. Je. 29 (36). 18: Ez. 5. 14.]
[Al. Le. 19. 20.]
[Sam. Nu. 13. 33 (32).]
[Quint. Ps. 38 (39). 9.]

ὄνειρος.

Wi. 18. 17. φαντασίαι μὲν ὀνείρων δεινῶς [A S -ῶν] ἐξετάραξαν αὐτούς
— 19. οἱ γὰρ ὄ. θορυβήσαντες αὐτούς
II Ma. 15. 11. προσεξηγησάμενος ὄνειρον ἀξιόπιστον
IV Ma. 6. 5. ὥσπερ ἐν ὀνείρῳ βασανιζόμενος
[Sm. Ps. 72 (73). 20: Ec. 5. 2, 6.]

ὄνησις.

Za. 8. 10. ὁ μισθὸς τῶν ἀνθρ. οὐκ ἔσται εἰς ὄνησιν –

ὀνινάναι.

To. 3. 8. A B¹ ἑνὸς αὐτῶν οὐκ ὠνάσθης [B² S R ὠνομάσθης]
Si. 30. 2. ὁ παιδεύων τὸν υἱὸν αὐτοῦ ὀνήσεται [S² αἰνεθήσ.] ἐπ' αὐτῷ

ὀνοκένταυρος. (1) אִי (2) לִילִית

Is. 13. 22. ὀνοκένταυροι ἐκεῖ κατοικήσουσι (1)
34. 11. ὀνοκένταυροι οἰκήσουσιν ἐν αὐτῇ †
— 14. συναντήσουσι δαιμόνια ὀνοκενταύροις . . . ἐκεῖ ἀναπαύσονται ὀνοκένταυροι (1, 2)

ὄνομα. (1) זֵכֶר (2) נֵכֶר (3) *a.* שֵׁם *b.* שֵׁם (4) *a.* שִׁמְעָא *b.* שִׁמְעֹן (5) ὄ. καλόν שֵׁם

Ge. 2. 11. ὄ. τῷ ἑνὶ Φισῶν (3 *a*)
— 13. καὶ ὄ. τῷ ποταμῷ τῷ δευτέρῳ Γεών (3 *a*)
— 19. R τοῦτο ὄ. αὐτῷ [A -οῦ] (3 *a*)
— 20. ἐκάλεσεν Ἀ. ὀνόματα πᾶσι τοῖς κτήνεσι (3 *a*)
3. 20. ἐκάλεσεν Ἀ. τὸ ὄ. τῆς γυναικὸς αὐτοῦ (3 *a*)
4. 17. ἐπωνόμασε . . . ἐπὶ τῷ ὀ. τοῦ υἱοῦ (3 *a*)
— 19. ὄ. τῇ μιᾷ Ἀδά (3 *a*)
— 19. καὶ ὄ. τῇ δευτέρᾳ Σελλά (3 *a*)
— 21. καὶ ὄ. τῷ ἀδελφῷ αὐτοῦ Ἰουβάλ (3 *a*)
— 25. ἐπωνόμασε τὸ ὄ. αὐτοῦ Σήθ (3 *a*)
— 26. ἐπωνόμασε δὲ τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἐνώς (3 *a*)
— 26. ἤλπισεν ἐπικαλεῖσθαι τὸ ὄ. κυρίου (3 *a*)
5. 2. ἐπωνόμασε τὸ ὄ. αὐ. Ἀδάμ (3 *a*)
— 3. ἐπωνόμασε τὸ ὄ. αὐτοῦ Σήθ (3 *a*)
— 29. καὶ ἐπωνόμασε τὸ ὄ. αὐτοῦ Νῶε (3 *a*)
10. 25. ὄ. τῷ ἑνὶ Φαλέκ (3 *a*)
— 25. καὶ ὄ. τῷ ἀδελφῷ αὐτοῦ Ἰεκτάν (3 *a*)
11. 4. R ποιήσωμεν ἑαυτοῖς [A ἑαυτῶν] ὄνομα (3 *a*)
— 9. ἐκλήθη τὸ ὄ. αὐ. Σύγχυσις (3 *a*)
— 29. ὄ. τῇ γυναικὶ Ἄβραμ Σάρα (3 *a*)
— 29. καὶ ὄ. τῇ γυναικὶ Ναχὼρ Μελχά (3 *a*)
12. 2. καὶ μεγαλυνῶ τὸ ὄ. σου (3 *a*)
— 8. ἐπεκαλέσατο ἐπὶ τῷ ὀ. κυρίου (3 *a*)
13. 4. ἐπεκαλέσατο . . . τὸ ὄ. τοῦ κυρίου (3 *a*)
16. 1. παιδίσκη Αἰγυπτία ᾗ ὄ. Ἄγαρ (3 *a*)
— 11. καὶ καλέσεις τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἰσμαήλ (3 *a*)
— 13. ἐκάλεσε τὸ ὄ. κυρίου (3 *a*)
— 15. ἐκάλεσεν Ἄ. τὸ ὄ. τοῦ υἱοῦ . . . Ἰσμαήλ (3 *a*)
Ge. 17. 5. οὐ κληθήσεται ἔτι τὸ ὄ. σου Ἄβραμ (3 *a*)
— 5. ἀλλ' ἔσται τὸ ὄ. σου Ἀβραάμ (3 *a*)
— 15. οὐ κληθήσεται τὸ ὄ. αὐτῆς Σάρα (3 *a*)
— 15. Σάρρα ἔσται τὸ ὄ. αὐτῆς (3 *a*)
— 19. καὶ καλέσεις τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἰσαάκ (3 *a*)
19. 22. A ἐπωνόμασεν τὸ ὄ. τῆς πόλεως ἐκ. Σηγώρ [R al.] (3 *a*)
— 37. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Μωάβ (3 *a*)
— 39 (38). καὶ ἐκάλεσε τὸ ὄ. Ἀμμάν (3 *a*)
21. 3. ἐκάλεσεν Ἀβρ. τὸ ὄ. τοῦ υἱοῦ . . . Ἰσαάκ (3 *a*)
— 23. μὴ ἀδικήσειν με . . . μηδὲ τὸ ὄ. μου (2)
— 31. ἐπωνόμασε τὸ ὄ. τοῦ τόπου ἐκ. –
— 33. ἐπεκαλέσατο ἐκεῖ τὸ ὄ. κυρίου (3 *a*)
22. 14. ἐκάλεσεν Ἀβρ. τὸ ὄ. τοῦ τόπου ἐκ. (3 *a*)
— 24. ἡ παλλακὴ αὐτοῦ ᾗ ὄνομα Ῥεῦμα (3 *a*)
24. 29. ἀδελφὸς ἦν ᾧ ὄνομα Λάβαν (3 *a*)
25. 1. γυναῖκα ᾗ ὄνομα Χεττούρα (3 *a*)
— 13. ταῦτα τὰ ὀ. τῶν υἱῶν Ἰσμαήλ (3 *a*)
— 13. R κατ' ὀνόματα [A ὄνομα] τῶν γεν (3 *a*)
— 16. ταῦτα τὰ ὀ. αὐτῶν ἐν ταῖς σκηναῖς αὐ. (3 *a*)
— 25. ἐπωνόμασε δὲ τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἡσαῦ (3 *a*)
— 26. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἰακώβ (3 *a*)
— 30. ἐκλήθη τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἐδώμ (3 *a*)
26. 18. ἐπωνόμασεν αὐτοῖς ὀνόματα (3 *a*)
— 18. κατὰ τὰ ὀ. ἃ ὠνόμασεν ὁ πατήρ (3 *a*)
— 20. R ἐκάλεσαν [A -εν] τὸ ὄ. τοῦ φρέατος (3 *a*)
— 21. καὶ ἐπωνόμασε τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἐχθρία (3 *a*)
— 22. ἐπωνόμασε τὸ ὄ. αὐτοῦ Εὐρυχωρία (3 *a*)
— 25. καὶ ἐπεκαλέσατο τὸ ὄ. κυρίου (3 *a*)
— 33. A ἐκάλεσεν τὸ ὄ. αὐτοῦ [R ἐκ. αὐτό] †
— 33. R ἐκάλεσεν [A *add.* τὸ] ὄ. τῇ πόλει ἐκ. (3 *a*)
27. 36. δικαίως ἐκλήθη τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἰακώβ (3 *a*)
28. 19. ἐκάλεσε τὸ ὄ. τοῦ τόπου ἐκ. (3 *a*)
— 19. Οὐλαμλοὺζ ἦν ὄνομα τῇ πόλει (3 *a*)
29. 13. ὡς ἤκουσε Λάβαν τὸ ὄ. Ἰακώβ (4 *a*)
— 16. ὄνομα τῇ μείζονι Λεία (3 *a*)
— 16. καὶ ὄνομα τῇ νεωτέρᾳ Ῥαχήλ (3 *a*)
— 32. ἐκάλεσε δὲ τὸ ὄ. αὐτοῦ Ῥουβήν (3 *a*)
— 33. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Συμεών (3 *a*)
— 34. R ἐκάλεσε [A ἐκλήθη] τὸ ὄ. αὐτοῦ Λευεί (3 *a*)
— 35. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἰούδαν (3 *a*)
30. 6. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Δάν (3 *a*)
— 8. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Νεφθαλεί (3 *a*)
— 11. ἐπωνόμασε τὸ ὄ. αὐτοῦ Γάδ (3 *a*)
— 13. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἀσήρ (3 *a*)
— 18. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἰσσάχαρ (3 *a*)
— 20. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Ζαβουλών (3 *a*)
— 21. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτῆς Δεῖνα (3 *a*)
— 24. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἰωσήφ (3 *a*)
31. 48. R ἐκλήθη τὸ ὄ. [A *add.* αὐτοῦ] Βουνές (3 *a*)
32. 2 (3). ἐκάλεσε τὸ ὄ. τοῦ τόπου ἐκ. (3 *a*)
— 27 (28). τί τὸ ὄ. σού ἐστιν (3 *a*)
— 28 (29). οὐ κληθήσεται ἔτι τὸ ὄ. σου Ἰακώβ (3 *a*)
— 28 (29). ἀλλ' ἔσται τὸ ὄ. σου Ἰσραήλ –
— 29 (30). ἀνάγγειλόν μοι τὸ ὄ. σου (3 *a*)
— 29 (30). R ἵνα τί τοῦτο [A *om.*] σὺ ἐρωτᾷς τὸ ὄ. μου (3 *a*)
— 30 (31). ἐκάλεσεν Ἰ. τὸ ὄ. τοῦ τόπου ἐκ. (3 *a*)
33. 17. ἐκάλεσε τὸ ὄ. τοῦ τόπου ἐκ. Σκηναί (3 *a*)
35. 7. ἐκάλεσε τὸ ὄ. τοῦ τόπου Βαιθήλ –
— 8. ἐκάλεσεν Ἰ. τὸ ὄ. αὐτῆς Βάλανος (3 *a*)
— 10. τὸ ὄ. σου οὐ κληθήσεται ἔτι Ἰακώβ (3 *a*)
— 10. ἀλλ' Ἰσραὴλ ἔσται τὸ ὄ. σού (3 *a*)
— 10. R καὶ ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἰσραήλ (3 *a*)
— 15. ἐκάλεσεν Ἰ. τὸ ὄ. τοῦ τόπου (3 *a*)
— 18. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Υἱὸς ὀδύνης μου (3 *a*)
— 18. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ [A ἐκαλ. αὐτόν] †
36. 10. ταῦτα τὰ ὀ. τῶν υἱῶν Ἡσαῦ †
— 32. ὄνομα τῇ πόλει αὐτοῦ Δενναβά (3 *a*)
— 35. καὶ ὄνομα τῇ πόλει αὐτοῦ Γετθαίμ (3 *a*)
— 39. καὶ ὄνομα τῇ πόλει αὐτοῦ Φογώρ (3 *a*)
— 39. ὄνομα δὲ τῇ γυναικὶ αὐτοῦ Μετεβεήλ (3 *a*)
— 40. ταῦτα τὰ ὀ. τῶν ἡγεμόνων Ἡσαῦ (3 *a*)
38. 1. ἄνθρωπόν τινα Ὀδ. ᾧ ὄνομα Εἰρᾶς (3 *a*)
— 2. θυγατέρα ἀνθρώπου Χαναναίου ᾗ ὄνομα Σαυά (3 *a*)
— 3. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἦρ (3 *a*)
— 4. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Αὐνάν (3 *a*)
— 5. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Σηλώμ (3 *a*)
— 6. γυναῖκα . . . ᾗ ὄνομα Θάμαρ (3 *a*)
— 29. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Φαρές (3 *a*)
— 30. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Ζαρά (3 *a*)
41. 45. ἐκάλεσε Φ. τὸ ὄ. Ἰωσὴφ Ψονθομφανήχ (3 *a*)
— 51. ἐκάλεσε δὲ Ἰ. τὸ ὄ. . . . Μανασσῆ (3 *a*)
— 52. τὸ δὲ ὄ. τοῦ δευτέρου ἐκάλεσεν Ἐφρ. (3 *a*)
46. 8. ταῦτα δὲ τὰ ὀ. τῶν υἱῶν Ἰσραήλ (3 *a*)

Ge. 48. 6. ἔσονται ἐπὶ τῷ ὀ. τῶν ἀδελφῶν αὐτῶν (3 a)
— 16. καὶ ἐπικληθήσεται τὸ ὄ. μου ἐν αὐτοῖς (3 a)
— 16. καὶ τὸ ὄ. τῶν πατέρων μου (3 a)
50. 11. τὸ ὄ. αὐτοῦ [A τοῦ τόπου ἐκείνου] (3 a)
Ex. 1. 1. ταῦτα τὰ ὀ. τῶν υἱῶν Ἰσραήλ (3 a)
— 15. τῇ μιᾷ αὐτῶν ᾗ ὄνομα Σ. (3 a)
— 15. καὶ τὸ ὄ. τῆς δευτέρας Φουά (3 a)
2. 10. ἐπωνόμασε δὲ τὸ ὄ. αὐτοῦ Μωυσῆν (3 a)
— 22. ἐπωνόμασε Μ. τὸ ὄ. αὐτοῦ Γηρσάμ (3 a)
3. 13. τί ὄ. αὐτῷ (3 a)
— 15. τοῦτό μού ἐστιν ὄ. αἰώνιον (3 a)
5. 23. λαλῆσαι ἐπὶ τῷ σῷ ὀ. (3 a)
6. 3. τὸ ὄ. μου κύριος οὐκ ἐδήλωσα αὐτοῖς (3 a)
— 16. ταῦτα τὰ ὀ. τῶν υἱῶν Λευί (3 a)
9. 16. ὅπως διαγγελῇ τὸ ὄ. μου (3 a)
15. 3. κύριος ὄ. αὐτῷ (3 a)
— 23. ἐπωνόμασε [A -μάσθη] τὸ ὄ. τοῦ τόπου (3 a)
16. 4. A εἰ πορεύσονται τῷ ὀ. [B νόμῳ] μου †
— 31. ἐπωνόμασαν αὐτὸ . . . τὸ ὄ. αὐτοῦ (3 a)
17. 7. ἐπωνόμασε τὸ ὄ. τοῦ τόπου ἐκ. (3 a)
— 15. ἐπωνόμασε τὸ ὄ. αὐτοῦ [A τοῦ τόπου] (3 a)
18. 3. ὄνομα τῷ ἑνὶ αὐ. Γηρσάμ (3 a)
— 4. καὶ τὸ ὄ. τοῦ δευτέρου Ἐλίεζερ (3 a)
20. 7. οὐ λήψῃ τὸ ὄ. κυρίου . . . ἐπὶ ματαίῳ (3 a)
— 7. λαμβάνοντα τὸ ὄ. αὐτοῦ ἐπὶ ματαίῳ (3 a)
— 24. οὗ ἐὰν ἐπονομάσω τὸ ὄ. μου ἐκεῖ (3 a)
23. 13. ὄνομα θεῶν ἑτέρων οὐκ ἀναμνησθήσεσθε (3 a)
— 21. τὸ γὰρ ὄ. μού ἐστιν ἐπ' αὐτῷ (3 a)
28. 9. γλύψεις . . . τὰ ὀ. τῶν υἱῶν Ἰσραήλ (3 a)
— 10. ἓξ ὀνόματα ἐπὶ τὸν λίθον τὸν ἕνα (3 a)
— 10. καὶ τὰ ἕξ ὀ. τὰ λοιπὰ ἐπὶ τὸν λίθον (3 a)
— 11. A R ἐπὶ τοῖς ὀ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (3 a)
— 12. ἀναλήψεται Ἀ. τὰ ὀ. τῶν υἱῶν Ἰσραήλ (3 a)
— 21. οἱ λίθοι ἔστωσαν ἐκ τῶν ὀ. τῶν υἱῶν (3 a)
— 21. λίθοι . . . δέκα δύο κατὰ τὰ ὀ. αὐτῶν (3 a)
— 21. γλυφαὶ σφραγίδων ἕκαστος [A -ου] κατὰ τὸ ὄ. (3 a)
— 23 (29). λήψεται Ἀ. τὰ ὀ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (3 a)
31. 2. ἀνακέκλημαι ἐξ ὀνόματος τὸν Βεσελεήλ (3 a)
33. 19. A R καλέσω [B λαλήσω ἐπὶ] τῷ ὀ. μου [A κυρίου] κύριος (3 a)
34. 5. καὶ ἐκάλεσε τῷ ὀ. κυρίου (3 a)
— 14. ὁ γὰρ κύριος ὁ θεὸς ζηλωτὸν ὄ. (3 a)
35. 30. ἀνακέκληκεν . . . ἐξ ὀνόματος τὸν B. (3 a)
36. 13 (39. 6), 21 (39. 14). ἐκ τῶν ὀ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (3 a)
— 21 (39. 14). ἐκ τῶν ὀ. [A κατὰ τὰ ὀ.] αὐτῶν (3 a)
— 21 (39. 14). ἕκαστος ἐκ τοῦ ἑαυτοῦ ὀ. (3 a)
Le. 18. 21. οὐ βεβηλώσεις τὸ ὄ. τὸ ἅγιον (3 a)
19. 12. οὐκ ὀμεῖσθε τῷ ὀ. μου ἐπ' ἀδίκῳ (3 a)
— 12. οὐ βεβηλώσετε τὸ ὄ. τοῦ θ. (3 a)
20. 3. ἵνα . . . βεβηλώσῃ τὸ ὄ. τῶν ἡγιασμ. μοι (3 a)
21. 6. οὐ βεβηλώσουσι τὸ ὄ. τοῦ θεοῦ αὐτῶν (3 a)
— 9. τὸ ὄ. τοῦ πατρὸς αὐτῆς αὐτὴ βεβηλοῖ –
22. 2. οὐ βεβηλώσουσι τὸ ὄ. τὸ ἅγιόν μου (3 a)
— 32. οὐ βεβηλώσετε τὸ ὄ. τοῦ ἁγίου (3 a)
24. 11. ἐπονομάσας . . . τὸ ὄ. κατηράσατο (3 a)
— 11. τὸ ὄ. τῆς μητρὸς αὐ. Σαλ. (3 a)
— 16. ὀνομάζων δὲ τὸ ὄ. κυρίου (3 a)
— 16. ἐν τῷ ὀνομάσαι αὐτὸν τὸ ὄ. κυρίου (3 a)
Nu. 1. 2. κατὰ ἀριθμὸν ἐξ ὀνόματος (3 a)
— 5. ταῦτα τὰ ὀ. τῶν ἀνδρῶν (3 a)
— 17. τοὺς ἀνακληθέντας ἐξ ὀνόματος (3 a)
— 18, 20, 22, 26, 28, 30, 32, 34 (A B² R), 36, 24, 38, 40, 42. κατὰ ἀριθμὸν ὀνομάτων αὐτῶν (3 a)
3. 2, 3. ταῦτα τὰ ὀ. τῶν υἱῶν Ἀ. (3 a)
— 17. ἦσαν οὗτοι οἱ υἱοὶ Λ. ἐξ ὀνομάτων αὐ. (3 a)
— 18. ταῦτα τὰ ὀ. τῶν υἱῶν Γ. (3 a)
— 40. λάβετε τὸν ἀριθμὸν ἐξ ὀνόματος (3 a)
— 43. κατὰ ἀριθμὸν ἐξ ὀνόματος (3 a)
4. 27. ἐπισκέψῃ αὐτοὺς ἐξ ὀνομάτων †
— 32. ἐξ ὀνομάτων ἐπισκέψασθε αὐτούς (3 a)
6. 27. ἐπιθήσουσι τὸ ὄ. μου ἐπὶ τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (3 a)
11. 3. ἐκλήθη τὸ ὄ. τοῦ τόπου ἐκ. (3 a)
— 26. ὄνομα τῷ ἑνὶ Ἐλδὰδ καὶ ὄνομα τῷ δευτέρῳ Μωδάδ (3 a, 3 a)
— 34. ἐκλήθη τὸ ὄ. τοῦ τόπου ἐκείνου (3 a)
13. 5 (4). ταῦτα τὰ ὀ. αὐτῶν (3 a)
— 17 (16). ταῦτα τὰ ὀ. τῶν ἀνδρῶν (3 a)
14. 15. ὅσοι ἀκηκόασι τὸ ὄ. σου (4 a)
— 21. ζῶν τὸ ὄ. μου –
17. 2 (17). ἑκάστου τὸ ὄ. αὐτοῦ ἐπίγραψον (3 a)
— 3 (18). τὸ ὄ. Ἀ. ἐπίγραψον ἐπὶ τῆς ῥάβδου Λ. (3 a)
21. 3. ἐπεκάλεσαν τὸ ὄ. τοῦ τόπου ἐκ. (3 a)
25. 14. τὸ δὲ ὄ. τοῦ ἀνθρώπου (3 a)
Nu. 25. 15. καὶ ὄνομα τῇ γυναικί (3 a)
26. 46. καὶ τὸ ὄ. θυγατρὸς Ἀ. (3 a)
— 33. ταῦτα τὰ ὀ. τῶν θυγατέρων Σ. (3 a)
— 53. κληρονομεῖν ἐξ ἀριθμοῦ ὀνομάτων (3 a)
— 55. μερισθήσεται ἡ γῆ τοῖς ὀ. (3 a)
— 59. τὸ δὲ ὄ. τῆς γυναικὸς αὐ. (3 a)
27. 1. καὶ ταῦτα τὰ ὀ. αὐτῶν (3 a)
— 3 (4). μὴ ἐξαλειφθήτω τὸ ὄ. τοῦ πατρὸς ἡμῶν (3 a)
32. 38. ἐπωνόμασαν κατὰ τὰ ὀ. αὐ. τὰ ὀ. τῶν πόλεων (3 a, 3 a)
— 42. ἐπωνόμασεν αὐτὰς N. ἐκ τοῦ ὀ. αὐ. (3 a)
33. 54. εἰς ὃ ἂν ἐξέλθῃ τὸ ὄ. αὐ. ἐκεῖ †
34. 17, 19. ταῦτα τὰ ὀ. τῶν ἀνδρῶν (3 a)
De. 2. 25. ἀκούσαντες τὸ ὄ. σου (4 a)
3. 14. ἐπωνόμασεν αὐτὰς ἐπὶ τῷ ὀ. αὐ. (3 a)
5. 11. οὐ λήψῃ τὸ ὄ. κυρίου . . . ἐπὶ ματαίῳ (3 a)
— 11. τὸν λαμβάνοντα τὸ ὄ. αὐ. ἐπὶ ματαίῳ (3 a)
6. 13. B¹ τῷ [A B² R ἐπὶ τῷ] ὀ. αὐτοῦ ὀμῇ (3 a)
7. 24. A B ἀπολεῖται [R -τε] τὸ ὄ. αὐτῶν (3 a)
9. 14. ἐξαλείψω τὸ ὄ. αὐτῶν (3 a)
10. 8. ἐπεύχεσθαι ἐπὶ τῷ ὀ. αὐτοῦ (3 a)
— 20. B τῷ [A R ἐπὶ τῷ] ὀ. αὐτοῦ ὀμῇ (3 a)
12. 3. ἀπολεῖται τὸ ὄ. αὐτῶν (3 a)
— 5. ἐπονομάσαι τὸ ὄ. αὐτοῦ (3 a)
— 11. ἐπικληθῆναι τὸ ὄ. αὐτοῦ ἐκεῖ (3 a)
— 21. ἐπικληθῆναι τὸ ὄ. αὐτοῦ (3 a)
— 26. ἐπικληθῆναι τὸ ὄ. αὐ. ἐκεῖ –
14. 23, 24: 16. 2, 6, 11. ἐπικληθῆναι τὸ ὄ. αὐτοῦ ἐκεῖ (3 a)
16. 15: 17. 8, 10. A ἐπικληθῆναι τὸ ὄ. αὐτοῦ –
17. 12. λειτουργεῖν ἐπὶ τῷ ὀ. κ. τοῦ θεοῦ σου †
18. 5. εὐλογεῖν ἐπὶ τῷ ὀ. αὐτοῦ (3 a)
— 7. λειτουργήσει τῷ ὀ. κυρίου (3 a)
— 19. ὅσα ἐὰν λαλήσῃ . . . ἐπὶ τῷ ὀ. μου (3 a)
— 20. λαλῆσαι ἐπὶ τῷ ὀ. μου ῥῆμα (3 a)
— 20. ὃς ἂν λαλήσῃ ἐν ὀνόματι θεῶν ἑτέρων (3 a)
— 22. ὅσα ἐὰν λαλήσῃ . . . τῷ [A ἐπὶ τῷ] ὀ. κυρίου (3 a)
21. 5. εὐλογεῖν ἐπὶ τῷ ὀ. αὐτοῦ (3 a)
— 5. A ἐπὶ τῷ ὀ. [B στόματι] αὐτῶν ἔσται †
22. 14. καὶ κατενέγκῃ αὐτῆς ὄ. πονηρόν (3 a)
— 19. ἐξήνεγκεν ὄ. πονηρόν (3 a)
25. 6. κατασταθήσεται ἐκ τοῦ ὀ. τοῦ τετελευτηκ. (3 a)
— 6. οὐκ ἐξαλειφθήσεται τὸ ὄ. αὐ. ἐξ Ἰσρ. (3 a)
— 7. ἀναστῆσαι τὸ ὄ. τοῦ ἀδ. αὐτοῦ (3 a)
— 10. κληθήσεται τὸ ὄ. αὐτοῦ ἐν Ἰσρ. (3 a)
— 19. ἐξαλείψεις τὸ ὄ. Ἀμ. (1)
26. 2. ἐπικληθῆναι τὸ ὄ. αὐ. ἐκεῖ (3 a)
28. 10. τὸ ὄ. κυρίου ἐπικέκληταί σοι (3 a)
— 58. φοβεῖσθαι τὸ ὄ. τὸ ἔντιμον . . . τοῦτο (3 a)
29. 20 (19). ἐξαλείψει κύριος τὸ ὄ. αὐτοῦ (3 a)
32. 3. τὸ [A om.] ὄ. κυρίου ἐκάλεσα (3 a)
Jo. 2. 1. ᾗ ὄνομα Ῥαάβ (3 a)
5. 8 (9). ἐκάλεσε τὸ ὄ. τοῦ τόπου ἐκ. (3 a)
6. 26 (27). ἦν τὸ ὄ. αὐτοῦ κατὰ πᾶσαν τὴν γῆν (4 b)
7. 9. τί ποιήσεις τὸ ὄ. σου τὸ μέγα (3 a)
9. 9. ἤκασιν . . . ἐν ὀνόματι κ. τοῦ θεοῦ σοῦ (3 a)
— 9. ἀκηκόαμεν γὰρ τὸ ὄ. αὐτοῦ (4 b)
14. 15. τὸ δὲ ὄ. τῆς Χ. ἦν τὸ πρότερον πόλις Ἀ. (3 a)
15. 15. B τὸ δὲ ὄ. Δ. (3 a)
17. 3. ταῦτα τὰ ὀ. τῶν θυγατέρων Σ. (3 a)
19. 47. ἐκάλεσαν τὸ ὄ. αὐτῆς Λ. –
23. 7. τὰ ὀ. τῶν θεῶν αὐ. οὐκ ὀνομασθήσεται (3 a)
Jd. 1. 10. καὶ τὸ ὄ. ἦν Χ. τὸ πρότερον K. [A al.] (3 a)
— 11. τὸ δὲ ὄ. τῆς Δ. ἦν ἔμπροσθεν K. (3 a)
— 17. ἐκάλεσε τὸ ὄ. τῆς πόλεως Ἀνάθεμα (3 a)
— 23. τὸ δὲ ὄ. τῆς πόλεως ἦν ἔμπροσθεν Λ. (3 a)
— 26. ἔκαλεσε τὸ ὄ. αὐτῆς Λ. (3 a)
— 26. B τοῦτο τὸ [A R om.] ὄ. αὐτῆς (3 a)
2. 5. ἐπωνόμασαν τὸ ὄ. τοῦ τόπου ἐκ. [A al.] (3 a)
8. 14. B ἔγραψε . . . τὰ [A R om.] ὀ. τῶν ἀρχόντων –
— 31. ἔθηκε τὸ ὄ. αὐ. Ἀβ. (3 a)
13. 2. καὶ ὄνομα αὐτῷ Μανωέ (3 a)
— 6. τὸ ὄ. αὐτοῦ οὐκ ἀπήγγειλέ μοι (3 a)
— 17. τί τὸ [A om.] ὄ. σοι (3 a)
— 18. εἰς τί τοῦτο ἐρωτᾷς τὸ ὄ. μου (3 a)
— 24. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Σ. (3 a)
15. 19. ἐκλήθη τὸ ὄ. αὐτῆς (3 a)
16. 4. καὶ ὄνομα αὐτῇ Δαλ. (3 a)
17. 1. καὶ ὄνομα αὐτῷ Μειχαίας (3 a)
18. 29. ἐκάλεσαν τὸ ὄ. τῆς πόλεως Δὰν ἐν ὀνόματι Δὰν [A κατὰ τὸ ὄ.] πατρὸς αὐτῶν (3 a, 3 a)
— 29. B Οὐλ. τὸ [A R om.] ὄ. τῆς πόλεως (3 a)
Ru. 1. 2. A R ὄνομα τῷ ἀνδρὶ Ἀβ. καὶ ὄνομα τῇ γυναικὶ αὐ. N. [B om. καὶ . . . N.] καὶ ὄνομα τοῖς δυσὶν υἱοῖς αὐ. M. κ. K. (3 a ter)
— 4. ὄνομα τῇ μιᾷ Ὀρφὰ καὶ ὄνομα τῇ δευτέρᾳ Ῥούθ (3 a, 3 a)
2. 1. καὶ ὄνομα αὐτῷ B. (3 a)
— 19. τὸ ὄ. τοῦ ἀνδρὸς . . . B. (3 a)
4. 5. ὥστε ἀναστῆσαι τὸ ὄ. τοῦ τεθνηκότος (3 a)
— 10. τοῦ ἀναστῆσαι τὸ ὄ. τοῦ τεθνηκότος (3 a)
— 10. οὐκ ἐξολεθρευθήσεται τὸ ὄ. τοῦ τεθνηκ. (3 a)
— 11. ἔσται ὄνομα ἐν B. (3 a)
— 14. καλέσαι τὸ ὄ. σου ἐν Ἰσρ. (3 a)
— 17. ἐκάλεσαν αὐ. αἱ γείτονες ὄνομα (3 a)
— 17. ἐκάλεσαν τὸ ὄ. αὐ. Ὠβήδ (3 a)
I Ki. 1. 1. καὶ ὄνομα αὐτῷ Ἑλκανά (3 a)
— 2. ὄνομα τῇ μιᾷ Ἄννα καὶ ὄνομα τῇ δευτέρᾳ Φενν. (3 a, 3 a)
— 20. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Σαμ. (3 a)
7. 12. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐ. Ἀβ. (3 a)
8. 2. ταῦτα τὰ ὀ. τῶν υἱῶν αὐτοῦ (3 a ?)
— 2. καὶ ὄνομα τοῦ δευτέρου Ἀβιά (3 a)
9. 1. καὶ ὄνομα αὐτῷ Κείς (3 a)
— 2. καὶ ὄνομα αὐτῷ Σαούλ (3 a)
12. 22. B διὰ τὸ ὄ. αὐτοῦ τὸ μέγα (3 a)
14. 4. B ὄνομα τῷ ἑνὶ B. καὶ ὄνομα τῷ ἄλλῳ Σ. (3 a, 3 a)
— 49. ὀνόματα τῶν δύο θυγατέρων αὐ. ὄνομα τῇ πρωτοτόκῳ Μερὸβ καὶ ὄνομα τῇ δευτέρᾳ [A om. M. κ. ὄ. τ. δ.] Μελχόλ (3 a ter)
— 50. ὄνομα τῇ γυναικὶ αὐ. Ἀχ. (3 a)
— 50. ὄνομα τῷ ἀρχιστρατήγῳ Ἀβ. (3 a)
17. 4. Γολιὰθ ὄνομα αὐτῷ (3 a)
— 12. A καὶ ὄνομα αὐτῷ Ἰ. (3 a)
— 13. A καὶ ὄνομα τῶν υἱῶν αὐτοῦ (3 a)
— 23. A Γολιὰθ ὁ Φ. ὄνομα αὐτῷ (3 a)
— 45. πορεύομαι πρὸς σὲ ἐν ὀνόματι κυρίου (3 a)
18. 30. A ἐτιμήθη τὸ ὄ. αὐ. σφόδρα (3 a)
20. 16. εὑρεθῆναι τὸ ὄ. τοῦ Ἰων. [A al.] –
— 42. ὡς ὀμωμόκαμεν . . . ἐν ὀνόματι κυρίου (3 a)
21. 7 (8). καὶ ὄνομα αὐτῷ Δ. (3 a)
22. 20. καὶ ὄνομα αὐτῷ Ἀβ. (3 a)
24. 22. οὐκ ἀφανεῖς τὸ ὄ. μου (3 a)
25. 3. καὶ ὄνομα τῷ ἀνδρ. Νάβαλ καὶ ὄνομα τῇ γυναικὶ αὐτοῦ Ἀβ. (3 a, 3 a)
— 5. ἐρωτήσατε αὐτὸν ἐπὶ τῷ ὀ. μου (3 a)
— 9. λαλοῦσι . . . ἐν τῷ ὀ. Δ. (3 a)
— 25. κατὰ τὸ ὄ. αὐ. οὕτός ἐστι Νάβαλ ὄνομα αὐτῷ [A al.] (3 a, 3 a)
II Ki. 2. 16. ἐκλήθη τὸ ὄ. τοῦ τόπου ἐκείνου –
4. 2. ὄνομα τῷ ἑνὶ B. καὶ ὄνομα τῷ δευτέρῳ Ῥ. (3 a, 3 a)
— 4. καὶ ὄνομα αὐτῷ Μεμφ. (3 a)
5. 14. ταῦτα τὰ ὀ. τῶν γεννηθέντων αὐτῷ (3 a)
— 20. ἐκλήθη τὸ ὄ. τοῦ τόπου ἐκείνου (3 a)
6. 2. ἐφ' ἣν ἐπεκλήθη τὸ ὄ. τοῦ κυρίου (3 a)
— 18. εὐλόγησε τὸν λαὸν ἐν ὀνόματι κυρίου (3 a)
7. 9. κατὰ τὸ ὄ. τῶν μεγάλων (3 a)
— 13. οἰκοδομήσει μοι οἶκον τῷ ὀ. μου (3 a)
— 23. τοῦ θέσθαι σε ὄνομα (3 a)
— 26. μεγαλυνθείη τὸ ὄ. σου (3 a)
— 27. A μεγαλυνθείη τὸ ὄ. σου –
8. 13. ἐποίησε Δ. ὄνομα (3 a)
9. 2. καὶ ὄνομα αὐτῷ Σ. (3 a)
— 12. καὶ ὄνομα αὐτῷ Μ. (3 a)
12. 24. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Σαλ. (3 a)
— 25. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἰ. (3 a)
— 28. ἵνα μὴ . . . κληθῇ τὸ ὄ. μου ἐπ' αὐτήν (3 a)
13. 1. καὶ ὄνομα αὐτῇ Θ. (3 a)
— 3. καὶ ὄνομα αὐτῷ Ἰων. (3 a)
14. 7. ὥστε μὴ θέσθαι . . . κατάλειμμα καὶ ὄνομα [A ὄ. κ. λῆμμα] (3 a)
— 27. καὶ ὄνομα αὐτῇ Θ. (3 a)
16. 5. καὶ ὄνομα αὐτῷ Σ. (3 a)
17. 25. καὶ ὄνομα αὐτῷ Ἰ. (3 a)
18. 18. ἕνεκεν τοῦ ἀναμνῆσαι τὸ ὄ. αὐτοῦ [A μου] (3 a)
— 18. A ἐκάλεσε τὴν στήλην ἐπὶ τῷ ὀ. αὐ. (3 a)
20. 1. καὶ ὄνομα αὐτῷ Σ. (3 a)
— 21. Σ. υἱὸς B. ὄνομα αὐτοῦ (3 a)
22. 50. ἐν τῷ ὀ. σου ψαλῶ (3 a)
23. 8. ταῦτα τὰ ὀ. τῶν δυνατῶν Δ. (3 a)
— 18. καὶ αὐτῷ ὄνομα ἐν τοῖς τρισίν (3 a)
— 22. καὶ αὐτῷ ὄνομα ἐν τοῖς τρισὶ τοῖς δυνατοῖς (3 a)

II Ki. 23. 23. ταῦτα τὰ ὀ. τῶν δυνατῶν Δ. –
III Ki. 1. 47. ἀγαθύναι ὁ θεὸς τὸ ὄ. Σαλ. ὑπὲρ τὸ ὄ. σου (3 a, 3 a)
3. 2. A οὐκ ᾠκοδομήθη οἶκος τῷ ὀ. κυρίου [B τῷ κ.] (3 a)
4. 8. ταῦτα τὰ ὀ. αὐτῶν (3 a)
5. 3 (17). οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀ. κυρίου (3 a)
— 5 (19). οἰκοδομήσω οἶκον τῷ ὀ. κυρίου (3 a)
— 5 (19). οἰκοδομήσει τὸν οἶκον τῷ ὀ. μου (3 a)
7. 21. ἐπεκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἰ. (3 a)
— 21. ἐπεκάλεσε τὸ ὄ. αὐτοῦ B. (3 a)
8. 16. τοῦ εἶναι τὸ ὄ. μου ἐκεῖ (3 a)
— 16. B μεῖναι [R εἶναι] τὸ ὄ. μου ἐκεῖ –
— 17. οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀ. κυρίου (3 a)
— 18. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀ. μου (3 a)
— 19. οἰκοδομήσει τὸν οἶκον τῷ ὀ. μου (3 a)
— 20. ᾠκοδόμησα τὸν οἶκον τῷ ὀ. κυρίου (3 a)
— 27. ὃν ᾠκοδόμησα τῷ ὀ. σου [A *om.* τ. ὀ. σ.] –
— 29. ἔσται τὸ ὄ. μου ἐκεῖ (3 a)
— 33, 35. ἐξομολογήσονται τῷ ὀ. σου (3 a)
— 41. A καὶ ἕλθῃ . . . ἕνεκα ὀνόματός σου (3 a)
— 42. A ἀκούσουσιν τὸ ὄ. σου τὸ μέγα (3 a)
— 43. ὅπως γνῶσι πάντες οἱ λαοὶ τὸ ὄ. σου (3 a)
— 43. τὸ ὄ. σου ἐπικέκληται ἐπὶ τὸν οἶκον (3 a)
— 44. προσεύξονται ἐν ὀνόματι κυρίου –
— 44. οὗ ᾠκοδόμησα τῷ ὀ. σου (3 a)
— 48. οὗ ᾠκοδόμηκα τῷ ὀ. σου (3 a)
9. 3. τοῦ θέσθαι τὸ ὄ. μου ἐκεῖ (3 a)
— 7. ὃν ἡγίασα τῷ ὀ. μου (3 a)
10. 1. ἤκουσε τὸ ὄ. Σαλ. καὶ τὸ ὄ. κυρίου (4 a, 3 a)
11. 26. A καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Σ. [B *al.*] (3 a)
— 36. B τοῦ θέσθαι ὄνομά [AR τὸ ὄ.] μου ἐκεῖ (3 a)
12. 24 (*cf.* 14. 21). B καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. N. –
— 24. B καὶ ὄνομα αὐτῷ Ἱερ. –
— 24. B καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Σ. –
— 24. B καὶ ὄνομα αὐτῷ Ἀχ. –
13. 2. Ἰωσίας ὄνομα αὐτῷ (3 a)
14. 21. θέσθαι τὸ ὄ. αὐ. ἐκεῖ (3 a)
— 21. καὶ τὸ ὄ. τῆς μητρὸς αὐ. N. (3 a)
— 31. A καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. N. (3 a)
15. 2. καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. M. (3 a)
— 10. καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Ἀ. (3 a)
16. 24. ἐπεκάλεσαν τὸ ὄ. τοῦ ὄρους . . . ἐπὶ τῷ ὀ. Σεμήρ (3 a, 3 a)
— 28 (22. 42). B καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Γ. (3 a)
18. 24. βοᾶτε ἐν ὀνόματι θεῶν [A -οῦ] ὑμῶν (3 a)
— 24. ἐπικαλέσομαι ἐν ὀνόματι κ. τοῦ θ. μου (3 a)
— 25. ἐπικαλέσασθε ἐν ὀνόματι θεοῦ ὑμῶν (3 a)
— 26. ἐπεκαλοῦντο ἐν ὀνόματι τοῦ B. (3 a)
— 31. Ἰσρ. ἔσται τὸ ὄ. σου (3 a)
— 32. ᾠκοδόμησε τοὺς λίθους ἐν ὀνόματι κυρίου (3 a)
20 (21). 8. ἔγραψε βιβλίον ἐπὶ τῷ ὀ. Ἀχ. (3 a)
22. 16. ὅπως λαλήσῃς πρὸς με ἀλήθειαν ἐν ὀνόματι κυρίου (3 a)
— 42. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἀζ. (3 a)
IV Ki. 2. 24. κατηράσατο αὐτοῖς ἐν ὀνόματι κυρίου (3 a)
5. 11. ἐπικαλέσεται ἐν ὀνόματι θεοῦ αὐ. (3 a)
8. 26. καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Γ. (3 a)
12. 1 (2). καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Ἀβιά (3 a)
14. 2. καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς [A τῇ μ.] αὐ. Ἰ. (3 a)
— 7. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐ. Ἰ. (3 a)
15. 2. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἰ. (3 a)
— 33. καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Ἰ. (3 a)
17. 34. οὗ ἔθηκε τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἰσρ. (3 a)
18. 2. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἀβ. (3 a)
21. 1. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ὀ. (3 a)
— 4. ἐν Ἱερ. θήσω τὸ ὄ. [A τὸν θρόνον] μου (3 a)
— 7. θήσω τὸ ὄ. μου εἰς τὸν αἰῶνα (3 a)
— 19. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. M. (3 a)
22. 1. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἰ. (3 a)
23. 27. ἔσται τὸ ὄ. μου ἐκεῖ (3 a)
— 31. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἀμ. (3 a)
— 34. ἐπέστρεψε τὸ ὄ. αὐ. Ἰ. (3 a)
— 36. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἰ. (3 a)
24. 8. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. N. (3 a)
— 17. ἐπέθηκε τὸ ὄ. αὐ. Σεδ. (3 a)
— 18. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἀ. (3 a)
I Ch. 1. 19. A ὄνομα τῷ ἑνὶ Φαλέκ (3 a)
— 19. A καὶ ὄνομα τῷ ἀδελφῷ αὐ. Ἰ. (3 a)
— 43. καὶ ὄνομα τῇ πόλει αὐ. Δ. (3 a)
— 46. καὶ ὄνομα τῇ πόλει αὐ. Γ. (3 a)
— 50. καὶ ὄνομα τῇ πόλει αὐ. Φ. (3 a)
— 50. A καὶ ὄνομα τῇ γυναικὶ αὐ. M. (3 a)
2. 1. ταῦτα τὰ ὀ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. –
— 26. καὶ ὄνομα αὐτῇ Ἀ. (3 a)
I Ch. 2. 29. καὶ ὄνομα τῆς γυναικὸς Ἀβ. (3 a)
— 34. καὶ ὄνομα αὐτῷ Ἰ. (3 a)
4. 3. καὶ ὄνομα ἀδελφῆς αὐτῶν Ἐσ. (3 a)
— 9. ἡ μήτηρ ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐ. Ἰ. (3 a)
— 38. ἐν ὀνόμασιν ἀρχόντων (3 a)
— 41. ἦλθοσαν οὗτοι γεγραμμ. ἐπ' ὀνόματος (3 a)
6. 17 (2). ταῦτα τὰ ὀ. τῶν υἱῶν Γ. (3 a)
— 65 (50). A B² R ἃς ἐκάλεσεν αὐτὰς ἐπ' ὀνόματος [B¹ *om.* ἐ. ὀ.] (3 a)
7. 15. ὄνομα ἀδελφῆς αὐ. M. (3 a)
— 15. B ὄνομα τῇ δευτέρᾳ [A R τῷ δ.] Σ. (3 a)
— 16. A R ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐ. Φ. καὶ ὄνομα ἀδελφοῦ αὐ. [B *om.* Φ. . . . αὐ.] Σοῦρος (3 a, 3 a)
— 23. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐ. B. (3 a)
8. 29. καὶ ὄνομα γυναικὶ αὐ. M. (3 a)
— 38. καὶ ταῦτα τὰ ὀ. αὐτῶν (3 a)
9. 35. καὶ ὄνομα γυναικὸς αὐ. M. (3 a)
— 44. καὶ ταῦτα τὰ ὀ. αὐτῶν (3 a)
11. 24. καὶ τούτῳ [S -ο] ὄνομα ἐν τοῖς τρισὶ τοῖς δυνατοῖς (3 a)
12. 23. ταῦτα τὰ ὀ. τῶν ἀρχόντων τῆς στρατιᾶς †
— 31. ὠνομάσθησαν ἐν ὀνόματι (3 a)
13. 6. οὗ ἐπεκλήθη ὄνομα αὐτοῦ (3 a)
14. 4. ταῦτα τὰ ὀ. αὐτῶν (3 a)
— 11. ἐκάλεσε τὸ ὄ. τοῦ τόπου ἐκ. (3 a)
— 17. ἐγένετο ὄνομα [A τὸ ὄ.] Δ. ἐν πάσῃ τῇ γῇ (3 a)
16. 2. εὐλόγησε τὸν λαὸν ἐν ὀνόματι κυρίου (3 a)
— 8. ἐπικαλεῖσθε αὐτὸν ἐν ὀνόματι αὐτοῦ (3 a)
— 10. αἰνεῖτε [S¹ *om.*] ἐν ὀνόματι ἁγίῳ αὐ. (3 a)
— 29. A δότε τῷ κ. δόξαν ὀνόματος [R -τι] αὐ. (3 a)
— 35. τοῦ αἰνεῖν τὸ ὄ. τὸ ἅγιόν σου (3 a)
— 41. ἐκλεγέντες ἐπ' ὀνόματος (3 a)
17. 8. ἐποίησά σοι ὄνομα κατὰ τὸ ὄ. τῶν μεγάλων (3 a, 3 a)
— 21. τοῦ θέσθαι αὐτῷ ὄ. μέγα (3 a)
— 24. R μεγαλυνθήτω τὸ ὄ. σου (3 a)
21. 19. ὃν ἐλάλησεν ἐν ὀνόματι κυρίου (3 a)
22. 5. εἰς ὄνομα . . . ἑτοιμάσω αὐτῷ (3 a)
— 6. A τοῦ οἰκοδομῆσαι . . . τῷ ὀ. κυρίου [B *al.*] –
— 7. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀ. κυρίου θεοῦ (3 a)
— 8. οὐκ οἰκοδομήσεις οἶκον τῷ ὀ. μου (3 a)
— 9. Σαλ. ὄνομα αὐτῷ (3 a)
— 10. οἰκοδομήσει οἶκον τῷ ὀ. μου (3 a)
— 19. τὸν οἰκοδομούμενον τῷ ὀ. κυρίου (3 a)
23. 13. ἐπεύχεσθαι ἐπὶ τῷ ὀ. αὐ. (3 a)
— 24. κατὰ τὸν ἀριθμὸν ὀνομάτων αὐ. (3 a)
28. 3. τοῦ ἐπονομάσαι τὸ ὄ. μου (3 a)
29. 13. αἰνοῦμεν τὸ ὄ. τῆς καυχήσεώς σου (3 a)
— 16. οἰκοδομηθῆναι οἶκον τῷ ὀ. τῷ ἁγίῳ σου (3 a)
II Ch. 1. 9. πιστωθήτω τὸ ὄ. σου †
2. 1 (1. 18). τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀ. κυρίου (3 a)
— 4 (3). οἰκοδομῶ οἶκον τῷ ὀ. κυρίου (3 a)
3. 17. ἐκάλεσε τὸ ὄ. τοῦ ἐκ δεξιῶν Κατόρθωσις καὶ τὸ ὄ. τοῦ ἐξ ἀριστερῶν Ἰσχύς (3 a, 3 a)
6. 2. ᾠκοδόμηκα οἶκον τῷ ὀ. σου –
— 5. τοῦ εἶναι ὄνομά μου ἐκεῖ (3 a)
— 6. A τοῦ εἶναι [R γενέσθαι] τὸ ὄ. μου ἐκεῖ (3 a)
— 7. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀ. κυρίου (3 a)
— 8. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀ. μου (3 a)
— 9. οἰκοδομήσει τὸν οἶκον τῷ ὀ. μου (3 a)
— 10. ᾠκοδόμησα τὸν οἶκον τῷ ὀ. κυρίου (3 a)
— 16. B τοῦ πορεύεσθαι ἐν τῷ ὀ. [A R νόμῳ] μου †
— 20. ἐπικληθῆναι τὸ ὄ. σου ἐκεῖ (3 a)
— 24. καὶ ἐξομολογήσονται τῷ ὀ. σου (3 a)
— 26. καὶ αἰνέσουσι τὸ ὄ. σου (3 a)
— 32. καὶ ἔλθῃ . . . διὰ τὸ ὄ. σου τὸ μέγα (3 a)
— 33. ὅπως γνῶσι . . . τὸ ὄ. σου (3 a)
— 33. ἐπικέκληται τὸ ὄ. σου ἐπὶ τὸν οἶκον τ. (3 a)
— 34. οὗ ᾠκοδόμηκα τῷ ὀ. σου (3 a)
— 38. οὗ ᾠκοδόμησα τῷ ὀ. σου (3 a)
7. 14. ἐφ' οὓς τὸ ὄ. μου ἐπικέκληται ἐπ' αὐτούς (3 a)
— 16. τοῦ εἶναι ὄνομά μου ἐκεῖ (3 a)
— 20. ὃν ἡγίασα τῷ ὀ. μου (3 a)
9. 1. ἤκουσε τὸ ὄ. Σαλ. (4 a)
12. 13. ἐπονομάσαι τὸ ὄ. αὐτοῦ ἐκεῖ (3 a)
— 13. ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. N. (3 a)
13. 2. ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. M. (3 a)
14. 11 (10). ἐπὶ τῷ ὀ. σου ἤλθομεν (3 a)
18. 15. πλὴν τὴν ἀλήθειαν ἐν ὀνόματι κυρίου (3 a)
20. 8. ᾠκοδόμησαν . . . ἁγίασμα τῷ ὀ. σου (3 a)
— 9. τὸ ὄ. σου ἐπὶ τῷ οἴκῳ τούτῳ (3 a)
— 26. ἐκάλεσαν τὸ ὄ. τοῦ τόπου ἐκείνου (3 a)
— 31. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἀζ. (3 a)
II Ch. 22. 2. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Γοθ. (3 a)
24. 1. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἀ. (3 a)
25. 1. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἰ. (3 a)
26. 3. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἰ. (3 a)
— 8. ἦν τὸ ὄ. αὐ. ἕως εἰσόδου Αἰγ. (3 a)
27. 1. καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Ἰ. (3 a)
28. 9. Ὠδὴδ ὄνομα αὐτῷ (3 a)
— 15. οἱ ἐπεκλήθησαν ἐν ὀνόματι (3 a)
29. 1. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἀ. (3 a)
31. 19. οἱ ὠνομάσθησαν ἐν ὀνόματι (3 a)
33. 4. ἐν Ἱερ. ἔσται τὸ ὄ. μου (3 a)
— 7. θήσω τὸ ὄ. μου εἰς τὸν αἰῶνα (3 a)
— 18. λαλούντων πρὸς αὐτὸν ἐπ' ὀνόματι θεοῦ Ἰσρ. (3 a)
35. 19. ἔσται τὸ ὄ. μου ἐκεῖ –
36. 2. καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Ἀ. –
— 4. μετέστρεψε τὸ ὄ. αὐ. Ἰ. (3 a)
— 5. καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Z. –
I Es. 1. 48. ὁρκισθεὶς . . . τῷ ὀ. τοῦ κυρίου
4. 63. οὗ ὠνομάσθη τὸ ὄ. αὐ. ἐπ' αὐτῷ
5. 4. καὶ ταῦτα τὰ ὀ. τῶν ἀνδρῶν
— 38. καὶ ἐκλήθη ἐπὶ τῷ ὀ. αὐτοῦ
6. 1. ἐπροφήτευσεν . . . ἐπὶ τῷ ὀ. κυρίου
— 33. οὗ τὸ ὄ. αὐ. ἐπικέκληται ἐκεῖ
8. 39. καὶ ταῦτα τὰ ὀ. αὐτῶν
— 78. καταλειφθῆναι ἡμῖν . . . ὄνομα
— 88. ἕως τοῦ μὴ καταλιπεῖν . . . ὄνομα ἡμῶν
9. 16. ἐπελέξατο . . . πάντας κατ' ὄνομα
II Es. 2. 61. B ἐκλήθη ἐν [A R ἐπὶ τῷ] ὀνόματι αὐ. (3 a)
5. 1. ἐπροφήτευσεν . . . ἐν ὀνόματι θεοῦ (3 b)
— 4. τίνα ἐστὶ τὰ ὀ. τῶν ἀνδρῶν (3 b)
— 10. τὰ ὀ. αὐτῶν ἠρωτήσαμεν αὐτούς (3 b)
— 10. ὥστε γράψαι σοι τὰ ὀ. τῶν ἀνδρῶν (3 b)
6. 12. οὗ κατασκηνοῖ τὸ ὄ. ἐκεῖ (3 b)
8. 13. καὶ ταῦτα τὰ ὀ. αὐτῶν (3 a)
— 20. συνήχθησαν ἐν ὀνόμασι (3 a)
10. 16. καὶ πάντες ἐν [A S² ἐπ'] ὀνόμασιν (3 a)
Ne. 1. 9. κατασκηνῶσαι τὸ ὄ. μου ἐκεῖ (3 a)
— 11. τῶν θελόντων φοβεῖσθαι τὸ ὄ. σου (3 a)
6. 13. ὅπως . . . γένωμαι αὐτοῖς εἰς ὄ. πονηρόν (3 a)
7. 63. ἐκλήθη ἐπ' [A τῷ] ὀνόματι αὐτῶν (3 a)
9. 5. εὐλογήσουσιν ὄνομα δόξης σου (3 a)
— 7. ἐπέθηκας αὐτῷ ὄνομα Ἀβρ. (3 a)
— 10. ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα (3 a)
To. 1. 9. S ἐκάλεσα τὸ ὄ. αὐ. T.
3. 11. εὐλογητὸν τὸ ὄ. σου
— 15. οὐκ ἐμόλυνα τὸ ὄ. μου οὐδὲ τὸ ὄ. τοῦ πατρός μου
5. 11. βούλομαι . . . ἐπιγνῶναι . . . τὸ ὄ. [S *al.*]
6. 10. ἔστιν αὐτῷ θυγάτηρ ὀνόματι Σάρρα [S *al.*]
8. 5. εὐλογητὸν τὸ ὄ. σου
11. 14. εὐλογητὸν τὸ ὄ. σου εἰς τοὺς αἰῶνας [S *al.*]
— 14. S γένοιτο τὸ ὄ. τὸ μέγα αὐ. ἐφ' ἡμᾶς
12. 6. ὑψοῦν [S ὑμνεῖν] τὸ ὄ. αὐτοῦ
13. 11. πρὸς τὸ ὄ. κ. τοῦ θεοῦ [S *al.*]
— 11. S καὶ ὄνομα τῆς ἐκλεκτῆς εἰς τὰς γενεάς
— 18. S εὐλογήσουσιν τὸ ὄ. τὸ ἅγιον
14. 7. S ἵνα . . . εὐλογῶσιν τὸ ὄ. αὐτοῦ
Ju. 9. 8. κύριος ὄνομά σοι
— 8. τὸ σκήνωμα τῆς καταπαύσεως τοῦ ὀ. τῆς δόξης σου
14. 7. οἵτινες ἀκούσαντες τὸ ὄ. σου
16. 2. ἐπικαλεῖσθε τὸ ὄ. αὐ.
Es. 2. 5. καὶ ὄνομα αὐτῷ Μαρδοχαῖος (3 a)
— 7. καὶ ὄνομα αὐτῇ [A S τὸ ὄ. αὐτῆς] Ἐ. –
— 14. ἐὰν μὴ κληθῇ ὀνόματι [A -αστί] (3 a)
4. 17. ἵνα ζῶντες ὑμνῶμέν σου τὸ ὄ.
8. 8. γράψατε καὶ ὑμεῖς ἐκ τοῦ ὀ. μου (3 a)
10. 3. ἀπολέσαι τὸ ὄ. τῶν Ἰ.
Jb. 1. 1. ᾧ ὄνομα Ἰώβ (3 a)
— 21. εἴη τὸ ὄ. κυρίου εὐλογημένον
18. 17. ὑπάρχει ὄνομα αὐτῷ (3 a)
19. 14. οἱ εἰδότες [A ἰδόντες] μου τὸ ὄ. –
30. 8. ἀφρόνων υἱοὶ καὶ ἀτίμων ὄνομα †
42. 18. προὔπῆρχε δὲ αὐτῷ ὄνομα Ἰωβάβ –
— 18. γεννᾷ υἱὸν ᾧ ὄνομα Ἐννών –
— 18. ὄνομα τῇ πόλει αὐτοῦ Δενναβά –
— 18. ὄνομα τῇ πόλει αὐτοῦ Γεθθαίμ –
— 18. A προὔπῆρχεν δὲ τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἰωβάβ –
Ps. 5. 11. πάντες οἱ ἀγαπῶντες τὸ ὄ. σου (3 a)
7. 17. ψαλῶ τῷ ὀ. κυρίου τοῦ ὑψίστου (3 a)
8. 1, 9. ὡς θαυμαστὸν τὸ ὄ. σου ἐν πάσῃ τῇ γῇ (3 a)
9. 2. ψαλῶ τῷ ὀ. σου, ὕψιστε (3 a)
— 5. τὸ ὄ. αὐ. [A σου] ἐξήλειψας (3 a)
— 10. οἱ γινώσκοντες τὸ ὄ. σου (3 a)

Ps. 12 (13). 6. ψαλῶ τῷ ὀ. κυρίου τοῦ ὑψίστου –
15 (16). 4. οὐδὲ μὴ μνησθῶ τῶν ὀ. αὐτῶν (3 a)
17 (18). 49. τῷ ὀ. σου ψαλῶ (3 a)
19 (20). 1. ὑπερασπίσαι σου τὸ ὄ. τοῦ θεοῦ Ἰακώβ (3 a)
— 5. ἐν ὀνόματι θεοῦ ἡμῶν μεγαλυνθησόμεθα (3 a)
— 7. ἐν ὀνόματι κυρίου θεοῦ ἡμῶν (3 a)
21 (22). 22. διηγήσομαι τὸ ὄ. σου τοῖς ἀδελφοῖς μου (3 a)
22 (23). 3. ὡδήγησέν με . . . ἕνεκεν τοῦ ὀ. αὐτοῦ (3 a)
24 (25). 11. ἕνεκα τοῦ ὀ. σου, κύριε (3 a)
— 14. A B[1] καὶ τὸ ὄ. κυρίου τῶν φοβουμένων [A ἐπικαλεσαμένων] αὐτόν –
28 (29). 2. ἐνέγκατε τῷ κυρίῳ δόξαν ὀνόματι αὐτοῦ (3 a)
30 (31). 3. ἕνεκεν τοῦ ὀ. σου ὁδηγήσεις με (3 a)
32 (33). 21. ἐν τῷ ὀ. τῷ ἁγίῳ αὐτοῦ ἠλπίσαμεν (3 a)
33 (34). 3. ὑψώσωμεν τὸ ὄ. αὐ. ἐπὶ τὸ αὐτό (3 a)
39 (40). 4. οὗ ἐστι τὸ ὄ. κυρίου ἐλπὶς αὐτοῦ †
40 (41). 5. καὶ ἀπολεῖται τὸ ὄ. αὐτοῦ (3 a)
43 (44). 5. ἐν τῷ ὀ. σου ἐξουδενώσομεν τοὺς ἐπανισταμένους ἡμῖν (3 a)
— 8. ἐν τῷ ὀ. σου ἐξομολογησόμεθα (3 a)
— 20. εἰ ἐπελαθόμεθα τοῦ ὀ. [A om. τοῦ ὀ.] τοῦ θεοῦ ἡμῶν (3 a)
— 26. λύτρωσαι ἡμᾶς ἕνεκεν τοῦ ὀ. σου †
44 (45). 17. μνησθήσονται [S[2] -σομαι] τοῦ ὀ. σου (3 a)
47 (48). 10. κατὰ τὸ ὄ. σου, ὁ θεός (3 a)
48 (49). 11. ἐπεκαλέσαντο τὰ ὀ. αὐτῶν ἐπὶ τῶν γαιῶν αὐτῶν (3 a)
51 (52). 9. ὑπομενῶ τὸ ὄ. σου (3 a)
53 (54). 1. ἐν τῷ ὀ. σου σῶσόν με (3 a)
— 6. ἐξομολογήσομαι τῷ ὀ. σου (3 a)
58 (59). 11. S[2] μή ποτε ἐπιλάθωνται τοῦ ὀ. [B S[1] νόμου] σου †
60 (61). 5. ἔδωκας κληρονομίαν τοῖς φοβουμένοις τὸ ὄ. σου (3 a)
— 8. οὕτως ψαλῶ τῷ ὄ. σου (3 a)
62 (63). 4. ἐν τῷ ὀ. σου ἀρῶ τὰς χεῖράς μου (3 a)
— 5. χείλη ἀγαλλιάσεως αἰνέσει τὸ ὄ. σου [S[2] στόμα μου] †
65 (66). 2. ψάλατε δὴ τῷ ὀ. αὐτοῦ (3 a)
— 4. ψαλάτωσαν τῷ ὀ. σου (3 a)
67 (68). 4. ψάλατε τῷ ὀ. αὐτοῦ (3 a)
— 4. κύριος ὄνομα αὐτῷ (3 a)
68 (69). 30. αἰνέσω τὸ ὄ. τοῦ θεοῦ μου (3 a)
— 36. B οἱ ἀγαπῶντες τὸ ὄ. αὐτοῦ [S σου] (3 a)
71 (72). 14. ἔντιμον τὸ ὄ. αὐ. ἐνώπιον αὐ. †
— 17. ἔστω τὸ ὄ. αὐτοῦ εὐλογημένον (3 a)
— 17. πρὸ τοῦ ἡλίου διαμενεῖ τὸ ὄ. αὐ. (3 a)
— 19. εὐλογητὸν τὸ ὄ. τῆς δόξης αὐτοῦ (3 a)
73 (74). 7. ἐβεβήλωσαν τὸ σκήνωμα τοῦ ὀ. σου (3 a)
— 10. παροξυνεῖ ὁ ὑπεναντίος τὸ ὄ. σου (3 a)
— 18. S R λαὸς ἄφρων παρώξυνε τὸ ὄ. σου [B αὐ.] (3 a)
— 21. πτωχὸς καὶ πένης αἰνέσουσι τὸ ὄ. σου (3 a)
74 (75). 1. ἐπικαλεσόμεθα τὸ ὄ. σου (3 a)
75 (76). 1. ἐν τῷ Ἰσραὴλ μέγα τὸ ὄ. αὐτοῦ (3 a)
78 (79). 6. αἱ τὸ ὄ. σου οὐκ ἐπεκαλέσαντο (3 a)
— 9. ἕνεκα τῆς δόξης τοῦ ὀ. σου (3 a)
— 9. ἱλάσθητι ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν ἕνεκα τοῦ ὀ. σου (3 a)
79 (80). 18. τὸ ὄ. σου ἐπικαλεσόμεθα (3 a)
82 (83). 4. οὐ μὴ μνησθῇ τὸ ὄ. Ἰσραὴλ ἔτι (3 a)
— 16. ζητήσουσι τὸ ὄ. [A πρόσωπόν] σου (3 a)
— 18. γνώτωσαν ὅτι ὄνομά σοι κύριος (3 a)
85 (86). 9. δοξάσουσι τὸ ὄ. σου (3 a)
— 11. τοῦ φοβεῖσθαι τὸ ὄ. σου (3 a)
— 12. δοξάσω τὸ ὄ. σου εἰς τὸν αἰῶνα (3 a)
88 (89). 12. τῷ ὀνόματί σου ἀγαλλιάσονται (3 a)
— 16. ἐν τῷ ὀ. σου ἀγαλλιάσονται (3 a)
— 24. ἐν τῷ ὀ. μου ὑψωθήσεται τὸ κέρας αὐτοῦ (3 a)
90 (91). 14. ἔγνω τὸ ὄ. μου (3 a)
91 (92). 1. ἀγαθὸν . . . ψάλλειν τῷ ὀ. σου (3 a)
95 (96). 2. εὐλογήσατε τὸ ὄ. αὐτοῦ (3 a)
— 8. ἐνέγκατε τῷ κυρίῳ δόξαν ὀνόματι αὐτοῦ (3 a)
98 (99). 3. ἐξομολογησάσθωσαν τῷ ὀ. σου τῷ μεγάλῳ (3 a)
— 6. Σαμουὴλ ἐν τοῖς ἐπικαλουμ. τὸ ὄ. αὐ. (3 a)
99 (100). 4. αἰνεῖτε τὸ ὄ. αὐτοῦ (3 a)
101 (102). 15. φοβηθήσονται τὰ ἔθνη τὸ ὄ. σου (3 a)
— 21. τοῦ ἀναγγεῖλαι ἐν Σιὼν τὸ ὄ. κυρίου (3 a)
102 (103). 1. καὶ πάντα τὰ ἐντός μου τὸ ὄ. τὸ ἅγιον αὐτοῦ (3 a)
Ps. 104 (105). 1. ἐπικαλεῖσθε τὸ ὄ. αὐτοῦ (3 a)
— 3. ἐπαινεῖσθε ἐν τῷ ὀ. τῷ ἁγίῳ αὐτοῦ (3 a)
105 (106). 8. ἔσωσεν αὐτοὺς ἕνεκεν τοῦ ὀ. αὐτοῦ (3 a)
— 47. τοῦ ἐξομολογήσασθαι τῷ ὀ. σου τῷ ἁγίῳ (3 a)
108 (109). 13. ἐν γενεᾷ μιᾷ ἐξαλειφθείη τὸ ὄ. αὐτοῦ (3 a)
— 21. A S[1] ποίησον μετ' ἐμοῦ ἔλεος [S[2] R om.] ἕνεκεν τοῦ ὀ. σου (3 a)
110 (111). 9. ἅγιον καὶ φοβερὸν τὸ ὄ. αὐτοῦ (3 a)
112 (113). 1. αἰνεῖτε τὸ ὄ. κυρίου (3 a)
— 2. εἴη τὸ ὄ. κυρίου εὐλογημένον (3 a)
— 3. αἰνετὸν [S[1] αἰνεῖται] τὸ ὄ. κυρίου (3 a)
113. 9 (115. 1). τῷ ὀ. σου δὸς δόξαν (3 a)
114 (116). 4. τὸ ὄ. κυρίου ἐπεκαλεσάμην (3 a)
115. 4 (116. 13). τὸ ὄ. κυρίου ἐπικαλέσομαι (3 a)
— 8 (116. 17). A S[2] R ἐν ὀνόματι κυρίου ἐπικαλέσομαι (3 a)
117 (118). 10, 11, 12. τῷ ὀ. κυρίου ἠμυνάμην αὐτούς (3 a)
— 26. εὐλογημένος ὁ ἐρχόμ. ἐν ὀνόματι κ. (3 a)
118 (119). 55. ἐμνήσθην ἐν νυκτὶ τοῦ ὀ. [S[1] τὸ ὄ.] σου (3 a)
— 132. κατὰ τὸ κρίμα τῶν ἀγαπώντων τὸ ὄ. σου (3 a)
— 165. A εἰρήνη πολλὴ τοῖς ἀγαπῶσι τὸ ὄ. [S R τὸν νόμον] σου †
121 (122). 4. τοῦ ἐξομολογήσασθαι τῷ ὀ. κυρίου (3 a)
123 (124). 8. ἡ βοήθεια ἡμῶν ἐν ὀνόματι κυρίου (3 a)
128 (129). 8. εὐλογήκαμεν [S[1] -σομεν] ὑμᾶς ἐν ὀνόματι κυρίου (3 a)
129 (130). 4. ἕνεκεν τοῦ ὀ. σου ὑπέμεινά σε †
134 (135). 1. αἰνεῖτε τὸ ὄ. κυρίου (3 a)
— 3. ψάλατε τῷ ὀ. αὐτοῦ (3 a)
— 13. κύριε, τὸ ὄ. σου εἰς τὸν αἰῶνα (3 a)
137 (138). 2. ἐξομολογήσομαι τῷ ὀ. σου (3 a)
— 2. ἐμεγάλυνας ἐπὶ πᾶν τὸ [S[1] om.] ὄ. τὸ ἅγιόν σου (3 a)
139 (140). 13. δίκαιοι ἐξομολογήσονται τῷ ὀ. σου (3 a)
141 (142). 7. τοῦ ἐξομολογήσασθαι τῷ ὀ. σου (3 a)
142 (143). 11. ἕνεκα τοῦ ὀ. σου, κύριε, ζήσεις με (3 a)
144 (145). 1. εὐλογήσω τὸ ὄ. σου (3 a)
— 2. αἰνέσω τὸ ὄ. σου (3 a)
— 21. εὐλογείτω πᾶσα σὰρξ τὸ ὄ. τὸ ἅγιον αὐτοῦ (3 a)
146 (147). 4. καὶ πᾶσιν αὐτοῖς ὀνόματα καλῶν (3 a)
148. 5, 13. αἰνεσάτωσαν τὸ ὄ. κυρίου (3 a)
— 13. ὑψώθη τὸ ὄ. αὐτοῦ μόνου (3 a)
149. 3. αἰνεσάτωσαν τὸ ὄ. αὐτοῦ ἐν χορῷ (3 a)
Pr. 9. 18. S R μηδὲ ἐπιστήσῃς τὸ σὸν ὄ. [A B ὄμμα] πρὸς αὐτήν –
10. 7. ὄνομα δὲ ἀσεβοῦς σβέννυται (3 a)
18. 10. ἐκ μεγαλωσύνης ἰσχύος ὄνομα κυρίου (3 a)
22. 1. αἱρετωτερὸν ὄνομα καλὸν ἢ πλοῦτος πολύς (5)
24. 27 (30. 4). τί ὄνομα αὐτῷ ἢ τί ὄνομα τοῖς τέκνοις αὐτοῦ [A al.] (3 a, 3 a)
— 32 (30. 9). καὶ ὀμόσω τὸ ὄ. τοῦ θεοῦ (3 a)
27. 16. ὀνόματι δὲ ἐπιδέξιος καλεῖται †
Ec. 6. 4. ἐν σκότει ὄνομα αὐτοῦ καλυφθήσεται (3 a)
— 10. κέκληται [A -ηκεν] ὄνομα [S[2] τὸ ὄ.] αὐτοῦ (3 a)
7. 2 (1). ἀγαθὸν ὄνομα ὑπὲρ ἔλαιον ἀγαθόν (3 a)
Ca. 1. 3. μύρον ἐκκενωθὲν ὄνομά σου [A σοι] (3 a)
Wi. 2. 4. τὸ ὄ. ἡμῶν ἐπιλησθήσεται ἐν χρόνῳ
10. 20. ὕμνησαν, κύριε, τὸ ὄ. τὸ ἅγιόν σου
14. 21. τὸ ἀκοινώνητον ὄ. λίθοις καὶ ξύλοις περιέθεσαν
18. 12. ἐν [S[2] om.] ἑνὶ ὀ. θανάτου νεκροὺς εἶχον ἀναριθμήτους
19. 18. φθόγγοι τοῦ ῥυθμοῦ τὸ ὄ. διαλλάσσουσι
Si. 6. 1. ὄνομα γὰρ πονηρὸν . . . ὄνειδος κληρονομήσει
— 22. σοφία γὰρ κατὰ τὸ ὄ. αὐτῆς ἐστι
15. 6. ὄνομα αἰώνιον [A S αἰῶνος] κατακληρονομήσει
17. 10. ὄνομα ἁγιασμοῦ αἰνέσουσιν
22. 14. τί αὐτῷ ὄνομα ἀλλ' ἢ μωρός
23. 10. A S[2] ὁ ὀνομάζων διὰ παντὸς τὸ ὄ. κυρίου [B S[1] al.]
36. 17 (14). ἐλέησον λαὸν . . . κεκλημένον ἐπ' ὀνόματί σου
— 20 (17). ἔγειρον προφητείας τὰς ἐπ' ὀνόματί σου
37. 1. ἔστι φίλος ὀνόματι μόνον φίλος
— 26. τὸ ὄ. αὐτοῦ ζήσεται εἰς τὸν αἰῶνα
39. 9. ὄνομα [A S τὸ ὄ.] αὐτοῦ ζήσεται [A ζητήσ.] εἰς γενεὰς γενεῶν
— 11. ἐὰν ἐμμείνῃ ὄνομα καταλείψει ἢ χίλιοι
— 15. δότε τῷ ὀ. αὐτοῦ μεγαλωσύνην
— 35. εὐλογήσατε τὸ ὄ. κυρίου
Si. 40. 19. τέκνα καὶ οἰκοδομὴ πόλεως στηρίζουσιν ὄνομα
41. 11. ὄνομα δὲ ἁμαρτωλῶν οὐκ ἀγαθὸν [S[2] ὀ. οἰκ] ἐξαλειφθήσεται
— 12. φρόντισον περὶ ὀνόματος [S[2] ὀ. καλοῦ]
— 13. ἀγαθὸν ὄνομα εἰς αἰῶνα διαμένει
43. 8. μὴν κατὰ τὸ ὄ. αὐτῆς ἐστιν
44. 8. κατέλιπον ὄνομα τοῦ ἐκδιηγήσασθαι ἐπαίνους
— 14. τὸ ὄ. αὐτῶν ζῇ εἰς γενεάς
45. 15. εὐλογεῖν τὸν λαὸν αὐτοῦ ἐν τῷ ὀ.
46. 1. ἐγένετο κατὰ τὸ ὄ. αὐτοῦ μέγας
— 11. A R οἱ κριταὶ ἕκαστος [B S -ῳ] τῷ αὐτοῦ ὀ.
— 12. τὸ ὄ. αὐτῶν ἀντικαταλλασσόμενον ἐφ' υἱοῖς δεδοξασμένων αὐτῶν
47. 10. ἐν τῷ αἰνεῖν αὐτοὺς τὸ ἅγιον ὄ. αὐτοῦ
— 13. ἵνα στήσῃ οἶκον ἐπ' ὀνόματι αὐτοῦ
— 16. εἰς νήσους πόρρω ἀφίκετο τὸ ὄ. σου
— 18. ἐν ὀνόματι κυρίου τοῦ θεοῦ
50. 20. ἐν ὀνόματι αὐτοῦ καυχᾶσθαι
51. 2. ἐξομολογοῦμαι τῷ ὀ. σου
— 3. ἐλυτρώσω με κατὰ τὸ πλῆθος ἐλέους καὶ ὀνόματός σου
— 11. αἰνέσω τὸ ὄ. σου ἐνδελεχῶς
— 12. εὐλογήσω τῷ ὀ. κυρίου
Ho. 1. 4. κάλεσον τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἰεζραέλ (3 a)
— 6. κάλεσον τὸ ὄ. αὐτῆς Οὐκ ἠλεημένη (3 a)
— 9. κάλεσον τὸ ὄ. αὐτοῦ Οὐ λαός μου (3 a)
2. 17 (19). ἐξαρῶ τὰ ὀ. τῶν B. ἐκ στόματος αὐτῆς (3 a)
— 17 (19). οὐ μὴ μνησθῶσιν οὐκέτι τὰ ὀ. αὐ. (3 a)
Am. 2. 7. ὅπως βεβηλῶσι τὸ ὄ. τοῦ θεοῦ αὐ. (3 a)
4. 13. κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (3 a)
5. 8. κύριος ὄνομα αὐτῷ (3 a)
— 27. κ. ὁ θεὸς ὁ παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (3 a)
6. 11 (10). ἕνεκα τοῦ μὴ ὀνομάσαι τὸ ὄ. κ. (3 a)
9. 6. κ. παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (3 a)
— 12. ἐφ' οὓς ἐπικέκληται τὸ ὄ. μου ἐπ' αὐτούς (3 a)
Mi. 4. 5. ἡμεῖς δὲ πορευσόμεθα ἐν ὀνόματι κ. θεοῦ (3 a)
5. 4 (3). ἐν τῇ δόξῃ ὀνόματος [A τοῦ ὀ.] κ. θεοῦ (3 a)
6. 9. σώσει φοβουμένους τὸ ὄ. αὐτοῦ (3 a)
Jl. 2. 26. αἰνέσετε τὸ ὄ. κυρίου τοῦ θεοῦ ὑμῶν (3 a)
— 32 (3. 5). πᾶς ὃς ἂν ἐπικαλέσηται τὸ ὄ. κ. σωθήσεται (3 a)
Na. 1. 14. οὐ σπαρήσεται ἐκ τοῦ [S[3] ἐξ] ὀ. σου ἔτι (3 a)
Ze. 1. 4. ἐξαρῶ . . . τὰ ὀ. τῆς B. καὶ τὰ ὀ. τῶν ἱερέων (†, 3 a)
3. 9. τοῦ ἐπικαλεῖσθαι πάντας τὸ ὄ. κυρίου (3 a)
— 12. εὐλαβηθήσονται ἀπὸ τοῦ ὀ. κυρίου (3 a)
Za. 5. 4. τοῦ ὀμνύοντος τῷ ὀ. μου ἐπὶ ψεύδει (3 a)
6. 12. Ἀνατολὴ ὄνομα αὐτῷ (3 a)
10. 12. ἐν τῷ ὀ. αὐτοῦ κατακαυχήσονται (3 a)
13. 2. ἐξολεθρεύσω τὰ ὀ. τῶν εἰδώλων (3 a)
— 3. ψευδῆ ἐλάλησας ἐπ' [A ἐν] ὀνόματι κυρίου (3 a)
— 9. αὐτὸς ἐπικαλέσεται τὸ ὄ. μου (3 a)
14. 9. ἔσται . . . τὸ ὄνομα αὐτοῦ ἕν (3 a)
Ma. 1. 6. ὑμεῖς οἱ ἱερεῖς οἱ φαυλίζοντες τὸ ὄ. μου (3 a)
— 6. ἐν τίνι ἐφαυλίσαμεν τὸ ὄ. σου (3 a)
— 11. τὸ ὄ. μου δεδόξασται ἐν τοῖς ἔθνεσι (3 a)
— 11. θυμίαμα προσάγεται τῷ [A -αγάγετε ἐπὶ τῷ] ὀ. μου (3 a)
— 11. διότι μέγα τὸ ὄ. μου ἐν τοῖς ἔθνεσι (3 a)
— 14. τὸ ὄ. μου ἐπιφανὲς ἐν τοῖς ἔθνεσι (3 a)
2. 2. τοῦ δοῦναι δόξαν τῷ ὀ. μου (3 a)
— 5. ἀπὸ προσώπου ὀνόματός [A τοῦ ὀ.] μου (3 a)
3. 5. ἐπὶ τοὺς ὀμνύοντας τῷ ὀ. μου –
— 16. καὶ εὐλαβουμένοις τὸ ὄ. αὐτοῦ (3 a)
4. 2 (3. 20). ἀνατελεῖ ὑμῖν τοῖς φοβουμένοις τὸ ὄ. μου (3 a)
Is. 4. 1. τὸ ὄ. τὸ σὸν κεκλήσθω ἐφ' ἡμᾶς (3 a)
7. 14. καλέσεις [S -σει] τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἐμμανουήλ (3 a)
8. 3. κάλεσον τὸ ὄ. αὐτοῦ Ταχέως σκύλευσον (3 a)
9. 6 (5). καλεῖται [A -έσει] τὸ ὄ. αὐτοῦ (3 a)
12. 4. βοᾶτε τὸ ὄ. αὐτοῦ . . . ὑψώθη τὸ ὄ. αὐτοῦ (3 a, 3 a)
— 5. ὑμνήσατε τὸ ὄ. κυρίου –
14. 22. ἀπολῶ αὐτῶν ὄνομα (3 a)
18. 7. οὗ τὸ ὄ. κυρίου σαβαώθ (3 a)
19. 18. ὀμνύντες [A S[3] -ύουσαι] τῷ ὀ. κυρίου –
24. 15. τὸ ὄ. κυρίου ἔνδοξον ἔσται (3 a)
25. 1. ὑμνήσω τὸ ὄ. σου (3 a)
26. 8. ἠλπίσαμεν ἐπὶ τῷ ὀ. σου (3 a)
— 13. τὸ ὄ. σου ὀνομάζομεν (3 a)
29. 23. δι' ἐμὲ ἁγιάσουσι τὸ ὄ. μου (3 a)
30. 27. τὸ ὄ. κυρίου ἔρχεται (3 a)

Is. 33. 21. τὸ ὄ. κυρίου μέγα ὑμῖν [A ἔστιν] †
40. 26. πάντας [A -α] ἐπ' ὀνόματι καλέσει (3 a)
41. 25. τὸν ἀφ' ἡλίου ἀνατολῶν κληθήσονται [A κλήσ.] τῷ ὀ. μου (3 a)
42. 4. ἐπὶ τῷ ὀ. αὐτοῦ ἔθνη ἐλπιοῦσιν †
— 8. τοῦτό μού ἐστι τὸ [S om.] ὄ. (3 a)
— 10. A B S² δοξάζετε τὸ ὄ. αὐτοῦ –
— 24. S² οὐδὲ ἀκούειν τὸ ὄ. αὐ. [A B S¹ al.] †
43. 1. ἐκάλεσά σε τὸ ὄ. σου (3 a)
— 7. ὅσοι ἐπικέκληνται τῷ ὀ. μου (3 a)
44. 5. βοήσεται [A ἐρεῖ] ἐπὶ τῷ ὀ. Ἰακώβ . . . ἐπὶ τῷ ὀ. Ἰσραὴλ βοήσεται [A S³ om.] (3 a, 3 a)
45. 3. ὁ καλῶν τὸ ὄ. σου θεὸς Ἰσραήλ (3 a)
— 4. S¹ R καλέσω σε τῷ ὀ. σου [A B S³ μου] (3 a)
47. 4. ὄνομα αὐτῷ ἅγιος Ἰσραήλ (3 a)
48. 1. οἱ κεκλημένοι ἐπὶ [A S² om.] τῷ ὀ. Ἰσραήλ . . . οἱ ὀμνύοντες τῷ ὀ. κ. θεοῦ Ἰσρ. (3 a, 3 a)
— 2. ἀντεχόμενοι τῷ ὀ. τῆς πόλεως τῆς ἁγίας †
— 2. κύριος σαβαὼθ ὄνομα αὐτῷ (3 a)
— 9. ἕνεκεν τοῦ ἐμοῦ ὀ. δείξω σοι τὸν θυμόν μου (3 a)
— 11. τὸ ἐμὸν ὄ. βεβηλοῦται †
— 19. οὐδὲ ἀπολεῖται τὸ ὄ. σου ἐνώπιον ἐμοῦ (3 a)
49. 1. ἐκ κοιλίας μητρός μου ἐκάλεσε τὸ ὄ. μου (3 a)
50. 10. πεποίθατε ἐπὶ τῷ ὀ. κυρίου (3 a)
51. 15. κύριος σαβαὼθ ὄνομά μοι (3 a)
52. 5. τὸ ὄ. μου βλασφημεῖται ἐν τοῖς ἔθνεσι (3 a)
— 6. γνώσεται ὁ λαός μου τὸ ὄ. μου (3 a)
54. 5. κύριος σαβαὼθ ὄνομα αὐτῷ (3 a)
— 9. S¹ τοῦτό μοί ἐστιν ὄνομα [A B S² om.] –
55. 13. ἔσται κύριος εἰς ὄνομα (3 a)
56. 5. ὄ. αἰώνιον δώσω αὐτοῖς (3 a)
— 6. ἀγαπᾶν τὸ ὄ. κυρίου (3 a)
57. 15. ἅγιος ἐν ἁγίοις ὄνομα αὐτῷ (3 a)
59. 19. φοβηθήσονται οἱ ἀπὸ δυσμῶν τὸ ὄ. κυρίου καὶ οἱ ἀπ' ἀνατολῶν ἡλίου τὸ ὄ. τὸ ἔνδοξον (3 a, –)
60. 9. A S R διὰ [B om.] τὸ ὄ. κυρίου τὸ ἅγιον (3 a)
62. 2. καλέσει σε τὸ ὄ. [A S add. σου] τὸ καινόν (3 a)
63. 12. ποιῆσαι ἑαυτῷ ὄ. αἰώνιον (3 a)
— 14. ποιῆσαι σεαυτῷ ὄνομα δόξης (3 a)
— 16. ἀπ' ἀρχῆς τὸ ὄ. σου ἐφ' ἡμᾶς ἐστι [A σού ἐστιν ἐν ἡμῖν] (3 a)
— 19. οὐδὲ ἐκλήθη τὸ ὄ. σου ἐφ' ἡμᾶς (3 a)
64. 2 (1). φανερὸν ἔσται τὸ ὄ. σου [A S κυρίου] ἐν τοῖς ὑπεναντίοις (3 a)
— 7 (6). οὐκ ἔστιν ὁ ἐπικαλούμενος τὸ ὄ. σου (3 a)
65. 1. οἱ οὐκ ἐκάλεσάν μου τὸ ὄ. (3 a)
— 15. καταλείψετε γὰρ τὸ ὄ. ὑμῶν εἰς πλησμονὴν τοῖς ἐκλεκτοῖς μου (3 a)
— 15. τοῖς δὲ δουλεύουσί μοι κληθήσεται ὄ. καινόν (3 a)
66. 5. ἵνα τὸ ὄ. κυρίου δοξασθῇ (3 a)
— 19. οὐκ ἀκηκόασί μου τὸ ὄ. (4 a)
— 22. στήσεται τὸ σπέρμα ὑμῶν καὶ τὸ ὄ. ὑμῶν (3 a)
Je. 7. 10, 11. οὗ ἐπικέκληται τὸ ὄ. μου ἐπ' αὐτῷ (3 a)
— 12. οὗ κατεσκήνωσα τὸ ὄ. μου ἐκεῖ ἔμπροσθεν (3 a)
— 14. ᾧ ἐπικέκληται τὸ ὄ. μου ἐπ' αὐτῷ (3 a)
— 30. οὗ ἐπικέκληται τὸ ὄ. μου ἐπ' αὐτόν (3 a)
10. 16. κύριος ὄνομα αὐτῷ [A -οῦ] (3 a)
— 25. αἱ τὸ ὄ. σου οὐκ ἐπεκαλέσαντο (3 a)
11. 16. ἐλαίαν ὡραίαν εὔσκιον τῷ εἴδει ἐκάλεσε [S add. σε] κύριος τὸ ὄ. σου (3 a)
— 19. τὸ [A om.] ὄ. αὐ. οὐ μὴ μνησθῇ οὐκέτι (3 a)
— 21. οὐ μὴ προφητεύσεις ἐπὶ τῷ ὀ. κυρίου (3 a)
12. 16. τοῦ ὀμνύειν τῷ ὀ. μου (3 a)
14. 9. τὸ ὄ. σου ἐπικέκληται ἐφ' ἡμᾶς (3 a)
— 14. ψευδῆ οἱ προφῆται προφητεύουσιν ἐπὶ τῷ ὀ. μου (3 a)
— 15. περὶ τῶν προφητῶν τῶν προφητευόντων ἐπὶ [A om.] τῷ ὀ. μου ψευδῆ (3 a)
— 21. κόπασον διὰ τὸ ὄ. σου (3 a)
15. 16. ἐπικέκληται τὸ ὄ. σου ἐπ' ἐμοί (3 a)
16. 21. ὄνομά μοι κύριος [S³ om. ὄ. μ. κ.] (3 a)
20. 3. οὐχὶ Πασχὼρ ἐκάλεσε κ. τὸ ὄ. σου (3 a)
— 9. οὐ μὴ ὀνομάσω τὸ ὄ. κ. καὶ οὐ μὴ λαλήσω ἔτι ἐπὶ τῷ ὀ. αὐ. [A τούτῳ] (–, 3 a)
23. 6. τοῦτο τὸ ὄ. αὐ. ὃ καλέσει αὐτὸν κ. Ἰ. (3 a)
— 13. A ἐπροφήτευσαν ἐπ' ὀνόματί μου [B S om. ἐ. ὀ. μ.] –
— 25. A R ἃ [B S om.] προφητεύουσιν ἐπὶ τῷ ὀ. μου (3 a)
— 27. ἐπελάθοντο οἱ πατέρες αὐ. τοῦ ὀ. μου (3 a)
26 (46). 17. καλέσατε τὸ ὄ. Φαραώ †
27 (50). 34. κύριος παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (3 a)
Je. 28 (51). 19. κύριος ὄνομα αὐτῷ (3 a)
— 57. κύριος παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (3 a)
31 (48). 17. πάντες ἔκδοτε ὄνομα αὐτοῦ (3 a)
32. 15 (25. 29). ὠνομάσθη τὸ ὄ. μου (3 a)
33 (26). 9. ἐπροφήτευσας [S add. ἐπὶ] τῷ ὀ. κυρίου (3 a)
— 16. ἐπὶ τῷ ὀ. κ. τοῦ θ. ἡμῶν ἐλάλησε (3 a)
— 20. ἄνθρωπος ἦν προφητεύων [A add. ἐπὶ] τῷ ὀ. κυρίου (3 a)
34 (27). 14. προφητεύουσι [A add. ἐπὶ] τῷ ὀ. μου ἐπ' ἀδίκῳ –
36 (29). 9. ἄδικα αὐτοὶ προφητεύουσιν ὑμῖν ἐπὶ τῷ ὀ. μου (3 a)
— 23. λόγον ἐχρημάτισαν ἐν τῷ ὀ. μου (3 a)
— 25. οὐκ ἀπέστειλά σε τῷ ὀ. μου (3 a ?)
38 (31). 35. κύριος παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (3 a)
39 (32). 20. ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα (3 a)
— 34. οὗ [A ᾧ] ἐπεκλήθη τὸ ὄ. μου ἐπ' αὐτῷ (3 a)
40 (33). 2. κύριος ὄνομα αὐτῷ (3 a)
41 (34). 15. οὗ ἐπεκλήθη τὸ ὄ. μου ἐπ' αὐτῷ (3 a)
— 16. ἐβεβηλώσατε τὸ ὄ. [A τὴν διαθήκην] μου (3 a)
51 (44). 16. ὃν ἐλάλησας πρὸς ἡμᾶς τῷ [S ἐν] ὀ. κυρίου (3 a)
— 26. ὤμοσα τῷ ὀ. μου τῷ μεγάλῳ . . . ἐὰν γένηται ἔτι ὄ. μου ἐν τῷ στόματι (3 a, 3 a)
52. 1. ὄνομα τῇ μητρὶ αὐτοῦ Ἀμειτάαλ (3 a)
Ba. 2. 11. ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα
— 14. A ἐξελοῦ ἡμᾶς ἕνεκεν τοῦ ὀ. [B om. τ. ὀ.] σου
— 15. τὸ ὄ. σου ἐπεκλήθη ἐπὶ Ἰσραήλ
— 26. οὗ ἐπεκλήθη τὸ ὄ. σου
— 32. μνησθήσονται τοῦ ὀ. μου
3. 5. μνήσθητι χειρός σου καὶ ὀνόματός σου
— 7. ἐπικαλεῖσθαι τὸ ὄ. σου
5. 4. κληθήσεται γάρ σου τὸ ὄ. παρὰ τοῦ θεοῦ
La. 3. 55. B ἐπεκαλεσάμην τὸ ὄ. σου (3 a)
Ez. 16. 14. ἐξῆλθέ σου ὄ. ἐν τοῖς ἔθνεσιν (3 a)
— 15. ἐπόρνευσας ἐπὶ τῷ ὀ. σου (3 a)
20. 9, 14, 22. ὅπως τὸ ὄ. μου τὸ παράπαν μὴ βεβηλωθῇ (3 a)
— 29. ἐπεκάλεσαν τὸ ὄ. αὐτοῦ Ἀβαμά (3 a)
— 39. τὸ ὄ. μου τὸ ἅγιον οὐ βεβηλώσετε οὐκέτι (3 a)
— 44. ὅπως τὸ ὄ. μου μὴ βεβηλωθῇ (3 a)
23. 4. τὰ ὀ. αὐτῶν ἦν Ὀ. ἡ πρεσβυτέρα καὶ Ὀ. (3 a)
— 4. τὰ ὀ. αὐ. Σαμάρεια ἦν Ὀ. (3 a)
36. 20. ἐβεβήλωσαν τὸ ὄ. μου τὸ ἅγιον (3 a)
— 21. ἐφεισάμην αὐτῶν διὰ τὸ ὄ. μου τὸ ἅγιον (3 a)
— 22. ἀλλ' ἢ διὰ τὸ ὄ. μου τὸ ἅγιον (3 a)
— 23. ἁγιάσω τὸ ὄ. μου τὸ μέγα [A ἅγιον] (3 a)
39. 7. τὸ ὄ. μου τὸ ἅγιον γνωσθήσεται ἐν μέσῳ λαοῦ μου Ἰσ. καὶ οὐ βεβηλωθήσεται τὸ ὄ. μου τὸ ἅγιον οὐκέτι (3 a, 3 a)
— 16. τὸ ὄ. τῆς πόλεως Πολυάνδριον (3 a)
— 25. ζηλώσω διὰ τὸ ὄ. τὸ ἅγιόν μου (3 a)
43. 7. ἐν οἷς κατασκηνώσει τὸ ὄ. μου †
— 7. οὐ βεβηλώσουσιν οὐκέτι οἶκος Ἰσραὴλ τὸ ὄ. τὸ ἅγιόν μου (3 a)
— 8. ἐβεβήλωσαν τὸ ὄ. τὸ ἅγιόν μου (3 a)
48. 1. ταῦτα τὰ ὀ. τῶν φυλῶν (3 a)
— 31. αἱ πύλαι τῆς πόλεως ἐπ' ὀνόμασι φυλῶν τοῦ Ἰσραήλ (3 a)
— 35. τὸ ὄ. τῆς πόλεως . . . ἔσται τὸ ὄ. αὐ. (3 a, †)
Da. LXX. Su. 1. καὶ ὄνομα αὐτῷ Ἰ.
— 2. ᾗ ὄνομα Σουσ.
— 7. γυναῖκα ἀδελφοῦ αὐ. . . . ὄνομα Σουσάνναν
1. 7. ἐπέθηκεν αὐτοῖς ὁ ἀρχιευν. ὀνόματα (3 a)
2. 20. ἔστω τὸ ὄ. τοῦ κ. τοῦ μεγάλου εὐλογημένον (3 b)
3. (26). δεδοξασμένον τὸ ὄ. σου εἰς τοὺς αἰῶνας
— (34). μὴ παραδῷς ἡμᾶς εἰς τέλος διὰ τὸ ὄ. σου
— (43). δὸς δόξαν τῷ ὀ. σου
— (52). εὐλογημένον τὸ ὄ. τῆς δόξης σου
— 26 (93). ἐκάλεσεν αὐτοὺς ἐξ ὀνόματος –
9. 6. οἱ ἐλάλησαν ἐπὶ τῷ ὀ. σου (3 a)
— 15. ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα (3 a)
— 18. ἐφ' ἧς ἐπεκλήθη τὸ ὄ. σου ἐπ' αὐτῆς (3 a)
— 19. τὸ ὄ. σου ἐπεκλήθη ἐπὶ τὴν πόλιν σου Σ. (3 a)
10. 1. ὃς ἐπεκλήθη τὸ ὄ. Β. (3 a)
Bel 1. ᾧ ὄνομα Δαν.
Da. TH. Su. 1. καὶ ὄνομα αὐτῷ Ἰ.
— 2. ᾗ ὄνομα Σουσάννα
— 45. ᾧ ὄνομα Δαν.
1. 7. ἐπέθηκεν αὐτοῖς ὁ ἀρχιευν. ὀνόματα (3 a)
2. 20. εἴη τὸ ὄ. τοῦ θ. εὐλογημένον (3 b)
— 26. οὗ τὸ ὄ. Βαλτ. (3 b)
3. (26). δεδοξασμένον τὸ ὄ. σου εἰς τοὺς αἰῶνας
Da. TH. Su. 3. (34). διὰ τὸ ὄ. σου
— (43). δὸς δόξαν τῷ ὀ. σου
— (52). εὐλογημένον τὸ ὄ. τῆς δόξης σου
4. 5. οὗ τὸ ὄ. Βαλτ. κατὰ τὸ ὄ. τοῦ θεοῦ μου (3 b, 3 b)
— 16. οὗ τὸ ὄ. Βαλτ. (3 b)
5. 12. ὁ βασ. ἐπέθηκεν αὐτῷ ὄνομα (3 b)
9. 6. οἱ ἐλάλουν ἐν τῷ ὀ. σου (3 a)
— 15. καὶ ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα (3 a)
— 18. ἐφ' ἧς ἐπικέκληται τὸ ὄ. σου ἐπ' αὐτῆς (3 a)
— 19. τὸ ὄ. σου ἐπικέκληται ἐπὶ τὴν πόλιν σου (3 a)
10. 1. οὗ τὸ ὄ. ἐπεκλήθη Β. (3 a)
Bel 3. ᾧ ὄνομα Βήλ
I Ma. 2. 51. S R δέξασθε . . . ὄνομα [A δόξαν] αἰώνιον
3. 14. ποιήσω ἐμαυτῷ ὄνομα
— 26. ἤγγισεν ἕως τοῦ βασ. τὸ ὄ. αὐ.
— 41. ἤκουσαν . . . τὸ ὄ. αὐτῶν
4. 33. πάντες οἱ εἰδότες τὸ ὄ. σου
5. 57. ποιήσωμεν καὶ αὐτοὶ ἑαυτοῖς ὄνομα
— 63. οὗ ἠκούετο τὸ ὄ. αὐ.
6. 17. ἐκάλεσε τὸ ὄ. αὐ. Εὐπάτωρ
— 44. περιποιῆσαι ἑαυτῷ ὄ. αἰώνιον
7. 37. ἐπικληθῆναι τὸ ὄ. σου
8. 1. ἤκουσεν Ἰ. τὸ ὄ. τῶν Ῥωμαίων
— 12. ὅσοι ἤκουον τὸ ὄ. αὐτῶν
13. 29. ἐποίησεν . . . πανοπλίας εἰς ὄ. αἰώνιον
14. 10. ὠνομάσθη τὸ ὄ. τῆς δόξης αὐ.
— 43. ὅπως γράφωνται ἐπὶ τῷ ὀ. αὐ.
II Ma. 8. 4. περὶ τῶν γενομ. εἰς τὸ ὄ. αὐ. βλασφημιῶν
— 15. τῆς . . . ἐπικλήσεως τοῦ σεμνοῦ . . . ὀ. αὐ.
12. 13. ὄνομα δὲ Κάσπιν
III Ma. 2. 9. R ἀγιάσας τὸν τόπον τ. εἰς ὄνομά σοι [A al.]
— 9. πρὸς δόξαν τοῦ μεγ. καὶ ἐντίμου ὀ. σου
— 14. τὸν . . . ἀναδεδειγμένον τῷ ὀ. τῆς δόξης σου ἅγιον τόπον
4. 14. ἀπογραφῆναι δὲ πᾶν τὸ φῦλον ἐξ ὀνόματος
IV Ma. 5. 4. εἷς πρῶτος . . . ὀνόματι Ἐλ.

[Aq. Ge. 4. 26 : 28. 19 : 36. 40 : Ex. 32. 25 : II Ki. 3. 7 : 12. 25 : 23. 18 : III Ki. 11. 26 : Ps. 24 (25). 11 : 28 (29). 2 : 30 (31). 4 : 32 (33). 21 : 44 (45). 18 : 48 (49). 12 : 71 (72). 17 : 82 (83). 19 : 85 (86). 11 : 88 (89). 13 : 95 (96). 8 : 112 (113). 1 : 117 (118). 26 : Pr. 30. 4 *bis* : Is. 7. 14 : 9. 6 (5) : 52. 5 : 56. 5 *bis* : 60. 9 : 64. 2 (1) : 65. 15 : 66. 5 : Je. 3. 17 (Sw.) : 10. 6 : 33 (40). 9 : Ez. 20. 9, 44 : 24. 2 : Am. 6. 10.]
[Sm. Jd. 2. 5 : II Ki. 3. 7 : 6. 18 : 12. 25 : 23. 18 : Jb. 18. 17 : Ps. 9. 3 : 24 (25). 11 : 28 (29). 2 : 32 (33). 21 : 40 (41). 6 : 44 (45). 18 : 51 (52). 11 : 65 (66). 4 : 71 (72). 17 : 79 (80). 19 : 82 (83). 19 : 85 (86). 11 : 88 (89). 13 : 95 (96). 8 : 112 (113). 1 : 117 (118). 26 : 137 (138). 2 : 141 (142). 8 : Is. 7. 14 : 9. 6 (5) : 29. 23 : 52. 5 : 56. 5 *bis* : 60. 9 : 62. 2 : 63. 19 : 64. 2 (1) : 65. 15 : 66. 5 : Je. 33 (40). 9 : Ez. 24. 2 : Am. 6. 10.]
[Th. Jd. 18. 29 : II Ki. 3. 7 : 12. 25 : Jb. 1. 1 : 18. 17 : Ps. 28 (29). 2 : 44 (45). 18 : 48 (49). 12 : 71 (72). 14, 17 : 82 (83). 19 : 95 (96). 8 : 117 (118). 26 : Pr. 30. 4 *bis* : Is. 56. 5 *bis* : 60. 9 : 64. 2 (1) : 66. 5 : Je. 3. 17 (Sw.) : 10. 6 : 29 (36). 21, 25 : 32 (39). 18 : 33 (40). 16 : Ez. 20. 44 : 24. 2 : Am. 6. 10.]
[Al. Ps. 8. 2 : 104 (105). 1 : 146 (147). 4.]
[Quint. Ps. 67 (68). 5 : 117 (118). 26.]
[Sext. Ps. 117 (118). 26.]
[Heb. Ge. 4. 26.]

ὀνομάζειν. (1) זָכַר *a.* qal. *b.* hi. (2) נָקַב *a.* qal. *b.* ni. (3) קָרָא *a.* qal. *b.* ni.

Ge. 26. 18. κατὰ τὰ ὀνόματα ἃ ὠνόμασεν (3 a)
Le. 24. 16. ὀνομάζων δὲ τὸ ὄνομα κυρίου (2 a)
— 16. ἐν τῷ ὀνομάσαι αὐτὸν τὸ ὄνομα κυρίου (2 a)
De. 2. 20. B¹ ὀνομάζουσιν [A B² R ἐπον.] αὐτοὺς Ζοχ. (3 a)
Jo. 23. 7. τὰ ὀνόματα τῶν θεῶν αὐ. οὐκ ὀνομασθήσεται (1 b)
I Ch. 12. 31 : II Ch. 31. 19. οἱ ὠνομάσθησαν ἐν ὀνόματι (2 b)
I Es. 4. 63. οὗ ὠνομάσθη τὸ ὄνομα αὐ. ἐπ' αὐτῷ
8. 49. A πάντων ὀνομάσθη ἡ [B ἐσημάνθη] ὀνοματογραφία
To. 3. 8. B² S R ἑνὸς αὐτῶν οὐκ ὠνομάσθης [A B¹ ὠνάσθης]
Es. 9. 4. ὀνομασθῆναι ἐν πάσῃ τῇ βασ. †
Wi. 2. 13. παῖδα κυρίου ἑαυτὸν ὀνομάζει

Wi. 14. 8. τὸ δὲ φθαρτὸν θεὸς ὠνομάσθη
Si. 23. 10. καὶ [A S καὶ ὁ] ὀνομάζων διὰ παντὸς [A S² δ. π. τὸ ὄνομα κυρίου]
Am. 6. 11 (10). ἕνεκα τοῦ μὴ ὀνομάσαι τὸ ὄνομα κυρίου (1 b)
Is. 19. 17. ὃς ἐὰν ὀνομάσῃ [S¹ ὀμόσῃ] αὐτὴν αὐτοῖς φοβηθήσονται (1 b)
26. 13. τὸ ὄνομά σου ὀνομάζομεν (1 b)
62. 2. ὃ ὁ κύριος ὀνομάσει αὐτό (2 a)
Je. 3. 16. οὐκ ὀνομασθήσεται οὐδὲ ἐπισκεφθήσεται (1 a)
20. 9. οὐ μὴ ὀνομάσω τὸ ὄνομα κυρίου (1 a)
23. 36. λῆμμα κυρίου μὴ ὀνομάζετε (1 a)
32. 15 (25. 29). ὠνομάσθη τὸ ὄνομά μου ἐπ' αὐτὴν [A -ῆς] (3 b)
Ba. 4. 30. παρακαλέσει σε ὁ ὀνομάσας σε
I Ma. 3. 9. ὠνομάσθη ἕως ἐσχάτου τῆς γῆς
11. 51. S¹ ὠνομάσθησαν ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐ.
14. 10. ὠνομάσθη τὸ ὄνομα τῆς δόξης αὐ.
III Ma. 7. 17. εἰς Πτ. τὴν ὀνομαζομ. . . . ῥοδοφόρον
[Aq. Jb. 3. 8.]
[Sm. Dt. 3. 9: Ps. 48 (49). 12.]

ὀνομασία.

Si. 23. 9. ὀνομασίᾳ τοῦ ἁγίου [A S² ὑψίστου] μὴ συνεθισθῇς
[Aq. Ps. 67 (68). 5.]
[Sm. Ps. 48 (49). 12: 67 (68). 5.]
[Quint. Ps. 67 (68). 5 (P.).]

ὀνομαστί. (1) בְּשֵׁם

Es. 2. 14. A ἐὰν μὴ κληθῇ ὀ. [B S -ατι] (1)
[Sm., Al. Ps. 146 (147). 4.]

ὀνομαστός. (1) קָרָא (2) a. שֵׁם b. לְשֵׁם c. שֵׁם גָּדוֹל (3) ὁ ὀ. הַשֵּׁם

Ge. 6. 4. οἱ δὲ γίγαντες . . . οἱ ἄνθρωποι οἱ ὀ. (3)
Nu. 16. 2. σύγκλητοι βουλῆς καὶ ἄνδρες ὀ. (2 a)
De. 26. 19. ὡς ἐποίησέ σε ὀνομαστόν (2 b)
II Ki. 7. 9. ἐποίησά σε ὀνομαστόν (2 c)
III Ki. 4. 31 (5. 11). A ἦν ὀνομαστὸς ἐν πᾶσιν τοῖς ἔθνεσιν (2 a)
I Ch. 5. 24. οὗτοι ἀρχηγοὶ . . . ἄνδρες ὀ. (2 a)
11. 20. οὗτος ἦν ὀ. ἐν τοῖς τρισίν (2 a)
12. 30. δυνατοὶ ἰσχύϊ ἄνδρες ὀ. (2 a)
Ju. 11. 23. καὶ ἔσῃ ὀνομαστὴ παρὰ πᾶσαν τὴν γῆν
Si. 39. 2. διηγήσεις [A S -σιν] ἀνδρῶν ὀνομαστῶν συντηρήσει
44. 3. ἄνδρες ὀνομαστοὶ ἐν δυνάμει
Ze. 3. 19. A S² R θήσομαι [B S¹ om.] αὐτοὺς . . . ὀνομαστοὺς ἐν πάσῃ τῇ γῇ (2 b)
— 20. διότι δώσω ὑμᾶς ὀνομαστούς (2 b)
Is. 56. 5. δώσω αὐτοῖς . . . τόπον ὀνομαστόν (2 a)
Je. 13. 11. τοῦ γενέσθαι μοι εἰς λαὸν ὀνομαστόν (2 b)
52. 25. ἑπτὰ ἄνδρας ὀνομαστούς –
Ba. 3. 26. ἐκεῖ ἐγεννήθησαν οἱ γίγαντες οἱ ὀ.
Ez. 22. 5. ἐμπαίζονται ἐν σοὶ ἀκάθαρτος ἡ ὀνομαστή (3)
23. 23. ἐπάξω . . . πάντας τρισσοὺς καὶ ὀ. (1)
24. 14. ἡ ὀνομαστὴ καὶ πολλὴ τοῦ παραπικραίνειν –
39. 11. δώσω τῷ Γὼγ τόπον ὀνομαστόν †
— 13. ἔσται αὐτοῖς [A add. εἰς] ὀνομαστόν (2 b [2 a])
[Aq., Th. Je. 3. 19.]
[Sm. Ez. 23. 10.]

ὀνοματογραφία.

I Es. 6. 12. τὴν ὀ. ᾐτοῦμεν αὐτούς
8. 49. B πάντων ἐσημάνθη ὀνοματογραφία [A R al.]

ὄνος. (1) אָתוֹן (2) חֲמוֹר, חֲמוֹר (3) a. עֲיָרִים b. עַיִר (4) פֶּרֶא (5) ὄ. ἄγριος פֶּרֶא (6) ὄ. ἐρημίτης עַיִר פֶּרֶא (7) ὄ. θήλεια אָתוֹן

Ge. 12. 16. πρόβατα καὶ μόσχοι καὶ ὄνοι (2)
22. 3. ἐπέσαξε τὴν ὀ. αὐτοῦ (2)
— 5. καθίσατε αὐτοῦ μετὰ τῆς ὄ. (2)
24. 35. ἔδωκεν αὐτῷ . . . καμήλους καὶ ὄνους (2)
30. 43. παιδίσκαι καὶ κάμηλοι καὶ ὄνοι (2)
32. 5 (6). βόες καὶ ὄνοι καὶ πρόβατα (2)
— 15 (16). ταύρους δέκα ὄνους εἴκοσι (1)
34. 28. τοὺς βόας αὐ. καὶ τοὺς ὄνους αὐτῶν (2)
42. 26. ἐπιθέντες τὸν σῖτον ἐπὶ τοὺς ὄ. αὐ. (2)
— 27. δοῦναι χορτάσματα τοῖς ὄ. αὐτοῦ (2)
43. 18. τοῦ λαβεῖν ἡμᾶς . . . καὶ τοὺς ὄ. ἡμῶν (2)
— 24. ἔδωκε χορτάσματα τοῖς ὄ. αὐτῶν (2)
44. 3. ἀπεστάλησαν αὐτοὶ καὶ οἱ ὄ. αὐτῶν (2)
Ge. 44. 13. τὸν μάρσιππον αὐτοῦ ἐπὶ τὸν ὄ. αὐτοῦ (2)
45. 23. δέκα ὄνους αἴροντας ἀπὸ πάντων (2)
47. 17. ἀντὶ τῶν ἵππων . . . καὶ ἀντὶ τῶν ὄ. (2)
49. 11. δεσμεύων . . . τὸν πῶλον τῆς ὄ. αὐτοῦ (1)
Ex. 13. 13. πᾶν διανοίγον μήτραν ὄνου (2)
21. 33. καὶ ἐμπέσῃ ἐκεῖ μόσχος ἢ ὄ. (2)
22. 4 (3). τὸ κλέμμα ἀπό τε [A om.] ὄνου (2)
Le. 15. 9. πᾶν ἐπίσαγμα ὄνου ἐφ' ὃ ἂν ἐπιβῇ –
Nu. 22. 21. ἐπέσαξε τὴν ὄ. αὐτοῦ (1)
— 22. αὐτὸς ἐπιβεβήκει ἐπὶ τῆς ὄ. αὐ. (1)
— 23. ἰδοῦσα ἡ ὄ. τὸν ἄγγελον τοῦ θεοῦ (1)
— 23. ἐξέκλινεν ἡ ὄ. ἐκ τῆς ὁδοῦ (1)
— 23. ἐπάταξε τὴν ὄ. ἐν τῇ ῥάβδῳ (1)
— 25, 27. ἰδοῦσα ἡ ὄ. τὸν ἄγγελον τοῦ θ. (1)
— 27. ἔτυπτε τὴν ὄ. τῇ ῥάβδῳ (1)
— 28. ἤνοιξεν ὁ θ. τὸ στόμα τῆς ὄ. (1)
— 29. εἶπε Βαλαὰμ τῇ ὄ. (1)
— 30. λέγει ἡ ὄ. τῷ Β. (1)
— 30. οὐκ ἐγὼ ἡ ὄ. σου (1)
— 32. διὰ τί ἐπάταξας τὴν ὄ. σου (1)
— 32 (33). καὶ ἰδοῦσά με ἡ ὄ. (1)
31. 28. A R ἀπὸ τῶν προβάτων καὶ ἀπὸ τῶν ὄ. [B αἰγῶν] (2)
— 30. ἀπὸ τῶν προβάτων καὶ ἀπὸ τῶν ὄ. (2)
— 34. ὄνοι [A ὄνων] μία καὶ ἑξήκ. χιλιάδες (2)
— 39, 45. ὄνοι τριάκοντα χιλιάδες καὶ πεντακόσιοι (2)
De. 22. 3. οὕτω ποιήσεις τὸν ὄ. αὐτοῦ (2)
— 4. οὐκ ὄψῃ [A² ὑπερόψῃ] τὸν ὄ. τοῦ ἀδ. σου (2)
— 10. ἐν μόσχῳ καὶ ὄνῳ ἐπὶ τὸ αὐτό (2)
28. 31. ὁ ὄ. [A οἰνός] σου ἡρπασμένος ἀπὸ σοῦ (2)
Jo. 9. 4. A λαβόντες σάκκους παλαιοὺς ἐπὶ τῶν ὄ. [B ὤμων] αὐτῶν (2)
15. 18. ἐβόησεν ἐκ [A ἀπὸ] τοῦ ὄ. (2)
Jd. 5. 10. ἐπιβεβηκότες ἐπὶ ὄ. θηλείας [A al.] (1)
6. 4. B οὐ κατέλιπον . . . ὄνον [A R al.] (2)
15. 15. εὗρε σιαγόνα ὄνου (2)
— 16. ἐν σιαγόνι ὄνου (2)
— 16. ἐν τῇ σιαγόνι τοῦ ὄ. [A ἐν σ. ὄ.] (2)
19. 3. καὶ ζεῦγος ὄνων [A ὑποζυγίων] (2)
— 10. μετ' αὐτοῦ ζεῦγος ὄνων [A ὑποζυγίων] (2)
— 19. χορτάσματά ἐστι τοῖς ὄ. ἡμῶν (2)
— 21. τόπον ἐποίησε τοῖς ὄ. [A al.] (2)
— 28. ἔλαβεν αὐτὴν ἐπὶ τὸν ὄ. [A al.] (2)
I Ki. 8. 16. τοὺς ὄ. ὑμῶν λήψεται (2)
9. 3. ἀπώλοντο αἱ [A οἱ] ὄ. Κείς (1)
— 3. ζητήσατε τὰς ὄ. (1)
— 5. μὴ ἀνεὶς ὁ πατήρ μου τὰς ὄ. (1)
— 20. περὶ τῶν ὄ. σου τῶν ἀπολωλυιῶν (1)
10. 2. εὕρηνται αἱ ὄ. (1)
— 2. ἀποτετίνακται τὸ ῥῆμα τῶν ὄ. (1)
— 14. ζητεῖν τὰς ὄ. (1)
— 16. εὕρηνται αἱ ὄ. (1)
12. 3. ὄνον τίνος εἴληφα (2)
15. 3. ἀπὸ καμήλου ἕως ὄνου (2)
22. 19. ἀπὸ . . . μόσχου καὶ ὄνου (2)
25. 18. καὶ ἔθετο ἐπὶ τοὺς [A τὰς] ὄ. (2)
— 20. αὐτῆς ἐπιβεβηκυίης ἐπὶ τὴν ὄ. (2)
— 23. κατεπήδησεν ἀπὸ τῆς ὄ. (2)
— 42. ἐπέβη ἐπὶ τὴν ὄ. (2)
27. 9. ἐλάμβανεν . . . ὄνους (2)
II Ki. 16. 1. καὶ ζεῦγος ὄνων ἐπισεσαγμένων (2)
17. 23. ἐπέσαξε τὴν ὄ. αὐ. (2)
19. 26 (27). ἐπίσαξόν μοι τὴν ὄ. (2)
III Ki. 3. 1 (2. 40). ἐπέσαξε τὴν ὄ. αὐτοῦ (2)
13. 13. ἐπισάξατέ μοι τὸν [A τὴν] ὄ. (2)
— 13. ἐπέσαξαν αὐτῷ τὸν [A τὴν] ὄ. (2)
— 23. ἐπέσαξεν αὐτῷ τὸν [A τὴν] ὄ. (2)
— 24. ὁ ὄ. εἱστήκει παρ' αὐτό (2)
— 27. A ἐπισάξατέ μοι τὴν ὄ. (2)
— 28. ὁ [A om.] ὄ. καὶ ὁ λέων εἱστήκεισαν (2)
— 28. B οὐ συνέτριψε τὸν ὄ. (2)
— 29. ἐπέθηκεν αὐτὸ ἐπὶ τὸν ὄ. (2)
IV Ki. 4. 22. ἀπόστειλον δή μοι . . . μίαν τῶν ὄ. (1)
— 24. ἐπέσαξε τὴν ὄ. (1)
6. 25. ἐγενήθη κεφαλὴ ὄνου πεντήκοντα ἀργυρίου (2)
7. 7. ἐγκατέλιπον . . . τοὺς ὄ. αὐτῶν (2)
— 10. A ἵππος δεδεμένος καὶ ὄνος δεδεμένος [B om.] (2)
I Ch. 5. 21. ἠχμαλώτευσαν . . . ὄ. δισχιλίους (2)
12. 40. ἐπὶ τῶν καμήλων καὶ τῶν ὄ. (2)
27. 30. ἐπὶ δὲ τῶν ὄ. Ἰαδίας (1)
II Es. 2. 67. ὄνοι αὐτῶν ἑξακισχ. ἑπτακόσιοι εἴκοσι (2)
Ne. 7. 69. ὄνοι δισχίλιοι ἑπτακόσιοι [A S al.] (2)
13. 15. ἐπιγεμίζοντας ἐπὶ τοὺς ὄ, (2)
To. 10. 11. S παρέδωκεν Τ. . . . ὄνους καὶ καμήλους [A B al.]
Ju. 2. 17. ἔλαβε καμήλους καὶ ὄνους
Jb. 1. 3. ὄνοι θήλειαι νομάδες πεντακόσιαι [A -ιοι] (7)
— 14. αἱ θήλειαι ὄ. ἐβόσκοντο ἐχόμεναι αὐτῶν (7)
6. 5. μὴ διὰ κενῆς κεκράξεται ὄνος ἄγριος (5)
11. 12. βροτὸς δὲ γεννητὸς γυναικὸς ἴσα [A om.] ὄνῳ ἐρημίτῃ (6)
24. 5. ἀπέβησαν δὲ ὥσπερ ὄνοι ἐν ἀγρῷ (4)
39. 5. τίς δέ ἐστιν ὁ ἀφεὶς ὄνον ἄγριον ἐλεύθερον (5)
42. 12. ἦν δὲ τὰ κτήνη αὐτοῦ . . . ὄνοι θήλειαι νομάδες χίλιαι (7)
Ps. 79 (80). 13. B¹ S¹ ὄνος [A B² S² R μονιὸς] ἄγριος κατενεμήσατο αὐτήν †
Pr. 26. 3. ὥσπερ μάστιξ ἵππῳ καὶ κέντρον ὄνῳ (2)
Si. 30. 33 (33. 24). ῥάβδος καὶ φορτία ὄνῳ
Za. 14. 15. αὕτη ἔσται ἡ πτῶσις . . . τῶν ὄ. (2)
Is. 1. 3. ὄνος τὴν φάτνην τοῦ κυρίου αὐτοῦ (2)
21. 7. εἶδον . . . ἀναβάτην ὄνου (2)
30. 6. ἔφερον ἐπὶ ὄνων καὶ καμήλων τὸν πλοῦτον αὐτῶν (3 a*, 3 b)
32. 14. εὐφροσύνη ὄνων ἀγρίων (5)
— 20. οὗ βοῦς καὶ ὄνος πατεῖ (2)
Je. 14. 6. ὄνοι ἄγριοι [S ὀναγροι] ἔστησαν ἐπὶ νάπας (5)
22. 19. ταφὴν ὄνου [S οὐ] ταφήσεται (2)
31 (48). 6. ἔσεσθε ὥσπερ ὄ. ἄγριος ἐν ἐρήμῳ †
Ez. 23. 20. ὧν [A add. ἦσαν] ὡς ὄνων αἱ σάρκες αὐτῶν (2)
[Aq. Ge. 36. 24: 49. 14: Nu. 16. 15: Dt. 5. 14: III Ki. 13. 27: Jb. 24. 3: Za. 9. 9.]
[Sm. Jb. 24. 3: Za. 9. 9.]
[Th. Nu. 16. 15: III Ki. 13. 27: Jb. 24. 3: Za. 9. 9 bis.]
[Al. Jb. 24. 3.]
[Quint. Za. 9. 9.]

ὄντως. (1) אַךְ (2) אָכֵן (3) אֲמָנָם

Nu. 22. 37. ὄ. οὐ δυνήσομαι τιμῆσαί σε (3)
III Ki. 12. 24. B ὄντως ἐξαπόστειλόν με –
Wi. 17. 14. τὴν ἀδύνατον ὄντως νύκτα
Je. 3. 23. ὄ. εἰς ψεῦδος ἦσαν οἱ βουνοί (2)
10. 19. ὄ. τοῦτο τὸ τραῦμά σου [A om.] (1)
[Aq. Is. 37. 18: 53. 4.]
[Sm. Ge. 28. 16: 42. 21: Jb. 32. 8: 36. 4: Ps. 72 (73). 1, 18: Is. 45. 15: 53. 4: Je. 44 (51). 29.]
[Heb. IV Ki. 4. 14.]
[Sext. Ps. 30 (31). 23.]

ὄνυξ. (1) טְפַר (2) שֹׁהַם (3) שְׁחֵלֶת (4) שֶׁסַע

Ex. 30. 34. στακτὴν ὄνυχα [A add. καὶ] χαλβάνην (3)
Le. 11. 7. καὶ ὀνυχίζει ὄνυχας ὁπλῆς (4)
De. 14. 8. A ὀνυχίζει ὄνυχας [B -χιστῆρας] ὁπλῆς –
Jb. 28. 16. ἐν ὄνυχι τιμίῳ καὶ σαπφείρῳ (2)
Si. 24. 15. ὡς χαλβάνη καὶ ὄνυξ καὶ στακτή
Ez. 17. 3. ἀετὸς ὁ μέγας . . . πλήρης ὀνύχων †
— 7. ἐγένετο ἀετὸς ἕτερος μέγας μεγαλοπτέρυγος πολὺς ὄνυξι †
Da. LXX. 4. 31. οἱ ὄ. μου ὡσεὶ λέοντος –
7. 19. οἱ ὄ. αὐτοῦ χαλκοῖ (1)
Da. TH. 4. 30. καὶ οἱ ὄ. αὐ. ὡς ὀρνέων (1)
7. 19. οἱ ὄ. αὐτοῦ χαλκοῖ (1)
IV Ma. 9. 26. σιδηρᾶς ἐναρμοσάμενοι χεῖρας ὀξέσι τοῖς ὄ.
[Aq., Sm. Ge. 2. 12: Ex. 25. 6 (7): 28. 9: 35. 9: 39. 6 (13): Je. 17. 1.]
[Th. Ge. 2. 12: Ex. 25. 6 (7): 28. 9: 35. 9: 39. 6 (13): Jb. 28. 16: Je. 17. 1.]

ὀνυχίζειν. (1) שָׁסַע

Le. 11. 3. καὶ ὀνυχιστῆρας ὀνυχίζον δύο χηλῶν (1)
— 4. καὶ ὀνυχιζόντων ὀνυχιστῆρας –
— 7. καὶ ὀνυχίζει ὄνυχας ὁπλῆς (1)
— 26. καὶ ὀνυχιστῆρας ὀνυχίζει (1)
De. 14. 6. πᾶν κτῆνος . . . ὀνυχιστῆρας ὀνυχίζον [A -ων] (1)
— 7. καὶ ὀνυχιζόντων ὀνυχιστῆρας –
— 8. ὀνυχίζει ὀνυχιστῆρας [A -χας] ὁπλῆς –
II Ki. 19. 24 (25). οὐδὲ ὠνυχίσατο –

ὀνύχιον. (1) יִשְׁפָּה

Ex. 28. 20. χρυσόλιθος καὶ βηρύλλιον καὶ ὀ. (1)
36. 20 (39. 13). βηρύλλιον καὶ ὀ. (1)
Ez. 28. 13. ἐνδέδεσαι . . . βηρύλλιον καὶ ὀ. (1?)

ὀνυχιστήρ. (1) *a.* שָׂעַר *b.* שָׂעָר

Le. 11. 3. καὶ ὀνυχιστῆρας ὀνυχίζον δύο χηλῶν (1 *a*)
— 4. καὶ ὀνυχιζόντων ὀνυχιστῆρας –
— 26. καὶ ὀνυχιστῆρας ὀνυχίζει (1 *a*)
De. 14. 6. πᾶν κτῆνος . . . ὀνυχιστῆρας ὀνυχίζον (1 *a*)
— 7. καὶ ὀνυχιζόντων ὀνυχιστῆρας (1 *b*)
— 8. ὀνυχίζει ὀνυχιστῆρας [A -χας] ὁπλῆς –

ὀξέως. (1) חוּשׁ (2) מָהַר pi. (3) קַל

Wi. 3. 18. ἐάν τε ὀ. τελευτήσωσιν
16. 11. ὀξέως διεσώζοντο
Jl. 3 (4). 4. ἢ μνησικακεῖτε ὑμεῖς ἐπ' ἐμοὶ ὀξέως (3)
Is. 8. 1. τοῦ ὀ. προνομὴν ποιῆσαι σκύλων (2)
— 3. ταχέως σκύλευσον ὀ. προνόμευσον (1)

ὄξος. (1) חֹמֶץ

Nu. 6. 3. ὄξος ἐξ οἴνου καὶ ὄξος ἐκ σίκερα οὐ πίεται (1, 1)
Ru. 2. 14. B[1] βάψεις τὸν ψωμόν σου [A B[2] R *add.* ἐν] τῷ ὄ. (1)
Ps. 68 (69). 21. ἐπότισάν με ὄξος (1)
Pr. 25. 20. ὥσπερ ὄξος ἕλκει ἀσύμφορον (1)
[Sm. Ps. 68 (69). 22 : Pr. 25. 20.]

ὀξυγράφος. (1) מָהִיר

Ps. 44 (45). 1. ἡ γλῶσσά μου κάλαμος γραμματέως ὀξυγράφου (1)

ὀξύθυμος. (1) קְצַר־אַפַּיִם

Pr. 14. 17. ὀξύθυμος πράσσει μετὰ ἀβουλίας (1)
26. 20. A S[2] ὅπου δὲ οὐκ ἔστι ὀξύθυμος [B S[1] δίθυμος] †

ὀξύνειν. (1) חָדַד *a.* qal. *b.* hoph.

Pr. 24. 23 (29. 27). ἐὰν γὰρ ὀξυνθῇ ὁ θυμὸς αὐτοῦ –
27. 17. σίδηρος σίδηρον ὀξύνει (1 *a*)
Wi. 5. 20. ὀξυνεῖ δὲ ἀπότομον ὀργὴν εἰς ῥομφαίαν
Za. 1. 21 (2. 4). τοῦ ὀξῦναι αὐτὰ εἰς χεῖρας αὐτῶν τὰ τέσσαρα κέρατα †
Is. 44. 12. ὤξυνε τέκτων σίδηρον –
Ez. 21. 9 (14). ὀξύνου καὶ θυμώθητι (1 *b*)
— 10 (15). ὀξύνου ὅπως γένῃ εἰς στίλβωσιν (1 *b*)
— 16 (21). ὀξύνου ἐκ δεξιῶν καὶ ἐξ εὐωνύμων †
[Sm. Jb. 16. 9.]

ὀξυντήρ.

[Aq. Jb. 41. 22.]

ὀξύς. (1) *a.* חַד *b.* חָדַד (2) חֶרֶשׁ (3) מָהִיר (4) קַל (5) שֶׁטֶף (6) שָׁנַן

Jb. 16. 11 (10). ὀξεῖ ἔπαισέ με εἰς [A ἐπὶ] τὰ γόνατα †
41. 21 (22). ἡ στρομνὴ αὐτοῦ ὀβελίσκοι ὀξεῖς (2)
Ps. 13 (14). 3. B S ὀξεῖς οἱ πόδες αὐτῶν ἐκχέαι αἷμα –
56 (57). 4. ἡ γλῶσσα αὐτῶν μάχαιρα ὀξεῖα (1 *a*)
Pr. 22. 29. ὁρατικὸν ἄνδρα καὶ ὀξὺν ἐν τοῖς ἔργοις αὐτοῦ (3)
27. 4. ἀνελέημων θυμὸς καὶ ὀξεῖα ὀργή (5)
Wi. 7. 22. ἔστι γὰρ ἐν [A *om.*] αὐτῇ πνεῦμα . . . ὀξύ
8. 11. ὀξὺς εὑρεθήσομαι ἐν κρίσει
18. 16. ξίφος ὀξὺ τὴν ἀνυπόκριτον ἐπιταγήν [A ὑποτ.] σου φέρων
Am. 2. 15. A[2] B ὁ ὀξὺς τοῖς ποσὶν αὐτοῦ οὐ μὴ διασωθῇ (4)
Hb. 1. 8. ὀξύτεροι ὑπὲρ τοὺς λύκους τῆς 'Α. (1 *b*)
Is. 5. 28. ὧν τὰ βέλη ὀξέα ἐστί (6)
49. 2. ἔθηκε τὸ στόμα μου ὡς μάχαιραν ὀξεῖαν (1 *a*)
Ez. 5. 1. λάβε σεαυτῷ ῥομφαίαν ὀξεῖαν ὑπὲρ ξυρὸν κουρέως (1 *a*)
III Ma. 2. 23. ὀξεῖαν ἰδόντες τὴν καταλαβοῦσαν αὐτὸν εὔθυναν
4. 5. πρὸς ὀξεῖαν καταχρωμένων πορείαν
IV Ma. 9. 26. σιδηρᾶς ἐναρμοσάμενοι χεῖρας ὀξέσι τοῖς ὄνυξι
11. 19. ὀβελίσκους ὀ. πυρώσαντες
14. 10. ὀξεῖα γὰρ . . . ἡ τοῦ πυρὸς οὖσα δύναμις
[Sm. Ez. 21. 15 (20).]

ὀξυσθενής. (1) לַהַב

Jb. 39. 23. A ἐπ' αὐτῷ γαυριᾷ τόξον καὶ ὀξυσθενὴς [B S *om.*] μάχαιρα (1)

ὀξύτης. (1) φωνὴ ὀξύτητος נַחֲרָה

Je. 8. 16. ἐκ Δὰν ἀκουσόμεθα [A -μαι] φωνὴν ὀξύτητος ἵππων αὐτοῦ (1)

ὀπέλ. (1) עֹפֶל

II Ch. 33. 14. R καὶ εἰς ὀ. [A B *al.*] (1)

ὀπή. (1) אֲרֻבָּה (2) חָנִי (3) חוֹר, חֹר (4) נִקְרָה (5) סְעִיף

Ex. 33. 22. θήσω σε εἰς ὀπὴν τῆς πέτρας (4)
Jd. 15. 11. A ἐπὶ τὴν ὀ. τῆς πέτρας 'Η. [B *al.*] (5)
Ec. 12. 3. σκοτάσουσιν αἱ βλέπουσαι ἐν ταῖς ὀ. (1)
Ca. 5. 4. ἀδελφιδός μου ἀπέστειλε χεῖρα αὐτοῦ ἀπὸ τῆς ὀ. (3)
Ob. 1. 3. κατασκηνοῦντα ἐν ταῖς ὀ. τῶν πετρῶν (2)
Za. 14. 12. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐ. ῥυήσονται ἐκ [A ἀπὸ] τῶν ὀ. αὐτῶν (3)
Ez. 8. 7. A ὀ. μία ἐν τῷ τοίχῳ (3)
IV Ma. 14. 16. τὰ δὲ κατὰ τὰς . . . δένδρων ὀ. . . . νοσσοποιησάμενα
[Aq. Je. 49. 16 (29. 17).]
[Sm. Ec. 12. 3: Je. 49. 16 (29. 17).]
[Th. Is. 51. 1: Ez. 8. 7.]

ὀπηνίκα. * ὁ. ἄν, ὁ. ἐάν.

Ju. 11. 11*.
IV Ma. 2. 21.

ὀπήτιον. (1) מַרְצֵעַ

Ex. 21. 6. τρυπήσει ὁ κύριος αὐ. τὸ οὖς τῷ ὀ. (1)
De. 15. 17. λήψῃ τὸ ὀ. (1)

ὄπισθε, ὄπισθεν. (1) *a.* אַחַר, אַחֲרֵי *b.* מֵאַחַר, מֵאַחֲרֵי (2) אֶל מִבֵּית לְ (3) τὸ ὄ., τὰ ὄ. אָחוֹר (4) τὰ ὄ. אַחֲרֵי (5) ἐκ τῶν ὄ. אָחוֹר

Ge. 18. 10. Σ. δὲ ἤκουσε . . . οὖσα ὄ. αὐτοῦ (1 *a*)
Ex. 14. 19. ἐπορεύθη ἐκ τῶν ὄ. (4)
Jo. 6. 12 (13). καὶ ὁ λοιπὸς ὄχλος ὄ. τῆς κιβωτοῦ (1 *a*)
Ru. 1. 16. ἢ ἀποστρέψαι ὄ. σου (1 *b*)
2. 3. A συνέλεξεν . . . ὄ. [B κατόπ.] τῶν θεριζόντων (1 *a*)
— 7. συνάξω . . . ὄ. τῶν θεριζόντων (1 *a*)
I Ki. 6. 7. ἀπαγάγετε τὰ τέκνα ἀπὸ [A *om.*] ὄ. αὐτῶν (1 *a* [1 *b*])
12. 20. B μὴ ἐκκλίνητε ἀπὸ ὄ. κυρίου (1 *a*)
14. 46. ἀνέβη Σ. ἀπὸ ὄ. τῶν ἀλλοφύλων (1 *a*)
15. 11. ἀπέστρεψεν ἀπὸ ὄ. μου (1 *a*)
24. 2. ὡς ἀνέστρεψε Σ. ἀπὸ ὄ. τῶν ἀλλοφύλων (1 *a*)
II Ki. 2. 21. ἐκκλῖναι ἐκ τῶν ὄ. αὐτοῦ (4)
— 26. ἀναστρέφειν ἀπὸ ὄ. τῶν ἀδελφῶν ἡμῶν (1 *a*)
— 30. ἀνέστρεψεν ὄ. ἀπὸ [A ἀπὸ ὀπίσω] τοῦ 'Αβ. (1 *a*)
7. 8. A ἔλαβόν σε . . . ἀπὸ ὄ. τῶν προβάτων [B *al.*] (1 *a*)
10. 9. ἐκ τοῦ κατὰ πρόσωπον ἐξ ἐναντίας καὶ ἐκ τοῦ ὄ. (3)
11. 15. ἀποστραφήσεσθε ἀπὸ ὄ. αὐτοῦ (1 *a*)
13. 34. λαὸς πολὺς πορευόμενος . . . ὄ. αὐτοῦ (1 *a*)
20. 2. ἀνέβη πᾶς ἀνὴρ 'Ισρ. ἀπὸ ὄ. Δ. (1 *a*)
III Ki. 16. 3. ἐξεγείρω . . . ὄ. τοῦ οἴκου αὐ. (1 *a*)
IV Ki. 10. 29. A οὐκ ἀπέστη 'Ι. ὄ. [R ἀπὸ ὄ., B ἔμπροσθεν] αὐτοῦ (1 *b* [1 *a*])
11. 15. B[2] ἐξαγάγετε αὐτὴν ὄ. τῶν ἀδ. [AB[1]R *al.*] (2)
18. 6. οὐκ ἀπέστη ὄ. αὐτοῦ (1 *b*)
II Ch. 13. 13. ἀπέστρεψε τὸ ἔνεδρον ἐλθεῖν αὐτῷ ἐκ τῶν ὄ. (4)
— 13. καὶ τὸ ἔνεδρον ἐκ τῶν ὄ. (4)
— 14. αὐτοῖς ὁ πόλεμος . . . ἐκ τῶν ὄ. (5)
34. 33. οὐκ ἐξέκλινεν ἀπὸ ὄ. κ. θεοῦ πατέρων αὐ. (1 *a*)
To. 11. 4. συνῆλθεν ὁ κύων ὄ. αὐτῶν [S *al.*]
Ho. 1. 2. ἐκπορνεύσει ἡ γῆ ἀπὸ ὄ. τοῦ κυρίου (1 *a*)
Jl. 2. 3. A τὰ ὄ. [B S ὀπίσω] αὐτοῦ ἀναπτομένη φλόξ (4)
— 3. τὰ ὄ. [S[2] ὀπίσω] αὐτοῦ πεδίον ἀφανισμοῦ (4)
Is. 59. 13. ἀπέστημεν [A S *add.* ἀπὸ] ὄ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (1 *b* [1 *a*])
Je. 7. 24. ἐγενήθησαν εἰς τὰ ὄ. (3)
31 (48). 2. ὄ. [S ὀπίσω] σου βαδιεῖται μάχαιρα (1 *a*)
39 (32). 40. ἣν οὐ μὴ ἀποστρέψω ὄ. αὐτῶν (1 *b*)
Ep. Je. 5. ἰδόντας ὄχλον . . . ὄ. αὐτῶν [A *om.*]
Ez. 2. 10. A ἐν αὐτῇ γεγραμμένα ἦν τὰ ὄ. καὶ τὰ ἔμπροσθεν [B τὰ ἔ. καὶ τὰ ὀπίσω] (3)
Da. LXX. 3. (40). ἐξιλάσαι ὄ. σου
— (40). τελειῶσαι ὄ. σου
Da. TH. 3. (40). ἐκτελέσαι ὄ. σου
I Ma. 4. 16. ἀπὸ τοῦ διώκειν ὄ. αὐτῶν
5. 43. S R καὶ πᾶς ὁ λαὸς ὄ. [A ἔμπροσθεν] αὐτοῦ
9. 16. καὶ ἐπέστρεψαν . . . ἐκ τῶν ὄ.
I Ma. 13. 27. A R ἐκ τῶν ὄπισθεν καὶ ἐκ τῶν [S *om.* ἐκ τῶν] ἔμπροσθεν
[Aq. I Ki. 15. 11 (ἀπὸ ὄ.) : II Ki. 7. 8 (ἀπὸ ὄ.) : Ps. 77 (78). 71 (ἀπὸ ὄ.) : Is. 59. 13 (ἀπ' ὄ.).]
[Sm. Is. 37. 22 : Je. 17. 16.]
[Quint. Ca. 1. 8.]

ὀπίσθιος. (1) אָחוֹר (2) יַרְכָּה (3) שׁוּל

Ex. 26. 23. ἐπὶ τῶν γωνιῶν τῆς σκηνῆς ἐκ τῶν ὀ. (2)
— 27. πέντε μοχλοὺς τῷ στύλῳ τῷ ὀ. (2 ?)
36. 27 (39. 19). τὸ ἄκρον τοῦ ὀ. τῆς ἐπωμίδος †
III Ki. 7. 25. πάντα τὰ ὀ. εἰς τὸν οἶκον (1)
II Ch. 4. 4. ἦσαν τὰ ὀ. αὐτῶν ἔσω (1)
Je. 13. 22. ἀπεκαλύφθη τὰ ὀπίσθιά σου (3)
— 26. A ἀποκαλύψω τὰ ὀ. [B S ὀπίσω] σου (3)
Ez. 8. 16. τὰ ὀ. αὐτῶν [A *add.* δεδωκότες] πρὸς τὸν ναὸν τοῦ κυρίου (1)

ὀπισθίως. (1) אֲחֹרַנִּית

I Ki. 4. 18. ἔπεσεν ἀπὸ τοῦ δίφρου ὀ. (1)

ὀπισθότονος. (1) קֶטֶב

De. 32. 24. καὶ ὀπισθότονος ἀνίατος (1 ?)

ὀπισθοφανής. (1) אֲחֹרַנִּית

Ge. 9. 23. A τὸ πρόσωπον αὐτῶν ὀπισθοφανές [R -νῶς] (1)

ὀπισθοφανῶς. (1) אֲחֹרַנִּית

Ge. 9. 23. ἐπορεύθησαν ὀπισθοφανῶς (1)
— 23. R τὸ πρόσωπον αὐτῶν ὀπισθοφανῶς [A -νές] (1)

ὀπίσω. (1) *a.* אַחַר, אַחֲרֵי *b.* מֵאַחֲרֵי *c.* עַל אַחֲרֵי *d.* עַד אַחַר *e.* אָחוֹר *f.* אַחֲרוֹן *g.* אֲחֹרַנִּית (2) מֵאֵת (3) אֶל (4) בָּאתַר (5) עִם (6) לִפְנֵי (7) תַּחַת (8) ὀ. αὐτοῦ אַחֲרֵי־כֵן (9) ὁ ὀ., τὸ ὀ., τὰ ὀ. *a.* אָחוֹר *b.* אַחֲרֵי *c.* מֵאַחֲרֵי *d.* יַרְכָּתִי *e.* סוֹף *f.* שׁוּל (10) εἰς τὸ ὀ., εἰς τὰ ὀ. *a.* אָחוֹר *b.* אַחֲרֵי *c.* מֵאַחֲרֵי *d.* אֲחֹרַנִּית (11) ἐκ τῶν ὀ. אַחֲרֵי (12) ἐπὶ τὰ ὀ. אַחֲרֵי

Ge. 8. 8. ἀπέστειλε τὴν περιστερὰν ὀ. αὐτοῦ (2)
14. 14. R κατεδίωξεν ὀ. αὐτῶν ἕως Δάν –
19. 6. τὴν δὲ θύραν προσέῳξεν ὀ. αὐτοῦ (1 *a*)
— 17. R μὴ περιβλέψῃ [A -ῃς] εἰς τὰ ὀ. (10 *b*)
— 26. ἐπέβλεψεν ἡ γυνὴ αὐτοῦ εἰς τὰ ὀ. (10 *c*)
24. 5. πορευθῆναι μετ' ἐμοῦ ὀ. εἰς τὴν γῆν (1 *a*)
31. 23. ἐδίωξεν ὀ. αὐτοῦ ὁδὸν ἡμερῶν ἑπτά (1 *a*)
— 36. ἐδίωξας ὀ. μου (1 *a*)
32. 18 (19). καὶ ἰδοὺ αὐτὸς ὀ. ἡμῶν (1 *a*)
— 19 (20). τοῖς προπορευομ. ὀ. τῶν ποιμνίων (1 *a*)
— 20 (21). ὁ παῖς σου 'Ι. παραγίνεται ὀ. ἡμῶν (1 *a*)
33. 2. ἔθετο [A ἐποίησεν] . . . Λείαν . . . ὀ. (1 *f*)
35. 5. οὐ κατεδίωξαν ὀ. τῶν υἱῶν 'Ισραήλ (1 *a*)
41. 19. βόες ἕτεραι ἀνέβαινον ὀ. αὐτῶν (1 *a*)
— 27. αἱ ἀναβαίνουσαι ὀ. αὐτῶν (1 *a*)
44. 4. ἀναστὰς ἐπιδίωξον ὀ. τῶν ἀνθρώπων (1 *a*)
49. 17. καὶ πεσεῖται ὁ ἱππεὺς εἰς τὰ ὀ. (10 *a*)
Ex. 14. 4. καὶ καταδιώξεται ὀ. αὐτῶν (1 *a*)
— 8. κατεδίωξεν ὀ. τῶν υἱῶν 'Ισρ. (1 *a*)
— 9. κατεδίωξαν οἱ Αἰγύπτιοι ὀ. αὐτῶν (1 *a*)
— 10. ἐστρατοπέδευσαν ὀ. αὐτῶν (1 *a*)
— 17. εἰσελεύσονται ὀ. αὐτῶν (1 *a*)
— 19. ἔστη ἐκ τῶν ὀ. αὐτῶν (9 *b*)
— 23. εἰσῆλθον ὀ. αὐτῶν (1 *a*)
— 28. τοὺς εἰσπεπορευμένους ὀ. αὐτῶν (1 *a*)
15. 20. ἐξῆλθοσαν πᾶσαι αἱ γυναῖκες ὀ. αὐτῆς (1 *a*)
26. 12. ὑποκαλύψεις ὀ. τῆς σκηνῆς (1 *c*)
— 22. καὶ ἐκ τῶν ὀ. τῆς σκηνῆς (9 *d*)
33. 23. ὄψῃ τὰ ὀ. μου (9 *a*)
34. 15. μή ποτε . . . ἐκπορνεύσωσιν ὀ. τῶν θεῶν αὐ. (1 *a*)
— 16. καὶ ἐκπορνεύσωσιν αἱ θυγ. σου ὀ. τῶν θεῶν αὐ. (1 *a*)
— 16. B καὶ ἐκπορνεύσωσιν οἱ υἱοί σου ὀ. τῶν θεῶν αὐ. (1 *a*)
Le. 17. 7. οἷς αὐτοὶ ἐκπορνεύουσιν ὀ. αὐτῶν (1 *a*)
20. 6. ὥστε ἐκπορνεῦσαι ὀ. αὐτῶν (1 *a*)
Nu. 3. 23. καὶ οἱ υἱοὶ Γ. ὀ. τῆς σκηνῆς (1 *a*)
15. 39. A οὐ διαστραφήσεσθε ὀ. τῶν διανοιῶν ὑμῶν καὶ ὀ. [B *om.*] τῶν ὀφθαλμῶν (1 *a*, 1 *a*)

Nu. 15. 39. ἐν οἷς ὑμεῖς ἐκπορνεύετε ὀ. αὐτῶν (1 a)
16. 3. B¹ συνέστησαν ὀ. M. [A B² R al.] †
25. 8. εἰσῆλθεν ὀ. τοῦ ἀνθρώπου τοῦ Ἰσρ. (1 a)
32. 11. οὐ γὰρ συνεπηκολούθησαν ὀ. μου (1 a)
— 12. συνεπηκολούθησαν ὀ. κυρίου (1 a)
De. 4. 3. ὅστις ἐπορεύθη ὀ. Βεελφ. (1 a)
6. 14. οὐ πορεύεσθε ὀ. θεῶν ἑτέρων (1 a)
8. 19. ἐὰν . . . πορευθῆς ὀ. θεῶν ἑτέρων (1 a)
11. 4. καταδιωκόντων αὐτῶν ἐκ τῶν ὀ. ὑμῶν (11)
— 30. οὐκ ἰδοὺ ταῦτα πέραν τοῦ Ἰορδ. ὀ. (1 a)
13. 4 (5). ὀ. κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν πορεύεσθε (1 a)
19. 6. ἵνα μὴ διώξας . . . ὀ. τοῦ φονεύσαντος (1 a)
24. 20. καλαμήσασθαι τὰ ὀ. σου (9 b)
— 21. οὐκ ἐπανατρυγήσεις αὐτὸν τὰ ὀ. σου (9 b)
25. 18. τοὺς κοπιῶντας ὀ. σου (1 a)
28. 14. πορεύεσθαι ὀ. θεῶν ἑτέρων (1 a)
31. 16. ἐκπορνεύσει ὀ. θεῶν ἀλλοτρίων (1 a)
Jo. 2. 5. καταδιώξατε ὀ. αὐτῶν (1 a)
— 7. κατεδίωξαν ὀ. αὐτῶν (1 a)
— 8 (7). ὡς ἐξήλθοσαν οἱ διώκοντες ὀ. αὐτῶν (1 a)
— 16. οἱ καταδιώκοντες ὀ. αὐτῶν –
3. 3. πορεύσεσθε ὀ. αὐτῆς (1 a)
6. 8 (9). οἱ οὐραγοῦντες ὀ. τῆς κιβωτοῦ (1 a)
8. 2. κατάστησον δὲ σεαυτῷ ἔνεδρα τῇ πόλει εἰς τὰ ὀ. (10 c)
— 4. ἐνεδρεύσατε ὀ. τῆς πόλεως (1 b)
— 6. ὡς ἂν ἐξέλθωσιν ὀ. ἡμῶν (1 a)
— 14. ἔνεδρα αὐτῷ ἐστιν ὀ. τῆς πόλεως [A ἀπὸ τῆς π. ὀ.] (1 b [1 a ?])
— 16. κατεδίωξαν ὀ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1 a)
— 17. ὃς οὐ κατεδίωξεν ὀ. Ἰσρ. (1 a)
— 17. B κατεδίωξαν ὀ. Ἰσρ. (1 a)
— 20. περιβλέψαντες οἱ κάτοικοι Γαὶ εἰς τὰ ὀ. αὐτῶν (10 b)
10. 19. καταδιώκοντες ὀ. τῶν ἐχθρῶν ὑμῶν (1 a)
14. 9. ἐπακολουθῆσαι ὀ. κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν [A al.] (1 a)
20. 5. A διώξεται ὁ ἀγχιστεύων τὸ αἷμα ὀ. αὐτοῦ (1 a)
24. 6. κατεδίωξαν οἱ Αἰγ. ὀ. τῶν πατέρων ἡμῶν (1 a)
Jd. 1. 6. κατέδραμον ὀ. αὐτοῦ (1 a)
2. 12. ἐπορεύθησαν ὀ. θεῶν ἑτέρων (1 a)
— 17. ἐξεπόρνευσαν ὀ. θεῶν ἑτέρων (1 a)
— 19. πορεύεσθαι ὀ. θεῶν ἑτέρων (1 a)
3. 22. ἐπεισήνεγκε καί γε τὴν λαβὴν ὀ. τῆς φλογός (1 a)
— 28. κατάβητε ὀ. μου (1 a)
— 28. κατέβησαν ὀ. αὐτοῦ (1 a)
4. 14. καὶ δέκα χιλιάδες ἀνδρῶν ὀ. αὐτοῦ (1 a)
— 16. καὶ B. διώκων ὀ. τῶν ἁρμάτων καὶ ὀ. τῆς παρεμβολῆς (1 a, 1 a)
5. 14. ὀ. σου, Βενιαμίν [A al.] (1 a)
6. 34. B ἐφοβήθη [A R ἐβόησεν] Ἀβ. ὀ. αὐτοῦ (1 a)
— 35. A ἐβόησεν καὶ αὐτὸς ὀ. αὐτοῦ (1 a)
7. 23. ἐδίωξαν ὀ. Μαδ. (1 a)
8. 5. ἐγὼ εἰμι διώκων ὀ. τοῦ Ζ. (1 a)
— 12. ἐδίωξεν ὀ. αὐτῶν (1 a)
— 27. ἐξεπόρνευσε πᾶς Ἰσρ. ὀ. αὐτοῦ ἐκεῖ (1 a)
— 33. ἐξεπόρνευσαν ὀ. τῶν B. (1 a)
9. 3. ἔκλινεν ἡ καρδία αὐ. ὀ. Ἀβ. (1 a)
— 4. ἐπορεύθησαν ὀ. αὐτοῦ (1 a)
— 49. ἐπορεύθησαν ὀ. Ἀβ. [A al.] (1 a)
13. 11. ἐπορεύθη M. ὀ. τῆς γυναικος (1 a)
18. 12. ἰδοὺ ὀ. [A κατόπισθεν] Καρ. (1 a)
19. 3. ἐπορεύθη ὀ. [A κατόπισθεν] αὐτῆς (1 a)
20. 40. ἐπέβλεψε Βεν. ὀ. αὐτοῦ (1 a)
— 45. κατέβησαν ὀ. αὐτῶν (1 a)
Ru. 1. 15. ἐπιστράφητι δὴ καὶ σὺ ὀ. τῆς συννύμφου σου (1 a)
3. 10. τὸ μὴ πορευθῆναί σε ὀ. νεανιῶν (1 a)
I Ki. 6. 12. ἐπορεύοντο ὀ. αὐτῆς (1 a)
7. 2. ἐπέβλεψε πᾶς οἶκος Ἰσρ. ὀ. κυρίου (1 a)
8. 3. ἐξέκλιναν ὀ. τῆς συντελείας (1 a)
11. 7. ὃς οὐκ ἔστιν ἐκπορευόμενος ὀ. Σ. καὶ ὀ. Σαμ. (1 a, 1 a)
12. 14. καὶ ἤτε . . . ὀπίσω κυρίου πορευόμενοι (1 a)
— 21. B μὴ παραβῆτε ὀ. τῶν μηθὲν αὐτῶν (1 a)
13. 4. B ἀνέβησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. ὀ. Σαούλ (1 a)
— 7. B πᾶς ὁ λαὸς ἐξέστη ὀ. αὐτοῦ (1 a)
— 15. B ἀνέβη ὀ. Σ. εἰς ἀπάντησιν ὀ. τοῦ λαοῦ – , –
14. 12. ἀνάβηθι ὀ. μου (1 a)
— 13. ἐπεδίδου ὀ. αὐτοῦ (1 a)
— 22. συνάπτουσι καὶ αὐτοὶ ὀ. αὐτῶν (1 a)
— 36. καταβῶμεν ὀ. τῶν ἀλλοφύλων (1 a)
— 37. εἰ καταβῶ ὀ. τῶν ἀλλοφύλων (1 a)
15. 31. ἀνέστρεψε Σαμ. ὀ. Σαούλ (1 a)
17. 13, 14. A ἐπορεύθησαν ὀ. Σαούλ (1 a)
I Ki. 17. 31. A ἀνηγγέλησαν ὀ. Σ. (6)
— 35. ἐξεπορευόμην ὀ. αὐτοῦ (1 a)
— 52. κατεδίωξαν ὀ. αὐτῶν †
— 53. ἐκκλίνοντες ὀ. τῶν ἀλλοφύλων (1 a)
20. 37. ἀνεβόησεν Ἰ. ὀ. τοῦ νεανίου [A al.] (1 a)
— 38. ἀνεβόησεν Ἰ. ὀ. τοῦ παιδαρίου αὐ. (1 a)
21. 9 (10). A ὀ. τῆς ἐπωμίδος (1 a)
22. 20. ἔφυγεν ὀ. Δαυίδ (1 a)
23. 25. κατεδίωξεν ὀ. Δαυίδ (1 a)
— 28. ἀνέστρεψε Σ. μὴ καταδιώκειν ὀ. Δαυίδ (1 a)
24. 9. ἀνέστη Δ. ὀ. αὐτοῦ (8)
— 9. ἐβόησε Δ. ὀπίσω Σ. (1 a)
— 9. ἐπέβλεψε Σ. εἰς τὰ [A om. εἰς τὰ] ὀ. αὐτοῦ (10 b [1 a])
— 15. ὀ. τίνος σὺ ἐκπορεύῃ (1 a)
— 15. ὀ. τίνος καταδιώκεις σύ (1 a)
— 15. ὀ. κυνὸς τεθνηκότος καὶ ὀ. ψύλλου ἑνός (1 a, 1 a)
— 22. οὐκ ἐξολεθρεύσεις τὸ σπέρμα μου ὀ. μου (1 a)
25. 13. ἀνέβησαν ὀ. Δαυίδ (1 a)
— 19. ὀ. ὑμῶν παραγίνομαι (1 a)
— 42. ἐπορεύθη ὀ. τῶν παίδων Δαυίδ (1 a)
26. 3. ἥκει Σ. ὀ. αὐτοῦ εἰς τὴν ἔρημον (1 a)
— 18. ἵνα τί τοῦτο καταδιώκει ὁ κ. ὀ. τοῦ δούλου αὐ. (1 a)
30. 8. εἰ καταδιώξω ὀ. τοῦ γεδδοὺρ τούτου (1 a)
— 21. τοῦ πορεύεσθαι ὀ. Δαυίδ (1 a)
II Ki. 1. 7. ἐπέβλεψεν ἐπὶ τὰ ὀ. αὐτοῦ (12)
— 22. οὐκ ἀπεστράφη κενὸν εἰς τὰ ὀ. (10 a)
2. 10. A R οἱ ἦσαν ὀ. Δαυίδ (1 a)
— 19. κατεδίωξεν Ἀσ. ὀ. Ἀβ. (1 a)
— 20. ἐπέβλεψεν Ἀβ. εἰς τὰ ὀ. αὐτοῦ (10 b)
— 23. τύπτει αὐτὸν Ἀβ. ἐν τῷ ὀ. τοῦ δόρατος (9 b)
— 23. διεξῆλθεν τὸ δόρυ ἐκ τῶν ὀ. αὐτοῦ (9 b)
— 24. κατεδίωξεν Ἰ. καὶ Ἀβ. ὀ. Ἀβεννήρ (1 a)
— 25. συναθροίζονται υἱοὶ Βεν. οἱ ὀ. Ἀβ. (9 b)
— 28. οὐ κατεδίωξαν ὀ. τοῦ Ἰσρ. (1 a)
— 30. A ἀπέστρεψεν ἀπὸ ὀ. τοῦ Ἀβ. [B al.] (1 a)
3. 16. κλαίων ὀ. αὐτῆς ἕως Βαρ. (1 a)
— 26. ἀπέστειλεν ἀγγέλους ὀ. Ἀβ. (1 a)
— 31. ἐπορεύετο ὀ. τῆς κλίνης (1 a)
11. 8. ἐξῆλθεν ὀ. αὐτοῦ ἄρσις τοῦ βασ. (1 a)
13. 17. ἀπόκλεισον τὴν θύραν ὀ. αὐτῆς (1 a)
— 18. ἀπέκλεισε τὴν θύραν ὀ. αὐτῆς (1 a)
15. 13. ἐγενήθη ἡ καρδία ἀνδρῶν Ἰσρ. ὀ. Ἀβ. (1 a)
17. 1. καταδιώξω ὀ. Δαυὶδ τὴν νύκτα (1 a)
— 9. ἐν τῷ λαῷ τῷ ὀ. Ἀβ. (1 a)
18. 16. τοῦ μὴ διώκειν ὀ. Ἰσρ. (1 a)
— 22. δράμω καί γε ἐγὼ ὀ. τοῦ Χουσεί (1 a)
20. 2. ἀνέβη πᾶς ἀνὴρ Ἰσρ. ἀπὸ ὄπισθεν Δ. ὀ. Σαβεέ (1 a)
— 6. καταδίωξον ὀ. αὐτοῦ (1 a)
— 7. ἐξῆλθεν ὀ. αὐτοῦ Ἀβ. (1 a)
— 7. διῶξαι ὀ. Σαβεέ (1 a)
— 10. ἐδίωξεν ὀπίσω Σαβεέ (1 a)
— 11. τίς τοῦ Δ. ὀ. Ἰ. (1 a)
— 13. παρῆλθε πᾶς ἀνὴρ Ἰσρ. ὀ. Ἰ. τοῦ διῶξαι ὀ. Σαβεέ (1 a, 1 a)
23. 10. ὁ λαὸς ἐκάθητο ὀ. αὐτοῦ (1 a)
III Ki. 1. 6. αὐτὸν ἔτεκεν ὀ. Ἀβ. (1 a)
— 7. ἐβοήθουν ὀ. Ἀδ. (1 a)
— 8. οὐκ ἦσαν ὀ. Ἀδ. (5)
— 14. B ἐγὼ εἰσελεύσομαι ὀ. [A R add. σου] (1 a)
— 24. Ἀδ. βασιλεύσει ὀ. μου (1 a)
— 35. A ἀναβήσεσθε ὀ. αὐτοῦ (1 a)
— 40. ἀνέβη πᾶς ὁ λαὸς ὀ. αὐτοῦ (1 a)
2. 28. Ἰ. ἦν κεκλικὼς ὀ. Ἀδ. (1 a)
— 28. ὀ. Ἀβ. οὐκ ἔκλινε (1 a)
10. 19. προτομαὶ μόσχων τῷ θρόνῳ ἐκ τῶν ὀ. αὐ. (9 b)
11. 2. μὴ ἐκκλίνωσι τὰς καρδίας ὑμῶν ὀ. εἰδώλων αὐτῶν (1 a)
— 3. ἐξέκλιναν . . . τὴν καρδίαν αὐ. ὀ. θεῶν αὐτῶν –
— 5. A ἐπορεύθη Σαλ. ὀ. τῆς Ἀστ. . . . καὶ ὀ. τῶν βασ. αὐ. (1 a, 1 a)
— 6. οὐκ ἐπορεύθη ὀ. κυρίου (1 a)
— 10. μὴ πορευθῆναι ὀ. θεῶν ἑτέρων (1 a)
12. 20. οὐκ ἦν ὀ. οἴκου Δ. παρὲξ σκήπτρου Ἰ. (1 a)
— 24. B πορεύονται ὀ. αὐτοῦ –
14. 8. A ὃς ἐπορεύθη ὀ. μου (1 a)
— 9. A καὶ ἐμὲ ἔρριψας ὀ. σώματός σου (1 a)
16. 3. ἐξεγείρω ὀ. B. (1 a)
— 21. ἥμισυ τοῦ λαοῦ γίνεται ὀ. Θ. (1 a)
— 21. τὸ ἥμισυ τοῦ λαοῦ γίνεται ὀ. Ζ. (1 a)
— 22. ὁ λαὸς ὁ ὢν ὀ. Θ. (1 a)
— 22. R ὑπερεκράτησε τὸν λαὸν τὸν ὀ. Θ. [A B al.] (1 a)
III Ki. 17. 10, 11. ἐβόησεν ὀ. αὐτῆς Ἠλ. (3)
18. 18. ἐπορεύθης ὀ. τῶν B. (1 a)
— 21 bis. πορεύεσθε ὀ. αὐτοῦ (1 a)
— 37. ἔστρεψας τὴν καρδίαν τοῦ λαοῦ τούτου ὀ. (1 g)
19. 20. κατέδραμεν ὀ. Ἠλ. (1 a)
— 20. ἀκολουθήσω ὀ. σου (1 a)
— 21. ἐπορεύθη ὀ. Ἠλ. (1 a)
20 (21). 21. ἐκκαύσω ὀ. σου (1 a)
— 26. πορεύεσθαι ὀ. τῶν βδελυγμάτων (1 a)
21 (20). 19. καὶ ἡ δύναμις ὀ. αὐτῶν (1 a)
IV Ki. 2. 24. ἐξένευσεν ὀ. αὐτῶν (1 a)
4. 30. ἐπορεύθη ὀ. αὐτῆς (1 a)
5. 20. δραμοῦμαι ὀ. αὐτοῦ (1 a)
— 21. ἐδίωξε Γ. ὀ. τοῦ N. (1 a)
— 21. εἶδεν αὐτὸν N. τρέχοντα ὀ. αὐτοῦ (1 a)
6. 19. δεῦτε ὀ. μου (1 a)
7. 14. ἀπέστειλεν . . . ὀ. τοῦ βασιλέως Συρίας (1 a)
— 15. ἐπορεύθησαν ὀ. αὐτῶν (1 a)
9. 18. ἐπίστρεφε εἰς τὰ [A πρὸς τὸ] ὀ. μου (9 b)
— 19. B ἐπιστρέφου εἰς τὰ ὀ. μου (9 b)
— 25. ἐπιβεβηκότες ἐπὶ ζεύγη ὀ. Ἀχ. (1 a)
— 27. ἐδίωξεν ὀ. αὐτοῦ Ἰ. (1 a)
11. 6. καὶ τὸ τρίτον τῆς πύλης ὀ. τῶν παρατρεχόντων (1 a)
— 15. ὁ εἰσπορευόμενος ὀ. αὐτῆς (1 a)
13. 2. ἐπορεύθη ὀ. ἁμαρτιῶν Ἱερ. (1 a)
14. 19. ἀπέστειλαν ὀ. αὐτοῦ εἰς Λ. (1 a)
17. 15. ἐπορεύθησαν ὀ. τῶν ματαίων [A om. ὀ. τ. μ.] (1 a)
— 15. ἐπορεύθησαν . . . ὀ. τῶν ἐθνῶν [A al.] (1 a)
20. 10. ἐπιστραφήτω ἡ σκιὰ . . . εἰς τὰ ὀ. (10 d)
— 11. ἐπέστρεψεν ἡ σκιὰ . . . εἰς τὰ ὀ. (10 d)
23. 3. τοῦ πορεύεσθαι ὀ. κυρίου (1 a)
25. 5. ἐδίωξεν ἡ δύναμις τῶν Χ. ὀ. τοῦ βασ. (1 a)
I Ch. 5. 25. ἐπόρνευσαν ὀ. θεῶν τῶν λαῶν τῆς γῆς (1 a)
10. 2. κατεδίωξαν ἀλλόφυλοι ὀ. Σ. καὶ ὀ. υἱῶν αὐ. (1 a, 1 a)
14. 14. οὐ πορεύσῃ ὀ. αὐτῶν (1 a)
II Ch. 13. 19. κατεδίωξεν Ἀβ. ὀ. Ἱερ. (1 a)
23. 14. εἰσέλθατε ὀ. αὐτῆς (1 a)
26. 17. εἰσῆλθεν ὀ. αὐτοῦ Ἀζ. (1 a)
Ne. 3. 16. ὀ. αὐτοῦ ἐκράτησε N. (1 a)
— 17. ὀ. αὐτοῦ ἐκράτησαν οἱ Λ. (1 a)
4. 16 (10). καὶ οἱ ἄρχοντες ὀ. παντὸς οἴκου Ἰ. (1 a)
— 23 (17). καὶ οἱ ἄνδρες τῆς προφυλακῆς ὀ. [S² οἱ ὀ.] μου (1 a)
9. 26. ἔρριψαν τὸν νόμον σου ὀ. σώματος αὐτῶν (1 a)
11. 8. καὶ ὀ. αὐτοῦ Γ. (1 a)
12. 32. ἐπορεύθη ὀ. αὐτῶν Ὠσ. (1 a)
— 38. S² καὶ ἐγὼ ὀ. αὐτῆς (1 a)
13. 19. A B S¹ ὥστε μὴ ἀνοιγῆναι αὐτὰς ὀ. [S² R ἕως ὀ.] τοῦ σαββάτου (1 d [1 a])
To. 1. 2. S ὀ. δυσμῶν ἡλίου
— 17. ἐρριμμένον ὀ. τοῦ τείχους N. [A al.]
11. 4. S συνῆλθεν αὐτοῖς ὁ κύριος ἐκ τῶν ὀ. αὐτοῦ [A B al.]
Jb. 21. 33. ὀ. αὐτοῦ πᾶς ἄνθρωπος ἀπελεύσεται (1 a)
37. 4. ὀ. αὐτοῦ βοήσεται φωνῇ (1 a)
39. 8. ὀ. παντὸς χλωροῦ ζητεῖ (1 a)
Ps. 6. 10. A S ἀποστραφείησαν εἰς τὰ ὀ. [B al.] –
9. 3. ἐν τῷ ἀποστραφῆναι τὸν ἐχθρόν μου εἰς τὰ ὀ. (10 a)
34 (35). 4: 39 (40). 14. ἀποστραφείησαν εἰς τὰ ὀ. (10 a)
43 (44). 10. ἀπέστρεψας ἡμᾶς εἰς τὰ ὀ. (10 a)
— 18. οὐκ ἀπέστη εἰς τὰ ὀ. ἡ καρδία ἡμῶν (10 a)
44 (45). 14. ἀπενεχθήσονται τῷ βασ. παρθένοι ὀ. αὐτῆς [A -οῦ] (1 a)
49 (50). 17. ἐξέβαλλες τοὺς λόγους μου εἰς τὰ ὀ. (10 b)
55 (56). 9. ἐπιστρέψουσιν οἱ ἐχθροί μου εἰς τὰ ὀ. (10 a)
62 (63). 8. ἐκολλήθη ἡ ψυχή μου ὀ. σου (1 a)
69 (70). 2. ἀποστραφείησαν εἰς τὰ ὀ. (10 a)
77 (78). 66. ἐπάταξε τοὺς ἐχθροὺς αὐ. εἰς τὰ ὀ. (10 a)
113 (114). 3. ὁ Ἰορδ. ἐστράφη εἰς τὰ ὀ. (9 a)
— 5. ἐστράφης εἰς τὰ ὀ. [S¹ al.] (9 a)
128 (129). 5. ἀποστραφήτωσαν εἰς τὰ ὀ. (10 a)
Pr. 25. 9. ἀναχώρει εἰς τὰ ὀ. –
Ec. 2. 12. ἐπελεύσεται ὀ. τῆς βουλῆς (1 a)
7. 1 (6. 12). τί ἔσται ὀ. αὐτοῦ ὑπὸ τὸν ἥλιον (1 a)
— 15 (14). ἵνα μὴ εὕρῃ ἄνθρωπος ὀ. αὐτοῦ οὐδέν (1 a)
9. 3. περιφέρεια . . . ὀ. αὐτῶν πρὸς τοὺς νεκρούς (1 a)
10. 14. ὀ. αὐτοῦ τίς ἀναγγελεῖ αὐτῷ (1 b)

Ec. 12. 2. ἐπιστρέψουσι τὰ νέφη ὀ. τοῦ ὑετοῦ (1 a)
Ca. 1. 4. ὀ. σου εἰς ὀσμὴν μύρων σου δραμοῦμεν (1 a)
2. 9. οὗτος ὀ. [A ἕστηκεν ὀ.] τοῦ τοίχου ἡμῶν (1 a)
Si. 14. 22. ἔξελθε ὀ. αὐτῆς ὡς ἰχνευτής
18. 30. ὀ. τῶν ἐπιθυμιῶν σου μὴ πορεύου
21. 15. ἀπέστρεψεν αὐτὸν ὀ. τοῦ νώτου [A τῶν ὤτων] αὐ.
26. 11. ὀ. ἀναιδοῦς ὀφθαλμοῦ φύλαξαι
27. 17. οὐ [A S² om.] μὴ καταδιώξῃς ὀ. αὐτοῦ
30. 25 (33. 16). ὡς καλαμώμενος ὀ. τρυγητῶν
34 (31). 8. ὃς ὀ. χρυσίου οὐκ ἐπορεύθη
46. 6. ἐπηκολούθησεν ὀ. δυνάστου
— 10. καλὸν τὸ πορεύεσθαι ὀ. κυρίου
Ho. 2. 5 (7). πορεύσομαι [A ἀκολουθήσω] ὀ. τῶν ἐραστῶν (1 a)
— 13 (15). ἐπορεύετο ὀ. τῶν ἐραστῶν αὐ. (1 a)
5. 11. ἤρξατο πορεύεσθαι ὀπίσω τῶν ματαίων (1 a)
11. 10. ὀπίσω κυρίου πορεύσομαι (1 a)
13. 4. τοῦ πορεύεσθαι ὀπίσω αὐτῶν –
Am. 2. 4. ἐξηκολούθησαν οἱ πατέρες αὐ. ὀ. αὐτῶν (1 a)
Jl. 2. 3. καὶ τὰ ὀπίσω [A ὄπισθεν] αὐτοῦ ἀναπτομένη φλόξ (9 b)
— 3. S² τὰ ὀ. [A B S¹ ὄπισθεν] αὐτοῦ πεδίον ἀφανισμοῦ (9 b)
— 14. ὑπολείψεται ὀ. αὐτοῦ εὐλογίαν (1 a)
— 20. A²BS καὶ τὰ ὀ. αὐτοῦ εἰς τὴν θάλασσαν (9 e)
Na. 3. 5. ἀποκαλύψω τὰ ὀ. σου ἐπὶ τὸ πρόσωπόν σου (9 f)
Za. 1. 8. καὶ ὀ. αὐτοῦ ἵπποι πυρροί (1 a)
2. 8 (12). ὀ. δόξης ἀπέσταλκέ με (1 a)
Is. 28. 13. ἵνα πονεύσωσι [AS πορευθῶσιν] καὶ πέσωσιν [A S add. εἰς τὰ] ὀ. (1 e [10 a])
30. 21. ἀκούσονται τοὺς λόγους τῶν ὀ. σε πλανησάντων (9 c)
38. 17. ἀπέρριψας ὀ. μου πάσας τὰς ἁμαρτίας (1 a)
42. 17. ἀπεστράφησαν εἰς τὰ ὀ. (10 a)
44. 25. ἀποστρέφων φρονίμους εἰς τὰ ὀ. (10 a)
45. 14. ὀ. σου ἀπολουθήσουσι (1 a)
57. 8. ὀ. τῶν σταθμῶν τῆς θύρας σου (1 a)
59. 14. ἀπεστήσαμεν ὀ. τὴν κρίσιν (1 e)
65. 2. ἀλλ' ὀ. τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν (1 a)
Je. 2. 5. ἐπορεύθησαν ὀ. τῶν ματαίων (1 a)
— 8. ὀ. ἀνωφελοῦς ἐπορεύθησαν (1 a)
— 23. ὀ. τῆς Βάαλ οὐκ ἐπορεύθην (1 a)
— 25. ὀ. αὐτῶν ἐπορεύετο (1 a)
3. 17. οὐ πορεύσονται ἔτι ὀ. τῶν ἐνθυμημάτων τῆς καρδίας αὐτῶν τῆς πονηρᾶς (1 a)
7. 6. ὀ. θεῶν ἀλλοτρίων μὴ πορεύησθε (1 a)
— 9. ἐπορεύεσθε ὀ. θεῶν ἀλλοτρίων (1 a)
8. 2. ὧν ἐπορεύθησαν ὀ. αὐτῶν (1 a)
9. 14 (13). ἐπορεύθησαν ὀ. τῶν ἀρεστῶν [A ἐρασ.] τῆς καρδίας αὐτῶν τῆς κακῆς καὶ ὀ. τῶν εἰδώλων (1 a, 1 a)
— 22 (21). ὡς χόρτος ὀ. θερίζοντος [S al.] (1 b)
11. 10. πορεύονται [A S βαδίζουσιν] ὀ. θεῶν ἀλλοτρίων (1 a)
12. 6. ἐκ τῶν ὀ. σου ἐπισυνήχθησαν (11)
13. 10. πορευθέντας ὀ. θεῶν ἀλλοτρίων (1 a)
— 26. ἀποκαλύψω τὰ ὀ. [A ὀπίσθιά] σου (9 f)
— 27. οὐκ ἐκαθαρίσθης ὀ. μου ἕως τίνος ἔτι (1 a)
15. 6. ὀ. [A add. μου] πορεύσῃ (1 e)
16. 11. ᾤχοντο ὀ. θεῶν ἀλλοτρίων (1 a)
— 12. πορεύεσθε ἕκαστος ὀ. τῶν ἀρεστῶν [A ἐρασ.] τῆς καρδίας ὑμῶν (1 a)
17. 16. οὐκ ἐκοπίασα ἀκολουθῶν ὀ. σου (1 a)
18. 12. ὀ. τῶν ἀποστροφῶν ἡμῶν πορευσόμεθα (1 a)
25. 6. μὴ πορεύεσθε ὀ. θεῶν ἀλλοτρίων (1 a)
— 16 (49. 37). ἐπαποστελῶ ὀ. αὐτῶν τὴν μάχαιράν μου (1 a)
26 (46). 5. ἀποχωροῦσιν εἰς τὸ [A S om. εἰς τὸ] ὀ. (10 a [1 e])
31 (48). 2. S ὀ. [AB ὄπισθέν] σου βαδιεῖται μάχαιρα (1 a)
42 (35). 15. οὐ πορεύεσθε ὀ. θεῶν ἑτέρων [A S ἀλλοτρίων] (1 a)
49 (42). 16. ὁ λιμὸς . . . καταλήψεται ὑμᾶς ὀ. ὑμῶν (1 a)
52. 8. κατεδίωξεν ἡ δύναμις τῶν Χαλδαίων ὀ. τοῦ βασιλέως (1 a)
La. 1. 8. ἀπεστράφη [A add. εἰς τὰ] ὀ. (1 e [10 a])
— 13. ἀπέστρεψέ με εἰς τὰ ὀ. (10 a)
2. 3. ἀπέστρεψεν [A add. εἰς τὰ] ὀ. δεξιὰν αὐτοῦ (1 e [10 a])
Ez. 2. 10. ἐν αὐτῇ γεγραμμένα ἦν τὰ ἔμπροσθεν καὶ τὰ ὀ. [A al.] (9 a)
Ez. 5. 2, 12. μάχαιραν ἐκκενώσω ὀ. αὐτῶν (1 a)
6. 9. τοῖς ὀφθαλμοῖς αὐτῶν τοῖς ἐκπορνεύουσιν ὀ. τῶν ἐπιτηδευμάτων αὐτῶν (1 a)
9. 5. πορεύεσθε ὀ. αὐτοῦ εἰς τὴν πόλιν (1 a)
12. 14. ῥομφαίαν ἐκκενώσω [A ἐκχεῶ] ὀ. αὐτῶν (1 a)
20. 16. ὀ. τῶν ἐνθυμημάτων καρδίας αὐτῶν ἐπορεύοντο (1 a)
— 24. ὀ. τῶν ἐνθυμημάτων τῶν πατέρων αὐτῶν ἦσαν οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτῶν (1 a)
— 30. ὀ. τῶν βδελυγμάτων αὐ. ὑμεῖς ἐκπορνεύετε (1 a)
23. 30. ἐν τῷ ἐκπορνεῦσαί σε ὀ. ἐθνῶν (1 a)
— 35. ἀπέρριψάς με ὀ. τοῦ σώματός σου (1 a)
29. 16. ἐν τῷ αὐτοὺς ἀκολουθῆσαι ὀ. [A add. τῶν καρδιῶν] αὐτῶν (1 a)
33. 31. ὀ. τῶν μιασμάτων ἡ καρδία αὐτῶν (1 a)
Da. LXX. 8. 4. οὐκ ἔστησαν ὀ. αὐτοῦ (6)
— 22. καὶ ἀναβάντα ὀ. αὐτοῦ (7)
Da. TH. 2. 39. ὀ. σου ἀναστήσεται ἑτέρα βασιλεία (4)
7. 6, 7. ὀ. τούτου ἐθεώρουν (4)
— 24. ὀ. αὐτῶν ἀναστήσεται (1 a)
I Ma. 1. 9. καὶ οἱ υἱοὶ αὐ. ὀ. αὐτῶν
— 44. πορευθῆναι ὀ. νομίμων ἀλλοτρίων τῆς γῆς
2. 27. ἐξελθέτω ὀ. μου
— 32. ἔδραμον ὀ. αὐτῶν πολλοί
7. 45. ἐσάλπισαν ὀ. αὐτῶν
9. 15. ἐδίωκεν ὀ. αὐτῶν
— 47. ἐξέκλινεν ἀπ' αὐτοῦ εἰς τὰ ὀ.
10. 78. κατεδίωξεν ὀ. αὐτοῦ
— 78. συνῆψαν αἱ παρεμβολαὶ ὀ. αὐτοῦ
12. 30. κατεδίωξαν Ἰ. ὀ. αὐτῶν
[Aq. Jo. 10. 19 : I Ki. 8. 3 : III Ki. 14. 8, 9, 10 : Jb. 23. 8 : Ps. 48 (49). 18 : 77 (78). 66 : 93 (94). 15 : Is. 1. 4 : 37. 22 : 57. 8 : Je. 17. 16 : Ez. 5. 2 : 10. 11 : 20. 16 : 33. 31 : Ho. 5. 8 : Am. 7. 1.]
[Sm. Ps. 9. 4 : 43 (44). 19 : 55 (56). 10 : 77 (78). 66 : 93 (94). 15 : Is. 1. 4 : 37. 22 : 66. 17 : Je. 16. 12 : Ez. 5. 2 : 10. 11 (Sw.) : 33. 31 : Ho. 5. 8.]
[Th. Jo. 10. 19 : I Ki. 8. 3 : 21. 9 (10) : III Ki. 1. 35 : IV Ki. 9. 18 : Ps. 15 (16). 4 : 31 (32). 4 : 77 (78). 66 : 93 (94). 15 : Is. 1. 4 : 37. 22 : Je. 29 (36). 18 : 50 (27). 21 : Ez. 5. 2 : 10. 11 : 13. 3 : 20. 16 : 33. 31 : Ho. 5. 8.]
[Al. Le. 20. 5 bis : II Ch. 11. 16 : Ps. 43 (44). 19 : 128 (129). 5.]
[Quint. IV Ki. 9. 18.]

ὁπλά. (1) עֹפֶל
II Ch. 33. 14. B καὶ εἰς αὐτὸν ὀ. [A R al.] (1)

ὁπλή. (1) a. פַּרְסָה b. ἐκφέρειν ὁπλάς
פָּרַס hi.
Ex. 10. 26. καὶ οὐχ ὑπολειψόμεθα ὁπλήν (1 a)
Le. 11. 3. πᾶν κτῆνος διχηλοῦν ὁπλήν (1 a)
— 4. καὶ ἀπὸ τῶν διχηλούντων τὰς ὁ. (1 a)
— 4. ὁπλὴν δὲ οὐ διχηλεῖ (1 a)
— 5, 6. καὶ ὁπλὴν οὐ διχηλεῖ (1 a)
— 7. ὅτι διχηλεῖ ὁπλὴν τοῦτο (1 a)
— 7. καὶ ὀνυχίζει ὄνυχας ὁπλῆς (1 a)
— 26. ὅ ἐστι διχηλοῦν ὁπλήν (1 a)
De. 14. 6. πᾶν κτῆνος διχηλοῦν ὁπλήν (1 a)
— 7. ἀπὸ τῶν διχηλούντων τὰς ὁ. (1 a)
— 7. ὁπλὴν οὐ διχηλοῦσιν (1 a)
— 8. ὅτι διχηλεῖ ὁπλὴν [A om.] τοῦτο (1 a)
— 8. ὀνυχίζει ὀνυχιστῆρας [A -χας] ὁπλῆς (1 a ?)
Ps. 68 (69). 31. μόσχον νέον κέρατα ἐκφέροντα καὶ ὁπλάς (1 b)
Mi. 4. 13. καὶ τὰς ὁπλάς σου θήσομαι χαλκᾶς (1 a)
Je. 29 (47). 3. ἀπὸ τῶν ὁ. τῶν ποδῶν αὐ. (1 a)
Ez. 26. 11. ἐν ταῖς ὁ. τῶν ἵππων αὐτοῦ (1 a)
II Ma. 3. 25. ἐνέσεισε τῷ Ἡ. τὰς ἐμπροσθίους ὁ.
[Aq. Dt. 14. 6 : Is. 5. 28.]
[Sm. Is. 5. 28 : 28. 28.]
[Th. Is. 5. 28 : 28. 28 : Je. 47 (29). 3.]

ὁπλίζειν.
[Sm. Je. 52. 25.]

ὁπλιστής. (1) חָלוּץ
Nu. 32. 21. A παρελεύσεται ὑμῶν πᾶς ὁ. [B -ίτης] (1)

ὁπλίτης. (1) חָלוּץ
Nu. 32. 21. παρελεύσεται ὑμῶν πᾶς ὁ. [A -ιστής] (1)
[Sm. Ex. 13. 18.]

ὁπλοδοτεῖν.
I Ma. 14. 32. ὡπλοδότησε τοὺς ἄνδρας τῆς δυνάμεως

ὁπλοθήκη. (1) מְגִנָּן
II Ch. 32. 27. θησαυροὺς ἐποίησεν . . . καὶ ὁπλοθήκας (1)

ὁπλολογεῖν.
II Ma. 8. 27, 31. ὁπλολογήσαντες δὲ αὐτούς

ὁπλομάχος. (1) מִלְחָמָה (2) כְּלֵי זַעַם
Is. 13. 4. κύριος σαβαὼθ ἐντέταλται ἔθνει ὁ. (1)
— 5. κύριος καὶ οἱ ὁπλομάχοι αὐτοῦ (2)

ὅπλον. (1) חֲנִית (2) כְּלִי (3) מָגֵן (4) נֶשֶׁק (5) סִרְיוֹן (6) צִנָּה (7) שֶׁלַח (8) שֶׁלֶט
I Ki. 17. 7. ὁ αἴρων τὰ ὅ. αὐτοῦ (6)
III Ki. 10. 17. καὶ τριακόσια ὅ. χρυσᾶ ἐλατά (3)
— 17. τρεῖς μναῖ ἐνῆσαν χρυσοῦ εἰς τὸ ὅ. τὸ ἕν (3)
14. 26. ἔλαβεν ὅ. τὰ χρυσᾶ (3)
— 27. ἐποίησε Ῥ. ὁ βασ. ὅ. χαλκᾶ (3)
IV Ki. 10. 2. μεθ' ὑμῶν . . . τὰ ὅ. (4)
II Ch. 21. 3. ἔδωκεν αὐτοῖς ὁ πατὴρ αὐ. . . . ὅπλα †
23. 9. ἔδωκεν . . . τὰ ὅ. . . . ἐν οἴκῳ τοῦ θ. (8)
— 10. ἕκαστον ἐν τοῖς ὅ. αὐτοῦ (7)
32. 5. κατεσκεύασεν ὅ. πολλά (7 + 3)
Ne. 4. 17 (11). οἱ αἴροντες ἐν τοῖς ἀρτῆρσιν ἐν ὅπλοις †
Ju. 6. 12. ἀνέλαβον τὰ ὅ. αὐτῶν
14. 11. ἀνέλαβε πᾶς ἀνὴρ Ἰσρ. τὰ ὅ. αὐ.
Ps. 5. 12. ὡς ὅπλῳ εὐδοκίας ἐστεφάνωσας ἡμᾶς (6)
34 (35). 2. ἐπιλαβοῦ ὅπλου καὶ θυρεοῦ (3)
45 (46). 9. τόξον συντρίψει καὶ συγκλάσει ὅπλον (1)
56 (57). 4. B S¹ οἱ ὀδόντες αὐτῶν ὅπλον [S² ὅπλα] καὶ βέλη (1)
75 (76). 3. ἐκεῖ συνέτριψε . . . ὅπλον καὶ ῥομφαίαν (3)
90 (91). 4. ὅπλῳ κυκλώσει σε ἡ ἀλήθεια αὐτοῦ (6)
Pr. 14. 7. ὅπλα δὲ αἰσθήσεως χείλη σοφά †
Wi. 18. 21. τὸ τῆς ἰδίας λειτουργίας ὁ. προσευχὴν [S² -ῆς]
— 22. ἐνίκησε δὲ τὸν ὅχλον . . . οὐχ ὅπλων ἐνεργείᾳ
Am. 4. 2. καὶ λήψονται ὑμᾶς ἐν ὅπλοις (6)
Jl. 2. 8. καταβαρυνόμενοι ἐν τοῖς ὅπλοις αὐτῶν †
Na. 2. 3 (4). ὅπλα δυναστείας αὐτῶν ἐξ ἀνθρώπων (3)
3. 3. φωνὴ . . . ἐξαστραπτόντων ὅπλων (1)
Hb. 3. 11. εἰς φέγγος ἀστραπῆς ὅπλων [S¹ -ον] σου (1)
Je. 21. 4. μεταστρέφω τὰ ὅ. τὰ πολεμικά (2)
26 (46). 3. ἀναλάβετε ὅπλα καὶ ἀσπίδας (3)
— 9. Λίβυες καθωπλισμένοι ὅπλοις (3)
28 (51). 3. περιθέσθω ᾧ ἐστιν ὅπλα αὐτοῦ (5)
— 12. ἑτοιμάσατε ὅπλα †
50 (43). 10. ἀρεῖ τὰ ὅ. ἐπ' αὐτούς †
Ez. 26. 8. ποιήσει ἐπὶ σὲ . . . περίστασιν [A βελοστάσεις] ὅπλων (6 ?)
32. 27. κατέβησαν εἰς ᾅδου ἐν ὅπλοις πολεμικοῖς (2)
39. 9. καύσουσιν ἐν τοῖς ὅ. (4)
— 10. τὰ ὅ. κατακαύσουσι πυρί (4)
I Ma. 1. 35. παρέθεντο ὅπλα
5. 43. S R ἔρριψαν [A add. πάντα] τὰ ὅ. αὐ.
6. 2. A R καὶ ἐκεῖ [S ἔχει] . . . ὅπλα
— 6. A R ἐπίσχυσαν [S ἐνίσχ.] ὅπλοις
— 41. πάντες οἱ ἀκούοντες . . . συγκρουσμοῦ τῶν ὅ.
7. 44. AR ῥίψαντες τὰ ὅ. αὐ. [S om.] ἔφυγον
8. 26. οὐδὲ ἐπαρκέσουσι . . . ὅπλα
— 28. οὐ δοθήσεται σῖτος ὅπλα
9. 39. ἐξῆλθε . . . μετὰ . . . ὅ. πολλῶν
10. 6. καὶ κατασκευάζειν ὅπλα
— 21. κατεσκεύασεν ὅ. πολλά
11. 51. ἔρριψαν τὰ ὅ.
12. 27. εἶναι ἐπὶ τοῖς ὅ.
14. 33. οὗ ἦν τὰ ὅ. τῶν πολεμίων
— 42. καθιστάναι . . . ἐπὶ τῶν ὅ.
15. 7. πάντα τὰ ὅ. . . . μενέτω σοι
16. 16. ἐλάβοσαν τὰ ὅ. αὐ.
II Ma. 3. 28. A ἀβοήθητον αὐτὸν τοῖς ὅ. [cod. χόλοις, ? ὅλοις] καθεστῶτα [R al.]
5. 26. εἰς τὴν πόλιν σὺν τοῖς ὅ. εἰσδραμών
8. 18. οἱ μὲν γὰρ ὅπλοις πεποίθασιν
9. 2. ἐπὶ τὴν τῶν ὅ. βοήθειαν ἐτράπησαν
10. 23. τοῖς δὲ ὅ. . . . ἀπώλεσεν
— 27. ἀναλαβόντες τὰ ὅ.
11. 7. ἀναλαβὼν τὰ ὅ.
15. 5. A ὁ προστάσσων αἴρειν τὰ [R om.] ὅ.
— 21. καὶ τῶν ὅ. τὴν ποικίλην παρασκευήν
— 21. οὐκ ἔστι δι' ὅπλων ἡ νίκη

III Ma. 1. 2. A²B παραλαβὼν τῶν προϋποτεταγμ. αὐτῷ ὅ. [A¹ τόπων] Πτ. τὰ κράτιστα
— 23. τὴν ὁρμὴν ἐπὶ τὰ ὅ. ποιήσασθαι
IV Ma. 4. 10. περιαστράπτοντες τοῖς ὅ.
[Aq. Jb. 39. 21: Ho. 11. 8.]
[Sm. Ge. 15. 1: I Ki. 17. 54: 31. 9: Am. 4. 2.]
[Th. Jb. 39. 21: Ps. 75 (76). 4.]
[Quint., Sext. Ps. 75 (76). 4.]

ὁπλοποιεῖν.
Wi. 5. 17. ὁπλοποιήσει [S¹ ὁδοπ.] τὴν κτίσιν εἰς ἄμυναν ἐχθρῶν

ὁπλοφόρος. (1) נֹשֵׂא צִנָּה
II Ch. 14. 8 (7). ἐγένετο τῷ 'Α. δύναμις ὁπλοφόρων (1)
[Sm. I Ki. 14. 13: 16. 21: 31. 4.]

ὁποῖος.
Ca. 5. 10. S σημαίνει τὸν ἀδελφὸν ὁποῖός ἐστιν –
II Ma. 11. 37. ὁποίας ἐστὲ γνώμης

ὁπόταν.
Jb. 29. 22 (*ind.*)†.

ὁπότε. * ὁπότε ἐάν.
To. 6. 13†: 7. 11 (*ind.*)*.
Jb. 26. 14†: 29. 22†.
Ps. 3. *tit.*: 33 (34). *tit.*: 55 (56). *tit.*: 58 (59). *tit.*: 59 (60). *tit.*
Is. 16. 13.
[Sm. Ge. 30. 42: Jd. 10. 12: Jb. 29. 4: 37. 17: Ps. 30 (31). 14: 33 (34). 1: 59 (60). 2: 67 (68). 15: Ec. 8. 10: Ez. 23. 21.]
[Al. Nu. 9. 19.]
[Quint. Ps. 55 (56). 1.]

ὅπου. * ὅπου ἐάν, ὅπου ἄν. ** ὅπου γε καί.
Jd. 18. 10†: 20. 22†.
Ru. 1. 16*: 3. 4†.
I Ki. 23. 23†.
II Ch. 6. 38†.
I Es. 6. 24.
II Es. 6. 1.
Ne. 4. 13 (7)†.
To. 13. 5*†.
Es. 1. 9 (*sine verbo*).
Pr. 26. 20.
Ec. 9. 10.
Si. 8. 16: 19. 22†, 27: 35 (32). 4 (*sine verbo*): 42. 6 (*sine verbo*).
Is. 42. 22.
Da. TH. 2. 38.
I Ma. 1. 57: 10. 73.
III Ma. 1. 1: 4. 1.
IV Ma. 2. 13: 6. 34**: 14. 11**, 14**, 19**.
[Aq. Ez. 20. 34.]
[Sm. III Ki. 7. 7 (44): 14. 28 (*sine verbo*): IV Ki. 12. 5 (6)*: 23. 7: Jb. 26. 14: 28. 1 (*subj.*), 4 (*sine verbo*): 39. 30: Ps. 35 (36). 13: 67 (68). 28: 103 (104). 17: Ca. 8. 5: Is. 33. 21 (*subj.*): Je. 40 (47). 5: Ez. 1. 12 (*subj.*): 11. 17: 20. 34.]
[Al. Jb. 6. 17.]

ὁπουδήποτε.
[Sm. I Ki. 23. 13.]

ὀπτάζεσθαι. (1) רָאָה ni.
Nu. 14. 14. ὅστις ὀφθαλμοῖς κατ' ὀφθαλμοὺς ὀπτάζῃ (1)

ὀπτᾶν. (1) בָּשַׁל pi. (2) צָלָה (3) שָׁרַף
Ge. 11. 3. καὶ ὀπτήσωμεν αὐτὰς πυρί (3)
De. 16. 7. ἑψήσεις καὶ ὀπτήσεις (1)
I Ki. 2. 15. δὸς κρέας ὀπτῆσαι τῷ ἱερεῖ (2)
II Ch. 35. 13. ὤπτησαν τὸ φ. (1)
I Es. 1. 12. ὤπτησαν τὸ πάσχα
— 12. A τὰς θυσίας ὤπτησαν [B ἥψησαν]
To. 6. 5. τὸν δὲ ἰχθὺν ὀπτήσαντες ἔφαγον [S *al.*]
Is. 44. 16. ἐπ' αὐτοῦ κρέας ὀπτήσας ἔφαγε (2)
— 19. ὀπτήσας κρέα [AS -ας] ἔφαγε (2)
[Aq., Sm., Th. Is. 44. 16.]
[Al. Ex. 12. 39: Le. 23. 17.]

ὀπτάνειν. (1) רָאָה ni.
III Ki. 8. 8. οὐκ ὠπτάνοντο ἔξω (1)
To. 12. 19. πάσας τὰς ἡμέρας ὠπτανόμην ὑμῖν [S *al.*]

ὀπτάνιον.
[Quint. Ho. 7. 4.]

ὀπτασία. (1) *a.* רָאָה ni. *b.* מַרְאֶה *c.* מַרְאָה
Es. 4. 17. ἐν ἡμέραις ὀπτασίας μου
Si. 43. 2. ἥλιος ἐν ὀπτασίᾳ διαγγέλλων ἐν ἐξόδῳ
— 16. ἐν ὀπτασίαις [AS -ίᾳ] αὐτοῦ σαλευθήσεται ὄρη
Ma. 3. 2. ἢ τίς ὑποστήσεται ἐν τῇ ὀ. αὐτοῦ (1 *a*)
Da. TH. 9. 23. σύνες ἐν τῇ ὀ. (1 *b*)
10. 1. σύνεσις ἐδόθη αὐτῷ ἐν τῇ ὀ. (1 *b*)
— 7. ἴδον ἐγὼ Δ. μόνος τὴν ὀ. (1 *c*)
— 7. οὐκ ἴδον τὴν ὀ. (1 *c*)
— 8. ἴδον τὴν ὀ. τὴν μεγάλην ταύτην (1 *c*)
— 16. ἐν τῇ ὀ. σου ἐστράφη τὰ ἐντός μου (1 *c*)
[Aq. Ez. 1. 1.]
[Sm. Ge. 22. 2: Ez. 1. 1, 5.]
[Th. Ez. 1. 1: Da. 9. 23: 10. 1, 16.]

ὄπτεσθαι, *vid. sub* ὁρᾶν.

ὀπτός. (1) צָלִי
Ex. 12. 8. φάγονται τὰ κρέα . . . ὀπτὰ πυρί (1)
— 9. οὐκ ἔδεσθε . . . ὠμὸν . . . ἀλλ' ἢ ὀπτὰ πυρί (1)
[Aq., Sm., Th. Is. 44. 16.]

ὀπώρα. (1) קַיִץ
Je. 31 (48). 32. ἐπὶ ὀπώραν σου . . . ὄλεθρος ἐπέπεσε [A ἔπ., S ἐνέπ.] (1)
47 (40). 10. συναγάγετε οἶνον καὶ ὀπώραν (1)
— 12. συνήγαγον οἶνον καὶ ὀπώραν πολλὴν σφόδρα (1)
[Aq. Ca. 5. 1 (4. 16): Am. 8. 1.]
[Sm. Dt. 33. 13, 15: Ca. 4. 13: 5. 1 (4. 16): 6. 10 (11).]
[Th., Quint. Ps. 31 (32). 4.]

ὀπωρισμός.
[Aq. Dt. 7. 13: Is. 24. 7: 62. 8: 65. 8.]

ὀπωροφυλάκιον. (1) מְלוּנָה (2) עִי
Ps. 78 (79). 1. ἔθεντο Ἱερ. εἰς ὀπωροφυλάκιον (2)
Mi. 1. 6. θήσομαι Σ. εἰς [A ὡς] ὀπωροφυλάκιον ἀγροῦ (2)
3. 12. καὶ Ἰ. ὡς [A εἰς] ὀπωροφυλάκιον ἔσται (2)
Is. 1. 8. ὡς ὀ. ἐν σικυηράτῳ (1)
24. 20. σεισθήσεται ὡς ὀ. ἡ γῆ (1)
Je. 33 (26). 18. A Ἱερουσαλὴμ ὡς ὀ. [B S εἰς ἄβατον] ἔσται (2)
[Th. Is. 24. 20.]

ὅπως. * ὅπως ἄν †† ὅπως μή.
Ge. 12. 13*: 18. 19*: 27. 4, 10, 19, 25†, 31 (*ind.*†): 29. 21: 37. 22: 50. 20*.
Ex. 2. 20: 5. 3: 9. 16: 10. 2, 7: 11. 7: 13. 9*: 14. 12: 16. 4: 20. 20*, 26*†††: 23. 20: 33. 13*†.
Le. 17. 5* (*ind.*†): 18. 30††: 23. 43.
Nu. 15. 40*: 16. 40 (17. 5)*††: 27. 20*: 32. 9††.
De. 4. 10, 40: 5. 33 (30): 6. 3†: 8. 2*†: 17. 16††, 20*.
Jo. 4. 24: 11. 20††: 23. 7††.
I Ki. 4. 9†††: 6. 5 (*ind.*†): 9. 6: 13. 9†: 15. 15.
II Ki. 10. 3 (ὅ. οὐχί) †: 13. 5: 17. 13††, 14*.
III Ki. 6. 6††: 8. 40, 43, 60: 11. 36: 12. 15: 22. 16 (*ind.*†).
IV Ki. 17. 28†: 22. 17.
I Ch. 19. 3†.
II Ch. 1. 11: 6. 31 (*ind.*†), 33: 31. 4 (*ind.*): 32. 18.
I Es. 2. 21, 28††: 4. 31, 48: 6. 26, 31: 8. 12, 22, 23.
II Es. 4. 21†: 5. 17: 9. 12.
Ne. 6. 13 *bis*: 8. 14, 15†: 13. 1†††.
To. 3. 6, 6†, 10†: 4. 19†: 5. 8†: 7. 8†: 8. 4†, 5†, 12*†, 12†: 10. 8†, 10†: 12. 13†.
Ju. 3. 8.
Es. 3. 13 (*ind.*†): 5. 5† (*ind.*†): 8. 13, 13 (*sine verbo*): 9. 24 (*ind.*)†.
Ps. 9. 14*: 16 (17). 3*††: 29 (30). 12*: 47 (48). 13* (*ind.*†): 50 (51). 4*: 59 (60). 5*: 67 (68). 23*: 70 (71). 8†: 77 (78). 6*, 44††: 91 (92). 7*: 104 (105). 45*: 107 (108). 6*: 118 (119). 11*††, 71*, 80*††, 101*: 124 (125). 3*††.
Pr. 4. 21††.
Ec. 3. 11††: 7. 22 (21)††: 8. 12.
Wi. 8. 18: 16. 28 (*ind.*†).
Si. *prol.* 11 (*ind.*†): 23. 3††: 46. 1, 10.
Ho. 2. 3 (5)*: 4. 4: 7. 2 (*ind.*†): 8. 4: 14. 3††.
Am. 1. 13 (*ind.*†): 2. 7: 4. 1: 5. 6††, 14, 15 (*ind.*†): 9. 12*†.
Mi. 5. 7 (6)††: 6. 5, 16.
Jl. 2. 17††: 3 (4). 6.
Ob. 1. 9.
Jn. 1. 6†.
Hb. 2. 2, 15.
Ze. 2. 3.
Za. 12. 7††.
Is. 9. 16 (15).
Je. 7. 19, 23*†: 10. 18: 11. 5: 21. 12††: 25. 6††: 27 (50). 34: 28 (51). 39: 42 (35). 7* (*ind.*†).
Ep. Je. 18††.
Ez. 4. 17: 6. 6: 11. 20: 12. 3, 12††, 16, 19: 14. 5†††, 11††: 16. 54, 63††: 19. 9††: 20. 9††, 14††, 22††, 26, 44††: 21. 10 (15) *bis*, 15 (20)††† (*ind.*†), 29 (34): 22. 6, 9, 12, 27: 23. 33†: 24. 10, 11, 11†: 25. 10††: 26. 20††: 31. 14††: 36. 30*†††: 40. 39: 41. 6††, 7: 42. 14††: 46. 18††.
Da. LXX. 1. 8††: 2. 18††: 4. 12, 29: 6. 17 (18)††.
Da. TH. Su. 17, 32, 59 (*ind.*†): 2. 16, 18*†††: 3. 28 (95)††: 4. 3: 6. 2 (3)††, 7 (8) (*ind.*), 8 (9)††, 12 (13) (*ind.*), 17 (18)††.
I Ma. 1. 16: 9. 46, 60: 10. 24, 32*, 56: 11. 31, 40†, 40: 12. 4, 23, 34, 36†: 13. 16†† (*ind.*†): 14. 1, 29, 42, 43, 43 (*ind.*†) *bis*, 43, 49: 15. 3, 4, 19††, 21 (*ind.*†), 39, 41 (*ind.*†): 16. 18, 19.
II Ma. 7. 22 (*ind.*): 9. 24††: 11. 26, 37.
III Ma. 4. 10: 7. 12.
IV Ma. 1. 1: 4. 6 (*opt.*), 11, 23 (*opt.*): 5. 6 (*opt.*), 27: 6. 8 (*ind.*†, *opt.*†): 8. 12 (*opt.*): 9. 16: 10. 1 (*opt.*): 11. 3: 12. 6 (*opt.*), 18.
[Aq. Jb. 19. 29: Ps. 29 (30). 13: Je. 10. 18: 25. 7 (Sw.): 44 (51). 29: Am. 1. 13.]
[Sm. Ge. 30. 38: Jb. 19. 29: Ps. 67 (68). 24.]
[Th. Jb. 19. 29: Je. 25. 7 (Sw.): 44 (51). 29: Da. 6. 8††, 8*†††: Am. 1. 13.]
[Al. Jb. 11. 5*.]
[Quint. Ps. 129 (130). 4.]

ὅραμα. (1) *a.* חָזוֹן *b.* חָזוּת *c.* חִזָּיוֹן *d.* מַחֲזֶה *e.* חֶזוּ (2) *a.* חֲלוֹם *b.* חֵלֶם (3) מוֹרָא, מֹרָא (4) *a.* מַרְאָה *b.* מַרְאֶה (5) מַשָּׂא
Ge. 15. 1. ἐγενήθη ῥῆμα κ. πρὸς Ἄβρ. ἐν ὁράματι (1 *d*)
46. 2. εἶπε δὲ ὁ θεὸς . . . ἐν ὀ. τῆς νυκτός (4 *a*)
Ex. 3. 3. ὄψομαι τὸ ὅ. τὸ μέγα τοῦτο (4 *b*)
Nu. 12. 6. ἐν ὁράματι αὐτῷ γνωσθήσομαι (4 *a*)
De. 4. 34. A B²R καὶ ἐν ὁράμασι μεγάλοις (3)
26. 8. ἐξήγαγεν ἡμᾶς . . . ἐν ὀ. μεγάλοις (3)
28. 34. διὰ τὰ ὀ. τῶν ὀφθαλμῶν σου (4 *b*)
— 67. ἀπὸ τῶν ὀ. τῶν ὀφθαλμῶν σου (4 *b*)
Jb. 7. 14. ἐν ὁράμασί με καταπλήσσεις (1 *c*)
Ec. 6. 9. ἀγαθὸν ὀ. ὀφθαλμῶν ὑπὲρ πορευόμενον ψυχῇ (4 *b*)
Si. 43. 1. εἶδος οὐρανοῦ ἐν ὁράματι δόξης
Is. 15. 1. A τὸ ὅ. [B S ῥῆμα] τὸ κατὰ τῆς Μωαβίτιδος (5)
21. 1. τὸ ὅ. τῆς ἐρήμου (5)
— 2. φοβερὸν τὸ ὅ. καὶ σκληρὸν ἀνηγγέλη μοι (1 *b*)
— 11. τὸ ὅ. τῆς Ἰδουμαίας (5)
22. 1. A τὸ ὅ. [B S ῥῆμα] τῆς φάραγγος Σιών (5)
23. 1. A S τὸ ὅ. [B ῥῆμα] Τύρου (5)
30. 10. οἱ λέγοντες . . . τοῖς τὰ ὀ. ὁρῶσι –
Je. 39 (32). 21. ἐν βραχίονι ὑψηλῷ καὶ ἐν ὁράμασι μεγάλοις (3)
Da. LXX. 1. 17. ἐν παντὶ ῥήματι καὶ ὀ. (1 *a*)
2. 1. εἰς ὁράματα . . . ἐμπεσεῖν τὸν βασ. (2 *a*?)
— 7. τὸ ὅ. εἰπόν (2 *b*)
— 19. ἐν ὁράματι . . . τὸ μυστήριον τοῦ βασ. ἐξεφάνθη (1 *e*)
— 26. δυνήσῃ δηλῶσαί μοι τὸ ὅ. (2 *b*)
— 36. τοῦτο τὸ ὅ. καὶ τὴν κρίσιν δὲ ἐροῦμεν (2 *b*)
— 45. καὶ ἀκριβὲς τὸ ὅ. (2 *b*)
4. 25. ὡς ἤκουσε τὴν κρίσιν τοῦ ὀ. –
7. 1. Δαν. ὅραμα εἶδε (2 *b* + 1 *e*)
— 1. Δαν. τὸ ὅ. ὃ εἶδεν ἔγραψεν (2 *b*)
— 7, 13. ἐθεώρουν ἐν ὁράματι τῆς νυκτός (1 *e*)
— 15. ἐν τῷ ὀ. τῆς νυκτός (1 *e*)
8. 1 (2). εἶδον ἐν τῷ ὀ. τοῦ ἐνυπνίου μου (1 *a*)
— 2. καὶ εἶδον ἐν ὁράματι (1 *a*)
— 13. ἕως τίνος τὸ ὅ. στήσεται (1 *a*)
— 15. τὸ ὅ. ἐζήτουν διανοηθῆναι (1 *a*)
— 17. εἰς ὥραν καιροῦ τοῦτο τὸ ὅ. (1 *a*)
— 26. τὸ ὅ. τὸ ἑσπέρας καὶ πρωΐ (4 *b*)
— 26. καὶ νῦν πεφραγμένον τὸ ὅ. (1 *a*)

Da. LXX. 8. 27. ἐξελυόμην ἐπὶ τῷ ὁ. (4 b)
9. 24. καὶ διανοηθῆναι τὸ ὅ. –
— 24. καὶ συντελεσθῆναι τὰ ὁ. (1 a)
10. 1. καὶ ἀληθὲς τὸ ὅ. –
— 1. διενοήθην αὐτὸ ἐν ὁράματι (4 b)
Da. TH. 2. 19. ἐν ὁράματι τῆς νυκτός (1 e)
— 23. τὸ ὅ. τοῦ βασ. ἐγνώρισάς μοι †
4. 10 : 7. 2 (A), 13. ἐν ὁράματι τῆς νυκτός (1 e)
8. 2. A ἴδον ἐν ὁράματι (1 a)
[Aq. Is. 30. 6 : Da. 10. 1.]
[Sm. Ex. 24. 10 : Jb. 4. 13.]
[Th. Da. 7. 2†, 7† : 8. 2†.]
[Sam. Ex. 38. 8 (26).]

ὁραματίζεσθαι.

[Aq. Ps. 10 (11). 4 : 26 (27). 4 : 57 (58). 9 : Ca. 6. 12 (7. 1) : 7. 1 (2) : Is. 30. 10 : 33. 20.]
[Th. Is. 30. 10.]

ὁραματισμός.

[Aq. Jb. 4. 13 : 33. 15 : Pr. 29. 18 : Is. 22. 1 : 29. 7 : Ez. 13. 16 : Da. 9. 24 : Hb. 2. 2.]

ὁραματιστής.

[Sm. Is. 56. 10.]

ὁρᾶν (*incl.* ὄπτεσθαι), *cf.* ἰδεῖν. (1) אַךְ (2) בּוֹא (3) גָּלָה ni. (4) הִנֵּה (5) *a.* חָזָה *b.* חָזָה חֲזֵה *c.* חָזָה (6) חָלַם (7) פָּנָה (8) רָאָה *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. *d.* hithp. *e.* רְאוּת *f.* רְאִית (9) שׁוּר (10) שָׁבַן

Ge. 1. 9. καὶ ὀφθήτω ἡ ξηρά (8 b)
— 9. καὶ ὤφθη ἡ ξηρά –
8. 5. ὤφθησαν αἱ κεφαλαὶ τῶν ὀρέων (8 b)
9. 14. ὀφθήσεται τὸ τόξον (8 b)
— 16. καὶ ὄψομαι τοῦ μνησθῆναι διαθήκην (8 a)
12. 7. καὶ ὤφθη κύριος τῷ Ἄβραμ (8 b)
— 7. κυρίῳ τῷ ὀφθέντι αὐτῷ (8 b)
13. 15. πᾶσαν τὴν γῆν ἣν σὺ ὁρᾷς (8 a)
16. 13. καὶ γὰρ ἐνώπιον εἶδον ὀφθέντα μοι (8 a)
17. 1. καὶ ὤφθη κύριος τῷ Ἄβραμ (8 b)
18. 1. ὤφθη δὲ αὐτῷ ὁ θεὸς πρὸς τῇ δρυΐ (8 b)
— 21. καταβὰς οὖν ὄψομαι (8 a)
22. 8. ὁ θεὸς ὄψεται ἑαυτῷ πρόβατον (8 a)
— 14. ἐν τῷ ὄρει κύριος ὤφθη (8 b)
26. 2. ὤφθη δὲ αὐτῷ κύριος (8 b)
— 24. καὶ ὤφθη αὐτῷ κύριος (8 b)
— 28. ἰδόντες ἑωράκαμεν ὅτι ἦν κύριος (8 a)
27. 1. ἠμβλύνθησαν οἱ ὀφθαλμοὶ αὐ. τοῦ ὁρᾶν (8 a)
29. 2. καὶ ὁρᾷ καὶ ἰδοὺ φρέαρ (8 a)
31. 5. ὁρῶ ἐγὼ τὸ πρόσωπον τοῦ πατρός (8 a)
— 12. ἑώρακα γὰρ ὅσα σοι Λάβαν ποιεῖ (8 a)
— 13. ὁ θεὸς ὁ ὀφθείς σοι ἐν τόπῳ θεοῦ –
— 43. καὶ πάντα ὅσα σὺ ὁρᾷς ἐμά ἐστι (8 a)
— 50. ὅρα οὐθεὶς μεθ' ἡμῶν ἐστιν ὁρῶν [A om.] (–, 8 a)
32. 20 (21). ὄψομαι τὸ πρόσωπον αὐτοῦ (8 a)
35. 1. τῷ θεῷ τῷ ὀφθέντι σοι (8 b)
— 9. ὤφθη δὲ ὁ θεὸς τῷ Ἰακώβ (8 b)
37. 20. καὶ ὀψόμεθα τί ἔσται τὰ ἐνύπνια (8 a)
— 29. καὶ οὐχ ὁρᾷ τὸν Ἰωσὴφ ἐν τῷ λάκκῳ (4)
41. 15. ἐνύπνιον ἑώρακα (6)
43. 3. οὐκ ὄψεσθε τὸ πρόσωπόν μου (8 a)
— 5. οὐκ ὄψεσθέ μου τὸ πρόσωπον (8 a)
45. 28. πορευθεὶς ὄψομαι αὐτόν (8 a)
46. 29. καὶ ὀφθεὶς αὐτῷ ἐπέπεσεν (8 b)
— 30. ἐπεὶ ἑώρακα τὸ πρόσωπόν σου (8 a)
48. 3. ὁ θεός μου ὤφθη μοι ἐν Λουζᾷ (8 b)
Ex. 2. 6. ὁρᾷ παιδίον κλαῖον ἐν τῇ θίβει (8 a)
— 11. ὁρᾷ ἄνθρωπον Αἰγύπτιον τύπτοντα (8 a)
— 12. περιβλεψάμενος δὲ . . . οὐχ ὁρᾷ οὐδένα (8 a)
— 13. ὁρᾷ δύο ἄνδρας Ἑβρ. διαπληκτιζομένους (4)
3. 2. ὤφθη δὲ αὐτῷ ἄγγελος κυρίου ἐν πυρί (8 b)
— 2. καὶ ὁρᾷ ὅτι ὁ βάτος καίεται πυρί (8 a)
— 3. ὄψομαι τὸ ὅραμα . . . τοῦτο (8 a)
— 9. κἀγὼ ἑώρακα τὸν θλιμμόν (8 a)
— 16. κύριος ὁ θεὸς . . . ὤπταί μοι (8 b)
4. 1. οὐκ ὤπταί σοι ὁ θεός (8 b)
— 5. ὅτι ὤπταί σοι ὁ θεός (8 b)
— 18. καὶ ὄψομαι εἰ ἔτι ζῶσι (8 a)
— 21. ὅρα πάντα τὰ τέρατα . . . ποιήσεις αὐτά (8 a)
— 23. ὅρα οὖν ἐγὼ ἀποκτενῶ τὸν υἱόν σου (4)
5. 19. ἑώρων δὲ . . . ἑαυτοὺς ἐν κακοῖς (8 a)
Ex. 6. 1. ἤδη ὄψει [A ὄψῃ] ἃ ποιήσω τῷ Φ. (8 a)
— 3. ὤφθην πρὸς Ἀβραάμ (8 b)
10. 6. ἃ οὐδέποτε ἑώρακασιν οἱ πατέρες (8 a)
— 28. ᾗ δ' ἂν ἡμέρᾳ ὀφθῇς μοι (8 a)
— 29. οὐκέτι ὀφθήσομαί σοι εἰς πρόσωπον (8 a)
12. 13. καὶ ὄψομαι τὸ αἷμα (8 a)
— 23. καὶ ὄψεται τὸ αἷμα ἐπὶ τῆς φλιᾶς (8 a)
13. 7. οὐκ ὀφθήσεταί σοι ζυμωτόν (8 b)
14. 10. ἀναβλέψαντες . . . ὁρῶσι (4)
— 13. στῆτε καὶ ὁρᾶτε τὴν σωτηρίαν (8 a)
— 13. ὃν τρόπον γὰρ ἑωράκατε τοὺς Αἰγ. (8 a)
16. 7. πρωὶ ὄψεσθε τὴν δόξαν κυρίου (8 a)
— 10. ἡ δόξα κυρίου ὤφθη ἐν νεφέλῃ (8 b)
19. 4. αὐτοὶ ἑωράκατε ὅσα πεποίηκα (8 a)
20. 18. πᾶς ὁ λαὸς ἑώρα τὴν φωνήν (8 a)
— 22. ἑωράκατε ὅτι . . . λελάληκα (8 a)
23. 15. οὐκ ὀφθήσῃ ἐνώπιόν μου κενός (8 b)
— 17. ὀφθήσεται πᾶν ἀρσενικόν σου [A om.] (8 b)
24. 11. καὶ ὤφθησαν ἐν τῷ τόπῳ τοῦ θεοῦ (5 a)
25. 7 (8). καὶ ὀφθήσομαι ἐν ὑμῖν (10)
— 39 (40). ὅρα ποιήσεις κατὰ τὸν τύπον (8 a)
31. 13. ὁρᾶτε καὶ τὰ σάββατά μου φυλάξεσθε (1)
32. 19. ὁρᾷ τὸν μόσχον καὶ τοὺς χορούς (8 a)
33. 5. ὁρᾶτε μὴ πληγὴν ἄλλην ἐπάξω –
— 10. ἑώρα . . . τὸν στῦλον . . . ἑστῶτα (8 a)
— 23. τότε ὄψῃ τὰ ὀπίσω μου (8 a)
— 23. τὸ δὲ πρόσωπόν μου οὐκ ὀφθήσεταί σοι (8 b)
34. 3. μηδὲ ὀφθήτω ἐν παντὶ τῷ ὄρει (8 b)
— 10. καὶ ὄψεται πᾶς ὁ λαὸς . . . τὰ ἔργα (8 a)
— 20. οὐκ ὀφθήσῃ ἐνώπιόν μου κενός (8 b)
— 23. ὀφθήσεται πᾶν ἀρσενικόν σου (8 b)
— 24. ὀφθῆναι ἐναντίον κυρίου (8 b)
Le. 5. 1. καὶ οὗτος μάρτυς ἢ ἑώρακεν (8 a)
9. 4. σήμερον κύριος ὀφθήσεται ἐν ὑμῖν (8 b)
— 6. ὀφθήσεται ἐν ὑμῖν δόξα κυρίου (8 b)
— 23. ὤφθη ἡ δόξα κυρίου παντὶ τῷ λ. (8 b)
13. 3. ὄψεται ὁ ἱερεὺς τὴν ἁφὴν ἐν δέρματι (8 a)
— 3. καὶ ὄψεται ὁ ἱερεὺς καὶ μιανεῖ αὐτόν (8 a)
— 5. καὶ ὄψεται ὁ ἱερεὺς τὴν ἁφήν (8 a)
— 6. καὶ ὄψεται ὁ ἱερεὺς αὐτόν (8 a)
— 7. καὶ ὀφθήσεται τὸ δεύτερον τῷ ἱερεῖ (8 a)
— 8. καὶ ὄψεται αὐτὸν ὁ ἱερεύς (8 a)
— 10, 13. καὶ ὄψεται ὁ ἱερεύς (8 a)
— 14. καὶ ᾗ ἂν ἡμέρᾳ ὀφθῇ ἐν αὐτῷ χρὼς ζῶν (8 b)
— 15. καὶ ὄψεται ὁ ἱερεὺς τὸν χρῶτα τὸν ὑγιῆ (8 a)
— 17. A² B ὄψεται ὁ ἱερεύς (8 a)
— 19. καὶ ὀφθήσεται τῷ ἱερεῖ (8 b)
— 20. καὶ ὄψεται ὁ ἱερεύς (8 a)
— 25, 27. καὶ ὄψεται αὐτὸν ὁ ἱερεύς (8 a)
— 30, 32. καὶ ὄψεται ὁ ἱερεὺς τὴν ἁφήν (8 a)
— 34. καὶ ὄψεται ὁ ἱερεὺς τὸ θραῦσμα (8 a)
— 36, 39. καὶ ὄψεται ὁ ἱερεύς (8 a)
— 43. καὶ ὄψεται αὐτὸν ὁ ἱερεύς (8 a)
— 50, 51. καὶ ὄψεται ὁ ἱερεὺς τὴν ἁφήν (8 a)
— 55. καὶ ὄψεται ὁ ἱερεύς (8 a)
— 57. ἐὰν δὲ ὀφθῇ ἔτι [A ὀφθήσεται] (8 b)
14. 3. καὶ ὄψεται ὁ ἱερεύς (8 a)
— 35. ὥσπερ ἁφὴ ἑώραταί μου (8 b)
— 37. ὄψεται τὴν ἁφήν (8 a)
— 39. καὶ ὄψεται τὴν οἰκίαν (8 a)
— 44. καὶ εἰσελεύσεται ὁ ἱερεὺς καὶ ὄψεται (8 a)
16. 2. ἐν γὰρ νεφέλῃ ὀφθήσομαι (8 b)
Nu. 1. 49. ὅρα τὴν φυλὴν Λ. οὐ συνεπισκέψῃ (1)
13. 19 (18). ὄψεσθε τὴν γῆν (8 a)
— 29 (28). τὴν γενεὰν Ἐ. ἑωράκαμεν ἐκεῖ (8 a)
— 33 (32). πᾶς ὁ λαὸς ὃν ἑωράκαμεν ἐν αὐτῇ (8 a)
— 34 (33). ἐκεῖ ἑωράκαμεν τοὺς γίγαντας (8 a)
14. 10. ἡ δόξα κυρίου ὤφθη ἐν νεφέλῃ (8 b)
— 22. οἱ ἄνδρες οἱ ὁρῶντες τὴν δόξαν μου (8 a)
— 23. εἰ μὴν οὐκ ὄψονται τὴν γῆν (8 a)
— 23. οὐκ ὄψονται αὐτήν (8 a)
15. 39. καὶ ὄψεσθε αὐτά (8 a)
16. 19. ὤφθη ἡ δόξα κυρίου πάσῃ τῇ συναγ. (8 b)
— 42 (17. 7). ὤφθη ἡ δόξα κυρίου (8 b)
20. 6. ὤφθη ἡ δόξα κυρίου πρὸς αὐτούς (8 b)
22. 31. ὁρᾷ τὸν ἄγγελον κυρίου (8 a)
23. 9. ἀπὸ κορυφῆς ὀρέων ὄψομαι αὐτόν (8 a)
— 13. οὐκ ὄψῃ αὐτὸν ἐκεῖθεν (8 a)
— 13. μέρος τι αὐτοῦ ὄψῃ (8 a)
— 21. οὐδὲ ὀφθήσεται πόνος ἐν Ἰσρ. (8 a)
24. 3, 15. ὁ ἄνθρωπος ὁ ἀληθινῶς ὁρῶν †
27. 13. καὶ ὄψῃ [B² -ει] αὐτήν (8 a)
32. 11. εἰ ὄψονται . . . τὴν γῆν (8 a)
De. 1. 28. υἱοὺς γιγάντων ἑωράκαμεν ἐκεῖ (8 a)
— 35. εἰ ὄψεταί τις . . . τὴν ἀγαθὴν ταύτην γῆν (8 a)
De. 1. 36. οὗτος ὄψεται αὐτήν (8 a)
3. 21. οἱ ὀφθαλμοὶ ὑμῶν ἑωράκασι πάντα (8 a)
— 25. ὄψομαι τὴν γῆν τὴν ἀγαθὴν ταύτην (8 a)
— 28. τὴν γῆν ἣν ἑώρακας (8 a)
4. 3. οἱ ὀφθαλμοὶ ὑμῶν ἑωράκασι πάντα (8 a)
— 9. οὓς ἑωράκασιν οἱ ὀφθαλμοί σου (8 a)
— 28. οἳ οὐκ ὄψονται (8 a)
7. 15. ἃς ἑώρακας –
— 19. B² οὓς ἑωράκασιν [A B¹ ἴδοσαν] οἱ ὀφθαλμοί σου (8 a)
9. 13. ἑώρακα τὸν λαὸν τοῦτον (8 a)
11. 7. ἑώρακαν [A -ρων] πάντα τὰ ἔργα κυρίου (8 a)
16. 4. οὐκ ὀφθήσεταί σοι ζύμη (8 b)
— 16. ὀφθήσεται πᾶν ἀρσενικόν σου (8 b)
— 16. οὐκ ὀφθήσῃ ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ σου κενός (8 b)
18. 16. τὸ πῦρ τὸ μέγα τοῦτο οὐκ ὀψόμεθα ἔτι (8 a)
21. 7. οἱ ὀφθαλμοὶ ἡμῶν οὐχ ἑώρακασιν (8 a)
22. 4. οὐκ ὄψῃ [A² ὑπερόψῃ] τὸν ὄνον τοῦ ἀδ. σου (8 a)
23. 14 (15). οὐκ ὀφθήσεται ἐν σοὶ ἀσχημοσύνη (8 a)
28. 10. ὄψονταί σε πάντα τὰ ἔθνη τῆς γῆς (8 a)
— 67. ὧν ὄψῃ (8 a)
29. 2 (1). ὑμεῖς ἑωράκατε πάντα (8 a)
— 3 (2). οὓς ἑωράκασιν [A εἶδον] οἱ ὀφθαλμοί σου (8 a)
— 22 (21). ὄψονται τὰς πληγὰς τῆς γῆς ἐκ. (8 a)
31. 11. ὀφθῆναι ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (8 b)
32. 52. ἀπέναντι ὄψῃ τὴν γῆν (8 a)
33. 9. οὐχ ἑώρακά σε (8 a)
— 16. τὰ δεκτὰ τῷ ὀφθέντι ἐν τῷ βάτῳ (10)
Jo. 8. 20. A ἑώρων ἀναβαίνοντα τὸν καπνόν [B al.] (8 a + 4)
9. 7. ὅρα μὴ ἐν ἐμοὶ κατοικεῖς †
23. 3. ἑώρακατε ὅσα ἐποίησε κύριος (8 a)
Jd. 5. 8. θυρεὸς ἐὰν ὀφθῇ [A al.] (8 b)
6. 12. ὤφθη αὐτῷ ὁ ἄγγελος κυρίου [A al.] (8 b)
— 26. A τῷ κυρίῳ τῷ θεῷ σου τῷ ὀφθέντι σοι [B al.] –
7. 17. ἀπ' ἐμοῦ ὄψεσθε (8 a)
9. 36. A τὴν σκιὰν τῶν ὀρέων σὺ ὁρᾷς [B βλέπεις] (8 a)
13. 3. ὤφθη ἄγγελος κυρίου (8 b)
— 10. ὦπται πρὸς μέ [A ὦ. μοι] ὁ ἀνήρ (8 b)
— 21. οὐ προσέθηκεν ἔτι . . . ὀφθῆναι πρὸς Μ. (8 b)
— 22. A θεὸν ἑωράκαμεν [B εἴδομεν] (8 a)
14. 2. γυναῖκα ἑώρακα ἐν Θ. (8 a)
19. 30. A πᾶς ὁ ὁρῶν [B βλέπων] ἔλεγεν (8 a)
— 30. καὶ οὐχ ἑώραται ὡς αὕτη [A al.] (8 b)
21. 21. καὶ ὄψεσθε (8 a)
I Ki. 1. 22. ὀφθήσεται τῷ προσώπῳ κυρίου (8 b)
6. 9. καὶ ὄψεσθε (8 a)
— 16. οἱ πέντε σατράπαι τῶν ἀλλοφ. ἑώρων (8 a)
10. 24. εἰ ἑώρακατε ὃν ἐκλέλεκται (8 a)
16. 1. ἑώρακα ἐν τοῖς υἱοῖς αὐ. ἐμοὶ βασιλεύειν (8 a)
— 7. οὐχ ὡς ἐμβλέψεται ἄνθρ. ὄψεται ὁ θεός –
— 7. ἄνθρωπος ὄψεται εἰς πρόσωπον ὁ δὲ θεὸς ὄψεται εἰς καρδίαν (8 a, 8 a)
— 18. ἑώρακα υἱὸν τῷ Ἰ. (8 a)
17. 25. A εἰ ἑώρακατε τὸν ἄνδρα (8 a)
19. 3. ὄψομαι ὅ τι ἐὰν ᾖ (8 a)
20. 29. ὄψομαι τοὺς ἀδελφούς μου (8 a)
22. 9. ἑώρακα τὸν υἱὸν Ἰ. (8 a)
24. 11. ἑωράκασιν οἱ ὀφθαλμοί σου (8 a)
28. 13. εἰπὸν τίνα ἑώρακας (8 a)
— 13. θεοὺς ἑώρακα ἀναβαίνοντας ἐκ τῆς γῆς (8 a)
II Ki. 3. 13. οὐκ ὄψει [A -η] τὸ πρόσωπόν μου (8 a)
13. 34. ἄνδρας ἑώρακα ἐκ τῆς ὁδοῦ –
14. 15. ὄψεταί με ὁ λαός (8 b)
17. 17. οὐκ ἐδύναντο ὀφθῆναι (8 b)
18. 10. ἑώρακα τὸν Ἀβ. κρεμάμενον (8 a)
— 11. καὶ ἰδοὺ ἑώρακας (8 a)
— 27. ὁρῶ τὸν δρόμον τοῦ πρώτου (8 a)
22. 11. ὤφθη ἐπὶ πτερύγων ἀνέμου (8 b)
— 16. ὤφθησαν ἀφέσεις θαλάσσης (8 b)
24. 3. καὶ ὀφθαλμοὶ τοῦ κ. μου τοῦ βασ. ὁρῶντες (8 a)
— 11. πρὸς Γὰδ τὸν προφήτην τὸν ὁρῶντα Δ. (5 a)
III Ki. 3. 5. ὤφθη κύριος τῷ Σ. (8 b)
— 16. ὤφθησαν δύο γυναῖκες πόρναι (2)
9. 2. ὤφθη κύριος τῷ Σαλ. δεύτερον καθὼς ὤφθη [A add. αὐτῷ] ἐν Γ. (8 b, 8 b)
10. 7. ἑώρακασιν οἱ ὀφθαλμοί μου (8 a)
— 12. B οὐδὲ ὤφθησαν (8 b)
11. 9. ἀπὸ κυρίου θεοῦ Ἰσρ. τοῦ ὀφθέντος αὐτῷ δίς (8 b)
18. 1. ὄφθητι τῷ Ἀχ. (8 b)

III Ki. 18. 2. ἐπορεύθη Ἠ. τοῦ [A τῷ] ὀφθῆναι τῷ Ἀχ. (8 b)
— 15. σήμερον ὀφθήσομαι αὐτῷ (8 b)
20 (21). 29. ἑώρακας ὡς κατενίγη Ἀχ. (8 a)
21 (20). 13. εἰ ἑώρακας τὸν ὄχλον τὸν μέγαν τοῦτον (8 a)
22. 17. ἑώρακα πάντα τὸν Ἰσρ. (8 a)
— 25. ὄψῃ [B² -ει] τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ (8 a)
IV Ki. 2. 12. καὶ Ἐλ. ἑώρα (8 a)
3. 17. B οὐκ ὄψεσθε πνεῦμα (8 a)
— 17. οὐκ ὄψεσθε ὑετόν (8 a)
7. 2. ὄψῃ [B² -ει] τοῖς ὀφθαλμοῖς (8 a)
— 13. ἀποστελοῦμεν ἐκεῖ καὶ ὀψόμεθα (8 a)
— 19. ὄψῃ [B² -ει] τοῖς ὀφθαλμοῖς σου (8 a)
9. 2. ὄψῃ [B² -ει] ἐκεῖ Ἰ. υἱὸν Ἰωσ. (8 a)
10. 3. ὄψεσθε τὸν ἀγαθόν (8 a)
14. 8. ὀφθῶμεν προσώποις (8 d)
— 11. B ὤφθη [A R -ησαν] προσώποις (8 d)
17. 13. ἐν χειρὶ πάντων τῶν προφητῶν αὐ. παντὸς ὁρῶντος (5 a)
22. 20. οὐκ ὀφθήσεται ἐν τοῖς ὀφθαλμοῖς σου (8 a)
23. 17. ὁ ἐγὼ ὁρῶ (8 a)
25. 19. πέντε ἄνδρας τῶν ὁρώντων τὸ πρόσωπον τοῦ βασ. (8 a)
I Ch. 21. 9. ἐλάλησε κ. πρὸς Γ. ὁρῶντα [A add. Δ.] (5 a)
II Ch. 1. 7. ὤφθη ὁ θ. τῷ Σαλ. (8 b)
3. 1. οὗ ὤφθη κύριος τῷ Δ. (8 b)
7. 3. ἑώρων καταβαῖνον τὸ πῦρ (8 a)
— 12. ὤφθη ὁ θεὸς τῷ Σαλ. (8 b)
9. 11. οὐκ ὤφθησαν τοιαῦτα ἔμπροσθεν (8 b)
— 29. ἐν ταῖς ὁράσεσιν Ἰ. τοῦ ὁρῶντος (5 a)
12. 15. ἐν τοῖς λόγοις . . . Ἀ. τοῦ ὁρῶντος (5 a)
18. 24. ὄψῃ ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ (8 a)
25. 17. A R ὀφθῶμεν προσώποις (8 d)
— 21. καὶ ὤφθησαν ἀλλήλοις (8 d)
29. 8. ὡς ὑμεῖς ὁρᾶτε τοῖς ὀφθαλμοῖς ὑμῶν (8 a)
— 25. A R κατὰ τὴν ἐντολὴν . . . Γ. τοῦ ὁρῶντος τῷ βασ. [B al.] (5 a)
30. 7. καθὼς ὑμεῖς ὁρᾶτε (8 a)
33. 18. καὶ λόγοι τῶν ὁρώντων (5 a)
— 19. γέγραπται ἐπὶ τῶν λόγων τῶν ὁρώντων (5 a)
34. 28. οὐκ ὄψονται οἱ ὀφθαλμοί σου (8 a)
I Es. 5. 63. ἑωρακότες [A προεωρ.] τὸν πρὸ τούτου οἶκον
Ne. 4. 11 (5). οὐκ ὄψονται ἕως ὅτου ἔλθωμεν (8 a)
To. 4. 4. πολλοὺς κινδύνους ἑώρακεν ἐπὶ σοί
5. 20. οἱ ὀφθαλμοί σου ὄψονται αὐτόν [S om.]
10. 8. οὐκέτι ἐλπίζουσιν ὄψεσθαί με [S al.]
11. 8. καὶ ὄψεταί σε [S τὸ φῶς]
12. 1. ὅρα, τέκνον, μισθόν [S al.]
— 22. ὡς ὤφθη αὐτοῖς ὁ ἄγγελος κυρίου
13. 14. S ὄψονται πᾶσαν τὴν χαράν σου [A B al.]
14. 10. S ὁρῶ γὰρ ὅτι πολλὴ ἀδικία ἐν αὐτῇ
Ju. 6. 5. οὐκ ὄψῃ ἔτι τὸ πρόσωπόν μου
7. 27. οὐκ ὀψόμεθα τὸν θάνατον τῶν νηπίων ἡ.
Es. I. 1. A S R M. ὁ [B om.] ἑωρακὼς τὸ ἐνύπνιον τοῦτο
7. 7. ἑώρα γὰρ ἑαυτὸν ἐν κακοῖς ὄντα (8 a)
Jb. 2. 13. ἑώρων γὰρ τὴν πληγὴν δεινὴν οὖσαν (8 a)
5. 1. ἢ εἴ τινα ἀγγέλων ἁγίων ὄψῃ (7)
— 3. ἐγὼ δὲ ἑώρακα ἄφρονας ῥίζαν βάλλοντας (8 a)
6. 7. βρόμον γὰρ ὁρῶ τὰ σῖτά μου †
— 20. A αἰσχύνην οἱ ὁρῶντες [B S om. οἱ ὁ.] ὀφειλήσουσιν †
7. 8. οὐ περιβλέψεταί με [A οὐκ ἀτενοῖ μοι] ὀφθαλμὸς ὁρῶντός με (8 a)
8. 18. οὐχ ἑώρακας [S ἑόρας] τοιαῦτα (8 a)
10. 4. ἢ ὥσπερ βροτὸς ὁρᾷ καθορᾷς (8 a)
— 4. ἢ καθὼς ὁρᾷ ἄνθρωπος βλέψῃ (8 a ?)
— 21. οὗ οὐκ ἔστι φέγγος οὐδὲ ὁρᾶν ζωὴν βροτῶν †
13. 1. ἰδοὺ ταῦτα ἑώρακέ μου ὁ ὀφθαλμός (8 a)
15. 17. ἃ δὴ ἑώρακα ἀναγγελῶ σοι (5 a)
17. 15. ἢ τὰ ἀγαθά μου ὄψομαι [A ὅ. ἔτι] (9)
19. 27. ἃ ὁ [S om.] ὀφθαλμός μου ἑώρακε [A al.] (8 a)
22. 14. καὶ οὐχ ὁραθήσεται (8 a)
23. 9. περιβαλεῖ δεξιὰ καὶ οὐκ ὄψομαι (8 a)
27. 12. A πάντες ὑμεῖς ἑωράκατε [B S al.] (5 a)
31. 4. οὐχὶ αὐτὸς ὄψεται ὁδόν μου (8 a)
— 26. ἢ οὐχ ὁρῶμεν ἥλιον τὸν ἐπιφαύσκοντα ἐκλείποντα (8 a)
33. 28. ἡ ζωή μου φῶς ὄψεται (8 a)
34. 29. καὶ τίς ὄψεται αὐτόν (9)
— 32. ἄνευ ἐμαυτοῦ ὄψομαι [S¹ om.] (5 a)
Jb. 38. 22. θησαυροὺς δὲ χαλάζης [S¹ θαλάσσης] ἑώρακας (8 a)
41. 1. A S² R οὐχ ἑώρακας αὐτόν –
— 25 (26). πᾶν ὑψηλὸν ὁρᾷ (8 a)
42. 5. νυνὶ δὲ ὁ ὀφθαλμός μου ἑώρακέ σε (8 a)
Ps. 8. 3. ὄψομαι τοὺς οὐρανούς ἔργα τῶν δακτύλων σου (8 a)
16 (17). 15. ἐγὼ δὲ ἐν δικαιοσύνῃ ὀφθήσομαι τῷ προσώπῳ σου χορτασθήσομαι ἐν τῷ ὀφθῆναι τὴν [A S² μοι τὴν] δόξαν σου (5 a, †)
17 (18). 15. ὤφθησαν αἱ πηγαὶ τῶν ὑδάτων (8 b)
35 (36). 9. ἐν τῷ φωτί σου ὀψόμεθα φῶς (8 a)
36 (37). 34. A B¹ S ἐν τῷ ἐξολεθρεύεσθαι ἁμαρτωλοὺς ὄψῃ [B² R ὄψει] (8 a)
39 (40). 3. ὄψονται πολλοὶ καὶ φοβηθήσονται (8 a)
41 (42). 2. πότε ἥξω καὶ ὀφθήσομαι τῷ προσώπῳ τοῦ θεοῦ (8 b)
48 (49). 9. οὐκ ὄψεται καταφθοράν (8 a)
— 19. ἕως αἰῶνος οὐκ ὄψεται φῶς (8 a)
51 (52). 6. ὄψονται δίκαιοι καὶ φοβηθήσονται (8 a)
62 (63). 2. οὕτως ἐν τῷ ἁγίῳ ὤφθην σοι (5 a)
63 (64). 5. τίς ὄψεται αὐτούς (8 a)
83 (84). 7. ὀφθήσεται ὁ θεὸς τῶν θεῶν ἐν Σιών (8 b)
88 (89). 48. ὃς ζήσεται καὶ οὐκ ὄψεται θάνατον (8 a)
90 (91). 8. A B¹ S ἀνταπόδοσιν ἁμαρτωλῶν ὄψῃ [B² R ὄψει] (8 a)
93 (94). 7. οὐκ ὄψεται κύριος (8 a)
101 (102). 16. ὀφθήσεται ἐν τῇ δόξῃ αὐτοῦ (8 b)
106 (107). 42. ὄψονται εὐθεῖς καὶ εὐφρανθήσονται (8 a)
111 (112). 10. ἁμαρτωλὸς ὄψεται καὶ ὀργισθήσεται (8 a)
113. 13 (115. 5). ὀφθαλμοὺς ἔχουσι καὶ οὐκ ὄψονται (8 a)
118 (119). 74. οἱ φοβούμενοί σε ὄψονταί με (8 a)
134 (135). 16. ὀφθαλμοὺς ἔχουσι καὶ οὐκ ὄψονται (8 a)
Pr. 20. 20. αἱ δὲ κόραι τῶν ὀφθ. αὐ. ὄψονται [S ἔσονται] σκότος –
— 12. οὖς ἀκούει καὶ ὀφθαλμὸς ὁρᾷ (8 a)
24. 18. ὄψεται κύριος καὶ οὐκ ἀρέσει αὐτῷ (8 a)
— 32 (30. 9). τίς με ὁρᾷ –
26. 19. ὅταν δὲ ὁραθῶσι [A S² φωραθῶσιν] †
Ec. 1. 8. οὐ πλησθήσεται ὀφθαλμὸς τοῦ ὁρᾶν (8 a)
5. 10. ἀρχὴ [S² ἀλλ' ἢ] τοῦ ὁρᾶν ὀφθαλμοῖς [B¹ -ὸν] αὐτοῦ (8 e, S f*)
12. 5. καὶ εἰς τὸ ὕψος [A S καί γε ἀπὸ ὕψους] ὄψονται †
Ca. 2. 12. τὰ ἄνθη ὤφθη ἐν τῇ γῇ (8 b)
6. 12 (7. 1). A καὶ ὀψόμεθα ἐν σοί (5 a)
7. 1. τί ὄψεσθε ἐν τῇ Σουναμίτιδι (5 a)
Wi. 4. 17. ὄψονται γὰρ τελευτὴν σοφοῦ
— 18. ὄψονται [S¹ add. αὐτὸν] καὶ ἐξουθενήσουσιν
13. 1. ἐκ τῶν ὁρωμένων ἀγαθῶν οὐκ ἴσχυσαν εἰδέναι τὸν ὄντα
18. 1. μορφὴν δὲ οὐχ ὁρῶντες
Si. 13. 7. μετὰ ταῦτα ὄψεταί σε
16. 5. πολλὰ τοιαῦτα ἑώρακα ἐν ὀφθαλμοῖς μου [S al.]
— 20. S² καθὸ ποιεῖ ἄνθρωπος ὄψεται ὁ ὀφθαλμὸς αὐτοῦ
— 21. ἢν οὐκ ὄψεται ἄνθρωπος [S¹ πᾶς ἄ.]
23. 18. τίς με ὁρᾷ
— 18. οὐθείς με ὁρᾷ
31 (34). 11. πολλὰ ἑώρακα ἐν τῇ ἀποπλανήσει μου
32 (35). 4. μὴ ὀφθῇς ἐν προσώπῳ κυρίου κενός
37. 24. μακαριοῦσιν αὐτὸν πάντες οἱ ὁρῶντες
38. 25. A τίς ὀφθήσεται [B S τί σοφισθήσεται] ὁ κρατῶν ἀρότρου
39. 4. ἔναντι ἡγουμένου ὀφθήσεται
42. 15. ἃ ἑώρακα ἐκδιηγήσομαι
— 25. τίς πλησθήσεται ὁρῶν δόξαν αὐτοῦ
43. 31. τίς ἑώρακεν αὐτὸν καὶ ἐκδιηγήσεται
— 32. ὀλίγα γὰρ ἑωράκαμεν τῶν ἔργων αὐτοῦ
Am. 7. 8. τί σὺ ὁρᾷς, Ἀμώς (8 a)
— 12. ὁ ὁρῶν βάδιζε (5 a)
8. 2. A τί σὺ ὁρᾷς [B βλέπεις] (8 a)
Mi. 3. 7. καταισχυνθήσονται οἱ ὁρῶντες τὰ ἐνύπνια (5 a)
5. 4 (3). καὶ στήσεται καὶ ὄψεται †
7. 9. ὄψομαι τὴν δικαιοσύνην αὐτοῦ (8 a)
— 10. καὶ ὄψεται ἡ ἐχθρά μου (8 a)
— 15. κατὰ τὰς ἡμέρας ἐξοδίας σου . . . ὄψεσθε θαυμαστά (8 c)
— 16. ὄψονται ἔθνη καὶ καταισχυνθήσονται (8 a)
Jl. 2. 28 (3. 1). οἱ νεανίσκοι ὑμῶν ὁράσεις ὄψονται (8 a)
Na. 3. 7. πᾶς ὁ ὁρῶν σε καταβήσεται ἀπὸ σοῦ (8 a)
Hb. 1. 13. καθαρὸς ὁ ὀφθαλμὸς τοῦ μὴ ὁρᾶν πονηρά (8 a)
3. 10. ὄψονταί σε καὶ ὠδινήσουσι λαοί (8 a)
Ze. 3. 15. οὐκ ὄψῃ κακὰ οὐκέτι (8 a)
Za. 1. 8. ἑώρακα τὴν νύκτα (8 a)
4. 2. ἑώρακα καὶ ἰδοὺ λυχνία χρυσῆ ὅλη (8 a)
— 10. ὄψονται τὸν λίθον τὸν κασσιτέρινον (8 a)
5. 2. ἐγὼ ὁρῶ δρέπανον πετόμενον (8 a)
9. 5. ὄψεται Ἀ. καὶ φοβηθήσεται (8 a)
— 8. διότι νῦν ἑώρακα ἐν τοῖς ὀφθαλμοῖς μου (8 a)
10. 7. τὰ τέκνα αὐτῶν ὄψονται [A -εται] (8 a)
12. 10. S¹ ὄψονται [A B S² κόψ.] ἐπ' αὐτὸν κοπετόν †
Ma. 1. 5. οἱ ὀφθαλμοὶ ὑμῶν ὄψονται (8 a)
3. 18. ὄψεσθε ἀνὰ μέσον δικαίου (8 a)
Is. 1. 12. οὐδ' ἂν ἔρχησθε ὀφθῆναί μοι (8 b)
17. 8. οὐκ ὄψονται τὰ δένδρα [A ἅλση, S¹ δ. ἐπὶ τὰ ἄ.] (8 a)
29. 10. οἱ ὁρῶντες τὰ κρυπτά (5 a)
— 15. τίς ἑώρακεν ἡμᾶς (8 a)
— 18. ὀφθαλμοὶ τυφλῶν ὄψονται [A S³ βλέψ.] (8 a)
30. 10. οἱ λέγοντες . . . τοῖς τὰ ὁράματα ὁρῶσι (5 a)
— 20. οἱ ὀφθαλμοί σου ὄψονται τοὺς πλανῶντάς σε (8 a)
33. 11. νῦν ὄψεσθε –
— 17. βασιλέα μετὰ δόξης ὄψεσθε οἱ ὀφθαλμοὶ ὑμῶν ὄψονται γῆν πόρρωθεν (5 a, 8 a)
— 20. οἱ ὀφθαλμοί σου ὄψονται Ἱερουσαλήμ (8 a)
35. 2. ὁ λαός μου ὄψεται τὴν δόξαν κυρίου (8 a)
40. 5. ὀφθήσεται ἡ δόξα κυρίου καὶ ὄψεται πᾶσα σὰρξ τὸ σωτήριον τοῦ θεοῦ (3, 8 a)
41. 23. B S καὶ ὀψόμεθα ἅμα (8 a)
47. 13. οἱ ὁρῶντες τοὺς ἀστέρας ἀναγγειλάτωσάν σοι (5 a)
49. 7. βασιλεῖς ὄψονται αὐτόν (8 a)
52. 8. ὀφθαλμοὶ πρὸς ὀφθαλμοὺς ὄψονται (8 a)
— 10. ὄψονται πάντα ἄκρα τῆς γῆς τὴν σωτηρίαν (8 a)
— 15. οἷς οὐκ ἀνηγγέλη περὶ αὐτοῦ ὄψονται (8 a)
53. 10. ἡ ψυχὴ ἡμῶν ὄψεται σπέρμα μακρόβιον (8 a)
57. 18. τὰς ὁδοὺς αὐτοῦ ἑώρακα (8 a)
60. 2. ἡ δόξα αὐτοῦ ἐπὶ σὲ ὀφθήσεται (8 b)
— 5. τότε ὄψῃ καὶ φοβηθήσῃ (8 a)
61. 9. πᾶς ὁ ὁρῶν αὐτοὺς ἐπιγνώσεται αὐτούς (8 a)
62. 2. ὄψονται ἔθνη τὴν δικαιοσύνην σου (8 a)
66. 5. ἵνα . . . ὀφθῇ ἐν τῇ εὐφροσύνῃ αὐτῶν (8 a)
— 8. τίς ἑώρακεν οὕτως (8 a)
— 14. ὄψεσθε [A -εται] καὶ χαρήσεται ἡ καρδία ὑμῶν (8 a)
— 18. ὄψονται τὴν δόξαν μου (8 a)
— 19. οὔτε ἑωράκασί μου τὴν δόξαν (8 a)
— 24. ὄψονται τὰ κῶλα τῶν ἀνθρώπων (8 a)
Je. 1. 11. τί σὺ ὁρᾷς (8 a)
— 12. A B S² καλῶς ἑώρακας (8 a)
— 13. A B S² τί σὺ ὁρᾷς (8 a)
4. 21. ἕως πότε ὄψομαι φεύγοντας (8 a)
5. 12. μάχαιραν καὶ λιμὸν οὐκ ὀψόμεθα (8 a)
7. 11. ἐγὼ ἑώρακα (8 a)
— 17. οὐχ ὁρᾷς τί αὐτοὶ ποιοῦσιν (8 a)
12. 4. οὐκ ὄψεται ὁ θεὸς ὁδοὺς ἡμῶν (8 a)
13. 26. ὀφθήσεται ἡ ἀτιμία σου (8 b)
— 27. ἑώρακα τὰ βδελύγματά σου (8 a)
14. 13. οὐκ ὄψεσθε [S¹ -όμεθα] μάχαιραν (8 a)
17. 6. οὐκ ὄψεται ὅταν ἔλθῃ τὰ ἀγαθά (8 a)
20. 4. οἱ ὀφθαλμοί σου ὄψονται (8 a)
22. 10. οὐδὲ ὄψεται [S καὶ οὐ μὴ ἴδῃ] τὴν γῆν πατρίδος αὐτοῦ (8 a)
— 12. τὴν γῆν ταύτην οὐκ ὄψεται ἔτι (8 a)
23. 14. ἑώρακα φρικτὰ μοιχωμένους (8 a)
— 24. ἐγὼ οὐκ ὄψομαι αὐτόν (8 a)
24. 3. τί σὺ ὁρᾷς, Ἱερεμία (8 a)
28 (51). 61. ὄψῃ καὶ ἀναγνώσῃ πάντας τοὺς λόγους τούτους (8 a)
29 (49). 22. ὥσπερ ἀετὸς ὄψεται †
36 (29). 32. οὐκ ὄψονται (8 a ?)
37 (30). 6. ἑώρακα πάντα ἄνθρωπον (8 a)
38 (31). 3. κύριος πόρρωθεν ὤφθη [A S ὀφθήσεται] αὐτῷ (8 b)
— 33. A S¹ ὄψομαι αὐτούς –
39 (32). 4. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτοῦ τοὺς [S πρὸς] ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ ὄψονται (8 a)
41 (34). 3. ὀφθαλμοί σου τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ ὄψονται (8 a)
51 (44). 2. ἑωράκατε πάντα τὰ κακά (8 a)

Ba. 3. 22. οὐδὲ ὤφθη ἐν Θαιμάν
— 37. μετὰ τοῦτο ἐπὶ τῆς γῆς ὤφθη
4. 24. ὥσπερ γὰρ νῦν ἑωράκασιν οἱ πάροικοι Σιὼν τὴν ὑμετέραν αἰχμαλωσίαν οὕτως ὄψονται ἐν τάχει τὴν παρὰ τοῦ θεοῦ ὑμῶν σωτηρίαν
— 25. ὄψει αὐτοῦ τὴν ἀπώλειαν ἐν τάχει
Ep. Je. 4. ὄψεσθε ἐν Βαβυλῶνι θεοὺς ἀργυροῦς
Ez. 8. 6. ἑώρακας τί οὗτοι ποιοῦσιν (8 *a*)
— 6. A B³ R ὄψει [B¹ -η] ἀνομίας [A ἁμαρτίας] μείζονας (8 *a*)
— 12. ἑώρακας, υἱὲ ἀνθρώπου, ἃ οἱ πρεσβύτεροι οἴκου Ἰσραὴλ ποιοῦσιν (8 *a*)
— 12. οὐχ ὁρᾷ ὁ κύριος [A *al.*] (8 *a*)
— 13. ἔτι ὄψει [A -η] ἀνομίας μείζονας (8 *a*)
— 15. ἑώρακας . . . ὄψει [A ὄψῃ] ἐπιτηδεύματα μείζονα τούτων (8 *a*, 8 *a*)
— 17. ἑώρακας, υἱὲ ἀνθρώπου (8 *a*)
12. 2. A ἔχουσιν ὀφθαλμοὺς τοῦ ὁ. [B βλέπειν] (8 *a*)
— 12. ὅπως μὴ ὁραθῇ ὀφθαλμῷ καὶ αὐτὸς τὴν γῆν οὐκ ὄψεται (8 *a*, –)
— 13. αὐτὴν οὐκ ὄψεται (8 *a*)
— 27. ἡ ὅρασις ἣν οὗτος ὁρᾷ εἰς ἡμέρας πολλάς (5 *a*)
13. 7. οὐχὶ ὅρασιν ψευδῆ ἑωράκατε (5 *a*)
— 9. ἐπὶ τοὺς προφήτας τοὺς ὁρῶντας ψευδῆ (5 *a*)
— 16. οἱ [A *om.*] ὁρῶντες αὐτῇ [A² -ην] εἰρήνην (5 *a*)
14. 22, 23 (A B²). ὄψεσθε τὰς ὁδοὺς αὐτῶν (8 *a*)
16. 37. ὄψονται πᾶσαν τὴν αἰσχύνην σου (8 *a*)
20. 43. A² ὄψεσθε [A¹ B κόψεσθε] τὰ πρόσωπα ὑμῶν †
21. 24 (29). τοῦ ὁραθῆναι ἁμαρτίας ὑμῶν (8 *b*)
22. 28. οἱ προφῆται αὐτῆς . . . πεσοῦνται ὁρῶντες [A οἱ ὁ.] μάταια (5 *a*)
28. 18. ἐναντίον πάντων τῶν ὁρώντων σε (8 *a*)
32. 31. ἐκείνους ὄψεται βασιλεὺς Φαραώ (8 *a*)
39. 21. ὄψονται πάντα τὰ ἔθνη τὴν κρίσιν μου (8 *a*)
40. 4. ὃν [A *om.*] ἑώρακας (8 *a*)
— 4. δείξεις πάντα ὅσα σὺ ὁρᾷς (8 *a*)
41. 6. τοῦ εἶναι τοῖς ἐπιλαμβανομένοις ὁρᾶν –
43. 7. ἑώρακας, υἱὲ ἀνθρώπου, τὸν τόπον τοῦ θρόνου μου –
47. 6. ἑώρακας, υἱὲ ἀνθρώπου (8 *a*)
Da. LXX. Su. 54. ποταπῷ τοῦ παραδείσου τόπῳ ἑώρακας αὐτούς
2. 3. ἐνύπνιον ἑώρακα (6)
— 8. ἑωράκατε ὅτι ἀπέστη ἀπ' ἐμοῦ τὸ πρᾶγμα (5 *b*)
— 9. ὃ τὴν νύκτα ἑώρακα –
— 10. εἰπεῖν τῷ βασ. ὃ ἑώρακε –
— 27. τὸ μυστήριον ὃ ἑώρακεν ὁ βασ. †
— 31. σὺ βασιλεῦ ἑώρακας (5 *c*)
— 34. ἑώρακας ἕως ὅτου ἐτμήθη λίθος (5 *c*)
— 41. ὡς ἑώρακας τοὺς πόδας αὐτῆς (5 *b*)
— 45. ἑώρακας ἐξ ὄρους τμηθῆναι λίθον (5 *b*)
3. 25 (92). ὁρῶ ἄνδρας τέσσαρας λελυμένους (5 *b*)
4. 19. τὰ ἔργα σου ὤφθη †
— 29. καὶ οὐ μὴ ὀφθῇς –
5. 6. ἑώρα τὴν γραφὴν ἐκείνην –
Bel 5. οὐχ ὁρᾷς ὅσα εἰς αὐτὸν δαπανᾶται
— 11. σὺ αὐτὸς ὁρᾷς ὅτι κεῖται ταῦτα
— 34. οὐχ ἑώρακα τὴν Βαβ.
— 39. ὁρᾷ αὐτὸν καθήμενον
Da. TH. Su. 12. παρετηροῦσαν . . . ὁρᾶν αὐτήν
1. 13. ὀφθήτωσαν ἐνώπιόν σου αἱ ἰδέαι ἡμῶν (8 *b*)
— 15. ὡράθησαν αἱ ἰδέαι αὐ. (8 *b*)
3. 25 (92). ὁρῶ ἄνδρας τέσσαρας λελυμένους (5 *b*)
8. 1. ὅρασις ὤφθη πρὸς μὲ . . . μετὰ τὴν ὀφθεῖσάν μοι τὴν ἀρχήν (8 *b*, 8 *b*)
Bel 6. οὐχ ὁρᾷς ὅσα ἐσθίει
— 20. ὁρῶ τὰ ἴχνη ἀνδρῶν
— 35. Βαβυλῶνα οὐχ ἑώρακα
I Ma. 4. 6. ὤφθη Ἰ. ἐν τῷ πεδίῳ
— 19. ὤφθη μέρος τι ἐκκύπτον ἐκ τοῦ ὄρους
6. 43. A R ὤφθη [S ᾠήθη] ὅτι ἐν αὐτῷ ἐστιν ὁ βασ.
9. 27. οὐκ ὤφθη προφήτης αὐτοῖς
II Ma. 2. 8. ὀφθήσεται ἡ δόξα τοῦ κυρίου
3. 16. ἦν δὲ ὁρῶντα τὴν τοῦ ἀρχιερέως ἰδέαν
— 25. ὤφθη γάρ τις ἵππος αὐτοῖς
4. 6. ἑώρα γὰρ . . . ἀδύνατον εἶναι
6. 9. παρῆν οὖν ὁρᾶν τὴν ἐνεστῶσαν ταλαιπωρίαν
12. 42. ὑπ' ὄψιν ἑωρακότας [A¹ -ες] τὰ γεγονότα
III Ma. 4. 8. παρὰ πόδας ἤδη τὸν ᾅδην ὁρῶντες κείμενον
IV Ma. 4. 24. τιμωρίας ἑώρα καταλυομένας
8. 15. καὶ ὁρῶντες δεινά
9. 30. ὁρῶν σου νικώμενον τὸν . . . λογισμόν
IV Ma. 10. 8. ἑώρα τὰς ἑαυτοῦ σάρκας περιλακιζομένας
12. 3. ὁρῶν ἤδη τὰ δεσμὰ περικείμενον
— 4. τὸ τέλος ὁρᾷς
13. 27. τοὺς καταικιζομ. ὁρῶντες . . . βασανιζομένους
14. 9. οἱ δὲ οὐ μόνον ὁρῶντες
15. 14. καθ' ἕνα στρεβλούμενον . . . ὁρῶσα μήτηρ
— 15. τὰς σάρκας τῶν τέκνων ἑώρα
— 19. τοὺς ὀφθ. . . . ταυρηδὸν ἐπὶ τῶν βασάνων ὁρῶντας
— 20. A S² R ὁρῶσα [S¹ ἑώρακας] σάρκας τέκνων ἀποκαιομένας
— 20. πολυάνδριον ὁρῶσα τῶν τέκνων τὸ χορεῖον
— 24. καίπερ ἑπτὰ τέκνων ὁρῶσα ἀπώλειαν
— 25. δεινοὺς ὁρῶσα συμβούλους
16. 1. τὰς μέχρι θανάτου βασάνους ὁρῶσα
— 3. S R ὁρῶσαν αὐτῆς τοὺς ἑπτὰ υἱούς [A *al.*]
— 9. οὐκ ὄψομαι ὑμῶν τέκνα
— 15. τὸν Ἐλ. ὁρῶσα βασανιζόμενον
— 20. A R τὴν πατρῴαν χεῖρα . . . καταφερομ. ἐπ' αὐτὸν ὁρῶν [S *om.*]
17. 7. S οὐκ ἂν ἔφριττον οἱ θεωροῦντες ὁρῶντες [A² R *om.*] μητέρα
[Aq. Ex. 3. 9 : 6. 3 : Nu. 14. 14 : 24. 17 : Jd. 5. 8 : I Ki. 3. 21 : Jb. 7. 8 : 42. 5 : Ps. 30 (31). 12 : 34 (35). 17 : 48 (49). 20 : 83 (84). 8 : Is. 18. 3 : 21. 6, 7 : 29. 10 : 30. 10 : 33. 7 : 35. 2 : 38. 11 : 53. 11 : 66. 5 : Je. 1. 11, 13 : 32 (39). 24 : Ez. 10. 1 : 21. 29 (34).]
[Sm. Ge. 19. 21 : Ex. 3. 9 : 32. 9 : Nu. 24. 17 : Jd. 4. 14 : I Ki. 2. 32 : 3. 21 : 9. 9 *bis* : IV Ki. 6. 32 : Jb. 4. 18 : 37. 18 : 42. 5 : Ps. 9. 35 (10. 14) : 26 (27). 4 : 30 (31). 12 : 32 (33). 13 : 34 (35). 17 : 36 (37). 37 : 48 (49). 10 : Is. 18. 3 : 22. 9 : 30. 10 *ter* : 32. 3 : 33. 7, 19 : 35. 2 : 38. 11 : 52. 8 : 53. 11 : 66. 5 : Je. 1. 11 (Sw.) : 31 (38). 3 : 32 (39). 24 : Ez. 10. 1 : 21. 29 (34) : 24. 25 : Hb. 1. 13 : Za. 3. 2.]
[Th. Ge. 20. 10 : Ex. 32. 9 : Jd. 13. 22 : 18. 9 : I Ki. 3. 21 : 9. 9 : Jb. 7. 8 : 10. 4 : 23. 9 : 42. 5 : Ps. 16 (17). 15 : 34 (35). 17 : 48 (49). 20 : Is. 18. 3 : 21. 7 : 33. 7 : 35. 2 : 38. 11 : 44. 9 : 52. 8 : 53. 11 : 66. 5 : Je. 1. 11, 13 : 32 (39). 24 : Ez. 10. 1.]
[Al. Ex. 1. 16 : Dt. 7. 19 : I Ki. 9. 9, 18 : Ps. 10 (11). 7 : 127 (128). 5 : Is. 66. 24 : Ez. 12. 2.]
[Quint. Ps. 48 (49). 20.]
[Sext. Ps. 8. 4 : 48 (49). 20.]

ὅρασις. (1) זִיו (2) *a.* חָזוֹן *b.* מַחֲזֶה *c.* חִזָּיוֹן *d.* חֲזוּת *e.* חֶזְוָה *f.* חֲזוּ (3) מִצְפֶּה (4) *a.* מַרְאֶה *b.* רְאֶה *c.* מַרְאֵה עֵינַי *d.* מַרְאֶה *e.* רְאִי *f.* רְאִי (5) מַשְׂא (6) עַיִן (7) רִו (8) חוֹר

Ge. 2. 9. πᾶν ξύλον ὡραῖον εἰς ὅρασιν (4 *a*)
24. 62. διεπορεύετο . . . κατὰ τὸ φρέαρ τῆς ὁ. (4 *b*)
25. 11. παρὰ τὸ φρέαρ τῆς ὁ. (4 *b*)
31. 49. καὶ ἡ ὅ. ἣν εἶπεν (3)
40. 5. R ἡ δὲ [A *om.* ἡ δὲ] ὅ. τοῦ ἐνυπνίου †
Le. 13. 12. καθ' ὅλην τὴν ὁ. τοῦ ἱερέως (4 *c*)
Nu. 24. 4. ὅστις ὅρασιν θεοῦ εἶδεν (2 *b*)
— 16. ὅρασιν θεοῦ ἰδών (2 *b*)
Jd. 13. 6. A ἡ ὅ. αὐτοῦ ὡς ὅρασις ἀγγέλου [B *al.*] (4 *a*, 4 *a*)
I Ki. 3. 1. οὐκ ἦν ὅρασις διαστέλλουσα (2 *a*)
— 15. ἐφοβήθη ἀπαγγεῖλαι τὴν ὅ. (4 *d*)
16. 12. καὶ ἀγαθὸς ὁράσει κυρίῳ (4 *f*)
II Ki. 7. 17. κατὰ πᾶσαν τὴν ὅ. ταύτην (2 *c*)
I Ch. 17. 15. κατὰ πᾶσαν τὴν ὅ. ταύτην (2 *a*)
— 17. ἐπεῖδές με ὡς ὅρασις ἀνθρώπου (8)
II Ch. 9. 29. γεγραμμένοι . . . ἐν ταῖς ὁ. Ἰ. (2 *d*)
To. 12. 19. ὅρασιν ὑμεῖς ἐθεωρεῖτε [S *al.*]
Jb. 37. 18. ἰσχυραὶ ὡς ὅρασις [A -σεις] ἐπιχύσεως (4 *e*)
Ps. 88 (89). 19. ἐλάλησας ἐν ὁράσει τοῖς υἱοῖς σου (2 *a*)
Ec. 11. 9. καὶ μὴ [A S² *om.*] ἐν ὁράσει ὀφθαλμῶν σου (4 *a*)
Wi. 15. 15. οὔτε ὀμμάτων χρῆσις εἰς ὅρασιν
Si. 11. 2. μὴ βδελύξῃ ἄνθρωπον ἐν ὁράσει αὐτοῦ [S *al.*]
19. 29. ἀπὸ ὁράσεως ἐπιγνωσθήσεται ἀνήρ [S¹ νοήμων]
25. 17. πονηρία γυναικὸς ἀλλοιοῖ τὴν ὅ. αὐτῆς
31 (34). 3. τοῦτο κατὰ τούτου [S τοῦτο] ὅρασις ἐνυπνίων
Si. 40. 6. τεθορυβημένος ἐν ὁράσει [B² θράσει] καρδίας αὐ.
41. 20. ἀπὸ ὁράσεως γυναικὸς ἑταίρας [A S ἑτέρας]
46. 15. ἐγνώσθη ἐν πίστει [A S ῥήμασιν] αὐτοῦ πιστὸς ὁράσεως
48. 22. ὁ μέγας καὶ πιστὸς ἐν ὁράσει αὐτοῦ
49. 8. ὃς εἶδεν ὅρασιν δόξης
Ho. 12. 10 (11). καὶ ἐγὼ ὁράσεις ἐπλήθυνα (2 *a*)
Mi. 3. 6. διὰ τοῦτο νὺξ ὑμῖν ἔσται ἐξ ὁράσεως (2 *a*)
Jl. 2. 4. ὡς ὅρασις ἵππων ἡ ὅ. [A ὄψις] αὐτῶν (4 *a*, 4 *a*)
— 28 (3. 1). οἱ νεανίσκοι ὑμῶν ὁράσεις ὄψονται (2 *c*)
Ob. 1. 1. ὅρασις Ὀβδίου (2 *a*)
Na. 1. 1. βιβλίον ὁράσεως Ν. τοῦ Ἐ. (2 *a*)
2. 4 (5). ἡ ὅ. αὐτῶν ὡς λαμπάδες πυρός (4 *a*)
Hb. 2. 2. γράψον ὅρασιν καὶ σαφῶς (2 *a*)
— 3. διότι ἔτι ὅρασις [A -σεις] εἰς καιρόν (2 *a*)
Za. 10. 2. ἐλάλησαν . . . οἱ μάντεις ὁράσεις ψευδεῖς (2 *e*)
13. 4. καταισχυνθήσονται . . . ἕκαστος ἐκ τῆς ὁ. αὐτοῦ (2 *c*)
Is. 1. 1. ὅρασις ἣν εἶδεν Ἡσαΐας (2 *a*)
13. 1. ὅρασις ἣν εἶδεν Ἡσαΐας (5)
19. 1. ὅρασις Αἰγύπτου (5)
30. 6. ἡ [S *om.*] ὅ. τῶν τετραπόδων τῶν ἐν τῇ ἐρήμῳ (5)
66. 24. ἔσονται εἰς ὅρασιν πάσῃ σαρκί †
Je. 14. 14. ὁράσεις ψευδεῖς καὶ μαντείας . . . προφητεύουσιν ὑμῖν (2 *a*)
23. 16. ματαιοῦσιν ἑαυτοῖς ὅρασιν [A -σεις] (2 *a*)
La. 2. 9. προφῆται αὐτῆς οὐκ εἶδον ὅρασιν παρὰ κυρίου (2 *a*)
Ep. Je. 37. ἄνθρωπον τυφλὸν εἰς ὅρασιν οὐ μὴ περιστήσωσιν [A παραστ.]
Ez. 1. 1. ἴδον ὁράσεις θεοῦ (4 *d*)
— 4. ὡς ὅρασις [A ὁμοίωμα] ἠλέκτρου (6)
— 5. αὕτη ἡ ὅ. αὐτῶν (4 *a*)
— 13. ὅρασις ὡς [A *om.*] ἀνθράκων πυρὸς καιομένων (4 *a*)
— 22. ὡς ὅρασις κρυστάλλου (6)
— 26. ὡς ὅρασις λίθου σαπφείρου (4 *a*)
— 27. A ἴδον ὡς ὄψιν ἠλέκτρου ὡς ὅρασις πυρὸς ἔσωθεν αὐτοῦ κύκλῳ [B *al.*] (4 *a*)
— 27. A² B ἀπὸ ὁράσεως ὀσφύος καὶ ἐπάνω καὶ ἀπὸ ὁράσεως ὀσφύος καὶ ἕως κάτω ἴδον ὡς ὅρασιν πυρός (4 *a ter*)
— 28. A² B ὡς ὅρασις τόξου (4 *a*)
2. 1 (1. 28). B αὕτη ἡ ὅ. ὁμοιώματος [A² -μα τῆς] δόξης κυρίου (4 *a*)
3. 23. καθὼς ἡ ὅ. καὶ καθὼς ἡ δόξα κυρίου –
7. 13. A ὅρασις εἰς πᾶν τὸ πλῆθος αὐτῆς οὐκ ἀνακάμψει (2 *a*)
— 26. ζητηθήσεται ὅρασις ἐκ προφήτου (2 *a*)
8. 2. ὡς ὅρασις [A *add.* αὔρας ὡς εἶδος] ἠλέκτρου (6 [4 *a*])
— 3. ἤγαγέ με εἰς Ἱερουσαλὴμ ἐν ὁράσει θεοῦ (4 *d*)
— 4. κατὰ τὴν ὅ. ἣν ἴδον (4 *a*)
10. 22. A ἴδον . . . ἐπὶ τοῦ ποταμοῦ τοῦ Χοβὰρ τὴν ὅ. αὐ. [B *om.* τ. ὅ. αὐ.] (4 *a*)
11. 24. ἐν ὁράσει ἐν πνεύματι θεοῦ καὶ ἀνέβην ἀπὸ τῆς ὁ. (4 *a*, 4 *a*)
12. 22. ἀπόλλυεν ὅρασις (2 *a*)
— 23. λόγος πάσης ὁράσεως (2 *a*)
— 24. οὐκ ἔσται ἔτι πᾶσα ὅ. ψευδής (2 *a*)
— 27. ἡ ὅ. ἣν οὗτος ὁρᾷ εἰς ἡμέρας πολλάς (2 *a*)
13. 7. οὐχὶ ὅρασιν ψευδῆ ἑωράκατε (2 *b*)
21. 29 (34). ὅπως στίλβῃς ἐν τῇ ὁ. σου τῇ ματαίᾳ (2 *e*)
23. 16. ἐπέθετο ἐπ' αὐτοὺς τῇ [A ἐν] ὁ. ὀφθαλμῶν αὐτῆς (4 *a*)
40. 2. ἤγαγέ με ἐν ὁράσει θεοῦ (4 *d*)
— 3. ἡ ὅ. αὐτοῦ ἦν ὡσεὶ ὅρασις χαλκοῦ στίλβοντος (4 *a*, 4 *a*)
41. 21. ὅρασις ὡς ὄψις θυσιαστηρίου ξυλίνου (4 *a*)
43. 3. ἡ ὅ. ἣν ἴδον κατὰ τὴν ὅ. ἣν ἴδον . . . ἡ ὅ. τοῦ ἅρματος οὗ ἴδον κατὰ τὴν ὅ. ἣν [A οὗ] ἴδον (4 *a*, 4 *a*, 4 *d*, 4 *a*)
— 10. τὴν ὅ. αὐτοῦ καὶ τὴν διάταξιν αὐτοῦ †
Da. LXX. 3. 25 (92). ἡ ὅ. τοῦ τετάρτου ὁμοίωμα ἀγγέλου θεοῦ (7)
4. 8. καὶ ἡ ὅ. αὐ. μεγάλη (2 *d*)
— 9. καὶ ἡ ὅ. αὐ. μεγάλη –
— 16. ἀλλοιωθείσης τῆς ὁ. αὐ. –
— 17. οὗ ἡ ὅ. μεγάλη (2 *d*)
— 20. καὶ ἡ ὅ. ἦν εἶδες –
5. 6. ἡ ὅ. αὐ. ἠλλοιώθη (1)
8. 1. ὅρασις ἣν εἶδον ἐγὼ Δαν. (2 *a*)

Da. LXX. 8. 15. ἔστη κατεναντίον μου ὡς ὅρασις ἀνθρώπου (4 a)
— 16. συνέτισον ἐκεῖνον τὴν ὅ. (4 a)
— 16. ἐπὶ τὸ πρόσταγμα ἐκεῖνο ἡ ὅ. –
10. 6. τὸ πρόσωπον αὐ. ὡσεὶ ὅρασις ἀστραπῆς (4 a)
— 7. εἶδον ἐγὼ Δ. τὴν ὅ. τὴν μεγάλην ταύτην (4 d)
— 7. οὐκ εἶδοσαν τὴν ὅ. ταύτην (4 d)
— 8. εἶδον τὴν ὅ. τὴν μεγάλην ταύτην (4 d)
— 14. R ἔτι γὰρ ὅρασις [cod. ὥρα] εἰς ἡμέρας (2 a)
— 16. ὡς ὅρασις ἀπεστράφη (4 d v. 4 a)
— 18. ἤψατό μου ὡς ὅρασις ἀνθρώπου (4 a)
Da. TH. Su. 64. A ὅρασις α
1. 1. A ὅρασις β –
— 17. Δανιὴλ συνῆκεν ἐν πάσῃ ὁ. (2 a)
— 21. A ὅρασις β –
2. 1. A ὅρασις γ –
— 28. καὶ αἱ ὁ. τῆς κεφαλῆς σου (2 f)
— 31. καὶ ἡ ὅ. αὐτῆς φοβερά (7)
— 49. A ὅρασις γ –
3. 1. A ὅρασις δ –
— 25 (92). ἡ ὅ. τοῦ τετάρτου ὁμοία υἱῷ θεοῦ (7)
— 30 (97). A ὅρασις δ –
— 31 (98). A ὅρασις ε –
4. 2. αἱ ὁ. τῆς κεφ. μου συνετάραξάν με (2 f)
— 6. ἄκουσον τὴν ὅ. τοῦ ἐνυπνίου (2 f)
— 34. A ὅρασις ε –
5. 1. A ὅρασις ς –
— 29. A ὅρασις ς –
— 30. A ὅρασις ζ –
6. 28 (29). A ὅρασις ζ –
7. 1. A ὅρασις η –
— 1. καὶ αἱ ὁ. τῆς κεφ. αὐ. ἐπὶ τῆς κοίτης αὐ. (2 f)
— 15. αἱ ὁ. τῆς κεφαλῆς μου ἐτάρασσόν με (2 f)
— 20. καὶ ἡ ὅ. αὐ. μείζων τῶν λοιπῶν (2 f)
— 28. A ὅρασις η –
8. 1. A ὅρασις θ –
— 1. ὅρασις ὤφθη πρὸς μέ (2 a)
— 13. ἕως πότε ἡ ὅ. στήσεται (2 a)
— 15. ἐν τῷ ἰδεῖν με . . . τὴν ὅ. (2 a)
— 15. ἔστη ἐνώπιον ἐμοῦ ὡς ὅρασις ἀνδρός (4 a)
— 16. συνέτισον ἐκεῖνον τὴν ὁ. (4 a)
— 17. ἔτι γὰρ εἰς καιροῦ πέρας ἡ ὅ. (2 a)
— 19. ἔτι γὰρ εἰς καιροῦ πέρας ἡ ὅ. –
— 26. καὶ ἡ ὅ. τῆς ἑσπέρας (4 a)
— 26. σφράγισον τὴν ὅ. (2 a)
— 27. ἐθαύμαζον τὴν ὅ. (4 a)
— 27. A ὅρασις θ –
9. 1. A ὅρασις ι –
— 21. ὃν ἶδον ἐν τῇ ὁ. (2 a)
— 24. A τοῦ σφραγίσαι ὅρασιν [B om.] ἁμαρτίας –
— 24. τοῦ σφραγίσαι ὅρασιν (2 a)
— 27. A ὅρασις ι –
10. 1. A ὅρασις ια –
— 6. B ὡσεὶ [A ὡς, R ὡς ἡ] ὅρασις ἀστραπῆς (4 a)
— 6. ὡς ὅρασις χαλκοῦ στίλβοντος (6)
— 14. ἔτι ἡ [A om. ἔ. ἡ] ὅ. εἰς ἡμέρας (2 a)
— 18. ἤψατό μου ὡς ὅρασις ἀνθρώπου (4 a)
11. 14. τοῦ στῆσαι ὅρασιν (2 a)
12. 13. A ὅρασις ια –
Bel 1. A ὅρασις ιβ –
I Ma. 13. 27. ὕψωσεν αὐτὸν τῇ ὁ.
III Ma. 5. 33. καὶ τῇ ὁ. . . . συνεστάλη
[Aq. Jb. 37. 18: Ps. 88 (89). 20: Is. 52. 14: Ez. 1. 27, 28: 8. 2: 10. 1, 10: 23. 15.]
[Sm. II Ch. 26. 5: Ps. 88 (89). 20: Ec. 12. 3: Is. 11. 3: 22. 1: 28. 7: Ez. 1. 16: 8. 2: 11. 24: 13. 16: Da. 10. 16 (Sw.).]
[Th. Jd. 13. 6 *bis*: Jb. 37. 18: Is. 22. 1: Ez. 1. 13, 16, 27, 28: 7. 13: 10. 10, 22: 13. 16: Da. 2. 28: 3. 25 (92): 4. 7†: 7. 2†: 8. 2†, 16, 26: 9. 24: 10. 14: Am. 5. 26.]
[Heb. Ez. 1. 4.]

ὁρατής. (1) מַרְאֶה (2) ὁ. εἶναι עֵינָיו עַל־ (3) ὁ. εἶναι שׁוּר

II Ki. 23. 21. A ἐπάταξε . . . ἄνδρα ὁ. [B -όν] (1)
Jb. 34. 21. αὐτὸς γὰρ ὁρατής ἐστιν ἔργων ἀνθρώπων (2)
35. 13. ὁρατής ἐστι τῶν συντελούντων τὰ ἄνομα (3 ?)

ὁρατικός. (1) חָזֶה

Pr. 22. 29. ὁρατικὸν ἄνδρα καὶ ὀξὺν ἐν τοῖς ἔργοις αὐτοῦ (1)

ὁρατός. (1) *a.* מַרְאֶה *b.* רְאֶה

II Ki. 23. 21. ἐπάταξε . . . ἄνδρα ὁ. [A -ήν] (1 a)
I Ch. 11. 23. ἐπάταξε . . . ἄνδρα ὁ. πεντάπηχυν †
Jb. 34. 26. ὁρατοὶ δὲ ἐναντίον αὐτοῦ [A *al.*] (1 b ?)
37. 21. πᾶσι δὲ οὐχ ὁρατὸν τὸ φῶς (1 b)

ὅραχ.

[Heb. Ps. 43 (44). 19.]

ὀργανικός.

II Ma. 12. 15. τὸν ἅτερ . . . μηχανῶν ὁ. κατακρημνίσαντα

ὄργανον. (1) *a.* כְּלִי *b.* כְּלִי עֹז (2) כִּנּוֹר (3) נֵבֶל (4) עֻגָב (5) *a.* שִׁיר *b.* כְּלֵי־שִׁיר

II Ki. 6. 5. παίζοντες . . . ἐν ὀ. ἡρμοσμένοις †
— 14. ἀνεκρούετο ἐν ὀ. ἡρμοσμένοις †
I Ch. 6. 32 (17). ἦσαν λειτουργοῦντες . . . ἐν ὀργάνοις (5 a)
15. 16. στήσατε . . . τοὺς ψαλτῳδοὺς ἐν ὀργάνοις [A ὀ. ᾠδῶν] (5 b [1 a])
16. 5. ἐν ὀργάνοις νάβλαις κινύραις (1 a)
— 42. καὶ ὄργανα τῶν ᾠδῶν τοῦ θεοῦ (1 a)
23. 5. αἰνοῦντες τῷ κυρίῳ ἐν τοῖς ὀ. (1 a)
II Ch. 5. 13. καὶ ἐν ὀργάνοις τῶν ᾠδῶν (1 a)
7. 6. ἐν ὀργάνοις ᾠδῶν κυρίου (1 a)
23. 13. καὶ οἱ ᾄδοντες ἐν τοῖς ὀ. (1 a)
29. 26. ἔστησαν οἱ Λ. ἐν ὀργάνοις Δ. (1 a)
— 27. καὶ σάλπιγγες πρὸς τὰ ὅ. Δ. (1 a)
30. 21. καὶ οἱ Λ. ἐν ὀργάνοις τῷ κ. (1 b)
34. 12. συνίων ἐν ὀργάνοις ᾠδῶν (1 a)
Ps. 136 (137). 2. ἐκρεμάσαμεν τὰ ὅ. ἡμῶν (2)
150. 4. αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν . . . ὀργάνῳ [A -οις] (4)
151. 2. αἱ χεῖρές μου ἐποίησαν ὄργανον
Am. 5. 23. καὶ ψαλμὸν ὀργάνων σου οὐκ ἀκούσομαι (3)
6. 5. οἱ ἐπικροτοῦντες πρὸς τὴν φωνὴν τῶν ὀ. (3)
II Ma. 12. 27. ὀργάνων . . . πολλαὶ παραθέσεις ὑπῆρχον
13. 5. A ὄργανον δὲ εἶχε περιφερές [R *al.*]
IV Ma. 6. 25. διὰ κακοτέχνων ὀ. καταφλέγοντες αὐτόν
9. 20. περὶ τοὺς ἄξονας τοῦ ὀ.
— 26. AR τοῖς ὀ. [S ὀργάνῳ] . . . προσέδησαν αὐτόν
10. 5. ἀρθρεμβόλοις ὀ. τὰς χεῖρας αὐ. . . . ἐξήρθρουν
— 7. S¹ περιλύσαντες τὰ ὅ. [A S² R *al.*]
— 18. κἂν ἀφέλῃς τὸ τῆς φωνῆς ὅ.
[Aq. Jb. 21. 12: Ps. 150. 4.]
[Sm. Jb. 38. 37: Je. 18. 3.]
[Th. Jb. 38. 37: Je. 18. 3: Ez. 26. 13.]
[Al. Le. 14. 5.]

ὀργή. (1) אַף (2) זַעַם (3) זַעַף (4) *a.* חֵמָה *b.* חֲמָא (5) *a.* חָרוֹן *b.* חֲרָה *c.* חֲרִי (6) כַּעַס (7) כַּעַשׂ (8) נְאָצָה (9) סוּפָה (10) סַעַר (11) סְעָרָה (12) עֶבְרָה (13) *a.* קֶצֶף *b.* קֶצֶף *c.* קֶצֶף (14) רֹגֶז (15) ἐστὶν ἡ ὀ. קֶצֶף (16) θυμὸς ὀργῆς *a.* רֹגֶז *b.* חֵמָה *c.* עֶבְרָה (17) ἡ ὀ. τοῦ θυμοῦ אַף (18) ὀργὴν ἐπάγειν זַעַם (19) ὀργὴ θυμοῦ *a.* אַף *b.* חֵמָה

Ge. 27. 44. τοῦ ἀποστρέψαι . . . τὴν ὀ. τοῦ ἀδελφοῦ (4 a)
39. 19. καὶ ἐθυμώθη ὀργῇ (1)
Ex. 4. 14. θυμωθεὶς ὀργῇ κύριος ἐπὶ Μωυσῆν (1)
15. 7. ἀπέστειλας τὴν ὀ. σου (5 a)
32. 10. θυμωθεὶς ὀργῇ εἰς αὐτοὺς ἐκτρίψω (1)
— 11. ἵνα τί . . . θυμοῖ ὀργῇ εἰς τὸν λαόν (1)
— 12. παῦσαι τῆς ὀ. τοῦ θυμοῦ σου (5 a)
Nu. 11. 1. ἐθυμώθη ὀργῇ (1)
— 10. ἐθυμώθη ὀργῇ κύριος σφόδρα (1)
— 11. A ἐπιθεῖναι τὴν ὀ. [B ὁρμὴν] τοῦ λαοῦ τ. ἐπ' ἐμέ †
12. 9. ὀργὴ θυμοῦ κυρίου ἐπ' αὐτοῖς (5 b)
14. 34. γνώσεσθε τὸν θυμὸν τῆς ὀ. μου †
16. 22. ἐπὶ πᾶσαν τὴν συναγ. ὀργὴ [A ἡ ὀ.] κυρίου (13 a)
— 46 (17. 11). ἐξῆλθε γὰρ ὀργὴ [A¹ *om.*] ἀπὸ προσώπου κυρίου (13 b)
25. 4. B¹ ἀποστραφήσεται ὀργὴ [A B² R *add.* θυμοῦ] κυρίου (5 a + 1 [5 a])
Nu. 32. 14. προσθεῖναι ἔτι ἐπὶ τὸν θυμὸν τῆς ὀ. (1)
De. 9. 19. ἔκφοβός εἰμι διὰ τὴν ὀ. (1)
11. 17. καὶ θυμωθεὶς ὀργῇ [A -γισθῇ] κύριος (1)
13. 17 (18). ἀπὸ θυμοῦ τῆς ὀ. αὐτοῦ (1)
29. 20 (19). ἐκκαυθήσεται ὀργὴ κυρίου (1)
— 23 (22). ἃς κατέστρεψε κ. ἐν θυμῷ καὶ ὀργῇ (4 a)
— 24 (23). τίς ὁ θυμὸς τῆς ὀ. ὁ μέγας οὗτος (1)
— 28 (27). ἐξῆρεν αὐτοὺς . . . ἐν θυμῷ καὶ ὀργῇ (4 a)
32. 19. παρωξύνθη δι' ὀργὴν υἱῶν αὐτοῦ (6)
— 27. εἰ μὴ δι' ὀργὴν ἐχθρῶν (6)
33. 10. ἐπιθήσουσι θυμίαμα ἐν ὀργῇ [A³ ἑορτῇ] σου (1)
Jo. 7. 1. ἐθυμώθη κύριος ὀργῇ (1)
— 26. ἐπαύσατο κ. τοῦ θυμοῦ τῆς ὀ. (1)
9. 20. οὐκ ἔσται καθ' ἡμῶν ὀργή (13 b)
22. 18. ἐπὶ πάντα Ἰσρ. ἔσται ἡ [A *om.*] ὀ. (15)
— 20. ἐπὶ πᾶσαν συναγ. Ἰσρ. ἐγενήθη ὀ. (13 b)
Jd. 9. 30. A ἐθυμώθη ὀργῇ [B ὠργίσθη θυμῷ] (1)
14. 19. A ἐθυμώθη ὀργῇ [B ὠργίσθη θυμῷ] Σ. (1)
I Ki. 11. 6. ἐθυμώθη ἐπ' αὐτοὺς ὀργὴ αὐ. σφόδρα (1)
19. 22. ἐθυμώθη ὀργῇ Σαούλ –
20. 30. ἐθυμώθη ὀργῇ Σ. ἐπὶ Ἰων. σφόδρα (1)
— 34. ἀνεπήδησεν Ἰων. . . . ἐν ὀργῇ θυμοῦ [A -ῷ] (5 c)
28. 18. οὐκ ἐποίησας θυμὸν ὀργῆς αὐ. (1)
II Ki. 6. 7. R ἐθυμώθη ὀργῇ [A B *om.*] κύριος τῷ Ὀ. (1)
12. 5. ἐθυμώθη ὀργῇ Δ. σφόδρα τῷ ἀνδρί (1)
22. 9. ἀνέβη καπνὸς ἐν τῇ ὀ. αὐτοῦ (1)
24. 1. B¹ R προσέθετο ὀργὴν κύριος [A B² ὀργὴ κυρίου] ἐκκαῆναι (1)
IV Ki. 1. 18 (3. 3). ἐθυμώθη ὀργῇ κύριος –
22. 13. μεγάλη ἡ ὀ. κυρίου ἡ ἐκκεχυμένη (4 a)
23. 26. B ἀπὸ θυμοῦ τῆς ὀ. αὐ. τοῦ μεγάλου [A R τῆς μ.] οὗ ἐθυμώθη [A *add.* ἐν τῇ] ὀργῇ αὐ. (1, 1)
I Ch. 13. 10. ἐθυμώθη [S *add.* ὀργῇ] κύριος [A *add.* ὀργῇ] (1)
27. 24. ἐγένετο ἐν τούτοις ὀργή (13 b)
II Ch. 12. 12. ἀπεστράφη ἀπ' αὐτοῦ [A *add.* ἡ] ὀργὴ κυρίου (1)
19. 2. ἐγένετο ἐπὶ σὲ ὀργὴ παρὰ κυρίου (13 b)
— 10. οὐκ ἔσται ἐφ' ὑμᾶς ὀργή (13 b)
24. 18. ἐγένετο ὀργὴ ἐπὶ Ἰούδαν (13 b)
25. 10. ἐπέστρεψαν . . . ἐν ὀργῇ θυμοῦ [A *al.*] (5 c)
— 15. ἐγένετο ὀργὴ κυρίου ἐπὶ Ἀμ. (1)
28. 9. ὀργὴ κυρίου . . . ἐπὶ τὸν Ἰ. (4 a)
— 9. ἀπεκτείνατε ἐν αὐτοῖς ἐν ὀργῇ (3)
— 11. B ὀργὴ [A R *add.* θυμοῦ] κυρίου ἐφ' ὑμῖν (5 a + 1 [5 a])
— 13. B ὅτι πολλὴ . . . ὀργὴ [A R *add.* θυμοῦ] κ. θεοῦ (5 a + 1 [5 a])
29. 8. ὠργίσθη ὀργῇ [A θυμῷ] κύριος (13 b)
— 10. ἀποστρέψει τὴν ὀ. τοῦ θυμοῦ αὐ. [A *al.*] (5 a)
30. 8. ἀποστρέψει ἀφ' ὑμῶν θυμὸν ὀργῆς (1)
32. 25. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν ὀργή (13 b)
— 26. οὐκ ἐπῆλθεν ἐπ' αὐτοὺς ὀργὴ κυρίου (13 b)
35. 19. οὐκ ἀπεστράφη κ. ἀπὸ ὀργῆς θυμοῦ αὐ. –
I Es. 8. 21. ἕνεκα τοῦ μὴ γενέσθαι ὀργήν
9. 13. ἕως τοῦ λῦσαι τὴν ὀ. κυρίου ἀφ' ἡμῶν
II Es. 7. 23. μή ποτε γένηται ὀργή (13 c)
10. 14. τοῦ ἀποστρέψαι ὀργὴν θυμοῦ [A *om.*] θεοῦ ἡ. (5 a [5 a + 1])
Ne. 13. 18. προστίθετε ὀργὴν ἐπὶ Ἰσρ. (5 a)
Ju. 9. 9. ἀπόστειλον τὴν ὀ. σου
Es. 7. 7. S² ὁ δὲ βασ. ἐξανέστη ἐν ὀργῇ αὐ. [A B S¹ *al.*] (4 a)
8. 13. καταναλωθήσεται μετ' ὀργῆς
Jb. 3. 17. ἐξέκαυσαν [A ἔπαυσαν] θυμὸν ὀργῆς (16 a)
— 26. ἦλθε δέ μοι ὀργή (14)
4. 9. ἀπὸ δὲ πνεύματος ὀργῆς αὐτοῦ ἀφανισθήσονται (1)
5. 2. ἄφρονα ἀναιρεῖ ὀργή (7)
6. 2. εἰ [A τί] γάρ τις ἱστῶν στήσαι μου τὴν ὀ. (7)
— 7. οὐ δύναται γὰρ παύσασθαί μου ἡ ὀ. [A S² ψυχή] †
9. 5. ὁ καταστρέφων αὐτὰ ὀργῇ [A ἐν ὀ.] (1)
— 13. αὐτὸς γὰρ ἀπέστραπται ὀργήν [A -ῇ] (1)
— 22. μέγαν καὶ δυνάστην ἀπολλύει ὀργή –
10. 17. ὀργῇ δὲ μεγάλῃ μοι ἐχρήσω (7)
14. 1. βροτὸς γὰρ γεννητὸς γυναικὸς . . . πλήρης ὀργῆς (14)
— 13. ἕως ἂν παύσηταί σου ἡ ὀ. (1)
16. 10 (9). ὀργῇ χρησάμενος κατέβαλέ με (1)

Jb. 17. 7. A B S² πεπώρωνται γὰρ ἀπὸ ὀργῆς οἱ ὀφθ. μου (7)
18. 4. κέχρηταί σοι ὀργή [A κέχρησαι δὲ ὀργῇ] (1)
19. 11. δεινῶς δέ μοι ὀργῇ ἐχρήσατο (1)
20. 23. ἐπαποστεῖλαι ἐπ' αὐτὸν θυμὸν ὀργῆς (1)
— 28. ἡμέρα ὀργῆς ἐπέλθοι αὐτῷ (1)
21. 17. ὠδῖνες δὲ αὐτοὺς ἕξουσιν ἀπὸ ὀργῆς (1)
— 30. εἰς ἡμέραν ὀργῆς αὐ. ἀπαχθήσονται (12)
27. 13. A S² ὀργὴ [B S¹ κτῆμα] δὲ δυναστῶν ἐλεύσεται †
31. 11. θυμὸς γὰρ ὀργῆς ἀκατάσχετος –
32. 5. ἐθυμώθη ὀργῇ αὐτοῦ (1)
35. 15. οὐκ ἔστιν ἐπισκεπτόμενος ὀργὴν αὐτοῦ (1)
37. 2. ἄκουε ἀκοὴν ἐν [S¹ om.] ὀργῇ θυμοῦ κυρίου (14)
39. 24. ὀργῇ ἀφανιεῖ τὴν γῆν (14)
40. 6 (11). ἀπόστειλον δὲ ἀγγέλους ὀργῇ [A ἐν ὀ. σου] (1)
Ps. 2. 5. λαλήσει πρὸς αὐτοὺς ἐν ὀργῇ αὐτοῦ (1)
6. 1. μηδὲ τῇ ὀ. σου παιδεύσῃς με (4 a)
7. 6. ἀνάστηθι, κύριε, ἐν ὀργῇ σου (1)
— 11. μὴ ὀργὴν ἐπάγων καθ' ἑκάστην ἡμέραν (18)
9. 25 (10. 4). κατὰ τὸ πλῆθος τῆς ὀ. αὐτοῦ (1)
17 (18). 8. ἀνέβη καπνὸς ἐν ὀργῇ αὐτοῦ (1)
— 15. ἀπὸ ἐμπνεύσεως πνεύματος ὀργῆς σου (1)
20 (21). 9. A B S¹ κύριε, ἐν ὀργῇ αὐτοῦ συνταράξεις αὐτούς [S² R al.] (1)
26 (27). 9. μὴ ἐκκλίνῃς ἐν ὀργῇ ἀπὸ τοῦ δούλου σου (1)
29 (30). 5. ὀργὴ ἐν τῷ θυμῷ αὐτοῦ †
34 (35). 20. A S ἐπ' ὀργὴν [B -ῇ] δόλους διελογίζοντο †
36 (37). 8. παῦσαι ἀπὸ ὀργῆς (1)
37 (38). 1. μηδὲ τῇ ὀ. σου παιδεύσῃς με (4 a)
— 3. οὐκ ἔστιν ἴασις . . . ἀπὸ προσώπου τῆς ὀ. σου (2)
54 (55). 3. ἐν ὀργῇ ἐνεκότουν μοι (1)
— 21. διεμερίσθησαν ἀπὸ ὀργῆς τοῦ προσώπου αὐτοῦ †
55 (56). 7. ἐν ὀργῇ λαοὺς κατάξεις (1)
57 (58). 9. B ὡσεὶ ζῶντας ὡσεὶ ἐν ὀργῇ καταπίεται ὑμᾶς [S αὐτούς] (5 a)
58 (59). 13. ἐν ὀργῇ συντελείας (4 a)
68 (69). 24. ἔκχεον ἐπ' αὐτοὺς τὴν ὀ. σου καὶ ὁ θυμὸς τῆς ὀ. [S¹ om. τῆς ὀ.] σου καταλάβοι [S¹ λάβοι] αὐτούς (2, 1)
73 (74). 4. S¹ ἐν μέσῳ τῆς ὀ. [B S² ἑορτῆς] σου †
75 (76). 7. B τίς ἀντιστήσεταί σοι ἀπὸ τῆς ὀ. [S ἀπὸ τότε ἡ ὀ.] σου (1)
76 (77). 9. ἢ συνέξει ἐν τῇ ὀ. αὐτοῦ τοὺς οἰκτιρμοὺς αὐτοῦ (1)
77 (78). 21. ὀργὴ ἀνέβη ἐπὶ τὸν Ἰσραήλ (1)
— 31. ὀργὴ τοῦ θεοῦ ἀνέβη ἐπ' αὐτούς (1)
— 38. οὐχὶ ἐκκαύσει πᾶσαν τὴν ὀ. αὐτοῦ (4 a)
— 49. ἐξαπέστειλεν εἰς αὐτοὺς ὀργὴν θυμοῦ αὐτοῦ θυμὸν καὶ ὀργήν (5 a, 2)
— 50. ὡδοποίησε τρίβον τῇ ὀ. αὐτοῦ (1)
78 (79). 6. B S² ἔκχεον τὴν ὀ. σου ἐπὶ ἔθνη (4 a)
82 (83). 15. ἐν τῇ ὀ. σου ταράξεις αὐτούς (9)
84 (85). 3. κατέπαυσας πᾶσαν τὴν ὀ. σου ἀπέστρεψας ἀπὸ ὀργῆς θυμοῦ σου (12, 5 a)
— 5. ἢ διατενεῖς τὴν ὀ. σου (1)
87 (88). 16. ἐπ' ἐμὲ διῆλθον αἱ ὀ. σου (5 a)
88 (89). 46. ἐκκαυθήσεται ὡς πῦρ ἡ ὀ. σου (4 a)
89 (90). 7. ἐξελίπομεν ἐν τῇ ὀ. σου (1)
— 9. ἐν τῇ ὀ. σου ἐξελίπομεν (12)
— 11. τίς γινώσκει τὸ κράτος τῆς ὀ. σου (1)
94 (95). 11. ὡς ὤμοσα ἐν τῇ ὀ. μου (1)
101 (102). 10. ἀπὸ προσώπου τῆς ὀ. σου (2)
105 (106). 23. τοῦ [S¹ τοῦ μὴ] ἀποστρέψαι ἀπὸ θυμοῦ ὀργῆς [S¹ ἀποστρ. τὴν ὀ., A S² ἀποστρ. τὸν θυμὸν] αὐτοῦ (16 b [4 a])
109 (110). 5. συνέθλασεν ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς αὐτοῦ βασιλεῖς (1)
137 (138). 7. ἐπ' ὀργὴν ἐχθρῶν μου ἐξέτεινας χεῖράς σου (1)
Pr. 12. 16. ἄφρων αὐθημερὸν ἐξαγγέλλει ὀργὴν αὐτοῦ (6)
15. 1. ὀργὴ ἀπόλλυσι καὶ φρονίμους –
— 1. λόγος δὲ λυπηρὸς ἐγείρει ὀργάς (1)
16. 32. ὁ δὲ κρατῶν ὀργῆς κρείσσων καταλαμβανομένου πόλιν †
17. 25. ὀργὴ πατρὶ υἱὸς ἄφρων (6)
21. 14. δόσις λάθριος ἀνατρέπει ὀργάς (1)
27. 3. ὀργὴ δὲ ἄφρονος βαρυτέρα ἀμφοτέρων (6)
— 4. ἀνελεήμων θυμὸς καὶ ὀξεῖα ὀργή (1)
Pr. 29. 8. σοφοὶ δὲ ἀπέστρεψαν [S -έκρυψαν] ὀργήν (1)
Wi. 5. 20. ὀξυνεῖ δὲ ἀπότομον ὀργὴν εἰς ῥομφαίαν
10. 3. ἀποστὰς δὲ ἀπ' αὐτῆς ἄδικος ἐν ὀργῇ αὐτοῦ
— 10. φυγάδα ὀργῆς ἀδελφοῦ δίκαιον ὡδήγησεν
11. 9. ἐν ὀργῇ [S μετ' ὀργῆς] κρινόμενοι ἀσεβεῖς ἐβασανίζοντο
16. 5. οὐ μέχρι τέλους ἔμεινεν ἡ ὀ. σου
18. 20. οὐκ ἐπὶ πολὺ ἔμεινεν ἡ ὀ. [S¹ ὀ. σου]
— 23. μεταξὺ στὰς ἀνέκοψε τὴν ὀ.
— 25. ἦν γὰρ μόνη ἡ πεῖρα τῆς ὀ. [S ὀ. σου] ἱκανή
Si. 1. 21. S¹ ἡ γὰρ ὀ. [A B S² ῥοπὴ] τοῦ θυμοῦ πτῶσις αὐτῷ
5. 6. ἔλεος γὰρ καὶ ὀργὴ παρ' αὐτοῦ [A S -ῷ]
— 7. ἐξάπινα γὰρ ἐξελεύσεται ὀργὴ [S ἡ ὀ.] κυρίου [S¹ αὐτοῦ]
7. 16. μνήσθητι ὅτι ὀργὴ οὐ χρονιεῖ
10. 18. οὐδὲ ὀργὴ θυμοῦ γεννήμασι γυναικῶν
16. 6. ἐν ἔθνει ἀπειθεῖ ἐξεκαύθη ὀργή
— 11. ἔλεος γὰρ καὶ ὀργὴ παρ' αὐτοῦ [A S¹ παρ' αὐτῷ, S² παρὰ κυρίου] δυνάστης [A -ῶν] ἐξιλασμῶν καὶ ἐκχέων ὀργήν
23. 16. τὸ τρίτον ἐπάξει ὀργήν
25. 22. ὀργὴ καὶ ἀναίδεια καὶ αἰσχύνη
26. 8. ὀργὴ μεγάλη γυνὴ μέθυσος
27. 30. μῆνις καὶ ὀργὴ καὶ [S om.] ταῦτά ἐστι βδελύγματα
28. 3. ἄνθρωπος ἀνθρώπῳ συντηρεῖ ὀργήν
— 10. κατὰ τὸν πλοῦτον ἀνυψώσει ὀργὴν αὐτοῦ
33 (36). 7. ἔγειρον θυμὸν καὶ ἔκχεον ὀργήν
— 9. ἐν ὀργῇ πυρὸς καταβρωθήτω
39. 23. οὕτως ὀργὴν [S² -ὴ] αὐτοῦ ἔθνη κληρονομήσει
44. 17. ἐν καιρῷ ὀργῆς ἐγένετο ἀντάλλαγμα
45. 18. ἡ συναγωγὴ Κορὲ ἐν θυμῷ καὶ ὀργῇ
— 19. συνετελέσθησαν ἐν θυμῷ ὀργῆς
47. 20. ἐπαγαγεῖν ὀργὴν ἐπὶ τὰ τέκνα σου
48. 10. κοπάσαι ὀργὴν πρὸ θυμοῦ
Ho. 11. 9. οὐ μὴ ποιήσω κατὰ τὴν ὀ. τοῦ θυμοῦ μου (5 a)
13. 11. ἔδωκά σοι βασιλέα ἐν ὀργῇ μου (1)
14. 5. ἀπέστρεψε τὴν ὀ. μου ἀπ' αὐ. (1)
Am. 4. 10. ἀνήγαγον ἐν πυρὶ τὰς παρεμβολὰς ὑμῶν ἐν τῇ ὀ. (1)
Mi. 5. 15 (14). ποιήσω ἐν ὀργῇ καὶ ἐν θυμῷ [A θ. κ. ἐν ὀ.] ἐκδίκησιν (1 [4 a])
7. 9. ὀργὴν κυρίου ὑποίσω ὅτι ἥμαρτον αὐτῷ (3)
— 18. οὐ συνέσχεν εἰς μαρτύριον ὀργὴν αὐτοῦ (1)
Jn. 3. 9. καὶ ἀποστρέψει ἐξ ὀργῆς θυμοῦ αὐτοῦ (5 a)
Na. 1. 6. ἀπὸ προσώπου ὀργῆς αὐτοῦ τίς ὑποστήσεται (2)
— 6. τίς ἀντιστήσεται ἐν ὀργῇ θυμοῦ αὐτοῦ (5 a)
Hb. 3. 2. ἐν ὀργῇ ἐλέους μνησθήσῃ (14)
Ze. 1. 15. δυνατὴ ἡμέρα ὀργῆς ἡ ἡμέρα ἐκείνη (12)
— 18. ἐξελέσθαι αὐτοὺς ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς κυρίου (12)
2. 2. πρὸ τοῦ ἐπελθεῖν ἐφ' ὑμᾶς ὀργὴν κυρίου [S² om. πρὸ . . . κ.] (5 a+1)
— 3. ὅπως σκεπασθῆτε ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς κυρίου (1)
3. 8. τοῦ ἐκχέαι ἐπ' αὐτοὺς πᾶσαν ὀργὴν θυμοῦ μου [S³ τὴν ὀ. μου πᾶσαν ὀ. θυμοῦ μου] (5 a [2, 5 a])
Za. 1. 2. ὠργίσθη κ. ἐπὶ τοὺς πατέρας ὑμῶν ὀργὴν μεγ. (13 b)
— 15. καὶ ὀργὴν μεγάλην ἐγὼ ὀργίζομαι (13 b)
7. 12. ἐγένετο ὀργὴ [A ὁρμὴ] μεγάλη παρὰ κυρίου (13 b)
Is. 5. 25. ἐθυμώθη ὀργῇ [S ὠργίσθη θυμῷ] κύριος σαβαώθ (1)
7. 4. ὅταν γὰρ ὀ. τοῦ θυμοῦ μου γένηται (5 c)
9. 19 (18). διὰ θυμὸν ὀργῆς κυρίου (16 c)
10. 4. οὐκ ἀπεστράφη ἡ ὀ. [A S ὁ θυμός] (1)
— 5. ἡ ῥάβδος τοῦ θυμοῦ μου καὶ ἡ ὀ. [A S -ῆς] ἐστιν ἐν ταῖς χερσὶν αὐτῶν †
— 6 (5). τὴν ὀ. μου εἰς ἔθνος ἄνομον ἀποστελῶ (2)
— 25. ἔτι γὰρ μικρὸν καὶ παύσεται ἡ [S¹ om.] ὀ. (2)
13. 9. ἡμέρα κυρίου ἔρχεται ἀνίατος θυμοῦ καὶ ὀργῆς (5 a+1)
— 13. διὰ θυμὸν ὀργῆς κυρίου σαβαώθ (16 c)
26. 20. ἕως ἂν παρέλθῃ ἡ ὀ. κυρίου (2)
— 21. ἐπάγει τὴν ὀ. ἐπὶ τοὺς ἐνοικοῦντας ἐπὶ τῆς γῆς †
30. 27. τὸ λόγιον ὀργῆς πλῆρες καὶ ἡ ὀ. τοῦ θυμοῦ ὡς πῦρ ἔδεται (–, 2)
— 30. μετὰ θυμοῦ καὶ ὀργῆς (1)
34. 2. ὀργὴ ἐπὶ τὸν ἀριθμὸν αὐτῶν (4 a)
37. 3. ἡμέρα θλίψεως . . . καὶ ὀργῆς ἡ σήμερον ἡμέρα (8)
Is. 42. 25. ἐπήγαγεν ἐπ' αὐτοὺς ὀργὴν θυμοῦ αὐτοῦ (4 a)
58. 13. οὐδὲ λαλήσεις λόγον ἐν ὀργῇ ἐκ τοῦ στόματός σου –
59. 19. ἥξει γὰρ ὡς ποταμὸς βίαιος ἡ ὀ. παρὰ κυρίου †
60. 10. διὰ γὰρ ὀργήν μου ἐπάταξά σε (13 b)
63. 6. κατεπάτησα αὐτοὺς τῇ ὀ. μου (1+4 a)
Je. 4. 26. ἀπὸ προσώπου ὀργῆς θυμοῦ αὐ. (5 a)
7. 20. ὁ καὶ θυμός μου χεῖται [A ἐκχ.] (1)
10. 25. A ἔκχεον τὴν ὀ. [B S τὸν θυμόν] σου (4 a)
21. 5. μετὰ θυμοῦ καὶ ὀργῆς μεγάλης [A καὶ παροργισμοῦ μεγάλου] (13 b [4 a])
— 12. ὅπως μὴ ἀναφθῇ ὡς πῦρ ἡ ὀ. μου (4 a)
23. 19. ὀργὴ ἐκπορεύεται εἰς συσσεισμόν (4 a)
25. 16 (49. 37). κατὰ τὴν ὀ. τοῦ θυμοῦ μου (5 a)
27 (50). 13. ἔρημος ἀπὸ ὀργῆς κυρίου οὐ κατοικηθήσεται (13 b)
— 25. ἐξήνεγκε τὰ σκεύη ὀργῆς αὐτοῦ (2)
28 (51). 11. εἰς Βαβυλῶνα ἡ ὀ. αὐτοῦ †
32. 23 (25. 37). ἀπὸ προσώπου ὀργῆς θυμοῦ μου (5 a)
37 (30). 23. ὀργὴ κυρίου ἐξῆλθε θυμώδης ἐξῆλθεν [S ἐπῆλ.] ὀ. στρεφομένη (11, 10)
— 24. οὐ μὴ ἀποστραφῇ ὀ. θυμοῦ [S¹ om.] κυρίου (5 a [5 a+1])
39 (32). 31. ἐπὶ τὴν ὀ. μου . . . ἦν ἡ πόλις αὕτη (1)
— 37. οὗ διέσπειρα αὐτοὺς ἐκεῖ ἐν ὀργῇ μου (1)
40 (33). 5. οὓς ἐπάταξα ἐν ὀργῇ [A -ξεν ὀργή] μου (1)
43 (36). 7. μέγας ὁ θυμὸς καὶ ἡ ὀ. κυρίου (4 a)
51 (44). 6. ἔσταξεν ἡ ὀ. μου καὶ ὁ θυμός [A ὁ θ. μ. κ. ἡ ὀ.] μου (4 a [1])
Ba. 1. 13. οὐκ ἀπέστρεψεν . . . ἡ ὀ. αὐτοῦ
2. 20. ἐνῆκας τὸν θυμόν σου καὶ τὴν ὀ. σου
4. 9. εἶδε γὰρ τὴν ἐπελθοῦσαν ὑμῖν ὀργήν
— 25. μακροθυμήσατε τὴν παρὰ τοῦ θεοῦ ἐπελθοῦσαν ὑμῖν ὀ.
La. 1. 12. ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς θυμοῦ [S θ. ὀ.] αὐτοῦ (5 a [1])
2. 1. ἐγνόφωσεν ἐν [B² om.] ὀργῇ αὐτοῦ κύριος τὴν θυγατέρα Σιών (1)
— 2 (1). ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς [A add. θυμοῦ] αὐ. (1 [19 a])
— 3. συνέκλασεν ἐν ὀργῇ θυμοῦ αὐτοῦ πᾶν κέρας Ἰσραήλ (5 c)
— 6. παρώξυνεν ἐμβριμήματι ὀργῆς αὐτοῦ βασιλέα (1)
— 21. ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς σου ἐμαγείρευσας (1)
— 22. οὐκ ἐγένοντο ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς κυρίου ἀνασωζόμενος (1)
3. 66. αὐτοὺς καταδιώξεις [A κατάξ.] ἐν ὀργῇ (1)
4. 11. ἐξέχεε θυμὸν ὀργῆς [A ὀργὴν θυμοῦ] αὐτοῦ (1 [5 a])
Ez. 5. 13. συντελεσθήσεται . . . ἡ ὀ. μου ἐπ' αὐτοὺς . . . ἐν τῷ συντελέσαι με τὴν ὀ. μου ἐπ' αὐτούς (4 a, 4 a)
— 15. A ἐν τῷ ποιῆσαί με ἐν σοὶ κρίματα ἐν ὀργῇ [B om. ἐ. ὀ.] (1)
6. 12. συντελέσω τὴν ὀ. μου ἐπ' αὐτούς (4 a)
7. 8. ἐκχεῶ τὴν ὀ. μου ἐπὶ σέ (4 a)
— 12. A ὀργὴ εἰς πᾶν τὸ πλῆθος αὐτῆς (5 a)
— 14. A ἡ ὀ. μου εἰς πᾶν τὸ πλῆθος αὐτῆς (5 a)
— 19. A ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς κυρίου (12)
13. 13. ὑετὸς κατακλύζων ἐν ὀργῇ μου ἔσται (1)
20. 8. τοῦ συντελέσαι ὀργήν [A τὴν ὀ.] μου ἐν αὐτοῖς (1)
— 21. B τοῦ συντελέσαι τὴν ὀ. μου (1)
21. 31 (36). ἐκχεῶ ἐπὶ σὲ [A σοὶ] ὀργήν μου ἐν πυρὶ ὀργῆς μου ἐμφυσήσω ἐπὶ σέ (2, 12)
22. 20. εἰσδέξομαι [A add. ὑμᾶς] ἐν ὀργῇ μου (1+4 a)
— 21. ἐκφυσήσω ἐφ' ὑμᾶς [A εἰς ὑ. ἐκφύσημα] ἐν πυρὶ ὀργῆς μου (12)
— 24. οὐδὲ ὑετὸς ἐγένετο ἐπὶ σὲ ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς [A al.] (2)
— 30. A R ἐν καιρῷ τῆς ὀ. [B γῆς] †
— 31. ἐξέχεα ἐπ' αὐτὴν θυμόν μου ἐν πυρὶ ὀργῆς μου (12)
23. 25. ποιήσουσι μετὰ σοῦ ἐν ὀργῇ θυμοῦ (19 b)
25. 14. ποιήσουσιν ἐν τῇ Ἰδ. κατὰ τὴν ὀ. [A add. τοῦ θυμοῦ] μου (1 [17])
38. 19. ἐν πυρὶ τῆς ὀ. μου (12)
Da. LXX. 3. 13. Ναβ. θυμωθεὶς ὀργῇ (4 b)
8. 6. ἔδραμε πρὸς αὐτὸν ἐν θυμῷ ὀργῆς †
— 19. ἃ ἔσται ἐπ' ἐσχάτου τῆς ὀ. (2)
9. 16. ἀποστραφήτω . . . ἡ ὀ. σου (4 a)
— 26. ἥξει ἡ συντέλεια αὐ. μετ' ὀργῆς †

Da. LXX. 11. 18. ἐπιστρέψει ὀργὴν ὀνειδισμοῦ αὐτῶν †
— 20. καὶ οὐκ ἐν ὀργῇ οὐδὲ ἐν πολέμῳ (1)
— 36. ἕως ἂν συντελεσθῇ ἡ ὀ. (2)
Da. TH. 2. 12. ἐν θυμῷ καὶ ὀργῇ [B² add. πολλῇ] (13 c)
3. 13. ἐν θυμῷ καὶ ὀργῇ (4 b)
8. 19. R ἐπ' ἐσχάτων [B -φ, A -ου] τῆς ὀργῆς (2)
9. 16. ἀποστραφήτω . . . ἡ ὀ. σου (4 a)
11. 36. μέχρις οὗ συντελεσθῇ ἡ ὀ. (2 b)
I Ma. 1. 64. ἐγένετο ὀ. μεγάλη ἐπὶ Ἰ. σφόδρα
2. 44. ἐπάταξαν ἁμαρτωλοὺς ἐν ὀργῇ αὐ.
— 49. νῦν ἐστηρίχθη . . . ὀργὴ θυμοῦ
3. 8. ἀπέστρεψεν ὀργὴν ἀπὸ Ἰσρ.
15. 36. A R ὠργίσθη ὁ βασ. ὀ. μεγάλην [S ὀργῇ μ.]
II Ma. 4. 25. θηρὸς βαρβάρου ὀργὰς ἔχων
— 40. καὶ ταῖς ὀ. διεμπιμπλαμένων
5. 20. ἐν τῇ τοῦ παντοκράτορος ὀ.
7. 38. στῆναι τὴν τοῦ παντοκράτορος ὀ.
8. 5. τῆς ὀ. τοῦ κ. εἰς ἔλεον τραπείσης
III Ma. 5. 1. βαρείᾳ μεμεστωμένος ὀργῇ
— 47. ὁ δὲ ὀ. βαρείᾳ γεμίσας δυσσεβῆ φρένα
6. 22. μετεστράφη τοῦ βασ. ἡ ὀ. εἰς οἴκτον
— 23. μετ' ὀργῆς τοῖς φίλοις διηπειλεῖτο
IV Ma. 9. 32. οὐκ ἐκφεύξῃ δὲ . . . τὰς τῆς θείας ὀ. δίκας
[Aq. Ps. 55 (56). 8: 87 (88). 17: Is. 63. 3: Je. 25. 38 (32. 24) bis: 32 (39). 31: 42 (49). 18: Ez. 5. 13.]
[Sm. Jb. 6. 2: 9. 13: 36. 13: 39. 24: Ps. 6. 2: 29 (30). 6: 54 (55). 4: 55 (56). 8: 77 (78). 31, 38, 50: 87 (88). 17: 89 (90). 7, 11: Pr. 21. 14, 24: 24. 18: 26. 10: Ec. 7. 10 (9): Is. 13. 5: 16. 6: 54. 8: 63. 3: 66. 15: Je. 25. 38 (32. 24) bis: 42 (49). 18: 47 (29). 3 (Sw.): La. 1. 12 (Sw.): Ez. 5. 13: Am. 1. 11.]
[Th. Jd. 9. 30: 10. 7: II Ki. 24. 1: Jb. 3. 17: 5. 2: 32. 5: 37. 2: 42. 7: Ps. 77 (78). 21: Is. 13. 9: 63. 3: 66. 15: Je. 10. 10: 25. 38 (32. 24) bis: 42 (49). 18: Ez. 5. 12 (P.), 13, 15: 7. 12, 14, 19: 38. 18: Am. 1. 11.]
[Al. I Ki. 28. 18: Hb. 3. 8, 12.]
[Quint. Ps. 77 (78). 21: Hb. 2. 15.]
[Sext. Am. 1. 11.]

ὀργιᾶν. (1) שְׁאָנָה
Is. 5. 29. ὀργιῶσιν [A S ὁρμῶσιν] ὡς λέοντες (1)

ὀργίζειν. (1) אָנַף a. qal. b. hithp. (2) אַף (3) זָעַם (4) בְּזַעַף (5) a. חָרָה b. חָרָה אַף (6) כָּעַס (7) מָרַר hithpalp. (8) עָשַׁן (9) קָצַף (10) רָגַז a. qal. b. hi. c. hithp. (11) רִיב (12) חֵמָה בְּעֶבְרָה
Ge. 31. 36. ὠργίσθη δὲ Ἰακώβ (5 a)
40. 2. ὠργίσθη Φαραὼ ἐπὶ τοῖς δυσὶν εὐν. (9)
41. 10. Φαραὼ ὠργίσθη τοῖς παισὶν αὐτοῦ (9)
45. 24. μὴ ὀργίζεσθε ἐν τῇ ὁδῷ (10 a)
Ex. 15. 14. καὶ ὠργίσθησαν [A ἐφοβήθησαν] (10 a)
22. 24 (23). καὶ ὀργισθήσομαι θυμῷ (5 a)
32. 19. ὀργισθεὶς θυμῷ Μωυσῆς (5 a)
— 22. μὴ ὀργίζου, κύριε (5 b)
Nu. 22. 22. ὠργίσθη θυμῷ ὁ θεός (5 a)
25. 3. ὠργίσθη θυμῷ κύριος τῷ Ἰσρ. (5 a)
31. 14. ὠργίσθη Μ. ἐπὶ τοῖς ἐπισκόποις (9)
32. 10, 13. ὠργίσθη θυμῷ κύριος (5 a)
De. 6. 15. μὴ ὀργισθεὶς θυμῷ κύριος (5 a)
7. 4. ὀργισθήσεται θυμῷ κ. εἰς ὑμᾶς (5 a)
11. 17. A καὶ θυμωθεὶς ὀργισθῇ [B -γῇ] κύριος (2)
29. 27 (26). ὠργίσθη θυμῷ κύριος (5 a)
31. 17. ὀργισθήσομαι θυμῷ (5 a)
Jd. 2. 14. ὠργίσθη θυμῷ κ. (5 a)
— 20: 3. 8. ὠργίσθη θυμῷ κ. ἐν τῷ Ἰσρ. (5 a)
6. 39. μὴ δὴ ὀργισθήτω ὁ θυμός σου (5 a)
9. 30. ὠργίσθη θυμῷ [A ἐθυμώθη ὀργῇ] (5 a)
10. 7. ὠργίσθη θυμῷ [A ἐθυμώθη] κ. ἐν Ἰσρ. (5 a)
14. 19. ὠργίσθη θυμῷ [A ἐθυμώθη ὀργῇ] Σ. (5 a)
19. 2. A ὠργίσθη αὐτῷ ἡ παλλακὴ αὐ. [B al.] †
I Ki. 17. 28. A ὠργίσθη θυμῷ Ἐλ. (5 a)
III Ki. 11. 9. ὠργίσθη κύριος ἐπὶ Σ. (1 b)
IV Ki. 13. 3. ὠργίσθη θυμῷ κύριος ἐν τῷ Ἰσρ. (5 a)
19. 28. διὰ τὸ ὀργισθῆναί σε ἐπ' ἐμέ (10 c)
II Ch. 16. 10. A B² ὅτι ὠργίσθη [B¹ om. ὅ. ὠ.] ἐπὶ τούτῳ (4)
29. 8. ὠργίσθη ὀργῇ [A θυμῷ] κύριος †
35. 19. οὗ ὠργίσθη θυμῷ κύριος –
I Es. 8. 88. οὐχὶ ὠργίσθης ἡμῖν
Ne. 4. 1 (3. 33). ὠργίσθη ἐπὶ πολύ (6)
To. 5. 13. μή μοι ὀργισθῇς [S πικρανθῇς]
Ju. 5. 2. ὠργίσθη θυμῷ σφόδρα
Es. 1. 12. ἐλυπήθη [S ὠργίσθη] ὁ βασ. καὶ ὠργίσθη [S ἐλυπήθη] ([9], 12)
Jb. 12. 6. A ὅσοι γὰρ ὀργίζουσιν [B S ὅσοι παρορ.] τὸν κ. (10 b)
32. 2. ὠργίσθη δὲ Ἐλιοὺς ὁ τοῦ Βαραχιὴλ . . . ὠργίσθη δὲ τῷ Ἰὼβ σφόδρα (5 b, 5 b)
— 3. καὶ κατὰ τῶν τριῶν δὲ φίλων ὠργίσθη σφόδρα (5 b)
Ps. 2. 12. μή ποτε ὀργισθῇ κύριος (1 a)
4. 4. ὀργίζεσθε καὶ μὴ ἁμαρτάνετε (10 a)
17 (18). 7. ὠργίσθη αὐτοῖς ὁ θεός (5 a)
59 (60). 1. ὠργίσθης καὶ ὠκτείρησας ἡμᾶς (1 a)
73 (74). 1. ὠργίσθη ὁ θυμός σου ἐπὶ πρόβατα νομῆς σου (8)
78 (79). 5. ἕως πότε, κύριε, ὀργισθήσῃ εἰς τέλος (1 a)
79 (80). 4. ἕως πότε ὀργίζῃ ἐπὶ τὴν προσευχὴν τοῦ δούλου [S² τῶν δ.] σου (8)
84 (85). 5. A S² R μὴ εἰς τὸν αἰῶνα ὀργισθῇς [B S¹ -θήσῃ] ἡμῖν (1 a)
98 (99). 1. ὀργιζέσθωσαν λαοί (10 a)
102 (103). 9. οὐκ εἰς τέλος ὀργισθήσεται (11)
105 (106). 40. ὠργίσθη θυμῷ κύριος ἐπὶ τὸν λαὸν αὐτοῦ (5 a)
111 (112). 10. ἁμαρτωλὸς ὄψεται καὶ ὀργισθήσεται (6)
123 (124). 3. ἐν τῷ ὀργισθῆναι τὸν θυμὸν αὐ. (5 a)
Pr. 16. 30. A ὀργίζει [B S ὁρίζει] δὲ τοῖς χείλεσιν αὐτοῦ πάντα τὰ κακά †
29. 9. ἀνὴρ δὲ φαῦλος ὀργιζόμενος καταγελᾶται (10 a)
Ec. 5. 5. ἵνα μὴ ὀργισθῇ ὁ θεὸς ἐπὶ φωνῇ σου (9)
Hb. 3. 8. μὴ ἐν ποταμοῖς ὠργίσθης [A ὀργ.] (5 a)
Za. 1. 2. ὠργίσθη κ. ἐπὶ τοὺς πατέρας ὑμῶν ὀργὴν μεγ. (10)
— 15. καὶ ὀργὴν μεγάλην ἐγὼ ὀργίζομαι [S³ -ίσομαι] (9)
— 15. ἀνθ' ὧν μὲν ἐγὼ ὠργίσθην ὀλίγα (9)
Is. 5. 25. S ὠργίσθη θυμῷ [A B ἐθυμώθη ὀργῇ] κύριος σαβαώθ (5 a)
12. 1. ὠργίσθης μοι (1 a)
28. 28. οὐ γὰρ εἰς τὸν αἰῶνα ἐγὼ ὑμῖν ὀργισθήσομαι †
57. 6. ἐπὶ τούτοις οὖν οὐκ ὀργισθήσομαι †
— 16. οὐδὲ διὰ παντὸς ὀργισθήσομαι ὑμῖν (9)
64. 5 (4). ἰδοὺ σὺ ὠργίσθης (9)
— 9 (8). μὴ ὀργίζου ἡμῖν σφόδρα (9)
La. 5. 22. ὠργίσθης ἐφ' ἡμᾶς ἕως σφόδρα (9)
Da. LXX. 11. 11. ὀργισθήσεται βασιλεὺς Αἰγ. (7)
— 30. R ὀργισθήσεται [cod. -σονται] ἐπὶ τὴν διαθήκην τοῦ ἁγίου (3)
Da. TH. Bel 20. ὀργισθεὶς ὁ βασιλεύς
I Ma. 3. 27. ὠργίσθη θυμῷ
5. 1. S R ὠργίσθησαν [A -η] σφόδρα
— 2. ἐβουλεύσαντο [S¹ ὠργίσθησαν] τοῦ ἆραι τὸ γένος Ἰ.
6. 28. ὠργίσθη ὁ βασιλεύς
— 59. χάριν γὰρ τῶν νομίμων αὐ. . . . ὠργίσθησαν
9. 69. S² R ὠργίσθη [A S¹ -ησαν] θυμῷ [S² ἐν θ.]
11. 22. καὶ ἀκούσας ὠργίσθη
15. 36. A R ὠργίσθη ὁ βασ. ὀργὴν μεγ. [S ὀργῇ μεγ.]
III Ma. 3. 1. A ὥστε οὐ μόνον τοῖς κατὰ Ἀλ. ὀργίζεσθαι [R διορ.]
IV Ma. 9. 10. κατὰ ἀχαρίστων ὠργίσθη
[Aq. Ps. 2. 11: Is. 57. 17.]
[Sm. Ge. 4. 5, 6: I Ki. 29. 4: Jb. 42. 7: Ps. 2. 11: 4. 5: 59 (60). 3: Pr. 19. 3: Is. 54. 9: 57. 17.]
[Th. I Ki. 20. 7 bis: Is. 54. 9: 57. 17.]
[Al. Le. 20. 23: 26. 16: Nu. 16. 15: I Ki. 18. 8.]

ὀργίλος. (1) אַף (2) חֵמָה (3) כַּעַס
Ps. 17 (18). 48. ὁ ῥύστης μου ἐξ ἐχθρῶν ὀργίλων (1)
Pr. 21. 19. μετὰ γυναικὸς μαχίμου καὶ γλωσσώδους καὶ ὀργίλου (3)
22. 24. φίλῳ δὲ ὀργίλῳ μὴ συναυλίζου (2)
29. 22. ἀνὴρ δὲ ὀ. ἐξώρυξεν ἁμαρτίαν (2)
[Aq. Ge. 4. 5: 18. 30: 34. 7: I Ki. 15. 11.]
[Sm. Ge. 34. 7: I Ki. 15. 11: II Ki. 6. 8.]
[Th. I Ki. 15. 11.]

ὀργίλως.
IV Ma. 8. 9. ἐὰν ὀ. με διαθῆσθε

ὀρέγειν.
[Sm. Jb. 8. 20: Ez. 16. 49.]

ὀρεινός (ὀριν.). (1) ἡ ὀ. הַר (2) ὁ ἐν τῇ ὀ. הָהָר
Ge. 14. 10. εἰς τὴν ὀ. ἔφυγον (1)
Nu. 13. 30 (29). ὁ Ἀμ. κατοικεῖ ἐν τῇ ὀ. (1)
De. 2. 37. καὶ τὰς πόλεις τὰς ἐν τῇ ὀ. (2)
11. 11. γῆ ὀ. καὶ πεδινή (1)
Jo. 2. 16. εἰς τὴν ὀ. ἀπέλθετε (1)
— 22. ἤλθοσαν εἰς τὴν ὀ. (1)
9. 1. οἱ ἐν τῇ ὀ. καὶ οἱ ἐν τῇ πεδινῇ (1)
10. 6. οἱ κατοικοῦντες τὴν ὀ. (1)
— 40. ἐπάταξεν Ἰ. πᾶσαν τὴν γῆν τῆς ὀ. (1)
11. 2. ἀπέστειλε . . . εἰς τὴν ὀ. (1)
— 7. ἐπέπεσαν ἐπ' αὐτοὺς ἐν τῇ ὀ. –
— 16. ἔλαβεν Ἰ. πᾶσαν τὴν γῆν τὴν ὀ. (1)
— 21. ἐξωλέθρευσε τοὺς Ἐν. ἐκ τῆς ὀ. (1)
13. 6. πᾶς ὁ κατοικῶν τὴν ὀ. (1)
15. 48. καὶ ἐν τῇ ὀ. Σαμίρ (1)
16. 1. ἀναβήσεται ἀπὸ Ἰ. εἰς τὴν ὀ. (1)
18. 13. καταβήσεται τὰ ὅρια Μ. Ὀ. ἐπὶ τὴν ὀ. (1)
Jd. 1. 9. τὸν Χαν. τὸν κατοικοῦντα τὴν ὀ. (1)
II Ch. 26. 10. καὶ ἀμπελουργοὶ ἐν τῇ ὀ. (1)
Ju. 1. 6. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν ὀ. [S¹ om. τ. ὀ.]
2. 22. ἀπῆλθεν ἐκεῖθεν εἰς τὴν ὀ.
4. 7. διακατασχεῖν τὰς ἀναβάσεις τῆς ὀ.
5. 1. τὰς διόδους τῆς ὀ. συνέκλεισαν
— 3. τίς ὁ λαὸς οὗτος ὁ καθήμενος ἐν τῇ ὀ.
— 5. ὃς κατοικεῖ τὴν ὀ. ταύτην
— 15. ἐκληρονόμησαν πᾶσαν τὴν ὀ.
— 19. κατῳκίσθησαν ἐν τῇ ὀ.
6. 7. ἀποκαταστήσουσί σε . . . εἰς τὴν ὀ.
— 11. ἀπῆραν . . . εἰς τὴν ὀ.
7. 1. ἀναζευγνύειν ἐπὶ . . . τὰς ἀναβάσεις τῆς ὀ.
— 18. παρενέβαλον ἐν τῇ ὀ.
10. 13. καὶ κυριεύσει πάσης τῆς ὀ.
11. 2. ὁ λαός σου ὁ κατοικῶν τὴν ὀ.
15. 2. ἐπὶ πᾶσαν ὁδὸν τοῦ πεδίου καὶ τῆς ὀ.
— 3. οἱ παρεμβεβληκότες ἐν τῇ ὀ.
— 5. καὶ ἐκ πάσης τῆς ὀ.
— 7. αἱ κῶμαι καὶ ἐπαύλεις [A S αἱ πόλεις] ἐν τῇ ὀ.
Pr. 27. 25. σύναγε χόρτον ὀρεινόν (1)
Za. 7. 7. καὶ ἡ ὀρεινὴ καὶ ἡ πεδινὴ κατῳκεῖτο †
Je. 40 (33). 13. ἐν πόλεσι τῆς ὀρεινῆς (1)

ὄρεξις.
Wi. 14. 2. ἐκεῖνο μὲν γὰρ ὄρεξις πορισμῶν ἐπενόησε
15. 5. A S ὧν ὄψις ἄφροσιν εἰς ὄρεξιν [B ὄνειδος] ἔρχεται
16. 2. εἰς ἐπιθυμίαν ὀρέξεως ξένην γεῦσιν [S¹ -σεως]
— 3. διὰ . . . τὴν ἀναγκαίαν ὄ. ἀποστρέφωνται
Si. 18. 30. ἀπὸ τῶν ὀ. σου κωλύου [A μὴ κ.]
23. 6. κοιλίας ὄρεξις καὶ συνουσιασμὸς μὴ καταλαβέτωσάν με
IV Ma. 1. 33. οὐχ ὅτι δύναται τῶν ὀ. ἐπικρατεῖν ὁ λογισμός
— 35. ἀνέχεται γὰρ τὰ τῶν ὀ. πάθη

ὀρή (?). (1) עֲרִי
IV Ki. 17. 6: 18. 11. καὶ ὀ. Μήδων (1)

ὄρθιος.
I Ki. 28. 14. ἄνδρα ὄ. [A ὄρθριον] ἀναβαίνοντα †
[Sm. Ge. 1. 27.]

ὀρθός (ὀρθρός). (1) בֵּין ni. (2) a. יָשָׁר b. מֵישָׁרִים c. יָשָׁר (3) לְנֹכַח (4) ὀρθὸν ποιεῖν פָּלַס pi. (5) רוֹמָה (6) ἀνὴρ ὀ. יָשָׁר (7) στάχυς ὀ. קָמָה
Jd. 15. 5. καὶ ἕως σταχύων ὀ. [A al.] (7)
III Ki. 21 (20). 11. μὴ καυχάσθω ὁ κυρτὸς ὡς ὀ. ὀ. †
I Es. 9. 46. πάντες ὀρθοὶ [A -ροί] ἔστησαν
Pr. 4. 11. ἐμβιβάζω δέ σε τροχιαῖς ὀρθαῖς (2 a)
— 25. οἱ ὀφθαλμοί σου ὀρθὰ βλεπέτωσαν (3)
— 26. ὀρθὰς τροχιὰς ποίει σοῖς ποσί (4)
— 27. αὐτὸς δὲ ὀρθὰς ποιήσει τὰς τροχιάς σου –
8. 6. ἀνοίσω [A -γω] ἀπὸ χειλέων ὀρθά (2 b)
— 9. πάντα . . . ὀρθὰ τοῖς εὑρίσκουσι γνῶσιν (2 c)
11. 6. A B S² δικαιοσύνη ἀνδρῶν ὀρθῶν ῥύεται αὐτούς (6)
12. 6. στόμα δὲ ὀρθῶν ῥύσεται αὐτούς (2 c)
— 15. ὁδοὶ ἀφρόνων ὀρθαὶ ἐνώπιον αὐτῶν (2 c)
14. 12. ἣ δοκεῖ παρὰ ἀνθρώποις ὀρθὴ εἶναι (2 c)

Pr. 15. 14. καρδία ὀρθὴ ζητεῖ αἴσθησιν (1)
16. 13. λόγους δὲ ὀρθοὺς ἀγαπᾷ (2 c)
— 25. εἰσὶν ὁδοὶ δοκοῦσαι εἶναι ὀρθαὶ ἀνδρί (2 c)
21. 8. ἁγνὰ γὰρ καὶ ὀρθὰ τὰ ἔργα αὐτοῦ (2 c)
23. 16. ἐνδιατρίψει λόγους τὰ σὰ χείλη πρὸς τὰ ἐμὰ χείλη ἐὰν ὀρθὰ ᾖσι (2 b)
24. 73 (31. 5). ὀρθὰ κρῖναι οὐ μὴ δύνωνται τοὺς ἀσθενεῖς †
Mi. 2. 3. οὐ μὴ πορευθῆτε ὀρθοὶ [A ὀρθροὶ] ἐξαίφνης (5)
— 7. οὐχ οἱ λόγοι αὐτοῦ . . . ὀρθοὶ πεπόρευνται (2 c)
3. 9. πάντα τὰ ὀρθὰ διαστρέφοντες (2 c)
Je. 38 (31). 9. αὐλίζων ἐπὶ διώρυγας ὑδάτων ἐν ὁδῷ ὀρθῇ (2 c)
Ep. Je. 27. ἐάν τις αὐτὸ [A -ὸν] ὀρθὸν στήσῃ
Ez. 1. 7. τὰ σκέλη αὐτῶν ὀρθά (2 c)
IV Ma. 1. 15. νοῦς μετὰ ὀ. λόγου προτιμῶν
6. 7. ὀρθὸν εἶχε καὶ ἀκλινῆ τὸν λογισμόν
[Aq. Ge. 42. 11.]
[Sm. Ps. 91 (92). 16 : Ez. 1. 23.]
[Th. Pr. 24. 26.]

ὀρθότης.

[Aq. Is. 57. 2.]

ὀρθοτομεῖν. (1) יָשַׁר pi.

Pr. 3. 6. ἵνα ὀρθοτομῇ τὰς ὁδούς σου (1)
11. 5. A S δικαιοσύνη ἀμώμου [B -ους] ὀρθοτομεῖ ὁδούς (1)

ὀρθοτριχεῖν.

[Sm. Ps. 118 (119). 120 : Ez. 27. 35.]
[Th. Is. 13. 21 : 34. 14.]

ὀρθοῦν. (1) זָקַף (2) כּוּן ni. (3) נָצַב ni. (4) עָמַד

Ge. 37. 7. ἀνέστη τὸ ἐμὸν δράγμα καὶ ὠρθώθη (3)
I Es. 1. 23. ὠρθώθη τὰ ἔργα Ἰωσ.
II Es. 6. 11. ὠρθωμένος πληγήσεται [A παγ.] ἐπ' αὐτοῦ (1)
Es. 7. 9. ὤρθωται ἐν τοῖς Ἀ. ξύλον [A om.] (4)
Si. 27. 14. λαλιὰ πολυόρκου ὀρθώσει [A ἀνορθ.] τρίχας
Je. 37 (30). 20. τὰ μαρτύρια αὐτῶν κατὰ πρόσωπόν μου ὀρθωθήσεται (2)
Ep. Je. 27. ἐὰν κλιθῇ οὐ μὴ ὀρθωθῇ

ὀρθρεύειν.

To. 9. 6. ὤρθρευσαν [A S -ισαν] κοινῶς

ὀρθρίζειν (**ὀρθίζειν**). (1) שָׁחַר pi. (2) שָׁכַם hi. (3) בַּשַּׁפְרָפָרָא קוּם

Ge. 19. 2. καὶ ὀρθρίσαντες ἀπελεύσεσθε (2)
— 27. ὤρθρισε δὲ . . . τῷ πρωῒ εἰς τὸν τόπον (2)
20. 8. καὶ ὤρθρισεν Ἀβ. τῷ πρωῒ (2)
Ex. 8. 20 (16) : 9. 13. ὄρθρισον τὸ πρωῒ (2)
24. 4. ὀρθρίσας δὲ Μωυσῆς τὸ πρωῒ (2)
32. 6. ὀρθρίσας τῇ ἐπαύριον ἀνεβίβασεν (2)
34. 4. ὀρθρίσας Μωυσῆς ἀνέβη (2)
Nu. 14. 40. ὀρθρίσαντες [B² add. εἰς] τὸ πρωῒ (2)
Jo. 3. 1. ὤρθρισεν Ἰ. τὸ πρωῒ (2)
7. 16. καὶ ὤρθρισεν Ἰ. (2)
8. 10. ὀρθρίσας Ἰ. τὸ πρωῒ (2)
Jd. 6. 28. ὤρθρισαν οἱ ἄνδρες τῆς πόλεως (2)
— 38. ὤρθρισε [A add. Γ.] τῇ ἐπαύριον (2)
7. 1. καὶ ὤρθρισεν Ἰ. (2)
9. 33. ὀρθρεῖς [A -ίσεις] καὶ ἐκτενεῖς (2)
19. 5. ὤρθρισαν τὸ πρωῒ (2)
— 8. ὤρθρισε τὸ πρωῒ (2)
— 9. ὀρθρεῖτε αὔριον εἰς ὁδὸν ὑμῶν (2)
21. 4. ὤρθρισεν ὁ λαός (2)
I Ki. 1. 19. ὀρθρίζουσι τὸ πρωῒ (2)
3. 15. ὤρθρισε τὸ πρωῒ –
5. 3. ὤρθρισαν οἱ Ἀζώτιοι (2)
— 4. ὅτε ὤρθρισαν τὸ πρωῒ (2)
15. 12. καὶ ὤρθρισε Σαμ. (2)
17. 16. A προῆγεν ὁ ἀλλόφυλος ὀρθρίζων (2)
— 20. A ὤρθρισεν Δ. τὸ πρωῒ (2)
29. 10. καὶ νῦν ὄρθρισον τὸ πρωῒ (2)
— 10. ὀρθρίσατε [A διορθρ.] ἐν τῇ ὁδῷ (2)
— 11. καὶ ὤρθρισε Δ. (2)
II Ki. 15. 2. καὶ ὤρθρισεν Ἀβ. (2)
IV Ki. 3. 22. ὤρθρισαν τὸ πρωῒ (2)
6. 15. ὤρθρισεν ὁ λειτουργός [A al.] (2)
19. 35. ὤρθρισαν τὸ πρωῒ (2)
II Ch. 20. 20. ὤρθρισαν πρωῒ (2)
29. 20. ὤρθρισεν Ἐζ. ὁ βασ. (2)
II Ch. 36. 15. ὀρθρίζων καὶ ἀποστέλλων τοὺς ἀγγέλους αὐ. (2)
To. 9. 6. A S ὤρθρισαν [B -ευσαν] κοινῶς
Jb. 7. 21. ὀρθρίζων δὲ οὐκέτι εἰμί (1)
8. 5. σὺ δὲ ὄρθριζε πρὸς κύριον παντοκράτορα δεόμενος (1)
Ps. 62 (63). 1. πρὸς σὲ ὀρθρίζω (1)
77 (78). 34. ὤρθριζον πρὸς τὸν θεόν (1)
126 (127). 2. A R εἰς μάτην ὑμῖν ἐστι τοῦ ὀρθρίζειν [S ὀρθίζειν] (2)
Ca. 7. 12 (13). ὀρθρίσωμεν εἰς ἀμπελῶνας (2)
Wi. 6. 14. ὁ ὀρθρίσας ἐπ' [A πρὸς] αὐτὴν οὐ κοπιάσει
Si. 4. 12. οἱ ὀρθρίζοντες πρὸς αὐτήν
6. 36. ὄρθριζε πρὸς αὐτόν
35 (32). 14. οἱ ὀρθρίζοντες εὑρήσουσιν εὐδοκίαν
39. 5. ὀρθρίσαι πρὸς κύριον
Ho. 6. 1 (5. 15). ἐν θλίψει αὐτῶν ὀρθριοῦσι πρὸς μέ (1)
Ze. 3. 7. ἑτοιμάζου ὄρθρισον (2)
Is. 26. 9. ἐκ νυκτὸς ὀρθρίζει τὸ πνεῦμά μου πρὸς σέ (1)
Je. 25. 3. ἐλάλησα πρὸς ὑμᾶς ὀρθρίζων (2)
Da. LXX. 6. 19 (20). ὁ βασ. Δ. ὤρθρισε πρωῒ (3)
Da. TH. Bel 16. ὤρθρισεν ὁ βασ. τὸ πρωῒ
I Ma. 4. 52. ὤρθρισαν τὸ πρωῒ
6. 33. ὤρθρισεν ὁ βασ. τὸ πρωῒ
11. 67. ὤρθρισαν τὸ πρωῒ
[Aq. Jb. 24. 5 : Ps. 126 (127). 2 : Je. 7. 13, 25 : 35 (42). 14.]
[Sm. Je. 7. 13, 25 : 26 (33). 5.]
[Th. Je. 11. 7 : 29 (36). 19.]
[Al. Pr. 13. 24.]

ὀρθρινός. (1) שְׁכֵם hi.

Wi. 11. 22. ὡς ῥανὶς δρόσου ὀρθρινὴ κατελθοῦσα ἐπὶ γῆν [S² γῆς]
Ho. 6. 5 (4) : 13. 3. ὡς δρόσος ὀ. πορευομένη (1)
Hg. 2. 15 (14). ἕνεκεν τῶν λημμάτων αὐτῶν τῶν ὀ. –
[Aq. Ps. 21 (22). 1.]
[Sm. Ps. 21 (22). 1 : 89 (90). 14.]

ὄρθριος.

I Ki. 28. 14. A ἄνδρα ὄ. [B ὄρθιον] ἀναβαίνοντα †
Jb. 29. 7. ὅτε ἐξεπορευόμην ὄρθριος ἐν πόλει †
III Ma. 5. 10. ὄρθριος ἐπὶ τὴν αὐλὴν παρῆν
— 23. ἄρτι δὲ ἀλεκτρυὼν ἐκεκράγει ὄρθριος

ὀρθρισμός.

[Aq. Pr. 11. 27.]

ὄρθρος (**ὀρθός**). (1) אַשְׁמֹרָה (2) בֹּקֶר (3) שַׁחַר (4) πρὸς ὄρθρον *a.* הַבֹּקֶר *b.* אַשְׁמֹרוֹת (5) ὄρθρου *a.* בְּעֲלוֹת הַשַּׁחַר *b.* בַּבֹּקֶר *c.* שַׁחַר *d.* בַּשַּׁחַר *e.* שָׁכֵם hi. (6) κατ' ὄρθρον שַׁחַר (7) ὄρθρος ἐστι קִין hi.

Ge. 19. 15. ἡνίκα δὲ ὄρθρος ἐγένετο (3)
32. 26 (27). ἀνέβη γὰρ ὁ ὄ. (3)
Ex. 19. 16. γενηθέντος πρὸς ὄρθρον (4 a)
Jo. 6. 14 (15). ἀνέστησαν ὄρθρου (5 a)
Jd. 16. 2. ἕως διαφαύσῃ ὁ ὄ. [A al.] (2)
19. 25. A ἅμα τῷ ἀναβαίνειν τὸν ὄ. [B al.] (3)
— 26. ἦλθεν ἡ γυνὴ πρὸς τὸν ὄ. [A al.] (2)
I Ki. 9. 26. ὡς ἀνέβαινεν ὁ ὄ. (3)
I Es. 9. 41. A R ἐξ [B ἀπὸ] ὄρθρου ἕως μέσης ἡμέρας
Ne. 4. 21 (15). ἀπὸ ἀναβάσεως [B¹ add. ἕως] τοῦ ὄ. (3)
To. 8. 18. S πρὸ τοῦ ὄρθρον γενέσθαι
Ju. 14. 2. ἡνίκα ἐὰν διαφαύσῃ ὁ ὄ.
— 11. ἡνίκα δὲ ὁ [A om.] ὄ. ἀνέβη
Es. 5. 14. ὄρθρου δὲ εἰπὸν τῷ βασ. (5 b)
Ps. 56 (57). 8. ἐξεγερθήσομαι ὄρθρου (5 c)
62 (63). 6. ἐν τοῖς ὄ. [B¹ τῷ ὄ.] ἐμελέτων εἰς σέ (1)
107 (108). 2. ἐξεγερθήσομαι ὄρθρου (5 c)
118 (119). 148. προέφθασαν οἱ ὀφθαλμοί μου πρὸς ὄρθρον [S¹ al.] (4 b)
138 (139). 9. A ἐὰν ἀναλάβω τὰς πτέρυγάς μου κατ' ὄρθρον [B S ὀρθόν] (6)
Pr. 7. 18. ἀπολαύσωμεν φιλίας ἕως ὄρθρου [S -θοῦ] (2)
23. 35. πότε ὄρθρος [S -ὸς] ἔσται (7)
Ca. 6. 9 (10). τίς αὕτη ἡ ἐκκύπτουσα ὡσεὶ ὄρθρος (3)
Si. 24. 32. A S R ἔτι παιδείαν ὡς ὄρθρον [B ὀρθὸν] φωτιῶ
Ho. 6. 4 (3). ὡς ὄρθρον ἕτοιμον εὑρήσομεν αὐτόν (3)
11. 1 (10. 15). ὄρθρου [B¹ -θοῦ] ἀπερρίφησαν (5 d)
Am. 4. 13. ποιῶν ὄρθρον καὶ ὁμίχλην (3)
Jl. 2. 2. ὡς ὄρθρος [S ὁ ὄ.] χυθήσεται (3)
Je. 7. 25. ἐξαπέστειλα . . . τοὺς προφήτας ἡμέρας καὶ ὄρθρου (5 e)
25. 4. ὄρθρου [S¹ -θοῦ] ἀποστέλλων (5 e)
33 (26). 5. οὓς ἀποστέλλω πρὸς ὑμᾶς ὄρθρου [S¹ -θοῦ] (5 e)
39 (32). 33. ἐδίδαξα αὐτοὺς ὄρθρου [S¹ -θοῦ] (5 e)
42 (35). 14. ἐλάλησα πρὸς ὑμᾶς ὄρθρου [S¹ -θοῦ] (5 e)
51 (44). 4. ἀπέστειλα πρὸς ὑμᾶς τοὺς παῖδάς [A δούλους] μου τοὺς προφήτας ὄρθρου [S¹ -θοῦ] (5 e)
Da. LXX. Su. 12. ὡς ἐγένετο ὄρθρος
— 13. τί σὺ οὕτως ὄρθρου ἐξῆλθες
[Aq. Jb. 38. 12 : Is. 58. 8 : Ho. 10. 15.]
[Sm. Ps. 29 (30). 6 : 45 (46). 6 : 58 (59). 17 : 64 (65). 9 : 72 (73). 14 : 87 (88). 14 : 109 (110). 3 : 126 (127). 2 : Ho. 10. 15.]
[Th. Jb. 24. 17 : 38. 12 : Ho. 10. 15.]
[Al. Ps. 142 (143). 8.]
[Quint. Ps. 109 (110). 3 : Ho. 6. 3.]

ὀρθροῦν.

Ps. 118 (119). 148. S¹ προέφθασαν οἱ ὀφθ. μου πρὸς σὲ ὀρθροῦν [A S² R πρ. ὄρθρον] †

ὀρθῶς. (1) *a.* יָטַב hi. *b.* טוֹב (2) בְּיֹשְׁרוֹ (3) כֵּן

Ge. 4. 7. ἐὰν ὀ. προσενέγκῃς ὀ. δὲ μὴ διέλῃς (1 a, 1 a)
40. 16. εἶδεν . . . ὅτι ὀ. συνέκρινε (1 b)
Ex. 18. 17. οὐκ ὀ. σὺ ποιεῖς τὸ ῥῆμα τοῦτο (1 b)
Nu. 27. 6 (7). ὀ. θυγατέρες Σ. λελαλήκασι (3)
De. 5. 28 (25) : 18. 17. ὀ. πάντα ὅσα ἐλάλησαν (1 a)
I Ki. 16. 17. ἴδετε δή μοι ἄνδρα ὀ. ψάλλοντα (1 a)
Pr. 14. 2. ὁ πορευόμενος ὀ. φοβεῖται τὸν κύριον (2)
16. 5. οἱ δὲ ὀ. ζητοῦντες αὐτὸν εὑρήσουσιν εἰρήνην –
Wi. 2. 1. εἶπον γὰρ ἐν ἑαυτοῖς λογισάμενοι οὐκ ὀ.
6. 4. οὐκ ἐκρίνατε ὀρθῶς
Ez. 22. 30. ἐζήτουν ἐξ αὐτῶν ἄνδρα ἀναστρεφόμενον ὀ. –
Da. LXX. Su. 55. ὀ. ἔψευσαι εἰς τὴν σεαυτοῦ ψυχήν
Da. TH. Su. 55. ὀ. ἔψευσαι εἰς τὴν σεαυτοῦ κεφαλήν
— 59. ὀρθῶς ἔψευσαι καὶ σύ
I Ma. 11. 43. νῦν οὖν ὀ. ποιήσεις
IV Ma. 1. 1. συμβουλεύσαιμ' ἂν ὑμῖν ὀ.
[Aq. Ec. 12. 10.]
[Sm. Jb. 42. 7 : Ec. 12. 10 : Is. 30. 10.]
[Al. Nu. 36. 5.]

ὀρίγανον.

[Al. Nu. 19. 6.]

ὁρίζειν. (1) אָסַר (2) *a.* גְּבוּל, גְּבֻל *b.* גָּבַל (3) פָּרַד hi. (4) קָרַן (5) רְשַׁם

Nu. 30. 3. ἢ ὁρίσηται ὁρισμῷ περὶ τῆς ψυχῆς αὐ. [A al.] (1)
— 4. ἢ ὁρίσηται ὁρισμόν (1)
— 4 (5), 5, 6. οὓς ὡρίσατο κατὰ τῆς ψυχῆς αὐ. (1)
— 7. οὓς [A ὅσα] ὡρίσατο κατὰ τῆς ψυχῆς αὐ. (1)
— 8, 9, 12. οὓς ὡρίσατο κατὰ τῆς ψυχῆς αὐ. (1)
34. 6. ἡ θάλασσα ἡ μεγάλη ὁριεῖ (2 a)
Jo. 13. 8. ἡ θάλασσα ἡ μεγάλη ὁριεῖ –
— 27. καὶ ὁ Ἰορδ. ὁριεῖ [A μεριεῖ] (2 a)
15. 12. ἡ θάλασσα ἡ μεγάλη ὁριεῖ (2 a)
18. 20. ὁ Ἰορδ. ὁριεῖ ἀπὸ μέρους ἀνατολῶν (2 b)
23. 4. ἀπὸ τῆς θαλάσσης τῆς μεγάλης ὁριεῖ –
Pr. 16. 30. ὁρίζει [A ὀργίζει] δὲ τοῖς χείλεσιν αὐτοῦ πάντα τὰ κακά (4)
18. 18. ἐν δὲ δυναστείαις [A δυνάσταις] ὁρίζει (3)
Ez. 47. 20. τοῦτο τὸ μέρος τῆς θαλάσσης τῆς μεγάλης ὁρίζει [A διορ.] (2 a)
Da. LXX. 6. 12 (13). οὐχ ὁρισμὸν ὡρίσω (5)
III Ma. 5. 42. ὁρισάμενος τούτους μὲν . . . πέμψειν εἰς ᾅδην
6. 36. κοινὸν ὁρισάμενοι περὶ τούτων θεσμόν
[Sm. Ge. 30. 28 : Pr. 2. 18.]
[Th. Jb. 22. 28.]

ὀρινός, *vid.* **ὀρεινός.**

ὁριοθετεῖν.

[Aq. Ex. 19. 12: Dt. 19. 14: Za. 9. 2.]
[Sm., Th. Ex. 19. 12.]

ὅριον. (1) אֶרֶץ (2) בַּת (3) *a.* גְּבֻל, גְּבוּל *b.* גְּבוּלָה *c.* גֶּבֶל (4) גּוֹרָל (5) גְּלִילָה (6) חֹק (7) יָד (8) מוּל (9) פֵּאָה (10) קֵץ (11) שָׂדֶה

Ge. 10. 19. τὰ ὅρια τῶν Χαναναίων (3 *a*)
23. 17. ὅ ἐστιν ἐν τοῖς ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
47. 21. ἀπ' ἄκρων ὁ. Αἰγύπτου (3 *a*)
Ex. 8. 2 (7. 27). τύπτω πάντα τὰ ὅ. σου τοῖς βατράχοις (3 *a*)
10. 4. ἐπάγω . . . ἐπὶ πάντα τὰ ὅ. σου (3 *a*)
— 14. κατέπαυσεν ἐπὶ πάντα τὰ ὅ. Αἰγύπτου (3 *a*)
13. 7. οὐδὲ ἔσται σοι ζύμη ἐν πᾶσι τοῖς ὁ. σου (3 *a*)
23. 18. καὶ ἐμπλατύνω τὰ ὅ. σου –
— 31. καὶ θήσω τὰ ὅ. σου (3 *a*)
34. 24. καὶ πλατύνω [A ἐμπλ.] τὰ ὅ. σου (3 *a*)
Nu. 20. 16. ἐκ μέρους τῶν ὁ. σου (3 *a*)
— 17. ἕως ἂν παρέλθωμεν τὰ ὅ. σου (3 *a*)
— 21. παρελθεῖν διὰ τῶν ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
— 23. ἐν Ὤρ τῷ ὄρει ἐπὶ τῶν ὁ. γῆς Ἐ. (3 *a*)
21. 13. τὸ ἐξέχον ἀπὸ τῶν ὁ. τῶν Ἀμ. (3 *a*)
— 13. ἔστι γὰρ Ἀ. ὅρια Μωάβ (3 *a*)
— 15. πρόσκειται τοῖς ὁ. Μ. (3 *a*)
— 22. ἕως παρέλθωμεν τὰ ὅ. σου (3 *a*)
— 23. παρελθεῖν διὰ τῶν ὁ. αὐτοῦ (3 *a*)
— 24. Ἰαζὴρ ὅρια υἱῶν Ἀ. ἐστι (3 *a*)
22. 36. ἥ ἐστιν ἐπὶ τῶν ὁ. Ἀρνῶν ἥ ἐστιν ἐκ μέρους τῶν ὁ. (3 *a*, 3 *a*)
32. 33. τὴν γῆν καὶ τὰς πόλεις σὺν τοῖς ὁ. αὐ. (3 *b*)
33. 44. ἐν τῷ πέραν ἐπὶ τῶν ὁ. Μ. (3 *a*)
34. 2. γῆ Χαν. σὺν τοῖς ὁ. αὐτῆς (3 *b*)
— 3. ἔσται ὑμῖν τὰ ὅ. πρὸς λίβα (3 *a*)
— 4. κυκλώσει ὑμᾶς τὰ ὅ. (3 *a*)
— 5. κυκλώσει τὰ ὅ. . . . χειμάρρουν Αἰγ. (3 *a*)
— 6. τὰ ὅ. τῆς θαλάσσης ἔσται ὑμῖν (3 *a*)
— 6. τοῦτο ἔσται ὑμῖν τὰ ὅ. [A τὸ ὅ.] τῆς θαλ. (3 *a*)
— 7. τοῦτο ἔσται ὑμῖν τὰ ὅ. (3 *a*)
— 8. ἔσται ἡ διέξοδος αὐ. τὰ ὅ. Σ. (3 *a*)
— 9. ἐξελεύσεται τὰ ὅ. Δ. (3 *a*)
— 9. τοῦτο ἔσται ὑμῖν ὅρια ἀπὸ βορρᾶ (3 *a*)
— 10. καταμετρήσετε . . . τὰ ὅ. ἀνατολῶν (3 *a*)
— 11. καταβήσεται τὰ ὅ. ἀπὸ Σ. (3 *a*)
— 11. καταβήσεται τὰ ὅ. Β. (3 *a*)
— 12. καταβήσεται τὰ ὅ. ἐπὶ τὸν Ἰ. (3 *a*)
— 12. καὶ τὰ ὅ. αὐτῆς κύκλῳ (3 *b*)
35. 26. ἐὰν δὲ ἐξόδῳ ἐξέλθῃ . . . τὰ ὅ. τῆς πόλεως (3 *a*)
— 27. ἔξω τῶν ὁ. τῆς πόλεως (3 *a*)
De. 2. 4. παραπορεύεσθε διὰ τῶν ὁ. (3 *a*)
— 18. παραπορεύῃ σήμερον τὰ ὅ. Μ. (3 *a*)
3. 14. ἕως τῶν ὁ. Γ. (3 *a*)
— 16. A B² R μέσον τοῦ χειμάρρου ὅριον (3 *a*)
— 16. ὁ χειμάρρους ὅριον τοῖς υἱοῖς Ἀ. (3 *a*)
— 17. ὅριον Μαχ. (3 *a*)
11. 24. ἔσται τὰ ὅ. σου (3 *a*)
12. 20. ἐὰν δὲ ἐμπλατύνῃ κ. ὁ θ. σου τὰ ὅ. σου (3 *a*)
16. 4. οὐκ ὀφθήσεταί σοι ζύμη ἐν πᾶσι τοῖς ὁ. σου (3 *a*)
19. 3. τριμερεῖς τὰ ὅ. τῆς γῆς σου (3 *a*)
— 8. ἐὰν δὲ ἐμπλατύνῃ κ. ὁ θ. σου τὰ ὅ. σου (3 *a*)
— 14. οὐ μετακινήσεις ὅρια τοῦ πλησίον (3 *a*)
27. 17. ὁ μετατιθεὶς ὅρια τοῦ πλησίον (3 *a*)
28. 40. ἐλαῖαι ἔσονταί σοι ἐν πᾶσι τοῖς ὁ. σου (3 *a*)
32. 8. A² B ἔστησεν ὅρια ἐθνῶν (3 *b*)
Jo. 1. 4. ἀφ' ἡλίου δυσμῶν ἔσται τὰ ὅ. ὑμῶν (3 *a*)
11. 16. A ἔλαβεν Ἰ. . . . τὸ ὅ. [B ὅρος] Ἰσρ. †
12. 2. ὅρια υἱῶν Ἀμμών (3 *a*)
— 5. ἕως ὁρίων Γεργεσεί . . . ὁρίων Σηών (3 *a*, 3 *a*)
13. 2. ὅρια Φυλιστιείμ (5)
— 3. ἕως τῶν ὁ. Ἀκκαρών (3 *a*)
— 4. ἕως τῶν ὁ. τῶν Ἀ. (3 *a*)
— 10. ἕως τῶν ὁ. υἱῶν Ἀ. (3 *a*)
— 11. καὶ τὰ ὅ. Γεσ. (3 *a*)
— 16. ἐγενήθη αὐτῶν τὰ ὅ. ἀπὸ Ἀ. (3 *a*)
— 23. ἐγένετο δὲ τὰ ὅ. Ἀ. Ἰορδ. ὅριον (3 *a*)
— 25. καὶ ἐγένετο τὰ ὅ. αὐ. Ἰ. (3 *a*)
— 26. ἕως τῶν [A *om.*] ὁ. Δ. (3 *a*)
— 30. ἐγένετο τὰ ὅ. αὐτῶν ἀπὸ Μ. (3 *a*)
— 31. A² ἐγενήθησαν τὰ ὅ. –
Jo. 15. 1. A ἐγένετο τὰ ὅ. φυλῆς Ἰ. . . . ἀπὸ τῶν ὁ. τῆς Ἰδουμαίας ἀπὸ τῶν ὁ. [B τῆς ἐρήμου] Σ. (4, 3 *a*, †)
— 2. καὶ ἐγενήθη αὐτῶν τὰ ὅ. (3 *a*)
— 4. ἔσται αὐτοῦ ἡ διέξοδος τῶν ὁ. (3 *a*)
— 4. τοῦτό ἐστιν αὐ. ὅρια [A τὰ ὅ.] ἀπὸ λιβός (3 *a*)
— 5. καὶ τὰ ὅ. ἀπὸ ἀνατολῶν (3 *a*)
— 5. καὶ τὰ ὅ. αὐ. ἀπὸ βορρᾶ (3 *a*)
— 6. ἐπιβαίνει τὰ ὅ. ἐπὶ Β. (3 *a*)
— 6. προσαναβαίνει τὰ ὅ. ἐπὶ λίθον Β. (3 *a*)
— 7. προσαναβαίνει τὰ ὅ. (3 *a*)
— 8. ἀναβαίνει τὰ ὅ. εἰς φάραγγα Ἐ. (3 *a*)
— 8. διεκβάλλει τὰ ὅ. ἐπὶ κορυφὴν ὄρους (3 *a*)
— 9. διεκβάλλει τὸ ὅ. (3 *a*)
— 9. ἄξει τὸ ὅ. εἰς Β. (3 *a*)
— 10. περιελεύσεται ὅριον ἀπὸ Β. (3 *a*)
— 11. διεκβάλλει τὸ ὅ. κατὰ νότου (3 *a*)
— 11. διεκβάλλει τὰ ὅ. εἰς Σ. (3 *a*)
— 11. παρελεύσεται ὅρια ἐπὶ λίβα [A *al.*] †
— 11. ἔσται ἡ διέξοδος τῶν ὁ. ἐπὶ θάλασσαν (3 *a*)
— 11 (12). καὶ τὰ ὅ. αὐ. ἀπὸ θαλάσσης (3 *a*)
— 12. ταῦτα τὰ ὅ. υἱῶν Ἰούδα (3 *a*)
— 21. ἐγενήθησαν δὲ . . . ἐφ' ὁρίων Ἐ. (3 *a*)
16. 1. ἐγένετο τὰ ὅ. υἱῶν Ἰ. ἀπὸ τοῦ Ἰ. (4)
— 2. παρελεύσεται ἐπὶ τὰ ὅ. τοῦ Ἀ. (3 *a*)
— 3. διελεύσεται . . . ἐπὶ τὰ ὅ. Ἀ. ἕως τῶν ὁ. Β. (3 *a*, 3 *a*)
— 5. ἐγενήθη ὅρια [A τὰ ὅ.] υἱῶν Ἐφ. (3 *a*)
— 5. ἐγενήθη τὰ ὅ. τῆς κληρονομίας αὐ. (3 *a*)
— 6. ἐλεύσεται τὰ ὅ. ἐπὶ τὴν θάλ. (3 *a*)
— 8. πορεύσεται τὰ [A *om.*] ὅ. ἐπὶ θάλασσαν (3 *a*)
17. 1. ἐγένετο τὰ ὅ. φυλῆς υἱῶν Μ. (4)
— 7. ἐγενήθη ὅρια υἱῶν Μ. Δ. (3 *a*)
— 7. πορεύεται ἐπὶ τὰ ὅ. ἐπὶ Ἰ. (3 *a*)
— 8. καὶ Θ. ἐπὶ τῶν ὁ. Μ. (3 *a*)
— 9. Β καταβήσεται τὰ ὅ. (3 *a*)
— 9. καὶ ὅρια Μ. ἐπὶ τὸν βορρᾶν (3 *a*)
— 10. ἔσται ἡ θάλασσα ὅρια αὐτοῖς (3 *a*)
18. 5. Ἰ. στήσεται αὐτοῖς ὅριον ἀπὸ λιβός (3 *a*)
— 11. ἐξῆλθεν ὅρια τοῦ κλήρου αὐ. (3 *a*)
— 12. ἐγενήθη αὐ. τὰ ὅ. ἀπὸ βορρᾶ (3 *a*)
— 12. προσαναβήσεται τὰ ὅ. (3 *a*)
— 13. διελεύσεται ἐκεῖθεν τὰ ὅ. Λ. (3 *a*)
— 13. καταβήσεται τὰ ὅ. Μ. (3 *a*)
— 14. διελεύσεται τὰ ὅ. (3 *a*)
— 15. διελεύσεται ὅρια [A τὰ ὅ.] εἰς Γ. (3 *a*)
— 16. καταβήσεται τὰ ὅ. ἐπὶ μέρους (3 *a*)
— 18. καταβήσεται ἐπὶ τὰ ὅ. [A *om.* ἐ. τ. ὅ.] –
— 19. ἔστωι ἡ διέξοδος τῶν ὁ. (3 *a*)
— 19. ταῦτα τὰ ὅ. ἐστιν ἀπὸ λιβός (3 *a*)
— 20. τὰ ὅ. αὐτῆς κύκλῳ κατὰ δήμους (3 *b*)
19. 10. ἔσται τὰ ὅ. τῆς κληρονομίας αὐ. Ἐ. (3 *a*)
— 11. ὅρια [A τὰ ὅ.] αὐτῶν ἡ θάλασσα (3 *a*)
— 12. ἀνέστρεψεν . . . ἐπὶ τὰ ὅ. Χ. (3 *a*)
— 12. A διελεύσεται ἐπὶ τὰ ὅ. [B *om.* τ. ὅ.] Δ. –
— 14. περιελεύσεται [A *add.* ἐπὶ τὰ] ὅρια (3 *a*)
— 18. ἐγενήθη τὰ ὅ. αὐτῶν Ἰ. (3 *a*)
— 22. συνάψει τὰ ὅ. ἐπὶ Γ. (3 *a*)
— 22. ἔσται αὐτοῦ ἡ διέξοδος τῶν ὁ. (3 *a*)
— 25. ἐγενήθη τὰ ὅ. αὐτῶν ἐξ Ἐλ. (3 *a*)
— 27. εἰσελεύσεται ὅρια [A τὰ ὅ.] Σ. –
— 29. ἀναστρέψει τὰ ὅ. εἰς Ῥ. (3 *a*)
— 29. ἀναστρέψει τὰ ὅ. ἐπὶ Ἰ. (3 *a*)
— 33. ἐγενήθη τὰ ὅ. αὐτῶν Μ. (3 *a*)
— 34. ἐπιστρέψει τὰ ὅ. ἐπὶ θάλασσαν (3 *a*)
— 41. ἐγενήθη τὰ ὅ. αὐτῶν Σ. (3 *a*)
— 46. ὅριον πλησίον Ἰόππης (3 *a*)
— 48. ἔθλιψαν ἀπ' αὐτῶν τὸ ὅ. τῆς μερίδος αὐ. –
— 49. ἐμβατεῦσαι τὴν γῆν κατὰ τὸ ὅ. αὐτῶν (3 *b*)
21. 20. A ἐγενήθη πόλις τῶν ὁ. [B ἱερέων] αὐ. (4)
— 38. ἐγενήθη τὰ ὅ. αἱ πόλεις δέκα δύο (4)
— 40. διαμερίσας τὴν γῆν ἐν τοῖς ὁ. αὐτῶν –
22. 11. B¹ βωμὸν ἐπὶ τῶν ὁ. [AB²R ἐφ' ὁρίων] γῆς Χ. (8)
— 25. ὅρια ἔθηκε κύριος (3 *a*)
24. 30. ἔθαψαν αὐτὸν πρὸς τοῖς ὁ. τοῦ κλήρου αὐ. (3 *a*)
Jd. 1. 18 *ter.* οὐδὲ τὰ ὅ. [A καὶ τὸ ὅ.] αὐτῆς (3 *a*)
— 36. καὶ τὸ ὅ. τοῦ Ἀμ. ἀπὸ τῆς ἀναβάσεως Ἀ. (3 *a*)
2. 9. ἔθαψαν αὐτὸν ἐν ὁρίῳ [A ὄρει] τῆς κληρον. (3 *a*)
7. 24. A B¹ ἐν παντὶ ὁρίῳ [B² R ὄρει] Ἐφρ. †
11. 18. οὐκ εἰσῆλθεν ἐν ὁρίοις [A εἰς τὸ ὅ.] Μ. (3 *a*)
— 18. Ἀρνῶν ὅριον Μωάβ (3 *a*)
— 20. παρελθεῖν ἐν ὁρίῳ αὐτοῦ [A *al.*] (3 *a*)
— 22. A ἐκληρονόμησεν πᾶν τὸ ὅ. τοῦ Ἀμ. (3 *a*)
— 26 *bis.* ἐν τοῖς ὁ. [A ταῖς θυγατράσιν] αὐτῆς (2)
Jd. 19. 29. ἀπέστειλεν αὐτὰ ἐν παντὶ ὁ. Ἰσρ. [A *al.*] (3 *a*)
20. 6. ἐν παντὶ ὁ. κληρονομίας υἱῶν Ἰσρ. (11)
I Ki. 5. 3. ἔπαταξεν . . . τὴν Ἀ. καὶ τὰ ὅ. [A τὸ ὅ.] αὐ. –
6. 9. B εἰ εἰς ὁδὸν ὅριον [A R -ων] αὐ. πορεύσεται (3 *a*)
— 12. ἐπορεύοντο . . . ἕως ὁρίων Βαιθσ. (3 *a*)
7. 13. προσελθεῖν εἰς ὅριον Ἰσρ. (3 *a*)
— 14. τὸ ὅ. Ἰσρ. ἀφείλαντο (3 *a*)
11. 3. ἀποστελοῦμεν ἀγγέλους εἰς πᾶν ὅ. Ἰσρ. (3 *a*)
— 7. ἀπέστειλεν εἰς πᾶν ὅ. Ἰσρ. (3 *a*)
27. 1. τοῦ ζητεῖν με εἰς πᾶν ὅ. Ἰσρ. (3 *a*)
II Ki. 21. 5. τοῦ μὴ ἑστάναι αὐτὸν ἐν παντὶ ὁ. Ἰσρ. (3 *a*)
III Ki. 1. 3. ἐζήτησαν νεάνιδα καλὴν ἐκ παντὸς ὁ. Ἰσρ. (3 *a*)
3. 1 (*cf.* 5. 1). B ἦν ἄρχων . . . ἕως ὁρίων Αἰγύπτου (3 *a*)
4. 21 (5. 1). A ἦν ἐξουσιάζων . . . ἕως ὁρίου Αἰγ. (3 *a*)
9. 13. ἐκάλεσεν αὐτὰς Ὅριον †
10. 26. ἦν ἡγούμενος . . . ἕως ὁρίων Αἰγ. –
IV Ki. 3. 21. ἔστησαν ἐπὶ τοῦ ὁ. (3 *a*)
10. 32. A συγκόπτειν ἐν παντὶ ὁ. [B ἐν τῷ] Ἰσρ. –
— 32. ἐπάταξεν . . . ἐν παντὶ ὁ. Ἰσρ. (3 *a*)
14. 25. ἀπέστησε τὸ ὅ. Ἰσρ. (3 *a*)
15. 16. ἐπάταξε . . . τὰ ὅ. αὐτῆς (3 *a*)
18. 8. ἕως Γ. καὶ ἕως ὁρίου αὐ. (3 *a*)
I Ch. 4. 10. ἐὰν . . . πληθύνῃς τὰ ὅ. μου (3 *a*)
6. 54 (39). ἐν ταῖς κώμαις αὐ. ἐν τοῖς ὁ. αὐ. (3 *a*)
— 66 (51). ἐγένοντο πόλεις τῶν ὁ. αὐ. (3 *a*)
7. 29. καὶ ἕως ὁρίων υἱῶν Μ. (7)
13. 5. ἀπὸ ὁρίων Αἰγ. καὶ ἕως εἰσόδου [A *om.*] Ἠ. †
21. 4. A διῆλθεν ἐν παντὶ ὁ. [R *om.*] Ἰσρ. –
II Ch. 9. 26. καὶ ἕως ὁρίων [A -ου] Αἰγύπτου (3 *a*)
11. 13. συνήχθησαν πρὸς αὐτὸν ἐκ πάντων τῶν ὁ. (3 *a*)
— 23. ἐν πᾶσι τοῖς ὁ. Ἰούδα (1)
To. 14. 10. S μὴ αὐλισθῇς ἐν τοῖς ὁ. αὐ. [A B *al.*]
Ju. 1. 5. A R ἐν [B S *om.*] τοῖς ὁ. [S *om.* τ. ὁ.] Ῥ.
— 10. ἕως τοῦ ἐλθεῖν ἐπὶ τὰ ὅ. τῆς Αἰθ.
— 12. πάντα τὰ ὅ. [A³ ὄρη] τῆς Κιλικίας
— 12. ἕως τοῦ ἐλθεῖν ἐπὶ τὰ δύο ὅ. τῶν δύο θαλ.
2. 10. προκαταλήψῃ μοι πᾶν ὅ. αὐ.
— 25. κατελάβετο τὰ ὅ. [S ὄρη] τῆς Κ.
— 25. ἦλθεν ἕως ὁρίων Ἰ.
3. 8. κατέσκαψε πάντα τὰ ὅ. αὐ.
4. 1. A ἐσκύλευσε πάντα τὰ ὅ. [B S ἱερὰ] αὐ.
— 4. ἀπέστειλαν εἰς πᾶν ὅ. Σαμ.
6. 4. B τὰ ὅ. [A S R ὄρη] αὐ. μεθυσθήσεται
14. 4. πάντες οἱ κατοικοῦντες πᾶν ὅ. Ἰσρ.
15. 4. ἀπέστειλεν . . . εἰς πᾶν ὅ. Ἰσρ.
— 5. ἕως οὗ παρῆλθον Δαμ. καὶ [S κατὰ] τὰ ὅ. αὐ.
16. 5. A S R εἶπεν ἐμπρήσειν τὰ ὅ. [B ὄρη] μου
Jb. 24. 2. ἀσεβεῖς δὲ ὅριον ὑπερέβησαν [A *al.*] (3 *b*)
38. 10. ἐθέμην δὲ αὐτῇ ὅρια (6)
— 20. εἰ ἀγάγοις με εἰς ὅρια αὐτῶν (3 *a*)
42. 18. ἐπὶ τοῖς ὁ. τῆς Ἰδουμαίας καὶ Ἀραβίας –
— 18. A ἐπὶ τῶν ὁ. τοῦ Εὐφράτου –
Ps. 73 (74). 17. σὺ ἐποίησας πάντα τὰ ὅ. τῆς γῆς (3 *b*)
103 (104). 9. ὅριον ἔθου ὃ οὐ παρελεύσονται (3 *a*)
104 (105). 31. καὶ σκνῖπες ἐν πᾶσι τοῖς ὁ. αὐ. (3 *a*)
— 33. συνέτριψε πᾶν ξύλον ὁρίου αὐτῶν (3 *a*)
147. 3 (14). ὁ τιθεὶς τὰ ὅ. σου εἰρήνην (3 *a*)
Pr. 15. 25. ἑστήρισε [S¹ ἔστησεν] δὲ ὅριον χήρας (3 *a*)
22. 28. μὴ μέταιρε ὅρια αἰώνια (3 *a*)
23. 10. μὴ μεταθῇς ὅρια αἰώνια (3 *a*)
Ho. 5. 10. ἐγένοντο οἱ ἄρχοντες Ἰ. ὡς μετατιθέντες ὅρια (3 *a*)
Am. 1. 13. ὅπως ἐμπλατύνωσι τὰ ὅ. ἑαυτῶν (3 *a*)
6. 2. εἰ πλέονα τὰ ὅ. αὐ. ἐστι τῶν ὑμετέρων ὁ. (3 *a*, 3 *a*)
Mi. 5. 6 (5). ὅταν ἐπιβῇ ἐπὶ τὰ ὅ. ὑμῶν (3 *a*)
Jl. 3 (4). 6. ὅπως ἐξώσητε αὐτοὺς ἐκ τῶν ὅ. αὐ. (3 *a*)
Ob. 1. 7. ἕως τῶν ὅ. [A ὅ. σου] ἐξαπέστειλάν σε (3 *a*)
Ze. 2. 8. ἐμεγαλύνοντο ἐπὶ τὰ ὅ. μου (3 *a*)
Hg. 2. 23 (22). A καὶ καταβαλῶ τὰ ὅ. αὐτῶν –
Za. 9. 2. καὶ ἐν Ἠ. ἐν τοῖς ὅ. αὐτῆς Τ. καὶ Σ. (3 *c*)
Ma. 1. 3. ἔταξα τὰ ὅ. αὐτοῦ εἰς ἀφανισμόν †
— 4. καὶ ἐπικληθήσεται αὐτοῖς ὅρια ἀνομίας (3 *a*)
— 5. ἐμεγαλύνθη κ. ὑπεράνω τῶν ὁ. τοῦ Ἰσ. (3 *a*)
Is. 9. 7 (6). τῆς εἰρήνης αὐτοῦ οὐκ ἔστιν ὅ. (10)
10. 13. ἀφελῶ ὅρια ἐθνῶν (3 *b*)

Is. 14. 25. S² καὶ ἐπὶ [A S ἀπὸ] τῶν ὁ. [A B S¹ ὀρέων] μου †
15. 8. συνῆψε γὰρ ἡ βοὴ τὸ ὅ. [A ὅρος] τῆς Μωαβίτιδος (3 a)
19. 19. στήλη πρὸς τὸ ὅ. αὐτῆς τῷ κυρίῳ (3 a)
28. 25. σπείρει πυρὸν . . . ἐν τοῖς ὁ. σου (3 b)
54. 10. S μηδὲ ἐν ἀπειλῇ σου τὰ ὅ. μεταστήσεσθαι [A B al.] †
57. 9. ἀπέστειλας πρέσβεις ὑπὲρ τὰ ὅ. σου †
60. 18. οὐδὲ ταλαιπωρία ἐν τοῖς ὁ. σου (3 a)
Je. 5. 22. τὸν τάξαντα ἄμμον ὅριον τῇ θαλάσσῃ (3 a)
15. 13. καὶ ἐν πᾶσι τοῖς ὁ. σου (3 a)
Ez. 29. 10. καὶ ἕως ὁρίων Αἰθιόπων (3 a)
40. 12. A ὅριον [B om.] ἔνθεν καὶ ἔνθεν (3 a)
43. 12. πάντα τὰ ὅ. αὐ. κυκλόθεν ἅγια ἁγίων (3 a)
45. 1. ἅγιον ἔσται ἐν πᾶσι τοῖς ὁ. αὐ. κυκλόθεν (3 a)
— 7. ὡς μία τῶν μερίδων ἀπὸ τῶν ὁ. τῶν πρὸς θάλασσαν (3 a)
— 7. καὶ τὸ μῆκος ἐπὶ τὰ ὅ. τὰ πρὸς ἀνατολάς (3 a)
47. 13. A R ταῦτα τὰ [B om.] ὅ. κατακληρονομήσετε τῆς γῆς (3 a)
— 15. ταῦτα τὰ ὅ. τῆς γῆς τῆς πρὸς βορρᾶν (3 a)
— 16. ἀνὰ μέσον ὁρίων Δαμασκοῦ καὶ ἀνὰ μέσον ὁρίων Ἡμαθεί [A ἀ. μ. τῶν ὁ. Ἡμὰθ καὶ ἀ. μ. τῶν ὁ. Δ.] . . . ἐπάνω τῶν ὁ. Αὐρανίτιδος (3 a ter)
— 17. ταῦτα τὰ ὅ. ἀπὸ τῆς θαλάσσης ἀπὸ τῆς αὐλῆς τοῦ Αἰνὰν ὅρια Δαμασκοῦ (3 a, 3 a)
— 17. A τὸ ὅ. Αἰμὰθ τὸ ὅ. βορρᾶ (3 a, 9)
48. 1. ὅριον Δαμασκοῦ πρὸς βορρᾶν (3 a)
— 2. ἀπὸ τῶν ὁ. τοῦ Δὰν τὰ πρὸς ἀνατολάς (3 a)
— 3. ἀπὸ τῶν ὁ. Ἀσσήρ (3 a)
— 4. ἀπὸ τῶν ὁ. Νεφθαλίμ (3 a)
— 5. ἀπὸ τῶν ὁ. Μανασσῆ (3 a)
— 6. ἀπὸ τῶν ὁ. Ἐφραΐμ (3 a)
— 7. ἀπὸ τῶν ὁ. Ῥουβήν (3 a)
— 8. ἀπὸ τῶν ὁ. Ἰούδα (3 a)
— 12. ἅγιον ἁγίων ἀπὸ τῶν ὁ. [A ἀπαρχῶν] τῶν Λευιτῶν (3 a)
— 13. τοῖς δὲ Λ. τὰ ἐχόμενα τῶν ὁ. τῶν ἱερέων (3 a)
— 21. ἕως τῶν ὁ. τῶν πρὸς ἀνατολὰς . . . ἕως τῶν ὁ. τῶν πρὸς θάλασσαν [A ἀνατολάς] (3 a, 3 a)
— 22. ἀνὰ μέσον τῶν ὁ. Ἰούδα καὶ ἀνὰ μέσον τῶν ὁ. Βενιαμίν (3 a, 3 a)
— 24. ἀπὸ τῶν ὁ. τῶν Βενιαμίν (3 a)
— 25. ἀπὸ τῶν ὁ. τῶν Συμεών (3 a)
— 26. ἀπὸ τῶν ὁ. τῶν Ἰσσάχαρ (3 a)
— 27. ἀπὸ τῶν ὁ. τῶν Ζαβουλών (3 a)
— 28. ἀπὸ τῶν ὁ. τῶν Γάδ . . . ἔσται τὰ [A om.] ὅ. αὐτοῦ ἀπὸ Θαιμάν (3 a, 3 a)
I Ma. 2. 46. A R ὅσα εὗρον ἐν ὁρίοις [S υἱοῖς] Ἰσρ.
3. 32. ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ Εὐφρ. ἕως τῶν ὁ. Αἰγ.
— 36. ἐν πᾶσι τοῖς ὁ. αὐτῶν
— 42. παρεμβάλλουσιν ἐν τοῖς ὁ. αὐ.
5. 9. τοὺς ὄντας ἐπὶ τοῖς ὁ. αὐ.
— 60. ἐδιώχθησαν ἕως τῶν ὁ. τῆς Ἰ.
6. 25. ἀλλὰ καὶ ἐπὶ πάντα τὰ ὅ. αὐ.
7. 24. ἐξῆλθεν εἰς πάντα τὰ ὅ. τῆς Ἰ.
9. 23. ἐξέκυψαν . . . ἐν πᾶσι τοῖς ὁ. Ἰ.
— 72. ἐλθεῖν εἰς τὰ ὅ. αὐ.
10. 31. Ἱερ. ἤτω ἁγία . . . καὶ τὰ ὅ. αὐ.
— 43. καὶ ἐν πᾶσι τοῖς ὁ. αὐ.
— 89. ἔδωκεν αὐτῷ . . . πάντα τὰ ὅ. αὐ.
11. 34. ἑστάκαμεν οὖν αὐτοῖς τά τε ὅ. τῆς Ἰ.
— 59. ἕως τῶν ὁ. Αἰγύπτου
14. 2. ἦλθε Δ. εἰς τὰ ὅ. αὐ.
— 6. ἐπλάτυνε τὰ ὅ.
— 33. τὴν Β. τὴν ἐπὶ τῶν ὁ. τῆς Ἰ.
— 34. καὶ τὴν Γ. τὴν ἐπὶ τῶν ὁ. Ἀζ.
15. 29. τὰ ὅ. αὐ. ἠρημώσατε
— 30. S R ὃν κατεκυριεύσατε ἐκτὸς [A om.] τῶν ὁ. [A add. τῶν ἑκ] τῆς Ἰ.
[Aq. III Kι. 1. 3 : 4. 21 (5. 1) : Is. 15. 8 (Sw.) : Je. 31 (38). 17 : Ez. 27. 4 : 48. 13.]
[Sm. I Kι. 13. 18 : III Kι. 1. 3 : 4. 21 (5. 1) : Is. 9. 1 (8. 23) : 15. 8 (Sw.) : Ez. 40. 12 : Ho. 5. 1, 10.]
[Th. I Kι. 13. 18 : III Kι. 1. 3 : Is. 15. 8 (Sw.) : Je. 17. 3 (Sw.) : Ez. 40. 12 (Sw.) : 43. 13 : 47. 17 bis.]
[Al. Dt. 2. 30 : I Kι. 5. 6 : Is. 24. 1.]
[Quint. Ho. 5. 10.]

ὁρισμός. (1) אֶסָּר, אֵסָר (2) דָּבָר (3) דָּת (4) כְּתָב

Ex. 8. 12 (8). ἐβόησε . . . περὶ τοῦ ὁ. τῶν βατράχων (2)
Nu. 30. 3. ἢ ὁρίσηται ὁρισμῷ (1)
— 4. ἢ ὁρίσηται ὁρισμόν (1)
— 4 (5). καὶ ἀκούσῃ . . . τοὺς ὁ. αὐτῆς (1)
— 5. πάντες οἱ ὁ. . . . μενοῦσιν αὐτῇ (1)
— 6. ἢ ἂν ἡμ. ἀκούσῃ . . . τοὺς ὁ. (1)
— 8. οἱ ὁ. αὐτῆς . . . στήσονται (1)
— 9. οἱ ὁ. αὐτῆς . . . οὐ μενοῦσιν †
— 11. ἢ ὁ ὁ. κατὰ τῆς ψυχῆς αὐ. (1)
— 12. πάντες οἱ ὁ. αὐ. . . . στήσονται (1)
— 13. κατὰ τοὺς ὁ. τοὺς κατὰ τῆς ψυχῆς αὐ. (1)
— 15. τοὺς ὁ. τοὺς ἐπ' αὐτῆς στήσει (1)
Es. 4. 17. ἐξᾶραι ὁρισμὸν στόματός σου
Si. 33 (36). 8. S σπεῦσον καιρὸν καὶ μνήσθητι ὁρισμοῦ [A B ὁρκισμοῦ]
Da. LXX. 6. 5 (6). στήσωμεν ὁρισμὸν καθ' ἑαυτῶν –
— 7 (8). ὁρισμὸν καὶ στάσιν ἐστήσαμεν (1 ?)
— 10 (11). ἐπιγνοὺς δὲ Δ. τὸν ὁ. (4)
— 12 (13). οὐχ ὁρισμὸν ὡρίσω (1)
— 12 (13). μενεῖ ὁ ὁ. (3 ?)
— 12 (13). ὃς οὐκ ἐνέμεινε τῷ ὁ. τούτῳ –
— 14 (15). κατὰ τὸν ὁ. ὃν ἔστησε κατ' αὐτοῦ –
Da. TH. 6. 7 (8). καὶ ἐνισχῦσαι ὁρισμόν (1)
— 8 (9). στῆσον τὸν [A om.] ὁ. (1)
— 12 (13). οὐχ ὁρισμὸν ἔταξας (1)
— 13 (14). A περὶ τοῦ ὁ. οὗ ἔταξας (1)
— 15 (16). τοῦ πᾶν ὁρισμὸν . . . οὐ δεῖ παραλλάξαι (1)
I Ma. 6. 62. S¹ ἠθέτησε τὸν ὁ. [A S² R ὁρκισμόν]
II Ma. 12. 25. πιστώσαντος δὲ αὐτοῦ . . . τὸν ὁ.
[Sm. Ps. 39 (40). 8.]
[Th. Da. 6. 8, 12†, 13†.]

ὁρκίζειν. (1) שָׁבַע hi.

Ge. 24. 37. καὶ ὥρκισέ με ὁ κύριός μου (1)
50. 5. ὥρκισέ με [A add. πρὸ τοῦ τελευτῆσαι] (1)
— 6. καθάπερ ὥρκισέ σε (1)
— 16. ὁ πατήρ σου ὥρκισε †
— 25. ὥρκισεν Ἰωσὴφ τοὺς υἱοὺς Ἰ. (1)
Ex. 13. 19. ὅρκῳ γὰρ ὥρκισε τοὺς υἱοὺς Ἰ. (1)
Nu. 5. 19. ὁρκιεῖ αὐτὴν ὁ ἱερεύς (1)
— 21. ὁρκιεῖ ὁ ἱερεὺς τὴν γυναῖκα (1)
Jo. 6. 25 (26). ὥρκισεν Ἰ. ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ (1)
I Ki. 14. 27. ἐν τῷ ὁ. τὸν πατέρα αὐ. τὸν λαόν (1)
— 28. ὁρκίσας ὥρκισε τὸν λαόν [A τῷ λ.] (1, 1)
III Ki. 3. 1 (2. 37). ὥρκισεν αὐτὸν ὁ βασ. –
— 1 (2. 42). οὐχὶ ὥρκισά σε (1)
22. 16. A R ὁρκίζω [B ἐξορ.] σε (1)
IV Ki. 11. 4. A καὶ ὥρκισεν αὐτούς [B -κωσε] (1)
II Ch. 18. 15. ποσάκις ὁρκίζω [A -ίσω] σε (1)
36. 13. ἃ ὥρκισεν αὐτὸν κατὰ τοῦ θεοῦ (1)
I Es. 1. 48. ὁρκισθεὶς ἀπὸ τοῦ βασ. Ναβ.
8. 96. ὥρκισε τοὺς φυλάρχους τῶν ἱ.
II Es. 10. 5. ὥρκισε τοὺς ἄρχ. [S om. τ. ἄ.] τοὺς Λ. (1)
Ne. 5. 12. ὥρκισα αὐτοὺς ποιῆσαι (1)
13. 25. ὥρκισα [A ἐνώρκ.] αὐτοὺς ἐν τῷ θεῷ (1)
Ca. 2. 7. ὥρκισα ὑμᾶς . . . ἐν δυνάμεσι . . . τοῦ ἀγροῦ (1)
3. 5. S ταῖς νεανίαις ὁρκίζει ἡ νύμφη –
— 5 : 5. 8. ὥρκισα ὑμᾶς . . . ἐν ταῖς δυνάμεσι . . . τοῦ ἀγροῦ (1)
5. 9. οὕτως ὥρκισας ἡμᾶς (1)
8. 4. ὥρκισα ὑμᾶς . . . ἐν ταῖς ἰσχύσεσι τοῦ ἀγροῦ (1)
Da. LXX. 6. 12 (13). ὁρκίζομέν σε τοῖς Μ. καὶ Π. δόγμασιν –
[Aq. Jo. 2. 17 : III Kι. 22. 16 : Ca. 2. 7.]
[Sm. Ex. 2. 21 : Jo. 2. 17 : III Kι. 22. 16 : Ca. 2. 7.]
[Th. Jo. 2. 17 : I Kι. 20. 17.]
[Al. III Kι. 18. 10 : Je. 5. 7.]
[Quint. Ca. 2. 7.]

ὁρκισμός. (1) אָלָה (2) שְׁבוּעָה

Ge. 21. 31. ἐπωνόμασε τὸ ὄν. τοῦ τόπου ἐκ. Φρέαρ ὁρκισμοῦ (2)
— 32. R ἐν τῷ φρέατι τοῦ ὁ. [A ὅρκου] (2)
24. 41. καὶ ἔσῃ ἀθῷος ἀπὸ τοῦ ὁ. μου (1)
Le. 5. 1. ἐὰν . . . ἀκούσῃ φωνὴν ὁρκισμοῦ (1)
Si. 33 (36). 8. σπεῦσον καιρὸν καὶ μνήσθητι ὁρκισμοῦ [S ὁρισμοῦ]
I Ma. 6. 62. ἠθέτησε τὸν ὁ. [S¹ ὁρισμόν]

ὅρκος. (1) אָלָה (2) a. שְׁבוּעָה, שְׁבֻעָה b. שְׁבוּעָה, שְׁבֻעָה c. שְׁבַע hi. d. בַּעַל שְׁבוּעָה

Ge. 21. 14. κατὰ τὸ φρέαρ τοῦ ὅ. (2 a)
— 32. A τῷ φρέατι τοῦ ὅ. [R ὁρκισμοῦ] (2 a)
— 33. ἐπὶ τῷ φρέατι τοῦ ὅ. (2 a)
22. 19. ἐπορεύθησαν ἐπὶ τὸ φρέαρ τοῦ ὅ. (2 a)
— 19. R ἐπὶ τὸ φρέαρ [A τῷ φρέατι] τοῦ ὅ. (2 a)
24. 8. R καθαρὸς ἔσῃ ἀπὸ τοῦ ὅ. μου [A S τούτου] (2 b)
26. 3. καὶ στήσω τὸν ὅ. μου (2 b)
— 23. ἀνέβη . . . ἐπὶ τὸ φρέαρ τοῦ ὅ. (2 a)
— 33. ἐκάλεσεν αὐτὸ [A τὸ ὄνομα αὐτοῦ] Ὅρκος (2 a)
— 33. ἐκάλεσεν ὄνομα . . . φρέαρ ὅρκου (2 a)
28. 10. ἀπὸ τοῦ φρέατος τοῦ ὅ. (2 a)
46. 1. ἦλθεν ἐπὶ τὸ φρέαρ τοῦ ὅ. (2 a)
— 5. ἀνέστη δὲ Ἰ. ἀπὸ τοῦ φρέατος τοῦ ὅ. (2 a)
Ex. 13. 19. ὅρκῳ γὰρ ὥρκισε τοὺς υἱοὺς Ἰσραήλ (2 c)
22. 11 (10). ὅ. ἔσται τοῦ θεοῦ (2 b)
Le. 5. 4. ὅσα ἐὰν διαστείλῃ . . . μεθ' ὅρκου (2 b)
Nu. 5. 21. A R ὁρκιεῖ . . . ἐν τοῖς ὅ. [B λόγοις] τῆς ἀρᾶς τ. (2 b)
30. 3. ἢ ὀμόσῃ ὅρκον (2 b)
— 11. ἢ ὁ ὁρισμὸς κατὰ τῆς ψυχῆς αὐ. μεθ' ὅρκου (2 b)
— 14. πᾶς ὅ. δεσμοῦ κακῶσαι ψυχήν (2 b)
De. 7. 8. καὶ διατηρῶν τὸν ὅ. (2 b)
Jo. 2. 17. ἀθῷοί ἐσμεν τῷ ὅ. σου τούτῳ (2 b)
— 19. ἡμεῖς δὲ ἀθῷοι τῷ ὅ. σου τούτῳ –
— 20. ἐσόμεθα ἀθῷοι τῷ ὅ. σου τούτῳ (2 b)
9. 20. διὰ τὸν ὅ. ὃν ὠμόσαμεν (2 b)
Jd. 21. 5. ὁ [A om.] ὅ. μέγας ἦν (2 b)
I Ki. 14. 26. ἐφοβήθη ὁ λαὸς τὸν ὅ. κυρίου (2 b)
II Ki. 21. 7. διὰ τὸν ὅ. κυρίου τὸν ἀνὰ μέσον αὐτῶν (2 b)
III Ki. 3. 1 (2. 43). τί ὅτι οὐκ ἐφύλαξας τὸν ὅ. κυρίου (2 b)
I Ch. 16. 16. καὶ τὸν ὅ. αὐ. τῷ Ἰσαάκ (2 b)
II Ch. 15. 15. εὐφράνθησαν πᾶς Ἰ. περὶ τοῦ ὅ. (2 b)
Ne. 6. 18. B¹ πολλοὶ ἐν Ἰ. ὅ. [A B² S R ἔνορκοι] ἦσαν αὐτῷ (2 d)
10. 29 (30). εἰσῆλθοσαν . . . ἐν ὅρκῳ (2 b)
To. 9. 3. S οὐ δύναμαι παραβῆναι τὸν ὅ. αὐ.
Ju. 8. 11. καὶ ἐστήσατε τὸν ὅ.
— 30. ἐπαγαγεῖν ὅρκον ἐφ' ἡμᾶς
Ps. 104 (105). 9. καὶ τοῦ ὅ. [A τῷ ὅ.] αὐτοῦ τῷ Ἰσαάκ (2 b)
Pr. 29. 24. ἐὰν δὲ ὅρκου προτεθέντος ἀκούσαντες μὴ ἀναγγείλωσι (1)
Ec. 8. 2. περὶ λόγου ὅρκου θεοῦ [A S om.] μὴ σπουδάσῃς (2 b)
9. 2. ὡς ὁ ὀμνύων καθὼς ὁ τὸν ὅ. φοβούμενος (2 b)
Wi. 12. 21. ὧν τοῖς πατράσιν ὅρκους . . . ἔδωκας ἀγαθῶν ὑποσχέσεων
18. 6. οἷς ἐπίστευσαν ὅρκοις
— 22. ὅρκους πατέρων καὶ διαθήκας ὑπομνήσας
Si. 23. 9. ὅρκῳ μὴ ἐθίσῃς τὸ στόμα σου
44. 21. ἐν ὅρκῳ ἔστησεν αὐτῷ
Am. 5. 5. ἐπὶ τὸ φρέαρ τοῦ ὅ. μὴ διαβαίνετε [A ἀναβ.] (2 a)
Za. 8. 17. καὶ ὅρκον ψευδῆ μὴ ἀγαπᾶτε (2 b)
Je. 11. 5. ὅπως στήσω τὸν ὅ. μου (2 b)
Da. LXX. 9. 11. ἐπῆλθεν ἐφ' ἡμᾶς . . . ὁ ὅ. (2 b)
11. 18. ἐπιστρέψει ὀργὴν ὀνειδισμοῦ αὐ. ἐν ὅρκῳ –
Da. TH. 9. 11. ἐπῆλθεν ἐφ' ἡμᾶς . . . ὁ ὅ. (2 b)
I Ma. 7. 18. παρέβησαν γὰρ . . . τὸν ὅ.
II Ma. 4. 34. δεξιὰς μεθ' ὅρκων δούς
7. 24. ἀλλὰ καὶ δι' ὅρκων ἐπίστου
14. 32. τῶν δὲ μεθ' ὅρκων φασκόντων
15. 10. παρεπιδεικνὺς . . . τὴν τῶν ὅ. παράβασιν
III Ma. 5. 42. ἀτελέστατον ἐβεβαίωσεν ὅρκον
IV Ma. 5. 29. S R μὰ τοὺς ἱεροὺς . . . ὅ. [A al.]
[Aq. Is. 65. 15.]
[Sm. I Kι. 20. 17 : Ps. 101 (102). 9 : Ec. 8. 2 : Is. 65. 15 : Ho. 10. 4.]
[Th. Is. 65. 15 : Je. 29 (36). 18 : 44 (51). 12 : Ez. 16. 59.]
[Al. Le. 7. 16 : 22. 21 : Nu. 15. 3.]

ὁρκοῦν. (1) שָׁבַע hi.

IV Ki. 11. 4. καὶ ὥρκωσε [A -κισεν αὐτούς] (1)

ὁρκωμοσία. (1) אָלָה

I Es. 9. 93. γινέσθω ἡμῖν ὁρκωμοσία
Ez. 17. 18. ἠτίμωσεν ὁρκωμοσίαν (1)
— 19. ἐὰν μὴ τὴν ὁ. μου . . . δώσω αὐτὴν εἰς κεφαλὴν αὐτοῦ (1)

ὁρμᾶν. (1) חוּשׁ hi. (2) פָּנָה (3) פָּשַׁט (4) שׂוּם אֶת־פָּנָיו (5) שׁוּב (6) ὁ. τοῦ θέσθαι עִיט

Ge. 31. 21. καὶ ὥρμησεν εἰς τὸ ὄρος (4)
Nu. 16. 42 (17. 7). ὥρμησαν ἐπὶ τὴν σκηνὴν τοῦ μαρτ. (2)
Jo. 4. 18. ὥρμησε τὸ ὕδωρ τοῦ Ἰ. κατὰ χώραν (5)
6. 5. εἰσελεύσεται πᾶς ὁ λαὸς ὁρμήσας –
Jd. 20. 37. A τὸ ἔνεδρον ὥρμησεν [B ἐκινήθη] (1)
I Ki. 15. 19. ὥρμησας τοῦ θέσθαι ἐπὶ τὰ σκῦλα (6)
Na. 3. 16. βροῦχος ὥρμησε καὶ ἐξεπετάσθη (3)
Hb. 1. 8. καὶ ὁρμήσουσι μακρόθεν †
Is. 5. 29. A S ὁρμῶσιν [B ὀργιῶσιν] ὡς λέοντες †
Je. 4. 28. ὥρμησα καὶ οὐκ ἀποστρέψω ἀπ' αὐτῆς –
II Ma. 9. 2. τῶν πληθῶν ὁρμησάντων ἐπὶ τὴν . . . βοήθειαν
10. 16. ἐπὶ τὰ τῶν Ἰ. ὀχυρώματα ὥρμησαν
12. 20. R ἐπὶ τὸν Τ. ὥρμησεν [A -αν]
— 22. R εἰς φυγὴν [A -γεῖν] ὥρμησαν
— 29. ὥρμησαν ἐπὶ Σκυθῶν πόλιν
— 32. ὥρμησαν ἐπὶ Γοργίαν
[Aq. Ps. 77 (78). 26: Je. 6. 1.]
[Sm. I Ki. 16. 13: Je. 8. 6: Ez. 1. 20.]
[Th. Je. 48 (31). 40: Ez. 23. 5.]

ὁρμή. (1) חֵמָה (2) מַשָּׂא (3) פֶּלֶג (4) קֶצֶף (5) שְׂאָה (6) שְׁעָטָה

Nu. 11. 11. ἐπιθεῖναι τὴν ὁ. [A ὀργὴν] τοῦ λαοῦ τ. ἐπ' ἐμέ (2)
— 17. συναντιλήψονται . . . τὴν ὁ. τοῦ λαοῦ (2)
Pr. 3. 25. οὐδὲ ὁρμὰς ἀσεβῶν ἐπερχομένας (5)
21. 1. ὥσπερ ὁρμὴ ὕδατος (3)
Za. 7. 12. A ἐγένετο ὁ. [B S ὀργὴ] μεγάλη παρὰ κυρίου (4)
Je. 29 (47). 3. ἀπὸ φωνῆς ὁρμῆς αὐτοῦ (6)
Ez. 3. 14. ἐπορεύθην [A *add.* μετέωρος] ἐν ὁρμῇ τοῦ πνεύματός μου (1)
Da. TH. 8. 6. ἐν ὁρμῇ τῆς ἰσχύος αὐ. (1)
III Ma. 1. 16. τὴν ὁ. τοῦ κακῶς ἐπιβαλλομ. μεταθεῖναι
— 23. τὴν ὁ. ἐπὶ τὰ ὅπλα ποιήσασθαι
4. 5. ἀνατροπῆς ὁρμῇ βιαίας
[Aq. Je. 38. 34: Ez. 3. 14 (P.).]
[Sm. Ge. 3. 17 (16): 4. 7: Je. 38. 34: Ca. 8. 6 *bis*: Ez. 1. 12.]
[Th. Nu. 11. 11: Je. 38. 34: Ez. 3. 14 (P.): 23. 11.]

ὅρμημα. (1) דְּאָה (2) עֶבְרָה (3) פֶּלֶג

Ex. 32. 22. σὺ γὰρ οἶδας τὸ ὅ. τοῦ λαοῦ τούτου †
De. 28. 49. ὡσεὶ ὅρμημα ἀετοῦ (1)
Ps. 45 (46). 4. τοῦ ποταμοῦ τὰ ὁ. εὐφραίνουσι τὴν πόλιν τοῦ θεοῦ (3)
Ho. 5. 10. ἐπ' αὐτοὺς ἐκχεῶ ὡς ὕδωρ τὸ ὅ. μου (2)
Am. 1. 11. καὶ τὸ ὅ. αὐτοῦ ἐφύλαξεν εἰς νῖκος (2)
Hb. 3. 8. A B S[2] ἢ ἐν θαλάσσῃ τὸ ὅ. σου (2)
I Ma. 4. 8. τὸ ὅ. αὐ. μὴ δειλωθῆτε
— 30. ὁ συντρίψας τὸ ὅ. τοῦ δυνατοῦ
6. 33. ἀπῆρε τὴν παρεμβολὴν ἐν ὁρμήματι αὐ.
— 47. S R ἴδον . . . τὸ ὅ. [A τὰ ὁ.] τῶν δυνάμεων
[Aq. Ps. 86 (87). 4: Is. 30. 7: 51. 9.]
[Sm. Ez. 23. 20: Ho. 5. 10.]

ὁρμίσκος. (1) חֲלִי (2) חֲרוּזִים (3) מַשְׁבִּצוֹת (4) נְטִיפוֹת (5) פְּתִיל

Ge. 38. 18. τὸν δακτύλιόν σου καὶ τὸν ὁ. (5)
— 25. ὁ δακτύλιος καὶ ὁ ὁ. καὶ ἡ ῥάβδος (5)
Jd. 8. 26. A πλὴν . . . τῶν ὁ. ἐνδῴῳ [B *al.*] (4?)
Pr. 25. 11. μῆλον χρυσοῦν ἐν ὁρμίσκῳ σαρδίου (3)
Ca. 1. 10. τράχηλός σου ὡς ὁρμίσκοι [A -ος] (2)
7. 1 (2). ῥυθμοὶ μηρῶν σου ὅμοιοι ὁρμίσκοις (1)
[Sm. Ca. 4. 9.]

ὅρμος. (1) חוֹמָה (2) חוֹף

Ge. 49. 13. κατοικήσει . . . παρ' ὅρμον πλοίων (2)
Ez. 27. 11. τὰς φαρέτρας αὐτῶν ἐκρέμασαν ἐπὶ τῶν ὅ. σου κύκλῳ (1)
IV Ma. 13. 6. τοῖς εἰσπλέουσι τὸν ὅ.

ὄρνεον. (1) עוֹף (2) עַיִט (3) *a.* צִפּוֹר *b.* צִפֳּר (4) קָאַת

Ge. 6. 20. ἀπὸ πάντων τῶν ὀρνέων τῶν πετεινῶν (1)
7. 14. R καὶ πᾶν ὄρνεον [A *om.*] πετεινόν (1)
9. 2. R πάντα τὰ πετεινὰ [A ὄρνεα] τοῦ οὐρανοῦ (1)
Ge. 9. 10. καὶ πάσῃ ψυχῇ . . . μεθ' ὑμῶν ἀπὸ ὀρνέων (1)
15. 10. τὰ δὲ ὄρνεα οὐ διεῖλε (3 *a*)
— 11. κατέβη δὲ ὄρνεα ἐπὶ τὰ σώματα (2)
40. 19. φάγεται τὰ ὄ. τοῦ οὐρανοῦ (1)
De. 4. 17. ὁμοίωμα παντὸς ὀ. πτερωτοῦ (3 *a*)
14. 11. πᾶν ὄ. καθαρὸν φάγεσθε (3 *a*)
22. 6. ἐὰν δὲ συναντήσῃς νοσσιᾷ ὀρνέων (3 *a*)
32. 24. τηκόμενοι . . . βρώσει ὀρνέων †
Jb. 40. 24 (29). παίξῃ δὲ ἐν [A καὶ ἐμπαίξεις] αὐτῷ ὥσπερ ὀρνέῳ (3 *a*)
Pr. 6. 5. ὥσπερ ὄρνεον ἐκ παγίδος (3 *a*)
7. 23. σπεύδει δὲ ὥσπερ ὄρνεον εἰς παγίδα (3 *a*)
9. 12. A B ὁ δ' αὐτὸς διώξεται ὄρνεα πετόμενα –
26. 2. ὥσπερ ὄρνεα πέταται καὶ στρουθοί (3 *a*)
27. 8. ὥσπερ ὅταν ὄρνεον καταπετασθῇ ἐκ τῆς ἰδίας νοσσιᾶς (3 *a*)
Ec. 9. 12. ὡς ὄρνεα τὰ θηρευόμενα ἐν παγίδι (3 *a*)
Wi. 5. 11. ὡς ὀρνέου διϊπτάντος ἀέρα
17. 18. ἢ περὶ ἀμφιλαφεῖς κλάδους ὀρνέων [A ἢ ὀρ.] ἦχος εὐμελής
19. 11. εἶδον καὶ νέαν γένεσιν ὀρνέων
Ho. 9. 11. Ἐφραὶμ ὡς ὄρνεον ἐξεπετάσθη (1)
11. 11. B[2] R ἐκστήσονται [A B[1] ἐκπτήσ.] ὡς ὄρνεον ἐξ Αἰγ. (3 *a*)
Am. 3. 5. εἰ πεσεῖται ὄρνεον ἐπὶ τῆς γῆς ἄνευ ἰξευτοῦ (3 *a*)
Is. 31. 5. ὡς ὄρνεα πετόμενα (3 *a*)
34. 11. ὄρνεα καὶ ἐχῖνοι καὶ ἴβεις καὶ κόρακες (4)
35. 7. ἐκεῖ εὐφροσύνη ὀρνέων †
Ba. 3. 17. οἱ ἐν τοῖς ὀ. τοῦ οὐρανοῦ ἐμπαίζοντες
Ep. Je. 22. ἐφίπτανται . . . τὰ ὄ.
— 71. ἐφ' ἧς πᾶν ὄ. ἐπικάθηται
Ez. 17. 23. ἀναπαύσεται ὑποκάτω αὐτοῦ πᾶν ὄ. [A θηρίον] (3 *a*)
39. 4. δοθήσονται εἰς πλήθη ὀρνέων (3 *a*)
— 17. εἰπὸν παντὶ ὀρνέῳ πετεινῷ (3 *a*)
Da. TH. 4. 9. κατῴκουν τὰ ὄ. τοῦ οὐρανοῦ (3 *b*)
— 11. καὶ τὰ ὄ. ἀπὸ τῶν κλάδων αὐ. (3 *b*)
— 18. κατεσκήνουν [A -ῴκουν] τὰ ὄ. τοῦ οὐρ. (3 *b*)
— 30. καὶ οἱ ὄνυχες αὐ. ὡς ὀρνέων (3 *b*)
II Ma. 15. 33. ἔφη κατὰ μέρος δώσειν τοῖς ὀ.
IV Ma. 1. 34. ἐνύδρων ἐπιθυμοῦντες καὶ ὀρνέων
[Aq. Ps. 83 (84). 4: 103 (104). 17: Ez. 17. 23.]
[Sm., Th. Ez. 17. 23.]

ὀρνίζειν (?).

[Aq. Is. 38. 14.]

ὀρνίθιον. (1) צִפּוֹר

Le. 14. 4. λήψονται . . . δύο ὀρνίθια ζῶντα (1)
— 5. σφάξουσι τὸ ὀ. τὸ ἓν εἰς ἀγγεῖον (1)
— 6. καὶ τὸ ὀ. τὸ ζῶν λήψεται αὐτό (1)
— 6. βάψει αὐτὰ καὶ τὸ ὀ. τὸ ζῶν εἰς τὸ αἷμα τοῦ ὀ. τοῦ σφαγέντος (1, 1)
— 7. ἐξαποστελεῖ τὸ ὀ. τὸ ζῶν εἰς τὸ πεδίον (1)
— 49. δύο ὀρνίθια ζῶντα καθαρά (1)
— 50. σφάξει τὸ ὀ. τὸ ἓν εἰς σκεῦος (1)
— 51. λήψεται . . . τὸ ὀ. τὸ ζῶν (1)
— 51. εἰς τὸ αἷμα τοῦ ὀ. τοῦ ἐσφαγμένου (1)
— 52. ἐν τῷ αἵματι τοῦ ὀ. (1)
— 52. καὶ ἐν τῷ ὀ. τῷ ζῶντι (1)
— 53. ἐξαποστελεῖ τὸ ὀ. τὸ ζῶν ἔξω (1)

ὀρνιθοσκοπεῖν. (1) עָנַן po.

Le. 19. 26. οὐδὲ ὀρνιθοσκοπήσεσθε [A -πηθήσ.] (1)

ὄρνις. (1) ὅ. ἐκλεκταί בַּרְבָּרִים

III Ki. 3. 1 (4. 23) (5. 3). B ἐκτὸς . . . ὀ. ἐκλεκτῶν νομάδων (1)
4. 23 (5. 3). ἐκτὸς . . . ὀ. ἐκλεκτῶν [A *al.*] (1)
[Aq., Sm., Th. Is. 46. 11.]

ὄρος. (1) גִּבְעָה (2) *a.* הוֹר *b.* הַר (3) טוּר (4) מָרוֹם (5) צוּר (6) שְׁפִי (7) הָדָר

Ge. 7. 19. ἐκάλυψε πάντα τὰ ὄ. τὰ ὑψηλά (2 *b*)
— 20. ἐπεκάλυψε πάντα τὰ ὄ. τὰ ὑψηλά (2 *b*)
8. 3 (4). ἐκάθισεν . . . ἐπὶ τὰ ὄρη τὰ Ἀρ. (2 *b*)
— 5. ὤφθησαν αἱ κεφαλαὶ τῶν ὀ. (2 *b*)
10. 30. εἰς Σαφηρὰ ὄρος ἀνατολῶν (2 *b*)
12. 8. ἀπέστη ἐκεῖθεν εἰς τὸ ὄ. (2 *b*)
14. 6. τοὺς Χορραίους τοὺς ἐν τοῖς ὄ. Σηείρ (2 *b*)
19. 17. εἰς τὸ ὄ. σώζου (2 *b*)
— 19. οὐ δυνήσομαι διασωθῆναι εἰς τὸ ὄ. (2 *b*)
— 30. ἐκάθητο ἐν τῷ ὄ. (2 *b*)
22. 2. ἀνένεγκε αὐτὸν ἐκεῖ . . . ἐφ' ἓν τῶν ὀ. (2 *b*)
Ge. 22. 14. ἐν τῷ ὄ. κύριος ὤφθη (2 *b*)
31. 21. καὶ ὥρμησεν εἰς τὸ ὄ. Γαλαάδ (2 *b*)
— 23. κατέλαβεν αὐτὸν ἐν τῷ ὄ. Γαλαάδ (2 *b*)
— 25. ἔπηξε τὴν σκηνὴν αὐτοῦ ἐν τῷ ὄ. (2 *b*)
— 25. ἔστησε τοὺς ἀδ. αὐ. ἐν τῷ ὄ. Γαλαάδ (2 *b*)
— 54. ἔθυσε θυσίαν ἐν τῷ ὄ. (2 *b*)
— 54. καὶ ἐκοιμήθησαν ἐν τῷ ὄ. (2 *b*)
36. 8. κατῴκησε δὲ Ἠσαῦ ἐν τῷ ὄ. Σηείρ (2 *b*)
— 9. αἱ γενέσεις Ἠσαῦ . . . ἐν τῷ ὄ. Σηείρ (2 *b*)
49. 26. R ὑπὲρ εὐλογίας ὀρέων μονίμων [A B *al.*] (2 *a*)
Ex. 3. 1. καὶ ἦλθεν εἰς τὸ ὄ. Χωρήβ (2 *b*)
— 12. λατρεύσετε τῷ θεῷ ἐν τῷ ὄ. τούτῳ (2 *b*)
4. 27. συνήντησεν αὐτῷ ἐν τῷ ὄ. τοῦ θεοῦ (2 *b*)
15. 17. εἰς ὄρος κληρονομίας σου (2 *b*)
18. 5. ἐπ' ὄρους [A εἰς τὸ ὄρος] τοῦ θεοῦ (2 *b*)
19. 2. παρενέβαλεν ἐκεῖ Ἰσρ. κατέναντι τοῦ ὄ. (2 *b*)
— 3. ἀνέβη εἰς τὸ ὄ. τοῦ θεοῦ –
— 3. ἐκάλεσεν αὐτὸν ὁ θεὸς ἐκ τοῦ ὄ. (2 *b*)
— 11. ἐπὶ τὸ ὄ. τὸ [A *om.*] Σινά (2 *b*)
— 12. τοῦ ἀναβῆναι εἰς τὸ ὄ. (2 *b*)
— 12. πᾶς ὁ ἁψάμενος τοῦ ὄ. (2 *b*)
— 13. ὅταν . . . ἡ νεφέλη ἀπέλθῃ ἀπὸ τοῦ ὄ. –
— 13. ἐκείνοι ἀναβήσονται ἐπὶ τὸ ὄ. (2 *b*)
— 14. κατέβη δὲ Μ. ἐκ [A ἀπὸ] τοῦ ὄ. (2 *b*)
— 16. καὶ ἐγένοντο φωναὶ . . . ἐπ' ὄρους Σινά (2 *b*)
— 17. παρέστησαν ὑπὸ τὸ ὄ. (2 *b*)
— 18. τὸ δὲ ὄ. τὸ [A *om.*] Σινὰ ἐκαπνίζετο (2 *b*)
— 20. κατέβη . . . ἐπὶ τὸ ὄ. τὸ [A *om.*] Σινά (2 *b*)
— 20. ἐπὶ τὴν κορυφὴν τοῦ ὄ. (2 *b*)
— 20. ἐκάλεσε . . . ἐπὶ τὴν κορυφὴν τοῦ ὄ. (2 *b*)
— 23. προσαναβῆναι πρὸς τὸ ὄ. τὸ Σινά (2 *b*)
— 23. ἀφόρισαι τὸ ὄ. (2 *b*)
20. 18. ἑώρα . . . τὸ ὄ. τὸ καπνίζον (2 *b*)
24. 4. ᾠκοδόμησε θυσιαστήριον ὑπὸ τὸ ὄ. (2 *b*)
— 12. ἀνάβηθι πρὸς μὲ εἰς τὸ ὄ. (2 *b*)
— 13. ἀνέβησαν εἰς [A ἐπὶ] τὸ ὄ. (2 *b*)
— 15. ἀνέβη Μ. καὶ Ἰησοῦς εἰς τὸ ὄ. (2 *b*)
— 15. καὶ ἐκάλυψεν ἡ νεφέλη τὸ ὄ. (2 *b*)
— 16. κατέβη . . . ἐπὶ τὸ ὄ. τὸ [A *om.*] Σινά (2 *b*)
— 17. ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ ὄ. (2 *b*)
— 18. καὶ ἀνέβη εἰς τὸ ὄ. (2 *b*)
— 18. καὶ ἦν ἐκεῖ ἐν τῷ ὄ. (2 *b*)
25. 8 (9). κατὰ πάντα ὅσα σοι δεικνύω ἐν τῷ ὄ. –
— 39 (40). τὸν τύπον τὸν δεδειγμένον σοι ἐν τῷ ὄ. (2 *b*)
26. 30. τὸ εἶδος τὸ δεδειγμένον σοι ἐν τῷ ὄ. (2 *b*)
27. 8. κατὰ τὸ παραδειχθέν σοι ἐν τῷ ὄρει (2 *b*)
31. 18. λαλῶν αὐτῷ ἐν τῷ ὄ. τῷ Σινά (2 *b*)
32. 1. καταβῆναι ἐκ τοῦ ὄ. (2 *b*)
— 12. ἐξήγαγεν αὐτοὺς ἀποκτεῖναι ἐν τοῖς ὄ. (2 *b*)
— 15. κατέβη ἀπὸ τοῦ ὄ. (2 *b*)
— 19. συνέτριψεν αὐτὰς ὑπὸ τὸ ὄ. (2 *b*)
33. 6. ἀπὸ τοῦ ὄ. τοῦ [A *om.*] Χωρήβ (2 *b*)
34. 1. ἀνάβηθι πρὸς μὲ εἰς τὸ ὄ. –
— 2. ἀναβήσῃ ἐπὶ [A εἰς] τὸ ὄ. τὸ Σινά (2 *b*)
— 2. στήσῃ μοι ἐκεῖ ἐπ' ἄκρου τοῦ ὄ. (2 *b*)
— 3. μηδὲ ὀφθήτω ἐν παντὶ τῷ ὄ. (2 *b*)
— 3. μὴ νεμεσθωσαν πλησίον τοῦ ὄ. ἐκείνου (2 *b*)
— 4. ἀνέβη εἰς τὸ ὄ. τὸ Σινά (2 *b*)
— 29. ἐκ [A ἀπὸ] τοῦ ὄ. [A *add.* Σινά] (2 *b*)
— 29. καταβαίνοντος δὲ αὐτοῦ ἐκ [A ἀπὸ] τοῦ ὄ. (2 *b*)
— 32. ἐνετείλατο . . . ἐν τῷ ὄ. Σ. (2 *b*)
Le. 7. 28 (38). ἐνετείλατο κ. . . . ἐν τῷ ὄ. Σ. (2 *b*)
19. 26. μὴ ἔσθετε ἐπὶ τῶν ὀ. †
25. 1. ἐλάλησε κύριος . . . ἐν τῷ ὄ. Σ. (2 *b*)
26. 46. ὃν ἔδωκε κύριος . . . ἐν τῷ ὄ. Σ. (2 *b*)
27. 34. ἃς ἐνετείλατο κύριος . . . ἐν τῷ ὄ. Σ. (2 *b*)
Nu. 3. 1. ἐλάλησε κύριος τῷ Μ. ἐν ὄρει [A τῷ ὄ.] Σ. (2 *b*)
10. 33. ἐξῆραν ἐκ τοῦ ὄ. κυρίου (2 *b*)
13. 19 (17). ἀναβήσεσθε εἰς τὸ ὄ. (2 *b*)
14. 40. εἰς [A ἐπὶ] τὴν κορυφὴν τοῦ ὄ. (2 *b*)
— 44. ἐπὶ τὴν κορυφὴν τοῦ ὄ. (2 *b*)
— 45. ὁ ἐγκαθήμενος ἐν τῷ ὄ. ἐκείνῳ (2 *b*)
20. 19 *bis*. παρὰ τὸ ὄ. παρελευσόμεθα †
— 22. παρεγένοντο εἰς Ὠρ τὸ ὄ. (2 *b*)
— 23. εἶπε κύριος . . . ἐν Ὠρ τῷ ὄ. (2 *b*)
— 25. ἀναβίβασον αὐτοὺς εἰς Ὠρ τὸ ὄ. (2 *b*)
— 27. ἀνεβίβασεν αὐτὸν εἰς Ὠρ τὸ ὄ. (2 *b*)
— 28. ἀπέθανεν Ἀ. ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ ὄ. (2 *b*)
— 28. κατέβη Μ. καὶ Ἐλ. ἐκ τοῦ ὄ. (2 *b*)
21. 4. ἀπάραντες ἐξ Ὠρ τοῦ ὄ. (2 *b*)
23. 7. μετεπέμψατό με . . . ἐξ ὀρέων (2 *b*)
— 9. ἀπὸ κορυφῆς ὀρέων ὄψομαι αὐτόν (5)

Nu. 27. 12. ἀνάβηθι εἰς τὸ ὄ. . . . τοῦτο τὸ [A B² om.] ὄ. N. (2 b, –)
— 13. καθὰ προσετέθη 'Α. . . . ἐν τῷ *Ωρ τῷ ὄ. –
28. 6. ἡ γενομένη ἐν τῷ ὄ. Σ. (2 b)
33. 32. παρενέβαλον εἰς τὸ [A om.] ὄ. Γ. †
— 33. ἀπῆραν ἐκ τοῦ ὄ. Γ. †
— 37. παρενέβαλον εἰς *Ωρ τὸ ὄ. (2 b)
— 38. A πλησίον τοῦ ὄ. (2 b)
— 39. ὅτε ἀπέθνησκεν ἐν *Ωρ τῷ ὄ. (2 b)
— 41. ἀπῆραν ἐξ *Ωρ. τοῦ ὄ. (2 b)
— 47. παρενέβαλον ἐπὶ τὰ ὄ. τὰ 'Αβ. (2 b)
— 48. ἀπῆραν ἀπὸ ὀρέων 'Αβ. (2 b)
34. 7. καταμετρήσετε . . . παρὰ τὸ ὄ. τὸ ὄ. [A om. τὸ ὄ.] (2 a, 2 b)
— 8. ἀπὸ τοῦ ὄ. τὸ ὄ. καταμετρήσετε αὐτοῖς (2 a, 2 b)
De. 1. 2. ὁδὸς ἐπ' ὄρος Σ. (2 b)
— 6. κατοικεῖν ἐν τῷ ὄ. τούτῳ (2 b)
— 7. εἰσπορεύεσθε εἰς ὄρος 'Αμορραίων . . . εἰς ὄρος καὶ πεδίον (2 b, 2 b)
— 19. ὁδὸν ὄρους τοῦ 'Αμορραίου (2 b)
— 20. ἤλθατε ἕως τοῦ [A om.] ὄ. τοῦ 'Αμορραίου (2 b)
— 24. ἀνέβησαν εἰς τὸ ὄ. (2 b)
— 31. B ὁδὸν ὄρους τοῦ 'Αμ. –
— 41. ἀνεβαίνετε εἰς τὸ ὄ. (2 b)
— 43. ἀνέβητε εἰς τὸ ὄ. (2 b)
— 44. ὁ κατοικῶν ἐν τῷ ὄ. ἐκείνῳ (2 b)
2. 1. ἐκυκλώσαμεν τὸ ὄ. τὸ [A om.] Σ. (2 b)
— 3. ἱκανούσθω ὑμῖν κυκλοῦν τὸ ὄ. τοῦτο (2 b)
— 5. δέδωκα . . . τὸ ὄ. τὸ Σηείρ (2 b)
— 36. καὶ ἕως ὄρους τοῦ Γ. –
3. 12. καὶ τὸ ἥμισυ τοῦ [B¹ om.] ὄρους Γαλ. (2 b)
— 25. ὄψομαι . . . τὸ ὄ. τοῦτο [B¹ om.] τὸ ἀγαθόν (2 b)
4. 11. ἔστητε ὑπὸ τὸ ὄ. (2 b)
— 11. τὸ ὄ. ἐκαίετο πυρί (2 b)
— 12. A B² ἐλάλησε κ. πρὸς ὑμᾶς ἐν τῷ ὄ. [B¹ R om. ἐν τ. ὄ.] –
— 15. ᾗ ἐλάλησε κ. . . . ἐν τῷ ὄ. –
— 48. ἥ ἐστιν . . . ἐπὶ τοῦ ὄ. τοῦ Σ. (2 b)
5. 4. ἐλάλησε κύριος . . . ἐν τῷ ὄ. [A om. ἐν τ. ὄ.] (2 b)
— 5. οὐκ ἀνέβητε εἰς τὸ ὄ. (2 b)
— 22 (19). ἐλάλησε κύριος . . . ἐν τῷ ὄ. (2 b)
— 23 (20). τὸ ὄ. ἐκαίετο πυρί (2 b)
8. 7. ἐκπορευόμεναι . . . διὰ τῶν ὀ. (2 b)
— 9. ἐκ τῶν ὀ. αὐτῆς μεταλλεύσεις χαλκόν (2 b)
9. 9. ἀναβαίνοντός μου εἰς τὸ ὄ. (2 b)
— 9. κατεγινόμην ἐν τῷ ὄ. (2 b)
— 10. οὓς ἐλάλησε κύριος . . . ἐν τῷ ὄ. (2 b)
— 15. κατέβην ἐκ τοῦ ὄ. (2 b)
— 15. τὸ ὄ. ἐκαίετο πυρί (2 b)
— 21. τὸν χειμάρρουν τὸν καταβαίνοντα ἐκ [A ἀπὸ] τοῦ ὄ. (2 b)
10. 1. ἀνάβηθι πρὸς μὲ εἰς τὸ ὄ. (2 b)
— 3. ἀνέβην εἰς τὸ ὄ. (2 b)
— 4. οὓς ἐλάλησε κύριος . . . ἐν τῷ ὄ. (2 b)
— 5. κατέβην ἐκ τοῦ ὄ. (2 b)
— 10. εἱστήκειν ἐν τῷ ὄ. (2 b)
11. 29. δώσεις εὐλογίαν ἐπ' ὄρος Γαρ. καὶ τὴν κατάραν ἐπ' ὄρος Γαιβάλ (2 b, 2 b)
12. 2. ἐπὶ τῶν ὀ. τῶν ὑψηλῶν (2 b)
27. 4. στήσετε τοὺς λίθους τούτους . . . ἐν ὄρει Γ. (2 b)
— 12. οὗτοι στήσονται . . . ἐν ὄρει Γαρ. (2 b)
— 13. οὗτοι στήσονται . . . ἐν ὄρει Γαιβάλ (2 b)
32. 22. φλέξει θεμέλια ὀρέων (2 b)
— 49. ἀνάβηθι εἰς τὸ ὄ. τὸ 'Αβ. τοῦτο ὄ. N. (2 b, 2 b)
— 50. τελεύτα ἐν τῷ ὄ. (2 b)
— 50. ἀπέθανεν 'Α. . . . ἐν *Ωρ τῷ ὄ. (2 b)
33. 2. κατέσπευσεν ἐξ ὄρους Φ. (2 b)
— 13. A ἀπὸ ὀρέων [B ὡρῶν] οὐρανοῦ †
— 15. ἀπὸ κορυφῆς ὀρέων ἀρχῆς (2 b)
34. 1. ἀνέβη M. . . . ἐπὶ τὸ ὄ. N. (2 b)
Jo. 2. 23. κατέβησαν ἐκ τοῦ ὄ. (2 b)
8. 24. τοὺς ἐν τοῖς πεδίοις καὶ ἐν τῷ ὄ. †
9. 2 (8. 30). ᾠκοδόμησεν 'Ι. . . . ἐν ὄρει Γ. (2 b)
— 2 (8. 33). οἱ ἦσαν ἥμισυ πλησίον ὄρους Γαρ. (2 b)
— 2 (8. 33). οἱ ἦσαν ἥμισυ πλησίον ὄρους Γαιβ. (2 b)
11. 3. καὶ Ἰεβουσαίους τοὺς ἐν τῷ ὄ. (2 b)
— 16. ἔλαβεν 'Ι. . . . τὸ ὄ. [A ὅριον] 'Ισρ. (2 b)
— 17. τὰ πρὸς τῷ ὄ. ἀπὸ ὄρους [A om. ἀ. ὄ.] 'Α. (–, 2 b)
— 17. τὰ πεδία τοῦ Λιβ. ὑπὸ τὸ ὄ. τὸ 'Α. (2 b)
— 21. A ἐξωλέθρευσε . . . ἐκ παντὸς ὄ. [B γένους] 'Ισρ. καὶ ἐκ παντὸς ὄ. 'Ιούδα (2 b, 2 b)
Jo. 12. 1. ἀπὸ φάραγγος 'Αρνὼν ἕως τοῦ ὄ. 'Α. (2 b)
— 5. ἄρχων ἀπὸ ὄρους 'Α. (2 b)
— 7. B ἕως τοῦ ὄ. [A R ἕ. ὄ. τ.] Χελχά (2 b)
— 8. ἐν τῷ ὄ. καὶ ἐν τῷ πεδίῳ (2 b)
13. 5. ἀπὸ Γ. ὑπὸ τὸ ὄ. τὸ 'Α. (2 b)
— 11. πᾶν ὄ. 'Αερμών (2 b)
— 19. καὶ Σ. ἐν τῷ ὄ. 'Ενάβ (2 b)
14. 12. αἰτοῦμαί σε τὸ ὄ. τοῦτο (2 b)
15. 8. διεκβάλλει τὰ ὅρια ἐπὶ κορυφὴν ὄρους (2 b)
— 9. διεκβάλλει τὸ ὅριον ἀπὸ κορυφῆς τοῦ ὄ. (2 b)
— 9. διεκβάλλει εἰς τὸ ὄ. [A δ. ὄρους] 'Ε. (2 b)
— 10. παρελεύσεται εἰς ὄρος 'Α. [A al.] (2 b)
— 11. A παρελεύσεται ὄρος γῆς B. [B al.] (2 b)
17. 15. εἰ στενοχωρεῖ σε τὸ ὄ. τὸ [A om.] 'Εφ. (2 b)
— 16. οὐκ ἀρέσκει ἡμῖν τὸ ὄ. (2 b)
18. 12. ἀναβήσεται ἐπὶ τὸ ὄ. (2 b)
— 14. B¹ παρελεύσεται ἐπὶ τὸ ὄ. [A B² R μέρος] †
— 14. ἀπὸ τοῦ ὄ. ἐπὶ πρόσωπον B. λίβα (2 b)
— 16. A καταβήσεται τὰ ὅρια ἐπὶ μέρους τοῦ ὄ. [B om. τ. ὄ.] (2 b)
19. 48. τὸν θλίβοντα αὐτοὺς ἐν τῷ ὄ. –
— 50. ἥ ἐστιν ἐν τῷ ὄ. 'Εφ. (2 b)
20. 7. τὴν Κάδης . . . ἐν τῷ ὄ. τῷ Νεφθ. (2 b)
— 7. καὶ Συχὲμ ἐν τῷ ὄ. τῷ 'Εφ. (2 b)
— 7. αὕτη ἐστὶ Χ. ἐν τῷ ὄ. τῷ 'Ι. (2 b)
21. 11. αὕτη ἐστὶ Χ. ἐν τῷ ὄ. 'Ι. [A τῷ 'Ι.] (2 b)
— 40. ἔδωκαν αὐτῷ ἐν τῷ ὄ. 'Εφρ. –
24. 4. ἔδωκα τῷ 'Η. τὸ ὄ. τὸ Σηείρ (2 b)
— 30. ἔθαψαν αὐτὸν . . . ἐν τῷ ὄ. τῷ [A om.] 'Εφρ. ἀπὸ βορρᾶ τοῦ ὄ. τοῦ [A om.] Γ. (2 b, 2 b)
— 33. ἣν ἔδωκεν αὐτῷ ἐν τῷ ὄ. τῷ 'Εφρ. (2 b)
Jd. 1. 19. ἐκληρονόμησε τὸ ὄ. (2 b)
— 34. ἐξέθλιψεν ὁ 'Αμ. τοὺς υἱοὺς Δὰν εἰς τὸ ὄ. (2 b)
— 35. κατοικεῖν ἐν τῷ ὄ. τῷ ὀστρακώδει [A al.] (2 b)
2. 9. A ἔθαψαν αὐτὸν ἐν ὄρει [B ὁρίῳ] τῆς κληρον. αὐτοῦ . . . ἐν ὄρει 'Εφρ. ἀπὸ βορρᾶ τοῦ ὄ. Γ. (†, 2 b, 2 b)
3. 3. ἀπὸ τοῦ ὄ. τοῦ 'Α. ἕως Λ. (2 b)
— 27. ἐσάλπισεν . . . ἐν τῷ ὄ. 'Εφρ. (2 b)
— 27. κατέβησαν . . . ἀπὸ τοῦ ὄ. (2 b)
4. 5. ἐκάθητο . . . ἐν τῷ [A om.] ὄ. 'Εφρ. (2 b)
— 6. ἀπελεύσῃ εἰς ὄρος Θ. (2 b)
— 12. ἀνέβη B. . . . εἰς ὄρος Θ. (2 b)
— 14. κατέβη B. κατὰ [A ἀπὸ] τοῦ ὄ. Θ. (2 b)
5. 5. ὄρη ἐσαλεύθησαν (2 b)
6. 2. τὰς τρυμαλιὰς τὰς ἐν τοῖς ὄ. [A al.] (2 b)
— 26. A ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ ὄ. M. [B al.] –
7. 3. ἐκχωρείτω ἀπὸ ὄρους Γ. [A al.] (2 b)
— 24. B² R ἐν παντὶ ὄ. [A B¹ ὁρίῳ] 'Εφρ. (2 b)
9. 7. ἔστη ἐπὶ κορυφὴν [A add. τοῦ] ὄρους Γ. (2 b)
— 25. ἐπὶ τὰς κεφαλὰς τῶν ὀ. (2 b)
— 36. λαὸς καταβαίνει ἀπὸ τῶν κεφαλῶν τῶν ὀ. [A al.] (2 b)
— 36. τὴν σκιὰν τῶν ὀ. σὺ βλέπεις [A ὁρᾶς] (2 b)
— 48. ἀνέβη 'Αβ. εἰς ὄρος 'Ε. (2 b)
10. 1. ᾤκει [A κατῴκει] . . . ἐν ὄρει 'Εφρ. (2 b)
11. 37. καταβήσομαι ἐπὶ τὰ ὄ. (2 b)
— 38. ἔκλαυσεν . . . ἐπὶ τὰ ὄ. (2 b)
12. 14 (15). ἐτάφη . . . ἐν ὄρει τοῦ 'Αμ. (2 b)
16. 3. ἀνέβη ἐπὶ τὴν κορυφὴν τοῦ ὄ. (2 b)
17. 1. ἐγένετο ἀνὴρ ἀπὸ [A ἐξ] ὄρους 'Εφρ. (2 b)
— 8. ἦλθεν ἕως ὄρους [A ἐγενήθη εἰς ὄρος] 'Εφρ. (2 b)
18. 2. ἦλθον ἕως ὄρους [A παρεγένοντο εἰς ὄρος] 'Εφρ. (2 b)
— 13. παρῆλθον ἐκεῖθεν ὄρος 'Εφρ. [A al.] (2 b)
19. 1. παροικῶν ἐν μηροῖς ὄρους 'Εφρ. (2 b)
— 16. ὁ ἀνὴρ ἦν ἐξ ὄρους 'Εφρ. (2 b)
— 18. ἕως μηρῶν [A add. ἕως] ὄρους 'Εφρ. (2 b)
I Ki. 1. 1. ἄνθρωπος ἦν . . . ἐξ ὄρους 'Εφρ. (2 b)
9. 4. διῆλθον δι' ὄρους 'Εφρ. (2 b)
10. 2. εὑρήσεις δύο ἄνδρας . . . ἐν τῷ ὄ. Βεν. †
13. 2. B ἦσαν . . . ἐν τῷ ὄ. B. (2 b)
14. 22. οἱ κρυπτόμενοι ἐν τῷ ὄ. 'Εφρ. (2 b)
— 23. B ἦν ὁ πόλεμος διεσπαρμένος . . . ἐν τῷ ὄ. τῷ [A R om.] 'Εφρ. –
17. 3. ἵστανται ἐπὶ τοῦ ὄ. ἐνταῦθα (2 b)
— 3. 'Ισρ. ἵσταται ἐπὶ τοῦ ὄ. ἐνταῦθα (2 b)
23. 14. A ἐκάθητο ἐν τῇ ἐρήμῳ ἐν τῷ ὄ. Ζ. εἰς ὄ. τὸ αὐχμῶδες [B al.] (–, 2 b)
— 15. καὶ Δ. ἐν τῷ ὄ. τῷ αὐχμώδει †
— 26. πορεύονται . . . ἐκ μέρους [A μέσου] τοῦ ὄ. ἐκ τούτου καὶ ἦν Δ. . . . ἐκ μέρους [A μέσου] τοῦ ὄ. [B² om.] ἐκ τούτου (2 b, 2 b)
I Ki. 25. 20. καταβαινούσης ἐν σκέπῃ τοῦ ὄ. (2 b)
26. 13. ἔστη ἐπὶ τὴν κορυφὴν τοῦ ὄ. μακρόθεν (2 b)
— 20. καθὼς καταδιώκει ὁ νυκτικόραξ ἐν τοῖς ὄ. (2 b)
31. 1. πίπτουσι τραυματίαι ἐν τῷ ὄ. τῷ Γ. (2 b)
— 8. πεπτωκότας ἐπὶ τὰ ὄ. Γ. (2 b)
II Ki. 1. 6. περιέπεσαν ἐν τῷ ὄ. τῷ Γ. (2 b)
— 21. ὄρη τὰ ἐν Γ. (2 b)
13. 34. ἐκ πλευρᾶς τοῦ ὄ. ἐν τῇ καταβάσει (2 b)
— 34. ἐκ τῆς ὁδοῦ τῆς 'Ω. [A τῶν ὀρέων ἦν?] ἐκ μέρους τοῦ ὄ. †, –
16. 13. ἐπορεύετο ἐκ πλευρᾶς τοῦ ὄ. (2 b)
20. 21. ἀνὴρ ἐξ ὄρους 'Εφρ. (2 b)
21. 9. ἐξηλίασαν αὐτοὺς ἐν τῷ ὄ. (2 b)
III Ki. 3. 1 (5. 29). ὀγδοήκ. χιλιάδες λατόμων [A om. ὀ. χ. λ.] ἐν τῷ ὄ. (2 b)
4. 8. B. υἱὸς *Ωρ ἐν ὄρει 'Εφρ. [A al.] (2 b)
5. 15 (29). ὀγδοήκ. χιλιάδες λατόμων ἐν τῷ ὄ. (2 b)
11. 7. A ἐν τῷ ὄ. ὃ ἐπὶ πρόσωπον 'Ιερ. (2 b)
— 43. B εἰς τὴν γῆν Σ. τὴν ἐν ὄρει 'Εφρ. –
12. 24. B ἦν ἄνθρωπος ἐξ ὄρους 'Εφρ. –
— 24. B τὴν Σ. τὴν ἐν ὄρει 'Εφρ. –
— 24. B εἰς γῆν Σ. τὴν ἐν ὄρει 'Εφρ. –
— 24. B εἰς Σίκ. τὴν ἐν ὄρει 'Εφρ. –
— 25. τὴν Σίκ. τὴν ἐν ὄρει 'Εφρ. (2 b)
16. 24. ἐκτήσατο Ζ. τὸ ὄ. τὸ Σεμ. παρὰ Σ. τοῦ κυρίου τοῦ ὄ. (2 b, –)
— 24. ᾠκοδόμησε τὸ ὄ. (2 b)
— 24. ἐπεκάλεσαν τὸ ὄνομα τοῦ ὄ. †
— 24. ἐπὶ τῷ ὀνόματι Σ. τοῦ κυρίου τοῦ ὄ. (2 b)
18. 19. συνάθροισον . . . πάντα 'Ισρ. εἰς [A πρὸς τὸ] ὄ. τὸ Καρμ. (2 b)
— 20. ἐπισυνήγαγε . . . εἰς ὄ. τὸ Καρμ. (2 b)
19. 8. ἐπορεύθη . . . ἕως ὄρους [A add. τοῦ θεοῦ τοῦ] Χ. (2 b)
— 11. στήσῃ ἐνώπιον κυρίου ἐν τῷ ὄ. (2 b)
— 11. πνεῦμα μέγα κραταιὸν διαλῦον ὄρη (2 b)
21 (20). 23. θεὸς ὀρέων θεὸς 'Ισρ. (2 b)
— 28. θεὸς ὀρέων κ. ὁ θεὸς 'Ισρ. (2 b)
22. 17. διεσπαρμένον ἐν τοῖς ὄ. (2 b)
IV Ki. 1. 9. ἐκάθητο ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ ὄ. (2 b)
2. 16. ἔρριψεν αὐτὸν . . . ἐφ' ἓν τῶν ὀ. (2 b)
— 25. ἐπορεύθη ἐκεῖθεν εἰς τὸ ὄ. τὸ Καρμ. (2 b)
4. 24 (25). ἐλεύσῃ . . . εἰς τὸ ὄ. τὸ Καρμ. (2 b)
— 25. R ἦλθεν . . . εἰς τὸ ὄ. –
— 27. ἦλθε πρὸς 'Ελ. εἰς τὸ ὄ. (2 b)
5. 22. ἦλθον . . . δύο παιδάρια ἐξ ὄρους 'Εφρ. (2 b)
6. 17. καὶ ἰδοὺ τὸ ὄ. πλῆρες ἵππων (2 b)
19. 23. ἀναβήσομαι [A ἀνέβην] εἰς ὕψος ὀρέων (2 b)
— 31. καὶ ἀνασωζόμενος ἐξ ὄρους Σ. (2 b)
23. 13. τὸν ἐκ δεξιῶν τοῦ ὄ. τοῦ μ. (2 b)
I Ch. 4. 42. ἐπορεύθησαν εἰς ὄρος Σ. (2 b)
5. 23. κατῴκησαν . . . ὄρος 'Α. (2 b)
6. 67 (52). τὴν Σ. . . . ἐν ὄρει 'Εφρ. (2 b)
10. 1. ἔπεσον τραυματίαι ἐν ὄρει Γ. (2 b)
— 8. πεπτωκότας ἐν τῷ ὄ. Γ. (2 b)
12. 8. ὡς δορκάδες ἐπὶ τῶν ὀ. τῷ τάχει (2 b)
II Ch. 2. 2 (1). ὀγδοήκ. χιλιάδας λατόμων ἐν τῷ ὄ. (2 b)
3. 1. τοῦ οἰκοδομεῖν τὸν οἶκον κ. . . . ἐν ὄρει τοῦ 'Αμ. (2 b)
13. 4. ἀνέστη 'Α. ἀπὸ τοῦ ὄ. Σ. ὅ ἐστιν ἐν τῷ ὄ. 'Εφ. (2 b, 2 b)
15. 8. ὧν κατέσχεν ἐν ὄρει 'Εφρ. (2 b)
18. 16. διεσπαρμένους ἐν τοῖς ὄ. (2 b)
19. 4. ἀπὸ B. ἕως ὄρους 'Εφρ. (2 b)
20. 10. υἱοὶ 'Α. καὶ M. καὶ ὄρος Σ. (2 b)
— 22. ἐπὶ Μωὰβ καὶ ὄρος Σηείρ (2 b)
— 23. A² B ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας ὄρος Σ. (2 b)
27. 4. πόλεις ᾠκοδόμησεν ἐν ὄρει 'Ι. (2 b)
30. 10. διαπορευόμενοι . . . ἐν τῷ ὄ. 'Εφ. †
33. 15. ἃ ᾠκοδόμησεν ἐν ὄρει οἴκου κυρίου (2 b)
I Es. 4. 4. κατεργάζονται τὰ ὄ.
Ne. 8. 15. ἐξέλθετε εἰς τὸ ὄ. (2 b)
9. 13. ἐπὶ ὄρος Σ. κατέβης (2 b)
To. 1. 5. S ἐπὶ πάντων ὀ. τῆς Γαλ.
— 21. ἔφυγον εἰς τὰ ὄ. 'Αρ.
5. 6. S² κεῖνται γὰρ ἐν τῷ ὄ.
— 9. S τὰ ὄ. καὶ πάσας τὰς ὁδοὺς αὐτῆς
Ju. 1. 12. A³ πάντα τὰ ὄρη [A¹ B S ὅρια] τῆς Κιλ.
— 15. ἔλαβε τὸν 'Αρφ. ἐν τοῖς ὄ. 'Ρ.
2. 21. πλησίον τοῦ ὄ. τοῦ ἐπ' ἀριστερᾷ
— 25. S προκατελάβετο τὰ ὄ. τῆς Κ. [A B al.]
4. 5. πάσας τὰς κορυφὰς τῶν ὀ. τῶν ὑψηλῶν
5. 1. ἐτείχισαν πᾶσαν κορυφὴν ὄ. ὑψηλοῦ
6. 4. A S R τὰ ὄ. [B ὅρια] αὐ. μεθυσθήσεται
— 12 bis. ἐπὶ τὴν κορυφὴν τοῦ ὄ.

Ju. 6. 13. ὑποδύσαντες ὑποκάτω τοῦ ὄ.
— 13. ἀφῆκαν ἐρριμμένον ὑπὸ τὴν ῥίζαν τοῦ ὄ.
7. 4. οὔτε τὰ ὄ. τὰ ὑψηλὰ . . . ὑποστήσονται
— 10. ἀλλ' ἐπὶ τοῖς ὕψεσι τῶν ὄ. αὐ.
— 10. προσβῆναι ταῖς κορυφαῖς τῶν ὀ. αὐ.
— 12. ἡ ἐκπορεύεται ἐκ τῆς ῥίζης τοῦ ὄ.
— 13. ἀναβησόμεθα ἐπὶ τὰς πλησίον κορυφὰς τῶν ὀ.
10. 10. ἕως οὗ κατέβη τὸ ὄ.
13. 10. προσανέβησαν τὸ ὄ. [S πρ. πρὸς] B.
14. 11. ἐπὶ τὰς ἀναβάσεις τοῦ ὄ. [B¹ om. τ. ὄ.]
16. 4. ἦλθεν 'Α. ἐξ ὀρέων
— 5. B εἶπεν ἐμπρήσειν τὰ ὄ. [A S R ὅριά] μου
— 15. ὄρη γὰρ ἐκ θεμελίων . . . σαλευθήσεται
Jb. 5. 6. οὐδὲ ἐξ ὀρέων ἀναβλαστήσει πόνος †
9. 5. ὁ παλαιῶν ὄρη καὶ οὐκ οἴδασιν (2 b)
14. 18. καὶ πλὴν ὄρος πίπτον διαπεσεῖται (2 b)
18. 4. ἡ καταστραφήσεται ὄρη [A ἡ γῆ] ἐκ θεμελίων (5)
24. 8. ἀπὸ ψεκάδων ὀρέων ὑγραίνονται (2 b)
28. 9. κατέστρεψε δὲ ἐκ ῥιζῶν ὄρη (2 b)
29. 6. τὰ δὲ ὄ. μου ἐχέοντο γάλακτι (5)
39. 8. κατασκέψεται ὄρη νομὴν αὐτοῦ (2 b)
40. 15 (20). ἐπελθὼν δὲ ἐπ' ὄρος ἀκρότομον (2 b)
Ps. 2. 6. ἐπὶ Σιὼν ὄρος τὸ ἅγιον αὐτοῦ (2 b)
3. 4. ἐπήκουσέ μου ἐξ ὄρους ἁγίου αὐ. (2 b)
10 (11). 2. μεταναστεύου ἐπὶ τὰ ὄ. ὡς στρουθίον (2 b)
14 (15). 1. τίς κατασκηνώσει ἐν τῷ [A S² om.] ὄ. τῷ ἁγίῳ σου (2 b)
17 (18). 7. τὰ θεμέλια τῶν ὀ. ἐταράχθησαν (2 b)
23 (24). 3. τίς ἀναβήσεται εἰς τὸ ὄ. τοῦ κυρίου (2 b)
35 (36). 6. ἡ δικαιοσύνη σου ὡς ὄρη θεοῦ (2 b)
41 (42). 6. καὶ Ἑρμωνιεὶμ ἀπὸ ὄρους μικροῦ (2 b)
42 (43). 3. ἤγαγόν με εἰς ὄρος ἅγιόν σου (2 b)
45 (46). 2. ἐν τῷ . . . μετατίθεσθαι ὄρη ἐν καρδίαις θαλασσῶν (2 b)
— 3. ἐταράχθησαν τὰ ὄ. ἐν τῇ κραταιότητι αὐ. (2 b)
47 (48). 1. S²R μέγας κύριος . . . ἐν [ABS¹ om.] ὄρει ἁγίῳ αὐτοῦ (2 b)
— 2. ὄρη Σιὼν τὰ πλευρὰ τοῦ βορρᾶ (2 b)
— 11. εὐφρανθήτω τὸ ὄ. Σιών (2 b)
49 (50). 10. κτήνη ἐν τοῖς ὄ. καὶ βόες (2 b)
64 (65). 6. ἑτοιμάζων ὄρη ἐν τῇ ἰσχύϊ σου [S αὐτοῦ] (2 b)
— 12. πιανθήσεται τὰ ὄ. [S² ὡραῖα] τῆς ἐρήμου †
67 (68). 15. ὄρος τοῦ θεοῦ ὄρος πῖον ὄρος τετυρωμένον ὄρος πῖον (2 b quater)
— 16. ἵνα τί ὑπολαμβάνετε ὄρη τετυρωμένα (2 b)
— 16. τὸ ὄ. ὃ εὐδόκησεν ὁ θεὸς κατοικεῖν ἐν αὐτῷ (2 b)
71 (72). 3. ἀναλαβέτω τὰ ὄ. εἰρήνην τῷ λαῷ σου (2 b)
— 16. ἔσται στήριγμα ἐν τῇ γῇ ἐπ' ἄκρων τῶν ὀ. (2 b)
73 (74). 2. ὄρος Σιὼν τοῦτο ὃ κατεσκήνωσας ἐν αὐτῷ (2 b)
74 (75). 6. SR οὔτε ἀπὸ ἐρήμων ὀρέων [B om.] (2 b)
75 (76). 4. φωτίζεις σὺ θαυμαστῶς ἀπὸ ὀρέων αἰωνίων (2 b)
77 (78). 54. εἰσήγαγεν αὐτοὺς εἰς ὄρος ἁγιάσματος αὐτοῦ ὄρος τοῦτο ὃ ἐκτήσατο ἡ δεξιὰ αὐτοῦ (†, 2 b)
— 68. τὸ ὄ. τὸ Σιὼν ὃ ἠγάπησε (2 b)
79 (80). 10. ἐκάλυψεν ὄρη ἡ σκιὰ αὐτῆς (2 b)
82 (83). 14. ὡσεὶ φλὸξ κατακαύσαι ὄρη (2 b)
86 (87). 1. οἱ θεμέλιοι αὐτοῦ ἐν τοῖς ὄ. τοῖς ἁγίοις (2 b)
89 (90). 2. πρὸ τοῦ ὄρη γενηθῆναι [S¹ ἑδρασθῆναι] (2 b)
94 (95). 4. τὰ ὕψη τῶν ὀ. αὐτοῦ ἐστιν (2 b)
96 (97). 5. τὰ ὄ. ὡσεὶ κηρὸς ἐτάκησαν ἀπὸ προσώπου κυρίου (2 b)
97 (98). 8. τὰ ὄ. ἀγαλλιάσονται (2 b)
98 (99). 9. προσκυνεῖτε εἰς ὄρος ἅγιον αὐτοῦ (2 b)
103 (104). 6. ἐπὶ τῶν ὀ. στήσονται ὕδατα (2 b)
— 8. ἀναβαίνουσιν ὄρη (2 b)
— 10. ἀνὰ μέσον τῶν ὀ. διελεύσονται ὕδατα (2 b)
— 13. ποτίζων ὄρη ἐκ τῶν ὑπερῴων αὐτοῦ (2 b)
— 18. ὄρη τὰ ὑψηλὰ ταῖς ἐλάφοις (2 b)
— 32. ὁ ἁπτόμενος τῶν [S² om.] ὀ. καὶ καπνίζονται (2 b)
113 (114). 4. τὰ ὄ. ἐσκίρτησαν ὡσεὶ κριοί (2 b)
— 6. τὰ ὄ. ὅτι ἐσκιρτήσατε ὡσεὶ κριοί (2 b)
120 (121). 1. ἦρα τοὺς ὀφθαλμούς μου εἰς τὰ ὄρη (2 b)
124 (125). 1. οἱ πεποιθότες ἐπὶ κύριον ὡς ὄρος Σιών (2 b)
— 2. ὄρη κύκλῳ αὐτῆς (2 b)
132 (133). 3. ὡς δρόσος 'Α. ἡ καταβαίνουσα ἐπὶ τὰ ὄ. Σιών (2 b)
Ps. 143 (144). 5. ἅψαι τῶν ὀ. καὶ καπνισθήσονται (2 b)
146 (147). 8. τῷ ἐξανατέλλοντι ἐν ὄρεσι χόρτον (2 b)
148. 9. τὰ ὄ. καὶ πάντες βουνοί (2 b)
Pr. 8. 25. πρὸ τοῦ ὄρη ἑδρασθῆναι (2 b)
Ca. 2. 8. οὗτος ἥκει πηδῶν ἐπὶ τὰ ὄρη (2 b)
— 9. ὅμοιός ἐστιν ἀδελφιδός μου . . . νεβρῷ ἐλάφων ἐπὶ τὰ [S om.] ὄρη Βαιθήλ –
— 17. ὁμοιώθητι σὺ . . . νεβρῷ ἐλάφων ἐπὶ ὄρη κοιλωμάτων (2 b)
4. 6. πορεύσομαι ἐμαυτῷ πρὸς τὸ ὄ. τῆς σμύρνης (2 b)
— 8. ἀπὸ ὀρέων παρδάλεων (2 b)
8. 14. B ὁμοιώθητι τῇ δορκάδι . . . ἐπὶ ὄρη [A S τὰ ὄ.] ἀρωμάτων (2 b)
Wi. 9. 8. οἰκοδομῆσαι ναὸν ἐν ὄρει ἁγίῳ σου
17. 19. ἢ ἀνανακλωμένη ἐκ κοιλότητος ὀρέων ἠχώ
Si. 16. 19. ἅμα τὰ ὄ. καὶ τὰ θεμέλια τῆς γῆς
24. 13. ὡς κυπάρισσος ἐν ὄρεσιν [A ὄρει] 'Α.
43. 4. τριπλασίως [A -ιον] ἥλιος ἐκκαίων ὄρη
— 16. ἐν ὀπτασίαις αὐτοῦ σαλευθήσεται ὄρη [A S al.]
— 21. καταφάγεται ὄρη καὶ ἔρημον ἐκκαύσει
50. 12. S¹ ἐν δὲ τῷ δέχεσθαι μέλη ἐκ χειρῶν ὀρέων [A B S² ἱερέων]
— 26. οἱ καθήμενοι ἐν ὄρει Σαμαρείας
Ho. 4. 13. ἐπὶ τὰς κορυφὰς τῶν ὀ. ἐθυσίαζον (2 b)
10. 8. ἐροῦσι τοῖς ὄ. (2 b)
Am. 3. 9. συνάχθητε ἐπὶ τὸ ὄρος Σαμαρείας (2 b)
4. 1. δαμάλεις τῆς B. αἱ ἐν τῷ ὄ. τῆς Σ. (2 b)
— 3. ἀπορριφήσεσθε εἰς τὸ ὄ. τὸ 'Ρ. †
6. 1. οὐαὶ . . . τοῖς πεποιθόσιν ἐπὶ τὸ ὄ. Σ. (2 b)
9. 13. καὶ ἀποσταλάξει τὰ ὄρη γλυκασμόν (2 b)
Mi. 1. 4. σαλευθήσεται τὰ ὄ. ὑποκάτωθεν αὐτοῦ (2 b)
2. 9. ἐγγίσατε ὄρεσιν αἰωνίοις †
3. 12. καὶ τὸ ὄ. τοῦ οἴκου εἰς [A ὡς] ἄλσος δρυμοῦ (2 b)
4. 1. ἔσται . . . ἐμφανὲς τὸ ὄρος τοῦ κ. (2 b)
— 1. ἕτοιμον ἐπὶ τὰς κορυφὰς τῶν ὀρέων (2 b)
— 2. δεῦτε ἀναβῶμεν εἰς τὸ ὄρος κυρίου (2 b)
— 7. βασιλεύσει κύριος ἐπ' αὐτοὺς ἐν ὄρει Σιών (2 b)
6. 1. ἀνάστηθι κρίθητι πρὸς τὰ ὄρη (2 b)
— 2. R ἀκούσατε ὄρη [A βουνοὶ, B λαοὶ] τὴν κρίσιν τοῦ κ. (2 b)
7. 12. καὶ ἀπὸ ὄρους [A τοῦ ὄ.] ἕως τοῦ [B² om.] ὄρους (2 b, 2 b)
Jl. 2. 1. κηρύξατε ἐν ὄρει ἁγίῳ μου (2 b)
— 2. χυθήσεται ἐπὶ τὰ ὄ. λαὸς πολύς (2 b)
— 5. ἐπὶ τὰς κορυφὰς τῶν ὀ. ἐξαλοῦνται (2 b)
— 32 (3. 5). ἐν τῷ ὄ. Σ. . . . ἔσται ἀνασωζόμενος (2 b)
3 (4). 17. ὁ κατασκηνῶν ἐν Σ. ὄρει ἁγίῳ μου (2 b)
— 18. ἀποσταλάξει τὰ ὄ. γλυκασμόν (2 b)
Ob. 1. 8. ἀπολῶ . . . σύνεσιν ἐξ ὄρους 'Ησαῦ (2 b)
— 9. ὅπως ἐξαρθῇ ἄνθρωπος ἐξ ὄρους 'Ησαῦ (2 b)
— 16. ὃν τρόπον ἔπιες ἐπὶ τὸ ὄ. τὸ ἅγιόν μου (2 b)
— 17. ἐν δὲ τῷ ὄ. Σ. ἔσται σωτηρία (2 b)
— 19. κατακληρονομήσουσιν οἱ ἐν ναγὲβ τὸ ὄ. τοῦ 'Η. (2 b)
— 19. κατακληρονομήσουσιν τὸ ὄ. 'Εφραὶμ †
— 21. ἀναβήσονται ἀνασωζόμενοι [A ἄνδρες σεσωσμένοι] ἐξ ὄρους Σ. τοῦ ἐκδικῆσαι τὸ ὄ. 'Ησαῦ (2 b, 2 b)
Jn. 2. 7. ἔδυ ἡ κεφαλή μου εἰς σχισμὰς ὀρέων (2 b)
Na. 1. 5. τὰ ὄ. ἐσείσθησαν (2 b)
— 15 (2. 1). ἰδοὺ ἐπὶ τὰ ὄ. οἱ πόδες εὐαγγελιζομένου (2 b)
3. 10. ἐπ' ἀρχὰς πασῶν τῶν ὁδῶν [S¹ ὀρέων] αὐ. †
— 18. ἀπῆρεν ὁ λαός σου ἐπὶ τὰ ὄ. (2 b)
Hb. 3. 3. ἥξει . . . ὁ ἅγιος ἐξ ὄρους Φ. (2 b)
— 6. διεθρύβη τὰ ὄ. βίᾳ (2 b)
Ze. 3. 11. τοῦ μεγαλαυχῆσαι ἐπὶ τὸ ὄ. τὸ ἅγιόν μου (2 b)
Hg. 1. 8. ἀνάβητε εἰς [AS³ ἐπὶ] τὸ [S¹ om.] ὄ. (2 b)
— 11. ἐπάξω ῥομφαίαν . . . ἐπὶ τὰ ὄ. (2 b)
Za. 1. 8. οὗτος εἱστήκει ἀνὰ μέσον τῶν ὀ. [A τῶν δύο ὀ.] †
— 10. ὁ ἀνὴρ ὁ ἑφεστηκὼς ἀνὰ μέσον τῶν ὀ. †
— 11. τῷ ἑφεστῶτι ἀνὰ μέσον τῶν ὀ. †
4. 7. τίς εἶ σὺ τὸ ὄ. τὸ μέγα τὸ πρὸ προσώπου Z. (2 b)
6. 1. ἅρματα ἐκπορευόμενα ἐκ μέσου δύο ὀρέων (2 b)
— 1. καὶ τὰ ὄρη ἦν ὄρη χαλκᾶ (2 b, 2 b)
8. 3. τὸ ὄ. κυρίου παντοκράτορος ὄρος [S¹ om.] ἅγιον (2 b, 2 b)
14. 4. στήσονται οἱ πόδες αὐτοῦ . . . ἐπὶ τὸ ὄ. τῶν ἐλαιῶν (2 b)
— 4. B S καὶ σχισθήσεται τὸ ὄ. τῶν ἐλαιῶν (2 b)
— 4. καὶ κλινεῖ τὸ ἥμισυ τοῦ ὄ. πρὸς βορρᾶν (2 b)
Za. 14. 5. S²R φραχθήσεται ἡ φάραγξ τῶν [A B S¹ om.] ὀρέων μου (2 b)
— 5. καὶ ἐγκολληθήσεται φάραγξ ὀρέων ἕως 'Ι. (2 b)
Is. 2. 2. ἔσται ἐν ταῖς ἐσχάταις ἡμέραις ἐμφανὲς τὸ ὄ. κυρίου καὶ ὁ οἶκος τοῦ θεοῦ ἐπ' ἄκρου [A S -ων] τῶν ὀ. (2 b, 2 b)
— 3. ἀναβῶμεν εἰς τὸ ὄ. κυρίου (2 b)
— 14. S R ἐπὶ πᾶν ὑψηλὸν [A B om.] ὄ. (2 b)
4. 5. ἔσται πᾶς τόπος τοῦ ὄ. Σιών (2 b)
5. 25. παρωξύνθη τὰ ὄ. (2 b)
7. 25. πᾶν ὄ. ἀροτριωμένον ἀροτριαθήσεται (2 b)
8. 18. ὃς κατοικεῖ ἐν τῷ ὄ. Σιών (2 b)
9. 11 (10). ῥάξει ὁ θεὸς τοὺς ἐπανισταμένους ἐπὶ ὄ. [A ὄρους] Σιὼν ἐπ' αὐτόν †
10. 12. ὅταν συντελέσῃ κύριος πάντα ποιῶν ἐν τῷ ὄ. Σιών (2 b).
— 18. ἀποσβεσθήσεται τὰ ὄ. –
— 32. παρακαλεῖτε τὸ ὄ. τὴν θυγατέρα Σιών (2 b)
11. 9. οὐδὲ μὴ δύνωνται ἀπολέσαι οὐδένα ἐπὶ τὸ ὄ. τὸ ἅγιόν μου (2 b)
13. 2. ἐπ' ὄρους πεδινοῦ ἄρατε σημεῖον (2 b)
— 4. φωνὴ ἐθνῶν πολλῶν ἐπὶ τῶν ὀ. [S¹ om. ἐ. τ. ὀ.] (2 b)
14. 13. καθιῶ ἐν ὄρει ὑψηλῷ ἐπὶ τὰ ὄ. τὰ ὑψηλὰ τὰ πρὸς βορρᾶν (2 b, †)
— 19. ῥιφήσῃ ἐν τοῖς ὄ. –
— 25. τοῦ ἀπολέσαι τοὺς 'Ασσυρίους . . . ἐπὶ [AS ἀπὸ] τῶν ὀ. [S² ὁρίων] μου (2 b)
15. 8. A συνῆψε γὰρ ἡ βοὴ τὸ ὄ. [BS ὅριον] τῆς Μωαβίτιδος †
16. 1. μὴ πέτρα ἔρημός ἐστι τὸ ὄ. θυγατρὸς [A om.] Σιών (2 b)
18. 3. ἡ χώρα αὐτῶν ὡσεὶ σημεῖον ἀπὸ ὄρους ἀρθῇ [S -ήσεται] (2 b)
— 7. εἰς τὸν τόπον οὗ τὸ ὄνομα κυρίου σαβαὼθ [S add. ἐπεκλήθη] ὄ. Σιών (2 b)
22. 5. πλανῶνται ἐπὶ τὰ ὄ. (2 b)
25. 6. ἐπὶ τὸ ὄ. τοῦτο πίονται εὐφροσύνην (2 b)
— 7. χρίσονται μύρον ἐν τῷ ὄ. τούτῳ (2 b)
— 10. ἀνάπαυσιν δώσει ὁ θεὸς ἐπὶ τὸ ὄ. τοῦτο (2 b)
27. 13. προσκυνήσουσι τῷ κυρίῳ ἐπὶ τὸ ὄ. τὸ ἅγιον (2 b)
28. 1. ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ ὄ. τοῦ παχέως †
— 4. ἐπ' ἄκρου τοῦ ὄ. τοῦ ὑψηλοῦ †
— 21. ὥσπερ ὄρος ἀσεβῶν ἀναστήσεται (2 b)
29. 8. ὅσοι ἐπεστράτευσαν ἐπὶ τὸ ὄ. Σιών (2 b)
— 17. A S³ μετατεθήσεται ὁ Λίβανος ὡς τὸ ὄ. τὸ Χέρμελ καὶ τὸ ὄ. [BS¹ om. τὸ ὄ.] τὸ Χέρμελ εἰς δρυμὸν λογισθήσεται –, –
30. 17. ἕως ἂν καταλειφθῆτε ὡς ἱστὸς ἐπ' ὄρους (2 b)
— 25. ἔσται ἐπὶ παντὸς ὄρους ὑψηλοῦ . . . ὕδωρ (2 b)
— 29. εἰσελθεῖν μετὰ αὐλοῦ εἰς τὸ ὄ. [A τὸν οἶκον τοῦ] κυρίου (2 b)
31. 4. ἕως ἂν ἐμπλησθῇ τὰ ὄ. τῆς φωνῆς αὐτοῦ . . . καταβήσεται κύριος σαβ. ἐπιστρατεῦσαι ἐπὶ τὸ ὄ. τὸ Σιὼν ἐπὶ τὰ ὄ. αὐτῆς (†, 2 b, 1)
34. 3. βραχήσεται τὰ ὄ. ἀπὸ τοῦ αἵματος αὐτῶν (2 b)
37. 24. ἀνέβην εἰς ὕψος ὀρέων [S¹ τῶν ὄ.] (2 b)
— 32. οἱ σωζόμενοι ἐξ [A ἐπ'] ὄρους [S¹ ὄρου] Σιών (2 b)
40. 4. πᾶν ὄ. καὶ βουνὸς ταπεινωθήσεται (2 b)
— 9. ἐπ' ὄ. ὑψηλὸν ἀνάβηθι (2 b)
— 12. τίς ἔστησε τὰ ὄ. σταθμῷ (2 b)
41. 15. ἁλοήσεις ὄρη (2 b)
— 18. ἀνοίξω ἐπὶ τῶν ὀ. ποταμούς (6)
42. 11. ἀπ' ἄκρου [A S -ων] τῶν ὀ. βοήσουσι [A om.] (2 b)
— 15. B ἐρημώσω ὄρη (2 b)
44. 23. βοήσατε ὄρη εὐφροσύνην (2 b)
45. 2. ὄρη ὁμαλῶ (7)
49. 11. θήσω πᾶν ὄ. εἰς ὁδόν (2 b)
— 13. ῥηξάτωσαν τὰ ὄ. εὐφροσύνην (2 b)
52. 7. πάρειμι ὡς ὥρα ἐπὶ τῶν ὀ. (2 b)
54. 10. μηδὲ ἐν ἀπειλῇ σου τὰ ὄ. [S ὅρια] μεταστήσεσθαι (2 b)
55. 12. τὰ γὰρ ὄ. καὶ οἱ βουνοὶ ἐξαλοῦνται (2 b)
56. 7. εἰσάξω αὐτοὺς εἰς τὸ ὄ. τὸ ἅγιόν μου (2 b)
57. 7. ἐπ' ὄ. ὑψηλὸν καὶ μετέωρον ἐκεῖ σου ἡ κοίτη (2 b)
— 13. κληρονομήσουσι τὸ ὄ. τὸ ἅγιόν μου (2 b)
63. 18. ἵνα μικρὸν κληρονομήσωμεν τοῦ ὄ. τοῦ ἁγίου σου †
64. 1 (63. 19), 3 (2). τρόμος λήψεται ἀπὸ σοῦ ὄρη (2 b)
65. 7. ἐθυμίασαν ἐπὶ τῶν ὀ. (2 b)

Is. 65. 9. κληρονομήσει τὸ ὄ. τὸ ἅγιόν μου (2 b)
— 11. ὑμεῖς δὲ οἱ . . . ἐπιλανθανόμενοι τὸ ὄ. τὸ ἅγιόν μου (2 b)
— 25. οὐδὲ λυμανοῦνται ἐπὶ τῷ ὄ. τῷ ἁγίῳ μου (2 b)
Je. 3. 6. ἐπορεύθησαν ἐπὶ πᾶν ὄ. ὑψηλόν (2 b)
— 23. εἰς ψεῦδος ἦσαν οἱ βουνοὶ καὶ ἡ δύναμις τῶν ὀ. (2 b)
4. 15. ἀκουσθήσεται πόνος ἐξ ὄρους Ἐφραΐμ (2 b)
— 24. εἶδον τὰ ὄ. καὶ ἦν τρέμοντα (2 b)
9. 10 (9). ἐπὶ τὰ ὄ. λάβετε κοπετόν (2 b)
13. 16. πρὸ τοῦ προσκόψαι πόδας ὑμῶν ἐπ' ὄρη σκοτεινά (2 b)
16. 16. θηρεύσουσιν αὐτοὺς ἐπάνω παντὸς ὄρους (2 b)
17. 26. ἐκ τοῦ ὄ. καὶ ἐκ τῆς πρὸς νότον (2 b)
26 (46). 18. ὡς τὸ Ἰταβύριον ἐν τοῖς ὄ. (2 b)
27 (50). 6. ἐπὶ τὰ ὄ. ἀπεπλάνησαν αὐτοὺς ἐξ ὄρους ἐπὶ βουνὸν ᾤχοντο (2 b, 2 b)
— 19. νεμήσεται ἐν τῷ Κ. καὶ ἐν ὄρει Ἐφραΐμ (2 b)
28 (51). 25. ἐγὼ πρὸς σὲ τὸ ὄ. τὸ διεφθαρμ. . . . δώσω σε ὡς ὄ. ἐμπεπυρισμένον (2 b, 2 b)
33 (26). 18. τὸ ὄ. τοῦ οἴκου εἰς [A ὡς] ἄλσος δρυμοῦ (2 b)
38 (31). 5. ἐφυτεύσατε ἀμπελῶνας ἐν ὄρεσι Σαμαρείας (2 b)
— 6. ἐστιν ἡμέρα κλήσεως ἀπολογουμένων ἐν ὄρεσιν Ἐφραΐμ (2 b)
— 6. A ἀνάβητε εἰς Σιὼν ἐν ὄρεσιν κυρίου θεοῦ ἡμῶν [B S al.] –
— 12. εὐφρανθήσονται ἐν τῷ ὄ. Σιών (4)
— 23. εὐλογημένος κύριος ἐπὶ δίκαιον ὄ. τὸ ἅγιον αὐτοῦ (2 b)
39 (32). 44. ἐν πόλεσι τοῦ ὄ. (2 b)
Ba. 5. 7. ταπεινοῦσθαι πᾶν ὄ. ὑψηλόν
La. 4. 19. A ἐπὶ τῶν ὀ. ἐξέπτησαν ἐξήφθησαν ἐπὶ τῶν ὀ. [B al.] (2 b, †)
5. 18. ἐπ' ὄρος Σιὼν ὅτι ἠφανίσθη ἀλώπεκες διῆλθον (2 b)
Ep. Je. 39. τοῖς ἀπὸ τοῦ ὄ. λίθοις ὡμοιωμένοι εἰσί
— 63. τό τε πῦρ ἐξαποσταλὲν ἄνωθεν ἐξαναλῶσαι ὄρη
Ez. 6. 2. στήρισον τὸ πρόσωπόν σου ἐπὶ τὰ ὄ. Ἰσραήλ (2 b)
— 3. τὰ ὄ. Ἰσραὴλ ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 b)
— 3. τάδε λέγει κύριος τοῖς ὄ. (2 b)
— 13. A ἐν πάσαις κορυφαῖς τῶν ὀ. (2 b)
7. 16. ἔσονται ἐπὶ τῶν ὀ. [A add. ὡς περιστεραί] (2 b)
11. 10, 11 (A). ἐπὶ τῶν ὀ. τοῦ Ἰσραὴλ κρινῶ ὑμᾶς †
— 23. ἔστη ἐπὶ τοῦ ὄ. ὃ ἦν ἀπέναντι τῆς πόλεως (2 b)
17. 22. καταφυτεύσω ἐγὼ ἐπ' ὄ. ὑψηλόν (2 b)
— 23. ἐν ὄρει μετεώρῳ Ἰσραήλ (2 b)
18. 6. ἐπὶ τῶν ὀ. οὐ φάγεται (2 b)
— 11. ἐπὶ τῶν ὀ. ἔφαγε (2 b)
— 15. ἐπὶ τῶν ὀ. οὐ βέβρωκε [A οὐκ ἔφαγεν] (2 b)
19. 9. ὅπως μὴ ἀκουσθῇ ἡ φωνὴ αὐτοῦ ἐπὶ τὰ ὄ. τοῦ Ἰσραήλ (2 b)
20. 40. ἐπὶ τοῦ ὄ. τοῦ ἁγίου μου ἐπ' ὄρους ὑψηλοῦ (2 b, 2 b)
22. 9. ἐπὶ τῶν ὀ. ἤσθιον ἐν σοι (2 b)
28. 14. ἔθηκά σε ἐν ὄρει ἁγίῳ θεοῦ (2 b)
— 16. ἐτραυματίσθης ἀπὸ ὄρους τοῦ θεοῦ (2 b)
31. 12. κατέβαλον αὐτὸν ἐπὶ τῶν ὀ. (2 b)
32. 5. δώσω τὰς σάρκας σου ἐπὶ τὰ ὄ. (2 b)
— 6. ἀπὸ τοῦ πλήθους σου ἐπὶ τῶν ὀ. (2 b)
33. 28. ἐρημωθήσεται τὰ ὄ. τοῦ Ἰσραήλ (2 b)
34. 6. διεσπάρη τὰ πρόβατά μου ἐν παντὶ ὄρει (2 b)
— 13. βοσκήσω αὐτοὺς ἐπὶ τὰ ὄ. Ἰσρ. (2 b)
— 14. A ἐν τῷ ὄ. τῷ ὑψηλῷ ἐν τῷ ὄ. [B om. ἐν τ. ὄ.] Ἰσρ. (2 b, –)
— 14. A²B βοσκηθήσονται ἐπὶ τῶν ὀ. Ἰσραήλ (2 b)
— 26. δώσω αὐτοὺς περικύκλῳ [A ἔσονται κύκλῳ] τοῦ ὄ. μου (1)
35. 2. ἐπίστρεψον τὸ πρόσωπόν σου ἐπ' ὄρος [A ἐπὶ τὸ ὄ.] Σηείρ (2 b)
— 3. ἐγὼ ἐπὶ σὲ, ὄ. Σηείρ (2 b)
— 7. δώσω ὄρος [A τὸ ὄ.] Σηεὶρ εἰς ἔρημον (2 b)
— 12. τὰ ὄ. Ἰσραὴλ ἔρημα ἡμῖν δέδοται (2 b)
— 15. ἔρημον ἔσῃ, ὄρος Σηείρ (2 b)
36. 1. προφήτευσον ἐπὶ τὰ ὄ. Ἰσραὴλ καὶ εἰπὸν τοῖς ὄ. τοῦ Ἰσραήλ (2 b, 2 b)
— 4. ὄρη Ἰσραὴλ, ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 b)
— 4. τάδε λέγει κύριος τοῖς ὄ. (2 b)
— 6. εἰπὸν τοῖς ὄ. (2 b)
— 8. ὄρη Ἰσραήλ (2 b)
Ez. 37. 22. δώσω αὐτοὺς εἰς ἔθνος . . . ἐν τοῖς ὄ. Ἰ. (2 b)
38. 20. ῥαγήσεται τὰ ὄ. (2 b)
39. 2. ἀνάξω σε ἐπὶ τὰ ὄ. τοῦ Ἰσραήλ (2 b)
— 4. καταβαλῶ σε ἐπὶ τὰ ὄ. τὰ [A τοῦ] Ἰ. (2 b)
— 17. τέθεικα ὑμῖν θυσίαν μεγάλην ἐπὶ τὰ ὄ. Ἰσραήλ (2 b)
40. 2. ἔθηκέ με ἐπ' ὄ. ὑψηλὸν [A ὄρους ὑψηλοῦ] σφόδρα (2 b)
43. 12. ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ ὄ. (2 b)
48. 10. τὸ ὄ. τῶν ἁγίων ἔσται ἐν μέσῳ αὐ. τοῖς ἰ. †
Da. LXX. 2. 34. ἐτμήθη λίθος ἐξ ὄρους –
— 35. ὁ λίθος . . . ἐγένετο ὄ. μέγα (3)
— 45. ἑώρακας ἐξ ὄρους τμηθῆναι λίθον (3)
3. (75). εὐλογεῖτε ὄρη . . . τὸν κύριον
4. 12. ὅπως . . . ἐν τοῖς ὄ. χόρτον ὡς βοῦς νέμηται †
8. 11. τὰ ὄ. τὰ ἀπ' αἰῶνος ἐρράχθη (2 b*, †)
9. 16. ἀπὸ . . . ὄρους τοῦ ἁγίου σου (2 b)
— 17. ἐπιβλεψάτω τὸ πρόσωπόν σου ἐπὶ τὸ ὄ. τὸ ἅγιόν σου –
— 20. δεόμενος . . . ὑπὲρ τοῦ ὄ. τοῦ ἁγίου (2 b)
11. 45. ἀνὰ μέσον . . . τοῦ ὄ. τῆς θελήσεως τοῦ ἁγίου (2 b)
Da. TH. 2. 34. ἀπεσχίσθη [A ἐτμήθη] λίθος ἐξ ὄρους –
— 35. ὁ λίθος . . . ἐγενήθη ὄ. μέγα (3)
— 45. ἀπὸ ὄρους ἐτμήθη λίθος (3)
3. (75). εὐλογεῖτε ὄρη . . . τὸν κύριον
9. 16. ἀπὸ . . . ὄρους ἁγίου σου (2 b)
— 20. περὶ τοῦ ὄ. τοῦ ἁγίου [A θεοῦ μου] (2 b)
11. 45. εἰς ὄρος σαβ. ἅγιον (2 b)
— 45. A ἥξει ἕως μέρους ὄρους [B om.] αὐ. –
I Ma. 2. 28. ἔφυγον . . . εἰς τὰ ὄ.
4. 5. ἐζήτει αὐτοὺς ἐν τοῖς ὄ.
— 18. Γ. καὶ ἡ δύναμις ἐν τῷ ὄ. ἐγγὺς ἡμῶν
— 19. ὤφθη μέρος τι ἐκκύπτον ἐκ τοῦ ὄρους
— 37. ἀνέβησαν εἰς ὄρος Σιών
— 38. AR ἢ ὡς ἐν [S om.] ἑνὶ τῶν ὀ.
— 46. ἀπέθεντο τοὺς λίθους ἐν τῷ ὄ. τοῦ οἴκου
— 60. ᾠκοδόμησαν . . . τὸ ὄ. Σιών
5. 54. ἀνέβησαν εἰς τὸ [S¹ om.] ὄ. Σ.
6. 39. ἔστιλβε τὰ ὄ. ἀπ' αὐτῶν
— 40. ἐξετάθη . . . ἐπὶ τὰ ὑψηλὰ ὄ. [S¹ al.]
— 48. παρενέβαλεν . . . εἰς τὸ ὄ. Σιών
— 62. AR εἰσῆλθεν ὁ βασ. εἰς τὸ [S om.] ὄ. Σιών
7. 33. AR ἀνέβη N. εἰς τὸ [S om.] ὄ. Σιών
9. 15. ἐδίωκεν ὀπίσω αὐτῶν ἕως Ἀζώτου ὄρους
— 38. ἐκρύβησαν ὑπὸ τὴν σκέπην τοῦ ὄ.
— 40. οἱ ἐπίλοιποι ἔφυγον εἰς τὸ ὄ.
— 42. A ἀπέστρεψαν εἰς τὸ ὄ. [S ἕλος] τοῦ Ἰ.
10. 11. οἰκοδομεῖν . . . τὸ [S¹ om.] ὄ. Σιών
— 70. διὰ τί σὺ ἐξουσιάζῃ ἐφ' ἡμᾶς ἐν τοῖς ὄ.
11. 37. S R τεθήτω ἐν τῷ [A om.] ὄ. τῷ ἁγίῳ
— 68. ἐξέβαλον ἔνεδρον ἐπ' αὐτὸν ἐν τοῖς ὄ.
13. 52. προσωχύρωσε τὸ ὄ. τοῦ ἱεροῦ
14. 27. ἔθετο ἐν στήλαις ἐν ὄρει Σιών
16. 20. καταλαβέσθαι . . . τὸ ὄ. τοῦ ἱεροῦ
II Ma. 2. 4. ὡς δὲ ἐξῆλθεν εἰς τὸ ὄ.
5. 27. ἐν τοῖς ὄ. διέζη
9. 8. τὰ τῶν ὀ. οἰόμενος ὕψη στήσειν
— 28. ἐν τοῖς ὄ. . . . κατέστρεψε τὸν βίον
10. 6. ὡς . . . τὴν . . . ἑορτὴν ἐν τοῖς ὄ. . . . ἦσαν νεμόμενοι
IV Ma. 14. 16. τὰ δὲ κατὰ τὰς κορυφὰς ὀρέων
[Aq. Nu. 33. 23: Jo. 15. 9: III Ki. 11. 7: Ps. 3. 5: 29 (30). 8: 35 (36). 7: 42 (43). 3: 67 (68). 17 bis: 75 (76). 5: 86 (87). 1: 89 (90). 2: Ca. 4. 6: Is. 2. 2: 8. 18: 25. 7: 28. 21: 40. 9: 49. 13: 52. 7: 54. 10: 64. 1 (63. 19): Je. 9. 10 (9): 13. 16: 31 (38). 6.]
[Sm. Nu. 33. 23: Jo. 15. 9: IV Ki. 23. 16: Je. 9. 5: Ps. 3. 5: 41 (42). 7: 42 (43). 3: 45 (46). 4: 47 (48). 12: 64 (65). 7: 67 (68). 16 quater, 17 bis: 73 (74). 2: 74 (75). 7: 75 (76). 5: 77 (78). 54: 89 (90). 2: 109 (110). 3: 124 (125). 1: Ca. 2. 8: 4. 1: Is. 2. 2: 8. 18: 17. 13: 25. 7: 28. 21: 30. 17: 42. 15: 49. 13: 52. 7: 54. 10: 64. 1 (63. 19): Je. 31 (38). 6: Da. 11. 45: Za. 14. 5 bis.]
[Th. Nu. 33. 23: Jo. 15. 9: Jd. 6. 26: 8. 13: II Ki. 1. 21: Je. 24. 8: Ps. 42 (43). 3: 47 (48). 12: 67 (68). 17: 75 (76). 5: Ca. 2. 17: Is. 2. 2: 8. 18: 17. 13: 25. 7: 28. 21: 42. 15: 54. 10: 64. 1 (63. 19): Je. 17. 3 (Sw.): Ez. 6. 13: Da. 11. 45: Am. 4. 3.]
[Al. Nu. 27. 12: Dt. 2. 8: Jd. 1. 9: Ps. 120 (121). 1: 143 (144). 5: Is. 13. 2: Hb. 3. 6, 10.]
[Heb. III Ki. 19. 11.]
[Quint. Ps. 42 (43). 3.]
[Sext. Ps. 29 (30). 8.]

ὄρος. (1) זְמָן (2) מוֹעֵד
Ex. 9. 5. καὶ ἔδωκεν ὁ θεὸς ὅρον (2)
Ne. 2. 6. ἔδωκα αὐτῷ ὅρον (1)
Is. 37. 32. S¹ καὶ οἱ σωζόμ. ἐξ ὄρου [A B S² ὄρους] Σ. †
[Sm. I Ki. 30. 25: Jb. 14. 5: 26. 10.]

ὀροφοιτᾶν, ὀροφοιτοῦν, ὀροφυτοῦν.
IV Ma. 14. 15. R τὰ μὲν ἥμερα κατὰ τὰς οἰκίας ὀροφοιτῶντα [A -οῦντα, S ὀροφυτοῦντα]

ὄροφος.
Wi. 17. 2. μακρᾶς πεδῆται νυκτὸς κατακλεισθέντες ὀρόφοις

ὀροφοῦν. (1) סָפַן
III Ki. 7. 7. A καὶ ὠρόφωσεν ἐν κέδρῳ (1)
[Aq. III Ki. 6. 9: 7. 7 (44): Hg. 1. 4.]

ὀρόφωμα. (1) כְּתֹף (2) קִיר
II Ch. 3. 7. ἐχρύσωσε . . . τὰ ὀ. (2)
Ez. 41. 26. διεμέτρησεν ἔνθεν καὶ ἔνθεν εἰς τὰ ὀ. τοῦ αἰλάμ (1)

ὀρτυγομήτρα. (1) a. שְׂלָו b. שְׂלָיו
Ex. 16. 13. ἀνέβη ὀ. (1 a*, 1 b)
Nu. 11. 31. ἐξεπέρασεν ὀρτυγομήτραν (1 a)
— 32. συνήγαγον τὴν ὀ. (1 a*, 1 b)
Ps. 104 (105). 40. ᾔτησαν καὶ ἦλθεν ὀρτυγομήτρα (1 a*, 1 b)
Wi. 16. 2. τροφὴν ἡτοίμασας ὀρτυγομήτραν
19. 12. ἀνέβη αὐτοῖς ἀπὸ [S ἐκ] θαλάσσης ὀρτυγομήτρα

ὄρυγμα.
[Sm. Pr. 23. 27.]

ὄρυζα.
[Sam. Ex. 16. 31.]

ὀρύκτης.
[Aq. Is. 2. 20.]

ὀρυκτός.
[Aq. Is. 2. 20.]

ὄρυξ. (1) תְּאוֹ
De. 14. 5. ὄρυγα καὶ καμηλοπάρδαλιν (1)
[Aq., Sm., Th. Is. 51. 20.]

ὀρύσσειν. (1) גָּרָה pi. (2) חָפַר (3) חָצֵב (4) חָתַר (5) כָּרָה a. qal. b. ni. (6) נָקַר pu. (7) פָּתַח pi.
Ge. 21. 30. ἐγὼ ὤρυξα τὸ φρέαρ τοῦτο (2)
26. 15. τὰ φρέατα ἃ ὤρυξαν οἱ παῖδες (2)
— 18. Ἰσαὰκ ὤρυξε τὰ φρέατα τοῦ ὕδατος ἃ ὤρυξαν οἱ παῖδες (2, 2)
— 19. καὶ ὤρυξαν οἱ παῖδες (2)
— 21, 22. ὤρυξε φρέαρ ἕτερον (2)
— 25. ὤρυξαν δὲ ἐκεῖ οἱ παῖδες Ἰ. φρέαρ (5 a)
— 32. περὶ τοῦ φρέατος οὗ ὤρυξαν (2)
50. 5. ἐν τῷ μνημείῳ ᾧ ὤρυξα ἐμαυτῷ ἐν γῇ (5 a)
Ex. 7. 24. ὤρυξαν δὲ . . . κύκλῳ τοῦ ποταμοῦ (2)
Nu. 21. 18. ὤρυξαν αὐτὸ ἄρχοντες (2)
De. 23. 13 (14). ὀρύξεις ἐν αὐτῷ (2)
II Ch. 16. 14. ᾧ ὤρυξεν ἑαυτῷ ἐν πόλει Δ. (5 a)
To. 2. 7. ὀρύξας ἔθαψα αὐτόν
8. 9. ὤρυξε [S -αν] τάφον
— 11. S ὅτε συνετέλεσαν ὀρύσσοντες τὸν τάφον
Ps. 7. 15. λάκκον ὤρυξε καὶ ἀνέσκαψεν αὐτόν (5 a)
21 (22). 16. ὤρυξαν χεῖράς μου καὶ πόδας †
56 (57). 6. ὤρυξαν πρὸ προσώπου μου βόθρον (5 a)
93 (94). 13. ἕως οὗ ὀρυγῇ τῷ ἁμαρτωλῷ βόθρος (5 b)
Pr. 16. 27. A ἀνὴρ ἄφρων ὀρύσσει ἑαυτῷ κακὰ ἐπὶ δὲ τῶν ἑαυτοῦ χειλέων ὀρύσσει [B S θησαυρίζει] πῦρ (5 a, †)
26. 27. ὁ ὀρύσσων βόθρον [S βόθυνον] τῷ πλησίον (5 a)
29. 22. A S ἀνὴρ θυμώδης ὀρύσσει [B ἐγείρει] νεῖκος (1)
Ec. 10. 8. ὁ ὀρύσσων βόθρον εἰς αὐτὸν [A S ἐν αὐτῷ] ἐμπεσεῖται (2)
Si. 27. 26. ὁ ὀρύσσων βόθρον εἰς αὐτὸν ἐμπεσεῖται
48. 17. ὤρυξε σιδήρῳ ἀκρότομον
Za. 3. 10 (9). ἰδοὺ ἐγὼ ὀρύσσω βόθρον (7)
Is. 5. 2. προλήνιον ὤρυξα ἐν αὐτῷ (3)

Is. 51. 1. τὸν βόθυνον τοῦ λάκκου ὃν ὠρύξατε (6)
Je. 2. 13. ὤρυξαν ἑαυτοῖς λάκκους συντετριμμ. (3)
13. 7. ὤρυξα καὶ ἔλαβον (2)
Ez. 8. 8. ὄρυξον [A *add.* δὴ ἐν τῷ τοίχῳ] καὶ ὤρυξα (4, 4)
12. 7. A ὤρυξα [B διώρ.] ἐμαυτῷ τὸν τοῖχον (4)
— 12. A ὀρύξει [B διορ.] τοῦ ἐξελθεῖν αὐτὸν δι' αὐτοῦ (4)
[Aq. Ex. 7. 24: Je. 18. 22: Ez. 8. 8 (P.).]
[Sm. Ex. 7. 24: Ps. 34 (35). 7 (P.): Is. 37. 25: Je. 18. 20.]
[Th. Ex. 7. 24: Is. 37. 25.]
[Quint. Ps. 118 (119). 85.]

ὀρφανία. (1) שְׁכוֹל
Is. 47. 8. οὐδὲ γνώσομαι ὀρφανίαν (1)

ὀρφανός. (1) יָתוֹם
Ex. 22. 22 (21). πᾶσαν χήραν καὶ ὀρφανόν (1)
— 24 (23). καὶ τὰ παιδία ὑμῶν ὀρφανά (1)
De. 10. 18. ποιῶν κρίσιν . . . ὀρφανῷ (1)
14. 29: 16. 11, 14. καὶ ὁ ὀ. καὶ ἡ χήρα (1)
24. 17. οὐκ ἐκκλινεῖς κρίσιν . . . ὀρφανοῦ (1)
— 19, 20, 21. τῷ ὀ. καὶ τῇ χήρᾳ ἔσται (1)
26. 12. δώσεις . . . τῷ ὀ. καὶ τῇ χήρᾳ (1)
— 13. ἔδωκα αὐτὰ . . . τῷ ὀ. καὶ τῇ χήρᾳ (1)
27. 19. ὃς ἂν ἐκκλίνῃ κρίσιν . . . ὀρφανοῦ (1)
I Es. 3. 19. τοῦ ὀ. ποιεῖ τὴν διάνοιαν μίαν (1)
To. 1. 8. S ἐδίδουν αὐτὰ τοῖς ὀ. [A B *al.*]
— 8. ὀρφανὸς κατελείφθην ὑπὸ τοῦ πατρός μου [S *al.*]
Jb. 6. 27. ἐπ' [A *om.*] ὀρφανῷ ἐπιπίπτετε (1)
22. 9. ὀρφανοὺς δὲ ἐκάκωσας (1)
24. 3. ὑποζύγιον ὀρφανῶν ἀπήγαγον (1)
— 9. ἥρπασαν ὀρφανὸν [A -ους] ἀπὸ μαστοῦ (1)
— 19. ἀγκαλίδα γὰρ ὀρφανῶν [A -οῦ] ἥρπασαν †
29. 12. ὀρφανῷ . . . ἐβοήθησα (1)
31. 17. οὐχὶ ὀρφανῷ μετέδωκα (1)
— 21. εἰ ἐπῆρα ὀρφανῷ χεῖρα (1)
Ps. 9. 35 (10. 14). ὀρφανῷ σὺ ἦσθα βοηθός [A S¹ -θῶν] (1)
— 39 (10. 18). κρῖναι ὀρφανῷ καὶ ταπεινῷ (1)
67 (68). 5. τοῦ πατρὸς τῶν ὀ. καὶ κριτοῦ τῶν χηρῶν (1)
81 (82). 3. κρίνατε ὀρφανόν [A S² -ῷ] (1)
93 (94). 6. χήραν καὶ ὀρφανὸν ἀπέκτειναν (1)
108 (109). 9. γενηθήτωσαν οἱ υἱοὶ αὐτοῦ ὀρφανοί (1)
— 12. μηδὲ γενηθήτω οἰκτίρμων τοῖς ὀ. αὐτοῦ (1)
145 (146). 9. ὀρφανὸν καὶ χήραν ἀναλήψεται (1)
Pr. 23. 10. εἰς δὲ κτῆμα ὀρφανῶν μὴ εἰσέλθῃς (1)
Si. 4. 10. γίνου ὀρφανοῖς ὡς πατήρ
32 (35). 14. οὐ μὴ ὑπερίδῃ [A παρίδῃ] ἱκετείαν ὀρφανοῦ
Ho. 14. 4. ὁ ἐν σοὶ ἐλεήσει ὀρφανόν (1)
Mi. 2. 2. καὶ διήρπαζον ὀρφανούς –
Za. 7. 10. ὀρφανὸν . . . μὴ καταδυναστεύετε (1)
Ma. 3. 5. τοὺς κονδυλίζοντας ὀρφανούς (1)
Is. 1. 17. κρίνατε ὀρφανῷ (1)
— 23. ὀρφανοῖς οὐ κρίνοντες (1)
9. 17 (16). τοὺς ὀ. αὐ. . . . οὐκ ἐλεήσει (1)
10. 2. ὥστε εἶναι αὐτοῖς . . . ὀρφανὸν εἰς προνομήν (1)
Je. 5. 28. οὐκ ἔκριναν κρίσιν ὀρφανοῦ (1)
7. 6. ὀρφανὸν καὶ χήραν μὴ καταδυναστεύσητε (1)
22. 3. ὀρφανὸν καὶ χήραν μὴ καταδυναστεύετε (1)
29 (49). 11. οὐκ ἔστιν ὑπολείπεσθαι ὀρφανόν σου (1)
La. 5. 3. ὀρφανοὶ ἐγενήθημεν (1)
Ep. Je. 38. οὔτε ὀρφανὸν εὖ ποιήσωσι
Ez. 22. 7. ὀρφανὸν καὶ χήραν κατεδυνάστευον (1)
II Ma. 3. 10. παραθήκας εἶναι χηρῶν τε καὶ ὀρφανῶν
8. 28. ὀρφανοῖς μερίσαντες ἀπὸ τῶν σκύλων
— 30. καὶ τοῖς ᾐκισμένοις καὶ ὀρφανοῖς
[Aq. Ps. 9. 39 (10. 18): 81 (82). 3: Is. 9. 17 (16).]
[Sm. Jb. 31. 21: Ps. 81 (82). 3: Is. 9. 17 (16): Je. 49. 11 (29. 13).]
[Th. Ps. 81 (82). 3: 93 (94). 6: Is. 9. 17 (16): Ho. 14. 4.]

ὀρχεῖσθαι. (1) כָּרַר pilp. (2) פָּזַז pi. (3) רָקַד *a.* qal. *b.* pi. (4) שָׂחַק pi.
II Ki. 6. 16. εἶδε τὸν βασ. Δ. ὀρχούμενον καὶ ἀνακρουόμενον [A ἀ. κ. ὀ.] (2 [1])
— 20. καθὼς ἀποκαλύπτεται . . . εἷς τῶν ὀρχουμ. †
— 21. ἐνώπιον κυρίου ὀρχήσομαι [A *om.*] –
— 21. καὶ ὀρχήσομαι ἐνώπιον κυρίου [A *om.* ἐ. κ.] (4)
I Ch. 15. 29. εἶδε τὸν βασ. Δ. ὀρχούμενον (3 *b*)
Ec. 3. 4. καιρὸς τοῦ ὀρχήσασθαι (3 *a*)
Is. 13. 21. δαιμόνια ἐκεῖ ὀρχήσονται [A -χηθήσ.] (3 *b*)
[Aq. II Ki. 6. 14: Jb. 21. 11.]
[Sm. Jb. 21. 11: Ps. 28 (29). 6.]
[Quint. Ps. 28 (29). 6.]

ὅς, *passim.* **ἀφ' οὗ** *vid. sub* **ἀπό** **ἕως οὗ** *vid. sub* **ἕως**

ὅσιος. (1) זַךְ (2) *a.* חָסֶד *b.* חָסִיד (3) טָהוֹר (4) יָשָׁר (5) מְקֻדָּשׁ (6) שָׁלוֹם (7) *a.* תֹּם *b.* תָּמִים *c.* תָּם (8) ὅ. εἶναι חָסַד hithp.
De. 29. 19 (18). ὅσιά μοι γένοιτο (6)
32. 4. δίκαιος καὶ ὅ. κύριος (4)
33. 8. καὶ ἀλήθειαν αὐτοῦ τῷ ἀνδρὶ τῷ ὁ. (2 *b*)
II Ki. 22. 26. μετὰ ὁσίου ὁσιωθήσῃ (2 *b*)
Ps. 4. 3. ἐθαυμάστωσε κύριος τὸν ὅ. αὐτοῦ (2 *b*)
11 (12). 1. σῶσόν με, κύριε, ὅτι ἐκλέλοιπεν ὅσιος (2 *b*)
15 (16). 10. οὐδὲ δώσεις τὸν ὅ. σου ἰδεῖν διαφθοράν (2 *b*)
17 (18). 25. S² μετὰ ὁσίου ὅσιος ἔσῃ [A B S¹ ὁσιωθήσῃ] (2 *b*, 8)
29 (30). 4. ψάλατε τῷ κυρίῳ οἱ ὅ. αὐτοῦ (2 *b*)
30 (31). 23. ἀγαπήσατε τὸν κ., πάντες οἱ ὅ. αὐ. (2 *b*)
31 (32). 6. προσεύξεται πρὸς σὲ πᾶς ὅσιος (2 *b*)
36 (37). 28. οὐκ ἐγκαταλείψει τοὺς ὁ. αὐτοῦ (2 *b*)
42 (43). 1. ἐξ ἔθνους οὐχ ὁσίου . . . ῥῦσαί με (2 *b*)
49 (50). 5. συναγάγετε αὐτῷ τοὺς ὁ. αὐτοῦ (2 *b*)
51 (52). 9. χρηστὸν ἐναντίον τῶν ὁ. σου (2 *b*)
67 (68). 35. θαυμαστὸς ὁ θεὸς ἐν τοῖς ὁ. [S ἁγίοις] αὐτοῦ (5)
78 (79). 2. τὰς σάρκας τῶν ὁ. σου τοῖς θηρίοις τῆς γῆς (2 *b*)
84 (85). 8. λαλήσει εἰρήνην . . . ἐπὶ τοὺς ὁ. αὐ. (2 *b*)
85 (86). 2. ὅτι ὅσιός εἰμι (2 *b*)
96 (97). 10. φυλάσσει κ. τὰς ψυχὰς τῶν ὁ. αὐ. (2 *b*)
115. 6 (116. 15). τίμιος ἐναντίον κυρίου ὁ θάνατος τῶν ὁ. αὐ. (2 *b*)
131 (132). 9. S R οἱ ὅ. σου ἀγαλλιάσονται [A ἀγαλλιάσει ἀγ.] (2 *b*)
— 16. A S οἱ ὅ. αὐτῆς ἀγαλλιάσει ἀγαλλιάσονται (2 *b*)
144 (145). 10. οἱ ὅ. σου εὐλογησάτωσάν σε (2 *b*)
— 13. καὶ ὅσιος ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ –
— 17. καὶ ὅσιος ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ (2 *b*)
148. 14. A B² S R ὕμνος πᾶσι τοῖς ὁ. αὐτοῦ (2 *b*)
149. 1. ἡ αἴνεσις αὐτοῦ ἐν ἐκκλησίᾳ ὁσίων (2 *b*)
— 5. καυχήσονται ὅσιοι ἐν δόξῃ (2 *b*)
— 9. δόξα αὕτη ἐστὶ πᾶσι τοῖς ὁ. αὐτοῦ (2 *b*)
Pr. 2. 11. ἔννοια δὲ ὁσία τηρήσει σε –
— 21. S¹ ὅσιοι [A S² ἄκακοι] δὲ ὑπολειφθήσονται ἐν αὐτῇ (7 *b*)
— 21. A B S² ὅσιοι ὑπολειφθήσονται ἐν αὐτῇ (7 *b*)
10. 29. ὀχύρωμα ὁσίου φόβος κυρίου (7 *a*)
17. 26. οὐδὲ ὅσιον ἐπιβουλεύειν δυνάσταις δικαίοις –
18. 5. οὐδὲ ὅσιον ἐκκλίνειν τὸ δίκαιον ἐν κρίσει –
20. 11. συμποδισθήσεται νεανίσκος μετὰ ὁσίου (1)
21. 15. ὅσιος δὲ ἀκάθαρτος παρὰ κακούργοις †
22. 11. ἀγαπᾷ κύριος ὁσίας καρδίας (3)
29. 10. ἄνδρες αἱμάτων μέτοχοι μισοῦσιν [A ζητήσουσιν] ὅσιον (7 *c*)
Wi. 3. 9. S χάρις καὶ ἔλεος τοῖς [A ἐν τοῖς] ὁ. [A B ἐκλεκτοῖς] αὐτοῦ
— 9. A ἐπισκοπὴ ἐν τοῖς ὁ. [S ἐκλεκτοῖς] αὐτοῦ
4. 15. A χάρις καὶ ἔλεος ἐν [S *om.*] τοῖς ὁ. [B S ἐκλεκτοῖς] αὐτοῦ
— 15. ἐπισκοπὴ ἐν τοῖς ὁ. [A ἐκλεκτοῖς] αὐτοῦ
6. 10. οἱ γὰρ φυλάξαντες ὁσίως τὰ ὅ. ὁσιωθήσονται
7. 27. κατὰ γενεὰς εἰς ψυχὰς ὁσίας μεταβαίνουσα
10. 15. αὕτη λαὸν ὅσιον . . . ἐρρύσατο
— 17. ἀπέδωκεν ὁσίοις μισθὸν κόπων αὐ.
18. 1. τοῖς δὲ ὁ. σου μέγιστον ἦν φῶς
— 5. βουλευσαμένους δ' αὐτοὺς τὰ τῶν ὁ. ἀποκτεῖναι νήπια
— 9. κρυφῇ γὰρ ἐθυσίαζον ὅσιοι [A *om.*] παῖδες ἀγαθῶν
Si. 39. 13. εἰσακούσατέ μου, υἱοὶ ὅσιοι
— 24. αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ τοῖς ὁ. εὐθεῖαι
Am. 5. 10. καὶ λόγον ὅσιον ἐβδελύξαντο (7 *b*)
Is. 55. 3. διαθήσομαι ὑμῖν διαθήκην αἰώνιον τὰ ὅ. Δαυὶδ τὰ πιστά (2 *a*)
Da. LXX., TH. 3. (87). εὐλογεῖτε ὅσιοι . . . τὸν κύριον
I Ma. 7. 17. σάρκας ὁσίων σου . . . ἐξέχεαν
II Ma. 12. 45. ὁ. καὶ εὐσεβὴς ἡ ἐπίνοια
[Aq. Ps. 17 (18). 26: 31 (32). 6: 49 (50). 5: 88 (89). 20.]
[Sm. Dt. 33. 8: Ps. 17 (18). 26: 31 (32). 6: 49 (50). 5: 51 (52). 11: 88 (89). 20.]
[Th. Ps. 17 (18). 26: 49 (50). 5: 88 (89). 20: Am. 5. 10.]
[Al. Ps. 4. 4: 18 (19). 10.]
[Quint. Ps. 17 (18). 26: 30 (31). 22.]
[Heb. Ps. 49 (50). 5.]

ὁσιότης. (1) יֹשֶׁר (2) *a.* תֹּם *b.* תָּמִים
De. 9. 5. οὐδὲ διὰ τὴν ὁ. τῆς καρδίας σου (1)
I Ki. 14. 41. δὸς δὴ ὁσιότητα (2 *b*)
III Ki. 9. 4. ἐν ὁσιότητι καρδίας καὶ ἐν εὐθύτητι (2 *a*)
Pr. 14. 32. ὁ δὲ πεποιθὼς τῇ ἑαυτοῦ ὁ. δίκαιος †
Wi. 2. 22. οὐδὲ μισθὸν ἤλπισαν ὁσιότητος
5. 19. λήψεται ἀσπίδα ἀκαταμάχητον ὁσιότητα
9. 3. καὶ διέπῃ τὸν κόσμον ἐν ὁσιότητι
14. 30. ἀδίκως ὤμοσαν ἐν δόλῳ καταφρονήσαντες ὁσιότητος
18. 9. S τὸν τῆς ὁ. [A B θειότητος] νόμον ἐν ὁμονοίᾳ διέθεντο

ὁσιοῦν. (1) חָסַד hithpa.
II Ki. 22. 26. μετὰ ὁσίου ὁσιωθήσῃ (1)
Ps. 17 (18). 25. μετὰ ὁσίου ὁσιωθήσῃ [S² ὅσιος ἔσῃ] (1)
Wi. 6. 10. οἱ γὰρ φυλάξαντες ὁσίως τὰ ὅσια ὁσιωθήσονται
[Aq., Th., Quint. Ps. 17 (18). 26.]

ὁσίως.
III Ki. 8. 61. καὶ ὁ. πορεύεσθαι ἐν τοῖς προστάγμασιν αὐ. –
Wi. 6. 10. οἱ γὰρ φυλάξαντες ὁ. τὰ ὅσια ὁσιωθήσονται
[Sm. Ps. 17 (18). 26.]

ὀσμή. (1) בְּאֵשׁ (2) בֹּשֶׂם (3) רֵיחַ
Ge. 8. 21. ὠσφράνθη κ. ὁ θεὸς ὀσμὴν εὐωδίας (3)
27. 27. ὠσφράνθη τὴν ὀ. τῶν ἱματίων (3)
— 27. ἰδοὺ ὀ. τοῦ υἱοῦ μου ὡς ὀ. ἀγροῦ (3, 3)
Ex. 5. 21. ἐβδελύξατε τὴν ὀ. ἡμῶν (3)
29. 18. ὁλοκαύτωμα τῷ κ. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας (3)
— 25. ἀνοίσεις . . . εἰς ὀσμὴν εὐωδίας (3)
— 41. ποιήσεις ὀσμὴν εὐωδίας (3)
Le. 1. 9, 13, 17: 2. 2. θυσία ὀσμὴ εὐωδίας τῷ κυρίῳ (3)
2. 9. κάρπωμα ὀσμὴ εὐωδίας κυρίῳ (3)
— 12. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (3)
3. 5. κάρπωμα ὀσμὴ εὐωδίας κυρίῳ (3)
— 11. ὀσμὴ [A -ὴν] εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ –
— 16. κάρπωμα ὀσμὴ εὐωδίας τῷ κυρίῳ (3)
4. 31. ἀνοίσει . . . εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (3)
6. 15 (8). κάρπωμα ὀσμὴ εὐωδίας (3)
— 21 (14). B² R θυσίαν εἰς [B¹ *om.*] ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (3)
8. 20 (21). ὁλοκαύτωμα ὅ ἐστιν εἰς ὀσμὴν εὐωδίας (3)
— 27 (28). ὅ ἐστιν ὀσμὴ εὐωδίας (3)
17. 4. εἰς ὁλοκαύτωμα . . . εἰς ὀσμὴν εὐωδίας –
— 6. ἀνοίσει τὸ στέαρ εἰς ὀσμὴν εὐωδίας (3)
23. 13. ὀσμὴ εὐωδίας κυρίῳ (3)
— 18. θυσίαν ὀσμὴν εὐωδίας τῷ κ. (3)
26. 31. οὐ μὴ ὀσφρανθῶ τῆς ὀ. τῶν θυσιῶν ὑμῶν (3)
Nu. 15. 3. ποιῆσαι ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (3)
— 5. ποιήσεις . . . ὀσμὴν εὐωδίας τῷ κυρίῳ –
— 7. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (3)
— 10. ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (3)
— 13. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (3)
— 14. ποιήσει κάρπωμα ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (3)
— 24: 18. 17. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (3)
28. 2. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας (3)
— 6. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (3)
— 8. B¹ εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίου [A B² R -ῳ] (3)
— 13. θυσίαν ὀσμὴν εὐωδίας (3)
— 24. B¹ εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίου [A B² R -ίῳ] (3)
— 27: 29. 2. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (3)
29. 6. B¹ εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίου [A B² R -ῳ] (3)
— 8. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας (3)
— 11. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας –
— 13. B¹ εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίου [A B² R -ῳ] (3)
— 36. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας (3)
To. 6. 16. S ἡ ὀ. πορεύσεται [A B *al.*]
8. 3. ὠσφράνθη τὸ δαιμόνιον τῆς ὀ. [S *al.*]
Ju. 16. 16. μικρὸν πᾶσα θυσία εἰς ὀσμὴν εὐωδίας

Jb. 6. 7. βρόμον γὰρ ὁρῶ τὰ σῖτά μου ὥσπερ ὀσμὴν [S¹ -ὴ] λέοντος †
14. 9. ἀπὸ ὀσμῆς ὕδατος ἀνθήσει (3)
Ca. 1. 3. ὀσμὴ μύρων σου ὑπὲρ πάντα τὰ ἀρώματα (3)
— 4. εἰς ὀσμὴν μύρων σου δραμοῦμεν –
— 12. νάρδος μου ἔδωκεν ὀσμὴν αὐτοῦ (3)
2. 13. ἔδωκαν ὀσμήν (3)
4. 10. ὀσμὴ ἱματίων [S μύρων] σου ὑπὲρ πάντα ἀρώματα (3)
— 11. ὀσμὴ ἱματίων σου ὡς ὀσμὴ λιβάνου (3, 3)
7. 8 (9). ὀσμὴ ῥινός σου ὡς μῆλα (3)
— 13 (14). οἱ μανδραγόραι ἔδωκαν ὀσμήν [S ὀ. αὐτῶν] (3)
Si. 24. 15. ὡς κιννάμωμον . . . δέδωκα ὀσμήν
39. 14. ὡς λίβανος εὐωδιάσατε ὀσμήν
— 14. διάδοτε ὀσμὴν καὶ αἰνέσατε ᾆσμα
50. 15. ἐξέχεεν . . . ὀσμὴν εὐωδίας
Is. 3. 24. ἔσται ἀντὶ ὀσμῆς ἡδείας κονιορτός (2)
34. 3. ἀναβήσεται αὐτῶν ἡ ὀ. (1)
Je. 25. 10. ἀπολῶ . . . ὀσμὴν μύρου †
31 (48). 11. ὀσμὴ αὐτοῦ οὐκ ἐξέλιπε (3)
Ez. 6. 13. ἔδωκαν ἐκεῖ ὀσμὴν εὐωδίας (3)
16. 19. ἔθηκας αὐτὰ πρὸ προσώπου αὐτῶν εἰς ὀσμὴν εὐωδίας (3)
20. 28. ἔταξαν ἐκεῖ ὀσμὴν εὐωδίας (3)
— 41. ἐν ὀσμῇ εὐωδίας προσδέξομαι ὑμᾶς (3)
Da. LXX. 3. 27 (94). οὐδὲ ὀσμὴ τοῦ πυρὸς ἦν ἐν αὐτοῖς (3)
— 4. 34. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας τῷ κυρίῳ –
Da. TH. 3. 27 (94). ὀσμὴ πυρὸς οὐκ ἦν ἐν αὐτοῖς (3)
II Ma. 9. 9. ὑπὸ δὲ τῆς ὀ. αὐ. πᾶν τὸ στρατόπεδον βαρύνεσθαι
— 10. διὰ τὸ τῆς ὀ. ἀφόρητον βάρος
— 12. μηδὲ τῆς ὀ. αὐ. ἀνέχεσθαι δυνάμενος
[Aq. Ex. 29. 18: Ca. 1. 12.]
[Sm., Th. Ex. 29. 18.]

ὅσος. (1) אֵם (2) *a.* אֲשֶׁר *b.* כֹּל אֲשֶׁר *c.* כֹּל (3) πάντες ὅ., πάντα ὅ. *a.* אֲשֶׁר *b.* כֹּל (4) ὅσα συμβέβηκεν הֶעָשׂוּי (5) בְּ׳ (6) דֵּי (7) *a.* דִּי *b.* מִן־דִּי (8) הַ׳ (9) כְּ׳ (10) מָה (11) עַד (12) τὰ ὅ. אֲשֶׁר (13) καθ' ὅσον ἐστίν כְּ׳ (14) μικρὸν ὅσον ὅσον כִּמְעַט־רֶגַע (15) ὅσα βεβούλευμαι חֶפְצִין (16) ὅσον χρόνον עַד מָתַי

Ge. 1. 31. εἶδεν ὁ θ. τὰ πάντα ὅσα ἐποίησε (2 *a*)
6. 17. καὶ ὅσα ἂν ᾖ ἐπὶ τῆς γῆς τελευτήσει (2 *b*)
— 22. ἐποίησε . . . πάντα ὅ. ἐνετείλατο αὐτῷ (2 *a*)
7. 5. ἐποίησε N. πάντα ὅ. ἐνετείλατο αὐτῷ (2 *a*)
— 22. πάντα ὅ. ἔχει πνοὴν ζωῆς (2 *a*)
8. 1. ὅσα ἦν μετ' αὐτοῦ (2 *a*)
— 17. πάντα τὰ θηρία ὅ. ἐστὶ μετὰ σοῦ (2 *a*)
9. 10. ὅσα ἐστὶ [A *om.*] μεθ' ὑμῶν –
— 24. καὶ ἔγνω ὅσα ἐποίησεν αὐτῷ ὁ υἱός (2 *a*)
11. 6. πάντα ὅ. ἂν ἐπιθῶνται ποιεῖν [A ποιῆσαι] (2 *a*)
12. 5. ὅσα ἐκτήσαντο (2 *a*)
— 20. πάντα ὅ. ἦν αὐτῷ (2 *a*)
18. 19. πάντα ὅ. ἐλάλησε πρὸς [A ἐπ'] αὐτόν (3 *a*)
21. 12. πάντα ὅ. ἂν εἴπῃ σοι Σάρρα (2 *a*)
24. 36. καὶ ἔδωκεν αὐτῷ ὅσα ἦν αὐτῷ (2 *b*)
25. 7. τὰ ἔτη . . . ὅσα ἔζησεν (2 *a*)
28. 15. πάντα ὅ. ἐλάλησά σοι (3 *a*)
30. 29. γινώσκεις . . . ὅσα ἦν κτήνη σου (2 *a*)
— 30. μικρὰ γὰρ ἦν ὅσα σοι ἐναντίον ἐμοῦ (2 *a*)
31. 12. ἑώρακα γὰρ ὅσα σοι Λάβαν ποιεῖ (2 *b*)
— 16. ὅσα σοι εἴρηκεν ὁ θεὸς ποίει (2 *b*)
— 43. καὶ πάντα ὅ. σὺ ὁρᾷς ἐμά ἐστι (2 *a*)
34. 28. ὅσα τε ἦν ἐν τῇ πόλει (2 *a*)
— 28. καὶ ὅσα ἦν ἐν τῷ πεδίῳ ἔλαβον (2 *a*)
— 29. διήρπασαν ὅσα τε ἦν ἐν τῇ πόλει –
— 29. καὶ ὅσα ἦν ἐν ταῖς οἰκίαις (2 *b*)
36. 6. καὶ πάντα ὅ. ἐκτήσατο (3 *b*)
— 6. καὶ πάντα [A *om.*] ὅ. περιεποιήσατο (3 *b*)
39. 3. ὅσα ἐὰν ποιῇ κύριος εὐοδοῖ (2 *b*)
— 4. πάντα ὅσα ἦν αὐτῷ ἔδωκε (3 *b*)
— 5. καὶ ἐπὶ πάντα ὅσα ἦν αὐτῷ (2 *a*)
— 6. ἐπέτρεψε πάντα ὅσα ἦν αὐτῷ (2 *a*)
— 8. πάντα ὅσα ἐστὶν αὐτῷ ἔδωκεν (2 *a*)
— 19. τὰ ῥήματα . . . ὅσα ἐλάλησε (2 *a*)
— 22. πάντας . . . ὅσοι ἐν τῷ δεσμωτηρίῳ (2 *a*)
— 22. πάντα ὅ. ποιοῦσιν . . . ἦν ποιῶν (2 *a*)
Ge. 39. 23. ὅσα αὐτὸς ἐποίει ὁ κύριος εὐώδου (2 *a*)
41. 25, 28. ὅσα ὁ θεὸς ποιεῖ ἔδειξε τῷ Φ. (2 *a*)
44. 1. βρωμάτων ὅσα ἐὰν δύνωνται ἆραι (2 *a*)
45. 10. οἱ βόες σου καὶ ὅσα σοί ἐστι [A ἐκεῖ] (2 *b*)
— 13. καὶ ὅσα ἴδετε (2 *b*)
— 27. πάντα τὰ ῥηθέντα . . . ὅσα εἶπεν αὐτοῖς (2 *a*)
Ex. 3. 16. ἐπέσκεμμαι ὑμᾶς καὶ ὅσα συμβέβηκεν (4)
6. 29. λάλησον . . . ὅσα [B¹ καὶ] ἐγὼ λέγω πρὸς σέ (2 *b*)
7. 2. λαλήσεις . . . πάντα ὅ. σοι ἐντέλλομαι (2 *a*)
9. 19. ὅσα σοί ἐστιν [A εἰσιν] (2 *b*)
— 19. A² R τὰ κτήνη ὅσα ἐὰν εὑρεθῇ [B *al.*] (2 *a*)
— 25. B³ πάντα ὅσα ἦν ἐν τῷ πεδίῳ (2 *a*)
10. 2. ὅπως διηγήσησθε . . . ὅσα ἐμπέπαιχα (2 *a*)
— 2. A τὰ σημεῖά μου ὅσα [B ἃ] ἐποίησα (2 *a*)
11. 7. ὅσα παραδοξάσει κύριος (2 *a*)
12. 16. πλὴν ὅσα ποιηθήσεται πάσῃ ψυχῇ (2 *a*)
13. 12. τοῖς κτήνεσί σου ὅσα ἐὰν γένηταί σοι (2 *a*)
16. 23. ὅσα ἐὰν πέσσητε πέσσετε (2 *a*)
— 23. καὶ ὅσα ἐὰν ἕψητε ἕψετε (2 *a*)
18. 1, 8. πάντα ὅσα ἐποίησε κύριος (2 *a*)
— 14. ἰδὼν Ἰ. πάντα ὅσα ποιεῖ τῷ λαῷ (2 *a*)
— 24. καὶ ἐποίησεν ὅσα εἶπεν αὐτῷ (2 *b*)
19. 4. ἑωράκατε ὅσα πεποίηκα (2 *a*)
— 8. πάντα ὅσα εἶπεν ὁ θεὸς ποιήσομεν (2 *a*)
20. 4. ὅσα ἐν τῷ οὐρανῷ ἄνω (2 *a*)
— 4. καὶ ὅσα ἐν τῇ γῇ κάτω (2 *a*)
— 4. καὶ ὅσα ἐν τοῖς ὕδασιν ὑποκάτω (2 *a*)
— 17. οὔτε ὅσα τῷ πλησίον σού ἐστι (2 *b*)
21. 30. ὅσα ἐὰν ἐπιβάλωσιν αὐτῷ (2 *b*)
22. 17 (16). καθ' ὅσον ἐστὶν ἡ φερνή (13)
23. 13. πάντα ὅσα εἴρηκα πρὸς ὑμᾶς (2 *a*)
— 22. πάντα ὅσα ἂν ἐντείλωμαί σοι [A *al.*] –
— 22. καὶ ποιήσητε πάντα ὅ. ἂν εἴπω σοι (2 *a*)
24. 7. πάντα ὅ. ἐλάλησε κύριος (2 *a*)
25. 8 (9). κατὰ πάντα ὅσα σοι δεικνύω (2 *a*)
— 21 (22). κατὰ πάντα ὅσα ἂν ἐντείλωμαι (2 *a*)
28. 34 (38). ὅσα ἂν ἁγιάσωσιν οἱ υἱοὶ Ἰ. (2 *a*)
29. 35. κατὰ πάντα ὅσα ἐνετειλάμην σοι (2 *a*)
— 38. A ταῦτά ἐστιν ὅσα [B ἃ] ποιήσεις (2 *a*)
30. 13. ὃ δώσουσιν ὅσοι ἂν παραπορεύωνται (2 *c*)
31. 6. ποιήσουσι πάντα ὅσα συνέταξά σοι (2 *a*)
— 11. κατὰ πάντα ὅσα ἐγὼ ἐνετειλάμην σοι (2 *a*)
33. 16. πάντα τὰ ἔθνη ὅσα ἐπὶ τῆς γῆς ἐστι (2 *a*)
34. 11. πρόσεχε σὺ πάντα ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι (3 *a*)
— 32. πάντα ὅσα ἐνετείλατο κύριος πρὸς αὐτόν (2 *a*)
— 34. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῷ κυρίος (2 *a*)
35. 10. πάντα [A *om.*] ὅ. συνέταξε (2 *a* [2 *b*])
— 21. καὶ ὅσοις [A οἷς] ἔδοξε τῇ ψυχῇ αὐτῶν (2 *b*)
— 23 (22). καὶ πάντες ὅ. ἤνεγκαν ἀφαιρέματα (2 *a*)
— 29. πάντα τὰ ἔργα ὅ. συνέταξε κ. ποιῆσαι (2 *a*)
36. 1. κατὰ πάντα ὅ. συνέταξε κύριος (2 *a*)
— 5. τὰ ἔργα ὅ. συνέταξε κύριος ποιῆσαι (2 *a*)
39. 22 (42). A R ὅσα [B ὃ] συνέταξε κ. Μωυσῇ (2 *b*)
40. 16. ἐποίησε M. πάντα ὅ. ἐνετείλατο (2 *a*)
Le. 5. 4. ποιῆσαι κατὰ πάντα ὅ. ἐὰν διαστείλῃ (2 *a*)
7. 9 (19). κρέα ὅ. ἐὰν ἅψηται παντὸς ἀκαθάρτου [A *al.*] (2 *a*)
11. 9. B πάντα ὅ. ἔστιν αὐτοῖς πτερύγια (2 *a*)
— 10, 12. πάντα ὅ. οὐκ ἔστιν αὐτοῖς πτερύγια (2 *a*)
— 33. ὅσα ἐὰν ἔνδον ᾖ ἀκάθαρτα ἔσται (2 *b*)
13. 46. πάσας τὰς ἡμέρας ὅσας ἂν ᾖ ἐπ' αὐτόν (2 *a*)
— 51. κατὰ πάντα ὅ. ἐὰν ποιηθῇ δέρματα (2 *a*)
14. 22. ὅσα εὕρεν ἡ χεὶρ αὐτοῦ (2 *a*)
— 36. ἀκάθαρτα γένηται ὅσα ἐὰν ᾖ ἐν τῇ οἰκίᾳ (2 *b*)
15. 10. ἁπτόμενος ὅσα ἐὰν ᾖ [A *al.*] (2 *b*)
— 11. καὶ ὅσων ἐὰν ἅψηται ὁ γονορρυής (2 *b*)
17. 5. τὰς θυσίας αὐ. ὅσας ἂν . . . σφάξουσιν (2 *a*)
22. 2. ὅσα αὐτοὶ ἁγιάζουσί μοι (2 *a*)
— 3. ὅσα ἂν ἁγιάζωσιν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τῷ κ. (2 *a*)
— 18. B² ὅσα [A B¹ R ὃς ἂν] προσενέγκῃ τὰ δῶρα αὐ. (2 *a*)
— 18. ὅσα ἂν προσενέγκωσι τῷ θεῷ (2 *a*)
— 20. πάντα ὅσα ἂν ἔχῃ μῶμον ἐν αὐτῷ (2 *a*)
25. 44. ὅσοι ἂν γένωνταί σοι ἀπὸ τῶν ἐθνῶν ὅσοι κύκλῳ σού εἰσιν (2 *a*, 2 *a*)
— 45. ὅσοι ἂν γένωνται ἐν τῇ γῇ ὑμῶν (2 *a*)
27. 28. ἀπὸ πάντων ὅσα αὐτῷ ἐστιν (2 *a*)
Nu. 1. 50. ἐπὶ πάντα ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτῇ (2 *a*)
— 54. A κατὰ πάντα ὅσα [B ἃ] ἐνετείλατο (2 *a*)
2. 34. πάντα ὅσα συνέταξε κ. τῷ M. [A *al.*] (2 *a*)
3. 31. ὅσα λειτουργοῦσιν ἐν αὐτοῖς (2 *a*)
4. 9. A ὅσοι [B οἷς] λειτουργοῦσιν ἐν αὐτοῖς (2 *a*)
— 12. ὅσα λειτουργοῦσιν ἐν αὐτοῖς (2 *a*)
— 14. ὅσοις [A -οι] λειτουργοῦσιν ἐπ' αὐτῷ (2 *a*)
— 16. καὶ ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτῇ (2 *b*)
Nu. 4. 26. A B² R ὅσα ἐπὶ τῆς σκηνῆς τοῦ μαρτ. (2 *a*)
— 26. ὅσα λειτουργοῦσιν ἐν αὐτοῖς (2 *b*)
5. 9. ὅσα ἐὰν προσφέρωσι τῷ κυρίῳ (2 *a*)
6. 3. ὅσα κατεργάζεται ἐκ σταφυλῆς (2 *c*)
— 4. ὅσα γίνεται ἐξ ἀμπέλου (2 *a*)
— 5. ὅσας [A ἃς] ηὔξατο κυρίῳ (2 *a*)
10. 32. ὅσα [A ἃ] ἂν ἀγαθοποιήσῃ κ. ἡμᾶς (2 *a*)
14. 15. ὅσοι ἀκηκόασι τὸ ὄνομά σου (2 *a*)
— 23. ὅσοι οὐκ οἴδασιν ἀγαθόν –
— 29. ὅσοι ἐγόγγυσαν ἐπ' ἐμοί (2 *a*)
— 34. ὅσας κατεσκέψασθε τὴν γῆν (2 *a*)
16. 26. A ὅσα [B ὧν] ἐστὶν αὐτοῖς (2 *a*)
— 30. καὶ πάντα ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς (2 *a*)
— 33. ὅσα [A πάντα ὅ.] ἐστὶν αὐτῶν (2 *b* [2 *a*])
— 39 (17. 4). ὅσα προσήνεγκαν οἱ κατακεκαυμ. (2 *a*)
17. 5 (20). A ὅσα [B ἃ] αὐτοὶ γογγύζουσιν (2 *a*)
— 11 (26). A ὅσα [B καθὰ] συνέταξε κύριος τῷ M. (2 *a*)
18. 9. ὅσα ἀποδιδόασί μοι (2 *a*)
— 12. ὅσα ἂν δῶσι τῷ κυρίῳ (2 *a*)
— 13. ὅσα ἐν τῇ γῇ αὐτῶν (2 *a*)
— 13. ὅσα ἂν ἐνέγκωσι κυρίῳ (2 *a*)
— 15. A B² R ὅσα [B¹ ἃ] προσφέρουσι κυρίῳ (2 *a*)
— 19. ὅσα ἐὰν ἀφέλωσιν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. κυρίῳ (2 *a*)
— 21. ὅσα αὐτοὶ λειτουργοῦσι λειτουργίαν (2 *a*)
— 24. ὅσα ἂν ἀφορίσωσι κυρίῳ (2 *a*)
— 28. ὅσα ἐὰν λάβητε παρὰ τῶν υἱῶν Ἰσρ. (2 *a*)
19. 2. ὅσα συνέταξε κύριος (2 *a*)
— 14. ὅσα ἐστὶν ἐν τῇ οἰκίᾳ (2 *b*)
— 15. ὅσα οὐχὶ δεσμὸν καταδέδεται (2 *a*)
— 18. ὅσαι ἐὰν ὦσιν ἐκεῖ (2 *a*)
22. 2. πάντα ὅσα ἐποίησεν Ἰσρ. τῷ Ἀμ. (2 *a*)
— 17. ὅσα [A πάντα ὅ., B² ἃ] ἐὰν εἴπῃς (2 *b* [2 *a*])
23. 12. ὅσα ἂν ἐμβάλῃ ὁ θ. εἰς τὸ στόμα μου (2 *a*)
24. 13. ὅσα ἐὰν εἴπῃ ὁ θ. (2 *a*)
25. 18. ὅσα δολιοῦσιν ὑμᾶς (2 *a*)
28. 3. ὅσα προσάξετε κυρίῳ (2 *a*)
30. 1. ὅσα [A ἃ] ἐνετείλατο κύριος τῷ M. (2 *a*)
— 3. ὅσα ἂν ἐξέλθῃ ἐκ τοῦ στόματος αὐ. (2 *c*)
— 7. A ὅσα [B οὗς] διωρίσατο κατὰ τῆς ψυχῆς αὐ. (2 *a*)
— 10. ὅσα ἂν εὔξηται κατὰ τῆς ψυχῆς αὐ. (2 *b*)
— 13. ὅσα ἐὰν ἐξέλθῃ ἐκ τῶν χειλέων αὐ. (2 *c*)
— 17. ὅσα ἐνετείλατο κύριος τῷ M. (2 *a*)
31. 23. ὅσα ἐὰν [A *om.*] μὴ διαπορεύηται διὰ πυρός (2 *a*)
32. 31. ὅσα ὁ κύριος λέγει τοῖς θεράπουσιν (2 *a*)
33. 4. A ὅσους [B οὗς] ἐπάταξε κύριος (2 *a*)
— 55. A ὅσους ἂν [B οὗς ἐὰν] καταλείπητε ἐξ αὐτῶν (2 *a*)
De. 1. 3. ὅσα ἐνετείλατο κύριος αὐτῷ (2 *a*)
— 30. ὅσα ἐποίησεν ὑμῖν (2 *a*)
— 41. ὅσα ἐνετείλατο κ. ὁ θ. ἡμῖν ἡμῖν (2 *a*)
— 46. ὅσας ποτὲ ἡμέρας ἐνεκάθησθε ἐκεῖ (9 + 2 *a*)
3. 21. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (2 *a*)
4. 1. ὅσα ἐγὼ διδάσκω ὑμᾶς (2 *a*)
— 2. ὅσα [B² ὅσας] ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν (2 *a*)
— 3. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν τῷ B. (3 *a*)
— 6. ὅσοι ἂν ἀκούσωσι πάντα τὰ δικαιώμ. (2 *a*)
— 10. A B² ὅσας [B¹ R ἃς] αὐτοὶ ζῶσιν ἐπὶ τῆς γῆς (2 *a*)
— 18. A R ὅσα [B ἃ] ἐστὶν ἐν τοῖς ὕδασιν (2 *a*)
— 34. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (2 *a*)
— 40. ὅσας [B² ἃς] ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σήμερον (2 *a*)
— 45. ὅσα ἐλάλησε M. (2 *a*)
5. 1. ὅσα ἐγὼ λαλῶ (2 *a*)
— 8. ὅσα ἐν τῷ οὐρανῷ ἄνω καὶ ὅσα ἐν τῇ γῇ κάτω καὶ ὅσα ἐν τοῖς ὕδασιν (2 *a ter*)
— 21 (18). B¹ οὔτε ὅσα [A B² R πάντα ὅ.] τῷ πλησίον σού ἐστιν (2 *b* [2 *a*])
— 27 (24). ὅσα ἐὰν εἴπῃ κύριος (2 *b*)
— 27 (24). A B² R ὅσα ἂν λαλήσῃ κύριος (2 *a*)
— 28 (25). ὅσα ἐλάλησαν πρὸς σέ (2 *a*)
— 28 (25). ὀρθῶς πάντα ὅσα ἐλάλησαν (2 *a*)
— 31 (28). ὅσα διδάξεις αὐτούς (2 *a*)
6. 1. ὅσα ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (2 *a*)
— 2. B¹ ὅσας [A B² R ἃς] ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι (2 *a*)
— 4. ὅσα ἐνετείλατο κύριος τοῖς υἱοῖς Ἰ. –
— 6. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι (2 *a*)
— 17. ὅσα ἐνετείλατό σοι (2 *a*)
— 20. ὅσα ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἡμῖν (2 *a*)
7. 6. ὅσα ἐπὶ προσώπου τῆς γῆς (2 *a*)
— 11. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι (2 *a*)
— 15. καὶ ὅσα ἔγνως (2 *a*)

De. 7. 18. ὅσα ἐποίησε κύριος . . . τῷ Φ. (2 a)
8. 11. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σήμερον (2 a)
— 13. πάντων ὅσων σοι ἔσται (2 a)
— 20. ὅσα κ. ὁ θεὸς ἀπολλύει (2 a)
9. 7. ὅσα παρώξυνας κ. τὸν θεόν σου (2 a)
— 25. ὅσας ἐδεήθην (2 a)
10. 2. A ὅσα [B ἃ] ἦν ἐν ταῖς πλαξί (2 a)
— 13. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σήμερον (2 a)
— 14. ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτῇ (2 a)
11. 2. ὅσοι οὐκ οἴδασιν (2 a)
— 3. ὅσα ἐποίησεν ἐν μέσῳ Αἰγύπτου (2 a)
— 4. ὅσα ἐποίησε τὴν δύναμιν τῶν Αἰγ. (2 a)
— 5. ὅσα ἐποίησεν ὑμῖν ἐν τῇ ἐρήμῳ (2 a)
— 6. ὅσα ἐποίησε τῷ Δ. (2 a)
— 7. ὅσα ἐποίησεν ὑμῖν σήμερον (2 a)
— 8. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σήμερον (2 a)
— 13. A ὅσας [B ἃς] ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σήμ. (2 a)
— 22. B ὅσας [A R ἃς] ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σήμ. (2 a)
— 27. A R ὅσας [B ἃς] ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σήμ. (2 a)
— 28. ὅσα [A ὅσας] ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σήμ. –
— 32. ὅσας [A ἃς] ἐγὼ δίδωμι ἐνώπιον ὑμῶν (2 a)
12. 8. R ὅσα [A B ἃ] ἡμεῖς ποιοῦμεν (2 a)
— 11. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σήμερον (2 a)
— 11. ὅσα ἂν εὔξησθε κ. τῷ θεῷ (2 a)
— 14. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σήμερον (2 a)
— 17. ὅσας ἂν εὔξησθε (2 a)
— 19. πάντα τὸν χρόνον ὅσον ἐὰν ζῇς [A *al.*] –
13. 18 (19). ὅσας [A ἃς] ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σήμερον (2 a)
14. 9. ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτοῖς πτερύγια (2 a)
— 10. ὅσα οὐκ ἔστιν αὐτοῖς πτερύγια (2 a)
15. 3. ὅσα ἐὰν ᾖ σοι παρ' αὐτῷ (2 a)
— 5. ὅσας [A ἃς] ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σήμερον (2 a)
— 8. ὅσον ἐπιδέεται [A *al.*] (6)
— 8. A καθ' ὅσον ὑστερεῖται [B *al.*] (2 a)
— 10. ὅσον ἐπιδέεται [A *al.*] –
16. 8. πλὴν ὅσα ποιηθήσεται ψυχῇ –
— 10. ὅσα ἂν δῷ κ. ὁ θεός σου (2 a)
17. 10. ὅσα ἂν νομοθετηθῇ σοι (2 a)
18. 16. ὅσα ᾐτήσω παρὰ κ. τοῦ θεοῦ σου (2 a)
— 17. πάντα ὅσα ἐλάλησαν πρὸς σέ (3 a)
— 19, 22. ὅσα ἐὰν λαλήσῃ ὁ προφήτης ἐκ. (2 a)
20. 14. B ὅσα [A R πάντα ὅ.] ἂν ὑπάρχῃ ἐν τῇ πόλει (2 b [2 a])
— 18. ὅσα ἐποίησαν τοῖς θεοῖς αὐτῶν (2 a)
22. 3. ὅσα ἐὰν ἀπόληται παρ' αὐτοῦ (2 a)
23. 24 (26). ὅσον ψυχήν σου ἐμπλησθῆναι [A *al.*] (9)
24. 9. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θ. σου τῇ M. (2 a)
25. 17. ὅσα ἐποίησέ σοι Ἀμ. (2 a)
27. 1. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σήμερον (2 a)
— 10: 28. 13. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σήμερον (2 a)
28. 15. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σήμερον (2 a)
— 20. A ὅσα ἐὰν ποιήσῃς (2 a)
— 45. ὅσα ἐνετείλατό σοι (2 a)
— 53. ὅσα ἔδωκέ σοι (2 a)
29. 2 (1). ὅσα ἐποίησε κύριος (2 a)
— 9 (8). ὅσα ποιήσετε (2 a)
— 12 (11). ὅσα κ. ὁ θεός σου διατίθεται (2 a)
30. 2. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σήμερον (2 a)
— 8. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σήμερον (2 a)
— 16. A ὅσας [B ἃς] ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σήμερον (2 a)
31. 13. ὅσας αὐτοὶ ζῶσιν (2 a)
— 21. ὅσα ποιοῦσιν ὧδε σήμερον (2 a)
Jo. 1. 16. ὅσα ἂν ἐντείλῃ ἡμῖν (2 a)
— 17. ὅσα ἠκούσαμεν Μωυσῆ (2 a)
2. 10. ὅσα ἐποίησε τοῖς δυσὶ βασ. (2 a)
— 13. ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς (2 a)
— 19. ὅσοι ἐὰν γένωνται μετὰ σοῦ (2 b)
3. 4. ὅσον διςχιλίους πήχεις στήσεσθε (9)
4. 10. A ὅσα [B ἃ] ἐνετείλατο κύριος (2 a)
— 14. ὅσον χρόνον ἔζη (2 c)
5. 4. ὅσοι ποτὲ ἐγένοντο ἐν τῇ ὁδῷ –
— 4. ὅσοι ποτὲ ἀπερίτμητοι ἦσαν –
6. 16 (17). ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτῇ (2 a)
— 16 (17). A R πάντα [B *om.*] ὅσα ἐστὶν ἐν τῷ οἴκῳ αὐτῆς (2 a [2 b])
— 20 (21). ὅσα ἦν ἐν τῇ πόλει (2 b)
— 21 (22). καὶ ὅσα [A πάντα ὅ.] ἐστὶν αὐτῇ (2 b [2 a])
— 22 (23). B ὅσα ἦν αὐτῆς [A R -ῇ] (2 a)
7. 15. ὅσα ἐστὶν αὐτῷ (2 a)
Jo. 9. 3. ὅσα ἐποίησε κύριος τῇ Ἰ. (3 a)
— 9. ὅσα ἐποίησεν ἐν Αἰγύπτῳ (2 b)
— 10. ὅσα ἐποίησε τοῖς βασ. τῶν Ἀμ. (2 b)
— 24. ὅσα συνέταξε κ. ὁ θεός σου M. (2 a)
10. 37 *bis*. ὅσα ἦν ἐν αὐτῇ (2 a)
15. 46. ὅσαι εἰσὶ πλησίον Ἀσ. (2 a)
22. 2. ὅσα ἐνετείλατο ὑμῖν M. (2 a)
— 2. ὅσα ἐνετείλατο ὑμῖν (2 a)
23. 3. ὅσα [A πάντα ὅσα] ἐποίησε κύριος (2 b [2 a])
24. 7. ὅσα ἐποίησε κύριος (2 a)
— 27. A ὅσα [B ὅ τι] ἐλάλησε πρὸς ὑμᾶς (2 a)
— 31. ὅσοι ἐφείλκυσαν τὸν χρόνον (2 a)
— 31. ὅσοι εἶδοσαν πάντα τὰ ἔργα κυρίου (2 a)
— 31. ὅσα ἐποίησε τῷ Ἰσρ. (2 a)
Jd. 2. 7. ὅσοι ἐμακροημέρευσαν μετὰ Ἰ. (2 a)
— 7. ὅσοι ἔγνωσαν πᾶν τὸ ἔργον κυρίου (2 a)
— 7. ὅσα [A ὃ] ἐποίησεν ἐν τῷ Ἰσρ. (2 a)
— 10. A ὅσοι [B οἱ] οὐκ ἔγνωσαν τὸν κύριον (2 a)
— 20. ὅσα ἐγκατέλιπον . . . τὴν διαθήκην μου (2 a)
6. 13. A ὅσα [B ἃ] διηγήσαντο ἡμῖν (2 a)
9. 33. ὅσα ἂν εὕρῃ ἡ χεὶρ σου [A *al.*] (2 a)
10. 15. A ὅσα ἂν ἀρέσκῃ ἐνώπιόν σου [B *al.*] (8)
11. 24. A ὅσα [B ἃ ἐὰν] κατεκληρονόμησέν σοι (2 a)
— 24. A ὅσα κατεκληρονόμησέν σοι [B *al.*] (2 a)
13. 14. A ὅσα [B ὃ] ἐκπορεύεται ἐξ ἀμπέλου (2 a)
— 14. ὅσα ἐνετειλάμην αὐτῷ (2 a)
18. 10. A ὅσα ἐν τῇ γῇ [B *al.*] (2 a)
— 27. A ὅσα [B ὃ] ἐποίησε M. (2 a)
— 31. A ὅσας [B ἃς] ἦν ὁ οἶκος τοῦ θ. ἐν Σ. –
Ru. 2. 11. ὅσα [A πάντα ὅ.] πεποίηκας μετὰ τῆς πενθερᾶς σου (2 b [2 a])
3. 5. ὅσα ἐὰν εἴπῃς (2 a)
— 6. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῇ (2 a)
— 11. ὅσα ἐὰν εἴπῃς (2 a)
— 16. ὅσα ἐποίησεν αὐτῇ ὁ ἀνήρ (2 a)
4. 9. ὅσα ὑπάρχει τῷ X. (2 a)
I Ki. 3. 12. ὅσα ἐλάλησα εἰς τὸν οἶκον αὐ. (2 a)
10. 7. πάντα ὅσα ἐὰν εὕρῃ ἡ χεὶρ σου (3 a)
12. 1. ὅσα εἰπατέ μοι (2 a)
13. 14. R ὅσα [B ὅ τι] ἐνετείλατό σοι κύριος (2 a)
15. 13. ὅσα ἐλάλησε κύριος †
17. 18. A ὅσα ἂν χρῄζωσιν †
19. 18. ὅσα ἐποίησεν αὐτῷ Σ. (2 a)
25. 30. ὅσα ἐλάλησεν ἀγαθὰ ἐπὶ σέ (2 a)
28. 9. ὅσα ἐποίησε Σ. (2 a)
II Ki. 3. 19. ὅσα ἤρεσεν ἐν ὀφθαλμοῖς Ἰσρ. (2 a)
— 25. ὅσα σὺ ποιεῖς (2 a)
— 36. ὅσα ἐποίησεν ὁ βασιλεύς (2 a)
7. 3. ὅσα ἂν [A *om.*] ἐν τῇ καρδίᾳ σου . . . ποίει (2 a)
9. 9. ὅσα ἐστὶ τῷ Σ. (2 a)
— 11. ὅσα ἐντέταλται ὁ κ. μου . . . τῷ δούλῳ αὐ. (2 a)
11. 22. ὅσα ἀπήγγειλεν αὐτῷ Ἰ. (2 a)
15. 15. ὅσα αἱρεῖται [A ἐρ.] ὁ κ. ἡμῶν ὁ βασ. (2 a)
16. 4. ὅσα ἐστὶ Μεμφ. (2 a)
18. 21. ὅσα εἴδες (2 a)
— 32. ὅσοι ἐπανέστησαν ἐπ' αὐτόν (2 a)
19. 19 (20). ὅσα ἠδίκησεν ὁ παῖς σου (2 a)
— 38 (39). ὅσα ἐκλέξῃ [A -δέξηται] ἐπ' ἐμοί (2 a)
21. 11. ὅσα ἐποίησε Ῥ. (2 a)
— 14. ὅσα ἐνετείλατο ὁ βασ. (2 a)
III Ki. 2. 3. ὅσα ἂν [A *om.*] ἐντείλωμαί σοι (2 a)
— 5. ὅσα ἐποίησέ μοι Ἰ. (2 a)
— 5. ὅσα ἐποίησε τοῖς δυσὶν ἄρχουσι (2 a)
4. 34 (5. 14). ὅσοι ἤκουον τῆς σοφίας αὐ. (2 a)
5. 6 (20). ὅσα ἂν εἴπῃς (2 a)
8. 24. A ὅσα ἐλάλησας αὐτῷ (2 a)
— 31. ὅσα ἂν ἁμάρτῃ ἕκαστος (2 a)
— 40. ὅσας [A *om.*] αὐτοὶ ζῶσιν (2 a)
— 43. ὅσα ἂν ἐπικαλέσηταί σε (2 a)
— 56. ὅσα [A ἃ] ἐλάλησεν (2 a)
9. 1. ὅσα ἠθέλησε ποιῆσαι (2 a)
10. 2. ὅσα ἦν ἐν τῇ καρδίᾳ αὐτῆς (2 a)
— 13. ὅσα ἠθέλησεν ὅσα ᾐτήσατο (–, 2 a)
11. 38. ὅσα ἂν ἐντείλωμαί σοι (2 a)
— 41. ὅσα ἐποίησε (2 a)
14. 7. A ἀνθ' οὗ ὅσον ὕψωσά σε (2 a)
— 9. A ὅσοι ἐγένοντο εἰς πρόσωπόν σου (2 a)
— 15. A ἀνθ' οὗ ὅσον ἐποίησαν τὰ ἄλση (2 a)
— 19. A ὅσα ἐπολέμησεν καὶ ὅσα ἐβασίλευσεν (2 a, 2 a)
— 26. A B² R ὅσα ἐποίησε Σαλ. (2 a)
— 29: 15. 7, 31. A ὅσα [B ἃ] ἐποίησεν (2 a)
16. 5. A πάντα ὅ. [B ἃ] ἐποίησεν (3 a)
17. 12. ἀλλ' ἢ ὅσον δρὰξ ἀλεύρου –
III Ki. 21 (20). 9. ὅσα ἀπέσταλκας πρὸς τὸν δοῦλόν σου (2 a)
22. 46. ὅσα ἐποίησεν (2 a)
— 46. A καὶ ὅσα ἐπολέμησεν (2 a)
IV Ki. 1. 18. A ὅσα [B ἃ] ἐποίησεν (2 a)
8. 12. ὅσα ποιήσεις τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 a)
— 23. ὅσα ἐποίησεν (2 a)
10. 5. ὅσα ἐὰν εἴπῃς πρὸς ἡμᾶς (2 b)
— 10. ὅσα ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. Ἠλ. (2 a)
— 30. ἀνθ' ὧν ὅσα ἠγάθυνας (2 a)
— 30. ὅσα ἐν τῇ καρδίᾳ μου (2 a)
— 34. ὅσα ἐποίησε (2 a)
11. 9. ὅσα ἐνετείλατο Ἰ. (2 a)
12. 12 (13). ὅσα ἐξωδιάσθη ἐπὶ τὸν οἶκον (2 a)
— 18 (19). ὅσα ἡγίασεν Ἰωσ. (2 a)
— 19 (20): 13. 8, 12. ὅσα ἐποίησεν (2 a)
14. 3. ὅσα ἐποίησεν Ἰ. ὁ πατὴρ αὐ. (2 a)
— 15. ὅσα ἐποίησεν ἐν δυναστείᾳ αὐ. (2 a)
— 18. A R ὅσα [B ἃ] ἐποίησεν –
— 28. ὅσα ἐποίησε (2 a)
— 28. ὅσα ἐπολέμησε καὶ ὅσα ἐπέστρεψε τὴν Δαμ. (2 a, 2 a)
15. 3. ὅσα ἐποίησεν Ἀμ. (2 a)
— 6, 21, 26, 31. ὅσα ἐποίησεν (2 a)
— 34. ὅσα ἐποίησεν Ἀζ. (2 a)
— 36. ὅσα ἐποίησεν (2 a)
16. 11. ὅσα ἀπέστειλεν ὁ βασ. Ἄχαζ (2 a)
— 16. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῷ ὁ βασ. (2 a)
— 19. ὅσα ἐποίησεν (2 a)
17. 8. ὅσοι ἐποίησαν (2 a)
— 9. ὅσοι ἠμφιέσαντο οἱ υἱοὶ Ἰσρ. λόγους –
— 13. ὅσα ἀπέστειλα αὐτοῖς (2 a)
— 15. ὅσα διεμαρτύρατο αὐτοῖς (2 a)
18. 3. ὅσα ἐποίησε Δ. (2 a)
— 6. ὅσας ἐνετείλατο Μωυσῇ (2 a)
— 12. ὅσα ἐνετείλατο M. (2 a)
19. 11. πάντα ὅσα ἐποίησαν βασιλεῖς Ἀσσυρίων (3 a)
20. 3. ὅσα περιεπάτησα ἐνώπιόν σου (2 a)
— 13. ὅσα ηὑρέθη ἐν τοῖς θησαυροῖς αὐ. (2 b)
— 15. ὅσα ἐν τῷ οἴκῳ μου (2 a)
— 17. ὅσα ἐθησαύρισαν οἱ πατέρες σου (2 a)
— 20. ὅσα ἐποίησεν (2 a)
21. 8. ὅσα ἐνετειλάμην (2 a)
— 11. ἀνθ' ὧν ὅσα ἐποίησε M. (2 a)
— 15. ἀνθ' ὧν ὅσα [A *om.*] ἐποίησαν τὸ πονηρόν (2 a)
— 17, 25. ὅσα ἐποίησε (2 a)
22. 19. ὅσα ἐλάλησα ἐπὶ τὸν τόπον τοῦτον (2 a)
23. 28. ὅσα ἐποίησεν (2 a)
— 32, 37. ὅσα ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐ. (2 a)
24. 3, 5. ὅσα ἐποίησε (2 a)
— 7. ὅσα ἦν τοῦ βασ. Αἰγύπτου (2 a)
— 9. ὅσα ἐποίησεν ὁ πατὴρ αὐτοῦ (2 a)
— 19. ὅσα ἐποίησεν Ἰ. (2 a)
I Ch. 4. 10. πάντα ὅσα ᾐτήσατο (3 a)
6. 49 (34). ὅσα ἐνετείλατο M. (2 a)
16. 40. ὅσα ἐνετείλατο [S¹ ἐγένετο] ἐφ' υἱοῖς Ἰσρ. (2 a)
17. 20. ὅσα ἠκούσαμεν ἐν ὠσὶν ἡμῶν (2 a)
II Ch. 2. 14 (13). ὅσα ἂν δῷς αὐτῷ (2 a)
6. 33. ὅσα ἂν ἐπικαλέσηταί σε (2 a)
7. 11. B ὅσα ἐποίησεν [A R ἠθέλησεν] (8)
8. 6. ὅσα ἐπεθύμησε Σ. (2 c)
9. 1. ὅσα ἐν τῇ ψυχῇ αὐτῆς (2 a)
23. 8. ὅσα ἐνετείλατο Ἰ. (2 a)
26. 4. ὅσα ἐποίησεν Ἀμ. (2 a)
27. 2. A ὅσα [B ἃ] ἐποίησεν Ὀζ. (2 a)
29. 2. ὅσα ἐποίησε Δ. (2 a)
36. 5. ὅσα ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐ. –
I Es. 2. 6. ὅσοι οὖν κατὰ τοὺς τόπους οἰκοῦσι
4. 5. A ὅσα [B *om.*] ἐὰν προνομεύσωσι
— 6. ὅσοι οὐ στρατεύονται
— 46. B¹ ὅσα [A B² R ὅ σε] ἀξιῶ
— 57. ὅσα εἶπε Κῦρος ποιῆσαι
5. 53. ὅσοι ηὔξαντο εὐχὴν τῷ θ.
6. 32. ὅσοι ἐὰν παραβῶσί τι
8. 11. ὅσοι οὖν ἐνθυμοῦνται
— 16. ὅσα ἂν βούλῃ
— 17. ὅσα ἂν ὑποπίπτῃ σοι
— 19. ὅσα ἐὰν ἀποστείλῃ Ἔ.
— 24. ὅσοι ἐὰν παραβαίνωσι
— 72. A ὅσοι ἦσαν ζηλωταί
— 72. ὅσοι ποτὲ ἐπεκινοῦντο
— 94. ὅσοι πειθαρχοῦσι τοῦ νόμου κυρίου
9. 4. ὅσοι ἂν μὴ ἀπαντήσωσιν
— 12. ὅσοι ἔχουσι γυναῖκας ἀλλογενεῖς

Ne. 5. 19. ὅσα ἐποίησα τῷ λαῷ τούτῳ (2 *a*)
9. 6. ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτῇ (2 *a*)
To. 1. 20. S ὅσα ὑπῆρχέν μοι [A B *al.*]
2. 6. S ὅσα ἐλάλησεν Ἀμ. [A B *al.*]
— 10. S ὅσῳ ἐνεχρίσάν με τὰ φάρμακα [A B *al.*]
5. 1. ὅσα ἐντέταλσαί μοι
8. 21. S ὅσα μοι ὑπάρχει [A B *al.*]
13. 14. ὅσοι [A οἱ] ἐλυπήθησαν ἐπὶ πάσαις ταῖς μάστιξί σου [S *al.*]
14. 4. ὅσα ἐλάλησεν Ἰ. [S *al.*]
— 4. S ὅσα ἐλάλησαν οἱ προφῆται τοῦ Ἰ.
— 10. S ὅσα N. ἐποίησεν Ἀχεικάρῳ [A B *al.*]
— 10. ὅσα ἀνταπέδωκεν αὐτῷ [S *al.*]
Ju. 2. 12. S² ὅσα [A B S¹ *om.*] λελάληκα καὶ ποιήσω
4. 1. ὅσα ἐποίησεν Ὀλ.
6. 17. ὅσα ἐλάλησεν
— 17. ὅσα ἐμεγαλορρημόνησεν Ὀλ.
8. 26. ὅσα ἐποίησε μετὰ Ἀβρ.
— 26. ὅσα ἐπείρασε τὸν Ἰ.
— 26. ὅσα ἐγένετο τῷ Ἰ.
— 28. πάντα ὅσα εἶπας
10. 4. ὅσοι ἂν ἴδωσιν αὐτήν
11. 9. ὅσα ἐξελάλησε [S ἐλ.] παρὰ σοί
— 12. ὅσα διεστείλατο αὐτοῖς ὁ θ.
— 16. ὅσοι ἐὰν ἀκούσωσιν αὐτά
12. 20. ὅσον οὐκ ἔπιε πώποτε [A *om.*]
14. 8. ὅσα ἐποίησας
— 8. ὅσα ἦν πεποιηκυῖα
— 10. ὅσα ἐποίησεν ὁ θεὸς τοῦ Ἰσρ.
16. 19. ὅσα ἔδωκεν ὁ λαὸς αὐτῇ
Es. 1. 17. A ὅσα [B S ὡς] ἀντεῖπε τῷ βασ. (5 ?)
2. 1. A ὅσα αὐτῇ κατεκρίθη [B S *al.*] (2 *a*)
4. 17. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῷ Ἐ. (2 *b*)
— 17. ὅσα ἐλάλησας
5. 6. ὅσα ἀξιοῖς –
8. 1. ὅσα ὑπῆρχεν Ἀ. –
— 3. ὅσα ἐποίησε τοῖς Ἰουδαίοις (2 *a*)
— 5. A ὅσοι [B S οἵ] εἰσιν ἐν τῇ βασ. σου (2 *a*)
— 8. ὅσα γὰρ γράφεται (2 *a*)
— 9. ὅσα ἐνετείλατο τοῖς οἰκονόμοις (2 *b*)
— 13. ὅσα [S -ον] ἐστὶ . . . συντετελεσμένα
9. 20. ὅσοι ἦσαν [A S³ οἵ εἰσιν] ἐν τῇ Ἀρτ. βασ. (2 *a*)
— 25. ὅσα δὲ ἐπεχείρησεν ἐπάξαι . . . κακά (2 *a*)
— 26. καὶ ὅσα πεπόνθασι διὰ ταῦτα (10)
— 26. καὶ ὅσα αὐτοῖς ἐγένετο (10)
— 29. ὅσα ἐποίησαν [S -εν] (2 *c*)
— 30. S¹ ὅσα ἐποίησεν –
Jb. 1. 12. ὅσα ἐστὶν αὐτῷ (2 *a*)
2. 4. ὅσα [A S πάντα ὅ.] ὑπάρχει ἀνθρώπῳ (2 *b* [2 *a*])
12. 6. ὅσοι παροργίζουσι τὸν κύριον –
13. 2. οἶδα ὅσα καὶ ὑμεῖς ἐπίστασθε (9)
36. 25. ὅσοι τιτρωσκόμενοί εἰσι βροτοί †
37. 12. πάντα ὅσα ἂν ἐντείληται αὐτοῖς (2 *a*)
42. 10. διπλᾶ ὅσα ἦν ἔμπροσθεν Ἰώβ [A *al.*] (2 *b*)
— 11. πάντες ὅσοι ᾔδεισαν αὐτόν (3 *b*)
Ps. 1. 3. ὅσα ἂν ποιῇ (2 *a*)
65 (66). 16. ὅσα ἐποίησε τῇ ψυχῇ μου (2 *a*)
70 (71). 20. S² R ὅσας [B S¹ ὅτι] ἔδειξάς μοι θλίψεις πολλάς (2 *a*)
73 (74). 3. ὅσα [B² S¹ -ας] ἐπονηρεύσατο ὁ ἐχθρός (2 *c*)
77 (78). 3. ὅσα ἠκούσαμεν καὶ ἔγνωμεν αὐτά (2 *a*)
— 5. S² ὅσα [B S¹ ὃν] ἐνετείλατο τοῖς πατράσιν ἡμῶν (2 *a*)
85 (86). 9. πάντα τὰ ἔθνη ὅσα ἐποίησας ἥξουσι (2 *a*)
102 (103). 12. καθ' ὅσον ἀπέχουσιν ἀνατολαὶ ἀπὸ δυσμῶν (9)
108 (109). 11. ὅσα ὑπάρχει αὐτῷ (2 *a*)
113. 11 (115. 3). ὅσα ἠθέλησεν (2 *a*)
134 (135). 6. ὅσα ἠθέλησεν ὁ κύριος (2 *a*)
Pr. 1. 22. ὅσον ἂν χρόνον ἄκακοι ἔχωνται τῆς δικαιοσύνης (16)
6. 26. τιμὴ γὰρ πόρνης ὅση καὶ ἑνὸς ἄρτου (11)
Ec. 2. 12. τὰ [S² σὺν] ὅσα ἐποίησεν αὐτήν [S -ῆ] (12 [2 *a*])
3. 14. ὅσα ἐποίησεν ὁ θεός (2 *a*)
— 15. ὅσα τοῦ γίνεσθαι ἤδη γέγονε (2 *a*)
4. 2. ὅσοι αὐτοὶ ζῶσιν ἕως τοῦ νῦν (2 *a*)
— 16. A ὅσοι [B οἱ, S ὅτι] ἐγένοντο [S -ετο] (2 *a*)
5. 3. ὅσα ἐὰν εὕξῃ ἀπόδος (2 *a*)
8. 9. τὰ [S² *om.*] ὅσα ἐξουσιάσατο ὁ ἄνθρωπος (12 [2 *a*])
— 15. ὅσας [A S ἃς] ἔδωκεν αὐτῷ (2 *a*)
— 17. ὅσα ἂν μοχθήσῃ [A ποιήσῃ] ἄνθρωπος (2 *a*)
— 17. ὅσα ἂν εἴπῃ σοφὸς τοῦ γνῶναι (1)
Ec. 9. 10. ὅσα ἂν εὕρῃ ἡ χεὶρ σου (2 *a*)
11. 5. ὅσα ποιήσει τὰ σύμπαντα (2 *a*)
Wi. 7. 21. ὅσα τέ ἐστι κρυπτὰ καὶ ἐμφανῆ ἔγνων
15. 19. οὐδ' ὅσον ἐπιποθῆσαι ὡς ἐν ζῴων ὄψει καλὰ τυγχάνει
Si. 3. 18. ὅσῳ μέγας εἶ
20. 17. ποσάκις καὶ ὅσοι καταγελάσονται αὐτοῦ
40. 11. πάντα ὅσα ἀπὸ γῆς εἰς γῆν ἀναστρέφει
41. 10. πάντα ὅσα ἐκ γῆς εἰς γῆν ἀπελεύσεται
43. 30. καθ' ὅσον ἂν δύνησθε
46. 11. ὅσων οὐκ ἐξεπόρνευσεν ἡ καρδία καὶ ὅσοι οὐκ ἀπεστράφησαν ἀπὸ κυρίου
Ho. 2. 5 (7). ὅσα μοι καθήκει †
— 12 (14). ὅσα εἶπε (2 *a*)
Mi. 6. 14. ὅσοι ἐὰν διασωθῶσιν (2 *a*)
Jn. 2. 10. ὅσα ηὐξάμην (2 *a*)
Ze. 3. 7. πάντα ὅσα ἐξεδίκησα ἐπ' αὐτήν (2 *a*)
Hg. 1. 11. ὅσα ἐκφέρει ἡ γῆ (2 *a*)
Za. 1. 6. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι (2 *a*)
14. 12. A B S² ὅσοι ἐπεστράτευσαν ἐπὶ Ἱερ. (2 *a*)
— 16. ὅσοι ἐὰν καταλειφθῶσιν [A -λημφθῶσιν] (2 *c* + 8)
— 17. ὅσοι ἐὰν μὴ ἀναβῶσιν [A ἀναβ. ἐκεῖ] (2 *a*)
— 18. ὅσα ἐὰν μὴ ἀναβῇ (2 *a*)
— 19. A S ὅσα [B ὃς] ἐὰν μὴ ἀναβῇ (2 *a*)
Is. 13. 15. A ὅσοι [B S οἵτινες] συνηγμένοι εἰσί (2 *c*)
26. 20. ἀποκρύβηθι μικρὸν ὅσον ὅσον (14)
27. 4. πάντα ὅσα συνέταξε –
29. 7, 8. ὅσοι ἐπεστράτευσαν (8)
39. 2. ὅσα ἦν ἐν τοῖς θησαυροῖς αὐτοῦ (2 *a*)
— 6. ὅσα συνήγαγον οἱ πατέρες σου (2 *a*)
43. 7. ὅσοι ἐπικέκληνται (8)
46. 10. ὅσα βεβούλευμαι (15)
55. 1. ὅσοι μὴ ἔχετε ἀργύριον (2 *a*)
— 11. ὅσα ἠθέλησα (2 *a*)
56. 4. ὅσοι ἂν φυλάξωνται τὰ σάββατά [S¹ προστάγματά] μοι (2 *a*)
66. 10. πάντες ὅσοι πενθεῖτε (8)
Je. 1. 7. ὅσα ἐὰν ἐντείλωμαί σοι (2 *a*)
— 17. ὅσα ἂν ἐντείλωμαί σοι (2 *a*)
11. 4. ὅσα ἐὰν ἐντείλωμαι ὑμῖν (2 *a*)
15. 2. ὅσοι εἰς θάνατον . . . ὅσοι εἰς μάχαιραν . . . ὅσοι εἰς λιμὸν . . . ὅσοι εἰς αἰχμαλωσίαν (2 *a quater*)
27 (50). 21. ὅσα ἐντέλλομαί σοι (2 *a*)
— 29. ὅσα ἐποίησε (2 *a*)
32. 1 (25. 15 [13]). A ὅσα ἐπροφήτευσεν Ἱερ. (2 *a*)
33 (26). 8. A ὅσα [B S ἃ] συνέταξεν αὐτῷ κύριος (2 *a*)
34 (27). 8. ὅσοι ἐὰν μὴ ἐμβάλωσι τὸν τράχηλον (2 *a*)
— 11. A ὅσοι ἂν εἰσαγάγωσιν [B S ὃ ἐὰν εἰσαγάγῃ] τὸν τράχηλον (2 *a*)
39 (32). 20. A ὅσα [B S ὃς] ἐποίησας σημεῖα (2 *a*)
42 (35). 10. A ὅσα [B S ἃ] ἐνετείλατο ἡμῖν (2 *a*)
— 18. A ὅσα [B S καθότι] ἐνετείλατο αὐτοῖς (2 *b*)
49 (42). 20. S ὅσα [A B ἃ] ἐὰν λαλήσῃ σοι κύριος (2 *a*)
La. 1. 7. ὅσα ἦν ἐξ ἡμερῶν ἀρχαίων (2 *a*)
Ez. 12. 7. κατὰ πάντα ὅσα ἐνετείλατό μοι (3 *a*)
14. 23. ὅσα ἐποίησα ἐν αὐτῇ (2 *a*)
16. 44. ὅσα εἶπαν κατὰ σοῦ ἐν παραβολῇ (8)
— 63. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησας (2 *a*)
18. 22. ὅσα [A ἃς] ἐποίησεν (2 *a*)
20. 11. ὅσα ποιήσει αὐτὰ ἄνθρωπος (2 *a*)
24. 24. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησα ποιήσετε (2 *a*)
29. 20. A ὅσα ἐποίησάν μοι (2 *a*)
36. 36. ὅσα ἂν καταλειφθῶσι κύκλῳ ὑμῶν (2 *a*)
40. 4. ὅσα ἐγὼ δεικνύω σοι (2 *a*)
— 4. ὅσα σὺ ὁρᾷς (2 *a*)
44. 5. ἄκουε πάντα ὅσα ἐγὼ λαλῶ μετὰ σοῦ (2 *a*)
— 14. εἰς πάντα ὅσα ἂν ποιήσωσιν (2 *a*)
Da. LXX. Su. 33. ὅσοι αὐτὴν ᾔδεισαν πάντες
1. 20. ὅσα ἐζήτησε παρ' αὐτῶν ὁ βασ. (2 *a*)
2. 23. ὅσα ἠξίωσα τοῦ δηλῶσαι (7 *a*)
3. (31). ὅσα ἡμῖν ἐπήγαγες
— (31). ὅσα ἐποίησας ἡμῖν
4. 14. ὅσα ἂν θέλῃ ποιεῖν ποιεῖ (7 *b*)
— 34. ὅσοι ἐλάλησαν εἰς τὸν θεὸν τοῦ οὐρ. –
— 34. ὅσοι ἂν καταληφθῶσι λαλοῦντές τι –
9. 12. ὅσα ἐλάλησεν ἐφ' ἡμᾶς (2 *a*)
— 12. ὅσα ἔκρινας ἡμῖν (2 *a*)
— 14. ἐπὶ πάντα ὅσα ἂν ποιήσῃ (2 *a*)
11. 24. ὅσα οὐκ ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐ. (2 *a*)
Bel 5. ὅσα εἰς αὐτὸν δαπανᾶται
Da. TH. 3. (31). B ὅσα ἐπήγαγες ἡμῖν
— (31). ὅσα ἐποίησας ἡμῖν
Da. TH. 10. 14. ὅσα ἀπαντήσεται τῷ λαῷ σου (2 *a*)
Bel 6. ὅσα ἐσθίει
I Ma. 2. 28. ὅσα εἶχον ἐν τῇ πόλει
— 46. A R ὅσα εὗρον ἐν ὁρίοις [S υἱοῖς] Ἰ.
3. 2. A R ὅσοι [S οἱ] ἐκολλήθησαν τῷ πατρὶ αὐ.
4. 26. ὅσοι δὲ τῶν ἀλλοφύλων διεσώθησαν
5. 23. καὶ πάντα ὅσα ἦν αὐτοῖς
6. 24. A S² R ὅσοι εὑρίσκοντο ἀφ' ἡμῶν
8. 1. A ὅσοι ἐὰν προστεθῶσιν αὐτοῖς [S R *al.*]
— 1. ὅσοι ἂν προσέλθωσιν αὐτοῖς
— 3. ὅσα ἐποίησαν ἐν χώρᾳ Σπανίας
— 11. A R ὅσοι [S οἱ] ποτὲ ἀντέστησαν αὐτοῖς
— 12. ὅσοι ἤκουον τὸ ὄνομα αὐ.
— 13. R ὅσοις [A S οἷς] δ' ἂν βούλωνται βοηθεῖν
9. 36. καὶ πάντα ὅσα εἶχε
10. 15. ὅσας ἀπέστειλε Δ. τῷ Ἰ.
— 42. S¹ ὅσα [A S² R οὓς] ἐλάμβανον ἀπὸ τῶν χρειῶν
— 43. ὅσοι ἐὰν φύγωσιν εἰς τὸ ἱερόν
— 43. ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς
11. 27. ὅσα ἄλλα εἶχε τίμια
— 40. A R ὅσα συνετέλεσε Δ. [S *al.*]
— 53. πάντα ὅσα εἶπε
13. 3. ὅσα . . . ἐποιήσαμεν
— 9. ὅσα ἂν εἴπῃς ἡμῖν
— 38. ὅσα ἐστήσαμεν πρὸς ὑμᾶς
14. 34. ὅσα ἐπιτήδεια ἦν
15. 5. ὅσα ἄλλα δόματα ἀφῆκάν σοι
— 7. ὅσα κατεσκεύασας
— 27. ὅσα συνέθετο αὐτῷ
— 36. καὶ πάντα ὅσα εἶδε
II Ma. 11. 15. ὅσα γὰρ ὁ Μ. ἐπέδωκε τῷ Δ.
— 18. ὅσα μὲν οὖν ἔδει
III Ma. 5. 31. A ὅσοι [R εἴ σοι] γονεῖς παρῆσαν
IV Ma. 2. 5. οὐδὲ ὅσα τῷ πλησίον σού ἐστι
7. 18. ὅσοι τῆς εὐσεβείας προνοοῦσιν
15. 5. ὅσῳ γὰρ καὶ ἀσθενόψυχοι . . . ὑπάρχουσιν αἱ μητέρες

[Aq. Ge. 1. 31 : Dt. 7. 15 : 26. 2 : Jo. 4. 10 : I Ki. 20. 3 : III Ki. 14. 7, 9, 15, 19 *bis* : Ps. 45 (46). 9 : 68 (69). 5 : 70 (71). 20 : Is. 21. 6 : 65. 18 : Je. 19. 4 : 27 (34). 5 : 50 (27). 21 : Ez. 2. 8 : 5. 9 : 6. 11.]
[Sm. Ge. 1. 31 : Jo. 4. 10 : I Ki. 20. 3 : Jb. 2. 4 : 32. 11 *bis* : Ps. 60 (61). 7 : 71 (72). 5 : 88 (89). 30 : Ec. 9. 10 : Ca. 7. 13 (14) : Is. 55. 11 : 65. 18 : Je. 52. 19 *bis* : Ez. 2. 8.]
[Th. Dt. 26. 2 : Jo. 4. 10 : Jd. 11. 24 *bis* : Is. 55. 11 : 65. 18 : Je. 27 (34). 5 : 38 (45). 9 : Ez. 20. 21.]
[Al. Ge. 44. 1 : Le. 14. 36 : Es. 2. 1.]

ὅσπερ. (1) הֲ׳

Le. 25. 27. A B¹ ὅπερ ἔχει [B² R ὁ ὑπερέχει] τῷ ἀνθρώπῳ (1)
Jo. 23. 4. B ὅπερ εἶπα [A R ἐπέρριφα] ὑμῖν –
II Ki. 6. 8. B¹ ὅπερ [A B² R ὑπὲρ] οὗ διέκοψε κύριος †
Jb. 6. 17. οὐκ ἐπεγνώσθη ὅπερ ἦν †
Wi. 19. 18. ὅπερ ἐστὶν εἰκάσαι
II Ma. 3. 36. ἅπερ ἦν ὑπ' ὄψιν
IV Ma. 1. 12. ὅπερ εἴωθα ποιεῖν
13. 19. ἅπερ ἡ . . . πρόνοια . . . ἐμέρισε

[Aq., Th. Is. 19. 20.]
[Sm. Ps. 67 (68). 17 : Is. 19. 20.]

οὔπερ.

II Ma. 4. 38. οὔπερ εἰς τὸν Ὀ. ἠσέβησεν

ὄσπριον. (1) *a.* זְרָעִים *b.* זֶרַע׳נִים

Da. LXX. 1. 12. δοθήτω ἡμῖν ἀπὸ τῶν ὀ. τῆς γῆς (1 *a*)
— 16. ἀντεδίδου αὐτοῖς ἀπὸ τῶν ὀ. (1 *b*)

ὀστεΐνος.

[Aq. Ge. 18. 18 : Ps. 34 (35). 18.]

ὀστέον, ὀστοῦν. (1) גֶּרֶם (2) *a.* עֶצֶם *b.* עֹצֶם

Ge. 2. 23. τοῦτο νῦν ὀστοῦν [A¹ *om.*] ἐκ τῶν ὀστέων μου (2 *a*, 2 *a*)
29. 14. ἐκ τῶν ὀστῶν μου καὶ ἐκ τῆς σαρκός (2 *a*)
50. 25. συνοίσετε τὰ ὀ. μου ἐντεῦθεν (2 *a*)
Ex. 12. 10. ὀστοῦν οὐ συντρίψεται ἀπ' αὐτοῦ –
— 46. ὀστοῦν οὐ συντρίψετε ἀπ' αὐτοῦ (2 *a*)
13. 19. ἔλαβε Μωυσῆς τὰ ὀστᾶ Ἰωσήφ (2 *a*)
— 19. συναναιρεῖσθε μου τὰ ὀστᾶ ἐντεῦθεν (2 *a*)
Nu. 9. 12. ὀστοῦν οὐ συντρίψουσιν ἀπ' αὐτοῦ (2 *a*)
19. 16. ὃς ἂν ἅψηται . . . ὀ. ἀνθρωπίνου (2 *a*)
— 18. ἐπὶ τὸν ἡμμένον τοῦ ὀ. τοῦ ἀνθρωπίνου (2 *a*)
Jo. 24. 32. τὰ ὀ. Ἰ. ἀνήγαγον (2 *a*)

Jd. 9. 2. ὀστοῦν ὑμῶν καὶ σὰρξ ὑμῶν εἰμι (2 a)
19. 29. A ἐμέλισεν αὐτὴν κατὰ τὰ ὀ. αὐτῆς [B al.] (2 a)
I Ki. 31. 13. λαμβάνουσι τὰ ὀ. αὐτῶν (2 a)
II Ki. 5. 1. ὀστᾶ σου καὶ σάρκες σου ἡμεῖς (2 a)
19. 12 (13). ὀστᾶ μου καὶ σάρκες μου ὑμεῖς (2 a)
— 13 (14). οὐχὶ ὀστοῦν μου καὶ σάρξ μου σύ (2 a)
21. 12. ἔλαβε τὰ ὀ. Σ. καὶ τὰ ὀ. Ἰων. (2 a, 2 a)
— 13. ἀνήνεγκεν ἐκεῖθεν τὰ Σ. καὶ τὰ ὀ. Ἰων. (2 a, 2 a)
— 13. συνήγαγε τὰ ὀ. τῶν ἐξηλιασμένων (2 a)
— 14. B ἔθαψαν τὰ ὀ. Σ. καὶ τὰ ὀ. Ἰων. . . . καὶ τὰ ὀστᾶ [A B om. τὰ ὀ.] τῶν ἡλιασθέντων (2 a, –, –)
III Ki. 13. 2. B ὀστᾶ ἀνθρώπων καύσει ἐπὶ σέ (2 a)
— 31. παρὰ τὰ ὀ. αὐ. θέτε με (2 a)
— 31. ἵνα σωθῶσι τὰ ὀ. μοῦ μετὰ τῶν ὀ. αὐ. (2 a, –)
IV Ki. 13. 21. ἥψατο τῶν ὀ. Ἐλ. (2 a)
23. 14. ἔπλησε τοὺς τόπους αὐ. ὀστέων ἀνθρώπων (2 a)
— 16. ἔλαβε τὰ ὀ. (2 a)
— 18. ἀνὴρ μὴ κινησάτωσαν τὰ ὀ. αὐτοῦ (2 a)
— 18. ἐρρύσθησαν [A εὑρέθ.] τὰ ὀ. αὐτοῦ μετὰ τῶν ὀ. τοῦ προφήτου (2 a, 2 a)
— 20. κατέκαυσε τὰ ὀ. τῶν ἀνθρώπων (2 a)
I Ch. 10. 12. ἔθαψαν τὰ ὀ. αὐ. ὑπὸ τὴν δρῦν (2 a)
11. 1. ὀστᾶ σου καὶ σάρκες σου ἡμεῖς (2 a)
II Ch. 34. 5. ὀστᾶ ἱερέων κατέκαυσεν (2 a)
Jb. 2. 5. ἅψαι τῶν ὀστῶν αὐτοῦ (2 a)
4. 14. μεγάλως μου τὰ ὀστᾶ διέσεισε [A[1] συνέπεσεν, A[2] S συνέσεισεν] (2 a)
7. 15. ἀπὸ δὲ θανάτου τὰ ὀστᾶ μου [A al.] (2 a)
10. 11. ὀστέοις δὲ καὶ νεύροις με ἔνειρας (2 a)
19. 20. τὰ δὲ ὀστᾶ μου ἐν ὀδοῦσιν [A ὀδύναις] ἔχεται (2 a)
20. 11. ὀστᾶ αὐτοῦ ἐνεπλήσθησαν νεότητος αὐτοῦ (2 a)
30. 17. νυκτὶ δέ μου τὰ ὀστᾶ συγκέχυται [A al.] (2 a)
— 30. τὰ δὲ ὀστᾶ μου ἀπὸ καύματος [A κ. συνεφρύγη] (2 a)
33. 19. πλῆθος ὀστῶν [A -έων] αὐ. ἐνάρκησε (2 a)
— 21. καὶ ἀποδείξῃ τὰ ὀστᾶ αὐτοῦ κενά (2 a)
— 24. τὰ δὲ ὀστᾶ αὐτοῦ ἐμπλήσει μυελοῦ –
Ps. 6. 2. ἐταράχθη τὰ ὀστᾶ μου (2 a)
21 (22). 14. διεσκορπίσθη πάντα τὰ ὀστᾶ [S[1] διαβήματά] μου (2 a)
— 17. ἐξηρίθμησαν πάντα τὰ ὀστᾶ μου (2 a)
30 (31). 10. τὰ ὀστᾶ μου ἐταράχθησαν (2 a)
31 (32). 3. ἐπαλαιώθη τὰ ὀστᾶ μου (2 a)
33 (34). 20. φυλάσσει πάντα τὰ ὀστᾶ αὐτῶν (2 a)
34 (35). 10. πάντα τὰ ὀστᾶ μου ἐροῦσι (2 a)
37 (38). 3. οὐκ ἔστιν εἰρήνη τοῖς [A ἐν τοῖς] ὀστέοις μου (2 a)
41 (42). 10. ἐν τῷ καταθλάσαι τὰ ὀστᾶ μου (2 a)
50 (51). 8. ἀγαλλιάσονται ὀστᾶ [S[2] -έα] τεταπεινωμένα (2 a)
52 (53). 5. διεσκόρπισεν ὀστᾶ ἀνθρωπαρέσκων (2 a)
101 (102). 3. τὰ ὀστᾶ μου ὡσεὶ φρύγιον συνεφρύγησαν (2 a)
— 5. ἐκολλήθη τὸ ὀστοῦν μου τῇ σαρκί μου (2 a)
108 (109). 18. καὶ ὡσεὶ ἔλαιον ἐν τοῖς ὀστέοις αὐτοῦ (2 a)
138 (139). 15. οὐκ ἐκρύβη τὸ ὀστοῦν μου ἀπὸ σοῦ (2 b)
140 (141). 7. διεσκορπίσθη τὰ ὀστᾶ ἡμῶν [A[2] B[2] S[2] αὐτῶν] παρὰ τὸν ᾅδην (2 a)
Pr. 3. 8. καὶ ἐπιμέλεια τοῖς ὀστέοις σου (2 a)
— 22. καὶ ἐπιμέλεια τοῖς σοῖς ὀστέοις –
14. 30. σὴς δὲ ὀστέων καρδία αἰσθητική (2 a)
16. 2 (15. 30). φήμη δὲ ἀγαθὴ πιαίνει ὀστᾶ (2 a)
17. 22. ἀνδρὸς δὲ λυπηροῦ ξηραίνεται τὰ ὀστᾶ (1)
24. 23 (29. 27). ὀστᾶ ἀνθρώπων κατατρώγει –
25. 15. γλῶσσα δὲ μαλακὴ συντρίβει ὀστᾶ (1)
Ec. 11. 5. ὡς ὀστᾶ ἐν γαστρὶ κυοφορούσης (2 a)
Si. 26. 13. τὰ ὀστᾶ αὐτοῦ πιανεῖ ἡ ἐπιστήμη αὐτῆς
28. 17. πληγὴ δὲ γλώσσης συγκλάσει ὀστᾶ
46. 12. τὰ ὀστᾶ αὐτῶν ἀναθάλοι ἐκ τοῦ τόπου αὐτῶν
49. 10. τῶν δώδεκα προφητῶν τὰ ὀστᾶ ἀναθάλοι
— 15. τὰ ὀστᾶ αὐτοῦ ἐπεσκέπησαν
Am. 2. 1. ἀνθ' ὧν κατέκαυσαν τὰ ὀ. βασιλέως τῆς Ἰ. (2 a)
6. 10. τοῦ ἐξενέγκαι τὰ ὀ. αὐτῶν ἐκ τοῦ οἴκου (2 a)
Mi. 3. 2. ἁρπάζοντες . . . τὰς σάρκας αὐτῶν ἀπὸ τῶν ὀ. αὐτῶν (2 a)
— 3. τὰ δέρματα αὐτῶν ἀπ' αὐτῶν [A ἀπὸ τῶν ὀ. αὐτῶν] ἐξέδειραν †
— 3. καὶ τὰ ὀστέα [A -τᾶ] αὐτῶν συνέθλασαν (2 a)
Hb. 3. 16. εἰσῆλθε τρόμος εἰς τὰ ὀστᾶ μου (2 a)
Is. 38. 13. συνέτριψε πάντα [A S om.] τὰ ὀ. μου (2 a)
58. 11. τὰ ὀ. σου πιανθήσεται (2 a)
— 12. A S[2] τὰ ὀ. σου ὡς βοτάνη ἀνατελεῖ –
66. 14. τὰ ὀ. ὑμῶν ὡς βοτάνη ἀνατελεῖ (2 a)
Je. 8. 1. ἐξοίσουσι τὰ ὀ. τῶν βασιλέων Ἰούδα καὶ τὰ ὀ. τῶν ἀρχόντων αὐτοῦ καὶ τὰ ὀ. τῶν ἱερέων καὶ τὰ ὀ. προφητῶν καὶ τὰ ὀ. τῶν κατοικούντων ἐν [A S om.] Ἱερ. (2 a quinquiens)
20. 9. ἐγένετο ὡς πῦρ καιόμενον φλέγον ἐν τοῖς ὀ. μου (2 a)
23. 9. ἐσαλεύθη πάντα τὰ ὀ. μου (2 a)
27 (50). 17. τὰ ὀ. αὐτοῦ βασιλεὺς Βαβυλῶνος (2 a)
Ba. 2. 24. τοῦ ἐξενεχθῆναι τὰ ὀ. βασιλέων [A τῶν β. ἡμῶν καὶ τὰ ὀ. τῶν ἀρχόντων] ἡμῶν καὶ τὰ ὀ. τῶν πατέρων ἡμῶν
La. 1. 13. ἐν τοῖς ὀ. μου κατήγαγεν αὐτό (2 a)
3. 4. ὀστέα [A -τᾶ] μου συνέτριψεν (2 a)
4. 8. ἐπάγη δέρμα αὐτῶν ἐπὶ τὰ ὀ. αὐτῶν (2 a)
Ez. 6. 5. διασκορπῶ τὰ ὀ. ὑμῶν (2 a)
24. 4. σκέλος καὶ ὦμον ἐκσεσαρκισμένα ἀπὸ [A ἐκ] τῶν ὀ. (2 a)
— 5. ὑπόκαιε τὰ ὀ. ὑποκάτω αὐ. . . . ἥψηται [A -ήθη] τὰ ὀ. αὐ. ἐν μέσῳ αὐτῆς (2 a, 2 a)
— 10. A τὰ ὀ. συμφρυγήσονται (2 a)
32. 27. ἐγενήθησαν αἱ ἀνομίαι αὐτῶν ἐπὶ τῶν ὀστῶν αὐτῶν (2 a)
37. 1. τοῦτο ἦν μεστὸν ὀστέων ἀνθρωπίνων (2 a)
— 3. εἰ ζήσεται τὰ ὀστᾶ ταῦτα (2 a)
— 4. προφήτευσον ἐπὶ τὰ ὀστᾶ ταῦτα καὶ ἐρεῖς αὐτοῖς, Τὰ ὀ. τὰ ξηρά (2 a, 2 a)
— 5. τάδε λέγει κύριος τοῖς ὀ. τούτοις (2 a)
— 7. προσήγαγε τὰ ὀστᾶ ἑκάτερον πρὸς τὴν ἁρμονίαν αὐτοῦ (2 a)
— 11. τὰ ὀστᾶ ταῦτα πᾶς οἶκος Ἰσραήλ ἐστι καὶ αὐτοὶ λέγουσι, Ξηρὰ γέγονε τὰ ὀ. ἡμῶν (2 a, 2 a)
39. 15. ἰδὼν ὀστοῦν ἀνθρώπου (2 a)
Da. LXX. 6. 24 (25). ἔθλασαν τὰ ὀστᾶ αὐτῶν (1)
Da. TH. 6. 24 (25). πάντα τὰ ὀστᾶ αὐτῶν ἐλέπτυναν (1)
I Ma. 13. 25. ἔλαβε τὰ ὀστᾶ Ἰων.
IV Ma. 6. 26. S R μέχρι τῶν [A om.] ὀ. ἤδη κεκαυμένος
9. 21. περιτετηγμένον ἤδη ἔχων τὸ τῶν ὀ. πῆγμα
18. 17. εἰ ζήσεται τὰ ὀ. τὰ ξηρὰ ταῦτα
[Aq. Jb. 19. 20 : Ps. 30 (31). 11 : 31 (32). 3 : 41 (42). 11 : 52 (53). 6 : 101 (102). 4 : 138 (139). 15 : 140 (141). 7 : Ez. 23. 34 : 40. 1.]
[Sm. Ge. 2. 23 bis : Jb. 7. 15 : 21. 24 : Ps. 30 (31). 11 : 31 (32). 3 : 41 (42). 11 : 50 (51). 10 : 52 (53). 6 : 101 (102). 4 : 140 (141). 7 : Pr. 16. 24 : Ez. 23. 34 : 24. 5.]
[Th. Ge. 2. 23 bis : Jb. 33. 19 : Ps. 41 (42). 11 : Pr. 3. 22 : 16. 24 : Ez. 23. 34 : 24. 10 (Sw.).]
[Al. Ps. 138 (139). 15 : Hb. 3. 16.]
[Quint. Ps. 140 (141). 7.]

ὀστέωσις.

[Aq. Jb. 21. 23 : Is. 40. 29 : 41. 21.]

ὅστις. (1) אֲשֶׁר (2) זִי (3) הַ׳ (4) כִּי (5) פָּל־הַ׳ (6) מָה, מָה־, מַה־ (7) רַק אִם (8) שֶׁ׳ (9) c. neg. בַּל (10) ἕως ὅτου עַד

Ge. 38. 25. R ἐκ τοῦ ἀνθρώπου οὗτινος [A τίνος] ταῦτά ἐστιν (1)
Ex. 9. 18, 24 : 11. 6. ἥτις τοιαύτη οὐ γέγονεν (1)
20. 2. ὅστις ἐξήγαγόν [A ὁ ἐξαγαγών] σε (1)
22. 9 (8). ὅ τι οὖν ἂν [A οὐ ἐὰν] ᾖ (4?)
31. 14. A ὅστις [B ὃς] ποιήσει ἐν αὐτῷ ἔργον (3)
32. 4, 9 (8). οἵτινες ἀνεβίβασάν σε (1)
Le. 5. 2. ἥτις ἐὰν ἅψηται παντὸς πράγματος (1)
6. 4 (5. 23). ἥτις παρετέθη αὐτῷ (1)
— 37 (7. 7). ὅστις ἐξιλάσεται ἐν αὐτῷ (1)
— 39 (7. 9). ἥτις ποιηθήσεται ἐν τῷ κλιβάνῳ (1)
— 39 (7. 9). ἥτις ποιηθήσεται ἐπ' ἐσχάρας –
7. 8 (18). ἥτις ἐὰν φάγῃ ἀπ' αὐτοῦ (3)
— 10 (20). ἥτις ἐὰν φάγῃ ἀπὸ τῶν κρεῶν (1)
12. 2. ἥτις ἐὰν σπερματισθῇ (4)
15. 19. ἥτις ἐὰν ᾖ ῥέουσα αἵματι (4)
17. 15. ἥτις φάγεται θνησιμαῖον (1)
20. 16. ἥτις προσελεύσεται πρὸς πᾶν κτῆνος (1)
22. 5. ὅστις ἂν ἅψηται παντὸς ἑρπετοῦ ἀκαθάρτου (1)
— 6. ἥτις ἐὰν ἅψηται αὐτῶν (1)
Le. 23. 29. ἥτις μὴ ταπεινωθήσεται (1)
— 30. ἥτις ποιήσει ἔργον (1)
Nu. 1. 5. οἵτινες παραστήσονται μεθ' ὑμῶν (1)
5. 6. ὅστις ἐὰν ποιήσῃ ἀπὸ τῶν ἁμαρτιῶν (4)
14. 8. ἥτις ἐστὶ ῥέουσα γάλα καὶ μέλι (1)
— 14. ὅστις ὀφθαλμοῖς κατ' ὀφθαλμοὺς ὀπτάζῃ (1)
15. 30. ἥτις ποιήσει ἐν χειρὶ ὑπερηφανίας (1)
19. 2. ἥτις οὐκ ἔχει ἐν αὐτῇ μῶμον (1)
22. 36. B[1] ἥτις [A B[2] R ἥ ἐστιν] ἐπὶ τῶν ὁρίων Ἀ. (1)
24. 4. ὅστις ὁρασιν θεοῦ εἶδεν (1)
27. 17. ὅστις ἐξελεύσεται πρὸ προσώπου αὐτῶν (1)
— 17. ὅστις εἰσελεύσεται πρὸ προσώπου αὐτῶν (1)
— 17. ὅστις ἐξάξει αὐτούς (1)
— 17. ὅστις εἰσάξει αὐτούς (1)
31. 17. ἥτις ἔγνω κοίτην ἄρσενος –
— 18. ἥτις οὐκ οἶδε κοίτην ἄρσενος (1)
De. 1. 39. ὅστις οὐκ οἶδε σήμερον ἀγαθόν (1)
2. 25. οἵτινες ἀκούσαντες τὸ ὄνομά σου (1)
— 36. ἥτις διέφυγεν ἡμᾶς (1)
3. 24. ὅστις ποιήσει καθὰ ἐποίησας σύ (1)
4. 3. ὅστις ἐπορεύθη ὀπίσω B. (1)
5. 6. A ὅστις ἐξήγαγόν [B ὁ ἐξαγαγών] σε (1)
— 26 (23). τίς γὰρ σὰρξ ἥτις ἤκουσε (1)
10. 17. ὅστις οὐ θαυμάζει πρόσωπον (1)
— 21. ὅστις ἐποίησεν ἐν σοὶ τὰ μεγάλα (1)
17. 2. A ὅστις [B ὃς] ποιήσει τὸ πονηρόν (1)
— 5. A οἵτινες ἐποίησαν τὸ πρᾶγμα τὸ πον. τοῦτο (1)
20. 6. ὅστις ἐφύτευσεν ἀμπελῶνα (1)
— 7. ὅστις μεμνήστευται γυναῖκα (1)
— 20. ἥτις ποιεῖ πρὸς σὲ τὸν πόλεμον (1)
21. 3. ἥτις οὐκ εἴργασται καὶ ἥτις [A εἴ τις] οὐχ εἵλκυσε ζυγόν (1, 1)
— 4. ἥτις οὐκ εἴργασται (1)
22. 28. ἥτις οὐ μεμνήστευται (1)
27. 15. ὅστις ποιήσει γλυπτόν (1)
— 26. A ὅστις [B ὃς] οὐκ ἐμμένει ἐν πᾶσι τοῖς λόγοις (1)
28. 50. ὅστις οὐ θαυμάσει πρόσωπον πρεσβύτου (1)
Jo. 1. 18. ὅστις [A ὃς ἐὰν] μὴ ἀκούσῃ –
11. 19. A ἥτις οὐ παρέδωκεν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. [B al.] (1)
24. 27. ὅ τι [A ὅσα] ἐλάλησε πρὸς ὑμᾶς (1)
Jd. 6. 17. ὅ τι ἐλάλησας μετ' ἐμοῦ [A al.] (8)
10. 18. ὅστις ἂν ἄρξηται παρατάξασθαι [A al.] (1)
16. 24. A ὅστις [B καὶ ὃς] ἐπλήθυνε τοὺς τραυματίας ἡμῶν (1)
18. 14. γνῶτε ὅ [A om.] τι ποιήσετε (6)
21. 8. A ἥτις [B ὃς] οὐκ ἀνέβη πρὸς κύριον (1)
— 12. αἵτινες [A αἱ] οὐκ ἔγνωσαν ἄνδρα (1)
— 14. A αἵτινες ἦσαν ἐκ τῶν γυναικῶν Ἰ. [B al.] (1)
Ru. 2. 9. A B καὶ ὅ τι [R ὅτε] διψήσεις –
4. 3. A ἥτις [B ἥ] ἐστι τοῦ ἀδ. ἡμῶν (1)
I Ki. 13. 14. B ὅ τι [R ὅσα] ἐνετείλατό σοι κύριος (1)
19. 3. ὄψομαι ὅ τι ἐὰν ᾖ (6)
22. 3. A ἕως ὅτου γνῶ ὅ τι [A τί] ποιήσει μοι ὁ θεός (1, 6)
30. 4. ἕως ὅτου οὐκ ἦν ἐν αὐτοῖς ἰσχὺς ἔτι (1)
— 10. οἵτινες ἐκάθισαν πέραν τοῦ χειμάρρου (1)
II Ki. 19. 35 (36). A ἢ γεύσεται ὁ δοῦλός σου ὅ τι [B ἔτι ὁ] φάγομαι (1)
III Ki. 10. 7. ἕως ὅτου παρεγενόμην (1)
11. 16. ἕως ὅτου [A οὗ] ἐξωλέθρευσε πᾶν ἀρσενικόν (10)
IV Ki. 2. 17. A ἕως ὅτου [B οὗ] ᾐσχύνετο (10)
4. 24. ὅ τι ἐὰν εἴπω σοι (4)
8. 14. A B ὅ τι εἶπεν Ἐλ. [R al.] (6)
10. 10. A ὅ τι [B οὗ] ἐλάλησε κύριος (1)
12. 16 (17). ὅ τι [A add. οὐκ] εἰσηνέχθη ἐν οἴκῳ κυρίου † [–]
21. 8. οἵτινες φυλάξουσι [A add. τοῦ ποιεῖν] πάντα (7)
I Ch. 12. 32. A ὅ τι [B S τί] ποιῆσαι Ἰσρ. (6)
II Ch. 32. 13. ὅ τι [A τί] ἐποίησα ἐγώ (6)
II Es. 7. 16. ὅ τι ἐὰν εὕρῃς (2)
Ne. 4. 11 (5). ἕως ὅτου ἔλθωμεν εἰς μέσον αὐτῶν (1)
13. 14. A ὅ [S[1] om.] τι [B S[2] ὁ] ἐποίησα (1)
To. 5. 3. S ἕως ὅτου ἔλθῃς [A B al.]
— 7. S μέχρι ὅτου εἰσελθὼν ὑποδείξω [A B al.]
Ju. 11. 1. ὅστις ἠρέτικε [A -σεν, S ἦκεν] δουλεύειν
14. 7. οἵτινες ἀκούσαντες τὸ ὄνομά σου
Es. 1. 18. αἱ τυραννίδες . . . ἀκούσασαι [S[2] αἵτινες ἀκ.] (1)
7. 5. ὅστις [S ὃς] ἐτόλμησε ποιῆσαι (1)

Es. 8. 13. ἥτις κατὰ ταῦτα μὴ ποιήσῃ
10. 3. S² ἥτις [A S¹ *om.*, B ἡ] ἐγένετο ποταμός
Jb. 6. 16. οἵτινές με διευλαβοῦντο [A εὐλ.] (3)
23. 5. S¹ αἰσθοίμην δὲ ἅ τινά [A B S² τίνα] μοι ἀπαγγελεῖ (6)
30. 4. οἵτινες [A ὧν] ἄλιμα ἦν αὐτῶν τὰ σῖτα (3 ?)
38. 18. A ἀνάγγειλον δέ μοι πόση ἥτις ἐστίν [B S τίς ἐστι] †
Ps. 57 (58). 5. ἥτις οὐκ εἰσακούσεται φωνὴν ἐπᾳδόντων (1)
63 (64). 3. οἵτινες ἠκόνησαν ὡς ῥομφαίαν τὰς γλώσσας αὐτῶν (1)
77 (78). 8. ἥτις οὐ κατεύθυνεν ἐν τῇ καρδίᾳ αὐ. –
82 (83). 12. οἵτινες εἶπαν (1)
89 (90). 4. ἡ ἡμέρα ἡ ἐχθὲς ἥτις διῆλθε (4)
92 (93). 1 : 95 (96). 10. ἥτις οὐ σαλευθήσεται (9)
139 (140). 2. οἵτινες ἐλογίσαντο ἀδικίας ἐν καρδίᾳ (1)
— 4. οἵτινες ἐλογίσαντο ὑποσκελίσαι τὰ διαβήματά μου (1)
Pr. 27. 13. ὑβριστὴς ὅστις τὰ ἀλλότρια λυμαίνεται †
Ec. 4. 3. A B S² ὅστις οὔπω ἐγένετο (1)
7. 27 (26). τὴν γυναῖκα ἥτις ἐστὶ θήρευμα (1)
12. 1. ἕως ὅτου [A S οὗ] μὴ ἔλθωσιν αἱ ἡμέραι (1)
— 6. ἕως ὅτου μὴ [S *om.*] ἀνατραπῇ τὸ σχοινίον (1)
Wi. 3. 13. ἥτις οὐκ ἔγνω κοίτην ἐν παραπτώματι
13. 10. οἵτινες ἐκάλεσαν θεοὺς ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων
19. 15. ἥτις [? ἤ τις] ἐπισκοπὴ ἔσται αὐτῶν
Si. 25. 23. ἥτις οὐ μακαριεῖ τὸν ἄνδρα αὐτῆς
38. 27. ὅστις νύκτωρ ὡς ἡμέρᾳ [A S -ας] διάγει
41. 8. οἵτινες ἐγκατελίπετε νόμον θεοῦ ὑψίστου
Jn. 4. 11. οἵτινες οὐκ ἔγνωσαν δεξιὰν αὐ. (1)
Is. 13. 15. οἵτινες [A ὅσοι] συνηγμένοι εἰσί (5)
36. 20. ὅστις [A S *om.*] ἐρρύσατο τὴν γῆν αὐ. (1)
48. 4. B¹ γινώσκω ὅστις [A B² S ὅτι] σκληρὸς εἶ (4)
60. 12. οἵτινες οὐ δουλεύσουσί σοι (1)
65. 1. A οἵτινες [B S οἱ] οὐκ ἐκάλεσάν μου τὸ ὄνομα –
Je. 6. 8. ἥτις οὐ κατοικισθῇ –
17. 6. ἥτις οὐ κατοικεῖται –
23. 40. ἥτις [S ἡ, A εἴ τις] οὐκ ἐπιλησθήσεται (1)
40 (33). 9. οἵτινες ἀκούσονται πάντα τὰ ἀγαθά (1)
La. 5. 1. μνήσθητι, κύριε, ὅ τι ἐγενήθη ἡμῖν (6)
Ez. 2. 3. οἵτινες παρεπίκρανάν με (1)
20. 29. ὅ τι [? ὅτι] ὑμεῖς εἰσπορεύεσθε ἐκεῖ (1)
26. 17. A ἥτις ἐγενήθη ἰσχυρὰ ἐν θαλάσσῃ (1)
39. 15. ἕως ὅτου θάψωσιν αὐτό (10)
44. 10. οἵτινες ἀφήλαντο ἀπ' ἐμοῦ (1)
— 15. οἵτινες ἐφυλάξαντο τὰς φυλακάς (1)
47. 22. οἵτινες ἐγέννησαν υἱούς (1)
48. 11. οἵτινες οὐκ ἐπλανήθησαν (1)
Da. LXX. Su. 29. ἥτις ἐστὶ γυνὴ Ἰ.
2. 34. ἕως ὅτου ἐτμήθη λίθος (2)
— 44. ἥτις ἔσται εἰς τοὺς αἰῶνας (2)
7. 4. ἕως ὅτου ἐτίλη τὰ πτερὰ αὐ. (2)
— 14. ἥτις οὐ μὴ ἀρθῇ (2)
— 14. ἥτις οὐ μὴ φθαρῇ (2)
— 23. ἥτις διοίσει παρὰ πᾶσαν τὴν γῆν (2)
8. 2. ἥτις ἐστὶν ἐν Ἐλυμαΐδι χώρᾳ (1)
Da. TH. 2. 10. ὅστις τὸ ῥῆμα τοῦ βασ. δυνήσεται γνωρίσαι (2)
— 25. ὅστις τὸ σύγκριμα τῷ βασ. ἀναγγελεῖ (2)
— 39. A ἥτις ἐστὶν ὁ ἄργυρος –
— 39. ἥτις [A ἡ] ἐστὶν ὁ χαλκός (2)
— 40. R βασ. τετάρτη ἥτις [A B *om.*] ἔσται ἰσχυρά –
— 44. ἥτις εἰς τοὺς αἰῶνας οὐ διαφθαρήσεται (2)
3. 29 (96). ὅστις δυνήσεται ῥύσασθαι οὕτως (2)
6. 27 (28). ὅστις ἐξείλατο τὸν Δαν. (2)
7. 9. ἕως ὅτου οἱ θρόνοι ἐτέθησαν (2)
— 14. ἥτις οὐ παρελεύσεται (2)
— 23. ἥτις ὑπερέξει πάσας τὰς βασιλείας (2)
9. 8. οἵτινες ἡμάρτομέν σοι (1)
I Ma. 2. 31. οἵτινες διεσκέδασαν τὴν ἐντολήν
9. 27. ἥτις οὐκ ἐγένετο
11. 34. R αἵτινες [A S *om.*] προσετέθησαν τῇ Ἰ.
12. 45. οἵτινες ἔσονται μετὰ σοῦ
13. 48. οἵτινες τὸν νόμον ποιοῦσι
14. 10. ἕως ὅτου ὠνομάσθη τὸ ὄνομα
II Ma. 4. 47. οἵτινες ... ἀπελύθησαν ἂν ἀκατάγνωστοι
5. 10. A οὐδ' ἥστινος οὔτε πατρῴου νόμου μετέσχε [R *al.*]
7. 20. ἥτις ἀπολλυμένους υἱοὺς ἑπτὰ συνορῶσα
8. 33. R οἵτινες ἄξιον ... ἐκομίσαντο μισθόν [A *al.*]
IV Ma. 15. 6. ἥτις ... ὑπερεῖδε τὴν ... σωτηρίαν
16. 6. ἥτις ἑπτὰ παῖδας τεκοῦσα
[Aq., Quint. Ps. 42 (43). 3.]
[Sm. Dt. 4. 19 : Jb. 36. 28 : Ps. 42 (43). 3 : 54 (55). 15 : 87 (88). 6 : 138 (139). 20 : Is. 6. 13 : 37. 27 : Za. 14. 7.]
[Th. Jd. 16. 24 : Jb. 9. 15 : Ps. 42 (43). 3 : Is. 39. 7 : Ez. 6. 11 : 26. 17 : Da. 2. 25.]
[Al. Jo. 11. 19 : I Ki. 11. 10 : Ps. 9. 28 (10. 7).]

ὀστισοῦν. (1) מְאוּמָה (2) ὀτιοῦν τι מְאוּמָה
De. 24. 10. ἐὰν ὀφείλημα ᾖ. ... ὀφείλημα ὀτιοῦν [A ὁ. τι] (1 [2])
III Ki. 10. 21. A οὐκ ἦν λογιζόμενον ... εἰς ὀτιοῦν [B *om.* εἰς ὁ.] (1)
II Ma. 5. 10. R οὐδ' ἡστινοσοῦν ... τάφου μέτεσχε [A *al.*]
14. 3. καθ' ὀντιναοῦν τρόπον οὐκ ἔστιν αὐτῷ σωτηρία
III Ma. 7. 7. πάσης καθ' ὀντινοῦν αἰτίας τρόπον
[Aq. I Ki. 29. 3 : III Ki. 10. 21.]

ὀστοῖνος.
[Aq. Ex. 1. 9 : Dt. 7. 1 : 9. 1.]

ὀστράκινος. (1) חֶרֶס (2) חָרֶשׂ
Le. 6. 28 (21). σκεῦος ὀ. οὗ ἐὰν ἑψηθῇ ἐν αὐτῷ (2)
11. 33. πᾶν σκεῦος ὀ. εἰς ὃ ἐὰν πέσῃ (2)
14. 5. σφάξουσι ... εἰς ἀγγεῖον ὀ. (2)
— 50. σφάξει τὸ ὀρνίθιον ... εἰς σκεῦος ὀ. (2)
15. 12. σκεῦος ὀ. οὗ ἂν ἅψηται (2)
Nu. 5. 17. λήψεται ὁ ἱ. ὕδωρ. ... ἐν ἀγγείῳ ὀ. (2)
Is. 30. 14. ἔσται ὡς σύντριμμα ἀγγείου ὀστρακίνου †
Je. 19. 1. κτῆσαι βικὸν πεπλασμένον ὀστράκινον [S¹ *om.*] (2)
— 11. συντρίβεται ἄγγος ὀστράκινον †
39 (32). 14. θήσεις αὐτὸ εἰς ἀγγεῖον ὀστράκινον (2)
La. 4. 2. πῶς ἐλογίσθησαν εἰς ἀγγεῖα ὀστράκινα (2)
Ez. 4. 9. ἐμβαλεῖς αὐτὰ εἰς ἄγγος ἓν ὀστράκινον –
Da. LXX. 2. 33. μέρος δέ τι ὀστράκινον [R -κου] (1)
— 34. ἐπὶ τοὺς πόδας τοὺς σιδηροῦς καὶ ὀ. (1)
— 42. μέρος δέ τι ὀστράκινον (1)
Da. TH. 2. 33. καὶ μέρος δέ τι ὀστράκινον (1)
— 34. ἐπὶ τοὺς πόδας τοὺς σιδηροῦς καὶ ὀ. (1)
— 41. μέρος μέν τι ὀστράκινον (1)
— 42. μέρος δέ τι ὀστράκινον (1)
[Aq. Je. 48 (31). 31.]
[Sm. Is. 16. 7, 11 : Je. 48 (31). 31.]
[Th. Je. 48 (31). 36.]

ὄστρακον. (1) חֶרֶס (2) חָרֶשׂ
Jb. 2. 8. ἔλαβεν ὄστρακον (2)
Ps. 21 (22). 15. A S ἐξηράνθη ὡς [B ὡσεὶ] ὄστρακον ἡ ἰσχύς μου (2)
Pr. 26. 23. ἀργύριον διδόμενον μετὰ δόλου ὥσπερ ὄστρακον ἡγητέον (2)
Si. 22. 7. συγκολλῶν ὄστρακον [S -ων] ὁ διδάσκων μωρόν
Is. 30. 14. ὥστε μὴ εὑρεῖν ἐν αὐτοῖς ὄ. (2)
Da. LXX. 2. 33. R μέρος δέ τι ὀστράκου [*cod.*-κινον] (1)
— 35. λεπτὰ ἐγένετο ἅμα ὁ σίδηρος καὶ τὸ ὄ. (1)
— 41. μέρος μέν τι ὀστράκου κεραμικοῦ (1)
— 41, 43. ἀναμεμιγμένον ἅμα τῷ πηλίνῳ ὀ. (1)
— 43. ὥσπερ οὐδὲ ὁ σίδηρος δύναται συγκραθῆναι τῷ ὀ. (1)
— 45. συνηλόησε τὸ ὄ. τὸν σίδηρον (1)
Da. TH. 2. 35. ἐλεπτύνθησαν εἰσάπαξ τὸ ὄ. (1)
— 41, 43. τὸν σίδηρον ἀναμεμιγμένον τῷ ὀ. (1)
— 43. ὁ σίδηρος οὐκ ἀναμίγνυται μετὰ τοῦ ὀ. [A ἀ. τῷ ὀ.] (1)
— 45. ἐλέπτυνε τὸ ὄ. τὸν σίδηρον (1)
[Aq. Jb. 41. 22 : Is. 16. 7 : Ez. 23. 34.]
[Sm., Th. Ez. 23. 34.]

ὀστρακώδης. (1) חֶרֶס
Jd. 1. 35. κατοικεῖν ἐν τῷ ὄρει τῷ ὀ. [A *al.*] (1)

ὀστώδης.
[Aq. Ge. 49. 14 : IV Ki. 9. 13.]

ὀσφραίνεσθαι. (1) רוּחַ hi.
Ge. 8. 21. ὠσφράνθη κ. ὁ θεὸς ὀσμὴν εὐωδίας (1)
27. 27. ὠσφράνθη τὴν ὀσμὴν τῶν ἱματίων (1)
Ex. 30. 38. ὥστε ὀσφραίνεσθαι ἐν αὐτῷ (1)
Le. 26. 31. οὐ μὴ ὀσφρανθῶ τῆς ὀσμῆς τῶν θυσιῶν ὑ. (1)
De. 4. 28. οὐδὲ μὴ ὀσφρανθῶσι (1)
Jd. 15. 14. A ἡνίκα ἂν ὀσφρανθῇ πυρός [B *al.*] †
Jd. 16. 9. ἐν τῷ ὀσφρανθῆναι αὐτὸ πυρός (1)
I Ki. 26. 19. ὀσφρανθείη θυσία σου (1)
To. 6. 17. ὀσφρανθήσεται τὸ δαιμόνιον
8. 3. ὅτε δὲ ὠσφράνθη τὸ δαιμόνιον τῆς ὀσμῆς [S *al.*]
Jb. 39. 25. πόρρωθεν δὲ ὀσφραίνεται πολέμου (1)
Ps. 113. 14 (115. 6). καὶ οὐκ ὀσφρανθήσονται (1)
134 (135). 17. A καὶ οὐκ ὀσφρανθήσονται –
Si. 30. 19. οὔτε γὰρ ἔδεται οὔτε μὴ ὀσφρανθῇ
Am. 5. 21. οὐ μὴ ὀσφρανθῶ θυσίας (1)
[Th. Jd. 15. 14.]

ὀσφρασία. (1) רֵיחַ
Ho. 14. 7. ἔσται ... ἡ ὀ. αὐτοῦ ὡς Λιβάνου (1)

ὀσφύς. (1) אַלְיָה (2) חָלָץ (3) חֲרַץ (4) מָתְנַיִם
Ge. 35. 11. βασιλεῖς ἐκ τῆς ὀ. σου ἐξελεύσονται (2)
37. 34. ἐπέθετο σάκκον ἐπὶ τὴν ὀ. αὐτοῦ (4)
Ex. 12. 11. αἱ ὀ. ὑμῶν περιεζωσμέναι (4)
28. 38 (42). ἀπὸ ὀσφύος ἕως μηρῶν ἔσται (4)
Le. 3. 9. τὸ στέαρ καὶ τὴν ὀ. ἄμωμον (1)
6. 33 (7. 3). πᾶν τὸ στέαρ ... καὶ τὴν ὀ. (1)
8. 25. τὴν ὀ. καὶ τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κοιλίας (1)
9. 19. καὶ τοῦ κριοῦ τὴν ὀ. (1)
De. 33. 11. κάταξον ὀσφὺν ἐχθρῶν (4)
II Ki. 20. 8. μάχαιραν ἐζευγμένην ἐπὶ τῆς ὀ. αὐτοῦ (4)
III Ki. 2. 5. ἐν τῇ ζώνῃ αὐ. τῇ ἐν τῇ ὀ. αὐτοῦ (4)
12. 10. παχυτέρα τῆς ὀ. [A ὑπὲρ τὴν ὀ.] τοῦ πατρός μου (4)
— 24. B παχυτέρα ὑπὲρ τὴν ὀ. τοῦ πατρός μου –
18. 46. συνέσφιγξε τὴν ὀ. αὐτοῦ (4)
21 (20). 31. ἐπιθώμεθα δὴ σάκκους ἐπὶ τὰς ὀ. ἡμῶν (4)
— 32. B περιεζώσαντο σάκκους περὶ [AR ἐπὶ] τὰς ὀ. αὐτῶν (4)
IV Ki. 1. 8. ζώνην δερματίνην περιεζωσμένος τὴν ὀ. αὐ. (4)
4. 29 : 9. 1. ζῶσαι τὴν ὀ. σου (4)
II Ch. 6. 9. ὃς ἐξελεύσεται ἐκ τῆς ὀ. σου (2)
10. 10. ὁ μικρὸς δάκτυλός μου παχύτερος τῆς ὀ. τοῦ πατρός μου (4)
Ne. 4. 18 (12). A R ἀνὴρ ῥομφαίαν αὐ. ἐζωσμένος ἐπὶ τὴν [B S *om.*] ὀ. [S -ύος] αὐ. (4)
Ju. 4. 10. ἐπέθεντο σάκκους ἐπὶ τὰς ὀ. αὐ.
— 14. σάκκους περιεζωσμένοι τὰς ὀ. αὐ.
8. 5. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὴν ὀ. αὐ. σάκκον
Jb. 12. 18. περιέδησε ζώνῃ ὀσφύας αὐτῶν [A *al.*] (4)
38. 3 : 40. 2 (7). ζῶσαι ὥσπερ ἀνὴρ τὴν ὀ. σου (2)
40. 11 (16). ἡ ἰσχὺς αὐτοῦ ἐπ' ὀσφύϊ [A ἐπὶ ὀσφύος αὐτοῦ] (4)
Pr. 31. 17. ἀναζωσαμένη ἰσχυρῶς τὴν ὀ. αὐτῆς (4)
Si. 32 (35). 18. ἕως ἂν συντρίψῃ ὀσφὺν ἀνελεημόνων
Am. 8. 10. καὶ ἀναβιβῶ ἐπὶ πᾶσαν ὀσφὺν σάκκον (4)
Na. 2. 1 (2). σκόπευσον ὁδὸν κράτησον ὀσφύος (4)
— 10 (11). καὶ ὠδῖνες ἐπὶ πᾶσαν ὀσφύν (4)
Is. 5. 27. οὐδὲ λύσουσι τὰς ζώνας αὐτῶν ἀπὸ τῆς ὀ. αὐτῶν (2)
11. 5. ἔσται δικαιοσύνη ἐζωσμένος τὴν ὀ. αὐτοῦ (2)
15. 4. ἡ ὀ. τῆς Μωαβίτιδος βοᾷ †
20. 2. ἄφελε τὸν σάκκον ἀπὸ τῆς ὀ. σου (4)
21. 3. ἐνεπλήσθη ἡ ὀ. μου ἐκλύσεως (4)
32. 11. περιζώσασθε [A S *add.* σάκκους] τὰς ὀ. (2)
Je. 1. 17. περίζωσαι τὴν ὀ. σου (4)
13. 1. περίθου περὶ τὴν ὀ. σου (4)
— 2. περιέθηκα περὶ τὴν ὀ. μου (4)
— 4. λάβε τὸ περίζωμα τὸ περὶ τὴν ὀ. σου (4)
— 11. κολλᾶται τὸ περίζωμα περὶ τὴν ὀ. τοῦ ἀνθρώπου (4)
31 (48). 37. ἐπὶ πάσης ὀσφύος σάκκος (4)
37 (30). 6. ἐν ᾧ καθέξουσιν ὀσφὺν καὶ σωτηρίαν ... αἱ χεῖρες αὐτοῦ ἐπὶ τῆς ὀ. αὐτοῦ (–, 4)
Ez. 1. 27 *bis*. A² B ἀπὸ ὁράσεως ὀσφύος (4)
8. 2. ἀπὸ τῆς ὀ. αὐτοῦ καὶ ἕως κάτω πῦρ καὶ ἀπὸ τῆς ὀ. αὐτοῦ ὑπεράνω αὐτοῦ (4, 4)
9. 2. ζώνη [A -ην] σαπφείρου ἐπὶ τῆς ὀ. αὐτοῦ (4)
— 3. ὃς εἶχεν ἐπὶ τῆς ὀ. αὐτοῦ τὴν ζώνην (4)
— 11. ἐζωσμένος τῇ ζώνῃ τὴν ὀ. αὐτοῦ (4)
21. 6 (11). καταστέναξον ἐν συντριβῇ ὀσφύος σου (4)
23. 15. ἐζωσμένους ποικίλματα ἐπὶ τὰς ὀ. αὐτῶν (4)
24. 17. ὀσφύος πένθους ἔσῃ [A ἔσται αὐτῇ] –
29. 7. συνέκλασας αὐτῶν πᾶσαν ὀσφύν (4)

Ez. 44. 18. περισκελῆ λινᾶ ἕξουσιν ἐπὶ τὰς ὀ.
[A ταῖς ὀ.] αὐτῶν (4)
47. 4. διῆλθεν ὕδωρ ἕως ὀσφύος (4)
Da. LXX. 10. 5. τὴν ὀ. περιεζωσμένος βυσσίνῳ (4)
Da. TH. 5. 6. οἱ σύνδεσμοι τῆς ὀ. αὐ. διελύοντο (3)
10. 5. ἡ ὀ. αὐ. περιεζωσμένη ἐν χρυσίῳ Ὠ. (4)
II Ma. 10. 25. τὰς ὀ. σάκκοις ζώσαντες
IV Ma. 11. 10. τὴν ὀ. αὐτοῦ . . . κατέκαμψαν

[Aq. Is. 32. 11.]
[Sm. Ps. 65 (66). 11: 68 (69). 24: Pr. 30. 31: Is. 11. 5: Ez. 9. 2, 11.]
[Al. Le. 3. 10.]
[Quint. Pr. 30. 31.]
[Hebr. Ge 24. 2: Ez. 9. 2.]

ὅταν. * ὅταν μή

Ge. 38. 9 (*ind.*): 40. 14.
Ex. 1. 16 (*ind.*): 3. 21: 11. 1: 12. 13: 16. 3 (*ind.*): 17. 11 (*ind.*) *bis*: 18. 16: 19. 13: 23. 18: 28. 26 (30), 39 (43)†, 39 (43): 30. 8 (*ind.*†), 8, 20 (*ind.*†), 20, 21: 34. 24: 38. 27 (40. 32).
Le. 12. 6: 19. 23: 23. 10, 22, 39: 25. 2†.
Nu. 4. 5: 8. 2: 9. 19, 20, 21: 10. 7: 11. 9 (*ind.*), 29: 15. 2, 6, 19, 22*: 18. 30: 21. 9 (*ind.*): 24. 23: 28. 26: 32. 23: 35. 19.
De. 4. 29 (*ind.*†): 6. 10, 20: 11. 10, 29: 15. 13†: 17. 18: 20. 2, 9: 23. 13 (14): 31. 21†: 32. 35.
Jo. 3. 3: 4. 6, 21: 17. 18.
Jd. 6. 3 (*ind.*)†: 13. 17†: 21. 22.
I Ki. 10. 7 (*ind.*): 17. 34 (*ind.*).
III Ki. 8. 35: 22. 25.
I Ch. 17. 11.
I Es. 3. 9, 22, 23: 4. 6, 24.
To. 4. 4: 6. 12, 12†, 16†, 17: 8. 21: 13. 6†.
Ju. 6. 6.
Es. 2. 12†, 12 (*ind.*†): 5. 13†.
Jb. 6. 4: 15. 21: 19. 18: 20. 7, 22: 33. 15: 36. 9†.
Ps. 2. 12: 36 (37). 24, 33†: 47 (48). 3 (*ind.*†): 48 (49). 10, 15, 16 (*ind.*†), 16, 18: 57 (58). 10: 70 (71). 23, 24: 74 (75). 2: 77 (78). 34 (*ind.*): 101 (102). *tit.*: 118 (119). 32 (*ind.*), 171: 119 (120). 7 (*ind.*): 126 (127). 2, 5.
Pr. 1. 27 *bis*, 28 (*ind.*†): 11. 15: 14. 10: 18. 3: 20. 8: 22. 10: 23. 33: 24. 55 (30. 20): 26. 11, 19: 27. 8 *bis*: 31. 21.
Ec. 4. 10*: 9. 12: 10. 3.
Wi. 12. 19.
Si. *prol.* 16: 2. 14: 18. 7 (*ind.*†), 7.
Ho. 4. 14 *bis*.
Am. 3. 12, 14: 5. 19†.
Mi. 5. 5 (4) *bis*, 6 (5) *bis*, 8 (7)*.
Jl. 3 (4). 1.
Ze. 3. 20, 20 (*ind.*†).
Za. 4. 1.
Is. 1. 15: 2. 10, 19, 21: 6. 13: 7. 2†, 4: 10. 12: 18. 5: 23. 5: 27. 9 *bis*: 28. 19, 25: 29. 23†: 30. 15, 25 *bis*, 26: 57. 13 (*ind.*†): 64. 3 (2).
Je. 2. 26: 5. 19: 13. 21: 16. 10: 17. 6, 8: 28 (51). 61†, 63†: 32. 14 (25. 28)*: 36 (29). 10, 13 (*sine verbo*)†: 38 (31). 23: 41 (34). 14.
La. 3. 27.
Ep. Je. 41, 43, 48 (*sine verbo*†), 55, 61, 62.
Ez. 1. 28†: 10. 10: 17. 12: 24. 24, 25: 26. 19: 28. 26: 30. 8: 32. 15 *bis*: 34. 12†: 37. 18: 42. 14: 46. 9.
Da. LXX. 3. 5: 11. 34.
Da. TH. 3. 7 (*ind.*).

[Aq. Ex. 21. 7: Le. 5. 15: II Ki. 6. 13 (*ind.*): Jb. 10. 3: 36. 9: 40. 18 (23): 41. 2: Ps. 74 (75). 3: 119 (120). 7 (*ind.*): Pr. 23. 22.]
[Sm. Ge. 27. 40: 30. 41 (*ind*): Ex. 3. 12: I Ki. 29. 10: Ps. 9. 25 (10. 4): 11 (12). 9: 41 (42). 7: 48 (49). 11: 55 (56). 9: 60 (61). 3 (*ind.*): 70 (71). 23: 74 (75). 3: 118 (119). 126 (*ind.*): 119 (120). 7: 140 (141). 7: 141 (142). 8: Pr. 30. 23: Is. 8. 21: 29. 23: 33. 1 *bis*: 60. 5: Je. 10. 13: 13. 21: 51 (28). 16: Ez. 16. 63.]
[Th. Jb. 41. 2: Ps. 119 (120). 7 (*ind.*): Pr. 22. 6.]
[Al. Jb. 10. 3: Ps. 125 (126). 1: Pr. 6. 30.]
[Quint. Ho. 8. 10.]

ὅτε.

Ge. 2. 4: 4. 12†: 11. 10: 12. 4: 24. 30: 25. 20, 26: 33. 18: 34. 25: 35. 9: 36. 24: 41. 46: 42. 21.
Ex. 5. 13.
Le. 26. 45.
Nu. 6. 12†: 26. 10: 32. 8: 33. 39, 40.
De. 4. 10: 9. 23: 29. 25 (24): 32. 8†.
Jo. 2. 10: 8. 19: 14. 7, 11: 24. 30.
Jd. 1. 28: 2. 2†: 5. 8†, 22†: 8. 1: 14. 11†: 16. 16, 25.
Ru. 2. 9†.
I Ki. 1. 12: 5. 4: 6. 6: 25. 30†.
II Ki. 2. 10†: 7. 1: 19. 25 (26).
III Ki. 4. 34 (3. 1)†: 14. 28: 21 (20). 12†.
IV Ki. 5. 26: 14. 5: 17. 7†.
II Ch. 21. 20: 24. 6†: 34. 8†.
I Es. 1. 39, 43: 3. 3†, 13: 4. 44, 45, 58: 7. 10†: 8. 91.
II Es. 5. 12 (ἀφ' ὅτε).
To. 1. 4, 4†, 9, 10, 12†, 15, 18, 19†: 2. 1†, 7, 13: 6. 9†, 17†: 7. 1†, 8†: 8. 1, 3†, 11†: 10. 1†, 7† *bis*: 12. 1†, 12 *bis*, 13, 18†: 14. 2, 3†, 12.
Ju. 5. 18, 19†.
Es. 1. 2, 5: 2. 8: 10. 3†.
Jb. 22. 18†: 28. 26: 29. 3 *bis*, 4 *bis*, 5, 6, 7: 38. 4†, 7, 8.
Ps. 92 (93). *tit.*: 95 (96). *tit.*: 96 (97). *tit.*: 142 (143). *tit.*: 151. *tit.*
Pr. 8. 27, 31.
Ca. 3. 4.
Wi. 9. 9: 11. 9, 13: 16. 5: 19. 11†, 17.
Si. 38. 13 (*sine verbo*): 44. 17†.
Hg. 2. 17 (16)†.
Za. 7. 7†.
Is. 11. 16: 20. 1†: 30. 15: 63. 19.
Je. 21. 1†: 28 (51). 59†, 63†: 34 (27). 20†: 42 (35). 11: 44 (37). 11: 48 (41). 13: 51. 31 (45. 1).
Ep. Je. 10, 24.
Ez. 16. 22: 20. 36†: 29. 7†, 7 *bis*: 31. 16: 43. 3.
Da. LXX. 3. 7, (24), (46): 6. 3 (4): 7. 9 (ἕως ὅτε): 8. 8: 9. 2.
Da. TH. Su. 14: 3. 21†: 5. 20.
I Ma. 4. 9: 5. 1: 6. 28†: 7. 41: 10. 8: 12. 50†: 14. 2†: 16. 16.
II Ma. 1. 18, 19, 20, 22 (?).
IV Ma. 1. 24†: 2. 6: 16. 15: 17. 1†: 18. 20†.

[Aq. Ps. 33 (34). 1: Ca. 1. 12 (*sine verbo*): Je. 40 (47). 1.]
[Sm. II Ki. 8. 3: Jb. 31. 29: Ps. 39 (40). 8: 55 (56). 1: Ec. 8. 9: Ca. 1. 12: Is. 55. 6: Je. 27 (34). 20: 40 (47). 1.]
[Th. Ge. 36. 24: Je. 44 (51). 19.]
[Quint. Ps. 33 (34). 1.]
[Heb. Ez. 43. 3.]

ὅτι. * ἀλλ' ἢ ὅτι †† πλὴν ὅτι ** *sine verbo* ‡‡ ὅτι ἀλλ' ἢ

Ge. 1. 4, 8, 10, 12, 18, 21, 25: 2. 3, 23: 3. 1, 5, 6 *bis*, 7, 10, 11, 14, 17, 19, 20: 4. 12†, 23, 24: 5. 24†: 6. 2, 5, 6, 7 *bis*, 12, 13: 7. 1: 8. 9, 11, 13, 21: 9. 6: 10. 25: 11. 9: 12. 10, 11, 12, 13, 14, 18 *bis*, 19: 13. 6, 8, 10, 15, 17: 14. 14, 23: 15. 8, 13: 16. 4, 5, 11, 13: 17. 5, 14: 18. 13, 19, 28†: 19. 13 *bis*, 14: 20. 2 *bis*, 6, 7 *bis*, 9, 13, 18: 21. 7 *bis*, 12, 13, 30 *bis*, 31: 22. 12: 24. 14, 44: 25. 21, 28**, 30: 26. 7†, 7 *bis*, 9, 16, 28: 28. 6, 8, 15 (ὅτι οὐ μή), 16: 29. 12 *bis*, 15, 31, 33 *bis*: 30. 1, 9, 13, 15, 33: 31. 5, 6, 20, 22, 31†, 32, 35, 36, 37, 49: 32. 11 (12), 25 (26), 28 (29), 32 (33): 33. 11, 13, 15: 34. 5, 7, 13: 37. 3, 4, 27, 35: 38. 9, 10, 14, 16: 39. 3, 13, 15, 18: 40. 7**, 15, 16: 41. 21, 32, 51, 52: 42. 1, 2, 14, 21, 23, 33, 34 *bis*, 38: 43. 6†, 7†, 18, 25: 44. 4, 15, 18, 21†, 27, 28†: 45. 5, 12**, 26: 47. 4 (6): 48. 1, 17: 49. 6, 7**, 7, 15** *bis*: 50. 15, 17.
Ex. 1. 18: 2. 18†, 22†: 3. 2, 3, 4, 11 *bis*, 12 *bis*, 19: 4. 1, 5, 14, 31 *bis*: 5. 21: 6. 7**: 7. 5, 17**: 8. 10 (6), 15 (11), 22 (18)** †: 9. 7†, 14, 29**, 30, 34: 10. 2** †, 7, 10: 12. 33: 13. 14, 17: 14. 4, 5, 18: 15. 19: 16. 3, 6, 7, 12**, 26†: 17. 14, 16: 18. 8, 9, 10, 11**, 11†, 15: 20. 22: 21. 8, 36: 29. 46: 31. 13**, 14, 17: 32. 1, 21, 25: 33. 13**, 16: 34. 10, 29, 35: 36. 5: 40. 35.
Le. 5. 11: 9. 4: 10. 17: 11. 4, 5, 6, 7, 8†, 42, 44 *bis*, 45 *bis*: 13. 11, 13, 15, 20†, 36, 52: 14. 48: 17. 14: 18. 10, 29, 30** †: 19. 2**, 8, 20, 34: 20. 3, 7** †, 23, 26** †: 21. 7†, 8**, 12**, 21**, 23 *bis*: 22. 7, 16**, 20†, 25: 23. 43: 24. 22: 25. 12, 16, 33**, 34, 55** †: 26. 40 *bis*, 44.
Nu. 6. 7**, 12†: 7. 9: 8. 16, 17**: 9. 13, 23: 10. 29: 11. 3, 12, 13, 14, 16, 18 *bis*, 20, 34†: 12. 1: 13. 29 (28)***, 31 (30), 32 (31) (ὅτι οὐ μή), 32 (31): 14. 9, 13, 14, 22, 24, 40, 43**: 15. 25, 26**, 31: 16. 3**, 9, 11, 13 *bis*, 28, 28**, 30, 34** †, 37 (17. 2), 38 (17. 3): 18. 20**, 24, 31, 32 (ὅτι ἂν) (*subj.*): 19. 13, 20 *bis*: 20. 12, 13, 24 (ὅτι οὐ μή), 29: 21. 1†, 5, 7 *bis*, 24, 28, 34: 22. 3, 6 *bis*, 6†, 22, 29 *bis*, 32**, 34, 36: 23. 9: 24. 1: 25. 18: 26. 62, 63†, 65: 27. 3, 3 (4): 30. 6, 9, 15: 32. 12, 15, 19: 34. 14: 36. 7.
De. 1. 17, 38: 2. 5, 19, 28††, 30: 3. 2, 11, 19**, 22, 27, 28: 4. 3, 6**, 7**, 10†, 15, 24, 26, 31**, 35, 39**: 5. 5, 9†, 15, 24 (21), 25 (22): 6. 15**: 7. 6, 7, 9**, 16, 17**, 21**, 25, 26: 8. 3, 5, 18, 19: 9. 3, 6 *bis*, 12, 16, 19: 11. 2**, 7: 12. 12, 23**†, 31: 13. 3 (4), 10 (11): 14. 2, 7, 8, 21, 24**, 24, 27, 29: 15. 2†, 4 *bis*, 6, 10, 15, 16 *bis*, 18: 16. 1, 3, 12: 17. 1, 15: 18. 5: 19. 6 *bis*: 20. 1**, 4**, 20: 21. 5, 17, 23**: 22. 5†, 19, 21, 24 *bis*, 26†, 27: 23. 4 (5), 5 (6), 7 (8) *bis*, 14 (15), 18 (19), 21 (22): 24. 1†, 4, 6, 15, 18, 20, 22: 25. 16** †: 26. 3: 27. 20: 28. 10, 38, 39, 40, 45, 62 (ἀνθ' ὧν ὅτι), 62: 29. 6 (5)**, 16 (15), 19 (18), 25 (24): 30. 9, 11, 18, 20**: 31. 6**, 18, 27, 29 (*subj.*†), 29: 32. 3, 20, 22, 28†, 31, 35, 36, 39, 40, 41, 43, 47** *bis*, 51†, 52†: 33. 19, 21.
Jo. 1. 9**, 11: 2. 9, 10, 11**, 12, 24: 3. 5, 7†, 10: 4. 7, 22, 24: 5. 1: 7. 12†, 15: 8. 14, 18†, 21† *bis*: 9. 16 *bis*, 18: 10. 1 *bis*, 2**, 6, 14, 25, 42: 11. 6, 10†, 20: 13. 28†: 14. 4, 9, 12: 15. 19: 17. 1**, 6, 18, 18** †: 18. 7** †: 19. 9: 20. 5† *bis*: 21. 10: 22. 17, 31**, 31, 34 *bis*: 23. 3**, 4, 10, 13 (ὅτι οὐ μή): 24. 15, 19, 22, 27.
Jd. 1. 15, 19 *bis*, 32, 34: 2. 2†, 17, 18 *bis*: 3. 22, 28: 4. 3, 8, 9 *bis*, 12, 13†, 14**, 14†, 17** †, 19: 5. 7†, 23: 6. 5, 17†, 22 *bis*, 29†, 30 *bis*, 31, 32, 37: 7. 4†, 9, 15: 8. 5, 6†, 15, 20 *bis*, 21**, 22, 24** †, 24, 30: 9. 2, 3, 5, 18, 24†, 28, 28†, 38, 47, 55: 10. 10: 11. 2**, 7†, 12, 13†, 16†, 18** †: 12. 1†, 3, 4, 5†: 13. 5 *bis*, 6†, 7, 16, 16** †, 17 (*opt.*)†, 21** †, 22: 14. 3, 3** †, 4 *bis*, 9, 10, 16, 17: 15. 2, 3, 6, 7†, 11, 13‡‡ †, 16: 16. 17, 18 *bis*, 20, 24†: 17. 13 *bis*: 18. 1, 7†, 9†, 9, 10, 14** †, 23, 24, 26, 28: 19. 28†: 20. 3, 6, 27†, 28, 34, 36 *bis*, 39†, 39, 41†, 41: 21. 5** †, 15, 16, 18†, 18, 22, 22†.
Ru. 1. 6 *bis*, 12 *bis*, 13 *bis*, 16, 17, 18, 20: 2. 10, 13 *bis*, 20, 21, 22: 3. 9, 10, 11, 12, 14, 17: 4. 4, 6, 9, 15.
I Ki. 1. 5, 5†† †, 6 *bis*, 8, 16, 20, 22: 2. 1†, 2†, 3**, 5, 9**, 16†, 17, 24** *bis*, 25, 30‡‡: 3. 5, 6, 8 *bis*, 9, 10, 13 *bis*, 20**, 21: 4. 6, 8 (7), 13, 18**, 19 *ter*, 20, 22†: 5. 5, 7**, 7, 7**, 12: 6. 5 (4)**, 9, 19 *bis*: 7. 7, 17: 8. 7, 9††, 18, 19* †: 9. 7, 9, 12**, 13 (ὅτι οὐ μή), 13 *bis*, 16 *bis*, 20, 24: 10. 1, 7**, 14, 16, 19* †, 24: 11. 5, 12, 13: 12. 5, 10, 12, 12* †, 17**, 19†, 21†, 22† *bis*, 24†: 13. 6** †, 11†, 13†, 14†, 19†: 14. 3†, 6†, 10, 12, 18, 22, 26, 29, 30 *bis*, 33†, 39 *bis*, 41, 44, 45: 15. 11†, 11, 23 *bis*, 24 *bis*, 26, 29, 35 *bis*: 16. 1, 7 *ter*, 11 (ὅτι οὐ μή), 12, 22: 17. 25†, 26† *bis*, 28†, 33, 39, 42, 43, 46, 47 *bis*, 51: 18. 13†, 16, 18†, 28: 19. 4: 20. 1, 2, 3 *bis*, 6**, 7, 8, 9 *bis*, 12, 13, 17, 18, 22 *bis*, 26 *bis*, 27, 29, 30, 31, 31**, 33, 34†, 34: 21. 1 (2)**, 4 (5)‡‡ †, 6 (7), 6 (7)‡‡, 8 (9) *bis*, 9 (10), 15 (16): 22. 6, 8 *bis*, 15, 17**, 17 *bis*, 21, 22**†, 22**, 22†, 23 *bis*: 23. 4, 7†, 7, 9, 10, 13, 15, 17 (ὅτι οὐ μή), 21, 27: 24. 2**, 6, 7, 11, 12, 18, 20 (ὅτι εἰ†), 21, 22: 25. 4, 7, 8, 17, 25, 28 *bis*, 30, 34††, 34, 39†: 26. 3, 4, 9, 10†, 12, 15, 16**, 18, 19, 20, 21: 27. 4: 28. 1, 14**, 21, 22: 29. 6**, 6, 8 (ὅτι οὐ μή), 9**, 10**: 30. 6, 6**, 8, 12, 13, 17‡‡, 22†, 22‡‡, 24: 31. 4, 5, 7 *bis*.
II Ki. 1. 4†, 5, 9, 9**, 10 *bis*, 12, 16 *bis*, 21: 2. 4, 5†, 6†, 7†, 10†, 26, 27: 3. 7, 9 *bis*, 18, 22, 25, 35 (ὅτι οὐ μή), 37, 38, 39: 4. 1, 2†, 10 *bis*: 5. 6 *bis*, 12 *bis*, 17, 19, 24: 6. 6: 7. 3**, 6, 7†, 11, 18, 22, 27†, 29: 8. 9, 10: 9. 7, 8, 13: 10. 3, 5, 6, 9, 14, 15, 19: 11. 10 *bis*, 16**, 20†, 20, 22, 23, 25, 26: 12. 5**, 6 (ἀνθ' ὧν ὅτι), 7†, 9†, 10 (ἀνθ' ὧν ὅτι), 12, 14††, 18 *ter*, 19 *bis*, 21†, 22: 13. 2, 4, 13 (ὅτι οὐ μή), 15**, 15** †, 18, 20, 21 *bis*, 22, 28, 32 *ter*, 33‡‡ †, 39 *bis*: 14. 1**, 14, 15, 16, 17**, 19, 22 *bis*, 26: 15. 8, 14, 19 *bis*, 21 *bis*: 16. 3, 8, 8**, 10, 11, 21: 17. 8, 10, 10**,

11, 17, 21, 23, 29 : 18. 3, 3**, 3, 11, 12, 16, 18, 18†, 19, 22 (*subj.*), 31 : 19. 2 (3) *bis*, 6 (7) *quater*, 7 (8) *bis*, 20 (21) *bis*, 21 (22), 22 (23) *bis*, 25 (26), 26 (27), 26 (27)**, 28 (29), 28 (29)*, 32 (33), 34 (35), 41 (42) : 20. 12, 21 : 21. 2‡‡, 12 : 22. 5, 8, 18, 20, 22, 23**, 29**, 30 : 23. 5**, 5 (ὅτι οὐ μή), 6 : 24. 10†, 10, 14**, 21, 24, 25.

III Ki. 1. 11, 13 *bis*, 17, 25, 30 *ter*, 42 : 2. 7, 9, 14 (15) *bis*, 16 (17), 20†, 22**, 23, 24, 26 *ter*, 28, 29 *ter*, 30 : 3. 1** †, 1 (2. 37), 1 (2. 41), 1 (2. 42), 1 (2. 43), 1 (4. 24)†, 2, 4**, 9, 10, 26, 28, 28** : 4. 24 (5. 4) : 5. 1 (15)†, 1 (15), 3 (17), 6 (20) *bis* : 6. 6 : 8. 7**, 11, 18, 27, 33, 35, 36, 37, 39, 42†, 43, 44, 46 *bis*, 51**, 53†, 60**, 64, 64** : 10. 21, 22, 22 (B) [9. 22 (A)] : 11. 9, 16, 21 *bis*, 22, 28, 31 : 12. 1, 15, 16, 20, 24, 24† *quater*, 24** †, 24† : 13. 9, 17, 32 : 14. 2** †, 5†, 11†, 13† *bis* : 15. 4 : 16. 18, 28 (22. 48 [49])† : 17. 1 (ὅτι εἰ μή)**, 7, 14, 24** † : 18. 9, 10, 15, 18‡‡, 25**, 27 *bis*, 36** †, 37** †, 41** : 19. 2, 4, 7**, 10, 14, 20 : 20 (21). 2**, 6, 15†, 15 *bis*, 16, 18**, 18† : 21 (20). 6, 7 *bis*, 13**, 22, 28**, 31, 41** : 22. 3**, 6†, 8, 14, 18†, 33, 34, 37, 49†.

IV Ki. 1. 4 *bis*, 5, 6 *bis*, 16†, 16, 18 (3. 3)† : 2. 2, 3, 4, 5, 6 : 3. 10, 13, 14 (ὅτι εἰ μή), 17, 21, 26 : 4. 1, 2‡‡ †, 9, 23, 27**, 28, 29, 39, 43 : 5. 1, 7 *ter*, 8 *bis*, 11†, 13, 15, 15‡‡, 17, 20 (ὅτι εἰ μή), 20† : 6. 9, 12, 16**, 32 : 7. 10 (ὅτι εἰ μή), 12 *bis* : 8. 1, 10, 12, 12†, 13, 18, 29 : 9. 11, 16, 16**, 20, 25, 34 : 10. 10, 19**, 21†, 23‡‡ : 11. 1, 15† : 12. 7 (8) *bis*, 10 (11)**, 14 (15), 15 (16), 16 (17)† : 13. 4 *bis*, 7 *bis* : 14. 4†, 6‡‡, 26 : 15. 4†, 16, 35† : 17. 4, 7†, 21, 36‡‡, 39‡‡ † : 18. 4, 12 (ἀνθ' ὧν ὅτι†), 22, 26†, 29 (ὅτι οὐ μή), 31, 32, 34†, 35, 36** : 19. 3, 8 *bis*, 17, 18, 19** †, 31 : 20. 1†, 8, 9, 12 *bis* : 22. 7, 13**, 19 (ἀνθ' ὧν ὅτι) : 23. 9 (ὅτι εἰ μή), 22, 23‡‡ : 24. 7, 20 : 25. 23, 26.

I Ch. 1. 19† : 4. 14, 40**, 41** : 5. 1**, 2**, 9**, 20 *bis*, 22, 22** : 6. 54 (39) : 7. 4, 21, 23 : 9. 26, 27**, 28, 33** : 10. 4, 5, 7 *bis*, 13 : 11. 19 : 12. 18, 19, 21**, 22, 32† (?), 39, 40** : 13. 3, 4**, 9†, 11 : 14. 2 *bis*, 8, 14** †, 15 : 15. 2, 13 *bis*, 22 : 16. 25**, 26**, 33, 34** *bis*, 41** : 17. 2**, 5, 6, 16, 25, 27 : 18. 9, 10 : 19. 5, 6, 10, 15, 16, 19 : 21. 6, 8 *bis*, 13**, 24, 24 (ὅτι οὐ μή), 28, 30 : 22. 4, 8, 9**, 14, 18 : 23. 25, 27, 28 : 24. 5 : 26. 5, 6, 10 : 27. 23 : 28. 3, 5, 6, 9, 10†, 20** : 29. 1**, 9, 11, 14, 14**, 15, 17.

II Ch. 1. 4, 4†, 9, 10 : 2. 5 (4)**, 6 (5), 6 (5)‡‡, 8 (7), 9 (8)** : 4. 18 : 5. 11, 13** *bis*, 14† : 6. 8†, 9, 13, 18, 26 *bis*, 27, 30, 33, 36 *bis* : 7. 2, 3** *bis*, 6**, 7 *bis*, 9 : 8. 9**, 11 *bis*, 14** : 9. 21 : 10. 1, 15, 16 : 11. 4, 14 *bis*, 17, 21, 22 : 12. 2, 7, 8, 14 : 13. 5, 11, 12, 18 : 14. 6 (5) *bis*, 7 (6), 11 (10), 13 (12), 14 (13) *bis* : 15. 5**, 6, 7, 9, 9**, 15 : 16. 9, 10† : 17. 3 : 18. 7, 7**, 13, 17†, 32, 33 : 19. 3‡‡ †, 3, 6, 7 : 20. 9**, 10, 12, 15, 21**, 25, 27, 29 : 21. 3**, 6, 10 : 22. 1, 3, 4, 6, 9, 10 : 23. 6, 8, 14 : 24. 6†, 7, 11, 16, 20, 24 *bis* : 25. 7, 8 *bis*, 16 *ter*, 20 *bis* : 26. 8, 10 *bis*, 15, 18, 20, 21, 23 *bis* : 27. 6 : 28. 11**, 13, 13**, 17, 19 *bis*, 23†, 27 : 29. 6, 11, 24** †, 25**, 34, 36 : 30. 3, 5, 9, 9**, 17, 18, 24 : 31. 10, 18 : 32. 2, 7**, 14, 15 (ὅτι οὐ μή) *bis*, 29 : 33. 13, 23 : 34. 21 : 35. 14, 15, 23 : 36. 15.

I Es. 2. 18†, 22, 24†, 26 : 3. 9, 12†, 24† : 4. 12, 22, 32, 34, 62 : 5. 50, 61**, 67 : 6. 8 : 7. 10†, 11 *bis*, 15 : 8. 52, 83 : 9. 55.

II Es. 3. 3** †, 11** *bis*, 13 : 4. 1, 2, 3, 12, 13, 15**, 16, 19 : 5. 8, 17 : 6. 11, 20, 22 : 7. 6**, 9 *bis*, 10, 13**, 21 : 8. 22 *bis* : 9. 2, 6, 9, 10, 13, 13† *bis*, 14, 15†, 15 : 10. 1, 4** †, 6, 13, 16.

Ne. 2. 10, 16† : 4. 1 (3. 33), 2 (3. 34), 4 (3. 36), 7 (1) *bis*, 15 (9) : 5. 18** : 6. 1, 6†, 8, 9, 10, 12**, 16, 18 *bis* : 7. 2** †, 3†, 63 : 8. 5, 5†, 9, 10 *bis*, 11**, 12, 17 : 9. 8**, 10 *bis*, 31** †, 33 : 10. 39 (40) : 11. 23** : 12. 29, 43, 44** †, 46** : 13. 2, 6, 10, 13.

To. 1. 8†, 19, 19†, 19 : 2. 10 : 3. 5, 6, 8†, 9†, 14 : 4. 4, 12†, 20†, 21 : 5. 4†, 13, 15†, 17† : 6. 11†, 12 (ὅτι οὐ μή), 12, 13† *bis*, 14† *bis*, 15†, 15, 17†, 17, 17† : 7. 7† *bis*, 10†, 12† : 8. 6†, 14, 16, 17 : 9. 4†, 5† *bis*, 6† : 10. 5, 8, 8†, 13† *bis* : 11. 1†, 7, 15, 15† *ter*, 16†, 17, 17† : 12. 3†, 16†, 17†, 18** †, 19† : 13. 2, 3, 13, 14, 16 : 14. 4, 4† *ter*, 8†, 10† *bis*, 11†.

Ju. 1. 11 : 2. 6, 7, 12 : 3. 8† : 4. 3, 5, 7 : 5. 7, 17, 19†, 20 : 6. 2 *bis*, 9 : 7. 13†, 19 *bis*, 21, 24 : 8. 8, 9, 11**, 14, 15, 16**, 18, 20, 21, 23, 24, 27, 29, 31 : 9. 7, 14 : 10. 12, 19** † : 11. 1, 7, 8**, 9, 10, 14, 17, 19, 23 : 12. 4, 12, 14, 18 : 13. 5**, 13, 14†, 16, 19 : 14. 13, 18** : 16. 3**, 3, 14, 16**.

Es. 1. 1, 11, 15, 20** † : 2. 21 : 3. 4, 5 : 4. 11 *bis*, 13, 14, 17 *quinquiens*, 17* *bis*, 17, 17†, 17, 17† : 5. 1, 2 : 6. 13** : 8. 1, 7, 16† : 9. 26.

Jb. 1. 8 : 2. 3 : 3. 10 : 4. 7† : 5. 21†, 23** †, 24** †, 25** : 6. 11 *bis*, 27†† : 7. 7**, 12†, 13†, 17 *bis* : 8. 19** : 9. 2, 16, 19, 21†† †, 23**, 28 : 10. 3, 6, 7, 9, 13 : 11. 4, 6 *bis*, 18 : 12. 9†, 9, 10** † : 13. 18, 19†, 26 : 15. 4†, 12†, 13, 14†, 23, 25, 27, 31 : 16. 3 : 17. 4† : 19. 2, 5, 6, 25, 29† : 21. 15 (*subj.*†) *bis*, 21**, 27, 30 : 22. 3 (*subj.*), 29 : 23. 2, 3 (*opt.*), 3 (*opt.*)†, 17 : 24. 17**, 17 : 25. 3 : 27. 8, 12† : 29. 11 : 30. 23 : 31. 18, 21, 28 : 32. 4, 5, 7, 16 : 33. 31† : 34. 3, 4** †, 5, 9, 23, 27, 31**, 33 (*subj.*†), 33 (*subj.*) : 35. 2†, 15 : 36. 5 (ὅτι οὐ μή), 9†, 10, 13, 24 : 37. 4 (*ind.*†), 15†, 23† : 38. 21 : 39. 11**, 12, 14, 15, 17 : 40. 9 (14), 18 (23) : 41. 1 (2) : 42. 2, 8 (ὅτι εἰ μή†).

Ps. 1. 6 : 3. 5, 7 : 4. 3, 8 : 5. 2, 4, 9, 10, 12 : 6. 2 *bis*, 5, 8 : 8. 1, 3, 4 *bis* : 9. 4, 10, 12, 18, 20, 24 (10. 3), 35 (10. 14) : 10 (11). 3, 4, 8** : 11 (12). 1 *bis* : 13 (14). 5**, 6† : 15 (16). 1, 2†, 8, 10 : 16 (17). 6 : 17 (18). 7, 17, 19, 21, 22**, 27, 28, 29, 31** : 19 (20). 6 : 20 (21). 3, 6, 7, 9†, 11, 12 : 21 (22). 8, 9, 11**, 11, 16, 24, 28** : 22 (23). 4 : 24 (25). 5, 6, 15, 16, 19, 20, 21 : 25 (26). 1, 3 : 26 (27). 5, 10, 12 : 27 (28). 5, 6 : 29 (30). 1, 5** : 30 (31). 3, 4, 7, 9, 10, 13, 17, 21, 23† : 31 (32). 3, 4 : 32 (33). 4**, 9, 20, 21 : 33 (34). 8**, 9, 15† : 34 (35). 7, 20 : 35 (36). 2, 9** : 36 (37). 2, 9, 13 *bis*, 17, 20, 22, 24, 28, 37, 40 : 37 (38). 2, 4, 7, 15†, 16, 17**, 18 : 38 (39). 9, 12 : 39 (40). 12 : 40 (41). 4, 11, 11 (ὅτι οὐ μή) : 41 (42). 4, 5, 11 : 42 (43). 2** †, 5 : 43 (44). 3, 19, 22, 25 : 44 (45). 11†, 11 : 45 (46). 10 : 46 (47). 2**, 7**, 9 : 47 (48). 4, 14 : 48 (49). 9†, 17†, 18 : 49 (50). 6, 7†, 10, 21 : 50 (51). 3, 16 : 51 (52). 9, 9** : 52 (53). 5 *bis* : 53 (54). 3, 6**, 7 : 54 (55). 3, 9, 12, 15**, 18 : 55 (56). 1, 2, 9, 13 : 56 (57). 1, 10 : 58 (59). 3, 7, 9** †, 13, 16, 17† : 59 (60). 2 : 60 (61). 3, 5 : 61 (62). 5**, 6**, 8** †, 11**, 12 : 62 (63). 3**, 7, 11 : 64 (65). 9** : 65 (66). 10 : 66 (67). 4, 4† : 68 (69). 1, 7, 9, 16**, 17, 26, 33, 35 : 70 (71). 3, 5, 10, 11, 15, 20† : 71 (72). 12 : 72 (73). 3, 4, 21, 27 : 73 (74). 20 : 74 (75). 6**, 7, 8** : 75 (76). 10 : 76 (77). 11 : 77 (78). 22, 35, 39 : 78 (79). 7, 8 : 80 (81). 4 : 81 (82). 8 : 82 (83). 2, 5†, 18** : 83 (84). 10**, 11 : 84 (85). 8 : 85 (86). 1, 2, 3, 4, 5**, 7, 10, 13**, 17 : 87 (88). 3 : 88 (89). 2, 6, 17, 18** : 89 (90). 4**, 7, 9, 10 : 90 (91). 3, 9**, 11, 14 *bis* : 91 (92). 4†, 9†, 9, 15** : 93 (94). 11, 14, 17 : 94 (95). 3**, 3†, 4**, 5, 7 : 95 (96). 4**, 5**, 10†, 13 *bis* : 96 (97). 9 : 97 (98). 1, 9†, 9 : 98 (99). 3, 5†, 7†, 9** : 99 (100). 3, 5**, 5** † : 101 (102). 3, 4, 9, 10, 13**, 13, 14, 16, 19 : 102 (103). 11, 14 *bis*, 15†, 16 : 104 (105). 28†, 38, 42 : 105 (106). 1** *bis*, 33 : 106 (107). 1** *bis*, 9, 11, 16, 30 : 107 (108). 4** : 108 (109). 1, 21**, 22, 27**, 31 : 111 (112). 6 : 113 (114). 5 *bis*, 6† : 114 (116). 1, 2, 7, 8 : 116 (117). 2 : 117 (118). 1** *bis*, 2** *bis*, 3** *bis*, 4** † *bis*, 21, 28, 29** *bis* : 118 (119). 22, 35, 39** †, 42, 43, 45, 50, 56†, 59†, 66, 71, 74, 75, 77, 78, 83, 91**, 92, 93, 94, 98, 99, 100, 102, 104†, 111, 118**, 131, 139, 152, 153, 155, 158, 159, 168**, 172** †, 173, 176 : 119 (120). 5 : 121 (122). 5 : 122 (123). 3 : 123 (124). 1, 2 : 124 (125). 3 : 129 (130). 4, 7** † : 131 (132). 13, 14 : 132 (133). 3 : 134 (135). 3** *bis*, 4, 5, 5**, 14† : 135 (136). 1** *bis*, 2**, 3**, 4**, 5**, 6**, 7**, 8**, 9**, 10**, 11**, 12**, 13**, 14**, 15**, 16**, 17**, 18**, 19**, 20**, 21**, 22**, 23†, 23** †, 24**, 25**, 26** : 136 (137). 3 : 137 (138). 1†, 2, 4, 5**, 6** : 138 (139). 4, 12†, 13, 14, 20** : 139 (140). 12 : 140 (141). 5**, 6, 8** : 141 (142). 4†, 6 *bis* : 142 (143). 2, 3†, 8 *bis*, 9†, 10, 12 : 143 (144). 3 *bis* : 146 (147). 1** : 147. 2 (13) : 148. 5, 13 : 149. 4.

Pr. 2. 6, 21 : 6. 16, 23** : 7. 23 : 8. 7 : 9. 18 : 22. 18 : 23. 2, 13 (ὅτι οὐ μή), 22 : 24. 12, 18 : 26. 19 : 27. 24** : 28. 22 : 29. 20 : 31. 18.

Ec. 1. 13, 17, 18** : 2. 10, 12**, 13, 14, 15**, 16, 17** *bis*, 18, 21, 21**, 22, 23**, 24, 25, 26, 26** : 3. 12, 14, 17**, 18 *bis*, 19**, 22, 22**, 22 : 4. 4**, 10, 14 *bis*, 16†, 16**, 17 : 5. 1**, 2, 3†, 5, 6**, 6, 7†, 10**, 17**, 19 *bis* : 6. 2, 2†, 3, 4, 8**, 11 : 7. 1 (6. 11)†, 1 (6. 12) *bis*, 3 (2)†, 4 (3), 7 (6)** †, 8 (7), 10 (9), 11 (10) *bis*, 13 (12)**, 14 (13), 19 (18), 21 (20), 23 (22) *bis* : 8. 3, 6, 6**, 7 *bis*, 10, 11, 12 *bis*, 14 *ter*, 14** †, 15†, 15 (ὅτι εἰ μή), 16, 17, 17 (9. 1) : 9. 1** †, 3**, 4**, 4** †, 5 *ter*, 7, 9**, 10, 11**, 11, 12† : 10. 4, 14†, 20 : 11. 1, 2, 6, 8 *bis*, 9, 10** : 12. 3, 5, 9 *bis*, 13**, 14.

Ca. 1. 2**, 6 *bis* : 2. 5**, 11, 14** : 4. 10† : 5. 2, 8** †, 9 : 6. 4 (5) : 8. 6**.

Wi. 1. 2, 4, 6**, 7, 10, 11** †, 13, 16 : 2. 2, 2**, 5, 9**, 12, 15**, 23 : 3. 5, 9**, 13** : 4. 1, 15**, 19 : 5. 14**, 16 : 6. 3, 4, 5, 7, 16, 23 : 7. 9**, 10**, 12, 15 : 8. 9, 17, 20 : 9. 5** : 10. 12, 21 : 11. 16, 22**, 23, 26 : 12. 10**, 10 (ὅτι οὐ μή)†, 13, 17†, 19 *bis* : 13. 7**, 16 : 14. 3, 4, 8†, 11, 21, 30 : 15. 2, 9 *ter*, 11, 13, 15 : 16. 8, 9, 18 (*subj.*†), 22, 26, 28 : 18. 1, 2, 21 : 19. 2, 11†.

Si. 1. 30 : 2. 5†, 9** †, 13 : 3. 20** : 4. 17 : 6. 17** : 7. 16, 17**, 28 : 8. 5, 7, 8, 9, 16** : 9. 12 (ὅτι οὐ μή), 13 : 10. 9, 13** : 11. 4**, 21**, 26** : 12. 6, 11 : 13. 13 : 14. 12, 16 : 15. 9, 11, 12†, 18** : 16. 17 : 17. 30** : 18. 12** : 22. 11 : 23. 19**, 27** : 24. 34 : 27. 20, 21 : 30. 26 (33. 17), 39 (33. 30), 39 (33. 31)** †: 31 (34). 14** : 32 (35). 11, 12 : 33 (36). 5 : 34 (31). 13** : 36. 22 (19) : 37. 21 : 38. 22** : 39. 16** : 41. 7 : 46. 6**, 10** : 50. 29** : 51. 2, 8, 24†, 27.

Ho. 1. 11 (2. 2)** : 2. 2 (4)**, 4 (6), 5 (7), 5 (7)†, 7 (9), 8 (10) : 4. 1** †, 6, 13**, 14†, 16† : 5. 1, 4, 6, 7 *bis*, 11 : 6. 1, 10 (9) : 7. 1, 13 *bis* : 8. 3, 7, 8, 11 : 9. 15, 17 : 10. 3, 5†, 5, 13 : 11. 1**, 3, 5, 10 : 14. 1, 5†, 10** †.

Am. 4. 2†, 5, 12†† † : 5. 5, 12, 13 : 6. 8, 8†, 13 (12) : 7. 2, 5, 13 : 9. 8††.

Mi. 1. 9, 12, 13, 16 : 2. 3, 10 : 4. 2, 5, 9, 12, 13 : 6. 2** : 7. 1, 2, 8, 9, 18.

Jl. 1. 5, 6, 9, 10, 11, 12, 13, 15**, 17, 18, 19, 20† : 2. 1†, 1**, 11, 11**, 11** †, 13, 20†, 21, 22 *bis*, 23†, 27, 27†, 32 (3. 5) : 3 (4). 1†, 8, 10, 13 *bis*, 14** †, 17** †.

Ob. 1. 18†.

Jn. 1. 2, 10 *bis*, 11, 12†, 13, 14† : 3. 10 : 4. 2**, 3**.

Na. 1. 10†, 14**.

Hb. 1. 4, 6†, 16 : 2. 3** †, 3, 7, 14†, 18†, 18 : 3. 8.

Ze. 1. 7, 11, 14**, 17 : 2. 7, 9† : 3. 8†, 9, 11.

Hg. 2. 17 (16)†, 24 (23)†.

Za. 2. 9 (13)†, 10 (14)†, 11 (15), 13 (17)† : 7. 7† : 8. 23 : 9. 5, 17** : 10. 2†, 5** †, 6 : 11. 2 *bis*, 3 *bis* : 13. 3, 5†.

Ma. 2. 2, 7, 10, 11†, 14† : 3. 8, 14 : 4. 1 (3. 19)†.

Is. 1. 2 : 2. 2, 6 : 3. 6, 8, 9 (8)†, 9†, 10 : 4. 4 : 6. 5 *bis* : 7. 5, 24 : 8. 10** : 9. 5 (4), 6 (5), 17 (16)**, 20 (19), 21 (20) : 10. 23, 24 : 11. 9 : 12. 4, 5, 6 : 14. 31†, 32† : 15. 4 : 16. 4, 9†, 12† : 18. 4† : 19. 20 : 20. 4 : 21. 6†, 16†, 17† : 22. 1, 5**, 9 *bis*, 10, 14, 16, 25 : 23. 1, 13†, 14 : 24. 6, 18, 23 : 25. 1, 2, 5†, 10† : 26. 3 : 28. 11, 15, 17 (ὅτι οὐ μή†) : 29. 10, 21† : 30. 4, 7**, 8, 9, 12 *bis*, 20 : 31. 4, 7 : 33. 14, 21** †, 23 : 34. 6**, 16 : 35. 6 : 36. 5, 15, 16†, 20 : 37. 3, 8, 20** †, 24, 32 : 38. 1†, 7, 22 : 39. 1, 7 : 40. 2 *bis*, 5 : 41. 13**, 20, 23, 24, 26 : 43. 1, 3**, 5, 10, 20 : 44. 3, 12, 16, 17, 18, 19, 20** *bis*, 21†, 23 *bis* : 45. 3**, 5**, 6, 6†, 9, 11, 14, 24 : 46. 9 : 47. 1, 10†, 14 : 48. 4†, 5, 5†, 7†, 8, 11, 20† : 49. 7, 13, 14†, 18, 19, 19†, 23**, 25†, 26** : 50. 2†, 7 (ὅτι οὐ μή), 8 : 51. 2, 4, 6, 15** : 52. 3, 5, 6, 7, 8 *bis*, 9, 12, 15 : 53. 3, 8, 9 : 54. 1**, 4 *ter*, 5** : 55. 5, 7 : 56. 3, 8, 10 : 57. 8, 10 : 58. 3 : 59. 4, 14, 15 : 60. 5, 16** : 61. 9 : 62. 4† : 63. 15, 16 : 64. 7 (6), 9 (8)** : 65. 5, 8, 12, 18†, 23 : 66. 4, 8, 12, 13†.

Je. 1. 6, 7 *bis*, 8, 17, 19† : 2. 5, 13, 19**, 20, 25, 27, 28, 36, 37 *bis* : 3. 8** †, 12, 13, 19, 21, 22 : 4. 3†, 6, 13, 17, 18**, 18, 19, 20, 31 *bis* : 5. 4, 5, 6, 10, 11, 26 : 6. 1, 4 *bis*, 6, 9, 11, 12, 13, 15, 19, 25, 26, 30 : 7. 4, 5, 12†, 16, 22†, 29, 30, 34 : 8. 3, 4, 8, 9, 14 *bis* : 9. 2 (1), 3 (2), 4 (3), 7 (6), 10

(9), 19 (18) *bis*, 21 (20), 24 (23), 24 (23)**, 26 (25)**: 10. 2, 3**, 5, 5 (ὅτι οὐ μή) (*ind.*†), 14, 16**, 18, 21, 23**, 25: 11. 13, 14, 17, 20, 23†: 12. 1 *bis*, 4†, 6 *bis*, 11, 12, 14: 13. 11, 12, 15, 17, 18, 27: 14. 4, 5, 6, 7**, 7, 12 *bis*, 13, 14, 17, 18, 20, 22: 15. 14, 16, 17: 16. 3, 5, 17**, 21**: 17. 13, 14†: 18. 12, 15, 18, 20, 22: 19. 12†, 15: 20. 8 *bis*, 10†, 11, 12, 13, 17: 21. 1†, 2, 10†: 22. 5, 6, 10, 11†, 15, 20, 22, 28, 30 (ὅτι οὐ μή): 23. 10, 11, 15, 16, 18, 35†, 36, 37†: 24. 7 *bis*: 26 (46). 5 (*subj.*†), 10**, 12, 14, 15, 18, 19, 21, 22, 23 (ὅτι οὐ μή), 23, 28 *bis*: 27 (50). 3, 9, 11, 15, 20, 24, 25**, 26, 27, 29, 31, 33, 38, 44, 44**, 46: 28 (51). 5, 6, 9, 11**, 11, 12, 14, 17, 19, 26, 31, 38†, 51, 53 *bis*, 55, 56 *bis*, 59†, 62: 29 (47). 4: 29 (49). 8, 9, 10, 12, 13 *bis*, 16, 19, 19**, 21: 30 (49). 3 *bis*, 4†, 8 (49. 30), 12 (49. 23): 31 (48). 1, 3**, 5, 9, 18, 20 *bis*, 26, 27, 34†, 38, 40, 42, 44†: 32. 15 (25. 29) *bis*, 17 (25. 31)**, 20 (25. 34), 22 (25. 36), 24 (25. 38): 33 (26). 9, 11, 15, 15†, 15, 16, 19†, 19: 34 (27). 5, 10, 14 *bis*, 16, 19, 20†: 35 (28). 4, 14: 36 (29). 7** †, 8†, 9, 10, 10†, 13†, 15, 28† *bis*: 37 (30). 3, 7** †, 14, 17 *ter*, 21, 23: 38 (31). 4†, 5†, 6, 7, 9, 11, 15, 16, 18**, 19 *bis*, 20, 22, 23†, 25, 32, 33**, 34 *bis*: 39 (32). 4†, 7**, 8**, 8, 15, 29†, 30, 31, 42, 44: 40 (33). 4, 11** *bis*, 11, 12†: 41 (34). 5, 7: 42 (35). 6, 7: 43 (36). 7**: 44 (37). 9†, 9 (ὅτι οὐ μή), 10†, 15, 16†, 18, 19 (ὅτι οὐ μή): 45 (38). 3, 4 *bis*, 5, 7, 9, 23, 25, 27: 46 (39). 18 *bis*: 47 (40). 3, 7, 11 *bis*, 14, 16: 48 (41). 8, 18 *bis*: 49 (42). 2, 6, 10, 11**†, 14, 18, 18†, 20: 50 (43). 7: 51 (44). 15, 17, 19, 27, 29: 51. 32 (45. 2), 33 (45. 3), 35 (45. 5).

Ba. 1. 13: 2. 5, 9**, 13, 15**, 15, 17, 19, 20, 30, 30 (ὅτι οὐ μή), 30, 31**, 33: 3. 2†, 2, 3**, 6**, 7 *bis*, 10, 18: 4. 4, 15†.

La. 1. 5, 9, 11, 14, 16 *bis*, 18, 19, 20 *bis*, 21 *bis*, 22**: 2. 13: 3. 22† *quater*, 28, 31, 32: 4. 12, 15: 5. 1 (?), 16, 18, 22.

Ep. Je. 23, 29, 30, 43, 49, 50, 51, 52, 56, 65, 69, 72.

Ez. 1. 21**†: 2. 5, 7†: 3. 7, 20, 21: 6. 7**, 10†, 14**: 7. 4** †, 12** †, 13†, 14** †, 27**: 9. 9 *bis*: 10. 11, 20: 11. 10**, 16: 12. 11, 16**, 23, 24†, 25†, 28†: 13. 10†, 21** †, 23†, 23**: 14. 8**: 15. 5†, 7**: 16. 62**: 17. 18†: 18. 4, 19 *bis*, 23†: 19. 5: 20. 20** †, 26** †, 29, 42** †, 48 (21. 4): 21. 5 (10)†, 7 (12)†, 12 (17), 13 (18): 22. 12†, 16** †: 23. 8, 13, 37, 40, 40†, 45: 24. 7: 25. 3 *ter*: 26. 5, 6** †, 7†, 14, 19: 28. 10, 22, 23†, 24, 26: 29. 6, 7†, 9, 9†, 13†, 16, 21: 30. 3**, 8, 9, 13, 19, 25, 26: 31. 7: 32. 11, 15, 27, 32: 33. 5 *bis*, 16, 29, 31**, 33: 34. 15†, 18, 27, 30: 35. 4, 9, 12 *bis*, 15: 36. 5, 8, 9†, 11, 23, 34 (ἀνθ' ὧν ὅτι), 36, 36†, 38** †: 37. 6†, 13, 14**, 24, 28: 38. 23: 39. 5, 6, 7, 8, 22, 23, 28: 42. 5, 8**†: 44. 2, 28**: 45. 14: 47. 1, 5, 9, 12†: 48. 14** †.

Da. LXX. Su. 5, 22, 35, 38, 51: 2. 8 *bis*, 9 (*subj.*), 10, 20, 23, 25, 47: 3. 15, 18, (27), (29), (37), (40), (45), (88), (89)** *bis*, (90)**, 27 (94): 4. 20 *bis*, 29, 34 *quater*: 5. 10: 6. 5 (6) *bis*, 7 (8): 7. 23: 9. 8, 9, 11, 14**, 16**, 19, 23: 10. 12, 19: 11. 4, 6, 25, 37: 12. 7**, 9**: Bel 6, 8, 11, 23, 29.

Da. TH. Su. 5, 11 *bis*, 13, 15, 18, 21, 27, 35, 43, 50, 61, 63: 2. 8 *bis*. 9 *bis*, 11**, 20, 23, 41, 43, 45, 47: 3. 18, (27), (28), (29), (37), (40), (45), (88), (89)** *bis*, (90)**, 27 (94), 28 (95): 4. 6**†, 14, 15, 15**, 19, 20, 22, 23, 29, 31**, 34**: 5. 12**, 14**, 16, 21: 6. 3 (4)** †, 4 (5), 10 (11), 15 (16), 22 (23), 23 (24), 26 (27)** †: 7. 19: 8. 26**: 9. 9, 11, 14**, 16, 18, 19, 23: 10. 11, 12†, 14**, 19: 11. 4, 25, 27**, 35**, 37: 12. 7**, 9**: Bel 5, 9 *bis*, 13, 24†, 24, 25, 30.

I Ma. 1. 5, 11: 2. 30, 31, 37, 61, 62**, 63, 64, 65: 3. 13, 19, 29, 42, 46** †, 59**: 4. 5, 11, 17**, 20, 24**, 24** †, 27, 45: 5. 1, 3, 12, 26, 31, 34, 40, 54, 61: 6. 1, 3, 5, 8, 9 *bis*, 11, 13, 17, 24†, 28†, 43, 49 *bis*, 54, 55, 56: 7. 11, 18, 25 *bis*, 30, 31, 42, 44: 8. 1, 2 *bis*, 9, 18: 9. 1, 6, 7 *bis*, 14**, 16, 37, 57, 60, 68: 10. 8, 19** †, 23, 46, 47, 71, 72, 75**, 80: 11. 2, 14, 21, 38, 39, 43, 49, 63: 12. 1, 7, 21 *bis*, 24, 26, 28, 34, 42, 50†, 51: 13. 1, 2, 6, 14 *bis*, 17, 18, 34** †, 51, 53: 14. 2†, 16, 17, 40 *bis*, 41: 15. 12: 16. 21 *bis*, 22.

II Ma. 1. 27** †, 33: 2. 1, 7, 18: 3. 1 (ὅτι κάλλιστα)†: 5. 17: 6. 30: 7. 28: 9. 23: 14. 3, 31: 15. 21.

III Ma. 2. 10†: 5. 19** †, 27** †: 6. 15, 15†: 7. 9.

IV Ma. 1. 7, 9, 24†, 30, 33: 2. 2, 6, 7, 9: 4. 22 (*opt.*), 25 *bis*: 5. 25: 7. 17, 19, 22: 8. 11, 21: 9. 18: 10. 2, 16: 11. 5: 13. 1: 16. 2, 5, 18†, 25** †, 25: 17. 1** †: 18. 2, 7, 20†.

[**Aq.** Ge. 2. 17: 3. 2 (1): 4. 24: 6. 7 (6), 8 (7): 20. 10: 32. 28 (29): 47. 22: 50. 19: Ex. 2. 2: 4. 10, 25: 7. 24: 20. 25: 32. 1, 25**, 25: Le. 21. 8, 12**: 24. 9: Nu. 14. 14: Dt. 32. 31**: Jo. 1. 8: 2. 9, 15**: I Ki. 9. 24**: 15. 23**: 20. 3**: II Ki. 12. 5**, 14: 16. 11**: 18. 3**: 23. 19**: III Ki. 5. 1 (15) *ter*: 14. 2**, 5, 11, 13 *bis*: 15. 4: 18. 27: 22. 49: IV Ki. 9. 20: 10. 10: Jb. 3. 24: 6. 11, 21: 7. 16**: 15. 14, 34**: 19. 29**: 22. 2, 6: 27. 8: 33. 13: Ps. 3. 8: 9. 24 (10. 3), 35 (10. 14): 10 (11). 3: 11 (12). 2: 17 (18). 20: 20 (21). 13: 21 (22). 17, 32: 24 (25). 20: 26 (27). 5: 27 (28). 5, 6: 29 (30). 2, 6**: 30 (31). 10**, 11: 31 (32). 3, 4: 32 (33). 4**, 21: 36 (37). 20: 37 (38). 8: 41 (42). 5: 46 (47). 10: 52 (53). 6 *bis*: 54 (55). 16**: 55 (56). 3: 60 (61). 6: 61 (62). 12**: 68 (69). 18**: 70 (71). 3**, 24: 72 (73). 4: 73 (74). 20: 82 (83). 3, 19: 83 (84). 12**: 85 (86). 7: 88 (89). 3: 89 (90). 10: 90 (91). 9, 11: 105 (106). 1**: 117 (118). 10: 118 (119). 35, 56, 98**, 100, 118**: 119 (120). 5: 127 (128). 2: 134 (135). 3**: 138 (139). 20: 140 (141). 5**, 6: 141 (142). 4: Pr. 1. 9: 19. 19: 21. 27: 22. 23: 27. 13: Ec. 1. 17: 7. 19 (18), 23 (22): 9. 1: Ca. 1. 6: Is. 2. 22: 3. 24: 7. 13, 22: 8. 10**: 9. 6 (5): 15. 5 *bis*: 21. 17: 26. 3, 4**: 28. 8, 27: 30. 15, 31, 33**: 31. 3**: 34. 5: 37. 8: 39. 1: 43. 16, 19, 22: 44. 3: 49. 25: 51. 2: 52. 4, 12: 53. 12: 54. 6, 10: 55. 7: 56. 4: 57. 1, 8, 15: 59. 14, 19: 60. 1, 2: Je. 2. 35 (Sw.): 6. 11, 15, 25: 7. 29: 10. 7 *bis*, 16: 11. 15**, 15, 19: 12. 5: 14. 12, 13: 15. 10: 16. 5 *bis*: 18. 22: 22. 21, 24: 23. 10: 25. 14, 15 (14) (32. 1) (Sw.): 28 (35). 16: 29 (36). 11: 30 (37). 5, 12, 17: 31 (38). 7, 19 *bis*, 22, 32: 32 (39). 4, 31: 35 (42). 14: 37 (44). 16, 18: 38 (45). 27: 42 (49). 20: 43 (50). 3: 44 (51). 29: 46 (26). 22: 48 (31). 9, 37: 49. 8 (29. 9), 19 (29. 20), 19 (29. 20)**: 50 (27). 11, 14: 51 (28). 2, 9, 10, 12, 26, 56: Ez. 3. 20 (P.): 17. 24: 18. 11: 19. 5: 20. 16: 21. 13 (18): 24. 19: 29. 13: 30. 3**: 31. 14: 32. 25, 26: 45. 14**: Ho. 11. 1**: Mi. 2. 1**: Hb. 2. 3: Ma. 3. 8.]

[**Sm.** Ge. 2. 23: 4. 24: 20. 13: 32. 28 (29): 44. 15: Ex. 2. 2: 4. 25**, 26: 7. 24: 32. 1, 25: Le. 21. 8, 12**: 24. 9: Nu. 14. 14: Jo. 1. 8: 2. 9, 15**: Jd. 18. 7: I Ki. 9. 24: 15. 11, 23**: 19. 24: 20. 3**: II Ki. 12. 5**, 14†† : 14. 16: III Ki. 5. 1 (15): 15. 4: 18. 27: IV Ki. 9. 20: 10. 10: Jb. 15. 12: 17. 4: 19. 29: 20. 5: 27. 3**, 8: 33. 14: 34. 31: 35. 3: 36. 4**, 9: Ps. 3. 8: 9. 24 (10. 3), 35 (10. 14): 10 (11). 3: 11 (12). 2: 15 (16). 1: 20 (21). 12, 13: 21 (22). 17: 24 (25). 5**, 20: 29 (30). 2, 6**: 30 (31). 8: 31 (32). 3: 32 (33). 21: 34 (35). 7: 35 (36). 3: 36 (37). 20, 37: 37 (38). 8: 40 (41). 12: 41 (42). 5, 6: 43 (44). 20: 46 (47). 10: 51 (52). 11**: 52 (53). 6: 54 (55). 4, 10, 16**: 55 (56). 3**, 10: 64 (65). 10: 68 (69). 2: 70 (71). 3, 24 *bis*: 71 (72). 12: 72 (73). 4: 73 (74). 20 (P.): 78 (79). 8: 82 (83). 19: 85 (86). 3, 7: 88 (89). 3, 18: 89 (90). 7: 90 (91). 11: 91 (92). 16**: 102 (103). 16: 105 (106). 1**: 115. 2 (116. 11): 118 (119). 56, 71, 100: 119 (120). 5: 122 (123). 3: 141 (142). 7: 148 (144). 3: 146 (147). 1**: Pr. 1. 32: 23. 27**: 27. 13: 28. 22: Ec. 1. 17: 2. 22: 7. 13 (12), 19 (18), 23 (22): 8. 7, 17: 9. 1, 4: 10. 4: 11. 9: Ca. 1. 6: 8. 6**: Is. 2. 22: 5. 4: 6. 5: 7. 13, 22: 9. 5 (4): 21. 17: 22. 9: 25. 8: 28. 8, 19: 30. 15: 31. 3**: 34. 5: 37. 8: 39. 1: 40. 2, 7: 43. 16, 19, 22: 44. 3: 49. 25: 52. 4: 55. 5: 56. 4: 57. 8, 15: 60. 2: 62. 4: Je. 2. 35 (Sw.): 6. 15: 7. 29: 9. 3 (2): 11. 19: 14. 12: 15. 10, 15: 16. 5 *bis*: 18. 22 *bis*: 20. 8, 17: 22. 15, 21, 22, 24: 30 (37). 5, 17: 31 (38). 7: 37 (44). 18: 38 (45). 27: 42 (49). 22 (Sw.): 44 (51). 29: 46 (26). 15, 22: 48 (31). 9, 37: 49. 8 (29. 9), 19 (29. 20)**: 50 (27). 11, 14: 51 (28). 2 (Sw.): Ez. 3. 20 (P.): 13. 11: 16. 56: 17. 16, 24: 19. 5: 20. 26 (Sw.)**, 31: 26. 2: 29. 13: 31. 14: 32. 25, 26: 33. 11, 20, 27: Da. 3. 28 (95) (Sw.): 9. 23 (Sw.): Ho. 11. 1**: Am. 7. 7: Mi. 2. 1: Ma. 3. 8.]

[**Th.** Ge. 4. 24: 20. 10: 32. 28 (29): Ex. 1. 19: 4. 25, 26: 7. 24: 20. 25: 32. 1, 25 *bis*: Le. 21. 8, 12**: Dt. 32. 31**: Jo. 1. 8: 2. 9, 15**: Jd. 12. 1: I Ki. 9. 24: 14. 18, 30†† : II Ki. 1. 21: 12. 9, 10, 12, 14†† : 14. 14: III Ki. 5. 1 (15): 15. 4: IV Ki. 1. 17: 9. 20: Jb. 12. 9: 13. 19: 15. 12, 14, 27, 34**: 16. 3: 17. 4: 19. 29: 21. 15 *bis*, 21**, 28: 22. 2, 3 (*subj.*), 29: 24. 17**, 17: 27. 8: 31. 18: 32. 4, 16: 34. 3, 4**, 9, 23, 31: 36. 4**, 9, 10: 37. 4: 39. 15: 40. 18 (23): 42. 8: Ps. 21 (22). 32: 30 (31). 22: 31 (32). 3: 46 (47). 10**: 82 (83). 19: 83 (84). 12: 88 (89). 3: 89 (90). 10: 105 (106). 1**: 118 (119). 35, 98**, 100, 118**: 127 (128). 2: 134 (135). 3**: 138 (139). 20: 140 (141). 6: Pr. 19. 19: 20. 16: Ec. 7. 19 (18): 8. 6**: Ca. 1. 6: Is. 2. 22: 5. 4: 7. 13, 22: 8. 10**: 21. 17: 22. 25: 28. 8, 20: 29. 23: 30. 15, 31, 33: 31. 3**: 34. 5: 37. 8: 40. 7: 43. 16, 19, 22: 44. 3 (Sw.): 49. 25: 50. 2: 51. 2: 52. 4, 8: 53. 8, 12: 54. 9: 56. 4: 57. 8, 15: 60. 2: 62. 4: Je. 2. 35 (Sw.): 8. 10, 12: 10. 7, 7**, 16: 11. 7, 19: 14. 5: 16. 5: 17. 4 (Sw.): 18. 22: 23. 10: 25. 14, 15 (14) (32. 1) (Sw.): 27 (34). 19, 21: 28 (35). 16: 29 (36). 11, 16, 19 (ἀνθ' ὧν ὅτι), 19, 25 (ἀνθ' ὧν ὅτι), 32: 30 (37). 5, 10, 11 *bis*: 31 (38). 22: 32 (39). 5: 33 (40). 17, 26: 35 (42). 14: 38 (45). 9: 39 (46). 12‡‡: 44 (51). 29: 46 (26). 22: 48 (31). 37, 45, 46: 49. 8 (29. 9): 50 (27). 14: Ez. 3. 20 (P.): 7. 12**, 13, 14**: 11. 12 (Sw.): 17. 24: 20. 16, 26 (Sw.)**: 29. 13: 30. 3**: 31. 14: 32. 25, 26: 35. 15: Da. 3. (90), 28 (95): 4. 15: 6. 3: 8. 22†, 26**: 9. 23: Ho. 11. 1**: 14. 4: Am. 6. 10**.]

[**Al.** Ex. 1. 19: 17. 16**: 22. 21 (20): Le. 17. 11: 20. 19: 21. 6: Nu. 22. 6: Dt. 21. 23**: 22. 24: I Ki. 1. 6: 12. 22: III Ki. 8. 37: 22. 49: I Ch. 21. 30: Jb. 5. 23**, 24**: 38. 40: Ps. 4. 4: 10 (11). 3: 43 (44). 8: 54 (55). 20**: 134 (135). 3**, 5**: 138 (139). 15: 140 (141). 5**, 6: 141 (142). 8: 146 (147). 1**: 148. 13: Pr. 30. 4: Je. 37 (44). 16: Na. 1. 14.]

[**Sam.** Ex. 10. 7.]

[**Hebr.** Ge. 22. 12: 49. 6: Dt. 32. 43.]

[**Quint.** Ps. 8. 5: 26 (27). 5: 29 (30). 2, 6**: 30 (31). 8, 10, 22: 34 (35). 20: 83 (84). 12**: 88 (89). 3: 90 (91). 9: 118 (119). 35, 56, 100, 118**: 138 (139). 20: Ho. 6. 3: Na. 1. 14.]

[**Sext.** Ps. 10 (11). 3: 29 (30). 2: 118 (119). 35.]

ὀτρύνειν.

III Ma. 5. 46. *ἐπὶ τὸ προκείμενον ὤτρυνε τὸν βασ.*

[**Aq.** I Ki. 25. 14.]

οὐ (΄).

[**Heb.** Ge. 34. 2.]

οὐ, οὐκ, οὐχ, οὐχί *passim.*

οὐ μή. **οὐδὲ οὐ μή** *vid. sub* **οὐδέ.** **οὐκέτι οὐ μή** *vid. sub* **οὐκέτι.** **οὔτε οὐ μή** *vid. sub* **οὔτε.**

Ge. 3. 1: 6. 3: 18. 17†, 28, 29, 30, 31, 32: 21. 10 (*ind.*), 16: 23. 6 (*ind.*)†: 24. 33: 28. 15: 32. 26 (27), 32 (33): 42. 15.

Ex. 4. 21: 20. 7: 22. 11 (10)†: 23. 21: 30. 20, 21†: 33. 3†, 20: 34. 14.

Le. 10. 9: 11. 43: 13. 55 (*ind.*)†: 14. 36: 19. 13 (*ind.*): 20. 22: 26. 26, 31.

Nu. 4. 19, 20: 5. 3 (*ind.*)†: 9. 19, 22: 13. 32 (31): 17. 10 (25): 20. 24: 23. 13, 20: 32. 18: 35. 12, 33, 33 (*ind.*)†.

De. 1. 17, 42: 2. 5†, 9, 19: 5. 11: 6. 14 (*ind.*)†: 7. 16 (*ind.*)†: 12. 30†: 15. 11, 19: 21. 23 (*ind.*)†: 23. 25 (26)†: 25. 19: 28. 30 (*ind.*)†: 29. 20 (19) (*ind.*†): 30. 18: 31. 6†, 21.

Jo. 7. 12: 9. 23: 23. 7 (*ind.*)†, 13: 24. 19.

Jd. 2. 3†: 6. 23†: 19. 12†, 20†: 21. 17†.

Ru. 3. 1, 18 (*ind.*†).

I Ki. 1. 11†: 2. 15: 5. 11: 9. 13: 12. 19†: 14. 9, 34: 16. 11: 17. 33, 39: 20. 2 *bis*, 12: 23. 17: 29. 7 (*ind.*†), 8.

II Ki. 2. 26: 3. 35: 12. 13†: 13. 13 (*ind.*†), 25:

14. 10 (*ind.*)†, 11: 17. 8: 18. 12: 19. 23 (24): 21. 17: 23. 5: 24. 14.
III Ki. 2. 9: 11. 13, 34: 13. 16, 17†, 22†, 22: 18. 23.
IV Ki. 2. 10: 7. 19 (*ind.*)†, 19†: 18. 29, 30, 32: 19. 10, 32.
I Ch. 21. 13, 24: 28. 20.
II Ch. 12. 7: 28. 13: 32. 15, 15 (*ind.*), 17.
I Es. 2. 19.
Ne. 2. 3.
To. 4. 7†: 6. 12: 8. 20†: 12. 11: 13. 6 (*ind.*†): 14. 4 (οὐ μὴ οὐθέν)†, 4†.
Es. 5. 1: 6. 13: 9. 28.
Jb. 5. 6, 12 (*ind.*), 19†, 21†, 22†, 24: 6. 10†: 7. 9†: 8. 12†, 15 *bis*, 20 (*ind.*†): 9. 3, 11, 34†: 11. 15 (*ind.*†), 16 (*ind.*)†: 14. 2, 5, 7, 12, 12† *bis*, 16: 15. 29†, 32 (*ind.*†): 17. 4†: 19. 8: 20. 8, 14, 24: 23. 11, 12: 24. 22: 27. 4 (*ind.*)†, 6†, 19 (*ind.*)†: 28. 18 (*ind.*)†: 29. 24†: 32. 21 *bis*: 33. 20, 23: 34. 32 (*ind.*†): 35. 12: 36. 5, 6 (*ind.*†): 39. 4 (*ind.*), 22†, 24 (*ind.*†): 40. 18 (23), 26 (31): 41. 7 (8), 8 (9), 17 (18) (οὐδὲν οὐ μή)†, 19 (20).
Ps. 9. 27 (10. 6), 36 (10. 15): 15 (16). 4: 17 (18). 38: 20 (21). 7, 11: 22 (23). 1 (οὐδὲν οὐ μή)†: 24 (25). 3: 25 (26). 1, 4, 5: 27 (28). 5 (*ind.*): 29 (30). 6, 12: 31 (32). 2: 33 (34). 5, 22 (*ind.*†): 35 (36). 12: 36 (37). 10 (*ind.*†), 10, 33: 39 (40). 9: 40 (41). 11: 49 (50). 12, 22†: 54 (55). 23: 58 (59). 13 (*ind.*†): 61 (62). 2, 6†: 79 (80). 18: 82 (83). 4: 88 (89). 33, 34: 111 (112). 8†: 118 (119). 6, 93: 131 (132). 11 (*ind.*): 138 (139). 6: 139 (140). 10, 11 (*ind.*)†: 140 (141). 4.
Pr. 3. 23, 25 (*ind.*)†: 4. 16: 10. 22: 15. 23 (*ind.*†): 16. 10: 19. 24: 23. 13: 24. 20, 23 (29. 27) (οὐδὲν οὐ μή)†, 51 (30. 16): 27. 22: 28. 17 (*ind.*†): 29. 18 (*ind.*†).
Wi. 3. 1: 6. 22: 12. 10.
Si. 2. 8: 6. 8, 10†: 7. 1, 3: 9. 12, 13: 11. 10 *bis*: 12. 15: 13. 12: 14. 5 (*ind.*): 15. 4 *bis*, 7 (*ind.*), 7, 8 (*ind.*†): 16. 13 (*ind.*†), 17: 19. 7 (οὐθὲν οὐ μή), 10 (*ind.*): 20. 20: 22. 13, 13 (*ind.*†), 18 (*ind.*†), 18, 25: 23. 2, 7, 10, 15, 16 *bis*, 17, 18 (*ind.*): 24. 9: 26. 8 (*ind.*)†: 27. 16, 17†, 27: 28. 16, 22 (*ind.*†), 22 (*ind.*)†, 23: 31 (34). 14 (*ind.*)†, 14 (*ind.*†): 32 (35). 14, 17 *bis*, 18: 34 (31). 22: 35 (32). 18: 38. 8: 43. 10, 27, 30: 47. 22 *ter*: 51. 18, 20.
Ho. 1. 6 (*ind.*): 2. 4 (6), 6 (8), 7 (9) *bis*, 10 (12) (οὐδεὶς οὐ μή), 17 (19): 3. 3: 4. 10, 10 (*ind.*†), 14: 5. 6, 13: 8. 5: 9. 15: 10. 9: 11. 7, 9 *bis*: 13. 13: 14. 4 (*ind.*†).
Am. 2. 12, 14†, 14 (*ind.*†)†, 14†, 15†, 15 (*ind.*†), 16 (*ind.*)†: 3. 6 (*ind.*)†, 7 (*ind.*†): 4. 8: 5. 11 *bis*, 21: 7. 6, 10, 16 (*ind.*†): 8. 12, 14: 9. 1, 1†, 9, 10, 15.
Mi. 2. 3 *bis*: 3. 11: 4. 3†: 6. 14 *bis*, 15 *ter*.
Jl. 2. 7 (*ind.*†), 8 (*ind.*†), 26, 27: 3 (4). 21.
Jn. 1. 6†: 3. 9.
Na. 1. 15 (2. 1): 2. 13 (14) (οὐ μὴ οὐκέτι†).
Hb. 1. 2 (*ind.*†), 5, 12: 2. 3.
Ze. 1. 12 (*ind.*†), 13 (*ind.*), 13, 18: 3. 5, 7, 11, 13.
Za. 1. 12 (*ind.*†): 7. 13: 9. 5, 8: 10. 10: 11. 6 (*ind.*†), 16 *quater*: 14. 2.
Ma. 2. 16: 3. 11 (*ind.*†) *bis*: 4. 1 (3. 19).
Is. 2. 4 (*ind.*)†, 4, 9: 6. 9 *bis*: 7. 7, 12, 25: 8. 10, 12: 9. 20 (19): 11. 9 (*ind.*†): 13. 18 (*ind.*†), 20: 14. 20: 16. 8, 10 (*ind.*) *bis*, 12: 17. 8: 24. 20: 25. 2: 26. 10, 10 (*ind.*†), 14, 14 (*ind.*†): 27. 9, 11: 28. 15, 16, 17†, 18: 31. 2: 33. 8 (*ind.*†), 20, 24: 35. 8 *bis*: 36. 14 (*ind.*)†, 15: 37. 10, 33, 34†: 39. 6 (οὐδὲν οὐ μή†): 40. 24 (*ind.*†): 41. 12, 28: 43. 2, 25 (*ind.*)†: 44. 12: 46. 2†, 7 *bis*, 7 (*ind.*†): 47. 11 *bis*, 11†, 14: 50. 7: 51. 6: 54. 4 (*ind.*)†: 55. 10†, 11: 57. 20 (*ind.*)†: 59. 9, 21†: 63. 8 (*ind.*†): 65. 6†, 8, 17, 20†, 22 (*ind.*), 22 (*ind.*†), 23 (*ind.*)†.
Je. 1. 19: 4. 27: 5. 10 (*ind.*)†, 18: 6. 10: 9. 5 (4) (*ind.*†): 10. 5 (*ind.*†): 11. 19 (οὐ μὴ οὐκέτι†), 21 (*ind.*†): 13. 7, 10 (*ind.*†)†: 15. 20: 16. 6 (*ind.*†)†, 7: 20. 9 *bis*: 21. 7: 22. 10 (*ind.*)†, 13 (*ind.*), 18 (*ind.*†), 21 (*ind.*)†, 27 (*ind.*†), 30: 24. 6 (*ind.*), 6: 26 (46). 23, 28: 27 (50). 20, 39 (οὐ μὴ οὐκέτι), 40 (*ind.*†), 40 (*ind.*), 42 (*ind.*†): 28 (51). 26, 39†, 44, 64: 29 (47). 6 (*ind.*)†: 29 (49). 10, 12, 18 (*ind.*†), 18 (*ind.*): 30. 11 (49. 33), 11 (49. 33) (*ind.*), 12 (49. 23): 31 (48). 8: 32. 27 (25. 13), 29 (25. 15), 33 (25. 19): 34 (27). 9: 37 (30). 14 (*ind.*†), 19, 24: 38 (31). 9, 29, 34†, 34, 40: 39 (32). 4†, 17, 40: 40 (33). 8 (*ind.*†): 41 (34). 3: 42 (35). 6†, 6, 7 *bis*, 13, 19: 43 (36). 5†: 44 (37). 9, 19, 20: 45 (38). 15, 17, 18, 20 (*ind.*†), 23, 24, 25: 46 (39). 17†, 18: 49 (42). 4, 10 (*ind.*)†, 10, 13, 14, 14 (*ind.*†), 14†, 18: 51 (44). 4†, 14 (*ind.*†).
Ba. 2. 30, 34.
La. 4. 15.
Ep. Je. 24, 27, 35 *bis*, 36, 37 *bis*, 38, 45 (οὐδὲν οὐ μή)†, 46, 53, 54, 56, 57 (*ind.*†), 67.
Ez. 3. 7 (*ind.*), 20, 25: 4. 8†: 5. 9†: 7. 19 *bis*: 8. 18†: 11. 11†: 12. 6, 25, 28: 13. 23 *bis*: 14. 18 (*ind.*†): 16. 16, 41, 42: 18. 6 *bis*, 7, 21, 22†, 24, 28: 21. 32 (37): 23. 27, 27 (οὐ μὴ οὐκέτι), 48 (*ind.*): 24. 12, 17†, 17 *bis*, 19†, 22 (*ind.*)†, 22†, 23†, 27: 26. 13, 14: 29. 5, 5†, 11, 11†, 15: 32. 7†, 13 *bis*: 33. 12 (*ind.*†), 12, 12 (*ind.*†), 13, 15 (*ind.*†), 16, 31 (*ind.*†), 32 (*ind.*): 34. 10 (*ind.*)†, 22†, 29: 35. 9: 36. 12 (*ind.*†), 15: 39. 10: 43. 7 (*ind.*)†: 44. 19, 20 (*ind.*)† *bis*, 21, 22 (*ind.*)†: 46. 2, 18: 47. 11, 12.
Da. LXX. Su. 51 (*ind.*): 2. 44: 4. 29: 6. 5 (6): 7. 14 *bis*: 11. 6 (*ind.*†), 12, 37 *bis*: 12. 10.
Da. TH. 1. 8 *bis*: 11. 17.
I Ma. 2. 41, 63: 9. 9.
II Ma. 7. 31.
[**Aq.** Jb. 5. 24 (*ind.*): Ps. 9. 25 (10. 4): 15 (16). 2 (*sine verbo*), 4: 20 (21). 12 (P.): 29 (30). 7: 31 (32). 9: 57 (58). 9: Pr. 10. 30: 14. 7: Is. 2. 9: 26. 10, 14 *bis*: 32. 10: 33. 21: 37. 33: Je. 7. 27 *bis*: 8. 2: 10. 5 (*ind.*): 11. 21: 16. 2: 25. 33 (32. 19): 49. 12 (29. 13): 51 (28). 57: Ez. 33. 12: Mi. 6. 14.]
[**Sm.** Ge. 2. 17: II Ki. 14. 14: Jb. 7. 21: 9. 3†: 17. 4: 39. 35 (40. 5) (*ind.*) (P.): Ps. 20 (21). 12 (P.): 24 (25). 3: 31 (32). 2 (*ind.*): Ec. 9. 8 (*imperat.*): Is. 42. 20 (*ind.*): Je. 35 (42). 13: 39 (46). 17: Ez. 24. 22: Mi. 6. 14.]
[**Th.** Ex. 28. 28: Jb. 9. 3†: 17. 4: 35. 12: 36. 6: 39. 4 (*ind.*): Ps. 20 (21). 12 (P.): Pr. 14. 7: Is. 2. 4: 13. 22: 26. 14, 14 (Sw.): 31. 4 *bis*: 37. 34: 46. 13: 51. 14: Je. 10. 5 (*ind.*), 7 (*ind.*): 16. 6: 25. 33 (32. 19): 30 (37). 19: 32 (39). 5: 51 (28). 57: Ez. 8. 18: 18. 22: Da. 1. 8: Mi. 6. 14.]
[**Al.** Ge. 47. 18: Le. 18. 28: II Ki. 21. 17: Ps. 139 (140). 11 (*opt.*): Ez. 8. 18: Hb. 3. 17 *bis*.]
[**Quint.** Ps. 61 (62). 3.]
[**Sext.** Ps. 25 (26). 1.]

οὗ (*ubi*). * **οὗ ἐάν, οὗ ἄν.** ** *sine verbo.*
Ge. 13. 3, 4, 14: 19. 27: 20. 13*, 15*: 21. 17 *bis*: 24. 4: 28. 15*: 31. 4**, 13†: 33. 19: 35. 13, 27: 37. 1: 40. 3: 42. 27: 49. 4.
Ex. 9. 26: 18. 5: 20. 21, 24*: 21. 13: 24. 10.
Le. 4. 12, 24, 29†, 33: 6. 25 (18)†, 28 (21)*, 32 (7. 2): 14. 13†: 15. 22*, 23*.
Nu. 9. 17*: 20. 5: 35. 25: 36. 6.
De. 8. 7**, 15**, 15: 11. 24*: 12. 7*, 13*, 18*†, 18*: 15. 10*: 16. 7*†: 18. 6: 23. 16 (17)*†: 28. 8*, 20*: 30. 1*.
Jo. 1. 9*, 16*: 4. 3*: 8. 24: 22. 19.
Jd. 1. 35**†: 5. 17†: 17. 8*†, 9*†: 18. 10†: 19. 26.
Ru. 1. 7, 16*, 17*: 2. 9*: 3. 4†.
I Ki. 3. 3**: 6. 18: 9. 10: 10. 5: 14. 4†, 11, 47*†: 19. 3*: 20. 19 (*subj.*†), 37: 22. 23*: 23. 13* (*ind.*), 22 *bis*: 26. 5: 29. 4, 10.
II Ki. 2. 23: 3. 12†: 11. 16: 15. 20 (ἐφ' οὗ)*, 21*, 32: 17. 12*: 23. 4†.
III Ki. 4. 28 (5. 8)*: 5. 9 (23)*: 7. 7: 8. 47, 48: 13. 25, 31: 16. 24: 18. 10.
IV Ki. 8. 1* (*ind.*†): 12. 5 (6)*: 19. 12†: 23. 7, 8.
I Ch. 13. 6: 15. 12.
II Ch. 1. 3: 3. 1: 6. 37: 8. 11.
I Es. 4. 63: 6. 26.
II Es. 1. 4: 6. 3, 5†.
Ne. 4. 20 (14)*.
To. 6. 8†: 13. 5*†.
Ju. 5. 19**, 19: 8. 22*: 12. 1†: 14. 17.
Es. 2. 14**†: 4. 3: 8. 17*† *bis*.
Jb. 10. 21†: 31. 12*: 38. 26**, 26: 39. 30*.
Ps. 13 (14). 5†: 52 (53). 5: 77 (78). 60†: 83 (84). 3: 131 (132). 7.
Pr. 11. 2*: 12. 7*: 14. 4, 4**: 17. 8*: 19. 23†: 21. 1***†.
Ec. 1. 7†: 11. 3.
Si. 4. 13: 15. 16*: 23. 21†: 29. 24: 34 (31). 14*: 36. 30 (27) *bis*, 31 (28)*: 41. 19.
Ho. 1. 10 (2. 1).
Jl. 3 (4). 7.
Na. 2. 11 (12)†.
Is. 5. 10: 7. 23*: 10. 9: 15. 2**: 32. 20.
Je. 7. 10, 11, 12, 14†, 30: 8. 3*†: 13. 7: 16. 15†: 19. 14: 22. 12, 26†: 23. 3, 8†: 24. 9: 26 (46). 28†: 27 (50). 38†: 39 (32). 34†, 37: 41 (34). 15: 44 (37). 21: 49 (42). 22†: 51. 35 (45. 5)*.
Ba. 2. 4, 13, 26, 29: 3. 8.
Ez. 1. 12* (*ind.*†), 20*: 6. 9, 13: 8. 3: 11. 16*, 17†: 12. 16: 20. 34, 41†: 21. 16 (21)*: 23. 21**†: 28. 25: 29. 13: 34. 12: 36. 20, 21, 22: 37. 21, 25: 46. 20, 24.
Da. LXX. Su. 28.
Da. TH. 9. 7.
I Ma. 5. 63: 6. 36* (*ind.*†), 36* (*ind.*), 57: 13. 20*† (*ind.*): 14. 33.
II Ma. 1. 33: 2. 4.
III Ma. 3. 29*.
[**Aq.** III Ki. 7. 7 (44): IV Ki. 8. 1: 23. 7: Ps. 83 (84). 4: Je. 43 (50). 5: 44 (51). 14: Ez. 10. 11 (*subj.*) (Sw.).]
[**Sm.** IV Ki. 8. 1*: Ec. 11. 3: Je. 7. 12: Ez. 10. 11.]
[**Th.** IV Ki. 8. 1* (*ind.*): Ps. 52 (53). 6: Je. 29 (36). 14, 18: 43 (50). 5: Ez. 8. 5** (Sw.): 10. 11* (*ind.*): Da. 8. 22†.]

οὐαγίθ.
[**Heb.** Ps. 48 (49). 4.]

οὐαδοῦ.
[**Heb.** Ps. 45 (46). 11.]

οὐαθέτ.
[**Heb.** Ps. 43 (44). 19.]

οὐαί. (1) אוֹי (2) אֲי (3) *a.* הוֹ *b.* הוֹי *c.* הֵי *d.* הוֹהּ
Nu. 21. 29. οὐαί σοι, Μωάβ (1)
I Ki. 4. 8 (7), 8. οὐαὶ ἡμῖν (1)
— 21. ἐκάλεσε τὸ παιδάριον Οὐ. βαρχαβώθ [A χαβ.] (2)
III Ki. 12. 24. B οὐαὶ κύριε –
13. 30. οὐαὶ ἀδελφέ (3 *b*)
To. 10. 5. S οὐαί μοι, τέκνον [A B *al.*] †
Ju. 16. 17. οὐαὶ ἔθνεσιν ἐπανισταμένοις τῷ γένει μου
Jb. 31. 3. οὐαὶ ἀπώλεια τῷ ἀδίκῳ (1)
Pr. 23. 29. τίνι οὐαί; τίνι θόρυβος (2)
Ec. 4. 10. οὐαὶ αὐτῷ τῷ ἑνὶ ὅταν πέσῃ (2)
10. 16. οὐαί σοι, πόλις (2)
Si. 2. 12. οὐαὶ καρδίαις δειλαῖς καὶ χερσὶ παρειμέναις
— 13. οὐαὶ καρδίᾳ παρειμένῃ
— 14. οὐαὶ ὑμῖν τοῖς ἀπολωλεκόσι τὴν ὑπομονήν
41. 8. οὐαὶ ὑμῖν, ἄνδρες ἀσεβεῖς
Ho. 7. 13. οὐαὶ αὐτοῖς ὅτι ἀπεπήδησαν (1)
9. 12. οὐαὶ αὐτοῖς ἐστι (1)
Am. 5. 16. ῥηθήσεται, Οὐαὶ οὐαί (3 *a*, 3 *a*)
— 18. οὐαὶ οἱ ἐπιθυμοῦντες τὴν ἡμέραν κ. (3 *b*)
6. 1. οὐαὶ τοῖς ἐξουθενοῦσι Σ. (3 *b*)
Mi. 7. 4. οὐαὶ οὐαὶ αἱ ἐκδικήσεις σου ἥκασι –, –
Na. 3. 17. A οὐαὶ [B S *om.*] αὐτοῖς †, –
Hb. 2. 6. οὐαὶ ὁ πληθύνων ἑαυτῷ (3 *b*)
— 12. οὐαὶ ὁ οἰκοδομῶν πόλιν (3 *b*)
— 19. οὐαὶ ὁ λέγων τῷ ξύλῳ (3 *b*)
Ze. 2. 5. οὐαὶ οἱ κατοικοῦντες (3 *b*)
3. 18. οὐαὶ τίς ἔλαβεν ἐπ' αὐτὴν ὀνειδισμόν †
Is. 1. 4. οὐ. ἔθνος ἁμαρτωλόν (3 *b*)
— 24. οὐ. οἱ ἰσχύοντες Ἰσραήλ [A Ἱερουσαλήμ] (3 *b*)
3. 9. οὐ. τῇ ψυχῇ αὐτῶν (1)
— 11. οὐ. τῷ ἀνόμῳ (1)
5. 8. οὐ. οἱ συνάπτοντες οἰκίαν πρὸς οἰκίαν (3 *b*)
— 11. οὐ. οἱ ἐγειρόμενοι τὸ πρωΐ (3 *b*)
— 18. οὐ. οἱ ἐπισπώμενοι τὰς ἁμαρτίας (3 *b*)
— 20. οὐ. οἱ λέγοντες τὸ πονηρὸν καλόν (3 *b*)
— 21. οὐ. οἱ συνετοὶ ἐν ἑαυτοῖς (3 *b*)
— 22. οὐ. οἱ ἰσχύοντες ὑμῶν (3 *b*)
10. 1. οὐ. τοῖς γράφουσι πονηρίαν (3 *b*)
— 5. οὐ. Ἀσσυρίοις (3 *b*)
17. 12. οὐ. πλῆθος ἐθνῶν πολλῶν (3 *b*)
18. 1. οὐ. γῆς πλοίων πτέρυγες (3 *b*)
24. 16. οὐ. τοῖς ἀθετοῦσιν (1)
28. 1. οὐ. τῷ στεφάνῳ τῆς ὕβρεως (3 *b*)

Is. 29. 1. οὐ. Ἀριήλ (3 *b*)
— 15. οὐ. οἱ βαθέως βουλὴν ποιοῦντες (3 *b*)
— 15. AB²SR οὐ. οἱ ἐν κρυφῇ βουλὴν ποιοῦντες –
30. 1. οὐ. τέκνα ἀποστάται (3 *b*)
31. 1. οὐ. οἱ καταβαίνοντες εἰς Αἴγυπτον (3 *b*)
33. 1. οὐ. τοῖς ταλαιπωροῦσιν ὑμᾶς (3 *b*)
Je. 4. 13. οὐ. ἡμῖν ὅτι ταλαιπωροῦμεν (1)
6. 4. οὐ. ἡμῖν ὅτι κέκλικεν ἡ ἡμέρα (1)
10. 19. οὐ. ἐπὶ συντρίμματί σου (1)
13. 27. οὐ. σοι Ἱερουσαλήμ (1)
22. 18. A οὐ. [B S καὶ] ἐπὶ τὸν ἄνδρα τοῦτον –
— 18. A οὐ. [B S ὦ] ἀδελφέ (3 *b*)
26 (46). 19. Μέμφις . . . κληθήσεται Οὐ. †
27 (50). 27. οὐ. αὐτοῖς (3 *b*)
28 (51). 2. οὐ. ἐπὶ Βαβυλῶνα †
31 (48). 1. οὐ. ἐπὶ Ναβαῦ (3 *b*)
41 (34). 5. R οὐ. [A B² ὦ] κύριε (3 *b*)
La. 5. 16. οὐ. δὲ ἡμῖν ὅτι ἡμάρτομεν (1)
Ez. 2. 10. ἐγέγραπτο [A *add.* εἰς αὐτὴν] θρῆνος καὶ μέλος καὶ οὐ. (3 *c*)
7. 26. οὐ. ἐπὶ οὐ. ἔσται (3 *d*, 3 *d*)
13. 3. οὐ. τοῖς προφητεύουσιν ἀπὸ καρδίας αὐτῶν (3 *b*)
— 18. οὐ. ταῖς συρραπτούσαις προσκεφάλαια (3 *b*)
16. 23. A οὐ. οὐ. σοι (1, 1)
21. 27 (32). οὐ. αὐτῇ [A *al.*] †
24. 9. A οὐ. πόλεις τῶν αἱμάτων (1)
[Aq. Is. 28. 1: Je. 34 (41). 5: 45. 3 (51. 33): Ez. 16. 23 *bis*: 24. 9: 34. 2: Mi. 2. 1.]
[Sm. Is. 5. 18: 18. 1: 28. 1: 33. 1: 45. 9: 55. 1: Je. 45. 3 (51. 33): Ez. 13. 18: 16. 23 *bis*: Mi. 2. 1: Hb. 2. 9.]
[Th. Is. 28. 1: 45. 9: 55. 1: Je. 48 (31). 46: Ez. 2. 10: 16. 23 *bis*: 24. 9: 34. 2: Ze. 3. 1.]
[Heb. Ez. 13. 18.]
[Al. Hb. 2. 15.]

οὐαλάμ.

[Heb. Ge. 28. 19.]

οὐαλέ.

[Heb. Ps. 91 (92). 4.]

οὐαλέα.

[Heb. Ps. 7. 8.]

οὐανακά.

[Heb. Ma. 2. 13.]

οὐαρφοῦ.

[Heb. Ps. 45 (46). 11.]

οὐδαμοῦ. (1) אֵין (2) אֲנָה וָאֲנָה
III Ki. 3. 1 (2. 36). οὐκ ἐξελεύσῃ ἐκεῖθεν οὐ. (2)
Jb. 19. 7. κεκράξομαι καὶ οὐδαμοῦ κρίμα (1)
— 29. A γνώσονται ὅτι οὐδαμοῦ αὐτῶν ἡ ἰσχύς ἐστιν [BS *al.*] –
21. 9. φόβος δὲ οὐδαμοῦ †
Pr. 23. 5. A S²R οὐδαμοῦ φανεῖται [B S¹ πεσεῖται] (1)

οὐδαμῶς.

II Ma. 9. 7. ὁ δ' οὐ. τῆς ἀγερωχίας ἔλεγεν
— 18. οὐ. δὲ ληγόντων τῶν πόνων
11. 4. οὐ. ἐπιλογιζόμενος τὸ τοῦ θεοῦ κράτος
III Ma. 1. 11. R οὐ. ἠβούλετο πείθεσθαι [A *al.*]
— 12. R οὐ. ἀπέλιπε προφερόμενος ἑαυτόν [A *al.*]
2. 24. οὐ. εἰς μετάμελον ἦλθεν
3. 6. οἱ ἀλλόφυλοι οὐ. διηριθμήσαντο
IV Ma. 18. 5. ὡς γὰρ οὐδὲν οὐ. ἴσχυσεν

οὐδέ, *passim.*

οὐδὲ μή.

Ge. 3. 3.
Ex. 20. 5 (*ind.*†): 22. 21 (20)†: 23. 9 (*ind.*)†, 13, 18, 24.
Le. 19. 15†: 25. 11†.
De. 1. 42 (*ind.*): 4. 28† *ter*, 31 (*ind.*†): 5. 9†: 7. 2, 3: 17. 16: 18. 16: 22. 5: 29. 23 (22): 31. 8†.
Jo. 23. 7 (*ind.*†)† *bis*.
III Ki. 13. 8 *bis*, 16 (*ind.*)†.
To. 7. 11†.
Jb. 15. 29†, 30: 28. 13†.
Ps. 15 (16). 4†: 36 (37). 33 (*opt.*†)†: 88 (89). 33†, 34.
Pr. 2. 19: 6. 35 (*sine verbo*†): 15. 23.
Wi. 1. 8 (*ind.*†)†.
Si. 32 (35). 18 (*ind.*†): 38. 33 (*ind.*†): 47. 22.
Ho. 3. 3.
Am. 9. 10†.
Ze. 1. 13 (*ind.*†)†: 3. 13 (*ind.*)†.
Is. 5. 6†, 27 (*ind.*)†, 27: 7. 9, 12†: 8. 12†: 11. 9†: 13. 20† *bis*: 33. 20†: 35. 9: 37. 33 *bis*, 33†: 40. 24 (*ind.*†), 24: 45. 17: 48. 19 (*ind.*)†: 49. 10 (*ind.*)†: 59. 6†: 65. 17†, 25 (*ind.*)†.
Je. 22. 18 (*ind.*)†: 28 (51). 43 (*ind.*†).
Ep. Je. 54.
Ez. 7. 9, 7: 8. 18: 9. 10: 16. 16†: 24. 14: 37. 22: 39. 10 (*ind.*†): 47. 12.
[Aq. Jb. 41. 2: Is. 37. 33: Je. 5. 15 (Sw.): 23. 4: Ez. 24. 14 (*ind.*).]
[Sm. Is. 37. 33: Ez. 24. 14 (*ind.*).]
[Th. Jb. 41. 2: Is. 37. 33: Je. 5. 15 (Sw.): Ez. 24. 14 (*ind.*).]

οὐδὲ οὐ μή.

De. 1. 37: 10. 17†: 13. 8 (9)†: 15. 7 (*ind.*†)†: 28. 65†: 31. 6†, 8†.
Jd. 2. 2†.
Jb. 7. 10† *bis*.
Ps. 15 (16). 4†: 36 (37). 33†: 88 (89). 33†.
Am. 9. 10†.
Ze. 1. 12 (*ind.*)†.
Is. 5. 6†: 7. 12†: 8. 12†: 11. 9†: 13. 20† *bis*, 20 (*ind.*†): 27. 11 (*ind.*†): 33. 20†, 20: 35. 9: 37. 33† (*ind.*): 48. 19: 54. 10: 65. 17†, 20†.
Je. 16. 6 (*ind.*)†.
Ez. 16. 16†: 24. 17† *bis*: 29. 5†.
Da. LXX. 4. 29.
[Aq. Is. 65. 17 (*ind.*): Je. 16. 6 (*ind.*): 25. 33 (32. 19): Ez. 24. 16.]
[Sm. Jb. 9. 3†: Is. 37. 33 (*ind.*): 65. 17 (*ind.*): Ez. 24. 16.]
[Th. Jb. 9. 3†: Is. 7. 9 (*opt.*): 37. 33 (*ind.*): 65. 17 (*ind.*): Je. 25. 33 (32. 19): Ez. 24. 14 (Sw.), 16 *bis*.]

οὐδείς, οὐθείς. (1) *a.* אֶחָד c. neg. *b.* עַד־אֶחָד c. neg. (2) אַיִן (3) *a.* אִישׁ *b.* אִישׁ c. neg. (4) אַל (5) בְּלִיטָה (6) דָּבָר c. neg. (7) הֶבֶל (8) כֹּל c. neg. (9) *a.* לֹא *b.* לָא *c.* לָה *d.* לָא אֱנָשׁ *e.* אֲחֹרָן לָא (10) מְאוּמָה c. neg. (11) c. neg. מֵהּ־ (12) מְזֻמָּה c. neg. (13) מִי (14) תֹּהוּ (15) οὐδὲν μή, οὐδὲν οὐ μή בְּלִי (16) אֶפֶס (17) תֹּהוּ וָבֹהוּ
Ge. 19. 31. οὐδείς ἐστιν ἐπὶ τῆς γῆς (3 *a*+2)
20. 9. ὃ οὐδεὶς ποιήσει (9 *a*)
23. 6. R οὐδεὶς γὰρ ἡμῶν οὐ μὴ κωλύσει [A *al.*] (3 *a* [3 *b*])
30. 31. οὐ δώσεις μοι οὐθέν (10)
31. 32. οὐκ ἐπέγνω παρ' αὐτῷ οὐθέν –
— 44. οὐθεὶς μεθ' ἡμῶν ἐστιν –
— 50. οὐθεὶς μεθ' ἡμῶν ἐστιν (2+3 *a*)
37. 4. οὐκ ἠδύναντο λαλεῖν . . . οὐδὲν εἰρηνικόν –
39. 6. οὐκ ᾔδει τῶν καθ' αὑτὸν οὐδέν (10)
— 8. οὐ γινώσκει δι' ἐμὲ οὐδέν (11)
— 9. οὐχ ὑπερέχει . . . οὐθὲν ἐμοῦ †
— 9. οὐδὲ ὑπεξήρηται ἀπ' ἐμοῦ οὐδέν (10)
— 11. οὐθεὶς ἦν τῶν ἐν τῇ οἰκίᾳ ἔσω (2+3 *a*)
— 23. οὐκ ἦν . . . γινώσκων δι' αὐτὸν οὐθέν †
40. 15. καὶ ὧδε οὐκ ἐποίησα οὐδέν (10)
41. 44. οὐκ ἐξαρεῖ οὐθεὶς τὴν χεῖρα αὐτοῦ (3 *b*)
45. 1. οὐ παρειστήκει οὐ. [A *add.* ἔτι] (3 *b*)
Ex. 2. 12. οὐχ ὁρᾷ οὐδένα (2+3 *a*)
5. 8. οὐκ ἀφελεῖς οὐδέν –
— 11. οὐ γὰρ ἀφαιρεῖται . . . οὐθέν (6)
8. 31 (27). καὶ οὐ κατελείφθη οὐδεμία (1 *a*)
9. 6. A²B οὐκ ἐτελεύτησεν οὐδέν (1 *a*)
— 7. A²B οὐκ ἐτελεύτησεν . . . οὐδέν (1 *b*)
10. 15. οὐχ ὑπελείφθη χλωρὸν οὐδέν (8)
— 23. καὶ οὐκ εἶδεν οὐδεὶς τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ (3 *b*)
— 23. καὶ οὐκ ἐξανέστη [A ἀνέστη] οὐ. (3 *b*)
34. 24. οὐκ ἐπιθυμήσει οὐδεὶς τῆς γῆς σου (3 *b*)
Le. 26. 17. οὐθενὸς διώκοντος ὑμᾶς (2)
— 36. πεσοῦνται οὐθενὸς διώκοντος (2)
— 37. οὐθενὸς κατατρέχοντος (2)
27. 26. οὐ καθαγιάσει αὐτὸ οὐθείς (3 *b*)
Nu. 11. 6. οὐδὲν [B¹ *om.*] πλὴν εἰς τὸ μάννα οἱ ὀφθ. ἡμῶν (2+8)
16. 15. οὐκ ἐπιθύμημα οὐδενὸς αὐτῶν εἴληφα (1 *a*)
— 15. οὐδὲ ἐκάκωσα οὐδένα αὐτῶν (1 *a*)
20. 19. τὸ πρᾶγμα οὐδέν ἐστι (2)
De. 7. 24. οὐκ ἀντιστήσεται οὐδείς (3 *b*)
8. 9. οὐκ ἐνδεηθήσῃ ἐπ' αὐτῆς οὐδέν (8)
11. 25. οὐκ ἀντιστήσεται οὐδείς (3 *b*)
13. 17 (18). οὐ προσκολληθήσεται οὐδέν (10)
16. 5. ἐν οὐδεμιᾷ τῶν πόλεών σου (1 *a*)
22. 26. B² οὐ ποιήσετε [A -ται] οὐδέν (6)
24. 5. οὐκ ἐπιβληθήσεται αὐτῷ οὐδὲν [A -θὲν] πρᾶγμα (8)
28. 55. διὰ τὸ μὴ καταλειφθῆναι αὐτῷ οὐδέν [A μηθέν] (8)
34. 6. οὐκ οἶδεν οὐδεὶς τὴν ταφὴν αὐ. (3 *b*)
Jo. 2. 11. οὐκ ἔστη ἔτι πνεῦμα ἐν οὐδενὶ ἡμῶν (3 *b*)
5. 1. οὐκ ἦν ἐν αὐτοῖς φρόνησις οὐ. –
6. 1. B οὐθεὶς [A R οὐδεὶς] ἐξεπορεύετο (2)
8. 17. οὐ κατελείφθη οὐθείς (3 *b*)
10. 8. οὐχ ὑπολειφθήσεται ἐξ αὐτῶν οὐθείς (3 *b*)
— 21. B οὐκ ἔγρυξεν οὐθεὶς [A R -δεὶς] τῶν υἱῶν Ἰσρ. (3 *b*)
— 28. οὐ κατελείφθη οὐδεὶς ἐν αὐτῇ –
— 39. οὐ κατέλιπον αὐτῇ οὐδένα διασεσωσμένον –
11. 14. R οὐ κατέλιπον ἐξ αὐτῶν οὐδὲν [A B οὐδὲ ἓν] ἐμπνέον (8)
— 15. οὐ παρέβη οὐδέν [A -θέν] (6)
21. 42. οὐκ ἀνέστη οὐθείς [A -δείς] (3 *b*)
23. 9. B οὐθεὶς [A R -δεὶς] ἀντέστη κατενώπιον ἡμῶν (9 *a*+3 *a*)
Jd. 14. 6. οὐδὲν ἦν ἐν ταῖς χερσὶν αὐτοῦ (10+2)
I Ki. 11. 13. οὐκ ἀποθανεῖται οὐδείς (3 *b*)
12. 4. οὐκ εἴληφας ἐκ χειρὸς οὐδενὸς οὐδέν (3 *b*, 10)
— 5. B οὐχ εὑρήκατε ἐν χειρί μου οὐθέν [A R -δέν] (10)
— 21. B οἱ οὐ περανοῦσιν οὐθέν –
— 21. B ὅτι οὐθέν εἰσιν (14)
20. 26. A οὐκ ἐλάλησε Σ. οὐδέν [B *om.*] (10)
— 39. B οὐκ ἔγνω οὐθέν (10)
21. 1 (2). καὶ οὐθεὶς [A -δεὶς] μετὰ σοῦ (3 *a*+2)
25. 7. οὐκ ἐνετείλαμεθα αὐτοῖς οὐθέν (10)
— 15. A R οὐδὲ ἐνετείλαντο ἡμῖν οὐδέν [B *om.*] (10)
— 21. οὐκ ἐνετειλάμεθα λαβεῖν . . . οὐθέν (10)
29. 3. οὐχ εὕρηκα ἐν αὐτῷ οὐθέν [A -δέν] (10)
II Ki. 12. 3. καὶ τῷ πένητι οὐδέν (2+8)
III Ki. 3. 18. οὐκ ἔστιν οὐθεὶς μεθ' ἡμῶν †
18. 43. οὐκ ἔστιν οὐθέν (10)
IV Ki. 4. 2. B οὐκ ἔστι τῇ δούλῃ σου οὐθέν [A R -δέν] (8)
II Ch. 9. 20. οὐκ ἦν ἀργύριον λογιζόμενον . . . εἰς οὐθέν (10)
35. 3. B οὐκ ἔστιν ὑμῖν ἆραι ἐπ' ὤμων οὐθέν [A R -δέν] –
I Es. 4. 36. B οὐκ ἔστι μετ' αὐτοῦ ἄδικον οὐθέν [A R -δέν]
— 40. B οὐκ ἔστιν ἐν τῇ κρίσει αὐ. οὐθὲν [A R -δὲν] ἄδικον
Ne. 9. 21. R οὐχ ὑστέρησας αὐτοῖς οὐδέν [A B S *al.*] –
To. 1. 20. οὐ κατελείφθη μοι οὐδέν
2. 13. S φαγεῖν οὐδὲν κλεψίμαῖον [A B *al.*]
6. 14. ὃ οὐκ ἀδικεῖ οὐδένα [S *al.*]
7. 11. οὐ γεύομαι οὐδὲν ὧδε [S *al.*]
8. 14. S οὐδὲν κακόν ἐστιν
10. 2. οὐδεὶς αὐτῷ δίδωσι τὸ ἀργύριον
— 7. S οὐκ ἐπείθετο οὐδενί
12. 19. S οὐκ ἔφαγον οὐθέν [A B *al.*]
13. 2. S οὐκ ἔστιν οὐδὲν ὃ ἐκφεύξεται [A B *al.*]
14. 4. S² οὐ μὴ οὐθὲν [S¹ μηθὲν] ἐλαττονωθῇ
Ju. 6. 9. οὐδὲν διαπεσεῖται τῶν ῥημάτων μου
8. 13. καὶ οὐθὲν ἐπιγνώσεσθε
11. 13. ἄψασθαι οὐδένα τῶν ἐκ τοῦ λαοῦ
12. 10. οὐκ ἐκάλεσεν . . . οὐδένα τῶν πρὸς ταῖς χρείαις
13. 4. οὐδεὶς κατελείφθη ἐν τῷ κοιτῶνι
14. 15. S R ὡς δὲ οὐδεὶς [A B -θεὶς] ἐπήκουσε
Es. 2. 15. οὐδὲν ἠθέτησεν ὧν ἐνετείλατο (6)
4. 17. οὐ προσκυνήσω οὐδένα [A -θένα]
5. 12. οὐ κέκληκεν . . . οὐδένα [A *al.*] –
6. 3. οὐκ ἐποίησας αὐτῷ οὐδέν [A -θέν] (6)
9. 2. οὐδεὶς γὰρ ἀντέστη (3 *a*+9 *a*)
— 15. οὐδὲν [A -θὲν] διήρπασαν †
— 16. S² οὐδὲν διήρπασαν †
— 16. B S¹ καὶ οὐδὲν διήρπασαν †
— 17. A καὶ οὐδὲν διήρπασαν †
10. 3. A οὐδὲν παρῆλθεν αὐτῶν λόγος [B S *al.*]
Jb. 1. 22. οὐδὲν ἥμαρτεν Ἰὼβ ἐναντίον τοῦ κυρίου [A *al.*] (9 *a*)
2. 10. οὐδὲν ἥμαρτεν Ἰὼβ τοῖς χείλεσιν [A *al.*] (9 *a*)
— 13. A B¹ οὐδεὶς αὐτῶν [B² -ῷ] ἐλάλησεν (2)

Jb. 4. 7. A οὐδεὶς [B S τίς] καθαρὸς ὢν ἀπώλετο (13)
— 12. οὐθὲν ἄν σοι τούτων κακὸν ἀπήντησε [A *al.*] †
10. 13. ἀδυνατεῖ δέ σοι οὐθέν [A -δέν] –
13. 10. οὐθὲν ἧττον ἐλέγξει ὑμᾶς †
14. 4. ἀλλ' οὐθεὶς ἐὰν καὶ μία ἡμέρα ὁ βίος αὐ. [A *al.*] (9 *a*+1 *a*)
— 16. οὐ μὴ παρέλθῃ σε οὐδὲν τῶν ἁμαρτιῶν μου –
15. 3. ἐν λόγοις οἷς οὐδὲν ὄφελος (9 *a*)
— 5. S οὐδὲν διέκρινας ῥήματα δυναστῶν [AB *al.*] –
16. 18. ἄδικον δὲ οὐδὲν ἦν ἐν χερσί μου (9 *a*)
21. 25. οὐ φαγὼν οὐδὲν [S¹ *om.*, S² -θὲν] ἀγαθόν –
— 34. τὸ δὲ ἐμὲ καταπαύσασθαι ἀφ' ὑμῶν οὐδέν [A *al.*] †
24. 25. καὶ θήσει εἰς οὐδὲν [A -θὲν] τὰ ῥήματά μου (4)
26. 7. ἐκτείνων βορέαν ἐπ' οὐδὲν κρεμάζων γῆν ἐπὶ οὐδενός (14, 5)
27. 15. A R χήρας δὲ αὐτῶν οὐδεὶς [B S οὐθ.] ἐλεήσει (9 *a*)
31. 37. οὐθὲν [A οὐδ.] λαβὼν παρὰ χρεωφειλέτου †
34. 21. λέληθε δὲ αὐτὸν οὐδὲν ὧν πράσσουσιν (8 ?)
39. 34 (40. 4). ἀκούων τοιαῦτα οὐθὲν ὤν [A *al.*] –
41. 17 (18). οὐδὲν [AS² οὐ. οὐ] μὴ ποιήσωσι δόρυ (15)
— 24 (25). οὐκ ἔστιν οὐδὲν ἐπὶ τῆς γῆς ὅμοιον αὐτῷ –
42. 2. A R ἀδυνατεῖ δέ σοι οὐδέν [B S -θέν] (12)
— 7. οὐ γὰρ ἐλαλήσατε ἐνώπιόν μου ἀληθὲς οὐδέν –
— 8. A οὐ γὰρ ἐλαλήσατε κατὰ τοῦ θεράποντός μου Ἰὼβ οὐδὲν ἀγαθόν [B S *al.*] –
Ps. 22 (23). 1. οὐδέν με ὑστερήσει [S οὐ μὴ ὑστερήσῃ] (9 *a*)
38 (39). 5. AS²R ἡ ὑπόστασίς μου ὡσεὶ οὐθὲν [B S¹ οὐδ.] ἐνώπιόν σου (2)
75 (76). 5. οὐχ εὗρον οὐδὲν πάντες οἱ ἄνδρες τοῦ πλούτου –
138 (139). 16. A R καὶ οὐθεὶς [B S οὐδ.] ἐν αὐτοῖς (9 *a*+1 *a*)
Pr. 3. 15. οὐκ ἀντιτάξεται αὐτῇ οὐδὲν πονηρόν –
6. 35. οὐκ ἀνταλλάξεται οὐδενὸς λύτρου τὴν ἔχθραν (8)
8. 8. οὐδὲν ἐν αὐτοῖς σκολιόν (2)
12. 21. οὐκ ἀρέσει τῷ δικαίῳ οὐδὲν ἄδικον (8)
13. 13. υἱῷ δολίῳ οὐδὲν ἔσται ἀγαθόν –
21. 10. ψυχὴ ἀσεβοῦς οὐκ ἐλεηθήσεται ὑπ' οὐδενὸς τῶν ἀνθρώπων †
24. 23 (29. 27). οὐδὲν ψεῦδος ἀπὸ γλώσσης αὐτοῦ οὐ μὴ ἐξέλθῃ –
— 55 (30. 20). οὐδέν φησι πεπραχέναι ἄτοπον (9 *a*)
26. 2. οὕτως ἀρὰ ματαία οὐκ ἐπελεύσεται οὐδενί –
27. 4. B S οὐδένα [A R οὐδὲν] ὑφίσταται ζῆλος (13)
— 14. καταρωμένου οὐδὲν διαφέρειν δόξει †
Ec. 3. 19. τί ἐπερίσσευσεν ὁ ἄνθρωπος παρὰ τὸ κτῆνος; οὐδέν [A¹ οἶδεν] (2)
5. 13. οὐκ ἔστιν ἐν χειρὶ αὐτοῦ οὐδέν (10)
— 14. οὐδὲν οὐ [A *om.*] λήψεται ἐν μόχθῳ αὐτοῦ (10 [10+9 *a*])
7. 15 (14). ἵνα μὴ εὕρῃ ἄνθρωπος ὀπίσω αὐτοῦ οὐδέν [A S μηδέν] (10)
9. 5. οἱ νεκροὶ οὐκ εἰσὶ γινώσκοντες οὐδέν (10)
Wi. 1. 8. φθεγγόμενος ἄδικα οὐδεὶς μὴ λάθῃ
2. 4. οὐθεὶς μνημονεύσει τῶν ἔργων ἡμῶν
— 5. οὐδεὶς ἀναστρέφει
3. 17. εἰς οὐθὲν λογισθήσονται
4. 5. εἰς οὐθὲν ἐπιτήδειος
5. 11. οὐθὲν εὑρίσκεται τεκμήριον πορείας
— 13. ἀρετῆς μὲν σημεῖον οὐδὲν ἔσχομεν δεῖξαι
7. 5. οὐδεὶς γὰρ βασιλεὺς [A -λέων] ἑτέραν ἔσχε γενέσεως ἀρχήν
— 8. πλοῦτον οὐδὲν ἡγησάμην ἐν συγκρίσει αὐτῆς
— 25. οὐδὲν μεμιαμμένον εἰς αὐτὴν παρεμπίπτει
— 28. οὐθὲν [A S οὐδὲν] γὰρ ἀγαπᾷ ὁ θεός
8. 7. ὧν χρησιμώτερον οὐδέν ἐστιν ἐν βίῳ ἀνθρώποις
9. 6. εἰς [S¹ *om.*] οὐδὲν [A οὐθὲν] λογισθήσεται
11. 24. οὐδὲν [A -ένα] βδελύσσῃ ὧν ἐποίησας
13. 13. τὸ δὲ ἐξ αὐτῶν ἀπόβλημα εἰς οὐθὲν [A -δὲν] εὔχρηστον
15. 16. οὐδεὶς γὰρ αὐτῷ ὅμοιον ἄνθρωπος ἰσχύει πλάσαι θεόν [A S *al.*]
17. 5. πυρὸς μὲν οὐδεμία βία κατίσχυε φωτίζειν
— 12. οὐθὲν [A¹ S οὐδὲν, A² οὐδὲ] γάρ ἐστι φόβος
Si. 5. 8. οὐδὲν γὰρ ὠφελήσεις [A S² -σει σε] ἐν ἡμέρᾳ ἐπαγωγῆς
Si. 8. 16. ὡς οὐδὲν ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ αἷμα
15. 20. οὐκ ἐνετείλατο οὐδενὶ ἀσεβεῖν καὶ οὐκ ἔδωκεν ἄνεσιν οὐδενὶ ἁμαρτάνειν
18. 4. οὐθενὶ [A S² οὐδενὶ] ἐξεποίησεν ἐξαγγεῖλαι τὰ ἔργα αὐτοῦ
— 33. οὐδέν σοι ἐστιν ἐν μαρσυπείῳ
19. 7. οὐθέν σοι οὐ μὴ ἐλαττονωθῇ
23. 18. οὐθείς με ὁρᾷ
— 27. οὐθὲν κρεῖττον φόβου κυρίου καὶ οὐθὲν γλυκύτερον τοῦ προσέχειν ἐντολαῖς κυρίου
27. 22. οὐδεὶς αὐτὸν [A -ὰ] ἀποστήσει ἀπ' αὐ.
31 (34). 14. S ὁ φοβούμενος κύριον οὐδὲν [B οὐ μὴ, A πολλὰ] εὐλαβηθήσεται
39. 20. οὐθέν [S¹ οὐκ, A S² οὐδέν] ἐστι θαυμάσιον ἐναντίον αὐτοῦ
40. 6. ὀλίγον ὡς οὐδὲν ἐν ἀναπαύσει
— 7. ἀποθαυμάζων εἰς οὐδένα φόβον
42. 21. A B S² καὶ οὐ [S¹ R οὐδὲ] προσεδέήθη οὐδενὸς συμβούλου [S¹ ἀνδρὸς σ.]
— 24. οὐκ ἐποίησεν οὐδὲν ἐκλεῖπον
48. 12. οὐ κατεδυνάστευσεν αὐτὸν οὐδείς
Ho. 2. 10 (12). οὐδεὶς οὐ μὴ ἐξέληται αὐτήν (3 *b*)
7. 16. ἀπεστράφησαν εἰς οὐθέν (9 *a* ?)
Am. 6. 6. οὐκ ἔπασχον οὐδὲν ἐπὶ τῇ συντριβῇ Ἰ. –
— 14 (13). οἱ εὐφραινόμενοι ἐπ' οὐδενὶ λόγῳ (9 *a*)
Mi. 2. 11. κατεδιώχθητε οὐδενὸς [A οὐθ.] διώκοντος †
Hb. 2. 5. AS²R ἀνὴρ ἀλαζὼν οὐθὲν [BS¹ -δὲν] μὴ περάνῃ (9 *a*)
Za. 1. 21 (2. 4). καὶ οὐδεὶς αὐτῶν ἦρε κεφαλήν (3 *a*+9 *a*)
11. 5. οὐκ ἔπασχον οὐδὲν ἐπ' αὐτοῖς –
Is. 11. 9. οὐδὲ μὴ δύνωνται ἀπολέσαι οὐδένα †
14. 23. ἔσται εἰς οὐδέν [S -θέν] †
33. 1. ὑμᾶς δὲ οὐδεὶς ποιεῖ ταλαιπώρους –
36. 21. οὐδεὶς ἀπεκρίθη αὐτῷ λόγον (9 *a*)
39. 2. οὐκ ἦν οὐθὲν ὃ οὐκ ἔδειξεν Ἑζεκίας (6)
— 6. οὐδὲν [A *om.*] οὐ μὴ καταλείπωσιν (6)
40. 17. πάντα τὰ ἔθνη εἰς οὐδέν εἰσι καὶ εἰς οὐθὲν [S -δὲν] ἐλογίσθησαν (2, 16+14)
— 23. ὁ διδοὺς ἄρχοντας ὡς [A S εἰς] οὐδὲν ἄρχειν τὴν δὲ γῆν ὡς οὐδὲν ἐποίησεν (2, 14)
— 26. ἐν κράτει ἰσχύος αὐτοῦ [AS *om.*] οὐδέν σε ἔλαθε (3 *a*+9 *a*)
41. 28. ἀπὸ γὰρ τῶν ἐθνῶν ἰδοὺ οὐδείς [A S -θείς] (2+3 *a*)
44. 20. οὐδεὶς δύναται ἐξελέσθαι τὴν ψυχὴν αὐτοῦ (9 *a*)
47. 6. S¹ σὺ δὲ οὐκ ἔδωκας αὐτοῖς ἔλεος οὐδέν [A B S² *om.*] –
49. 4. εἰς μάταιον καὶ εἰς οὐδὲν [A S οὐθὲν] ἔδωκα τὴν ἰσχύν μου (7)
57. 1. οὐδεὶς ἐκδέχεται τῇ καρδίᾳ . . . οὐδεὶς κατανοεῖ (2+3 *a*, 2)
59. 4. οὐθεὶς [A S οὐδεὶς] λαλεῖ δίκαια (2)
63. 5. A S οὐδεὶς [B οὐκ ἦν] βοηθός (2)
— 5. οὐθεὶς [S οὐδεὶς] ἀντελαμβάνετο (2)
Je. 2. 6. A B¹ ἐν ᾗ οὐ διώδευσεν ἐν αὐτῇ οὐθέν [B² ἀνήρ, S ἄνθρωπος, R ἀνὴρ οὐ.] (3 *b*)
3. 9. ἐγένετο εἰς οὐθὲν ἡ πορνεία αὐτῆς †
4. 23. ἐπέβλεψα ἐπὶ τὴν γῆν καὶ ἰδοὺ οὐθέν (17)
13. 7. οὐ μὴ χρησθῇ εἰς οὐθέν (8)
— 10. οὐ χρησθήσεται εἰς οὐθέν (8)
15. 10. οὔτε ὠφέλησέ με οὐδείς [S¹ οὐδὲ εἷς] –
27 (50). 32. R οὐδεὶς [A B S οὐκ] ἔσται ὁ ἀνιστῶν (2)
28 (51). 43. S οὐ κατοικήσει ἐν αὐτῇ οὐδείς [A B οὐδὲ εἷς] (8+3 *b*)
30 (49). 4. S¹ οὐδεὶς [A B S² τίς] εἰσελεύσεται ἐπ' ἐμέ (13)
39 (32). 17. οὐ μὴ ἀποκρυβῇ ἀπὸ σοῦ οὐθέν (8+6)
49 (42). 17. οὐκ ἔσται αὐτῶν οὐθεὶς σωζόμενος †
51 (44). 14. A R οὐκ ἔσται σεσωσμένος οὐδεὶς [B S -θεὶς] τῶν ἐπιλοίπων †
Ep. Je. 19. ὧν οὐδένα [A οὐ] δύνανται ἰδεῖν
— 45. οὐθὲν ἄλλο μὴ γένηται [A *al.*]
— 51. οὐθὲν θεοῦ [A οὖν] ἔργον ἐν αὐτοῖς ἐστι
— 69. κατ' οὐδένα οὖν τρόπον ἐστὶν ἡμῖν φανερόν
— 70. προβασκάνιον οὐδὲν φυλάσσον
Ez. 44. 2. οὐδεὶς μὴ διέλθῃ δι' αὐτῆς (3 *b*)
Da. LXX. 2. 10. οὐδεὶς τῶν ἐπὶ τῆς γῆς δυνήσεται (9 *d*)
— 11. οὐδείς ἐστιν ὃς δήλωσει (9 *e*)
3. 25 (92). φθορὰ οὐδεμία ἐγενήθη ἐν αὐτοῖς (9 *b*)
4. 30. οὐχ ὑστερήσει ἀπὸ πάντων τούτων οὐδέν –
Da. LXX. 5. 8. οὐκ ἠδύνατο οὐδεὶς τὸ σύγκριμα . . . ἀπαγγεῖλαι –
6. 5 (4). ἐπεὶ οὐδεμίαν ἁμαρτίαν . . . ηὕρισκον (8)
8. 27. οὐδεὶς ἦν ὁ διανοούμενος (2)
10. 21. οὐθεὶς ἦν ὁ βοηθῶν μετ' ἐμοῦ (2+1 *a*)
Bel 4. οὐδένα σέβομαι ἐγώ
— 6. οὐθὲν βέβρωκε πώποτε οὗτος
— 13. οὐθενὸς τῶν ἐκτὸς αὐτοῦ εἰδότος
Da. TH. Su. 16. οὐκ ἦν οὐδεὶς ἐκεῖ
— 20. οὐδεὶς θεωρεῖ ἡμᾶς
4. 32. ὡς οὐδὲν ἐλογίσθησαν (9 *c*)
I Ma. 4. 5. καὶ οὐδένα εὗρε
5. 48. οὐδεὶς κακοποιήσει ὑμᾶς
— 54. οὐκ ἔπεσεν ἐξ αὐτῶν οὐθείς
8. 14. A R οὐκ ἐπέθεντο οὐδεὶς αὐτῶν [S αὐ. οὐδὲ εἷς] διάδημα
— 26. S R οὐθὲν [A ὅθεν] λαβόντες
10. 35. οὐχ ἕξει ἐξουσίαν οὐδείς
11. 36. A οὐκ ἀθετήσεται οὐδὲν [SR οὐδὲ ἕν] τούτων
— 38. S R οὐδὲν [A -θὲν] αὐτῷ ἀνθεστήκει
14. 44. οὐκ ἐξέσται οὐδενὶ [S¹ οὐθὲν] τοῦ λαοῦ
15. 14. οὐκ εἴασεν οὐδένα ἐκπορεύεσθαι
II Ma. 4. 15. τὰς μὲν πατρῴους τιμὰς ἐν οὐδενὶ τιθέμενοι
— 25. τῆς μὲν ἀρχιερωσύνης οὐδὲν ἄξιον φέρων
— 27. τῶν δὲ . . . χρημάτων οὐδὲν εὐτάκτει
— 40. οὐδὲν δὲ ἧττον καὶ τὴν ἄνοιαν
7. 12. ὡς ἐν οὐδενὶ τὰς ἀλγηδόνας ἐτίθετο
9. 10. παρακομίζειν οὐδεὶς ἐδύνατο
11. 31. οὐδεὶς αὐτῶν κατ' οὐδένα τρόπον παρενοχληθήσεται
14. 23. ἔπραττεν οὐθὲν ἄτοπον
15. 27. κατέστρωσαν οὐδὲν ἧττον μυριάδων τριῶν
III Ma. 1. 13. οὐθεὶς ἐκώλυσε τῶν παρόντων
3. 8. οἱ δὲ κατὰ τὴν πόλιν Ἕλλ. οὐδὲν ἠδικημένοι
— 19. οὐδὲν γνήσιον βούλονται φέρειν
5. 42. τὰς . . . μεταβολὰς τῆς ψυχῆς παρ' οὐδὲν ἡγούμενος
IV Ma. 5. 16. οὐδεμίαν ἀνάγκην βιαιοτέραν εἶναι νομίζομεν
— 17. κατ' οὐδένα τρόπον παρανομεῖν ἀξιοῦμεν
6. 5. κατ' οὐδένα τρόπον μετετρέπετο
7. 3. κατ' οὐδένα τρόπον μετέτρεψε
— 20. οὐδὲν οὖν ἐναντιοῦται
8. 11. οὐδὲν ὑμῖν ἀπειθήσαι . . . ἀπόκειται
— 27. τούτων οὐδὲν εἶπον
14. 4. οὐδεὶς ἐκ τῶν ἑπτὰ μειρακίων
15. 11. ἐπ' οὐδενὸς αὐτῶν τὸν λογισμὸν αὐ. . . . μετατρέψαι
16. 6. οὐδενὸς [S οὐδὲ ἑνὸς] μήτηρ γεγένημαι
— 11. οὐδένα ὠλοφύρετο ἡ ἱερὰ . . . μήτηρ
18. 5. ὡς γὰρ οὐδὲν οὐδαμῶς ἴσχυσεν

[Aq. Ge. 1. 2 : 41. 44 : Is. 34. 11 : 47. 15 : Je. 4. 23 : 34 (41). 9.]
[Sm. Le. 27. 26 : I Ki. 20. 21 : Jb. 15. 15 : 26. 14 : 35. 3 : Ps. 38 (39). 6 : 58 (59). 8 : 72 (73). 2 : 138 (139). 16 : Ec. 7. 25 (24) : Is. 47. 15 : 52. 4 : 63. 3 : Je. 8. 6 : 15. 13 : 34 (41). 9 : 38 (45). 5.]
[Th. Ge. 1. 2 *bis* : Jb. 24. 25 : 26. 7 : Ps. 118 (119). 119 : 138 (139). 16 : Is. 41. 29 : 47. 15 : Je. 15. 10 : 39 (46). 10.]
[Al. Jo. 1. 5.]
[Quint. Ps. 118 (119). 119.]

οὐδένωσις.

[Th. Is. 34. 11.]

οὐδέποτε. (1) לֹא (2) מִיָּמָיו

Ex. 10. 6. ἃ οὐ. ἑωράκασιν οἱ πατέρες σου (1)
III Ki. 1. 6. οὐκ ἀπεκώλυσεν αὐτὸν . . . οὐ. (2)
Wi. 15. 17. αὐτὸς μὲν ἔζησεν ἐκεῖνα δὲ οὐδέποτε
Da. TH. Bel 7. οὐ βέβρωκεν οὐ. [A *al.*]
II Ma. 6. 16. οὐ. μὲν τὸν ἔλεον αὐ. ἀφ' ἡμῶν ἀφίστησι
[Th. Da. 14. 6.]

οὐδέπω. (1) טֶרֶם

Ex. 9. 30. ἐπίσταμαι ὅτι οὐ. πεφόβησθε τὸν κ. (1)

οὐδός.

[Aq. Ez. 9. 3 : 10. 18.]
[Sm. Ez. 9. 3 : 10. 18 : 40. 5 (P.), 6 *bis*, 7.]
[Al. Ez. 47. 1.]

οὐεαβηού.

[Heb. Ho. 11. 1.]

οὐεσσάκη.

[Heb. Ge. 33. 4.]

οὐζώθ.

[Heb. Ma. 2. 13.]

οὐθασρηού.

[Heb. Ps. 8. 6.]

οὐθείς, *vid.* **οὐδείς.**

οὐϊαβώ.

[Heb. Is. 26. 2.]

οὐϊεγάρ.

[Heb. IV Ki. 4. 35.]

οὐϊκρά.

[Heb. Le. 1. 1.]

οὐκέτι. (1) אַיִן (2) אָפֶס (3) יָסַף hi. (4) לֹא, לוּא (5) מִ׳ (6) *a.* עוֹד *b.* עֹדֶד c. neg. (7) **οὐ. εἶναι** *a.* כָּחַת hoph. *b.* שָׁבַת ni.

Ge. 9. 11. οὐκέτι ἔσται κατακλυσμὸς ὕδατος (4+6 *a*)
Ex. 5. 7. οὐκέτι προστεθήσεσθε διδόναι (4)
— 10. οὐκέτι δίδωμι ὑμῖν ἄχυρα (1)
9. 28. καὶ οὐ. προστεθήσεσθε μένειν (4)
— 33. B ὁ ὑετὸς οὐκ ἔσταξεν οὐκέτι [A R ἔτι] –
10. 29. οὐκέτι ὀφθήσομαί σοι (4+3+6 *b*)
11. 6. τοιαύτη οὐκέτι προστεθήσεται (4)
Nu. 11. 25. οὐ. προσέθεντο (4)
32. 19. οὐ. κληρονομήσωμεν ἐν αὐτοῖς (4)
Jo. 5. 11 (12). οὐ. ὑπῆρχε τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. μάννα (4+6 *a*)
8. 20. B οὐ. εἶχον ποῦ φύγωσιν (4)
II Ki. 7. 10. οὐ μεριμνήσει οὐ. (6 *b*)
— 10. B οὐ προσθήσει οὐ. [A ἔτι, R *om.*] υἱὸς ἀδικίας –
III Ki. 22. 7. A οὐκ ἔστιν ὧδε προφήτης τοῦ κ. οὐ. [B *om.*] (6 *b*)
I Es. 2. 24. B ἔξοδός σοι οὐ. ἔσται [A R *al.*]
To. 1. 15. οὐ. ἠδυνάσθην φονευθῆναι
2. 8. οὐ. φοβεῖται φονευθῆναι [S *al.*]
10. 4. S οὐκέτι ὑπάρχει ἐν τοῖς ζῶσιν [A B *al.*]
— 8. οὐ. ἐλπίζουσιν ὄψεσθαί με [S *al.*]
12. 21. A R οὐ. εἶδον αὐτόν [B S *al.*]
13. 6. S οὐ μὴ κρύψῃ τὸ πρόσωπον αὐ. ἀφ᾽ ὑμῶν οὐ. [A B *om.*]
Ju. 10. 10. οὐ. ἐθεώρουν αὐτήν
Es. 2. 1. οὐ. ἐμνήσθη τῆς Ἀ. [A *al.*] –
— 14. οὐ. εἰσπορεύεται πρὸς τὸν βασ. (4+6 *a*)
Jb. 3. 18. A οὐ. ἤκουσαν φωνὴν φορολόγου [B S *al.*] (4)
4. 20. ἀπὸ πρωΐθεν . . . οὐ. εἰσί (7 *a*)
6. 17. A οὐκέτι ἐγνώσθη [B S οὐκ ἐπεγνώσθη] ὅπερ ἦν †
7. 7. οὐ. ἐπανελεύσεται ὀφθαλμός μου (4)
— 8. καὶ οὐ. [A οὐκ] εἰμί (1)
— 8. A καὶ οὐ. εἰμί –
— 21. ὀρθρίζων δὲ οὐ. εἰμί (1)
14. 10. πεσὼν δὲ βροτὸς οὐ. ἐστί †
20. 9. οὐ. [A οὐ] προσνοήσει αὐτὸν ὁ τόπος αὐ. [A *add.* οὐκέτι] (4+6 *a* [6 *b*])
23. 8. οὐκέτι εἰμί (1)
Ho. 2. 16 (18). A οὐ καλέσει με οὐκέτι [B ἔτι] Βααλείμ (6 *b*)
— 17 (19). οὐ μὴ μνησθῶσιν οὐ. [A ἔτι] τὰ ὀνόμ. αὐ. (6 *b*)
Am. 6. 11 (10). καὶ ἐρεῖ, Οὐ. (2)
7. 13. οὐ. προσθήσεις τοῦ προφητεῦσαι (4+6 *a*)
9. 15. οὐ μὴ ἐκσπασθῶσιν οὐκέτι ἀπὸ τῆς γῆς (6 *b*)
Jl. 2. 19. οὐ δώσω ὑμᾶς οὐ. εἰς ὀνειδισμόν (6 *b*)
— 27. A οὐ μὴ καταισχυνθῇ οὐ. [B S *al.*] –
3 (4). 17. οὐ διελεύσονται δι᾽ αὐτῆς οὐκέτι (6 *b*)
Na. 2. 13 (14). οὐ μὴ ἀκουσθῇ οὐκέτι [S² ἔτι] τὰ ἔργα σου (6 *b*)
Ze. 3. 15. οὐκ ὄψῃ κακὰ οὐ. (6 *b*)
Za. 9. 8. οὐ μὴ ἐπέλθῃ ἐπ᾽ αὐτοὺς οὐκέτι ἐξελαύνων (6 *b*)
11. 6. οὐ φείσομαι οὐκέτι ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας (6 *b*)
13. 2. οὐ. ἔσται αὐτῶν μνεία (6 *b*)
14. 21. A οὐκ ἔσται Χαναναῖος οὐ. [B S ἔτι] (6 *b*)
Is. 1. 14. οὐ. ἀνήσω τὰς ἁμαρτίας ὑμῶν †
10. 20. οὐ. προστεθήσεται (4+6 *a*)
Is. 17. 2. S οὐκέτι [A B οὐκ] ἔσται ὁ διώκων (1)
— 3. οὐ. ἔσται ὀχυρὰ τοῦ καταφυγεῖν Ἐφραΐμ καὶ οὐ. [A S *add.* ἔσται] βασιλεία ἐν Δαμασκῷ (7 *b*, –)
23. 1. οὐ. ἔρχονται ἐκ γῆς Κιτιαίων (5)
— 10. πλοῖα οὐ. ἔρχεται ἐκ Καρχηδόνος (1+6 *a*)
— 11. ἡ δὲ χείρ σου οὐ. ἰσχύει κατὰ θάλασσαν –
29. 17. οὐ. μικρὸν καὶ μετατεθήσεται (4+6 *a*)
32. 3. οὐ. ἔσονται πεποιθότες ἐπ᾽ ἀνθρώποις (4)
40. 28. S καὶ νῦν οὐ. γνώσει [A B *al.*] (4)
47. 1. οὐ. προστεθήσῃ κληθῆναι ἁπαλή (4)
52. 1. οὐ. προστεθήσεται διελθεῖν διὰ σοῦ ἀπερίτμητος (4)
60. 18. S οὐ. ἀκουσθήσεται ἀδικία [A B *al.*] (4+6 *a*)
62. 4. οὐ. κληθήσῃ Καταλελειμμένη (4+6 *a*)
Je. 11. 19. τὸ ὄνομα αὐτοῦ οὐ μὴ μνησθῇ οὐ. [A ἔτι] (6 *b*)
15. 6. οὐ. ἀνήσω αὐτούς †
22. 11. A S οὐκ ἀναστρέψει [S ἀνακάμψει] ἐκεῖ οὐ. [B ἔτι] (6 *b*)
23. 20. καὶ οὐ. ἀποστρέψει ὁ θυμὸς κυρίου (4)
27 (50). 39. οὐ μὴ κατοικηθῇ οὐ. εἰς τὸν αἰῶνα (6 *b*)
49 (42). 18. οὐ μὴ ἴδητε οὐ. τὸν τόπον τοῦτον (6 *b*)
Ez. 12. 24. A οὐ. ἔσται πᾶσα ὅρασις ψευδής [B *al.*] (4+6 *a*)
— 28. οὐ μὴ μηκύνωσιν οὐ. πάντες οἱ λόγοι μου (6 *b*)
13. 21. οὐ. ἔσονται ἐν χερσὶν ὑμῶν εἰς συστροφήν (4+6 *a*)
16. 41. R μισθώματα οὐ μὴ δώσω [A B δῷς] οὐ. (6 *b*)
— 42. οὐ μὴ μεριμνήσω οὐ. (6 *b*)
20. 39. τὸ ὄνομά μου τὸ ἅγιον οὐ βεβηλώσετε οὐ. (6 *b*)
21. 5 (10). οὐκ ἀποστρέψει οὐ. (6 *b*)
23. 27. Αἰγύπτου οὐ μὴ μνησθῇς οὐ. (6 *b*)
24. 27. οὐ μὴ ἀποκωφωθῇς οὐ. (6 *b*)
26. 13. A ἡ φωνὴ τῶν ψαλτηρίων σου οὐ μὴ ἀκουσθῇ ἐν σοὶ οὐ. [B ἀ. ἔτι] (6 *b*)
27. 36. οὐ. ἔσῃ εἰς τὸν αἰῶνα (1)
28. 24. καὶ οὐκ ἔσονται οὐ. ἐν [A κ. οὐ. ἔ.] τῷ οἴκῳ τοῦ Ἰσρ. σκόλοψ (6 *b* [4+6 *a*])
29. 16. A R οὐ. ἔσονται τῷ οἴκῳ Ἰσραὴλ εἰς ἐλπίδα [B *al.*] (4+6 *a*)
30. 13. A οὐκ ἔσονται οὐ. [B ἔτι] (6 *b*)
34. 10. A οὐ. ἔσονται αὐτοῖς εἰς κατάβρωμα [B *al.*] (4)
— 22. A οὐ. ἔσονται [B οὐ μὴ ὦσιν] ἔτι εἰς προνομήν (4)
— 28. A οὐ. ἔσονται [B² οὐκ ἔ. οὐ., B¹ R οὐκ ἔ. ἔτι] ἐν προνομῇ (4+6 *a* [6 *b*])
— 29. οὐ. ἔσονται ἀπολλύμενοι λιμῷ (4+6 *a*)
36. 14. ἀνθρώπους οὐ. φάγεσαι καὶ τὸ ἔθνος σου οὐκ ἀτεκνώσει σε οὐ. [B *al.*] (4+6 *a*, 6 *b*)
— 15. οὐκ ἀκουσθήσεται οὐ. ἐφ᾽ ὑμᾶς ἀτιμία ἐθνῶν (6 *b*)
37. 22. A οὐκ ἔσονται οὐ. [B ἔτι] εἰς δύο ἔθνη (6 *b*)
— 22. οὐδὲ μὴ διαιρεθῶσιν οὐ. εἰς δύο βασιλείας (6 *b*)
39. 7. οὐ βεβηλωθήσεται τὸ ὄνομά μου τὸ ἅγιον οὐ. (6 *b*)
— 29. οὐκ ἀποστρέψω οὐ. τὸ πρόσωπόν μου ἀπ᾽ αὐτῶν (6 *b*)
43. 7. οὐ [A οὐ μὴ] βεβηλώσουσιν οὐ. οἶκος Ἰσραὴλ τὸ ὄνομα τὸ ἅγιόν μου (6 *b*)
45. 8. οὐ καταδυναστεύσουσιν οὐ. οἱ ἀφηγούμενοι τοῦ Ἰσραὴλ τὸν λαόν μου (6 *b*)
Da. LXX. 8. 7. οὐ. ἦν ἰσχὺς ἐν τῷ κριῷ (4)
II Ma. 9. 13. πρὸς τὸν οὐ. αὐτὸν ἐλεήσοντα δεσπότην

[Aq., Th. Jb. 7. 8 : Ez. 26. 21.]
[Sm. Ge. 4. 12 : II Ki. 9. 3 : Ps. 40 (41). 9 : 87 (88). 6.]
[Sam. Ex. 32. 18 *bis.*]
[Quint. Ca. 8. 1.]
[Al. Ez. 34. 29.]

οὐκέτι μή. (1) אַיִן (2) *a.* בַּל *b.* בְּלִי (3) *a.* לֹא עוֹד *b.* לֹא הוֹסִיף *c.* לֹא

Le. 27. 20. οὐ. μὴ λυτρώσηται αὐτόν (3 *b*)
To. 6. 17. S οὐ. μὴ φανῇ περὶ αὐτήν [A B *al.*]
Jb. 7. 9. οὐ. μὴ ἀναβῇ [A *al.*] (3 *a*)
Ps. 38 (39). 13. οὐ. μὴ [A οὐ. οὐ μὴ] ὑπάρξω (1)
Ho. 9. 16. καρπὸν οὐ. μὴ ἐνέγκῃ (2 *b**, 2 *a*)
14. 4. οὐ. μὴ εἴπωμεν (3 *b*)
Am. 5. 1 (2). οὐ. μὴ προσθήσει [A -θῇ] τοῦ ἀναστῆναι (3 *a*)
7. 8. οὐ. μὴ προσθῶ [A -θήσω] (3 *b*)
— 13. A οὐ. μὴ προσθῇς τοῦ προφητεῦσαι [B *al.*] (3 *b*)
Am. 8. 2. A οὐ. μὴ προσθῶ [B οὐ προσθήσω ἔτι] τοῦ παρελθεῖν (3 *b*)
Mi. 4. 3. οὐκέτι μὴ ἀντάρῃ [A οὐ. οὐ μὴ ἄρῃ] ἔθνος (3 *a*)
— 3. οὐκέτι [A οὐ] μὴ μάθωσι πολεμεῖν (3 *b*)
5. 13 (12). A R οὐ. μὴ προσκυνήσεις [B -σῃς] (3 *b*)
Ze. 3. 11. οὐ. μὴ προσθῇς τοῦ μεγαλαυχῆσαι (3 *b*)
Is. 10. 20. οὐ. μὴ πεποιθότες ὦσιν –
23. 12. οὐ. μὴ προστεθῆτε τοῦ ὑβρίζειν (3 *b*)
30. 20. οὐ. [A *add.* οὐ] μὴ ἐγγίσωσί σοι (3 *b*)
32. 5. οὐ. [A *add.* οὐ] μὴ εἴπωσι τῷ μωρῷ ἄρχειν (3 *b*)
— 5. οὐ. [A *add.* οὐ] μὴ εἴπωσιν οἱ ὑπηρέται σου (3 *a*)
— 10. οὐ. μὴ ἔλθῃ (2 *b*)
38. 11. οὐ. μὴ ἴδω τὸ σωτήριον τοῦ θεοῦ [A S² *al.*] (3 *a*)
— 11. B οὐ. μὴ ἴδω τὸ σωτήριον τοῦ Ἰσρ. –
— 11. οὐ. μὴ ἴδω ἄνθρωπον [A S² *al.*] (3 *b*)
47. 3. οὐ. μὴ παραδῷ [S *add.* σε] ἀνθρώποις (3 *a*)
— 5. οὐ. μὴ κληθήσῃ [S -θῇς] Ἰσχὺς βασιλείας (3 *c*)
65. 19. οὐ. μὴ ἀκουσθῇ ἐν αὐτῇ φωνὴ κλαυθμοῦ (3 *b*)
— 20. S¹ καὶ οὐ. μὴ γένηται [A B S² *al.*] (3 *b*)
Ez. 7. 13. πρὸς τὸν πωλοῦντα οὐ. μὴ ἐπιστρέψει [A *al.*] (3 *a*)
12. 23. οὐ. μὴ εἴπωσι τὴν παραβολὴν ταύτην (3 *b*)
34. 28. τὰ θηρία τῆς γῆς οὐ. μὴ φάγωσιν [A πτοήσει] αὐτούς (3 *a*)

οὐκέτι οὐ μή. (1) אַיִן (2) לֹא (3) לֹא עוֹד

To. 6. 7. A οὐ. οὐ μὴ ὀχληθῇ [B S *al.*]
Ps. 38 (39). 13. A οὐ. οὐ [B S *om.*] μὴ ὑπάρξω (1)
Mi. 4. 3. A οὐ. οὐ μὴ ἄρῃ ἔθνος ἐπ᾽ ἔθνος ῥομφαίαν [B *al.*] (2)
Is. 23. 12. R οὐ. οὐ [A B S *om.*] μὴ προστεθῆτε τοῦ ὑβρίζειν (3)
30. 20. A οὐ. οὐ [B S *om.*] μὴ ἐγγίσωσί σοι (3)
32. 5. A οὐ. οὐ [B S *om.*] μὴ εἴπωσι τῷ μωρῷ (3)
— 5. A οὐ. οὐ [B S *om.*] μὴ εἴπωσιν οἱ ὑπηρέται σου (3)
38. 11. A S² οὐ. οὐ μὴ ἴδω τὸ σωτήριον τοῦ θεοῦ [B S¹ *al.*] (2)
— 11. A S² οὐ. οὐ μὴ ἴδω ἄνθρωπον [B S¹ *al.*] (3)
Je. 38 (31). 40. οὐ. οὐ μὴ ἐκλίπῃ (2)
Ez. 7. 13. A πρὸς τὸν πωλοῦντα οὐ. οὐ μὴ ἐπιστρέψῃ [B *al.*] (2)

οὐκοῦν.

IV Ki. 5. 23. A οὐκοῦν [B *om.*] λάβε διτάλαντον †
— 23. A οὐκοῦν λάβε διτάλαντον –

[Sm. IV Ki. 5. 23.]

οὐλά.

[Heb. Ps. 91 (92). 7.]

οὐλακέθ.

[Heb. Ma. 2. 13.]

οὐλάμ. (1) אוּלָם

Ge. 28. 19. R οὐλὰμ Λούζ [A Οὐλαμμαὺς] ἦν ὄνομα (1)
Jd. 18. 29. ἦν οὐλὰμ Ἀΐς ὄνομα τῆς πόλεως [A *al.*] (1)

[Th. Jl. 2. 17.]
[Al. I Ch. 28. 11 : II Ch. 8. 12.]

οὐλέθχ.

[Heb. Ho. 3. 2.]

οὐλή. (1) צָרֶבֶת (2) שְׂאֵת

Le. 13. 2. οὐ. σημασίας [A σημασία] τηλαυγής (2)
— 10. καὶ ἰδοὺ οὐ. λευκὴ ἐν τῷ δέρματι (2)
— 10. ἀπὸ τοῦ ὑγιοῦς τῆς σαρκὸς . . . ἐν τῇ οὐ. (2)
— 19. καὶ γένηται ἐν τῷ τόπῳ . . . οὐ. λευκή (2)
— 23. οὐ. τοῦ ἕλκους ἐστί (1)
— 28. οὐ. τοῦ κατακαύματός ἐστι (2)
14. 56. κατὰ πᾶσαν ἀφὴν λέπρας . . . καὶ οὐλῆς (2)

οὐλοκόμος.

[Al. Le. 23. 40.]

οὖλος.

[Aq. Dt. 24. 21 (19).]

οὐμαλαμά.

[Heb. Ps. 75 (76). 4.]

οὐ μή, *vid. sub* **οὐ.**

οὖν. * νῦν οὖν.

Ge. 6. 14 : 8. 21 : 12. 12, 13 : 16. 2 : 18. 21 : 19. 9*, 22, 32† : 21. 23* : 23. 4 : 24. 49, 50† : 27. 3*, 8*, 33, 43* : 29. 27, 32*† : 30. 30* : 31. 13*, 16*, 30*, 44* : 33. 13 : 34. 8 : 37. 20* : 40. 8 : 41. 24, 33* : 43. 4 : 44. 29, 30*, 33* : 45. 5*, 8*, 9 *bis*, 13 : 46. 33 : 47. 4*, 19 : 48. 5* : 50. 5*.
Ex. 1. 10† : 2. 20 : 3. 16†, 18 : 4. 1†, 4†, 23 *bis* : 5. 3, 5, 16, 18* : 8. 10 (6), 17 (13), 19 (15), 28 (24) : 9. 2, 17, 19*, 28 : 10. 17 : 11. 2 : 14. 6 : 18. 19* : 22. 9 (8)†, 27 (26) : 32. 26 : 33. 5*, 13.
Nu. 9. 7 : 14. 3* : 21. 7 : 22. 33*† : 24. 11*.
De. 2. 3, 13*, 24*† : 3. 25.
Jo. 1. 2*, 7 : 14. 12 : 22. 4*, 29 : 23. 6.
Jd. 1. 7 : 13. 23† : 16. 10*†, 17†.
I Ki. 19. 2† : 20. 31*.
II Ki. 24. 13*.
III Ki. 21 (20). 31†.
IV Ki. 18. 20*†, 25*†.
II Ch. 32. 15*† : 35. 3*.
I Es. 2. 5, 6, 19, 24*, 26, 28*† : 4. 14, 46 : 6. 12, 21* : 8. 11 : 9. 51.
II Es. 4. 13*, 16†.
To. 2. 5† : 11. 7†.
Es. 1. 13, 17†, 19 : 3. 9†, 13, 13† : 5. 4† : 8. 13, 13†, 14 : 9. 12†, 19†.
Jb. 1. 5† : 2. 3 : 4. 7, 12† : 7. 7†, 11† : 8. 7 : 9. 19 : 10. 18 : 12. 9 : 15. 17† : 17. 4†, 15 : 19. 6† : 22. 25† : 35. 7† : 36. 24†.
Ps. 9. 35 (10. 14)†.
Pr. 5. 7* : 7. 24* : 8. 32* : 22. 21.
Ec. 5. 3.
Wi. 2. 6 : 6. 1, 9, 11, 21 : 12. 22, 27† : 13. 16 : 17. 16 : 18. 1†.
Si. *prol.* 13, 22† : 29. 7†.
Am. 2. 9†.
Is. 30. 8* : 40. 25* : 57. 6.
Ep. Je. 3, 5, 16, 23, 29, 40, 44, 46†, 49, 51†, 52, 56, 65, 69, 73.
Da. LXX. Su. 54*, 58* : 2. 3, 8, 9* : 3. 23, (24), 26 (93), 30 (97) : 5. 6 : 12. 6 : Bel 5, 12.
Da. TH. Su. 54*, 58* : 2. 5†, 9 : 3. 15* : 4. 34* : 5. 12*, 16*, 22† : 6. 8 (9)*.
I Ma. 2. 18*† : 5. 12* : 6. 13†, 58* : 7. 7* : 8. 32 : 9. 30*, 46*, 58* : 10. 71* : 11. 34†, 37*, 43* : 12. 9, 11, 14, 16, 17, 23, 53* : 15. 5*, 19, 21, 30*.
II Ma. 1. 18† : 2. 15, 16 *bis*, 32 : 3. 22 : 4. 20, 31, 37, 48 : 5. 8, 21† : 6. 9, 12, 31 : 7. 40, 42 : 9. 11, 26, 28 : 10. 22, 28† : 11. 18, 19, 25, 26, 30 : 12. 41 : 15. 37.
III Ma. 1. 27 : 2. 1†, 31† : 3. 6, 11 : 4. 1†, 15 : 5. 9 : 6. 29.
IV Ma. 1. 5, 7, 10, 22, 28 : 2. 24 : 3. 9 : 4. 26 : 5. 19 : 6. 31 : 7. 20 : 8. 7, 10 : 9. 7 : 13. 5 : 16. 2, 22 : 17. 20.
[**Aq.** Jb. 10. 9 : 33. 13 : Is. 5. 4.]
[**Sm.** Ge. 3. 23 (22)*: Ex. 18. 5 : Dt. 23. 14 (15) : III Ki. 5. 2 (16) : IV Ki. 10. 10 : Jb. 7. 11 : 33. 13 : Ps. 38 (39). 8* : 63 (64). 8 : 70 (71). 22 : 72 (73). 13 : 77 (78). 31 : 80 (81). 13 : Ec. 5. 15, 17 : 6. 8 : Ez. 16. 53 : Ho. 6. 3.]
[**Th.** III Ki. 5. 2 (16) : Jb. 10. 9 : Da. 6. 8*.]
[**Al.** I Ki. 3. 14.]
[**Quint.** Ho. 6. 3.]

οὐόμρ.

[**Heb.** Ho. 3. 2.]

οὔπου.

III Ma. 5. 26†.

οὔπω.

Ge. 15. 16† : 18. 12 : 29. 7.
I Es. 5. 53.
Ec. 4. 3†.
Is. 7. 17.
II Ma. 7. 35.
III Ma. 5. 26†.
[**Aq.** Ex. 10. 7.]
[**Sm.** Ex. 10. 7 : I Ki. 3. 3, 7.]

οὐρά. (1) זָנָב

De. 28. 13. *εἰς κεφαλὴν καὶ μὴ εἰς οὐράν* (1)
— 44. *σὺ δὲ ἔσῃ οὐρά* [**A** *εἰς οὐράν*] (1)
Jb. 40. 12 (17). *ἔστησεν οὐρὰν ὡς κυπάρισσον* (1)
Jb. 40. 26 (31). *οὐ μὴ ἐνέγκωσι βύρσαν μίαν οὐρᾶς αὐτοῦ* †
Is. 9. 14 (13). *ἀφεῖλε κύριος ἀπὸ Ἰσραὴλ κεφαλὴν καὶ οὐράν* (1)
— 15 (14). *προφήτην διδάσκοντα ἄνομα οὗτος ἡ οὐ.* (1)
19. 15. *ποιήσει κεφαλὴν καὶ οὐράν* (1)
36. 12. **S**[1] *καὶ πίωσιν οὐράν* [**A B S**[2] *οὖρον*] †
[**Al.** Ex. 4. 4.]

οὐραγεῖν. (1) אָסַף pi.

Jo. 6. 8 (9). *οἱ ἱερεῖς οἱ οὐραγοῦντες ὀπίσω τῆς κιβ.* (1)
Si. 35. 11. *ἐν ὥρᾳ ἐξεγείρου καὶ μὴ οὐράγει*

οὐραγία. (1) καταλαμβάνειν τὴν οὐ. זָנַב pi.
(2) κόπτειν τὴν οὐ. זָנַב pi.

De. 25. 18. *ἔκοψέ σου τὴν οὐ.* (2)
Jo. 10. 19. *καταλάβετε τὴν οὐ. αὐ.* (1)

οὐράνιος. (1) *a.* שָׁמַיִם *b.* שְׁמַיָּא

De. 28. 12. **A** *ἀνοίξαι σοι κ. τὸν θησαυρὸν . . . τὸν οὐ.* [**B** *-νόν*] (1 *a*)
I Es. 6. 15. *ἥμαρτον εἰς τὸν κύριον τοῦ Ἰσρ. τὸν οὐ.*
Da. TH. 4. 23. *ἀφ' ἧς ἂν γνῷς τὴν ἐξουσίαν τὴν οὐ.* [**A** *ἐπουρ.*] (1 *b*)
II Ma. 7. 34. **A** *ἐπὶ τοὺς οὐ. παῖδας ἐπαράμενος χεῖρα* [**R** *al.*]
9. 10. *τὸν . . . τῶν οὐ. ἄστρων ἅπτεσθαι δοκοῦντα*
III Ma. 6. 18. *ἠνέῳξε τὰς οὐ. πύλας*
IV Ma. 4. 11. **S** *ὅπως . . . τὸν οὐ.* [**A R** *ἐπου.*] *ἐξευμενίσωνται στρατόν*
9. 15. *καὶ τῆς οὐ. δίκης ἐχθρέ*
11. 3. **A R** *ὅπως . . . ὀφειλήσῃς τῇ οὐ.* [**S** *ἐπου.*] *δίκῃ τιμωρίαν*
[**Sm.** Ps. 77 (78). 24.]

οὐρανόθεν.

IV Ma. 4. 10. *οὐ. ἔφιπποι προυφάνησαν ἄγγελοι*

οὐρανός. (1) *a.* אֵל *b.* אֱלוֹהַּ (2) מָרוֹם (3) שַׁחַק (4) *a.* שָׁמַיִם *b.* שְׁמַיָּא (5) ἡ ὑπ' (ὑπὸ τὸν) οὐρανόν (-ῶν), τὰ ὑπ' οὐρανόν *a.* אֶרֶץ *b.* חוּצוֹת *c.* תֵּבֵל *d.* תְּהוֹם (6) רָקִיעַ

Ge. 1. 1. *ἐποίησεν ὁ θεὸς τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν* (4 *a*)
— 8. *ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὸ στερέωμα οὐρανόν* (4 *a*)
— 9. *συναχθήτω τὸ ὕδωρ τὸ ὑποκάτω τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 9. *συνήχθη τὸ ὕδωρ τὸ ὑποκάτω τοῦ οὐ.* –
— 14. *φωστῆρες ἐν τῷ στερεώματι τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 15, 17. *ἐν τῷ στερεώματι τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 20. *κατὰ τὸ στερέωμα τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 26. *ἀρχέτωσαν . . . τῶν πετεινῶν τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 28. *ἄρχετε . . . τῶν πετεινῶν τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 30. *εἰς βρῶσιν . . . πᾶσι τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ.* (4 *a*)
2. 1. *καὶ συνετελέσθησαν ὁ οὐ. καὶ ἡ γῆ* (4 *a*)
— 4. *αὕτη ἡ βίβλος γενέσεως οὐρανοῦ* (4 *a*)
— 4. *ᾗ ἡμέρᾳ ἐποίησε . . . τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν* (4 *a*)
— 19. *πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 20. *καὶ πᾶσι τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ.* (4 *a*)
6. 7. *ἕως τῶν πετεινῶν τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 17. *ἐν ᾗ . . . πνεῦμα ζωῆς ὑποκάτω τοῦ οὐ.* (4 *a*)
7. 3. *καὶ ἀπὸ τῶν πετεινῶν τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 11. *οἱ καταρράκται τοῦ οὐ. ἠνεῴχθησαν* (4 *a*)
— 19. *τὰ ὄρη . . . ἃ ἦν ὑποκάτω τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 23. *καὶ τῶν πετεινῶν τοῦ οὐ.* (4 *a*)
8. 2. *οἱ καταρράκται τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 2. *καὶ συνεσχέθη ὁ ὑετὸς ἀπὸ τοῦ οὐ.* (4 *a*)
9. 2. **R** *ἐπὶ πάντα τὰ πετεινὰ* [**A** *ὄρνεα*] *τοῦ οὐ.* (4 *a*)
11. 4. *οὗ ἔσται ἡ κεφαλὴ ἕως τοῦ οὐ.* (4 *a*)
14. 19, 22. *ὃς ἔκτισε τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν* (4 *a*)
15. 5. **R** *ἀνάβλεψον δὴ εἰς τὸν οὐ.* (4 *a*)
19. 24. **R** *ἔβρεξεν . . . ἐξ* [**A** *ἐκ τοῦ*] *οὐ.* (4 *a*)
21. 17. *ἐκάλεσεν . . . τὴν Ἄγαρ ἐκ τοῦ οὐ.* (4 *a*)
22. 11. *ἐκαλέσεν αὐτὸν . . . ἐκ τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 15. *ἐκάλεσεν . . . τὸν Ἀβ. . . . ἐκ τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 17. *ὡς τοὺς ἀστέρας τοῦ οὐ.* (4 *a*)
24. 3. *τὸν θεὸν τοῦ οὐ. καὶ . . . τῆς γῆς* (4 *a*)
— 7. *ὁ θεὸς τοῦ οὐ. καὶ ὁ θεὸς τῆς γῆς* (4 *a*)
26. 4. *ὡς τοὺς ἀστέρας τοῦ οὐ.* (4 *a*)
27. 28. *τῆς δρόσου τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 39. *ἀπὸ τῆς δρόσου τοῦ οὐ. ἄνωθεν* (4 *a*)
28. 12. *ἧς ἡ κεφαλὴ ἀφικνεῖτο εἰς τὸν οὐ.* (4 *a*)
Ge. 28. 17. *καὶ αὕτη ἡ πύλη τοῦ οὐ.* (4 *a*)
40. 17. *τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. κατήσθιεν αὐτά* –
— 19. *φάγεται τὰ ὄρνεα τοῦ οὐ. τὰς σάρκας* –
49. 25. *εὐλόγησέ σε εὐλογίαν οὐρανοῦ ἄνωθεν* (4 *a*)
Ex. 9. 8. *πασάτω Μωυσῆς εἰς τὸν οὐ.* (4 *a*)
— 10. **A**[2] **B** *ἔπασεν αὐτὴν Μωυσῆς εἰς τὸν οὐ.* (4 *a*)
— 22. *ἔκτεινον τὴν χεῖρά σου εἰς τὸν οὐ.* (4 *a*)
— 23. *ἐξέτεινε δὲ Μ. τὴν χεῖρα εἰς τὸν οὐ.* (4 *a*)
— 29. **A** *πρὸς τὸν θεὸν εἰς τὸν οὐ.* [**B** *al.*] –
10. 13. *ἐπῆρε Μ. τὴν ῥάβδον εἰς τὸν οὐ.* †
— 21. *ἔκτεινον τὴν χεῖρά σου εἰς τὸν οὐ.* (4 *a*)
— 22. *ἐξέτεινε . . . τὴν χεῖρα εἰς τὸν οὐ.* (4 *a*)
16. 4. *ἐγὼ ὕω ὑμῖν ἄρτους ἐκ τοῦ οὐ.* (4 *a*)
17. 14. *ἐξαλείψω . . . ἐκ τῆς ὑπὸ τὸν οὐ.* (4 *a*)
19. 3. **B** *ἐκάλεσεν αὐτὸν ὁ θ. ἐκ τοῦ οὐ.* [**A R** *ὄρους*] †
20. 4. *ὅσα ἐν τῷ οὐ. ἄνω* (4 *a*)
— 11. *τὸν* [**A** *add. τε*] *οὐ. καὶ τὴν γῆν* (4 *a*)
— 22. *ἐκ τοῦ οὐ. λελάληκα πρὸς ὑμᾶς* (4 *a*)
24. 10. *ὥσπερ εἶδος στερεώματος τοῦ οὐ.* (4 *a*)
31. 17. *ἐποίησε κύριος τὸν* [**A B**[2] *add. τε*] *οὐ.* (4 *a*)
32. 13. *ὡσεὶ τὰ ἄστρα τοῦ οὐ. τῷ πλήθει* (4 *a*)
Le. 26. 19. *θήσω τὸν οὐ. ὑμῖν σιδηροῦν* (4 *a*)
De. 1. 10. *ὡσεὶ τὰ ἄστρα τοῦ οὐ. τῷ πλήθει* (4 *a*)
— 28. *τετειχισμέναι ἕως τοῦ οὐ.* (4 *a*)
2. 25. *πάντων τῶν ἐθνῶν τῶν ὑποκάτω τοῦ οὐ.* (4 *a*)
3. 24. *τίς γάρ ἐστι θεὸς ἐν τῷ οὐ.* (4 *a*)
4. 11. *τὸ ὄρος ἐκαίετο πυρὶ ἕως τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 17. *ὃ πέταται ὑπὸ τὸν οὐ.* (4 *a*)
— 19. *ἀναβλέψας εἰς τὸν οὐ.* (4 *a*)
— 19. *ἰδὼν . . . πάντα τὸν κόσμον τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 19. *πᾶσι τοῖς ἔθνεσι τοῖς ὑποκάτω τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 26. *διαμαρτύρομαι ὑμῖν σήμερον τόν τε οὐ.* (4 *a*)
— 32. *ἐπὶ τὸ ἄκρον τοῦ οὐ. ἕως ἄκρου* [**B**[2] *τοῦ ἄ.*] *τοῦ οὐ.* (4 *a*, 4 *a*)
— 36. *ἐκ τοῦ οὐ. ἀκουστὴ ἐγένετο ἡ φωνὴ αὐ.* (4 *a*)
— 39. *οὗτος θεὸς ἐν τῷ οὐ. ἄνω* (4 *a*)
5. 8. *ὅσα ἐν τῷ οὐ. ἄνω* (4 *a*)
— 14. **B**[1] *ἐποίησεν κύριος τόν τε οὐ.* –
8. 19. **A B**[2] **R** *διαμαρτύρομαι ὑμῖν σήμ. τόν τε οὐ.* [**B**[1] *al.*] –
9. 1. *καὶ τειχήρεις ἕως τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 14. *ἐξαλείψω τὸ ὄν. αὐ. ὑποκάτωθεν τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 15. *ἐκαίετο πυρὶ ἕως τοῦ οὐ.* [**A** *om. ἕ. τ. οὐ.*] –
10. 14. *κ. τοῦ θεοῦ σου ὁ οὐ. καὶ ὁ οὐ. τοῦ οὐ.* (4 *a ter*)
— 22. *ὡσεὶ τὰ ἄστρα τοῦ οὐ. τῷ πλήθει* (4 *a*)
11. 11. *ἐκ τοῦ ὑετοῦ τοῦ οὐ. πίεται ὕδωρ* (4 *a*)
— 17. *καὶ συσχῇ τὸν οὐ.* (4 *a*)
— 21. *καθὼς αἱ ἡμ. τοῦ οὐ. ἐπὶ τῆς γῆς* (4 *a*)
17. 3. *ἢ παντὶ τῶν ἐκ τοῦ κόσμου τοῦ οὐ.* [**A** *al.*] (4 *a*)
25. 19. *ἐξαλείψεις τὸ ὄν. Ἀμ. ἐκ τῆς ὑπὸ τὸν οὐ.* (4 *a*)
26. 15. *ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ ἁγίου σου ἐκ τοῦ οὐ.* (4 *a*)
28. 12. *ἀνοίξαι σοι κύριος . . . τὸν οὐ.* [**A** *-άνιον*] (4 *a*)
— 23. *ἔσται σοι ὁ οὐ. . . . χαλκοῦς* (4 *a*)
— 24. *χοῦς ἐκ τοῦ οὐ. καταβήσεται* (4 *a*)
— 26. *κατάβρωμα τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 62. *ὡσεὶ τὰ ἄστρα τοῦ οὐ. τῷ πλήθει* (4 *a*)
29. 20 (19). *ἐξαλείψει κύριος . . . ἐκ τῆς ὑπὸ τὸν οὐ.* (4 *a*)
30. 4. *ἀπ' ἄκρου τοῦ οὐ. ἕως ἄκρου τοῦ οὐ.* (4 *a*, –)
— 12. *οὐκ ἐν τῷ οὐ. ἄνω ἐστί* (4 *a*)
— 12. *τίς ἀναβήσεται ἡμῖν εἰς τὸν οὐ.* (4 *a*)
— 19. *διαμαρτύρομαι ὑμῖν . . . τόν τε οὐ.* (4 *a*)
31. 28. *διαμαρτύρομαι αὐτοῖς τόν τε οὐ.* (4 *a*)
32. 1. *πρόσεχε, οὐρανέ* (4 *a*)
— 40. *ἀρῶ εἰς τὸν οὐ. τὴν χεῖρά μου* (4 *a*)
— 43. *εὐφράνθητε οὐρανοὶ ἅμα αὐτῷ* –
33. 13. *ἀπὸ ὡρῶν* [**A** *ὀρέων*] *οὐρανοῦ* (4 *a*)
— 26. *ὁ ἐπιβαίνων ἐπὶ τὸν οὐ. βοηθός σου* (4 *a*)
— 28. *ὁ οὐ. σοι συννεφὴς δρόσῳ* (4 *a*)
Jo. 2. 11. **B** *ὃς* [**A R** *θεὸς*] *ἐν οὐρανῷ ἄνω* (4 *a*)
8. 20. *καπνὸν ἀναβαίνοντα . . . εἰς τὸν οὐ.* (4 *a*)
— 21. **B** *ἀνέβη ὁ καπνὸς . . . εἰς τὸν οὐ.* –
10. 11. *λίθους χαλάζης ἐκ τοῦ οὐ.* (4 *a*)
— 13. *ἔστη ὁ ἥλιος κατὰ μέσον τοῦ οὐ.* (4 *a*)
Jd. 5. 4. *ὁ οὐ. ἔσταξε δρόσους* (4 *a*)
— 20. *ἐξ οὐρανοῦ παρετάξαντο οἱ ἀστέρες* [**A** *al.*] (4 *a*)
13. 20. *ἐν τῷ ἀναβῆναι τὴν φλόγα . . . ἕως τοῦ οὐ.* [**A** *εἰς τὸν οὐ.*] (4 *a*)
— 20. **A** *ἀνέβη . . . ἐν τῇ φλογὶ τοῦ θυσιαστ. εἰς τὸν οὐ.* [**B** *al.*] –
20. 40. *ἀνέβη . . . ἕως οὐρανοῦ* [**A** *εἰς τὸν οὐ.*] (4 *a*)

I Ki. 2. 10. κύριος ἀνέβη εἰς οὐρανούς (4 a)
5. 12. ἀνέβη ἡ κραυγὴ τῆς πόλ. εἰς τὸν οὐ. (4 a)
17. 44. δώσω τὰς σάρκας σου τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ. (4 a)
— 46. δώσω τὰ κῶλά σου . . . τοῖς πετ. τοῦ οὐ. (4 a)
II Ki. 18. 9. ἐκρεμάσθη ἀνὰ μέσον τοῦ οὐ. (4 a)
21. 10. ἔσταξεν ἐπ' αὐτοὺς ὕδωρ ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)
— 10. οὐκ ἔδωκε τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. καταπαῦσαι (4 a)
22. 8. τὰ θεμέλια τοῦ οὐ. συνεταράχθησαν (4 a)
— 10. ἔκλινεν οὐρανούς (4 a)
— 14. ἐβρόντησεν ἐξ οὐρανοῦ κύριος (4 a)
III Ki. 8. 22. διεπέτασε τὰς χεῖρας αὐ. εἰς τὸν οὐ. (4 a)
— 23. οὐκ ἔστιν ὡς σὺ θεὸς ἐν τῷ οὐ. ἄνω (4 a)
— 27. εἰ ὁ οὐ. καὶ ὁ [A om.] οὐ. τοῦ οὐ. οὐκ ἀρκέσουσί σοι (4 a ter)
— 30. εἰσακούσῃ . . . ἐν [A add. τῷ] οὐρανῷ (4 a)
— 32, 34. εἰσακούσῃ ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)
— 35. ἐν τῷ συσχεθῆναι τὸν οὐ. (4 a)
— 36, 39, 43, 45, 49. εἰσακούσῃ ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)
— 53. ἥλιον ἐγνώρισεν ἐν οὐρανῷ –
— 54. αἱ χεῖρες αὐ. διαπεπετασμ. εἰς τὸν οὐ. (4 a)
12. 24 (cf. A 14. 11). B τὸν τεθνηκ. ἐν τῷ ἀγρῷ καταφάγεται τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. –
14. 11. A τὸν τεθνηκ. ἐν τῷ ἀγρῷ καταφάγονται τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. (4 a)
16. 4. καταφάγονται αὐτὸν τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. (4 a)
18. 36. ἀνεβόησεν Ἠ. εἰς τὸν οὐ. –
— 38. ἔπεσε πῦρ . . . ἐκ τοῦ οὐ. –
— 45. ὁ οὐ. συνεσκότασε νεφέλαις (4 a)
20 (21). 24. φάγονται [A καταφ.] τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. (4 a)
22. 19. πᾶσα ἡ στρατεία τοῦ οὐ. εἰστήκει περὶ αὐτόν (4 a)
IV Ki. 1. 10. καταβήσεται πῦρ ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)
— 10. κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)
— 12. καταβήσεται πῦρ ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)
— 12, 14. κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)
2. 1. ἐν τῷ ἀνάγειν κύριον . . . τὸν Ἠ. ὡς [A om.] εἰς τὸν οὐ. (4 a)
— 11. ἀνελήφθη Ἠλ. . . . ὡς [A¹ om.] εἰς τὸν οὐ. (4 a)
7. 2. ἰδοὺ ποιήσει κύριος καταρράκτας ἐν οὐρανῷ (4 a)
— 19. ἰδοὺ κύριος ποιεῖ καταρράκτας ἐν τῷ οὐ. (4 a)
14. 27. ἐξαλεῖψαι τὸ σπέρμα Ἰσρ. ὑποκάτωθεν τοῦ οὐ. (4 a)
17. 16. προσεκύνησαν πάσῃ τῇ δύναμει τοῦ οὐ. (4 a)
19. 15. σὺ ἐποίησας τὸν οὐ. (4 a)
21. 3. προσεκύνησε πάσῃ τῇ δυνάμει τοῦ οὐ. (4 a)
— 5. ᾠκοδόμησε θυσιαστ. πάσῃ τῇ δυνάμει τοῦ οὐ. (4 a)
23. 4. τὰ πεποιημένα . . . πάσῃ τῇ δυνάμει τοῦ οὐ. (4 a)
— 5. τοὺς θυμιῶντας . . . πάσῃ τῇ δυνάμει τοῦ οὐ. (4 a)
I Ch. 16. 26. ὁ θεὸς ἡμῶν οὐρανὸν ἐποίησε (4 a)
— 31. εὐφρανθήτω ὁ οὐ. (4 a)
21. 16. ἀνὰ μέσον τῆς γῆς καὶ [A add. ἀνὰ μέσον] τοῦ οὐ. (4 a)
— 26. ἐπήκουσεν αὐτῷ ἐν πυρὶ ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)
27. 23. πληθῦναι τὸν Ἰσρ. ὡς τοὺς ἀστέρας τοῦ οὐ. (4 a)
29. 11. πάντων τῶν ἐν τῷ οὐ. . . . δεσπόζεις (4 a)
II Ch. 2. 6 (5). ὁ οὐ. καὶ ὁ οὐ. τοῦ οὐ. οὐ φέρουσιν αὐτοῦ τὴν δόξαν (4 a ter)
— 12 (11). ὃς ἐποίησε τὸν οὐ. (4 a)
6. 13. διεπέτασε τὰς χεῖρας αὐ. εἰς τὸν οὐ. (4 a)
— 14. οὐκ ἔστιν ὅμοιός σοι θεὸς ἐν οὐρανῷ (4 a)
— 18. εἰ ὁ οὐ. καὶ ὁ οὐ. τοῦ οὐ. οὐκ ἀρκέσουσί σοι (4 a ter)
— 21. εἰσακούσῃ . . . ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)
— 23. B εἰσακούσῃ ἐκ τοῦ οὐ. τοῦ οὐ. [A R om. τ. οὐ.] (4 a, –)
— 25. εἰσακούσῃ ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)
— 26. ἐν τῷ συσχεθῆναι τὸν οὐ. (4 a)
— 27, 30, 33. εἰσακούσῃ ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)
— 35, 39. ἀκούσῃ ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)
7. 1. τὸ πῦρ κατέβη ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)
— 13. ἐὰν συσχῶ τὸν οὐ. (4 a)
— 14. εἰσακούσομαι ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)
18. 18. πᾶσα δύναμις τοῦ οὐ. παρεστήκει (4 a)
20. 6. οὐχὶ σὺ εἶ θεὸς ἐν οὐρανῷ ἄνω (4 a)
28. 9. ἕως τῶν οὐ. ἔφθακε (4 a)
30. 27. ἦλθεν ἡ προσευχὴ αὐ. . . . εἰς τὸν οὐ. (4 a)
II Ch. 32. 20. ἐβόησαν εἰς τὸν οὐ. (4 a)
33. 3. προσεκύνησε πάσῃ τῇ στρατιᾷ τοῦ οὐ. (4 a)
— 5. ᾠκοδόμησε θυσιαστήρια πάσῃ τῇ στρατιᾷ τοῦ οὐ. (4 a)
36. 23. ἔδωκέ μοι κ. ὁ θεὸς τοῦ οὐ. (4 a)
I Es. 4. 34. μεγάλη ἡ γῆ καὶ ὑψηλὸς ὁ οὐ.
— 34. στρέφεται ἐν τῷ κύκλῳ τοῦ οὐ.
— 36. ὁ οὐ. αὐτὴν εὐλογεῖ
— 46. ἣν ηὔξω τῷ βασ. τοῦ οὐ.
— 58. ἄρας τὸ πρόσωπον εἰς τὸν οὐ.
— 58. εὐλόγησε τῷ βασ. τοῦ οὐ.
6. 13. τοῦ κυρίου τοῦ κτίσαντος τὸν οὐ.
8. 75. ὑπερήνεγκαν ἕως τοῦ οὐ.
II Es. 1. 2. ἔδωκέ μοι κ. ὁ θ. τοῦ οὐ. (4 a)
5. 11. ἡμεῖς ἐσμὲν δοῦλοι τοῦ θ. τοῦ οὐ. (4 b)
— 12. παρώργισαν . . . τὸν θεὸν τοῦ οὐ. (4 b)
6. 9. εἰς ὁλοκαυτώσεις τῷ θεῷ τοῦ οὐ. (4 b)
— 10. προσφέροντες εὐωδίας τῷ θεῷ τοῦ οὐ. (4 b)
7. 12. γραμματεῖ νόμου κυρίου τοῦ θ. τοῦ οὐ. (4 b)
— 21. γραμματεὺς τοῦ νόμου τοῦ θ. τοῦ οὐ. (4 b)
— 23. ἐν γνώμῃ θεοῦ τοῦ οὐ. (4 b)
— 23. εἰς τὸν οἶκον θεοῦ τοῦ οὐ. (4 b)
9. 6. ἐμεγαλύνθησαν ἕως εἰς οὐρανόν (4 a)
Ne. 1. 4. ἐνώπιον τοῦ θεοῦ τοῦ οὐ. (4 a)
— 5. κύριε ὁ θεὸς τοῦ οὐ. [S¹ om. τ. οὐ.] (4 a)
— 9. S² ἀπ' ἄκρου τοῦ οὐ. ἕως ἄκρου τοῦ οὐ. [A B S¹ al.] (4 a, –)
2. 4. προσηυξάμην πρὸς τὸν θεὸν τοῦ οὐ. (4 a)
— 20. ὁ θεὸς τοῦ οὐ. αὐτὸς εὐοδώσει ἡμῖν (4 a)
9. 6. SR σὺ ἐποίησας τὸν οὐ. καὶ τὸν οὐ. [A B om. κ. τ. οὐ.] τοῦ οὐ. (4 a ter)
— 6. σοὶ προσκυνοῦσιν αἱ στρατιαὶ τῶν οὐ. (4 a)
— 13. ἐλάλησας πρὸς αὐτοὺς ἐξ οὐρανοῦ (4 a)
— 15. ἄρτον ἐξ οὐρανοῦ ἔδωκας αὐτοῖς (4 a)
— 23. ἐπλήθυνας ὡς τοὺς ἀστέρας τοῦ οὐ. (4 a)
— 27. καὶ σὺ ἐξ οὐρανοῦ σου ἤκουσας (4 a)
— 28. καὶ σὺ ἐξ οὐρανοῦ εἰσήκουσας (4 a)
To. 1. 18. S ἧς ἐποίησεν ἐξ αὐτοῦ ὁ βασ. τοῦ οὐ.
5. 9. S οὐ βλέπω τὸ φῶς τοῦ οὐ.
— 16. ὁ δὲ ἐν τῷ οὐ. οἰκῶν θεός [A S al.]
6. 17. S δεήθητε τοῦ κυρίου τοῦ οὐ. [A B al.]
7. 12. S ἐκ τοῦ οὐ. κέκριταί σοι δοθῆναι [A B al.]
— 12. S ὁ κύριος τοῦ οὐ. εὐοδώσει ὑμᾶς [A B al.]
— 13. S ὁ θεὸς τοῦ οὐ. εὐοδώσαι ὑμῖν εἰρήνην
— 18. ὁ κ. τοῦ οὐ. καὶ τῆς γῆς δῴη σοι χάριν [S al.]
8. 5. εὐλογησάτωσάν σε οἱ οὐ.
— 15. S εὐλόγησαν τὸν θεὸν τοῦ οὐ. [A B al.]
9. 6. S δῴη σοι κύριος εὐλογίαν οὐρανοῦ
10. 12. εὐοδώσει ὑμᾶς, τέκνα, ὁ θεὸς τοῦ οὐ. [S al.]
— 13. ἀποκαταστήσαι σε ὁ κύριος τοῦ οὐ. [S al.]
11. 1. S εὐλογῶν τῷ κυρίῳ τοῦ οὐ. [A B al.]
13. 7. A B ἡ ψυχή μου τῷ βασιλεῖ τοῦ οὐ.
— 11. καὶ δῶρα τῷ βασιλεῖ τοῦ οὐ. [S al.]
— 16. S ἐξομολογήσασθαι τῷ βασ. τοῦ οὐ.
Ju. 5. 8. προσεκύνησαν τῷ θεῷ τοῦ οὐ.
6. 19. κύριε ὁ θεὸς τοῦ οὐ.
7. 28. μαρτυρόμεθα ὑμῖν τὸν οὐ.
9. 12. δέσποτα τῶν οὐ. καὶ τῆς γῆς
11. 7. τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. . . . ζήσονται
— 17. θεραπεύουσα . . . τὸν θεὸν τοῦ οὐ.
13. 18. ὃς ἔκτισε τοὺς οὐ.
Es. 4. 17. ἐποίησας τὸν οὐ. . . . καὶ πᾶν θαυμαζόμ. ἐν τῇ ὑπ' οὐρανόν
Jb. 1. 6. A ἐμπεριπατήσας τὴν ὑπ' οὐρανόν –
— 7. ἐμπεριπατήσας τὴν ὑπ' οὐρανὸν πάρειμι †
— 16. πῦρ ἔπεσεν ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)
2. 2. διαπορευθεὶς τὴν ὑπ' οὐρανόν (5 a)
5. 10. ἀποστέλλοντα ὕδωρ ἐπὶ τὴν ὑπ' οὐρανόν (5 b)
7. 9. ὥσπερ νέφος ἀποκαθαρθὲν ἀπ' οὐρανοῦ †
9. 6. ὁ σείων τὴν ὑπ' οὐρανὸν ἐκ θεμελίων (5 a)
— 8. ὁ τανύσας τὸν οὐ. μόνος (4 a)
— 13. ὑπ' αὐτοῦ ἐκάμφθησαν κήτη τὰ ὑπ' οὐρανόν †
11. 8. ὑψηλὸς ὁ [S¹ om.] οὐ. (4 a)
12. 7. πετεινὰ δὲ οὐρανοῦ ἐάν σοι ἀπαγγείλωσιν [A ἀναγγείλῃ] (4 a)
14. 12. ἕως ἂν ὁ οὐ. οὐ μὴ συρραφῇ [A οὐ. παλαιωθῇ] (4 a)
15. 15. οὐρανὸς [A ὁ οὐ.] δὲ οὐ καθαρὸς ἐναντίον αὐτοῦ (4 a)
16. 20 (19). A B ἐν οὐρανοῖς [S² -ῷ] ὁ μάρτυς μου (4 a)
18. 4. ἀοίκητος [A ἀ. ἔσται] ἡ ὑπ' οὐρανόν [B² add. ἔσται] (5 a)
— 19. οὐδὲ σεσωσμένος ἐν τῇ ὑπ' οὐρανὸν ὁ οἶκος αὐ. †
20. 6. ἐὰν ἀναβῇ εἰς οὐρανὸν αὐτοῦ τὰ δῶρα (4 a)
Jb. 20. 27. ἀνακαλύψει δὲ αὐτοῦ ὁ οὐρανὸς τὰς ἀνομίας (4 a)
22. 14. γῦρον οὐρανοῦ διαπορεύεται (4 a)
— 26. ἀναβλέψας εἰς τὸν οὐ. ἱλαρῶς (1 b)
26. 11. στῦλοι οὐρανοῦ ἐπετάσθησαν [A ἐπεστάθησαν] (4 a)
— 13. κλείθρα δὲ οὐρανοῦ δεδοίκασιν αὐτόν (4 a)
28. 21. ἀπὸ πετεινῶν τοῦ οὐ. ἐκρύβη [A οὐκ ἐκρ.] (4 a)
— 24. αὐτὸς γὰρ τὴν ὑπ' οὐρανὸν πᾶσαν ἐφορᾷ (4 a)
34. 13. τίς δέ ἐστιν ὁ ποιῶν τὴν ὑπ' οὐρανόν (5 a)
35. 4 (5). ἀνάβλεψον εἰς τὸν οὐ. καὶ ἴδε (4 a)
— 11. ὁ διορίζων με ἀπὸ τετραπόδων γῆς ἀπὸ δὲ πετεινῶν οὐρανοῦ (4 a)
37. 3. B S ὑποκάτω παντὸς τοῦ οὐ. ἀρχὴ αὐ. (4 a)
38. 18. νενουθέτησαι δὲ τὸ εὖρος τῆς ὑπ' οὐρανόν (5 a)
— 24. ἢ διασκεδάννυται νότος εἰς τὴν ὑπ' οὐρανόν (5 a)
— 29. πάχνην δὲ ἐν οὐρανῷ τίς τέτοκεν (4 a)
— 33. ἐπίστασαι δὲ τροπὰς οὐρανοῦ ἢ τὰ ὑπ' οὐρανὸν ὁμοθυμαδὸν γινόμενα (4 a, 5 a)
— 37. οὐρανὸν [S -ὸς] δὲ εἰς γῆν ἔκλινε (4 a)
41. 2 (3). εἰ [A ἢ οὐχὶ] πᾶσα ἡ ὑπ' οὐρανὸν ἐμή ἐστιν (4 a)
42. 15. οὐχ εὑρέθησαν . . . βελτίους αὐτῶν ἐν τῇ [A om. ἐν τῇ] ὑπ' [S ὑπὸ τὸν] οὐ. (5 a)
Ps. 2. 4. ὁ κατοικῶν ἐν οὐρανοῖς ἐκγελάσεται [A ἐγγελ.] αὐτούς (4 a)
8. 1. ἐπήρθη ἡ μεγαλοπρέπειά σου ὑπεράνω τῶν οὐ. (4 a)
— 3. ὄψομαι τοὺς οὐ. ἔργα τῶν δακτύλων σου (4 a)
— 8. τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. καὶ τοὺς ἰχθύας τῆς θαλάσσης (4 a)
10 (11). 5. κύριος ἐν οὐρανῷ ὁ θρόνος αὐτοῦ (4 a)
13 (14). 2. A²BS κύριος ἐκ τοῦ οὐ. διέκυψεν (4 a)
17 (18). 9. ἔκλινεν οὐρανὸν [S² -νὸς] καὶ κατέβη (4 a)
— 13. ἐβρόντησεν ἐξ οὐρανοῦ κύριος (4 a)
18 (19). 1. οἱ οὐ. διηγοῦνται δόξαν θεοῦ (4 a)
— 6. ἀπ' ἄκρου τοῦ οὐ. ἡ ἔξοδος αὐτοῦ καὶ τὸ κατάντημα αὐτοῦ ἕως ἄκρου τοῦ [S¹ om.] οὐ. (4 a, †)
19 (20). 6. ἐπακούσεται αὐτοῦ ἐξ οὐρανοῦ ἁγίου αὐτοῦ (4 a)
32 (33). 6. τῷ λόγῳ τοῦ κ. οἱ οὐ. ἐστερεώθησαν (4 a)
— 13. ἐξ οὐρανοῦ ἐπέβλεψεν ὁ κύριος (4 a)
35 (36). 5. ἐν τῷ οὐ. τὸ ἔλεός σου (4 a)
49 (50). 4. προσκαλέσεται τὸν οὐ. ἄνω (4 a)
— 6. ἀναγγελοῦσιν οἱ οὐ. τὴν δικαιοσύνην αὐτοῦ (4 a)
— 11. ἔγνωκα πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. †
52 (53). 2. ὁ θεὸς ἐκ τοῦ οὐ. διέκυψεν (4 a)
56 (57). 3. ἐξαπέστειλεν ἐξ οὐρανοῦ (4 a)
— 5. ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐ. ὁ θεός (4 a)
— 10. ἐμεγαλύνθη ἕως τῶν οὐ. τὸ ἔλεός σου (4 a)
— 11. ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐ. ὁ θεός (4 a)
67 (68). 8. οἱ οὐ. ἔσταξαν ἀπὸ προσώπου τοῦ θεοῦ (4 a)
— 33. τῷ ἐπιβεβηκότι ἐπὶ τὸν οὐ. τοῦ οὐ. (4 a, 4 a)
68 (69). 34. αἰνεσάτωσαν αὐτὸν οἱ οὐ. καὶ ἡ γῆ (4 a)
72 (73). 9. ἔθεντο εἰς οὐρανὸν τὸ στόμα αὐτῶν (4 a)
— 25. τί γάρ μοι ὑπάρχει ἐν τῷ οὐ. (4 a)
75 (76). 8. ἐκ τοῦ οὐ. ἠκούτισας κρίσιν (4 a)
77 (78). 23. θύρας οὐρανοῦ ἀνέῳξε (4 a)
— 24. ἄρτου οὐρανοῦ ἔδωκεν αὐτοῖς (4 a)
— 26. ἀπῆρε νότον ἐξ οὐρανοῦ (4 a)
78 (79). 2. βρώματα τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ. (4 a)
79 (80). 14. ἐπίβλεψον ἐξ οὐρανοῦ (4 a)
84 (85). 11. δικαιοσύνη ἐκ τοῦ οὐ. διέκυψε (4 a)
88 (89). 2. ἐν τοῖς οὐ. ἑτοιμασθήσεται ἡ ἀλήθειά σου (4 a)
— 5. ἐξομολογήσονται οἱ οὐ. τὰ θαυμάσιά σου (4 a)
— 11. σοί εἰσιν οἱ οὐ. (4 a)
— 29. τὸν θρόνον αὐ. ὡς τὰς ἡμέρας τοῦ οὐ. (4 a)
— 37. ὁ μάρτυς ἐν οὐρανῷ πιστός (3)
90 (91). 1. ἐν σκέπῃ τοῦ θεοῦ τοῦ οὐ. –
95 (96). 5. ὁ δὲ κύριος τοὺς οὐ. ἐποίησεν (4 a)
— 11. εὐφραινέσθωσαν οἱ οὐ. (4 a)
96 (97). 6. ἀνήγγειλαν οἱ οὐ. τὴν δικαιοσύνην αὐτοῦ (4 a)
101 (102). 19. κύριος ἐξ οὐρανοῦ ἐπὶ τὴν γῆν ἐπέβλεψε (4 a)
— 25. ἔργα τῶν χειρῶν σού εἰσιν οἱ οὐ. (4 a)
102 (103). 11. κατὰ τὸ ὕψος τοῦ οὐ. ἀπὸ τῆς γῆς (4 a)
— 19. κύριος ἐν τῷ οὐ. ἡτοίμασε τὸν θρόνον αὐτοῦ (4 a)
103 (104). 2. ἐκτείνων τὸν οὐ. ὡσεὶ δέρριν (4 a)

Ps. 103 (104). 12. ἐπ' αὐτὰ τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. κατασκηνώσει (4 a)
104 (105). 40. ἄρτον οὐρανοῦ ἐνέπλησεν αὐτούς (4 a)
106 (107). 26. ἀναβαίνουσιν ἕως τῶν οὐ. (4 a)
107 (108). 4. μέγα ἐπάνω τῶν οὐ. τὸ ἔλεός σου (4 a)
— 5. ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐ., ὁ θεός (4 a)
112 (113). 4. ἐπὶ τοὺς οὐ. ἡ δόξα αὐτοῦ (4 a)
— 6. καὶ τὰ ταπεινὰ ἐφορῶν ἐν τῷ οὐ. (4 a)
113. 11 (115. 3). S ὁ δὲ θεὸς ἡμῶν ἐν τῷ οὐ. ἄνω ἐν τοῖς οὐ. [A R al.] (4 a, –)
— 23 (115. 15). τῷ κυρίῳ τῷ ποιήσαντι τὸν οὐ. (4 a)
— 24 (115. 16). S R ὁ οὐ. τοῦ οὐ. [A τῷ οὐ.] τῷ κυρίῳ (4 a, 4 a)
118 (119). 89. ὁ λόγος σου διαμένει ἐν τῷ οὐ. (4 a)
120 (121). 2. παρὰ κυρίου τοῦ ποιήσαντος τὸν οὐ. (4 a)
122 (123). 1. πρὸς σὲ ἦρα τοὺς ὀφθαλμούς μου τὸν κατοικοῦντα ἐν τῷ οὐ. (4 a)
123 (124). 8. κυρίου τοῦ ποιήσαντος τὸν οὐ. (4 a)
133 (134). 3. κύριος ἐκ Σιὼν ὁ ποιήσας τὸν οὐ. (4 a)
134 (135). 6. πάντα . . . ἐποίησεν ἐν τῷ οὐ. καὶ ἐν τῇ γῇ (4 a)
135 (136). 5. τῷ ποιήσαντι τοὺς οὐ. ἐν συνέσει (4 a)
— 26. ἐξομολογεῖσθε τῷ θεῷ τοῦ οὐ. (4 a)
138 (139). 8. ἐὰν ἀναβῶ εἰς τὸν οὐ. (4 a)
143 (144). 5. κλῖνον οὐρανούς σου καὶ κατάβηθι (4 a)
145 (146). 6. τὸν ποιήσαντα τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν (4 a)
146 (147). 8. τῷ περιβάλλοντι τὸν οὐ. ἐν νεφέλαις (4 a)
148. 1. αἰνεῖτε τὸν κύριον ἐκ τῶν οὐ. (4 a)
— 4. αἰνεῖτε αὐτὸν οἱ οὐ. τῶν οὐ. καὶ τὸ ὕδωρ τὸ ὑπεράνω τῶν οὐ. (4 a ter)
— 13. ἡ ἐξομολόγησις αὐτοῦ ἐπὶ γῆς καὶ οὐρανοῦ (4 a)
Pr. 3. 19. ἡτοίμασε δὲ οὐρανοὺς φρονήσει (4 a)
8. 26. καὶ ἄκρα οἰκουμένα τῆς ὑπ' οὐρανῶν [A S² -όν, S¹ ὑπὸ τὸν οὐ.] (5 c)
— 27. ἡνίκα ἡτοίμαζε τὸν οὐ. συμπαρήμην αὐτῷ (4 a)
— 28. ὡς ἀσφαλεῖς ἐτίθει πηγὰς τῆς ὑπ' οὐρανόν (5 d)
24. 27 (30. 4). τίς ἀνέβη εἰς τὸν οὐ. καὶ κατέβη (4 a)
25. 3. οὐρανὸς ὑψηλὸς γῇ δὲ βαθεῖα (4 a)
Ec. 1. 13. περὶ πάντων τῶν γινομένων ὑπὸ τὸν οὐ. [S² ἥλιον] (4 a)
3. 1. καιρὸς τῷ παντὶ πράγματι [B¹ add. τῷ] ὑπὸ τὸν οὐρ. [S² ἥλιον] (4 a)
5. 1. ὁ θεὸς ἐν τῷ οὐ. ἄνω [A S om.] (4 a)
10. 20. πετεινὸν τοῦ οὐ. ἀποίσει τὴν φωνήν σου (4 a)
Wi. 9. 10. ἐξαπόστειλον αὐτὴν ἐξ ἁγίων οὐρανῶν
— 16. τὰ δὲ ἐν οὐρανοῖς τίς ἐξιχνίασε
13. 2. ἢ φωστῆρας οὐρανοῦ πρυτάνεις κόσμου θεοὺς ἐνόμισαν
16. 20. ἕτοιμον ἄρτον αὐτοῖς ἀπ' οὐρανοῦ ἔπεμψας [A S παρέσχες]
18. 15. ὁ παντοδύναμός σου λόγος ἀπ' οὐρανῶν . . . ἥλατο
— 16. οὐρανοῦ μὲν ἥπτετο
Si. 1. 3. ὕψος οὐρανοῦ . . . τίς ἐξιχνιάσει
16. 18. ἰδοὺ ὁ οὐ. καὶ ὁ οὐ. τοῦ οὐ. τοῦ θεοῦ [A S om. τ. θ.]
17. 32. δύναμιν ὕψους οὐρανοῦ αὐτὸς ἐπισκέπτεται
24. 5. γῦρον οὐρανοῦ ἐκύκλωσα μόνη
43. 1. εἶδος οὐρανοῦ [S¹ ἀνθρώπου] ἐν ὁράματι δόξης
— 8. ἐν στερεώματι οὐρανοῦ ἐκλάμπων
— 9. κάλλος οὐρανοῦ δόξα ἄστρων
— 12. ἐγύρωσεν οὐρανὸν ἐν κυκλώσει δόξης
45. 15. ἐν ἡμέραις οὐρανοῦ
46. 17. ἐβρόντησεν ἀπ' οὐρανοῦ κύριος
48. 3. ἐν λόγῳ κυρίου ἀνέσχεν οὐρανόν
— 20. ὁ ἅγιος ἐξ οὐρανοῦ ταχὺ ἐπήκουσεν αὐτῶν
Ho. 2. 12 (14). καταφάγεται . . . τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ –
— 18 (20). διαθήκην . . . μετὰ τῶν πετεινῶν τοῦ οὐ. (4 a)
— 21 (23). ἐπακούσομαι τῷ οὐ. (4 a)
— 21 (23). A ὁ οὐ. [B αὐτὸς] ἐπακούσεται τῇ γῇ †
4. 3. σὺν τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ. (4 a)
7. 12. καθὼς τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. κατάξω αὐτούς (4 a)
13. 4. ὁ στερεῶν τὸν [A om.] οὐ. –
— 4. αἱ χεῖρες ἔκτισαν πᾶσαν τὴν στρατιὰν τοῦ οὐ. –
Am. 9. 2. ἐὰν ἀναβῶσιν εἰς τὸν οὐ. (4 a)
— 6. ὁ οἰκοδομῶν εἰς τὸν οὐ. ἀνάβασιν αὐτοῦ (4 a)
Jl. 2. 10. σεισθήσεται ὁ οὐ. (4 a)
— 30 (3. 3). δώσω τέρατα ἐν τῷ οὐ. (4 a)
Jl. 3 (4). 16. σεισθήσεται ὁ οὐ. καὶ ἡ γῆ [S³ om. σ. . . . γῆ] (4 a)
Jn. 1. 9. τὸν κ. θεὸν τοῦ οὐ. ἐγὼ σέβομαι (4 a)
Na. 3. 16. A B ὑπὲρ [S² ὡς, S³ ὥσπερ] τὰ ἄστρα τοῦ οὐ. (4 a)
Hb. 3. 3. ἐκάλυψεν οὐρανοὺς ἡ ἀρετὴ αὐτοῦ (4 a)
Ze. 1. 3. ἐκλιπέτω τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. (4 a)
— 5. τοὺς προσκυνοῦντας . . . τῇ στρατιᾷ τοῦ οὐ. (4 a)
Hg. 1. 10. ἀνέξει ὁ οὐ. ἀπὸ δρόσου (4 a)
2. 7 (6). σείσω τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν (4 a)
— 22 (21). σείω τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν (4 a)
Za. 2. 6 (10). ἐκ τῶν τεσσάρων ἀνέμων τοῦ οὐ. συνάξω ὑμᾶς (4 a)
5. 9. ἀνὰ μέσον τῆς γῆς καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ οὐ. (4 a)
6. 5. ταῦτά ἐστιν οἱ τέσσαρες ἄνεμοι τοῦ οὐ. (4 a)
8. 12. καὶ ὁ [S¹ om.] οὐ. δώσει τὴν δρόσον αὐτοῦ (4 a)
12. 1. κύριος ἐκτείνων οὐρανόν (4 a)
Ma. 3. 10. ἐὰν μὴ ἀνοίξω ὑμῖν τοὺς καταρράκτας τοῦ οὐ. (4 a)
Is. 1. 2. ἄκουε, οὐρανέ (4 a)
5. 30. S ἐμβλέψονται εἰς τὸν οὐ. ἄνω καὶ [A B om. εἰς τ. οὐ. ἄ. κ.] εἰς τὴν γῆν –
8. 21. ἀναβλέψονται εἰς τὸν οὐ. ἄνω –
13. 5. ἀπ' ἄκρου θεμελίου [A¹ om.] τοῦ οὐ. (4 a)
— 10. οἱ γὰρ ἀστέρες τοῦ οὐ. καὶ ὁ Ὠρίων καὶ πᾶς ὁ κόσμος [S¹ οἶκος] τοῦ οὐ. τὸ φῶς οὐ δώσουσι (4 a, –)
— 13. ὁ γὰρ οὐ. θυμωθήσεται (4 a)
14. 12. πῶς ἐξέπεσεν ἐκ τοῦ οὐ. ὁ ἑωσφόρος (4 a)
— 13. εἰς τὸν οὐ. ἀναβήσομαι ἐπάνω τῶν ἀστέρων τοῦ οὐ. θήσω τὸν θρόνον μου (4 a, 1 a)
18. 6. καταλείψει ἅμα τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ. . . . καὶ συναχθήσεται ἐπ' αὐτοὺς τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. †, –
24. 18. θυρίδες ἐκ τοῦ οὐ. ἀνεῴχθησαν (2)
— 21. ἐπάξει ὁ θεὸς ἐπὶ τὸν κόσμον τοῦ οὐ. τὴν χεῖρα (2)
34. 4. B τακήσονται πᾶσαι αἱ δυνάμεις τῶν οὐ. (4 a)
— 4. καὶ ἐλιγήσεται ὁ οὐ. ὡς βιβλίον (4 a)
— 5. ἐμεθύσθη ἡ μάχαιρά μου ἐν τῷ οὐ. (4 a)
37. 16. σὺ ἐποίησας τὸν οὐ. (4 a)
38. 14. τοῦ βλέπειν εἰς τὸ ὕψος τοῦ οὐ. πρὸς τὸν κύριον –
40. 12. τίς ἐμέτρησε . . . τὸν οὐ. σπιθαμῇ (4 a)
— 22. ὁ στήσας ὡς καμάραν τὸν οὐ. (4 a)
42. 5. κ. ὁ θεὸς ὁ ποιήσας τὸν οὐ. (4 a)
44. 23. εὐφράνθητε οὐρανοί (4 a)
— 24. ἐξέτεινα τὸν οὐ. μόνος (4 a)
45. 8. εὐφρανθήτω ὁ οὐ. ἄνωθεν (4 a)
— 12. τῇ χειρί μου ἐστερέωσα τὸν οὐ. (4 a)
— 18. οὕτως λέγει κύριος ὁ ποιήσας τὸν οὐ. (4 a)
47. 13. σωσάτωσάν σε οἱ ἀστρολόγοι τοῦ οὐ. (4 a)
48. 13. ἡ δεξιά μου ἐστερέωσε τὸν οὐ. (4 a)
49. 13. εὐφραίνεσθε οὐρανοί (4 a)
50. 3. ἐνδύσω τὸν οὐ. σκότος (4 a)
51. 6. ἄρατε εἰς τὸν οὐ. τοὺς ὀφθ. ὑμῶν . . . ὅτι ὁ οὐ. ὡς καπνὸς ἐστερεώθη (4 a, 4 a)
— 13. ἐπελάθου [B ἀπ.] θεὸν . . . τὸν ποιήσαντα τὸν οὐ. (4 a)
— 16. ἐν ᾗ ἔστησα τὸν οὐ. (4 a)
55. 9. ὡς ἀπέχει ὁ οὐ. ἀπὸ τῆς γῆς (4 a)
— 10. ὡς γὰρ ἂν καταβῇ ὁ ὑετὸς ἢ χιὼν ἐκ [A ἀπὸ] τοῦ οὐ. (4 a)
63. 15. ἐπίστρεψον ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)
64. 1 (63. 19). ἐὰν ἀνοίξῃς τὸν οὐ. (4 a)
65. 17. ἔσται γὰρ ὁ οὐ. καινός (4 a)
66. 1. ὁ οὐ. μου [A S μοι] θρόνος (4 a)
— 22. ὃν τρόπον γὰρ ὁ οὐ. καινὸς . . . μένει ἐνώπιον ἐμοῦ (4 a)
Je. 2. 12. ἐξέστη ὁ οὐ. ἐπὶ τούτῳ (4 a)
4. 23. ἐπέβλεψα . . . εἰς τὸν οὐ. (4 a)
— 25. πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. ἐπτοεῖτο (4 a)
— 28. συσκοτασάτω ὁ οὐ. ἄνωθεν (4 a)
7. 18. τοῦ ποιῆσαι χαυῶνας τῇ στρατιᾷ τοῦ οὐ. (4 a)
— 33. εἰς βρῶσιν [A κατάβρωμα πᾶσιν] τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ. (4 a)
8. 2. ψύξουσιν αὐτὰ . . . πρὸς πᾶσαν τὴν στρατιὰν τοῦ οὐ. (4 a)
— 7. ἡ ἀσίδα ἐν τῷ οὐ. ἔγνω τὸν καιρὸν αὐτῆς (4 a)
9. 10 (9). οὐκ ἤκουσαν φωνὴν ὑπάρξεως ἀπὸ πετεινῶν τοῦ οὐ. (4 a)
10. 2. ἀπὸ τῶν σημείων [S¹ θηρίων] τοῦ οὐ. μὴ φοβεῖσθε (4 a)
Je. 10. 11. θεοὶ οἱ τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν οὐκ ἐποίησαν ἀπολέσθωσαν ἀπὸ τῆς γῆς καὶ ὑποκάτωθεν τοῦ οὐ. τούτου (4 b, 4 b)
— 12. τῇ φρονήσει αὐτοῦ ἐξέτεινε τὸν οὐ. (4 a)
— 13. πλῆθος ὕδατος ἐν οὐρανῷ (4 a)
14. 22. εἰ ὁ οὐ. δώσει πλησμονὴν αὐτοῦ (4 a)
15. 3. ἐκδικήσω ἐπ' αὐτοὺς . . . τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. εἰς βρῶσιν (4 a)
16. 4. καὶ τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ. (4 a)
19. 7. εἰς βρῶσιν τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ. (4 a)
— 13. ἐθυμίασαν ἐπὶ τῶν δωμάτων αὐτῶν πάσῃ τῇ στρατιᾷ τοῦ οὐ. (4 a)
23. 24. μὴ οὐχὶ τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν ἐγὼ πληρῶ (4 a)
25. 15 (49. 36). ἐκ τῶν τεσσάρων ἄκρων τοῦ οὐ. (4 a)
28 (51). 9. ἤγγικεν εἰς οὐρανὸν τὸ κρίμα αὐτῆς (4 a)
— 15. ἐν τῇ συνέσει αὐτοῦ ἐξέτεινε τὸν οὐ. (4 a)
— 16. ἔθετο ἦχος ὕδατος ἐν τῷ οὐ. (4 a)
— 53. ἐὰν ἀναβῇ Βαβυλὼν ὡς ὁ οὐ. (4 a)
38 (31). 37. ἐὰν ὑψωθῇ ὁ οὐ. εἰς τὸ μετέωρον (4 a)
39 (32). 17. ἐποίησας τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν (4 a)
41 (34). 20. βρῶσις [A βρώματα] τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ. (4 a)
51 (44). 17. θυμιᾶν τῇ βασιλίσσῃ τοῦ οὐ. (4 a)
— 18. διελίπομεν θυμιῶντες τῇ βασιλίσσῃ τοῦ οὐ. (4 a)
— 19. θυμιῶμεν τῇ βασιλίσσῃ τοῦ οὐ. (4 a)
— 25. θυμιᾶν τῇ βασιλίσσῃ τοῦ οὐ. [S τῇ Βάαλ] (4 a)
Ba. 1. 11. ὡς αἱ ἡμέραι τοῦ οὐ.
2. 2. ὑποκάτω παντὸς τοῦ οὐ.
3. 17. οἱ ἐν τοῖς ὀρνέοις τοῦ οὐ. ἐμπαίζοντες
— 29. τίς ἀνέβη εἰς τὸν οὐ.
5. 3. ὁ γὰρ θεὸς δείξει τῇ ὑπ' οὐρανὸν πάσῃ τὴν σὴν λαμπρότητα
La. 2. 1. κατέρριψεν ἐξ οὐρανοῦ εἰς γῆν δόξασμα Ἰσραήλ (4 a)
3. 41. ἀναλάβωμεν καρδίας ἡμῶν ἐπὶ χειρῶν πρὸς ὑψηλὸν ἐν οὐρανῷ (4 a)
— 50. ἴδῃ κύριος ἐξ οὐρανοῦ (4 a)
— 66. ἐξαναλώσεις αὐτοὺς ὑποκάτω τοῦ οὐ. (4 a)
4. 19. κοῦφοι ἐγένοντο οἱ διώκοντες ἡμᾶς ὑπὲρ ἀετοὺς οὐρανοῦ (4 a)
Ep. Je. 54. ἀνὰ μέσον τοῦ οὐ. καὶ τῆς γῆς
— 67. σημεῖά τε ἐν ἔθνεσιν ἐν οὐρανῷ [A σ. ἐν οὐ. καὶ ἐν ἔ.] οὐ μὴ δείξωσιν
Ez. 1. 1. ἠνοίχθησαν οἱ οὐ. (4 a)
8. 3. ἀνὰ μέσον τῆς γῆς καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ οὐ. (4 a)
29. 5. τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ. δέδωκά σε (4 a)
31. 6. ἐνόσσευσαν πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. (4 a)
— 13. ἀνεπαύσαντο πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. (4 a)
32. 4. A R ἐπικαθιῶ ἐπὶ σὲ πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. [B om. τ. οὐ.] (4 a)
— 7. A κατακαλύψω ἐν τῷ σβεσθῆναί σε οὐρανὸν καὶ συσκοτάσω τοὺς ἀστέρας τοῦ οὐ. [B al.] (4 a, †)
— 8. πάντα τὰ φαίνοντα φῶς ἐν τῷ οὐ. συσκοτάσουσιν ἐπὶ σέ (4 a)
34. 5. A εἰς κατάβρωμα . . . τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ. [B om. τ. π. τ. οὐ.] –
37. 9. A ἐλθὲ ἐκ τῶν τεσσάρων ἀνέμων τοῦ οὐ. [B al.] –
38. 20. σεισθήσονται . . . τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. (4 a)
Da. LXX. Su. 9. τοῦ μὴ βλέπειν εἰς τὸν οὐ.
2. 28. ἔστι θεὸς ἐν οὐρανῷ ἀνακαλύπτων μυστήρια (4 b)
— 37. σοὶ ὁ κύριος τοῦ οὐ. τὴν ἀρχὴν . . . ἔδωκεν (4 b)
— 38. ἀπὸ ἀνθρώπων . . . καὶ πετεινῶν οὐρανοῦ (4 b)
— 44. στήσει ὁ θεὸς τοῦ οὐ. βασιλείαν ἄλλην (4 b)
3. 17. ἔστι γὰρ θεὸς ἐν οὐρανοῖς –
— (36). ὡς τὰ ἄστρα τοῦ οὐ. τῷ πλήθει
— (56). εὐλογητὸς εἶ ἐν τῷ στερεώματι τοῦ οὐ.
— (59). εὐλογεῖτε, οὐρανοί, τὸν κύριον
— (60). εὐλογεῖτε . . . πάντα τὰ ἐπάνω τοῦ οὐ.
— (63). εὐλογεῖτε, ἄστρα τοῦ οὐ., τὸν κύριον
— (80). εὐλογεῖτε, πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ., τὸν κύριον
4. 9. ἐν αὐτῷ τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. ἐνόσσευον (4 b)
— 9. ἡ κορυφὴ αὐ. ἤγγισεν ἕως τοῦ οὐ. –
— 9. πληροῦν τὰ ὑποκάτω τοῦ οὐ. –
— 10. ἄγγελος ἀπεστάλη ἐν ἰσχύϊ ἐκ τοῦ οὐ. (4 b)
— 13. ἀπὸ τῆς δρόσου τοῦ οὐ. –
— 14. ἕως ἂν γνῷ τὸν κύριον τοῦ οὐ. ἐξουσίαν ἔχειν πάντων τῶν ἐν τῷ οὐ. –, –
— 18. πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. τὰ νοσσεύοντα ἐν αὐτῷ (4 b)
— 19. τὸ δὲ . . . ἐγγίσαι τῷ οὐ. (4 b)

Da. LXX. 4. 23. κύριος ζῇ ἐν οὐρανῷ (4 b)
— 28. φωνὴν ἐκ τοῦ οὐ. ἤκουσε (4 b)
— 29. ἐξουσίαν ἔχει ὁ θεὸς τοῦ οὐ. †
— 31. κατὰ πρόσωπον κ. τοῦ θεοῦ τοῦ οὐ. –
— 32. ἐπληρώθησαν ἐναντίον τοῦ θεοῦ τοῦ οὐ. –
— 32. ἄγγελος εἷς ἐκάλεσέ με ἐκ τοῦ οὐ. –
— 32. δούλευσον τῷ θεῷ τοῦ οὐ. τῷ ἁγίῳ –
— 34. τῷ κτίσαντι τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν (4 b)
— 34. καθὼς ἐποίησεν ἐν ἐμοὶ ὁ θεὸς τοῦ οὐ. –
— 34. ὅσοι ἐλάλησαν εἰς τὸν θεὸν τοῦ οὐ. –
— 34. κυρίῳ τῷ θεῷ τοῦ οὐ. αἰνεῖτε –
7. 2. τέσσαρες ἄνεμοι τοῦ οὐ. (4 b)
— 13. ἐπὶ τῶν νεφελῶν τοῦ οὐ. (4 b)
— 27. τὴν ἀρχὴν πασῶν τῶν ὑπὸ τὸν οὐ. [cod.[2] τῶν οὐ.] βασιλειῶν (4 b)
8. 8. εἰς τοὺς τέσσαρας ἀνέμους τοῦ οὐ. (4 a)
— 10. ὑψώθη ἕως τῶν ἀστέρων τοῦ οὐ. (4 a)
9. 12. οἷα οὐκ ἐγενήθη ὑπὸ τὸν οὐ. (4 a)
11. 4. εἰς τοὺς τέσσαρας ἀνέμους τοῦ οὐ. (4 a)
12. 3. ὡς φωστῆρες τοῦ οὐ. (6)
— 3. ὡσεὶ τὰ ἄστρα τοῦ οὐ. –
— 7. ὕψωσε τὴν δεξιὰν . . . εἰς τὸν οὐ. (4 a)
Bel 4. κ. τὸν θεὸν τὸν κτίσαντα τὸν οὐ.
Da. TH. Su. 9. τοῦ μὴ βλέπειν εἰς τὸν οὐ.
— 35. ἀνέβλεψεν εἰς τὸν οὐ.
2. 18. οἰκτιρμοὺς ἐζήτουν παρὰ τοῦ θεοῦ τοῦ οὐ. (4 b)
— 19. εὐλόγησε τὸν θεὸν τοῦ οὐ. –
— 28. ἔστι θεὸς ἐν οὐρανῷ (4 b)
— 37. ᾧ ὁ θεὸς τοῦ οὐ. βασιλείαν . . . ἔδωκεν (4 b)
— 38. θηρία τε ἀγροῦ καὶ πετεινὰ [A add. τοῦ] οὐρανοῦ (4 b)
— 44. ἀναστήσει ὁ θεὸς τοῦ οὐ. βασιλείαν (4 b)
3. 17. ἔστι γὰρ θεὸς ἡμῶν ἐν οὐρανοῖς [B[1] om. ἡ. ἐν οὐ.] –
— (36). ὡς τὰ ἄστρα τοῦ οὐ.
— (56). εὐλογητὸς εἶ ἐν τῷ στερεώματι τοῦ οὐ.
— (59). εὐλογεῖτε, οὐρανοί, τὸν κύριον
— (60). εὐλογεῖτε . . . πάντα τὰ ἐπάνω τοῦ οὐ.
— (63). εὐλογεῖτε, ἄστρα τοῦ οὐ., τὸν κύριον
— (80). εὐλογεῖτε, πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ., τὸν κ.
4. 8. τὸ ὕψος αὐ. ἔφθασεν ἕως τοῦ οὐ. (4 b)
— 9. κατῴκουν τὰ ὄρνεα τοῦ οὐ. (4 b)
— 10. ἄγιος ἀπ' οὐρανοῦ κατέβη (4 b)
— 12. ἐν τῇ δρόσῳ τοῦ οὐ. κοιτασθήσεται (4 b)
— 17. οὗ τὸ ὕψος ἔφθανεν εἰς τὸν οὐ. (4 b)
— 18. κατεσκήνουν [A -ώκουν] τὰ ὄρνεα τοῦ οὐ. (4 b)
— 19. ἔφθασεν εἰς τὸν οὐ. (4 b)
— 20. ἄγιον καταβαίνοντα ἀπὸ [A ἐκ] τοῦ οὐ. (4 b)
— 20. ἐν τῇ δρόσῳ τοῦ οὐ. αὐλισθήσεται (4 b)
— 22. ἀπὸ τῆς δρόσου τοῦ οὐ. αὐλισθήσῃ (4 b)
— 28. φωνὴ ἀπ' [A ἐκ τοῦ] οὐρανοῦ ἐγένετο (4 b)
— 30. ἀπὸ τῆς δρόσου τοῦ οὐ. τὸ σῶμα αὐ. ἐβάφη (4 b)
— 31. τοὺς ὀφθαλμούς μου εἰς τὸν οὐ. ἀνέλαβον (4 b)
— 32. ποιεῖ ἐν τῇ δυνάμει τοῦ οὐ. (4 b)
— 34. δοξάζω τὸν βασιλέα τοῦ οὐ. (4 b)
5. 21. ἀπὸ τῆς δρόσου τοῦ οὐ. τὸ σῶμα αὐ. ἐβάφη (4 b)
— 23. ἐπὶ τὸν κ. θεὸν τοῦ οὐ. ὑψώθης (4 b)
6. 27 (28). ποιεῖ σημεῖα . . . ἐν οὐρανῷ (4 b)
7. 2. οἱ τέσσαρες ἄνεμοι τοῦ οὐ. (4 b)
— 13. μετὰ τῶν νεφελῶν τοῦ οὐ. (4 b)
— 27. τῶν βασιλέων τῶν ὑποκάτω παντὸς τοῦ οὐ. (4 b)
8. 8. εἰς τοὺς τέσσαρας ἀνέμους τοῦ οὐ. (4 a)
— 10. ἕως τῆς δυνάμεως τοῦ οὐ. (4 a)
— 10. ἀπὸ τῆς δυνάμεως τοῦ οὐ. –
9. 3. A πρὸς κύριον τὸν θ. τοῦ οὐ. [B om. τ. οὐ.] –
— 4. A προσευξάμην πρὸς κύριον τοῦ οὐ. [B al.] –
— 12. οἷα οὐ γέγονεν ὑποκάτω παντὸς τοῦ οὐ. (4 a)
11. 4. εἰς τοὺς τέσσαρας ἀνέμους τοῦ οὐ. (4 a)
12. 7. ὕψωσε τὴν δεξιὰν αὐ. . . . εἰς τὸν οὐ. (4 a)
Bel 5. τὸν κτίσαντα τὸν οὐ.
I Ma. 2. 37. μαρτυρεῖ ἐφ' ἡμᾶς ὁ οὐ.
— 58. R ἀνελήφθη ἕως [A ὡς, S om.] εἰς τὸν οὐ.
3. 18. SR οὐκ ἔστι διαφορὰ ἐναντίον τοῦ θ. [A om. τ. θ.] τοῦ οὐ.
— 19. ἐκ τοῦ οὐ. ἡ ἰσχύς
— 50. ἐβόησαν φωνῇ εἰς τὸν οὐ.
— 60. ὡς δ' ἂν ᾖ θέλημα ἐν οὐρανῷ
4. 10. βοήσωμεν εἰς οὐρανόν
— 24. R εὐλόγουν εἰς οὐρανὸν τὸν κ. [AS om. τ. κ.]
— 40. ἐβόησαν εἰς οὐρανόν
— 55. εὐλόγησαν εἰς οὐρανὸν τὸν εὐοδώσαντα αὐτοῖς
5. 31. A[1]R ἀνέβη εἰς τὸν οὐ. [A[2] ἕως τοῦ οὐ., S ἕως οὐρανοῦ]
I Ma. 9. 46. AR κεκράξατε εἰς [S add. τὸν] οὐρανόν
12. 15. SR ἔχομεν γὰρ τὴν ἐξ οὐρανοῦ [A -ῶν] βοήθειαν
16. 3. ἡ δὲ ἐκ τοῦ οὐ. βοήθεια ἔστω μεθ' ὑμῶν
II Ma. 2. 10. κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐ.
— 18. ἐπισυνάξει ἐκ τῆς ὑπὸ τὸν οὐ.
— 21. τὰς ἐξ οὐρανοῦ γενομ. ἐπιφανείας
8. 15. ἐπεκαλοῦντο εἰς οὐρανὸν τὸν . . . νομοθετήσαντα
— 20. προτείνουσαι τὰς χεῖρας εἰς τὸν οὐ.
— 34. A σὺ δὲ ἐξ οὐρανοῦ μεμαστιγωμένος [R al.]
7. 11. A ἐξ οὐρανοῦ ταῦτα κέκληται [R κέκτηται]
— 28. ἀναβλέψαντα εἰς τὸν οὐ.
8. 20. διὰ τὴν γενομ. αὐτοῖς ἀπ' οὐρανοῦ βοήθειαν
9. 4. τῆς ἐξ οὐρανοῦ δὴ κρίσεως συνούσης αὐτῷ
— 20. εἰς οὐρανὸν τὴν ἐλπίδα ἔχων
10. 29. ἐφάνησαν τοῖς ὑπεναντίοις ἐξ οὐρανοῦ
11. 10. τὸν ἀπ' οὐρανοῦ σύμμαχον ἔχοντες
14. 34. προτείναντες τὰς χεῖρας εἰς τὸν οὐ.
15. 3. εἰ ἔστιν ἐν οὐρανῷ ὁ δυνάμενος
— 4. ἔστιν ὁ κ. ζῶν αὐτὸς ἐν οὐρανῷ
— 8. τὰ προγεγονότα αὐτοῖς ἀπ' οὐρανοῦ βοηθήματα
— 21. προτείνας τὰς χεῖρας εἰς τὸν οὐ.
— 23. δυνάστα τῶν οὐ.
— 34. οἱ δὲ πάντες εἰς τὸν οὐ. εὐλόγησαν
III Ma. 2. 2. κύριε κύριε βασιλεῦ τῶν οὐ.
— 15. οὐρανὸς τοῦ οὐ. ἀνέφικτος ἀνθρώποις ἐστίν
4. 21. τῆς τοῦ βοηθοῦντος τοῖς Ἰ. ἐξ οὐρανοῦ προνοίας ἀνικήτου
5. 9. A ἀνέβαινεν εἰς τὸν [R om.] οὐ.
— 25. τείνοντες τὰς χεῖρας εἰς τὸν οὐ.
— 50. τὰς ἔμπροσθεν αὐτῶν γεγενημ. ἀντιλήψεις ἐξ οὐρανοῦ
6. 17. μέγα εἰς οὐρανὸν ἀνέκραξαν
— 33. εἰς οὐρανὸν ἀνθωμολογεῖτο
IV Ma. 4. 11. τὰς χεῖρας ἐξέτεινεν εἰς τὸν οὐ.
6. 6. A R ὑψηλοὺς ἀνατείνας εἰς τὸν [S om.] οὐ. τοὺς ὀφθ.
17. 5. σελήνη κατ' οὐρανὸν . . . σεμνὴ καθέστηκεν
— 5. A R ἐστήρισαι ἐν οὐρανῷ [S -οῖς]

[Aq. Ge. 1. 1, 8, 20, 26, 28 : 2. 1 : Dt. 4. 19 : III Ki. 14. 11 : Jb. 11. 8 : 37. 18 : Ps. 17 (18). 10 : 32 (33). 6 : 67 (68). 34 *bis* : 72 (73). 25 : Pr. 23. 5 : Is. 13. 13 : 34. 4 : 40. 12, 22 : 48. 13 : 64. 1 (63. 19) : 65. 17 : Je. 7. 18 : 31 (38). 37 : 51 (28). 9, 53 : Hb. 3. 3.]

[Sm. Ge. 1. 8, 20, 28, 30 : 2. 1 : Dt. 4. 19 : 7. 24 : IV Ki. 23. 4 : Jb. 14. 12 : 15. 15 : 38. 37 : Ps. 17 (18). 10 : 32 (33). 13 : 67 (68). 9, 34 *bis* : 72 (73). 9, 25 : 77 (78). 26 : 88 (89). 3, 30 : Pr. 23. 5 : Is. 13. 13 : 34. 4 : 40. 12, 22 : 48. 13 : 64. 1 (63. 19) : 65. 17 : Je. 7. 18 : 44 (51). 18 : 51 (28). 9, 53.]

[Th. Ge. 1. 8, 20, 28, 30 : Dt. 4. 19 : 7. 24 : IV Ki. 23. 4 : Jb. 2. 12 : 14. 12 : 22. 14 : 38. 37 : Ps. 17 (18). 17 : Pr. 23. 5 : Is. 13. 13 : 34. 4 : 40. 12, 22 : 48. 13 : 64. 1 (63. 19) : 65. 17 : Je. 7. 18 : 33 (40). 22, 25 : 51 (28). 9, 53 : Da. 3. (36), (56) : Hb. 3. 3.]

[Al. Ge. 28. 12 : Ps. 143 (144). 5 : Pr. 30. 19 : Hb. 3. 3.]

[Sext. Ps. 8. 4.]

οὐρεῖν. (1) שָׁתַן hi.

I Ki. 25. 22. εἰ ὑπολείψομαι . . . οὐροῦντα πρὸς τοῖχον (1)
— 34. εἰ ὑπολειφθήσεται . . . οὐρῶν πρὸς τοῖχον (1)
III Ki. 12. 24 (*cf.* A 14. 10). B ἐξολεθρεύσω τοῦ Ἱερ. οὐροῦντα πρὸς τοῖχον –
14. 10. A ἐξολεθρεύσω τοῦ Ἱερ. οὐροῦντα πρὸς τοῖχον (1)
16. 12 (11). A οὐχ ὑπέλειπεν αὐτῷ οὐροῦντα πρὸς τοῖχον (1)
20 (21). 21. ἐξολεθρεύσω τοῦ Ἀχ. οὐροῦντα πρὸς τοῖχον (1)
IV Ki. 9. 8. ἐξολεθρεύσεις . . . οὐροῦντα πρὸς τοῖχον (1)

[Aq. III Ki 14. 10.]

οὔριος.
Is. 59. 5. ὁ μέλλων τῶν ᾠῶν αὐτῶν φαγεῖν συντρίψας οὔριον εὗρε –

οὖρον. (1) מִימֵי רַגְלַיִם (2) שֵׁן

IV Ki. 18. 27. καὶ πιεῖν τὸ οὖ. αὐτῶν (2*, 1)
Is. 36. 12. ἵνα . . . πίωσιν οὖρον μεθ' ὑμῶν ἅμα (2*, 1)

οὖς. (1) *a.* אֹזֶן *b.* אָזְנַיִם pi. (2) εἰς τὰ ὦ. נֶגֶד (3) ἐν τοῖς ὦ. אֶל

Ge. 20. 8. ἐλάλησε πάντα τὰ ῥήματα ταῦτα εἰς τὰ ὦ. αὐ. (1 a)
23. 13. εἶπε τῷ Ἐ. εἰς τὰ ὦ. (1 a)
— 16. ὃ ἐλάλησεν εἰς τὰ ὦ. τῶν υἱῶν Χέτ (1 a)
35. 4. καὶ τὰ ἐνώτια τὰ ἐν τοῖς ὦ. αὐ. (1 a)
50. 4. λαλήσατε περὶ ἐμοῦ εἰς τὰ ὦ. Φ. (1 a)
Ex. 10. 2. ὅπως διηγήσησθε εἰς τὰ ὦ. τῶν τέκνων ὑ. (1 a)
11. 2. λάλησον οὖν κρυφῇ εἰς τὰ ὦ. τοῦ λαοῦ (1 a)
17. 14. δὸς εἰς τὰ ὦ. Ἰησοῦ (1 a)
21. 6. τρυπήσει . . . τὸ οὖς τῷ ὀπητίῳ (1 a)
24. 7. ἀνέγνω εἰς τὰ ὦ. τοῦ λαοῦ (1 a)
29. 20. ἐπὶ τὸν λοβὸν τοῦ ὦ. Ἀ. (1 a)
— 20. ἐπὶ τοὺς λοβοὺς τῶν ὦ. τῶν υἱῶν αὐ. (1 a)
32. 2. τὰ ἐνώτια τὰ χρυσᾶ τὰ ἐν τοῖς ὦ. τῶν γυναικῶν ὑ. (1 a)
— 3. τὰ ἐνώτια τὰ χρυσᾶ τὰ ἐν τοῖς ὦ. αὐ. (1 a)
Le. 8. 22 (23). ἐπὶ τὸν λοβὸν τοῦ ὦ. Ἀ. (1 a)
— 23 (24). ἐπὶ τοὺς λοβοὺς τῶν ὦ. τῶν δεξιῶν (1 a)
14. 14, 17, 25, 28. ἐπὶ τὸν λοβὸν τοῦ ὦ. (1 a)
Nu. 14. 28. ὃν τρόπον λελαλήκατε εἰς τὰ ὦτά μου [A om. εἰς τ. ὦ. μ.] (1 a)
De. 5. 1. ὅσα ἐγὼ λαλῶ ἐν τοῖς ὦ. ὑμῶν (1 a)
15. 17. A τρυπήσεις τὸ οὖς [B ὠτίον] αὐτοῦ (1 a)
29. 4 (3). οὐκ ἔδωκε . . . ὦτα [A τὰ ὦ.] ἀκούειν (1 a)
31. 11. ἀναγνώσεσθε . . . εἰς τὰ ὦ. αὐτῶν (1 a)
— 28. ἵνα λαλήσω εἰς τὰ ὦ. αὐτῶν (1 a)
— 30. ἐλάλησε Μ. εἰς τὰ ὦ. πάσης ἐκκλησίας (1 a)
32. 44. ἐλάλησε . . . εἰς τὰ ὦ. τοῦ λαοῦ (1 a)
Jo. 9. 2 (8. 35). ὃ οὐκ ἀνέγνω Ἰ. εἰς τὰ ὦ. πάσης ἐκκλησίας (2)
20. 4. A λαλήσει ἐν τοῖς ὦ. τῶν πρεσβυτ. (1 a)
Jd. 7. 3. λάλησον δὴ ἐν ὠσὶ [A εἰς τὰ ὦ.] τοῦ λαοῦ (1 a)
9. 2. λαλήσατε δὴ ἐν τοῖς [A om.] ὦ. πάντων (1 a)
— 3. ἐλάλησαν . . . ἐν τοῖς ὦ. πάντων (1 a)
17. 2. προσεῖπας ἐν ὠσί [A τοῖς ὦ.] μου (1 a)
Ru. 4. 4. ἀποκαλύψω τὸ οὖς σου (1 a)
I Ki. 3. 11. ἠχήσει ἀμφότερα τὰ ὦ. αὐ. (1 a)
— 17. τῶν λαληθέντων σοι ἐν τοῖς ὦ. σου (3)
8. 21. ἐλάλησεν αὐτοὺς εἰς τὰ ὦ. κυρίου (1 a)
11. 4. λαλοῦσι τοὺς λόγους εἰς τὰ ὦ. τοῦ λαοῦ (1 a)
15. 14. τίς ἡ φωνὴ . . . ἐν τοῖς ὦ. μου (1 a)
18. 23. ἐλάλησαν . . . εἰς τὰ ὦ. Δαυίδ (1 a)
25. 24. λαλησάτω δὴ ἡ δούλη σου εἰς τὰ ὦ. σου (1 a)
II Ki. 3. 19. ἐλάλησεν Ἀβ. [A add. καί γε] ἐν τοῖς ὦ. Β. (1 a)
— 19. τοῦ λαλῆσαι εἰς τὰ ὦ. τοῦ Δ. (1 a)
7. 22. οἷς ἠκούσαμεν ἐν τοῖς ὦ. ἡμῶν (1 a)
18. 12. ἐν τοῖς ὦ. ἡμῶν ἐνετείλατο ὁ βασ. (1 a)
22. 7. ἡ κραυγή μου ἐν τοῖς ὦ. αὐτοῦ (1 a)
III Ki. 8. 52. ἔστωσαν . . . τὰ ὦ. σου ἠνεῳγμένα –
12. 24. B ἐλάλησεν εἰς τὰ ὦ. Σ. –
— 24. B[3]R ἐλάλησε Ῥ. εἰς τὰ ὦ. [B[1] om.] αὐ. –
IV Ki. 18. 26. ἐν τοῖς ὦ. τοῦ λαοῦ (1 a)
19. 16. κλῦνον, κύριε, τὸ οὖς σου (1 a)
— 28. τὸ στρῆνός σου ἀνέβη ἐν τοῖς ὦ. μου (1 a)
21. 12. ἠχήσει ἀμφότερα τὰ ὦ. αὐτοῦ (1 a)
23. 2. A R ἀνέγνω ἐν τοῖς ὦ. [B ἐνώπιον] αὐ. (1 a)
I Ch. 17. 20. ὅσα ἠκούσαμεν ἐν ὠσὶν ἡμῶν (1 a)
— 25. ἠνοιξας τὸ οὖς τοῦ παιδός [A[1] om. τ. π.] σου (1 a)
28. 8. A R ἐν ὠσὶ θεοῦ ἡμῶν φυλάσσεσθε (1 a)
II Ch. 6. 40. ἔστωσαν δὴ . . . τὰ ὦ. σου ἐπήκοα (1 a)
7. 15. καὶ τὰ ὦ. μου ἐπήκοα (1 a)
34. 30. ἀνέγνω ἐν ὠσὶν αὐτῶν (1 a)
Ne. 1. 6. ἔστω δὴ τὸ οὖς σου προσέχον (1 a)
— 11. ἔστω τὸ οὖς σου προσέχον (1 a)
8. 3. καὶ [S add. τὰ] ὦτα παντὸς τοῦ λαοῦ εἰς τὸ βιβλίον τοῦ νόμου (1 a)
13. 1. ἀνεγνώσθη . . . ἐν ὠσὶ τοῦ λαοῦ (1 a)
Jb. 4. 12. πότερον οὐ δέξεταί μου τὸ οὖς ἐξαίσια παρ' αὐτοῦ [A al.] (1 a)
12. 11. R οὖς [A B S νοῦς] μὲν γὰρ ῥήματα διακρίνει (1 a)
13. 1. ἰδοὺ ταῦτα . . . ἀκήκοέ μου τὸ οὖς (1 a)
15. 21. ὁ δὲ φόβος αὐτοῦ ἐν ὠσὶν αὐτοῦ (1 a)
29. 11. οὖς ἤκουσε καὶ ἐμακάριπέ με (1 a)
31. 30. ἀκούσαι ἄρα τὸ οὖς μου τὴν κατάραν μου –
33. 8. πλὴν εἶπας ἐν ὠσί μου (1 a)
34. 3. οὖς [A νοῦς] λόγους δοκιμάζει (1 a)
39. 14. AS ἀφήσει εἰς γῆν τὰ ὦτα [B ᾠὰ] αὐτῆς †

Jb. 42. 5. ἀκοὴν μὲν ὠτὸς [A ἕως μὲν ὠτὸς ἀκοῆς] ἤκουόν σου τὸ πρότερον (1 a)
Ps. 9. 38 (10. 17). τὴν ἑτοιμασίαν τῆς καρδίας αὐτῶν προσέσχε τὸ οὖς σου [A αὐτοῦ] (1 a)
16 (17). 6. κλῖνον τὸ οὖς σου ἐμοί (1 a)
17 (18). 6. ἡ κραυγή μου . . . εἰσελεύσεται εἰς τὰ ὦτα αὐτοῦ (1 a)
30 (31). 2. κλῖνον πρὸς μὲ τὸ οὖς σου (1 a)
33 (34). 15. καὶ ὦτα αὐτοῦ εἰς δέησιν αὐτῶν (1 a)
43 (44). 1. ἐν τοῖς ὠσὶν ἡμῶν ἠκούσαμεν (1 a)
44 (45). 10. κλῖνον τὸ οὖς σου (1 a)
48 (49). 4. κλινῶ εἰς παραβολὴν τὸ οὖς μου (1 a)
57 (58). 4. ὡσεὶ ἀσπίδος κωφῆς καὶ βυούσης τὰ ὦτα αὐτῆς (1 a)
70 (71). 2. κλῖνον πρὸς μὲ τὸ οὖς σου (1 a)
77 (78). 1. κλίνατε τὸ οὖς ὑμῶν εἰς τὰ ῥήματα τοῦ στόματός μου (1 a)
85 (86). 1. κλῖνον, κύριε, τὸ οὖς σου (1 a)
87 (88). 2. κλῖνον τὸ οὖς σου εἰς τὴν δέησίν μου (1 a)
91 (92). 11. A S²R ἀκούσεται [B S¹ εἰσακ.] τὸ οὖς μου (1 a)
93 (94). 9. ὁ φυτεύσας τὸ οὖς οὐχὶ ἀκούει (1 a)
101 (102). 2. κλῖνον πρὸς μὲ τὸ οὖς σου (1 a)
113. 14 (115. 6). ὦτα ἔχουσι καὶ οὐκ ἀκούσονται (1 a)
114 (116). 2. ἔκλινε τὸ οὖς αὐτοῦ ἐμοί (1 a)
129 (130). 2. γενηθήτω τὰ ὦτά σου προσέχοντα (1 a)
134 (135). 17. SR ὦτα ἔχουσι καὶ οὐκ ἐνωτισθήσονται [A ἀκούσονται] (1 a)
Pr. 2. 2. ὑπακούσεται σοφίας τὸ οὖς σου (1 a)
4. 20. τοῖς δὲ ἐμοῖς λόγοις παράβαλλε σὸν οὖς (1 a)
5. 1. ἐμοῖς δὲ λόγοις παράβαλλε σὸν οὖς (1 a)
— 13. οὐδὲ παρέβαλλον τὸ οὖς μου (1 a)
18. 15. ὦτα δὲ σοφῶν ζητεῖ ἔννοιαν (1 a)
20. 12. οὖς ἀκούει καὶ ὀφθαλμὸς ὁρᾷ (1 a)
21. 13. ὃς φράσσει τὰ ὦτα αὐτοῦ (1 a)
22. 17. λόγοις σοφῶν παράβαλλε σὸν οὖς (1 a)
23. 9. εἰς ὦτα ἄφρονος μηδὲν λέγε (1 a)
— 12. τὰ δὲ ὦτά σου ἑτοίμασον λόγοις αἰσθήσεως (1 a)
25. 12. λογὸς σοφὸς εἰς εὐήκοον οὖς (1 a)
28. 9. ὁ ἐκκλίνων τὸ οὖς αὐτοῦ μὴ εἰσακοῦσαι νόμου (1 a)
Ec. 1. 8. οὐ πληρωθήσεται [S οὐκ ἐμπλησθήσεται] οὖς ἀπὸ ἀκροάσεως (1 a)
12. 9. οὖς ἐξιχνιάσεται κόσμιον παραβολῶν [S² al.] (1'b)
Wi. 1. 10. οὖς [S¹ οὐ] ζηλώσεως ἀκροᾶται τὰ πάντα
15. 15. οὔτε ὦτα ἀκούειν
Si. 3. 29. οὖς ἀκροατοῦ ἐπιθυμία σοφοῦ
4. 8. κλῖνον πτωχῷ τὸ οὖς σου
6. 33. ἐὰν κλίνῃς [S ἐκκλ.] τὸ οὖς σου
16. 5. ἰσχυρότερα τούτων ἀκήκοε τὸ οὖς μου [A σου]
17. 6. ὦτα καὶ καρδίαν ἔδωκε
— 13. δόξαν φωνῆς αὐ. ἤκουσε τὸ οὖς αὐ.
21. 15. A ἀπέστρεψεν αὐτὸν ὀπίσω τῶν ὤτων [B S τοῦ νώτου] αὐτοῦ
25. 9. ὁ διηγούμενος εἰς ὦτα ἀκουόντων
38. 28. φωνὴ σφύρης καινιεῖ τὸ οὖς αὐτοῦ
51. 16. ἔκλινα ὀλίγον τὸ οὖς μου
Mi. 7. 16. τὰ ὦτα αὐτῶν ἀποκωφωθήσονται (1 a)
Za. 7. 11. τὰ ὦ. αὐτῶν ἐβάρυναν (1 a)
Is. 5. 9. ἠκούσθη γὰρ εἰς τὰ ὦ. κυρίου σαβαὼθ ταῦτα (1 a)
6. 10. τοῖς ὦ. αὐ. βαρέως ἤκουσαν . . . μή ποτε . . . τοῖς ὠ. ἀκούσωσι (1 a, 1 a)
22. 14. ἀνακεκαλυμμένα ταῦτά ἐστιν ἐν τοῖς [S¹ om. ἐν τ.] ὦ. κυρίου σαβαώθ (1 a)
30. 21. τὰ ὦ. σου ἀκούσονται τοὺς λόγους τῶν ὀπίσω σε πλανησάντων (1 a)
32. 3. τὰ ὦ. ἀκούειν δώσουσι (1 a)
33. 15. βαρύνων τὰ ὦ. (1 a)
35. 5. ὦτα κωφῶν ἀκούσονται (1 a)
36. 11. ἵνα τί λαλεῖς εἰς τὰ ὦ. τῶν ἀνθρώπων [A ἀνδρῶν τῶν καθημένων] ἐπὶ τῷ τείχει (1 a)
37. 17. B κλῖνον, κύριε, τὸ οὖς σου (1 a)
42. 20. ἠνοιγμένα τὰ ὦ. (1 a)
43. 8. κωφοὶ τὰ [A om.] ὦ. ἔχοντες (1 a)
48. 8. οὔτε ἀπ' ἀρχῆς ἤνοιξά σου τὰ ὦ. (1 a)
49. 20. ἐροῦσι γὰρ εἰς τὰ ὦ. σου οἱ υἱοί σου (1 a)
50. 5. ἀνοίγει μου τὰ ὦ. (1 a)
55. 3. προσέχετε τοῖς ὠ. [A ὠτίοις] ὑμῶν (1 a)
59. 1. ἢ ἐβάρυνε τὸ οὖς αὐτοῦ [S om.] (1 a)
Je. 5. 21. ὦτα αὐτοῖς καὶ οὐκ ἀκούουσι (1 a)
6. 10. ἀπερίτμητα τὰ ὦ. αὐτῶν [A S ὑμῶν] (1 a)
Je. 7. 24, 26. οὐ προσέσχε τὸ οὖς αὐτῶν (1 a)
9. 20 (19). δεξάσθω τὰ ὦ. ὑμῶν λόγους στόματος αὐτοῦ (1 a)
17. 23. οὐκ ἔκλιναν τὸ οὖς αὐτῶν (1 a)
19. 3. ἠχήσει τὰ ὦ. αὐτοῦ (1 a)
25. 4. οὐ προσέσχετε τοῖς ὠ. ὑμῶν (1 a)
33 (26). 11. καθὼς ἠκούσατε ἐν τοῖς ὠσὶν ὑμῶν (1 a)
— 15. λαλῆσαι εἰς τὰ ὦ. [B¹ om.] ὑμῶν πάντας τοὺς λόγους τούτους (1 a)
35 (28). 7. ὃν λέγω εἰς τὰ ὦ. ὑμῶν καὶ εἰς τὰ ὦ. παντὸς τοῦ λαοῦ (1 a, 1 a)
36 (29). 29. ἀνέγνω Σοφονίας τὸ βιβλίον εἰς τὰ ὦ. Ἱερεμίου (1 a)
41 (34). 14. οὐκ ἔκλιναν τὸ οὖς αὐτῶν (1 a)
42 (35). 15. οὐκ ἐκλίνατε τὰ ὦ. ὑμῶν (1 a)
43 (36). 6. ἀναγνώσῃ . . . εἰς τὰ ὦ. τοῦ λαοῦ (1 a)
— 6. καὶ ἐν ὠσὶ παντὸς Ἰούδα [A τοῦ λαοῦ] . . . ἀναγνώσῃ αὐτοῖς (1 a)
— 10. ἐν ὠσὶ [A εἰς τὰ ὦ.] παντὸς τοῦ λαοῦ (1 a)
— 13. ἀναγινώσκοντος Βαροὺχ εἰς τὰ ὦ. τοῦ λαοῦ [S¹ ὦ. κυρίου τοῦ θεοῦ] (1 a)
— 14. ἀναγινώσκεις ἐν αὐτῷ ἐν ὠσὶ τοῦ λαοῦ (1 a)
— 15. ἀνάγνωθι εἰς τὰ ὦ. ἡμῶν (1 a)
— 21. ἀνέγνω Ἰουδὶν εἰς τὰ ὦ. τοῦ βασιλέως καὶ εἰς τὰ ὦ. πάντων τῶν ἀρχόντων (1 a, 1 a)
51 (44). 5. οὐκ ἔκλιναν τὸ οὖς αὐτῶν (1 a)
Ba. 1. 3. ἀνέγνω Βαρουὺχ . . . ἐν ὠσὶν Ἰεχονίου . . . καὶ ἐν ὠσὶ παντὸς τοῦ λαοῦ
— 4. ἐν ὠσὶ τῶν δυνατῶν . . . καὶ ἐν ὠσὶ τῶν πρεσβυτέρων καὶ ἐν ὠσὶ παντὸς τοῦ λαοῦ
2. 16. κλῖνον, κύριε, τὸ οὖς σου
— 31. δώσω αὐτοῖς καρδίαν καὶ ὦτα ἀκούοντα
La. 3. 56. B μὴ κρύψῃς τὰ ὦ. σου (1 a)
Ez. 3. 10. τοῖς ὠ. σου ἄκουε (1 a)
8. 18. A καλέσουσιν ἐν τοῖς ὠ. μου (1 a)
9. 1. ἀνέκραγεν εἰς τὰ ὦ. μου φωνῇ μεγάλῃ (1 a)
12. 2. ὦτα ἔχουσι τοῦ ἀκούειν (1 a)
16. 12. ἔδωκα . . . τροχίσκους ἐπὶ τὰ ὦ. σου (1 a)
23. 25. ὦτά σου ἀφελοῦσι (1 a)
24. 26. τοῦ ἀναγγεῖλαί σοι εἰς τὰ ὦ. (1 a)
40. 4. ἐν τοῖς ὠ. σου ἄκουε (1 a)
44. 5. τοῖς ὠ. σου ἄκουε πάντα (1 a)
Da. LXX. 9. 18. πρόσχες, κύριε, τὸ οὖς σου (1 a)
Da. TH. 9. 18. κλῖνον, ὁ θεός μου, τὸ οὖς σου (1 a)
I Ma. 10. 7. ἀνέγνω . . . εἰς τὰ ὦ. παντὸς τοῦ λαοῦ
[Aq. Jb. 33. 8 : 36. 10 : Ps. 9. 38 (10. 17) : Je. 6. 10 : 35 (42). 15 : 36 (43). 20.]
[Sm. Jb. 4. 12 : 36. 10 : Ps. 9. 38 (10. 17) : Is. 6. 10 *bis* : 11. 3 : 37. 29 : 42. 20 : 47. 2 : Je. 6. 10 : 35 (42). 15 : 36 (43). 15.]
[Th. Ex. 29. 20 : I Ki. 20. 12 : Jb. 33. 8 : 34. 3 : 36. 10 : Pr. 5. 1 : 26. 17 : Is. 37. 17 : Je. 2. 2 : 11. 8 : Ez. 8. 18.]
[Al. Ge. 44. 18 : Ps. 48 (49). 5 : Je. 7. 26 : Ez. 8. 18.]

οὐσία.

To. 14. 13. ἐκληρονόμησε τὴν οὐ. αὐτῶν [S al.]
III Ma. 3. 28. τὴν οὐ. τοῦ ἐμπίπτοντος ὑπὸ τὴν εὔθυναν λήψεται
[Aq. Ps. 105 (106). 9 (P.) : Ec. 2. 8.]
[Sm. Ps. 105 (106). 9 (P.) : Je. 41 (48). 5 (Sw.).]
[Th. Ps. 105 (106). 9 (P.).]

οὔτε.

Ex. 20. 17† *ter*, 17 *quater*.
Nu. 20. 5† *bis* : 21. 21 *bis* : 23. 25.
De. 2. 27† : 5. 21 (18)† *quinquiens*, 21 (18) *bis*.
Jd. 19. 30† *bis*.
I Es. 4. 21 *ter*.
To. 3. 15†.
Ju. 7. 4 *ter* : 8. 18 *quater*, 20†.
Jb. 3. 26 *ter*.
Ps. 58 (59). 3 *bis* : 74 (75). 6 *ter*.
Wi. 1. 14† : 6. 23 : 12. 13, 14 : 13. 1† : 14. 13 *bis*, 24 *bis* : 15. 4, 15 *quater* : 16. 12 *bis* : 17. 5.
Si. 16. 27 *bis*, 27† : 23. 7† : 30. 19 : 42. 21 *bis*.
Ho. 1. 7† *quinquiens* : 3. 4† *bis*.
Is. 1. 6 *quinquiens* : 30. 5† *bis* : 48. 8 *ter* : 53. 2† : 60. 19† : 66. 19†.
Je. 15. 10, 10†.
Ba. 3. 23†.
Ep. Je. 28, 28†, 34 *quater*, 35 *bis*, 38, 43†, 49 *bis*, 63† *bis*, 64 *quater*.
Da. LXX. 2. 43 : 3. 18 *bis* : 6. 22 (23) *bis*.
I Ma. 8. 16† : 15. 33 *bis*.
II Ma. 5. 10 : 6. 6 *ter*, 26 *bis*.
IV Ma. 5. 29†, 38 *bis*.
[Aq. Je. 15. 10.]
[Sm. Ex. 15. 11 *bis* : Ps. 138 (139). 12 : 143 (144). 14 *bis* : Is. 1. 6 *ter* : Je. 15. 10 : Ez. 21. 26 (31) *bis*.]
[Th. Je. 15. 10 : Ez. 7. 11.]

οὔτε μή.

Ex. 22. 21 (20) (*ind.*)†.
Nu. 23. 25.
De. 4. 28† *ter* : 31. 6† *bis*.
Jo. 23. 7† *bis*.
Jb. 15. 29 *bis*.
Si. 30. 19.
Ep. Je. 28† *bis*, 36†, 66 (*ind.*†), 67 (*ind.*)†.
Ez. 24. 23†, 23.

οὔτε οὐ μή.

Ep. Je. 36†, 53, 57 (*ind.*†) *bis*, 58†, 66 (*ind.*†), 67 (*ind.*)†.

οὔτοι.

Nu. 18. 32†(?).

οὗτος, *passim*.

οὕτω, οὕτως. (1) אָז (2) אַךְ (3) *a.* הָאֵלֶּה *b.* כָּאֵלֶּה *c.* עַל־אֵלֶּה *d.* כַּדְּבָרִים הָאֵלֶּה (4) כַּאֲשֶׁר (5) *a.* כִּדְנָה *b.* כָּל־קְבֵל דְּנָה (6) וְ, וּ (7) *a.* זֶה *b.* זֶה אֲשֶׁר *c.* כָּזֶה *d.* כָּזֹאת *e.* זֹאת *f.* בְּזֹאת *g.* כָּזֹאת *h.* מִזֹּאת (8) כְּ, כְּ׳ (9) *a.* כֹּה *b.* בְּכֹה (10) כִּי (11) כָּכָה (12) כְּמוֹ, כָּמוֹ (13) *a.* כֵּן *b.* לְכֵן (14) כְּנֻמָּא (15) אֵי οὔ. אָכֵן (16) οὐδ' οὔ. *a.* לָכֵן *b.* מִבַּלְתִּי (17) οὐχ οὕ. *a.* אָכֵן *b.* כֹּה *c.* לָכֵן (18) οὔ. οὖν בֵּאדַיִן

Ge. 1. 6. καὶ ἐγένετο οὕτως –
— 9, 11, 15. καὶ ἐγένετο οὕτως (13 a)
— 20. καὶ ἐγένετο οὕτως –
— 24, 30. καὶ ἐγένετο οὕτως (13 a)
4. 15. εἶπεν αὐτῷ κύριος ὁ θεὸς, Οὐχ οὕτω (17 c)
6. 15. καὶ οὕτω ποιήσεις τὴν κιβωτόν (7 b)
— 22. οὔ. ἐποίησε (13 a)
15. 5. R οὕτως ἔσται τὸ σπέρμα σου (9 a)
18. 5. οὕτω ποίησον καθὼς εἴρηκας (13 a)
24. 30. οὕτω λελάληκέ μοι ὁ ἄνθρωπος (9 a)
25. 22. εἰ οὕτω μοι μέλλει γίνεσθαι (13 a)
29. 26. οὐκ ἔστιν οὕ. ἐν τῷ τόπῳ ἡμῶν (13 a)
— 28. ἐποίησε δὲ Ἰακὼβ οὕ. (13 a)
30. 15. εἶπε δὲ Ῥαχὴλ, Οὐχ οὕτως (17 c)
31. 8. ἐὰν οὕτως εἴπῃ (9 a)
32. 4 (5). οὕτως ἐρεῖτε τῷ κυρίῳ μου Ἡσαῦ (9 a)
— 4 (5). οὕ. λέγει ὁ παῖς σου Ἰακώβ (9 a)
34. 7. καὶ οὐχ οὕτως ἔσται (13 a)
39. 19. οὕ. ἐποίησέ μοι ὁ παῖς σου (3 d)
41. 13. καθὼς συνέκρινεν . . . οὕτω καὶ συνέβη (13 a)
42. 20. ἐποίησαν δὲ οὕτως (13 a)
— 25. καὶ ἐγενήθη αὐτοῖς οὕτως (13 a)
43. 11. εἰ οὕ. ἐστὶ τοῦτο ποιήσατε (13 a)
44. 10. καὶ νῦν ὡς λέγετε οὕ. ἔσται (13 a)
45. 21. ἐποίησαν δὲ οὕ. οἱ υἱοὶ Ἰσραήλ (13 a)
48. 18. εἶπε δὲ Ἰωσὴφ . . . Οὐχ οὕ., πάτερ (13 a)
50. 3. οὕτω γὰρ καταριθμοῦνται αἱ ἡμέραι (13 a)
— 12. καὶ ἐποίησαν αὐτῷ οὕ. οἱ υἱοὶ αὐτοῦ (13 a)
— 17. οὕ. εἴπατε Ἰωσήφ (9 a)
Ex. 2. 14. καὶ εἶπεν, Εἰ οὕ. ἐμφανὲς γέγονε (15)
— 20. A B² ἵνα τί οὕτως [B¹R om.] καταλελοίπατε τὸν ἄνθρ. (7 a)
3. 14, 15. οὕ. ἐρεῖς τοῖς υἱοῖς Ἰσραήλ (9 a)
5. 15. ἵνα τί οὕ. ποιεῖς (9 a)
6. 9. ἐλάλησε δὲ Μ. οὕ. τοῖς υἱοῖς Ἰσραήλ (13 a)
7. 6. καθάπερ ἐνετείλατο . . . οὕ. ἐποίησαν (13 a)
— 10. ἐποίησαν οὕ. καθάπερ ἐνετείλατο (13 a)
— 20. ἐποίησαν οὕ. . . . καθάπερ ἐνετείλατο (13 a)
8. 24 (20). ἐποίησε δὲ κύριος οὕ. (13 a)
— 26 (22). οὐ δυνατὸν γενέσθαι οὕ. (13 a)
10. 10. ἔστω οὕ. κύριος μεθ' ὑμῶν (13 a)
— 11. μὴ οὕ. πορευέσθωσαν δέ (13 a)
— 14. καὶ μετὰ ταῦτα οὐκ ἔσται οὕ. (13 a)
12. 11. οὕτω δὲ φάγεσθε αὐτό (11)
— 28, 50. καθὰ ἐνετείλατο . . . οὕ. ἐποίησαν (13 a)

Ex. 14. 4. καὶ ἐποίησαν οὕ. (13 a)
16. 17. ἐποίησαν δὲ οὕ. οἱ υἱοὶ Ἰσραήλ (13 a)
17. 6. ἐποίησε δὲ Μωυσῆς οὕ. (13 a)
22. 11 (10). καὶ οὕ. προσδέξεται ὁ κύριος αὐτοῦ –
— 30 (29). οὕτω ποιήσεις τὸν μόσχον σου (13 a)
23. 11. οὕτω ποιήσεις τὸν ἀμπελῶνά σου (13 a)
25. 8 (9). οὕτω ποιήσεις (13 a)
— 32 (33). οὕτω τοῖς ἓξ καλαμίσκοις (13 a)
— 34 (35), 35 (36) (A). οὕ. τοῖς ἓξ καλαμίσκοις –
26. 4. καὶ οὕτω ποιήσεις ἐπὶ τοῦ χείλους (13 a)
— 17. οὕτω ποιήσεις πᾶσι τοῖς στύλοις (13 a)
— 24. οὕτω ποιήσεις ἀμφοτέραις ταῖς δυσὶ γωνίαις (13 a)
27. 8. οὕτω ποιήσεις αὐτό [A om.] (13 a)
— 11. οὕ. τῷ κλίτει . . . ἱστία (13 a)
29. 35. ποιήσεις . . . οὕ. κατὰ πάντα (11)
39. 11 (32), 22 (42), 23 (43). οὕ. ἐποίησαν (13 a)
40. 16. ὅσα ἐνετείλατο . . . κύριος οὕ. ἐποίησε (13 a)
Le. 4. 20. οὕ. ποιηθήσεται (13 a)
6. 37 (7. 7). οὕ. καὶ τὸ τῆς πλημμελείας (8)
8. 35. οὕτω γὰρ ἐνετείλατό μοι κύριος (13 a)
10. 13. οὕτω γὰρ ἐντέταλταί μοι (13 a)
16. 3. οὕ. εἰσελεύσεται Ἀ. εἰς τὸ ἅγιον (7 f)
— 16. καὶ οὕτω ποιήσει τῇ σκηνῇ (13 a)
24. 20. οὕτω δοθήσεται αὐτῷ (13 a)
25. 16. οὕτως ἀποδώσεταί σοι †
26. 16. ἐγὼ ποιήσω οὕτως ὑμῖν (7 e)
27. 12. οὕτω στήσεται (13 a)
— 14. οὕτω σταθήσεται (13 a)
Nu. 1. 54. οὕτως ἐποίησαν (13 a)
2. 17. οὕτω καὶ ἐξαροῦσιν (13 a)
— 34. οὕτω παρενέβαλον κατὰ τάγμα αὐ. (13 a)
— 34. καὶ οὕτως ἐξῆρον (13 a)
5. 4. ἐποίησαν οὕτως οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (13 a)
— 4. οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (13 a)
6. 23. οὕτως εὐλογήσετε τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (9 a)
8. 3. ἐποίησεν οὕτως Ἀαρών (13 a)
— 4. οὕτως ἐποίησε τὴν λυχνίαν (13 a)
— 7. οὕτω ποιήσεις αὐτοῖς τὸν ἁγνισμὸν αὐ. (9 a)
— 20, 22. οὕτως ἐποίησαν αὐτοῖς (13 a)
— 26. οὕτως ποιήσεις τοῖς Λευίταις (11)
9. 5. οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (13 a)
— 14. A οὕτως [B om.] ποιήσει αὐτό (13 a)
— 16. οὕτως ἐγίνετο διὰ παντός (13 a)
11. 15. εἰ δ' οὕτω σὺ ποιεῖς μοι (11)
12. 7. οὐχ οὕτως [A add. ὡς] ὁ θεράπων μου Μ. (13 a)
13. 34 (33). οὕτως ἦμεν ἐνώπιον αὐτῶν (13 a)
14. 28. οὕτω ποιήσω ὑμῖν (13 a)
— 35. B¹ εἰ μὴ [A B² R μὴν] οὕτω ποιήσω (7 e)
15. 11. οὕτω ποιήσεις τῷ μόσχῳ τῷ ἑνί (11)
— 12. οὕτως ποιήσετε τῷ ἑνί (11)
— 13. ποιήσει οὕτως τοιαῦτα (11)
— 14. οὕτω ποιήσει ἡ συναγωγὴ κυρίῳ (13 a)
— 20. οὕτως ἀφελεῖτε αὐτόν (13 a)
16. 11. οὕτως σὺ καὶ πᾶσα ἡ συναγ. σου (13 b)
17. 11 (26). οὕτως ἐποίησαν (13 a)
18. 28. οὕτως ἀφελεῖτε αὐτούς (13 a)
22. 30. μὴ . . . ἐποίησά σοι οὕτως [A τοῦτο] (9 a)
23. 5. οὕτω λαλήσεις (9 a)
25. 12. οὕτως εἰπόν (13 b)
26. 42. A¹ οὕτω [A² B οὗτοι] δῆμοι Δάν †
30. 8. οὕτω στήσονται πᾶσαι αἱ εὐχαὶ αὐ. –
32. 8. οὐχ οὕτως ἐποίησαν οἱ πατέρες ὑμῶν (17 b)
— 23. ἐὰν δὲ μὴ ποιήσητε οὕτως (13 a)
— 31. οὕτω ποιήσομεν (13 a)
36. 5. οὕτως φυλὴ υἱῶν Ἰ. λέγουσιν (13 a)
— 10. οὕτως ἐποίησαν θυγατέρες Σ. (13 a)
De. 3. 21. οὕτως ποιήσει κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (13 a)
4. 5. ποιῆσαι οὕτως ἐν τῇ γῇ (13 a)
5. 29 (26). τίς δώσει εἶναι οὕ. τὴν καρδίαν αὐ. (6+7 a)
— 31 (28). B² R ποιείτωσαν οὕτως [A B¹ om.] ἐν τῇ γῇ –
6. 1. διδάξαι ὑμᾶς ποιεῖν οὕτως –
7. 5. οὕτω ποιήσετε αὐτοῖς (9 a)
— 19. οὕτω ποιήσει . . . πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν (13 a)
8. 5. οὕτω κ. ὁ θ. σου παιδεύσει σε –
— 20. οὕτως ἀπολεῖσθε (13 a)
12. 4. οὐ ποιήσετε οὕτω κ. τῷ θεῷ ὑμῶν (13 a)
— 22. οὕτω φάγῃ αὐτό (13 a)
— 31. οὐ ποιήσεις οὕτω τῷ θεῷ σου (13 a)
15. 2. οὕτω τὸ πρόσταγμα τῆς ἀφέσεως (7 a)
18. 14. σοὶ οὐχ οὕτως ἔδωκε κ. ὁ θεός σου (13 a)
19. 21. AB² οὕτως δοθήσεται αὐτῷ –
20. 15. οὕτω ποιήσεις πάσας τὰς πόλεις (13 a)
22. 3. οὕτω ποιήσεις τὸν ὄνον αὐ. (13 a)
De. 22. 3. A R οὕτω ποιήσεις τὸ ἱμάτιον αὐ. (13 a)
— 3. οὕτω ποιήσεις κατὰ πᾶσαν ἀπώλειαν (13 a)
— 26. οὕτω τὸ πρᾶγμα τοῦτο (13 a)
25. 9. οὕτω ποιήσουσι τῷ ἀνθρώπῳ (11)
28. 63. οὕτως εἰφρανθήσεται κ. ἐφ' ὑμῖν (13 a)
29. 24 (23). διὰ τί ἐποίησε κ. οὕτω (11)
32. 6. ταῦτα κυρίῳ ἀνταποδίδοτε οὕτω (7 e)
Jo. 1. 5. οὕτως ἔσομαι καὶ μετὰ σοῦ –
2. 21. A οὕτως ἔσται [B al.] (13 a)
3. 7. οὕτως ἔσομαι καὶ μετὰ σοῦ –
4. 8. ἐποίησαν οὕτως οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (13 a)
6. 13 (14). οὕτως ἐποίει ἐπὶ ἓξ ἡμέρας (9 a)
— 25 (26). οὕτως ἐποίησεν Ὀζᾶν –
7. 20. οὕτως καὶ οὕτως ἐποίησα (7 g, 7 g)
9. 2 (8. 34). οὕτως [A om.] ἀνέγνω Ἰ. πάντα τὰ ῥήματα (13 a)
— 26. ἐποίησαν αὐτοῖς οὕτως (13 a)
10. 1. οὕτως ἐποίησαν καὶ τὴν Γαί (13 a)
— 25. οὕτω ποιήσει κύριος (11)
— 39. οὕτως ἐποίησαν τῇ Δ. (13 a)
11. 15. οὕτως ἐποίησεν Ἰ. (13 a)
14. 5. οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (13 a)
22. 26. εἴπαμεν ποιῆσαι οὕτω –
23. 15. οὕτως ἐπάξει κ. ὁ θεὸς ἐφ' ὑμᾶς (13 a)
Jd. 1. 7. οὕτως ἀνταπέδωκέ μοι ὁ θεός (13 a)
2. 17. οὐκ ἐποίησαν οὕτω (13 a)
5. 15. οὕτως B. ἐν κοιλάσιν [A al.] (13 a)
— 31. οὕτως ἀπόλοιντο πάντες οἱ ἐχθροί σου (13 a)
6. 20. καὶ ἐποίησεν οὕτως (13 a)
— 38. καὶ ἐγένετο οὕτως (13 a)
— 40. ἐποίησεν ὁ θεὸς οὕτως (13 a)
7. 17. καὶ οὕτω ποιήσετε (13 a)
— 17. οὕτω ποιήσετε (13 a)
8. 7. A οὐχ οὕτως [B διὰ τοῦτο] ἐν τῷ δοῦναι (17 c)
11. 8. A οὐχ οὕτως [B διὰ τοῦτο] νῦν ἤλθομεν (17 c)
— 10. κατὰ τὸ ῥῆμά σου οὕτω ποιήσομεν (13 a)
— 15. οὕτω [A τάδε] λέγει Ἰ. (9 a)
12. 6. οὐ κατεύθυνε τοῦ λαλῆσαι οὕτως [A al.] (13 a)
14. 10. οὕτως ποιοῦσιν οἱ νεανίσκοι (13 a)
15. 7. ἐὰν ποιήσητε οὕτως ταύτην [A om.] (7 g)
— 11. οὕτως ἐποίησα αὐτοῖς (13 a)
16. 26. A ὁ δὲ παῖς ἐποίησεν οὕτως –
18. 4. οὕτω καὶ οὕτως ἐποίησέ μοι Μ. (7 d, 7 c)
19. 30. A οὔτε ὤφθη οὕτως [B al.] (7 g)
32 (B) : 21. 11. καὶ ἐποίησαν οὕτως –
21. 14. ἤρεσεν αὐτοῖς οὕτω (13 a)
— 23. ἐποίησαν οὕτως οἱ υἱοὶ Β. (13 a)
I Ki. 1. 7. οὕτως ἐποίει ἐνιαυτὸν κατ' ἐνιαυτόν (13 a)
2. 24. μὴ ποιεῖτε οὕτως –
3. 14. καὶ οὐδ' οὕτως ὤμοσα (16 a)
5. 7. εἶδον . . . ὅτι οὕτως (13 a)
6. 10. ἐποίησαν οἱ ἀλλόφυλοι οὕτω (13 a)
8. 8. οὕτως αὐτοὶ ποιοῦσι καὶ σοί (13 a)
9. 13. οὕτως εὑρήσετε αὐτόν (13 a)
15. 32. εἰ οὕτω πικρὸς ὁ θάνατος (15)
— 33. οὕτως ἀτεκνωθήσεται . . . ἡ μήτηρ σου (13 a)
17. 27. A οὕτως ποιηθήσεται τῷ ἀνδρί (9 a)
19. 17. ἵνα τί οὕτως παρελογίσω με (11)
20. 8. ἵνα τί οὕτως εἰσάγεις με (7 a)
23. 17. Σ. ὁ πατήρ μου οἶδεν οὕτως (13 a)
26. 24. οὕτως μεγαλυνθείη ἡ ψυχή μου (13 a)
28. 2. οὕτω νῦν γνώσῃ (13 b)
— 2. οὕτως ἀρχισωματοφύλακα θήσομαί σε (13 b)
30. 23. οὐ ποιήσετε οὕτως (13 a)
— 24. οὕτως ἔσται ἡ μερὶς τοῦ καθημένου (8)
II Ki. 3. 9. οὕτως ποιήσω αὐτῷ (9 a)
6. 22. ἀποκαλυφθήσομαι [A om.] ἔτι οὕτως (7 h)
7. 17. οὕτως ἐλάλησε Ν. πρὸς Δ. (13 a)
9. 11. οὕτως ποιήσει ὁ δοῦλός σου (13 a)
11. 25. ποτὲ μὲν οὕτως καὶ ποτὲ οὕτως φάγεται ἡ μάχαιρα (7 d, 7 c)
12. 31. οὕτως ἐποίησε πάσαις ταῖς πόλεσιν (13 a)
13. 4. τί σοι ὅτι σὺ οὕτως ἀσθενής [A -εῖς] (11)
— 12. οὐ ποιηθήσεται οὕτως ἐν Ἰσρ. (13 a)
— 18. ὅτι οὕτως ἐνεδιδύσκοντο (13 a)
— 35. οὕτως ἐγένετο (13 a)
14. 17. οὕτως ὁ κ. μου ὁ βασ. τοῦ ἀκούειν (13 a)
15. 26. ἐὰν εἴπῃ οὕτως (9 a)
16. 7. οὕτως ἔλεγε Σ. (9 a)
— 10. οὕτως καταράσθω (10*, 9 a)
— 10. ὡς τί ἐποίησας οὕτως (13 a)
— 18. A οὕτως [B αὐτῷ] ἔσομαι †
— 19. οὕτως ἔσομαι ἐνώπιόν σου (13 a)
— 23. οὕτως πᾶσα ἡ βουλὴ τῷ Ἀχ. (13 a)
17. 11. οὕτως συμβουλεύων ἐγὼ συνεβούλευσα –
II Ki. 17. 15. οὕτως καὶ οὕτως συνεβούλευσεν Ἀχ. τῷ Ἀβ. (7 g, 7 g)
— 15. οὕτως καὶ οὕτως συνεβούλευσα ἐγώ (7 g, 7 g)
— 21. οὕτως ἐβουλεύσατο περὶ ὑμῶν Ἀχ. (11)
18. 14. B οὐχ οὕτως μενῶ (13 a)
— 33 (19. 1). οὕτως εἶπεν ἐν τῷ πορεύεσθαι αὐτόν (9 a)
19. 42 (43). ἵνα τί οὕτως [A τοῦτο] ἐθυμώθης (7 a)
20. 18. ἐπερωτήσουσιν ἕνα ἐν Ἀ. καὶ οὕ. (13 a)
— 21. R οὐχ οὕτως [AB οὗτος] ὁ λόγος (13 a)
23. 5. R οὐ γὰρ οὕτως [A B οὗτος] ὁ οἶκός μου (13 a)
III Ki. 1. 30. οὕτω ποιήσω τῇ ἡμέρᾳ ταύτῃ (13 a)
— 36. γένοιτο οὕτως (13 a)
— 37. οὕτως [A om.] εἴη μετὰ Σαλ. (13 a)
— 48. οὕτως εἶπεν ὁ βασ. (11)
2. 7. οὕτως ἤγγισάν μοι (13 a)
3. 1 (cf. A 9. 24). οὕτως θυγατὴρ Φ. ἀνέβαινεν (2)
— 1 (2. 38). οὕτω ποιήσει ὁ δοῦλός σου (13 a)
4. 15. B¹ οὕτως [A B² R οὗτος] ἔλαβε τὴν Β. †
— 27 (5. 7). ἐχορήγουν οἱ καθεσταμένοι οὕτως (3 a)
6. 25. οὕτως τῷ χερ. τῷ δευτέρῳ –
— 26. καὶ οὕτω τῷ χερ. τῷ δευτέρῳ (13 a)
— 33. A οὕτως ἐποίησεν τῷ πυλῶνι (13 a)
7. 15. καὶ οὕτως ὁ στῦλος ὁ δεύτερος –
— 18. καὶ οὕτως ἐποίησε τῷ ἐπιθέματι τῷ δευτ. (13 a)
— 29. ἐπὶ τῶν ἐξεχομ. οὕτως καὶ ἐπάνωθεν (13 a)
— 31. A ποίημα οὕτως πήχεως (13 a)
9. 8. ἕνεκα τίνος ἐποίησε κύριος οὕτως (11)
10. 20. οὐ γέγονεν οὕτως πάσῃ βασιλείᾳ (13 a)
— 29. καὶ οὕτως πᾶσι τοῖς βασιλεῦσι (13 a)
11. 8. οὕτως ἐποίησε πάσαις ταῖς γυναιξὶν αὐ. (13 a)
12. 24. B οὕτως ἐλάλησε πρὸς σὲ ὁ λαός –
— 24. B οὕτως λαλήσεις πρὸς τὸν λαόν –
13. 9. οὕτως ἐνετείλατό μοι (13 a)
— 17. οὕτως ἐντέταλταί μοι –
14. 4. A ἐποίησεν οὕτως γυνὴ Ἱερ. (13 a)
17. 22. καὶ ἐγένετο οὕτως †
18. 33. B καὶ ἐποίησαν οὕτως –
20 (21). 7. σὺ νῦν οὕτω ποιεῖς βασιλέα ἐπὶ Ἰσρ. –
21 (20). 25. καὶ ἐποίησεν οὕτως (13 a)
22. 5 (4). καὶ σὺ οὕτως (12)
— 8. μὴ λεγέτω ὁ βασ. οὕτως (13 a)
— 12. πάντες οἱ προφῆται ἐπροφήτευον οὕτως (13 a)
— 17. καὶ εἶπεν, Οὐχ οὕτως –
— 19. καὶ εἶπε Μ., Οὐχ οὕτως (17 c)
— 19. ἄκουε ῥῆμα κυρίου· οὐχ οὕτως –
— 20. καὶ εἶπεν οὗτος οὕτως καὶ οὗτος οὕτως [A om. κ. οὕ. οὕ.] (9 b, 9 b)
— 22. καὶ ποίησον οὕτως (13 a)
IV Ki. 1. 3 (4). καὶ οὐχ οὕτως (17 c)
— 6, 16. οὐχ οὕτως (17 c)
2. 10. B καὶ ἔσται [A R add. σοι] οὕτως (13 a)
5. 4. οὕτως καὶ οὕτως ἐλάλησεν ἡ νεᾶνις (7 g, 7 g)
7. 9. οὐχ οὕτως ἡμεῖς ποιοῦμεν (13 a)
— 20. καὶ ἐγένετο [A add. αὐτῷ] οὕτως (13 a)
9. 12. οὕτως καὶ οὕτως ἐλάλησε πρὸς μέ (7 g, 7 g)
15. 12. καὶ ἐγένετο οὕτως (13 a)
16. 11. A οὕτως ἐποίησεν Οὐ. (13 a)
17. 9. ὅσοι ἠμφιέσαντο . . . λόγους οὐχ οὕτως (13 a)
18. 21. οὕτως Φ. . . . πᾶσι τοῖς πεποιθόσιν (13 a)
19. 32 : 21. 12 : 22. 20. οὐχ οὕτως (17 c)
I Ch. 13. 4. τοῦ ποιῆσαι οὕτως (13 a)
17. 4. οὕτως εἶπε κύριος (9 a)
— 7. οὕτως ἐρεῖς τῷ δούλῳ μου Δ. (9 a)
— 15. οὕτως ἐλάλησε Ν. πρὸς Δ. (13 a)
19. 3. A οὐχ οὕτως ἐρευνήσουσιν τὴν πόλιν [BS al.] †
20. 3. οὕτως ἐποίησε Δ. (13 a)
21. 10, 11. οὕτως λέγει κύριος (9 a)
23. 30. καὶ οὕτω τὸ ἑσπέρας (13 a)
II Ch. 1. 12. μετὰ σὲ οὐκ ἔσται οὕτως (13 a)
— 17. καὶ οὕτω πᾶσι τοῖς βασ. τῶν Χ. (13 a)
8. 14. ὅτι οὕτως ἐντολαὶ [A -ῆ] Δαυίδ (13 a)
9. 19. οὐκ ἐγενήθη οὕτως ἐν πάσῃ τῇ βασ. (13 a)
10. 10. οὕτως λαλήσεις τῷ λαῷ (9 a)
— 10. οὕτως ἐρεῖς (9 a)
12. 5. οὕτως εἶπε κύριος (9 a)
18. 3. ὡς ἐγὼ οὕτω καὶ σύ (12)
— 7. μὴ λαλείτω ὁ βασ. οὕτως (13 a)
— 11. ἐπροφήτευον οὕτω (13 a)
— 18. οὐχ οὕτως (17 c)
— 19. εἶπεν οὗτος [A add. εἶπεν] οὕτως καὶ οὗτος εἶπεν οὕτως (11, 11)
— 21. καὶ ποίησον οὕτω (13 a)
— 26. οὕτως εἶπεν ὁ βασ. (9 a)
19. 9. οὕτω ποιήσετε ἐν φόβῳ κυρίου (9 a)
— 10. οὕτω ποιήσετε (9 a)

II Ch. 24. 11. οὕτως ἐποίουν ἡμέραν ἐξ ἡμέρας (9 a)
31. 20. ἐποίησεν οὕτως Ἐζ. (7 g)
32. 10. οὕτως λέγει Σ. ὁ βασ. Ἀ. (9 a)
— 17. οὕτως οὐ μὴ ἐξέληται ὁ θεὸς Ἐζ. (13 a)
— 31. οὕτως τοῖς πρεσβύταις τῶν ἀρχόντων (13 a)
34. 23. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (9 a)
— 24. οὕτω λέγει κύριος (9 a)
— 26. οὕτως ἐρεῖτε αὐτῷ (9 a)
— 26. οὕτω λέγει κ. ὁ θ. Ἰσρ. (9 a)
35. 12. καὶ οὕτως εἰς τὸ πρωΐ (13 a)
I Es. 1. 11. καὶ οὕτως τὸ πρωϊνόν
3. 18. καὶ ἔφη οὕτως
— 24. οὕτως ἀναγκάζει ποιεῖν
— 24. ἐσίγησεν οὕτως εἶπας
4. 12. οὕτως ἐπάκουστός ἐστι
— 32. οὕτως πράσσουσι
8. 55. A B οὕτως [R â] ἐδωρήσατο ὁ βασ.
9. 10. οὕτως ὡς εἴρηκας ποιήσομεν
II Es. 1. 2. οὕτως εἶπε Κῦρος (9 a)
5. 9. οὕτως εἴπαμεν αὐτοῖς (14)
6. 13. οὕτως ἐποίησαν ἐπιμελῶς (14)
7. 27. ὃς ἔδωκεν οὕτως ἐν καρδίᾳ τοῦ βασ. (7 g)
9. 3. A οὕτως δεῖ καὶ νῦν –
10. 16. ἐποίησαν οὕτως υἱοὶ τῆς ἀποικίας (13 a)
Ne. 5. 9. οὐχ οὕτως . . . ἀπελεύσεσθε –
— 12. οὕτως ποιήσομεν (13 a)
— 13. οὕτως ἐκτινάξαι ὁ θεός (11)
— 13. ἔσται οὕτως ἐκτετιναγμένος (11)
— 15. οὐκ ἐποίησα οὕτως (13 a)
6. 13. ὅπως . . . ποιήσω οὕτως (13 a)
8. 17. οὐκ ἐποίησαν . . . οὕτως οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (13 a)
13. 18. οὐχὶ οὕτως ἐποίησαν οἱ πατέρες ἡμῶν (9 a)
— 26. οὐχ οὕτως [S¹ om.] ἥμαρτε Σαλ. (3 c)
To. 5. 16. εὐδόκησαν οὕ. [S al.]
Ju. 8. 21. οὕτως καθήσεται πᾶσα ἡ Ἰ.
9. 2. οὐχ οὕτως ἔσται
10. 10. καὶ ἐποίησαν οὕτως
Es. 1. 8. οὕτως δὲ ἠθέλησεν ὁ βασ. (13 a)
— 18. οὕτω [A om.] σήμερον αἱ τυραννίδες –
— 20. οὕτω πᾶσαι αἱ γυναῖκες περιθήσουσι τιμήν –
2. 4. καὶ ἐποίησεν οὕτως (13 a)
— 12. οὕτως γὰρ ἀναπληροῦνται αἱ ἡμέραι (13 a)
— 20. οὕτως γὰρ ἐνετείλατο αὐτῇ Μαρδ. (4)
3. 2. οὕτως γὰρ προσέταξεν (13 a)
4. 16. S² ἀσιτήσομεν οὕτως [A B S¹ om.] (13 a)
6. 9. οὕτως ἔσται παντὶ ἀνθρώπῳ (11)
— 10. οὕτως ποίησον τῷ Μαρδ. (13 a)
— 11. οὕτως ἔσται παντὶ ἀνθρώπῳ (11)
8. 13. S¹ οὔ. οὐ τῶν [A B S² οὐ τοσοῦτον] ἐκ τῶν παλαιοτέρων . . . ἱστοριῶν
9. 14. B S ἐπέτρεψεν οὕτως γενέσθαι (13 a)
Jb. 1. 5. οὕτως οὖν [A om.] ἐποίει Ἰώβ [A om.] (11)
— 20. οὕτως ἀναστὰς Ἰ. [A al.] (6)
— 21. ὡς τῷ κυρίῳ ἔδοξεν οὕτως [A add. καὶ] ἐγένετο –
2. 10. A ἵνα τί ὥσπερ μία τῶν ἀφρόνων γυναικῶν οὕτως [B S om.] ἐλάλησας –
5. 27. ἰδοὺ ταῦτα οὕτως ἐξιχνιάσαμεν (13 a ?)
6. 18. οὕτω κἀγὼ κατελείφθην ὑπὸ πάντων †
7. 3. οὕτως κἀγὼ ὑπέμεινα μῆνας κενούς (13 a)
8. 13. οὕτως τοίνυν ἔσται τὰ ἔσχατα πάντων (13 a)
9. 2. ἐπ' ἀληθείας οἶδα ὅτι οὕτως ἐστί (13 a)
— 35. οὐ γὰρ οὕτω [S¹ αὐτῷ] συνεπίσταμαι [AS² al.] (13 a)
10. 2. διὰ τί με οὕτως ἔκρινας –
11. 15. οὕτως γὰρ ἀναλάμψει σου τὸ πρόσωπον (1)
19. 2. ὁ κύριος ἐποίησέ με οὕτως [S¹ om.] †
20. 2. οὐχ οὕτως ὑπελάμβανον (17 c)
23. 13. εἰ δὲ καὶ αὐτὸς ἔκρινεν οὕτως †
27. 2. ζῇ ὁ θεὸς ὃς οὕτω με κέκρικε †
28. 26. οὕτως ἰδὼν ἠρίθμησε †
29. 23. οὕτως οὗτοι τὴν ἐμὴν λαλιάν [A λ. προσεδέχοντο] –
32. 8. A καὶ οὐχ οὕτως (17 a)
Ps. 1. 4. οὐχ οὕτως οἱ ἀσεβεῖς οὐχ οὕτως (13 a, –)
34 (35). 14. ὡς πλησίον ὡς ἀδελφὸν ἡμέτερον οὕτως εὐηρέστουν ὡς πενθῶν καὶ σκυθρωπάζων οὕτως ἐταπεινούμην –, –
41 (42). 1. οὕτως ἐπιποθεῖ ἡ ψυχή μου πρὸς σέ (13 a)
47 (48). 5. αὐτοὶ ἰδόντες οὕτως ἐθαύμασαν (13 a)
— 8. A B S¹ οὕτως [S² R οὔ. καὶ] εἴδομεν (13 a)
— 10. οὕτως καὶ ἡ αἴνεσίς σου (13 a)
60 (61). 8. οὕτως ψαλῶ τῷ ὀνόματί σου (13 a)
62 (63). 2. οὕτως ἐν τῷ ἁγίῳ ὤφθην σοι (13 a)
— 4. οὕτως εὐλογήσω σε ἐν τῇ ζωῇ μου (13 a)
64 (65). 9. ὅτι οὕτως ἡ ἑτοιμασία (13 a)
Ps. 67 (68). 2. οὕτως ἀπόλοιντο οἱ ἁμαρτωλοί –
72 (73). 15. διηγήσομαι οὕτως (12)
82 (83). 15. οὕτως καταδιώξεις αὐτούς (13 a)
89 (90). 12. A S² R τὴν δεξιάν σου οὕτως [B S¹ om.] γνώρισον (13 a)
102 (103). 15. ὡσεὶ ἄνθος τοῦ ἀγροῦ οὕτως ἐξανθήσει (13 a)
122 (123). 2. οὕτως οἱ ὀφθαλμοὶ ἡμῶν πρὸς κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν (13 a)
126 (127). 4. οὕτως οἱ υἱοὶ τῶν ἐκτετιναγμένων (13 a)
127 (128). 4. οὕτως εὐλογηθήσεται ἄνθρωπος ὁ φοβούμενος τὸν κύριον (13 a)
138 (139). 12. ὡς τὸ σκότος αὐτῆς οὕτως καὶ τὸ φῶς αὐτῆς (8)
147. 9 (20). οὐκ ἐποίησεν οὕτως παντὶ ἔθνει (13 a)
Pr. 6. 29. οὕτως ὁ εἰσελθὼν πρὸς γυναῖκα ὕπανδρον οὐκ ἀθῳωθήσεται (13 a)
9. 18. οὕτως γὰρ διαβήσῃ ὕδωρ ἀλλότριον –
10. 26. οὕτως παρανομία τοῖς χρωμένοις αὐτῇ (13 a)
11. 22. οὕτως γυναικὶ κακόφρονι κάλλος –
12. 4. οὕτως ἄνδρα ἀπόλλυσι γυνὴ κακοποιός –
17. 3. οὕτως ἐκλεκταὶ καρδίαι [S¹ καρδία ἐκλέγεται] παρὰ κυρίῳ (6)
19. 12. ὥσπερ δὲ δρόσος ἐπὶ χόρτῳ οὕτως τὸ ἱλαρὸν αὐτοῦ –
— 18. οὕτως γὰρ ἔσται εὔελπις –
21. 1. οὕτως καρδία βασιλέως ἐν χειρὶ θεοῦ –
23. 7. οὕτως ἐσθίει καὶ πίνει (13 a)
— 28. A οὕτως [B S οὗτος] γὰρ συντόμως ἀπολεῖται †
24. 14. οὕτως αἰσθήσῃ σοφίαν τῇ σῇ ψυχῇ (13 a)
25. 11. οὕτως εἰπεῖν λόγον [S² λ. ἐπὶ ἁρμόζουσιν] –
— 13. οὕτως ἄγγελος πιστὸς τοὺς ἀποστείλαντας αὐτόν –
— 14. A B² S οὕτως οἱ καυχώμενοι [B¹ R ὁ κ.] ἐπὶ δόσει ψευδεῖ –
— 18. οὕτως καὶ ἀνὴρ ὁ καταμαρτυρῶν –
— 20. οὕτως προσπεσὼν πάθος ἐν σώματι –
— 20. οὕτως λύπη ἀνδρὸς βλάπτει καρδίαν –
— 25. οὕτως ἀγγελία ἀγαθὴ ἐκ γῆς μακρόθεν (6)
— 26. οὕτως ἄκοσμον δίκαιον πεπτωκέναι ἐνώπιον ἀσεβοῦς –
— 28. οὕτως ἀνὴρ ὃς οὐ μετὰ βουλῆς τι πράσσει –
26. 1. οὕτως οὐκ ἔστιν ἄφρονι τιμή (13 a)
— 2. οὕτως ἀρὰ ματαία οὐκ ἐπελεύσεται οὐδενί (13 a)
— 3. οὕτως ῥάβδος ἔθνει παρανόμῳ (6)
— 11. οὕτως ἄφρων . . . ἀναστρέψας ἐπὶ τὴν ἑαυτοῦ ἁμαρτίαν –
— 14. οὕτως ὀκνηρὸς ἐπὶ τῆς κλίνης αὐτοῦ (6)
— 17. οὕτως ὁ προεστὼς ἀλλοτρίας κρίσεως –
— 19. οὕτως πάντες οἱ ἐνεδρεύοντες τοὺς ἑαυτῶν φίλους (13 a)
27. 8. οὕτως ἄνθρωπος δουλοῦται (13 a)
— 19. οὕτως οὐδὲ αἱ διάνοιαι [A S² καρδίαι] τῶν ἀνθρώπων (13 a)
28. 4. οὕτως οἱ ἐγκαταλείποντες τὸν νόμον ἐγκωμιάζουσιν ἀσέβειαν –
Ec. 3. 19. S R οὕτως καὶ [A B om.] ὁ θάνατος τούτου (13 a)
5. 15. οὕτως καὶ ἀπελεύσεται (13 a)
7. 7 (6). οὕτως γέλως τῶν ἀφρόνων (13 a)
8. 10. ὅτι οὕτως ἐποίησαν (13 a)
9. 12. S² οὔ. κρατηθήσονται –
11. 5. οὕτως οὐ γνώσῃ τὰ ποιήματα τοῦ θεοῦ (11)
Ca. 2. 2. οὕτως ἡ πλησίον μου ἀνὰ μέσον τῶν θυγατέρων (13 a)
— 3. οὕτως ἀδελφιδός μου ἀνὰ μέσον τῶν υἱῶν (13 a)
5. 9. οὕτως ὥρκισας ἡμᾶς (11)
Wi. 5. 13. οὕτως καὶ ἡμεῖς γεννηθέντες ἐξελίπομεν
9. 18. οὕτως διωρθώθησαν αἱ τρίβοι τῶν ἐπὶ γῆς
17. 16. εἶθ' οὕτως . . . ἐφρουρεῖτο
Si. 2. 18. οὕτως καὶ [S² καὶ πολὺ] τὸ ἔλεος αὐτοῦ
3. 1. οὕτως ποιήσατε ἵνα σωθῆτε
— 15. οὕτως ἀναλυθήσονταί [S¹ ἀναφθήσονταί] σου αἱ ἁμαρτίαι
5. 9 : 6. 1. οὕτως ὁ ἁμαρτωλὸς ὁ δίγλωσσος
6. 17. κατ' αὐτὸν οὕτως καὶ ὁ πλησίον αὐτοῦ
10. 2. οὕτως καὶ [A S¹ om.] οἱ λειτουργοὶ αὐτοῦ
11. 30. οὕτως καρδία ὑπερηφάνου
12. 10. ὡς γὰρ ὁ χαλκὸς ἰοῦται οὕτως ἡ πονηρία αὐτοῦ
— 14. οὕτως τὸν προσπορευόμενον ἀνδρὶ ἁμαρτωλῷ
13. 17. οὕτως ἁμαρτωλὸς πρὸς εὐσεβῆ
— 19. οὕτως νομαὶ πλουσίων πτωχοί
— 20. οὕτως βδέλυγμα πλουσίῳ πτωχός
Si. 14. 18. οὕτως γενεὰ [A S καὶ γ.] σαρκὸς καὶ αἵματος
16. 10. καὶ οὕτως ἐξακοσίας χιλιάδας πεζῶν
— 12. οὕτως καὶ πολὺς ὁ ἔλεγχος αὐτοῦ
18. 10. οὕτως ὀλίγα ἔτη ἐν [S¹ om.] ἡμέρᾳ αἰῶνος
— 16. οὕτως κρείσσων λόγος ἢ δόσις
19. 12. οὕτως λόγος ἐν κοιλίᾳ μωροῦ
20. 4. οὕτως ὁ ποιῶν ἐν [S¹ om.] βίᾳ κρίματα
— 18. οὕτως πτῶσις κακῶν κατὰ σπουδὴν ἥξει
21. 4. οὕτως οἶκος ὑπερηφάνου ἐρημωθήσεται
— 18. ὡς οἶκος ἠφανισμένος οὕτως μωρῷ σοφία
22. 16. οὕτως καρδία ἐστηριγμένη ἐπὶ διανοήματος βουλῆς
— 18. οὕτως καρδία δειλὴ ἐπὶ διανοήματος μωροῦ
— 24. οὕτως πρὸ αἱμάτων λοιδορίαι
23. 10. οὕτως καὶ ὁ ὀμνύων . . . ἀπὸ ἁμαρτίας οὐ μὴ καθαρισθῇ
— 20. οὕτως καὶ μετὰ τὸ συντελεσθῆναι [A τελ.]
— 22. οὕτως καὶ γυνὴ καταλιποῦσα τὸν ἄνδρα
24. 10. οὕτως ἐν Σιὼν ἐστηρίχθην
— 28. καὶ οὕτως ὁ ἔσχατος οὐκ ἐξιχνίασεν αὐτήν
25. 20. οὕτως γυνὴ γλωσσώδης ἀνδρὶ ἡσύχῳ
27. 4. οὕτως σκύβαλα ἀνθρώπου ἐν λογισμῷ αὐτοῦ
— 6. οὕτως λόγος ἐνθυμήματος καρδίας [A -ίᾳ] ἀνθρώπου
— 10. οὕτως ἁμαρτίαι [A S -ία] ἐργαζομένους ἄδικα [S² ἀδικίαν]
— 18. οὕτως ἀπώλεσας τὴν φιλίαν τοῦ πλησίον
— 19. οὕτως ἀφῆκας τὸν πλησίον
28. 10. κατὰ τὴν ὕλην πυρὸς οὕτως ἐκκαυθήσεται
— 10. S κατὰ τὴν στερέωσιν τῆς μάχης σου οὕ. [A B om. σ. οὕ.] ἐκκαυθήσεται
30. 19. οὕτως ὁ ἐκδιωκόμενος ὑπὸ κυρίου
— 20. B² οὕτως ὁ ποιῶν ἐν βίᾳ κρίματα
31 (34). 2. οὕτως ὁ ἐπέχων ἐνυπνίοις
— 26. οὕτως ἄνθρωπος νηστεύων ἐπὶ τῶν ἁμαρτιῶν αὐτοῦ
33 (36). 4. οὕτως ἐνώπιον ἡμῶν μεγαλυνθείης ἐν αὐτοῖς
34 (31). 26. οὕτως οἶνος καρδίας ἐν μάχῃ ὑπερηφάνων
35 (32). 1. φρόντισον αὐτῶν καὶ οὕτω κάθισον
36 (33). 4. S ἑτοίμασον λόγον καὶ οὕτως ἀκουσθήσῃ σύνδησον παιδείαν καὶ οὕτως [A B om.] ἀποκρίθητι
— 13. οὕτως ἄνθρωποι ἐν χειρὶ τοῦ ποιήσαντος αὐτούς
— 14. οὕτως ἀπέναντι εὐσεβοῦς ἁμαρτωλός
— 15. καὶ οὕτως ἔμβλεψον εἰς πάντα τὰ ἔργα τοῦ ὑψίστου
— 24 (21). οὕτως καρδία συνετὴ λόγους ψευδεῖς
— 31 (28). οὕτως ἀνθρώπῳ μὴ ἔχοντι νοσσιάν
38. 22. ὅτι οὕτω ὡς [A S om.] καὶ τὸ σόν
— 27. οὕτως πᾶς τέκτων καὶ ἀρχιτέκτων
— 28. οὕτως χαλκεὺς καθήμενος ἐγγὺς ἄκμονος
— 29. οὕτω κεραμεὺς καθήμενος ἐν ἔργῳ αὐτοῦ
39. 15. οὕτως ἐρεῖτε ἐν ἐξομολογήσει
— 23. οὕτως ὀργὴν αὐτοῦ ἔθνη κληρονομήσει
— 24. οὕτως τοῖς ἀνόμοις προσκόμματα
— 25. οὕτως τοῖς ἁμαρτωλοῖς κακά
— 27. οὕτως τοῖς ἁμαρτωλοῖς τραπήσεται εἰς κακά
40. 14. οὕτως οἱ παραβαίνοντες εἰς συντέλειαν ἐκλείψουσιν [A -θλίψουσιν]
41. 10. οὕτως ἀσεβεῖς ἀπὸ κατάρας εἰς ἀπώλειαν
44. 22. ἐν τῷ Ἰσαὰκ ἔστησεν οὕτως διὰ Ἀβραάμ
46. 3. τίς πρότερον [A S -ος] αὐτοῦ οὕτως ἔστη
47. 2. οὕτως Δαυὶδ ἀπὸ τῶν υἱῶν Ἰσραήλ
— 6. οὕτως ἐν μυριάσιν ἐδόξασεν αὐτόν
48. 3. κατήγαγεν οὕτως [S² om.] τρὶς πῦρ
49. 12. οὕτως [S οὗτος] Ἰησοῦς υἱὸς Ἰωσεδέκ
Ho. 4. 7. κατὰ τὸ πλῆθος αὐ. οὕτως ἥμαρτόν μοι (13 a)
— 9. ἔσται καθὼς ὁ λαὸς οὕτως καὶ ὁ ἱερεύς (8)
10. 15. οὕτως ποιήσω ὑμῖν (11)
11. 2. οὕτως ἀπῴχοντο ἐκ προσώπου μου (13 a)
Am. 3. 12. οὕτως ἐκσπασθήσονται οἱ υἱοὶ Ἰ. (13 a)
4. 12. διὰ τοῦτο οὕτως ποιήσω σοι, Ἰσραήλ (9 a)
— 12. πλὴν ὅτι οὕτως ποιήσω σοι ἑτοιμάζου (7 e)
5. 14. καὶ ἔσται οὕτως μεθ' ὑμῶν κ. ὁ θ. (13 a)
7. 1, 4, 7 : 8. 1. οὕτως ἔδειξέ μοι κ. (9 a)
Mi. 3. 4. οὕτως κεκράξονται πρὸς κύριον (1)
Jl. 2. 4. οὕτως καταδιώξονται (13 a)
Ob. 1. 15. οὕτως ἔσται σοι –
Na. 1. 12. οὕτως διασταλήσονται (13 a)
Hb. 2. 5. S¹ οὕτως [A B S² οὗτος] ὡς θάνατος οὐκ ἐμπιπλάμενος †
Hg. 2. 15 (14). οὕτως ὁ λαὸς οὗτος καὶ οὕτως τὸ ἔθνος τοῦτο (13 a, 13 a)

Hg. 2. 15 (14). καὶ οὕτως πάντα τὰ ἔργα τῶν χειρῶν αὐτῶν (13 *a*)
Za. 1. 6. οὕτως ἐποίησεν ἡμῖν (13 *a*)
7. 13. οὕτως κεκράξονται (13 *a*)
8. 13. οὕτως διασώσω ὑμᾶς (13 *a*)
— 15. οὕτως παρατέταγμαι καὶ διανενόημαι (13 *a*)
14. 8. καὶ ἐν ἔαρι [A ἀέρι] ἔσται οὕτως –
Is. 8. 11. οὕ. λέγει κύριος (9 *a*)
10. 7. αὐτὸς δὲ οὐχ οὕ. ἐνεθυμήθη (13 *a*)
— 7. τῇ ψυχῇ οὐχ οὕ. λελόγισται (13 *a*)
— 11. οὕ. ποιήσω καὶ Ἱερ. (13 *a*)
— 16. καὶ οὐχ οὕ. (17 *c*)
14. 20. οὕ. οὐδὲ σὺ ἔσῃ καθαρός –
— 24. οὕ. ἔσται (13 *a*)
— 24. οὕ. μενεῖ †
15. 7. μὴ καὶ οὕ. μέλλει σωθῆναι (13 *a*)
16. 6. οὐχ οὕ. ἡ μαντεία σου (13 *a*)
— 7. οὐχ οὕ. (17 *c*)
17. 12. οὕ. ταραχθήσεσθε –
18. 4. οὕ. εἶπε κύριός μοι (9 *a*)
20. 2. καὶ ποίησον οὕ. (13 *a*)
— 4. οὕ. ἄξει βασιλεὺς Ἀσσ. τὴν αἰχμαλωσίαν (13 *a*)
21. 6. οὕ. εἶπε πρὸς μὲ κύριος (9 *a*)
— 16. οὕ. εἶπέ μοι κύριος (9 *a*)
24. 13. οὕ. καλαμήσονται αὐτούς (8)
26. 17. οὕ. ἐγενήθημεν τῷ ἀγαπητῷ σου (13 *a*)
27. 7. καὶ αὐτὸς οὕ. πληγήσεται –
— 7. οὕ. [S¹ οὗτος] ἀναιρεθήσεται –
28. 16. οὕ. λέγει κύριος (9 *a*)
29. 8. οὕ. ἔσται ὁ πλοῦτος πάντων τῶν ἐθνῶν (13 *a*)
30. 12. A S³ οὕ. [B S¹ τάδε] λέγει κύριος (9 *a*)
— 15. οὕ. λέγει κύριος (9 *a*)
31. 4. οὕ. εἶπέ μοι κύριος (9 *a*)
— 4. οὕ. καταβήσεται κύριος σαβ. (13 *a*)
— 5. οὕ. ὑπερασπιεῖ κύριος σαβ. (13 *a*)
33. 1. οὕ. ἡττηθήσονται –
— 4. οὕ. ἐμπαίξουσιν ὑμῖν –
36. 6. οὕ. ἐστὶ Φαρ. (13 *a*)
37. 6. οὕ. ἐρεῖτε πρὸς τὸν κύριον ὑμῶν (9 *a*)
— 10. οὕ. ἐρεῖτε Ἐζεκίᾳ (9 *a*)
— 33. οὕ. λέγει κύριος (9 *a*)
38. 13. A B² S R οὕ. [B¹ *om.*] συνέτριψε πάντα τὰ ὀστᾶ μου (13 *a*)
— 14. οὕ. φωνήσω . . . οὕ. μελετῶ (13 *a*, –)
41. 25. οὕ. καταπατηθήσεσθε –
42. 5 : 43. 1, 14. οὕ. λέγει κ. ὁ θεός (9 *a*)
43. 16. οὕ. λέγει κύριος (9 *a*)
44. 2. οὕ. λέγει κ. ὁ θεός (9 *a*)
— 6. οὕ. λέγει ὁ θ. ὁ βασ. Ἰσρ. (9 *a*)
— 24. οὕ. λέγει κύριος (9 *a*)
45. 1, 11. οὕ. λέγει κ. ὁ θεός (9 *a*)
— 14. οὕ. λέγει κύριος σαβ. (9 *a*)
— 18 : 48. 17 (A² B S). οὕ. λέγει κύριος (9 *a*)
49. 5. οὕ. λέγει κύριος –
— 7, 8, 22, 25 : 50. 1. οὕ. λέγει κύριος (9 *a*)
51. 22. οὕ. λέγει κ. ὁ θεός (9 *a*)
52. 4. οὕ. λέγει κύριος (9 *a*)
— 14. οὕ. ἀδοξήσει ἀπὸ ἀνθρώπων τὸ εἶδός σου (13 *a*)
— 15. οὕ. θαυμάσονται ἔθνη πολλά (13 *a*)
53. 7. οὐκ ἀνοίγει τὸ στόμα αὐ. (6)
54. 6. S¹ οὕ. [A B S⁴ οὐδ' ὡς] γυναῖκα . . . . μεμισημένην (6)
— 10. οὕ. οὐδὲ τὸ παρ' ἐμοῦ σοι ἔλεος ἐκλείψει (6)
55. 9. οὕ. ἀπέχει ἡ ὁδός μου (13 *a*)
— 11. οὕ. ἔσται τὸ ῥῆμά μου (13 *a*)
57. 20. A S οἱ δὲ ἄδικοι οὕ. [B *om.*] κλυδωνισθήσονται †
58. 5. οὐδ' οὕ. καλέσετε νηστείαν δεκτήν †
61. 7. οὕ. ἐκ δευτέρας κληρονομήσουσι τὴν γῆν (13 *b*)
— 11. οὕ. ἀνατελεῖ κ. κύριος δικαιοσύνην (13 *a*)
62. 5. οὕ. κατοικήσουσιν οἱ υἱοί σου –
— 5. οὕ. εὐφρανθήσεται κ. ἐπὶ σοί –
63. 1. οὕ. ὡραῖος ἐν στολῇ (7 *a*)
— 14. οὕ. ἤγαγες τὸν λαόν σου (13 *a*)
64. 6 (5). οὕ. ἄνεμος οἴσει ἡμᾶς (8)
65. 8. οὕ. λέγει κύριος (9 *a*)
— 8. οὕ. ποιήσω ἕνεκεν τοῦ δουλεύοντός μοι (13 *a*)
66. 1. A B S² οὕ. λέγει κύριος (9 *a*)
— 8. τίς ἑώρακεν οὕ. (3 *b*)
— 13. οὕ. κἀγὼ παρακαλέσω ὑμᾶς (13 *a*)
— 22. οὕ. στήσεται τὸ σπέρμα ὑμῶν (13 *a*)
Je. 2. 26. οὕ. αἰσχυνθήσονται οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (13 *a*)
— 33. οὐχ οὕ. (17 *c*)
3. 20. οὕ. ἠθέτησεν εἰς ἐμὲ οἶκος Ἰσρ. (13 *a*)
Je. 4. 3. S¹ οὕ. [B S² ὅτι τάδε] λέγει κύριος (9 *a*)
5. 13. B S οὕ. ἔσται αὐτοῖς (9 *a*)
— 19. B S οὕ. δουλεύσετε ἀλλοτρίοις (13 *a*)
— 27. οὕ. οἱ οἶκοι αὐ. πλήρεις δόλου (13 *a*)
— 31. καὶ ὁ λαός μου ἠγάπησεν οὕ. (13 *a*)
6. 7. οὕ. ψύχει κακία αὐ. (13 *a*)
8. 6. οὐχ οὕ. λαλήσουσιν (13 *a*)
10. 11. οὕ. ἐρεῖτε αὐτοῖς (5 *a*)
13. 9. οὕ. φθερῶ τὴν ὕβριν Ἰ. (11)
— 11. οὕ. ἐκόλλησα πρὸς ἐμαυτὸν τὸν οἶκον τοῦ Ἰσρ. (13 *a*)
— 25. R οὕ. ὁ κλῆρός σου [A B S *al.*] (7 *a*)
14. 10. οὕ. λέγει κύριος τῷ λαῷ τούτῳ (9 *a*)
19. 11. οὕ. συντρίψω τὸν λαὸν τοῦτον (11)
— 12. οὕ. ποιήσω . . . τῷ τόπῳ τούτῳ (13 *a*)
21. 3. οὕ. ἐρεῖτε πρὸς Σεδ. (9 *a*)
— 7. οὕ. λέγει κύριος (13 *a*)
22. 8. διὰ τί ἐποίησε κύριος οὕ. (11)
23. 10. καὶ ἡ ἰσχὺς αὐ. οὕ. [A οὐχ οὕ.] (13 *a*)
— 16. A B οὕ. λέγει κύριος παντοκρ. (9 *a*)
— 28 (29). οὕ. οἱ λόγοι μου (9 *a* ?)
— 35. οὕ. ἐρεῖτε ἕκαστος πρὸς τὸν πλησίον αὐ. (9 *a*)
24. 5. οὕ. ἐπιγνώσομαι τοὺς ἀποικισθέντας Ἰουδαίους (13 *a*)
— 8. οὕ. παραδώσω τὸν Σεδ. (13 *a*)
28 (51). 64. οὕ. καταδύσεται Βαβ. (11)
30 (49). 1 : 30. 6 (49. 28) : 31 (48). 1. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
31 (48). 30. οὐχὶ τὸ ἱκανὸν αὐτῷ οὐχ οὕ. ἐποίησε (13 *a*)
— 40. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
32. 1 (25. 15). οὕ. εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (9 *a*)
— 13 (25. 27). οὕ. εἶπε κύριος παντοκρ. (9 *a*)
— 14 (25. 28), 18 (25. 32) : 33 (26). 2, 4, 18 : 34 (27). 1 (2). οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
34 (27). 4. οὕ. εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (9 *a*)
— 4. οὕ. ἐρεῖτε πρὸς τοὺς κυρίους ὑμῶν (9 *a*)
— 16, 19 : 35 (28). 2. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
35 (28). 6. ἀληθῶς οὕ. ποιήσαι κύριος (13 *a*)
— 11. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
— 11. οὕ. συντρίψω τὸν ζυγόν (11)
— 13, 14, 16. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
36 (29). 4. οὕ. εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (9 *a*)
— 8, 10, 21, 31, 32. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
37 (30). 2. οὕ. εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (9 *a*)
— 5, 12, 18 : 38 (31). 2. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
38 (31). 7. οὕ. εἶπε κύριος τῷ Ἰ. (9 *a*)
— 15, 16, 23. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
— 28. οὕ. γρηγορήσω ἐπ' αὐτούς (13 *a*)
— 35 : 39 (32). 3 (A B S²), 14, 15. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
39 (32). 24. οὕ. ἐγένετο †
— 28. οὕ. εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (9 *a*)
— 36. οὕ. εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (13 *b* + 9 *a*)
— 42. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
— 42. οὕ. ἐγὼ ἐπάξω ἐπ' αὐτοὺς πάντα τὰ ἀγαθά (13 *a*)
40 (33). 2, 4, 10. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
— 12. οὕ. εἶπε κύριος τῶν δυνάμεων (9 *a*)
41 (34). 2 *bis*. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
— 4. οὕ. λέγει κύριος (9 *a*)
— 13, 17. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
42 (35). 13. οὕ. λέγει κύριος (9 *a*)
— 17, 18 (B S) : 43 (36). 29, 30 : 44 (37). 7. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
44 (37). 7. οὕ. ἐρεῖς πρὸς βασιλέα Ἰούδα (9 *a*)
— 9 : 45 (38). 2, 3. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
45 (38). 12. καὶ ἐποίησεν Ἱερ. οὕ. (13 *a*)
— 17. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
— 21. B οὕ. [A S R οὗτος] ὁ λόγος ὃν ἔδειξεν (7 *a*)
46 (39). 16. οὕ. εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (9 *a*)
49 (42). 5. οὕ. [A οὐ] ποιήσομεν (13 *a*)
— 9, 15 (A B S²), 18. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
— 18. οὕ. στάξει ὁ θυμός μου ἐφ' ὑμᾶς (13 *a*)
50 (43). 10. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
51 (44). 2. οὕ. εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (9 *a*)
— 7, 11. οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
— 25. οὕ. εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (9 *a*)
— 30, 32 (45. 2). οὕ. εἶπε κύριος (9 *a*)
51. 34 (45. 4). οὕ. εἶπε κύριος [S εἰπὸν αὐτῷ] (9 *a*)
Ba. 2. 21. οὕ. εἶπε κύριος
4. 24. οὕ. ὄψονται . . . τὴν . . . σωτηρίαν
— 28. A οὕ. νῦν δεκαπλασιάσατε [B *al.*]
— 33. οὕ. λυπηθήσεται ἐπὶ τῇ ἑαυτῆς ἐρημίᾳ
La. 2. 20. τίνι ἐπεφύλλισας οὕ. (9 *a*)
3. 37. τίς οὕ. εἶπε (7 *a*)
Ep. Je. 70. οὕ. οἱ θεοὶ αὐ. εἰσι ξύλινοι
Ez. 1. 28. A² B οὕ. ἡ στάσις τοῦ φέγγους κυκλόθεν (13 *a*)
4. 13. οὕ. φάγονται οἱ υἱοὶ τοῦ Ἰσρ. ἀκάθαρτα (11)
11. 5. οὕ. εἴπατε (13 *a*)
12. 7. ἐποίησα οὕ. (13 *a*)
— 11. οὕ. ἔσται αὐτῷ (13 *a*)
15. 6. οὕ. δέδωκα τοὺς κατοικοῦντας Ἱερ. (13 *a*)
16. 28. καὶ οὐδ' οὕ. ἐνεπλήσθης (16 *b*)
— 43. οὕ. ἐποίησας τὴν ἀσέβειαν †
18. 4. οὕ. καὶ ἡ ψυχὴ τοῦ υἱοῦ (8)
20. 36. οὕ. [A κἀγὼ] κρινῶ ὑμᾶς (13 *a*)
— 44. ἐν τῷ ποιῆσαί με οὕ. ὑμῖν –
21. 4 (9). οὕ. ἐξελεύσεται τὸ ἐγχειρίδιόν μου (13 *b*)
22. 20. οὕ. εἰσδέξομαι ἐν ὀργῇ μου (13 *a*)
— 22. οὕ. χωνευθήσεσθε ἐν μέσῳ αὐτῆς (13 *a*)
23. 40 (39). ὅτι οὕ. ἐποίουν (9 *a*)
— 44. οὕ. εἰσεπορεύοντο πρὸς Ὀ. (13 *a*)
31. 18. οὕ. Φ. καὶ τὸ πλῆθος †
32. 14. οὕ. τότε ἡσυχάσει τὰ ὕδατα αὐ. (1 ?)
33. 10. οὕ. ἐλαλήσατε (13 *a*)
— 25. A οὕ. εἶπεν ἀδωναῖ κύριος (9 *a*)
— 27. A οὕ. διὰ τοῦτο εἰπὸν αὐτοῖς [B *al.*] (9 *a*)
34. 12. οὕ. ἐκζητήσω τὰ πρόβατά μου (13 *a*)
36. 38. οὕ. ἔσονται αἱ πόλεις (13 *a*)
42. 5. οὕ. περίστυλον καὶ διάστημα –
— 5. καὶ οὕ. στοαὶ δύο –
45. 20. καὶ οὕ. ποιήσεις (13 *a*)
Da. LXX. Su. 13. τί σὺ οὕτως ὄρθρου ἐξῆλθες
— 48. οὕτως μωροὶ, υἱοὶ Ἰσρ.
— 57. οὕτως ἐποιεῖτε θυγατράσιν Ἰσρ.
1. 13. οὕτω χρῆσαι τοῖς παισί σου –
2. 8. οὕτως ἔσται –
3. (24). οὕτως οὖν προσηύξατο Ἀν.
— (25). προσηύξατο οὕτως
— (40). οὕτω γενέσθω ἡμῶν ἡ θυσία
— 26 (93). οὕτως οὖν ἐξῆλθον (18)
— 29 (96). ὃς δυνήσεται ἐξελέσθαι οὕτως (5 *a*)
— 30 (97). οὕτως οὖν ὁ βασ. (18)
4. 12 (11). καὶ οὕτως εἶπε (13 *a*)
— 34. οὕτως ἐποίησε μετ' ἐμοῦ –
5. 17. οὕτως ἀπεκρίθη τῷ βασ. –
6. 9 (10). οὕτως ὁ βασ. Δ. ἔστησε (5 *b*)
— 12 (13). οὕτως ποιήσω καθὼς λέγετε –
7. 5. καὶ οὕτως εἶπεν (13 *a*)
Bel 8. γινέσθω οὕτως
— 13. καὶ ἐγένετο οὕτως
Da. TH. Su. 48. οὕτως μωροὶ, οἱ υἱοὶ Ἰσρ.
— 57. οὕτως ἐποιεῖτε θυγατράσιν Ἰσρ.
2. 40. οὕτως πάντα λεπτυνεῖ –
3. (24). προσηύξατο οὕτως
— (40) οὕτως γενέσθω θυσία ἡμῶν
— 29 (96). ὅστις δυνήσεται ῥύσασθαι οὕτως (5 *a*)
4. 11. καὶ οὕτως εἶπεν (13 *a*)
7. 5. οὕτως ἔλεγον αὐτῇ (13 *a*)
I Ma. 1. 58. ἐποίουν οὕ. [S¹ *om.*] τῷ Ἰσρ.
2. 61. καὶ οὕτως ἐννοήθητε
3. 60. οὕτως ποιήσει
7. 42. οὕτως σύντριψον τὴν παρεμβ. ταύτην
8. 29. A S οὕ. [R *om.*] ἔστησαν Ῥωμαῖοι
10. 11, 62. καὶ ἐποίησαν οὕτως
12. 26. οὕτως τάσσονται
13. 47. καὶ οὕ. εἰσῆλθεν εἰς αὐτήν
14. 22. ἀνεγράψαμεν . . . οὕ.
II Ma. 2. 10. R οὕτως καὶ [A *om.*] Σαλ. προσηύξατο
— 29. οὕ. δοκῶ καὶ ἐπὶ ἡμῖν
3. 9. εἰ . . . ταῦτα οὕτως ἔχοντα τυγχάνει
— 11. A οὐχ οὕ. [R ὥσπερ ἦν] διαβάλλων
— 40. τὰ μὲν κατὰ Ἡλ. . . . οὕ. ἐχώρησεν
4. 13. ἣν δ' οὕτως ἀκμή τις Ἑλληνισμοῦ
— 22. εἶθ' οὕ. εἰς τὴν Φ. κατεστρατοπέδευσε
6. 14. οὕτω καὶ ἐφ' ἡμῶν ἔκρινεν εἶναι
7. 2. R εἷς δὲ αὐτῶν . . . οὕτως ἔφη [A *al.*]
— 5. λέγοντες οὕτως
— 14. οὕτως ἔφη
— 27. οὕτως ἔφησε
— 28. τὸ τῶν ἀνθρώπων γένος οὕ. γίνεται
9. 4. οὕ. γὰρ ὑπερηφάνως εἶπε
— 13. οὕτω λέγων
— 18. περιέχουσαν δὲ οὕτως
10. 9. τὰ μὲν τῆς Ἀντ. . . . τελευτῆς οὕ. εἶχε
11. 22. ἡ δὲ τοῦ βασ. ἐπιστολὴ περιεῖχεν οὕ.
— 34. ἐπιστολὴν ἔχουσαν οὕτως
13. 26. οὕ. τὰ τῆς ἐφόδου τοῦ βασ. . . . ἐχώρησε
15. 2. μηδαμῶς οὕ. ἀγρίως . . . ἀπολέσῃς
— 13. εἶθ' οὕ. ἐπιφανῆναι ἄνδρα
— 37. τῶν οὖν κατὰ Νικάνορα χωρησάντων οὕ.

II Ma. 15. 39. οὔ. καὶ τὸ τῆς κατασκευῆς τοῦ λόγου
III Ma. 1. 5. καὶ οὔ. συνέβη
3. 9. μὴ γὰρ οὔ. παρορραθήσεται τηλικοῦτο σύστημα
— 30. ὁ μὲν τῆς ἐπιστολῆς τύπος οὔ. ἐγέγραπτο
4. 4. οὔ. γὰρ . . . ἐξαπεστέλλοντο
5. 22. οὐχ οὔ. εἰς ὕπνον κατεχρήσαντο τὸν χρόνον τῆς νυκτός
— 33. οὕτως ὁ Ἕ. . . . ὑπήνεγκεν ἀπειλήν
6. 15. οὔ. ἐπιτέλεστον
— 26. τίς . . . οὔ. ἀθέσμοις περιέβαλεν αἰκίαις
IV Ma. 1. 12. καὶ οὕτως . . . τρέψομαι
2. 20. οὐκ ἂν εἶπεν οὕτως
5. 15. ἤρξατο δημηγορεῖν οὔ.
— 18. οὐδὲ οὔ. ἐξὸν ἡμῖν ἦν
— 31. οὐχ οὔ. εἰμὶ γέρων
— 33. οὐχ οὔ. οἰκτειρήσω τὸ ἐμαυτοῦ γῆρας
6. 17. μὴ οὔ. κακῶς φρονήσαιμεν
— 24. οὔ. μεγαλοφρονοῦντα αὐτὸν ἰδόντες
7. 4. οὐχ οὔ. πόλις . . . ἀντέσχε ποτέ
— 12. οὔ. ὁ Ἀαρωνίδης
8. 6. οὕτω καὶ εὐεργετεῖν
9. 17. οὐχ οὔ. ἰσχυρὸς ὑμῶν ἐστιν ὁ τροχός
10. 14. οὐχ οὔ. καυστικώτερον ἔχετε κατ' ἐμοῦ τὸ πῦρ
12. 20. καὶ οὔ. ἀπέδωκε τὴν ψυχήν
13. 3. νυνὶ δὲ οὐχ οὔ.
— 7. οὔ. ἡ ἑπτάπυργος . . . εὐλογιστία
— 17. οὔ. γὰρ παθόντας ἡμᾶς
— 23. οὔ. δὴ τοίνυν καθεστηκυίας τῆς φιλαδελφίας
14. 6. οὕτως οἱ ἱεροὶ μείρακες
— 8. οὕτω περὶ τὴν ἑβδομάδα χορεύοντες
15. 10. καὶ φιλομήτορες οὕτως
— 21. οὐχ οὔ. σειρήνιοι μελῳδίαι
— 32. οὕτω σὺ, ἡ νομοφύλαξ
16. 3. οὐχ οὔ. οἱ περὶ Δ. λέοντες ἦσαν ἄγριοι
— 3. S ὁρῶσαν . . . οὔ. ποικίλως βασανιζομένους
— 5. A R καὶ ἴσως ἂν ταῦτα οὕτως [S *om.*] εἶπεν
17. 5. οὐχ οὕτω σελήνη . . . καθέστηκεν
[Aq. Ex. 7. 11 : 10. 29 : Jo. 1. 17 : 5. 15 (16) : III Ki. 14. 4 : IV Ki. 16. 11 : Is. 33. 23 : 54. 9 : Je. 14. 10 : 17. 19 : 18. 6 : 20. 11 : 30 (37). 5 : 34 (41). 5 : 48 (31). 30.]
[Sm. Ge. 4. 15 : Jo. 1. 17 : 5. 15 (16) : I Ki. 25. 21 : II Ki. 3. 9 : IV Ki. 16. 11 : Je. 14. 19 : Ps. 47 (48). 6 : 64 (65). 10 : 81 (82). 7 : 88 (89). 11 (P.) : 130 (131). 2 : 140 (141). 7 : Pr. 26. 9 : Ec. 7. 30 (8. 1) : Is. 16. 6 : 24. 2 : 33. 23 : 54. 9 : Je. 16. 19 : 17. 19 : 18. 6 : 30 (37). 5 : Da. 3. 30 (97) (Sw.).]
[Th. Ge. 4. 15 : Ex. 10. 29 : Jo. 1. 17 : 5. 15 (16) : II Ki. 14. 13 : Ps. 126 (127). 4 : Is. 33. 23 : 54. 9 : Je. 14. 10 : 17. 19 : 18. 6 : 23. 37 : 30 (37). 5 : 38 (40). 22 : 39 (46). 12 : Ez. 33. 27 : 35. 15.]
[Al. Ex. 8. 7 (P.) : Nu. 16. 6 : 22. 30 : Pr. 15. 7.]
[Quint. IV Ki. 16. 11.]

οὐχί, *vid. sub* **οὐ**.

οὐχσίλ.

[Heb. Ps. 91 (92). 7.]

ὀφείλειν (-φίλ.). (1) אַחֲלֵי (2) חוֹב (3) לוּ (4) *a.* נָשָׁא *b.* נָשָׁה qal. *c.* hi. (5) מִי־יִתֵּן (6) **αἰσχύνην ὀ.** בּוֹשׁ (7) **εἰ γὰρ ὄφελον** מִי יִתֵּן

Ex. 16. 3. ὄφελον ἀπεθάνομεν πληγέντες (5)
Nu. 14. 3 (2). ὄφελον ἀπεθάνομεν ἐν γῇ Αἰγ. (3)
20. 3. ὄφελον ἀπεθάνομεν ἐν τῇ ἀπωλείᾳ (3)
De. 15. 2. ὃ ὀφείλει σοι ὁ πλησίον (4 *c*)
IV Ki. 5. 3. ὄφελον ὁ κ. μου ἐνώπιον τοῦ προφήτου (1)
To. 6. 12. A R ὀφειλήσει [B -εσει, S -ησιν (? -ειν)] θάνατον
Jb. 6. 20. A αἰσχύνην οἱ ὁρῶντες [B S *om.* οἱ ὁ.] ὀφειλήσουσιν (6)
14. 13. εἰ γὰρ ὄφελον ἐν ᾅδῃ με ἐφύλαξας (7)
30. 24. εἰ γὰρ ὄφελον δυναίμην ἐμαυτὸν χειρώσασθαι –
Ps. 118 (119). 5. ὄφελον κατευθυνθείησαν αἱ ὁδοί μου (1)
Pr. 14. 9. οἰκίαι παρανόμων [A ἀφρόνων] ὀφειλήσουσι καθαρισμόν †
Wi. 12. 15. αὐτὸν τὸν μὴ ὀφείλοντα κολασθῆναι καταδικάσαι
— 20. εἰ γὰρ . . . ὀφειλομένους θανάτῳ μετὰ τοσαύτης ἐτιμώρησας προσοχῆς
Is. 24. 2. ὁ ὀφείλων ὡς ᾧ ὀφείλει (4 *b*, 4 *a*)
Ez. 18. 7. ἐνεχυρασμὸν ὀφείλοντος ἀποδώσει (2)
I Ma. 10. 43. R ὀφείλοντες [A S -λων] βασιλικά
13. 15. οὗ ὤφειλεν Ἰ.
— 39. τὸν στέφανον ὃν ὠφείλετε
III Ma. 7. 10. τυχεῖν . . . τῆς ὀφειλομ. κολάσεως
IV Ma. 11. 3. R ὅπως . . . ὀφειλήσῃς [A -σεις, S *om.*] . . . τιμωρίαν
— 15. ἀποθνήσκειν ὀφείλομεν ὁμοίως
16. 19. ὀφείλετε πάντα πόνον ὑπομένειν
[Aq. Nu. 14. 2 : Dt. 32. 29 : Jb. 16. 4.]
[Sm. Nu. 14. 2.]
[Th. Nu. 14. 2 : Je. 15. 10 *bis* : Ez. 3. 6.]

ὀφείλημα. (1) מַשָּׂאָה (2) **ὀ. ἐστι** נָשָׁה hi.

De. 24. 10. ἐὰν ὀφείλημα ᾖ ἐν τῷ πλησίον σου ὀφείλημα ὁτιοῦν (2, 1)
I Es. 3. 20. οὐ μέμνηται . . . πᾶν ὀ.
I Ma. 15. 8. πᾶν ὀ. βασιλικὸν . . . ἀφιέσθω σοι

ὀφείλησις (?).

To. 6. 12. A R ἢ ὀφειλήσει θάνατον [?, B S *al.*]

ὄφελος. (1) יָעַל hi.

Jb. 15. 3. ἐν λόγοις οἷς οὐδὲν ὄφελος (1)

ὀφθαλμός. (1) מַרְאֶה (2) עַיִן (3) עֵינַיִם (4) פָּנִים (5) **κόρη ὀφθαλμοῦ, αἱ κόραι τῶν ὀ.** אִישׁוֹן

Ge. 3. 5. διανοιχθήσονται ὑμῶν οἱ ὀ. (2)
— 6. ὅτι ἀρεστὸν τοῖς ὀφθαλμοῖς ἰδεῖν (2)
— 7. διηνοίχθησαν οἱ ὀφθαλμοὶ τῶν δύο (2)
13. 10. καὶ ἐπάρας Λὼτ τοὺς ὀ. αὐτοῦ ἐπείδε (2)
— 14. ἀνάβλεψον τοῖς ὀ. σου (2)
18. 2. ἀναβλέψας δὲ τοῖς ὀ. αὐτοῦ εἶδε (2)
21. 19. καὶ ἀνέῳξεν ὁ θεὸς τοὺς ὀ. αὐτῆς (2)
22. 4. R ἀναβλέψας Ἀβ. τοῖς ὀ. αὐτοῦ [A *om.*] (2)
— 13. ἀναβλέψας Ἀβ. τοῖς ὀ. αὐτοῦ εἶδε (2)
24. 63. R ἀναβλέψας τοῖς ὀ. αὐτοῦ [A *om.*] (2)
— 64. ἀναβλέψασα Ῥ. τοῖς ὀ. (2)
27. 1. ἠμβλύνθησαν οἱ ὀ. αὐτοῦ τοῦ ὁρᾶν (2)
29. 17. οἱ δὲ ὀ. Λείας ἀσθενεῖς (2)
31. 10. R εἶδον τοῖς [A ἐν τοῖς] ὀ. μου ἐν τῷ ὕπνῳ (2)
— 12. ἀνάβλεψον τοῖς ὀ. σου (2)
— 40. ἀφίστατο ὁ ὕπνος μου ἀπὸ τῶν ὀ. μου (2)
32. 1 (2). A ἀναβλέψας τοῖς ὀ. [R *om.* τ. ὀ.] εἶδε –
33. 1. ἀναβλέψας δὲ Ἰ. τοῖς ὀ. αὐτοῦ εἶδε (2)
— 8. A χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου [R *al.*] (2)
37. 25. ἀναβλέψαντες τοῖς ὀ. εἶδον (2)
39. 7. ἐπέβαλεν . . . τοὺς ὀ. αὐτῆς ἐπὶ Ἰωσήφ (2)
43. 29. R ἀναβλέψας δὲ τοῖς ὀ. αὐτοῦ [A *om.*] (2)
45. 12. οἱ ὀ. ὑμῶν βλέπουσι καὶ οἱ ὀ. Βεν. (2, 2)
— 20. μὴ φείσησθε τοῖς ὀ. τῶν σκευῶν ὑμῶν (2)
46. 4. ἐπιβαλεῖ τὰς χεῖρας ἐπὶ τοὺς ὀ. σου (2)
48. 10. R οἱ ὀ. δὲ Ἰσρ. [A αὐτοῦ] ἐβαρυώπησαν (2)
49. 12. χαροποιοὶ οἱ ὀ. αὐτοῦ ὑπὲρ οἶνον (2)
Ex. 13. 9. μνημόσυνον πρὸ ὀφθιλμῶν σου (2)
— 16. εἰς . . . ἀσάλευτον πρὸ ὀφθ.ιλμῶν σου (2)
14. 10. ἀναβλέψαντες . . . τοῖς ὀ. [A[1] *om.* τ. ὀ.] ὁρῶσι (2)
21. 24. ὀφθαλμὸν ἀντὶ ὀφθαλμοῦ (2, 2)
— 26. τὸν [A *om.*] ὀ. τοῦ οἰκέτου αὐ. ἢ τὸν ὀ. τῆς θεραπαίνης αὐτοῦ (2, 2)
— 26. ἐλευθέρους . . . ἀντὶ τοῦ ὀ. αὐτῶν (2)
23. 8. τὰ γὰρ δῶρα ἐκτυφλοῖ ὀφθαλμοὺς βλεπόντων –
Le. 4. 13. καὶ λάθῃ ῥῆμα ἐξ ὀφθαλμῶν τῆς συναγωγῆς (2)
5. 4. καὶ λάθῃ αὐτὸν πρὸ ὀφθαλμῶν –
20. 4. ἐὰν δὲ . . . ὑπερίδωσιν . . . τοῖς ὀ. αὐτῶν (2)
21. 20. ἢ πτίλλος τοὺς ὀ. [A τοῖς ὀ.] (2)
24. 20. ὀφθαλμὸν ἀντὶ ὀφθαλμοῦ (2, 2)
26. 16. καὶ σφακελίζοντας τοὺς ὀ. ὑμῶν (2)
Nu. 5. 13. καὶ λάθῃ ἐξ ὀφθαλμῶν τοῦ ἀνδρὸς αὐ. (2)
11. 6. οὐδὲν πλὴν εἰς τὸ μάννα οἱ ὀ. ἡμῶν (2)
14. 14. ὅστις ὀφθαλμοῖς [A -οὺς] κατ' ὀφθαλμοὺς ὀπτάζῃ (2, 2)
15. 24. ἐξ ὀφθαλμῶν τῆς συναγωγῆς (2)
— 39. οὐ διαστραφήσεσθε ὀπίσω . . . τῶν ὀ. (2)
16. 14. τοὺς ὀ. τῶν ἀνθρ. ἐκ. ἂν ἐξέκοψας (2)
22. 31. ἀπεκάλυψε δὲ ὁ θ. τοὺς ὀ. Β. (2)
24. 2. ἐξάρας Β. τοὺς ὀ. αὐτοῦ (2)
— 4, 16. ἀποκεκαλυμμένοι οἱ ὀ. αὐτοῦ (2)
33. 55. σκόλοπες ἐν τοῖς ὀ. ὑμῶν (2)
De. 1. 30. A[2] ὅσα ἐποίησεν ἡμῖν ἐν γῇ Αἰγ. κατ' ὀφθαλμοὺς αὐ. [B *om.* κ. ὀ. αὐ.] (2)
3. 21. οἱ ὀ. ὑμῶν ἑωράκασι πάντα (2)
— 27. ἀναβλέψας τοῖς ὀ. (2)
De. 3. 27. ἴδε τοῖς ὀ. σου (2)
4. 3. οἱ ὀ. ὑμῶν ἑωράκασι πάντα (2)
— 9. οὓς ἑωράκασιν οἱ ὀ. σου (2)
6. 8. ἔσται ἀσάλευτον πρὸ ὀφθαλμῶν σου (2)
7. 16. οὐ φείσεται ὁ ὀ. σου ἐπ' αὐτοῖς (2)
— 19. οὓς ἴδοσαν οἱ ὀ. σου (2)
10. 21. ἃ ἴδοσαν οἱ ὀ. σου (2)
11. 7. οἱ ὀ. ὑμῶν ἑώρακαν πάντα τὰ ἔργα κ. (2)
— 12. οἱ ὀ. κ. τοῦ θεοῦ σου ἐπ' αὐτῆς (2)
— 18. ἔσται ἀσάλευτον πρὸ ὀφθαλμῶν ὑμῶν (2)
13. 8 (9). οὐ φείσεται ὁ ὀ. σου ἐπ' αὐτῷ (2)
14. 1. ἀνὰ μέσον τῶν ὀ. ὑμῶν (2)
15. 9. καὶ πονηρεύσηται ὁ ὀ. σου (2)
16. 19. ἀποτυφλοῖ ὀφθαλμοὺς σοφῶν (2)
19. 13, 21. οὐ φείσεται ὁ ὀ. σου ἐπ' αὐτῷ (2)
— 21. ὀφθαλμὸν ἀντὶ ὀφθαλμοῦ (2, 2)
21. 7. οἱ ὀ. ἡμῶν οὐχ ἑωράκασιν (2)
25. 12. οὐ φείσεται ὁ ὀ. σου ἐπ' αὐτῇ (2)
28. 32. οἱ ὀ. σου βλέψονται (2)
— 34. διὰ τὰ ὁράματα τῶν ὀ. σου (2)
— 54. βασκανεῖ τῷ ὀ. [A *add.* αὐτοῦ] τὸν ἀδ. (2)
— 56. βασκανεῖ τῷ ὀ. αὐ. τὸν ἄνδρα αὐ. (2)
— 65. δώσει σοι κ. . . . ἐκλείποντας ὀ. (2)
— 66. κρεμαμένη ἀπέναντι τῶν ὀ. σου –
— 67. ἀπὸ τῶν ὁραμάτων τῶν ὀ. σου (2)
29. 3 (2). οὓς ἑωράκασιν [A εἶδον] οἱ ὀ. σου (2)
— 4 (3). οὐκ ἔδωκε . . . ὀφθαλμοὺς βλέπειν (2)
32. 10. διεφύλαξεν αὐτὸν ὡς κόρην ὀφθαλμοῦ (2)
34. 4. ἔδειξα τοῖς ὀ. σου (2)
— 7. οὐκ ἠμαυρώθησαν οἱ ὀ. αὐτοῦ (2)
Jo. 5. 12 (13). ἀναβλέψας τοῖς ὀ. [A *add.* αὐτοῦ] (2)
23. 13. ἔσονται . . . εἰς βολίδας ἐν τοῖς ὀ. ὑμῶν (2)
24. 7. εἴδοσαν οἱ ὀ. ὑμῶν (2)
Jd. 6. 17. εἰ δὴ εὗρον ἔλεος ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
— 21. ἐπορεύθη ἀπ' ὀφθαλμῶν αὐτοῦ [A *al.*] (2)
10. 15. κατὰ πᾶν τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου [A *al.*] (2)
11. 35. A εἰς σκῶλον ἐγένου ἐν ὀφθαλμοῖς μου [B *al.*] –
14. 3. αὕτη εὐθεῖα ἐν ὀφθαλμοῖς μου [A *al.*] (2)
— 7. ἠὐθύνθη ἐν ὀφθαλμοῖς Σ. [A *al.*] (2)
16. 21. ἐξέκοψαν τοὺς ὀ. αὐτοῦ (2)
— 28. ἀνταπόδοσιν μίαν περὶ τῶν δύο ὀ. μου (2)
17. 6. τὸ εὐθὲς [A ἀγαθὸν] ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. ἐποίει (2)
19. 17. ἦρε τοὺς ὀ. αὐ. [A ἀναβλέψας τοῖς ὀ.] (2)
— 24. τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς ὑμῶν (2)
21. 25. A τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς [B ἐνώπιον] αὐτοῦ (2)
Ru. 2. 2. οὗ ἐὰν εὕρω χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ (2)
— 9. οἱ ὀ. σου εἰς τὸν ἀγρόν (2)
— 10. τί ὅτι εὗρον χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
— 13. εὕροιμι χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
I Ki. 1. 18. εὗρεν ἡ δούλη σου χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
— 23. ποίει τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
2. 29. ἵνα τί ἐπέβλεψας . . . ἀναιδεῖ ὀ. †
— 33. ἐκλείπειν τοὺς ὀ. αὐτοῦ (2)
3. 2. οἱ ὀ. αὐ. ἤρξαντο βαρύνεσθαι (2)
4. 15. οἱ ὀ. αὐ. ἐπανέστησαν (2)
6. 13. ἦραν ὀφθαλμοὺς αὐτῶν (2)
8. 6. πονηρὸν τὸ ῥῆμα ἐν ὀφθαλμοῖς [A ἐνώπιον] Σ. (2)
11. 2. ἐν τῷ ἐξορύξαι ὑμῶν πάντα ὀ. δεξιόν (2)
12. 16. ὃ ὁ κύριος ποιήσει ἐν ὀφθαλμοῖς ὑμῶν (2)
14. 27. ἀνέβλεψαν οἱ ὀ. αὐτοῦ (2)
— 29. εἶδον οἱ ὀ. μου (2)
16. 12. οὗτος πυρράκης μετὰ κάλλους ὀφθαλμῶν (2)
— 22. εὗρε χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς μου (2)
17. 42. αὐτὸς πυρράκης μετὰ κάλλους ὀφθαλμῶν (1)
18. 5. A ἤρεσεν ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς τοῦ λαοῦ καί γε ἐν ὀφθαλμοῖς δούλων Σαούλ (2, 2)
— 8. πονηρὸν ἐφάνη τὸ ῥῆμα ἐν ὀφθαλμοῖς Σ. (2)
— 20. ἠὐθύνθη ἐν τοῖς [A *om.*] ὀ. αὐτοῦ (2)
— 23. εἰ κοῦφον ἐν ὀφθαλμοῖς ὑ. ἐπιγαμβρεῦσαι βασιλεῖ (2)
— 26. εὐθύνθη ὁ λόγος ἐν ὀφθαλμοῖς Δ. (2)
20. 3. εὕρηκα χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς [A ἐνώπιόν] σου (2)
— 29. εἰ εὕρηκα χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
24. 5. ὡς ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
— 11. ἑωράκασιν οἱ ὀ. σου (2)
25. 8. εὑρέτωσαν . . . χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
26. 21. ἔντιμος ψυχή μου ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
— 24. καθὼς ἐμεγαλύνθη . . . ἐν ὀφθαλμοῖς μου (2)
27. 5. εἰ δὴ εὕρηκεν . . . χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)

I Ki. 29. 6. εὐθὺς σὺ . . . ἐν ὀφθαλμοῖς μου (2)
— 6, 7. ἐν ὀφθαλμοῖς τῶν σατραπῶν (2)
— 9. ἀγαθὸς σὺ ἐν ὀφθαλμοῖς μου (2)
II Ki. 3. 19. ὅσα ἤρεσεν ἐν ὀφθαλμοῖς Ἰσρ. καὶ ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς οἴκου B. (2, 2)
6. 20. ὃς ἀπεκαλύφθη σήμ. ἐν ὀφθαλμοῖς παιδισκῶν (2)
— 22. ἔσομαι ἀχρεῖος ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
10. 12. ποιήσει τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. (2)
11. 25. μὴ πονηρὸν ἔστω ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
— 27. πονηρὸν ἐφάνη . . . ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
12. 9. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. (2)
— 11. λήψομαι τὰς γυν. σου κατ' ὀφθαλμούς σου (2)
13. 2. ὑπέρογκον ἐν ὀφθαλμοῖς Ἀμνών (2)
— 5. ποιησάτω κατ' ὀφθαλμούς μου βρῶμα (2)
— 6. κολλυρισάτω ἐν ὀφθαλμοῖς μου δύο κολλ. (2)
— 8. ἐκολλύρισε κατ' ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ (2)
— 34. ἦρε τὸ παιδάριον ὁ σκοπὸς τοὺς ὀ. αὐτοῦ (2)
14. 22. εὗρον χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
15. 25. ἐὰν εὕρω χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
— 26. κατὰ τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. (2)
16. 4. εὕροιμι χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
— 22. εἰσῆλθεν Ἀβ. . . . κατ' ὀφθαλμοὺς παντὸς Ἰσρ. (2)
17. 4. εὐθὺς ὁ λόγος ἐν ὀφθαλμοῖς Ἀβ. καὶ ἐν ὀφθαλμοῖς πάντων τῶν πρεσβυτ. Ἰσρ. (2, 2)
18. 4. ὃ ἐὰν ἀρέσῃ ἐν ὀφθαλμοῖς ὑμῶν (2)
— 24. ἐπῆρε τοὺς ὀ. αὐτοῦ (2)
19. 6 (7). τὸ εὐθὲς ἦν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
— 18 (19). τοῦ ποιῆσαι τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. (2)
— 27 (28). ποίησον τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
— 37 (38). ποίησον αὐτῷ τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
— 38 (39). ποιήσω αὐτῷ τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
20. 6. σκιάσει τοὺς ὀ. ἡμῶν (2)
22. 25. ἐνώπιον [A ἐναντίον] τῶν ὀ. αὐτοῦ (2)
— 28. ὀφθαλμοὺς ἐπὶ μετεώρων ταπεινώσεις (2)
24. 3. καὶ ὀφθαλμοὶ [A οἱ ὀ.] τοῦ κ. μου τοῦ βασ. ὁρῶντες (2)
— 22. ἀνενεγκάτω . . . τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. (2)
III Ki. 1. 20. οἱ ὀ. παντὸς Ἰσρ. πρὸς σέ (2)
— 48. οἱ ὀ. μου βλέπουσι (2)
8. 29. τοῦ εἶναι ὀφθαλμούς σου ἠνεῳγμένους (2)
— 52. ἔστωσαν οἱ ὀ. σου καὶ τὰ ὦτά σου ἠνεῳγμένα (2)
9. 3. ἔσονται οἱ ὀ. μου ἐκεῖ (2)
10. 7. ἑωράκασιν οἱ ὀ. μου (2)
12. 24 (*cf.* A 14. 4). B οἱ ὀ. αὐ. ἠμβλυώπουν τοῦ ἰδεῖν –
14. 4. A ἠμβλυώπουν οἱ ὀ. αὐτοῦ (2)
— 8. A ποιήσαι ἕκαστος τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς μου (2)
21 (20). 6. τὰ ἐπιθυμήματα ὀφθαλμῶν αὐ. (2)
— 38. κατεδήσατο τελαμῶνι τοὺς ὀ. αὐ. (2)
— 41. ἀφεῖλε τὸν τελαμῶνα ἀπὸ τῶν ὀ. αὐ. (2)
22. 43. τοῦ ποιῆσαι τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς [A ἐνώπιον] κυρίου (2)
IV Ki. 1. 13. ἐντιμωθήτω ἡ ψυχή μου . . . ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
— 14. ἐντιμωθήτω δὴ ἡ ψυχή μου ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
3. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
— 18. B καὶ κοῦφος καὶ [A R -φη] αὕτη ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
4. 34. ἔθηκε . . . τοὺς ὀ. αὐ. ἐπὶ τοὺς ὀ. αὐ. (2, 2)
— 35. ἤνοιξε τὸ παιδάριον τοὺς ὀ. αὐ. (2)
6. 17. διάνοιξον δὴ τοὺς ὀ. τοῦ παιδαρίου (2)
— 17. διήνοιξε κύριος τοὺς ὀ. αὐτοῦ (2)
— 20. ἄνοιξον δή, κύριε, τοὺς ὀ. αὐτῶν (2)
— 20. διήνοιξε κ. τοὺς ὀ. αὐτῶν (2)
7. 2. ὄψῃ τοῖς ὀ. (2)
— 19. ὄψῃ τοῖς ὀ. σου (2)
9. 30. ἐστιμμίσατο τοὺς ὀ. αὐτῆς (2)
10. 5. τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου ποιήσομεν (2)
— 30. ποιῆσαι τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς μου (2)
13. 2, 11. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
14. 3 : 15. 3. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
IV Ki. 15. 9, 18, 24, 28. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
— 34. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
16. 2. οὐκ ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
17. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
— 17. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
18. 3. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
19. 16. ἄνοιξον, κύριε, τοὺς ὀ. σου (2)
— 22. καὶ ἦρας εἰς ὕψος τοὺς ὀ. σου (2)
20. 3. τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς [A ἐνώπιόν] σου ἐποίησα (2)
21. 2. ἐποίησαν τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
— 6. τοῦ ποιεῖν τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
— 9. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου –
— 15. ἐποίησαν τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς μου (2)
— 16. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
— 20. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
22. 2. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
— 20. οὐκ ὀφθήσεται ἐν τοῖς ὀ. σου (2)
23. 16. ἦρε τοὺς ὀ. αὐτοῦ –
— 32. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
— 37. ἐποίησε τὸ πον. ἐν ὀφθαλμοῖς [A ἐνώπιον] κυρίου (2)
24. 9. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
— 19. A ἐποίησε τὸ πον. ἐν ὀφθαλμοῖς [B ἐνώπιον] κυρίου (2)
25. 7. τοὺς υἱοὺς Σ. ἔσφαξε κατ' ὀφθαλμοὺς αὐ. (2)
— 7. τοὺς ὀ. Σεδ. ἐξετύφλωσε (2)
I Ch. 13. 4. ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς τοῦ λ. (2)
19. 13. A R τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. [B S *om.* ἐν ὀ. αὐ.] ποιήσει (2)
21. 3. καὶ οἱ ὀ. κυρίου μου τοῦ βασ. βλέποντες –
— 16. ἐπῆρε Δ. τοὺς ὀ. αὐτοῦ (2)
II Ch. 6. 20. τοῦ εἶναι ὀφθαλμούς σου [B[1] μου] ἀνεῳγμένους (2)
— 40. ἔστωσαν δὴ οἱ ὀ. σου ἀνεῳγμένοι (2)
7. 15. οἱ ὀ. μου ἔσονται ἀνεῳγμένοι (2)
— 16. ἔσονται οἱ ὀ. μου . . . ἐκεῖ (2)
9. 6. ἕως οὗ . . . εἶδον οἱ ὀ. μου (2)
16. 9. οἱ ὀ. κυρίου ἐπιβλέπουσιν (2)
20. 12. ἐπὶ σοὶ οἱ ὀ. ἡμῶν (2)
29. 8. ὡς ὑμεῖς ὁρᾶτε τοῖς ὀ. ὑμῶν (2)
32. 23. κατ' ὀφθαλμοὺς πάντων τῶν ἐθνῶν (2)
34. 28. οὐκ ὄψονται οἱ ὀ. σου (2)
II Es. 3. 12. οἱ εἶδοσαν . . . τοῦτον τὸν οἶκον ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. (2)
5. 5. οἱ ὀ. τοῦ θεοῦ ἐπὶ τὴν αἰχμαλωσίαν Ἰ. (2)
7. 28. ἐν ὀφθαλμοῖς τοῦ βασ. (4)
9. 8. τοῦ φωτίσαι ὀφθαλμοὺς ἡμῶν (2)
Ne. 1. 6. καὶ οἱ ὀ. σου ἀνεῳγμένοι (2)
6. 16. ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτῶν (2)
To. 2. 10. A B τῶν ὀ. μου ἀνεῳγότων –
— 10. ἀφώδευσαν τὰ στρουθία θερμὸν εἰς τοὺς ὀ. μου [S *al.*]
— 10. B ἐγενήθη λευκώματα εἰς τοὺς ὀ. μου [S R *al.*]
— 10. S ἐξετυφλοῦντο οἱ ὀ. μου
— 10. S ἤμην ἀδύνατος τοῖς ὀ.
3. 12. τοὺς ὀ. μου . . . εἰς σὲ δέδωκα [S *al.*]
— 17. S ἀπολεῖσαι τὰ λ. ἀπὸ τῶν ὀ. αὐ. [A B *al.*]
— 17. S ἵνα ἴδῃ τοῖς ὀ. τὸ φῶς τοῦ θεοῦ
4. 7, 16. A B μὴ φθονεπάτω σου ὁ ὀ.
5. 9. S ἐγὼ ἄνθρωπος ἀδύνατος τοῖς ὀ.
— 20. οἱ ὀ. σου ὄψονται αὐτὸν [S *om.*]
6. 8. ἄνθρωπον ὃς ἔχει λευκώματα ἐν τοῖς ὀ. [S *al.*]
7. 7. ἀπώλεσε τοὺς ὀ. ἑαυτοῦ [S *al.*]
10. 5. ἀφῆκά σε τὸ φῶς τῶν ὀ. μου
11. 7. ἀνοίξει τοὺς ὀ. ὁ πατήρ σου [S *al.*]
— 7. ἔγχρισον τὴν χολὴν εἰς τοὺς ὀ. αὐτοῦ [S *al.*]
— 8. S ἀπολεπίσει τὰ λευκώμ. ἀπὸ τῶν ὀ. αὐ. [A B *al.*]
— 11. A B προσέπασε τὴν χολὴν ἐπὶ τοὺς ὀ. τοῦ πατρὸς αὐ.
— 11. S ἐνεφύσησεν εἰς τοὺς ὀ. αὐ.
— 12. A B διέτριψε τοὺς ὀ. αὐτοῦ
— 13. ἐλεπίσθη ἀπὸ τῶν κανθῶν τῶν ὀ. αὐ. τὰ λευκώμ. [S *al.*]
— 14. S εἶδόν σε, τέκνον, τὸ φῶς τῶν ὀ. μου
— 17. S ἤνοιξε τοὺς ὀ. αὐ.
14. 2. S ὅτε ἐγένετο ἀνάπειρος τοῖς ὀ. [A B *al.*]
Ju. 2. 11. οὐ φείσεται ὁ ὀ. σου
3. 4. ὡς ἔστιν ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου
7. 27. οὐκ ὀψόμεθα . . . ἐν ὀφθαλμοῖς ἡμῶν [A *om.* ἐν ὀ. ἡ.]
Ju. 10. 4. A S[2] R εἰς ἀπάτησιν [B S[1] ἀπάντ.] ὀφθαλμῶν ἀνδρῶν
12. 14. A B ὃ ἔσται ἐν τοῖς ὀ. αὐ. ἀρεστόν
16. 9. τὸ σανδάλιον αὐ. ἥρπασεν ὀφθαλμὸν αὐ.
Es. 4. 17. θάνατος αὐτῶν ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ.
8. 5. S[2] καὶ ἀγαθή εἰμι ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. (2)
Jb. 3. 10. ἀπήλλαξε γὰρ ἂν πόνον [A κόπον] ἀπὸ ὀφθαλμῶν μου (2)
4. 16. οὐκ ἦν μορφὴ πρὸ ὀφθαλμῶν μου (2)
7. 7. οὐκέτι ἐπανελεύσεται ὀφθαλμὸς [A S ὁ ὀ.] μου ἰδεῖν ἀγαθόν (2)
— 8. οὐ περιβλέψεταί με [A οὐκ ἀτενοῖ μοι] ὀφθαλμὸς [A ὁ ὀ.] ὁρῶντός με οἱ ὀ. σου ἐν ἐμοί (2, 2)
10. 18. ὀφθαλμὸς δέ με οὐκ εἶδε (2)
11. 20. ὀφθαλμοὶ δὲ ἀσεβῶν τακήσονται (2)
13. 1. ἰδοὺ ταῦτα ἑώρακέ μου ὁ ὀφθαλμός (2)
15. 12. τί ἐπήνεγκαν οἱ ὀ. σου (2)
16. 11 (10). ἀκίσιν ὀφθαλμῶν ἐνήλατο (2?)
— 21 (20). A B S[2] ἔναντι δὲ αὐτοῦ στάζοι μου ὁ ὀ. (2)
17. 5. A B S[2] ὀφθαλμοὶ δὲ ἐφ' υἱοῖς ἐτάκησαν (2)
— 7. A B S[2] πεπώρωνται γὰρ ἀπὸ ὀργῆς οἱ ὀ. μου (2)
19. 27. ἃ ὁ [S[1] *om.*] ὀφθαλμός μου ἑώρακε [A *al.*] (2)
20. 9. ὀφθαλμὸς παρέβλεψε (2)
21. 8. τὰ δὲ τέκνα αὐτῶν ἐν ὀφθαλμοῖς (2)
— 20. ἴδοισαν οἱ ὀ. αὐτοῦ τὴν ἑαυτοῦ σφαγήν (2)
22. 29. κύφοντα ὀφθαλμοῖς σώσει (2)
24. 15. A B S[2] ὀφθαλμὸς μοιχοῦ ἐφύλαξε σκότος λέγων, Οὐ προσνοήσει [S[1] προσθήσει, R προν.] με ὀφθαλμός [A ὁ ὀ.] (2, 2)
27. 19. ὀφθαλμοὺς [A -ὸς] αὐτοῦ διήνοιξε (2)
28. 7. οὐ παρέβλεψεν αὐτὴν ὀφθαλμὸς γυπός (2)
— 10. πᾶν δὲ ἔντιμον [A τίμιον] εἶδέ μου [A S[2] αὐτοῦ] ὁ ὀ. (2)
29. 11. ὀφθαλμὸς δὲ ἰδών με ἐξέκλινε (2)
— 15. ὀφθαλμὸς ἤμην τυφλῶν (2)
31. 1. διαθήκην ἐθέμην τοῖς ὀ. [S[1] ἀδελφοῖς] μου (2)
— 7. εἰ δὲ καὶ τῷ ὀ. ἐπηκολούθησεν ἡ καρδία μου (2)
— 16. χήρας δὲ τὸν ὀ. οὐκ ἐξέτηξα [A ἔτηξα] (2)
36. 7. οὐκ ἀφελεῖ ἀπὸ δικαίου ὀφθαλμοὺς [A -ὸν] αὐτοῦ (2)
39. 29. πόρρωθεν οἱ ὀ. αὐτοῦ σκοπεύουσι (2)
40. 19 (24). ἐν τῷ ὀ. αὐτοῦ δέξεται αὐτόν (2)
41. 9 (10). οἱ δὲ ὀ. αὐτοῦ εἶδος ἐωσφόρου (2)
42. 5. νυνὶ δὲ ὁ ὀ. μου ἑώρακέ σε (2)
Ps. 5. 5. οὐδὲ διαμενοῦσι παράνομοι κατέναντι τῶν ὀ. σου (2)
6. 7. ἐταράχθη ἀπὸ θυμοῦ ὁ ὀ. μου (2)
9. 29 (10. 8) : 10 (11). 5. οἱ ὀ. αὐτοῦ εἰς τὸν πένητα ἀποβλέπουσιν (2)
12 (13). 3. φώτισον τοὺς ὀ. μου (2)
13 (14). 3. B S[1] οὐκ ἔστι φόβος θεοῦ ἀπέναντι τῶν ὀ. αὐτῶν –
16 (17). 2. A B S[2] οἱ ὀ. μου ἰδέτωσαν εὐθύτητας (2)
— 8. φύλαξόν με ὡς κόρην ὀφθαλμοῦ (5 + 2)
— 11. τοὺς ὀ. αὐτῶν ἔθεντο ἐκκλίναι ἐν τῇ γῇ (2)
17 (18). 24. κατὰ τὴν καθαριότητα τῶν χειρῶν μου [A μου ἀνταποδώσει μοι] ἐνώπιον τῶν ὀ. αὐτοῦ (2)
— 27. ὀφθαλμοὺς ὑπερηφάνων ταπεινώσεις (2)
18 (19). 8. ἡ ἐντολὴ κυρίου τηλαυγὴς φωτίζουσα ὀφθαλμούς (2)
24 (25). 15. οἱ ὀ. μου διὰ παντὸς πρὸς τὸν κύριον (2)
25 (26). 3. τὸ ἔλεός σου κατέναντι τῶν ὀ. μού [A σού] ἐστι (2)
30 (31). 9. ἐταράχθη ἐν θυμῷ ὁ ὀ. μου (2)
— 22. ἀπέρριμμαι ἀπὸ προσώπου [S[1] *om.*] τῶν ὀ. σου (2)
31 (32). 8. ἐπιστηριῶ ἐπὶ σὲ τοὺς ὀ. μου (2)
32 (33). 18. οἱ ὀ. κυρίου ἐπὶ τοὺς φοβουμένους αὐτόν (2)
33 (34). 15. ὀφθαλμοὶ κυρίου ἐπὶ δικαίους (2)
34 (35). 19. οἱ μισοῦντές με δωρεὰν καὶ διανεύοντες ὀφθαλμοῖς (2)
— 21. εὖγε εὖγε εἶδον οἱ ὀ. ἡμῶν (2)
35 (36). 1. οὐκ ἔστι φόβος θεοῦ ἀπέναντι τῶν ὀ. αὐτοῦ (2)
37 (38). 10. τὸ φῶς τῶν ὀ. μου οὐκ [A S[1] καὶ αὐτὸ οὐκ] ἔστι μετ' ἐμοῦ (2)
53 (54). 7. ἐν τοῖς ἐχθροῖς μου ἐπεῖδεν ὁ ὀ. μου (2)

Ps. 55 (56). 13. B²S² τοὺς ὀ. μου ἀπὸ δακρύων –
65 (66). 7. οἱ ὀ. αὐτοῦ ἐπὶ τὰ ἔθνη ἐπιβλέπουσιν (2)
68 (69). 3. ἐξέλιπον οἱ ὀ. μου (2)
— 23. σκοτισθήτωσαν οἱ ὀ. αὐτῶν (2)
78 (79). 10. γνωσθήτω . . . ἐνώπιον τῶν ὀ. ἡμῶν ἡ ἐκδίκησις (2)
87 (88). 9. οἱ ὀ. μου ἠσθένησαν ἀπὸ πτωχείας (2)
89 (90). 4. χίλια ἔτη ἐν ὀφθαλμοῖς σου ὡς ἡ ἡμέρα ἡ ἐχθές (2)
90 (91). 8. τοῖς ὀ. σου κατανοήσεις (2)
91 (92). 11. ἐπεῖδεν ὁ ὀ. μου ἐν τοῖς [A¹ om. ἐν τοῖς] ἐχθροῖς μου (2)
93 (94). 9. A S² R ὁ πλάσας τὸν ὀ. [B S¹ πλ. ὀφθαλμοὺς] οὐχὶ κατανοεῖ (2)
100 (101). 3. οὐ προεθέμην πρὸ ὀφθαλμῶν μου πρᾶγμα παράνομον (2)
— 5. ὑπερηφάνῳ ὀφθαλμῷ . . . τούτῳ οὐ συνήσθιον (2)
— 6. οἱ ὀ. μου ἐπὶ τοὺς πιστοὺς τῆς γῆς (2)
— 7. οὐ κατεύθυνεν ἐναντίον τῶν ὀ. μου (2)
113. 13 (115. 5). ὀφθαλμοὺς ἔχουσι καὶ οὐκ ὄψονται (2)
114 (116). 8. ἐξείλατο . . . τοὺς ὀ. μου ἀπὸ δακρύων (2)
117 (118). 23. ἔστι θαυμαστὴ ἐν ὀφθαλμοῖς ἡμῶν (2)
118 (119). 18. ἀποκάλυψον τοὺς ὀ. μου (2)
— 37. ἀπόστρεψον τοὺς ὀ. μου (2)
— 82. ἐξέλιπον οἱ ὀ. μου εἰς τὸ λόγιόν σου (2)
— 123. οἱ ὀ. μου ἐξέλιπον εἰς τὸ σωτήριόν σου (2)
— 136. S R διεξόδους ὑδάτων κατέβησαν [A διέβ.] οἱ ὀ. μου (2)
— 148. προέφθασαν οἱ ὀ. μου πρὸς ὄρθρον (2)
120 (121). 1. ἦρα τοὺς ὀ. μου εἰς τὰ ὄρη (2)
122 (123). 1. πρὸς σὲ ἦρα τοὺς ὀ. μου (2)
— 2. ἰδοὺ ὡς ὀφθαλμοὶ δούλων εἰς χεῖρας τῶν κυρίων αὐτῶν ὡς ὀφθαλμοὶ παιδίσκης εἰς χεῖρας τῆς κυρίας αὐτῆς οὕτως οἱ ὀ. ἡμῶν πρὸς κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν (2 ter)
130 (131). 1. οὐδὲ ἐμετεωρίσθησαν οἱ ὀ. μου (2)
131 (132). 4. εἰ δώσω ὕπνον τοῖς ὀ. μου (2)
134 (135). 16. ὀφθαλμοὺς ἔχουσι καὶ οὐκ ὄψονται (2)
138 (139). 16. A B S¹ τὸ ἀκατέργαστόν σου εἶδοσαν οἱ ὀ. μου [S²R al.] (2)
140 (141). 8. πρὸς σὲ, κύριε κύριε, οἱ ὀ. μου (2)
144 (145). 15. οἱ ὀ. πάντων εἰς σὲ ἐλπίζουσι (2)
Pr. 4. 25. οἱ ὀ. σου ὀρθὰ βλεπέτωσαν (2)
5. 21. ἐνώπιον γάρ εἰσι τῶν τοῦ θεοῦ ὀ. ὁδοὶ ἀνδρός (2)
6. 13. ὁ δ' αὐτὸς ἐννεύει ὀφθαλμῷ (2)
— 17. ὀφθαλμὸς ὑβριστοῦ γλῶσσα ἄδικος (2)
— 25. μηδὲ ἀγρευθῇς σοῖς ὀ. (3)
10. 10. ὁ ἐννεύων ὀφθαλμοῖς [S -ῷ] μετὰ δόλου (2)
15. 3. ἐν παντὶ τόπῳ ὀφθαλμοὶ κυρίου (2)
— 15. οἱ ὀ. τῶν κακῶν προσδέχονται κακά †
16. 2 (15. 30). θεωρῶν ὀφθαλμὸς καλὰ εὐφραίνει καρδίαν (2)
— 30. στηρίζων δὲ ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ (2)
17. 24. οἱ δὲ ὀ. τοῦ ἄφρονος ἐπ' ἄκρα γῆς (2)
20. 8. οὐκ ἐναντιοῦται ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ πᾶν πονηρόν (2)
— 20. αἱ δὲ κόραι τῶν ὀ. αὐτοῦ ὄψονται [S ἔσονται] σκότος (5)
— 12. οὖς ἀκούει καὶ ὀφθαλμὸς ὁρᾷ (2)
— 13. διάνοιξον τοὺς ὀ. σου (2)
22. 12. οἱ δὲ ὀ. κυρίου διατηροῦσιν αἴσθησιν (2)
23. 26. οἱ δὲ σοὶ ὀ. ἐμὰς ὁδοὺς τηρείτωσαν (2)
— 29. τίνος πελιδνοὶ οἱ [AS¹ πέλειοι] ὀ. (2)
— 31. ἐὰν γὰρ εἰς τὰς φιάλας . . . δῷς τοὺς ὀ. σου (2)
— 33. οἱ ὀ. σου ὅταν ἴδωσιν ἀλλοτρίαν (2)
24. 36 (30. 13). ἔκγονον κακὸν ὑψηλοὺς ὀφθαλμοὺς ἔχει (2)
— 52 (30. 17). ὀφθαλμὸν καταγελῶντα πατρός (2)
25. 7. ἃ εἶδον οἱ ὀ. σου λέγε (2)
27. 20. ὡσαύτως καὶ οἱ ὀ. τῶν ἀνθρώπων ἄπληστοι (2)
— 20. βδέλυγμα κυρίῳ στηρίζων ὀφθαλμόν –
28. 27. ὃς δὲ ἀποστρέφει τὸν ὀ. αὐτοῦ (2)
Ec. 1. 8. οὐ πλησθήσεται [A S οὐκ ἐμπλ.] ὀ. τοῦ ὁρᾶν (2)
2. 10. πᾶν ὃ ἤτησαν οἱ ὀ. μου (2)
— 14. τοῦ σοφοῦ οἱ ὀ. αὐτοῦ ἐν κεφαλῇ αὐτοῦ (2)
4. 8. ὀφθαλμὸς [S ὁ ὀ.] αὐτοῦ [S¹ om.] οὐκ ἐμπίπλαται πλούτου (2)
5. 10. ἀρχὴ [S² ἀλλ' ἢ] τοῦ ὁρᾶν ὀφθαλμοῖς [B¹ -ὸν] αὐτοῦ (2)
6. 9. ἀγαθὸν ὅραμα ὀφθαλμῶν (2)
8. 16. ὕπνον ὀφθαλμοῖς [A S ἐν ὀ.] αὐτοῦ οὐκ ἔστι βλέπων [A -ειν] (2)
11. 7. ἀγαθὸν τοῖς ὀ. τοῦ βλέπειν σὺν τὸν ἥλιον (2)
Ec. 11. 9. καὶ μὴ [AS² om.] ἐνὸράσει ὀφθαλμῶν σου (2)
Ca. 1. 15. ὀφθαλμοί [A -ός] σου περιστεραί (2)
4. 1. ὀφθαλμοί σου περιστεραί (2)
— 9. ἐκαρδίωσας ἡμᾶς ἑνὶ [A ἐν] ἀπὸ ὀφθαλμῶν σου (2)
5. 12. ὀφθαλμοὶ [AS οἱ ὀ.] αὐτοῦ ὡς περιστεραί (2)
6. 4 (5). ἀπόστρεψον ὀφθαλμούς σου ἀπεναντίον μου (2)
7. 4 (5). οἱ [A S om.] ὀ. σου ὡς λίμναι ἐν Ἐσεβὼν (2)
8. 10. ἤμην ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. ὡς εὑρίσκουσα εἰρήνην [S χάριν] (2)
Wi. 3. 2. ἔδοξαν ἐν ὀφθαλμοῖς ἀφρόνων τεθνάναι
9. 9. ἐπισταμένη τί ἀρεστὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου
Si. 4. 1. μὴ παρελκύσῃς ὀφθαλμοὺς ἐπιδεεῖς
— 5. ἀπὸ δεομένου [S¹ προσδ.] μὴ ἀποστρέψῃς ὀφθαλμόν
8. 16. ὡς οὐδὲν ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ αἷμα
9. 8. ἀπόστρεψον ὀφθαλμὸν ἀπὸ γυναικὸς εὐμόρφου
10. 20. οἱ φοβούμενοι κύριον ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ
11. 12. οἱ ὀ. [S¹ ὁ ὀ.] κυρίου ἐπέβλεψαν [S¹ -εν] αὐτῷ
— 21. κοῦφον ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου . . . πλουτίσαι πένητα
— 26. A κοῦφον ἐν ὀφθαλμοῖς [B S ἔναντι] κυρίου
12. 16. ἐν [S¹ om.] ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ δακρύσει ὁ ἐχθρός
14. 8. πονηρὸς ὁ βασκαίνων ὀφθαλμῷ [A -ὸν ἑαυτοῦ]
— 9. πλεονέκτου ὀφθαλμὸς οὐκ ἐμπίπλαται μερίδι [A -δα]
— 10. ὀφθαλμὸς πονηρὸς φθονερὸς ἐπ' ἄρτῳ
15. 19. οἱ ὀ. αὐτοῦ ἐπὶ τοὺς φοβουμένους αὐτόν
16. 5. πολλὰ τοιαῦτα ἑώρακα ἐν ὀφθαλμοῖς [S ἑώρακεν ὁ ὀ.] μου
— 20. S² καθὸ ποιεῖ ἄνθρωπος ὄψεται ὁ ὀ. αὐτοῦ
17. 6. ὀφθαλμοὺς . . . ἔδωκε διανοεῖσθαι αὐτοῖς
— 8. ἔθηκε τὸν ὀ. αὐ. ἐπὶ τὰς καρδίας αὐ.
— 13. μεγαλεῖον δόξης εἶδον οἱ ὀ. αὐτῶν
— 15. οὐ κρυβήσονται ἀπὸ τῶν ὀ. αὐ.
— 19. οἱ ὀ. αὐ. ἐνδελεχεῖς ἐπὶ τὰς ὁδοὺς αὐ.
18. 18. δόσις βασκάνου ἐκτήκει ὀφθαλμούς
20. 14. οἱ γὰρ ὀ. αὐτοῦ ἀνθ' ἑνὸς πολλοί
— 29. ξένια καὶ δῶρα ἀποτυφλοῖ ὀφθαλμοὺς σοφῶν
22. 19. ὁ νύσσων ὀφθαλμὸν [A -οὺς] κατάξει δάκρυα
23. 4. μετεωρισμὸν ὀφθαλμῶν μὴ δῷς μοι
— 19. ὀφθαλμοὶ ἀνθρώπων ὁ φόβος αὐτοῦ
— 19. ὀφθαλμοὶ κυρίου μυριοπλασίως ἡλίου φωτεινότεροι
26. 9. πορνεία γυναικὸς ἐν μετεωρισμοῖς ὀφθαλμῶν
— 11. ὀπίσω ἀναιδοῦς ὀφθαλμοῦ [S¹ -ῶν] φύλαξαι
27. 1. ὁ ζητῶν πλησθῆναι ἀποστρέψει ὀφθαλμόν
— 22. διανεύων [A καὶ ἐννεύων] ὀφθαλμῷ τεκταίνει κακά
— 23. ἀπέναντι τῶν ὀ. σου γλυκανεῖ στόμα σου
30. 20. βλέπων ἐν ὀφθαλμοῖς καὶ στενάζων
31 (34). 16. οἱ ὀ. κυρίου ἐπὶ τοὺς ἀγαπῶντας αὐτόν
— 17. ἀνυψῶν ψυχὴν καὶ φωτίζων ὀφθαλμούς
32 (35). 8. ἐν ἀγαθῷ ὀ. δόξασον τὸν κύριον
— 10. ἐν ἀγαθῷ ὀ. καθ' εὕρεμα [S αἵρεμα] χειρός
34 (31). 13. μνήσθητι ὅτι κακὸν ὀφθαλμὸς πονηρός
— 13. πονηρότερον ὀφθαλμοῦ τί ἔκτισται
38. 28. κατέναντι ὁμοιώματος σκεύους οἱ ὀ. αὐτοῦ
39. 19. οὐκ ἔστι κρυβῆναι ἀπὸ τῶν ὀ. αὐτοῦ
— 20. S¹ οὐθέν ἐστι θαυμάσιον ἐναντίον τῶν ὀ. [ABS² om. τῶν ὀ.] αὐτοῦ
40. 22. χάριν καὶ κάλλος ἐπιθυμήσει ὁ [A om.] ὀ. σου [A om.]
43. 4. ἐκλάμπων ἀκτῖνας ἀμαυροῖ ὀφθαλμούς
— 18. κάλλος λευκότητος αὐτῆς ἐκθαυμάσει ὀφθαλμός
44. 27. ἄνδρα ἐλέους εὑρίσκοντα χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς πάσης σαρκός
45. 12. ἐπιθυμήματα ὀφθαλμῶν κοσμούμενα ὡραῖα
51. 27. ἴδετε ἐν ὀφθαλμοῖς ὑμῶν ὅτι ὀλίγον ἐκοπίασα
Ho. 13. 14. παράκλησις κέκρυπται ἀπὸ [A ἐξ] ὀφθαλμῶν μου (2)
Am. 9. 3. ἐὰν καταδύσωσιν ἐξ ὀφθαλμῶν μου (2)
— 4. στηριῶ τοὺς ὀ. [A τὸ πρόσωπόν] μου ἐπ' αὐτούς (2)
— 8. ἰδοὺ οἱ ὀ. κυρίου τοῦ θ. ἐπὶ τὴν βασιλείαν (2)
Mi. 4. 11. ἐπόψονται ἐπὶ Σιὼν οἱ ὀ. ἡμῶν (2)
7. 10. οἱ ὀ. μου ἐπόψονται αὐτήν (2)
Jl. 1. 16. κατέναντι τῶν ὀ. ὑμῶν βρώματα (2)
Jn. 2. 5. ἀπῶσμαι ἐξ ὀφθαλμῶν σου (2)
Hb. 1. 13. A R καθαρὸς ὁ [B S om.] ὀ. τοῦ μὴ ὁρᾶν πονηρά (2)
Ze. 3. 7. οὐ μὴ ἐξολεθρευθῆτε ἐξ ὀφθαλμῶν αὐτῆς †
Za. 1. 18 (2. 1): 2. 1 (5). καὶ ἦρα τοὺς ὀ. μου (2)
2. 8 (12). ὡς ὁ ἁπτόμενος τῆς κόρης τοῦ ὀ. αὐτοῦ (2)
3. 10 (9). ἐπὶ τὸν λίθον τὸν ἕνα ἑπτὰ ὀφθαλμοί εἰσιν (2)
4. 10. ἑπτὰ οὗτοι ὀ. εἰσιν [AS add. κυρίου] (2)
5. 1. καὶ ἦρα τοὺς ὀ. μου καὶ ἴδον (2)
— 5. ἀνάβλεψον τοῖς ὀ. σου (2)
— 9: 6. 1. καὶ ἦρα τοὺς ὀ. μου καὶ ἴδον (2)
9. 8. διότι νῦν ἑώρακα ἐν [A om.] τοῖς ὀ. μου (2)
11. 17. μάχαιρα . . . ἐπὶ τὸν ὀ. τὸν δεξιὸν αὐτοῦ (2)
— 17. AR καὶ ὁ [BS om.] ὀ. ὁ δεξιὸς αὐτοῦ ἐκτυφλούμενος (2)
12. 4. ἐπὶ δὲ τὸν οἶκον Ἰ. διανοίξω τοὺς ὀ. μου (2)
14. 12. καὶ οἱ ὀ. αὐτῶν ῥυήσονται ἐκ [A ἀπὸ] τῶν ὀπῶν (2)
Ma. 1. 5. A S R καὶ οἱ [B om.] ὀ. ὑμῶν ὄψονται (2)
Is. 1. 15. ἀποστρέψω τοὺς ὀ. μου ἀφ' ὑμῶν (2)
— 16. ἀφέλετε τὰς πονηρίας ἀπὸ τῶν ψυχῶν ὑμῶν ἀπέναντι τῶν ὀ. μου (2)
2. 11. οἱ γὰρ ὀ. κυρίου ὑψηλοί (2)
3. 16. ἐπορεύθησαν ὑψηλῷ τραχήλῳ καὶ ἐν [AS om.] νεύμασιν ὀφθαλμῶν (2)
5. 15. οἱ ὀ. οἱ μετέωροι ταπεινωθήσονται (2)
6. 5. τὸν βασ. κύριον σαβαὼθ εἶδον τοῖς ὀ. μου (2)
— 10. τοὺς ὀ. ἐκάμμυσαν μή ποτε ἴδωσι τοῖς ὀ. (2, 2)
10. 12. ἐπὶ τὸ ὕψος τῆς δόξης τῶν ὀ. αὐ. (2)
13. 18. οὐδὲ ἐπὶ τοῖς τέκνοις σου φείσονται οἱ ὀ. αὐτῶν (2)
17. 7. οἱ δὲ ὀ. αὐτοῦ εἰς τὸν ἅγιον τοῦ Ἰσραὴλ ἐμβλέψονται (2)
28. 22. S¹ μηδὲ ἰσχυσάτωσαν ὑμῶν οἱ δεσμοί οἱ ὀ. [A B S² om. οἱ ὀ.] –
29. 10. καμμύσει τοὺς ὀ. αὐτῶν (2)
— 18. ὀφθαλμοὶ τυφλῶν ὄψονται [A S³ βλέψ.] (2)
30. 20. οἱ ὀ. σου ὄψονται τοὺς πλανῶντάς σε (2)
33. 15. καμμύων τοὺς ὀ. (2)
— 17. οἱ ὀ. ὑμῶν ὄψονται γῆν πόρρωθεν (2)
— 20. οἱ ὀ. σου ὄψονται Ἱερουσαλήμ (2)
35. 5. τότε ἀνοιχθήσονται ὀφθαλμοὶ τυφλῶν (2)
37. 17. B ἄνοιξον, κύριε, τοὺς ὀ. σου (2)
— 23. οὐκ ἦρας εἰς ὕψος τοὺς ὀ. σου (2)
38. 14. ἐξέλιπον γάρ μου οἱ ὀ. (2)
40. 26. ἀναβλέψατε εἰς ὕψος τοὺς ὀ. ὑμῶν (2)
42. 7. ἀνοῖξαι ὀφθαλμοὺς τυφλῶν (2)
43. 8. ὀφθαλμοὶ εἰσιν ὡσαύτως τυφλοί (2)
44. 18. ἀπημαυρώθησαν τοῦ βλέπειν τοῖς ὀ. αὐτῶν (2)
49. 18. ἆρον κύκλῳ τοὺς ὀ. σου (2)
51. 6. ἄρατε εἰς τὸν οὐρανὸν τοὺς ὀ. ὑμῶν (2)
52. 8. ὀφθαλμοὶ πρὸς ὀφθαλμοὺς ὄψονται (2, 2)
59. 10. ὡς οὐχ ὑπαρχόντων ὀφθαλμῶν ψηλαφήσουσι (2)
60. 4. ἆρον κύκλῳ τοὺς ὀ. σου (2)
64. 4 (3). οὐδὲ οἱ ὀ. ἡμῶν εἶδον θεὸν πλὴν σοῦ (2)
Je. 3. 2. ἆρον εἰς εὐθεῖαν τοὺς ὀ. σου (2)
4. 30. ἐὰν ἐγχρίσῃ στίβι τοὺς ὀ. σου (2)
5. 3. οἱ ὀ. σου εἰς πίστιν (2)
— 21. ὀφθαλμοὶ αὐτοῖς καὶ οὐ βλέπουσιν (2)
9. 1 (8. 23). τίς δώσει . . . ὀφθαλμοῖς μου πηγὴν δακρύων (2)
— 18 (17). καταγαγέτωσαν οἱ ὀ. ὑμῶν δάκρυα (2)
13. 17. κατάξουσιν οἱ ὀ. ὑμῶν δάκρυα (2)
— 20. ἀνάλαβε ὀφθαλμούς [A τοὺς ὀ.] σου (2)
14. 6. ἐξέλιπον οἱ ὀ. αὐτῶν (2)
— 17. καταγάγετε ἐπ' ὀφθαλμοὺς ὑμῶν δάκρυα (2)
16. 9. καταλύω . . . ἐνώπιον τῶν ὀ. ὑμῶν . . . φωνήν (2)
— 17. οἱ ὀ. μου ἐπὶ πάσας τὰς ὁδοὺς αὐ. (2)
— 17. καὶ οὐκ ἐκρύβη τὰ ἀδικήματα αὐ. ἀπέναντι τῶν ὀ. μου (2)
19. 10. συντρίψεις τὸν βικὸν κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν ἀνδρῶν (2)
20. 4. οἱ ὀ. σου ὄψονται (2)
22. 17. οὐκ εἰσὶν οἱ ὀ. σου οὐδὲ ἡ καρδία σου καλή (2)
24. 6. στηριῶ τοὺς ὀ. μου ἐπ' αὐτούς (2)
28 (51). 24. ἃς ἐποίησαν ἐπὶ Σιὼν κατ' ὀφθαλμοὺς ὑμῶν (2)
34 (27). 5. ᾧ ἐὰν δόξῃ ἐν ὀφθαλμοῖς μου (2)
35 (28). 1. κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν ἱερέων (2)
— 5. κατ' ὀφθαλμοὺς παντὸς τοῦ λαοῦ καὶ κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν ἱερέων (2, 2)
— 10. ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς τοῦ λαοῦ –
— 11. κατ' ὀφθαλμοὺς παντὸς τοῦ λαοῦ (2)
36 (29). 21. πατάξει αὐτοὺς κατ' ὀφθαλμοὺς ὑμῶν (2)
38 (31). 16. καὶ οἱ ὀ. σου ἀπὸ δακρύων σου (2)

Je. 39 (32). 4. οἱ ὀ. αὐτοῦ τοὺς [S πρὸς] ὀ. αὐτοῦ ὄψονται (2, 2)
— 12 *ter*. κατ' ὀφθαλμούς (2)
— 13. συνέταξα τῷ B. κατ' ὀφθαλμοὺς αὐ. (2)
— 19. οἱ ὀ. σου εἰς τὰς ὁδοὺς τῶν υἱῶν τῶν ἀνθρώπων (2)
— 30. ποιοῦντες τὸ πονηρὸν κατ' ὀφθαλμούς μου (2)
41 (34). 3. ὀφθαλμοί [A S οἱ ὀ.] σου τοὺς ὀ. αὐτοῦ ὄψονται (2, 2)
— 15. ποιῆσαι τὸ εὐθὲς πρὸ ὀφθαλμῶν [A ἐν ὀφθαλμοῖς] μου (2)
45 (38). 26. κατ' ὀφθαλμοὺς τοῦ βασιλέως (4)
47 (40). 4. θήσω τοὺς ὀ. μου ἐπὶ σέ (2)
— 5. εἰς ἅπαντα τὰ ἀγαθὰ ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
49 (42). 2. καθὼς οἱ ὀ. σου βλέπουσι (2)
50 (43). 9. κατ' ὀφθαλμοὺς ἀνδρῶν Ἰούδα (2)
52. 10. ἔσφαξε βασιλεὺς Βαβυλῶνος τοὺς υἱοὺς Σεδεκία κατ' ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ (2)
— 11. τοὺς ὀ. Σεδεκία ἐξετύφλωσε (2)
Ba. 1. 12. φωτίσει τοὺς ὀ. ἡμῶν
— 22. ποιῆσαι τὰ κακὰ κατ' ὀφθαλμοὺς κυρίου θεοῦ ἡμῶν
2. 17. ἄνοιξον [A *add.* κύριε, τοὺς] ὀφθαλμούς σου
— 18. οἱ ὀ. οἱ ἐκλείποντες
3. 14. ποῦ ἐστι φῶς ὀφθαλμῶν καὶ εἰρήνη
La. 1. 16. οἱ ὀ. μου κατήγαγεν ὕδωρ (2)
2. 4. A R πάντα τὰ ἐπιθυμήματα τῶν [B S *om.*] ὀ. μου (2)
— 11. ἐξέλιπον ἐν δάκρυσιν οἱ ὀ. μου (2)
— 18. A B S μὴ σιωπήσαιτο θυγάτηρ ὁ ὀ. σου [R *al.*] (2)
3. 48. ἀφέσεις ὑδάτων κατάξει ὁ ὀ. μου (2)
— 49. ὁ ὀ. μου κατεπόθη (2)
— 51. ὁ ὀ. μου ἐπιφυλλιεῖ ἐπὶ τὴν ψυχήν μου (2)
— 63. ἐπίβλεψον ἐπὶ ὀφθαλμοὺς [A τοὺς ὀ.] αὐ. †
4. 17. ἔτι ὄντων ἡμῶν ἐξέλιπον οἱ ὀ. ἡμῶν (2)
5. 17. ἐσκότασαν οἱ ὀ. ἡμῶν (2)
Ep. Je. 17. οἱ ὀ. αὐτῶν πλήρεις εἰσὶ κονιορτοῦ
Ez. 1. 18. οἱ νῶτοι αὐτῶν πλήρεις ὀφθαλμῶν κυκλόθεν (2)
4. 12. ἐγκρύψεις αὐτὰ κατ' ὀφθαλμοὺς αὐ. (2)
5. 11. οὐ φείσεταί μου ὁ ὀ. (2)
6. 9. τοῖς ὀ. αὐτῶν τοῖς ἐκπορνεύουσιν ὀπίσω τῶν ἐπιτηδευμάτων αὐτῶν (2)
7. 9, 4. οὐ φείσεται ὁ ὀ. μου (2)
— 13. ἄνθρωπος ἐν ὀφθαλμῷ ζωῆς αὐτοῦ οὐ κρατήσει †
8. 5. ἀνάβλεψον τοῖς ὀ. σου πρὸς βορρᾶν (2)
— 5. καὶ ἀνέβλεψα τοῖς ὀ. μου πρὸς βορρᾶν (2)
— 18. οὐ φείσεται ὁ ὀ. μου (2)
9. 5. μὴ φείδεσθε τοῖς ὀ. ὑμῶν (2)
— 10. οὐ φείσεται μου ὁ ὀ. (2)
10. 12. οἱ τροχοὶ πλήρεις ὀφθαλμῶν (2)
12. 2. ἔχουσιν ὀφθαλμοὺς τοῦ βλέπειν [A ὁρᾶν] (2)
— 4. ἐξοίσεις τὰ σκεύη σου . . . κατ' ὀφθαλμοὺς αὐ. (2)
— 12. ὅπως μὴ ὁραθῇ ὀφθαλμῷ (2)
16. 5. οὐδὲ ἐφείσατο ὁ ὀ. μου ἐπὶ σοί (2)
18. 6. τοὺς ὀ. αὐτοῦ οὐ μὴ ἐπάρῃ (2)
— 12. εἰς τὰ εἴδωλα ἔθετο τοὺς ὀ. αὐτοῦ (2)
— 15. τοὺς ὀ. αὐτοῦ οὐκ ἔθετο εἰς τὰ ἐνθυμήματα οἴκου Ἰσρ. (2)
20. 7. ἕκαστος βδελύγματα τῶν ὀ. αὐτοῦ ἀπορριψάτω (2)
— 8. τὰ βδελύγματα τῶν ὀ. αὐτῶν οὐκ ἀπέρριψαν (2)
— 14. ὧν ἐξήγαγον αὐτοὺς κατ' ὀφθαλμοὺς αὐτῶν (2)
— 17. ἐφείσατο ὁ ὀ. μου ἐπ' αὐτούς (2)
— 22. ἐξήγαγον αὐτοὺς κατ' ὀφθαλμοὺς αὐτῶν (2)
— 24. ὀπίσω τῶν ἐνθυμημάτων τῶν πατέρων αὐτῶν ἦσαν οἱ ὀ. αὐτῶν (2)
— 41. ἁγιασθήσομαι ἐν ὑμῖν κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν λαῶν (2)
21. 6 (11). στενάξεις κατ' ὀφθαλμοὺς αὐτῶν (2)
22. 16. κατ' ὀφθαλμοὺς [A ἐνώπιον] τῶν ἐθνῶν (2)
— 26. ἀπὸ τῶν σαββάτων μου παρεκάλυπτον τοὺς ὀ. αὐτῶν (2)
23. 16. ἐπέθετο ἐπ' αὐτοὺς τῇ [A ἐν] ὁράσει ὀφθαλμῶν αὐτῆς (2)
— 27. οὐ μὴ ἄρῃς τοὺς ὀ. σου ἐπ' αὐτούς (2)
— 40. ἐστιβίζου τοὺς ὀ. σου (2)
24. 16. λαμβάνω ἐκ σοῦ τὰ ἐπιθυμήματα τῶν [A *om.*] ὀ. σου (2)
— 21. βεβηλῶ . . . ἐπιθυμήματα ὀφθαλμῶν ὑμῶν (2)
— 25. λαμβάνω . . . τὰ ἐπιθυμήματα ὀφθαλμῶν αὐτῶν (2)
Ez. 33. 25. A ὀφθαλμοὺς ὑμῶν λήψεσθε πρὸς εἴδωλα ὑμῶν (2)
36. 23. ἐν τῷ ἁγιασθῆναί με ἐν ὑμῖν κατ' ὀφθαλμοὺς αὐτῶν (2)
— 34. ἠφανισμένη ἐγενήθη κατ' ὀφθαλμοὺς παντὸς παροδεύοντος [A διοδ.] (2)
40. 4. ἐν τοῖς ὀ. σου ἴδε (2)
44. 5. ἴδε τοῖς ὀ. σου (2)
Da. LXX. Su. 9. ἐξέκλιναν τοὺς ὀ. αὐ.
4. 15. ὁ ὕπνος μου ἀπέστη ἀπὸ τῶν ὀ. μου –
7. 8. ὀφθαλμοὶ ὥσπερ ὀ. ἀνθρώπινοι ἐν τῷ κέρατι τ. (2, 2)
— 20. τὸ κέρας ἐκεῖνο εἶχεν ὀφθαλμούς (2)
8. 5. κέρας ἓν θεωρητὸν ἀνὰ μέσον τῶν ὀ. αὐ. (2)
— 21. τὸ κέρας τὸ μέγα τὸ ἀνὰ μέσον τῶν ὀ. αὐ. (2)
9. 18. ἄνοιξον τοὺς ὀ. σου (2)
10. 5. ἦρα τοὺς ὀ. μου (2)
— 6. οἱ ὀ. αὐ. ὡσεὶ λαμπάδες πυρός (2)
Da. TH. Su. 9. ἐξέκλιναν τοὺς ὀ. αὐτῶν
4. 31. τοὺς ὀ. μου εἰς τὸν οὐρανὸν ἀνέλαβον (2)
7. 8. ὀφθαλμοὶ ὡσεὶ ὀφθαλμοὶ ἀνθρώπου (2, 2)
— 20. ᾧ οἱ ὀ. καὶ στόμα λαλοῦν μεγάλα (2)
8. 3. ἦρα τοὺς ὀ. μου (2)
— 5. μέσον [A ἀνὰ μ.] τῶν ὀ. αὐτοῦ (2)
— 21. ὃ ἦν ἀνὰ μέσον τῶν ὀ. αὐτοῦ (2)
9. 18. ἄνοιξον τοὺς ὀ. σου (2)
10. 5. ἦρα τοὺς ὀ. μου (2)
— 6. οἱ ὀ. αὐ. ὡσεὶ λαμπάδες πυρός (2)
I Ma. 1. 12. ἠγαθύνθη ὁ λόγος ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτῶν
2. 23. προσῆλθεν . . . ἐν ὀφθαλμοῖς πάντων
4. 12. ἦραν οἱ ἀλλόφυλοι τοὺς ὀ. αὐ.
5. 30. ἦραν τοὺς ὀ. αὐτῶν
6. 10. ἀφίσταται ὁ ὕπνος ἀπὸ τῶν ὀ. μου
9. 39. ἦραν τοὺς ὀ. αὐτῶν
II Ma. 8. 17. πρὸ ὀφθαλμῶν λαβόντας τὴν . . . ὕβριν
III Ma. 4. 4. λαμβάνοντας πρὸ τῶν ὀ. τὸν κοινὸν ἔλεον
— 10. ἐσκοτισμένοι τοὺς ὀ.
5. 47. κόραις ὀφθαλμῶν θεάσασθαι τὴν . . . καταστροφήν
IV Ma. 6. 6. ὑψηλοὺς ἀνατείνας εἰς τὸν οὐρ. τοὺς ὀ.
15. 19. τοὺς ὀ. ἑνὸς ἑκάστου θεωροῦσα
[Aq. Ge. 33. 1: 45. 16: Ex. 11. 3: 21. 8: Le. 21. 20: Nu. 14. 14 *bis*: Dt. 29. 2 (1): III Ki. 14. 4, 8: 20 (21). 38: Jb. 7. 8 *bis*: 42. 5: Ps. 30 (31). 10, 23: 31 (32). 8: 32 (33). 18: 68 (69). 4: 71 (72). 14: 72 (73). 7: 76 (77). 5: 117 (118). 23: 138 (139). 16: Pr. 3. 4: 15. 30: 16. 2: 29. 13: Ca. 8. 10: Is. 38. 14: 66. 4: Je. 9. 1 (8. 23): 13. 20: 14. 17: 26 (33). 14: 32 (39). 19: 34 (41). 15: 40 (47). 4: Ez. 1. 4, 16, 27: 8. 2: 10. 19.]
[Sm. Ge. 33. 1: Ex. 21. 8: Le. 21. 20: III Ki. 20 (21). 38: Jb. 16. 9: 17. 5: 42. 5: Ps. 16 (17). 11: 17 (18). 25: 30 (31). 10, 23: 31 (32). 8: 35 (36). 2: 65 (66). 7: 72 (73). 7: 76 (77). 5: 87 (88). 10: 91 (92). 12: 118 (119). 136: 138 (139). 16: Pr. 3. 4: 4. 21: 15. 30: 21. 10: 25. 7: 29. 13: Ec. 5. 10: Is. 6. 10 *bis*: 11. 3: 32. 3: Je. 9. 1 (8. 23): 14. 17: 39 (46). 12: La. 3. 49: Hb. 1. 13.]
[Th. Ex. 11. 3: 21. 8: Le. 21. 20: Jd. 19. 17: Jb. 7. 8 *bis*: 11. 20: 17. 5: 39. 29: 42. 5: Ps. 71 (72). 14: 76 (77). 5: 91 (92). 12: Pr. 3. 4: 4. 21: 29. 13: Is. 52. 8 *bis*: Je. 39 (46). 6, 7, 12: Ez. 33. 25.]
[Al. Ge. 44. 21: Le. 26. 16: I Ki. 12. 3: Jb. 15. 12: Ps. 120 (121). 1: Is. 64. 4 (3).]
[Heb. Ex. 21. 8: Ps. 35 (36). 3: 91 (92). 12.]
[Quint. Ps. 30 (31). 23.]

ὀφθαλμοφανῶς.
Es. 8. 13. ἐκτιθέσθωσαν ὀ.
[Sm. Is. 52. 8.]

ὀφιόδηκτος.
Si. 12. 13. τίς ἐλεήσει ἐπαοιδὸν ὀφιόδηκτον

ὀφιομάχης. (1) חַרְגֹּל
Le. 11. 22. καὶ τὸν ἀττάκην . . . καὶ τὸν ὀφιομάχην (1)

ὄφις. (1) אֶפְעֶה (2) נָחָשׁ (3) שָׂרָף
Ge. 3. 1. ὁ δὲ ὄφις ἦν φρονιμώτατος πάντων (2)
— 1. καὶ εἶπεν ὁ ὄφις τῇ γυναικί –
— 2. καὶ εἶπεν ἡ γυνὴ τῷ ὄφει (2)
— 4. καὶ εἶπεν ὁ ὄ. τῇ γυναικί (2)
— 13. ὁ ὄ. ἠπάτησέ με καὶ ἔφαγον (2)
— 14. καὶ εἶπε κύριος ὁ θεὸς τῷ ὄφει (2)
Ge. 49. 17. γενηθήτω [A ἐγενήθη τῷ] Δὰν ὄφις (2)
Ex. 4. 3. ἔρριψεν αὐτὴν . . . καὶ ἐγένετο ὄφις (2)
— 17. τὴν ῥάβδον τ. τὴν στραφεῖσαν εἰς ὄφιν –
7. 15. τὴν ῥάβδον τὴν στραφεῖσαν εἰς ὄφιν (2)
Nu. 21. 6. ἀπέστειλε κύριος εἰς τὸν λαὸν τοὺς ὄ. (2)
— 7. ἀφελέτω ἀφ' ἡμῶν τὸν ὄ. [B[1] *al.*] (2)
— 8. ποίησον σεαυτῷ ὄφιν (3)
— 8. ἐὰν δάκῃ ὄφις ἄνθρωπον –
— 9. ἐποίησε Μ. ὄφιν χαλκοῦν (2)
— 9. ὅταν ἔδακνεν ὄφις ἄνθρωπον (2)
— 9. ἐπέβλεψεν ἐπὶ τὸν ὄ. τὸν χαλκοῦν (2)
De. 8. 15. οὗ ὄφις δάκνων (2)
IV Ki. 18. 4. ἐξωλέθρευσε . . . τὸν ὄ. τὸν χαλκοῦν (2)
Jb. 20. 16. ἀνέλοι δὲ αὐτὸν γλῶσσα ὄφεως (1)
Ps. 57 (58). 4. θυμὸς αὐτοῖς κατὰ τὴν ὁμοίωσιν τοῦ ὄ. (2)
139 (140). 3. ἠκόνησαν γλῶσσαν αὐτῶν ὡσεὶ ὄφεως (2)
Pr. 23. 32. ὥσπερ ὑπὸ ὄφεως πεπληγὼς ἐκτείνεται (2)
24. 54 (30. 19). ὁδοὺς ὄφεως ἐπὶ πέτρας (2)
Ec. 10. 8. καθαιροῦντα φραγμὸν δήξεται αὐτὸν ὄφις (2)
— 11. ἐὰν δάκῃ ὄφις ἐν οὐ ψιθυρισμῷ (2)
Wi. 16. 5. δήγμασί τε σκολιῶν διεφθείροντο ὄφεων
Si. 21. 2. ὡς ἀπὸ προσώπου ὄφεως φεῦγε ἀπὸ ἁμαρτίας
25. 15. οὐκ ἔστι κεφαλὴ ὑπὲρ κεφαλὴν ὄφεως
Am. 5. 19. καὶ δάκῃ αὐτὸν ὄφις (2)
Mi. 7. 17. λείξουσι χοῦν ὡς ὄφις σύροντες γῆν (2)
Is. 14. 29. ἐκ γὰρ σπέρματος ὄφεως [A S[2] -ων] ἐξελεύσεται ἔκγονα ἀσπίδων καὶ τὰ ἔκγονα αὐτῶν ἐξελεύσονται ὄφεις πετάμενοι (2, 3)
27. 1. ἐπάξει ὁ θεὸς τὴν μάχαιραν . . . ἐπὶ τὸν δράκοντα ὄ. φεύγοντα ἐπὶ τὸν δράκοντα ὄ. σκολιόν (2, 2)
65. 25. ὄφις [S -εις] δὲ γῆν ὡς ἄρτον (2)
Je. 8. 17. ἐξαποστέλλω εἰς [A S ἐφ'] ὑμᾶς ὄφεις θανατοῦντας (2)
26 (46). 22. φωνὴ ὡς ὄφεως συρίζοντος (2)
IV Ma. 18. 8. οὐδὲ ἐλυμήνατο . . . λυμεὼν ἀπατηλὸς ὄ.
[Aq. Ge. 3. 2 (1): Is. 14. 29: 27. 1 *bis*.]
[Sm. Jb. 26. 13: Is. 14. 29: 27. 1 *bis*.]
[Th. Is. 14. 29: 27. 1 *bis*.]

ὀφλά. (1) עֹפֶל
II Ch. 33. 14. A καὶ εἰς αὐτὸ ὀ. [B R *al.*] (1)

ὄφλημα.
[Aq. Ps. 54 (55). 12.]
[Al., Sext. Ps. 31 (32). 1.]

ὄφλησις.
Ba. 3. 8. εἰς ὀνειδισμὸν καὶ εἰς ἀρὰν καὶ εἰς ὄφλησιν

ὀφλισκάνειν.
[Al. Le. 6. 5 (5. 24).]

ὀφρυοῦν.
[Aq. Ps. 67 (68). 17.]

ὀφρύς. (1) גֵּב עַיִן
Le. 14. 9. τὸν πώγωνα καὶ τὰς ὀφρύας (1)

ὀχεία.
Si. 36 (33). 6. ἵππος εἰς ὀχείαν [A S[1] -εῖον] ὡς [S[2] *om.*] φίλος μῶκος [S[2] μωρός]

ὀχεῖον.
Si. 36 (33). 6. A S[1] ἵππος εἰς ὀχεῖον [B S[2] -είαν] ὡς [S[2] *om.*] φίλος μῶκος [S[2] μωρός]

ὀχετός.
[Sm. Jb. 22. 24: Ps. 64 (65). 10: 125 (126). 4: Ez. 34. 13.]

ὄχησις.
[Sm. Ps. 67 (68). 18.]

ὀχλαγωγεῖν. (1) נָטַף hi.
Am. 7. 16. A R οὐ μὴ ὀχλαγωγήσῃς [B -σεις] ἐπὶ τὸν οἶκον I. (1)

ὀχλάζειν.
[Aq. Ps. 58 (59). 7, 15: Pr. 7. 11: Je. 4. 19.]

ὀχλεῖν.
To. 6. 7. ἐάν τινα ὀχλῇ δαιμόνιον [S *al.*]
— 7. R μηκέτι ὀχληθῇ [A B S *al.*]
III Ma. 5. 41. ἡ πόλις διὰ τὴν προσδοκίαν ὀχλεῖ
[Al. Hb. 2. 15.]

ὀχληρία. (1) סְבֻלוּת

Ec. 7. 26 (25). τοῦ γνῶναι ἀσεβοῦς ἀφροσύνην καὶ ὀχληρίαν (1)

ὄχλος. (1) הָמוֹן (2) חַיִל (3) טַף (4) עַם (5) קָהָל (6) רַבִּים (7) ὁ λοιπὸς ὄ. הַמְאַסֵּף

Nu. 20. 20. ἐξῆλθεν . . . ἐν ὄ. βαρεῖ (4)
Jo. 6. 12 (13). καὶ ὁ λοιπὸς ὄ. ὄπισθε τῆς κιβωτοῦ (7)
— 13 (14). καὶ ὁ λοιπὸς ὄ. ἅπας –
II Ki. 15. 22. παρῆλθε . . . πᾶς ὁ [A *om.*] ὄ. ὁ μετ' αὐτοῦ (3 ?)
III Ki. 21 (20). 13. εἰ ἑώρακας [A *add.* πάντα] τὸν ὄ. τὸν μέγαν τοῦτον (1)
II Ch. 20. 15. ἀπὸ προσώπου τοῦ ὄ. τοῦ πολλοῦ τ. (1)
I Es. 2. 30. μεθ' ἵππου καὶ ὄχλου παρατάξεως
5. 65. ὁ γὰρ ὄ. ἦν ὁ σαλπίζων μεγ.
8. 91. ἐπισυνήχθησαν . . . ὄ. πολὺς σφόδρα
II Es. 3. 12. καὶ ὄχλος ἐν σημασίᾳ (6)
Ne. 4. 10 (4). BS[1] καὶ ὄχλος [AS[2]R ὁ χοῦς] πολύς †
6. 13. ἐμισθώσαντο ἐπ' ἐμὲ ὄχλον †
Ju. 7. 18. κατεστρατοπέδευσαν ἐν ὄ. πολλῷ
Wi. 6. 2. γεγαυρωμένοι ἐπὶ ὄχλοις [S[1] -ους] ἐθνῶν
8. 10. ἕξω δι' αὐτὴν δόξαν ἐν ὄχλοις
18. 22. ἐνίκησε δὲ τὸν ὄ. οὐκ ἰσχύϊ τοῦ σώματος
Si. 7. 7. μὴ καταβάλῃς σεαυτὸν ἐν ὄχλῳ
26. 5. διαβολὴν πόλεως καὶ ἐκκλησίαν ὄχλου [A[1] *om.*]
Is. 43. 17. ὁ ἐξαγαγὼν . . . ὄχλον ἰσχυρόν (2)
Je. 31 (48). 42. ἀπολεῖται Μωὰβ ἀπὸ ὄχλου (4)
38 (31). 8. τεκνοποιήσει ὄχλον πολύν (5)
39 (32). 24. ὄ. ἥκει εἰς τὴν πόλιν †
45 (38). 1. S[1] οὖς Ἱερ. ἐλάλει ἐπὶ τὸν ὄ. [A B S[2] λαόν] (4)
Ep. Je. 5. ἰδόντας ὄχλον ἔμπροσθεν καὶ ὄπισθεν αὐτῶν
Ez. 16. 40. ἄξουσιν ἐπὶ σὲ ὄχλους (5)
17. 17. οὐδὲ ἐν ὄχλῳ πολλῷ ποιήσει πρὸς αὐτὸν Φαραὼ πόλεμον (5)
23. 24. τροχοὶ [A *add.* ἵπποι] μετ' ὄχλου λαῶν (5)
— 46. ἀνάγαγε ἐπ' αὐτὰς ὄχλον (5)
— 47. λιθοβόλησον ἐπ' [A *om.*] αὐτὰς λίθοις ὄχλων (5)
Da. LXX. Su. 48. διαστείλας δὲ Δ. τὸν ὄ.
3. 4. ὁ κῆρυξ ἐκήρυξε τοῖς ὄ. (2)
11. 8. καὶ τοὺς ὄ. αὐ. . . . ἀποίσουσιν –
— 10. συνάξει συναγωγὴν ὄχλου πολλοῦ (2)
— 11. στήσει ὄ. πολύν (1)
— 13. εἰσελεύσεται εἰς αὐτὴν ἐπ' αὐτὸν ἐν ὄ. πολλῷ (2)
— 25. ἐγερθήσεται ἡ ἰσχὺς αὐ. . . . ἐν ὄ. πολλῷ (2)
— 25. ὁ βασ. Αἰγ. ἐρεθισθήσεται . . . ἐν ὄ. ἰσχυρῷ (2)
— 43. ἔσονται ἐν τῷ ὄ. αὐ. †
Bel 29. ἐπισυνήχθη ὁ ὄ. τῆς χώρας ἐπ' αὐτόν
— 30. ἐνεβάλοσαν τὸν Δ. οἱ ὄ. εἰς ἐκ. τὸν λάκκον
Da. TH. 10. 6. ὡς φωνὴ ὄχλου (1)
11. 10. οἱ υἱοὶ αὐ. συνάξουσιν ὄχλον (1)
— 11. στήσει ὄ. πολύν (1)
— 11. AR παραδοθήσεται ὁ [B *om.*] ὄ. ἐν χειρὶ αὐ. (1)
— 12. λήψεται τὸν ὄ. (1)
— 13. ἄξει [A ἔξει] ὄ. πολύν (1)
I Ma. 1. 17. SR εἰσῆλθεν εἰς Αἴγ. ἐν [A *om.*] ὄ. βαρεῖ
— 20. ἀνέβη . . . ἐν ὄ. βαρεῖ
— 29. ἦλθεν εἰς Ἱερ. ἐν ὄ. βαρεῖ
9. 35. ἀπέστειλε τὸν ἀδ. αὐ. ἡγούμενον τοῦ ὄ.
II Ma. 4. 40. ἐπεγειρομένων δὲ τῶν ὄ.
6. 3. R χαλεπὴ δὲ καὶ τοῖς ὄ. [A ὅλοις] ἦν
11. 6. ἱκέτευον σὺν τοῖς ὄ.
13. 15. R σὺν τῷ κατ' οἰκίαν ὄ. [A ὄντι]
14. 23. τοὺς δὲ συναχθέντας ἀγελαίους ὄ. ἀπέλυσε
— 43. τῶν ὄ. ἔσω τῶν θυρωμάτων εἰσβαλλόντων
— 43. κατεκρήμνισεν ἑαυτὸν . . . εἰς τοὺς ὄ.
— 45. τοὺς ὄ. διελθών
— 46. ἐνέσεισε τοῖς ὄ.
III Ma. 1. 28. ἐκ δὲ τῆς . . . τῶν ὄ. συναγομένης κραυγῆς
2. 7. σὺν ἅρμασι καὶ ὄχλων πλήθει
[Aq. Ps. 41 (42). 5 : 64 (65). 8 : Is. 29. 7, 8 : 32. 14 : 33. 3 : Je. 41 (48). 16 : Ez. 32. 31.]
[Sm. Ge. 47. 12 : Ex. 10. 10 : 12. 37 : Nu. 31. 18 : Ca. 8. 11 : Je. 41 (48). 16 : Ez. 23. 42 : 32. 31.]
[Th. Nu. 31. 17, 18 : Je. 32 (39). 24 : 40 (47). 7 : Ez. 32. 31 : Da. 11. 11.]
[Al. Dt. 1. 39 : Je. 37 (44). 16.]

ὀχυράζειν (?).

I Ma. 6. 26. S τὴν Β. ὠχύρασαν [A R -ωσαν]

ὀχυρός. (1) *a.* בָּצַר *b.* מִבְצָר (2) גִּבֹּר (3) מִסְכְּנוֹת (4) *a.* מָצוֹר *b.* מְצוּדָה (5) עֹז (6) *a.* שָׂגַב ni. *b.* מִשְׂגָּב

Ex. 1. 11. ᾠκοδόμησαν πόλεις ὀ. τῷ Φ. (3)
Nu. 13. 29 (28). καὶ πόλεις ὀ. τετειχισμέναι (1 *a*)
32. 36. πόλεις ὀχυρὰς καὶ ἐπαύλεις προβάτων (1 *b*)
De. 3. 5. πᾶσαι πόλεις ὀ. τείχη ὑψηλά (1 *a*)
28. 52. τὰ τείχη τὰ ὑψηλὰ καὶ τὰ ὀ. (1 *a*)
Jo. 10. 20. διεσώθησαν εἰς τὰς πόλεις τὰς ὀ. (1 *b*)
14. 12. πόλεις ὀ. καὶ μεγάλαι (1 *b*)
II Ki. 20. 6. μή ποτε ἑαυτῷ εὕρῃ πόλεις ὀ. (1 *a*)
IV Ki. 3. 19. πατάξετε πᾶσαν πόλιν ὀ. (1 *b*)
10. 2. μεθ' ὑμῶν . . . πόλεις ὀ. (1 *b*)
17. 9. ἀπὸ πύργου φυλασσόντων ἕως πόλεως ὀ. (1 *b*)
18. 8. ἀπὸ πύργου φυλασσόντων καὶ ἕως πόλεως ὀ. (1 *b*)
— 13. ἐπὶ τὰς πόλεις Ἰ. τὰς ὀ. (1 *a*)
19. 25. εἰς ἐπάρσεις ἀπὸ οἰκεσιῶν μαχίμων πόλεις ὀχυράς (1 *a*)
II Ch. 8. 4. πάσας τὰς πόλεις τὰς ὀ. ἃς ᾠκοδόμησεν (3)
— 5. ᾠκοδόμησε . . . πόλεις ὀ. (4 *a*)
— 6. καὶ πάσας τὰς πόλεις τὰς ὀ. αἳ ἦσαν τῷ Σ. [A[1] *om.* τ. ὀ. αἳ ἦ. τ. Σ.] (3)
11. 23. καὶ ἐν ταῖς πόλεσι ταῖς ὀ. (4 *b*)
12. 4. κατεκράτησαν τῶν πόλεων τῶν ὀ. (4 *b*)
17. 2. ἐν πάσαις ταῖς πόλεσιν Ἰ. ταῖς ὀ. (1 *a*)
— 12. ᾠκοδόμησεν . . . πόλεις ὀ. (3)
— 19. ἐν ταῖς πόλεσι ταῖς ὀ. (1 *b*)
19. 5. ἐν πάσαις ταῖς πόλεσιν Ἰ. ταῖς ὀ. (1 *a*)
Ps. 70 (71). 3. καὶ εἰς τόπον ὀ. τοῦ σῶσαί με †
Pr. 10. 15. κτῆσις πλουσίων πόλις ὀχυρά (5)
18. 11. ὕπαρξις πλουσίου ἀνδρὸς πόλις ὀχυρά (5)
— 19. ἀδελφὸς ὑπὸ ἀδελφοῦ βοηθούμενος ὡς πόλις ὀχυρά (5)
21. 22. πόλεις ὀχυρὰς ἐπέβη σοφός (2)
Si. 28. 14. πόλεις ὀχυρὰς καθείλε
Mi. 7. 12. αἱ πόλεις σου αἱ ὀ. εἰς διαμερισμόν (4 *a*)
Ze. 1. 16. ἐπὶ τὰς πόλεις τὰς ὀ. [A ἰσχυράς] (1 *a*)
Is. 17. 3. οὐκέτι ἔσται ὀχυρὰ τοῦ καταφυγεῖν Ἐφραίμ (1 *b*)
25. 2. ἔθηκας . . . πόλεις ὀχυρὰς τοῦ μὴ [A S *om.*] πεσεῖν αὐτῶν τὰ θεμέλια (1 *a*)
26. 1. A S ἰδοὺ πόλις ὀχυρά [B ἰσχ.] (5)
— 5. πόλεις ὀχυρὰς καταβαλεῖς (6 *a*)
27. 3. ἐγὼ πόλις ὀχυρά [A S ἰσχ.] †
30. 13. ὡς τεῖχος πίπτον παραχρῆμα πόλεως ὀχυρᾶς [A *om.*] ἑαλωκυίας (6 *a*)
33. 16. A οἰκήσει ἐν ὑψηλῷ σπηλαίῳ πέτρας ὀχυρᾶς [B S ἰσχ.] (6 *b*)
36. 1. ἀνέβη Σ. . . . ἐπὶ τὰς πόλεις τῆς Ἰ. τὰς ὀ. (1 *a*)
37. 26. ἐξερημῶσαι ἔθνη ἐν ὀχυροῖς καὶ οἰκοῦντας ἐν πόλεσιν ὀχυραῖς (–, 1 *a*)
Je. 1. 18. ὡς πόλιν ὀχυρὰν καὶ ὡς τεῖχος χαλκοῦν ὀχυρὸν [B[1] -οῦν, S ἰσχ.] (1 *b*, –)
4. 5. A εἰσέλθατε εἰς τὰς πόλεις τὰς ὀ. [B S *al.*] (1 *b*)
5. 17. ἀλοήσουσι τὰς πόλεις τὰς ὀ. ὑμῶν (1 *b*)
8. 14. εἰσέλθωμεν εἰς τὰς πόλεις τὰς ὀ. (1 *b*)
15. 20. δώσω σε τῷ λαῷ τούτῳ ὡς τεῖχος ὀ. (1 *a*)
41 (34). 7. αὗται κατελείφθησαν ἐν πόλεσιν Ἰούδα πόλεις ὀχυραί (1 *b*)
Ez. 36. 35. αἱ πόλεις αἱ . . . κατεσκαμμέναι ὀχυραὶ ἐκάθισαν (1 *a*)
Da. LXX. 11. 15. λήψεται τὴν πόλιν τὴν ὀ. (1 *b*)
Da. TH. 11. 15. συλλήψεται πόλεις ὀ. (1 *b*)
I Ma. 1. 19. κατελάβοντο τὰς πόλεις τὰς ὀ.
— 33. A S ᾠκοδόμησαν . . . τείχει μεγάλῳ καὶ ὀ. [R ἰσχ.] πύργοις ὀ.
4. 60. R ᾠκοδόμησαν . . . πύργους ὀ. [A ἰσχ., S ὑψηλούς]
5. 26. πᾶσαι αἱ πόλεις αὗται ὀ.
— 46. S R αὕτη ἡ πόλις μεγάλη . . . ὀ. [S[1] -ᾶς, A ἰσχ.] σφόδρα
6. 37. A R πύργοι ξύλινοι ἐπ' αὐτοὺς ὀχυροί [S *al.*]
— 57. A R ὁ τόπος . . . ἐστιν ὀ. [S ἰσχ.]
9. 50. ᾠκοδόμησε πόλεις ὀ.
II Ma. 10. 18. συμφυγόντων δὲ . . . εἰς δύο πύργους ὀ.
12. 13. ἐπί τινα πόλιν γεφυροῦν ὀχυράν
— 18. καταλελοιπότα δὲ φρουρὰν . . . μάλα ὀ.
II Ma. 12. 27. ἐπεστράτευσεν . . . ἐπὶ Ἐ. πόλιν ὀ.
13. 19. R φρούριον ὀ. [A ὀλίγον] τῶν Ἰ. προσῆγεν
[Aq. I Ki. 6. 18 : Ez. 33. 27.]
[Sm. Ps. 60 (61). 4.]
[Th. I Ki. 23. 14.]

ὀχυροῦν. (1) בָּצַר pi. (2) חָזַק pi. (3) סָגַר pu.

Jo. 6. 1. καὶ Ἰεριχὼ . . . ὠχυρωμένη (3)
II Ch. 11. 11. ὠχύρωσεν αὐτὰς τειχήρεις [A τείχεσιν] (2)
Si. 48. 17. Ἐζεκίας ὠχύρωσε τὴν πόλιν αὐτοῦ
Je. 1. 18. B[1] ὡς τεῖχος χαλκοῦν ὀχυροῦν [A B[2] -όν, S ἰσχυρόν] –
28 (51). 53. B[1] R ἐὰν ὀχυρώσῃ τὰ τείχη ἰσχύϊ αὐτῆς [A B[2] S *al.*] (1)
Ep. Je. 18. τοὺς οἴκους αὐτῶν ὀχυροῦσιν οἱ ἱερεῖς
I Ma. 1. 62. ὠχυρώθησαν ἐν αὐτοῖς
4. 61. A R ὠχύρωσαν [S -εν] αὐτὸ τηρεῖν τὴν Β.
6. 26. A R τὴν Β. ὠχύρωσαν [S -ασαν]
9. 52. S R ὠχύρωσε [A -αν] τὴν πόλιν
10. 45. A R καὶ ὀχυρῶσαι [S ὠχύρωσεν] κυκλόθεν
12. 38. A R ὠχύρωσε θύρας [S *al.*]
13. 10. ὠχύρωσεν αὐτὴν κυκλόθεν
14. 33. ὠχύρωσε τὰς πόλεις τῆς Ἰ.
— 34. καὶ Ἰόππην ὠχύρωσε
— 37. καὶ ὠχύρωσεν αὐτήν
15. 39. A R καὶ ὀχυρῶσαι [S οἰκοδομῆσαι] τὰς πύλας
IV Ma. 13. 7. τὸν τῆς εὐσεβείας ὀχυρώσασα λιμένα
[Sm. Ps. 106 (107). 41 : Is. 27. 10.]
[Th. Ez. 21. 20 (25).]

ὀχύρωμα. (1) בּוֹר (2) *a.* בַּיִת *b.* בֵּית הַסֹּחַר (3) *a.* בָּצַר pi. *b.* בִּצָּרוֹן *c.* מִבְצָר *d.* בְּצָרָה (4) הֵיכָל (5) מַסְגֵּר (6) מַעֲשֶׂה (7) *a.* מָצָד *b.* מָצוֹד *c.* מְצוּדָה (8) מָצוֹר (9) *a.* עֹז *b.* מָעוֹז (10) צָרִיחַ

Ge. 39. 20. ἐνέβαλεν αὐτὸν εἰς τὸ ὀ. (2 *b*)
— 20. ἐν ᾧ . . . κατέχονται ἐκεῖ ἐν τῷ ὀ. (2 *b*)
40. 14. ἐξάξεις με ἐκ τοῦ ὀ. τούτου (2 *a*)
41. 14. ἐξήγαγον αὐτὸν ἀπὸ τοῦ ὀ. (1)
Jo. 19. 29. A ἔως πόλεως ὀχυρώματος [B *al.*] (3 *c*)
Jd. 6. 2. A τὰς τρυμαλιὰς τὰς ἐν . . . τοῖς ὀ. [B *al.*] (7 *a*)
9. 46. A εἰσῆλθον εἰς τὸ ὀ. οἴκου τοῦ Β. [B *al.*] (10)
— 49. A ἐπέθηκαν ἐπὶ τὸ ὀ. [B τὴν συνέλευσιν] (10)
— 49. A ἐνέπρησαν . . . τὸ ὀ. [B *al.*] (10)
II Ki. 22. 2. πέτρα μου καὶ ὀχύρωμά μου (7 *c*)
IV Ki. 8. 12. τὰ ὀ. αὐτῶν ἐξαποστελεῖς ἐν πυρί (3 *c*)
Jb. 19. 6. ὀχύρωμα δὲ αὐτοῦ ἐπ' ἐμὲ ὕψωσεν (7 *b*)
Ps. 88 (89). 40. ἔθου τὰ ὀ. αὐτοῦ δειλίαν (3 *c*)
Pr. 10. 29. ὀχύρωμα ὁσίου φόβος κυρίου (9 *b*)
12. 11. ἐν τοῖς ἑαυτοῦ ὀ. καταλείψει ἀτιμίαν –
— 12. αἱ δὲ ῥίζαι τῶν εὐσεβῶν ἐν ὀχυρώμασι †
21. 22. καθεῖλε τὸ ὀ. ἐφ' ᾧ ἐπεποίθεισαν (9 *a*)
24. 63 (30. 28). κατοικεῖ ἐν ὀχυρώμασι βασιλέων (4)
Am. 5. 9. καὶ ταλαιπωρίαν ἐπὶ ὀχύρωμα ἐπάγων (3 *c*)
Mi. 5. 11 (10). καὶ ἐξαρῶ πάντα τὰ ὀ. σου (3 *c*)
Na. 3. 12. πάντα τὰ ὀ. σου συκαῖ σκοποὺς [B[2] καρποὺς] ἔχουσαι (3 *c*)
— 14. καὶ κατακράτησον τῶν ὀ. σου (3 *c*)
Hb. 1. 10. εἰς πᾶν ὀχύρωμα ἐμπαίξεται (3 *c*)
Za. 9. 3. καὶ ᾠκοδόμησε Τ. ὀχυρώματα αὐτῇ (8)
— 12. καθήσεσθε ἐν ὀχυρώμασι [A *al.*] (3 *b*)
Is. 22. 10. καθείλοσαν τοὺς οἴκους Ἱερουσαλὴμ εἰς ὀχυρώματα τείχους τῇ πόλει (3 *a*)
23. 14. ἀπόλωλε τὸ ὀ. ὑμῶν (9 *b*)
24. 22. ἀποκλείσουσιν εἰς ὀχύρωμα [A *al.*] (5 [1 ?])
34. 13. ἀναφύησει εἰς τὰς πόλεις αὐ. ἀκάνθινα ξύλα καὶ εἰς τὰ ὀ. αὐ. (3 *c*)
Je. 29 (49). 22. ἐκτενεῖ τὰς πτέρυγας ἐπ' ὀχυρώματα αὐτῆς (3 *d*)
31 (48). 7. ἐπεποίθεις ἐν ὀχυρώμασίν σου (6)
— 18. ἀνέβη εἰς σὲ λυμαινόμενος ὀχύρωμά [A -ατά] σου (3 *c*)
— 41. τὰ ὀ. συνελήφθη (7 *a*)
La. 2. 2. τὰ ὀ. τῆς θυγατρὸς Ἰούδα ἐκόλλησεν εἰς τὴν γῆν (3 *c*)
— 5. διέφθειρε τὰ ὀ. αὐ. (3 *c*)
Da. LXX. 11. 39. εἰς ὀ. ἰσχυρὸν ἥξει (3 *c*)
Da. TH. 11. 39. ποιήσει τοῖς ὀ. τῶν καταφυγῶν (3 *c*)
— 43. κυριεύσει . . . ἐν τοῖς ὀ. αὐτῶν †
I Ma. 1. 2. R ἐκράτησεν ὀ. πολλῶν [A S *om.*]
4. 61. τοῦ ἔχειν τὸν λαὸν ὀχύρωμα
5. 9. ἔφυγον εἰς Δ. τὸ ὀ.

I Ma. 5. 11. καὶ προκαταλαβέσθαι τὸ ὀ.
— 27. παρεμβάλλειν ἐπὶ τὰ ὀ.
— 29. ἐπορεύετο ἕως ἐπὶ τὸ ὀ.
— 30. καταλαβέσθαι τὸ ὀ.
— 65. A R καθεῖλε τὸ ὀ. [S τὰ ὀ.] αὐ.
6. 61. ἐξῆλθον ἐκ τοῦ ὀ.
— 62. εἶδε τὸ ὀ. τοῦ τόπου
8. 10. καθεῖλον τὰ ὀ. αὐ.
9. 50. ᾠκοδόμησε . . . τὸ ὀ. τὸ ἐν Ἰ.
10. 12. οἱ ἀλλογενεῖς οἱ ὄντες ἐν τοῖς ὀ.
— 37. A R κατασταθήσεται . . . ἐν τοῖς ὀ. τοῦ βασ.
11. 18. οἱ ὄντες ἐν τοῖς ὀ. αὐ. ἀπώλοντο ὑπὸ τῶν ἐν τοῖς ὀ.
— 41. ἵνα ἐκβάλῃ . . . τοὺς ἐν τοῖς ὀ.
12. 33. A S διώδευσεν . . . τὰ πλησίον ὀ. [R *al.*]
— 34. βούλονται τὸ ὀ. παραδοῦναι
— 35. τοῦ οἰκοδομῆσαι ὀχυρώματα
— 45. παραδώσω σοι . . . τὰ λοιπὰ ὀ.
13. 33. S R ᾠκοδόμησε Σ. τὰ ὀ. [A τὸ ὀ.] τῆς Ἰ.
— 33. ἔθετο βρώματα ἐν τοῖς ὀ.
— 38. τὰ ὀ. . . . ὑπαρχέτω ὑμῖν
14. 10. S¹ ἐν σκεύεσιν ὀχυρωμάτων [A S²R -ώσεως]
— 42. καθιστάναι . . . ἐπὶ τῶν ὀ.
15. 7. τὰ ὀ. . . . μενέτω σοι
16. 8. ἔφυγον εἰς τὸ ὀ.
II Ma. 8. 30. ὀ. ὑψηλῶν εὖ μάλα ἐγκρατεῖς ἐγένοντο
10. 15. ἐγκρατεῖς ἐπικαίρων ὀ. ὄντες
— 16. ἐπὶ τὰ τῶν Ἰ. ὀ. ὥρμησαν
— 23. ἀπώλεσεν ἐν τοῖς δυσὶν ὀ.
— 32. εἰς Γ. λεγόμενον ὀ.
11. 6. πολιορκοῦντα αὐτὸν τὰ ὀ.
12. 19. τοὺς ὑπὸ Τ. καταλειφθέντας ἐν τῷ ὀ.
III Ma. 6. 25. R τοὺς κρατήσαντας . . . τὰ τῆς χώρας ὀ. [A *al.*]
[Aq. I Ki. 22. 4: 23. 14, 19: 24. 1, 23: II Ki. 5. 7, 17: Jb. 39. 28: Ps. 30 (31). 3, 4: 65 (66). 11: 70 (71). 3: Is. 33. 16: Da. 11. 24 (Sw.).]
[Sm. I Ki. 23. 19: 24. 23: II Ki. 5. 7, 9, 17: 24. 7: Ps. 9. 10: 47 (48). 4: Is. 25. 12: 29. 1.]
[Th. Jb. 28. 10: Da. 11. 39.]

ὀχυρωμάτιον.
I Ma. 16. 15. ὑπεδέξατο αὐτοὺς . . . εἰς τὸ ὀ.

ὀχύρωσις.
I Ma. 10. 11. οἰκοδομεῖν τὰ τείχη . . . εἰς ὀχύρωσιν
14. 10. ἐν σκεύεσιν ὀχυρώσεως [S¹ -ωμάτων]

ὀψάριον.
To. 2. 2. S παρετέθη μοι ὀ. πλείονα [A B *al.*]

ὀψέ. (1) נָשַׁף (2) *a.* עֶרֶב *b.* בֵּין הָעַרְבַּיִם
Ge. 24. 11. ἐκοίμισε . . . τὸ πρὸς ὀ. (2 *a*)
Ex. 30. 8. ὅταν ἐξάπτῃ Ἀαρὼν τοὺς λύχνους ὀ. (2 *b*)
Is. 5. 11. οὐαὶ . . . οἱ μένοντες τὸ ὀ. (1)
Je. 2. 23. ὀ. φωνὴ αὐτῆς ὠλόλυξε †

ὀψία.
Ju. 13. 1. ὡς δὲ ὀψία ἐγένετο

ὀψίζειν. (1) עָרַב hi.
I Ki. 17. 16. A προῆγεν ὁ ἀλλόφυλος . . . ὀψίζων (1)
Si. 36. 31 (28). οὕτως ἀνθρώπῳ . . . καταλύοντι οὗ ἐὰν ὀψίσῃ

ὄψιμος. (1) אָפִיל (2) מַלְקוֹשׁ
Ex. 9. 32. οὐκ ἐπλήγησαν ὄψιμα γὰρ ἦν (1)
De. 11. 14. δώσει τὸν ὑετὸν . . . πρώϊμον καὶ ὄ. (2)
Pr. 16. 15. οἱ δὲ προσδεκτοὶ αὐτῷ ὥσπερ νέφος ὄψιμον [S¹ -οι] (2)
Ho. 6. 4 (3). ἥξει ὡς ὑετὸς ἡμῖν πρώϊμος καὶ ὄψιμος γῇ (2)
Jl. 2. 23. βρέξει ὑμῖν ὑετὸν πρώϊμον καὶ ὄψιμον (2)
Za. 10. 1. αἰτεῖσθε . . . ὑετὸν καθ' ὥραν πρώϊμον καὶ ὄψιμον (2)
Je. 5. 24. τὸν διδόντα ἡμῖν ὑετὸν πρώϊμον καὶ ὄψιμον (2)
[Aq. Am. 7. 1.]
[Sm. Ge. 30. 42 *bis*: Ec. 11. 6.]

ὄψις. (1) זִיו (2) מֵצַח (3) מַרְאֶה (4) עַיִן (5) פֵּאָה (6) צֶלֶם (7) שְׂאֵת (8) תֹּאַר
Ge. 24. 16. ἡ δὲ παρθένος ἦν καλὴ τῇ ὄ. σφόδρα (3)
26. 7. ὅτι ὡραία τῇ ὄ. ἦν (3)
29. 17. R καὶ ὡραία τῇ ὄψει σφόδρα [A *om.*] (3)
39. 6. ἦν Ἰωσὴφ . . . ὡραῖος τῇ ὀ. σφόδρα (3)
41. 21. καὶ αἱ ὄ. αὐτῶν αἰσχραί (3)
Ex. 10. 5. καὶ καλύψει τὴν ὄ. τῆς γῆς (4)
— 15. καὶ ἐκάλυψε τὴν ὄ. τῆς γῆς (4)
34. 29, 30. ἡ ὄ. τοῦ χρώματος [A χρωτός] –
Le. 13. 3. καὶ ἡ ὄ. τῆς ἁφῆς ταπεινή (3)
— 4. ἐὰν . . . ταπεινὴ μὴ ᾖ ἡ ὄ. αὐτῆς (3)
— 20. ἡ ὄ. ταπεινοτέρα τοῦ δέρματος (3)
— 25. ἡ ὄ. αὐτοῦ ταπεινὴ ἀπὸ τοῦ δέρματος (3)
— 30. ἡ ὄ. αὐτῆς ἐγκοιλοτέρα τοῦ δέρματος (3)
— 31. ἰδοὺ οὐχ ἡ ὄ. ἐγκοιλοτέρα τοῦ δέρματος (3)
— 32, 34. ἡ ὄ. τοῦ θραύσματος οὐκ ἔστι κοίλη (3)
— 43. ἡ ὄ. τῆς ἁφῆς λευκὴ ἢ πυρρίζουσα (7)
— 55. ἥδε μὴ μετέβαλεν ἡ ἁφὴ τὴν ὄ. (4)
14. 37. ἡ ὄ. αὐτῶν ταπεινοτέρα τῶν τοίχων (3)
19. 27. οὐδὲ φθερεῖτε τὴν ὄ. τοῦ πώγωνος ὑμῶν (5)
21. 5. τὴν ὄ. τοῦ πώγωνος οὐ ξυρήσονται (5)
Nu. 22. 5. κατεκάλυψε τὴν ὄ. τῆς γῆς (4)
— 11. κεκάλυφεν τὴν ὄ. τῆς γῆς (4)
I Ki. 16. 7. μὴ ἐπιβλέψῃς ἐπὶ τὴν ὄ. αὐ. [A *al.*] (3)
III Ki. 1. 6. ὡραῖος τῇ ὄ. [A *om.* τ. ὄ.] σφόδρα (8)
To. 14. 2. ὅτε ἀπώλεσε τὰς ὄ. [S *al.*]
Ju. 7. 10. A ἀλλ' ἐπὶ τοῖς ὄψεσι [?, B S ὕψεσι] τῶν ὀρέων αὐ.
8. 7. καὶ ἦν . . . ὡραία τῇ ὄ. σφόδρα
Es. 2. 7. S² καὶ ὡραῖον τῇ ὄ. σφόδρα (3)
8. 13. τὰ δὲ ὑπὸ τὴν ὄ. ἐρχόμενα –
Ca. 2. 14. δεῖξόν μοι τὴν ὄ. σου (3)
— 14. ἡ ὄ. σου ὡραία (3)
Wi. 3. 4. ἐν ὄψει ἀνθρώπων ἐὰν κολασθῶσιν
7. 9. ὁ πᾶς χρυσὸς ἐν ὄψει αὐτῆς ψάμμος ὀλίγη
8. 11. ἐν ὄψει δυναστῶν θαυμασθήσομαι
11. 19. ἠδύνατο . . . ἡ ὄ. ἐκφοβήσασα διολέσαι
13. 7. πείθονται τῇ ὄ.
14. 17. οὐς ἐν ὄψει μὴ δυνάμενοι τιμᾶν ἄνθρωποι
— 17. τὴν πόρρωθεν ὄ. ἀνατυπωσάμενοι
15. 5. ὧν ὄψις [S² ἡ ὄ.] ἄφροσιν εἰς ὄνειδος [A S ὄρεξιν] ἔρχεται
— 19. ὡς ἐν ζῴων ὄψει καλὰ τυγχάνει
17. 6. ἐκδειματούμενοι δὲ τῆς μὴ [A *om.*] θεωρουμένης ἐκείνης ὄ.
19. 18. ὅπερ ἐστὶν εἰκάσαι ἐκ τῆς τῶν γεγονότων ὄ.
Jl. 2. 4. A ὡς ὅρασις ἵππων ἡ ὄ. [B S ὅρασις] αὐτῶν (3)
Je. 3. 3. ὄ. πόρνης ἐγένετό σοι (2)
Ez. 1. 13. ὡς ὄψις λαμπάδων συστρεφομένων ἀνὰ μέσον τῶν ζῴων (3)
— 27. ἴδον ὡς ὄψιν ἠλέκτρου (4)
10. 9. A R ἡ [B *om.*] ὄ. τῶν τροχῶν ὡς ὄψις λίθου ἄνθρακος (3, 4)
— 10. ἡ ὄ. αὐτῶν ὁμοίωμα ἓν τοῖς τέσσαρσιν (3)
23. 15. ὄ. τρισσὴ πάντων (3)
41. 21. ὅρασις ὡς ὄψις θυσιαστηρίου ξυλίνου (3)
Da. LXX. 1. 13. ἐὰν φανῇ ἡ ὄ. ἡμῶν διατετραμμένη (3)
— 15. ἐφάνη ἡ ὄ. αὐ. καλή (3)
Da. TH. 1. 4. καὶ καλοὺς τῇ ὄ. (3)
2. 31. A καὶ ἡ ὄ. [B πρόσοψις] αὐτῆς ὑπερφερής (1)
3. 19. ἡ ὄ. τοῦ προσώπου αὐ. ἠλλοιώθη (6)
II Ma. 3. 16. ἡ γὰρ ὄ. . . . ἐνέφαινε τὴν . . . ἀγωνίαν
— 36. ἅπερ ἦν ὑπ' ὄψιν
12. 42. ὑπ' ὄψιν ἑωρακότας τὰ γεγονότα
[Aq. Ex. 33. 18.]
[Th. Ex. 34. 35.]
[Al. Ge. 44. 30: Nu. 24. 1.]

ὄψον.
To. 2. 2. ἐθεασάμην ὄ. πολλά [S *al.*]
7. 8. παρέθηκαν ὄ. πλείονα [S *al.*]

ὀψοποίημα.
Ju. 12. 1. καταστρῶσαι αὐτῇ ἀπὸ τῶν ὀ. αὐ.

ὄψος. (1) דָּג
Nu. 11. 22. ἢ πᾶν τὸ ὄ. τῆς θαλ. συναχθήσεται (1)

ὀψώνιον.
I Es. 4. 56. δοῦναι αὐτοῖς . . . ὀψώνια
I Ma. 3. 28. ἔδωκεν ὀψώνια ταῖς δυνάμεσιν αὐ.
14. 32. ἔδωκεν αὐτοῖς ὀψώνια

Π

παγγέωργος.
IV Ma. 1. 29. ὁ π. λογισμός

παγετός. (1) קֶרַח
Ge. 31. 40. R καὶ τῷ [A *om.*] π. τῆς νυκτός (1)
Si. 3. 15. ὡς εὐδία ἐπὶ [S¹ ἐν] παγετῷ
Je. 43 (36). 30. καὶ ἐν τῷ π. τῆς νυκτός (1)
Ba. 2. 25. καὶ τῷ π. τῆς νυκτός

παγιδεύειν, πακιδεύειν. (1) יָקֹשׁ pu. (2) נָקַשׁ hithp.
I Ki. 28. 9. ἵνα τί σὺ παγιδεύεις τὴν ψυχήν μου (2)
Ec. 9. 12. ὡς αὐτὰ παγιδεύονται οἱ υἱοὶ τοῦ ἀνθρώπου εἰς καιρὸν πονηρόν (1)
[Aq. Ez. 13. 20, 21.]
[Sm. Pr. 6. 1: Is. 8. 15.]
[Th. Pr. 11. 15.]

παγίδευμα.
[Aq. Ec. 7. 27 (26).]

παγίς, πακίς. (1) חָח (2) *a.* יָקֹשׁ ni. *b.* מוֹקֵשׁ *c.* יָקוּשׁ (3) כֶּלוּב (4) מְצוּדָה (5) *a.* פַּח *b.* פָּחַח hi. (6) רֶשֶׁת (7) שׁוּאָה (8) מוֹקֵשׁ
ἐμπίπτει εἰς παγίδας
Jo. 23. 13. ἔσονται ὑμῖν εἰς παγίδας (5 *a*)
To. 14. 10. ἐσώθη ἐκ παγίδος θανάτου [S *al.*]
— 10. ἐνέπεσεν [S ἔπεσεν] εἰς τὴν π.
Jb. 18. 8. ἐμβέβληται [A -βληθείη] δὲ ὁ πους αὐτοῦ ἐν παγίδι (6)
— 9. ἕλθοισαν δὲ ἐπ' αὐτὸν παγίδες (5 *a*)
22. 10. ἐκύκλωσάν σε παγίδες (5 *a*)
Ps. 9. 15. ἐν παγίδι ταύτῃ ᾗ ἔκρυψαν (6)
— 30 (10. 9). ἐν τῇ π. αὐτοῦ ταπεινώσει αὐτόν (6)
Ps. 10 (11). 7. ἐπιβρέξει ἐπὶ ἁμαρτωλοὺς παγίδας [A S² -δα] (5 *a*)
17 (18). 5. προέφθασάν με παγίδες θανάτου (2 *b*)
24 (25). 15. ἐκσπάσει ἐκ παγίδος τοὺς πόδας μου (6)
30 (31). 4. ἐξάξεις με ἐκ παγίδος ταύτης (6)
34 (35). 7. δωρεὰν ἔκρυψάν μοι διαφθορὰν παγίδος αὐτῶν (6)
— 8. ἐλθέτω αὐτοῖς [S² -ῶ] παγίς (7)
— 8. ἐν τῇ π. πεσοῦνται ἐν αὐτῇ (7)
56 (57). 6. BS¹ παγίδας [S² -α] ἡτοίμασαν τοῖς ποσί [S τὴν ψυχήν] μου (6)
63 (64). 5. διηγήσαντο τοῦ κρύψαι παγίδας [S² -α] (2 *b*)
65 (66). 11. εἰσήγαγες ἡμᾶς εἰς τὴν π. (4)
68 (69). 22. γενηθήτω ἡ τράπεζα αὐτῶν ἐνώπιον αὐτῶν εἰς παγίδα (5 *a*)
90 (91). 3. A S ῥύσεταί με [R σε, B *om.*] ἐκ παγίδος θηρευτῶν (5 *a*)

Ps. 118 (119). 110. ἔθεντο ἁμαρτωλοὶ παγίδα μοι (5 a)
123 (124). 7. ἐρρύσθη ἐκ τῆς π. τῶν θηρευόντων· ἡ π. συνετρίβη (5 a, 5 a)
139 (140). 5. ἔκρυψαν ὑπερήφανοι παγίδα μοι (5 a)
— 5. σχοινία διέτειναν παγίδας τοῖς ποσί μου (6)
140 (141). 9. φύλαξόν με ἀπὸ παγίδος (5 a)
141 (142). 3. ἔκρυψαν παγίδα μοι (5 a)
Pr. 6. 2. παγὶς γὰρ ἰσχυρὰ ἀνδρὶ τὰ ἴδια χείλη (2 a)
— 5. ὥσπερ ὄρνεον ἐκ παγίδος (2 c)
7. 23. σπεύδει δὲ ὥσπερ ὄρνεον εἰς παγίδα (5 a)
11. 9. ἐν στόματι ἀσεβῶν παγὶς πολίταις †
12. 13. ἐμπίπτει εἰς παγίδας ἁμαρτωλός (8)
13. 14. ὁ δὲ ἄνους ὑπὸ παγίδος θανεῖται (2 b)
14. 27. ποιεῖ δὲ ἐκκλίνειν ἐκ παγίδος θανάτου (2 b)
18. 7. τὰ δὲ χείλη αὐτοῦ παγὶς τῇ ψυχῇ αὐτοῦ (2 b)
20. 25. παγὶς ἀνδρὶ ταχύ τι τῶν ἰδίων ἁγιάσαι (2 b)
21. 6. μάταια διώκει ἐπὶ [A S² καὶ ἔρχεται ἐπὶ] παγίδας θανάτου †
22. 5. τρίβολοι καὶ παγίδες ἐν ὁδοῖς σκολιαῖς (5 a)
29. 6. ἁμαρτάνοντι ἀνδρὶ μεγάλη παγίς (2 b)
Ec. 9. 12. ὡς ὄρνεα τὰ θηρευόμενα ἐν παγίδι (5 a)
Wi. 14. 11. εἰς παγίδα ποσὶν ἀφρόνων
Si. 9. 3. μή ποτε ἐμπέσῃς εἰς τὰς π. αὐτῆς
— 13. ἐν μέσῳ παγίδων [A -ος] διαβαίνεις
27. 20. ἐξέφυγεν ὡς δορκὰς ἐκ παγίδος [S² βρόχων]
— 26. ὁ ἱστῶν παγίδα ἐν αὐτῇ ἁλώσεται
— 29. παγίδι ἁλώσονται οἱ εὐφραινόμενοι πτώσει εὐσεβῶν
51. 2. ἐλυτρώσω τὸ σῶμά μου . . . ἐκ παγίδος διαβολῆς γλώσσης
Ho. 5. 1. παγὶς ἐγενήθη τῇ σκοπιᾷ (5 a)
9. 8. προφήτης παγὶς σκολιά (5 a)
Am. 3. 5. εἰ σχασθήσεται παγὶς ἐπὶ τῆς γῆς (5 a)
Is. 8. 14. οἱ δὲ οἶκοι Ἰακὼβ ἐν παγίδι (5 a)
24. 17. παγὶς ἐφ' ὑμᾶς τοὺς ἐνοικοῦντας ἐπὶ τῆς γῆς (5 a)
— 18. ἁλώσεται ὑπὸ τῆς π. (5 a)
42. 22. ἡ γὰρ π. ἐν τοῖς ταμείοις πανταχοῦ (5 b)
Je. 5. 26. παγίδας ἔστησαν (2 c)
— 27. ὡς π. ἐφεσταμένη [S συνεστ.] πλήρης πετεινῶν (3)
18. 22. παγίδας ἔκρυψαν ἐπ' ἐμέ (5 a)
31 (48). 43. π. καὶ φόβος καὶ βόθυνος ἐπὶ σοί (5 a)
— 44. συλληφθήσεται ἐν τῇ π. (5 a)
Ez. 29. 4. δώσω παγίδας [A τὰς π.] εἰς τὰς σιαγόνας σου (1)
I Ma. 1. 35. ἐγένετο εἰς μεγάλην π.
5. 4. οἳ ἦσαν τῷ λαῷ εἰς παγίδα
[Aq. Ps. 68 (69). 23.]
[Sm. Ps. 63 (64). 6: 68 (69). 23: Is. 8. 14.]
[Th. Ps. 68 (69). 23: Je. 48 (31). 45.]

παγκρατής.
II Ma. 3. 22. A ἐπεκαλοῦντο τὸν π. κύριον [R al.]

παγκτησία.
[Aq. Le. 25. 23.]

πάγος. (1) כְּפוֹר (2) קָרָה (3) קֶרַח
Ex. 16. 14. ὡσεὶ πάγος ἐπὶ τῆς γῆς (1)
Jb. 37. 10. ἀπὸ πνοῆς ἰσχυροῦ δώσει πάγος (3)
Si. 43. 22. S² ἴασις πάγων [A B S¹ πάντων] κατὰ σπουδὴν ὁμίχλη
Na. 3. 17. ἐν ἡμέρᾳ πάγους [A -αις πάγου] (2)
Za. 14. 6. πάγος ἔσται μίαν ἡμέραν †
Da. LXX. 3. (69). εὐλογεῖτε, πάγοι καὶ ψῦχος, τὸν κ.
Da. TH. 3. (69). A εὐλογεῖτε, πάγος καὶ ψῦχος [B ψ. κ. καῦμα], τὸν κ.
[Aq. Jb. 38. 29.]
[Sm. Jb. 37. 10: Za. 14. 6.]
[Th. Jb. 37. 10: 38. 29: Da. 3. (69)†.]

παθεινός. (1) אֲבֵל
Jb. 29. 25. ὃν τρόπον παθεινοὺς [S² ποθ., A συνπαθεῖς] παρακαλῶν (1)
[Aq. Is. 61. 2.]
[Th. Jb. 29. 25: Is. 57. 18: 61. 2.]

παθμή (?), πάθνη (?). (1) אֲבוּס
Jb. 6. 5. S¹ βοῦς ἐπὶ παθμῆς [A B S² φάτνης] ἔχων τὰ βρώματα –
39. 9. S¹ κοιμηθῆναι ἐπὶ παθμῇ [A B φάτνης, S² φάτνῃ] σου (1)
Jl. 1. 17. ἐσκίρτησαν δαμάλεις ἐπὶ ταῖς φάτναις [S¹ πάθναις] αὐ. †

παθοκράτεια.
IV Ma. 13. 5. τὴν τῆς εὐλογιστίας π. ὁμολογεῖν
— 16. A R καθοπλισώμεθα . . . τῇ . . . π. [S τὴν . . . π.]

παθοκρατεῖσθαι.
IV Ma. 7. 20. τὸ φαίνεσθαί τινας παθοκρατεῖσθαι

πάθος. (1) אֵבֶל
Jb. 30. 31. B S ἀπέβη δὲ εἰς πάθος [A R πένθος] μου ἡ κιθάρα (1)
Pr. 25. 20. A S οὕτως προσπεσὼν πάθος σώματι [B ἐν σ.] καρδίαν λυπεῖ †
IV Ma. 1. 1. εἰ αὐτοδέσποτός ἐστι τῶν π. ὁ εὐσεβὴς λογισμός
— 3. τῶν σωφροσύνης κωλυτικῶν π.
— 4. τῶν τῆς δικαιοσύνης ἐμποδιστικῶν π.
— 4. τῶν τῆς ἀνδρείας ἐμποδιστικῶν π.
— 5. εἰ τῶν π. ὁ λογισμὸς κρατεῖ
— 6. οὐ γὰρ τῶν ἑαυτοῦ π. ὁ λογισμὸς κρατεῖ
— 7. αὐτοκράτωρ ἐστὶ τῶν π. ὁ εὐσεβὴς λογισμός
— 9. περικρατεῖ τῶν π. ὁ λογισμός
— 13. εἰ αὐτοκράτωρ ἐστὶ τῶν π. ὁ λογισμός
— 14. καὶ τί πάθος
— 14. καὶ πόσαι παθῶν ἰδέαι
— 19. A R τῶν [S om.] π. ὁ λογισμὸς ἐπικρατεῖ
— 20. παθῶν δὲ φύσεις εἰσὶν αἱ περιεκτικώταται δύο
— 21. A R πολλαὶ δὲ καὶ . . . παθῶν [S ἀγαθῶν] εἰσιν ἀκολουθίαι
— 24. θυμὸς δὲ κοινὸν π. ἐστίν
— 25. πολυτροπωτάτη πάντων τῶν π. οὖσα
— 28. A R πολλαὶ τούτων τῶν π. [S φυτῶν] εἰσι παραφυάδες
— 29. ἐξημεροῖ τὰς τῶν ἠθῶν καὶ π. ὕλας
— 30. τῶν δὲ π. αὐτοκράτωρ
— 30. αὐτοδέσποτός ἐστι τῶν π. ὁ λογισμός
— 35. ἀνέχεται γὰρ τὰ τῶν ὀρέξεων π.
2. 3. ἠκύρωσε . . . τὸν τῶν π. οἶστρον
— 6. S R τῶν κωλυτικῶν τῆς δικαιοσύνης π. [A πασῶν]
— 7. κύριός ἐστι τῶν π. ὁ λογισμός
— 9. τῶν π. ἐστιν ὁ λογισμὸς κρατῶν
— 15. S² R τῶν [A S¹ διὰ τῶν] βιαιοτέρων δὲ π.
— 16. A S² R πάντα γὰρ ταῦτα τὰ [S¹ om.] κακοήθη π.
— 18. κατὰ τῶν π. ἀριστεῦσαι
— 21. τὰ π. . . . περιεφύτευσεν
— 24. A R εἰ τῶν π. ὁ λογισμὸς κρατεῖ [S al.]
3. 1. οὐ γὰρ τῶν ἑαυτοῦ π. ὁ λογισμὸς ἐπικρατεῖν φαίνεται [S¹ al.]
— 5. οὐ γὰρ ἐκριζωτὴς τῶν π. ὁ λογισμός ἐστιν
— 17. νικῆσαι τὰς τῶν π. ἀνάγκας
— 18. πάσας τὰς τῶν π. ἐπικρατείας
6. 31. δεσπότης ἐστὶ τῶν π. ὁ εὐσεβὴς λογισμός
— 32. εἰ γὰρ τὰ π. τοῦ λογισμοῦ ἐκκρατήκει
— 33. τοῦ λογισμοῦ τὰ π. νικήσαντος
7. 1. ἐν τῷ τῶν π. πελάγει
— 5. περιέκλασε τοὺς μαινομ. τῶν π. κλύδωνας
— 8. τοῖς μέχρι θανάτου π. ὑπερασπίζοντας
— 10. ὦ . . . παθῶν μέγιστε βασιλεῦ Ἑλ.
— 16. ἡγεμὼν ἐστι τῶν π. ὁ εὐσεβὴς λογισμός
— 17. τῶν π. οὐ πάντες περικρατοῦσιν
— 18. οὗτοι μόνοι δύνανται κρατεῖν τῶν τῆς σαρκὸς π.
— 22. τίς . . . οὐκ ἂν περικρατήσειε τῶν π.
— 23. A R μόνος γὰρ ὁ σοφὸς . . . ἐστι τῶν [S om.] π. κύριος
8. 28. ἦσαν γὰρ περίφρονες τῶν [S¹ τὰ τῶν] π.
13. 1. αὐτοδέσποτός ἐστι τῶν π. ὁ εὐσεβὴς λογισμός
— 2. τοῖς π. δουλωθέντες
— 3. περιεγένοντο τῶν π.
— 4. ἐπεκράτησαν γὰρ καὶ πάθους καὶ πόνων
— 7. A R τὴν τῶν π. ἐνίκησεν ἀκολασίαν [S κόλασιν]
14. 1. R τῶν [A S om.] τῆς τῶν ἀδ. φιλαδελφίας παθῶν κρατῆσαι
15. 1. παθῶν τύραννε
— 4. φιλότεκνα γονέων πάθη
— 4. S διὰ τὸ π. . . . τὰς μητέρας τῶν π. καθεστάναι συμπαθεστέρας [A R al.]
— 13. καὶ μητέρων ἀδάμαστα π.
— 23. ὁ εὐσεβὴς λογισμὸς ἐν αὐτοῖς τοῖς π. ἀνδρειώσας
— 32. ἐν τῷ τῶν π. περιαντλουμένῃ κατακλυσμῷ
16. 1. αὐτοκράτωρ ἐστὶ τῶν π. ὁ εὐσεβὴς λογισμός
— 2. οὐ μόνον τῶν π. ἄνδρες ἐπεκράτησαν
IV Ma. 16. 4. A R κατέσβεσε [S add. τὰ] τοσαῦτα καὶ τηλικαῦτα π.
18. 2. τῶν π. δεσπότης ἐστὶν ὁ εὐσεβὴς λογισμός
[Sm. Jb. 16. 4.]
[Th. Je. 16. 7.]

παιάν.
II Ma. 15. 25. μετὰ σαλπίγγων καὶ παιάνων προσῆγον

παιγνία. (1) שָׂחֹק (2) תִּפְלָצֹת
Jd. 16. 27. οἱ θεωροῦντες ἐν παιγνίαις Σ. [A al.] (1)
Je. 29 (49). 16. ἡ π. σου ἐνεχείρησέ σοι (2 ?)
[Sm. Je. 51 (28). 18.]

παίγνιον. (1) מְשָׂחָק
Wi. 12. 26. οἱ δὲ παιγνίοις ἐπιτιμήσεως μὴ νουθετηθέντες
15. 12. ἐλογίσαντο παίγνιον εἶναι τὴ ζωὴν ἡμῶν
Hb. 1. 10. τύραννοι παίγνια αὐτοῦ (1)
[Al. Ez. 34. 4.]

παιδάριον. (1) יֶלֶד (2) a. נַעַר b. נְעוּרִים c. עֶבֶד (3) אִישׁ־נַעַר
Ge. 22. 5. R ἐγὼ δὲ καὶ τὸ π. [A παιδίον] (2 a)
— 12. μὴ ἐπιβάλῃς τὴν χεῖρά σου ἐπὶ τὸ π. (2 a)
33. 14. κατὰ πόδα τῶν π. (1)
37. 30. τὸ π. οὐκ ἔστιν (1)
42. 22. μὴ ἀδικήσητε τὸ π. (1)
43. 8. ἀπόστειλον τὸ π. μετ' ἐμοῦ (2 a)
44. 30. A καὶ τὸ π. [R -δίον] μὴ ᾖ μεθ' ἡ. (2 a)
— 31. A μὴ ὂν τὸ π. [R -δίον] μεθ' ἡ. (2 a)
Jd. 7. 9 (10). καὶ Φ. τὸ π. σου (2 a)
— 11. καὶ Φ. τὸ π. αὐτοῦ (2 a)
8. 14. καὶ συνέλαβε παιδάριον (2 a)
— 20. οὐκ ἔσπασε τὸ π. τὴν ῥομφ. αὐ. [A al.] (2 a)
9. 54. ἐβόησε . . . πρὸς τὸ π. (2 a)
— 54. ἐξεκέντησεν αὐτὸν τὸ π. αὐτοῦ (2 a)
13. 5. ναζὶρ θεοῦ ἔσται τὸ π. [A al.] (2 a)
— 7. ἅγιον ἔσται τὸ π. [A al.] (2 a)
— 8. A τί ποιήσωμεν τῷ π. [B -δίῳ] (2 a)
— 12. A τί ἔσται τὸ κρίμα τοῦ π. [B al.] (2 a)
— 24. ἠδρύνθη [A ηὐξήθη] τὸ π. (2 a)
16. 26. A εἶπε Σ. πρὸς τὸ π. [B τὸν νεανίαν] (2 a)
17. 7. A καὶ ἐγένετο π. ἐκ B. [B al.] (2 a)
— 11, 12. A ἐγενήθη αὐτῷ τὸ π. [B al.] (2 a)
18. 3. A τὴν φωνὴν τοῦ π. τοῦ νεωτέρου [B al.] (2 a)
— 15. A εἰς τὸν οἶκον τοῦ π. [B νεανίσκου] (2 a)
19. 3. A καὶ τὸ π. [B καὶ νεανίας] αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (2 a)
— 9. A καὶ τὸ π. [B ὁ νεανίας] αὐτοῦ (2 a)
— 11. A καὶ εἶπεν τὸ π. [B ὁ νεανίας] (2 a)
— 13. A εἶπε τῷ π. [B νεανίᾳ] αὐ. (2 a)
— 19. A καὶ τῷ π. [B νεανίσκῳ] (2 a)
Ru. 2. 5. εἶπε B. τῷ π. (2 a)
— 6. καὶ ἀπεκρίθη τὸ π. (2 a)
— 9. ἐνετειλάμην τοῖς π. (2 a)
— 9. ὅθεν ἂν ὑδρεύωνται τὰ π. (2 a)
— 15. ἐνετείλατο B. τοῖς π. αὐτοῦ (2 a)
— 21. A B μετὰ τῶν π. [R κορασίων] τῶν ἐμῶν (2 a)
I Ki. 1. 14. εἶπεν αὐτῇ τὸ π. Ἡ. –
— 22. ἕως τοῦ ἀναβῆναι τὸ π. (2 a)
— 24. καὶ τὸ π. μετ' αὐτῶν (2 a)
— 25. προσήγαγε τὸ π. –
— 25. προσήγαγεν Ἄ. ἡ μήτηρ τοῦ π. [A τὸ π.] (2 a)
— 27. ὑπὲρ τοῦ π. τούτου προσηυξάμην (2 a)
2. 11. τὸ π. ἦν λειτουργῶν (2 a)
— 13, 15. ἤρχετο τὸ π. τοῦ ἱερέως (2 a)
— 17. ἦν ἡ ἁμαρτία . . . τῶν π. μεγάλη (2 a)
— 18. π. περιεζωσμένον ἐφούδ (2 a)
— 21. ἐμεγαλύνθη τὸ π. Σαμ. (2 a)
— 26. τὸ π. Σαμ. ἐπορεύετο (2 a)
3. 1. τὸ π. Σαμ. ἦν λειτουργῶν (2 a)
— 8. κύριος κέκληκε τὸ π. (2 a)
4. 17. ἀπεκρίθη τὸ π. †
— 21. ἐκάλεσε τὸ π. Οὐ. (2 a)
9. 3. λάβε . . . ἐν τῶν π. (2 a)
— 5. εἶπε τῷ π. αὐτοῦ τῷ μετ' αὐτοῦ (2 a)
— 6. εἶπεν αὐτῷ τὸ π. –
— 7. εἶπε Σ. τῷ π. αὐτοῦ τῷ μετ' αὐτοῦ (2 a)
— 8. προσέθετο τὸ π. ἀποκριθῆναι (2 a)
— 10. εἶπε Σ. πρὸς τὸ π. αὐτοῦ (2 a)
— 22. ἔλαβε Σαμ. τὸν Σ. καὶ τὸ π. αὐ. (2 a)
10. 14. εἶπεν . . . πρὸς τὸ π. αὐτοῦ (2 a)

I Ki. 14. 1. B εἶπεν Ἰ. . . . τῷ π. (2 a)
— 6. B εἶπεν Ἰ. πρὸς τὸ π. (2 a)
16. 11. ἐκλελοίπασι τὰ π. (2 a)
— 18. ἀπεκρίθη εἷς τῶν π. αὐτοῦ (2 a)
17. 33. παιδάριον [A -δίον] εἶ σύ (2 a)
— 42. αὐτὸς ἦν παιδάριον (2 a)
— 58. A υἱὸς τίνος εἶ παιδάριον (2 a)
20. 21. ἀποστέλλω τὸ π. (2 a)
— 22 (21). ἐὰν εἴπω λέγων τῷ π. (2 a)
— 35. καὶ π. μικρὸν μετ᾽ αὐτοῦ (2 a)
— 36. εἶπε τῷ π. (2 a)
— 36. τὸ π. ἔδραμε (2 a)
— 37. ἦλθε τὸ π. (2 a)
— 38. ἀνεβόησεν Ἰ. ὀπίσω τοῦ π. αὐ. (2 a)
— 38. ἀνέλεξε τὸ π. Ἰ. τὰς σχίζας (2 a)
— 39. τὸ π. οὐκ ἔγνω οὐθέν [A al.] (2 a)
— 40. B ἔδωκε τὰ σκεύη αὐ. ἐπὶ τὸ π. αὐ. (2 a)
— 40. εἶπε τῷ π. αὐτοῦ †
— 41. ὡς εἰσῆλθε τὸ π. [A al.] (2 a)
21. 2 (3). τοῖς π. διαμεμαρτύρηται (2 a)
— 4 (5). εἰ πεφυλαγμ. τὰ π. ἐστιν [A -δία εἰσίν] (2 a)
— 5 (6). A B γέγονε πάντα τὰ π. [B -δία] ἡγνισμ. (2 a)
— 7 (8). ἐκεῖ ἦν ἐν τῶν π. τοῦ Σ. (3)
25. 5. ἀπέστειλε Δ. δέκα π. (2 a)
— 5. εἶπε τοῖς π. (2 a)
— 8. ἐρώτησον τὰ π. σου (2 a)
— 8. εὑρέτωσαν τὰ π. σου χάριν (2 a)
— 9. ἔρχονται τὰ π. (2 a)
— 12. ἀπεστράφησαν τὰ π. Δ. (2 a)
— 14. ἀπήγγειλεν ἓν τῶν π. (2 a)
— 19. εἶπε τοῖς π. αὐτῆς (2 a)
— 25. οὐκ εἶδον τὰ π. σου (2 a)
— 27. δώσεις τοῖς π. (2 a)
26. 22. διελθέτω εἷς τῶν π. (2 a)
30. 13. εἶπε τὸ π. τὸ Αἰγύπτιον (2 a)
— 17. ὅτι ἀλλ᾽ ἢ τετρακόσια π. (2 c)
II Ki. 1. 5. εἶπε Δ. τῷ π. [A om. τ. π.] (2 a)
— 6. καὶ εἶπε τὸ π. (2 a)
— 13. εἶπε Δ. τῷ π. (2 a)
— 15. ἐκάλεσε Δ. ἓν τῶν π. αὐτοῦ (2 a)
2. 14. ἀναστήτωσαν δὴ τὰ π. (2 a)
— 21. κατάσχε σεαυτῷ ἓν τῶν π. (2 a)
4. 12. ἐνετείλατο Δ. τοῖς π. αὐτοῦ (2 a)
9. 9. ἐκάλεσεν . . . τὸ π. Σαοὺλ (2 a)
12. 15. A ἔθραυσε κ. τὸ π. [B -δίον] (1)
— 16. ἐζήτησε Δ. τὸν θ. περὶ τοῦ π. (2 a)
— 18. ἀπέθανε τὸ π. (1)
— 18. τέθνηκε τὸ π. (1)
— 18. ἐν τῷ τὸ π. ἔτι ζῆν (1)
— 18, 19. τέθνηκε τὸ π. (1)
— 19. εἰ τέθνηκε τὸ π. (1)
— 21. ὃ ἐποίησας ἕνεκα τοῦ π. (1)
— 21. ἡνίκα ἀπέθανε τὸ π. (1)
— 22. ἐν τῷ τὸ π. ἔτι ζῆν (1)
— 22. καὶ ζήσεται τὸ π. (1)
— 23. A τέθνηκεν τὸ π. [B om. τὸ π.] –
13. 17. ἐκάλεσε τὸ π. αὐ. τὸν προεστηκότα (2 a)
— 28. ἐνετείλατο Ἀβ. τοῖς π. αὐτοῦ (2 a)
— 29. ἐποίησαν τὰ π. Ἀβ. τῷ Ἀ. (2 a)
— 32. πάντα τὰ π. [A -δία] τοὺς υἱ. τοῦ βασ. ἐθανάτωσεν (2 a)
— 34. ἦρε τὸ π. ὁ σκοπὸς τοὺς ὀφθ. αὐ. (2 a)
14. 21. ἐπίστρεψον τὸ π. (2 a)
16. 1. Σ. τὸ π. Μεμφιβ. (2 a)
— 2. εἰς βρῶσιν τοῖς π. (2 a)
17. 18. εἶδεν αὐτοὺς παιδάριον (2 a)
18. 5. φείσασθέ μου τοῦ π. (2 a)
— 12. φυλάξατέ μοι τὸ π. τὸν Ἀβ. (2 a)
— 15. ἐκύκλωσαν δέκα παιδάρια (2 a)
— 29. εἰρήνη τῷ π. (2 a)
— 32. εἰ εἰρήνη τῷ π. τῷ Ἀβ. (2 a)
— 32. γένοιντο ὡς τὸ π. οἱ ἐχθροί (2 a)
19. 17 (18). Σ. τὸ π. τοῦ οἴκου Σ. (2 a)
20. 11. ἀνὴρ . . . τῶν π. Ἰ. (2 a)
III Ki. 3. 7. ἐγὼ εἰμι π. μικρόν (2 a)
11. 17. καὶ Ἄ. π. μικρόν (2 a)
— 28. εἶδε Σαλ. τὸ π. (2 a)
12. 8. συνεβουλεύσατο μετὰ τῶν π. (1)
— 10. ἐλάλησαν πρὸς αὐτὸν τὰ π. (1)
— 14. κατὰ τὴν βουλὴν τῶν π. (1)
— 24 (cf. A 14. 1). B ἠρώτησε τὸ π. αὐ. –
— 24. B ἐπερωτῆσαι ὑπὲρ τοῦ π. –
— 24. B ἐπερώτησον τὸν θ. ὑπὲρ τοῦ π. –
— 24. B εἶπεν Ἀχ. τῷ π. αὐτοῦ –
III Ki. 12. 24. B τὸ π. τέθνηκεν –
— 24. B καὶ τὸ π. κόψεται –
— 24 (cf. A 14. 17). B τὸ π. ἀπέθανε (2 a)
— 24. B οἱ σύντροφοι αὐτοῦ τὰ π. –
14. 12. A ἀποθανεῖται τὸ π. (1)
— 17. A τὸ π. ἀπέθανεν (2 a)
16. 28 (22. 49 [50]). B ἐξαποστελῶ . . . τὰ π. μου (3)
17. 21. ἐνεφύσησε τῷ π. τρίς (1)
— 21. ἡ ψυχὴ τοῦ π. τούτου (1)
— 22. ἀνεβόησε τὸ π. [A al.] –
— 22. A ἀπεστράφη ἡ ψυχὴ τοῦ π. (1)
— 23. A ἔλαβεν Ἠ. τὸ π. (1)
18. 43. εἶπε τῷ π. αὐτοῦ (2 a)
— 43. ἐπέβλεψε τὸ π. –
— 44. ἐπέστρεψε τὸ π. ἑπτάκις –
19. 3. ἀφῆκε τὸ π. αὐτοῦ ἐκεῖ (2 a)
21 (20). 14. ἐν τοῖς π. τῶν ἀρχόντων (2 a)
— 15. ἐπεσκέψατο . . . τὰ π. τῶν χωρῶν [A al.] (2 a)
— 17. ἄρχοντες παιδάρια τῶν χωρῶν [A al.] (2 a)
— 19. ἄρχοντα τὰ π. τῶν χωρῶν [A al.] (2 a)
IV Ki. 2. 23. π. μικρὰ ἐξῆλθον ἐκ τῆς πόλεως (2 a)
4. 12. εἶπε πρὸς Γ. τὸ π. αὐτοῦ (2 a)
— 14. εἶπε Γ. τὸ π. αὐτοῦ –
— 18. ἠδρύνθη τὸ π. (1)
— 19. εἶπε τῷ π. (2 a)
— 22. ἀπόστειλον δή μοι ἓν τῶν π. (2 a)
— 24. εἶπε πρὸς τὸ π. αὐτῆς (2 a)
— 25. εἶπε πρὸς Γ. τὸ π. αὐτοῦ (2 a)
— 26. ἡ εἰρήνη τῷ π. (1)
— 29. ἐπιθήσεις . . . ἐπὶ πρόσωπον τοῦ π. (2 a)
— 30. εἶπεν ἡ μήτηρ τοῦ π. (2 a)
— 31. ἐπέθηκεν . . . ἐπὶ πρόσωπον τοῦ π. (2 a)
— 31. οὐκ ἠγέρθη τὸ π. (2 a)
— 32. ἰδοὺ τὸ π. τεθνηκός (2 a)
— 34. ἐκοιμήθη ἐπὶ τὸ π. (1)
— 34. διεθερμάνθη ἡ σὰρξ τοῦ π. (1)
— 35. συνέκαμψεν ἐπὶ τὸ π. (2 a ?)
— 35. ἤνοιξε τὸ π. τοὺς ὀφθ. αὐτοῦ (2 a)
— 38. εἶπεν Ἐλ. τῷ π. αὐτοῦ (2 a)
— 41. εἶπεν Ἐλ. πρὸς Γ. τὸ π. –
5. 14. ὡς σὰρξ π. μικροῦ (2 a)
— 20. εἶπε Γ. τὸ π. Ἐλ. (2 a)
— 22. ἦλθον πρὸς μὲ δύο παιδάρια (2 a)
— 23. ἔδωκεν ἐπὶ δύο παιδάρια αὐ. (2 a)
6. 15. εἶπε τὸ π. πρὸς αὐτόν (2 a)
— 17. διάνοιξον δὴ τοὺς ὀφθαλμοὺς τοῦ π. †
8. 4. ὁ βασ. ἐλάλει πρὸς Γ. τὸ π. Ἐλ. (2 a)
9. 4. ἐπορεύθη τὸ π. ὁ προφήτης (2 a)
19. 6. ὧν ἐβλασφήμησαν τὰ π. βασιλέως (2 a)
I Ch. 22. 5. Σαλ. ὁ υἱός μου π. ἁπαλόν (2 a)
II Ch. 10. 8. συνεβουλεύσατο μετὰ τῶν π. (1)
— 10. ἐλάλησαν αὐτῷ τὰ π. (1)
34. 3. καὶ αὐτὸς ἔτι παιδάριον (2 a)
Ne. 13. 19. S² R ἐκ τῶν π. μου (2 a)
To. 5. 16. A B καὶ ὁ κύων τοῦ π. μετ᾽ αὐτῶν
6. 2. τὸ δὲ π. κατέβη [S al.]
— 2. καταπιεῖν τὸ π. [S τὸν πόδα τοῦ π.]
— 3. S τῷ π. εἶπεν [A B εἶπεν αὐτῷ]
— 3. ἐκράτησε τὸν ἰχθὺν [S τοῦ ἰ.] τὸ π.
— 5. ἐποίησε τὸ π. [S al.]
— 6. εἶπε τὸ π. τῷ ἀγγέλῳ [S al.]
— 10. εἶπεν ὁ ἄγγελος τῷ π. [S al.]
— 13. εἶπε τὸ π. τῷ ἀγγέλῳ [S al.]
7. 11. A¹ ἔδωκα τὸ π. μου [A² B S al.]
Jl. 3 (4). 3. ἔδωκαν τὰ π. πόρναις (1)
Za. 8. 5. πλησθήσονται παιδαρίων καὶ κορασίων (1)
Je. 31 (48). 11. ἀνεπαύσατο Μωὰβ ἐκ παιδαρίου (2 b)
La. 2. 21. ἐκοιμήθησαν εἰς τὴν ἔξοδον π. καὶ πρεσβύτης (2 a)
Da. TH. Su. 45. τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον παιδαρίου νεωτέρου
1. 10. παρὰ τὰ π. τὰ συνήλικα ὑμῶν (1)
— 13. καὶ αἱ ἰδέαι τῶν π. (1)
— 13. A ποίησον μετὰ τῶν π. [B -δων] σου (3)
— 15. ἰσχυραὶ ταῖς σαρξὶν ὑπὲρ τὰ π. (1)
— 17. A ἐδίδου αὐτοῖς σπέρματα τοῖς τέσσαρσιν π. [B al.] (1 ?)
— 17. B τὰ π. ταῦτα οἱ τέσσαρες αὐτοί (1)
Bel 14. ἐπέταξε Δαν. τοῖς π. αὐ.
I Ma. 2. 46. περιέτεμον τὰ π. τὰ ἀπερίτμητα
11. 39. τὸν Ἀντ. τὸ π. τὸ τοῦ Ἀλεξάνδρου
— 54. καὶ Ἀντίοχος μετ᾽ αὐτοῦ π. νεώτερον
13. 17. A R πέμπει [S add. τοῦ λαβεῖν] . . . τὰ π.
— 18. οὐκ ἀπέστειλα αὐτῷ . . . τὰ π.
I Ma. 13. 19. A R ἀπέστειλε τὰ π.
16. 16. ἀπέκτειναν . . . τινας [S¹ -α] τῶν π. αὐ.

[Aq. Ex. 1. 17, 18 : Jd. 19. 13 : I Ki. 21. 5 (6) : III Ki. 14. 12, 17 : 17. 22, 23 : Is. 37. 6.]
[Sm. Jd. 19. 13 : III Ki. 20 (21). 14 : Is. 37. 6.]
[Th. Ex. 1. 17, 18 : Jd. 13. 12 : 17. 7 : 18. 15 : 19. 3, 13 : I Ki. 21. 5 (6) : Is. 10. 19 : 37. 6 : Da. 1. 10 : 14. 13.]
[Al. III Ki. 22. 50.]

παιδεία, παιδία. (1) בִּינָה (2) בַּר (3) דַּעַת (4) טַעַם (5) מוּסָר (6) עֲנָוָה (7) שֵׂכֶל (8) *a.* שָׂרְשִׁי *b.* שָׂרְשִׁי (9) תּוֹכַחַת (10) לְמוּד.

De. 11. 2. οὐδὲ ἴδοσαν τὴν π. κυρίου (5)
II Es. 7. 26. ἐάν τε εἰς θάνατον ἐάν τε εἰς παιδείαν (8 a*, 8 b)
Jb. 20. 3. παιδείαν ἐντροπῆς μου [A S² σου] ἀκούσομαι (5)
37. 13. ἐάν τε εἰς παιδείαν ἐὰν [A S ἐάν τε] εἰς τὴν γῆν αὐτοῦ (7)
Ps. 2. 12. δράξασθε παιδείας (2)
17 (18). 35. ἡ π. σου ἀνώρθωσέ με εἰς τέλος [S¹ om. εἰς τ.] (6 ?)
— 35. A B S² ἡ π. σου αὐτή με διδάξει –
49 (50). 17. σὺ δὲ ἐμίσησας παιδείαν (5)
118 (119). 66. παιδείαν καὶ γνῶσιν δίδαξόν με (4)
Pr. 1. 2. γνῶναι σοφίαν καὶ παιδείαν (5)
— 7. παιδείαν ἀσεβεῖς ἐξουθενήσουσιν (5)
— 8. ἄκουε, υἱέ, παιδείαν [A S νόμους] πατρός σου (5)
— 29. A ἐμίσησαν γὰρ παιδείαν [B S σοφίαν] (3)
3. 11. μὴ ὀλιγώρει παιδείας κυρίου (5)
4. 1. ἀκούσατε παῖδες παιδείαν πατρός (5)
— 13. ἐπιλαβοῦ ἐμῆς παιδείας (5)
5. 12. πῶς ἐμίσησα παιδείαν (5)
6. 23. καὶ [A S om.] ἔλεγχος καὶ παιδεία (5)
8. 10. λάβετε παιδείαν καὶ μὴ ἀργύριον (5)
— 33. S² ἀκούσατε παιδείαν (5)
10. 17. ὁδοὺς δικαίας [A S² om.] ζωῆς φυλάσσει παιδεία παιδεία δὲ ἀνεξέλεγκτος πλανᾶται (5, 9 ?)
12. 1. ὁ ἀγαπῶν παιδείαν ἀγαπᾷ αἴσθησιν (5)
13. 18. πενίαν καὶ ἀτιμίαν ἀφαιρεῖται παιδεία (5)
15. 5. ἄφρων μυκτηρίζει παιδείαν πατρός (5)
— 10. παιδεία ἀκάκου γνωρίζεται ὑπὸ τῶν παριόντων (5)
16. 3 (15. 32). ὃς ἀπωθεῖται παιδείαν (5)
— 4 (15. 33). φόβος κυρίου παιδεία καὶ σοφία (5)
— 17. ὁ δεχόμενος παιδείαν ἐν ἀγαθοῖς ἔσται –
— 22. παιδεία δὲ ἀφρόνων κακή (5)
17. 8. B¹ R μισθὸς χαρίτων παιδεία [A B² S ἡ π.] τοῖς χρωμένοις †
19. 20. ἄκουε, υἱέ, παιδείαν πατρός σου (5)
— 27. υἱὸς ἀπολειπόμενος φυλάξαι παιδείαν πατρός (5)
22. 15. ῥάβδος δὲ καὶ παιδεία μακρὰν ἀπ᾽ αὐτοῦ (5)
23. 12. δὸς εἰς παιδείαν τὴν καρδίαν σου (5)
24. 31 (30. 8). A πλοῦτον δὲ καὶ παιδείαν [B S πενίαν] μή μοι δῷς †
— 47 (32). ἐπέβλεψα τοῦ ἐκλέξασθαι παιδείαν (5)
25. 1. αὗται αἱ π. [A S² παροιμίαι] Σαλωμῶντος αἱ ἀδιάκριτοι †
Wi. 1. 5. ἅγιον γὰρ πνεῦμα παιδείας [A σοφίας] φεύξεται δόλον
2. 12. ἐπιφημίζει ἡμῖν ἁμαρτήματα παιδείας ἡμῶν
3. 11. παιδείαν ὁ ἐξουθενῶν ταλαίπωρος
6. 17. ἀρχὴ γὰρ αὐτῆς ἡ ἀληθεστάτη παιδείας ἐπιθυμία φροντὶς δὲ παιδείας ἀγάπη
7. 14. διὰ τὰς ἐκ παιδείας δωρεὰς συσταθέντες
Si. *prol.* 3. δέον ἐστὶν ἐπαινεῖν τὸν Ἰσραὴλ παιδείας
— 10. συγγράψαι τι [S περὶ] τῶν εἰς παιδείαν καὶ σοφίαν ἀνηκόντων
— 21. εὗρον οὐ μικρᾶς παιδείας ἀφόμοιον
1. 26. σοφία γὰρ καὶ παιδεία φόβος κυρίου
4. 17. βασανίσει αὐτὸν ἐν παιδείᾳ αὐτῆς
— 24. παιδεία ἐν ῥήματι γλώσσης [S¹ γλωσσώδους]
6. 18. ἐκ νεότητός σου [S om.] ἐπίλεξαι παιδείαν
8. 8. παρ᾽ αὐτῶν μαθήσῃ παιδείαν [S σοφίαν]
9. 1. μηδὲ διδάξῃς ἐπὶ σεαυτὸν παιδείαν [S καρδίαν] πονηράν
16. 25. ἐκφαίνω [A S -ανῶ] ἐν σταθμῷ παιδείαν
18. 14. τοὺς ἐκδεχομένους παιδείαν ἐλεᾷ

Si. 21. 12. A² ἔστι πανουργία πληθύνουσα παιδείαν [A¹ B S πικρίαν]
— 19. πέδαι ἐν ποσὶν ἀνοήτοις παιδεία [S ἀνοήτου π., A ἀνομία τοῦ παιδίου]
— 21. ὡς κόσμος χρυσοῦς φρονίμῳ παιδεία
22. 6. μάστιγες καὶ παιδεία ἐν παντὶ καιρῷ σοφίας [S¹ -ία]
23. 2. τίς ἐπιστήσει . . . ἐπὶ τῆς καρδίας μου παιδείαν [A -ας] σοφίας
— 7. B παιδεία στόματος
— 7. παιδείαν στόματος ἀκούσατε, τέκνα
24. 27. ὁ ἐκφαίνων ὡς φῶς παιδείαν
— 32. ἔτι παιδείαν ὡς ὄρθρον φωτιῶ
30. 26 (33. 17). οὐκ ἐμοὶ μόνῳ ἐκοπίασα ἀλλὰ πᾶσι τοῖς ζητοῦσι παιδείαν
— 33 (33. 24). ἄρτος καὶ παιδεία καὶ ἔργον οἰκέτῃ
34 (31). 17. παῦσαι πρῶτος χάριν παιδείας
35 (32). 14. ὁ φοβούμενος κύριον ἐκδέξεται παιδείαν
36 (33). 4. σύνδησον παιδείαν
38. 33. A S οὐδὲ μὴ ἐκφανῶσι παιδείαν [B δικαιοσύνην]
39. 8. ἐκφαίνει παιδείαν διδασκαλίας αὐτοῦ
41. 14. παιδείαν ἐν εἰρήνῃ συντηρήσατε, τέκνα
42. 5. περὶ παιδείας τέκνων πολλῆς
— 8. περὶ παιδείας ἀνοήτου καὶ μωροῦ
44. 4. σοφοὶ λόγοι ἐν [A ἐν λόγοις] παιδείᾳ αὐτῶν
50. 27. παιδείαν συνέσεως . . . ἐχάραξα ἐν τῷ βιβλίῳ τούτῳ
51. 16. πολλὴν εὗρον ἐμαυτῷ παιδείαν
— 23. αὐλίσθητε ἐν οἴκῳ παιδείας
— 26. ἐπιδεξάσθω ἡ ψυχὴ ὑμῶν παιδείαν
— 28. A S² R μετάσχετε παιδείας [B S¹ -αν] ἐν πολλῷ ἀριθμῷ ἀργυρίου
Am. 3. 7. ἐὰν μὴ ἀποκαλύψῃ παιδείαν †
Hb. 1. 12. τοῦ ἐλέγχειν παιδείαν αὐ. †
Ze. 3. 2. οὐκ ἐδέξατο παιδείαν [S¹ -ας] (5)
— 7. δέξασθε παιδείαν (5)
Is. 26. 16. ἐν θλίψει μικρᾷ ἡ π. σου ἡμῖν (5)
50. 4. δίδωσί μοι γλῶσσαν παιδείας [A σοφίας] (10)
— 5 (4). ἡ π. κυρίου κυρίου ἀνοίγει μου τὰ ὦτα (10?)
53. 5. παιδεία εἰρήνης ἡμῶν ἐπ' αὐτόν (5)
Je. 2. 30. παιδείαν οὐκ ἐδέξασθε (5)
5. 3. οὐκ ἠθέλησαν δέξασθαι παιδείαν (5)
7. 28. οὐδὲ ἐδέξατο παιδείαν (5)
17. 23. B S τοῦ μὴ δέξασθαι παιδείαν (5)
37 (30). 14. πληγὴν ἐχθροῦ ἔπαισά σε παιδείαν στερεάν (5)
39 (32). 33. οὐκ ἤκουσαν [A ἠθέλησαν] ἔτι λαβεῖν παιδείαν (5)
42 (35). 13. οὐ μὴ λάβητε παιδείαν τοῦ ἀκούειν (5)
Ba. 4. 13. οὐδὲ τρίβους παιδείας . . . ἐπέβησαν
Ez. 13. 9. ἐν παιδείᾳ τοῦ λαοῦ μου οὐκ ἔσονται †
Da. LXX. 1. 20. ἐν παντὶ λόγῳ καὶ συνέσει καὶ παιδείᾳ (1)
II Ma. 6. 12. πρὸς παιδείαν τοῦ γένους ἡμῶν εἶναι
7. 33. χάριν ἐπιπλήξεως καὶ παιδείας
IV Ma. 1. 17. αὕτη δὴ τοίνυν ἐστὶν ἡ τοῦ νόμου π.
10. 10. διὰ παιδείαν . . . ταῦτα πάσχομεν
13. 22. αὔξονται σφοδρότερον διὰ . . . τῆς ἄλλης π.
[Aq. Jb. 5. 17: 33. 16: 36. 10: Pr. 1. 3: 6 23: Je. 10. 8: 30 (37). 14.]
[Sm. Jb. 36. 10: 39. 35 (40. 5): Pr. 1. 3: 6. 23: 10. 17: 13. 18: 19. 20: Is. 9. 6 (5), 7 (6): 29. 24: Je. 10. 8: 30 (37). 14.]
[Th. Jb. 20. 3: 36. 10: 37. 13: Ps. 17 (18). 36: Pr. 5. 23: 6. 23: 23. 23: Is. 9. 7 (6): Je. 30 (37). 14: Ez. 5. 15.]
[Al. Pr. 13. 24: 15. 10.]

παιδεύειν. (1) בִּין pil. (2) חָלַם (3) יָכַח hi. (4) יָסַר *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* hi. *e.* nithp. *f.* מוּסָר (5) יָרַד hi. (6) יָרֶה hi. (7) לָקַח (8) נָגַף (9) נָשָׂא (10) עָמַס hi. (11) אָסַר

Le. 26. 18. προσθήσω τοῦ [A *om.*] παιδεῦσαι ὑμᾶς (4 *c*)
— 23. ἐπὶ τούτοις ἐὰν μὴ παιδευθῆτε (4 *b*)
— 28. παιδεύσω ὑμᾶς ἐγὼ ἑπτάκις (4 *c*)
De. 4. 36. παιδεῦσαί σε (4 *c*)
8. 5. B ὡς εἴ τις ἄνθρ. παιδεύσαι [A R -σῃ] τὸν υἱὸν αὐ. οὕτω κ. ὁ θ. σου παιδεύσει σε (4 *c*, 4 *c*)
21. 18. A R καὶ παιδεύωσιν [B -δεύσ.] αὐτόν (4 *c*)
De. 22. 18. καὶ παιδεύσουσιν [A -σωσιν] αὐτόν (4 *c*)
32. 10. καὶ ἐπαίδευσεν αὐτόν (1)
I Ki. 26. 10. B ἐὰν μὴ κ. παιδεύσῃ [A R παίσῃ] αὐτόν (8)
II Ki. 22. 48. παιδεύων λαοὺς ὑποκάτω μου (5)
III Ki. 12. 11. ὁ πατήρ μου ἐπαίδευσεν ὑμᾶς (4 *c*)
— 11. παιδεύσω ὑμᾶς ἐν σκορπίοις (4 *c*)
— 14. ὁ πατήρ μου ἐπαίδευσεν ὑμᾶς (4 *c*)
— 14. παιδεύσω ὑμᾶς ἐν σκορπίοις (4 *c*)
II Ch. 10. 11. ὁ πατήρ μου ἐπαίδευσεν ὑμᾶς (10)
— 11. ὁ πατήρ μου ἐπαίδευσεν ὑμᾶς (4 *c*)
— 11. παιδεύσω ὑμᾶς ἐν σκορπίοις –
— 14. ὁ πατήρ μου ἐπαίδευσεν ὑμᾶς (4 *c*)
— 14. παιδεύσω ὑμᾶς ἐν σκορπίοις –
To. 4. 14. ἴσθι πεπαιδευμένος ἐν πάσῃ ἀναστροφῇ σου
Es. 2. 7. ἐπαίδευσεν αὐτὴν ἑαυτῷ (7?)
Ps. 2. 10. παιδεύθητε πάντες οἱ κρίνοντες τὴν γῆν (4 *b*)
6. 1. μηδὲ τῇ ὀργῇ σου παιδεύσῃς με (4 *c*)
15 (16). 7. ἐπαίδευσάν με οἱ νεφροί μου (4 *c*)
37 (38). 1. μηδὲ τῇ ὀργῇ σου παιδεύσῃς με (4 *c*)
38 (39). 11. ἐπαίδευσας ἄνθρωπον (4 *c*)
89 (90). 10. καὶ παιδευθησόμεθα †
— 12. καὶ τοὺς πεπαιδευμένους [A S² πεπεδημένους] τῇ καρδίᾳ ἐν σοφίᾳ †
93 (94). 10. ὁ παιδεύων ἔθνη οὐχὶ ἐλέγξει (4 *a*)
— 12. ὁ ἄνθρωπος ὃν ἂν σὺ παιδεύσῃς (4 *c*)
104 (105). 22. τοῦ παιδεῦσαι τοὺς ἄρχοντας αὐτοῦ ὡς ἑαυτόν (11)
117 (118). 18. παιδεύων ἐπαίδευσέ με (4 *c*, 4 *c*)
140 (141). 5. παιδεύσει με δίκαιος ἐν ἐλέει (2)
Pr. 3. 12. A S ὃν γὰρ ἀγαπᾷ κύριος παιδεύει [B ἐλέγχει] (3)
5. 13. οὐκ ἤκουον φωνὴν παιδεύοντός με (6)
9. 7. ὁ παιδεύων κακοὺς λήψεται ἑαυτῷ ἀτιμίαν (4 *a*)
10. 4. υἱὸς πεπαιδευμένος σοφὸς ἔσται –
13. 24. ὁ δὲ ἀγαπῶν ἐπιμελῶς παιδεύει (4 *f*)
19. 18. παίδευε υἱόν σου (4 *c*)
22. 3. κραταιῶς αὐτὸς παιδεύεται †
23. 13. μὴ ἀπόσχῃ νήπιον παιδεύειν [A -ων] (4 *f*)
24. 69 (31. 1). ὃν ἐπαίδευσεν ἡ μήτηρ αὐ. (4 *c*)
28. 17. παίδευε υἱὸν καὶ ἀγαπήσει σε –
29. 17. παίδευε υἱόν σου καὶ ἀναπαύσει σε (4 *c*)
— 19. λόγοις οὐ παιδευθήσεται οἰκέτης σκληρός [S¹ σκληροτράχηλος] (4 *b*)
Wi. 3. 5. ὀλίγα παιδευθέντες μεγάλα εὐεργετηθήσονται
6. 11. ποθήσατε καὶ παιδευθήσεσθε
— 25. παιδεύεσθε τοῖς ῥήμασί μου
11. 9. καίπερ ἐν ἐλέει παιδευόμενοι
12. 22. ἡμᾶς οὖν παιδεύων τοὺς ἐχθροὺς ἡμῶν . . . μαστιγοῖς
Si. 6. 32. ἐὰν θέλῃς, τέκνον, παιδευθήσῃ
7. 23. τέκνα σοί ἐστι παίδευσον αὐτά
10. 1. κριτὴς σοφὸς παιδεύσει τὸν λαὸν αὐτοῦ
18. 13. ἐλέγχων καὶ παιδεύων καὶ διδάσκων
21. 12. οὐ παιδευθήσεται ὃς οὐκ ἔστι πανοῦργος
— 23. ἀνὴρ δὲ πεπαιδευμένος ἔξω στήσεται
23. 15. ἐν πάσαις ταῖς ἡμέραις αὐτοῦ οὐ μὴ παιδευθῇ
26. 14. οὐκ ἔστιν ἀντάλλαγμα πεπαιδευμένης ψυχῆς
30. 2. ὁ παιδεύων τὸν υἱὸν αὐτοῦ ὀνήσεται [S² αἰνεθήσεται] ἐπ' αὐτῷ
— 13. παίδευσον τὸν υἱόν σου
31 (34). 9. A² B ἀνὴρ πεπαιδευμένος [A¹ S πεπλανημένος] ἔγνω πολλά
34 (31). 19. ὡς ἱκανὸν ἀνθρώπῳ πεπαιδευμένῳ τὸ ὀλίγον
37. 23. ἀνὴρ σοφὸς τὸν ἑαυτοῦ λαὸν παιδεύσει
40. 30. ἀνὴρ δὲ . . . πεπαιδευμένος φυλάξεται
42. 8. ἔσῃ πεπαιδευμένος ἀληθινῶς
Ho. 7. 12. παιδεύσω αὐτούς (4 *d*)
— 15. ἐπαιδεύθησαν ἐν ἐμοί (4 *c*)
10. 10. παιδεῦσαι αὐτούς (4 *a*)
— 10. ἐν τῷ παιδεύεσθαι αὐτούς (11)
Is. 28. 26. παιδευθήσῃ κρίματι θεοῦ σου [B¹ *al.*] (4 *c*)
46. 3. οἱ . . . παιδευόμενοι ἐκ [A ἀπὸ] παιδίου (9)
Je. 2. 19. παιδεύσει σε ἡ ἀποστασία σου (4 *c*)
6. 8. πόνῳ καὶ μάστιγι παιδευθήσῃ (4 *b*)
10. 24. παίδευσον ἡμᾶς (4 *c*)
26 (46). 28. παιδεύσω σε εἰς κρίμα [A κρίσιν] (4 *c*)
38 (31). 18. ἐπαίδευσάς με καὶ ἐπαιδεύθην (4 *c*, 4 *b*)
Ez. 23. 48. παιδευθήσονται πᾶσαι αἱ γυναῖκες (4 *e*)
28. 3. σοφοὶ οὐκ ἐπαίδευσάν σε †
II Ma. 6. 16. παιδεύων δὲ μετὰ συμφορᾶς
10. 4. R μετ' ἐπιεικείας παιδεύεσθαι [A *om.*]
IV Ma. 5. 24. S R καὶ δικαιοσύνην παιδεύει [A -ειν]
13. 24. νόμῳ γὰρ τῷ αὐτῷ παιδευθέντες
[Aq. Ps. 6. 2.]
[Sm. Ps. 109 (110). 2: Is. 28. 26: Je. 30 (37). 11: 46 (26). 28: La. 1. 13.]
[Th. Ge. 1. 28: Le. 26. 17: Ps. 6. 2: 89 (90). 10: Is. 41. 2: Je. 30 (37). 11.]
[Al. Le. 25. 43, 46, 53: 26. 17: II Ch. 8. 10: Ez. 34. 4.]
[Quint. Ps. 67 (68). 28: Ho. 6. 3.]

παιδευσία (?).

Si. 4. 25. S¹ περὶ τῆς π. [A B S² ἀπ.] σου ἐντράπηθι

παιδευτής. (1) מוּסָר

Si. 37. 19. ἔστιν ἀνὴρ . . . πολλῶν παιδευτής
Ho. 5. 2. ἐγὼ δὲ παιδευτὴς ὑμῶν (1)
IV Ma. 5. 34. οὐ ψεύσομαί σε, παιδευτὰ νόμε
9. 6. ὁ π. ἡμῶν γέρων ἐνίκησε
[Sm. Dt. 16. 18: I Ch. 26. 29: II Ch. 19. 11.]
[Th. Ps. 67 (68). 28.]

παιδία *vid. sub* **παιδεία.**

παιδιόθεν.

Ge. 47. 3. A ἐκ π. ἕως τοῦ νῦν –

παιδίον. (1) בְּכוֹר (2) בֵּן (3) טַף (4) יוֹנֵק (5) *a.* יֶלֶד *b.* יַלְדָּה (6) *a.* נַעַר *b.* נַעֲרָה (7) עֶבֶד (8) עוֹל (9) רַחַם (10) π. νήπιον יוֹנֵק

Ge. 17. 12. παιδίον ὀκτὼ ἡμερῶν περιτμηθήσεται (2)
21. 7. θηλάζει παιδίον Σάρρα (2)
— 8. ηὐξήθη τὸ π. (5 *a*)
— 12. περὶ τοῦ π. καὶ περὶ τῆς παιδίσκης (6 *a*)
— 14. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸν ὦμον καὶ τὸ π. (5 *a*)
— 15. ἔρριψε τὸ π. ὑποκάτω μιᾶς ἐλάτης (5 *a*)
— 16. οὐ μὴ ἴδω τὸν θάνατον τοῦ π. μου (5 *a*)
— 16. ἀναβοῆσαν δὲ τὸ π. ἔκλαυσεν –
— 17. εἰσήκουσε δὲ ὁ θ. τῆς φωνῆς τοῦ π. (6 *a*)
— 17. ἐπακήκοε γὰρ ὁ θ. τῆς φωνῆς τοῦ π. (6 *a*)
— 18. λάβε τὸ π. (6 *a*)
— 19. ἐπότισε τὸ π. (6 *a*)
— 20. ἦν ὁ θ. μετὰ τοῦ π. (6 *a*)
22. 5. A ἐγὼ δὲ καὶ τὸ π. [R -δάριον] (6 *a*)
25. 22. ἐσκίρτων δὲ τὰ π. ἐν αὐτῇ (2)
30. 26. ἀπόδος . . . τὰ π. (5 *a*)
31. 17. ἔλαβε . . . τὰ π. αὐτοῦ (2)
— 28. καταφιλῆσαι τὰ π. μου (2)
32. 15 (16). καμήλους θηλαζούσας καὶ τὰ π. αὐ. (2)
— 22 (23). ἔλαβε . . . τὰ ἕνδεκα π. αὐτοῦ (5 *a*)
33. 1. ἐπιδιείλεν Ἰ. τὰ π. (5 *a*)
— 2. Λεία καὶ τὰ π. αὐτῆς ὀπίσω (5 *a*)
— 5. εἶδε . . . τὰ π. (5 *a*)
— 5. τὰ π. οἷς ἠλέησεν ὁ θ. τὸν παῖδά σου (5 *a*)
— 6. A αἱ παιδίσκαι καὶ τὰ π. [R τέκνα] αὐ. (5 *a*)
— 13. τὰ π. ἀπαλώτερα (5 *a*)
44. 20. καὶ π. γήρως νεώτερον αὐτῷ (5 *a*)
— 22. οὐ δυνήσεται τὸ π. καταλιπεῖν (6 *a*)
— 30. R καὶ τὸ π. [A -δάριον] μὴ ᾖ μεθ' ἡμῶν (6 *a*)
— 31. R μὴ ὂν τὸ π. [A -δάριον] μεθ' ἡ. (6 *a*)
— 32. ἐκδέδεκται τὸ π. (6 *a*)
— 33. παραμενῶ σοι παῖς ἀντὶ τοῦ π. (6 *a*)
— 33. τὸ δὲ π. ἀναβήτω (6 *a*)
— 34. τοῦ π. μὴ ὄντος μεθ' ἡμῶν (6 *a*)
45. 19. λαβεῖν αὐτοῖς ἀμάξας . . . τοῖς π. ὑ. (3)
48. 16. εὐλογήσαι τὰ π. ταῦτα (6 *a*)
50. 23. παιδία ἕως τρίτης γενεᾶς (2)
Ex. 2. 3. ἐνέβαλε τὸ π. εἰς αὐτήν (5 *a*)
— 6. ὁρᾷ π. κλαῖον ἐν τῇ θίβει (5 *a* + 6 *a*)
— 6. ἀπὸ τῶν π. τῶν Ἑβρ. τοῦτο (5 *a*)
— 7. θηλάσει σοι τὸ π. (5 *a*)
— 8. ἐκάλεσε τὴν μητέρα τοῦ π. (5 *a*)
— 9. διατήρησόν μοι τὸ π. τοῦτο (5 *a*)
— 9. ἔλαβε δὲ ἡ γυνὴ τὸ π. (5 *a*)
— 10. ἀδρυνθέντος δὲ τοῦ π. (5 *a*)
4. 20. ἀναλαβὼν δὲ Μ. . . . τὰ π. (2)
— 25, 26. τὸ αἷμα τῆς περιτομῆς τοῦ π. μου –
21. 4. ἡ γυνὴ καὶ τὰ π. (5 *a*)
— 5. ἠγάπηκα . . . τὰ π. (2)
— 22. καὶ ἐξέλθῃ τὸ π. αὐτῆς (5 *a*)
22. 24 (23). καὶ τὰ π. ὑμῶν ὀρφανά (2)
Le. 22. 28. αὐτὴν καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)
25. 54. καὶ τὰ π. αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (2)
Nu. 3. 4. παιδία οὐκ ἦν αὐτοῖς (2)

Nu. 14. 3. αἱ γυναῖκες ἡμῶν καὶ τὰ π. (3)
— 31. καὶ τὰ π. ἃ εἴπατε (3)
De. 1. 39. A καὶ τὰ π. ὑμῶν ἃ εἴπατε (3)
— 39. καὶ πᾶν π. νέον (2)
3. 6. καὶ τὰ π. καὶ πάντα τὰ κτήνη (3)
11. 2. οὐχὶ τὰ π. ὑμῶν ὅσοι οὐκ οἴδασιν (2)
22. 7. τὰ δὲ π. λήψῃ σεαυτῷ (2)
25. 6. καὶ ἔσται τὸ π. ὃ ἐὰν τέκῃ (1)
Jo. 1. 14. τὰ π. ὑμῶν καὶ τὰ κτήνη ὑμῶν (3)
9. 1 (8. 35). καὶ ταῖς γυναιξὶ καὶ τοῖς π. (3)
Jd. 13. 8. τί ποιήσωμεν τῷ π. [A -δαρίῳ] (6 a)
— 12. τίς ἔσται κρίσις τοῦ π. [A al.] (6 a)
19. 19. B μετὰ τῶν π. [R -δων, A τοῖς δούλοις] σου (7)
Ru. 4. 16. ἔλαβε N. τὸ π. (5 a)
I Ki. 1. 2. ἦν τῇ Φ. παιδία (5 a)
— 2. τῇ Ἄννᾳ οὐκ ἦν παιδίον (5 a)
— 5. οὐκ ἦν αὐτῇ παιδίον –
— 6. οὐκ ἔδωκεν αὐτῇ κ. παιδίον –
— 6. τοῦ μὴ δοῦναι αὐτῇ παιδίον –
17. 33. A παιδίον [B -δάριον] εἶ σύ (6 a)
21. 4 (5). A εἰ πεφυλαγμ. τὰ π. εἰσίν [B -δάριά ἐστι] (6 a)
— 5 (6). R γέγονε πάντα τὰ π. [A R -δάρια] ἡγνισμ. (6 a)
II Ki. 6. 23. τῇ M. . . . οὐκ ἐγένετο παιδίον (5 a)
12. 15. ἔθρανσε κ. τὸ π. [A -δάριον] (5 a)
13. 32. A πάντα τὰ π. [B -δάρια] τοὺς υἱ. τοῦ βασ. ἐθανάτωσεν (6 a)
III Ki. 3. 25. διέλετε τὸ π. τὸ ζῶν (5 a)
— 26. δότε αὐτῇ τὸ π. (5 b)
— 27. δότε τὸ π. τῇ εἰπούσῃ [A al.] (5 b)
II Ch. 20. 13. καὶ τὰ π. αὐ. καὶ αἱ γυναῖκες (3+2)
To. 2. 2. S παιδίον [A B om.], βάδιζε
— 2. S προσμενῶ σε, παιδίον [A B al.]
— 3. S ἰδοὺ ἐγώ, παιδίον
3. 15. οὐχ ὑπάρχει αὐτῷ π. [S al.]
4. 3. A B παιδίον, ἐὰν ἀποθάνω
— 4. μνήσθητι, παιδίον
— 5. παιδίον, κυρίου . . . μνημόνευε
— 12. πρόσεχε σεαυτῷ, παιδίον
— 12. μνήσθητι, παιδίον
— 13. καὶ νῦν, παιδίον
— 14. πρόσεχε σεαυτῷ, παιδίον
— 19. καὶ νῦν, παιδίον
— 20. S καὶ νῦν, παιδίον [A B om.]
— 21. μὴ φοβοῦ, παιδίον
5. 3. S καὶ νῦν, παιδίον
— 8. S ἵνα πορευθῇ μετὰ σοῦ, παιδίον [A B al.]
— 16. S παιδίον, ἑτοίμασον τὰ πρὸς τὴν ὁδόν [A B al.]
— 16. S συνοδεύσαι ὑμῖν . . . παιδίον [A B al.]
— 17. τί ἐξαπέστειλας τὸ π. ἡμῶν [S al.]
— 18. περίψημα τοῦ π. ἡμῶν γένοιτο
— 20. S πορεύσεται τὸ π. ἡμῶν [A B al.]
6. 1. S ἐξῆλθεν τὸ π.
— 2. S κατέβη τὸ π. [A B al.]
— 17. σοὶ ἔσται ἐξ αὐτῆς παιδία
7. 7. S εὐλογία σοι γένοιτο, παιδίον
— 10. τὸ π. μου λαβεῖν [S al.]
— 10. S τὴν ἀλήθειάν σοι ὑποδείξω, παιδίον [A B al.]
— 11. ἔδωκα τὸ π. μου [S αὐτήν]
— 11. S παιδίον, φάγε καὶ πίε
— 12. S εὐοδώσει ὑμᾶς, παιδίον [A B om.]
8. 21 bis. S θάρσει, παιδίον
10. 4. ἀπώλετο τὸ π.
— 7. ἀπώλετο τὸ π. μου
— 9. S μεῖνον, παιδίον [A B om.]
— 12. S ὑγίαινε, παιδίον
— 12. S ἴδοιμι ὑμῶν παιδία
— 13. ἰδεῖν σου παιδία [S al.]
— 13. S παιδίον, εἰς εἰρήνην
11. 9. εἶδόν σε, παιδίον
12. 1. S παιδίον, ὅρα [A B al.]
— 4. S δικαιοῦται αὐτῷ, παιδίον
14. 3. S παιδίον, ἀπάγαγε τὰ π. σου [A B al.]
— 7. S καὶ νῦν, παιδία
— 7. S τοῖς π. ὑμῶν ἐνυποταγήσεται
— 8. S σὺ, παιδίον, ἔξελθε [A B al.]
— 10. S ἴδε, παιδίον [A B τέκνον, ἴ.]
— 11. καὶ νῦν, παιδία
Ju. 4. 11. A S R τὰ [B om.] π. καὶ οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἱερ.
7. 23. καὶ αἱ γυναῖκες καὶ τὰ π.
Jb. 1. 19. ἔπεσεν ἡ οἰκία ἐπὶ τὰ π. σου (6 a)
21. 11. τὰ δὲ π. αὐτῶν προσπαίζουσιν (5 a)
39. 3. ἐξέθρεψας δὲ αὐτῶν τὰ π. (5 a)
Jb. 40. 24 (29). ἢ δήσεις αὐτὸν ὥσπερ στρουθίον παιδίῳ (6 b)
Si. 21. 19. πέδαι ἐν ποσὶν ἀνομία τοῦ π. [B S al.]
Is. 3. 5. προσκόψει τὸ π. πρὸς τὸν πρεσβύτην (6 a)
7. 16. πρὶν ἢ γνῶναι τὸ π. ἀγαθὸν ἢ κακόν (6 a)
8. 4. πρὶν ἢ γνῶναι τὸ π. καλεῖν πατέρα (6 a)
— 18. ἰδοὺ ἐγὼ καὶ τὰ π. ἃ μοι ἔδωκεν ὁ θεός (5 a)
9. 6 (5). π. ἐγεννήθη ἡμῖν (5 a)
10. 19. π. γράψει αὐτούς (6 a)
11. 6. π. μικρὸν ἄξει αὐτούς (6 a)
— 7. ἅμα τὰ π. αὐτῶν ἔσονται [A βοσκηθήσ.] (5 a)
— 8. π. νήπιον ἐπὶ τρωγλῶν ἀσπίδων . . . τὴν χεῖρα ἐπιβαλεῖ (10)
34. 15. ἔσωσεν ἡ γῆ τὰ π. αὐτῆς μετὰ ἀσφαλείας †
38. 19. ἀπὸ γὰρ τῆς σήμερον παιδία ποιήσω (2)
46. 3. οἱ . . . παιδευόμενοι ἐκ [A ἀπὸ] παιδίου (9)
49. 15. μὴ ἐπιλήσεται γύνη [A μήτηρ] τοῦ π. αὐτῆς (8)
53. 2. ἀνηγγείλαμεν ὡς π. ἐναντίον αὐτοῦ (4)
66. 8. ὠδίνε καὶ ἔτεκε Σιὼν τὰ π. αὐτῆς (2)
— 12. τὰ π. αὐτῶν ἐπ' ὤμων ἀρθήσονται †
Je. 38 (31). 20. ἐμοὶ π. ἐντρυφῶν (5 a)
Ba. 4. 15. οὐδὲ π. ἠλέησαν
La. 4. 10. ἤψησαν τὰ π. αὐτῶν (5 a)
Ep. Je. 33. ἐνδύσουσι τὰς γυναῖκας αὐτῶν καὶ τὰ π.
Da. LXX. Su. 30. καὶ τὰ π. Σουσάννας τέσσαρα
Bel 19. ἀνδρῶν καὶ γυναικῶν καὶ παιδίων
Da. TH. Bel 10. A χωρὶς γυναικῶν καὶ παιδίων [B al.]
— 20. ἀνδρῶν καὶ γυναικῶν καὶ παιδίων
II Ma. 8. 28. τὰ λοιπὰ αὐτοὶ καὶ τὰ π. ἐμερίσαντο
IV Ma. 4. 9. μετὰ γυναικῶν καὶ παιδίων
— 25. περιέτεμον τὰ π.
[Aq. Ge. 4. 23: Ex. 1. 17, 18: Dt. 1. 39: III Ki. 14. 3: Is. 8. 18: 9. 6 (5): 11. 7.]
[Sm. Jb. 39. 3: Ps. 28 (29). 9 (P.): Is. 8. 18: 10. 19: 11. 7.]
[Th. Ex. 1. 17, 18: Jb. 39. 3: Is. 8. 18: 11. 7.]
[Al. Ex. 2. 3.]

παιδιότης.
[Aq. Ps. 109 (110). 3.]

παιδίσκη. (1) אָמָה (2) יַלְדָּה (3) נַעֲרָה (4) שִׁפְחָה
Ge. 12. 16. καὶ παῖδες καὶ παιδίσκαι (4)
16. 1. ἦν δὲ αὐτῇ π. Αἰγυπτία (4)
— 2. εἴσελθε οὖν πρὸς τὴν π. μου (4)
— 3. Ἄγαρ τὴν Αἰγ. τὴν ἑαυτῆς π. (4)
— 5. ἐγὼ δέδωκα τὴν π. μου (4)
— 6. ἡ π. σου ἐναντίον σου (4)
— 8. R Ἄγαρ παιδίσκη Σάρας (4)
20. 14. καὶ παῖδας καὶ παιδίσκας (4)
— 17. ἰάσατο ὁ θ. . . . τὰς π. αὐτοῦ (1)
21. 10. ἔκβαλε τὴν π. ταύτην (1)
— 10. ὁ υἱὸς τῆς π. (1)
— 12. περὶ τοῦ παιδίου καὶ περὶ τῆς π. (1)
— 13. καὶ τὸν υἱὸν δὲ τῆς π. ταύτης (1)
24. 35. ἔδωκεν αὐτῷ . . . παιδίσκας (4)
25. 12. Ἄγαρ ἡ π. Σάρρας (4)
29. 24. ἔδωκε δὲ . . . Z. τὴν π. αὐτοῦ αὐτῇ παιδίσκην (4, 4)
— 29. ἔδωκε δὲ . . . B. τὴν π. αὐτοῦ αὐτῇ παιδίσκην (4, 4)
30. 3. ἰδοὺ ἡ π. μου B. (1)
— 4. ἔδωκεν αὐτῷ B. τὴν π. αὐτῆς (4)
— 5. συνέλαβε B. ἡ π. Ῥαχήλ –
— 7. συνέλαβεν ἔτι B. ἡ π. Ῥ. (4)
— 9. ἔλαβε Z. τὴν π. αὐτῆς (4)
— 10. συνέλαβε Z. ἡ π. Λείας (4)
— 12. συνέλαβεν ἔτι Z. ἡ π. Λ. (4)
— 18. ἔδωκα τὴν π. μου τῷ ἀνδρί μου (4)
— 43. παῖδες καὶ παιδίσκαι (4)
31. 33. ἐν τῷ οἴκῳ τῶν δύο π. (1)
32. 5 (6). R παῖδες [A βόες] καὶ παιδίσκαι (4)
— 22 (23). ἔλαβε . . . τὰς δύο π. (4)
33. 1. ἐπιδιείλεν Ἰ. . . . τὰς δύο π. (4)
— 2. ἐποίησεν τὰς δύο π. . . . ἐν πρώτοις (4)
— 6. προσήγγισαν αἱ π. (4)
34. 4. A λάβε μοι τὴν π. [R παῖδα] ταύτην (2)
35. 25. υἱοὶ δὲ B. παιδίσκης Ῥ. (4)
— 26. υἱοὶ δὲ Z. παιδίσκης Λ. (4)
Ex. 20. 10. ὁ παῖς σου καὶ ἡ π. σου (1)
— 17. οὔτε τὴν π. αὐτοῦ (1)
21. 20. ἐὰν δέ τις πατάξῃ . . . τὴν π. αὐτοῦ (1)
— 32. ἐὰν δὲ παῖδα κερατίσῃ . . . ἢ παιδίσκην (1)
Ex. 23. 12. ὁ υἱὸς τῆς π. σου (1)
Le. 25. 6. βρώματα . . . τῇ π. σου (1)
— 44. παῖς καὶ παιδίσκη ὅσοι ἂν γένωνταί σοι (1)
De. 5. 14 bis. ὁ παῖς σου καὶ ἡ π. σου (1)
— 21 (18). οὔτε τὸν παῖδα αὐ. οὔτε τὴν π. αὐ. (1)
12. 12. οἱ παῖδες ὑμῶν καὶ αἱ π. ὑμῶν (1)
— 18. ὁ παῖς σου καὶ ἡ π. σου (1)
15. 17. τὴν π. σου ποιήσεις ὡσαύτως (1)
16. 11, 14. ὁ παῖς σου καὶ ἡ π. σου (1)
28. 68. εἰς παῖδας καὶ παιδίσκας (4)
Jd. 9. 18. υἱὸν παιδίσκης [A τῆς π.] αὐτοῦ (1)
19. 19. καὶ τῇ π. [A δούλῃ σου] (1)
Ru. 2. 13. ὡς μία τῶν π. σου (4)
4. 12. οὗ δώσει κ. σοι ἐκ τῆς π. ταύτης (3)
I Ki. 25. 41. ἡ δούλη σου εἰς παιδίσκην (4)
II Ki. 6. 20. ἐν ὀφθαλμοῖς παιδισκῶν τῶν δούλων ἑαυ. (1)
— 22. καὶ μετὰ τῶν π. ὧν εἶπας (1)
17. 17. ἐπορεύθη ἡ π. (4)
IV Ki. 5. 26. καὶ νῦν ἔλαβες . . . παιδίσκας (4)
I Es. 5. 1. οἱ παῖδες αὐτῶν καὶ αἱ π.
— 41. χωρὶς παίδων καὶ παιδισκῶν
— 42. B παῖδες τούτων καὶ παιδίσκαι
II Es. 2. 65. χωρὶς δούλων αὐ. καὶ παιδισκῶν (1)
Ne. 7. 67. παρὲξ . . . παιδισκῶν αὐτῶν (1)
To. 3. 7. ὑπὸ παιδισκῶν πατρὸς αὐτῆς [S al.]
— 8. S εἶπεν αὐτῇ ἡ π. [A B al.]
8. 12. ἀπόστειλον μίαν τῶν π.
— 13. S ἀπέστειλαν τὴν π.
— 13. A B εἰσῆλθεν ἡ π. [S om. ἡ π.]
— 14. S ἐξελθοῦσα ἡ π. [A B om. ἡ π.]
10. 11. S παῖδας καὶ παιδίσκας
Ju. 8. 7. ὑπελείπετο αὐτῇ . . . παιδίσκας
10. 10. αὐτὴ καὶ ἡ π. αὐτῆς
11. 5. λαλησάτω ἡ π. σου
— 6. ἐὰν κατακολουθήσῃς τοῖς λόγοις τῆς π. σου
12. 13. μὴ ὀκνησάτω δὴ ἡ π. ἡ καλὴ αὕτη
Es. 7. 4. ἐπράθημεν . . . εἰς παῖδας καὶ παιδίσκας (4)
Ps. 85 (86). 16. σῶσον τὸν υἱὸν τῆς π. σου (1)
115. 7 (116. 16). ἐγὼ δοῦλος σὸς καὶ υἱὸς τῆς π. σου (1)
122 (123). 2. ὡς ὀφθαλμοὶ παιδίσκης εἰς χεῖρας τῆς κυρίας αὐτῆς (4)
Ec. 2. 7. ἐκτησάμην δούλους καὶ παιδίσκας (4)
Wi. 9. 5. ἐγὼ δοῦλος σὸς καὶ υἱὸς τῆς π. σου
Si. 41. 22. ἀπὸ περιεργείας [S² -γασίας καὶ] παιδίσκης αὐτοῦ
Am. 2. 7. εἰσεπορεύοντο πρὸς τὴν αὐτὴν π. (3)
Je. 41 (34). 9. τοῦ ἐξαποστεῖλαι . . . ἕκαστον τὴν π. αὐτοῦ (4)
— 10. τοῦ ἀποστεῖλαι . . . ἕκαστον τὴν π. αὐτοῦ [A om. ἕ. τ. π. αὐ.] (4)
— 11. ἐῶσαν αὐτοὺς εἰς παῖδας καὶ παιδίσκας (4)
— 16. A R τοῦ ἐπιστρέψαι . . . ἕκαστον τὴν π. αὐτοῦ . . . τοῦ εἶναι [B S om. τ. εἶ.] ὑμῖν εἰς παῖδας καὶ παιδίσκας (4, 4)
Da. LXX. Su. 30. καὶ οἱ παῖδες καὶ αἱ π. αὐ.
Da. TH. Su. 36. εἰσῆλθεν αὕτη μετὰ δύο παιδισκῶν
— 36. ἀπέλυσε τὰς π.
[Aq. Ge. 24. 61: Ex. 2. 5: Pr. 9. 3: Je. 34 (41). 11 (Sw.).]
[Sm. Ge. 34. 12, 19.]
[Th. II Ki. 14. 15.]

παιδοποιεῖσθαι.
II Ma. 14. 25. παρεκάλεσεν αὐτὸν γῆμαι καὶ παιδοποιήσασθαι

παιδοποιΐα.
IV Ma. 17. 6. ἦν γὰρ ἡ π. σου ἀπὸ Ἀβ. τοῦ πατρός

παιδοχαρακτήρ.
IV Ma. 15. 4. A εἰς μικρὸν π. [S R παιδὸς χαρ.]

παίειν. (1) בָּלַע pi. (2) דָּכָא pi. (3) מָחַץ (4) נָגַף (5) נָכָה hi.
Ex. 12. 13. ὅταν παίω ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (5)
Nu. 22. 28. πέπαικάς με τοῦτο τρίτον (5)
Jo. 20. 9. παντὶ παίοντι ψυχὴν ἀκουσίως (5)
Jd. 14. 19. A ἔπαισεν [cod. ἔπεσεν] ἐκεῖθεν τριάκοντα ἄνδρας [B al.] (5)
I Ki. 13. 4. B πέπαικε Σ. τὸν Νασίβ (5)
26. 10. A R ἐὰν μὴ κύριος παίσῃ [B παιδεύσῃ] αὐτόν (4)
II Ki. 6. 7. ἔπαισεν αὐτὸν ἐκεῖ ὁ θ. (5)
14. 6. ἔπαισεν ὁ εἷς τὸν ἕνα ἀδελφὸν αὐ. (5)

II Ki. 14. 7. δὸς τὸν παίσαντα τὸν ἀδ. αὐ. (5)
20. 10. ἔπαισεν αὐτὸν ἐν αὐτῇ (5)
III Ki. 16. 16. καὶ ἔπαισε τὸν βασ. (5)
IV Ki. 9. 15. ὧν ἔπαισαν αὐτόν (5)
25. 21. ἔπαισεν αὐτοὺς βασιλεὺς Βαβ. (5)
Jb. 2. 7. ἔπαισε τὸν Ἰὼβ ἕλκει πονηρῷ (5)
4. 19. ἔπαισεν αὐτοὺς σητὸς τρόπον (2)
5. 18. ἔπαισε καὶ αἱ χεῖρες αὐτοῦ ἰάσαντο [A *al.*] (3)
10. 8. μετὰ ταῦτα μεταβαλών με ἔπαισας (1)
16. 11. ὀξεῖ ἔπαισέ με εἰς [A ἐπὶ] τὰ γόνατα (5)
Si. 47. 3. R ἐν λέουσιν ἔπαισεν [A B¹ -ζεν, B² S -ξεν] ὡς ἐν ἐρίφοις
Is. 14. 6. παίων ἔθνος πληγὴν θυμοῦ †
— 29. συνετρίβη γὰρ ὁ ζυγὸς τοῦ παίοντος ὑμᾶς (5)
Je. 5. 6. ἔπαισεν αὐτοὺς λέων ἐκ τοῦ δρυμοῦ (5)
14. 19. ἵνα τί ἔπαισας ἡμᾶς (5)
37 (30). 14. πληγὴν ἐχθροῦ ἔπαισά σε (5)
La. 3. 30. δώσει τῷ παίοντι αὐτὸν σιαγόνα (5)
Da. TH. 8. 7. ἔπαισε τὸν κριόν (5)
[Sm. Nu. 24. 17.]
[Th. Jd. 14. 19.]
[Al. Nu. 22. 23.]

παίζειν. (1) עָבַס pi. (2) צָחַק pi. (3) שָׂחַק pi.
Ge. 21. 9. τὸν υἱὸν Ἄγαρ . . . παίζοντα μετὰ Ἰσ. (2)
26. 8. τὸν Ἰ. παίζοντα μετὰ Ῥεβέκκας (2)
Ex. 32. 6. καὶ ἀνέστησαν παίζειν (2)
Jd. 16. 25. παιξάτω ἐνώπιον ἡμῶν (3)
— 25. ἔπαιζεν ἐνώπιον αὐτῶν [A *al.*] (2)
I Ki. 18. 7. A ἐξῆλθον αἱ γυναῖκες αἱ παίζουσαι [B *al.*] (3)
II Ki. 2. 14. παιξάτωσαν ἐνώπιον ἡμῶν (3)
6. 5. παίζοντες ἐνώπιον κυρίου (3)
— 21. παίξομαι καὶ ὀρχήσομαι (3)
I Ch. 13. 8. Δ. καὶ πᾶς Ἰσρ. παίζοντες (3)
15. 29. εἶδε τὸν βασ. Δ. . . . παίζοντα (3)
I Es. 5. 3. πάντες οἱ ἀδελφοὶ αὐτῶν παίζοντες
Jb. 40. 24 (29). παίξῃ δὲ ἐν [A καὶ ἐμπαίξεις] αὐτῷ ὥσπερ ὀρνέῳ (3)
Pr. 26. 19. παίζων ἔπραξα (3)
Si. 35 (32). 12. ἐκεῖ παίζε
47. 3. A B¹ ἐν λέουσιν ἔπαιζεν [B² S -ξεν, R -σεν] ὡς ἐν ἐρίφοις
Za. 8. 5. πλησθήσονται . . . κορασίων παιζόντων (3)
Is. 3. 16. τοῖς ποσὶν ἅμα παίζουσαι (1)
Je. 15. 17. οὐκ ἐκάθισα ἐν συνεδρίῳ αὐτῶν παιζόντων (3)
37 (30). 19. ἐξελεύσονται ἀπ' αὐτῶν ᾄδοντες φωνὴ παιζόντων (3)
38 (31). 4. ἐξελεύσῃ μετὰ συναγωγῆς παιζόντων (3)
[Aq., Sm. I Ki. 18. 7 : Pr. 8. 30 : Je. 15. 17.]
[Th. I Ki. 18. 7 : Pr. 8. 30.]

παῖς. (1) אִישׁ (2) אֶנוֹשׁ (3) בֵּן (4) חַיִל
(5) *a.* יֶלֶד *b.* יַלְדָּה (6) לְ (7) כַּלְאָךְ
(8) *a.* נַעַר *b.* נַעֲרָה *c.* נְעָרִים *d.* נֹעַר
(9) *a.* עֶבֶד *b.* עֲבֵד (10) עָם

Ge. 9. 25. ἐπικατάρατος Χαναὰν παῖς (9 *a*)
— 26. R ἔσται Χαν. παῖς οἰκέτης [A *om.*] αὐτοῦ (9 *a*)
— 27. γενηθήτω Χαν. παῖς αὐτοῦ (9 *a*)
12. 16. καὶ παῖδες καὶ παιδίσκαι (9 *a*)
14. 15. R αὐτὸς καὶ οἱ π. αὐτοῦ (9 *a*)
18. 3. μὴ παρέλθῃς τὸν π. σου (9 *a*)
— 5. ἐξεκλίνατε πρὸς τὸν π. ὑμῶν (9 *a*)
— 7. καὶ ἔδωκε τῷ π. (8 *a*)
— 17. μὴ κρύψω ἐγὼ ἀπὸ Ἀβ. τοῦ π. μου –
19. 2. πρὸς τὸν οἶκον τοῦ π. ὑμῶν (9 *a*)
— 19. ἐπειδὴ εὗρεν ὁ π. σου ἔλεος (9 *a*)
20. 8. ἐκάλεσε πάντας τοὺς π. αὐτοῦ (9 *a*)
— 14. καὶ παῖδας καὶ παιδίσκας (9 *a*)
21. 25. ὧν ἀφείλαντο οἱ π. τοῦ Ἀβιμ. (9 *a*)
22. 3. παρέλαβε δὲ . . . δύο παῖδας (8 *a*)
— 5. εἶπεν Ἀβ. τοῖς π. αὐτοῦ (8 *a*)
— 19. ἀπεστράφη δὲ Ἀβ. πρὸς τοὺς π. αὐ. (8 *a*)
24. 2. εἶπεν Ἀβ. τῷ π. αὐτοῦ (9 *a*)
— 5. εἶπε δὲ πρὸς αὐτὸν ὁ π. (9 *a*)
— 9. ἔθηκεν ὁ π. τὴν χεῖρα αὐ. ὑπὸ τὸν μηρόν (9 *a*)
— 10. ἔλαβεν ὁ π. δέκα καμήλους (9 *a*)
— 14. ταύτην ἡτοίμασας τῷ π. σου (9 *a*)
— 17. ἐπέδραμε δὲ ὁ π. (9 *a*)
— 28. δραμοῦσα ἡ π. (8 *a**, 8 *b*)
— 34. παῖς Ἀβραὰμ ἐγώ εἰμι (9 *a*)
— 35. ἔδωκεν αὐτῷ . . . παῖδας (9 *a*)
— 52. ἐν τῷ ἀκοῦσαι τὸν π. τὸν Ἀβ. (9 *a*)
Ge. 24. 53. ἐξενέγκας ὁ π. σκεύη (9 *a*)
— 57. καλέσωμεν τὴν π. (8 *a**, 8 *b*)
— 59. ἐξέπεμψαν . . . τὸν π. τὸν Ἀβ. (9 *a*)
— 61. ἀναλαβὼν ὁ π. τὴν Ῥεβ. (9 *a*)
— 65. καὶ εἶπε τῷ π. (9 *a*)
— 65. εἶπε δὲ ὁ π. (9 *a*)
— 66. διηγήσατο ὁ π. τῷ Ἰ. (9 *a*)
26. 15. ἃ ὤρυξαν οἱ π. τοῦ πατρὸς αὐ. (9 *a*)
— 18. ἃ ὤρυξαν οἱ π. Ἀβραάμ †
— 19. ὤρυξαν δὲ οἱ π. Ἰσαάκ (9 *a*)
— 25. ὤρυξαν δὲ ἐκεῖ οἱ π. Ἰ. (9 *a*)
— 32. παραγενόμενοι οἱ π. Ἰσαάκ (9 *a*)
30. 43. παῖδες καὶ παιδίσκαι (9 *a*)
32. 4 (5). οὕτως λέγει ὁ π. σου Ἰ. (9 *a*)
— 5 (6). R παῖδες [A βόες] καὶ παιδίσκαι (9 *a*)
— 5 (6). ἵνα εὕρῃ ὁ π. σου χάριν –
— 10 (11). ἧς ἐποίησας τῷ π. σου (9 *a*)
— 16 (17). ἔδωκεν διὰ χειρὸς τοῖς π. αὐτοῦ (9 *a*)
— 16 (17). εἶπε δὲ τοῖς π. αὐτοῦ (9 *a*)
— 18 (19). τοῦ π. σου Ἰακώβ (9 *a*)
— 20 (21). ὁ π. σου Ἰ. παραγίνεται (9 *a*)
33. 5. οἷς ἠλέησεν ὁ θ. τὸν π. σου (9 *a*)
— 8. ἵνα εὕρῃ ὁ π. σου χάριν –
— 14. προελθέτω . . . ἔμπροσθεν τοῦ π. (9 *a*)
34. 4. R λάβε μοι τὴν π. [A παιδίσκην] ταύτην (5 *b*)
— 12. δώσετέ μοι τὴν π. ταύτην (8 *a**, 8 *b*)
39. 14. εἰσήγαγεν ἡμῖν π. Ἑβραῖον (1)
— 17. εἰσῆλθε πρὸς μὲ ὁ π. ὁ Ἑβρ. (9 *a*)
— 19. οὕτως ἐποίησέ μοι ὁ π. σου (9 *a*)
40. 20. ἐποίει πότον πᾶσι τοῖς π. αὐ. (9 *a*)
— 20. ἐν μέσῳ τῶν π. αὐτοῦ (9 *a*)
41. 10. Φ. ὠργίσθη τοῖς π. αὐτοῦ (9 *a*)
— 12. ἦν δὲ ἐκεῖ μεθ' ἡμῶν νεανίσκος π. Ἑβρ. (9 *a*)
— 37. ἐναντίον πάντων τῶν π. αὐτοῦ (9 *a*)
— 38. εἶπε Φ. πᾶσι τοῖς π. αὐτοῦ (9 *a*)
42. 10. οἱ π. σου ἤλθομεν (9 *a*)
— 11. οὐκ εἰσὶν οἱ π. σου κατάσκοποι (9 *a*)
— 13. δώδεκά ἐσμεν οἱ π. σου ἀδελφοί (9 *a*)
43. 18. τοῦ λαβεῖν ἡμᾶς εἰς παῖδας (9 *a*)
— 28. ὑγιαίνει ὁ π. σου (9 *a*)
44. 7. μὴ γένοιτο τοῖς π. σου (9 *a*)
— 9. τὸ κόνδυ τῶν π. σου (9 *a*)
— 9. ἐσόμεθα παῖδες τῷ κυρίῳ ἡμῶν (9 *a*)
— 10. ἔσται μου παῖς (9 *a*)
— 16. τὴν ἀδικίαν τῶν π. σου (9 *a*)
— 17. αὐτὸς ἔσται μου π. (9 *a*)
— 18. λαλησάτω ὁ π. σου ῥῆμα (9 *a*)
— 18. μὴ θυμωθῇς τῷ π. σου (9 *a*)
— 19. σὺ ἠρώτησας τοὺς π. (9 *a*)
— 21. εἶπας δὲ τοῖς π. σου (9 *a*)
— 23. σὺ δὲ εἶπας τοῖς π. σου (9 *a*)
— 24. ἡνίκα ἀνέβημεν πρὸς τὸν π. σου (9 *a*)
— 27. εἶπε δὲ ὁ π. σου (9 *a*)
— 30. ἐὰν εἰσπορεύωμαι πρὸς τὸν π. σου (9 *a*)
— 31. κατάξουσιν οἱ π. σου τὸ γῆρας τοῦ π. σου (9 *a*, 9 *a*)
— 32. ὁ γὰρ π. σου ἐκδέδεκται τὸ παιδίον (9 *a*)
— 33. παραμενῶ σοι παῖς ἀντὶ τοῦ παιδίου (9 *a*)
46. 34. ἄνδρες κτηνοτρ. ἐσμὲν οἱ π. σου ἐκ παιδός (9 *a*, 8 *c*)
47. 3. ποιμένες προβάτων οἱ π. σου (9 *a*)
— 4. τοῖς κτήνεσι τῶν π. σου (9 *a*)
— 4. A κατοικήσωμεν οἱ π. σου [B *om.* οἱ π. σ.] (9 *a*)
— 19. ἐσόμεθα ἡμεῖς . . . παῖδες Φαραῷ (9 *a*)
— 21. κατεδουλώσατο . . . εἰς παῖδας †
— 25. ἐσόμεθα π. τῷ Φαραῷ (9 *a*)
50. 2. προσέταξεν Ἰ. τοῖς π. αὐτοῦ (9 *a*)
— 7. πάντες οἱ π. Φαραώ (9 *a*)
Ex. 5. 16. οἱ π. σου μεμαστίγωνται (9 *a*)
11. 8. καταβήσονται πάντες οἱ π. σου (9 *a*)
20. 10. ὁ π. σου καὶ ἡ παιδίσκη σου (9 *a*)
— 17. οὔτε τὸν π. αὐτοῦ (9 *a*)
21. 2. ἐὰν κτήσῃ παῖδα Ἑβρ. (9 *a*)
— 5. ἐὰν δὲ ἀποκριθεὶς εἴπῃ ὁ π. (9 *a*)
— 20. ἐὰν δέ τις πατάξῃ τὸν π. αὐτοῦ (9 *a*)
— 32. ἐὰν δὲ παῖδα κερατίσῃ ὁ ταῦρος (9 *a*)
Le. 25. 6. βρώματά σοι καὶ τῷ π. σου (9 *a*)
— 44. παῖς καὶ παιδίσκη ὅσοι ἂν γένωνταί σοι (9 *a*)
— 55. παῖδές μου οὗτοί εἰσιν (9 *a*)
Nu. 14. 24. ὁ δὲ π. μου Χάλεβ (9 *a*)
22. 22. καὶ οἱ [B¹ *om.*] δύο π. αὐ. μετ' αὐτοῦ (8 *a*)
31. 49. οἱ π. σου εἰλήφασι τὸ κεφάλαιον (9 *a*)
32. 4. τοῖς π. σου κτήνη ὑπάρχει (9 *a*)
— 5. A δοθήτω ἡ γῆ αὕτη τοῖς π. [B οἰκέταις] σου (9 *a*)
— 25. οἱ π. σου ποιήσουσι (9 *a*)
Nu. 32. 27. οἱ δὲ π. σου παρελεύσονται (9 *a*)
De. 5. 14 *bis*. ὁ π. σου καὶ ἡ παιδίσκη σου (9 *a*)
— 21 (18). οὔτε τὸν π. αὐ. οὔτε τὴν παιδίσκην αὐ. (9 *a*)
12. 12. οἱ π. ὑμῶν καὶ αἱ παιδίσκαι ὑμῶν (9 *a*)
— 18 : 16. 11, 14. ὁ π. σου καὶ ἡ παιδίσκη σου (9 *a*)
22. 15. λαβὼν ὁ πατὴρ τῆς π. (8 *a**, 8 *b*)
— 15. τὰ παρθένια τῆς π. (8 *a**, 8 *b*)
— 16. ἐρεῖ ὁ πατὴρ τῆς π. (8 *a**, 8 *b*)
— 23. παῖς παρθένος μεμνηστευμένη ἀνδρί (8 *a**, 8 *b*)
— 25. ἐὰν δὲ . . . εὕρῃ . . . τὴν π. τὴν μεμνηστευμ. (8 *a**, 8 *b*)
— 28. ἐὰν δέ τις εὕρῃ τὴν π. τὴν παρθένον (8 *a**, 8 *b*)
23. 15 (16). οὐ παραδώσεις παῖδα τῷ κυρίῳ (9 *a*)
28. 68. εἰς παῖδας καὶ παιδίσκας (9 *a*)
Jo. 1. 7. καθότι ἐνετείλατό σοι Μ. ὁ π. μου (9 *a*)
— 13. ὃ ἐνετείλατο ὑμῖν Μ. ὁ π. κυρίου (9 *a*)
7. 7. ἵνα τί διεβίβασεν ὁ π. σου τὸν λαὸν τ. †
9. 9. ἤκασιν οἱ π. σου (9 *a*)
— 24. ὅσα συνέταξε . . . Μ. τῷ [A *om.*] π. αὐ. (9 *a*)
10. 6. μὴ ἐκλύσῃς τὰς χ. σου ἀπὸ τῶν π. σου (9 *a*)
11. 12. Μωυσῆς ὁ π. κυρίου (9 *a*)
— 15. συνέταξε κ. τῷ Μ. τῷ π. αὐτοῦ (9 *a*)
12. 6 : 13. 8. Μ. ὁ π. κυρίου (9 *a*)
14. 7. Μ. ὁ π. τοῦ θ. [A Μ. δοῦλος κυρίου] (9 *a*)
18. 7 : 22. 2, 5. Μ. ὁ π. κυρίου (9 *a*)
Jd. 3. 24. οἱ π. αὐτοῦ ἐπῆλθον [A εἰσῆλ.] (9 *a*)
16. 26. A ὁ δὲ π. ἐποίησεν οὕτως –
19. 19. R μετὰ τῶν π. [B -δίων, A τοῖς δούλοις] σου (9 *a*)
Ru. 2. 6. ἡ π. ἡ Μωαβῖτίς ἐστιν (8 *b*)
I Ki. 16. 15. εἶπαν οἱ π. Σ. [A αὐτοῦ] (9 *a*)
— 17. εἶπε Σ. πρὸς τοὺς π. αὐτοῦ (9 *a*)
18. 22. ἐνετείλατο Σ. τοῖς π. αὐτοῦ (9 *a*)
— 22. πάντες οἱ π. αὐτοῦ ἀγαπῶσί σε (9 *a*)
— 23. ἐλάλησαν οἱ π. Σ. (9 *a*)
— 24. ἀπήγγειλαν οἱ π. Σ. αὐτῷ (9 *a*)
— 26. ἀπαγγέλλουσιν οἱ π. Σ. τῷ Δ. (9 *a*)
19. 1. ἐλάλησε . . . πρὸς πάντας τοὺς π. αὐτοῦ (9 *a*)
21. 11 (12). εἶπαν οἱ π. Ἀ. πρὸς αὐτόν (9 *a*)
— 14 (15). εἶπεν Ἀ. πρὸς τοὺς π. αὐτοῦ (9 *a*)
22. 6. πάντες οἱ π. αὐ. παρειστήκεισαν αὐτῷ (9 *a*)
— 7. εἶπε Σ. πρὸς τοὺς π. αὐτοῦ (9 *a*)
— 17. οὐκ ἐβουλήθησαν οἱ π. τοῦ βασ. (9 *a*)
25. 8. A ὃ ἐὰν εὕρῃ ἡ χεὶρ σου τοῖς π. σου [B *om.* τ. π. σ.] (9 *a*)
— 10. ἀπεκρίθη Ν. τοῖς π. Δ. (9 *a*)
— 40. ἦλθον οἱ π. Δ. πρὸς Ἀβ. (9 *a*)
— 41. νίψαι πόδας τῶν π. σου (9 *a*)
— 42. ἐπορεύθη ὀπίσω τῶν π. Δ. (7)
28. 7. εἶπε Σ. τοῖς π. αὐτοῦ (9 *a*)
— 7. εἶπαν οἱ π. αὐτοῦ πρὸς αὐτόν (9 *a*)
— 23. παρεβιάζοντο αὐτὸν οἱ π. αὐ. (9 *a*)
— 25. προσήγαγεν . . . ἐνώπιον τῶν π. αὐ. (9 *a*)
29. 10. καὶ οἱ π. τοῦ κ. σου (9 *a*)
II Ki. 2. 12. καὶ οἱ π. Ἰεβ. υἱοῦ Σ. (9 *a*)
— 13. οἱ π. Δ. ἐξῆλθον ἐκ Χ. (9 *a*)
— 15. παρῆλθον . . . τῶν π. Βεν. (6)
— 15. καὶ δώδεκα ἐκ τῶν π. Δ. (9 *a*)
— 17. ἐνώπιον παίδων [A τῶν π.] Δ. (9 *a*)
— 30. ἐπεσκέπησαν τῶν π. Δ. (9 *a*)
— 31. οἱ π. Δ. ἐπάταξαν (9 *a*)
3. 22. οἱ π. Δ. καὶ Ἰ. παρεγίνοντο (9 *a*)
— 34. A οἱ π. [B πόδες] σου οὐκ ἐν πέδαις †
— 38. εἶπεν ὁ βασ. πρὸς τοὺς π. αὐ. (9 *a*)
8. 7. ἐπὶ τῶν π. τῶν Ἀδρ. (9 *a*)
9. 2. ἐκ τοῦ οἴκου Σ. παῖς ἦν (9 *a*)
10. 2. παρεγένοντο οἱ π. Δ. εἰς τὴν γῆν υἱῶν Ἀ. (9 *a*)
— 3. ἀπέστειλε Δ. τοὺς π. αὐτοῦ πρὸς σέ (9 *a*)
— 4. ἔλαβεν Ἀ. τοὺς π. Δ. (9 *a*)
11. 1. ἀπέστειλε Δ. τὸν Ἰ. καὶ τοὺς π. αὐ. (9 *a*)
— 24. ἐτόξευσαν . . . πρὸς τοὺς π. σου (9 *a*)
— 24. ἀπέθανον τῶν π. τοῦ βασ. (9 *a*)
12. 19. οἱ π. αὐτοῦ ψιθυρίζουσι (9 *a*)
— 19. εἶπε Δ. πρὸς τοὺς π. αὐτοῦ (9 *a*)
— 21. εἶπαν οἱ π. αὐτοῦ πρὸς αὐτόν (9 *a*)
13. 24. ὁ βασ. καὶ οἱ π. αὐτοῦ (9 *a*)
— 31, 36. καὶ πάντες οἱ π. αὐτοῦ (9 *a*)
14. 30. εἶπεν Ἀβ. πρὸς τοὺς π. αὐτοῦ (9 *a*)
— 30. ἐνέπρησαν αὐτὰς οἱ π. Ἀβ. (9 *a*)
— 31. ἵνα τί ἐνεπύρισαν οἱ π. σου (9 *a*)
15. 14. εἶπε Δ. πᾶσι τοῖς π. αὐ. (9 *a*)
— 15. εἶπον οἱ π. τοῦ βασ. (9 *a*)
— 15. ἰδοὺ οἱ π. σου (9 *a*)
— 17. ὁ βασ. καὶ πάντες οἱ π. αὐτοῦ (10)

II Ki. 15. 18. καὶ πάντες οἱ π. αὐτοῦ (9 a)
— 22. καὶ πάντες οἱ π. αὐ. (2)
— 34. παῖς σού εἰμι (9 a)
— 34. παῖς τοῦ πατρός σου ἤμην τότε (9 a)
16. 6. καὶ πάντας τοὺς π. τοῦ βασ. Δ. (9 a)
— 11. καὶ πρὸς πάντας τοὺς π. αὐτοῦ (9 a)
17. 20. ἦλθαν οἱ π. Ἀβ. (9 a)
18. 7, 9. ἐνώπιον τῶν π. Δαυίδ (9 a)
19. 6 (7). οὐκ εἰσὶν οἱ ἄρχοντές σου οὐδὲ παῖδες (9 a)
— 19 (20). ὅσα ἠδίκησεν ὁ π. σου (9 a)
— 26 (27). εἶπεν ὁ π. σου αὐτῷ (9 a)
20. 6. λάβε . . . τοὺς π. τοῦ κυρίου σου (9 a)
21. 15. κατέβη Δ. καὶ οἱ π. αὐτοῦ (9 a)
24. 20. τὸν βασ. καὶ τοὺς π. αὐτοῦ (9 a)
III Ki. 1. 2. εἶπον οἱ π. αὐτοῦ (9 a)
— 9. ἐκάλεσε . . . παῖδας τοῦ βασ. (9 a)
3. 15. καὶ πᾶσι τοῖς π. ἑαυτοῦ (9 a)
5. 1 (15). ἀπέστειλε Χ. . . . τοὺς π. αὐ. (9 a)
9. 27. ἐν τῇ νηῒ τῶν π. αὐτοῦ . . . μετὰ τῶν π. Σαλ. (9 a, 9 a)
10. 5. καὶ τὴν καθέδραν παίδων [A τῶν π.] αὐ. (9 a)
— 8. μακάριοι οἱ π. σου οὗτοι (9 a)
— 13. καὶ πάντες οἱ π. αὐτῆς (9 a)
— 22 (B): 9. 22 (A). καὶ παῖδες αὐ. καὶ ἄρχοντες (9 a)
11. 17. πάντες . . . τῶν π. τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (9 a)
14. 3. A τί ἔσται τῷ π. (8 a)
— 26. ἐκ χειρὸς τῶν π. Ἀδρ. –
15. 18. εἰς χεῖρας παίδων αὐτοῦ (9 a)
16. 9. A συνέστρεψεν . . . π. αὐτοῦ [B om. π. αὐ.] Z. (9 a)
— 28 (22. 49 [50]). B ἐξαποστελῶ τοὺς π. σου (9 a)
21 (20). 6. ἀποστελῶ τοὺς π. μου πρὸς σέ (9 a)
— 6. ἐρευνήσουσι . . . τοὺς οἴκους τῶν π. σου (9 a)
— 12. εἶπε τοῖς π. αὐτοῦ (9 a)
— 15. A ἐπεσκέψατο τοὺς π. τῶν ἀρχόντων [B al.] (8 a)
— 23. καὶ οἱ π. βασιλέως Συρίας (9 a)
— 31. εἶπε τοῖς π. αὐτοῦ [A al.] (9 a)
22. 3. εἶπε . . . πρὸς τοὺς π. αὐτοῦ (9 a)
IV Ki. 2. 16. μετὰ τῶν π. σου πεντήκ. ἄνδρες (9 a)
— 24. ἀνέρρηξαν . . . τεσσαράκ. καὶ δύο παῖδας (5 a)
3. 11. ἀπεκρίθη εἷς τῶν π. (9 a)
5. 13. ἤγγισαν οἱ π. αὐτοῦ (9 a)
— 26. καὶ νῦν ἔλαβες . . . παῖδας (9 a)
6. 8. ἐβουλεύσατο πρὸς τοὺς π. αὐτοῦ (9 a)
— 11. ἐκάλεσε τοὺς π. αὐτοῦ (9 a)
— 12. εἶπεν εἷς τῶν π. αὐτοῦ (9 a)
7. 12. εἶπε πρὸς τοὺς π. αὐτοῦ (9 a)
— 13. ἀπεκρίθη εἷς τῶν π. αὐτοῦ (9 a)
9. 11. ἐξῆλθε πρὸς τοὺς π. τοῦ κυρίου αὐτοῦ (9 a)
— 28. ἐπεβίβασαν αὐτὸν οἱ π. αὐτοῦ (9 a)
10. 5. παῖδές σου ἡμεῖς (9 a)
18. 26. λάλησον δὴ πρὸς τοὺς π. σου (9 a)
19. 5. ἦλθον οἱ π. τοῦ βασ. (9 a)
21. 23. συνεστράφησαν οἱ π. Ἀ. πρὸς αὐτόν (9 a)
23. 30. ἐπεβίβασαν αὐτὸν οἱ π. αὐ. νεκρόν (9 a)
24. 11. οἱ π. αὐτοῦ ἐπολιόρκουν ἐπ' αὐτήν (9 a)
— 12. αὐτὸς καὶ οἱ π. αὐτοῦ (9 a)
I Ch. 2. 34. καὶ τῷ Σ. π. Αἰγύπτιος (9 a)
— 35. ἔδωκε Σ. τὴν θυγ. αὐ. τῷ Ἰ. π. αὐ. (9 a)
6. 49 (34). Μωυσῆς π. τοῦ θεοῦ (9 a)
16. 13. σπέρμα Ἰσρ. παῖδες αὐτοῦ (9 a)
17. 4. A S εἰπὸν πρὸς Δ. τὸν π. [B δοῦλόν] μου (9 a)
— 17. ἐλάλησας ἐπὶ τὸν οἶκον τοῦ π. σου (9 a)
— 23. ὃν ἐλάλησας πρὸς τὸν π. σου (9 a)
— 24. οἶκος Δ. παιδός σου ἀνωρθωμένος (9 a)
— 25. ἤνοιξας τὸ οὖς τοῦ π. σου (9 a)
— 25. εὗρεν ὁ π. σου τοῦ προσεύξασθαι (9 a)
— 27. τοῦ εὐλογῆσαι τὸν οἶκον τοῦ π. σου (9 a)
18. 2. ἦσαν Μ. παῖδες τῷ Δ. (9 a)
— 6. ἦσαν τῷ Δ. εἰς παῖδας (9 a)
— 7. οἳ ἦσαν ἐπὶ τοὺς π. Ἀδρ. (9 a)
— 13. ἦσαν πάντες οἱ Ἰδουμ. παῖδες Δ. (9 a)
19. 2. ἦλθον παῖδες Δ. εἰς γῆν υἱῶν Ἀ. (9 a)
— 3. ἦλθον παῖδες αὐτοῦ πρὸς σέ (9 a)
— 4. ἔλαβεν Ἀ. τοὺς π. Δ. (9 a)
— 19. εἶδον παῖδες Ἀδρ. (9 a)
20. 3. B οὕτως ἐποίησε Δ. τοῖς π. [A R πᾶσιν] †
— 8. ἔπεσον . . . ἐν χειρὶ παίδων αὐ. (9 a)
21. 3. πάντες τῷ κυρίῳ μου παῖδες (9 a)
— 8. περίελε δὴ τὴν κακίαν παιδός σου (9 a)
22. 17. A B ἐνετείλατο Δ. τοῖς π. [R πᾶσιν] †
II Ch. 1. 3. ἣν ἐποίησε Μ. παῖς κυρίου (9 a)
2. 8 (7). οἱ π. σου μετὰ τῶν π. μου πορεύσονται (9 a, 9 a)
II Ch. 2. 10 (9). δέδωκα σῖτον εἰς δόματα τοῖς π. σου (9 a)
— 13 (12). A B² ἀπέσταλκά μοι . . . Χ. τὸν π. [B¹ R πατέρα] μου †
— 15 (14). ἀποστειλάτω τοῖς π. αὐτοῦ (9 a)
6. 14. φυλάσσων . . . τὸ ἔλεος τοῖς π. σου (9 a)
— 15. ἐφύλαξας τῷ π. σου Δ. (9 a)
— 16. φύλαξον τῷ π. [A¹ τὸν π.] σου (9 a)
— 17. ὃ ἐλάλησας τῷ π. σου (9 a)
— 19. ἐπὶ τὴν προσευχὴν παιδός σου (9 a)
— 19 (A B² R), 20. ἧς ὁ π. σου προσεύχεται (9 a)
— 21. ἀκούσῃ τῆς δεήσεως τοῦ π. σου (9 a)
— 27. ἵλεως ἔσῃ ταῖς ἁμαρτ. τῶν [B¹ αὐτῶν] π. (9 a)
8. 9. οὐκ ἔδωκε Σαλ. εἰς παῖδας (9 a)
— 18. ἀπέστειλε Χ. ἐν χειρὶ παιδῶν αὐ. . . . π. εἰδότας θάλασσαν (9 a, 9 a)
— 18. ᾤχοντο μετὰ τῶν π. Σ. (9 a)
9. 4. καὶ καθέδραν παίδων αὐτοῦ (9 a)
— 7. μακάριοι οἱ π. σου οὗτοι (9 a)
— 10. οἱ π. Σ. καὶ οἱ π. Χ. ἔφερον χρυσίον (9 a, 9 a)
— 21. ἐπορεύετο . . . μετὰ τῶν π. Χ. (9 a)
10. 7. ἔσονταί σοι παῖδες (9 a)
12. 8. ἔσονται εἰς παῖδας (9 a)
13. 6. ἀνέστη Ἱερ. . . . ὁ π. Σαλ. (9 a)
24. 9. καθὼς εἶπε Μωυσῆς π. τοῦ θ. (9 a)
— 25. ἐπέθεντο αὐτῷ οἱ π. αὐτοῦ (9 a)
25. 3. ἀθανάτωσε τοὺς π. αὐτοῦ (9 a)
32. 9. ἀπέστειλε . . . τοὺς π. ἑαυ. (9 a)
— 16. ἐλάλησαν παῖδες αὐ. ἐπὶ κ. θεὸν καὶ ἐπὶ Ἐζ. παῖδα αὐτοῦ (9 a, 9 a)
33. 24. ἐπέθεντο αὐτῷ οἱ π. αὐτοῦ (9 a)
34. 16. ἐν χειρὶ τῶν π. σου τῶν ποιούντων (9 a)
— 20. ἐνετείλατο . . . τῷ Ἀ. παιδὶ τοῦ βασ. (9 a)
35. 23. εἶπεν ὁ βασ. τοῖς π. αὐτοῦ (9 a)
— 24. ἐξήγαγον αὐτὸν οἱ π. αὐτοῦ (9 a)
36. 5. ἐν χειρὶ τῶν π. αὐτοῦ –
I Es. 1. 30. εἶπεν ὁ βασ. τοῖς π. ἑαυτοῦ
— 30. ἀπέστησαν αὐτὸν οἱ π. αὐτοῦ
— 57. ἦσαν παῖδες αὐτῷ
2. 17. βασιλεῖ Ἀρτ. κυρίῳ οἱ π. σου
5. 1. οἱ π. αὐτῶν καὶ αἱ παιδίσκαι
— 33. υἱοὶ παίδων Σαλωμών
— 35. καὶ οἱ υἱοὶ τῶν π. Σαλ.
— 41. χωρὶς παίδων καὶ παιδισκῶν
— 42. B παῖδες τούτων καὶ παιδίσκαι
6. 13. ἐσμὲν παῖδες τοῦ κυρίου
— 27. ἐᾶσαι δὲ τὸν π. κυρίου Ζορ.
— 31. ὑπὲρ τοῦ βασ. καὶ τῶν π.
8. 82. ἐν χειρὶ τῶν π. σου τῶν προφητῶν
II Es. 4. 11. παῖδές σου ἄνδρες πέραν τοῦ ποτ. (9 b)
Ne. 1. 7. ἃ ἐνετείλω τῷ Μ. παιδί σου (9 a)
— 8. ὃν ἐνετείλω τῷ Μ. παιδί σου (9 a)
— 10. καὶ αὐτοὶ παῖδές σου (9 a)
— 11. εἰς τὴν προσευχὴν παίδων σου (9 a)
— 11. εὐόδωσον δὴ τῷ π. σου (9 a)
2. 5. εἰ ἀγαθυνθήσεται ὁ π. σου (9 a)
6. 5. ἀπέστειλε . . . τὸν π. αὐ. (8 a)
9. 10. καὶ ἐν πᾶσι τοῖς π. αὐτοῦ (9 a)
To. 7. 9. S εἶπεν τῷ π. [A B al.]
9. 2. λάβε μετὰ σεαυτοῦ παῖδα [S al.]
10. 11. S παῖδας καὶ παιδίσκας
11. 5. περιβλεπομένη εἰς τὴν ὁδὸν τὸν π. αὐ. [S al.]
Ju. 3. 2. S ἡμεῖς οἱ π. σου π. [A B om. σ. π.] Ναβ.
7. 12. ἐπικρατησάτωσαν οἱ π. σου τῆς πηγῆς
8. 7. ὑπελείπετο αὐτῇ . . . παῖδας
16. 12. ὡς παῖδας [A -ες] αὐτομολούντων ἐτίτρωσκον
Es. 2. 7. ἦν τούτῳ π. θρεπτή –
6. 8. ἐνεγκάτωσαν οἱ π. τοῦ βασ. [A -κάτω] στολήν –
7. 4. ἐπράθημεν . . . εἰς παῖδας (9 a)
Jb. 1. 8. προσέσχες τῇ διανοίᾳ σου κατὰ τοῦ π. [A θεράποντός] μου Ἰώβ (9 a)
— 15, 17. τοὺς π. ἀπέκτειναν ἐν μαχαίραις [A al.] (8 a)
4. 18. εἰ κατὰ παίδων αὐτοῦ οὐ πιστεύει (9 a)
29. 5. κύκλῳ δέ μου οἱ π. (8 a)
42. 8. A πορεύθητε πρὸς τὸν π. [B S θεράποντά] μου Ἰώβ (9 a)
Ps. 17 (18). tit. εἰς τὸ τέλος τῷ π. κυρίου τῷ Δαυίδ (9 a)
68 (69). 17. B² S R μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρόσωπόν σου ἀπὸ τοῦ π. σου (9 a)
85 (86). 16. δὸς τὸ κράτος σου τῷ π. σου (9 a)
112 (113). 1. αἰνεῖτε παῖδες κύριον (9 a)
Pr. 1. 4. παιδὶ δὲ νέῳ αἴσθησίν τε καὶ ἔννοιαν (8 a)
4. 1. ἀκούσατε παῖδες παιδείαν πατρός (3)
19. 14. οἶκον καὶ ὕπαρξιν μερίζουσι πατέρες παισί –
Pr. 19. 28. ὁ ἐγγυώμενος παῖδα ἄφρονα καθυβρίζει δικαίωμα –
20. 7. μακαρίους τοὺς π. αὐτοῦ καταλείψει (3)
29. 15. παῖς δὲ πλανώμενος αἰσχύνει γονεῖς αὐτοῦ (8 a)
— 21. ὃς κατασπαταλᾷ ἐκ παιδὸς οἰκέτης ἔσται (8 d)
Ec. 4. 13. ἀγαθὸς παῖς πένης καὶ σοφός (5 a)
Wi. 2. 13. παῖδα κυρίου ἑαυτὸν ὀνομάζει
8. 19. παῖς δὲ ἤμην εὐφυής
9. 4. μή με ἀποδοκιμάσῃς ἐκ παίδων σου
12. 7. ἵνα [S¹ κατὰ] ἀξίαν ἀποικίαν δέξηται θεοῦ παίδων
— 20. εἰ γὰρ ἐχθροὺς παίδων σου . . . μετὰ τοσαύτης ἐτιμώρησας [A -σω] προσοχῆς
— 25. ὡς παισὶν ἀλογίστοις τὴν κρίσιν εἰς ἐμπαιγμὸν ἔπεμψας
18. 9. κρυφῇ γὰρ ἐθυσίαζον ὅσιοι [A om.] παῖδες ἀγαθῶν
— 10. οἰκτρὰ διεφέρετο [A -ένετο] θρηνουμένων [A S φωνὴ θρ.] παίδων
19. 6. ἵνα οἱ σοὶ π. φυλαχθῶσιν ἀβλαβεῖς
Si. 6. 29. A ἔσονταί σοι αἱ παῖδες [?, B S πέδαι] εἰς σκέπην ἰσχύος
30. 34 (33. 25). ἔργασαι ἐν παιδί
Is. 20. 3. πεπόρευται ὁ π. μου Ἡσαΐας γυμνός (9 a)
22. 20. καλέσω τὸν π. μου Ἐλιακείμ (9 a)
24. 2. ὁ π. ὡς ὁ κύριος (9 a)
36. 11. λάλησον πρὸς τοὺς π. σου Συριστί (9 a)
37. 5. ἦλθον οἱ π. τοῦ βασ. Ἐζ. πρὸς Ἡσαΐαν (9 a)
— 35. δι' ἐμὲ καὶ διὰ Δαυὶδ τὸν π. μου (9 a)
41. 8. σὺ δὲ Ἰσραὴλ π. μου Ἰακώβ (9 a)
— 9. π. μου εἶ (9 a)
42. 1. Ἰακὼβ ὁ π. μου (9 a)
— 19. τίς τυφλὸς ἀλλ' ἢ οἱ π. μου (9 a)
— 23. S¹ εἰσακούσατε τῆς φωνῆς τοῦ π. αὐ. [A B S² al.] –
43. 10. ἐγὼ μάρτυς . . . καὶ ὁ π. ὃν ἐξελεξάμην (9 a)
44. 1. ἄκουσον Ἰακὼβ ὁ [A S om.] π. μου (9 a)
— 2. μὴ φοβοῦ, π. μου Ἰακώβ (9 a)
— 21. π. μου εἶ σύ, ἔπλασά σε παῖδά μου (9 a, 9 a)
— 26. ἰστῶν ῥήματα παιδὸς [A -ων] αὐ. (9 a)
45. 4. ἕνεκεν τοῦ π. μου Ἰακὼβ . . . καλέσω σε (9 a)
49. 6. μέγα σοί ἐστι τοῦ κληθῆναί σε παῖδά μου (9 a)
50. 10. ὑπακουσάτω [A ἀκ., S ἐπ.] τῆς φωνῆς τοῦ π. αὐτοῦ (9 a)
52. 13. συνήσει ὁ π. μου (9 a)
Je. 21. 7. δώσω τὸν Σεδ. βασιλέα Ἰ. καὶ τοὺς π. αὐ. . . . εἰς χεῖρας ἐχθρῶν αὐ. (9 a)
22. 2. S² σὺ καὶ οἱ π. καὶ ὁ οἶκός σου [A B S¹ al.] (9 a)
— 4. καὶ οἱ π. αὐτῶν καὶ ὁ λαὸς αὐτῶν (9 a)
26 (46). 28. μὴ φοβοῦ, π. μου Ἰακώβ (9 a)
32 (25). 19. τὸν Φ. βασιλέα Αἰγ. καὶ τοὺς π. αὐτοῦ (9 a)
33 (26). 5. εἰσακούειν τῶν λόγων [A add. μου καὶ] τῶν π. μου (9 a)
41 (34). 9. τοῦ ἐξαποστεῖλαι ἕκαστον τὸν π. αὐτοῦ (9 a)
— 10. τοῦ ἀποστεῖλαι ἕκαστον τὸν π. αὐ. (9 a)
— 11. ἐῶσαν αὐτοὺς εἰς παῖδας καὶ παιδίσκας (9 a)
— 16. τοῦ ἐπιστρέψαι ἕκαστον τὸν π. αὐ. . . . ὑμῖν εἰς παῖδας καὶ παιδίσκας (9 a, 9 a)
42 (35). 15. ἀπέστειλα πρὸς ὑμᾶς τοὺς π. [A δούλους] μου (9 a)
43 (36). 24. οὐ διέρρηξαν τὰ ἱμάτια αὐτῶν ὁ βασιλεὺς καὶ οἱ π. αὐτοῦ (9 a)
— 31. ἐπισκέψομαι . . . ἐπὶ τοὺς π. αὐ. (9 a)
44 (37). 2. οὐκ ἤκουσαν αὐτὸς καὶ οἱ π. αὐτοῦ (9 a)
— 18. τί ἠδίκησά σε καὶ τοὺς π. σου (9 a)
47 (40). 9. A S R ἀπὸ προσώπου τῶν [B om.] π. τῶν Χ. †
51 (44). 4. ἀπέστειλα πρὸς ὑμᾶς τοὺς π. [A δούλους] μου τοὺς προφήτας (9 a)
52. 8. πάντες οἱ π. αὐτοῦ διεσπάρησαν ἀπ' αὐτοῦ (4)
Ba. 1. 20. ἣν συνέταξε κύριος τῷ Μ. παιδὶ αὐ. [B¹ al.]
2. 20. καθάπερ ἐλάλησας ἐν χειρὶ τῶν π. σου τῶν προφητῶν
— 24. οὓς ἐλάλησας ἐν χερσὶ τῶν π. σου τῶν προφητῶν
— 28. ἐλάλησας ἐν χειρὶ παιδός σου Μωυσῆ
3. 36. ἔδωκεν αὐτὴν Ἰακὼβ τῷ π. αὐτοῦ
Ez. 46. 17. ἐὰν δὲ δῷ δόμα ἑνὶ τῶν π. αὐτοῦ (9 a)
Da. LXX. Su. 30. καὶ οἱ π. καὶ αἱ παιδίσκαι αὐ.
1. 12. πείρασον δὴ τοὺς π. σου (9 a)
— 13. οὕτω χρῆσαι τοῖς π. σου (9 a)
2. 4. ἀνάγγειλον τὸ ἐνύπνιόν σου τοῖς π. σου (9 b)

Da. LXX. 2. 7. οἱ π. σου κρινοῦσι πρὸς ταῦτα (9 b)
3. 26 (93). οἱ π. τοῦ θεοῦ τῶν θεῶν τοῦ ὑψίστου (9 b)
— 28 (95). ἔσωσε τοὺς π. αὐ. (9 b)
9. 6. οὐκ ἠκούσαμεν τῶν π. σου τῶν προφ. (9 a)
— 10. διὰ τῶν π. σου τῶν προφητῶν (9 a)
— 11. ἐν τῷ νόμῳ Μωσῆ παιδὸς τοῦ θεοῦ (9 a)
— 17. ἐπάκουσον, δέσποτα, τῆς προσευχῆς τοῦ π. σου (9 a)
10. 17. πῶς δυνήσεται ὁ π. λαλῆσαι (9 a)
Da. TH. 1. 12. πείρασον δὴ τοὺς π. σου (9 a)
— 13. ποίησον μετὰ τῶν π. [A -δαρίων] σου (9 a)
2. 4. σὺ εἰπὸν τὸ ἐνύπνιον τοῖς π. σου (9 b)
— 7. εἰπάτω τὸ ἐνύπνιον τοῖς π. αὐ. (9 b)
3. 28 (95). ἐξείλατο τοὺς π. αὐ. (9 b)
10. 17. πῶς δυνήσεται ὁ π. σου, κύριε, λαλῆσαι (9 a)
I Ma. 1. 6. ἐκάλεσε τοὺς π. αὐ.
— 8. ἐπεκράτησαν οἱ π. αὐ.
3. 41. καὶ ἔλαβον . . . παῖδας
— 41. τοῦ λαβεῖν τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. εἰς παῖδας
II Ma. 6. 23. R τῆς ἐκ παιδὸς καλλίστης ἀνατροφῆς [A ἀναστρ.]
7. 34. A ἐπὶ τοὺς οὐρανίους π. ἐπαράμενος χεῖρα [R al.]
15. 12. ἐκ παιδὸς ἐκμεμελετηκότα πάντα
III Ma. 5. 31. εἴ σοι γονεῖς παρῆσαν ἢ παίδων γοναί
— 49. ἐπιπίπτοντες γονεῖς παισί
IV Ma. 6. 17. μὴ οὕτως κακῶς φρονήσαιμεν οἱ Ἀβ. παῖδες
— 22. ὑμεῖς μέν, ὦ Ἀβραὰμ παῖδες
9. 18. μόνοι π. Ἑβραίων . . . εἰσιν ἀνίκητοι
12. 6. τὴν μητέρα τοῦ π. μετεπέμψατο
— 9. ἐπὶ τῇ ἐπαγγελίᾳ τοῦ π.
— 17. S¹ οὐκ ἀπαυτομολῶ τῆς τῶν π. μου ἀριστείας [A S² R al.]
15. 4. S R εἰς μικρὸν παιδὸς χαρακτῆρα [A παιδοχ.]
— 12. καθ' ἕνα π. καὶ ὁμοῦ πάντας
16. 1. γυνὴ καὶ γεραιὰ καὶ ἑπτὰ παίδων μήτηρ
— 6. ἥτις ἑπτὰ παῖδας τεκοῦσα
— 8. μάτην ἐφ' ὑμῖν, ὦ παῖδες, πολλὰς ὑπέμεινα ὠδῖνας
— 9. ὦ τῶν ἐμῶν π. οἱ μὲν ἄγαμοι
— 15. ὅτε συνελήφθης μετὰ τῶν π.
— 16. ἔλεγες τοῖς π.
— 16. ὦ παῖδες, γενναῖος ὁ ἀγών
17. 2. ὦ μήτηρ σὺν ἑπτὰ παισὶ καταλύσασα
— 3. ἐπὶ τοῦ στύλου τῶν π. γενναίως ἱδρυμένη
— 5. τοὺς ἰσαστέρας ἑπτὰ παῖδας φωταγωγήσασα
— 6. A ἦν γὰρ ἡ παιδοποιΐα σου ἀπὸ Ἀβ. τοῦ π. [S R πατρός]
— 9. γυνὴ γεραιὰ καὶ ἑπτὰ παῖδες ἐγκεκήδευνται
— 13. ἡ δὲ μήτηρ τῶν ἑπτὰ παίδων ἐνήθλει
18. 1. ὦ . . . παῖδες Ἰσραηλῖται
— 6. ἡ μήτηρ τῶν ἑπτὰ π.
— 20. τοὺς ἑπτὰ π. τῆς Ἀβρααμίτιδος
— 23. οἱ δὲ Ἀβραμαῖοι παῖδες . . . συναγελάζονται
[Aq. Ge. 33. 5: Dt. 22. 24: 28. 50: I Ki. 25. 41: II Ki. 1. 6: Jb. 24. 5: Is. 10. 19: Je. 34 (41). 11 (Sw.): Ho. 11. 1.]
[Sm. Jb. 19. 17: Ec. 4. 15: Ho. 11. 1.]
[Th. Is. 42. 1.]
[Al. Dt. 34. 5: III Ki. 22. 50: Jb. 18. 17: Ps. 148. 12: Je. 30 (37). 10.]

πακίς, *vid.* παγίς.

παλάθη. (1) דְּבֵלָה
I Ki. 25. 18. ἔλαβε . . . διακοσίας π. (1)
30. 12. διδόασιν αὐτῷ κλάσμα παλάθης (1)
IV Ki. 4. 42. καὶ ἤνεγκε . . . παλάθας †
20. 7. λαβέτωσαν παλάθην σύκων (1)
I Ch. 12. 40. ἔφερον . . . ἄλευρα παλάθας (1)
Ju. 10. 5. πήραν ἐπλήρωσεν . . . παλάθης [S om.]
Is. 38. 21. λάβε παλάθην ἐκ [S om.] σύκων (1)
[Th. II Ki. 17. 19.]

πάλαι. (1) לְמֵרָחוֹק (2) מֵאָז
Es. 3. 13. οἱ π. καὶ νῦν δυσμενεῖς
Wi. 11. 14. τὸν [A ὃν] γὰρ ἐν ἐκθέσει πάλαι [S² om.] ῥιφέντα
12. 3. S τοὺς π. [A B παλαιοὺς] οἰκήτορας τῆς ἁγίας σου γῆς μισήσας
— 27. ὃν πάλαι ἠρνοῦντο εἰδέναι [S om.]
Is. 37. 26. A S² R οὐ ταῦτα ἤκουσας [B S¹ -σα] π. (1)
48. 5. A S ἀνήγγειλά σοι τὰ π. [B παλαιά] (2)
— 7. νῦν γίνεται καὶ οὐ π. (2)
III Ma. 4. 1. τῆς προκατεσκιρρωμένης αὐτοῖς π. . . . ἀπελθείας
[Sm. I Ki. 9. 9.]

παλαίειν. (1) אָבַק ni. (2) גִּיחַ hi.
Ge. 32. 24 (25). ἐπάλαιεν ἄνθρωπος μετ' αὐτοῦ (1)
— 25 (26). ἐν τῷ π. αὐτὸν μετ' αὐτοῦ (1)
Jd. 20. 33. A τὸ ἔνεδρον Ἰσρ. ἐπάλαιεν [B al.] (2)
Es. 1. 1. προῆλθον [A προσῆλ.] ἀμφότεροι π.
[Aq. Jb. 38. 8.]

παλαιός. (1) *a.* בָּלָה *b.* בְּלוּיִם (2) יָשִׁישׁ (3) יָשָׁן (4) מֵאָז (5) עַתִּיק (6) παλαιὰ παλαιῶν יָשָׁן ni.
Le. 25. 22. φάγεσθε ἀπὸ τῶν γενημ. παλαιά (3)
— 22. φάγεσθε παλαιὰ παλαιῶν (3, –)
26. 10. φάγεσθε παλαιὰ καὶ παλαιὰ παλαιῶν καὶ παλαιὰ ἐκ προσώπου νέων ἐξοίσετε (3, 6, 3)
Jo. 9. 4. λαβόντες σάκκους π. . . . καὶ ἀσκοὺς οἴνου π. (1 a, 1 a)
— 5. καὶ τὰ σανδάλια αὐτῶν π. (1 a)
I Ki. 7. 12. καὶ ἀνὰ μέσον τῆς π. †
Es. 8. 13. ἐκ τῶν παλαιοτέρων . . . ἱστοριῶν
Jb. 15. 10. καί γε πρεσβύτης καί γε παλαιὸς ἐν ἡμῖν (2)
Ps. 38 (39). 5. παλαιὰς [A B² S² παλαιστὰς] ἔθου τὰς ἡμέρας μου †
Ca. 7. 13 (14). πάντα ἀκρόδρυα νέα πρὸς παλαιά (3)
Wi. 12. 3. τοὺς π. [S πάλαι] οἰκήτορας τῆς ἁγίας σου γῆς μισήσας
Is. 48. 5. B ἀνήγγειλά σοι παλαιά [A S R al.] (4)
Je. 45 (38). 11. ἔλαβεν ἐκεῖθεν παλαιὰ ῥάκη καὶ παλαιὰ σχοινία (1 b, 1 b)
Da. LXX. 7. 9. παλαιὸς ἡμερῶν ἐκάθητο (5)
— 13. ὡς παλαιὸς ἡμερῶν παρῆν [cod. -ῆσαν] (5)
— 22. ἕως τοῦ ἐλθεῖν τὸν π. ἡμερῶν (5)
Da. TH. 7. 9. παλαιὸς ἡμερῶν ἐκάθητο (5)
— 13. ἕως τοῦ π. τῶν ἡμερῶν ἔφθασε (5)
— 22. ἕως οὗ ἦλθεν ὁ π. ἡμερῶν (5)
II Ma. 6. 21. διὰ τὴν ἐκ τῶν π. χρόνων πρὸς τὸν ἄνδρα γνῶσιν
III Ma. 3. 18. τύφοις φερόμενοι παλαιοτέροις
[Aq. Jb. 12. 12: Ho. 3. 1.]
[Sm. Pr. 8. 18.]
[Th. Jb. 15. 10: Pr. 8. 18: Je. 38 (45). 12: Da. 7. 9.]
[Al. Ne. 3. 6.]
[Quint. Ps. 30 (31). 19.]

παλαιοῦν. (1) *a.* בָּלָה qal. *b.* pi. *c.* בָּלָה *d.* בְּלָא pa. (2) יָשַׁן ni. (3) נָבֵל (4) עָתַק *a.* qal. *b.* hi.
Le. 13. 11. λέπρα παλαιουμένη ἐστίν (2)
De. 8. 4. τὰ ἱμάτιά σου οὐκ ἐπαλαιώθη [A οὐ κατετρίβη] (1 a)
29. 5 (4). οὐκ ἐπαλαιώθη [A -θησαν] τὰ ἱμάτια ὑ. (1 a)
Jo. 9. 5. καὶ τὰ ἱμάτια αὐ. πεπαλαιωμένα (1 c)
— 13. τὰ ὑποδήμ. ἡ. πεπαλαίωται [A -ωνται] (1 a)
Ne. 9. 21. ἱμάτια αὐτῶν οὐκ ἐπαλαιώθησαν (1 a)
Jb. 9. 5. ὁ παλαιῶν ὄρη καὶ οὐκ οἴδασιν (4 b)
13. 28. ὁ παλαιοῦται [A οἱ παλαιοῦνται] ἴσα ἀσκῷ (1 a)
14. 12. A ἕως ἂν ὁ οὐρανὸς παλαιωθῇ [B S al.] †
— 18. πέτρα παλαιωθήσεται ἐκ τοῦ τόπου αὐ. (4 a)
21. 7. πεπαλαίωνται δὲ καὶ ἐν [A om.] πλούτῳ (4 a)
32. 15. ἐπαλαίωσαν ἐξ αὐτῶν λόγους (4 b)
Ps. 6. 7. ἐπαλαιώθην ἐν πᾶσι τοῖς ἐχθροῖς μου (4 a)
17 (18). 45. υἱοὶ ἀλλότριοι ἐπαλαιώθησαν (3)
31 (32). 3. ἐπαλαιώθη τὰ ὀστᾶ μου (1 a)
48 (49). 14. ἡ βοήθεια αὐτῶν παλαιωθήσεται [S¹ ἐπαλαιώθη] ἐν τῷ ᾅδῃ (1 b)
101 (102). 26. πάντες ὡς ἱμάτιον παλαιωθήσονται (1 a)
Si. 9. 10. φίλος νέος ἐὰν παλαιωθῇ
11. 20. ἐν τῷ ἔργῳ σου παλαιώθητι
14. 17. πᾶσα σὰρξ ὡς ἱμάτιον παλαιοῦται
Is. 50. 9. πάντες ὑμεῖς ὡς ἱμάτιον παλαιωθήσεσθε (1 a)
51. 6. ἡ δὲ γῆ ὡς ἱμάτιον παλαιωθήσεται (1 a)
65. 22. τὰ γὰρ ἔργα τῶν πόνων αὐ. παλαιώσουσιν (1 b)
Ba. 3. 10. ἐπαλαιώθης ἐν γῇ ἀλλοτρίᾳ
La. 3. 4. ἐπαλαίωσε σάρκα [A τὰς σ.] μου (1 b)
Ez. 47. 12. οὐ μὴ παλαιωθῇ ἐπ' [A ἐξ] αὐτοῦ (3)
Da. LXX. Su. 52. πεπαλαιωμένε ἡμερῶν κακῶν
11. 33. παλαιωθήσονται ἐν αὐτῇ †
Da. TH. Su. 52. πεπαλαιωμένε ἡμερῶν κακῶν
7. 25. τοὺς ἁγίους ὑψίστου παλαιώσει (1 d)
[Aq. Dt. 4. 25.]
[Sm. Ge. 18. 12: Dt. 4. 25: Jb. 13. 28: 14. 12: 36. 11: Ps. 31 (32). 3: 48 (49). 15: 101 (102). 27: Pr. 25. 1: Is. 23. 18: Ez. 23. 43.]
[Th. Dt. 4. 25: Jb. 14. 12: 32. 15: Pr. 25. 1: Ez. 23. 43: Da. 7. 25†: 9. 24†.]
[Al. Da. 7. 9.]

παλαιστή, παλαιστής. (1) *a.* טֶפַח *b.* טֹפַח
Ex. 25. 23 (25). στεφάνην παλαιστοῦ κύκλῳ (1 b)
III Ki. 7. 24 (B), 26 (A): II Ch. 4. 5. καὶ τὸ πάχος αὐ. παλαιστής (1 a)
Ps. 38 (39). 5. A B² S² παλαιστὰς [B¹ S¹ R παλαιὰς] ἔθου τὰς ἡμέρας μου (1 a)
Ez. 40. 5. τὸ μέτρον πηχῶν ἓξ ἐν πήχει καὶ παλαιστῆς (1 b)
— 43. παλαιστὴν ἕξουσι γεῖσος (1 b)
43. 13. παλαιστῆς κόλπωμα βάθους ἐπὶ πῆχυν [A al.] (1 b)
[Aq. Ez. 43. 13 (P.).]
[Th. Ex. 37 (38). 12: Ez. 43. 13 (P.).]

παλαιστιαῖος.
[Sm. Jd. 3. 16.]

παλαίστρα.
II Ma. 4. 14. τῆς ἐν παλαίστρᾳ παρανόμου χορηγίας

παλαίστωμα.
[Aq. III Ki. 7. 9 (46).]

παλαίωμα. (1) שַׁחַק
Jb. 36. 28. ῥυήσονται παλαιώματα (1)
37. 18. B S στερέωσις [R -σεις, A -ωθεὶς] μετ' αὐτοῦ εἰς παλαιώματα (1)
— 21. τηλαυγές ἐστιν ἐν τοῖς π. (1)
[Th. Jb. 36. 28.]

παλαίωσις.
Na. 1. 15 (2. 1). τοῦ διελθεῖν διὰ σοῦ εἰς παλαίωσιν †
[Sm. Ps. 71 (72). 7: 91 (92). 11.]
[Th. Is. 23. 18.]

παλάμη.
[Sm. Nu. 6. 19: Jb. 11. 13: 36. 32.]

πάλιν. (1) יָסַף hi. c. inf. (2) עוֹד (3) *a.* שׁוּב *b.* שׁוּב וְ (4) ἀπάγειν π. שׁוּב hi. (5) ἀπέρχεσθαι π. שׁוּב (6) βαδίζειν π. שׁוּב (7) ἐξαποστέλλειν π. שׁוּב hi. (8) ἐπέρχεσθαι π. שׁוּב (9) π. ἀποκαταστῆναι שׁוּב (10) π. ἀποστρέφειν שׁוּב hi. (11) π. μεταβάλλειν שׁוּב (12) π. πορεύεσθαι שׁוּב (13) π. προσέρχεσθαι שׁוּב
Ge. 8. 10. π. ἐξαπέστειλε τὴν περιστεράν (1)
— 12. π. ἐξαπέστειλε τὴν περιστεράν –
24. 20. R ἀντλῆσαι π. [A ὕδωρ] –
26. 18. π. Ἰσαὰκ ὤρυξε τὰ φρέατα (3 b)
29. 33. συνέλαβε π. Λεία (2)
30. 31. π. ποιμανῶ τὰ πρόβατά σου (3 a)
41. 22. εἶδον π. ἐν τῷ ὕπνῳ μου –
42. 24. π. προσῆλθε πρὸς αὐτούς (13)
43. 2. π. πορευθέντες (12)
44. 25. βαδίσατε π. (6)
Ex. 3. 15. εἶπεν ὁ θ. πάλιν πρὸς Μ. (2)
4. 6. εἶπε δὲ αὐτῷ κύριος π. (2)
— 7. καὶ εἶπε π. –
— 7. καὶ π. ἀπεκατέστη (9)
Le. 14. 43. ἐὰν δὲ ἐπέλθῃ π. ἡ ἀφή (8)
Nu. 35. 32. τοῦ π. κατοικεῖν ἐπὶ τῆς γῆς (3 a)
De. 30. 3. καὶ π. συνάξει σε (3 b)
Jo. 6. 13 (14). καὶ ἀπῆλθε π. (5)
Jd. 2. 19. π. διέφθειραν ὑπὲρ τοὺς πατέρας αὐ. (3 b)
19. 3. A ἀπαγαγεῖν αὐτὴν π. πρὸς αὐτόν (4)
— 7. A καὶ πάλιν ηὐλίσθη ἐκεῖ [B al.] (3 b)

Jd. 20. 39. π. πτώσει πίπτουσιν [A *al.*] †
II Ch. 19. 4. καὶ π. ἐξῆλθεν (3 *b*)
I Es. 4. 6. π. ὅταν σπείρωσι
— 34. π. ἀποτρέχει εἰς τὸν ἑαυ. τόπον
6. 18. π. ἐξήνεγκεν αὐτὰ Κῦρος
8. 53. π. ἐδεήθημεν τοῦ κ. ἡμῶν
— 87. π. ἀνεκάμψαμεν
Ne. 9. 28. π. ἀνεβόησαν πρὸς σέ (3 *b*)
To. 2. 8. π. θάπτει τοὺς νεκρούς
3. 10. S πάλιν ἐλογίσατο
13. 5. π. [S πάντας ὑμᾶς] ἐλεήσει
— 9. A B π. ἐλεήσει τοὺς υἱοὺς τῶν δικαίων
— 10. ἵνα π. ἡ σκηνὴ αὐ. οἰκοδομηθῇ [S *al.*]
14. 5. π. ἐλεήσει αὐτοὺς ὁ θεός
— 5. S π. [A B *om.*] οἰκοδομήσουσι τὸν οἶκον
Es. 4. 15. A ἐξαποστεῖλαι π. τὸν ἥκοντα [B S *al.*] (7)
Jb. 5. 18. ἀλγεῖν ποιεῖ καὶ π. ἀποκαθίστησιν –
6. 29. καὶ π. τῷ δικαίῳ συνέρχεσθε (3 *a* + 2)
7. 4. ὡς δ' ἂν ἀναστῶ π. –
10. 9. εἰς δὲ γῆν με π. ἀποστρέφεις (10)
— 16. π. γὰρ μεταβαλὼν δεινῶς με ὀλέκεις (11)
14. 7. A ἐὰν γὰρ ἐκκοπῇ π. [B S[1] ἔτι, S[2] π. ἔτι] ἀνθήσει (2)
— 14. ὑπομενῶ ἕως [A S ἕως ἂν] π. γένωμαι †
32. 18. π. λαλήσω πλήρης γάρ εἰμι ῥημάτων –
33. 19. π. δὲ ἤλεγξεν αὐτόν –
42. 17. γέγραπται δὲ αὐτὸν π. ἀναστήσεσθαι –
Ps. 70 (71). 20. ἐκ τῶν ἀβύσσων τῆς γῆς π. ἀνήγαγές με (3 *a*)
— 21. B ἐκ τῶν ἀβύσσων [R ἀ. τῆς γῆς] π. ἀνήγαγές με –
Wi. 10. 4. κατακλυζομένην γῆν π. διέσωσε σοφία
13. 8. π. δὲ οὐδ' αὐτοὶ συγγωστοί
14. 1. πλοῦν τις π. στελλόμενος
16. 23. τοῦτο π. δ' [A δὲ π.] ἵνα τραφῶσι δίκαιοι
19. 6. ὅλη γὰρ ἡ κτίσις . . . π. ἄνωθεν διετυποῦτο
Si. 4. 18. π. ἐπανήξει κατ' εὐθείαν πρὸς αὐτόν
17. 1. π. ἀπέστρεψεν αὐτὸν εἰς αὐτήν
29. 2. καὶ π. ἀπόδος τῷ πλησίον εἰς τὸν καιρόν
31 (34). 25. βαπτιζόμενος ἀπὸ νεκροῦ καὶ π. ἀπτόμενος αὐτοῦ
— 26. π. πορευόμενος καὶ τὰ αὐτὰ ποιῶν
36 (33). 1. ἐν πειρασμῷ καὶ π. ἐξελεῖται
Is. 6. 13. π. ἔσται εἰς προνομὴν ὡς τερέβινθος (3 *b*)
7. 4. π. ἰάσομαι –
8. 9. ἐὰν γὰρ π. ἰσχύσητε [S[1] *om.* π. ἰσχ.] π. ἡττηθήσεσθε –, –
23. 17. π. ἀποκαταστήσεται [S -σταθήσ.] εἰς τὸ ἀρχαῖον (9)
25. 8. π. ἀφεῖλε κύριος ὁ θεὸς πᾶν δάκρυον –
28. 25. π. σπείρει [A *om.*] πυρὸν καὶ κριθήν –
30. 18. π. μενεῖ ὁ θεὸς τοῦ οἰκτειρῆσαι ὑμᾶς –
Je. 18. 4. π. αὐτὸς [A *om.*] ἐποίησεν αὐτὸ ἀγγεῖον ἕτερον (3 *b*)
43 (36). 15. π. ἀνάγνωθι εἰς τὰ ὦτα ἡμῶν †
— 28. π. λάβε σὺ [A σεαυτῷ] χαρτίον ἕτερον (3 *a*)
Da. LXX. 8. 27. ἐπραγματευόμην π. [*cod.*[1] *add.* πάλιν] βασιλικά –, –
9. 27. καὶ π. ἐπιστρέψει –
Da. TH. 2. 10. A ἀπεκρίθησαν π. [B *om.*] οἱ Χαλδ. –
I Ma. 4. 35. R ἐλογίζετο π. παραγενέσθαι [A S *al.*]
II Ma. 3. 33. οἱ αὐτοὶ νεανίαι π. ἐφάνησαν
5. 7. φυγὰς π. εἰς τὴν Ἀμμ. ἀπῆλθε
— 20. π. . . . μετὰ πάσης δόξης ἐπανωρθώθη
7. 11. ταῦτα π. ἐλπίζω κομίσασθαι
— 14. π. ἀναστήσεσθαι ὑπ' αὐτοῦ
— 23. τὴν ζωὴν ὑμῖν π. ἀποδώσει
— 33. π. καταλλαγήσεται τοῖς ἑαυτοῦ δούλοις
12. 7. ἀνέλυσεν ὡς π. ἥξων
14. 46. ταῦτα αὐτῷ π. ἀποδοῦναι
15. 39. ὡσαύτως δὲ καὶ ὕδωρ π. πολέμιον
III Ma. 5. 13. καὶ π. ἡξίουν τὸν εὐκατάλλακτον
— 25. π. αὐτοῖς βοηθῆσαι συντόμως
— 36. R συστησάμενος π. [A πᾶν] τὸ συμπόσιον
— 40. καὶ π. ἐπὶ τῶν πραγμάτων . . . ἀναλύων
IV Ma. 18. 20. A S ἐπὶ . . . π. [R πάσας] τὰς βασάνους αὐ.
[Aq., Th. Is. 8. 9.]
[Sm. Ge. 4. 2 : III Ki. 7. 20 (9) : Ps. 117 (118). 11 : Ec. 4. 7 : 12. 2 : Is. 6. 13 : 8. 9 : Je. 31 (38). 4 *bis*, 20 : Ez. 8. 6 : Jn. 2. 5.]

παλινδρομεῖν.
[Sm. Is. 38. 8.]

παλλακή. (1) פִּלֶגֶשׁ, פִּלְגֶשׁ (2) שֵׁגָל
Ge. 22. 24. ἡ π. αὐτοῦ ᾗ ὄνομα Ῥ. (1)
25. 6. τοῖς υἱοῖς τῶν π. αὐτοῦ (1)
35. 21 (22). μετὰ Β. τῆς π. τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (1)
36. 12. Θαμνὰ δὲ ἦν π. Ἐλιφάς (1)
46. 20. οὓς ἔτεκεν αὐτῷ ἡ π. ἡ Σ. –
Jd. 8. 31. παλλακὴ αὐτοῦ ἦν ἐν Σ. [A *al.*] (1)
19. 1. ἔλαβεν αὐτῷ γυναῖκα π. (1)
— 2. ἐπορεύθη ἀπ' αὐτοῦ ἡ π. αὐτοῦ [A *al.*] (1)
— 9. αὐτὸς καὶ ἡ π. αὐτοῦ (1)
— 10. καὶ ἡ π. αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (1)
— 24. καὶ ἡ π. αὐτοῦ (1)
— 25. ἐπελάβετο ὁ ἀνὴρ τῆς π. αὐ. (1)
— 27. ἡ γυνὴ αὐτοῦ ἡ π. (1)
— 29. ἐκράτησε τὴν π. [A ἐπελάβετο τῆς π.] αὐ. (1)
20. 4. ἐγὼ καὶ ἡ π. [A γυνή] μου (1)
— 5. τὴν π. μου ἐταπείνωσαν (1)
— 6. ἐκράτησα τὴν π. [A ἐπελαβόμην τῆς π.] μου (1)
II Ki. 3. 7. A[2] B καὶ τῷ Σ. παλλακή (1)
— 7. τί ὅτι εἰσῆλθες πρὸς τὴν π. τοῦ πατρός μου (1)
5. 13. ἔλαβε Δ. ἔτι . . . παλλακάς (1)
15. 16. ἀφῆκεν . . . δέκα γυναῖκας τῶν π. αὐ. (1)
16. 21. εἴσελθε πρὸς τὰς π. (1)
— 22. εἰσῆλθεν Ἀβ. πρὸς τὰς π. [A *om.* πρ. τ. π.] (1)
19. 5 (6). καὶ τὴν ψυχὴν . . . τῶν π. σου (1)
20. 3. ἔλαβεν . . . τὰς π. [A -κίδας] αὐτοῦ (1)
21. 11. Ῥεσφὰ θυγάτηρ Ἀ. παλλακὴ Σ. (1)
III Ki. 11. 3. καὶ π. τριακόσιαι (1)
I Ch. 1. 32. υἱοὶ Χεττούρας π. Ἀβραάμ (1)
— 36. A Θ. δὲ ἡ π. Ἐλ. ἔτεκεν αὐτῇ τὸν Ἀμ. [B *al.*] –
2. 46. καὶ Γ. ἡ π. Χ. ἐγέννησε τὸν Ἀ. (1)
— 48. ἡ π. Χ. Μωχὰ ἐγέννησε τὸν Σ. (1)
3. 9. πλὴν τῶν υἱῶν τῶν π. (1)
7. 14. ὃν ἔτεκεν ἡ π. αὐτοῦ ἡ Σύρα (1)
II Ch. 11. 21. ἠγάπησε . . . ὑπὲρ . . . τὰς π. αὐτοῦ (1)
— 21. εἶχε . . . παλλακὰς ἑξήκοντα (1)
I Es. 4. 29. καὶ Ἀπάμην . . . τὴν π. τοῦ βασ.
Ne. 2. 6. ἡ π. ἡ καθημ. ἐχόμενα αὐτοῦ (2)
Ca. 6. 7 (8). ὀγδοήκοντα παλλακαί (1)
— 8 (9). βασίλισσαι καί γε [A *om.*] παλλακαί (1)
Da. TH. 5. 2. πιέτωσαν . . . αἱ π. αὐ. (2)
— 3. ἔπινον ἐν αὐτοῖς . . . αἱ π. αὐ. (2)
— 23. αἱ π. σου καὶ αἱ παράκοιτοί σου (2)
II Ma. 4. 30. διὰ τὸ Ἀντιοχίδι τῇ π. τοῦ βασ. . . . δεδόσθαι
[Sm., Quint. Ps. 44 (45). 10.]
[Al. Ge. 37. 2.]

παλλακίς. (1) פִּלֶגֶשׁ
II Ki. 20. 3. A ἔλαβεν . . . τὰς π. [B -κὰς] αὐτοῦ (1)
Jb. 19. 17. προσεκαλούμην δὲ κολακεύων υἱοὺς παλλακίδων μου †

πάλλεσθαι.
II Es. 9. 3, 5. καὶ ἐπαλλόμην –

παμβασιλεύς.
Si. 50. 15. ἐξέχεεν . . . ὀσμὴν εὐωδίας ὑψίστῳ παμβασιλεῖ

παμβότανον. (1) עֵשֶׂב
Jb. 5. 25. τὰ δὲ τέκνα σου ἔσται ὥσπερ τὸ π. τοῦ ἀγροῦ (1)

παμμεγέθης.
[Sm. Ps. 67 (68). 31.]

παμμελής.
III Ma. 7. 16. ἐν αἴνοις καὶ π. ὕμνοις

παμμιαρός.
IV Ma. 10. 17. ὁ αἱμοβόρος . . . καὶ παμμιαρώτατος Ἀντίοχος

παμμιγής.
II Ma. 3. 21. τὴν τοῦ πλήθους παμμιγῆ πρόπτωσιν
12. 13. ἐπί τινα πόλιν . . . παμμιγέσιν ἔθνεσι κατοικουμένην

πάμμικτος.
[Aq. Ps. 77 (78). 45 : 104 (105). 31.]

παμπληθής.
II Ma. 10. 24. συναγαγὼν ξένας δυνάμεις π.
[Sm. Ps. 34 (35). 18 : 138 (139). 17.]

παμπληθύειν.
[Aq. Jb. 36. 31.]

παμποίκιλος.
IV Ma. 15. 11. S R αἱ π. βάσανοι [A *om.*] ἴσχυσαν

πάμπολυς.
[Sm. Jb. 36. 31 : Ps. 39 (40). 6 : 88 (89). 51.]

παμπόνηρος.
II Ma. 14. 27. ταῖς τοῦ π. ἐρεθισθεὶς διαβολαῖς

πάμφυλος.
II Ma. 8. 9. ὑποτάξας παμφύλων ἔθνη
12. 27. R ἐν ᾗ κατῴκει Δ. καὶ π. πλήθη [A *al.*]
IV Ma. 4. 11. ἐπὶ τὸν π. τοῦ ἱεροῦ περίβολον

παναά.
IV Ki. 20. 12. A ἀπέστειλε . . . π. [B *al.*] †

πανάγιος.
IV Ma. 7. 4. ὡς ὁ π. ἐκεῖνος
14. 7. ὦ παναγία συμφώνων ἀδελφῶν ἑβδομάς

πάνδεινος.
IV Ma. 3. 15. ἐλογίσατο πάνδεινον εἶναι κίνδυνον
4. 7. πάνδεινον εἶναι νομίσαντες

πανδημεί, πανδημί. (1) כָּלִיל
De. 13. 16 (17). καὶ πάντα τὰ σκῦλα αὐ. π. (1)

πάνδημος.
II Ma. 3. 18. ἐξεπήδων ἐπὶ π. ἱκετείαν
[Sm. I Ki. 20. 29.]

πανεθνί.
Wi. 19. 8. π. [A B[2] S[1] πᾶν ἔθνος] διῆλθον οἱ τῇ σῇ σκεπαζόμενοι χειρί

πανεπίσκοπος.
Wi. 7. 23. ἔστι γὰρ ἐν [A *om.*] αὐτῇ πνεῦμα . . . πανεπίσκοπον [A S[2] παντεπ.]

πανεπόπτης.
II Ma. 9. 5. R ὁ δὲ π. [A παντεπ.] κύριος

πανέρημος.
[Heb. Je. 2. 24.]

πανέχινος (?).
Jb. 15. 26. A ἔδραμε δὲ . . . ἐν πανεχίνῳ τῆς [B S πάχει νώτου] ἀσπίδος αὐτοῦ †

πανηγυρίζειν. (1) גִּיל
Is. 66. 10. πανηγυρίσατε ἐν αὐτῇ πάντες οἱ ἀγαπῶντες αὐτήν [A S[2] *al.*] (1)
[Sm. Le. 23. 41 : Ps. 41 (42). 5.]

πανηγύριος (?).
Na. 3. 10. S[1] καὶ πανηγύρια [A B S[2] *om.*] τὰ νήπια αὐ. ἐδαφιοῦσιν –

πανήγυρις. (1) מוֹעֵד (2) עֲצָרָה
Ho. 2. 11 (13). ἀποστρέψω . . . πάσας τὰς π. αὐ. (1)
9. 5. ἐν ἡμέραις [A -α] πανηγύρεως (1)
Am. 5. 21. οὐ μὴ ὀσφρανθῶ θυσίας ἐν ταῖς π. ὑμῶν (2)
Ez. 46. 11. ἐν ταῖς ἑορταῖς καὶ ἐν ταῖς π. (1)
[Sm. Le. 23. 41 : I Ki. 30. 16 : Ps. 117 (118). 27.]

πανηγυρισμός.
Wi. 15. 12. ἐλογίσαντο . . . τὸν βίον πανηγυρισμὸν ἐπικερδῆ

πανθήρ. (1) שַׁחַל
Ho. 5. 14. ἐγὼ εἰμι ὡς πανθὴρ τῷ Ἐφρ. (1)
13. 7. ἔσομαι αὐτοῖς ὡς πανθήρ (1)

πανόδυρτος (-δυρκτος).
III Ma. 4. 2. καὶ π. μετὰ δακρύων βοή
6. 32. καταλήξαντες δὲ θρήνου πανόδυρτον μέλος

πανοικί. (1) בַּיִת
Ex. 1. 1. ἕκαστος π. [A -κίᾳ] αὐτῶν εἰσήλθοσαν (1)
III Ma. 3. 27. R ἀποτυμπανισθήσεται π. [A -κίᾳ]

πανοικία, πανοικεία. (1) בַּיִת (2) טַף
Ge. 50. 8. πᾶσα ἡ π. Ἰωσήφ (1)
— 22. πᾶσα ἡ π. τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (1)

Ex. 1. 1. A ἕκαστος πανοικίᾳ [B -κὶ] αὐτῶν εἰσήλθοσαν (1)
Jd. 18. 21. A ἔθηκαν τὴν π. [B τὰ τέκνα] (2)
Es. 8. 13. ἐσταυρῶσθαι σὺν τῇ π.
III Ma. 3. 27. A ἀποτυμπανισθήσεται πανοικίᾳ [R -κί] [Th. Jd. 18. 21.]

πανοπλία. (1) חֲלִיצָה

II Ki. 2. 21. λάβε σεαυτῷ τὴν π. αὐτοῦ (1)
Ju. 14. 3. ἀναλαβόντες οὗτοι τὰς π. αὐτῶν
Jb. 39. 20. περιέθηκας δὲ αὐτῷ πανοπλίαν †
Wi. 5. 17. λήψεται πανοπλίαν τὸν ζῆλον αὐ.
Si. 46. 6. ἵνα γνῶσιν ἔθνη πανοπλίαν αὐτῶν [A S² -οῦ]
I Ma. 13. 29. A R ἐποίησεν ἐπὶ τοῖς στύλοις πανοπλίας [S -αν] . . . καὶ παρὰ ταῖς π. πλοῖα
II Ma. 3. 25. ἐφαίνετο χρυσῆν π. ἔχων
10. 30. τὸν M. . . . σκεπάζοντες ταῖς ἑαυ. π.
11. 8. πανοπλίαν χρυσῆν κραδαίνων
15. 28. ἐπέγνωσαν προπεπτωκότα Νικ. σὺν τῇ π.
IV Ma. 3. 12. A R τὰς π. [S παντευχίας] καθωπλίσαντο
[Aq. II Ki. 8. 7: Ps. 90 (91). 4.]
[Sm. IV Ki. 11. 10: Ps. 90 (91). 4.]

πανουργεῖν.

[Al. Nu. 5. 12.]

πανουργεύειν. (1) עָרַם *a.* qal. *b.* hi.

I Ki. 23. 22. μή ποτε πανουργεύσηται (1 *a*+1 *b*)

πανούργευμα.

Ju. 11. 8. ἠκούσαμεν γὰρ . . . τὰ [A B² -γήμ.] τῆς ψυχῆς σου
Si. 1. 6. τὰ π. [A S -γήματα] αὐτῆς τίς ἔγνω
42. 18. ἐν πανουργεύμασιν [A S¹ -γήμασιν] αὐτῶν διενοήθη

πανούργημα.

Ju. 11. 8. A B² ἠκούσαμεν γὰρ . . . τὰ π. [B¹ S R -γεύμ.] τῆς ψυχῆς σου
Si. 1. 6. A S τὰ π. [B -γεύματα] αὐτῆς τίς ἔγνω
42. 18. A S¹ ἐν πανουργήμασιν [B S² -γεύμασιν] αὐτῶν διενοήθη
[Al. Nu. 5. 12.]

πανουργία. (1) עָרְמָה

Nu. 24. 22. νοσσιὰ πανουργίας †
Jo. 9. 4. καὶ ἐποίησαν καί γε αὐτοὶ μετὰ πανουργίας (1)
Pr. 1. 4. ἵνα δῷ ἀκάκοις πανουργίαν (1)
8. 5. νοήσατε ἄκακοι πανουργίαν (1)
Si. 19. 25. ἔστι πανουργία ἀκριβὴς καὶ αὕτη ἄδικος
21. 12. ἔστι πανουργία πληθύνουσα πικρίαν [A² παιδείαν]
31 (34). 10. ὁ δὲ πεπλανημένος πληθυνεῖ πανουργίαν
[Sm. Pr. 8. 12.]

πανοῦργος. (1) חָכָם (2) *a.* עָרוּם *b.* πανουργότερος עָרַם hi. (3) πανουργότερος γίνεσθαι *a.* חָכַם *b.* עָרַם hi. (4) πανουργότερος εἶναι עָרַם hi. (5) בִּין hi. (6) יָדַע

Jb. 5. 12. διαλλάσσοντα βουλὰς πανούργων (2 *a*)
Pr. 12. 16. κρύπτει δὲ τὴν ἑαυτοῦ ἀτιμίαν πανοῦργος [S² ὁ π.] (2 *a*)
13. 1. υἱὸς πανοῦργος ὑπήκοος πατρί [S¹ μητρί] (1)
— 16. πᾶς πανοῦργος πράσσει μετὰ γνώσεως (2 *a*)
14. 8. σοφία πανούργων ἐπιγνώσεται τὰς ὁδοὺς αὐτῶν (2 *a*)
— 15. πανοῦργος δὲ ἔρχεται εἰς μετάνοιαν (2 *a*)
— 18. οἱ δὲ π. κρατήσουσιν αἰσθήσεως (2 *a*)
— 24. στέφανος σοφῶν πανοῦργος †
15. 5. ὁ δὲ φυλάσσων ἐντολὰς πανουργότερος (2 *b*)
19. 25. λοιμοῦ μαστιγουμένου ἄφρων πανουργότερος γίνεται [A ἔσται] (3 *b* [4])
21. 11. ζημιουμένου ἀκολάστου πανουργότερος γίνεται ὁ ἄκακος (3 *a*)
22. 3. πανοῦργος ἰδὼν πονηρὸν τιμωρούμενον κραταιῶς (2 *a*)
27. 12. πανοῦργος κακῶν ἐπερχομένων ἀπεκρύβη (2 *a*)
28. 2. ἀνὴρ δὲ πανοῦργος κατασβέσει αὐτάς (5+6)
Si. 6. 32. ἐὰν δῷς [A S ἐπιδ.] τὴν ψυχήν σου πανοῦργος ἔσῃ
21. 12. οὐ παιδευθήσεται ὃς οὐκ ἔστι πανοῦργος
— 20. ἀνὴρ δὲ πανοῦργος μόλις ἡσυχῇ μειδιάσει
Si. 22. 27. τίς δώσει μοι [A S *om.*] . . . ἐπὶ τῶν χειλέων μου σφραγῖδα πανοῦργον [A S -ων]
37. 19. ἔστιν ἀνὴρ πανοῦργος καὶ [A S *om.*] πολλῶν παιδευτής
[Aq., Sm. Ge. 3. 2 (1): Jb. 15. 5.]
[Th. Ge. 3. 2 (1).]
[Al. Pr. 12. 23.]

πανούργως.

[Sm. Ps. 82 (83). 4.]

πανσέληνος.

[Aq. Ps. 80 (81). 4: Pr. 7. 20.]

πάνσοφος.

IV Ma. 1. 12. δόξαν διδοὺς τῷ π. θεῷ
2. 19. ὁ π. ἡμῶν πατὴρ Ἰ.
13. 19. ἡ θεία καὶ π. πρόνοια

πανσπερμία.

[Sm. Ps. 64 (65). 10.]

πανταχῇ. (1) בַּחוּצוֹת

Wi. 2. 9. π. καταλίπωμεν σύμβολα τῆς εὐφροσύνης
Is. 24. 11. ὀλολύζετε περὶ τοῦ οἴνου π. (1)
II Ma. 8. 7. λαλιά τις . . . διεχεῖτο π.

πανταχόθεν.

IV Ma. 13. 1. συνομολογεῖται π.
15. 32. π. ἐν τῷ . . . περιαντλουμένη κατακλυσμῷ

πανταχοῦ. (1) כֹּלָּם

Is. 42. 22. ἡ γὰρ παγὶς ἐν τοῖς ταμείοις π.

παντελής.

III Ma. 7. 16. R παντελῆ σωτηρίας ἀπόλαυσιν εἰληφότες [A *al.*]
[Aq. Jb. 30. 2.]

παντελῶς.

II Ma. 3. 12. π. ἀμήχανον εἶναι
— 31. τῷ π. ἐν ἐσχάτῃ πνοῇ κειμένῳ
7. 40. π. ἐπὶ τῷ κυρίῳ πεποιθώς
11. 1. μετ' ὀλίγον δὲ π. χρόνον
14. 46. π. ἔξαιμος ἤδη γενόμενος
[Al. Jd. 3. 2.]

παντεπίσκοπος.

Wi. 7. 23. A S² ἔστι γὰρ ἐν [A *om.*] αὐτῇ πνεῦμα . . . παντεπίσκοπον [B S¹ πανεπ.]

παντεπόπτης.

II Ma. 9. 5. A ὁ δὲ π. [R πανεπ.] κύριος

παντευχία.

IV Ma. 3. 12. S τὰς π. [A R πανοπλίας] καθωπλίσαντο

πάντῃ.

Si. 50. 22. εὐλογήσατε τῷ θεῷ πάντες τῷ μεγαλοποιοῦντι π.
III Ma. 4. 1. π. δὲ ὅπου προσέπιπτε τοῦτο τὸ πρόσταγμα

παντοδαπίον.

[Aq. Ps. 49 (50). 11.]

παντοδαπός. (1) π. δένδρα צֵאֵלִים

Jb. 40. 16 (21). ὑπὸ παντοδαπὰ δένδρα κοιμᾶται (1)
[Aq. Ps. 49 (50). 11: 79 (80). 14.]

παντοδύναμος.

Wi. 7. 23. ἔστι γὰρ ἐν [A *om.*] αὐτῇ πνεῦμα . . . παντοδύναμον
11. 17. οὐ γὰρ ἠπόρει ἡ π. σου χείρ
18. 15. ὁ π. σου λόγος ἀπ' οὐρανῶν . . . ἥλατο

πάντοθεν. (1) כֻּלָּה

II Ki. 24. 14. στενά μοι π. σφόδρα ἐστίν –
Si. 51. 7. περιέσχον με π. καὶ οὐκ ἦν ὁ βοηθῶν
Je. 20. 9. παρεῖμαι π. †
31 (48). 31. ἐπὶ Μωὰβ ὀλολύζετε π. (1)
Da. TH. Su. 22. στενά μοι π.
II Ma. 13. 5. ὄργανον . . . π. ἀπόκρημνον εἰς τὴν σποδόν
III Ma. 3. 25. ἐνδέσμοις σιδηροῖς π. κατακεκλεισμένους
4. 2. στεναγμοῖς πεπυρωμένης τῆς αὐτῶν π. καρδίας
III Ma. 4. 10. π. ἐσκοτισμένοι τοὺς ὀφθαλμούς
5. 6. διὰ τὴν π. περιέχουσαν αὐτοὺς . . . ἀνάγκην
IV Ma. 9. 20. ἐμολύνετο δὲ π. αἵματι ὁ τροχός

παντοῖος.

Da. LXX. 2. 6. λήψεσθε δόματα π. †
II Ma. 5. 3. καὶ π. θωρακισμούς
III Ma. 5. 22. ὡς εἰς τὸ παντοίους μηχανᾶσθαι . . . ἐμπαιγμούς
7. 16. παντοίοις εὐωδεστάτοις ἄνθεσι κατεστεμμένοι
IV Ma. 1. 34. S R ἐπιθυμοῦντες . . . π. βρωμάτων [A *al.*]
[Sm. II Ki. 6. 5.]
[Th. Ez. 23. 6, 12.]

παντοκρατεῖν. (1) צְבָאוֹת

Za. 8. 2, 6. S¹ τάδε λέγει κύριος παντοκρατῶν [A B S² -ωρ] (1)

παντοκράτωρ. (1) אֱלֹהֵי (2) יְהוָה (3) צְבָאוֹת (4) שַׁדַּי

II Ki. 5. 10. καὶ κύριος π. μετ' αὐτοῦ (3)
7. 8. τάδε λέγει κύριος π. (3)
— 25. B κύριε παντοκράτωρ θεέ –
— 26. A κύριε παντοκράτωρ θεὲ ἐπὶ τὸν Ἰσρ. (3)
— 27. κύριε [A λέγει κύριος] παντοκράτωρ θεὸς Ἰσρ. (3)
III Ki. 19. 10, 14. ἐζήλωκα τῷ κυρίῳ π. (3)
I Ch. 11. 9. καὶ κύριος π. μετ' αὐτοῦ (3)
17. 7. τάδε λέγει κύριος π. (3)
— 24. κύριε παντοκράτωρ θεὸς Ἰσρ. (3)
29. 12. ἐν χειρί σου [A *add.* ἔλεος] παντοκράτωρ –
I Es. 9. 46. εὐλόγησεν Ἔσ. τῷ κυρίῳ . . . παντοκράτορι
Ju. 4. 13. κατὰ πρόσωπον τῶν ἁγίων κυρίου π. [A τοῦ π.]
8. 13. κύριον π. ἐξετάζετε
15. 10. εὐλογημένη γίνου παρὰ τῷ π. κυρίῳ
16. 6. κύριος π. ἠθέτησεν αὐτούς
— 17. κύριος π. ἐκδικήσει αὐτούς
Es. 4. 17. S² βασιλεῦ παντοκράτωρ [A B S¹ πάντων κρατῶν]
Jb. 5. 8. A κύριον δὲ τὸν π. [B S τὸν πάντων δεσπότην] ἐπικαλέσομαι –
— 17. νουθέτημα δὲ παντοκράτορος μὴ ἀπαναίνου (4)
8. 5. σὺ δὲ ὄρθριζε πρὸς κύριον παντοκράτορα δεόμενος (4)
11. 7. ἃ [A ὧν] ἐποίησεν ὁ π. (4)
15. 25. ἔναντι δὲ κυρίου παντοκράτορος ἐτραχηλίασεν (4)
22. 17. τί ἐπάξεται [A -ξει] ἡμῖν ὁ π. (4)
— 25. ἔσται οὖν σου [A S σοι] ὁ π. βοηθός (4)
23. 16. ὁ δὲ π. ἐσπούδασέ με (4)
27. 2. ὁ π. ὁ πικράνας μου τὴν ψυχήν (4)
— 11. ἃ ἐστι παρὰ [A παρὰ τῷ] παντοκράτορι (4)
— 13. ἐλεύσεται [A ἐξελ.] παρὰ παντοκράτορος ἐπ' αὐτούς (4)
32. 8. πνοὴ δὲ παντοκράτορός ἐστιν ἡ διδάσκουσα (4)
33. 4. πνοὴ δὲ παντοκράτορος ἡ διδάσκουσά με (4)
34. 10. ἔναντι παντοκράτορος ταράξει τὸ δίκαιον (4)
— 12. ἢ ὁ π. ταράξει κρίσιν [A τὸ δίκαιον] (4)
35. 13. αὐτὸς γὰρ ὁ π. (4)
37. 22 (23). μεγάλη ἡ δόξα καὶ τιμὴ παντοκράτορος [A τοῦ π., S⁴ παρὰ π.] (4)
Wi. 7. 25. ἀπόρροια τῆς τοῦ π. δόξης εἰλικρινής
Si. 42. 17. ἃ ἐστερέωσε κύριος ὁ π.
50. 14. κοσμῆσαι προσφορὰν ὑψίστου παντοκράτορος
— 17. προσκυνῆσαι . . . παντοκράτορι θεῷ τῷ ὑψίστῳ
Ho. 12. 5 (6). ὁ δὲ κ. ὁ θεὸς ὁ π. ἔσται μνημόσυνον αὐ. (3)
Am. 3. 13. λέγει κ. ὁ θεὸς ὁ π. (3)
4. 13. κ. ὁ θεὸς ὁ π. ὄνομα αὐτῷ (3)
5. 8. A κ. ὁ θεὸς ὁ π. ὄνομα αὐτῷ [B *al.*] –
— 14. ἔσται οὕτως μεθ' ὑμῶν κ. ὁ θεὸς ὁ π. (3)
— 15. ὅπως ἐλεήσῃ κ. ὁ θεὸς ὁ π. τοὺς περιλοίπους (3)
— 16. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς ὁ π. (3)
— 27. ὁ θεὸς ὁ π. ὄνομα αὐτῷ (3)
9. 5. κύριος κ. ὁ θεὸς ὁ π. (3)
— 6. κύριος [A *add.* ὁ θεὸς ὁ] π. ὄνομα αὐτῷ –
— 15. λέγει κ. ὁ θεὸς ὁ π. –
Mi. 4. 4. τὸ στόμα κυρίου π. ἐλάλησε ταῦτα (3)
Na. 2. 13 (14). λέγει κύριος [A *add.* ὁ] π. (3)

Na. 3. 5. λέγει κύριος ὁ θεὸς ὁ [S² om.] π. (3)
Hb. 2. 13. οὐ ταῦτά ἐστι παρὰ κυρίου π. (3)
Ze. 2. 10. ἐμεγαλύνθησαν ἐπὶ τὸν κ. τὸν π. (3)
Hg. 1. 2, 5. τάδε λέγει κύριος π. (3)
— 6 (A). τάδε λέγει κύριος π. –
— 7, 9. τάδε λέγει κύριος π. (3)
— 14. ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου π. θεοῦ αὐτῶν (3)
2. 5 (4). λέγει κύριος ὁ [A S³ om.] π. (3)
— 7 (6). τάδε λέγει κύριος π. [S¹ ὁ π.] (3)
— 8 (7), 9 (8), 10 (9) *bis*. λέγει κύριος π. (3)
— 12 (11). τάδε λέγει κύριος π. (3)
— 24 (23) *bis*. λέγει κύριος π. (3)
Za. 1. 3. τάδε λέγει κύριος π. (3)
— 3. S¹ λέγει κύριος π. [A B S² *al.*] (3)
— 3. A λέγει κύριος π. [B S τῶν δυνάμεων] (3)
— 4. τάδε λέγει κύριος π. (3)
— 6. καθὼς παρατέτακται κύριος π. (3)
— 12. κύριε παντοκράτωρ, ἕως τίνος (3)
— 13. ἀπεκρίθη κύριος π. τῷ ἀγγέλῳ –
— 14. τάδε λέγει κύριος π. (3)
— 16. A τάδε λέγει κύριος π. [B S *om.*] –
— 16. λέγει κύριος π. (3)
— 17 : 2. 8 (12). τάδε λέγει κύριος π. (3)
2. 9 (13). κύριος π. ἀπέσταλκέ με (3)
— 11 (15). κύριος π. ἐξαπέσταλκέ με (3)
3. 8 (7). τάδε λέγει κύριος π. (3)
— 10 (9), 11 (10) : 4. 6. λέγει κύριος π. (3)
4. 9. κύριος π. ἐξαπέσταλκέ με (3)
5. 4. λέγει κύριος π. (3)
6. 12. τάδε λέγει κύριος π. (3)
— 15. κύριος π. ἀπέσταλκέ με (3)
7. 3. τοὺς ἱερεῖς τοὺς ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου π. (3)
— 9. τάδε λέγει κύριος π. (3)
— 12. οὓς ἐξαπέστειλε κύριος π. (3)
— 12. ἐγένετο ὀργὴ μεγάλη παρὰ κυρίου π. (3)
— 13. λέγει κύριος π. (3)
8. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου π. (3)
— 2. τάδε λέγει κύριος π. [S¹ -ῶν] (3)
— 3. S³ τάδε λέγει κύριος π. [A B S¹ *om.*] –
— 3. καὶ τὸ ὄρος κυρίου π. ὄρος ἅγιον (3)
— 4. τάδε λέγει κύριος π. (3)
— 6. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ [S¹ -ῶν] (3)
— 6. λέγει κύριος π. (3)
— 7, 9. τάδε λέγει κύριος π. (3)
— 9. τεθεμελίωται ὁ οἶκος κυρίου π. (3)
— 11. λέγει κύριος π. (3)
— 14. τάδε λέγει κύριος π. (3)
— 14. λέγει κύριος π. (3)
— 17. λέγει κύριος π. –
— 18. ἐγένετο λόγος κυρίου π. πρὸς μέ (3)
— 19. A S² R τάδε [B S¹ *om.*] λέγει κύριος π. (3)
— 20. τάδε λέγει κύριος π. (3)
— 21. ἐκζητῆσαι τὸ πρόσωπον κυρίου π. (3)
— 22. ἐκζητῆσαι τὸ πρόσωπον κυρίου π. [S¹ *om.*] (3)
— 23. τάδε λέγει κύριος π. (3)
9. 14. κύριος π. ἐν σάλπιγγι σαλπιεῖ (2)
— 15. κύριος π. ὑπερασπιεῖ αὐτούς (3)
10. 3. ἐπισκέψεται κ. ὁ θεὸς ὁ π. (3)
— 5. A κύριος π. [B S *om.*] μετ' αὐτῶν –
11. 4. τάδε λέγει κύριος π. (1)
— 6. A λέγει κύριος π. [B S *om.*] –
12. 4. λέγει κύριος π. –
— 5. ἐν κυρίῳ π. θεῷ αὐτῶν (3)
13. 7. λέγει κύριος π. (3)
14. 16, 17. τοῦ προσκυνῆσαι τῷ βασ. κυρίῳ π. (3)
— 20. ἅγιον τῷ κυρίῳ π. [S³ *om.*] –
— 21. ἅγιος τῷ κυρίῳ π. (3)
— 21. ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου π. (3)
Ma. 1. 4. τάδε λέγει κύριος π. (3)
— 6, 8, 9, 10, 11, 13. λέγει κύριος π. (3)
— 13. λέγει κύριος π. –
— 14. λέγει κύριος π. (3)
2. 2. λέγει κύριος π. –
— 4. λέγει κύριος π. (3)
— 7. ἄγγελος κυρίου π. ἐστιν (3)
— 8. λέγει κύριος π. (3)
— 12. ἐκ προσαγόντων θυσίαν τῷ κυρίῳ π. (3)
— 16. A λέγει κύριος ὁ θεὸς ὁ π. θεὸς [B S *om.* ὁ π. θ.] Ἰ. –
— 16 : 3. 1, 5. λέγει κύριος π. (3)
3. 7. λέγει κύριος π. [B¹ ὁ π.] (3)
— 10, 11, 12. λέγει κύριος π. (3)
— 14. πρὸ προσώπου κυρίου π. (3)
— 17 : 4. 1 (3. 19), 3 (3. 21). λέγει κύριος π. (3)
Je. 3. 19. δώσω σοι γῆν ἐκλεκτὴν κληρονομίαν θεοῦ παντοκράτορος ἐθνῶν (3)
Je. 5. 14. τάδε λέγει κύριος π. (3)
15. 16. κύριε π. (3)
23. 16. A B οὕτως λέγει κύριος π. (3)
27 (50). 34. κύριος π. ὄνομα αὐτῷ (3)
28 (51). 5. ἀπὸ κυρίου παντοκράτορος (3)
— 57. κύριος π. ὄνομα αὐτῷ (3)
29 (49). 18. εἶπε κύριος π. –
32 (25). 27. οὕτως εἶπε κύριος π. (3)
37 (30). 3. A S εἶπε κύριος π. [B *om.*] –
38 (31). 35. κύριος π. ὄνομα αὐτῷ (3)
39 (32). 14. οὕτως εἶπε κύριος π. (3)
— 19 (18). ὁ θεὸς ὁ μέγας ὁ π. [S *al.*] (3)
40 (33). 11. ἐξομολογεῖσθε κυρίῳ παντοκράτορι (3)
51 (44). 7. οὕτως εἶπε κύριος π. (3)
Ba. 3. 1, 4. κύριε π. ὁ θεὸς Ἰσραήλ
II Ma. 1. 25. ὁ μόνος δίκαιος καὶ π.
3. 22. R ἐπεκαλοῦντο τὸν π. θεόν [A *al.*]
— 30. R τοῦ π. ἐπιφανέντος κυρίου [A χριστοῦ]
5. 20. ἐν τῇ τοῦ π. ὀργῇ
6. 26. τὰς τοῦ π. χεῖρας οὔτε ζῶν οὔτε ἀποθανὼν ἐκφεύξομαι
7. 35. τὴν τοῦ π. ἐπόπτου θεοῦ κρίσιν ἐκπέφευγας
— 38. τὴν τοῦ π. ὀργήν
8. 11. τὴν παρὰ τοῦ π. μέλλουσαν παρακολουθήσειν . . . δίκην
— 18. ἡμεῖς δὲ ἐπὶ τῷ π. θεῷ . . . πεποίθαμεν
— 24. γενομένου δὲ αὐτοῖς τοῦ π. συμμάχου
15. 8. τὴν παρὰ τοῦ π. ἐσομένην αὐτοῖς νίκην
— 32. ἐπὶ τὸν ἅγιον τοῦ π. οἶκον
III Ma. 2. 2. μόναρχε παντοκράτωρ
— 8. ἤνεσάν σε τὸν π.
5. 7. τὸν π. κύριον . . . ἐπεκαλέσαντο
6. 2. παντοκράτωρ θεέ
— 18. ὁ μεγαλόδοξος καὶ π.
— 28. ἀπολύσατε τοὺς υἱοὺς τοῦ π. ἐπουρανίου θεοῦ ζῶντος
[Th. Je. 5. 22 : 32 (39). 15.]

πάντοτε.
Wi. 11. 21. τὸ γὰρ μεγάλως ἰσχύειν πάρεστί σοι πάντοτε
19. 18. πάντοτε μένοντα ἤχῳ [S² ἐν ᾗ.]
[Sm. Ge. 30. 41.]

παντοτρόφος.
Wi. 16. 25. τῇ π. σου δωρεᾷ ὑπηρετεῖ

παντοφαγία.
IV Ma. 1. 27. κατὰ δὲ τὸ σῶμα παντοφαγία

πάντως.
IV Ki. 5. 11. πρὸς μὲ π. ἐξελεύσεται [B² *al.*] †
To. 14. 8. A B π. ἔσται ἃ ἐλάλησεν
Wi. 10. 12. S¹ π. [A B παντὸς, S² -ων] δυνατωτέρα ἐστὶν εὐσέβεια
II Ma. 3. 13. π. ἔλεγεν . . . ἀναληπτέα ταῦτα εἶναι
III Ma. 1. 15. R οὐχὶ π. [A -ων] εἰσελεύσεσθαι
[Sm. II Ki. 14. 14 : Ez. 30. 9.]

πάνυ.
II Ma. 9. 6. π. δικαίως τὸν . . . ἑτέρων σπλάγχνα βασανίσαντα
12. 43. π. καλῶς καὶ ἀστείως πράττων
13. 7. π. δικαίως
15. 17. τοῖς Ἰούδα λόγοις π. καλοῖς

πανυπέρτατος.
III Ma. 1. 20. εἰς τὸ π. ἱερὸν ἠθροίζοντο

πάππος.
Si. *prol.* 7. ὁ π. μου Ἰησοῦς ἐπὶ πλεῖον ἑαυτὸν δούς
[Sm. Za. 1. 1.]

παπυρεών.
[Aq. Ex. 2. 3, 5.]

παπύρινος.
[Sm. Is. 18. 2.]

πάπυρος. (1) בֹּצֶה (2) גֹּמֶא (3) סוּף
Jb. 8. 11. μὴ θάλλει πάπυρος ἄνευ ὕδατος (2)
40. 16 (21). κοιμᾶται παρὰ πάπυρον καὶ κάλαμον [A κ. κ. π.] (1)
Is. 19. 6. ἐν παντὶ ἕλει καλάμου καὶ παπύρου (3)
[Aq., Sm. Ex. 2. 3.]
[Th. Is. 18. 2.]

παρά. I. *c. gen.* * ὁ παρά.
Ge. 19. 24 : 21. 30 : 23. 6, 13, 20 : 24. 50 : 25. 10, 22 : 31. 39† : 33. 19 : 38. 20 : 41. 32* : 43. 34 : 44. 32 : 49. 25, 30, 32 : 50. 13.
Ex. 3. 22 : 4. 20* : 11. 2, 2† : 12. 35 : 14. 13* : 18. 15 : 22. 12 (11), 14 (13) : 25. 2, 3 : 27. 21 : 29. 28, 28† : 30. 16 : 35. 5, 22 : 36. 3 *bis* : 39. 2 (38. 25).
Le. 7. 24 (34) *bis*, 26 (36) : 9. 24 : 10. 2, 7*, 12† : 16. 5 : 25. 14, 15, 33, 35, 36 : 27. 24.
Nu. 3. 12, 50 : 7. 3 *bis*, 5, 84 : 8. 11 : 11. 1, 3, 31 : 16. 35 : 17. 2 (17) *bis* : 18. 8, 26 *bis*, 28 : 24. 13, 16† : 31. 3, 28, 49*, 51, 52 *bis*, 54 *bis* : 35. 31.
De. 2. 6†, 6 : 3. 4 : 10. 12 : 17. 18 : 18. 3*, 3, 16 : 22. 3 : 23. 15 (16), 21 (22) : 33. 23.
Jo. 21. 16, 17 : 24. 32.
Jd. 1. 14 : 8. 24 : 9. 13* † : 14. 4 : 19. 2† : 20. 5* †.
Ru. 2. 12 : 4. 5.
I Ki. 1. 17, 20, 27 : 2. 13, 15 : 7. 14 : 8. 10 : 9. 24† : 14. 15 : 16. 14 : 17. 30† : 20. 7, 9, 28, 33 : 23. 12† : 24. 7† : 26. 11.
II Ki. 2. 31 : 3. 13, 15 *bis*, 37 : 15. 3, 28 : 21. 12 : 24. 21, 24.
III Ki. 2. 14 (15), 15 (16), 20, 33 : 3. 11 : 4. 12*, 34 (5. 14) : 10. 3† : 12. 15, 24, 24† : 13. 31† : 14. 5†, 9† : 16. 24 : 18. 38 : 20 (21). 3 : 21 (20). 20, 20* †, 34 : 22. 24†.
IV Ki. 3. 11 : 4. 3, 5†, 28 : 5. 15†, 19†, 20 : 6. 33 : 8. 8 : 12. 8 (9) : 20. 9 : 22. 4.
I Ch. 5. 22 : 12. 19 : 13. 2 : 19. 6† : 29. 12.
II Ch. 10. 15 : 11. 4 : 13. 19 : 18. 6, 23†, 23 : 19. 2 : 21. 12 : 22. 7 : 25. 8, 20 : 26. 18 : 30. 6 : 32. 31 : 36. 4.
I Es. 1. 15* : 2. 18, 30 : 4. 46*, 59 *bis* : 5. 55 : 6. 5 : 8. 6, 8, 50, 78.
II Es. 4. 19 : 8. 21, 22, 23.
Ne. 5. 12, 15 : 6. 16 : 10. 31 : 13. 6†.
To. 4. 18†, 19† : 5. 2†, 3†, 19 : 8. 21†.
Ju. 8. 17* : 11. 14 : 12. 15.
Es. 2. 15† : 4. 5 : 7. 7† : 10. 3.
Jb. 1. 12† : 2. 7† : 4. 12 : 6. 22*, 25 : 13. 11† : 14. 5† : 19. 27 : 20. 29 *bis* : 21. 2, 9 : 23. 7† : 25. 2*†, 3 : 27. 13 *bis* : 31. 37 : 34. 9, 33† : 37. 13, 21*, 22†.
Ps. 2. 8 : 7. 10 : 11 (12). 4 : 21 (22). 25 : 23 (24). 5 *bis* : 26 (27). 4 : 36 (37). 23, 39† : 38 (39). 7† : 57 (58). 5 : 61 (62). 1, 5 : 67 (68). 23 : 72 (73). 25 : 83 (84). 5 : 103 (104). 21 : 108 (109). 20† : 117 (118). 23 : 120 (121). 2 : 151. 7*.
Pr. 8. 35 : 14. 12† : 16. 11†, 33 : 18. 22 : 19. 14 : 20. 24 : 21. 31 : 24. 30 (30. 7) : 27. 27 : 29. 26 : 31. 21*.
Ec. 5. 10*, 12* : 7. 13 (12)*† : 8. 8* : 12. 11.
Wi. 6. 3 *bis*.
Si. 1. 1 : 3. 8, 16† : 5. 6† : 7. 4 *bis* : 8. 8, 9 *bis* : 11. 14 : 12. 2 *bis* : 15. 9 : 16. 11†, 17† : 28. 1, 3 : 31 (34). 6† : 37. 21 : 38. 2 *bis*, 8 : 41. 3 : 50. 21*.
Am. 5. 11.
Mi. 1. 12 : 5. 7 : 6. 8.
Ob. 1. 1.
Jn. 3. 7, 7†.
Hb. 2. 13.
Za. 6. 10 *ter* : 7. 12 : 9. 17† : 10. 1.
Is. 2. 1† : 7. 11 : 8. 18 : 13. 6 : 21. 10, 11 : 22. 5 : 26. 19* : 28. 2†, 22, 29 : 29. 6 : 37. 14, 30† : 38. 7 : 46. 13* : 49. 4†, 24, 25 : 51. 4 : 52. 10* : 54. 10* : 57. 16 : 59. 19, 21* : 63. 14.
Je. 11. 1, 20* : 14. 1† : 18. 1 : 20. 12* : 21. 1 : 23. 19, 30† : 27 (50). 15, 28 : 28 (51). 6, 27, 53, 59 : 29 (49). 14 : 33 (26). 1 : 37 (30). 1 : 39 (32). 1 : 41 (34). 1, 8 : 42 (35). 1 : 44 (37). 17† : 47 (40). 1 : 52. 34.
Ba. 4. 9, 22 *bis*, 24*, 25*, 35, 36* : 5. 1*, 2*, 4, 6, 9*.
La. 2. 9.
Ez. 3. 17† : 16. 32 : 24. 25 : 33. 30 : 45. 20 : 48. 22†.
Da. LXX. Su. 33* : 1. 20 : 2. 15, 16, 18 : 4. 20 : 6. 5 (6), 7 (8) *bis*, 12 (13) *bis* : 7. 16 : 9. 23 : 11. 31 : Bel 8*†, 13*.
Da. TH. Su. 33*, 55 : 1. 20 : 2. 6, 18, 23, 49 : 6. 7 (8) *bis*, 12 (13) *bis*, 13 (14) : 7. 16.
I Ma. 2. 15*†, 17* : 4. 13*† : 7. 13, 32*, 41* : 8.

8: 9. 13*†, 44*†, 49, 58*: 10. 87*: 11. 34, 39*, 69*, 73*†: 12. 7, 17*, 27*, 28*†, 29*, 34*, 49*: 13. 52*: 15. 15*, 20: 16. 16*†.
II Ma. 7. 2†, 11: 8. 11*: 11. 16, 17, 20*: 12. 11*: 14. 21: 15. 7, 8*, 16.
III Ma. 1. 1: 5. 35*.
IV Ma. 9. 5: 12. 11: 13. 3†: 18. 23.
[Aq. II Ki. 7. 15: III Ki. 14. 5: 22. 24: Pr. 12. 2: Is. 7. 11: 8. 18: 21. 11: 54. 10: Je. 7. 1: 27 (34). 1: 32 (39). 9: 34 (41). 12: 36 (43). 1: 44 (51). 28 *bis*: Ez. 33. 7: Za. 6. 10 *ter*.]
[Sm. II Ki. 7. 15: IV Ki. 1. 2: Jb. 4. 12: 27. 13: Ps. 20 (21). 7: 30 (31). 12: 41 (42). 9: 73 (74). 22: 85 (86). 16: 117 (118). 23: Pr. 1. 19: 8. 18, 35: Is. 7. 11: 8. 18: 21. 11: 28. 29: 49. 24: Je. 7. 1: 13. 21: 32 (39). 9: 36 (43). 1: Da. 2. 15 (Sw.).]
[Th. Le. 21. 12: II Ki. 7. 15: Jb. 27. 13: Ps. 57 (58). 6: Is. 7. 11: 8. 18: 21. 11: 28. 2: 57. 8: Je. 7. 1: 32 (39). 9: Ez. 33. 7 (Sw.).]
[Al. Ge. 49. 24: Jb. 1. 16: Is. 28. 2.]
[Sext. Ps. 30 (31). 12.]

II. *c. dat.* * ὁ παρά.
Ge. 14. 13†: 18. 14: 23. 11: 24. 23, 25: 27. 15: 29. 25†, 27: 30. 33: 31. 32 *ter*: 34. 16: 39. 2, 15, 16, 18: 40. 3†, 7: 44. 9, 10, 16, 17.
Ex. 2. 21: 16. 18: 22. 25 (24): 31. 13: 33. 12, 16, 21: 35. 23, 24.
Le. 19. 13: 25. 39, 40, 47* *bis*.
Nu. 11. 15: 22. 8, 9.
De. 15. 3, 16: 29. 17 (16): 32. 34.
Jd. 15. 8†: 17. 2, 11, 11†: 18. 3†, 17†.
I Ki. 5. 2: 6. 14†: 9. 23: 22. 3, 23: 23. 19: 24. 7†: 25. 15, 16, 29: 26. 1†.
II Ki. 10. 8: 11. 9: 19. 37 (38): 20. 8: 24. 16.
III Ki. 20 (21). 1: 21 (20). 40: 22. 51†.
IV Ki. 12. 9 (10).
I Ch. 29. 8.
II Ch. 14. 11: 21. 1†: 25. 24.
I Es. 4. 39†: 9. 43†.
Ne. 2. 6†.
To. 4. 4, 14†: 5. 6†, 9†: 6. 10†: 8. 20†: 9. 2†, 5: 10. 9†.
Ju. 11. 9, 17†: 12. 11†: 15. 10.
Es. 2. 20†: 3. 13†, 13.
Jb. 1. 18: 9. 2: 10. 12: 11. 20†: 12. 13, 16, 16†: 14. 5†: 19. 4†: 23. 7†: 25. 2†: 27. 11: 34. 14: 40. 10 (15): 42. 11†.
Ps. 35 (36). 9: 36 (37). 39†: 38 (39). 7†, 12†: 41 (42). 8†: 53 (54). *tit.*: 72 (73). 22: 75 (76). 12: 88 (89). 27: 108 (109). 20†: 129 (130). 4, 7 *bis*.
Pr. 2. 1, 18 *bis*: 3. 7: 7. 1: 8. 3, 30: 9. 18: 12. 2, 22: 14. 6 *bis*, 12†, 22: 15. 8, 11, 28 (16. 7): 16. 2, 5 *bis*, 11†: 17. 3, 15: 18. 16: 21. 3, 15: 26. 5, 12: 28. 11.
Wi. 4. 1 *bis*: 5. 15: 8. 10: 9. 10: 12. 7*.
Si. 5. 6†: 7. 5: 12. 12†: 16. 11†: 18. 17: 32 (35). 12: 50. 12†.
Am. 6. 10.
Is. 21. 12: 38. 12: 49. 4†.
Je. 22. 13: 44 (37). 13.
Ep. Je. 44†.
Ez. 39. 15†.
Da. LXX. 1. 19: 2. 2, 22: Bel 8*†, 17.
Da. TH. Bel 18.
I Ma. 1. 57: 7. 47†: 8. 22: 9. 13*†: 13. 29.
II Ma. 1. 36: 2. 14.
IV Ma. 3. 11*: 9. 8: 11. 7†: 13. 3†.
[Aq. Ec. 9. 13: Is. 45. 14: 54. 17: Je. 52. 8*.]
[Sm. Ex. 33. 13: 35. 23 *bis*: Dt. 32. 34: I Ki. 2. 3: 24. 12: Jb. 9. 35: 14. 5: 24. 25: Ps. 15 (16). 11: 27 (28). 3: 72 (73). 22: 89 (90). 16: 139 (140). 14: Pr. 11. 2: Ec. 1. 11: 6. 1: Is. 54. 17: Je. 38 (45). 5: 52. 8*.]
[Th. Ex. 35. 23: Is. 54. 17.]
[Al. Ps. 135 (136). 6: 138 (139). 12, 18.]

III. *c. acc.* * ὁ παρά.
Ge. 13. 18: 19. 1: 22. 17*: 24. 11: 25. 11: 29. 20†: 36. 37*: 37. 3: 41. 3, 17†: 43. 34: 49. 13.
Ex. 2. 3, 5†: 11. 5*: 12. 22*, 22: 13. 20: 14. 9, 11, 30: 15. 27†: 18. 11: 28. 30 (34): 29. 10, 11†, 12, 32: 33. 8, 12, 16, 17: 36. 5†: 38. 26 (8): 40. 6, 29.
Le. 1. 16: 3. 2, 8, 13: 4. 4, 7 *bis*, 14, 25, 30, 34: 10. 12†: 16. 7: 17. 6: 19. 21.
Nu. 2. 18†: 3. 23†, 46: 6. 13, 18: 10. 6†: 12. 3: 13. 30, 30†: 14. 16: 16. 18†, 19†, 27: 20. 19 *bis*: 22. 1, 9†: 24. 6: 25. 6: 33. 9, 49, 50†: 34. 7: 35. 1.
De. 2. 8, 36: 3. 12†: 7. 6, 7 *bis*, 8, 14: 9. 28 *bis*: 10. 15: 16. 21: 23. 4 (5): 31. 14, 14†, 15† *bis*.
Jo. 5. 1*: 7. 7: 11. 4*†: 12. 7†: 18. 14†: 19. 51: 22. 7.
Jd. 5. 17†: 9. 44: 11. 26*: 18. 16: 19. 26, 27.
I Ki. 2. 22†: 4. 13: 6. 14†: 9. 24†: 13. 5*†: 18. 30†: 20. 19, 25.
II Ki. 6. 7: 10. 3.
III Ki. 1. 9†: 3. 1 (4. 29)*: 4. 29 (5. 9)*: 10. 19†: 13. 24, 24†, 28, 31.
IV Ki. 1. 3, 6, 16†: 4. 15: 7. 3: 10. 8: 23. 8*.
I Ch. 1. 48*: 19. 9: 24. 4.
II Ch. 2. 5 (4): 9. 18: 11. 23: 29. 34: 30. 18.
I Es. 1. 24: 2. 28: 4. 35, 39†.
Ne. 3. 8†: 7. 2.
To. 2. 9: 3. 17†: 5. 6†: 6. 11†, 12†: 7. 1†: 9. 2†: 11. 4†.
Ju. 5. 4: 8. 25†: 11. 23: 12. 18: 13. 4, 18.
Es. 2. 17: 3. 8: 4. 13†, 16: 8. 13.
Jb. 4. 11, 20, 21: 24. 8: 36. 12: 40. 16 (21).
Ps. 1. 3: 8. 5: 30 (31). 11: 43 (44). 10: 44 (45). 2, 7: 72 (73). 2 (παρὰ μικρόν), 2 (παρ' ὀλίγον): 93 (94). 17 (παρὰ βραχύ): 100 (101). 3†: 118 (119). 87 (παρὰ βραχύ): 134 (135). 5: 140 (141). 7.
Pr. 5. 14 (παρ' ὀλίγον): 7. 8, 12.
Ec. 2. 9: 3. 19: 7. 3 (2)†.
Wi. 15. 13.
Si. 12. 12†: 15. 5: 21. 24: 43. 28: 50. 12†.
Ze. 3. 6†.
Is. 6. 11 *bis*: 19. 5*: 53. 3.
Je. 2. 15: 4. 7: 7. 32†: 9. 10 (9), 11 (10), 12 (11): 17. 8, 9: 26 (46). 6*: 40 (33). 10, 12.
Ba. 3. 28.
La. 1. 4: 3. 51.
Ez. 16. 22, 34, 47 (παρὰ μικρόν), 47 (παρὰ μικρόν)†: 20. 6, 15: 29. 15: 31. 5: 33. 30: 34. 8: 39. 15†.
Da. LXX. 1. 10, 13, 20: 2. 30: 3. 19, (32), (36)*, (37): 7. 1, 3, 7, 23: 11. 2, 13: 12. 8.
Da. TH. 1. 10, 20: 2. 30: 3. (32), (36)*, (37): 7. 7†, 7, 19: 11. 2.
I Ma. 7. 1†, 47†: 11. 1*†: 13. 52*: 14. 45.
II Ma. 4. 36, 42: 7. 39: 10. 13 (παρ' ἕκαστα), 14 (παρ' ἕκαστα).
III Ma. 3. 23 (παρ' ἕκαστα): 4. 8: 5. 8, 42 (παρ' οὐδέν): 7. 8.
IV Ma. 10. 19.
[Aq. Ge. 32. 10 (11): Jo. 5. 1: II Ki. 23. 19: III Ki. 1. 9: 14. 9: IV Ki. 1. 16: Jb. 4. 11: 28. 18: 30. 1: Ps. 32 (33). 14, 15: 60 (61). 3: 64 (65). 4: Pr. 8. 19 *bis*: 28. 23: 30. 2: Je. 9. 11 (10): 19. 11: 33 (40). 12 (Sw.): 44 (51). 22: 51 (28). 29, 37: Ez. 16. 47 (P.): Hb. 1. 8.]
[Sm. Ge. 4. 7: Jo. 5. 1: Jd. 9. 6: III Ki. 1. 9: Ps. 9. 29 (10. 8): 32 (33). 18 *bis*: 44 (45). 3, 9: 72 (73). 2 (παρ' οὐδέν): Ca. 1. 8: Is. 52. 14: 57. 1, 20: Je. 33 (40). 12 (Sw.): Ez. 16. 47 (P.).]
[Th. Ex. 40. 5: Jo. 5. 1: Jd. 18. 16: III Ki. 1. 9: Is. 57. 1: Je. 19. 11: 33 (40). 12 (Sw.): 44 (51). 22: 51 (28). 37: Ez. 16. 47 (P.): 29. 15: Da. 1. 10, 20.]
[Al. Le. 1. 15: 8. 31: I Ki. 4. 18: 9. 21: Ps. 120 (121). 5.]
[Heb. Jb. 2. 13.]
[Quint. Ps. 30 (31). 12: 44 (45). 3: 140 (141). 7.]

παραβαίνειν. (1) מַעַל (2) מָרָה *a.* qal. *b.* hi. (3) סוּר *a.* qal. *b.* hi. (4) עָבַר (5) פּוּר hi. (6) פָּשַׁע (7) שָׁטָה
Ex. 32. 8. παρέβησαν ταχὺ ἐκ τῆς ὁδοῦ (3 *a*)
Le. 26. 40. παρέβησαν καὶ ὑπερείδόν με (1)
Nu. 5. 12. ἐὰν παραβῇ ἡ γυνὴ αὐτοῦ (7)
— 19. εἰ μὴ παραβέβηκας μανθῆναι (7)
— 20. εἰ δὲ σὺ παραβέβηκας (7)
— 29. ᾧ ἂν παραβῇ ἡ γυνή (7)
14. 41. ἵνα τί ὑμεῖς παραβαίνετε τὸ ῥῆμα κ. (4)
22. 18: 24. 13. οὐ δυνήσομαι παραβῆναι τὸ ῥῆμα κυρίου (4)
27. 14. παρέβητε τὸ ῥῆμά μου (2 *a*)
De. 1. 43. παρέβητε τὸ ῥῆμα κυρίου (2 *b*)
9. 12. παρέβησαν ταχὺ ἐκ τῆς ὁδοῦ (3 *a*)
De. 9. 16. παρέβητε ἀπὸ τῆς ὁδοῦ (3 *a*)
11. 16. καὶ παραβῆτε (3 *a*)
17. 20. ἵνα μὴ παραβῇ ἀπὸ τῶν ἐντολῶν (3 *a*)
28. 14. οὐ παραβήσῃ ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντ. (3 *a*)
Jo. 7. 11, 15. παρέβη τὴν διαθήκην (4)
11. 15. οὐ παρέβη οὐδέν (3 *b*)
23. 16. ἐν τῷ παραβῆναι [A -βαίνειν] ὑμᾶς τὴν διαθήκην (4)
I Ki. 12. 21. B μὴ παραβῆτε ὀπίσω τῶν μηθὲν ὄντων (3 *a*)
15. 24. παρέβην τὸν λόγον κυρίου (4)
IV Ki. 18. 12. παρέβησαν τὴν διαθήκην αὐτοῦ (4)
I Es. 1. 16. παραβῆναι ἕκαστον τὴν ἑαυ. ἐφημ.
— 48. παρέβη τὰ νόμιμα κυρίου θ. Ἰσρ.
— 49. A παρέβησαν ὑπὲρ πάσας τὰς ἀκαθαρσίας [B *al.*]
4. 5. τὸν λόγον τοῦ βασ. οὐ παραβαίνουσιν
6. 32. ὅσοι ἐὰν παραβῶσί τι
8. 24. ὅσοι ἐὰν παραβαίνωσι [A -ουσιν] τὸν νόμον
— 82. B παρέβησαν [A R -έβημεν γὰρ] τὰ προστάγμ. σου
— 87. παραβῆναι τὸν νόμον σου
To. 4. 5. παραβῆναι τὰς ἐντολὰς αὐ.
9. 3. S παραβῆναι τὸν ὅρκον αὐ. [A B *al.*]
Ju. 2. 13. οὐ παραβήσῃ ἓν τι τῶν ῥημάτων
8. 30. ὃν οὐ παραβησόμεθα
Jb. 11. 6. A ἄξιά σοι παρέβη [B S ἀπέβη] ἀπὸ κυρίου †
14. 17. ἐπεσημήνω δὲ εἴτι ἄκων παρέβην †
Ps. 118 (119). 119. παραβαίνοντας ἐλογισάμην πάντας τοὺς ἁμαρτωλοὺς τῆς γῆς †
Si. 10. 19. οἱ παραβαίνοντες ἐντολάς
19. 24. καὶ παραβαίνων νόμον
23. 18. ἄνθρωπος παραβαίνων ἀπὸ τῆς κλίνης αὐ. [A *al.*]
34 (31). 10. τίς ἐδύνατο παραβῆναι καὶ οὐ παρέβη
38. 19. ἐν ἀπαγωγῇ παραβαίνει καὶ λύπη [A S *al.*]
39. 31. οὐ παραβήσονται λόγον
40. 14. οὕτως οἱ παραβαίνοντες εἰς συντέλειαν ἐκλείψουσιν [A -θλίψουσιν]
42. 10. μετὰ ἀνδρὸς οὖσα μή ποτε παραβῇ
Ho. 6. 8 (7). ὡς ἄνθρωπος παραβαίνων διαθήκην (4)
8. 1. παρέβησαν τὴν διαθήκην μου (4)
Is. 24. 5. A παρέβησαν [B S παρήλθοσαν] τὸν νόμον (4)
66. 24. ὄψονται τὰ κῶλα τῶν ἀνθρώπων τῶν παραβεβηκότων ἐν ἐμοί (6)
Je. 5. 28. παρέβησαν κρίσιν (4)
Ez. 16. 59. τοῦ παραβῆναι τὴν διαθήκην μου (5)
17. 15. παραβαίνων διαθήκην εἰ διασωθήσεται [A σωθ.] (5)
— 16. ὃς παρέβη τὴν διαθήκην μου (5)
— 18. τοῦ παραβῆναι διαθήκην (5)
— 19. τὴν διαθήκην μου ἣν παρέβη (5)
44. 7. παρεβαίνετε τὴν διαθήκην μου (5)
Da. LXX. 9. 5. παρέβημεν τὰς ἐντολάς σου (3 *a*)
Da. TH. 9. 11. πᾶς Ἰσρ. παρέβησαν τὸν νόμον σου (4)
I Ma. 7. 18. παρέβησαν γὰρ τὴν στάσιν
II Ma. 7. 2. παραβαίνειν τοὺς πατρίους νόμους
III Ma. 7. 10. τοὺς . . . τὸν ἅγιον θεὸν αὐθαιρέτως παραβεβηκότας
— 11. τοὺς . . . τὰ θεῖα παραβεβηκότας προστάγματα
— 12. τοὺς παραβεβηκότας τοῦ θεοῦ τὸν νόμον
IV Ma. 9. 1. ἢ π. τὰς πατρίους ἡμῶν ἐντολάς
13. 15. τοῖς παραβᾶσι [S² -βαίνουσι] τὴν ἐντολὴν τοῦ θεοῦ
16. 24. μᾶλλον ἢ παραβῆναι τὴν ἐντολὴν τοῦ θεοῦ
[Aq. Le. 5. 15: Dt. 32. 51: Pr. 16. 10.]
[Sm. Ps. 54 (55). 21: 72 (73). 7: 88 (89). 34: Pr. 8. 29: Ec. 8. 2: Is. 31. 6.]
[Th. Pr. 16. 10.]
[Al. Le. 4. 27: 5. 4.]

παραβάλλειν. (1) נָטָה hi. (2) שָׁלַל
Ru. 2. 16. παραβάλλοντες παραβαλεῖτε αὐτῇ (2, 2)
Ju. 15. 3. S οἱ παραβεβληκότες [A B παρεμβ.] ἐν τῇ ὀρεινῇ
Pr. 2. 2. παραβαλεῖς καρδίαν σου εἰς σύνεσιν παραβαλεῖς δὲ αὐτὴν ἐπὶ νουθέτησιν τῷ υἱῷ σου (1, –)
4. 20. A R τοῖς δὲ ἐμοῖς λόγοις παραβάλλε [B S -βαλε] σὸν οὖς (1)
5. 1. ἐμοῖς δὲ λόγοις παράβαλλε [S -βαλε] σὸν οὖς (1)
— 13. οὐδὲ παρέβαλλον [S -βαλον] τὸ οὖς μου (1)
22. 17. λόγοις σοφῶν παράβαλλε [A S² -βαλε] σὸν οὖς (1)

I Ma. 3. 40. **A** παρέβαλον [**S R** παρενέβ.] πλησίον Ἀμμ.
5. 5. **A** παρέβαλεν [**S R** παρενέβ.] ἐπ' αὐτούς
15. 25. **S**[1] παρέβαλεν [**A S**[2] **R** -ενέβ.] ἐπὶ Δ.
II Ma. 14. 38. σῶμα καὶ ψυχὴν . . . παραβεβλημένος
[**Aq.** Ps. 27 (28). 1: 142 (143). 7.]
[**Sm.** Ez. 20. 49 (21. 5).]

παραβαπτός. (1) παραβαπτά סְרוּחֵי טָבוּלִים
Ez. 23. 15. ποικίλματα ἐπὶ τὰς ὀσφύας αὐτῶν παραβαπτά [**A** καὶ τιάραι βαπταί] (1)

παραβασιλεύειν.
III Ma. 6. 24. παραβασιλεύετε

παράβασις. (1) פֶּשַׁע
IV Ki. 2. 24. **A** τέκνα παραβάσεως καὶ ἀργίας –
Ps. 100 (101). 3. ποιοῦντας παραβάσεις [**S**[1] παρὰ βασιλεῖς] ἐμίσησα (1)
Wi. 14. 31. ἐπεξέρχεται ἀεὶ τὴν τῶν ἀδίκων π.
II Ma. 15. 10. παρεπιδεικνὺς . . . τὴν τῶν ὅρκων π.
[**Aq.** Le. 5. 15.]
[**Sm.** Jb. 20. 11: Ps. 31 (32). 5: Je. 28 (35). 16: Da. 11. 14.]
[**Th.** Ge. 3. 18 (17): IV Ki. 2. 24: Da. 11. 14 (Sw.).]
[**Al.** Le. 4. 27.]

παραβάτης.
[**Sm.** Ps. 16 (17). 4: 138 (139). 19: Je. 6. 28.]

παραβιάζεσθαι. (1) זוּד hi. (2) חָתַר (3) פָּצַר בְּ׳ (4) פָּרַץ בְּ׳
Ge. 19. 3. **A** παρεβιάζετο [**R** κατεβιάσατο] αὐτούς (3)
— 9. παρεβιάζοντο τὸν ἄνδρα τὸν Λώτ (3)
De. 1. 43. παραβιασάμενοι ἀνέβητε εἰς τὸ ὄρος (1)
I Ki. 28. 23. παρεβιάζοντο αὐτὸν οἱ παῖδες αὐ. (4)
IV Ki. 2. 17. καὶ παρεβιάσαντο αὐτόν (3)
5. 16. καὶ παρεβιάσατο αὐτόν [**A** *om.*] (3)
Am. 6. 10. παραβιῶνται τοῦ ἐξενέγκαι [**A** *al.*] †
Jn. 1. 13. καὶ παρεβιάζοντο [**B**[1] καίπερ ἐβ.] οἱ ἄνδρες (2)

παραβιβάζειν. (1) עָבַר hi.
II Ki. 12. 13. παρεβίβασε τὸ ἁμάρτημά σου (1)
24. 10. παραβίβασον δὴ τὴν ἀνομίαν (1)
Da. TH. 11. 20. ἐπὶ τὴν ἑτοιμασίαν αὐ. παραβιβάζων (1)
[**Aq.** Le. 18. 21: Je. 15. 14.]
[**Sm.**, **Th.** Le. 18. 21.]
[**Al.** Le. 25. 9.]

παραβιωτής.
Am. 6. 10. **A** οἱ π. τοῦ ἐξενέγκαι τὰ ὀστᾶ αὐ. [**B** *al.*] †

παραβλέπειν. (1) שָׁעַן
Jb. 20. 9. ὀφθαλμὸς παρέβλεψε καὶ οὐ προσθήσει (1)
28. 7. οὐ παρέβλεψεν αὐτὴν ὀφθαλμὸς γυπός (1)
Ca. 1. 6. παρέβλεψέ με [**S** μοι] ὁ ἥλιος (1)
Si. 38. 9. ἐν ἀρρωστήματί σου μὴ παράβλεπε
[**Sm.** Ez. 22. 26.]

παραβολή. (1) *a.* מָשָׁל *b.* מָשָׁל (2) παραβολὴν εἰπεῖν מָשָׁל
Nu. 23. 7, 18: 24. 3, 15, 20, 21, 23. ἀναλαβὼν τὴν π. αὐτοῦ (1 *a*)
De. 28. 37. ἐν αἰνίγματι καὶ παραβολῇ (1 *a*)
I Ki. 10. 12. ἐγενήθη εἰς παραβολήν (1 *a*)
24. 14. καθὼς λέγεται ἡ π. ἡ ἀρχαία (1 *a*)
II Ki. 23. 3. παραβολὴν εἰπόν (2)
III Ki. 4. 32 (5. 12). ἐλάλησε Σαλ. τρισχιλίας π. (1 *a*)
II Ch. 7. 20. δώσω αὐτὸν εἰς παραβολήν (1 *a*)
To. 3. 4. ἔδωκας ἡμᾶς εἰς . . . παραβολήν
Ps. 43 (44). 14. **A B S**[2] ἔθου ἡμᾶς εἰς παραβολὴν ἐν τοῖς ἔθνεσι (1 *a*)
48 (49). 4. κλινῶ εἰς παραβολὴν τὸ οὖς μου (1 *a*)
68 (69). 11. ἐγενόμην αὐτοῖς εἰς παραβολήν (1 *a*)
77 (78). 2. **B S**[2] ἀνοίξω ἐν παραβολαῖς [**S**[1] -ῇ] τὸ στόμα μου (1 *a*)
Pr. 1. 6. νοήσει τε παραβολήν (1 *a*)
Ec. 1. 17. παραβολὰς καὶ ἐπιστήμην ἔγνων ἐγώ †
12. 9. οὗς [**S**[2] *add.* αὐτοῦ] ἐξιχνιάσεται [**S**[2] -άσατο] κόσμιον παραβολῶν (1 *a*)
Wi. 5. 3. ὃν ἔσχομέν ποτε . . . εἰς παραβολὴν ὀνειδισμοῦ
Si. 1. 24. ἐν θησαυροῖς σοφίας παραβολὴ [**S** -αὶ] ἐπιστήμης
3. 29. καρδία συνετοῦ διανοηθήσεται παραβολήν [**S**[1] ἐν παραβολῇ]
13. 26. εὕρεσις παραβολῶν διαλογισμοὶ μετὰ κόπου
20. 20. ἀπὸ στόματος μωροῦ ἀποδοκιμασθήσεται παραβολή
— 27. λόγοι παραβολῶν
21. 16. **S**[2] ἐπὶ δὲ χείλους συνετοῦ εὑρεθήσεται παραβολή [**A** *om.*, **B S**[1] χάρις]
38. 33. ἐν παραβολαῖς οὐχ εὑρεθήσονται
39. 2. ἐν στροφαῖς παραβολῶν συνεισελεύσεται
— 3. ἐν αἰνίγμασι παραβολῶν ἀναστραφήσεται
43. 8. **B** σκεῦος παραβολῶν [**A S R** παρεμβ.] ἐν ὕψει
47. 15. ἐνέπλησας ἐν παραβολαῖς αἰνιγμάτων
— 17. ἐν ᾠδαῖς καὶ παροιμίαις καὶ παραβολαῖς
Mi. 2. 4. ληφθήσεται ἐφ' ὑμᾶς παραβολή (1 *a*)
Hb. 2. 6. οὐχὶ ταῦτα πάντα παραβολὴν κατ' αὐτοῦ λήψονται (1 *a*)
Je. 24. 9. εἰς ὀνειδισμὸν καὶ εἰς παραβολήν (1 *a*)
Ez. 12. 22. τίς ἡ π. ὑμῖν ἐπὶ τῆς γῆς τοῦ Ἰσραήλ (1 *a*)
— 23. ἀποστρέψω τὴν π. ταύτην καὶ οὐκέτι μὴ εἴπωσι τὴν π. ταύτην (1 *a*, 2)
16. 44. ὅσα εἶπαν κατὰ σοῦ ἐν παραβολῇ (1 *b*)
17. 2. εἰπὸν παραβολήν (1 *a*)
18. 2. τί ὑμῖν ἡ π. αὕτη (1 *a*)
— 3. ἐὰν γένηται ἔτι λεγομένη ἡ π. αὕτη (1 *a*)
19. 14. **R** φυλὴ εἰς παραβολὴν θρόνου [**A B** θρήν.] ἐστί (1 *b*)
20. 49 (21. 5). οὐχὶ π. ἐστι λεγομένη αὕτη (1 *a*)
24. 3. εἰπὸν ἐπὶ τὸν οἶκον τὸν παραπικραίνοντα παραβολήν (1 *a*)
Da. LXX. 12. 8. τίνος αἱ π. αὗται †
[**Aq.** Jb. 17. 6: 27. 1: Ps. 68 (69). 12: 77 (78). 2: Pr. 1. 1: 25. 1: Is. 14. 4: Ez. 12. 22.]
[**Sm.** Jb. 17. 6: Ps. 43 (44). 15: 68 (69). 12: Pr. 25. 1: 26. 7, 9: Is. 14. 4: Ez. 20. 49 (21. 5).]
[**Th.** Jb. 17. 6: Pr. 25. 1: Is. 14. 4: Ez. 12. 22: 18. 2.]
[**Al.** Ps. 48 (49). 5.]

παραγγέλλειν. (1) *a.* אָמַר *b.* אֲמַר (2) זָעַק hi. (3) יָעַץ ni. (4) עָבַר hi. (5) צָעַק hi. (6) שָׁמַע *a.* pi. *b.* hi.
Jo. 6. 6 (7). παραγγείλατε τῷ λαῷ (1 *a*)
Jd. 4. 10. **A** παρήγγειλεν **B.** τῷ **Z.** [**B** *al.*] (2)
I Ki. 10. 17. παρήγγειλε Σαμ. παντὶ τῷ λαῷ (5)
15. 4. παρήγγειλε Σ. τῷ λαῷ (6 *a*)
23. 8. παρήγγειλε Σ. παντὶ τῷ λαῷ (6 *a*)
III Ki. 12. 6. **A B** παρήγγειλεν [**R** ἀπήγγ.] ὁ βασ. τοῖς πρεσβυτέροις (3)
15. 22. παρήγγειλε παντὶ Ἰούδα (6 *b*)
II Ch. 36. 22. καὶ παρήγγειλε κηρῦξαι (4)
II Es. 1. 1. καὶ παρήγγειλε φωνῇ (4)
Ju. 7. 1. παρήγγειλεν Ὀλ. πάσῃ τῇ στρατιᾷ
Je. 26 (46). 14. παραγγείλατε εἰς Μέμφιν (6 *b*)
27 (50). 29. παραγγείλατε ἐπὶ Βαβυλῶνα πολλοῖς (6 *b*)
28 (51). 27. παραγγείλατε ἐπ' αὐτήν (6 *b*)
Da. LXX. 2. 18. παρήγγειλε νηστείαν καὶ δέησιν –
3. 4. ὑμῖν παραγγέλλεται, ἔθνη καὶ χῶραι (1 *b*)
I Ma. 5. 58. **A R** παρήγγειλαν [**S** -εν] τοῖς ἀπὸ τῆς δυνάμεως
9. 63. τοῖς ἐκ τῆς Ἰουδ. παρήγγειλε
II Ma. 5. 25. τοῖς ὑφ' ἑαυτὸν ἐξοπλησίαν παρήγγειλε
12. 6. παραγγείλας τοῖς περὶ αὐτὸν ἀνδράσι
13. 10. παρήγγειλε τῷ πλήθει
15. 10. τοῖς θυμοῖς διεγείρας αὐτοὺς παρήγγειλεν
III Ma. 1. 1. παραγγείλας ταῖς πάσαις δυνάμεσι
4. 14. **R** στρεβλωθέντας δὲ ταῖς [**A** *om.*] παρηγγελμέναις αἰκίαις
[**Sm.** Je. 36 (43). 9.]
[**Al.** Jo. 3. 3.]

παράγγελμα. (1) כִּוְשָׁמַעַת
I Ki. 22. 14. ἄρχων παντὸς π. σου (1)

παράγειν. (1) נָתַק ni. (2) עָבַר *a.* qal. *b.* hi. (3) עָרַב hithp.
I Ki. 16. 9. παρήγαγεν Ἰ. τὸν Σ. (2 *b*)
— 10. παρήγαγεν Ἰ. τοὺς ἑπτὰ υἱοὺς αὐ. (2 *b*)
I Ki. 20. 36. καὶ παρήγαγεν αὐτήν (2 *b*)
II Ki. 15. 18. ἀνὰ χεῖρα αὐτοῦ παρῆγον (2 *a*)
III Ki. 6. 20 (21). **A** παρήγαγεν ἐν καθηλώμασιν χρυσίου (2 *b*)
I Es. 5. 55. εἰς τὸ π. αὐτοὺς . . . ξύλα κέδρινα
II Es. 1. 9. **B** παρηγμένα [**A R** -ηλλαγμ.] ἐννέα καὶ εἴκ. †
9. 2. παρήχθη σπέρμα τὸ ἅγιον (3)
Ne. 2. 7. ὥστε παραγαγεῖν με (2 *b*)
Ps. 128 (129). 8. οὐκ εἶπαν οἱ παράγοντες (2 *a*)
143 (144). 4. αἱ ἡμέραι αὐτοῦ ὡσεὶ σκιὰ [**A**[1] **S**[2] σκιαὶ] παράγουσι (2 *a*)
Ec. 11. 10. πάραγε [**A S**[2] -άγαγε, **S**[1] ἀπάγαγε] πονηρίαν ἀπὸ σαρκός σου (2 *b*)
Is. 5. 27. **S**[1] οὐδὲ μὴ παράγωσιν [**A B S**[2] ῥαγ.] οἱ ἱμάντες (1)
III Ma. 6. 16. κατὰ τὸν ἱππόδρομον παρῆγε
IV Ma. 5. 4. παρήχθη πλησίον αὐτοῦ
9. 11. **A R** τὸν πρεσβύτατον αὐ. . . . παρήγαγον [**S** -ήγον]
11. 17. ταῦτα αὐτὸν εἰπόντα παρῆγον ἐπὶ τὸν τροχόν
[**Aq.** Ge. 8. 1: Is. 54. 9: Je. 11. 15: 46 (26). 17: Ez. 20. 26, 31, 37.]
[**Sm.** Ge. 8. 1: II Ki. 3. 27: 6. 10: Je. 15. 14: Ez. 20. 26, 37: Za. 9. 8.]
[**Th.** Is. 60. 15.]

παραγίγνεσθαι, παραγίνεσθαι. (1) בּוֹא *a.* qal. *b.* hi. (2) הָיָה (3) הָלַךְ (4) נָגַע hi. (5) שׁוּב
Ge. 14. 13. παραγενόμ. δὲ τῶν ἀνασωθέντων τις (1 *a*)
26. 32. παραγενόμενοι οἱ παῖδες Ἰ. (1 *a*)
32. 20 (21). ὁ παῖς σου Ἰ. παραγίνεται –
35. 9. ὅτε παρεγένετο ἐκ Μεσοπ. (1 *a*)
45. 19. ἀναλαβόντες τὸν πατ. ὑμῶν παραγίνεσθε (1 *a*)
50. 10. παρεγένοντο εἰς [**A** -ετο ἐφ'] ἅλωνα Ἀ. (1 *a*)
— 16. **A R** παραγενόμενοι [**B** -εγένοντο] πρὸς Ἰ. †
Ex. 2. 16. παραγενόμεναι δὲ ἤντλουν (1 *a*)
— 17. παραγενομένοι δὲ οἱ ποιμένες (1 *a*)
— 18. παρεγένοντο δὲ πρὸς Ῥαγ. (1 *a*)
— 18. ἐταχύνατε τοῦ παραγενέσθαι σήμερον (1 *a*)
8. 24 (20). παρεγένετο ἡ κυνόμυια πλῆθος (1 *a*)
16. 35. ἕως παρεγένοντο εἰς μέρος τῆς Φ. (1 *a*)
18. 6. ὁ γαμβρός σου Ἰ. παραγίνεται πρὸς σέ (1 *a*)
— 12. παρεγένετο δὲ Ἀ. (1 *a*)
— 15. παραγίνεται πρὸς μὲ ὁ λαός (1 *a*)
19. 9. παραγίνομαι πρὸς σέ (1 *a*)
20. 20. παρεγενήθη ὁ θ. πρὸς ὑμᾶς (1 *a*)
36. 4. παρεγίνοντο [**A** -γενόμενοι] πάντες (1 *a*)
Le. 14. 48. ἐὰν δὲ παραγενόμενος εἰσέλθῃ (1 *a*)
Nu. 9. 6. παρεγένοντο οἱ ἄνδρες (2)
10. 21. ἕως παραγένωνται (1 *a*)
14. 36. παραγενηθέντες διεγόγγυσαν κατ' αὐτῆς (5)
20. 5. παραγενέσθαι εἰς τὸν τόπον τὸν πον. τοῦτον (1 *b*)
— 22. παρεγένοντο οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1 *a*)
21. 7. παραγενόμ. ὁ λαὸς πρὸς Μ. (1 *a*)
De. 18. 6. ἐὰν δὲ παραγένηται ὁ Λ. (1 *a*)
Jo. 5. 13 (14). ἐγὼ ἀρχιστράτηγος . . . παραγέγονα (1 *a*)
9. 8. καὶ πόθεν παραγεγόνατε (1 *a*)
— 12. παραγενέσθαι πρὸς ὑμᾶς (3)
10. 9. ἐπεὶ παρεγένετο [**A** ἐπιπαρ.] Ἰ. (1 *a*)
— 11. παρεγένοντο ἐπὶ τὸ αὐτό [**A** *al.*] (1 *a*)
18. 8. παραγενήθητε πρὸς μέ (5)
21. 43. πάντα παρεγένετο [**A** -νοντο] (1 *a*)
22. 15. παρεγένοντο πρὸς τοὺς υἱοὺς Ῥ. (1 *a*)
24. 11. παρεγενήθητε εἰς Ἱερ. (1 *a*)
Jd. 5. 28. **A** ἠσχάτισεν τὸ ἅρμα αὐ. παραγενέσθαι [**B** *al.*] (1 *a*)
6. 5. αἱ σκηναὶ αὐτῶν παρεγίνοντο [**A** *al.*] (1 *a*)
— 5. **A** παρεγείνοντο ἐν τῇ γῇ [**B** *al.*] (1 *a*)
8. 15. καὶ παρεγένετο Γ. (1 *a*)
9. 31. **A** παραγεγόνασιν [**B** ἔρχονται] εἰς Σ. (1 *a*)
— 37. **A** μία παραγείνεται ἀπὸ ὁδοῦ [**B** *al.*] (1 *a*)
11. 18. **A** καὶ παρεγένετο [**B** ἦλθεν] (1 *a*)
13. 9. **A** παρεγένετο [**B** ἦλθεν] ὁ ἄγγελος τοῦ θ. (1 *a*)
18. 2. παρεγένοντο εἰς ὄρος Ἐφρ. [**B** *al.*] (1 *a*)
— 7. **A** παρεγένοντο [**B** ἦλθον] εἰς Λ. (1 *a*)
— 8. **A** παρεγένοντο [**B** ἦλθον] οἱ πέντε ἄνδρες (1 *a*)
19. 10. **A** παρεγένοντο ἕως κατέναντι Ἰ. [**B** *al.*] (1 *a*)
20. 34. **A** παρεγένοντο ἐξ ἐναντίας τῆς Γ. [**B** *al.*] (1 *a*)

Jd. 21. 2. A παρεγένοντο πᾶς ὁ λαὸς εἰς M. [B *al.*] (1 *a*)
Ru. 1. 19. ἕως τοῦ παραγενέσθαι αὐτὰς εἰς B. (1 *a*)
— 22. αὗται δὲ παρεγενήθησαν εἰς B. (1 *a*)
I Ki. 8. 4. παραγίνονται εἰς Ἀρμ. (1 *a*)
9. 6. πᾶν . . . παραγινόμενον παρέσται (1 *a*)
13. 8. B οὐ παρέγενετο Σαμ. εἰς Γ. (1 *a*)
— 10. B Σαμ. παραγίνεται (1 *a*)
— 11. B καὶ σὺ οὐ παρεγένου (1 *a*)
— 15. B αὐτῶν παραγενομ. ἐκ Γ. –
15. 13. παρεγένετο Σαμ. πρὸς Σ. (1 *a*)
19. 18. παραγίνεται πρὸς Σαμ. (1 *a*)
20. 22 (21). λάβε αὐτὴν παραγίνου (1 *a*)
— 24. παραγίνεται ὁ μήν (2)
— 27. οὐ παραγέγονεν ὁ υἱὸς Ἰ. (1 *a*)
— 29. οὐ παραγέγονεν ἐπὶ τὴν τράπεζαν τοῦ βασ. (1 *a*)
22. 9. ἑώρακα τὸν υἱὸν Ἰ. παραγινόμενον (1 *a*)
— 11. παρεγένοντο πάντες πρὸς τὸν βασ. (1 *a*)
25. 19. ὀπίσω ὑμῶν παραγίνομαι (1 *a*)
— 34. καὶ παρεγένου εἰς ἀπάντησίν μοι (1 *a*)
— 36. παρεγενήθη Ἀβ. πρὸς N. (1 *a*)
30. 21. καὶ παραγίνεται Δ. (1 *a*)
II Ki. 1. 3. πόθεν σὺ παραγίνῃ [A -υυ] (1 *a*)
3. 13. παραγινομένου σου ἰδεῖν τὸ πρόσωπόν μου (1 *a*)
— 22. A B[1] παρεγίνοντο [B[3] R -γέν.] ἐκ τῆς ἐξοδίας (1 *a*)
— 25. ἀπατῆσαί σε παρεγένετο [A παραγέγονεν] (1 *a*)
5. 1. παραγίνονται πᾶσαι αἱ φυλαὶ Ἰσρ. (1 *a*)
— 18. οἱ ἀλλόφυλοι παραγίνονται (1 *a*)
6. 6. παραγίνονται ἕως ἅλω N. (1 *a*)
— 16. τῆς κιβωτοῦ παραγινομένης ἕως πόλεως Δ. (1 *a*)
8. 5. παραγίνεται Συρία Δαμασκοῦ (1 *a*)
9. 6. παραγίνεται M. υἱὸς Ἰων. (1 *a*)
10. 2. παρεγένοντο οἱ παῖδες Δ. εἰς τὴν γῆν (1 *a*)
— 14. παρεγένοντο εἰς Ἱερουσ. (1 *a*)
— 16. καὶ παρεγένοντο Αἰλάμ (1 *a*)
— 17. παρεγένετο εἰς Αἰλάμ (1 *a*)
11. 7. καὶ παραγίνεται Οὐρ. (1 *a*)
— 22. παρεγένετο καὶ ἀπήγγειλε (1 *a*)
13. 34. παρεγένετο ὁ σκοπός –
14. 29. οὐκ ἠθέλησε παραγενέσθαι (1 *a*)
— 30. παραγίνονται οἱ δοῦλοι Ἰ. –
15. 6. παντὶ Ἰσρ. τοῖς παραγινομ. εἰς κρίσιν (1 *a*)
— 13. παρεγένετο ἀπαγγέλλων πρὸς Δ. (1 *a*)
— 20. εἰ ἐχθὲς παραγέγονας (1 *a*)
18. 31. ὁ Χ. παρεγένετο (1 *a*)
19. 24 (25). παρεγένετο ἐν εἰρήνῃ (1 *a*)
— 30 (31). μετὰ τὸ παραγενέσθαι τὸν κύριόν μου (1 *a*)
— 41 (42). πᾶς ἀνὴρ Ἰσρ. παρεγένοντο (1 *a*)
20. 15. καὶ παρεγενήθησαν (1 *a*)
23. 16. παρεγένοντο πρὸς Δ. (1 *b*)
24. 6. παρεγένοντο εἰς Δ. (1 *a*)
— 8. παρεγένοντο . . . εἰς Ἱερ. (1 *a*)
III Ki. 3. 15. παραγίνεται εἰς Ἱερ. (1 *a*)
4. 34 (5. 14). παρεγίνοντο πάντες οἱ λαοί (1 *a*)
10. 7. ἕως ὅτου παρεγενόμην (1 *a*)
12. 12. παρεγένοντο πᾶς Ἰσρ. (1 *a*)
13. 1. ἄνθρωπος τοῦ θ. . . . παρεγένετο (1 *a*)
21 (20). 27. παρεγένοντο εἰς ἀπαντὴν αὐτῶν (3)
IV Ki. 9. 17. ἐν τῷ παραγίνεσθαι αὐτόν (1 *a*)
10. 21. ὃς οὐ παρεγένετο (1 *a*)
II Ch. 24. 24. παρεγένετο [A -γίν.] δύναμις Συρίας (1 *a*)
I Es. 5. 44. ἐν τῷ π. αὐτοὺς εἰς τὸ ἱερὸν τοῦ θ.
— 56. παραγενόμενος εἰς τὸ ἱερὸν τοῦ θ.
— 56. πάντες οἱ παραγενόμ. ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας
6. 8. παραγενόμενοι εἰς τὴν χώραν τῆς Ἰουδ.
— 20. τότε ὁ Σαναβ. παραγενόμενος
8. 6. παρεγένοντο εἰς Ἱερ.
— 65. οἱ δὲ παραγενόμ. ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας
9. 12. παραγενηθήτωσαν λαβόντες χρόνον
To. 7. 1. παρεγένετο [A -ὀντο] εἰς τὴν οἰκίαν Ῥ. [S *al.*]
11. 15. S ὅτι ἰδοὺ παραγίνεται
— 18. παρεγένετο [S -νοντο] Ἀχ. καὶ N.
Ju. 3. 5. καὶ παρεγένοντο οἱ ἄνδρες
6. 11. παρεγένοντο ἐπὶ [S εἰς] τὰς πηγάς
7. 1. οἱ παρεγένοντο ἐπὶ τὴν συμμαχίαν αὐ.
14. 13. παρεγένοντο ἐπὶ τὴν σκηνὴν Ὀλ.
15. 5. οἱ ἐξ Ἱερ. παρεγενήθησαν
Es. 5. 5. παραγίνονται [A -εγίνοντο] ἀμφότεροι (1 *a*)
6. 14. παραγίνονται οἱ εὐνοῦχοι (4)

Jb. 1. 7. πόθεν παραγέγονας (1 *a*)
2. 11. παρεγένοντο [S -ετο] ἕκαστος (1 *a*)
— 11. παρεγένοντο πρὸς αὐτὸν ὁμοθυμαδόν (1 *a*)
Ec. 5. 2. παραγίνεται ἐνύπνιον ἐν πλήθει περισπασμοῦ (1 *a*)
— 15. ὥσπερ γὰρ παρεγένετο (1 *a*)
Si. *prol.* 20. παραγενηθεὶς εἰς [S ἀναγενν. κατ'] Αἴγυπτον
48. 25. τὰ ἀπόκρυφα πρὶν ἢ παραγενέσθαι αὐτά
Is. 56. 1. ἤγγικε γὰρ τὸ σωτήριόν μου π. (1 *a*)
62. 11. ὁ σωτήρ σοι παραγέγονεν [A S[1] -γίνεται] (1 *a*)
63. 1. τίς οὗτος ὁ παραγινόμενος ἐξ Ἐδώμ (1 *a*)
Je. 29 (49). 14. παραγένεσθε εἰς αὐτήν (1 *a*)
46 (39). 1. παρεγένετο [S -ὀντο] Ναβουχοδονόσορ (1 *a*)
Da. LXX. Su. 13. ὁ ἕτερος παρεγένετο
— 30. ὡς δὲ παρεγενήθη ἡ γυνή
— 30. καὶ αἱ παιδίσκαι αὐ. . . . παρεγένοντο
1. 1. παραγενόμενος Ναβ. . . . εἰς Ἱερ. (1 *a*)
2. 2. παραγενόμενοι ἔστησαν παρὰ τῷ βασ. (1 *a*)
Bel 14. παρεγένοντο ἐπὶ τὸν τόπον
I Ma. 4. 26. παραγενηθέντες ἀπήγγειλαν τῷ Λ.
— 35. A R παραγενέσθαι [S -γίν.] εἰς τὴν Ἰουδ.
— 46. μέχρι τοῦ παραγενηθῆναι προφήτην
— 60. μή ποτε παραγενηθέντα τὰ ἔθνη
5. 14. ἄγγελοι ἕτεροι παρεγένοντο
15. 31. S παραγενόμενοι ἐκπολεμήσωμεν ὑμᾶς [A R *al.*]
— 40. παρεγενήθη K. εἰς Ἰ.
16. 19. παραγενέσθαι πρὸς αὐτόν
II Ma. 1. 14. παρεγένετο εἰς τὸν τόπον
3. 9. παραγενηθεὶς δὲ εἰς Ἱερ.
— 39. τοὺς παραγινομένους ἐπὶ κακώσει τύπτων
4. 21. εἰς Ἰόππην παραγενόμενος
— 25. R λαβὼν δὲ τὰς βασιλικὰς ἐντολὰς παρεγένετο [A -γίν.]
— 34. ὁ δὲ παραγενόμενος ἐπὶ τὸν Ὀ.
5. 25. παραγενόμενος εἰς Ἱερ.
8. 16. R τὴν τῶν ἀδίκως παραγινομένων [A -γεν.] ἐπ' αὐτοὺς ἐθνῶν πολυπληθίαν
— 25. R τὰ δὲ χρήματα τῶν παραγεγονότων [A -γενομένων] . . . ἔλαβον
9. 4. πολυάνδριον Ἰουδαίων Ἱερ. ποιήσω παραγενόμενος ἐκεῖ
— 14. ἣν σπεύδων παρεγίνετο
11. 2. R παρεγένετο [A -γίν.] ἐπὶ τοὺς Ἰουδ.
12. 6. R παρεγένετο [A παραγενόμενος] ἐπὶ τοὺς μιαιφόνους τῶν ἀδ.
— 31. R παρεγένοντο [A -νήθησαν] εἰς Ἱερ.
13. 1. προσέπεσε . . . Ἀντίοχον . . . παραγενέσθαι
— 12. παρακαλέσας αὐτοὺς ὁ Ἰ. ἐκέλευσε παραγίνεσθαι
14. 31. παραγενόμενος ἐπὶ τὸ μέγιστον καὶ ἅγιον ἱερόν
15. 24. R παραγενόμενοι [A -γιν.] ἐπὶ τὸν ἅγιόν σου λαόν
— 31. παραγενόμενος δὲ ἐκεῖ
III Ma. 1. 8. ὡς τάχιστα πρὸς αὐτοὺς παραγενέσθαι
— 9. παραγενόμενος εἰς τὸν τόπον
5. 16. ἐκέλευσε τοὺς παραγεγονότας ἐπὶ τὴν συμποσίαν
7. 17. παραγενηθέντες δὲ εἰς Πτ.
IV Ma. 12. 1. ὁ ἕβδομος παρεγίνετο
[Aq. Jd. 9. 37.]
[Sm. Je. 46 (26). 17.]
[Th. Jd. 5. 28: 6. 5: 19. 10: II Ki. 10. 16.]

παραγινώσκειν.
II Ma. 8. 23. R παραγνοὺς [A παραναγνοὺς] τὴν ἱερὰν βίβλον
III Ma. 1. 12. A τοῦ τε νόμου παραγνωσθέντος [R παραναγν.]

παραγραφίς.
[Aq. Is. 44. 13.]

παράδειγμα. (1) רְאִי (2) תַּבְנִית
Ex. 25. 8 (9). τὸ π. τῆς σκηνῆς καὶ τὸ π. πάντων τῶν σκευῶν αὐτῆς (2, 2)
I Ch. 28. 11. ἔδωκε . . . τὸ π. τοῦ ναοῦ (2)
— 12. καὶ τὸ π. ὃ εἶχεν (2)
— 18. καὶ τὸ π. τοῦ ἅρματος (2)
— 19. κατὰ τὴν . . . σύνεσιν τῆς κατεργασίας τοῦ π. (2)
— 20. τὸ π. τοῦ ναοῦ καὶ τοῦ οἴκου αὐ. –

I Ch. 28. 20. καὶ τὸ π. οἴκου κυρίου –
Na. 3. 6. θήσομαί σε εἰς παράδειγμα (1)
Je. 8. 2. ἔσονται εἰς παράδειγμα †
9. 22 (21). ἔσονται οἱ νεκροὶ τῶν ἀνθρώπων εἰς [S *om.*] παράδειγμα †
16. 4. εἰς παράδειγμα ἐπὶ προσώπου τῆς γῆς ἔσονται †
III Ma. 2. 5. παράδειγμα τοῖς ἐπιγινομένοις καταστήσας
IV Ma. 6. 19. ἵνα παράδειγμα γενώμεθα τῆς μιαροφαγίας

παραδειγματίζειν. (1) חָמַס ni. (2) יָקַע hi. (3) רָאָה
Nu. 25. 4. παραδειγμάτισον αὐτούς (2)
Es. 4. 17. τὸν δὲ ἀρξάμ. ἐφ' ἡμᾶς παραδειγμάτισον
Je. 13. 22. παραδειγματισθῆναι τὰς πτέρνας σου (1)
Ez. 28. 17. ἐναντίον βασιλέων ἔδωκά σε παραδειγματισθῆναι (3)
Da. LXX. 2. 5. παραδειγματισθήσεσθε †

παραδειγματισμός.
III Ma. 4. 11. πρὸς παραδειγματισμὸν ἄγαν εὐκαιροτάτῳ καθεστῶτι
7. 14. καὶ μετὰ παραδειγματισμῶν ἀνῄρουν [Sm. Ps. 30 (31). 21.]

παραδεικνύναι. (1) יָדַע hi. (2) רָאָה hi.
Ex. 27. 8. κατὰ τὸ παραδειχθέν σοι ἐν τῷ ὄρει (2)
Ho. 13. 4. οὐ παρέδειξά σοι αὐτά –
Ez. 22. 2. παράδειξον αὐτῇ πάσας τὰ ἀνομίας αὐτῆς (1)
Da. LXX. Bel 7. παραδείξατε τὸν ἐσθίοντα
— 8. ἐὰν μὴ παραδείξω ὅτι οὐκ ἔστιν ὁ Βήλ

παραδειπνίζειν. (1) בָּרָה hi.
II Ki. 3. 35. A ἦλθε πᾶς ὁ λαὸς παραδειπνίσαι [B περιδειπνῆσαι] τὸν Δ.

παράδεισος. (1) *a.* גַּן *b.* גַּנָּה (2) עֵדֶן (3) פַּרְדֵּס
Ge. 2. 8. ἐφύτευσεν ὁ θ. παράδεισον (1 *a*)
— 9. τὸ ξύλον τῆς ζωῆς ἐν μέσῳ τοῦ π. (1 *a*)
— 10. ποτίζειν τὸν π. (1 *a*)
— 15. ἔθετο αὐτὸν ἐν τῷ π. τῆς τρυφῆς (1 *a*)
— 16. ἀπὸ παντὸς ξύλου τοῦ ἐν τῷ π. (1 *a*)
3. 1. ἀπὸ παντὸς ξύλου τοῦ π. (1 *a*)
— 2. ἀπὸ καρποῦ τοῦ ξύλου τοῦ π. (1 *a*)
— 3. ὅ ἐστιν ἐν μέσῳ τοῦ π. (1 *a*)
— 8. κ. τοῦ θ. περιπατοῦντος ἐν τῷ π. (1 *a*)
— 8. ἐν μέσῳ τοῦ ξύλου τοῦ π. (1 *a*)
— 10. περιπατοῦντος ἐν τῷ π. (1 *a*)
— 23. ἐκ τοῦ π. τῆς τρυφῆς (1 *a*)
— 24. ἀπέναντι τοῦ π. τῆς τρυφῆς (1 *a*)
13. 10. ὡς ὁ π. τοῦ θεοῦ (1 *a*)
Nu. 24. 6. ὡσεὶ παράδεισοι [B[1] -ος] ἐπὶ ποταμῷ [B[1] -ῶν] (1 *a*)
II Ch. 33. 20. ἔθαψαν αὐτὸν ἐν παραδείσῳ οἴκου αὐ. –
Ne. 2. 8. ἐπὶ Ἀ. φύλακα τοῦ π. [S[2] *al.*] (3)
Ec. 2. 5. ἐποίησά μοι κήπους καὶ παραδείσους (3)
Ca. 4. 13. A[1] S[2] R ἀποστολαί σου παράδεισος ῥοῶν [A[2] BS[1] *om.*] (3)
Si. 24. 30. ὡς ὑδραγωγὸς ἐξῆλθον εἰς παράδεισον
40. 17. χάρις ὡς παράδεισος [S[1] -ον] ἐν εὐλογίαις
— 27. φόβος κυρίου ὡς παράδεισος εὐλογίας
Jl. 2. 3. ὡς παράδεισος τρυφῆς ἡ γῆ (1 *a*)
Is. 1. 30. ὡς π. ὕδωρ μὴ ἔχων (1 *b*)
51. 3. θήσω τὰ ἔρημα αὐ. ὡς παράδεισον [A *al.*] (2)
— 3. A B S[1] ὡς παράδεισον κυρίου [S[3] *om.* ὡς π. κ.] (1 *a*)
Je. 36 (29). 5. φυτεύσατε παραδείσους (1 *a*)
Ez. 28. 13. στέφανος κάλλους ἐν τῇ τρυφῇ τοῦ π. τοῦ θεοῦ ἐγενήθης (1 *a*)
31. 8. κυπάρισσοι τοιαῦται [A *add.* οὐκ ἐγενήθησαν] ἐν τῷ π. τοῦ θεοῦ (1 *a*)
— 8. πᾶν ξύλον ἐν τῷ π. τοῦ θεοῦ (1 *a*)
— 9. τὰ ξύλα τοῦ π. τῆς τρυφῆς τοῦ θεοῦ (1 *a* ?)
Da. LXX. Su. 4. ἦν αὐτῷ παράδεισος γειτνιῶν τῷ οἴκῳ αὐ.
— 7. περιπατοῦσαν ἐν τῷ π. τοῦ ἀνδρὸς αὐ.
— 36. περιεπατοῦμεν ἐν τῷ π. τοῦ ἀνδρὸς αὐ.
— 54. ποταπῷ τοῦ π. τόπῳ
Da. TH. Su. 4. ἦν αὐτῷ π. γειτνιῶν τῷ οἴκῳ αὐ.
— 7. περιεπάτει ἐν τῷ π. τοῦ ἀνδρὸς αὐ.

Da. TH. Su. 15. ἐπεθύμησε λούσασθαι ἐν τῷ π.
— 17. τὰς θύρας τοῦ π. κλείσατε
— 18. ἀπέκλεισαν τὰς θύρας τοῦ π.
— 20. αἱ θύραι τοῦ π. κέκλειται
— 25. ἤνοιξε τὰς θύρας τοῦ π.
— 26. ὡς δὲ ἤκουσαν τὴν κραυγὴν ἐν τῷ π.
— 36. περιπατούντων ἡμῶν ἐν τῷ π. μόνων
— 36. ἀπέκλεισε τὰς θύρας τοῦ π.
— 38. ἡμεῖς δὲ ὄντες ἐν τῇ γωνίᾳ τοῦ π.
[Sm. Ge. 2. 8, 15: Is. 51. 3.]

παραδέχεσθαι. (1) נָשָׂא (2) רָצָה

Ex. 23. 1. οὐ παραδέξῃ ἀκοὴν ματαίαν (1)
Pr. 3. 12. πάντα υἱὸν ὃν παραδέχεται (2)
II Ma. 4. 22. R μεγαλοπρεπῶς δὲ ὑπὸ τοῦ Ἰ. . . . παραδεχθείς [A *al.*]
III Ma. 7. 12. ὁ δὲ τἀληθὲς αὐτοὺς λέγειν παραδεξάμενος
[Aq., Sm., Th. Jb. 42. 8.]

παραδιδόναι. (1) *a.* אָנָה pi. *b.* תַּאֲנָה (2) בּוֹא (3) חָלַל pu. (4) חָתַת (5) טוּל hi. (6) יָהַב *a.* pe. *b.* ithpe. (7) יָרַד (8) כָּלָא (9) לָשַׁן hi. (10) מָנַן pi. (11) מָנָה (12) מָצָא hi. (13) נָגַר hi. (14) נוּחַ hi. (15) נָכָה hi. (16) נָתַן *a.* qal. *b.* ni. (17) סָגַר hi. (18) סָכַר pi. (19) עָרָה hi. (20) פָּגַע *a.* qal. *b.* hi. (21) קָרָה hi. (22) רָמָה pi. (23) *a.* c. neg. שָׁלַם hi. *b.* שָׁלַם aph. (24) תָּפַשׂ ni. (25) תָּקַע (26) מָכַר ni.

Ge. 14. 20. ὃς παρέδωκε τοὺς ἐχθρούς σου (10)
27. 20. ὃ παρέδωκε κ. ὁ θ. ἐναντίον μου (21)
Ex. 21. 13. ὁ θ. παρέδωκεν [A *add.* αὐτὸν] εἰς τὰς χ. αὐ. (16 *a*)
23. 31. παραδώσω εἰς τὰς χ. ὑμῶν τοὺς ἐγκαθημ. (16 *a*)
Le. 26. 25. παραδοθήσεσθε εἰς χεῖρας ἐχθρῶν (16 *b*)
Nu. 21. 2. ἐάν μοι παραδῷς τὸν λαὸν τοῦτον (16 *a*)
— 3. παρέδωκε τὸν Χανανείν (16 *a*)
— 34. εἰς τὰς χεῖράς σου παραδέδωκα αὐτόν (16 *a*)
32. 4. ἣν παραδέδωκε [A παρέδωκεν] κύριος (15)
De. 1. 8. παρέδωκεν [A -κα] ἐνώπ. ὑμῶν τὴν γῆν (16 *a*)
— 21. παραδέδωκεν ὑμῖν . . . τὴν γῆν (16 *a*)
— 27. παραδοῦναι ἡμᾶς εἰς χεῖρας Ἀμορραίων (16 *a*)
2. 24. παραδέδωκα . . . τὸν Σ. βασ. Ἐσ. (16 *a*)
— 30. ἵνα παραδοθῇ εἰς τὰς χεῖράς σου (16 *a*)
— 31. παραδοῦναι πρὸ προσώπου σου [A παρ. σοι] τὸν Σ. (16 *a*)
— 33. παρέδωκεν αὐτὸν . . . πρὸ προσώπου ἡ. (16 *a*)
— 36. τὰς πάσας παρέδωκε κ. ὁ θεός (16 *a*)
3. 2. εἰς τὰς χεῖράς σου παραδέδωκα αὐτόν (16 *a*)
— 3. παρέδωκεν αὐτὸν . . . εἰς τὰς χεῖρας ἡ. (16 *a*)
7. 2, 23. παραδώσει αὐτοὺς κ. ὁ θεός σου (16 *a*)
— 24. παραδώσει τοὺς βασιλεῖς αὐτῶν (16 *a*)
19. 12. καὶ παραδώσουσιν αὐτόν (16 *a*)
20. 13. ἕως ἂν παραδῷ σοι [A καὶ παραδώσει] αὐτήν (16 *a*)
— 20. ἕως ἂν παραδοθῇ (7)
21. 10. καὶ παραδῷ σοι [A αὐτούς] (16 *a*)
23. 14 (15). παραδοῦναι τὸν ἐχθρόν σου (16 *a*)
— 15 (16). οὐ παραδώσεις παῖδα τῷ κυρίῳ (17)
28. 7. παραδῷ . . . τοὺς ἐχθρούς σου (16 *a*)
31. 5. παρέδωκεν αὐτοὺς κ. ὑμῖν (16 *a*)
32. 30. καὶ κ. παρέδωκεν αὐτοῖς (17)
Jo. 2. 14. A R ὡς ἂν παραδῷ [B -δοῖ] κ. ὑμῖν τὴν πόλιν (16 *a*)
— 24. παρέδωκεν κ. πᾶσαν τὴν γῆν (16 *a*)
6. 2. παραδίδωμι . . . τὴν Ἱερ. (16 *a*)
— 15 (16). παρέδωκε [A -αδέδ.] γὰρ κ. ὑμῖν τὴν πόλιν (16 *a*)
7. 7. παραδοῦναι αὐτὸν τῷ Ἀμ. (16 *a*)
8. 18. εἰς γὰρ τὰς χ. σου παραδέδωκα αὐτήν (16 *a*)
10. 8. εἰς γὰρ τὰς χ. σου παραδέδωκα αὐτούς (16 *a*)
— 12. παρέδωκεν . . . τὸν Ἀμορραῖον (16 *a*)
— 19. παραδῷκε γὰρ αὐτοὺς κ. ὁ θ. ἡ. (16 *a*)
— 30. παρέδωκεν αὐτὴν κύριος (16 *a*)
— 32. παρέδωκε κ. τὴν Λ. (16 *a*)
— 35. παρέδωκεν αὐτὴν κύριος –
Jo. 11. 6. παραδίδωμι τετροπωμένους αὐτούς (16 *a*)
— 8. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος (16 *a*)
— 19. A ἥτις οὐ παρέδωκεν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. [B *al.*] (23 *a*)
21. 42. πάντας τοὺς ἐχθροὺς αὐ. παρέδωκε (16 *a*)
24. 8. A R παρέδωκεν [B -αδέδ.] αὐτοὺς κύριος (16 *a*)
— 10. B καὶ παρέδωκεν αὐτούς –
— 11. καὶ παρέδωκεν αὐτούς (16 *a*)
— 33. καὶ παρέδωκεν αὐτούς –
Jd. 1. 4. παρέδωκε [A ἔδ.] κ. τὸν Χαν. (16 *a*)
2. 14. καὶ παρέδωκεν αὐτούς (16 *a*)
— 23. καὶ οὐ παρέδωκεν αὐτά (16 *a*)
3. 10. παρέδωκε κύριος . . . τὸν Χ. (16 *a*)
— 28. παρέδωκε . . . τοὺς ἐχθροὺς ἡμῶν (16 *a*)
4. 7. καὶ παραδώσω αὐτόν (16 *a*)
— 14. παρέδωκε [A -αδώσει] κ. τὸν Σ. (16 *a*)
6. 1. A παρέδωκεν [B ἔδ.] αὐτοὺς κύριος (16 *a*)
— 13. A παρέδωκεν [B ἔδ.] ἡμᾶς ἐν χειρὶ Μ. (16 *a*)
7. 2. ὥστε μὴ παραδοῦναί με τὴν Μ. (16 *a*)
— 7. A παραδώσω [B δώσω τὴν] Μ. (16 *a*)
— 9. παρέδωκα αὐτὴν ἐν τῇ χειρί σου (16 *a*)
— 14. παρέδωκεν . . . τὴν Μ. (16 *a*)
— 15. παρέδωκε . . . τὴν παρεμβολὴν Μ. (16 *a*)
8. 3. παρέδωκε κ. τοὺς ἄρχοντας Μ. (16 *a*)
11. 9. καὶ παραδῷ αὐτοὺς κύριος (16 *a*)
— 21. παρέδωκε . . . τὸν Σ. (16 *a*)
— 30. A ἐὰν παραδώσει παραδῷς μοι τοὺς υἱοὺς Ἀ. [B *al.*] (16 *a*)
— 32. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος (16 *a*)
12. 3. A παρέδωκεν [B ἔδ.] αὐτοὺς κύριος (16 *a*)
13. 1. καὶ παρέδωκεν αὐτούς (16 *a*)
15. 12. A παραδοῦναί σε εἰς χεῖρας ἀλλοφ. [B *al.*] (16 *a*)
— 12. A καὶ παράδοτέ με αὐτοῖς –
— 13. καὶ παραδώσομέν σε (16 *a*)
16. 23. A παρέδωκεν [B ἔδ.] . . . τὸν Σ. (16 *a*)
— 24. παρέδωκεν . . . τὸν ἐχθρὸν ἡμῶν (16 *a*)
18. 10. A παρέδωκεν [B ἔδ.] αὐτὴν ὁ θ. (16 *a*)
20. 28. A αὔριον παραδώσω αὐτόν [B *al.*] (16 *a*)
I Ki. 11. 12. πάραδος τοὺς ἄνδρας (16 *a*)
14. 10. παραδέδωκεν αὐτοὺς κύριος (16 *a*)
— 12. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος (16 *a*)
— 37. εἰ παραδώσεις αὐτούς (16 *a*)
17. 44. A παραδώσω [B δώσω] τὰς σάρκας σου (16 *a*)
— 47. παραδώσει κύριος ὑμᾶς (16 *a*)
23. 4. παραδίδωμι τοὺς ἀλλοφύλους (16 *a*)
— 12. A εἰ παραδώσουσιν . . . ἐμέ (17)
— 12. A καὶ εἶπεν κ., Παραδώσουσιν (17)
— 14. οὐ παρέδωκεν αὐτὸν κύριος (16 *a*)
24. 5. παραδοῦναι τὸν ἐχθρόν σου (16 *a*)
— 11. ὡς παρέδωκέ σε κύριος (16 *a*)
26. 23. παρέδωκέ σε κύριος (16 *a*)
28. 19. παραδώσει κύριος τὸν Ἰσρ. (16 *a*)
30. 15. καὶ μὴ παραδοῦναί με (17)
— 23. μετὰ τὸ παραδοῦναι τὸν κ. ἡμῖν (16 *a*)
— 23. παρέδωκε κύριος τὸν γεδδούρ (16 *a*)
II Ki. 5. 19. καὶ παραδώσεις αὐτούς (16 *a*)
— 19. παραδιδοὺς παραδώσω τοὺς ἀλλοφύλους (16 *a*, 16 *a*)
III Ki. 8. 46. καὶ παραδώσεις αὐτούς (16 *a*)
14. 16. A παραδώσει κ. τὸν Ἰσρ. (16 *a*)
IV Ki. 3. 13. τοῦ παραδοῦναι [A δοῦναι] αὐτούς (16 *a*)
— 18. παραδώσω τὴν Μωάβ (16 *a*)
18. 30. οὐ μὴ παραδοθῇ ἡ πόλις αὕτη (16 *b*)
19. 10. οὐ μὴ παραδοθῇ Ἱερ. (16 *b*)
21. 14. καὶ παραδώσω αὐτούς (16 *a*)
I Ch. 12. 17. εἰ τοῦ παραδοῦναί με τοῖς ἐχθροῖς μου [S *al.*] (22)
II Ch. 6. 36. καὶ παραδώσεις αὐτούς (16 *a*)
13. 16. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος (16 *a*)
16. 8. παρέδωκεν εἰς τὰς χεῖράς σου (16 *a*)
24. 24. παρέδωκεν . . . δύναμιν πολλὴν σφόδρα (16 *a*)
25. 20. τοῦ παραδοῦναι αὐτὸν εἰς χεῖρας (16 *a*)
28. 5. παρέδωκεν αὐτὸν κ. ὁ θεὸς αὐτοῦ (16 *a*)
— 5. εἰς τὰς χεῖρας βασ. Ἰ. παρέδωκεν [A -αν] αὐτόν (16 *b*)
— 9. παρέδωκεν αὐτοὺς εἰς τὰς χεῖρας ὑμῶν (16 *a*)
30. 7. καὶ παρέδωκεν αὐτούς (16 *a*)
32. 11. τοῦ παραδοῦναι ὑμᾶς εἰς θάνατον (16 *a*)
35. 12. παραδοῦναι αὐτοῖς κατὰ τὴν διαίρεσιν (16 *a*)
36. 17. τὰ πάντα παρέδωκεν ἐν χερσὶν αὐ. (16 *a*)
I Es. 1. 53. πάντας παρέδωκαν εἰς τὰς χ. αὐ. [A *al.*]
2. 11. παρέδωκεν αὐτὰ Μιθραδάτῃ
I Es. 2. 12. παρεδόθησαν Σαμανασσάρῳ
6. 15. παρέδωκεν αὐτοὺς εἰς χεῖρας Ναβ.
— 18. παρεδόθη Ζοροβάβελ
8. 56. A R παρέδωκα αὐτοῖς ἀργυρίου τάλαντα [B *al.*]
— 59. ἕως τοῦ παραδοῦναι αὐτὰ ὑμᾶς
— 62. παρεδόθη ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου
— 77. διὰ τὰς ἁμαρτίας . . . παρεδόθημεν
9. 39. τὸν νόμον Μ. τὸν παραδοθέντα ὑπὸ κυρίου
II Es. 7. 19. καὶ τὰ σκεύη . . . πάραδος ἐνώπιον τοῦ θ. (23 *b*)
9. 7. παρεδόθημεν . . . ἐν χειρὶ βασιλέων (16 *b*)
Ne. 5. 8. R καὶ παραδοθήσονται ἡμῖν (26)
To. 7. 13. παρέδωκεν αὐτὴν Τωβίᾳ [S αὐτῷ]
10. 11. S παρέδωκεν Τωβείᾳ Σάρραν [A B *al.*]
14. 7. S καὶ παραδοθήσεται αὐτοῖς
Ju. 6. 10. καὶ παραδοῦναι εἰς χεῖρας υἱῶν Ἰ.
8. 9, 33. παραδώσειν τὴν πόλιν
10. 15. A S^2 R ἕως παραδώσουσί [B S^1 -δῶσίν] σε εἰς χεῖρας αὐ.
13. 9. παρέδωκε . . . τὴν κεφαλὴν Ὀλ.
Es. 2. 3. παραδοθήτωσαν τῷ εὐνούχῳ τοῦ βασ. –
— 13. παραδώσει αὐτὴν συνεισέρχεσθαι (16 *b*)
4. 17. παρέδωκας ἡμᾶς εἰς χεῖρας τῶν ἐχθρῶν
— 17. μὴ παραδῷς, κύριε, τὸ σκῆπτρόν σου
8. 13. ἐκ τῶν παλαιοτέρων ὡς παρεδώκαμεν [S^2 -αδεδ.] ἱστοριῶν
— 13. τοὺς ὑπὸ τοῦ τρισαλιτηρίου παραδεδομ. εἰς ἀφανισμὸν Ἰουδαίους
Jb. 2. 6. παραδίδωμί σοι αὐτόν †
9. 24. παραδέδονται γὰρ εἰς χεῖρας ἀσεβοῦς (16 *b*)
16. 12 (11). παρέδωκε γάρ με ὁ κύριος εἰς χεῖρας ἀδίκου (17)
24. 14. παρέδωκεν αὐτοὺς εἰς σκότος †
Ps. 9. 35 (10. 14). τοῦ παραδοῦναι αὐτοὺς εἰς χεῖράς σου (16 *a*)
26 (27). 12. μὴ παραδῷς με εἰς ψυχὰς θλιβόντων με (16 *a*)
40 (41). 2. μὴ παραδοῖ [A S -δῴῃ] αὐτὸν εἰς χεῖρας ἐχθροῦ [A S -ῶν] αὐτοῦ (16 *a*)
62 (63). 10. B S^2 παραδοθήσονται εἰς χεῖρας ῥομφαίας (13)
73 (74). 19. μὴ παραδῷς τοῖς θηρίοις ψυχὴν ἐξομολογουμένην σοι (16 *a*)
77 (78). 48. B παρέδωκεν ἐν χαλάζῃ [S^1 εἰς αἰχμαλωσίαν, S^2 εἰς χάλαζαν] τὰ κτήνη αὐτῶν (17)
— 61. παρέδωκεν εἰς αἰχμαλωσίαν τὴν ἰσχὺν αὐτῶν (16 *a*)
87 (88). 8. παρεδόθην καὶ οὐκ ἐξεπορευόμην (8)
105 (106). 41. A^1 S παρέδωκεν αὐτοὺς εἰς χεῖρας ἐθνῶν [A^2 R ἐχθρῶν] (16 *a*)
117 (118). 18. τῷ θανάτῳ οὐ παρέδωκέ με (16 *a*)
118 (119). 121. μὴ παραδῷς με τοῖς ἀδικοῦσί με (14)
139 (140). 8. μὴ παραδῷς με, κύριε, ἀπὸ τῆς ἐπιθυμίας μου ἁμαρτωλῷ (16 *a*)
Pr. 6. 1. παραδώσεις σὴν χεῖρα ἐχθρῷ (25)
11. 8. ἀντ' αὐτοῦ δὲ παραδίδοται ὁ ἀσεβής (2)
24. 23 (29. 27). ὃς δ' ἂν παραδοθῇ συντριβήσεται –
— 33 (30. 10). μὴ παραδῷς οἰκέτην εἰς χεῖρας δεσπότου (9)
27. 24. οὐδὲ παραδίδωσιν ἐκ γενεᾶς εἰς γενεάν [A π. εἰς γενεὰς καὶ γενεάς] †
Wi. 14. 15. παρέδωκε τοῖς ὑποχειρίοις μυστήρια
Si. 4. 19. παραδώσει αὐτὸν εἰς χεῖρας πτώσεως αὐτοῦ
11. 6. ἔνδοξοι παρεδόθησαν εἰς χεῖρας ἑτέρων
23. 6. ψυχῇ ἀναιδεῖ μὴ παραδῷς με
42. 7. ὁ ἐὰν παραδιδῷς [S παραδῷς] ἐν ἀριθμῷ καὶ σταθμῷ
Ho. 8. 10. παραδοθήσονται [A -εδόθησαν] ἐν τοῖς ἔθνεσι (16 *a*)
Mi. 6. 14. εἰς ῥομφαίαν παραδοθήσονται (16 *a*)
— 16. ὅπως παραδῶ [A -δώσω] σε εἰς ἀφανισμόν (16 *a*)
Za. 11. 6. παραδίδωμι τοὺς ἀνθρώπους (12)
Is. 19. 4. παραδώσω Αἰγυπτον εἰς χεῖρας ἀνθρώπων (18)
23. 7. πρὶν ἢ παραδοθῆναι αὐτήν †
25. 5. οἷς ἡμᾶς παρέδωκας –
— 7. πάράδος ταῦτα πάντα τοῖς ἔθνεσιν †
33. 1. ἁλώσονται οἱ ἀθετοῦντες καὶ παραδοθήσονται †
— 6. ἐν νόμῳ παραδοθήσονται †
— 23. ἕως οὗ παραδοθῇ εἰς προνομήν (3)
34. 2. τοῦ . . . παραδοῦναι αὐτοὺς εἰς σφαγήν (16 *a*)

Is. 36. 15. οὐ μὴ παραδοθῇ ἡ πόλις αὕτη ἐν χειρὶ βασιλέως (16 b)
37. 10. οὐ μὴ παραδοθῇ Ἱερ. ἐν χειρὶ [A S εἰς χεῖρας] βασιλέως Ἀσσυρίων (16 b)
38. 13. παρεδόθην ἕως πρωΐ ὡς λέοντι †
— 13. ἀπὸ γὰρ τῆς ἡμέρας ἕως νυκτὸς παρεδόθην (23 a)
47. 3. οὐκέτι μὴ παραδῷ [S add. σε] ἀνθρώποις (20 a)
53. 6. κύριος παρέδωκεν αὐτὸν ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν (20 b)
— 12. παρεδόθη εἰς θάνατον ἡ ψυχὴ αὐτοῦ . . . διὰ τὰς ἀνομίας [A ἁμαρτίας] αὐτῶν παρεδόθη (19, 20 b)
64. 7 (6). παρέδωκας ἡμᾶς διὰ τὰς ἁμαρτίας ἡμῶν †
65. 12. παραδώσω ὑμᾶς εἰς μάχαιραν (11)
Je. 2. 24. παρεδόθη τίς ἐπιστρέψει αὐτήν (1 b ?)
15. 4. παραδώσω αὐτοὺς εἰς ἀνάγκας (16 a)
21. 10. εἰς χεῖρας βασιλέως Βαβυλῶνος παραδοθήσεται (16 b)
22. 25. παραδώσω σε [S om. π. σ.] εἰς χεῖρας τῶν ζητούντων τὴν ψυχήν σου (16 a)
— 26. A παραδώσω [B ἀπορρίψω] σε καὶ τὴν μητέρα σου (5)
24. 8. οὕτως παραδώσω τὸν Σεδεκίαν (16 a)
26 (46). 24. παρεδόθη εἰς χεῖρας λαοῦ (16 b)
— 28. ἡ ἀπτόητος καὶ τρυφερὰ παρεδόθη –
27 (50). 2. ἡ τρυφερὰ παρεδόθη M. (4)
33 (26). 24. τοῦ μὴ παραδοῦναι αὐτὸν εἰς χεῖρας τοῦ λαοῦ (16 a)
39 (32). 4. B S² παραδόσει παραδοθήσεται [A -σονται] εἰς χεῖρας βασιλέως Βαβυλῶνος (16 b)
— 28. δοθείσα παραδοθήσεται ἡ πόλις αὕτη (16 a)
— 36. παραδοθήσεται εἰς χεῖρας βασιλέως Βαβυλῶνος (16 b)
— 43. παρεδόθησαν εἰς χεῖρας Χαλδαίων (16 b)
41 (34). 2. παραδόσει παραδοθήσεται ἡ πόλις αὕτη (16 a)
44 (37). 17. εἰς χεῖρας βασιλέως Βαβυλῶνος παραδοθήσῃ (16 b)
45 (38). 3. παραδιδομένη παραδοθήσεται ἡ πόλις αὕτη (16 b, 16 b)
— 16. A εἰ παραδώσω [B S δ.] σε εἰς χεῖρας τῶν ἀνθρώπων τούτων (16 a)
— 18. A παραδοθήσεται ἡ πόλις αὕτη εἰς χεῖρας βασιλέως Βαβυλῶνος [B S al.] (16 b)
— 20. οὐ μὴ παραδῶσί [B² -σειν ?, A S -δώσουσίν] σε (16 a)
— 23. A εἰς χεῖρας βασιλέως Βαβυλῶνος παραδοθήσῃ [B S al.] (24)
46 (39). 17. A οὐ μὴ παραδώσω [B δ.] σε εἰς χεῖρας ἀνθρώπων (16 b)
Ba. 4. 6. παρεδόθητε τοῖς ὑπεναντίοις
Ez. 7. 21. παραδώσω αὐτὰ εἰς χεῖρας ἀλλοτρίων (16 a)
11. 9. παραδώσω ὑμᾶς εἰς χεῖρας ἀλλοτρίων (16 a)
16. 27. παραδώσω [A add. σε] εἰς ψυχὰς μισούντων σε (16 a)
— 39. παραδώσω σε εἰς χεῖρας αὐτῶν (16 a)
21. 15 (20). παραδέδονται [A παραδοθήσονται] εἰς σφάγια ῥομφαίας (16 a)
— 27 (32). παραδώσω αὐτῷ [A -ήν] (16 a)
— 29 (34). τοῦ παραδοῦναί σε ἐπὶ τραχήλους τραυματιῶν (16 a)
— 31 (36). παραδώσω σε εἰς χεῖρας ἀνδρῶν βαρβάρων (16 a)
23. 9. παρέδωκα αὐτὴν εἰς χεῖρας τῶν ἐραστῶν αὐτῆς (16 a)
— 28. παραδίδωμί σε εἰς χεῖρας ὧν μισεῖς (16 a)
25. 4. παραδίδωμι ὑμᾶς τοῖς υἱοῖς κεδέμ (16 a)
31. 11. παρέδωκα αὐτὸν εἰς χεῖρας ἄρχοντος ἐθνῶν (16 a)
39. 23. παρέδωκα αὐτοὺς εἰς χεῖρας τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν (16 a)
Da. LXX. 1. 2. παρέδωκεν αὐτὴν κ. εἰς χεῖρας αὐ. (16 a)
2. 38. παρέδωκεν ὑπὸ τὰς χεῖράς σου (6 a)
3. (32). παρέδωκας ἡμᾶς εἰς χεῖρας ἐχθρῶν ἡμῶν
— (34). μὴ παραδῷς ἡμᾶς εἰς τέλος
— 28 (95). παρέδωκαν τὰ σώματα αὐ. εἰς ἐμπυρισμόν (6 a)
4. 15. εἰς φυλακὴν παρεδόθη –
7. 25. παραδοθήσεται πάντα εἰς τὰς χεῖρας αὐ. (6 b)
11. 11. παραδοθήσεται ἡ συναγωγὴ εἰς τὰς χεῖρας αὐ. (16 b)
Da. LXX. Bel 21. παρέδωκεν αὐτοὺς τῷ Δαν.
— 31. οἷς παρεδίδοντο οἱ ἐπίβουλοι τοῦ βασ.
Da. TH. 3. (32). παρέδωκας ἡμᾶς εἰς χεῖρας ἐχθρῶν ἀνόμων
— (34). R μὴ δὴ παραδῴης [B -δοῖς, A -δῷς] ἡμᾶς
— 28 (95). παρέδωκαν τὰ σώματα αὐ. εἰς πῦρ (6 a)
11. 6. παραδοθήσεται αὕτη (16 b)
— 11. παραδοθήσεται ὁ ὄχλος ἐν χειρὶ αὐ. (16 b)
Bel 29. παράδος ἡμῖν τὸν Δ.
— 30. παρέδωκεν αὐτοῖς τὸν Δ.
I Ma. 3. 34. παρέδωκεν αὐτῷ τὰς ἡμίσεις τῶν δυνάμεων
4. 30. παρέδωκας τὴν παρεμβ. . . . εἰς χεῖρας Ἰ.
5. 50. παρεδόθη ἡ πόλις ἐν χερσὶν αὐ.
7. 35. ἐὰν μὴ παραδοθῇ Ἰ.
10. 6. τὰ ὅμηρα . . . εἶπε παραδοῦναι αὐτῷ
— 9. παρέδωκαν . . . τὰ ὅμηρα
11. 40. A R ὅπως παραδοῖ αὐτὸν αὐτῷ
12. 34. τὸ ὀχύρωμα παραδοῦναι τοῖς παρὰ Δ.
— 45. παραδώσω σοι αὐτήν
15. 21. παράδοτε αὐτοὺς Σίμωνι
— 30. παράδοτε τὰς πόλεις
16. 18. ὅπως . . . παραδῷ αὐτῷ τὴν χώραν αὐ.
II Ma. 1. 17. R ὃς παρέδωκε [A ἔδ.] τοὺς ἀσεβήσαντας
10. 4. μὴ βλασφήμοις καὶ βαρβάροις ἔθνεσι παραδίδοσθαι
14. 31. ἐκέλευσε παραδιδόναι τὸν ἄνδρα
— 33. ἐὰν μὴ δέσμιόν μοι τὸν Ἰ. παραδῶτε
15. 15. παραδοῦναι τῷ Ἰ. ῥομφαίαν χρυσῆν
[Aq. Jo. 2. 14: Je. 32 (39). 4.]
[Sm. Jo. 2. 14: Je. 12. 7: 32 (39). 4: 39 (46). 17: 50 (27). 15.]
[Th. Jo. 2. 14: Jd. 6. 12: I Ki. 23. 12: Je. 46 (26). 26.]
[Sam. Ex. 13. 13.]
[Al. Nu. 21. 2 bis: I Ki. 28. 19: Hb. 3. 17.]

παραδοκᾶν (?).

[Aq., Sext. Ps. 32 (33). 20.]

παραδοξάζειν. (1) a. פָּלָא hi. b. פָּלָה hi.

Ex. 8. 22 (18). παραδοξάσω . . . τὴν γῆν Γεσέμ (1 b)
9. 4. παραδοξάσω . . . ἀνὰ μέσον τῶν κτηνῶν (1 b)
11. 7. A R ὅσα παραδοξάσει [B -άζει] κύριος (1 b)
De. 28. 59. παραδοξάσει κ. τὰς πληγάς σου (1 a)
Si. 10. 13. παρεδόξασε κύριος τὰς ἐπαγωγάς
II Ma. 3. 30. τὸν κύριον . . . τὸν παραδοξάζοντα τὸν ἑαυτοῦ τόπον
III Ma. 2. 9. καὶ παρεδόξασας ἐν ἐπιφανείᾳ μεγαλοπρεπεῖ
[Sm. Ps. 16 (17). 7: 30 (31). 22: Is. 28. 29: 29. 14.]

παραδοξασμός.

[Sm. Is. 9. 6 (5): 29. 14.]

παράδοξος.

Ju. 13. 13. παράδοξον ἦν αὐτοῖς τὸ ἐλθεῖν αὐτήν
Wi. 5. 2. ἐκστήσονται ἐπὶ τῷ π. τῆς σωτηρίας
16. 17. τὸ γὰρ παραδοξότατον . . . πλεῖον ἐνήργει τὸ πῦρ
19. 5. καὶ ὁ μὲν λαός σου παράδοξον ὁδοιπορίαν περάσῃ
Si. 43. 25. ἐκεῖ τὰ π. καὶ θαυμάσια ἔργα
II Ma. 9. 24. ἐάν τι π. ἀποβαίνῃ
III Ma. 6. 33. ἐπὶ τῇ π. γενηθείσῃ αὐτῷ σωτηρίᾳ
IV Ma. 2. 13. μὴ νομίσητε παράδοξον εἶναι
[Sm. Ps. 89 (90). 10: 117 (118). 23: 138 (139). 14.]
[Al. Ps. 144 (145). 5.]

παραδόξως.

IV Ma. 4. 14. ὁ μὲν π. διασωθεὶς ᾤχετο
[Sm. Ps. 89 (90). 10: Is. 29. 14.]

παράδοσις. (1) אֱסוּר (2) נָתַן ni.

II Es. 7. 26. ἐάν τε εἰς παράδοσιν [A δεσμά] (1)
Je. 39 (32). 4. A B S² παραδόσει παραδοθήσεται εἰς χεῖρας βασιλέως Βαβυλῶνος (2)
41 (34). 2. παραδόσει παραδοθήσεται ἡ πόλις αὕτη †
[Th. Ez. 20. 37.]

παραδρομή. (1) רַהַט

Ca. 7. 5 (6). βασιλεὺς δεδεμένος ἐν παραδρομαῖς
II Ma. 3. 28. τὸν ἄρτι μετὰ πολλῆς π. . . . εἰσελθόντα

παράδωσις (?). (1) נָתַן

Jd. 11. 30. A ἐὰν παραδώσει παραδῷς μοι τοὺς υἱοὺς Ἀ. [B al.] (1)

παραζευγνύναι.

Ju. 10. 17. καὶ παρέζευξαν αὐτῇ

παραζηλοῦν. (1) חָרָה hithp. (2) קָנָא a. pi. b. hi.

De. 32. 21. παρεζήλωσάν με ἐπ' οὐ θεῷ (2 a)
— 21. παραζηλώσω αὐτοὺς ἐπ' οὐκ ἔθνει (2 b)
III Ki. 14. 22. καὶ παρεζήλωσεν [A -σαν] αὐτόν (2 a)
Ps. 36 (37). 1. μὴ παραζήλου ἐν πονηρευομένοις (1)
— 7. μὴ παραζήλου ἐν τῷ κατευοδουμένῳ (1)
— 8. μὴ παραζήλου ὥστε [B¹ ἐν τῷ] πονηρεύεσθαι (1)
77 (78). 58. ἐν τοῖς γλυπτοῖς αὐτῶν παρεζήλωσαν αὐτόν (2 b)
Si. 30. 3. παραζηλώσει τὸν ἐχθρόν

παραζήλωσις.

[Sm. Ez. 8. 3.]

παραζητεῖν.

[Al. Le. 27. 33.]

παραζώνη. (1) חֲגוֹרָה

II Ki. 18. 11. ἐγὼ ἂν δεδώκειν . . . π. μίαν (1)
[Th. II Ki. 21. 16.]

παραθαλάσσιος. (1) חוֹף הַיָּם (2) עַל שְׂפַת הַיָּם

II Ch. 8. 17. καὶ εἰς τὴν Ἀ. τὴν π. (2)
Je. 29 (47). 7. ἐπὶ τὴν Ἀσκάλωνα καὶ ἐπὶ τὰς π. (1)
Ez. 25. 9. Βεθασιμοὺθ ἐπάνω πηγῆς [B¹ B. ἐπαναγωγῆς] πόλεως παραθαλασσίας †
— 16. A ἀπολῶ . . . τοὺς κατοικοῦντας τὴν π. [B παραλίαν] (1)
I Ma. 7. 1. A R ἀνέβη . . . εἰς πόλιν [S om. εἰς π.] π. [S παρα θάλασσαν]
11. 8. ἕως Σελευκείας τῆς π.
II Ma. 8. 11. εἰς τὰς π. πόλεις ἀπέστειλε

παραθαρσύνειν.

IV Ma. 13. 8. παρεθάρσυνον ἀλλήλους

παράθεμα. (1) מִכְבָּר

Ex. 38. 24 (4). ἐποίησε . . . παράθεμα [A περίθ.] (1)
— 24 (5). ἐκ τῶν τεσσάρων μερῶν τοῦ π. (1)
39. 10 (38. 30). καὶ τὸ π. τὸ χαλκοῦν (1)

παραθερμαίνειν. (1) חָמַם

De. 19. 6. παρατεθέρμανται τῇ καρδίᾳ (1)

παράθεσις. (1) אוֹצָר (2) כֵּרָה (3) מַאֲכָל

IV Ki. 6. 23. παρέθηκεν αὐτοῖς π. μεγάλην (2)
II Ch. 11. 11. ἔδωκεν . . . παραθέσεις βρωμάτων (1)
Pr. 6. 8. πολλήν τε ἐν τῷ ἀμητῷ ποιεῖται τὴν π. (3)
15. 17. παράθεσις μόσχων μετὰ ἔχθρας †
I Ma. 6. 53. κατέφαγον τὸ ὑπόλειμμα τῆς π.
9. 52. ἔθετο ἐν αὐταῖς . . . παραθέσεις βρωμάτων
II Ma. 12. 14. πεποιθότες . . . τῇ . . . τῶν βρωμάτων π.
— 27. βελῶν πολλαὶ π. ὑπῆρχον

παραθήκη. (1) פִּקָּדוֹן

Le. 6. 2 (5. 21). καὶ ψεύσηται . . . ἐν παραθήκῃ (1)
— 4 (5. 23). καὶ ἀποδῷ . . . τὴν π. (1)
To. 10. 13. S παρατίθεμαι . . . ἐν παραθήκῃ [A B παρακαταθ.]
II Ma. 3. 10. R παραθήκας [A παρακαταθ.] εἶναι χηρῶν
— 15. R τὸν περὶ παραθήκης [A παρακαταθ.] νομοθετήσαντα
[Aq. Ge. 41. 36.]

παραθλίβειν. (1) לָחַץ

IV Ki. 6. 32. παραθλίψατε αὐτὸν ἐν τῇ θύρᾳ

παραινεῖν.

II Ma. 7. 25. παρῄνει γενέσθαι τοῦ μειρακίου σύμβουλον
— 26. R πολλὰ δὲ αὐτοῦ παραινέσαντος [A -νήσ.]
III Ma. 5. 17. παρῄνει εἰς εὐωχίαν δόντας ἑαυτούς
7. 12. A παραινέσας [R συναιν.] ἔδωκεν αὐτοῖς ἄδειαν πάντων
[Sm. Ec. 8. 2.]

παραίνεσις.

Wi. 8. 9. ἔσται μοι . . . παραίνεσις φροντίδων καὶ λύπης
[Sm. Ps. 118 (119). 56, 100.]

παραιρεῖν. (1) אָצַל hi.

Nu. 11. 25. παρείλατο ἀπὸ τοῦ πνεύματος (1)
[Sm. Jb. 39. 17: Ps. 80 (81). 7.]

παραιτεῖσθαι. (1) בָּקַשׁ pi. (2) חָנַן hithp. (3) שָׁאַל ni.

I Ki. 20. 6. παραιτούμενος παρῃτήσατο ἀπ' ἐμοῦ [A ἀπὸ τοῦ] Δ. (3, 3)
— 28. παρῄτηται παρ' ἐμοῦ Δ. (3)
Es. 4. 8. παραιτήσασθαι τὸν βασιλέα (2)
7. 7. παρῃτεῖτο [S² add. περὶ τῆς ψυχῆς αὐ.] τὴν βασίλισσαν (1)
II Ma. 2. 31. τὸ ἐξεργαστικὸν τῆς πραγματείας παραιτεῖσθαι
III Ma. 6. 27. τὰ προπεπραγμένα παραιτησάμενοι
IV Ma. 11. 2. A R οὐ μέλλω . . . παραιτεῖσθαι [S om.] [Th. Jb. 15. 4.]

παραίτιος.

II Ma. 11. 19. πειράσομαι παραίτιος ὑμῖν ἀγαθῶν γενέσθαι

παρακαθεύδειν.

Ju. 10. 20. ἐξῆλθον οἱ παρακαθεύδοντες Ὀλοφέρνῃ

παρακαθῆσθαι. (1) יָשַׁב

Es. 1. 14. οἱ πρῶτοι παρακαθήμ. τῷ βασιλεῖ (1)
Jb. 2. 13. A παρεκάθηντο [B S -θισαν] αὐτῷ ἑπτὰ ἡμέρας (1)

παρακαθίζειν. (1) יָשַׁב

Jb. 2. 13. παρεκάθισαν [A -θηντο] αὐτῷ ἑπτὰ ἡμέρας (1)

παρακαθιστάναι.

II Ma. 12. 3. A εἰς τὰ παρακατασταθέντα [R παραστ.] ὑπ' αὐτῶν σκάφη

παρακαλεῖν. (1) אָמַץ pi. (2) אָמַר (3) חָזַק pi. (4) חָלַם hi. (5) מַלְאָךְ (6) נָהַג pi. (7) נָחַל pi. (8) נִיף *a.* hi. *b.* pil. (9) נָחָה hi. (10) נָחַם *a.* ni. *b.* pi. *c.* pu. *d.* hithpa. *e.* נֶחָמָה (11) סוּת hi. (12) קָרָא (13) רָחַם pi. (14) שָׁבַת hi. (15) שָׁעַע pilp.

Ge. 24. 67. καὶ παρεκλήθη Ἰ. περὶ Σάρρας (10 *a*)
37. 35. ἦλθον παρακαλέσαι αὐτόν (10 *b*)
— 35. οὐκ ἤθελε παρακαλεῖσθαι (10 *d*)
38. 12. καὶ παρακληθεὶς Ἰ. ἀνέβη (10 *a*)
50. 21. παρεκάλεσεν αὐτούς (10 *b*)
Ex. 15. 13. παρεκάλεσας . . . εἰς κατάλυμα ἅγ. σου (7)
De. 3. 28. καὶ παρακάλεσον αὐτόν (1)
13. 6 (7). ἐὰν δὲ παρακαλέσῃ σε ὁ ἀδ. σου (11)
32. 36. ἐπὶ τοῖς δούλοις αὐτοῦ παρακληθήσεται (10 *d*)
Jd. 2. 18. παρεκλήθη κ. ἀπὸ τοῦ στεναγμοῦ αὐ. (10 *a*)
21. 6. παρεκλήθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (10 *a*)
— 15. ὁ λαὸς παρεκλήθη (10 *a*)
Ru. 2. 13. παρεκάλεσάς με (10 *b*)
I Ki. 15. 11. παρακέκλημαι (10 *a*)
22. 4. παρεκάλεσε τὸ πρόσωπον τοῦ βασ. †
II Ki. 10. 2. ἀπέστειλε Δ. παρακαλέσαι αὐτόν (10 *b*)
— 3. ἀπέστειλέ σοι παρακαλοῦντας (10 *b*)
12. 24. παρεκάλεσε Δ. Βηρσ. (10 *b*)
13. 39. παρεκλήθη ἐπὶ Ἀ. (10 *a*)
24. 16. παρεκλήθη κ. ἐπὶ [A ἐν] τῇ κακίᾳ (10 *a*)
I Ch. 7. 22 : 19. 2 *bis*. τοῦ παρακαλέσαι αὐτόν (10 *b*)
— 3. ἀπέστειλέ σοι παρακαλοῦντας (10 *b*)
Ju. 6. 20. παρεκάλεσαν τὸν Ἀχιὼρ
Es. 5. 1. καὶ παρεκάλει αὐτήν
— 2. πᾶσα ἡ θεραπεία αὐ. παρεκάλει αὐτήν
Jb 2. 11. A τοῦ παρακαλέσαι καὶ ἐπισκέψασθαι αὐτόν –
— 11. τοῦ παρακαλέσαι καὶ ἐπισκέψασθαι αὐτόν (10 *b* ?)
4. 3. καὶ χεῖρας ἀσθενοῦς [A -οῦντων] παρεκάλεσας (3)
7. 13. παρακαλέσει με ἡ κλίνη μου (10 *b*)
Jb. 21. 34. πῶς δὲ παρακαλεῖτέ με κενά (10 *b*)
29. 25. ὃν τρόπον παθεινοὺς [A συνπαθεῖς, S² ποθ.] παρακαλῶν [B² S² -εκάλουν] (10 *b*)
42. 11. πίοντες παρ' [A om.] αὐτῷ παρεκάλεσαν [S¹ ἐκ.] αὐτόν (10 *b*)
Ps. 22 (23). 4. αὗταί [A αὐτά] με παρεκάλεσαν (10 *b*)
68 (69). 20. ὑπέμεινα . . . παρακαλοῦντα [S² -ας] καὶ οὐχ εὗρον (10 *b*)
70 (71). 21. ἐπιστρέψας παρεκάλεσάς με (10 *b*)
76 (77). 2. ἀπηνήνατο παρακληθῆναι ἡ ψυχή μου (10 *a*)
85 (86). 17. σὺ, κύριε, . . . παρεκάλεσάς με (10 *b*)
89 (90). 13. παρακλήθητι ἐπὶ τοῖς δούλοις σου (10 *a*)
118 (119). 50. αὕτη με παρεκάλεσεν ἐν τῇ ταπεινώσει μου (10 *c*)
— 52. καὶ παρεκλήθην (10 *d*)
— 76. τοῦ παρακαλέσαι με κατὰ τὸ λόγιόν σου τῷ δούλῳ σου (10 *b*)
— 82. S² R πότε παρακαλέσεις [S¹ παρεκάλεσάν] με (10 *b*)
125 (126). 1. ἐγενήθημεν ὡσεὶ παρακεκλημένοι †
134 (135). 14. ἐπὶ τοῖς δούλοις αὐτοῦ παρακληθήσεται (10 *d*)
Pr. 1. 11. ἐὰν παρακαλέσωσί σε λέγοντες –
8. 4. ὑμᾶς, ὦ ἄνθρωποι, παρακαλῶ (12)
Ec. 4. 1. οὐκ ἔστιν αὐτοῖς παρακαλῶν (10 *b*)
— 1. οὐκ ἔστιν αὐτοῖς παρακαλῶν [A S ὁ π.] (10 *b*)
Si. *prol.* 12. παρακέκλησθε οὖν μετ' εὐνοίας
16. 9. S² ἐπὶ πλήθει ἀγίων αὐ. οὐ παρεκλήθη
17. 24. παρεκάλεσεν ἐκλείποντας ὑπομονήν
30. 23. παρακάλει τὴν καρδίαν σου
32 (35). 17. ἕως συνεγγίσῃ οὐ μὴ παρακληθῇ
38. 17. παρακλήθητι λύπης ἕνεκα
— 23. παρακλήθητι ἐν αὐτῷ ἐν ἐξόδῳ πνεύματος αὐτοῦ
48. 24. παρεκάλεσε τοὺς πενθοῦντας ἐν Σιών
49. 10. παρεκάλεσε [A -σαν] δὲ τὸν Ἰ.
Za. 10. 2. μάταια παρεκάλουν (10 *b*)
Is. 10. 32. παρακαλεῖτε σήμερον ἐν ὁδῷ τοῦ μείναι τῇ χειρὶ παρακαλεῖτε τὸ ὄρος (†, 8 *b*)
13. 2. παρακαλεῖτε [S¹ -εῖσθε?] τῇ χειρί [A ψυχῇ] (8 *a*)
21. 2. στενάξω καὶ παρακαλέσω ἐμαυτόν (14)
22. 4. μὴ κατισχύσητε π. με ἐπὶ τὸ σύντριμμα (10 *b*)
33. 7. πικρῶς κλαίοντες παρακαλοῦντες εἰρήνην (5 ?)
35. 4. παρακαλέσατε οἱ ὀλιγόψυχοι τῇ διανοίᾳ (2)
38. 16. παρακληθεὶς ἔζησα (4)
40. 1. παρακαλεῖτε παρακαλεῖτε τὸν λαόν [S¹ π. λαός] μου (10 *b*, 10 *b*)
— 2. παρακαλέσατε αὐτήν (12)
— 11. ἐν γαστρὶ ἔχουσας παρακαλέσει (7)
41. 27. Ἱερ. παρακαλέσω εἰς ὁδόν [A ἐν ὁδῷ, B¹ om. εἰς ὁ.] †
49. 10. ὁ ἐλεῶν αὐτοὺς παρακαλέσει (6)
— 13. τοὺς ταπεινοὺς τοῦ λαοῦ αὐτοῦ παρεκάλεσεν (13)
51. 3. σὲ νῦν παρακαλέσω, Σιὼν, καὶ παρεκάλεσα πάντα τὰ ἔρημα αὐτῆς [A om.] (10 *b*, 10 *b*)
— 12. ἐγώ εἰμι ὁ παρακαλῶν σε (10 *b*)
— 18. οὐκ ἦν ὁ παρακαλῶν σε ἀπὸ πάντων τῶν τέκνων σου (7)
— 19. τίς παρακαλέσει σε (10 *b*)
54. 11. ἀκατάστατος οὐ παρεκλήθης [S¹ ἀ. ἔσται παρακεκλημένη] (10 *c*)
57. 5. οἱ παρακαλοῦντες τὰ [S ἐπὶ τὰ] εἴδωλα †
— 18. καὶ παρεκάλεσα αὐτόν [S² om. κ. π. αὐ.] (9)
61. 2. παρακαλέσαι πάντας τοὺς πενθοῦντας (10 *b*)
66. 12. ἐπὶ γονάτων παρακληθήσονται (15)
— 13. ὡς εἴ τινα μήτηρ παρακαλέσει οὕτω [A ὅτι οὕτως] κἀγὼ παρακαλέσω ὑμᾶς καὶ ἐν Ἱερ. παρακληθήσεσθε (10 *b*, 10 *b*, 10 *c*)
Je. 3. 19. S¹ εἴπατε παρακαλέσατέ με [A B S² *al.*] (12 ?)
38 (31). 15. A B² οὐκ ἤθελε παρακληθῆναι [B¹ S R παύσασθαι] (10 *a*)
Ba. 4. 30. παρακαλέσει [A -καλεῖ] σε ὁ ὀνομάσας σε
La. 1. 2. οὐχ ὑπάρχει ὁ παρακαλῶν αὐτήν (10 *b*)
— 9. οὐκ ἔστιν ὁ παρακαλῶν αὐτήν (10 *b*)
— 16. ἐμακρύνθη ἀπ' ἐμοῦ ὁ παρακαλῶν με (10 *b*)
— 17. οὐκ ἔστιν ὁ [S¹ om.] παρακαλῶν αὐτήν (10 *b*)
— 21. οὐκ ἔστιν ὁ παρακαλῶν με (10 *b*)
La. 2. 13. τίς σώσει καὶ παρακαλέσει σε (10 *b*)
Ez. 14. 23. παρακαλέσουσιν ὑμᾶς (10 *b*)
24. 17. οὐ μὴ παρακληθῇς ἐν χείλεσιν αὐτῶν †
— 22. ἀπὸ στόματος αὐτῶν οὐ [A *add.* μὴ] παρακληθήσεσθε †
— 23. παρακαλέσετε ἕκαστος τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ †
31. 16. παρεκάλουν αὐτὸν ἐν γῇ [A *add.* κάτω] πάντα τὰ ξύλα (10 *a*)
32. 31. παρακληθήσεται ἐπὶ πᾶσαν τὴν ἰσχὺν [A πάσῃ τῇ ἰ.] αὐτῶν (10 *a*)
I Ma. 5. 53. ἦν Ἰ. . . . παρακαλῶν τὸν λαόν
9. 35. παρεκάλεσε τοὺς Ναβ.
12. 50. παρεκάλεσαν ἑαυτούς
13. 3. παρεκάλεσεν αὐτούς
II Ma. 2. 3. A² R παρεκάλει μὴ ἀποστῆναι τὸν νόμον
4. 34. παρεκάλει χειρώσασθαι τὸν Ὀ.
6. 12. παρακαλῶ οὖν τοὺς ἐντυγχάνοντας τῇδε τῇ βίβλῳ
— 21. R ἀπολαβόντες αὐτὸν κατ' ἰδίαν παρεκάλουν [A *al.*]
7. 5. ἀλλήλους παρεκάλουν . . . γενναίως τελευτᾶν
— 6. ταῖς ἀληθείαις ἐφ' ἡμῖν παρακαλεῖται
— 6. ἐπὶ τοῖς δούλοις αὐ. παρακληθήσεται
— 21. ἕκαστον δὲ αὐτῶν παρεκάλει
8. 16. παρεκάλει μὴ καταπλαγῆναι
9. 26. παρακαλῶ οὖν ὑμᾶς
11. 15. οἷς ὁ Λ. παρεκάλει
— 32. R πέπομφα δὲ καὶ τὸν Μ. παρακαλέσοντα [A -σαντα] ὑμᾶς
12. 3. παρακαλέσαντες τοὺς . . . Ἰουδαίους
— 42. παρεκάλεσε τὸ πλῆθος
13. 3. παρεκάλει . . . τὸν Ἀντίοχον
— 12. παρακαλέσας αὐτοὺς ὁ Ἰ.
— 14. παρακαλέσας τοὺς σὺν αὐτῷ
— 23. τοὺς Ἰουδ. παρεκάλεσεν
14. 25. παρεκάλεσεν αὐτὸν γῆμαι
15. 8. παρεκάλει τοὺς σὺν αὐτῷ
— 17. παρακληθέντες δὲ τοῖς Ἰ. λόγοις
III Ma. 1. 4. ἱκανῶς ἡ Ἀρσινόη . . . παρεκάλει
— 6. ἔκρινε τὰς πλησίον πόλεις ἐπελθὼν παρακαλέσαι
3. 8. παρεκάλουν δὲ καὶ δυσφόρως εἶχον
5. 36. εἰς εὐφροσύνην τραπῆναι παρεκάλει
IV Ma. 4. 11. μετὰ δακρύων τοὺς Ἑβρ. παρεκάλει
8. 6. παρακαλῶ συνείξαντάς μοι
— 17. A R βασιλέως ἡμᾶς παρακαλοῦντος [S καλ.] καὶ ἐπὶ εὐεργεσίᾳ φωνοῦντος [S παρακαλοῦντος]
10. 1. παρακαλούμενος πολλὰ ὑπὸ πολλῶν
12. 6. καὶ ταῦτα παρακαλῶν
16. 24. ἕνα ἕκαστον τῶν υἱῶν παρακαλοῦσα
[Aq. II Ki. 24. 16: Jb. 42. 6: Is. 52. 9: 57. 6: Je. 8. 6: 20. 16: 26 (33). 3: 31 (38). 13, 15, 19: Am. 7. 3: Jn. 3. 10.]
[Sm. Ge. 50. 16: II Ki. 24. 16: Ps. 89 (90). 13: Is. 57. 6: Je. 20. 16: Am. 7. 3: Jn. 4. 2.]
[Th. I Ki. 15. 11, 29: Jb. 29. 25: Is. 57. 6: Je. 16. 7: Ez. 5. 13: 24. 14 (Sw.).]
[Al. Ps. 125 (126). 1.]

παρακάλυμμα.

Wi. 17. 3. ἀφεγγεῖ λήθης παρακαλύμματι ἐσκορπίσθησαν [S διεσκ., A ἐσκοτίσθησαν]

παρακαλύπτειν. (1) עָלַם hi. (2) פָּחַד

Is. 44. 8. μὴ παρακαλύπτεσθε (2)
Ez. 22. 26. παρεκάλυπτον τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐ. (1)

παρακαταθήκη. (1) מְלָאכָה

Ex. 22. 8 (7). ἐφ' ὅλης τῆς π. τοῦ πλησίον (1)
— 11 (10). καθόλου [A ἐφ' ὅλης] τῆς π. τοῦ πλησίον (1)
To. 10. 13. παρατίθεμαι . . . ἐν παρακαταθήκῃ [S παραθ.]
II Ma. 3. 10. A παρακαταθήκας [R παραθ.] εἶναι χηρῶν
— 15. A τὸν περὶ παρακαταθήκης [R παραθ.] νομοθετήσαντα
IV Ma. 4. 7. οἱ τὰς π. πιστεύσαντες τῷ ἱερῷ θησαυρῷ

παρακατατιθέναι. (1) פָּקַד hi.

Je. 47 (40). 7. R παρακατέθεντο [A B παρεκ., S -ετο] αὐτῷ ἄνδρας (1)
48 (41). 10. ἃς παρεκατέθετο ὁ ἀρχιμάγειρος τῷ Γοδολίᾳ (1)

II Ma. 3. 15. τοῖς παρακαταθεμένοις ταῦτα σῶα διαφυλάξαι
9. 25. ὃν . . . τοῖς πλείστοις ὑμῶν παρεκατετιθέμην

παράκειεσθαι.

Ju. 3. 2. παρακείμεθα [S¹ -εκ.] ἐνώπιόν σου
— 3. A B παράκεινται πρὸ προσώπου σου
Si. 30. 18. θέματα βρωμάτων παρακείμενα ἐπὶ τάφῳ
34 (31). 16. φάγε ὡς ἄνθρωπος τὰ παρακείμενά σοι
Da. LXX. Bel 14. κατεφάγοσαν πάντα τὰ παρακείμενα τῷ Βήλ
II Ma. 4. 41. τινὲς δὲ ἐκ τῆς παρακειμένης σποδοῦ δρασσόμενοι
9. 25. κατανοῶν τοὺς παρακειμένους δυνάστας
12. 16. ὥστε τὴν παρακειμ. λίμνην . . . πεπληρωμένην φαίνεσθαι
III Ma. 6. 17. τοὺς παρακειμένους αὐλῶνας
7. 3. πυκνότερον ἡμῖν παρακείμενοι
[Sm. Za. 14. 5.]

παρακελεύειν. (1) אָמַר

Pr. 9. 16. ἐνδεέσιν δὲ φρονήσεως παρακελεύομαι (1)
IV Ma. 5. 2. παρεκέλευε τοῖς δορυφόροις

παρακλείειν.

II Ma. 4. 34. ὃν καὶ παραχρῆμα παρέκλεισεν

παράκλησις. (1) *a.* נחומים *b.* נֹחַם *c.* תַּנְחוּמוֹת *d.* תַּחֲנוּמִים *e.* נָחַם pi. (2) תַּחֲנוּן

Jb. 21. 2. ἵνα μὴ ᾖ [A εἴη] μοι παρ' ὑμῶν αὕτη ἡ [A *om.*] π. (1 *c*)
Ps. 93 (94). 19. αἱ π. σου ἠγάπησαν [A B³ S² ἠύφραναν] τὴν ψυχήν [S¹ καρδίαν] μου (1 *d*)
Ho. 13. 14. παράκλησις κέκρυπται ἀπὸ ὀφθαλμῶν μου (1 *b*)
Na. 3. 7. πόθεν ζητήσω παράκλησιν [A -σεις] αὐτῇ (1 *e*)
Is. 28. 29. ὑψώσατε ματαίαν παράκλησιν †
30. 7. ματαία ἡ π. ὑμῶν αὕτη †
57. 18. ἔδωκα αὐτῷ παράκλησιν ἀληθινήν (1 *a*)
66. 11. ἐμπλησθῆτε ἀπὸ μαστοῦ παρακλήσεως αὐτῆς (1 *d*)
Je. 16. 7. οὐ μὴ κλασθῇ ἄρτος ἐν πένθει αὐτῶν εἰς παράκλησιν [S¹ -σεις] ἐπὶ τεθνηκότι· οὐ ποτιοῦσιν ποτήριον εἰς παράκλησιν (1 *e*, 1 *d*)
38 (31). 9. ἐν παρακλήσει ἀνάξω αὐτούς (2)
I Ma. 10. 24. γράψω αὐτοῖς κἀγὼ λόγους παρακλήσεως
12. 9. παράκλησιν ἔχοντες τὰ βιβλία τὰ ἅγια
II Ma. 7. 24. οὐ μόνον διὰ λόγων ἐποιεῖτο τὴν π.
15. 11. καθοπλίσας . . . τὴν ἐν τοῖς ἀγαθοῖς λόγοις π.
[Aq., Th. Jb. 6. 10.]

παρακλητικός. (1) נִחוּמִים

Za. 1. 13. τῷ λαλοῦντι ἐν ἐμοὶ . . . λόγους π. (1)

παράκλητος.

[Aq., Th. Jb. 16. 2.]

παρακλήτωρ. (1) נָחַם pi.

Jb. 16. 2. παρακλήτορες κακῶν πάντες (1)

παρακλίνειν.

Si. 47. 19. S παρέκλινας [A B παρανέκλ., R παρενέκλ.] τὰς λαγόνας σου γυναιξί

παρακλύζειν.

[Al. Ps. 123 (124). 4.]

παρακμάζειν.

Si. 42. 9. ἐν νεότητι αὐτῆς μή ποτε παρακμάσῃ

παράκοιτος. (1) לְחֵנָה

Da. TH. 5. 2. πιέτωσαν . . . αἱ π. αὐ. (1)
— 3. ἔπινον ἐν αὐτοῖς . . . αἱ π. αὐ. (1)
— 23. αἱ παλλακαί σου καὶ αἱ [A *om.*] π. σου (1)

παρακολουθεῖν.

II Ma. 8. 11. R τὴν . . . μέλλουσαν παρακολουθήσειν ἐπ' αὐτῷ δίκην [A *al.*]
9. 27. R αὐτὸν . . . παρακολοθοῦντα τῇ ἐμῇ προαιρέσει [A *om.*]
[Sm. Ec. 2. 12.]

παρακομίζειν.

II Ma. 4. 19. R ἀπέστειλεν . . . θεωροὺς . . . παρακομίζοντας ἀργυρίου δραχμὰς . . . ἃς καὶ ἠξίωσαν οἱ παρακομίσαντες [A -ίζοντες]
II Ma. 4. 20. R ἕνεκεν δὲ τῶν παρακομιζόντων [A παρόντων] εἰς τὰς τῶν τριήρων κατασκευάς
— 23. ἀπέστειλεν Ἰ. Μενέλαον . . . παρακομίζοντα τὰ χρήματα τῷ βασ.
9. 8. ἐν φορείῳ παρεκομίζετο
— 10. παρακομίζειν οὐδεὶς ἐδύνατο
— 29. παρεκομίζετο δὲ τὸ σῶμα Φίλιππος

παρακούειν. (1) חֲרַשׁ hi. (2) עָבַר (3) עָשָׂה c. neg. (4) שָׁמַע c. neg.

I Es. 4. 11. οὐδὲ παρακούουσιν αὐτοῦ
To. 3. 4. παρήκουσαν γὰρ τῶν ἐντολῶν σου [S *al.*]
Es. 3. 3. τί παρακούεις τὰ ὑπὸ τοῦ βασ. λεγόμ. (2)
— 8. τῶν δὲ νόμων τοῦ βασ. παρακούουσι (3)
4. 14. S² ἐὰν παρακούουσα [A B S¹ *om.*] παρακούσῃς (1, 1)
7. 4. καὶ παρήκουσα (1)
Is. 65. 12. ἐλάλησα καὶ παρηκούσατε (4)
[Sm. Ps. 38 (39). 13.]

παρακρούεσθαι. (1) תָּלַל hi.

Ge. 31. 7. ὁ δὲ πατὴρ ὑ. παρεκρούσατό με (1)

παρακύπτειν. (1) שָׁנַח hi. (2) שָׁקַף *a.* ni. *b.* hi. *c.* שְׁקִפִים

Ge. 26. 8. παρακύψας δὲ Ἀβιμ. (2 *b*)
Jd. 5. 28. παρέκυψε μήτηρ Σισάρα [A *al.*] (2 *a*)
III Ki. 6. 4. θυρίδας παρακυπτομένας κρυπτάς (2 *c*)
I Ch. 15. 29. M. ἡ θυγ. Σ. παρέκυψε (2 *a*)
Pr. 7. 6. ἀπὸ γὰρ θυρίδος ἐκ τοῦ οἴκου αὐτῆς εἰς τὰς πλατείας παρακύπτουσα (2 *a*)
Ca. 2. 9. παρακύπτων διὰ τῶν θυρίδων (1)
Si. 14. 23. ὁ παρακύπτων διὰ τῶν θυρίδων αὐτῆς
21. 23. ἄφρων ἀπὸ θύρας παρακύπτει εἰς οἰκίαν

παρακυροῦν.

[Sm. Jb. 40. 3 (8).]

παράκυψις.

[Sm. III Ki. 7. 4 (41).]

παραλαλεῖν. (1) נָדַף pi.

Ps. 43 (44). 16. ἀπὸ φωνῆς ὀνειδίζοντος καὶ παραλαλοῦντος [A S² καταλ.] (1)

παραλαμβάνειν. (1) *a.* יָרַשׁ *b.* π. εἰς κτῆσιν יִרְשָׁה (2) לָקַח (3) נָהַג (4) קָבַל pa.

Ge. 22. 3. παρέλαβε δὲ μεθ' ἑαυτοῦ δύο παῖδας (2)
31. 23. παραλαβὼν πάντας τοὺς ἀδ. αὐ. (2)
45. 18. A παραλαβόντες [R ἀναλ.] τὸν πατ. ὑ. (2)
47. 2. παρέλαβε πέντε ἄνδρας (2)
Nu. 22. 41. παραλαβὼν Βαλὰκ τὸν Βαλαάμ (2)
23. 14. παρέλαβεν αὐτὸν εἰς ἀγροῦ σκοπιάν (2)
— 20. εὐλογεῖν παρείλημμαι (2)
— 27. παραλάβω σε εἰς τόπον ἄλλον (2)
— 28. παρέλαβε Βαλὰκ τὸν Βαλαάμ (2)
Jo. 4. 2. παραλαβὼν ἄνδρας ἀπὸ τοῦ λαοῦ (2)
Jd. 9. 43. A παρέλαβεν [B ἔλ.] τὸν λαόν (2)
11. 5. A παραλαβεῖν [B λαβεῖν] τὸν Ἰ. (2)
I Ki. 17. 31. A καὶ παρέλαβεν αὐτόν (2)
— 57. A παρέλαβεν αὐτὸν Ἀβ. (2)
II Ch. 25. 11. παρέλαβε τὸν λαὸν αὐ. (3)
I Es. 4. 43. ᾗ τὸ βασίλειόν σου παρέλαβες
8. 60. οἱ παραλαβόντες οἱ ἱερεῖς
To. 9. 2. S παράλαβε μετὰ σεαυτοῦ τέσσ. οἰκέτας [A B *al.*]
— 2. S παράλαβε αὐτὸν μετὰ σοῦ [A B *al.*]
Ju. 6. 21. παρέλαβεν αὐτὸν . . . εἰς οἶκον αὐ.
Es. 5. 1. παρέλαβε [S -ετο] τὰς δύο ἄβρας
Ca. 8. 2. παραλήψομαί σε (3)
Wi. 16. 14. οὐδὲ ἀναλύει ψυχὴν παραληφθεῖσαν
Je. 30 (49). 1. παραληψόμενος οὐκ ἔστιν [A *add.* ἐν] αὐτοῖς (1 *a*)
— 1. διὰ τί παρέλαβε Μελχὸλ τὴν Γαλαάδ (1 *a*)
— 2. παραλήψεται Ἰσρ. [S¹ Ἱερ.] τὴν ἀρχὴν αὐ. (1 *a*)
39 (32). 7. σοὶ κρίσις [A S κρίμα] παραλαβεῖν εἰς κτῆσιν †
— 8. A σοὶ κρίμα παραλαβεῖν εἰς κτῆσιν [B S κρ. κτήσασθαι αὐτόν] (1 *b*)
La. 3. 2. παρέλαβέ με καὶ ἀπήγαγέ με (3)
Da. LXX. Su. 13. τί σὺ οὕτως ὄρθρου ἐξῆλθες οὐ παραλαβών με
4. 28. τὴν τρυφήν σου παραλήψεται –
5. 31 (6. 1). Ἀρτ. . . . παρέλαβε τὴν βασιλείαν (4)
Da. LXX. 6. 19 (20). παρέλαβε μεθ' ἑαυτοῦ τοὺς σατράπας –
— 28 (29). παρέλαβε τὴν βασιλείαν αὐ. †
7. 18. παραλήψονται τὴν βασ. ἅγιοι ὑψίστου (4)
Da. TH. 5. 31 (6. 1). Δαρ. ὁ Μῆδος παρέλαβε τὴν βασ. (4)
7. 18. παραλήψονται τὴν βασ. ἅγιοι ὑψίστου (4)
Bel 1. παρέλαβε Κ. ὁ Πέρσης τὴν βασ. αὐ.
I Ma. 3. 37. παρέλαβε τὰς ἡμίσεις τῶν δυνάμεων
4. 1. παρέλαβε Γ. πεντακισχιλίους ἄνδρας
5. 23. A R παρέλαβε [S -ον] τοὺς ἐν τῇ Γαλ.
6. 56. R ζητεῖ παραλαβεῖν τὰ πράγματα [A S² τὰ τῶν πρ., S¹ τὰ τῶν προσταγμάτων]
15. 30. S τὰς πόλεις ἃς παρελάβετε [A R κατελάβεσθε]
II Ma. 4. 7. παραλαβόντος τὴν βασ. Ἀντιόχου
5. 5. παραλαβὼν ὁ Ἰ. οὐκ ἐλάττους τῶν χιλίων
10. 11. παραλαβὼν τὴν βασιλείαν
III Ma. 1. 2. παραλαβὼν τῶν . . . ὅπλων Πτ. τὰ κράτιστα

παραλείπειν.

I Ch. *tit.* παραλειπομένων α [A *al.*]
— *subscr.* παραλειπομένων α [A *al.*]
II Ch. *tit.* παραλειπομένων β [A *al.*]
— *subscr.* παραλειπομένων β [A R *al.*]
I Es. 8. 7. A B¹ εἰς τὸ μηδὲν παραλείπειν [B³ R -λιπεῖν]
III Ma. 1. 19. τὴν ἁρμόζουσαν ἀιδὼ παραλείπουσαι
— 20. R παραλιποῦσαι [A -λείπ.] ἄλλως καὶ ἄλλως
[Sm. Jb. 14. 19.]

παράλιος (*incl.* ἡ παραλία). (1) חוֹל (2) *a.* חוֹף *b.* לְחוֹף (3) *a.* חוֹף הַיָּם *b.* לְחוֹף יַמִּים (4) *a.* יָם *b.* מַיִם *c.* דֶּרֶךְ הַיָּם

Ge. 49. 13. Ζαβ. παράλιος κατοικήσει (3 *b*)
De. 1. 7. πρὸς λίβα καὶ παραλίαν (3 *a*)
33. 19. ἐμπόρια παράλιον κατοικούντων (1)
Jo. 9. 1. οἱ ἐν πάσῃ τῇ π. τῆς θαλ. (2 *a*)
11. 3 (2). καὶ εἰς τοὺς π. Χαναναίους (4 *b*)
— 3. καὶ εἰς τοὺς π. Ἀμ. (4 *b*)
Jd. 5. 17. ἐκάθισε παραλίαν θαλασσῶν [A *al.*] (2 *b*)
Ju. 1. 7. A S κατὰ πρόσωπον τῆς [B *om.*] π.
2. 28. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας τὴν π.
3. 6. κατέβη ἐπὶ τὴν π. [A ἐπαρχίαν]
5. 2. A B καὶ πάντας σατράπας τῆς π.
— 22. καὶ πάντες [S *om.*] οἱ κατοικοῦντες τὴν π.
7. 8. καὶ οἱ στρατηγοὶ τῆς [S *om.*] π.
Jb. 6. 3. ἄμμου παραλίας βαρυτέρα ἔσται (4 *a*)
Is. 9. 1 (8. 23). οἱ λοιποὶ οἱ τὴν παραλίαν [A S -ιον, A S² *add.* κατοικοῦντες] (4 *c*)
Ez. 25. 16. ἀπολῶ . . . τοὺς κατοικοῦντας τὴν π. [A παραθαλασσίαν] (3 *a*)
I Ma. 11. 8. A R ἐκυρίευσε τῶν πόλεων τῆς παραλίας [S -ίου]
15. 38. κατέστησεν ὁ βασ. τὸν Κ. ἐπιστράτηγον τῆς παραλίας
[Aq., Th. Ez. 25. 16.]
[Sm. Ez. 25. 16 : Ze. 2. 6.]
[Al. Ge. 49. 13.]

παραλλαγή. (1) שִׁנָּיוֹן

IV Ki. 9. 20. ἐν παραλλαγῇ ἐγένετο (1)
[Aq. Jb. 4. 13.]
[Th. IV Ki. 9. 20.]

παράλλαξις. (1) סוּר hoph.

Es. 3. 13. A S² διαγωγὴν νόμων ξενίζουσαν παράλλαξιν [B S¹ *al.*]
Da. TH. 12. 11. ἀπὸ καιροῦ παραλλάξεως τοῦ ἐνδελεχισμοῦ (1)

παραλλάσσειν. (1) מַחֲלָף (2) עָבַר (3) עָדַר pi. (4) שָׁנָא aph.

III Ki. 4. 27 (5. 7). οὐ παραλλάσσουσι λόγον (3)
II Es. 1. 9. A R παρηλλαγμένα [B παρηγμ.] ἐννέα καὶ εἴκ. (1)
Es. 3. 13. B S¹ διαγωγὴν νόμων ξενίζουσαν παραλλάσσον [A S² *al.*]
Pr. 4. 15. ἔκκλινον δὲ ἀπ' αὐτῶν καὶ παράλλαξον (2)
Da. TH. 6. 15 (16). τοῦ πᾶν ὁρισμὸν . . . οὐ δεῖ παραλλάξαι (4)
II Ma. 3. 16. τὸ τῆς χρόας παρηλλαγμένον
[Th. Da. 6. 8†.]

παραλογίζεσθαι. (1) חָלַף hi. (2) רָמָה pi. (3) תָּלַל hi.

Ge. 29. 25. ἵνα τί παρελογίσω με (2)
31. 41. παρελογίσω τὸν μισθόν μου (1)
Jo. 9. 22. διὰ τί παρελογίσασθέ με (2)
Jd. 16. 10, 13, 15. A παρελογίσω [B ἐπλάνησάς] με (3)
I Ki. 19. 17. ἵνα τί οὕτως παρελογίσω με (2)
28. 12. ἵνα τί παρελογίσω με (2)
II Ki. 19. 26 (27). ὁ δοῦλός σου παρελογίσατό με (2)
21. 5. ὃς παρελογίσατο ἐξολεθρεῦσαι ἡμᾶς †
Es. 8. 13. παραλογισαμένων [A S -ος] τὴν . . . εὐγνωμοσύνην
La. 1. 19. αὐτοὶ δὲ παρελογίσαντό με (2)
Da. LXX. Bel 6. μηδείς σε παραλογιζέσθω
[Aq. Ge. 31. 7: Ex. 8. 29 (25): Jb. 13. 9: Je. 9. 5 (4).]
[Sm. Ge. 31. 7: Ex. 8. 29 (25): Jb. 17. 2: Ps. 43 (44). 18.]

παραλογισμός.

Es. 8. 13. τῷ τῆς κακοηθείας ψευδεῖ π. [A S *al.*]
— 13. πολυπλόκοις μεθόδων παραλογισμοῖς
II Ma. 1. 13. παραλογισμῷ χρησαμένων
[Aq. Jb. 13. 9: Is. 30. 10.]
[Th. Is. 30. 10.]

παραλύειν. (1) אֶזְלַת יָד (2) בָּהַל ni. (3) הָדַף (4) חָלַל pi. (5) חָתַת (6) כָּשַׁל (7) לָאָה (8) נָקַם hoph. (9) נָתַן (10) עָקַר pi. (11) פָּרַם (12) פָּתַח (13) רָפָה

Ge. 4. 15. ἑπτὰ ἐκδικούμενα παραλύσει (8)
19. 11. παρελύθησαν ζητοῦντες τὴν θύραν (7)
Le. 13. 45. τὰ ἱμάτια αὐτοῦ ἔστω παραλελυμένα (11)
De. 32. 36. εἶδε γὰρ παραλελυμένους αὐτούς (1)
II Ki. 8. 4: I Ch. 18. 4. παρέλυσε Δ. πάντα τὰ ἅρματα (10)
Ju. 16. 7. A B S² παρέλυσεν αὐτόν
Wi. 17. 15. τὰ δὲ τῆς ψυχῆς παρελύοντο προδοσίᾳ
— 19. παρέλυσεν [A -υεν] αὐτοῦς ἐκφοβοῦντα [S⁴ -οῦσα]
Si. 25. 23. χεῖρες παρειμέναι καὶ γόνατα παραλελυμένα
Is. 23. 9. ἐβουλεύσατο παραλῦσαι πᾶσαν [A *om.*] τὴν ὕβριν (4)
35. 3. ἰσχύσατε . . . γόνατα παραλελυμένα (6)
Je. 6. 24. παρελύθησαν αἱ χεῖρες ἡμῶν (13)
26 (46). 15. κύριος παρέλυσεν αὐτόν (3)
27 (50). 15. παρελύθησαν αἱ χεῖρες αὐτῆς (9)
— 36. καὶ παραλυθήσονται (5)
— 43. παρελύθησαν αἱ χεῖρες αὐ. (13)
Ez. 7. 27. αἱ χεῖρες τοῦ λαοῦ τῆς γῆς παραλυθήσονται (2)
21. 7 (12). πᾶσαι χεῖρες παραλυθήσονται (13)
25. 9. παραλύω τὸν ὦμον Μωάβ (12)
I Ma. 9. 55. καὶ παρελύθη
III Ma. 2. 22. καὶ τοῖς μέλεσι παραλελυμένον
[Al. Le. 10. 6: 21. 10.]
[Heb. Ez. 7. 17.]

παράλυσις.

Ez. 21. 10 (15). ὅπως γένῃ . . . ἑτοίμη εἰς παράλυσιν †

παραμένειν. (1) יָשַׁב (2) עָמַד

Ge. 44. 33. παραμενῶ σοι παῖς ἀντὶ τοῦ παιδίου (1)
Ju. 12. 7. A B παρέμεινεν ἐν τῇ παρεμβολῇ
— 9. B παρέμενε [A *add.* ἐν] τῇ σκηνῇ
Pr. 12. 7. οἶκοι δὲ δικαίων παραμένουσι (2)
Si. 6. 8. οὐ μὴ παραμείνῃ ἐν ἡμέρᾳ θλίψεώς σου
— 10. A B S² οὐ μὴ παραμείνῃ ἐν ἡμέρᾳ θλίψεώς σου
11. 17. δόσις κυρίου παραμένει εὐσεβέσι [S² -λαβέσιν]
38. 19. ἐν ἐπαγωγῇ παραμένει καὶ λύπη [A B *al.*]
Da. Th. 11. 17. καὶ οὐ μὴ παραμείνῃ (2)
[Sm. Dt. 9. 9.]

παραμυθεῖσθαι.

II Ma, 15. 9. παραμυθούμενος αὐτοὺς ἐκ τοῦ νόμου
[Sm. II Ki. 10. 2: Jb. 2. 11: 42. 11: Is. 40. 2: 51. 3: 52. 9: 66. 13: Je. 31 (38). 13.]
[Al. Ec. 4. 1.]

παραμυθία.

Es. 8. 13. τῶν πιστευθέντων χειρίζειν . . . τὰ πράγματα παραμυθία [S¹ -αν]
Wi. 19. 12. εἰς γὰρ παραμυθίαν ἀνέβη . . . ὀρτυγομήτρα
[Sm. Ps. 70 (71). 21: Is. 66. 11.]
[Al. Ps. 65 (66). 12.]

παραμύθιον.

Wi. 3. 18. οὐδὲ ἐν ἡμέρᾳ διαγνώσεως παραμύθιον

παραναγινώσκειν.

II Ma. 8. 23. A παραναγνοὺς [R παραγν.] τὴν ἱερὰν βίβλον
III Ma. 1. 12. R τοῦ τε νόμου παραναγνωσθέντος [A παραγν.]

παρανακλίνειν.

Si. 47. 19. A B παρανέκλινας [R παρεν., S παρέκλ.] τὰς λαγόνας σου γυναιξί

παραναλίσκειν. (1) אָבַד

Nu. 17. 12 (27). ἀπολώλαμεν παρανηλώμεθα (1)

παρανομεῖν. (1) חָלַל (2) לוּץ hi. (3) עָוַל pi. (4) עָלַם ni.

Jb. 34. 18. ὁ λέγων βασιλεῖ, Παρανομεῖς †
Ps. 25 (26). 4. μετὰ παρανομούντων οὐ μὴ εἰσέλθω (4)
70 (71). 4. ἐκ χειρὸς παρανομοῦντος (3)
74 (75). 4. εἶπα τοῖς παρανομοῦσι μὴ παρανομεῖν [S² -εῖτε] (1, 1)
118 (119). 51. A R ὑπερήφανοι παρηνόμουν ἕως σφόδρα (2 ?)
iv Ma. 5. 17. κατ' οὐδένα τρόπον παρανομεῖν ἀξιοῦμεν
— 20. A R τὸ γὰρ ἐν [S ἐπὶ] μικροῖς καὶ ἐν [S *om.*] μεγάλοις π. ἰσοδύναμόν ἐστι
— 27. A ἀναγκάζεις ἡμᾶς παρανομεῖν [S R *al.*]
— 27. S¹ ἀλλὰ καὶ παρανομεῖν [A S² R *al.*]
8. 14. ἵλεως ὑμῖν ἔσται δι' ἀνάγκην παρανομήσασιν [Aq. Is. 52. 5.]

παρανομία. (1) מְזִמָּה (2) עָוֹן (3) עָצָל

Ps. 36 (37). 7. ἐν ἀνθρώπῳ ποιοῦντι παρανομίας [A S² -αν] (1)
Pr. 5. 22. παρανομίαι ἄνδρα ἀγρεύουσι (2)
10. 26. οὕτως παρανομία τοῖς χρωμένοις αὐτῇ (3)
26. 7. καὶ παρανομίαν ἐκ στόματος ἀφρόνων †
II Ma. 3. 4. R περὶ τῆς κατὰ τὴν πόλιν π. [A *al.*]
IV Ma. 2. 11. A R διὰ [S *add.* τὴν] παρανομίαν αὐτὴν ἀπελέγχων
4. 19. ἐξεπολίτευσεν ἐπὶ πᾶσαν π.
5. 13. S R ἐπὶ πάσῃ [A πᾶσιν] δι' ἀνάγκην π. γενομένῃ
9. 3. σύμβουλε τύραννε παρανομίας
[Aq. Jb. 6. 29: 11. 14: Ps. 42 (43). 1.]
[Sm. Nu. 18. 1: Jb. 11. 14: 35. 8: Ps. 139 (140). 12.]
[Th. Jb. 11. 14.]
[Al. I Ki. 10. 27.]

παράνομος. (1) אָוֶן (2) בָּגַד (3) בּוּשׁ hi. (4) *a.* בְּלִיַּעַל *b.* בֶּן־בְּלִיַּעַל (5) חָלַל (6) זִד (7) זוּר (8) חָמָס (9) חָנֵף (10) כְּסִיל (11) לוּץ ni. (12) מְזִמָּה (13) סֵעֵף (14) עָגֵל (15) *a.* פָּשַׁע *b.* פֶּשַׁע (16) רָע (17) רָשָׁע

De. 13. 13 (14). ἐξῆλθοσαν ἄνδρες π. (4 *b*)
Jd. 19. 22. ἄνδρες τῆς πόλεως υἱοὶ παρανόμων (4 *a*)
20. 13. δότε τοὺς ἄνδρας υἱοὺς παρανόμων [A *al.*] (4 *a*)
II Ki. 16. 7. ἔξελθε . . . ἀνὴρ ὁ π. (4 *a*)
20. 1. ἐκεῖ ἐπικαλούμενος υἱὸς π. (4 *a*)
23. 5 (6). οὐ μὴ βλαστήσῃ ὁ π. (4 *a*)
III Ki. 20 (21). 10. δύο ἄνδρας υἱοὺς παρανόμων (4 *a*)
— 13. A R δύο ἄνδρες υἱοὶ παρανόμων (4 *a*)
II Ch. 13. 7. συνήχθησαν πρὸς αὐτὸν . . . υἱοὶ π. (4 *a*)
Jb. 17. 8. B S² δίκαιος δὲ ἐπὶ παρανόμῳ ἐπαναστάτῃ [A δικαίῳ γὰρ παράνομος ἐπανέστη] (9)
20. 5. χαρμονὴ δὲ παρανόμων [A ἀσεβῶν] ἀπώλεια (9)
27. 7. ὥσπερ ἡ ἀπώλεια τῶν π. [S ἀνόμων] (14)
Ps. 5. 5. οὐδὲ διαμενοῦσι παράνομοι κατέναντι τῶν ὀφθαλμῶν σου (5)
Ps. 35 (36). 1. φησὶν ὁ π. τοῦ ἁμαρτάνειν ἐν ἑαυτῷ (15 *b*)
36 (37). 38. οἱ δὲ π. ἐξολεθρευθήσονται ἐπὶ τὸ αὐτό (15 *a*)
40 (41). 8. λόγον παράνομον κατέθεντο κατ' ἐμοῦ (4 *a*)
85 (86). 14. παράνομοι ἐπανέστησαν ἐπ' ἐμέ (6)
100 (101). 3. οὐ προεθέμην πρὸ ὀφθαλμῶν μου πρᾶγμα παράνομον [B¹ *om.* πρ. π.] (4 *a*)
118 (119). 85. διηγήσαντό μοι παράνομοι ἀδολεσχίας (6)
— 113. παρανόμους ἐμίσησα (13 ?)
Pr. 1. 18. ἡ δὲ καταστροφὴ ἀνδρῶν παρανόμων κακή —
2. 22. οἱ δὲ π. ἐξωσθήσονται ἀπ' αὐτῆς (2)
3. 32. ἀκάθαρτος γὰρ ἔναντι κυρίου πᾶς παράνομος (11)
4. 14. μηδὲ ζηλώσῃς ὁδοὺς παρανόμων (16)
— 17. οἶνῳ δὲ παρανόμῳ μεθύσκονται (8)
6. 12. ἀνὴρ ἄφρων καὶ π. πορεύεται ὁδοὺς οὐκ ἀγαθάς (1)
10. 5. ἀνεμόφθορος δὲ γίνεται ἐν ἀμητῷ υἱὸς παράνομος (3)
11. 6. τῇ δὲ ἀπωλείᾳ [A ἀβουλίᾳ, S² ἀσεβείᾳ] αὐτῶν ἁλίσκονται παράνομοι (2)
— 30. ἀφαιροῦνται δὲ ἄωροι ψυχαὶ παρανόμων †
12. 2. ἀνὴρ δὲ π. πυρασιωπηθήσεται (12)
13. 2. ψυχαὶ δὲ παρανόμων ὀλοῦνται ἄωροι (2)
14. 9. οἰκίαι παρανόμων [A ἀφρόνων] ὀφειλήσουσι καθαρισμόν †
16. 29. ἀνὴρ παράνομος ἀποπειρᾶται φίλων (8)
17. 4. κακὸς ὑπακούει γλώσσης παρανόμων (1)
19. 11. τὸ δὲ καύχημα αὐ. ἐπέρχεται παρανόμοις (15 *b*)
21. 24. ὃς δὲ μνησικακεῖ παράνομος †
22. 12. φαυλίζει δὲ λόγους παράνομος (2)
— 14. βόθρος βαθὺς στόμα παρανόμου (7)
23. 28. πᾶς παράνομος ἀναλωθήσεται (2)
25. 19. ποὺς παρανόμου ὀλείται ἐν ἡμέρᾳ κακῇ (2 ?)
26. 3. οὕτως ῥάβδος ἔθνει παρανόμῳ (10)
28. 17. οὐ μὴ ὑπακούσει ἔθνει παρανόμῳ —
29. 4. ἀνὴρ δὲ παράνομος κατασκάπτει †
— 12. πάντες οἱ ὑπ' αὐτὸν παράνομοι (17)
— 18. οὐ μὴ ὑπάρξῃ ἐξηγητὴς ἔθνει παρανόμῳ †
Wi. 3. 16. ἐκ παρανόμου κοίτης σπέρμα ἀφανισθήσεται
Si. 16. 3. S² κρείσσων γὰρ εἷς δίκαιος . . . ἢ μύριοι παράνομοι
Da. LXX. Su. 28. οἱ δὲ π. ἄνδρες ἀπέστρεψαν
— 32. προσέταξαν οἱ π.
Da. Th. Su. 32. οἱ δὲ π. ἐκέλευσαν
I Ma. 1. 11. S R ἐξῆλθον ἐξ [S¹ -θεν] Ἰσρ. υἱοὶ π. [A υἱὸς π.]
— 34. A R ἔθηκαν ἐκεῖ . . . ἄνδρας π. [S -νους]
10. 61. A συνήχθησαν ἐπ' αὐτὸν . . . ἄνδρες π. [S R *al.*]
11. 21. ἐπορεύθησαν . . . ἄνδρες π.
II Ma. 4. 11. π. ἐθισμοὺς ἐκαίνιζεν
— 14. τῆς ἐν παλαίστρᾳ παρανόμου χορηγίας
6. 21. οἱ δὲ πρὸς τῷ π. σπλαγχνισμῷ τεταγμένοι
8. 4. τῆς τῶν ἀναμαρτήτων νηπίων παρανόμου ἀπωλείας
13. 7. τὸν π. συνέβη θανεῖν
III Ma. 2. 17. ἵνα μὴ καυχήσωνται οἱ π. ἐν θυμῷ αὐτῶν
5. 27. R καταπλαγέντος ἐπὶ τῇ π. [A ἀν.] ἐξόδῳ
IV Ma. 9. 4. τὸν ἐπὶ τῇ π. σωτηρίᾳ ἡμῶν ἔλεον
[Aq. Pr. 19. 28: 29. 6.]
[Sm. I Ki. 30. 22: Ps. 9. 24 (10. 3), 25 (10. 4): 10 (11). 6: 27 (28). 3: 31 (32). 10: 40 (41). 9: 74 (75). 5: 96 (97). 10: 118 (119). 119: 128 (129). 4: 139 (140). 9: 140 (141). 4, 10: Ec. 8. 14 *bis*: Is. 5. 17: Ez. 33. 11, 15.]
[Th. Pr. 19. 28: Ez. 33. 15.]
[Al., Quint., Sext. Ps. 1. 1.]

παρανόμως. (1) בְּזִמָּה

Jb. 34. 20. ἐχρήσαντο γὰρ π. [A ἀνόμοις] †
Pr. 21. 27. καὶ γὰρ π. προσφέρουσιν αὐτάς (1)

παράνους (?).

I Ma. 1. 34. S ἔθηκαν ἐκεῖ . . . ἄνδρας π. [A R -νόμους]

παραξιφίς.

II Ki. 5. 8. ἄπτεσθω ἐν παραξιφίδι [A φαραξίδι] †
[Quint. Mi. 5. 6 (5).]

παράπαν.

III Ki. 11. 10. τὸ π. μὴ πορευθῆναι ὀπίσω θεῶν ἑτ. —
Ze. 3. 6. ἐξερημώσω τὰς ὁδοὺς αὐ. τὸ π. —

Je. 7. 4. τὸ π. οὐκ ὠφελήσουσιν ὑμᾶς –
Ez. 20. 9, 14. ὅπως τὸ ὄνομά μου τὸ π. μὴ βεβηλωθῇ –
— 15. ἐξῆρα τὴν χεῖρά μου ἐπ' αὐτοὺς . . . τὸ π. –
— 22. ὅπως τὸ ὄνομά μου τὸ π. μὴ βεβηλωθῇ –
41. 6. ὅπως τὸ π. μὴ ἅπτωνται τῶν τοίχων –
46. 20. ἐκεῖ πέψουσι τὸ μαναὰ τὸ π. –

παραπέμπειν.

Es. 3. 13. τά τε τῶν βασ. παραπέμποντας [S¹ -ες] . . . διατάγμ.
III Ma. 1. 26. R καὶ πάντα [A -ας] παραπέμψας

παραπέτασμα.

Am. 2. 8. παραπετάσματα ἐποίουν –
[Aq. Ex. 36. 35 (37. 3).]
[Sm. Nu. 4. 26.]

παραπηδᾶν.

IV Ma. 11. 1. ὁ πέμπτος παρεπήδησε

παραπικραίνειν. (1) פָּעַם hi. (2) מָרַר (3) מָרָה a. qal. b. hi. c. מָרִי (4) סָרַר

De. 31. 27. παραπικραίνοντες ἦτε τὰ πρὸς τὸν θ. (3 b)
32. 16. παρεπίκρανάν [A ἐξεπ.] με (1)
III Ki. 13. 21. παρεπίκρανας τὸ ῥῆμα κ. (3 a)
— 26. ὃς παρεπίκρανε τὸ ῥῆμα κ. (3 a)
I Es. 6. 15. οἱ πατέρες ἡμῶν παραπικράναντες ἥμαρτον
Ps. 5. 10. παρεπίκρανάν σε, κύριε (3 a)
65 (66). 7. οἱ παραπικραίνοντες μὴ ὑψούσθωσαν ἐν ἑαυτοῖς (4)
67 (68). 6. ὁμοίως τοὺς παραπικραίνοντας (4)
77 (78). 8. γενεὰ σκολιὰ καὶ παραπικραίνουσα (3 a)
— 17. παρεπίκραναν τὸν ὕψιστον ἐν ἀνύδρῳ (3 b)
— 40. ποσάκις παρεπίκραναν αὐτὸν ἐν τῇ ἐρήμῳ (3 b)
— 56. παρεπίκραναν τὸν θεὸν τὸν ὕψιστον (3 b)
104 (105). 28. παρεπίκραναν [S¹ -εν] τοὺς λόγους αὐ. (3 a)
105 (106). 7. παρεπίκραναν ἀναβαίνοντες ἐν τῇ ἐρυθρᾷ θαλάσσῃ (3 b)
— 33. παρεπίκραναν τὸ πνεῦμα αὐτοῦ (3 b)
— 43. παρεπίκραναν αὐτὸν ἐν τῇ βουλῇ αὐ. (3 b)
106 (107). 11. παρεπίκραναν τὰ λόγια τοῦ θεοῦ (3 b)
Ho. 10. 5. καθὼς παρεπίκραναν αὐτόν †
Je. 39 (32). 29. πρὸς τὸ παραπικρᾶναί με (1)
— 32. AS ὧν ἐποίησαν παραπικρᾶναί [B πικρ.] με (1)
51 (44). 3. ἧς ἐποίησαν παραπικρᾶναί με (1)
— 8. παραπικρᾶναί με ἐν τοῖς ἔργοις τῶν χειρῶν ὑμῶν (1)
La. 1. 18. στόμα αὐτοῦ παρεπίκρανα [S -αν] (3 a)
— 20. παραπικραίνουσα παρεπικράνθην [S -να] (3 a, 3 a)
Ez. 2. 3. πρὸς τὸν οἶκον τοῦ Ἰσρ. τοὺς παραπικραίνοντάς με οἵτινες παρεπίκρανάν με (2, 2)
— 5, 6, 7. οἶκος παραπικραίνων ἐστί (3 c)
— 8. μὴ γίνου παραπικραίνων [A² add. καὶ σύ] καθὼς ὁ οἶκος ὁ παραπικραίνων (3 c, 3 c)
3. 9, 26, 27: 12. 2, 3. οἶκος παραπικραίνων ἐστί (3 c)
12. 9. ὁ οἶκος τοῦ Ἰ. οἶκος [A om.] ὁ παραπικραίνων (3 c)
— 25. οἶκος ὁ [A om.] παραπικραίνων (3 c)
— 27. ὁ οἶκος Ἰσρ. ὁ παραπικραίνων –
17. 12. εἰπὸν πρὸς τὸν οἶκον τὸν παραπικραίνοντα (3 c)
20. 13. A παρεπίκρανάν με ὁ οἶκος Ἰσραήλ (3 b)
— 21. παρεπίκρανάν με (3 b)
24. 3. εἰπὸν ἐπὶ τὸν οἶκον τὸν παραπικραίνοντα παραβολήν (3 c)
— 14. ἡ ὀνομαστὴ καὶ πολλὴ τοῦ π. –
44. 6. ἐρεῖς πρὸς τὸν οἶκον τὸν παραπικραίνοντα (3 c)
[Aq. Je. 50 (27). 21: Ez. 2. 6 (P.).]
[Sm. Ex. 23. 21: Dt. 9. 23: Is. 3. 8: Ez. 2. 6 (P.): Mi. 1. 12.]
[Th. Dt. 1. 26: 9. 23: Ps. 104 (105). 28: Is. 30. 9.]
[Al. Ex. 1. 14: Ez. 20. 13.]
[Quint. Ps. 26 (27). 11: 104 (105). 28: 105 (106). 7: 138 (139). 20.]
[Sext. Ps. 26 (27). 11.]

παραπικρασμός. (1) מְרִיבָה

Ps. 94 (95). 8. μὴ σκληρύνητε τὰς καρδίας ὑμῶν ὡς ἐν τῷ π. (1)
[Aq. I Ki. 15. 23.]
[Sm. Je. 7. 11.]
[Th. Pr. 17. 11.]

παραπίπτειν. (1) אָשַׁם (2) מָעַל (3) נָפַל hi.

Es. 6. 10. μὴ παραπεσάτω σου λόγος (3)
Wi. 6. 9. ἵνα μάθητε σοφίαν καὶ μὴ παραπέσητε
12. 2. τοὺς παραπίπτοντας κατ' ὀλίγον ἐλέγχεις
Ez. 14. 13. τοῦ παραπεσεῖν παράπτωμα [A -ατι] (2)
15. 8. ἀνθ' ὧν παρέπεσον παραπτώματι (2)
18. 24. ἐν τῷ παραπτώματι αὐτοῦ ᾧ παρέπεσε (2)
20. 27. ἐν οἷς παρέπεσον [A -σαν] εἰς ἐμέ (2)
22. 4. παραπέπτωκας (1)
II Ma. 10. 4. A μηκέτι παραπεσεῖν [R περιπ.] τοιούτοις κακοῖς
[Aq. Ps. 24 (25). 1.]
[Sm. I Ki. 27. 1.]
[Al. Nu. 22. 30.]

παραπληκτεύεσθαι.

[Aq. I Ki. 21. 14 (15), 15 (16).]

παράπληκτος. (1) שָׁגַע pu.

De. 28. 34. καὶ ἔσῃ παράπληκτος (1)

παραπληξία. (1) שִׁגָּעוֹן

De. 28. 28. πατάξαι σε κ. παραπληξίᾳ (1)
[Aq. IV Ki. 9. 20.]

παραπλησίως.

[Quint. Ho. 8. 6.]

παράπλους.

III Ma. 4. 11. τοῦ π. περανθέντος

παραπομπή.

I Ma. 9. 37. ἄγουσι τὴν νύμφην . . . μετὰ π. μεγάλης

παραπορεύεσθαι. (1) הָלַךְ (2) עָבַר (3) עָמַד

Ge. 37. 28. καὶ παρεπορεύοντο οἱ ἄνθρ. οἱ Μαδ. (2)
Ex. 2. 5. παρεπορεύοντο παρὰ [A ἐπὶ] τὸν ποτ. (1)
30. 13. ὅσοι ἂν παραπορεύωνται τὴν ἐπίσκεψιν (2)
— 14. πᾶς ὁ παραπορεύομ. εἰς τὴν ἐπίσκεψιν (2)
39. 3 (38. 26). πᾶς ὁ παραπορεύομ. τὴν ἐπίσκεψιν (2)
De. 2. 4. παραπορεύεσθε διὰ τῶν ὁρίων (2)
— 13. παραπορεύεσθε τὴν φάραγγα Z. (2)
— 14. ἃς παρεπορεύθημεν ἀπὸ Κ. Β. (1)
— 18. παραπορευσῃ [A -εύῃ] σήμ. τὰ ὅρια Μ. (2)
Jo. 6. 6 (7). οἱ μάχιμοι παραπορευέσθωσαν (2)
— 8 (9). οἱ δὲ μάχιμοι παραπορευέσθωσαν (1)
9. 2 (8. 33). παρεπορεύοντο ἔνθεν καὶ ἔνθεν τῆς κιβ. (3)
15. 6. παραπορεύεται ἀπὸ βορρᾶ ἐπὶ Β. (2)
Jd. 9. 25. πάντα ὃς παρεπορεύετο [A al.] (2)
19. 18. παραπορευόμεθα [A διαβαίνομεν] ὑμεῖς (2)
Ru. 4. 1. ὁ ἀγχιστευτὴς παρεπορεύετο (2)
I Ki. 29. 2. παρεπορεύοντο εἰς ἑκατοντάδας (2)
— 2. παρεπορεύοντο ἐπ' ἐσχάτων [A -φ] (2)
II Ki. 15. 18. B πᾶς ὁ λαὸς παρεπορεύετο –
— 23. πᾶς ὁ λαὸς παρεπορεύοντο (2)
— 23. πᾶς ὁ λαὸς καὶ ὁ βασ. [A om. κ. ὁ β.] παρεπορεύοντο (2)
24. 20. καὶ τοὺς παῖδας αὐ. παραπορευομένους (2)
III Ki. 13. 25. ἰδοὺ ἄνδρες παραπορευόμ. (2)
21 (20). 39. ὡς παρεπορεύετο ὁ βασ. (2)
II Ch. 24. 20. τί παραπορεύεσθε τὰς ἐντ. κυρίου (2)
Jb. 21. 29. ἐρωτήσατε παραπορευομένους ὁδόν (2)
Ps. 79 (80). 12. πάντες οἱ παραπορευόμ. τὴν ὁδόν (2)
88 (89). 41. A πάντες οἱ παραπορευόμ. τὴν [B S οἱ διοδεύοντες] ὁδόν (2)
Pr. 7. 8. παραπορευόμενον παρὰ γωνίαν ἐν διόδοις οἴκων αὐτῆς (2)
10. 25. A B S² παραπορευομένης καταιγίδος ἀφανίζεται ἀσεβής (2)
Ze. 2. 2. πρὸ τοῦ γενέσθαι ὑμᾶς ὡς ἄνθος παραπορευόμενον (2)
3. 1 (2. 15). A πᾶς ὁ παραπορευόμ. [B S διαπ.] δι' αὐτῆς (2)
Is. 51. 23. ἔθηκας ἴσα τῇ γῇ τὰ μέσα [A S μετάφρενά] σου ἔξω τοῖς παραπορευομ. (2)
Je. 18. 16. A πάντες οἱ παραπορευόμενοι [B S διαπ.] δι' αὐτῆς ἐκστήσονται (2)
Je. 19. 8. πᾶς ὁ παραπορευόμ. [S¹ πορ.] ἐπ' αὐτῆς (2)
29 (49). 17. πᾶς ὁ παραπορευόμενος ἐπ' αὐτήν (2)
La. 1. 12. οἱ πρὸς ὑμᾶς πάντες παραπορευόμενοι ὁδόν (2)
2. 15. πάντες οἱ παραπορευόμενοι ὁδόν (2)
4. 18. A τοῦ μὴ π. [B πορ.] ἐν ταῖς πλατείαις ἡμῶν (1)
Ep. Je. 43. ἐφελκυσθεῖσα [A ἀπελκυσθεὶς] ὑπό τινος τῶν παραπορευομένων
[Aq. Je. 9. 10 (9).]
[Th. Ex. 30. 13: Is. 34. 10: Je. 9. 10 (9).]
[Al. Ex. 30. 13: Ez. 35. 7.]

παραπρολέγειν.

[Sm. Je. 29 (36). 26.]

παραπταίειν.

[Al. Dt. 22. 1.]

παράπτωμα. (1) חֲבוּלָה (2) מַעַל (3) עָוֹן (4) פֶּשַׁע (5) שְׁגִיאָה (6) a. שָׁלוֹ b. שְׁלוָא

Jb. 35. 15. οὐκ ἔγνω παράπτωμά τι σφόδρα †
36. 9. ἀναγγελεῖ αὐτοῖς . . . τὰ π. αὐ. [S¹ om. τὰ π. αὐ.] (4)
Ps. 18 (19). 12. παραπτώματα τίς συνήσει (5)
21 (22). 1. μακρὰν ἀπὸ τῆς σωτηρίας μου οἱ λόγοι τῶν π. μου †
Wi. 3. 13. ἥτις οὐκ ἔγνω κοίτην ἐν παραπτώματι
10. 2. καὶ ἐξείλατο αὐτὸν ἐκ παραπτώματος ἰδίου
Za. 9. 5. ᾐσχύνθη ἐπὶ τῷ [S¹ om.] π. αὐ. [A al.] †
Ez. 3. 20. ποιήσῃ π. (3)
14. 11. ἵνα μὴ μιαίνωνται ἔτι ἐν πᾶσι τοῖς π. αὐτῶν (4)
— 13. τοῦ παραπεσεῖν π. [A -ατι] (2)
15. 8. ἀνθ' ὧν παρέπεσον παραπτώματι (2)
18. 22. πάντα τὰ παραπτώματα αὐ. . . . οὐ μνησθήσονται [A al.] (4)
— 24. ἐν τῷ π. αὐ. . . . ἀποθανεῖται (2)
— 26. ποιήσῃ παράπτωμα καὶ ἀποθάνῃ ἐν τῷ π. (3, 3)
20. 27. παρώργισάν με . . . ἐν τοῖς π. αὐ. (2)
Da. TH. 4. 24. ἴσως ἔσται μακρόθυμος τοῖς π. σου ὁ θεός (6 b)
6. 4 (5). παράπτωμα . . . οὐχ εὗρον κατ' αὐτοῦ (6 a)
— 22 (23). παράπτωμα οὐκ ἐποίησα (1)
[Sm. Ex. 23. 21: Je. 35. 15: Ps. 24 (25). 7: Pr. 10. 19.]
[Th. Je. 35. 15: 36. 9: Da. 4. 24: 9. 24†.]
[Al. Nu. 22. 30: Da. 8. 12, 23.]

παράπτωσις. (1) שַׁלְוָה

Je. 22. 21. ἐλάλησα [A S -αν] πρὸς σὲ ἐν τῇ π. σου

παραριθμεῖν.

To. 9. 5. S παρηρίθμησεν αὐτῷ τὰ θυλάκια [A B al.]

παραρρεῖν. (1) יָבֵל (2) לוּז

Pr. 3. 21. υἱέ, μὴ παραρρυῇς (2?)
Is. 44. 4. ὡς ἰτέα ἐπὶ παραρρέον ὕδωρ (1)
[Sm. Pr. 4. 21.]

παραρρίπτειν, παραριπτεῖν. (1) סָפַח

I Ki. 2. 36. παράρριψόν με (1?)
Ps. 83 (84). 10. ἐξελεξάμην παραριπτεῖσθαι [A S -εσθαι] ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ θεοῦ †
II Ma. 1. 16. R τοῖς ἔξω παρέρριψαν [A παραρίψαντες]

παράρυμα. (1) אֹהֶל

Ex. 35. 11. τὴν σκηνὴν καὶ τὰ π. (1)

παράσημος.

III Ma. 2. 29. παρασήμῳ Διονύσου κισσοφύλλῳ

παρασιωπᾶν. (1) חָרַשׁ a. qal. b. hi. (2) חָשָׁה

Ge. 24. 21. παρεσιώπα τοῦ γνῶναι (1 b)
34. 5. παρεσιώπησε δὲ Ἰ. (1 b)
Nu. 30. 4 (5). καὶ παρασιωπήσῃ αὐτῆς ὁ πατήρ (1 b)
— 8. καὶ παρασιωπήσῃ αὐτῇ (1 b)
— 12. καὶ παρασιωπήσῃ [B¹ om. κ. π.] αὐτῇ (1 b)
— 15. ἐὰν δὲ . . . παρασιωπήσῃ αὐτῇ (1 b)
I Ki. 7. 8. μὴ παρασιωπήσῃς ἀφ' ἡμῶν (1 b)
23. 9. οὐ παρασιωπᾷ Σ. περὶ αὐτοῦ (1 b)
Ps. 27 (28). 1. A S μὴ παρασιωπήσῃς ἀπ' ἐμοῦ [B ἐπ' ἐμοὶ] μή ποτε παρασιωπήσῃς ἀπ' ἐμοῦ [B ἐπ' ἐμοί] (1 a, 2)
34 (35). 22. μὴ παρασιωπήσῃς (1 a)

Ps. 38 (39). 12. τῶν δακρύων μου μὴ παρασιωπήσῃς (1 a)
49 (50). 3. καὶ οὐ παρασιωπήσεται (1 a)
108 (109). 1. ὁ θεὸς τὴν αἴνεσίν μου μὴ παρασιωπήσῃς (1 a)
Pr. 12. 2. ἀνὴρ δὲ παράνομος παρασιωπηθήσεται †
Ho. 10. 11. παρασιωπήσομαι Ἰούδαν (1 a)
— 13. ἵνα τί παρεσιωπήσατε ἀσέβειαν (1 a)
Am. 6. 13 (12). εἰ παρασιωπήσονται ἐν θηλείαις (1 a)
Hb. 1. 13. παρασιωπήσῃ ἐν τῷ καταπίνειν (1 b)
[Aq. Jd. 16. 2: Hb. 1. 13.]
[Sm. Ps. 29 (30). 13: Hb. 1. 13.]
[Th. Ps. 38 (39). 13: 108 (109). 1: Hb. 1. 13.]

παρασκευάζειν. (1) בָּרַר hi. (2) גֵּרָה pi. (3) חָלַץ hi. (4) עָרַךְ (5) עָתַד pi. (6) פָּלַס pi. (7) קָדַשׁ pi. (8) לְהַסִּיחַ אֶת־רַגְלָיו

1 Ki. 24. 4. Σ. εἰσῆλθε παρασκευάσασθαι (8)
To. 8. 19. S καὶ ἤρξαντο π. [A B al.]
Ju. 5. 1. παρεσκευάσαντο εἰς πόλεμον
Pr. 15. 18. ἀνὴρ θυμώδης παρασκευάζει μάχας (2)
23. 2. τοιαῦτά σε δεῖ παρασκευάσαι †
24. 42 (27). παρασκευάζου εἰς τὸν ἀγρόν (5)
29. 5. ὃς παρασκευάζεται ἐπὶ πρόσωπον τοῦ ἑαυτοῦ φίλου (3)
Is. 26. 7. ἡ ὁδὸς τῶν εὐσεβῶν καὶ παρεσκευασμένη (6)
Je. 6. 4. παρασκευάσασθε ἐπ' αὐτὴν εἰς πόλεμον (7)
12. 5. πῶς παρασκευάσῃ [S -άζῃ] ἐφ' ἵπποις †
26 (46). 9. παρασκευάσατε [A καὶ κατασκ.] τὰ ἅρματα †
27 (50). 42. ἐφ' ἵπποις ἱππάσονται παρεσκευασμένοι ὥσπερ πῦρ εἰς πόλεμον (4)
28 (51). 11. παρασκευάζετε [A -άσατε] τὰ τοξεύματα (1)
Da. LXX. Bel 7. τὸν ἐσθίοντα τὰ παρασκευαζόμενα τῷ Βήλ
II Ma. 2. 27. τῷ παρασκευάζοντι συμπόσιον
6. 21. ἐνέγκαντα κρέα . . . διὰ αὐτοῦ παρασκευασθέντα
[Aq. Jb. 3. 8.]
[Sm. Ps. 37 (38). 18: Is. 40. 18.]
[Quint. Ho. 6. 11.]

παρασκευή. (1) עֲבֹדָה

Ex. 35. 24. R πάντα τὰ ἔργα τῆς π. [A B κατασκ.] (1)
39. 22 (42). A ἐποίησαν . . . πᾶσαν τὴν π. [B ἀποσκ.] (1)
Ju. 2. 17. ἔλαβε καμήλους . . . εἰς τὴν π. αὐτῶν
4. 5. παρέθεντο . . . εἰς παρασκευὴν πολέμου
I Ma. 9. 35. S τοῦ παραθέσθαι αὐτοῖς τὴν π. αὐ. [A R al.]
II Ma. 15. 21. καὶ τῶν ὅπλων τὴν ποικίλην π.

παραστάς.

[Aq. Jd. 3. 22: Is. 57. 8: Ez. 40. 17 (P.).]
[Sm. Ez. 40. 7, 10, 12 bis, 14 (P.), 16, 21, 29.]
[Th. Ez. 40. 17 (P.).]
[Al. Ex. 21. 6.]

παράστασις.

I Ma. 15. 32. εἶδε . . . π. ἱκανήν
[Sm. Nu. 8. 24.]

παραστήκειν. (1) עָמַד

Nu. 7. 2. A οὗτοι οἱ παραστήκοντες [B παρεστηκότες] ἐπὶ τῆς ἐπισκοπῆς (1)
Jd. 3. 19. A πάντες οἱ παραστήκοντες αὐτῷ [B al.] (1)
III Ki. 10. 8. A οἱ παραστήκοντες [B -εστηκότες] ἐνώπιόν σου (1)

παρασυμβάλλειν. (1) מָשַׁל ni.

Ps. 48 (49). 12, 20. παρασυνεβλήθη τοῖς κτήνεσι τοῖς ἀνοήτοις (1)

παρασύρειν.

[Sm. Jb. 22. 16.]

παρασφαλίζεσθαι. (1) חָזַק hi.

Ne. 3. 8. R παρ' αὐτὸν παρησφαλίσατο Ὀ.

παρατάνυσμα.

[Aq. Ex. 27. 16: 36. 37 (5): Nu. 4. 25, 26.]
[Sm. Ex. 27. 16.]

παρατανυσμός.

[Aq. Ex. 26. 36.]
[Al. Nu. 4. 5.]

παράταξις. (1) אֲנַף (2) מַחֲנֶה (3) a. מִלְחָמָה b. לָחַם ni. (4) a. מַעֲרָכָה b. עָרַךְ (5) צָבָא (6) קְרָב (7) חַיִל

Nu. 31. 5. ἐνωπλισμένοι εἰς παράταξιν (5)
— 14. τοῖς ἔρχομ. ἐκ τῆς π. τοῦ πολέμου (5)
— 21. τοὺς ἔρχομ. ἐκ τῆς π. τοῦ πολέμου –
— 27. A B¹ τῶν ἐκπορευομ. εἰς τὴν π. [B²R al.] (5)
— 28. τῶν ἐκπεπορευμ. [A ἐκπορευομ.] εἰς τὴν π. (5)
Jd. 6. 26. οἰκοδομήσεις . . . ἐν τῇ π. (4 a)
8. 13. ἐπέστρεψε . . . ἀπὸ τῆς π. ἀπὸ ἐπάνωθεν τῆς π. Ἀ. [A al.] (3 a, –)
18. 11. ἐζωσμένοι σκεύη παρατάξεως [A al.] (3 a)
— 16. οἱ ἀνεζωσμένοι τὰ σκεύη τῆς π. [A al.] (3 a)
20. 14. ἐξελθεῖν εἰς παράταξιν [A τοῦ πολεμῆσαι] (3 a)
— 17. πάντες οὗτοι ἄνδρες παρατάξεως [A al.] (3 a)
— 18. τίς ἀναβήσεται . . . εἰς παράταξιν [A al.] (3 a)
— 20. ἐξῆλθον . . . εἰς παράταξιν [A al.] (3 a)
— 22. προσέθηκαν συνάψαι παράταξιν [A al.] (3 a)
— 23. ἐγγίσαι εἰς παράταξιν [A al.] (3 a)
— 28. ἐξελθεῖν εἰς παράταξιν [A πόλεμον] (3 a)
— 34. καὶ παράταξις βαρεῖα [A al.] (3 a)
— 39. ἔστησαν ἐν τῇ π. [A al.] (3 a)
— 39. ὡς ἡ π. ἡ πρώτη [A al.] (3 a)
— 42. ἡ π. ἔφθασεν ἐπ' αὐτούς [A al.] (3 a)
21. 22. οὐκ ἐλάβομεν . . . ἐν τῇ π. [A τῷ πολέμῳ] (3 a)
I Ki. 4. 2. ἐπλήγησαν ἐν τῇ π. (4 a)
— 12. ἔδραμεν ἀνὴρ Ἰεμ. ἐκ τῆς π. (4 a)
— 16. πέφευγα ἐκ τῆς π. (4 a)
17. 4. ἐξῆλθεν . . . ἐκ τῆς π. (2)
— 8. ἀνεβόησεν εἰς [A πρὸς] τὴν π. Ἰσρ. (4 a)
— 10. ὠνείδισα τὴν π. Ἰσρ. (4 a)
— 20. A δύναμιν τὴν ἐκπορευομ. εἰς τὴν π. (4 a)
— 21. A παρετάξαντο . . . παράταξιν ἐξ ἐναντίας παρατάξεως (4 a, 4 a)
— 22. A ἔδραμεν εἰς τὴν π. (4 a)
— 23. A ἐκ τῶν π. τῶν ἀλλοφύλων (†*, 4 a)
— 26. A ὠνείδισεν παράταξιν θεοῦ ζῶντος (4 a)
— 36. ὠνείδισε παράταξιν θεοῦ ζῶντος (4 a)
— 45. ἐν ὀνόμ. κ. θεοῦ σαβαὼθ παρατάξεως Ἰσρ. (4 a)
— 48. A ἔδραμεν εἰς τὴν π. τοῦ ἀλλοφ. (4 a)
I Ch. 5. 18. ἐκπορευόμενοι εἰς παράταξιν (5)
7. 40. εἰς παράταξιν τοῦ πολεμεῖν (5)
12. 8. ἄνδρες παρατάξεως πολέμου (5)
— 24. δυνατοὶ παρατάξεως [S πράξεως] (5)
— 25. δυνατοὶ ἰσχύος εἰς παράταξιν (5)
— 33. ἐκπορευόμενοι εἰς παράταξιν πολέμου (5 + 4 b)
— 38. παρατασσόμενοι παράταξιν (4 a)
II Ch. 20. 15. οὐχ ὑμῖν ἐστιν ἡ π. (3 a)
26. 11. ἐκπορευόμεναι εἰς παράταξιν (5)
— 11. R εἰσπορευομένη εἰς παράταξιν –
I Es. 1. 30. ἀπέστησαν αὐτὸν . . . ἀπὸ τῆς π.
2. 30. μεθ' ἵππου καὶ ὄχλου παρατάξεως
Ne. 11. 14. ἀδελφοὶ αὐτοῦ δυνατοὶ παρατάξεως (7)
Ju. 1. 6. εἰς παράταξιν υἱῶν Χ.
2. 15. ἠρίθμησεν . . . εἰς παράταξιν
5. 23. οὐδὲ κράτος εἰς π. ἰσχυράν
7. 11. καθὼς γίνεται πόλεμος παρατάξεως
16. 12. ἀπώλοντο ἐκ παρατάξεως κυρίου μου
Ps. 143 (144). 1. ὁ διδάσκων τὰς χεῖράς μου εἰς παράταξιν (6)
Wi. 12. 9. οὐκ ἀδυνατῶν ἐν παρατάξει ἀσεβεῖς δικαίοις ὑποχειρίους δοῦναι
Za. 14. 3. καθὼς ἡμέρα παρατάξεως αὐ. (3 b)
Is. 22. 6. συναγωγὴ παρατάξεως †
36. 5. μὴ ἐν βουλῇ . . . παράταξις γίνεται (3 a)
Je. 6. 23. S¹ ἐφ' ἵπποις καὶ ἅρμασι παρατάξεως [A B S² -ξεται ὡς] πῦρ (4 b)
Ez. 17. 21. ἐν πάσῃ [A add. τῇ] π. αὐτοῦ ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται (1)
24. 16. λαμβάνω ἐκ σοῦ τὰ ἐπιθυμήματα τῶν ὀφθαλμῶν σου ἐν παρατάξει †
I Ma. 3. 26. ὑπὲρ τῶν π. Ἰ. ἐξηγείτο πᾶν ἔθνος
4. 21. τὴν Ἰ. παρεμβολὴν . . . ἑτοίμην εἰς παράταξιν
6. 42. ἤγγισεν Ἰ. καὶ ἡ παρεμβ. αὐ. εἰς παράταξιν
I Ma. 12. 41. S¹ R ἐκλελεγμέναις [A -αι, S² -ων] εἰς παράταξιν
II Ma. 8. 20. τὴν πρὸς τοὺς Γαλάτας π. γενομένην
[Aq., Th. I Ki. 23. 1.]
[Al. Ps. 26 (27). 3.]

παρατάσσειν. (1) נוּר (2) אָסַר אֶת־הַמִּלְחָמָה (3) זָמַם (4) זָעַם (5) חָנָה (6) לָחַם ni. (7) נָגַשׁ (8) עָרַר (9) עָרַךְ (10) צָבָא a. verb. b. subst. (11) לִקְרַאת

Ge. 14. 8. παρετάξαντο αὐτοῖς εἰς πόλεμον (9)
Ex. 17. 9. παράταξαι τῷ Ἀμ. αὔριον (6)
— 10. παρετάξατο τῷ Ἀμ. (6)
Nu. 1. 45. πᾶς ὁ ἐκπορευόμ. παρατάσσεσθαι (10 b)
21. 23. ἐξῆλθε παρατάξασθαι τῷ Ἰσρ. (11)
— 23. παρετάξατο τῷ Ἰσρ. (6)
26. 2. πᾶς ὁ ἐκπορευόμ. παρατάσσεσθαι (10 b)
31. 3. A R παρατάξασθε [B -θαι] ἔναντι κυρίου (10 b)
— 4. ἀποστείλατε παρατάξασθαι (10 b)
— 7. παρετάξαντο ἐπὶ Μαδιάν (10 a)
Jo. 24. 8. A καὶ παρετάξατο ὑμῖν (6)
— 9. καὶ παρετάξατο τῷ Ἰσρ. (6)
Jd. 1. 3. παραταξώμεθα πρὸς τοὺς Χαν. [A al.] (6)
— 5. B² R παρετάξαντο πρὸς αὐτόν [A al.] (6)
5. 19. βασιλεῖς παρετάξαντο [A al.] (6)
— 20. παρετάξαντο οἱ ἀστέρες [A al.] (6)
— 20. παρετάξαντο μετὰ Σ. [A al.] (6)
8. 1. παρατάξασθαι ἐν Μ. [A al.] (6)
9. 17. ὡς παρετάξατο [A ἐπολέμησεν] ὁ πατήρ μου (6)
— 38. καὶ παράταξαι αὐτῷ [A al.] (6)
— 39. παρετάξατο πρὸς Ἀβ. [A al.] (6)
— 45. παρετάσσετο [A ἐπολέμει] ἐν τῇ πόλει (6)
— 52. παρετάξαντο αὐτῷ [A al.] (6)
10. 9. παρατάξασθαι πρὸς Ἰ. [A al.] (6)
— 18. παρατάξασθαι πρὸς υἱοὺς Ἀ. [A al.] (6)
11. 4. παρετάξαντο . . . μετὰ Ἰσρ. [A al.] (6)
— 6. παραταξώμεθα πρὸς υἱοὺς Ἀ. [A al.] (6)
— 8. παράταξῃ πρὸς υἱοὺς Ἀ. [A al.] (6)
— 9. παρατάξασθαι ἐν υἱοῖς Ἀ. [A al.] (6)
— 12. τοῦ παρατάξασθαι ἐν τῇ γῇ μου [A al.] (6)
— 20. παρετάξατο πρὸς Ἰσρ. [A al.] (6)
— 27. τοῦ παρατάξασθαι ἐν ἐμοί [A al.] (6)
— 32. παρατάξασθαι πρὸς αὐτούς [A al.] (6)
12. 1. παρατάξασθαι ἐν υἱοῖς Ἀ. [A al.] (6)
— 3. παρατάξασθαι ἐν ἐμοί [A al.] (6)
— 4. παρετάξατο τῷ Ἐφρ. [A al.] (6)
20. 20. A παρετάξατο . . . εἰς πόλεμον [B al.] (9)
— 22. A προσέθεντο παρατάξαι πόλεμον [B al.] (9)
— 22. A ᾧ παρετάξαντο ἐκεῖ [B al.] (9)
— 30. A παρετάξαντο [B συνῆψαν] πρὸς Γ. (9)
I Ki. 4. 2. παρατάσσονται οἱ ἀλλόφ. εἰς πόλεμον (9)
17. 2. παρατάσσονται εἰς πόλεμον (9)
— 8. παρατάξασθαι πολέμῳ (9)
— 21. A καὶ παρετάξαντο Ἰσρ. (9)
II Ki. 10. 8. καὶ παρετάξαντο πόλεμον (9)
— 9. παρετάξαντο ἐξ ἐναντίας Συρίας (9)
— 10. παρετάξαντο ἐξ ἐναντίας υἱῶν Ἀ. (9)
— 17. παρετάξατο Συρία ἀπέναντι Δ. [B¹ al.] (9)
I Ch. 7. 4. ἰσχυροὶ παρατάξασθαι εἰς πόλεμον (10 b)
12. 35. παρατασσόμενοι εἰς πόλεμον (9)
— 38. παρατασσόμενοι παράταξιν (8)
19. 9. παρατάσσονται εἰς πόλεμον (9)
— 10. παρετάξαντο [A -ατο] ἐναντίον τοῦ Σύρου (9)
— 11. παρετάξαντο [A -ατο] ἐξ ἐναντίας υἱῶν Ἀ. (9)
— 14. καὶ παρετάξατο Ἰωάβ (7)
— 17. παρετάξατο [S -αντο] ἐπ' [A πρὸς] αὐτούς (9)
— 17. παρατάσσεται [S -ετάξατο] Δ. (9)
II Ch. 13. 3. καὶ παρετάξατο Ἀβιά (1)
— 3. Ἱερ. παρετάξατο . . . πόλεμον (9)
14. 10 (9). καὶ παρετάξατο πόλεμον (9)
Ne. 4. 8 (2). παρατάξασθαι ἐν [S εἰς] Ἱερ. (6)
— 14 (8). παρατάξασθε περὶ τῶν ἀδελφῶν ὑμῶν (6)
Ju. 1. 13. παρετάξατο ἐν τῇ δυνάμει αὐ.
Ps. 26 (27). 3. ἐὰν παρατάξηται ἐπ' ἐμὲ παρεμβολή (5)
139 (140). 2. ὅλην τὴν ἡμέραν παρετάσσοντο πολέμους (2)
Jl. 2. 5. ὡς λαὸς πολὺς καὶ ἰσχυρὸς παρατασσόμενος εἰς πόλεμον (9)
Za. 1. 6. καθὼς παρατέτακται κύριος παντοκράτωρ (3)
8. 15. οὕτως παρατέταγμαι καὶ διανενόημαι †

Za. 10. 5. καὶ παρατάξονται (6)
14. 3. παρατάξεται ἐν τοῖς ἔθνεσιν ἐκείνοις (6)
— 14. Ἰ. παρατάξεται ἐν Ἱερ. (6)
Ma. 1. 4. ἐφ' ὃν παρατέτακται κύριος (4)
Je. 6. 23. ἐφ' ἵπποις καὶ ἅρμασι παρατάξεται ὡς [S[1] παρατάξεως] πῦρ (9)
27 (50). 9. παρατάξονται αὐτῇ (9)
— 14. παρατάξασθε ἐπὶ Βαβυλῶνα κύκλῳ (9)
II Ma. 1. 11. ὡς ἂν πρὸς βασιλέα παρατασσόμενοι
— 12. R ἐξέβρασε τοὺς παραταξαμ. [A -τασσομ.] ἐν τῇ ἁγίᾳ πόλει
12. 34. R καὶ παραταξαμένων [A -ους δὲ] συνέβη πεσεῖν ὀλίγους
[Aq. I Ki. 27. 8: Pr. 9. 2: Je. 4. 28: 6. 23: Ez. 21. 21 (26): 32. 2.]
[Sm. Ec. 8. 8: Is. 31. 4: Je. 4. 28: Ez. 21. 21 (26).]
[Th. Ez. 21. 21 (26).]

παρατείνειν. (1) בִּתְּרוֹן (2) יָרַכָּה (3) מָשַׁךְ (4) שָׁקַף ni. (5) τὰ παρατείνοντα מְשֻׁךָ

Ge. 49. 13. καὶ παρατενεῖ ἕως Σιδ. (2)
Nu. 23. 28. τὸ παρατεῖνον εἰς τὴν ἔρημον (4)
II Ki. 2. 29. ἐπορεύθησαν ὅλην τὴν παρατείνουσαν (1?)
Ju. 7. 3. παρέτειναν . . . ἐπὶ Δ.
Ps. 35 (36). 10. παράτεινον τὸ ἔλεός σου τοῖς γινώσκουσί σε (3)
Ez. 27. 13. ἡ Ἑλλὰς καὶ ἡ σύμπασα [A τὰ σύμπαντα] καὶ τὰ παρατείνοντα (5?)
[Sm. Ps. 128 (129). 3.]
[Al. Jd. 1. 9.]

παρατεύχεσθαι.
[Sm. Ec. 11. 3.]

παρατηρεῖν. (1) זָמַם (2) שָׁמַר
Ps. 36 (37). 12. παρατηρήσεται ὁ ἁμαρτωλὸς τὸν δίκαιον (1)
129 (130). 3. A S ἐὰν ἀνομίας παρατηρήσῃ [R -σῃς] (2)
Da. Th. Su. 12. παρετηροῦσαν φιλοτίμως . . . ὁρᾶν αὐτήν
— 15. ἐν τῷ π. αὐτοὺς ἡμέραν εὔθετον
— 16. οἱ δύο πρεσβύτεροι . . . παρατηροῦντες αὐτήν
6. 11 (12). οἱ ἄνδρες ἐκεῖνοι παρετήρησαν †
[Sm. Ex. 12. 42: I Ki. 1. 12: Ps. 55 (56). 7.]
[Th. Da. 6. 15†.]
[Al. Le. 19. 18.]

παρατήρησις.
[Aq. Ex. 12. 42.]

παρατιθέναι. (1) יָצַג hi. (2) יָשַׂם (3) כָּרָה (4) *a.* נָתַן *b.* נָתַן לִפְנֵי (5) לִפְנֵי (6) פָּקַד *a.* qal. *b.* hiph. *c.* hoph. (7) שִׂים, שִׁיתִים *a.* qal. *b.* hoph. *c.* שִׂים לִפְנֵי

Ge. 18. 8. καὶ παρέθηκεν αὐτοῖς (4 *b*)
24. 33. παρέθηκεν αὐτοῖς ἄρτους φαγεῖν (2*, 7 *b*)
30. 38. παρέθηκε τὰς ῥάβδους . . . ἐν ταῖς ληνοῖς (1)
43. 31. παράθετε ἄρτους (7 *a*)
— 32. παρέθηκαν αὐτῷ μόνῳ (7 *a*)
Ex. 19. 7. παρέθηκεν αὐτοῖς πάντας τοὺς λόγους (7 *c*)
21. 1. ἃ παραθήσῃ [A -σεις] ἐνώπιον αὐτῶν (7 *a*)
Le. 6. 4 (5. 23). ἥτις παρετέθη αὐτῷ (6 *c*)
— 10 (3). καὶ παραθήσει αὐτό (7 *a*)
De. 4. 44. ὃν παρέθετο Μ. ἐνώπ. υἱῶν Ἰ. (7 *a*)
I Ki. 9. 24. παρέθηκεν αὐτὴν ἐνώπιον Σ. (7 *a*)
— 24. παράθες αὐτὸ ἐνώπιόν σου (7 *a*)
21. 6 (7). παρατεθῆναι ἄρτον θερμόν (7 *a*)
28. 22. παραθήσω ἐνώπιόν σου ψωμὸν ἄρτου (7 *a*)
II Ki. 12. 20. παρέθηκαν [A -εν] αὐτῷ ἄρτον (7 *a*)
IV Ki. 5. 24. καὶ παρέθετο ἐν οἴκῳ (6 *a*)
6. 22. παράθες ἄρτους . . . ἐνώπιον αὐτῶν (7 *a*)
— 23. παρέθηκεν αὐτοῖς παράθεσιν μεγ. (3)
II Ch. 16. 10. παρέθετο αὐτὸν εἰς φυλακήν (4 *a*)
To. 1. 14. καὶ παρεθέμην Γαβαήλῳ
2. 2. S παρετέθη μοι ἡ τράπεζα
— 2. S παρετέθη μοι ὀψάρια πλείονα
4. 1. οὗ παρέθετο Γαβ.
— 20. ἃ παρεθέμην Γαβαήλῳ [S *al.*]
5. 3. S παρεθέμην τὸ ἀργύριον τοῦτο
7. 8. A B παρέθηκαν ὄψα πλείονα
10. 13. παρατίθεμαί σοι τὴν θυγατέρα μου
Ju. 4. 5. παρέθεντο εἰς ἐπισιτισμόν
Ps. 30 (31). 5. εἰς χεῖράς μου παραθήσομαι τὸ πνεῦμά μου (6 *b*)
Pr. 23. 1. νοητῶς νόει τὰ παρατιθέμενά σοι (5)
Si. 15. 16. παρέθηκέ σοι πῦρ καὶ ὕδωρ
Ep. Je. 27. ὥσπερ νεκροῖς τὰ δῶρα αὐτοῖς παρατίθεται
— 30. γυναῖκες παρατιθέασι θεοῖς ἀργυροῖς
Da. LXX. Bel 10. παρετέθη τὰ βρώματα ἐνώπιον τοῦ βασ.
— 10. οἶνος κερασθεὶς . . . παρετέθη τῷ Βήλ
— 17. εἴδοσαν δεδαπανημένα πάντα τὰ παρατεθέντα
— 20. ἐδαπάνων τὰ παρατιθέμενα τῷ Βήλ
Da. Th. Bel 11. παράθες τὰ βρώματα
— 14. παρέθηκε τὰ βρώματα τῷ Βήλ
I Ma. 1. 35. παρέθεντο ὅπλα
9. 35. A R παραθέσθαι αὐτοῖς τὴν ἀποσκευὴν αὐ. [S *al.*]
IV Ma. 6. 15. τῶν ἡψημένων βρωμάτων παραθήσομεν
[Sm. Ps. 30 (31). 6: Je. 35 (42). 5.]

παρατρέπειν.
[Sm. Jb. 12. 24: 13. 20 (P.), 21 (P.): 24. 4: 34. 5: Ps. 140 (141). 4.]

παρατρέχειν. (1) רוּץ
I Ki. 22. 17. εἶπεν ὁ βασ. τοῖς παρατρέχουσι (1)
II Ki. 15. 1. πεντήκοντα ἄνδρας π. ἔμπροσθεν αὐτοῦ (1)
III Ki. 1. 5. πεντήκ. ἄνδρας π. [A -χοντας] ἔμπροσθεν αὐτοῦ (1)
14. 27. οἱ ἡγούμενοι τῶν παρατρεχόντων (1)
— 28. ᾖρον αὐτὰ οἱ παρατρέχοντες (1)
— 28. εἰς τὸ θεὲ τῶν παρατρεχόντων (1)
IV Ki. 10. 25. εἶπεν Ἰοὺ τοῖς παρατρέχουσι (1)
— 25. καὶ ἔρριψαν οἱ παρατρέχοντες (1)
11. 6. τὸ τρίτον . . . ὀπίσω τῶν παρατρεχόντων (1)
— 11. ἔστησαν οἱ παρατρέχοντες (1)
— 19. ὁδὸν πύλης τῶν παρατρεχόντων (1)
II Ch. 12. 10. ἄρχοντας παρατρεχόντων (1)
— 11. οἱ φυλάσσοντες καὶ οἱ παρατρέχοντες (1)
— 11. εἰς ἀπάντησιν τῶν παρατρεχόντων (1)
Wi. 5. 9. ὡς ἀγγελία παρατρέχουσα
III Ma. 5. 15. ὑπέδειξε τὸν . . . καιρὸν ἤδη παρατρέχοντα
[Sm. III Ki. 14. 28: IV Ki. 11. 4.]

παραυτίκα.
To. 4. 14. A B ἀπόδος αὐτῷ π.
Ps. 69 (70). 3. ἀποστραφείησαν π. αἰσχυνόμενοι †

παραφέρειν. (1) הָלַל hithpo. (2) עָבַר hi.
Jd. 6. 5. A τὰς σκηνὰς αὐτῶν παρέφερον [B *al.*] †
I Ki. 21. 13 (14). παρεφέρετο ἐν ταῖς χερσὶν αὐ. (1)
II Es. 10. 7. A S R παρήνεγκαν φωνὴν ἐν [B *om.*] Ἰούδᾳ (2)
[Aq. Le. 25. 10.]
[Sm. IV Ki. 23. 10: Je. 51 (28). 10.]
[Th. Jd. 6. 5: IV Ki. 23. 10.]
[Al. Nu. 31. 23.]

παραφορά. (1) הוֹלֵלוֹת
Ec. 2. 12. τοῦ ἰδεῖν . . . παραφοράν [A S περιφ.] (1)
7. 26 (25). A τοῦ γνῶναι ἀσεβοῦς . . . παραφοράν [B S περιφ.] (1)
[Th. Ec. 1. 17.]

παράφορος.
[Sm. Dt. 28. 34.]

παραφρονεῖν. (1) סָרַר
Za. 7. 11. ἔδωκαν νῶτον παραφρονοῦντα (1)

παραφρόνησις. (1) שִׁגָּעוֹן
Za. 12. 4. πατάξω . . . τὸν ἀναβάτην αὐ. ἐν παραφρονήσει (1)

παράφρων.
Wi. 5. 20. συνεκπολεμήσει [S συνπ.] δὲ αὐτῷ ὁ κόσμος ἐπὶ τοὺς π.
[Sm. I Ki. 21. 14 (15).]

παραφυάς. (1) יוֹנֶקֶת (2) סְעַפָּה (3) עָנָף (4) פֹּאֵרָה
Ps. 79 (80). 11. καὶ ἕως ποταμοῦ τὰς π. αὐ. (1)
Ez. 17. 22. A δώσω ἀπὸ κεφαλῆς παραφυάδων αὐτῆς (1)
Ez. 31. 3. Ἀσσοὺρ . . . καλὸς ταῖς π. (3)
— 5. A ὑψώθησαν αἱ π. αὐτοῦ (4)
— 6. ἐν ταῖς π. αὐτοῦ ἐνόσσευσαν (2)
— 8. αἱ πίτυες οὐχ ὅμοιαι ταῖς π. αὐτοῦ (2)
IV Ma. 1. 28. A R πολλαὶ τούτων τῶν παθῶν [S φυτῶν] εἰσι παραφυάδες
[Sm. Jb. 14. 7: 40. 17 (22): Ez. 17. 6: 31. 6.]
[Th. Jb. 8. 16: Ez. 17. 4, 22: 19. 11: 31. 5, 6, 12.]

παραφυλάσσειν.
[Sm. Jn. 2. 9.]

παραχρῆμα. (1) פִּתְאֹם (2) לְפֶתַע
Nu. 6. 9. π. μανθήσεται ἡ κεφαλή (1)
12. 4. A B[2] R εἶπε κύριος π. [B[1] *om.*] (1)
II Ki. 3. 12. ἀπέστειλεν Ἀβ. ἀγγέλους . . . π. †
To. 8. 3. S καὶ ἐπέδησεν π. [A B *al.*]
Jb. 39. 30. οὗ δ' ἂν ὦσι τεθνεῶτες π. εὑρίσκονται †
40. 7 (12). σῆψον δὲ ἀσεβεῖς π. †
Ps. 39 (40). 15. κομισάσθωσαν π. αἰσχύνην αὐτῶν †
Wi. 18. 17. τότε παραχρῆμα φαντασίαι . . . ἐξετάραξαν αὐτούς
Is. 29. 5. ἔσται ὡς στιγμὴ π. (1)
30. 13. ὡς τεῖχος πίπτον π. πόλεως ὀχυρᾶς [A *om.*] ἑαλωκυίας ἧς π. πάρεστι τὸ πτῶμα (†, 1+2)
Da. Th. Bel 39. ἀπεκατέστησε τὸν Ἀμβ. π. εἰς τὸν τόπον αὐ.
— 42. κατεβρώθησαν π. ἐνώπιον αὐτοῦ
II Ma. 4. 34. ὃν καὶ π. παρέκλεισεν
— 38. π. τὴν τοῦ Ἀνδρ. πορφύραν περιελόμενος
5. 18. οὗτος προαχθεὶς π.
7. 4. π. τὸν γενόμ. αὐ. προήγορον προσέταξε γλωσσοτομεῖν
10. 22. π. τοὺς δύο πύργους κατελάβετο
11. 36. πέμψατέ τινα π.
IV Ma. 14. 9. τὸν π. ἀπειλῆς λόγον
[Aq. Jb. 5. 3: Ps. 63 (64). 8: Pr. 6. 15: 7. 22.]
[Sm. Ps. 16 (17). 11: 65 (66). 17: Ez. 7. 8.]
[Th. II Ki. 3. 12.]

παραχωρεῖν.
II Ma. 2. 28. τὸ μὲν διακριβοῦν . . . τῷ συγγραφεῖ παραχωρήσαντες
8. 11. ὑπισχνούμενον ἐνενήκοντα σώματα ταλάντου παραχωρήσειν

παρδάλεος (-λεος).
IV Ma. 9. 28. τὴν σάρκα πᾶσαν . . . οἱ π. [S[1] -λεοι] θῆρες ἀπέσυραν

πάρδαλις. (1) *a.* נָמֵר *b.* נְמַר
Ca. 4. 8. ἀπὸ ὀρέων παρδάλεων (1 *a*)
Si. 28. 23. ὡς πάρδαλις λυμανεῖται αὐτούς
Ho. 13. 7. ἔσομαι αὐτοῖς . . . ὡς πάρδαλις (1 *a*)
Hb. 1. 8. ἐξαλοῦνται ὑπὲρ παρδάλεις οἱ ἵπποι αὐ. (1 *a*)
Is. 11. 6. π. συναναπαύσεται ἐρίφῳ (1 *a*)
Je. 5. 6. π. ἐγρηγόρησεν ἐπὶ τὰς πόλεις αὐτῶν (1 *a*)
13. 23. ἀλλάξεται . . . π. τὰ ποικίλματα αὐτῆς (1 *a*)
Da. LXX. 7. 6. ἐθεώρουν θηρίον ἄλλο ὡσεὶ πάρδαλιν (1 *b*)
Da. Th. 7. 6. θηρίον ἕτερον ὡσεὶ πάρδαλις (1 *b*)
[Aq. Hb. 1. 8.]

παρεγκλίνειν.
Si. 47. 19. R παρενέκλινας [A B παραν., S παρέκλ.] τὰς λαγόνας σου γυναιξί

παρεδρεύειν.
Pr. 1. 21. ἐπὶ δὲ πύλαις δυναστῶν παρεδρεύει –
8. 3. παρὰ γὰρ πύλαις δυναστῶν παρεδρεύει –

πάρεδρος.
Wi. 6. 14. πάρεδρον γὰρ εὑρήσει τῶν πυλῶν [S[1] πλούτων] αὐτοῦ
9. 4. δός μοι τὴν τῶν σῶν θρόνων πάρεδρον σοφίαν

παρειά.
[Sm. Ca. 4. 3.]

παρεῖναι. (1) אָתָה (2) בּוֹא (3) הִנֵּה (4) חוּשׁ (5) מְטָה (6) נָגַע hi. (7) קָרַב aph.
Nu. 22. 20. εἰ καλέσαι σε πάρεισιν (2)
De. 32. 35. πάρεστιν ἕτοιμα ὑμῖν (4)

Jd. 19. 3. A παρῆν εἰς ἀπάντησιν αὐτοῦ [B *al.*] †
I Ki. 9. 6. πᾶν . . . παραγινόμενον παρέσται (2)
II Ki. 5. 23. καὶ παρέσῃ [B¹ -ει] αὐτοῖς (2)
13. 35. οἱ υἱοὶ τοῦ βασ. πάρεισι (2)
15. 18. B παρῆσαν ἐπὶ χείρα αὐτοῦ –
I Ch. 14. 14. καὶ παρέσῃ αὐτοῖς (2)
I Es. 6. 3. παρῆν πρὸς αὐτοὺς Σισ.
To. 10. 1. S καὶ ὁ υἱὸς αὐ. οὐ παρῆν [A B *al.*]
— 6. S ἤδη παρέσται
Ju. 9. 6. ἰδοὺ πάρεσμεν
Es. 9. 1. παρῆν τὰ γράμμ. τὰ γραφέντα (6)
Jb. 1. 7. ἐμπεριπατήσας τὴν ὑπ' οὐρανὸν πάρειμι –
2. 2. ἐμπεριπατήσας τὴν σύμπασαν [A γῆν] πάρειμι –
31. 21. A S πεποιθὼς ὅτι πολλή μοι βοήθεια πάρεστιν [B περίεστιν] –
Ps. 138 (139). 8. ἐὰν καταβῶ εἰς τὸν ᾅδην πάρει (3)
Pr. 1. 27. ἡ δὲ καταστροφὴ ὁμοίως καταιγίδι παρῇ (1)
7. 19. οὐ γὰρ πάρεστιν ὁ ἀνήρ μου ἐν οἴκῳ –
Wi. 4. 2. παροῦσάν τε μιμοῦνται [A τιμοῦσιν] αὐτήν
9. 9. ἡ σοφία . . . παροῦσα ὅτε ἐποίεις τὸν κόσμον
11. 11. καὶ ἀπόντες δὲ καὶ παρόντες ὁμοίως ἐτρύχοντο
— 21. τὸ γὰρ μεγάλως ἰσχύειν πάρεστί σοι πάντοτε
12. 19. πάρεστι γάρ σοι ὅταν θέλῃς τὸ δύνασθαι
13. 1. οἷς παρῆν θεοῦ ἀγνωσία
14. 17. ἵνα τὸν ἀπόντα ὡς παρόντα κολακεύωσι
19. 14. τοὺς ἀγνοοῦντας οὐκ ἐδέχοντο παρόντας
Jl. 2. 1. πάρεστιν ἡμέρα κυρίου (2)
Hb. 3. 2. ἐν τῷ παρεῖναι τὸν καιρόν –
Is. 8. 1. πάρεστι γάρ †
30. 13. ἧς παραχρῆμα πάρεστι τὸ πτῶμα (2)
52. 7 (6). πάρειμι ὡς ὥρα ἐπὶ τῶν ὀρέων (3)
58. 9. ἰδοὺ πάρειμι (3)
63. 4. ἐνιαυτὸς λυτρώσεως πάρεστι (2)
Ba. 3. 34. εἶπον, Πάρεσμεν
La. 4. 18. πάρεστιν ὁ καιρὸς ἡμῶν (2)
Da. LXX. 7. 13. ὡς παλαιὸς ἡμερῶν παρῆν [*cod.* -ῆσαν] (5)
— 13. οἱ παρεστηκότες παρῆσαν αὐτῷ (7)
I Ma. 11. 63. παρῆσαν οἱ ἄρχοντες Δ. εἰς Κ.
12. 42. A R πάρεστιν [S ἦλθεν] μετὰ δυνάμεως πολλῆς
— 45. τούτου γὰρ χάριν πάρειμι
II Ma. 3. 9. τίνος ἕνεκεν πάρεστι
— 24. αὐτοῦ . . . κατὰ τὸ γαζοφυλάκιον ἤδη παρόντος
4. 18. καὶ τοῦ βασιλέως παρόντος
— 20. A ἕνεκα δὲ τῶν παρόντων [R παρακομιζόντων] εἰς τὰς τῶν τριηρέων κατασκευάς
6. 9. παρῆν οὖν ὁρᾶν τὴν ἐνεστῶσαν ταλαιπωρίαν
— 26. εἰ γὰρ καὶ ἐπὶ τοῦ παρόντος ἐξελοῦμαι
7. 9. ἐκ τοῦ παρόντος ἡμᾶς ζῆν ἀπολύει
10. 24. παρῆν ὡς δοριάλωτον ληψόμενος τὴν Ἰουδ.
III Ma. 1. 13. αὐτὸν . . . οὐθεὶς ἐκώλυσε τῶν παρόντων
— 23. A ἀποτραπέντες . . . παρῆσαν [R ἔστησαν]
— 27. τοῖς παροῦσιν ἐπαμῦναι
3. 11. τῇ κατὰ τὸ παρὸν εὐημερίᾳ
5. 10. ὅρθριος ἐπὶ τὴν αὐλὴν παρῆν
— 17. τὸ παρὸν τῆς συμποσίας ἐπὶ πολὺ γεραιρομένους
— 18. R τὴν παροῦσαν [A περιοῦσαν] ἡμέραν περιβεβιωκότες
— 21. πάντες . . . οἱ παρόντες ὁμοῦ συναινέσαντες
— 31. εἴ σοι γονεῖς παρῆσαν
IV Ma. 6. 27. παρόν μοι σώζεσθαι
8. 3. παρῆσαν ἀγόμενοι . . . ἑπτὰ ἀδελφοί
— 26. παρὸν μετὰ ἀταραξίας ζῆν
[Aq. Ps. 11 (12). 5.]
[Sm. I Ki. 3. 4 : 22. 12 : II Ki. 1. 7 : Jb. 6. 5 : 29. 20 : 38. 35 : 39. 30 : Ec. 11. 5 : Je. 23. 18.]
[Th. Ez. 7. 5, 7 (P.).]
[Al. Ex. 30. 13 : Ps. 11 (12). 5 : Za. 14. 5.]

παρεισπορεύεσθαι.
II Ma. 8. 1. παρεισπορευόμενοι λεληθότως εἰς τὰς κώμας

παρέκαστα, *vid. sub* παρά *et* ἕκαστος.

παρεκλείπειν.
Ju. 11. 12. A ἐπεὶ παρεξέλειπεν αὐτοὺς τὰ βρώματα [B S *al.*]

παρεκτείνειν. (1) יָנַע
Pr. 23. 4. μὴ παρεκτείνου [S¹ -ῃς] πένης ὢν πλουσίῳ (1)
Ez. 47. 19. παρεκτεῖνον ἐπὶ τὴν θάλασσαν τὴν μεγάλην +

παρεκτός.
[Aq. Dt. 1. 36.]
[Al. Le. 23. 38.]

παρελαύνειν.
[Sm. II Ki. 2. 19.]

παρελέγχειν.
II Ma. 4. 33. R παρήλεγχεν [A ἀπήνεγκεν] ἀποκεχωρηκὼς εἰς ἄσυλον τόπον

παρέλκειν.
Si. 4. 1. μὴ παρελκύσῃς ὀφθαλμοὺς ἐπιδεεῖς
— 3. μὴ παρελκύσῃς δόσιν προσδεομένου
29. 5. ἐν καιρῷ ἀποδόσεως παρελκύσει χρόνον
— 8. A S ἐπ' ἐλεημοσύνῃ μὴ [B *om.*] παρελκύσῃς [B -εις] αὐτόν
[Sm. Ps. 119 (120). 5 : Ez. 32. 18.]
[Th. Ez. 32. 18.]

παρέλκυσις.
Jb. 25. 3. μὴ γάρ τις ὑπολάβοι ὅτι ἐστὶ παρέλκυσις πειραταῖς †

παρεμβάλλειν. (1) *a.* חָנָה *b.* מַחֲנֶה *c.* תַּחֲנוֹת (2) לִין (3) נָפַל (4) עָטַר
Ge. 32. 1 (2). παρεμβολὴν θεοῦ παρεμβεβληκυῖαν –
33. 18. παρενέβαλε κατὰ πρόσωπον τῆς πόλεως (1 *a*)
Ex. 14. 9. εὕροσαν αὐτοὺς παρεμβεβληκότας (1 *a*)
15. 27. παρενέβαλον δὲ ἐκεῖ (1 *a*)
17. 1. παρενεβάλοσαν [A -ον] ἐν Ῥ. (1 *a*)
18. 5. οὗ παρενέβαλεν ἐπ' ὄρους [A εἰς τὸ ὄ.] τοῦ θ. (1 *a*)
19. 2. παρενέβαλεν ἐκεῖ Ἰσρ. (1 *a*)
Nu. 1. 50. κύκλῳ τῆς σκηνῆς παρεμβαλοῦσι (1 *a*)
— 51. ἐν τῷ π. τὴν σκηνήν (1 *a*)
— 52. παρεμβαλοῦσιν [B² -βάλλ.] οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1 *a*)
— 53. A B¹ οἱ δὲ Λ. παρεμβαλέτωσαν [B² R -βαλλ.] (1 *a*)
2. 2. A B παρεμβαλέτωσαν [R -βαλλ.] οἱ υἱοὶ Ἰ. (1 *a*)
— 2. παρεμβαλοῦσιν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1 *a*)
— 3. οἱ [A¹ οὗτοι] παρεμβάλλοντες [B¹ -βαλ.] πρῶτοι (1 *a*)
— 5. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι (1 *a*)
— 7. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι –
— 12. B¹ οἱ παρεμβαλόντες [A B² R -βάλλ.] ἐχόμενοι (1 *a*)
— 14. B¹ οἱ παρεμβαλόντες [A B² R -βάλλ.] ἐχόμενοι –
— 17. A B ὡς καὶ [A *om.*] παρεμβάλλουσιν [R -βαλ.] (1 *a*)
— 20. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι –
— 22. B¹ οἱ παρεμβαλόντες [A B² R -βάλλ.] ἐχόμενοι –
— 27. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι αὐτοῦ (1 *a*)
— 29. οἱ παρεμβάλλοντες [A² -βαλ.] ἐχόμενοι –
— 34. παρενέβαλον κατὰ τάγμα αὐτῶν (1 *a*)
3. 23. παρεμβαλοῦσι παρὰ [A κατὰ] θάλασσαν (1 *a*)
— 29. παρεμβαλοῦσιν ἐκ πλαγίων τῆς σκηνῆς (1 *a*)
— 35. ἐκ πλαγίων τῆς σκηνῆς παρεμβαλοῦσι (1 *a*)
— 38. οἱ παρεμβάλλοντες κατὰ πρόσωπον τῆς σκηνῆς (1 *a*)
9. 17. ἐκεῖ παρενέβαλον [A -βαλλον] οἱ υἱοὶ Ἰ. (1 *a*)
— 18. παρεμβαλοῦσιν [A -βάλλ.] οἱ υἱοὶ Ἰ. (1 *a*)
— 18. παρεμβαλοῦσιν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1 *a*)
— 20. διὰ φωνῆς κυρίου παρεμβαλοῦσι (1 *a*)
— 22. παρεμβαλοῦσιν [A -λωσιν] οἱ υἱοὶ Ἰ. (1 *a*)
10. 5. αἱ παρεμβ. αἱ παρεμβάλλουσαι [B¹ -βαλ.] (1 *a*)
— 6. αἱ παρεμβ. αἱ παρεμβάλλουσαι (1 *a*)
— 6 *bis.* αἱ παρεμβ. αἱ παρεμβάλλουσαι –
13. 1 (12. 16). παρενέβαλον [A -εν] ἐν τῇ ἐρήμῳ (1 *a*)
Nu. 21. 10. A B² R παρενέβαλον ἐν Ὠβώθ (1 *a*)
— 11. παρενέβαλον ἐν Ἀχ. (1 *a*)
— 12. παρενέβαλον εἰς φάραγγα Ζ. (1 *a*)
— 13. παρενέβαλον εἰς τὸ πέραν Ἀρνῶν (1 *a*)
22. 1. παρενέβαλον ἐπὶ δυσμῶν Μ. (1 *a*)
31. 19. παρεμβάλετε [A -λεῖτε] ἔξω τῆς παρεμβ. (1 *a*)
33. 5. παρενέβαλον εἰς Σ. (1 *a*)
— 6. παρενέβαλον εἰς Β. (1 *a*)
— 7. παρενέβαλον ἐπὶ στόμα Εἰ. †
— 7. παρενέβαλον ἀπέναντι Μ. (1 *a*)
— 8. παρενέβαλον ἐν Πικρίαις (1 *a*)
— 9. παρενέβαλον ἐκεῖ παρὰ τὸ ὕδωρ (1 *a*)
— 10. παρενέβαλον ἐπὶ θάλασσαν ἐρυθράν (1 *a*)
— 11. παρενέβαλον εἰς τὴν ἔρημον [A ἐν τῇ ἐ.] Σ. (1 *a*)
— 12. παρενέβαλον εἰς Ῥ. (1 *a*)
— 13. παρενέβαλον ἐν Αἰ. (1 *a*)
— 14. παρενέβαλον ἐν Ῥ. (1 *a*)
— 15. παρενέβαλον ἐν τῇ ἐρήμῳ Σ. (1 *a*)
— 16. παρενέβαλον ἐν Μνήμασι (1 *a*)
— 17. παρενέβαλον ἐν Ἀ. (1 *a*)
— 18, 19. παρενέβαλον ἐν Ῥ. (1 *a*)
— 20. A B παρενέβαλον ἐν [R εἰς] Λ. (1 *a*)
— 21. παρενέβαλον εἰς Ῥ. (1 *a*)
— 22. παρενέβαλον εἰς Μ. (1 *a*)
— 23. παρενέβαλον εἰς [A ἐν] Σ. (1 *a*)
— 24. παρενέβαλον εἰς [A ἐπὶ] Χ. (1 *a*)
— 25. παρενέβαλον εἰς Μ. (1 *a*)
— 26. παρενέβαλον εἰς Κ. (1 *a*)
— 27. παρενέβαλον εἰς Τ. (1 *a*)
— 28. παρενέβαλον εἰς Μ. (1 *a*)
— 29. παρενέβαλον εἰς Σ. (1 *a*)
— 30. παρενέβαλον εἰς Μ. (1 *a*)
— 31. παρενέβαλον εἰς Β. (1 *a*)
— 32. παρενέβαλον εἰς τὸ ὄρος Γ. (1 *a*)
— 33, 34. παρενέβαλον εἰς Ἐ. (1 *a*)
— 35. παρενέβαλον εἰς [B² ἐν] Γ. (1 *a*)
— 36. παρενέβαλον ἐν τῇ ἐρήμῳ Σίν (1 *a*)
— 36. παρενέβαλον εἰς τὴν ἔρημον Φ. –
— 37. παρενέβαλον εἰς Ὤρ (1 *a*)
— 41. παρενέβαλον εἰς [A ἐν] Σ. (1 *a*)
— 42. παρενέβαλον εἰς [A ἐν] Φ. (1 *a*)
— 43. B παρενέβαλον εἰς [A R ἐν] Σ. (1 *a*)
— 44. παρενέβαλον ἐν Γαΐ (1 *a*)
— 45. παρενέβαλον εἰς Δ. (1 *a*)
— 46. παρενέβαλον ἐν [A εἰς] Γ. (1 *a*)
— 47. παρενέβαλον ἐπὶ τὰ ὄρη (1 *a*)
— 48. παρενέβαλον ἐπὶ δυσμῶν Μ. (1 *a*)
— 49. παρενέβαλον παρὰ τὸν Ἰ. (1 *a*)
De. 23. 9 (10). παρεμβαλεῖν [A² *add.* εἰς πόλεμον] ἐπὶ τοὺς ἐχθρούς (1 *b*)
Jo. 4. 3. οὗ ἐὰν παρεμβάλητε ἐκεῖ (2)
11. 5. καὶ παρενέβαλον (1 *a*)
Jd. 1. 23. καὶ παρενέβαλον †
6. 4. παρενέβαλον εἰς [A -βαλλον ἐπ'] αὐτούς (1 *a*)
— 33. παρενέβαλον ἐν τῇ κοιλάδι Ἰ. (1 *a*)
7. 1. παρενέβαλον ἐπὶ πηγὴν Ἀ. [A *om.*] (1 *a*)
— 12. A παρεμβεβλήκεισαν [B βεβλημένοι] ἐν τῇ κοιλάδι (3)
9. 50. παρενέβαλεν ἐν Θ. [A *al.*] (1 *a*)
10. 17. παρενέβαλον ἐν Γ. (1 *a*)
— 17. παρενέβαλον ἐν τῇ σκοπιᾷ [A Μασσ.] (1 *a*)
11. 18. παρενέβαλον ἐν πέραν Ἀρ. (1 *a*)
— 20. παρενέβαλον εἰς Ἰ. [A -εν ἐν Ἰσρ.] (1 *a*)
15. 9. παρενέβαλον ἐν Ἰ. [A -λοσαν ἐπὶ τὸν Ἰ.] (1 *a*)
18. 12. παρενέβαλον [A -λοσαν] ἐν Κ. (1 *a*)
19. 21. A παρενέβαλεν τοῖς ὑποζυγίοις αὐ. [B *al.*] †
20. 19. παρενέβαλον ἐπὶ Γ. (1 *a*)
I Ki. 4. 1. παρεμβάλλουσιν [A -βαλοῦσιν] ἐπὶ Ἀβ. (1 *a*)
— 1. οἱ ἀλλόφ. παρεμβάλλουσιν [A¹ -βαλοῦσιν] ἐν Ἀ. (1 *a*)
11. 1. παρεμβάλλει [A -βαλεῖ] ἐπὶ Ἰ. (1 *a*)
13. 5. B παρεμβάλλουσιν ἐν Μ. (1 *a*)
— 16. B παρεμβεβλήκεισαν εἰς [R ἐν] Μ. (1 *a*)
17. 1. παρεμβάλλουσιν ἀνὰ μέσον Σ. (1 *a*)
— 2. παρεμβάλλουσιν ἐν τῇ κοιλάδι (1 *a*)
23. 26. παρενέβαλον ἐπὶ Δ. (4)
26. 3. παρενέβαλε Σ. ἐν τῷ βουνῷ (1 *a*)
— 5. ὁ λαὸς παρεμβεβληκὼς κύκλῳ αὐτοῦ (1 *a*)
28. 4. παρεμβάλλουσιν εἰς Σ. (1 *a*)
— 4. παρεμβάλλουσιν εἰς Γ. (1 *a*)
29. 1. Ἰσρ. παρενέβαλεν ἐν Ἀ. (1 *a*)
II Ki. 11. 11. ἐπὶ πρόσωπον τοῦ ἀγροῦ παρεμβάλλουσι [A -βαλοῦσιν] (1 *a*)

II Ki. 12. 28. παρέμβαλε [A -βαλλε] ἐπὶ τὴν πόλιν (1 a)
17. 12. παρεμβαλοῦμεν ἐπ' αὐτόν †
— 26. παρενέβαλε πᾶς Ἰσρ. (1 a)
23. 13. παρενέβαλον ἐν τῇ κοιλάδι Ῥ. (1 a)
24. 5. παρενέβαλον ἐν Ἀρ. (1 a)
III Ki. 21 (20). 27. καὶ παρενέβαλεν Ἰσρ. [A al.] (1 a)
— 29. B παρεμβαλοῦσιν [A R -βάλλ.] οὗτοι (1 a)
IV Ki. 6. 8. εἰς τὸν τόπον τόνδε . . . παρεμβαλῶ (1 c)
25. 1. παρενέβαλεν ἐπ' αὐτήν (1 a)
I Ch. 9. 26 (27). ἐπὶ τῶν θησ. οἴκου τοῦ θ. παρεμβαλοῦσιν (2)
11. 15. A ἡ παρεμβολὴ τῶν ἀλλοφ. παρεμβεβλήκει [B S al.] (1 a)
19. 7. παρενέβαλον κατέναντι M. (1 a)
— 9. παρενέβαλον καθ' ἑαυτούς –
II Ch. 32. 1. παρενέβαλεν ἐπὶ τὰς πόλεις (1 a)
I Es. 8. 41. παρενεβάλομεν αὐτόθι
II Es. 8. 15. παρενεβάλομεν ἐκεῖ ἡμέρας τρεῖς (1 a)
Ne. 11. 30. παρενεβάλοσαν [S¹ -λον] ἐν B. (1 a)
Ju. 7. 3. παρενέβαλον ἐν τῷ αὐλῶνι
— 13. παρεμβιβοῦμεν ἐπ' αὐταῖς [S -άς]
— 17. παρενέβαλον ἐν τῷ αὐλῶνι
— 18. παρενέβαλον ἐν τῇ ὀρεινῇ
— 18. παρενέβαλον ἐν τῷ πεδίῳ
15. 3. οἱ παρεμβεβληκότες [S παραβ.] ἐν τῇ ὀρεινῇ
Ps. 33 (34). 7. παρεμβαλεῖ ἄγγελος κυρίου κύκλῳ τῶν φοβουμένων αὐτόν (1 a)
Si. 11. 8. ἐν μέσῳ λόγων μὴ παρεμβάλλου
Je. 27 (50). 29. R παρεμβάλλετε [B S -βάλετε, A -βάλατε] ἐπ' αὐτὴν κυκλόθεν (1 a)
I Ma. 2. 32. A R παρενέβαλον ἐπ' [S¹ -λοντο πρὸς, S² -βαλλον ἐπ'] αὐτούς
3. 40. S R παρενέβαλον [A παρέβ.] πλησίον Ἀ.
— 42. S R αἱ δυνάμεις παρεμβάλλουσιν [A -βαλοῦσιν] ἐν τοῖς ὁρίοις αὐ.
— 57. S παρενέβαλον [A -οσαν] κατὰ νότον Ἀμμ.
4. 29. παρενέβαλον [S¹ -βαλλον] ἐν B.
5. 5. S R παρενέβαλεν [A παρέβ.] ἐπ' αὐτούς
— 27. S R παρεμβάλλειν [A -βαλεῖν] ἐπὶ τὰ ὀχυρώματα
— 37. παρενέβαλε κατὰ πρόσωπον Ῥ.
— 39. R παρενέβαλον [A S² παρεμβάλλουσιν, S¹ παρεμβαλοῦσιν] πέραν τοῦ χειμάρρου
— 41. ἐὰν δὲ . . . παρεμβάλῃ πέραν τοῦ ποταμοῦ
— 42. A R μὴ ἀφῆτε πάντα ἄνθρωπον παρεμβαλεῖν [S -βάλλειν]
— 49. τοῦ παρεμβαλεῖν ἕκαστον
— 50. περενέβαλον οἱ ἄνδρες τῆς δυνάμεως
6. 26. παρεμβεβλήκασι σήμερον
— 31. A R παρενεβάλοσαν [S -ον] ἐπὶ B.
— 32. παρενέβαλεν εἰς B.
— 48. παρενέβαλεν ὁ βασ. εἰς τὴν Ἰουδ.
— 51. παρενέβαλεν ἐπὶ τὸ ἁγίασμα
— 57. ὁ τόπος οὗ παρεμβάλλομεν
7. 19. παρενέβαλεν ἐν B.
— 39. S R παρενέβαλεν [A -ον] ἐν B.
— 40. Ἰ. παρενέβιλεν ἐν Ἀ.
9. 2. S R παρενέβαλον [A -οσαν] ἐπὶ M.
— 3. S R παρενέβαλον ἐπὶ [A -βαλλον εἰς] Ἱερ.
— 5. Ἰ. ἦν παρεμβεβληκὼς ἐν Ἐλ.
— 33. παρενέβαλον ἐπὶ τὸ ὕδωρ λάκκου Ἀ.
— 64. παρενέβαλεν ἐπὶ B.
10. 48. παρενέβαλεν ἐξ ἐναντίας Δ.
— 69. A S² R παρενέβαλεν [S¹ -ον] ἐν Ἰ. [S ἐπὶ Ἰ.]
— 75. παρενέβαλεν ἐπὶ Ἰόππην
— 77. παρενέβαλε τρισχιλίαν ἵππον
— 86. S R παρενέβαλεν ἐπὶ [A εἰς] Ἀσκάλωνα
11. 65. S R παρενέβαλε Σ. ἐπὶ [A ἐν] B.
— 67. παρενέβαλον ἐπὶ τὸ ὕδωρ τοῦ Γ.
— 73. καὶ παρενέβαλον ἐκεῖ
13. 13. Σ. δὲ παρενέβαλεν ἐν Ἀ.
— 43. A R παρενέβαλεν [S -βαλλεν] ἐπὶ Γάζαν
15. 13. παρενέβαλεν Ἀντ. ἐπὶ Δ.
— 25. παρενέβαλεν [S¹ παρέβ.] ἐπὶ Δ.
— 39. παρεμβάλλειν κατὰ πρόσωπον τῆς Ἰουδ.
16. 6. παρενέβαλε κατὰ πρόσωπον αὐτῶν
III Ma. 1. 1. ὅπου παρεμβεβλήκεισαν οἱ περὶ Ἀντ.
4. 11. ἐν τῷ πρὸ τῆς πόλεως ἱπποδρόμῳ παρεμβαλεῖν

[Aq. Ps. 52 (53). 6 : Is. 29. 3 : Je. 52. 4.]
[Sm. Ps. 26 (27). 3 : 52 (53). 6 : Je. 52. 4.]
[Th. Jd. 7. 12 : Is. 29. 3.]

παρεμβλέπειν.

[Sm. Ca. 1. 6.]

παρέμβλησις.

[Aq. Is. 29. 1.]

παρεμβολή. (1) הָמוֹן (2) a. מַחֲנֶה b. מַחֲנִים c. חָנָה (3) מָלוֹן (4) מַסָּע (5) מַעֲרָכָה (6) מִשְׁמֶרֶת (7) עֵדָה

Ge. 32. 1 (2). εἶδε παρεμβολὴν θεοῦ –
— 2 (3). παρεμβολὴ θεοῦ αὕτη (2 a)
— 2 (3). ἐκάλεσε τὸ ὄν. τοῦ τόπου ἐκ. Παρεμβολαί (2 c)
— 7 (8). διεῖλε τὸν λαὸν . . . εἰς δύο παρεμβολάς (2 a)
— 8 (9). ἐὰν ἔλθῃ Ἡ. εἰς π. μίαν (2 a)
— 8 (9). ἔσται ἡ π. ἡ δευτέρα εἰς τὸ σώζεσθαι (2 a)
— 10 (11). γέγονα εἰς δύο παρεμβολάς (2 a)
— 21 (22). αὐτὸς δὲ ἐκοιμήθη . . . ἐν τῇ π. (2 a)
33. 8. πᾶσαι αἱ π. αὗται αἷς ἀπήντηκα (2 a)
50. 9. ἐγένετο ἡ π. μεγάλη σφόδρα (2 a)
Ex. 14. 19. ὁ προπορευόμ. τῆς π. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (2 a)
— 20. A R ἀνὰ μέσον τῆς π. [B om. τ. π.] τῶν Αἰγ. καὶ ἀνὰ μέσον τῆς π. Ἰσρ. (2 a, 2 a)
— 24. ἐπέβλεψε κ. ἐπὶ [A εἰς] τὴν π. τῶν Αἰγ. (2 a)
— 24. συνετάραξε τὴν π. τῶν Αἰγ. (2 a)
16. 13. ἐκάλυψε τὴν π. (2 a)
— 13. κύκλῳ τῆς π. (2 a)
17. 1. ἀπῆρε . . . κατὰ παρεμβολὰς αὐτῶν (4)
19. 16. πᾶς ὁ λαὸς ὁ ἐν τῇ π. (2 a)
— 17. ἐξήγαγε M. τὸν λαὸν . . . ἐκ τῆς π. (2 a)
29. 14. κατακαύσεις πυρὶ ἔξω τῆς π. (2 a)
32. 17. φωνὴ πολέμου ἐν τῇ π. (2 a)
— 19. ἤγγιζε τῇ π. (2 a)
— 26. ἐπὶ τῆς πύλης τῆς π. (2 a)
— 27. ἀνακάμψατε . . . διὰ τῆς π. (2 a)
33. 7. ἔπηξεν ἔξω τῆς π. μακρὰν ἀπὸ τῆς π. [B¹ om. μ. . . . π.] (2 a, 2 a)
— 7. τὴν σκηνὴν τὴν ἔξω τῆς π. (2 a)
— 8. B ἔξω τῆς π. –
— 11. ἀπελύετο εἰς τὴν π. (2 a)
36. 6. καὶ ἐκήρυξεν ἐν τῇ π. (2 a)
Le. 4. 12, 21. ἐξοίσουσιν . . . ἔξω τῆς π. (2 a)
6. 11 (4). ἐξοίσει . . . ἔξω τῆς π. (2 a)
8. 17. ἔξω [A παρέξω] τῆς π. (2 a)
9. 11. κατέκαυσεν αὐτὰ πυρὶ ἔξω τῆς π. (2 a)
10. 4. ἄρατε . . . ἔξω τῆς π. (2 a)
— 5. ἦραν . . . ἔξω τῆς π. (2 a)
13. 46. ἔξω τῆς π. αὐτοῦ ἔσται ἡ διατριβή (2 a)
14. 3. ἐξελεύσεται ὁ ἱ. ἔξω τῆς π. (2 a)
— 8 : 16. 26. εἰσελεύσεται εἰς τὴν π. (2 a)
16. 27. ἐξοίσουσιν αὐτὰ ἔξω τῆς π. (2 a)
— 28. εἰσελεύσεται εἰς τὴν π. (2 a)
17. 3. ὃς ἐὰν σφάξῃ . . . ἐν τῇ π. (2 a)
— 3. ὃς ἂν σφάξῃ ἔξω τῆς π. (2 a)
24. 10. ἐμαχέσαντο ἐν τῇ π. (2 a)
— 14. ἐξάγαγε . . . ἔξω τῆς π. (2 a)
— 23. ἐξήγαγον . . . ἔξω τῆς π. (2 a)
Nu. 2. 3. τάγμα παρεμβολῆς Ἰούδα (2 a)
— 9. ἐκ τῆς π. [A φυλῆς] Ἰούδα (2 a)
— 10. τάγμα παρεμβολῆς Ῥουβήν (2 a)
— 16. οἱ ἐπέσκεμμ. τῆς [B¹ ἐκ τῆς] π. Ῥουβήν (2 a)
— 17. καὶ ἡ π. τῶν Λευιτῶν μέσον [A ἀνὰ μ.] τῶν π. (2 a, 2 a)
— 18. τάγμα παρεμβολῆς Ἐφρ. (2 a)
— 24. οἱ ἐπεσκεμμ. τῆς π. Ἐφρ. (2 a)
— 25. τάγμα παρεμβολῆς Δάν (2 a)
— 31. οἱ ἐπεσκεμμ. τῆς π. Δάν (2 a)
— 32. πᾶσα ἡ ἐπίσκεψις τῶν π. (2 a)
4. 5. ὅταν ἐξαίρῃ ἡ π. (2 a)
— 15. ἐν τῷ ἐξαίρειν τὴν π. (2 a)
5. 2. ἐξαποστειλάτωσαν ἐκ τῆς π. [A συναγωγῆς] (2 a)
— 3. ἐξαποστείλατε ἔξω τῆς π. (2 a)
— 3. οὗ μὴ [A om.] μιανοῦσι τὰς π. αὐτῶν (2 a)
— 4. ἐξαπέστειλαν αὐτοὺς [A om.] ἔξω τῆς π. (2 a)
10. 2. ἐξαίρειν τὰς π. (2 a)
— 5, 6. ἐξαροῦσιν αἱ π. (2 a)
— 6 bis. ἐξαροῦσιν αἱ π. –
— 14. τάγμα παρεμβολῆς υἱῶν Ἰούδα (2 a)
— 18. τάγμα παρεμβολῆς Ῥουβήν (2 a)
— 22. τάγμα παρεμβολῆς Ἐφραίμ (2 a)
Nu. 10. 25. τάγμα παρεμβολῆς υἱῶν Δὰν ἔσχατοι πασῶν τῶν π. (2 a, 2 a)
— 34. ἐν τῷ ἐξαίρειν αὐτοὺς ἐκ τῆς π. (2 a)
11. 1. κατέφαγε μέρος τι τῆς π. (2 a)
— 9. ὅταν κατέβη ἡ δρόσος ἐπὶ τὴν π. (2 a)
— 26. κατελείφθησαν . . . ἐν τῇ π. (2 a)
— 26. ἐπροφήτευσαν ἐν τῇ π. (2 a)
— 27. προφητεύουσιν ἐν τῇ π. (2 a)
— 30. ἀπῆλθε M. εἰς τὴν π. (2 a)
— 31. ἐπέβαλεν ἐπὶ τὴν π. (2 a)
— 31, 32. κύκλῳ τῆς π. (2 a)
12. 14, 15. ἔξω τῆς π. (2 a)
14. 44. οὐκ ἐκινήθησαν ἐκ [A add. μέσου] τῆς π. (2 a)
— 45. ἀπεστράφησαν εἰς τὴν π. –
15. 36. ἐξήγαγον αὐτὸν . . . ἔξω τῆς π. (2 a)
— 36. ἐλιθοβόλησεν αὐτὸν . . . ἔξω τῆς π. –
16. 46 (17. 11). ἀπένεγκε τὸ τάχος εἰς τὴν π. (7)
19. 3. ἐξάξουσιν αὐτὴν ἔξω τῆς π. (2 a)
— 7. εἰσελεύσεται εἰς τὴν π. (2 a)
— 9. ἀποθήσει ἔξω τῆς π. (2 a)
31. 12. καὶ τὴν προνομὴν εἰς τὴν π. (2 a)
— 13. ἐξῆλθε . . . ἔξω τῆς π. (2 a)
— 19. παρεμβάλετε ἔξω τῆς π. (2 a)
— 24. εἰσελεύσεσθε εἰς τὴν π. (2 a)
De. 2. 14. ἕως οὗ διέπεσε . . . ἐκ τῆς π. (2 a)
— 15. ἐξαναλῶσαι αὐτοὺς ἐκ μέσου [A om.] τῆς π. (2 a)
23. 10 (11). A R ἔξω τῆς π. (2 a)
— 10 (11), 11 (12). εἰς τὴν π. (2 a)
— 12 (13). A B² R ἔξω τῆς π. (2 a)
— 14 (15). ἐμπεριπατεῖ ἐν τῇ π. (2 a)
— 14 (15). ἔσται ἡ π. σου ἁγία (2 a)
29. 11 (10). ὁ ἐν μέσῳ τῆς π. ὑμῶν (2 a)
Jo. 1. 11. κατὰ μέσον τῆς π. τοῦ λαοῦ (2 a)
3. 2. διῆλθον . . . διὰ τῆς π. (2 a)
4. 8. διεκόμισαν . . . εἰς τὴν π. (3)
5. 8. καθήμενοι ἐν τῇ π. (2 a)
6. 10 (11). ἀπῆλθεν εἰς τὴν π. (2 a)
— 13 (14). ἀπῆλθε πάλιν εἰς τὴν π. (2 a)
— 17 (18). καὶ ποιήσητε τὴν π. . . . ἀνάθεμα (2 a)
— 22 (23). κατέστησαν αὐτὴν ἔξω τῆς π. Ἰ. (2 a)
7. 22. ἔδραμον . . . εἰς τὴν π. –
8. 22. ἐγενήθησαν ἀνὰ μέσον τῆς π. †
9. 6. ἦλθοσαν . . . εἰς τὴν π. (2 a)
10. 6. ἀπέστειλαν . . . εἰς τὴν π. Ἰσρ. (2 a)
— 15. B³ ἐπέστρεψεν Ἰ. . . . εἰς τὴν π. (2 a)
Jd. 4. 15. καὶ πᾶσαν τὴν π. αὐτοῦ (2 a)
— 16. καὶ ὀπίσω τῆς π. (2 a)
— 16. ἔπεσε πᾶσα π. [A ἡ π.] Σισάρα (2 a)
7. 1. παρεμβολὴ Μαδ. ἦν αὐτῷ (2 a)
— 8. ἡ π. M. ἦσαν αὐτοῦ [A al.] (2 a)
— 9. κατάβηθι ἐν τῇ π. [A τὸ τάχος εἰς τὴν π.] (2 a)
— 9 (10). κατάβηθι . . . εἰς τὴν π. (2 a)
— 10 (11). καταβήσῃ ἐν τῇ π. (2 a)
— 11. οἱ ἦσαν [A τῶν] ἐν τῇ π. (2 a)
— 13. ἐν τῇ π. Μαδιάμ (2 a)
— 14. παρέδωκεν . . . πᾶσαν τὴν π. (2 a)
— 15. ὑπέστρεψεν [A ἐπ.] εἰς τὴν π. (2 a)
— 15. παρέδωκε . . . τὴν π. M. (2 a)
— 17. ἐν ἀρχῇ [A μέσῳ] τῆς π. (2 a)
— 18. κύκλῳ ὅλης [A om.] τῆς π. (2 a)
— 19. ἐν ἀρχῇ [A μέρει] τῆς π. (2 a)
— 21. κύκλῳ τῆς π. (2 a)
— 21. ἔδραμε πᾶσα ἡ π. (2 a)
— 22. ἐν πάσῃ [A ὅλῃ] τῇ π. (2 a)
— 23 (22). ἔφυγεν [A add. πᾶσα] ἡ π. (2 a)
8. 10. καὶ ἡ π. αὐτῶν μετ' αὐτῶν (2 a)
— 10. πάντες οἱ καταλελειμμένοι ἀπὸ πάσης π. [A al.] (2 a)
— 11. ἐπάταξε τὴν π. καὶ ἡ π. ἦν πεποιθυῖα (2 a, 2 a)
— 12. πᾶσαν τὴν π. ἐξέστησε [A al.] (2 a)
13. 25. ἐν παρεμβολῇ Δάν (2 a)
18. 12. ἐκλήθη . . . παρεμβολὴ Δάν (2 a)
21. 8. οὐκ ἦλθεν ἀνὴρ εἰς τὴν π. (2 a)
— 12. ἤνεγκαν [A ἤγον] αὐτὰς εἰς τὴν π. (2 a)
I Ki. 4. 3. ἦλθεν ὁ λαὸς εἰς τὴν π. (2 a)
— 5. ὡς ἦλθεν . . . εἰς τὴν π. (2 a)
— 6. τίς ἡ κραυγὴ . . . ἐν παρεμβολῇ τῶν Ἑβρ. (2 a)
— 6. κιβωτὸς κυρίου ἥκει εἰς τὴν π. (2 a)
— 7. ἥκασι πρὸς αὐτοὺς εἰς τὴν π. (2 a)
— 16. ὁ ἥκων ἐκ τῆς π. (5)
11. 11. εἰσπορεύονται μέσον τῆς π. (2 a)
14. 15. ἐγενήθη ἔκστασις ἐν τῇ π. (2 a)
— 16. καὶ ἰδοὺ ἡ π. τεταραγμένη (1)
— 19. ὁ ἦχος ἐν τῇ π. τῶν ἀλλοφ. (2 a)

I Ki. 14. 21. οἱ ἀναβάντες εἰς τὴν π. (2 a)
17. 1. συνάγουσιν ἀλλόφυλοι τὰς π. αὐτῶν (2 a)
— 17. A διάδραμε εἰς τὴν π. (2 a)
— 46. δώσω . . . τὰ κῶλα παρεμβολῆς ἀλλοφ. (2 a)
— 53. κατεπάτουν τὰς π. αὐτῶν (2 a)
26. 6. τίς εἰσελεύσεται . . . εἰς τὴν π. (2 a)
28. 1. συναθροίζονται . . . ἐν ταῖς π. αὐ. (2 a)
— 5. εἶδε Σ. τὴν π. τῶν ἀλλοφ. (2 a)
— 19. τὴν π. Ἰσρ. δώσει κύριος (2 a)
29. 1. συναθροίζουσιν . . . πάσας τὰς π. αὐ. (2 a)
— 4. μὴ γινέσθω ἐπίβουλος τῆς π. †
— 6. ἡ εἴσοδός σου μετ' ἐμοῦ ἐν τῇ π. (2 a)
II Ki. 1. 2. ἀνὴρ ἦλθεν [A om.] ἐκ τῆς π. (2 a)
— 3. ἐκ τῆς π. Ἰσρ. ἐγὼ διασέσωσμαι (2 a)
2. 8. ἀνεβίβασεν αὐτὸν ἐκ τῆς π. (2 b)
— 29. ἔρχονται εἰς τὴν [A om.] π. (2 b)
23. 16. διέρρηξαν . . . ἐν τῇ π. τῶν ἀλλοφ. (2 a)
III Ki. 2. 8. ᾗ ἐπορευόμην εἰς παρεμβολάς (2 b)
3. 1 (2. 8). ἐπορευόμην εἰς παρεμβολάς (2 b)
16. 15. καὶ ἡ π. Ἰσρ. ἐπὶ Γ. (2 c)
— 16. ἤκουσεν ὁ λαὸς ἐν τῇ π. λεγόντων (2 c)
— 16. ἐβασίλευσαν . . . τὸν Ἀ. . . . ἐν τῇ π. (2 a)
22. 36. A ἔστη ὁ στρατοκῆρυξ ἐν τῇ π. [B om. ἐν τ. π.] (2 a)
IV Ki. 3. 9. οὐκ ἦν ὕδωρ τῇ π. (2 a)
— 24. εἰσῆλθον εἰς τὴν π. Ἰσρ. (2 a)
5. 15. καὶ πᾶσα ἡ π. αὐτοῦ (2 a)
6. 24. ἤθροισεν . . . πᾶσαν τὴν π. αὐτοῦ (2 a)
7. 4. ἐμπέσωμεν εἰς τὴν π. Συρίας (2 a)
— 5. εἰσελθεῖν εἰς τὴν π. Συρίας (2 a)
— 5. B ἦλθον εἰς μέσον [B² R μέρος] τῆς [A R om.] π. Σ. (2 a)
— 6. B ἀκουστὴν ἐποίησε τὴν [A R om.] π. [A -η] (2 a)
— 7. ἐγκατέλιπον . . . ἐν τῇ π. (2 a)
— 8. εἰσῆλθον . . . ἕως μέρους τῆς π. (2 a)
— 10. εἰσήλθομεν εἰς τὴν π. Συρίας (2 a)
— 12. ἐξῆλθαν ἐκ τῆς π. (2 a)
— 16. διήρπασεν τὴν π. Συρίας (2 a)
19. 35. ἐπάταξεν ἐν τῇ π. τῶν Ἀσσ. (2 a)
I Ch. 9. 18. αὗται αἱ πύλαι τῶν π. υἱῶν Λ. (2 a)
— 19. καὶ πατέρες αὐ. ἐπὶ τῆς π. (2 a)
11. 15. παρεμβολὴ [A ἡ π.] τῶν ἀλλοφ. ἐν τῇ κοιλάδι (2 a)
— 18. A B S² διέρρηξαν οἱ τρεῖς τὴν π. (2 a)
14. 15. τοῦ πατάξαι τὴν π. τῶν ἀλλοφ. (2 a)
— 16. ἐπάταξε τὴν π. τῶν ἀλλοφ. (2 a)
II Ch. 32. 21. ἐν τῇ π. βασιλέως Ἀσσούρ (2 a)
Ju. 6. 11. ἤγαγον αὐτὸν [S om.] ἔξω τῆς π.
7. 7. παρεμβολὰς ἀνδρῶν πολεμιστῶν [S al.]
— 12. ἀνάμεινον ἐπὶ τῆς π. σου
— 17. ἀπῆρε παρεμβολὴ [A -αν παρεμβολὴν] υἱῶν Ἀ.
— 20. πᾶσα π. Ἀσσούρ
— 32. ἐσκόρπισε τὸν λαὸν εἰς τὴν ἑαυ. [A add. πόλιν] π.
10. 18. ἐγένετο συνδρομὴ ἐν πάσῃ [B¹ om.] τῇ π.
12. 7. παρέμεινεν ἐν τῇ π.
— 7. ἐβαπτίζετο ἐν τῇ π.
13. 10. διελθοῦσαι τὴν π.
14. 3. πορεύσονται εἰς τὴν π. [A τὰς π.] αὐ.
— 19. ἐγένετο αὐτῶν κραυγὴ . . . ἐν μέσῳ τῆς π.
15. 5. τὰ γεγονότα τῇ π. τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν
— 6. ἐπέπεσον τῇ π. Ἀσσούρ
— 11. ἐλαφύρευσε πᾶς ὁ λαὸς τὴν π.
16. 3. εἰς παρεμβολὰς αὐτοῦ . . . ἐξείλατό με
Ps. 26 (27). 3. ἐὰν παρατάξηται ἐπ' ἐμὲ παρεμβολή (2 a)
77 (78). 28. ἐπέπεσον εἰς μέσον τῆς π. αὐτῶν (2 a)
105 (106). 16. παρώργισαν Μωυσῆν ἐν τῇ π. (2 a)
Ca. 7. 1. ἡ ἐρχομένη ὡς χοροὶ τῶν π. (2 c)
Wi. 19. 7. ἡ τὴν π. σκιάζουσα νεφέλη [A al.]
Si. 43. 8. A S R σκεῦος παρεμβολῶν [B παραβ.] ἐν ὕψει
48. 21. ἐπάταξε τὴν π. τῶν Ἀσσυρίων
Am. 4. 10. ἀνήγαγον ἐν πυρὶ τὰς π. (2 a)
Jl. 2. 11. πολλή ἐστι σφόδρα ἡ π. αὐ. (2 a)
Za. 14. 15. πάντων τῶν κτηνῶν τῶν ὄντων ἐν ταῖς π. ἐκ. (2 a)
Is. 8. 8. ἔσται ἡ π. αὐτοῦ ὥστε πληρῶσαι τὸ πλάτος τῆς χώρας σου [A al.] †
21. 8. ἐπὶ τῆς π. ἐγὼ ἔστην (6)
37. 36. ἀνεῖλεν ἐκ τῆς π. τῶν Ἀσσυρίων ἑκατὸν ὀγδοήκοντα πέντε χιλιάδας (2 a)
Ez. 1. 24. A ὡς φωνὴ παρεμβολῆς (2 a)
4. 2. δώσεις ἐπ' αὐτὴν παρεμβολάς (2 a)
Ez. 43. 2. φωνὴ τῆς π. ὡς φωνὴ διπλασιαζόντων πολλῶν †
I Ma. 3. 3. σκεπάζων παρεμβολὴν ἐν ῥομφαίᾳ
— 15. ἀνέβη μετ' αὐτοῦ παρεμβολὴ ἀσεβῶν
— 17. ὡς δὲ ἴδον τὴν π. ἐρχομένην
— 23. συνετρίβη Σ. καὶ ἡ π. αὐ.
— 27. συνήγαγε . . . π. ἰσχυρὰν σφόδρα [S¹ om. π. ἰ. σφ.]
— 41. ἦλθον εἰς τὴν π.
— 57. ἀπῆρεν ἡ π.
4. 2. ἀπῆρεν ἡ π. νυκτός
— 2. ὥστε ἐπιβαλεῖν ἐπὶ τὴν π. τῶν Ἰουδ.
— 4. ἕως ἔτι αἱ δυν. ἐσκορπισμέναι ἦσαν ἀπὸ τῆς π.
— 5. ἦλθε Γ. εἰς τὴν π. Ἰ. νυκτός
— 7. εἶδον παρεμβολὴν ἐθνῶν ἰσχυράν
— 10. συντρίψει τὴν π. ταύτην
— 13. ἐξῆλθον ἐκ τῆς π.
— 20. ἐμπυρίζουσι τὴν π.
— 21. συνιδόντες δὲ καὶ τὴν Ἰ. παρεμβολήν
— 23. Ἰ. ἀνέστρεψεν ἐπὶ τὴν σκυλείαν τῆς π.
— 30. εἶδε τὴν π. ἰσχυράν
— 30. παρέδωκας τὴν π. τῶν ἀλλοφ. εἰς χεῖρας Ἰ.
— 31. σύγκλεισον τὴν π. ταύτην
— 34. ἔπεσον ἐκ τῆς π. Λ. εἰς πεντακισχιλίους ἄνδρας
— 37. συνήχθη ἡ π. πᾶσα
5. 11. A T. ἡγεῖται τῆς π. [S R δυνάμεως] αὐ.
— 28. ἀπέστρεψεν Ἰ. καὶ ἡ π. αὐ.
— 34. ἐπέγνω ἡ π. Τ.
— 37. συνήγαγε Τ. π. ἄλλην
— 38. κατασκοπεῦσαι τὴν π.
— 40. ἐν τῷ ἐγγίζειν Ἰ. καὶ τὴν π. αὐ.
— 45. συνήγαγεν Ἰ. . . . π. μεγάλην σφόδρα
— 49. κηρῦξαι ἐν τῇ π.
6. 5. τετροπωνται αἱ π.
— 6. οἷς ἔλαβον ἀπὸ τῶν π.
— 32. ἀπέναντι τῆς π. τοῦ βασ.
— 33. ἀπῆρε τὴν π.
— 38. ἐπὶ τὰ δύο μέρη τῆς π.
— 40. μέρος τι τῆς π. τοῦ βασ. [S¹ al.]
— 41. ἦν γὰρ ἡ π. μεγάλη σφόδρα
— 42. ἤγγισεν Ἰ. καὶ ἡ π. αὐ.
— 42. ἔπεσον ἀπὸ τῆς π. τοῦ βασ.
— 48. οἱ δὲ ἐκ τῆς π. τοῦ βασ.
7. 35. ἐὰν μὴ παραδοθῇ Ἰ. καὶ ἡ π. αὐ.
— 38. ποίησον ἐκδίκησιν . . . ἐν τῇ π. αὐ.
— 42. σύντριψον τὴν π. ταύτην
— 43. συνῆψαν αἱ π. εἰς πόλεμον
— 43. συνετρίβη ἡ π.
— 44. ὡς δὲ εἶδεν ἡ π. αὐ.
9. 6. ἐξερρύησαν πολλοὶ ἀπὸ τῆς π.
— 7. ἀπερρύη ἡ π. αὐ.
— 11. ἀπῆρεν ἡ δύναμις ἀπὸ τῆς π.
— 13. S R ἐσαλεύθη ἡ γῆ ἀπὸ τῆς φωνῆς τῶν π. [A al.]
— 14. A R τὸ στερέωμα τῆς π. ἐν [S om.] τοῖς δεξιοῖς
10. 49. ἔφυγεν ἡ π. Δημητρίου
— 53. συνετρίβη αὐτὸς καὶ ἡ π. αὐ.
— 78. συνῆψαν αἱ π. ὀπίσω αὐτοῦ εἰς πόλεμον
— 80. ἐκύκλωσαν αὐτοῦ τὴν π.
11. 67. Ἰων. καὶ ἡ π. αὐτοῦ
— 68. S ἡ [A R om.] π. ἀλλοφύλων ἀπήντα αὐτῷ
— 73. ἐδίωκον . . . ἕως τῆς π. αὐτῶν
12. 26. ἀπέστειλε κατασκόπους εἰς τὴν π. αὐ.
— 27. ἐξέβαλε προφύλακας κύκλῳ τῆς π.
— 28. ἀνέκαυσαν πυρὰς ἐν τῇ π. αὐ.
13. 20. ἡ π. αὐ. ἀντιπαρῆγεν αὐτῷ
— 43. ἐκύκλωσεν αὐτὴν παρεμβολαῖς
14. 3. ἐπάταξε τὴν π. Δ.
16. 8. ἐτροπώθη Κ. καὶ ἡ π. αὐ.
II Ma. 13. 15. R ἐν τῇ π. [A τὴν π.] ἀνεῖλεν
— 16. τὴν π. . . . ταραχῆς ἐπλήρωσαν
15. 22. ἀνεῖλες ἐκ τῆς π. Σενν.

[Aq. Nu. 2. 9: I Ki. 14. 18: II Ki. 17. 24: III Ki. 22. 36: Am. 4. 10.]
[Sm. I Ki. 13. 17: 14. 18: Ps. 77 (78). 28: Ca. 6. 3 (4): 7. 1 (2): Am. 4. 10.]
[Th. I Ki. 13. 17: II Ki. 2. 12: 17. 24: III Ki. 22. 36: Ez. 1. 24.]
[Al. I Ki. 28. 19: Ca. 7. 1 (2).]
[Quint. Ca. 7. 1 (2).]

παρεμπίπτειν.
Wi. 7. 25. οὐδὲν μεμαμμένον εἰς αὐτὴν παρεμπίπτει

παρενοχλεῖν. (1) אָלַץ pi. (2) חָרַד hi. (3) לָאָה hi. (4) מָרַץ hi. (5) צוּק hi. (6) רָגַז hi.
Jd. 14. 17. παρηνώχλησεν αὐτῷ (5)
16. 16. A παρηνώχλησεν αὐτόν [B al.] (1)
I Ki. 28. 15. ἵνα τί παρηνώχλησάς μοι [A με] (6)
Jb. 16. 3. ἢ τί παρενοχλήσει σοι ὅτι ἀποκρίνῃ (4)
Ps. 34 (35). 13. ἐν τῷ αὐτοὺς παρενοχλεῖν μοι †
Mi. 6. 3. τί παρηνώχλησά σοι (3)
Je. 26 (46). 27. οὐκ ἔσται ὁ παρενοχλῶν αὐτόν [S -ῶ] (2)
Da. LXX. 3. (50). καὶ οὐ παρηνώχλησεν αὐτούς
6. 18 (19). οὐ παρηνώχλησαν τῷ Δαν. –
— 23 (24). ὡς οὐ παρηνώχλησαν αὐτῷ οἱ λέοντες –
Da. TH. 3. (50). οὐδὲ παρηνώχλησεν αὐτοῖς
6. 18 (19). καὶ οὐ παρηνώχλησαν τῷ Δ. –
I Ma. 10. 35. οὐχ ἕξει ἐξουσίαν οὐδεὶς . . . παρενοχλεῖν τινα αὐτῶν
— 63. S R μηδεὶς αὐτῷ παρενοχλείτω [A ἐν.]
12. 14. A R οὐκ ἠβουλόμεθα οὖν παρενοχλεῖν [S -ῆσαι] ὑμῖν
II Ma. 11. 31. οὐδεὶς αὐτῶν . . . παρενοχληθήσεται
[Th. Jb. 16. 3: Ps. 34 (35). 13: Da. 6. 18.]
[Quint. Ps. 34 (35). 13.]

πάρεξ, παρέξ. (1) אַף (2) בִּלְתִּי (3) זוּלָה (4) a. לְבַד מִן b. לְבַד עַל c. מִלְּבַד (5) מִבַּלְעֲדֵי
Jd. 8. 26. π. τῶν μηνίσκων [A al.] (4 a)
Ru. 4. 4. οὐκ ἔστι π. σοῦ τοῦ ἀγχιστεῦσαι (3)
I Ki. 20. 39. B οὐκ ἔγνω οὐθὲν π. Ἰων. (1)
21. 9 (10). οὐκ ἔστιν ἑτέρα π. ταύτης ἐνταῦθα (3)
III Ki. 3. 18. οὐκ ἔστιν οὐδεὶς μεθ' ἡμῶν π. ἀμφοτέρων ἡμῶν (3)
12. 20. οὐκ ἦν ὀπίσω οἴκου Δ. π. σκήπτρου Ἰ. (3)
II Es. 1. 6. π. τῶν ἐκουσίων (4 b)
Ne. 7. 67. π. δούλων αὐ. καὶ παιδισκῶν αὐ. (4 c)
Ps. 17 (18). 31. S τίς θεὸς π. [A B πλὴν] τοῦ κυρίου (5)
Ec. 2. 25. τίς πίεται π. αὐτοῦ †
Si. 49. 4. π. Δ. καὶ Ἐζ. καὶ Ἰωσίου
Ho. 13. 4. σώζων οὐκ ἔστι π. ἐμοῦ (2)
Is. 43. 11. οὐκ ἔστι π. ἐμοῦ σώζων (5)
45. 21. B S οὐκ ἔστι [A² add. ἄλλος] π. ἐμοῦ (3)
— 22. A² δίκαιος καὶ σώτηρ οὐκ ἔστιν π. ἐμοῦ –
Ez. 15. 4. A² R π. ὁ [A¹ B om.] πυρὶ δέδοται †
42. 14. οὐκ εἰσελεύσονται ἐκεῖ π. τῶν ἱερέων –

παρεξιστάναι. (1) שָׁנָע pu.
Ho. 9. 7. ὥσπερ ὁ προφήτης ὁ παρεξεστηκώς (1)

παρέξω. (1) מִחוּץ לְ
Le. 8. 17. A κατέκαυσεν αὐτὰ παρέξω τῆς παρεμβ. [B al.] (1)

παρεπιδεικνύναι.
II Ma. 15. 10. παρεπιδεικνὺς τὴν τῶν ἐθνῶν ἀθεσίαν

παρεπίδημος. (1) תּוֹשָׁב
Ge. 23. 4. παρεπίδημος ἐγώ εἰμι μεθ' ὑμῶν (1)
Ps. 38 (39). 12. A S πάροικος ἐγώ εἰμι παρὰ σοὶ [B ἐν τῇ γῇ] καὶ παρεπίδημος (1)

πάργον.
[Sm. Pr. 26. 22.]

πάργος.
II Ma. 15. 19. ἦν δὲ . . . οὐ π. ἀγωνία

παρεθίζειν.
[Sm. Pr. 24. 19.]
[Th. Ps. 36 (37). 1.]

παρέρχεσθαι. (1) בּוֹא (2) הָלַךְ (3) חָדַל (4) חָלַף (5) חָמַק (6) יָצָא (7) כָּלָה (8) מוּשׁ (9) סָבַב ni. (10) סוּר (11) עָבַר a. qal. b. hi. (12) a. עָדָה b. עָדָא, עֲדָא (13) עָלָה (14) עָלַם ni. (15) עָמַד (16) פָּסַח (17) שְׁנָא ithpa.
Ge. 18. 3. μὴ παρέλθῃς τὸν παῖδά σου (11 a)
— 5. παρελεύσεσθε εἰς τὴν ὁδὸν ὑμῶν (11 a)
30. 32. παρελθάτω τὰ πρόβατά σου (11 a)

Ge. 32. 31 (32). ἡνίκα παρῆλθε τὸ Εἶδος τοῦ θ. (11 a)
33. 3. A παρῆλθεν [R προ.] ἔμπροσθεν αὐτῶν (11 a)
41. 53. παρῆλθον δὲ τὰ ἑπτὰ ἔτη (7)
50. 4. παρῆλθον αἱ ἡμέραι τοῦ πένθους (11 a)
Ex. 3. 3. παρελθὼν ὄψομαι τὸ ὅραμα (10)
12. 23. παρελεύσεται κύριος πατάξαι (11 a)
— 23. παρελεύσεται κύριος τὴν θύραν (16)
15. 16. ἕως ἂν παρέλθῃ ὁ λαός σου, κύριε, ἕως ἂν παρέλθῃ ὁ λαός σου οὗτος [B¹ al.] (11 a, 11 a)
23. 5. οὐ παρελεύσῃ αὐτό †
33. 19. ἐγὼ παρελεύσομαι πρότερός σου (11 b)
— 22. ἡνίκα δ' ἂν παρέλθῃ ἡ δόξα μου (11 a)
— 22. ἕως ἂν παρέλθω (11 a)
34. 6. παρῆλθε κ. πρὸ προσώπου αὐ. (11 a)
Nu. 13. 33 (32). τὴν γῆν ἣν παρήλθομεν αὐτήν (11 a)
20. 17. παρελευσόμεθα διὰ τῆς γῆς σου (11 a)
— 17. ἕως ἂν παρέλθωμεν τὰ ὅριά σου (11 a)
— 19. παρὰ τὸ ὄρος παρελευσόμεθα (13)
— 19. παρὰ τὸ ὄρος παρελευσόμεθα [A πορευόμ.] (11 a)
— 21. παρελθεῖν διὰ τῶν ὁρίων αὐ. (11 a)
21. 21 (22). παρελευσόμεθα διὰ τῆς γῆς σου (11 a)
— 22. ἕως παρέλθωμεν τὰ ὅριά σου (11 a)
— 23. παρελθεῖν διὰ τῶν ὁρίων αὐ. (11 a)
32. 21. παρελεύσεται . . . πᾶς ὁπλίτης τὸν 'Ι. (11 a)
— 27. οἱ δὲ παῖδές σου παρελεύσονται (11 a)
34. 4. καὶ παρελεύσεται 'Ε. (11 a)
— 4. καὶ παρελεύσεται 'Α. (11 a)
De. 2. 8. παρήλθομεν τοὺς ἀδελφοὺς ἡμῶν (11 a)
— 8. παρήλθομεν ὁδὸν ἔρημον Μωάβ (11 a)
— 13. A B παρήλθομεν τὴν φάραγγα Ζ. (11 a)
— 14. ἕως οὗ παρήλθομεν τὴν φάραγγα Ζ. (11 a)
— 24. παρέλθατε ὑμεῖς τὴν φάραγγα 'Αρνῶν [B¹ al.] (11 a)
— 27. παρελεύσομαι διὰ τῆς γῆς σου (11 a)
— 27. B¹ ἐν τῇ ὁδῷ παρελεύσομαι [A B² R πορεύσ.] (2)
— 28. πλὴν ὅτι παραλεύσομαι τοῖς ποσί (11 a)
— 29. ἕως ἂν παρέλθω τὸν 'Ιορδ. (11 a)
— 30. παρελθεῖν ἡμᾶς δι' αὐτοῦ (11 b)
17. 2. παρελθεῖν τὴν διαθήκην αὐ. (11 a)
26. 13. οὐ παρῆλθον τὴν ἐντολήν σου (11 a)
29. 12 (11). παρελθεῖν ἐν τῇ διαθήκῃ [A π. τὴν δ.] (11 a)
— 16 (15). ὡς παρήλθομεν [B¹ -αμεν] ἐν μέσῳ τῶν ἐθνῶν οὓς παρήλθετε [A -ομεν] (11 a, 11 a)
Jo. 4. 23. ἕως παρήλθομεν (11 a)
6. 7 (8). ἑπτὰ ἱερεῖς . . . παρελθέτωσαν [A -άτ.] (11 a)
15. 10. παρελεύσεται εἰς ὅρος 'Α. (11 a)
— 10. παρελεύσεται ἐπὶ λίβα [A νότον] (11 a)
— 11. παρελεύσεται ὅρια ἐπὶ λίβα [A al.] (11 a)
16. 2. παρελεύσεται ἐπὶ τὰ ὅρια τοῦ 'Αχ. (11 a)
— 6. A παρελεύσεται [B περιελ.] . . . εἰς Θ. (9)
— 7. παρελεύσεται . . . εἰς 'Ι. (11 a)
— 8. A παρελεύσεται ὅρια . . . ἐπὶ Χ. [B al.] (2)
18. 14. παρελεύσεται [A διελ.] ἐπὶ τὸ μέρος (9)
— 18 (17). παρελεύσεται ἐπὶ Γ. (6)
24. 17. οὓς παρήλθομεν δι' αὐτῶν (11 a)
Jd. 3. 26. παρῆλθε τὰ γλυπτά (11 a)
9. 26. καὶ παρῆλθον ἐν Σικ. [A al.] (11 a)
11. 17. παρελεύσομαι δὴ ἐν τῇ γῇ [A π. διὰ τῆς γ.] σου (11 a)
— 19. παρέλθωμεν δὴ ἐν τῇ γῇ [A -ελεύσομαι διὰ τῆς γῆς] σου (11 a)
— 20. παρελθεῖν ἐν τῷ ὁρίῳ αὐτοῦ [A al.] (11 a)
— 29. παρῆλθε τὸν Γαλ. [A al.] (11 a)
— 29. παρῆλθε τὴν σκοπιὰν Γ. [A al.] (11 a)
— 32. καὶ παρῆλθεν [A διέβη] 'Ι. (11 a)
12. 1. παρῆλθαν εἰς βορρᾶν (11 a)
— 1. παρῆλθες παρατάξασθαι ἐν υἱοῖς 'Α. [A al.] (11 a)
— 3. παρῆλθον [A διέβην] πρὸς υἱοὺς 'Α. (11 a)
18. 13. παρῆλθον [A -αν] ἐκεῖθεν (11 a)
19. 12. παρελευσόμεθα ἕως Γ. (11 a)
— 14. καὶ παρῆλθον (11 a)
I Ki. 16. 8. παρῆλθε κατὰ πρόσωπον Σαμ. (11 b)
II Ki. 2. 15. παρῆλθον . . . δώδεκα τῶν 'Ι. (11 a)
15. 22. καὶ παρῆλθεν 'Εθί (11 a)
— 23. A ὁ βασ. παρερχόμ. ἐν τῷ χειμάρρῳ [B al.] (11 a)
— 24. παρελθεῖν ἐκ τῆς πόλεως (11 a)
16. 1. Δ. παρῆλθε βραχύ τι (11 a)
17. 20. παρῆλθαν [A -ον] μικρὸν τοῦ ὕδατος (11 a)
18. 9. ὁ ἡμίονος ὑποκάτω αὐτοῦ παρῆλθε (11 a)
II Ki. 20. 13. παρῆλθε πᾶς ἀνὴρ 'Ισρ. (11 a)
23. 4. οὗ κύριος παρῆλθεν [A al.] †
III Ki. 18. 29. παρῆλθε τὸ δειλινόν (11 a)
19. 11. ἰδοὺ παρελεύσεται κύριος (11 a)
22. 24. A ποῖον τοῦτο παρῆλθεν πνεῦμα κ. [B al.] (11 a)
IV Ki. 3. 10. τοὺς τρεῖς βασ. παρερχομ. [A κατεχομ.] †
— 13. A τοὺς τρεῖς βασ. παρερχομ. [B om.] †
6. 9. φύλαξαι μὴ παρελθεῖν (11 a)
II Ch. 8. 15. οὐ παρῆλθον τὰς ἐντολὰς τοῦ βασ. (10)
9. 2. οὐ παρῆλθε λόγος ἀπὸ Σαλ. (14)
18. 23. A R ποίᾳ τῇ ὁδῷ παρῆλθε πνεῦμα [B al.] (11 a)
25. 7. A οὐ παρελεύσ. [B πορεύσ.] . . . δύναμις 'Ισρ. (1)
Ne. 2. 14. παρῆλθον ἐπὶ πύλην τοῦ αἰνά (11 a)
— 14. οὐκ ἦν τόπος τῷ κτήνει παρελθεῖν (11 a)
9. 11. παρήλθοσαν ἐν μέσῳ τῆς θαλ. (11 a)
Ju. 2. 24. παρῆλθε [S διέβη] τὸν Εὐφρ.
— 24. S παρῆλθε [A B διῆλθε] τὴν Μεσοπ.
5. 21. παρελθέτω [A S -άτω] δὴ ὁ κύριός μου
11. 10. μὴ παρέλθῃς τὸν λόγον αὐτοῦ
15. 5. ἕως οὗ παρῆλθον Δαμασκόν
Es. 10. 3. οὐδὲ γὰρ παρῆλθεν ἀπ' αὐτῶν λόγος
Jb. 6. 15. ὥσπερ κῦμα παρῆλθόν [S¹ -ελθόν] με (11 a)
9. 11. ἐὰν παρέλθῃ με οὐδ' ὡς ἔγνων (4)
11. 16. τὸν κόπον [A τῶν κόπων σου] ἐπιλήσῃ ὥσπερ κῦμα παρελθόν (11 a)
14. 16. οὐ μὴ παρέλθῃ σε οὐδὲν τῶν ἁμαρτιῶν μου †
17. 11. B S² αἱ ἡμέραι μου παρῆλθον ἐν βρόμῳ [A δρόμῳ] (11 a)
23. 12. ἀπὸ ἐνταλμάτων αὐτοῦ καὶ [A ἐντολῶν αὐτοῦ] οὐ μὴ παρέλθω (8)
28. 8. οὐ παρῆλθεν [A γὰρ ἦλθεν] ἐπ' αὐτῆς λέων (12 a)
30. 15. A ὥσπερ νέφος ἡ σωτηρία μου παρῆλθεν [B S om.] (11 a)
Ps. 36 (37). 36. παρῆλθον καὶ ἰδοὺ οὐκ ἦν (11 a)
56 (57). 1. ἕως οὗ παρέλθῃ ἡ ἀνομία (11 a)
89 (90). 6. τὸ πρωὶ ὡσεὶ χλόη παρέλθοι (4)
— 7. τὸ πρωὶ ἀνθήσαι καὶ παρέλθοι (4)
103 (104). 9. ὅριον ἔθου ὃ οὐ παρελεύσονται (11 a)
140 (141). 10. ἕως οὗ ἂν παρέλθω (11 a)
148. 6. πρόσταγμα ἔθετο καὶ οὐ παρελεύσεται (11 a)
Pr. 8. 29. A S² ὕδατα οὐ παρελεύσονται στόματος αὐτοῦ (11 a)
22. 3. οἱ δὲ ἄφρονες παρελθόντες ἐζημιώθησαν (11 a)
27. 13. παρῆλθε γὰρ ὑβριστής †
Ca. 2. 11. ὁ χειμὼν παρῆλθεν (11 a)
3. 4. ὡς μικρὸν ὅτε παρῆλθον ἀπ' αὐτῶν (11 a)
5. 6. ἀδελφιδός μου παρῆλθε (5+11 a)
Wi. 2. 4. παρελεύσεται ὁ βίος ἡμῶν ὡς ἴχνη νεφέλης
5. 9. παρῆλθεν ἐκεῖνα πάντα ὡς σκιά
11. 12. στεναγμὸς μνημῶν τῶν παρελθουσῶν [A S -όντων]
Si. 11. 19. οὐκ οἶδε τίς καιρὸς παρελεύσεται
14. 14. μερὶς ἐπιθυμίας ἀγαθῆς μή σε παρελθάτω [A S -έτω]
29. 26. πάρελθε, πάροικε, κόσμησον τράπεζαν
42. 19. ἀπαγγέλλων τὰ παρεληλυθότα καὶ ἐπεσόμενα [A S τὰ ἐσ.]
— 20. οὐ παρῆλθεν αὐτὸν πᾶν διανόημα
Am. 7. 8. οὐκέτι μὴ προσθῶ τοῦ παρελθεῖν αὐτόν (11 a)
8. 2. οὐ προσθήσω ἔτι τοῦ παρελθεῖν αὐτόν (11 a)
Is. 10. 28. παρελεύσεται εἰς Μαγεδδώ (11 a)
— 29. παρελεύσεται φάραγγα (11 a)
24. 5. παρήλθοσαν [A -έβησαν] τὸν νόμον (11 a)
26. 20. ἕως ἂν παρέλθῃ ἡ ὀργὴ κυρίου (11 a)
28. 15. καταιγὶς φερομένη ἐὰν παρέλθῃ (11 a)
— 17. οὐ μὴ παρέλθῃ ὑμᾶς καταιγίς †
— 19. ὅταν παρέλθῃ λήψεται ὑμᾶς πρωὶ πρωὶ παρελεύσεται ἡμέρας (11 a, 11 a)
33. 22 (21). οὐ παρελεύσεταί με κύριος (11 a ?)
34. 16. ἀριθμῷ παρῆλθον [S -οσαν] –
35. 8. οὐ μὴ παρέλθῃ ἐκεῖ ἀκάθαρτος (11 a)
51. 23. κύψον ἵνα παρέλθωμεν (11 a)
Je. 8. 20. παρῆλθεν ἀμητός (7)
40 (33). 13. ἔτι παρελεύσεται [A ἐπιπαρ.] πρόβατα ἐπὶ χεῖρα ἀριθμοῦντος (11 a)
41 (34). 18. δώσω τοὺς ἄνδρας τοὺς παρεληλυθότας τὴν διαθήκην μου (11 a)
48 (41). 8. παρῆλθε καὶ οὐκ ἀνεῖλεν αὐτούς (3)
Da. LXX. 11. 10. παρελεύσεται καὶ ἐπιστρέψει (11 a)
Da. LXX. 11. 26. καὶ παρελεύσονται †
12. 1. παρελεύσεται Μιχαήλ (15)
Da. TH. 2. 9. ἕως οὗ ὁ καιρὸς παρέλθῃ (17)
4. 28. ἡ βασιλεία παρῆλθεν ἀπὸ σοῦ (12 b)
6. 12 (13). τὸ δόγμα Μήδων καὶ Περσῶν οὐ παρελεύσεται (12 b)
7. 14. ἥτις οὐ παρελεύσεται (12 b)
11. 10. καὶ παρελεύσεται (11 a)
— 40. συντρίψει καὶ παρελεύσεται (11 a)
I Ma. 2. 22. παρελθεῖν τὴν λατρείαν ἡμῶν
5. 48. πλὴν τοῖς ποσὶ παρελευσόμεθα
II Ma. 5. 7. A φυγὰς πάλιν εἰς τὴν 'Αμμ. παρῆλθεν [R ἀπῆλθε]
IV Ma. 11. 3. αὐτὸς δ' ἀπ' ἐμαυτοῦ παρῆλθον
[Aq. III Ki. 22. 24 : IV Ki. 12. 4 (5) : Jb. 30. 15 : 37. 21 : Ps. 56 (57). 2 : 72 (73). 7 : 83 (84). 7 : 87 (88). 17 : 102 (103). 16 : 140 (141). 10 : Pr. 4. 15 : 19. 11 : Ca. 5. 6 : Is. 31. 9 : 60. 15 : Je. 8. 13.]
[Sm. Ex. 30. 13 : Jb. 30. 15 : Ps. 41 (42). 8 : 56 (57). 2 : 57 (58). 8 : Pr. 4. 15 : Ca. 5. 6 : Is. 8. 21 : 31. 9 : 60. 15.]
[Th. Jd. 11. 19 : I Ki. 30. 10 : II Ki. 14. 13 : III Ki. 22. 24 : IV Ki. 12. 4 (5) : Jb. 30. 15 : Ps. 89 (90). 5 : Pr. 4. 15 : 8. 29 : Is. 31. 9 : Je. 8. 13.]
[Al. Dt. 2. 27 : Ps. 123 (124). 4, 5.]
[Quint. IV Ki. 12. 4 (5).]

παρέχειν. (1) ἀγῶνα π. לָאָה hi. (2) עָבַר (3) עָמַד hi. (4) ἡσυχίαν π. שָׁקַט hi.

IV Ki. 12. 4 (5). A ἀργύριον παρεχόμενον [B al.] (2)
Es. 3. 13. τὴν τε βασιλείαν . . . πορευτὴν . . . παρεξόμενος
— 13. ἀτάραχα παρέχωσιν [A -ουσιν] . . . τὰ πράγματα [A προστάγμ.]
8. 13. τὴν βασ. ἀτάραχον . . . παρεξόμεθα
Jb. 34. 29. αὐτὸς ἡσυχίαν παρέξει (4)
Ps. 29 (30). 7. A B S παράσχου [R -έσχου] τῷ κάλλει μου δύναμιν (3)
Wi. 16. 20. A S ἕτοιμον ἄρτον αὐτοῖς ἀπ' οὐρανοῦ παρέσχες [B ἔπεμψας]
17. 13. πλείονα λογίζεται τὴν [S ἀναλογ.] ἄγνοιαν τῆς παρεχούσης τὴν βάσανον αἰτίας
18. 3. πυριφλεγῆ στῦλον . . . παρέσχες [S¹ -εν]
Si. 29. 4. παρέσχον πόνον [A S κόπον] τοῖς βοηθήσασιν αὐτοῖς
Is. 7. 13. μὴ μικρὸν ὑμῖν ἀγῶνα π. ἀνθρώποις καὶ πῶς κυρίῳ παρέχετε ἀγῶνα (1, 1)
III Ma. 6. 28. R ἀπαραπόδιστον εὐστάθειαν . . . παρέχει [A προφέρει]
IV Ma. 3. 2. A R μὴ δουλωθῆναι . . . δύναται ὁ λογισμὸς παρασχέσθαι [S παρέχεσθαι]
11. 12. παρέχων τὴν . . . καρτερίαν [S¹ τῆς . . . κ.]
13. 6. γαληνὸν παρέχουσι . . . τὸν ὅρμον
[Sm. Jb. 10. 12 : 36. 31 : Ps. 17 (18). 48 : 76 (77). 2 : 77 (78). 24 : 119 (120). 3 : Ec. 7. 22 (21).]
[Th. Jb. 34. 29 : Is. 7. 13 *bis*.]

παρηγορεῖν.

IV Ma. 12. 3. καὶ παρηγορεῖν ἐπειρᾶτο
[Aq. Ps. 76 (77). 3 : Ez. 16. 54.]
[Sm. Ge. 24. 67 : Jb. 7. 13 : 16. 2 : Ps. 68 (69). 21 : 76 (77). 3 : Ec. 4. 1 : Is. 40. 1 *bis* : 51. 12, 18 : La. 1. 2 : Ez. 16. 54.]
[Th. Is. 54. 11.]
[Al. Ge. 37. 35.]

παρηγορία.

IV Ma. 5. 12. προσκυνήσας μου τὴν φιλάνθρωπον π.
6. 1. ἀντιρρητορεύσαντα ταῖς τοῦ τυράννου π.

παρθένεια, παρθένια. (1) בְּתוּלִים

De. 22. 14. οὐχ εὕρηκα αὐτῆς τὰ π. (1)
— 15. ἐξοίσουσι τὰ π. τῆς παιδός (1)
— 17. οὐχ εὕρηκα τῇ θυγατρί σου παρθένια (1)
— 17. ταῦτα τὰ π. τῆς θυγατρός μου (1)
— 20. καὶ μὴ εὑρεθῇ παρθένια τῇ νεάνιδι (1)
Jd. 11. 37. κλαύσομαι ἐπὶ τὰ π. μου (1)
— 38. ἔκλαυσεν ἐπὶ τὰ π. αὐτῆς (1)
[Sm. Ez. 23. 3.]

παρθενία (-εία). (1) נְעוּרִים

Si. 15. 2. ὡς γυνὴ παρθενίας προσδέξεται αὐτόν
42. 10. ἐν παρθενίᾳ μή ποτε βεβηλωθῇ

Je. 3. 4. οὐχ ὡς οἰκόν με ἐκάλεσας καὶ πατέρα καὶ ἀρχηγὸν τῆς π. σου (1)
IV Ma. 18. 8. οὐδὲ ἐλυμήνατό μου τὰ ἁγνὰ τῆς π.

παρθενικός. (1) בְּתוּלָה (2) נְעוּרִים
Es. 2. 3. ἐπιλεξάτωσαν [A -δειξ.] κοράσια π. [S¹ -νια] (1)
Jl. 1. 8. ἐπὶ τὸν ἄνδρα αὐ. τὸν π. (2)

παρθένιος. (1) בְּתוּלָה
Es. 2. 3. S¹ ἐπιλεξάτωσαν κοράσια παρθένια [A B S² -νικά] (1)

παρθένος. (1) a. בְּתוּלָה b. בְּתוּלִים (2) a. נַעַר b. נַעֲרָה (3) עַלְמָה
Ge. 24. 14. ἡ π. ᾗ ἂν ἐγὼ εἴπω (2 a*, 2 b)
— 16. ἡ δὲ π. ἦν καλὴ τῇ ὄψει σφόδρα· π. ἦν (2 a*, 2 b, 1 a)
— 43. ἡ π. ᾗ ἂν ἐγὼ εἴπω (3)
— 55. μεινάτω ἡ π. μεθ' ἡμῶν (2 a*, 2 b)
34. 3. ἠγάπησε τὴν π. (2 a*, 2 b)
— 3. κατὰ τὴν διάνοιαν τῆς π. (2 a*, 2 b)
Ex. 22. 16 (15). ἐὰν δὲ ἀπατήσῃ τις π. ἀμνήστευτον (1 a)
— 17 (16). καθ' ὅσον ἐστὶν ἡ φερνὴ τῶν π. (1 a)
Le. 21. 3. καὶ ἐπ' ἀδελφῇ παρθένῳ (1 a)
— 13. A B¹ παρθένον [B² R γυναῖκα π.] . . . λήψεται (1 b)
— 14. παρθένον . . . λήψεται γυναῖκα (1 a)
De. 22. 19. ἐξήνεγκεν . . . ἐπὶ π. Ἰσραηλῖτιν (1 a)
— 23. παῖς π. μεμνηστευμένη ἀνδρί (1 a)
— 28. ἐὰν δέ τις εὕρῃ τὴν παῖδα τὴν π. (1 a)
32. 25. νεανίσκος σὺν παρθένῳ (1 a)
Jd. 19. 24. ἡ θυγάτηρ μου ἡ π. (1 a)
21. 11. B τὰς δὲ π. περιποιήσεσθε –
— 12. εὗρον . . . τετρακοσίας νεάνιδας π. (1 a)
II Ki. 13. 2. π. ἦν αὕτη (1 a)
— 18. ἐνεδιδύσκοντο αἱ θυγ. τοῦ βασ. αἱ π. (1 a)
III Ki. 1. 2. ζητησάτωσαν . . . π. νεάνιδα (1 a)
IV Ki. 19. 21. ἐμυκτήρισέ σε παρθένος (1 a)
II Ch. 36. 17. τὰς π. αὐτῶν οὐκ ἠλέησε (1 a)
I Es. 1. 53. οὐκ ἐφείσαντο . . . παρθένου
Ju. 9. 2. οἱ ἕλυσαν μήτραν παρθένου
— 2. B¹ μήτραν παρθένου εἰς μίασμα
16. 5. καὶ τὰς π. μου σκυλεῦσαι
Es. 2. 17. εὗρε χάριν παρὰ πάσας τὰς π. (1 a)
Jb. 31. 1. οὐ συνήσω ἐπὶ παρθένον [A -ον] (1 a)
Ps. 44 (45). 14. ἀπενεχθήσονται τῷ βασιλεῖ παρθένοι ὀπίσω αὐτῆς [A -οῦ] (1 a)
77 (78). 63. αἱ π. αὐτῶν οὐκ ἐπένθησαν (1 a)
148. 12. νεανίσκοι καὶ παρθένοι (1 a)
Si. 9. 5. παρθένον μὴ καταμάνθανε
30. 20. ὥσπερ εὐνοῦχος περιλαμβάνων παρθένον
Am. 5. 2. παρθένος τοῦ Ἰσρ. ἔσφαλεν (1 a)
8. 13. ἐκλείψουσιν αἱ π. αἱ καλαί (1 a)
Za. 9. 17. οἶνος εὐωδιάζων εἰς παρθένους (1 a)
Is. 7. 14. ἡ π. ἐν γαστρὶ λήψεται [A S ἕξει] (3)
23. 4. οὐδὲ ὕψωσα παρθένους (1 a)
37. 22. ἐμυκτήρισέ σε π. θυγάτηρ Σιών (1 a)
47. 1. κάθισον ἐπὶ τὴν γῆν π. θυγάτηρ Βαβυλῶνος κάθισον [A S εἴσελθε] εἰς τὴν γῆν [A S τὸ σκότος, S¹ add. π.] θυγάτηρ Χαλδαίων (1 a, –)
62. 5. ὡς συνοικῶν νεανίσκος παρθένῳ (1 a)
Je. 2. 32. μὴ ἐπιλήσεται . . . π. τὴν στηθοδεσμίδα αὐτῆς (1 a ?)
18. 13. ἃ ἐποίησε σφόδρα π. Ἰσρ. (1 a)
26 (46). 11. λάβε ῥητίνην τῇ π. θυγατρὶ Αἰγύπτου (1 a)
28 (51). 22. διασκορπιῶ ἐν σοὶ νεανίσκον καὶ παρθένον (1 a)
38 (31). 4. οἰκοδομηθήσῃ, π. Ἰσραήλ (1 a)
— 13. χαρήσονται παρθένοι ἐν συναγωγῇ νεανίσκων (1 a)
— 21. B S² π. Ἰσραήλ [A θυγάτηρ Ἱερουσαλήμ] (1 a)
La. 1. 4. αἱ π. αὐτῆς ἀγόμεναι (1 a)
— 15. ληνὸν ἐπάτησε κύριος παρθένῳ θυγατρὶ Ἰούδα (1 a)
— 18. παρθένοι [S αἱ π.] μου . . . ἐπορεύθησαν ἐν αἰχμαλωσίᾳ (1 a)
2. 10. κατήγαγον εἰς γῆν ἀρχηγοὺς παρθένους ἐν Ἱερ. (1 a)
— 13. π. θύγατερ [S -τρὸς] Σιών (1 a)
— 21. παρθένοι μου καὶ νεανίσκοι μου ἐπορεύθησαν ἐν αἰχμαλωσίᾳ (1 a)
La. 5. 11. ἐταπείνωσαν παρθένους ἐν πόλεσιν Ἰούδα (1 a)
Ep. Je. 9. ὥσπερ παρθένῳ φιλοκόσμῳ
Ez. 9. 6. νεανίσκον καὶ παρθένον . . . ἀποκτείνατε (1 a)
44. 22. ἀλλ' ἢ παρθένον ἐκ τοῦ σπέρματος Ἰσραήλ (1 a)
I Ma. 1. 26. παρθένοι καὶ νεανίσκοι ἠσθένησαν
II Ma. 3. 19. αἱ δὲ κατάκλειστοι τῶν π.
5. 13. παρθένων τε καὶ νηπίων σφαγαί
III Ma. 1. 18. αἵ τε κατάκλειστοι π. ἐν θαλάμοις
IV Ma. 18. 7. ἐγὼ ἐγενήθην π. ἁγνή
[Aq., Sm. Jb. 31. 1: Is. 23. 12: Je. 14. 17.]
[Th. Jb. 31. 1: Is. 23. 12.]
[Al. Jl. 1. 8.]

παριδεῖν, *cf.* **παροραῖν.** (1) נָטָה (2) מָעַל (3) רָפָה hi. (4) **παριδὼν παριδεῖν** מָעַל מַעַל
Le. 6. 2 (5. 21). καὶ παριδὼν παρίδῃ τὰς ἐντ. κυρίου (4)
Nu. 5. 6. καὶ παριδὼν παρίδῃ καὶ πλημμελήσῃ (4)
— 12. καὶ παρίδῃ αὐτὸν ὑπεριδοῦσα (1)
Ps. 137 (138). 8. A B³ S R τὰ ἔργα τῶν χειρῶν σου μὴ παρίδῃς [B¹ παρῇς] (3)
Pr. 4. 5. μηδὲ παρίδῃς ῥῆσιν ἐμοῦ στόματος (2)
Si. 7. 10. ἐλεημοσύνην ποιῆσαι μὴ παρίδῃς
8. 8. μὴ παρίδῃς διήγημα σοφῶν
28. 7. καὶ πάριδε ἄγνοιαν
30. 11. R μὴ παρίδῃς τὰς ἀγνοίας αὐτοῦ
32 (35). 14. A οὐ μὴ παρίδῃ [B S ὑπερίδῃ] ἱκετείαν ὀρφανοῦ
35 (32). 18. ἀνὴρ βουλῆς οὐ μὴ παρίδῃ διανόημα
III Ma. 1. 27. R μὴ παριδόντα [A περιδ., ? περιϊδ.] τὴν ἄνομον . . . πρᾶξιν
IV Ma. 13. 4. οὐκ ἔστι παριδεῖν τὴν ἡγεμονίαν
15. 23. ἐπέτεινε τὴν πρόσκαιρον φιλοτεκνίαν παριδεῖν [Sm. Jb. 27. 2.]

παριέναι (*permittere*). (1) בָּהַל ni. (2) חָדַל (3) לָאָה ni. (4) עָזַב (5) פָּרַשׂ pi. (6) רָפָה a. qal. b. hi. (7) **παρειμένος** a. רָזֶה b. שָׁפֵל (8) **παριέναι γῆν** חָדַל
Ex. 14. 12. πάρες ἡμᾶς ὅπως δουλεύσωμεν (2)
Nu. 13. 21 (20). ἢ πίων ἢ παρειμένη (7 a)
De. 32. 36. ἐκλελοιπότας . . . καὶ παρειμένους (4)
I Ki. 2. 5. A R οἱ πεινῶντες [B ἀσθενοῦντες] παρῆκαν γῆν (8)
II Ki. 4. 1. πάντες οἱ ἄνδρες Ἰσρ. παρείθησαν (1)
Ju. 12. 12. εἰ γυναῖκα τοιαύτην παρήσομεν
Ps. 137 (138). 8. B¹ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν σου μὴ παρῇς [A B³ S R παρίδῃς] (6 b)
Si. 2. 12. οὐαὶ καρδίαις δειλαῖς καὶ χερσὶ παρειμέναις
— 13. οὐαὶ καρδίᾳ παρειμένῃ
4. 29. μὴ γίνου . . . νωθρὸς καὶ παρειμένος ἐν τοῖς ἔργοις σου
23. 3. οὐ μὴ παρῇ τὰ ἁμαρτήματα αὐτῶν
25. 23. χεῖρες παρειμέναι καὶ γόνατα παραλελυμένα
Ze. 3. 16. μὴ παρείσθωσαν αἱ χεῖρές σου (6 a)
Ma. 2. 9. S³ δέδωκα ὑμᾶς . . . παρειμένους [A B S¹ ἀπερριμμ.] (7 b)
Je. 4. 31. παρήσει τὰς χεῖρας αὐτῆς (5)
20. 9. παρείμαι πάντοθεν καὶ οὐ δύναμαι φέρειν (3)
I Ma. 11. 35. R πάντα ἐπαρκῶς παρίεμεν αὐτοῖς [A S al.]
III Ma. 2. 13. καὶ παρείμεθα ἐν ἀδυναμίαις
IV Ma. 5. 29. τοὺς ἱεροὺς . . . ὅρκους οὐ παρήσω
[Aq. Dt. 31. 6: I Ki. 21. 13 (14): II Ki. 4. 1.]
[Sm. II Ki. 4. 1: Je. 38 (45). 4: Ez. 21. 7 (12).]
[Th. Is. 41. 10.]

παριέναι (*praeterire*). (1) a. עָבַר b. עָבַר דֶּרֶךְ
Pr. 9. 15. προσκαλουμένη τοὺς παριόντας [A π. ὁδόν] (1 b [1 a])
15. 10. παιδεία ἀκάκου γνωρίζεται ὑπὸ τῶν παριόντων †

πάρινος. (1) שֵׁשׁ (2) π. λίθος שֵׁשׁ
Es. 1. 6. ἐπὶ στύλοις π. καὶ λιθίνοις (1)
— 6. καὶ πάρινον λίθον [A S¹ al.] (2)
[Aq., Th., Quint., Sext. Ca. 5. 15.]

πάριος. (1) אַבְנֵי שֵׁשׁ
I Ch. 29. 2. A R καὶ π. πολύν [B -ύ] (1)

παριστάναι. (1) בָּשַׁל (2) הִתְהַלֵּךְ בְּרַגְלַי (3) יָצַב hithp. (4) יָצַג hi. (5) נָצַב a. ni. b. hi. (6) עָמַד a. qal. b. hi. c. עָמַד לִפְנֵי (7) עָרַךְ (8) צָבָא (9) קָדַם קוּם (10) רָגַשׁ aph. (11) שָׁקַל (12) שָׁרַת pi. (13) **παρεστηκώς** אָבִיב
Ge. 18. 8. αὐτὸς δὲ παριστήκει αὐτοῖς (6 a)
40. 4. καὶ παρέστη αὐτοῖς (12)
45. 1. πάντων τῶν παρεστηκότων αὐτῷ (5 a)
— 1. οὐ παριστήκει οὐδείς (6 a)
Ex. 9. 31. ἡ γὰρ κριθὴ παρεστηκυῖα (13)
18. 13. παριστήκει δὲ πᾶς ὁ λαὸς Μ. (6 a)
— 14. πᾶς δὲ ὁ λαὸς παρέστηκέ σοι (5 a)
— 23. καὶ δυνήσῃ παραστῆναι (6 a)
19. 17. παρέστησαν ὑπὸ τὸ ὄρος (3)
24. 13. καὶ Ἰησοῦς ὁ παρεστηκὼς αὐτῷ [A¹ al.] (12)
34. 5. καὶ παρέστη αὐτῷ ἐκεῖ (3)
Nu. 1. 5. οἵτινες παραστήσονται μεθ' ὑμῶν (6 a)
7. 2. οὗτοι οἱ [B² om.] παρεστηκότες [A παραστήκοντες] ἐπὶ τῆς ἐπισκοπῆς (6 a)
11. 28. Ἰησοῦς . . . ὁ παρεστηκὼς Μωυσῇ (12)
16. 9. παρίστασθαι ἔναντι τῆς σκηνῆς [A συναγωγῆς] (6 a)
23. 3. παράστηθι ἐπὶ τῆς θυσίας σου (3)
— 3. παρέστη B. ἐπὶ τῆς θυσίας αὐ. –
— 15. παράστηθι ἐπὶ τῆς θυσίας σου (3)
De. 1. 38. Ἰησοῦς υἱὸς N. ὁ παρεστηκώς σοι (6 c)
10. 8. παρεστάναι ἔναντι κυρίου (6 a)
17. 12. τοῦ ἱερέως τοῦ παρεστηκότος λειτουργεῖν (6 a)
18. 5. παρεστάναι ἔναντι κ. τοῦ θ. (6 a)
— 7. οἱ παρεστηκότες ἐκεῖ ἐναντίον κ. τοῦ θ. (6 a)
21. 5. παρεστηκέναι αὐτῷ καὶ εὐλογεῖν (12)
Jd. 20. 28. καὶ Φ. . . . παρεστηκὼς ἐνώπιον αὐτῆς (6 a)
I Ki. 2. 22. A τὰς γυναῖκας τὰς παρεστώσας παρὰ τὴν θύραν (8)
4. 20. αἱ γυναῖκες αἱ παρεστηκυῖαι αὐτῇ (5 a)
5. 2. παρέστησαν αὐτὴν παρὰ Δ. (4)
16. 21. παρεστήκει ἐνώπιον αὐτοῦ (6 a)
— 22. παριστάσθω δὴ Δ. ἐνώπιον ἐμοῦ (6 a)
22. 6. παρεστήκεισαν αὐτῷ (5 a)
— 7. τοὺς παῖδας αὐ. τοὺς παρεστηκότας αὐτῷ (5 a)
25. 27. τοῖς παιδαρίοις τοῖς παρεστηκόσι τῷ κ. μου (2)
III Ki. 1. 2. παραστήσεται [A π. ἐνώπιον] τῷ βασ. (6 c [7 a])
10. 8. οἱ παρεστηκότες [A παραστήκοντες] ἐνώπιόν σου (6 a)
12. 6. οἳ ἦσαν παρεστῶτες ἐνώπιον Σαλ. (6 a)
— 8. τῶν παιδαρ. . . . τῶν παρεστηκότων πρὸ προσώπου αὐ. (6 a)
— 10. οἱ παρεστηκότες πρὸ προσώπου αὐτοῦ –
— 32. παρέστησεν ἐν B. τοὺς ἱερεῖς (6 b)
17. 1: 18. 15: IV Ki. 3. 14: 5. 16. ᾧ παρέστην ἐνώπιον αὐτοῦ (6 a)
IV Ki. 5. 25. παρεστήκει πρὸς τὸν κύριον αὐ. (6 a)
8. 11. παρέστη τῷ προσώπῳ αὐτοῦ (6 b)
II Ch. 6. 3. πᾶσα ἡ ἐκκλησία Ἰσρ. παρεστήκει (6 a)
9. 7. οἱ παρεστηκότες σοι διὰ παντός (6 c)
18. 18. A R πᾶσα δύναμις τοῦ οὐρ. παρεστήκει [B εἱστ.] (6 a)
To. 12. 15. S οἱ παρεστήκασιν [A B al.]
Ju. 4. 14. π. οἱ παρεστηκότες ἐνώπιον κυρίου
6. 10. οἳ ἦσαν παρεστηκότες [S add. αὐτῷ]
9. 6. παρέστησαν ἃ ἐβουλεύσω
11. 13. τοῖς ἱερεῦσι τοῖς παρεστηκόσιν ἐν Ἱερ.
12. 13. A B αἳ παρεστήκασιν ἐν οἴκῳ Ναβ.
13. 1. A B τοὺς παρεστῶτας ἐκ προσώπου τοῦ κυρίου
Es. 3. 9. S² παραστήσω ἐπὶ χεῖρας τῶν ποιούντων [A B S¹ al.] (11)
4. 5. ὃς παρεστήκει αὐτῇ (6 b)
— 7. S² παραστῆσαι [A B S¹ om.] . . . τῷ βασιλεῖ (11)
8. 4. παρεστηκέναι τῷ βασιλεῖ (6 c)
Jb. 1. 6. παραστῆναι ἐνώπιον τοῦ κυρίου (3)
2. 1. παραστῆναι ἔναντι κυρίου (3)
— 1. A B S² παραστῆναι ἐναντίον τοῦ κυρίου (3)
37. 20. μὴ βίβλος ἢ γραμματεύς μοι παρέστηκεν †
Ps. 2. 2. παρέστησαν οἱ βασιλεῖς τῆς γῆς (3)
5. 3. τὸ πρωὶ παραστήσομαί σοι (7)
35 (36). 4. παρέστη πάσῃ ὁδῷ οὐκ ἀγαθῇ (3)
44 (45). 9. παρέστη ἡ βασίλισσα ἐκ δεξιῶν σου (5 a)

Ps. 49 (50). 21. B S[1] παραστήσω κατὰ πρόσωπόν σου [S[2] *add.* τὰς ἁμαρτίας σου] (7)
77 (78). 13. S[2] παρέστησεν [B S[1] ἔστ.] ὕδατα ὡσεὶ ἀσκόν (5 *b*)
108 (109). 31. παρέστη ἐκ δεξιῶν πένητος (6 *a*)
Pr. 22. 29. ὁρατικὸν ἄνδρα . . . βασιλεῦσι δεῖ παρεστάναι καὶ μὴ παρεστάναι [A -ιστ.] ἀνδράσι νωθροῖς (3, 3)
Wi. 10. 11. ἐν πλεονεξίᾳ κατισχυόντων αὐτὸν παρέστη
19. 22. οὐχ ὑπερείδες ἐν παντὶ καιρῷ καὶ τόπῳ [S[1] τὸ πρῶ] παριστάμενος
Si. 23. 22. οὕτως καὶ γυνὴ . . . παριστῶσα κληρονόμον ἐξ ἀλλοτρίου
— 23. ἐξ ἀλλοτρίου ἀνδρὸς τέκνα παρέστησεν
51. 2. ἔναντι τῶν παρεστηκότων ἐγένου βοηθός
Ho. 9. 13. παρέστησαν τὰ τέκνα αὐ. †
Jl. 3 (4). 13. παρέστηκεν ὁ τρυγητός (1)
Za. 4. 14. παρεστήκασι κυρίῳ πάσης τῆς γῆς (6 *a*)
6. 5. παραστῆναι τῷ κυρίῳ πάσης τῆς γῆς (3)
Is. 5. 29. παρέστηκαν [A S[3] -ασιν] ὡς σκύμνοι λέοντος †
60. 10. οἱ βασιλεῖς αὐτῶν παραστήσονταί σοι (12)
Je. 15. 11. εἰ μὴ παρέστην σοι †
39 (32). 12. κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν ἀνδρῶν τῶν παρεστηκότων [A S *al.*] †
42 (35). 19. οὐ μὴ ἐκλείπῃ ἀνὴρ . . . παρεστηκὼς κατὰ πρόσωπόν μου (6 *a*)
Ep. Je. 37. A ἄνθρωπον τυφλὸν εἰς ὅρασιν οὐ μὴ παραστήσωσιν [B περιστ.]
Da. LXX. 7. 10. μύριαι μυριάδες παρειστήκεισαν αὐτῷ (9)
— 13. οἱ παρεστηκότες παρῆσαν αὐτῷ †
Da. TH. 6. 6 (7). παρέστησαν τῷ βασιλεῖ (10)
7. 10. μύριαι μυριάδες παρειστήκεισαν αὐτῷ (9)
I Ma. 6. 34. τοῦ παραστῆσαι αὐτοὺς εἰς τὸν πόλεμον
— 35. A R παρέστησαν [S -εν] . . . χιλίους ἄνδρας
11. 68. S παρειστήκεισαν [A R ἀπήντησαν] ἐξ ἐναντίας
II Ma. 3. 26. R παραστάντες [A -ιστ.] ἐξ ἑκατέρου μέρους
8. 21. εὐθαρσεῖς αὐτοὺς παραστήσας
12. 3. R εἰς τὰ παρασταθέντα [A παρακαταστ.] ὑπ' αὐτῶν σκάφη
III Ma. 5. 26. παραστὰς ἐκάλει πρὸς τὴν ἔξοδον
IV Ma. 5. 1. S R τῶν στρατευμάτων αὐτῷ [A -ῶν] παρεστηκότων
6. 1. παραστάντες οἱ δορυφόροι
17. 18. τῷ θείῳ νῦν παρεστήκασι θρόνῳ
[Aq. Jb. 2. 1.]
[Sm. Nu. 8. 24: Jd. 3. 19: I Ki. 12. 7: 20. 25: 22. 17: Jb. 29. 8: Ps. 40 (41). 13: 44 (45). 10.]
[Th. Jb. 2. 1: Ps. 44 (45). 10.]
[Al. II Ki. 11. 8.]

παροδεύειν. (1) עָבַר

Wi. 1. 8. οὐδὲ μὴν [A S μὴ] παροδεύσῃ [S[2] -σει] αὐτὸν ἐλέγχουσα ἡ δίκη
2. 7. μὴ παροδευσάτω ἡμᾶς ἄνθος ἀέρος [A ἔαρος]
5. 14. ὡς μνεία καταλύτου μονοημέρου παρώδευσε [S[1] διώδευσεν]
6. 22. οὐ μὴ παροδεύσω τὴν ἀλήθειαν
10. 8. σοφίαν γὰρ παροδεύσαντες οὐ μόνον ἐβλάβησαν
Ez. 36. 34. κατ' ὀφθαλμοὺς παντὸς παροδεύοντος [A διοδ.] (1)
[Sm. Ps. 83 (84). 7: 87 (88). 17: Ez. 33. 28.]
[Quint. Ho. 6. 9.]

παροδίτης.

[Aq. II Ki. 12. 4.]

πάροδος. (1) דֶּרֶךְ (2) הֵלֶךְ (3) עָבַר

Ge. 38. 14. ἥ ἐστιν ἐν παρόδῳ Θ. (1)
II Ki. 12. 4. ἦλθε πάροδος τῷ ἀνδρὶ τῷ πλουσίῳ (2)
IV Ki. 25. 24. μὴ φοβεῖσθε πάροδον τῶν Χαλδ. †
Wi. 2. 5. σκιᾶς γὰρ πάροδος ὁ βίος [A[1] B[2] S καιρὸς] ἡμῶν
17. 9. κωδάλων παρόδοις . . . ἐκσεσοβημένοι [A ἐκπεφοβημ.]
Ez. 16. 15. ἐξέχεας τὴν πορνείαν σου ἐπὶ πάντα πάροδον (3)
— 25. διήγαγες [A[1] ἤγ.] τὰ σκέλη σου παντὶ παρόδῳ (3)
[Sm. Is. 51. 23: Je. 14. 8.]

παροικεῖν. (1) *a.* גּוּר *b.* מָגוֹר *c.* בּוֹא לָגוּר (2) *a.* יָשַׁב *b.* תּוֹשָׁב (3) שָׁכַן

Ge. 12. 10. κατέβη . . . παροικῆσαι ἐκεῖ (1 *a*)
17. 8. τὴν γῆν ἣν παροικεῖς (1 *b*)
19. 9. εἰσῆλθες παροικεῖν (1 *a*)
20. 1. παρῴκησεν ἐν Γεράροις (1 *a*)
21. 23. ᾗ σὺ παρῴκησας ἐν αὐτῇ (1 *a*)
— 34. παρῴκησεν δὲ Ἀβ. ἐν τῇ γῇ τῶν Φυλ. (1 *a*)
24. 37. ἐν οἷς ἐγὼ παροικῶ (2 *a*)
26. 2. παροίκει ἐν τῇ γῇ ταύτῃ (1 *a*)
32. 4 (5). μετὰ Λάβαν παρῴκησα (1 *a*)
35. 27. οὗ παρῴκησεν Ἀβραάμ (1 *a*)
37. 1. οὗ παρῴκησεν ὁ πατὴρ αὐ. (1 *b*)
47. 4. π. ἐν τῇ γῇ ἥκαμεν (1 *a*)
— 9. αἱ ἡμέραι . . . ἃς παροικῶ (1 *b*)
— 9. ἃς ἡμέρας παρῴκησαν (1 *b*)
Ex. 6. 4. τὴν γῆν ἣν παρῴκήκασιν ἐν ᾗ καὶ παρῴκησαν ἐπ' αὐτῆς (1 *b*, 1 *a*)
12. 40. A ἣν παρῴκησαν [B κατῴκ.] ἐν γῇ Αἰγ. (2 *a*)
20. 10. ὁ προσήλυτος ὁ παροικῶν ἐν σοί –
Nu. 20. 15. παρῴκήσαμεν ἐν Αἰγύπτῳ [A εἰς Αἰγ.] (2 *a*)
De. 5. 14. ὁ προσήλυτος ὁ παροικῶν ἐν σοί –
18. 6. οὗ αὐτὸς παροικεῖ (1 *a*)
26. 5. καὶ παρῴκησεν ἐκεῖ (1 *a*)
Jo. 24. 2. A R παρῴκησαν [B κατῴκ.] οἱ πατέρες ὑ. (2 *a*)
Jd. 5. 17. εἰς τί παροικεῖ πλοίοις (1 *a*)
— 17. A παρῴκησεν παρ' αἰγιαλὸν θαλασσῶν [B *al.*] (2 *a*)
17. 7. παρῴκει ἐκεῖ (1 *a*)
— 8. παροικῆσαι ἐν ᾧ ἐὰν εὕρῃ τόπῳ [A παροικεῖν οὗ ἐὰν εὕρῃ] (1 *a*)
— 9. πορεύομαι παροικῆσαι [A -κεῖν] (1 *a*)
— 11. ἤρξατο π. παρὰ τῷ ἀνδρί (2 *a*)
19. 1. ἀνὴρ Λ. παροικῶν ἐν μηροῖς ὄρους Ἐφρ. (1 *a*)
— 16. παρῴκει ἐν Γ. (1 *a*)
Ru. 1. 1. τοῦ παροικῆσαι ἐν ἀγρῷ Μ. (1 *a*)
II Ki. 4. 3. ἦσαν ἐκεῖ παροικοῦντες (1 *a*)
IV Ki. 8. 1. παροίκει οὗ ἐὰν παροικήσῃς [A -εις] (1 *a*, 1 *a*)
— 2. παρῴκει ἐν γῇ ἀλλοφύλων (1 *a*)
I Ch. 16. 19. καὶ παρῴκησαν ἐν αὐτῇ (1 *a*)
29. 15. A R καὶ παροικοῦντες [B κατοικ.] ὡς πάντες (2 *b*)
II Ch. 15. 9. τοὺς προσηλύτους τοὺς παροικοῦντας μετ' αὐ. (1 *a*)
II Es. 1. 4. οὗ αὐτὸς παροικεῖ ἐκεῖ (1 *a*)
Ju. 5. 7. παρῴκησαν τὸ πρότερον ἐν τῇ Μεσοπ.
— 8. παρῴκησαν ἐκεῖ ἡμέρας πολλάς
— 10. καὶ παρῴκησαν ἐκεῖ
Ps. 5. 4. οὐδὲ παροικήσει σοι πονηρευόμενος (1 *a*)
14 (15). 1. τίς παροικήσει ἐν τῷ σκηνώματί σου (1 *a*)
30 (31). 13. ἤκουσα ψόγον πολλῶν παροικούντων κυκλόθεν (1 *b*)
55 (56). 6. παροικήσουσι καὶ κατακρύψουσιν αὐτοί (1 *a*)
60 (61). 4. παροικήσω ἐν τῷ σκηνώματί σου (1 *a*)
93 (94). 17. παρὰ βραχὺ παρῴκησε τῷ ᾅδῃ ἡ ψυχή μου (3)
104 (105). 23. Ἰακὼβ παρῴκησεν ἐν γῇ Χάμ (1 *a*)
119 (120). 6. πολλὰ παρῴκησεν ἡ ψυχή μου (3)
Pr. 3. 29. μὴ τεκτήνῃ ἐπὶ σὸν φίλον κακὰ παροικοῦντα καὶ πεποιθότα ἐπὶ σοί (2 *a*)
Si. 29. 24. οὗ παροικήσει [A S -εις]
38. 32. οὗ παροικήσουσιν οὐδὲ περιπατήσουσι
41. 19. ἀπὸ τόπου οὗ παροικεῖς
Ho. 10. 5. τῷ μόσχῳ τοῦ οἴκου Ὢν παροικήσουσιν (1 *a*)
Is. 16. 4. παροικήσουσί σοι οἱ φυγάδες Μωάβ (1 *a*)
52. 4. κατέβη ὁ λαός μου τὸ πρότερον παροικῆσαι ἐκεῖ (1 *a*)
54. 15. B παροικήσουσί σοι (1 *a*)
Je. 6. 25. ῥομφαία τῶν ἐχθρῶν παροικεῖ κυκλόθεν (1 *b*)
27 (50). 34. S παροξυνεῖ τοῖς παροικοῦσι [A B κατοικ.] Βαβυλῶνα μάχαιραν (2 *a*)
— 40. οὐ μὴ παροικήσει [A κατοικ.] ἐκεῖ υἱὸς ἀνθρώπου (1 *a*)
51 (44). 14. οὐδεὶς τῶν ἐπιλοίπων Ἰούδα τῶν παροικούντων ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1 *c*)
— 28. A S γνώσονται . . . οἱ παροικοῦντες [B καταστάντες, A καταβαίνοντες] ἐν γῇ Αἰγύπτῳ παροικῆσαι [B κατοικ.] ἐκεῖ (†, 1 *a*)
La. 4. 15. οὐ μὴ προσθῶσι τοῦ π. (1 *a*)
Ez. 21. 12 (17). ἐν πᾶσι τοῖς ἀφηγουμένοις τοῦ Ἰσραὴλ παροικήσουσιν (1 *b*)
47. 22. βαλεῖτε αὐτὴν . . . τοῖς παροικοῦσιν [A προσοικ.] ἐν μέσῳ ὑμῶν (1 *a*)
Da. LXX. Su. 28. οὗ παρῴκουν
II Ma. 12. 8. R τὸν αὐτὸν ἐπιτελεῖν . . . τρόπον τοῖς παροικοῦσιν [A κατοικ.] Ἰουδαίοις
[Aq. IV Ki. 8. 1 *bis*: Je. 35 (42). 7: 42 (49). 15, 17: 43 (50). 5.]
[Sm. III Ki. 17. 20: IV Ki. 8. 1 *bis*: Ps. 60 (61). 5: 119 (120). 5: Je. 35 (42). 7: 42 (49). 15, 17: 43 (50). 5.]
[Th. IV Ki. 8. 1 *bis*: Ps. 64 (65). 5: Je. 44 (51). 12.]

παροικεσία. (1) אֶרֶץ מְגוּרִים

Za. 9. 12. ἀντὶ μιᾶς ἡμέρας παροικεσίας σου †
Ez. 20. 38. ἐκ τῆς π. αὐτῶν ἐξάξω [A -αρῶ] αὐτούς (1)

παροίκησις. (1) מָגוֹר (2) מוֹשָׁב

Ge. 28. 4. κληρονομῆσαι τὴν γῆν τῆς π. σου (1)
36. 7. ἡ γῆ τῆς π. αὐτῶν (1)
Ex. 12. 40. A ἡ δὲ π. [B κατοίκ.] τῶν υἱῶν Ἰσρ. (2)
Si. 21. 28. ἐν παροικήσει μισηθήσεται

παροικία. (1) גּוֹלָה (2) *a.* מָגוֹר *b.* מְגוּרָה *c.* גֵּר

I Es. 5. 7. ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας τῆς π.
II Es. 8. 35. υἱοὶ τῆς π. (1)
Ju. 5. 9. ἐξελθεῖν ἐκ τῆς π. αὐτῶν
Ps. 33 (34). 4. ἐκ πασῶν τῶν π. [A S[2] θλίψεών] μου ἐρρύσατό με (2 *b*)
54 (55). 15. πονηρίαι ἐν ταῖς π. αὐτῶν (2 *a*)
118 (119). 54. ἐν τόπῳ παροικίας μου (2 *a*)
119 (120). 5. οἴμοι ὅτι ἡ π. μου ἐμακρύνθη (2 *c*)
Wi. 19. 10. ἐμέμνητο γὰρ ἔτι τῶν ἐν τῇ π. αὐτῶν
Si. *prol.* 26. τοῖς ἐν τῇ π. βουλομένοις φιλομαθεῖν
16. 8. οὐκ ἐφείσατο περὶ τῆς π. Λώτ
41. 5. τέκνα . . . συναναστρεφόμενα παροικίαις ἀσεβῶν
44. 6. εἰρηνεύοντες ἐν παροικίαις [A S κατοικ.] αὐ.
Hb. 3. 16. εἰς λαὸν παροικίας μου †
La. 2. 22. ἐκάλεσεν ἡμέραν ἑορτῆς παροικίας μου (2 *a*)
III Ma. 6. 36. ἐπὶ πᾶσαν τὴν π. αὐ. εἰς γενεάς
7. 19. ἐπὶ τὸν τῆς π. αὐτῶν χρόνον
[Aq., Sm. Ps. 118 (119). 54.]
[Th. Ps. 118 (119). 54: Is. 23. 7.]

παροικίζειν.

[Sm. Ez. 12. 25.]

πάροικος. (1) גּוֹי (2) *a.* גֵּר *b.* גּוּר (3) שָׁכֵן (4) תּוֹשָׁב

Ge. 15. 13. πάροικον ἔσται τὸ σπέρμα σου (2 *a*)
23. 4. πάροικος . . . ἐγώ εἰμι μεθ' ὑμῶν (2 *a*)
Ex. 2. 22. πάροικός εἰμι ἐν γῇ ἀλλοτρίᾳ (2 *a*)
12. 45. πάροικος . . . οὐκ ἔδεται ἀπ' αὐτοῦ (4)
18. 3. πάροικος ἤμην ἐν γῇ ἀλλοτρίᾳ (2 *a*)
Le. 22. 10. πάροικος ἱερέως . . . οὐ φάγεται ἅγια (4)
25. 6. βρώματα . . . τῷ π. τῷ προσκειμένῳ πρὸς σέ (4)
— 23. προσήλυτοι καὶ π. ὑμεῖς ἔστε (4)
— 35. ἀντιλήψῃ αὐτοῦ ὡς . . . παροίκου (4)
— 40. ὡς μισθωτὸς ἢ πάροικος ἔσται σοι (4)
— 45. ἀπὸ τῶν υἱῶν τῶν π. τῶν ὄντων ἐν ὑ. (4)
— 47. ἡ χεὶρ . . . τοῦ π. τοῦ παρὰ σοί (4)
— 47. ἢ τῷ π. τῷ παρὰ σοί (4)
Nu. 35. 15. καὶ τῷ π. τῷ ἐν ὑμῖν (4)
De. 14. 21. τῷ π. τῷ ἐν ταῖς πόλεσί σου (2 *a*)
23. 7 (8). πάροικος ἐγένου ἐν τῇ γῇ αὐτοῦ (2 *a*)
II Ki. 1. 13. υἱὸς ἀνδρὸς π. Ἀμ. ἐγώ εἰμι (2 *a*)
19. 28 (29). A πάροικος τοῦ πατρός σου [B *al.*] †
I Ch. 5. 10. ἐποίησαν πόλεμον πρὸς τοὺς π. †
29. 15. πάροικοί ἐσμεν ἐναντίον σου (2 *a*)
Ju. 4. 10. καὶ πᾶς π. ἢ μισθωτός
Ps. 38 (39). 12. πάροικος ἐγώ εἰμι ἐν τῇ γῇ [A S εἰμι παρὰ σοί] (2 *a*)
104 (105). 12. ὀλιγοστοὺς καὶ παροίκους ἐν αὐτῇ (2 *b*)
118 (119). 19. πάροικος ἐγώ εἰμι ἐν τῇ γῇ (2 *a*)
Si. 29. 26. πάρελθε, πάροικε, κόσμησον τράπεζαν
— 27. ἔξελθε, πάροικε, ἀπὸ προσώπου δόξης
Ze. 2. 5. οὐαὶ . . . πάροικοι Κρητῶν (1)

Je. 14. 8. ἵνα τί ἐγενήθης ὡσεὶ πάροικος (2 a)
29 (49). 18. κατεστράφη Σόδομα καὶ Γόμορρα καὶ αἱ π. αὐτῆς (3)
30 (49). 5. A φέρω φόβον ἐπὶ σὲ ἀπὸ πάσης τῆς π. [B S περιοίκου] σου †
Ba. 4. 9. ἀκούσατε, αἱ π. Σιών
— 14. ἐλθέτωσαν αἱ π. Σιών
— 24. ἑωράκασιν αἱ π. Σιὼν τὴν ὑμετέραν αἰχμαλωσίαν
[Sm. Is. 5. 17.]
[Th. Is. 49. 21.]
[Al. Le. 19. 34: I Ch. 22. 2.]

παροιμία. (1) מָשָׁל

Pr. *tit.* παροιμίαι (1)
1. 1. παροιμίαι Σαλωμῶντος υἱοῦ Δαυίδ (1)
25. 1. A S² αὗται αἱ π. [B S¹ παιδεῖαι] Σαλωμῶντος αἱ ἀδιάκριτοι (1)
subscr. παροιμίαι [A S *add.* Σολομῶντος]
Si. 6. 35. παροιμίαι συνέσεως μὴ ἐκφευγέτωσάν σε
8. 8. ἐν ταῖς π. αὐτῶν ἀναστρέφου
18. 29. ἀνώμβρησαν παροιμίας ἀκριβεῖς [S¹ -ῶς]
39. 3. ἀπόκρυφα παροιμιῶν ἐκζητήσει
47. 17. ἐν ᾠδαῖς καὶ παροιμίαις . . . ἀπεθαύμασάν σε χῶραι
[Aq. Ec. 12. 9: Ez. 18. 2.]
[Sm. I Ki. 24. 14: Ps. 77 (78). 2: Pr. 25. 1.]
[Al. I Ki. 10. 12.]

παροιμιάζειν.

IV Ma. 18. 16. τὸν Σαλ. ἐπαροιμίαζεν ὑμῖν
[Aq., Sm. Ez. 24. 3.]
[Al. Nu. 21. 27.]

παροιμιαστής.

[Sm. Ec. 12. 10.]

παροινεῖν. (1) מָצוּת

Is. 41. 12. οἱ παροινήσουσιν εἰς σέ (1)

παροιστρᾶν. (1) סָרַב (2) סָרַר

Ho. 4. 16. ὡς δάμαλις παροιστρῶσα παροίστρησεν Ἰσρ. (2, 2)
Ez. 2. 6. παροιστρήσουσι καὶ ἐπισυστήσονται (1)

παροξύνειν. (1) אָנַף (2) נָדַף pi. (3) חָדַר hi. (4) חָרָה *a.* qal. *b.* tiph. (5) חָרַף pi. (6) יָנַע hi. (7) כָּעַס *a.* pi. *b.* hi. (8) מָרָה אֶת־פֶּה (9) נָאַץ *a.* qal. *b.* pi. (10) עָבַר hithpa. (11) עָנָה pi. (12) עָצַב pi. (13) קָנָא hi. (14) קָצַף *a.* qal. *b.* hi. (15) רָגַז *a.* qal. *b.* hi. (16) שָׁנַן (17) תָּוָה hi.

Nu. 14. 11. ἕως τίνος παροξύνει με ὁ λαὸς οὗτος (9 b)
— 23. πάντες δὲ οἱ παροξύναντές [A -οντ.] με (9 b)
15. 30. τὸν θεὸν οὗτος παροξυνεῖ (2)
16. 30. παρώξυναν οἱ ἄνθρ. οὗτοι τὸν κ. (9 b)
20. 24. διότι παρωξύνατέ μὲ (8)
De. 1. 34. παροξυνθεὶς ὤμοσε (14 a)
9. 7. ὅσα παρώξυνας κ. τὸν θ. σου (14 b)
— 8. ἐν Χ. παρωξύνατε κύριον (14 b)
— 18. παροξῦναι [A τοῦ π.] αὐτόν (7 b)
— 19. παρωξύνθη κύριος ἐφ' ὑμῖν (14 a)
— 22. A B παροξύνοντες [R -αντες] ἤτε κύριον (14 b)
31. 20. καὶ παροξυνοῦσί με (9 b)
32. 16. παρώξυνάν με ἐπ' ἀλλοτρίοις (13)
— 19. παρωξύνθη δι' ὀργὴν υἱῶν αὐτοῦ (9 a)
— 21. παρώξυνάν [A -ώργισάν] με (7 a)
— 41. παροξυνῶ . . . τὴν μάχαιράν μου (16)
II Ki. 12. 14. A B παροξύνων παρώξυνας τοὺς ἐχθροὺς κ. [R *al.*] (9 b, 9 b)
II Es. 9. 14. μὴ παροξυνθῇς ἐν ἡμῖν (1)
Ps. 9. 25 (10. 3). παρώξυνε τὸν κύριον ὁ ἁμαρτωλός (9 b)
— 34 (10. 13). ἕνεκεν τίνος παρώξυνεν [S -ώργισεν] ὁ ἀσεβὴς τὸν θεόν (9 b)
73 (74). 10. παροξυνεῖ ὁ ὑπεναντίος τὸ ὄνομά σου εἰς τέλος (9 b)
— 18. S λαὸς ἄφρων παρώξυνε τὸ ὄνομά σου [B αὐτοῦ] (9 b)
77 (78). 41. τὸν ἅγιον τοῦ Ἰσραὴλ παρώξυναν (17)
Ps. 105 (106). 29. παρώξυναν αὐτὸν ἐν τοῖς ἐπιτηδεύμασιν αὐτῶν (7 b)
106 (107). 11. τὴν βουλὴν τοῦ ὑψίστου παρώξυναν (9 a)
Pr. 6. 3. παρόξυνε [B² -ώξ.] δὲ καὶ τὸν φίλον σου †
14. 31: 17. 5. παροξύνει τὸν ποιήσαντα αὐτόν (5)
20. 2. ὁ δὲ παροξύνων αὐτὸν ἁμαρτάνει εἰς τὴν ἑαυτοῦ ψυχήν (10)
27. 17. ἀνὴρ δὲ παροξύνει [S¹ -ον] πρόσωπον ἑταίρου (3)
Ho. 8. 5. παρωξύνθη ὁ θυμός μου ἐπ' αὐτούς (4 a)
Za. 10. 3. ἐπὶ τοὺς ποιμένας παρωξύνθη ὁ θυμός μου (4 a)
Ma. 2. 17. οἱ παροξύνοντες τὸν θ. ἐν τοῖς λόγοις ὑμῶν (6)
— 17. ἐν τίνι παρωξύναμεν αὐτόν (6)
Is. 5. 24. τὸ λόγιον τοῦ ἁγίου [A *om.*] Ἰσραὴλ παρώξυναν (9 b)
— 25. παρωξύνθη τὰ ὄρη (15 a)
14. 16. οὗτος ὁ ἄνθρωπος ὁ παροξύνων τὴν γῆν (15 b)
23. 11. ἡ παροξύνουσα βασιλεῖς (15 b)
37. 23. τίνι ὠνείδισας καὶ παρώξυνας (2)
47. 6. παρωξύνθην [S¹ -ης] ἐπὶ τῷ λαῷ μου (14 a)
60. 14. υἱοὶ . . . παροξυνάντων σε (11 ?)
63. 10. παρώξυναν τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον αὐτοῦ (12)
65. 3. ὁ λαὸς οὗτος ὁ παροξύνων με (7 b)
Je. 22. 15. παροξύνῃ ἐν Ἀχαζ τῷ πατρί σου (4 b)
27 (50). 34. παροξυνεῖ τοῖς κατοικοῦσι [S παροικ.] Βαβυλῶνα μάχαιραν (15 b)
Ba. 4. 7. A R παρωξύνατε [B -οξ.] γὰρ τὸν ποιήσαντα ὑμᾶς
La. 2. 6. παρώξυνεν ἐμβριμήματι ὀργῆς αὐτοῦ βασιλέα (9 a)
Da. LXX. 11. 11 (10). παροξυνθήσεται ἐπὶ πολύ †
[Aq. I Ki. 29. 4: Is. 54. 9: 60. 14: 64. 9 (8).]
[Sm. Ps. 9. 24 (10. 3): Pr. 1. 30: 28. 25: Is. 8. 21: 60. 14: Je. 14. 21.]
[Th. Pr. 1. 30: 5. 12: Is. 60. 14: Je. 33 (40). 24.]
[Al. Dt. 2. 5.]

παροξυσμός. (1) קֶצֶף

De. 29. 28 (27). ἐν . . . π. μεγάλῳ σφόδρα (1)
Je. 39 (32). 37. ἐν ὀργῇ μου . . . καὶ π. μεγάλῳ (1)
[Aq., Al. Je. 10. 10.]

παρορᾶν, *cf.* **παριδεῖν.** (1) בִּין hithpal. (2) עָלַם ni.

III Ki. 10. 3. οὐκ ἦν λόγος παρεωραμένος (2)
Jb. 11. 11. ἰδὼν δὲ ἄτοπα οὐ παρόψεται (1 ?)
Ec. 12. 14. ἐν παντὶ παρεωραμένῳ (2)
Wi. 11. 23. παροῇς ἁμαρτήματα ἀνθρώπων εἰς μετάνοιαν
Na. 3. 11. S³ ἔσῃ παρεωραμένη [A B S¹ ὑπερεωρ.] (2)
Is. 57. 11. ἐγώ σε ἰδὼν παροῶ †
III Ma. 3. 9. R μὴ γὰρ οὕτως παραραθήσεται τηλικοῦτο σύστημα [A *al.*]
[Sm. Ec. 12. 14.]
[Al. Le. 4. 13: I Ki. 12. 3: Jb. 11. 6.]

παρόρασις.

II Ma. 5. 17. γέγονε περὶ τὸν τόπον παρόρασις
[Aq. Ps. 89 (90). 8.]

παροργίζειν. (1) נָדַף pi. (2) כָּעַס *a.* pi. *b.* hi. (3) נָאַץ pi. (4) עָצַב hi. (5) קָנָא pi. (6) קָצַף hi. (7) קָצַר (8) *a.* רָגַז hi. *b.* רָגַז aph. (9) רוּם hithpal. (10) תַּמְרוּרִים

De. 4. 25. καὶ ποιήσητε . . . παροργίσαι αὐτόν (2 b)
31. 29. παροργίσαι αὐτὸν ἐν τοῖς ἔργοις (2 b)
32. 21. A παρώργισάν [B -ώξυνάν] με (2 a)
— 21. ἐπὶ ἔθνει ἀσυνέτῳ παροργιῶ αὐτούς (2 b)
Jd. 2. 12. παρώργισαν τὸν κύριον (2 b)
— 17. A παρώργισαν τὸν κύριον –
II Ki. 12. 14. R παροργίζων παρώργισας τοὺς ἐχθροὺς κ. [A B *al.*] (3, 3)
III Ki. 14. 9. A τοῦ παροργίσαι με (2 b)
— 15. A παροργίζοντες τὸν κύριον (2 b)
15. 30. ᾧ παρώργισε τὸν κύριον (2 b)
16. 2. τοῦ παροργίσαι με (2 b)
— 7. τοῦ παροργίσαι αὐτόν (2 b)
— 13. τοῦ παροργίσαι κ. τὸν θ. Ἰσρ. (2 b)
— 26. A R τοῦ παροργίσαι τὸν κ. θ. Ἰσρ. [B *al.*] (2 b)
III Ki. 16. 33. A R τοῦ παροργίσαι τὸν κ. θεὸν τοῦ Ἰσρ. [B *al.*] (2 b)
20 (21). 20. παροργίσαι αὐτόν –
— 22. περὶ τῶν παροργισμάτων ὧν παρώργισας (2 b)
22. 54. παρώργισε τὸν κ. θ. Ἰσρ. (2 b)
IV Ki. 17. 11. τοῦ παροργίσαι τὸν κ. (2 b)
— 17. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν . . . παροργίσαι αὐτόν (2 b)
21. 6. τοῦ ποιεῖν τὸ πονηρὸν . . . παροργίσαι αὐτόν (2 b)
— 15. ἦσαν παροργίζοντές με (2 b)
22. 17. ὅπως παροργίσωσί με (2 b)
23. 19. οὓς ἐποίησαν βασ. Ἰσρ. π. κύριον (2 b)
— 26. οὓς παρώργισεν αὐτὸν Μαν. (2 b)
II Ch. 28. 25. παρώργισαν κ. τὸν θεόν (2 b)
33. 6. τοῦ παροργίσαι αὐτόν (2 b)
34. 25. ἵνα παροργίσωσί με (2 b)
35. 19. ἃ παρώργισε Μαν. –
II Es. 5. 12. παρώργισαν οἱ πατ. ἡμῶν τὸν θεόν (8 b)
Ju. 8. 14. μὴ παροργίζετε κ. τὸν θεὸν ἡμῶν
11. 11. παροργιοῦσι τὸν θεὸν αὐτῶν
Jb. 12. 6. ὅσοι παροργίζουσι [A γὰρ ὀργίζουσιν] τὸν κύριον (8 a)
Ps. 9. 34 (10. 13). S ἕνεκεν τίνος παρώργισεν [A B -ώξυνεν] ὁ ἀσεβὴς τὸν θεόν (3)
77 (78). 40. B S² παρώργισαν αὐτὸν ἐν γῇ ἀνύδρῳ [S¹ τῇ ἐρήμῳ] (4)
— 58. παρώργισαν αὐτὸν ἐπὶ τοῖς βουνοῖς αὐ. (2 b)
105 (106). 16. παρώργισαν Μωυσῆν ἐν τῇ παρεμβολῇ (5)
— 32. παρώργισαν αὐτὸν ἐπὶ ὕδατος ἀντιλογίας (6)
Si. 3. 16. ὁ παροργίζων μητέρα αὐτοῦ
4. 2. μὴ παροργίσῃς ἄνδρα ἐν ἀπορίᾳ αὐτοῦ
— 3. καρδίαν παροργισμένην [A S -ωργ.] μὴ προσταράξῃς
Ho. 12. 14 (15). καὶ παρώργισε (10)
Mi. 2. 7. οἶκος Ἰ. παρώργισε πνεῦμα κυρίου (7 ?)
Za. 8. 14. ἐν τῷ παροργίσαι με τοὺς πατέρας ὑμῶν (6)
Is. 1. 4. παρωργίσατε τὸν ἅγιον τοῦ Ἰσραήλ (3)
Je. 7. 18. ἵνα παροργίσωσί με (2 b)
— 19. μὴ ἐμὲ αὐτοὶ παροργίζουσι [S¹ -ιοῦσιν] (2 b)
8. 19. παρώργισάν με ἐν τοῖς γλυπτοῖς αὐτῶν (2 b)
11. 17. ἐποίησαν ἑαυτοῖς τοῦ παροργίσαι με (2 b)
25. 6. ὅπως μὴ παροργίζητέ [A -γίσητέ] με (2 b)
Ba. 4. 6. διὰ δὲ τὸ παροργίσαι ὑμᾶς τὸν θεόν
Ez. 8. 17. A ἐπέστρεψαν παροργίσαι με (2 b)
16. 26. ἐξεπόρνευσας τοῦ παροργίσαι με (2 b)
— 54. ἐν τῷ [A *add.* σε] παροργίσαι με †
20. 27. παρώργισάν με οἱ πατέρες ὑμῶν (1)
32. 9. παροργιῶ καρδίαν λαῶν πολλῶν (2 b)
Da. LXX. 11. 36. παροργισθήσεται καὶ ὑψωθήσεται (9)
[Aq. Dt. 32. 16: III Ki. 14. 9, 15: IV Ki. 17. 11: Je. 25. 7 (Sw.): 32 (39). 30.]
[Sm Ps. 105 (106). 7: Ec. 7. 10 (9): Je. 32 (39). 30.]
[Th. I Ki. 28. 15: II Ki. 12. 14 *bis*: Is. 14. 16: Je. 25. 7 (Sw.): Ez. 8. 17.]
[Al. I Ki. 1. 6.]
[Heb. Ge. 26. 35.]

παρόργισμα. (1) כַּעַס

III Ki. 16. 33. τοῦ ποιῆσαι παροργίσματα [A *om.*] –
20 (21). 22. περὶ τῶν π. ὧν παρώργισας (1)
II Ch. 35. 19. A R ἐπὶ πάντα τὰ π. [B προστάγμ.] αὐ. –

παροργισμός. (1) כַּעַס (2) נְאָצָה (3) קֶצֶף

III Ki. 15. 30. καὶ ἐν τῷ π. αὐτοῦ (1)
IV Ki. 19. 3. ἡμέρα θλίψεως . . . καὶ παροργισμοῦ (2)
23. 26. ἐπὶ τοὺς π. οὓς παρώργισεν (1)
Ne. 9. 18, 26. ἐποίησαν π. μεγάλους (2)
Je. 21. 5. A μετὰ θυμοῦ καὶ ὀργῆς καὶ παροργισμοῦ μεγάλου [B S ὀρ. μεγάλης] (3)
[Aq. Ps. 9. 35 (10. 14): 30 (31). 10.]
[Sm. Ps. 9. 35 (10. 14): 30 (31). 10: Ez. 20. 28.]
[Al. I Ki. 1. 6: Ec. 11. 10.]

παρορμᾶν.

II Ma. 15. 17. δυναμένοις ἐπ' ἀρετὴν παρορμῆσαι
IV Ma. 12. 6. ὅπως αὐτὴν ἐλεήσας . . . παρορμήσειεν
[Sm., Th. Pr. 6. 3.]

παρορμίζειν.

[Sm. Ho. 5. 10.]

παρουσία.

Ne. 2. 6. A ἕως πότε ἔσται ἡ π. [B S πορεία] σου †
Ju. 10. 18. διεβοήθη γὰρ . . . ἡ π. αὐτῆς
II Ma. 8. 12. μεταδόντος . . . τὴν π. τοῦ στρατοπέδου
15. 21. συνιδὼν ὁ Μ. τὴν τῶν πληθῶν π.
III Ma. 3. 17. τὴν ἡμετέραν ἀποδεξάμενοι παρουσίαν

παρρησία. (1) μετὰ παρρησίας קוֹמְמִיּוּת

Le. 26. 13. ἤγαγον ὑμᾶς μετὰ παρρησίας (1)
Es. 8. 13. ἐκθέντες ἐν παντὶ τόπῳ μετὰ παρρησίας
Jb. 27. 10. μὴ ἔχει τινὰ [S¹ τι, A om.] παρρησίαν ἔναντι αὐτοῦ †
Pr. 1. 20. ἐν δὲ πλατείαις παρρησίαν ἄγει †
10. 10. ὁ δὲ ἐλέγχων μετὰ παρρησίας εἰρηνοποιεῖ †
13. 5. οὐχ ἕξει παρρησίαν †
Wi. 5. 1. τότε στήσεται ἐν παρρησίᾳ πολλῇ ὁ δίκαιος
Si. 25. 25. A S μὴ δῷς . . . γυναικὶ πονηρᾷ παρρησίαν [B ἐξουσίαν]
I Ma. 4. 18. λάβετε τὰ σκῦλα μετὰ παρρησίας
III Ma. 4. 1. μετὰ παρρησίας συνεκφαινομένης ἀπεχθείας
7. 12. μετὰ παρρησίας ἄνευ πάσης βασιλικῆς ἐξουσίας
IV Ma. 10. 5. οἱ δὲ πικρῶς ἐνέγκαντες τὴν π. τοῦ ἀνδρός

[Al. Ps. 137 (138). 1.]

παρρησιάζεσθαι. (1) יָפַע hi. (2) עָנַג hithpa.

Jb. 22. 26. παρρησιασθήσῃ [A ἐνπαρρησιάσῃ] ἐναντίον κυρίου (2)
Ps. 11 (12). 5. παρρησιάσομαι ἐν αὐτῷ †
93 (94). 1. ὁ θεὸς ἐκδικήσεων ἐπαρρησιάσατο (1 ?)
Pr. 20. 9. τίς παρρησιάσεται καθαρὸς εἶναι ἀπὸ ἁμαρτιῶν –
Ca. 8. 10. S ἡ νύμφη παρρησιάζεται –
Si. 6. 11. ἐπὶ τοὺς οἰκέτας σου παρρησιάσεται

[Aq. Ps. 30 (31). 14.]
[Th. Ez. 16. 30 (Sw.).]

παρωθεῖν.

II Ma. 4. 11. R τὰ κείμενα τοῖς Ἰ. φιλάνθρωπα βασιλικὰ . . . παρώσατο [A -σας]

παρωμίς.

Ex. 28. 14. ἐπὶ τὰς ἀσπιδίσκας κατὰ τὰς π. αὐ. †

πᾶς, *cf.* σύμπας. (1) כֹּל (2) *a.* כָּל־אִישׁ *b.* כֹּל אִישׁ (3) כָּלִיל (4) תָּמִיד (5) πάντες *a.* כָּל־הָאֲנָשִׁים *b.* כָּל־אִישׁ (6) π. τόπος כֹּל (7) ὁ τὰ π. ποιήσας שַׁדַּי (8) διὰ παντός *a.* כָּל־הַיּוֹם *b.* כָּלִיל *c.* לָנֶצַח *d.* עַד *e.* עוֹלָם *f.* עֵקֶב *g.* תָּמִיד (9) θυσία διὰ παντός תָּמִיד (10) σὺν παντί כָּלָה (11) σὺν π. τῷ λαῷ כָּלִיל

Ge. 1. 21. καὶ π. ψυχὴν ζῴων ἑρπετῶν (1)
— 21. A καὶ πᾶν πετεινὸν πτερωτὸν καὶ πᾶν [R πτ. κατὰ] γένος (1, –)
— 25. καὶ π. τὰ ἑρπετὰ τῆς γῆς (1)
— 26. ἀρχέτωσαν . . . π. τῆς γῆς καὶ π. τῶν ἑρπετῶν (1, 1)
— 28. ἄρχετε . . . π. τῶν κτηνῶν καὶ π. τῆς γῆς καὶ π. τῶν ἑρπετῶν (1, –, –)
— 29. R δέδωκα ὑμῖν πάντα [A πᾶν] χόρτον (1)
— 29. ὅ ἐστιν ἐπάνω π. τῆς γῆς καὶ π. ξύλον (1, 1)
— 30. καὶ π. τοῖς θηρίοις τῆς γῆς καὶ π. τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐρ. καὶ π. ἑρπετῷ (1 *ter*)
— 30. καὶ π. χόρτον χλωρὸν εἰς βρῶσιν (1)
— 31. εἶδεν ὁ θ. τὰ π. (1)
2. 1. καὶ π. ὁ κόσμος αὐτῶν (1)
— 2. κατέπαυσε . . . ἀπὸ π. τῶν ἔργων αὐ. (1)
— 3. κατέπαυσεν ἀπὸ π. τῶν ἔργων αὐ. (1)
— 5. καὶ π. χλὼρὸν ἀγροῦ (1)
— 5. καὶ π. χόρτον ἀγροῦ (1)
— 6. π. τὸ πρόσωπον τῆς γῆς (1)
— 9. ἐξανέτειλεν ὁ θ. . . . π. ξύλον (1)
— 11. ὁ κυκλῶν π. τὴν γῆν Εὐ. (1)
— 13. ὁ κυκλῶν π. τὴν γῆν Αἰθ. (1)
— 16. ἀπὸ π. ξύλου τοῦ ἐν τῷ παραδ. (1)
— 19. π. τὰ θηρία τοῦ ἀγροῦ (1)
— 19. π. τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρ. (1)
Ge. 2. 19. πᾶν ὃ ἐὰν ἐκάλεσεν αὐτὸ Ἀ. (1)
— 20. ὀνόματα πᾶσι τοῖς κτήνεσι καὶ π. τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐρ. καὶ π. τοῖς θηρίοις (1, –, 1)
3. 1. φρονιμώτατος π. τῶν θηρίων (1)
— 1. ἀπὸ π. ξύλου τοῦ παραδείσου (1)
— 2. A² ἀπὸ π. [R καρποῦ τοῦ] ξύλου τοῦ παρ. †
— 10. A τὴν φ. σου ἤκουσα περὶ παντός [R περιπατοῦντος] –
— 14. ἀπὸ π. τῶν κτηνῶν καὶ ἀπὸ π. τῶν θηρίων (1, 1)
— 14, 17. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου (1)
— 20. μήτηρ π. τῶν ζώντων (1)
4. 14. π. ὁ εὑρίσκων με (1)
— 15. π. ὁ ἀποκτείνας Κάϊν (1)
— 15. π. τὸν εὑρίσκοντα αὐτόν (1)
5. 5. π. αἱ ἡμέραι Ἀδάμ (1)
— 8. π. αἱ ἡμέραι Σήθ (1)
— 11. π. αἱ ἡμέραι Ἐνώς (1)
— 14. π. αἱ ἡμέραι Καϊνᾶν (1)
— 17. π. αἱ ἡμέραι Μαλελεήλ (1)
— 20. π. αἱ ἡμέραι Ἰάρεδ (1)
— 23. π. αἱ ἡμέραι Ἐνώχ (1)
— 27. π. αἱ ἡμέραι Μαθουσάλα (1)
— 31. π. αἱ ἡμέραι Λάμεχ (1)
6. 2. ἀπὸ πασῶν ὧν ἐξελέξαντο (1)
— 5. π. τις διανοεῖται ἐν τῇ καρδ. αὐ. . . . π. τὰς ἡμέρας (1, 1)
— 12. κατέφθειρε πᾶσα σὰρξ τὴν ὁδὸν αὐ. (1)
— 13. καιρὸς παντὸς ἀνθρώπου ἥκει (1)
— 17. καταφθεῖραι π. σάρκα (1)
— 19. ἀπὸ π. τῶν κτηνῶν καὶ ἀπὸ π. τῶν ἑρπ. καὶ ἀπὸ π. τῶν θηρίων καὶ ἀπὸ π. σαρκὸς δύο δύο ἀπὸ πάντων (–, –, 1 *ter*)
— 20. ἀπὸ π. τῶν ὀρνέων . . . καὶ ἀπὸ π. τῶν κτηνῶν . . . καὶ ἀπὸ π. τῶν ἑρπ. . . . δύο δύο ἀπὸ πάντων (–, –, 1, 1)
— 21. ἀπὸ π. τῶν βρωμάτων (1)
— 22. ἐποίησε Νῶε πάντα (1)
7. 1. εἴσελθε σὺ καὶ π. ὁ οἶκός σου (1)
— 3. ἀπὸ π. τῶν πετ. τῶν μὴ καθ. –
— 3. διαβρέψαι σπέρμα ἐπὶ π. τὴν γῆν (1)
— 4. ἐξαλείψω π. τὸ ἀνάστημα (1)
— 4. R ἀπὸ προσώπου π. [A om.] τῆς γῆς –
— 5. ἐποίησε Νῶε πάντα (1)
— 8. R ἀπὸ π. τῶν ἑρπόντων [A² -πετῶν] (1)
— 11. ἐρράγησαν π. αἱ πηγαὶ τῆς ἀβύσσου (1)
— 14. R καὶ π. τὰ θηρία . . . καὶ π. τὰ κτήνη . . . καὶ π. ἑρπετὸν . . . καὶ π. ὄρνεον [A om.] πετεινόν (1 *quater*)
— 15. δύο δύο . . . ἀπὸ π. σαρκός (1)
— 16. ἀπὸ π. σαρκὸς εἰσῆλθε (1)
— 19. ἐπεκάλυψε π. τὰ ὄρη τὰ ὑψηλά (1)
— 20. ἐπεκάλυψε π. τὰ ὄρη τὰ ὑψ. –
— 21. ἀπέθανε π. σὰρξ . . . καὶ π. ἑρπετὸν . . . καὶ π. ἄνθρωπος (1 *ter*)
— 22. πάντα ὅσα ἔχει πνοὴν ζωῆς (1)
— 22. A πᾶς ὃς [R πᾶν ὃ] ἦν ἐπὶ τῆς ξηρᾶς (1)
— 23. ἐξήλειψε π. τὸ ἀνάστημα (1)
— 23. A ἐπὶ προσώπου π. [R om.] τῆς γῆς –
8. 1. ἐμνήσθη ὁ θ. . . . π. τῶν θηρίων καὶ π. τῶν κτηνῶν καὶ π. τῶν πετ. καὶ π. τῶν ἑρπετῶν (1, 1, –, –)
— 9. A ἐπὶ π. προσώπῳ π. τῆς γῆς [R *al.*] (–, 1)
— 17. καὶ π. τὰ θηρία . . . καὶ π. σὰρξ . . . καὶ π. ἑρπετόν (1 *ter*)
— 19. καὶ π. τὰ θηρία καὶ π. τὰ κτήνη καὶ π. πετεινὸν καὶ π. ἑρπετόν (1 *quater*)
— 20. ἀπὸ π. τῶν κτηνῶν τῶν καθ. καὶ ἀπὸ π. τῶν πετεινῶν τῶν καθ. (1, 1)
— 21. πατάξαι π. σάρκα ζῶσαν (1)
— 22. π. τὰς ἡμέρας τῆς γῆς (1)
9. 2. ἐπὶ π. τοῖς θηρίοις τῆς γῆς ἐπὶ π. τὰ ὄρνεα τοῦ οὐρ. καὶ ἐπὶ π. τὰ κινούμενα . . . καὶ ἐπὶ π. τοὺς ἰχθύας (1 *quater*)
— 3. καὶ π. ἑρπετὸν ὅ ἐστι ζῶν (1)
— 3. ἔδωκα ὑμῖν τὰ π. (1)
— 5. ἐκ χειρὸς π. τῶν θηρίων (1)
— 10. καὶ π. ψυχῇ ζώσῃ μεθ' ὑμῶν (1)
— 10. καὶ π. τοῖς θηρίοις τῆς γῆς (1)
— 10. ἀπὸ π. τῶν ἐξελθόντων ἐκ τῆς κιβ. (1)
— 11. οὐκ ἀποθανεῖται π. σάρξ (1)
— 11. τοῦ καταφθεῖραι π. τὴν γῆν –
— 12. ἀνὰ μέσον π. ψυχῆς ζώσης (1)
— 15. ἀνὰ μέσον π. ψυχῆς ζώσης ἐν π. σαρκί (1, 1)
Ge. 9. 15. ὥστε ἐξαλεῖψαι π. σάρκα (1)
— 16. A ἀνὰ μέσον π. [R om.] ψυχῆς ζώσης ἐν π. σαρκί (1, 1)
— 17. ἀνὰ μέσον π. σαρκός (1)
— 19. διεσπάρησαν ἐπὶ π. τὴν γῆν (1)
— 29. ἐγένοντο π. αἱ ἡμέραι Νῶε (1)
10. 21. πατρὶ π. τῶν υἱῶν Ἔβερ (1)
— 29. πάντες οὗτοι υἱοὶ Ἰεκτάν (1)
11. 1. ἦν π. ἡ γῆ χεῖλος ἓν καὶ φωνὴ μία πᾶσι (1, –)
— 4. ἐπὶ πρωσώπου π. τῆς γῆς (1)
— 6. χεῖλος ἓν πάντων (1)
— 6. οὐκ ἐκλείψει ἐξ αὐτῶν πάντα (1)
— 8. ἐπὶ πρόσωπον π. τῆς γῆς (1)
— 9. τὰ χείλη π. τῆς γῆς (1)
— 9. ἐπὶ πρόσωπον π. τῆς γῆς (1)
— 32. R ἐγένοντο π. [A om.] αἱ ἡμέραι Θ. –
12. 3. π. αἱ φυλαὶ τῆς γῆς (1)
— 5. καὶ π. τὰ ὑπάρχοντα αὐτῶν (1)
— 5. καὶ π. ψυχὴν ἣν ἐκτήσαντο –
— 20. καὶ πάντα ὅσα ἦν αὐτῷ (1)
13. 1. καὶ π. τὰ αὐτοῦ (1)
— 9. καὶ ἰδοὺ π. ἡ γῆ ἐναντίον σου (1)
— 10. π. τὴν περίχωρον τοῦ Ἰορδ. ὅτι π. ἦν ποτιζομένη (1, 1)
— 11. π. τὴν περίχωρον τοῦ Ἰορδ. (1)
— 15. π. τὴν γῆν ἣν σὺ ὁρᾷς (1)
14. 3. π. οὗτοι συνεφώνησαν (1)
— 7. κατέκοψαν π. τοὺς ἄρχοντας Ἀμ. (1)
— 11. τὴν ἵππον π. τὴν Σοδόμων (1)
— 11. καὶ π. τὰ βρώματα αὐτῶν (1)
— 16. R ἀπέστρεψε π. τὴν ἵππον Σοδόμων (1)
— 16. R καὶ π. τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ –
— 20. δεκάτην ἀπὸ πάντων (1)
— 23. ἀπὸ π. τῶν σῶν (1)
15. 10. ἔλαβε δὲ αὐτῷ π. ταῦτα (1)
16. 12. αἱ χεῖρες αὐτοῦ ἐπὶ πάντας καὶ αἱ χεῖρες πάντων ἐπ' αὐτόν (1, 1)
— 12. κατὰ πρόσωπον π. τῶν ἀδ. αὐτοῦ (1)
17. 8. π. τὴν γῆν Χανάαν (1)
— 10. περιτμηθήσεται ὑμῶν π. ἀρσενικόν (1)
— 12. π. ἀρσενικὸν εἰς τὰς γενεὰς ὑμῶν (1)
— 12. ἀπὸ παντὸς υἱοῦ ἀλλοτρίου (1)
— 23. καὶ π. τοὺς οἰκογενεῖς αὐτοῦ καὶ π. τοὺς ἀργυρωνήτους καὶ π. ἄρσεν (1 *ter*)
— 27. καὶ π. οἱ ἄνδρες τοῦ οἴκου αὐτοῦ (1)
18. 18. π. τὰ ἔθνη τῆς γῆς (1)
— 19. πάντα ὅσα ἐλάλησε –
— 24. R οὐκ ἀνήσεις π. [A om.] τὸν τόπον –
— 25. ὁ κρίνων π. τὴν γῆν (1)
— 26. ἀφήσω π. τὸν τόπον (1)
— 28. ἀπολεῖς . . . π. τὴν πόλιν (1)
19. 17. μηδὲ στῆς ἐν π. τῇ περιχώρῳ (1)
— 25. R καὶ π. τὴν περίχωρον [A *al.*] (1)
— 25. π. τοὺς κατοικοῦντας ἐν ταῖς πόλεσι (1)
— 25. A καὶ π. [R om.] τὰ ἀνατέλλοντα –
— 29. π. τὰς πόλεις τῆς περιοίκου –
— 31. ὡς καθήκει π. τῇ γῇ (1)
20. 7. σὺ καὶ π. τὰ σά (1)
— 8. ἐκάλεσε π. τοὺς παῖδας αὐτοῦ (1)
— 8. ἐλάλησε π. τὰ ῥήματα ταῦτα (1)
— 8. ἐφοβήθησαν δὲ π. οἱ ἄνθρ. σφόδρα –
— 13. εἰς π. τόπον οὗ ἐὰν εἰσέλθωμεν (1)
— 16. καὶ π. ταῖς μετὰ σοῦ (1)
— 16. καὶ πάντα ἀλήθευσον (1)
— 18. συνέκλεισε κύριος . . . π. μήτραν (1)
21. 12. πάντα ὅσα ἂν εἴπῃ σοι Σάρρα (1)
— 22. ὁ θ. μετὰ σοῦ ἐν πᾶσιν (1)
22. 18. ἐνευλογηθήσονται . . . π. τὰ ἔθνη (1)
23. 10. τῶν εἰσπορευομ. εἰς τὴν πόλιν πάντων (1)
— 11. R ἐναντίον π. [A om.] τῶν πολιτῶν μου –
— 13. A ἐναντίον π. [R om.] τοῦ λαοῦ –
— 17. π. δένδρον ὃ ἦν ἐν τῷ ἀγρῷ (1)
— 17. R πᾶν [A om.] ὅ ἐστιν ἐν τοῖς ὁρίοις –
— 18. ἐναντίον . . . π. τῶν εἰσπορευομ. (1)
24. 1. ηὐλόγησε τὸν Ἀβ. κατὰ πάντα (1)
— 2. τῷ ἄρχοντι πάντων τῶν αὐτοῦ (1)
— 10. ἀπὸ π. τῶν ἀγαθῶν τοῦ κυρίου αὐ. (1)
— 19. ἕως ἂν πᾶσαι πίωσι †
— 20. ὑδρεύσατο πάσαις ταῖς καμήλοις (1)
— 22. ἐπαύσαντο π. αἱ κάμ. πίνουσαι –
— 36. S² πάντα [A S¹ R om.] ὅσα ἦν αὐτῷ (1)
— 66. διηγήσατο . . . π. τὰ ῥήματα (1)
25. 4. π. οὗτοι ἦσαν υἱοὶ Χετ. (1)
— 5. ἔδωκε δὲ Ἀβ. π. τὰ ὑπάρχοντα αὐ. (1)
— 18. κατὰ πρόσωπον π. τῶν ἀδ. αὐ. (1)
26. 3. δώσω π. τὴν γῆν ταύτην (1)

Ge. 26. 4. δώσω τῷ σπέρμ. σου π. τὴν γῆν ταύτην (1)
— 4. ἐνευλογηθήσονται . . . π. τὰ ἔθνη τῆς γῆς (1)
— 11. συνέταξε δὲ Ἀβιμ. π. τῷ λαῷ αὐ. (1)
— 11. π. ὁ ἁπτόμ. τοῦ ἄνθρ. τούτου –
— 15. π. τὰ φρέατα ἃ ὤρυξαν (1)
27. 33. ἔφαγον ἀπὸ πάντων (1)
— 37. π. τοὺς ἀδ. αὐ. πεποίηκα αὐ. οἰκέτας (1)
28. 14. ἐνευλογηθήσονται ἐν σοὶ π. αἱ φυλαί (1)
— 15. διαφυλάσσων σε ἐν τῇ ὁδῷ π. (1)
— 15. ἕως τοῦ ποιῆσαί με πάντα –
— 22. πάντων ὧν ἐάν μοι δῷς (1)
29. 3. συνήγοντο ἐκεῖ π. τὰ ποίμνια (1)
— 8. ἕως τοῦ συναχθῆναι π. τοὺς ποιμένας (1)
— 13. διηγήσατο τῷ Λ. π. τοὺς λόγους τούτους (1)
— 22. συνήγαγε δὲ Λ. π. τοὺς ἄνδρας (1)
30. 13. A μακαρίζουσίν με π. [B om.] αἱ γυν. –
— 32. B παρελθέτω π. [A om.] τὰ πρόβ. σου (1)
— 32. διαχώρισον ἐκεῖθεν π. πρόβατον (1)
— 32. A πᾶν διαραντὸν καὶ λευκόν [B al.] (1)
— 33. πᾶν ὃ ἐὰν μὴ ᾖ ῥαντόν (1)
— 35. καὶ π. τὰς αἰγας τὰς ῥαντάς (1)
— 35. πᾶν ὃ ἦν φαιόν (1)
— 35. πᾶν ὃ ἦν λευκόν (1)
— 40. π. ποικίλον ἐν τοῖς ἀμνοῖς (1)
31. 1. πάντα τὰ τοῦ πατρὸς ἡμῶν (1)
— 1. πεποίηκε π. τὴν δόξαν ταύτην (1)
— 6. ἐν π. ἰσχύϊ μου δεδούλευκα (1)
— 8. τέξεται π. τὰ πρόβ. ποικίλα (1)
— 8. τέξεται π. τὰ πρόβ. λευκά (1)
— 9. ἀφείλατο ὁ θ. π. τὰ κτήνη –
— 16. π. τὸν πλοῦτον καὶ τὴν δόξαν (1)
— 18. ἀπήγαγε π. τὰ ὑπάρχοντα αὐ. καὶ π. τὴν ἀποσκευὴν αὐ. . . . καὶ π. τὰ αὐτοῦ (1, 1, –)
— 21. αὐτὸς καὶ τὰ αὐτοῦ π. (1)
— 23. A παραλαβὼν π. [B om.] τοὺς ἀδ. αὐ. –
— 31. μή ποτε ἀφέλῃ . . . π. τὰ ἐμά –
— 37. π. τὰ σκεύη τοῦ οἴκου μου (1)
— 37. ἀπὸ π. τῶν σκευῶν τοῦ οἴκου σου (1)
— 43. πάντα ὅσα σὺ ὁρᾷς (1)
32. 10 (11). ἀπὸ π. δικαιοσύνης καὶ ἀπὸ π. ἀληθείας (1, 1)
— 19 (20). ἐνετείλατο . . . π. τοῖς προπορευομ. (1)
— 23 (24). διεβίβασε πάντα τὰ αὐτοῦ –
33. 8. π. αἱ παρεμβολαὶ αὗται (1)
— 11. ἔστι μοι πάντα (1)
— 13. ἀποθανοῦνται π. τὰ κτήνη (1)
34. 15. ἐν τῷ περιτμηθῆναι ὑμῶν π. ἀρσενικόν (1)
— 19. ἐνδοξότατος π. τῶν ἐν τῷ οἴκῳ (1)
— 22. ἐν τῷ περιτέμνεσθαι ἡμῶν π. ἀρσενικόν (1)
— 24. π. οἱ ἐκπορευόμ. τὴν πύλην (1)
— 24. περιετέμοντο . . . π. ἄρσην (1)
— 25. ἀπέκτειναν π. ἀρσενικόν (1)
— 29. π. τὰ σώματα αὐτῶν καὶ π. τὴν ἀποσκευὴν αὐτῶν (1, 1)
— 30. B πᾶσι [A om.] τοῖς κατοικοῦσι τὴν γῆν –
35. 2. καὶ π. τοῖς μετ' αὐτοῦ (1)
— 6. αὐτὸς καὶ π. ὁ λαός (1)
36. 6. B π. τὰ σώματα τοῦ οἴκου αὐ. καὶ π. τὰ ὑπάρχοντα αὐ. καὶ π. [A om.] τὰ κτήνη καὶ π. ὅσα ἐκτήσατο καὶ π. [A om.] ὅσα περιεποιήσατο (1, –, 1, 1, –)
37. 3. παρὰ π. τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ (1)
— 4. ἐκ π. τῶν υἱῶν αὐτοῦ (1)
— 35. συνήχθησαν δὲ π. οἱ υἱοὶ αὐτοῦ (1)
39. 4. πάντα ὅσα ἦν αὐτῷ (1)
— 5. ἐπὶ πάντα ὅσα ἦν αὐτῷ (1)
— 5. ἐπὶ π. τοῖς ὑπάρχουσιν αὐτῷ (1)
— 6. πάντα ὅσα ἦν αὐτῷ (1)
— 8. πάντα ὅσα ἐστὶν αὐτῷ (1)
— 22. καὶ π. τοὺς ἀπηγμένους (1)
— 22. καὶ πάντα ὅσα ποιοῦσιν ἐκεῖ (1)
— 23. πάντα γὰρ ἦν διὰ χειρὸς Ἰ. (1?)
40. 17. ἀπὸ π. τῶν γενημάτων (1)
— 20. ἐποίει πότον π. τοῖς παισὶν αὐ. (1)
41. 8. ἐκάλεσε π. τοὺς ἐξηγητὰς Αἰγ. καὶ π. τοὺς σοφοὺς αὐτῆς (1, 1)
— 29. εὐθηνία πολλὴ ἐν π. γῇ Αἰγ. (1)
— 34. π. τὰ γενήματα τῆς γῆς Αἰγ. –
— 35. π. τὰ βρώματα τῶν ἑπτὰ ἐτῶν (1)
— 37. ἐναντίον π. τῶν παίδων αὐτοῦ (1)
— 38. εἶπε Φ. π. τοῖς παισὶν αὐτοῦ –
— 39. ἔδειξεν ὁ θ. σοι π. ταῦτα (1)
— 40. ὑπακούσεται π. ὁ λαός μου (1)
— 41. B ἐπὶ π. γῆ [A π. γῆς] Αἰγ. (1)
— 44. B ἐπὶ π. γῆς [A π. γῇ] Αἰγ. (1)

Ge. 41. 46. διῆλθε π. γῆν Αἰγύπτου (1)
— 48. συνήγαγε π. τὰ βρώματα (1)
— 51. π. τῶν πόνων μου καὶ π. τῶν τοῦ πατρός μου (1, 1)
— 54. ἐγένετο λιμὸς ἐν π. τῇ γῇ (1)
— 54. ἐν δὲ π. γῇ Αἰγύπτου (1)
— 55. ἐπείνασε π. ἡ γῆ Αἰγ. (1)
— 55. A ἐκέκραξεν δὲ π. [B om.] ὁ λαός –
— 55. εἶπε δὲ Φ. π. τοῖς Αἰγ. (1)
— 56. ἐπὶ προσώπου π. τῆς γῆς (1)
— 56. ἀνέῳξε δὲ Ἰ. π. τοὺς σιτοβολῶνας (1)
— 56. ἐπώλει π. τοῖς Αἰγυπτίοις –
— 57. π. αἱ χῶραι ἦλθον εἰς Αἴγ. (1)
— 57. ἐπεκράτησε γὰρ ὁ λιμὸς ἐν π. τῇ γῇ (1)
42. 6. οὗτος ἐπώλει π. τῷ λαῷ τῆς γῆς (1)
— 11. πάντες ἐσμὲν υἱοὶ ἑνὸς ἀνθρ. (1)
— 29. π. τὰ συμβεβηκότα αὐτοῖς (1)
— 36. ἐπ' ἐμὲ ἐγένετο ταῦτα π. (1)
43. 9. ἡμαρτηκὼς ἔσομαι πρὸς σὲ π. τὰς ἡμέρας (1)
— 32. A π. ποιμὴν προβάτων –
— 34. παρὰ τὰς μερίδας πάντων (1)
44. 32. ἡμαρτηκὼς ἔσομαι . . . π. τὰς ἡμέρας (1)
45. 1. π. τῶν παρεστηκότων αὐτῷ (1)
— 1. ἐξαποστείλατε πάντας (5 a)
— 2. ἤκουσαν δὲ π. οἱ Αἰγ. –
— 8. καὶ κύριον παντὸς τοῦ οἴκου αὐ. καὶ ἄρχοντα π. γῆς Αἰγ. (1, 1)
— 9. κύριον π. γῆς Αἰγ. (1)
— 11. καὶ π. τὰ ὑπάρχοντά σου (1)
— 13. ἀπαγγείλατε . . . π. τὴν δόξαν μου (1)
— 15. καταφιλήσας π. τοὺς ἀδ. αὐ. (1)
— 18. π. τῶν ἀγαθῶν Αἰγ. –
— 20. τὰ γὰρ π. ἀγαθὰ Αἰγύπτου (1)
— 22. πᾶσιν ἔδωκε δισσὰς στολάς (1)
— 23. ἀπὸ π. τῶν ἀγαθῶν Αἰγ. –
— 26. ἄρχει π. τῆς γῆς Αἰγύπτου (1)
— 27. π. τὰ ῥηθέντα ὑπὸ Ἰ. (1)
46. 1. αὐτὸς καὶ π. τὰ αὐτοῦ (1)
— 6. ἀναλαβόντες . . . π. τὴν κτῆσιν –
— 6. καὶ π. τὸ σπέρμα αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (1)
— 7. π. τὸ σπέρμα αὐ. ἤγαγεν εἰς Αἴγ. (1)
— 15. π. αἱ ψυχαὶ . . . τριάκοντα τρεῖς (1)
— 22. π. ψυχαὶ δέκα ὀκτώ (1)
— 25. π. ψυχαὶ ἑπτά (1)
— 26. π. δὲ ψυχαὶ αἱ εἰσελθοῦσαι (1)
— 26. π. ψυχαὶ ἑξήκοντα ἕξ (1)
— 27. π. ψυχαὶ οἴκου Ἰακώβ (1)
— 32. π. τὰ αὐτῶν ἀγηόχασιν (1)
— 34. π. ποιμὴν προβάτων (1)
47. 1. οἱ βόες αὐτῶν καὶ π. τὰ αὐτῶν (1)
— 12. καὶ π. τῷ οἴκῳ τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (1)
— 13. σῖτος δὲ οὐκ ἦν ἐν π. τῇ γῇ (1)
— 14. συνήγαγε δὲ Ἰ. π. τὸ ἀργύριον (1)
— 14. εἰσήνεγκεν Ἰ. π. τὸ ἀργύριον –
— 15. ἐξέλιπε π. [A om.] τὸ ἀργ. –
— 15. ἦλθον δὲ π. οἱ Αἰγ. (1)
— 17. ἀντὶ π. τῶν κτηνῶν αὐτῶν (1)
— 20. ἐκτήσατο Ἰ. π. τὴν γῆν τῶν Αἰγ. (1)
— 23. εἶπε δὲ Ἰ. π. τοῖς Αἰγυπτίοις †
— 24. B καὶ π. τοῖς οἴκοις ὑμῶν [A B al.] –
48. 16. ὁ ῥύομ. με ἐκ π. τῶν κακῶν (1)
49. 25. εὐλογίαν γῆς ἐχούσης πάντα –
— 28. π. οὗτοι υἱοὶ Ἰ. δώδεκα (1)
50. 7. π. οἱ παῖδες Φαραώ (1)
— 7. π. οἱ πρεσβύτεροι τῆς γῆς Αἰγ. (1)
— 8. π. ἡ πανοικία Ἰωσήφ (1)
— 8. π. ἡ οἰκία ἡ πατρικὴ αὐ. –
— 14. A καὶ οἱ συναναβάντες π. [B om.] (1)
— 15. π. τὰ κακὰ ἃ ἐνεδειξάμεθα (1)
— 22. π. ἡ πανοικία τοῦ πατρὸς αὐ. –
Ex. 1. 5. ἦσαν δὲ π. ψυχαὶ ἐξ Ἰακώβ (1)
— 6. Ἰ. καὶ π. οἱ ἀδ. αὐτοῦ καὶ π. ἡ γενεὰ ἐκ. (1, 1)
— 14. καὶ π. τοῖς ἔργοις τοῖς ἐν τοῖς πεδίοις κατὰ π. τὰ ἔργα (1, 1)
— 22. συνέταξε δὲ Φ. π. τῷ λαῷ αὐ. (1)
— 22. π. ἄρσεν ὃ ἐὰν τεχθῇ τοῖς Ἑβρ. (1)
— 22. π. θῆλυ ζωογονεῖτε αὐτό (1)
3. 20. ἐν π. τοῖς θαυμασίοις μου (1)
4. 19. τεθνήκασι γὰρ πάντες (5 b)
— 21. ὅρα π. τὰ τέρατα (1)
— 28. π. τοὺς λόγους κυρίου . . . καὶ π. τὰ ῥήματα [A σημεῖα] (1, 1)
— 30. ἐλάλησεν Ἀ. π. τὰ ῥήματα ταῦτα (1)
7. 2. πάντα ὅσα σοι ἐντέλλομαι (1)
— 5. γνώσονται π. οἱ Αἰγύπτιοι –
— 19. ἐπὶ π. συνεστηκὸς αὐτῶν (1)

Ex. 7. 19. ἐγένετο αἷμα ἐν π. γῇ Αἰγ. (1)
— 20. μετέβαλε π. τὸ ὕδωρ . . . εἰς αἷμα (1)
— 21. ἦν τὸ αἷμα ἐν π. γῇ Αἰγ. (1)
— 24. ὤρυξαν δὲ π. οἱ Αἰγύπτιοι (1)
8. 2 (7. 27). τύπτω π. τὰ ὅριά σου (1)
— 7 (3). A ἐπὶ π. [B om.] γῆν Αἰγ. –
— 16 (12). ἐν π. γῇ Αἰγύπτου (1)
— 17 (13). ἐν π. χώματι τῆς γῆς (1)
— 17 (13). A B² ἐν π. γῇ Αἰγ. (1)
— 18 (14). B³ καὶ ἐν π. χώματι τῆς γῆς –
— 22 (18). κ. ὁ θ. π. τῆς γῆς †
— 24 (20). εἰς π. τὴν [A om.] γῆν Αἰγύπτου (1)
9. 4. ἀπὸ π. τῶν τοῦ Ἰσρ. [A al.] (1)
— 6. A² B ἐτελεύτησε π. τὰ κτήνη τῶν Αἰγ. (1)
— 7. B ἀπὸ π. [A² om.] τῶν κτηνῶν τῶν υἱῶν Ἰσρ. –
— 9. ἐπὶ π. τὴν [A om.] γῆν Αἰγύπτου (1)
— 9, 11 (A² B). ἐν π. γῇ Αἰγύπτου (1)
— 14. ἐξαποστέλλω π. τὰ συναντήματά μου (1)
— 14. οὐκ ἔστιν ὡς ἐγὼ ἄλλος ἐν π. τῇ γῇ (1)
— 16. ὅπως διαγγελῇ . . . ἐν π. τῇ γῇ (1)
— 19. π. γὰρ οἱ ἄνθρωποι καὶ τὰ κτήνη (1)
— 22. ἔσται χάλαζα ἐπὶ π. γῆν Αἰγ. (1)
— 22. ἐπὶ π. βοτάνην τὴν ἐπὶ τῆς γῆς (1)
— 23. χάλαζαν ἐπὶ π. γῆν Αἰγ. –
— 25. ἐν π. γῇ Αἰγύπτου (1)
— 25. B² πάντα ὅσα ἦν ἐν τῷ πεδίῳ (1)
— 25. π. βοτάνην τὴν ἐν τῷ πεδίῳ (1)
— 25. π. τὰ ξύλα τὰ ἐν τοῖς πεδίοις (1)
10. 4. ἀκρίδα πολλὴν ἐπὶ π. τὰ ὅριά σου –
— 5. π. τὸ περισσὸν τῆς γῆς –
— 5. κατέδεται π. [A π. τὸ] ξύλον τὸ φυόμ. ὑμῖν (1)
— 6. καὶ π. αἱ οἰκίαι ἐν π. γῇ τῶν Αἰγ. (–, 1)
— 12. κατέδεται π. βοτάνην τῆς γῆς καὶ π. τὸν καρπὸν τῶν ξύλων (1, 1)
— 14. ἐπὶ π. γῆν Αἰγύπτου (1)
— 14. ἐπὶ π. τὰ ὅρια Αἰγύπτου (1)
— 15. κατέφαγε π. βοτάνην τῆς γῆς καὶ π. τὸν καρπὸν τῶν ξύλων (1, 1)
— 15. ἐν π. βοτάνῃ τοῦ πεδίου ἐν π. [B¹ om.] γῇ Αἰγ. (–, 1)
— 19. ἐν π. γῇ Αἰγύπτου (1)
— 22. ἐπὶ π. γῆν Αἰγύπτου (1)
— 23. π. δὲ τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. φῶς ἦν ἐν πᾶσιν (1, –)
11. 1. ὅταν δὲ ἐξαποστέλλῃ ὑμᾶς σὺν παντί (10)
— 3. B ἐναντίον π. [A B om.] τῶν Αἰγ. –
— 5. τελευτήσει π. πρωτότοκον (1)
— 5. ἕως πρωτοτόκου π. κτήνους (1)
— 6. κατὰ π. γῆν Αἰγύπτου (1)
— 7. καὶ ἐν π. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (1)
— 8. καταβήσονται π. οἱ παῖδές σου (1)
— 8. σὺ καὶ π. [B¹ om.] ὁ λαός σου (1)
— 10. B ἐποίησαν π. [A om.] τὰ σημεῖα καὶ τὰ [A π. τὰ] τέρατα (1, –)
12. 3. λάλησον πρὸς π. συναγωγήν (1)
— 6. π. τὸ πλῆθος συναγωγῆς (1)
— 12. πατάξω π. πρωτότοκον (1)
— 12. ἐν π. τοῖς [A om.] θεοῖς τῶν Αἰγ. (1)
— 14. εἰς π. [A om.] τὰς γενεὰς ὑμῶν –
— 15. πᾶς ὃς ἂν φάγῃ ζύμην (1)
— 16. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (1)
— 16. ὅσα ποιηθήσεται π. ψυχῇ (1)
— 19. πᾶς ὃς ἂν φάγῃ ζυμωτόν (1)
— 20. π. ζυμωτὸν οὐκ ἔδεσθε (1)
— 20. ἐν π. δὲ κατοικητηρίῳ ὑμῶν (1)
— 21. ἐκάλεσε δὲ Μ. π. γερουσίαν (1)
— 29. π. πρωτότοκον ἐν γῇ Αἰγ. (1)
— 29. ἕως πρωτοτόκου π. κτήνους [A π. πρωτότοκον κτ.] (1)
— 30. A καὶ π. [B om.] οἱ θεράποντες αὐ. (1)
— 30. καὶ π. οἱ Αἰγύπτιοι (1)
— 30. ἐγενήθη κραυγὴ μεγ. ἐν π. γῇ Αἰγ. –
— 33. π. ἡμεῖς ἀποθνήσκομεν (1)
— 41. ἐξῆλθε π. ἡ δύναμις κυρίου (1)
— 42. ὥστε π. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. εἶναι (1)
— 43. π. ἀλλογενὴς οὐκ ἔδεται ἀπ' αὐτοῦ (1)
— 44. π. οἰκέτην . . . περιτμεῖς αὐτόν (1)
— 47. π. συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 48. περιτμεῖς αὐτοῦ π. ἀρσενικόν (1)
— 48. π. ἀπερίτμητος οὐκ ἔδεται (1)
13. 2. π. πρωτότοκον πρωτογενὲς διανοῖγον π. μήτραν (1, 1)
— 7. ἐν π. τοῖς ὁρίοις σου (1)
— 12 bis, 13. π. διανοῖγον μήτραν (1)
— 13. π. πρωτότοκον ἀνθρώπου (1)
— 15. ἀπέκτεινε π. πρωτότοκον (1)

Ex. 13. 15. B π. πρωτότοκον τῷ κ. [R om. π. . . . κ.] –
— 15. π. διανοῖγον μήτραν (1)
— 15. π. πρωτότοκον τῶν υἱῶν μου (1)
— 22. ἐναντίον τοῦ λαοῦ π. –
14. 4. καὶ ἐν π. τῇ στρατιᾷ αὐτοῦ (1)
— 4. γνώσονται π. οἱ Αἰγύπτιοι –
— 6. καὶ π. τὸν λαὸν αὐτοῦ –
— 7. καὶ π. τὴν ἵππον τῶν Αἰγ. καὶ τριστάτας ἐπὶ πάντων (1, 1)
— 9. καὶ π. ἡ ἵππος (1)
— 17. καὶ τῶν Αἰγυπτίων πάντων –
— 17. καὶ ἐν π. τῇ στρατιᾷ αὐτοῦ (1)
— 18. γνώσονται π. οἱ Αἰγύπτιοι –
— 23. καὶ πᾶς [A πᾶσα ἡ] ἵππος Φ. (1)
— 28. ἐκάλυψε . . . π. τὴν δύναμιν Φ. (1)
15. 15. π. οἱ κατοικοῦντες Χαναάν (1)
— 20. ἐξήλθοσαν π. αἱ γυναῖκες (1)
— 26. καὶ φυλάξῃς π. τὰ δικαιώμ. αὐτοῦ (1)
— 26. π. νόσον . . . οὐκ ἐπάξω ἐπὶ σέ (1)
16. 1, 2. π. συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 3. ἀποκτεῖναι π. τὴν συναγωγὴν ταύτην (1)
— 6. πρὸς π. συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 9. εἶπον π. συναγωγῇ υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 10. ἐλάλει Ἀ. π. συναγωγῇ υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 22. π. οἱ ἄρχοντες τῆς συναγωγῆς (1)
— 23. π. τὸ πλεονάζον καταλείπετε αὐτό (1)
17. 1. π. συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 13. καὶ π. τὸν λαὸν αὐτοῦ –
18. 1. ἤκουσε δὲ Ἰ. . . . πάντα (1)
— 8. διηγήσατο Μ. . . . πάντα (1)
— 8. καὶ π. [A om.] τοῖς Αἰγυπτίοις –
— 8. καὶ π. τὸν μόχθον τὸν γενόμ. αὐτοῖς (1)
— 9. ἐξέστη δὲ Ἰ. ἐπὶ π. τοῖς ἀγαθοῖς (1)
— 11. μέγας κύριος παρὰ π. τοὺς θεούς (1)
— 12. καὶ π. οἱ πρεσβύτεροι Ἰσρ. (1)
— 13. παρειστήκει δὲ π. ὁ λαός –
— 14. ἰδὼν Ἰ. πάντα (1)
— 14. π. δὲ ὁ λαὸς παρέστηκέ σοι (1)
— 18. καὶ σὺ καὶ π. ὁ λαός –
— 21. σκέψαι ἀπὸ π. τοῦ λαοῦ (1)
— 22. κρινοῦσι τὸν λαὸν π. ὥραν (1)
— 23. καὶ π. ὁ λαὸς οὗτος . . . ἥξει (1)
— 25. ἄνδρας δυνατοὺς ἀπὸ παντὸς Ἰσρ. (1)
— 26. ἐκρίνοσαν τὸν λαὸν π. ὥραν (1)
— 26. πᾶν [A τὸ] δὲ ῥῆμα ὑπέρογκον –
— 26. π. δὲ ῥῆμα ἐλαφρόν (1)
19. 5. λαὸς περιούσιος ἀπὸ π. τῶν ἐθνῶν (1)
— 5. ἐμὴ γάρ ἐστι π. ἡ γῆ (1)
— 7. παρέθηκεν αὐτοῖς π. τοὺς λόγους τ. (1)
— 8. ἀπεκρίθη δὲ π. ὁ λαός (1)
— 8. πάντα ὅσα εἶπεν ὁ θ. (1)
— 11. ἐναντίον π. τοῦ λαοῦ (1)
— 12. π. ὁ ἁψάμενος τοῦ ὄρους (1)
— 16. ἐπτοήθη π. ὁ λαός (1)
— 18. ἐξέστη π. ὁ λαὸς σφόδρα (1)
20. 1. π. τοὺς λόγους τούτους (1)
— 4. οὐδὲ παντὸς ὁμοίωμα (1)
— 9. ποιήσεις π. τὰ ἔργα σου (1)
— 10. οὐ ποιήσεις ἐν αὐτῇ π. ἔργον (1)
— 10. καὶ π. κτῆνός σου –
— 11. καὶ π. τὰ ἐν αὐτοῖς (1)
— 17. οὔτε π. κτήνους αὐτοῦ (1)
— 18. π. ὁ λαὸς ἑώρα τὴν φωνήν (1)
— 18. π. ὁ λαὸς ἔστησαν μακρόθεν –
— 24. θύσετε . . . ἐν π. τόπῳ (1)
22. 5 (4). ἐὰν δὲ π. τὸν ἀγρὸν καταβοσκήσῃ –
— 9 (8). κατὰ π. ῥητὸν ἀδίκημα (1)
— 9 (8). περὶ . . . π. ἀπωλείας τῆς ἐγκαλουμ. (1)
— 10 (9). ἢ π. κτῆνος φυλάξαι (1)
— 19 (18). πᾶν κοιμώμενον μετὰ κτήνους (1)
— 22 (21). π. χήραν . . . οὐ κακώσετε (1)
23. 7. ἀπὸ π. ῥήματος ἀδίκου ἀποστήσῃ –
— 13. πάντα ὅσα εἴρηκα πρὸς ὑμᾶς (1)
— 17. ὀφθήσεται π. ἀρσενικόν (1)
— 22. ἐὰν . . . ποιήσῃς πάντα (1)
— 22. λαὸς περιούσιος ἀπὸ π. τῶν ἐθνῶν –
— 22. ἐμὴ γάρ ἐστι π. ἡ γῆ –
— 22. ἐὰν . . . ποιήσητε πάντα (1 ?)
— 27. ἐκστήσω π. τὰ ἔθνη (1)
— 27. δώσω π. τοὺς ὑπεναντ. σου φυγάδας (1)
24. 3. διηγήσατο . . . π. τὰ ῥήματα τοῦ θ. (1)
— 3. ἀπεκρίθη δὲ π. ὁ λαός (1)
— 3. π. τοὺς λόγους οὓς ἐλάλησε κ. (1)
— 4. ἔγραψε Μ. π. τὰ ῥήματα κυρίου (1)
— 7. πάντα ὅσα ἐλάλησε κύριος (1)
— 8. ἧς διέθετο . . . περὶ π. τῶν λόγων τούτων (1)

Ex. 25. 2. λάβετε ἀπαρχὰς παρὰ πάντων (5 a)
— 8 (9). ποιήσεις μοι κατὰ πάντα (1)
— 8 (9). τὸ παράδειγμα π. τῶν σκευῶν αὐτῆς (1)
— 21 (22). κατὰ πάντα ὅσα ἂν ἐντείλωμαί σοι (1)
— 29. ἄρτους ἐνωπίους ἐναντίον μου διὰ παντός (8 g)
— 38 (39). π. τὰ σκεύη ταῦτα (1)
26. 2. μέτρον τὸ αὐτὸ ἔσται π. [A om.] ταῖς αὐλαίαις (1)
— 17. οὕτω ποιήσεις π. τοῖς στύλοις (1)
27. 3. π. τὰ σκεύη αὐ. ποιήσεις χαλκᾶ (1)
— 17. π. οἱ στῦλοι τῆς αὐλῆς (1)
— 19. καὶ π. ἡ κατασκευὴ καὶ π. τὰ ἐργαλεῖα (1, 1)
— 20. ἵνα καίηται λύχνος διὰ παντός (8 g)
28. 3. λάλησον π. τοῖς σοφοῖς (1)
— 26 (30). οἴσει Ἀ. τὰς κρίσεις . . . διὰ παντός (8 g)
— 34 (38). π. δόματος τῶν ἁγίων αὐτῶν (1)
— 34 (38). ἔσται ἐπὶ τοῦ μετώπου Ἀ. διὰ παντός (8 g)
29. 12. τὸ δὲ λοιπὸν π. [A om.] αἷμα (1)
— 13. λήψῃ π. τὸ στέαρ (1)
— 24. ἐπιθήσεις τὰ π. ἐπὶ τὰς χ. Ἀ. (1)
— 35. κατὰ πάντα ὅσα ἐνετειλάμην σοι (1)
— 37. π. ὁ ἁπτόμ. τοῦ θυσιαστηρίου (1)
30. 8. θυμίαμα ἐνδελεχισμοῦ διὰ παντός [A¹ om. δ. π.] (8 g)
— 14. πᾶς ὁ παραπορευόμενος (1)
— 27. AR καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)
— 27, 27 (B). καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς –
— 28. καὶ π. αὐτοῦ τὰ σκεύη (1)
— 28 (27). καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)
— 29. π. ὁ ἁπτόμενος αὐτῶν (1)
31. 3. ἐν π. ἔργῳ διανοεῖσθαι (1)
— 5. ἐργάζεσθαι κατὰ π. τὰ ἔργα (1)
— 6. καὶ π. συνετῷ καρδίᾳ δέδωκα σύνεσιν (1)
— 6. πάντα ὅσα συνέταξά σοι (1)
— 8. καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς –
— 8. καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)
— 11. κατὰ πάντα . . . ποιήσουσι (1)
— 14. πᾶς ὃς ποιήσει ἐν αὐτῷ ἔργον (1)
— 15. πᾶς ὃς ποιήσει ἔργον (1)
32. 3. περιείλαντο π. ὁ λαὸς τὰ ἐνώτια (1)
— 13. καὶ π. τὴν γῆν ταύτην (1)
— 26. π. οἱ υἱοὶ Λευί (1)
33. 7. π. ὁ ζητῶν κύριον (1)
— 8. εἱστήκει π. ὁ λαός (1)
— 10. ἑώρα π. ὁ λαὸς τὸν στῦλον (1)
— 10. στάντες π. ὁ λαός (1)
— 12. οἶδά σε παρὰ πάντας †
— 16. παρὰ π. τὰ ἔθνη ὅσα ἐπὶ τῆς γῆς ἐστι (1)
— 17. οἶδά σε παρὰ πάντας †
34. 3. μηδὲ ὀφθήτω ἐν π. τῷ ὄρει (1)
— 10. ἐνώπιον π. τοῦ λαοῦ σου (1)
— 10. ἃ οὐ γέγονεν ἐν π. τῇ γῇ καὶ ἐν π. ἔθνει (1, 1)
— 10. ὄψεται π. ὁ λαὸς τὰ ἔργα κ. (1)
— 11. πρόσεχε σὺ πάντα –
— 19. π. διανοῖγον μήτραν (1)
— 19. π. [A om.] πρωτότοκον μόσχου (1)
— 20. π. πρωτότοκον τῶν υἱῶν σου (1)
— 23. ὀφθήσεται π. ἀρσενικόν σου (1)
— 30. καὶ π. οἱ πρεσβύτεροι Ἰσρ. (1)
— 31. καὶ π. οἱ ἄρχοντες τῆς συναγωγῆς (1)
— 32. π. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1)
— 32. ἐνετείλατο αὐτοῖς πάντα (1)
— 34. ἐλάλει π. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. –
35. 1. π. [A π. τὴν] συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 2. π. ὁ ποιῶν ἔργον (1)
— 3. ἐν π. κατοικίᾳ ὑμῶν (1)
— 4. πρὸς π. συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 5. π. ὁ καταδεχόμενος τῇ καρδίᾳ (1)
— 10. π. σοφὸς τῇ καρδίᾳ [A διανοίᾳ] (1)
— 10. πάντα [A om.] ὅσα συνέταξε κύριος (1)
— 15 (13). καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)
— 16 (14). καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς –
— 17 (16). καὶ π. τὰ σκεύη αὐτοῦ (1)
— 20. π. συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 21. εἰς π. τὰ ἔργα τῆς σκηνῆς –
— 21. εἰς π. τὰ κάτεργα αὐτῆς (1)
— 21. εἰς π. τὰς στολὰς τοῦ ἁγίου –
— 22. πᾶς ᾧ ἔδοξε τῇ διανοίᾳ (1)
— 22. ἤνεγκαν . . . π. σκεῦος χρυσοῦν (1)
— 23 (22). πάντες ὅσοι ἤνεγκαν ἀφαιρέματα (5 a)
— 23. A πᾶς ᾧ εὑρέθη παρ' αὐτῷ [B al.] (2 a)

Ex. 35. 24. π. ὁ ἀφαιρῶν ἀφαίρεμα (1)
— 24. εἰς π. τὰ ἔργα τῆς κατασκευῆς (1)
— 25. π. γυνὴ σοφὴ τῇ διανοίᾳ (1)
— 26. καὶ π. αἱ γυναῖκες (1)
— 29. καὶ π. ἀνὴρ καὶ γυνή (1)
— 29. ποιεῖν π. τὰ ἔργα (1)
— 31. καὶ ἐπιστήμης πάντων (1)
— 32. κατὰ π. τὰ ἔργα τῆς ἀρχιτεκτονίας –
— 33. ἐν π. ἔργῳ σοφίας (1)
— 35. πάντα συνιέναι ποιῆσαι τὰ ἔργα (1)
— 35. ποιεῖν π. ἔργον ἀρχιτεκτονίας (1)
36. 1. καὶ π. σοφὸς τῇ διανοίᾳ (2 b)
— 1. ποιεῖν π. τὰ ἔργα (1)
— 1. κατὰ πάντα ὅσα συνέταξε κ. (1)
— 2. π. τοὺς ἔχοντας τὴν σοφίαν (5 a)
— 2. καὶ π. τοὺς ἑκουσίως βουλομ. (1)
— 3. ἔλαβον παρὰ Μ. π. τὰ ἀφαιρέματα (1)
— 3. εἰς π. τὰ ἔργα τοῦ ἁγίου –
— 4. π. οἱ σοφοὶ οἱ ποιοῦντες τὰ ἔργα (1)
— 8. ἐποίησε [A -σαν] π. σοφός (1)
37. 2 (36. 9). τὸ αὐτὸ ἦσαν πάσαις [A πᾶσαι] (1)
— 14 (38. 16). π. αἱ αὐλαῖαι τῆς σκηνῆς [A al.] (1)
— 15 (38. 17). π. οἱ στῦλοι τῆς αὐλῆς (1)
— 18 (38. 20). π. οἱ πάσσαλοι τῆς αὐλῆς (1)
38. 23 (3). ἐποίησε π. τὰ σκεύη (1)
39. 1 (38. 24). π. τὸ χρυσίον ὃ κατειργάσθη (1)
— 1 (38. 24). κατὰ π. τὴν ἐργασίαν τῶν ἁγίων (1)
— 3 (38. 26). π. ὁ παραπορευόμ. τὴν ἐπίσκεψιν (1)
— 10 (38. 31). καὶ π. τὰ σκεύη τοῦ θυσιαστηρίου (1)
— 10 (38. 31). καὶ π. τὰ ἐργαλεῖα τῆς σκηνῆς (1)
— 15 (38). καὶ π. τὰ σκεύη αὐτοῦ –
— 18 (36). A² B καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)
— 21 (40). καὶ π. τὰ σκεύη τῆς σκηνῆς (1)
— 21 (40). B καὶ π. [A om.] τὰ ἐργαλεῖα αὐτῆς –
— 21 (40). καὶ π. τὰ ἐργαλεῖα (1 ?)
— 22 (42). ἐποίησαν . . . π. τὴν ἀποσκευήν [A παρασκ.] (1)
— 23 (43). εἶδε Μ. π. τὰ ἔργα (1)
40. 6. B καὶ π. τὰ αὐτῆς ἁγιάσεις –
— 9. καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτῇ (1)
— 9. καὶ π. τὰ σκεύη [B¹ om.] αὐτῆς (1)
— 10. καὶ π. τὰ σκεύη αὐτοῦ (1)
— 16. ἐποίησε Μ. πάντα (1)
— 33. συνετέλεσε Μ. π. τὰ ἔργα –
— 38. ἐναντίον παντὸς Ἰσρ. ἐν π. ταῖς ἀναζυγαῖς αὐτῶν (1, 1)
Le. 1. 9. ἐπιθήσουσιν . . . τὰ π. ἐπὶ τὸ θυσιαστ. (1)
— 13. προσοίσει ὁ ἱερεὺς τὰ π. (1)
2. 2. καὶ π. τὸν λίβανον αὐτῆς (1)
— 11. π. θυσίαν ἣν ἂν προσφέρητε (1)
— 11. π. γὰρ ζύμην καὶ π. μέλι (1, 1)
— 13. π. δῶρον θυσίας ὑμῶν (1)
— 13. ἐπὶ [A ἀπὸ] π. δώρου ὑμῶν (1)
— 16. καὶ π. τὸν λίβανον αὐτῆς (1)
3. 3. καὶ π. τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κοιλίας (1)
— 9. R καὶ π. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον . . . καὶ π. τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κοιλίας [A B al.] (–, 1)
— 14. A² B καὶ π. τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κοιλίας (1)
— 15. καὶ π. [A om.] τὸ στέαρ τὸ ἐπ' αὐτῶν –
— 16. π. τὸ στέαρ τῷ κυρίῳ (1)
— 17. ἐν π. κατοικίᾳ ὑμῶν (1)
— 17. π. στέαρ καὶ π. αἷμα οὐκ ἔδεσθε (1, 1)
4. 2. R ἀπὸ π. [A B om.] τῶν προσταγμάτων κυρίου (1)
— 7. π. τὸ αἷμα τοῦ μόσχου (1)
— 8. π. τὸ [A τὸ π.] στέαρ τοῦ μόσχου (1)
— 8. π. τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῶν ἐνδοσθίων (1)
— 11. καὶ π. αὐτοῦ τὴν σάρκα (1)
— 13. π. συναγωγὴ Ἰσραήλ (1)
— 13. μίαν ἀπὸ πασῶν [A πάντων] τῶν ἐντολῶν (1)
— 18. τὸ π. αἷμα ἐκχεεῖ (1)
— 19. τὸ π. στέαρ περιελεῖ (1)
— 22. καὶ ποιήσῃ μίαν ἀπὸ π. τῶν ἐντολῶν (1)
— 25. τὸ π. αἷμα αὐτοῦ ἐκχεεῖ –
— 26. τὸ π. στέαρ αὐτοῦ ἀνοίσει (1)
— 27. μίαν ἀπὸ πασῶν [A πάντων] τῶν ἐντ. –
— 30. π. τὸ αἷμα αὐτῆς ἐκχεεῖ (1)
— 31. π. τὸ στέαρ περιελεῖ (1)
— 34. π. αὐτοῦ τὸ αἷμα ἐκχεεῖ (1)
— 35. π. αὐτοῦ τὸ στέαρ περιελεῖ (1)
5. 2. ἥτις ἐὰν ἅψηται π. πράγματος ἀκαθ. (1)
— 3. ἀπὸ π. ἀκαθαρσίας αὐτοῦ (1)
— 4. κατὰ πάντα ὅσα ἐὰν διαστείλῃ (1)
— 17. μίαν ἀπὸ π. τῶν ἐντολῶν κυρίου (1)

Le. 6. 3 (5. 22). ἀπὸ πάντων ὧν ἐὰν ποιήσῃ ὁ ἄνθρ. (1)
— 4 (5. 24). ἀπὸ π. πράγματος οὗ ὤμοσε (1)
— 6 (5. 26). ἀπὸ πάντων ὧν ἐποίησε (1)
— 13 (6). πῦρ διὰ παντὸς καυθήσεται (8 *g*)
— 15 (8). R καὶ σὺν π. [A B *om.*] τῷ λιβάνῳ αὐτῆς (1)
— 18 (11). π. ἀρσενικὸν τῶν ἱερέων (1)
— 18 (11). πᾶς ὃς ἐὰν ἅψηται αὐτῶν (1)
— 20 (13). B εἰς θυσίαν διὰ παντός (8 *g*)
— 23 (16). B π. θυσία ἱερέως ὁλόκαυτος ἔσται (1)
— 27 (20). π. ὁ ἁπτόμ. τῶν κρεῶν αὐτῆς (1)
— 29 (22). π. ἄρσην ἐν τοῖς ἱερεῦσι (1)
— 30 (23). π. τὰ περὶ τῆς ἁμαρτίας (1)
— 33 (7. 3). π. τὸ στέαρ αὐτοῦ προσοίσει (1)
— 33 (7. 3). καὶ π. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον τὰ ἐνδόσθ. καὶ π. τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῶν ἐνδοσθ. –, –
— 36 (7. 6). π. ἄρσην ἐκ τῶν ἱερέων (1)
— 39 (7. 9). π. θυσία ἥτις ποιηθήσεται (1)
— 39 (7. 9). καὶ πᾶσα ἥτις ποιηθήσεται (1)
— 40 (7. 10). π. θυσία ἀναπεποιημένη ἐν ἐλαίῳ (1)
— 40 (7. 10). π. τοῖς υἱοῖς Ἀαρὼν ἔσται (1)
7. 4 (14). ἓν ἀπὸ π. τῶν δώρων αὐτοῦ (1)
— 9 (19). ὅσα ἐὰν ἅψηται π. ἀκαθάρτου (1)
— 9 (19). π. καθαρὸς φάγεται κρέα (1)
— 11 (21). ἢ ἂν ἅψηται π. πράγματος ἀκαθ. . . . ἢ π. βδελύγματος ἀκαθ. (1, 1)
— 13 (23). π. στέαρ βοῶν. . . . οὐκ ἔδεσθε (1)
— 14 (24). ποιηθήσεται [A οὐ π.] εἰς π. ἔργον (1)
— 15 (25). π. ὁ ἔσθων στέαρ (1)
— 16 (26). π. αἷμα οὐκ ἔδεσθε ἐν π. τῇ κατοικίᾳ ὑμῶν (1, 1)
— 17 (27). π. ψυχὴ ἣ ἂν φάγῃ αἷμα (1)
8. 3. π. τὴν συναγωγὴν ἐκκλησίασον (1)
— 11. A B καὶ π. τὰ σκεύη αὐτοῦ [R τὰ ἐν αὐτῷ] (1)
— 11. A B καὶ π. τὰ ἐν αὐτῇ [R τὰ σκεύη αὐτῆς] –
— 16. ἔλαβε M. π. τὸ στέαρ (1)
— 36. ἐποίησεν Ἀ. . . . π. τοὺς λόγους (1)
9. 5. προσῆλθε π. συναγωγή (1)
— 23. εὐλόγησαν π. τὸν λαόν –
— 23. ὤφθη ἡ δόξα κυρίου π. τῷ λαῷ (1)
— 24. εἶδε π. ὁ λαός (1)
10. 3. ἐν π. τῇ [B¹ *om.*] συναγωγῇ δοξασθήσομαι (1)
— 6. ἐπὶ π. τὴν συναγωγὴν ἔσται θυμός (1)
— 6. π. ὁ [A *om.*] οἶκος Ἰσραήλ (1)
— 11. A B¹ συμβιβάσεις . . . π. [B² R ἅπ.] τὰ νόμιμα (1)
11. 2. ἀπὸ π. [B¹ *om.*] τῶν κτηνῶν (1)
— 3. π. κτῆνος διχηλοῦν ὁπλήν (1)
— 9. ἀπὸ π. τῶν ἐν τοῖς ὕδασι (1)
— 9. B πάντα ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς πτερύγια (1)
— 10. πάντα ὅσα οὐκ ἔστιν αὐτοῖς πτερύγια (1)
— 10. ἀπὸ πάντων ὧν ἐρεύγεται τὰ ὕδατα (1)
— 10. ἀπὸ π. ψυχῆς ζώσης (1)
— 12. πάντα ὅσα οὐκ ἔστιν αὐτοῖς πτερύγια (1)
— 16 (15). R καὶ π. [B² *om.*] κόρακα (1)
— 20. καὶ π. τὰ ἑρπετά (1)
— 23. π. ἑρπετὸν ἀπὸ τῶν πετεινῶν (1)
— 24. π. ὁ ἁπτόμ. τῶν θνησιμαίων αὐ. (1)
— 25. π. ὁ αἴρων τῶν θνησιμαίων αὐ. (1)
— 26. ἐν π. τοῖς κτήνεσιν (1)
— 26. π. ὁ ἁπτόμ. τῶν θνησιμαίων αὐ. (1)
— 27. πᾶς ὃς πορεύεται ἐπὶ χειρῶν ἐν π. τοῖς θηρίοις (1, 1)
— 27. π. ὁ ἁπτόμ. τῶν θνησιμαίων αὐ. (1)
— 31. ἀπὸ π. τῶν ἑρπετῶν τῶν ἐπὶ τῆς γῆς (1)
— 31. πᾶς ὁ ἁπτόμ. αὐτῶν (1)
— 32. πᾶν ἐφ' ὃ ἂν ἐπιπέσῃ (1)
— 32. ἀπὸ π. σκεύους ξυλίνου (1)
— 32. π. σκεῦος ὃ ἐὰν ποιηθῇ ἔργον (1)
— 33. καὶ π. σκεῦος ὀστράκινον (1)
— 34. καὶ π. βρῶμα ὃ ἔσθεται (1)
— 34. καὶ π. ποτὸν ὃ πίνεται ἐν π. ἀγγείῳ (1, 1)
— 35. πᾶν ὃ ἐὰν πέσῃ . . . ἐπ' αὐτό (1)
— 37. ἐπὶ π. σπέρμα σπόριμον [A¹ *om.*] (1)
— 38. ἐπὶ π. σπέρμα –
— 41. π. ἑρπετὸν ὃ ἕρπει (1)
— 42. π. ὁ πορευόμ. ἐπὶ κοιλίας (1)
— 42. π. ὁ πορευόμ. ἐπὶ τέσσαρα διὰ παντός (1, 8 *d*)
— 42, 43, 44. ἐν π. τοῖς ἑρπετοῖς (1)
— 46. οὗτος ὁ νόμος περὶ . . . π. ψυχῆς τῆς κινουμένης . . . καὶ π. ψυχῆς ἑρπούσης (1, 1)

Le. 12. 4. π. ἁγίου οὐχ ἅψεται (1)
13. 12. π. τὸ δέρμα τῆς ἀφῆς (1)
— 13. π. τὸ δέρμα τοῦ χρωτός (1)
— 13. πᾶν μετέβαλε λευκόν (1)
— 46. π. τὰς ἡμέρας . . . ἀκάθαρτος ἔσται (1)
— 48. ἢ ἐν π. ἐργασίμῳ δέρματι (1)
— 49. ἢ ἐν π. σκεύει ἐργασίμῳ δέρματος (1)
— 51. κατὰ πάντα ὅσα ἐὰν ποιηθῇ (1)
— 52, 53, 57. ἢ ἐν π. σκεύει δερματίνῳ (1)
— 58. ἢ π. σκεῦος δερμάτινον (1)
— 59. ἢ π. σκεύους δερματίνου (1)
14. 8. ξυρηθήσεται αὐτοῦ π. τὴν τρίχα (1)
— 9. ξυρηθήσεται π. τὴν τρίχα αὐτοῦ (1)
— 9. π. τὴν τρίχα αὐτοῦ ξυρηθήσεται (1)
— 45. π. τὸν χοῦν ἐξοίσουσιν (1)
— 46. π. τὰς ἡμέρας ἃς ἀφωρισμένη ἐστίν (1)
— 54. κατὰ π. ἀφὴν λέπρας (1)
15. 3. π. αἱ ἡμέραι ῥύσεως σώματος αὐ. –
— 4. π. κοίτη ἐφ' ἧς ἂν κοιμηθῇ (1)
— 4. π. σκεῦος ἐφ' ὃ ἂν καθίσῃ (1)
— 9. π. ἐπίσαγμα ὄνου (1)
— 10. π. ὁ ἁπτόμ. ὅσα ἐὰν ᾖ ὑποκάτω αὐτοῦ (1)
— 16. λούσεται ὕδατι π. τὸ σῶμα αὐτοῦ (1)
— 17. π. ἱμάτιον καὶ π. δέρμα (1, 1)
— 19. π. ὁ ἁπτόμ. αὐτῆς ἀκάθαρτος ἔσται (1)
— 20. πᾶν [A ἐὰν] ἐφ' ὃ ἂν κοιτάζηται (1)
— 20. πᾶν ἐφ' ὃ ἂν ἐπικαθίσῃ (1)
— 21. πᾶς ὃς ἐὰν ἅψηται τῆς κοίτης αὐ. (1)
— 22. π. ὁ ἁπτόμ. π. σκεύους (1, 1)
— 24. π. κοίτη ἐφ' ᾗ ἂν κοιμηθῇ (1)
— 25. π. αἱ ἡμέραι ῥύσεως ἀκαθαρσίας αὐ. (1)
— 26. π. κοίτην ἐφ' ἧς ἂν κοιμηθῇ (1)
— 26. π. τὰς ἡμέρας τῆς ῥύσεως (1)
— 26. π. σκεῦος ἐφ' ὃ ἂν καθίσῃ (1)
— 27. π. ὁ ἁπτόμ. αὐτῆς (1)
16. 2. μὴ εἰσπορευέσθω π. ὥραν (1)
— 4. λούσεται ὕδατι π. τὸ σῶμα αὐταῦ –
— 16. περὶ π. τῶν ἁμαρτιῶν αὐ. (1)
— 17. π. ἄνθρωπος οὐκ ἔσται ἐν τῇ σκηνῇ (1)
— 17. περὶ π. συναγωγῆς υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 21. π. τὰς ἀνομίας τῶν υἱῶν Ἰσρ. καὶ π. τὰς ἀδικίας αὐ. καὶ π. τὰς ἁμαρτ. αὐ. (1 *ter*)
— 29. π. ἔργον οὐ ποιήσετε (1)
— 30. ἀπὸ π. τῶν ἁμαρτ. ὑμῶν (1)
— 33. καὶ περὶ π. συναγωγῆς (1)
— 34. ἀπὸ π. τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν (1)
17. 2. πρὸς π. [A π. τοὺς] υἱοὺς Ἰσρ. (1)
— 10. ὃς ἂν φάγῃ π. αἷμα (1)
— 11. ἡ γὰρ ψυχὴ π. σαρκός –
— 12. π. ψυχὴ ἐξ ὑμῶν (1)
— 14. ἡ γὰρ ψυχὴ π. σαρκός (1)
— 14. αἷμα π. σαρκὸς οὐ φάγεσθε (1)
— 14. ἡ ψυχὴ π. σαρκὸς αἷμα αὐτοῦ ἐστι (1)
— 14. π. ὁ ἔσθων αὐτό (1)
— 15. π. ψυχὴ ἥτις φάγεται θνησιμαῖον (1)
18. 5. φυλάξεσθε π. τὰ προστάγματά μου καὶ π. τὰ κρίματά μου –, –
— 6. πρὸς π. οἰκεῖα σαρκὸς αὐτοῦ (1)
— 23. πρὸς πᾶν τετράπουν οὐ δώσεις τὴν κοίτην (1)
— 23. γυνὴ οὐ στήσεται πρὸς πᾶν τετράπουν –
— 24. μὴ μιαίνεσθε ἐν π. τούτοις (1)
— 24. ἐν π. γὰρ τούτοις ἐμιάνθησαν (1)
— 26. φυλάξεσθε π. τὰ νόμιμά μου –
— 26. B καὶ π. τὰ προστάγματά μου –
— 26. ἀπὸ π. τῶν βδελυγμάτων τούτων (1)
— 27. π. γὰρ τὰ βδελύγματα ταῦτα (1)
— 29. πᾶς ὃς ἂν ποιήσῃ (1)
— 29. ἀπὸ π. τῶν [B¹ *om.*] βδελυγμάτων τούτων (1)
— 30. ἀπὸ π. τῶν νομίμων [A ἀνόμων] –
19. 23. π. ξύλον βρώσιμον (1)
— 24. ἔσται π. ὁ καρπὸς αὐτοῦ ἅγιος (1)
— 37. π. τὸν νόμον μου καὶ π. τὰ προστάγματά μου (1, 1)
20. 5. καὶ π. τοὺς ὁμονοοῦντας αὐτῷ (1)
— 16. ἥτις προσελεύσεται πρὸς π. κτῆνος (1)
— 22. φυλάξασθε π. τὰ προστάγμ. μου (1)
— 23. ταῦτα πάντα ἐποίησαν (1)
— 24. ὃς διώρισα ὑμᾶς ἀπὸ π. τῶν ἐθνῶν –
— 25. καὶ ἐν π. τοῖς ἑρπετοῖς τῆς γῆς (1)
— 26. ὁ ἀφορίσας ὑμᾶς ἀπὸ π. τῶν ἐθνῶν –
21. 11. ἐπὶ π. ψυχῇ τετελευτηκυίᾳ (1)
— 18. π. ἄνθρωπος ᾧ ἂν ᾖ ἐν αὐτῷ μῶμος (1)
— 21. πᾶς ᾧ ἐστιν ἐν αὐτῷ μῶμος (2 *a*)
— 24. καὶ πρὸς π. υἱοὺς Ἰσρ. (1)
22. 3. π. ἄνθρωπος ὃς ἂν προσέλθῃ ἀπὸ π. [B¹ *om.*] τοῦ [A *om.*] σπέρματος ὑ. (1, 1)

Le. 22. 4. ὁ ἁπτόμ. π. ἀκαθαρσίας ψυχῆς (1)
— 5. ὅστις ἂν ἅψηται π. ἑρπετοῦ ἀκαθ. (1)
— 5. κατὰ π. ἀκαθαρσίαν αὐτοῦ (1)
— 10. π. ἀλλογενὴς οὐ φάγεται ἅγια (1)
— 13. π. ἀλλογενὴς οὐ φάγεται ἀπ' αὐτῶν (1)
— 18. καὶ π. συναγωγῇ Ἰσρ. (1)
— 18. κατὰ π. ὁμολογίαν αὐ. ἢ κατὰ π. αἵρεσιν αὐ. (1, 1)
— 20. πάντα ὅσα ἂν ἔχῃ μῶμον (1)
— 21. π. μῶμος οὐκ ἔσται ἐν αὐτῷ (1)
— 25. οὐ προσοίσετε . . . ἀπὸ π. τούτων (1)
23. 3. π. ἔργον οὐ ποιήσεις (1)
— 3. ἐν π. κατοικίᾳ ὑμῶν (1)
— 7, 8. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (1)
— 14. ἐν π. κατοικίᾳ ὑμῶν (1)
— 21. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (1)
— 21. ἐν π. τῇ κατοικίᾳ ὑμῶν (1)
— 25. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (1)
— 28. π. ἔργον οὐ ποιήσετε (1)
— 29. π. ψυχὴ ἥτις μὴ ταπεινωθήσεται (1)
— 30. π. ψυχὴ ἥτις ποιήσει ἔργον (1)
— 31. π. ἔργον οὐ ποιήσετε (1)
— 31. ἐν π. κατοικίαις ὑμῶν (1)
— 35, 36. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (1)
— 38. R πλὴν πασῶν [A B πάντων] τῶν εὐχῶν ὑμῶν (1)
— 42. π. ὁ αὐτόχθων ἐν Ἰσρ. (1)
24. 2. καῦσαι λύχνον διὰ παντός (8 *g*)
— 8. ἔναντι κυρίου διὰ παντός (8 *g*)
— 14. π. οἱ ἀκούσαντες (1)
— 14. λιθοβολήσουσιν αὐτὸν π. ἡ συναγωγή (1)
— 16. A B¹ λιθοβολείτω αὐτὸν π. [B² R π. ἡ] συναγωγὴ Ἰσρ. (1)
25. 7. ἔσται π. τὸ γένημα αὐ. εἰς βρῶσιν (1)
— 9. ἐν π. τῇ γῇ ὑμῶν –
— 9. ἐν π. τῇ γῇ ὑμῶν (1)
— 10. π. τοῖς κατοικοῦσιν αὐτήν (1)
— 18. π. τὰ δικαιώματά μου καὶ π. τὰς κρίσεις μου –, –
— 24. κατὰ π. γῆν κατασχέσεως ὑμῶν (1)
— 31. λυτρωταὶ διὰ παντὸς ἔσονται –
— 32. λυτρωταὶ διὰ παντὸς ἔσονται (8 *e*)
26. 15. ὥστε ὑμᾶς μὴ ποιεῖν π. τὰς ἐντ. μου (1)
— 34, 35. π. τὰς ἡμέρας τῆς ἐρημώσεως αὐτῆς (1)
27. 11. ἐὰν δὲ π. κτῆνος ἀκάθαρτον (1)
— 25. π. τιμὴ ἔσται σταθμίοις ἁγίοις (1)
— 26. π. πρωτότοκον ὃ ἐὰν γένηται –
— 28. π. δὲ ἀνάθεμα (1)
— 28. ἀπὸ πάντων ὅσα αὐτῷ ἐστιν (1)
— 28. π. ἀνάθεμα ἅγιον ἁγίων ἔσται (1)
— 29. πᾶν ὃ ἐὰν ἀνατεθῇ (1)
— 30. π. δεκάτη τῆς γῆς (1)
— 32. καὶ π. δεκάτη βοῶν (1)
— 32. πᾶν ὃ ἐὰν ἔλθῃ ἐν τῷ ἀριθμῷ (1)
Nu. 1. 2. λάβετε ἀρχὴν π. συναγωγῆς (1)
— 3 (2). π. ἄρσην ἀπὸ εἰκοσαετοῦς (1)
— 3. π. ὁ ἐκπορευόμ. ἐν δυνάμει Ἰ. (1)
— 18. π. τὴν συναγωγὴν συνήγαγον [A *al.*] (1)
— 18. π. ἀρσενικὸν κατὰ κεφαλὴν αὐ. –
— 20, 22. π. ἀρσενικὰ ἀπὸ εἰκοσαετοῦς . . . π. ὁ ἐκπορευόμ. ἐν τῇ δυνάμει (1, 1)
— 26, 28, 30, 32, 34, 36, 24, 38, 40, 42. πάντα ἀρσενικὰ ἀπὸ εἰκοσαετοῦς . . . π. ὁ ἐκπορευόμ. (–, 1)
— 45. π. ἡ ἐπίσκεψις υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 45. π. ὁ ἐκπορευόμ. παρατάξασθαι (1)
— 50. ἐπὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)
— 50. ἐπὶ πάντα ὅσα ἐστιν ἐν αὐτῇ (1)
— 50. καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)
— 54. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰ. κατὰ πάντα (1)
2. 9. π. οἱ ἐπεσκεμμένοι (1)
— 16, 24. π. οἱ ἐπεσκεμμ. [A ἠριθμημ.] (1)
— 31. π. οἱ ἐπεσκεμμ. [A ἀριθμηθέντες] (1)
— 32. π. ἡ ἐπίσκεψις τῶν παρεμβολῶν (1)
— 34. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰ. πάντα [A *om.*] (1)
3. 8. φυλάξουσι π. τὰ σκεύη (1)
— 8. κατὰ π. τὰ ἔργα τῆς σκηνῆς –
— 10. καὶ πάντα τὰ κατὰ τὸν βωμόν –
— 12. ἀντὶ π. πρωτοτόκου (1)
— 13. ἐμοὶ γὰρ π. πρωτότοκον (1)
— 13. ἐπάταξα π. πρωτότοκον (1)
— 13. ἡγίασα ἐμοὶ π. πρωτότοκον (1)
— 15. π. ἀρσενικὸν ἀπὸ μηνιαίου (1)
— 22. κατὰ ἀριθμὸν π. ἀρσενικοῦ (1)
— 26. τὰ κατάλοιπα π. τῶν ἔργων αὐ. (1)
— 28. π. ἀρσενικὸν ἀπὸ μηνιαίου (1)

Nu. 3. 31. καὶ π. τὰ ἔργα αὐτῶν (1)
— 34. π. ἀρσενικὸν [A¹ om. π. ἀ.] ἀπὸ μηνιαίου (1)
— 36. καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῶν (1)
— 39. π. ἡ ἐπίσκεψις τῶν Λ. (1)
— 39. π. ἀρσενικὸν ἀπὸ μηνιαίου (1)
— 40. ἐπίσκεψαι π. πρωτότοκον (1)
— 41 *bis*. ἀντὶ π. τῶν πρωτοτόκων (1)
— 42. π. πρωτότοκον ἐν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (1)
— 43. ἐγένοντο π. τὰ πρωτότοκα (1)
— 45. ἀντὶ π. τῶν πρωτοτόκων (1)
4. 3. π. ὁ εἰσπορευόμ. λειτουργεῖν (1)
— 3. ποιῆσαι π. τὰ ἔργα –
— 7. οἱ ἄρτοι οἱ διὰ παντὸς ἐπ' αὐτῆς ἔσονται (8 *g*)
— 9. καὶ π. τὰ ἀγγεῖα τοῦ ἐλαίου (1)
— 10. καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)
— 12. π. τὰ σκεύη τὰ λειτουργικά (1)
— 14. ἐπιθήσουσιν ἐπ' αὐτὸ π. τὰ σκεύη (1)
— 14. καὶ π. τὰ σκεύη τοῦ θυσιαστ. (1)
— 15. A B²R καὶ π. τὰ σκεύη τὰ ἅγια (1)
— 16. ἐν π. τοῖς ἔργοις †
— 23. πᾶς ὁ εἰσπορευόμ. λειτουργεῖν (1)
— 26. καὶ π. τὰ σκεύη τὰ λειτουργικά (1)
— 27. κατὰ π. τὰς λειτουργίας αὐτῶν (1)
— 27. κατὰ π. τὰ ἔργα [A ἀρτὰ δι'] αὐτῶν (1)
— 27. π. τὰ ἀρτὰ [B² ἔργα] ὑπ' αὐτῶν (1)
— 30. π. ὁ εἰσπορευόμ. λειτουργεῖν (1)
— 31. κατὰ π. τὰ ἔργα (1)
— 32. καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῶν (1)
— 32. καὶ π. τὰ λειτουργήματα αὐτῶν (1)
— 32. καὶ π. τὰ σκεύη τῆς φυλακῆς (1)
— 33. ἐν π. τοῖς ἔργοις αὐτῶν (1)
— 35. π. ὁ εἰσπορευόμ. λειτουργεῖν (1)
— 37. π. ὁ λειτουργῶν ἐν τῇ σκηνῇ (1)
— 39. π. ὁ εἰσπορευόμ. λειτουργεῖν (1)
— 41. π. ὁ λειτουργῶν ἐν τῇ σκηνῇ (1)
— 43. π. ὁ εἰσπορευόμ. λειτουργεῖν (1)
— 46. π. οἱ ἐπεσκεμμένοι (1)
— 47. π. ὁ εἰσπορευόμ. πρὸς τὸ ἔργον (1)
5. 2. π. λεπρὸν καὶ π. γονορρυῆ καὶ π. ἀκάθαρτον ἐπὶ ψυχῇ (1 *ter*)
— 6. R ἀπὸ π. [A B *om.*] τῶν ἁμαρτιῶν (1)
— 9. π. ἀπαρχὴ κατὰ [A καὶ] π. τὰ ἁγιαζόμ. (1, 1)
— 30. ποιήσει ὁ ἱ. π. τὸν νόμον τοῦτον (1)
6. 4. π. τὰς ἡμέρας τῆς εὐχῆς αὐ. (1)
— 4. ἀπὸ πάντων [A πασῶν] ὅσα γίνεται ἐξ ἀμπ. (1)
— 5. π. τὰς ἡμέρας τοῦ ἁγνισμοῦ (1)
— 6. π. τὰς ἡμέρας τῆς εὐχῆς (1)
— 6. ἐπὶ π. ψυχῇ τετελευτηκυίᾳ –
— 8. π. τὰς ἡμέρας τῆς εὐχῆς αὐτοῦ (1)
— 12. A π. [B *om.*] τὰς ἡμέρας τῆς εὐχῆς –
7. 1. καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)
— 1. π. τὰ σκεύη αὐτοῦ (1)
— 85. π. τὸ ἀργύριον τῶν σκευῶν (1)
— 86. π. τὸ χρυσίον τῶν θυσκῶν (1)
— 87. π. αἱ βόες αἱ εἰς ὁλοκαύτωσιν (1)
— 88. π. αἱ βόες εἰς θυσίαν (1)
8. 7. ἐπὶ π. [A *om.*] τὸ σῶμα αὐ. (1)
— 9. π. συναγωγὴν υἱῶν Ἰσραήλ (1)
— 16. ἀντὶ τῶν διανοιγόντων π. μήτραν πρωτοτόκων π. (1, 1)
— 17. ἐμοὶ π. πρωτότοκον (1)
— 17. ἐπάταξα π. πρωτότοκον (1)
— 18. ἀντὶ π. πρωτοτόκου (1)
— 20. καὶ π. συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ. (1)
9. 16. οὕτως ἐγίνετο διὰ παντός (8 *g*)
— 18. π. τὰς ἡμέρας ἐν αἷς σκιάζει (1)
10. 3. συναχθήσεται π. ἡ συναγωγή (1)
— 4. π. οἱ ἄρχοντες ἀρχηγοὶ Ἰσρ. –
— 25. ἔσχατοι πασῶν τῶν παρεμβολῶν (1)
— 35. π. οἱ μισοῦντές σε –
11. 12. μὴ . . . ἔλαβον π. τὸν λαὸν τοῦτον (1)
— 13. δοῦναι π. τῷ λαῷ τούτῳ (1)
— 22. π. τὸ ὄψος τῆς θαλάσσης (1)
— 29. τίς δῴη π. τὸν λαὸν κυρίου (1)
12. 3. παρὰ π. τοὺς ἀνθρώπους (1)
13. 3 (2). π. ἀρχηγὸν ἐξ αὐτῶν (1)
— 4 (3). π. ἄνδρες ἀρχηγοί (1)
— 27 (26). πρὸς π. συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 28 (26). αὐτοῖς . . . καὶ π. [A π. τῇ] συναγωγῇ (1)
— 33 (32). π. ὁ λαὸς ὃν ἑωράκαμεν (1)
14. 1. ἀναλαβοῦσα π. ἡ συναγωγή (1)
— 2. διεγόγγυζον . . . π. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1)
— 2. εἶπαν πρὸς αὐτοὺς π. ἡ συναγωγή (1)
— 5. ἐναντίον π. συναγωγῆς υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 7. πρὸς π. συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 10. εἶπε π. ἡ συναγωγή (1)

Nu. 14. 10. A ἐν [B *om.*] π. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (1)
— 11. ἐν π. τοῖς σημείοις (1)
— 14. π. οἱ κατοικοῦντες ἐπὶ τῆς γῆς –
— 21. ἐμπλήσει . . . π. τὴν γῆν (1)
— 22. π. οἱ ἄνδρες οἱ ὁρῶντες τὴν δόξαν μου (1)
— 23. π. νεώτερος ἄπειρος –
— 23. π. δὲ οἱ παροξύναντές με (1)
— 29. καὶ π. ἡ ἐπισκοπὴ ὑμῶν (1)
— 39. πρὸς π. υἱοὺς Ἰσραήλ (1)
15. 13. π. ὁ αὐτόχθων ποιήσει οὕτως (1)
— 22. ὅταν δὲ . . . μὴ ποιήσητε π. τὰς ἐντολὰς τ. (1)
— 24. ποιήσει π. ἡ συναγωγὴ μόσχον (1)
— 25. περὶ π. συναγωγῆς υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 26. κατὰ π. συναγωγήν [A π. ἡ σ.] (1)
— 26. π. τῷ λαῷ ἀκούσιον (1)
— 33. πρὸς π. συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 35. λιθοβολήσατε αὐτὸν . . . π. ἡ συναγωγή (1)
— 36. ἐξήγαγον αὐτὸν π. ἡ συναγωγή (1)
— 36. ἐλιθοβόλησεν αὐτὸν π. ἡ συναγ. –
— 39. μνησθήσεσθε π. τῶν ἐντολῶν κ. (1)
— 40. καὶ ποιήσητε π. τὰς ἐντολάς μου (1)
16. 3. π. ἡ συναγωγὴ π. ἅγιοι (1, 1)
— 5. πρὸς π. αὐτοὺς τὴν συναγωγήν (1)
— 6. Κορὲ καὶ π. ἡ συναγωγὴ αὐ. (1)
— 10. καὶ π. τοὺς ἀδελφούς σου (1)
— 11. καὶ π. ἡ συναγωγή σου (1)
— 19. A² B τὴν π. αὐτοῦ συναγωγήν (1)
— 19. ὤφθη . . . π. τῇ συναγωγῇ (1)
— 22. θεὸς . . . π. σαρκός (1)
— 22. ἐπὶ π. τὴν συναγωγὴν ὀργὴ κυρίου (1)
— 25. π. οἱ πρεσβύτεροι Ἰσρ. –
— 26. μὴ ἅπτεσθε ἀπὸ πάντων (1)
— 26. A R ἐν π. τῇ ἁμαρτίᾳ αὐ. [B *al.*] (1)
— 28. ποιῆσαι π. τὰ ἔργα ταῦτα (1)
— 29. κατὰ θάνατον π. ἀνθρώπων (1)
— 29. κατ' ἐπίσκεψιν π. ἀνθρώπων (1)
— 30. καὶ πάντα ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς (1)
— 31. λαλῶν π. τοὺς λόγους τούτους (1)
— 32. καὶ π. τοὺς ἀνθρ. τοὺς ὄντας μετὰ Κ. (1)
— 33. A πάντα [B *om.*] ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς (1)
— 34. πᾶς Ἰσραὴλ οἱ κύκλῳ αὐτῶν (1)
17. 2 (17). παρὰ π. τῶν ἀρχόντων αὐτῶν (1)
— 6 (21). ἔδωκαν αὐτῷ π. οἱ ἄρχοντες αὐ. (1)
— 9 (24). ἐξήνεγκε Μ. π. τὰς ῥάβδους . . . πρὸς π. υἱοὺς Ἰσρ. (1, 1)
— 13 (28). π. ὁ ἁπτόμ. τῆς σκηνῆς κυρίου (1)
18. 4. κατὰ π. τὰς λειτουργίας τῆς σκηνῆς (1)
— 7. κατὰ π. τρόπον τοῦ θυσιαστ. (1)
— 8. ἀπὸ π. τῶν ἡγιασμένων μοι (1)
— 9. ἀπὸ π. τῶν δώρων αὐ. καὶ ἀπὸ π. τῶν θυσιασμ. (1, 1)
— 9. ἀπὸ π. [A π. τῆς] πλημμελείας αὐ. καὶ ἀπὸ π. τῶν ἁμαρτιῶν (1, 1)
— 9. ἀπὸ π. τῶν ἁγίων –
— 10. π. ἀρσενικὸν φάγεται αὐτά (1)
— 11. ἀπὸ π. τῶν ἐπιθεμάτων (1)
— 11. π. καθαρὸς ἐν τῷ οἴκῳ σου (1)
— 12. π. ἀπαρχὴ ἐλαίου καὶ π. ἀπαρχὴ οἴνου (1, 1)
— 13. τὰ πρωτογενήματα π. (1)
— 13. π. καθαρὸς ἐν τῷ οἴκῳ σου (1)
— 14. π. ἀνατεθεματισμένον ἐν υἱοῖς Ἰ. (1)
— 15. B π. διανοῖγον μήτραν [A πᾶς διανοῖγον π. μήτραν] ἀπὸ π. σαρκός (1, –, 1)
— 19. π. ἀφαίρεμα τῶν ἁγίων (1)
— 21. δέδωκα π. ἐπιδέκατον ἐν Ἰ. (1)
— 28. A R ἀπὸ π. [B *om.*] τῶν [A *om.*] ἀφαιρεμάτων –
— 28. ἀπὸ π. ἐπιδεκάτων ὑμῶν (1)
— 29. ἀπὸ π. τῶν δομάτων ὑμῶν (1)
— 29. ἀπὸ πάντων τῶν ἀπαρχῶν (1)
— 31. ἔδεσθε αὐτὸ ἐν π. τόπῳ (1)
19. 11. ὁ ἁπτόμ. τοῦ τεθνηκότος π. ψυχῆς (1)
— 13. A π. ὁ ἁπτόμ. τοῦ τεθνηκότος ἀπὸ π. [B *om.*] ψυχῆς ἀνθρώπου (1, –)
— 14. π. ὁ εἰσπορευόμ. εἰς τὴν οἰκίαν (1)
— 15. π. σκεῦος ἀνεῳγμένον (1)
— 16. πᾶς ὃς ἂν ἅψηται . . . τραυματίου (1)
— 22. παντὸς οὗ ἐὰν ἅψηται αὐτοῦ (1)
20. 1. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. π. ἡ συναγωγή (1)
— 14. σὺ ἐπίστῃ π. τὸν μόχθον (1)
— 22. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. π. ἡ [B¹ *om.*] συναγωγή (1)
— 25. ἔναντι π. τῆς συναγωγῆς –
— 27. ἐναντίον π. τῆς συναγωγῆς (1)
— 29. εἶδε π. ἡ συναγωγή (1)
— 29. ἔκλαυσαν . . . π. οἶκος Ἰσρ. (1)
21. 8. π. ὁ δεδηγμένος ἰδὼν αὐτόν (1)

Nu. 21. 23. συνήγαγε Σ. π. τὸν λαὸν αὐτοῦ (1)
— 25. ἔλαβεν Ἰσρ. π. τὰς πόλεις ταύτας (1)
— 25. κατῴκησεν Ἰσρ. ἐν π. ταῖς πόλεσι (1)
— 25. ἐν π. ταῖς συγκυρούσαις αὐτῇ (1)
— 26. ἔλαβον π. τὴν γῆν αὐτοῦ (1)
— 31. ἐν π. ταῖς πόλεσι τῶν Ἀμ. –
— 33. καὶ π. ὁ λαὸς αὐτοῦ (1)
— 34. καὶ π. τὸν λαὸν αὐτοῦ καὶ π. τὴν γῆν αὐτοῦ (1, –)
— 35. καὶ π. τὸν λαὸν αὐτοῦ (1)
22. 2. ἰδὼν Βαλὰκ . . . πάντα (1)
— 4. ἐκλείξει . . . π. τοὺς κύκλῳ ἡμῶν (1)
— 17. A πάντα [B *om.*] ὅσα ἐὰν εἴπῃς (1)
23. 6. καὶ π. οἱ ἄρχοντες Μ. μετ' αὐτοῦ (1)
— 13. πάντας δὲ οὐ μὴ ἴδῃς (1)
— 17. καὶ π. [B² ἅπ.] οἱ ἄρχοντες Μ. –
24. 17. προνομεύσει π. [A π. τοὺς] υἱοὺς Σήθ (1)
25. 4. λάβε π. [A *om.*] τοὺς ἀρχηγούς (1)
— 6. ἐναντίον π. συναγωγῆς υἱῶν Ἰ. (1)
26. 2. τὴν ἀρχὴν π. [A π. τῆς] συναγωγῆς υἱῶν Ἰ. (1)
— 2. π. ὁ ἐκπορευόμ. παρατάξασθαι (1)
— 43. π. οἱ δῆμοι Σαμεῖ (1)
— 62. π. ἀρσενικὸν ἀπὸ μηνιαίου (1)
27. 2. καὶ ἔναντι π. [A π. τῆς] συναγωγῆς (1)
— 16. κ. ὁ θεὸς . . . π. σαρκός (1)
— 19. ἔναντι π. συναγωγῆς (1)
— 21. καὶ π. ἡ συναγωγή (1)
— 22. καὶ ἐναντίον π. συναγωγῆς (1)
28. 10, 15. ἐπὶ τῆς ὁλοκαυτώσεως τῆς διὰ παντός (8 *g*)
— 18. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (1)
— 23. τῆς ὁλοκαυτώσεως τῆς διὰ παντός (8 *g*)
— 24. ἐπὶ τοῦ ὁλοκαυτώματος τοῦ διὰ παντός (8 *g*)
— 25, 26. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (1)
— 30 (31). πλὴν τοῦ ὁλοκαυτώμ. τοῦ διὰ παντός [A *al.*] (8 *g*)
29. 1. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (1)
— 6. τὸ ὁλοκαύτωμα τὸ [B¹ τὰ ὁ.] διὰ παντός (8 *g*)
— 7. π. ἔργον οὐ ποιήσετε (1)
— 11. καὶ ἡ ὁλοκαύτωσις ἡ διὰ παντός (8 *g*)
— 12. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (1)
— 16, 19, 22, 25, 28, 31, 34. πλὴν τῆς ὁλοκαυτώσεως τῆς διὰ παντός (8 *g*)
— 35. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (1)
— 38. πλὴν τῆς ὁλοκαυτώσ. τῆς διὰ παντός (8 *g*)
30. 1. κατὰ πάντα ὅσα ἐνετείλατο (1)
— 3. πάντα . . . ποιήσει (1)
— 4 (5). στήσονται π. αἱ εὐχαὶ αὐτῆς (1)
— 5. π. οἱ ὁρισμοὶ οὓς ὡρίσατο (1)
— 6. π. [A *om.*] τὰς εὐχὰς αὐτῆς (1)
— 8. στήσονται π. αἱ εὐχαὶ αὐτῆς –
— 9. π. αἱ εὐχαὶ αὐτῆς . . . οὐ μενοῦσιν –
— 12. στήσονται π. αἱ εὐχαὶ αὐτῆς (1)
— 12. π. οἱ ὁρισμοὶ . . . στήσονται (1)
— 13. ἢ ἂν ἡμέρᾳ ἀκούσῃ πάντα (1)
— 14. π. εὐχὴ καὶ π. ὅρκος δεσμοῦ (1, 1)
— 15. στήσει αὐτῇ π. τὰς εὐχὰς αὐ. (1)
31. 4. ἐκ π. φυλῶν Ἰσρ. (1)
— 7. ἀπέκτειναν π. ἀρσενικόν (1)
— 9. καὶ π. τὰ ἔγκτητα αὐτῶν (1)
— 10. καὶ π. τὰς πόλεις αὐτῶν (1)
— 11. ἔλαβον π. τὴν προνομήν (1)
— 11. καὶ π. τὰ σκῦλα αὐτῶν (1)
— 12. πρὸς π. [A π. τοὺς] υἱοὺς Ἰσρ. †
— 13. καὶ π. οἱ ἄρχοντες τῆς συναγωγῆς (1)
— 15. ἵνα τί ἐζωγρήσατε π. θῆλυ (1)
— 17. ἀποκτείνατε π. ἀρσενικὸν ἐν π. τῇ ἀπαρτίᾳ (1, –)
— 17. π. γυναῖκα . . . ἀποκτείνατε (1)
— 18. π. τὴν ἀπαρτίαν τῶν γυναικῶν (1)
— 19. π. ὁ ἀνελών (1)
— 20. π. περίβλημα καὶ π. σκεῦος δερμάτινον καὶ π. ἐργασίαν . . . καὶ π. σκεῦος ξύλινον (1 *quater*)
— 23. π. πρᾶγμα ὃ διελεύσεται ἐν πυρί (1)
— 23. πάντα . . . διελεύσεται διὰ ὕδατος (1)
— 27. καὶ ἀνὰ μέσον π. [A π. τῆς] συναγωγῆς (1)
— 30. καὶ ἀπὸ π. τῶν κτηνῶν (1)
— 35. π. ψυχαὶ [A π. ψυχῇ] δύο καὶ τριάκ. χιλιάδες (1)
— 48. π. οἱ καθεσταμ. εἰς τὰς χιλιαρχίας –
— 51. π. σκεῦος εἰργασμένον (1)
— 52. ἐγένετο π. τὸ χρυσίον (1)
32. 13. ἕως ἐξανηλώθη π. ἡ γενεά (1)
— 21. παρελεύσεται ὑμῶν π. ὁπλίτης (1)
— 26. καὶ π. τὰ κτήνη ἡμῶν (1)

Nu. 32. 27. παρελεύσονται π. ἐνωπλισμένοι (1)
— 29. π. ἐνωπλισμένος εἰς πόλεμον (1)
33. 3. ἐναντίον π. τῶν Αἰγυπτίων (1)
— 4. ἔθαπτον . . . τοὺς τεθνηκότας π. –
— 4. π. πρωτότοκον ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1)
— 52. π. τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ γῇ (1)
— 52. π. τὰ εἴδωλα τὰ χωνευτὰ αὐτῶν (1)
— 52. καὶ π. τὰς στήλας αὐτῶν (1)
— 53. π. [A om.] τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν –
35. 3. B καὶ π. τοῖς τετράποσιν αὐ. (1)
— 7. π. τὰς πόλεις δώσετε τοῖς Λ. (1)
— 11. π. ὁ [A om.] πατάξας ψυχὴν ἀκουσίως –
— 15. π. πατάξαντι ψυχὴν ἀκουσίως (1)
— 20. καὶ ἐπιρίψῃ ἐπ' αὐτὸν π. σκεῦος [B² om. π. σκ.] –
— 22. ἢ ἐπιρίψῃ ἐπ' αὐτὸν π. σκεῦος (1)
— 23. ἢ π. λίθῳ ἐν ᾧ ἀποθανεῖται (1)
— 29. ἐν π. ταῖς κατοικίαις ὑμῶν (1)
— 30. π. πατάξας ψυχήν (1)
36. 8. π. θυγάτηρ ἀγχιστεύουσα κληρονομίαν (1)
De. 1. 1. οὓς ἐλάλησε Μ. π. Ἰσραήλ (1)
— 3. ἐλάλησε Μ. πρὸς π. υἱοὺς Ἰσρ. κατὰ πάντα ὅσα ἐνετείλατο κ. (–, 1)
— 7. πρὸς π. τοὺς περιοίκους Ἄραβα (1)
— 18. ἐνετειλάμην . . . π. τοὺς λόγους (1)
— 19. ἐπορεύθημεν π. τὴν ἔρημον (1)
— 22. προσήλθατέ μοι πάντες (1)
— 30. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησεν (1)
— 31. κατὰ π. τὴν ὁδὸν εἰς ἣν ἐπορεύθητε (1)
— 39. καὶ π. παιδίον νέον –
— 41. πολεμήσομεν κατὰ πάντα (1)
2. 7. ἐν π. ἔργῳ τῶν χειρῶν σου (1)
— 14. π. [A π. ἡ] γενεὰ ἀνδρῶν πολεμιστῶν (1)
— 16. π. οἱ ἄνδρες οἱ πολεμισταί (1)
— 25. ἐπὶ πρόσωπον π. τῶν ἐθνῶν –
— 32. αὐτὸς καὶ π. ὁ λαὸς αὐτοῦ (1)
— 33. καὶ π. τὸν λαὸν αὐτοῦ (1)
— 34. ἐκρατήσαμεν π. τῶν πόλεων αὐτοῦ (1)
— 34. ἐξωλεθρεύσαμεν π. πόλιν [B¹ πάσας τὰς π.] ἑξῆς (1)
— 36. τὰς π. παρέδωκε κ. ὁ θεός (1)
— 37. π. τὰ συγκυροῦντα χειμάρρου Ἰ. (1)
3. 1. αὐτὸς καὶ π. ὁ λαὸς αὐτοῦ (1)
— 2. καὶ π. τὸν λαὸν αὐτοῦ καὶ π. τὴν γῆν αὐτοῦ (1, –)
— 3. καὶ π. τὸν λαὸν αὐτοῦ (1)
— 4. ἐκρατήσαμεν π. τῶν πόλεων αὐ. (1)
— 4. π. τὰ περίχωρα Ἀργόβ (1)
— 5. πᾶσαι πόλεις ὀχυραί (1)
— 6. ἐξωλεθρεύσαμεν π. πόλιν ἑξῆς (1)
— 6 (7). καὶ τὰ παιδία καὶ π. τὰ κτήνη (1)
— 10. π. πόλεις Μεισὼρ καὶ πᾶσα Γαλ. καὶ πᾶσα Βασάν (1 *ter*)
— 13. B π. τὴν Βασὰν . . . ἔδωκα . . . καὶ πᾶσαν [A π. τὴν] περίχωρον Ἀργὸβ πᾶσαν [A π. τὴν, B π. γῆν] Βασὰν ἐκείνην (1 *ter*)
— 14. ἔλαβε π. τὴν [B¹ om.] περίχωρον Ἀργόβ (1)
— 18. προπορεύεσθε . . . π. δυνατός (1)
— 21. οἱ ὀφθ. ὑμῶν ἑωράκασι πάντα (1)
— 21. οὕτως ποιήσει . . . π. τὰς βασιλείας (1)
— 28. B²R κατακληρονομήσει αὐτοῖς π. [AB¹ om.] τὴν γῆν –
4. 2. B² φυλάσσεσθε πάσας [AB¹R om.] τὰς ἐντολὰς κυρίου –
— 3. οἱ ὀφθ. ὑμῶν ἑωράκασι πάντα –
— 3. π. ἄνθρωπος ὅστις ἐπορεύθη (1)
— 4. ζῆτε πάντες ἐν τῇ σήμερον (1)
— 6. ἐναντίον π. τῶν [B¹ om.] ἐθνῶν ὅσοι ἂν ἀκούσωσι π. τὰ δικαιώμ. ταῦτα (–, 1)
— 7. ἐν πᾶσιν οἷς ἐὰν αὐτὸν ἐπικαλεσώμεθα (1)
— 8. κατὰ π. τὸν νόμον τοῦτον (1)
— 9. μὴ ἐπιλάθῃ π. τοὺς λόγους –
— 9. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου (1)
— 10. π. τὰς ἡμέρας ἃς αὐτοὶ ζῶσιν (1)
— 16. μὴ . . . ποιήσητε . . . π. εἰκόνα (1)
— 17. ὁμοίωμα π. κτήνους (1)
— 17. ὁμοίωμα π. ὀρνέου πτερωτοῦ (1)
— 18. ὁμοίωμα π. ἑρπετοῦ (1)
— 18. ὁμοίωμα π. ἰχθύος (1)
— 19. ἰδὼν . . . π. τὸν κόσμον τοῦ οὐρ. (1)
— 19. ἃ ἀπένειμε . . . π. τοῖς ἔθνεσι (1)
— 23. γλυπτὸν ὁμοίωμα πάντων (1)
— 25. γλυπτὸν ὁμοίωμα παντός (1)
— 27. διασπερεῖ κ. ὑμᾶς ἐν π. τοῖς ἔθνεσι –
— 27. ἐν π. [B¹ om.] τοῖς ἔθνεσι –
— 30. εὑρήσουσί σε π. οἱ λόγοι οὗτοι (1)
De. 4. 34. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησε (1)
— 40. ἧς κ. ὁ θ. σου δίδωσί σοι π. τὰς ἡμ. (1)
— 49. π. τὴν Ἄραβα πέραν τοῦ Ἰορδ. (1)
5. 1. ἐκάλεσε Μ. πάντα Ἰσραήλ (1)
— 3. ὑμεῖς ὧδε π. ζῶντες σήμερον (1)
— 8. οὐδὲ παντὸς ὁμοίωμα (1)
— 13. ποιήσεις π. τὰ ἔργα σου (1)
— 14. οὐ ποιήσεις ἐν αὐτῇ π. ἔργον (1)
— 14. καὶ π. κτῆνός σου (1)
— 14. B¹ καὶ π. τὰ ἐν αὐτοῖς –
— 21 (18). οὔτε π. κτήνους αὐτοῦ –
— 21 (18). οὔτε πάντα [B¹ om.] ὅσα τῷ πλησίον σού ἐστι (1)
— 22 (19). πρὸς π. συναγωγὴν ὑμῶν (1)
— 23 (20). π. οἱ ἡγούμενοι τῶν φυλῶν ὑ. (1)
— 27 (24). B²R ἄκουσον πάντα [AB¹ om.] (1)
— 27 (24). AB²R σὺ λαλήσεις πρὸς ἡμᾶς πάντα (1)
— 28 (25). ὀρθῶς πάντα ὅσα ἐλάλησαν (1)
— 29 (26). φυλάσσεσθαι . . . π. τὰς ἡμέρας (1)
— 33 (30). κατὰ π. τὴν ὁδὸν ἣν ἐνετείλατο (1)
6. 2. φυλάσσεσθε π. τὰ δικαιώμ. αὐτοῦ (1)
— 2. π. τὰς [A om.] ἡμέρας τῆς ζωῆς σου (1)
— 11. οἰκίας πλήρεις π. ἀγαθῶν (1)
— 19. ἐκδιῶξαι π. τοὺς ἐχθρούς σου (1)
— 24. ποιεῖν π. τὰ δικαιώμ. ταῦτα [A π. τὰς ἐντ. καὶ τὰ κρίματα] (1)
— 24. ἵνα εὖ ᾖ ἡμῖν π. τὰς ἡμ. [A *al.*] (1)
— 25. ποιεῖν π. τὰς ἐντολὰς ταύτας (1)
7. 6. B² λαὸν περιούσιον παρὰ π. τὰ ἔθνη ὅσα ἐπὶ προσώπου π. [AB¹R om.] τῆς γῆς (1, –)
— 7 *bis*. παρὰ π. τὰ ἔθνη (1)
— 12. A ἡνίκα ἂν ἀκούσητε π. [B om.] τὰ δικαιώμ. τ. –
— 14. εὐλογητὸς ἔσῃ παρὰ π. τὰ ἔθνη (1)
— 15. περιελεῖ . . . π. μαλακίαν (1)
— 15. π. νόσους Αἰγ. . . . οὐκ ἐπιθήσει (1)
— 15. ἐπιθήσει . . . ἐπὶ π. τοὺς μισοῦντάς σε (1)
— 16. φάγῃ π. τὰ σκῦλα τῶν ἐθνῶν (1)
— 18. ὅσα ἐποίησε . . . π. τοῖς Αἰγ. (1)
— 19. οὕτω ποιήσει . . . π. τοῖς ἔθνεσιν (1)
8. 1. π. τὰς ἐντ. . . . φυλάξεσθε ποιεῖν (1)
— 2. μνησθήσῃ π. τὴν ὁδόν (1)
— 3. ἐπὶ π. ῥήματι τῷ ἐκπορευομ. (1)
— 13. πάντων . . . πληθυνθέντων σοι (1)
9. 10. π. οἱ λόγοι οὓς ἐλάλησε κύριος (1)
— 18. περὶ π. τῶν ἁμαρτιῶν ὑμῶν (1)
10. 12. πορεύεσθαι ἐν π. ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (1)
— 14. πάντα ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτῇ (1)
— 15. ἐξελέξατο . . . παρὰ π. τὰ ἔθνη (1)
11. 1. φυλάξῃ . . . π. τὰς ἡμέρας (1)
— 3. ἐν . . . π. τῇ γῇ αὐτοῦ (1)
— 6. καὶ πᾶσαν αὐτῶν τὴν ὑπόστασιν . . . ἐν μέσῳ παντὸς Ἰσρ. (1, 1)
— 7. ἑώρακαν π. τὰ ἔργα κυρίου (1)
— 8. φυλάξεσθε π. τὰς ἐντολὰς αὐτοῦ (1)
— 12. ἐπισκοπεῖται αὐτὴν διὰ παντός (8 *g*)
— 13. π. τὰς ἐντολὰς ἃς ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι –
— 22. ἐὰν ἀκούσητε π. τὰς ἐντ. ταύτας (1)
— 22. πορεύεσθαι ἐν π. ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (1)
— 23. ἐκβαλεῖ κ. π. τὰ ἔθνη ταῦτα (1)
— 24. π. τὸν τόπον οὗ ἐὰν πατήσῃ (1)
— 25. ἐπὶ πρόσωπον [A -ου] π. τῆς γῆς (1)
— 31. ἣν . . . δίδωσιν ὑμῖν . . . π. τὰς ἡμέρας –
— 32. τοῦ ποιεῖν π. τὰ προστάγματα (1)
12. 1. π. τὰς ἡμέρας ἃς ὑμεῖς ζῆτε (1)
— 2. ἀπολεῖτε π. τοὺς τόπους [A π. τὰ ἔθνη] (1)
— 7. εὐφρανθήσεσθε ἐπὶ πᾶσιν (1)
— 8. οὐ ποιήσετε πάντα (1)
— 10. ἀπὸ π. τῶν ἐχθρῶν ὑμῶν (1)
— 11. ἐκεῖ οἴσετε πάντα (1)
— 11. καὶ π. ἐκλεκτὸν τῶν δώρων ὑμῶν (1)
— 13. ἐν π. τόπῳ οὗ ἐὰν ἴδῃς (1)
— 14. ἐκεῖ ποιήσεις πάντα (1)
— 15. ἐν π. ἐπιθυμίᾳ σου θύσεις (1)
— 15. ἣν ἔδωκέ σοι ἐν π. πόλει (1)
— 17. καὶ π. εὐχάς (1)
— 18. εὐφρανθήσῃ . . . ἐπὶ πάντα (1)
— 19. π. τὸν χρόνον ὅσον ἂν ζῇς [A *al.*] (1)
— 20. ἐν π. ἐπιθυμίᾳ τῆς ψυχῆς σου (1)
— 28. ποιήσεις π. τοὺς λόγους (1)
— 32 (13. 1). π. ῥῆμα ὃ ἐγὼ ἐντέλλομαι (1)
13. 9 (10). καὶ αἱ χεῖρες π. τοῦ λαοῦ ἐπ' ἐσχάτῳ (1)
— 11 (12). πᾶς Ἰσρ. ἀκούσας φοβηθήσεται (1)
— 13 (14). π. τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν αὐτῶν –
De. 13. 15 (16). π. τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ γῇ ἐκ. –
— 15 (16). καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτῇ (1)
— 16 (17) *bis*. καὶ π. τὰ σκῦλα αὐτῆς (1)
— 18 (19). A φυλάσσειν π. [B om.] τὰς ἐντ. αὐ. (1)
14. 2. περιούσιον ἀπὸ π. τῶν ἐθνῶν (1)
— 3. οὐ φάγεσθε π. βδέλυγμα (1)
— 6. π. κτῆνος διχηλοῦν ὁπλήν (1)
— 9. ἀπὸ πάντων τῶν ἐν τῷ ὕδατι (1)
— 9. πάντα ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτοῖς πτερύγια (1)
— 10. πάντα ὅσα οὐκ ἔστιν αὐτοῖς πτερύγια (1)
— 11. π. ὄρνεον καθαρὸν φάγεσθε (1)
— 14. A² καὶ π. κόρακα καὶ τὰ ὅμοια αὐτῷ (1)
— 19. π. τὰ ἑρπετὰ τῶν πετεινῶν (1)
— 20. π. πετεινὸν καθαρὸν φάγεσθε (1)
— 21. π. θνησιμαῖον οὐ φάγεσθε (1)
— 22. δεκάτην . . . π. γενήματος [A *al.*] (1)
— 23. φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν σου π. τὰς ἡμ. (1)
— 26. δώσεις ἀργύριον ἐπὶ παντός (1)
— 26. AR ἢ ἐπὶ παντὸς οὗ ἂν ἐπιθυμῇ (1)
— 28. π. τὸ ἐπιδέκατον τῶν γενημάτων (1)
— 29. ἐν π. τοῖς ἔργοις οἷς ἐὰν ποιῇς (1)
15. 2. ἀφήσεις π. χρέος ἴδιον (1)
— 5. ποιεῖν [A om.] π. τὰς ἐντ. ταύτας (1)
— 10. ἐν π. τοῖς ἔργοις καὶ ἐν πᾶσιν (1, 1)
— 18. ἐν πᾶσιν οἷς ἐὰν ποιῇς (1)
— 19. π. πρωτότοκον ὃ ἐὰν τεχθῇ (1)
— 21. A ἢ καὶ π. μῶμος πονηρός [B *al.*] (1)
16. 3. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς ὑμῶν (1)
— 4. ἐν π. τοῖς ὁρίοις σου (1)
— 8. οὐ ποιήσεις ἐν αὐτῇ π. ἔργον –
— 15. ἐν π. [A π. τοῖς] γενήμασί σου καὶ ἐν π. ἔργῳ τῶν χειρῶν σου (1, 1)
— 16. ὀφθήσεται π. ἀρσενικόν σου (1)
— 18. A ἐν π. [B om.] ταῖς πόλεσί σου (1)
— 21. π. ξύλον . . . οὐ ποιήσεις σεαυτῷ (1)
17. 1. π. ῥῆμα πονηρόν (1)
— 3. ἢ παντὶ τῶν ἐκ τοῦ κόσμου τοῦ οὐρ. [A *al.*] (1)
— 7. A καὶ ἡ χεὶρ π. [B om.] τοῦ λαοῦ (1)
— 10. φυλάξῃ ποιῆσαι πάντα [A κατὰ π.] (1)
— 13. π. ὁ λαὸς ἀκούσας (1)
— 19. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ (1)
— 19. φυλάσσεσθαι π. τὰς ἐντ. ταύτας (1)
18. 5. ἐξελέξατο . . . ἐκ π. τῶν φυλῶν σου (1)
— 5. A π. τὰς ἡμέρας (1)
— 6. ἐκ π. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 7. ὥσπερ π. οἱ ἀδελφοὶ αὐτοῦ (1)
— 12. πᾶς ποιῶν ταῦτα (1)
— 16. κατὰ πάντα ὅσα ᾐτήσω (1)
— 17. ὀρθῶς πάντα ὅσα ἐλάλησαν –
19. 3. ἔσται καταφυγὴ ἐκεῖ π. [A π. τῷ] φονευτῇ (1)
— 8. καὶ δῷ σοι κ. π. τὴν γῆν (1)
— 9. ποιεῖν π. τὰς ἐντ. ταύτας (1)
— 9. πορεύεσθαι ἐν π. ταῖς ὁδοῖς αὐ. π. τὰς ἡμέρας (–, 1)
— 15. κατὰ π. ἀδικίαν καὶ κατὰ π. ἁμάρτημα καὶ κατὰ π. ἁμαρτίαν (1 *ter*)
— 15. στήσεται π. ῥῆμα –
20. 11. ἔσται π. ὁ λαὸς οἱ εὑρεθέντες (1)
— 13. πατάξεις π. ἀρσενικὸν αὐτῆς (1)
— 14. AR καὶ π. τὰ κτήνη –
— 14. AR καὶ πάντα [B om.] ὅσα ἂν ὑπάρχῃ (1)
— 14. π. τὴν ἀπαρτίαν προνομεύσεις σεαυτῷ (1)
— 14. φάγῃ π. τὴν προνομήν –
— 15. οὕτω ποιήσεις π. τὰς πόλεις (1)
— 16. οὐ ζωγρήσεται π. ἐμπνέον (1)
— 18. ποιεῖν π. τὰ βδελύγματα αὐτῶν (1)
21. 5. π. ἀντιλογία καὶ π. ἁφή (1, 1)
— 6. π. ἡ γερουσία τῆς πόλεως ἐκ. (1)
— 17. διπλᾶ ἀπὸ πάντων (1)
— 23. πᾶς κρεμάμενος ἐπὶ ξύλου –
22. 3. κατὰ π. ἀπώλειαν τοῦ ἀδ. σου (1)
— 5. πᾶς ποιῶν ταῦτα (1)
— 6. ἢ ἐπὶ π. δένδρῳ (1)
23. 6 (7). π. τὰς ἡμέρας σου εἰς τὸν αἰῶνα (1)
— 9 (10). φυλάξῃ ἀπὸ παντὸς ῥήμ. [A πράγμ.] πον. (1)
— 16 (17). A κατοικήσει ἐν π. τόπῳ [B om. ἐν π. τ.] –
— 18. A² πρὸς π. εὐχήν –
— 18 (19). πρὸς π. εὐχήν (1)
— 19 (20). καὶ τόκον π. πράγματος (1)
— 20 (21). ἐν π. τοῖς ἔργοις σου (1)
24. 8. ποιεῖν κατὰ π. τὸν νόμον (1)
— 19. ἐν π. τοῖς ἔργοις τῶν χειρῶν σου (1)
25. 16. A¹R πᾶς ποιῶν ταῦτα (1)
— 16. A²B²R πᾶς ποιῶν ἄδικον (1)

De. 25. 19. ἀπὸ π. τῶν ἐχθρῶν (1)
26. 11. εὐφρανθήσῃ ἐν π. τοῖς ἀγαθοῖς (1)
— 12. π. τὸ ἐπιδέκατον τῶν γενημάτων (1)
— 13. κατὰ π. τὰς ἐντ. ἃς ἐνετείλω μοι (1)
— 16. ποιῆσαι π. [A κατὰ π.] τὰ δικαιώμ. –
— 17. πορεύεσθαι ἐν π. [A *om.*] ταῖς ὁδοῖς αὐ. –
— 18. A φυλάσσειν π. [B *om.*] τὰς ἐντ. αὐ. (1)
— 19. εἶναί σε ὑπεράνω π. τῶν ἐθνῶν (1)
27. 1. φυλάσσεσθε π. τὰς ἐντ. ταύτας (1)
— 3. γράψεις . . . π. τοὺς λόγους τοῦ νόμου (1)
— 8. γράψεις . . . π. τὸν νόμον τοῦτον (1)
— 9. ἐλάλησε M. . . . παντὶ Ἰσρ. (1)
— 10. ποιήσεις π. τὰς ἐντ. αὐτοῦ –
— 11. A² ἐνετείλατο M. π. [B *om.*] τῷ λαῷ –
— 14. ἐροῦσιν παντὶ Ἰσραήλ (2 *a*)
— 15. A R ἀποκριθεὶς π. [B *om.*] ὁ λαός (1)
— 16, 17, 18, 19, 20. ἐροῦσι π. ὁ λαός (1)
— 21. ὁ κοιμώμ. μετὰ π. [A *om.*] κτήνους (1)
— 21, 22, 23. ἐροῦσι π. ὁ λαός (1)
— 23. B ἐροῦσι πᾶς ὁ λαός –
— 24, 25. ἐροῦσι πᾶς ὁ λαός (1)
— 26. ἐπικατάρατος π. [A π. ὁ] ἄνθρωπος –
— 26. ἐν π. τοῖς λόγοις τοῦ νόμου τούτου –
— 26. ἐροῦσι π. ὁ λαός (1)
28. 1. ποιεῖν π. τὰς ἐντολὰς ταύτας [A *om.*] (1)
— 1. ἐπὶ π. τὰ ἔθνη τῆς γῆς [A *al.*] (1)
— 2. ἥξουσιν ἐπὶ σὲ π. αἱ εὐλογίαι αὗται (1)
— 8. ἐπὶ πάντα [A ἐν πᾶσιν] οὗ ἂν ἐπιβάλῃς (1)
— 9. ἐν π. [A *om.*] ταῖς ὁδοῖς αὐ. –
— 10. π. τὰ ἔθνη τῆς γῆς (1)
— 12. π. τὰ ἔργα τῶν χειρῶν σου (1)
— 14. ἀπὸ π. τῶν ἐντ. [A π. τῶν λόγων] (1)
— 15. π. τὰς ἐντ. αὐ. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαι (1)
— 15. ἐλεύσονται ἐπὶ σὲ π. αἱ κατάραι αὗται (1)
— 20. ἐπὶ πάντα οὗ ἐὰν ἐπιβάλῃς (1)
— 25. ἐν π. [A π. ταῖς] βασιλείαις τῆς γῆς (1)
— 29. διαρπαζόμενος π. τὰς ἡμέρας (1)
— 33. καὶ π. τοὺς πόνους σου (1)
— 33. τεθραυσμένος π. τὰς ἡμέρας (1)
— 37. ἐν π. τοῖς ἔθνεσιν (1)
— 40. ἐν π. τοῖς ὁρίοις σου (1)
— 42. π. τὰ ξύλινά σου (1)
— 45. ἐλεύσονται ἐπὶ σὲ π. αἱ κατάραι αὗται (1)
— 45. A π. [B *om.*] τὰς ἐντολὰς αὐτοῦ –
— 47. διὰ τὸ πλῆθος πάντων (1)
— 48. ἐν ἐκλείψει πάντων (1)
— 52. A ἐν π. [B *om.*] ταῖς πόλεσί σου (1)
— 52. ἐν π. τῇ γῇ σου (1)
— 52. A ἐν π. [B *om.*] ταῖς πόλεσί σου (1)
— 55. ἐν π. ταῖς πόλεσί σου (1)
— 57. διὰ τὴν ἔνδειαν πάντων (1)
— 57. A ἐν π. [B *om.*] ταῖς πόλεσί σου –
— 58. ποιεῖν π. τὰ ῥήματα τοῦ νόμου (1)
— 60. π. τὴν ὀδύνην Αἰγ. τὴν πονηράν (1)
— 61. π. μαλακίαν καὶ π. [A *om.*] πληγὴν τὴν μὴ γεγραμμ. καὶ π. τὴν γεγραμμ. [B¹ *om.* κ. π. τ. γ.] (1, 1, –)
— 64. διασπερεῖ σε . . . εἰς π. τὰ ἔθνη (1)
29. 2 (1). ἐκάλεσε M. π. τοὺς [A *om.*] υἱοὺς Ἰσρ. (1)
— 2 (1). ὑμεῖς ἑωράκατε πάντα (1)
— 2 (1). A καὶ π. [B *om.*] τοῖς θεράπουσιν αὐ. (1)
— 2 (1). καὶ π. τῇ γῇ αὐτοῦ (1)
— 9 (8). ποιεῖν π. τοὺς λόγους τῆς διαθήκης –
— 9 (8). ἵνα συνῆτε πάντα (1)
— 10 (9). ὑμεῖς ἑστήκατε πάντες (1)
— 10 (9). π. ἀνὴρ Ἰσραήλ (1)
— 20 (19). π. αἱ ἀραὶ τῆς διαθήκης ταύτης (1)
— 21 (20). ἐκ π. [A π. τῶν] υἱῶν Ἰσραήλ (1)
— 21 (20). κατὰ π. τὰς ἀρὰς τῆς διαθήκης (1)
— 23 (22). π. ἡ γῆ αὐτῆς οὐ σπαρήσεται (1)
— 23 (22). οὐδὲ μὴ ἀναβῇ . . . π. χλωρόν (1)
— 24 (23). ἐροῦσι π. τὰ ἔθνη (1)
— 27 (26). κατὰ π. τὰς κατάρας [A ἀράς] (1)
— 29 (28). ποιεῖν π. τὰ ῥήματα τοῦ νόμου τ. (1)
30. 1. ὡς ἂν ἔλθωσιν ἐπὶ σὲ π. τὰ ῥήμ. τ. (1)
— 1. ἐν π. τοῖς ἔθνεσιν (1)
— 2. κατὰ πάντα ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι (1)
— 3. συνάξει σε ἐκ π. τῶν ἐθνῶν (1)
— 9. ἐν π. ἔργῳ τῶν χειρῶν σου (1)
— 10. A ποιεῖν π. [B *om.* π. π.] τὰς ἐντ. αὐτοῦ –
— 16. πορεύεσθαι ἐν π. ταῖς ὁδοῖς αὐ. –
— 16. εὐλογήσει σε . . . ἐν π. τῇ γῇ –
31. 1. λαλῶν π. τοὺς λόγους τούτους πρὸς π. υἱοὺς Ἰσρ. (–, 1)
— 7. ἔναντι παντὸς Ἰσραήλ (1)
— 9. A ἔγραψε M. π. [B *om.*] τὰ ῥήματα –

De. 31. 11. ἐν τῷ συμπορεύεσθαι πάντα Ἰσρ. (1)
— 11. ἐναντίον παντὸς Ἰσραήλ (1)
— 12. ποιεῖν π. τοὺς λόγους τοῦ νόμου τ. (1)
— 13. π. τὰς ἡμέρας ὅσας αὐτοὶ ζῶσιν (1)
— 18. διὰ π. τὰς κακίας ἃς ἐποίησαν (1)
— 24. π. τοὺς λόγους τοῦ νόμου τούτου –
— 28. ἵνα λαλήσω . . . π. τοὺς λόγους τ. –
— 30. εἰς τὰ ὦτα π. [A π. τῆς] ἐκκλησίας (1)
32. 4. π. αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ κρίσεις (1)
— 27. ἐποίησε ταῦτα π. (1)
— 43. R πάντες ἄγγελοι θεοῦ [A B *al.*] –
— 43. A B π. ἄγγελοι [R υἱοὶ] θεοῦ –
— 44. π. τοὺς λόγους τοῦ νόμου τούτου (1)
— 45. λαλῶν παντὶ Ἰσραήλ (1)
— 46. ἐπὶ π. τοὺς λόγους τούτους (1)
— 46. ποιεῖν π. τοὺς λόγους τοῦ νόμου τούτου (1)
33. 3. π. οἱ ἡγιασμ. ὑπὸ τὰς χεῖράς σου (1)
— 10. ἐπιθήσουσι θυμίαμα . . . διὰ παντός (8 *b*)
— 12. σκιάζει ἐπ' αὐτῷ π. τὰς ἡμέρας (1)
34. 1. π. τὴν γῆν Γαλ. (1)
— 2. π. τὴν γῆν Νεφθ. καὶ π. τὴν γῆν Ἐφρ. (1, –)
— 2. καὶ π. τὴν γῆν Ἰ. (1)
— 11. ἐν π. τοῖς σημείοις (1)
— 11. καὶ π. [A *om.*] τῇ γῇ αὐτοῦ (1)
— 12. A καὶ π. [B *om.*] τὴν χεῖρα τὴν κραταιάν (1)
— 12. ἔναντι παντὸς Ἰσραήλ (1)
Jo. 1. 2. σὺ καὶ π. ὁ λαὸς οὗτος (1)
— 3. π. ὁ τόπος ἐφ' ὃν ἂν ἐπιβῆτε (1)
— 5. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου (1)
— 7. ἵνα συνῆς ἐν πᾶσιν (1)
— 8. ποιεῖν π. τὰ γεγραμμένα (1)
— 9. εἰς πάντα οὗ ἐὰν πορεύῃ (1)
— 14. διαβήσεσθε . . . π. ὁ ἰσχύων (1)
— 16. πάντα ὅσα ἂν ἐντείλῃ (1)
— 16. εἰς π. τόπον οὗ ἐὰν ἀποστείλῃς (6)
— 17. κατὰ πάντα ὅσα ἠκούσαμεν (1)
2. 13. B καὶ π. τὸν οἶκον μου –
— 13. καὶ πάντα ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς (1)
— 18. καὶ π. τὸν οἶκον τοῦ πατρός σου (1)
— 19. πᾶς ὃς ἂν ἐξέλθῃ (1)
— 22. ἐξεζήτησαν . . . π. τὰς ὁδούς (1)
— 23. π. τὰ συμβεβηκότα αὐτοῖς (1)
— 24. παρέδωκεν κ. π. τὴν γῆν (1)
— 24. π. ὁ κατοικῶν τὴν γῆν ἐκ. (1)
3. 7. κατενώπιον π. [A π. τῶν] υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 11. ἡ κιβ. διαθήκης κυρίου π. τῆς γῆς (1)
— 13. τὴν κιβ. τῆς διαθήκης κυρίου π. τῆς γῆς (1)
— 17. π. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. διέβαινον (1)
— 17 ; 4. 1. συνετέλεσε π. ὁ λαὸς διαβαίνων (1)
4. 6. εἰς σημεῖον κείμενον διὰ παντός †
— 7. A² B ἀπὸ προσώπου κιβ. διαθ. κυρίου π. τῆς γῆς –
— 10. ἕως οὗ συνετέλεσεν Ἰ. πάντα (1)
— 11. ὡς συνετέλεσε π. ὁ λαὸς διαβῆναι (1)
— 14. ἐναντίον τοῦ π. γένους Ἰσρ. (1)
— 24. ὅπως γνῶσι π. τὰ ἔθνη τῆς γῆς (1)
— 24. σέβησθε κύριον . . . ἐν π. ἔργῳ [A χρόνῳ] (1)
5. 5. π. τούτους περιέτεμεν Ἰ. (1)
6. 3. A περίστησον αὐτῇ π. τοὺς μαχητάς [B *al.*] (1)
— 5. ἀνακραγέτω π. ὁ λαός (1)
— 5. εἰσελεύσεται π. ὁ λαός –
— 16 (17). καὶ πάντα ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτῇ (1)
— 16 (17). A R καὶ πάντα [B *om.*] ὅσα ἐστὶν ἐν τῷ οἴκῳ αὐ. (1)
— 18 (19). A π. ἀργύριον . . . καὶ π. χαλκὸς [B ἢ χ.] . . . ἔσται τῷ κ. (1, †)
— 19 (20). ἠλάλαξε π. ὁ λαός –
— 19 (20). ἀνέβη π. ὁ λαός –
— 21 (22). A καὶ πάντα [B *om.*] ὅσα ἐστίν (1)
— 22 (23). A καὶ π. [B *om.*] τὴν συγγένειαν αὐτῆς (1 ?)
— 22 (23). καὶ πάντα ὅσα ἦν αὐτῇ (1)
— 23 (24). σὺν π. τοῖς ἐν αὐτῇ (1)
— 24 (25). καὶ π. [A *om.*] τὸν οἶκον αὐτῆς –
— 26 (27). ἦν τὸ ὄνομα αὐτοῦ κατὰ π. τὴν γῆν (1)
7. 3. μὴ ἀναβήτω π. ὁ λαός (1)
— 3. B μὴ ἀναγάγῃς ἐκεῖ τὸν λαὸν π. [A R ἅπ.] (1)
— 9. καὶ π. οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (1)
— 14. συναχθήσεσθε πάντες τὸ πρωΐ –
— 15. καὶ πάντα ὅσα ἐστὶν αὐτῷ (1)
— 24. καὶ π. τὰ πρόβατα αὐτοῦ –
— 24. καὶ π. τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ (1)
— 24. καὶ π. ὁ λαὸς [A π. Ἰσρ.] μετ' αὐτοῦ (1)
— 25. ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν . . . πᾶς Ἰσρ. (1)
8. 1. λάβε . . . π. τοὺς ἄνδρας τοὺς πολεμιστάς (1)

Jo. 8. 3. καὶ π. ὁ λαὸς ὁ πολεμιστής (1)
— 4. ἔσεσθε π. ἕτοιμοι (1)
— 5. καὶ π. οἱ [A π. ὁ λαὸς ὁ] μετ' ἐμοῦ (1)
— 11. καὶ π. ὁ λαὸς ὁ πολεμιστής (1)
— 14. αὐτὸς καὶ π. ὁ λαός (1)
— 15. A ἀνεχώρησεν Ἰ. καὶ πᾶς [B *om.*] Ἰσρ. (1)
— 21. B Ἰησοῦς καὶ πᾶς Ἰσραήλ (1)
— 24. ἀποκτέννοντες π. τοὺς ἐν τῇ Γ. (1)
— 25. π. τοὺς κατοικοῦντας Γαί (1)
— 27. πάντα ἃ [A *om.* π. ἃ] ἐπρονόμευσαν –
9. 1. A ὡς δὲ ἤκουσαν π. [B *om.*] οἱ βασ. (1)
— 1. οἱ ἐν π. τῇ παραλίᾳ τῆς θ. (1)
— 2. συνήλθοσαν . . . ἅμα πάντες †
— 2 (8. 33). πᾶς Ἰσρ. καὶ οἱ πρεσβύτεροι αὐ. (1)
— 2 (8. 34). π. τὰ ῥήματα τοῦ νόμου τούτου (1)
— 2 (8. 34). κατὰ π. τὰ γεγραμμ. ἐν τῷ νόμῳ M. (1)
— 2 (8. 35). οὐκ ἦν ῥῆμα ἀπὸ πάντων (1)
— 2 (8. 35). εἰς τὰ ὦτα π. ἐκκλησίας (1)
— 3. ἤκουσαν πάντα –
— 6. A καὶ πρὸς πάντα [B *om.* πρ. π.] Ἰσρ. †
— 11. π. οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν ἡ. (1)
— 18. ὤμοσαν αὐτοῖς π. οἱ ἄρχοντες –
— 18. διεγόγγυσαν π. ἡ συναγωγή (1)
— 19. A εἶπαν π. [B *om.*] οἱ ἄρχοντες τῇ [B π. τῇ] συναγ. (1, 1)
— 21. ὑδροφόροι π. τῇ συναγωγῇ (1)
— 24. καὶ π. τοὺς κατοικοῦντας ἐπ' αὐτῆς (1)
— 27. ὑδροφόρους π. τῇ συναγωγῇ –
10. 2. καὶ π. οἱ ἄνδρες αὐτῆς ἰσχυροί (1)
— 5. αὐτοὶ καὶ π. ὁ λαὸς αὐτῶν (1)
— 6. π. οἱ βασ. τῶν Ἀμορραίων (1)
— 7. καὶ π. ὁ λαὸς ὁ πολεμιστὴς μετ' αὐτοῦ π. δυνατὸς ἐν ἰσχύϊ (1, 1)
— 15. B³ Ἰησοῦς καὶ πᾶς ὁ λ. Ἰσρ. μετ' αὐτοῦ (1)
— 20. καὶ π. υἱὸς [A π. οἱ υἱ.] Ἰσρ. –
— 21. ἀπεστράφη π. ὁ λαός (1)
— 24. συνεκάλεσεν Ἰ. πάντα Ἰσρ. (2 *a*)
— 25. ποιήσει κ. π. τοῖς ἐχθροῖς ὑμῶν (1)
— 28. ἐξωλέθρευσαν π. ἐμπνέον (1)
— 29. καὶ πᾶς Ἰσρ. [A ὁ λαὸς ὁ] μετ' αὐτοῦ (1)
— 30. καὶ πᾶν ἐμπνέον ἐν αὐτῇ (1)
— 31, 34. καὶ πᾶς Ἰσρ. μετ' αὐτοῦ (1)
— 35. καὶ πᾶν ἐμπνέον ἐν αὐτῇ (1)
— 36. καὶ πᾶς Ἰσρ. μετ' αὐτοῦ (1)
— 37. καὶ πᾶν ἐμπνέον [A πάντα τὰ ἐμπν.] (1)
— 38. Ἰησοῦς καὶ πᾶς Ἰσρ. (1)
— 39. A καὶ τὰς π. [B *om.*] κώμας αὐτῆς (1)
— 39. καὶ πᾶν ἐμπνέον ἐν αὐτῇ (1)
— 40. ἐπάταξεν Ἰ. π. τὴν γῆν (1)
— 40. καὶ πᾶν ἐμπνέον (1)
— 41. π. τὴν [A τὴν γῆν] Γ. ἕως τῆς Γ. (1)
— 42. καὶ π. τοὺς βασ. αὐτῶν (1)
11. 5. συνῆλθον π. οἱ βασιλεῖς (1)
— 7. καὶ π. ὁ λαὸς ὁ πολεμιστής (1)
— 10. ἄρχουσα π. τῶν βασιλειῶν τούτων (1)
— 11. πᾶν ἐμπνέον ἐν αὐτῇ (1)
— 11. ἐξωλέθρευσαν [A -σεν] πάντας –
— 12. π. τὰς πόλεις τῶν βασιλειῶν (1)
— 13. π. τὰς πόλεις τὰς κεχωματισμένας (1)
— 14. καὶ π. τὰ σκῦλα αὐτῆς ἐπρονόμευσαν (1)
— 14. αὐτοὺς δὲ πάντας ἐξωλέθρευσαν (1)
— 15. ἀπὸ πάντων ὧν συνέταξεν (1)
— 16. ἔλαβεν Ἰ. π. τὴν γῆν τὴν ὀρεινὴν καὶ π. τὴν γῆν N. καὶ π. τὴν γῆν Γ. (1 *ter*)
— 17. καὶ π. τοὺς βασ. αὐτῶν (1)
— 19. πάντα ἐλάβοσαν [A -ας ἔλαβεν] (1)
— 21. ἐκ π. γένους [A ὄρους] Ἰσρ. (1)
— 21. ἐκ π. ὄρους Ἰούδα (1)
— 23. ἔλαβεν Ἰ. π. τὴν γῆν (1)
12. 1. καὶ π. τὴν γῆν [A *om.*] Ἄραβα (1)
— 5. καὶ π. τὴν Βασάν (1)
— 24. π. οὗτοι βασιλεῖς εἴκοσι ἐννέα (1)
13. 4. καὶ π. [A π. τῆ] γῆ Χαναάν (1)
— 5. καὶ π. τὴν γῆν Γ. –
— 5. καὶ π. τὸν Λίβανον (1)
— 6. π. ὁ κατοικῶν τὴν ὀρεινήν (1)
— 6. π. τοὺς Σιδωνίους (1)
— 9. καὶ π. τὴν Μισώρ (1)
— 10. π. τὰς πόλεις Σηών (1)
— 11. π. ὅρος Ἀερμὼν καὶ π. τὴν Βασανῖτιν (1, 1)
— 12. π. τὴν βασιλείαν Ὤγ (1)
— 16. καὶ π. τὴν M. (1)
— 17. καὶ π. τὰς πόλεις τὰς οὔσας ἐν τῇ M. (1)
— 21. καὶ π. τὰς πόλεις τοῦ M. (1)
— 21. π. τὴν βασιλείαν τοῦ Σ. (1)
— 25. π. αἱ πόλεις Γαλ. (1)

Jo. 13. 30. καὶ π. βασιλεία [A om.] B. καὶ π. βασιλεία Ὠγ (1, 1)
— 30. καὶ π. τὰς κώμας Ἰαΐρ (1)
15. 5. τὰ ὅρια . . . π. ἡ θάλασσα —
— 46. πᾶσαι ὅσαι εἰσὶ πλησίον Ἀσ. (1)
16. 9. π. αἱ πόλεις καὶ αἱ κῶμαι αὐ. (1)
18. 1. ἐξεκκλησιάσθη π. συναγωγή (1)
20. 9. π. παίοντι ψυχὴν ἀκουσίως (1)
21. 19. π. αἱ πόλεις υἱῶν Ἀ. (1)
— 26. π. πόλεις δέκα (1)
— 33. π. αἱ πόλεις τοῦ Γ. (1)
— 37. π. αἱ πόλεις τέσσαρες (1)
— 38. A R π. αἱ [B om.] πόλεις τοῖς υἱοῖς Μ. (1)
— 39. B π. πόλις [A R π. αἱ πόλεις] τῶν Λ. (1)
— 40. π. ταῖς πόλεσι ταύταις (1)
— 41. ἔδωκε . . . π. τὴν γῆν (1)
— 42. ἀπὸ π. τῶν ἐχθρῶν αὐ. (1)
— 42. π. τοὺς ἐχθροὺς αὐ. παρέδωκε (1)
— 43. ἀπὸ π. τῶν ῥημ. τῶν καλῶν (1)
— 43. πάντα παρεγένετο [A -νοντο] (1)
22. 2. ὑμεῖς ἀκηκόατε πάντα (1)
— 2. κατὰ πάντα ὅσα ἐνετείλατο (1)
— 5. πορεύεσθαι [A add. ἐν] π. ταῖς ὁδοῖς αὐ. (1)
— 12. συνηθροίσθησαν π. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1)
— 14. ἀπὸ π. [A π. τῶν] φυλῶν Ἰσρ. (1)
— 16. τάδε λέγει π. ἡ συναγωγὴ κυρίου (1)
— 18. ἐπὶ πάντα Ἰσρ. ἔσται ἡ ὀργή (1)
— 20. ἐπὶ π. [A π. τὴν] συναγωγὴν Ἰ. (1)
— 30. καὶ π. οἱ ἄρχοντες τῆς συναγωγῆς —
23. 1. ἀπὸ π. τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν (1)
— 2. συνεκάλεσεν Ἰ. π. τοὺς υἱοὺς Ἰ. (1)
— 3. A ἑωράκατε πάντα [B om.] ὅσα ἐποίησε . . . π. τοῖς ἔθνεσι τούτοις (1, 1)
— 4. ἀπὸ τοῦ Ἰορδ. π. τὰ ἔθνη (1)
— 6. ποιεῖν π. τὰ γεγραμμένα (1)
— 14. καθὰ καὶ π. οἱ ἐπὶ τῆς γῆς (1)
— 14. εἷς λόγος ἀπὸ π. τῶν λόγων (1)
— 14. πρὸς πάντα τὰ ἀνήκοντα ὑμῖν [A al.] (1)
— 15. π. τὰ ῥήματα τὰ καλὰ ἃ ἐλάλησε κ. (1)
— 15. ἐπάξει . . . π. τὰ ῥήμ. τὰ πονηρά (1)
24. 1. συνήγαγεν Ἰ. π. [A π. τὰς] φυλὰς Ἰ. (1)
— 1. A συνεκάλεσε π. [B om.] τοὺς πρεσβυτ. —
— 2. εἶπεν Ἰ. πρὸς π. τὸν λαόν (1)
— 3. ὡδήγησα αὐτὸν ἐν π. τῇ γῇ (1)
— 17. διεφύλαξεν ἡμᾶς ἐν π. τῇ ὁδῷ (1)
— 17. καὶ ἐν π. τοῖς ἔθνεσιν (1)
— 18. καὶ π. τὰ ἔθνη τὰ κατοικοῦντα (1)
— 27. ἀκήκοε π. τὰ λεχθέντα (1)
— 31. π. τὰς ἡμέρας Ἰ. καὶ π. τὰς ἡμέρας τῶν πρεσβυτέρων (1, 1)
— 31. ὅσοι εἴδοσαν π. τὰ ἔργα κυρίου (1)
Jd. 2. 4. πρὸς π. υἱοὺς [A πάντα] Ἰσρ. (1)
— 7. π. τὰς ἡμέρας Ἰ. καὶ π. τὰς ἡμ. τῶν πρεσβυτέρων (1, 1)
— 7. ὅσοι ἔγνωσαν π. τὸ ἔργον κυρίου (1)
— 10. π. ἡ γενεὰ ἐκείνη (1)
— 15. R ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύοντο [B ἐξεπ., A ἐπόρευον] (1)
— 18. π. τὰς ἡμέρας τοῦ κριτοῦ (1)
3. 1. π. τοὺς μὴ ἐγνωκότας τοὺς πολέμους Χ. (1)
— 3. καὶ π. τὸν Χαναναῖον (1)
— 13. π. τοὺς υἱοὺς Ἀμμὼν —
— 19. A εἶπεν Ἐγ. πᾶσιν [B πρὸς αὐτόν] —
— 19. π. τοὺς ἐφεστῶτας ἐπ' αὐτόν [A π. οἱ παραστήκοντες αὐτῷ] (1)
— 29. πᾶν λιπαρὸν [A π. τοὺς μαχητὰς] καὶ π. ἄνδρα [A π. ἄνδρας] δυνάμεως (1, 1)
4. 13. ἐκάλεσε Σ. π. τὰ ἅρματα αὐτοῦ (1)
— 13. καὶ π. τὸν λαὸν τὸν μετ' αὐτοῦ (1)
— 15. καὶ π. τὰ ἅρματα αὐ. καὶ π. τὴν παρεμβ. αὐτοῦ (1, 1)
— 16. ἔπεσε π. [A π. ἡ] παρεμβολή (1)
5. 23. π. ὁ κατοικῶν αὐτήν [A al.] —
— 31. ἀπόλοιντο π. οἱ ἐχθροί σου (1)
6. 9. ἐκ χειρὸς π. τῶν θλιβόντων ὑμᾶς (1)
— 13. A εὗρεν ἡμᾶς π. [B om.] τὰ κακὰ ταῦτα (1)
— 13. ποῦ ἐστι π. τὰ θαυμάσια αὐτοῦ (1)
— 17. ποιήσεις μοι σήμερον πᾶν [A al.] —
— 31. εἴπε . . . τοῖς ἀνδράσι π. [A al.] (1)
— 33. πᾶσα Μαδ. καὶ Ἀμ. (1)
— 35. εἰς πάντα [A ἐν παντὶ] Μαν. (1)
— 37. καὶ ἐπὶ π. τὴν γῆν ξηρασία (1)
— 39. ἐπὶ π. τὴν γῆν γενηθήτω δρόσος (1)
— 40. ἐπὶ π. τὴν γῆν ἐγενήθη δρόσος (1)
7. 1. καὶ π. ὁ λαὸς μετ' αὐτοῦ (1)

Jd. 7. 4. R πᾶς [A πάντα, B πᾶν] ὃν ἐὰν εἴπω πρὸς σέ (1)
— 5. πᾶς ὃς ἂν λάψῃ (1)
— 5. πᾶς ὃς ἐὰν κλίνῃ (1)
— 6. A ἐγένετο π. [B om.] ὁ ἀριθμός —
— 6. π. τὸ κατάλοιπον [A π. ὁ ἐπίλ.] τοῦ λαοῦ (1)
— 7. π. ὁ λαὸς πορεύσονται [A ἀποτρεχέτω] (1)
— 8. τὸν [A om.] π. ἄνδρα Ἰσρ. ἐξαπέστειλεν (1)
— 12. καὶ π. υἱοὶ ἀνατολῶν (1)
— 14. παρέδωκεν . . . π. τὴν παρεμβολήν (1)
— 16. ἔδωκε κερατίνας ἐν χειρὶ πάντων (1)
— 18. καὶ πάντες μετ' ἐμοῦ (1)
— 21. ἔδραμε π. ἡ παρεμβολή (1)
— 22. ἐν π. [A ὅλῃ] τῇ παρεμβολῇ (1)
— 23 (22). A ἔφυγεν π. [B om.] ἡ παρεμβολή —
— 23. καὶ ἀπὸ [A ἐκ] παντὸς Μανασσῆ (1)
— 24. ἐν π. ὄρει [A ὁρίῳ] Ἐφρ. (1)
— 24. ἐβόησε π. ἀνὴρ Ἐφρ. (1)
8. 10. π. οἱ καταλελειμμένοι ἀπὸ π. παρεμβολῆς [A al.] (1, 1)
— 12. π. τὴν παρεμβολὴν ἐξέστησε [A al.] (1)
— 27. ἐξεπόρνευσε πᾶς Ἰσρ. (1)
— 34. ἐκ χειρὸς π. τῶν θλιβόντων [A al.] (1)
— 35. κατὰ π. τὰ ἀγαθά [A π. τὴν ἀγαθωσύνην] (1)
9. 1. πρὸς π. συγγένειαν [A τὴν σ. τοῦ] οἶκου (1)
— 2. ἐν τοῖς ὠσὶ π. [A om.] τῶν ἀνδρῶν Σ. (1)
— 2. π. υἱοὺς Ἱεροβ. (1)
— 3. ἐλάλησαν . . . ἐν τοῖς ὠσὶ π. τῶν ἀνδρῶν Σ. π. τοὺς λόγους τούτους (1, 1)
— 6. π. [A π. οἱ] ἄνδρες Σικίμων καὶ π. [A πᾶς ὁ] οἶκος Βηθμ. (1, 1)
— 14. εἶπαν π. [A om.] τὰ ξύλα (1)
— 25. πάντα ὃς παρεπορεύετο [A π. τοὺς διαπορευομ.] (1)
— 34. καὶ π. ὁ λαὸς μετ' αὐτοῦ (1)
— 44. ἐπὶ π. τοὺς ἐν τῷ ἀγρῷ (1)
— 46. ἤκουσαν π. οἱ ἄνδρες (1)
— 47. συνήχθησαν π. οἱ ἄνδρες (1)
— 48. καὶ π. ὁ λαὸς ὁ μετ' αὐτοῦ (1)
— 49. καὶ ἔκοψαν . . . κλάδον πᾶς ἀ. [A al.] (1?)
— 49. π. οἱ ἄνδρες πύργου Σικ. (1)
— 51. ἔφυγον ἐκεῖ π. οἱ ἄνδρες (1)
— 51. A καὶ π. οἱ ἡγούμενοι (1)
— 57. τὴν π. πονηρίαν [A κακίαν] ἀνδρῶν Σ. (1)
10. 8. τοὺς π. υἱοὺς Ἰσρ. [A π. τ. υἱ. Ἰ.] (1)
— 15. κατὰ π. τὸ ἀγαθόν [A πάντα ὅσα ἂν ἀρέσκῃ] (1)
— 18. π. τοῖς κατοικοῦσι Γ. (1)
11. 8. A R π. τοῖς κατοικοῦσι [B οἴκ.] Γ. (1)
— 11. ἐλάλησεν Ἰ. π. τοὺς λόγους αὐ. (1)
— 20. συνῆξε Σ. π. τὸν λαὸν αὐτοῦ (1)
— 21. καὶ π. τὸν λαὸν αὐτοῦ (1)
— 21. π. τὴν γῆν τοῦ Ἀμ. (1)
— 22. A π. τὸ ὅριον τοῦ Ἀμ. (1)
— 24. καὶ τοὺς π. οὓς ἐξῆρε [A πάντα ὅσα κατεκληρονόμησεν] (1)
— 26. καὶ ἐν π. ταῖς πόλεσι (1)
12. 4. π. τοὺς ἄνδρας Γαλ. (1)
13. 4. μὴ φάγῃς π. ἀκάθαρτον (1)
— 7. μὴ φάγῃς π. ἀκάθαρτον [A π. ἀκαθαρσίαν] (1)
— 13. ἀπὸ πάντων ὧν εἴρηκα [A εἶπα] (1)
— 14. ἀπὸ παντὸς ὃ [A πάντων ὅσα] ἐκπορεύεται (1)
— 14. π. ἀκάθαρτον μὴ φαγέτω (1)
— 14. πάντα . . . φυλάξεται [A -άσθω] (1)
— 23. οὐκ ἂν ἔδειξεν ἡμῖν ταῦτα π. [A al.] (1)
14. 3. καὶ ἐκ π. τοῦ λαοῦ μου [A ἐν π. τῷ λ. μ.] (1)
15. 10. A π. [B om.] ἀνὴρ Ἰούδα —
16. 16. π. τὰς ἡμέρας [A ὅλην τὴν νύκτα] (1)
— 17. π. τὴν καρδίαν [A π. τὰ ἀπὸ καρδίας] αὐ. (1)
— 17. ὡς π. οἱ ἄνθρωποι [A κατὰ π. τοὺς ἀ.] (1)
— 18. π. τὴν καρδίαν [A π. τὰ ἀπὸ καρδίας] αὐ. (1)
— 18. A π. τοὺς σατράπας τῶν ἀλλοφ. [B al.] —
— 18. π. τὴν καρδίαν [A κακίαν] αὐτοῦ (1)
— 18. A π. αἱ σατραπίαι τῶν ἀλλοφ. [B al.] —
— 27. π. οἱ ἄρχοντες [A σατράπαι] τῶν ἀλλοφ. (1)
— 30. καὶ ἐπὶ π. τὸν λαὸν τὸν ἐν αὐτῷ (1)
— 31. A καὶ π. [B om.] ὁ οἶκος τοῦ πατρὸς αὐ. (1)
18. 10. ὑστέρημα παντὸς ῥήματος (1)
— 31. π. τὰς ἡμέρας ἃς ἦν ὁ οἶκος (1)
19. 19. ὑστέρημα παντὸς πράγματος (1)
— 20. A R π. τὸ [B om.] ὑστέρημά σου ἐπ' ἐμέ (1)
— 29. ἐν π. ὁρίῳ [A εἰς π. τὰς φυλὰς τοῦ] Ἰσρ. (1)
— 30. π. ὁ βλέπων [A ὁρῶν] ἔλεγεν (1)
— 30. A πρὸς π. ἄνδρα Ἰσρ. —
20. 1. ἐξῆλθον π. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1)

Jd. 20. 1. A ἐξεκκλησιάσθη π. [B om.] ἡ συναγ. —
— 2. A τὸ κλίμα π. τοῦ λαοῦ [B al.] (1)
— 2. π. αἱ φυλαὶ τοῦ Ἰσρ. (1)
— 6. ἐν π. ὁρίῳ κληρονομίας (1)
— 7. π. ὑμεῖς [A οἱ] υἱοὶ Ἰσρ. (1)
— 8. ἀνέστη π. ὁ λαός (1)
— 10. εἰς π. φυλὰς [A ταῖς π. φ.] Ἰσρ. (1)
— 10. κατὰ π. τὸ ἀπόπτωμα [A π. τὴν ἀφροσύνην] (1)
— 11. συνήχθη π. ἀνὴρ Ἰσρ. (1)
— 12. ἐν π. φυλῇ Βεν. (1)
— 16. ἐκλεκτοὶ ἐκ π. λαοῦ [A al.] (1)
— 16. π. οὗτοι σφενδονῆται (1)
— 17. A π. [B om.] ἀνὴρ Ἰσρ. ἐπεσκέπησαν —
— 17. π. οὗτοι ἄνδρες παρατάξεως [A al.] (1)
— 20. ἐξῆλθον π. ἀνὴρ Ἰσρ. [A al.] —
— 25. B² R π. οὗτοι ἕλκοντες ῥομφαίαν [A al.] (1)
— 26. ἀνέβησαν π. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. καὶ π. ὁ λαός (1, 1)
— 33. π. ἀνὴρ [A add. Ἰσρ.] ἀνέστη (1)
— 34. ἀνδρῶν ἐκλεκτῶν ἐκ παντὸς Ἰσρ. (1)
— 35. π. οὗτοι εἵλκον [A σπώμενοι] ῥομφαίαν (1)
— 44. οἱ π. οὗτοι [A σὺν π. τούτοις] ἄνδρες δυνάμεως (1)
— 46. π. οἱ πεπτωκότες ἀπὸ Βεν. (1)
— 46. οἱ π. οὗτοι [A σὺν π. τούτοις] ἄνδρες δυνάμεως (1)
— 48. ἕως π. τοῦ εὑρισκομ. [A εὑρεθέντος] εἰς π. τὰς πόλεις (1, 1)
21. 2. A παρεγένοντο π. ὁ λαός [B al.] —
— 5. ἀπὸ [A ἐκ] π. φυλῶν Ἰσρ. (1)
— 10. A π. τοὺς κατοικοῦντας Ἰ. [B al.] —
— 11. π. ἄρσεν [A -σενικὸν] καὶ π. γυναῖκα (1, 1)
— 13. ἀπέστειλεν π. ἡ συναγωγή (1)
Ru. 1. 19. ἤχησε π. ἡ πόλις (1)
2. 11. A πάντα [B om.] ὅσα πεποίηκας (1)
3. 5. πάντα ὅσα ἐὰν εἴπῃς ποιήσω (1)
— 6. ἐποίησε κατὰ πάντα (1)
— 11. πάντα ὅσα ἐὰν εἴπῃς (1)
— 11. οἶδε γὰρ π. φυλὴ λαοῦ μου (1)
— 16. εἶπεν αὐτῇ πάντα (1)
4. 7. R τοῦ στῆσαι π. [A τὸν, B πᾶν] λόγον (1)
— 9. εἶπε B. . . . π. τῷ λαῷ (1)
— 9. κέκτημαι π. τὰ τοῦ Ἐλ. καὶ πάντα ὅσα ὑπάρχει τῷ Χ. (1, 1)
— 11. π. ὁ λαὸς οἱ ἐν τῇ πύλῃ (1)
1 Ki. 1. 4. A καὶ π. [B om.] τοῖς υἱοῖς αὐτῆς (1)
— 17. δῴη σοι π. αἴτημά σου —
— 21. Ἐλκ. καὶ π. ὁ οἶκος αὐτοῦ (1)
— 21. θῦσαι . . . π. τὰς δεκάτας τῆς γῆς αὐ. —
— 28. π. τὰς ἡμέρας ἃς ζῇ αὐτός (1)
2. 13. τὸ δικαίωμα . . . π. τοῦ θύοντος (2 a)
— 14. πᾶν ὃ ἐὰν ἀνέβη (1)
— 14. ἐποίουν παντὶ Ἰσραήλ (1)
— 16. λάβε σεαυτῷ ἐκ πάντων —
— 23. ἐκ στόματος π. [A om.] τοῦ λαοῦ (1)
— 28. ἐκ π. τῶν [A om.] σκήπτρων Ἰσρ. (1)
— 28. τὰ π. τοῦ πυρὸς υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 29. ἀπ' ἀρχῆς π. θυσίας Ἰσρ. (1)
— 32. A ἐν πᾶσιν οἷς ἀγαθυνεῖ (1)
— 32. π. τὰς ἡμέρας (1)
— 33. πᾶς περισσεύων [A πᾶν π.] οἴκου σου (1)
— 35. π. τὰ ἐν τῇ καρδίᾳ μου . . . ποιήσει —
— 35. διελεύσεται . . . π. τὰς ἡμέρας (1)
— 36. A ἔσται πᾶς [B om.] ὁ περισσεύων (1)
3. 11. π. ἀκούοντος αὐτά (1)
— 12. πάντα ὅσα ἐλάλησα (1)
— 17. ῥῆμα ἐκ πάντων λόγων (1)
— 18. ἀπήγγειλε Σαμ. π. τοὺς λόγους (1)
— 19. οὐκ ἔπεσεν ἀπὸ π. [B¹ om.] τῶν λόγων αὐ. (1)
— 20. ἔγνωσαν πᾶς Ἰσραήλ (1)
— 21. προφήτης γενέσθαι τῷ κ. εἰς πάντα Ἰσρ. —
4. 5. ἀνέκραξε πᾶς Ἰσραήλ (1)
— 8. οἱ πατάξαντες τὴν Αἴγ. ἐν π. πληγῇ (1)
5. 5. π. ὁ εἰσπορευόμ. εἰς οἶκον Δ. —
— 8. A συνάγουσι τοὺς π. [B om.] σατράπας (1)
— 11. A συνάγουσι π. [B om.] τοὺς σατράπας (1)
6. 18. κατ' ἀριθμὸν π. [A π. τῶν] πόλεων (1)
7. 2. ἐπέβλεψε π. [A π. ὁ] οἶκος Ἰσρ. (1)
— 3. εἶπε Σαμ. πρὸς π. οἶκον Ἰσρ. (1)
— 5. ἀθροίσατε πάντα [A τὸν π.] Ἰσρ. (1)
— 7. συνηθροίσθησαν π. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. —
— 9. ἀνήνεγκεν . . . σὺν π. τῷ λαῷ (11)
— 13. π. τὰς ἡμέρας τοῦ Σαμ. (1)
— 15. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ (1)
— 16. ἐν π. τοῖς ἡγιασμ. τούτοις (1)
8. 4. A συναθροίζονται π. [B om.] ἄνδρες Ἰ. (1)

I Ki. 8. 8. κατὰ π. τὰ ποιήματα [A om. τ. π.] ἃ ἐποίησαν (1)
— 10. εἶπε Σαμ. π. τὸ ῥῆμα (1)
— 20. ἐσόμεθα . . . κατὰ π. τὰ ἔθνη (1)
— 21. ἤκουσε Σαμ. π. τοὺς λόγους (1)
9. 2. ὑψηλὸς ὑπὲρ π. τὴν γῆν (1)
— 6. πᾶν ὃ ἐὰν λαλήσῃ (1)
— 19. π. τὰ ἐν τῇ καρδίᾳ σου (1)
— 20. A καὶ π. [B om.] τῷ οἴκῳ τοῦ πατρός σου (1)
10. 7. πάντα ὅσα ἐὰν εὕρῃ ἡ χεὶρ σου –
— 9. ἦλθε π. τὰ σημεῖα (1)
— 11. π. οἱ εἰδότες [A ἅπ. οἱ ἰδόντες] αὐτόν (1)
— 17. παρήγγειλε Σαμ. π. τῷ λαῷ –
— 18. καὶ ἐκ π. τῶν βασιλειῶν (1)
— 19. σωτὴρ ἐκ π. τῶν κακῶν ὑμῶν (1)
— 20. π. τὰ σκῆπτρα Ἰσρ. (1)
— 23. ὑψώθη ὑπὲρ π. τὸν λαόν (1)
— 24. εἶπε Σαμ. πρὸς π. [A ἅπ.] τὸν λαόν (1)
— 24. οὐκ ἔστιν ὅμοιος αὐτῷ ἐν πᾶσιν ὑμῖν (1)
— 24. καὶ ἔγνωσαν π. ὁ λαός (1)
— 25. ἐξαπέστειλε Σαμ. π. τὸν λαόν (1)
11. 1. εἶπαν π. οἱ ἄνδρες Ἰ. (1)
— 2. π. ὀφθαλμὸν δεξιόν (1)
— 2. A ὄνειδος ἐπὶ πάντα [B om.] Ἰσρ. (1)
— 3. εἰς π. ὅριον Ἰσρ. (1)
— 4. ἦραν π. ὁ λαὸς τὴν φωνὴν αὐ. (1)
— 7. εἰς π. ὅριον Ἰσρ. (1)
— 8. A B π. [B πᾶν] ἄνδρα Ἰσρ. –
— 15. ἐπορεύθη π. ὁ λαὸς εἰς Γάλγ. (1)
— 15. εὐφράνθη . . . πᾶς Ἰσρ. (2 a)
12. 1. εἶπε Σαμ. πρὸς π. [A add. ἄνδρα] Ἰσρ. (1)
— 1. εἰς πάντα ὅσα εἴπατέ μοι (1)
— 7. τὴν π. δικαιοσύνην [A τὰς π. δ.] κυρίου (1)
— 18. B ἐφοβήθησαν π. ὁ λαὸς τὸν κ. (1)
— 19. B εἶπαν π. ὁ λαὸς πρὸς Σαμ. (1)
— 19. B πρὸς π. τὰς ἁμαρτίας ἡμῶν (1)
— 20. B πεποιήκατε τὴν π. κακίαν ταύτην (1)
13. 3. B σαλπίζει εἰς π. τὴν γῆν (1)
— 4. B πᾶς Ἰσρ. ἤκουσε λεγόντων (1)
— 7. B π. ὁ λαὸς ἐξέστη ὀπίσω αὐτοῦ (1)
— 19. B ἐν π. γῇ Ἰσρ. (1)
— 20. B κατέβαινον πᾶς Ἰσρ. (1)
— 22. B ἐν χειρὶ π. τοῦ λαοῦ (1)
14. 7. B ποίει πᾶν (1)
— 15. καὶ π. ὁ λαὸς . . . ἐξέστησαν (1)
— 20. Σ. καὶ π. ὁ λαὸς ὁ μετ' αὐτοῦ (1)
— 22. καὶ πᾶς [A add. ἀνὴρ] Ἰσρ. οἱ κρυπτόμ. (2 b [1])
— 22. π. ὁ λαὸς ἦν μετὰ Σ. –
— 24. οὐκ ἐγεύσατο π. ὁ λαὸς ἄρτου (1)
— 24 (25). π. ἡ γῆ ἤρίστα (1)
— 34. προσῆγεν π. ὁ λαός (1)
— 36. π. τὸ ἀγαθὸν ἐνώπιόν σου ποίει (1)
— 38. προσαγάγετε . . . π. τὰς γωνίας τοῦ Ἰ. (1)
— 39. οὐκ ἦν ὁ ἀποκρινόμ. ἐκ π. τοῦ λαοῦ (1)
— 40. εἶπε π. ἀνδρὶ [B¹ om.] Ἰσρ. (1)
— 47. ἐπολέμει . . . π. τοὺς ἐχθροὺς αὐ. (1)
— 51 (52). π. τὰς ἡμέρας Σαούλ (1)
— 52. ἰδὼν Σ. π. ἄνδρα δυνατὸν καὶ π. ἄνδρα υἱὸν δυνάμεως (1, 1)
15. 3. καὶ π. τὰ [A om.] αὐτοῦ (1)
— 3. καὶ π. τὰ αὐτοῦ (1?)
— 6. A μετὰ π. [B om.] τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 8. συνέλαβε . . . π. τὸν λαόν (1)
— 9. Σ. καὶ π. ὁ λαός –
— 9. τὰ ἀγαθὰ . . . π. τῶν ἀγαθῶν (1)
— 9. π. ἔργον ἠτιμωμένον . . . ἐξωλέθρευσαν (1)
— 13. B ἔστησα πάντα [A B om.] ὅσα ἐλάλησε κ. –
16. 4. ἐποίησε Σαμ. πάντα. –
17. 11. ἤκουσε Σ. καὶ πᾶς Ἰσρ. (1)
— 19. A Σ. αὐτὸς καὶ π. ἀνὴρ Ἰσρ. (1)
— 24. A καὶ π. ἀνὴρ Ἰσρ. (1)
— 46. γνώσεται π. ἡ γῆ (1)
— 47. γνώσεται π. ἡ ἐκκλησία αὕτη (1)
18. 5. A ἐξεπορεύετο Δ. ἐν πᾶσιν (1)
— 5. A ἐν ὀφθαλμοῖς π. τοῦ λαοῦ (1)
— 6. ἐκ π. [A π. τῶν] πόλεων Ἰσρ. (1)
— 14. ἐν π. ταῖς ὁδοῖς αὐ. συνίων (1)
— 16. πᾶς Ἰσρ. καὶ Ἰούδας (1)
— 22. π. οἱ παῖδες αὐτοῦ ἀγαπῶσί σε (1)
— 28. πᾶς Ἰσραὴλ ἠγάπα αὐτόν †
— 29. A ἐχθρεύων τὸν Δ. π. τὰς ἡμέρας (1)
— 30. A παρὰ π. τοὺς δούλους Σ. (1)
19. 1. ἐλάλησε . . . πρὸς π. τοὺς παῖδας αὐτοῦ (1)
— 5. πᾶς Ἰσραὴλ εἶδον (1)
— 7. ἀπήγγειλεν αὐτῷ π. τὰ ῥήμ. ταῦτα (1)

I Ki. 19. 18. ἀπαγγέλλει αὐτῷ πάντα (1)
20. 31. π. τὰς ἡμέρας ἃς ὁ υἱὸς Ἰ. ζῇ (1)
21. 5 (6). γέγονε π. τὰ παιδάρια ἡγνισμένα †
22. 1. A καὶ πᾶς [B om.] ὁ οἶκος τοῦ πατρὸς αὐ. (1)
— 2. πᾶς ἐν ἀνάγκῃ καὶ πᾶς ὑπόχρεως καὶ πᾶς [A om. π. ὑ. κ. π.] κατώδυνος ψυχῇ (2 a ter)
— 4. κατῴκουν μετ' αὐτοῦ π. τὰς ἡμ. (1)
— 6. π. οἱ παῖδες αὐ. παρειστήκεισαν αὐτῷ (1)
— 7. εἰ ἀληθῶς πᾶσιν ὑμῖν δώσει . . . ἀγρούς (1)
— 7. πάντας ὑμᾶς τάξει ἑκατοντάρχους (1)
— 8. σύγκεισθε πάντες ὑμεῖς ἐπ' ἐμέ (1)
— 11. καὶ π. τοὺς υἱοὺς τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (1)
— 11. παρεγένοντο πάντες πρὸς τὸν βασ. (1)
— 14. τίς ἐν π. τοῖς δούλοις σου . . . πιστός (1)
— 14. ἄρχων π. παραγγέλματός σου †
— 15. οὐκ ᾔδει . . . ἐν π. τούτοις ῥῆμα μικρόν (1)
— 16. καὶ π. ὁ οἶκος τοῦ πατρός σου (1)
— 18. π. αἴροντας ἐφούδ –
— 21. ἐθανάτωσε Σ. π. τοὺς ἱερεῖς τοῦ κ. –
23. 8. παρήγγειλε Σ. π. τῷ λαῷ (1)
— 14. ἐζήτει αὐτὸν Σ. π. τὰς ἡμέρας (1)
— 20. πᾶν τὸ πρὸς ψυχὴν τοῦ βασ. (1)
— 23. A ἐκ π. τῶν τόπων ὅπου κρύβεται (1)
— 23. ἐν π. [A πᾶσιν] χιλιάσιν Ἰούδα (1)
24. 3. ἐκλεκτοὺς ἐκ παντὸς Ἰσρ. (1)
25. 1. συναθροίζονται πᾶς Ἰσρ. (1)
— 6. καὶ π. τὰ σὰ ὑγιαίνοντα (1)
— 7. π. τὰς ἡμέρας ὄντων αὐτῶν ἐν Καρ. (1)
— 9. κατὰ π. τὰ ῥήματα ταῦτα (1)
— 12. A κατὰ π. [B om.] τὰ ῥήματα ταῦτα (1)
— 15. π. τὰς ἡμέρας ἃς ἦμεν παρ' αὐτοῖς (1)
— 16. π. τὰς ἡμ. ἃς ἤμεθα παρ' αὐτοῖς (1)
— 17. A καὶ εἰς π. [B om.] τὸν οἶκον αὐ. (1)
— 21. πεφύλακα π. τὰ αὐτοῦ (1)
— 21. λαβεῖν ἐκ π. τῶν αὐτοῦ (1)
— 22. ἐκ π. τῶν τοῦ N. (1)
— 30. ποιήσει κύριος τῷ κ. μου πάντα (1)
— 35. ἔλαβε Δ. . . . πάντα –
26. 12. πάντες ὑπνοῦντες (1)
— 24. ἐξελεῖται με ἐκ π. θλίψεως (1)
27. 1. εἰς π. ὅριον Ἰσρ. (1)
— 8. ἐπετίθεντο ἐπὶ π. τὸν Γ. –
— 11. π. τὰς ἡμέρας ἃς ἐκάθητο Δ. (1)
28. 2. ἀρχισωματοφ. θήσομαί σε π. τὰς ἡμέρας (1)
— 3. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. (1)
— 4. συναθροίζει Σ. π. ἄνδρα Ἰσρ. (1)
29. 1. συναθροίζουσιν . . . π. τὰς παρεμβ. αὐ. (1)
30. 2. καὶ π. τὰ ἐν αὐτῇ –
— 6. κατώδυνος ψυχὴ π. τοῦ λαοῦ (1)
— 16. ἐπὶ πρόσωπον π. τῆς γῆς (1)
— 16. ἐν π. τοῖς σκύλοις τοῖς μεγ. (1)
— 18. ἀφείλατο Δ. πάντα (1)
— 19. ἕως πάντων ὧν ἔλαβον αὐτῶν (1)
— 19. πάντα [A -ας] ἐπέστρεψε Δ. (1)
— 20. ἔλαβε π. τὰ ποίμνια (1)
— 22. ἀπεκρίθη π. ἀνὴρ λοιμός (1)
— 31. π. τοὺς τόπους οὓς διῆλθε Δ. (1)
31. 6. A καὶ π. οἱ ἄνδρες αὐτοῦ (1)
— 12. ἀνέστησαν π. ἀνὴρ δυνάμεως (1)
II Ki. 1. 9. π. ἡ ψυχή μου ἐν ἐμοί (1)
— 11. π. οἱ ἄνδρες οἱ μετ' αὐτοῦ (1)
2. 9. καὶ ἐπὶ πάντα [A ἅπ.] Ἰσρ. (1)
— 23. π. ὁ ἐρχόμενος ἕως τοῦ τόπου (1)
— 28. ἀπέστησαν π. ὁ λαός (1)
— 30. συνήθροισε π. τὸν λαόν (1)
3. 12. ἐπιστρέψαι . . . π. τὸν οἶκον Ἰσρ. (1)
— 18. ἐκ χειρὸς π. τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν (1)
— 19. τοῦ λαλῆσαι . . . πάντα (1)
— 19. ἐν ὀφθαλμοῖς π. οἴκου B. (1)
— 21. συναθροίσω . . . πάντα [A τὸν π.] Ἰσρ. (1)
— 21. βασιλεύσεις ἐπὶ πᾶσιν (1)
— 23. καὶ π. ἡ στρατιὰ αὐτοῦ (1)
— 29. ἐπὶ π. τὸν οἶκον τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (1)
— 31. πρὸς π. τὸν λαὸν τὸν μετ' αὐτοῦ (1)
— 32. ἔκλαυσε π. ὁ λαός (1)
— 34. συνήχθη π. ὁ λαός (1)
— 35. ἦλθε π. ὁ λαός (1)
— 35. ἢ ἀπὸ παντός τινος (1)
— 36. ἔγνω π. ὁ λαός (1)
— 36. ἤρεσεν ἐνώπιον αὐτῶν πάντα (1)
— 37. ἔγνω π. ὁ λαὸς καὶ πᾶς Ἰσρ. (1, 1)
4. 1. π. οἱ ἄνδρες Ἰσρ. παρείθησαν (1)
— 9. ἐλυτρώσατο τὴν ψυχήν μου ἐκ π. θλίψεως (1)
5. 1. παραγίνονται π. αἱ φυλαὶ Ἰσρ. (1)
— 3. ἔρχονται π. οἱ πρεσβύτεροι Ἰσρ. (1)

II Ki. 5. 3. εἰς βασιλέα ἐπὶ πάντα Ἰσρ. –
— 5. ἐβασίλευσεν ἐπὶ πάντα Ἰσρ. (1)
— 8. π. τύπτων Ἰεβουσαῖον (1)
— 17. ἀνέβησαν π. οἱ ἀλλόφυλοι (1)
6. 1. συνήγαγεν ἔτι Δ. π. νεανίαν (1)
— 2. καὶ π. ὁ λαὸς ὁ μετ' αὐτοῦ (1)
— 11, 12. καὶ π. τὰ αὐτοῦ (1)
— 15. καὶ π. ὁ οἶκος Ἰσρ. (1)
— 19. διεμέρισε π. τῷ λαῷ εἰς π. τὴν δύναμιν τοῦ Ἰσρ. (1, 1)
— 19. ἀπῆλθε π. ὁ λαός (1)
— 21. καὶ ὑπὲρ π. τὸν οἶκον αὐτοῦ (1)
7. 1. ἀπὸ π. τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ (1)
— 3. πάντα ὅσα ἂν ἐν τῇ καρδίᾳ σου (1)
— 7. ἐν πᾶσιν οἷς διῆλθον ἐν παντὶ Ἰσρ. (1, 1)
— 9. ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύου (1)
— 9. ἐξωλέθρευσα π. τοὺς ἐχθρούς σου (1)
— 11. ἀναπαύσω σε ἀπὸ π. τῶν ἐχθρῶν σου (1)
— 17. κατὰ π. τοὺς λόγους τούτους (1)
— 17. κατὰ π. τὴν ὅρασιν ταύτην (1)
— 21. ἐποίησας π. τὴν μεγαλωσύνην ταύτην (1)
— 22. ἐν πᾶσιν οἷς ἠκούσαμεν (1)
8. 4. παρέλυσε Δ. π. τὰ ἅρματα (1)
— 6. ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύετο (1)
— 8. καὶ π. τὰ σκεύη –
— 9. ἐπάταξε Δ. π. τὴν δύναμιν Ἀδρ. (1)
— 11. οὗ ἡγίασεν ἐκ π. τῶν πόλεων (1)
— 14. ἐν π. τῇ Ἰδουμαίᾳ (1)
— 14. ἐγένοντο π. οἱ [A om.] Ἰδουμ. δοῦλοι (1)
— 14. ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύετο (1)
— 15. B ἐβασίλευσε Δ. ἐπὶ πάντα [A B om.] Ἰσρ. (1)
— 15. ἐπὶ π. τὸν λαὸν αὐτοῦ (1)
9. 7. ἀποκαταστήσω σοι π. ἀγρὸν Σ. (1)
— 7. φάγῃ ἄρτον . . . διὰ παντός (8 g)
— 9. πάντα ὅσα ἐστὶ τῷ Σ. (1)
— 10. φάγεται διὰ παντὸς ἄρτον (8 g)
— 11. κατὰ πάντα ὅσα ἐντέταλται ὁ κ. μου (1)
— 12. π. ἡ κατοίκησις αὐτοῦ (1)
— 13. διὰ παντὸς ἤσθιε (8 g)
10. 7. ἀπέστειλε τὸν Ἰ. καὶ π. τὴν δύναμιν (1)
— 9. ἐκ π. τῶν [A om.] νεανιῶν Ἰσρ. (1)
— 17. συνήγαγε τὸν π. Ἰσρ. (1)
— 19. εἶδαν π. οἱ βασιλεῖς (1)
11. 1. ἀπέστειλε Δ. . . . τὸν π. [A ἅπ.] Ἰσρ. (1)
— 18, 19. π. τοὺς λόγους τοῦ πολέμου (1)
— 22. ἀπήγγειλε τῷ Δ. πάντα (1)
— 22. π. τὰ ῥήματα τοῦ πολέμου –
12. 12. ἐναντίον παντὸς Ἰσρ. (1)
— 29. συνήγαγε Δ. π. τὸν λαόν (1)
— 31. οὕτως ἐποίησε π. ταῖς [A τοῖς] πόλεσιν (1)
— 31. ἐπέστρεψε . . . π. ὁ λαός (1)
13. 9. ἐξαγάγετε π. ἄνδρα (1)
— 9. ἐξήγαγον π. ἄνδρα (1)
— 21. ἤκουσεν . . . π. τοὺς λόγους τούτους (1)
— 23. ἐκάλεσεν Ἀβ. π. τοὺς υἱοὺς τοῦ βασ. (1)
— 25. μὴ πορευθῶμεν πάντες ἡμεῖς (1)
— 27. καὶ π. τοὺς υἱοὺς τοῦ βασ. (1)
— 29. ἀνέστησαν π. οἱ υἱοὶ τοῦ βασ. (1)
— 30. ἐπάταξεν Ἀβ. π. τοὺς υἱοὺς τοῦ βασ. (1)
— 31. καὶ π. οἱ παῖδες αὐτοῦ (1)
— 32. π. τὰ παιδάρια τοὺς υἱοὺς τοῦ βασ. ἐθανάτωσεν (1)
— 33. π. οἱ υἱοὶ τοῦ βασ. ἀπέθανον (1)
— 36. καὶ π. οἱ παῖδες αὐτοῦ (1)
— 37. ἐπένθησεν . . . π. τὰς ἡμέρας (1)
14. 19. μὴ ἡ χεὶρ Ἰ. ἐν π. τούτῳ (1)
— 19. ἐκ πάντων [A add. τούτων] ὧν ἐλάλησεν (1)
— 19. ἔθετο . . . π. τοὺς λόγους τούτους (1)
— 20. τοῦ γνῶναι π. τὰ ἐν τῇ γῇ (1)
— 25. οὐκ ἦν ἀνὴρ [A add. καλὸς] ἐν παντὶ Ἰσρ. (1)
15. 2. π. ἀνὴρ ᾧ ἐγένετο κρίσις (1)
— 4. π. ἀνὴρ ᾧ ἐὰν ᾖ ἀντιλογία (1)
— 6. ἐποίησεν Ἀβ. . . . παντὶ Ἰσρ. (1)
— 10. ἀπέστειλεν . . . ἐν [A om.] π. φυλαῖς Ἰσρ. (1)
— 11. οὐκ ἔγνωσαν π. ῥῆμα (1)
— 14. εἶπε Δ. π. τοῖς παισὶν αὐ. (1)
— 15. κατὰ πάντα ὅσα αἱρεῖται (1)
— 16. ὁ βασ. καὶ π. ὁ οἶκος αὐ. (1)
— 17. ὁ βασ. καὶ π. οἱ παῖδες αὐτοῦ (1)
— 18. καὶ π. οἱ παῖδες αὐτοῦ (1)
— 18. B καὶ πᾶς Χελ. καὶ π. ὁ Φελ. (1, 1)
— 18. B π. ὁ λαὸς παρεπορεύετο –
— 18. B καὶ π. οἱ περὶ αὐτὸν καὶ π. οἱ ἄδροὶ καὶ π. οἱ μαχηταί (– ter)
— 18. π. ὁ Χελ. καὶ π. ὁ Φελ. καὶ π. οἱ Γ. (1 ter)

II Ki. 15. 22. καὶ π. οἱ παῖδες αὐτοῦ καὶ π. ὁ [A om.] ὄχλος ὁ μετ' αὐτοῦ (1, 1)
— 23. π. ἡ γῆ ἔκλαιε (1)
— 23. π. ὁ λαὸς παρεπορεύοντο (1)
— 23. π. ὁ λαὸς καὶ ὁ βασ. [A om. κ. ὁ β.] (1)
— 24. καὶ π. οἱ Λευῖται μετ' αὐτοῦ (1)
— 24. ἐπαύσατο π. ὁ λαός (1)
— 30. π. ὁ λαὸς ὁ [A οἱ] μετ' αὐτοῦ (1)
— 35. π. ῥῆμα ὃ ἐὰν ἀκούσῃς (1)
— 36. π. ῥῆμα ὃ ἐὰν ἀκούσητε (1)
16. 4. ἰδοὺ σοὶ πάντα (1)
— 6. καὶ π. τοὺς παῖδας τοῦ βασ. Δ. (1)
— 6. καὶ π. ὁ λαὸς ἦν καὶ π. οἱ δυνατοί (1, 1)
— 8. ἐπέστρεψεν . . . π. τὰ αἵματα (1)
— 11. καὶ πρὸς π. τοὺς παῖδας αὐ. (1)
— 13. R καὶ π. [A B om.] οἱ ἄνδρες αὐτοῦ –
— 14. καὶ π. ὁ λαὸς μετ' αὐτοῦ [A al.] (1)
— 15. καὶ π. ἀνὴρ [A ὁ λαὸς] Ἰσρ. (1)
— 18. καὶ π. ἀνὴρ Ἰσρ. (1)
— 21. ἀκούσεται [A -σονται] πᾶς Ἰσρ. (1)
— 21. αἱ χεῖρες πάντων τῶν μετὰ σοῦ (1)
— 22. κατ' ὀφθαλμοὺς παντὸς Ἰσρ. (1)
— 23. οὕτως π. ἡ βουλὴ τῷ Ἀχ. (1)
17. 2. π. ὁ λαὸς ὁ μετ' αὐτοῦ (1)
— 3. ἐπιστρέψω π. τὸν λαόν (1)
— 3. π. τῷ λαῷ ἔσται εἰρήνη (1)
— 4. ἐν ὀφθ. π. τῶν πρεσβυτέρων Ἰσρ. (1)
— 10. οἶδε πᾶς Ἰσρ. (1)
— 11. συναχθήσεται ἐπὶ σὲ πᾶς Ἰσρ. (1)
— 12. A οὐχ ὑπολειψόμεθα . . . ἐν πᾶσιν [B om. ἐν π.] (1)
— 13. λήψεται πᾶς [A add. ἀνὴρ] Ἰσρ. (1)
— 14. Ἀβ. καὶ π. ἀνὴρ Ἰσρ. (1)
— 14. ὅπως ἂν ἐπαγάγῃ . . . τὰ κακὰ π. –
— 16. καὶ π. [A om.] τὸν λαὸν τὸν μετ' αὐτοῦ (1)
— 22. καὶ π. ὁ λαὸς ὁ [A om.] μετ' αὐτοῦ (1)
— 24. καὶ π. ἀνὴρ [A om.] Ἰσρ. μετ' αὐτοῦ (1 [2 a])
— 26. παρενέβαλε πᾶς Ἰσρ. –
18. 4. π. ὁ λαὸς ἐξεπορεύετο (1)
— 5. B π. ὁ λαὸς ἤκουσεν ἐντελλομένου τοῦ βασ. π. τοῖς ἄρχουσιν (1, 1)
— 6. ἐξῆλθε π. ὁ λαός –
— 7. A ἔπταισεν ἐκεῖ π. [B om.] ὁ λαός –
— 8. ἐπὶ πρόσωπον π. τῆς γῆς (1)
— 13. π. ὁ [A om.] λόγος οὐ λήσεταί (1)
— 17. πᾶς Ἰσρ. ἔφυγεν (1)
— 31. ἐκ χειρὸς π. τῶν ἐπεγειρομ. [A ἐγειρομ.] (1)
— 32. πάντες ὅσοι ἐπανέστησαν ἐπ' αὐτόν (1)
19. 2 (3). εἰς πένθος π. τῷ λαῷ (1)
— 5 (6). τὸ πρόσωπον π. τῶν δούλων σου (1)
— 6 (7). πάντες ἡμεῖς σήμερον νεκροί (1)
— 7 (8). ὑπὲρ π. τὸ κακὸν τὸ ἐπελθόν σοι (1)
— 8 (9). καὶ π. ὁ λαὸς ἀνήγγειλαν (1)
— 8 (9). εἰσῆλθε π. ὁ λαός (1)
— 9 (10). ἦν π. ὁ λαὸς κρινόμ. ἐν π. φυλαῖς Ἰσρ. (1, 1)
— 9 (10). ἀπὸ π. τῶν ἐχθρῶν ἡμῶν –
— 10 (11). τὸ ῥῆμα παντὸς Ἰσρ. –
— 11 (12). λόγος παντὸς [A -τι] Ἰσρ. ἦλθε (1)
— 13 (14). ἄρχων δυνάμεως ἔσῃ . . . π. τὰς ἡμέρας (1)
— 14 (15). τὴν καρδίαν π. ἀνδρὸς Ἰ. (1)
— 14 (15). καὶ π. οἱ δοῦλοί σου (1)
— 20 (21). πρότερος παντὸς Ἰσρ. καὶ [A om. Ἰ. καὶ] οἶκου Ἰ. (1)
— 28 (29). π. ὁ οἶκος τοῦ πατρός μου [A al.] (1)
— 30 (31). τὰ π. λαβέτω (1)
— 38 (39). πάντα ὅσα ἐκλέξῃ (1)
— 39 (40). διέβη π. ὁ λαὸς τὸν Ἰ. (1)
— 40 (41). A διέβη π. ὁ λαός [B δ. ὁ βασ.] †
— 40 (41). π. ὁ λαὸς Ἰ. διαβαίνοντες (1)
— 41 (42). π. ἀνὴρ Ἰσρ. παρεγένοντο (1)
— 41 (42). καὶ π. ἄνδρες Δ. μετ' αὐτοῦ (1)
— 42 (43). ἀπεκρίθη π. ἀνὴρ Ἰ. (1)
20. 2. A R ἀνέβη π. ἀνὴρ [B om.] Ἰσρ. (1 [2 a])
— 7. καὶ π. οἱ δυνατοί (1)
— 12. εἱστήκει π. ὁ λαός (1)
— 12. π. τὸν ἐρχόμενον ἐπ' αὐτόν (1)
— 13. παρῆλθε π. ἀνὴρ Ἰσρ. (1)
— 14. διῆλθεν ἐν π. φυλαῖς Ἰσρ. (1)
— 14. καὶ πάντες ἐν Χ. (1)
— 15. π. ὁ λαὸς ὁ μετὰ Ἰ. (1)
— 22. εἰσῆλθεν . . . πρὸς π. τὸν λαόν (1)
— 22. ἐλάλησε πρὸς π. τὴν πόλιν –
— 23. πρὸς π. τῇ δυνάμει Ἰσρ. (1)
21. 5. ἐν π. ὁρίῳ Ἰσρ. (1)
II Ki. 21. 14. καὶ ἐποίησαν πάντα (1)
22. 1. ἐκ χειρὸς π. τῶν ἐχθρῶν αὐ. (1)
— 23. π. τὰ κρίματα αὐτοῦ κατεναντίον μου (1)
— 31. π. τοῖς πεποιθόσιν ἐπ' αὐτῷ (1)
23. 5. διαθήκην . . . ἐν π. καιρῷ πεφυλαγμένην (1)
— 5. π. σωτηρία καὶ π. θέλημα (1, 1)
— 6. ὥσπερ ἄκανθα ἐξωσμένη π. οὗτοι (1)
— 39 (38). πάντες τριάκοντα καὶ ἑπτά (1)
24. 2. διελθε δὴ π. φυλὰς Ἰσρ. (1)
— 7. καὶ π. τὰς πόλεις τοῦ Εὐαίου (1)
— 8. περιώδευσαν ἐν π. τῇ γῇ (1)
— 23. τὰ π. ἔδωκεν Ὀρνὰ τῷ βασ. (1)
III Ki. 1. 3. ἐκ π. ὁρίου Ἰσρ. (1)
— 9. A R ἐκάλεσε π. [B om.] τοὺς ἀδ. αὐτοῦ (1)
— 9. A R καὶ π. [B om.] τοὺς ἀδροὺς [A ἄνδρας] Ἰ. (1)
— 19. ἐκάλεσε π. τοὺς υἱοὺς τοῦ βασ. (1)
— 20. οἱ ὀφθαλμοὶ παντὸς Ἰσρ. πρὸς σέ (1)
— 25. ἐκάλεσε π. τοὺς υἱοὺς τοῦ βασ. (1)
— 29. ἐλυτρώσατο τὴν ψυχήν μου ἐκ π. θλίψεως (1)
— 39. εἶπε π. ὁ λαός (1)
— 40. ἀνέβη π. ὁ λαὸς ὀπίσω αὐτοῦ (1)
— 41. Ἀδ. καὶ π. οἱ κλητοὶ αὐτοῦ (1)
— 49. π. οἱ κλητοὶ τοῦ Ἀδ. (1)
2. 2. πορεύομαι ἐν ὁδῷ π. τῆς γῆς (1)
— 3. ἃ ποιήσεις κατὰ πάντα (1)
— 14 (15). ἔθετο πᾶς Ἰσρ. τὸ πρόσωπον αὐτοῦ (1)
— 26. A R ἐκακουχήθης ἐν πᾶσιν [B ἅπ.] (1)
3. 1 (4. 30 [5. 10]). π. ἀρχαίων υἱῶν (1)
— 1 (4. 30 [5. 10]). ὑπὲρ π. φρονίμους Αἰγ. (1)
— 1 (2. 44). οἶδας [A ἔγνως] π. τὴν κακίαν σου (1)
— 1 (B), 4. 21 (A) [5. 1]. ἄρχων ἐν π. ταῖς βασιλείαις [A al.] (1)
— 1 (B), 4. 21 (A) [5. 1]. π. τὰς [A om.] ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ (1)
— 1 (4. 24 [5. 4]). B ἐν παντὶ πέραν τοῦ ποταμοῦ (1)
— 1 (4. 24 [5. 4]). B ἐν π. τοῖς βασ. πέραν τοῦ ποταμοῦ (1)
— 1 (4. 24 [5. 4]). B ἐκ π. τῶν μερῶν αὐτοῦ κυκλόθεν (1)
— 1 (B), 4. 25 (A) [5. 5]. π. τὰς ἡμέρας Σαλ. (1)
— 1. B ἐν π. τοῖς βασ. ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ –
— 13. A π. τὰς ἡμέρας σου (1)
— 15. καὶ π. τοῖς παισὶν ἑαυτοῦ (1)
— 28. ἤκουσαν πᾶς Ἰσρ. τὸ κρίμα τοῦτο (1)
4. 7. δώδεκα καθεσταμένοι ἐπὶ πάντα Ἰσρ. (1)
— 10. A R καὶ π. ἡ γῆ Ὀφήρ [B al.] (1)
— 11. A R πᾶσαν N. [B al.] (1)
— 12. καὶ π. ὁ οἶκος Σ. (1)
— 27 (5. 7). A R καὶ π. τὰ [B om.] διαγγέλματα ἐπὶ τὴν τράπεζαν (1)
— 24 (5. 4). A ἐν παντὶ [B om. ἐν π.] πέραν τοῦ ποτ. (1)
— 24 (5. 4). A ἐν π. βασιλεῦσιν πέραν τοῦ ποτ. (1)
— 24 (5. 4). ἐκ π. τῶν μερῶν κυκλόθεν (1)
— 30 (5. 10). ὑπὲρ τὴν φρόνησιν π. ἀρχαίων ἀνθρ. (1)
— 30 (5. 10). ὑπὲρ π. φρονίμους Αἰγ. (1)
— 31 (5. 11). ὑπὲρ π. τοὺς ἀνθρώπους (1)
— 31 (5. 11). A ἐν π. τοῖς ἔθνεσιν κύκλῳ (1)
— 34 (5. 14). παρεγίνοντο π. οἱ λαοί (1)
— 34 (5. 14). καὶ παρὰ π. τῶν βασ. τῆς γῆς (1)
5. 1 (15). ἀγαπῶν ἦν Χ. τὸν Δ. π. τὰς ἡμέρας (1)
— 6 (20). κατὰ πάντα ὅσα ἂν εἴπῃς (1)
— 8 (22). ἀκήκοα περὶ πάντων –
— 8 (22). ποιήσω π. θέλημά σου (1)
— 10 (24). καὶ π. θέλημα αὐτοῦ (1)
— 13 (27). φόρον ἐκ παντὸς Ἰσρ. (1)
6. 1 (38). εἰς π. λόγον αὐ. καὶ εἰς π. διάταξιν αὐ. (1, 1)
— 7. π. σκεῦος σιδηροῦν οὐκ ἠκούσθη (1)
— 12. A καὶ φυλάσσῃς π. τὰς ἐντολάς μου (1)
— 18. A καὶ ἀνάγλυφα π. κέδρινα (1)
— 21 (22). ἕως συντελείας π. τοῦ οἴκου (1)
— 29. π. τοὺς τοίχους τοῦ οἴκου (1)
7. 14. τοῦ ποιεῖν π. ἔργον ἐν χαλκῷ (1)
— 14. ἐποίησε π. τὰ ἔργα (1)
— 25. καὶ π. τὰ ὀπίσθια εἰς τὸν οἶκον (1)
— 33. πάντα χωνευτά (1)
— 37. ἐποίησε π. τὰς δέκα μεχ. –
— 37. μέτρον ἐν πάσαις (1)
— 40. ποιῶν π. τὰ ἔργα (1)
— 45. καὶ π. τὰ σκεύη (1)
— 45. π. τὰ ἔργα τοῦ βασ. –
III Ki. 7. 47. οὗ ἐποίησε π. τὰ ἔργα ταῦτα –
— 48. A ἐπὶ π. τὰ σκεύη [B al.] –
— 48. A ἐποίησεν Σαλ. π. τὰ σκεύη [B al.] (1)
— 51. καὶ π. τὰ ἅγια Σαλ. –
— 5. καὶ π. τὰ θυρώματα (1)
— 9. π. ταῦτα ἐκ λίθων τιμίων (1)
8. 1. π. τοὺς πρεσβυτέρους Ἰσρ. –
— 1. A σὺν πάσας κεφαλὰς τῶν ῥάβδων (1)
— 2. A π. ἀνὴρ Ἰσρ. (1)
— 3. A ἦλθον π. οἱ πρεσβύτεροι Ἰσρ. (1)
— 4. A π. [B om.] τὰ σκεύη τὰ ἅγια (1)
— 5. πᾶς [A π. συναγωγὴ] Ἰσρ. (1)
— 14. εὐλόγησεν ὁ βασ. πάντα Ἰσρ. (1)
— 14. π. ἐκκλησία Ἰσρ. εἱστήκει (1)
— 22. ἐνώπιον π. ἐκκλησίας Ἰσρ. (1)
— 37. π. συνάντημα πᾶν [A πάντα] πόνον (1, 1)
— 38. π. προσευχὴν π. δέησιν ἐὰν γένηται π. ἀνθρώπῳ (1 ter)
— 38. A π. λαοῦ σου Ἰσρ. (1)
— 39. A κατὰ π. [B om.] τὰς ὁδοὺς αὐτοῦ (1)
— 39. τὴν καρδίαν π. υἱῶν ἀνθρώπων (1)
— 40. ὅπως φοβῶνταί σε π. τὰς ἡμέρας (1)
— 40. A ἐπὶ προσώπου πάσης [B om. πρ. π.] τῆς γῆς –
— 43. ποιήσεις κατὰ πάντα (1)
— 43. ὅπως γνῶσι π. οἱ λαοί (1)
— 50. κατὰ π. τὰ ἀθετήματα αὐτῶν (1)
— 52. ἐν πᾶσιν οἷς ἂν ἐπικαλέσωνταί σε (1)
— 53. ἐκ π. τῶν λαῶν τῆς γῆς (1)
— 55. εὐλόγησε π. ἐκκλησίαν Ἰσρ. (1)
— 56. κατὰ πάντα ὅσα ἐλάλησεν (1)
— 56. ἐν π. τοῖς λόγοις αὐ. τοῖς ἀγαθοῖς (1)
— 58. τοῦ πορεύεσθαι ἐν π. ὁδοῖς αὐτοῦ (1)
— 58. φυλάσσειν π. ἐντολὰς αὐτοῦ –
— 60. ὅπως γνῶσι π. οἱ λαοὶ τῆς γῆς (1)
— 62, 63. καὶ π. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1)
— 65. καὶ πᾶς Ἰσρ. μετ' αὐτοῦ (1)
— 66. A ἐπὶ π. [B om.] τοῖς ἀγαθοῖς (1)
9. 1. καὶ π. τὴν πραγματείαν Σαλ. (1)
— 3. κατὰ π. τὴν προσευχήν σου –
— 3. ἔσονται . . . ἐκεῖ . . . π. τὰς ἡμέρας (1)
— 4. τοῦ ποιεῖν κατὰ πάντα (1)
— 7. εἰς λάλημα εἰς π. τοὺς λαούς (1)
— 8. π. ὁ διαπορευόμ. δι' αὐτοῦ (1)
— 11. καὶ ἐν [A om.] π. θελήματι αὐτοῦ (1)
10. 2. ἐλάλησεν αὐτῷ πάντα (1)
— 3. ἀπήγγειλεν αὐτῇ Σ. π. τοὺς λόγους αὐ. (1)
— 4. εἶδε . . . π. φρόνησιν Σαλ. (1)
— 7. ἐπὶ π. τὴν ἀκοὴν ἣν ἤκουσα –
— 8. οἱ ἀκούοντες π. τὴν φρόνησίν σου –
— 13. ἔδωκε . . . πάντα ὅσα ἠθέλησεν (1)
— 13. ἐκτὸς πάντων ὧν ἐδεδώκει αὐτῇ –
— 13. καὶ π. οἱ παῖδες αὐτῆς –
— 15. χωρὶς τῶν φόρων . . . π. τῶν βασ. τοῦ πέραν (1)
— 20. οὐ γέγονεν οὕτως π. βασιλείᾳ (1)
— 21. π. τὰ σκεύη τὰ ὑπὸ τοῦ Σαλ. [A al.] (1)
— 21. π. τὰ σκεύη οἴκου δρυμοῦ (1)
— 22 (B), 9. 19 (A). A π. τὰς πόλεις τῶν σκηνωμ. (1)
— 22 (B), 9. 19 (A). π. [A om.] τὰς πόλεις τῶν ἁρμ. –
— 22 (B), 9. 19 (A). π. τὰς πόλεις τῶν ἱππέων –
— 22 (B), 9. 19 (A). καὶ ἐν π. τῇ γῇ (1)
— 22 (B), 9. 20 (A). A R π. τὸν λαὸν τὸν ὑπολελειμμένον [B -δεδειγμ.] (1)
— 23. ἐμεγαλύνθη Σ. ὑπὲρ π. τοὺς βασ. (1)
— 24. πάντες βασιλεῖς τῆς γῆς (1)
— 26. ἦν ἡγούμενος π. τῶν βασ. –
— 29. οὕτως π. τοῖς βασιλεῦσι (1)
11. 8. οὕτως ἐποίησε π. ταῖς γυν. αὐ. (1)
— 14 (B), 25 (A). π. τὰς ἡμέρας Σαλ. (1)
— 15. ἔκοψαν π. ἀρσενικὸν ἐν τῇ Ἰδ. (1)
— 16. Ἰωὰβ καὶ πᾶς Ἰσρ. (1)
— 16. ἐξωλέθρευσε π. ἀρσενικόν (1)
— 17. καὶ π. ἄνδρες [B¹ om.] Ἰδουμαῖοι –
— 32. ἐκ π. φυλῶν Ἰσρ. (1)
— 34. π. τὰς ἡμ. τῆς ζωῆς αὐτοῦ (1)
— 36. ὅπως ᾖ θέσις . . . π. τὰς ἡμέρας (1)
— 38. ἐὰν φυλάξῃς πάντα (1)
— 39. A πλὴν οὐ π. τὰς ἡμέρας (1)
— 41. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησε (1)
— 41. καὶ π. τὴν φρόνησιν αὐτοῦ –
— 42. A R ἐβασίλευσεν . . . ἐπὶ πάντα Ἰσρ. [B om. ἐ. π. Ἰ.] (1)

III Ki. 12. 1. εἰς Σ. ἤρχοντο πᾶς Ἰσρ. (1)
— 3. A καὶ π. ἡ ἐκκλησία Ἰσρ. (1)
— 7. ἔσονταί σοι δοῦλοι π. τὰς ἡμέρας (1)
— 12. παρεγένετο πᾶς Ἰσρ. (1)
— 16. καὶ εἶδον πᾶς Ἰσρ. (1)
— 18. A ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. [B om. π. Ἰ.] (1)
— 20. ὡς ἤκουσε πᾶς [A om.] Ἰσρ. (1)
— 23. καὶ πρὸς πάντα οἶκον Ἰ. (1)
— 24. B συνάγεται ἐκεῖ π. σκῆπτρον Ἐφρ. –
— 24. B εἶπε π. ὁ λαός –
— 24. B διεσπάρη π. ὁ λαός –
— 24. B π. σκῆπτρον Ἰ. καὶ π. σκῆπτρον Βεν. –, –
— 24. B συνήθροισε Ῥ. π. ἄνδρα Ἰ. –
— 24. B εἶπον . . . πρὸς π. οἶκον Ἰ. –
13. 11. A R π. [B ἅπ.] τὰ ἔργα ἃ ἐποίησεν (1)
14. 8. A ὃς ἐπορεύθη . . . ἐν π. καρδίᾳ αὐτοῦ (1)
— 9. A παρὰ παντὸς ὅσοι ἐγένοντο (1)
— 13. A κόψονται αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. (1)
— 18. A ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. (1)
— 21. ἐκ π. φυλῶν τοῦ Ἰσρ. (1)
— 22. ἐν πᾶσιν οἷς ἐποίησαν (1)
— 23. ἐπὶ π. βουνὸν ὑψηλόν (1)
— 23. ὑποκάτω π. ξύλου συσκίου (1)
— 24. ἀπὸ π. τῶν [A om.] βδελυγμάτων (1)
— 26. ἔλαβε π. [A om.] τοὺς θησαυρούς –
— 26. τὰ π. ἃ [A om.] ἔλαβεν (1)
— 29. καὶ πάντα ἃ ἐποίησεν (1)
— 30. πόλεμος ἦν . . . π. τὰς ἡμέρας (1)
15. 3. A ἐν π. [B om.] ταῖς ἁμαρτίαις τοῦ πατρὸς αὐ. (1)
— 5. οὐκ ἐξέκλινεν ἀπὸ πάντων (1)
— 5. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ (1)
— 6. A π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν (1)
— 7. καὶ πάντα ἃ ἐποίησεν (1)
— 12. ἐξαπέστειλε π. τὰ ἐπιτηδεύματα (1)
— 14. π. τὰς ἡμέρας αὐτοῦ (1)
— 16. π. τὰς ἡμέρας αὐτῶν (1)
— 20. καὶ π. τὴν Χ. ἕως π. τῆς γῆς Ν. (1, 1)
— 22. παρήγγειλε παντὶ Ἰ. (1)
— 22. ᾠκοδόμησεν . . . πᾶν βουνὸν Βεν. –
— 23. A καὶ π. ἡ δυναστεία αὐτοῦ καὶ πάντα [B om. κ. π.] ἃ ἐποίησαν (1, 1)
— 27. πᾶς Ἰσρ. περιεκάθητο ἐπὶ Γ. (1)
— 29. οὐχ ὑπελείπετο πᾶσαν πνοήν (1)
— 31. καὶ πάντα ἃ ἐποίησεν (1)
— 32. A π. τὰς ἡμέρας αὐτῶν (1)
— 33. A βασιλεύει Β. . . . ἐπὶ πάντα [B om.] Ἰσρ. (1)
16. 5. καὶ πάντα ἃ ἐποίησε –
— 7. π. [A om.] τὴν κακίαν ἣν ἐποίησεν (1)
— 13. A R περὶ π. τῶν [B om.] ἁμαρτιῶν Β. (1)
— 14. A καὶ πάντα [B om. κ. π.] ἃ ἐποίησεν (1)
— 17. καὶ πᾶς Ἰσρ. μετ' αὐτοῦ (1)
— 25. ἐπονηρεύσατο ὑπὲρ πάντας (1)
— 26. ἐπορεύθη ἐν π. [A π. τῇ] ὁδῷ Ἱερ. (1)
— 27. καὶ πάντα ἃ ἐποίησε –
— 27. R καὶ π. [A B om.] ἡ δυναστεία αὐτοῦ –
— 28 (22. 45 [46]). B καὶ π. δυναστεία ἣν ἐποίησε –
— 30. ὑπὲρ π. τοὺς ἔμπροσθεν αὐτοῦ (1)
— 33. ὑπὲρ π. τοὺς βασιλεῖς Ἰσρ. (1)
18. 5. A καὶ ἐπὶ π. [B om.] χειμάρρους (1)
— 19. συνάθροισον πρὸς μὲ πάντα Ἰσρ. (1)
— 20. ἀπέστειλεν Ἀχ. εἰς πάντα Ἰσρ. (1)
— 20. ἐπισυνήγαγε π. τοὺς προφήτας –
— 21. προσήγαγεν Ἠ. πρὸς πάντας [A π. τὸν λαόν] (1)
— 24. ἀπεκρίθησαν π. ὁ λαός (1)
— 30. προσήγαγε π. ὁ λαός (1)
— 36. γνώτωσαν π. ὁ λαὸς οὗτος [A al.] –
— 39. ἔπεσε π. ὁ λαὸς ἐπὶ πρόσωπον αὐ. [A al.] (1)
19. 1. ἀνήγγειλεν Ἀχ. . . . πάντα (1)
— 1. A ὡς ἀπέκτεινε π. [B om.] τοὺς προφήτας (1)
— 18. π. γόνατα ἃ οὐκ ὤκλασαν (1)
— 18. π. στόμα ὃ οὐ προσεκύνησεν (1)
20 (21). 19. ἐν π. τόπῳ ᾧ ἔλειξαν –
— 26. κατὰ πάντα ἃ ἐποίησεν ὁ Ἀμ. (1)
21 (20). 1. συνήθροισεν . . . π. τὴν δύναμιν αὐ. (1)
— 1. καὶ π. ἵππος καὶ ἅρμα –
— 4. σὸς ἐγὼ εἰμι καὶ π. τὰ ἐμά (1)
— 6. R π. τὰ ἐπιθυμήμ. τῶν ὀφθ. αὐ. [A B al.] (1)
— 7. ἐκάλεσεν . . . π. τοὺς πρεσβυτέρους (1)
— 8. οἱ πρεσβύτεροι καὶ π. ὁ λαός (1)
— 9. πάντα ὅσα ἀπέσταλκας (1)
— 10. εἰ ἐκποιήσει . . . π. τῷ λαῷ (1)

III Ki. 21 (20). 12. αὐτὸς καὶ π. οἱ [B¹ om.] βασιλεῖς –
— 13. A εἰ ἑώρακας π. [B om.] τὸν ὄχλον (1)
— 15. ἐπεσκέψατο τὸν λαὸν π. υἱὸν δυνάμ. [A al.] (1)
— 21. ἔλαβε π. [A om.] τοὺς ἵππους –
22. 6. συνήθροισεν . . . π. τοὺς προφήτας –
— 10, 12. π. οἱ προφῆται ἐπροφήτευον (1)
— 13. λαλοῦσι π. οἱ προφῆται . . . καλά –
— 17. ἑώρακα π. τὸν Ἰσρ. (1)
— 19. καὶ π. ἡ στρατιὰ τοῦ οὐρανοῦ (1)
— 22. εἰς τὸ στόμα π. τῶν προφητῶν αὐ. (1)
— 23. ἐν στόματι π. τῶν προφητῶν σου τ. (1)
— 28. A ἀκούσατε, λαοὶ π. (1)
— 39. καὶ πάντα ἃ ἐποίησε (1)
— 39. καὶ π. τὰς πόλεις ἃς ἐποίησεν (1)
— 43. ἐπορεύθη ἐν π. ὁδῷ Ἀσά (1)
— 54. κατὰ π. τὰ γενόμ. ἔμπροσθεν αὐτοῦ (1)
IV Ki. 3. 19. πατάξετε π. [A π. τὴν] πόλιν ὀχυράν (1)
— 19. A καὶ π. πόλιν ἐκλεκτήν (1)
— 19. π. ξύλον ἀγαθὸν καταβαλεῖτε (1)
— 19. π. πηγὰς ὕδατος ἐμφράξεσθε (1)
— 19. π. μερίδα ἀγαθὴν ἀχρειώσετε (1)
— 21. πᾶσα Μωὰβ ἤκουσαν (1)
— 21. ἀνεβόησαν ἐκ παντός (1)
— 25. καὶ π. μερίδα ἀγαθήν (1)
— 25. π. πηγὴν ἐνέφραξαν (1)
— 25. π. ξύλον ἀγαθὸν κατέβαλον (1)
4. 3. αἴτησον . . . παρὰ π. [A om.] τῶν γειτόνων (1)
— 4. A ἀποχεεῖς π. [B εἰς] τὰ σκεύη ταῦτα (1)
— 9. διαπορεύεται ἐφ' ἡμᾶς διὰ παντός [A om. δ. π.] (8 g)
— 13. A R π. τὴν ἔκστασιν ταύτην [B al.] (1)
5. 12. ὑπὲρ π. τὰ ὕδατα Ἰσρ. (1)
— 15. αὐτὸς καὶ π. ἡ παρεμβολὴ αὐτοῦ (1)
— 15. οὐκ ἔστι θεὸς ἐν π. τῇ γῇ (1)
6. 12. ἀναγγέλλει . . . π. τοὺς λόγους –
— 24. ἤθροισεν . . . π. τὴν παρεμβολὴν αὐ. (1)
7. 13. A λαβέτωσαν δὴ πάντες [B πέντε] †
— 13. πρὸς π. τὸ πλῆθος Ἰσρ. (1)
— 15. πᾶσα ἡ ὁδὸς πλήρης ἱματίων (1)
8. 4. διήγησαι δὴ ἐμοὶ π. τὰ μεγάλα (1)
— 6. R ἐπίστρεψον πάντα αὐτῆς καὶ π. [A B om. κ. π.] τὰ γεννήματα [A add. καὶ π. τὰ γεννήμ.] τοῦ ἀγροῦ (1, –, 1)
— 9. καὶ π. τὰ ἀγαθὰ Δαμασκοῦ (1)
— 19. δοῦναι αὐτῷ λύχνον . . . π. τὰς ἡμέρας (1)
— 21. καὶ π. τὰ [A om.] ἅρματα μετ' αὐτοῦ (1)
— 23. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (1)
9. 5. πρὸς τίνα ἐκ πάντων ἡμῶν (1)
— 7. τὰ αἵματα π. τῶν δούλων κυρίου (1)
— 14. Ἰωρὰμ αὐτὸς . . . καὶ πᾶς Ἰσρ. (1)
10. 9. εἶπε πρὸς π. τὸν λαόν (1)
— 9. τίς ἐπάταξε π. τούτους (1)
— 11. ἐπάταξεν Ἰοὺ πάντας (1)
— 11. καὶ π. τοὺς ἁδροὺς αὐτοῦ (1)
— 17. καὶ ἐπάταξε πάντας (1)
— 18. ἐζήλωσεν Ἰοὺ π. τὸν λαόν (1)
— 19. π. οἱ προφῆται τοῦ Β. π. τοὺς δούλους αὐ. . . . καλέσατε (1, 1)
— 19. πᾶς [A om.] ὃς ἐὰν ἐπισκεπῇ (1)
— 21. ἀπέστειλεν Ἰ. ἐν παντὶ Ἰσρ. (1)
— 21. B π. οἱ δοῦλοι αὐ. καὶ π. οἱ ἱερεῖς αὐ. καὶ π. οἱ προφῆται αὐ. (– ter)
— 21. ἦλθον π. οἱ δοῦλοι τοῦ Β. (1)
— 21. B καὶ π. οἱ ἱερεῖς αὐ. καὶ π. οἱ προφῆται αὐ. –, –
— 22. ἐξάγαγε ἔνδυμα π. [A ἅπ.] τοῖς δούλοις τοῦ Β. (1)
— 30. κατὰ πάντα ὅσα ἐν τῇ καρδίᾳ μου (1)
— 32. A συγκόπτειν ἐν π. ὁρίῳ [B ἐν τῷ] Ἰσρ. –
— 32. ἐν π. ὁρίῳ Ἰσρ. (1)
— 33. π. τὴν γῆν Γαλαάδ (1)
— 34. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησε καὶ π. ἡ δυναστεία αὐτοῦ (1, 1)
11. 1. ἀπώλεσε π. τὸ σπέρμα τῆς βασ. (1)
— 7. π. ὁ ἐκπορευόμενος (1)
— 9. καὶ ἐποίησαν . . . πάντα (1)
— 14. καὶ π. ὁ λαὸς τῆς γῆς χαίρων (1)
— 18. εἰσῆλθε π. ὁ λαὸς τῆς γῆς (1)
— 19. ἔλαβε . . π. τὸν λαὸν τῆς γῆς (1)
— 20. ἐχάρη π. ὁ λαὸς τῆς γῆς (1)
12. 2 (3). π. τὰς ἡμέρας ἃς ἐφώτισεν (1)
— 4 (5). π. τὸ ἀργύριον τῶν ἁγίων . . . π. ἀργύριον (1, 1)
— 5 (6). εἰς πάντα οὗ ἂν εὑρεθῇ . . . ἐκεῖ βεδέκ (1)

IV Ki. 12. 9 (10). π. τὸ ἀργύριον τὸ εὑρεθὲν ἐν οἴκῳ κ. (1)
— 12 (13). εἰς πάντα ὅσα ἐξωδιάσθη (1)
— 13 (14). π. σκεῦος χρυσοῦν (1)
— 18 (19). ἔλαβεν . . . π. τὰ ἅγια (1)
— 18 (19). π. τὸ χρυσίον [A ἀργύρ.] τὸ εὑρεθέν (1)
— 19 (20). καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (1)
— 20 (21). ἔδησαν πάντα σύνδεσμον –
13. 3. ἔδωκεν αὐτοὺς . . . π. τὰς ἡμέρας (1)
— 8. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησε (1)
— 11. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ πάσης Ἱερ. . . . ἁμαρτίας (1)
— 12. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησε (1)
— 22. ἐξέθλιψε τὸν Ἰσρ. π. τὰς ἡμέρας Ἰ. (1)
14. 3. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησεν (1)
— 14. καὶ π. τὰ σκεύη τὰ εὑρεθέντα (1)
— 18. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν –
— 21. ἔλαβε π. ὁ λαὸς Ἰ. τὸν Ἀζ. (1)
— 24. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ π. ἁμαρτιῶν Ἱερ. (1)
— 28. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησε (1)
15. 3. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησεν Ἀμ. (1)
— 6. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (1)
— 9. R οὐκ ἀπέστη ἀπὸ π. τῶν [A B om. π. τ.] ἁμαρτιῶν Ἱερ. –
— 16. καὶ π. τὰ ἐν αὐτῇ (1)
— 18. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ π. ἁμαρτιῶν Ἱερ. –
— 20. ἐπὶ πᾶν δυνατὸν ἰσχύϊ (1)
— 21, 26. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (1)
— 28. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ π. ἁμαρτιῶν Ἱερ. –
— 29. π. γῆν Νεφθαλί (1)
— 31. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (1)
— 34. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησεν (1)
— 36. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (1)
16. 4. καὶ ὑποκάτω π. ξύλου ἀλσώδους (1)
— 10. εἰς π. ποίησιν αὐτοῦ (1)
— 11. κατὰ πάντα ὅσα ἀπέστειλεν (1)
— 15. τὴν ὁλοκαύτωσιν π. [A om.] τοῦ λαοῦ (1)
— 15. καὶ πᾶν αἷμα ὁλοκαυτώσεως (1)
— 15. καὶ πᾶν αἷμα θυσίας (1)
— 16. ἐποίησεν Οὐρ. . . . κατὰ πάντα (1)
17. 5. ἀνέβη . . . ἐν π. τῇ γῇ (1)
— 9. ἐν π. ταῖς πόλεσιν αὐτῶν (1)
— 10. ἐπὶ π. βουνῷ ὑψηλῷ καὶ ὑποκάτω π. ξύλου ἀλσώδους (1, 1)
— 11. ἐθυμίασαν ἐκεῖ ἐν π. ὑψηλοῖς (1)
— 13. ἐν χειρὶ π. τῶν προφητῶν αὐ. παντὸς ὁρῶντος (1, 1)
— 13. φυλάξατε . . . π. τὸν νόμον (1)
— 16. προσεκύνησαν π. τῇ δυνάμει τοῦ οὐρ. (1)
— 20. ἐν π. σπέρματι Ἰσρ. (1)
— 22. ἐν π. ἁμαρτίᾳ Ἱερ. (1)
— 23. ἐν χειρὶ π. τῶν δούλων αὐτοῦ (1)
— 37. φυλάσσεσθε π. τὰς ἡμέρας (1)
— 39. ἐξελεῖται ὑμᾶς ἐκ π. τῶν ἐχθρῶν ὑ. (1)
18. 3. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησε Δαυίδ (1)
— 4. A συνέτριψε π. [B om.] τὰς στήλας –
— 5. A ἐν π. [B om.] βασιλεῦσιν Ἰούδα (1)
— 7. ἐν πᾶσιν οἷς ἐποίει συνῆκε (1)
— 12. πάντα ὅσα ἐνετείλατο Μ. (1)
— 15. ἔδωκεν Ἐζ. π. τὸ ἀργύριον (1)
— 21. οὕτως Φ. . . . π. τοῖς πεποιθόσιν ἐπ' αὐτόν (1)
— 35. τίς ἐν π. τοῖς θεοῖς τῶν γαιῶν (1)
19. 4. εἴ πως εἰσακούσεται . . . π. [A om.] τοὺς λόγους Ῥ. (1)
— 11. σὺ ἤκουσας πάντα –
— 11. ὅσα ἐποίησαν . . . π. ταῖς γαίαις [A γενεαῖς] (1)
— 15. σὺ εἶ ὁ θεὸς μόνος ἐν π. ταῖς βασ. (1)
— 19. γνώσονται π. αἱ βασιλεῖαι τῆς γῆς (1)
— 24. ἐξηρήμωσα . . . π. [A π. τοὺς] ποταμοὺς περιοχῆς (1)
— 35. ἰδοὺ πάντες σώματα νεκρά (1)
20. 13. καὶ ἐν π. τῇ ἐξουσίᾳ αὐτοῦ (1)
— 15. πάντα ὅσα ἐν τῷ οἴκῳ μου εἶδον (1)
— 17. ληφθήσεται π. τὰ ἐν τῷ οἴκῳ σου (1)
— 20. καὶ π. ἡ δυναστεία αὐτοῦ (1)
21. 3. προσεκύνησε π. τῇ δυνάμει τοῦ οὐρ. (1)
— 5. A θυσιαστήριον π. τῇ δυνάμει τοῦ οὐρ. ἐν π. [B om.] ταῖς δυσὶν αὐλαῖς (1, –)
— 7. ᾗ ἐξελεξάμην ἐκ π. φυλῶν Ἰσρ. (1)
— 8. οἵτινες φυλάξουσι [A add. τοῦ ποιεῖν] πάντα (1)
— 8. κατὰ π. τὴν [A om.] ἐντολήν (1)
— 11. ἀπὸ πάντων ὧν ἐποίησεν ὁ Ἀμ. (1)
— 12. παντὸς ἀκούοντος ἠχήσει ἀμφότ. τὰ ὦτα (1)

IV Ki. 21. 14. A R εἰς προνομὴν πᾶσι τοῖς [B om.] ἐχθροῖς αὐ. (1)
— 17. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησε (1)
— 21. ἐπορεύθη ἐν π. ὁδῷ (1)
— 24. A ἐπάταξεν π. [B om.] ὁ λαὸς . . . πάντας (–, 1)
22. 2. ἐπορεύθη ἐν π. ὁδῷ Δ. (1)
— 13. καὶ περὶ π. τοῦ λαοῦ καὶ περὶ π. τοῦ Ἰούδα (–, 1)
— 13. κατὰ π. τὰ γεγραμμένα καθ' ἡμῶν (1)
— 16. π. τοὺς λόγους τοῦ βιβλίου (1)
— 20. ἐν π. τοῖς κακοῖς οἷς ἐγὼ εἰμι ἐπάγω (1)
23. 1. συνήγαγε . . . π. τοὺς πρεσβυτέρους (1)
— 2. A R καὶ π. ἀνὴρ Ἰ. καὶ π. [B om.] οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἱερ. (1, 1)
— 2. καὶ οἱ προφῆται καὶ π. ὁ λαός (1)
— 2. ἀνέγνω . . . π. τοὺς λόγους τοῦ βιβλίου (1)
— 3. ἐν π. καρδίᾳ καὶ ἐν π. ψυχῇ (1, 1)
— 3. ἔστη π. ὁ λαὸς ἐν τῇ διαθήκῃ (1)
— 4. ἐξαγαγεῖν . . . π. τὰ σκεύη (1)
— 4, 5. καὶ π. τῇ δυνάμει τοῦ οὐρ. (1)
— 8. ἀνήγαγε π. τοὺς ἱερεῖς (1)
— 19. π. τοὺς οἴκους τῶν ὑψηλῶν (1)
— 19. ἐποίησεν ἐν αὐτοῖς π. τὰ ἔργα (1)
— 20. ἐθύσιασε π. τοὺς ἱερεῖς τῶν ὑψ. (1)
— 21. ἐνετείλατο ὁ βασ. παντὶ τῷ λαῷ (1)
— 22. καὶ π. τὰς ἡμέρας [A π. ἡμερῶν] βασιλέων (1)
— 24. καὶ π. τὰ προσοχθίσματα (1)
— 25. κατὰ π. τὸν νόμον Μωυσῆ (1)
— 28. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (1)
— 32, 37. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησαν (1)
24. 3. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησε (1)
— 5. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (1)
— 7. πάντα ὅσα ἦν τοῦ βασ. Αἰγ. (1)
— 9. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησεν (1)
— 13. π. τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου (1)
— 13. συνέκοψε π. τὰ σκεύη τὰ χρυσᾶ (1)
— 14. A π. [B om.] τὴν Ἱερ. καὶ π. τοὺς ἄρχοντας (1, 1)
— 14. καὶ πᾶν τέκτονα (1)
— 16. καὶ π. τοὺς ἄνδρας τῆς δυνάμεως (1)
— 16. πάντες δυνατοὶ ποιοῦντες πόλεμον (1)
— 19. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησεν Ἰ. (1)
25. 1. καὶ π. ἡ δύναμις αὐτοῦ (1)
— 4. καὶ π. οἱ ἄνδρες τοῦ πολέμου (1)
— 5. π. ἡ δύναμις αὐτοῦ διεσπάρη (1)
— 9. καὶ π. τοὺς οἴκους Ἱερ. καὶ πᾶν [A πάντα] οἶκον ἐνέπρησεν (1, 1)
— 10. A π. εὐπορία Χαλδαίων [R al.] (1)
— 14. καὶ π. τὰ σκεύη τὰ χαλκᾶ (1)
— 16. σταθμὸς τοῦ χαλκοῦ π. τῶν σκευῶν (1)
— 17. τὰ π. χαλκᾶ (1)
— 23. ἤκουσαν π. οἱ ἄρχοντες τῆς δυνάμ. (1)
— 26. ἀνέστη π. ὁ λαός (1)
— 29. ἤσθιεν ἄρτον διὰ παντός (8 g)
— 29. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ (1)
— 30. ἐστιατορία διὰ παντὸς ἐδόθη [A al.] (8 g)
— 30. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ (1)
I Ch. 1. 23. A π. οὗτοι υἱοὶ Ἰεκτάν (1)
— 33. π. οὗτοι υἱοὶ Χεττούρας (1)
2. 4. π. υἱοὶ Ἰούδα πέντε (1)
— 6. καὶ υἱοὶ . . . πάντες πέντε (1)
— 23. π. αὗται υἱῶν Μαχίρ (1)
3. 9. π. υἱοὶ Δαυίδ (1)
4. 6. π. οὗτοι υἱοὶ Ἀωδᾶς –
— 10. πάντα ὅσα ᾐτήσατο –
— 27. π. αἱ πατριαὶ αὐ. οὐκ ἐπλεόνασαν (1)
— 33. καὶ π. [A π. αἱ] ἐπαύλεις αὐτῶν (1)
5. 10. καὶ ἔπεσον . . . πάντες (1)
— 16. καὶ π. τὰ περίχωρα Σαρών (1)
— 17. πάντων ὁ καταλογισμός (1)
— 20. καὶ π. τὰ σκηνώματα αὐτῶν (1)
6. 48 (33). δεδομένοι εἰς π. ἐργασίαν λειτουργίας (1)
— 49 (34). θυμιῶντες . . . εἰς π. ἐργασίαν (1)
— 49 (34). κατὰ πάντα ὅσα ἐνετείλατο Μ. (1)
— 60 (45). π. αἱ πόλεις αὐ. τρισκαίδεκα πόλεις (1)
7. 3. ἄρχοντες πάντες [B² πέντε] (1)
— 5. εἰς π. πατριὰς Ἰσσ. (1)
— 5. ὁ ἀριθμὸς αὐτῶν τῶν π. (1)
— 8. πάντες οὗτοι υἱοὶ Β. (1)
— 11. πάντες οὗτοι υἱοὶ Ἰεδ. (1)
— 40. π. οὗτοι υἱοὶ Ἀσὴρ π. ἄρχοντες πατριῶν (1, –)
8. 38. π. οὗτοι υἱοὶ Ἐσήλ (1)
I Ch. 8. 40. π. οὗτοι ἐξ υἱῶν Βεν. (1)
9. 1. πᾶς Ἰσρ. ὁ συλλογισμὸς αὐτῶν (1)
— 9. π. οἱ ἄνδρες ἄρχοντες πατριῶν (1)
— 22. π. οἱ ἐκλεκτοὶ ταῖς πύλαις (1)
— 29. A S καὶ ἐπὶ π. τὰ [B om.] σκεύη τὰ ἅγια (1)
10. 6. π. ὁ οἶκος αὐ. ἐπὶ τὸ αὐτὸ ἀπέθανε (1)
— 7. S εἶδε π. [A B add. ἀνὴρ] Ἰσραὴλ . . . ὅτι ἔφυγεν πᾶς [A B om.] Ἰσρ. (2 a [1], –)
— 11. A ἤκουσαν π. οἱ κατοικοῦντες Γαλ. πάντα [B S ἅπ.] (1, 1)
— 12. ἠγέρθησαν . . . π. ἀνὴρ δυνατός (1)
11. 1. ἦλθε πᾶς Ἰσραήλ (1)
— 3. ἦλθον π. πρεσβύτεροι Ἰσρ. (1)
— 6. π. τύπτων Ἰεβ. ἐν πρώτοις (1)
— 10. οἱ κατισχύοντες . . . μετὰ παντὸς Ἰσρ. (1)
12. 15. πεπληρωκὼς ἐπὶ π. κρηπῖδα αὐ. (1)
— 15. ἐξεδίωξαν π. τοὺς κατοικοῦντας (1)
— 21. δυνατοὶ ἰσχύος πάντες (1)
— 32. καὶ π. ἀδελφοὶ αὐτῶν μετ' αὐ. (1)
— 33, 37. ἐν π. σκεύεσι πολεμικοῖς (1)
— 38. π. οὗτοι ἄνδρες πολεμισταί (1)
— 38. τοῦ βασιλεῦσαι τὸν Δ. ἐπὶ πάντα Ἰ. (1)
13. 1. ἐβουλεύσατο Δ. . . . π. ἡγουμένῳ (1)
— 2. εἶπε Δ. [A add. τῇ] π. ἐκκλησίᾳ Ἰσρ. (1)
— 2. τοὺς ὑπολελειμμ. ἐν π. γῇ Ἰσρ. (1)
— 4. εἶπε π. ἡ ἐκκλησία (1)
— 4. ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς τοῦ λαοῦ (1)
— 5. ἐξεκκλησίασε Δ. τὸν π. Ἰσρ. (1)
— 6. καὶ πᾶς Ἰσρ. ἀνέβη (1)
— 8. Δ. καὶ πᾶς Ἰσρ. παίζοντες . . . ἐν π. δυνάμει (1, 1)
— 14. εὐλόγησεν ὁ θ. . . . π. τὰ αὐτοῦ (1)
14. 8. ἐχρίσθη Δ. βασ. ἐπὶ πάντα Ἰσρ. (1)
— 8. ἀνέβησαν π. οἱ ἀλλόφυλοι (1)
— 17. ἐγένετο ὄνομα Δ. ἐν π. τῇ γῇ (1)
— 17. ἔδωκε τὸν φόβον αὐ. ἐπὶ π. τὰ ἔθνη (1)
15. 3. A²BS ἐξεκκλησίασε Δ. τὸν π. Ἰσρ. [A¹ al.] (1)
— 27. καὶ π. οἱ Λ. αἴροντες τὴν κιβ. (1)
— 28. καὶ πᾶς Ἰσρ. ἀνάγοντες τὴν κιβ. (1)
16. 3. διεμέρισε παντὶ ἀνδρὶ [S om.] Ἰσρ. (1 [2 a])
— 6. οἱ ἱερεῖς ἐν ταῖς σάλπιγξι διὰ παντός (8 g)
— 9. διηγήσασθε [S add. ἐν] πᾶσι τὰ θαυμάσια αὐ. (1)
— 11. ζητήσατε τὸ πρόσωπον αὐ. διὰ παντός (8 g)
— 14. ἐν π. τῇ γῇ τὰ κρίματα αὐ. (1)
— 23. ᾄσατε τῷ κ., π. ἡ γῆ (1)
— 24. R ἐν π. τοῖς λαοῖς τὰ θαυμάσια αὐ. (1)
— 25. φοβερός ἐστιν ἐπὶ π. τοὺς θεούς (1)
— 26. π. οἱ θεοὶ τῶν ἐθνῶν εἴδωλα (1)
— 30. φοβηθήτω . . . π. ἡ γῆ (1)
— 32. καὶ π. τὰ ἐν αὐτῷ (1)
— 36. ἐρεῖ π. ὁ λαός, Ἀμήν (1)
— 37. τοῦ λειτουργεῖν . . . διὰ παντός (8 g)
— 40. τοῦ ἀναφέρειν . . . διὰ παντός (8 g)
— 40. κατὰ π. τὰ γεγραμμ. ἐν νόμῳ κυρίου (1)
— 43. A R ἐπορεύθη π. [B S ἅπ.] ὁ λαός (1)
17. 2. πᾶν τὸ ἐν τῇ ψυχῇ σου ποίει (1)
— 6. ἐν πᾶσιν οἷς διῆλθον ἐν παντὶ Ἰσρ. (1, 1)
— 8. ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύθης (1)
— 8. ἐξωλέθρευσα π. τοὺς ἐχθρούς σου (1)
— 10. S R ἐταπείνωσα πάντας [A B ἅπ.] τοὺς ἐχθρούς σου (1)
— 15. κατὰ π. τοὺς λόγους τούτους (1)
— 15. κατὰ π. τὴν ὅρασιν ταύτην (1)
— 19. ἐποίησας τὴν π. μεγαλωσύνην (1)
— 20. κατὰ πάντα ὅσα ἠκούσαμεν (1)
18. 4. παρέλυσε Δ. π. τὰ ἅρματα (1)
— 6. ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύετο (1)
— 9. ἐπάταξε Δ. τὴν π. δύναμιν Ἀδρ. (1)
— 11 (10). καὶ π. τὰ σκεύη χρυσᾶ (1)
— 11. οὗ ἔλαβεν ἐκ π. τῶν ἐθνῶν (1)
— 13. ἦσαν π. οἱ Ἰδουμ. παῖδες Δ. (1)
— 13. ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύετο (1)
— 14. ἐβασίλευσε Δ. ἐπὶ πάντα Ἰσρ. (1)
— 14. ἦν ποιῶν κρίμα . . . τῷ π. λαῷ αὐτοῦ (1)
19. 8. ἀπέστειλε . . . π. τὴν στρατιάν (1)
— 10. ἐξελέξατο ἐκ π. νεανίου (1)
— 17. συνήγαγε τὸν π. Ἰσρ. (1)
20. 1. ἤγαγεν Ἰ. π. τὴν δύναμιν –
— 3. A R οὕτως ἐποίησε Δ. τοῖς π. [B παισὶν] (1)
— 3. ἀνέστρεψε Δ. καὶ π. ὁ λαὸς αὐ. (1)
— 8. πάντες ἦσαν τέσσαρες γίγαντες –
21. 3. πάντες τῷ κυρίῳ μου παῖδες (1)
— 4. A διῆλθεν ἐν π. ὁρίῳ [R om.] Ἰσρ. (1)
— 5. ἦν πᾶς Ἰσρ. χίλιαι χιλιάδες (1)
I Ch. 21. 12. ἐν π. κληρονομίᾳ Ἰσρ. (1)
— 23. τὰ π. δέδωκα (1)
22. 2. συναγαγεῖν π. τοὺς προσηλύτους –
— 5. εἰς δόξαν εἰς π. τὴν γῆν ἑτοιμάσω (1)
— 9. ἀναπαύσω αὐτὸν ἀπὸ π. τῶν ἐχθρῶν (1)
— 15. καὶ π. σοφὸς ἐν π. ἔργῳ (1, 1)
— 17. R ἐνετείλατο Δ. τοῖς π. [A B παισὶν] ἄρχουσιν (1)
23. 2. συνήγαγε τοὺς π. [A π. τ.] ἄρχοντας Ἰσρ. (1)
— 26. αἴροντες . . . τὰ π. [A π. τὰ] σκεύη αὐτῆς (1)
— 28. ἐπὶ τὸν καθαρισμὸν τῶν π. ἁγίων (1)
— 29. καὶ εἰς π. μέτρον (1)
— 31. ἐπὶ π. τῶν ἀναφερομ. ὁλοκαυτωμ. (1)
— 31. κατὰ τὴν κρίσιν ἐπ' αὐτοῖς διὰ παντός (8 g)
25. 5. π. οὗτοι υἱοὶ τῷ Αἰ. (1)
— 6. π. οὗτοι μετὰ τοῦ πατρὸς αὐτῶν (1)
— 7. δεδιδαγμένοι . . . πᾶς συνίων (1)
26. 8. πάντες ἀπὸ τῶν υἱῶν Ἀβδ. (1)
— 8. οἱ π. ἑξήκοντα δύο –
— 11. π. οὗτοι υἱοὶ καὶ ἀδ. τῷ Ὀσᾷ (1)
— 26. ἐπὶ π. τῶν θησαυρῶν τῶν ἁγίων (1)
— 28. καὶ ἐπὶ π. τῶν ἁγ. τοῦ θ. Σαμ. (1)
— 28. πᾶν ὃ ἡγίασαν (1)
— 30. εἰς π. λειτουργίαν κυρίου (1)
— 32. εἰς π. πρόσταγμα κυρίου [A π. λόγον τοῦ θ.] (1)
27. 1. εἰς πᾶν λόγον τοῦ βασ. –
— 1. πᾶν [A εἰς πάντα] λόγον τοῦ εἰσπορευομ. (1)
— 1. εἰς π. τοὺς μῆνας τοῦ ἐνιαυτοῦ (1)
— 3. ἄρχων π. τῶν ἀρχόντων (1)
— 31. π. οὗτοι προστάται ὑπαρχόντων (1)
28. 1. A R ἐξεκκλησίασε Δ. π. τοὺς ἄρχοντας Ἰσρ. . . . καὶ π. [B om.] τοὺς ἄρχ. τῶν ἐφημεριῶν (1, –)
— 1. R καὶ π. τῆς κτήσεως τοῦ βασ. (1)
— 4. ἐξελέξατο . . . ἀπὸ π. οἴκου πατρός μου (1)
— 4. τοῦ γενέσθαι με βασ. ἐπὶ τῷ π. Ἰσρ. (1)
— 5. ἀπὸ π. τῶν [A om.] υἱῶν μου (1)
— 8. κατὰ πρόσωπον π. ἐκκλησίας κυρίου (1)
— 8. A R ζητήσατε π. [B om.] τὰς ἐντολὰς κυρίου (1)
— 9. π. καρδίας ἐτάζει [A ἐξετ.] κύριος (1)
— 9. π. ἐνθύμημα γινώσκει (1)
— 12. καὶ π. τῶν παστοφορίων τῶν κύκλῳ (1)
— 13. εἰς π. ἐργασίαν λειτουργίας (1)
— 19. πάντα ἐν γραφῇ χειρὸς κυρίου (1)
— 20. π. ἐργασίαν λειτουργίας (1)
— 21. εἰς π. λειτουργίαν οἴκου κυρίου καὶ μετὰ σοῦ ἐν π. πραγματείᾳ (1, 1)
— 21. καὶ π. πρόθυμος ἐν σοφίᾳ κατὰ π. τέχνην (1, 1)
— 21. καὶ π. ὁ λαὸς εἰς π. τοὺς λόγους σου (1, 1)
29. 1. εἶπε Δ. . . . π. τῇ ἐκκλησίᾳ (1)
— 2. κατὰ π. τὴν δύναμιν ἡτοίμακα (1)
— 2. καὶ π. λίθον τίμιον (1)
— 5. R καὶ εἰς π. ἔργον (1)
— 11. σὺ πάντων . . . δεσπόζεις (1)
— 11. ταράσσεται π. βασιλεύς (1?)
— 12. σὺ πάντων ἄρχεις, κύριε, ὁ ἄρχων π. ἀρχῆς (1, –)
— 12. κατισχῦσαι τὰ π. (1)
— 14. ὅτι σὰ τὰ π. (1)
— 15. ὡς π. οἱ πατέρες ἡμῶν (1)
— 16. πρὸς π. [A om.] τὸ πλῆθος τοῦτο (1)
— 16. καὶ σοὶ τὰ π. (1)
— 17. προεθυμήθην ταῦτα π. (1)
— 20. εἶπε Δ. π. τῇ ἐκκλησίᾳ (1)
— 20. εὐλόγησε π. ἡ ἐκκλησία κύριον (1)
— 21. θυσίας εἰς πλῆθος π. τῷ Ἰσρ. (1)
— 23. ὑπήκουσαν αὐτοῦ πᾶς Ἰσρ. (1)
— 24. A R καὶ π. [B οἱ] υἱοὶ Δ. (1)
— 25. A B ἐμεγάλυνε κ. . . . ἐναντίον [R om.] παντὸς Ἰσρ. (1)
— 25. ὃ οὐκ ἐγένετο ἐπὶ π. βασιλέως (1)
— 30. περὶ π. τῆς βασιλείας αὐτοῦ (1)
— 30. καὶ ἐπὶ πάσας βασιλείας τῆς γῆς (1)
II Ch. 1. 2. εἶπε Σαλ. πρὸς πάντα Ἰσρ. . . . καὶ τοῖς π. ἄρχουσιν (1, 1)
— 3. ἐπορεύθη Σ. καὶ π. ἡ ἐκκλησία (1)
— 17. καὶ οὕτω π. τοῖς βασιλεῦσι (1)
2. 4 (3). τοῦ θυμιᾶν . . . πρόθεσιν διὰ παντός (8 g)
— 4 (3). τοῦ ἀναφέρειν ὁλοκαυτώματα διὰ παντός –
— 5 (4). παρὰ π. τοὺς θεούς (1)
— 14 (13). διανοεῖσθαι π. διανόησιν (1)
— 16 (15). κατὰ π. τὴν χρείαν σου (1)
— 17 (16). συνήγαγε Σ. π. τοὺς ἄνδρας (1)
4. 11. ἐποίησε Χ. . . . π. τὰ σκεύη αὐ. –
— 11. ποιῆσαι π. τὴν ἐργασίαν –

II Ch. 4. 16. καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῶν (1)
— 18. ἐποίησε Σ. π. τὰ σκεύη ταῦτα (1)
— 19. ἐποίησε Σ. π. τὰ σκεύη (1)
— 22 (5. 1). συνετελέσθη π. ἡ ἐργασία (1)
5. 2. R ἐξεκκλησίασε Σ. π. [A B om.] τοὺς πρεσβυτ. Ἰσρ. καὶ π. τοὺς ἄρχοντας (–, 1)
— 3. ἐξεκκλησιάσθησαν . . . πᾶς [A add. ἀνὴρ] Ἰσρ. (2 a [1])
— 4. ἦλθον π. οἱ πρεσβύτεροι Ἰσρ. (1)
— 4. ἔλαβον π. οἱ Λ. τὴν κιβωτόν –
— 5. καὶ π. τὰ σκεύη τὰ ἅγια (1)
— 6. καὶ π. συναγωγὴ Ἰσρ. (1)
— 11. π. οἱ ἱερεῖς . . . ἡγιάσθησαν (1)
— 12. οἱ Λ. οἱ ψαλτῳδοὶ π. (1)
6. 3. εὐλόγησε τὴν π. ἐκκλησίαν Ἰσρ. (1)
— 3. A R π. ἡ [B om.] ἐκκλησία Ἰσρ. παρεστήκει (1)
— 5. οὐκ ἐξελεξάμην . . . ἀπὸ π. φυλῶν Ἰσρ. (1)
— 12, 13. ἔναντι π. ἐκκλησίας Ἰσρ. (1)
— 28. A B κατὰ π. πληγὴν καὶ πᾶν [R πάντα] πόνον (1, 1)
— 29. A R π. προσευχὴ καὶ π. δέησις ἣ ἐὰν γένηται π. [B om.] ἀνθρώπῳ καὶ π. λαῷ σου Ἰσρ. (1 quater)
— 31. ὅπως φοβῶνται π. [A τὰς] ὁδούς σου π. τὰς ἡμέρας (–, 1)
— 31. A ἐπὶ προσώπου π. [B om.] τῆς γῆς –
— 32. καὶ π. ἀλλότριος –
— 33. καὶ ποιήσεις κατὰ πάντα (1)
— 33. ὅπως γνῶσι π. οἱ λαοὶ τῆς γῆς (1)
7. 3. π. οἱ [A om.] υἱοὶ Ἰσρ. ἑώρων (1)
— 4, 5. ὁ βασ. καὶ π. ὁ λαός (1)
— 6. καὶ πᾶς Ἰσρ. ἑστηκώς (1)
— 8. καὶ πᾶς Ἰσρ. μετ' αὐτοῦ (1)
— 11. καὶ πάντα . . . εὐωδώθη (1)
— 16. ἔσονται οἱ ὀφθ. μου . . . ἐκεῖ π. τὰς ἡμ. (1)
— 17. ἐὰν . . . ποιήσῃς κατὰ πάντα (1)
— 20. εἰς διήγημα ἐν π. τοῖς ἔθνεσι (1)
— 21. π. ὁ διαπορευόμ. [A add. πρὸς] αὐτόν (1)
— 22. ἐπήγαγεν ἐπ' αὐτοὺς π. τὴν κακίαν τ. (1)
8. 4, 6 (A²B). καὶ π. τὰς πόλεις τὰς ὀχυράς (1)
— 6. καὶ π. τὰς πόλεις τῶν ἁρμάτων (1)
— 6. A καὶ π. [B om.] τὰς πόλεις τῶν ἱππέων –
— 6. καὶ ἐν π. τῇ βασιλείᾳ αὐτοῦ (1)
— 7. π. ὁ λαὸς ὁ καταλειφθείς (1)
— 15. οὐ παρῆλθον τὰς ἐντ. . . . εἰς π. λόγον (1)
— 16. ἡτοιμάσθη π. ἡ ἐργασία (1)
9. 1. ἐλάλησε πρὸς αὐτὸν πάντα (1)
— 2. ἀνήγγειλεν αὐτῇ Σ. π. τοὺς λόγους αὐ. (1)
— 7. οἱ παρεστηκότες σοι διὰ παντός (8 g)
— 12. ἔδωκε . . . π. τὰ θελήμ. αὐτῆς (1)
— 12. ἐκτὸς πάντων ὧν ἤνεγκε –
— 14. καὶ π. τῶν βασ. τῆς Ἀραβίας (1)
— 14. R πάντες [A B om.] ἔφερον χρυσίον –
— 19. οὐκ ἐγενήθη οὕτως ἐν π. τῇ [A om.] βασ. (1)
— 20. π. τὰ σκεύη τοῦ βασ. Σ. (1)
— 20. π. τὰ σκεύη οἴκου δρυμοῦ τοῦ Λ. (1)
— 22. ἐμεγαλύνθη Σ. ὑπὲρ π. τοὺς βασ. (1)
— 23. π. οἱ βασιλεῖς τῆς γῆς (1)
— 26. ἦν ἡγούμενος π. τῶν βασ. (1)
— 28. καὶ ἐκ π. τῆς γῆς (1)
— 30. ἐβασίλευσε Σ. ὁ βασ. ἐπὶ πάντα Ἰ. (1)
10. 1. ἤρχετο πᾶς Ἰσρ. (1)
— 3. Ἱεροβ. καὶ π. ἡ ἐκκλησία (1)
— 7. ἔσονταί σοι παῖδες π. τὰς ἡμέρας (1)
— 12. ἦλθεν Ἱερ. καὶ π. ὁ λαός (1)
— 16. περὶ . . . παντὸς Ἰσρ. –
— 16. καὶ ἐπορεύθη πᾶς Ἰσρ. (1)
11. 3. εἰπὸν πρὸς . . . πάντα Ἰούδαν (1)
— 13. οἱ ἦσαν ἐν παντὶ Ἰσρ. (1)
— 13. συνήχθησαν . . . ἐκ π. τῶν ὁρίων (1)
— 21. ἠγάπησε . . . ὑπὲρ π. τὰς γυναῖκας αὐτοῦ (1)
— 23. ηὐξήθη παρὰ π. τοὺς υἱοὺς αὐ. ἐν π. τοῖς ὁρίοις Ἰ. (1, 1)
12. 1. καὶ πᾶς Ἰσρ. μετ' αὐτοῦ (1)
— 9. τὰ π. ἔλαβε (1)
— 12. A καὶ ἀρεστοὶ ἐν πᾶσιν –
— 13. ἐξελέξατο . . . ἐκ π. φυλῶν υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 15. ἐπολέμει . . . π. τὰς ἡμέρας (1)
13. 4. Ἱερ. καὶ πᾶς Ἰσρ. (1)
— 9. ἐκ τοῦ λαοῦ τῆς γῆς πάσης ὁ [A πᾶς ὁ] προσπορευόμ. (1)
— 20. οὐκ ἔσχεν ἰσχὺν . . . π. τὰς ἡμ. Ἀβ. –
14. 5 (4). ἀπὸ π. τῶν πόλεων Ἰ. (1)
— 8 (7). π. οὗτοι πολεμισταὶ δυνάμεως (1)

II Ch. 14. 14 (13). ἐσκύλευσαν π. τὰς πόλεις αὐ. (1)
15. 2. B ἐξῆλθεν . . . ἐν [A R om.] παντὶ Ἰούδα –
— 2. A R Ἀσὰ καὶ πᾶς Ἰούδας (1)
— 5. ἐπὶ π. τοὺς κατοικοῦντας τὰς χώρας (1)
— 6. ἐξέστησεν αὐτοὺς ἐν π. θλίψει (1)
— 8. ἐξέβαλε . . . ἀπὸ π. τῆς γῆς Ἰ. (1)
— 13. πᾶς ὃς ἐὰν μὴ ἐκζητήσῃ (1)
— 15. εὐφράνθησαν πᾶς Ἰούδα (1)
— 15. ἐν π. θελήσει ἐζήτησαν αὐτόν (1)
— 17. ἡ καρδ. Ἀ. ἐγένετο πλήρης π. τὰς ἡμ. αὐ. (1)
16. 4. καὶ π. τὰς περιχώρους Νεφθ. (1)
— 6. ἔλαβε [A ἤγαγεν] π. τὸν Ἰούδαν (1)
— 9. ἐπιβλέπουσιν ἐν π. τῇ γῇ κατισχῦσαι ἐν π. καρδίᾳ πλήρει (1, –)
17. 2. ἐν π. ταῖς πόλεσιν Ἰούδα (1)
— 2. ἐν π. ταῖς πόλεσιν Ἰούδα –
— 5. ἔδωκε πᾶς Ἰ. δῶρα τῷ Ἰωσ. (1)
— 10. ἐπὶ π. ταῖς βασιλείαις τῆς γῆς (1)
— 19. ἐν ταῖς πόλεσι ταῖς ὀχυραῖς ἐν π. τῇ Ἰουδ. (1)
18. 7. π. αἱ ἡμέραι αὐτοῦ εἰς κακά (1)
— 9, 11. π. οἱ προφῆται ἐπροφήτευον (1)
— 18. καὶ π. δύναμις τοῦ οὐρανοῦ (1)
— 21. ἐν στόματι π. τῶν προφητῶν αὐ. (1)
— 22. A ἐν στόματι π. [B om.] τῶν προφητῶν σου –
— 27. ἀκούσατε, λαοὶ π. (1)
19. 5. ἐν π. ταῖς πόλεσιν Ἰ. (1)
— 10. π. ἀνὴρ κρίσιν τὴν ἐλθοῦσαν (1)
— 11. A B εἰς πᾶν [R πάντα] λόγον κυρίου (1)
— 11. A B πρὸς πᾶν [R πάντα] λόγον βασιλέως (1)
20. 3. ἐκήρυξαν νηστείαν ἐν παντὶ Ἰ. [B¹ om. ἐν π. Ἰ.] (1)
— 4. ἀπὸ π. τῶν πόλεων Ἰούδα (1)
— 6. κυριεύεις π. τῶν βασιλειῶν (1)
— 13. καὶ πᾶς Ἰούδα ἑστηκώς (1)
— 15. ἀκούσατε, πᾶς Ἰούδα (1)
— 18. πᾶς Ἰ. καὶ οἱ κατοικοῦντες Ἱερ. (1)
— 24. π. νεκροὶ πεπτωκότες –
— 27. ἐπέστρεψε π. ἀνὴρ Ἰούδα (1)
— 29. ἐπὶ π. τὰς βασιλείας τῆς γῆς (1)
21. 2. π. οὗτοι υἱοὶ Ἰωσ. (1)
— 4. ἀπέκτεινε π. τοὺς ἀδ. αὐτοῦ (1)
— 7. δοῦναι αὐτῷ λύχνον . . . π. τὰς ἡμέρας (1)
— 9. καὶ π. ἡ ἵππος μετ' αὐτοῦ (1)
— 14. καὶ ἐν π. τῇ ἀποσκευῇ σου (1)
— 17. ἀπέστρεψαν π. τὴν ἀποσκευήν (1)
— 18. μετὰ ταῦτα π. [A om.] (1)
22. 1. π. τοὺς πρεσβυτέρους ἀπέκτεινε (1)
— 10. ἀπώλεσε π. τὸ σπέρμα τῆς βασ. (1)
23. 2. ἐκ π. τῶν πόλεων Ἰ. (1)
— 3. διέθεντο π. ἐκκλησία (1)
— 5. π. ὁ λαὸς ἐν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (1)
— 6. π. ὁ λαὸς φυλασσέτω φυλακάς (1)
— 8. ἐποίησαν οἱ Λ. καὶ πᾶς Ἰ. κατὰ πάντα (1, 1)
— 10. ἔστησε π. τὸν λαόν (1)
— 13. π. ὁ λαὸς ηὐφράνθη (1)
— 17. εἰσῆλθε π. ὁ λαὸς τῆς γῆς (1)
— 19. οὐκ εἰσελεύσ. ἀκάθαρτος εἰς π. πρᾶγμα (1)
— 20. καὶ π. τὸν λαὸν τῆς γῆς (1)
— 21. ηὐφράνθη π. ὁ λαὸς τῆς γῆς (1)
24. 2. π. τὰς ἡμέρας Ἰ. τοῦ ἱερέως (1)
— 5. συναγάγετε ἀπὸ παντὸς Ἰσρ. (1)
— 10. ἔδωκαν π. ἄρχοντες καὶ π. ὁ λαός (1, 1)
— 14. ἀνήνεγκαν . . . διὰ παντὸς π. τὰς ἡμέρας Ἰω. (8 g, 1)
— 23. κατέφθειραν π. τοὺς ἄρχοντας (1)
— 23. π. τὰ σκῦλα αὐ. ἀπέστειλαν (1)
— 27. καὶ οἱ υἱοὶ αὐτοῦ π. –
25. 5. ἐν παντὶ Ἰούδᾳ καὶ Ἰερ. (1)
— 7. π. τῶν υἱῶν Ἐφραΐμ (1)
— 12. πάντες διερρήγνυντο (1)
— 24. π. τὸ χρυσίον καὶ τὸ ἀργ. καὶ π. τὰ σκεύη (1, 1)
26. 1. π. ὁ λαὸς τῆς γῆς (1)
— 4. ἐποίησε τὸ εὐθὲς . . . κατὰ πάντα (1)
— 5. B ἐν π. [A R om.] ταῖς ἡμέραις Ζαχ. –
— 12. π. ὁ ἀριθμὸς τῶν πατριαρχῶν (1)
— 14. ἡτοίμασεν αὐτοῖς Ὀ. π. τῇ δυνάμει (1)
27. 2. κατὰ πάντα ἃ ἐποίησεν Ὀζ. (1)
28. 3. A κατὰ τὰ βδελύγματα π. [B om.] τῶν ἐθνῶν –
— 4. καὶ ὑποκάτω π. ξύλου ἀλσώδους (1)
— 14. ἐναντίον . . . π. τῆς ἐκκλησίας (1)
— 15. π. τοὺς γυμνοὺς περιέβαλον (1)
— 15. ἀντελάβοντο . . . παντὸς ἀσθενοῦντος (1)
— 23. ἐγένοντο αὐτῷ εἰς σκῶλον καὶ παντὶ Ἰσρ. (1)
— 24. ἐποίησεν ἑαυτῷ θυσιαστήρια ἐν π. γωνίᾳ (1)

II Ch. 28. 25. ἐν π. πόλει καὶ πόλει (1)
29. 2. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησε Δ. (1)
— 16. ἐξέβαλον π. τὴν ἀκαθαρσίαν (1)
— 18. ἡγνίσαμεν π. τὰ ἐν οἴκῳ κυρίου (1)
— 19. καὶ π. τὰ σκεύη (1)
— 24. ἐξιλάσαντο περὶ παντὸς Ἰσρ. (1)
— 24. περὶ παντὸς Ἰσρ. ἡ ὁλοκαύτωσις (1)
— 28. π. ἐκκλησία προσεκύνει (1)
— 29. καὶ π. οἱ εὑρεθέντες (1)
— 30. A Ἐζ. ὁ βασ. καὶ π. [B om.] οἱ ἄρχοντες –
— 31. καὶ π. πρόθυμος τῇ καρδίᾳ (1)
— 32. εἰς ὁλοκαύτωσιν κυρίῳ π. ταῦτα (1)
— 36. Ἐζ. καὶ π. ὁ λαός (1)
30. 1. ἀπέστειλεν Ἐζ. ἐπὶ πάντα Ἰσρ. (1)
— 2. οἱ ἄρχοντες καὶ π. ἡ ἐκκλησία (1)
— 5. διελθεῖν κήρυγμα ἐν παντὶ Ἰσρ. (1)
— 6. ἐπορεύθησαν . . . εἰς πάντα Ἰσρ. (1)
— 9. A R ἔναντι [B ἀντὶ] π. αἰχμαλωτισάντων –
— 14. καὶ πάντα ἐν οἷς ἐθυμίων (1)
— 17. π. τῷ μὴ δυναμ. ἁγνισθῆναι (1)
— 19. ἐξιλάσθω ὑπὲρ π. καρδίας (1)
— 22. ἐλάλησεν Ἐζ. ἐπὶ π. καρδίαν τῶν Λ. (1)
— 25. ηὐφράνθη π. ἡ ἐκκλησία (1)
— 25. καὶ π. ἡ ἐκκλησία Ἰούδα (1)
31. 1. ὡς συνετελέσθη π. ταῦτα (1)
— 1. ἐξῆλθε πᾶς Ἰσραὴλ (1)
— 1. R ἀπὸ π. τῆς [A om., B γῆς] Ἰουδαίας (1)
— 1. ἐπέστρεψαν πᾶς Ἰσρ. (1)
— 5. καὶ π. γένημα ἀγροῦ καὶ ἐπιδέκατα π. (1, 1)
— 16. π. τῷ εἰσπορευομ. εἰς οἶκον κ. (1)
— 18. ἐν π. ἐπιγονῇ υἱῶν αὐτῶν . . . εἰς π. τὸ πλῆθος (1, 1)
— 19. οἱ ἀπὸ τῶν πόλεων αὐ. ἐν π. πόλει (1)
— 19. δοῦναι μερίδα π. ἀρσενικῷ . . . καὶ π. καταριθμουμένῳ (1, 1)
— 20. ἐποίησεν οὕτως Ἐζ. ἐν παντὶ Ἰ. (1)
— 21. ἐν π. ἔργῳ ᾧ ἤρξατο (1)
32. 5. ᾠκοδόμησε π. τὸ τεῖχος (1)
— 7. ἀπὸ προσώπου π. τοῦ [A om.] ἔθνους (1)
— 9. καὶ π. ἡ στρατιὰ μετ' αὐτοῦ (1)
— 9. καὶ πρὸς πάντα Ἰ. τὸν ἐν Ἱερ. (1)
— 13. ὅ τι [A τί] ἐποίησα . . . π. τοῖς λαοῖς (1)
— 13. θεοὶ τῶν ἐθνῶν π. τῆς γῆς –
— 14. τίς ἐν π. τοῖς θεοῖς τῶν ἐθνῶν τούτων (1)
— 15. ὁ θεὸς παντὸς ἔθνους (1)
— 21. A R ἐξέτριψε πάντα [B πᾶν] δυνατόν (1)
— 22. ἔσωσε . . . ἐκ χειρὸς πάντων (1)
— 23. κατ' ὀφθαλμοὺς π. τῶν ἐθνῶν (1)
— 28. φάτνας π. κτήνους (1)
— 30. ἐν π. τοῖς ἔργοις αὐτοῦ (1)
— 33. τιμὴν ἔδωκαν αὐτῷ . . . πᾶς Ἰούδα (1)
33. 2. ἀπὸ π. τῶν βδελυγμάτων τῶν ἐθνῶν –
— 3. προσεκύνησε π. τῇ στρατιᾷ τοῦ οὐρ. (1)
— 5. θυσιαστήρια π. τῇ στρατιᾷ τοῦ οὐρ. (1)
— 7. ἐξελεξάμην ἐκ π. φυλῶν Ἰσρ. (1)
— 8. τοῦ ποιῆσαι πάντα (1)
— 8. κατὰ π. τὸν νόμον (1)
— 9. ὑπὲρ π. τὰ ἔθνη –
— 14. ἐν π. ταῖς πόλεσι ταῖς τειχήρεσιν (1)
— 15. περιεῖλε . . . π. τὰ θυσιαστήρια (1)
— 19. καὶ π. αἱ ἁμαρτίαι αὐ. (1)
— 22. π. τοῖς εἰδώλοις . . . ἔθυεν (1)
34. 7. π. τὰ ὑψηλὰ ἔκοψεν [A κατέκ.] ἀπὸ π. [A om.] τῆς γῆς Ἰσρ. (1, 1)
— 9. καὶ ἀπὸ π. καταλοίπου ἐν Ἰσρ. (1)
— 12. καὶ π. Λευίτης π. [A om.] συνίων ἐν ὀργάνοις ᾠδῶν (–, 1)
— 13. ἐπὶ π. τῶν ποιούντων τὰ ἔργα (1)
— 16. π. τὸ δοθὲν ἀργύριον (1)
— 21. καὶ περὶ παντὸς τοῦ καταλειφθέντος –
— 21. κατὰ π. τὰ γεγραμμένα (1)
— 24. ἐπάγω . . . τοὺς π. λόγους (1)
— 25. ἐν π. τοῖς ἔργοις τῶν χειρῶν αὐ. (1)
— 28. οὐκ ὄψονται . . . ἐν π. τοῖς κακοῖς (1)
— 30. καὶ πᾶς Ἰούδα . . . καὶ π. ὁ λαός (2 a, 1)
— 30. A R ἀνέγνω . . . π. [B τοὺς π.] λόγους βιβλίου (1)
— 32. ἔστησε π. τοὺς εὑρεθέντας (1)
— 33. περιεῖλεν Ἰ. τὰ π. [A π. τὰ] βδελύγμ. ἐκ π. τῆς [A om.] γῆς (1, 1)
— 33. ἐποίησε π. τοὺς εὑρεθέντας (1)
— 33. τοῦ δουλεύειν κυρίῳ . . . π. τὰς ἡμ. αὐ. (1)
35. 3. τοῖς Λ. τοῖς δυνατοῖς ἐν παντὶ Ἰσρ. (1)
— 7. A R πάντα [B π. τὰ] εἰς τὸ φασὲκ καὶ π. τοὺς εὑρεθέντας (1, 1)
— 13. ἔδραμον πρὸς π. τοὺς υἱοὺς τοῦ λαοῦ (1)

II Ch. 35. 16. ἡτοιμάσθη π. ἡ λειτουργία κυρίου (1)
— 18. ἀπὸ ἡμερῶν . . . π. βασιλέως Ἰσρ. [A *al.*] (1)
— 18. καὶ πᾶς Ἰούδα καὶ Ἰσρ. (1)
— 19. μετὰ ταῦτα π. –
— 19. κατὰ π. τὸν νόμον Μωυσῆ –
— 19. A R ἐπὶ π. τὰ παροργίσματα αὐ. [B *al.*] –
— 24. πᾶς Ἰούδα καὶ Ἱερουσ. (1)
— 25. εἶπαν π. οἱ ἄρχοντες (1)
36. 2. κατὰ πάντα ἃ ἐποίησαν –
— 5. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησαν –
— 5. ἐν πᾶσιν οἷς ἐποίησε –
— 8. καὶ πάντα ἃ ἐποίησεν †
— 14. καὶ π. οἱ ἔνδοξοι Ἰούδα (1)
— 17. τὰ π. παρέδωκεν ἐν χερσὶν αὐ. (1)
— 18. καὶ π. τὰ σκεύη οἴκου θεοῦ (1)
— 18. καὶ π. τοὺς θησαυροὺς βασιλέως –
— 18. πάντα εἰσήνεγκεν εἰς Βαβ. (1)
— 19. καὶ π. σκεῦος ὡραῖον (1)
— 21. A R π. τὰς ἡμέρας ἐρημώσεως αὐ. (1)
— 22. κηρῦξαι ἐν π. τῇ βασιλείᾳ αὐ. (1)
— 23. τάδε λέγει . . . π. ταῖς βασιλείαις [A *al.*] (1)
— 23. τίς . . . ἐκ π. τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (1)
I Es. 1. 13. ἀπήνεγκαν π. τοῖς ἐκ τοῦ λαοῦ
— 21. καὶ π. οἱ βασιλεῖς τοῦ Ἰσρ.
— 21. οἱ Ἰουδαῖοι καὶ πᾶς Ἰσρ.
— 24. παρὰ πᾶν ἔθνος καὶ βασιλείαν
— 25. μετὰ π. τὴν πρᾶξιν ταύτην
— 32. B εἰς πᾶν [A R ἅπαν] τὸ γένος Ἰσρ.
— 49. ὑπὲρ π. τὰς ἀκαθαρσίας π. τῶν ἐθνῶν
— 53. πάντας [A -α] παρέδωκαν εἰς τὰς χ. αὐ.
— 54. π. τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ κ.
— 56. π. τὰ ἔνδοξα αὐ. ἀχρειῶσαι
— 58. π. τὸν χρόνον τῆς ἐρημώσεως αὐ.
2. 8. πάντων ὧν ἤγειρε κ. τὸ πνεῦμα
— 9. ἐβοήθησαν ἐν πᾶσιν
— 14. τὰ δὲ π. σκεύη ἐκομίσθη [A διεκ.]
3. 1. π. τοῖς ὑπ' αὐτὸν καὶ π. τοῖς οἰκογενέσιν αὐ. καὶ π. τοῖς μεγιστᾶσι
— 2. καὶ π. τοῖς σατράπαις καὶ στρατηγοῖς
— 12. ὑπὲρ δὲ πάντα νικᾷ ἡ ἀλήθεια
— 14. ἐκάλεσε π. τοὺς μεγιστᾶνας
— 18. π. τοὺς ἀνθρ. τοὺς πιόντας αὐτόν
— 20. π. διάνοιαν μεταστρέφει
— 20. οὐ μέμνηται π. λύπην καὶ π. ὀφείλημα
— 21. π. [A π. τὰς] καρδίας ποιεῖ πλουσίας
— 21. πάντα διὰ ταλάντων ποιεῖ λαλεῖν
4. 2. καὶ π. τὰ ἐν αὐτοῖς
— 3. A κυριεύει πάντων [B αὐτῶν]
— 3. πᾶν [A πάντα] ὃ ἐὰν εἴπῃ αὐτοῖς
— 5. τῷ βασ. κομίζουσι πάντα
— 5. καὶ τὰ ἄλλα π.
— 10. καὶ π. ὁ λαὸς αὐτοῦ
— 15. ἐγέννησαν . . . π. τὸν λαόν
— 18. καὶ π. πρᾶγμα ὡραῖον [A *al.*]
— 19. ταῦτα π. ἀφέντες
— 19. πάντες αὐτὴν αἱρετίζουσι
— 19. καὶ πᾶν πρᾶγμα ὡραῖον
— 22. πάντα ταῖς γυναιξὶ δίδοτε
— 28. οὐχὶ π. αἱ χῶραι εὐλαβοῦνται
— 35. ἰσχυροτέρα παρὰ πάντα
— 36. π. ἡ γῆ τὴν ἀλήθειαν καλεῖ
— 36. π. τὰ ἔργα σείεται
— 37. ἄδικοι π. οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρ.
— 37. A B ἄδικα π. τὰ ἔργα αὐτῶν π. [R *om.*] τὰ τοιαῦτα
— 39. ἀπὸ π. τῶν ἀδίκων καὶ πονηρῶν
— 39. πάντες εὐδοκοῦσι τοῖς ἔργοις αὐτῆς
— 40. ἡ μεγαλειότης τῶν π. αἰώνων
— 41. π. ὁ λαὸς τότε ἐφώνησε
— 44. καὶ π. τὰ σκεύη τὰ ληφθέντα ἐξ Ἱερ.
— 47. A R ἔγραψεν . . . πρὸς π. τοὺς [B *om.*] οἰκονόμους
— 47. καὶ τοὺς μετ' αὐτοῦ π. ἀναβαίνοντας
— 48. π. τοῖς τοπάρχοις . . . ἔγραψεν
— 49. ἔγραψε π. τοῖς Ἰουδαίοις
— 49. π. δυνατὸν καὶ σατράπην
— 50. π. τὴν χώραν . . . ἀφορολόγητον αὐτοῖς ὑπάρχειν
— 53. καὶ π. τοῖς προσβαίνουσιν ἀπὸ τῆς B.
— 53. π. τοῖς ἱερεῦσι τοῖς προσβαίνουσιν
— 56. π. τοῖς φρουροῦσι τὴν πόλιν
— 57. ἐξαπέστειλε π. τὰ σκεύη
— 57. καὶ πάντα ὅσα εἶπε
— 61. ἀπήγγειλε τοῖς ἀδελφοῖς αὐτοῦ πᾶσι
5. 3. π. οἱ ἀδελφοὶ αὐτῶν παίζοντες
— 28. πάντες [A οἱ π.] ἑκατὸν τριάκοντα ἐννέα

I Es. 5. 35. π. οἱ ἱερόδουλοι
— 41. οἱ δὲ π. ἦσαν Ἰσραήλ
— 46. καὶ πᾶς Ἰσρ. ἐν ταῖς κώμαις αὐ.
— 50. π. τὰ ἔθνη τὰ ἐπὶ τῆς γῆς
— 52. καὶ ἑορτῶν πασῶν ἡγιασμένων
— 56. π. οἱ παραγενόμενοι ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας
— 58. π. οἱ Λ. ὁμοθυμαδὸν ἐργοδιῶκται
— 61. ἡ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας ἐν παντὶ Ἰσρ.
— 62. π. ὁ λαὸς ἐσάλπισαν
— 73. π. τὸν χρόνον τῆς ζωῆς τοῦ βασ. Κ.
6. 4. καὶ τὰ ἄλλα π. ἐπιτελεῖτε
— 8. π. γνωστὰ ἔστω τῷ κ. ἡμῶν
— 10. καὶ ἐν π. δόξῃ . . . συντελούμενα
— 19. ἀπήνεγκε π. τὰ σκεύη ταῦτα [A *al.*]
— 33. ἀφανίσαι π. βασιλέα
7. 8. ὑπὲρ ἁμαρτίας π. τοῦ Ἰσρ.
— 11. καὶ π. οἱ υἱοὶ τῆς αἰχμαλωσίας
— 11. οἱ Λ. ἅμα π. ἡγνίσθησαν
— 12. π. τοῖς υἱοῖς τῆς αἰχμαλωσίας
— 13. π. οἱ χωρισθέντες ἀπὸ τῶν βδελυγμ.
8. 4. ἐπὶ π. τὰ ἀξιώματα αὐτοῦ
— 7. A διδάξαι τὸν π. [B π. τ.] Ἰσρ. π. τὰ [B *om.* π. τ.] δικαιώμ.
— 13. καὶ π. χρυσίον καὶ ἀργύριον
— 16. καὶ πάντα ὅσα ἂν βούλῃ
— 21. A R καὶ ἄλλα ἐκ πλήθους πάντα
— 22. π. τοῖς ἱερεῦσι καὶ τοῖς Δ.
— 23. π. τοὺς ἐπισταμ. τὸν νόμον τοῦ θ.
— 24. π. ὅσοι ἐὰν παραβαίνωσι τὸν νόμον
— 26. καὶ π. τῶν φίλων καὶ μεγιστάνων αὐ.
— 49. πάντων ἐσημάνθη ἡ ὀνοματογραφία [A *al.*]
— 52. εἰς π. ἐπανόρθωσιν
— 53. ἐδεήθημεν τοῦ κ. ἡμῶν π. [A κατὰ] ταῦτα
— 55. οἱ μεγιστᾶνες καὶ πᾶς Ἰσρ.
— 61. ἐρρύσατο ἡμᾶς . . . ἀπὸ π. ἐχθροῦ
— 63. A B πρὸς ἀριθμὸν καὶ ὁλκὴν πάντα [R ἅπ.]
— 64. ἐγράφη π. ἡ ὁλκὴ αὐτῶν
— 65. A R ταύρους δώδεκα ὑπὲρ παντὸς Ἰσρ.
— 86. τὰ συμβαίνοντα πάντα ἡμῖν γίνεται
— 92. ἐστὶν ἐπάνω πᾶς Ἰσρ.
— 93. ἐκβαλεῖν π. τὰς γυναῖκας ἡμῶν
— 96. τοὺς φυλάρχους τῶν ἱερ. . . . π. τοῦ Ἰσρ.
9. 3. π. τοῖς ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας
— 5. R π. [A B *om.*] οἱ ἐκ τῆς φυλῆς Ἰ.
— 6. συνεκάθισαν π. τὸ πλῆθος
— 10. B ἐφώνησαν π. [A R ἅπ.] τὸ πλῆθος
— 12. π. οἱ ἐκ τῶν κατοικιῶν [A -κων] ἡμῶν
— 15. ἐποίησαν κατὰ π. ταῦτα
— 16. πάντας κατ' ὄνομα
— 36. A R π. οὗτοι συνῴκισαν γυναῖκας ἀλλογ. [B *al.*]
— 38. συνήχθη π. τὸ πλῆθος
— 40. ἐκόμισεν . . . π. τῷ πλήθει . . . καὶ π. τοῖς ἱερεῦσιν
— 41. A R ἐπέδωκαν π. τὸ πλῆθος [B ἐπ. πάντα] τὸν νοῦν
— 45. προεκάθητο γὰρ . . . ἐνώπιον πάντων
— 46. π. ὀρθοὶ ἔστησαν
— 47. A R ἐπεφώνησε [B ἐφ.] π. τὸ πλῆθος
— 49. τοῖς διδάσκουσι τὸ πλῆθος ἐπὶ πάντας
— 50. καὶ πάντες ἔκλαιον
— 53. A B[1] ἐκέλευον πάντα [A τὰ π., B[3] R παντὶ] τῷ δήμῳ
— 54. ᾤχοντο πάντες φαγεῖν
II Es. 1. 1. ἐν π. βασιλείᾳ αὐτοῦ (1)
— 2. π. τὰς βασιλείας τῆς γῆς (1)
— 3. τίς ἐν ὑμῖν ἀπὸ π. τοῦ λαοῦ αὐ. (1)
— 4. π. ὁ καταλειπόμ. ἀπὸ π. τῶν τόπων (1, 1)
— 5. πάντων [A -τες] ὧν ἐξήγειρεν ὁ θ. τὸ πνεῦμα (1)
— 6. καὶ π. οἱ κυκλόθεν ἐνίσχυσαν (1)
— 11. π. τὰ σκεύη τῷ χρυσῷ (1)
— 11. τὰ π. [A *add.* τὰ] ἀναβαίνοντα μετὰ Σασ. (1)
2. 42. οἱ π. ἑκατὸν τριάκοντα ἐννέα (1)
— 58. π. οἱ Ναθανίμ (1)
— 64. π. δὲ ἡ ἐκκλησία ὁμοῦ (1)
— 70. καὶ πᾶς Ἰσρ. ἐν πόλεσιν αὐτῶν (1)
3. 5. καὶ εἰς π. ἑορτάς (1)
— 5. καὶ π. ἐκουσιαζομένῳ ἑκούσιον (1)
— 8. καὶ π. οἱ ἐρχόμ. ἀπὸ τῆς αἰχμαλωσίας (1)
— 11. καὶ π. ὁ λαὸς ἐσήμαινε (1)
4. 5. π. τὰς ἡμέρας Κύρου (1)
5. 7. Δαρείῳ τῷ βασ. εἰρήνη π. (1)
— 15. π. τὰ σκεύη λάβε †
6. 11. π. ἄνθρωπος ὃς ἀλλάξει τὸ ῥῆμα τοῦτο (1)
— 12. καταστρέψαι π. βασιλέα (1)

II Es. 6. 17. ὑπὲρ ἁμαρτίας ὑπὲρ παντὸς Ἰσρ. (1)
— 20. ἕως εἷς π. καθαροί (1)
— 20. τοῖς π. υἱοῖς τῆς ἀποικεσίας (1)
— 21. καὶ π. ὁ χωριζόμ. τῆς ἀκαθαρσίας (1)
7. 6. ἐν πᾶσιν οἷς ἐζήτει αὐτός (1)
— 13. A R π. ὁ [B *om.*] ἑκουσιαζόμ. ἐν βασιλείᾳ μου (1)
— 16. καὶ π. ἀργύριον καὶ χρυσίον ὅ τι ἐὰν εὕρῃς ἐν π. χώρᾳ (1, 1)
— 17. A B καὶ πᾶν [R πάντα] προσπορευόμενον τοῦτον (1)
— 21. ἔθηκα γνώμην π. ταῖς γάζαις (1)
— 21. πᾶν ὃ ἂν αἰτήσῃ ὑμᾶς Ἔσδρας (1)
— 23. πᾶν ὅ ἐστιν ἐν γνώμῃ θεοῦ (1)
— 24. ἐγνώρισται ἐν π. τοῖς ἱερεῦσι (1)
— 25. ἵνα ὦσι κρίνοντες π. τῷ λαῷ (1)
— 25. π. τοῖς εἰδόσι νόμον τοῦ θ. σου (1)
— 26. π. ὃς ἂν μὴ ᾖ ποιῶν νόμον τοῦ θ. (1)
— 28. ἐν ὀφθαλμοῖς . . . π. τῶν ἀρχόντων τοῦ βασ. (1)
8. 20. πάντες συνήχθησαν ἐν ὀνόμασι (1)
— 21. καὶ π. τῇ κτήσει ἡμῶν (1)
— 22. ἐπὶ π. τοὺς ζητοῦντας αὐτόν (1)
— 22. B[1] R ἐπὶ π. τοὺς [A B[2] *om.*] ἐγκαταλείποντας αὐτόν (1)
— 25. καὶ πᾶς Ἰσρ. οἱ εὑρισκόμενοι (1)
— 34. καὶ ἐν σταθμῷ τὰ π. (1)
— 34. ἐγράφη π. ὁ σταθμός (1)
— 35. μόσχους δώδεκα περὶ παντὸς Ἰσρ. (1)
— 35. A R τὰ π. ὁλοκαυτώμ. τῷ κυρίῳ [B *al.*] (1)
9. 4. π. ὁ διώκων λόγον θεοῦ Ἰσρ. (1)
— 13. μετὰ π. τὸ ἐρχόμ. [S[2] π. τὰ εἰσελθόντα] (1)
10. 3. ἐκβαλεῖν π. τὰς γυναῖκας (1)
— 5. ὤρκισε . . . πάντα Ἰσρ. (1)
— 7. S[2] R π. τοῖς υἱοῖς τῆς ἀποικίας (1)
— 8. πᾶς ὃς ἂν μὴ ἔλθῃ (1)
— 8. ἀναθεματισθήσεται π. ἡ ὕπαρξις αὐ. (1)
— 9. συνήχθησαν π. [S π. οἱ] ἄνδρες Ἰούδα (1)
— 9. ἐκάθισε π. [S[1] *om.*] ὁ λαός (1)
— 12. A S R ἀπεκρίθησαν π. ἡ [B *om.*] ἐκκλησία (1)
— 14. A S[1] στήτωσαν . . . τῇ [S[2] ἐν τῇ] π. ἐκκλησίᾳ [B S[3] *om.* τ. π. ἐ.] (1)
— 14. π. τοῖς ἐν πόλεσιν ἡμῶν [S[2] *al.*] (1)
— 16. καὶ πάντες ἐν [A S[2] ἐπ'] ὀνόμασιν (1)
— 17. ἐτέλεσαν ἐν π. ἀνδράσιν (1)
— 44. π. οὗτοι ἐλάβοσαν γυναῖκας ἀλλοτρίας (1)
Ne. 4. 8 (2). συνήχθησαν πάντες ἐπὶ τὸ αὐτό (1)
— 12 (6). ἀναβαίνουσιν ἐκ π. [S[1] *om.*] τῶν τόπων (1)
— 15 (9). ἐπεστρέψαμεν π. ἡμεῖς (1)
— 16 (10). ὀπίσω π. οἴκου Ἰούδα (1)
5. 13. ἐκτινάξαι ὁ θ. π. ἄνδρα (1)
— 13. εἶπε π. ἡ ἐκκλησία (1)
— 16. καὶ π. οἱ συνηγμένοι ἐκεῖ (1)
— 18. ἀνὰ μέσον δέκα ἡμερῶν ἐν πᾶσιν οἶνος (1)
— 19. πάντα ὅσα ἐποίησα (1)
6. 9. πάντες φοβερίζουσιν ἡμᾶς (1)
— 16. A S R ἡνίκα ἤκουσαν π. [B *om.*] οἱ ἐχθροὶ ἡμῶν (1)
— 16. ἐφοβήθησαν π. τὰ ἔθνη (1)
7. 60. π. οἱ Ναθ. καὶ υἱοὶ δούλων Σ. (1)
— 66. καὶ ἐγένετο π. ἡ ἐκκλησία (1)
— 73. καὶ πᾶς Ἰσρ. ἐν πόλεσιν αὐτῶν (1)
8. 1. συνήχθησαν π. ὁ λαός (1)
— 2. καὶ π. ὁ συνίων (1)
— 3. ὧτα π. τοῦ λαοῦ εἰς τὸ βιβλίον (1)
— 5. ἐνώπιον π. τοῦ λαοῦ (1)
— 5. ἔστη π. ὁ λαός (1)
— 6. ἀπεκρίθη π. ὁ λαός (1)
— 9. εἶπαν π. τῷ λαῷ (1)
— 9. ἔκλαιε π. ὁ λαός (1)
— 11. A R κατεσιώπων π. [B S *om.*] τὸν λαόν (1)
— 12. ἀπῆλθε π. ὁ λαός (1)
— 13. συνήχθησαν . . . σὺν [A S *om.*] τῷ π. λαῷ (1)
— 13. ἐπιστῆσαι πρὸς π. τοὺς λόγους τοῦ νόμου –
— 15. ἐν π. ταῖς πόλεσιν αὐτῶν (1)
— 17. ἐποίησαν π. ἡ ἐκκλησία . . . σκηνάς (1)
9. 2. ἐχωρίσθησαν . . . ἀπὸ π. υἱοῦ ἀλλοτρίου (1)
— 5. ἐπὶ π. εὐλογίᾳ καὶ αἰνέσει (1)
— 6. καὶ π. τὴν στάσιν αὐτῶν (1)
— 6. πάντα ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτῇ (1)
— 6. καὶ π. τὰ ἐν αὐταῖς (1)
— 6. ζωοποιεῖς τὰ π. (1)
— 10. καὶ ἐν π. τοῖς παισὶν αὐτοῦ (1)

Ne. 9. 10. A B S² ἐν π. τῷ λαῷ τῆς γῆς αὐ. (1)
— 25. οἰκίας πλήρεις π. ἀγαθῶν (1)
— 25. καὶ π. ξύλον βρώσιμον –
— 32. μὴ ὀλιγωθήτω . . . π. ὁ μόχθος (1)
— 32. καὶ ἐν π. τῷ λαῷ σου (1)
— 33. ἐπὶ π. τοῖς ἐρχομ. ἐφ' ἡμᾶς (1)
— 38 (10. 1). ἐν π. τούτοις ἡμεῖς διατιθέμεθα (1)
— 38 (10. 1). A S¹ ἐπισφραγίζουσιν π. [B S² om.] ἄρχοντες ἡμῶν –
10. 28 (29). καὶ π. ὁ προσπορευόμενος (1)
— 28 (29). π. ὁ εἰδὼς καὶ συνίων (1)
— 29 (30). καὶ ποιεῖν π. τὰς ἐντολάς (1)
— 31 (32). οἱ φέροντες . . . π. [S¹ τὴν] πρᾶσιν (1)
— 31 (32). καὶ ἀπαίτησιν π. χειρός (1)
— 35 (36). S² πρωτογενήματα παντὸς [A B S¹ om.] καρποῦ π. ξύλου (1, 1)
— 37 (38). τὸν καρπὸν π. ξύλου (1)
— 37 (38). ἐν π. πόλεσι δουλείας ἡμῶν (1)
11. 2. εὐλόγησεν ὁ λαὸς τοὺς π. ἄνδρας (1)
— 6. π. υἱοὶ Φαρές (1)
— 18. S² π. οἱ Λ. ἐν τῇ πόλει τῇ ἁγίᾳ (1)
— 20. S² ἐν π. ταῖς πόλεσιν τῆς Ἰ. (1)
— 24. εἰς πᾶν χρῆμα [S² ῥῆμα] τῷ λαῷ (1)
12. 47. πᾶς Ἰσρ. . . . διδόντες μερίδας (1)
13. 3. ἐχωρίσθησαν π. ἐπίμικτος (1)
— 6. ἐν π. ταύτῳ οὐκ ἤμην ἐν Ἱερ. (1)
— 8. ἔρριψα π. τὰ σκεύη οἴκου Τ. (1)
— 12. πᾶς Ἰ. ἤνεγκαν δεκάτην (1)
— 15. ἐπιγεμίζοντας . . . π. βάσταγμα (1)
— 16. καὶ π. πρᾶσιν πωλοῦντες (1)
— 18. ἤνεγκεν . . . π. τὰ κακὰ ταῦτα (1)
— 20. ἠυλίσθησαν πάντες –
— 26. εἰς βασιλέα ἐπὶ πάντα Ἰσρ. (1)
— 27. ποιῆσαι π. πονηρίαν ταύτην (1)
— 30. ἐκαθάρισα αὐτοὺς ἀπὸ π. ἀλλοτριώσεως (1)
To. 1. 3. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς μου
— 4. π. [S π. ἡ] φυλὴ τοῦ Νεφθ.
— 4. ἀπὸ π. τῶν [S om.] φυλῶν Ἰσρ.
— 4. εἰς τὸ θυσιάζειν π. τὰς φυλάς [S πάσαις φ.]
— 4. εἰς π. τὰς γενεὰς τοῦ αἰῶνος
— 5. π. αἱ φυλαί [S¹ π. οἱ ἀδελφοί μου]
— 5. S ἐπὶ π. ὀρέων τῆς Γαλιλαίας
— 6. καθὼς γέγραπται παντὶ τῷ [S ἐν π.] Ἰ.
— 6. πρὸς τὸ θυσιαστήριον π. τῶν γενημάτων [S¹ al.]
— 10. π. οἱ ἀδελφοί μου
— 13. S π. τὰ πρὸς τὴν χρῆσιν [A B al.]
— 20. π. τὰ ὑπάρχοντά μου [S al.]
— 21. ἐπὶ π. τὴν ἐκλογιστίαν τῆς βασ. αὐ.
— 21. ἐπὶ π. τὴν διοίκησιν
2. 6. καὶ π. αἱ εὐφροσύναι [S ὁδοὶ] ὑμῶν
— 10. S π. οἱ ἀδελφοί μου ἐλυποῦντο
— 12. S ἔδωκαν αὐτῇ τὸν μισθὸν π. [A B al.]
— 14. γνωστὰ π. μετὰ σοῦ [S al.]
3. 2. π. τὰ ἔργα σου [S add. δίκαια] καὶ π. αἱ ὁδοί σου
— 4. π. τοῖς ἔθνεσιν ἐν οἷς ἐσκορπίσμεθα [S al.]
— 11. εὐλογήσαισάν σε π. τὰ ἔργα σου
— 14. καθαρά εἰμι ἀπὸ π. ἁμαρτίας
— 17. S παρὰ π. τοὺς θέλοντας λαβεῖν αὐτήν
4. 3. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου
— 3. S μὴ λυπήσῃς τὸ πνεῦμα αὐ. ἐν π. πράγματι [A B al.]
— 5. π. τὰς ἡμέρας . . . μνημόνευε
— 5. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου
— 6. καὶ π. τοῖς ποιοῦσι τὴν δικαιοσύνην
— 7. A B μὴ ἀποστρέψῃς . . . ἀπὸ π. πτωχοῦ
— 11. A B π. τοῖς ποιοῦσιν αὐτήν
— 12. A B πρόσεχε . . . ἀπὸ π. πορνείας
— 12. A B πάντες ἔλαβον γυναῖκας
— 14. A B μισθὸς π. ἀνθρώπου
— 14. A B πρόσεχε . . . ἐν π. τοῖς ἔργοις σου
— 14. A B ἴσθι πεπαιδευμένος ἐν π. ἀναστροφῇ σου
— 16. A B πᾶν ὃ ἐὰν περισσεύσῃ σοι
— 18. A B παρὰ π. φρονίμου ζήτησον
— 18. A B ἐπὶ π. συμβουλίας χρησίμης
— 19. A B ἐν π. καιρῷ εὐλόγει κύριον
— 19. A B καὶ π. αἱ τρίβοι . . . εὐοδωθῶσι
— 19. A B π. ἔθνος οὐκ ἔχει βουλήν
— 19. δίδωσι π. τὰ ἀγαθά [S al.]
— 21. καὶ ἀποστῆς [S φύγῃς] ἀπὸ π. ἁμαρτίας
5. 1. πάτερ, ποιήσω πάντα
— 6. S ἐπίσταμαι τὰς ὁδοὺς π. [A B al.]
— 9. S ἐπίσταμαι ἐγὼ τὰς ὁδοὺς π.
— 9. S διῆλθον π. τὰ πεδία
— 9. S π. τὰς ὁδοὺς αὐτῆς ἐγὼ γινώσκω
6. 7. S φεύξεται ἀπ' αὐτοῦ π. ἀπάντημα
To. 6. 11. S παρὰ π. ἀνθρώπους
— 12. ἢ [S παρὰ] π. ἄνθρωπον
— 13. καὶ πάντας ἐν τῷ νυμφῶνι ἀπολωλότας [S al.]
— 17. S τὸν π. αἰῶνα [A B τὸν αἰ. τοῦ αἰῶνος]
7. 11. S πάντες ἀπέθανον τὴν νύκτα [A B al.]
8. 5. S εἰς π. [A B om.] τοὺς αἰῶνας
— 5. καὶ π. αἱ κτίσεις [S π. ἡ κτ.] σου
— 5. S εἰς π. τοὺς αἰῶνας
— 15. ἐν π. εὐλογίᾳ καθαρᾷ
— 15. A B καὶ π. αἱ κτίσεις σου καὶ π. οἱ ἄγγελοί σου
— 15. A S εἰς π. [B om.] τοὺς αἰῶνας
10. 11. S τὸ ἥμισυ π. [A B om.] τῶν ὑπαρχόντων
— 13. S π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου
— 13. S εὐοδωθείημεν πάντες
— 13. S π. τὰς ἡμέρας ἐν τῇ ζωῇ ἡμῶν
11. 1. S τῷ βασιλεῖ τῶν π.
— 1. S π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν
— 14. εὐλογημένοι π. οἱ ἅγιοί σου ἄγγελοι
— 14. S εὐλογητοὶ π. οἱ ἄγγελοι εἰς π. τοὺς αἰῶνας
— 16. S διαβαίνοντα αὐτὸν π. τῇ ἰσχύϊ αὐ. [A B al.]
— 17. ἐγένετο χαρὰ πᾶσι
12. 4. S τὸ ἥμισυ πάντων ὧν ἔχων ἦλθεν
— 5. λάβε τὸ ἥμισυ πάντων
— 6. ἐνώπιον π. τῶν ζώντων
— 6. S ὑποδείκνυτε π. ἀνθρώποις [A B al.]
— 9. ἀποκαθαριεῖ π. ἁμαρτίαν
— 11. S π. τὴν ἀλήθειαν ὑμῖν ὑποδείξω
— 11. οὐ μὴ κρύψω ἀφ' ὑμῶν π. ῥῆμα
— 17. S εἰς π. [A B om.] τὸν αἰῶνα
— 18. S κατὰ π. τὰς ἡμέρας [A B al.]
— 19. π. τὰς ἡμέρας ὤπτανόμην ὑμῖν [S al.]
— 20. γράψατε π. τὰ συντελεσθέντα [S al.]
13. 4. ἐνώπιον π. ζώντος
— 4. εἰς π. τοὺς αἰῶνας
— 5. S καὶ π. ὑμᾶς [A R καὶ πάλιν] ἐλεήσει
— 5. ἐκ π. τῶν ἐθνῶν
— 8. A B λεγέτωσαν πάντες
— 10. S εὐφράναι ἐν σοὶ π. [A B om.] τοὺς αἰχμαλώτους
— 10. S ἀγαπήσαι ἐν σοὶ π. [A B om.] τοὺς ταλαιπώρους
— 10. εἰς π. τὰς γενεὰς τοῦ αἰῶνος
— 11. S εἰς π. τὰ πέρατα τῆς γῆς
— 11. S κατοικιεῖ π. τῶν ἐσχάτων τῆς γῆς
— 12. ἐπικατάρατοι π.
— 12. S ἐπικατάρατοι ἔσονται π.
— 12. S π. οἱ ἀνατρέποντες τοὺς πύργους σου
— 12. εὐλογημένοι [S -γητοὶ] ἔσονται π.
— 13. S πάντες ἐπισυναχθήσονται [A B al.]
— 14. S μακάριοι π. οἱ ἄνθρωποι [A B al.]
— 14. A B² S R ἐπὶ π. [B¹ om.] ταῖς μάστιξί σου
— 14. θεασάμενοι π. τὴν δόξαν σου [S al.]
— 16. S εἰς π. τοὺς αἰῶνας
— 16. S καὶ λίθῳ τιμίῳ π. τὰ τείχη σου [A B al.]
— 18. καὶ ἐροῦσι π. αἱ ῥύμαι αὐ. [S al.]
— 18. S καὶ π. αἱ οἰκίαι αὐτῆς ἐροῦσιν
— 18. ὃς ὕψωσε [A add. εἰς] π. τοὺς αἰῶνας [S al.]
14. 4. S ὅτι πάντα ἔσται
— 4. S πάντα ἀπαντήσει
— 4. S οὐ μηθὲν ἐλαττονωθῇ ἐκ π. τῶν ῥημ.
— 4. S πάντα συμβήσεται
— 4. S πάντα . . . συντελεσθήσεται
— 4. S ἡμῶν ἐν τῇ γῇ Ἰσρ. πάντων [A B om.]
— 4. S ἔσται π. ἡ γῆ τοῦ Ἰσρ. ἔρημος
— 5. S ἐπιστρέψουσιν . . . πάντες [A B om.]
— 5. A B² εἰς π. τὰς γενεὰς τοῦ αἰῶνος
— 6. π. τὰ ἔθνη [S add. τὰ ἐν ὅλῃ τῇ γῇ πάντες] ἐπιστρέψουσιν
— 6. S ἀφήσουσιν πάντες [A B κατορύξουσι] τὰ εἴδωλα αὐ.
— 7. εὐλογήσουσι π. τὰ ἔθνη κύριον [S al.]
— 7. S π. οἱ υἱοὶ τοῦ Ἰσρ. οἱ σωζόμ.
— 7. καὶ χαρήσονται πάντες [S om.]
— 7. S ἐκλείψουσιν ἀπὸ π. τῆς γῆς
— 7. S καὶ εὐλογῶσιν τὸ ὄνομα αὐ. ἐν π. καιρῷ
— 15. S ἐν πᾶσιν οἷς ἐποίησεν
Ju. 1. 6. π. οἱ κατοικοῦντες τὴν ὀρεινὴν καὶ π. οἱ κατοικοῦντες τὸν Εὐφρ. [S¹ al.]
— 7. ἐπὶ π. τοὺς κατοικοῦντας τὴν Π. καὶ ἐπὶ π. τοὺς κατοικοῦντας πρὸς δυσμαῖς
— 7. καὶ π. τοὺς κατοικοῦντας κατὰ πρόσωπον τῆς παραλίας
— 9. καὶ π. τοὺς ἐν Σαμ.
— 9. καὶ π. γῆν [S τὴν] Γεσέμ
Ju. 1. 10. A B S² καὶ π. τοὺς κατοικοῦντας τὴν Αἴγ.
— 11. π. οἱ κατοικοῦντες π. τὴν γῆν
— 12. ἐθυμώθη . . . ἐπὶ π. τὴν γῆν
— 12. ἐκδικήσειν π. τὰ ὅρια τῆς Κ.
— 12. π. τοὺς κατοικοῦντας ἐν γῇ Μωάβ
— 12. A S R καὶ π. τὴν Ἰουδ. [B Ἰδουμ.] καὶ π. τοὺς ἐν Αἰγ.
— 13. ἀνέστρεψε π. τὴν [S om.] δύναμιν Ἀρφ. καὶ π. τὴν ἵππον αὐ. καὶ π. [S¹ om.] τὰ ἅρματα [S χρήμ.] αὐ.
— 16. A S R καὶ π. ὁ σύμμικτος αὐτοῦ
2. 1. ἐκδικῆσαι π. τὴν γῆν
— 2. συνεκάλεσε π. τοὺς θεράποντας αὐ. καὶ π. τοὺς μεγιστᾶνας αὐ.
— 2. συνετέλεσε π. τὴν κακίαν τῆς γῆς
— 3. ὀλεθρεῦσαι π. σάρκα
— 5. ὁ κύριος π. τῆς γῆς
— 6. εἰς συνάντησιν π. τῇ γῇ [S al.]
— 7. καλύψω π. τὸ πρόσωπον τῆς γῆς
— 9. ἐπὶ τὰ ἄκρα π. τῆς γῆς
— 10. προκαταλήψῃ [A προσκ.] μοι π. ὅριον αὐ.
— 11. εἰς φόνον . . . ἐν π. τῇ γῇ σου
— 14. ἐκάλεσε π. τοὺς δυνάστας
— 18. καὶ ἐπισιτισμὸν π. ἀνδρί
— 19. αὐτὸς καὶ π. ἡ δύναμις αὐτοῦ
— 19. καλύψαι π. τὸ πρόσωπον τῆς γῆς
— 22. ἔλαβε π. τὴν δύναμιν αὐ.
— 23. ἐπρονόμευσεν π. υἱοὺς Ῥ. [S al.]
— 24. π. τὰς πόλεις τὰς ὑψηλάς
— 25. κατέκοψε π. τοὺς ἀντιστάντας αὐτῷ
— 26. ἐκύκλωσε π. τοὺς υἱοὺς Μ.
— 27. ἐνέπρησε π. τοὺς ἀγροὺς αὐ.
— 27. ἐπάταξε π. τοὺς νεανίσκους αὐ.
— 28. καὶ π. τοὺς κατοικοῦντας Ἰ.
3. 3. A καὶ π. τόπος ἡμῶν
— 3. A B καὶ π. πεδίον πυρῶν
— 3. A B καὶ π. αἱ μάνδραι τῶν σκηνῶν ἡμῶν
— 7. αὐτοὶ καὶ π. ἡ περίχωρος αὐ.
— 8. κατέσκαψε π. τὰ ὅρια αὐτῶν
— 8. ἐξολεθρεῦσαι π. τοὺς θεούς [S al.]
— 8. π. τὰ ἔθνη καὶ π. [S om.] αἱ γλῶσσαι καὶ π. [A om.] αἱ φυλαὶ αὐτῶν
— 10. εἰς τὸ συλλέξαι π. τὴν ἀπαρτίαν [S στρατ.]
4. 1. ἤκουσαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . . πάντα
— 1. ἐσκύλευσε π. [S om.] τὰ ἱερὰ [A ὅρια] αὐ.
— 3. π. ὁ λαὸς συνελέλεκτο τῆς Ἰουδαίας
— 4. ἀπέστειλαν εἰς π. ὅριον Σαμ.
— 5. προκατελάβοντο π. τὰς κορυφάς
— 7. ἐπ' ἄνδρας τοὺς π. [S om. τ. π.] δύο
— 8. καὶ ἡ γερουσία π. δήμου [A λαοῦ]
— 9. ἀνεβάησαν [S ἐβ.] π. ἀνὴρ Ἰσρ.
— 10. καὶ π. πάροικος ἢ μισθωτός
— 11. καὶ π. ἀνὴρ Ἰσρ. καὶ γυνή
— 13. ἐν π. τῇ Ἰουδαίᾳ καὶ Ἱερ. [S al.]
— 14. π. οἱ παρεστηκότες ἐνώπιον κυρίου
— 15. ἐβόων πρὸς κύριον ἐκ π. δυνάμεως
— 15. A B ἐπισκέψασθαι πᾶν [S R πάντα] οἶκον Ἰσρ.
5. 1. ἐτείχισαν π. κορυφὴν ὄρους ὑψηλοῦ
— 2. ἐκάλεσε π. τοὺς ἄρχοντας Μωάβ
— 2. A B καὶ π. σατράπας τῆς παραλίας
— 4. παρὰ π. τοὺς κατοικοῦντας ἐν δυσμαῖς
— 5. ὁ ἡγούμενος π. υἱῶν Ἀμμών
— 12. A S R ἐπάταξε π. τὴν [B om. π. τ.] γῆν Αἴγ.
— 14. π. τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ ἐρήμῳ
— 15. S καὶ π. τοὺς Ἐσεβωνίτας καὶ πάντας [A B om. κ. π.] ἐξωλέθρευσαν
— 15. ἐκληρονόμησαν π. τὴν ὀρεινήν
— 16. ἐξέβαλον . . . π. τοὺς Γεργεσαίους
— 21. εἰς ὀνειδισμὸν [A S -δος] ἐναντίον π. τῆς γῆς
— 22. ἐγόγγυσε π. ὁ λαός
— 22. καὶ π. [S om.] οἱ κατοικοῦντες τὴν παραλίαν
— 24. εἰς κατάβρωμα [A S -ωσιν] π. τῆς στρατιᾶς σου
6. 1. ἐναντίον π. τοῦ δήμου
— 1. A R καὶ πρὸς π. τοὺς υἱοὺς Μωάβ
— 2. S² ἐναντίος π. δήμου
— 2. B S καὶ πρὸς π. τοὺς υἱοὺς Μ.
— 4. ὁ κύριος π. τῆς γῆς
— 12. καὶ π. ἀνὴρ σφενδονήτης
— 16. συνεκάλεσαν π. τοὺς πρεσβυτέρους
— 16. συνέδραμον π. νεανίσκος αὐ.
— 16. ἐν μέσῳ π. τοῦ λαοῦ αὐ.
— 17. π. τὰ ῥήματα ὅσα ἐλάλησεν

Ju. 7. 1. παρήγγειλεν 'Ολ. π. τῇ στρατιᾷ αὐ. καὶ π. τῷ [A om.] λαῷ αὐ.
— 2. ἀνέζευξεν . . . π. ἀνὴρ δυνατὸς αὐτῶν
— 4. ἐκλείξουσιν οὗτοι τὸ πρόσωπον τῆς γῆς π.
— 6. ἐξήγαγεν 'Ολ. π. τὴν ἵππον αὐτοῦ
— 8. π. ἄρχοντες υἱῶν Ἠσαῦ καὶ π. οἱ ἡγούμενοι
— 12. διαφυλάσσων π. ἄνδρα
— 13. π. οἱ κατοικοῦντες [S ἐνοικ.] B.
— 16. καὶ ἐνώπιον π. τῶν θεραπόντων αὐ.
— 18. π. [S om.] τὸ πρόσωπον τῆς γῆς
— 19. ἐκύκλωσαν π. οἱ ἐχθροὶ αὐτῶν
— 20. π. παρεμβολὴ 'Ασσούρ
— 20. π. τοὺς κατοικοῦντας B. [S² al.]
— 20. π. τὰ ἀγγεῖα αὐτῶν τῶν ὑδάτων
— 23. ἐπισυνήχθησαν π. ὁ λαός
— 23. A S R ἐναντίον π. [B om.] τῶν πρεσβυτέρων
— 26. ἔκδοσθε τὴν πόλιν π.
— 26. καὶ π. τῇ δυνάμει αὐτοῦ
— 29. ἐγένετο κλαυθμὸς μέγας . . . πάντων
8. 6. π. τὰς ἡμέρας τῆς χηρεύσεως αὐ.
— 9. ἤκουσε π. τοὺς λόγους 'Ι.
— 10. τὴν ἐφεστῶσαν π. τοῖς ὑπάρχουσιν αὐ.
— 14. ὃς ἐποίησε τὰ [A S om.] π. ταῦτα
— 15. A ἐν αἷς θέλει καὶ π. [B S σκεπάσαι] ἡμέραις
— 21. οὕτως καθήσεται π. ἡ 'Ιουδαία
— 21. S ἐκ τοῦ αἵματος πάντων [A B ἡμῶν]
— 25. παρὰ ταῦτα π. [A om.]
— 28. πάντα ὅσα εἶπας
— 29. ἔγνω π. ὁ λαὸς τὴν σύνεσίν σου
9. 4. καὶ π. τὰ σκῦλα εἰς διαίρεσιν υἱῶν
— 6. π. γὰρ αἱ ὁδοί σου ἕτοιμοι
— 12. βασιλεῦ π. κτίσεώς σου
— 14. ποίησον ἐπὶ π. τὸ ἔθνος [A π. ἔθνους] σου καὶ π. φυλῆς ἐπίγνωσιν
— 14. σὺ εἶ ὁ θεὸς π. δυνάμεως
10. 1. συνετέλεσε π. τὰ ῥήματα ταῦτα
— 4. καὶ π. τὸν κόσμον αὐτῆς
— 5. περιεδίπλωσε π. τὰ ἀγγεῖα αὐτῆς
— 13. κυριεύσει π. τῆς ὀρεινῆς
— 18. ἐγένετο συνδρομὴ ἐν π. [B¹ om.] τῇ παρεμβ.
— 19. κατασφίσασθαι π. τὴν γῆν
— 20. καὶ π. οἱ θεράποντες αὐτοῦ
— 23. ἐθαύμασαν πάντες ἐπὶ τῷ κάλλει
11. 1. δουλεύειν βασιλεῖ Ναβ. π. τῆς γῆς
— 7. ζῇ γὰρ βασιλεὺς Ναβ. π. τῆς γῆς
— 7. εἰς κατόρθωσιν π. ψυχῆς
— 7. καὶ π. τὸν οἶκον αὐτοῦ
— 8. ἀνηγγέλη π. τῇ γῇ
— 8. σὺ μόνος ἀγαθὸς ἐν π. [A π. τῇ] βασιλείᾳ
— 9. ἀνήγγειλεν αὐτοῖς πάντα
— 12. καὶ ἐσπανίσθη π. ὕδωρ
— 12. π. ὅσα διεστείλατο αὐτοῖς ὁ θεός
— 16. A B ἐπιγνοῦσα ταῦτα π.
— 16. A B ἐφ' οἷς ἐκστήσεται π. ἡ γῆ
— 18. A B ἐξελεύσῃ σὺν π. τῇ δυνάμει σου
— 20. A B καὶ ἐναντίον π. τῶν θεραπόντων αὐ.
— 23. A B ἔσῃ ὀνομαστὴ παρὰ π. τὴν γῆν
12. 11. A B ἐφεστηκὼς ἐπὶ π. τῶν αὐτοῦ
— 14. A B πᾶν ὃ ἔσται ἐν τοῖς ὀφθ. αὐ. ἀρεστόν
— 15. B ἐκοσμήθη . . . π. τῷ κόσμῳ [A om. π. τ. κ.]
— 18. A B παρὰ π. τὰς ἡμέρας τῆς γενέσεώς μου
13. 1. A B ἦσαν γὰρ πάντες κεκοπωμένοι
— 4. A B ἀπήλθοσαν πάντες ἐκ προσώπου
— 4. A B κύριε ὁ θεὸς π. δυνάμεως
— 13. καὶ συνέδραμον πάντες
— 17. ἐξέστη π. ὁ λαὸς σφόδρα
— 18. παρὰ π. τὰς γυναῖκας τὰς ἐπὶ τῆς γῆς
— 20. καὶ εἶπαν π. ὁ λαός
14. 2. ἐξελεύσεσθε π. ἀνὴρ ἰσχύων
— 4. π. οἱ κατοικοῦντες π. ὅριον 'Ισρ.
— 7. ἐν π. σκηνώματι 'Ι. καὶ ἐν π. ἔθνει
— 8. ἀπήγγειλεν αὐτῷ 'Ι. . . . πάντα
— 10. ἰδὼν δὲ 'Αχ. πάντα
— 11. ἀνέλαβε π. ἀνὴρ 'Ισρ. τὰ ὅπλα αὐ.
— 12. ἦλθον . . . ἐπὶ π. ἄρχοντα αὐτῶν
— 13. εἶπαν τῷ ὄντι ἐπὶ π. τῶν αὐτοῦ
15. 2. ἔφευγον ἐπὶ π. ὁδὸν τοῦ πεδίου
— 3. π. ἀνὴρ πολεμιστὴς ἐξ αὐτῶν
— 4. καὶ εἰς π. ὅριον 'Ισραήλ
— 4. ἵνα πάντες ἐπεκχυθῶσι [A ἀπ.]
— 5. πάντες ὁμοθυμαδὸν ἐπέπεσον ἐπ' αὐτούς
— 5. παρεγενήθησαν καὶ ἐκ π. τῆς ὀρεινῆς
— 9. εὐλόγησαν αὐτὴν πάντες ὁμοθυμαδόν
— 10. ἐποίησας π. ταῦτα
— 10. καὶ εἶπε π. ὁ λαός

Ju. 15. 11. ἐλαφύρευσε π. [A S om.] ὁ λαός
— 11. ἔδωκαν . . . π. τὰ ἀργυρώματα . . . καὶ π. τὰ σκευάσματα [A S κατασκ.] αὐ.
— 12. συνέδραμε π. γυνὴ 'Ισρ.
— 13. καὶ προῆλθε π. τοῦ λαοῦ
— 13. ἡγουμένη π. τῶν γυναικῶν
— 13. ἠκολούθει π. ἀνὴρ 'Ισραήλ
— 14. ἐξῆρχεν 'Ι. . . . ἐν παντὶ 'Ισραήλ
— 14. ὑπερεφώνει π. ὁ λαός
16. 14. σοὶ δουλευσάτω π. ἡ κτίσις σου
— 16. μικρὸν π. θυσία εἰς ὀσμὴν εὐωδίας
— 16. ἐλάχιστον π. στέαρ εἰς ὁλοκαύτωμα
— 16. ὁ δὲ φοβούμ. τὸν κ. μέγας διὰ παντός
— 19. ἀνέθηκεν 'Ι. π. τὰ σκεύη 'Ολ.
— 21. ἔνδοξος ἐν π. τῇ γῇ
— 22. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῆς
— 24. διεῖλε . . . π. τοῖς ἔγγιστα M.
Es. 1. 1. ἡτοιμάσθη π. ἔθνος εἰς πόλεμον
— 1. ἐταράχθη π. ἔθνος δίκαιον
— 1. ἐν π. λόγῳ ἤθελεν ἐπιγνῶναι αὐτό
— 11. A S δεῖξαι αὐτὴν πᾶσι [B om.] τοῖς ἄρχουσι —
— 16. ἀλλὰ καὶ π. τοὺς ἄρχοντας (1)
— 20. π. αἱ γυναῖκες περιθήσουσι τιμήν (1)
— 22. ἀπέστειλεν εἰς π. τὴν βασ. [A al.] (1)
2. 3. ἐν π. ταῖς [S¹ om.] χώραις τῆς βασ. αὐτοῦ (1)
— 3. S² π. [A B S¹ om.] κορίσια παρθενικά (1)
— 15. εὑρίσκουσα χάριν παρὰ πάντων [A al.] (1)
— 15. εὗρε χάριν παρὰ π. τὰς παρθένους (1)
— 18. πότον πᾶσι τοῖς φίλοις αὐτοῦ (1)
3. 1. ἐπρωτοβάθρει π. τῶν φίλων αὐτοῦ (1)
— 2. π. οἱ ἐν τῇ αὐλῇ προσεκύνουν αὐτῷ (1)
— 6. ἀφανίσαι π. τοὺς . . . 'Ιουδαίους (1)
— 8. ἐν π. τῇ βασιλείᾳ σου (1)
— 8. ἔξαλλοι παρὰ π. τὰ ἔθνη (1)
— 12. κατὰ π. χώραν ἀπὸ 'Ινδικῆς —
— 13. B S πάσης ἐπικράτησας οἰκουμένης [A² τῆς οἰκ.] (1)
— 13. ἀκυμάντους διὰ παντὸς καταστῆσαι βίους (1)
— 13. τὴν ποθουμ. τοῖς [A παρὰ] π. ἀνθρώποις εἰρήνην (1)
— 13. ἐν π. [S¹ om. ἐν π.] ταῖς κατὰ τὴν οἰκουμ. φυλαῖς (1)
— 13 ἀντίθετον [A ἀντίτυπον] πρὸς π. ἔθνος (1)
— 13. ἐν ἀντιπαραγωγῇ παντὶ διὰ παντὸς ἀνθρώπῳ κείμενον (1)
— 13. πάντας [S¹ -α] σὺν γυναιξὶ καὶ τέκνοις ἀπολέσαι (1)
— 13. ἄνευ π. οἴκτου καὶ φειδοῦς (1)
— 14. προσετάγη π. τοῖς ἔθνεσιν (1)
4. 3. ἐν π. χώρᾳ οὗ ἐξετίθετο (1)
— 9. ἐλάλησεν . . . π. τοὺς λόγους τούτους —
— 11. τὰ ἔθνη πάντα τῆς βασιλείας (1)
— 11. π. ἄνθρωπος ἢ γυνή (1)
— 12. ἀπήγγειλε . . . π. τοὺς λόγους 'Εσθήρ —
— 13. παρὰ [A ὑπὲρ] π. τοὺς 'Ιουδαίους (1)
— 16. S² ἐκκλησίασόν μοι π. [A B S¹ om. μ. π.] τοὺς 'Ι. (1)
— 17. S² ἐποίησεν κατὰ πάντα [A B S¹ om. κ. π.] (1)
— 17. μνημονεύων π. τὰ ἔργα κυρίου
— 17. βασιλεῦ πάντων κρατῶν [S² παντοκράτωρ]
— 17. ἐν ἐξουσίᾳ σου τὸ π. ἐστι
— 17. σὺ ἐποίησας . . . πᾶν θαυμαζόμενον
— 17. κύριος εἶ πάντων
— 17. σὺ πάντα γινώσκεις
— 17. πᾶς 'Ισραὴλ ἐκέκραξεν
— 17. π. τόπον κόσμου [A al.]
— 17. ἔλαβες τὸν 'Ισρ. ἐκ π. τῶν ἐθνῶν
— 17. ἔλαβες . . . ἐκ π. τῶν προγόνων αὐ.
— 17. καὶ π. ἀρχῆς ἐπικρατῶν
— 17. πάντων γνώσιν ἔχεις
— 17. B S βδελύσσομαι κοίτην . . . π. ἀλλοτρίου
— 17. ὁ θεὸς ὁ ἰσχύων ἐπὶ πάντας
5. 1. ἐπικαλεσαμένη τὸν πάντων ἐπόπτην θ.
— 1. εἰσελθοῦσα π. [S¹ om.] τὰς θύρας
— 1. π. [A τὴν, S² π. τὴν] στολὴν . . . ἐνδεδύκει
— 2. π. ἡ θεραπεία αὐτοῦ παρεκάλει αὐτήν
— 13. S² ἐν π. χρόνῳ (1)
— 14. S² καὶ π. [A B S¹ om.] οἱ φίλοι (1)
6. 9. οὕτως ἔσται π. ἀνθρώπῳ —
— 10. S² μὴ παραπεσάτω σου λόγος ἐκ πάντων [A B S¹ om. ἐκ π.] (1)
— 11. οὕτως ἔσται π. ἀνθρώπῳ —
8. 2. κατέστησεν . . . ἐπὶ π. τῶν 'Αμάν †
— 7. π. τὰ ὑπάρχοντα 'Αμάν †

Es. 8. 11. S R χρῆσθαι τοῖς νόμοις αὐ. ἐν π. [A τῇ, B π. τῇ] πόλει (1)
— 11. S² π. δύναμιν λαοῦ καὶ χώρας (1)
— 12. ἐν π. τῇ βασιλείᾳ 'Αρταξέρξου (1)
— 13. τοῦ τὰ π. κατοπτεύοντος ἀεὶ θεοῦ
— 13. τὴν βασ. ἀτάραχον τοῖς π. ἀνθρ. . . . παρεξόμεθα
— 13. ἧς ἔχομεν πρὸς π. ἔθνος φιλανθρωπίας
— 13. προσκυνούμενον ὑπὸ πάντων
— 13. τόν τε . . . διὰ παντὸς εὐεργέτην Μαρδ.
— 13. σὺν π. τῷ τούτων ἔθνει
— 13. τοῦ τὰ [S¹ om.] π. ἐπικρατοῦντος θεοῦ
— 13. ἐκθέντες ἐν π. τόπῳ
— 13. A S R ὁ τὰ [B om.] π. δυναστεύων θεός
— 13. ἐπίσημον ἡμέραν μετὰ π. εὐωχίας ἄγετε
— 13. π. δὲ πόλις ἢ χώρα τὸ σύνολον
— 13. ἐκτιθέσθωσαν . . . ἐν π. τῇ βασιλείᾳ (1)
— 13. ἑτοίμους τε εἶναι π. τοὺς 'Ιουδ. —
9. 4. ὀνομασθῆναι ἐν π. τῇ βασιλείᾳ (1)
— 19. ἐν π. χώρᾳ τῇ ἔξω [S¹ om. τ. ἔ.] —
— 27. S² ἐπὶ π. [A B S¹ om.] τοῖς προστεθειμ. (1)
10. 3. διηγεῖτο [A S ἡγ.] . . . π. τῷ ἔθνει αὐ. (1)
— 3. ἐρρύσατο κ. ἡμᾶς ἐκ π. τῶν κακῶν τούτων
— 3. B S καὶ ἕνα π. τοῖς ἔθνεσι
— 3. B² S καὶ π. τοῖς [A om.] ἔθνεσι
Jb. 1. 1. ἀπεχόμενος ἀπὸ π. πονηροῦ πράγματος —
— 5. οὕτως οὖν ἐποίει 'Ιὼβ πάσας τὰς ἡμέρας (1)
— 8. ἀπεχόμενος ἀπὸ π. πονηροῦ πράγματος —
— 10. τὰ ἔξω [A -ωθεν] πάντων τῶν ὄντων αὐτοῦ [A B -ῷ] (1)
— 11. ἅψαι πάντων ὧν ἔχει (1)
— 12. πάντα ὅσα ἐστὶν αὐτῷ (1)
— 22. ἐν τούτοις π. τοῖς συμβεβηκόσιν αὐτῷ (1)
2. 3. ἀπεχόμενος ἀπὸ παντὸς κακοῦ —
— 4. A S¹ πάντα [B om.] ὅσα ὑπάρχει ἀνθρώπῳ (1)
— 10. ἐν π. τούτοις τοῖς συμβεβηκόσιν αὐτῷ (1)
— 11. ἀκούσαντες δὲ . . . τὰ κακὰ πάντα (1)
5. 8. κύριον δὲ τὸν πάντων δεσπότην [A τὸν παντοκράτορα] ἐπικαλέσομαι —
6. 18. οὕτω κἀγὼ κατελείφθην ὑπὸ πάντων —
8. 3. ἢ ὁ τὰ πάντα ποιήσας ταράξει τὸ δίκαιον (7)
— 12. πρὸ τοῦ πιεῖν πᾶσα βοτάνη οὐχὶ [A πᾶσαν βοτάνην ἐὰν δὲ μὴ πίῃ] ξηραίνεται (1)
— 13. τὰ ἔσχατα πάντων τῶν ἐπιλανθανομένων τοῦ κυρίου (1)
— 20. πᾶν δὲ δῶρον ἀσεβοῦς οὐ δέξεται †
9. 28. σείομαι πᾶσι τοῖς μέλεσιν (1)
10. 13. οἶδα ὅτι πάντα δύνασαι †
11. 10. ἐὰν δὲ καταστρέψῃ τὰ π. †
12. 9. τίς οὖν οὐκ ἔγνω ἐν πᾶσι τούτοις (1)
— 10. ἐν χειρὶ αὐτοῦ ψυχὴ π. [A S² π. τῶν] ζώντων καὶ πνεῦμα παντὸς ἀνθρώπου (1, 1)
13. 4. ὑμεῖς ἐστὲ . . . ἰαταὶ κακῶν πάντες (1)
— 9. εἰ γὰρ τὰ π. ποιοῦντες προστεθήσεσθε αὐτῷ [A ὁδῷ αὐτοῦ] †
— 27. ἐφύλαξας δέ μου πάντα τὰ ἔργα (1)
15. 20. πᾶς ὁ βίος ἀσεβοῦς ἐν φροντίδι (1)
16. 2. παρακλήτορες κακῶν πάντες (1)
17. 7. A B S² πεπολίορκημαι μεγάλως ὑπὸ πάντων (1)
— 10. A B οὐ μὴν δὲ ἀλλὰ πάντες ἐρείδετε [S² κρίνατε] (1)
19. 27. πάντα [S¹ πᾶν] δέ μοι συντετέλεσται ἐν κόλπῳ [S¹ κόπῳ] †
20. 22. πᾶσα δὲ ἀνάγκη ἐπ' αὐτὸν ἐπελεύσεται (1)
— 26. πᾶν δὲ σκότος αὐτῷ [A -ὸν] ὑπομείναι (1)
21. 33. ὀπίσω αὐτοῦ πᾶς ἄνθρωπος ἀπελεύσεται (1)
24. 20. συντριβείη δὲ πᾶς ἄδικος ἴσα ξύλῳ ἀνιάτῳ —
25. 6. A ἔα δὲ πᾶς [B S om.] ἄνθρωπος σαπρία —
26. 3. οὐχ ᾧ [A ᾧ ἢ] πᾶσα σοφία —
27. 12. πάντες οἶδατε (1)
— 17. ταῦτα πάντα δίκαιοι περιποιήσονται †
28. 3. πᾶν [A καιρῶν] πέρας αὐτὸς [A -ὸς] ἐξακριβάζεται (1)
— 10. πᾶν δὲ ἔντιμον [A τίμιον] εἶδέ μου [A S² αὐτοῦ] ὁ ὀφθαλμός (1)
— 21. λέληθε πάντα ἄνθρωπον (1)
— 24. αὐτὸς γὰρ τὴν ὑπ' οὐρανὸν πᾶσαν ἐφορᾷ (1)
— 25. εἰδὼς τὰ ἐν τῇ γῇ πάντα ἃ ἐποίησεν —
29. 8. πρεσβῦται δὲ πάντες ἔστησαν [A ἐπανέστ.] †
30. 4. ἐνδεεῖς παντὸς [A om.] ἀγαθοῦ —
— 23. οἰκία γὰρ παντὶ θνητῷ γῆ (1)
— 25. ἐγὼ δὲ ἐπὶ παντὶ ἀδυνάτῳ ἔκλαυσα —
31. 4. πάντα τὰ διαβήματά μου ἐξαριθμηθήσεται (1)

Jb. 31. 12. πῦρ γάρ ἐστι καιόμενον ἐπὶ [A ἐκ] πάντων τῶν μερῶν –
— 32. ἡ δὲ θύρα μου παντὶ ἐλθόντι ἀνέῳκτο –
33. 11. ἐφύλαξε δέ μου πάσας τὰς ὁδούς (1)
— 13. οὐκ ἐπακήκοέ μου πᾶν ῥῆμα [A ἐν παντὶ ῥήματι] (1)
— 20. πᾶν δὲ βρωτὸν σίτου οὐ μὴ δύνηται προσδέξασθαι –
— 29. ἰδοὺ ταῦτα πάντα ἐργᾶται ὁ ἰσχυρός (1)
— 31. A ἰδοὺ ταῦτα πάντα ἐργᾶται ὁ ἰσχυρός –
34. 13. τίς δέ ἐστιν ὁ ποιῶν . . . τὰ ἑνόντα [S ὄντα] πάντα (1)
— 15. τελευτήσει πᾶσα σὰρξ ὁμοθυμαδὸν πᾶς [A om.] δὲ βροτὸς [A βρ. δὲ] εἰς γῆν ἀπελεύσεται (1, –)
— 23. ὁ γὰρ κύριος πάντας [A τὰ π.] ἐφορᾷ –
36. 19. καὶ πάντας τοὺς κραταιοῦντας [S¹ κρατοῦντας] ἰσχύν (1)
— 25. πᾶς ἄνθρωπος εἶδεν ἐν ἑαυτῷ (1)
— 28. ἐπὶ τούτοις πᾶσιν οὐκ ἐξίσταται [A -ατό] σου ἡ διάνοια –
37. 3. B S ὑποκάτω παντὸς τοῦ οὐρανοῦ (1)
— 7. ἐν χειρὶ παντὸς ἀνθρώπου κατασφραγίζει ἵνα γνῷ πᾶς ἄνθρωπος τὴν ἑαυτοῦ ἀσθένειαν (1, 1)
— 12. πάντα ὅσα ἂν ἐντείληται αὐτοῖς (1)
— 21. πᾶσι δὲ οὐχ ὁρατὸν τὸ φῶς –
38. 7. ᾔνεσάν με φωνῇ μεγάλῃ πάντες ἄγγελοί μου (1)
39. 8. ὀπίσω παντὸς χλωροῦ ζητεῖ (1)
40. 6 (11). A R πάντα [B S πᾶν] δὲ ὑβριστὴν ταπείνωσον (1)
— 26 (31). πᾶν δὲ πλωτὸν συνελθὸν οὐ μὴ ἐνέγκωσι βύρσαν μίαν οὐρᾶς αὐτοῦ –
41. 2 (3). εἰ [A ἢ οὐχὶ] πᾶσα ἡ ὑπ' οὐρανὸν ἐμή ἐστιν (1)
— 21 (22). πᾶς δὲ χρυσὸς θαλάσσης ὑπ' αὐτὸν ὥσπερ πηλὸς ἀμύθητος –
— 25 (26). πᾶν ὑψηλὸν ὁρᾷ αὐτὸς δὲ βασιλεὺς πάντων τῶν ἐν τοῖς ὕδασιν (1, 1)
42. 2. οἶδα ὅτι πάντα δύνασαι (1)
— 7. μετὰ τὸ λαλῆσαι τὸν κύριον πάντα τὰ ῥήματα ταῦτα τῷ Ἰώβ –
— 11. ἤκουσαν δὲ πάντες οἱ ἀδ. αὐ. . . . πάντα τὰ συμβεβηκότα αὐτῷ . . . καὶ πάντες ὅσοι ᾔδεισαν αὐτόν (1, –, 1)
— 11. ἐθαύμασαν ἐπὶ πᾶσιν οἷς ἐπήγαγεν αὐτῷ ὁ κύριος (1)
— 16. τὰ δὲ π. ἔτη ἔζησε διακόσια τεσσαράκοντα –
Ps. 1. 3. πάντα ὅσα ἂν ποιῇ κατευοδωθήσεται (1)
2. 10. παιδεύθητε πάντες οἱ κρίνοντες τὴν γῆν –
— 12. μακάριοι πάντες οἱ πεποιθότες ἐπ' αὐτῷ (1)
3. 7. σὺ ἐπάταξας πάντας τοὺς ἐχθραίνοντάς μοι ματαίως (1)
5. 5. ἐμίσησας, κύριε, πάντας τοὺς ἐργαζομ. τὴν ἀνομίαν (1)
— 6. ἀπολεῖς πάντας τοὺς λαλοῦντας τὸ ψεῦδος –
— 11. πάντες οἱ ἐλπίζοντες ἐπὶ σέ (1)
— 11. πάντες [S om.] οἱ ἀγαπῶντες τὸ ὄνομά σου –
6. 7. ἐπαλαιώθη ἐν πᾶσι τοῖς ἐχθροῖς μου (1)
— 8. πάντες οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν (1)
— 10. ταραχθείησαν σφόδρα πάντες οἱ ἐχθροί μου (1)
7. 1. σῶσόν με ἐκ πάντων τῶν διωκόντων με (1)
8. 1. ὡς θαυμαστὸν τὸ ὄνομά σου ἐν πάσῃ τῇ γῇ (1)
— 6. πάντα ὑπέταξας ὑποκάτω τῶν ποδῶν αὐτοῦ (1)
— 8. πρόβατα καὶ βόας πάσας [A S² ἀπ.] (1)
— 9. ὡς θαυμαστὸν τὸ ὄνομά σου ἐν πάσῃ τῇ γῇ (1)
9. 1. ABS² διηγήσομαι πάντα τὰ θαυμάσιά σου (1)
— 10. A πάντες [B S om.] οἱ γινώσκοντες τὸ ὄνομά σου –
— 14. ὅπως ἂν ἐξαγγείλω πάσας τὰς αἰνέσεις σου (1)
— 17. πάντα τὰ ἔθνη τὰ ἐπιλανθανόμενα τοῦ θεοῦ (1)
— 26 (10. 5). βεβηλοῦνται αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ ἐν παντὶ καιρῷ (1)
— 26 (10. 5). πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ κατακυριεύσει (1)
11 (12). 3. ἐξολεθρεύσαι [A -σει] κύριος πάντα τὰ χείλη τὰ δόλια (1)
— 8. A ἐπολυώρησας πάντας [B S om.] τοὺς υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων –
13 (14). 3. A² B S πάντες ἐξέκλιναν (1)
— 4. A S R οὐχὶ γνώσονται πάντες οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν [B ἀδικίαν] (1)
14 (15). 4. A ἐξουδένωται ἐνώπιον αὐτοῦ πᾶς [BS om.] πονηρευόμενος –
Ps. 15 (16). 3. ἐθαυμάστωσε π. τὰ θελήματα αὐ. (1)
— 8. προωρώμην τὸν κ. ἐνώπιόν μου διὰ παντός (8 g)
17 (18) tit. ἐρρύσατο αὐτὸν κύριος ἐκ χειρὸς πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ (1)
— 22. πάντα τὰ κρίματα αὐτοῦ ἐνώπιόν μου (1)
— 30. ὑπερασπιστής ἐστι πάντων τῶν ἐλπιζόντων ἐπ' αὐτόν (1)
— 39. συνεπόδισας πάντας [S¹ om.] τοὺς ἐπανιστανομένους ἐπ' ἐμέ –
18 (19). 4. εἰς πᾶσαν τὴν γῆν ἐξῆλθεν ὁ φθόγγος αὐτῶν (1)
— 14. ἡ μελέτη τῆς καρδίας μου ἐνώπιόν σου διὰ παντός –
19 (20). 3. μνησθείη πάσης θυσίας σου (1)
— 4. πᾶσαν τὴν βουλήν σου πληρώσαι [A -σει] (1)
— 5. πληρώσαι κύριος πάντα τὰ αἰτήματά σου (1)
20 (21). 8. εὑρεθείη ἡ χείρ σου πᾶσι τοῖς ἐχθροῖς σου ἡ δεξιά σου εὕροι πάντας τοὺς μισοῦντάς σε (1, –)
21 (22). 7. πάντες οἱ θεωροῦντές με ἐξεμυκτήρισάν με (1)
— 14. διεσκορπίσθη πάντα τὰ ὀστᾶ [S¹ διαβήματά] μου (1)
— 17. ἐξηρίθμησαν πάντα τὰ ὀστᾶ μου (1)
— 25. A ἐνώπιον πάντων [B S om.] τῶν φοβουμένων αὐτόν –
— 27. ἐπιστραφήσονται πρὸς κύριον πάντα τὰ πέρατα τῆς γῆς (1)
— 27. προσκυνήσουσιν ἐνώπιον αὐτοῦ πᾶσαι αἱ πατριαὶ τῶν ἐθνῶν (1)
— 29. προσεκύνησαν πάντες οἱ πίονες τῆς γῆς ἐνώπιον αὐτοῦ προσπεσοῦνται πάντες οἱ καταβαίνοντες εἰς τὴν γῆν (1, 1)
22 (23). 6. πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς μου (1)
23 (24). 1. ἡ οἰκουμένη καὶ πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ –
24 (25). 3. πάντες οἱ ὑπομένοντές σε οὐ μὴ καταισχυνθῶσιν (1)
— 3. A B² αἰσχυνθήτωσαν πάντες [B¹ S om.] οἱ ἀνομοῦντες διὰ κενῆς –
— 10. πᾶσαι αἱ ὁδοὶ κυρίου ἔλεος καὶ ἀλήθεια (1)
— 15. οἱ ὀφθαλμοί μου διὰ παντὸς πρὸς τὸν κ. (8 g)
— 18. ἄφες πάσας τὰς ἁμαρτίας μου (1)
— 22. λύτρωσαι ὁ θεὸς τὸν Ἰσρ. ἐκ πασῶν τῶν θλίψεων αὐ. (1)
25 (26). 7. διηγήσασθαι πάντα τὰ θαυμάσιά σου (1)
26 (27). 4. πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς μου (1)
28 (29). 9. ἐν τῷ ναῷ αὐτοῦ πᾶς τις λέγει δόξαν (1)
30 (31). 11. παρὰ πάντας τοὺς ἐχθρούς μου ἐγενήθην ὄνειδος (1)
— 23. ἀγαπήσατε τὸν κύριον π. οἱ ὅσιοι αὐ. (1)
— 24. πάντες οἱ ἐλπίζοντες ἐπὶ κύριον (1)
31 (32). 6. προσεύξεται πρὸς σὲ πᾶς ὅσιος (1)
— 11. καυχᾶσθε πάντες οἱ εὐθεῖς τῇ καρδίᾳ (1)
32 (33). 4. πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ ἐν πίστει (1)
— 6. τῷ πνεύματι τοῦ στόματος αὐτοῦ πᾶσα ἡ δύναμις αὐτῶν (1)
— 8. φοβηθήτω τὸν κύριον πᾶσα ἡ γῆ ἀπ' αὐτοῦ δὲ σαλευθήτωσαν πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκουμένην (1, 1)
— 13. εἶδε πάντας τοὺς υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων (1)
— 14. ἐπέβλεψεν ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (1)
— 15. ὁ συνιεὶς πάντα [S² εἰς π.] τὰ ἔργα αὐτῶν (1)
33 (34). 1. εὐλογήσω τὸν κύριον ἐν παντὶ καιρῷ (1)
— 1. διὰ παντὸς ἡ αἴνεσις αὐ. ἐν τῷ στόματί μου (8 g)
— 4. ἐκ πασῶν τῶν παροικιῶν [A S² θλίψεών] μου ἐρρύσατό με (1)
— 6. ἐκ π. τῶν θλίψεων αὐ. ἔσωσεν αὐτόν (1)
— 9. φοβήθητε τὸν κ. π. [S¹ om.] οἱ ἅγιοι αὐ. –
— 10. οὐκ ἐλαττωθήσονται παντὸς ἀγαθοῦ (1)
— 17. ἐκ π. τῶν θλίψεων αὐ. ἐρρύσατο αὐτούς (1)
— 19. ἐκ πασῶν αὐτῶν ῥύσεται αὐτούς (1)
— 20. φυλάσσει πάντα τὰ ὀστᾶ αὐτῶν (1)
— 22. πάντες οἱ ἐλπίζοντες ἐπ' αὐτόν (1)
34 (35). 10. πάντα τὰ ὀστᾶ μου ἐροῦσι (1)
— 27. εἰπάτωσαν διὰ παντός (8 g)
35 (36). 4. παρέστη πάσῃ ὁδῷ οὐκ ἀγαθῇ –
— 12. π. [S¹ om.] οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν –
37 (38). 9. ἐναντίον σου πᾶσα ἡ ἐπιθυμία μου (1)
— 17. ἡ ἀλγηδὼν μου ἐνώπιόν μου διὰ παντός (8 g)
38 (39). 5. τὰ σύμπαντα ματαιότης πᾶς ἄνθρωπος ζῶν (1)
— 8. ἀπὸ πασῶν τῶν ἀνομιῶν μου ῥῦσαί [S¹ καθάρισόν] με (1)
Ps. 38 (39). 11. A S πλὴν μάτην πᾶς [B ταράσσεται πᾶς] ἄνθρωπος (1)
— 12. καθὼς πάντες οἱ πατέρες μου (1)
39 (40). 11. διὰ παντὸς ἀντελάβοντό μου (8 g)
— 16. εὐφρανθείησαν ἐπὶ σοὶ πάντες οἱ ζητοῦντές σε, κύριε, καὶ εἰπάτωσαν διὰ παντός (1, 8 g)
— 16. B διὰ παντός [A S R om. διὰ π.] –
40 (41). 7. ἐψιθύριζον πάντες οἱ ἐχθροί μου (1)
41 (42). 7. πάντες οἱ μετεωρισμοί σου . . . ἐπ' ἐμὲ διῆλθον (1)
43 (44). 17. ταῦτα πάντα ἦλθεν ἐφ' ἡμᾶς (1)
44 (45). 13. πᾶσα ἡ δόξα αὐτῆς [A S² τῆς] θυγατρὸς τοῦ βασιλέως Ἐσεβών (1)
— 16. καταστήσεις αὐτοὺς ἄρχοντας ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν (1)
— 17. μνησθήσονται [S² -σομαι] τοῦ ὀνόματός σου ἐν πάσῃ γενεᾷ καὶ γενεᾷ (1)
46 (47). 1. πάντα τὰ ἔθνη κροτήσατε χεῖρας (1)
— 2. βασιλεὺς μέγας ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν (1)
— 7. βασιλεὺς πάσης τῆς γῆς ὁ θεός (1)
— 8. A ἐβασίλευσεν ὁ θεὸς ἐπὶ πάντα [B S om.] τὰ ἔθνη –
47 (48). 2. εὐρίζων ἀγαλλιάματι πάσης τῆς γῆς [A πάσῃ τῇ γῇ] (1)
48 (49). 1. ἀκούσατε ταῦτα πάντα τὰ ἔθνη ἐνωτίσασθε πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκουμένην (1, 1)
— 17. A B S² οὐκ ἐν τῷ ἀποθνήσκειν αὐτὸν λήψεται τὰ π. (1)
49 (50). 8. τὰ δὲ ὁλοκαυτώματά σου ἐνώπιόν μού ἐστι διὰ παντός (8 g)
— 10. ἐμά ἐστι πάντα τὰ θηρία τοῦ δρυμοῦ [A S² ἀγροῦ] (1)
— 11. ἔγνωκα πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ (1)
50 (51). 3. ἡ ἁμαρτία μου ἐνώπιόν μού ἐστι διὰ παντός (8 g)
— 9. πάσας τὰς ἀνομίας μου ἐξάλειψον (1)
51 (52). 4. ἠγάπησας πάντα τὰ [S¹ om.] ῥήματα καταποντισμοῦ (1)
52 (53). 3. πάντες ἐξέκλιναν (1)
— 4. οὐχὶ γνώσονται πάντες οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν –
53 (54). 7. ἐκ πάσης θλίψεως ἐρρύσω με (1)
55 (56). 5. κατ' ἐμοῦ πάντες οἱ διαλογισμοὶ αὐτῶν εἰς κακόν (1)
56 (57). 5, 11. καὶ ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν ἡ δόξα σου (1)
58 (59). 5. πρόσχες τοῦ ἐπισκέψασθαι πάντα τὰ ἔθνη μὴ οἰκτειρήσῃς πάντας τοὺς ἐργαζομένους τὴν ἀνομίαν (1, 1)
— 8. ἐξουδενώσεις πάντα τὰ ἔθνη (1)
61 (62). 3. φονεύετε πάντες ὡς τοίχῳ κεκλιμένῳ (1)
— 8. B S² ἐλπίσατε ἐπ' αὐτὸν πᾶσα συναγωγὴ λαοῦ (1)
62 (63). 11. ἐπαινεθήσεται πᾶς ὁ ὀμνύων ἐν αὐτῷ (1)
63 (64). 8. ἐταράχθησαν πάντες οἱ θεωροῦντες αὐτούς (1)
— 9. καὶ ἐφοβήθη πᾶς ἄνθρωπος (1)
— 10. ἐπαινεθήσονται πάντες οἱ εὐθεῖς τῇ καρδίᾳ (1)
64 (65). 2. πρὸς σὲ πᾶσα σὰρξ ἥξει (1)
— 5. ἡ ἐλπὶς πάντων τῶν περάτων τῆς γῆς (1)
65 (66). 1. ἀλαλάξατε τῷ θεῷ πᾶσα ἡ γῆ (1)
— 4. πᾶσα ἡ γῆ προσκυνησάτωσάν σοι (1)
— 16. πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν κύριον (1)
66 (67). 2. B S² ἐν πᾶσιν ἔθνεσι [S¹ π. τοῖς λαοῖς] τὸ σωτήριόν σου (1)
— 3, 5. ἐξομολογησάσθωσάν σοι λαοὶ πάντες (1)
— 7. φοβηθήτωσαν αὐτὸν π. τὰ πέρατα τῆς γῆς (1)
68 (69). 19. ἐναντίον σου πάντες οἱ θλίβοντές με (1)
— 23. τὸν νῶτον αὐ. διὰ παντὸς σύγκαμψον (8 g)
— 34. B S² θάλασσα καὶ πάντα τὰ ἕρποντα ἐν αὐτοῖς [S¹ τὰ πέρατα τῆς γῆς] (1)
69 (70). 4. εὐφρανθήτωσαν ἐπὶ σοὶ πάντες οἱ ζητοῦντές σε (1)
— 4. καὶ λεγέτωσαν διὰ παντός (8 g)
70 (71). 6. ἐν σοὶ ἡ ὕμνησίς μου διὰ παντός (8 g)
— 14. ἐγὼ δὲ διὰ παντὸς ἐλπιῶ (8 g)
— 14. προσθήσω ἐπὶ πᾶσαν τὴν αἴνεσίν σου (1)
— 18. ἕως ἂν ἀπαγγείλω τὸν βραχίονά σου πάσῃ τῇ γενεᾷ τῇ ἐρχομένῃ (1)
71 (72). 11. προσκυνήσουσιν αὐτῷ π. οἱ βασιλεῖς π. τὰ ἔθνη δουλεύσουσιν αὐτῷ (1, 1)
— 15. προσεύξονται περὶ αὐτοῦ διὰ παντός (8 g)
— 17. εὐλογηθήσονται ἐν αὐτῷ π. αἱ φυλαὶ τῆς γῆς π. τὰ ἔθνη μακαριοῦσιν αὐτόν (–, 1)

Ps. 71 (72). 19. S^1 εὐλογητὸν τὸ ὄνομα τῆς δόξης αὐτοῦ ἐν πάσῃ τῇ γῇ [B S^2 *om.* ἐν π. τῇ γῇ] –
— 19. B S^2 πληρωθήσεται τῆς δόξης αὐ. π. ἡ γῆ (1)
72 (73). 23. κἀγὼ διὰ παντὸς μετὰ σοῦ (8 *g*)
— 27. ἐξωλέθρευσας πάντα τὸν πορνεύοντα ἀπὸ σοῦ (1)
— 28. τοῦ ἐξαγγεῖλαι πάσας τὰς αἰνέσεις σου (1)
73 (74). 8. S^2 καταπαύσωμεν πάσας [B S^1 *om.*] τὰς ἑορτὰς τοῦ θ. (1)
— 17. σὺ ἐποίησας πάντα τὰ ὅρια τῆς γῆς (1)
— 23. ἀναβαίη διὰ παντὸς πρὸς σέ (8 *g*)
74 (75). 1. διηγήσομαι π. [S^1 *om.*] τὰ θαυμάσιά σου –
— 3. πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτήν (1)
— 8. πίονται πάντες οἱ ἁμαρτωλοὶ τῆς γῆς (1)
— 10. B^1 S R πάντα τὰ κέρατα τῶν ἁμαρτωλῶν συγκλάσω [B^2 συνθλάσω] (1)
75 (76). 5. ἐταράχθησαν πάντες οἱ ἀσύνετοι τῇ καρδίᾳ –
— 5. οὐχ εὗρον οὐδὲν π. οἱ ἄνδρες τοῦ πλούτου (1)
— 9. B^1 S^1 R τοῦ σῶσαι πάντας τοὺς πραεῖς τῇ καρδίᾳ [B^2 S^2 τῆς γῆς] (1)
— 11. πάντες οἱ κύκλῳ αὐτοῦ οἴσουσι δῶρα (1)
76 (77). 4. B^2 S^1 R προκατελάβοντο φυλακὰς πάντες [B^1 S^2 *om.*] οἱ ἐχθροί μου –
— 12. μελετήσω ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου (1)
77 (78). 32. ἐν πᾶσι τούτοις ἥμαρτον ἔτι (1)
— 38. οὐχὶ ἐκκαύσει πᾶσαν τὴν ὀργὴν αὐτοῦ (1)
— 51. ἐπάταξε πᾶν πρωτότοκον ἐν γῇ Αἰγ. (1)
— 51. S^2 ἀπαρχὴν π. πόνου αὐ. [B S^1 *al.*] –
79 (80). 12. τρυγῶσιν αὐτὴν πάντες οἱ παραπορευόμενοι τὴν ὁδόν (1)
81 (82). 5. σαλευθήσονται πάντα τὰ θεμέλια τῆς γῆς (1)
— 6. καὶ υἱοὶ ὑψίστου πάντες (1)
— 8. σὺ κατακληρονομήσεις [S ἐξολεθρεύσεις] ἐν [A αὐτοὺς ἐν] πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν (1)
82 (83). 11. θοῦ . . . π. τοὺς ἄρχοντας αὐ. (1)
— 18. σὺ μόνος ὕψιστος ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν (1)
83 (84). 4. μακάριοι π. οἱ κατοικοῦντες ἐν τῷ οἴκῳ σου –
84 (85). 2. A S R ἐκάλυψας πάσας [B *om.*] τὰς ἁμαρτίας αὐτῶν (1)
— 3. κατέπαυσας πᾶσαν [B^1 *om.*] τὴν ὀργήν σου (1)
85 (86). 5. καὶ πολυέλεος πᾶσι τοῖς ἐπικαλουμένοις σε (1)
— 9. πάντα τὰ ἔθνη ὅσα ἐποίησας (1)
86 (87). 2. ἀγαπᾷ κύριος τὰς πύλας Σιὼν ὑπὲρ πάντα τὰ σκηνώματα Ἰακώβ (1)
— 7. ὡς εὐφραινομένων πάντων ἡ κατοικία ἐν σοί (1)
87 (88). 7. πάντας τοὺς μετεωρισμούς σου ἐπήγαγες ἐπ' ἐμέ (1)
88 (89). 7. μέγας καὶ φοβερὸς ἐπὶ πάντας τοὺς περικύκλῳ αὐτοῦ (1)
— 40. καθεῖλες π. τοὺς φραγμοὺς αὐ. (1)
— 41. διήρπασαν αὐτὸν πάντες οἱ διοδεύοντες [A παραπορευόμενοι τὴν] ὁδόν (1)
— 42. εὔφρανας πάντας τοὺς ἐχθροὺς αὐτοῦ (1)
— 47. μὴ γὰρ ματαίως ἔκτισας πάντας τοὺς υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων (1)
89 (90). 9. πᾶσαι αἱ ἡμέραι ἡμῶν ἐξέλιπον (1)
— 14. ἐν πάσαις ταῖς ἡμέραις ἡμῶν (1)
90 (91). 11. A R τοῦ διαφυλάξαι σε ἐν πάσαις [B S *om.*] ταῖς ὁδοῖς σου (1)
91 (92). 7, 9 : 93 (94). 4. π. οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν (1)
93 (94). 15. καὶ ἐχόμενοι αὐτῆς πάντες οἱ εὐθεῖς τῇ καρδίᾳ (1)
94 (95). 3. καὶ βασιλεὺς μέγας ἐπὶ πάντας τοὺς θεούς [A S^2 πᾶσαν τὴν γῆν] (1)
— 4. S^1 ἐν χειρὶ αὐ. π. τὰ πέρατα τῆς γῆς [A B S^2 *al.*] –
95 (96). 1. ᾄσατε τῷ κυρίῳ πᾶσα ἡ γῆ (1)
— 3. ἐν πᾶσι τοῖς λαοῖς τὰ θαυμάσια αὐτοῦ (1)
— 4. φοβερός ἐστιν ἐπὶ πάντας τοὺς θεούς (1)
— 5. πάντες οἱ θεοὶ τῶν ἐθνῶν δαιμόνια (1)
— 9. σαλευθήτω ἀπὸ προσώπου αὐ. π. ἡ γῆ (1)
— 12. τὰ πεδία καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτοῖς (1)
— 12. ἀγαλλιάσονται π. τὰ ξύλα τοῦ δρυμοῦ (1)
96 (97). 5. ἀπὸ προσώπου κυρίου [S *om.*] πάσης τῆς γῆς (1)
— 6. εἶδοσαν π. οἱ λαοὶ τὴν δόξαν αὐ. (1)
— 7. αἰσχυνθήτωσαν πάντες οἱ προσκυνοῦντες [S^1 πεποιθότες ἐπὶ] τοῖς γλυπτοῖς (1)
— 7. προσκυνήσατε αὐτῷ π. οἱ ἄγγελοι αὐ. (1)
Ps. 96 (97). 9. σὺ εἶ κύριος ὁ ὕψιστος ἐπὶ π. τὴν γῆν (1)
— 9. σφόδρα ὑπερυψώθης ὑπὲρ [S ἐπὶ] πάντας τοὺς θεούς (1)
97 (98). 3. εἶδοσαν πάντα τὰ πέρατα τῆς γῆς τὸ σωτήριον τοῦ θεοῦ ἡμῶν (1)
— 4. ἀλαλάξατε τῷ θεῷ πᾶσα ἡ γῆ (1)
— 7. A S^2 ἡ οἰκουμένη καὶ π. [B S^1 *om.*] οἱ κατοικοῦντες –
98 (99). 2. ὑψηλός ἐστιν ἐπὶ πάντας τοὺς λαούς (1)
— 3. B ἐξομολογησάσθωσαν πάντες [A S R *om.*] τῷ ὀνόμ. σου –
— 8. καὶ ἐκδικῶν ἐπὶ π. τὰ ἐπιτηδεύματα αὐ. –
99 (100). 1. ἀλαλάξατε τῷ κυρίῳ πᾶσα ἡ γῆ (1)
100 (101). 8. ἀπέκτενον π. τοὺς [A^1 *om.*] ἁμαρτωλοὺς τῆς γῆς τοῦ ἐξολεθρεῦσαι . . . π. τοὺς ἐργαζομ. τὴν ἀνομίαν (1, 1)
101 (102). 15. καὶ π. οἱ βασιλεῖς τὴν δόξαν σου (1)
— 26. πάντες ὡς ἱμάτιον παλαιωθήσονται (1)
102 (103). 1. καὶ πάντα τὰ ἐντός μου τὸ ὄνομα τὸ ἅγιον αὐτοῦ (1)
— 2. μὴ ἐπιλανθάνου πάσας τὰς αἰνέσεις αὐ. (1)
— 3. τὸν εὐιλατεύοντα π. ταῖς ἀνομίαις σου τὸν ἰώμενον π. τὰς νόσους σου (1, 1)
— 6. καὶ κρίμα πᾶσι τοῖς ἀδικουμένοις (1)
— 19. ἡ βασιλεία αὐ. πάντων δεσπόζει (1)
— 20. S^1 R εὐλογεῖτε τὸν κύριον πάντες [A B S^2 π. οἱ] ἄγγελοι αὐτοῦ –
— 21. εὐλογεῖτε τὸν κύριον π. αἱ δυνάμεις αὐ. (1)
— 22. εὐλογεῖτε τὸν κύριον π. τὰ ἔργα αὐ. ἐν π. τόπῳ τῆς δυναστείας αὐ. (1, 1)
103 (104). 11. ποτιοῦσι π. τὰ θηρία τοῦ ἀγροῦ (1)
— 20. ἐν αὐτῇ διελεύσονται πάντα τὰ θηρία τοῦ δρυμοῦ (1)
— 24. πάντα ἐν σοφίᾳ ἐποίησας (1)
— 27. πάντα πρὸς σὲ προσδοκῶσι (1)
— 28. S^1 τὰ π. [A B S^2 σύμπαντα] πλησθήσονται χρηστότητος –
104 (105). 2. διηγήσασθε π. τὰ θαυμάσια αὐ. (1)
— 4. ζητήσατε τὸ πρόσωπον αὐ. διὰ παντός (8 *g*)
— 7. ἐν πάσῃ τῇ γῇ τὰ κρίματα αὐτοῦ (1)
— 16. πᾶν στήριγμα ἄρτου συνέτριψεν (1)
— 21. καὶ ἄρχοντα πάσης τῆς κτήσεως αὐ. (1)
— 31. καὶ σκνῖπες ἐν πᾶσι τοῖς ὁρίοις αὐτῶν (1)
— 33. συνέτριψε πᾶν [S^1 *om.*] ξύλον ὁρίου αὐτῶν –
— 35. κατέφαγε π. τὸν χόρτον ἐν τῇ γῇ αὐ. (1)
— 35. A S^2 κατέφαγε πάντα [B S^1 *om.*] τὸν καρπὸν τῆς γῆς αὐ. –
— 36. ἐπάταξε πᾶν πρωτότοκον . . . ἀπαρχὴν παντὸς πόνου αὐτῶν (1, 1)
105 (106). 2. ἀκουστὰς ποιήσει πάσας τὰς αἰνέσεις αὐτοῦ (1)
— 3. καὶ ποιοῦντες δικαιοσύνην ἐν παντὶ καιρῷ (1)
— 46. ἐναντίον πάντων τῶν [S *om.*] αἰχμαλωτισάντων αὐτούς (1)
— 48. ἐρεῖ πᾶς ὁ λαός, Γένοιτο γένοιτο (1)
106 (107). 18. πᾶν βρῶμα ἐβδελύξατο ἡ ψυχὴ αὐτῶν (1)
— 27. πᾶσα ἡ σοφία αὐτῶν κατεπόθη (1)
— 42. πᾶσα ἀνομία ἐμφράξει τὸ στόμα αὐτῆς (1)
107 (108). 5. καὶ ἐπὶ π. τὴν γῆν ἡ δόξα σου (1)
108 (109). 11. ἐξερευνησάτω δανειστὴς πάντα (1)
— 11. S^1 διαρπασάτωσαν ἀλλότριοι π. [A S^2 R *om.*] τοὺς πόνους αὐ. –
— 15. γενηθήτωσαν ἐναντίον κυρίου διὰ παντός (8 *g*)
— 19. ἣν διὰ παντὸς περιζώννυται (8 *g*)
110 (111). 2. ἐξεζητημένα εἰς πάντα τὰ θελήματα αὐτοῦ (1)
— 7. πισταὶ πᾶσαι αἱ ἐντολαὶ αὐτοῦ (1)
— 10. σύνεσις δὲ ἀγαθὴ πᾶσι τοῖς ποιοῦσιν αὐτήν (1)
112 (113). 4. ὑψηλὸς ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη ὁ κύριος (1)
113. 11 (115. 3). πάντα ὅσα ἠθέλησεν ἐποίησε (1)
— 16 (115. 8). καὶ πάντες οἱ πεποιθότες ἐπ' αὐτοῖς (1)
— 25 (115. 17). οὐδὲ πάντες οἱ καταβαίνοντες εἰς ᾅδου (1)
115. 2 (116. 11). πᾶς ἄνθρωπος ψεύστης (1)
— 3 (116. 12). τί ἀνταποδώσω τῷ κυρίῳ περὶ πάντων [S^1 *om.*] (1)
— 5 (116. 14) (R), 9 (116. 18). ἐναντίον παντὸς τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (1)
116 (117). 1. S^2 R αἰνεῖτε τὸν κύριον, π. τὰ ἔθνη, ἐπαινέσατε αὐτὸν π. οἱ λαοί (1, 1)
117 (118). 4. A R εἰπάτωσαν δὴ πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν κύριον –
— 10. πάντα τὰ ἔθνη ἐκύκλωσάν με (1)
Ps. 118 (119). 6. ἐν τῷ με ἐπιβλέπειν ἐπὶ πάσας τὰς ἐντολάς σου (1)
— 13. ἐξήγγειλα πάντα τὰ κρίματα τοῦ στόματός σου (1)
— 14. ἐτέρφθην ὡς ἐπὶ παντὶ πλούτῳ (1)
— 20. τοῦ ἐπιθυμῆσαι τὰ κρίματά [S^1 εἰς τὰ δικαιώματά] σου ἐν παντὶ καιρῷ (1)
— 33. ἐκζητήσω αὐτὴν διὰ παντός (8 *f*)
— 44. φυλάξω τὸν νόμον σου διὰ παντός (8 *g*)
— 63. μέτοχος ἐγώ εἰμι π. τῶν φοβουμ. σε (1)
— 64. S^1 τοῦ ἐλέους σου, κύριε, πλήρης πᾶσα [A S^2 R *om.*] ἡ γῆ –
— 86. πᾶσαι αἱ ἐντολαί σου ἀλήθεια (1)
— 96. πάσης συντελείας εἶδον πέρας (1)
— 99. ὑπὲρ πάντας τοὺς διδάσκοντάς με συνῆκα (1)
— 101. ἐκ πάσης ὁδοῦ πονηρᾶς ἐκώλυσα τοὺς πόδας μου (1)
— 104. ἐμίσησα πᾶσαν ὁδὸν ἀδικίας (1)
— 109. ἡ ψυχή μου ἐν ταῖς χερσί σου διὰ παντός (8 *g*)
— 112. S^1 εἰς τὸν αἰῶνα διὰ παντὸς ἄμειψιν [A S^2 R *al.*] (8 *f*)
— 117. μελετήσω ἐν τοῖς δικαιώμασί σου διὰ παντός (8 *g*)
— 118. ἐξουδένωσας πάντας τοὺς ἀποστατοῦντας ἀπὸ τῶν δικαιωμάτων σου (1)
— 119. παραβαίνοντας ἐλογισάμην πάντας τοὺς ἁμαρτωλοὺς τῆς γῆς (1)
— 119. S^1 ἠγάπησα τὰ μαρτύριά σου διὰ παντός [A S^2 R *om.* δ. π.] –
— 128. πρὸς πάσας τὰς ἐντολάς σου κατωρθούμην πᾶσαν ὁδὸν ἄδικον ἐμίσησα (1, 1)
— 133. A^2 S R μὴ κατακυριευσάτω μου πᾶσα ἀνομία (1)
— 151. πᾶσαι αἱ ὁδοί σου ἀλήθεια (1)
— 160. εἰς τὸν αἰῶνα πάντα τὰ κρίματα τῆς δικαιοσύνης σου (1)
— 168. πᾶσαι αἱ ὁδοί μου ἐναντίον σου, κύριε (1)
— 172. πᾶσαι αἱ ἐντολαί σου δικαιοσύνη (1)
120 (121). 7. κύριος φυλάξει σε ἀπὸ π. κακοῦ (1)
127 (128). 1. μακάριοι π. οἱ φοβούμ. τὸν κ. (1)
— 4. S^2 εὐλογηθήσεται πᾶς [A S^1 R *om.*] ἄνθρωπος –
— 5. πάσας τὰς ἡμέρας τὰς ζωῆς σου (1)
128 (129). 5. ἀποστραφήτωσαν εἰς τὰ ὀπίσω πάντες οἱ μισοῦντες Σιών (1)
129 (130). 8. αὐτὸς λυτρώσεται τὸν Ἰσρ. ἐκ πασῶν τῶν ἀνομιῶν αὐ. (1)
131 (132). 1. μνήσθητι, κύριε, τοῦ Δαυὶδ καὶ πάσης τῆς πραότητος αὐτοῦ (1)
133 (134). 1. εὐλογεῖτε τὸν κύριον, πάντες οἱ δοῦλοι κυρίου (1)
134 (135). 5. ὁ κύριος ἡμῶν παρὰ π. τοὺς θεούς (1)
— 6. πάντα ὅσα ἠθέλησεν ὁ κύριος (1)
— 6. S^2 R ἐν ταῖς θαλάσσαις καὶ ἐν πάσαις [A S^1 *om.*] ταῖς ἀβύσσοις (1)
— 9. ἐν Φαραῷ καὶ ἐν πᾶσι τοῖς δούλοις αὐτοῦ (1)
— 11. καὶ πάσας τὰς βασιλείας Χαναάν (1)
— 18. A S^1 ὅμοιοι αὐτοῖς γένοιντο πάντες [S^2 R *om.*] οἱ ποιοῦντες αὐτὰ καὶ πάντες οἱ πεποιθότες ἐπ' αὐτοῖς (–, 1)
135 (136). 25. ὁ διδοὺς τροφὴν πάσῃ σαρκί (1)
137 (138). 1. R ἤκουσας π. [S *om.*] τὰ ῥήματα τοῦ στόματός μου –
— 2. S R ἐμεγάλυνας ἐπὶ πᾶν [A πάντας] τὸ ὄνομα τὸ ἅγιόν σου (1)
— 4. ἐξομολογησάσθωσάν σοι, κύριε, π. οἱ βασιλεῖς τῆς γῆς ὅτι ἤκουσαν π. τὰ ῥήματα τοῦ στόματός σου (1, –)
138 (139). 2. B S^1 συνῆκας π. [A S^2 R *om.*] τοὺς διαλογισμούς μου –
— 3. πάσας τὰς ὁδούς μου προεῖδες (1)
— 4. σὺ ἔγνως πάντα τὰ ἔσχατα καὶ τὰ ἀρχαῖα (1)
— 16. ἐπὶ τὸ βιβλίον σου πάντες γραφήσονται (1)
142 (143). 2. οὐ δικαιωθήσεται ἐνώπιόν σου πᾶς ζῶν (1)
— 5. ἐμελέτησα ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου (1)
— 12. ἀπολεῖς πάντας τοὺς θλίβοντας τὴν ψυχήν μου (1)
144 (145). 9. οἱ οἰκτιρμοὶ αὐ. ἐπὶ π. τὰ ἔργα αὐ. (1)
— 10. ἐξομολογησάσθωσάν σοι, κύριε, πάντα τὰ ἔργα σου (1)
— 13. ἡ βασ. σου βασιλεία π. τῶν αἰώνων (1)
— 13. ἐν πάσῃ γενεᾷ καὶ γενεᾷ (1)
— 13. S^2 πιστὸς κύριος ἐν πᾶσιν [A B S^1 *om.*] τοῖς λόγοις αὐ. –

Ps. 144 (145). 13. καὶ ὅσιος ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ –
— 14. ὑποστηρίζει κύριος πάντας τοὺς καταπίπτοντας (1)
— 14. ἀνορθοῖ πάντας τοὺς κατερραγμένους (1)
— 15. οἱ ὀφθαλμοὶ πάντων εἰς σὲ ἐλπίζουσι (1)
— 16. ἐμπιπλᾷς πᾶν ζῷον εὐδοκίας (1)
— 17. δίκαιος κύριος ἐν π. ταῖς ὁδοῖς αὐ. καὶ ὅσιος ἐν π. τοῖς ἔργοις αὐ. (1, 1)
— 18. ἐγγὺς κύριος π. τοῖς ἐπικαλουμ. αὐτὸν π. τοῖς ἐπικαλουμ. αὐτὸν [A¹ S¹ om. π. τοῖς ἐ. αὐ.] ἐν ἀληθείᾳ (1, 1)
— 20. φυλάσσει κύριος πάντας τοὺς ἀγαπῶντας αὐτὸν καὶ πάντας τοὺς ἁμαρτωλοὺς ἐξολεθρεύσει (1, 1)
— 21. εὐλογείτω π. σὰρξ τὸ ὄνομα τὸ ἅγιον αὐ. (1)
145 (146). 4. ἀπολοῦνται π. οἱ διαλογισμοὶ αὐ. –
— 6. τὴν θάλασσαν καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτοῖς (1)
146 (147). 4. καὶ πᾶσιν αὐτοῖς ὀνόματα καλῶν (1)
— 11. καὶ ἐν π. [S² om.] τοῖς ἐλπίζουσιν ἐπὶ τὸ ἔλεος αὐ. –
147. 9 (20). οὐκ ἐποίησεν οὕτως παντὶ ἔθνει (1)
148. 2. αἰνεῖτε αὐτὸν, π. οἱ [S om.] ἄγγελοι αὐ., αἰνεῖτε αὐτὸν, π. αἱ δυνάμεις αὐ. (1, 1)
— 3. αἰνεῖτε αὐτὸν, πάντα τὰ ἄστρα (1)
— 7. δράκοντες καὶ πᾶσαι ἄβυσσοι (1)
— 9. τὰ ὄρη καὶ πάντες [A S² π. οἱ] βουνοί (1)
— 9. ξύλα καρποφόρα καὶ πᾶσαι κέδροι (1)
— 10. τὰ θηρία καὶ πάντα τὰ κτήνη (1)
— 11. βασιλεῖς τῆς γῆς καὶ πάντες λαοὶ ἄρχοντες καὶ πάντες κριταὶ γῆς (1, 1)
— 14. A B² S R ὕμνος πᾶσι τοῖς ὁσίοις αὐτοῦ (1)
149. 9. δόξα αὕτη ἐστὶ πᾶσι τοῖς ὁσίοις αὐ. (1)
150. 6. πᾶσα πνοὴ αἰνεσάτω τὸν κύριον (1)
151. 3. S αὐτὸς πάντων [A B om.] εἰσακούει –
Pr. 1. 7. σύνεσις δὲ ἀγαθὴ πᾶσι τοῖς ποιοῦσιν αὐτήν –
— 14. κοινὸν δὲ βαλάντιον κτησώμεθα πάντες (1)
— 19. αὗται αἱ ὁδοί εἰσι πάντων τῶν συντελούντων τὰ ἄνομα (1)
— 33. ἡσυχάσει ἀφόβως ἀπὸ παντὸς κακοῦ –
2. 9. κατορθώσεις πάντας ἄξονας ἀγαθούς (1)
— 19. πάντες οἱ πορευόμενοι ἐν αὐτῇ οὐκ ἀναστρέψουσιν (1)
3. 6. πάσαις [A ἐν π.] ὁδοῖς σου γνώριζε αὐτήν (1)
— 7. ἔκκλινε ἀπὸ παντὸς κακοῦ –
— 12. μαστιγοῖ δὲ πάντα υἱὸν ὃν παραδέχεται –
— 15. εὔγνωστός ἐστι πᾶσι τοῖς ἐγγίζουσιν αὐτῇ πᾶν δὲ τίμιον οὐκ ἄξιον αὐτῆς ἐστι (–, 1)
— 17. A B S πάντες οἱ [R πᾶσαι αἱ] τρίβοι αὐτῆς ἐν εἰρήνῃ (1)
— 18. ξύλον ζωῆς ἐστὶ πᾶσι τοῖς ἀντεχομένοις αὐτῆς –
— 23. ἵνα πορεύῃ πεποιθὼς ἐν εἰρήνῃ πάσας τὰς ὁδούς σου –
— 26. ὁ γὰρ κύριος ἔσται ἐπὶ πασῶν ὁδῶν σου –
— 32. ἀκάθαρτος γὰρ ἔναντι κυρίου πᾶς παράνομος –
4. 22. καὶ πάσῃ σαρκὶ ἴασις (1)
— 23. πάσῃ φυλακῇ τήρει σὴν καρδίαν (1)
5. 14. παρ' ὀλίγον ἐγενόμην ἐν παντὶ κακῷ (1)
— 19. συνέστω σοι ἐν παντὶ καιρῷ (1)
— 21. εἰς δὲ πάσας τὰς τροχιὰς αὐ. σκοπεύει [A al.] (1)
6. 8. ποθεινὴ δέ ἐστι πᾶσι καὶ ἔνδοξος –
— 14. διεστραμμένη καρδία τεκταίνεται κακὰ ἐν παντὶ καιρῷ (1)
— 16. χαίρει πᾶσιν οἷς μισεῖ ὁ θεός –
— 21. ἅψαι δὲ αὐτοὺς ἐπὶ σῇ ψυχῇ διὰ παντός (8 g)
— 29. οὐδὲ πᾶς ὁ ἁπτόμενος αὐτῆς (1)
— 31. π. τὰ ὑπάρχοντα αὐ. δοὺς ῥύσεται ἑαυτόν (1)
7. 12. χρόνον δὲ ἐν πλατείαις παρὰ πᾶσαν γωνίαν ἐνεδρεύει (1)
8. 8. μετὰ δικαιοσύνης πάντα τὰ ῥήματα [A κρίματα] τοῦ στόματός μου (1)
— 9. πάντα ἐνώπια τοῖς συνίουσι (1)
— 11. πᾶν δὲ τίμιον οὐκ ἄξιον αὐτῆς ἐστιν (1)
— 25. πρὸ δὲ πάντων βουνῶν γεννᾷ με –
— 30. εὐφραινόμην ἐν προσώπῳ αὐτοῦ ἐν παντὶ καιρῷ (1)
10. 12. πάντας δὲ τοὺς μὴ φιλονεικοῦντας καλύπτει φιλία (1)
11. 20. προσδεκτοὶ δὲ αὐτῷ πάντες ἄμωμοι ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν –
— 23. ἐπιθυμία δικαίων πᾶσα ἀγαθή †
Pr. 11. 25. ψυχὴ εὐλογουμένη πᾶσα ἁπλῆ –
13. 4. ἐν ἐπιθυμίαις ἐστὶ πᾶς ἀργός –
— 9. φῶς δικαίοις διὰ παντός –
— 16. πᾶς πανοῦργος πράσσει μετὰ γνώσεως (1)
14. 7. πάντα ἐναντία ἀνδρὶ ἄφρονι †
— 15. ἄκακος πιστεύει παντὶ λόγῳ (1)
— 23. ἐν παντὶ μεριμνῶντι ἔνεστι περισσόν (1)
15. 3. ἐν παντὶ τόπῳ ὀφθαλμοὶ κυρίου (1)
— 15. πάντα τὸν χρόνον οἱ ὀφθαλμοὶ τῶν κακῶν προσδέχονται κακά (1)
— 15. οἱ δὲ ἀγαθοὶ ἡσυχάζουσι διὰ παντός (8 g)
— 27 (16. 6). τῷ δὲ φόβῳ κυρίου ἐκκλίνει πᾶς ἀπὸ κακοῦ –
16. 4 (2). πάντα τὰ ἔργα τοῦ ταπεινοῦ φανερὰ παρὰ τῷ θεῷ (1)
— 5. ἀκάθαρτος παρὰ θεῷ πᾶς ὑψηλοκάρδιος (1)
— 5 (4). πάντα τὰ ἔργα τοῦ κυρίου μετὰ δικαιοσύνης (1)
— 30. ὁρίζει δὲ τοῖς χείλεσιν αὐ. π. τὰ κακά †
— 33. εἰς κόλπους ἔρχεται πάντα τοῖς ἀδίκοις παρὰ δὲ κυρίου πάντα [S² πᾶσιν] τὰ δίκαια (–, 1)
17. 11. ἀντιλογίας ἐγείρει πᾶς κακός –
— 17. εἰς πάντα καιρὸν φίλος ὑπαρχέτω σοι (1)
18. 1. ἐν παντὶ δὲ καιρῷ ἐπονείδιστος ἔσται (1)
19. 6. πᾶς δὲ ὁ κακὸς γίνεται ὄνειδος [A ἄδικος] ἀνδρί (1)
— 7. πᾶς ὃς ἀδελφὸν πτωχὸν μισεῖ [S¹ ποιεῖ] (1)
20. 1. A πᾶς δὲ ὁ συμμενόμενος [S² -μιγνύμενος αὐτῇ] οὐκ ἔσται σοφός (1)
— 1. πᾶς δὲ ἄφρων τοιούτοις συμπλέκεται –
— 3. πᾶς δὲ ἄφρων τοιούτοις συμπλέκεται (1)
— 8. οὐκ ἐναντιοῦται ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ πᾶν πονηρόν (1)
21. 2. πᾶς ἀνὴρ φαίνεται ἑαυτῷ δίκαιος (1)
22. 10. ὅταν γὰρ καθίσῃ ἐν συνεδρίῳ πάντας ἀτιμάζει –
— 11. δεκτοὶ δὲ αὐτῷ πάντες ἄμωμοι –
23. 21. πᾶς γὰρ μέθυσος καὶ πορνοκόπος πτωχεύσει καὶ ἐνδύσεται διερρηγμένα καὶ ῥακώδη πᾶς ὑπνώδης –, –
— 28. πᾶς παράνομος ἀναλωθήσεται –
24. 4. ἐμπίμπλανται ταμεῖα ἐκ παντὸς πλούτου τιμίου (1)
— 12. κύριος καρδίας πάντων γινώσκει καὶ ὁ πλάσας πνοὴν πᾶσιν αὐτὸς οἶδε πάντα – ter
— 25 (30. 2). ἀφρονέστατος γάρ εἰμι πάντων ἀνθρώπων –
— 27 (30. 4). A R τίς ἐκράτησε πάντων [B S om.] τῶν ἄκρων τῆς γῆς (1)
— 28 (30. 5). πάντες γὰρ λόγοι θεοῦ πεπυρωμένοι (1)
— 31 (30. 8). A σύνταξον δέ μοι πάντα [B S om.] τὰ δέοντα –
— 71 (31. 3). μετὰ βουλῆς πάντα ποίει –
— 76 (31. 8). κρῖνε πάντας ὑγιῶς (1)
26. 10. πολλὰ χειμάζεται πᾶσα σὰρξ ἀφρόνων (1)
— 19. οὕτως πάντες οἱ ἐνεδρεύοντες τοὺς ἑαυτῶν φίλους †
— 24. χείλεσι πάντα ἐπινεύει ἀποκλαιόμενος ἐχθρός –
28. 5. συνήσουσιν ἐν παντί (1)
— 14. μακάριος ἀνὴρ ὃς καταπτήσσει πάντα (4)
29. 12. πάντες οἱ ὑπ' αὐτὸν παράνομοι (1)
31. 12. ἐνεργεῖ γὰρ τῷ ἀνδρὶ ἀγαθὰ [A -ὸν καὶ οὐ κακὸν] πάντα τὸν βίον (1)
— 21. πάντες γὰρ οἱ παρ' αὐτῆς ἐνδιδύσκονται (1)
— 29. σὺ δὲ ὑπέρκεισαι ὑπερῆρας πάσας (1)
Ec. 1. 2. τὰ π. ματαιότης (1)
— 3. τίς περίσσεια τῷ ἀνθρ. ἐν π. μόχθῳ αὐ. (1)
— 7. π. οἱ χείμαρροι πορεύονται εἰς τὴν θάλ. (1)
— 8. π. οἱ λόγοι ἔγκοποι (1)
— 9. οὐκ ἔστι π. πρόσφατον ὑπὸ τὸν ἥλιον (1)
— 13. τοῦ ἐκζητῆσαι . . . περὶ [S¹ ὑπὲρ] πάντων τῶν γινομένων ὑπὸ τὸν οὐρανόν [S² ἥλιον] (1)
— 14. B S εἶδον σὺν πάντα [A R σύμπ.] τὰ ποιήματα [S¹ om. τὰ π.] (1)
— 14. τὰ π. ματαιότης (1)
— 16. ἐπὶ πᾶσιν οἳ [S οἷς] ἐγένοντο ἔμπροσθέν μου (1)
2. 5. ἐφύτευσα ἐν αὐτοῖς ξύλον πᾶν καρποῦ (1)
— 7. κτῆσις . . . πολλὴ [S¹ om.] ἐγένετό μοι ὑπὲρ πάντας (1)
— 9. προσέθηκα παρὰ πάντας (1)
Ec. 2. 10. πᾶν ὃ ᾔτησαν οἱ ὀφθαλμοί μου (1)
— 10. οὐκ ἀπεκώλυσα τὴν καρδίαν μου ἀπὸ π. εὐφροσύνης μου (1)
— 10. καρδία μου εὐφράνθη ἐν π. μόχθῳ μου (1)
— 10. τοῦτο ἐγένετο μερίς μου ἀπὸ π. μόχθου μου (1)
— 11. ἐπέβλεψα ἐγὼ ἐν π. [A S² π. τοῖς] ποιήμασί μου (1)
— 11. S τὰ π. πάντα [A B om.] ματαιότης (1, –)
— 14. συνάντημα ἓν συναντήσεται τοῖς π. αὐτοῖς (1)
— 16. τὰ π. ἐπελήσθη (1)
— 17. πάντα [A S τὰ π.] ματαιότης (1)
— 18. A S ἐμίσησα ἐγὼ σὺν πάντα [B σύμπ.] μόχθον μου (1)
— 19. εἰ ἐξουσιάζεται ἐν π. μόχθῳ μου (1)
— 20. τοῦ ἀποτάξασθαι τὴν καρδίαν [A S τῇ κ.] μου ἐν π. μόχθῳ μου [A ἐπὶ π. τῷ μ.] (1)
— 22. ὅτι γίνεται ἐν [A S om.] τῷ ἀνθρώπῳ ἐν π. μόχθῳ αὐτοῦ (1)
— 23. π. αἱ ἡμέραι αὐτοῦ ἀλγημάτων (1)
3. 1. τοῖς π. ὁ χρόνος καὶ καιρὸς τῷ [B¹ om.] π. πράγματι (1, 1)
— 10. εἶδον σὺν π. [A S om.] τὸν περισπασμόν [A πειρασμόν] –
— 13. πᾶς ὁ [A S om.] ἄνθρωπος ὃς φάγεται (1)
— 13. καὶ ἴδῃ ἀγαθὸν ἐν π. μόχθῳ αὐ. (1)
— 14. πάντα ὅσα ἐποίησεν ὁ θεός (1)
— 17. καιρὸς τῷ π. πράγματι καὶ ἐπὶ π. τῷ [A S om.] ποιήματι (1, 1)
— 19. S² συνάντημα ἓν τοῖς πᾶσιν [A B S¹ αὐτοῖς] †
— 19. πνεῦμα ἓν τοῖς [S¹ αὐτοῖς] πᾶσι (1)
— 19. πάντα [A τὰ π.] ματαιότης (1)
— 20. τὰ π. εἰς [A S² πορεύεται εἰς] τόπον ἕνα τὰ π. ἐγένετο ἀπὸ τοῦ χοὸς καὶ τὰ π. ἐπιστρέψει εἰς τὸν χοῦν (1 ter)
4. 1. S εἶδον π. [A B συμπ.] τὰς συκοφαντίας (1)
— 3. B οὐκ εἶδε σὺν πᾶν [A S² om.] τὸ ποίημα –
— 4. S εἶδον ἐγὼ σὺν π. [A B σύμπ.] τὸν μόχθον (1)
— 4. A S καὶ σὺν π. [B σύμπ.] ἀνδρείαν (1)
— 8. οὐκ ἔστι περασμὸς τῷ π. μόχθῳ αὐτοῦ (1)
— 16. οὐκ ἔστι περασμὸς τῷ π. λαῷ τοῖς π. οἳ ἐγένοντο ἔμπροσθεν αὐτῶν (1, 1)
5. 8. ἐπὶ παντί ἐστι βασιλεὺς τοῦ ἀγροῦ (1)
— 16. π. [S¹ om.] αἱ ἡμέραι αὐτοῦ ἐν σκότει (1)
— 17. τοῦ ἰδεῖν ἀγαθωσύνην ἐν π. μόχθῳ αὐτοῦ (1)
— 18. π. ἄνθρωπος ᾧ ἔδωκεν αὐτῷ ὁ θεὸς πλοῦτον (1)
6. 2. οὐκ ἔστιν ὑστερῶν . . . ἀπὸ π. ὧν ἐπιθυμήσει [A π. οὗ ἐπιθυμεῖ] (1)
— 6. A S R μὴ οὐκ εἰς τόπον ἕνα πορεύεται τὰ π. [B om. τὰ π.] (1)
— 7. π. μόχθος ἀνθρώπου εἰς στόμα αὐτοῦ (1)
7. 3 (2). τοῦτο τέλος παντὸς ἀνθρώπου [S τοῦ ἀ.] (1)
— 16 (15). B τὰ πάντα [A S² σὺν πάντα, S¹ σὺν τὰ π., R σύμπ.] εἶδον [S² ἃ εἶδον] ἐν ἡμέραις ματαιότητός μου (1)
— 19 (18). φοβουμένοις [A ὁ φοβούμενος] τὸν θεὸν ἐξελεύσεται τὰ π. (1)
— 22 (21). εἰς π. λόγους οὓς [S om.] λαλήσουσιν ἀσεβεῖς [A S² om.] (1)
— 24 (23). πάντα ταῦτα ἐπείρασα ἐν σοφίᾳ (1)
— 29 (28). γυναῖκα ἐν π. τούτοις οὐχ εὗρον (1)
8. 3. πᾶν ὃ ἐὰν θελήσει ποιήσει (1)
— 6. π. πράγματί [S¹ -μα] ἐστι καιρὸς καὶ κρίσις (1)
— 9. A σὺν π. [B S σύμπαν] τοῦτο εἶδον (1)
— 9. ἔδωκα τὴν καρδίαν μου εἰς πᾶν τὸ [A S om.] ποίημα (1)
— 17. A S εἶδον σὺν πάντα [B σύμπαντα] τὰ ποιήματα τοῦ θεοῦ (1)
— 17 (9. 1). A S σὺν π. [B σύμπ.] τοῦτο ἔδωκα εἰς καρδίαν μου καὶ καρδία μου σὺν π. [B σύμπ.] εἶδε τοῦτο (1, 1)
9. 1. τὰ π. πρὸ προσώπου [S¹ πρὸς πρόσωπον] αὐτῶν (1)
— 2. ματαιότης ἐν τοῖς π. (1)
— 3. τοῦτο πονηρὸν ἐν π. πεποιημένῳ (1)
— 3. συνάντημα ἓν τοῖς π. (1)
— 4. τίς ὃς κοινωνεῖ πρὸς π. τοὺς ζῶντας (1)
— 6. ἐν π. τῷ πεποιημένῳ ὑπὸ τὸν ἥλιον (1)
— 8. ἐν π. καιρῷ ἔστωσαν ἱμάτιά σου λευκά (1)
— 9. π. ἡμέρας ζωῆς ματαιότητός σου (1)
— 9. B π. ἡμέραι ἡμέραι ἀτμοῦ σου [S π. ἡμέρας ματαιότητός σου] (1)

Ec. 9. 10. π. ὅσα ἂν εὕρῃ ἡ χείρ σου τοῦ ποιῆσαι (1)
— 11. A S ἀπάντημα συναντήσεται τοῖς π. [B σύμπ.] αὐτοῖς (1)
10. 3. ἃ λογιεῖται πάντα ἀφροσύνη ἐστίν (1)
— 19. τοῦ ἀργυρίου ταπεινώσει [A S² om.] ἐπακούσεται τὰ π. [S² σύμπ., A σὺν τὰ π.] (1)
11. 8. ἐν πᾶσιν αὐτοῖς εὐφρανθήσεται (1)
— 8. π. τὸ ἐρχόμενον ματαιότης (1)
— 9. ἐπὶ π. τούτοις ἄξει σε ὁ θεὸς ἐν κρίσει (1)
12. 4. ταπεινωθήσονται π. αἱ θυγατέρες τοῦ ᾄσματος (1)
— 8. τὰ π. ματαιότης (1)
— 13. τέλος λόγου τὸ π. ἄκουε (1)
— 13. τοῦτο πᾶς ὁ ἄνθρωπος (1)
— 14. A S σὺν πᾶν [B σύμπαν] τὸ ποίημα ὁ θεὸς ἄξει ἐν κρίσει ἐν π. παρεωραμένῳ (1, 1)
Ca. 1. 3. ὀσμὴ μύρων σου ὑπὲρ π. τὰ ἀρώματα —
3. 6. τεθυμιαμένη . . . ἀπὸ πάντων κονιορτῶν μυρεψοῦ [S¹ -ικοῦ] (1)
— 8. πάντα κατέχοντες ῥομφαίαν (1)
4. 2. ἀγέλαι . . . αἱ π. διδυμεύουσαι (1)
— 4. πᾶσαι βολίδες [S αἱ β.] τῶν δυνατῶν (1)
— 10. ὀσμὴ ἱματίων [S μύρων] σου ὑπὲρ πάντα ἀρώματα [A S τὰ ἀ.] (1)
— 14. κάλαμος καὶ κιννάμωμον μετὰ πάντων ξύλων τοῦ Λιβ. (1)
— 14. σμύρνα ἀλὼθ μετὰ πάντων πρώτων μύρων (1)
6. 5 (6). ἀγέλαι . . . αἱ π. διδυμεύουσαι (1)
7. 13 (14). ἐπὶ θύραις ἡμῶν πάντα ἀκρόδρυα (1)
8. 7. ἐὰν δῷ ἀνὴρ τὸν πάντα βίον αὐτοῦ ἐν τῇ ἀγάπῃ (1)
Wi. 1. 7. τὸ συνέχον τὰ πάντα γνῶσιν ἔχει φωνῆς
— 10. οὗς ζηλώσεως ἀκροᾶται τὰ πάντα
— 14. ἔκτισε γὰρ εἰς τὸ εἶναι τὰ πάντα
5. 9. παρῆλθεν ἐκεῖνα πάντα ὡς σκιά
— 23. ἐρημώσει πᾶσαν [B¹ πᾶσα] τὴν γῆν ἀνομία
6. 7. οὐ γὰρ ὑποστελεῖται πρόσωπον ὁ πάντων δεσπότης
— 7. ὁμοίως τε προνοεῖ περὶ πάντων
— 16. ἐν πάσῃ ἐπινοίᾳ ὑπαντᾷ [A S ἀπ.] αὐτοῖς
7. 3. πρώτην φωνὴν τὴν ὁμοίαν πᾶσιν ἴσα [S ἅπασι] κλαίων
— 6. μία δὲ πάντων εἴσοδος εἰς τὸν βίον
— 9. ὁ π. χρυσὸς ἐν ὄψει αὐτῆς ψάμμος ὀλίγη
— 11. ἦλθε δέ μοι τὰ ἀγαθὰ ὁμοῦ πάντα
— 12. εὐφράνθην δὲ ἐπὶ πάντων [A S πᾶσιν]
— 16. πᾶσά τε φρόνησις καὶ ἐργατειῶν ἐπιστήμη
— 22. ἡ γὰρ πάντων τεχνῖτις ἐδίδαξέ με σοφία
— 23. διὰ πάντων χωροῦν πνευμάτων νοερῶν
— 24. πάσης γὰρ κινήσεως κινητικώτερον σοφία
— 24. χωρεῖ διὰ πάντων διὰ τὴν καθαρότητα
— 27. μία δὲ οὖσα πάντα δύναται
— 27. μένουσα ἐν αὐτῇ τὰ [A ἑαυτῇ] π. καινίζει
— 29. ἔστι γὰρ αὕτη . . . ὑπὲρ πᾶσαν ἄστρων θέσιν
8. 1. διοικεῖ τὰ π. χρηστῶς
— 3. ὁ πάντων δεσπότης ἠγάπησεν αὐτήν
— 5. τί σοφίας πλουσιώτερον [S τιμιώτ.] τῆς τὰ π. ἐργαζομένης [S¹ περιεργ.]
9. 1. ὁ ποιήσας τὰ π. ἐν λόγῳ σου
— 11. οἶδε γὰρ ἐκείνη πάντα
10. 2. A S¹ ἔδωκέ τε αὐτῷ ἰσχὺν κρατῆσαι πάντων [S² ἀπὸ π., B ἀπάντων]
— 12. παντὸς [S²-ων, S¹ πάντως] δυνατωτέρα ἐστὶν εὐσέβεια
11. 20. πάντα μέτρῳ . . . διέταξας
— 23. ἐλεεῖς δὲ πάντας ὅτι πάντα δύνασαι
— 24. ἀγαπᾷς γὰρ τὰ ὄντα πάντα
— 26. A φείδῃ δὲ πάντων ὅτι σά ἐστιν πάντα [B S om.]
12. 1. τὸ γὰρ ἄφθαρτόν σου πνεῦμά ἐστιν ἐν πᾶσι [S ἅπ.]
— 7. ἡ [S¹ om.] παρὰ σοὶ πασῶν [S² πάντων] τιμιωτάτη γῆ
— 13. ᾧ μέλει περὶ πάντων
— 15. δίκαιος δὲ ὢν δικαίως τὰ π. διέπεις
— 16. τὸ πάντων σε δεσπόζειν πάντων φείδεσθαι [A S² ф. σε] ποιεῖ
— 21. S² μετὰ πάσης [A B S¹ πόσης] ἀκριβείας ἔκρινας τοὺς υἱούς σου
13. 1. μάταιοι μὲν γὰρ πάντες ἄνθρωποι φύσει
— 11. περιέξυσεν εὐμαθῶς πάντα τὸν φλοιὸν αὐτοῦ
— 14. πᾶσαν κηλῖδα τὴν ἐν αὐτῷ καταχρίσας
14. 4. δύνασαι ἐκ παντὸς [A -ων] σώζειν
Wi. 14. 25. R πάντας [A B S πάντα] δ' ἐπιμὶξ ἔχει αἷμα [S al.]
— 27. ἡ γὰρ . . . θρησκεία παντὸς ἀρχὴ κακοῦ
15. 1. διοικῶν τὰ πάντα
— 7. τά τε ἐναντία πάνθ' ὁμοίως
— 13. οὗτος γὰρ παρὰ πάντας οἶδεν ὅτι ἁμαρτάνει
— 14. πάντες [A πάντων] δὲ ἀφρονέστατοι [S -έστεροι]
— 15. πάντα τὰ εἴδωλα . . . ἐλογίσαντο θεούς
16. 7. διὰ σὲ τὸν πάντων σωτῆρα
— 8. σὺ εἶ ὁ ῥυόμενος ἐκ παντὸς κακοῦ
— 12. ὁ σὸς, κύριε, λόγος ὁ πάντα [A -ας] ἰώμενος [S² δυνάμενος]
— 17. ἐν τῷ πάντα [S τὰ π.] σβεννύντι ὕδατι
— 20. ἄρτον . . . πᾶσαν ἡδονὴν ἰσχύοντα καὶ πρὸς πᾶσαν ἁρμόνιον γεῦσιν
— 25. εἰς πάντα [S om. εἰς π.] μεταλλευομένη τῇ . . . σου δωρεᾷ ὑπηρετεῖ
17. 17. μιᾷ γὰρ ἁλύσει σκότους πάντες ἐδέθησαν
18. 12. ὁμοθυμαδὸν δὲ πάντες . . . νεκροὺς εἶχον ἀναριθμήτους
— 13. πάντα γὰρ ἀπιστοῦντες διὰ τὰς φαρμακίας
— 14. B¹ ἡσύχου γὰρ σιγῆς περιεχούσης τὰ π. καὶ νυκτὸς ἐν ἰδίῳ τάχει μεσαζούσης τὰ π. [A B² S R om. τὰ π.]
— 16. ἐπλήρωσε τὰ π. θανάτου
19. 8. A B² S¹ πᾶν ἔθνος [B¹ S² R πανεθνὶ] διῆλθον οἱ τῇ σῇ σκεπαζόμενοι χειρί
— 18. S² πάντα [A B S¹ πάντοτε] μένοντα ἤχῳ
— 22. κατὰ πάντα γὰρ, κύριε, ἐμεγάλυνας τὸν λαόν σου
— 22. οὐχ ὑπερεῖδες ἐν παντὶ καιρῷ . . . παριστάμενος
Si. 1. 1. πᾶσα σοφία παρὰ κυρίου
— 4. προτέρα πάντων ἔκτισται σοφία
— 9. ἐξέχεεν αὐτὴν ἐπὶ πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ
— 10. μετὰ πάσης σαρκὸς κατὰ τὴν δόσιν αὐτοῦ
— 17. πάντα τὸν οἶκον αὐτῆς ἐμπλήσει ἐπιθυμημάτων
2. 4. πᾶν ὃ ἐὰν ἐπαχθῇ σοι δέξαι
3. 12. ἐν π. ἰσχύϊ σου [A B S² al.]
— 13. μὴ ἀτιμάσῃς αὐτὸν ἐν πάσῃ ἰσχύϊ σου
5. 9. μὴ λίκμα ἐν παντὶ ἀνέμῳ καὶ μὴ πορεύου ἐν πάσῃ ἀτραπῷ
6. 26. ἐν πάσῃ ψυχῇ σου πρόσελθε αὐτῇ
— 35. πᾶσαν διήγησιν θείαν θέλε ἀκούειν
— 37. ἐν ταῖς ἐντολαῖς αὐ. μελέτα διὰ παντός
7. 13. μὴ θέλε ψεύδεσθαι πᾶν ψεῦδος
— 33. χάρις δόματος ἔναντι παντὸς ζῶντος
— 36. ἐν πᾶσι τοῖς λόγοις σου μμνήσκου τὰ ἔσχατά σου
8. 5. πάντες ἐσμὲν ἐν ἐπιτιμίοις
— 7. μνήσθητι ὅτι πάντες τελευτῶμεν
— 19. παντὶ ἀνθρώπῳ μὴ ἔκφαινε σὴν καρδίαν
9. 15. πᾶσα διήγησις [A S² ἡ δ.] σου ἐν νόμῳ ὑψίστου
10. 2. κατὰ τὸν ἡγούμενον τῆς πόλεως πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτήν
— 6. ἐπὶ π. ἀδικήματι μὴ μηνιάσῃς τῷ πλησίον
— 27. κρείσσων ἐργαζόμενος ἐν [A S καὶ περισσεύων ἐν] πᾶσιν
11. 29. μὴ πάντα ἄνθρωπον εἴσαγε εἰς τὸν οἶκόν σου
12. 5. διπλάσια γὰρ κακὰ εὑρήσεις ἐν π. ἀγαθοῖς
— 13. τίς ἐλεήσει . . . πάντας τοὺς προσάγοντας θηρίοις
13. 15. πᾶν ζῷον ἀγαπᾷ τὸ ὅμοιον αὐτῷ καὶ πᾶς ἄνθρωπος τὸν πλησίον αὐτοῦ
— 16. πᾶσα σὰρξ κατὰ γένος συνάγεται
— 23. πλούσιος ἐλάλησε καὶ πάντες ἐσίγησαν
14. 17. πᾶσα σὰρξ ὡς ἱμάτιον παλαιοῦται
— 19. πᾶν ἔργον σηπόμενον ἐκλείπει
15. 13. πᾶν βδέλυγμα ἐμίσησε κύριος
— 18. ἰσχυρὸς ἐν δυναστείᾳ καὶ βλέπων τὰ π.
— 19. αὐτὸς ἐπιγνώσεται πᾶν ἔργον ἀνθρώπου
16. 9. S² ταῦτα πάντα ἐποίησεν ἔθνεσιν σκληροκαρδίοις
— 14. πάσῃ ἐλεημοσύνῃ ποιήσει τόπον
— 21. S¹ καταιγὶς ἡν οὐκ ὄψεται πᾶς [A B S² om.] ἄνθρωπος
— 30. ψυχὴν [S -ῆ] παντὸς ζῷου ἐκάλυψε τὸ πρόσωπον αὐτῆς
17. 4. ἔθηκε τὸν φόβον αὐτοῦ ἐπὶ πάσης σαρκός
— 14. προσέχετε ἀπὸ παντὸς ἀδίκου
— 15. αἱ ὁδοὶ αὐ. ἐναντίον αὐτοῦ διὰ παντός
— 19. A S πάντα [B ἅπαντα] τὰ ἔργα αὐ. ὡς ὁ ἥλιος ἐναντίον αὐτοῦ
— 20. πᾶσαι αἱ ἁμαρτίαι αὐτῶν ἔναντι κυρίου
— 30. οὐ γὰρ δύναται πάντα εἶναι ἐν ἀνθρώποις
Si. 17. 32. οἱ ἄνθρωποι πάντες γῆ καὶ σποδός
18. 1. ὁ ζῶν εἰς τὸν αἰῶνα ἔκτισε τὰ π. κοινῇ
— 13. ἔλεος δὲ κυρίου ἐπὶ πᾶσαν σάρκα
— 15. ἐν πάσῃ δόσει λύπην λόγων
— 26. πάντα ἐστὶ ταχινὰ ἔναντι κυρίου
— 27. ἄνθρωπος σοφὸς ἐν παντὶ εὐλαβηθήσεται
— 28. πᾶς συνετὸς ἔγνω σοφίαν
19. 15. μὴ παντὶ λόγῳ πίστευε
— 20. πᾶσα σοφία φόβος κυρίου καὶ ἐν πάσῃ σοφίᾳ ποίησις νόμου
21. 3. ὡς ῥομφαία δίστομος πᾶσα ἀνομία
— 14. πᾶσαν γνῶσιν οὐ κρατήσει
22. 1. πᾶς ἐκσυρεῖ ἐπὶ τῇ ἀτιμίᾳ αὐτοῦ
— 2. πᾶς ὁ ἀναιρούμενος αὐτὸν ἐκτινάξει χεῖρα
— 6. μάστιγες καὶ παιδεία ἐν παντὶ καιρῷ σοφίας [S¹ -ία]
— 12. πᾶσαι αἱ ἡμέραι τῆς ζωῆς αὐ.
— 18. οὕτως καρδία δειλὴ . . . κατέναντι παντὸς φόβου οὐ μὴ ὑπομείνῃ
— 22. ἐν τούτοις ἀποφεύξεται πᾶς φίλος [A ὁ φ.]
— 26. πᾶς ὁ [A om.] ἀκούων φυλάξεται ἀπ' αὐτοῦ
23. 10. ὁ ὀμνύων καὶ ὀνομάζων διὰ παντός
— 12. ἀπὸ γὰρ εὐσεβῶν ταῦτα πάντα ἀποστήσεται
— 15. ἐν πάσαις ταῖς ἡμέραις αὐτοῦ οὐ μὴ παιδευθῇ
— 17. ἀνθρώπῳ πόρνῳ πᾶς ἄρτος ἡδύς
— 19. ἐπιβλέποντες πάσας [S² ἐπὶ π.] ὁδοὺς ἀνθρώπων
— 20. πρὶν ἢ κτισθῆναι τὰ π. ἔγνωσται αὐτῷ
24. 6. ἐν πάσῃ τῇ γῇ καὶ ἐν παντὶ λαῷ καὶ ἔθνει ἐκτησάμην [S² ἡγησάμην]
— 7. μετὰ τούτων πάντων ἀνάπαυσιν ἐζήτησα
— 19. S προσέλθατε πρὸς με πάντες [A B om.] οἱ ἐπιθυμοῦντές μου
— 23. ταῦτα πάντα βίβλος διαθήκης θεοῦ ὑψίστου
— 34. ἀλλὰ πᾶσι [S¹ ἅπ.] τοῖς ἐκζητοῦσιν αὐτήν
25. 11. φόβος κυρίου ὑπὲρ πᾶν ὑπερέβαλεν
— 13. πᾶσαν πληγὴν καὶ μὴ πληγὴν καρδίας καὶ πᾶσαν πονηρίαν καὶ μὴ πονηρίαν γυναικός
— 14. π. ἐπαγωγὴν καὶ μὴ ἐπαγωγὴν μισούντων καὶ π. ἐκδίκησιν καὶ μὴ ἐκδίκησιν ἐχθρῶν
— 19. μικρὰ πᾶσα κακίαν πρὸς κακίαν γυναικός
— 24. δι' αὐτὴν ἀποθνήσκομεν πάντες
26. 4. ἐν παντὶ καιρῷ πρόσωπον ἱλαρόν
— 5. καταψευσμὸν ὑπὲρ θάνατον πάντα μοχθηρά
— 6. μάστιξ γλώσσης πᾶσιν ἐπικοινωνοῦσα
— 12. ἀπὸ παντὸς ὕδατος τοῦ σύνεγγυς πίεται
— 12. κατέναντι παντὸς πασσάλου καθήσεται
— 15. οὐκ ἔστι σταθμὸς πᾶς ἄξιος ἐγκρατοῦς ψυχῆς
27. 11. διήγησις εὐσεβοῦς διὰ παντὸς σοφία
29. 3. ἐν παντὶ καιρῷ εὑρήσεις τὴν χρείαν σου
— 12. αὕτη ἐξελεῖται σε ἐκ πάσης κακώσεως
30. 7. ἐπὶ πάσῃ βοῇ ταραχθήσεται σπλάγχνα αὐτοῦ
— 15. ὑγίεια καὶ εὐεξία βέλτιον παντὸς χρυσίου
— 26 (33. 17). ἀλλὰ πᾶσι τοῖς ζητοῦσι παιδείαν
— 29 (33. 20). μὴ ἀλλάξῃς σεαυτὸν πάσῃ [A S² ἐν π.] σαρκί
— 31 (33. 22). ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου γίνου ὑπεράγων
— 38 (33. 29). μὴ περισσεύσῃς ἐν [A S ἐπὶ] πάσῃ σαρκί
32 (35). 5. πάντα γὰρ ταῦτα χάριν ἐντολῆς
— 9. ἐν πάσῃ δόσει ἱλάρωσον τὸ πρόσωπόν σου
33 (36). 1. ἐλέησον ἡμᾶς, δέσποτα [A om.] ὁ θεὸς πάντων
— 2. ἐπίβαλε τὸν φόβον σου ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη
— 11. σύναγε πάσας φυλὰς Ἰακώβ
34 (31). 7. πᾶς ἄφρων ἀλώσεται ἐν αὐτῷ
— 13. ἀπὸ παντὸς προσώπου δακρύει
— 15. ἐπὶ παντὶ πράγματι διανοοῦ
— 22. ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις [A λόγοις] σου γίνου ἐντρεχής
— 22. καὶ πᾶν ἀρρώστημα οὐ μή σοι ἀπαντήσῃ
35 (32). 2. πᾶσαν τὴν χρείαν σου ποιήσας ἀνάπεσε
— 23. ἐν παντὶ ἔργῳ πίστευε τῇ ψυχῇ σου
36 (33). 6. ὑποκάτω παντὸς ἐπικαθημένου χρεμετίζει
— 7. πᾶν φῶς ἡμέρας ἐνιαυτοῦ ἀφ' ἡλίου
— 10. ἄνθρωποι πάντες ἀπὸ ἐδάφους
— 13. ὡς πηλὸς κεραμέως ἐν χειρὶ αὐτοῦ πᾶσαι αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ
— 15. ἔμβλεψον εἰς πάντα τὰ ἔργα τοῦ ὑψίστου
36. 22 (19). γνώσονται πάντες οἱ ἐπὶ τῆς γῆς
— 23 (20). πᾶν βρῶμα φάγεται κοιλία
— 26 (23). πάντα ἄρρενα ἐπιδέξεται γυνή
— 27 (24). ὑπὲρ πᾶσαν ἐπιθυμίαν ἀνθρώπου ὑπεράγει
37. 1. πᾶς φίλος ἐρεῖ
— 7. πᾶς σύμβουλος ἐξαίρει βουλήν

Si. 37. 11. μετὰ ὀκνηροῦ περὶ παντὸς ἔργου
— 11. μὴ ἔπεχε ἐπὶ τούτοις περὶ πάσης [A om.] συμβουλίας
— 15. ἐπὶ πᾶσι τούτοις δεήθητι ὑψίστου
— 16. ἀρχὴ παντὸς ἔργου λόγος καὶ πρὸ πάσης πράξεως βουλή
— 20. οὕτος πάσης τροφῆς [S¹ σοφίας] καθυστερήσει
— 21. πάσης σοφίας ἐστερήθη
— 24. μακαριοῦσιν αὐτὸν πάντες οἱ ὁρῶντες
— 28. οὐ γὰρ πάντα πᾶσι συμφέρει καὶ οὐ πᾶσα ψυχὴ ἐν παντὶ εὐδοκεῖ
— 29. μὴ ἀπλησταίνου ἐν πάσῃ τρυφῇ
38. 7. A ἥρε πᾶν [B S τὸν] πόνον αὐτοῦ
— 10. ἀπὸ πάσης ἁμαρτίας καθάρισον καρδίαν
— 27. οὕτως πᾶς τέκτων καὶ ἀρχιτέκτων
— 29. ὃς ἐν μερίμνῃ κεῖται διὰ παντός
— 29. ἐναρίθμιος πᾶσα ἡ ἐργασία αὐτοῦ
— 31. πάντες οὗτοι εἰς χεῖρας αὐτῶν ἐνεπίστευσαν
39. 1. σοφίαν πάντων ἀρχαίων [S¹ ἀρχόντων] ἐκζητήσει
— 15. εὐλογήσατε κύριον ἐπὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις
— 16. τὰ ἔργα κυρίου πάντα ὅτι καλὰ σφόδρα καὶ πᾶν πρόσταγμα ἐν καιρῷ αὐτοῦ ἔσται
— 17. πάντα γὰρ ἐν καιρῷ αὐτοῦ ζητηθήσεται
— 18. ἐν προστάγματι αὐτοῦ πᾶσα ἡ [S² om.] εὐδοκία
— 19. ἔργα πάσης σαρκὸς ἐνώπιον αὐταῦ
— 21. πάντα γὰρ εἰς χρείας αὐτῶν ἔκτισται
— 26. ἀρχὴ πάσης χρείας εἰς ζωὴν ἀνθρώπου
— 27. ταῦτα πάντα τοῖς εὐσεβέσιν εἰς ἀγαθά
— 29. πάντα ταῦτα εἰς ἐκδίκησιν ἔκτισται
— 33. τὰ ἔργα κυρίου πάντα ἀγαθὰ καὶ πᾶσαν χρείαν ἐν ὥρᾳ αὐτῆς χορηγήσει
— 34. πάντα γὰρ ἐν καιρῷ εὐδοκιμηθήσεται
— 35. καὶ νῦν ἐν πάσῃ καρδίᾳ καὶ στόματι ὑμνήσατε
40. 1. ἀσχολία μεγάλη ἔκτισται παντὶ ἀνθρώπῳ
— 1. εἰς μητέρα πάντων
— 8. μετὰ πάσης σαρκὸς ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους
— 10. ἐπὶ τοὺς ἀνόμους ἐκτίσθη ταῦτα πάντα
— 11. πάντα ὅσα ἀπὸ γῆς εἰς γῆν ἀναστρέφει
— 12. πᾶν δῶρον καὶ ἀδικία ἐξαλειφθήσεται
— 16. ἄχει ἐπὶ παντὸς ὕδατος καὶ χείλους ποταμοῦ πρὸ παντὸς χόρτου ἐκτιλήσεται
— 27. ὑπὲρ πᾶσαν δόξαν ἐκάλυψαν αὐτόν
41. 1. ἀνδρὶ ἀπερισπάστῳ καὶ εὐδουμένῳ ἐν πᾶσι
— 2. ἀνθρώπῳ . . . περισπωμένῳ περὶ πάντων
— 3. τοῦτο τὸ κρίμα παρὰ κυρίου πάσῃ σαρκί
— 10. πάντα ὅσα ἐκ γῆς εἰς γῆν ἀπελεύσεται
— 16. οὐ γάρ ἐστι πᾶσαν αἰσχύνην διαφυλάξαι [S² ἀποκαλύψαι] καλὸν καὶ οὐ πάντα πᾶσιν ἐν πίστει εὐδοκιμεῖται
42. 1. εὑρίσκων χάριν ἔναντι παντὸς ἀνθρώπου
— 7. καὶ δόσις καὶ λῆψις παντὶ [A S πάντα] ἐν γραφῇ
— 8. ἔσῃ . . . δεδοκιμασμένος ἔναντι παντὸς ζῶντος
— 12. παντὶ ἀνθρώπῳ μὴ ἔμβλεπε ἐν κάλλει
— 16. ἥλιος φωτίζων κατὰ πᾶν ἐπέβλεψε
— 17. ἐκδιηγήσασθαι πάντα τὰ θαυμάσια αὐτοῦ
— 17. στηριχθῆναι ἐν δόξῃ αὐτοῦ τὸ π.
— 18. ἔγνω γὰρ ὁ κύριος [A S ὕψιστος] πᾶσαν εἴδησιν [S συνείδ.]
— 20. οὐ παρῆλθεν αὐτὸν πᾶν διανόημα
— 22. ὡς πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ ἐπιθυμητά
— 23. πάντα ταῦτα ζῇ καὶ μένει εἰς τὸν αἰῶνα ἐν πάσαις χρείαις καὶ πάντα ὑπακούει
— 24. πάντα δισσὰ ἓν κατέναντι τοῦ ἑνός
43. 6. ἡ σελήνη ἐν πᾶσιν εἰς καιρὸν αὐτῆς
— 20. ἐπὶ πᾶσαν συναγωγὴν ὕδατος καταλύσει
— 22. ἴασις πάντων [S² πάγων] κατὰ σπουδὴν ὁμίχλη
— 25. ποικιλία παντὸς ζῴου
— 26. ἐν λόγῳ αὐτοῦ σύγκειται πάντα [A S τὰ π.]
— 27. συντέλεια λόγων τὸ π. ἐστιν αὐτός
— 28. αὐτὸς γὰρ ὁ μέγας παρὰ πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ
— 33. πάντα γὰρ ἐποίησεν ὁ κύριος
44. 7. πάντες οὗτοι ἐν γενεαῖς ἐδοξάσθησαν
— 18. ἵνα μὴ ἐξαλειφθῇ κατακλυσμῷ [A om.] πᾶσα σάρξ
— 22. ἐν τῷ Ἰσαὰκ ἔστησεν . . . εὐλογίαν πάντων ἀνθρώπων
— 27. εὑρίσκοντα χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς πάσης σαρκός
45. 4. ἐξελέξατο αὐτὸν ἐκ πάσης σαρκός
— 13. καὶ τὰ ἔκγονα αὐ. διὰ παντός
— 16. ἐξελέξατο αὐτὸν ἀπὸ παντὸς ζῶντος
46. 10. ὅπως ἴδωσι πάντες οἱ υἱοὶ Ἰσραήλ
— 18. ἐξέτριψεν . . . πάντας ἄρχοντας Φυλιστιείμ
Si. 46. 19. ἕως ὑποδημάτων ἀπὸ πάσης σαρκὸς οὐκ εἴληφα
47. 8. ἐν παντὶ ἔργῳ αὐτοῦ ἔδωκεν ἐξομολόγησιν ἁγίῳ ὑψίστῳ ῥήματι δόξης ἐν πάσῃ καρδίᾳ αὐτοῦ ὕμνησε
— 25. πᾶσαν πονηρίαν ἐξεζήτησαν
48. 13. πᾶς λόγος οὐχ [S κυρίου] ὑπερῆρεν αὐτόν
— 15. ἐν πᾶσι τούτοις οὐ μετενόησεν ὁ λαός
— 15. ἐσκορπίσθησαν ἐν πάσῃ τῇ γῇ
49. 1. ἐν παντὶ στόματι ὡς μέλι γλυκανθήσεται
— 4. πάντες πλημμέλειαν ἐπλημμέλησαν
— 16. ὑπὲρ πᾶν ζῷον ἐν τῇ κτίσει Ἀδάμ
50. 9. κεκοσμημένον παντὶ λίθῳ πολυτελεῖ
— 13. πάντες οἱ [S om.] υἱοὶ Ἀαρὼν ἐν δόξῃ αὐ.
— 13. προσφορὰ κυρίου ἐν χερσὶν αὐτῶν ἔναντι πάσης ἐκκλησίας Ἰσραήλ
— 17. πᾶς ὁ λαὸς κοινῇ κατέσπευσε
— 20. ἐπῆρε χεῖρας αὐ. ἐπὶ π. [A om.] ἐκκλησίαν
— 22. εὐλογήσατε τῷ θεῷ πάντες τῷ μεγαλοποιοῦντι [A S πάντων τῷ μεγάλα ποιοῦντι] πάντη
— 29. πρὸς πάντα ἰσχύσει
Ho. 2. 5 (7). καὶ πάντα ὅσα μοι καθήκει –
— 11 (13). ἀποστρέψω π. τὰς εὐφροσύνας αὐ. . . . καὶ π. τὰς πανηγύρεις αὐ. (1, 1)
4. 3. σὺν π. τοῖς κατοικοῦσιν αὐτήν (1)
7. 2. πάσας τὰς κακίας αὐτῶν ἐμνήσθην (1)
— 4. πάντες μοιχεύοντες ὡς κλίβανος (1)
— 7. πάντες ἐθερμάνθησαν ὡς κλίβανος (1)
— 7. πάντες οἱ βασ. αὐ. ἔπεσαν (1)
— 10. οὐκ ἐξεζήτησαν αὐτὸν ἐν πᾶσι τούτοις (1)
9. 1. ἠγάπησας δόματα ἐπὶ π. ἅλωνα σίτου (1)
— 4. πάντες οἱ ἔσθοντες αὐτὰ μιανθήσονται (1)
— 8. παγὶς σκολιὰ ἐπὶ π. τὰς ὁδοὺς αὐ. (1)
— 15. π. αἱ κακίαι αὐ. ἐν Γ. (1)
— 16 (15). π. οἱ ἄρχοντες αὐ. ἀπειθοῦντες (1)
10. 14. π. τὰ περιτετειχισμένα σου οἰχήσεται (1)
12. 6 (7). ἔγγιζε πρὸς τὸν θεόν σου διὰ παντός (8 g)
— 8 (9). π. οἱ πόνοι αὐ. οὐχ εὑρεθήσονται (1)
13. 4. ἔκτισαν π. τὴν στρατιὰν τοῦ οὐρ. –
— 10. διασωσάτω σε ἐν π. ταῖς πόλεσί σου (1)
— 15. καταξηρανεῖ . . . π. τὰ σκεύη τὰ ἐπιθυμητὰ αὐ. (1)
Am. 2. 3. πάντας [A add. τοὺς ἄρχοντας] αὐτῆς ἀποκτενῶ (1)
3. 1. ὃν ἐλάλησε . . . κατὰ π. φυλῆς (1)
— 2. A R ὑμᾶς ἔγνων ἐκ π. τῶν [B om.] φυλῶν τῆς γῆς (1)
— 2. ἐκδικήσω ἐφ' ὑμᾶς π. τὰς ἁμαρτίας ὑμῶν (1)
4. 6. ἐν π. ταῖς πόλεσιν ὑμῶν (1)
— 6. ἐν π. τοῖς τόποις [A π. ταῖς πόλεσιν] ὑμῶν (1)
5. 8. ὁ ποιῶν πάντα †
— 16. ἐν π. ταῖς [A om.] πλατείαις κοπετός (1)
— 16. ἐν π. ταῖς [A om.] ὁδοῖς ῥηθήσεται (1)
— 17. ἐν π. ὁδοῖς κοπετός (1)
6. 2. διάβητε πάντες καὶ ἴδετε †
— 2. τὰς κρατίστας ἐκ πασῶν τῶν βασιλειῶν τ. –
— 8. βδελύσσομαι ἐγὼ π. τὴν ὕβριν Ἰ. –
— 8. σὺν π. τοῖς κατοικοῦσιν αὐτήν †
7. 10. ὑπενεγκεῖν π. [A ἅπ.] τοὺς λόγους αὐ. (1)
8. 3. πολὺς ὁ πεπτωκὼς ἐν π. τόπῳ (1)
— 6. ἀπὸ π. γενήματος ἐμπορευσόμεθα †
— 7. εἰ ἐπιλησθήσεται . . . π. τὰ ἔργα ὑμῶν (1)
— 8. πενθήσει πᾶς ὁ κατοικῶν ἐν αὐτῇ (1)
— 10. μεταστρέψω . . . π. τὰς ᾠδὰς ὑμῶν εἰς θρῆνον (1)
— 10. ἀναβιβῶ ἐπὶ π. ὀσφὺν σάκκον καὶ ἐπὶ π. κεφαλὴν φαλάκρωμα (1, 1)
9. 1. διάκοψον εἰς κεφαλὰς πάντων (1)
— 5. πενθήσουσι πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτήν (1)
— 9. λικμήσω ἐν π. ταῖς ἔθνεσι τὸν οἶκον Ἰσ. (1)
— 10. τελευτήσουσι π. ἁμαρτωλοὶ λαοῦ μου (1)
— 12. καὶ π. τὰ ἔθνη ἐφ' οὓς ἐπικέκληται (1)
— 12. R ὁ ποιῶν πάντα [A B om.] ταῦτα –
— 13. καὶ π. οἱ βουνοὶ σύμφυτοι ἔσονται (1)
Mi. 1. 2. ἡ γῆ καὶ πάντες οἱ ἐν αὐτῇ †
— 5. δι' ἀσέβειαν Ἰ. πάντα ταῦτα (1)
— 7. π. τὰ γλυπτὰ αὐ. κατακόψουσι (1)
— 7. π. τὰ μισθώματα αὐ. ἐμπρήσουσιν (1)
— 7. π. τὰ εἴδωλα αὐ. θήσομαι εἰς ἀφανισμόν (1)
2. 11 (12). συναχθήσεται Ἰ. σὺν πᾶσιν (1)
3. 7. καταλαλήσουσι κατ' αὐτῶν πάντες αὐτοί (1)
— 9. καὶ π. τὰ ὀρθὰ διαστρέφοντες (1)
4. 5. π. οἱ λαοὶ πορεύσονται (1)
— 13. τῷ κυρίῳ π. τῆς γῆς (1)
Mi. 5. 9 (8). καὶ π. οἱ ἐχθροί σου ἐξολεθρευθήσονται (1)
— 11 (10). ἐξαρῶ π. τὰ ὀχυρώματά σου (1)
— 12 (11). A ἐξαρῶ π. τὰ φάρμακά σου [B al.] –
6. 16. καὶ π. τὰ ἔργα οἴκου Ἀχ. (1)
7. 2. πάντες εἰς αἵματα δικάζονται (1)
— 6. ἐχθροὶ πάντες ἄνδρος [A al.] –
— 16. ἐκ π. τῆς ἰσχύος αὐ. (1)
— 19. ἀπορριφήσονται . . . π. τὰς ἁμαρτίας ἡμῶν (1)
Jl. 1. 2. ἐνωτίσασθε π. οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (1)
— 5. θρηνήσατε π. οἱ πίνοντες οἶνον εἰς μέθην (1)
— 12. καὶ π. τὰ ξύλα τοῦ ἀγροῦ (1)
— 14. συναγάγετε . . . π. κατοικοῦντας γῆν (1)
— 19. φλὸξ ἀνῆψε π. τὰ ξύλα τοῦ ἀγροῦ (1)
2. 1. π. οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (1)
— 6. πᾶν πρόσωπον ὡς πρόσκαυμα χύτρας (1)
— 27. A αὐ μὴ καταισχυνθῇ οὐκέτι πᾶς ὁ λαός μου [B al.] –
— 28 (3. 1). ἐκχεῶ ἀπὸ τοῦ πνεύματός μου ἐπὶ π. σάρκα (1)
— 32 (3. 5). πᾶς ὃς ἂν ἐπικαλέσηται τὸ ὄνομα κυρίου (1)
3 (4). 2. συνάξω π. τὰ ἔθνη (1)
— 4. καὶ π. Γαλιλαία ἀλλοφύλων (1)
— 9. ἀναβαίνετε π. ἄνδρες πολεμισταί (1)
— 11. εἰσπορεύεσθε π. τὰ ἔθνη (1)
— 12. ἀναβαινέτωσαν π. τὰ ἔθνη –
— 12. τοῦ διακρῖναι π. τὰ ἔθνη κυκλόθεν (1)
— 18. π. αἱ ἀφέσεις Ἰ. ῥυήσονται ὕδατα (1)
Ob. 1. 7. π. οἱ ἄνδρες τῆς διαθήκης σου ἀντέστησάν σοι (1)
— 15. ἐγγὺς ἡμέρα κυρίου ἐπὶ π. τὰ ἔθνη (1)
— 16. A S² R πίονται πάντα τὰ ἔθνη οἶνον (1)
Jn. 2. 4. π. οἱ μετεωρισμοί σου . . . ἐπ' ἐμὲ διῆλθον (1)
3. 7. S² καὶ πάντων [A B S¹ παρὰ τῶν] μεγιστάνων αὐ. –
Na. 1. 4. καὶ π. τοὺς ποταμοὺς ἐξερημῶν (1)
— 4. S³ καὶ πάντα [A B S¹ om.] τὰ ἐξανθοῦντα τοῦ Λ. ἐξέλιπε –
— 5. καὶ π. αἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ (1)
2. 9 (10). βεβάρυνται ἐπὶ π. τὰ σκεύη τὰ ἐπιθυμητὰ αὐ. (1)
— 10 (11). ὠδῖνες ἐπὶ π. ὀσφύν (1)
— 10 (11). τὸ πρόσωπον πάντων ὡς πρόσκαυμα χύτρας (1)
3. 7. π. ὁ ὁρῶν σε καταβήσεται (1)
— 10. ἐπ' ἀρχὰς π. τῶν ὁδῶν [S¹ ὀρέων] αὐ. (1)
— 10. ἐπὶ π. τὰ ἔνδοξα αὐ. βαλοῦσι κλῆρον –
— 10. π. οἱ μεγιστᾶνες αὐ. δεθήσονται χειροπέδαις (1)
— 12. π. τὰ ὀχυρώματά σου συκαῖ (1)
— 19. π. οἱ ἀκούοντες τὴν ἀγγελίαν σου (1)
— 19. ἐπὶ τίνα οὐκ ἀπῆλθεν ἡ κακία σου διὰ παντός (8 g)
Hb. 1. 10. εἰς π. ὀχύρωμα ἐμπαίξεται (1)
— 17. διὰ παντὸς ἀποκτέννειν ἔθνη οὐ φείσεται (8 g)
2. 5. ἐπισυνάξει ἐπ' αὐτὸν π. τὰ ἔθνη (1)
— 5. εἰσδέξεται πρὸς αὐτὸν π. τοὺς λαούς (1)
— 6. οὐχὶ ταῦτα πάντα παραβολὴν κατ' αὐτοῦ λήψονται (1)
— 8. πάντες οἱ ὑπολελειμμένοι λαοί (1)
— 8. δι' αἵματα . . . π. τῶν κατοικούντων αὐτήν (1)
— 17. δι' αἵματα . . . π. τῶν κατοικούντων αὐτήν [A -ῶν] (1)
— 19. πᾶν πνεῦμα οὐκ ἔστιν ἐν αὐτῷ (1)
— 20. εὐλαβείσθω . . . π. ἡ γῆ (1)
Ze. 1. 2. S² ἐκλιπέτω πάντα [A B S¹ om.] ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς (1)
— 4. καὶ ἐπὶ π. τοὺς κατοικοῦντας Ἱερ. (1)
— 8. καὶ ἐπὶ π. τοὺς ἐνδεδυμένους ἐνδύματα ἀλλότρια (1)
— 9. A S ἐκδικήσω ἐπὶ πάντας [B om. ἐ. π.] (1)
— 11. ὡμοιώθη π. ὁ λαὸς Χ. (1)
— 11. ἐξωλεθρεύθησαν π. οἱ ἐπηρμένοι ἀργυρίῳ (1)
— 18. καταναλωθήσεται π. ἡ γῆ (1)
— 18. σπουδὴν ποιήσει ἐπὶ π. τοὺς κατοικοῦντας (1)
2. 3. ζητήσατε τὸν κ. πάντες ταπεινοὶ γῆς (1)
— 11. ἐξολεθρεύσει π. τοὺς θεοὺς τῶν ἐθνῶν (1)
— 11. π. αἱ νῆσοι τῶν ἐθνῶν (1)
— 14. νεμήσονται . . . π. τὰ θηρία τῆς γῆς (1)
3. 1 (2. 15). πᾶς ὁ διαπορευόμενος [A παραπ.] δι' αὐτῆς (1)
— 7. πάντα ὅσα ἐξεδίκησα ἐπ' αὐτήν (1)

Ze. 3. 7. ἔφθαρται π. ἡ ἐπιφυλλὶς αὐ. (1)
— 8. τοῦ ἐκχέαι ἐπ' αὐτοὺς π. ὀργὴν θυμοῦ μου (1)
— 8. καταναλωθήσεται π. ἡ γῆ (1)
— 9. τοῦ ἐπικαλεῖσθαι πάντας τὸ ὄνομα κυρίου (1)
— 11. οὐ μὴ κατασχυνθῇς ἐκ π. τῶν ἐπιτηδευμάτων σου (1)
— 19. καὶ ὀνομαστοὺς ἐν π. τῇ γῇ (1)
— 20. εἰς καύχημα ἐν π. τοῖς λαοῖς τῆς γῆς (1)
Hg. 1. 11. καὶ ἐπὶ π. τοὺς πόνους τῶν χειρῶν αὐ. (1)
— 12. καὶ π. οἱ κατάλοιποι τοῦ λαοῦ (1)
— 14. καὶ τὸ πνεῦμα τῶν καταλοίπων π. τοῦ λαοῦ (1)
2. 3 (2). εἰπὸν . . . πρὸς π. τοὺς καταλοίπους τοῦ λαοῦ –
— 5 (4). κατισχυέτω π. ὁ λαὸς τῆς γῆς (1)
— 8 (7). συσσείσω π. τὰ ἔθνη (1)
— 8 (7). ἥξει τὰ ἐκλεκτὰ π. τῶν ἐθνῶν (1)
— 10 (9). εἰς περιποίησιν π. τῷ κτίζοντι –
— 13 (12). καὶ ἅψηται . . . π. βρώματος (1)
— 14 (13). ἐπὶ ψυχῇ ἐπὶ [A ἀπὸ] παντὸς τούτων (1)
— 15 (14). οὕτως π. τὰ ἔργα τῶν χειρῶν αὐ. (1)
— 18 (17). ἐπάταξα ὑμᾶς . . . π. τὰ ἔργα τῶν χειρῶν ὑμῶν (1)
— 23 (22). A καταστρέψω π. τὴν δύναμιν αὐ. –
Za. 1. 11. περιωδεύσαμεν π. τὴν γῆν –
— 11. π. ἡ γῆ κατοικεῖται (1)
2. 13 (17). εὐλαβείσθω π. σὰρξ ἀπὸ προσώπου κυρίου (1)
3. 10 (9). ψηλαφήσω π. τὴν ἀδικίαν τῆς γῆς ἐκ. –
4. 10. οἱ ἐπιβλέποντες ἐπὶ π. τὴν γῆν (1)
— 14. παρεστήκασι κυρίῳ π. τῆς γῆς (1)
5. 3. ἐπὶ πρόσωπον π. τῆς γῆς (1)
— 3. πᾶς ὁ κλέπτης ἐκ τούτου (1)
— 3. πᾶς ὁ ἐπίορκος ἐκ τούτου (1)
— 6. αὕτη ἡ ἀδικία αὐ. ἐν π. τῇ γῇ (1)
6. 5. παραστῆναι τῷ κυρίῳ π. τῆς γῆς (1)
7. 5. A S πρὸς πάντα [B ἅπ.] τὸν λαὸν τῆς γῆς (1)
— 14. ἐκβαλῶ αὐτοὺς εἰς π. τὰ ἔθνη (1)
8. 10. ἐξαποστελῶ π. τοὺς ἀνθρώπους (1)
— 12. καὶ κατακληρονομήσω . . . ταῦτα π. (1)
— 17. ταῦτα πάντα ἐμίσησα (1)
— 23. δέκα ἄνδρες ἐκ π. τῶν γλωσσῶν (1)
9. 1. ἐφορᾷ . . . π. φυλὰς τοῦ Ἰσρ. (1)
10. 4. ἐξελεύσεται πᾶς ὁ ἐξελαύνων (1)
— 11. ξηρανθήσεται π. τὰ βάθη ποταμῶν (1)
— 11. ἀφαιρεθήσεται π. ὕβρις Ἀσσυρίων –
11. 10. ἣν διεθέμην πρὸς π. τοὺς λαούς (1)
12. 2. ὡς πρόθυρα σαλευόμενα πᾶσι τοῖς λαοῖς κύκλῳ (1)
— 3. λίθον καταπατούμενον π. τοῖς ἔθνεσι (1)
— 3. πᾶς ὁ καταπατῶν αὐτήν (1)
— 3. ἐπισυναχθήσονται . . . π. τὰ ἔθνη τῆς γῆς (1)
— 4. πατάξω π. ἵππον (1)
— 4. π. τοὺς ἵππους . . . πατάξω (1)
— 6. καταφάγονται . . . π. τοὺς λαοὺς κυκλόθεν (1)
— 9. ἐξᾶραι π. τὰ ἔθνη (1)
— 14. π. αἱ ὑπολελειμμέναι φυλαί [A *al.*] (1)
13. 1. ἔσται π. τόπος διανοιγόμενος –
— 8. ἔσται ἐν π. τῇ γῇ [A *al.*] (1)
14. 2. A S R ἐπισυνάξω π. τὰ [B *om.*] ἔθνη (1)
— 5. καὶ π. οἱ ἅγιοι μετ' αὐτοῦ (1)
— 9. ἔσται κύριος εἰς βασιλέα ἐπὶ π. τὴν γῆν (1)
— 10. κυκλῶν π. τὴν γῆν (1)
— 12. A B S² ἣν κόψει κύριος π. τοὺς λαούς (1)
— 14. συνάξει τὴν ἰσχὺν π. τῶν λαῶν (1)
— 15. αὕτη ἔσται ἡ πτῶσις . . . π. τῶν κτηνῶν (1)
— 16. ἐκ π. τῶν ἐθνῶν τῶν ἐλθόντων (1)
— 17. A S R ἐκ π. τῶν [B *om.*] φυλῶν τῆς γῆς –
— 18. ἣν πατάξει κύριος π. τὰ ἔθνη –
— 19. καὶ ἡ ἁμαρτία π. τῶν ἐθνῶν (1)
— 21. ἔσται π. λέβης ἐν Ἱερ. . . . ἅγιος (1)
— 21. ἥξουσι π. οἱ θυσιάζοντες (1)
Ma. 1. 11. ἐν π. τόπῳ θυμίαμα προσάγεται (1)
2. 9. ἀπερριμμένους εἰς π. τὰ ἔθνη (1)
— 10. οὐχὶ πατὴρ εἷς πάντων ὑμῶν (1)
— 17. πᾶς ποιῶν πονηρόν (1)
3. 10. A S R εἰσηνέγκατε π. τὰ [B *om.*] ἐκφόρια (1)
— 12. μακαριοῦσιν ὑμᾶς π. τὰ ἔθνη (1)
— 15. ἀνοικοδομοῦνται π. [A S³ *om.*] ποιοῦντες ἄνομα –
4. 1 (3. 19). ἔσονται π. οἱ ἀλλογενεῖς καὶ π. οἱ ποιοῦντες ἄνομα καλάμη (1, 1)
— 4 (3. 22). καθότι ἐνετειλάμην . . . πρὸς π. τὸν Ἰσρ. (1)
Is. 1. 5. πᾶσα κεφαλὴ εἰς πόνον καὶ πᾶσα καρδία εἰς λύπην (1, 1)
Is. 1. 25. ἀφελῶ πάντας ἀνόμους ἀπὸ σοῦ (1)
— 26. A S πάντας ὑπερηφάνους ταπεινώσω –
2. 2. ἥξουσιν ἐπ' αὐτὸ πάντα τὰ ἔθνη (1)
— 12. ἐπὶ πάντα ὑβριστὴν . . . ἐπὶ πάντα ὑψηλόν (1, 1)
— 13. ἐπὶ πᾶσαν κέδρον . . . ἐπὶ πᾶν δένδρον (1, 1)
— 14. S R ἐπὶ πᾶν ὑψηλὸν [A B *om.*] ὄρος καὶ ἐπὶ πάντα βουνὸν ὑψηλόν (1, 1)
— 15. ἐπὶ πάντα πύργον ὑψηλὸν καὶ ἐπὶ πᾶν τεῖχος ὑψηλόν (1, 1)
— 16. ἐπὶ πᾶν πλοῖον θαλάσσης καὶ ἐπὶ πᾶσαν θέαν (1, 1)
— 17. ταπεινωθήσεται π. ἄνθρωπος –
— 18. τὰ χειροποίητα πάντα κατακρύψουσιν (3)
4. 3. πάντες οἱ γραφέντες εἰς ζωήν (1)
— 5. π. τόπος τοῦ ὄρους Σιὼν καὶ πάντα τὰ περικύκλῳ . . . πάσῃ τῇ δόξῃ [A *add.* κυρίου] σκεπασθήσεται (1, –, 1)
5. 25. ἐν πᾶσι τούτοις οὐκ ἀπεστράφη (1)
6. 3. πλήρης πᾶσα ἡ γῆ (1)
7. 19. ἐλεύσονται πάντες . . . εἰς [A S ἐπὶ] πᾶσαν ῥαγάδα [A S *add.* καὶ ἐν παντὶ ξύλῳ] (1 *ter*)
— 22. π. ὁ καταλειφθείς (1)
— 23. π. τόπος οὗ ἐὰν ὦσι χίλιαι ἄμπελοι (1)
— 24. χέρσος καὶ ἄκανθα ἔσται πᾶσα ἡ γῆ (1)
— 25. πᾶν ὄρος ἀροτριώμενον ἀροτριαθήσεται (1)
8. 7. ἀναβήσεται ἐπὶ πᾶσαν φάραγγα ὑμῶν καὶ περιπατήσει ἐπὶ πᾶν τεῖχος ὑμῶν (1, 1)
— 12. πᾶν γὰρ ὃ ἐὰν εἴπῃ ὁ λαὸς οὗτος (1)
9. 5 (4). πᾶσαν στολὴν . . . ἀποτίσουσι (1)
— 9 (8). γνώσονται π. ὁ λαὸς τοῦ Ἐφραΐμ (1)
— 12 (11). ἐπὶ τούτοις πᾶσι οὐκ ἀπεστράφη ὁ θυμός (1)
— 17 (16). πάντες ἄνομοι καὶ πονηροὶ καὶ πᾶν στόμα λαλεῖ ἄδικα· ἐπὶ πᾶσι τούτοις οὐκ ἀπεστράφη ὁ θυμός (1 *ter*)
— 18 (17). συγκαταφάγεται τὰ κύκλῳ τῶν βουνῶν πάντα –
— 21 (20). ἐπὶ τούτοις πᾶσιν οὐκ ἀπεστράφη ὁ θυμός (1)
10. 4. ἐπὶ πᾶσι τούτοις οὐκ ἀπεστράφη ἡ ὀργή [A S ὁ θυμός] (1)
— 10. πάσας τὰς ἀρχὰς [A χώρας] λήψομαι –
— 12. ὅταν συντελέσῃ κύριος πάντα [S¹ πᾶν] ποιῶν (1)
12. 5. ἀναγγείλατε ταῦτα ἐν πάσῃ τῇ γῇ (1)
13. 5. καταφθεῖραι πᾶσαν τὴν οἰκουμένην [A S τ. οἰ. ὅλην] (1)
— 7. πᾶσα χεὶρ [A π. χεῖρες] ἐκλυθήσεται καὶ πᾶσα ψυχὴ ἀνθρώπου δειλιάσει (1, 1)
— 10. ὁ Ὠρίων καὶ π. ὁ κόσμος [S¹ οἶκος] τοῦ οὐρανοῦ –
14. 7. πᾶσα ἡ γῆ βοᾷ (1)
— 9. συνηγέρθησάν σοι π. οἱ γίγαντες . . . οἱ ἐγείραντες ἐκ τῶν θρόνων αὐτῶν πάντας [S -ες] βασιλεῖς ἐθνῶν (1, 1)
— 10. πάντες ἀποκριθήσονται (1)
— 12. ὁ ἀποστέλλων πρὸς πάντα τὰ ἔθνη –
— 18. πάντες οἱ βασιλεῖς τῶν ἐθνῶν ἐκοιμήθησαν (1)
— 26. ἡ χεὶρ ἡ ὑψηλὴ ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη (1)
— 29. πάντες οἱ ἀλλόφυλοι (1)
— 31. οἱ ἀλλόφυλοι πάντες (1)
15. 2. ἐπὶ πάσης κεφαλῆς φαλάκρωμα πάντες βραχίονες κατατετμημένοι (1, 1)
— 3. πάντες ὁλολύζετε μετὰ κλαυθμοῦ (1)
16. 3. διὰ παντὸς ἐν μεσημβρινῇ σκοτίᾳ †
— 7. ἐν γὰρ τῇ Μωαβίτιδι πάντες [S ἅπ.] ὁλολύξουσι (1)
— 9. πάντα πεσοῦνται –
— 14. παντὶ [A S ἐν π.] τῷ πλούτῳ τῷ πολλῷ (1)
18. 2. νῦν οἱ ποταμοὶ τῆς γῆς πάντες –
— 6. πάντα τὰ θηρία τῆς γῆς ἐπ' αὐτὸν ἥξει (1)
19. 6. ξηρανθήσεται πᾶσα συναγωγὴ ὕδατος καὶ ἐν παντὶ ἕλει καλάμου –, –
— 7. τὸ ἄχι τὸ χλωρὸν πᾶν τὸ κύκλῳ τοῦ ποταμοῦ καὶ πᾶν [B¹ *om.*] τὸ σπειρόμενον (–, 1)
— 8. στενάξουσι π. οἱ βάλλοντες ἄγκιστρον (1)
— 10. πάντες οἱ ποιοῦντες τὸν ζύθον λυπηθήσονται (1)
— 14. ἐπλάνησαν Αἴγυπτον ἐν π. τοῖς ἔργοις αὐτῶν (1)
— 17. π. ὃς ἐὰν ὀνομάσῃ αὐτήν (1)
21. 8. ἔστην διὰ παντὸς ἡμέρας (8 *g*)
Is. 21. 9. πέπτωκε Βαβυλὼν καὶ π. τὰ ἀγάλματα αὐτῆς [S¹ *al.*] (1)
22. 1. ἀνέβητε πάντες εἰς δώματα μάταια (1)
— 3. πάντες οἱ ἄρχοντές σου πεφεύγασι (1)
— 24. ἔσται πεποιθὼς ἐπ' αὐτὸν π. ἔνδοξος (1)
23. 9. παραλῦσαι πᾶσαν [A *om.*] τὴν ὕβριν τῶν ἐνδόξων καὶ ἀτιμάσαι πᾶν ἔνδοξον (1, 1)
— 17. ἔσται ἐμπόριον π. ταῖς [S¹ *om.*] βασιλείαις (1)
— 18. τοῖς κατοικοῦσιν ἔναντι κυρίου π. ἡ ἐμπορία αὐτῆς –
24. 1. S¹ διασπερεῖ τοὺς π. [A B S² *om.*] ἐνοικοῦντας ἐν αὐτῇ –
— 7. στενάξουσι πάντες οἱ εὐφραινόμενοι (1)
— 10. ἠρημώθη [S *add.* ὅλη ἡ γῆ] πᾶσα πόλις –
— 11. R πέπαυται πᾶσα εὐφροσύνη . . . ἀπῆλθε πᾶσα εὐφροσύνη [A B S *om.* ἀ. π. εὐ.] (1, –)
— 13. ταῦτα πάντα ἔσονται ἐν τῇ γῇ –
25. 4. ἐγένου γὰρ πάσῃ πόλει ταπεινῇ βοηθός –
— 6. ποιήσει κύριος σαβαὼθ π. τοῖς ἔθνεσιν (1)
— 7. παράδος ταῦτα πάντα τοῖς ἔθνεσιν ἡ γὰρ βουλὴ αὕτη ἐπὶ π. τὰ ἔθνη (1, 1)
— 8. ἀφεῖλε . . . πᾶν δάκρυον ἀπὸ παντὸς προσώπου· τὸ ὄνειδος τοῦ λαοῦ ἀφεῖλεν ἀπὸ π. τῆς γῆς (–, 1, 1)
26. 10. π. ὃς [A S³ *om.* π. ὃς] οὐ μὴ μάθῃ δικαιοσύνην –
— 12. πάντα γὰρ ἀπέδωκας ἡμῖν (1)
— 14. ἥρας πᾶν ἄρσεν αὐτῶν (1)
— 15. A S πρόσθες κακὰ πᾶσιν [B *om.*] τοῖς ἐνδόξοις τῆς γῆς (1)
— 18. πεσοῦνται πάντες [A S *om.*] οἱ ἐνοικοῦντες ἐπὶ τῆς γῆς –
27. 4. ἐποίησε κύριος πάντα –
— 9. ὅταν θῶσι π. τοὺς λίθους τῶν βωμῶν (1)
— 11. οὐκ ἔσται ἐν αὐτῇ πᾶν χλωρόν –
28. 22. ἃ ποιήσει ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν (1)
29. 7. A ὁ πλοῦτος τῶν ἐθνῶν π. [B S *al.*] (1)
— 7. πάντες οἱ στρατευόμ. ἐπὶ Ἱερ. καὶ π. οἱ συνηγμένοι ἐπ' αὐτήν (1, –)
— 8. οὕτως ἔσται ὁ πλοῦτος π. τῶν ἐθνῶν (1)
— 11. ἔσται ὑμῖν τὰ ῥήματα πάντα ταῦτα (1)
— 21. π. δὲ τοὺς ἐλέγχοντας ἐν πύλαις πρόσκομμα θήσουσιν –
30. 18. A μακάριοι π. [B S *om.*] οἱ ἐμμένοντες ἐν αὐτῷ (1)
— 25. ἔσται ἐπὶ παντὸς ὄρους ὑψηλοῦ καὶ ἐπὶ παντὸς βουνοῦ μετεώρου ὕδωρ (1, 1)
— 29. μὴ διὰ παντὸς δεῖ ὑμᾶς εὐφραίνεσθαι –
— 29. εἰσπορεύεσθαι εἰς τὰ ἅγιά μου διὰ παντός –
31. 3. ἅμα πάντες ἀπολοῦνται (1)
32. 13. ἐκ πάσης οἰκίας εὐφροσύνη ἀρθήσεται (1)
— 20. μακάριοι οἱ σπείροντες ἐπὶ πᾶν ὕδωρ (1)
34. 2. θυμὸς κυρίου ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη (1)
— 4. B τακήσονται π. αἱ δυνάμεις (1)
— 4. πάντα τὰ ἄστρα πεσεῖται (1)
36. 6. πάντες οἱ πεποιθότες ἐπ' αὐτῷ (1)
— 20. τίς τῶν θεῶν πάντων [S *om.*] τῶν ἐθνῶν τούτων (1)
37. 11. πᾶσαν τὴν γῆν ὡς ἀπώλεσαν (1)
— 16. σὺ εἶ ὁ θεὸς μόνος πάσης βασιλείας τῆς οἰκουμένης (1)
— 20. ἵνα γνῷ πᾶσα βασιλεία τῆς γῆς (1)
— 25. ἠρήμωσα . . . πᾶσαν συναγωγὴν ὕδατος (1)
— 36. εὗρον πάντα τὰ σώματα νεκρά (1)
38. 13. συνέτριψε πάντα [A S *om.*] τὰ ὀστᾶ μου (1)
— 17. ἀπέρριψας ὀπίσω μου π. τὰς ἁμαρτίας (1)
— 20. πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς μου (1)
39. 2. ἔδειξεν . . . πάντας τοὺς οἴκους . . . καὶ πάντα ὅσα ἦν ἐν τοῖς θησαυροῖς αὐτοῦ (1, 1)
— 2. R ἐν πάσῃ τῇ ἐξουσίᾳ αὐτοῦ (1)
— 4. πάντα τὰ ἐν τῷ οἴκῳ μου εἴδοσαν (1)
— 6. λήψονται πάντα τὰ ἐν τῷ οἴκῳ σου (1)
40. 4. πᾶσα φάραγξ πληρωθήσεται καὶ πᾶν ὄρος . . . ταπεινωθήσεται (1, 1)
— 4. ἔσται πάντα [A *om.*] τὰ σκολιὰ εἰς εὐθεῖαν –
— 5. ὄψεται πᾶσα σὰρξ τὸ σωτήριον τοῦ θεοῦ (1)
— 6. πᾶσα σὰρξ χόρτος καὶ πᾶσα δόξα ἀνθρώπου (1, 1)
— 12. καὶ πᾶσαν τὴν γῆν δρακί (1)
— 15. εἰ πάντα τὰ ἔθνη ὡς σταγών –
— 16. πάντα τὰ τετράποδα οὐχ ἱκανά –
— 17. πάντα τὰ ἔθνη ὡς οὐδὲν εἰσι (1)

Is. 40. 26. *τίς κατέδειξε πάντα ταῦτα* –
— 26. *πάντας* [A -α] *ἐπ' ὀνόματι καλέσει ἀπὸ πολλῆς* [S¹ *πάσης*] *δόξης* (1, †)
41. 11. *ἐντραπήσονται πάντες οἱ ἀντικείμενοί σοι* (1)
— 11. *ἀπολοῦνται πάντες οἱ ἀντίδικοί σου* –
— 20. A S³ *χεὶρ κυρίου ἐποίησε ταῦτα πάντα* [B S¹ *om.*] –
42. 15. B *πάντα χόρτον αὐτῶν ξηρανῶ* (1)
43. 7. *πάντας* [S -ες] *ὅσοι ἐπικέκληνται τῷ ὀνόματί μου* (1)
— 9. *πάντα τὰ ἔθνη συνήχθησαν* (1)
— 14. *ἐπεγερῶ φεύγοντας πάντας* (1)
44. 9. A S² R *πάντες μάταιοι* [B S¹ -α] (1)
— 10. A S¹ *πάντες* [B S² *om.*] *οἱ πλάσσοντες θεόν* –
— 10. *γλύφοντες πάντες* [A S *om.*] *ἀνωφελῆ* –
— 11. *πάντες ὅθεν ἐγένοντο ἐξηράνθησαν* (1)
— 11. *συναχθήτωσαν πάντες* (1)
— 23. *πάντα τὰ ξύλα τὰ ἐν αὐτοῖς* (1)
— 24. *ἐγὼ κύριος ὁ συντελῶν πάντα* [A *ταῦτα*] (1)
— 28. *πάντα τὰ θελήματά μου ποιήσει* (1)
45. 7. *ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὁ ποιῶν πάντα ταῦτα* (1)
— 12. *ἐγὼ π. τοῖς ἄστροις ἐνετειλάμην* (1)
— 13. *πᾶσαι αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ εὐθεῖαι* (1)
— 16. *ἐντραπήσονται π. οἱ ἀντικείμενοι αὐτῷ* (1)
— 24 (23). *ἐμοὶ κάμψει πᾶν γόνυ* (1)
— 24 (23). *ὀμεῖται* [A *ἐξομολογήσεται*] *πᾶσα γλῶσσα* (1)
— 25 (24). *αἰσχυνθήσονται π. οἱ διορίζοντες* [A S² *ἀφορ.*] *αὐτούς* (1)
— 26 (25). *ἐνδοξασθήσεται π. τὸ σπέρμα τῶν υἱῶν Ἰσραήλ* (1)
46. 3. *πᾶν τὸ κατάλοιπον τοῦ Ἰσραήλ* (1)
— 10. *πᾶσά μου ἡ βουλὴ στήσεται καὶ πάντα ὅσα βεβούλευμαι ποιήσω* (–, 1)
47. 14. *πάντες ὡς φρύγανα ἐπὶ πυρὶ κατακαυθήσονται* –
48. 6. *ἠκούσατε πάντα* (1)
— 14. *συναχθήσονται πάντες* (1)
49. 9. *ἐν πάσαις ταῖς ὁδοῖς βοσκηθήσονται* –
— 9. *ἐν πάσαις ταῖς* [B¹ *om.*, B² *πᾶσιν τοῖς*] *τρίβοις ἡ νομὴ αὐτῶν* (1)
— 11. *θήσω πᾶν ὄρος εἰς ὁδὸν καὶ πᾶσαν* [S¹ *πάντα*] *τρίβον εἰς βόσκημα αὐτοῖς* (1, –)
— 16. *ἐνώπιόν μου εἶ διὰ παντός* (8 *g*)
— 18. *ἴδε πάντας* (1)
— 18. *πάντας αὐτοὺς ὡς κόσμον* [A S *om.* *ὡς κ.*] *ἐνδύσῃ* (1)
— 26. *αἰσθανθήσεται πᾶσα σάρξ* (1)
50. 9. *πάντες ὑμεῖς ὡς ἱμάτιον παλαιωθήσεσθε* (1)
— 11. *πάντες ὑμεῖς πῦρ καίετε* (1)
51. 3. *παρεκάλεσα π. τὰ ἔρημα αὐτῆς* (1)
— 13. *ἐφόβου ἀεὶ πάσας τὰς ἡμέρας* (1)
— 18. *ἀπὸ π. τῶν τέκνων σου . . . οὐδὲ ἀπὸ π. τῶν υἱῶν σου* (1, 1)
— 20. *οἱ καθεύδοντες ἐπ' ἄκρου πάσης ἐξόδου* (1)
52. 5. *δι' ὑμᾶς διὰ παντὸς τὸ ὄνομά μου βλασφημεῖται* (8 *g* + 8 *a*)
— 10. *ἐνώπιον π. τῶν ἐθνῶν καὶ ὄψονται πάντα* [A S³ *add.* *τὰ*, S¹ *τὰ ἔθνη τὰ*] *ἄκρα τῆς γῆς* (1, 1)
53. 3. A S *παρὰ πάντας* [B *om.*] *ἀνθρώπους* [B S *τοὺς υἱοὺς τῶν ἀ.*] –
— 6. *πάντες ὡς πρόβατα ἐπλανήθημεν* (1)
54. 5. *θεὸς Ἰσραὴλ π. τῇ γῇ κληθήσεται* (1)
— 13. *π. τοὺς υἱούς σου διδακτοὺς θεοῦ* (1)
— 17. *πᾶν σκεῦος σκευαστόν* [A *φθαρτόν*] (1)
— 17. *πᾶσα φωνὴ* [A S³ *add.* *ἡ*] *ἀναστήσεται ἐπὶ σὲ εἰς κρίσιν πάντας* [S¹ *καὶ π.*] *αὐτοὺς ἡττήσεις* (1, –)
55. 12. *πάντα τὰ ξύλα τοῦ ἀγροῦ ἐπικροτήσει* (1)
56. 6. *π. τοὺς φυλασσομένους τὰ σάββατά μου* (1)
— 7. *οἶκος προσευχῆς κληθήσεται π. τοῖς ἔθνεσιν* (1)
— 9 *bis.* *πάντα τὰ θηρία* (1)
— 10. *ἐκτετύφλωνται πάντες* (1)
— 10. A B² S *πάντες* [B¹ R *om.*] *κύνες ἐνεοί* (1)
— 11. *πάντες* [A S³ *add.* *ἐν*] *ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν ἐξηκολούθησαν* (1)
57. 13. *τούτους γὰρ πάντας ἄνεμος λήψεται* (1)
— 16. *οὐδὲ διὰ παντὸς ὀργισθήσομαι ὑμῖν* (8 *c*)
— 16. *πνοὴν πᾶσαν ἐγὼ ἐποίησα* –
58. 3. *π. τοὺς ὑποχείριους ὑμῶν ὑπονύσσετε* (1)
— 6. *λῦε πάντα σύνδεσμον ἀδικίας* –
— 6. *πᾶσαν συγγραφὴν ἄδικον διάσπα* (1)
— 10 (11). *ἔσται ὁ θεός σου μετὰ σοῦ διὰ παντός* (8 *g*)
Is. 60. 4. *ἥκασι πάντες οἱ υἱοί σου μακρόθεν* (1)
— 6. *πάντες ἐκ Σαβὰ ἥξουσι* (1)
— 7. *π. τὰ πρόβατα Κηδὰρ συναχθήσονται* (1)
— 11. *ἀνοιχθήσονται αἱ πύλαι σου διὰ παντός* (8 *g*)
— 21. *ὁ λαός σου π. δίκαιος* (1)
61. 2. *παρακαλέσαι πάντας τοὺς πενθοῦντας* (1)
— 9. *π. ὁ ὁρῶν αὐτοὺς ἐπιγνώσεται αὐτούς* (1)
— 11. *ἀγαλλίαμα ἐναντίον πάντων τῶν ἐθνῶν* (1)
63. 7. *ἐν πᾶσιν οἷς ἡμῖν ἀνταποδίδωσι* (1)
— 9. *ἐγένετο αὐτοῖς εἰς σωτηρίαν ἐκ πάσης θλίψεως αὐτῶν* [A *om.*] (1)
— 9. *πάσας τὰς ἡμέρας τοῦ αἰῶνος* (1)
64. 6 (5). *ἐγενήθημεν ὡς ἀκάθαρτοι πάντες ἡμεῖς ὡς ῥάκος ἀποκαθημένης πᾶσα ἡ δικαιοσύνη ἡμῶν* (1, 1)
— 8 (7). *ἔργα τῶν χειρῶν σου πάντες* (1)
— 9 (8). *λαός σου πάντες* (1)
— 11 (10). *πάντα* [A S *add.* *τὰ*] *ἔνδοξα ἡμῶν συνέπεσε* (1)
— 12 (11). *ἐπὶ πᾶσι τούτοις ἀνέσχου* –
65. 3. *ὁ παροξύνων με ἐναντίον ἐμοῦ διὰ παντός* [S¹ *om.* *δ. π.*] (8 *g*)
— 4. *μεμολυμμένα πάντα τὰ σκεύη αὐτῶν* –
— 5. *πῦρ καίεται ἐν αὐτῷ πάσας τὰς ἡμέρας* (1)
— 8. *οὐ μὴ ἀπολέσω πάντας* (1)
— 12. *πάντες ἐν* [S *om.*] *σφαγῇ πεσεῖσθε* (1)
66. 2. *πάντα γὰρ ταῦτα ἐποίησεν ἡ χείρ μου καὶ ἔστιν ἐμὰ πάντα ταῦτα* (1, 1)
— 10. *πάντες οἱ ἀγαπῶντες αὐτήν* [A S² *al.*] (1)
— 10. *πάντες ὅσοι πενθεῖτε ἐπ' αὐτῇ* (1)
— 16. *κριθήσεται* [A *καταναλωθ.*] *πᾶσα ἡ γῆ καὶ ἐν τῇ ῥομφαίᾳ αὐτοῦ πᾶσα σάρξ* (–, 1)
— 18. *ἔρχομαι συναγαγεῖν πάντα τὰ ἔθνη* (1)
— 20. *ἄξουσι τοὺς ἀδελφοὺς ὑμῶν ἐκ πάντων τῶν ἐθνῶν* (1)
— 23. *ἥξει πᾶσα σὰρξ τοῦ προσκυνῆσαι* (1)
— 24. *ἔσονται εἰς ὅρασιν πάσῃ σαρκί* (1)
Je. 1. 7. *πρὸς πάντας . . . κατὰ πάντα* (1, 1)
— 14. *ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν* (1)
— 15. *συγκαλῶ πάσας τὰς βασιλείας* (1)
— 15. *ἐπὶ πάντα τὰ τείχη τὰ κύκλῳ αὐτῆς καὶ ἐπὶ πάσας τὰς πόλεις Ἰούδα* (1, 1)
— 16. *περὶ πάσης τῆς κακίας αὐτῶν* (1)
— 17. *εἰπὸν* [A S *add.* *πρὸς αὐτοὺς*] *πάντα* (1)
— 18. *ὀχυρὸν* [S *ἰσχ.*] *πᾶσι* [A S *ἅπ.*] *τοῖς βασιλεῦσιν Ἰούδα* (1 ?)
2. 3. *πάντες οἱ ἔσθοντες αὐτὸν πλημμελήσουσι* (1)
— 4. *πᾶσα πατριὰ οἴκου Ἰσραήλ* (1)
— 20. A R *ἐπὶ πάντα* [B S *πᾶν*] *βουνὸν ὑψηλὸν καὶ ὑποκάτω παντὸς ξύλου κατασκίου* (1, 1)
— 21. *ἐφύτευσά σε ἄμπελον καρποφόρον πᾶσαν ἀληθινήν* (1)
— 24. *πάντες οἱ ζητοῦντες αὐτὴν οὐ κοπιάσουσιν* (1)
— 29. *πάντες ὑμεῖς ἠσεβήσατε καὶ πάντες ὑμεῖς* [A *om.* *ἡ. κ. π. ὑ.*] *ἠνομήσατε* (1, –)
— 34. *ἐπὶ* [A *ἐν*] *πάσῃ δρυΐ* (1)
3. 3. *ἀπηναισχύντησας πρὸς πάντας* †
— 6. *ἐπὶ πᾶν ὄρος ὑψηλὸν καὶ ὑποκάτω παντὸς ξύλου ἀλσώδους* (1, 1)
— 7. *μετὰ τὸ πορνεῦσαι αὐτὴν ταῦτα πάντα* (1)
— 8. *περὶ πάντων ὧν κατελήφθη* (1)
— 10. *ἐν πᾶσι τούτοις οὐκ ἐπεστράφη* [A *ἀπ.*] (1)
— 13. *ὑποκάτω παντὸς ξύλου ἀλσώδους* (1)
— 17. *συναχθήσονται πάντα τὰ ἔθνη εἰς αὐτήν* (1)
— 18. *ἥξουσιν . . . ἀπὸ πασῶν τῶν χωρῶν* –
4. 20. *τεταλαιπώρηκε πᾶσα ἡ γῆ* (1)
— 24. *εἶδον . . . πάντας τοὺς βουνοὺς ταρασσομένους* (1)
— 25. *πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ ἐπτοεῖτο* (1)
— 26. *πᾶσαι αἱ πόλεις ἐμπεπυρισμέναι* (1)
— 27. *ἔρημος ἔσται πᾶσα ἡ γῆ* (1)
— 29. *ἀνεχώρησε πᾶσα χώρα* (1)
— 29. *πᾶσα πόλις ἐγκατελείφθη* (1)
5. 6. *πάντες οἱ ἐκπορευόμενοι ἀπ' αὐτῶν θηρευθήσονται* (1)
— 16. *πάντες ἰσχυροί* (1)
— 19. *τίνος ἕνεκεν ἐποίησε . . . ἡμῖν πάντα* [A S *ἅπ.*] *ταῦτα* (1)
6. 7. *ταλαιπωρία ἀκουσθήσεται . . . διὰ παντός* (8 *g*)
— 13. *πάντες συνετελέσαντο* [A -σαν] *ἄνομα* (1)
— 13. *πάντες ἐποίησαν ψευδῆ* (1)
— 28. *πάντες ἀνήκοοι . . . πάντες διεφθαρμένοι εἰσίν* (1, 1)
Je. 7. 2. *πᾶσα ἡ Ἰουδαία* (1)
— 10. *τοῦ μὴ ποιεῖν πάντα τὰ βδελύγματα* [S¹ *om.* *τὰ βδ.*] *ταῦτα* [A¹ *πάντα*] (1, †)
— 13. *ἐποιήσατε πάντα τὰ ἔργα ταῦτα* (1)
— 15. *πᾶν* [S² *ἅπαν*] *τὸ σπέρμα Ἐφραίμ* (1)
— 20. A *ἐπὶ πᾶν ξύλον τοῦ ἀγροῦ αὐτῶν καὶ ἐπὶ π.* [B S *om.*] *τὰ γεννήμ. αὐ.* –, –
— 23. *πορεύεσθε ἐν π.* [S *om.*] *ταῖς ὁδοῖς μου* (1)
— 25. *ἐξαπέστειλα πρὸς ὑμᾶς πάντας τοὺς δούλους μου* (1)
— 33. A *εἰς κατάβρωμα πᾶσιν* [B S *εἰς βρῶσιν*] *τοῖς πετεινοῖς* –
— 34. *εἰς ἐρήμωσιν* [S -μον] *ἔσται πᾶσα ἡ γῆ* –
8. 2. *πρὸς πάντας τοὺς ἀστέρας καὶ πρὸς πᾶσαν τὴν στρατιὰν τοῦ οὐρανοῦ* (–, 1)
— 3. *πᾶσι τοῖς καταλοίποις . . . ἐν παντὶ τόπῳ* (1, 1)
— 16. *ἐσείσθη* [A *add.* *ἀπ' αὐτοῦ*] *πᾶσα ἡ γῆ* (1)
9. 2 (1). *πάντες μοιχῶνται* (1)
— 4 (3). *π. ἀδελφὸς πτέρνῃ πτερνιεῖ καὶ π. φίλος δολίως πορεύσεται* (1, 1)
— 25 (24). *ἐπισκέψομαι ἐπὶ πάντας περιτετμημένους* (1)
— 26 (25). A *ἐπὶ πάντας τοὺς* [B S *om.* *π. τ.*] *υἱ. Ἀμμών* –
— 26 (25). *ἐπὶ πάντα* [A S¹ *πᾶν*] *περικειρόμενον* (1)
— 26 (25). *πάντα τὰ ἔθνη ἀπερίτμητα σαρκὶ καὶ π.* [S *π. ὁ*] *οἶκος Ἰσραὴλ ἀπερίτμητοι* [A S -ος] (1, 1)
10. 9. *ἔργα τεχνιτῶν πάντα* (1)
— 14. *ἐμωράνθη π. ἄνθρωπος . . . κατῃσχύνθη π. χρυσοχόος* (1, 1)
— 16. *ὁ πλάσας τὰ π. αὐτὸς κληρονομία αὐτοῦ* (1)
— 20. *πᾶσαι αἱ δέρρεις σου διεσπάσθησαν* (1)
— 21. *οὐκ ἐνόησε πᾶσα ἡ νομή* (1)
11. 4. *ποιήσατε πάντα* (1)
12. 1. *εὐθήνησαν πάντες οἱ ἀθετοῦντες* (1)
— 4. *πᾶς ὁ χόρτος τοῦ ἀγροῦ* [A *π. χ.*] *ξηρανθήσεται* (1 ?)
— 9. *συναγάγετε πάντα τὰ θηρία τοῦ ἀγροῦ* (1)
— 11. *ἠφανίσθη πᾶσα ἡ γῆ* (1)
— 12. *ἐπὶ πᾶσαν διεκβολὴν ἐν τῇ ἐρήμῳ ἦλθον* (1)
— 12. *οὐκ ἔστιν εἰρήνη πάσῃ σαρκί* (1)
— 14. *περὶ πάντων τῶν γειτόνων τῶν πονηρῶν* (1)
13. 11. A S² R *ἐκόλλησα πρὸς ἐμαυτὸν . . . πάντα* [B S¹ *πᾶν*] *οἶκον* [A *τὸν οἶ.*] *Ἰ.* (1)
— 12 *bis.* *π. ἀσκὸς πληρωθήσεται οἴνου* (1)
— 13. *πληρῶ . . . πάντας τοὺς κατοικοῦντας* [A *καθημένους*] *ἐν Ἱερ.* (1)
14. 22. *ἐποίησας πάντα ταῦτα* (1)
15. 4. *παραδώσω αὐτοὺς . . . πάσαις ταῖς βασιλείαις τῆς γῆς* (1)
— 4. *περὶ πάντων ὧν ἐποίησεν* –
— 10. R *διακρινόμενον πάσῃ* [B S *ἐν π.*, A *om.*] *τῇ γῇ* (1)
— 13. *διὰ πάσας τὰς ἁμαρτίας* [A *κακίας*] *σου καὶ ἐν πᾶσι τοῖς ὁρίοις σου* (1, 1)
16. 10. A S *ὅταν ἀπαγγείλῃς . . . πάντα* [B *ἅπ.*] *τὰ ῥήματα τ.* (1)
— 15. *ἀνήγαγε . . . ἀπὸ πασῶν τῶν χωρῶν* (1)
— 16. *ἐπάνω π. ὄρους καὶ ἐπάνω π. βουνοῦ* (1, 1)
— 17. *οἱ ὀφθαλμοί μου ἐπὶ π. τὰς ὁδοὺς αὐ.* (1)
— 18. B *ἀνταποδώσω διὰ πάσας* [A S R *διπλᾶς*] *τὰς κακίας αὐ.* †
17. 9. *βαθεῖα ἡ καρδία παρὰ πάντα* (1)
— 13. *πάντες οἱ καταλιπόντες σε καταισχυνθήτωσαν* [S¹ *αἰσχ.*] (1)
— 19. *ἐν πάσαις ταῖς πύλαις Ἱερουσαλήμ* (1)
— 20. *πᾶσα Ἰ. καὶ πᾶσα* [A *om.* *Ἰ. κ. π.*] *Ἱερ.* (1, 1)
— 22. *πᾶν ἔργον οὐ ποιήσετε* (1)
— 24. *τοῦ μὴ ποιεῖν πᾶν ἔργον* (1)
18. 8. *ἀπὸ πάντων τῶν κακῶν αὐτῶν* –
— 8. A S *περὶ π.* [B *om.*] *τῶν κακῶν* –
— 16. *πάντες οἱ διαπορευόμενοι* [A *παραπ.*] *δι' αὐτῆς* (1)
— 18. *ἀκουσόμεθα πάντας τοὺς λόγους αὐτοῦ* (1)
— 23. S *ἔγνως π.* [A B *ἅπ.*] *τὴν βουλὴν αὐ.* (1)
19. 2. *ἀνάγνωθι ἐκεῖ πάντας τοὺς λόγους τούτους* –
— 3. *παντὸς ἀκούοντος αὐτὰ ἠχήσει τὰ ὦτα αὐτοῦ* (1)
— 8. *π. ὁ παραπορευόμενος ἐπ' αὐτῆς* (1)
— 8. *συριεῖ ὑπὲρ πάσης* [S¹ *ταύτης*] *τῆς πληγῆς αὐτῆς* (1)
— 13. *ἐν π. ταῖς οἰκίαις ἐν αἷς ἐθυμίασαν ἐπὶ τῶν δωμάτων αὐ. πάσῃ τῇ στρατιᾷ* (1, 1)

Je. 19. 14. εἶπε πρὸς πάντα τὸν λαόν (1)
— 15. ἐπάγω . . . ἐπὶ πάσας [A S om.] τὰς πόλεις αὐτῆς [A πάσας, S om.] (1)
20. 4. σὺν πᾶσι τοῖς φίλοις σου (1)
— 4. σὲ καὶ πάντα Ἰούδα δώσω εἰς χεῖρας (1)
— 5. δώσω τὴν π. [A π. τ.] ἰσχὺν τῆς πόλεως ταύτης καὶ πάντας τοὺς πόνους αὐτῆς καὶ πάντας τοὺς θησαυρούς (1 ter)
— 6. πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν τῷ οἴκῳ σου (1)
— 6. πάντες οἱ φίλοι σου (1)
— 7. πᾶσαν ἡμέραν διετέλεσα μυκτηριζόμενος (1)
— 8. εἰς χλευασμὸν [S -μα] πᾶσαν ἡμέραν μου (1)
— 10. πάντες ἄνδρες φίλοι αὐτοῦ (1)
21. 2. κατὰ πάντα τὰ θαυμάσια αὐτοῦ (1)
— 6. πατάξω πάντας τοὺς κατοικοῦντας –
— 14. ἔδεται [A κατέδ.] πάντα τὰ κύκλῳ αὐτῆς (1)
22. 20. συνετρίβησαν πάντες οἱ ἐρασταί σου (1)
— 22. πάντας τοὺς ποιμένας σου ποιμανεῖ ἄνεμος (1)
— 22. ἀτιμωθήσῃ ἀπὸ πάντων τῶν φιλούντων σε (1)
23. 3. ἐπὶ [A S ἀπὸ] πάσης τῆς γῆς (1)
— 9. ἐσαλεύθη πάντα τὰ ὀστᾶ μου (1)
— 14. ἐγενήθησάν μοι πάντες ὡς Σόδομα (1)
— 15. ἐξῆλθε μολυσμὸς πάσῃ τῇ γῇ (1)
— 17. καὶ π. τοῖς πορευομ. τοῖς θελήμασιν αὐ. π. τῷ πορευομ. (–, 1)
— 8. R ὃς συνήγαγε π. [A B S ἅπαν] τὸ σπέρμα Ἰσ. –
— 8. A B S² ἀπὸ πασῶν τῶν χωρῶν (1)
24. 9. εἰς πάσας τὰς βασιλείας τῆς γῆς (1)
— 9. εἰς κατάραν ἐν παντὶ τόπῳ (1)
25. 1. ἐπὶ πάντα τὸν λαὸν Ἰούδα (1)
— 2. ABS² ὃν ἐλάλησε πρὸς πάντα τὸν λαὸν Ἰ. (1)
— 9. ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη τὰ κύκλῳ αὐτῆς (1)
— 11. ἔσται πᾶσα ἡ γῆ εἰς ἀφανισμόν (1)
— 13. ἐπάξω . . . πάντας [A ἅπ.] τοὺς λόγους μου (1)
— 13. πάντα τὰ γεγραμμένα ἐν τῷ βιβλίῳ τούτῳ (1)
25. 15 (49. 36). ἐν πᾶσι τοῖς ἀνέμοις τούτοις (1)
26 (46). 28. ποιήσω συντελειαν ἐν παντὶ ἔθνει [B¹ om.] (1)
27 (50). 7. πάντες οἱ εὑρίσκοντες αὐτούς (1)
— 10. πάντες οἱ προνομεύοντες αὐτήν (1)
— 13. ἔσται εἰς ἀφανισμὸν πᾶσα [A add. ἡ γῆ] καὶ π. ὁ διοδεύων . . . σκυθρωπάσει καὶ συριοῦσιν ἐπὶ πᾶσαν τὴν πληγὴν αὐτῆς (1 ter)
— 14. πάντες τείνοντες τόξον (1)
— 21. ποίει κατὰ πάντα (1)
— 23. συνετρίβη ἡ σφῦρα πάσης τῆς γῆς (1)
— 27. ἀναξηράνατε αὐτῆς πάντας τοὺς καρπούς (1)
— 29. παραγγείλατε . . . παντὶ ἐντείνοντι τόξον (1)
— 29. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησε ποιήσατε αὐτῇ (1)
— 30. πάντες οἱ ἄνδρες οἱ πολεμισταὶ αὐτῆς ῥιφήσονται (1)
— 32. καταφάγεται πάντα τὰ κύκλῳ αὐτῆς (1)
— 33. ἅμα πάντες οἱ αἰχμαλωτεύσαντες αὐτούς (1)
— 44. πάντα νεανίσκον ἐπ' αὐτὴν ἐπιστήσω †
28 (51). 3. ἀφανίσατε πᾶσαν τὴν δύναμιν αὐτῆς (1)
— 7. ποτήριον . . . μεθύσκον πᾶσαν τὴν γῆν (1)
— 17. ἐματαιώθη [A ἐμωράνθη] π. ἄνθρωπος (1)
— 17. κατησχύνθη π. χρυσοχόος (1)
— 19. ὁ πλάσας τὰ πάντα αὐτός ἐστι κληρονομία αὐτοῦ (1)
— 24. ἀνταποδώσω . . . πᾶσι τοῖς κατοικοῦσι Χαλδαίοις πάσας τὰς κακίας αὐ. (1, 1)
— 25. τὸ διαφθεῖρον πᾶσαν τὴν γῆν (1)
— 28. ἀναβιβάσατε . . . τὸν βασ. τῶν Μήδων καὶ πάσης τῆς γῆς . . . καὶ π. τοὺς στρατηγοὺς αὐ. [A add. καὶ πάσης τῆς γῆς ἐξουσίας αὐ.] (–, 1, 1)
— 41. τὸ καύχημα πάσης τῆς γῆς (1)
— 49. πεσοῦνται τραυματίαι πάσης τῆς γῆς [S πεσ. καὶ πάντα τὰ ἔθνη] (1)
— 52. ἐν πάσῃ τῇ γῇ αὐτῆς πεσοῦνται τραυματίαι (1)
— 60. ἔγραψεν Ἱερεμίας πάντα τὰ κακὰ . . . πάντας τοὺς λόγους τούτους [A om.] (1, 1)
— 61. ἀναγνώσῃ πάντας τοὺς λόγους τούτους (1)
29 (47). 2. A ἀλαλάξονται πάντες [B S al.] (1)
— 4. τοῦ ἀπολέσαι πάντας τοὺς ἀλλοφύλους (1)
— 4. ἀφανιῶ . . . πάντας τοὺς καταλοίπους τῆς βοηθείας αὐτῶν (1)
29 (49). 13. πᾶσαι αἱ πόλεις αὐτῆς ἔσονται ἔρημοι (1)
— 17. π. ὁ παραπορευόμενος ἐπ' αὐτὴν συριεῖ (1)
30 (49). 5. ἀπὸ πάσης τῆς περιοίκου [A παροίκ.] σου (1)
30. 7 (49. 29). πάντα τὰ σκεύη αὐτῶν . . . λήψονται ἑαυτοῖς (1)

Je. 30. 10 (49. 32). λικμήσω αὐτοὺς παντὶ πνεύματι (1)
— 10 (49. 32). ἐκ παντὸς πέραν [A μέρους] αὐτῶν οἴσω τὴν τροπὴν αὐτῶν (1)
— 15 (49. 26). πάντες οἱ ἄνδρες οἱ πολεμισταί σου πεσοῦνται [A om.] (1)
31 (48). 8. ἥξει ὄλεθρος ἐπὶ πᾶσαν πόλιν (1)
— 9. πᾶσαι αἱ πόλεις αὐτῆς εἰς ἄβατον ἔσονται –
— 17. κινήσατε αὐτῷ πάντες κυκλόθεν αὐτοῦ πάντες ἔκδοτε ὄνομα αὐτοῦ (1, 1)
— 24. ἐπὶ πάσας [S¹ om.] τὰς πόλεις Μωάβ (1)
— 37. π. κεφαλὴν ἐν π. τόπῳ ξυρηθήσονται (1, –)
— 37. καὶ π. πώγων ξυρηθήσεται καὶ π. χεῖρες κόψονται καὶ ἐπὶ π. ὀσφύος σάκκος (1, 1, –)
— 38. ἐπὶ πάντων τῶν δωμάτων Μωάβ (1)
— 39. ἐγκότημα πᾶσι τοῖς κύκλῳ αὐτῆς (1)
32 (25). 15 (13). A ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη (1)
— 15. ποτιεῖς πάντα τὰ ἔθνη (1)
— 19. πάντα τὸν λαὸν αὐτοῦ (1)
— 20. A π. τοὺς συμμίκτους καὶ π. τοὺς βασιλεῖς πάντων τῶν [B S om. π. τ.] ἀλλοφύλων (1, 1, –)
— 22. A πάντας [B S om.] βασιλεῖς Τύρου (1)
— 23. πᾶν περικεκαρμένον [S πάντα περικειρόμενον] (1)
— 24. πάντας τοὺς συμμίκτους (1)
— 25. πάντας βασιλεῖς Αἰλὰμ [A¹ S¹ om. π. β. Αἰ.] καὶ πάντας βασιλεῖς Περσῶν (1, 1)
— 26. πάντας βασιλεῖς ἀπὸ ἀπηλιώτου (1)
— 26. S πάσας [A π. τὰς] βασιλείας αὐ. τὰς ἐπὶ προσώπου π. [AB om.] τῆς γῆς (1, –)
— 29. R ἐπὶ π. [A B S om.] τοὺς καθημ. ἐπὶ τῆς γῆς (1)
— 30. A ἐπὶ π. τοὺς [B S om. π. τ.] καθημ. ἐπὶ τὴν γῆν (1)
— 31. κρίνεται αὐτὸς πρὸς πᾶσαν σάρκα (1)
33 (26). 2. A χρηματεῖς π. [BS ἅπ.] τοῖς Ἰουδαίοις καὶ πᾶσι [S om. κ. π.] τοῖς ἐρχομένοις (1, –)
— 6. εἰς κατάραν π. τοῖς ἔθνεσι π. τῆς γῆς (1, –)
— 7. ἤκουσαν οἱ ἱερεῖς . . . καὶ π. ὁ λαός (1)
— 8. Ἱερεμίου παυσαμένου λαλοῦντος πάντα (1)
— 8. λαλῆσαι παντὶ τῷ λαῷ (1)
— 8. συνελάβοσαν αὐτὸν οἱ ἱερεῖς . . . καὶ π. ὁ λαός (1)
— 9. ἐξεκκλησιάσθη π. ὁ λαός (1)
— 11. εἶπαν . . . παντὶ τῷ λαῷ (1)
— 12. εἶπεν . . . παντὶ τῷ λαῷ (1)
— 12. προφητεῦσαι . . . πάντας τοὺς λόγους (1)
— 15. λαλῆσαι . . . πάντας τοὺς λόγους τούτους (1)
— 16. εἶπαν οἱ ἄρχοντες καὶ π. ὁ λαός (1)
— 17. εἶπαν πάσῃ τῇ συναγωγῇ τοῦ λαοῦ (1)
— 18. εἶπε παντὶ τῷ λαῷ Ἰούδα (1)
— 19. Ἐζεκίας καὶ π. Ἰούδα (1)
— 20. ἐπροφήτευσε . . . κατὰ πάντας τοὺς λόγους (1)
— 21. ἤκουσεν ὁ βασ. Ἰ. καὶ πάντες οἱ ἄρχοντες πάντας τοὺς λόγους αὐτοῦ (1, –)
34 (27). 6. A ἔδωκα τὴν γῆν πᾶσαν [B S om.] (1)
— 12. κατὰ πάντας τοὺς λόγους τούτους (1)
— 16. παντὶ τῷ λαῷ τούτῳ . . . ἐλάλησα (1)
35 (28). 1. κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν ἱερέων καὶ παντὸς τοῦ λαοῦ (1)
— 5. κατ' ὀφθαλμοὺς παντὸς τοῦ λαοῦ (1)
— 6. τοῦ ἐπιστρέψαι . . . πᾶσαν τὴν ἀποικίαν (1)
— 7. εἰς τὰ ὦτα παντὸς τοῦ λαοῦ (1)
— 10. ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς τοῦ λαοῦ –
— 11. κατ' ὀφθαλμοὺς παντὸς [S om.] τοῦ λαοῦ (1)
— 11. ἀπὸ τραχήλων πάντων τῶν ἐθνῶν (1)
— 14. ἐπὶ τὸν τράχηλον πάντων τῶν ἐθνῶν (1)
36 (29). 1. A S καὶ πρὸς π. [B ἅπ.] τὸν λαόν (1)
— 2. ἐξελθόντος Ἰ. . . . καὶ παντὸς ἐλευθέρου –
— 22. ἐν πάσῃ τῇ ἀποικίᾳ [S ἀποκρίσει] Ἰούδα (1)
— 26. γενέσθαι ἐπιστάτην . . . παντὶ ἀνθρώπῳ προφητεύοντι καὶ παντὶ ἀνθρώπῳ μαινομένῳ (1, –)
37 (30). 2. γράψον πάντας τοὺς λόγους (1)
— 6. ἑώρακα πάντα ἄνθρωπον (1)
— 14. πάντες οἱ φίλοι σου ἐπελάθοντό σου (1)
— 14. ἐπὶ πᾶσαν ἀδικίαν σου ἐπλήθυναν αἱ ἁμαρτίαι σου †
— 16. πάντες οἱ ἔσθοντές σε [S οἱ ἐχθροί σου] βρωθήσονται καὶ πάντες οἱ ἐχθροί σου κρέας αὐτῶν πᾶν ἔδονται (1, 1, 1?)
— 16. πάντας τοὺς προνομεύσαντάς σε δώσω [S al.] (1)

Je. 38 (31). 24. ἐν πάσῃ τῇ γῇ [A πάσαις ταῖς πόλεσι, S πάσῃ πόλει] αὐτοῦ (1)
— 25. ἐμέθυσα πᾶσαν ψυχὴν διψῶσαν καὶ πᾶσαν ψυχὴν πεινῶσαν ἐνέπλησα (–, 1)
— 34. πάντες εἰδήσουσί με (1)
— 37. περὶ πάντων ὧν ἐποίησαν (1)
— 36. γενέσθαι ἔθνος . . . πάσας τὰς ἡμέρας (1)
— 40. πάντες ἀσαρημὼθ ἕως νάχαλ Κέδρων (1)
39 (32). 12. A κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν Ἰουδαίων πάντων [B S om.] (1)
— 23. ἐποίησαν συμβῆναι αὐτοῖς πάντα [A ἅπ.] τὰ κακὰ ταῦτα (1)
— 27. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς πάσης σαρκός (1)
— 32. διὰ πάσας τὰς πονηρίας τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ (1)
— 37. συνάγω αὐτοὺς ἐκ πάσης τῆς γῆς (1)
— 39. φοβηθῆναί με πάσας τὰς ἡμέρας (1)
— 41. ἐν πάσῃ καρδίᾳ καὶ ἐν πάσῃ ψυχῇ (1, 1)
— 42. ἐπήγαγον . . . π. τὰ κακὰ τὰ μεγάλα τ. (1)
— 42. ἐπάξω . . . πάντα τὰ ἀγαθά (1)
40 (33). 5. περὶ πασῶν τῶν πονηριῶν αὐτῶν (1)
— 8. καθαριῶ αὐτοὺς ἀπὸ π. τῶν ἀδικιῶν αὐ. (1)
— 9. εἰς μεγαλειότητα παντὶ τῷ λαῷ τῆς γῆς (1)
— 9. οἵτινες ἀκούσονται πάντα τὰ ἀγαθά (1)
— 9. περὶ πάντων τῶν ἀγαθῶν καὶ περὶ πάσης τῆς εἰρήνης (1, 1)
— 11. ἀποστρέψω [S ἐπιστρ.] πᾶσαν τὴν ἀποικίαν τῆς γῆς [A τὴν ἀ. πάσης τῆς γῆς] –
— 12. ἐν πάσαις ταῖς πόλεσιν αὐτοῦ (1)
41 (34). 1. πᾶν τὸ στρατόπεδον αὐτοῦ καὶ πᾶσα ἡ γῆ ἀρχῆς αὐτοῦ ἐπολέμουν . . . ἐπὶ πάσας τὰς πόλεις Ἰούδα (1 ter)
— 6. ἐλάλησεν . . . πάντας τοὺς λόγους τούτους (1)
— 10. ἐπεστράφησαν πάντες οἱ μεγιστᾶνες καὶ π. ὁ λαός (1, 1)
— 17. εἰς διασποραν πάσαις ταῖς βασιλείαις τῆς γῆς (1)
42 (35). 3. ἐξήγαγον [A ἤγ.] . . . πᾶσαν τὴν οἰκίαν Ἀρχαβείν (1)
— 7. πάσας τὰς ἡμέρας [A add. τῆς ζωῆς] ὑμῶν (1)
— 8. πάσας τὰς ἡμέρας [A add. τῆς ζωῆς] ἡμῶν (1)
— 10. ἐποιήσαμεν [A om.] κατὰ πάντα (1)
— 17. B S φέρω ἐπὶ Ἰούδαν . . . πάντα τὰ κακά (1)
— 19. πάσας τὰς ἡμέρας τῆς γῆς (1)
43 (36). 2. γράψον . . . π. τοὺς λόγους (1)
— 2. ἐπὶ Ἰούδα καὶ ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη (1)
— 3. ἀκούσεται ὁ οἶκος Ἰούδα πάντα τὰ [A σὰ] κακά (1)
— 4. ἔγραψεν . . . πάντας τοὺς λόγους κυρίου (1)
— 6. ἐν ὠσὶ παντὸς Ἰούδα [A τοῦ λαοῦ] (1)
— 8. ἐποίησε Βαρουχ κατὰ πάντα (1)
— 9. ἐξεκκλησίασαν νηστείαν . . . π. ὁ λαός (1)
— 10. ἐν ὠσὶ [A εἰς τὰ ὦ.] παντὸς τοῦ λαοῦ (1)
— 11. A ἤκουσε Μ. . . . π. [B S ἅπ.] τοὺς λόγους κυρίου (1)
— 12. ἐκεῖ πάντες οἱ ἄρχοντες ἐκάθηντο . . . καὶ πάντες οἱ ἄρχοντες (1, 1)
— 13. ἀνήγγειλεν αὐτοῖς Μ. π. τοὺς λόγους (1)
— 14. ἀπέστειλαν πάντες οἱ ἄρχοντες (1)
— 16. ὡς ἤκουσαν πάντας τοὺς λόγους (1)
— 16. AS ἀναγγείλωμεν . . . πάντας [B ἅπ.] τοὺς λόγους τούτους (1)
— 17. ποῦ [AS πόθεν] ἔγραψας πάντας [S om.] τοὺς λόγους τούτους (1)
— 18. ἀνήγγειλε μοι Ἱερ. πάντας τοὺς λόγους τούτους (1)
— 20. ἀνήγγειλαν τῷ βασιλεῖ πάντας τοὺς λόγους τούτους (1)
— 21. εἰς τὰ ὦτα πάντων [A om.] τῶν ἀρχόντων (1)
— 23. ἕως ἐξέλιπε π. ὁ χάρτης (1)
— 24. οἱ ἀκούοντες πάντας [A -ες] τοὺς λόγους τούτους (1)
— 27. μετὰ τὸ κατακαῦσαι . . . πάντας τοὺς λόγους –
— 28. γράψον πάντας [A ἅπ.] τοὺς λόγους (1)
— 31. ἐπάξω . . . πάντα τὰ κακά (1)
— 32. S ἔγραψεν . . . π. [A B ἅπ.] τοὺς λόγους (1)
44 (37). 10. ἐὰν πατάξητε π. δύναμιν τῶν Χ. (1)
45 (38). 4. ἐκλύει . . . τὰς χεῖρας παντὸς τοῦ λαοῦ (1)
— 22. πᾶσαι αἱ γυναῖκες . . . ἐξήγοντο (1)
— 27. ἤλθοσαν πάντες οἱ ἄρχοντες (1)
— 27. κατὰ πάντας τοὺς λόγους τούτους (1)
46 (39). 1. παρεγένετο . . . πᾶσα ἡ δύναμις αὐτοῦ (1)
— 3. εἰσῆλθον πάντες οἱ ἡγούμενοι [A S ἡγεμόνες] (1)
47 (40). 5. S εἰς πάντα [A B ἅπ.] τὰ ἀγαθά (1)
— 7. ἤκουσαν πάντες οἱ ἡγεμόνες τῆς δυνάμεως (1)

Je. 47 (40). 11. πάντες οἱ Ἰουδαῖοι οἱ ἐν Μωὰβ . . . καὶ οἱ ἐν π. τῇ γῇ ἤκουσαν (1, 1)
— 13. πάντες οἱ ἡγεμόνες τῆς δυνάμεως . . . ἦλθον (1)
— 15. διασπαρῇ π. Ἰούδα [A -ρήσονται πάντες οἱ Ἰουδαῖοι] (1)
48 (41). 3. ἐπάταξαν . . . πάντας τοὺς Ἰουδαίους . . . καὶ πάντας τοὺς Χ. (1, –)
— 9. ἔρριψεν ἐκεῖ Ἰσμαὴλ πάντας (1)
— 10. ἀπέστρεψεν Ἰσμαὴλ πάντα τὸν λαόν (1)
— 11. ἤκουσαν . . . π. οἱ ἡγεμόνες τῆς δυνάμεως οἱ μετ' αὐτοῦ π. τὰ κακά (1, 1)
— 12. S ἤγαγον π. [AB ἅπαν] τὸ στρατόπεδον αὐ. (1)
— 13. A ἰδον αὐτὸν π. ὁ λαὸς . . . τὸν Ἰ. καὶ π. [B S om.] τοὺς ἡγεμόνας (1, 1)
— 16. ἔλαβεν Ἰ. καὶ π. οἱ ἡγεμόνες τῆς δυνάμεως οἱ μετ' αὐτοῦ π. τοὺς καταλοίπους (1, 1)
49 (42). 1. προσῆλθον πάντες οἱ ἡγεμόνες . . . καὶ π. ὁ λαός (1, 1)
— 5. εἰ μὴ κατὰ πάντα τὸν λόγον (1)
— 8. A ἐκάλεσε . . . π. [B S om.] τοὺς ἡγεμόνας τῆς δυνάμ. καὶ πάντα τὸν λαόν (1, 1)
— 17. ἔσονται πάντες οἱ ἄνθρωποι καὶ πάντες οἱ ἀλλογενεῖς (1, –)
— 20. κατὰ πάντα . . . ποιήσομεν (1)
50 (43). 1. ἐπαύσατο Ἱερ. λέγων . . . π. τοὺς λόγους κυρίου . . . π. τοὺς λόγους τούτους (1, 1)
— 2. εἶπεν Ἀζαρίας . . . καὶ πάντες οἱ ἄνδρες (1)
— 4. οὐκ ἤκουσεν Ἰωάναν καὶ πάντες οἱ ἡγεμόνες τῆς δυνάμεως καὶ π. ὁ λαός (1, 1)
— 5. ἔλαβεν Ἰωάναν καὶ πάντες οἱ ἡγεμόνες τῆς δυνάμεως πάντας [A S ἅπ.] τοὺς καταλοίπους [A S λ.] Ἰούδα (1, 1)
— 6. A καὶ π. [B S om.] τὰς ψυχὰς ἃς κατέλιπε N. (1)
51 (44). 2. ἑωράκατε πάντα τὰ κακά (1)
— 8. εἰς ὀνειδισμὸν ἐν [A om.] πᾶσι τοῖς ἔθνεσι τῆς γῆς (1)
— 12. τοῦ ἀπολέσαι [S πολεμῆσαι] πάντας τοὺς καταλοίπους –
— 15. ἀπεκρίθησαν . . . πάντες [A ἅπ.] οἱ ἄνδρες . . . καὶ πᾶσαι αἱ γυναῖκες συναγωγὴ μεγάλη καὶ π. ὁ λαός (1 *ter*)
— 17. ποιήσομεν πάντα τὸν λόγον (1)
— 18. ἠλαττώθημεν πάντες [A *al.*] (1)
— 20. εἶπεν Ἱερεμίας παντὶ τῷ λαῷ . . . παντὶ τῷ λαῷ (1, 1)
— 26. π. Ἰούδα οἱ καθήμενοι ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1)
— 26. ἐν τῷ στόματι παντὸς Ἰούδα εἰπεῖν, Ζῇ κύριος ἐπὶ πάσῃ γῇ Αἰγ. (2 *a*, 1)
— 27. ἐκλείψουσι π. Ἰούδα (2 *a*)
— 35 (45. 5). ἐπάγω κακὰ ἐπὶ πᾶσαν σάρκα (1)
— 35 (45. 5). εἰς [S *om.*] εὕρεμα ἐν παντὶ τόπῳ (1)
52. 4. ἦλθε Ναβ. . . . καὶ π. ἡ δύναμις αὐ. (1)
— 7. πάντες οἱ ἄνδρες οἱ πολεμισταὶ ἐξῆλθον (1)
— 8. πάντες οἱ παῖδες αὐτοῦ διεσπάρησαν (1)
— 10. πάντας τοὺς ἄρχοντας Ἰούδα ἔσφαξεν (1)
— 13. πάσας τὰς οἰκίας τῆς πόλεως καὶ πᾶσαν οἰκίαν μεγάλην ἐνέπρησεν (1, 1)
— 14. πᾶν τεῖχος [A *add.* ἐν] Ἱερουσαλὴμ κύκλῳ καθεῖλεν (1)
— 18. πάντα τὰ σκεύη τὰ χαλκᾶ . . . ἔλαβεν (1)
— 22. τὰ πάντα χαλκᾶ (1)
— 23. ἦσαν αἱ π. ῥοαὶ ἑκατόν (1)
— 33. ἤσθιεν ἄρτον διὰ παντὸς . . . πάσας τὰς ἡμέρας ἃς ἔζησε (8 *g*, 1)
— 34. ἡ σύνταξις αὐτῷ ἐδίδοτο διὰ παντός (8 *g*)
Ba. 1. 3. ἐν ὡσὶ παντὸς τοῦ λαοῦ
— 4. ἐν ὡσὶ παντὸς τοῦ λαοῦ . . . πάντων τῶν ἐνοικούντων ἐν Βαβυλῶνι
— 7. πρὸς πάντα τὸν λαόν
— 21. κατὰ πάντας τοὺς λόγους τῶν προφητῶν
2. 2. οὐκ ἐποιήθη ὑποκάτω παντὸς τοῦ οὐρανοῦ
— 4. ἔδωκεν αὐτοὺς ὑποχειρίους πάσαις ταῖς βασιλείαις . . . ἐν πᾶσι τοῖς λαοῖς τοῖς κύκλῳ
— 8. πάντα τὰ κακὰ ταῦτα ἃ ἦλθεν ἐφ' ἡμᾶς
— 9. δίκαιος ὁ κύριος ἐπὶ πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ
— 12. ἐπὶ πᾶσι τοῖς δικαιώμασί σου
— 15. ἵνα γνῷ πᾶσα ἡ γῆ ὅτι σὺ κύριος
— 23. ἔσται πᾶσα ἡ γῆ εἰς ἄβατον
— 27. κατὰ πᾶσαν ἐπιείκειάν σου καὶ κατὰ πάντα οἰκτιρμόν σου
3. 7. ἀπεστρέψαμεν . . . πᾶσαν ἀδικίαν πατέρων ἡμῶν
— 8. κατὰ πάσας τὰς [A *om.*] ἀδικίας πατέρων ἡμῶν
— 32. ὁ εἰδὼς τὰ π. γινώσκει αὐτήν
— 36. ἐξεῦρε πᾶσαν ὁδὸν ἐπιστήμης
Ba. 4. 1. πάντες οἱ κρατοῦντες αὐτὴν [A -ῆς] εἰς ζωήν
5. 3. δείξει τῇ ὑπ' οὐρανὸν πάσῃ τὴν σὴν λαμπρότητα
— 7. συνέταξε . . . ταπεινοῦσθαι πᾶν ὄρος ὑψηλόν
— 8. ἐσκίασαν δὲ καὶ οἱ δρυμοὶ καὶ πᾶν ξύλον εὐωδίας
La. 1. 2. ἀπὸ πάντων τῶν ἀγαπώντων αὐτήν (1)
— 2. π. οἱ φιλοῦντες αὐτὴν ἠθέτησαν (1)
— 3. πάντες οἱ καταδιώκοντες [S δ.] αὐτήν (1)
— 4. πᾶσαι αἱ πύλαι αὐτῆς ἠφανισμέναι (1)
— 6. ἐξήρθη [A S¹ -ῆλθεν] . . . πᾶσα ἡ εὐπρέπεια αὐτῆς (1)
— 7. πάντα τὰ ἐπιθυμήματα αὐτῆς (1)
— 8. πάντες οἱ δοξάζοντες αὐτὴν ἐταπείνωσαν αὐτήν (1)
— 10. ἐπὶ πάντα τὰ ἐπιθυμήματα αὐτῆς (1)
— 11. π. ὁ λαὸς αὐτῆς καταστενάζοντες (1)
— 12. οἱ πρὸς ὑμᾶς πάντες παραπορευόμενοι ὁδόν (1)
— 15. ἐξῆρε πάντας τοὺς ἰσχυρούς μου ὁ κύριος (1)
— 18. ἀκούσατε δή, πάντες οἱ [S *om.*] λαοί (1)
— 21. πάντες οἱ ἐχθροί μου ἤκουσαν τὰ κακά μου (1)
— 22. εἰσέλθοι πᾶσα ἡ κακία αὐτῶν (1)
— 22. περὶ πάντων τῶν ἁμαρτημάτων μου (1)
2. 2. πάντα τὰ ὡραῖα Ἰακὼβ καθεῖλεν (1)
— 3. συνέκλασεν . . . πᾶν κέρας Ἰσραήλ (1)
— 3. κατέφαγε πάντα τὰ κύκλῳ –
— 4. ἀπέκτεινε πάντα τὰ [S *om.*] ἐπιθυμήματα (1)
— 5. A κατεπόντισε π. [B S *om.*] τὰς βάρεις αὐ. (1)
— 15. ἐκρότησαν . . . πάντες οἱ παραπορευόμενοι ὁδόν (1)
— 15. στέφανος εὐφροσύνης πάσης τῆς γῆς (1)
— 16. διήνοιξαν ἐπὶ σὲ στόμα αὐ. πάντες οἱ ἐχθροί σου (1)
— 19. ἐπ' ἀρχῆς πασῶν ἐξόδων (1)
— 22. ἐπλήθυνα ἐχθρούς μου πάντας †
3. 14. ἐγενήθην γέλως παντὶ [A π. τῷ] λαῷ μου (1)
— 34. τοῦ ταπεινῶσαι . . . πάντας δεσμίους γῆς (1)
— 46. διήνοιξαν . . . τὸ στόμα αὐτῶν πάντες οἱ ἐχθροὶ ἡμῶν (1)
— 51. παρὰ πάσας θυγατέρας πόλεως (1)
— 52. π. [A *om.*] οἱ ἐχθροί μου δωρεὰν ἐθανάτωσαν –
— 60. εἶδες πᾶσαν τὴν ἐκδίκησιν αὐτῶν εἰς πάντας τοὺς διαλογισμοὺς αὐτῶν (1, 1)
— 61. ἤκουσας . . . πάντας τοὺς διαλογισμοὺς αὐτῶν (1)
4. 1. ἐπ' ἀρχῆς πασῶν ἐξόδων (1)
— 12. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκουμένην (1)
Ep. Je. 25. ἐκ πάσης τιμῆς ἠγορασμένα ἐστίν
— 44. R πάντα τὰ γενόμενα ἐν [A παρ', B *om.*] αὐτοῖς ἐστι ψευδῆ
— 51. τοῖς ἔθνεσι π. τοῖς τε βασ. φανερὸν ἔσται
— 61. ἐν πάσῃ χώρᾳ πνεῖ
— 71. ἐφ' ἧς πᾶν ὄρνεον ἐπικάθηται
Ez. 3. 7. π. ὁ οἶκος Ἰσραὴλ φιλόνεικοί εἰσι (1)
— 8. ἔσται διὰ παντὸς κραταιότερον πέτρας –
— 10. πάντας τοὺς λόγους . . . λάβε εἰς τὴν καρδίαν σου (1)
4. 6. A συντελέσεις αὐτὰ πάντα [B σ. ταῦτα] –
— 14. οὐδὲ εἰσελήλυθεν . . . πᾶν κρέας ἕωλον –
5. 4. ἐρεῖς παντὶ οἴκῳ Ἰσραήλ (1)
— 9. κατὰ πάντα τὰ βδελύγματά σου (1)
— 10. διασκορπιῶ πάντας τοὺς καταλοίπους σου εἰς πάντα ἄνεμον (1, 1)
— 11. ἐμίανας ἐν πᾶσι τοῖς βδελύγμασί [A προσοχθίσμασίν σου καὶ ἐν πᾶσιν τοῖς βδ.] σου (1, 1)
— 12. τὸ τέταρτόν σου εἰς πάντα ἄνεμον σκορπιῶ [A διασπερῶ] αὐτούς (1)
— 14. ἐνώπιον παντὸς διοδεύοντος (1)
6. 6. διασκορπιῶ . . . ἐν πάσῃ τῇ κατοικίᾳ ὑμῶν (1)
— 9. ἐν π. τοῖς βδελύγμασιν αὐτῶν [A *add.* καὶ ἐν π. τοῖς ἐπιτηδεύμασιν αὐτῶν] (1, –)
— 11. εὖγε ἐπὶ πᾶσι τοῖς βδελύγμασιν οἴκου Ἰσραήλ (1)
— 13. ἐπὶ πάντα βουνὸν ὑψηλόν (1)
— 13. A ἐν πάσαις κορυφαῖς τῶν ὀρέων (1)
— 13. A ὑποκάτω πάσης δρυὸς δασείας (1)
— 13. ἔδωκαν ἐκεῖ ὀσμὴν εὐωδίας πᾶσι τοῖς εἰδώλοις αὐτῶν (1)
— 14. ἐκ πάσης τῆς κατοικεσίας [A -κίας] αὐτῶν (1)
7. 9 (8), 7 (3). δώσω ἐπὶ σὲ πάντα τὰ βδελύγματά σου (1)
— 12. A ὀργὴ εἰς πᾶν τὸ πλῆθος αὐτῆς (1)
— 13. A ὅρασις εἰς πᾶν τὸ πλῆθος αὐτῆς οὐκ ἀνακάμψει (1)
— 14. A ἡ ὀργή μου εἰς πᾶν τὸ πλῆθος αὐτῆς (1)
— 16. πάντας ἀποκτενῶ (1)
Ez. 7. 17. πᾶσαι χεῖρες ἐκλυθήσονται καὶ πάντες μηροὶ μολυνθήσονται (1, 1)
— 18. ἐπὶ πᾶν πρόσωπον αἰσχύνη . . . καὶ ἐπὶ πᾶσαν κεφαλὴν φαλάκρωμα (1, 1)
8. 10. A πᾶσα ὁμοίωσις ἑρπετοῦ (1)
— 10. πάντα τὰ εἴδωλα οἴκου Ἰσραήλ (1)
9. 4. ἐπὶ τὰ μέτωπα . . . τῶν κατωδυνωμένων ἐπὶ πάσαις ταῖς ἀνομίαις (1)
— 6. ἐπὶ δὲ πάντας ἐφ' οὓς ἐστι τὸ σημεῖον μὴ ἐγγίσητε (5 *a*)
11. 15. π. ὁ οἶκος τοῦ Ἰσραὴλ συντετέλεσται (1)
— 16. διασκορπιῶ αὐτοὺς εἰς πᾶσαν [A π. τὴν] γῆν –
— 18. ἐξαροῦσι πάντα τὰ βδελύγματα αὐτῆς καὶ πάσας τὰς ἀνομίας αὐτῆς (1, 1)
— 25. ἐλάλησα . . . πάντας τοὺς λόγους τοῦ κυρίου (1)
12. 7. ἐποίησα οὕτως κατὰ πάντα –
— 10. παντὶ οἴκῳ Ἰσραήλ (1)
— 14. πάντας τοὺς κύκλῳ αὐτοῦ . . . καὶ πάντας τοὺς ἀντιλαμβανομένους αὐτοῦ διασπερῶ εἰς πάντα ἄνεμον (1 *ter*)
— 16. ὅπως ἐκδιηγῶνται πάσας [A *om.*] τὰς ἀνομίας αὐτῶν (1)
— 19. ἐν ἀσεβείᾳ γὰρ πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ (1)
— 23. λόγος πάσης ὁράσεως (1)
— 24. οὐκ ἔσται ἔτι πᾶσα ὅρασις ψευδής (1)
— 28. οὐ μὴ μηκύνωσιν οὐκέτι πάντες οἱ λόγοι μου (1)
13. 18. ὑπὸ [A ἐπὶ] πάντα ἀγκῶνα χειρὸς καὶ ποιούσαις ἐπιβόλαια ἐπὶ πᾶσαν κεφαλὴν πάσης ἡλικίας (1, –, 1)
14. 6. ἀποστρέψατε . . . ἀπὸ πασῶν τῶν ἀσεβειῶν ὑμῶν (1)
— 11. ἵνα μὴ μαίνωνται ἔτι ἐν πᾶσι τοῖς παραπτώμασιν αὐτῶν (1)
— 22. AR πάντα τὰ [B² *om.*] κακὰ ἃ ἐπήγαγον ἐπ' αὐτήν (1)
— 23. οὐ μάτην πεποίηκα πάντα (1)
15. 2. ἐκ πάντων τῶν ξύλων τῶν κλημάτων (1)
— 3. τοῦ κρεμάσαι ἐπ' αὐτὸν πᾶν σκεῦος (1)
16. 5. τοῦ ποιῆσαί σοι ἓν ἐκ πάντων τούτων –
— 15. ἐξέχεας τὴν πορνείαν σου ἐπὶ πάντα πάροδον (1)
— 22. τοῦτο παρὰ πᾶσαν τὴν πορνείαν σου (1)
— 23. ἐγένετο μετὰ πάσας τὰς κακίας σου (1)
— 24. ἐποίησας σεαυτῇ ἔκθεμα ἐν πάσῃ πλατείᾳ (1)
— 25. ἐπ' ἀρχῆς πάσης ὁδοῦ [A ἀρχὴν πασῶν ἐξόδων] ᾠκοδόμησας τὰ πορνεῖά σου (1)
— 25. διήγαγες [A ἤγ.] τὰ σκέλη σου παντὶ παρόδῳ (1)
— 30. ἐν τῷ ποιῆσαί σε πάντα ταῦτα [A *om.* π. τ.] ἔργα (1)
— 31. τὸ πορνεῖον ᾠκοδόμησας ἐν πάσῃ ἀρχῇ [A ἐπὶ πάσης ἀρχῆς] ὁδοῦ . . . ἐν πάσῃ πλατείᾳ (1, 1)
— 33. πᾶσι τοῖς ἐκπορνεύσασιν αὐτήν (1)
— 33. δέδωκας μισθώματα [A *om.* δ. μ.] πᾶσι τοῖς ἐρασταῖς σου (1)
— 36. εἰς [A ἐπὶ] πάντα τὰ ἐνθυμήματα τῶν ἀνομιῶν σου (1)
— 37. ἐπισυνάγω πάντας τοὺς ἐραστάς σου . . . καὶ πάντας οὓς ἠγάπησας σὺν πᾶσιν οἷς ἐμίσεις (1 *ter*)
— 37. ὄψονται πᾶσαν τὴν αἰσχύνην σου (1)
— 43. ἐλύπεις με ἐν πᾶσι τούτοις (1)
— 43. ἐποίησας τὴν ἀσέβειαν ἐπὶ π. ταῖς ἀνομίαις σου (1)
— 44. ταῦτά ἐστι πάντα ὅσα εἶπαν κατὰ σοῦ (1)
— 47. ὑπέρκεισαι αὐτὰς ἐν π. ταῖς ὁδοῖς σου (1)
— 51. ἐδικαίωσας τὰς ἀδελφάς σου ἐν π. ταῖς ἀνομίαις σου (1)
— 54. ἀτιμωθήσῃ ἐκ πάντων ὧν ἐποίησας (1)
— 57. ὄνειδος εἶ . . . πάντων τῶν κύκλῳ αὐτῆς (1)
— 63. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησας (1)
17. 9. ξηρανθήσεται π. τὰ προανατέλλοντα αὐτῆς (1)
— 18. πάντα ταῦτα ἐποίησεν αὐτῷ (1)
— 21. A π. φυγαδείας αὐτοῦ [B *om.* π. . . . αὐ.] ἐν πάσῃ τῇ [B *om.*] παρατάξει αὐτοῦ ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται (1, 1)
— 21. τοὺς καταλοίπους εἰς πάντα ἄνεμον διασπερῶ (1)
— 23. ἀναπαύσεται ὑποκάτω αὐτοῦ πᾶν ὄρνεον καὶ πᾶν πετεινὸν [A θηρίον κ. τὰ πετ.] ὑπὸ τὴν σκιὰν αὐτοῦ ἀναπαύσεται (1, 1)

Ez. 17. 24. γνώσονται π. τὰ ξύλα τοῦ πεδίου (1)
18. 4. π. αἱ ψυχαὶ ἐμαί εἰσιν (1)
— 13. π. τὰς ἀνομίας ταύτας ἐποίησε (1)
— 14. ἴδῃ π. τὰς ἁμαρτίας τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (1)
— 19. πάντα τὰ νόμιμά μου συνετήρησε (1)
— 21. ἐὰν ἀποστρέψῃ ἐκ π. τῶν ἀνομιῶν αὐτοῦ . . . καὶ φυλάξῃται π. τὰς ἐντολάς μου (1, 1)
— 22. π. τὰ παραπτώματα αὐτοῦ [A π. αἱ ἀδικίαι] . . . οὐ μνησθήσονται (1)
— 24. ποιῆσαι ἀδικίαν κατὰ π. τὰς ἀνομίας ἃς ἐποίησεν ὁ ἄνομος π. αἱ δικαιοσύναι αὐτοῦ . . . οὐ μὴ μνησθῶσιν (1, 1)
— 25. B ἀκούσατε δὴ π. ὁ [A om., B om. π. ὁ] οἶκος Ἰσραήλ –
— 28. ἀπέστρεψεν ἐκ π. [A π. τῶν] ἀσεβειῶν αὐ. (1)
— 30. ἀποστρέψατε ἐκ π. τῶν ἀσεβειῶν ὑμῶν (1)
— 31. ἀπορρίψατε ἀφ' ἑαυτῶν π. τὰς ἀσεβείας ὑμῶν (1)
— 31. A ποιήσατε πάσας τὰς ἐντολάς μου –
20. 6, 15. κηρίον ἐστὶ παρὰ π. τὴν γῆν (1)
— 26. ἐν τῷ διαπορεύεσθαί με πᾶν διανοῖγον μήτραν (1)
— 28. ἴδον πάντα [A B² πᾶν] βουνὸν ὑψηλὸν καὶ πᾶν ξύλον κατάσκιον (1, 1)
— 31. ἐν π. τοῖς ἐνθυμήμασιν ὑμῶν (1)
— 40. δουλεύσουσί μοι π. οἶκος Ἰσραήλ (1)
— 40. ἐπισκέψομαι . . . ἐν π. τοῖς ἁγιάσμασιν ὑμῶν (1)
— 43. κόψεσθε τὰ πρόσωπα ὑμῶν ἐν π. ταῖς κακίαις ὑμῶν (1)
— 47 (21. 3). A B καταφάγεται ἐν σοὶ πᾶν [B om.] ξύλον χλωρὸν καὶ πᾶν ξύλον ξηρόν (1, 1)
— 47 (21. 3). κατακαυθήσεται ἐν αὐτῇ πᾶν πρόσωπον (1)
— 48 (21. 4). ἐπιγνώσεται πᾶσα σάρξ (1)
21. 4 (9). ἐξελεύσεται τὸ ἐγχειρίδιόν μου . . . ἐπὶ πᾶσαν σάρκα (1)
— 5 (10). ἐπιγνώσεται πᾶσα σάρξ (1)
— 7 (12). θραυσθήσεται πᾶσα καρδία καὶ πᾶσαι χεῖρες παραλυθήσονται καὶ ἐκψύξει πᾶσα σὰρξ καὶ πᾶν πνεῦμα καὶ πάντες μηροὶ μολυνθήσονται (1, 1, –, 1, 1)
— 10 (15). ἀπωθοῦ πᾶν ξύλον (1)
— 12 (17). αὕτη ἐν π. τοῖς ἀφηγουμένοις τοῦ Ἰσραήλ (1)
— 15 (20). A θραυσθήσεται πᾶσα [B μὴ θραυσθῇ ἡ] καρδία –
— 15 (20). πληθυνθῶσιν οἱ ἀσθενοῦντες ἐπὶ πᾶσαν πύλην (1)
— 24 (29). τοῦ ὁραθῆναι ἁμαρτίας ὑμῶν ἐν π. ταῖς ἀσεβείαις ὑμῶν (1)
22. 2. παράδειξον αὐτῇ π. τὰς ἀνομίας αὐτῆς (1)
— 4. εἰς ἐμπαιγμὸν π. ταῖς χώραις (1)
— 18. ἀναμεμιγμένοι πάντες χαλκῷ [A al.] (1)
— 19. A ἀνθ' ὧν ἐγένεσθε πάντες [B om.] εἰς σύγκρασιν μίαν (1)
23. 6. πάντες ἱππεῖς [A¹ -οις] ἱππαζόμενοι (1)
— 7. ἐπίλεκτοι υἱοὶ Ἀσσυρίων πάντες καὶ ἐπὶ πάντας οὓς ἐπέθετο· ἐν π. τοῖς ἐνθυμήμασιν αὐτοῖς ἐμαίνετο (1 ter)
— 12. νεανίσκοι ἐπίλεκτοι πάντες (1)
— 15. ὄψις τρισσὴ πάντων (1)
— 23. ἐπάξω . . . π. τοὺς Χαλδαίους . . . καὶ πάντας υἱοὺς Ἀσσυρίων . . . πάντας τρισσούς (1 ter)
— 24 (23). πάντες ἥξουσιν ἐπὶ σὲ ἀπὸ βορρᾶ (1)
— 29. λήψονται π. τοὺς πόνους σου (1)
— 48. παιδευθήσονται π. αἱ γυναῖκες (1)
24. 4. ἔμβαλε . . . πᾶν διχοτόμημα καλόν (1)
— 24. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησα ποιήσετε (1)
25. 8. ὃν τρόπον π. τὰ ἔθνη οἶκος Ἰσραήλ (1)
26. 11. καταπατήσουσί σου πάσας τὰς πλατείας (1)
— 16. καταβήσονται . . . π. οἱ ἄρχοντες (1)
— 17. ἡ δοῦσα τὸν φόβον αὐτῆς π. τοῖς κατοικοῦσιν αὐτήν (1)
27. 9. π. τὰ πλοῖα τῆς θαλάσσης . . . ἐγένοντό σοι (1)
— 12. ἀπὸ πλήθους πάσης ἰσχύος σου (1)
— 18. ἐκ πλήθους πάσης δυνάμεώς σου (1)
— 21. ἡ Ἀραβία καὶ π. οἱ ἄρχοντες Κηδάρ (1)
— 27. π. οἱ ἄνδρες οἱ πολεμισταί σου οἱ ἐν σοὶ καὶ πᾶσα [A π. ἡ] συναγωγή σου (1, 1)
Ez. 27. 29. καταβήσονται ἀπὸ τῶν πλοίων π. οἱ κωπηλάται (1)
— 33. ἐπλούτησας πάντας [A π. τοὺς] βασιλεῖς –
— 34. π. ἡ συναγωγή σου . . . ἔπεσον π. [A καὶ] οἱ κωπηλάται σου (1, –)
— 35. π. οἱ κατοικοῦντες τὰς νήσους (1)
28. 13. πᾶν [A πάντα] λίθον χρηστὸν ἐνδέδεσαι (1)
— 18. ἐναντίον π. τῶν ὁρώντων σε (1)
— 19. π. οἱ ἐπιστάμενοί σε ἐν τοῖς ἔθνεσι (1)
— 26. ὅταν ποιήσω κρίμα ἐν π. τοῖς ἀτιμάσασιν αὐτούς (1)
29. 4. A καὶ π. τοὺς ἰχθύας τοῦ ποταμοῦ σου (1)
— 5. καταβαλῶ . . . π. τοὺς ἰχθύας τοῦ ποταμοῦ σου (1)
— 6. γνώσονται π. οἱ κατοικοῦντες Αἴγυπτον (1)
— 7. ἐπεκρότησεν ἐπ' αὐτοὺς πᾶσα χεὶρ (1)
— 7. συνέκλασας αὐτῶν πᾶσαν ὀσφύν (1)
— 9. A ἔσται π. [B om.] ἡ γῆ Αἰγύπτου ἀπώλεια –
— 10. ἐγὼ ἐπὶ σὲ καὶ ἐπὶ π. τοὺς ποταμούς σου –
— 14 (15). ἔσται ἀρχὴ ταπεινὴ παρὰ π. τὰς ἀρχάς –
— 18. πᾶσα κεφαλὴ φαλακρὰ [A -ρωμα] καὶ π. ὦμος μαδῶν (1)
— 21. ἀνατελεῖ κέρας π. τῷ οἴκῳ Ἰσραήλ –
30. 5. Λίβυες καὶ π. οἱ ἐπίμικτοι . . . πεσοῦνται (1)
— 8. A γνώσονται πάντες [B om.] ὅτι ἐγώ εἰμι κύριος –
— 8. π. οἱ βοηθοῦντες αὐτῇ (1)
— 11. ἐκκενώσουσι πάντες τὰς μαχαίρας αὐτῶν –
— 26. γνώσονται πάντες ὅτι ἐγώ εἰμι κύριος –
31. 4. ἐξαπέστειλεν εἰς π. τὰ ξύλα τοῦ πεδίου (1)
— 5. ὑψώθη τὸ μέγεθος αὐτοῦ παρὰ π. τὰ ξύλα (1)
— 6. ἐνόσσευσαν π. τὰ πετεινὰ . . . ἐγεννῶσαν π. τὰ θηρία . . . κατῴκησε πᾶν πλῆθος ἐθνῶν (1 ter)
— 8. πᾶν ξύλον ἐν τῷ παραδείσῳ τοῦ θεοῦ (1)
— 12. ἐν π. ταῖς φάραγξιν ἔπεσαν οἱ κλάδοι αὐ. καὶ συνετρίβη τὰ στελέχη αὐ. ἐν π. πεδίῳ τῆς γῆς καὶ κατέβησαν ἀπὸ τῆς σκέπης αὐ. π. οἱ λαοὶ τῶν ἐθνῶν (1 ter)
— 13. ἀνεπαύσαντο π. τὰ πετεινὰ . . . ἐπὶ τὰ στελέχη αὐτοῦ ἐγίνοντο π. τὰ θηρία (1, 1)
— 14. μὴ ὑψωθῶσιν . . . π. τὰ ξύλα τὰ ἐν τῷ ὕδατι (1)
— 14. π. οἱ πίνοντες ὕδωρ πάντες ἐδόθησαν εἰς θάνατον (1, 1)
— 15. π. τὰ ξύλα τοῦ πεδίου (1)
— 16. παρεκάλουν αὐτὸν . . . π. τὰ ξύλα τῆς τρυφῆς καὶ τὰ ἐκλεκτὰ τοῦ Λιβάνου π. τὰ πίνοντα ὕδωρ (1, 1)
— 17. A π. [B om.] οἱ κατοικοῦντες ὑπὸ τὴν σκέπην αὐτοῦ –
— 18. A οὕτως Φαραὼ καὶ π. [B om.] τὸ πλῆθος (1)
32. 4. ἐπικαθιῶ ἐπὶ σὲ π. τὰ πετεινὰ . . . ἐμπλήσω π. τὰ θηρία π. τῆς γῆς (1, –, 1)
— 5. A ἐμπλήσω ἀπὸ τοῦ αἵματός σου πᾶσαν γῆν [B om. π. γ.] †
— 8. π. τὰ φαίνοντα φῶς ἐν τῷ οὐρανῷ (1)
— 12. λοιμοὶ ἀπὸ ἐθνῶν πάντες (1)
— 12. συντριβήσεται π. ἡ ἰσχὺς αὐτῆς (1)
— 13. A B ἀπολῶ π. τὰ [B om.] κτήνη αὐτῆς (1)
— 15. διασπείρω π. τοὺς κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ (1)
— 16. ἐπὶ π. τὴν ἰσχὺν αὐτῆς θρηνήσουσιν αὐτήν (1)
— 19. κοιμηθήσεται π. ἡ ἰσχὺς αὐτοῦ –
— 22. Ἀσσοὺρ καὶ π. ἡ συναγωγὴ αὐτοῦ πάντες τραυματίαι ἐκεῖ ἐδόθησαν (1, 1)
— 23. π. οἱ [A om.] τραυματίαι οἱ πεπτωκότες μαχαίρᾳ (1)
— 23. A πάντες αὐτοὶ τραυματίαι –
— 24. π. ἡ δύναμις αὐτοῦ . . . π. οἱ τραυματίαι (1, 1)
— 26. ἐδόθησαν . . . π. ἡ ἰσχὺς αὐτῶν . . . πάντες τραυματίαι αὐτοῦ πάντες ἀπερίτμητοι (1, –, 1)
— 27. ἐξεφόβησαν πάντας [A¹ γίγαντας] ἐν τῇ ζωῇ αὐτῶν †
— 29. A π. οἱ ἄρχοντες Ἀσσύριοι [B οἱ ἄ. Ἀσσούρ] (1)
— 30. A π. [B om.] οἱ ἄρχοντες τοῦ βορρᾶ –
— 30. πάντες [A add. αὐτοὶ πάντες] στρατηγοὶ Ἀσσούρ (1, 1)
— 31. παρακληθήσεται ἐπὶ π. τὴν ἰσχὺν [A π. τῇ ἰσχύϊ] αὐτῶν (1)
— 31. A π. ἡ δύναμις αὐτοῦ (1)
Ez. 32. 32. καὶ π. τὸ πλῆθος αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (1)
33. 13. π. αἱ δικαιοσύναι αὐτοῦ οὐ μὴ ἀναμνησθῶσιν [A μν.] (1)
— 16. π. αἱ ἁμαρτίαι αὐτοῦ . . . οὐ μὴ ἀναμνησθῶσιν [A μν.] (1)
— 29. ἐρημωθήσεται διὰ π. τὰ βδελύγματα αὐτῶν (1)
34. 5. ἐγενήθη εἰς κατάβρωμα π. τοῖς θηρίοις (1)
— 6. διεσπάρη τὰ πρόβατά μου ἐν παντὶ ὄρει καὶ ἐπὶ πᾶν [A πάντα] βουνόν (1, 1)
— 6. A ἐπὶ παντὶ προσώπῳ πάσης τῆς γῆς διεσπάρη [B al.] (1, –)
— 8. εἰς κατάβρωμα π. τοῖς θηρίοις (1)
— 12. ἀπελάσω [A συνάξω] αὐτὰ ἀπὸ παντὸς τόπου (1)
— 13. βοσκήσω αὐτοὺς . . . ἐν πάσῃ κατοικίᾳ τῆς γῆς (1)
— 21. π. τὸ ἐκλεῖπον ἐξεθλίβετε (1)
35. 8. A ἐμπλήσω . . . π. [B om.] τὰς φάραγγάς σου –
— 8. ἐν π. τοῖς πεδίοις σου τετραυματισμένοι μαχαίρᾳ πεσοῦνται ἐν σοί (1)
— 14. ἐν τῇ εὐφροσύνῃ π. τῆς γῆς (1)
— 15. καὶ π. ἡ Ἰδουμαία (1)
36. 5. ἐλάλησα . . . ἐπὶ τὴν Ἰδουμαίαν πᾶσαν (1)
— 10. πᾶν οἶκον Ἰσραὴλ εἰς τέλος (1)
— 24. ἀθροίσω ὑμᾶς ἐκ π. τῶν γαιῶν (1)
— 25. καθαρισθήσεσθε ἀπὸ π. τῶν ἀκαθαρσιῶν ὑμῶν καὶ ἀπὸ π. τῶν εἰδώλων ὑμῶν (1, 1)
— 29. σώσω ὑμᾶς ἐκ π. τῶν ἀκαθαρσιῶν ὑμῶν (1)
— 33. ᾗ καθαριῶ ὑμᾶς ἐκ πασῶν [A π. τῶν] ἀνομιῶν ὑμῶν (1)
— 34. κατ' ὀφθαλμοὺς παντὸς παροδεύοντος (1)
37. 11. τὰ ὀστᾶ ταῦτα π. οἶκος Ἰσραήλ ἐστι (1)
— 16. γράψεις . . . π. τοὺς υἱοὺς Ἰσραήλ (1)
— 21. λαμβάνω πάντα οἶκον Ἰσραήλ †
— 21. συνάξω αὐτοὺς ἀπὸ π. τῶν περικύκλῳ αὐτῶν –
— 22. A ἄρχων εἷς ἔσται πάντων [B om.] αὐτῶν (1)
— 23. A καὶ ἐν π. ταῖς βασιλείαις αὐτῶν (1)
— 23. ῥύσομαι αὐτοὺς ἀπὸ π. τῶν ἀνομιῶν (1)
— 24. ἔσται ποιμὴν εἷς πάντων (1)
38. 4. συνάξω σε καὶ π. τὴν δύναμίν σου ἵππους καὶ ἱππεῖς ἐνδεδυμένους θώρακας πάντας (1, 1)
— 5. πάντες περικεφαλαίαις καὶ πέλταις (1)
— 6 bis. πάντες οἱ περὶ αὐτόν (1)
— 7. ἑτοίμασον σεαυτὸν σὺ καὶ π. ἡ συναγωγή σου (1)
— 9. καὶ π. οἱ περὶ σέ (1)
— 11. ἥξω ἐπὶ . . . πάντας κατοικοῦντας γῆν [A πόλεις] (1)
— 13. π. αἱ κῶμαι αὐτῶν [A αἱ χῶραι αὐτῆς] ἐροῦσί σοι (1)
— 15. ἀναβάται ἵππων πάντες (1)
— 16. ἵνα γνῶσι π. τὰ ἔθνη ἐμέ –
— 20. σεισθήσονται . . . π. τὰ ἑρπετὰ . . . καὶ π. οἱ ἄνθρωποι (1, 1)
— 20. πᾶν τεῖχος ἐπὶ τὴν γῆν πεσεῖται (1)
— 21. καλέσω ἐπ' αὐτὸ καὶ πᾶν φόβον (1)
— 22. βρέξω ἐπ' αὐτὸν καὶ ἐπὶ π. τοὺς μετ' αὐτοῦ –
39. 4. πεσῇ σὺ καὶ π. οἱ περὶ σέ (1)
— 4. παντὶ πετεινῷ καὶ π. τοῖς θηρίοις . . . δέδωκά σε (1, –)
— 7. A γνώσονται π. [B om.] τὰ ἔθνη –
— 11. κατορύξουσιν ἐκεῖ τὸν Γὼγ καὶ π. τὸ πλῆθος αὐτοῦ (1)
— 13. κατορύξουσιν αὐτοὺς π. ὁ λαὸς τῆς γῆς (1)
— 14. A ἄνδρας διὰ παντὸς διαστελοῦσιν ἐπιπορευομένους π. [B om.] τὴν γῆν (8 g, –)
— 15. A π. ὁ διαπορευόμενος πᾶσαν [B om.] τὴν γῆν –, –
— 17. εἰπὸν παντὶ ὀρνέῳ πετεινῷ καὶ πρὸς π. τὰ θηρία . . . συνάχθητε ἀπὸ π. τῶν περικύκλῳ (1, 1, –)
— 18. οἱ μόσχοι ἐστεατωμένοι πάντες (1)
— 20. πάντα ἄνδρα πολεμιστήν (1)
— 21. ὄψονται π. τὰ ἔθνη τὴν κρίσιν μου (1)
— 23. γνώσονται π. τὰ ἔθνη –
— 23. ἔπεσαν πάντες μαχαίρᾳ (1)
40. 4. τάξον εἰς τὴν καρδίαν σου πάντα [A -ας] (1)
— 4. καὶ δείξεις πάντα (1)
42. 8. τὸ π. πηχῶν ἑκατόν –

Ez. 42. 11. κατὰ π. τὰς ἐξόδους αὐτῶν καὶ κατὰ π. τὰς ἐπιστροφὰς αὐτῶν (1, –)
— 14. ὅπως διὰ παντὸς ἅγιοι ὦσιν οἱ προσάγοντες –
43. 11. λήψονται τὴν κόλασιν αὐτῶν περὶ πάντων (1)
— 11. διαγράψεις . . . π. τὰ προστάγματα αὐτοῦ καὶ π. τὰ νόμιμα αὐτοῦ γνωρεῖς αὐτοῖς (1, 1)
— 11. φυλάξονται π. τὰ δικαιώματά μου καὶ π. τὰ προστάγματά μου (1, 1)
— 12. π. τὰ ὅρια αὐτοῦ κυκλόθεν ἅγια ἁγίων (1)
44. 5. ἄκουε πάντα ὅσα ἐγὼ λαλῶ μετὰ σοῦ κατὰ π. τὰ προστάγματα . . . καὶ κατὰ π. τὰ νόμιμα αὐτοῦ . . . κατ' π. τὰς ἐξόδους αὐτοῦ ἐν π. τοῖς ἁγίοις (1 *quater*, –)
— 6. ἱκανούσθω ὑμῖν ἀπὸ π. τῶν ἀνομιῶν ὑμῶν (1)
— 7. παρεβαίνετε . . . ἐν π. ταῖς ἀνομίαις ὑμῶν (1)
— 9. π. υἱὸς ἀλλογενὴς . . . οὐκ εἰσελεύσεται εἰς τὰ ἅγιά μου ἐν πᾶσιν υἱοῖς ἀλλογενῶν (1, 1)
— 14. εἰς π. τὰ ἔργα αὐτοῦ καὶ εἰς πάντα ὅσα ἂν ποιήσωσιν (1, 1)
— 21. οἶνον οὐ μὴ πίωσι π. ἱερεύς (1)
— 24. τὰ προστάγματά μου ἐν π. ταῖς ἑορταῖς μου φυλάξονται (1)
— 29. πᾶν ἀφόρισμα ἐν τῷ Ἰσραὴλ αὐτοῖς ἔσται (1)
— 30. ἀπαρχαὶ πάντων καὶ τὰ πρωτότοκα πάντων καὶ τὰ ἀφαιρέματα π. (1 *ter*)
— 30. ἐκ πάντων τῶν ἀπαρχῶν ὑμῶν τοῖς ἱερεῦσιν ἔσται (1)
— 31. πᾶν θυησιμαῖον . . . οὐ φάγονται (1)
45. 1. ἅγιον ἔσται ἐν π. τοῖς ὁρίοις αὐτοῦ κυκλόθεν (1)
— 6. ἡ ἀπαρχὴ τῶν ἁγίων παντὶ οἴκῳ Ἰσραὴλ ἔσονται (1)
— 15. ἀφαίρεμα ἐκ π. τῶν πατριῶν τοῦ Ἰσραήλ –
— 16. π. ὁ λαὸς δώσει τὴν ἀπαρχὴν ταύτην (1)
— 17. ἐν π. ταῖς ἑορταῖς οἴκου Ἰσραήλ (1)
— 22. ποιήσει ὁ ἀφηγούμενος . . . ὑπὲρ π. τοῦ λαοῦ τῆς γῆς (1)
46. 15 (14). πρόσταγμα [A *add.* αἰώνιον] διὰ παντὸς ποιήσετε τὸν ἀμνόν (8 *g*)
— 15. ὁλοκαύτωμα διὰ παντός (8 *g*)
47. 9. ἔσται πᾶσα ψυχὴ τῶν ζῴων τῶν ἐκζεόντων ἐπὶ πάντα (1, 1)
— 9. ζήσεται πᾶν ἐφ' ὃ ἂν ἔλθῃ ὁ ποταμός (1)
— 12. ἐπὶ τοῦ χείλους αὐτοῦ . . . πᾶν ξύλον βρώσιμον (1)
48. 13. π. τὸ μῆκος πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδες (1)
— 19. ἐργῶνται αὐτὴν ἐκ π. τῶν φυλῶν τοῦ Ἰσραήλ (1)
— 20. π. ἡ ἀπαρχὴ πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδες (1)
Da. LXX. Su. 4. διὰ τὸ εἶναι αὐτὸν ἐνδοξότερον πάντων
— 28. συνήδρευσαν οἱ ὄντες ἐκεῖ π. οἱ υἱοὶ Ἰσρ.
— 33. ἐκλαίοσαν οἱ παρ' αὐτῆς πάντες καὶ ὅσοι αὐτὴν ᾔδεισαν πάντες
— 35. ὁ εἰδὼς τὰ π. πρὶν γενέσεως αὐτῶν
— 41. ἐπίστευσεν αὐτοῖς ἡ συναγωγὴ π.
— 60. π. ἡ συναγωγὴ ἀνεβόησεν
1. 4. καὶ ἐπιστήμονας ἐν π. σοφίᾳ (1)
— 17. ἐν π. γραμματικῇ τέχνῃ (1)
— 17. σύνεσιν ἐν π. ῥήματι . . . καὶ ἐν π. σοφίᾳ (1, –)
— 20. ἐν π. λόγῳ καὶ συνέσει (1)
— 20. τοὺς φιλοσόφους τοὺς ἐν π. τῇ βασιλείᾳ αὐ. (1)
— 20. σοφοὺς παρὰ π. τοὺς αὐτοῦ . . . ἐν π. τῇ γῇ αὐτοῦ (–, 1?)
2. 10. πᾶς βασιλεὺς καὶ πᾶς δυνάστης . . . οὐκ ἐπερωτᾷ π. σοφόν (1, –, 1)
— 11. οὗ οὐκ ἔστι κατοικητήριον μετὰ π. σαρκός –
— 12. ἐξαγαγεῖν π. τοὺς σοφούς (1)
— 13. ἐδογματίσθη πάντας ἀποκτεῖναι –
— 13. ὁ Δ. καὶ πάντες οἱ μετ' αὐτοῦ –
— 16. καὶ δηλώσῃ πάντα ἐπὶ τοῦ βασ. –
— 17. τοῖς συνεταίροις ὑπέδειξε πάντα –
— 24. ἀποκτεῖναι π. τοὺς σοφιστάς –
— 30. τὴν οὖσαν ἐν ἐμοὶ ὑπὲρ π. τοὺς ἀνθρώπους (1)
— 35. ἐπάταξε π. τὴν γῆν (1)
— 37. τὴν δόξαν ἔδωκεν ἐν π. τῇ οἰκουμένῃ –
— 38. παρέδωκεν ὑπὸ τὰς χεῖράς σου κυριεύειν πάντων (1)
— 39. ἢ κυριεύσει π. τῆς γῆς (1)
Da. LXX. 2. 40. ὥσπερ ὁ σίδηρος ὁ δαμάζων πάντα καὶ ὡς ὁ σίδηρος πᾶν δένδρον ἐκκόπτων (1, 1)
— 40. σεισθήσεται π. ἡ γῆ –
— 48. καὶ ἡγούμενον π. τῶν σοφιστῶν Βαβ. (1)
3. 1. διοικῶν . . . π. τοὺς κατοικοῦντας ἐπὶ τῆς γῆς –
— 2. ἐπισυναγαγεῖν π. τὰ ἔθνη . . . καὶ π. τοὺς κατὰ τὴν οἰκουμένην (–, 1)
— 3. συνήχθησαν . . . π. οἱ ἄρχοντες τῶν χωρῶν (1)
— 5. συμφωνίας καὶ π. γένους μουσικῶν (1)
— 6. πᾶς ὃς ἂν μὴ πεσὼν προσκυνήσῃ –
— 7. ὅτε ἤκουσαν π. τὰ ἔθνη (1)
— 7. καὶ π. ἦχου μουσικῶν (1)
— 7. πίπτοντα π. τὰ ἔθνη (1)
— 10. ἵνα πᾶς ἄνθρωπος ὃς ἂν ἀκούσῃ (1)
— 10, 15. καὶ παντὸς ἤχου μουσικῶν (1)
— (27). δίκαιος εἶ ἐπὶ πᾶσιν
— (27). καὶ π. τα ἔργα σου ἀληθινά
— (27). καὶ π. αἱ κρίσεις σου ἀληθιναί
— (28). κατὰ πάντα ἃ ἐπήγαγες ἡμῖν
— (28). ἐποίησας π. ταῦτα
— (29). ἡμάρτομεν ἐν πᾶσι
— (29). ἐξημάρτομεν ἐν πᾶσι
— (31). πάντα ὅσα ἡμῖν ἐπήγαγες
— (31). πάντα ὅσα ἐποίησας ἡμῖν
— (32). βασιλεῖ . . . πονηροτάτῳ παρὰ π. τὴν γῆν
— (37). ἐσμικρύνθημεν παρὰ π. τὰ ἔθνη
— (37). καί ἐσμεν ταπεινοὶ ἐν π. τῇ γῇ
— (44). ἐντραπείησαν π. οἱ ἐνδεικνύμενοι
— (44). καταισχυνθείησαν ἀπὸ π. δυναστείας
— (52). καὶ ὑπερυψωμένον εἰς π. τοὺς αἰῶνας
— (57). εὐλογεῖτε, π. τὰ ἔργα τοῦ κυρίου, τὸν κύριον
— (60). εὐλογεῖτε . . . π. τὰ ἐπάνω τοῦ οὐρ., τὸν κ.
— (61). εὐλογεῖτε, π. αἱ δυνάμεις κυρίου, τὸν κ.
— (64). εὐλογεῖτε, π. ὄμβροι καὶ δρόσος, τὸν κ.
— (65). εὐλογεῖτε, π. τὰ πνεύματα, τὸν κ.
— (76). εὐλογεῖτε, π. τὰ φυόμενα ἐπὶ τῆς γῆς, τὸν κ.
— (79). εὐλογεῖτε . . . π. τὰ κινούμ. ἐν τοῖς ὕδασι, τὸν κ.
— (80). εὐλογεῖτε, π. τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρ., τὸν κ.
— (90). εὐλογεῖτε, π. οἱ σεβόμενοι τὸν κ., τὸν θ. τῶν θεῶν
— 29 (96). πᾶν ἔθνος καὶ π. φυλαὶ καὶ π. γλῶσσαι (1, –, –)
— 31 (98). Ναβ. ὁ βασ. π. τοῖς λαοῖς . . . τοῖς οἰκοῦσιν ἐν π. τῇ γῇ (1, 1)
4. 9. ἐσκίαζον π. τὰ θηρία τῆς γῆς –
— 9. ἐχορήγει πᾶσι τοῖς ζῴοις (1)
— 9. ἐφώτιζον π. τὴν γῆν –
— 14. ἐξουσίαν ἔχειν πάντων τῶν ἐν τῷ οὐρ. –
— 15. ἐδόθησαν εἰς π. ἄνεμον –
— 15. ὑπέδειξέ μοι π. τὴν σύγκρισιν αὐ. –
— 18. καὶ π. τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ –
— 18. ἡ ἰσχὺς . . . τῶν γλωσσῶν πασῶν –
— 18. καὶ π. αἱ χῶραι σοὶ δουλεύσουσι –
— 19. ὑπὲρ π. τοὺς ἀνθρώπους τοὺς ὄντας ἐπὶ προσώπου π. τῆς γῆς –, –
— 23. ἡ ἐξουσία αὐ. ἐπὶ π. τῇ γῇ –
— 24. π. τὰς ἀδικίας σου . . . λύτρωσαι –
— 26. μετὰ π. τῆς δόξης αὐ. περιεπάτει –
— 29. οὐδ' οὐ μὴ λαλήσῃς μετὰ π. ἀνθρώπου –
— 30. πάντα τελεσθήσεται ἐπὶ σέ –
— 30. οὐχ ὑστερήσει ἀπὸ π. τούτων οὐθέν –
— 34. τοὺς ποταμοὺς καὶ π. τὰ ἐν αὐτοῖς –
— 34. π. τοὺς ἁγίους αἰνῶ –
— 34. π. τὰς ἡμέρας τῆς βασιλείας μου –
— 34. ἐπιστολὴν ἐγκύκλιον π. τοῖς κατὰ τόπον ἔθνεσι . . . καὶ γλώσσαις π. ταῖς οἰκούσαις ἐν π. ταῖς χώραις (– *ter*)
— 34. π. τοῖς ἔθνεσι καὶ π. ταῖς χώραις καὶ π. τοῖς οἰκοῦσιν ἐν αὐταῖς (– *ter*)
— 34. εἰρήνη ὑμῖν πληθυνθείη ἐν π. καιρῷ –
— 34. ἀπέστειλεν . . . περὶ πάντων τῶν γενηθέντων αὐτῷ . . . π. τοῖς ἔθνεσι –, –
5. 1. ἐπήνεσε π. τοὺς θεοὺς τῶν ἐθνῶν –
— 7. πᾶς ἀνὴρ ὃς ἂν ὑποδείξῃ τὸ σύγκριμα (1)
— 10. πᾶς ἄνθρωπος οὐ δύναται ἀπαγγεῖλαι –
— 12. ὑπερέχων πάντας τοὺς σοφοὺς Βαβυλῶνος –
— 23. ᾐνέσατε π. τὰ εἴδωλα –
6. 1 (2). κατέστησε σατράπας . . . ἐπὶ π. τῆς βασ. αὐ. (1)
— 3 (4). ὑπὲρ πάντας ἔχων ἐξουσίαν –
— 3 (4). καταστῆσαι τὸν Δ. ἐπὶ π. τῆς βασ. αὐ. (1)
— 3 (4). καταστῆσαι τὸν Δ. ἐπὶ π. τῆς βασ. αὐ. –
Da. LXX. 6. 5 (6). πᾶς ἄνθρωπος οὐκ ἀξιώσει ἀξίωμα . . . ἀπὸ π. θεοῦ –, –
— 7 (8). πᾶς ἄνθρωπος ὃς ἂν εὔξηται εὐχὴν . . . παρὰ π. θεοῦ (1, 1)
— 12 (13). ἵνα π. ἄνθρωπος μὴ εὔξηται εὐχὴν . . . παρὰ π. θεοῦ (1, 1)
— 23 (24). συνήχθησαν π. αἱ δυνάμεις –
— 25 (26). Δαρ. ἔγραψε π. τοῖς ἔθνεσι . . . τοῖς οἰκοῦσιν ἐν π. τῇ γῇ αὐ. (1, 1)
— 26 (27). π. οἱ ἄνθρωποι οἱ ὄντες ἐν τῇ βασ. μου (1?)
— 27 (28). δουλεύων π. τὰς ἡμέρας μου –
7. 7. παρὰ πάντα τὰ πρὸ αὐτοῦ θηρία (1)
— 14. καὶ π. τὰ ἔθνη τῆς γῆς κατὰ γένη (1)
— 14. καὶ π. δόξα αὐτῷ λατρεύουσα –
— 16. τὴν ἀκρίβειαν ἐζήτουν . . . ὑπὲρ π. τούτων (1)
— 19. τοῦ θηρίου τοῦ τετάρτου τοῦ διαφθείροντος πάντα (1?)
— 19. κατεσθίοντος πάντας κυκλόθεν –
— 23. ἥτις διοίσει παρὰ π. τὴν γῆν (1)
— 23. καταφάγεται π. τὴν γῆν (1)
— 25. παραδοθήσεται πάντα εἰς τὰς χεῖρας αὐ. –
— 27. τὴν ἀρχὴν πασῶν τῶν ὑπὸ τὸν οὐρ. βασιλειῶν (1?)
— 27. π. ἐξουσίαι αὐτῷ ὑποταγήσονται (1)
8. 4. π. τὰ θηρία οὐκ ἔστησαν ὀπίσω αὐτοῦ (1)
9. 6. καὶ π. ἔθνει ἐπὶ τῆς γῆς (1)
— 7. καὶ π. τῷ λαῷ Ἰσρ. . . . ἐν π. ταῖς χώραις (1, 1)
— 11. πᾶς Ἰσρ. ἐγκατέλιπε τὸν νόμον σου (1)
— 13. π. τὰ κακὰ ἐπῆλθεν ἡμῖν (1)
— 14. ἐπὶ πάντα ὅσα ἂν ποιήσῃ (1)
— 16. εἰς ὀνειδισμὸν ἐν π. τοῖς περικύκλῳ ἡμῶν (1)
11. 2. πλουτήσει πλοῦτον μέγαν παρὰ πάντας (1)
— 2. ἐπαναστήσεται π. βασιλεῖ Ἑλλήνων (1)
— 16. ἐπιτελεσθήσεται πάντα τὰ ἐν ταῖς χερσὶν αὐ. –
— 36. ὑψωθήσεται ἐπὶ π. θεόν (1)
— 37. ἐν παντὶ ὑψωθήσεται (1)
— 43. κρατήσει . . . π. τῆς ἐπιθυμίας Αἰγ. (1)
12. 1. ὑψωθήσεται π. ὁ λαός (1)
— 7. συντελεσθήσεται π. ταῦτα (1)
— 10. οὐ μὴ διανοηθῶσι π. οἱ ἁμαρτωλοί (1)
— 11. ἀφ' οὗ ἂν ἀποσταθῇ ἡ θυσία διὰ παντός (9)
Bel 4. ἔχοντα πάσης σαρκὸς κυρείαν
— 8. ἀποθανοῦμαι καὶ πάντες οἱ παρ' ἐμοί
— 13. ἐκβαλόντας πάντας ἐκ τοῦ ναοῦ
— 14. κατεφάγοσαν π. τὰ παρακείμενα
— 17. εἴδοσαν δεδαπανημένα πάντα τὰ παρατεθέντα
— 27. συνήχθησαν οἱ ἀπὸ τῆς χώρας πάντες
Da. TH. Su. 4. διὰ τὸ εἶναι αὐτὸν ἐνδοξότερον πάντων
— 6. ἦρχοντο πρὸς αὐτοὺς π. οἱ κρινόμενοι
— 30. ἦλθεν αὐτὴ . . . καὶ π. οἱ συγγενεῖς αὐ.
— 33. ἔκλαιον δὲ . . . π. οἱ ἰδόντες αὐτήν
— 42. ὁ εἰδὼς τὰ π. πρὶν γενέσεως αὐ.
— 47. ἐπέστρεψε δὲ π. ὁ λαὸς πρὸς αὐτόν
— 50. ἀνέστρεψε π. [B² *om.*] ὁ λαός
— 60. ἀνεβόησε π. ἡ συναγωγή
— 63. A μετὰ Ἰ. . . . καὶ τῶν συγγενῶν π. [B αὐτῶν]
1. 4. καὶ συνιέντας ἐν π. σοφίᾳ (1)
— 17. καὶ φρόνησιν ἐν π. γραμματικῇ (1)
— 17. συνῆκεν ἐν π. ὁράσει (1)
— 19. οὐχ εὑρέθησαν ἐκ πάντων αὐτῶν (1)
— 20. ἐν π. ῥήματι σοφίας (1)
— 20. δεκαπλασίονας παρὰ π. τοὺς ἐπαοιδούς (1)
— 20. τοὺς μάγους τοὺς ὄντας ἐν π. [A *om.*] τῇ βασ. αὐ. (1)
2. 10. π. βασιλεὺς μέγας καὶ ἄρχων (1)
— 11. ὧν οὐκ ἔστιν ἡ κατοικία μετὰ π. σαρκός –
— 12. εἶπεν ἀπολέσαι π. τοὺς σοφοὺς Βαβ. (1)
— 30. ἐν σοφίᾳ τῇ οὔσῃ ἐν ἐμοὶ παρὰ π. τοὺς ζῶντας (1)
— 35. ἐπλήρωσε π. τὴν γῆν (1)
— 38. ἐν π. τόπῳ ὅπου κατοικοῦσιν (6)
— 38. κατέστησέ σε κύριον πάντων (1)
— 39. ἢ κυριεύσει π. τῆς γῆς (1)
— 40. ὃν τρόπον ὁ σίδηρος . . . δαμάζει πάντα (1)
— 40. οὕτως πάντα λεπτυνεῖ (1)
— 44. λικμήσει π. τὰς βασιλείας (1)
— 48. κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ π. χώρας Βαβ. . . . ἐπὶ π. τοὺς σοφοὺς Βαβ. (1, 1)
3. 2. συναγαγεῖν . . . π. τοὺς ἄρχοντας τῶν χωρῶν (1)
— 3. συνήχθησαν . . . π. οἱ ἄρχοντες τῶν χωρῶν (1)
— 5, 7. καὶ π. γένους μουσικῶν (1)

Da. TH. 3. 7. πίπτοντες π. οἱ λαοί (1)
— 10. π. ἄνθρωπον ὃς ἂν ἀκούσῃ (1)
— 10, 15 (B). καὶ π. γένους μουσικῶν (1)
— (27). δίκαιος εἶ ἐπὶ πᾶσιν
— (27). π. τὰ ἔργα σου ἀληθινά
— (27). π. αἱ κρίσεις σου ἀλήθεια
— (28). κατὰ πάντα ἃ ἐπήγαγες ἡμῖν
— (28). ἐπήγαγες ταῦτα π.
— (29). ἐξημάρτομεν ἐν πᾶσι
— (31). B πάντα ὅσα ἐπήγαγες ἡμῖν
— (31). πάντα ὅσα ἐποίησας ἡμῖν
— (32). βασιλεῖ . . . πονηροτάτῳ παρὰ π. τὴν γῆν
— (37). ἐσμικρύνθημεν παρὰ π. τὰ ἔθνη
— (37). ἐσμὲν ταπεινοὶ ἐν π. τῇ γῇ
— (43). π. οἱ ἐνδεικνύμ. τοῖς δούλοις σου κακά
— (44). κατασχυνθείησαν ἀπὸ π. τῆς [δυνάμεως καὶ] δυναστείας
— (52). ὑπερυψούμενον εἰς π. [A om.] τοὺς αἰῶνας
— (57). εὐλογεῖτε, π. τὰ ἔργα κυρίου, τὸν κ.
— (60). εὐλογεῖτε . . . π. τὰ ἐπάνω τοῦ οὐρανοῦ, τὸν κ.
— (61). εὐλογείτω π. ἡ δύναμις [A -εῖτε, π. αἱ δυνάμεις]
— (64). εὐλογείτω [A -τε] π. ὄμβροι καὶ δρόσοι τὸν κ.
— (65). εὐλογεῖτε, π. τὰ πνεύματα, τὸν κ.
— (76). εὐλογεῖτε, π. τὰ φυόμενα ἐν τῇ γῇ, τὸν κ.
— (79). εὐλογεῖτε . . . π. τὰ κινούμενα ἐν τοῖς ὕδασι
— (80). εὐλογεῖτε, π. τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρ., τὸν κ.
— (81). εὐλογεῖτε, π. τὰ θηρία καὶ [A τὰ θ. κ. π.] τὰ κτήνη
— (90). εὐλογεῖτε, π. οἱ σεβόμ. τὸν κ., τὸν θεὸν τῶν θ.
— 28 (95). ὅπως μὴ λατρεύσωσι . . . π. θεῷ (1)
— 29 (96). π. λαὸς φυλὴ γλῶσσα (1)
— 30 (97). ἡγεῖσθαι π. τῶν Ἰουδαίων –
— 31 (98). Ναβ. ὁ βασ. πᾶσι τοῖς λαοῖς . . . τοῖς οἰκοῦσιν ἐν π. τῇ γῇ (1, 1)
4. 3. τοῦ εἰσαγαγεῖν ἐνώπιόν μου π. τοὺς σοφοὺς Βαβ. (1)
— 6. π. μυστήριον οὐκ ἀδυνατεῖ σε (1)
— 8. A εἰς τὰ πέρατα π. [B τὸ π. ἀπ.] τῆς γῆς (1)
— 9. καὶ τροφὴ πάντων ἐν αὐτῷ (1)
— 9. ἐξ αὐτοῦ ἐτρέφετο π. σάρξ (1)
— 15. π. οἱ σοφοὶ τῆς βασ. μου (1)
— 17. καὶ τὸ κύτος αὐ. εἰς π. τὴν γῆν (1)
— 18. καὶ τροφὴ πᾶσιν ἐν αὐτῷ (1)
— 25. ταῦτα π. ἔφθασεν ἐπὶ Ναβ. (1)
— 32. π. οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (1)
— 34. π. τὰ ἔργα αὐ. ἀληθινά (1)
— 34. π. τοὺς πορευομένους ἐν ὑπερηφανίᾳ –
5. 8. εἰσεπορεύοντο π. [A om.] οἱ σοφοὶ τοῦ βασ. (1)
— 19. π. οἱ λαοὶ . . . ἦσαν τρέμοντες (1)
— 22. οὐ πάντα ταῦτα ἔγνως (1)
— 23. καὶ π. αἱ ὁδοί σου (1)
6. 1 (2). A τοῦ εἶναι αὐτοὺς ἐν π. [B ὅλῃ] τῇ βασ. αὐ. (1)
— 4 (5). π. πρόφασιν . . . οὐχ εὗρον κατ' αὐτοῦ (1)
— 7 (8). συνεβουλεύσαντο π. οἱ ἐπὶ τῆς βασ. σου (1)
— 7 (8). ὃς ἂν αἰτήσῃ αἴτημα παρὰ π. θεοῦ (1)
— 12 (13). π. ἄνθρωπος ὃς ἂν αἰτήσῃ παρὰ π. θεοῦ (1, 1)
— 15 (16). τοῦ πᾶν ὁρισμὸν . . . οὐ δεῖ παραλλάξαι (1)
— 23 (24). π. διαφθορὰ οὐχ εὑρέθη ἐν αὐτῷ (1)
— 24 (25). π. τὰ ὀστᾶ αὐ. ἐλέπτυναν (1)
— 25 (26). ἔγραψε π. τοῖς λαοῖς . . . τοῖς οἰκοῦσιν ἐν π. τῇ γῇ (1, 1)
— 26 (27). ἐν π. ἀρχῇ τῆς βασ. μου (1)
7. 7. A παρὰ π. τὰ θηρία τὰ ἔμπροσθεν αὐτοῦ –
— 7. παρὰ π. τὰ θηρία τὰ ἔμπροσθεν αὐτοῦ (1)
— 14. π. οἱ λαοὶ . . . αὐτῷ δουλεύσουσιν (1)
— 16. τὴν ἀκρίβειαν . . . μαθεῖν περὶ π. τούτων (1)
— 19. ἦν διαφέρον [A -ορον] παρὰ πᾶν θηρίον (1)
— 23. ἥτις ὑπερέξει π. τὰς βασιλείαις (1)
— 23. καταφάγεται π. τὴν γῆν (1)
— 24. ὃς ὑπεροίσει κακοῖς πάντας τοὺς ἔμπροσθεν –
— 27. τῶν βασιλέων τῶν ὑποκάτω π. τοῦ οὐρανοῦ (1)
— 27. π. αἱ ἀρχαὶ αὐτῷ δουλεύσουσι (1)
8. 4. π. τὰ θηρία οὐ στήσονται ἐνώπιον αὐτοῦ (1)
— 5. ἐπὶ πρόσωπον πάσης τῆς γῆς (1)
9. 6. καὶ πρὸς π. τὸν λαὸν τῆς γῆς (1)
— 7. καὶ παντὶ Ἰσραὴλ τοῖς ἐγγὺς καὶ τοῖς μακρὰν ἐν π. τῇ γῇ (1, 1)
— 11. πᾶς Ἰσρ. παρέβησαν τὸν νόμον σου (1)

Da. TH. 9. 12. οἷα οὐ γέγονεν ὑποκάτω π. τοῦ οὐρανοῦ (1)
— 13. π. τὰ κακὰ ταῦτα ἦλθεν ἐφ' ἡμᾶς (1)
— 13. τοῦ συνιέναι ἐν π. ἀληθείᾳ σου –
— 14. δίκαιος κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἐπὶ π. τὴν ποίησιν αὐ. (1)
— 16. R ἐν πᾶσιν [A B πάσῃ] ἐλεημοσύνη σου (1)
— 16. ἐν π. τοῖς περικύκλῳ ἡμῶν (1)
11. 2. πλουτήσει πλοῦτον μέγαν παρὰ πάντας (1)
— 2. ἐπαναστήσεται π. βασιλείαις Ἑλλήνων (1)
— 8. π. σκεῦος ἐπιθυμητὸν αὐτῶν –
— 17. ἐν ἰσχύϊ πάσης τῆς βασ. αὐ. (1)
— 17. εὐθεῖα πάντα μετ' αὐτοῦ ποιήσει –
— 36. μεγαλυνθήσεται ἐπὶ π. θεόν (1)
— 37. ἐπὶ π. θεοὺς [B¹ π. θεοῦ] τῶν πατέρων αὐ. –
— 37. ἐπὶ πᾶν [A πάντα] θεὸν οὐ συνήσει (1)
— 37. ἐπὶ πάντας μεγαλυνθήσεται (1)
— 43. καὶ ἐν π. ἐπιθυμητοῖς Αἰγ. (1)
12. 1. π. [A add. ὁ εὑρεθεὶς] ὁ γεγραμμ. ἐν τῇ βίβλῳ (1)
— 7. γνώσονται π. ταῦτα (1)
— 10. οὐ συνήσουσι π. [B¹ om.] ἄνομοι (1)
— 11. A ἀφ' οὗ ἀναστῇ ἡ θυσία διὰ παντός (9)
Bel 2. ἔνδοξος ὑπὲρ π. τοὺς φίλους αὐ.
— 5. καὶ ἔχοντα πάσης σαρκὸς κυρείαν
— 12. ἐὰν μὴ εὕρῃς πάντα βεβρωμένα
— 15. κατέφαγον πάντα
1 Ma. 1. 9. ἐπέθεντο πάντες διαδήματα
— 21. ἔλαβε . . . π. τὰ σκεύη αὐτῆς
— 22. καὶ ἐλέπισε πάντα
— 24. λαβὼν πάντα ἀπῆλθεν
— 25. ἐγένετο πένθος μέγα ἐπὶ Ἰσρ. ἐν π. τόπῳ αὐ.
— 27. π. νυμφίος ἀνέλαβε θρῆνον
— 28. AR π. ὁ [S om.] οἶκος Ἰ. ἐνεδύσατο αἰσχύνην
— 36. ἐγένετο . . . εἰς διάβολον πονηρὸν τῷ Ἰ. διὰ παντός
— 41. ἔγραψεν ὁ βασ. π. τῇ βασιλείᾳ αὐ. εἶναι πάντας λαὸν ἕνα
— 42. ἐπεδέξατο π. τὰ ἔθνη
— 48. βδελύξαι τὰς ψυχὰς αὐ. ἐν π. [S¹ πνεύματι] ἀκαθάρτῳ
— 49. ὥστε . . . ἀλλάξαι π. τὰ δικαιώματα
— 51. S R κατὰ π. τοὺς λόγους τ. ἔγραψε π. [A om.] τῇ βασ. αὐ.
— 51. AR ἐποίησεν ἐπισκόπους ἐπὶ [S κατὰ] π. τὸν λαόν
— 52. π. ὁ [S¹ καὶ] ἐγκαταλιπὼν τὸν νόμον
— 53. ἐν π. φυγαδευτηρίῳ αὐτῶν
— 58. ἐν π. μηνὶ καὶ μηνὶ ἐν ταῖς πόλεσι
2. 11. π. ὁ κόσμος αὐ. ἀφῃρέθη
— 18. ὡς ἐποίησαν π. τὰ ἔθνη
— 19. εἰ π. τὰ ἔθνη . . . ἀκούουσιν
— 23. προσῆλθεν . . . ἐν ὀφθαλμοῖς πάντων
— 27. π. ὁ ζηλῶν τῷ νόμῳ
— 37. S R ἀποθάνωμεν πάντες [A οἱ π.] ἐν τῇ ἁπλότητι ἡμῶν
— 40. ἐὰν πάντες ποιήσωμεν
— 41. π. ἄνθρωπος ὃς ἐὰν ἔλθῃ
— 41. οὐ μὴ ἀποθάνωμεν πάντες
— 42. S συνήχθησαν πρὸς αὐτοὺς π. συναγωγὴ Ἰουδαίων . . . π. ὁ ἑκουσιαζόμ. τῷ νόμῳ [A R al.]
— 43. π. οἱ φυγαδεύοντες ἀπὸ τῶν κακῶν
— 61. π. οἱ ἐλπίζοντες ἐπ' αὐτὸν οὐκ ἀσθενήσουσι
— 65. αὐτοῦ ἀκούετε π. τὰς ἡμέρας
— 67. προσάξετε πρὸς ὑμᾶς π. τοὺς ποιητὰς τοῦ νόμου
— 70. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. κοπετὸν μέγαν
3. 2. ἐβοήθουν αὐτῷ π. οἱ ἀδ. αὐ. καὶ π. ὅσοι ἐκολλήθησαν τῷ πατρὶ αὐ.
— 6. π. οἱ ἐργάται τῆς ἀνομίας συνεταράχθησαν
— 12. ἦν πολεμῶν ἐν αὐτῇ π. τὰς ἡμέρας
— 26. AR ἐξηγεῖτο π. ἔθνος [S ἐξ. τὰ ἔθνη]
— 27. συνήγαγε τὰς δυνάμεις π.
— 28. ἑτοίμους εἰς π. χρείαν
— 34. A ἐνετείλατο αὐτῷ περὶ πάντων . . . καὶ περὶ π. [S R om.] τῶν κατοικούντων τὴν Ἰουδ.
— 36. ἐν π. τοῖς ὁρίοις αὐ.
— 40. ἀπῆραν σὺν π. τῇ δυνάμει αὐ.
4. 11. γνώσονται π. τὰ ἔθνη
— 15. οἱ δὲ ἔσχατοι π. ἔπεσον
— 22. ἔφυγον πάντες εἰς γῆν ἀλλοφύλων
— 26. ἀπήγγειλαν τῷ Λ. π. τὰ συμβεβηκότα
— 27. A ὁ δὲ ἀκούσας πάντα [S R om.]
— 33. π. οἱ εἰδότες τὸ ὄνομά σου
— 37. συνήχθη ἡ παρεμβολὴ π.
— 51. ἐτέλεσαν π. τὰ ἔργα

1 Ma. 4. 55. ἔπεσον π. ὁ λαὸς ἐπὶ πρόσωπον
— 59. S R καὶ π. ἡ [A om.] ἐκκλησία Ἰσρ.
5. 5. σὺν πᾶσι τοῖς ἐνοῦσι
— 13. π. οἱ ἀδ. ἡμῶν . . . τεθανάτωνται
— 15. R καὶ πάσης Γαλιλαίας [A πᾶσαν Γ., S πᾶσα Γ.] ἀλλοφύλων
— 23. παρέλαβε . . . πάντα ὅσα ἦν αὐτοῖς
— 25. S διηγήσαντο αὐτοῖς π. [A R ἅπ.] τὰ συμβάντα
— 26. π. [S¹ om.] αἱ πόλεις αὗται ὀχυραί
— 27. S R ἐξάραι π. τούτους [A αὐτούς]
— 28. ἀπέκτεινε π. ἀρσενικόν
— 28. ἔλαβε π. τὰ σκῦλα αὐ.
— 35. ἀπέκτεινε πᾶν ἀρσενικὸν αὐτῆς
— 38. π. τὰ ἔθνη τὰ κύκλῳ ἡμῶν
— 42. S R μὴ ἀφῆτε π. [A om.] ἄνθρωπον
— 42. ἐρχέσθωσαν πάντες εἰς τὸν πόλεμον
— 43. διεπέρασεν . . . π. ὁ λαός
— 43. AR συνετρίβησαν . . . π. [S om.] τὰ ἔθνη
— 43. A ἔρριψαν π. [S R om.] τὰ ὅπλα αὐ.
— 44. ἐνεπύρισαν . . . σὺν π. τοῖς ἐν αὐτῷ
— 45. συνήγαγεν Ἰ. πάντα Ἰσρ.
— 51. ἀπώλεσε πᾶν ἀρσενικόν
— 53. παρακαλῶν τὸν λαὸν κατὰ π. τὴν ὁδόν
— 63. ἐδοξάσθησαν σφόδρα ἐναντίον παντὸς Ἰσρ. καὶ τῶν ἐθνῶν π.
6. 10. ἐκάλεσε π. τοὺς φίλους αὐ.
— 12. ἔλαβον π. τὰ σκεύη
— 14. κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ π. τῆς βασ. αὐ.
— 19. ἐξεκκλησίασε π. τὸν λαόν
— 25. ἀλλὰ καὶ ἐπὶ π. τὰ ὅρια αὐ.
— 28. συνήγαγε π. τοὺς φίλους αὐ.
— 41. ἐσαλεύοντο π. οἱ ἀκούοντες
— 43. ἦν ὑπεράγον π. τὰ θηρία
— 58. καὶ μετὰ π. ἔθνους αὐ.
— 59. ἐποίησαν ταῦτα π.
7. 5. ἦλθον πρὸς αὐτὸν π. ἄνδρες ἄνομοι
— 6. ἀπώλεσεν Ἰ. . . . π. τοὺς φίλους σου
— 7. S R ἰδέτω τὴν ἐξολέθρευσιν π. [A ἅπ.]
— 7. καὶ π. τοὺς ἐπιβοηθοῦντας αὐτοῖς
— 18. ἐπέπεσεν αὐτῶν ὁ φόβος . . . εἰς π. τὸν λαόν
— 22. π. οἱ ταράσσοντες τὸν λαὸν αὐ.
— 23. εἶδεν Ἰ. π. τὴν κακίαν
— 24. ἐξῆλθεν εἰς π. τὰ ὅρια τῆς Ἰουδ.
— 46. ἐξῆλθον ἐκ π. τῶν κωμῶν
— 46. ἔπεσον πάντες ῥομφαίᾳ
8. 1. ἐν π. τοῖς προστιθεμένοις αὐτοῖς
— 4. κατεκράτησαν τοῦ τόπου παντός
— 14. S R καὶ ἐν π. [A ἅπ.] τούτοις
— 15. ἐβουλεύοντο . . . διὰ παντὸς περὶ τοῦ πλήθους
— 16. καὶ κυριεύειν [S¹ om.] π. τῆς γῆς αὐ.
— 16. πάντες ἀκούουσι τοῦ ἑνός
— 24. A R ἢ π. τοῖς συμμάχοις αὐ. ἐν π. [S π. τῇ] κυρείᾳ αὐ.
9. 11. καὶ οἱ πρωταγωνισταὶ π. οἱ δυνατοί
— 14. π. οἱ εὔψυχοι τῇ καρδίᾳ
— 20. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ.
— 23. ἐν π. τοῖς ὁρίοις Ἰσρ.
— 23. π. οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀδικίαν
— 28. ἠθροίσθησαν π. οἱ φίλοι Ἰ.
— 33. ἔγνω Ἰ. . . . καὶ π. οἱ μετ' αὐτοῦ
— 34. ἦλθεν αὐτὸς καὶ π. τὸ στράτευμα αὐ.
— 36. καὶ πάντα ὅσα εἶχε
— 40. S R ἔλαβον π. τὰ σκῦλα [A σκεύη] αὐ.
— 58. ἐβουλεύσαντο π. οἱ ἄνομοι
— 58. συλλήψεται αὐτοὺς πάντας
— 60. ἀπέστειλεν ἐπιστολὰς λάθρα π. τοῖς συμμάχοις αὐ.
— 63. συνήγαγε π. τὸ πλῆθος αὐ.
— 71. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐ.
10. 5. μνησθήσεται γὰρ π. τῶν κακῶν
— 7. εἰς τὰ ὦτα π. τοῦ λαοῦ
— 29. ἀφίημι π. τοὺς Ἰουδαίους
— 33. π. ψυχὴν Ἰουδαίων τὴν αἰχμαλωτισθεῖσαν ἀπὸ γῆς Ἰ. εἰς π. βασιλείαν μου
— 33. πάντες ἀφιέτωσαν τοὺς φόρους
— 34. π. αἱ ἑορταὶ καὶ τὰ σάββατα
— 34. A ἔστωσαν π. αἱ ἡμέραι ἀτελείας . . . π. τοῖς Ἰουδαίοις τοῖς οὖσιν ἐν π. [S R om.] τῇ βασιλείᾳ μου
— 35. AR παρενοχλεῖν τινὰ αὐτῶν περὶ π. [S τινος] πράγματος
— 36. ὡς καθήκει π. ταῖς δυνάμεσι τοῦ βασ.
— 41. καὶ πᾶν τὸ πλεονάζον
— 43. καὶ ἐν π. τοῖς ὁρίοις αὐ.
— 43. ὀφείλοντες βασιλικὰ καὶ πᾶν πρᾶγμα
— 43. καὶ πάντα [S¹ πᾶν πρᾶγμα] ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς

I Ma. 10. 47. συνεμάχουν αὐτῷ π. τὰς ἡμέρας
— 48. S συνήγαγεν Ἀλ. ὁ βασ. π. τὰς δυνάμεις [A R al.]
— 63. μηδεὶς αὐτῷ παρενοχλείτω περὶ π. λόγου
— 64. καὶ ἔφυγον πάντες
— 89. ἔδωκεν αὐτῷ . . . π. τὰ ὅρια αὐ.
11. 26. ἐναντίον π. τῶν φίλων αὐ.
— 29. ἔγραψε τῷ Ἰ. ἐπιστολὰς περὶ π. τούτων
— 34. καὶ π. τὰ συγκυροῦντα αὐτοῖς π. τοῖς θυσιάζουσιν εἰς Ἱερ.
— 35. R πάντα ἐπαρκῶς παρίεμεν αὐτοῖς [A S al.]
— 38. A R ἀπέλυσε π. [S om.] τὰς δυνάμεις αὐ.
— 38. π. αἱ δυνάμεις αἱ ἀπὸ τῶν πατέρων
— 39. π. αἱ δυνάμεις καταγογγύζουσι
— 43. ἀπέστησαν π. αἱ δυνάμεις μου
— 47. ἐπισυνήχθησαν πρὸς αὐτὸν πάντες ἅμα
— 47. R διεσπάρησαν ἐν τῇ πόλει πάντες ἅμα [A S om. π. ἅ.]
— 51. ἐνώπιον π. [S¹ om.] τῶν ἐν τῇ βασ. αὐ.
— 53. πάντα ὅσα εἶπε
— 55. ἐπισυνήχθησαν . . . π. αἱ δυνάμεις
— 60. A R ἠθροίσθησαν . . . π. αἱ δυνάμεις [S πᾶσα δ.] Σ.
— 69. οἱ παρὰ Ἰωνάθαν πάντες
12. 11. ἐν π. καιρῷ ἀδιαλείπτως
— 32. A R διώδευσεν ἐν π. τῇ [S om.] χώρᾳ
— 43. συνέστησεν αὐτὸν π. τοῖς φίλοις αὐ.
— 44. A R ἵνα τί ἔκοψας π. [S om.] τὸν λαὸν τοῦτον
— 45. παραδώσω σοι . . . π. τοὺς ἐπὶ τῶν χρειῶν
— 48. R π. τοὺς εἰσελθόντας [A συνελ., S συνεισ.] . . . ἀπέκτειναν
— 49. τοῦ ἀπολέσαι πάντας τοὺς παρὰ Ἰων.
— 51. ἦλθον πάντες . . . εἰς γῆν Ἰ.
— 52. S R ἐπένθησε πᾶς [A om.] Ἰσρ. πένθος μέγα
— 53. ἐζήτησαν π. τὰ ἔθνη . . . ἐκτρῖψαι αὐτούς
13. 3. S πάντες ἐποιήσαμεν χάριν τῶν νόμων [A R al.]
— 4. ἀπώλοντο οἱ ἀδελφοί μου π.
— 5. ἐν π. καιρῷ θλίψεως
— 6. συνήχθησαν π. τὰ ἔθνη
— 9. πάντα ὅσα ἂν εἴπῃς ἡμῖν ποιήσομεν
— 10. συνήγαγε π. τοὺς ἄνδρας τοὺς πολεμιστάς
— 20. εἰς π. τόπον οὗ ἂν ἐπορεύετο
— 22. ἡτοίμασε Τρ. π. τὴν ἵππον αὐ.
— 26. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ.
— 29. ὑπὸ π. τῶν πλεόντων τὴν θάλασσαν
— 34. π. αἱ πράξεις Τρύφωνος
— 48. ἐξέβαλεν ἐξ αὐτῆς π. ἀκαθαρσίαν
— 53. ἡγούμενον τῶν δυνάμεων πασῶν
14. 4. π. τὰς ἡμέρας Σίμωνος
— 4. ἤρεσεν αὐτοῖς . . . ἡ δόξα αὐ. π. τὰς ἡμέρας
— 5. μετὰ π. τῆς δόξης αὐ. ἔλαβε
— 9. πάντες περὶ ἀγαθῶν ἐκοινολογοῦντο
— 14. ἐστήρισε π. τοὺς ταπεινούς
— 14. ἐξῆρε πάντα ἄνομον καὶ πονηρόν
— 35. διὰ τὸ αὐτὸν πεποιηκέναι π. ταῦτα
— 35. ἐξεζήτησεν π. τρόπῳ ὑψῶσαι τὸν λαὸν αὐ.
— 43. ὅπως ἀκούηται ὑπὸ πάντων
— 43. ὅπως γράφωνται . . . π. [S² π. αἱ] συγγραφαί
— 46. εὐδόκησε π. ὁ λαός
— 47. τοῦ προστατῆσαι πάντων
15. 1. ἀπέστειλεν . . . ἐπιστολὰς . . . π. τῷ ἔθνει
— 5. ἵστημί σοι π. τὰ ἀφαιρέματα
— 7. π. τὰ ὅπλα . . . μενέτω σοι
— 8. π. ὀφείλημα βασιλικὸν . . . ἀφιέσθω σοι
— 9. ὥστε φανερὰν γενέσθαι τὴν δόξαν ὑ. ἐν π. τῇ γῇ
— 10. συνῆλθον πρὸς αὐτὸν π. αἱ δυνάμεις
— 22. καὶ εἰς π. τὰς χώρας
— 25. A R προσάγων διὰ παντὸς [S -ων] αὐτῇ τὰς χείρας
— 27. ἠθέτησε πάντα
— 36. ἀπήγγειλεν αὐτῷ . . . πάντα ὅσα εἶδε
II Ma. 1. 3. δῴη ὑμῖν καρδίαν πᾶσιν
— 17. κατὰ πάντα εὐλογητὸς ἡμῶν ὁ θ.
— 19. ὥστε πᾶσιν ἄγνωστον εἶναι τὸν τόπον
— 22. ὥστε θαυμάσαι πάντας
— 23. οἵ τε ἱερεῖς καὶ πάντες καταρχομένου Ἰ.
— 24. κύριε ὁ θεὸς ὁ πάντων κτίστης
— 25. ὁ διασώζων τὸν Ἰσρ. ἐκ π. κακοῦ
— 26. πρόσδεξαι τὴν θυσίαν ὑπὲρ π. τοῦ λαοῦ σου Ἰσρ.
2. 14. R ἐπισυνήγαγε πάντα [A ταῦτα]
— 17. ὁ σώσας τὸν π. λαὸν αὐ. καὶ ἀποδοὺς τὴν κληρονομίαν αὐ. πᾶσι
— 22. τοῦ κυρίου μετὰ π. ἐπιεικείας ἵλεω γενομένου αὐτοῖς
II Ma. 2. 25. πᾶσι δὲ τοῖς ἐντυγχάνουσιν ὠφέλειαν
— 30. R περὶ πάντων ποιεῖσθαι λόγον [A al.]
3. 1. τῆς ἁγίας πόλεως κατοικουμένης μετὰ π. εἰρήνης
— 3. πάντα τὰ πρὸς τὰς λειτουργίας . . . ἐπιβάλλοντα δαπανήματα
— 11. τὰ δὲ π. ἀργυρίου τετρακόσια τάλαντα
— 20. πᾶσαι δὲ προτείνουσαι τὰς χεῖρας
— 22. διαφυλάσσειν μετὰ π. ἀσφαλείας
— 24. ὁ . . . πάσης ἐξουσίας δυνάστης
— 24. ὥστε π. τοὺς κατατολμήσαντας συνελθεῖν
— 28. τὸν ἄρτι μετὰ . . . π. δορυφορίας . . . εἰσελθόντα
— 29. πάσης ἐστερημένος ἐλπίδος
— 34. διάγγελλε πᾶσι τὸ μεγαλεῖον τοῦ θ. κράτος
— 36. ἐξεμαρτύρει δὲ πᾶσιν
4. 5. τὸ δὲ σύμφορον . . . π. τῷ πλήθει σκοπῶν
— 42. πάντας δὲ εἰς φυγὴν συνήλασαν
5. 4. διὸ πάντες ἠξίουν
— 8. διωκόμενος ὑπὸ πάντων
— 14. ἐν ταῖς π. ἡμέραις τρισί
— 15. εἰς τὸ πάσης τῆς γῆς ἁγιώτατον ἱερόν
— 20. μετὰ π. δόξης ἐπανωρθώθη
— 24. τοὺς ἐν ἡλικίᾳ πάντας καταφάξαι
— 26. τοὺς ἐξελθόντας πάντας ἐπὶ τὴν θεωρίαν
7. 23. ὁ . . . πάντων ἐξευρὼν γένεσιν
— 28. καὶ τὰ ἐν αὐτοῖς πάντα ἰδόντα
— 31. σὺ δὲ π. κακίας εὑρετὴς γενόμενος
— 34. ὦ ἀνόσιε καὶ π. ἀνθρώπων μιαρώτατε
8. 2. τὸν ὑπὸ πάντων καταπατούμενον λαόν
— 9. A τὸ π. τῆς Ἰουδ. ἐξᾶραι γένος [R al.]
— 14. τὰ περιλελειμμένα πάντα ἐπώλουν
— 20. ὡς οἱ π. ἐπὶ τὴν χρείαν ἦλθον
— 24. πάντας δὲ φεύγειν ἠνάγκασαν
— 31. πάντα συνέθηκαν εἰς τοὺς ἐπικαίρους τόπους
9. 7. π. τὰ μέλη τοῦ σώματος ἀποστρεβλοῦσθαι
— 8. φανερὰν τοῦ θ. πᾶσι τὴν δύναμιν ἐνδεικνύμενος
— 9. π. τὸ στρατόπεδον βαρύνεσθαι τῇ σαπρίᾳ
— 15. πάντας αὐτοὺς ἴσους Ἀθηναίοις ποιήσειν
— 16. τὰ ἱερὰ σκεύη πολυπλάσια π. ἀποδώσειν
— 17. π. τόπον οἰκητὸν ἐπελεύσεσθαι
— 21. φροντίσαι τῆς κοινῆς πάντων ὑμῶν ἀσφαλείας
10. 8. π. τῷ τῶν Ἰουδ. ἔθνει
— 17. πάντας τε τοὺς ἐπὶ τῷ τείχει μαχομένους ἠμύναντο
— 18. πάντα τὰ πρὸς πολιορκίαν ἔχοντας
— 23. τὰ π. ἐν ταῖς χερσὶν εὐοδούμενος
11. 2. R συναθροίσας . . . τὴν ἵππον π. [A ἅπ.]
— 9. ὁμοῦ δὲ πάντες εὐλόγησαν τὸν ἐλεήμονα θεόν
— 11. τοὺς δὲ π. ἠνάγκασαν φυγεῖν
— 13. R τοῦ πάντα [A om.] δυναμένου θεοῦ
— 14. ἔπειτε συλλύσεσθαι ἐπὶ π. τοῖς δικαίοις
— 15. ἐπένευσε δὲ ὁ Μ. ἐπὶ πᾶσιν
12. 21. R διὰ τὴν τῶν [A om.] π. τῶν τόπων στενότητα
— 22. R ἐκ τῆς τοῦ [A τοῦ τὰ] πάντα ἐφορῶντος ἐπιφανείας
— 40. τοῖς δὲ π. σαφὲς ἐγένετο
— 41. πάντες οὖν εὐλογήσαντες
13. 4. τοῦτον αἴτιον τῶν κακῶν εἶναι πάντων
— 12. πάντων δὲ τὸ αὐτὸ ποιησάντων
— 23. ὥμοσεν ἐπὶ π. τοῖς δικαίοις
14. 24. εἶχε τὸν Ἰ. διὰ παντὸς ἐν προσώπῳ
— 34. τὸν διὰ παντὸς ὑπέρμαχον τοῦ ἔθνους ἡμῶν
— 36. ἅγιε παντὸς ἁγιασμοῦ κύριε
— 38. παραβεβλημένος μετὰ π. ἐκτενίας
15. 1. μετὰ π. ἀσφαλείας αὐτοῖς ἐπιβαλεῖν
— 2. ὑπὸ τοῦ πάντα ἐφορῶντος
— 6. R μετὰ π. ἀλαζονείας [A ἀσφαλείας] ὑψαυχενῶν
— 7. πεποιθὼς μετὰ π. ἐλπίδος
— 11. A ὑπέρ τι πάντας ηὔφρανεν [R al.]
— 12. π. τὰ τῆς ἀρετῆς οἰκεῖα
— 12. τῷ π. τῶν Ἰουδ. συστήματι
— 17. μετὰ π. εὐανδρίας ἐμπλακέντες
— 20. πάντων ἤδη προσδοκώντων τὴν ἐσομένην κρίσιν
— 34. οἱ δὲ π. εἰς τὸν οὐρ. εὐλόγησαν τὸν ἐπιφανῆ κ.
— 35. ἐπίδηλον πᾶσι . . . σημεῖον
— 36. καὶ ἐδογμάτισαν πάντες
III Ma. 1. 1. παραγγείλας ταῖς π. δυνάμεσι
— 11. μηδὲ π. τοῖς ἱερεῦσιν
— 11. τῷ προηγουμένῳ πάντων ἀρχιερεῖ
— 13. αὐτὸν εἰσερχόμενον εἰς π. τέμενος
— 15. A οὐχὶ πάντων [R -ως] εἰσελεύσεσθαι
— 16. A ἐν π. [R om.] ταῖς ἐσθήσεσιν
— 26. R καὶ πάντα [A -ας] παραπέμψας
III Ma. 1. 27. τὸν πᾶν κράτος ἔχοντα
— 29. καὶ τὸ π. ἔδαφος ἠχεῖν
— 29. ἅτε δὴ τῶν π. τότε θάνατον ἀλλασσομένων
2. 2. δέσποτα πάσης κτίσεως
— 3. ὁ κτίσας τὰ π.
— 21. R ὁ πάντων ἐπόπτης θεὸς καὶ πρὸ πάντων ἅγιος ἐν ἁγίοις [A al.]
— 25. καὶ ἑταίρων τοῦ π. δικαίου κεχωρισμένων
— 28. πάντας δὲ τοὺς Ἰουδ. εἰς λαογραφίαν . . . ἀχθῆναι
— 30. ἵνα δὲ μὴ τοῖς π. ἀπεχθόμενος φαίνηται
3. 1. συναγαγεῖν πάντας ἐπὶ τὸ αὐτό
— 6. τὴν μὲν οὖν . . . ἐν πᾶσι θρυλλουμένην εὐπραξίαν
— 10. καὶ πᾶν ἐκτενὲς προσοίσεσθαι
— 20. τοῖς π. ἔθνεσι φιλανθρώπως ἀπαντήσαντες
— 24. κατὰ πάντα δυσνοεῖν ἡμῖν τρόπον
— 29. πᾶς δὲ τόπος οὗ ἐὰν φωραθῇ
— 29. R πάσῃ θνητῇ φύσει κατὰ πάντα ἄχρηστος φανήσεται [A al.]
4. 10. ἐν π. τῷ κατάπλῳ
— 11. πᾶσι τοῖς καταπορευομένοις εἰς τὴν πόλιν
— 14. ἀπογραφῆναι δὲ π. τὸ φῦλον ἐξ ὀνόματος
— 16. συμπόσια ἐπὶ π. τῶν εἰδώλων συνιστάμενος
— 18. πᾶσι τοῖς ἐπ' Αἴγυπτον στρατηγοῖς
5. 1. κατὰ πᾶν ἀμετάθετος
— 6. οἱ δὲ πάσης σκέπης ἔρημοι δοκοῦντες εἶναι
— 7. τὸν . . . π. δυνάμεως δυναστεύοντα . . . πάντες μετὰ δακρύων ἐπεκαλέσαντο
— 11. ὑπὸ τοῦ χαριζομένου πᾶσιν
— 21. ἀσμένως πάντες . . . οἱ παρόντες ὁμοῦ συναινέσαντες
— 27. R κατὰ πᾶν [A πάντα] ἀγνωσίᾳ κεκρατημένος
— 28. τοῦ πάντα δεσποτεύοντος θεοῦ
— 29. ὁ δὲ Ἕρμων ὑπεδείκνυε καὶ π. οἱ φίλοι
— 30. διὰ τὸ . . . διεσκεδάσθαι πᾶν αὐτοῦ τὸ νόημα
— 36. A συστησάμενος π. [R πάλιν] τὸ συμπόσιον
— 42. ὁ κατὰ πάντα Φ. βασιλεύς
— 47. π. τῷ βάρει . . . ἐξώρμησε
6. 1. π. τῇ κατὰ τὸν βίον ἀρετῇ
— 2. τὴν π. διακυβερνῶν ἐν οἰκτιρμοῖς κτίσιν
— 5. τὴν π. ὑποχείριον ἤδη λαβόντα γῆν
— 6. φλόγα πᾶσιν ἐπιπέμψας τοῖς ὑπεναντίοις
— 8. ἀπήμαντον πᾶσιν οἰκείοις ἀνέδειξας
— 12. ὁ πᾶσαν ἀλκὴν . . . ἔχων
— 14. ἱκετεύει σε τὸ π. πλῆθος τῶν νηπίων
— 15. δειχθήτω πᾶσιν ἔθνεσιν
— 16. σὺν . . . π. τῷ τῆς δυνάμεως φρυάγματι
— 17. οἰμωγὴν ποιῆσαι π. τῷ στρατοπέδῳ
— 18. φανεροὶ πᾶσι πλὴν τοῖς Ἰουδαίοις
— 26. R πρὸς ἡμᾶς κατὰ πάντα [A -ας] διαφέροντας πάντων ἐθνῶν
— 30. ἐν εὐφροσύνῃ πάσῃ σωτήρια ἄγειν
— 32. οἰμωγὴν δὲ π. . . . ἀπωσάμενοι
— 36. ἐπὶ π. τὴν παροικίαν αὐτῶν
— 39. A ὁ τῶν π. [R ὅλων] δυνάστης
— 40. πάνθ' ὑπὸ τοῦ βασ. χορηγούμενοι
7. 1. καὶ πᾶσι τοῖς τεταγμένοις ἐπὶ πραγμάτων
— 4. R δι' ἣν ἔχουσιν οὕτοι πρὸς π. [A om.] τὰ ἔθνη δυσμένειαν
— 5. ἄνευ π. ἀνακρίσεως
— 6. ὡς πατέρα ὑπὲρ υἱῶν διὰ παντὸς ὑπερμαχοῦντα
— 7. ἀπολελύκαμεν πάσης καθ' ὁντινοῦν αἰτίας τρόπον
— 8. πάντας εἰς τὰ ἴδια ἐπιστρέφειν
— 8. R ἐν π. τόπῳ [A τρόπῳ]
— 9. τὸν πάσης δεσπόζοντα δυνάμεως θεόν
— 9. ἀντικείμενον . . . κατὰ πᾶν ἀφεύκτως διὰ παντὸς ἕξομεν
— 12. ἔδωκεν αὐτοῖς ἄδειαν πάντων
— 12. κατὰ πάντα τὸν ὑπὸ τὴν βασ. αὐ. τόπον
— 12. ἄνευ π. βασιλικῆς ἐξουσίας
— 13. οἱ τούτων ἱερεῖς καὶ πᾶν τὸ πλῆθος
— 18. τὰ πρὸς τὴν ἄφιξιν πάντα
— 22. π. τὰ ἑαυτῶν πάντες ἐκομίσαντο
IV Ma. 1. 2. ἀναγκαῖος εἰς ἐπιστήμην παντὶ ὁ λόγος
— 9. S¹ πάντες [A S² R ἅπ.] γὰρ οὗτοι . . . ὑπεριδόντες
— 11. οὐ μόνον ὑπὸ π. ἀνθρώπων
— 14. εἰ πάντων ἐπικρατεῖ τούτων ὁ λογισμός
— 19. κυριωτάτη δὲ πάντων ἡ φρόνησις
— 25. πολυτροπωτάτη πάντων τῶν παθῶν οὖσα
— 29. R καὶ π. τρόπον μετοχετεύων [A S μεταχέων]
— 35. π. τὰ τοῦ σώματος κινήματα
2. 4. ἀλλὰ καὶ π. ἐπιθυμίας

IV Ma. 2. 6. A ὥσπερ καὶ τῶν κωλυτικῶν τῆς δικαιοσύνης πασῶν [S R παθῶν]
— 16. π. γὰρ ταῦτα τὰ κακοήθη πάθη
— 22. A R περὶ [S ἐπὶ] πάντων τὸν . . . νοῦν . . . ἐνεθρόνισε
3. 8. ὁ πᾶς τῶν προγόνων στρατός
— 9. οἱ μὲν οὖν ἄλλοι π. ἐπὶ τὸ δεῖπνον ἦσαν
— 13. κατὰ πᾶν τὸ τῶν πολεμίων στρατόπεδον
— 18. ἀποπτύσαι π. τὰς τῶν παθῶν ἐπικρατείας
4. 1. π. τρόπον διαβάλλων
— 12. πᾶσί τε ἀνθρώποις ὑμνήσειν
— 19. ἐξεπολίτευσεν ἐπὶ π. παρανομίαν
— 24. π. τὰς ἑαυτοῦ ἀπειλὰς . . . ἑώρα καταλυομένας
5. 13. S R ἐπὶ πάσῃ [A πᾶσιν] δι' ἀνάγκην παρανομίᾳ γινομένῃ
— 23. ὥστε π. τῶν ἡδονῶν . . . κρατεῖν
— 23. ὥστε π. πόνον ἑκουσίως ὑπομένειν
— 24. ὥστε διὰ π. τῶν ἠθῶν ἰσονομεῖν
6. 20. S καταγελώμενοι ὑπὸ πάντων [A R πρὸς ἁπ.]
7. 17. τῶν παθῶν οὐ πάντες περικρατοῦσιν
— 17. οὐδὲ πάντες φρόνιμον ἔχουσι τὸν λογισμόν
— 22. διὰ τὴν ἀρετὴν πάντα πόνον ὑπομένειν
8. 3. καὶ ἐν παντὶ χαρίεντες
— 29. πάντες διὰ μιᾶς φωνῆς . . . εἶπον
9. 14. κατὰ πᾶν μέλος κλώμενος
— 18. διὰ πασῶν γὰρ ὑμᾶς πείσω τῶν βασάνων
— 26. θαυμασάντων δὲ πάντων τὴν καρτεροψυχίαν αὐ.
— 28. τὴν σάρκα π. . . . οἱ παρδάλειοι θῆρες ἀπέσυραν
— 29. ὡς ἡδὺς πᾶς τρόπος θανάτου
— 30. πάντων ὠμότατε τύραννε
11. 5. τὸν πάντων κτίστην εὐσεβοῦμεν
12. 1. ὁ ἕβδομος παρεγίνετο πάντων νεώτερος
— 8. καὶ τοῖς σὺν αὐτῷ φίλοις πᾶσι
— 11. A R πάντων τῶν [S om.] πονηρῶν ἀσεβέστατε τύραννε
13. 13. ἀλλήλους ὁμοῦ πάντες ἐφορῶντες
— 17. καὶ π. οἱ πατέρες ἐπαινέσουσι
14. 5. πάντες . . . ἐπὶ τὸν . . . θάνατον ἔσπευδον
— 13. ἕλκουσα πάντα πρὸς τὴν . . . συμπάθειαν
15. 6. A R π. δὲ τῶν μητέρων ἐγένετο . . . φιλοτεκνοτέρα
— 12. πάντας . . . ἐπὶ τὸν . . . προετρέπετο θάνατον
— 24. S² R ἃς πάσας [A ἀσπάσασα, S¹ ἃς ἁπ.] ἡ γενναία μήτηρ ἐξέλυσε
16. 19. ὀφείλετε π. πόνον ὑπομένειν
— 25. ὥσπερ . . . π. οἱ πατριάρχαι
17. 19. π. οἱ ἡγιασμένοι ὑπὸ τὰς χεῖράς σου
— 24. ἐνίκησε π. τοὺς πολεμίους
18. 1. π. τρόπον εὐσεβεῖτε
— 16. A R ξύλον ζωῆς ἐστι πᾶσι [S om.] τοῖς ποιοῦσιν αὐ. τὸ θέλημα
— 20. R ἐπὶ . . . πάσας [A S πάλιν] τὰς βασάνους αὐ.

[Aq. Ge. 1. 26 *bis*, 28, 29, 30: 2. 6: 3. 2 (1): 6. 20 (19): 11. 6: 12. 5 (P.): 19. 31: 32. 10 (11) *bis*: Ex. 7. 24: 9. 14, 24: 21. 30: 31. 9: 35. 22, 23, 29: Nu. 1. 20, 45: 3. 7: 5. 2: 6. 3: Dt. 3. 4: 4. 16, 19 *ter*: 5. 26 (23): 12. 7: 14. 14: 17. 3: 21. 21: 24. 21 (19): 27. 1: Jo. 1. 4, 7: 2. 3: 4. 10, 24: 9. 5 (11): I Ki. 19. 13, 16: II Ki. 5. 8: 6. 14: III Ki. 1. 3: 4. 21 (5. 1) *bis*: 6. 10, 18: 8. 1: 9. 9: 11. 39: 12. 3: 14. 8, 9, 13, 18: 15. 6, 32: 20 (21). 15: IV Ki. 12. 5 (6): 23. 22: 24. 14: Jb. 33. 13: 41. 26: Ps. 6. 8: 7. 12: 9. 25 (10. 4): 13 (14). 4: 15 (16). 3: 21 (22). 28, 30 *bis*: 24 (25). 3: 25 (26). 7: 28 (29). 9: 30 (31). 12: 31 (32). 6, 11: 32 (33). 4, 6, 8, 14, 15: 33 (34). 5: 38 (39). 6, 12: 43 (44). 23 (P.): 44 (45). 9: 47 (48). 3: 61 (62). 9: 62 (63). 12: 68 (69). 35: 70 (71). 14: 72 (73). 28: 73 (74). 8: 75 (76). 10: 86 (87). 7: 88 (89). 8, 51: 89 (90). 14: 90 (91). 11: 93 (94). 15: 94 (95). 3: 95 (96). 4, 9, 12: 115. 2 (116. 11): 118 (119). 96, 118, 119: 134 (135). 18: 138 (139). 16: 142 (143). 5: 148. 2, 11: Pr. 1. 19: 3. 9: 4. 7, 23: 28. 5: 30. 4, 30: 31. 12: Ec. 2. 5: 4. 16: 9. 9: 12. 4, 8: Is. 1. 23: 2. 13: 8. 9: 16. 14: 26. 14: 27. 9: 28. 8: 29. 7, 20: 30. 5: 34. 2, 4 *bis*, 12: 36. 6: 37. 11: 38. 15, 16: 40. 6: 51. 20: 52. 5: 54. 17: 56. 9 *bis*, 11: 57. 5: 60. 4, 14: 62. 2: 64. 6 (5): Je. 7. 2, 23: 8. 2, 3: 9. 4 (3): 10. 7 *bis*, 9, 16, 20, 21: 13. 11, 12: 15. 10: 25. 20 (32. 6) *bis*, 22 (32. 8) *bis*, 24 (32. 10), 25 (32. 11) (Sw.): 27 (34). 6: 29 (36). 25, 31 (Sw.): 30 (37). 6, 16 *bis*: 31 (38). 24, 30: 32 (39). 17, 19, 37: 33 (40). 9 *ter*: 34 (41). 1, 8, 19: 35 (42). 17: 40 (47). 11: 41 (48). 10 *bis*, 11, 12: 43 (50). 1, 5, 6: 44 (51). 1, 20, 23: 45. 5 (51. 35): 47 (29). 2: 48 (31). 37 *bis*: 49. 32 (30. 10) *bis*: 50 (27). 13: 51 (28). 17, 24, 28: 52. 8, 20, 34: Ez. 6. 13: 7. 3: 10. 12: 11. 15, 25: 18. 10: 20. 26, 40, 43: 23. 15: 27. 29: 29. 7: 30. 5: 32. 20, 25 *bis*, 31: Da. 1. 17: 2. 38 (Sw.): 11. 2 (Sw.), 37: Ho. 7. 2: Ze. 3. 9: Ma. 4. 1 (3. 19).]

[Sm. Ge. 1. 29 *ter*, 30 *quater*, 31: 6. 20 (19): 9. 2: 11. 6: 18. 25: Ex. 7. 24: 9. 14: 19. 5: 28. 29: 30. 13: 31. 9: 35. 22, 23: 36. 4: 38. 31 (39. 9) *bis*: 39. 37 (17): Le. 17. 14: Nu. 1. 20, 45: 3. 7: 5. 2 *bis*: 6. 3: Dt. 3. 4, 14: 27. 1: Jo. 1. 4, 7: 4. 10, 24: 9. 5 (11): Jd. 3. 19: I Ki. 2. 32: 12. 7: 23. 20: III Ki. 1. 3: 3. 13: 4. 21 (5. 1) *bis*: 5. 1 (15): 6. 18: 11. 36: 22. 28: IV Ki. 3. 19: 8. 6: 23. 4: Jb. 1. 3: 2. 4: 16. 2: 28. 18: 30. 2: 33. 13: 41. 26: 42. 11: Ps. 3. 8: 9. 25 (10. 4), 26 (10. 5): 13 (14). 4: 15 (16). 3: 18 (19). 5: 20 (21). 9: 21 (22). 28, 30 *bis*: 24 (25). 3, 5: 25 (26). 7: 28 (29). 9: 30 (31). 12: 31 (32). 3, 6: 32 (33). 6, 8: 33 (34). 5: 34 (35). 28: 38 (39). 6, 9: 40 (41). 8: 41 (42). 8: 43 (44). 9, 11, 23: 47 (48). 3: 51 (52). 6: 55 (56). 3, 6 *bis*: 58 (59). 9: 61 (62). 9: 65 (66). 4: 68 (69). 24, 35: 70 (71). 8, 15: 72 (73). 23: 73 (74). 8, 22: 75 (76). 6, 10: 76 (77). 13: 81 (82). 5, 8: 86 (87). 7: 87 (88). 18: 88 (89). 8, 17: 89 (90). 9, 14, 15: 90 (91). 11: 94 (95). 3: 95 (96). 4, 9, 12: 101 (102). 27: 102 (103). 2: 104 (105). 35: 108 (109). 11: 115. 2 (116. 11): 118 (119). 96, 109, 118 *bis*, 119: 134 (135). 18: 137 (138). 2: 138 (139). 16: 139 (140). 3: 146 (147). 4: 148. 2, 3: Pr. 1. 19: 3. 9: 4. 7: 7. 26: 15. 15 *bis*: 19. 6: 28. 5: 30. 4, 27, 30: 31. 8, 12: Ec. 2. 10, 14: 3. 1 *bis*, 17, 19: 4. 1: 5. 8: 7. 19 (18), 22 (21): 8. 17: 9. 1, 3: 10. 19: 11. 8, 9: 12. 13, 14 *bis*: Is. 2. 13: 8. 9, 12: 9. 5 (4): 10. 23: 16. 14: 25. 7 *bis*, 8 *bis*: 26. 14: 27. 9: 28. 8: 29. 7, 20: 30. 5, 18, 25: 34. 2, 4 *bis*, 12: 36. 6: 37. 25: 40. 6: 42. 15: 45. 13: 49. 13: 51. 20: 52. 5: 53. 6: 54. 17: 56. 10, 11: 57. 5: 58. 6: 59. 8: 60. 4, 14: 62. 2, 6: 63. 3, 7: 65. 8: Je. 6. 13: 7. 2, 23, 34: 8. 2, 3: 9. 4 (3): 10. 20, 21: 13. 11 (Sw.), 12: 15. 10: 17. 3 (Sw.), 9: 19. 13: 20. 7: 27 (34). 6: 29 (36). 25: 30 (37). 6, 16: 31 (38). 25, 30, 37: 32 (39). 19, 27, 37: 35 (42). 3, 18 (Sw.): 40 (47). 1: 41 (48). 11, 12: 43 (50). 1, 6: 44 (51). 1, 20, 23, 24: 48 (31). 37 *bis*: 49. 32 (30. 10): 50 (27). 13: 51 (28). 17, 24, 28, 49: 52. 8, 20, 34: Ez. 6. 13: 10. 12: 11. 15: 12. 19: 13. 18 *bis*: 16. 33: 17. 9, 21: 23. 15, 23 (P.): 27. 5, 29: 28. 13: 32. 25 *bis*, 31: Da. 3. 2 (Sw.), 33 (100) (Sw.): 11. 2 (Sw.): Am. 3. 2 (P.): 5. 16: Hb. 1. 9: Ze. 1. 9.]

[Th. Ge. 1. 28, 29 *ter*, 30 *quater*: Ex. 7. 24: 10. 15: 21. 30: 28. 29: 30. 13: 31. 9: 34. 19: 35. 23: 36. 4: 38. 3 (23), 31 (39. 9) *bis*: 39. 37 (17): Le. 8. 10: Nu. 1. 20, 45: 3. 7: 5. 2: Dt. 3. 4: 4. 19 *bis*: 27. 1: Jo. 1. 4, 7: 2. 3: 4. 10, 24: Jd. 11. 24: 16. 17: I Ki. 2. 32: II Ki. 12. 12: III Ki. 1. 3: 5. 1 (15): 6. 18: 8. 66: 22. 28: IV Ki. 3. 19: 8. 6 *bis*: 23. 4: Jb. 12. 9: 28. 3: 36. 19: 37. 7: 41. 26 *bis*: Ps. 15 (16). 3: 43 (44). 23 (P.): 73 (74). 8: 89 (90). 14: 93 (94). 15: 94 (95). 3: 95 (96). 4: 115. 2 (116. 11): 118 (119). 118, 119: 134 (135). 18: Pr. 1. 19: 3. 9: 4. 7, 23: 6. 35: 7. 26: 16. 4, 11: 21. 5: 28. 5: 30. 4, 30: 31. 12: Is. 1. 23: 2. 13: 8. 9: 10. 23: 16. 14: 22. 24: 26. 14, 15: 27. 9: 28. 8: 29. 20: 30. 5: 34. 2 (Sw.), 4, 12: 36. 6: 38. 15: 40. 6: 41. 29: 42. 15: 44. 11: 54. 17 *bis*: 57. 5: 60. 4, 14: 63. 3: 64. 6 (5): Je. 7. 2: 8. 10 *bis*: 10. 7 *bis*, 9, 16: 11. 8: 13. 11, 12: 15. 10: 17. 3 *bis* (Sw.): 20. 10: 25. 9 (Sw.), 20 (32. 6), 20 (32. 6) (Sw.), 24 (32. 10): 27 (34). 20: 29 (36). 14 *bis*, 16, 18 *bis*, 20, 25, 31 (Sw.): 30 (37). 11: 31 (38). 30, 40: 32 (39). 19: 33 (40). 18: 34 (41). 8: 39 (46). 3, 4, 6, 13: 43 (50). 5: 44 (51). 1, 11, 24: 49. 32 (30. 10): 51 (28). 28: 52. 30, 34: Ez. 1. 16 (Sw.): 5. 11: 6. 13 *bis*: 7. 12, 13, 14: 8. 10: 10. 12: 11. 15: 20. 40, 43: 25. 6: 27. 29: 28. 3, 24: 32. 23, 25 *bis*, 29, 30 (Sw.), 31 *bis*: 37. 23 (Sw.): 38. 4 (Sw.), 6, 13: Da. 1. 17, 20: 2. 10, 35, 38, 48: 3. 2, (60), (80), (81), (90)†: 4. 25: 7. 23 *bis*, 27: 11. 2, 17, 37 *bis*: 12. 1, 7: Ze. 3. 9: Za. 12. 3.]

[Al. Ge. 8. 19: 31. 34: Ex. 30. 13: Le. 4. 1: 6. 23 (16): 10. 3: 14. 36: 15. 10 *bis*: 16. 2, 21: 17. 11: 18. 6, 23: 20. 25: 21. 11: 24. 3: Nu. 3. 39: 9. 5: 15. 33: 16. 3 *bis*: 35. 30: Dt. 11. 6: 12. 5, 8: Jo. 3. 7: I Ki. 1. 11: 9. 2, 21: 11. 10: II Ch. 11. 16: Jb. 37. 7: Ps. 146 (147). 4: 150. 6: Pr. 3. 17: 16. 2: Is. 7. 19: Je. 25. 20 (32. 6): 26 (33). 17: 32 (39). 37: 39 (46). 3: 47 (29). 4: Ez. 32. 24, 25 *bis*: Ho. 14. 3: Za. 14. 10.]

[Sam. Nu. 31. 18.]

[Heb. Ge. 17. 14: Jb. 9. 9, 13: Ez. 20. 47 (21. 3): 32. 30 (P.).]

[Quint. IV Ki. 3. 19: 8. 6: 24. 14: Ps. 3. 3: 19 (20). 4: 24 (25). 3: 30 (31). 12: 38 (39). 6: 75 (76). 10: 95 (96). 4: 118 (119). 118, 119: 134 (135). 18: Ho. 7. 4.]

[Sext. Ps. 30 (31). 12: 32 (33). 6: 74 (75). 4: 95 (96). 4: 134 (135). 18.]

πάσσαλος. (1) יָתֵד

Ex. 27. 19. καὶ οἱ π. τῆς αὐλῆς χαλκοῖ (1)
37. 18 (38. 20). πάντες οἱ π. τῆς αὐλῆς (1)
38. 21 (20). A R τοὺς π. τῆς σκηνῆς (1)
— 21 (20). τοὺς π. τῆς αὐλῆς –
39. 9 (38. 31). τοὺς π. τῆς σκηνῆς καὶ τοὺς π. τῆς αὐλῆς (1, 1)
— 21 (40). καὶ τοὺς π. (1)
Nu. 3. 37: 4. 32. τὰς βάσεις αὐτῶν καὶ τοὺς π. (1)
De. 23. 13 (14). π. ἔσται σοι ἐπὶ τῆς ζώνης σου (1)
Jd. 4. 21. ἔλαβεν . . . τὸν π. τῆς σκηνῆς (1)
— 21. ἔπηξε [A ἔθηκεν] τὸν π. (1)
— 22. καὶ ὁ π. ἐν τῷ κροτάφῳ [A τῇ γνάθῳ] αὐ. (1)
5. 26. εἰς πάσσαλον ἐξέτεινε (1)
16. 13. καὶ ἐγκρούσῃς [A *add.* ἐν] τῷ π. –
— 14. ἔπηξε τῷ π. [A κατέκρουσεν ἐν τοῖς π.] (1)
— 14. ἐξῆρε τὸν π. [A -έσπασεν τοὺς π.] (1)
Si. 14. 24. πήξει [A πήσσει] πάσσαλον ἐν τοῖς τοίχοις αὐτῆς (1)
26. 12. κατέναντι παντὸς πασσάλου καθήσεται (1)
27. 2. ἀνὰ μέσον ἁρμῶν λίθων [S² λιθίνων] παγήσεται πάσσαλος (1)
Is. 33. 20. οὐδὲ μὴ κινηθῶσιν οἱ π. τῆς σκηνῆς αὐτῆς (1)
54. 2. τοὺς π. σου κατίσχυσον (1)
Ez. 15. 3. εἰ λήψονται ἐξ αὐτῆς πάσσαλον (1)

[Aq. Is. 22. 23, 25.]

[Sm. Ex. 35. 18 *bis*: 38. 31 (39. 9) *bis*: Jd. 5. 26: Is. 22. 23, 25.]

[Th. Ex. 38. 31 (39. 9) *bis*: Is. 22. 23, 25.]

πάσσειν. (1) יָרַק (2) עָפַר pi. (3) פָּזַר pi.

Ex. 9. 8. πασάτω M. εἰς τὸν οὐρ. (1)
— 10. A² B ἔπασεν αὐτὴν M. εἰς τὸν οὐρ. (1)
II Ki. 16. 13. καὶ τῷ χοῖ πάσσων (2)
Es. 1. 6. κύκλῳ ῥόδα πεπασμένα [S¹ πεπλ.] †
Ps. 147. 5 (16). ὁμίχλην ὡσεὶ σποδὸν πάσσοντος (3)
Si. 43. 17. ὡς πετεινὰ καθιπτάμενα πάσσει χιόνα
III Ma. 1. 18. R τὰς κεφαλὰς [A κόμας] πασάμεναι

παστάς.

[Aq. Is. 57. 8.]

παστός. (1) חֻפָּה

Ps. 18 (19). 5. ὡς νυμφίος ἐκπορευόμενος ἐκ παστοῦ αὐτοῦ (1)
Jl. 2. 16. καὶ νύμφη ἐκ τοῦ π. αὐ. (1)
I Ma. 1. 27. A R καθημένη ἐν παστῷ ἐγένετο ἐν πένθει [S ἐπένθει] (1)
III Ma. 1. 19. R τοὺς πρὸς ἀπάντησιν διατεταγμένους π. [A *al.*]
4. 6. αἱ δὲ ἄρτι . . . ὑπεληλυθυῖαι παστὸν νεάνιδες

παστοῦν.

[Aq. Dt. 33. 12.]

παστοφόριον. (1) לִשְׁכָּה

I Ch. 9. 26. οἱ Λ. ἦσαν ἐπὶ τῶν π. (1)
23. 28. τοῦ λειτουργεῖν . . . ἐπὶ τὰ π. (1)
26. 16. μετὰ τὴν πύλην παστοφορίου [A τοῦ π.] †
— 18. μετὰ τὴν πύλην τοῦ π. –
28. 12. καὶ πάντων τῶν π. τῶν κύκλῳ (1)
II Ch. 31. 11. ἑτοιμάσαι παστοφόρια (1)
I Es. 8. 59. ἐν τοῖς π. τοῦ οἴκου

I Es. 9. 1. ἐπορεύθη εἰς τὸ π.
Is. 22. 15. πορεύου εἰς τὸ π. πρὸς Σομνᾶν †
Je. 42 (35). 4. εἰς τὸ π. υἱῶν Ἰωνὰν υἱοῦ [A *om.* υἱ. Ἰ. υἱ.] Ἀνανίου (1)
Ez. 40. 17. ἰδοὺ παστοφόρια [A γαζοφυλάκια] . . . τριάκοντα παστοφόρια ἐν τοῖς περιστύλοις (1, 1)
— 38. τὰ π. αὐτῆς καὶ τὰ θυρώματα αὐτῆς (1)
I Ma. 4. 38. ἴδον . . . τὰ π. καθῃρημένα
— 57. ἐνεκαίνισαν . . . τὰ π.
[Aq. Je. 35 (42). 4 : 36 (48). 10, 20 : Ez. 40. 17 (P.).]
[Th. Ez. 40. 17 (P.) : 42. 1.]

πάσχα. (1) פֶּסַח

Ex. 12. 11. π. ἐστι κυρίῳ [A -ίου] (1)
— 21. θύσατε τὸ π. (1)
— 27. θυσία τὸ π. τοῦτο κυρίῳ (1)
— 43. οὗτος ὁ νόμος τοῦ π. (1)
— 48. ποιῆσαι τὸ π. κυρίῳ (1)
34. 25. θύματα ἑορτῆς τοῦ π. (1)
Le. 23. 5. ἐν τῷ πρώτῳ μηνὶ . . . π. τῷ κυρίῳ (1)
Nu. 9. 2. ποιείτωσαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὸ π. (1)
— 4, 6. ποιῆσαι τὸ π. (1)
— 10. ποιήσει τὸ π. κυρίῳ (1)
— 12. κατὰ τὸν νόμον τοῦ π. (1)
— 13. ποιῆσαι τὸ π. (1)
— 14. καὶ ποιήσει τὸ π. κυρίῳ (1)
— 14. κατὰ τὸν νόμον τοῦ π. (1)
28. 16. A B² R πάσχα κυρίῳ [B¹ -ου] (1)
33. 3. τῇ ἐπαύριον τοῦ π. (1)
De. 16. 1. ποιήσεις τὸ π. κ. τῷ θεῷ σου (1)
— 2. θύσεις τὸ π. κ. τῷ θεῷ σου (1)
— 5. οὐ δυνήσῃ θῦσαι τὸ π. (1)
— 6. θύσεις τὸ π. ἑσπέρας (1)
Jo. 5. 9 (10). ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὸ π. (1)
IV Ki. 23. 21. ποιήσατε πάσχα τῷ κυρίῳ (1)
— 22. οὐκ ἐγενήθη τὸ π. τοῦτο (1)
— 23. ἐγενήθη τὸ π. τῷ κυρίῳ (1)
I Es. 1. 1. ἤγαγεν Ἰωσ. τὸ π.
— 1. A B¹ ἔθυσαν τὸ π. [B² R *al.*]
— 6. θύσατε τὸ π.
— 6. ποιήσατε τὸ π.
— 8. ἔδωκε . . . εἰς πάσχα πρόβατα δισχίλια
— 9. ἔδωκαν . . . εἰς πάσχα
— 12. ὤπτησαν τὸ π. ἐν πυρί
— 17. ἀχθῆναι τὸ π.
— 19. ἠγάγοσαν . . . τὸ π.
— 20. οὐκ ἤχθη τὸ π. τοιοῦτο
— 21. οὐκ ἠγάγοσαν πάσχα τοιοῦτον
— 22. ἤχθη τὸ π. τοῦτο
7. 10. ἠγάγοσαν . . . τὸ π.
— 12. ἔθυσαν τὸ π.
II Es. 6. 19. καὶ ἐποίησαν . . . τὸ π. (1)
— 20. ἔσφαξαν τὸ π. (1)
— 21. ἔφαγον οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὸ π. †
Ez. 45. 21. ἔσται ὑμῖν τὸ π. ἑορτή (1)
[Aq., Sm., Th. Jo. 5. 11.]

πάσχειν. (1) חָלָה ni.

Es. 9. 26. ὅσα πεπόνθασι διὰ ταῦτα †
Jb. 41. 8 (9). S¹ συνέχονται καὶ οὐ μὴ πάθωσιν [A B S² ἀποσπασθῶσιν] †
Wi. 12. 27. ἐφ' οἷς γὰρ αὐτοὶ πάσχοντες ἠγανάκτουν
18. 1. ὅτι μὲν οὖν [A οὐ] κἀκεῖνοι ἐπεπόνθεισαν
— 11. δημότης βασιλεῖ τὰ αὐτὰ [S ταῦτα] πάσχων
— 19. ἵνα μὴ ἀγνοοῦντες δι' ὃ κακῶς πάσχουσιν ἀπόλωνται
19. 13. δικαίως γὰρ ἔπασχον ταῖς ἰδίαις αὐτῶν πονηρίαις
Si. 38. 16. ὡς δεινὰ πάσχων ἔναρξαι θρήνου
Am. 6. 6. καὶ οὐκ ἔπασχον οὐδέν (1)
Za. 11. 5. οἱ ποιμένες αὐ. οὐκ ἔπασχον οὐδέν †
Ep. Je. 34. ἐὰν κακὸν πάθωσιν ὑπό τινος
Ez. 16. 5. τοῦ παθεῖν τι ἐπὶ σοί †
Da. LXX. 11. 17. καὶ οὐ πείσεται –
II Ma. 6. 30. διὰ τὸν αὐτοῦ φόβον ταῦτα πάσχω
7. 18. ἡμεῖς γὰρ δι' ἑαυτοὺς ταῦτα πάσχομεν
— 32. ἡμεῖς γὰρ διὰ τὰς ἑαυτῶν ἁμαρτίας πάσχομεν
9. 28. ὁ μὲν οὖν ἀνδροφόνος . . . τὰ χείριστα παθών
IV Ma. 4. 25. προειδυίας ὅτι τοῦτο πείσονται
9. 8. R δι' ὃν καὶ [S ὃ καὶ ταῦτα] πάσχομεν
10. 10. διὰ παιδείαν . . . ταῦτα πάσχομεν
13. 17. A R οὕτω γὰρ παθόντας [S θανόντας] ἡμᾶς . . . ὑποδέξονται
14. 9. ἀλλὰ καὶ πάσχοντες ἐκαρτέρουν

πατάσσειν. (1) דָּבַר hi. (2) דָּקַק aph. (3) לָחַם ni. (4) לָכַד (5) מוּת hi. (6) מָחָא (7) מָחַץ (8) נָגַף (9) *a.* נָכָה hi. *b.* מַכָּה (10) צָרַר hi.

Ge. 8. 21. πατάξαι πᾶσαν σάρκα ζῶσαν (9 *a*)
14. 15. R καὶ ἐπάταξεν αὐτούς (9 *a*)
19. 11. τοὺς δὲ ἄνδρας . . . ἐπάταξαν (9 *a*)
32. 11 (12). μή ποτε ἐλθὼν πατάξῃ με (9 *a*)
37. 21. A οὐ πατάξομεν [R -ωμεν] αὐτόν (9 *a*)
Ex. 2. 12. πατάξας τὸν Αἰγύπτιον (9 *a*)
3. 20. πατάξω τοὺς Αἰγυπτίους (9 *a*)
7. 20. ἐπάταξε τὸ ὕδωρ τὸ ἐν τῷ ποτ. (9 *a*)
— 25. μετὰ τὸ πατάξαι κύριον τὸν ποτ. (9 *a*)
8. 16 (12). πάταξον τὸ χῶμα τῆς γῆς (9 *a*)
— 17 (13). ἐπάταξε τὸ χῶμα τῆς γῆς (9 *a*)
9. 15. πατάξω σε (9 *a*)
— 25. ἐπάταξε δὲ ἡ χάλαζα (9 *a*)
— 25. πᾶσαν βοτάνην . . . ἐπάταξεν ἡ χάλ. (9 *a*)
12. 12. πατάξω πᾶν πρωτότοκον (9 *a*)
— 23. πατάξαι τοὺς Αἰγυπτίους (8)
— 23. οὐκ ἀφήσει . . . πατάξαι (8)
— 27. ἡνίκα ἐπάταξε τοὺς Αἰγ. (8)
— 29. κύριος ἐπάταξε πᾶν πρωτότοκον (9 *a*)
17. 5. ἐν ᾗ ἐπάταξας τὸν ποταμόν (9 *a*)
— 6. πατάξεις τὴν πέτραν (9 *a*)
21. 12. ἐὰν δὲ πατάξῃ τίς τινα (9 *a*)
— 18. καὶ πατάξωσι [A -ξῃ τις] τὸν πλησίον (9 *a*)
— 19. ἀθῷος ἔσται ὁ πατάξας (9 *a*)
— 20. ἐὰν δέ τις πατάξῃ τὸν παῖδα αὐτοῦ (9 *a*)
— 22. ἐὰν . . . πατάξωσι γυναῖκα ἐν γαστρὶ ἔχουσαν (8)
— 26. ἐὰν δέ τις πατάξῃ τὸν ὀφθαλμόν (9 *a*)
32. 35. ἐπάταξε κύριος τὸν λαόν (8)
Le. 24. 17. ὃς ἂν πατάξῃ ψυχὴν ἀνθρώπου (9 *a*)
— 18. ὃς ἂν πατάξῃ κτῆνος (9 *a*)
— 21. ὃς ἂν πατάξῃ ἄνθρωπον (9 *a*)
26. 24. πατάξω ὑμᾶς κἀγὼ ἑπτάκις (9 *a*)
Nu. 3. 13 : 8. 17. ἐπάταξα πᾶν πρωτότοκον (9 *a*)
11. 33. ἐπάταξε κ. τὸν λαὸν [A ἐν τῷ λ.] πληγήν (9 *a*)
14. 12. πατάξω αὐτοὺς θανάτῳ (9 *a*)
20. 11. ἐπάταξε τὴν πέτραν (9 *a*)
21. 24. ἐπάταξεν αὐτὸν Ἰσρ. (9 *a*)
— 35. καὶ ἐπάταξεν αὐτόν (9 *a*)
22. 6. ἐὰν δυνώμεθα πατάξαι ἐξ αὐτῶν (9 *a*)
— 11. εἰ ἄρα δυνήσομαι πατάξαι αὐτόν (3)
— 23. ἐπάταξε τὴν ὄνον (9 *a*)
— 32. διὰ τί ἐπάταξας τὴν ὄνον σου (9 *a*)
25. 17. καὶ πατάξατε αὐτούς (9 *a*)
33. 4. οὓς ἐπάταξε κύριος (9 *a*)
35. 11. πᾶς ὁ πατάξας ψυχὴν ἀκουσίως (9 *a*)
— 15. παντὶ πατάξαντι ψυχὴν ἀκουσίως (9 *a*)
— 16. ἐὰν δὲ ἐν σκεύει σιδήρου πατάξῃ αὐτόν (9 *a*)
— 17. ἐὰν δὲ ἐν λίθῳ . . . πατάξῃ αὐτόν (9 *a*)
— 18. ἐὰν δὲ ἐν σκεύει ξυλίνῳ . . . πατάξῃ αὐτόν (9 *a*)
— 21. ἢ διὰ μῆνιν ἐπάταξεν αὐτόν (9 *a*)
— 21. θανάτῳ θανατούσθω ὁ πατάξας (9 *a*)
— 21. A πατάξει [B ἀποκτενεῖ] τὸν φονεύσαντα (5)
— 24. κρινεῖ ἢ συναγ. ἀνὰ μέσον τοῦ πατάξαντος (9 *a*)
— 30. πᾶς πατάξας ψυχήν (9 *a*)
De. 1. 4. μετὰ τὸ πατάξαι Σηών (9 *a*)
2. 33. B² R ἐπατάξαμεν [A B¹ -ξεν] αὐτόν (9 *a*)
3. 3. καὶ ἐπατάξαμεν αὐτόν (9 *a*)
4. 46. ὃν ἐπάταξε Μ. (9 *a*)
7. 2. καὶ πατάξεις αὐτούς (9 *a*)
19. 4. ὃς ἂν πατάξῃ τὸν πλησίον αὐτοῦ (9 *a*)
— 6, 11. καὶ πατάξῃ αὐτοῦ ψυχήν (9 *a*)
20. 13. πατάξεις πᾶν ἀρσενικὸν αὐτῆς (9 *a*)
21. 1. οὐκ οἴδασι τὸν πατάξαντα (9 *a*)
27. 25. πατάξαι ψυχὴν αἵματος ἀθῴου (9 *a*)
28. 22, 27, 28, 35. πατάξαι σε κύριος (9 *a*)
29. 8 (6). ἐπατάξαμεν αὐτούς (9 *a*)
32. 39. πατάξω κἀγὼ ἰάσομαι (7)
Jo. 8. 21. ἐπάταξαν τοὺς ἄνδρας τῆς Γ. (9 *a*)
— 22. καὶ ἐπάταξαν [A -εν] αὐτούς (9 *a*)
— 24. καὶ ἐπάταξεν αὐτήν (9 *a*)
10. 33. ἐπάταξεν αὐτὸν Ἰ. (9 *a*)
— 37. καὶ ἐπάταξεν [A -αν] αὐτήν (4 + 9 *a*)
— 39. καὶ ἐπάταξαν αὐτήν (9 *a*)
— 40. ἐπάταξεν Ἰ. πᾶσαν τὴν γῆν (9 *a*)
— 42. τὴν γῆν αὐτῶν ἐπάταξεν [A ἔλαβεν] Ἰ. (4)
Jo. 12. 6. ἐπάταξαν αὐτούς (9 *a*)
13. 12. ἐπάταξεν αὐτὸν Μ. (9 *a*)
— 21. ὃν ἐπάταξε Μ. αὐτόν (9 *a*)
19. 47. καὶ ἐπάταξαν αὐτήν (9 *a*)
20. 3. τῷ φονευτῇ τῷ πατάξαντι ψυχήν (9 *a*)
— 5. A ἐπάταξεν τὸν πλησίον αὐτοῦ (9 *a*)
24. 5. ἐπάταξα [B¹ -αν, A -εν] τὴν Αἴγ. (8)
Jd. 1. 4. B² ἐπάταξεν [A -εν, B¹ R ἔκοψαν] αὐτούς (9 *a*)
— 5. A ἐπάταξεν [B² R ἔκοψαν] τὸν Χαν. (9 *a*)
— 8. καὶ ἐπάταξαν αὐτήν (9 *a*)
— 10. ἐπάταξαν [A -εν] τὸν Σ. (9 *a*)
— 12. ὃς ἂν πατάξῃ τὴν πόλιν τῶν γραμμ. (9 *a*)
— 17. A ἐπάταξαν [B ἔκοψε] τὸν Χαν. (9 *a*)
— 25. ἐπάταξαν τὴν πόλιν (9 *a*)
3. 13. ἐπάταξε τὸν Ἰσρ. (9 *a*)
— 29. ἐπάταξαν τὴν Μωάβ (9 *a*)
— 31. ἐπάταξε τοὺς ἀλλοφύλους (9 *a*)
5. 26. καὶ ἐπάταξε [A *al.*] (7)
6. 16. πατάξεις τὴν Μ. (9 *a*)
7. 13. καὶ ἐπάταξεν αὐτήν (9 *a*)
8. 11. ἐπάταξε τὴν παρεμβολήν (9 *a*)
9. 43. καὶ ἐπάταξεν αὐτούς (9 *a*)
— 44. καὶ ἐπάταξαν αὐτούς (9 *a*)
11. 21. καὶ ἐπάταξεν αὐτόν [A -ούς] (9 *a*)
— 33. καὶ ἐπάταξεν αὐτούς (9 *a*)
12. 4. ἐπάταξαν ἄνδρες Γαλ. τὸν Ἐφρ. (9 *a*)
14. 19. ἐπάταξεν ἐξ αὐτῶν τριάκοντα ἄνδρας [A *al.*] (9 *a*)
15. 8. καὶ ἐπάταξεν αὐτούς (9 *a*)
— 15. ἐπάταξεν ἐν αὐτῇ χιλίους ἄνδρας (9 *a*)
— 16. ἐπάταξα χιλίους ἄνδρας (9 *a*)
18. 27. καὶ ἐπάταξαν αὐτούς (9 *a*)
20. 31. ἤρξαντο π. [A τύπτειν] (9 *a*)
— 35. ἐπάταξε [A ἐτρόπωσεν] κ. τὸν Βεν. (8)
— 37. ἐπάταξαν [A *add.* ὅλην] τὴν πόλιν (9 *a*)
— 39. π. [A τοῦ τύπτειν] τραυματίας (9 *a*)
— 45. ἐπάταξαν ἐξ αὐτῶν δισχιλίους ἄνδρας (9 *a*)
— 48. καὶ ἐπάταξαν αὐτούς (9 *a*)
21. 10. πατάξατε τοὺς οἰκοῦντας Ἰ. [A *al.*] (9 *a*)
I Ki. 2. 14. καὶ ἐπάταξεν αὐτήν (9 *a*)
4. 8. οἱ θ. οἱ πατάξαντες τὴν Αἴγ. (9 *a*)
5. 3. καὶ ἐπάταξεν αὐτούς –
— 9. ἐπάταξε τοὺς ἄνδρας τῆς πόλεως (9 *a*)
— 9. καὶ ἐπάταξεν αὐτούς †
6. 19. ἐπάταξεν . . . ἑβδομήκοντα ἄνδρας (9 *a*)
— 19. ἐπάταξε . . . πληγὴν μεγ. σφόδρα (9 *a*)
7. 11. καὶ ἐπάταξαν [A -εν] αὐτούς (9 *a*)
13. 3. B ἐπάταξεν Ἰ. τὸν νασίβ (9 *a*)
14. 13. καὶ ἐπάταξεν αὐτούς –
— 14. ἣν ἐπάταξεν Ἰων. (9 *a*)
— 31. ἐπάταξεν . . . ἐκ τῶν ἀλλοφ. (9 *a*)
— 48. A R ἐπάταξε τὸν Ἀμ. [B *al.*] (9 *a*)
15. 3. πατάξεις τὸν Ἀμ. (9 *a*)
— 7. ἐπάταξε Σ. τὸν Ἀμ. (9 *a*)
17. 9. ἐὰν πατάξῃ με (9 *a*)
— 9. ἐὰν . . . πατάξω αὐτόν (9 *a*)
— 25. A ὃς ἂν πατάξῃ αὐτόν (9 *a*)
— 26. A ὃς ἂν πατάξει τὸν ἀλλόφυλον ἐκ. (9 *a*)
— 27. A ὃς ἂν πατάξει αὐτόν (9 *a*)
— 35. καὶ ἐπάταξα αὐτόν (9 *a*)
— 35. καὶ ἐπάταξα καὶ ἐθανάτωσα αὐτόν (9 *a*)
— 36. οὐχὶ πορεύσομαι καὶ πατάξω αὐτόν –
— 49. ἐπάταξε τὸν ἀλλόφυλον (9 *a*)
— 50. A ἐπάταξεν τὸν ἀλλόφυλον (9 *a*)
— 57. A τοῦ πατάξαι τὸν ἀλλόφυλον (9 *a*)
18. 6. A ἀπὸ τοῦ πατάξαι τὸν ἀλλόφ. (9 *a*)
— 7. ἐπάταξε Σ. ἐν χιλιάσιν αὐτοῦ (9 *a*)
— 11. A πατάξω ἐν Δαυίδ (9 *a*)
— 27. καὶ ἐπάταξεν . . . ἑκατὸν [A *om.*] ἄνδρας (9 *a*)
19. 5. ἐπάταξε τὸν ἀλλόφυλον (9 *a*)
— 8. ἐπάταξεν . . . πληγὴν μεγάλην σφόδρα (9 *a*)
— 10. πατάξαι τὸ δόρυ εἰς Δ. (9 *a*)
— 10. ἐπάταξε τὸ δόρυ εἰς τὸν τοῖχον (9 *a*)
21. 9 (10). ὃν ἐπάταξας ἐν τῇ κοιλάδι Ἠ. (9 *a*)
— 11 (12). ἐπάταξε Σ. ἐν χιλιάσιν αὐτοῦ (9 *a*)
22. 19. τὴν Ν. τὴν π. τῶν ἱερέων ἐπάταξεν (9 *a*)
23. 2. εἰ . . . πατάξω τοὺς ἀλλοφύλους τούτους (9 *a*)
— 2. πατάξεις ἐν τοῖς ἀλλοφύλοις τούτοις (9 *a*)
— 2. B πατάξεις [A R σώσεις] τὴν Κ. †
— 5. ἐπάταξεν . . . πληγὴν μεγάλην (9 *a*)
24. 6. ἐπάταξε καρδία Δαυὶδ αὐτόν (9 *a*)
25. 38. ἐπάταξε κύριος τὸν Ν. (8)
26. 8. πατάξω αὐτὸν τῷ δόρατι (9 *a*)
29. 5. ἐπάταξε Σ. ἐν χιλιάσιν αὐτοῦ (9 *a*)
30. 1. ἐπάταξε τὴν Σ. (9 *a*)

I Ki. 30. 17. καὶ ἐπάταξεν αὐτούς (9 a)
II Ki. 1. 15. καὶ ἐπάταξεν αὐτόν [A om.] (9 a)
2. 22. ἵνα μὴ πατάξω σε εἰς τὴν γῆν (9 a)
— 31. ἐπάταξαν . . . τριακοσίους ἑξήκοντα ἄνδρας (9 a)
3. 27. ἐπάταξεν αὐτὸν ἐκεῖ (9 a)
5. 25. ἐπάταξε τοὺς ἀλλοφύλους (9 a)
8. 1. ἐπάταξε Δ. τοὺς ἀλλοφύλους (9 a)
— 2. ἐπάταξε Δ. τὴν Μ. (9 a)
— 3. ἐπάταξε Δ. τὸν Ἀδρ. (9 a)
— 5. ἐπάταξε Δ. . . . εἴκοσι δύο χιλιάδας ἀνδρῶν (9 a)
— 9. ἐπάταξε Δ. πᾶσαν τὴν δύναμιν Ἀδρ. (9 a)
— 10. A B ἐπάταξεν [R ἐπολέμησε] τὸν Ἀδρ. καὶ ἐπάταξεν αὐτόν (3, 9 a)
— 13. ἐπάταξε τὴν Ἰδουμαίαν (9 a)
10. 18. τὸν Σ. . . . ἐπάταξε (9 a)
11. 21. τίς ἐπάταξε τὸν Ἀβιμ. (9 a)
— 22. τίς ἐπάταξε τὸν Ἀβ. –
12. 9. τὸν Οὐρίαν . . . ἐπάταξας (9 a)
13. 28. πατάξατε τὸν Ἀ. (9 a)
— 30. ἐπάταξεν Ἀβ. πάντας τοὺς υἱ. τοῦ βασ. (9 a)
15. 14. ἵνα μὴ . . . πατάξῃ τὴν πόλιν (9 a)
17. 2. πατάξω τὸν βασ. μονώτατον (9 a)
18. 11. τί ὅτι οὐκ ἐπάταξας αὐτόν (9 a)
— 15. ἐπάταξαν [A -εν] τὸν Ἀβ. (9 a)
21. 2. ἐζήτησε Σ. πατάξαι αὐτούς (9 a)
— 12. ἢ ἐπάταξαν οἱ ἀλλόφ. τὸν Σ. (9 a)
— 16. διενοεῖτο πατάξαι τὸν Δ. (9 a)
— 17. ἐπάταξε τὸν ἀλλόφυλον (9 a)
— 18. ἐπάταξε Σεβ. . . . τὸν Σέφ (9 a)
— 19. ἐπάταξεν [A ἐπέτ.] Ἐλ. . . . τὸν Γολ. (9 a)
— 21. ἐπάταξεν αὐτὸν Ἰων. (9 a)
23. 10. καὶ ἐπάταξεν ἐν τοῖς ἀλλοφύλοις (9 a)
— 12. ἐπάταξε τοὺς ἀλλοφύλους (9 a)
— 20. B ἐπάταξε τοὺς δύο υἱοὺς Ἀ. (9 a)
— 20. ἐπάταξε τὸν λέοντα (9 a)
— 21. ἐπάταξε τὸν ἄνδρα τὸν Αἰγ. (9 a)
24. 10. ἐπάταξε καρδία Δ. αὐτόν (9 a)
III Ki. 15. 20. ἐπάταξαν [A -εν] τὴν Ἀ. (9 a)
— 27. A ἐπάταξεν αὐτὸν B. [B al.] (9 a)
— 29. ἐπάταξεν τὸν οἶκον Ἱερ. (9 a)
16. 7. καὶ ὑπὲρ τοῦ πατάξαι αὐτόν (9 a)
— 10. καὶ ἐπάταξεν αὐτόν (9 a)
— 12 (11). ἐπάταξεν ὅλον τὸν οἶκον B. (9 a)
20 (21). 27. ᾗ ἐπάταξε Ναβ. τὸν Ἰ. –
21 (20). 20. ἐπάταξεν ἕκαστος τὸν παρ' αὐτοῦ (9 a)
— 21. ἐπάταξε πληγὴν μεγάλην (9 a)
— 29. ἐπάταξεν Ἰσρ. τὴν Συρίαν (9 a)
— 35. πάταξον δή με (9 a)
— 35. οὐκ ἠθέλησεν ὁ ἄνθρ. πατάξαι αὐτόν (9 a)
— 36. πατάξει σε λέων (9 a)
— 36. καὶ ἐπάταξεν αὐτόν (9 a)
— 37. B πάταξόν με δή (9 a)
— 37. B ἐπάταξεν αὐτὸν ὁ ἄνθρ. πατάξας καὶ συνέτριψε (9 a, 9 a)
22. 24. ἐπάταξε τὸν Μιχ. (9 a)
— 34. ἐπάταξε τὸν βασ. Ἰσρ. (9 a)
IV Ki. 2. 8, 14. ἐπάταξε τὸ ὕδωρ (9 a)
— 14. ἐπάταξε τὰ ὕδατα [A¹ τὸ ὕ.] (9 a)
3. 19. πατάξετε [A -ατε] πᾶσαν πόλιν ὀχυράν (9 a)
— 23. ἐπάταξεν [A -αν] ἀνὴρ τὸν πλησίον αὐ. (9 a)
— 24. ἐπάταξαν τὴν Μ. (9 a)
— 25. καὶ ἐπάταξαν [A -εν] αὐτήν (9 a)
6. 18. πάταξον δὴ τὸ ἔθνος τοῦτο (9 a)
— 18. καὶ ἐπάταξεν αὐτούς (9 a)
— 21. εἰ πατάξας πατάξω, πάτερ (9 a, 9 a)
— 22. καὶ εἶπεν, Οὐ πατάξεις (9 a)
8. 21. ἐπάταξε τὸν Ἐδώμ (9 a)
— 28. ἐπάταξαν οἱ Σύροι τὸν Ἰ. (9 a)
— 29. ὧν ἐπάταξαν αὐτόν (9 a)
9. 24. ἐπάταξε τὸν Ἰωράμ (9 a)
— 27. καὶ ἐπάταξεν αὐτόν (9 a)
10. 9. τίς ἐπάταξε πάντας τούτους (9 a)
— 11. ἐπάταξεν Ἰοὺ πάντας (9 a)
— 17. καὶ ἐπάταξε πάντας (9 a)
— 25. εἰσελθόντες πατάξατε αὐτούς (9 a)
— 25. καὶ ἐπάταξαν [A -εν] αὐτούς (9 a)
— 27. B καὶ ἐπάταξεν [A R ἔταξαν] αὐτόν †
— 32. καὶ ἐπάταξεν αὐτοὺς Ἀζ. (9 a)
12. 20 (21). ἐπάταξαν τὸν Ἰωάς (9 a)
— 21 (22). οἱ δοῦλοι αὐτοῦ ἐπάταξαν αὐτόν (9 a)
13. 17. A B πατάξει [R -εις] τὴν Συρίαν (9 a)
— 18. πάταξον εἰς τὴν γῆν (9 a)
— 18. ἐπάταξεν ὁ βασ. τρίς (9 a)
— 19. εἰ ἐπάταξας πεντάκις (9 a)
IV Ki. 13. 19. τότε ἂν ἐπάταξας τὴν Συρίαν (9 a)
— 19. τρὶς πατάξεις τὴν Συρίαν (9 a)
— 25. τρὶς ἐπάταξεν αὐτόν (9 a)
14. 5. ἐπάταξε τοὺς δούλους αὐ. τοὺς πατάξαντας τὸν πατ. αὐ. (9 a, 9 a)
— 6. τοὺς υἱοὺς τῶν παταξάντων (9 a)
— 7. ἐπάταξε τὴν Ἐδώμ (9 a)
— 10. ἐπάταξας τὴν Ἰδουμαίαν (9 a)
15. 10. καὶ ἐπάταξαν αὐτόν (9 a)
— 14. καὶ ἐπάταξε τὸν Σ. (9 a)
— 16. ἐπάταξε Μ. καὶ τὴν Θ. (9 a)
— 16. καὶ ἐπάταξεν αὐτήν (9 a)
— 25, 30. καὶ ἐπάταξεν αὐτόν (9 a)
18. 8. ἐπάταξε τοὺς ἀλλοφύλους (9 a)
19. 35. ἐπάταξεν ἐν τῇ παρεμβολῇ (9 a)
— 37. ἐπάταξαν αὐτὸν ἐν μαχαίρᾳ (9 a)
21. 24. ἐπάταξεν ὁ λαὸς τῆς γῆς πάντας (9 a)
25. 25. ἐπάταξε [A -αν] τὸν Γοδολίαν (9 a)
I Ch. 1. 46. ὁ πατάξας Μαδιὰμ ἐν τῷ πεδίῳ M. (9 a)
4. 41. ἐπάταξαν τοὺς οἴκους [A οἰκήτορας] αὐ. (9 a)
— 43. ἐπάταξαν τοὺς καταλοίπους (9 a)
10. 2. ἐπάταξαν ἀλλόφυλοι τὸν Ἰων. (9 a)
11. 14. ἐπάταξε τοὺς ἀλλοφύλους (9 a)
— 22. ἐπάταξε τοὺς δύο ἀριὴλ Μωάβ (9 a)
— 22. ἐπάταξε τὸν λέοντα (9 a)
— 23. ἐπάταξε τὸν ἄνδρα τὸν Αἰγύπτιον (9 a)
13. 10. καὶ ἐπάταξεν αὐτόν (9 a)
14. 11. καὶ ἐπάταξεν αὐτούς (9 a)
— 15. τοῦ πατάξαι τὴν παρεμβολὴν τῶν ἀλλοφ. (9 a)
— 16. ἐπάταξε τὴν παρεμβ. τῶν ἀλλοφ. (9 a)
18. 1. ἐπάταξε Δ. τοὺς ἀλλοφύλους (9 a)
— 2. ἐπάταξε τὴν Μωάβ (9 a)
— 3. ἐπάταξε Δ. τὸν Ἀδρ. (9 a)
— 5. ἐπάταξε Δ. ἐν τῷ Σύρῳ (9 a)
— 9. ἐπάταξε Δ. τὴν πᾶσαν δύναμιν Ἀδρ. (9 a)
— 10. καὶ ἐπάταξεν αὐτόν (9 a)
— 12. ἐπάταξε τὴν Ἰδουμαίαν (9 a)
20. 1. ἐπάταξεν Ἰ. τὴν Ῥ. (9 a)
— 4. ἐπάταξε Σοβ. Σασ. τὸν Σ. (9 a)
— 5. ἐπάταξεν Ἐλ. . . . τὸν Λ. (9 a)
— 7. ἐπάταξεν αὐτὸν Ἰων. (9 a)
21. 7. ἐπάταξε τὸν Ἰσρ. (9 a)
II Ch. 6. 36. καὶ πατάξεις αὐτούς †
13. 15. κύριος ἐπάταξε τὸν Ἱερ. (8)
— 17. ἐπάταξεν ἐν αὐτοῖς Ἀβ. (9 a)
— 20. ἐπάταξεν αὐτὸν κύριος (8)
14. 12 (11). ἐπάταξε κύριος τοὺς Αἰθίοπας (8)
16. 4. ἐπάταξε τὴν Ἀ. (9 a)
18. 23. ἐπάταξε τὸν Μιχ. (9 a)
— 33. ἐπάταξε τὸν βασιλέα Ἰσρ. (9 a)
21. 9. καὶ ἐπάταξεν Ἐδώμ (9 a)
— 14. πατάξει σε πληγὴν μεγ. (8)
— 18. ἐπάταξεν αὐτὸν . . . μαλακίαν (8)
22. 5. ἐπάταξαν οἱ τοξόται τὸν Ἰωράμ (9 a)
— 6. ὧν ἐπάταξαν αὐτὸν οἱ Σύροι (9 a)
25. 11. ἐπάταξεν ἐκεῖ τοὺς υἱοὺς Σ. (9 a)
— 13. A R ἐπάταξαν [B -εν] . . . τρεῖς χιλιάδας (9 a)
— 14. πατάξαντος [A -α] τὴν Ἰδουμαίαν (9 a)
— 19. ἐπάταξας τὴν Ἰδουμαίαν (9 a)
28. 5. καὶ ἐπάταξεν ἐν αὐτῷ (9 a)
— 5. ἐπάταξεν . . . πληγὴν μεγάλην (9 a)
— 17. ἐπάταξαν ἐν Ἰουδᾳ (9 a)
— 20. A B² καὶ ἐπάταξεν [B¹ ἔθαψαν, R ἔθλιψεν] αὐτόν (10)
33. 24. ἐπάταξαν αὐτὸν ἐν οἴκῳ αὐτοῦ (5)
— 25. ἐπάταξαν ὁ λαὸς . . . τοὺς ἐπιθεμ. (9 a)
I Es. 2. 26. A B¹ ἐπάταξα [A² B² R ἐπέτ.] οὖν ἐπισκέψασθαι
— 28. B¹ ἐπάταξα [A B² R ἐπέτ.] ἀποκωλῦσαι τοὺς ἄνθρ.
4. 8. εἶπε πατάξαι τύπτουσιν
Ne. 13. 25. ἐπάταξα ἐν αὐτοῖς ἄνδρας (9 a)
Ju. 2. 27. ἐπάταξε πάντας τοὺς νεανίσκους αὐ.
5. 12. ἐπάταξε [A¹ πάταξον] πᾶσαν τὴν γῆν Αἰγ.
6. 3. πατάξομεν [A ἐξολεθρεύσωμεν] αὐτούς
9. 3. καὶ ἐπάταξας δούλους
— 10. πάταξον δοῦλον
13. 8. ἐπάταξεν εἰς τὸν τράχηλον αὐτοῦ
— 15. ἐπάταξεν αὐτὸν ὁ κύριος
16. 7. οὐδὲ υἱοὶ Τιτάνων ἐπάταξαν αὐτόν
Jb. 1. 15. A τοὺς παῖδας ἐπάταξαν ἐν στόματι μαχαίρας [B S al.] (9 a)
5. 18. A πατάξει καὶ αἱ χεῖρες αὐ. ἰάσονται [B S al.] (7)
Ps. 3. 7. σὺ ἐπάταξας πάντας τοὺς ἐχθραίνοντάς μοι ματαίως (9 a)
Ps. 46 (47). 3. A² ἐπάταξε [A¹ B S ὑπέτ.] λαοὺς ἡμῖν (1)
59 (60). tit. ἐπάταξε τὴν φάραγγα τῶν ἁλῶν (9 a)
68 (69). 26. ὃν σὺ ἐπάταξας αὐτοὶ κατεδίωξαν (9 a)
77 (78). 20. ἐπεὶ ἐπάταξε πέτραν (9 a)
— 51. S R ἐπάταξε πᾶν πρωτότοκον ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (9 a)
— 66. ἐπάταξε τοὺς ἐχθροὺς αὐ. (9 a)
104 (105). 33. ἐπάταξε τὰς ἀμπέλους αὐτῶν (9 a)
— 36. ἐπάταξε πᾶν πρωτότοκον (9 a)
134 (135). 8. ὃς ἐπάταξε τὰ πρωτότοκα Αἰγ. (9 a)
— 10. ἐπάταξεν [S¹ ἀπέκτεινεν] ἔθνη πολλά (9 a)
135 (136). 10. τῷ πατάξαντι Αἴγυπτον (9 a)
— 17. τῷ πατάξαντι βασιλεῖς μεγάλους (9 a)
Pr. 23. 13. ἐὰν πατάξῃς αὐτὸν ῥάβδῳ (9 a)
— 14. σὺ μὲν γὰρ πατάξεις αὐτὸν ῥάβδῳ (9 a)
Ca. 5. 7. ἐπάταξάν με ἐτραυμάτισάν με (9 a)
Si. 48. 21. ἐπάταξε τὴν παρεμβολὴν τῶν Ἀσσυρίων
Ho. 6. 2 (1). πατάξει καὶ ἰατρεύσει ἡμᾶς (9 a)
Am. 3. 15. πατάξω τὸν οἶκον τὸν περίπτερον (9 a)
4. 9. ἐπάταξα ὑμᾶς ἐν πυρώσει (9 a)
6. 12 (11). πατάξει τὸν οἶκον τὸν μέγαν (9 a)
9. 1. πάταξον ἐπὶ τὸ ἱλαστήριον (9 a)
Mi. 5. 1 (4. 14). ἐν ῥάβδῳ πατάξουσιν (9 a)
6. 13. ἄρξομαι τοῦ πατάξαι σε (9 a)
Jn. 4. 7. ἐπάταξε τὴν κολόκυνθαν (9 a)
— 8. ἐπάταξεν ὁ ἥλιος ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ Ἰ. (9 a)
Hg. 2. 18 (17). ἐπάταξα ὑμᾶς ἐν ἀφορίᾳ (9 a)
Za. 9. 4. πατάξει εἰς θάλασσαν δύναμιν αὐ. [A al.] (9 a)
10. 11. πατάξουσιν ἐν θαλάσσῃ κύματα (9 a)
12. 4. πατάξω πάντα ἵππον (9 a)
— 4. πάντας τοὺς ἵππους . . . πατάξω [S¹ κατ.] (9 a)
13. 7. πατάξατε [A S³ πάταξον] τοὺς ποιμένας (9 a)
14. 18. ἣν πατάξει κύριος πάντα τὰ ἔθνη (8)
Ma. 4. 6. (3. 24). μὴ . . . πατάξω τὴν γῆν ἄρδην (9 a)
Is. 5. 25. ἐπάταξεν αὐτούς (9 a)
10. 24. ἐν ῥάβδῳ πατάξει σε (9 a)
11. 4. πατάξει γῆν τῷ λόγῳ τοῦ στόματος αὐ. (9 a)
— 15. πατάξει ἑπτὰ φάραγγας (9 a)
14. 6. πατάξας ἔθνος θυμῷ (9 a)
19. 22. πατάξει κύριος τοὺς Αἰγυπτίους πληγῇ [A S add. μεγάλῃ] (8)
27. 7. μὴ ὡς αὐτὸς ἐπάταξε (9 b)
30. 31. τῇ πληγῇ ᾗ ἂν πατάξῃ [A -ει] αὐτούς (9 a)
37. 38. ἐπάταξαν αὐτὸν μαχαίραις (9 a)
49. 10. οὐδὲ πατάξει αὐτοὺς ὁ καύσων (9 a)
57. 17. ἐλύπησα αὐτὸν καὶ ἐπάταξα αὐτόν (9 a)
60. 10. διὰ γὰρ ὀργήν μου ἐπάταξά σε (9 a)
Je. 2. 30. μάτην ἐπάταξα τὰ τέκνα ὑμῶν (9 a)
18. 18. πατάξωμεν αὐτὸν ἐν [A om.] γλώσσῃ (9 a)
20. 2. ἐπάταξεν αὐτόν (9 a)
21. 6. πατάξω πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ πόλει ταύτῃ (9 a)
25. 13. A πατάξω [B S ἐπάξω] ἐπὶ τὴν γῆν ἐκ. π. τοὺς λόγους μου †
26 (46). 2. ὃν ἐπάταξε Ναβουχοδονόσορ (9 a)
30. 6 (49. 28). ἣν ἐπάταξε Ναβουχοδονόσορ (9 a)
33 (26). 23. ἐπάταξεν αὐτὸν ἐν μαχαίρᾳ (9 a)
36 (29). 21. πατάξει [A -εις] αὐτοὺς κατ' ὀφθαλμοὺς ὑμῶν (9 a)
40 (33). 5. οὓς ἐπάταξα ἐν ὀργῇ [A -ξεν ὀργή] μου (9 a)
44 (37). 10. ἐὰν πατάξητε πᾶσαν δύναμιν τῶν Χαλδαίων (9 a)
— 15. ἐπάταξαν αὐτόν (9 a)
47 (40). 14. ἀπέστειλε πρὸς σὲ τὸν Ἰσμαὴλ πατάξαι σου ψυχήν (9 a)
— 15. πατάξω τὸν Ἰσμαὴλ καὶ μηδεὶς γνώτω μὴ πατάξῃ σου ψυχήν (9 a, 9 a)
48 (41). 2. ἐπάταξαν τὸν Γοδολίαν (9 a)
— 4. τῇ ἡμέρᾳ τῇ δευτέρᾳ πατάξαντος αὐτοῦ τὸν Γοδολίαν (5)
— 9. οὓς ἐπάταξε (9 a)
— 18. ἐπάταξεν Ἰσμαὴλ τὸν Γοδολίαν (9 a)
50 (43). 11. πατάξει γῆν Αἰγύπτου (9 a)
52. 27. ἐπάταξεν αὐτοὺς βασιλεὺς Βαβυλῶνος ἐν Δεβλαθά (9 a)
Ez. 11. 7. τοὺς νεκροὺς ὑμῶν οὓς ἐπατάξατε [A ἐφονεύσατε] †
22. 13. A ἐὰν δὲ πατάξω [B ἐπάξω] χεῖρά μου (9 a)
Da. LXX. 2. 34. ἐπάταξε τὴν εἰκόνα (6)
— 35. ὁ λίθος ὁ πατάξας τὴν εἰκόνα . . . ἐπάταξε πᾶσαν τὴν γῆν (6, †)
— 44. πατάξει δὲ . . . τὰς βασ. ταύτας (2)
8. 7. ἐπάταξε τὸν κριόν (9 a)

Da. LXX. 8. 9. ἐπάταξεν ἐπὶ μεσημβρίαν †
Da. TH. 2. 34. ἐπάταξε τὴν εἰκόνα (6)
— 35. ὁ λίθος ὁ πατάξας τὴν εἰκόνα (6)
I Ma. 1. 1. μετὰ τὸ πατάξαι Ἀλ. τὸν Φ.
— 1. ὃς . . . ἐπάταξε τὸν Δ.
— 20. μετὰ τὸ πατάξαι Αἴγυπτον
— 30. ἐπάταξεν αὐτὴν πληγὴν μεγάλην
2. 44. ἐπάταξαν [S¹ -αντο] ἁμαρτωλούς
3. 11. καὶ ἐπάταξεν αὐτόν
4. 2. καὶ πατάξαι αὐτοὺς ἄφνω
— 3. πατάξαι τὴν δύναμιν τοῦ βασ.
5. 3. A R ἐπάταξεν [S -αν] αὐτοὺς πληγὴν μεγάλην
— 7. ἐπάταξεν αὐτούς
— 34. S R ἐπάταξεν αὐτοὺς πληγὴν μεγάλην [A πληγῇ μ.]
— 49. S¹ ἐπάταξεν [A S² R ἐπέτ.] Ἰ.
— 65. ἐπάταξε τὴν Χ.
6. 50. A ἐπάταξεν [S ἐπέτ., R ἀπέτ.] ἐκεῖ φρουράν
7. 41. ἐπάταξεν ἐν αὐτοῖς ἑκατὸν . . . χιλιάδας
8. 4. SR ἐπάταξαν [A -εν] ἐν αὐτοῖς πληγὴν μεγάλην
9. 47. πατάξαι τὸν Β.
— 66. ἐπάταξεν Ὀδ.
12. 31. ἐπάταξεν αὐτούς
13. 43. ἐπάταξε πύργον ἕνα
14. 3. ἐπάταξε τὴν παρεμβολὴν Δ.
II Ma. 9. 5. ἐπάταξεν αὐτὸν ἀνιάτῳ . . . πληγῇ
[Aq. GE. 36. 35: EX. 21. 18: I KI. 5. 6: 17. 50: II KI. 5. 8: Ps. 3. 8: JE. 46 (26). 13: EZ. 21. 21 (26): 32. 15.]
[Sm. GE. 4. 15: 14. 17: EX. 21. 18: I KI. 7. 11: 17. 50: II KI. 12. 15: 21. 2: Ps. 3. 8: 58 (59). 5: 59 (60). 2: 77 (78). 66: 88 (89). 24: JE. 46 (26). 13: EZ. 6. 11: 21. 21 (26): 32. 15: AM. 3. 15.]
[Th. EX. 21. 18: JD. 1. 4, 5: I KI. 15. 2: 17. 50: Ps. 77 (78). 66: JE. 41 (48). 16 (Sw.): EZ. 21. 21 (26): MI. 5. 1 (4. 14).]
[Al. EX. 23. 27: NU. 35. 30: JO. 15. 16: JD. 5. 26: I KI. 5. 6.]

πατεῖν. (1) בּוּס (2) דּוּשׁ ni. (3) דָּרַךְ *a.* qal. *b.* hi. (4) הָלַךְ בְּ (5) רָדָה (6) רָמַס (7) מְשַׁלַּחַ רֶגֶל (8) **πατῆσαι ποιεῖν** דָּרַךְ hi.

De. 11. 24. οὗ ἐὰν πατήσῃ τὸ ἴχνος τοῦ ποδὸς ὑ. (3 *a*)
Jd. 9. 27. καὶ ἐπάτησαν [A κατεπάτουν] (3 *a*)
Ne. 13. 15. εἶδον . . . πατοῦντας ληνούς (3 *a*)
Jb. 22. 15. ἣν ἐπάτησαν [A¹ ἐπανέστησαν] ἄνδρες δίκαιοι (3 *a*)
28. 8. οὐκ ἐπάτησαν [S κατεπ.] αὐτὸν [A S -ην] υἱοὶ ἀλαζόνων (3 *b*)
Am. 2. 7. τὰ πατοῦντα ἐπὶ τὸν χοῦν τῆς γῆς †
Jl. 3 (4). 13. εἰσπορεύεσθε πατεῖτε (5)
Za. 10. 5. ὡς μαχηταὶ πατοῦντες πηλόν (1)
Is. 1. 12. π. τὴν αὐλήν μου οὐ προσθήσεσθε (6)
16. 10. οὐ μὴ πατήσουσιν οἶνον εἰς τὰ ὑπολήνια (3 *a*)
25. 10. ὃν τρόπον πατοῦσιν [A -ῶσιν] ἅλωνα (2)
26. 6. πατήσουσιν αὐτοὺς [A -ὰς] πόδες πραέων (6)
32. 20. ἐπὶ πᾶν ὕδωρ οὗ βοῦς καὶ ὄνος πατεῖ (7)
42. 5. διδοὺς . . . πνεῦμα τοῖς πατοῦσιν αὐτήν (4)
— 16. πατῆσαι ποιήσω αὐτούς (8)
Je. 31 (48). 33. πρωὶ οὐκ ἐπάτησαν [S¹ -σας, A -ήθησαν] (3 *a*)
La. 1. 15. ληνὸν ἐπάτησε κύριος παρθένῳ θυγατρὶ Ἰούδα (3 *a*)
[Aq. Is. 63. 2: JE. 25. 30 (32. 16): 48 (31). 33.]
[Sm. Is. 59. 8: 63. 3: JE. 25. 30 (32. 16): 48 (31). 33.]
[Th. JB. 22. 15.]
[Al. I KI. 5. 5.]

πάτημα. (1) מִרְמָס

IV Ki. 19. 26. καὶ πάτημα [A -ματα] ἀπέναντι ἑστηκότος †
Ez. 34. 19. τὰ πρόβατά μου τὰ π. τῶν ποδῶν ὑμῶν ἐνέμοντο (1)
[Al. DT. 2. 5.]

πατήρ. (1) *a.* אָב *b.* אַב (2) רֵאשׁוֹן (3) **θυγάτηρ τοῦ ἀδελφοῦ τοῦ π.** דּוֹדָה (4) **ὁ ἀδελφὸς τοῦ π., ἀδελφὸς πατρός** דּוֹד

Ge. 2. 24. καταλείψει ἄνθρωπος τὸν π. αὐ. (1 *a*)
4. 20. οὗτος ἦν ὁ π. οἰκούντων ἐν σκηναῖς (1 *a*)
9. 18. Χὰμ ἦν π. Χαναάν (1 *a*)
Ge. 9. 22. εἶδε Χὰμ ὁ π. Χαν. τὴν γύμνωσιν τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*, 1 *a*)
— 23. συνεκάλυψαν τὴν γύμνωσιν τοῦ π. αὐ. (1 *a*)
— 23. τὴν γύμνωσιν τοῦ π. αὐτῶν οὐκ εἶδον (1 *a*)
10. 21. αὐτῷ πατρὶ πάντων τῶν υἱῶν Ἔ. (1 *a*)
11. 28. ἐνώπιον Θάρρα τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 29. καὶ πατὴρ Μελχὰ καὶ πατὴρ Ἰεσχά (1 *a*, 1 *a*)
12. 1. ἔξελθε . . . ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ π. σου (1 *a*)
15. 15. ἀπελεύσῃ πρὸς τοὺς π. σου (1 *a*)
17. 4. ἔσῃ πατὴρ πλήθους ἐθνῶν (1 *a*)
— 5. πατέρα πολλῶν ἐθνῶν τέθεικά σε (1 *a*)
19. 31. ὁ π. ἡμῶν πρεσβύτερος (1 *a*)
— 32. ποτίσωμεν τὸν π. ἡμῶν οἶνον (1 *a*)
— 32. ἐξαναστήσωμεν ἐκ τοῦ π. ἡμῶν σπέρμα (1 *a*)
— 33. ἐπότισαν δὲ τὸν π. αὐτῶν οἶνον (1 *a*)
— 33. ἐκοιμήθη μετὰ τοῦ π. αὐτῆς (1 *a*)
— 34. ἐκοιμήθην ἐχθὲς μετὰ τοῦ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 34. ἐξαναστήσωμεν ἐκ τοῦ π. ἡμῶν σπέρμα (1 *a*)
— 35. ἐπότισαν δὲ . . . τὸν π. αὐτῶν οἶνον (1 *a*)
— 35. ἐκοιμήθη μετὰ τοῦ π. αὐτῆς †
— 36. συνέλαβον . . . ἐκ τοῦ π. αὐτῶν (1 *a*)
— 37. λέγουσα, Ἐκ τοῦ π. μου –
— 38. οὗτος π. Μωαβιτῶν (1 *a*)
— 39 (38). οὗτος π. Ἀμμανιτῶν (1 *a*)
20. 12. ἀδελφή μού ἐστιν ἐκ πατρός (1 *a*)
— 13. ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ π. μου (1 *a*)
22. 7. εἶπεν Ἰ. πρὸς Ἀβ. τὸν π. αὐ., Πάτερ (1 *a*, 1 *a*)
— 21. καὶ τὸν Καμ. π. Σύρων (1 *a*)
24. 7. ὃς ἔλαβέ με ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ π. μου (1 *a*)
— 23. εἰ ἔστι παρὰ τῷ π. σου τόπος (1 *a*)
— 38. εἰς τὸν οἶκον τοῦ π. μου πορεύσῃ (1 *a*)
— 40. καὶ ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ π. μου (1 *a*)
26. 3. ὃν ὤμοσα Ἀβ. τῷ π. σου (1 *a*)
— 5. ὑπήκουσεν Ἀβ. ὁ π. σου τῆς ἐμῆς φωνῆς –
— 15. οἱ παῖδες τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 15. ἐν τῷ χρόνῳ τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 18. οἱ παῖδες Ἀβραὰμ τοῦ π. αὐ. (1 *a*)
— 19. μετὰ τὸ ἀποθανεῖν Ἀβ. τὸν π. αὐ. –
— 18. ἃ ὠνόμασεν Ἀβ. ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 24. ὁ θ. Ἀβ. τοῦ π. σου (1 *a*)
— 24. δι' Ἀβ. τὸν π. σου †
27. 5. θηρεῦσαι θήραν τῷ π. αὐτοῦ †
— 6. ἤκουσα τοῦ π. σου λαλοῦντος (1 *a*)
— 9. ποιήσω αὐτοὺς ἐδέσματα τῷ π. σου (1 *a*)
— 10. εἰσοίσεις τῷ π. σου (1 *a*)
— 10. ὅπως εὐλογήσῃ σε ὁ π. σου –
— 12. μή ποτε ψηλαφήσῃ με ὁ π. μου (1 *a*)
— 14. καθὰ ἐφίλει ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 18. εἰσήνεγκε τῷ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 18. εἶπε δέ, Πάτερ μου (1 *a*)
— 19. R εἶπεν Ἰ. τῷ π. αὐτοῦ [A *al.*] (1 *a*)
— 22. ἤγγισε δὲ Ἰ. πρὸς Ἰσ. τὸν π. αὐ. (1 *a*)
— 26. εἶπεν αὐτῷ Ἰ. ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 29. οἱ υἱοὶ τοῦ π. σου †
— 30. ἀπὸ προσώπου Ἰσ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 31. προσήνεγκε τῷ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 31. εἶπε τῷ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 31. ἀναστήτω ὁ π. μου (1 *a*)
— 32. εἶπεν αὐτῷ Ἰσ. ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 34. τὰ ῥήματα τοῦ π. αὐτοῦ Ἰσ. (1 *a*)
— 34. εὐλόγησον δὴ κἀμέ, πάτερ (1 *a*)
— 36. εἶπεν Ἠ. τῷ π. αὐτοῦ –
— 36. οὐχ ὑπελίπου μοι εὐλογίαν, πάτερ –
— 38. πρὸς Ἰσ. τὸν π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 38. μὴ εὐλογία μία σοί ἐστι, πάτερ (1 *a*)
— 38. εὐλόγησον δὴ κἀμέ, πάτερ (1 *a*)
— 39. ἀποκριθεὶς δὲ Ἰσ. ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 41. ἧς εὐλόγησεν αὐτὸν ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 41. αἱ ἡμέραι τοῦ πένθους τοῦ π. μου (1 *a*)
28. 2. εἰς τὸν οἶκον Βαθ. τοῦ π. τῆς μητρός σου (1 *a*)
— 4. τὴν εὐλογίαν Ἀβ. τοῦ π. μου –
— 7. ἤκουσεν Ἰακὼβ τοῦ π. (1 *a*)
— 8. ἐναντίον Ἰσαὰκ τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 13. ὁ θ. Ἀβ. τοῦ π. σου (1 *a*)
— 21. εἰς τὸν οἶκον τοῦ π. μου (1 *a*)
29. 6. A τῶν προβάτων τοῦ π. αὐ. [R *om.* τ. π. αὐ.] –
— 6. A τὰ πρόβατα τοῦ π. αὐτῆς –
— 9. μετὰ τῶν προβ. τοῦ π. αὐτῆς (1 *a*)
— 9. τὰ πρόβατα τοῦ π. αὐτῆς –
— 12. ἀδελφὸς τοῦ π. αὐτῆς ἐστι (1 *a*)
— 12. ἀπήγγειλε τῷ π. αὐτῆς (1 *a*)
31. 1. πάντα τὰ τοῦ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 1. ἐκ τῶν τοῦ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 3. εἰς τὴν γῆν τοῦ π. σου (1 *a*)
— 5. τὸ πρόσωπον τοῦ π. ὑμῶν (1 *a*)
Ge. 31. 5. ὁ δὲ θ. τοῦ π. μου (1 *a*)
— 6. δεδούλευκα τῷ π. ὑμῶν (1 *a*)
— 7. ὁ δὲ π. ὑμῶν παρεκρούσατό με (1 *a*)
— 9. πάντα τὰ κτήνη τοῦ π. ὑμῶν (1 *a*)
— 14. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 16. ὁ θ. τοῦ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 18. ἀπελθεῖν πρὸς Ἰ. τὸν π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 19. τὰ εἴδωλα τοῦ π. αὐτῆς (1 *a*)
— 29. ὁ δὲ θ. τοῦ π. σου (1 *a*)
— 30. εἰς τὸν οἶκον τοῦ π. σου (1 *a*)
— 35. εἶπε τῷ π. αὐτῆς (1 *a*)
— 42. ὁ θ. τοῦ π. μου (1 *a*)
— 53. κατὰ τοῦ φόβου τοῦ π. αὐτοῦ Ἰ. (1 *a*)
32. 9 (10). ὁ θ. τοῦ π. μου Ἀβ. καὶ ὁ θ. τοῦ π. μου Ἰ. (1 *a*, 1 *a*)
33. 19. παρὰ Ἐμμὼρ πατρὸς Συχέμ (1 *a*)
34. 4. εἶπεν δὲ Σ. πρὸς Ἐ. τὸν π. αὐ. (1 *a*)
— 6. Ἐμμὼρ ὁ π. Συχέμ (1 *a*)
— 11. εἶπε δὲ Σ. πρὸς τὸν π. αὐ. (1 *a*)
— 13. τῷ Σ. καὶ Ἐμμὼρ τῷ π. αὐ. (1 *a*)
— 19. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
35. 18. ὁ δὲ π. αὐτοῦ ἐκάλεσεν (1 *a*)
— 21 (22). μετὰ Β. τῆς παλλακῆς τοῦ π. αὐ. (1 *a*)
— 27. πρὸς Ἰσαὰκ τὸν π. αὐτοῦ (1 *a*)
36. 9. αἱ γενέσεις Ἠ. πατρὸς Ἐδώμ (1 *a*)
— 24. τὰ ὑποζύγια Σεβ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 43. οὗτος Ἠ. πατὴρ Ἐδώμ (1 *a*)
37. 1. οὗ παρῴκησεν ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 2. R τὰ πρόβ. τοῦ π. αὐτοῦ [A *om.* τ. π. αὐ.] –
— 2. τῶν γυναικῶν τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 2. πρὸς Ἰσραὴλ τὸν π. αὐτῶν (1 *a*)
— 4. αὐτὸν ὁ π. ἐφίλει (1 *a*)
— 9. διηγήσατο αὐτὸ τῷ π. αὐ. (1 *a*)
— 10. ἐπετίμησεν αὐτῷ ὁ π. αὐ. (1 *a*)
— 11. ὁ δὲ π. αὐτοῦ διετήρησε τὸ ῥῆμα (1 *a*)
— 12. τὰ πρόβατα τοῦ π. αὐτῶν (1 *a*)
— 22. καὶ ἀποδῷ αὐτὸν τῷ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 32. εἰσήνεγκαν τῷ π. αὐτῶν (1 *a*)
— 35. ἔκλαυσεν αὐτὸν ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
38. 11. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. σου (1 *a*)
— 11. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. αὐτῆς (1 *a*)
41. 51. καὶ πάντων τῶν τοῦ π. μου (1 *a*)
42. 13. ὁ νεώτερος μετὰ τοῦ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 29. ἦλθον δὲ πρὸς Ἰ. τὸν π. αὐ. (1 *a*)
— 32. υἱοὶ τοῦ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 32. ὁ δὲ μικρότερος μετὰ τοῦ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 35. αὐτοὶ καὶ ὁ π. αὐτῶν (1 *a*)
— 36. εἶπε δὲ αὐτοῖς Ἰ. ὁ π. αὐτῶν (1 *a*)
— 37. εἶπε δὲ Ῥ. τῷ π. αὐτῶν (1 *a*)
43. 2. εἶπεν αὐτοῖς ὁ π. αὐτῶν (1 *a*)
— 7. εἰ ἔτι ὁ π. ὑμῶν ζῇ (1 *a*)
— 8. εἶπε δὲ Ἰ. πρὸς Ἰσρ. τὸν π. αὐ. (1 *a*)
— 11. εἶπε δὲ αὐτοῖς Ἰσρ. ὁ π. αὐ. (1 *a*)
— 23. ὁ θ. τῶν π. ὑμῶν (1 *a*)
— 27. εἰ ὑγιαίνει ὁ π. ὑμῶν (1 *a*)
— 28. ὁ παῖς σου ὁ π. ἡμῶν (1 *a*)
44. 17. ὑμεῖς δὲ ἀνάβητε . . . πρὸς τὸν π. ὑ. (1 *a*)
— 19. εἰ ἔχετε πάτερα (1 *a*)
— 20. ἔστιν ἡμῖν π. πρεσβύτερος (1 *a*)
— 20. A ὑπελείφθη τῷ π. [R τῇ μητρὶ] αὐ. †
— 20. ὁ δὲ π. αὐτὸν ἠγάπησεν (1 *a*)
— 22. καταλιπεῖν τὸν π. (1 *a*)
— 22. ἐὰν δὲ καταλίπῃ τὸν π. (1 *a*)
— 24. πρὸς τὸν παῖδά σου πατέρα δὲ ἡ. (1 *a*)
— 25. εἶπεν δὲ ἡμῖν ὁ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 27. ὁ παῖς σου ὁ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 30. πρὸς τὸν παῖδά σου πατέρα δὲ ἡ. (1 *a*)
— 31. τοῦ παιδός σου πατρὸς δὲ ἡμῶν (1 *a*)
— 32. παρὰ τοῦ π. λέγων (1 *a*)
— 32. ἡμαρτηκὼς ἔσομαι πρὸς τὸν π. (1 *a*)
— 34. πῶς γὰρ ἀναβήσομαι πρὸς τὸν π. (1 *a*)
— 34. ἃ εὑρήσει τὸν π. μου (1 *a*)
45. 3. ἔτι ὁ π. μου ζῇ (1 *a*)
— 8. ἐποίησέ με ὡς πατέρα Φ. (1 *a*)
— 9. ἀνάβητε πρὸς τὸν π. μου (1 *a*)
— 13. ἀπαγγείλατε οὖν τῷ π. μου (1 *a*)
— 13. καταγάγετε τὸν π. μου ὧδε (1 *a*)
— 18. παραλαβόντες τὸν π. ὑμῶν (1 *a*)
— 19. ἀναλαβόντες τὸν π. ὑμῶν (1 *a*)
— 23. τῷ π. αὐτοῦ ἀπέστειλε κατὰ τὰ αὐτά (1 *a*)
— 23. οἰρούσας ἄρτους τῷ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 25. πρὸς Ἰακὼβ τὸν π. αὐτῶν (1 *a*)
— 27. τὸ πνεῦμα Ἰ. τοῦ π. αὐτῶν (1 *a*)
46. 1. τῷ θ. τοῦ π. αὐτοῦ Ἰσαάκ (1 *a*)
— 3. ἐγώ εἰμι ὁ θ. τῶν π. σου (1 *a*)

Ge. 46. 5. ἀνέλαβον οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὸν π. αὐ. (1 *a*)
— 8. **R** ἅμα Ἰ. τῷ π. αὐτῶν –
— 29. εἰς συνάντησιν Ἰσρ. τῷ π. αὐ. (1 *a*)
— 31. ὁ οἶκος τοῦ π. μου (1 *a*)
— 34. ἡμεῖς καὶ οἱ π. ἡμῶν (1 *a*)
47. 1. ὁ π. μου καὶ οἱ ἀδ. μου (1 *a*)
— 3. καὶ ἡμεῖς καὶ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 5. ὁ π. σου καὶ οἱ ἀδ. σου (1 *a*)
— 6. κατοίκισον τὸν π. σου (1 *a*)
— 7. εἰσήγαγε δὲ Ἰ. Ἰακ. τὸν π. αὐ. (1 *a*)
— 9. τῶν ἐτῶν τῆς ζωῆς τῶν π. μου (1 *a*)
— 11. κατῴκισεν Ἰ. τὸν π. (1 *a*)
— 12. ἐσιτομέτρει Ἰ. τῷ π. αὐτοῦ . . . καὶ παντὶ τῷ οἴκῳ τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*, 1 *a*)
— 30. κοιμηθήσομαι μετὰ τῶν π. μου (1 *a*)
48. 1. ὁ π. σου ἐνοχλεῖται (1 *a*)
— 9. εἶπε δὲ Ἰ. τῷ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 15. ᾧ εὐηρέστησαν οἱ π. μου (1 *a*)
— 16. καὶ τὸ ὄνομα τῶν π. μου (1 *a*)
— 17. ἐπέβαλεν ὁ π. αὐ. τὴν χεῖρα τὴν δ. (1 *a*)
— 17. τῆς χειρὸς τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 18. εἶπε δὲ Ἰ. τῷ π. αὐτοῦ, Οὐχ οὕτως, πάτερ (1 *a*, 1 *a*)
— 21. εἰς τὴν γῆν τῶν π. ὑμῶν (1 *a*)
49. 2. ἀκούσατε τοῦ π. ὑμῶν (1 *a*)
— 4. ἐπὶ τὴν κοίτην τοῦ π. σου (1 *a*)
— 8. οἱ υἱοὶ τοῦ π. σου (1 *a*)
— 24 (25). παρὰ θ. τοῦ π. σου (1 *a*)
— 25 (26). εὐλογίας πατρός σου (1 *a*)
— 28. **B** ταῦτα ἐλάλησεν αὐτοῖς ὁ π. αὐ. καὶ εὐλόγησεν αὐτοὺς ὁ π. [**A R** *om.* ὁ π.] (1 *a*, –)
— 29. θάψατέ με μετὰ τῶν π. μου (1 *a*)
50. 1. ἐπὶ πρόσωπον τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 2. ἐνταφιάσαι τὸν π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 5. ὁ π. μου ὥρκισέ με (1 *a*)
— 5. θάψω τὸν π. μου (1 *a*)
— 6. θάψον τὸν π. σου (1 *a*)
— 7. θάψαι τὸν π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 10. ἐποίησε τὸ πένθος τῷ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 14. θάψαι τὸν π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 15. τέθνηκεν ὁ π. αὐτῶν (1 *a*)
— 16. ὁ π. σου ὥρκισε (1 *a*)
— 17. τῶν θεραπόντων τοῦ θ. τοῦ π. σου (1 *a*)
— 22. πᾶσα ἡ πανοικία τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 24. ἣν ὤμοσεν ὁ θ. τοῖς π. ἡ. [**A** *om.* τ. π. ἡ.] –
Ex. 1. 1. τῶν εἰσπεπορευμ. εἰς Αἴγ. ἅμα Ἰ. τῷ π. αὐ. –
2. 16. ποιμαίνουσαι τὰ πρόβ. τοῦ π. αὐτῶν –
— 16. ποτίσαι τὰ πρόβ. τοῦ π. αὐτῶν (1 *a*)
— 18. πρὸς Ῥαγ. [**A** Ἰ.] τὸν π. αὐ. (1 *a*)
3. 6. ὁ θ. τοῦ πατρός σου (1 *a*)
— 13. ὁ θ. τῶν π. ἡμῶν (1 *a*)
— 15, 16. κ. ὁ θ. τῶν π. ὑμῶν (1 *a*)
4. 5. ὁ θ. τῶν π. αὐτῶν (1 *a*)
6. 20. θυγατέρα τοῦ ἀδ. τοῦ π. αὐτοῦ (3)
10. 6. ἃ οὐδέποτε ἑωράκασιν οἱ π. σου (1 *a*)
12. 40. **A** αὐτοὶ καὶ οἱ π. αὐτῶν –
13. 5. ἣν ὤμοσε τοῖς π. σου (1 *a*)
— 11. ὃν τρόπον ὤμοσε τοῖς π. σου (1 *a*)
15. 2. θεὸς τοῦ π. μου (1 *a*)
18. 4. ὁ γὰρ θεὸς τοῦ π. μου (1 *a*)
20. 5. ἀποδιδοὺς ἁμαρτίας πατέρων (1 *a*)
— 12. τίμα τὸν π. σου (1 *a*)
21. 15. ὃς τύπτει πατέρα [**B**[1] μητέρα] αὐτοῦ (1 *a*)
— 16 (17). ὁ κακολογῶν πατέρα αὐτοῦ (1 *a*)
22. 17 (16). καὶ μὴ βούληται ὁ π. αὐτῆς δοῦναι (1 *a*)
— 17 (16). ἀργύριον ἀποτίσει τῷ π. –
34. 7. ἐπάγων ἀνομίας πατέρων ἐπὶ τέκνα (1 *a*)
40. 15. ὃν τρόπον ἤλειψας τὸν π. αὐτῶν (1 *a*)
Le. 10. 4. υἱοὺς τοῦ ἀδελφοῦ τοῦ π. Ἀαρών (4)
16. 32. ἱερατεύειν μετὰ τὸν π. αὐτοῦ (1 *a*)
18. 7. ἀσχημοσύνην πατρός σου (1 *a*)
— 8. ἀσχημοσύνην γυναικὸς πατρός σου (1 *a*)
— 8. ἀσχημοσύνη πατρός σού ἐστιν (1 *a*)
— 9. τῆς ἀδελφῆς σου ἐκ πατρός σου (1 *a*)
— 11. ἀσχημοσύνην θυγατρὸς γυναικὸς πατρός σου (1 *a*)
— 12. ἀσχημοσύνην ἀδελφῆς πατρός σου (1 *a*)
— 12. **B** οἰκεία γὰρ πατρός σού ἐστιν (1 *a*)
— 14. ἀσχημοσύνην ἀδελφοῦ τοῦ π. σου (1 *a*)
19. 3. ἕκαστος πατέρα αὐτοῦ . . . φοβείσθω (1 *a*)
20. 9. ὃς ἂν κακῶς εἴπῃ τὸν π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 9. πατέρα αὐτοῦ . . . κακῶς εἶπεν (1 *a*)
— 11. ἐάν τις κοιμηθῇ μετὰ γυν. τοῦ π. αὐ. ἀσχημοσύνην τοῦ π. αὐ. ἀπεκάλυψε (1 *a*, 1 *a*)
Le. 20. 17. τὴν ἀδελφὴν αὐτοῦ ἐκ πατρὸς αὐτοῦ (1 *a*)
— 19. ἀσχημοσύνην ἀδελφῆς πατρός σου (1 *a*)
21. 2. ἐπὶ πατρὶ καὶ μητρί (1 *a*)
— 9. τὸ ὄνομα τοῦ π. αὐτῆς αὐτὴ βεβηλοῖ (1 *a*)
— 11. ἐπὶ πατρὶ αὐτοῦ οὐδὲ ἐπὶ μητρὶ αὐ. (1 *a*)
22. 13. ἀπὸ τῶν ἄρτων τοῦ π. αὐτῆς (1 *a*)
25. 49. ἀδελφὸς πατρὸς αὐτοῦ ἢ υἱὸς ἀδελφοῦ πατρός (4, 4)
26. 39. διὰ τὰς ἁμαρτίας τῶν π. αὐτῶν (1 *a*)
— 40. τὰς ἁμαρτίας τῶν π. αὐτῶν (1 *a*)
Nu. 3. 4. μετὰ Ἀαρὼν τοῦ π. αὐτῶν (1 *a*)
6. 7. ἐπὶ πατρὶ καὶ μητρί (1 *a*)
11. 12. ἣν ὤμοσας τοῖς π. αὐτῶν (1 *a*)
12. 14. εἰ ὁ π. αὐτῆς πτύων ἐνέπτυσεν (1 *a*)
14. 12. καὶ τὸν οἶκον τοῦ π. σου –
— 18. ἀποδιδοὺς ἁμαρτίας πατέρων (1 *a*)
— 23. ἣν ὤμοσα τοῖς π. αὐτῶν (1 *a*)
18. 1. **A R** ὁ οἶκος τοῦ π. [**B** οἱ. πατριᾶς] σου (1 *a*)
— 2. δῆμον τοῦ π. σου (1 *a*)
20. 15. κατέβησαν οἱ π. ἡμῶν εἰς Αἴγ. (1 *a*)
— 15. ἐκάκωσαν . . . τοὺς π. ἡμῶν (1 *a*)
27. 3. ὁ π. ἡμῶν ἀπέθανεν ἐν τῇ ἐρήμῳ (1 *a*)
— 3 (4). μὴ ἐξαλειφθήτω τὸ ὄνομα τοῦ π. ἡ. (1 *a*)
— 3 (4). ἐν μέσῳ ἀδελφῶν πατρὸς ἡμῶν (1 *a*)
— 6 (7). ἐν μέσῳ ἀδελφῶν πατρὸς αὐτῶν (1 *a*)
— 6 (7). τὸν κλῆρον τοῦ π. αὐτῶν (1 *a*)
— 10. δώσετε . . . τῷ ἀδ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 11. ἐὰν δὲ μὴ ὦσιν ἀδ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
30. 4. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. αὐτῆς (1 *a*)
— 4 (5). καὶ ἀκούσῃ ὁ π. αὐτῆς τὰς εὐχάς (1 *a*)
— 4 (5). καὶ παρασιωπήσῃ αὐτῆς ὁ π. (1 *a*)
— 6. ἐὰν δὲ . . . ἀνανεύσῃ ὁ π. αὐτῆς (1 *a*)
— 6. ἀνένευσεν ὁ π. αὐτῆς (1 *a*)
— 8. **A**[1] καὶ ἀκούσῃ ὁ π. [**A**[2] **B** ἀνὴρ] αὐ. †
— 17. ἀνὰ μέσον πατρὸς καὶ θυγατρὸς . . . ἐν οἴκῳ πατρός (1 *a*, 1 *a*)
32. 8. οὐχ οὕτως ἐποίησαν οἱ π. ὑμῶν (1 *a*)
— 14. ἀνέστητε ἀντὶ τῶν π. ὑμῶν (1 *a*)
36. 3. ἐκ τῆς κατασχέσεως τῶν π. ἡμῶν (1 *a*)
— 6. **A B**[2] **R** ἐκ τοῦ δήμου τοῦ π. αὐτῶν (1 *a*)
— 8. ἑνὶ τῶν ἐκ τοῦ δήμου τοῦ π. αὐτῆς (1 *a*)
— 12. ἐπὶ τὴν φυλὴν δήμου τοῦ π. αὐτῶν (1 *a*)
De. 1. 8. ἣν ὤμοσα τοῖς π. ὑμῶν (1 *a*)
— 11, 21. κ. ὁ θ. τῶν π. ὑμῶν (1 *a*)
— 35. ἣν ὤμοσα τοῖς π. αὐτῶν (1 *a*)
4. 1. κ. ὁ θεὸς τῶν π. ὑμῶν (1 *a*)
— 31. τὴν διαθήκην τῶν π. σου (1 *a*)
— 37. διὰ τὸ ἀγαπῆσαι αὐτὸν τοὺς π. σου (1 *a*)
5. 3. οὐχὶ τοῖς π. ὑμῶν διέθετο (1 *a*)
— 9. ἀποδιδοὺς ἁμαρτίας πατέρων (1 *a*)
— 16. τίμα τὸν π. σου (1 *a*)
6. 3. κ. ὁ θ. τῶν π. σου (1 *a*)
— 10. ἣν ὤμοσε τοῖς π. σου (1 *a*)
— 18. ἣν ὤμοσε κ. [**A** *add.* δοῦναι] τοῖς π. ὑ. (1 *a*)
— 23. ἣν ὤμοσε δοῦναι τοῖς π. ἡ. [**A** *al.*] (1 *a*)
7. 8. ὃν ὤμοσε τοῖς π. ὑμῶν (1 *a*)
— 12. ὃ ὤμοσε τοῖς π. ὑμῶν (1 *a*)
— 13. **A R** ἧς [**B** ὡς] ὤμοσε κ. τοῖς π. σου (1 *a*)
8. 1. ἣν ὤμοσε . . . τοῖς π. ὑμῶν (1 *a*)
— 3. ὃ οὐκ ᾔδεισαν οἱ π. σου (1 *a*)
— 16. οὐκ ᾔδεισαν οἱ π. σου (1 *a*)
— 18. ἣν ὤμοσε κ. τοῖς π. σου (1 *a*)
9. 5. ἣν ὤμοσε κ. τοῖς π. ἡμῶν (1 *a*)
10. 11. ἣν ὤμοσα τοῖς π. αὐτῶν [**A** ὑμῶν] (1 *a*)
— 15. τοὺς π. ὑμῶν προείλατο (1 *a*)
— 22. κατέβησαν οἱ π. σου εἰς Αἴγ. (1 *a*)
11. 9, 21. ἧς ὤμοσε κύριος τοῖς π. ὑμῶν (1 *a*)
12. 1. ἣν κ. ὁ θ. τῶν π. ὑμῶν δίδωσιν (1 *a*)
13. 6 (7). ἐκ πατρός σου ἢ ἐκ μητρός σου –
— 6 (7). σὺ καὶ οἱ π. σου (1 *a*)
— 17 (18): 19. 8. ὃν τρόπον ὤμοσε τοῖς π. σου (1 *a*)
19. 8. ἣν εἶπε δοῦναι τοῖς π. σου (1 *a*)
— 14. ἃ ἔστησαν οἱ π. [**A** πρότεροί] σου (2)
21. 13. κλαύσεται τὸν π. (1 *a*)
— 18. οὐχ ὑπακούων φωνὴν πατρός (1 *a*)
— 19. ὁ π. αὐ. καὶ ἡ μήτηρ αὐ. (1 *a*)
22. 15. λαβὼν ὁ π. τῆς παιδός (1 *a*)
— 16. ἐρεῖ ὁ π. τῆς παιδός (1 *a*)
— 19. δώσουσι τῷ π. τῆς νεάνιδος (1 *a*)
— 21. **A R** τὰς θύρας τοῦ οἴκου [**B** *om.* τοῦ οἴ.] τοῦ [**A** *om.*] π. αὐ. (1 *a*)
— 21. ἐκπορνεῦσαι τὸν οἶκον τοῦ π. αὐτῆς (1 *a*)
— 29. δώσει . . . τῷ π. τῆς νεάνιδος (1 *a*)
— 30 (23. 1). τὴν γυναῖκα τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 30 (23. 1). συγκάλυμμα τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
24. 16. οὐκ ἀποθανοῦνται π. ὑπὲρ τέκνων (1 *a*)
De. 24. 16. υἱοὶ οὐκ ἀποθανοῦνται ὑπὲρ πατέρων (1 *a*)
26. 3. ἣν ὤμοσε κ. τοῖς π. ἡμῶν (1 *a*)
— 5. Συρίαν ἀπέβαλεν ὁ π. μου (1 *a*)
— 7. **A** πρὸς κ. τὸν θ. τῶν π. [**B** *om.* τ. π.] ἡ. (1 *a*)
— 15. καθὰ ὤμοσας τοῖς π. ἡμῶν (1 *a*)
27. 3. ἣν κ. ὁ θ. τῶν π. σου δίδωσί σοι †
— 3. ὃν τρόπον εἶπε κ. ὁ θ. τῶν π. σου (1 *a*)
— 16. ὁ ἀτιμάζων πατέρα αὐτοῦ (1 *a*)
— 20. **A R** μετὰ γυναικὸς τοῦ [**B** ἐκ] πατρὸς αὐ. (1 *a*)
— 20. ἀπεκάλυψε συγκάλυμμα τοῦ π. αὐ. (1 *a*)
— 22. **A R** μετὰ ἀδελφῆς ἐκ [**B** *om.*] πατρός (1 *a*)
28. 9. ὃν τρόπον ὤμοσε τοῖς π. σου †
— 11. ἧς ὤμοσε κ. τοῖς π. σου (1 *a*)
— 36, 64. σὺ καὶ οἱ π. σου (1 *a*)
29. 13 (12). ὃν τρόπον ὤμοσε τοῖς π. σου (1 *a*)
— 25 (24). κ. τοῦ θ. τῶν π. αὐτῶν (1 *a*)
— 25 (24). ἃ διέθετο τοῖς π. αὐτῶν †
30. 5. ἣν ἐκληρονόμησαν οἱ π. σου (1 *a*)
— 5. πλεοναστόν σε ποιήσει ὑπὲρ τοὺς π. σου (1 *a*)
— 9. καθότι εὐφράνθη ἐπὶ τοῖς π. σου (1 *a*)
— 20. ἧς ὤμοσε κ. τοῖς π. σου (1 *a*)
31. 7. ἣν ὤμοσε κ. τοῖς π. ὑμῶν (1 *a*)
— 16. κοιμᾷ μετὰ τῶν π. σου (1 *a*)
— 20. ἣν ὤμοσα τοῖς π. αὐτῶν (1 *a*)
— 21. ἣν ὤμοσα τοῖς π. αὐτῶν –
32. 6. οὐκ αὐτὸς οὗτός σου π. (1 *a*)
— 7. **A**[2] **B** ἐπερώτησον τὸν π. σου (1 *a*)
— 17. οὓς οὐκ ᾔδεισαν οἱ π. αὐτῶν (1 *a*)
33. 9. ὁ λέγων τῷ π. (1 *a*)
Jo. 1. 6. ἣν ὤμοσα τοῖς π. ὑμῶν (1 *a*)
— 11. ἣν κ. ὁ θ. τῶν π. ὑμῶν δίδωσιν ὑμῖν †
2. 12. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. μου (1 *a*)
— 13. ζωγρήσατε τὸν οἶκον τοῦ π. μου (1 *a*)
— 18. τὸν δὲ π. σου καὶ τὴν μητέρα σου (1 *a*)
— 18. καὶ πάντα τὸν οἶκον τοῦ π. σου (1 *a*)
5. 6. ἣν ὤμοσε κ. τοῖς π. ἡμῶν (1 *a*)
6. 22 (23). ἐξηγάγοσαν . . . τὸν π. αὐτῆς (1 *a*)
15. 18. αἰτήσομαι τὸν π. μου ἀγρόν (1 *a*)
17. 1. τῷ Μ. πρωτοτόκῳ Μαν. πατρὶ Γαλ. (1 *a*)
— 4. ἐν τοῖς ἀδελφοῖς τοῦ π. αὐτῶν (1 *a*)
18. 3. **A** κ. ὁ θ. τῶν π. [**B** *om.* τ. π.] ἡμῶν (1 *a*)
21. 41. ἣν ὤμοσε δοῦναι τοῖς π. αὐ. (1 *a*)
— 42. καθότι ὤμοσε τοῖς π. αὐ. (1 *a*)
22. 28. ὃ ἐποίησαν οἱ π. ἡμῶν (1 *a*)
24. 2. **A R** παρῴκησαν [**B** κατῴκ.] οἱ π. ὑμῶν (1 *a*)
— 2. Θ. ὁ π. Ἀβ. καὶ ὁ π. Ν. (1 *a*, 1 *a*)
— 3. ἔλαβον τὸν π. ὑμῶν (1 *a*)
— 6. ἐξήγαγε τοὺς π. ἡμῶν [**A** ἐξ. ὑμᾶς] (1 *a*)
— 6. κατεδίωξαν . . . ὀπίσω τῶν π. ἡ. (1 *a*)
— 14. οἷς ἐλάτρευσαν οἱ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 15. εἴτε τοῖς θεοῖς τῶν π. ὑμῶν (1 *a*)
— 17. ἀνήγαγεν . . . τοὺς π. ἡμῶν (1 *a*)
— 33. Φ. ἱεράτευσεν ἀντὶ Ἐλ. τοῦ π. αὐ. –
Jd. 1. 14. τοῦ αἰτῆσαι παρὰ τοῦ π. αὐτῆς ἀγρόν (1 *a*)
2. 1. ἣν ὤμοσα τοῖς π. ὑμῶν (1 *a*)
— 10. προσετέθησαν πρὸς τοὺς π. αὐτῶν (1 *a*)
— 12. τὸν θεὸν τῶν π. αὐτῶν (1 *a*)
— 17. ἧς ἐπορεύθησαν οἱ π. αὐτῶν (1 *a*)
— 19. διέφθειραν ὑπὲρ τοὺς π. αὐτῶν (1 *a*)
— 20. ἣν ἐνετειλάμην τοῖς π. αὐτῶν (1 *a*)
— 22. ἐφύλαξαν οἱ π. αὐτῶν [**A** *al.*] (1 *a*)
3. 4. ἃς ἐνετείλατο τοῖς π. αὐτῶν (1 *a*)
6. 11. ἐν γῇ Ἰ. πατρὸς τοῦ Ἐσδρί [**A** *al.*] (1 *a*)
— 13. ἃ διηγήσαντο ἡμῖν οἱ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 15. **B** ἐν οἴκῳ πατρός [**A R** τοῦ π.] μου (1 *a*)
— 24. ἐν Ἐφραθᾷ πατρὸς τοῦ Ἐ. (1 *a*)
— 25. ὅς ἐστι τῷ π. σου [**A** τοῦ π. σου] (1 *a*)
— 25. ὅ ἐστι τῷ π. σου [**A** τοῦ π. σου] (1 *a*)
— 27. ἐφοβήθη τὸν οἶκον τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
8. 32. **A** ἐν τῷ τάφῳ Ἰ. τοῦ π. αὐ. ἐν Ἐφρ. πατρὸς [**B** *om.*] Ἀβ. (1 *a*, 1 *a*)
9. 1. πρὸς πᾶσαν συγγένειαν οἴκου πατρὸς μητρὸς αὐ. [**A** *al.*] (1 *a*)
— 5. εἰς τὸν οἶκον τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 17. ὡς παρετάξατο [**A** ἐπολέμησεν] ὁ π. μου (1 *a*)
— 18. ἐπὶ τὸν οἶκον τοῦ π. μου (1 *a*)
— 28. σὺν τοῖς ἀνδράσιν Ἐ. πατρὸς Σ. (1 *a*)
— 56. ἣν ἐποίησε τῷ π. αὐτοῦ (1 *a*)
11. 2. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 7. ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ π. μου (1 *a*)
— 36. πάτερ, ἤνοιξας τὸ στόμα σου [**A** *al.*] (1 *a*)
— 37. εἶπε πρὸς τὸν π. αὐτῆς (1 *a*)
— 37. ποιησάτω δὴ ὁ π. μου τὸν λόγον τοῦτον [**A** *al.*] –
— 39. ἐπέστρεψε [**A** ἀνέκαμψεν] πρὸς τὸν π. αὐ. (1 *a*)
14. 2. ἀπήγγειλε τῷ π. (1 *a*)

Jd. 14. 3. εἶπεν αὐτῷ ὁ π. (1 a)
— 3. εἶπε Σ. πρὸς τὸν π. (1 a)
— 4, 5. ὁ π. αὐτοῦ καὶ ἡ μήτηρ αὐ. (1 a)
— 6. οὐκ ἀπήγγειλε τῷ π. (1 a)
— 9. ἐπορεύθη πρὸς τὸν π. (1 a)
— 10. κατέβη ὁ π. (1 a)
— 15. καὶ τὸν οἶκον τοῦ π. σου (1 a)
— 16. τῷ π. μου καὶ τῇ μητρί μου (1 a)
— 19. εἰς τὸν οἶκον τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
15. 1. οὐκ ἔδωκεν [A ἀφῆκεν] αὐτὸν ὁ π. αὐ. (1 a)
— 2. εἶπεν ὁ π. αὐτῆς (1 a)
— 6. A τὴν οἰκίαν τοῦ π. αὐτῆς †
— 6. A B καὶ τὸν π. [R οἶκον τοῦ π.] αὐτῆς (1 a)
16. 31. ὁ οἶκος τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
— 31. ἐν τῷ τάφῳ M. τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
17. 10. γίνου μοι εἰς πατέρα (1 a)
18. 19. εἰς πατέρα καὶ εἰς ἱερέα (1 a)
— 29. ἐν ὀνόματι Δ. [A κατὰ τὸ ὄν. τοῦ] πατρὸς αὐ. (1 a)
19. 2. εἰς οἶκον [A τὸν οἶ. τοῦ] πατρὸς αὐτῆς (1 a)
— 3. εἰς οἶκον πατρὸς αὐτῆς [A al.] (1 a)
— 3. εἶδεν αὐτὸν ὁ π. τῆς νεάνιδος (1 a)
— 4. ὁ γαμβρὸς αὐ. ὁ π. τῆς νεάνιδος (1 a)
— 5, 6, 8. εἶπεν ὁ π. τῆς νεάνιδος (1 a)
— 9. ὁ γαμβρὸς αὐ. ὁ π. τῆς νεάνιδος (1 a)
21. 22. ὅταν ἔλθωσιν οἱ π. αὐτῶν (1 a)
Ru. 1. 8. A ἑκάστη εἰς τὸν οἶκον τοῦ π. [B al.] †
2. 11. πῶς κατέλιπες τὸν π. σου (1 a)
4. 17. οὗτος π. Ἰεσσαὶ πατρὸς Δαυίδ (1 a, 1 a)
I Ki. 1. 25. ἔσφαξεν ὁ π. αὐτοῦ τὴν θυσίαν –
2. 25. οὐκ ἤκουον τῆς φωνῆς τοῦ π. αὐτῶν (1 a)
— 27. πρὸς οἶκον πατρός σου (1 a)
— 28. τὸν οἶκον τοῦ π. σου †
— 28. τῷ οἴκῳ τοῦ π. σου (1 a)
— 30. ὁ οἶκος τοῦ π. σου (1 a)
— 31. τὸ σπέρμα οἴκου πατρός σου (1 a)
9. 3. αἱ ὄνοι Κεὶς πατρὸς Σαούλ (1 a)
— 5. μὴ ἀνεὶς ὁ π. μου τὰς ὄνους (1 a)
— 20. καὶ τῷ οἴκῳ τοῦ π. σου (1 a)
10. 2. ὁ π. σου ἀποτετίνακται τὸ ῥῆμα (1 a)
— 12. καὶ τίς π. αὐτοῦ (1 a)
12. 6. ὁ ἀναγαγὼν τοὺς π. ἡμῶν ἐξ Αἰγ. (1 a)
— 7. ἐποίησεν . . . ἐν τοῖς π. ὑμῶν (1 a)
— 8. ἐβόησαν οἱ π. ἡμῶν πρὸς κύριον (1 a)
— 8. ἐξήγαγον [A -εν] τοὺς π. ἡμῶν ἐξ Αἰγ. (1 a)
13. 23. B [R om.] τῷ π. αὐτοῦ οὐκ ἀπήγγειλεν –
14. 1. B τῷ π. αὐτοῦ οὐκ ἀπήγγειλε (1 a)
— 27. ἐν τῷ ὁρκίζειν τὸν π. αὐ. τὸν λαόν (1 a)
— 28. ὥρκισε τὸν λαὸν ὁ π. σου (1 a)
— 29. ἀπήλλαχεν ὁ π. μου τὴν γῆν (1 a)
— 51. καὶ Κὶς πατὴρ Σ. καὶ Νὴρ πατὴρ Ἀβ. (1 a, 1 a)
17. 15. A ποιμαίνων τὰ πρόβατα τοῦ π. αὐ. (1 a)
— 25. A τὸν οἶκον τοῦ π. αὐ. ποιήσει ἐλεύθερον (1 a)
— 34. ποιμαίνων ἦν . . . τῷ π. αὐτοῦ (1 a)
18. 2. A ἐπιστρέψαι ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. αὐ. (1 a)
— 18. A ἡ ζωὴ τῆς συγγενείας σου πατρός μου (1 a)
19. 2. A ζητεῖ Σ. ὁ π. μου θανατῶσαί σε [B al.] (1 a)
— 3. στήσομαι ἐχόμενος τοῦ π. μου (1 a)
— 3. λαλήσω . . . πρὸς τὸν π. μου (1 a)
— 4. ἐλάλησεν . . . πρὸς Σ. τὸν π. αὐτοῦ (1 a)
20. 1. τί ἡμάρτηκα ἐνώπιον τοῦ π. σου (1 a)
— 2. οὐ μὴ ποιήσῃ ὁ π. μου ῥῆμα (1 a)
— 2. τί ὅτι κρύψει ὁ π. μου (1 a)
— 3. οἶδεν ὁ π. σου (1 a)
— 3. A ἀνὰ μέσον τοῦ π. σου –
— 6. ἐὰν . . . ἐπισκέψηταί με ὁ π. σου (1 a)
— 8. ἕως τοῦ π. σου ἵνα τί οὕτως εἰσάγεις με (1 a)
— 9. συντετέλεσται ἡ κακία παρὰ τοῦ π. μου (1 a)
— 10. ἐὰν ἀποκριθῇ ὁ π. σου σκληρῶς (1 a)
— 12. ἀνακριῶ τὸν π. μου (1 a)
— 13. καθὼς ἦν μετὰ τοῦ π. μου (1 a)
— 32. A ἀπεκρίθη Ἰ. τῷ Σ. τῷ π. αὐ. [B om. τ. π. αὐ.] (1 a)
— 33. συντετέλεσται ἡ κακία αὕτη παρὰ τοῦ π. αὐ. (1 a)
— 34. συνετέλεσεν ἐπ' αὐτὸν ὁ π. αὐ. (1 a)
22. 1. ὁ οἶκος τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
— 3. ὁ π. μου καὶ ἡ μήτηρ μου (1 a)
— 11. καὶ πάντας τοὺς υἱοὺς τοῦ π. αὐ. (1 a)
— 15. ἐφ' ὅλον τὸν οἶκον τοῦ π. μου (1 a)
— 16. καὶ πᾶς ὁ οἶκος τοῦ π. σου (1 a)
— 22. τῶν ψυχῶν οἴκου τοῦ π. σου (1 a)
23. 17. ἡ χεὶρ Σ. τοῦ π. μου (1 a)
— 17. Σ. ὁ π. μου οἶδεν οὕτως (1 a)
24. 12. A καὶ πάτερ μου (1 a)
I Ki. 24. 22. ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ π. μου (1 a)
II Ki. 2. 32. ἐν τῷ τάφῳ τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
3. 7. πρὸς τὴν παλλακὴν τοῦ π. μου (1 a)
— 8. μετὰ τοῦ οἴκου Σ. τοῦ π. σου (1 a)
— 29. ἐπὶ πάντα τὸν οἶκον τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
6. 21. ἐξελέξατό με ὑπὲρ τὸν π. σου (1 a)
7. 12. καὶ κοιμηθήσῃ μετὰ τῶν π. σου (1 a)
— 14. ἐγὼ ἔσομαι αὐτῷ εἰς πατέρα (1 a)
9. 7. διὰ Ἰων. τὸν π. σου (1 a)
— 7. πάντα ἀγρὸν Σ. πατρὸς [A om.] τοῦ π. σου (–, 1 a)
10. 2. ἐποίησεν ὁ π. αὐτοῦ μετ' ἐμοῦ ἔλεος (1 a)
— 2. παρακαλέσαι αὐτὸν . . . περὶ τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
— 3. παρὰ τὸ δοξάζειν Δ. τὸν π. σου (1 a)
13. 5. εἰσελεύσεται ὁ π. σου (1 a)
14. 9. καὶ ἐπὶ τὸν οἶκον τοῦ π. μου (1 a)
15. 7. εἶπεν Ἀβ. πρὸς τὸν π. αὐ. †
— 34. διελήλυθεν [A καὶ ἐλ.] ὁ π. σου –
— 34. παῖς τοῦ π. σου ἤμην τότε (1 a)
16. 3. ἐπιστρέψουσι . . . τὴν βασιλείαν τοῦ π. μου (1 a)
— 19. ἐδούλευσα ἐνώπιον τοῦ π. σου (1 a)
— 21. εἴσελθε πρὸς τὰς παλλακὰς τοῦ π. σου (1 a)
— 21. κατῃσχυνας [A ᾔσχ.] τὸν π. σου (1 a)
— 22. πρὸς τὰς παλλακὰς [A om. πρ. τ. π.] τοῦ π. αὐ. (1 a)
17. 8. σὺ οἶδας τὸν π. σου (1 a)
— 8. ὁ π. σου ἀνὴρ πολεμιστής [A al.] (1 a)
— 10. δυνατὸς ὁ π. σου (1 a)
— 23. ἐν τῷ τάφῳ [A οἴκῳ] τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
19. 28 (29). πᾶς ὁ οἶκος τοῦ π. μου [A πάροικος τ. π. σου] (1 a)
— 37 (38). παρὰ τῷ τάφῳ τοῦ π. μου (1 a)
21. 14. ἐν τῷ τάφῳ K. τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
24. 17. καὶ ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. μου (1 a)
III Ki. 1. 6. οὐκ ἀπεκώλυσεν αὐτὸν ὁ π. αὐ. (1 a)
— 21. ὡς ἂν κοιμηθῇ . . . μετὰ τῶν π. αὐ. (1 a)
2. 10. ἐκοιμήθη Δ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 a)
— 12. ἐπὶ θρόνου Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
— 24. ἐπὶ τὸν θρόνον Δ. τοῦ π. μου (1 a)
— 26. ἦρας τὴν κιβ. . . . ἐνώπιον τοῦ π. μου (1 a)
— 26. οἷς ἐκακουχήθη ὁ π. μου (1 a)
— 31. καὶ ἀπὸ τοῦ οἴκου τοῦ π. μου (1 a)
— 32. ὁ π. μου Δ. οὐκ ἔγνω τὸ αἷμα αὐ. (1 a)
3. 1 (2. 44). ἃ ἐποίησας τῷ Δ. τῷ π. μου (1 a)
— 3. ἐν τοῖς προστάγμασι Δ. τοῦ π. αὐ. (1 a)
— 6. ἐποίησας μετὰ . . . Δ. τοῦ π. μου ἔλεος (1 a)
— 7. ἔδωκας τὸν δοῦλόν σου ἀντὶ Δ. τοῦ π. μου (1 a)
— 14. ὡς ἐπορεύθη Δ. ὁ π. σου (1 a)
5. 1 (15). χρῖσαι τὸν Σ. ἀντὶ Δ. τοῦ π. αὐ. [A al.] (1 a)
— 3 (17). σὺ οἶδας Δ. τὸν π. μου (1 a)
— 5 (19). καθὼς ἐλάλησε . . . πρὸς Δ. τὸν π. μου (1 a)
6. 12. A ὃν ἐλάλησα πρὸς Δ. τὸν π. σου (1 a)
7. 14. ὁ π. αὐτοῦ ἀνὴρ Τύριος (1 a)
— 51. τὰ ἅγια Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
8. 1. A ἐπησμένους τῶν π. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1 a)
— 15. ὃς ἐλάλησεν . . . περὶ Δ. τοῦ π. μου (1 a)
— 17. ἐγένετο ἐπὶ τῆς καρδίας τοῦ π. μου (1 a)
— 18. εἶπε κ. πρὸς Δ. τὸν π. μου (1 a)
— 20. ἀνέστην ἀντὶ Δ. τοῦ π. μου (1 a)
— 21. ἣν διέθετο κ. μετὰ τῶν π. ἡμῶν (1 a)
— 24, 25. τῷ δούλῳ σου Δ. τῷ π. μου (1 a)
— 26. πιστωθήτω . . . τῷ Δ. τῷ π. μου (1 a)
— 34. ἣν ἔδωκας τοῖς π. αὐτῶν (1 a)
— 40, 48. ἧς ἔδωκας τοῖς π. αὐτῶν (1 a)
— 53. ἐν τῷ ἐξαγαγεῖν σε τοὺς π. ἡμῶν (1 a)
— 57. καθὼς ἦν μετὰ τῶν π. ἡμῶν (1 a)
— 58. ἃ ἐνετείλατο τοῖς π. ἡμῶν (1 a)
9. 4. καθὼς ἐπορεύθη Δ. ὁ π. σου (1 a)
— 5. καθὼς ἐλάλησα Δ. πατρί [A τῷ π.] σου (1 a)
— 9. ὃς ἐξήγαγε τοὺς π. αὐ. ἐξ Αἰγ. (1 a)
11. 4. καθὼς ἡ καρδία Δ. τοῦ π. αὐ. (1 a)
— 6. ὡς Δ. ὁ π. αὐτοῦ (1 a)
— 10. B κατὰ τὴν καρδίαν Δ. τοῦ π. αὐτοῦ –
— 12. οὐ ποιήσω αὐτὰ διὰ Δ. τὸν π. σου (1 a)
— 17. τῶν παίδων τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
— 21. κεκοίμηται Δ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 a)
— 27. τὸν φραγμὸν τῆς πόλεως Δ. τοῦ π. αὐ. (1 a)
— 33. ὡς Δ. ὁ π. αὐτοῦ (1 a)
— 43. ἐκοιμήθη Σ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 a)
— 43. ἐν πόλει Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
— 44 (43). B ἐκοιμήθη μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 a ?)
12. 4. ὁ π. σου ἐβάρυνε τὸν κλοιὸν ἡ. (1 a)
III Ki. 12. 4. ἀπὸ τῆς δουλείας τοῦ π. σου τῆς σκληρᾶς (1 a)
— 6. παρεστῶτες ἐνώπιον Σαλ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
— 9. οὗ ἔδωκεν ὁ π. σου ἐφ' ἡμᾶς (1 a)
— 10. ὁ π. σου ἐβάρυνε τὸν κλοιὸν ἡ. (1 a)
— 10. παχυτέρα τῆς ὀσφύος τοῦ π. μου (1 a)
— 11. ὁ π. μου ἐπεσάσσετο ὑμᾶς (1 a)
— 11. ὁ π. μου ἐπαίδευσεν ὑμᾶς (1 a)
— 14. ὁ π. μου ἐβάρυνε τὸν κλοιὸν ὑ. (1 a)
— 14. ὁ π. μου ἐπαίδευσεν ὑμᾶς (1 a)
— 24. B κοιμᾶται μετὰ τῶν π. αὐ. –
— 24. B θάπτεται μετὰ τῶν π. αὐτοῦ –
— 24. B ἐν ὁδῷ Δ. τοῦ π. αὐτοῦ –
— 24. B ὁ π. σου ἐβάρυνε τὸν κλοιὸν αὐ. –
— 24. B ὑπὲρ τὴν ὀσφὺν τοῦ π. μου –
— 24. B ὁ π. μου ἐμαστίγου ὑμᾶς –
13. 11. ἐπέστρεψαν τὸ πρόσωπον τοῦ π. αὐ. (1 a)
— 12. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς ὁ π. αὐτῶν (1 a)
— 22. εἰς τὸν τάφον τῶν π. σου (1 a)
14. 15. A ἧς ἔδωκεν τοῖς π. αὐτῶν (1 a)
— 20. A ἐκοιμήθη μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 a)
— 22. οἷς ἐποίησαν οἱ π. αὐτῶν (1 a)
— 31. ἐκοιμήθη Ῥ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 a)
— 31. θάπτεται μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 a)
15. 3. ἐν ταῖς ἁμαρτίαις τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
— 3. ὡς ἡ καρδία τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
— 8. ἐκοιμήθη Ἀβ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 a)
— 8. θάπτεται μετὰ τῶν π. αὐτοῦ [A om. μ. τ. π. αὐ.] –
— 11. ὡς Δ. ὁ π. αὐτοῦ (1 a)
— 12. ἃ ἐποίησαν οἱ π. αὐ. (1 a)
— 15. εἰσήνεγκε τοὺς κίονας τοῦ π. αὐ. (1 a)
— 19. A R καὶ ἀνὰ μέσον [B om. ἀ. μ.] τοῦ π. μου καὶ τοῦ π. σου (1 a, 1 a)
— 24. A R ἐκοιμήθη Ἀ. μετὰ τῶν π. αὐ. [B om. μ. τ. π. αὐ.] (1 a)
— 24. A R θάπτεται μετὰ τῶν π. αὐ. ἐν πόλει Δ. πατρὸς [A τοῦ π.] αὐ. [B om. π. αὐ.] (1 a, 1 a)
— 26. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ τοῦ π. αὐ. (1 a)
16. 6. ἐκοιμήθη B. μετὰ τῶν π. αὐ. (1 a)
— 28. ἐκοιμήθη Ἀ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 a)
— 28 (22. 43). B ἐν τῇ ὁδῷ Ἀσὰ τοῦ π. αὐ. (1 a)
— 28 (22. 46 [47]). B ἐν ταῖς ἡμέραις Ἀσὰ τοῦ π. αὐ. (1 a)
— 28 (22. 50 [51]). B ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1 a)
— 28 (22. 50 [51]). R θάπτεται μετὰ τῶν π. αὐ. (1 a)
18. 18. καὶ ὁ οἶκος τοῦ π. σου (1 a)
19. 4. οὐ κρείσσων ἐγώ εἰμι ὑπὲρ τοὺς π. μου (1 a)
— 20. καταφιλήσω τὸν π. μου (1 a)
20 (21). 3. δοῦναι κληρονομίαν πατέρων μου σοί (1 a)
— 4. A οὐ δώσω σοι κληρονομίαν πατέρων (1 a)
— 6. οὐ δώσω σοι κληρονομίαν πατέρων †
21 (20). 34. ἃς ἔλαβεν ὁ π. μου παρὰ τοῦ π. σου (1 a, 1 a)
— 34. καθὼς ἔθετο ὁ π. μου (1 a)
22. 40. ἐκοιμήθη Ἀχ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 a)
— 43. ἐν πάσῃ ὁδῷ Ἀσὰ τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
— 47. A ἐν ἡμέραις Ἀσὰ πατρὸς αὐτοῦ (1 a)
— 51. ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 a)
— 51. A R ἐτάφη [B¹ om.] παρὰ τοῖς π. αὐ. [B om. π. τ. π. αὐ.] (1 a)
— 51. ἐν πόλει Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
— 53. ἐν ὁδῷ Ἀχ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
IV Ki. 1. 18 (3. 2). ἃς ἐποίησεν ὁ π. αὐτοῦ (1 a)
2. 12. πάτερ πάτερ, ἅρμα Ἰσρ. (1 a, 1 a)
3. 2. πλὴν οὐχ ὡς ὁ π. αὐτοῦ (1 a)
— 2. B ἃς ἐποίησεν ὁ π. αὐτοῦ (1 a)
— 13. δεῦρο πρὸς τοὺς προφήτας τοῦ π. σου (1 a)
4. 18. ἡνίκα ἐξῆλθε πρὸς τὸν π. αὐ. (1 a)
— 19. εἶπε πρὸς τὸν π. αὐτοῦ (1 a)
5. 13. A πάτερ [B om.], μέγαν λόγον ἐλάλησεν (1 a)
6. 21. εἰ πατάξας πατάξω; πάτερ (1 a)
8. 24. ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1 a)
— 24. B ἐτάφη μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 a)
— 24. ἐν πόλει Δ. τοῦ π. αὐτοῦ –
9. 25. ὀπίσω Ἀχαὰβ τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
— 28. A ἔθαψαν αὐτὸν . . . μετὰ τῶν π. αὐ. [B om. μ. τ. π. αὐ.] (1 a)
10. 3. ἐπὶ τὸν θρόνον τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
— 35. ἐκοιμήθη Ἰοὺ μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 a)
12. 18 (19). ὅσα ἡγίασεν . . . οἱ π. αὐτοῦ (1 a)
— 21 (22). ἔθαψαν αὐτὸν μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 a)
13. 9. ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 a)

IV Ki. 13. 9. A ἔθαψαν αὐτὸν μετὰ τῶν π. αὐ. [B *om.* μ. τ. π. αὐ.] –
— 13. ἐκοιμήθη Ἰωὰς μετὰ τῶν π. αὐ. (1 *a*)
— 13. B Ἱερ. ἐκάθισεν μετὰ τῶν π. αὐ. [A R *al.*] †
— 14. πάτερ πάτερ, ἅρμα Ἰσρ. (1 *a*, 1 *a*)
— 25. ἐκ χειρὸς Ἰ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
14. 3. πλὴν οὐχ ὡς Δ. ὁ π. [A *om.* ὁ π.] αὐτοῦ (1 *a*)
— 3. ὅσα ἐποίησεν Ἰωὰς ὁ π. αὐ. (1 *a*)
— 5. τοὺς πατάξαντας τὸν π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 6. οὐκ ἀποθανοῦνται π. ὑπὲρ υἱῶν (1 *a*)
— 6. υἱοὶ οὐκ ἀποθανοῦνται ὑπὲρ πατέρων (1 *a*)
— 16. ἐκοιμήθη Ἰωὰς μετὰ τῶν π. [A *om.*] αὐ. (1 *a*)
— 20. ἐτάφη ἐν Ἱερ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1 *a*)
— 21. ἐβασίλευσεν αὐτὸς ἀντὶ τοῦ π. αὐ. (1 *a*)
— 22. μετὰ τὸ κοιμηθῆναι τὸν βασ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1 *a*)
— 29. ἐκοιμήθη Ἱερ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1 *a*)
— 29. A B ἐβασίλευσεν Ἀζ. . . . ἀντὶ τοῦ π. αὐ. [R *al.*] †
15. 3. ὅσα ἐποίησεν Ἀμ. ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 7. ἐκοιμήθη Ἀζ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1 *a*)
— 7. B ἔθαψαν αὐτὸν μετὰ τῶν π. αὐ. (1 *a*)
— 9. καθὰ ἐποίησαν οἱ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 22. ἐκοιμήθη Μ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1 *a*)
— 34. ὅσα ἐποίησεν Ἀζ. ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 38. ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 38. ἐτάφη μετὰ τῶν π. αὐ. [A *om.* ἐτ. . . . αὐ.] ἐν πόλει Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*, 1 *a*)
16. 2. ὡς Δαυὶδ ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 20. ἐκοιμήθη Ἄχαζ μετὰ τῶν π. αὐ. (1 *a*)
— 20. A ἐτάφη μετὰ τῶν π. αὐ. [B *om.* μ. τ. π. αὐ.] (1 *a*)
17. 13. ὃν ἐνετειλάμην τοῖς π. ὑμῶν (1 *a*)
— 14. ὑπὲρ τὸν νῶτον τῶν π. αὐτῶν (1 *a*)
— 15. A ἣν ἔκοψεν σὺν πατράσιν αὐτῶν (1 *a*)
— 41. καθὰ ἐποίησαν οἱ π. αὐτῶν (1 *a*)
18. 3. ὅσα ἐποίησε Δ. ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
19. 12. οὓς διέφθειραν οἱ π. μου (1 *a*)
20. 5. τάδε λέγει κ. ὁ θ. Δ. τοῦ π. σου (1 *a*)
— 17. ὅσα ἐθησαύρισαν οἱ π. σου (1 *a*)
— 21. ἐκοιμήθη Ἐζ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 *a*)
21. 3. ἃ κατέσπασεν Ἐζ. ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 8. ἧς ἔδωκα τοῖς π. αὐτῶν (1 *a*)
— 15. B ἧς ἐξήγαγον τοὺς π. αὐτῶν (1 *a*)
— 18. ἐκοιμήθη Μ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 20. καθὼς ἐποίησε Μ. ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 21. ᾗ ἐπορεύθη ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 21. οἷς ἐλάτρευσεν ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 22. ἐγκατέλιπε τὸν κ. θ. τῶν π. αὐτοῦ (1 *a*)
22. 2. ἐν πάσῃ ὁδῷ Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 13. οὐκ ἤκουσαν οἱ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 20. προστίθημί σε πρὸς τοὺς π. σου (1 *a*)
23. 30. ἐβασίλευσαν αὐτὸν ἀντὶ τοῦ π. αὐ. (1 *a*)
— 32. ὅσα ἐποίησαν οἱ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 34. ἀντὶ Ἰωσίου τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 37. ὅσα ἐποίησαν οἱ π. αὐτοῦ (1 *a*)
24. 6. ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1 *a*)
— 9. ὅσα ἐποίησεν ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
I Ch. 2. 17. καὶ πατὴρ Ἀμ. Ἰοθόρ (1 *a*)
— 21. πρὸς τὴν θυγ. Μ. πατρὸς Γαλ. (1 *a*)
— 23. πᾶσαι αὗται υἱῶν Μ. πατρὸς Γ. (1 *a*)
— 24. τὸν Ἀσχὼ πατέρα Θ. (1 *a*)
— 42. οὗτος π. Ζὶφ καὶ υἱοὶ Μαρ. πατρὸς Χ. (1 *a*, 1 *a*)
— 44. Σαμ. ἐγέννησε τὸν Ῥ. π. Ἰ. (1 *a*)
— 45. καὶ Μαὼν πατὴρ Βαιθσούρ (1 *a*)
— 49. ἐγέννησε Σ. πατέρα Μαδ. καὶ τὸν Σ. π. Μαχ. καὶ π. Γ. (1 *a ter*)
— 50. Σ. πατὴρ Καρ. (1 *a*)
— 51. Σαλ. πατὴρ Β. Δ. πατὴρ Βαιθ. Ἀρ. πατὴρ Βεθγ. (1 *a*, –, 1 *a*)
— 52. ἦσαν υἱοὶ τῷ Σ. π. Καρ. (1 *a*)
— 55. οἱ ἐλθόντες ἐξ Αἱ. πατρὸς οἴκου Ῥ. (1 *a*)
4. 4. καὶ Φαν. πατὴρ Γ. καὶ Ἰ. πατὴρ Ὠσάν (1 *a*, 1 *a*)
— 4. υἱοὶ Ὦρ τοῦ πρωτοτ. Ἐφρ. πατρὸς Βαιθ. (1 *a*)
— 5. τῷ Ἀσ. π. Θεκωέ (1 *a*)
— 11. Χαλ. π. Ἀσχὰ ἐγέννησε τὸν Μαχίρ †
— 11. οὗτος π. Ἀσσαθών (1 *a*)
— 12. ἐγέννησε . . . τὸν Θ. π. πόλεως Ν. (1 *a*)
— 14. ἐγέννησε τὸν Ἰωβ. π. Ἀγ. (1 *a*)
— 17. ἐγέννησεν . . . τὸν Ἰεσ. π. Ἐσθ. (1 *a*)
— 18. ἔτεκε τὸν Ἰ. π. Γεδὼρ καὶ τὸν Ἀ. π. Σ. καὶ τὸν Χ. π. Ζ. (1 *a ter*)
— 19. A B καὶ Δ. πατὴρ Κ. καὶ Σ. π. Ἰ. καὶ Μαν. [A υἱοὶ Ν.] πατρὸς Κ. [R *al.*] (1 *a*, –, –)
I Ch. 4. 21. Ἡρ πατὴρ Λ. καὶ Λ. π. Μ. (1 *a*, 1 *a*)
5. 1. ἐπὶ τὴν κοίτην τοῦ π. αὐ. (1 *a*)
— 25. ἠθέτησαν ἐν θεῷ πατέρων αὐ. (1 *a*)
7. 14. ἔτεκεν τὸν Μ. πατέρα Γαλ. (1 *a*)
— 22. ἐπένθησεν Ἐφρ. πατὴρ αὐτῶν (1 *a*)
— 31. οὗτος πατὴρ Βερθαΐθ (1 *a*)
8. 29. ἐν Γαβ. κατῴκησε πατὴρ Γαβ. (1 *a*)
9. 19. οἱ ἀδ. αὐτοῦ εἰς οἶκον πατρὸς αὐ. (1 *a*)
— 19. καὶ πατέρες αὐ. ἐπὶ τῆς παρεμβολῆς (1 *a*)
— 35. κατῴκησε πατὴρ Γαβ. (1 *a*)
12. 17. ἴδοι ὁ θεὸς τῶν π. ὑμῶν (1 *a*)
16. 28. B S δότε τῷ κ. πατρὶ [A R αἱ πατριαὶ] τῶν ἐθνῶν †
17. 11. κοιμηθήσῃ μετὰ τῶν π. σου (1 *a*)
— 13. ἐγὼ ἔσομαι αὐτῷ εἰς πατέρα (1 *a*)
19. 2. ὡς ἐποίησεν ὁ π. αὐ. . . . ἔλεος (1 *a*)
— 2. τοῦ παρακαλέσαι αὐτὸν περὶ τοῦ π. αὐ. (1 *a*)
— 3. δοξάζων Δ. τὸν π. σου (1 *a*)
21. 17. καὶ ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. μου (1 *a*)
22. 10. κἀγὼ αὐτῷ [A *add.* ἔσομαι] εἰς πατέρα (1 *a*)
24. 2. ἀπέθανε . . . ἐναντίον τοῦ π. αὐτῶν (1 *a*)
— 19. διὰ χειρὸς Ἀαρὼν πατρὸς αὐτῶν (1 *a*)
25. 3. ἓξ μετὰ τὸν π. αὐτῶν (1 *a*)
— 6. πάντες υἱοι μετὰ τοῦ π. αὐτῶν (1 *a*)
26. 10. ἐποίησεν αὐτὸν ὁ π. αὐ. ἄρχοντα (1 *a*)
28. 4. ἀπὸ παντὸς οἴκου πατρός [A τοῦ π.] μου (1 *a*)
— 4. ᾗρέτικε . . . τὸν οἶκον τοῦ π. μου (1 *a*)
— 4. A R ἐν τοῖς υἱοῖς τοῦ π. μου (1 *a*)
— 6. κἀγὼ ἔσομαι αὐτῷ εἰς πατέρα (1 *a*)
— 9. γνῶθι τὸν θ. τῶν π. σου (1 *a*)
29. 10. κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. ὁ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 15. ὡς πάντες οἱ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 18. κύριε ὁ θεὸς Ἀβ. καὶ Ἰ. καὶ Ἰσρ. τῶν π. ἡμ. (1 *a*)
— 20. κ. τὸν θεὸν τῶν π. αὐτῶν †
— 23. ἐπὶ θρόνου Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 24. A R υἱοὶ Δ. τοῦ βασ. τοῦ [B *om.*] π. αὐτοῦ –
II Ch. 1. 8. ἐποίησας μετὰ Δ. τοῦ π. μου ἔλεος μέγα (1 *a*)
— 9. πιστωθήτω . . . ἐπὶ Δ. πατέρα μου (1 *a*)
2. 3 (2). ὡς ἐποίησας μετὰ τοῦ π. μου Δ. (1 *a*)
— 7 (6). ἃ ἡτοίμασε Δ. ὁ π. μου (1 *a*)
— 13 (12). ἀπέσταλκά σοι . . . Χ. τὸν π. [A B² παῖδα] μου (1 *a*)
— 14 (13). ὁ π. αὐτοῦ ἀνὴρ Τύριος (1 *a*)
— 14 (13). μετὰ . . . σοφῶν Δ. κυρίου μου πατρός [A τοῦ π.] σου (1 *a*)
— 17 (16). ὃν ἠρίθμησεν αὐτοὺς Δ. ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
3. 1. οὗ ὤφθη κύριος τῷ Δ. π. αὐτοῦ (1 *a*)
5. 1. τὰ ἅγια Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
6. 4. ἐλάλησε . . . πρὸς Δ. τὸν π. μου (1 *a*)
— 7. ἐγένετο ἐπὶ καρδίαν Δ. τοῦ π. μου (1 *a*)
— 8. εἶπε κύριος πρὸς Δ. πατέρα [A τὸν π.] μου (1 *a*)
— 10. A R ἐγενήθην ἀντὶ Δ. πατρός [B τοῦ π.] μου (1 *a*)
— 15. ἐφύλαξας τῷ παιδί σου Δ. τῷ π. μου (1 *a*)
— 16. A R φύλαξον . . . τῷ Δ. τῷ π. μου [B *om.* τ. π. μ.] (1 *a*)
— 25. ἣν ἔδωκας . . . τοῖς π. αὐτῶν (1 *a*)
— 31. ἧς ἔδωκας τοῖς π. ἡμῶν (1 *a*)
— 38. ἧς ἔδωκας τοῖς π. αὐτῶν (1 *a*)
7. 17. ἐὰν πορευθῇς . . . ὡς Δ. ὁ π. σου (1 *a*)
— 18. ὡς διεθέμην Δ. τῷ π. σου (1 *a*)
— 22. ἐγκατέλιπον κ. τὸν θ. τῶν π. αὐ. (1 *a*)
8. 14. R κατὰ τὴν κρίσιν Δ. τοῦ π. αὐ. [A B *om.* τ. π. αὐ.] (1 *a*)
9. 31. ἐν πόλει Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
10. 4. ὁ π. σου ἐσκλήρυνε τὸν ζυγὸν ἡμ. (1 *a*)
— 4. ἀπὸ τῆς δουλείας τοῦ π. σου τῆς σκληρᾶς (1 *a*)
— 6. ἐναντίον Σαλ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 9. οὗ ἔδωκεν ὁ π. σου ἐφ' ἡμᾶς (1 *a*)
— 10. ὁ π. σου ἐβάρυνε τὸν ζυγὸν ἡμῶν (1 *a*)
— 10. παχύτερος τῆς ὀσφύος τοῦ π. μου (1 *a*)
— 11 *bis*. ὁ π. μου ἐπαίδευσεν ὑμᾶς (1 *a*)
— 14. ὁ π. μου ἐβάρυνε τὸν ζυγὸν ὑμῶν (1 *a*)
— 14. ὁ π. μου ἐπαίδευσεν ὑμᾶς (1 *a*)
11. 16. θῦσαι κ. θεῷ τῶν π. αὐτῶν (1 *a*)
12. 16. A B καὶ ἐτάφη μετὰ τῶν π. αὐτοῦ [R *al.*] (1 *a*)
13. 11. τὰς φυλακὰς κ. τοῦ θ. τῶν π. ἡμῶν †
— 12. πρὸς κύριον θεὸν τῶν π. ἡμῶν (1 *a*)
— 18. ἐπὶ κ. θεὸν τῶν π. αὐ. (1 *a*)
14. 1 (13. 23). ἀπέθανεν Ἀβ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 4 (3). ἐκζητῆσαι τὸν κ. θεὸν τῶν π. αὐ. (1 *a*)
15. 12. ζητῆσαι κ. θεὸν τῶν π. αὐτῶν (1 *a*)
II Ch. 15. 18. εἰσήνεγκε τὰ ἅγια Δ. τοῦ π. αὐ. (1 *a*)
16. 3. ἀνὰ μέσον τοῦ π. μου καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ π. σου (1 *a*, 1 *a*)
— 13. ἐκοιμήθη Ἀ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1 *a*)
17. 2. ὃς προκατελάβετο Ἀ. ὁ π. αὐ. (1 *a*)
— 3. ἐπορεύθη ἐν ὁδοῖς τοῦ π. αὐ. ταῖς πρώταις (1 *a*)
— 4. κ. τὸν θεὸν τοῦ π. αὐ. ἐξεζήτησε (1 *a*)
— 4. ἐν ταῖς ἐντολαῖς τοῦ π. αὐ. ἐπορεύθη †
19. 4. ἐπὶ κ. θεὸν τῶν π. αὐτῶν (1 *a*)
20. 6. κύριε ὁ θεὸς τῶν π. ἡμῶν (1 *a*)
— 32. ταῖς ὁδοῖς τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 33. πρὸς κ. θεὸν τῶν π. αὐτῶν (1 *a*)
21. 1. ἐκοιμήθη Ἰωσ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1 *a*)
— 1. A ἐτάφη παρὰ τοῖς π. ἑαυτοῦ [B *om.* π. τ. π. ἑ.] (1 *a*)
— 3. ἔδωκεν αὐτοῖς ὁ π. αὐ. δόματα πολλά (1 *a*)
— 10. κ. θεὸν τῶν π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 12. A R κύριος θεὸς Δ. τοῦ [B *om.*] π. σου (1 *a*)
— 12. ἐν ὁδῷ Ἰωσ. τοῦ π. σου (1 *a*)
— 13. A R τοὺς ἀδ. σου υἱοὺς τοῦ [B *om.*] π. σου (1 *a*)
— 19. καθὼς ἐκφορὰν πατέρων αὐτοῦ (1 *a*)
22. 4. μετὰ τὸ ἀποθανεῖν τὸν π. αὐ. (1 *a*)
24. 18. A B κύριον θεὸν τῶν π. αὐ. [R *al.*] (1 *a*)
— 22. οὗ ἐποίησεν . . . Ἰ. ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 24. κύριον τὸν θεὸν τῶν π. αὐ. (1 *a*)
25. 3. τοὺς φονεύσαντας τὸν βασ. πατέρα αὐ. (1 *a*)
— 4. οὐκ ἀποθανοῦνται πατέρες ὑπὲρ τέκνων (1 *a*)
— 4. υἱοὶ οὐκ ἀποθανοῦνται ὑπὲρ πατέρων (1 *a*)
— 28. ἔθαψαν αὐτὸν μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 *a*)
26. 1. ἐβασίλευσαν αὐτὸν ἀντὶ τοῦ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 2. μετὰ τὸ κοιμηθῆναι τὸν βασ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1 *a*)
— 4. ὅσα ἐποίησεν Ἀμ. ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 23. ἐκοιμήθη Ὀ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1 *a*)
— 23. ἔθαψαν αὐτὸν μετὰ τῶν π. αὐ. (1 *a*)
27. 2. ἃ ἐποίησεν Ὀ. ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 9. ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1 *a*)
28. 1. ὡς Δ. ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 6. τὸν κύριον θεὸν τῶν π. αὐ. (1 *a*)
— 9. ὀργὴ κ. θεοῦ τῶν π. ὑμῶν (1 *a*)
— 25. κύριον τὸν θεὸν τῶν π. αὐτῶν (1 *a*)
— 27. ἐκοιμήθη Ἄχ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 *a*)
29. 2. ὅσα ἐποίησε Δ. ὁ π. αὐτοῦ (1 *a*)
— 5. κυρίου θεοῦ τῶν [A¹ *om.*] π. ὑμῶν (1 *a*)
— 6. ἀπέστησαν οἱ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 9. πεπλήγασιν οἱ π. ὑμῶν (1 *a*)
30. 7. μὴ γίνεσθε καθὼς οἱ π. ὑμῶν (1 *a*)
— 7. ἀπὸ κυρίου θεοῦ πατέρων αὐ. (1 *a*)
— 8. R ὡς οἱ π. ὑμῶν (1 *a*)
— 19. κ. τὸν θεὸν τῶν π. αὐ. (1 *a*)
— 22. τῷ κυρίῳ θεῷ τῶν π. αὐ. (1 *a*)
32. 13. ἐγὼ καὶ οἱ π. μου (1 *a*)
— 14. οὓς ἐξωλέθρευσαν οἱ π. μου (1 *a*)
— 15. ἐκ χειρὸς πατέρων μου (1 *a*)
— 33. ἐκοιμήθη Ἐζ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1 *a*)
33. 3. ἃ κατέσπασεν Ἐζ. ὁ π. αὐ. (1 *a*)
— 8. ἧς ἔδωκα τοῖς π. αὐτῶν (1 *a*)
— 12. A R ἀπὸ προσώπου θεοῦ πατέρων [B τῶν π.] αὐ. (1 *a*)
— 20. ἐκοιμήθη Μαν. μετὰ τῶν π. αὐ. (1 *a*)
— 22. ὡς ἐποίησε Μαν. ὁ π. αὐ. (1 *a*)
— 22. οἷς ἐποίησε Μαν. ὁ π. αὐ. (1 *a*)
— 23. ὡς ἐταπεινώθη Μαν. ὁ π. αὐ. (1 *a*)
34. 2. ἐπορεύθη ἐν ὁδοῖς Δ. τοῦ π. αὐ. (1 *a*)
— 3. κύριον τὸν θεὸν Δ. τοῦ π. αὐ. (1 *a*)
— 21. A R οὐκ εἰσήκουσαν [B ἤκ.] οἱ π. ἡμῶν (1 *a*)
— 28. προστίθημί σε πρὸς τοὺς π. σου (1 *a*)
— 32. A R ἐν οἴκῳ κ. θεοῦ πατέρων [B πατρὸς] αὐ. (1 *a*)
— 33. ἀπὸ ὄπισθεν κ. θεοῦ πατέρων αὐ. (1 *a*)
35. 24. ἐτάφη μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1 *a*)
36. 1. κατέστησαν αὐτὸν ἀντὶ τοῦ π. αὐ. (1 *a*)
— 2. ἃ ἐποίησαν οἱ π. αὐτοῦ –
— 4. ἀντὶ Ἰωσίου τοῦ π. αὐτοῦ –
— 5. ὅσα ἐποίησαν οἱ π. αὐτοῦ –
— 8. ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν π. αὐ. –
— 8. ἐτάφη . . . μετὰ τῶν π. αὐ. –
— 10. ἐβασίλευσε Σεδ. ἀδελφὸν τοῦ π. αὐ. †
— 15. κ. ὁ θεὸς τῶν π. αὐ. (1 *a*)
I Es. 1. 11. κατὰ τὰς μεριδαρχίας τῶν π.
— 34. ἀντὶ Ἰωσίου τοῦ π. αὐτοῦ
— 50. ὁ θεὸς [B¹ βασιλεὺς] τῶν π. αὐ.
2. 21. ἐν τοῖς ἀπὸ τῶν π. σου βιβλίοις
4. 20. τὸν ἑαυτοῦ π. ἐγκαταλείπει

I Es. 4. 21. οὔτε τὸν π. μέμνηται
— 25. πλεῖον ἀγαπᾷ . . . ἢ τὸν π.
— 60. δέσποτα τῶν π.
— 62. εὐλόγησαν τὸν θεὸν τῶν π. αὐ.
6. 15. οἱ πατέρες ἡμῶν παραπικράναντες ἥμαρτον
8. 25. A R ὁ θεὸς τῶν π. μου
— 58. κυρίῳ τῶν π. ἡμῶν
— 76. ἀπὸ τῶν χρόνων τῶν π. ἡμῶν
— 77. διὰ τὰς ἁμαρτίας ἡμῶν καὶ τῶν π. ἡμῶν
9. 8. τῷ κυρίῳ θεῷ τῶν π. ἡμῶν
II Es. 4. 15. ἐν βιβλίῳ ὑπομνηματισμοῦ τῶν π. σου (1 b)
5. 12. παρώργισαν οἱ π. ἡμῶν τὸν θεόν (1 b)
7. 27. κ. ὁ θεὸς τῶν π. ἡμῶν (1 a)
8. 28. τῷ κυρίῳ θεῷ πατέρων ἡμῶν (1 a)
9. 7. ἀπὸ ἡμερῶν πατέρων ἡμῶν (1 a)
10. 11. θεῷ τῶν π. ἡμῶν (1 a)
Ne. 1. 6. ἐγὼ καὶ ὁ οἶκος πατρός μου (1 a)
2. 3. οἶκος μνημείων πατέρων μου (1 a)
— 5. εἰς πόλιν μνημείων πατέρων μου (1 a)
9. 2. καὶ τὰς ἀνομίας τῶν π. αὐτῶν (1 a)
— 9. εἶδες τὴν ταπείνωσιν [S² κακίαν] τῶν π. ἡμῶν (1 a)
— 16. A S² R οἱ π. ἡμῶν ὑπερηφανεύσαντο (1 a)
— 23. ἣν εἶπας τοῖς π. αὐτῶν (1 a)
— 32. ὃς εὗρεν . . . τοὺς π. ἡμῶν (1 a)
— 34. οἱ π. ἡμῶν οὐκ ἐποίησαν τὸν νόμον σου (1 a)
— 36. ἣν ἔδωκας τοῖς π. ἡμῶν (1 a)
13. 18. οὐχὶ οὕτως ἐποίησαν οἱ π. ὑμῶν (1 a)
To. 1. 4. πᾶσα φυλὴ τοῦ N. τοῦ π. μου
— 4. S ἀπὸ τοῦ οἴκου Δ. τοῦ π. μου [A B al.]
— 5. ὁ οἶκος N. τοῦ π. μου
— 8. ἡ μήτηρ τοῦ π. μου [S al.]
— 8. ὀρφανὸς κατελείφθην ὑπὸ τοῦ π. μου [S al.]
2. 3. S λέγει, Πάτερ
— 3. εἶπε, Πάτερ
3. 3 τοῖς ἀγνοήμασί μου καὶ τῶν π. μου
— 5. A B S² καὶ τῶν π. μου
— 7. ὑπὸ παιδισκῶν πατρὸς αὐ. [A S al.]
— 10. S εἰς τὸ ὑπερῷον τοῦ π. αὐ.
— 10. S μή ποτε ὀνειδίσωσιν τὸν π. μου
— 10. S μία μέν εἰμι τῷ π. μου [S al.]
— 10. S τὸ γῆρας τοῦ π. μου [A B γ. αὐτοῦ]
— 15. οὐδὲ τὸ ὄνομα τοῦ π. μου
— 15. μονογενής εἰμι τῷ π. μου
4. 12. A B ἀπὸ τοῦ σπέρματος τῶν π. σου
— 12. A B ἐκ τῆς φυλῆς τοῦ π. σου
— 12. A B οἱ π. ἡμῶν ἀπὸ τοῦ αἰῶνος
5. 1. S εἶπεν T. τῷ π. αὐτοῦ [A B al.]
— 1. πάτερ, ποιήσω πάντα
— 7. ἐρῶ [S ὑποδείξω] τῷ π. μου
— 8. εἶπε τῷ π. [S al.]
— 9. S ὁ π. καλεῖ σε
— 16. A B εἶπεν αὐτῷ ὁ π. αὐτοῦ
— 16. S ἐφίλησεν τὸν π. αὐτοῦ
6. 11. S τὰ ὄντα τῷ π. αὐτῆς
— 12. S καὶ ὁ π. αὐτῆς καλός
— 12. λαλήσω τῷ π. αὐ.
— 14. μόνος [S μονογενής] εἰμὶ τῷ π.
— 14. κατάξω τὴν ζωὴν τοῦ π. μου
— 15. ὧν ἐνετείλατό σοι ὁ π. σου [S al.]
— 15. S ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ π. [A B ἐκ τοῦ γένους] σου
— 17. S ἐκ τοῦ σπέρματος τοῦ οἴκου τοῦ π. αὐ.
7. 5. πατήρ [S ὁ π.] μού ἐστι
— 7. S ὁ τοῦ καλοῦ καὶ ἀγαθοῦ π. [A B al.]
— 13. ἄπαγε πρὸς τὸν π. σου
8. 5. ὁ θεὸς τῶν π. ἡμῶν
— 21. πορεύεσθαι . . . πρὸς τὸν π. [S al.]
— 21. S ἐγώ σου ὁ π.
9. 4. ὁ π. μου ἀριθμεῖ τὰς ἡμέρας [S al.]
— 6. S καὶ τῇ γυναικί σου καὶ τῷ π. σου
10. 1. T. ὁ π. αὐτοῦ ἐλογίσατο [S al.]
— 8. ὁ π. μου καὶ ἡ μήτηρ μου
— 8. S ἀξιῶ σε, πάτερ
— 8. S ὅπως . . . πορευθῶ πρὸς τὸν π. μου
— 9. ἐξαποστελῶ πρὸς τὸν π. σου [S al.]
— 10. ἐξαπόστειλόν με πρὸς τὸν π. μου [S al.]
11. 2. πῶς ἀφῆκας τὸν π. σου
— 6. εἴπε τῷ π. αὐτοῦ
— 7. S πρὸ τοῦ ἐγγίσαι αὐτὸν πρὸς τὸν π.
— 7. ἀνοίξει τοὺς ὀφθ. ὁ π. σου [S al.]
— 8. S ἀναβλέψει ὁ π. σου
— 11. ἐπελάβετο τοῦ π. αὐτοῦ [S al.]
— 11. ἐπὶ [A εἰς] τοὺς ὀφθ. τοῦ π. αὐτοῦ [S al.]
— 11. θάρσει, πάτερ
To. 11. 15. ἀπήγγειλε τῷ π. αὐτοῦ [S al.]
— 17. ὁ π. σου καὶ ἡ μήτηρ σου [S al.]
12. 2. καὶ εἶπε, Πάτερ
13. 4. αὐτὸς πατὴρ [A ὁ π.] ἡμῶν
14. 12. ἔθαψεν αὐτὴν μετὰ τοῦ π. αὐ.
— 13. τὴν οὐσίαν [S οἰκίαν] . . . τοῦ π. αὐτοῦ
Ju. 5. 7. ἀκολουθῆσαι τοῖς θεοῖς τῶν π. αὐ.
7. 28. καὶ κύριον πατέρων ἡμῶν
— 28. κατὰ τὰ ἁμαρτήματα τῶν π. ἡμῶν
8. 3. ἔθαψαν αὐτὸν μετὰ τῶν π. αὐτοῦ
— 19. ἐδόθησαν εἰς ῥομφαίαν . . . οἱ π. ἡμῶν
— 25. ὃς πειράζει ἡμᾶς καθὰ καὶ τοὺς π. ἡμῶν
9. 2. κύριε ὁ θεὸς τοῦ π. μου Σ.
— 12. ὁ θεὸς [S θεὲ] τοῦ π. μου
10. 8. ὁ θεὸς τῶν π. ἡμῶν
Es. 2. 7. θυγάτηρ Ἀμ. ἀδελφοῦ πατρὸς αὐτοῦ (4)
— 15. A B S² τῆς θυγατρὸς Ἀμ. ἀδελφοῦ πατρὸς M. (4)
3. 13. τοῦ τεταγμένου . . . καὶ δευτέρου π. ἡμῶν
4. 14. σὺ δὲ καὶ ὁ οἶκος τοῦ π. σου (1 a)
— 17. A ἤκουον, κύριε, τοῦ π. μου [B S al.]
— 17. ἔλαβες . . . τοὺς π. ἡμῶν
8. 13. ὥστε ἀναγορεύεσθαι ἡμῶν πατέρα
Jb. 8. 8. ἐξιχνίασον δὲ κατὰ γένος πατέρων (1 a)
15. 10. βαρύτερος [A¹ πρεσβύτερος] τοῦ π. σου ἡμέραις (1 a)
— 18. A R οὐκ ἔκρυψαν πατέρες [B S -ας] αὐ. (1 a)
17. 14. θάνατον ἐπεκαλεσάμην πατέρα μου εἶναι (1 a)
29. 16. ἐγὼ ἤμην πατὴρ ἀδυνάτων (1 a)
30. 1. ὧν ἐξουδένουν τοὺς π. αὐτῶν (1 a)
31. 18. ἐκ νεότητός μου ἐξέτρεφον ὡς πατήρ (1 a)
38. 28. τίς ἐστιν ὑετοῦ πατήρ (1 a)
42. 15. ἔδωκε δὲ αὐταῖς ὁ π. κληρονομίαν (1 a)
— 17. ἦν δὲ αὐτὸς πατρὸς μὲν Ζαρέ
— 17. A ἦν δὲ ὁ π. αὐτοῦ Ζαρέθ
Ps. 21 (22). 4. ἐπὶ σοὶ ἤλπισαν οἱ π. ἡμῶν (1 a)
26 (27). 10. ὅτι ὁ π. μου καὶ ἡ μήτηρ μου ἐγκατέλιπόν με (1 a)
38 (39). 12. καθὼς πάντες οἱ π. μου (1 a)
43 (44). 1. οἱ π. ἡμῶν ἀνήγγειλαν ἡμῖν ἔργον (1 a)
44 (45). 10. ἐπιλάθου . . . τοῦ οἴκου τοῦ π. σου (1 a)
— 16. ἀντὶ τῶν π. σου ἐγενήθησάν σοι υἱοί (1 a)
48 (49). 19. εἰσελεύσεται ἕως γενεᾶς πατέρων αὐτοῦ (1 a)
67 (68). 5. τοῦ π. τῶν ὀρφανῶν καὶ κριτοῦ τῶν χηρῶν (1 a)
77 (78). 3. οἱ π. ἡμῶν διηγήσαντο ἡμῖν (1 a)
— 5. B S² ὃν ἐνετείλατο [S¹ ἔθετο] τοῖς π. ἡμῶν (1 a)
— 8. ἵνα μὴ γένωνται ὡς οἱ π. αὐτῶν (1 a)
— 12. ἐναντίον τῶν π. αὐτῶν ἃ ἐποίησε θαυμάσια (1 a)
— 57. καθὼς καὶ οἱ π. αὐτῶν (1 a)
88 (89). 26. πατήρ μου εἶ σύ (1 a)
94 (95). 9. A B S¹ οὗ ἐπείρασαν [S² R ἐπ. με] οἱ π. ὑμῶν (1 a)
102 (103). 13. καθὼς οἰκτείρει πατὴρ υἱούς (1 a)
105 (106). 6. ἡμάρτομεν μετὰ τῶν π. ἡμῶν (1 a)
— 7. οἱ π. ἡμῶν ἐν Αἰγύπτῳ (1 a)
108 (109). 14. ἀναμνησθείη ἡ ἀνομία τῶν π. αὐτοῦ ἔναντι κυρίου (1 a)
151. 1. καὶ νεώτερος ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. μου ἐποίμαινον τὰ πρόβατα τοῦ π. μου
— 4. ἤρέ με ἐκ τῶν προβάτων τοῦ π. μου
Pr. 1. 8. ἄκουε, υἱέ, παιδείαν [A S νόμους] πατρός σου (1 a)
4. 1. ἀκούσατε παῖδες παιδείαν πατρός (1 a)
— 3. υἱὸς γὰρ ἐγενόμην κἀγὼ πατρὶ ὑπήκοος (1 a)
6. 20. φύλασσε νόμους πατρός σου (1 a)
10. 1. υἱὸς σοφὸς εὐφραίνει πατέρα (1 a)
13. 1. υἱὸς πανοῦργος ὑπήκοος πατρί [S¹ μητρί] (1 a)
15. 5. ἄφρων μυκτηρίζει παιδείαν πατρός (1 a)
— 20. υἱὸς σοφὸς εὐφραίνει πατέρα (1 a)
17. 6. καύχημα δὲ τέκνων πατέρες αὐτῶν (1 a)
— 21. οὐκ εὐφραίνεται πατὴρ ἐφ' υἱῷ ἀπαιδεύτῳ (1 a)
— 25. ὀργὴ πατρὶ υἱὸς ἄφρων (1 a)
19. 13. αἰσχύνη πατρὶ υἱὸς ἄφρων (1 a)
— 14. οἶκον καὶ ὕπαρξιν μερίζουσι πατέρες παισί (1 a)
— 20. ἄκουε, υἱέ, παιδείαν πατρός σου –
— 26. ὁ ἀτιμάζων πατέρα (1 a)
— 27. υἱὸς ἀπολειπόμενος φυλάξαι παιδείαν πατρός –
20. 20. κακολογοῦντος πατέρα ἢ μητέρα (1 a)
22. 28. ἃ ἔθεντο οἱ π. σου (1 a)
Pr. 23. 10. A ἃ ἔθεντο οἱ π. σου –
— 22. ἄκουε, υἱέ, πατρὸς τοῦ γεννήσαντός σε (1 a)
— 24. καλῶς ἐκτρέφει πατὴρ δίκαιος (1 a)
— 25. εὐφραινέσθω ὁ π. καὶ ἡ μήτηρ ἐπὶ σοί (1 a)
24. 34 (30. 11). ἔκγονον κακὸν πατέρα καταρᾶται (1 a)
— 52 (30. 17). ὀφθαλμὸν καταγελῶντα πατρός (1 a)
28. 7. ὃς δὲ ποιμαίνει ἀσωτίαν ἀτιμάζει πατέρα (1 a)
— 24. ὃς ἀποβάλλεται [A -βιάζεται] πατέρα –
29. 3. ἀνδρὸς φιλοῦντος σοφίαν εὐφραίνεται πατὴρ [A S² ὁ π.] αὐτοῦ (1 a)
Ca. 5. 1. S ἡ νύμφη αἰτεῖται τὸν π. –
Wi. 2. 16. ἀλαζονεύεται πατέρα θεόν
9. 1. θεὲ πατέρων καὶ κύριε τοῦ ἐλέους σου
— 12. ἔσομαι ἄξιος θρόνων πατρός μου
10. 1. αὕτη πρωτόπλαστον πατέρα κόσμου . . . διεφύλαξε
11. 10. τούτους μὲν γὰρ ὡς πατὴρ νουθετῶν ἐδοκίμασας
12. 6. διὰ χειρῶν πατέρων ἡμῶν
— 21. ὧν τοῖς π. ὅρκους καὶ συνθήκας ἔδωκας
14. 3. ἡ δὲ σή, πάτερ, διακυβερνᾷ πρόνοια
— 15. ἀώρῳ γὰρ πένθει τρυχόμενος πατήρ
18. 6. ἐκείνῃ ἡ νὺξ προεγνώσθη πατράσιν ἡμῶν
— 9. πατέρων [S² πάτερ] ἤδη προαναμελπόντων [A S² -οντες] αἴνους
— 22. ὅρκους πατέρων καὶ διαθήκας ὑπομνήσας
— 24. πατέρων δόξαι ἐπὶ τετραστίχου λίθου [A -ων] γλυφῆς [S¹ -ή]
Si. 3. 1. ἐμοῦ τοῦ π. ἀκούσατε, τέκνα
— 2. ὁ γὰρ κύριος ἐδόξασε πατέρα ἐπὶ τέκνοις
— 3. ὁ τιμῶν πατέρα ἐξιλάσεται ἁμαρτίας
— 5. ὁ τιμῶν πατέρα εὐφρανθήσεται ὑπὸ τέκνων [A ἐπὶ τέκνοις]
— 6. ὁ δοξάζων πατέρα μακροημερεύσει
— 8. ἐν ἔργῳ καὶ λόγῳ τίμα τὸν π. σου
— 9. εὐλογία γὰρ πατρὸς στηρίζει οἴκους τέκνων
— 10. R μὴ δοξάζου ἐν ἀτιμίᾳ πατρός σου οὐ γὰρ ἔστι σοι δόξα πατρὸς ἀτιμία [A B S al.]
— 11. ἡ γὰρ δόξα ἀνθρώπου ἐκ τιμῆς πατρὸς αὐτοῦ
— 12. τέκνον, ἀντιλαβοῦ ἐν γήρᾳ πατρός σου
— 14. ἐλεημοσύνη γὰρ πατρὸς [S¹ π. σου] οὐκ ἐπιλησθήσεται
— 16. ὡς βλάσφημος ὁ ἐγκαταλιπὼν πατέρα
4. 10. γίνου ὀρφανοῖς ὡς πατήρ
7. 27. ἐν ὅλῃ καρδίᾳ [A δυνάμει σου] δόξασον τὸν π. σου
8. 9. καὶ γὰρ αὐτοὶ ἔμαθον παρὰ τῶν π. αὐτῶν
22. 3. αἰσχύνη πατρὸς ἐν γεννήσει ἀπαιδεύτου
— 5. πατέρα καὶ ἄνδρα καταισχύνει ἡ θρασεία [A θρησκεία]
23. 1. κύριε πάτερ καὶ δέσποτα [A πατὴρ καὶ θεὸς] ζωῆς μου
— 4. κύριε πάτερ καὶ θεὲ ζωῆς μου
— 14. μνήσθητι πατρὸς [A S π. σου] καὶ μητρός σου
30. 4. ἐτελεύτησεν αὐτοῦ ὁ π.
31 (34). 20. θύων υἱὸν ἔναντι τοῦ [S om.] π. αὐτοῦ
38. 23. S¹ ἐν ἐξόδῳ πατέρος [A B S² πνεύματος] αὐ.
41. 7. πατρὶ ἀσεβεῖ μέμψεται τέκνα
— 17. αἰσχύνεσθε ἀπὸ πατρὸς καὶ μητρός
42. 9. θυγάτηρ πατρὶ ἀπόκρυφος ἀγρυπνία
44. 1. πατέρων ὕμνος
— 1. αἰνέσωμεν . . . τοὺς π. ἡμῶν τῇ γενέσει
— 19. Ἀβραὰμ μέγας πατὴρ πλήθους ἐθνῶν
— 22. ἔστησεν οὕτως διὰ Ἀβραὰμ τὸν π. αὐτοῦ
47. 23. ἀνεπαύσατο Σαλωμὼν μετὰ τῶν π.
48. 10. ἐπιστρέψαι καρδίαν πατρὸς πρὸς υἱόν
— 22. ἐνίσχυσεν ἐν ὁδοῖς Δαυὶδ τοῦ π. αὐτοῦ
51. 10. ἐπεκαλεσάμην κύριον πατέρα κυρίου μου
Ho. 9. 10. ὡς σκοπὸν . . . εἶδον πατέρας αὐ. (1 a)
Am. 2. 4. οἷς ἐξηκολούθησαν οἱ π. αὐ. (1 a)
— 7. υἱὸς καὶ πατὴρ αὐ. εἰσεπορεύοντο πρὸς τὴν αὐτὴν παιδίσκην (1 a)
Mi. 7. 6. υἱὸς ἀτιμάζει πατέρα (1 a)
— 20. καθότι ὤμοσας τοῖς π. ἡμῶν (1 a)
Jl. 1. 3 (2). ἢ ἐν ταῖς ἡμέραις τῶν π. ὑμῶν (1 a)
Za. 1. 2. ὠργίσθη κύριος ἐπὶ τοὺς π. ὑμῶν (1 a)
— 4. μὴ γίνεσθε καθὼς οἱ π. ὑμῶν (1 a)
— 5. οἱ π. ὑμῶν ποῦ εἰσι (1 a)
— 6. οἳ κατελάβοσαν τοὺς π. ὑμῶν (1 a)
8. 14. ἐν τῷ παροργίσαι με τοὺς π. ὑμῶν (1 a)
13. 3. ἐρεῖ πρὸς αὐτὸν ὁ π. αὐ. (1 a)
— 3. συμποδιοῦσιν αὐτὸν ὁ π. αὐ. καὶ ἡ μήτηρ αὐ. (1 a)
Ma. 1. 6. υἱὸς δοξάζει πατέρα (1 a)
— 6. εἰ πατήρ εἰμι ἐγώ (1 a)
2. 10. οὐχὶ πατὴρ εἷς πάντων ὑμῶν (1 a)

Ma. 2. 10. τοῦ βεβηλῶσαι τὴν διαθήκην τῶν π. ὑμῶν (1 a)
3. 7. ἀπὸ τῶν ἀδικιῶν τῶν π. ὑμῶν (1 a)
4. 6 (3. 24). ἀποκαταστήσει καρδίαν πατρὸς πρὸς υἱόν (1 a)
Is. 3. 6. ἐπιλήψεται . . . τοῦ οἰκείου τοῦ π. αὐ. (1 a)
7. 17. ἐπὶ τὸν οἶκον τοῦ π. σου (1 a)
8. 4. πρὶν ἢ γνῶναι τὸ παιδίον καλεῖν πατέρα (1 a)
9. 6 (5). AS² π. τοῦ μέλλοντος αἰῶνος (1 a)
14. 21. σφαγῆναι ταῖς ἁμαρτίαις τοῦ π. αὐτῶν (1 a)
17. 11. ὡς π. ἀνθρώπου κληρώσῃ τοῖς υἱοῖς σου †
22. 21. ἔσται ὡς π. τοῖς ἐνοικοῦσιν ἐν Ἱερ. (1 a)
— 23. εἰς θρόνον δόξης τοῦ οἴκου τοῦ π. αὐ. (1 a)
— 24. πᾶς ἔνδοξος ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
33. 22. A² κύριος π. –
37. 12. οὓς ἀπώλεσαν οἱ π. μου (1 a)
38. 5. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Δαυὶδ τοῦ π. σου (1 a)
— 8. κατέβη τοὺς δέκα ἀναβαθμοὺς τοῦ οἴκου τοῦ πατρός σου ὁ ἥλιος –
39. 6. ὅσα συνήγαγον οἱ π. σου (1 a)
43. 27. οἱ π. ὑμῶν πρῶτοι (1 a)
45. 10. ὁ λέγων τῷ π., Τί γεννήσεις (1 a)
51. 2. ἐμβλέψατε εἰς Ἀβραὰμ τὸν π. ὑμῶν (1 a)
58. 14. ψωμιεῖ σε τὴν κληρονομίαν Ἰ. τοῦ π. σου (1 a)
63. 16. σὺ γὰρ εἶ π. ἡμῶν . . . σὺ κύριε [S add. ὁ] π. ἡμῶν (1 a, 1 a)
64. 8 (7). π. ἡμῶν σὺ ἡμεῖς δὲ πηλός (1 a)
— 11 (10). ἣν εὐλόγησαν οἱ π. ἡμῶν (1 a)
65. 7. τὰς ἁμαρτίας αὐτῶν καὶ τῶν π. αὐτῶν (1 a)
Je. 2. 5. τί εὗρόσαν οἱ π. ὑμῶν ἐν ἐμοὶ πλημμέλημα (1 a)
— 27. π. μου εἶ σύ (1 a)
3. 4. οὐχ ὡς οἶκόν με ἐκάλεσας καὶ πατέρα (1 a)
— 18. ἣν κατεκληρονόμησα τοὺς π. αὐ. [A S¹ al.] (1 a)
— 19. εἶπα, Πατέρα καλέσετέ με [A S al.] (1 a)
— 24. κατηνάλωσε τοὺς μόχθους τῶν π. ἡμῶν (1 a)
— 25. ἡμάρτομεν ἡμεῖς καὶ οἱ π. ἡμῶν (1 a)
6. 21. ἀσθενήσουσι πατέρες καὶ υἱοὶ ἅμα (1 a)
7. 7. ἐν γῇ ᾗ ἔδωκα τοῖς π. ὑμῶν (1 a)
— 14. ᾧ ἔδωκα ὑμῖν καὶ τοῖς π. ὑμῶν (1 a)
— 18. οἱ π. αὐτῶν καίουσι πῦρ (1 a)
— 22. οὐκ ἐλάλησα πρὸς τοὺς π. ὑμῶν (1 a)
— 25. ἐξήλθοσαν οἱ π. αὐ. ἐκ γῆς Αἰγ. (1 a)
— 26. ἐσκλήρυναν τὸν τράχηλον αὐτῶν ὑπὲρ τοὺς π. αὐτῶν (1 a)
9. 14 (13). ἃ ἐδίδαξαν αὐτοὺς οἱ π. αὐτῶν (1 a)
— 16 (15). οὐκ ἐγίνωσκον αὐτοὶ καὶ οἱ π. αὐ. (1 a)
11. 4. ἧς ἐνετειλάμην τοῖς π. ὑμῶν (1 a)
— 5. ὃν ὤμοσα τοῖς π. ὑμῶν (1 a)
— 10. ἐπεστράφησαν ἐπὶ τὰς ἀδικίας τῶν π. αὐ. . . . ἣν διεθέμην πρὸς τοὺς π. αὐ. (1 a, 1 a)
12. 6. ὁ οἶκος τοῦ π. σου (1 a)
13. 14. διασκορπιῶ . . . τοὺς π. αὐτῶν (1 a)
14. 20. ἔγνωμεν . . . ἀδικίας πατέρων ἡμῶν (1 a)
16. 3. περὶ τῶν π. αὐ. τῶν γεγεννηκότων αὐτούς (1 a)
— 7. εἰς παράκλησιν ἐπὶ πατρί (1 a)
— 11. ἐγκατέλιπόν με οἱ πατέρες ὑμῶν (1 a)
— 12. ἐπονηρεύσασθε [S¹ οὐκ ἐπορεύεσθε] ὑπὲρ τοὺς π. ὑμῶν (1 a)
— 13. ἣν οὐκ ᾔδειτε ὑμεῖς καὶ οἱ π. ὑμῶν (1 a)
— 15. ἣν ἔδωκα τοῖς π. αὐτῶν (1 a)
— 19. ὡς ψευδῆ ἐκτήσαντο οἱ π. ἡμῶν εἴδωλα (1 a)
17. 22. καθὼς ἐνετειλάμην τοῖς π. ὑμῶν (1 a)
— 23. ἐσκλήρυναν τὸν τράχηλον αὐτῶν ὑπὲρ τοὺς π. αὐτῶν –
18. 23. A S τὰς ἁμαρτίας τῶν π. [B om. τ. π.] αὐτῶν . . . μὴ ἐξαλείψῃς †
19. 4. οἷς οὐκ ᾔδεισαν αὐτοὶ καὶ οἱ π. αὐτῶν (1 a)
20. 15. ὁ εὐαγγελισάμενος τῷ π. μου (1 a)
22. 11. τὸν βασιλεύοντα ἀντὶ Ἰ. τοῦ π. αὐ. (1 a)
— 15. παροξύνῃ ἐν Ἄχαζ τῷ π. σου (1 a)
23. 27. ἐπελάθοντο οἱ π. αὐτῶν τοῦ ὀνόματός μου (1 a)
— 39. ἣν ἔδωκα ὑμῖν καὶ τοῖς π. ὑμῶν (1 a)
25. 5. ἧς ἔδωκα ὑμῖν καὶ τοῖς π. ὑμῶν (1 a)
27 (50). 7. τῷ συναγαγόντι τοὺς π. αὐτῶν (1 a)
29 (47). 3. οὐκ ἐπέστρεψαν πατέρες ἐφ' υἱοὺς αὐτῶν (1 a)
37 (30). 3. ἣν ἔδωκα τοῖς π. αὐτῶν (1 a)
38 (31). 9. ἐγενόμην τῷ Ἰσραὴλ εἰς πατέρα (1 a)
— 29. οἱ π. ἔφαγον ὄμφακα (1 a)
— 32. ἣν διεθέμην τοῖς π. αὐτῶν [S ὑμῶν] (1 a)
39 (32). 7, 8. Ἀναμὴλ υἱὸς Σαλὼμ ἀδελφοῦ πατρός (4)
Je. 39. 9, 12. Ἀναμὴλ υἱοῦ ἀδελφοῦ πατρός μου (4)
— 18. ἀποδιδοὺς ἁμαρτίας πατέρων εἰς κόλπους τέκνων αὐτῶν (1 a)
— 22. ἣν ὤμοσας τοῖς π. αὐτῶν (1 a)
— 32. A αὐτοὶ καὶ οἱ π. αὐ. [BS om. κ. οἱ π. αὐ.] –
41 (34). 5. ὡς ἔκλαυσαν τοὺς π. σου (1 a)
— 13. διεθέμην διαθήκην πρὸς τοὺς π. ὑμῶν (1 a)
42 (35). 6. Ἰων. υἱὸς Ῥηχὰβ ὁ π. ἡμῶν (1 a)
— 8. ἠκούσαμεν τῆς φωνῆς Ἰ. τοῦ π. ἡμῶν (1 a)
— 10. ἃ ἐνετείλατο ἡμῖν Ἰωναδὰβ ὁ π. ἡμῶν (1 a)
— 15. ἧς ἔδωκα ὑμῖν καὶ τοῖς π. ὑμῶν (1 a)
— 16. ἔστησαν . . . τὴν ἐντολὴν τοῦ π. αὐτῶν (1 a)
— 18. ἤκουσαν . . . τὴν ἐντολὴν [S om. τ. ἐ.] τοῦ π. αὐτῶν ποιεῖν καθότι ἐνετείλατο αὐτοῖς ὁ π. αὐ. (1 a, –)
51 (44). 9. μὴ ἐπιλέλησθε ὑμεῖς τῶν κακῶν [A ἔργων] τῶν π. ὑμῶν (1 a)
— 10. ὧν ἔδωκα κατὰ πρόσωπον τῶν π. αὐτῶν (1 a)
— 17. καθὰ ἐποιήσαμεν ἡμεῖς καὶ οἱ π. ἡμῶν (1 a)
— 21. ἐθυμιάσατε . . . ὑμεῖς καὶ οἱ π. ὑμῶν (1 a)
Ba. 1. 16. αἰσχύνη . . . τοῖς π. ἡμῶν
— 19. ἐξήγαγε κύριος τοὺς π. ἡμῶν ἐκ γῆς Αἰγύπτου
— 20. ἐξήγαγε τοὺς π. ἡμῶν ἐκ γῆς Αἰγύπτου
2. 6. ἡμῖν δὲ καὶ τοῖς π. ἡμῶν ἡ αἰσχύνη
— 19. οὐκ ἐπὶ τὰ δικαιώματα τῶν π. ἡμῶν
— 21. τὴν γῆν ἣν δέδωκα τοῖς π. ὑμῶν
— 24. τοῦ ἐξενεχθῆναι . . . τὰ ὀστᾶ τῶν π. ἡμῶν
— 33. μνησθήσονται τῆς ὁδοῦ πατέρων αὐτῶν
— 34. εἰς τὴν γῆν ἣν ὤμοσα τοῖς π. αὐτῶν
3. 5. μὴ μνησθῆς ἀδικιῶν πατέρων ἡμῶν
— 7. ἀπεστρέψαμεν . . . πᾶσαν ἀδικίαν πατέρων ἡμῶν
— 8. κατὰ πάσας τὰς ἀδικίας πατέρων ἡμῶν
La. 5. 3. οὐχ ὑπάρχει π. (1 a)
— 7. οἱ π. ἡμῶν ἥμαρτον (1 a)
Ez. 2. 3. παρεπίκρανάν με αὐτοὶ καὶ οἱ π. αὐτῶν (1 a)
5. 10. πατέρες φάγονται τέκνα ἐν μέσῳ σου καὶ τέκνα φάγονται πατέρας (1 a, 1 a)
16. 3. ὁ π. σου Ἀμορραῖος (1 a)
— 45. ὁ π. ὑμῶν Ἀμορραῖος (1 a)
18. 2. οἱ π. ἔφαγον ὄμφακα (1 a)
— 4. ὃν τρόπον ἡ ψυχὴ τοῦ π. (1 a)
— 11. ἐν τῇ ὁδῷ τοῦ π. αὐτοῦ τοῦ δικαίου †
— 14. ἴδῃ πάσας τὰς ἁμαρτίας τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)
— 17. οὗ τελευτήσει ἐν ἀδικίαις πατρὸς αὐτοῦ (1 a)
— 18. ὁ δὲ π. αὐτοῦ ἐὰν θλίψει θλίψῃ (1 a)
— 19. οὐκ ἔλαβε τὴν ἀδικίαν ὁ υἱὸς τοῦ π. [A ἔ. ἀ. υἱ. π. αὐτοῦ] (1 a)
— 20. ὁ δὲ υἱὸς οὐ λήψεται τὴν ἀδικίαν τοῦ π. οὐδὲ ὁ [A om.] π. λήψεται τὴν ἀδικίαν τοῦ υἱοῦ (1 a, 1 a)
20. 4. τὰς ἀνομίας τῶν π. αὐτῶν (1 a)
— 18. ἐν τοῖς νομίμοις τῶν π. ὑμῶν (1 a)
— 24. ὀπίσω τῶν ἐνθυμημάτων τῶν π. αὐ. (1 a)
— 27. παρώργισάν με οἱ π. ὑμῶν (1 a)
— 30. ἐν ταῖς ἀνομίαις τῶν π. ὑμῶν (1 a)
— 36. διεκρίθην πρὸς τοὺς π. ὑμῶν (1 a)
— 42. τοῦ δοῦναι αὐτὴν τοῖς π. ὑμῶν [A al.] (1 a)
22. 7. πατέρα καὶ μητέρα ἐκακολόγουν ἐν σοί (1 a)
— 10. αἰσχύνην πατρὸς ἀπεκάλυψαν ἐν σοί (1 a)
— 11. ἕκαστος τὴν ἀδελφὴν αὐτοῦ θυγατέρα τοῦ π. αὐτοῦ ἐταπείνουν ἐν σοί (1 a)
28. 26. ἐγὼ εἰμι . . . ὁ θεὸς τῶν π. αὐτῶν –
36. 28. ἧς ἔδωκα τοῖς π. ὑμῶν (1 a)
37. 25. οὗ κατῴκησαν ἐκεῖ οἱ π. αὐτῶν (1 a)
44. 25. ἐπὶ πατρὶ . . . μιανθήσεται (1 a)
47. 14. τοῦ δοῦναι τοῖς π. αὐτῶν (1 a)
Da. LXX. Su. 30. ὡς δὲ παρεγενήθη ἡ γυνὴ σὺν τῷ π. ἑαυτῆς
2. 23. κύριε τῶν π. μου (1 b)
3. (26). κύριε ὁ θεὸς τῶν π. ἡμῶν
— (28). ἐπὶ τὴν πόλιν σου τὴν ἁγίαν τὴν τῶν π. ἡμῶν Ἰ.
— (52). κύριε ὁ θεὸς τῶν π. ἡμῶν
5. 2. ἃ ἐξήνεγκε Ναβ. ὁ π. αὐ. (1 b)
— 11. ἐν ταῖς ἡμέραις τοῦ π. σου (1 b)
— 11. ὁ βασ. Ναβ. ὁ π. σου . . . κατέστησεν αὐτόν [A add. ὁ π. σου ὁ βασ.] (1 b, 1 b)
— 13. ἧς ἤγαγεν ὁ βασ. ὁ π. μου (1 b)
— 18. τὴν δόξαν ἔδωκε Ναβ. τῷ π. σου (1 b)
9. 6. οἱ ἐλάλουν . . . πρὸς τοὺς . . . πατέρας ἡμῶν (1 a)
— 8. ἡμῖν ἡ αἰσχύνη . . . καὶ τοῖς π. ἡμῶν (1 a)
— 16. ἐν ταῖς ἀδικίαις ἡμῶν καὶ τῶν π. ἡμῶν (1 a)
11. 24. ἃ οὐκ ἐποίησαν οἱ π. αὐ. καὶ οἱ π. τῶν π. αὐ. (1 a ter)
— 37. ἐπὶ πάντας θεοὺς [B¹ παντὸς θ.] τῶν π. αὐ. (1 a)
— 38. ὃν οὐκ ἔγνωσαν οἱ π. αὐ. (1 a)
Bel 1. προσετέθη πρὸς τοὺς π. αὐ.
I Ma. 2. 19. ἀποστῆναι ἕκαστος ἀπὸ λατρείας πατέρων αὐ.
— 20. πορευσόμεθα ἐν διαθήκῃ πατέρων ἡμῶν
— 50. δότε τὰς ψυχὰς ὑμῶν ὑπὲρ διαθήκης πατέρων ἡμῶν
— 51. μνήσθητε τῶν π. ἡμῶν τὰ ἔργα
— 54. Φινεὲς ὁ π. ἡμῶν
— 65. AR αὐτὸς ὑμῖν ἔσται εἰς πατέρα [S ἔ. ὑμῶν πατήρ]
— 69. προσετέθη πρὸς τοὺς π. αὐ.
— 70. ἐν τάφοις πατέρων αὐ.
3. 2. ὅσοι ἐκολλήθησαν τῷ π. αὐ.
4. 9. ἐσώθησαν οἱ π. ἡμῶν
— 10. καὶ μνησθήσεται διαθήκης πατέρων
6. 23. δουλεύειν τῷ π. σου
7. 2. εἰς οἶκον βασιλείας πατέρων αὐ.
9. 19. ἐν τῷ τάφῳ τῶν π. αὐ.
10. 52. ἐπὶ θρόνου πατέρων μου
— 55. εἰς γῆν πατέρων σου
— 67. εἰς τὴν γῆν τῶν π. αὐτοῦ
— 72. δὶς ἐτροπώθησαν οἱ π. σου
11. 9. βασιλεύσεις τῆς βασ. τοῦ π. σου
— 32. βασιλεὺς Δ. Δασθένει τῷ π. χαίρειν
— 38. πᾶσαι αἱ δυνάμεις αἱ ἀπὸ τῶν π.
— 40. ὅπως βασιλεύσῃ ἀντὶ τοῦ π. αὐ.
12. 28. S Ἰων. καὶ οἱ π. [A R παρ'] αὐτοῦ
13. 3. ἐγὼ καὶ οἱ ἀδ. μου καὶ ὁ οἶκος τοῦ π. μου
— 25. ἐν Μ. πόλει τῶν π. αὐ.
— 27. ἐπὶ τὸν τάφον τοῦ π. αὐ.
— 28. ἔστησεν . . . τῷ π. καὶ τῇ μητρί
14. 26. αὐτὸς . . . καὶ ὁ οἶκος τοῦ π. αὐ.
15. 3. κατεκράτησαν τῆς βασ. τῶν π. ἡμῶν
— 10. εἰς τὴν γῆν τῶν π. αὐ.
— 33. ἀλλὰ τῆς κληρονομίας τῶν π. ἡμῶν
— 34. ἀντεχόμεθα τῆς κληρονομίας τῶν π. ἡμῶν
16. 1. ἀπήγγειλε Σίμωνι τῷ π. [S¹ ἀδελφῷ] αὐ.
— 2. ἐγὼ . . . καὶ ὁ οἶκος τοῦ π. μου
— 21. ἀπώλετο ὁ π. αὐ.
— 24. ἀφ' οὗ ἐγενήθη ἀρχιερεὺς μετὰ τὸν π. αὐ.
II Ma. 1. 19. ὅτε εἰς τὴν Περσικὴν ἤγοντο ἡμῶν οἱ π.
— 25. ὁ ποιήσας τοὺς π. ἐκλεκτούς
3. 24. R ὁ τῶν π. κύριος [A al.]
4. 11. διὰ Ἰωάννου τοῦ π. Εὐπολέμου
7. 30. τοῦ νόμου τοῦ δοθέντος τοῖς π. ἡμῶν
8. 15. διὰ τὰς πρὸς τοὺς π. αὐ. διαθήκας
9. 23. ὁ π. . . . ἀνέδειξε τὸν διαδεξόμενον
11. 23. τοῦ π. ἡμῶν εἰς θεοὺς μεταστάντος
— 24. τῇ τοῦ π. εἰς τὰ Ἑλληνικὰ μεταθέσει
13. 9. τῶν ἐπὶ τοῦ π. αὐ. γεγονότων
14. 37. πατὴρ τῶν Ἰουδ. προσαγορευόμενος
III Ma. 2. 12. θλιβέντων τῶν π. ἡμῶν
5. 7. ἐλεήμονα θεὸν αὐτῶν καὶ πατέρα
6. 3. R μερίδος ἡγιασμένης σου λαὸν . . . πάτερ [A om.]
— 8. ἀπήμαντον πᾶσιν οἰκείοις ἀνέδειξας, πάτερ
7. 6. ὡς πατέρα ὑπὲρ υἱῶν διὰ παντὸς ὑπερμαχοῦντα
— 16. εὐχαριστοῦντες τῷ θεῷ τῶν π. αὐ.
IV Ma. 2. 19. ὁ πάνσοφος ἡμῶν π. Ἰ.
3. 20. βαθεῖαν εἰρήνην . . . οἱ π. ἡμῶν εἶχον
5. 37. ἀγνόν με οἱ π. προσδέξονται
7. 1. ὁ τοῦ π. ἡμῶν Ἑλ. λογισμός
— 5. τὴν ἑαυτοῦ διάνοιαν ὁ π. Ἑλ. ἐκτείνας
— 9. σὺ, πάτερ, τὴν εὐνομίαν . . . ἐκύρωσας
— 11. ὥσπερ γὰρ ὁ π. Α. τῷ θυμιατηρίῳ καθωπλισμένος
10. 2. ὁ αὐτός με τοῖς ἀποθανοῦσιν ἔσπειρε πατήρ
13. 12. τίνος πατρὸς χειρὶ σφαγιασθῆναι
— 17. καὶ πάντες οἱ π. ἐπαινέσουσι

IV Ma. 13. 19. A R ἅπερ ἡ . . . πρόνοια διὰ τῶν [S om.] π. . . . ἐμέρισε
15. 4. R τὰς μητέρας τῶν π. καθεστάναι συμπαθεστέρας [A S al.]
16. 14. A ὦ πατὴρ [S R μήτηρ] . . . στρατιῶτι
— 20. ὁ π. ἡμῶν Ἀβ. ἔσπευδε . . σφαγιάσαι
17. 6. S R ἦν γὰρ ἡ παιδοποιία σου ἀπὸ Ἀβ. τοῦ π. [A παιδός]
18. 9. ἐτελεύτησεν ὁ π.
— 23. εἰς πατέρων χορὸν συναγελάζονται
[Aq. Ge. 37. 2: 47. 6: 50. 2: Le. 26. 39: Nu. 1. 45, 47: Dt. 18. 8: Jd. 14. 16: III Ki. 5. 1 (15): 8. 1: 14. 15, 20: 15. 24 bis: 22. 47: IV Ki. 5. 13: 9. 28: 17. 15: Jb. 38. 28: Ps. 44 (45). 17: Is. 9. 6 (5): 14. 21: Je. 34 (41). 5, 14: 35 (42). 14: 44 (51). 3: 50 (27). 7: Ez. 18. 18 (P.): Da. 11. 37.]
[Sm. Ge. 25. 8: 37. 2: 47. 6: Le. 26. 39: Nu. 1. 45, 47: Jd. 14. 16: III Ki. 5. 1 (15): IV Ki. 5. 1 (15): 5. 13: 9. 28: Jb. 15. 18: 38. 28: Ps. 44 (45). 17: 48 (49). 20: Is. 9. 6 (5): 14. 21: 38. 19: Je. 16. 19: 22. 15: 34 (41). 14: 44 (51). 3 (Sw.): 50 (27). 7: Ez. 18. 18 (P.).]
[Th. Ge. 36. 24: 37. 2: 47. 6: Le. 26. 39: Nu. 1. 45, 47: Jd. 6. 25: 8. 32: 14. 16: III Ki. 5. 1 (15): 15. 24 bis: IV Ki. 5. 13: Jb. 15. 10: 38. 28 (P.): Is. 9. 6 (5): 14. 21: Je. 11. 7: 34 (41). 14: 35 (42). 14: 44 (51). 3: 50 (27). 7: Ez. 18. 18 (P.): Da. 11. 37.]
[Heb. Ge. 47. 6.]
[Al. Le. 16. 32: 18. 12, 14: III Ki. 22. 47.]
[Sam. Le. 20. 11, 20.]
[Quint. IV Ki. 9. 28.]

πατητής, *vel* **πατητός**. (1) דָּרָךְ

Is. 63. 2. τὰ ἐνδύματά σου ὡς ἀπὸ πατητοῦ ληνοῦ

πάτμωμα (?), *vid. sub* **φάτνωμα**.

πατράδελφος. (1) דּוֹד

Jd. 10. 1. υἱὸς πατραδέλφου αὐτοῦ (1)
II Ki. 23. 9. Ἐλ. υἱὸς πατραδέλφου αὐτοῦ (1)
— 24. υἱὸς Δ. πατραδέλφου αὐτοῦ (1)
I Ch. 27. 32. Ἰων. ὁ π. Δ. σύμβουλος (1)
[Aq. I Ki. 10. 14: Ca. 1. 13: 2. 8: Is. 5. 1.]
[Al. Le. 10. 4: I Ki. 14. 50.]

πάτραρχος. (1) אֱלֹהִים

Is. 37. 38. ἐν τῷ αὐτὸν προσκυνεῖν ἐν τῷ οἴκῳ Νασαρὰχ τὸν π. αὐτοῦ (1)
[Sm. Is. 8. 21.]

πατριά. (1) *a.* אָב *b.* בֵּית אָבוֹת (2) מִשְׁפָּחָה
(3) οἶκος πατριῶν מִשְׁפָּחָה

Ex. 6. 14. ἀρχηγοὶ οἴκων πατριῶν αὐ. (1 *a*)
— 15. αὗται αἱ π. τῶν υἱῶν Συμ. (2)
— 17. οἶκοι πατριᾶς αὐτῶν (3)
— 19. οὗτοι οἶκοι πατριῶν Λευί (3)
— 25. αὗται αἱ ἀρχαὶ πατριᾶς Λευιτῶν (1 *a*)
12. 3. κατ' οἴκους πατριῶν (1 *a*)
Le. 25. 10. R ἕκαστος εἰς τὴν π. [A B -ρίδα] αὐ. (2)
Nu. 1. 2, 4. κατ' οἴκους πατριῶν (1 *a*)
— 16. ἄρχοντες τῶν φυλῶν κατὰ πατριάς (1 *a*)
— 18. κατὰ πατριὰς αὐτῶν (1 *b*)
— 20, 22, 26, 28, 30, 32, 34, 36, 24, 38, 40, 42. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (1 *a*)
— 44. κατὰ φυλὴν οἴκων πατριᾶς (1 *a*)
— 47. B[1] ἐκ τῆς φυλῆς [A om.] τῆς [A B[2] R om.] π. (1 *a*)
2. 2, 32, 34: 3. 15, 20. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (1 *a*)
3. 24. ὁ ἄρχων οἴκου πατριᾶς (1 *a*)
— 30. ὁ ἄρχων οἴκου πατριῶν (1 *a*)
— 35. AB R ὁ ἄρχων οἴκου πατριῶν [B[1] -ᾶς] (1 *a*)
4. 2. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (1 *a*)
— 4. A κατ' οἴκους πατριῶν αὐ. –
— 22, 29, 34, 38, 40, 42. κατ' οἴκους πατριῶν αὐ. (1 *a*)
— 44. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν –
— 46. κατ' οἴκους πατριῶν αὐ. (1 *a*)
7. 2. ἄρχοντες οἴκων πατριῶν αὐτῶν (1 *a*)
13. 3 (2). κατὰ δήμους πατριῶν αὐτῶν (1 *a*)
17. 2 (17). κατ' οἴκους πατριῶν (1 *a*)
— 2 (17). κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (1 *a*)
— 3 (18). κατὰ φυλὴν οἴκου πατριῶν αὐ. (1 *a*)
— 6 (21). κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (1 *a*)
18. 1. B ὁ οἶκος πατριᾶς [A R τοῦ πατρός] σου (1 *a*)
25. 14. ἄρχων οἴκου πατριᾶς (1 *a*)
Nu. 25. 15. οἴκου πατριᾶς ἐστι τῶν Μαδ. (1 *a*)
26. 2. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (1 *a*)
— 55. κατὰ φυλὰς πατριῶν αὐτῶν (1 *a*)
31. 26. οἱ ἄρχοντες τῶν π. τῆς συναγ. (1 *a*)
32. 28. τοὺς ἄρχοντας πατριῶν τῶν φυλῶν Ἰ. (1 *a*)
33. 54. κατὰ φυλὰς πατριῶν ὑμῶν (1 *a*)
34. 14. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (1 *a*)
36. 1. A οἱ ἄρχοντες πατριῶν [B om.] φυλῆς (1 *a*)
— 1. ἔναντι τῶν ἀρχόντων οἴκων πατριῶν (1 *a*)
— 4. ἀπὸ τῆς κληρονομίας φυλῆς πατριᾶς ἡ. (1 *a*)
— 7. ἐν τῇ κληρονομίᾳ τῆς φυλῆς τῆς π. (1 *a*)
De. 18. 8. πλὴν τῆς πράσεως τῆς κατὰ πατριάν (1 *a*)
29. 18 (17). μή τίς ἐστιν ἐν ὑμῖν . . . πατριά (2)
Jo. 14. 1. οἱ ἄρχοντες πατριῶν φυλῶν (1 *a*)
19. 51. οἱ ἄρχοντες τῶν [A om.] π. (1 *a*)
21. 1. πρὸς τοὺς ἀρχιφύλους πατριῶν (1 *a*)
22. 14. ἄρχων εἷς ἀπὸ οἴκου πατριᾶς (1 *a*)
— 14. ἄρχοντες οἴκων πατριῶν (1 *a*)
— 32. A οἱ ἄρχοντες τῶν π. [B om. τ. π.] –
II Ki. 14. 7. ἐπανέστη ὅλη ἡ π. (2)
III Ki. 4. 6. Ἐλ. υἱὸς Σ. ἐπὶ τῆς π. –
I Ch. 2. 55. A R πατριαὶ γραμματέων [B -των] (2)
4. 27. πᾶσαι αἱ π. αὐτῶν οὐκ ἐπλεόνασαν (2)
— 38. ἐν οἴκοις πατριῶν αὐτῶν (1 *a*)
5. 7. A οἱ ἀδελφοὶ αὐτοῦ τῇ π. [B -ρίδι] αὐ. (2)
— 13. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (1 *a*)
— 15. ἄρχων οἴκου πατριῶν (1 *a*)
— 24. οὗτοι ἀρχηγοὶ οἴκου πατριῶν αὐ. (1 *a*)
— 24. ἄρχοντες τῶν οἴκων πατριῶν αὐ. (1 *a*)
6. 19 (4). αὗται αἱ π. τοῦ Λ. κατὰ πατριὰς αὐ. (2, 1 *a*)
— 48 (33). κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν –
— 54 (39). τοῖς υἱοῖς Ἀ. τῇ π. αὐτῶν (2)
— 60 (45). τρισκαίδεκα πόλεις κατὰ πατριὰς αὐ. (2)
— 61 (46). τοῖς καταλοίποις ἐκ τῶν π. (2)
— 62 (47). τοῖς υἱοῖς Γ. κατὰ πατριὰς αὐ. (2)
— 63 (48). τοῖς υἱοῖς Μ. κατὰ πατριὰς αὐ. (2)
— 66 (51). ἀπὸ τῶν π. υἱῶν Καάθ (2)
— 70 (55). κατὰ πατριὰν [A -ὰς] τοῖς υἱοῖς Κ. (2)
— 71 (56). ἀπὸ πατριῶν ἡμίσους φυλῆς Μαν. [A al.] (2)
7. 2. ἄρχοντες οἴκων [A κατ' οἶκον] πατριῶν αὐ. (1 *a*)
— 4. R κατ' οἴκους πατριῶν [A B -ικοὺς] αὐ. (1 *a*)
— 5. εἰς πάσας π. Ἰσσάχαρ (2)
— 7. R ἄρχοντες οἴκων πατριῶν [A B -ικῶν] (1 *a*)
— 9. ἄρχοντες οἴκων πατριῶν αὐτῶν (1 *a*)
— 11. ἄρχοντες τῶν π. ἰσχυροὶ δυνάμει (1 *a*)
— 40. πάντες ἄρχοντες πατριῶν (1 *b*)
8. 6. οὗτοί εἰσιν ἄρχοντες πατριῶν (1 *a*)
— 10. οὗτοι ἄρχοντες πατριῶν (1 *a*)
— 13. οὗτοι ἄρχοντες τῶν π. (1 *a*)
— 28. οὗτοι ἄρχοντες πατριῶν (1 *a*)
9. 9. ἄρχοντες πατριῶν κατ' οἴκους πατριῶν αὐ. (1 *a*, 1 *a*)
— 13. ἄρχοντες οἴκων πατριῶν (1 *a*)
— 33. ἄρχοντες τῶν π. τῶν Λευιτῶν (1 *a*)
— 34. οὗτοι ἄρχοντες τῶν π. (1 *a*)
11. 20. A οὗτος ἦν ἄρχων τῶν π. [B S τριῶν] †
— 25. κατέστησεν αὐτὸν Δ. ἐπὶ τὴν π. αὐ. †
12. 30. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν [S al.] (1 *a*)
15. 12. ὑμεῖς ἄρχοντες πατριῶν τῶν Λ. (1 *a*)
16. 28. A R δότε τῷ κ., αἱ π. [B S πατρὶ] τῶν ἐθνῶν (2)
23. 9. οὗτοι ἄρχοντες πατριῶν τῶν Ἐδάν (1 *a*)
— 11. ἐγένοντο εἰς οἶκον πατριᾶς (1 *a*)
— 24. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (1 *a*)
— 24. ἄρχοντες τῶν π. αὐτῶν (1 *a*)
24. 3. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν –
— 4. εἰς οἴκους πατριῶν (1 *a*)
— 4. κατ' οἴκους πατριῶν (1 *a*)
— 6. ἄρχοντες τῶν π. τῶν ἱερέων καὶ τῶν Λ. οἴκου πατριᾶς (1 *a*, 1 *a*)
— 30. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (1 *a*)
— 31. B ἄρχων [A -χόντων, R οἱ ἄ.] τῶν [A om.] π. (1 *a*)
— 31. A καὶ τῶν Λ. πατριαὶ [B -ιάρχαι] Ἀρ. (1 *a*)
26. 13. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (1 *a*)
— 21. ἄρχοντες πατριῶν τῷ Λ. (1 *a*)
— 26. καὶ οἱ ἄρχοντες τῶν π. (1 *a*)
— 31. κατὰ γενέσεις αὐ. κατὰ πατριάς (1 *a*)
— 32. καὶ οἱ ἀδ. αὐ. . . . οἱ ἄρχοντες πατριῶν (1 *a*)
27. 1. ἄρχοντες τῶν π. (1 *a*)
29. 6. ἄρχοντες πατριῶν [A τῶν π.] (1 *a*)
II Ch. 1. 2. εἶπε . . . τοῖς ἄρχουσι τῶν π. (1 *a*)
5. 2. τοὺς ἡγουμένους πατριῶν [A τῶν π.] υἱῶν Ἰσρ. (1 *a*)
II Ch. 17. 14. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (1 *a*)
23. 2. καὶ ἄρχοντας πατριῶν [A τῶν π.] τοῦ Ἰσρ. (1 *a*)
25. 5. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (1 *a*)
31. 17. κατ' οἴκους πατριῶν (1 *a*)
35. 4. κατ' οἴκους πατριῶν ὑμῶν (1 *a*)
— 5. κατὰ τὰς διαιρ. οἴκων πατριῶν ὑμῶν (1 *a*)
— 5. μερὶς οἴκου πατριᾶς τοῖς Λ. (1 *a*)
— 12. κατ' οἴκους πατριῶν (1 *a*)
I Es. 1. 4. ἑτοιμάσατε κατὰ τὰς π.
2. 8. οἱ ἀρχίφυλοι τῶν π. τῆς Ἰ.
5. 1. ἀρχηγοὶ οἴκου πατριῶν
— 4. κατὰ πατριὰς αὐτῶν εἰς τὰς φυλάς
— 37. ἀπαγγεῖλαι τὰς π. αὐτῶν
— 44. ἐκ τῶν ἡγουμένων κατὰ τὰς π.
— 63. τῶν προκαθημένων κατὰ τὰς π. αὐ.
— 68. προσελθόντες . . . τοῖς ἡγουμένοις τῶν π.
— 70. καὶ οἱ ἡγούμενοι τῶν π. τοῦ Ἰσρ.
8. 28. κατὰ τὰς π. αὐτῶν
— 59. τοῖς ἡγουμένοις τῶν π. τοῦ Ἰσρ.
9. 16. ἡγουμένους τῶν π. αὐτῶν
II Es. 1. 5. ἄρχοντες τῶν π. τῶν Ἰούδα (1 *a*)
2. 59. τοῦ ἀναγγεῖλαι οἴκον πατριᾶς αὐτῶν (1 *a*)
— 68. ἀπὸ ἀρχόντων πατριῶν (1 *a*)
3. 12. καὶ ἄρχοντες τῶν π. (1 *a*)
4. 2. καὶ πρὸς τοὺς ἄρχοντας τῶν π. (1 *a*)
— 3. οἱ κατάλοιποι τῶν ἀρχόντων τῶν π. (1 *a*)
8. 1. οὗτοι οἱ ἄρχοντες πατριῶν αὐ. (1 *a*)
— 29. καὶ τῶν ἀρχόντων τῶν π. (1 *a*)
10. 16. ἄνδρες ἄρχοντες πατριῶν (1 *a*)
Ne. 7. 61. ἀπαγγεῖλαι οἴκους πατριῶν αὐ. (1 *a*)
— 70. ἀπὸ μέρους ἀρχηγῶν τῶν π. (1 *a*)
— 71. ἀπὸ ἀρχηγῶν τῶν π. (1 *a*)
8. 13. συνήχθησαν οἱ ἄρχοντες τῶν π. (1 *a*)
10. 34 (35). εἰς οἶκον πατριῶν ἡμῶν (1 *a*)
11. 13. ἄρχοντες πατριῶν (1 *a*)
12. 12. καὶ οἱ ἄρχοντες τῶν π. (1 *a*)
— 22. A R ἄρχοντες τῶν [B S om.] π. (1 *a*)
— 23. ἄρχοντες τῶν π. (1 *a*)
To. 1. 9. ἐκ τοῦ σπέρματος τῆς π. ἡμῶν
5. 10. A S ἐκ ποίας π. [B -ίδος] εἶ σύ
— 11. φυλὴν καὶ πατριὰν σὺ ζητεῖς [S al.]
— 13. τὴν π. σου ἐπιγνῶναι [S al.]
Ju. 8. 2. τῆς φυλῆς αὐ. καὶ τῆς π. αὐτῆς
— 18. οὔτε φυλὴ οὔτε πατριά
Es. 4. 17. B ἐν φυλῇ [S ἐκ φυλῆς] πατριᾶς μου [A al.]
9. 27. καὶ γενεὰν καὶ πόλιν καὶ πατριάν [A καὶ πατ. κ. πόλ.] –
Ps. 21 (22). 27. προσκυνήσουσιν ἐνώπιον αὐτοῦ πᾶσαι αἱ π. τῶν ἐθνῶν (2)
95 (96). 7. ἐνέγκατε τῷ κυρίῳ, αἱ π. τῶν ἐθνῶν (2)
106 (107). 41. ἔθετο ὡς πρόβατα πατριές (2)
Je. 2. 4. οἶκος Ἰακὼβ καὶ πᾶσα π. οἴκου Ἰσραήλ (2)
3. 14. ἕνα ἐκ πόλεως καὶ δύο ἐκ πατριᾶς (2)
25. 9. λήψομαι πατριάν [A S τὴν π.] (2)
Ez. 45. 15. ἀφαίρεμα ἐκ πασῶν τῶν π. τοῦ Ἰσραήλ †
[Aq. Je. 15. 3.]
[Sm. Dt. 18. 8.]
[Th. Je. 33 (40). 24: Ez. 20. 32: 27. 28.]
[Al. Nu. 34. 14: I Ki. 9. 21 bis.]

πατριάρχης. (1) אָב (2) רֹאשׁ הָאָבוֹת
(3) שַׂר (4) שַׂר־הַמֵּאוֹת

I Ch. 24. 31. καὶ τῶν Λ. πατριάρχαι [A -ριαὶ] Ἀρ. (1)
27. 22. οὗτοι π. τῶν φυλῶν Ἰσρ. (3)
II Ch. 19. 8. καὶ τῶν π. Ἰσρ. (2)
23. 20. ἔλαβε τοὺς π. (4)
26. 12. πᾶς ὁ ἀριθμὸς τῶν π. τῶν δυνατῶν (2)
IV Ma. 7. 19. ὥσπερ γὰρ οἱ π. ἡμῶν Ἀβ. Ἰσ. Ἰ.
16. 25. ὥσπερ . . . πάντες οἱ π.

πατρικός. (1) אָב

Ge. 50. 8. πᾶσα ἡ οἰκία ἡ π. αὐτοῦ (1)
Le. 22. 13. ἐπαναστρέψει ἐπὶ τὸν οἶκον τὸν π. (1)
25. 41. εἰς τὴν κατάσχεσιν τὴν π. (1)
Nu. 36. 8. ἕκαστος τὴν κληρονομίαν τὴν π. (1)
Jo. 6. 24 (25). καὶ πάντα τὸν οἶκον τὸν π. αὐτῆς (1)
I Ch. 7. 4. A B κατ' οἴκους π. [R -ιῶν] αὐτῶν (1)
— 7. A B ἄρχοντες οἴκων π. [R -ιῶν] (1)
12. 28. τῆς π. οἰκίας αὐτοῦ ἄρχοντες εἴκ. δύο (1)
26. 6. εἰς τὸν οἶκον τὸν π. αὐ. (1)
I Es. 1. 5. κατὰ τὴν μεριδαρχίαν τὴν π. ὑμῶν
— 31. ἐτάφη ἐν τῷ π. τάφῳ

Si. 42. 10. μή ποτε ... ἐν τοῖς π. αὐτῆς ἔγκυος γένηται
IV Ma. 18. 7. οὐχ ὑπερέβην π. οἶκον
[Al. Nu. 2. 34.]

πάτριος.
Si. *prol.* 8. εἴς τε τὴν τοῦ νόμου καὶ τῶν ἄλλων π. [S ἃ. τῶν δεόντων π.] βιβλίων ἀνάγνωσιν
Is. 8. 21. κακῶς ἐρεῖτε τὸν ἄρχοντα καὶ τὰ π. †
II Ma. 6. 1. A μεταβαίνειν ἀπὸ τῶν π. νόμων [R *al.*]
7. 2. R παραβαίνειν τοὺς π. [A πατρῴους] νόμους
— 8. ὁ δὲ ἀποκριθεὶς τῇ π. φωνῇ
— 21. ἕκαστον δὲ αὐτῶν παρεκάλει τῇ π. φωνῇ
— 24. R μεταθέμενον ἀπὸ τῶν π. νόμων [A *al.*]
— 27. A οὕτως ἔφησε τῇ π. [R πατρῴᾳ] φωνῇ
— 37. σῶμα ... προδίδωμι περὶ τῶν π. νόμων
12. 37. καταρξάμενος τῇ π. φωνῇ τὴν ... κραυγήν
15. 29. εὐλόγουν τὸν δυνάστην τῇ π. φωνῇ
III Ma. 1. 3. τῶν π. δογμάτων ἀπηλλοτριωμένος
6. 32. ἀνέλαβον ᾠδὴν πάτριον
IV Ma. 4. 23. τῷ π. πολιτευόμενοι νόμῳ
5. 33. ὥστε με ... τὸν π. καταλῦσαι νόμον
8. 7. ἀρνησάμενοι τὸν π. ὑμῶν τῆς πολιτείας θεσμόν
9. 1. A R ἢ παραβαίνειν τὰς π. [S -φους] ἡμῶν ἐντολάς
— 24. ἡ δικαία καὶ π. ἡμῶν πρόνοια
— 29. διὰ τὴν π. ἡμῶν εὐσέβειαν
16. 16. A R ἐναγωνίσασθε προθύμως ὑπὲρ τοῦ π. [S -φου] νόμου
18. 5. R τῶν π. ἐθῶν ἐκδιαιτηθῆναι [A S *al.*]

πατρίς. (1) *a.* מוֹלֶדֶת *b.* אֶרֶץ מוֹלֶדֶת (2) מִשְׁפָּחָה
Le. 25. 10. A B ἕκαστος εἰς τὴν π. [R -ριὰν] αὐ. (2)
I Ch. 5. 7. ἀδελφοὶ αὐτοῦ τῇ π. [A -ριᾷ] αὐ. (2)
To. 5. 10. B ἐκ ποίας π. [A S -ιᾶς] εἶ σύ
Es. 2. 10. οὐχ ὑπέδειξεν Ἐσθὴρ ... τὴν π. (1 *a*)
— 20. οὐχ ὑπέδειξε τὴν π. αὐτῆς (1 *a*)
4. 8. A S² περὶ τοῦ λαοῦ καὶ τῆς π. [B S¹ *om.* κ. τ. π.] –
8. 6. ἐν τῇ ἀπωλείᾳ τῆς π. μου (1 *a*)
Je. 22. 10. οὐδὲ ὄψεται [S καὶ οὐ μὴ ἴδῃ] τὴν γῆν πατρίδος αὐτοῦ (1 *a*)
26 (46). 16. ἀναστρέψωμεν πρὸς [A ἀποστρ. εἰς] τὸν λαὸν ἡμῶν εἰς τὴν π. ἡμῶν (1 *b*)
Ez. 23. 15. ὁμοίωμα υἱῶν Χαλδαίων γῆς πατρίδος αὐτοῦ (1 *a*)
II Ma. 4. 1. ὁ ... τῆς π. ἐνδείκτης γεγονώς
5. 8. βδελυσσόμενος ὡς πατρίδος ... δήμιος
— 9. ὁ συχνοὺς τῆς π. ἀποξενώσας
— 15. τὸν ... τῆς π. προδότην γεγονότα
8. 21. ὑπὲρ ... τῆς π. ἀποθνήσκειν
— 33. ἐπινίκια δὲ ἄγοντες ἐν τῇ π.
13. 3. οὐκ ἐπὶ σωτηρίᾳ τῆς π.
— 10. τοῖς τοῦ νόμου καὶ πατρίδος ... στερεῖσθαι μέλλουσι
— 14. περὶ ἱεροῦ πόλεως πατρίδος
14. 18. R ἐν τοῖς ὑπὲρ [A περὶ] τῆς π. ἀγῶσιν
IV Ma. 1. 11. ὥστε καθαρισθῆναι δι' αὐτῶν τὴν π.
4. 1. τὴν π. προδώσων
— 5. εἰς τὴν π. ἡμῶν ... προσελθών
— 20. ἐπ' αὐτῇ τῇ ἄκρᾳ τῆς π. ἡμῶν
17. 21. καὶ τὴν π. καθαρισθῆναι
18. 4. τὴν εὐνομίαν τὴν ἐπὶ τῆς π. ἀνανεωσάμενον

πατρῷος. (1) אָב
II Es. 7. 5. A B υἱοῦ Δαρὼν τοῦ ἱερέως τοῦ π. [R πρώτου] †
Pr. 27. 10. φίλον πατρῷον μὴ ἐγκαταλίπῃς (1)
II Ma. 4. 15. R τὰς μὲν πατρῴους [A -ας] τιμὰς ἐν οὐδενὶ τιθέμενοι
5. 10. οὔτε πατρῴου τάφου μετέσχε
6. 1. R μεταβαίνειν ἐκ τῶν π. νόμων [A *al.*]
— 6. οὔτε πατρῴους ἑορτὰς διαφυλάττειν
7. 2. A π. νόμους παραβαίνειν [R *al.*]
— 27. R οὕτως ἔφησε τῇ π. [A πατρίῳ] φωνῇ
12. 39. ἀποκατασταθῆναι εἰς τοὺς π. τάφους
III Ma. 1. 23. ὑπὲρ τοῦ π. νόμου τελευτᾶν
IV Ma. 9. 1. S ἢ παραβαίνειν τὰς π. [A R -ίους] ἡμῶν ἐντολάς
12. 18. ἐπικαλοῦμαι δὲ τὸν π. θεόν
16. 16. S ἐναγωνίσασθε προθύμως ὑπὲρ τοῦ π. [A R -ίου] νόμου
— 20. τὴν π. χεῖρα ξιφηφόρον

παύειν. (1) דָּמַם ni. (2) חָדַל (3) כָּלָה *a.* qal. *b.* pi. (4) מוּשׁ (5) נָחַם ni. (6) נָפַשׁ ni. (7) נָצַר (8) עָצַר *a.* qal. *b.* ni. (9) עָרַב (10) רַב מ׳ (11) רָפָה hi. (12) שָׁאַן pil. (13) שָׁבַת *a.* qal. *b.* hi. (14) *a.* שׁוּב מִ׳ *b.* שׁוּב (15) תָּמַם
Ge. 11. 8. ἐπαύσαντο οἰκοδομοῦντες (2)
18. 33. ὡς ἐπαύσατο λαλῶν τῷ Ἀβραάμ (3 *b*)
24. 14. ἕως ἂν παύσωνται πίνουσαι –
— 18 (19). ἕως ἐπαύσατο πίων (3 *b*)
— 22. ἡνίκα ἐπαύσαντο π. αἱ κάμ. πίνουσαι (3 *b*)
27. 30. μετὰ τὸ παύσασθαι Ἰ. εὐλογοῦντα (3 *b*)
Ex. 9. 28. παυσάσθω τοῦ γενηθῆναι φωνὰς θ. (10)
— 29. αἱ φωναὶ παύσονται (2)
— 33. αἱ φωναὶ ἐπαύσαντο (2)
— 34. πέπαυται ὁ ὑετός (2)
31. 17. κατέπαυσε καὶ ἐπαύσατο [A ἐπ. καὶ κατ.] (6 [13 *a*])
32. 12. παῦσαι τῆς ὀργῆς τοῦ θυμοῦ σου (14 *b*)
Nu. 16. 31. ὡς δὲ ἐπαύσατο λαλῶν (3 *b*)
17. 10 (25). παυσάσθω ὁ γογγυσμὸς αὐ. (3 *b*)
25. 8. ἐπαύσατο ἡ πληγή (8 *b*)
De. 20. 9. ὅταν παύσωνται οἱ γραμματεῖς (3 *b*)
32. 26. παύσω [A καταπ.] δὲ ... τὸ μνημόσυνον αὐ. (13 *b*)
Jo. 7. 26. ἐπαύσατο κ. τοῦ θυμοῦ τῆς ὀργῆς (14 *b*)
8. 24. ὡς ἐπαύσαντο ... ἀποκτέννοντες (3 *b*)
Jd. 15. 17. ὡς ἐπαύσατο λαλῶν [A *al.*] (3 *b*)
II Ki. 15. 24. ἐπαύσατο πᾶς ὁ λαός (15)
I Ch. 21. 22. καὶ παύσεται ἡ πληγή (8 *b*)
To. 6. 1. καὶ ἐπαύσατο [S ἐσίγησεν] κλαίουσα
14. 1. ἐπαύσατο ἐξομολογούμενος Τ. [S *al.*]
Ju. 5. 22. ὡς ἐπαύσατο Ἀ. λαλῶν
10. 1. ὡς ἐπαύσατο βοῶσα
14. 9. ὡς δὲ ἐπαύσατο λαλοῦσα
Es. 5. 1. ὡς ἐπαύσατο προσευχομένη
Jb. 3. 17. A ἐκεῖ ἀσεβεῖς ἔπαυσαν [B S ἐξέκαυσαν] θυμὸν ὀργῆς (2)
6. 7. οὐ δύναται γὰρ παύσασθαί μου ἡ ὀργή [A S² ψυχή] †
— 26. οὐδὲ ὁ ἔλεγχος ὑμῶν ῥήμασί με [A τὰ ῥήματά μου] παύσει †
14. 13. ἕως ἂν παύσηταί σου ἡ ὀργή (14 *a*)
18. 2. μέχρι τίνος οὐ παύσῃ †
29. 9. ἀδροὶ δὲ ἐπαύσαντο λαλοῦντες (8 *a*)
32. 1 (31. 40). ἐπαύσατο Ἰὼβ ῥήμασιν (15)
37. 19. παυσώμεθα [S -σόμ.] πολλὰ λέγοντες †
38. 1. μετὰ δὲ τὸ παύσασθαι Ἐλιοὺν τῆς λέξεως –
Ps. 33 (34). 13. παῦσον τὴν γλῶσσάν σου ἀπὸ κακοῦ (7)
36 (37). 8. παῦσαι ἀπὸ ὀργῆς (11)
Pr. 18. 18. ἀντιλογίας παύει σιγηρός (13 *b*)
24. 24 (30. 1). καὶ παύομαι [S¹ παύσ.] †
Si. 18. 7. ὅταν παύσηται τότε ἀπορηθήσεται
23. 16. οὐ μὴ παύσηται ἕως ἂν ἐκκαύσῃ πῦρ
28. 6. μνήσθητι τὰ ἔσχατα καὶ παῦσαι ἐχθραίνων
34 (31). 17. παῦσαι πρῶτος χάριν παιδείας
39. 11. A S ἐὰν παύσηται [B ἀναπ.] ἐμποιεῖ αὐτῷ
Is. 1. 16. παύσασθε ἀπὸ τῶν πονηριῶν ὑμῶν (2)
— 24. οὐ παύσεται γάρ μου ὁ θυμὸς ἐν τοῖς ὑπεναντίοις (5)
10. 25. παύσεται ἡ ὀργή (3 *a*)
16. 10. πέπαυται γάρ (13 *b* ?)
24. 8. πέπαυται εὐφροσύνη τυμπάνων πέπαυται αὐθάδεια καὶ πλοῦτος ἀσεβῶν πέπαυται φωνὴ κιθάρας (13 *a*, 2, 13 *a*)
— 11. A S R πέπαυται πᾶσα εὐφροσύνη τῆς γῆς [B *om.* τ. γ.] (9)
— 13. ἐὰν παύσηται ὁ τρυγητός (3 *a*)
26. 10. πέπαυται γὰρ ὁ ἀσεβής †
32. 10. πέπαυται [A S *add.* ὁ σπόρος] οὐκέτι μὴ ἔλθῃ (3 *a*)
33. 8. πέπαυται ὁ φόβος τῶν ἐθνῶν (13 *a*)
38. 20. οὐ παύσομαι εὐλογῶν σε –
57. 10. οὐκ εἶπας, Παύσομαι †
58. 12. τὰς τρίβους σου [A S τοὺς] ἀνὰ μέσον παύσεις †
Je. 28 (51). 63. ὅταν παύσῃ τοῦ [A S *om.*] ἀναγινώσκειν τὸ βιβλίον τοῦτο (3 *b*)
31 (48). 2. παῦσιν παύσεται †
— 11. S¹ ἐπαύσατο [A B S² ἀνεπ.] M. ἐκ παιδαρίου (12)
Je. 32 (25). 37. παύσεται τὰ κατάλοιπα τῆς εἰρήνης (1)
33 (26). 3. παύσομαι ἀπὸ τῶν κακῶν (5)
— 8. Ἱερεμίου παυσαμένου λαλοῦντος πάντα (3 *b*)
— 13. παύσεται κύριος ἀπὸ τῶν κακῶν (5)
— 19. ἐπαύσατο κύριος ἀπὸ τῶν κακῶν (5)
38 (31). 15. B¹SR οὐκ ἤθελε παύσασθαι [AB²S παρακληθῆναι] (5)
— 36. ἐὰν παύσωνται οἱ νόμοι οὗτοι ἀπὸ προσώπου μου ... καὶ τὸ γένος Ἰσραὴλ παύσεται [A -ηται] γενέσθαι ἔθνος (4, 13 *a*)
50 (43). 1. ὡς ἐπαύσατο Ἱερεμίας λέγων (3 *b*)
51 (44). 10. οὐκ ἐπαύσαντο ἕως τῆς ἡμέρας τ. †
I Ma. 2. 23. ὡς ἐπαύσατο λαλῶν
3. 23. ὡς δὲ ἐπαύσατο λαλῶν
11. 50. παυσάσθωσαν οἱ Ἰ. πολεμοῦντες ἡμᾶς
IV Ma. 8. 29. ἅμα τῷ παύσασθαι τὸν τύραννον συμβουλεύοντα
[Aq. Ge. 41. 49: I Ki. 23. 13: 25. 9: Jb. 3. 17: Ps. 48 (49). 9: Pr. 23. 4: Is. 2. 22: 38. 11: Ez. 2. 5, 7: 3. 11, 27 *bis*: Da. 9. 27.]
[Sm. Ge. 41. 49: Ex. 12. 15: Jd. 5. 6: 9. 9: I Ki. 25. 9: Jb. 3. 17: 30. 27: Ps. 8. 3: 48 (49). 9: Ec. 10. 4: 12. 4: Is. 2. 22: 30. 11: 38. 11: Je. 14. 17: 31 (38). 16: 48 (31). 33: La. 3. 49: Ez. 2. 5, 7: 3. 11: 12. 23: 34. 10: Da. 9. 27.]
[Th. I Ki. 25. 9: Pr. 23. 4: Is. 2. 22: 38. 11.]
[Al. Jo. 5. 12.]
[Quint. Ho. 7. 4.]

παῦλα.
II Ma. 4. 6. τὸν Σ. παῦλαν οὐ ληψόμενον τῆς ἀνοίας

παῦσις.
Je. 31 (48) 2. παῦσιν παύσεται †

πάχνη. (1) חֲנָמֶל (2) כְּפוֹר (3) קִיטוֹר
Jb. 38. 24. πόθεν δὲ ἐκπορεύεται πάχνη †
— 29. πάχνην δὲ ἐν οὐρανῷ τίς τέτοκεν (2)
Ps. 77 (78). 47. καὶ τὰς συκαμίνους αὐτῶν ἐν τῇ π. (1)
118 (119). 83. ἐγενήθην ὡς ἀσκὸς ἐν πάχνῃ (3 ?)
Wi. 5. 14. ὡς πάχνη ὑπὸ λαίλαπος διωχθεῖσα λεπτή
16. 29. ἀχαρίστου γὰρ ἐλπὶς ὡς χειμέριος [A S -ινὴ] π. τακήσεται
Si. 43. 19. πάχνην [S¹ -η] ὡς ἅλα ἐπὶ γῆς χέει
Da. LXX. 3. (70). εὐλογεῖτε, πάχναι καὶ χιόνες, τὸν κ.
Da. TH. 3. (70). A R εὐλογεῖτε, πάχναι [B -η] καὶ χιόνες, τὸν κ.
[Sm., Al. Ex. 16. 14.]
[Th. Da. 3. (70).]

πάχος. (1) *a.* עָב *b.* מַעֲבֶה *c.* עֲבִי *d.* עָבִי (2) עֶצֶם
Nu. 24. 8. τὰ π. αὐτῶν ἐκμυελιεῖ (2)
III Ki. 7. 15. ἐκύκλου αὐτὸν τὸ π. τοῦ στύλου –
— 20. τὸ μέλαθρον τῷ π. [A *om.* τ. π., B² πήχει] –
— 24 (B), 26 (A). τὸ π. αὐτοῦ παλαιστής (1 *d*)
— 46. ἐχώνευσεν αὐτὰ ἐν τῷ π. τῆς γῆς (1 *b*)
— 6. καὶ πάχος ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (1 *a*)
II Ch. 4. 5. καὶ τὸ π. αὐτῆς παλαιστής (1 *d*)
— 17. ἐν τῷ π. τῆς γῆς (1 *c*)
Jb. 15. 26. ἔδραμε δὲ ... ἐν πάχει νώτου [A πανεχίνῳ τῆς] ἀσπίδος αὐτοῦ (1 *c*)
Ps. 140 (141). 7. ὡσεὶ πάχος γῆς διερράγη †
Je. 52. 21. τὸ π. [S πλάτος] αὐτοῦ δακτύλων τεσσάρων κύκλῳ (1 *d*)
II Ma. 4. 41. οἱ μὲν πέτρους οἱ δὲ ξύλων πάχη
[Aq. Ex. 19. 9: Is. 19. 1.]
[Sm. Ez. 41. 25, 26.]
[Th. Jb. 15. 26.]

παχύνειν. (1) דָּשֵׁן hothpa. (2) סָבַל hithp. (3) עָבָה (4) שָׁמֵן *a.* qal. *b.* hi.
De. 32. 15. ἐπαχύνθη ἐπλατύνθη (4 *a*+3)
II Ki. 22. 12. ἐπάχυνεν ἐν νεφέλαις ἀέρος †
Ec. 12. 5. καὶ παχυνθῇ ἡ ἀκρίς (2)
Is. 6. 10. ἐπαχύνθη γὰρ ἡ καρδία τοῦ λαοῦ τ. (4 *b*)
34. 6. ἐπαχύνθη ἀπὸ στέατος [A S *add.* ἀρνῶν] (1)
[Aq., Sm. Jb. 15. 27.]

παχύς (παχύτερος). (1) בְּרִיא (2) סָבַל pu. (3) שָׁמֵן (4) παχύτερος עָבָה
III Ki. 12. 10. ἡ μικρότης μου παχυτέρα τῆς ὀσφύος [A ὑπὲρ τὴν ὀσφ.] (4)
— 24. B ἡ μικρότης μου παχυτέρα ὑπὲρ τὴν ὀσφύν –

II Ch. 10. 10. ὁ μικρὸς δάκτυλός μου παχύτερος τῆς ὀσφ. (4)
Ju. 10. 3. ἐχρίσατο μύρῳ παχεῖ
Ps. 143 (144). 14. οἱ βόες αὐτῶν παχεῖς (2)
Is. 28. 1. A R ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ ὄρους τοῦ παχέως [B S -ος] (3)
Ez. 34. 3. τὸ π. σφάζετε (1)
II Ma. 1. 20. μὴ εὑρηκέναι τὸ πῦρ ἀλλὰ ὕδωρ π.
[Sm. Ge. 41. 2 : Jd. 3. 17.]

πεδᾶν, *cf.* ἐπιδεῖν. (1) *a.* אָסַר *b.* אָסִיר (2) כָּפַת *a.* peil. *b.* pa.

Jd. 16. 21. ἐπέδησαν [A ἔδ.] αὐτόν (1 *a*)
To. 8. 3. S καὶ ἐπέδησεν παραχρῆμα [A B *al.*]
Jb. 36. 8. οἱ πεπεδημένοι ἐν χειροπέδαις συσχεθήσονται ἐν σχοινίοις πενίας (1 *a*)
Ps. 67 (68). 6. ἐξάγων πεπεδημένους ἐν ἀνδρείᾳ (1 *b*)
68 (69). 33. τοὺς πεπεδημ. αὐ. οὐκ ἐξουδένωσεν (1 *b*)
78 (79). 11. εἰσελθάτω ἐνώπιόν σου ὁ στεναγμὸς τῶν πεπεδημένων (1 *b*)
89 (90). 12. A S² καὶ τοὺς πεπεδημένους [B S¹ -παιδευμ.] τῇ καρδίᾳ †
101 (102). 20. τοῦ ἀκοῦσαι τὸν στεναγμὸν τῶν πεπεδημένων (1 *b*)
106 (107). 10. πεπεδημένους ἐν πτωχείᾳ (1 *b*)
145 (146). 7. κύριος λύει πεπεδημένους (1 *a*)
Da. LXX. 3. 24 (91). οὐχὶ ἄνδρας τρεῖς ἐβάλομεν . . . πεπεδημένους (2 *b*)
4. 30. ἑπτὰ ἔτη ἐπεδήθην –
Da. TH. 3. 20. ἄνδρας ἰσχυροὺς ἰσχύϊ εἶπε πεδήσαντας τὸν Σ. (2 *b*)
— 21. οἱ ἄνδρες ἐκεῖνοι ἐπεδήθησαν (2 *a*)
— 23. ἔπεσον εἰς μέσον τῆς καμίνου . . . πεπεδημένοι (2 *b*)
— 24 (91). οὐχὶ ἄνδρας τρεῖς ἐβάλομεν . . . πεπεδημένους (2 *b*)
[Aq. Da. 3. 23.]
[Th. Ps. 67 (68). 7 : Da. 3. 23.]

πεδεινός, πεδινός. (1) בְּקָעָה (2) ἡ π. *a.* מִישׁוֹר *b.* שְׁפֵלָה (3) שְׁפָה ni. (4) ἡ π. הַשְּׁפֵלָה (5) τὰ π. שְׁפֵלָה (6) γῆ π. הַשְּׁפֵלָה

De. 4. 43. ἐν τῇ γῇ τῇ π. (2 *a*)
11. 11. γῆ ὀρεινὴ καὶ π. (1)
Jo. 9. 1. καὶ οἱ ἐν τῇ π. (4)
10. 40. καὶ τὴν π. καὶ τὴν Ἀσ. (4)
11. 16. ἔλαβεν Ἰ. . . . τὴν π. (4)
— 16. A καὶ τὰ π. [B ταπεινὰ] τὰ πρὸς τῷ ὄρει (5)
15. 33. ἐν τῇ π. Ἀσταώλ (4)
Jd. 1. 9. τὸν κατοικοῦντα . . . τὴν π. (1)
III Ki. 10. 27. ὡς συκαμίνους τὰς ἐν τῇ π. (4)
I Ch. 27. 28. ἐπὶ τῶν συκαμίνων τῶν ἐν τῇ π. (4)
II Ch. 1. 15 : 9. 27. ὡς συκαμίνους τὰς ἐν τῇ π. (4)
26. 10. ἐν σεφηλᾷ καὶ ἐν τῇ π. (2 *a*)
28. 18. ἐπέθεντο ἐπὶ τὰς πόλεις τῆς π. (4)
Ju. 6. 11. ἀπῆραν ἐκ μέσου τῆς π.
15. 7. ἐν τῇ ὀρεινῇ καὶ π.
Za. 7. 7. καὶ ἡ ὀρεινὴ καὶ ἡ π. κατῳκεῖτο (4)
Is. 13. 2. ἐπ' ὄρους πεδινοῦ ἄρατε σημεῖον (3)
32. 19. A πεποιθότες ὡς [S *om.*] οἱ [B S *om.*] ἐν τῇ π. (2 *b*)
Je. 17. 26. ἐκ γῆς [A S τῆς] πεδινῆς καὶ ἐκ τοῦ ὄρους (6 [4])
21. 13. A S ἐγὼ πρὸς σὲ τὸν κατοικοῦντα τὴν κοιλάδα Σὸρ τὴν π. [B -δεινήν] (2 *a*)
31 (48). 8. ἐξολεθρευθήσεται ἡ π. (2 *a*)
I Ma. 3. 40. ἐν τῇ γῇ τῇ π.
12. 38. S¹ ἐν τῇ σεφηλᾷ πεδεινῇ [A² B S *om.*]
[Aq. Je. 7. 29 : 13. 16.]
[Al. Le. 25. 12 : II Ch. 26. 10.]

πέδη. (1) זִק (2) כֶּבֶל (3) נְחֹשֶׁת (4) π. χαλκεία (χαλκῆ) נְחֹשֶׁת

Jd. 16. 21. ἐπέδησαν [A ἔδ.] αὐτὸν ἐν π. χαλκείαις (4)
II Ki. 3. 34. οἱ πόδες [A παῖδές] σου οὐκ ἐν πέδαις (3)
IV Ki. 25. 7. ἔδησεν αὐτὸν ἐν πέδαις (3)
II Ch. 33. 11. ἔδησαν αὐτὸν ἐν πέδαις (3)
36. 6. ἔδησεν αὐτὸν ἐν χαλκαῖς π. (4)
Ps. 104 (105). 18. ἐταπείνωσαν ἐν πέδαις τοὺς πόδας αὐτοῦ (2)
Ps. 149. 8. τοῦ δῆσαι τοὺς βασ. αὐ. ἐν πέδαις (1)
Si. 6. 24. εἰσένεγκον τοὺς πόδας σου εἰς τὰς π. αὐ.
— 29. ἔσονταί σοι αἱ π. εἰς σκέπην ἰσχύος
21. 19. πέδαι ἐν ποσὶν ἀνοήτοις παιδεία [A S *al.*]
30. 38 (33. 28). βάρυνον τὰς π. αὐ.
Je. 52. 11. ἔδησεν αὐτὸν ἐν πέδαις (3)
Da. LXX. 4. 15. ἐν πέδαις . . . ἐδέθη ὑπ' αὐτῶν –
III Ma. 4. 9. τοὺς πόδας ἀρρήκτοις κατησφαλισμένοι πέδαις
6. 19. ἀκινήτοις ἔδησαν πέδαις
[Aq. Is. 28. 22 : Ez. 19. 4.]
[Th. Is. 28. 22 : Je. 39 (46). 7.]

πεδήτης.

Wi. 17. 2. μακρᾶς πεδῆται νυκτὸς κατακλεισθέντες ὀρόφοις
[Al. Ps. 126 (127). 4.]

πεδία. (1) בְּקָעָה

Hb. 3. 5. S² ἐξελεύσεται εἰς πεδίαν [A B S¹ *al.*] †
Is. 40. 4. S¹ καὶ ἡ τραχεῖα εἰς πεδίαν [A B S² *al.*] (1)

πεδιάς.

[Sm. Nu. 31. 12 : Dt. 1. 7 : 4. 49 : Jo. 18. 18 : I Ki. 23. 24 : II Ki. 2. 29 : 4. 7 : 15. 28 : Je. 39 (46). 5 : 48 (31). 8 : Am. 6. 14.]
[Al. Dt. 3. 17.]

πεδιλός.

Hb. 3. 5. A ἐξελεύσεται ἐν πεδιλοῖς [B S *al.*] †

πεδινός, *cf.* πεδεινός.

πεδίον. (1) אֶפִיק (2) אֶרֶץ (3) *a.* בְּקָעָה *b.* בְּקָעָא (4) מִדְבָּר (5) מִישׁוֹר (6) מַעְגָּל (7) נָאָה (8) עֵמֶק (9) שָׂדֶה (10) שָׂדַי (11) שְׁדֵמָה (12) שְׁפֵלָה

Ge. 4. 8. διέλθωμεν εἰς τὸ π. –
— 8. ἐν τῷ εἶναι αὐτοὺς ἐν τῷ π. (9)
11. 2. εὗρον πεδίον ἐν γῇ Σεναάρ (3 *a*)
14. 17. τοῦτο ἦν τὸ π. τῶν βασιλέων (8)
24. 63. ἐξῆλθεν Ἰ. ἀδολεσχῆσαι εἰς τὸ π. (9)
— 65. ὁ πορευόμ. ἐν τῷ π. (9)
25. 29. ἦλθε δὲ Ἡ. ἐκ τοῦ π. (9)
27. 3. ἔξελθε εἰς τὸ π. (9)
— 5. ἐπορεύθη δὲ Ἡ. εἰς τὸ π. (9)
29. 2. φρέαρ ἐν τῷ π. (9)
31. 4. ἐκάλεσε Λείαν καὶ Ῥ. εἰς τὸ π. (9)
34. 5. οἱ δὲ υἱοὶ αὐ. ἦσαν . . . ἐν τῷ π. (9)
— 7. ἦλθον ἐκ τοῦ π. (9)
— 28. ὅσα ἦν ἐν τῷ π. (9)
35. 27. εἰς πόλιν τοῦ π. †
36. 35. ὁ ἐκκόψας Μαδ. ἐν τῷ π. Μ. (9)
37. 7. δεσμεύειν δράγματα ἐν μέσῳ τῷ π. (9)
— 15. πλανώμενον ἐν τῷ π. (9)
41. 48. βρώματα τῶν π. τῆς πόλεως (9)
Ex. 1. 14. καὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις τοῖς ἐν τοῖς π. (9)
9. 3. ἐν τοῖς κτήνεσί σου τοῖς ἐν τοῖς π. (9)
— 19. ὅσα σοί ἐστιν ἐν τῷ π. (9)
— 19. A B ὅσα ἐὰν εὑρεθῇ ἐν τῷ π. [R τοῖς π.] (9)
— 21. ἀφῆκε τὰ κτήνη ἐν τοῖς π. (9)
— 25. B² πάντα ὅσα ἦν ἐν τῷ π. (9)
— 25. πᾶσαν βοτάνην τὴν ἐν τῷ π. (9)
— 25. πάντα τὰ ξύλα τὰ ἐν τοῖς π. (9)
10. 15. A R ἐν πάσῃ βοτάνῃ τοῦ [B *om.*] π. (9)
16. 25. οὐχ εὑρεθήσεται ἐν τῷ π. (9)
22. 6 (5). ἢ στάχυς ἢ πεδίον (9)
Le. 14. 7. ἐξαποστελεῖ τὸ ὀρνίθιον τὸ ζῶν εἰς τὸ π. (9)
— 53. ἐξαποστελεῖ . . . εἰς τὸ π. (9)
17. 5. ὅσας ἂν αὐτοὶ σφάξουσιν ἐν τοῖς π. (9)
25. 12. ἀπὸ τῶν π. φάγεσθε τὰ γενήμ. αὐ. (9)
26. 4. τὰ ξύλα τῶν π. ἀποδώσει τὸν καρπόν (9)
Nu. 19. 16. ἐπὶ προσώπου τοῦ π. (9)
21. 19 (20). ἥ ἐστιν ἐν τῷ π. Μωάβ (9)
22. 4. τὰ χλωρὰ ἐκ τοῦ π. (9)
— 23. ἐπορεύετο εἰς τὸ π. (9)
De. 1. 7. εἰς ὄρος καὶ πεδίον (12)
8. 7. πηγαὶ . . . ἐκπορευόμ. διὰ τῶν π. (3 *a*)
21. 1. πεπτωκὼς ἐν τῷ π. (9)
22. 25. ἐὰν δὲ ἐν πεδίῳ εὕρῃ ἄνθρωπος (9)
28. 38. σπέρμα πολὺ ἐξοίσεις εἰς τὸ π. (9)
Jo. 5. 9 (10). ἐποίησαν . . . τὸ πάσχα . . . ἐν τῷ π. –
8. 24. τοὺς ἐν τοῖς π. (9)
Jo. 11. 2. καὶ εἰς τὸ π. (12)
— 8. καὶ ἕως τῶν π. Μ. (3 *a*)
— 17. καὶ τὰ π. [A τὸ π.] τοῦ Λιβ. (3 *a*)
12. 7. A R ἐν τῷ [B *om.*] π. τοῦ Λιβ. (3 *a*)
— 8. καὶ ἐν τῷ π. (12)
17. 5. πεδίον Λ. ἐκ τῆς γῆς Γαλ. †
20. 8. ἐν τῇ ἐρήμῳ ἐν τῷ π. (5)
Jd. 9. 42. A ἐξῆλθεν ὁ λαὸς εἰς τὸ π. [B τὸν ἀγρόν] (9)
I Ki. 14. 14. ἐν κόχλαξι τοῦ π. (9)
20. 5. κρυβήσομαι [A πορεύσ.] ἐν τῷ π. (9)
II Ki. 17. 8. B ὡς ὗς τραχεῖα ἐν τῷ π. –
III Ki. 11. 29. καὶ ἀμφότεροι ἐν τῷ π. (9)
16. 4. τὸν τεθνηκότα αὐτοῦ ἐν τῷ π. (9)
18. 5. A διέλθωμεν εἰς τὸ π. [B ἐπὶ τὴν γῆν] (2)
20 (21). 24. τὸν τεθνηκότα αὐτοῦ ἐν τῷ π. (9)
I Ch. 1. 46. ὁ πατάξας Μαδ. ἐν τῷ π. Μωάβ (9)
6. 56 (41). τὰ π. τῆς πόλεως . . . ἔδωκαν τῷ Χ. (9)
8. 8. Σ. ἐγέννησεν ἐν τῷ π. Μ. . . . Ὠσίν (9)
19. 9. παρενέβαλον . . . ἐν τῷ π. (9)
II Ch. 26. 23. ἔθαψαν αὐτὸν . . . ἐν τῷ π. (9)
35. 22. τοῦ πολεμῆσαι ἐν τῷ π. Μαγ. (3 *a*)
I Es. 1. 29. πόλεμον ἐν τῷ π. Μαγ.
Ne. 6. 2. συναχθῶμεν . . . ἐν πεδίῳ Ὠνώ (3 *a*)
To. 5. 6. S κεῖται γὰρ . . . Ἐκβ. ἐν μέσῳ τῷ π.
— 9. S διῆλθον πάντα τὰ π.
Ju. 1. 5. A S ἐν τῷ π. τῷ μεγ. τοῦτό ἐστιν πέδιον [B *om.*] ἐν [B *om.*] τοῖς ὁρίοις Ῥ.
— 6. καὶ πεδίῳ [A -ία, S² τὰ π.] Ἀρ.
— 8. καὶ τὸ μέγα π. Ἐσ.
2. 21. ἐπὶ πρόσωπον τοῦ π. Β.
— 27. κατέβη εἰς πεδίον Δαμ.
— 27. τὰ π. αὐτῶν ἐξελίκμησε
3. 3. A B καὶ πᾶν π. πυρῶν
4. 5. προσφάτως ἦν τὰ π. αὐ. τεθερισμένα
— 6. κατὰ πρόσωπον τοῦ π. τοῦ πλησίον [S *om.* τ. π. τ. πλ.] Δ.
5. 1. ἔθηκαν ἐν τοῖς π. σκάνδαλα
6. 4. τὰ π. αὐ. πληρωθήσεται [S πλησθ.] νεκρῶν αὐ.
— 11. ἤγαγον αὐτὸν [S *om.*] . . . εἰς τὸ π.
7. 18. παρενέβαλον ἐν τῷ π.
8. 3. ἐπὶ τοῦ δεσμεύοντος . . . ἐν τῷ π.
14. 2. ὡς καταβαίνοντες ἐπὶ τὸ π.
15. 2. ἐπὶ πᾶσαν ὁδὸν τοῦ π.
Jb. 39. 10. ἢ ἑλκύσει σου αὔλακας ἐν πεδίῳ †
— 21. ἀνορύσσων ἐν πεδίῳ [S² ποδὶ] γαυριᾷ ἐκπορεύεται δὲ εἰς πεδίον ἐν ἰσχύϊ (8, †)
42. 17. ὁ ἐκκόψας Μαδιὰμ ἐν τῷ π. Μωάβ
Ps. 8. 7. ἔτι δὲ καὶ τὰ κτήνη τοῦ π. (10)
64 (65). 11. τὰ π. σου πλησθήσονται πιότητος (6)
77 (78). 12. ἐν γῇ Αἰγύπτῳ ἐν πεδίῳ Τάνεως (9)
— 43. καὶ τὰ τέρατα αὐτοῦ ἐν πεδίῳ Τάνεως (9)
95 (96). 12. χαρήσεται τὰ π. (10)
103 (104). 8. καταβαίνουσι πεδία εἰς τόπον (3 *a*)
— 16. χορτασθήσεται τὰ ξύλα τοῦ π. [S¹ κυρίου] †
131 (132). 6. S² R εὕρομεν αὐτὴν ἐν τοῖς π. [A S¹ ταῖς δασέσι] τοῦ δρυμοῦ (9)
Pr. 27. 25. ἐπιμελοῦ τῶν ἐν τῷ π. χλωρῶν [A -ῷ] †
— 26. τίμα πεδίον ἵνα ὦσί σοι ἄρνες (9)
Ca. 2. 1. ἐγὼ ἄνθος τοῦ π. (8)
Wi. 19. 7. χλοηφόρον πεδίον ἐκ κλύδωνος βιαίου
Si. 24. 14. ὡς ἐλαία εὐπρεπὴς ἐν πεδίῳ
Ho. 12. 12 (13). ἀνεχώρησεν Ἰ. εἰς πεδίον Συρίας (9)
Am. 1. 5. ἐξολεθρεύσω κατοικοῦντας ἐκ πεδίου Ὠν (3 *a*)
Mi. 4. 10. κατασκηνώσεις ἐν πεδίῳ (9)
Jl. 1. 10. τεταλαιπώρηκε τὰ π. (9)
— 20. τὰ κτήνη τοῦ π. ἀνέβλεψαν πρὸς σέ (9)
2. 3. τὰ ὄπισθεν αὐτοῦ πεδίον ἀφανισμοῦ (4)
— 22. θαρσεῖτε κτήνη τοῦ π. (10)
— 22. A S² R βεβλάστηκε τὰ [B S¹ *om.*] π. τῆς ἐρήμου (7)
3 (4). 19. ἡ Ἰ. εἰς πεδίον ἀφανισμοῦ ἔσται (4)
Ob. 1. 19. κατακληρονομήσουσι . . . τὸ π. Σαμ. (9)
Hb. 3. 5. ἐξελεύσεται εἰς πεδία [S² -αν, A ἐν πεδίοις] †
— 17. τὰ π. οὐ ποιήσει βρῶσιν (11)
Za. 12. 11. ὡς κοπετὸς ῥοῶνος ἐν πεδίῳ ἐκκοπτομένου (3 *a*)
Is. 16. 8. οὐκ ἐντραπήσῃ τὰ π. Ἐσεβών (11)
21. 15. A² διὰ τὸ πλῆθος τῶν πεπτωκότων ἐν τῷ π. [B S πολέμῳ] –

Is. 40. 4. ἡ τραχεῖα εἰς πεδία [S¹ -αν, A S² ὁδοὺς λείας] (3 a)
41. 18. ἀνοίξω . . . ἐν μέσῳ πεδίων πηγάς (3 a)
63. 14. ὡς κτήνη διὰ πεδίου (3 a)
Je. 9. 22 (21). ἐπὶ προσώπου τοῦ π. τῆς γῆς ὑ. (9)
14. 18. ἐὰν ἐξέλθω εἰς τὸ π. (9)
30 (49). 4. τί ἀγαλλιᾶσθε ἐν τοῖς π. Ἐνακείμ (8)
Ez. 3. 22. ἐξελθε εἰς τὸ π. (3 a)
— 23. ἐξῆλθον εἰς τὸ π. (3 a)
7. 15. ὁ ἐν τῷ π. ἐν ῥομφαίᾳ τελευτήσει (9)
8. 4. κατὰ τὴν ὅρασιν ἣν ἴδον ἐν τῷ π. (3 a)
16. 5. ἀπερρίφης ἐπὶ πρόσωπον τοῦ π. (9)
17. 5. ἔδωκεν αὐτὸ εἰς τὸ π. (9)
— 8. εἰς π. καλὸν ἐφ' ὕδατι πολλῷ (9)
— 24. γνώσονται πάντα τὰ ξύλα τοῦ π. [A ἀγροῦ] (9)
26. 6. αἱ θυγατέρες αὐτῆς ἐν [A αἱ ἐν τῷ] πεδίῳ (9)
— 8. τὰς θυγατέρας σου τὰς ἐν τῷ π. (9)
— 10. εἰσπορευόμενος εἰς πόλιν ἐκ πεδίου †
29. 5. ἐπὶ πρόσωπον τοῦ π. πεσῇ (9)
31. 4. ἐξαπέστειλεν εἰς πάντα τὰ ξύλα τοῦ π. (9)
— 5. ὑψώθη τὸ μέγεθος αὐτοῦ παρὰ πάντα τὰ ξύλα τοῦ π. (9)
— 6. ἐγεννῶσαν πάντα τὰ θηρία τοῦ π. (9)
— 12. συντρίβη τὰ στελέχη αὐτοῦ ἐν παντὶ πεδίῳ τῆς γῆς (1)
— 15. πάντα τὰ ξύλα τοῦ π. ἐπ' αὐτῷ ἐξελύθησαν (9)
32. 4. πεδία πλησθήσεταί σου (9)
33. 27. οἱ ἐπὶ προσώπου τοῦ π. τοῖς θηρίοις δοθήσονται (9)
34. 8. πᾶσι τοῖς θηρίοις τοῦ π. [A ἀγροῦ] (9)
— 27. τὰ ξύλα τὰ ἐν τῷ π. δώσει [A ξ. τοῦ π. ἀποδ.] τὸν καρπόν (9)
35. 8. ἐν πᾶσι τοῖς π. σου τετραυματισμένοι μαχαίρᾳ πεσοῦνται (1)
37. 1. ἔθηκέ με ἐν μέσῳ τοῦ π. (3 a)
— 2. πολλὰ σφόδρα ἐπὶ προσώπου τοῦ π. (3 a)
38. 20. σεισθήσονται . . . τὰ θηρία τοῦ π. (9)
39. 4. πᾶσι τοῖς θηρίοις τοῦ π. δέδωκά σε (9)
— 5. ἐπὶ προσώπου τοῦ π. πεσῇ (9)
— 10. οὐ μὴ λάβωσι ξύλα ἐκ τοῦ π. (9)
— 17. εἰπὸν . . . πρὸς πάντα τὰ θηρία τοῦ π. [A ἀγροῦ] (9)
Da. LXX. 3. 1. ἔστησεν αὐτὴν ἐν πεδίῳ (3 b)
Bel 32. ἐπορεύετο εἰς τὸ π.
Da. TH. 3. 1. ἔστησεν αὐτὴν ἐν πεδίῳ Δ. (3 b)
Bel 33. ἐπορεύετο εἰς τὸ π.
I Ma. 3. 24. ἐδίωκον . . . ἕως τοῦ π.
4. 6. ὤφθη Ἰ. ἐν τῷ π.
— 14. ἔφυγον εἰς τὸ π.
— 15. ἐδίωξαν αὐτοὺς . . . ἕως τῶν π. τῆς Ἰ.
— 21. τὴν Ἰ. παρεμβολὴν ἐν τῷ π. ἑτοίμην
5. 52. διέβησαν τὸν Ἰορδ. εἰς τὸ π. τὸ μέγα
10. 71. κατάβηθι πρὸς ἡμᾶς εἰς τὸ π.
— 73. οὐ δυνήσῃ ὑποστῆναι τὴν ἵππον . . . ἐν τῷ π.
— 77. S R προῆγεν [A προσῆγεν] εἰς τὸ π.
— 83. ἡ ἵππος ἐσκορπίσθη ἐν τῷ π.
11. 67. ὥρθρισαν τὸ πρωὶ εἰς τὸ π. N.
— 68. ἀπήντα αὐτῷ ἐν τῷ π.
12. 49. ἀπέστειλε Τρ. δυνάμεις . . . εἰς . . . τὸ π. τὸ μέγα
13. 13. παρενέβαλεν . . . κατὰ πρόσωπον τοῦ π.
14. 8. καὶ τὰ ξύλα τῶν π. τὸν καρπὸν αὐ.
16. 5. ἐπορεύοντο εἰς τὸ π.
— 11. ἦν καθεσταμένος στρατηγὸς εἰς τὸ π. Ἱερ.
II Ma. 14. 33. τόνδε τοῦ θεοῦ σηκὸν εἰς πεδίον ποιήσω
IV Ma. 18. 8. φθορεὺς ἐν πεδίῳ

[Aq. Jd. 9. 6 : Is. 40. 4.]
[Sm. Nu. 26. 3 : Ps. 28 (29). 9 : 77 (78). 43 : Is. 35. 2 : 40. 4.]
[Th. II Ki. 10. 8 : Ps. 103 (104). 16 (P.) : Is. 40. 4.]
[Quint. Ps. 41 (42). 2.]

πεζικός.

I Ma. 15. 38. δυνάμεις π. . . . ἔδωκεν αὐτῷ
16. 5. S² R δύναμις πολλὴ . . . πεζική [A -οί, S¹ βασιλική]
III Ma. 1. 1. ταῖς πάσαις δυνάμεσι π. τε καὶ ἱππικαῖς αὐ.

πεζομαχία.

IV Ma. 17. 24. ἀνδρείους εἰς πεζομαχίαν

πεζός (*incl.* πεζῇ). (1) רַגְלִי (2) אִישׁ רַגְלִי
Ex. 12. 37. εἰς ἑξακοσίας χιλιάδας πεζῶν (1)
Nu. 11. 21. A² B ἑξακόσιαι χιλιάδες πεζῶν ὁ λαός (1)
Jd. 5. 15. A ἐξαπέστειλεν πεζοὺς αὐτοῦ [B *al.*] †
20. 2. τετρακόσιαι χιλιάδες ἀνδρῶν π. (1)
II Ki. 8. 4. καὶ εἴκοσι χιλιάδας ἀνδρῶν πεζῶν (1)
10. 6. εἴκοσι χιλιάδας πεζῶν (1)
15. 17. ἐξῆλθεν ὁ βασ. . . . πεζῇ [A -οί] †
III Ki. 21 (20). 10. εἰ ἐκποιήσει . . . τοῖς π. μου †
— 29. ἑκατὸν χιλιάδας πεζῶν (1)
IV Ki. 13. 7. καὶ δέκα χιλιάδας πεζῶν (1)
I Ch. 18. 4. A R εἴκοσι χιλιάδας ἀνδρῶν π. [B S *om.*] (1)
19. 18. καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδας πεζῶν (2)
I Es. 8. 51. πεζούς τε καὶ ἱππεῖς
Ju. 1. 4. καὶ διατάξεις τῶν π. αὐ. [S¹ *om.*, S² *al.*]
2. 5. πεζῶν εἰς χιλιάδας ἑκατὸν εἴκοσι
— 19. ἐν . . . π. ἐπιλέκτοις αὐτῶν
— 22. ἔλαβε . . . τοὺς π. καὶ τοὺς ἱππεῖς
7. 2. χιλιάδες ἀνδρῶν [A S *om.*] π.
— 2. οἱ ἦσαν π. ἐν αὐτοῖς
— 20. οἱ π. καὶ τὰ ἅρματα
9. 7. ἐγαυρίασαν ἐν βραχίονι πεζῶν
Si. 16. 10. ἑξακοσίας χιλιάδας πεζῶν
46. 8. διεσώθησαν ἀπὸ ἑξακοσίων χιλιάδων πεζῶν
Ba. 5. 6. ἐξῆλθον γὰρ παρὰ σοῦ πεζοὶ ἀγόμενοι ὑπὸ ἐχθρῶν
I Ma. 6. 30. ἑκατὸν χιλιάδες πεζῶν
16. 7. διεῖλε . . . τοὺς ἱππεῖς ἐν μέσῳ τῶν π.
II Ma. 11. 4. R πεφρενωμένος δὲ ταῖς μυριάσι τῶν π. [A πεδῶν]
12. 20. ἔχοντα περὶ αὐτὸν μυριάδας δώδεκα πεζῶν
— 33. ἐξῆλθε δὲ μετὰ π. τρισχιλίων
13. 2. πεζῶν μυριάδας ἑνδεκα

[Aq., Sm. I Ki. 15. 4 : Je. 12. 5.]
[Th. I Ki. 15. 4.]
[Al. I Ki. 4. 10.]

πειθαρχεῖν. (1) שָׁמַע ithpe.
I Es. 8. 94. A R ὅσοι πειθαρχοῦσι [B -χήσουσιν] τοῦ νόμου [A τῷ ν.]
Si. 30. 38 (33. 28). κἂν μὴ πειθαρχῇ
Da. LXX. 7. 27. καὶ πειθαρχήσουσιν αὐτῷ (1)

πείθειν. (1) אָמַן hi. (2) *a.* בָּטַח *b.* מִבְטָח *c.* בִּטְחָה *d.* בָּטַח (3) *a.* חָסָה *b.* מַחְסֶה *c.* חָסוּת (4) נָשָׂא hi. (5) קָבַל pi. (6) קָוָה pi. (7) רְחַץ ithpe. (8) שָׁסַע pi. (9) שָׁעַן ni. (10) שָׁקַט *a.* qal. *b.* hi. (11) πειθοῖ *a.* בָּטַח *b.* לָבֶטַח *c.* מִבְטָח *d.* שַׁאֲנָן (12) πειθέναι ποιεῖν *a.* בָּטַח hi. *b.* סוּת hi. (13) πειθὼς γίγνεσθαι בָּטַח (14) πειθὼς εἶναι *a.* בָּטַח *b.* בָּטַח *c.* בִּטָּחוֹן *d.* מִבְטָח *e.* עָנַן hithpa. *f.* קָוָה pi. *g.* שָׁעָה *h.* שָׁעַן ni. *i.* שָׁקַט *j.* תִּלָּה *k.* חָסָה
Le. 25. 18. A B¹ κατοικήσετε πεποιθότες [B² R *al.*] (11 b)
— 19. κατοικήσετε πεποιθότες ἐπ' αὐτῆς (11 b)
De. 28. 52. ἐφ' οἷς σὺ πέποιθας ἐν αὐτοῖς (2 a)
32. 37. ἐφ οἷς ἐπεποίθεισαν ἐπ' αὐτοῖς (3 a)
33. 12. κατασκηνώσει πεποιθώς (11 b)
— 28. κατασκηνώσει Ἰσρ. πεποιθώς (11 a)
Jd. 8. 11. ἡ παρεμβολὴ ἦν πεποιθυῖα (11 a)
9. 15. A πεποίθατε ἐν τῇ σκέπῃ μου [B *al.*] (3 a)
— 26. A καὶ ἐπεποίθησαν [B ἤλπισαν ἐν] αὐτῷ (2 a)
18. 10. A πρὸς λαὸν πεποιθότα [B ἐπ' ἐλπίδι] (2 a)
— 27. ἐπὶ λαὸν . . . πεποιθότα (2 a)
Ru. 2. 12. πεποιθέναι ὑπὸ τὰς πτέρυγας αὐ. (3 a)
I Ki. 12. 11. κατῳκεῖτε πεποιθότες [A -θώς] (11 a)
24. 8. ἔπεισε Δ. τοὺς ἄνδρας αὐτοῦ (8)
II Ki. 22. 3. πεποιθὼς ἔσομαι ἐπ' αὐτῷ (14 k)
— 31. πᾶσι τοῖς πεποιθόσιν ἐπ' αὐτῷ (3 a)
III Ki. 3. 1 (B), 4. 25 (A) (5. 5). κατῴκει Ἰ. καὶ Ἰσρ. πεποιθότες (11 b)
IV Ki. 18. 19. ἡ πεποίθησις αὕτη ἣν πέποιθας (2 a)
— 20. τίνι πεποιθὼς ἠθέτησας ἐν ἐμοί (2 a)
— 21. πέποιθας σαυτῷ ἐπὶ τὴν ῥάβδον (2 a)
— 21. πᾶσι τοῖς πεποιθόσιν ἐπ' αὐτόν (2 a)
— 22. ἐπὶ κύριον θεὸν πεποίθαμεν (2 a)
IV Ki. 19. 10. ἐφ' ᾧ σὺ πέποιθας ἐν [A ἐπ'] αὐτῷ (2 a)
II Ch. 14. 11 (10). ἐπὶ σοὶ πεποίθαμεν (9)
16. 7. ἐν τῷ πεποιθέναι σε ἐπὶ βασιλέα Σ. καὶ μὴ πεποιθέναι σε ἐπὶ κ. θεόν σου (9, 9)
— 8. ἐν τῷ πεποιθέναι σε ἐπὶ κύριον (9)
32. 10. ἐπὶ τί [A τίνι] ὑμεῖς πεποίθατε (2 a)
— 15. μὴ πεποιθέναι ὑμᾶς ποιείτω (12 b)
To. 3. 17. A² πεῖσαι τὰ λευκώματα [A¹ B S *al.*]
10. 7. S οὐκ ἐπείθετο οὐδενί
14. 4. πέπεισμαι ὅσα ἐλάλησεν Ἰ. [S *al.*]
Ju. 2. 5. ἄνδρας πεποιθότας ἐν ἰσχύϊ αὐτῶν
7. 10. οὐ πέποιθαν ἐπὶ τοῖς δόρασιν αὐ.
12. 11. πεῖσον δὴ πορευθεὶς τὴν γυν. τὴν Ἑβρ.
Es. 4. 4. ὁ δὲ οὐκ ἐπείσθη [A ἐτίθη, S² ἐτίθει] (5)
Jb. 6. 13. ἢ οὐκ ἐπ' αὐτῷ ἐπεποίθειν †
— 20. οἱ ἐπὶ πόλεσι καὶ χρήμασι πεποιθότες (2 a)
11. 18. πεποιθὼς τε ἔσῃ ὅτι ἐστί σοι ἐλπίς (14 a)
12. 5. μηδεὶς πεποιθέτω πονηρὸς ὢν ἀθῷος ἔσεσθαι †
27. 8. πεποιθὼς [A μὴ π.] ἐπὶ κύριον ἄρα [A εἰ ἄρα] σωθήσεται †
31. 21. πεποιθὼς ὅτι πολλή μοι βοήθεια περίεστιν [AS πάρεστιν] †
— 24. εἰ δὲ καὶ λίθῳ πολυτελεῖ ἐπεποίθησα (2 b)
39. 11. πέποιθας δὲ ἐπ' αὐτῷ (2 a)
40. 18 (23). πέποιθεν ὅτι προσκρούσει ὁ Ἰ. (2 a)
Ps. 2. 12. μακάριοι πάντες οἱ πεποιθότες ἐπ' αὐτῷ (3 a)
10 (11). 1. ἐπὶ τῷ κυρίῳ πέποιθα (3 a)
24 (25). 2. ὁ θεός μου, ἐπὶ σοὶ πέποιθα (2 a)
48 (49). 6. οἱ πεποιθότες ἐπὶ τῇ δυνάμει αὐτῶν (2 a)
56 (57). 1. ἐπὶ σοὶ πέποιθεν ἡ ψυχή μου (3 a)
96 (97). 7. S¹ πάντες οἱ πεποιθότες ἐπὶ [A B S²] οἱ προσκυνοῦντες] τοῖς γλυπτοῖς †
113. 16 (115. 8). καὶ πάντες οἱ πεποιθότες ἐπ' αὐτοῖς (2 a)
117 (118). 8. ἀγαθὸν πεποιθέναι ἐπὶ κύριον ἢ πεποιθέναι ἐπ' ἄνθρωπον (3 a, 2 a)
124 (125). 1. οἱ πεποιθότες ἐπὶ κύριον (2 a)
134 (135). 18. πάντες οἱ πεποιθότες ἐπ' [S¹ ἐν] αὐτοῖς (2 a)
145 (146). 3. μὴ πεποίθατε ἐπ' ἄρχοντας (2 a)
Pr. 3. 5. ἴσθι πεποιθὼς . . . ἐπὶ θεῷ (14 a)
— 23. ἵνα πορεύῃ πεποιθὼς ἐν εἰρήνῃ (11 b)
— 29. μὴ τεκτήνῃ ἐπὶ σὸν φίλον κακὰ παροικοῦντα καὶ πεποιθότα ἐπὶ σοί (11 b)
10. 9. ὃς πορεύεται ἁπλῶς πορεύεται πεποιθώς (11 a)
11. 28. ὁ πεποιθὼς ἐπὶ πλούτῳ οὗτος πεσεῖται (2 a)
14. 16. ὁ δὲ ἄφρων ἑαυτῷ πεποιθώς (2 a)
— 32. ὁ δὲ πεποιθὼς τῇ ἑαυτοῦ ὁσιότητι δίκαιος (3 a)
16. 20. πεποιθὼς δὲ ἐπὶ θεῷ μακαριστός (2 a)
21. 22. ἐφ' ᾧ ἐπεποίθεισαν οἱ ἀσεβεῖς (2 b)
26. 25. μεγάλῃ τῇ φωνῇ μὴ πεισθῇς (1)
28. 1. δίκαιος δὲ ὥσπερ λέων πέποιθε (2 a)
— 25. ὃς δὲ πέποιθεν ἐπὶ κύριον (2 a)
— 26. ὃς πέποιθε θρασείᾳ καρδίᾳ (2 a)
29. 25. ὁ δὲ πεποιθὼς ἐπὶ κυρίῳ [A -ον] (2 a)
— 25. ὃς δὲ πέποιθεν [A ὁ δὲ πεποιθὼς] ἐπὶ τῷ δεσπότῃ [S σωτῆρι] σωθήσεται (2 a ?)
Wi. 3. 9. οἱ πεποιθότες ἐπ' αὐτῷ συνήσουσιν ἀλήθειαν
13. 7. πείθονται τῇ ὄψει
14. 29. ἀψύχοις γὰρ πεποιθότες εἰδώλοις
16. 8. καὶ ἐν τούτῳ δὲ ἔπεισας τοὺς ἐχθροὺς ἡμῶν
— 24. ἀνίεται εἰς εὐεργεσίαν ὑπὲρ τῶν εἰς σὲ [A S ἐπὶ σοὶ] πεποιθότων
Si. 2. 5. S² ἐν νόσοις καὶ πενίᾳ ἐπ' αὐτῷ πεποιθὼς γίνου
4. 15. ὁ προσελθὼν [AS -έχων] αὐτῇ κατασκηνώσει πεποιθώς
35 (32). 24. ὁ πεποιθὼς κυρίῳ οὐκ ἐλαττωθήσεται
Am. 6. 1. οὐαὶ . . . τοῖς πεποιθόσιν ἐπὶ τὸ ὄρος Σ. (2 a)
Hb. 2. 18. πέποιθεν ὁ πλάσας ἐπὶ τὸ πλάσμα αὐ. (2 a)
Ze. 3. 2. ἐπὶ τῷ κυρίῳ οὐκ ἐπεποίθει [A -θησεν] (2 a)
Is. 8. 14 (13). κἂν ἐπ' αὐτῷ πεποιθὼς ᾖς †
— 17. πεποιθὼς ἔσομαι ἐπ' αὐτῷ (14 f)
10. 20. οἱ σωθέντες τοῦ Ἰακὼβ οὐκέτι μὴ πεποιθότες ὦσιν ἐπὶ τοὺς ἀδικήσαντας αὐτοὺς ἀλλὰ ἔσονται πεποιθότες ἐπὶ τὸν θεόν (14 h, 14 h)
12. 2. πεποιθὼς ἔσομαι ἐπ' [A ἐν] αὐτῷ (14 a)
14. 6 (7). ἀνεπαύσατο πεποιθώς (10 a)
17. 7. πεποιθὼς ἔσται ὁ ἄνθρωπος ἐπὶ τῷ ποιήσαντι αὐτόν (14 g)
— 8. οὐ μὴ πεποιθότες ὦσιν ἐπὶ τοῖς βωμοῖς (14 g)
— 8. S ἀλλ' ἔσονται πεποιθότες ἐπὶ τὸν ἅγιον τοῦ Ἰσραήλ –
20. 5. ἐφ' οἷς ἦσαν πεποιθότες οἱ Αἰγύπτιοι (14 d)
— 6. ἦμεν πεποιθότες τοῦ φυγεῖν εἰς αὐτούς (14 d)

Is. 22. 24. ἔσται πεποιθὼς ἐπ' αὐτὸν πᾶς ἔνδοξος (14 *j*)
28. 17. οἱ πεποιθότες μάτην ψεύδει (3 *b* ?)
30. 3. τοῖς πεποιθόσιν ἐπ' Αἰγυπτον ὄνειδος (3 *c*)
— 12. πεποιθὼς ἐγένου ἐπὶ τῷ λόγῳ τούτῳ (13)
— 15. ἐπεποίθεις ἐπὶ τοῖς ματαίοις (10 *b* + 2 *c*)
— 32. ἡ ἐλπὶς τῆς βοηθείας ἐφ' ᾗ αὐτὸς ἐπεποίθει †
31. 1. οὐαὶ . . . οἱ ἐφ' ἵπποις πεποιθότες . . . οὐκ ἦσαν πεποιθότες ἐπὶ τὸν ἅγιον τοῦ Ἰσραήλ (9, 14 *g*)
32. 3. οὐκέτι ἔσονται πεποιθότες ἐπ' ἀνθρώποις (14 *g*)
— 11. λυπήθητε αἱ πεποιθυῖαι (11 *d* + 2 *a*)
— 17. πεποιθότες [S[1] οἱ π., AS[3] *add.* ἔσονται] ἕως τοῦ αἰῶνος (11 *a* [14 *b*])
— 18. ἐνοικήσει πεποιθώς (11 *c*)
— 19. ἔσονται οἱ ἐνοικοῦντες ἐν τοῖς δρυμοῖς πεποιθότες †
33. 2. ἐπὶ σοὶ γὰρ πεποίθαμεν (6)
36. 4. τί [S[3] τίνι] πεποιθὼς εἶ (14 *c*)
— 5. ἐπὶ τίνα [A S -νι] πέποιθας (2 *a*)
— 6. πεποιθὼς εἶ ἐπὶ τὴν ῥάβδον τὴν καλαμίνην . . . οὕτως ἐστὶ Φ. βασιλεὺς Αἰγ. καὶ πάντες οἱ πεποιθότες ἐπ' αὐτῷ (14 *a*, 2 *a*)
— 7. ἐπὶ κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν πεποίθαμεν (2 *a*)
— 9. οἰκέται εἰσὶν οἱ πεποιθότες ἐπ' Αἰγ. (2 *a*)
37. 10. ἐφ' ᾧ πέποιθας [S[1] -θὼς ἦς, AS[3] -θὼς εἶ] ἐπ' αὐτῷ (2 *a* [14 *a*])
42. 17. οἱ πεποιθότες ἐπὶ τοῖς γλυπτοῖς (2 *a*)
47. 8. ἄκουε ταῦτα, τρυφερὰ ἡ καθημένη ἡ πεποιθυῖα (11 *b*)
50. 10. πεποίθατε ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου (2 *a*)
58. 14. ἔσῃ πεποιθὼς ἐπὶ κύριον (14 *e*)
59. 4. πεποίθασιν ἐπὶ ματαίοις (2 *a*)
Je. 5. 17. ἐφ' αἷς ὑμεῖς πεποίθατε ἐπ' αὐταῖς [S -άς] (2 *a*)
7. 4. μὴ πεποίθατε ἐφ' ἑαυτοῖς ἐπὶ λόγοις ψευδέσιν (2 *a*)
— 8. εἰ δὲ ὑμεῖς πεποίθατε ἐπὶ λόγοις ψευδέσιν (2 *a*)
— 14. ἐφ' ᾧ ὑμεῖς πεποίθατε ἐπ' αὐτῷ (2 *a*)
9. 4 (3). ἐπ' ἀδελφοῖς αὐτῶν μὴ πεποίθατε (2 *a*)
12. 5. A S[2] R ἐν γῇ εἰρήνης σου [B S[1] οὐ] πέποιθας (2 *a*)
17. 7. ὃς πέποιθεν ἐπὶ τῷ κυρίῳ (2 *a*)
23. 6. Ἰσρ. [S Ἱερ.] κατασκηνώσει πεποιθώς (11 *b*)
26 (46). 25. καὶ ἐπὶ τοὺς πεποιθότας ἐπ' αὐτῷ (2 *a*)
27 (50). 38. A ἐπὶ [S ἐν] τῷ ὕδατι αὐτῆς ἐπεποίθει [B S *om.*] –
29 (49). 11. αἱ χῆραι ἐπ' ἐμὲ πεποίθασιν (2 *a*)
30 (49). 4. ἡ πεποιθυῖα ἐπὶ θησαυροῖς [S -ούς] αὐτῆς (2 *a*)
31 (48). 7. ἐπεποίθεις ἐν ὀχυρώμασίν σου (2 *d*)
— 11. πεποιθὼς ἦν ἐπὶ τῇ δόξῃ αὐτοῦ (14 *i*)
— 13. κατῃσχύνθη οἶκος Ἰσραὴλ ἀπὸ Βαιθὴλ ἐλπίδος αὐ. πεποιθότες ἐπ' αὐτοῖς (11 *c* ?)
35 (28). 15. πεποιθέναι ἐποίησας τὸν λαὸν τοῦτον ἐπ' ἀδίκῳ (12 *a*)
36 (29). 8. S μὴ πειθέτωσαν [A B ἀναπ.] ὑμᾶς (4)
— 31. πεποιθέναι ἐποίησεν ὑμᾶς ἐπ' ἀδίκοις [A S -ῳ] (12 *a*)
39 (32). 37. καθὼ [A κατοικῶ] αὐτοὺς πεποιθότας (11 *b*)
46 (39). 18. ἐπεποίθεις ἐπ' ἐμοί (2 *a*)
Ba. 3. 17. τὸ χρυσίον ᾧ ἐπεποίθεισαν ἄνθρωποι
Ez. 33. 13. πέποιθεν ἐπὶ τῇ δικαιοσύνῃ αὐτοῦ (2 *a*)
Da. LXX. Su. 35. ἡ δὲ καρδία αὐ. ἐπεποίθει ἐπὶ κυρίῳ
3. (40). οὐκ ἔστιν αἰσχύνη τοῖς πεποιθόσιν ἐπὶ σοί
Da. TH. Su. 35. ἦν ἡ καρδία αὐ. πεποιθυία ἐπὶ κυρίῳ
3. (40). οὐκ ἔσται αἰσχύνη τοῖς πεποιθόσιν ἐπὶ σοί
— 28 (95). ὅτι ἐπεποίθεισαν ἐπ' αὐτῷ (7)
I Ma. 9. 1. S ἔπεισεν [A ἐποίησεν, R ἔπεσε] Νικάνωρ
— 58. ἐν ἡσυχίᾳ κατοικοῦσι πεποιθότες
10. 71. AR εἰ [S ἐπεὶ] πέποιθας ἐπὶ ταῖς δυνάμεσί σου
— 77. S R διὰ τὸ . . . πεποιθέναι ἐπ' αὐτῇ [A -ήν]
II Ma. 4. 34. καὶ πεισθεὶς ἐπὶ δόλῳ
— 34. ἔπεισεν ἐκ τοῦ ἀσύλου προελθεῖν
— 45. πρὸς τὸ πεῖσαι τὸν βασιλέα
7. 26. ἐπεδέξατο πείσειν τὸν υἱόν
— 40. παντελῶς ἐπὶ τῷ κυρίῳ πεποιθώς
8. 18. οἱ μὲν γὰρ ὅπλοις πεποίθασιν
— 18. ἡμεῖς δὲ ἐπὶ τῷ παντοκρ. θεῷ . . . πεποιθάμεν
9. 27. πέπεισμαι γὰρ αὐτὸν . . . συμπεριενεχθήσεσθαι ὑμῖν
10. 20. ὑπό τινων τῶν ἐν τοῖς πύργοις ἐπείσθησαν ἀργυρίῳ
II Ma. 10. 34. τῇ ἐρυμνότητι τοῦ τόπου πεποιθότες
11. 14. ἔπεισε συλλύσεσθαι ἐπὶ πᾶσι τοῖς δικαίοις
— 14. καὶ διότι καὶ τὸν βασ. πείσειν
12. 14. πεποιθότες τῇ τῶν τειχέων ἐρυμνότητι
15. 7. ὁ δὲ Μακκ. ἦν ἀδιαλείπτως πεποιθώς
III Ma. 1. 11. R οὐδαμῶς ἠβούλετο πείθεσθαι [A ὁ δὲ οὐ. ἐπείθετο]
2. 4. ῥώμῃ καὶ θράσει πεποιθότες
3. 24. τεκμηρίοις καλῶς πεπεισμένοι
4. 20. R σαφῶς αὐτὸν περὶ τούτου πεισθῆναι [A πιστωθ.]
IV Ma. 2. 6. πολὺ πλέον πείσαιμ' ἂν ὑμᾶς
5. 16. θείῳ πεπεισμένοι νόμῳ πολιτεύεσθαι
6. 4. πείσθητι ταῖς τοῦ βασ. ἐντολαῖς
8. 12. ὅπως . . . πείσειεν αὐτοὺς μιαροφαγῆσαι
— 17. S[2] R εἰ [A μὴ, S[1] ἢ] πεισθείημεν αὐτῷ
— 26. ζῆν τῷ βασ. πεισθέντας [S[1] -ες]
9. 18. διὰ πασῶν γὰρ ὑμᾶς πείσω τῶν βασάνων
10. 13. πεισθεὶς τῷ βασ. σῶζε σεαυτόν
12. 4. A R εἰ μὲν μὴ πεισθείης [S -είς]
— 5. πεισθεὶς δὲ φίλος ἔσῃ
15. 10. ὥστε καὶ . . . πείθεσθαι αὐτῇ
16. 24. S R ἀποθανεῖν [A *om.*] ἔπεισε μᾶλλον ἢ παραβῆναι
18. 1. A R πείθεσθε [S πίθ.] τῷ νόμῳ τούτῳ
[Aq. Ps. 9. 11 : 24 (25). 2 : 25 (26), 1 : 26 (27). 3 : 27 (28). 7 : 30 (31). 2, 7, 15 : 31 (32). 10 : 32 (33). 21 : 40 (41). 10 : 55 (56). 4 : 90 (91). 2 : 134 (135). 18 : Pr. 14. 32 : Is. 26. 3, 4 : 32. 9, 11 : 36. 6 : 57. 13 : Je. 17. 7 : 48 (31). 13 : Ez. 30. 9 : 34. 25.]
[Sm. Ge. 34. 22 : 37. 27 : Ps. 9. 11 : 24 (25). 20 : 25 (26). 1 : 27 (28). 7 : 30 (31). 2, 15 : 31 (32). 10 : 32 (33). 21 : 40 (41). 10 : 55 (56). 4, 12 : 76 (77). 3 : 80 (81). 12 : 134 (135). 18 : Pr. 3. 5 : 11. 15 : 14. 32 : Is. 32. 9 : 36. 6 : 42. 17 : 57. 13 : Je. 48 (31). 13 : Ez. 33. 13 : Da. 3. 28 (95) (Sw.).]
[Th. Jd. 9. 15 : 18. 10 : Jb. 40. 18 (23) : Ps. 40 (41). 10 : 67 (68). 7 : 118 (119). 20 : Pr. 11. 15 : 12. 18 : 14. 32 : Is. 32. 9, 11 : 36. 6 : 57. 13 : Je. 33 (40). 16 : 48 (31). 13 : Ez. 34. 25 : Da. 3. 28 (95).]
[Al. Ps. 4. 6 : 43 (44). 7 : Pr. 1. 33 : Hb. 3. 14.]
[Quint. Ps. 118 (119). 20.]
[Sext. Ps. 30 (31). 15 : 32 (33). 18 : 118 (119). 20.]

πεινᾶν. (1) יָעֵף *a.* verb. *b.* adj. (2) נָהַם (3) עָיֵף (4) רָעֵב *a.* verb. *b.* adj.

Ge. 41. 55. ἐπείνασε πᾶσα ἡ γῆ Αἰγ. (4 *a*)
De. 25. 18. σὺ δὲ ἐπείνας καὶ ἐκοπίας (3)
Jd. 8. 4. πεινῶντες [A ὀλιγοψυχοῦντες] καὶ διώκοντες [A πεινῶντες] (3, [†])
— 5. A ὅτι πεινῶσιν [B ἐκλείπουσι] (3)
I Ki. 2. 5. A R οἱ πεινῶντες [B ἀσθενοῦντες] παρῆκαν γῆν (4 *b*)
II Ki. 17. 29. ὁ λαὸς πεινῶν (4 *b*)
IV Ki. 7. 12. πεινῶμεν ἡμεῖς (4 *b*)
To. 1. 16. τοὺς ἄρτους μου ἐδίδουν τοῖς πεινῶσι
4. 16. ἐκ τοῦ ἄρτου σου δίδου πεινῶντι
Jb. 22. 7. πεινώντων ἐστέρησας ψωμόν (4 *b*)
24. 10. πεινώντων δὲ τὸν ψωμὸν ἀφείλαντο (4 *b*)
Ps. 33 (34). 10. πλούσιοι . . . ἐπείνασαν (4 *a*)
49 (50). 12. ἐὰν πεινάσω οὐ μή σοι εἴπω (4 *a*)
106 (107). 5. πεινῶντες καὶ διψῶντες ἡ ψυχὴ αὐτῶν ἐν αὐτοῖς ἐξέλιπε (4 *b*)
— 9. A S καὶ ψυχὴν [R *om.*] πεινῶσαν ἐνέπλησεν ἀγαθῶν (4 *b*)
— 36. κατῴκισεν ἐκεῖ πεινῶντας (4 *b*)
145 (146). 7. διδόντα τροφὴν τοῖς πεινῶσι (4 *b*)
Pr. 6. 30. ἵνα ἐμπλήσῃ τὴν ψυχὴν πεινῶν [A -ῶσαν] (4 *a*)
18. 8. ψυχαὶ δὲ ἀνδρογύνων [S[1] -ναίων] πεινάσουσιν †
19. 15. ψυχὴ δὲ ἀργοῦ πεινάσει (4 *a*)
25. 21. ἐὰν πεινᾷ ὁ ἐχθρός σου (4 *a*)
28. 15. λέων πεινῶν καὶ λύκος διψῶν (2 ?)
Si. 4. 2. ψυχὴν πεινῶσαν μὴ λυπήσῃς
16. 27. οὔτε ἐπείνασαν οὔτε ἐκοπίασαν
24. 21. οἱ ἐσθίοντές με ἔτι πεινάσουσι
Is. 5. 27. οὐ πεινάσουσιν οὐδὲ [A *om.* π. οὐ.] κοπιάσουσιν (3)
8. 21. ὡς ἂν πεινάσητε λυπηθήσεσθε (4 *a*)
9. 20 (19). ἐκκλινεῖ εἰς τὰ δεξιὰ ὅτι πεινάσει (4 *a*)
28. 12. τοῦτο τὸ ἀνάπαυμα τῷ πεινῶντι (3)
Is. 32. 6. τοῦ διασπεῖραι [A διαφθεῖραι] ψυχὰς πεινώσας καὶ τὰς ψυχὰς τὰς διψώσας [S[1] πεινώσας] κενὰς ποιήσει (4 *b*, †)
40. 28. οὐ πεινάσει [S[1] -σῃ] οὐδὲ κοπιάσει (1 *a*)
— 29. διδοὺς τοῖς πεινῶσιν ἰσχύν (1 *b*)
— 30. πεινάσουσι γὰρ νεώτεροι (1 *a*)
— 31. βαδιοῦνται καὶ οὐ πεινάσουσιν (1 *a*)
44. 12. πεινάσει καὶ ἀσθενήσει (4 *b*)
46. 2. ὡς φορτίον κοπιῶντι ἐκλελυμένῳ καὶ πεινῶντι †
49. 10. οὐ πεινάσουσιν οὐδὲ διψήσουσιν (4 *a*)
58. 7. διάθρυπτε πεινῶντι τὸν ἄρτον σου (4 *b*)
— 10. δῷς πεινῶντι τὸν ἄρτον ἐκ ψυχῆς σου (4 *b*)
65. 13. ὑμεῖς δὲ πεινάσετε (4 *a*)
Je. 38 (31). 12. οὐ πεινάσουσιν ἔτι †
— 25. πᾶσαν ψυχὴν πεινῶσαν ἐνέπλησα †
49 (42). 14. A B S[2] ἐν ἄρτοις οὐ μὴ πεινάσωμεν (4 *a*)
Ba. 2. 18. οἱ ὀφθαλμοὶ οἱ ἐκλείποντες καὶ ἡ ψυχὴ ἡ πεινῶσα δώσουσί σοι δόξαν
Ez. 18. 7. τὸν ἄρτον [A ἄνδρα] αὐτοῦ τῷ πεινῶντι δώσει (4 *b*)
— 16. τὸν ἄρτον αὐτοῦ τῷ πεινῶντι ἔδωκε (4 *b*)
I Ma. 13. 49. ἐπείνασαν σφόδρα
[Aq. Jb. 5. 5 : Pr. 27. 7 : Is. 58. 10.]
[Sm. Jb. 5. 5 : Pr. 27. 7 : Is. 8. 21 *bis* : 58. 10.]
[Th. Ge. 25. 29 : Jd. 8. 5 : Pr. 27. 7 : Is. 58. 10.]
[Al. Pr. 6. 30.]

πεῖρα. (1) מַסָּה (2) πεῖραν λαμβάνειν נָסָה pi.

De. 28. 56. ἧς οὐχὶ πεῖραν ἔλαβεν ὁ ποὺς αὐτῆς (2)
33. 8. ὃν ἐπείρασαν αὐτὸν ἐν πείρᾳ (1)
Wi. 18. 20. ἥψατο δὲ καὶ δικαίων πεῖρα θανάτου
— 25. ἦν γὰρ μόνη ἡ π. τῆς ὀργῆς ἱκανή
II Ma. 8. 9. ἐν πολεμικαῖς χρείαις ἔχοντα πεῖραν
IV Ma. 8. 1. κατὰ τὴν πρώτην π. ἐνικήθη

πειράζειν, πειρᾶν. (1) נָסָה pi.

Ge. 22. 1. ὁ θ. ἐπείραζεν τὸν Ἀβ. (1)
Ex. 15. 25. ἐκεῖ ἐπείρασεν [A -αζεν] αὐτόν (1)
16. 4. ὅπως πειράσω αὐτούς (1)
17. 2. τί πειράζετε κύριον (1)
— 7. διὰ τὸ π. κύριον (1)
20. 20. ἕνεκεν γὰρ τοῦ πειράσαι ὑμᾶς (1)
Nu. 14. 22. ἐπείρασάν με τοῦτο δέκατον (1)
De. 4. 34. εἰ ἐπείρασεν ὁ θ. . . . λαβεῖν (1)
8. 2. A R ὅπως . . . πειράσῃ [B ἐκπ.] σε (1)
13. 3 (4). πειράζει κ. ὁ θ. σου ὑμᾶς (1)
33. 8. ὃν ἐπείρασαν αὐτὸν ἐν πείρᾳ (1)
Jd. 2. 22. τοῦ πειρᾶσαι ἐν αὐτοῖς τὸν Ἰσρ. (1)
3. 1, 4. ὥστε πειρᾶσαι ἐν αὐτοῖς τὸν Ἰσρ. (1)
6. 39. πειράσω . . . ἐν τῷ πόκῳ (1)
I Ki. 17. 39. ὅτι οὐ πεπείραμαι (1)
III Ki. 10. 1. πειράσαι αὐτὸν ἐν αἰνίγμασι (1)
II Ch. 9. 1. ἦλθε τοῦ πειρᾶσαι Σ. (1)
32. 31. τοῦ πειράσαι αὐτόν (1)
To. 12. 14. S πειράσαι σε
Ju. 8. 12. οἱ ἐπειράσατε τὸν θεόν
— 25. ὃς πειράζει ἡμᾶς
— 26. ὅσα ἐπείρασε τὸν Ἰσαάκ
Ps. 25 (26). 2. A B S[2] καὶ πείρασόν με (1)
34 (35). 16. ἐπείρασάν με †
77 (78). 41. ἐπείρασαν τὸν θεόν (1)
— 56. ἐπείρασαν . . . τὸν θεὸν τὸν ὕψιστον (1)
94 (95). 9. A B S[1] οὗ ἐπείρασαν [S[2] R ἐπ. με] οἱ πατέρες ὑμῶν (1)
105 (106). 14. ἐπείρασαν τὸν θεὸν ἐν ἀνύδρῳ (1)
Pr. 26. 18. S[2] ὥσπερ οἱ πειρώμενοι [A B S[1] ἰώμ.] προβάλλουσι λόγους †
Ec. 2. 1. δεῦρο δὴ πειράσω σε ἐν εὐφροσύνῃ (1)
7. 24 (23). πάντα ταῦτα ἐπείρασα ἐν σοφίᾳ (1)
Wi. 1. 2. εὑρίσκεται τοῖς μὴ πειράζουσιν αὐτόν
2. 17. πειράσωμεν τὰ ἐν ἐκβάσει αὐτοῦ
— 24. πειράζουσι δὲ αὐτὸν οἱ τῆς ἐκείνου μερίδος ὄντες
3. 5. ὁ θεὸς ἐπείρασεν αὐτούς
11. 9. ὅτε γὰρ ἐπειράσθησαν
12. 26. ἀξίαν θεοῦ κρίσιν πειράσουσιν
19. 5. B[1] S παράδοξον ὁδοιπορίαν πειράσῃ [A B[2] R περ.]
Si. 4. 17. ἕως οὗ . . . πειράσει [S[1] -εις] αὐτόν
13. 11. ἐκ πολλῆς γὰρ λαλιᾶς πειράσει σε
18. 23. μὴ γίνου ὡς ἄνθρωπος πειράζων τὸν κύριον
31 (34). 10. ὃς οὐκ ἐπειράθη [S -άσθη] ὀλίγα οἶδεν
37. 27. ἐν τῇ ζωῇ σου πείρασον τὴν ψυχήν σου

Si. 39. 4. ἀγαθὰ γὰρ καὶ κακὰ ἐν [A om.] ἀνθρώποις ἐπείρασε
Is. 7. 12. οὐδὲ μὴ πειράσω κύριον (1)
Da. LXX. 1. 12. πείρασον δὴ τοὺς παῖδάς σου (1)
— 14. ἐπείρασεν αὐτοὺς ἡμέρας δέκα (1)
12. 10. ἕως ἂν πειρασθῶσι . . . πολλοί †
Da. TH. 1. 12. πείρασον δὴ τοὺς παῖδάς σου (1)
— 14. ἐπείρασεν αὐτοὺς ἡμέρας δέκα (1)
I Ma. 1. 15. S² ἐπειράθησαν [A S¹ R ἐπράθ.] τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρόν
12. 10. ἐπειράθημεν ἀποστεῖλαι
II Ma. 2. 23. πειρασόμεθα δι' ἑνὸς συντάγματος ἐπιτεμεῖν
10. 12. ἐπειρᾶτο τὰ πρὸς αὐτοὺς εἰρηνικῶς διεξάγειν
11. 19. πειράσομαι παραίτιος ὑμῖν ἀγαθῶν γενέσθαι
III Ma. 1. 25. πολλαχῶς ἐπειρῶντο τὸν . . . νοῦν ἐξιστάνειν
2. 32. ἐπειρῶντο ἑαυτοὺς ῥύσασθαι
IV Ma. 9. 7. πείραζε γὰρ οὖν, τύραννε
12. 3. καὶ παρηγορεῖν ἐπειρᾶτο
15. 16. A R ὦ πικροτέρων μὲν νῦν μήτηρ πόνων πειρασθεῖσα [S -σθ.]
[Aq. Dt. 28. 56.]
[Sm. Ge. 44. 15: Dt. 33. 8: Pr. 26. 18: Ec. 6. 5: 7. 24 (23): 8. 5: Ma. 3. 10.]
[Th. Da. 1. 12, 14.]
[Sam. Ge. 44. 5.]
[Al. Dt. 32. 16 (P.).]

πειρασμός. (1) מַסָּה (2) עֹנִי

Ex. 17. 7. τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. Πειρασμός (1)
De. 4. 34. ἐν πειρασμῷ καὶ ἐν σημείοις (1)
6. 16. ὃν τρόπον ἐξεπειράσατε ἐν τῷ Π. (1)
7. 19. τοὺς π. τοὺς μεγ. οὓς ἴδοσαν (1)
9. 22. καὶ ἐν τῷ Π. (1)
29. 3 (2). τοὺς π. τοὺς μεγ. οὓς ἑωράκασιν (1)
Ps. 94 (95). 8. A B S κατὰ τὴν ἡμέραν τοῦ π. [R πικρασμοῦ] ἐν τῇ ἐρήμῳ (1)
Ec. 3. 10. A εἶδον σὺν τὸν π. [B S περισπασμόν] (2)
4. 8. A τοῦτο ματαιότης καὶ π. [B S περισπασμὸς] πονηρός (2)
5. 2. παραγίνεται ἐνύπνιον ἐν πλήθει πειρασμοῦ (2)
— 13. S ἀπολεῖται ὁ πλοῦτος ἐκεῖνος ἐν π. [A B περισπασμῷ] πονηρῷ [A αὐτοῦ] (2)
8. 16. A τοῦ ἰδεῖν τὸν π. [B S περισπασμὸν] τὸν πεποιημένον (2)
Si. 2. 1. ἑτοίμασον τὴν ψυχήν σου εἰς πειρασμόν
6. 7. ἐν πειρασμῷ κτῆσαι αὐτόν
27. 5. πειρασμὸς ἀνθρώπου ἐν διαλογισμῷ αὐ.
— 7. οὗτος γὰρ πειρασμὸς ἀνθρώπων
36 (33). 1. ἐν πειρασμῷ καὶ πάλιν ἐξελεῖται
44. 20. ἐν πειρασμῷ εὑρέθη πιστός
I Ma. 2. 52. Ἀβρ. οὐχὶ ἐν πειρασμῷ εὑρέθη πιστός
[Sm. Ge. 44. 15.]
[Sam. Ge. 44. 5.]

πειρατεύειν. (1) נוּד

Ge. 49. 19. πειρατήριον πειρατεύσει αὐτόν (1)
— 19. αὐτὸς δὲ πειρατεύσει αὐτόν (1, 1)

πειρατήριον. (1) גְּדוּד (2) צָבָא

Ge. 49. 19. π. πειρατεύσει αὐτόν (1)
Jb. 7. 1. πότερον οὐχὶ πειρατήριόν ἐστιν ὁ βίος ἀνθρώπου ἐπὶ τῆς γῆς (2)
10. 17. ἐπήγαγες δὲ ἐπ' ἐμὲ πειρατήρια (2)
16. 10 (9). A βέλη πειρατηρίων [B S -τῶν] ἐπ' ἐμοὶ ἔπεσεν †
19. 12. ὁμοθυμαδὸν δὲ ἦλθον τὰ π. αὐτοῦ ἐπ' ἐμοί [A ἐμέ] (1)
Ps. 17 (18). 29. ἐν σοὶ ῥυσθήσομαι ἀπὸ πειρατηρίου (1)
[Sm. Je. 18. 22.]
[Al. IV Ki. 5. 2.]

πειρατής. (1) גְּדוּד (2) צָר

Jb. 16. 10 (9). βέλη πειρατῶν [A -τηρίων] ἐπ' ἐμοὶ ἔπεσεν (2)
25. 3. ἐστὶ παρέλκυσις πειραταῖς (1)
Ho. 6. 10 (9). ἡ ἰσχύς σου ἀνδρὸς πειρατοῦ (1)
[Sm. Jb. 25. 3 (P.).]
[Th. Ho. 6. 9.]
[Quint. IV Ki. 6. 23.]

πεκούλιον.

[Sm. Ec. 2. 8.]

πέλαγος.

II Ma. 5. 21. τὸ π. πορευτὸν θέσθαι
IV Ma. 7. 1. ἐν τῷ τῶν παθῶν π.

πέλας. (1) ὁ π., τὸ π. זָר

Pr. 27. 2. ἐγκωμιαζέτω σε ὁ [A τὸ] π. (1)

πέλειος (πελιός). (1) חַכְלִלוּת

Pr. 23. 29. A B¹ S¹ τίνος πέλειοι [B² μέλανες, B³ S² πελιδνοὶ] ὀφθαλμοί (1)

πελεκάν. (1) חֲסִידָה (2) קָאַת

Le. 11. 18. καὶ πορφυρίωνα καὶ πελεκᾶνα (2)
De. 14. 18. καὶ πελεκᾶνα καὶ χαραδριόν (1)
Ps. 101 (102). 6. ὡμοιώθην πελεκᾶνι ἐρημικῷ (2)

πελεκᾶν. (1) פֶּסֶל

III Ki. 6. 1 (5. 18 [32]). ἐπελέκησαν οἱ υἱοὶ Σαλ. (1)

πελέκανος.

[Aq. Is. 34. 11: Ze. 2. 14.]
[Sm., Th. Is. 34. 11.]

πελεκητός. (1) πελεκητά אַלְמֻגִּים

III Ki. 10. 11. ἤνεγκε ξύλα π. πολλὰ σφόδρα (1)
— 12. ἐποίησεν . . . τὰ ξύλα τὰ π. (1)
— 12. B οὐκ ἐληλύθει τοιαῦτα ξύλα π. [A om., R ἀπ.] (1)
— 22. καὶ λίθων τορευτῶν καὶ πελεκητῶν [A al.] †

πέλεκυς. (1) גַּרְזֶן (2) כְּלִי (3) כַּשִּׁיל (4) פַּטִּישׁ

III Ki. 6. 7. πέλεκυς . . . οὐκ ἠκούσθη (1)
Ps. 73 (74). 6. ἐν πελέκει . . . κατέρραξαν αὐτήν (3)
Je. 22. 7. ἄνδρα ὀλεθρεύοντα καὶ τὸν π. αὐτοῦ (2)
23. 29. A οἱ λόγοι μου . . . ὡς π. [B S πέλυξ] κόπτων πέτραν (4)
Ep. Je. 15. ἔχει δὲ ἐγχειρίδιον [A add. ἐν τῇ] δεξιᾷ καὶ πέλεκυν
[Aq. Dt. 20. 19.]

πελιδνός. (1) חַכְלִלוּת

Pr. 23. 29. B³ S² τίνος πελιδνοὶ [A B¹ S¹ πέλειοι, B² μέλανες] οἱ ὀφθαλμοί (1)

πελιός, *vid. sub* **πέλειος.**

πελιοῦσθαι. (1) כָּמַר ni.

La. 5. 10. τὸ δέρμα ἡμῶν ὡς κλίβανος ἐπελιώθη (1)

πέλμα.

Ez. 4. 17. φιλεῖν πέλματα ποδῶν αὐτοῦ

πελταστής. (1) נֹשֵׂא מָגֵן (2) נֹשֵׁק מָגֵן

II Ch. 14. 8 (7). καὶ ἐν γῇ Βεν. πελτασταί (1)
17. 17. καὶ μετ' αὐτοῦ . . . πελτασταί (2)

πέλτη. (1) מָגֵן (2) צִנָּה

Ez. 23. 24. θυρεοὶ καὶ πέλται (1)
27. 10. πέλτας . . . ἐκρέμασαν ἐν σοί (1)
38. 4. πέλται καὶ περικεφαλαῖαι (2)
— 5. πάντες περικεφαλαίαις καὶ πέλταις (1)
39. 9. καύσουσιν ἐν τοῖς ὅπλοις πέλταις καὶ κοντοῖς (1)

πέλυξ. (1) כְּלִי מַפָּץ (2) פַּטִּישׁ

Je. 23. 29. ὡς π. [A πέλεκυς] κόπτων πέτραν (2)
Ez. 9. 2. ἑκάστου π. ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ (1)
[Aq. Dt. 19. 5.]

πέμμα. (1) אֵיפָה (2) אֲשִׁישָׁה

Ho. 3. 1. φιλοῦσι πέμματα μετὰ σταφίδος (2)
Ez. 45. 24. π. τῷ μόσχῳ καὶ π. τῷ κριῷ ποιήσεις καὶ ἔλαιον τὸ εἷν τῷ π. (1 ter)
46. 5. προσοίσει . . . π. τῷ κριῷ . . . καὶ ἔλαιον τὸ εἷν τῷ π. (1, 1)
— 7. π. τῷ κριῷ καὶ π. τῷ μόσχῳ ἔσται μαναὰ . . . καὶ ἔλαιον τὸ εἷν τῷ π. (1 ter)
— 11. ἔσται τὸ μαναὰ π. τῷ μόσχῳ καὶ π. τῷ κριῷ . . . καὶ ἔλαιον τὸ εἷν τῷ π. (1 ter)

πέμπειν. (1) כָּתַב ni. (2) שָׁלַח *a.* qal. *b.* pi. *c.* שִׁלַּח

Ge. 27. 42. πέμψασα ἐκάλεσεν Ἰακώβ (2 a)
I Ki. 20. 20. A εἰ πέμπων [B ἐκπ.] εἰς τὴν ἀμ. (2 b)
28. 24. A ἔπεμψεν [B ἔπεψεν] ἄζυμα †
I Es. 2. 26. ἣν πεπόμφατε πρὸς μέ
II Es. 4. 14. διὰ τοῦτο ἐπέμψαμεν (2 c)
5. 17. πεμψάτω πρὸς ἡμᾶς (2 c)
Ne. 2. 5. ὥστε πέμψαι αὐτὸν εἰς Ἰούδα (2 a)
Es. 8. 5. πεμφθήτω ἀποστραφῆναι [A S -στρέψαι] τὰ γράμμ. (1)
Wi. 9. 10. ἀπὸ θρόνου δόξης σου πέμψον αὐτήν
— 17. εἰ μὴ . . . ἔπεμψας τὸ ἅγιόν σου πνεῦμα
12. 25. τὴν κρίσιν εἰς ἐμπαιγμὸν ἔπεμψας
16. 20. ἕτοιμον ἄρτον αὐτοῖς ἀπ' οὐρανοῦ ἔπεμψας [A S παρέσχες]
I Ma. 13. 17. A R πέμπει [S add. τοῦ λαβεῖν] τὸ ἀργύριον
II Ma. 1. 20. τοὺς ἐκγόνους . . . ἔπεμψεν ἐπὶ τὸ πῦρ
3. 38. πέμψον αὐτὸν ἐκεῖ
4. 20. R ἔπεμψεν οὖν ταῦτα
— 44. οἱ πεμφθέντες τρεῖς ἄνδρες
5. 18. ὁ Ἡλ. ὁ πεμφθεὶς ὑπὸ Σελεύκου
— 24. ἔπεμψε δὲ τὸν μυσάρχην Ἀπ.
11. 17. οἱ πεμφθέντες παρ' ὑμῶν
— 32. πέπομφα δὲ καὶ τὸν Μ.
— 34. R ἔπεμψαν [A -αμεν] δὲ καὶ οἱ Ῥ.
— 36. πέμψατέ τινα παραχρῆμα
— 37. πέμψατέ τινας
14. 19. ἔπεμψε Ποσιδώνιον
III Ma. 5. 42. τούτους μὲν ἀνυπερθέτως πέμψειν εἰς ᾅδην
[Sm. Je. 16. 16.]

πεμπαΐζειν.

[Th. Ex. 13. 18.]

πέμπτος. (1) *a.* חֲמִישִׁי, חֲמִשִּׁי *b.* חָמֵשׁ (2) π. γενεᾷ חֲמִשִּׁים (3) τὸ π. μέρος חֲמִישִׁית

Ge. 1. 23. καὶ ἐγένετο . . . ἡμέρα π. (1 a)
30. 17. ἔτεκε τῷ Ἰ. υἱὸν π. (1 a)
47. 24. δώσετε τὸ π. μέρος Φαραῷ (3)
Ex. 13. 18. πέμπτῃ δὲ γενεᾷ ἀνέβησαν (2)
Le. 6. 4 (5. 24). A¹ B τὸ π. [A² R ἐπίπ.] προσθήσει (1 a)
19. 25. ἐν δὲ τῷ ἔτει τῷ π. (1 a)
Nu. 7. 36. τῇ ἡμέρᾳ τῇ π. . . . Συμεών (1 a)
29. 26. τῇ ἡμέρᾳ τῇ π. μόσχους ἐννέα (1 a)
33. 38. τῷ μηνὶ τῷ π. (1 a)
Jo. 14. 10. τοῦτο τεσσαρακοστὸν καὶ π. ἔτος (1 b)
19. 24. ἐξῆλθεν ὁ κλῆρος ὁ π. (1 a)
Jd. 19. 8. τῇ ἡμέρᾳ τῇ π. [A τρίτῃ] (1 a)
II Ki. 3. 4. καὶ ὁ π. Σαφ. (1 a)
III Ki. 14. 25. ἐν τῷ ἐνιαυτῷ τῷ π. (1 a)
IV Ki. 8. 16. ἐν ἔτει π. τῷ Ἰωράμ (1 b)
25. 8. ἐν τῷ μηνὶ τῷ π. (1 a)
I Ch. 2. 14. Ζαβδαὶ ὁ π. (1 a)
3. 3. ὁ π. Σαφατία (1 a)
8. 2. καὶ Ῥαφὰ τὸν π. (1 a)
12. 10. Ἱερ. ὁ π. (1 a)
24. 9. τῷ Μελχίᾳ ὁ π. (1 a)
25. 12. ὁ π. Νάθαν (1 a)
26. 3. A R Ἰ. ὁ π. [B om. ὁ π.] (1 a)
— 4. A R N. ὁ π. [B om. ὁ π.] (1 a)
27. 8. ὁ π. τῷ μηνὶ τῷ π. (1 a, 1 a)
II Ch. 12. 2. ἐν τῷ π. ἔτει τῆς βασιλείας Ῥ. (1 a)
15. 19. ἕως τοῦ π. καὶ τριακοστοῦ ἔτους (1 b)
I Es. 8. 6. ἐν τῷ π. μηνί
— 6. A ἐν τῇ νουμηνίᾳ τοῦ π. μηνός
II Es. 7. 8. τῷ μηνὶ τῷ π. (1 a)
— 9. B ἐν δὲ τῇ πρώτῃ τοῦ μηνὸς τοῦ π. [A al.] (1 a)
Ne. 6. 5. S² κατὰ τὸν λόγον τοῦτον τὸ π. (1 a)
— 15. πέμπτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ Ἐ. (1 b)
Es. 9. 21. S² καὶ τὴν ἡμέραν πέμπτην καὶ δεκ. [A B S¹ al.] (1 b)
Jb. 42. 17. ὥστε εἶναι αὐτὸν πέμπτον ἀπὸ Ἀβραάμ
Za. 7. 3. ἐν τῷ μηνὶ τῷ π. (1 a)
— 5. ἐν ταῖς π. ἢ ἐν ταῖς ἑβδόμαις (1 a)
8. 19. νηστεία ἡ π. καὶ νηστεία ἡ ἑβδόμη (1 a)
Je. 1. 3. ἕως τῆς αἰχμαλωσίας Ἱερ. ἐν τῷ π. μηνί (1 a)
35 (28). 1. ἐγένετο . . . ἐν μηνὶ τῷ π. (1 a)
43 (36). 9. A ἐγενήθη ἐν τῷ ἔτει τῷ π. [B S ὀγδόῳ] τῷ βασιλεῖ Ἰωακείμ (1 a)
52. 12. ἐν μηνὶ πέμπτῳ [A τῷ π.] δεκάτῃ τοῦ μηνὸς ἦλθε Ναβ. (1 a)
Ba. 1. 2. ἐν τῷ ἔτει τῷ π.
Ez. 1. 1. πέμπτῃ τοῦ μηνός (1 b)

Ez. 1. 2. πέμπτῃ τοῦ μηνὸς τοῦτο τὸ ἔτος τὸ [A om.] π. τῆς αἰχμαλωσίας (1 b, 1 a)
8. 1. ἐν τῷ π. μηνὶ πέμπτῃ τοῦ μηνός (†, 1 b)
20. 1. A ἐν τῷ π. μηνὶ δεκάτῃ [B τῇ πεντεκαιδεκάτῃ] τοῦ μηνός (1 a)
33. 21. πέμπτῃ τοῦ μηνός (1 b)
40. 1. ἐν τῷ π. καὶ εἰκοστῷ ἔτει τῆς αἰχμαλωσίας (1 b)
I Ma. 1. 54. τῷ π. καὶ τεσσαρακοστῷ καὶ ἑκατοστῷ ἔτει
— 59. S² R τῇ [A S¹ om.] π. καὶ εἰκάδι τοῦ μηνός
4. 52. τῇ π. καὶ εἰκάδι τοῦ μηνός
— 59. ἀπὸ τῆς π. καὶ εἰκάδος τοῦ μηνὸς X.
10. 67. ἐν ἔτει π. καὶ ἑξηκοστῷ καὶ ἑκατοστῷ
II Ma. 1. 18. ἐν τῷ Χασ. πέμπτῃ καὶ εἰκάδι
7. 15. τὸν π. προσάγοντες ἠκίζοντο
10. 5. τῇ π. καὶ εἰκάδι τοῦ αὐτοῦ μηνός
— 35. ὑποφαινούσης δὲ τῆς π. ἡμέρας
11. 33, 38. R Ξανθικοῦ πέμπτῃ καὶ δεκάτῃ [A πεντεκαιδ.]
III Ma. 6. 38. ἀπὸ πέμπτης καὶ εἰκάδος τοῦ Π.
— 38. ἀπὸ πέμπτης τοῦ Ἐπιφί
IV Ma. 11. 1. ὁ π. παρεπήδησε
[Aq., Th. Za. 7. 5: 8. 19.]
[Sm. Ez. 40. 1: Za. 7. 5: 8. 19.]

πένεσθαι. (1) דַּל (2) יָרַשׁ ni. (3) מוּךְ (4) עָנִי

Ex. 30. 15. ὁ πενόμενος οὐκ ἐλαττονήσει (1)
Le. 14. 21. ἐὰν δὲ πένηται (1)
25. 25, 35. ἐὰν δὲ πένηται ὁ ἀδελφός σου (3)
De. 24. 12. ἐὰν δὲ ὁ ἄνθρωπος πένηται (4)
Pr. 24. 32 (30. 9). ἢ πενηθεὶς κλέψω (2)

πένης. (1) אֶבְיוֹן (2) דַּךְ (3) דַּל (4) חֵלְכָּה (5) מִסְכֵּן (6) a. עָנִי b. עָנִי c. עֲנָה (7) רָשׁ, רֵאשׁ

Ex. 23. 3. πένητα οὐκ ἐλεήσεις ἐν κρίσει (3)
— 6. οὐ διαστρέψεις κρίμα πένητος (1)
De. 15. 11. ἀνοίξεις . . . τῷ ἀδ. σου τῷ π. (6 b)
24. 14. οὐκ ἀπαδικήσεις μισθὸν πένητος (6 b)
— 15. ὅτι πένης ἐστί (6 b)
I Ki. 2. 8. ἀνιστᾷ ἀπὸ γῆς πένητα (3)
II Ki. 12. 1. εἷς πλούσιος καὶ εἷς π. (7)
— 3. τῷ π. οὐδὲν ἀλλ' ἢ ἀμνὰς μία (7)
— 4. ἔλαβε τὴν ἀμνάδα τοῦ π. (7)
I Es. 3. 19. τήν τε τοῦ π. καὶ τὴν τοῦ πλουσίου
Jb. 34. 28. τοῦ ἐπαγαγεῖν ἐπ' αὐτὸν κραυγὴν πενήτων [A S² -τος] (3)
Ps. 9. 9. ἐγένετο κύριος καταφυγὴ τῷ π. (2)
— 12. οὐκ ἐπελάθετο τῆς δεήσεως [A φωνῆς, S κραυγῆς] τῶν π. (6 a, 6 b*)
— 18. ἡ ὑπομονὴ τῶν π. οὐκ ἀπολεῖται (6 a*, 6 b)
— 29 (10. 8). οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτοῦ εἰς τὸν π. ἀποβλέπουσιν (4)
— 31 (10. 10). ἐν τῷ αὐτὸν κατακυριεῦσαι τῶν π. (4)
— 33 (10. 12). μὴ ἐπιλάθῃ [A -ῃς] τῶν π. (6 a, 6 b*)
— 38 (10. 17). τὴν ἐπιθυμίαν τῶν π. εἰσήκουσε κύριος [S² -σας, κύριε] (6 a)
10 (11). 5. οἱ ὀφθ. αὐ. εἰς τὸν π. ἀποβλέπουσι –
11 (12). 5. ἀπὸ [S² om.] τοῦ στεναγμοῦ τῶν π. (1)
21 (22). 26. φάγονται πένητες (6 a)
34 (35). 10. καὶ πτωχὸν καὶ πένητα ἀπὸ τῶν διαρπαζόντων αὐτόν (1)
36 (37). 14. τοῦ καταβαλεῖν πτωχὸν καὶ πένητα (1)
39 (40). 17. ἐγὼ δὲ πτωχὸς καὶ πένης εἰμί (1)
40 (41). 1. μακάριος ὁ συνίων ἐπὶ πτωχὸν καὶ πένητα (3)
48 (49). 2. ἐπὶ τὸ αὐτὸ πλούσιος καὶ πένης (1)
68 (69). 33. εἰσήκουσε τῶν π. ὁ κύριος (1)
69 (70). 5. ἐγὼ δὲ πτωχὸς καὶ πένης (1)
71 (72). 4. σώσει τοὺς υἱοὺς τῶν π. (1)
— 12. πένητα ᾧ οὐχ ὑπῆρχε βοηθός (6 b)
— 13. φείσεται πτωχοῦ καὶ πένητος καὶ ψυχὰς πενήτων σώσει (1, 1)
73 (74). 19. τῶν ψυχῶν τῶν π. σου μὴ ἐπιλάθῃ εἰς τέλος (6 b)
— 21. πτωχὸς καὶ πένης αἰνέσουσι τὸ ὄνομά σου (1)
81 (82). 3. ταπεινὸν καὶ πένητα δικαιώσατε (7)
— 4. ἐξέλεσθε πένητα (3)
85 (86). 1. πτωχὸς καὶ πένης εἰμὶ ἐγώ (1)
106 (107). 41. ἐβοήθησε πένητι ἐκ πτωχείας (1)
108 (109). 16. κατεδίωξεν ἄνθρωπον πένητα (6 b)
Ps. 108 (109). 22. πτωχὸς καὶ πένης εἰμὶ ἐγώ (1)
— 31. παρέστη ἐκ δεξιῶν πένητος (1)
111 (112). 9. ἔδωκε τοῖς π. (1)
112 (113). 7. ἀπὸ κοπρίας ἀνυψῶν πένητα (1)
139 (140). 12. ποιήσει κύριος . . . τὴν δίκην τῶν π. [S¹ τοῦ π.] (1)
Pr. 14. 21. ὁ ἀτιμάζων πένητας ἁμαρτάνει †
— 31: 22. 16. ὁ συκοφαντῶν πένητα (3)
22. 22. μὴ ἀποβιάζου πένητα (3)
23. 4. μὴ παρεκτείνου πένης ὢν πλουσίῳ –
24. 37 (30. 14). καὶ τοὺς π. αὐτῶν ἐξ ἀνθρώπων (1)
— 77 (31. 9). διάκρινε δὲ πένητα καὶ ἀσθενῆ (6 b)
28. 11. πένης δὲ νοήμων καταγνώσεται αὐτοῦ (3)
31. 20. χεῖρας δὲ αὐτῆς διήνοιξε πένητι (6 b)
Ec. 4. 13. ἀγαθὸς παῖς πένης καὶ σοφός (5)
— 14. ἐν βασιλείᾳ αὐτοῦ ἐγενήθη πένης (7)
5. 7. ἐὰν συκοφαντίαν πένητος . . . ἴδῃς ἐν χώρᾳ (7)
6. 8. ὁ π. οἶδε πορευθῆναι κατέναντι τῆς ζωῆς (6 b)
9. 15. καὶ εὗρη ἐν αὐτῇ ἄνδρα π. σοφόν [A καὶ σ.] (5)
— 15. οὐκ ἐμνήσθη σὺν τοῦ ἀνδρὸς τοῦ π. ἐκείνου (5)
— 16. σοφία τοῦ π. ἐξουδενωμένη (5)
Wi. 2. 10. καταδυναστεύσωμεν πένητα δίκαιον
Si. 11. 21. κοῦφον ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου . . . πλουτίσαι [A -ῆσαι] πένητα
13. 18. τίς εἰρήνη πλουσίῳ πρὸς πένητα
29. 9. χάριν ἐντολῆς ἀντίλαβοῦ πένητος [A¹ πτωχοῦ]
31 (34). 20. ὁ προσάγων θυσίαν ἐκ χρημάτων πενήτων
Am. 2. 6. ἀπέδοντο . . . πένητα ἕνεκεν ὑποδημάτων (1)
4. 1. αἱ καταδυναστεύουσαι πτωχοὺς καὶ καταπατοῦσαι πένητας [A πέν. κ. κ. πτωχούς] (1 [3])
5. 12. πένητας ἐν πύλαις ἐκκλίνοντες (1)
8. 4. οἱ ἐκτρίβοντες εἰς τὸ πρωὶ πένητα (1)
— 6. R τοῦ κτᾶσθαι ἐν ἀργυρίῳ . . . πένητα [A B ταπεινόν] (1)
Za. 7. 10. πένητα μὴ καταδυναστεύετε (6 b)
Is. 10. 2. ἁρπάζοντες κρίμα πενήτων (6 b)
Je. 20. 13. ἐξείλατο ψυχὴν πένητος (1)
22. 16. οὐκ ἔκριναν . . . κρίσιν πένητος (1)
Ez. 16. 49. χεῖρα πτωχοῦ καὶ πένητος οὐκ ἀντελαμβάνοντο [A -ελάβοντο] (1)
18. 12. πτωχὸν καὶ πένητα κατεδυνάστευσε (1)
22. 29. πτωχὸν καὶ πένητα καταδυναστεύοντες (1)
Da. TH. 4. 24. καὶ τὰς ἀδικίας ἐν οἰκτιρμοῖς πενήτων (6 c)
[Aq. Ps. 11 (12). 6: 17 (18). 28: Pr. 31. 5: Is. 41. 17 (Sw.): Je. 2. 34: 52. 15, 16 (Sw.): Hb. 3. 14.]
[Sm. Jb. 24. 4: Ps. 11 (12). 6: 71 (72). 12: 106 (107). 41: Pr. 14. 31: Is. 41. 17 (Sw.): Je. 2. 34: Ez. 16. 49.]
[Th. I Ki. 18. 23: Ps. 138 (139). 17: Pr. 31. 5: Is. 26. 6: Je. 2. 34: 39 (46). 10: 52. 16.]
[Quint. Pr. 31. 5.]

πενθεῖν. (1) אָבַל a. qal. b. hi. c. hithpa. d. אָבֵל e. אֵבֶל (2) אָמַל pul. (3) בָּכָה (4) הָלַל pu. (5) נוּד (6) קָדַר hi.

Ge. 23. 2. ἦλθε δὲ Ἀβ. . . . πενθῆσαι (3)
37. 34. ἐπένθει τὸν υἱὸν αὐ. ἡμέρας τινάς (1 c)
— 35. καταβήσομαι πρὸς τὸν υἱόν μου πενθῶν (1 d)
50. 3. ἐπένθησεν αὐτὸν Αἴγυπτος (3)
Nu. 14. 39. ἐπένθησεν ὁ λαὸς σφόδρα (1 c)
I Ki. 6. 19. ἐπένθησεν ὁ λαός (1 c)
15. 35. ἐπένθει Σαμ. ἐπὶ Σ. (1 c)
16. 1. ἕως πότε σὺ πενθεῖς ἐπὶ Σ. (1 c)
II Ki. 13. 37. ἐπένθησεν . . . ἐπὶ τὸν υἱὸν αὐτοῦ (1 c)
14. 2. πένθησον δή (1 c)
— 2. ἔσῃ ὡς γυνὴ πενθοῦσα ἐπὶ τεθνηκότι (1 c)
19. 1 (2). πενθεῖ ἐπὶ Ἀβ. (1 c)
I Ch. 7. 22. ἐπένθησεν Ἐφρ. . . . ἡμέρας πολλάς (1 c)
II Ch. 35. 24. ἐπένθησαν ἐπὶ Ἰωσίαν (1 c)
I Es. 1. 32. ἐπένθησαν τὸν Ἰωσίαν
8. 72. ἐμοῦ πενθοῦντος ἐπὶ τῇ ἀνομίᾳ
9. 2. A R πενθῶν ἐπὶ [B ὑπὲρ] τῶν ἀνομιῶν
II Es. 10. 6. ἐπένθει ἐπὶ ἀσυνθεσίᾳ τῆς ἀποικίας (1 c)
Ne. 1. 4. καὶ ἐπένθησα ἡμέρας (1 c)
8. 9. μὴ πενθεῖτε μηδὲ κλαίετε (1 c)
Ju. 16. 24. ἐπένθησεν [A -σαν] αὐτὴν οἶκος Ἰσρ.
Jb. 14. 22. ἡ δὲ ψυχὴ αὐτοῦ ἐπένθησεν [A ἐπ' αὐτῷ ἐπ.] (1 a)
Ps. 34 (35). 14. ὡς πενθῶν καὶ σκυθρωπάζων οὕτως ἐταπεινούμην (1 d)
Ps. 77 (78). 63. αἱ παρθένοι αὐτῶν οὐκ ἐπένθησαν [S² -θήθ.] (4 ?)
Si. 7. 34. μετὰ πενθούντων πένθησον
48. 24. παρεκάλεσε τοὺς πενθοῦντας ἐν Σιών
51. 19. τὰ ἀγνοήματα αὐτῆς ἐπένθησα
Ho. 4. 3. πενθήσει ἡ γῆ (1 a)
10. 5. ἐπένθησε λαὸς αὐ. ἐπ' αὐτόν (1 a)
Am. 1. 2. ἐπένθησαν αἱ νομαὶ τῶν ποιμένων (1 a)
8. 8. πενθήσει πᾶς ὁ κατοικῶν ἐν αὐτῇ (1 a)
9. 5. πενθήσουσι πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτήν (1 a)
Jl. 1. 9. πενθεῖτε οἱ ἱερεῖς (1 a)
— 10. πενθεῖτω ἡ γῆ (1 a)
Is. 3. 26. πενθήσουσιν αἱ θῆκαι τοῦ κόσμου ὑμῶν (1 a)
16. 8. πενθήσει ἄμπελος Σεβαμά (2)
19. 8. οἱ ἀμφιβολεῖς πενθήσουσι (2)
24. 4. ἐπένθησεν ἡ γῆ . . . ἐπένθησαν οἱ ὑψηλοὶ τῆς γῆς (1 a, 2)
— 7. πενθήσει οἶνος πενθήσει ἄμπελος (1 a, 2)
33. 9. ἐπένθησεν ἡ γῆ (1 a + 2)
61. 2. παρακαλέσαι πάντας τοὺς πενθοῦντας (1 d)
— 3. δοθῆναι τοῖς πενθοῦσι Σιὼν αὐτοῖς [A S³ om.] δόξαν ἀντὶ σποδοῦ ἄλειμμα εὐφροσύνης τοῖς πενθοῦσι (1 d, 1 e)
66. 10. χάρητε ἅμα αὐτῇ χαρᾷ πάντες ὅσοι πενθεῖτε ἐπ' αὐτῇ [A S al.] (1 c)
Je. 4. 28. πενθείτω ἡ γῆ (1 a)
12. 4. ἕως πότε πενθήσει ἡ γῆ (1 a)
14. 2. ἐπένθησεν ἡ Ἰουδαία (1 a)
16. 5. μὴ [A om.] πενθήσῃς [S -εις] αὐτούς (5)
23. 10. ἀπὸ προσώπου τούτων ἐπένθησεν ἡ γῆ (1 a)
38 (31). 21. ἀποστράφηθι εἰς τὰς πόλεις σου πενθοῦσα †
La. 1. 4. ὁδοὶ Σιὼν πενθοῦσι [S -θήσουσι] (1 d)
2. 8. ἐπένθησε τὸ προτείχισμα (1 a)
Ez. 7. 27. A ὁ βασιλεὺς πενθήσει (1 c)
31. 15. ἐπένθησεν αὐτὸν ἡ ἄβυσσος [A ἐπέστησα ἐπ' αὐ. τὴν ἄ.] (1 b)
— 15. A ἐπένθησεν [B ἐσκότασεν ἐπ'] αὐτὸν ὁ Λίβανος (6)
Da. LXX. 10. 2. ἥμην πενθῶν τρεῖς ἑβδομάδας (1 c)
Bel 39. ἐξῆλθε δὲ ὁ βασ. μετὰ ταῦτα πενθῶν τὸν Δ.
Da. TH. 10. 2. ἥμην πενθῶν τρεῖς ἑβδομάδας (1 c)
Bel 40. ἦλθε . . . πενθῆσαι τὸν Δ.
I Ma. 1. 27. S καθημένη ἐν παστῷ ἐπένθει [A R ἐγένετο ἐν πένθει]
2. 14. καὶ ἐπένθησαν [S¹ -εν] σφόδρα
— 39. A R ἐπένθησαν ἐπ' [S om.] αὐτούς
9. 20. ἐπένθουν ἡμέρας πολλάς
12. 52. ἐπένθησαν τὸν Ἰων.
— 52. S R ἐπένθησε πᾶς [A om.] Ἰσρ. πένθος μέγα
13. 26. ἐπένθησαν αὐτὸν ἡμέρας πολλάς
[Aq. Is. 24. 7: Ez. 7. 27: 31. 15.]
[Sm. Ps. 34 (35). 14: Ez. 31. 15.]
[Th. Ez. 7. 27: 31. 15.]

πενθεινός.

[Aq., Th. Is. 61. 2.]

πενθερά. (1) חָמוֹת (2) חוֹתֶנֶת

De. 27. 23. A ὁ κοιμώμ. μετὰ πενθερᾶς [B νύμφης] αὐ. (2)
Ru. 1. 14. κατεφίλησεν Ὀ. τὴν π. αὐτῆς (1)
2. 11. ὅσα πεποίηκας μετὰ τῆς π. σου (1)
— 18. εἶδεν ἡ π. αὐτῆς (1)
— 19. εἶπεν αὐτῇ ἡ π. αὐτῆς (1)
— 19. ἀνήγγειλε Ῥ. τῇ π. αὐτῆς (1)
— 21. εἶπε Ῥ. πρὸς τὴν π. αὐτῆς –
3. 1 (2. 23). ἐκάθισε μετὰ τῆς π. αὐτῆς (1)
— 1. εἶπε δὲ αὐτῇ Ν. ἡ π. αὐτῆς [A al.] (1)
— 6. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῇ ἡ π. αὐτῆς (1)
— 16. εἰσῆλθε πρὸς τὴν π. αὐτῆς (1)
— 17. μὴ εἰσέλθῃς κενὴ πρὸς τὴν π. σου (1)
Mi. 7. 6. νύμφη ἐπὶ τὴν π. αὐ. (1)

πενθερός. (1) חָם (2) חוֹתֵן

Ge. 38. 13. ὁ π. σου ἀνέβη εἰς Θ. (1)
— 25. ἀπέστειλε πρὸς τὸν π. αὐτῆς (1)
Jd. 1. 16. A οἱ υἱοὶ Ἰ. . . . πενθεροῦ [B τοῦ γαμβροῦ] Μ. (2)
I Ki. 4. 19. τέθνηκεν ὁ π. αὐτῆς (1)
— 21. καὶ ὑπὲρ τοῦ π. αὐτῆς (1)
— 22. A διὰ τὸ τεθνηκέναι τὸν π. αὐ. –
To. 10. 9. εἶπε δὲ αὐτῷ ὁ π. [S al.]
— 13. τίμα τοὺς π. [S ὕπαγε πρὸς τὸν π.] σου

To. 14. 12. πρὸς Ῥαγ. τὸν π. [S μετὰ Ῥ. τοῦ π.] αὐτοῦ
— 13. ἔθαψε τοὺς π. αὐτοῦ [S al.]
I Ma. 11. 2. διὰ τὸ πενθερὸν αὐτοῦ εἶναι
[Sm. Ex. 3. 1 : 18. 1, 5.]

πενθηρός.
[Sm. Je. 9. 19 (18).]

πενθικός. (1) אֵבֶל (2) ἐν πενθικοῖς לֹא שָׁתוּ אִישׁ עֲדִיוֹ עָלָיו
Ex. 33. 4. κατεπένθησεν ἐν πενθικοῖς (2)
II Ki. 14. 2. ἔνδυσαι ἱμάτια π. (1)
[Sm. Ez. 2. 10.]

πένθιμος.
[Sm. Je. 9. 19 (18).]

πενθοποιεῖν.
[Al. Le. 26. 22.]

πένθος. (1) a. אֵבֶל b. אָבֵל (2) אָוֶן (3) a. בְּכוּת b. בְּכִי c. בְּכִית (4) יָגוֹן (5) מִסְפֵּד (6) תּוּגָה
Ge. 27. 41. αἱ ἡμέραι τοῦ π. τοῦ πατρός μου (1 a)
35. 8. βάλανος πένθους (3 a)
50. 4. παρῆλθον αἱ ἡμέραι τοῦ π. (3 c)
— 10. ἐποίησε τὸ π. τῷ πατρὶ αὐ. (1 a)
— 11. καὶ εἶδον . . . τὸ π. (1 a)
— 11. π. μέγα τοῦτό ἐστι τοῖς Αἰγ. (1 a)
— 11. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐ. Πένθος Αἰγύπτου (1 b)
De. 34. 8. αἱ ἡμέραι πένθους κλαυθμοῦ M. (3 b)
II Ki. 11. 27. διῆλθε [A ἦλ.] τὸ π. (1 a)
19. 2 (3). ἐγένετο ἡ σωτηρία . . . εἰς πένθος (1 a)
To. 2. 5. S ἤσθιον τὸν ἄρτον μετὰ πένθους [A B al.]
— 6. στραφήσονται αἱ ἑορταὶ ὑμῶν εἰς πένθος
Es. 4. 3. π. μέγα τοῖς Ἰουδαίοις (1 a + 5)
— 17. στρέψον τὸ π. ἡμῶν εἰς εὐωχίαν
— 17. ἱμάτια στενοχωρίας καὶ πένθους
9. 22. B ἀπὸ πένθους εἰς χαράν [A ἀ. π. εἰς ἀγαθὴν ἡμέραν] (4 [1 a])
Jb. 30. 31. A ἀπέβη δὲ εἰς πένθος [B S πάθος] μου ἡ κιθάρα (1 a)
Pr. 10. 6. στόμα δὲ ἀσεβῶν καλύψει πένθος ἄωρον †
14. 13. τελευταῖα δὲ χαρὰ [A -ᾶς] εἰς πένθος ἔρχεται (6)
Ec. 5. 16. πᾶσαι αἱ ἡμέραι αὐ. . . . ἐν πένθει †
7. 3 (2). ἀγαθὸν πορευθῆναι εἰς οἶκον πένθους (1 a)
— 5 (4). καρδία σοφῶν ἐν οἴκῳ πένθους (1 a)
Wi. 14. 15. ἄωρῳ γὰρ πένθει τρυχόμενος πατὴρ τοῦ ταχέως ἀφαιρεθέντος τέκνου
19. 3. ἔτι γὰρ ἐν χερσὶν ἔχοντες τὰ π.
Si. 16. 3. S² στενάξεις γὰρ πένθει ἀώρῳ
22. 6. μουσικὰ ἐν πένθει ἄκαιρος διήγησις
— 12. πένθος νεκροῦ ἑπτὰ ἡμέραι
26. 6. πένθος γυνὴ ἀντίζηλος ἐπὶ γυναικί
38. 17. ποίησον τὸ π. κατὰ τὴν ἀξίαν αὐτοῦ
41. 11. πένθος ἀνθρώπων ἐν σώμασιν αὐτῶν
Ho. 9. 4. ὡς ἄρτος πένθους αὐτοῖς (2)
Am. 5. 16. κληθήσεται γεωργὸς εἰς πένθος (1 a)
8. 10. μεταστρέψω τὰς ἑορτὰς ὑμῶν εἰς πένθος (1 a)
— 10. θήσομαι αὐτὸν ὡς πένθος ἀγαπητοῦ (1 a)
Mi. 1. 8. ποιήσεται . . . πένθος ὡς θυγατέρων σειρήνων (1 a)
Is. 16. 3. ποίει τε σκέπην πένθους †
17. 14. πρὸς ἑσπέραν καὶ [A S om.] ἔσται π. †
60. 20. ἀναπληρωθήσονται αἱ ἡμέραι τοῦ π. σου (1 a)
Je. 6. 26. π. ἀγαπητοῦ ποιῆσαι σεαυτῇ κοπετὸν οἰκτρόν (1 a)
16. 7. οὐ μὴ κλασθῇ ἄρτος ἐν πένθει αὐτῶν (1 a)
38 (31). 13. στρέψω τὸ π. αὐτῶν εἰς χαρμονήν (1 a)
Ba. 4. 9. ἐπήγαγέ μοι ὁ θεὸς π. μέγα
— 11. ἐξαπέστειλα δὲ μετὰ κλαυθμοῦ καὶ πένθους
— 23. ἐξέπεμψα γὰρ ὑμᾶς μετὰ πένθους
— 34. τὸ ἀγαυρίαμα αὐτῆς [A add. ἔσται] εἰς π.
5. 1. ἔκδυσαι, Ἱερουσαλὴμ, τὴν στολὴν τοῦ π.
La. 5. 15. ἐστράφη εἰς π. ὁ χορὸς ἡμῶν (1 a)
Ez. 24. 17. R ὀσφύος π. [A B -ους] ἔσῃ [A ἔσται αὕτη] (1 a)
I Ma. 1. 25. ἐγένετο π. μέγα ἐπὶ Ἰσρ.
— 27. A R καθημένη ἐν παστῷ ἐγένετο ἐν πένθει [S ἐπένθει]
— 39. αἱ ἑορταὶ αὐ. ἐστράφησαν εἰς πένθος
— 40. τὸ ὕψος αὐ. ἐστράφη εἰς πένθος
I Ma. 3. 51. καὶ οἱ ἱερεῖς σου ἐν πένθει
9. 41. μετεστράφη ὁ γάμος εἰς πένθος
12. 52. ἐπένθησε πᾶς Ἰσρ. π. μέγα
III Ma. 4. 2. ἀνήκεστον π. ἦν
[Aq. Jb. 30. 31 : Je. 6. 26.]
[Sm. Dt. 26. 14 : Jb. 30. 31 : Je. 6. 26 : 9. 18 (17), 20 (19) : Ez. 24. 17.]
[Th. Jb. 30. 31.]

πενία. (1) עָנִי (2) a. רֵאשׁ b. רָאשׁ c. רִישׁ d. רִישׁ
Jb. 36. 8. συσχεθήσονται ἐν σχοινίοις πενίας (1)
Pr. 6. 11. ἐμπαραγίνεταί σοι ὥσπερ κακὸς ὁδοιπόρος ἡ π. (2 a)
10. 4. πενία ἄνδρα ταπεινοῖ (2 b)
— 15. συντριβὴ δὲ ἀσεβῶν πενία (2 c)
13. 18. πενίαν καὶ ἀτιμίαν ἀφαιρεῖται παιδεία (2 c)
24. 31 (30. 8). πενίαν [A παιδείαν] μή μοι δῷς (2 a)
— 49 (34). ἥξει προπορευομένη ἡ π. σου (2 c)
— 75 (31. 7). ἵνα ἐπιλάθωνται τῆς π. (2 d)
28. 19. ὁ δὲ διώκων σχολὴν πλησθήσεται πενίας (2 d)
Si. 2. 5. S² ἐν νόσοις καὶ πενίᾳ ἐπ' αὐτῷ πεποιθὼς γίνου
[Aq. Dt. 26. 7 : Ps. 106 (107). 41.]
[Sm. Pr. 13. 18.]

πενιχρός. (1) דַּל (2) עָנִי
Ex. 22. 25. ἐὰν δὲ ἀργ. ἐκδανείσῃς τῷ ἀδ. τῷ π. (2)
Pr. 28. 15. ὃς τυραννεῖ πτωχὸς ὢν ἔθνους πενιχροῦ (1)
29. 7. ἐπίσταται δίκαιος κρίνειν πενιχροῖς (1)

πενταετηρικός.
II Ma. 4. 18. ἀγομένου δὲ π. ἀγῶνος

πενταετής. (1) בֶּן־חָמֵשׁ שָׁנִים
Le. 27. 5. ἀπὸ πενταετοῦς ἕως εἴκοσι ἐτῶν [A al.] (1)
— 6. ἀπὸ δὲ μηνιαίου ἕως πενταετοῦς (1)

πεντάκις. (1) חָמֵשׁ פְּעָמִים
III Ki. 22. 16. B¹ π. [A B² ἔτι δὶς, R ποσάκις] ἐγὼ ἐξορκίζω σε †
IV Ki. 13. 19. εἰ ἐπάταξας π. (1)

πεντακισχίλιοι.
Nu. 31. 32†, 36†.
Jd. 20. 45†.
III Ki. 4. 32.
I Ch. 5. 21 : 29. 7.
II Ch. 35. 9.
I Es. 1. 9† : 2. 14 : 5. 43, 45.
II Es. 1. 11 : 2. 69.
Es. 9. 16.
I Ma. 4. 1, 34 : 7. 32† : 10. 42 : 15. 18†.
II Ma. 12. 10, 26, 28 : 13. 2 : 15. 27.

πεντακισχίλιος.
I Ma. 4. 28. συνελόχησεν . . . πεντακισχιλίαν ἵππον

πεντακόσιοι.
Ge. 5. 30, 32 : 11. 11.
Ex. 30. 23, 24 : 39. 3 (38. 26), 7 (38. 29)†.
Nu. 1. 21, 31†, 33, 41, 46 : 2. 11, 19, 26†, 28, 32 : 3. 22 : 4. 48 : 26. 22, 27, 18†, 34†, 37, 41 : 31. 28, 36, 39, 43, 45.
Jd. 8. 26†.
II Ki. 24. 9.
III Ki. 5. 16† : 9. 23†.
I Ch. 4. 42.
II Ch. 13. 17 : 26. 13 : 29. 33† : 35. 9.
I Es. 5. 43.
Ne. 11. 8†.
Es. 9. 6, 12.
Jb. 1. 3 *bis*.
Ez. 42. 16, 17, 18, 19, 20 *bis* : 45. 2 *bis* : 48. 16 *quater*, 30, 32, 33, 34.
Da. Lxx. Su. 30.
I Ma. 6. 35† : 7. 32† : 15. 31 *bis*.
II Ma. 8. 22 : 10. 31 : 12. 10, 20† : 14. 39.
III Ma. 5. 2.
[Aq. III Ki. 9. 23 : Ez. 42. 20 *bis*.]

πεντακόσιος.
I Ma. 6. 35. A S πεντακοσία ἵππος διατεταγμένη [R al.]

πεντάπηχυς. (1) חָמֵשׁ בָּאַמָּה
I Ch. 11. 23. ἄνδρα ὁρατὸν π. (1)

πενταπλασίως. (1) חָמֵשׁ יָדוֹת
Ge. 43. 34. ἐμεγαλύνθη δὲ ἡ μερὶς B. . . . π. (1)

πενταπλοῦς. (1) חֲמִשִּׁי
III Ki. 6. 31. A καὶ φλιὰς πενταπλᾶς (1)

πεντάπολις.
Wi. 10. 6. δίκαιον . . . ἐρρύσατο φυγόντα πῦρ καταβάσιον πενταπόλεως

πέντε.
Ge. 5. 6, 10, 11, 15, 17, 21, 23, 30 : 7. 20 : 11. 12, 25†, 32 : 12. 4 : 14. 10 : 18. 28†, 28 *ter* : 25. 7 : 45. 6, 11, 22 : 46. 27 : 47. 2.
Ex. 1. 5 : 12. 40†, 41† : 22. 1 (21. 37) : 26. 3 *bis*, 9, 26, 27 *bis*, 37 *bis* : 27. 1 *bis*, 14, 15, 18 : 37. 6 (36. 38) *bis*, 12 (38. 14)†, 13 (38. 15)†, 16 (38. 16) : 39. 2 (38. 25), 6 (38. 28).
Le. 26. 8 : 27. 6, 7.
Nu. 1. 37, 25 : 2. 15, 23 : 3. 47, 50 : 4. 3†, 23, 30, 35, 39, 43, 47 : 7. 17 *ter*, 23 *ter*, 29, 29†, 29, 35†, 35 *bis*, 41, 41†, 41, 47 *ter*, 53 *ter*, 59 *ter*, 65 *ter*, 71 *ter*, 77 *ter*, 83 *ter* : 8. 24 : 11. 19 : 18. 16 : 26. 41, 50† : 31. 8, 32, 37.
De. 10. 22†.
Jo. 10. 5, 16, 17, 22, 23†, 26 : 13. 3 : 14. 10.
Jd. 3. 3 : 8. 10 : 18. 2, 7, 8, 14, 17 : 20. 15†, 35, 45†, 46.
I Ki. 6. 5, 5†, 16, 18 : 17. 5, 40 : 21. 3 (4) : 22. 18 : 25. 18 *bis*, 42.
II Ki. 4. 4 : 9. 10 : 19. 17 (18) : 21. 8.
III Ki. 6. 2†, 6†, 10, 24, 24† : 7. 16, 16†, 20†, 23, 27, 39, 39†, 49 *bis*, 3, 4† : 16. 28 (22. 42)† *bis* : 22. 42 *bis*.
IV Ki. 6. 25 : 7. 13† : 14. 2, 17 : 15. 33 : 18. 2 : 19. 35 : 20. 6 : 21. 1 : 23. 36 : 25. 19.
I Ch. 2. 4, 6, 21† : 3. 20 : 4. 32 : 7. 3, 3†, 7.
II Ch. 3. 11 *bis*, 12† *bis*, 15 *bis* : 4. 2, 6 *bis*, 7 *bis*, 8 *bis* : 6. 13 *bis* : 20. 31†, 31 : 24. 27 : 25. 1, 25 : 27. 1, 8† : 28. 1† : 29. 1 : 33. 1† : 36. 5.
I Es. 1. 39 : 5. 12†, 12, 17, 18, 19, 22 *bis*, 42, 43 *ter*.
II Es. 2. 5, 8, 20, 33, 34, 66, 67.
Ne. 7. 13†, 20†, 25, 36, 67, 68†, 69†.
Ju. 7. 17, 30 : 8. 9, 15 : 16. 23.
Ho. 3. 2.
Za. 8. 21†.
Is. 7. 8 : 17. 6 : 19. 18 : 30. 17 : 37. 36 : 38. 5.
Je. 52. 21, 22.
Ez. 8. 16† : 11. 1 : 40. 8, 13, 14†, 21, 25, 27†, 30, 30† *bis*, 33, 36, 48 *bis* : 41. 2 *bis*, 9, 11, 12 : 42. 1 : 45. 1, 3, 5, 6 *bis*, 12 *bis* : 48. 8, 9 *bis*, 10 *bis*, 13 *bis*, 15 *bis*, 20 *bis*, 21 *bis*.
Da. Lxx., Th. 12. 12.
I Ma. 2. 2 : 7. 41 : 10. 40.
II Ma. 2. 23 : 8. 19 : 10. 29 : 11. 5 : 15. 22.
[Aq. Ge. 5. 6 : Ex. 36. 38 (6) : III Ki. 6. 10 : IV Ki. 25. 19 : Is. 38. 5.]
[Sm. Ge. 5. 6 : Ex. 36. 38 (6) : IV Ki. 25. 19 : Is. 38. 5.]
[Th. Ge. 5. 6 : Ex. 36. 38 (6) : IV Ki. 25. 19 : Is. 38. 5 : Je. 52. 30 : Ez. 8. 16.]
[Heb. IV Ki. 6. 25.]

πεντεκαίδεκα, *vid. sub* πέντε *et* δέκα.

πεντεκαιδέκατος. (1) חֲמִשָּׁה עָשָׂר, חֲמִשָּׁה עָשָׂר
Ex. 16. 1. τῇ δὲ π. ἡμέρᾳ (1)
Le. 23. 6. ἐν τῇ π. ἡμέρᾳ τοῦ μηνὸς τούτου (1)
— 34. τῇ π. τοῦ μηνός (1)
— 39. ἐν τῇ π. ἡμέρᾳ (1)
Nu. 28. 17. B πεντεκαιδεκάτῃ ἡμέρᾳ τοῦ μηνός (1)
29. 12. τῇ π. ἡμέρᾳ τοῦ μηνὸς τοῦ ἑβδ. (1)
33. 3. τῇ π. ἡμέρᾳ τοῦ μηνὸς τοῦ πρώτου (1)
III Ki. 12. 32. ἐν τῇ π. ἡμέρᾳ τοῦ μηνός (1)
— 33. τῇ π. ἡμέρᾳ ἐν τῷ μηνὶ τῷ ὀγδ. (1)
IV Ki. 14. 23. ἐν ἔτει π. τοῦ Ἀμ. (1)
I Ch. 24. 14. τῷ B. ὁ π. [B al.] (1)
25. 22. ὁ π. Ἱεριμώθ (1)
II Ch. 15. 10. ἐν τῷ π. ἔτει τῆς βασ. Ἀσά (1)
Es. 9. 18. ἤγον δὲ καὶ τὴν π. [S¹ τῇ π.] (1)
— 19. A B S [R om.] τὴν π. τοῦ Ἀδὰρ ἡμέραν —
— 21. ἄγειν . . . τὴν π. [S² ἡμέραν πέμπτην καὶ δεκάτην] τοῦ Ἀ. [A om. τ. Ἀ.] (1)

Es. 10. 3. καὶ τῇ π. τοῦ αὐτοῦ μηνός [A¹ S¹ al.]
Ez. 20. 1. τῇ π. [A ἐν τῷ πέμπτῳ μηνὶ δεκάτῃ] τοῦ μηνός †
32. 17. πεντεκαιδεκάτῃ τοῦ μηνός (1)
45. 25. πεντεκαιδεκάτῃ [A add. ἡμέρᾳ] τοῦ μηνός (1)
I Ma. 1. 54. S R τῇ [A om.] π. ἡμέρᾳ Χασ.
II Ma. 11. 33, 38. A Ξανθικοῦ πεντεκαιδεκάτῃ [R πέμπτῃ καὶ δεκ.]

πεντήκοντα.

Ge. 5. 31 : 6. 15 : 7. 24 : 8. 3 : 9. 28, 29 : 18. 24 *bis*, 26, 28.
Ex. 26. 5 *bis*, 6, 10 *bis*, 11 : 27. 12, 13, 18 *bis* : 30. 23, 23† : 37. 10 (38. 12)†, 11 (38. 13)†, 13 (38. 15)† : 39. 3 (38. 26).
Le. 23. 16 : 27. 3, 16.
Nu. 1. 23, 29, 31†, 25, 43, 46 : 2. 6, 8, 13, 15, 16 *bis*, 30, 31, 32 : 3. 34 : 4. 3, 36, 48† : 16. 2, 17†, 35 : 26. 7†, 10, 34† : 31. 30, 47, 52.
De. 22. 29.
Jo. 7. 21.
Jd. 3. 11† : 7. 11.
I Ki. 6. 19.
II Ki. 15. 1 : 24. 24.
III Ki. 1. 5 : 7. 2, 6, 6† : 9. 23† : 10. 29† : 18. 4, 13, 19†, 19, 22.
IV Ki. 1. 9, 10 *bis*, 11, 12 *bis*, 13, 13†, 14† : 2. 7, 16, 17 : 6. 25, 25† : 13. 7 : 15. 2, 20, 25 : 21. 1.
I Ch. 5. 21 : 8. 40† : 9. 9 : 12. 33 : 15. 6†, 7†.
II Ch. 1. 17 : 2. 17 (16) : 3. 9 : 8. 10, 18 : 14. 8 (7)† : 26. 3 : 33. 1.
I Es. 5. 10, 12†, 14, 18 *bis*, 21 *bis*, 24, 37 : 8. 30, 32, 56.
II Es. 2. 7, 14, 15, 22, 29, 30, 31, 37, 60 : 8. 3, 6, 26.
Ne. 5. 17 : 6. 15 : 7. 10†, 12, 20, 26†, 33, 33†, 34, 40, 70.
To. 1. 21† : 14. 2†, 11†.
Ju. 1. 2†.
Es. 5. 14 : 7. 9.
Hg. 2. 17 (16).
Ez. 4. 4 : 40. 15†, 21, 25, 30, 33, 36 : 42. 2, 7, 8 : 45. 2, 12 : 48. 17, 17†, 17 *bis*.
I Ma. 9. 61†.
II Ma. 4. 9 : 12. 17 : 13. 5.
[Aq. III Ki. 9. 23 : 18. 13, 19 : Ez. 42. 6 (Sw.).]
[Sm. Ez. 42. 6 (Sw.).]
[Th. III Ki. 18. 13 : Ez. 42. 6 (Sw.).]
[Al. Le. 27. 16 : Nu. 26. 47 (31) : IV Ki. 1. 14.]

πεντηκονταετής. (1) בֶּן־חֲמִשִּׁים שָׁנָה
Nu. 4. 23, 30, 35, 39, 43, 47. ἕως πεντηκονταετοῦς (1)
8. 25. καὶ ἀπὸ πεντηκονταετοῦς (1)

πεντηκόνταρχος. (1) שַׂר־חֲמִשִּׁים, שַׂר־הַחֲמִשִּׁים
Ex. 18. 21. καταστήσεις . . . πεντηκοντάρχους (1)
— 25. ἐποίησεν αὐτοὺς . . . πεντηκοντάρχους (1)
De. 1. 15. A B² R καὶ πεντηκοντάρχους (1)
IV Ki. 1. 9. ἀπέστειλε . . . [A add. ἡγούμενον] πεντηκόνταρχον (1)
— 9. ἐλάλησεν ὁ π. –
— 10. εἶπε πρὸς τὸν π. (1)
— 11. ἀπέστειλε . . . ἄλλον π. (1)
— 11. ἐλάλησεν ὁ π. –
— 13. A ἀποστεῖλαι ἡγούμενον πεντηκόνταρχον τρίτον [B om. π. τρ.] (1)
— 13. ἦλθεν ὁ π. ὁ τρίτος (1)
— 14. κατέφαγε τοὺς δύο π. τοὺς πρώτους (1)
Is. 3. 3. ἀφελεῖ . . . πεντηκόνταρχον (1)
I Ma. 3. 55. κατέστησεν . . . πεντηκοντάρχους [S¹ om.]

πεντηκοστός. (1) חֲמִשִּׁים
Le. 25. 10. B ἁγιάσατε τὸ ἔτος τὸ [A R τὸν] π. ἐνιαυτόν (1)
— 11. τὸ ἔτος τὸ π. ἐνιαυτὸς ἔσται ὑμῖν (1)
IV Ki. 15. 23. ἐν ἔτει π. τοῦ Ἀζ. (1)
— 27. ἐν ἔτει π. καὶ δευτέρῳ τοῦ Ἀζ. (1)
To. 2. 1. ἐν τῇ π. ἑορτῇ [S τῆς ἑορτῆς]
I Ma. 6. 20. ἔτους π. καὶ ἑκατοστοῦ
7. 1. ἔτους ἑνὸς καὶ π.
9. 3. ἔτους τοῦ δευτέρου καὶ π. καὶ ἑκατοστοῦ
— 54. ἐν ἔτει τρίτῳ καὶ π.
II Ma. 12. 32. μετὰ δὲ τὴν λεγομ. Πεντηκοστήν
14. 4. πρώτῳ καὶ ἑκατοστῷ καὶ π. ἔτει

πέπειρος. (1) בָּשֵׁל hi.
Ge. 40. 10. πέπειροι οἱ βότρυες σταφυλῆς (1)

πεπιστευμένως.
[Aq. Is. 25. 1 (Sw.).]

πεπιστωμένως.
[Aq. Nu. 5. 22 *bis* : Dt. 27. 15 : Ps. 40 (41). 13 *bis* : 71 (72). 19 *bis* : 88 (89). 53 *bis* : Is. 25. 1 : 65. 16.]

πεποίθησις. (1) בִּטָּחוֹן
IV Ki. 18. 19. τί ἡ π. αὕτη (1)
[Aq. Jb. 8. 14 : Ps. 4. 9 : 77 (78). 53 : Is. 32. 17 : Ho. 2. 18 (20).]
[Sm. Ps. 70 (71). 7 : Is. 32. 17.]
[Th. Ho. 2. 18 (20).]
[Al. Jb. 8. 14.]

πεποιθότως. (1) לָבֶטַח
Za. 14. 11. κατοικήσει Ἱερ. π. S¹ om.] (1)
[Aq. Dt. 12. 10.]
[Al. Ge. 34. 25.]

πέπων. (1) אֲבַטִּיחִים
Nu. 11. 5. ἐμνήσθημεν . . . τοὺς π. (1)

πέρα, *vid. sub* πέραν.

πέραθεν.
[Sm. Is. 18. 1 : Ze. 3. 10.]

περαίνειν. (1) יָעַל hi. (2) נָוָה
I Ki. 12. 21. B οἱ οὐ περανοῦσιν οὐθέν (1)
Hb. 2. 5. οὐθὲν μὴ περάνῃ (2)
III Ma. 4. 11. τοῦ παράπλου περανθέντος [A¹ -αθ.]
[Aq. Ps. 11 (12). 2.]

περαῖτης.
[Aq. Ge. 14. 13.]

πέραν, πέρα. (1) *a.* עֵבֶר *b.* עֵבֶר לְ *c.* עֵבֶר *d.* עֲבָרִים *e.* בְּעֵבֶר *f.* בְּעֶבְרֵי *g.* מֵעֵבֶר לְ (2) ὁ, ἡ, τὸ π. *a.* עֵבֶר *b.* עֵבֶר *c.* עֲבָרִים *d.* מַעְבָר *e.* עֵבֶר לְ
Ge. 50. 10, 11. ὅ ἐστι π. τοῦ Ἰορδ. (1 *e*)
Nu. 21. 11. ἐν Ἀχ. ἐκ τοῦ π. [A Ἀχ. τῷ π.] (2 *c*)
— 13. παρενέβαλον εἰς τὸ π. [B¹ πέρα] Ἀρνῶν (2 *a*)
27. 12. A B τὸ ἐν τῷ π. [R *add.* τοῦ Ἰορδ.] (2 *c*)
32. 19. ἀπὸ τοῦ π. τοῦ Ἰορδ. καὶ ἐπέκεινα (2 *e*)
— 19, 32. ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. (2 *a*)
— 32. δώσετε τὴν κατάσχεσιν ἡμῖν ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. (2 *e*)
33. 44. ἐν τῷ π. [B¹ -α] ἐπὶ τῶν ὁρίων M. (2 *c*)
34. 15. ἔλαβον τοὺς κλήρους αὐ. π. τοῦ Ἰορδ. (1 *g*)
35. 14. τὰς τρεῖς πόλεις δώσετε π. [A ἐν τῷ π.] τοῦ Ἰορδ. (1 *g* [2 *a*])
De. 1. 1. οὗς ἐλάλησε . . . π. τοῦ Ἰορδ. (1 *e*)
— 5. ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. (2 *a*)
3. 8. οἳ ἦσαν π. τοῦ Ἰορδ. (1 *e*)
— 20. ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. (2 *a*)
— 25. τὴν γῆν τὴν ἀγαθὴν τ. τὴν οὖσαν π. τοῦ Ἰορδ. (1 *e*)
4. 41. ἀφώρισε M. τρεῖς πόλεις π. τοῦ Ἰορδ. (1 *e*)
— 46. ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. (2 *a*)
— 47. οἳ ἦσαν π. τοῦ Ἰορδ. (1 *e*)
— 49. πᾶσαν τὴν Ἀρ. π. τοῦ Ἰορδ. (1 *a*)
11. 30. οὐκ ἰδοὺ ταῦτα π. τοῦ Ἰορδ. (1 *e*)
30. 13. οὐδὲ π. τῆς θαλάσσης ἐστί (1 *g*)
— 13. τίς διαπεράσει ἡμῖν εἰς τὸ π. τῆς θαλάσσης (2 *a*)
31. 4. οἳ ἦσαν π. τοῦ Ἰορδ. –
Jo. 1. 15. ἣν δέδωκεν ὑμῖν M. εἰς τὸ [A ἐν τῷ] π. τοῦ Ἰορδ. (2 *a*)
2. 10 : 5. 1. οἳ ἦσαν π. τοῦ Ἰορδ. (1 *e*)
5. 9 (10). B ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. –
9. 1. οἱ βασ. τῶν Ἀμ. οἱ ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. (2 *a*)
— 10. οἳ ἦσαν π. τοῦ Ἰορδ. (1 *e*)
12. 1. κατεκληρονόμησαν τὴν γῆν αὐ. π. τοῦ Ἰορδ. (1 *e*)
— 7. οὓς ἀνείλεν . . . ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. (2 *a*)
13. 8. B ἐν τῷ π. τῷ Ἰορδ. [A R τοῦ Ἰορδ.] (2 *a*)
— 14. ὃν κατεμέρισε . . . ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. –
— 27. π. τοῦ Ἰορδ. ἀπ' ἀνατολῶν (1 *a*)
Jo. 13. 32. οὓς κατεκληρονόμησε M. π. τοῦ Ἰορδ. [A χειμάρρου] . . . ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. (–, 2 *e*)
14. 2 (3). ἀπὸ τοῦ π. τοῦ Ἰορδ. (2 *e*)
17. 5. ἥ ἐστι π. τοῦ Ἰορδ. (1 *g*)
18. 7. ἐλάβοσαν τὴν κληρονομίαν αὐ. π. τοῦ Ἰορδ. (1 *g*)
20. 8. ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. ἔδωκε Βοσόρ (2 *e*)
21. 36. π. τοῦ Ἰορδ. τοῦ κατὰ Ἱερ. –
22. 4. ἣν ἔδωκεν ὑμῖν M. ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. (2 *a*)
— 7. ἔδωκεν Ἰ. . . . ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. (2 *a*)
— 11. ᾠκοδόμησαν . . . ἐν τῷ π. υἱῶν Ἰσρ. (2 *a*)
24. 2. π. τοῦ ποταμοῦ παρῴκησαν (1 *e*)
— 3. ἔλαβον τὸν πατέρα ὑ. τὸν Ἀβρ. ἐκ τοῦ π. τοῦ ποταμοῦ (2 *a*)
— 8. τῶν κατοικούντων π. τοῦ Ἰορδ. (1 *e*)
— 14. οἷς ἐλάτρευσαν . . . ἐν τῷ π. τοῦ ποτ. (2 *a*)
— 15. τοῖς θεοῖς τῶν πατ. ὑμῶν τοῖς ἐν τῷ π. τοῦ ποταμοῦ (2 *a*)
Jd. 5. 17. Γαλ. ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. ἐσκήνωσε (2 *a*)
7. 25. ἤνεγκαν πρὸς Γεδ. ἀπὸ [A ἐκ τοῦ] π. τοῦ Ἰορδ. (1 *a* [2 *e*])
10. 8. τοὺς πάντας υἱοὺς Ἰσρ. τοὺς ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. [A *al.*] (2 *a*)
11. 18. παρενέβαλον ἐν πέραν [A τῷ π.] Ἀρνῶν (1 *a* [2 *a*])
— 29. παρῆλθεν . . . εἰς τὸ π. υἱῶν Ἀμμών †
I Ki. 13. 23. B ἐξῆλθεν . . . τὴν ἐν τῷ π. Μαχ. (2 *d*)
14. 1. B τὴν ἐν τῷ π. ἐκείνῳ (2 *a*)
26. 13. διέβη Δ. εἰς τὸ π. (2 *a*)
30. 10. οἵ τινες ἐκάθισαν π. τοῦ χειμάρρου τοῦ B. †
31. 7. οἱ ἄνδρες Ἰσρ. οἱ ἐν τῷ π. τῆς κοιλάδος [A *om.* οἱ . . . κ.] καὶ οἱ ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. (2 *a*, 2 *a*)
II Ki. 10. 16. τὴν Συρίαν τὴν ἐκ τοῦ π. τοῦ ποταμοῦ Χαλ. (2 *a*)
III Ki. 3. 1. B οὐκ [R ὅτι] ἦν ἄρχων ἐν παντὶ π. τοῦ ποταμοῦ . . . ἐν πᾶσι τοῖς βασιλεῦσι π. τοῦ ποταμοῦ –
4. 24 (5. 4). ἦν ἄρχων [A *add.* ἐν παντὶ] π. τοῦ ποταμοῦ (1 *a*)
— 24 (5. 4). A ἐν πᾶσιν βασιλεῦσιν π. τοῦ ποταμοῦ (1 *a*)
7. 30. A αἱ ὠμίαι κεχυμέναι ἀπὸ π. ἀνδρὸς προσκείμεναι (1 *a*)
10. 15. χωρὶς . . . πάντων τῶν βασιλέων τοῦ π. [A -α] †
14. 15. A λικμήσει αὐτοὺς ἀπὸ π. τοῦ ποταμοῦ (1 *b*)
I Ch. 6. 78 (63). ἐκ τοῦ [A ἐν τῷ] π. τοῦ Ἰορδ. (2 *e*)
12. 37. ἐκ π. τοῦ Ἰορδ. (1 *b*)
19. 16. ἐξήγαγον τὸν Σύρον ἐκ τοῦ π. [A -α] τοῦ ποταμοῦ (2 *a*)
26. 30. ἐπὶ τῆς ἐπισκέψεως τοῦ Ἰσρ. π. τοῦ Ἰορδ. (1 *g*)
II Ch. 20. 2. ἥκει . . . ἐκ π. [A τοῦ π.] τῆς θαλάσσης (1 *b* [2 *e*])
II Es. 4. 10. καὶ τὸ κατάλοιπον π. τοῦ ποταμοῦ (1 *c*)
— 11. παῖδές σου ἄνδρες π. τοῦ ποταμοῦ (1 *c*)
— 17. καὶ τοὺς καταλοίπους π. τοῦ ποταμοῦ (1 *c*)
— 20. R ἐπικρατοῦντες ὅλης τῆς π. [A B ἑσπέρας] τοῦ ποταμοῦ (2 *b*)
5. 3. ἦλθεν ἐπ' αὐτοὺς Θ. ἔπαρχος π. τοῦ ποταμοῦ (1 *c*)
— 6. B ἔπαρχος τοῦ π. [A R *add.* τοῦ ποταμοῦ] (2 *b*)
— 6. οἱ σύνδουλοι αὐ. Ἀφ. οἱ ἐν τῷ π. τοῦ ποταμοῦ (2 *b*)
6. 6. ἔπαρχοι π. τοῦ ποταμοῦ (1 *c*)
— 6. A Ἀφ. οἱ ἐν τῷ π. [B Ἀφ. ἐν πέρα] τοῦ ποταμοῦ (2 *b* [1 *c*])
— 8. ἀπὸ ὑπαρχόντων βασιλέως τῶν φόρων π. τοῦ ποταμοῦ (1 *c*)
— 13. Θανθ. ἔπαρχος π. τοῦ ποταμοῦ (1 *c*)
7. 21. ταῖς γάζαις ταῖς ἐν πέρα τοῦ ποταμοῦ (1 *c*)
— 25. παντὶ τῷ λαῷ τῷ ἐν πέρα τοῦ ποταμοῦ (1 *c*)
8. 36. καὶ ἐπάρχοις π. τοῦ ποταμοῦ (1 *a*)
Ne. 2. 7, 9. πρὸς τοὺς ἐπάρχους π. τοῦ ποταμοῦ (1 *a*)
3. 7. R ἕως θρόνου τοῦ ἄρχοντος τοῦ π. τοῦ ποταμοῦ (2 *a*)
Ju. 1. 9. καὶ π. τοῦ Ἰορδ. ἕως Ἱερ.
Is. 7. 20. π. τοῦ ποταμοῦ (1 *a*)
9. 1 (8. 23). καὶ π. τοῦ Ἰορδάνου (1 *a*)
Je. 22. 20. βόησον εἰς τὸ π. τῆς θαλάσσης (2 *c*)
30. 10 (49. 32). ἐκ παντὸς π. [A μέρους] αὐτῶν οἴσω τὴν τροπὴν αὐτῶν (1 *a*)

Je. 32 (25). 22. βασιλεῖς τοὺς ἐν τῷ π. τῆς θαλάσσης (2 a)
48 (41). 10. ᾤχετο εἰς τὸ π. υἱῶν Ἀμμών †
52. 8. κατέλαβον αὐτὸν ἐν τῷ π. Ἱεριχώ †
Ba. 3. 30. τίς διέβη π. τῆς θαλάσσης
I Ma. 5. 37. A R ἐκ πέραν [S προσώπου] τοῦ χειμάρρου
— 39. παρενέβαλον π. τοῦ χειμάρρου
— 41. ἐὰν δὲ . . . παρεμβάλῃ π. τοῦ ποταμοῦ
7. 8. κυριεύοντα ἐν τῷ π. τοῦ ποταμοῦ
9. 34. ἦλθεν αὐτὸς . . . π. τοῦ Ἰ.
— 48. διεκολύμβησαν εἰς τὸ π.
11. 60. διεπορεύετο π. τοῦ ποταμοῦ
[Aq. Ex. 28. 26 (πρὸς π.): Dt. 32. 49: Jo. 1. 14: II Ki. 10. 16 (ἀπὸ π.): III Ki. 4. 12 (ἀπὸ π.): 14. 15 (ἀπὸ π.): Is. 9. 1 (8. 23): 47. 15.]
[Sm. Jo. 1. 14: I Ki. 13. 3, 7: II Ki. 10. 16: Is. 7. 20: 9. 1 (8. 23): 47. 15: Je. 48 (31). 28.]
[Th. Jo. 1. 14: II Ki. 10. 16: Is. 9. 1 (8. 23): 47. 15: Je. 22. 20.]
[Aq. Dt. 4. 47: I Ki. 14. 4.]

περᾶν.

Wi. 19. 5. A B² R καὶ ὁ μὲν λαός σου παράδοξον ὁδοιπορίαν περάσῃ [B¹ S πειρ.]

πέρας. (1) אֶפֶס (2) a. חֵקֶר b. מֶחְקָר (3) סוֹף (4) עֵת (5) צֵלָע (6) a. קֵץ b. קָצֶה c. קְצֶה d. קֵצֶה e. קָצוּי (7) תַּכְלִית

II Ki. 16. 13. B ἐκ [A εἰς] πέρας [A R πλευρᾶς] τοῦ ὄρους (5)
I Es. 9. 17. ἤχθη ἐπὶ πέρας
To. 13. 11. S εἰς πάντα τὰ πέρατα τῆς γῆς
Es. 3. 13. πορευτὴν μέχρι [A ἄχρι] περάτων
— 13. πῶς ἂν ἀχθείη τοῦτο ἐπὶ πέρας
Jb. 28. 3. πᾶν [A καιρῶν] πέρας αὐτὸς [A -οὺς] ἐξακριβάζεται (7)
Ps. 2. 8. καὶ τὴν κατάσχεσίν σου τὰ πέρατα [A πέρα] τῆς γῆς (1)
7. 6. ὑψώθητι ἐν τοῖς πέρασι τῶν ἐχθρῶν μου †
18 (19). 4. εἰς τὰ πέρατα τῆς οἰκουμένης τὰ ῥήματα αὐτῶν (6 b)
21 (22). 27. ἐπιστραφήσονται πρὸς κύριον πάντα τὰ πέρατα [A πέρα] τῆς γῆς (1)
38 (39). 4. γνώρισόν μοι, κύριε, τὸ πέρας μου (6 a)
45 (46). 9. μέχρι τῶν π. τῆς γῆς (6 b)
47 (48). 10. οὕτως καὶ ἡ αἴνεσίς σου ἐπὶ τὰ πέρατα τῆς γῆς (6 e)
58 (59). 13. δεσπόζει τῶν περάτων τῆς γῆς (1)
60 (61). 2. ἀπὸ τῶν περάτων τῆς γῆς (6 b)
64 (65). 5. ἡ ἐλπὶς πάντων τῶν περάτων τῆς γῆς (6 e)
— 8. οἱ κατοικοῦντες τὰ πέρατα [S¹ τὴν γῆν] (6 c)
66 (67). 7. φοβηθήτωσαν αὐτὸν πάντα τὰ πέρατα τῆς γῆς (1)
68 (69). 34. S¹ θάλασσα καὶ πάντα τὰ πέρατα τῆς γῆς [B S² τὰ ἕρποντα ἐν αὐτοῖς] †
71 (72). 8. ἀπὸ ποταμοῦ ἕως περάτων τῆς οἰκουμένης (1)
94 (95). 4. ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ τὰ [S¹ πάντα τὰ] πέρατα τῆς γῆς (2 b)
97 (98). 3. εἶδοσαν πάντα τὰ πέρατα τῆς γῆς τὸ σωτήριον τοῦ θεοῦ ἡμῶν (1)
118 (119). 96. πάσης συντελείας εἶδον πέρας (6 a)
144 (145). 3. τῆς μεγαλωσύνης αὐτοῦ οὐκ ἔστι πέρας (2 a)
Wi. 6. 1. μάθετε, δικασταὶ περάτων γῆς
8. 1. διατείνει δὲ ἀπὸ πέρατος εἰς [A² S ἐπὶ] πέρας
14. 27. παντὸς ἀρχὴ κακοῦ καὶ αἰτία καὶ πέρας ἐστίν
18. 21. πέρας ἐπέθηκε τῇ συμφορᾷ
19. 4. A R εἶλκε γὰρ αὐτοὺς ἡ ἀξία ἐπὶ τοῦτο τὸ [B S om.] π. ἀνάγκη
Si. prol. 25. πρὸς τὸ ἐπὶ πέρας ἄγοντα [A S² ἀγαγ.] τὸ βιβλίον ἐκδόσθαι
Am. 8. 2. ἥκει τὸ π. ἐπὶ τὸν λαόν μου Ἰσρ. (6 a)
Na. 2. 9 (10). οὐκ ἦν πέρας τοῦ κόσμου αὐ. (6 d)
3. 3. οὐκ ἦν πέρας τοῖς ἔθνεσιν αὐ. (6 d)
— 9. B S οὐκ ἔστιν [A ἔσται] πέρας τῆς φυγῆς (6 d)
Hb. 2. 3. ἀνατελεῖ εἰς πέρας (6 a)
Ze. 3. 10. ἐκ περάτων ποταμῶν Αἰθιοπίας †
Je. 18. 7. π. λαλήσω ἐπὶ ἔθνος †
— 9. π. λαλήσω ἐπὶ ἔθνος καὶ βασιλείαν †
22. 20. R βόησον εἰς τὸ π. [A B S πέραν] τῆς θαλ. †
28 (51). 13. ἥκει τὸ π. σου ἀληθῶς (6 a)
Ez. 7. 2. π. ἥκει τὸ π. ἥκει (6 a, 6 a)
— 3. ἥκει τὸ π. ἐπὶ σέ [A om. ἐ. σέ] (6 a)
— 7 (3). νῦν τὸ π. πρὸς σέ (6 a)
— 10 (6). ἰδοὺ τὸ π. ἥκει (6 a)
21. 25 (30), 29 (34). ἥκει ἡ ἡμέρα ἐν καιρῷ ἀδικίας πέρας (6 a)
30. 3. π. ἐθνῶν ἔσται (4)
Da. LXX. 4. 18. ἕως τῶν π. τῆς γῆς –
Da. TH. 4. 8. καὶ τὸ κύτος αὐ. εἰς τὸ π. ἁπάσης [A τὰ π. π.] τῆς γῆς (3)
— 19. καὶ ἡ κυρεία σου εἰς τὰ π. τῆς γῆς (3)
7. 28. ἕως ὧδε τὸ π. τοῦ λόγου (3)
8. 17, 19. ἔτι γὰρ εἰς καιροῦ πέρας ἡ ὅρασις (6 a)
11. 27. ὅτι ἔτι πέρας εἰς καιρόν (6 a)
— 35. τοῦ ἀποκαλυφθῆναι ἕως καιροῦ πέρας (6 a)
— 40. ἐν καιροῦ [A τῷ καιρῷ] πέρατι (6 a)
12. 6. ἕως πότε τὸ π. . . . τῶν θαυμασίων (6 a)
— 9. ἐσφραγισμένοι οἱ λόγοι ἕως καιροῦ πέρας (6 a)
II Ma. 5. 8. πέρας οὖν κακῆς ἀναστροφῆς
III Ma. 5. 5. λήψεσθαι τὸ φῦλον πέρας τῆς ὀλεθρίας
IV Ma. 18. 6. S¹ ἐστράτευσεν ἐπὶ πέρας [A S³ R Πέρσας]
[Aq. I Ki. 17. 1: Jb. 16. 3 (P.): Ps. 58 (59). 14: 118 (119). 96: Pr. 30. 4: Is. 5. 8: 34. 12: 52. 10: Je. 51 (28). 13: Ez. 30. 3: Za. 9. 10.]
[Sm. Ge. 6. 14 (13): Jb. 16. 3: Ps. 58 (59). 14: 60 (61). 3: 118 (119). 96: Pr. 30. 4: Is. 9. 7 (6): 41. 9: Je. 51 (28). 13.]
[Th. Jb. 16. 3 (P.): 28. 3 bis: Ps. 58 (59). 14: Pr. 30. 4: Is. 9. 7 (6): 26. 15: Je. 22. 20: Ez. 7. 6 bis: Da. 4. 8: 7. 28.]
[Al. I Ki. 2. 10: Jb. 16. 22: Is. 24. 16.]
[Quint. Ps. 60 (61). 3.]
[Heb. Za. 9. 10.]

περασμός. (1) קֵץ

Ec. 4. 8. οὐκ ἔστι π. τῷ παντὶ μόχθῳ αὐτοῦ (1)
— 16. οὐκ ἔστι π. τῷ παντὶ λαῷ (1)
12. 12. τοῦ [S¹ om.] ποιῆσαι βιβλία πολλὰ οὐκ ἔστι π. (1)

περάτης. (1) עִבְרִי

Ge. 14. 13. ἀπήγγειλεν Ἄβραμ τῷ π. (1)

πέρδιξ. (1) קֹרֵא

Si. 11. 30. πέρδιξ θηρευτὴς ἐν καρτάλλῳ
Je. 17. 11. ἐφώνησε π. (1)
[Aq., Sm., Th. I Ki. 26. 20.]

περί. I. c. gen. * ὁ περί.

Ge. 3. 10†: 12. 17, 20: 17. 20: 19. 21: 20. 2, 3, 7: 21. 11, 12 bis, 25: 23. 8: 24. 9, 67: 25. 21: 26. 7 bis, 21, 22, 32: 27. 41: 29. 18, 20, 25: 30. 26: 40. 14: 41. 15, 32, 55: 42. 21: 50. 4, 20.
Ex. 8. 8 (4), 9 (5) bis, 9 (5)†, 12 (8), 28 (24): 9. 28†: 14. 3†, 14, 25: 22. 9 (8): 24. 8: 28. 12: 30. 10†, 15, 16: 32. 14†, 30, 35.
Le. 1. 4: 4. 3 bis, 14, 20, 26, 28, 31, 32†, 35 bis: 5. 5, 6 quinquiens, 7 bis, 8*, 9*, 10, 11 ter, 13 bis, 15, 16, 18 bis: 6. 2 (5. 21) bis, 3 (5. 22) bis, 4 (5. 24), 6 (5. 26) bis, 25 (18)*†, 30 (23)*, 31 (7. 1)*, 35 (7. 5), 37 (7. 7)*: 7. 2 (12), 27 (37): 8. 2*, 14*, 15†, 34: 9. 2, 3, 7*, 7 bis, 8*, 10*, 15*, 22*: 10. 16*, 17*, 17, 19* bis: 11. 46: 12. 6, 7, 8 bis: 13. 36: 14. 13* bis, 18, 19*, 19, 20, 21, 22, 29, 31 bis, 53: 15. 15 bis, 15†, 30 bis: 16. 3, 5, 6*, 6, 9, 11*, 11, 11*, 15* bis, 16, 17 bis, 20, 24, 24† bis, 24, 25*, 27* bis, 30, 33 bis, 34: 17. 11: 19. 22 bis: 23. 19, 28.
Nu. 5. 8, 15: 6. 11 quater, 16*, 21: 7. 16, 22, 28, 34, 40, 46, 52, 58, 64, 70, 76, 82, 87: 8. 8, 12 bis, 19, 20, 21, 22, 24*: 9. 8: 10. 29: 14. 27, 36†: 15. 24, 25†, 25 ter, 27, 28 bis: 16. 46 (17. 11), 47 (17. 12): 21. 8†: 25. 13: 27. 19: 28. 15, 22†, 22, 30 bis: 29. 5 bis, 11 bis, 11*, 16, 19, 22, 25, 28, 31, 34, 38: 30. 3: 31. 50: 35. 31†.
De. 3. 22: 4. 21: 9. 18, 20: 13. 9 (10): 24. 15†.
Jo. 9. 24: 14. 6.
Jd. 6. 7†, 31†: 9. 3: 11. 35†: 16. 28†: 19. 30†: 21. 6†.
I Ki. 2. 25†: 4. 13: 7. 5, 9: 9. 5, 20: 12. 23†: 14. 45: 18. 8: 19. 3, 4: 20. 12: 21. 2 (3): 22. 8: 23. 9, 21: 25. 39†: 31. 11†.
II Ki. 1. 19†: 3. 8†, 8, 8†, 18: 7. 25: 10. 2, 12: 12. 6, 16: 13. 16: 14. 8: 17. 21: 19. 42 (43): 21. 1.
III Ki. 2. 4†, 18, 19: 4. 33 (5. 13)†, 33 (5. 13) quater: 5. 8 (22): 8. 15: 10. 6 bis: 12. 15, 24† ter: 13. 6†: 14. 13†: 15. 30†: 16. 13: 20 (21). 22, 28: 21 (20). 7 ter: 22. 8, 13†.
IV Ki. 6. 11: 8. 3 bis, 5 bis: 12. 16 (17) bis: 19. 4, 9, 20: 22. 13 quater.
I Ch. 6. 49 (34): 16. 21†: 19. 2, 5, 13† bis: 21. 7, 25†: 22. 11: 29. 30.
II Ch. 8. 15: 9. 5 bis, 29: 10. 15: 15. 15: 18. 7, 12, 17: 22. 9: 24. 6: 29. 21 quater, 23*, 24 bis, 24*: 30. 18: 32. 17, 20: 34. 21 ter.
I Es. 1. 24, 33, 42: 2. 22: 3. 17 bis: 4. 1, 13, 33: 6. 6, 22, 31.
II Es. 4. 22: 5. 17: 6. 3, 17†: 8. 23, 35 bis: 10. 9, 14, 15, 19†.
Ne. 1. 1†, 2 bis, 6: 2. 4: 4. 14, 20: 10. 33*, 33, 34: 12. 31†, 38†.
To. 1. 8†, 18†, 19, 19†, 22: 2. 8, 10†: 3. 5, 9†: 4. 1†, 2†: 5. 20†: 6. 10†, 12† bis: 7. 17†: 9. 5†: 10. 4†, 6†, 9†: 12. 6†: 14. 4†, 5.
Ju. 4. 2: 5. 5, 21†: 8. 31: 10. 18, 22.
Es. 1. 1 ter, 13: 4. 8 bis: 6. 2 bis, 3†, 4: 7. 7†, 9: 9. 16†: 10. 3 bis.
Jb. 1. 5 bis, 5†: 29. 10†: 36. 32, 33 bis: 42. 8†, 8, 10.
Ps. 37 (38). tit.: 39 (40). 6, 7: 71 (72). 15: 86 (87). 3: 90 (91). 11: 115. 3 (116. 12): 121 (122). 8.
Pr. 7. 23.
Ec. 1. 13†: 3. 18: 7. 11 (10), 15 (14): 8. 2.
Ca. 1. 4* †.
Wi. 1. 1: 4. 17: 6. 7, 15: 12. 13, 14: 13. 17, 18 quater, 19: 14. 30.
Si. prol. 10†: 4. 20, 25, 28: 5. 5: 7. 31: 11. 9: 13. 12: 16. 7, 8: 17. 14: 19. 30*: 21. 1: 28. 4: 30. 1, 7 (?), 14†, 16†, 28 (33. 19), 33 (33. 24)†: 35 (32). 1†: 36. 22 (19): 37. 11†, 11 octiens, 11†: 39. 5: 41. 2, 12, 17†, 17, 18 ter, 19, 20†, 20, 22: 42. 1, 2 bis, 3 bis, 4 bis, 5 bis, 8: 45. 16, 23: 51. 14.
Mi. 1. 1 bis.
Na. 1. 14†.
Is. 2. 1 bis: 7. 5†: 8. 19, 20 bis: 23. 5, 11: 24. 11: 32. 12†: 37. 4, 21, 22: 38. 1, 16: 45. 11, 11†, 11: 46. 11: 52. 15: 53. 4, 10.
Je. 1. 16: 3. 8: 7. 16† bis, 22: 11. 14†, 14: 12. 14: 14. 1, 11, 15: 15. 4, 15: 16. 3, 3†, 3 bis: 18. 8, 10: 21. 2: 26 (46). 1†: 33 (26). 20: 36 (29). 7: 37 (30). 6: 38 (31). 37: 40 (33). 4, 4†, 5, 9 bis: 44 (37). 3: 47 (40). 16†: 49 (42). 2, 20.
Ba. 1. 10, 11, 13.
La. 1. 22: 2. 19: 3. 39: 5. 17 bis.
Ez. 6. 9†: 27. 31†: 33. 30: 36. 18†: 38. 17: 42. 13* bis: 43. 11, 19, 21* †: 45. 15.
Da. LXX. Su. 5, 10 bis: 2. 15, 18: 4. 24, 31 bis, 32, 34 bis: 5. 10, 11: 6. 5 (6), 18 (19): 7. 19, 20, 23.
Da. TH. Su. 5, 10, 27, 63: 2. 15: 3. 16: 5. 14, 16, 29: 6. 13 (14)†, 14 (15): 7. 16, 19, 20: 9. 20: 10. 21†.
I Ma. 3. 21, 34 bis, 43†, 48: 4. 44, 46: 7. 21: 8. 15, 31: 9. 44†, 55: 10. 19, 35, 63 bis: 11. 8, 29, 31: 12. 8, 17, 21, 22, 51: 13. 3†, 6 bis, 6†, 15: 14. 9, 21, 32, 42, 43: 15. 35.
II Ma. 1. 6: 2. 11*, 13*, 13, 28, 30†: 3. 4†, 6, 7, 9, 14*, 15*: 4. 23, 43, 48* †: 5. 11: 7. 37: 8. 4, 12: 10. 21: 11. 15, 17, 31, 36: 12. 43, 45: 13. 14, 14†, 25: 14. 18* †, 20: 15. 14, 18* bis.
III Ma. 1. 22†: 2. 32: 3. 6, 7*: 4. 20: 5. 10, 15*, 30, 37: 6. 33, 36, 40: 7. 8.
IV Ma. 1. 12, 12*: 2. 22†: 4. 5*, 11, 13, 22: 5. 29†, 38†: 6. 28†: 9. 23: 11. 3: 13. 9: 14. 3.
[Aq. Ex. 29. 14: III Ki. 13. 6: 14. 13: IV Ki. 19. 21: Jb. 29. 11: 41. 4: Ps. 61 (62). 1: 83 (84). 1: Pr. 27. 13: Is. 38. 17: Je. 7. 16: 14. 1: 15. 4: 18. 23: 26 (33). 3: 42 (49). 2: Ez. 36. 18.]
[Sm. Ge. 20. 13: Dt. 28. 66: Ru. 4. 7: I Ki. 12. 7: II Ki. 11. 7: IV Ki. 19. 21: 20. 1: Jb. 14. 21: 15. 2: 24. 22: 29. 11: 31. 1: 34. 29: 36. 33 bis: 37. 1, 15, 22: 42. 11: Ps. 9. 1: 16 (17). 9: 28 (29). 10: 31 (32). 5, 6, 8: 34 (35). 20: 35 (36). 2, 3*: 36 (37). 12: 39 (40). 16: 40 (41). 6, 8: 48 (44). 5: 52 (53). 1: 53 (54). 1: 54 (55). 1: 55 (56). 6: 67 (68). 29: 72 (73). 4: 74 (75). 1: 76 (77). 9: 83 (84). 1: 86 (87). 5: 90 (91). 11: 118 (119).

136: 124 (125). 2: 137 (138). 2: Ec. 11. 9: 12. 14: Is. 32. 12 *bis*: 37. 4: 38. 17, 19: 63. 7: Je. 6. 16: 28 (35). 8: 31 (38). 7: 33 (40). 4 *bis*: 39 (46). 11: 43 (50). 1: 47 (29). 1: 48 (31). 32: Ez. 12. 10: 17. 20: 19. 4: 20. 46 (21. 2), 49 (21. 5): 26. 16: 33. 13: 40. 24*, 29*.]
[**Th.** Ex. 29. 14: III Ki. 13. 6: Jb. 36. 32, 33 *bis*: Ps. 67 (68). 17: 83 (84). 1: Pr. 20. 16: 27. 13: Is. 32. 12 *bis*: 37. 4: 38. 17: 45. 11: Je. 27 (34). 19 *ter*: Ez. 19. 4: 27. 31: 36. 18: Da. 6. 13†.]
[**Al.** Le. 14. 12: 16. 16: 26. 41: I Ki. 21. 5 (6).]
[**Quint.** IV Ki. 19. 21.]

II. *c. dat.*

I Ki. 25. 39†.
Pr. 1. 9: 3. 22: 6. 21†.

III. *c. acc.* * ὁ περί.

Ge. 15. 12: 24. 47†: 37. 23*: 41. 42.
Ex. 11. 4.
Le. 6. 10 (3)†: 13. 45: 16. 4†.
De. 20. 19: 24. 13†.
Jd. 5. 30†: 16. 3†.
I Ki. 1. 5*, 6*: 17. 38†: 25. 16.
II Ki. 15. 18*†.
III Ki. 16. 7†: 21 (20). 32†: 22. 19.
IV Ki. 6. 25†.
I Ch. 28. 1*.
II Ch. 23. 13.
I Es. 3. 6: 4. 11.
Ne. 10. 34†.
To. 6. 17†.
Ju. 12. 5†.
Jb. 18. 11: 40. 20 (25).
Ps. 140 (141). 3.
Pr. 7. 3†.
Wi. 14. 22: 17. 18.
Si. 11. 10: 45. 18*.
Is. 29. 3, 3†.
Je. 13. 1, 2, 4*, 11: 34 (27). 2: 43 (36). 21†.
Ez. 16. 11 *bis*, 12†: 38. 6* *bis*, 9*: 39. 4*.
Da. LXX. 3. 23*, (48), (49)*.
Da. TH. 3. (48), (49)*: 5. 7†, 16†, 29.
I Ma. 9. 40*†: 11. 1*†, 13, 61: 13. 40*.
II Ma. 1. 13* *bis*, 33*, 36*: 2. 2*†: 3. 17†, 32, 38: 4. 14, 41*: 5. 1, 17: 7. 42*: 8. 16*, 27, 30*, 32*: 9. 1, 1*†, 3*, 21*†: 10. 16*, 20*, 25*, 33*, 35*: 11. 2, 6*, 13: 12. 1, 6*, 11*, 14*, 15*†, 19*, 20*†, 20, 24*, 36*, 37*, 39*: 13. 1*, 8, 14, 15*, 22*: 14. 1*, 18*, 30*: 15. 1*, 6*, 13*, 25*, 26*.
III Ma. 1. 1*, 25*, 27*: 3. 8: 5. 5, 45, 48†: 6. 1*: 7. 10.
IV Ma. 1. 20†, 20, 21: 2. 19*: 3. 8, 15†: 5. 4*, 9, 29†: 6. 2*: 9. 12†, 13, 20: 10. 8: 11. 10†, 10, 10†: 13. 13*: 14. 7, 8, 19: 15. 11*, 15, 15*: 16. 3*.
[**Aq.** IV Ki. 1. 2: Jb. 34. 6: Ps. 138 (139). 11.]
[**Sm.** Jo. 15. 6*: Jd. 5. 14*: 9. 13: Jb. 31. 27: 34. 6: Ps. 45 (46). 6: 52 (53). 6: 88 (89). 8*: 138 (139). 11: Ec. 11. 10*: Is. 59. 18: Ez. 13. 5: 24. 22: 40. 9*, 14*, 24* (Sw.), 26*, 31*: 41. 3*.]
[**Th.** Jb. 34. 6: 41. 6.]
[**Al.** Jb. 18. 11: Ps. 124 (125). 2.]
[**Quint.** Ho. 6. 4*.]

περικύκλῳ. * ὁ π.

Ex. 28. 29 (33).
De. 6. 14*: 13. 7 (8)*.
Jo. 19. 8*†.
Jd. 2. 12*.
IV Ki. 6. 17: 17. 15*†: 23. 5*.
I Es. 1. 53: 2. 9*.
Ps. 88 (89). 7*.
Is. 4. 5*.
Ez. 28. 23, 24*†: 32. 23, 24, 26: 34. 26†: 36. 4*† 7*: 37. 21*: 39. 17*.
Da. LXX., TH. 9. 16*.
[**Aq.** Ps. 26 (27). 6*: Je. 50 (27). 32*.]
[**Sm.** Je. 50 (27). 32*.]
[**Th.** Ez. 32. 23.]
[**Al.** Ez. 32. 25: 41. 8.]

περιάγειν. (1) חָלַף hi. (2) סָבַב *a.* hiph. *b.* hoph. (3) עָבַר hi.

Am. 2. 10. περιήγαγον ὑμᾶς ἐν τῇ ἐρήμῳ (1)
Is. 28. 27. οὐδὲ τροχὸς ἁμάξης περιάξει ἐπὶ τὸ κύμινον (2 *b*)
Ez. 37. 2. περιήγαγέ με ἐπ' αὐτὰ κυκλόθεν (3)
46. 21. περιήγαγέ με ἐπὶ τὰ τέσσαρα μέρη τῆς αὐλῆς (3)
47. 2. περιήγαγέ με τὴν ὁδὸν ἔξωθεν (2 *a*)
II Ma. 4. 38. περιαγαγὼν καθ' ὅλην τὴν πόλιν
6. 10. περιαγαγόντες αὐτὰς τὴν π.
[**Sm.** II Ki. 2. 8: 14. 20: Ps. 59 (60). 3: Ec. 2. 20.]

περιαγκωνίζειν.

IV Ma. 6. 3. περιαγκωνίσαντες ἑκατέρωθεν

περιαιρεῖν. (1) גָּלַל (2) נָצַל *a.* hiph. *b.* hithpa. (3) סָבַב pi. (4) סוּר *a.* qal. *b.* hi. *c.* hoph. (5) עָבַר hi. (6) פָּרַק *a.* pi. *b.* hithpa. (7) פָּרַר hiph. (8) רוּם hi. (9) שָׁבַךְ hi.

Ge. 38. 14. περιελομένη τὰ ἱμάτια τῆς χηρεύσ. (4 *b*)
— 19. R περιείλετο [A -εβάλετο] τὸ θέριστρον (4 *b*)
41. 42. περιελόμενος Φ. τὸν δακτύλιον (4 *b*)
Ex. 8. 8 (4). περιελέτω τοὺς βατράχους (4 *b*)
— 11 (7). περιαιρεθήσονται οἱ βάτραχοι (4 *a*)
— 31 (27). περιεῖλε τὴν κυνόμυιαν ἀπὸ Φ. (4 *b*)
10. 17. περιελέτω ἀπ' ἐμοῦ τὸν θάνατον τοῦτον (4 *b*)
32. 2. περιέλεσθε τὰ ἐνώτια τὰ χρυσᾶ (6 *a*)
— 3. περιείλαντο πᾶς ὁ λαὸς τὰ ἐνώτια (6 *b*)
— 24. εἴ τινι ὑπάρχει χρυσία περιέλεσθε (6 *b*)
33. 6. περιείλαντο . . . τὸν κόσμον αὐτῶν (2 *b*)
34. 34. περιῃρεῖτο τὸ κάλυμμα (4 *b*)
Le. 3. 4. καὶ τὸν λοβὸν . . . περιελεῖ (4 *b*)
— 9. σὺν ταῖς ψόαις περιελεῖ αὐτό (4 *b*)
— 10. περιελὼν ἀνοίσει ὁ ἱερεύς (4 *b*)
— 15. καὶ τὸν λοβὸν . . . περιελεῖ (4 *b*)
4. 8. πᾶν τὸ στέαρ . . . περιελεῖ ἀπ' αὐτοῦ (8)
— 9. καὶ τὸν λοβὸν . . . περιελεῖ αὐτό (4 *b*)
— 19. τὸ πᾶν στέαρ περιελεῖ (8)
— 31. πᾶν τὸ στέαρ περιελεῖ (4 *b*)
— 31. ὃν τρόπον περιαιρεῖται στέαρ (4 *c*)
— 35. πᾶν αὐτοῦ τὸ στέαρ περιελεῖ (4 *b*)
— 35. ὃν τρόπον περιαιρεῖται στέαρ (4 *c*)
6. 34 (7. 4). περιελεῖ αὐτά (4 *b*)
Nu. 17. 5 (20). περιελῶ . . . τὸν γογγυσμὸν υἱῶν Ἰ. (9)
30. 13. ἐὰν δὲ περιελὼν περιέλῃ ὁ ἀνήρ (7, 7)
— 13. ὁ ἀνὴρ αὐτῆς περιεῖλε (7)
— 14. ὁ ἀνὴρ αὐτῆς περιελεῖ (7)
— 16. B²R ἐὰν δὲ περιελὼν [A -αιρῶν] περιέλῃ (7, 7)
De. 7. 15. περιελεῖ . . . ἀπὸ σοῦ πᾶσαν μαλακίαν (4 *b*)
21. 13. περιελεῖς τὰ ἱμάτια τῆς αἰχμ. (4 *b*)
Jo. 24. 14, 23. περιέλεσθε τοὺς θεοὺς τοὺς ἀλλοτρίους (4 *b*)
I Ki. 1. 14. περιελοῦ τὸν οἶνόν σου (4 *b*)
7. 3. περιέλετε θεοὺς ἀλλοτρίους (4 *b*)
— 4. περιεῖλον [A -αν] . . . τὰς Βααλίμ (4 *b*)
28. 3. περιεῖλε τοὺς ἐγγαστριμύθους (4 *b*)
II Ki. 3. 10. περιελεῖν τὴν βασιλείαν (5)
14. 20. A ἕνεκεν τοῦ περιελεῖν [B -ελθεῖν] τὸ πρόσωπον τοῦ ῥήμ. τ. (3)
I Ch. 21. 8. περίελε δὴ τὴν κακίαν παιδός σου (5)
II Ch. 32. 12. ὃς περιεῖλε τὰ θυσιαστήρια αὐ. (4 *b*)
33. 15. περιεῖλε τοὺς θεοὺς τοὺς ἀλλοτρίους (4 *b*)
34. 33. περιεῖλὲν Ἰ. τὰ πάντα βδελύγματα (4 *b*)
Ju. 10. 3. περιείλατο [S -ετο] τὸν σάκκον
Es. 3. 10. περιελόμενος ὁ βασ. τὸν δακτύλιον (4 *b*)
Ps. 118 (119). 22. περίελε ἀπ' ἐμοῦ ὄνειδος (1)
— 39. περίελε τὸν ὀνειδισμόν μου (5)
— 43. μὴ περιέλῃς ἐκ τοῦ στόματός μου λόγον ἀληθείας (2 *a*)
Pr. 4. 24. περίελε σεαυτοῦ σκολιὸν στόμα (4 *b*)
27. 22. οὐ μὴ περιέλῃς τὴν ἀφροσύνην αὐτοῦ (4 *a*)
Jn. 3. 6. περιείλατο τὴν στολὴν αὐ. (5)
Ze. 3. 11. περιελῶ ἀπὸ σοῦ τὰ φαυλίσματα (4 *b*)
— 15. περιεῖλε κύριος τὰ ἀδικήματά σου (4 *b*)
Za. 10. 11. σκῆπτρον Αἰγ. περιαιρεθήσεται (4 *a*)
Je. 4. 1. ἐὰν περιέλῃ τὰ βδελύγματα αὐτοῦ (4 *b*)
— 4. A S¹ περιέλεσθε [B S² περιτέμεσθε] τὴν σκληροκαρδίαν ὑμῶν (4 *b*)
Ba. 4. 34. περιελῶ αὐτῆς τὸ ἀγαλλίαμα [A ἄγαλμα]
Ep. Je. 58. ὧν οἱ ἰσχύοντες περιελοῦνται τὸ χρυσίον
II Ma. 4. 38. τὴν τοῦ Ἀνδρ. πορφύραν περιελόμενος
[**Aq.**, **Th.** Pr. 25. 20: Is. 27. 9.]
[**Sm.** Ge. 49. 10: Nu. 11. 25: III Ki. 15. 14: Jb. 38. 15: Ps. 118 (119). 29: Pr. 25. 20: Is. 25. 8: 27. 9: Je. 4. 4: 16. 5: Am. 6. 7.]

περιαμαρτίζειν.

[**Aq.** Ex. 29. 36: Le. 6. 26 (19): 8. 15: 9. 15: 14. 49.]
[**Sm.**, **Th.** Ex. 29. 36: Le. 8. 15: 14. 49.]
[**Al.** Ez. 43. 20.]

περιαμαρτισμός.

[**Sm.** Za. 13. 1.]

περιαντλεῖν.

IV Ma. 15. 32. ἐν τῷ τῶν παθῶν περιαντλουμένῃ κατακλυσμῷ

περιάπτειν.

III Ma. 3. 7. R οὐ τῷ τυχόντι περιῆψαν ψόγῳ [A -αντο φόβῳ]

περιάργυρος.

Ep. Je. 8. αὐτά τε περίχρυσα καὶ περιάργυρα
— 39. τοῖς ἀπὸ τοῦ ὄρους λίθοις ὡμοιωμένοι εἰσὶ . . . τὰ π.
— 50. ὑπάρχοντα γὰρ ξύλινα . . . καὶ περιάργυρα
— 55. εἰς οἰκίαν θεῶν . . . περιαργύρων
— 57. R οὐ μὴ διασωθῶσι [A -σώσουσιν, B διαθῶσιν] θεοὶ . . . περιάργυροι
— 70. οἱ θεοὶ αὐτῶν εἰσι . . . περιάργυροι
— 71. ἀφωμοίωνται οἱ θεοὶ αὐτῶν . . . περιάργυροι

περιαργυροῦν. περιηργυρωμένος (1) מְחֻשָּׁק כֶּסֶף (2) נָחֻפָּה בַכֶּסֶף (3) צִפּוּי כֶּסֶף

Ex. 27. 11. αἱ βάσεις αὐ. περιηργυρωμέναι ἀργυρίῳ †
37. 15 (38. 17). αἱ κεφαλίδες αὐ. περιηργυρωμ. ἀργ. (3)
— 15 (38. 17). οἱ στῦλοι περιηργυρωμ. ἀργ. (1?)
— 17 (38. 19). αἱ κεφαλίδες αὐ. περιηργυρωμ. ἀργ. (3)
— 18 (38. 19). καὶ αὐτοὶ περιηργυρωμ. ἀργ. †
38. 18 (36. 34). περιηργύρωσε τοὺς στύλους †
— 20. περιηργύρωσεν αὐτάς [A -ούς] †
Ps. 67 (68). 13. πτέρυγες περιστερᾶς περιηργυρωμέναι (2)
Is. 30. 22. μιανεῖς [A S³ ἐξαρεῖς] τὰ εἴδωλα τὰ περιηργυρωμένα (3)

περιαστράπτειν.

IV Ma. 4. 10. ἄγγελοι περιαστράπτοντες τοῖς ὅπλοις

περιβάλλειν. (1) חָבַק *a.* qal. *b.* pi. (2) כָּסָה *a.* pi. *b.* pu. *c.* hithpa. (3) לָבַשׁ *a.* qal. *b.* hi. (4) נָקַף hi. (5) עָטָה (6) עָטַף (7) פָּרַשׂ (8) שָׁפַךְ

Ge. 24. 65. λαβοῦσα τὸ θέριστρον περιεβάλετο (2 *c*)
28. 20. καὶ ἱμάτιον περιβαλέσθαι (3 *a*)
38. 14. A περιεβάλετο θερίστρῳ [R -βαλε τὸ θ.] (2 *a*)
— 19. A περιεβάλετο [R -είλετο] τὸ θέριστρον †
Le. 13. 45. περὶ τὸ στόμα αὐ. περιβαλέσθω [A -βαλλ.] (5)
De. 22. 12. ἃ ἐὰν περιβάλῃ ἐν αὐτοῖς (2 *a*)
Jd. 4. 18. περιέβαλεν αὐτὸν ἐπιβολαίῳ [A *al.*] (2 *a*)
— 19. καὶ περιέβαλεν αὐτόν [A *al.*] (2 *a*)
Ru. 3. 9. περιβαλεῖς τὸ πτερύγιόν σου (7)
I Ki. 28. 8. περιεβάλετο ἱμάτια ἕτερα (3 *a*)
III Ki. 1. 1. περιέβαλλον αὐτὸν ἱματίοις (2 *a*)
11. 29. Ἀχ. περιβεβλημένος ἱματίῳ καινῷ (2 *c*)
12. 24. B τοῦ περιβαλέσθαι σε –
20 (21). 16, 27 (B). καὶ περιεβάλετο σάκκον –
IV Ki. 8. 15. περιέβαλεν ἐπὶ τὸ πρόσωπον αὐ. (7)
19. 1. καὶ περιεβάλετο σάκκον (2 *c*)
— 2. τοὺς πρεσβυτ. . . . περιβεβλημένους σάκκους (2 *c*)
I Ch. 21. 16. οἱ πρεσβύτεροι περιβεβλημ. ἐν σάκκοις (2 *b*)

II Ch. 28. 15. πάντας τοὺς γυμνοὺς περιέβαλον [A -βαλλον] (3 b)
I Es. 3. 6. καὶ πορφύραν περιβαλέσθαι
Ju. 4. 11. τὸ θυσιαστήριον σάκκῳ περιέβαλον [B[1] -βαλλον]
Es. 5. 1. περιεβάλετο τὴν δόξαν αὐτῆς (3 a)
6. 8. ἣν ὁ βασ. περιβάλλεται (3 a)
8. 13. περιέβαλε συμφοραῖς ἀνηκέστοις
Jb. 23. 9. περιβαλεῖ δεξιὰ καὶ οὐκ ὄψομαι (6)
24. 8. παρὰ τὸ μὴ ἔχειν ἑαυτοὺς σκέπην πέτραν [S[1] om.] περιεβάλοντο (1 b)
Ps. 44 (45). 9. ἐν ἱματισμῷ διαχρύσῳ περιβεβλημένη πεποικιλμένη [S -οις] –
— 13. ἐν κροσσωτοῖς χρυσοῖς περιβεβλημένη πεποικιλμένη [S[1] -οις] (3 a)
47 (48). 12. B[1] περιβάλετε [A B[2] S -λάβετε] αὐτήν (4)
70 (71). 13. περιβαλέσθωσαν αἰσχύνην (5)
72 (73). 6. περιεβάλοντο ἀδικίαν (6)
108 (109). 19. ὡς ἱμάτιον ὃ περιβάλλεται (5)
— 29. A R περιβαλέσθωσαν [S -βαλλ.] ὡς διπλοΐδα αἰσχύνην αὐτῶν (5)
146 (147). 8. τῷ περιβάλλοντι τὸν οὐρανὸν ἐν νεφέλαις (2 a)
Pr. 28. 4. περιβάλλουσιν ἑαυτοῖς τεῖχος †
29. 5. δίκτυον περιβάλλει [S -βαλεῖ] αὐτὸ τοῖς ἑαυτοῦ ποσίν (7)
Ec. 4. 5. ὁ ἄφρων περιέβαλε [A S -έλαβεν] τὰς χεῖρας αὐτοῦ (1 a)
Ca. 1. 7. ὡς περιβαλλομένη ἐπ' ἀγέλαις ἑταίρων σου (5)
Wi. 19. 17. ἀχανεῖ περιβληθέντες σκότει
Si. 40. 4. ἕως περιβαλλομένου ὠμόλινον
Mi. 7. 10. καὶ περιβαλεῖται αἰσχύνην (2 a)
Jn. 3. 6. περιεβάλετο σάκκον (2 a)
— 8. περιεβάλοντο σάκκους οἱ ἄνθρωποι (2 c)
Hg. 1. 6. περιεβάλεσθε καὶ οὐκ ἐθερμάνθητε (3 a)
Za. 3. 6 (5). περιέβαλον αὐτὸν ἱμάτια (3 b)
Is. 4. 1. τὰ ἱμάτια ἡμῶν περιβαλούμεθα (3 a)
37. 1. περιεβάλετο σάκκον (2 c)
— 2. ἀπέστειλεν . . . τοὺς πρεσβυτέρους τῶν ἱερέων περιβεβλημένους σάκκους (2 c)
58. 7. ἐὰν ἴδῃς γυμνὸν περίβαλε (2 a)
59. 6. οὐδὲ μὴ περιβάλωνται [S -ονται] ἀπὸ τῶν ἔργων αὐτῶν (2 c)
— 17. περιεβάλετο ἱμάτιον ἐκδικήσεως (5)
Je. 4. 30. τί ποιήσεις ἐὰν περιβάλῃ κόκκινον (3 a)
Ba. 5. 2. περιβαλοῦ τὴν διπλοΐδα τῆς παρὰ τοῦ θεοῦ δικαιοσύνης
La. 4. 5. R περιεβάλοντο [B -βάλοντο, A -έλαβον] κοπρίας (1 b)
Ep. Je. 12. περιβεβλημένων αὐτῶν ἱματισμὸν πορφυροῦν
Ez. 4. 2. περιβαλεῖς ἐπ' αὐτὴν χάρακα (8)
16. 10. περιέβαλόν σε τριχαπτῷ (2 a)
— 18. περιέβαλες αὐτάς (2 a)
18. 7. γυμνὸν περιβαλεῖ [A add. ἱμάτιον] (2 a)
— 16. γυμνὸν περιέβαλε (2 a)
27. 7. περιβαλεῖν σε ὑάκινθον –
32. 3. περιβαλῶ ἐπὶ σὲ δίκτυα [A -νόν μου] (7)
34. 3. τὰ ἔρια περιβάλλεσθε (3 a)
Da. LXX. 12. 6. τῷ ἑνὶ τῷ περιβεβλημένῳ τὰ βύσσινα (3 a)
— 7. ἤκουσα τοῦ περιβεβλημ. τὰ βύσσινα (3 a)
I Ma. 2. 14. περιεβάλοντο σάκκους
3. 47. S R περιεβάλοντο [A -βάλλ.] σάκκους
8. 14. καὶ οὐ περιεβάλοντο πορφύραν
10. 64. S R καὶ περιβεβλημένον αὐτὸν πορφύραν [A σινδόνα]
14. 43. S R ὅπως περιβάληται [A -βάλλ.] πορφύραν
— 44. S[1] R καὶ περιβάλλεσθαι [A S[2] -βαλέσθαι] πορφύραν
III Ma. 6. 26. τίς . . . οὕτως ἀθέσμοις περιέβαλεν αἰκίαις
— 34. R αἰσχύνην ἐφ' ἑαυτοῖς περιβαλλόμενοι [A -βαλόμ.]
[Aq. Ps. 103 (104). 6.]
[Sm. Is. 23. 18 : 57. 16 : 59. 17 : Je. 43 (50). 12 : Ez. 24. 22.]
[Th. Ps. 103 (104). 6 : Is. 23. 18 : 57. 16 : 59. 17 : Je. 43 (50). 12.]
[Al. I Ki. 28. 14.]

περιβιοῦν. (1) חָיָה pi.
Ex. 22. 18 (17). A φαρμακοὺς οὐ περιβιώσετε [B -ποιήσετε] (1)
III Ma. 5. 18. τὴν παροῦσαν ἡμέραν περιβεβιωκότες

περιβλέπειν. (1) נָבַט hi. (2) עָשָׂה (3) פָּנָה (4) שׁוּר
Ge. 19. 17. μὴ περιβλέψῃς εἰς τὰ ὀπίσω (1)
Ex. 2. 12. περιβλεψάμενος δὲ ὧδε καὶ ὧδε (3)
Jo. 8. 20. περιβλέψαντες . . . εἰς τὰ ὀπίσω αὐτῶν (3)
III Ki. 21 (20). 40. περιεβλέψατο ὁ δοῦλός σου (2)
To. 10. 7. S περιεβλέπετο τὴν ὁδόν [A B al.]
11. 5. περιβλεπομένη . . . τὸν παῖδα αὐτῆς
Jb. 7. 8. οὐ περιβλέψεταί με [A οὐκ ἀτενοῖ μοι] ὀφθαλμὸς ὁρῶντός με (4)
Si. 9. 7. μὴ περιβλέπου ἐν ῥύμαις πόλεως
Ba. 4. 36. R περίβλεψον [A B -ψαι] πρὸς ἀνατολάς
5. 5. περίβλεψαι πρὸς ἀνατολάς
[Aq., Th. Jb. 7. 8.]

περίβλεπτος. (1) π. γίνεσθαι יָדַע ni.
Pr. 31. 23. περίβλεπτος δὲ γίνεται ὁ ἀνὴρ αὐτῆς (1)
[Aq. Jb. 28. 18.]
[Sm. Jb. 28. 18 : Pr. 25. 11 : Ca. 1. 11 : La. 4. 7.]
[Th. Pr. 25. 11.]

περίβλημα. (1) בֶּגֶד
Nu. 31. 20. πᾶν π. . . . ἀφαγνιεῖτε (1)
[Sm. Ez. 23. 15.]

περιβόητος.
II Ma. 2. 22. τὸ π. καθ' ὅλην τὴν οἰκουμ. ἱερόν

περιβόλαιον. (1) בֶּגֶד (2) a. כְּסוּת b. מְכַסֶּה (3) a. לְבוּשׁ b. מַלְבּוּשׁ c. תִּלְבֹּשֶׁת (4) מִסְפָּחוֹת
Ex. 22. 27 (26). ἔστι γὰρ τοῦτο π. αὐτοῦ (2 a)
De. 22. 12. ἐπὶ τῶν τεσσ. κρασπέδων τῶν π. σου (2 a)
Jd. 8. 26. A καὶ τῶν π. τῶν πορφυρῶν [B al.] (1)
Jb. 26. 6. οὐκ ἔστι π. τῇ ἀπωλείᾳ [S[1] al.] (2 a)
Ps. 101 (102). 26. ὡσεὶ περιβόλαιον ἑλίξεις [S[1] ἀλλάξεις] αὐτούς (3 a)
103 (104). 6. ἄβυσσος ὡς ἱμάτιον τὸ π. αὐτοῦ †
Is. 50. 3. ὡς σάκκον θήσω τὸ π. αὐτοῦ (2 a)
59. 17. περιεβάλετο . . . τὸ π. αὐ. (3 c)
Jer. 15. 12. π. χαλκοῦν ἡ ἰσχύς σου –
Ez. 13. 21. A διαρρήξω τὰ π. [B ἐπιβ.] ὑμῶν (4)
16. 13. τὰ π. σου βύσσινα (3 b)
27. 7. ἐγένετο περιβόλαιά σου (2 b)
[Sm. I Ki. 15. 27 : Is. 9. 5 (4) : 59. 17 : 61. 3, 10.]
[Th. Is. 61. 3.]

περιβολή. (1) לְבוּשׁ (2) סוּת
Ge. 49. 11. πλυνεῖ . . . ἐν αἵμ. σταφ. τὴν π. αὐτοῦ (2)
Si. 11. 4. ἐν περιβολῇ ἱματίων μὴ καυχήσῃ
50. 11. ἐδόξασε περιβολὴν ἁγιάσματος
Da. LXX. 7. 9. ἔχων περιβολὴν ὡσεὶ χιόνα (1)
II Ma. 3. 26. διαπρεπεῖς δὲ τὴν π.
[Sm. Ez. 17. 17.]

περίβολος. (1) גְּבוּל (2) חוֹמָה
Si. 50. 2. ἀνάλημμα ὑψηλὸν περιβόλου ἱεροῦ
Is. 54. 12. θήσω . . . τὸν π. σου λίθους ἐκλεκτούς (1)
Ez. 40. 5. ἰδοὺ π. ἔξωθεν τοῦ οἴκου κύκλῳ (2)
42. 20. διέταξεν αὐτὸν καὶ περίβολον αὐτῶν [A -όν] (2)
Da. LXX. 3. 1. ἐν πεδίῳ τοῦ π. χώρας Βαβυλωνίας †
I Ma. 14. 48. ἐν περιβόλῳ τῶν ἁγίων
II Ma. 1. 15. κἀκείνου προσελθόντος . . . εἰς τὸν π. τοῦ τεμένους
6. 4. R ἐν τοῖς ἱεροῖς π. [A -ων] γυναιξὶ πλησιαζόντων
III Ma. 4. 11. R μηδὲ τὸ συνόλον καταξιῶσαι περιβόλων [A -ῳ]
IV Ma. 4. 11. ἐπὶ τὸν πάμφυλον τοῦ ἱεροῦ περίβολον
[Aq. IV Ki. 11. 15.]
[Sm. Ps. 47 (48). 14 : 121 (122). 7 : Ez. 40. 5.]
[Th. IV Ki. 11. 8, 15.]

περιβώμιον. (1) פְּסִילִים
II Ch. 34. 3. R ἀπὸ τῶν π. (1)
[Sm. IV Ki. 17. 16 : 21. 7 : 23. 4, 7.]
[Th. IV Ki. 23. 4.]

περιγίνεσθαι.
I Ch. 28. 19. κατὰ τὴν περιγενηθεῖσαν αὐτῷ σύνεσιν †
IV Ma. 13. 3. περιεγένοντο τῶν παθῶν
[Sm. I Ki. 17. 9 : Jb. 39. 32 (40. 2) : Ec. 2. 22.]

περίγλυφον. (1) פֶּטֶר
III Ki. 6. 29. A καὶ περίγλυφα ἐγκύπτοντα
[Aq., Th. III Ki. 6. 18, 29.]

περιγράφειν.
[Sm. Jb. 26. 10.]

περιγραφή.
[Sm. Jb. 22. 14.]

περιγώνιον.
[Aq. Is. 44. 13.]

περιδεῖν. (1) אָסַר
Jb. 12. 18. περιέδησε ζώνῃ ὀσφύας αὐ. [A al.] (1)
[Sm. Ca. 7. 5 (6).]
[Th. Jb. 12. 18.]

περιδειπνεῖν, περιδειπνίζειν. (1) בָּרָה hiph.
II Ki. 3. 35. ἦλθε πᾶς ὁ λαὸς περιδειπνῆσαι [A -ίσαι] τὸν Δ. (1)

περίδειπνον.
Ep. Je. 32. ὥσπερ τινὲς ἐν περιδείπνῳ νεκροῦ

περιδέξιον. (1) עָגִיל
Ex. 35. 22. ἤνεγκαν . . . περιδέξια –
Nu. 31. 50. προσενηνόχαμεν . . . περιδέξιον (1)
Is. 3. 20. ἀφελεῖ . . . τὰ π. [S[1] om. τὰ π.] –

περιδέρραιον.
[Sm. Ez. 16. 11.]
[Al. Ex. 35. 22.]

περιδιδόναι.
III Ma. 1. 27. A μὴ περιδόντα [? περιΐδ.] τὴν ἄνομον . . . πρᾶξιν [R al.]

περιδιπλοῦν.
Ju. 10. 5. περιεδίπλωσε πάντα τὰ ἀγγεῖα αὐ.

περιδιώκειν.
[Aq. Jb. 13. 25.]

περιδρομή.
[Sm. Ez. 43. 14.]

περιδύειν.
IV Ma. 6. 2. περιέδυσαν τὸν γεραιόν

περιειλεῖν.
[Aq. Ps. 142 (143). 4 : Is. 57. 16.]
[Sm. Jb. 38. 9.]

περιεῖναι. (1) ὁ περιών שָׂרִיד
Jb. 27. 3. πνεῦμα δὲ θεῖον τὸ περιόν μοι ἐν ῥινί [A ῥήμασί μου] –
— 15. οἱ δὲ περιόντες αὐτοῦ ἐν [A αὐτῶν κακῷ] θανάτῳ τελευτήσουσι (1)
31. 21. πολλή μοι βοήθεια περίεστιν [A S πάρεστιν] –
II Ma. 7. 24. ἔτι τοῦ νεωτέρου περιόντος
14. 10. ἄχρι γὰρ Ἰ. περίεστιν
III Ma. 5. 18. A τὴν περιοῦσαν [R παροῦσαν] ἡμέραν περιβεβιωκότες
[Sm. Ec. 8. 10.]

περιεκτικός.
IV Ma. 1. 20. παθῶν δὲ φύσεις εἰσὶν αἱ περιεκτικώταται δύο

περιεργάζεσθαι.
Wi. 8. 5. S[1] τί σοφίας πλουσιώτερον [S τιμιώτ.] τῆς τὰ πάντα περιεργαζομένης [A B S[2] ἐργ.]
Si. 3. 23. ἐν τοῖς περισσοῖς τῶν ἔργων σου μὴ περιεργάζου
[Sm. II Ki. 11. 3 : Ec. 7. 30 (29).]

περιεργασία, περιέργεια.
Si. 41. 22. S[2] ἀπὸ περιεργασίας καὶ [A B S[1] περιεργείας] παιδίσκης αὐτοῦ

περιέρχεσθαι. (1) סָבַב *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* po. *e.* hi. (2) עָבַר (3) שׁוּט

Jo. 6. 6 (7). παραγγείλατε τῷ λαῷ περιελθεῖν (2)
— 10 (11). περιελθοῦσα ἡ κιβωτός (1 *e*)
— 14 (15). περιήλθοσαν [A -ον] τὴν πόλιν (1 *a*)
15. 10. περιελεύσεται ὅριον . . . ἐπὶ θάλασσαν (1 *b*)
16. 6. περιελεύσεται [A παρελ.] . . . εἰς Θ. (1 *b*)
19. 13. περιελεύσεται . . . ἐπὶ πόλιν Κ. (2)
— 14. περιελεύσεται ὅρια . . . ἐπὶ Ἀ. (1 *b*)
II Ki. 14. 20. ἕνεκεν τοῦ περιελθεῖν [A -ελεῖν] τὸ πρόσωπον τοῦ ῥήμ. τ. (1 *c*)
Jb. 1. 6. A περιελθὼν τὴν γῆν –
— 7. περιελθὼν τὴν γῆν (3)
2. 9. A τόπον ἐκ τόπου περιερχομένη [B S *om.*] –
— 9. S² καὶ οἰκίαν ἐξ οἰκίας περιερχομένη [A B S¹ *om.*] –
Wi. 6. 16. τοὺς ἀξίους αὐτῆς αὕτη περιέρχεται
Je. 38 (31). 22. ἐν σωτηρίᾳ [S εἰς σωτηρίαν] περιελεύσονται ἄνθρωποι (1 *d*)
Ez. 3. 15. περιῆλθον τοὺς κατοικοῦντας †
[Sm. Jd. 11. 37 : Ps. 58 (59). 15 : 87 (88). 18 : Je. 49 (30). 3.]
[Th. Je. 31 (38). 22.]
[Al. Ps. 47 (48). 13.]

περιέχειν. (1) אָזַר (2) אָפַף (3) אָרַךְ hi. (4) כָּתַר pi. (5) נָצַר (6) נָקַף hiph. (7) צָפָה pi. (8) שׁוּט

II Ki. 22. 5. περιέσχον με συντριμμοὶ θανάτου (2)
III Ki. 6. 15. περιέσχε τὸ ἔσω τοῦ οἴκου (7)
— 20 *bis.* περιέχεν αὐτὸ χρυσίῳ (7)
— 21. ὅλον τὸν οἶκον περιέσχε χρυσίῳ (7)
— 28. περιέσχε τὰ χερ. χρυσίῳ (7)
— 30. τὸ ἔδαφος . . . περιέσχε χρυσίῳ (7)
— 32. A καὶ περιέσχεν χρυσίῳ (7)
— 35. καὶ περιεχόμενα χρυσίῳ (7)
II Ch. 4. 3. περιέχουσι [A -σαι] τὸν λουτῆρα (6)
5. 9. A περιείχον [B ὑπερεῖχον] οἱ ἀναφορεῖς (3)
I Es. 8. 7. πολλὴν ἐπιστήμην περιείχεν
Jb. 2. 9. A ἵνα ἀναπαύσομαι . . . τῶν περιεχουσῶν με ὀδυνῶν [B S *al.*] –
30. 18. ὥσπερ τὸ περιστόμιον τοῦ χιτῶνός μου περιέχε με (1)
Ps. 16 (17). 9. οἱ ἐχθροί μου τὴν ψυχήν μου περιέσχον (6)
17 (18). 4. περιέσχον με ὠδῖνες θανάτου (2)
21 (22). 12. ταῦροι πίονες περιέσχον με (4)
— 16. συναγωγὴ πονηρευομένων περιέσχον με (6)
31 (32). 7. σύ μου εἶ καταφυγὴ ἀπὸ θλίψεως τῆς περιεχούσης με (5)
39 (40). 12. περιέσχον με κακά (2)
87 (88). 17. περιέσχον με ἅμα (6)
114 (116). 3. περιέσχον με ὠδῖνες θανάτου (2)
Wi. 18. 14. ἡσύχου γὰρ σιγῆς περιεχούσης τὰ πάντα
Si. 51. 7. περιέσχον με παντόθεν καὶ οὐκ ἦν ὁ βοηθῶν
Je. 26 (46). 5. οὐκ ἀνέστρεψαν περιεχόμενοι κυκλόθεν †
Ez. 6. 12. ὁ περιεχόμενος ἐν λιμῷ συντελεσθήσεται (5)
16. 57. ὄνειδος εἶ . . . θυγατέρων ἀλλοφύλων τῶν περιεχουσῶν σε κύκλῳ (8)
Da. LXX. 7. 28. σφόδρα ἐκστάσει περιειχόμην †
I Ma. 15. 2. ἦσαν περιέχουσαι τὸν τρόπον τοῦτον
II Ma. 4. 16. περιέσχεν αὐτοὺς χαλεπὴ περίστασις
9. 18. τὴν ὑπογεγραμμ. ἐπιστολὴν . . . περιέχουσαν δὲ οὕτως
11. 16. ἐπιστολαὶ . . . περιέχουσαι τὸν τρόπον τοῦτον
— 22. ἡ δὲ τοῦ βασ. ἐπιστολὴ περιεῖχεν οὕτως
III Ma. 5. 6. διὰ τὴν πάντοθεν περιέχουσαν αὐτοὺς . . . ἀνάγκην
IV Ma. 1. 2. περιέχει ἔπαινον
8. 4. AS²R περιέχονταν [S¹ *om.*] μέσην τὴν μητέρα
[Aq. Dt. 20. 12 : Ez. 4. 3.]
[Th. Je. 6. 12 (P.) : 30. 18.]

περίζωμα. (1) אֵזוֹר (2) *a.* חֲגוֹר *b.* חֲגוֹרָה (3) מִטְפַּחַת

Ge. 3. 7. ἐποίησαν ἑαυτοῖς περιζώματα (2 *b*)
Ru. 3. 15. φέρε τὸ π. τὸ ἐπάνω σου (3)
Pr. 31. 24. ἀπέδοτο περιζώματα τοῖς Χαναναίοις (2 *a*)
Je. 13. 1. κτῆσαι σεαυτῷ π. λινοῦν (1)
— 2. ἐκτησάμην τὸ π. (1)
— 4. λάβε τὸ π. τὸ περὶ τὴν ὀσφύν σου (1)
Je. 13. 6. λάβε ἐκεῖθεν τὸ π. (1)
— 7. ἔλαβον τὸ π. ἐκ τοῦ τόπου (1)
— 10. ἔσονται ὥσπερ τὸ π. τοῦτο (1)
— 11. κολλᾶται τὸ π. περὶ τὴν ὀσφὺν τοῦ ἀνθρώπου (1)
[Aq., Th. Je. 13. 7.]
[Sm. Is. 11. 5 *bis* : Je. 13. 7.]

περιζωννύναι. (1) אָזַר *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* hithp. (2) אָסַר (3) *a.* חָגַר *b.* חֲגוֹר *c.* מַחֲגֹרֶת (4) כִּרְבֵּל

Ex. 12. 11. αἱ ὀσφύες ὑμῶν περιεζωσμέναι (3 *a*)
Jd. 3. 16. καὶ περιεζώσατο αὐτήν (3 *a*)
18. 11, 16. A περιεζωσμένοι σκεύη πολεμικά [B *al.*] (3 *a*)
— 17. A περιεζωσμένοι σκεύη πολεμικά (3 *a*)
I Ki. 2. 4. ἀσθενοῦντες περιεζώσαντο δύναμιν (1 *a*)
— 18. παιδάριον περιεζωσμ. ἐφούδ (3 *a*)
17. 39. A περιεζώσατο Δ. τὴν ῥομφ. αὐ. [B *al.*] (3 *a*)
25. 13. A περιεζώσαντο ἀνὴρ τὴν μάχαιραν αὐ. (3 *a*)
— 13. A περιεζώσατο καὶ Δ. τὴν μάχαιραν αὐ. (3 *a*)
II Ki. 3. 31. περιζώσασθε σάκκους (3 *a*)
20. 8. περιεζωσμένος μανδύαν (3 *a*)
— 8. AB περιεζωσμένος [R ἐζ.] μάχαιραν (3 *b*)
21. 16. καὶ αὐτὸς περιεζωσμένος κορύνην (3 *a*)
III Ki. 21 (20). 32. καὶ περιεζώσαντο σάκκους (3 *a*)
IV Ki. 1. 8. ζώνην δερματ. περιεζωσμένος τὴν ὀσφύν (1 *a*)
3. 21. ἀνεβόησαν . . . περιεζωσμένοι ζώνην (3 *a*)
I Ch. 15. 27. Δ. περιεζωσμένος [S περιζωσάμενος] ἐν στολῇ βυσσ. (4)
Ju. 4. 14. σάκκους περιεζωσμένοι τὰς ὀσφύας αὐ.
Jb. 12. 18. A περιζωννύων αὐτοὺς ζώνῃ ὀσφύας αὐ. [B S *al.*] (2)
Ps. 17 (18). 32. ὁ θεὸς ὁ περιζωννύων με δύναμιν (1 *c*)
— 39. περιέζωσάς με δύναμιν εἰς πόλεμον (1 *c*)
29 (30). 11. περιέζωσάς με εὐφροσύνην (1 *c*)
44 (45). 3. περίζωσαι τὴν ῥομφαίαν σου ἐπὶ τὸν μηρόν σου (3 *a*)
64 (65). 6. περιεζωσμένος ἐν δυναστείᾳ (1 *b*)
— 12. ἀγαλλίασιν οἱ βουνοὶ περιζώσονται (3 *a*)
92 (93). 1. καὶ περιεζώσατο (1 *d*)
108 (109). 19. ἣν διὰ παντὸς περιζώννυται [S¹ ζ.] (3 *a*)
Si. 45. 7. B S περιέζωσεν αὐτὸν περιστολὴν [A -ῇ, R στολὴν] δόξης
Jl. 1. 8. ὑπὲρ νύμφην περιεζωσμένην σάκκον (3 *a*)
— 13. περιζώσασθε καὶ κόπτεσθε οἱ ἱερεῖς (3 *a*)
Is. 3. 24. περιζώσῃ σάκκον (3 *c*)
15. 3. ἐν ταῖς πλατείαις αὐτῆς περιζώσασθε σάκκους (3 *a*)
32. 11. περιζώσασθε [A S *add.* σάκκους] τὰς ὀσφύας (3 *a*)
Je. 1. 17. περίζωσαι τὴν ὀσφύν σου (1 *a*)
4. 8. περιζώσασθε σάκκους (3 *a*)
6. 26. περίζωσαι [S¹ -σασθε, S² -σετε] σάκκον (3 *a*)
30 (49). 3. περιζώσασθε σάκκους (3 *a*)
La. 2. 10. περιεζώσαντο σάκκους (3 *a*)
Ez. 7. 18. περιζώσονται σάκκους (3 *a*)
9. 11. A περιεζωσμένος [B ἐζ.] τῇ ζώνῃ τὴν ὀσφὺν αὐτοῦ –
27. 31. A περιζῶνται σάκκον (3 *a*)
44. 18. οὐ περιζώσονται βίᾳ (3 *a*)
Da. LXX. 10. 5. τὴν ὀσφὺν περιεζωσμένος βυσσίνῳ (3 *a*)
Da. TH. 10. 5. ἡ ὀσφὺς αὐ. περιεζωσμένη ἐν χρυσίῳ Ὠ. (3 *a*)
I Ma. 3. 58. καὶ εἶπεν Ἰ., Περιζώσασθε
[Aq. Is. 8. 9.]
[Sm. Dt. 1. 41 : Je. 12. 18 : Is. 8. 9.]
[Th. Dt. 1. 41 : Is. 8. 9 : Ez. 27. 31.]

περιηχεῖν.
[Sm. Je. 18. 18.]

περίθεμα. (1) מְכֻבָּר (2) עָנָק (3) צִפּוּי

Ex. 38. 24 (4). A ἐποίησε . . . περίθεμα [B παράθ.] (1)
Nu. 16. 38 (17. 3). ποίησον αὐτὰ . . . περίθεμα τῷ θυσιαστ. (3)
— 39 (17. 4). προσέθηκαν αὐτὰ περίθεμα τῷ θυσιαστ. (3)
Jd. 8. 26. καὶ ἐκτὸς τῶν π. [A *al.*] (2)
[Sm. Ez. 7. 20.]
[Al. Pr. 1. 9.]

περίθεσις.
[Sm. Ps. 31 (32). 9.]

περιϊδεῖν.
III Ma. 1. 27. μὴ περιϊδόντα [?, *cod.* περιδ., R παριδ.] τὴν ἄνομον . . . πρᾶξιν

περιϊέναι.
Wi. 8. 18. περιῄειν ζητῶν ὅπως λάβω [S ἀγάγω] αὐτὴν εἰς ἐμαυτόν

περιϊπτασθαι.
IV Ma. 14. 17. περιϊπτάμενα [S¹ περιπτ.] κυκλόθεν αὐτῶν

περιϊστάναι. (1) נָצַב ni. (2) סָבַב

Jo. 6. 3. περίστησον αὐτῇ τοὺς μαχίμους [A *al.*] (2)
I Ki. 4. 16. τοῖς ἀνδράσι τοῖς περιεστηκόσιν αὐτῷ –
II Ki. 13. 31. πάντες οἱ παῖδες αὐ. οἱ [A *om.*] περιεστῶτες αὐτῷ (1)
Ju. 5. 22. ἐγόγγυσε πᾶς ὁ λαὸς . . . περιεστώς [S¹ *om.*]
Ep. Je. 37. ἄνθρωπον τυφλὸν εἰς ὅρασιν οὐ μὴ περιστήσωσιν [A παραστ.]
II Ma. 14. 9. τοῦ περιϊσταμένου γένους ἡμῶν προνοήθητι
[Sm. Ps. 31 (32). 7.]

περικαθαίρειν. (1) מוּל (2) עָבַר hi.

De. 18. 10. περικαθαίρων τὸν υἱὸν αὐτοῦ (2)
Jo. 5. 4. περικάθαρεν [A -ηρεν] Ἰ. τοὺς υἱοὺς [A¹ τοῖς υἱ.] Ἰσρ. (1)
IV Ma. 1. 29. ὃν ἑκάστην ὁ παγγέωργος λογισμὸς περικαθαίρων

περικαθαρίζειν. (1) כָּפַר pu. (2) מוּל (3) עָרַל

Le. 19. 23. περικαθαριεῖτε τὴν ἀκαθαρσίαν αὐ. (3)
De. 20. 12. A¹ περικαθαριεῖς [A² B -θιεῖς] αὐτήν †
30. 6. περικαθαριεῖ κ. τὴν καρδίαν σου (2)
Is. 6. 7. τὰς ἁμαρτίας σου περικαθαριεῖ (1)
[Th. Is. 58. 11.]

περικάθαρμα. (1) כֹּפֶר

Pr. 21. 18. περικάθαρμα δὲ δικαίου ἄνομος (1)

περικαθῆσθαι. (1) צוּר

Jd. 9. 31. περικάθηται [A πολιορκοῦσιν] τὴν πόλιν (1)
III Ki. 15. 27. πᾶς Ἰσρ. περικάθητο ἐπὶ Γ. (1)
IV Ki. 6. 25. περικάθηντο ἐπ' [A περὶ] αὐτήν (1)
I Ma. 5. 3. περικάθηντο τὸν Ἰ.
6. 24. R περικάθηνται εἰς τὴν ἄκραν [S -εκάθηντο ἐπ' αὐτόν]
11. 21. Ἰων. περικάθηται τὴν ἄκραν
— 22. S² R τοῦ μὴ π. τῇ ἄκρᾳ [AS¹ *om.* τῇ ἄ.]
— 23. ἐκέλευσε περικαθῆσθαι

περικαθίζειν. (1) חָנָה (2) לָחַם ni. (3) צוּר (4) קָשַׁר

De. 20. 12. περικαθιεῖς [A¹ -θαριεῖς] αὐτήν (3)
— 19. ἐὰν δὲ περικαθίσῃς περὶ πόλιν μίαν (3)
Jo. 10. 5. περικάθισαν τὴν Γαβ. (1)
— 31. περικάθισεν [A -σαν] αὐτήν (1)
— 34. περικάθισεν αὐτήν (1)
— 36. περικάθισεν [A -σαν] αὐτήν (2)
— 38. καὶ περικαθίσαντες αὐτήν (2)
Jd. 9. 50. A καὶ περικάθισεν ἐπ' αὐτήν [B *al.*] (1)
III Ki. 15. 27. περικάθισεν αὐτὸν Β. (4)
16. 17. περικάθισαν ἐπὶ Θ. (3)
21 (20). 1. περικάθισεν ἐπὶ Σαμ. –
— 1. περικάθισαν [A -εν] ἐπὶ Σαμ. (3)
IV Ki. 6. 24. A B² R περικάθισεν [B¹ -αν] ἐπὶ [B *om.*] Σαμ. (3)
I Ch. 20. 1. περικάθισε [A -αν] τὴν Ῥ. (3)
I Ma. 6. 19. τοῦ περικαθίσαι ἐπ' αὐτούς
— 20. περικάθισαν ἐπ' αὐτούς [S¹ -ήν]
11. 61. περικάθισε περὶ αὐτήν
II Ma. 10. 33. περικάθισαν τὸ φρούριον

περικαίειν.
IV Ma. 16. 3. S R ἡ τῆς φιλοτεκνίας περιέκαιεν ἐκείνην [A -η] φύσις
[Sm. IV Ki. 16. 3.]

περικαλύπτειν. (1) חָפַשׂ hithp. (2) כָּסָה pi. (3) סָבַךְ (4) שָׁבַץ pu.

Ex. 28. 20. περικεκαλυμμένα χρυσίῳ (4)
Nu. 32. 38. A ᾠκοδόμησαν . . . περικεκαλυμμένας [B -κεκυκλωμ.] †
I Ki. 28. 8. A καὶ περικαλύψατο [B συνεκ.] Σ. (1)
III Ki. 7. 17. περικαλύψαι τὸ ἐπίθεμα τῶν στύλων –
— 42. π. ἀμφότ. τὰ ὄντα τὰ στρεπτά (2)
8. 7. περικάλυπτον τὰ χ. ἐπὶ [A om.] τὴν κιβ. (3)

περικαμπής.

[Aq. Is. 40. 4: Ho. 6. 8.]

περικατάληπτος.

II Ma. 14. 41. π. γενόμενος ὑπέθηκεν ἑαυτῷ ξίφος

περικείρειν. (1) קָצַץ

Je. 9. 26 (25). ἐπὶ πάντα περικειρόμενον τὰ κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (1)
32 (25). 23. πᾶν περικεκαρμένον [S πάντα περικειρόμ.] κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (1)

περικεῖσθαι.

Ep. Je. 24. τὸ χρυσίον ὃ περίκειται εἰς κάλλος
— 58. τὸν ἱματισμὸν τὸν περικείμενον αὐτοῖς
IV Ma. 12. 3. ὁρῶν ἤδη τὰ δεσμὰ περικείμενον
[Sm. Is. 61. 10.]

περικεφαλαία. (1) כּוֹבַע (2) קוֹבַע

I Ki. 17. 5. περικεφαλαία [A -αν] ἐπὶ τῆς κεφ. αὐ. (1)
— 38. ἐνέδυσε . . . π. χαλκῆν (2)
— 49. διέδυ ὁ λίθος διὰ τῆς π. –
II Ch. 26. 14. ἡτοίμασεν . . . περικεφαλαίας (1)
Is. 59. 17. περιέθετο περικεφαλαίαν [S add. ὡς] σωτηρίου (1)
Je. 26 (46). 4. κατάστητε ἐν ταῖς π. ὑμῶν (1)
Ez. 23. 24. A καὶ πέλται καὶ περικεφαλαῖαι [B om. κ. π.] (2)
27. 10. πέλτας καὶ περικεφαλαίας ἐκρέμασαν (1)
38. 4. πέλται καὶ περικεφαλαῖαι †
— 5. πάντες περικεφαλαίαις καὶ πέλταις (1)
I Ma. 6. 35. καὶ π. χαλκαῖ ἐπὶ τῶν κεφαλῶν αὐ.
[Aq. I Ki. 17. 5: Ez. 27. 10.]
[Sm., Th. I Ki. 17. 5: Ez. 23. 24.]

περικλᾶν.

Wi. 4. 5. περικλασθήσονται κλῶνες ἀτέλεστοι
IV Ma. 7. 5. περιέκλασε τοὺς μαινομ. τῶν παθῶν κλύδωνας
10. 6. τοὺς ἀγκῶνας περιέκλων
[Aq. Jb. 8. 12: Ez. 17. 22.]

περικλύζειν.

To. 6. 2. κατέβη περικλύσασθαι [S al.]
Ju. 10. 3. περιεκλύσατο τὸ σῶμα ὕδατι

περικνημίς. (1) כַּרְבֻּלָא

Da. TH. 3. 21. ἐπεδήθησαν σὺν . . . περικνημῖσι (1)

περικομπεῖν.

Wi. 17. 4. ἦχοι δὲ καταράσσοντες [B¹ ἐκταράσσοντες, S ταράσσοντες] αὐτοὺς περικόμπουν

περικόπτειν.

[Aq. Ps. 74 (75). 11: Za. 11. 10.]

περικοσμεῖν. (1) חָטַב pu.

Ps. 143 (144). 12. περικεκοσμημέναι ὡς ὁμοίωμα ναοῦ (1)

περικρατεῖν.

IV Ma. 1. 9. περικρατεῖ τῶν παθῶν ὁ λογισμός
2. 2. περιεκράτησε τῆς ἡδυπαθείας
7. 17. τῶν παθῶν οὐ πάντες περικρατοῦσιν
— 22. οὐκ ἂν περικρατήσειε τῶν παθῶν
14. 11. εἰ ὁ λογισμὸς περιεκράτησε τῶν ἀνδρῶν ἐκ.
[Sm. Je. 20. 7.]

περικρατής.

Da. TH. Su. 39. A ἐκείνου μὲν οὐκ ἠδυνήθημεν περικρατεῖς [B ἐγκρ.] γενέσθαι

περικυκλοῦν. (1) נָקַף hi. (2) סָבַב *a.* qal. *b.* ni. *c.* hoph. *d.* סָבִיב (3) סָעַד

Ge. 19. 4. περιεκύκλωσαν τὴν οἰκίαν (2 *b*)
Ex. 36. 20 (39. 13). περικεκυκλωμένα χρυσίῳ (2 *c*)
Nu. 21. 4. περιεκύκλωσαν γῆν Ἐδώμ (2 *a*)
Nu. 32. 38. ᾠκοδόμησαν . . . περικεκυκλωμένας [A -κεκαλυμμ.] (2 *c*)
Jo. 6. 13 (14). B περιεκύκλωσε τὴν πόλιν (2 *a*)
7. 9. περικυκλώσουσιν ἡμᾶς (2 *b*)
Jd. 19. 22. A περικύκλωσαν [B ἐκ.] τὴν οἰκίαν (2 *b*)
20. 5. A περικύκλωσαν [B ἐκ.] ἐπ' ἐμέ (2 *a*)
IV Ki. 6. 14. περικύκλωσαν τὴν πόλιν (1)
17. 15. A ὀπίσω ἐθνῶν τῶν περικυκλωσάντων αὐτούς [B al.] (2 *d*)
II Ch. 33. 14. A B περιεκύκλωσεν τὸ ἄδυτον (2 *a*)
Ju. 13. 13. περικύκλωσαν αὐτάς †
Jb. 30. 4. οἱ περικυκλοῦντες ἅλιμα ἐπὶ ἠχοῦντι †
Ps. 16 (17). 11. νυνὶ περικύκλωσάν με (2 *a*)
17 (18). 5. ὠδῖνες ᾅδου περικύκλωσάν με (2 *a*)
21 (22). 12. περικύκλωσάν με μόσχοι πολλοί (2 *a*)
Pr. 20. 28. περικυκλώσουσιν ἐν δικαιοσύνῃ τὸν θρόνον αὐτοῦ (3)
Je. 38 (31). 39. περικυκλωθήσεται [S¹ -ώσεται] κύκλῳ ἐξ ἐκλεκτῶν λίθων [A om.] (2 *b*)
52. 21. σπαρτίον . . . περικύκλου [A περικυκλοῦν, S¹ περικυκλοῖ] αὐτόν (2 *a*)
[Aq. Le. 19. 27: Ps. 25 (26). 6: 31 (32). 7, 10: Je. 31 (38). 22.]
[Sm. Ge. 37. 7: Ps. 16 (17). 11: 70 (71). 21: 87 (88). 18: 117 (118). 11: Ca. 2. 5.]
[Al. II Ch. 33. 14.]
[Quint. Ps. 59 (60). 3.]

περικύκλῳ, *vid. sub* **περί.**

περικυλίειν.

[Sm. Ca. 2. 5.]

περιλακίζειν.

IV Ma. 10. 8. ἑώρα τὰς ἑαυτοῦ σάρκας περιλακιζομένας

περιλαμβάνειν. (1) חָבַק *a.* qal. *b.* pi. (2) לָפַת (3) נָקַף hi.

Ge. 29. 13. περιλαβὼν αὐτὸν ἐφίλησε (1 *b*)
33. 4. καὶ περιλαβὼν αὐτόν (1 *b*)
48. 10. A² B καὶ περιέλαβεν αὐτούς (1 *b*)
Jd. 16. 29. περιέλαβε Σ. τοὺς δύο κίονας [A στύλους] (2)
IV Ki. 4. 16. σὺ περιειληφυῖα υἱόν (1 *a*)
Ps. 47 (48). 12. περιλάβετε [B¹ -βάλετε] αὐτήν (3)
Pr. 4. 8. τίμησον αὐτὴν ἵνα σε περιλάβῃ (1 *b*)
Ec. 3. 5. καιρὸς τοῦ περιλαβεῖν (1 *a*)
4. 5. A S ἄφρων περιέλαβεν [B -έβαλε] τὰς χεῖρας αὐτοῦ (1 *a*)
Ca. 2. 6: 8. 3. ἡ δεξιὰ αὐτοῦ περιλήψεταί με (1 *b*)
Si. 30. 20. ὥσπερ εὐνοῦχος περιλαμβάνων παρθένον
Is. 31. 9. πέτρᾳ γὰρ περιληφθήσονται ὡς χάρακι †
La. 4. 5. A περιέλαβον [B -εβάλοντο] κοπρίας (1 *b*)
[Aq. Pr. 6. 10.]
[Al. Ps. 26 (27). 10.]

περιλείπειν. (1) שָׁאַר ni.

II Ch. 34. 21. A περὶ παντὸς τοῦ περιλειφθέντος [B καταλ.] ἐν Ἰσρ. (1)
Hg. 2. 4 (3). S² τίς ἐξ ὑμῶν περιλειφθείς [AB S¹ om.] (1)
II Ma. 1. 31. καθὼς δὲ ἀνηλώθη . . . τὸ περιλειπόμ. ὕδωρ
8. 14. τὰ περιλελειμμένα πάντα ἐπῶλουν
IV Ma. 12. 6. A R εὐπειθῆ ποιῆσαι τὸν περιλειπόμενον [S al.]
13. 18. ἑνὶ ἑκάστῳ . . . ἔλεγον οἱ περιλειπόμενοι
[Aq. Le. 26. 39: Ez. 6. 12.]
[Sm. Le. 26. 39: Ps. 20 (21). 13: Ez. 6. 12.]
[Th. Ez. 6. 12.]

περίλημμα, περίληψις. (1) חָבַק pi.

Ec. 3. 5. A καιρὸς τοῦ μακρυνθῆναι ἀπὸ περιλήμματος [B S περιλήψεως] (1)

περίλοιπος. (1) מִיתָר (2) οἱ π. שְׁאֵרִית

Ps. 20 (21). 12. ἐν τοῖς π. σου ἑτοιμάσεις τὸ πρόσωπον αὐτῶν (1)
Am. 5. 15. ὅπως ἐλεήσῃ . . . τοὺς π. τοῦ Ἰ. (2)

περιλύειν.

IV Ma. 10. 7. S¹ περιλύσαντες τὰ ὄργανα [A S² R al.]
[Aq. I Ki. 5. 9: Ps. 29 (30). 12: Is. 52. 2.]

περίλυπος. (1) π. γίγνεσθαι *a.* חָרָה ל *b.* קָצַף (2) π. εἶναι שָׂחַח hithpo.

Ge. 4. 6. ἵνα τί περίλυπος ἐγένου (1 *a*)
I Es. 8. 71. ἐκάθισα σύννους καὶ περίλυπος
— 72. καὶ ἐκαθήμην περίλυπος
To. 3. 1. S περίλυπος γενόμενος τῇ ψυχῇ [A B al.]
Ps. 41 (42). 5, 11: 42 (43). 5. ἵνα τί περίλυπος εἶ, ἡ ψυχή μου (2)
Da. LXX. 2. 12. στυγνὸς γενόμενος καὶ περίλυπος (1 *b*)

περιμένειν. (1) קָוָה pi.

Ge. 49. 18. τὴν σωτηρίαν περιμένων κυρίου (1)
Wi. 8. 12. σιγῶντά με περιμενοῦσι
[Aq. I Ki. 13. 8: Ps. 30 (31). 25: 32 (33). 18, 22: 68 (69). 4: 118 (119). 49: 141 (142). 8.]
[Sm. Ex. 24. 14.]
[Al. I Ki. 10. 8.]

περίμετρον. (1) חוּט

III Ki. 7. 15. περίμετρον τέσσαρες καὶ δέκα πήχεις (1)
Si. 50. 3. χαλκὸς [A λάκκος] ὡσεὶ θαλάσσης τὸ π.
III Ma. 4. 11. ἀπλέτῳ καθεστῶτι περιμέτρῳ
[Aq. I Ki. 10. 3.]
[Sm. Dt. 3. 4, 14: Ps. 132 (133). 2: Ze. 2. 6.]

περινίπτεσθαι.

To. 6. 2. S κατέβη τὸ παιδίον περινίψασθαι

περινοεῖν.

[Aq., Sm., Th. Pr. 3. 4.]

περίνοια.

[Sm. Ps. 76 (77). 12.]

πέριξ.

[Al. Le. 13. 33.]

περιξύειν.

Wi. 13. 11. περιέξυσεν εὐμαθῶς πάντα τὸν φλοιὸν αὐτοῦ

περιξυρᾶν.

[Sm. Le. 19. 27.]

περιοδεύειν. (1) חָלַף hithpa. (2) שׁוּט

II Ki. 24. 8. περιώδευσαν ἐν πάσῃ τῇ γῇ (2)
Za. 1. 10. περιοδεῦσαι τὴν γῆν (1)
— 11. περιωδεύσαμεν [A -εύκ.] πᾶσαν τὴν γῆν (1)
6. 7. τοῦ περιοδεῦσαι [S¹ om.] τὴν γῆν (1)
— 7. περιοδεύσατε τὴν γῆν (1)
— 7. περιώδευσαν τὴν γῆν (1)
[Aq. Ec. 7. 26 (25): Ez. 16. 57.]
[Sm. Ec. 7. 26 (25): Ca. 3. 3.]

περίοδος. (1) פַּעַם

Jo. 6. 15 (16). τῇ π. τῇ ἑβδ. ἐσάλπισαν (1)

περιοικοδομεῖν. (1) בָּנָה (2) גָּדַר

Jb. 19. 8. κύκλῳ περιῳκοδόμημαι καὶ οὐ μὴ διαβῶ (2)
Je. 52. 4. περιῳκοδόμησαν [A -εν] αὐτήν (1)
Ez. 26. 8. καὶ περιοικοδομήσει –
39. 11. περιοικοδομήσουσι τὸ περιστόμιον τῆς φάραγγος †

περίοικος. (1) בַּת (2) כְּפָר (3) סָבִיב (4) שָׁכֵן

Ge. 19. 25. A καὶ πᾶσαν περίοικον [R τὴν περίχωρον] (2)
— 29. πάσας τὰς πόλεις τῆς π. (2)
De. 1. 7. πρὸς πάντας τοὺς π. Ἄραβα (4)
Jd. 1. 27. οὐδὲ τὰ π. [A περισπόρια] αὐτῆς (1)
— 27 *ter.* B οὐδὲ τὰ π. αὐτῆς (1 ?)
III Ki. 7. 46. ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. (2)
Je. 30 (49). 5. φέρω φόβον ἐπὶ σὲ ἀπὸ πάσης τῆς π. [A παροίκου] σου (3)
[Al. Jd. 11. 26.]

περιονυχίζειν. (1) עָשָׂה אֶת־צִפָּרְן

De. 21. 12. περιονυχιεῖς αὐτήν (1)

περιορισμός.

[Sm. Ez. 43. 13, 17.]

περιουσία.

[**Aq.** Ge. 14. 21 : Ps. 16 (17). 14.]

περιουσιασμός. (1) סְגֻלָּה

Ps. 134 (135). 4. **A S**[1] Ἰσραὴλ εἰς περιουσιασμὸν αὐτοῦ [**S**[2]**R** ἑαυτῷ] (1)
Ec. 2. 8. συνήγαγόν μοι . . . περιουσιασμοὺς βασιλέων (1)
[**Th.** Ps. 134 (135). 4.]

περιούσιος. (1) סְגֻלָּה (2) λαὸς π. סְגֻלָּה

Ex. 19. 5. ἔσεσθέ μοι λαὸς π. (2)
23. 22. ἔσεσθέ μοι λαὸς π. –
De. 7. 6. εἶναι αὐτῷ λαὸν π. (1)
14. 2. λαὸν περιούσιον ἀπὸ πάντων τῶν ἐθνῶν (1)
26. 18. γενέσθαι σε αὐτῷ λαὸν π. (1)
[**Aq.** Ps. 134 (135). 4 : Ma. 3. 17.]
[**Quint.** Ps. 134 (135). 4.]

περιοχή. (1) מְבֻצָר (2) *a.* מָצָר *b.* מְצוּדָה (3) מָצוֹר

I Ki. 22. 4. ὄντος [**A** *om.*] τοῦ Δ. ἐν τῇ π. (2 *b*)
— 5. μὴ κάθου ἐν τῇ π. (2 *b*)
II Ki. 5. 7. κατελάβετο Δ. τὴν π. Σιών (2 *b*)
— 9. ἐκάθισε Δ. ἐν τῇ π. (2 *b*)
— 17. κατέβη εἰς τὴν π. (2 *b*)
23. 14. καὶ Δ. τότε ἐν τῇ π. (2 *b*)
IV Ki. 19. 24. ἐξηρήμωσα . . . πάντας ποταμοὺς περιοχῆς (3)
24. 10. ἦλθεν ἡ πόλις ἐν περιοχῇ (3)
25. 2. ἦλθεν ἡ πόλις ἐν περιοχῇ [**A** *al.*] (3)
I Ch. 11. 5. προκατελάβετο τὴν π. Σιών (2 *b*)
— 7. ἐκάθισε Δ. ἐν τῇ π. (2 *a*)
— 16. Δ. τότε ἐν τῇ π. (2 *b*)
II Ch. 32. 10. καθήσεσθε ἐν τῇ π. ἐν Ἱερ. (3)
Ps. 30 (31). 21. ἐθαυμάστωσε τὸ ἔλεος αὐτοῦ ἐν πόλει περιοχῆς (3)
59 (60). 9. τίς ἀπάξει με εἰς πόλιν περιοχῆς (3)
107 (108). 10. τίς ἀπάξει με εἰς πόλιν περιοχῆς (1)
140 (141). 3. καὶ θύραν περιοχῆς περὶ τὰ χείλη μου †
Ob. 1. 1. περιοχὴν εἰς τὰ ἔθνη ἐξαπέστειλεν †
Na. 3. 14. ὕδωρ περιοχῆς ἐπίσπασαι σεαυτῇ (3)
Za. 12. 2. ἔσται περιοχὴ ἐπὶ Ἱερ. (3)
Je. 19. 9. ἕκαστος τὰς σάρκας τοῦ πλησίον αὐτοῦ ἔδονται ἐν τῇ π. (3)
28 (51). 30. καθήσονται ἐκεῖ ἐν περιοχῇ (2 *a*)
Ez. 4. 2. δώσεις ἐπ' αὐτὴν περιοχήν (3)
12. 13. συλληφθήσεται ἐν τῇ π. μου (2 *b*)
17. 20. ἁλώσεται ἐν τῇ π. αὐτοῦ (2 *b*)
[**Aq.** Dt. 20. 19, 20 : 28. 53 : Je. 10. 17 : 49. 14 (29. 15) : 51 (28). 30 : Ez. 4. 3 : 21. 20 (25) : Mi. 7. 12.]
[**Sm.** Is. 33. 16 : Mi. 7. 12.]
[**Th.** Is. 13. 8 : 33. 16 : Ez. 4. 3 : 33. 27 : Mi. 7. 12.]
[**Quint.** Ps. 65 (66). 11.]
[**Sext.** Ps. 30 (31). 22.]

περιπαθῶς.

IV Ma. 8. 2. σφόδρα π. ἐκέλευσεν ἄλλους

περιπατεῖν. (1) דָּרַךְ (2) הָלַךְ *a.* qal. *b.* pi. *c.* hithp. *d.* הֲלַךְ aph. *e.* מְהַלֵּךְ הָוָה

Ge. 3. 8. τὴν φωνὴν κ. τοῦ θ. περιπατοῦντος (2 *c*)
— 10. **R** τῆς φωνῆς σου ἤκουσα περιπατοῦντος [**A** περὶ παντός] –
Ex. 21. 19. ἐὰν . . . περιπατήσῃ ἔξω (2 *c*)
Jd. 21. 24. καὶ περιεπάτησαν ἐκεῖθεν (2 *c*)
I Ki. 17. 39. περιπατήσας [**A** -ῆσαι] ἅπαξ καὶ δίς (2 *a*)
II Ki. 11. 2. περιεπάτει ἐπὶ τοῦ δώματος (2 *c*)
IV Ki. 20. 3. ὅσα περιεπάτησα ἐνώπιόν σου (2 *c*)
Es. 2. 11. ὁ Μ. περιεπάτει κατὰ τὴν αὐλήν (2 *c*)
Jb. 9. 8. περιπατῶν ὡς ἐπ' ἐδάφους ἐπὶ θαλάσσης (1)
20. 25. περιπατήσαισαν ἐπ' αὐτῷ φόβοι [**A** *al.*] (2 *a*)
38. 16. ἐν δὲ ἴχνεσιν ἀβύσσου περιεπάτησας (2 *c*)
Ps. 11 (12). 8. κύκλῳ οἱ ἀσεβεῖς περιπατοῦσι (2 *c*)
103 (104). 3. ὁ περιπατῶν ἐπὶ πτερύγων ἀνέμων (2 *b*)
113. 15 (115. 7). πόδας ἔχουσι καὶ οὐ περιπατήσουσιν (2 *b*)
134 (135). 17. **A** πόδας ἔχουσιν καὶ οὐ περιπατήσουσιν –
Pr. 6. 22. ἡνίκα ἂν περιπατῇς (2 *c*)
— 28. ἢ περιπατήσει τις ἐπ' ἀνθράκων πυρός (2 *b*)
Pr. 8. 20. ἐν ὁδοῖς δικαιοσύνης περιπατῶ (2 *b*)
23. 31. ὕστερον περιπατήσεις γυμνότερος ὑπέρου (2 *c*)
Ec. 4. 15. τοὺς ζῶντας τοὺς περιπατοῦντας ὑπὸ τὸν ἥλιον (2 *b*)
11. 9. **A S R** περιπάτει ἐν ὁδοῖς καρδίας σου [**B** *om.* κ. σου] ἄμωμος (2 *b*)
Si. 9. 13. ἐπὶ ἐπάλξεων πόλεων περιπατεῖς
10. 27. κρείσσων ἐργαζόμενος ἐν πᾶσιν ἢ περιπατῶν [**A S** *al.*]
13. 13. μετὰ τῆς πτώσεώς σου περιπατεῖς
24. 5. ἐν βάθει ἀβύσσων περιεπάτησα
38. 32. οὐ παροικήσουσιν οὐδὲ περιπατήσουσι
Is. 8. 7. περιπατήσει ἐπὶ πᾶν τεῖχος ὑμῶν (2 *a*)
59. 9. μείναντες αὐγὴν ἐν ἀωρίᾳ περιεπάτησαν (2 *b*)
Da. LXX. Su. 7. ἰδόντες γυναῖκα . . . περιπατοῦσαν ἐν τῷ παραδείσῳ
— 13. αὕτη κατὰ τὸ εἰωθὸς περιεπάτει
— 36. περιεπατοῦμεν ἐν τῷ παραδείσῳ
3. 25 (92). ὁρῶ ἄνδρας τέσσαρας . . . περιπατοῦντας ἐν τῷ πυρί (2 *d*)
4. 26. ἐπὶ τῶν τειχῶν τῆς πόλεως . . . περιεπάτει (2 *e*)
— 31. γυμνὸς περιεπάτουν μετὰ τῶν θηρίων –
Da. TH. Su. 7. περιεπάτει ἐν τῷ παραδείσῳ
— 8. ἐθεώρουν αὐτὴν . . . περιπατοῦσαν
— 36. περιπατούντων ἡμῶν ἐν τῷ παραδείσῳ μόνων
3. 23. περιεπάτουν ἐν μέσῳ τῆς φλογός –
— 25 (92). ὁρῶ ἄνδρας τέσσαρας . . . περιπατοῦντας ἐν μέσῳ τοῦ πυρός (2 *d*)
4. 26. ἐπὶ τῷ ναῷ τῆς βασ. αὐ. ἐν Βαβ. περιπατῶν (2 *e*)
[**Aq.** Ge. 5. 22, 24 : 6. 10 (9) : Ps. 85 (86). 11 : 90 (91). 6 : 103 (104). 26 : Pr. 28. 6 : Is. 59. 9.]
[**Sm.** Ps. 37 (38). 7 : 41 (42). 10 : 72 (73). 9 : Pr. 28. 6 : Ec. 10. 3 : Is. 59. 9.]
[**Th.** Ps. 25 (26). 1 : Pr. 28. 6 : Is. 59. 9 : Da. 3. 25 (92).]
[**Al.** Ps. 1. 1 : 11 (12). 9.]
[**Sext.** Ps. 36 (37). 35.]

περίπατος. (1) דֶּרֶךְ (2) חָצֵר (3) לְשָׁכָה (4) מַהֲלָךְ

Jb. 41. 23 (24). ἐλογίσατο ἄβυσσον εἰς περίπατον †
Pr. 23. 30. ὁμιλεῖτε ἐν περιπάτοις †
Ez. 42. 4. κατέναντι τῶν ἐξεδρῶν π. (4)
— 5. οἱ π. οἱ ὑπερῷοι ὡσαύτως (3)
— 10. κατὰ τὸ φῶς τοῦ ἐν ἀρχῇ περιπάτου [**A** τοῦ π.] (2)
— 11. ὁ π. κατὰ πρόσωπον αὐτῶν (1)
— 12. κατὰ τὰ θυρώματα ἀπ' ἀρχῆς τοῦ π. (1)
II Ma. 2. 30. **A** περίπατον ποιεῖσθαι λόγῳ [**A** *al.*]
[**Sm.** Za. 14. 20.]
[**Th.** Jb. 41. 24.]

περιπέτεσθαι.

IV Ma. 14. 17. **S**[1] περιπτάμενα [**A S**[2]**R** περιῖπτ.] κυκλόθεν αὐτῶν

περιπηγνύναι.

[**Sm.** Le. 15. 3.]

περιπιλεῖν. (1) צָפָה pi.

III Ki. 6. 20 (21). **A** περιεπίλησεν Σ. τὸν οἶκον . . . χρυσίῳ (1)
[**Aq.**, **Sm.**, **Th.** III Ki. 6. 20.]

περιπίπτειν. (1) נָפַל (2) קָרָה *a.* qal. *b.* ni.

Ru. 2. 3. καὶ περιέπεσε περιπτώματι (2 *a*)
II Ki. 1. 6. περιπτώματι περιέπεσαν ἐν τῷ ὄρει (2 *b*)
Pr. 11. 5. **A B S**[2] ἀσέβεια δὲ περιπίπτει ἀδικίᾳ (1)
Da. LXX. 2. 9. θανάτῳ περιπεσεῖσθε –
II Ma. 6. 13. εὐθέως περιπίπτειν ἐπιτιμίοις
9. 7. δυσχερεῖ πτώματι περιπεσόντα
— 21. περιπεσὼν ἀσθενείᾳ
10. 4. **R** μηκέτι περιπεσεῖν [**A** παραπ.] τοιούτοις κακοῖς
IV Ma. 1. 24. **A R** ὅτε [**S** ὅτι] αὐτῷ περιέπεσεν

περιπλέκειν. (1) חָזַק (2) עוּד pi. (3) צָמַד hi.

II Ki. 18. 9. **A R** περιεπλάκη [**B** ἐκρεμάσθη] ἡ κεφαλὴ αὐτοῦ (1)
Ps. 49 (50). 19. ἡ γλῶσσά σου περιέπλεκε δολιότητα [**S**[2] -ας] (3)
118 (119). 61. σχοινία ἁμαρτωλῶν περιεπλάκησάν μοι (2)
Na. 1. 10. ὡς σμίλαξ περιπλεκομένη βρωθήσεται †
Ez. 17. 7. ἡ ἄμπελος αὕτη περιεπλεγμένη πρὸς αὐτόν †
III Ma. 2. 22. **R** περιεπεπλεγμένον [**A** πεπληγμ.] κρίσει
4. 8. **R** βρόχοις [**A** -ους] . . . τοὺς αὐχένας περιεπεπλεγμένοι
5. 49. κατεφίλουν ἀλλήλους περιπλεκόμενοι
IV Ma. 1. 29. ὧν ἑκάστην ὁ παγγέργος λογισμὸς . . . περιπλέκων
[**Sm.** Ec. 4. 5 : Ca. 2. 6.]
[**Th.** Pr. 8. 8.]

περιποιεῖν. (1) חָיָה *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. (2) חָמַל (3) חָשַׁךְ (4) יָתַר hi. (5) פָּסַח (6) קָרָא (7) רָבַשׁ (8) שָׁפַךְ (9) ἃ περιεποιήσατο יִתְרָה (10) ὃ περιεποίηματι סְגֻלָּה

Ge. 12. 12. σὲ δὲ περιποιήσονται (1 *b*)
31. 18. ἣν περιεποιήσατο ἐν τῇ Μεσοπ. (7)
36. 6. ὅσα περιεποιήσατο ἐν γῇ Χ. (7)
Ex. 1. 16. περιποιεῖσθε αὐτό (1 *a*)
22. 18 (17). φαρμακοὺς οὐ περιποιήσετε [**A** -βιώσετε] (1 *b*)
32. 14. περιποιῆσαι [**A** ποι.] τὸν λαὸν αὐτοῦ †
Nu. 22. 33. ἐκείνην δ' ἂν περιεποιησάμην (1 *c*)
Jo. 6. 16 (17). Ῥαὰβ τὴν πόρνην περιποιήσασθε (1 *a*)
9. 20. καὶ περιποιησόμεθα αὐτούς (1 *c*)
Jd. 21. 11. **B** τὰς δὲ παρθένους περιποιήσεσθε –
I Ki. 15. 3. οὐ περιποιήσῃ [**A** -σει] ἐξ αὐτοῦ (2)
— 9. περιεποιήσατο Σ. . . . τὸν Ἀ. ζῶντα (2)
— 15. ἃ περιεποιήσατο ὁ λαός (2)
25. 39. τὸν δοῦλον αὐτοῦ περιεποιήσατο (3)
II Ki. 12. 3. ἣν ἐκτήσατο καὶ περιεποιήσατο (1 *b*)
III Ki. 18. 5. καὶ περιποιησώμεθα ἵππους (1 *b*)
I Ch. 29. 3. ὃ περιπεποίημαι χρυσίον (10)
Ju. 11. 9. περιεποιήσαντο αὐτὸν οἱ ἄνδρες **B**.
Jb. 27. 17. ταῦτα πάντα δίκαιοι περιποιήσονται †
Ps. 78 (79). 11. περιποίησαι τοὺς υἱοὺς τῶν τεθανατωμένων (4)
Pr. 6. 32. ὁ δὲ μοιχὸς δι' ἔνδειαν φρενῶν ἀπώλειαν τῇ ψυχῇ αὐτοῦ περιποιεῖται †
7. 4. τὴν δὲ φρόνησιν γνώριμον περιποίησαι σεαυτῷ (6)
22. 9. νίκην καὶ τιμὴν περιποιεῖται ὁ δῶρα δούς –
Si. *prol.* 9. ἐν τούτοις ἱκανὴν ἕξιν [**S**[1] ἱκανόν ἐστιν] περιποιησάμενος [**S** -ον]
Is. 31. 5. περιποιήσεται [**S**[1] -ηθήσονται] καὶ σώσει (5)
43. 21. λαόν μου ὃν περιεποιησάμην †
Je. 31 (48). 36. ἃ περιεποιήσατο ἀπώλετο (9)
Ez. 13. 18. ψυχὰς περιεποιοῦντο (1 *b*)
— 19. τοῦ περιποιήσασθαι [**A**[1] περιεποιοῦντο] ψυχάς (1 *b*)
26. 8. **A** περιποιήσει [**B** ποι.] ἐπὶ σὲ κύκλῳ χάρακα (8)
I Ma. 6. 44. περιποιῆσαι ἑαυτῷ ὄνομα αἰώνιον
II Ma. 3. 35. τῷ τὸ ζῆν περιποιήσαντι
15. 21. περιποιεῖται τὴν νίκην

περιποίησις. (1) מְחִיָה (2) סְגֻלָּה

II Ch. 14. 13 (12). ὥστε μὴ εἶναι αὐτοῖς περιποίησιν (1)
Hg. 2. 10 (9). εἰς περιποίησιν παντὶ τῷ κτίζοντι –
Ma. 3. 17. ἣν ἐγὼ ποιῶ εἰς περιποίησιν (2)
[**Aq.**, **Sm.**, **Th.** Ma. 3. 17.]

περιπόλιον (-ειον). (1) מְגָרֹשׁ

I Ch. 6. 71 (56). καὶ τὰ π. [**A**[2] -σπόρια] αὐτῆς (1)
— 71 (56). **R** καὶ τὰ π. [**A**[2] **B** -σπόρια] αὐ. (1)
I Ma. 11. 4. ἔδειξαν αὐτῷ . . . τὰ π. αὐ. καθῃρημένα
— 61. ἐνεπύρισε τὰ π. αὐ.

περιπορεύεσθαι. (1) סָבַב ni.

Jo. 15. 3. **A** περιπορεύεται [**B** ἐκπορ.] τὴν κατὰ δυσμὰς Κ. (1)

περιπόρφυρος. (1) מַחֲלָצוֹת

Is. 3. 22. ἀφελεῖ . . . τὰ π. καὶ τὰ μεσοπόρφυρα (1)

περίπτερος (-ον). (1) רֶשֶׁף

Ca. 8. 6. περίπτερα αὐτῆς περίπτερα πυρὸς [**S**[2] πυρὸς ἄνθρακες πυρὸς] φλόγες αὐτῆς (1,1)
Am. 3. 15. πατάξω τὸν οἶκον τὸν π. †

περίπτωμα. (1) מִקְרֶה (2) קָרָא ni.
Ru. 2. 3. καὶ περιέπεσε περιπτώματι (1)
II Ki. 1. 6. περιπτώματι περιέπεσαν (2)

περιραίνειν (περιρρ.). (1) נָזָה hi.
Le. 14. 7. περιρανεῖ ἐπὶ τὸν καθαρισθέντα (1)
— 51. περιρανεῖ ἐν αὐτοῖς (1)
Nu. 8. 7. περιρανεῖς αὐτοὺς ὕδωρ ἁγνισμοῦ (1)
19. 18. περιρανεῖ ἐπὶ τὸν οἶκον (1)
— 19. περιρανεῖ ὁ καθαρὸς ἐπὶ τὸν ἀκάθ. (1)
— 21. ὁ περιραίνων ὕδωρ ῥαντισμοῦ (1)

περιραντίζειν (περιρρ.). (1) זָרַק pu.
Nu. 19. 13, 20. ὕδωρ ῥαντισμοῦ οὐ περιραντίσθη ἐπ' αὐτόν (1)
Ez. 43. 20. A περιραντεῖς αὐτό †

περιρραντισμός.
[Sm. Za. 13. 1.]

περιρρεῖν.
IV Ma. 9. 20. περὶ τοὺς ἄξονας . . . περιέρρεον αἱ σάρκες

περιρρηγνύναι.
II Ma. 4. 38. καὶ τοὺς χιτῶνας περιρρήξας

περισιαλοῦν. (1) מְשֻׁבָּצוֹת
Ex. 36. 13 (39. 6). καὶ περισεσιαλωμένους χρυσίῳ (1)

περισκελής. (1) מִכְנָס
Ex. 28. 38 (42). ποιήσεις αὐτοῖς περισκελῆ [B² -λια?] λινᾶ (1)
36. 36 (39. 28). καὶ τὰ [A om.] π. ἐκ βύσσου κεκλ. (1)
Le. 6. 10 (3). π. λινοῦν ἐνδύσεται (1)
16. 4. π. λινοῦν ἔσται ἐπὶ τοῦ χρωτὸς αὐτοῦ (1)
Si. 45. 8. περισκελῆ καὶ ποδήρη καὶ ἐπωμίδα
Ez. 44. 18. περισκελῆ λινᾶ ἕξουσιν (1)

περισκέλιον. (1) מִכְנָס
Ex. 28. 38 (42). B² ποιήσεις αὐτοῖς περισκέλια [?, A B¹ -λῆ] λινᾶ (1)

περισκοπεῖν.
[Sm. Ps. 36 (37). 32.]

περισκυθίζειν.
II Ma. 7. 4. καὶ περισκυθίσαντας ἀκρωτηριάζειν

περισπᾶν. (1) עָנָה *a.* qal. *b.* hi. (2) שָׁמַם
II Ki. 6. 6. περιέσπασεν αὐτὸν ὁ μόσχος (2)
Ec. 1. 13. τοῦ περισπᾶσθαι [S -ασθῆναι] ἐν αὐτῷ (1 *a*)
3. 10. τοῦ [S¹ *om.*] περισπᾶσθαι [S¹ -ασθῆναι] ἐν αὐτῷ (1 *a*)
5. 19. ὁ θεὸς περισπᾷ αὐτόν (1 *b*)
Si. 41. 2. ἀνθρώπῳ . . . ἐσχατογήρῳ καὶ περισπωμένῳ περὶ πάντων
IV Ma. 5. 2. A ἕνα ἕκαστον τῶν Ἑβρ. περισπᾶσθαι [S R *al.*]
[Sm. I Ki. 24. 8.]

περισπασμός. (1) עֹנִי
To. 10. 6. S π. αὐτοῖς ἐγένετο
Ec. 1. 13. π. πονηρὸν ἔδωκεν ὁ θεὸς τοῖς υἱοῖς τῶν ἀνθρώπων (1)
2. 23. καὶ θυμοῦ περισπασμὸς αὐτοῦ (1)
— 26. τῷ ἁμαρτάνοντι ἔδωκε περισπασμόν (1)
3. 10. εἶδον σὺν πάντα [A S *om.*] τὸν π. [A πειρασμόν] (1)
4. 8. τοῦτο ματαιότης καὶ π. [A πειρασμὸς] πονηρός ἐστιν (1)
5. 13. ἀπολεῖται ὁ πλοῦτος ἐκεῖνος ἐν π. [S πειρασμῷ] πονηρῷ [A αὐτοῦ] (1)
8. 16. τοῦ ἰδεῖν τὸν π. [A πειρασμὸν] τὸν πεποιημένον ἐπὶ τῆς γῆς (1)
II Ma. 10. 36. ἐν τῷ π. πρὸς τοὺς ἔνδον

περισπόριον (-ειον). (1) בַּת (2) מְנֻרָשׁ
Jo. 21. 2. καὶ τὰ π. [A *om.* τὰ π.] τοῖς κτήνεσιν (2)
— 3, 8. τὰς πόλεις καὶ τὰ π. αὐτῶν (2)
— 11. τὰ δὲ π. [A *add.* τὰ] κύκλῳ αὐτῆς (2)
— 19. A καὶ τὰ π. αὐτῶν (2)
— 34 *bis*, 35, 35 (A). καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)
— 36 *bis*. καὶ τὰ π. αὐτῆς –
— 36 *bis*. καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)
— 37 *bis*. καὶ τὰ π. αὐτῆς –
Jo. 21. 37 *bis*. καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)
— 40. καὶ τὰ π. αὐτῶν –
— 40. πόλις καὶ τὰ π. (2)
Jd. 1. 18. οὐδὲ τὰ π. αὐτῆς –
— 27. A οὐδὲ τὰ π. αὐτῆς [B *al.*] (1)
I Ch. 6. 55 (40), 57 (42). καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)
— 57 (42). καὶ τὰ π. αὐτῆς –
— 57 (42). καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)
— 58 (43). καὶ τὰ π. [A σπόρια] αὐτῆς (2)
— 58 (43), 59 (44). καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)
— 59 (44). B καὶ τὰ π. αὐτῆς –
— 59 (44), 60 (45) *bis*. καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)
— 60 (45). A καὶ τὰ π. αὐτῆς –
— 60 (45). καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)
— 60 (45). A καὶ τὰ π. αὐτῆς –
— 64 (49). καὶ τὰ π. αὐτῶν (2)
— 67 (52) *bis*, 68 (53) *bis*, 69 (54) *bis*, 70 (55), 70 (55) (A R). καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)
— 71 (56). A² καὶ τὰ π. [B -πόλια] αὐ. (2)
— 71 (56). A² B καὶ τὰ π. αὐ. (2)
— 72 (57) *bis*. A² B καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)
— 72 (57). A² B καὶ τὰ π. αὐτῆς –
— 73 (58) (A² R), 74 (59) (A² B) *bis*, 75 (60) *bis*, 76 (61) *ter*. καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)
— 77 (62) *bis*. A καὶ τὰ π. αὐτῆς –
— 77 (62) *bis*, 78 (63), 78 (63) (A R), 79 (64) *bis*, 80 (65) *bis*, 81 (66) *bis*. καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)
[Aq. Jo. 21. 15.]

περισπουδάζειν.
[Sm. Ps. 67 (68). 17.]

περισσεία (-ία). (1) *a.* יִתְרוֹן *b.* מוֹתָר *c.* יוֹתֵר (2) רְעוּת
Ec. 1. 3. τίς π. τῷ ἀνθρώπῳ (1 *a*)
2. 11. S τὰ πάντα ματαιότης καὶ περισσεία [A B προαίρεσις] πνεύματος (2)
— 11. οὐκ ἔστι π. ὑπὸ τὸν ἥλιον (1 *a*)
— 13. ἐστὶ π. τῇ σοφίᾳ ὑπὲρ τὴν ἀφροσύνην ὡς περισσεία τοῦ φωτὸς ὑπὲρ τὸ σκότος (1 *a*, 1 *a*)
3. 9. τίς π. τοῦ ποιοῦντος ἐν οἷς αὐτὸς μοχθεῖ (1 *a*)
— 19. S² τίς π. τῷ ἀνθρώπῳ [A B S¹ τί ἐπερίσσευσεν ὁ ἄνθρωπος] παρὰ τὸ κτῆνος (1 *b*)
5. 8. καὶ περισσεία γῆς (1 *a*)
— 15. A S R τίς ἡ π. αὐτοῦ [B *al.*] (1 *a*)
6. 8. ὅτι [A S² *add.* τίς] περισσεία τῷ σοφῷ ὑπὲρ τὸν ἄφρονα (1 *c*)
7. 12 (11). περισσεία τοῖς θεωροῦσι τὸν ἥλιον (1 *c*)
— 13 (12). περισσεία γνώσεως τῆς σοφίας [S¹ τῇ σ.] (1 *a*)
10. 10. περισσεία τῷ ἀνδρὶ οὐ [A S τοῦ ἀνδρείου] σοφία (1 *a*)
— 11. οὐκ ἔστι π. τῷ ἐπᾴδοντι (1 *a*)
[Aq. Le. 8. 25.]
[Th. Pr. 21. 5 : Ec. 3. 19.]

περισσεύειν. (1) *a.* יָתַר ni. *b.* יוֹתֵר (2) מַרְבִּית
I Ki. 2. 33. πᾶς περισσεύων [A πᾶν π.] οἴκου σου (2)
— 36. ὁ [A πᾶς ὁ] περισσεύων ἐν οἴκῳ σου (1 *a*)
To. 4. 16. B ὃ ἐὰν περισσεύσῃ [A -εύῃ] σοι
Ec. 3. 19. τί ἐπερίσσευσεν ὁ ἄνθρωπος [S² τίς περισσεία τῷ ἀνθρώπῳ] παρὰ τὸ κτῆνος (1 *b*)
Si. 10. 27. A S κρείσσων ἐργαζόμενος καὶ περισσεύων [B *om.* καὶ π.] ἐν πᾶσιν
11. 12. καὶ πτωχεία περισσεύει [S -εύων]
19. 24. περισσεύων ἐν φρονήσει [A συνέσει]
30. 38 (33. 29). μὴ περισσεύσῃς ἐν [A S ἐπὶ] πάσῃ σαρκί
I Ma. 3. 30. S R ἐπερίσσευσεν ὑπὲρ τοὺς βασ. τοὺς ἔμπροσθεν
[Aq. Ge. 49. 4 : Dt. 30. 9 : Pr. 12. 26 : Da. 10. 13.]
[Th. Dt. 30. 9.]
[Al. Le. 2. 3 : Jd. 1. 23.]

περίσσευμα.
Ec. 2. 15. ὁ ἄφρων ἐκ περισσεύματος λαλεῖ –

περισσός, περιττός. (1) *a.* יָתֵר *b.* מִיתָר *c.* יוֹתֵר *d.* יָתַר ni. *e.* מוֹתָר *f.* יַתִּיר (2) περισσότερος יַתִּיר (3) ἐκ περισσοῦ יַתִּירָה
Ex. 10. 5. πᾶν τὸ π. τῆς γῆς (1 *a*)
Nu. 4. 26. καὶ τὰ π. (1 *b*)
Jd. 21. 7. αὐτοῖς τοῖς π. [A *om.* αὐ. τ. π.] τοῖς ὑπολειφθεῖσιν (1 *d*)
— 16. τί ποιήσωμεν τοῖς π. [A ἐπιλοίποις] (1 *d*)
I Ki. 30. 9. καὶ οἱ π. ἔστησαν (1 *d*)
— 10. B οἱ π. ἐδίωξαν [A R *al.*] –
III Ki. 14. 19. A περισσὸν ῥημάτων Ἱερ. (1 *a*)
22. 47. A καὶ περισσὸν τοῦ ἐνδιηλλαγμ. (1 *a*)
IV Ki. 25. 11. τὸ π. τοῦ λαοῦ τὸ καταλειφθέν (1 *a*)
Pr. 14. 23. ἐν παντὶ μεριμνῶντι ἔνεστι περισσόν (1 *e*)
Ec. 2. 15. περισσὸν ἐλάλησα ἐν καρδίᾳ μου (1 *c*)
7. 1 (6. 11). τί [S¹ ὅτι] περισσὸν τῷ ἀνθρώπων (1 *c*)
— 17 (16). μηδὲ σοφίζου περισσά (1 *c*)
12. 9. περισσὸν ὅτι ἐγένετο ἐκκλησιαστὴς σοφός (1 *c*)
— 12. περισσὸν ἐξ αὐτῶν, υἱέ μου, φύλαξαι (1 *c*)
Si. 3. 23. ἐν τοῖς π. τῶν ἔργων σου μὴ περιεργάζου
Ez. 48. 15. τὰς δὲ πέντε χιλιάδας τὰς π. (1 *d*)
— 18. τὸ π. τοῦ μήκους τὸ ἐχόμενον τῶν ἀπαρχῶν (1 *d*)
— 21. τὸ δὲ π. τῷ ἀφηγουμένῳ [A τοῦ ἀ.] (1 *d*)
— 23. τὸ π. τῶν φυλῶν (1 *a*)
Da. TH. 3. 22. ἡ κάμινος ἐξεκαύθη ἐκ περισσοῦ (3)
4. 33. μεγαλωσύνη περισσοτέρα προσετέθη μοι (2)
5. 12. πνεῦμα π. ἐν αὐτῷ (1 *f*)
— 14. καὶ σοφία π. εὑρέθη ἐν σοί (1 *f*)
6. 3 (4). πνεῦμα π. ἐν [A ἦν ἐπ'] αὐτῷ (1 *f*)
I Ma. 9. 22. R τὰ περισσὰ [A -εα, S -ια] τῶν λόγων Ἰ.
II Ma. 12. 44. R περισσὸν ἂν ἦν [A περισσῶς] καὶ ληρῶδες
[Aq. Ge. 49. 3 *bis* : Ex. 29. 13 : III Ki. 14. 19 : 22. 47 : Ps. 30 (31). 23.]
[Sm. Ge. 49. 3 *bis*, 4 : Ex. 35. 18 : Ec. 5. 15 : 6. 8.]
[Th. Ex. 29. 13 : Is. 54. 2.]
[Al. Ge. 49. 3 *bis* : Le. 9. 10 : 25. 27.]

περισσῶς. (1) *a.* יָתֵר *b.* יַתִּירָה (2) עַל־יֶתֶר
Ps. 30 (31). 23. ἀνταποδίδωσι τοῖς π. ποιοῦσιν ὑπερηφανίαν (2)
Da. TH. 7. 7. ἰδοὺ θηρίον τέταρτον . . . ἰσχυρὸν π. (1 *b*)
— 7. καὶ αὐτὸ διάφορον περισσῶς –
— 19. ἦν διαφέρον . . . φοβερὸν π. (1 *b*)
8. 9. ἐμεγαλύνθη π. πρὸς τὸν νότον (1 *a*)
II Ma. 8. 27. π. εὐλογοῦντες καὶ ἐξομολογούμενοι τῷ κ.
12. 44. A περισσῶς [R -ὸν ἂν ἦν] καὶ ληρῶδες
[Aq., Th. Is. 56. 12.]
[Sm. Ps. 30 (31). 23 : Ec. 7. 17 (16).]

περίστασις. (1) π. ὅπλων צִנָּה
Ez. 26. 8. ποιήσει [A περιπ.] ἐπὶ σὲ . . . περίστασιν [A βελοστάσεις] ὅπλων (1 ?)
II Ma. 4. 16. περιέσχεν αὐτοὺς χαλεπὴ π.
[Aq., Th. Jb. 27. 20.]
[Sm. Jb. 27. 20 : Ps. 33 (34). 5 : Ez. 40. 14, 15 (P.), 16 *bis*.]

περιστέλλειν. (1) אָסַף (2) קָבַר ni.
To. 12. 13. ὅπως . . . περιστείλῃς τὸν νεκρόν [S *al.*]
Si. 38. 16. περίστειλον τὸ σῶμα αὐτοῦ
Is. 58. 8. ἡ δόξα τοῦ θεοῦ περιστελεῖ σε (1)
Ez. 29. 5. οὐ μὴ περισταλῇς (2)
[Sm. I Ki. 23. 26.]

περιστερά. (1) גּוֹזָל (2) *a.* יוֹנָה *b.* בֶּן יוֹנָה
Ge. 8. 8. ἀπέστειλε τὴν π. (2 *a*)
— 9. οὐχ εὑροῦσα ἡ π. ἀνάπαυσιν (2 *a*)
— 10. πάλιν ἐξαπέστειλε τὴν π. (2 *a*)
— 11. ἀνέστρεψε πρὸς αὐτὸν ἡ π. (2 *a*)
— 12. πάλιν ἐξαπέστειλε τὴν π. (2 *a*)
15. 9. λάβε μοι . . . περιστεράν (1)
Le. 1. 14. προσοίσει . . . ἀπὸ τῶν π. (2 *b*)
5. 7, 11. ἢ δύο νοσσοὺς περιστερῶν (2 *a*)
12. 6. προσοίσει . . . νοσσὸν περιστερᾶς (2 *a*)
— 8 : 14. 22. ἢ δύο νοσσοὺς περιστερῶν (2 *a*)
14. 30. ἢ ἀπὸ τῶν νοσσῶν τῶν π. (2 *a*)
15. 14, 29 : Nu. 6. 10. ἢ δύο νοσσοὺς περιστερῶν (2 *a*)

IV Ki. 6. 25. τέταρτον τοῦ κάβου κόπρου περιστερῶν [A *al.*] (2 *a*)
Ps. 54 (55). 6. τίς δώσει μοι πτέρυγας ὡσεὶ περιστερᾶς (2 *a*)
67 (68). 13. πτέρυγες περιστερᾶς περιηργυρωμέναι (2 *a*)
Ca. 1. 15. ὀφθαλμοί [A -ός] σου περιστεραί (2 *a*)
2. 10, 13. ἡ πλησίον μου καλή μου περιστερά μου –
— 14. σὺ περιστερά μου ἐν σκέπῃ τῆς πέτρας (2 *a*)
4. 1. ὀφθαλμοί σου περιστεραί (2 *a*)
5. 2. ἀδελφή μου περιστερά μου τελεία μου (2 *a*)
— 12. ὀφθαλμοὶ αὐτοῦ ὡς περιστεραί (2 *a*)
6. 8 (9). μία ἐστὶ περιστερά μου (2 *a*)
Ho. 7. 11. ἦν Ἐφρ. ὡς περιστερὰ ἄνους (2 *a*)
11. 11. ὡς περιστερὰ ἐκ γῆς Ἀσσυρίων (2 *a*)
Na. 2. 7 (8). καθὼς π. φθεγγόμεναι ἐν καρδίαις αὐ. (2 *a*)
Ze. 3. 1. ὦ ἡ . . . πόλις ἡ π. (2 *a*)
Is. 38. 14. ὡς π. οὕτω μελετῶ (2 *a*)
59. 11. ὡς ἄρκος καὶ ὡς π. ἅμα πορεύσονται (2 *a*)
60. 8. ὡς περιστεραὶ σὺν νοσσοῖς (2 *a*)
Je. 31 (48). 28. ἐγενήθησαν ὥσπερ περιστεραὶ νοσσεύουσαι ἐν πέτραις (2 *a*)
Ez. 7. 16. A ὡς περιστεραὶ μελετητικαί (2 *a*)
[Aq. Ps. 55 (56). 1 : Is. 59. 11 : Je. 25. 38 (32. 24) : 46 (26). 16 : 50 (27). 16.]
[Sm. Le. 1. 14 : Ps. 54 (55). 7 : 55 (56). 1 : Is. 59. 11.]
[Th. Ge. 15. 9 : Ps. 55 (56). 1 : Is. 59. 11 : Je. 25. 38 (32. 24) : 46 (26). 16 : Ez. 7. 16.]
[Al. Le. 1. 14.]
[Quint. Ps. 55 (56). 1.]

περιστερίς.

[Aq. Ge. 15. 9.]

περιστεφανοῦν.

[Aq., Sm , Th. I Ki. 23. 26.]

περιστήθιον. (1) חֹשֶׁן
Ex. 28. 4. τὸ π. καὶ τὴν ἐπωμίδα (1)

περιστοιχίζειν.

[Sm. Ps. 47 (48). 13.]
[Quint. Ho. 8. 10.]

περιστολή. (1) עֲדִי
Ex. 33. 6. περιείλαντο . . . τὴν π. (1)
Si. 45. 7. B S περιέζωσεν αὐτὸν περιστολὴν [A -ῇ, R στολὴν] δόξης

περιστόμιον. (1) פֶּה (2) פִּימָה
Ex. 28. 28 (32). ἔσται τὸ π. ἐξ αὐτοῦ μέσον ὥαν ἔχον κύκλῳ τοῦ π. (1, 1)
36. 31 (39. 23). τὸ δὲ π. τοῦ ὑποδύτου (1)
— 31 (39. 23). ὥαν ἔχον κύκλῳ τὸ π. (1)
Jb. 15. 27. ἐποίησε περιστόμιον ἐπὶ τῶν μηρίων [A S -ρῶν] (2 ?)
30. 18. ὥσπερ τὸ π. τοῦ χιτῶνός μου περιέσχε με (1)
Ez. 39. 11. περιοικοδομήσουσι τὸ π. τῆς φάραγγος †
[Th. Je. 15. 27 : 30. 18.]

περιστρέφειν. (1) סָבַב
Ge. 37. 7. περιστραφέντα δὲ τὰ δράγμ. ὑ. (1)
Nu. 36. 7. οὐχὶ περιστραφήσεται κληρονομία (1)
— 9. οὐ [A *om.*] περιστραφήσεται κλῆρος (1)
[Aq. Je. 37. 12 : Ps. 31 (32). 9.]
[Sm. Ps. 31 (32). 9.]
[Th. Ez. 38. 4.]

περιστροφή.

Si. 50. 5. ὡς [A ὃς] ἐδοξάσθη ἐν περιστροφῇ λαοῦ

περίστρωμα.

[Aq., Th. Pr. 7. 16 : 31. 22.]

περιστρωννύναι.

[Aq., Th. Pr. 7. 16.]

περίστυλον. (1) אַתִּיק (2) רִצְפָּה (3) תִּיכוֹן
Ez. 40. 17. περίστυλα κύκλῳ τῆς αὐλῆς τριάκοντα παστοφόρια ἐν τοῖς π. (2, 2)
— 18. κατὰ τὸ μῆκος τῶν πυλῶν τὸ π. τὸ [A τῷ] ὑποκάτω (2)
42. 3. τὰ π. τῆς αὐλῆς τῆς ἐξωτέρας (2)
Ez. 42. 5. ἐξείχετο τὸ [A *om.*] π. ἐξ αὐτοῦ ἐκ τοῦ ὑποκάτωθεν π. καὶ τὸ διάστημα οὕτως π. καὶ διάστημα (1, 3, –)
II Ma. 4. 46. ἀπολαβὼν ὁ Πτ. εἴς τι π.
III Ma. 5. 23. ἐν τῷ μεγάλῳ π. διεκίνει

περισύρειν. (1) מַחְשֹׁף
Ge. 30. 37. περισύρων τὸ χλωρόν (1)
II Ma. 7. 7. R τὸ τῆς κεφαλῆς δέρμα . . . περισύραντες [A -οντες]
IV Ma. 10. 7. περισύραντες τὸ δέρμα [S[1] *al.*]

περισφίγγειν.

[Sm. Pr. 30. 31 : Ca. 8. 9.]

περισχίζειν.

Ez. 47. 15. ἀπὸ θαλάσσης τῆς μεγάλης τῆς . . . περισχιζούσης τῆς εἰσόδου †
48. 1. κατὰ τὸ μέρος [A μέτρον] τῆς καταβάσεως τοῦ περισχίζοντος †
[Sm. Ez. 26. 10.]

περισώζειν. (1) מָלַט ni.
I Ki. 30. 17. A οὐ περισώθη [B οὐκ ἐσ.] ἐξ αὐτῶν ἀνήρ (1)
[Aq. Ps. 114 (116). 1 : Pr. 11. 21 : 19. 5 : Is. 49. 24.]
[Sm. II Ki. 8. 2 : Ps. 40 (41). 3 : 137 (138). 7 : Pr. 19. 5 : Ez. 13. 19 : 33. 5.]
[Th. Is. 49. 24.]
[Sext. Ps. 32 (33). 17.]

περιτειχίζειν. (1) מִבְצָר
Ho. 10. 14. πάντα τὰ περιτετειχισμ. σου οἰχήσεται [A οἰκ.] (1)
I Ma. 13. 33. καὶ περιετείχισε πύργοις ὑψηλοῖς
[Sm. Nu. 32. 38 : Ps. 47 (48). 13.]

περίτειχος. (1) דֵּיק (2) חֵל (3) חָרוּץ
IV Ki. 25. 1. ᾠκοδόμησεν ἐπ' αὐτὴν περίτειχος (1)
Is. 26. 1. σωτήριον θήσει τὸ τεῖχος καὶ π. (2)
Da. TH. 9. 25. A οἰκοδομηθήσεται . . . περίτειχος [B τεῖχος] (3)

περιτέμνειν. (1) יָהַד hithp. (2) כָּרַת (3) מוּל *a.* qal. *b.* ni. *c.* הָיָה מוּל *d.* תָּמַם לְהִמּוֹל (4) סוּר hi.
Ge. 17. 10. περιτμηθήσεται ὑμῶν πᾶν ἀρσενικόν (3 *b*)
— 11. περιτμηθήσεσθε τὴν σάρκα τῆς ἀκροβ. (3 *b*)
— 12. παιδίον ὀκτὼ ἡμερῶν περιτμηθήσ. ὑμῖν (3 *b*)
— 13. περιτομῇ περιτμηθήσεται ὁ οἰκογενής (3 *b*)
— 14. ὃς οὐ περιτμηθήσεται τὴν σάρκα (3 *b*)
— 23. περιέτεμε τὰς ἀκροβυστίας αὐτῶν (3 *a*)
— 24. A περιέτεμεν [R -ετο] τὴν σάρκα τῆς ἀκροβ. (3 *b*)
— 25. A περιετμήθη [R -τέμετο] τὴν σάρκα τῆς ἀκροβ. (3 *b*)
— 26. περιετμήθη Ἀβραάμ (3 *b*)
— 27. A περιέτεμεν αὐτούς (3 *b*)
21. 4. περιέτεμε δὲ Ἀβ. τὸν Ἰσαάκ (3 *a*)
34. 15. ἐν τῷ περιτμηθῆναι ὑμῶν πᾶν ἀρσενικόν (3 *b*)
— 17. A τοῦ περιτέμνεσθαι [R -τεμέσθαι] (3 *b*)
— 22. A ἐν τῷ περιτέμνεσθαι [R -τεμέσθαι] ἡ. πᾶν ἀρσενικὸν καθὰ καὶ αὐτοὶ περιτέτμηνται (3 *b*, 3 *b*)
— 24. περιετέμοντο τὴν σάρκα (3 *b*)
Ex. 4. 25. περιέτεμε τὴν ἀκροβ. τοῦ υἱοῦ αὐ. (2)
12. 44. πάντα οἰκέτην . . . περιτεμεῖς αὐτόν (3 *a*)
— 48. περιτεμεῖς αὐτοῦ πᾶν ἀρσενικόν (3 *b*)
Le. 12. 3. περιτεμεῖ τὴν σάρκα τῆς ἀκροβ. αὐ. (3 *b*)
De. 10. 16. περιτεμεῖσθε τὴν σκληροκαρδίαν ὑ. (3 *a*)
Jo. 5. 2. περίτεμε τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (3 *a*)
— 3. περιέτεμε τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (3 *a*)
— 5. πάντας τούτους περιέτεμεν Ἰ. (3 *c*)
— 7. οὓς Ἰ. περίτεμε (3 *a*)
— 8. περιτμηθέντες δὲ ἡσυχίαν εἶχον (3 *d*)
21. 40 : 24. 31. ἐν αἷς περιέτεμε τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. –
Ju. 14. 10. περιετέμετο τὴν σάρκα τῆς ἀκροβ. αὐ.
Es. 8. 17. πολλοὶ τῶν ἐθνῶν περιετέμοντο [A[2] S[3] -τέμν.] (1 ?)
Je. 4. 4. περιτμήθητε [A -θήσεσθε] τῷ θεῷ ὑμῶν καὶ περιτέμεσθε [S[4] -τεμεῖσθε, A S[1] -έλεσθε] τὴν σκληροκαρδίαν ὑμῶν (3 *b*, 4)
9. 25 (24). ἐπισκέψομαι ἐπὶ πάντας περιτετμημένους ἀκροβυστίας αὐτῶν (3 *a*)
I Ma. 1. 60. τὰς γυναῖκας τὰς περιτετμηκυίας τὰ τέκνα αὐ.
— 61. S[2] R τοὺς περιτετμηκότας αὐτοὺς ἐθανάτωσαν [A S[1] *om.*]
2. 46. περιέτεμον τὰ παιδάρια τὰ ἀπερίτμητα
II Ma. 6. 10. περιτετμηκυῖαι τὰ τέκνα
IV Ma. 4. 25. περιέτεμον τὰ παιδία
9. 21. S περιτετμημένον [A R -τετηγμ.] ἤδη ἔχων τὸ τῶν ὀστέων πῆγμα
[Aq. Dt. 30. 6 : Jo. 5. 2.]
[Heb. Ge. 17. 14.]

περιτήκειν.

IV Ma. 9. 21. A R περιτετήγμενον [S -τεμημ.] ἤδη ἔχων τὸ τῶν ὀστέων πῆγμα

περιτιθέναι. (1) גָּדַל pi. (2) הָיָה (3) חָבַשׁ (4) יָרַשׁ hi. (5) כָּהַן pi. (6) *a.* כָּלִיל *b.* כָּלַל (7) לָבַשׁ hi. (8) נָשָׂא (9) נָתַן (10) עָבַר hi. (11) עָדָה (12) צָנַף (13) קָשַׁר *a.* qal. *b.* pi. (14) שִׂים, שָׁם (15) שׁוּב hi. (16) θάρσος π. אָמַץ pi. (17) τιμὴν ἑαυτῷ π. כָּבַד hithp. (18) φραγμὸν π. עָזַק pi.
Ge. 24. 47. περιέθηκα αὐτῇ τὰ ἐνώτια (14)
27. 16. τὰ δέρμ. τῶν ἐρίφων περιέθηκεν (7)
41. 42. περιέθηκεν αὐτὸν ἐπὶ τὴν χ. Ἰ. (9)
— 42. περιέθηκε κλοιὸν χρυσοῦν (14)
Ex. 29. 9. περιθήσεις αὐτοῖς τὰς κιδάρεις (3)
34. 35. περιέθηκε Μ. κάλυμμα (15)
40. 6 (8). περιθήσεις τὴν σκηνήν [A αὐλήν] (14)
Le. 8. 13. περιέθηκεν αὐτοῖς κιδάρεις (3)
16. 4. κίδαριν λινῆν περιθήσεται [A *al.*] (12)
Nu. 27. 6 (7). περιθήσεις τὸν κλῆρον . . . αὐταῖς (10)
— 8. περιθήσετε τὴν κληρον. αὐ. τῇ θυγ. αὐ. (10)
Ru. 3. 3. περιθήσεις [A -σει] τὸν ἱματισμόν σου (14)
Ju. 10. 4. περιέθετο τοὺς χλιδῶνας –
Es. 1. 11. καὶ περιθεῖναι αὐτῇ τὸ διάδημα –
— 20. περιθήσουσι τιμὴν τοῖς ἀνδράσιν ἑαυ. (9)
5. 11. ἣν ὁ βασ. αὐτῷ περιέθηκε (1 ?)
Jb. 4. 4. γόνασί τε ἀδυνατοῦσι θάρσος περιέθηκας (16)
13. 26. περιέθηκας δέ μοι νεότητος ἁμαρτίας (4)
31. 36. ἐπ' ὤμοις ἂν περιθέμενος στέφανον ἀνεγίνωσκον [A *al.*] (8)
38. 10. περιθεὶς κλεῖθρα καὶ πύλας (14)
39. 19. ἢ σὺ περιέθηκας ἵππῳ δύναμιν (9)
— 20. περιέθηκας δὲ αὐτῷ πανοπλίαν †
40. 20 (25). περιθήσεις δὲ φορβέαν περὶ ῥῖνα αὐτοῦ †
Pr. 7. 3. περίθου δὲ αὐτοὺς [A -οῖς] σοῖς δακτύλοις (13 *a*)
12. 9. τιμὴν ἑαυτῷ περιτιθεὶς [S περιθεὶς] (17)
Wi. 5. 18. περιθήσεται κόρυθα κρίσιν ἀνυπόκριτον
14. 21. τὸ ἀκοινώνητον ὄνομα λίθοις . . . περιέθεσαν [S[2] -θηκαν]
Si. 6. 31. στέφανον ἀγαλλιάματος περιθήσεις σεαυτῷ
Ho. 2. 13 (15). περιετίθετο τὰ ἐνώτια αὐ. (10)
Is. 5. 2. φραγμὸν περιέθηκα (18)
49. 18. περιθήσεις [A S -η, B[2] -ει] αὐτούς (13 *b*)
59. 17. περιέθετο περικεφαλαίαν [S *add.* ὡς] σωτηρίου –
61. 10. ὡς νυμφίῳ περιέθηκέ μοι μίτραν (5 ?)
Je. 13. 1. περίθου περὶ τὴν ὀσφύν σου (14)
— 2. περιέθηκα περὶ τὴν ὀσφύν μου (14)
28 (51). 3. περιθέσθω ᾧ ἐστιν ὅπλα αὐτοῦ †
34 (27). 2. περίθου περὶ τὸν τράχηλόν σου (9)
Ep. Je. 43. αἱ δὲ γυναῖκες περιθέμεναι [A περιτιθ.] σχοινία
Ez. 16. 11. περιέθηκα ψέλια περὶ τὰς χεῖράς σου (9)
27. 3. περιέθηκα ἐμαυτῇ κάλλος μου (6 *a*)
— 4. υἱοί σου περιέθηκάν σοι κάλλος (6 *b*)
— 7. τοῦ περιθεῖναί σοι δόξαν (2)
Da. LXX. 5. 7. μανιάκην χρυσοῦν περιθήσει αὐτῷ –
— 16. μανιάκην χρυσοῦν περιθήσω σοι –
— 29. μανιάκην χρυσοῦν περιέθηκεν αὐτῷ –
Da. TH. 5. 29. τὸν μανιάκην . . . περιέθηκαν περὶ τὸν τράχηλον αὐ. –
I Ma. 11. 13. A S περιέθετο τὸ διάδημα τῆς Ἀσίας
— 13. περιέθετο δύο διαδήματα
12. 39. καὶ περιθέσθαι τὸ διάδημα
13. 29. περιθεὶς στύλους μεγάλους
— 32. περιέθετο τὸ διάδημα τῆς Ἀσίας
[Sm. Jb. 24. 15, 17 (P.) : Ps. 44 (45). 4 : Ca. 8. 6.]
[Al. Nu. 16. 38 (17. 3) : Ca. 8. 6.]

περιτομή. (1) *a.* מול ni. *b.* מוּלָה

Ge. 17. 13. *περιτομῇ περιτμηθήσεται ὁ οἰκογ.* (1 *a*)
Ex. 4. 25. *τὸ αἷμα τῆς π. τοῦ παιδίου μου* –
— 26. A R *τὸ αἷμα τῆς π. τοῦ παιδίου μου* (1 *b*)
Je. 11. 16. *εἰς φωνὴν περιτομῆς αὐτῆς* †
[Aq., Sm., Th., Heb. Ex. 4. 26.]

περιτραχήλιον.

[Aq. Pr. 1. 9.]
[Sm. Ge. 38. 18, 25 : Ca. 7. 1 (2) : Ho. 2. 13 (15).]

περιτρέπειν.

Wi. 5. 23. *ἡ κακοπραγία περιτρέψει θρόνους δυναστῶν*
[Aq., Th. Jb. 9. 6.]
[Sm. Jb. 9. 6 : 12. 20 : Ps. 9. 27 (10. 6) : 17 (18). 8 : 25 (26). 1 : 29 (30). 7 : 45 (46). 7 : 81 (82). 5 : 120 (121). 3.]

περιτρέχειν. (1) שׁוּט pil.

Am. 8. 12. *περιδραμοῦνται ζητοῦντες τὸν λόγον τοῦ κ.* (1)
Je. 5. 1. *περιδράμετε ἐν ταῖς ὁδοῖς Ἱερουσαλήμ* (1)

περιττός, *vid. sub* περισσός.

περιφανής, περιφανῶς.

IV Ma. 8. 1. A *ἐνικήθη περιφανὴς* [S R -ῶς] *ὁ τύραννος*

περιφέγγεσθαι.

[Sm. Ez. 1. 27.]

περιφέρεια. (1) הוֹלֵלוֹת

Ec. 9. 3. *περιφέρεια ἐν καρδίᾳ αὐτῶν* (1)
10. 13. A S R *ἐσχάτη στόματος* [B *om.*] *αὐτοῦ περιφέρεια πονηρά* (1)
[Aq., Sm. Ps. 90 (91). 4.]

περιφέρειν. (1) הָלַל po.

Jo. 24. 33. *περιεφέροσαν* [A -ον] *ἐν ἑαυτοῖς* –
Pr. 10. 24. *ἐν ἀπωλείᾳ ἀσεβὴς περιφέρεται* †
Ec. 7. 8 (7). *ἡ συκοφαντία περιφέρει σοφόν* (1)
II Ma. 7. 27. *τὴν ἐν γαστρὶ περιενέγκασάν σε*
15. 30. A *τὴν τοῦ N. κεφαλὴν . . . περιφέρειν* [R φ.] *εἰς Ἱερ.*

περιφερής. (1) סָבִיב

Ez. 41. 10. *τὸ π. τῷ οἴκῳ* [A *τοῦ οἴ.*] *κύκλῳ* (1)
II Ma. 13. 5. *ὄργανον εἶχε περιφερές*
[Sm. Ec. 12. 6.]

περιφλευσμός.

[Aq. Dt. 28. 22.]

περιφλογισμός.

[Sm., Th. Dt. 28. 22.]

περιφορά. (1) *a.* הָלַל po. *b.* הוֹלֵלוֹת

Ec. 2. 2. *τῷ γέλωτι εἶπα περιφοράν* (1 *a*)
— 12. A S *ἐπέβλεψα ἐγὼ τοῦ ἰδεῖν . . . περιφοράν* [B *παραφ.*] (1 *b*)
7. 26 (25). *τοῦ γνῶναι . . . περιφοράν* [A *παραφ.*] (1 *b*)
[Th. Ec. 2. 2.]

περίφραγμα.

[Aq. Mi. 7. 12.]
[Sm. Ez. 46. 23 : Mi. 7. 12.]
[Th. Is. 29. 1 : Mi. 7. 12.]
[Al. Ps. 9. 30 (10. 9).]

περιφράκτης.

[Aq. Is. 58. 12.]

περιφράσσειν. (1) שׁוּךְ

III Ki. 10. 22 (B), 9. 15 (A). *τοῦ περιφράξαι τὸν φραγμόν* –
Jb. 1. 10. *οὐ σὺ περιέφραξας τὰ ἔξω αὐτοῦ* (1)
Si. 28. 24. *περίφραξον τὸ κτῆμά* [S *στόμα*] *σου*
Ep. Je. 18. *περιπεφραγμέναι εἰσὶν αἱ αὐλαί*
II Ma. 1. 34. *περιφράξας δὲ ὁ βασ. ἱερὸν ἐποίησε*
12. 13. *ἐπί τινα πόλιν γεφυροῦν . . . τείχεσι περιπεφραγμένην*
[Aq., Th., Quint. Ps. 34 (35). 3.]
[Sm. Jb. 29. 4 : Ps. 30 (31). 22 : 34 (35). 3 : 39 (40). 12 : 59 (60). 11 : 60 (61). 8 : 63 (64). 2 : 91 (92). 16 : 107 (108). 11 : Ez. 13. 5 : 28. 13.]

περιφρονεῖν.

IV Ma. 6. 9. *περιεφρόνει τῆς ἀνάγκης*
14. 1. *ὡς μὴ μόνον τῶν ἀλγηδόνων περιφρονῆσαι αὐτούς*

περιφρύγειν.

[Th. Ca. 1. 6.]

περίφρων.

IV Ma. 8. 28. A R *ἦσαν γὰρ περίφρονες τῶν* [S *τὰ τῶν*] *παθῶν*

περιφύεσθαι.

[Sm. Jb. 39. 13.]

περιφυτεύειν.

IV Ma. 2. 21. R *τὰ πάθη αὐτῷ* [A S -οῦ] . . . *περιεφύτευσεν*
7. 16. A R *εἰ . . . τῶν μέχρι θανάτου βασάνων περιεφρόνησε* [S -νει]

περιχαλᾶν.

IV Ma. 7. 13. *περικεχαλασμένων δὲ τῶν σαρκῶν*

περιχαλκοῦν. (1) צָפָה pi.

Ex. 27. 6. *περιχαλκώσεις αὐτοὺς χαλκῷ* (1)

περιχαρακοῦν. (1) חָנָה (2) סָלַל pilp.

Pr. 4. 8. *περιχαράκωσον αὐτήν* (2)
Je. 52. 4. *περιεχαράκωσαν* [A S -εν] *αὐτήν* (1)

περιχαράττειν.

[Heb. Jb. 13. 27.]

περιχαρής. (1) π. γίγνεσθαι שִׂישׂ (2) שָׂמֵחַ אֶל־גִּיל

Jb. 3. 22. *περιχαρεῖς δὲ ἐγένοντο* (1+2)
29. 22. *περιχαρεῖς δὲ ἐγίνοντο* †
III Ma. 5. 44. *περιχαρεῖς ἀναλύσαντες οἱ φίλοι*

περιχεῖν. (1) אָפַף (2) זָרַק

II Ch. 29. 22. R *περιέχεον τὸ αἷμα τῷ θυσιαστ.* [A *τοῦ θ.*] (2)
Ju. 13. 2. *ἦν γὰρ περικεχυμένος αὐτῷ ὁ οἶνος*
Jn. 2. 6. *περιεχύθη ὕδωρ μοι* (1)
II Ma. 3. 17. *περιεκέχυτο γὰρ ἐπὶ τὸν ἄνδρα δέος τι*
— 27. *πολλῷ σκότει περιχυθέντα*
[Sm. Jb. 41. 15.]

περίχρυσος.

Ep. Je. 8. *αὐτά τε περίχρυσα καὶ περιάργυρα*
— 39. *τοῖς ἀπὸ τοῦ ὄρους λίθοις ὡμοιωμένοι εἰσὶ . . . τὰ π.*
— 50. *ὑπάρχοντα γὰρ ξύλινα καὶ περίχρυσα*
— 55. *εἰς οἰκίαν θεῶν ξυλίνων ἢ περιχρύσων*
— 57. *θεοὶ ξύλινοι . . . καὶ περίχρυσοι*
— 70. *οἱ θεοὶ αὐτῶν εἰσι ξύλινοι καὶ περίχρυσοι*
— 71. *ἀφωμοίωνται οἱ θεοὶ αὐ. ξύλινοι καὶ π.*

περιχρυσοῦν. (1) צָפָה (2) אֲפֻדַּת זָהָב pi. (3) רָקַע pi.

III Ki. 10. 18. *περιεχρύσωσεν αὐτό* (2)
Is. 30. 22. *περικεχρυσωμένα* [A S *τὰ π.*] *λεπτὰ ποιήσῃς* (1)
40. 19. *χρυσοχόος χωνεύσας χρυσίον περιεχρύσωσεν αὐτόν* (3)

περίχωρος. (1) חֶבֶל (2) *a.* כִּכָּר *b.* כִּכַּר פֶּלֶךְ (5) מִסְכְּנוֹת עָרִים (4) מִגְרָשׁ (3) בִּקְעָה

Ge. 13. 10, 11. *πᾶσαν τὴν π. τοῦ Ἰορδ.* (2 *a*)
— 12. *ἐν πόλει τῶν π.* (2 *a*)
19. 17. *μηδὲ στῆς ἐν πάσῃ τῇ π.* (2 *a*)
— 25. R *καὶ πᾶσαν τὴν περίχωρον* [A *πᾶσαν περίοικον*] (2 *a*)
— 28. A *ἐπὶ πρόσωπον τῆς γῆς* [R *om. τ. γ.*] *τῆς π.* (2 *a*)
De. 3. 4. *πάντα τὰ* [B[1] *add. συνκυροῦντα*] *π. Ἀργόβ* (1)
— 13. *καὶ πᾶσαν* [A *π. τὴν*] *περίχωρον Ἀργόβ* (1)
— 14. *ἔλαβε πᾶσαν τὴν* [B[1] *om.*] *π. Ἀργόβ* (1)
34. 3. *καὶ τὰ π. Ἱερ.* (2 *b*)
I Ch. 5. 16. *καὶ πάντα τὰ π. Σαρών* (3)
II Ch. 4. 17. *ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ.* (2 *a*)
16. 4. *ἐπάταξε . . . πάσας τὰς π. Νεφθ.* (4)
Ne. 3. 9, 12. *ἄρχων ἡμίσους περιχώρου Ἱερ.* (5)
Ne. 3. 14. *ἄρχων περιχώρου Βηθ.* (5)
— 16. S[2] R *ἄρχων ἡμίσους* [A B S[1] *om.*] *περιχώρου Βηθ.* (5)
— 17. A S R *ἄρχων ἡμίσους περιχώρου Κ. τῷ π.* [B -ου] *αὐ.* (5, 5)
— 18. *ἄρχων ἡμίσους περιχώρου Κ.* (5)
12. 28. *συνήχθησαν . . . ἀπὸ τῆς π.* (2 *a*)
Ju. 3. 7. *αὐτοὶ καὶ πᾶσα ἡ π. αὐτῶν*
Es. 9. 12. *ἐν δὲ τῇ π. πῶς οἴει ἐχρήσαντο* [A *al.*] –

περίψημα.

To. 5. 18. *περίψημα τοῦ παιδίου ἡμῶν γένοιτο*

περιψύχειν.

Si. 30. 7. A S[2] R *περιψύχων* [? *περὶ ψυχῶν*] *υἱὸν* [B S[1] -ῶν] *καταδεσμεύσει τραύματα αὐ.*

περκάζειν.

Si. 51. 15. *ἐξ ἄνθους ὡς περκαζούσης σταφυλῆς*
Am. 9. 13. *περκάσει ἡ σταφυλὴ ἐν τῷ σπόρῳ* †
[Aq. Za. 11. 8.]

περόνη.

[Sm. Ex. 35. 11 : Jb. 40. 19 (24).]
[Th. Ex. 35. 11 : 39. 33 (14).]

πέσσειν. (1) אָפָה *a.* qal. *b.* ni. *c.* מַאֲפֶה

Ge. 19. 3. *ἀζύμους ἔπεψεν αὐτοῖς* (1 *a*)
Ex. 12. 39. *ἔπεψαν τὸ σταῖς* (1 *a*)
16. 23. *ὅσα ἐὰν πέσσητε πέσσετε* (1 *a*, 1 *a*)
Le. 2. 4. R *θυσίαν πεπεμμένην ἐκ κλιβάνου* [A B λιβ.] (1 *c*)
6. 17 (10). *οὐ πεφθήσεται ἐζυμωμένη* (1 *b*)
23. 17. *ἐζυμωμένοι πεφθήσονται* (1 *b*)
26. 26. *πέψουσι δέκα γυναῖκες τοὺς ἄρτους ὑ.* (1 *a*)
I Ki. 8. 13. *καὶ εἰς πεσσούσας* (1 *a*)
28. 24. *καὶ ἔπεψεν* [A *ἔπεμψεν*] *ἄζυμα* (1 *a*)
Is. 44. 15. *καύσαντες ἔπεψαν ἄρτους ἐπ' αὐτῶν* (1 *a*)
— 16. *καὶ ἐπὶ τοῦ ἡμίσους αὐτῶν ἔπεψεν ἐν τοῖς ἄνθραξιν ἄρτους* [A S[1] *al.*] †
— 19. *ἔπεψεν ἐπὶ τῶν ἀνθράκων αὐτοῦ ἄρτους* (1 *a*)
Je. 44 (37). 21. *ἔξωθεν οὗ πέσσουσιν* (1 *a*)
Ez. 46. 20. *ἐκεῖ πέψουσι τὸ μαναὰ τὸ παράπαν* (1 *a*)
[Aq. Ge. 40. 5 : Je. 37 (44). 21 : Ho. 7. 6.]
[Al. Le. 7. 9.]
[Quint. Ho. 7. 4, 8.]

πετάζειν, *vid. sub* πετεννύναι.

πέταλον. (1) נֵזֶר (2) פַּח (3) צִיץ

Ex. 28. 32 (36). *ποιήσεις πέταλον χρυσοῦν* (3)
29. 6. *ἐπιθήσεις τὸ π. τὸ ἅγιασμα* (1)
36. 10 (39. 3). *ἐτμήθη τὰ π. τοῦ χρυσίου* (2)
— 38 (39. 30). *ἐποίησαν τὸ π. τὸ χρυσοῦν* (3)
Le. 8. 9. *ἐπέθηκεν . . . τὸ π. τὸ χρυσοῦν* (3)
III Ki. 6. 18. A *ἐπαναστήσεις . . . πέταλα* (3)
— 32. A *καὶ π. διαπεπετασμένα* (3)
— 35. *καὶ διαπεπετασμένα π.* (3)
[Aq. Ex. 29. 6.]
[Sm. III Ki. 6. 18.]

πεταλοῦν. (1) צָפָה pi.

III Ki. 6. 22. A *ὅλον τὸ ἔσω τοῦ δ. ἐπετάλωσεν χρυσίῳ* (1)

πετεννύναι, πετάζειν. (1) דָּאָה (2) נוּד (3) עוּף (4) רוּף pulal.

II Ki. 22. 11. *καὶ ἐπετάσθη* (3)
Jb. 26. 11. *στῦλοι οὐρανοῦ ἐπετάσθησαν* [A *ἐπεστάθησαν*] (4)
Ps. 17 (18). 10. *καὶ ἐπετάσθη ἐπετάσθη* [S[1] *καὶ ἐπ.*] *ἐπὶ πτερύγων ἀνέμων* (3, 1)
54 (55). 6. *πετασθήσομαι καὶ καταπαύσω* (3)
Pr. 26. 2. *ὥσπερ ὄρνεα πέταται* [A -ανται] (2)
Wi. 17. 21. A B *μόνοις δὲ ἐκείνοις ἐπέταντο* [S *ἐπέκειτο*, R *ἐπετέτατο*] *βαρεῖα νύξ*
Hb. 1. 8. *πετασθήσονται ὡς ἀετός* (3)
[Aq. Ex. 9. 9 : Ps. 89 (90). 10 : Pr. 23. 5.]
[Sm. Ps. 54 (55). 7 : Pr. 23. 5.]
[Th. Jb. 11. 13 : 26. 11 : Pr. 23. 5.]

πέτασθαι. (1) עוּף

De. 4. 17. *ὃ πέταται ὑπὸ τὸν οὐρανόν* (1)

πέτασμα.

[Al. Nu. 23. 22.]

πετασμός.

[Al. Nu. 23. 22.]

πέτασος.

II Ma. 4. 12. ὑπὸ πέτασον ἤγαγεν

πέταυρον (πέτευρον). (1) עֹמֶק

Pr. 9. 18. ἐπὶ πέταυρον ᾄδου συναντᾷ (1)

πετεινός. (1) כָּנָף (2) עוֹף (3) עַיִט (4) *a.* צִפּוֹר *b.* צִפֳּר

Ge. 1. 20. πετεινὰ πετόμενα ἐπὶ τῆς γῆς (2)
— 21. καὶ πᾶν πετεινὸν πτερωτόν (2)
— 22. τὰ πετεινὰ πληθυνέσθωσαν (2)
— 26. ἀρχέτωσαν . . . τῶν π. τοῦ οὐρ. (2)
— 28. ἄρχετε . . . τῶν π. τοῦ οὐρ. (2)
— 30. καὶ πᾶσι τοῖς π. τοῦ οὐρ. (2)
2. 19. καὶ παντὰ τὰ π. τοῦ οὐρ. (2)
— 20. καὶ πᾶσι τοῖς π. τοῦ οὐρ. (2)
6. 7. ἀπὸ ἑρπετῶν ἕως τῶν π. τοῦ οὐρ. (2)
— 20. ἀπὸ πάντων τῶν ὀρνέων τῶν π. (2)
7. 3. ἀπὸ τῶν π. τοῦ οὐρ. τῶν καθ. (2)
— 3. ἀπὸ πάντων τῶν π. τῶν μὴ καθ. –
— 8. R ἀπὸ τῶν π. τῶν καθ. [A² *om.* τ. κ.] καὶ ἀπὸ τῶν π. τῶν μὴ καθ. [A² *om.* τ. μὴ κ.] (2, –)
— 14. R καὶ πᾶν ὄρνεον [A *om.*] πετεινόν (4 *a* [2+4 *a*])
— 21. πᾶσα σὰρξ . . . τῶν π. (2)
— 23. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως . . . τῶν π. τοῦ οὐρ. (2)
8. 1. ἐμνήσθη ὁ θ. . . . πάντων τῶν π. –
— 17. ἀπὸ πετεινῶν ἕως κτηνῶν (2)
— 19. καὶ πᾶν π. (2)
— 20. ἀπὸ πάντων τῶν π. τῶν καθ. (2)
9. 2. R ἐπὶ πάντα τὰ π. [A ὄρνεα] τοῦ οὐρ. (2)
40. 17. τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ κατήσθιεν αὐτά (2)
Le. 1. 14. ἐὰν δὲ ἀπὸ τῶν π. κάρπωμα (2)
7. 16 (26). ἀπό τε τῶν κτηνῶν καὶ ἀπὸ τῶν π. (2)
11. 13. ταῦτα . . . ἀπὸ τῶν π. (2)
— 20. καὶ πάντα τὰ ἑρπετὰ τῶν π. (2)
— 21. ἀπὸ τῶν ἑρπετῶν τῶν π. (2)
— 23. πᾶν ἑρπετὸν ἀπὸ τῶν π. (2)
— 46. οὗτος ὁ νόμος περὶ . . . τῶν π. (2)
17. 13. ἢ πετεινὸν ὃ ἔσθεται (2)
20. 25. ἀνὰ μέσον τῶν π. τῶν καθαρῶν (2)
— 25. ἐν τοῖς κτήνεσι καὶ ἐν τοῖς π. (2)
De. 14. 19. πάντα τὰ ἑρπετὰ τῶν π. (2)
— 20. πᾶν π. καθαρὸν φάγεσθε (2)
28. 26. κατάβρωμα τοῖς π. τοῦ οὐρ. (2)
I Ki. 17. 44. δώσω τὰς σάρκας σου τοῖς π. τοῦ οὐρ. (2)
— 46. δώσω τὰ κῶλα . . . τοῖς π. τοῦ οὐρ. (2)
II Ki. 21. 10. οὐκ ἔδωκε τὰ π. τοῦ οὐρ. καταπαῦσαι (2)
III Ki. 4. 33 (5. 13). καὶ περὶ τῶν π. (2)
12. 24 (*cf.* A 14. 11). B καταφάγεται τὰ π. τοῦ οὐρ. –
14. 11. A καταφάγονται τὰ π. τοῦ οὐρ. (2)
16. 4. καταφάγονται αὐτὸν τὰ π. τοῦ οὐρ. (2)
20 (21). 24. φάγονται τὰ π. τοῦ οὐρ. (2)
Ju. 11. 7. τὰ π. τοῦ οὐρ. διὰ τῆς ἰσχύος σου ζήσονται
Es. 8. 13. πετεινοῖς . . . ἔχθιστος κατασταθήσεται [A S¹ *al.*]
Jb. 12. 7. πετεινὰ δὲ οὐρανοῦ ἐάν σοι ἀπαγγείλωσιν [A ἀναγγείλῃ] (2)
28. 7. οὐκ ἔγνω αὐτὴν πετεινόν [A -ῶν] (3)
— 21. ἀπὸ πετεινῶν τοῦ οὐρανοῦ ἐκρύβη [A οὐκ ἐκρ.] (2)
35. 11. ὁ διορίζων με ἀπὸ τετραπόδων γῆς ἀπὸ δὲ πετεινῶν οὐρανοῦ (2)
Ps. 8. 8. τὰ π. τοῦ οὐρ. καὶ τοὺς ἰχθύας τῆς θαλ. (4 *a*)
49 (50). 11. ἔγνωκα πάντα τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ (2)
77 (78). 27. καὶ ὡσεὶ ἄμμον θαλασσῶν πετεινὰ πτερωτά (2)
78 (79). 2. βρώματα τοῖς π. τοῦ οὐρανοῦ (2)
103 (104). 12. ἐπ' αὐτὰ τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ κατασκηνώσει (2)
148. 10. ἑρπετὰ καὶ πετεινὰ πτερωτά (4 *a*)
Ec. 10. 20. πετεινὸν τοῦ οὐρανοῦ ἀποίσει τὴν φωνήν σου (2)
Si. 11. 3. μικρὰ ἐν πετεινοῖς μέλισσα
17. 4. κατακυριεύειν θηρίων καὶ πετεινῶν
22. 20. βάλλων λίθον ἐπὶ πετεινὰ ἀποσοβεῖ αὐτά
27. 9. πετεινὰ πρὸς τὰ ὅμοια αὐτοῖς [A -ῶν] καταλύσει
— 19. ὡς πετεινὸν ἐκ χειρός σου ἀπέλυσας
Si. 43. 14. ἐξέπτησαν νεφέλαι ὡς πετεινά
— 17. ὡς πετεινὰ καθιπτάμενα πάσσει χιόνα
Ho. 2. 12 (14). καταφάγεται αὐτὰ . . . τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ –
— 18 (20). καὶ μετὰ τῶν π. τοῦ οὐρανοῦ (2)
4. 3. καὶ σὺν τοῖς π. τοῦ οὐρανοῦ (2)
7. 12. καθὼς τὰ π. τοῦ οὐρ. κατάξω αὐτούς (2)
Ze. 1. 3. ἐκλιπέτω τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ (2)
Is. 16. 2. ἔσῃ γὰρ ὡς πετεινοῦ ἀνιπταμένου νοσσὸς ἀφῃρημένος (2)
18. 6. καταλείψει ἅμα τοῖς π. τοῦ οὐρανοῦ . . . συναχθήσεται ἐπ' αὐτοὺς τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ (3, 3)
46. 11. καλῶν ἀπ' ἀνατολῶν πετεινόν (3)
Je. 4. 25. πάντα τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ ἐπτοεῖτο (2)
5. 27. ὡς παγὶς ἐφεσταμένη πλήρης πετεινῶν (2)
7. 33. ἔσονται . . . εἰς βρῶσιν [A κατάβρωμα πᾶσιν] τοῖς π. τοῦ οὐρ. (2)
9. 10 (9). ἀπὸ πετεινῶν τοῦ οὐρανοῦ καὶ ἕως κτηνῶν (2)
12. 4. ἠφανίσθησαν [A -ισας] κτήνη καὶ πετεινά (2)
15. 3. τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ εἰς βρῶσιν (2)
16. 4. καὶ τοῖς π. τοῦ οὐρανοῦ (2)
19. 7. εἰς βρῶσιν τοῖς π. τοῦ οὐρανοῦ (2)
41 (34). 20. βρῶσις τοῖς π. τοῦ οὐρανοῦ (2)
Ez. 17. 23. πᾶν πετεινὸν [A τὰ π.] ὑπὸ τὴν σκιὰν αὐτοῦ ἀναπαύσεται (1)
29. 5. τοῖς π. τοῦ οὐρανοῦ δέδωκά σε (2)
31. 6. ἐνόσσευσαν πάντα τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ (2)
— 13. ἀνεπαύσαντο πάντα τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ (2)
32. 4. ἐπικαθιῶ ἐπὶ σὲ πάντα τὰ π. (2)
34. 5. A καὶ τοῖς π. τοῦ οὐρανοῦ –
38. 20. σεισθήσονται . . . τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ (2)
39. 4. παντὶ πετεινῷ . . . δέδωκά σε (1)
— 17. εἰπὸν παντὶ ὀρνέῳ πετεινῷ (1)
44. 31. πᾶν θνησιμαῖον καὶ θηριάλωτον ἐκ τῶν π. (2)
Da. LXX. 2. 38. ἀπὸ ἀνθρώπων . . . καὶ πετεινῶν οὐρανοῦ (2)
3. (80). εὐλογεῖτε, πάντα τὰ π. τοῦ οὐρ., τὸν κ.
4. 9. ἐν αὐτῷ τὰ π. τοῦ οὐρ. ἐνόσσευον (4 *b*)
— 18. καὶ πάντα τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ (4 *b*)
Da. TH. 2. 38. πετεινὰ οὐρανοῦ . . . ἔδωκεν ἐν τῇ χειρί σου (2)
3. (80). εὐλογεῖτε, πάντα τὰ π. τοῦ οὐρ., τὸν κ.
7. 6. καὶ αὐτῇ πτερὰ τέσσαρα πετεινοῦ (2)
IV Ma. 14. 15. A R τῶν π. [S -την.] τὰ μὲν ἥμερα
[Aq. Ge. 1. 20, 26, 28 : III Ki. 14. 11 : Jb. 35. 11 : Is. 16. 2 : Je. 5. 27.]
[Sm. Ge. 1. 20, 28, 30 : Jb. 5. 7 : Ps. 77 (78). 27.]
[Th. Ge. 1. 20, 28, 30 : Jb. 28. 21 : 35. 11 : Da. 3. (80).]
[Al. Hb. 3. 5.]

πέτεσθαι. (1) נָדַד hoph. (2) עוּף *a.* qal. *b.* pil. *c.* hoph. (3) **πετόμενος ζητῶν** טוּשׁ

Ge. 1. 20. πετεινὰ πετόμενα ἐπὶ τῆς γῆς (2 *b*)
Jb. 5. 7. νεοσσοὶ δὲ γυπὸς τὰ ὑψηλὰ πέτονται (2 *a*)
9. 26. ἢ ἀετοῦ πετομένου ζητοῦντος βοράν (3)
20. 8. ἔπτη δὲ ὥσπερ φάσμα [A φάντασμα, S¹ θαῦμα] νυκτερινόν (1)
Ps. 90 (91). 5. ἀπὸ βέλους πετομένου ἡμέρας (2 *a*)
Pr. 9. 12. AB ὁ δ' αὐτὸς διώξεται ὄρνεα πετόμενα –
24. 54 (30. 19). ἴχνη ἀετοῦ πετομένου †
Za. 5. 1. ἰδοὺ δρέπανον πετόμενον (2 *a*)
— 2. ὁρῶ δρέπανον πετόμενον (2 *a*)
Is. 6. 2. ταῖς δυσὶν ἐπέταντο [S -οντο] (2 *b*)
11. 14. πετασθήσονται ἐν πλοίοις ἀλλοφύλων (2 *a*)
14. 29. τὰ ἔκγονα αὐτῶν ἐξελεύσονται ὄφεις πετάμενοι [A S -όμ.] (2 *b*)
30. 6. ἔκγονα ἀσπίδων πετομένων [B¹ *om.*] (2 *b*)
31. 5. ὡς ὄρνεα πετόμ. οὕτως ὑπερασπιεῖ κ. (2 *a*)
60. 8. A τίνες οἵδε ὡς νεφέλαι πέτανται [B S -ον.] (2 *a*)
Ez. 32. 10. ἐν τῷ πετᾶσθαι [A -σθῆναι] τὴν ῥομφαίαν μου (2 *b*)
Da. TH. 9. 21. ἰδοὺ ἀνὴρ . . . πετόμενος (2 *c*?)
[Aq. Ez. 13. 20.]
[Sm. Ge. 1. 20 : Jb. 39. 18 : Ps. 17 (18). 11 : Is. 31. 5 : Ez. 13. 20.]
[Th. Ge. 1. 20 : Is. 30. 6.]
[Al. Hb. 2. 15.]

πετηνός.

IV Ma. 14. 15. S τῶν π. [A R -τειν.] τὰ μὲν ἥμερα

πέτρα. (1) כֵּף (2) סֶלַע (3) *a.* צוּר *b.* צֹר (4) **στερεὰ π.** *a.* חַלָּמִישׁ *b.* צוּר *c.* צֹר

Ex. 17. 6. ἕστηκα . . . ἐπὶ τῆς π. ἐν Χ. (3 *a*)
— 6. πατάξεις τὴν π. (3 *a*)
33. 21. στήσῃ ἐπὶ τῆς π. (3 *a*)
— 22. εἰς ὀπὴν τῆς π. (3 *a*)
Nu. 20. 8. λαλήσατε πρὸς τὴν π. (2)
— 8. ἐξοίσετε αὐτοῖς ὕδωρ ἐκ τῆς π. (2)
— 10. ἐξεκκλησίασε . . . ἀπέναντι τῆς π. (2)
— 10. μὴ ἐκ τῆς π. ταύτης ἐξάξομεν (2)
— 11. ἐπάταξε τὴν π. (2)
24. 21. ἐὰν θῇς ἐν πέτρᾳ τὴν νοσσιάν σου (2)
De. 8. 15. τοῦ ἐξαγαγόντος σοι ἐκ π. ἀκροτόμου (3 *a*)
32. 13. μέλι ἐκ πέτρας καὶ ἔλαιον ἐκ στερεᾶς π. (2, 3 *a*)
Jo. 5. 2. μαχαίρας πετρίνας [A *om.*] ἐκ π. ἀκροτόμου (3 *a*)
Jd. 1. 36. ἀπὸ τῆς π. καὶ ἐπάνω (2)
6. 20. θὲς πρὸς τὴν π. ἐκείνην (2)
— 21. ἀνέβη [A -ήφθη] πῦρ ἐκ τῆς π. (3 *a*)
13. 19. ἀνήνεγκεν ἐπὶ τὴν π. (3 *a*)
15. 8. ἐν τρυμαλιᾷ τῆς π. Ἠ. [A *al.*] (2)
— 11. εἰς τρυμαλιὰν [A ἐπὶ τὴν ὀπὴν τῆς] πέτρας Ἠ. (2)
— 13. ἀνήνεγκαν αὐτὸν ἀπὸ τῆς π. ἐκ. [A *al.*] (2)
20. 45. ἔφευγον . . . πρὸς τὴν π. (2)
— 47. ἔφευγον . . . πρὸς τὴν π. (2)
— 47. ἐκάθισαν ἐν πέτρᾳ [A τῇ π.] (2)
21. 13. ἐν τῇ π. Ῥ. (2)
I Ki. 13. 6. B ἐκρύβη ὁ λαὸς . . . ἐν ταῖς π. (2)
14. 4. B ἀκρωτήριον πέτρας ἔνθεν καὶ ἀκρωτήριον πέτρας ἔνθεν [R *al.*] (2, 2)
— 4. B καὶ ὀδοὺς πέτρας ἐκ τούτου (2)
23. 25. κατέβη εἰς τὴν π. (2)
— 28. ἐπεκλήθη . . . Π. ἡ μερισθεῖσα (2)
II Ki. 21. 10. ἔπηξεν αὐτῇ πρὸς τὴν π. (3 *a*)
22. 2. κύριε πέτρα μου (2)
III Ki. 19. 11. πνεῦμα . . . συντρῖβον πέτρας (2)
IV Ki. 14. 7. καὶ συνέλαβε τὴν π. (2)
I Ch. 11. 15. κατέβησαν . . . εἰς τὴν π. (3 *a*)
II Ch. 26. 7. τοὺς κατοικοῦντας ἐπὶ τῆς π. †
Ne. 9. 15. ὕδωρ ἐκ πέτρας ἐξήνεγκας αὐτοῖς (2)
Ju. 16. 15. πέτραι δὲ [S¹ πέτρα] . . . τακήσονται
Jb. 14. 8. ἐν δὲ πέτρᾳ [A ἐὰν δὲ πέτραις] τελευτήσῃ †
— 18. πέτρα παλαιωθήσεται ἐκ τοῦ τόπου αὐ. (3 *a*)
19. 24. A B² S R ἢ ἐν πέτραις ἐγγλυφῆναι (3 *a*)
22. 24. θήσῃ ἐπὶ χώματι ἐν πέτρᾳ καὶ ὡς πέτρα χειμάρρου Σωφίρ [A S *al.*] (†, 3 *a*)
24. 8. πέτραν [S¹ *om.*] περιέβαλοντο (3 *a*)
30. 6. ὧν οἱ οἶκοι αὐτῶν ἦσαν τρῶγλαι πετρῶν [A τῶν π.] (1)
39. 1. εἰ ἔγνως καιρὸν τοκετοῦ τραγελάφων πέτρας (2)
— 28. ἐπ' ἐξοχῇ πέτρας καὶ ἀποκρύφῳ (2)
40. 13 (18). A αἱ πλευραὶ αὐτοῦ ὡς π. χαλκαῖ [B S *al.*] †
Ps. 26 (27). 5. ἐν πέτρᾳ ὕψωσέ με (3 *a*)
39 (40). 2. ἔστησεν ἐπὶ πέτραν τοὺς πόδας μου (2)
60 (61). 2. ἐν πέτρᾳ ὕψωσάς με (3 *a*)
77 (78). 15. διέρρηξε πέτραν ἐν ἐρήμῳ (3 *a*)
— 16. ἐξήγαγεν ὕδωρ ἐκ πέτρας (2)
— 20. ἐπεὶ ἐπάταξε πέτραν (3 *a*)
80 (81). 16. ἐκ πέτρας μέλι ἐχόρτασεν αὐτούς (3 *a*)
103 (104). 12. ἐκ μέσου τῶν π. [S¹ πτερῶν] δώσουσι φωνήν †
— 18. πέτρα καταφυγὴ τοῖς χοιρογρυλλίοις [A S² λαγῴοις] (2)
104 (105). 41. διέρρηξε πέτραν (3 *a*)
113 (114). 8. τοῦ στρέψαντος τὴν π. εἰς λίμνας ὑδάτων (3 *a*)
136 (137). 9. ἐδαφιεῖ τὰ νήπιά σου πρὸς τὴν π. (2)
140 (141). 6. κατεπόθησαν ἐχόμενα πέτρας (2)
Pr. 24. 54 (30. 19). καὶ ὁδοὺς ὄφεως ἐπὶ πέτρας (3 *a*)
— 61 (30. 26). οἱ ἐποιήσαντο ἐν πέτραις τοὺς ἑαυτῶν οἴκους (2)
Ca. 2. 14. σὺ περιστερά μου ἐν σκέπῃ τῆς π. (2)
Wi. 11. 4. ἐδόθη αὐτοῖς ἐκ πέτρας ἀκροτόμου ὕδωρ
17. 19. κτύπος ἀπηνὴς καταρριπτομένων πετρῶν
Si. 40. 15. ῥίζαι ἀκάθαρτοι ἐπ' ἀκροτόμου πέτρας
Am. 6. 13 (12). εἰ διώξονται ἐν πέτραις ἵπποι (2)
Ob. 1. 3. ἐν ταῖς ὀπαῖς τῶν π. (2)
Na. 1. 6. αἱ π. διεθρύβησαν ἀπ' αὐτοῦ (3 *a*)
Hb. 2. 1. ἐπιβήσομαι ἐπὶ πέτραν †
Is. 2. 10. εἰσέλθετε εἰς τὰς π. (3 *a*)

Is. 2. 19. εἰσενέγκαντες . . . εἰς τὰς σχισμὰς τῶν π. (3 a)
— 21. τοῦ εἰσελθεῖν εἰς τὰς τρώγλας τῆς στερεᾶς π. καὶ εἰς τὰς σχισμὰς τῶν π. (4 b, 2)
5. 28. ὡς στερεὰ π. ἐλογίσθησαν (4 c)
7. 19. καὶ ἐν ταῖς τρώγλαις τῶν π. (2)
8. 14. οὐδὲ ὡς πέτρας πτώματι. (3 a)
16. 1. μὴ π. ἔρημός ἐστι τὸ ὄρος θυγατρὸς [A om.] Σιών (2)
22. 16. ἔγραψας σεαυτῷ ἐν πέτρᾳ σκηνήν (2)
31. 9. πέτρᾳ γὰρ περιληφθήσονται ὡς χάρακι (2)
33. 16. οἰκήσει ἐν ὑψηλῷ σπηλαίῳ πέτρας ἰσχυρᾶς [A ὀχ.] (2)
42. 11. εὐφρανθήσονται οἱ κατοικοῦντες πέτραν (2)
48. 21. ὕδωρ ἐκ πέτρας ἐξάξει αὐτοῖς σχισθήσεται π. (3 a, 3 a)
50. 7. ἔθηκα τὸ πρόσωπόν μου ὡς στερεὰν πέτραν (4 a)
51. 1. ἐμβλέψατε εἰς τὴν στερεὰν π. (4 b)
57. 5. ἐν ταῖς φάραγξιν ἀνὰ μέσον τῶν π. (2)
Je. 4. 29. B S² ἐπὶ [A εἰς] τὰς π. ἀνέβησαν (1)
5. 3. ἐστερέωσαν τὰ πρόσωπα αὐτῶν ὑπὲρ πέτραν (2)
13. 4. κατάκρυψον αὐτὸ ἐκεῖ ἐν τῇ τρυμαλιᾷ τῆς π. (2)
16. 16. θηρεύσουσιν αὐτοὺς . . . ἐκ τῶν τρυμαλιῶν τῶν π. (2)
18. 14. μὴ ἐκλείψουσιν ἀπὸ πέτρας μαστοί (3 a)
23. 29. ὡς πέλυξ [A πέλεκυς] κόπτων πέτραν (2)
28 (51). 25. κατακυλιῶ σε ἐπὶ [A S ἀπὸ] τῶν π. (2)
29 (49). 16. κατέλυσε τρυμαλιὰς πετρῶν (2)
31 (48). 28. ᾤκησαν ἐν πέτραις (2)
— 28. ἐγενήθησαν ὥσπερ περιστεραὶ νοσσεύουσαι ἐν πέτραις †
Ez. 3. 9. ἔσται διὰ παντὸς κραταιότερον πέτρας (3 b)
II Ma. 14. 45. στὰς ἐπί τινος π. ἀπορρωγάδος
[Aq. Jd. 7. 25: Ps. 17 (18). 3: 30 (31). 4: 41 (42). 10: 70 (71). 3: 77 (78). 15: 140 (141). 6: Is. 31. 9: 33. 16: Je. 49. 16 (29. 17): Ez. 24. 7: 26. 4, 14.]
[Sm. Jd. 7. 25: Jb. 39. 28: Ps. 17 (18). 3: 30 (31). 4: 41 (42). 10: 70 (71). 3: 140 (141). 6: Ca. 2. 14: Is. 8. 14 bis: 31. 9: 32. 2: 33. 16: Je. 13. 4: 49. 16 (29. 17): Ez. 26. 14: Am. 6. 12.]
[Th. I Ki. 24. 3: Jb. 22. 24 bis: 39. 1, 28: Is. 8. 14: 31. 9: 33. 16: Ez. 26. 4, 14: Ho. 9. 13.]

πέτρινος. (1) צוּר

Jo. 5. 2. ποίησον σεαυτῷ μαχαίρας π. [A om.] (1)
— 3. ἐποίησεν Ἰ. μαχαίρας π. (1)
21. 40. ἔλαβεν Ἰ. τὰς μαχαίρας τὰς π. –
24. 31. τὰς μαχαίρας τὰς π. ἐν αἷς περιέτεμε –
[Sm. Ex. 4. 25.]

πετροβόλος. (1) אֶלְנְבִישׁ (2) אַבְנֵי־קֶלַע

I Ki. 14. 14. A R καὶ ἐν πετροβόλοις †
Jb. 41. 19 (20). ἥγηται μὲν πετροβόλον χόρτον [A ὡς χ.] (2)
Wi. 5. 22. ἐκ πετροβόλου θυμοῦ πλήρεις ῥιφήσονται χάλαζαι
Ez. 13. 11. δώσω λίθους πετροβόλους (1)
— 13. τοὺς λίθους τοὺς π. ἐν θυμῷ ἐπάξω (1)

πέτρος.

II Ma. 1. 16. βάλλοντες πέτρους συνεκεραύνωσαν τὸν ἡγεμόνα
4. 41. συναρπάσαντες οἱ μὲν πέτρους
[Aq. Ex. 4. 25.]

πεύκη. (1) עֵץ בְּרוֹשׁ (2) תִּדְהָר

III Ki. 5. 10 (24). ἦν Χ. διδοὺς . . . πεύκας [B om.] (1)
Is. 60. 13. ἐν κυπαρίσσῳ καὶ πεύκῃ καὶ κέδρῳ (2)
[Sm. Is. 60. 13: Ho. 4. 13.]
[Th. Ho. 4. 13.]

πεύκινος. (1) אַלְגּוּמִים (2) בְּרוֹשׁ (3) שֶׁמֶן

III Ki. 5. 8 (22). ξύλα κέδρινα καὶ π. (2)
6. 15. περιέσχε . . . ἐν πλευραῖς π. (2)
— 32. A δύο θύρας ξύλων π. (3)
— 34. ἐν ἀμφοτ. ταῖς θύραις ξύλα π. (2)
9. 11. καὶ ἐν ξύλοις π. [A al.] (2)
II Ch. 2. 8 (7). ἀπόστειλόν μοι ξύλα . . . π. (1)
9. 10. ἔφερον . . . ξύλα π. (1)
— 11. ἐποίησεν ὁ βασ. τὰ ξύλα τὰ π. (1)

πέψις. (1) אָפֶה

Ho. 7. 4. ὡς κλίβανος καιόμενος εἰς πέψιν (1)

πηγή. (1) אֵד (2) אָפִיק (3) מַבּוּעַ (4) מוֹצָא מַיִם (5) a. עַיִן b. מַעְיָן (6) מָקוֹר (7) נֶבֶךְ

Ge. 2. 6. πηγὴ δὲ ἀνέβεννεν ἐκ τῆς γῆς (1)
7. 11. ἐρράγησαν πᾶσαι αἱ π. τῆς ἀβ. (5 b)
8. 2. R ἐπεκαλύφθησαν [A ἀπ.] αἱ π. τῆς ἀβ. (5 b)
14. 7. ἦλθοσαν ἐπὶ τὴν π. τῆς κρίσεως (5 a)
16. 7. R ἐπὶ τῆς π. τοῦ ὕδατος (5 a)
— 7. R ἐπὶ τῆς π. ἐν τῇ ὁδῷ Σούρ (5 a)
24. 13. ἕστηκα ἐπὶ τῆς π. τοῦ ὕδατος (5 a)
— 16. καταβᾶσα δὲ ἐπὶ τὴν π. (5 a)
— 29. ἔδραμε . . . ἐπὶ τὴν π. (5 a)
— 30. ἑστηκότος αὐτοῦ . . . ἐπὶ τῆς π. (5 a)
— 42. ἐλθὼν σήμερον ἐπὶ τὴν π. (5 a)
— 43. S R ἐφέστηκα [A² S ἔστ.] ἐπὶ τῆς π. [A τὴν π.] τοῦ ὕδ. (5 a)
— 45. κατέβη ἐπὶ τὴν π. (5 a)
Ex. 15. 27. ἦσαν ἐκεῖ δώδεκα π. ὑδάτων (5 a)
Le. 11. 36. πλὴν πηγῶν ὑδάτων (5 b)
12. 7. ἀπὸ τῆς π. τοῦ αἵματος αὐ. (6)
20. 18. τὴν π. αὐτῆς ἀπεκάλυψε (6)
Nu. 33. 9. ἐν Αἰ. δώδεκα πηγαὶ ὑδάτων (5 a)
34. 11. καταβήσεται τὰ ὅρια . . . ἐπὶ πηγάς (5 a)
De. 8. 7. οὗ . . . πηγαὶ ἀβύσσων ἐκπορευόμεναι (5 a)
— 15. τοῦ ἐξαγαγόντος σοι . . . πηγὴν ὕδατος –
33. 13. ἀπὸ ἀβύσσων πηγῶν κάτωθεν †
Jo. 15. 7. AR ἐπὶ τὸ ὕδωρ τῆς [B om.] π. ἡλίου (5 a)
— 7. ἔσται αὐτοῦ ἡ διέξοδος πηγὴ Ῥ. (5 a)
— 9. ἐπὶ πηγὴν ὕδατος N. (5 b)
17. 7. πορεύεται . . . ἐπὶ πηγὴν [A τὴν γῆν] Θ. (5 a)
18. 15. ἐπὶ πηγὴν ὕδατος N. (5 b)
— 16. καταβήσεται ἐπὶ πηγὴν Ῥ. (5 a)
— 17. διελεύσεται ἐπὶ πηγὴν B. (5 a)
19. 29. καὶ ἕως πηγῆς M. [A al.] †
— 37. καὶ πηγὴ Ἀσόρ (5 a)
21. 29. καὶ Πηγὴν γραμμάτων (5 a)
Jd. 7. 1. παρενέβαλον ἐπὶ πηγὴν Ἀ. [A al.] (5 a)
15. 19. πηγὴ τοῦ ἐπικαλουμένου [A al.] (5 a)
II Ki. 17. 17. εἱστήκεισαν ἐν τῇ π. Ῥ. (5 a)
III Ki. 1. 9. A ἐχόμενα τῆς π. [B om.] Ῥ. (5 a)
18. 5. καὶ ἐπὶ πηγὰς [A τὰς π.] τῶν ὑδάτων (5 b)
IV Ki. 3. 19. πάσας π. ὕδατος ἐμφράξεσθε (5 b)
— 25. πᾶσαν π. [A add. ὕδατος] ἐνέφραξαν (5 b)
II Ch. 32. 3. ἔμφραξαι τὰ ὕδατα τῶν π. (5 a)
— 4. ἐνέφραξε τὰ ὕδατα τῶν π. (5 b)
Ne. 2. 13. πρὸς στόμα πηγῆς τῶν συκῶν (5 a)
3. 15. R τὴν δὲ πύλην τῆς π. ἠσφαλίσατο Σ. (5 a)
Ju. 6. 11. παρεγένοντο ἐπὶ [S εἰς] τὰς π.
7. 3. πλησίον Βετυλούα ἐπὶ [S om.] τῆς π.
— 7. τὰς π. τῶν ὑδάτων αὐ. ἐφώδευσε
— 12. ἐπικρατησάτωσαν . . . τῆς π. τοῦ ὕδατος
— 17. προκατελάβοντο . . . τὰς π.
12. 7. ἐβαπτίζετο . . . ἐπὶ τῆς π. τοῦ ὕδατος
Es. 1. 1. ὡσανεὶ ἀπὸ μικρᾶς π. ποταμὸς μέγας
10. 3. ἡ μικρὰ π. ἡ [A S¹ om.] ἐγένετο ποταμός
Jb. 38. 16. ἦλθες δὲ ἐπὶ πηγὴν [A γῆν] θαλάσσης (7)
Ps. 17 (18). 15. ὤφθησαν αἱ π. τῶν ὑδάτων (2)
35 (36). 9. παρὰ σοὶ πηγὴ ζωῆς (6)
41 (42). 1. ὃν τρόπον ἐπιποθεῖ ἡ ἔλαφος ἐπὶ τὰς π. τῶν ὑδάτων (2)
67 (68). 26. εὐλογεῖτε . . . τὸν κ. ἐκ πηγῶν Ἰσρ. (6)
73 (74). 15. σὺ διέρρηξας πηγάς (5 b)
103 (104). 10. ὁ ἐξαποστέλλων πηγάς (5 b)
113 (114). 8. τὴν ἀκρότομον εἰς πηγὰς ὑδάτων (5 b)
Pr. 4. 21. ὅπως μὴ ἐκλίπωσί σε αἱ π. σου †
5. 15. καὶ ἀπὸ σῶν φρεάτων πηγῆς –
— 16. μὴ [A S² om.] ὑπερεκχείσθω σοι ὕδατα ἐκ τῆς σῆς π. †
— 18. ἡ π. σου τοῦ ὕδατος ἔστω σοι ἰδία (6)
6. 11. ἥξει ὥσπερ πηγὴ ὁ ἀμητός σου –
8. 24. πρὸ τοῦ προελθεῖν τὰς π. τῶν ὑδάτων (5 b)
— 28. ὡς ἀσφαλεὶς ἐτίθει πηγάς (5 a)
9. 18. ἀπὸ πηγῆς ἀλλοτρίας μὴ πίῃς –
10. 11. πηγὴ ζωῆς ἐν χειρὶ δικαίου (6)
13. 14. νόμος σοφοῦ πηγὴ ζωῆς (6)
14. 27. πρόσταγμα κυρίου πηγὴ ζωῆς (6)
16. 22. πηγὴ ζωῆς ἔννοια τοῖς κεκτημένοις (6)
18. 4. ποταμὸς δὲ ἀναπηδύει καὶ πηγὴ ζωῆς (6)
25. 26. ὥσπερ εἴ τις πηγὴν φράσσοι (5 b)
Ec. 12. 6. καὶ συντριβῇ ὑδρία ἐπὶ τῇ π. [A τὴν π., S τὴν γῆν] (3)
Ca. 4. 12. κῆπος κεκλεισμένος π. ἐσφραγισμένη (5 b)
Ca. 4. 15. πηγὴ κήπου καὶ [A S κήπων] φρέαρ ὕδατος ζῶντος (5 b)
Wi. 11. 6. ἀντὶ μὲν πηγῆς ἀεννάου ποταμοῦ
Si. 21. 13. ἡ βουλὴ αὐτοῦ ὡς πηγὴ ζωῆς
Ho. 13. 15. ἐξερημώσει τὰς π. αὐ. (5 b)
Jl. 3 (4). 18. πηγὴ ἐξ οἴκου κυρίου ἐξελεύσεται (5 b)
Is. 12. 3. ἀντλήσετε ὕδωρ μετ' εὐφροσύνης ἐκ τῶν π. τοῦ σωτηρίου (5 b)
35. 7. π. ὕδατος ἔσται [A om.] (3)
41. 18. ἀνοίξω . . . ἐν μέσῳ πεδίων πηγάς (5 b)
49. 10. διὰ πηγῶν ὑδάτων ἄξει αὐτούς (3)
58. 11. ὡς π. ἡν μὴ ἐξέλιπεν ὕδωρ (4)
Je. 2. 13. ἐμὲ ἐγκατέλιπον πηγὴν ὕδατος ζωῆς [A S² ζῶντος] (6)
9. 1 (8. 23). τίς δώσει . . . ὀφθαλμοῖς μου πηγὴν δακρύων (6)
17. 13. ἐγκατέλιπον πηγὴν ζωῆς τὸν κύριον (6)
28 (51). 36. ξηρανῶ [S ἐξαρῶ] τὴν π. [A S γῆν] αὐτῆς (6)
Ba. 3. 12. ἐγκατέλιπες τὴν π. τῆς σοφίας
Ez. 25. 9. οἶκον Βεθασιμοὺθ ἐπάνω πηγῆς [B¹ B. ἐπαναγωγῆς] πόλεως †
Da. LXX. 3. (77). εὐλογεῖτε, ὄμβροι καὶ αἱ π., τὸν κ.
Da. TH. 3. (77). εὐλογεῖτε, αἱ π., τὸν κ.
IV Ma. 3. 10. καίπερ ἀφθόνους ἔχων πηγάς
— 14. ἀνευράμενοι θαρραλέως τὴν π.
13. 21. ἀπὸ τῶν αὐτῶν γαλακτοποτοῦντες πηγῶν
[Aq. Jo. 15. 7: 18. 17: 21. 29: I Ki. 29. 1: III Ki. 1. 9: Ps. 73 (74). 15: 83 (84). 7: 86 (87). 7: Pr. 5. 16.]
[Sm. Jo. 15. 7: 21. 29: I Ki. 29. 1: III Ki. 1. 9: Jb. 38. 16: Ps. 73 (74). 15: 83 (84). 7: 86 (87). 7: Pr. 18. 4: Za. 13. 1 bis.]
[Th. Jo. 21. 29: I Ki. 29. 1: Ps. 73 (74). 15: Pr. 18. 4: Da. 3. (77): Za. 13. 1.]
[Al. I Ch. 4. 41.]
[Quint. Ps. 73 (74). 15: Pr. 18. 4.]

πῆγμα. (1) גֵּר

Jo. 3. 16. ἔστη π. ἕν (1)
IV Ma. 9. 21. ἔχων τὸ τῶν ὀστέων π.

πηγνύναι. (1) טָבַע hoph. (2) יָצַק (3) מָחָא ithpe. (4) נָטָה a. qal. b. hi. (5) נָטַע (6) נָצַב ni. (7) צָפַד (8) קָפָא a. qal. b. hi. (9) שָׁבַן hi. (10) תָּקַע (11) חוּל pul.

Ge. 26. 25. ἔπηξεν ἐκεῖ τὴν σκηνὴν αὐ. (4 a)
31. 25. ἔπηξε τὴν σκηνὴν αὐ. ἐν τῷ ὄρει (10)
35. 16 (21). ἔπηξε τὴν σκηνὴν αὐτοῦ (4 a)
Ex. 15. 8. ἐπάγη ὡσεὶ τεῖχος τὰ ὕδατα ἐπάγη τὰ κύματα (6, 8 a)
33. 7. ἔπηξεν ἔξω τῆς παρεμβολῆς (4 a)
38. 26 (8). ἐν ᾗ ἡμέρᾳ ἔπηξεν αὐτήν –
Nu. 24. 6. σκηναὶ ἃς ἔπηξε κύριος (5)
Jo. 18. 1. ἔπηξαν ἐκεῖ τὴν σκηνὴν τοῦ μαρτ. (9)
Jd. 4. 11. ἔπηξε τὴν σκηνὴν αὐτοῦ (4 a)
— 21. ἔπηξε [A ἔθηκεν] τὸν πάσσαλον (10)
16. 14. ἔπηξε τῷ πασσάλῳ [A al.] (10)
II Ki. 6. 17. ἧς ἔπηξεν αὐτῇ Δαυίδ (4 a)
16. 22. ἔπηξαν τὴν σκηνὴν τῷ Ἀβ. (4 b)
21. 10. ἔπηξεν αὐτῇ πρὸς τὴν πέτραν (4 b)
I Ch. 16. 1. ἧς ἔπηξεν αὐτῇ Δ. (4 a)
II Ch. 1. 4. R ἔπηξεν αὐτῇ σκηνήν [A B al.] (4 a)
II Es. 6. 11. A παγήσεται [B πληγ.] ἐπ' αὐτοῦ (3)
To. 14. 10. ἧς [S ἣν] ἔπηξεν αὐτῷ
Jb. 6. 16. ὥσπερ χιὼν ἢ κρύσταλλος πεπηγώς †
10. 10. A ἔπηξας [B S ἐτύρωσας] δέ με ἴσα τυρῷ (8 b)
15. 7. ἢ πρὸ θινῶν ἐπάγης (11)
38. 6. ἐπὶ τίνος οἱ κρίκοι [A στῦλοι] αὐτῆς πεπήγασι (1)
41. 15 (16). ἡ καρδία αὐτοῦ πέπηγεν ὡς λίθος (2)
Ps. 31 (32). 4. A ἐν τῷ παγῆναί μοι [B S ἐμπαγ.] ἄκανθαν †
Wi. 7. 2. παγεὶς ἐν αἵματι ἐκ σπέρματος ἀνδρός
11. 2. ἐν ἀβάτοις ἔπηξαν σκηνάς
Si. 14. 24. πήξει [A πήσσει] πάσσαλον ἐν τοῖς τοίχοις αὐτῆς
19. 12. AR βέλος πεπηγὸς [BS -ὼς] ἐν μηρῷ σαρκός
27. 2. ἀνὰ μέσον ἁρμῶν λίθων [S² λιθίνων] παγήσεται πάσσαλος
38. 28. ἀτμὶς πυρὸς πήξει [A S τήξει] σάρκας αὐτοῦ
43. 19. παγεῖσα γίνεται σκολόπων ἄκρα

Si. 43. 20. παγήσεται κρύσταλλος ἀφ' [A S ἐφ'] ὕδατος
Is. 38. 12. ἀπῆλθεν ἀπ' ἐμοῦ ὥσπερ ὁ σκηνὴν καταλύων πήξας –
42. 5. ὁ . . . πήξας αὐτόν [A¹ *al.*] (4 *a*)
54. 2. πῆξον μὴ φείσῃ (4 *b*)
Je. 6. 3. πήξουσιν ἐπ' αὐτὴν σκηνὰς κύκλῳ (10)
La. 4. 8. ἐπάγη δέρμα αὐτῶν ἐπὶ τὰ ὀστέα αὐτῶν (7)
Da. TH. 11. 45. πήξει τὴν σκηνὴν αὐ. (5)
IV Ma. 16. 20. S¹ τὴν πατρῴαν χεῖρα . . . οὐκ ἔπηξεν [A S² R *al.*]
[Aq. Jb. 10. 10.]
[Sm. Ps. 147. 5 (16): Ec. 12. 11.]
[Th. Da. 11. 45.]
[Heb. Jb. 38. 30.]

πηδαλιουχεῖν.
IV Ma. 7. 1. πηδαλιουχῶν τὴν τῆς εὐσεβείας ναῦν

πηδᾶν. (1) דָּלַג pi. (2) נָתַר pi.
Le. 11. 21. πηδᾶν ἐν αὐτοῖς ἐπὶ τῆς γῆς (2)
Ca. 2. 8. οὗτος ἥκει πηδῶν ἐπὶ τὰ ὄρη (1)

πηκτός.
[Th. Je. 10. 5.]

πηλίκος. (1) כַּמָּה
Za. 2. 2 (6). τοῦ ἰδεῖν πηλίκον τὸ πλάτος αὐ. ἐστι καὶ πηλίκον τὸ μῆκος (1, 1)
IV Ma. 15. 22. πηλίκαις . . . ἐβασανίζετο βασάνοις

πήλινος. (1) חֹמֶר (2) חֶרֶשׂ
Jb. 4. 19. τοὺς δὲ [A ἔα δὲ τοὺς] κατοικοῦντας οἰκίας πηλίνας (1)
13. 12. τὸ δὲ σῶμα πήλινον (1)
Da. LXX. 2. 41, 43. τὸν σίδηρον ἀναμεμιγμένον ἅμα τῷ π. ὀστράκῳ (2)
Bel 6. οὗτος γὰρ ἔσωθεν μὲν π. ἐστιν
[Sm. Jb. 4. 19.]

πηλίον.
[Sam. Ex. 28. 4: Le. 8. 13.]

πηλός. (1) חֹמֶר (2) טִיט (3) עָפָר
Ge. 11. 3. ἄσφαλτος ἦν αὐτοῖς ὁ π. (1)
Ex. 1. 14. ἐν τοῖς ἔργοις τοῖς σκλ. τῷ π. (1)
II Ki. 22. 43. ὡς πηλὸν ἐξόδων ἐλέπτυνα αὐτούς (2)
Ju. 5. 11. S ἐν πηλῷ [A B πόνῳ] καὶ πλίνθῳ
Jb. 4. 19. ἐξ ὧν [A οὗ] καὶ αὐτοὶ ἐκ τοῦ αὐτοῦ π. ἐσμεν (3)
10. 9. μνήσθητι ὅτι πηλόν με ἔπλασας (1)
27. 16. ἴσα δὲ πηλῷ ἑτοιμάσῃ χρυσίον (1)
30. 19. ἤγησαι [A -ηται] δέ με ἴσα πηλῷ (1)
33. 6. A S² ἐκ πηλοῦ διήρτισαι σὺ ὡς καὶ ἐγὼ ἐκ τοῦ αὐτοῦ διηρτίσμεθα πηλοῦ [B S¹ *om.*] (1, –)
38. 14. ἢ σὺ λαβὼν γῆν πηλὸν ἔπλασας ζῷον (1)
41. 21 (22). πᾶς δὲ χρυσὸς θαλάσσης ὑπ' αὐτὸν ὥσπερ πηλὸς ἀμύθητος (2)
Ps. 17 (18). 42. ὡς πηλὸν πλατειῶν λεανῶ αὐτούς (2)
39 (40). 2. B² R ἀνήγαγέ με . . . ἀπὸ πηλοῦ ἰλύος [A B¹ S ὕλεως] (2)
68 (69). 14. σῶσόν με ἀπὸ πηλοῦ (2)
Wi. 7. 9. ὡς πηλὸς λογισθήσεται ἄργυρος ἐναντίον αὐτῆς
15. 7. ἐκ τοῦ αὐτοῦ π. ἀνεπλάσατο τά τε . . . δοῦλα σκεύη
— 8. θεὸν μάταιον ἐκ τοῦ αὐτοῦ πλάσσει π.
— 10. πῆλου τε ἀτιμότερος ὁ βίος αὐτοῦ
Si. 36 (33). 13. ὡς πηλὸς [S¹ -ὸν] κεραμέως ἐν χειρὶ αὐτοῦ
38. 29. S² συστρέφων ἐν ποσὶν αὐτοῦ πηλόν [A B S¹ τροχόν]
— 30. ἐν βραχίονι αὐτοῦ τυπώσει πηλόν
Mi. 7. 10. ὡς πηλὸς ἐν ταῖς ὁδοῖς (2)
Na. 3. 14. ἔμβηθι εἰς πηλόν [S¹ πόλεμον] (2)
Za. 9. 3. χρυσίον ὡς πηλὸν ὁδῶν (2)
10. 5. ὡς μαχηταὶ πατοῦντες πηλόν (2)
Is. 14. 23. θήσω αὐτὴν πηλοῦ βάραθρον [A βάθ.] εἰς ἀπώλειαν †
29. 16. οὐχ ὡς ὁ π. τοῦ κεραμέως λογισθήσεσθε (1)
41. 25. ὡς π. κεραμέως καὶ ὡς κεραμεὺς καταπατῶν τὸν π. (1, 2)
45. 9. ποῖον βέλτιον κατεσκεύασα ὡς πηλὸν κεράμεως . . . μὴ ἐρεῖ ὁ π. τῷ κεραμεῖ, Τί ποιεῖς (†, 1)
64. 8 (7). πατὴρ ἡμῶν σὺ ἡμεῖς δὲ πηλός (1)
Je. 18. 6. ὡς ὁ π. τοῦ κεραμέως ὑμεῖς ἐστέ (1)
Da. TH. Bel 7. οὗτος γὰρ ἔσωθεν μέν ἐστι πηλός
[Aq. Is. 57. 20: Je. 18. 4: 38 (45). 6 *bis.*]
[Sm. Is. 25. 10: 57. 20: Je. 38 (45). 6 *bis.*]
[Th. Is. 57. 20: Je. 18. 4.]
[Heb. Ez. 22. 28.]

πηλουργός.
Wi. 15. 7. τίς ἑκάστου ἐστὶν ἡ χρῆσις κριτὴς ὁ π.

πῆξις.
Si. 41. 19. ἀπὸ πήξεως ἀγκῶνος ἐπ' ἄρτοις

πήρα.
Ju. 10. 5. πήραν ἐπλήρωσεν ἀλφίτων
13. 10. ἐνέβαλεν αὐτὴν εἰς τὴν π. τῶν βρωμ.
— 15. προελοῦσα τὴν κεφ. ἐκ τῆς π.
[Sm. I Ki. 17. 40.]

πηροῦν. (1) כָּהָה
Jb. 17. 7. A S² πεπήρωνται [B πεπώρ.] γὰρ ἀπὸ ὀργῆς οἱ ὀφθαλμοί μου (1)
IV Ma. 18. 21. S¹ R τὰς τῶν ὀμμάτων κόρας ἐπήρωσε [A S² ἐπλήρ.]

πήρωσις.
[Aq. Dt. 28. 28.]

πήσσειν.
Si. 14. 24. A πήσσει [B S πήξει] πάσσαλον ἐν τοῖς τοίχοις αὐτῆς

πηχίζειν.
[Sm. Ez. 43. 13 (Sw.).]
[Al. Ez. 43. 13.]

πήχισμα.
[Sm. Ez. 43. 13 (P.).]

πηχισμός.
[Sm. Ez. 43. 13 (Sw.).]
[Al. Ez. 43. 13.]

πῆχυς. (1) אַמָּה (2) יָד (3) כַּף (4) קָנֶה
Ge. 6. 15. τριακοσίων π. τὸ μῆκος τῆς κιβ. καὶ πεντήκ. πήχεων τὸ πλάτος καὶ τριάκοντα πήχεων τὸ ὕψος αὐτῆς (1 *ter*)
— 16. εἰς πῆχυν συντελέσεις αὐτήν (1)
7. 20. πέντε καὶ δέκα πήχεις ἐπάνω (1)
Ex. 25. 9 (10). δύο πήχεων καὶ ἡμίσους τὸ μῆκος καὶ πήχεος [A -ως] καὶ ἡμίσους τὸ πλάτος (1, 1)
— 9 (10). A B² R καὶ πήχεος [A -ως] καὶ ἡμίσους τὸ ὕψος (1)
— 16 (17). δύο πήχεων καὶ ἡμίσους τὸ μῆκος καὶ πήχεος καὶ ἡμίσους τὸ πλάτος (1, 1)
— 22 (23). δύο πήχεων τὸ μῆκος καὶ πήχεος τὸ εὖρος καὶ πήχεος καὶ ἡμίσους τὸ ὕψος (1 *ter*)
26. 2. μῆκος . . . ὀκτὼ καὶ εἴκοσι πήχεων (1)
— 2. A² B καὶ εὖρος τεσσάρων πήχεων (1)
— 8. τὸ μῆκος . . . τριάκοντα πήχεων καὶ τεσσάρων πήχεων τὸ εὖρος (1, 1)
— 13. πῆχυν ἐκ τούτου καὶ πῆχυν ἐκ τούτου (1, 1)
— 16. δέκα πήχεων ποιήσεις τὸν στ. τὸν ἕνα καὶ πήχεως ἑνὸς καὶ ἡμίσ. τὸ πλάτος (1, 1)
27. 1. πέντε πήχεων τὸ μῆκος καὶ πέντε πήχεων τὸ εὖρος (1, 1)
— 1. καὶ τριῶν πήχεων τὸ ὕψος αὐ. (1)
— 9. A R μῆκος ἑκατὸν πήχεων [B -χῶν] (1)
— 11. A R ἑκατὸν πήχεων [B -χῶν] μῆκος –
— 12. A R ἱστία πεντήκοντα πήχεων [B -χῶν] (1)
— 13. ἱστία πεντήκοντα πήχεων (1)
— 14. πέντε καὶ δέκα πήχεων τὸ ὕψος (1)
— 15. δέκα πέντε πήχεων τῶν ἱστίων τὸ ὕψος –
— 16. A R εἴκοσι πήχεων [B -χῶν] τὸ ὕψος (1)
— 18. A R ὕψος πέντε πήχεων [B -χῶν] (1)
30. 2. A R πήχεως [B -ος] τὸ μῆκος καὶ πήχεος τὸ εὖρος (1, 1)
— 2. καὶ δύο πήχεων τὸ ὕψος (1)
37. 2 (36. 9). ὀκτὼ καὶ εἴκοσι πήχεων [A -χῶν] (1)
— 2 (36. 9). A R καὶ τεσσάρων πήχεων [B -χῶν] τὸ εὖρος (1)
— 10 (38. 12). B αὐλαῖαι πεντήκοντα πήχεων [A² *om.*] (1)
— 11 (38. 13). τὸ κλίτος . . . πεντήκοντα πήχεων (1)
Ex. 37. 12 (38. 14). R πέντε καὶ δέκα πηχῶν [A² -χεων] (1)
— 13 (38. 15). A R αὐλαῖαι πέντε καὶ δέκα [B αὐ. ἑκατὸν πεντήκοντα] πήχεων (1)
— 16 (38. 18). εἴκοσι πήχεων τὸ μῆκος (1)
— 16 (38. 18). τὸ εὖρος πέντε πήχεων (1)
38 (37). 1. A δύο πήχεων καὶ ἡμίσους τὸ μῆκος αὐ. καὶ πήχεως καὶ ἡμίσους τὸ πλάτος αὐ. καὶ πήχεως καὶ ἡμίσους τὸ ὕψος αὐ. (1 *ter*)
Nu. 35. 4. δισχιλίους π. κύκλῳ (1)
— 5 *quater.* δισχιλίους π. (1)
De. 3. 11. ἐννέα πήχεων [B¹ -χῶν] τὸ μῆκος αὐ. καὶ τεσσάρων π. [B¹ -χῶν] τὸ εὖρος αὐτῆς ἐν πήχει ἀνδρός (1 *ter*)
Jo. 3. 4. ὅσον δισχιλίους π. στήσεσθε (1)
I Ki. 17. 4. ὕψος αὐτοῦ τεσσάρων [A ἑξ] πήχεων (1)
III Ki. 6. 2. τεσσαράκοντα [A ἑξήκοντα] ἐν πήχει [A πηχῶν, B¹ *om.*, B² πήχεις] μῆκος αὐ. καὶ εἴκοσιν ἐν πήχει πλάτος αὐ. καὶ πέντε καὶ εἴκοσιν [A αὐ. καὶ τριάκοντα] ἐν πήχει τὸ ὕψος αὐ. (1, –, 1)
— 3. εἴκοσιν ἐν πήχει μῆκος αὐτοῦ (1)
— 3. A δέκα πήχεις πλάτος αὐτοῦ [B *al.*] (1)
— 6. ἡ πλευρὰ ἡ ὑποκάτω πέντε [A ἑξ] πήχεων ἐν πήχει τὸ πλάτος αὐτῆς καὶ τὸ μέσον ἑξ [A *add.* πήχεων πλάτος] καὶ ἡ τρίτη ἑπτὰ ἐν πήχει τὸ πλάτος αὐτῆς (1, –, 1, 1)
— 10. πέντε ἐν πήχει τὸ ὕψος αὐτοῦ (1)
— 16. ᾠκοδόμησε τοὺς εἴκοσι π. (1)
— 17. A τεσσαράκοντα πηχῶν ἦν ὁ οἶκος [B *om.* ὁ οἶ.] (1)
— 20. εἴκοσι πήχεις μῆκος καὶ εἴκοσι [A *om.* κ. εἴ.] πήχεις πλάτος καὶ εἴκοσι πήχεις τὸ ὕψος αὐτοῦ (1 *ter*)
— 23. δύο χερ. δέκα πήχεων μέγεθος (1)
— 24, 24 (A R). καὶ πέντε πήχεων πτερύγιον (1)
— 24. ἐν πήχει δέκα ἀπὸ μέρους πτερυγίου αὐ. (1)
— 25. A καὶ δέκα ἐν πήχει (1)
— 26. A R τὸ ὕψος . . . δέκα [B *om.*] ἐν πήχει (1)
7. 15. ὀκτὼ καὶ δέκα πήχεις ὕψος (1)
— 15. περίμετρον τέσσαρες καὶ δέκα πήχεις (1)
— 16, 16 (A R). πέντε πήχεις τὸ ὕψος (1)
— 19. ἔργον κρίνου . . . τεσσάρων πηχῶν (1)
— 20. B¹ τὸ μέλαθρον τῷ π. [A *om.* τ. π., B² πάχει] –
— 23. δέκα ἐν πήχει ἀπὸ τοῦ χείλους [B¹ τείχους] (1)
— 23. πέντε ἐν πήχει τὸ ὕψος αὐτῆς (1)
— 23. τρεῖς καὶ τριάκοντα ἐν πήχει (1)
— 24. δέκα ἐν πήχει κυκλόθεν (1)
— 27. πέντε πήχεις μῆκος τῆς μεχωνώθ (1)
— 27. τέσσαρες πήχεις πλάτος αὐτῆς (1)
— 27. ἑξ ἐν πήχει ὕψος αὐτῆς (1)
— 31. A στόμα αὐ. . . . ἄνωθεν ἐν πήχει (1)
— 31. A ποίημα οὕτως πήχεος καὶ ἡμίσους τοῦ πήχεος (1, 1)
— 32. A καὶ τὸ ὕψος . . . πήχεος καὶ ἡμίσους τοῦ πήχεος [B *om.* τ. π.] (1, 1)
— 35. ἥμισυ τοῦ πήχεος μέγεθος (1)
— 38. A τεσσάρων πηχῶν (1)
— 2. ἑκατὸν πήχεις μῆκος αὐτοῦ καὶ πεντήκοντα πήχεις πλάτος αὐ. (1, 1)
— 2. A R τριάκοντα πηχῶν ὕψος αὐτοῦ (1)
— 6. A ἐποίησεν πεντήκοντα πηχῶν μῆκος [B *al.*] (1)
IV Ki. 14. 13. καθεῖλεν [A διέκοψεν] . . . τετρακοσίους π. (1)
25. 17. ὀκτὼ καὶ δέκα πήχεων [A -χῶν] ὕψος (1)
— 17. τὸ ὕψος τοῦ χ. τριῶν πήχεων [A -χῶν] (1)
II Ch. 3. 3. μῆκος πήχεων ἡ διαμέτρησις ἡ πρώτη πήχεων [A² *om.* ἡ δ. ἡ πρ. π.] ἑξήκ. καὶ εὖρος πήχεων εἴκοσι (1 *ter*)
— 4. μῆκος . . . πήχεων εἴκοσι (1)
— 4. B καὶ ὕψος πήχεων ἑκατὸν [A² *om.*] εἴκοσι –
— 8. πλάτος πήχεων εἴκοσι καὶ τὸ μῆκος [A εὖρος] πήχεων εἴκοσι (1, 1)
— 11. τὸ μῆκος πήχεων εἴκοσι (1)
— 11. ἡ πτέρυξ ἡ μία πήχεων πέντε (1)
— 11. ἡ πτέρυξ ἡ ἑτέρα πήχεων πέντε (1)
— 12. A ἡ πτέρυξ τοῦ χερ. τοῦ ἑνὸς πήχεων πέντε (1)
— 12. A ἡ πτέρυξ ἡ ἑτέρα πήχεων πέντε (1)
— 13. αἱ πτέρυγες . . . πήχεων εἴκοσι (1)
— 15. πήχεων τριάκοντα πέντε τὸ ὕψος (1)

II Ch. 3. 15. καὶ τὰς κεφαλὰς αὐ. πήχεων πέντε (1)
4. 1. εἴκοσι πήχεων μῆκος καὶ τὸ εὖρος εἴκοσι πήχεων καὶ δέκα πήχεων τὸ ὕψος [A *al.*] (1 *ter*)
— 2. πήχεων δέκα τὴν διαμέτρησιν (1)
— 2. καὶ πέντε πήχεων τὸ ὕψος (1)
— 2. καὶ τὸ κύκλωμα πήχεων τριάκοντα (1)
— 3. δέκα πήχεις περιέχουσι τὸν λουτῆρα (1)
6. 13. A R πέντε πήχεων [B -χῶν] τὸ μῆκος αὐτῆς (1)
— 13. πέντε πήχεων τὸ εὖρος αὐτῆς (1)
— 13. τριῶν πήχεων τὸ ὕψος αὐτῆς (1)
25. 23. ἕως πύλης γωνίας τετρακοσίους [A τριακοσ.] πήχεις (1)
I Es. 6. 25. A R τὸ ὕψος πηχῶν [B -χεων] ἑξήκ. πλάτος πηχῶν [B -χεων] ἑξήκ.
II Es. 6. 3. ὕψος πήχεις ἑξήκοντα (1)
— 3. A R πλάτος αὐ. πήχεων ἑξήκοντα (1)
Ne. 3. 13. καὶ χιλίους [S¹ -οι] π. ἐν τῷ τείχει (1)
Ju. 1. 2. εἰς πλάτος πηχῶν τριῶν
— 2. εἰς μῆκος πηχῶν [S -χεων] ἕξ
— 2. τὸ ὕψος [A μῆκος] τοῦ τείχους πηχῶν [S -χεων] ἑβδομήκ.
— 2. B S² τὸ πλάτος αὐ. πηχῶν πεντήκ. [A ἑβδομήκ.]
— 3. τοὺς πύργους . . . πηχῶν [S -χεων] ἑκατόν
— 3. ἐθεμελίωσεν εἰς πήχεις ἑξήκοντα
— 4. εἰς ὕψος πηχῶν ἑβδομήκ. [S ἑξήκ.]
— 4. τὸ πλάτος αὐ. πήχεις [S -χεων] τεσσαράκοντα
Es. 5. 14. ξύλον πηχῶν πεντήκοντα (1)
7. 9. ξύλον [A *om.*] πηχῶν πεντήκοντα (1)
Pr. 31. 19. τοὺς π. [A S² τὰς χεῖρας] αὐτῆς ἐκτείνει ἐπὶ τὰ συμφέροντα (2)
— 19. A τοὺς δὲ π. [B S τὰς δὲ χεῖρας] αὐτῆς ἐρείδει εἰς ἄτρακτον (3)
Za. 5. 2. δρέπανον πετόμενον μήκους πήχεων εἴκοσι καὶ πλάτους πήχεων δέκα (1, 1)
Je. 52. 21. τριάκοντα πέντε πηχῶν [A -εων] ὕψος τοῦ στύλου τοῦ ἑνὸς καὶ σπαρτίον δώδεκα πήχεων περιεκύκλου αὐτόν (1, 1)
— 22. πέντε πήχεων τὸ μῆκος . . . τῷ στύλῳ τῷ δευτέρῳ ὀκτὼ ῥοαὶ τῷ π. τοῖς δώδεκα π. (1, –, –)
Ez. 40. 5. κάλαμος τὸ μέτρον πηχῶν [A -εων] ἓξ ἐν πήχει (1, 1)
— 7. τὸ αἰλὰμ . . . πηχῶν ἕξ (1)
— 8. τὸ αἰλὰμ πήχεων πέντε –
— 9. τὸ αἰλὰμ τοῦ πυλῶνος . . . πηχῶν ὀκτὼ καὶ τὰ αἰλεῦ πηχῶν δύο [A δέκα] (1, 1)
— 11. διεμέτρησε τὸ πλάτος τῆς θύρας τοῦ πυλῶνος πηχῶν [A -εων] δέκα καὶ τὸ εὖρος τοῦ πυλῶνος πηχῶν [A -εων] δέκα τριῶν (1, 1)
— 12. π. ἐπισυναγόμενος ἐπὶ πρόσωπον τῶν θεεὶμ [A κατὰ πρ. τῷ θεὲ πήχεος ἑνὸς καὶ πήχεος ἑνὸς] . . . τὸ θεὲ πηχῶν [A -εων] ἓξ ἔνθεν καὶ πηχῶν [A -εων] ἓξ ἔνθεν (–, 1 *quater*)
— 13. πλάτος πήχεις [A *om.*] εἴκοσι πέντε (1)
— 14. ἔξωθεν πήχεις εἴκοσι θεείμ (1)
— 15. αἰλὰμ' . . . πηχῶν πεντήκοντα [A -εων ὀκτώ] (1)
— 19. πήχεις ἑκατόν (1)
— 21. πηχῶν [A -εων] πεντήκοντα τὸ μῆκος αὐτῆς καὶ πηχῶν [A -εων] εἴκοσι πέντε τὸ εὖρος αὐτῆς (1, 1)
— 23. διεμέτρησε τὴν αὐλὴν . . . πήχεις ἑκατόν (1)
— 25. πηχῶν [A -εων] πεντήκοντα τὸ μῆκος αὐτῆς καὶ πηχῶν [A -εων] εἴκοσι πέντε τὸ εὖρος αὐτῆς (1, 1)
— 27. πήχεις ἑκατὸν τὸ εὖρος πρὸς νότον [A *add.* πήχεις εἴκοσι πέντε] (1, –)
— 30 (29). πήχεις πεντήκοντα τὸ μῆκος αὐτῆς καὶ τὸ εὖρος πήχεις εἴκοσι πέντε (1, 1)
— 30. A αἰλαμμὼθ κύκλῳ μῆκος πέντε καὶ εἴκοσι πήχεων καὶ πλάτος πέντε πήχεων (1, 1)
— 33. πήχεις πεντήκοντα μῆκος αὐτῆς καὶ εὖρος αὐτῆς πήχεις εἴκοσι πέντε (1, 1)
— 36. πήχεις πεντήκοντα μῆκος αὐτῆς καὶ εὖρος πήχεις εἴκοσι πέντε (1, 1)
— 42. πήχεος καὶ ἡμίσους τὸ πλάτος καὶ πήχεων δύο ἡμίσους τὸ μῆκος καὶ ἐπὶ πῆχυν τὸ ὕψος (1 *ter*)
— 47. μῆκος πήχεων ἑκατὸν καὶ εὖρος πήχεις [A -εων] ἑκατόν (1, 1)
Ez. 40. 48. πηχῶν [A -εων] πέντε τὸ πλάτος ἔνθεν καὶ πηχῶν [A -εων] πέντε ἔνθεν καὶ τὸ εὖρος τοῦ θυρώματος πηχῶν [A -εων] δέκα τεσσάρων . . . πηχῶν [A -εων] τριῶν ἔνθεν καὶ πηχῶν [A -εων] τριῶν ἔνθεν (1, 1, –, 1, 1)
— 49. τὸ μῆκος τοῦ αἰλὰμ πηχῶν [A -χεις] εἴκοσι καὶ τὸ εὖρος πηχῶν [A -χεις] δώδεκα (1, 1)
41. 1. πηχῶν [A -χεις] ἓξ τὸ πλάτος ἔνθεν καὶ πηχῶν [A -χεις] ἓξ τὸ εὖρος (1, 1)
— 2. τὸ εὖρος τοῦ πυλῶνος πηχῶν [A -εων] δέκα καὶ ἐπωμίδες τοῦ πυλῶνος πηχῶν [A -εων] πέντε ἔνθεν καὶ πηχῶν [A -χεις] πέντε ἔνθεν καὶ διεμέτρησε τὸ μῆκος αὐ. πηχῶν [A -χεις] τεσσαράκοντα καὶ τὸ εὖρος πηχῶν [A -χεις] εἴκοσι (1 *quinquiens*)
— 3. τὸ αἴλ τοῦ θυρώματος πηχῶν [A -χεις] δύο καὶ τὸ θύρωμα πηχῶν [A -χεις] ἓξ . . . πηχῶν [A -χεις] ἑπτὰ ἔνθεν καὶ πηχῶν [A -χεις] ἑπτὰ ἔνθεν (1 *ter*, –)
— 4. τὸ μῆκος τῶν θυρῶν πηχῶν [A τὸ εὖρος τ. θυρωμάτων πήχεις] τεσσαράκοντα καὶ εὖρος πηχῶν [A -χεις] εἴκοσι (1, 1)
— 5. πηχῶν [A -χεις] ἓξ καὶ τὸ εὖρος τῆς πλευρᾶς πηχῶν τεσσάρων [A -χεις τέσσαρες] κυκλόθεν (1, 1)
— 8. R διάστημα τῶν πλευρῶν πηχῶν [A B -εων] ἕξ (1)
— 9. εὖρος τοῦ τοίχου τῆς πλευρᾶς ἔξωθεν πηχῶν [A -εων] πέντε (1)
— 10. εὖρος πηχῶν [A -εων] εἴκοσι (1)
— 11. πηχῶν πέντε πλάτος κυκλόθεν (1)
— 12. A R ὡς πρὸς θάλασσαν πηχῶν [A -εων] ἑβδομήκοντα πλάτος . . . πηχῶν [A B -εων] πέντε . . . μῆκος αὐ. πηχῶν [A B -εων] ἐνενήκοντα (1 *ter*)
— 13. μῆκος πηχῶν [A -εων] ἑκατόν (1)
— 13. μῆκος πηχῶν ἑκατόν (1)
— 14. τὰ ἀπόλοιπα κατέναντι πηχῶν ἑκατόν (1)
— 15. A R πηχῶν [B -εων] ἑκατὸν τὸ μῆκος (1)
— 22. πηχῶν [A -εων] τριῶν τὸ ὕψος αὐ. καὶ τὸ μῆκος πηχῶν [A -εων] δύο καὶ τὸ εὖρος πηχῶν [A -εων] δύο (1, 1, –)
42. 2. ἐπὶ πήχεις ἑκατὸν μῆκος (1)
— 2. A τὸ πλάτος πεντήκοντα πήχεων [B *om.*] (1)
— 4. πηχῶν δέκα τὸ πλάτος ἐπὶ πήχεις ἑκατὸν τὸ μῆκος (1, 1)
— 7. μῆκος πήχεων πεντήκοντα (1)
— 8. τὸ μῆκος . . . ἦν πηχῶν [A -εων] πεντήκοντα . . . τὸ πᾶν πηχῶν [A -εων] ἑκατόν (1, 1)
— 17. πήχεις πεντακοσίους ἐν τῷ καλάμῳ (4)
— 20. πεντακοσίων πηχῶν [A -εων] εὖρος –
43. 13. A R ἐν πήχει τοῦ π. [B -ος] . . . π. [B *om.*] ἐπὶ πῆχυν καὶ π. τὸ εὖρος (1, 1, –, 1, 1)
— 14. ὑποκάτωθεν πηχῶν δύο καὶ τὸ εὖρος πήχεος . . . πήχεις τέσσαρες καὶ εὖρος π. [A πήχεως] (1 *quater*)
— 15. τὸ ἀριὴλ πηχῶν τεσσάρων . . . ὑπεράνω τῶν κεράτων πῆχυς (1, –)
— 16. τὸ ἀριὴλ πηχῶν δώδεκα μήκους ἐπὶ πήχεις δώδεκα [A *add.* πλάτους] –, –
— 17. A R τὸ ἰλαστήριον πηχῶν δέκα τεσσάρων τὸ μῆκος ἐπὶ πήχεις δέκα τέσσαρας . . . τὸ γεῖσος . . . ἥμισυ πήχεως [B -ος] καὶ τὸ κύκλωμα αὐτοῦ π. κυκλόθεν (–, –, 1, 1)
45. 2. A R πήχεις πεντήκοντα διάστημα αὐτῶν [B -ῷ] (1)
46. 22. αὐλὴ μικρὰ μήκους πηχῶν [A -εων] τεσσαράκοντα καὶ εὖρος πηχῶν [A -εων] τριάκοντα –, –
Da. LXX. 3. 1. τὸ ὕψος αὐ. πηχῶν ἕξ (1)
— (47). διεχεῖτο ἡ φλὸξ . . . ἐπὶ πήχεις τεσσαράκοντα ἐννέα
Da. TH. 3. 1. ὕψος αὐτῆς πήχεων ἑξήκοντα (1)
— 1. εὖρος αὐτῆς πήχεων ἕξ (1)
— (47). διεχεῖτο ἡ φλὸξ . . . ἐπὶ πήχεις τεσσαράκοντα ἐννέα
II Ma. 13. 5. πύργος πεντήκοντα πήχεων
[Aq. Ex. 37 (38). 25 : II Ki. 8. 1 : III Ki. 6. 10, 17, 20 *ter*: Je. 51 (28). 13 : 52. 21 : Ez. 41. 3 (Sw.) : 43. 13 (*ter*, Sw.).]
[Sm. Ex. 37 (38). 25 *bis* : III Ki. 6. 17, 20 *ter* : Je. 51 (28). 13 : 52. 21 : Ez. 40. 12 : 41. 3 (Sw.).]
[Th. Ex. 37 (38). 1 *ter*, 11 *ter*, 25 *bis* : III Ki. 6. 17, 20 *ter* : Ez. 40. 12 *bis* (Sw.) : 42. 4 : 43. 13.]
[Al. Ez. 43. 13 *ter*.]

πιαίνειν. (1) דָּשֵׁן pi. (2) חָלַץ hi. (3) רָעַף (4) שָׁתַל

Ps. 19 (20). 3. τὸ ὁλοκαύτωμά σου πιανάτω (1)
64 (65). 12. B S¹ πιανθήσεται τὰ ὄρη [S² -σονται τὰ ὡραῖα] τῆς ἐρήμου (3)
Pr. 16. 2 (15. 30). φήμη δὲ ἀγαθὴ πιαίνει ὀστᾶ (1)
Si. 26. 13. τὰ ὀστᾶ αὐτοῦ πιανεῖ [S -αίνει] ἡ ἐπιστήμη αὐτῆς
Is. 58. 11. τὰ ὀστᾶ σου πιανθήσεται (2)
— 11. A S³ καὶ πιανθήσεται –
Ez. 17. 8. ἐφ' ὕδατι πολλῷ αὕτη πιαίνεται (4 ?)
— 10. ἰδοὺ πιαίνεται (4 ?)
[Aq. Dt. 31. 20 : Pr. 11. 25 : 28. 25 : Is. 34. 7.]
[Sm. Pr. 11. 25 : 13. 4 : 28. 25.]
[Th. Pr. 11. 25 : 28. 25.]

πιέζειν (-άζ.). (1) אָחַז (2) דָּרַךְ

Ca. 2. 15. πιάσατε ἡμῖν ἀλώπεκας μικρούς (1)
Si. 23. 21. οὗ οὐχ ὑπενόησε πιασθήσεται [A *al.*]
Mi. 6. 15. σὺ πιέσεις ἐλαίαν (2)
[Al. Ge. 19. 10.]
[Heb. Je. 10. 16.]

πίθηκος. (1) קוֹף

III Ki. 10. 22. A καὶ πιθήκων καὶ ταώνων [B *al.*] (1)
II Ch. 9. 21. γέμοντα χρυσίου . . . καὶ πιθήκων (1)

πίθος.

Pr. 23. 27. πίθος γὰρ τετρημένος ἐστὶν ἀλλότριος οἶκος †

πικραίνειν. (1) כָּעַס hi. (2) מָרַר *a.* qal. *b.* hi. (3) קָצַף (4) רָגַז

Ex. 16. 20. ἐπικράνθη ἐπ' αὐτοῖς M. (3)
Ru. 1. 13. ἐπικράνθη μοι ὑπὲρ ὑμᾶς (2 *a*)
— 20. ἐπικράνθη ἐν ἐμοὶ ὁ ἱκανὸς σφόδρα (2 *b*)
I Es. 4. 31. ἐὰν δὲ πικρανθῇ ἐπ' αὐτόν
To. 5. 13. S μή μοι πικρανθῇς [A B ὀργισθῇς]
Jb. 27. 2. ὁ πικράνας [A -ώσας] μου τὴν ψυχήν (2 *b*)
Si. 38. 17. πίκρανον κλαυθμόν
Is. 14. 9. ὁ ᾅδης κάτωθεν ἐπικράνθη (4)
Je. 39 (32). 32. ὧν ἐποίησαν πικρᾶναί [A S παραπ.] με (1)
40 (33). 9. πικρανθήσονται [A *om.*] περὶ πάντων τῶν ἀγαθῶν (4)
44 (37). 15. ἐπικράνθησαν . . . ἐπὶ Ἱερ. (3)
La. 1. 4. αὐτὴ πικραινομένη ἐν ἑαυτῇ (2 *a*)
I Ma. 3. 7. S R ἐπίκρανε [A -αν] βασιλεῖς πολλούς
[Aq. Pr. 17. 25 : Je. 48 (31). 11.]
[Sm. Pr. 17. 25 : Ez. 3. 14.]

πικραμμός.

[Aq. Je. 3. 5.]

πικρασμός. (1) מַמָּה (2) מַר

Es. 4. 17. ἐν [A τῷ] πικρασμῷ δουλείας ἡμῶν
Ps. 94 (95). 8. R κατὰ τὴν ἡμέραν τοῦ π. [A B S πειρασμοῦ] ἐν τῇ ἐρήμῳ (1)
Ez. 27. 31. A κλαύσονται περὶ σοῦ ἐν πικρασμῷ ψυχῆς (2)
[Aq. Je. 6. 26 : 31 (38). 15, 21.]
[Sm. Ps. 6. 8 : 139 (140). 10 : Je. 6. 26.]
[Th. Pr. 17. 25 : Ez. 27. 31.]
[Al. Je. 13. 26.]

πικρία. (1) זַעַם (2) לַעֲנָה (3) מָאַר hi. (4) *a.* מְרָא *b.* מָרָה *c.* מַר *d.* מַמְרוֹרִים *e.* מְרוֹרִים *f.* מְרֹרָה (5) מִרְמָה (6) שַׁאֲנָן (7) ὁ ἐν πικρίᾳ עָמֵל

Ex. 15. 23. τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. Πικρία (4 *b*)
Nu. 33. 8. παρενέβαλον ἐν Πικρίαις (4 *b*)
— 9. ἀπῆραν ἐκ Πικριῶν (4 *b*)
De. 29. 18 (17). A μή τίς ἐστιν ἐν ὑμῖν ῥίζα πικρίας [B *om.*] †
— 18 (17). ἐν χολῇ καὶ πικρίᾳ (2)
32. 32. βότρυς πικρίας αὐτοῖς (4 *f*)

Ru. 1. 20. A καλέσατέ με Πικρίαν [B -ράν] (4 a)
Jb. 3. 20. ἵνα τί γὰρ δέδοται τοῖς ἐν πικρίᾳ [A π. ψυχῆς] φῶς (7)
7. 11. ἀνοίξω πικρίαν [S² -ᾳ, A τὸ στόμα μου ἐν πικρίᾳ] ψυχῆς μου συνεχόμενος (4 c)
9. 18. ἐνέπλησε δέ με πικρίας (4 d)
10. 1. λαλήσω πικρίᾳ [S¹ -ας] ψυχῆς μου συνεχόμενος (4 c)
21. 25. ὁ δὲ τελευτᾷ ὑπὸ πικρίας [S¹ -ᾳ] ψυχῆς (4 c)
Ps. 9. 28 (10. 7). οὗ ἀρᾶς τὸ στόμα αὐτοῦ γέμει καὶ πικρίας (5)
13 (14). 3. B S¹ ὧν τὸ στόμα ἀρᾶς καὶ πικρίας γέμει –
Wi. 8. 16. οὐ γὰρ ἔχει πικρίαν ἡ συναναστροφὴ αὐτῆς
Si. 4. 6. καταρωμένου γάρ σε ἐν πικρίᾳ ψυχῆς αὐτοῦ
7. 11. ἄνθρωπον ὄντα ἐν πικρίᾳ ψυχῆς αὐ.
21. 12. ἔστι πανουργία πληθύνουσα πικρίαν [A² παιδείαν]
34 (31). 29. πικρία ψυχῆς οἶνος πινόμενος [A γιν.] πολὺς ἐν ἐρεθισμῷ
Am. 6. 13 (12). ἐξεστρέψατε . . . καρπὸν δικαιοσύνης εἰς πικρίαν (2)
Is. 28. 21. A S μετὰ θυμοῦ ποιήσει τὰ ἔργα αὐτοῦ πικρίας ἔργον . . . ἡ π. [B σαπρία] αὐτοῦ ἀλλοτρία †, †
— 28. οὐδὲ φωνὴ τῆς π. σου καταπατήσει ὑμᾶς †
37. 29. ἡ π. σου ἀνέβη πρὸς μέ (6)
38. 17. S² εἰς εἰρήνην πικρίας μου (4 c)
Je. 2. 21. πῶς ἐστράφης [A -φη] εἰς πικρίαν †
15. 17. πικρίας ἐνεπλήσθην (1)
La. 3. 15. ἐχόρτασέ με πικρίας (4 e)
— 19. π. καὶ χολή μου μνησθήσεται (2)
Ez. 28. 24. σκόλοψ πικρίας καὶ ἄκανθα ὀδύνης (3)
III Ma. 4. 4. A μετὰ πικρίας [R -ρᾶς καὶ] ἀνοίκτου ψυχῆς
5. 18. A μετὰ πικρίας [R -ρᾶς] ἀπειλῆς
[Aq. Jb. 20. 25: Pr. 14. 10: Je. 9. 15 (14).]
[Sm. Is. 38. 15: Je. 9. 15 (14).]
[Th. Jb. 20. 25: Pr. 14. 10: Is. 38. 15, 17: Je. 9. 15 (14).]
[Al. La. 3. 15.]

πικρίς. (1) מְרִרִים

Ex. 12. 8. ἄζυμα ἐπὶ πικρίδων ἔδονται (1)
Nu. 9. 11. ἐπ' ἀζύμων καὶ πικρίδων φάγονται (1)

πικρός. (1) *a.* מַר *b.* מָרָא *c.* מָרָה (2) רֹאשׁ (3) π. γίγνεσθαι מָרַר

Ge. 27. 34. φωνὴν μεγάλην καὶ π. σφόδρα (1 a)
Ex. 15. 23. πικρὸν γὰρ ἦν (1 a)
Jd. 18. 25. ἄνδρες πικροὶ ψυχῇ (1 a)
Ru. 1. 20. καλέσατέ με Πικράν [A -ίαν] (1 b)
I Ki. 15. 32. εἰ οὕτω π. ὁ θάνατος (1 a)
II Ki 2. 26. πικρὰ ἔσται εἰς τὰ ἔσχατα (1 a)
IV Ki. 14. 26. εἶδε κ. τὴν ταπείνωσιν Ἰσρ. π. σφόδρα (1 c)
Es. 4. 1. S² αἴρεται ἔθνος μηδὲν ἠδικηκὸς πικρά [A B S¹ om.] (1 a ?)
Ps. 63 (64). 3. ἐνέτειναν τόξον πρᾶγμα πικρόν (1 a)
Pr. 5. 4. ὕστερον μέντοι πικρότερον χολῆς εὑρήσεις (1 a)
27. 7. τὰ πικρὰ γλυκεῖα φαίνεται [S¹ φέρει] (1 a)
Ec. 7. 27 (26). ἐρῶ πικρότερον ὑπὲρ θάνατον (1 a)
Si. 25. 18. ἀκούσας ἀνεστέναξε πικρά [S¹ μικρά]
29. 25. καὶ πρὸς ἐπὶ τούτοις πικρὰ ἀκούσῃ
30. 17. κρείσσων θάνατος ὑπὲρ ζωὴν πικράν [S -όν]
41. 1. ὡς πικρόν σου τὸ μνημόσυνόν ἐστιν
Hb. 1. 6. τοὺς Χαλδ. τὸ ἔθνος τὸ π. (1 a)
Ze. 1. 14. φωνὴ ἡμέρας κυρίου πικρὰ καὶ σκληρὰ τέτακται (1 a)
Is. 5. 20. οἱ τιθέντες τὸ π. γλυκὺ καὶ τὸ γλυκὺ πικρόν (1 a, 1 a)
24. 9. πικρὸν ἐγένετο τὸ σίκερα τοῖς πίνουσιν (3)
Je. 2. 19. πικρόν σοι τὸ καταλιπεῖν σε ἐμέ (1 a)
4. 18. αὕτη ἡ κακία σου ὅτι πικρά (1 a)
20. 8. πικρῷ λόγῳ μου γελάσομαι †
23. 15. ποτιῶ αὐτοὺς ὕδωρ πικρόν (2)
Ez. 16. 47. A ὑπέρκεισαι αὐτὰς παρὰ πικρόν [B om. π. π.] –
27. 30. κεκράξονται πικρόν [A -ρῶς] (1 a)
— 31. A κοπετὸν πικρὸν ἐκστήσονται (1 a)
II Ma. 6. 7. ἤγοντο δὲ μετὰ π. ἀνάγκης
9. 5. καὶ πικραὶ τῶν ἔνδον βάσανοι
III Ma. 2. 24. μετ' ἀπειλῆς δὲ πικρᾶς ἀνέλυσε
4. 4. R μετὰ πικρᾶς καὶ [A -ρίας] ἀνοίκτου ψυχῆς
III Ma. 4. 15. μετὰ π. σπουδῆς καὶ φιλοτίμου προσεδρίας
5. 18. R μετὰ πικρᾶς [A -ίας] ἀπειλῆς
6. 31. ἀντὶ πικροῦ καὶ δυσαιάκτου μόρου
IV Ma. 6. 8. τῶν π. τις δορυφόρων
15. 16. ὦ πικροτέρων μὲν νῦν μήτηρ πόνων πειρασθεῖσα
18. 20. S R ὦ πικρᾶς [A -ὰ] τῆς τότε ἡμέρας καὶ οὐ πικρᾶς ὅτε ὁ [S¹ om.] π. Ἑλλήνων τύραννος πῦρ φλέξας
[Aq. Nu. 5. 23: I Ki. 1. 10: 22. 2: Ps. 63 (64). 4: Is. 38. 17 *bis*: Ez. 3. 14.]
[Sm. Nu. 5. 23: Ps. 63 (64). 4: Is. 38. 17 *bis*.]
[Th. Nu. 5. 23: Ps. 63 (64). 4: Is. 38. 17 *bis*: Ez. 27. 31.]
[Al. I Ki. 30. 6.]

πικροῦν. (1) מָרַר hi.

Jb. 27. 2. A ὁ πικρώσας [B S -άνας] μου τὴν ψυχήν (1)

πικρῶς. (1) *a.* מַר *b.* מָרַר pi.

Is. 22. 4. π. κλαύσομαι (1 b)
33. 7. π. κλαίοντες παρακαλοῦντες εἰρήνην (1 a)
Je. 27 (50). 21. π. ἐπίβηθι ἐπ' αὐτήν †
Ez. 27. 30. A κεκράξονται π. [B πικρόν] (1 a)
Da. LXX. 2. 15. περὶ τίνος δογματίζεται π. †
II Ma. 7. 39. π. φέρων ἐπὶ τῷ μυκτηρισμῷ
IV Ma. 6. 1. π. ἔσυραν . . . τὸν Ἑλ.
— 16. ὥσπερ πικρότερον διὰ τῆς συμβουλίας αἰκισθείς
8. 2. εἰ δὲ ἀντιλέγοιεν πικρότερον βασανίζειν
10. 5. οἱ δὲ π. ἐνέγκαντες τὴν παρρησίαν
[Aq., Sm. Is. 33. 7.]
[Th. Is. 33. 7: Ez. 27. 30.]

πιλεῖν.

[Al. Ps. 135 (136). 6.]

πιλίον.

[Sam. Ex. 28. 4 (?).]

πιμελή.

[Aq., Sm., Heb. Jb. 15. 27.]

πιμελής.

[Aq. Jd. 3. 17: Ps. 117 (118). 27.]

πιμελοῦσθαι.

[Al. I Ki. 2. 29.]

πιμπλάναι. (1) מָלֵא *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* מְלֵא *e.* מְלָא ithpe. (2) רָעַף (3) שָׂבַע *a.* qal. *b.* ni.

Ge. 6. 11. ἐπλήσθη ἡ γῆ ἀδικίας (1 b)
— 13. ἐπλήσθη ἡ γῆ ἀδικίας (1 a)
21. 19. ἔπλησε τὸν ἀσκὸν ὕδατος (1 c)
24. 16. ἔπλησε τὴν ὑδρίαν αὐτῆς (1 c)
26. 15. ἔπλησαν αὐτὰ γῆς (1 c)
44. 1. πλήσατε τοὺς μαρσίππους (1 c)
Ex. 2. 16. ἕως ἔπλησαν τὰς δεξαμενάς (1 c)
8. 21 (17). πλησθήσονται αἱ οἰκίαι . . . τῆς κυνομ. (1 a)
10. 6. πλησθήσονταί σου αἱ οἰκίαι (1 a)
16. 12. τὸ πρωὶ πλησθήσεσθε ἄρτων (3 a)
— 32. πλήσατε τὸ γομὸρ τοῦ μάν (1 a)
40. 34, 35. δόξης κυρίου ἐπλήσθη ἡ σκηνή (1 a)
Le. 9. 17. ἔπλησε τὰς χεῖρας ἀπ' αὐτῆς (1 c)
16. 12. πλήσει τὰς χεῖρας θυμιάματος (1 d)
19. 29. ἡ γῆ πλησθήσεται [A ἐμπλ.] ἀνομίας (1 a)
De. 13. 17 (18). A καὶ πλησθήσῃ –
Jo. 9. 13. οὓς ἐπλήσαμεν καινούς (1 c)
I Ki. 16. 1. πλῆσον τὸ κέρας σου ἐλαίου (1 c)
III Ki. 8. 10. ἡ νεφέλη ἔπλησε τὸν οἶκον (1 a)
— 11. ἔπλησε δόξα κυρίου τὸν οἶκον (1 a)
18. 35. τὴν θάλασσαν ἔπλησαν ὕδατος (1 c)
21 (20). 27. Συρία ἔπλησε τὴν γῆν (1 c)
IV Ki. 3. 17. ὁ χειμάρρους οὗτος πλησθήσεται ὕδατος (1 b)
— 20. ἐπλήσθη ἡ γῆ ὕδατος (1 b)
4. 5 (6). ἕως ἐπλήσθησαν τὰ σκεύη (1 a)
9. 24. ἔπλησεν Ἰοὺ τὴν χεῖρα αὐτοῦ (1 c)
10. 21. ἐπλήσθη ὁ οἶκος τοῦ B. (1 b)
21. 16. ἔπλησε τὴν Ἱερ. (1 c)
23. 14. ἔπλησε τοὺς τόπους αὐτῶν ὀστέων ἀνθρ. (1 c)
24. 4. ἔπλησε τὴν Ἱερ. αἵματος ἀθῴου (1 c)
II Ch. 7. 1. δόξα κυρίου ἔπλησε τὸν οἶκον (1 a)
— 2. ἔπλησε δόξα κυρίου τὸν οἶκον (1 a)
16. 14. καὶ ἔπλησαν [A -ήρωσαν] ἀρωμάτων (1 c)
36. 5. A R ἔπλησε [B ἐνέπλ.] τὴν Ἰ. αἵματος ἀθ. –
II Es. 9. 11. ὧν ἔπλησαν [S¹ ἐπλάνησαν] αὐτήν (1 c)
To. 12. 9. πλησθήσονται [S χορτασθ.] ζωῆς
Ju. 6. 4. S τὰ πεδία αὐ. πλησθήσεται [A B πληρωθ.] νεκρῶν
Es. 4. 17. A B S ἔπλησεν [R ἐνέπλ.] τὴν κεφαλήν
— 17. ἔπλησε [A² ἐπλήρωσεν] στρεπτῶν τριχῶν αὐ.
Jb. 3. 15. οἱ ἔπλησαν τοὺς οἴκους αὐτῶν ἀργυρίου (1 c)
31. 31. τίς ἂν δῴη ἡμῖν τῶν σαρκῶν αὐτοῦ πλησθῆναι [A ἐμπλ.] (3 b ?)
Ps. 16 (17). 14. τῶν κεκρυμμένων σου ἐπλήσθη ἡ γαστὴρ αὐτῶν (1 c)
25 (26). 10. ἡ δεξιὰ αὐτῶν ἐπλήσθη δώρων (1 a)
30 (31). 12. A¹ B¹ ἐπλήσθην [A² B² S ἐπελ.] ὡσεὶ νεκρός †
37 (38). 7. B S¹ ἡ ψυχή μου ἐπλήσθη ἐμπαιγμῶν [A S² *al.*] (1 a)
64 (65). 4. πλησθησόμεθα ἐν τοῖς ἀγαθοῖς τοῦ οἴκου σου (3 a)
— 11. τὰ πεδία σου πλησθήσονται [S¹ -σεται] πιότητος (2)
79 (80). 9. B S¹ ἐπλήσθη ἡ γῆ [S² ἐπλήρωσεν τὴν γῆν] (1 c)
87 (88). 3. ἐπλήσθη κακῶν ἡ ψυχή μου (3 a)
103 (104). 28. A S R τὰ σύμπαντα πλησθήσονται [B ἐμπλησθήσεται] χρηστότητος [A πιότητος] (3 a)
122 (123). 3. A S² R ἐπὶ πολὺ ἐπλήσθημεν [S¹ ἐπληθύνθημεν] ἐξουδενώσεως (3 a)
— 4. A R ἐπὶ πλεῖον ἐπλήσθη [S ἐπληθύνθη] ἡ ψυχὴ ἡμῶν (3 a)
125 (126). 2. S R ἐπλήσθη χαρᾶς [A -ᾷ] τὸ στόμα ἡμῶν (1 b)
Pr. 1. 13. πλήσωμεν δὲ οἴκους ἡμετέρους σκύλων (1 c)
— 31. τῆς ἑαυτῶν ἀσεβείας πλησθήσονται (3 a)
3. 10. ἵνα πίμπληται [S¹ -ωνται] τὰ ταμιεῖά σου πλησμονῆς οἴνῳ [A S² -ου] (1 b)
5. 10. ἵνα μὴ [A om.] πλησθῶσιν ἀλλότριοι σῆς ἰσχύος (3 a)
12. 14. ψυχὴ ἀνδρὸς πλησθήσεται ἀγαθῶν (3 a)
— 21. οἱ δὲ ἀσεβεῖς πλησθήσονται κακῶν (1 a)
14. 14. τῶν ἑαυτοῦ ὁδῶν πλησθήσεται θρασυκάρδιος (3 a)
15. 4. ὁ δὲ συντηρῶν αὐτὴν πλησθήσεται πνεύματος †
18. 20. ἀνὴρ πίμπλησι [A -σει] κοιλίαν αὐ. (3 a)
— 20. S ἀπὸ δὲ καρπῶν χειλέων αὐ. πλησθήσεται [A B ἐμπλ.] (3 a)
24. 32 (30. 9). ἵνα μὴ πλησθεὶς ψευδὴς γένωμαι (3 a)
— 57 (30. 22). καὶ ἄφρων πλησθῇ σιτίων (3 a)
25. 16. μή ποτε πλησθεὶς [S ἐμπλ.] ἐξεμέσῃς (3 a)
— 17. μή ποτε πλησθεὶς σου μισήσῃ σε (3 a)
28. 19. ὁ ἐργαζόμενος τὴν ἑαυτοῦ γῆν πλησθήσεται ἄρτων ὁ δὲ διώκων σχολὴν πλησθήσεται πενίας (3 a, 3 a)
Ec. 1. 8. οὐ πλησθήσεται [A S οὐκ ἐμπλ.] ὀφθαλμὸς τοῦ ὁρᾶν (3 a)
5. 9. ἀγαπῶν ἀργύριον οὐ πλησθήσεται ἀργυρίου (3 a)
6. 3. ψυχὴ αὐτοῦ οὐ πλησθήσεται [A S οὐκ ἐμπλ.] ἀπὸ τῆς ἀγαθωσύνης (3 a)
9. 5. A S ἐπλήσθη [B ἐπελήσθη] ἡ μνήμη αὐτῶν †
11. 3. ἐὰν πλησθῶσι [A S πληρωθῶσιν] τὰ νέφη ὑετοῦ (1 b)
Ca. 5. 2. ἡ κεφαλή μου ἐπλήσθη δρόσου (1 b)
Wi. 2. 7. οἴνου πολυτελοῦς καὶ μύρων πλησθῶμεν
Si. 14. 9. A¹ οὐ πίπλαται μερίδα [A² B S *al.*]
22. 23. ἵνα ἐν τοῖς ἀγαθοῖς αὐ. ὁμοῦ πλησθῇς [A S *al.*]
23. 11. ἀνὴρ πολύορκος πλησθήσεται ἀνομίας
— 11. πλησθήσεται γὰρ ἐπαγωγῶν ὁ οἶκος αὐτοῦ
24. 25. ὁ πιμπλῶν [A S πιπλῶν] ὡς Φεισὼν σοφίαν
34 (31). 5. ὁ διώκων διαφθορὰν αὐτὸς πλησθήσεται
36. 19 (16). πλῆσον Σιὼν ἀρεταλογίας σου
37. 24. ἀνὴρ σοφὸς πλησθήσεται [A ἐμπλ.] εὐλογίας
42. 25. τίς πλησθήσεται ὁρῶν δόξαν αὐτοῦ
48. 12. A Ἑλ. ἐπλήσθη πνεύματος ἁγίου [B S *al.*]
Mi. 6. 12. τὸν πλοῦτον αὐ. ἀσεβείας ἔπλησαν [A ἐνέπλ.] (1 a)
Jl. 2. 24. πλησθήσονται [A ἐμπλ.] αἱ ἅλωνες σίτου (1 a)
Na. 2. 12 (13). ἔπλησε θήρας [S¹ -αν] νοσσιὰν αὐ. (1 c)

Hb. 2. 14. S² πλησθήσεται ἡ γῆ τοῦ γνῶναι [A B S¹ al.] (1 b)
Hg. 2. 8 (7). πλήσω [A πληρώσω] τὸν οἶκον τοῦτον δόξης (1 c)
Za. 8. 5. πλησθήσονται παιδαρίων καὶ κορασίων (1 b)
9. 13. ἔπλησα τὸν Ἐφρ. (1 c)
— 15. πλήσουσι τὰς φιάλας ὡς θυσιαστήριον (1 a)
Is. 6. 4. A S ὁ οἶκος ἐπλήσθη [B ἐνεπλ.] καπνοῦ (1 b)
13. 21. A πλησθήσονται [B S ἐμπλ.] αἱ οἰκίαι ἤχου (1 a)
15. 9. τὸ δὲ ὕδωρ τὸ Δ. πλησθήσεται αἵματος (1 a)
22. 7. πλησθήσονται [S² ἐνπλ.] ἁρμάτων (1 a)
27. 6. B πλησθήσεται [A S R ἐμπλ.] ἡ οἰκουμ. τοῦ καρποῦ αὐ. (1 a)
40. 2. ἐπλήσθη ἡ ταπείνωσις αὐτῆς (1 a)
Je. 6. 11. τὸν θυμόν μου ἔπλησα [S -αν] (1 a)
19. 4. ἔπλησαν τὸν τόπον τ. αἱμάτων ἀθῴων (1 a)
26 (46). 10. B S πλησθήσεται [A R ἐμπλ.] (3 a)
— 12. τῆς κραυγῆς σου ἐπλήσθη ἡ γῆ (1 a)
27 (50). 19. πλησθήσεται [A ἐμπλ.] ἡ ψυχὴ αὐτοῦ (3 a)
28 (51). 5. ἡ γῆ αὐτῶν ἐπλήσθη ἀδικίας (1 a)
— 34. ἔπλησε τὴν κοιλίαν αὐτοῦ (1 c)
30. 6 (49. 28). πλήσατε τοὺς υἱοὺς κεδέμ †
31 (48). 5. ἐπλήσθη Ἀλὼθ ἐν κλαυθμῷ †
51 (44). 17. ἐπλήσθημεν ἄρτων (3 a)
Ez. 3. 3. ἡ κοιλία σου πλησθήσεται τῆς κεφαλίδος ταύτης (1 c)
8. 17. ἔπλησαν [B¹ ἐπλάνησαν] τὴν γῆν ἀνομίας (1 a)
9. 7. πλήσατε [A πληρώσατε] τὰς ὁδοὺς νεκρῶν (1 c)
— 9. ἐπλήσθη ἡ γῆ λαῶν πολλῶν καὶ ἡ πόλις ἐπλήσθη ἀδικίας (1 b, 1 a)
10. 2. πλῆσον τὰς δράκας [A χεῖράς] σου ἀνθράκων (1 c)
— 3. ἡ νεφέλη ἔπλησε τὴν αὐλήν (1 a)
— 4. ἔπλησε [B¹ ἐνέπλ.] τὸν οἶκον ἡ νεφέλη (1 b)
— 4. καὶ ἡ αὐλὴ ἐπλήσθη τοῦ φέγγους (1 a)
23. 33. ἐκλύσεως [A ἐκχεῶ ὅπως] πλησθήσῃ (1 b)
28. 16. ἔπλησας [A -ήθυνας] τὰ ταμεῖά σου ἀνομίας (1 a)
30. 11. πλησθήσεται ἡ γῆ τραυματιῶν (1 a)
32. 4. πεδία πλησθήσεταί σου †
43. 26. πλήσουσι χεῖρας αὐτῶν (1 c)
Da. LXX. 3. 19. Ναβ. ἐπλήσθη θυμοῦ (1 e)
12. 4. ἕως ἂν . . . πλησθῇ ἡ γῆ ἀδικίας –
Da. TH. 3. 19. Ναβ. ἐπλήσθη θυμοῦ (1 e)
I Ma. 1. 40. S¹ ἐπλήσθη ἡ γῆ ἀτιμίᾳ [A S² R al.]
[Aq. Ps. 73 (74). 20: Pr. 30. 15.]
[Sm. Ps. 37 (38). 8: 70 (71). 8: 73 (74). 20 (P.): Pr. 30. 15: Je. 6. 11: Ez. 32. 5: Ho. 13. 6.]
[Th. Ps. 103 (104). 28: Pr. 30. 15: Ez. 10. 4.]
[Al. Ge. 44. 1: Hb. 3. 3.]

πινακίδιον.

[Sm. Ez. 9. 2.]

πινακίς.

[Sm. Ez. 9. 11.]

πίναξ.

IV Ma. 17. 7. R ὥσπερ ἐπί τινος π. ζωγραφῆσαι [A S al.]

πίνειν. (1) נָשַׁת ni. (2) שְׁקָה hi. (3) שְׁתָה
a. qal. b. ni. c. מִשְׁתֶּה d. שְׁתָה

Ge. 9. 21. ἔπιεν ἐκ τοῦ οἴνου (3 a)
24. 14. ἐπίκλινον τὴν ὑδρίαν σου ἵνα πίω (3 a)
— 14. καὶ εἴπῃ μοι, Πίε σύ (3 a)
— 14. ἕως ἂν παύσωνται πίνουσαι –
— 18. ἡ δὲ εἶπε, Πίε, κύριε (3 a)
— 18 (19). ἕως ἐπαύσατο πίνων (2)
— 19. ἕως ἂν πᾶσαι πίωσι (3 a)
— 22. ἐπαύσαντο πᾶσαι αἱ κάμ. πίνουσαι (3 a)
— 44. καὶ εἴπῃ μοι, Πίε σύ (3 a)
— 46. πίε σὺ . . . καὶ ἔπιον (3 a, 3 a)
— 54. ἔφαγον καὶ ἔπιον (3 a)
25. 34. ἔφαγε καὶ ἔπιε (3 a)
26. 30. ἔφαγον καὶ ἔπιον (3 a)
27. 25. καὶ ἔπιε (3 a)
30. 38. ὡς ἂν ἔλθωσι τὰ πρόβατα πιεῖν (3 a)
— 38. ἐλθόντων αὐτῶν εἰς τὸ πιεῖν (3 a)
31. 46. A καὶ ἔπιον –
— 54. ἔφαγον καὶ ἔπιον –
43. 34. ἔπιον δὲ καὶ ἐμεθύσθησαν (3 a)
44. 5. ἐν ᾧ πίνει ὁ κύριός μου (3 a)
Ex. 7. 18. πιεῖν ὕδωρ ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ (3 a)
— 21. πιεῖν ὕδωρ ἐκ τοῦ ποταμοῦ (3 a)
— 24. ὥστε πιεῖν ὕδωρ (3 a)
— 24. πιεῖν ὕδωρ ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ (3 a)
15. 22. οὐχ ηὕρισκον ὕδωρ ὥστε πιεῖν –
— 23. οὐκ ἠδύναντο πιεῖν [A add. ὕδωρ] ἐκ M. (3 a)
— 24. τί πιόμεθα (3 a)
17. 1. οὐκ ἦν δὲ ὕδωρ τῷ λαῷ πιεῖν (3 a)
— 2. δὸς ἡμῖν ὕδωρ ἵνα πίωμεν (3 a)
— 6. πίεται ὁ λαός (3 a)
24. 11. ἔφαγον καὶ ἔπιον (3 a)
32. 6. ἐκάθισεν ὁ λαὸς φαγεῖν καὶ πιεῖν (3 a)
34. 28. ὕδωρ οὐκ ἔπιε (3 a)
Le. 10. 9. οἶνον καὶ σίκερα οὐ πίεσθε (3 a)
11. 34. ὃ πίνεται ἐν παντὶ ἀγγείῳ (3 b)
Nu. 6. 3. ὄξος ἐκ σίκερα οὐ πίεται καὶ ὅσα κατεργάζεται ἐκ σταφυλῆς οὐ πίεται (3 a, 3 a)
— 20. πίεται ὁ ἡγούμενος οἶνον (3 a)
20. 5. οὔτε ὕδωρ ἐστὶ πιεῖν (3 a)
— 11. καὶ ἔπιεν ἡ συναγωγή (3 a)
— 17. οὐδὲ πιόμεθα ὕδωρ ἐκ λάκκου σου (3 a)
— 19. ἐὰν δὲ τοῦ ὕδατός σου πίωμεν (3 a)
21. 16. δώσω αὐτοῖς ὕδωρ πιεῖν –
— 22. οὐ πιόμεθα ὕδωρ ἐκ φρεάτος σου (3 a)
23. 24. καὶ αἷμα τραυματιῶν πίεται (3 a)
33. 14. οὐκ ἦν ἐκεῖ ὕδωρ τῷ λαῷ πιεῖν (3 a)
De. 2. 6. καὶ πίεσθε (3 a)
— 28. καὶ πίομαι (3 a)
9. 9, 18. ὕδωρ οὐκ ἔπιον (3 a)
11. 11. ἐκ τοῦ ὑετοῦ τοῦ οὐρ. πίεται ὕδωρ (3 a)
28. 39. οἶνον οὐ πίεσαι (3 a)
29. 6 (5). οἶνον καὶ σίκερα οὐκ ἐπίετε (3 a)
32. 14. αἷμα σταφυλῆς ἔπιεν [A -ον] οἶνον (3 a)
— 38. ἐπίνετε τὸν οἶνον τῶν σπονδῶν αὐ. (3 a)
Jd. 7. 5. ὃς ἐὰν κλίνῃ [A κάμψῃ] . . . πιεῖν [A τοῦ π.] (3 a)
— 6. πιεῖν [A τοῦ π.] ὕδωρ (3 a)
9. 27. A R ἔφαγον καὶ ἔπιον [B εἶπον] (3 a)
13. 4, 7. μὴ πίῃς οἶνον (3 a)
— 14. οἶνον . . . μὴ πιέτω (3 a)
15. 19. καὶ ἔπιε (3 a)
19. 4. ἔφαγον καὶ ἔπιον (3 a)
— 6. ἔφαγον . . . καὶ ἔπιον (3 a)
— 8. A καὶ ἔφαγον καὶ ἔπιον [B om. καὶ ἔπ.] –
— 21. ἔφαγον καὶ ἔπιον (3 a)
Ru. 2. 9. πίεσαι ὅθεν ἂν ὑδρεύωνται (3 a)
3. 3. φαγεῖν καὶ πιεῖν (3 a)
— 7. A R καὶ ἔπιε (3 a)
I Ki. 1. 9. A καὶ μετὰ τὸ πιεῖν (3 a)
— 11. οἶνον . . . οὐ πίεται [A οὐ μὴ πίηται] –
— 15. οἶνον . . . οὐ πέπωκα (3 a)
— 18. καὶ ἔπιε –
30. 12. καὶ οὐ πεπώκει ὕδωρ (3 a)
— 16. ἐσθίοντες καὶ πίνοντες [A om. κ. π.] (3 a)
II Ki. 11. 11. φαγεῖν καὶ πιεῖν (3 a)
— 13. ἔφαγεν ἐνώπιον αὐτοῦ καὶ ἔπιε (3 a)
12. 3. ἐκ τοῦ ποτηρίου αὐτοῦ ἔπινε (3 a)
— 21. ἔφαγες ἄρτον καὶ πέπωκας –
16. 2. καὶ ὁ οἶνος πιεῖν (3 a)
19. 35 (36). ὃ φάγομαι ἢ πίομαι (3 a)
23. 16. οὐκ ἠθέλησε πιεῖν αὐτό (3 a)
— 17. εἰ αἷμα . . . πίομαι –
— 17. οὐκ ἠθέλησε πιεῖν αὐτό (3 a)
III Ki. 1. 25. ἐσθίοντες καὶ πίνοντες ἐνώπιον αὐτοῦ (3 a)
3. 1 (B), 4. 20 (A). ἐσθίοντες καὶ πίνοντες (3 a)
— 1 (B), 4. 25 (A), (5. 5). ἐσθίοντες καὶ πίνοντες –
8. 65. ἐσθίων καὶ πίνων –
13. 8. οὐδὲ μὴ πίω ὕδωρ (3 a)
— 9. μὴ πίῃς ὕδωρ (3 a)
— 16. οὐδὲ πίομαι ὕδωρ (3 a)
— 17. μὴ πίῃς ὕδωρ (3 a)
— 18. καὶ πιέτω [A -ται] ὕδωρ (3 a)
— 19. καὶ ἔπιεν ὕδωρ (3 a)
— 22. καὶ ἔπιες ὕδωρ (3 a)
— 22. μὴ πίῃς ὕδωρ (3 a)
— 23. μετὰ τὸ . . . πιεῖν ὕδωρ (3 a)
16. 9. αὐτὸς ἦν ἐν Θ. πίνων (3 a)
17. 4. ἐκ τοῦ χειμάρρου πίεσαι ὕδωρ (3 a)
— 6. ἐκ τοῦ χειμάρρου ἔπινεν ὕδωρ (3 a)
— 10. καὶ πίομαι (3 a)
18. 41. φάγε καὶ πίε (3 a)
— 42. τοῦ φαγεῖν καὶ πιεῖν (3 a)
19. 6, 8. ἔφαγε καὶ ἔπιε (3 a)
21 (20). 12. πίνων ἦν αὐτός (3 a)
— 16. καὶ υἱὸς Α. πίνων (3 a)
IV Ki. 3. 17. καὶ πίεσθε [A πίετε] ὑμεῖς (3 a)
6. 22. φαγέτωσαν καὶ πιέτωσαν (3 a)
— 23: 7. 8. ἔφαγον καὶ ἔπιον (3 a)
9. 34. ἔφαγε καὶ ἔπιε (3 a)
18. 27. καὶ πιεῖν τὸ οὖρον αὐτῶν (3 a)
— 31. πίεται ἀνὴρ τὴν ἄμπελον αὐ. †
— 31. πίεται ὕδωρ τοῦ λάκκου αὐ. (3 a)
19. 24. ἔπιον ὕδατα ἀλλότρια (3 a)
I Ch. 11. 18. οὐκ ἤθελεν Δ. τοῦ πιεῖν αὐτό (3 a)
— 19. εἰ αἷμα ἀνδρῶν τούτων πίομαι (3 a)
— 19. οὐκ ἐβούλετο πιεῖν αὐτό (3 a)
12. 39. ἦσαν . . . ἐσθίοντες καὶ πίνοντες [S om. κ. π.] (3 a)
29. 22. ἔφαγον καὶ ἔπιον (3 a)
II Ch. 31. 10. ἐφάγομεν καὶ ἐπίομεν †
I Es. 3. 3. ἐφάγοσαν καὶ ἐπίοσαν [A -ον]
— 6. καὶ ἐν χρυσώμασι π.
— 18. πάντας τοὺς ἀνθρ. τοὺς πιόντας [A πίν.] αὐτόν
— 22. οὐ μέμνηται ὅταν πίνωσι
4. 10. ἐσθίει καὶ πίνει
9. 2. οὐδὲ ὕδωρ ἔπιε
— 51. A R καὶ πίετε γλυκάσματα
— 54. φαγεῖν καὶ πιεῖν
II Es. 10. 6. ὕδωρ οὐκ ἔπιεν (3 a)
Ne. 8. 10. πίετε γλυκάσματα (3 a)
— 12. φαγεῖν καὶ πιεῖν (3 a)
To. 4. 15. A B οἶνον εἰς μέθην μὴ πίῃς
7. 10. φάγε πίε
— 11. S φάγε καὶ πίε [A B al.]
— 11. S οὐδὲ μὴ πίω [A B al.]
— 15. S φαγεῖν καὶ πιεῖν [A B al.]
8. 1. S συνετέλεσαν τὸ φαγεῖν καὶ πεῖν [A B al.]
— 20. S μενεῖς ἔσθων καὶ πίνων
12. 19. οὐκ ἔφαγον οὐδὲ ἔπιον [S al.]
Ju. 7. 21. οὐκ εἶχον πιεῖν [B¹ πεῖν]
— 21. ἐν μέτρῳ ἐδίδοσαν αὐτοῖς πιεῖν [B¹ πεῖν]
12. 1. καὶ τοῦ οἴνου αὐτοῦ π. [A πιεῖν]
— 11. φαγεῖν καὶ πιεῖν μεθ' ἡμῶν
— 13. καὶ πίεσαι [A πιεῖν] μεθ' ἡμῶν . . . οἶνον
— 17. πίε δὴ καὶ γενήθητι μεθ' ἡμῶν
— 18. πίομαι δή, κύριε
— 19. καὶ ἔπιε κατέναντι αὐτοῦ
— 20. καὶ ἔπιεν οἶνον πολὺν σφόδρα ὅσον οὐκ ἔπιε
Es. 1. 7. ὃν αὐτὸς ὁ βασ. ἔπινεν –
4. 16. μὴ φάγητε μηδὲ πίητε (3 a)
— 17. οὐδὲ ἔπιον [S ἔπινον] οἶνον σπονδῶν
Jb. 1. 4. ἐσθίειν καὶ πίνειν μετ' αὐτῶν (3 a)
— 13. ἔπινον οἶνον (3 a)
— 18. τῶν υἱῶν σου . . . πινόντων παρὰ τῷ ἀδελφῷ αὐ. [A υἱῷ σου] τῷ πρεσβυτέρῳ (3 a)
8. 12. A πρὸ τοῦ πιεῖν πᾶσαν βοτάνην ἐὰν δὲ μὴ πίῃ [B S πᾶσα βοτάνη οὐχὶ] ξηραίνεται –, –
15. 16. πίνων ἀδικίας ἴσα ποτῷ (3 a)
34. 7. πίνων μυκτηρισμὸν ὥσπερ ὕδωρ (3 a)
42. 11. φαγόντες δὲ καὶ πιόντες παρ' [A om.] αὐτῷ –
Ps. 49 (50). 13. ἢ αἷμα τράγων πίομαι (3 a)
68 (69). 12. ἔψαλλον οἱ πίνοντες τὸν οἶνον (3 a)
74 (75). 8. πίονται πάντες οἱ ἁμαρτωλοὶ τῆς γῆς (3 a)
77 (78). 44. ὅπως μὴ πίωσιν (3 a)
109 (110). 7. S R ἐκ χειμάρρου ἐν ὁδῷ πίεται [A π. ὕδωρ] (3 a)
Pr. 5. 15. πῖνε ὕδατα ἀπὸ σῶν ἀγγείων (3 a)
9. 5. πίετε οἶνον ὃν ἐκέρασα ὑμῖν (3 a)
— 18. ἀπὸ πηγῆς ἀλλοτρίας μὴ πίῃς –
23. 7. οὕτως ἐσθίει καὶ πίνει (3 a)
24. 72 (31. 4). οἶνον δὲ μὴ πινέτωσαν (3 a)
— 73 (31. 5). ἵνα μὴ πιόντες ἐπιλάθωνται τῆς σοφίας (3 a)
— 74 (31. 6 [7]). καὶ οἶνον πίνειν τοῖς ἐν ὀδύναις (3 a ?)
Ec. 2. 24. ὃ [A om.] πίεται (3 a)
— 25. τίς πίεται πάρεξ αὐτοῦ †
3. 12. S¹ τοῦ πιεῖν [A B S² ποιεῖν] ἀγαθὸν ἐν ζωῇ αὐτοῦ †
— 13. πᾶς ὁ ἄνθρωπος ὃς . . . πίεται (3 a)
5. 17. ἐστι καλὸν τοῦ φαγεῖν καὶ τοῦ πιεῖν (3 a)
8. 15. εἰ μὴ τοῦ φαγεῖν καὶ τοῦ πιεῖν (3 a)
9. 7. πίε ἐν καρδίᾳ ἀγαθῇ οἶνόν σου (3 a)
Ca. 5. 1. ἔπιον οἶνόν μου μετὰ γάλακτός μου (3 a)
— 1. πίετε καὶ μεθύσθητε ἀδελφοί (3 a)
Si. 9. 10. μετ' εὐφροσύνης πίεσαι αὐτόν
24. 21. οἱ πίνοντές με ἔτι διψήσουσιν
26. 12. ἀπὸ παντὸς ὕδατος τοῦ σύνεγγυς πίεται
34 (31). 27. ἐὰν πίνῃς αὐτὸν μέτρῳ αὐτοῦ

Si. 34 (31). 28. εὐφροσύνη ψυχῆς οἶνος πινόμενος ἐν καιρῷ αὐταρκής
— 29. οἶνος πινόμενος [A γιν.] πολὺς ἐν ἐρεθισμῷ
Am. 2. 8. οἶνον ἐκ συκοφαντιῶν ἔπινον (3 a)
4. 1. ἐπίδοτε ἡμῖν ὅπως πίωμεν (3 a)
— 8. τοῦ πιεῖν ὕδωρ (3 a)
5. 11. οὐ μὴ πίητε τὸν οἶνον αὐ. (3 a)
6. 6. οἱ πίνοντες τὸν διυλισμένον οἶνον (3 a)
9. 14. πίονται τὸν οἶνον αὐ. (3 a)
Mi. 6. 15. καὶ οὐ μὴ πίητε (3 a)
Jl. 1. 5. πάντες οἱ πίνοντες οἶνον εἰς μέθην (3 a)
3 (4). 3. καὶ ἔπινον [S¹ ἔπιον] (3 a)
Ob. 1. 16. ὃν τρόπον ἔπιες ἐπὶ τὸ ὄρος τὸ ἅγιόν μου (3 a)
— 16. A S²R πίονται πάντα τὰ ἔθνη οἶνον (3 a)
— 16. πίονται καὶ καταβήσονται (3 a)
Jn. 3. 7. μηδὲ ὕδωρ πιέτωσαν [S πιν.] (3 a)
Hb. 2. 16. πλησμονὴν ἀτιμίας ἐκ δόξης πίε καὶ σύ (3 a)
Ze. 1. 13. οὐ μὴ πίωσι τὸν οἶνον αὐ. (3 a)
Hg. 1. 6. ἐπίετε καὶ οὐκ εἰς μέθην (3 a)
Za. 7. 6. ἐὰν φάγητε ἢ πίητε οὐχ ὑμεῖς ἔσθετε καὶ πίνετε (3 a, 3 a)
Is. 5. 12. μετὰ κιθάρας . . . τὸν οἶνον πίνουσι (3 c)
— 22. οὐαὶ . . . οἱ πίνοντες τὸν οἶνον (3 a)
7. 22. R ἔσται ἀπὸ τοῦ πλεῖστον πιεῖν [A B S ποιεῖν] γάλα †
9. 1 (8. 23). τοῦτο πρῶτον πίε –
19. 5. πίονται οἱ Αἰγ. ὕδωρ τὸ παρὰ θάλ. (1)
21. 5. φάγετε πίετε (3 a)
22. 13. ὥστε φαγεῖν κρέα καὶ πιεῖν οἶνον λέγοντες, Φάγωμεν καὶ πίωμεν (3 a, 3 a)
23. 18. φαγεῖν καὶ πιεῖν καὶ ἐμπλησθῆναι –
24. 9. οὐκ ἔπιον οἶνον πικρὸν ἐγένετο τὸ σίκερα τοῖς πίνουσιν (3 a, 3 a)
25. 6. πίονται εὐφροσύνην πίονται οἶνον (3 c, 3 c)
28. 12. S τοῦτο τὸ ἀνάπαυμα τῷ πίνοντι [A B πεινῶντι] †
29. 8. A S³ R ὡς οἱ ἐν ὕπνῳ πίνοντες . . . ὃν τρόπον ἐνυπνιάζεται ὁ διψῶν ὡς ὁ [B S¹ om.] πίνων (–, 3 a)
36. 12. ἵνα . . . πίωσιν οὖρον μεθ' ὑμῶν ἅμα (3 a)
— 16. πίεσθε ὕδωρ τοῦ λάκκου ὑμῶν (3 a)
44. 12. οὐ μὴ πίῃ ὕδωρ (3 a)
48. 21. πίεται ὁ λαός μου –
49. 26. πίονται ὡς οἶνον νέον τὸ αἷμα αὐτῶν –
51. 17. ἡ πιοῦσα ἐκ χειρὸς κυρίου τὸ ποτήριον τοῦ θυμοῦ αὐτοῦ (3 a)
— 17. A τὸ κύνδυ τοῦ θυμοῦ ἔπιες [B S ἐξέπ.] (3 a)
— 22. οὐ προσθήσῃ ἔτι πιεῖν αὐτό (3 a)
55. 1. A S πίετε [B φάγετε] ἄνευ ἀργυρίου καὶ τιμῆς οἴνου [R -νον] †
62. 8. εἰ ἔτι πίονται υἱοὶ ἀλλότριοι τὸν οἶνόν σου (3 a)
— 9. οἱ συναγαγόντες πίονται αὐτά (3 a)
65. 13. οἱ δουλεύοντές μοι πίονται (3 a)
Je. 2. 18. τοῦ πιεῖν ὕδωρ Γηῶν (3 a)
— 18. τοῦ πιεῖν ὕδωρ ποταμῶν (3 a)
16. 8. συγκαθίσαι [A τοῦ κ.] μετ' αὐτῶν τοῦ φαγεῖν καὶ πιεῖν (3 a)
22. 15. οὐ φάγονται καὶ οὐ πίονται (3 a)
28 (51). 7. ἀπὸ τοῦ οἴνου αὐτῆς ἐπίοσαν ἔθνη (3 a)
29 (49). 12. οἷς οὐκ ἦν νόμος πιεῖν τὸ ποτήριον ἔπιον (3 a, 3 a)
— 12. A ὅτι πίνων πίεσαι (3 a, 3 a)
32 (25). 16. AR πίονται [BS om.] καὶ ἐξεμοῦνται (3 a)
— 27. πίετε μεθύσθητε (3 a)
— 28. δέξασθαι τὸ ποτήριον ἐκ τῆς χειρός σου ὥστε πιεῖν καὶ ἐρεῖς, Οὕτως εἶπε κύριος, Πιόντες πίεσθε (3 a ter)
42 (35). 5. εἶπα, Πίετε οἶνον (3 a)
— 6. οὐ μὴ [A om.] πίωμεν [AS πίομεν] οἶνον . . . οὐ μὴ πίητε οἶνον (3 a, 3 a)
— 8. πρὸς τὸ μὴ πιεῖν [S¹ πίνειν] οἶνον (3 a)
— 14. πρὸς τὸ μὴ πιεῖν οἶνον καὶ οὐκ ἐπίοσαν [A -ον] (3 a, 3 a)
La. 5. 4. R ὕδωρ ἡμῶν ἐν ἀργυρίῳ ἐπίομεν [A B al.] (3 a)
Ez. 4. 11. ὕδωρ ἐν μέτρῳ πίεσαι τὸ ἕκτον τοῦ εἶν ἀπὸ καιροῦ ἕως καιροῦ πίεσαι (3 a, 3 a)
— 16. ὕδωρ ἐν μέτρῳ καὶ ἐν ἀφανισμῷ πίονται (3 a)
12. 18. τὸ ὕδωρ μετὰ βασάνου . . . πίεσαι (3 a)
— 19. τὸ ὕδωρ αὐτῶν μετὰ ἀφανισμοῦ πίονται (3 a)
23. 32. τὸ ποτήριον τῆς ἀδελφῆς σου πίεσαι (3 a)
— 34. πίεσαι αὐτό (3 a)
25. 4. πίονται τὴν πιότητά σου (3 a)
Ez. 31. 14. πάντες οἱ πίνοντες ὕδωρ (3 a)
— 16. πάντα τὰ πίνοντα ὕδωρ (3 a)
34. 18. τὸ καθεστηκὸς ὕδωρ ἐπίνετε (3 a)
— 19. τὸ τεταραγμένον ὕδωρ ὑπὸ τῶν ποδῶν ὑμῶν ἔπινον (3 a)
39. 17. πίεσθε αἷμα (3 a)
— 18. αἷμα ἀρχόντων τῆς γῆς πίεσθε (3 a)
— 19. πίεσθε αἷμα εἰς μέθην (3 a)
44. 21. οἶνον οὐ μὴ πίωσι πᾶς ἱερεύς (3 a)
Da. LXX. 1. 5. οὗ πίνει ὁ βασ. (3 c)
— 8. ἐν ᾧ πίνει οἴνῳ (3 c)
5. 2 (1). ἔπινεν οἶνον (3 d)
— 3. ἔπινον ἐν αὐτοῖς (3 d)
— 23. καὶ ἔπινες οἶνον –
— 23. καὶ ἐπίνετε ἐν αὐτοῖς (3 d)
Bel 23. ἐσθίει καὶ πίνει
Da. TH. 1. 12. καὶ ὕδωρ πιόμεθα (3 a)
5. 2 (1). πίνων B. εἶπεν ἐν τῇ γεύσει τοῦ οἴνου (3 d)
— 2. πιέτωσιν ἐν αὐτοῖς (3 d)
— 3. ἔπινον ἐν αὐτοῖς (3 d)
— 4. ἔπινον οἶνον (3 d)
— 23. οἶνον ἐπίνετε ἐν αὐτοῖς (3 d)
Bel 6. ὅσα ἐσθίει καὶ πίνει
— 7. A οὐ βέβρωκεν οὐδὲ πέπωκεν πώποτε [B βεβρ. οὐδέποτε]
— 24. A B² R ἐσθίει καὶ πίνει
I Ma. 11. 58. ἐξουσίαν πίνειν ἐν χρυσώμασι
II Ma. 15. 39. οἶνον κατὰ μόνας πίνειν . . . πολέμιον
[Aq. Ex. 7. 24 bis: III Ki. 4. 20: Ps. 68 (69). 13: Pr. 4. 17: Is. 29. 8: 36. 12: Je. 49. 12 (29. 13): Ez. 23. 35.]
[Sm. Ge. 30. 38 bis: Ex. 7. 24 bis: III Ki. 4. 20: Ps. 68 (69). 13: 74 (75). 9: 77 (78). 44: Pr. 4. 17: Is. 29. 8: 36. 12: 37. 25: Je. 22. 15: 25. 26 (32. 12): Am. 5. 11 (P.).]
[Th. Ex. 7. 24 bis: Is. 29. 8: 37. 25: Je. 49. 12 (29. 13): Da. 5. 1.]
[Al. Ex. 17. 1: Nu. 20. 5.]

πίννινος (πίνινος).

Es. 1. 6. σμαραγδίτου λίθου καὶ πιννίνου [AS² al.] †

πίνωσις.

[Al. Pr. 25. 12.]

πιότης. (1) דֶּשֶׁן (2) חֵלֶב (3) טוּב (4) יְצָהַר (5) שֶׁמֶן

Ge. 27. 28. δῴη σοι ὁ θ. . . . ἀπὸ τῆς π. τῆς γῆς (5)
— 39. ἀπὸ τῆς π. τῆς γῆς ἔσται ἡ κατοίκησίς σου (5)
Jd. 9. 9. ἀπολείψασα [A ἀφεῖσα] τὴν π. μου (1)
III Ki. 13. 3. ἐκχυθήσεται ἡ π. ἡ ἐπ' [A ἐν] αὐτῷ (1)
— 5. ἐξεχύθη ἡ π. ἀπὸ τοῦ θυσιαστ. (1)
Es. 3. 13. A μετὰ πιότητος [B S¹ ἠπιότ., S² πραότ.] ἀεὶ διεξάγων
Jb. 36. 16. κατέβη τράπεζά σου πλήρης πιότητος (1)
Ps. 35 (36). 8. ἀπὸ πιότητος οἴκου σου (1)
62 (63). 5. ὡσεὶ στέατος καὶ πιότητος ἐμπλησθείη ἡ ψυχή μου (1)
64 (65). 11. τὰ πεδία σου πλησθήσονται πιότητος (1)
103 (104). 28. A τὰ σύμπαντα πλησθήσονται πιότητος [B S χρηστότητος] (3)
Pr. 15. 4. S¹ ὁ δὲ συντηρῶν αὐτὴν πλησθήσεται πιότητος [A B πνεύματος, S² τῶν καρπῶν αὐ.] †
Za. 4. 14. οὗτοι οἱ δύο υἱοὶ τῆς π. (4)
Ez. 25. 4. πίονται τὴν π. σου (2)
[Aq. Is. 55. 2.]
[Sm. Pr. 3. 8: Is. 28. 1: 55. 2.]
[Th. Jb. 36. 16.]
[Al. Le. 6. 11 (4).]

πιπλᾶν.

[Aq. Nu. 16. 5: 22. 22, 24: IV Ki. 21. 4: Ps. 24 (25). 12: 25 (26). 1: 26 (27). 11, 14: 27 (28). 1, 8: 29 (30). 11: 30 (31). 7, 10, 15: 31 (32). 2, 5, 10: 32 (33). 4, 6, 8, 10, 12, 18, 20, 22: Is. 41. 16 (Sw.): 48. 14 (Sw.): 52. 5 (Sw.): 58. 5 (Sw.): 59. 13: 60. 1 (Sw.): 64. 9 (8) (Sw.): 66. 5: Je. 20. 13: Ez. 2. 4: 12. 23: 30. 6.]
[Sm. Nu. 16. 5: 22. 22, 24: IV Ki. 21. 4: Ps. 24 (25). 12: 25 (26). 1: 26 (27). 4, 14: 27 (28). 1: 30 (31). 15: 31 (32). 2, 5, 10, 11: 32 (33). 8, 10, 20: Is. 41. 16 (Sw.): 48. 14 (Sw.): 58. 5 (Sw.): 60. 1 (Sw.): 64. 9 (8) (Sw.): Ez. 2. 4: 12. 23: 30. 6.]
[Th. Nu. 16. 5: 22. 22, 24: IV Ki. 21. 4: Ps. 26 (27). 11: Is. 41. 16 (Sw.): 48. 14 (Sw.): 58. 5 (Sw.): 59. 13: 60. 1 (Sw.): 64. 9 (8) (Sw.): Ez. 2. 4: 12. 23: 30. 6.]
[Al. Nu. 1. 48: Jo. 17. 4: III Ki. 5. 7 (21).]
[Heb. Ge. 4. 26: Nu. 16. 5: 22. 22, 24: Ps. 71 (72). 18: Ma. 2. 13.]
[Quint. IV Ki. 21. 4: Ps. 25 (26). 1: 26 (27). 11: 27 (28). 8: 30 (31). 10, 25: 31 (32). 2.]
[Sext. Ps. 26 (27). 7, 11, 14: 27 (28). 8: 30 (31). 15: 31 (32). 2: 32 (33). 20.]

πιπλᾶν, *cf.* πιμπλάναι.

πιπράσκειν. (1) מָכַר *a.* qal. *b.* ni. *c.* hithp. (2) נָכַר pi.

Ge. 31. 15. πέπρακε γὰρ ἡμᾶς (1 a)
Ex. 22. 3 (2). πραθήτω ἀντὶ τοῦ κλέμματος (1 b)
Le. 25. 23. ἡ γῆ οὐ πραθήσεται εἰς βεβαίωσιν (1 b)
— 34. οἱ ἀγροὶ . . . οὐ πραθήσονται (1 b)
— 39. καὶ πραθῇ σοι (1 b)
— 42. οὐ πραθήσεται ἐν πράσει οἰκέτου (1 b)
— 47. καὶ . . . πραθῇ τῷ προσηλύτῳ (1 b)
— 48. μετὰ τὸ πραθῆναι αὐτῷ (1 b)
27. 27. πραθήσεται κατὰ τὸ τίμημα αὐτοῦ (1 b)
De. 15. 12. ἐὰν δὲ πραθῇ σοι ὁ ἀδ. σου (1 b)
21. 14. πράσει οὐ πραθήσεται ἀργυρίου (1 a)
28. 68. πραθήσεσθε ἐκεῖ τοῖς ἐχθροῖς ὑμῶν (1 c)
I Ki. 23. 7. πέπρακεν αὐτὸν ὁ θ. (2)
III Ki. 20 (21). 20. διότι μάτην πέπρασαι (1 c)
— 25. A ἐπράθη [B om.] Ἀχ. ὃς ἐπράθη ποιῆσαι (–, 1 c)
IV Ki. 17. 17. ἐπράθησαν τοῦ ποιῆσαι τὸ πον. (1 c)
Ju. 7. 25. πέπρακεν ἡμᾶς ὁ θεός
Es. 7. 4. S² ἐπράθημεν γὰρ . . . εἰς παιδίσκας ἐπράθημεν [A B S¹ om.] (1 b, 1 b)
Ps. 104 (105). 17. εἰς δοῦλον ἐπράθη Ἰωσήφ (1 b)
Wi. 10. 13. αὕτη πραθέντα δίκαιον οὐκ ἐγκατέλιπεν
Is. 48. 10. πέπρακά σε οὐχ ἕνεκεν ἀργυρίου †
50. 1. τίνι ὑπόχρεῳ πέπρακα ὑμᾶς (1 a)
— 1. ταῖς ἁμαρτίαις ὑμῶν ἐπράθητε (1 b)
52. 3. δωρεὰν ἐπράθητε (1 b)
Je. 41 (34). 14. τὸν Ἑβραῖον ὃς πραθήσεταί σοι (1 b)
Ba. 4. 6. ἐπράθητε τοῖς ἔθνεσιν οὐκ εἰς ἀπώλειαν
Ez. 48. 14. οὐ πραθήσεται ἐξ αὐτοῦ [A -ῶν] (1 a)
I Ma. 1. 15. ἐπράθησαν [S² ἐπειρ.] τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρόν
II Ma. 4. 32. ἕτερα ἐτύγχανε πεπρακώς
5. 14. οὐχ ἧττον δὲ τῶν ἐσφαγμένων ἐπράθησαν
8. 14. τοὺς ὑπὸ τοῦ δυσσεβοῦς N. . . . πεπραμένους
10. 21. R ὡς ἀργυρίου πεπράκασι [A -καν] τοὺς ἀδ.
[Aq., Th. Pr. 11. 26.]
[Al. Le. 25. 50: Ps. 43 (44). 13.]

πίπτειν. (1) פָּרַח (2) הָרַג ni. (3) יָרַד (4) פָּרַע (5) כָּשַׁל (6) מוּט *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. (7) מוּת (8) מָעַדְ pu. (9) נָבֵל (10) נָגַף ni. (11) נָכָה hoph. (12) נָפַל *a.* qal. *b.* hi. *c.* pil. *d.* מַפֵּלָה *e.* מַפֵּלֶת *f.* נֹפֶל (13) פֶּגֶר (14) פֶּרֶץ (15) צָלַח (16) קָדַר (17) רָבַץ (18) רָדַם ni. (19) שָׁחַת ni. (20) שָׁפַל (21) תָּמַם (22) τὰ πεπτωκότα אֶרֶץ הָרִיסוּת

Ge. 17. 3. ἔπεσεν Ἄ. ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (12 a)
— 17. R ἔπεσεν Ἄ. ἐπὶ πρόσωπον (12 a)
44. 14. ἔπεσον ἐναντίον αὐτοῦ (12 a)
49. 17. πεσεῖται ὁ ἱππεὺς εἰς τὰ ὀπίσω (12 a)
Ex. 9. 19. πέσῃ δὲ ἐπ' αὐτὰ ἡ χάλαζα (3)
19. 21. καὶ πέσωσιν [A πέσῃ] ἐξ αὐτῶν πλῆθος (12 a)
23. 5. ἐὰν δὲ ἴδῃς τὸ ὑποζύγ. . . . πεπτωκός (17)
32. 28. ἔπεσαν . . . εἰς τρισχιλίους ἄνδρας (12 a)
Le. 9. 24. ἔπεσαν ἐπὶ πρόσωπον (12 a)
11. 33. εἰς ὃ ἐὰν πέσῃ ἀπὸ τούτων (12 a)
— 35. A B¹ ὃ ἐὰν πέσῃ [B² R ἐπιπ.] . . . ἐπ' αὐτό (12 a)
26. 7. πεσοῦνται ἐναντίον ὑμῶν φόνῳ (12 a)
— 8. πεσοῦνται οἱ ἐχθροὶ ὑμῶν (12 a)
— 17. πεσεῖσθε ἐναντίον τῶν ἐχθρῶν ὑ. (10)
— 36. πεσοῦνται οὐθενὸς διώκοντος (12 a)
Nu. 14. 3. πεσεῖν ἐν πολέμῳ (12 a)
— 5. ἔπεσε Μ. . . . ἐπὶ πρόσωπον (12 a)
— 29. πεσεῖται τὰ κῶλα ὑμῶν (12 a)

Nu. 14. 32. τὰ κῶλα ὑμῶν πεσεῖται (12 *a*)
— 42. πεσεῖσθε πρὸ προσώπου τῶν ἐχθρῶν ὑ. (10)
— 43. καὶ πεσεῖσθε μαχαίρᾳ (12 *a*)
16. 4. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον (12 *a*)
— 22. ἔπεσαν ἐπὶ πρόσωπον αὐτῶν (12 *a*)
— 45 (17. 10). ἔπεσον [B² -αν] ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (12 *a*)
20. 6. B²R ἔπεσον [AB¹ -αν] ἐπὶ πρόσωπον (12 *a*)
De. 2. 16. B¹R ἐπειδὴ ἔπεσαν [AB² ἐπεὶ διέπ.] πάντες (21)
21. 1. ἐὰν δὲ εὑρεθῇ . . . πεπτωκὼς ἐν τῷ πεδίῳ (12 *a*)
22. 4. πεπτωκότας [A -α] ἐν τῇ ὁδῷ (12 *a*)
— 8. ἐὰν πέσῃ ὁ πεσὼν ἀπ' αὐτοῦ [A -ῆς] (12 *a*, 12 *a*)
Jo. 5. 14. Ἰ. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον (12 *a*)
6. 5. πεσεῖται αὐτόματα τὰ τείχη (12 *a*)
— 19 (20). ἔπεσεν ἅπαν τὸ τεῖχος (12 *a*)
7. 6. ἔπεσεν Ἰ. ἐπὶ τὴν γῆν (12 *a*)
— 10. ἵνα τί τοῦτο σὺ πέπτωκας (12 *a*)
8. 25. οἱ πεσόντες ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκ. (12 *a*)
11. 7. A ἔπεσαν αὐτοῖς [B ἐπέπ. ἐπ' αὐτούς] (12 *a*)
17. 5. ἔπεσεν ὁ σχοινισμὸς αὐτῶν (12 *a*)
23. 14. οὐκ ἔπεσεν εἷς λόγος (12 *a*)
Jd. 3. 25. πεπτωκὼς ἐπὶ τὴν γῆν (12 *a*)
4. 16. ἔπεσε πᾶσα παρεμβολὴ Σισάρα (12 *a*)
— 22. A Σ. πεπτωκὼς [B ἐρριμμένος] νεκρός (12 *a*)
5. 27. ἀνὰ μέσον τῶν ποδῶν αὐ. . . . ἔπεσε (12 *a*)
— 27. κατακλιθεὶς ἔπεσε [A *al.*] (12 *a*)
— 27. ἐκεῖ ἔπεσεν (12 *a*)
7. 13. καὶ ἔπεσε (12 *a*)
— 13. καὶ ἔπεσεν ἡ σκηνή (12 *a*)
8. 10. οἱ πεπτωκότες ἑκατὸν εἴκοσι χιλιάδες (12 *a*)
9. 40. AR ἔπεσον [B -αν] τραυματίαι πολλοί (12 *a*)
12. 6. ἔπεσαν . . . δύο καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες (12 *a*)
13. 20. B ἔπεσαν [AR -ον] ἐπὶ πρόσωπον αὐτῶν (12 *a*)
14. 19. A ἔπεσεν [? ἔπαισεν] ἐκεῖθεν τριάκοντα ἄνδρας [B *al.*] †
16. 30. ἔπεσεν ὁ οἶκος (12 *a*)
19. 26. ἔπεσε παρὰ τὴν θύραν (12 *a*)
— 27. πεπτωκυῖα παρὰ τὰς θύρας (12 *a*)
20. 32. πίπτουσιν [A προκόπτ.] ἐνώπιον ἡ. (10)
— 39. πίπτουσιν ἐνώπιον ἡμῶν [A *al.*] (10)
— 44. ἔπεσαν . . . ὀκτὼ καὶ δέκα χιλιάδες (12 *a*)
— 46. B πάντες οἱ πίπτοντες [A R πεπτωκότες] ἀπὸ B. (12 *a*)
Ru. 2. 10. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτῆς (12 *a*)
3. 18. πῶς οὐ πεσεῖται ῥῆμα (12 *a*)
I Ki. 2. 33. πεσοῦνται ἐν ῥομφαίᾳ ἀνδρῶν (7)
3. 19. οὐκ ἔπεσεν ἀπὸ πάντων τῶν λόγων αὐ. (12 *b*)
4. 10. A R ἔπεσον [B -αν] . . . τριάκοντα χιλιάδες ταγμάτων (12 *a*)
— 18. ἔπεσεν ἀπὸ τοῦ δίφρου ὀπισθίως (12 *a*)
5. 3, 4. Δ. πεπτωκὼς ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (12 *a*)
— 4. πεπτωκότες ἐπὶ τὸ πρόθυρον –
14. 45. εἰ πεσεῖται τριχὸς τῆς κεφ. αὐ. [A *al.*] (12 *a*)
17. 49. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (12 *a*)
— 52. B ἔπεσαν [A R -ον] τραυματίαι τῶν ἀλλοφ. (12 *a*)
18. 10. A ἔπεσεν πνεῦμα θ. πονηρὸν ἐπὶ Σ. (15)
19. 24. καὶ ἔπεσε γυμνός (12 *a*)
20. 41. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (12 *a*)
21. 13 (14). ἔπιπτεν ἐπὶ τὰς θύρας τῆς πύλης †
25. 23. ἔπεσεν ἐνώπιον Δ. (12 *a*)
— 24. A ἔπεσεν [B *om.*] ἐπὶ τοὺς πόδας αὐ. (12 *a*)
26. 12. θάμβος κυρίου ἔπεσεν ἐπ' αὐτούς (12 *a*)
— 20. μὴ πέσοι τὸ αἷμά μου (12 *a*)
28. 19. σὺ καὶ οἱ υἱοί σου μετὰ σοῦ πεσοῦνται –
— 20. ἔπεσεν ἑστηκὼς ἐπὶ τὴν γῆν (12 *a*)
31. 1. καὶ πίπτουσι τραυματίαι (12 *a*)
— 8. πεπτωκότας ἐπὶ τὰ ὄρη Γ. (12 *a*)
II Ki. 1. 2. ἔπεσεν ἐπὶ τὴν γῆν (12 *a*)
— 4. πεπτώκασι πολλοὶ ἐκ τοῦ λαοῦ (12 *a*)
— 6. A καὶ ἔπεσεν –
— 10. μετὰ τὸ πεσεῖν αὐτόν (12 *a*)
— 19. πῶς ἔπεσαν δυνατοί (12 *a*)
— 21. A μηδὲ ὑετὸς πέσοι ἐφ' ὑμᾶς [B *al.*] –
— 25, 27. πῶς ἔπεσαν δυνατοί (12 *a*)
2. 16. καὶ πίπτουσι κατὰ τὸ αὐτό (12 *a*)
— 23. καὶ πίπτει ἐκεῖ (12 *a*)
— 23. οὗ ἔπεσεν ἐκεῖ Ἀσ. (12 *a*)
3. 29. καὶ πίπτων ἐν ῥομφαίᾳ (12 *a*)
— 34. ἐνώπιον υἱῶν ἀδικίας ἔπεσας (12 *a*)
— 38. ἡγούμενος μέγας πέπτωκεν (12 *a*)
4. 4. ἔπεσε καὶ ἐχωλάνθη (12 *a*)
II Ki. 9. 6. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (12 *a*)
11. 17. ἔπεσαν ἐκ [A ἀπὸ] τοῦ λαοῦ (12 *a*)
14. 4. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτῆς (12 *a*)
— 11. εἰ πεσεῖται ἀπὸ [A *om.*] τῆς τριχός (12 *a*)
— 22. ἔπεσεν Ἰ. ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (12 *a*)
— 33. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ –
17. 12. ὡς πίπτει ἡ δρόσος ἐπὶ τὴν γῆν (12 *a*)
19. 18 (19). ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (12 *a*)
20. 8. καὶ ἔπεσε (12 *a*)
21. 9. ἔπεσαν οἱ ἑπτά (12 *a*)
— 22. ἔπεσαν ἐν χειρὶ Δ. (12 *a*)
22. 39. πεσοῦνται ὑπὸ τοὺς πόδας μου (12 *a*)
III Ki. 1. 52. εἰ πεσεῖται τῶν τριχῶν αὐτοῦ (12 *a*)
18. 7. καὶ ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (12 *a*)
— 38. ἔπεσε πῦρ παρὰ κυρίου (12 *a*)
— 39. ἔπεσε πᾶς ὁ λαὸς ἐπὶ πρόσωπον αὐ. [A *al.*] (12 *a*)
21 (20). 25. κατὰ τὴν δύναμιν τὴν πεσοῦσαν (12 *a*)
— 30. καὶ ἔπεσε τὸ τεῖχος (12 *a*)
22. 20. καὶ πεσεῖται ἐν Ῥ. (12 *a*)
IV Ki. 1. 2. ἔπεσεν Ὀχ. διὰ τοῦ δικτυωτοῦ (12 *a*)
2. 13. ἔπεσεν ἐπάνωθεν Ἠλισαιέ (12 *a*)
— 14. ἣ ἔπεσεν ἐπάνωθεν αὐτοῦ (12 *a*)
4. 37. ἔπεσεν [A ἐπέπ.] ἐπὶ τοὺς πόδας αὐ. (12 *a*)
6. 6. ποῦ ἔπεσε (12 *a*)
10. 10. οὐ πεσεῖται [A ποιήσαι] ἀπὸ τοῦ ῥήμ. (12 *a*)
14. 10. καὶ πεσῇ σύ (12 *a*)
I Ch. 5. 10. ἔπεσον ἐν χερσὶν αὐτῶν (12 *a*)
— 22. τραυματίαι πολλοὶ ἔπεσον (12 *a*)
10. 1. καὶ ἔπεσον τραυματίαι (12 *a*)
— 4. A S ἔπεσεν [B ἐπέπ.] ἐπ' αὐτήν (12 *a*)
— 5. ἔπεσε καὶ αὐτὸς ἐπὶ τὴν ῥομφαίαν αὐ. (12 *a*)
— 8. εὗρον . . . τοὺς υἱοὺς αὐ. πεπτωκότας (12 *a*)
20. 8. ἔπεσον [A -αν] ἐν χειρὶ Δ. (12 *a*)
21. 14. ἔπεσον [A -αν] ἐξ Ἰσρ. ἑβδομήκ. χιλιάδες ἀνδρῶν (12 *a*)
— 16. καὶ ἔπεσε Δ. (12 *a*)
26. 14. ἔπεσεν ὁ κλῆρος . . . τῷ Σελ. (12 *a*)
II Ch. 6. 13. ἔπεσεν ἐπὶ τὰ γόνατα (1)
7. 3. ἔπεσον [A -αν] ἐπὶ πρόσωπον (4)
13. 17. καὶ ἔπεσον [A -αν] τραυματίαι (12 *a*)
14. 13 (12). καὶ ἔπεσον Αἰθίοπες (12 *a*)
18. 19. καὶ πεσεῖται ἐν Ῥ. (12 *a*)
20. 18. B ἔπεσαν [A R -ον] ἔναντι κυρίου (12 *a*)
— 24. πάντες νεκροὶ πεπτωκότες ἐπὶ τῆς γῆς (12 *a*)
25. 19. καὶ πεσῇ σύ (12 *a*)
29. 30. ἔπεσον [A -αν] καὶ προσεκύνησαν (16)
Ne. 6. 16. A ἔπεσεν [B S ἐπέπ.] φόβος σφόδρα (12 *a*)
To. 11. 9. A ἔπεσεν [B S ἐπέπ.] ἐπὶ τὸν τράχηλον
— 13. A S ἔπεσεν [B ἐπέπ.] ἐπὶ τὸν τράχηλον
12. 16. A S ἔπεσαν [B -ον] ἐπὶ πρόσωπον
14. 10. S ἔπεσεν [A B ἐνέπ.] εἰς τὴν παγίδα
Ju. 2. 28. A S ἔπεσεν [B ἐπέπ.] ὁ φόβος
4. 11. ἔπεσον [S -αν, A ἐπέθεντο] κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ
— 13. S ἔπεσον [A B *om.*] κατὰ πρόσωπον τῶν ἁγίων κυρίου
6. 6. πεσῇ ἐν τοῖς τραυματίαις
— 18. πεσόντες ὁ λαὸς προσεκύνησαν
7. 11. καὶ οὐ πεσεῖται . . . ἀνὴρ εἷς
— 22. ἔπιπτον ἐν ταῖς πλατείαις τῆς πόλεως
8. 3. A B S² ἔπεσεν ἐπὶ τὴν κλίνην
— 19. ἔπεσον [S -αν] πτῶμα μέγα
9. 1. Ἰ. δὲ ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον
10. 23. καὶ πεσοῦσα ἐπὶ πρόσωπον
14. 6. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον
15. 2. A S ἔπεσεν [B ἐπέπ.] ἐπ' αὐτοὺς φόβος
16. 7. S οὐ γὰρ ἔπεσεν [A B ὑπέπ.] ὁ δυνατὸς αὐ.
Es. 3. 7. καὶ ἔπεσεν ὁ κλῆρος (12 *b*)
5. 1. ἔπεσεν ἡ βασίλισσα
— 2. ἔπεσεν ἀπὸ ἐκλύσεως
6. 13. πεσὼν πεσῇ (12 *a*, 12 *a*)
7. 8. A καὶ ἔπεσεν [B S *om.* κ. ἔ.] ἐπὶ τὴν κλίνην (12 *a*)
Jb. 1. 16. πῦρ ἔπεσεν ἐκ τοῦ οὐρανοῦ (12 *a*)
— 19. ἔπεσεν ἡ οἰκία ἐπὶ τὰ παιδία σου (12 *a*)
— 20. πεσὼν χαμαὶ προσεκύνησε (12 *a*)
12. 5. ἡτοίμαστο πεσεῖν ὑπὸ ἄλλων [A με ὑπ' ἄλλοις] †
14. 10. πεσὼν δὲ βροτὸς οὐκέτι ἐστί †
— 18. A καὶ πλὴν ὄρος πίπτον [A S¹ -ων] πεσεῖται [B S διαπεσ.] (12 *a*)
15. 24. ὥσπερ στρατηγὸς πρωτοστάτης πίπτων [A πεπτωκώς] †
16. 10 (9). βέλη πειρατῶν [A -τηρίων] ἐπ' ἐμοὶ [S ἐμέ] ἔπεσεν †
Jb. 24. 23. ἀλλὰ πεσεῖται νόσῳ †
33. 18. καὶ [A S² τοῦ] μὴ πεσεῖν αὐτὸν ἐν πολέμῳ †
— 24. ἀνθέξεται τοῦ μὴ πεσεῖν [A S² π. αὐτὸν] εἰς θάνατον (3)
Ps. 9. 31 (10. 10). κύψει καὶ πεσεῖται (12 *a*)
15 (16). 6. S σχοινία ἔπεσάν [A B ἐπέπ.] μοι ἐν τοῖς κρατίστοις (12 *a*)
17 (18). 38. πεσοῦνται ὑπὸ τοὺς πόδας μου (12 *a*)
19 (20). 8. αὐτοὶ συνεποδίσθησαν καὶ ἔπεσαν (12 *a*)
26 (27). 2. αὐτοὶ ἠσθένησαν καὶ ἔπεσαν (12 *a*)
34 (35). 8. A S² ἐν τῇ παγίδι πεσεῖται [B S¹ -οῦνται] ἐν αὐτῇ (12 *a*)
35 (36). 12. ἐκεῖ ἔπεσον [A S² -αν] πάντες οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν (12 *a*)
36 (37). 24. ὅταν πέσῃ οὐ καταραχθήσεται (12 *a*)
44 (45). 5. λαοὶ ὑποκάτω σου πεσοῦνται (12 *a*)
57 (58). 8. S² R ἔπεσε [B S¹ ἐπέπ.] πῦρ †
77 (78). 28. S¹ ἔπεσον [B S² ἐπέπ.] εἰς μέσον τῆς παρεμβ. αὐ. (12 *b*)
— 64. οἱ ἱερεῖς αὐτῶν ἐν ῥομφαίᾳ ἔπεσαν (12 *a*)
81 (82). 7. ὡς εἷς τῶν ἀρχόντων πίπτετε (12 *a*)
90 (91). 7. πεσεῖται ἐκ τοῦ κλίτους σου χιλιάς (12 *a*)
117 (118). 13. ὠσθεὶς ἀνετράπην τοῦ πεσεῖν (12 *a*)
139 (140). 10. πεσοῦνται ἐπ' αὐτοὺς ἄνθρακες (6 *b*, 6 *c**)
140 (141). 10. πεσοῦνται ἐν ἀμφιβλήστρῳ αὐτοῦ ἁμαρτωλοί (12 *a*)
Pr. 11. 14. πίπτουσιν ὥσπερ φύλλα (12 *a*)
— 28. ὁ πεποιθὼς ἐπὶ πλούτῳ οὗτος πεσεῖται (12 *a*)
23. 5. B S¹ οὐδαμοῦ πεσεῖται [A S² R φανεῖται] –
24. 16. ἑπτάκις γὰρ πεσεῖται δίκαιος (12 *a*)
— 17. ἐὰν πέσῃ ὁ ἐχθρός σου (12 *a*)
25. 26. ἄκοσμον δίκαιον πεπτωκέναι (6 *a*)
29. 16. οἱ δὲ δίκαιοι ἐκείνων πιπτόντων κατάφοβοι γίνονται (12 *e*)
Ec. 4. 10. ἐὰν πέσωσιν (12 *a*)
— 10. οὐαὶ αὐτῷ τῷ ἑνὶ ὅταν πέσῃ (12 *a*)
11. 3. ἐὰν πέσῃ ξύλον ἐν τῷ νότῳ (12 *a*)
— 3. τόπῳ οὗ πεσεῖται τὸ ξύλον (12 *a*)
Wi. 11. 20. ἑνὶ πνεύματι πεσεῖν ἐδύναντο
18. 23. σωρηδὸν γὰρ ἤδη πεπτωκότων ἐπ' ἀλλήλων νεκρῶν
Si. 1. 30. μὴ ἐξύψου σεαυτὸν ἵνα μὴ πέσῃς
2. 7. μὴ ἐκκλίνητε ἵνα μὴ πέσητε
13. 21. ταπεινὸς [S¹ πτωχὸς] δὲ πεσὼν προσαπωθεῖται ὑπὸ φίλων
14. 2. ὃς οὐκ ἔπεσεν ἀπὸ τῆς ἐλπίδος αὐτοῦ
19. 1. ὁ ἐξουθενῶν τὰ ὀλίγα κατὰ μικρὸν πεσεῖται
22. 27. ἵνα μὴ πέσω ἀπ' αὐτῆς
23. 1. μὴ ἀφῆς με πεσεῖν ἐν αὐτοῖς
— 3. πεσοῦμαι ἔναντι τῶν ὑπεναντίων
28. 18. πολλοὶ ἔπεσαν ἐν στόματι μαχαίρας καὶ οὐχ ὡς οἱ πεπτωκότες [A ὁ πεπτωκὼς] διὰ γλῶσσαν
— 26. μὴ πέσῃς κατέναντι ἐνεδρεύοντος
49. 13. τοῦ ἐγείραντος ἡμῖν [S -ῶν] τείχη [S¹ χείλη] πεπτωκότα
50. 17. ἔπεσαν ἐπὶ πρόσωπον ἐπὶ τὴν γῆν
Ho. 7. 7. πάντες οἱ βασ. αὐ. ἔπεσαν [A -ον] (12 *a*)
— 16. πεσοῦνται ἐν ῥομφαίᾳ οἱ ἄρχοντες αὐ. (12 *a*)
10. 8. πέσατε ἐφ' ἡμᾶς [A *al.*] (12 *a* [†])
14. 1. ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται αὐτοί (12 *a*)
Am. 3. 5. εἰ πεσεῖται ὄρνεον ἐπὶ τῆς γῆς (12 *a*)
— 14. καὶ πεσοῦνται ἐπὶ τὴν γῆν (12 *a*)
5. 1 (2). οἶκος Ἰσρ. ἔπεσεν (12 *a*)
7. 17. ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται (12 *a*)
8. 3. πολὺς ὁ πεπτωκὼς ἐν παντὶ τόπῳ (13)
— 14. πεσοῦνται καὶ οὐ μὴ ἀναστῶσιν ἔτι (12 *a*)
9. 9. οὐ μὴ πέσῃ σύντριμμα ἐπὶ τὴν γῆν (12 *a*)
— 11. ἀναστήσω τὴν σκηνὴν Δ. τὴν πεπτωκυῖαν (12 *a*)
— 11. ἀνοικοδομήσω τὰ πεπτωκότα αὐ. (14)
Mi. 5. 7 (6). ὡς δρόσος παρὰ κυρίου πίπτουσα –
7. 8. πέπτωκα καὶ ἀναστήσομαι (12 *a*)
Jl. 2. 8. ἐν τοῖς βέλεσιν αὐ. πεσοῦνται (12 *a*)
Jn. 1. 7. ἔπεσεν ὁ κλῆρος ἐπὶ Ἰ. (12 *a*)
Na. 3. 12. πεσοῦνται εἰς στόμα ἔσθοντος (12 *a*)
Za. 11. 2. πέπτωκε κέδρος (12 *a*)
Is. 2. 17. πεσεῖται ὕβρις [A S ὕψος] ἀνθρώπων (20)
3. 25. ὁ υἱός σου ὁ κάλλιστος . . . μαχαίρᾳ πεσεῖται καὶ οἱ ἰσχύοντες ὑμῶν μαχαίρᾳ πεσοῦνται (12 *a*, –)
8. 15. πεσοῦνται καὶ συντριβήσονται (12 *a*)
9. 10 (9). πλίνθοι πεπτώκασιν (12 *a*)
10. 4. A S ὑποκάτω ἀνῃρημένων πεσοῦνται (12 *a*)

Is. 10. 34. πεσοῦνται ὑψηλοὶ [A *om.* π. ὑ.] μαχαίρᾳ ὁ δὲ Λίβανος σὺν τοῖς ὑψηλοῖς πεσεῖται (†, 12 *a*)
13. 15. μαχαίρᾳ πεσοῦνται (12 *a*)
16. 9. πάντα πεσοῦνται (12 *a*)
21. 9. πέπτωκε [A S *om.*] πέπτωκε Βαβυλών (12 *a*, 12 *a*)
— 15. διὰ τὸ πλῆθος τῶν πεπτωκότων ἐν τῷ πολέμῳ [A πεδίῳ] †
22. 25. ἀφαιρεθήσεται καὶ πεσεῖται [A S π. κ. ἀ.] (12 *a*)
23. 13. ὁ τοῖχος αὐτῆς πέπτωκεν (12 *d* ?)
24. 20. πεσεῖται καὶ οὐ μὴ δύνηται ἀναστῆναι (12 *a*)
— 23. πεσεῖται τὸ τεῖχος †
25. 2. τοῦ μὴ [A S *om.*] πεσεῖν αὐ. τὰ θεμέλια (12 *d*)
26. 18. S² R οὐ πεσούμεθα –
— 18. πεσοῦνται πάντες [A S *om.*] οἱ ἐνοικοῦντες ἐπὶ τῆς γῆς (12 *a*)
— 19. ἡ δὲ γῆ τῶν ἀσεβῶν πεσεῖται (12 *b*)
27. 3. ἡμέρας δὲ πεσεῖται τεῖχος †
28. 13. ἵνα . . . πέσωσιν [A S *add.* εἰς τὰ] ὀπίσω (5)
30. 13. ὡς τεῖχος πίπτον παραχρῆμα πόλεως (12 *a*)
— 25. ὅταν πέσωσι πύργοι (12 *a*)
31. 8. πεσεῖται Ἀσσοὺρ (12 *a*)
34. 4. πάντα τὰ ἄστρα πεσεῖται . . . ὡς πίπτει φύλλα ἀπὸ συκῆς (9, 9)
37. 7. πεσεῖται μαχαίρᾳ ἐν τῇ γῇ αὐτοῦ (12 *b*)
46. 1. ἔπεσε [S¹ ἐπὶ σέ] Βήλ (4)
49. 19. τὰ ἔρημά σου . . . καὶ τὰ πεπτωκότα (22)
59. 10. πεσοῦνται ἐν μεσημβρίᾳ (5)
65. 12. πάντες ἐν [S *om.*] σφαγῇ πεσεῖσθε (4)
Je. 6. 15. πεσοῦνται ἐν τῇ πτώσει αὐτῶν (12 *a*)
8. 4. μὴ ὁ πίπτων οὐκ ἀνίσταται (12 *a*)
11. 22. A οἱ νεανίσκοι αὐτῶν ἐν μαχαίρᾳ πεσοῦνται [B S ἀποθανοῦνται] (7)
16. 4. ἐν μαχαίρᾳ πεσοῦνται –
18. 4. ἔπεσε [S διέπ.] τὸ ἀγγεῖον (19)
— 21. οἱ νεανίσκοι αὐτῶν πεπτωκότες μαχαίρᾳ (11)
20. 4. πεσοῦνται ἐν μαχαίρᾳ ἐχθρῶν αὐτῶν (12 *a*)
23. 12. καὶ πεσοῦνται ἐν αὐτῇ (12 *a*)
26 (46). 6. ἠσθένησε καὶ πεπτώκασι (12 *a*)
— 12. ἐπὶ τὸ αὐτὸ ἔπεσαν [S -ον] ἀμφότεροι (12 *a*)
— 16. S R ἠσθένησε καὶ ἔπεσε [B -αν, A -ον] (12 *a*)
27 (50). 15. ἔπεσαν [S -ον] αἱ ἐπάλξεις αὐτῆς (12 *a*)
— 30. πεσοῦνται οἱ νεανίσκοι αὐτῆς (12 *a*)
— 32. ἀσθενήσει ἡ ὕβρις σου καὶ πεσεῖται (12 *a*)
28 (51). 4. πεσοῦνται τραυματίαι ἐν γῇ Χ. (12 *a*)
— 8. ἄφνω ἔπεσε Βαβυλών (12 *a*)
— 49. ἐν Βαβ. πεσοῦνται τραυματίαι [S *al.*] (12 *a*)
— 52. ἐν π. τῇ γῇ αὐ. πεσοῦνται τραυματίαι †
30 (49). 26. πεσοῦνται νεανίσκοι ἐν πλατείαις σου καὶ πάντες οἱ ἄνδρες οἱ πολεμισταί σου πεσοῦνται [A *om.*] (12 *a*, †)
31 (48). 32. A ἐπὶ τρυγηταῖς σου ὄλεθρος ἔπεσεν [B ἐπέπ., S ἐνέπ.] (12 *a*)
32 (25). 27. ἐξεμέσετε καὶ πεσεῖσθε (12 *a*)
— 34. πεσεῖσθε ὥσπερ οἱ κριοὶ οἱ ἐκλεκτοί (12 *a*)
34 (27). 8. A S¹ ἐν μαχαίρᾳ πεσοῦνται [B S² *om.*] –
43 (36). 7. ἴσως πεσεῖται ἔλεος αὐτῶν (12 *a*)
44 (37). 20. πεσέτω [A S -άτω] τὸ ἔλεός μου κατὰ πρόσωπόν σου (12 *a*)
46 (39). 18. ἐν ῥομφαίᾳ οὐ μὴ πέσῃς (12 *a*)
49 (42). 2. πεσέτω [A S -άτω] δὴ τὸ ἔλεος ἡμῶν κατὰ πρόσωπόν σου (12 *a*)
51 (44). 12. πεσοῦνται ἐν ῥομφαίᾳ (12 *a*)
La. 1. 7. ἐν τῷ πεσεῖν τὸν λαὸν αὐτῆς εἰς χεῖρας θλίβοντος (12 *a*)
5. 16. ἔπεσεν ὁ στέφανος ἡμῶν τῆς κεφαλῆς (12 *a*)
Ep. Je. 27. διὰ τὸ μή ποτε ἐπὶ τὴν γῆν πέσῃ
Ez. 2. 1 (1. 28) (A²B) : 3. 23. πίπτω ἐπὶ πρόσωπόν μου (12 *a*)
5. 12. τὸ τέταρτόν σου ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται (12 *a*)
6. 7. πεσοῦνται τραυματίαι ἐν μέσῳ ὑμῶν (12 *a*)
— 11. ἐν λιμῷ πεσοῦνται (12 *a*)
— 12. ὁ ἐγγὺς ἐν ῥομφαίᾳ πεσεῖται [A *al.*] (12 *a*)
9. 8. πίπτω ἐπὶ πρόσωπόν μου (12 *a*)
11. 5. A R ἔπεσεν ἐπ' ἐμὲ πνεῦμα κυρίου [B *om.*] (12 *a*)
— 10. ἐν ῥομφαίᾳ πεσεῖσθε (12 *a*)
— 13. πίπτω ἐπὶ πρόσωπόν μου (12 *a*)
13. 10. πεσεῖται [A *om.*] †
— 11. εἰπὸν πρὸς τοὺς ἀλείφοντας αὐτὸν, Πεσεῖται . . . καὶ πεσοῦνται (12 *a*, 12 *a*)
— 12. πέπτωκεν ὁ τοῖχος (12 *a*)
— 14. πεσεῖται . . . καὶ πεσεῖται (†, 12 *a*)
— 15. πεσεῖται †
Ez. 17. 21. ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται (12 *a*)
22. 28. οἱ προφῆται αὐτῆς ἀλείφοντες αὐτοὺς πεσοῦνται †
23. 3. ἐκεῖ ἔπεσον οἱ μαστοὶ αὐτῶν (8)
— 21. A οὗ οἱ μαστοὶ ἔπεσαν [B *om.*] νεότητός σου –
24. 6. A R οὐκ ἔπεσεν [B ἐπέπ.] ἐπ' αὐτὴν κλῆρος (12 *a*)
— 21 : 25. 13. ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται (12 *a*)
26. 6. A αἱ ἐν τῷ πεδίῳ μαχαίρᾳ πεσοῦνται [B *al.*] (2)
27. 27. πεσοῦνται ἐν καρδίᾳ θαλάσσης (12 *a*)
— 34. ἔπεσον πάντες οἱ κωπηλάται σου (12 *a*)
28. 23. πεσοῦνται τετραυματισμένοι μαχαίραις (12 *c*)
29. 5. ἐπὶ πρόσωπον τοῦ πεδίου πεσῇ (12 *a*)
30. 4. A πεσοῦνται [B συμπ.] τετραυματισμένοι (12 *a*)
— 5. μαχαίρᾳ πεσοῦνται ἐν αὐτῇ (12 *a*)
— 6. πεσοῦνται τὰ ἀντιστηρίγματα Αἰγ. . . . μαχαίρᾳ πεσοῦνται ἐν αὐτῇ (12 *a*, 12 *a*)
— 17. ἐν [A *om.*] μαχαίρᾳ πεσοῦνται (12 *a*)
— 25. οἱ δὲ βραχίονες Φαραὼ πεσοῦνται (12 *a*)
31. 12. ἔπεσαν [A -σον] οἱ κλάδοι αὐτοῦ (12 *a*)
32. 19 (20). πεσοῦνται μετ' αὐτοῦ (12 *a*)
— 23 (22). οἱ πεπτωκότες μαχαίρᾳ (12 *a*)
— 23. A πάντες αὐτοὶ τραυματίαι πίπτοντες μαχαίρᾳ (12 *a*)
— 24. πάντες οἱ τραυματίαι οἱ πεπτωκότες μαχαίρᾳ [A -αις] (12 *a*)
— 27. μετὰ τῶν γιγάντων τῶν πεπτωκότων [A γ. πεπτωκότες] ἀπ' αἰῶνος (12 *a*)
33. 27. οἱ ἐν ταῖς ἠρημωμέναις μαχαίραις [A -ᾳ] πεσοῦνται (12 *a*)
35. 8. τετραυματισμένοι μαχαίρᾳ πεσοῦνται ἐν σοί (12 *a*)
38. 9. A πεσῇ [B ἔσει] σὺ καὶ πάντες οἱ περὶ σέ †
— 20. πεσοῦνται αἱ φάραγγες καὶ πᾶν τεῖχος ἐπὶ τὴν γῆν πεσεῖται (12 *a*, 12 *a*)
39. 4. πεσῇ σὺ καὶ πάντες οἱ περὶ σέ (12 *a*)
— 5. ἐπὶ προσώπου τοῦ πεδίου πεσῇ (12 *a*)
— 23. ἔπεσαν [A -σον] πάντες μαχαίρᾳ (12 *a*)
43. 3 : 44. 4. πίπτω ἐπὶ πρόσωπόν μου (12 *a*)
47. 14. πεσεῖται ἡ γῆ αὕτη ὑμῖν ἐν κληρονομίᾳ (12 *a*)
Da. LXX. 2. 46. πεσὼν ἐπὶ πρόσωπον χαμαί (12 *f*)
3. 5. πεσόντες προσκυνήσατε τῇ εἰκόνι (12 *f*)
— 6. πᾶς ὃς ἂν μὴ πεσὼν προσκυνήσῃ (12 *f*)
— 7. πίπτοντα πάντα τὰ ἔθνη (12 *f*)
— 10. ἵνα . . . πεσὼν προσκυνήσῃ τῇ εἰκόνι (12 *f*)
— 11. ὃς ἂν μὴ πεσὼν προσκυνήσῃ (12 *f*)
— 15. εἰ μὲν ἕτοιμοι ἐστε . . . πεσόντες προσκυνῆσαι (12 *f*)
6. 10 (11). ἔπιπτεν ἐπὶ πρόσωπον αὐ. †
8. 17. ἔπεσα ἐπὶ πρόσωπόν μου (12 *a*)
10. 9. ἤμην πεπτωκὼς ἐπὶ πρόσωπόν μου (18)
11. 14. ἀνοικοδομήσει τὰ πεπτωκότα τοῦ ἔθνους σου †
— 19. καὶ πεσεῖται (12 *a*)
— 26. καὶ πεσοῦνται τραυματίαι πολλοί (12 *a*)
Da. TH. 2. 46. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον (12 *f*)
3. 5. πίπτοντες προσκυνεῖτε τῇ εἰκόνι (12 *f*)
— 6. R ὃς ἂν μὴ πεσὼν [A B *om.*] προσκυνήσῃ (12 *f*)
— 7. πίπτοντες . . . προσκύνουν τῇ εἰκόνι (12 *f*)
— 11. καὶ μὴ πεσὼν προσκυνήσῃ τῇ εἰκόνι (12 *f*)
— 15. ἵνα . . . πεσόντες προσκυνήσητε τῇ εἰκόνι (12 *f*)
— 23. ἔπεσον εἰς μέσον τῆς καμίνου (12 *f*)
8. 10. ἔπεσεν ἐπὶ τὴν γῆν (12 *b*)
— 17. πίπτω ἐπὶ πρόσωπόν μου (12 *a*)
— 18. πίπτω ἐπὶ πρόσωπόν μου (18 ?)
11. 19. ἀσθενήσει καὶ πεσεῖται (12 *a*)
— 26. πεσοῦνται τραυματίαι πολλοί (12 *a*)
I Ma. 1. 5. ἔπεσεν ἐπὶ τὴν κοίτην
— 18. S² R ἔπεσον [A -αν, S¹ ἔφυγον] τραυματίαι πολλοί
3. 11. ἔπεσον τραυματίαι πολλοί
— 24. ἔπεσον ἀπ' αὐτῶν εἰς ἄνδρας ὀκτακοσίους
— 25. A ἡ ποιὴ ἔπιπτεν ἐπὶ τὰ ἔθνη [S R *al.*]
4. 15. A R οἱ δὲ ἔσχατοι πάντες ἔπεσον [S -αν]
— 15. ἔπεσαν ἐξ [A¹ *om.*] αὐτῶν εἰς ἄνδρας τρισχιλίους
— 34. ἔπεσον . . . εἰς πεντακισχιλίους ἄνδρας
— 34. S R ἔπεσον [A -αν] ἐξ ἐναντίας αὐτῶν
— 40. A R ἔπεσον [S -αν] ἐπὶ πρόσωπον
— 45. A S ἔπεσεν [R ἐπέπ.] αὐτοῖς βουλὴ ἀγαθή
I Ma. 4. 55. A R ἔπεσον [S -εν] πᾶς ὁ λαὸς ἐπὶ πρόσωπον
5. 12. πέπτωκεν ἐξ ἡμῶν πλῆθος
— 22. ἔπεσον ἐκ τῶν ἐθνῶν εἰς τρισχιλίους ἄνδρας
— 34. ἔπεσον . . . εἰς ὀκτακισχιλίους ἄνδρας
— 54. οὐκ ἔπεσεν ἐξ αὐτῶν οὐθείς
— 60. ἔπεσον . . . εἰς δισχιλίους ἄνδρας
— 67. S R ἔπεσον [A -αν] ἱερεῖς ἐν πολέμῳ
6. 8. ἔπεσεν ἐπὶ τὴν κοίτην
— 8. S ἔπεσεν [A R ἐνέπ.] εἰς ἀρρωστίαν
— 42. S R ἔπεσον [A -αν] ἀπὸ τῆς παρεμβ. τοῦ βασ.
— 46. ἔπεσεν ἐπὶ τὴν γῆν ἐπάνω αὐτοῦ
7. 32. S R ἔπεσον [A -αν] τῶν παρὰ Νικάνορος
— 38. S R πεσέτωσαν [A -σάτ.] ἐν ῥομφαίᾳ
— 43. A R ἔπεσεν [S ἐπέπ.] αὐτὸς πρῶτος
— 44. ἔπεσε Νικάνωρ
— 46. S R ἔπεσον [A -αν] πάντες ῥομφαίᾳ
8. 10. S R ἔπεσον [A -αν] ἐξ αὐτῶν τραυματίαι πολλοί
9. 1. R ἔπεσε [A ἐποίησεν, S ἔπεισεν] Νικάνωρ
— 17. S R ἔπεσον [A -αν] τραυματίαι πολλοί
— 18. Ἰούδας ἔπεσε
— 21. πῶς ἔπεσε δυνατὸς σώζων τὸν Ἰσρ.
— 40. S R ἔπεσον [A -αν] τραυματίαι πολλοί
— 49. S ἔπεσον δὲ παρὰ Β. [A R *al.*]
10. 50. καὶ ἔπεσεν ὁ Δ.
— 85. ἐγένοντο οἱ πεπτωκότες μαχαίρᾳ
11. 74. ἔπεσον . . . εἰς ἄνδρας τρισχιλίους
12. 37. A ἔπεσεν τοῦ τείχους τοῦ χειμάρρου [S R *al.*]
16. 8. ἔπεσον ἐξ αὐτῶν τραυματίαι πολλοί
— 10. S R ἔπεσον [A -αν] ἐξ αὐτῶν εἰς ἄνδρας δισχιλίους
II Ma. 3. 6. ὑπὸ τὴν τοῦ βασ. ἐξουσίαν πεσεῖν ταῦτα
— 27. R ἄφνω δὲ πεσόντα πρὸς τὴν γῆν [A *al.*]
7. 36. ὑπὸ διαθήκην θεοῦ πεπτώκασι
9. 7. πεσεῖν αὐτὸν ἀπὸ τοῦ ἅρματος
10. 4. πεσόντες ἐπὶ κοιλίαν
12. 34. συνέβη πεσεῖν ὀλίγους τῶν Ἰ.
— 40. διὰ τήνδε τὴν αἰτίαν τούσδε πεπτωκέναι
IV Ma. 2. 14. τὰ πεπτωκότα συνεγείρων
6. 7. πίπτων εἰς τὸ ἔδαφος
— 8. ὅπως ἐξανίσταιτο πίπτων
15. 20. A R καὶ ἐπὶ νεκροῖς [S -οὺς] νεκροὺς πίπτοντας

[Aq. Ge. 4. 5 : Jd. 5. 27 : IV Ki. 1. 2 : 10. 10 : Jb. 1. 15 : 31. 22 : Ps. 26 (27). 2 : Pr. 11. 5 : Ec. 4. 10 : Is. 3. 25 : 30. 25 : Je. 6. 15 : 37 (44). 13 : Ez. 5. 12 (P.) : 13. 11 : Da. 3. 23.]
[Sm. II Ki. 3. 34 *bis* : IV Ki. 1. 2 : 10. 10 : Ps. 26 (27). 2 : 35 (36). 13 : 40 (41). 9 : 81 (82). 7 : Pr. 11. 5 : Ec. 4. 10 : Is. 30. 25 : 34. 4 *bis* : Ez. 13. 11.]
[Th. Jd. 4. 22 : 5. 27 : II Ki. 1. 21 : Pr. 11. 5, 14 : Ec. 4. 10 : Is. 24. 20 : 30. 25 : Je. 8. 12 *bis* : Ez. 5. 12 : 13. 11 : 32. 23 : Da. 2. 46 : 3. 23.]
[Al. I Ki. 14. 13 : 28. 14 : Ps. 139 (140). 11 : Pr. 1. 14 : Is. 16. 9 : La. 2. 21.]
[Sext. Ps. 26 (27). 2.]

πίσσα. (1) זֶפֶת

Si. 13. 1. ὁ ἁπτόμενος πίσσης μολυνθήσεται [S¹ οὐ μ.]
Is. 34. 9. στραφήσονται αὐτῆς αἱ φάραγγες εἰς πίσσαν (1)
— 9. ἔσται ἡ γῆ αὐτῆς ὡς π. καιομένη
Da. LXX. 3. (46). οἱ δὲ ὑπέκαιον . . . πίσσαν
Bel 26. λαβὼν ὁ Δ. πίσσης μνᾶς τριάκοντα
Da. TH. 3. (46). καίοντες τὴν κάμινον . . . πίσσαν
Bel 27. ἔλαβεν Δ. πίσσαν

πιστεύειν. (1) אָמַן *a.* ni. *b.* hi. *c.* אֲמַן aph.
(2) שְׁמַע

Ge. 15. 6. ἐπίστευσεν Α. τῷ θεῷ (1 *b*)
42. 20. πιστευθήσονται τὰ ῥήματα ὑμῶν (1 *a*)
45. 26. οὐ γὰρ ἐπίστευσεν αὐτοῖς (1 *b*)
Ex. 4. 1. ἐὰν μὴ πιστεύσωσί μοι (1 *b*)
— 5. ἵνα πιστεύσωσί σοι (1 *b*)
— 8. ἐὰν δὲ μὴ πιστεύσωσί σοι (1 *b*)
— 8. πιστεύσουσί σοι τῆς φωνῆς (1 *b*)
— 9. ἐὰν μὴ πιστεύσωσί σοι τοῖς δυσὶ σημ. (1 *b*)
— 31. καὶ ἐπίστευσεν ὁ λαός (1 *b*)
14. 31. ἐπίστευσαν τῷ θεῷ (1 *b*)
19. 9. καὶ σοὶ πιστεύσωσιν εἰς τὸν αἰ. (1 *b*)
Nu. 14. 11. ἕως τίνος οὐ πιστεύουσί μοι (1 *b*)

Nu. 20. 12. ὅτι οὐκ ἐπιστεύσατε ἁγιάσαι με (1 b)
De. 9. 23. καὶ οὐκ ἐπιστεύσατε αὐτῷ (1 b)
28. 66. οὐ πιστεύσεις τῇ ζωῇ σου (1 b)
I Ki. 3. 21 (20). καὶ ἐπιστεύθη Σ. (1 a ?)
27. 12. ἐπιστεύθη Δ. ἐν τῷ Ἀ. [A al.] (1 b)
III Ki. 10. 7. οὐκ ἐπίστευσα τοῖς λαλοῦσί μοι (1 b)
IV Ki. 17. 14. A οἱ οὐκ ἐπίστευσαν κ. θεῷ αὐ. (1 b)
II Ch. 9. 6. οὐκ ἐπίστευσα τοῖς λόγοις (1 b)
24. 5. A B οὐκ ἐπίστευσαν [R ἔσπευσαν] οἱ Λ. †
32. 15. μὴ πιστεύετε αὐτῷ (1 b)
I Es. 4. 28. οὐ πιστεύετέ μοι
To. 2. 14. καὶ οὐκ ἐπίστευον αὐτῇ
5. 2. S καὶ πιστεύσῃ μοι
10. 8. S οὐ πιστεύουσιν ὅτι ὄψονταί με ἔτι [AB al.]
14. 4. S πιστεύω ἐγὼ τῷ ῥήματι τοῦ θ. [A B al.]
— 4. S πιστεύω ὅτι πάντα . . . συντελεσθήσεται
Ju. 14. 10. ἐπίστευσε τῷ θ. σφόδρα
Es. 8. 13. τῶν πιστευθέντων χειρίζειν φίλων τὰ πράγμ.
Jb. 4. 18. εἰ κατὰ παίδων αὐτοῦ οὐ πιστεύει (1 b)
9. 16. οὐ πιστεύω ὅτι εἰσακήκοέ μου (1 b)
15. 15. εἰ κατὰ ἁγίων οὐ πιστεύει (1 b)
— 22. μὴ πιστευέτω ἀποστραφῆναι ἀπὸ σκότους (1 b)
— 31. μὴ πιστευέτω ὅτι ὑπομενεῖ (1 b)
24. 22. οὐ μὴ πιστεύσῃ κατὰ [A ὑπὲρ] τῆς ἑαυτοῦ ζωῆς (1 b)
29. 24. οὐ μὴ πιστεύσωσι [A οὐκ ἐπίστευον] (1 b)
39. 12. πιστεύσεις δὲ [A S¹ δὲ αὐτῷ] ὅτι ἀποδώσει σοι τὸν σπόρον (1 b)
— 24. οὐ μὴ πιστεύσῃ (1 b)
Ps. 26 (27). 13. A B² R πιστεύω [B¹ S -σω] τοῦ ἰδεῖν τὰ ἀγαθὰ κυρίου (1 b)
77 (78). 22. οὐκ ἐπίστευσαν ἐν τῷ θεῷ (1 b)
— 32. B S¹ οὐκ ἐπίστευσαν τοῖς [S² ἐν τοῖς] θαυμασίοις αὐτοῦ (1 b)
105 (106). 12. A B S¹ ἐπίστευσαν ἐν [S² R om.] τοῖς λόγοις αὐτοῦ (1 b)
— 24. οὐκ ἐπίστευσαν τῷ λόγῳ αὐτοῦ (1 b)
115. 1 (116. 10). ἐπίστευσα διὸ ἐλάλησα (1 b)
118 (119). 66. ταῖς ἐντολαῖς σου ἐπίστευσα (1 b)
Pr. 14. 15. ἄκακος πιστεύει παντὶ λόγῳ (1 b)
24. 24 (30. 1). τάδε λέγει ὁ ἀνὴρ τοῖς πιστεύουσι θεῷ †
Wi. 1. 2. A ἐμφανίζεται δὲ τοῖς μὴ πιστεύουσιν [B S ἀπιστοῦσιν] αὐτῷ
12. 2. ἵνα . . . πιστεύσωσιν [A -ωμεν, S¹ om.] ἐπὶ σέ
14. 5. ἐλαχίστῳ ξύλῳ πιστεύουσιν ἄνθρωποι ψυχάς
16. 26. τὸ ῥῆμά σου τούς σοι πιστεύοντας διατηρεῖ
18. 6. ἀσφαλῶς εἰδότες οἷς ἐπίστευσαν ὅρκοις
Si. 2. 6. πίστευσον αὐτῷ καὶ ἀντιλήψεταί σου
— 8. οἱ φοβούμενοι κύριον, πιστεύσατε αὐτῷ
— 10. S² τίς ἐπίστευσε [A B S¹ ἐνεπίστ.] κυρίῳ
— 13. οὐαὶ καρδίᾳ παρειμένῃ ὅτι οὐ πιστεύει [S οὐκ ἐμπιστ.]
11. 21. πίστευε τῷ κυρίῳ
12. 10. μὴ πιστεύσῃς τῷ ἐχθρῷ σου
13. 11. μὴ πίστευε τοῖς πλείοσι λόγοις αὐτοῦ
19. 15. μὴ παντὶ λόγῳ πίστευε
35 (32). 21. μὴ πιστεύσῃς ἐν ὁδῷ ἀπροσκόπῳ
— 23. ἐν παντὶ ἔργῳ πίστευε τῇ ψυχῇ σου
— 24. ὁ πιστεύων νόμῳ προσέχει ἐντολαῖς
36. 31 (28). τίς γὰρ πιστεύσει εὐζώνῳ λῃστῇ
Jn. 3. 5. A S² R ἐπίστευσαν [B S¹ ἐνεπ.] οἱ ἄνδρες Ν. τῷ θ. (1 b)
Hb. 1. 5. ὃ οὐ μὴ πιστεύσητε (1 b)
Is. 7. 9. ἐὰν μὴ πιστεύσητε οὐδὲ μὴ συνῆτε (1 b)
28. 16. ὁ πιστεύων [A S add. ἐπ' αὐτῷ] οὐ μὴ καταισχυνθῇ (1 b)
43. 10. ἵνα γνῶτε καὶ πιστεύσητε [A add. μοι] (1 b)
53. 1. τίς ἐπίστευσε τῇ ἀκοῇ ἡμῶν (1 b)
Je. 12. 6. μὴ πιστεύσῃς ἐν αὐτοῖς (1 b)
25. 8. ἐπειδὴ οὐκ ἐπιστεύσατε τοῖς λόγοις μου (2)
47 (40). 14. οὐκ ἐπίστευσεν αὐτοῖς Γοδολίας (1 b)
La. 4. 12. οὐκ ἐπίστευσαν βασιλεῖς γῆς (1 b)
Da. LXX. Su. 41. ἐπίστευσεν αὐτοῖς ἡ συναγωγή
— 53. πιστευθεὶς ἀκούειν καὶ κρίνειν
Da. TH. Su. 41. ἐπίστευσεν αὐτοῖς ἡ συναγωγή
6. 23 (24). ἐπίστευσεν ἐν [A om.] τῷ θεῷ αὐ. (1 c)
I Ma. 1. 30. A ἐπίστευσαν [S R ἐνεπ.] αὐτῷ
2. 59. Ἀν. Ἀζ. Μ. πιστεύσαντες ἐσώθησαν
7. 7. ἀπόστειλον ἄνδρα ᾧ πιστεύεις [S¹ -σεις]
8. 16. R πιστεύουσιν ἑνὶ ἀνθρώπῳ τὴν ἀρχὴν αὐ. [A² S al.]
10. 46. A S¹ οὐκ ἐπίστευσεν [S² R -αν] αὐτοῖς
II Ma. 3. 12. τοὺς πεπιστευκότας τῇ τοῦ τόπου ἁγιωσύνῃ
— 22. τὰ πεπιστευμένα τοῖς πεπιστευκόσι σῶα διαφυλάσσειν
III Ma. 3. 21. τὰ πεπιστευμ. . . . πράγματα τολμήσαντες ἐξαλλοιῶσαι
IV Ma. 4. 7. εἰ οἱ τὰς παρακαταθήκας πιστεύσαντες τῷ ἱερῷ θησαυρῷ
5. 25. πιστεύοντες γὰρ θεοῦ καθεστάναι τὸν νόμον
7. 19. A R οἱ [S om.] πιστεύοντες ὅτι θεῷ οὐκ ἀποθνήσκουσιν
— 21. τίς . . . πεπιστευκὼς θεῷ
8. 7. πιστεύσατε οὖν
[Aq. IV Ki. 17. 14: Ps. 26 (27). 13: Pr. 28. 20: Is. 28. 16.]
[Sm. Jb. 29. 24: Ps. 26 (27). 13: Is. 7. 9: 28. 16.]
[Th. Is. 7. 9 bis: 28. 16.]

πίστις. (1) a. אֲמוּן b. אֱמוּנָה c. אֱמֻנָה d. אֱמֶת e. πίστιν ἔχειν אָמַן ni.

De. 32. 20. οἷς οὐκ ἔστι π. ἐν αὐτοῖς (1 a)
I Ki. 21. 2 (3). ἐν τῷ τόπῳ τῷ λεγομ. Θεοῦ πίστις –
26. 23. τὰς δικαιοσύνας αὐ. καὶ τὴν π. αὐ. (1 b)
IV Ki. 12. 15 (16). ἐν πίστει αὐτῶν ποιοῦσιν (1 b)
22. 7. ἐν πίστει αὐτοὶ ποιοῦσι (1 b)
I Ch. 9. 22. καὶ Σαμ. ὁ βλέπων τῇ π. αὐ. (1 b)
— 26. ἐν πίστει εἰσὶ τέσσ. δυνατοὶ τῶν πυλῶν (1 b)
— 31. ἐν τῇ π. ἐπὶ τὰ ἔργα τῆς θυσίας (1 b)
II Ch. 31. 12. ἤνεγκαν . . . τὰ ἐπιδέκατα ἐν πίστει (1 b)
— 15. διὰ χειρὸς τῶν ἱερέων ἐν πίστει (1 b)
— 18. ἐν πίστει ἥγνισαν τὸ ἅγιον [A al.] (1 b)
34. 12. οἱ ἄνδρες ἐν [A om.] πίστει ἐπὶ τῶν ἔργων (1 b)
Ne. 9. 38 (10. 1). διατιθέμεθα πίστιν (1 c)
Es. 3. 13. βεβαία π. ἀποδεδειγμένος
Ps. 32 (33). 4. πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ ἐν πίστει (1 b)
Pr. 3. 3. πίστεις [A S -τις] μὴ ἐκλειπέτωσάν σε (1 d)
12. 17. ἐπιδεικνυμένην πίστιν ἀπαγγέλλει δίκαιος (1 b)
— 22. ὁ δὲ ποιῶν πίστεις δεκτὸς παρ' αὐτῷ (1 b)
14. 22. οὐκ ἐπίστανται ἔλεον καὶ πίστιν –
— 22. πίστεις [A S -τις] παρὰ τέκτοσιν ἀγαθοῖς (1 d)
15. 27 (16. 6). πίστεσιν ἀποκαθαίρονται ἁμαρτίαι (1 d)
— 28. καρδίαι δικαίων μελετῶσι πίστεις †
Ca. 4. 8. διελεύσῃ ἀπὸ ἀρχῆς πίστεως (1 c ?)
Wi. 3. 14. δοθήσεται γὰρ αὐτῷ τῆς π. χάρις ἐκλεκτή
Si. 1. 26. ἡ εὐδοκία αὐτοῦ πίστις καὶ πραότης
15. 15. πίστιν ποίησαι εὐδοκίας
22. 23. πίστιν [S¹ -ὸν] κτῆσαι ἐν πτωχείᾳ
27. 16. ὁ ἀποκαλύπτων μυστήρια ἀπώλεσε πίστιν
37. 26. ὁ σοφὸς ἐν τῷ λαῷ αὐτοῦ κληρονομήσει πίστιν
40. 12. πίστις εἰς τὸν αἰῶνα στήσεται
41. 16. οὐ πάντα πᾶσιν ἐν πίστει εὐδοκιμεῖται
45. 4. ἐν πίστει . . . ἡγίασεν
46. 15. ἐν πίστει αὐτοῦ ἠκριβάσθη προφήτης καὶ ἐγνώσθη ἐν πίστει [A S ῥήμασιν] αὐτοῦ πιστὸς ὁράσεως
49. 10. ἐλυτρώσατο αὐτοὺς ἐν πίστει ἐλπίδος
Ho. 2. 20 (22). μνηστεύσομαί σε ἐμαυτῷ ἐν πίστει (1 b)
Hb. 2. 4. ὁ δὲ δίκαιος ἐκ πίστεώς μου ζήσεται (1 b)
Je. 5. 1. εἰ ἔστι ποιῶν κρίμα καὶ ζητῶν πίστιν (1 b)
— 3. οἱ ὀφθαλμοί σου εἰς πίστιν (1 b)
7. 28. ἐξέλιπεν ἡ π. ἐκ στόματος αὐτῶν (1 b)
9. 3 (2). ψεῦδος καὶ οὐ π. ἐνίσχυσεν (1 b)
15. 18. ὡς ὕδωρ ψευδὲς οὐκ ἔχον πίστιν (1 e)
35 (28). 9. ὃν ἀπέστειλεν αὐτοῖς κύριος ἐν πίστει (1 d)
39 (32). 41. φυτεύσω αὐτοὺς . . . ἐν πίστει (1 d)
40 (33). 6. A S² R ποιήσω [B S¹ om.] καὶ [A αὐτοῖς] εἰρήνην καὶ πίστιν (1 d)
La. 3. 23. R πολλὴ ἡ π. σου (1 b)
I Ma. 10. 27. τοῦ συντηρῆσαι πρὸς ἡμᾶς πίστιν
— 37. ἐπὶ χρειῶν τῆς βασ. τῶν οὐσῶν εἰς πίστιν
14. 35. A S² εἶδεν ὁ λαὸς τὴν π. [R πρᾶξιν] τοῦ Σ. [S¹ al.]
— 35. τὴν π. ἣν συνετήρησε τῷ ἔθνει αὐ.
III Ma. 3. 3. τὴν μὲν πρὸς τοὺς βασ. . . . π.
— 10. πίστεις ἐδίδουν συναστιεῖν
5. 31. ὁλοσχερῆ βεβαίαν π. ἐξόχως Ἰουδαίων
— 44. μετὰ πίστεως διέτασσον τὰς δυνάμεις
III Ma. 6. 25. τοὺς κρατήσαντας ἡμῶν ἐν πίστει τὰ . . . ὀχυρώματα
IV Ma. 15. 24. διὰ τὴν πρὸς θεὸν π.
16. 22. τὴν αὐτὴν π. πρὸς τὸν θεὸν ἔχοντες
17. 2. ἐπιδείξασα τὴν τῆς π. γενναιότητα
[Aq. Ex. 17. 12: Ps. 32 (33). 4: 36 (37). 3: 88 (89). 34: 118 (119). 75: Pr. 13. 17: Is. 26. 2: Hb. 2. 4.]
[Sm. Ps. 11 (12). 2: 30 (31). 24: 32 (33). 4: 88 (89). 34: 142 (143). 1: Pr. 12. 17: Is. 11. 5: 25. 1: 33. 6: Hb. 2. 4.]
[Th. Ps. 88 (89). 6, 34: Je. 33 (40). 6.]
[Sext. Ps. 36 (37). 3.]
[Al. Pr. 13. 17: La. 3. 23.]

πιστοποιεῖν.
IV Ma. 7. 10. ἐπιστοποίησας τοὺς τῆς θείας φιλοσοφίας λόγους
18. 17. A R τὸν Ἰεζ. ἐπιστοποιεῖτο [S -ποίει]

πιστός. (1) a. אָמֵן ni. b. אֱמוּנָה c. אֱמוּן d. אֱמֶת e. אָמַן aph. (2) יָתֵר (3) צַדִּיק (4) μηδὲν π. תַּהְפֻּכָה

Nu. 12. 7. ἐν ὅλῳ τῷ οἴκῳ μου πιστός ἐστι (1 a)
De. 7. 9. οὗτος θεὸς θεὸς π. [A ὁ π.] (1 a)
28. 59. A B² R νόσους πονηρὰς καὶ π. (1 a)
32. 4. θεὸς π. καὶ οὐκ ἔστιν ἀδικία (1 b)
I Ki. 2. 35. ἀναστήσω ἐμαυτῷ ἱερέα π. (1 a)
— 35. οἰκοδομήσω αὐτῷ οἶκον π. (1 a)
3. 20. πιστὸς Σαμ. εἰς προφήτην τῷ κ. (1 a)
22. 14. τίς . . . ὡς Δαυὶδ πιστός (1 a)
25. 28. ποιήσει κύριος . . . οἶκον π. [A om.] (1 a)
II Ki. 20. 18. ἃ ἔθεντο οἱ π. τοῦ Ἰσρ. –
23. 1. πιστὸς Δ. υἱὸς Ἰ. καὶ π. ἀνήρ †, †
III Ki. 11. 38. οἰκοδομήσω σοι οἶκον π. (1 a)
Ne. 9. 8. εὗρες τὴν καρδίαν αὐ. πιστήν (1 a)
13. 13. πιστοὶ ἐλογίσθησαν (1 a)
To. 5. 3. S ζήτησον σεαυτῷ ἄνθρωπον π. [A B om.]
— 8. καὶ εἰ πιστός
10. 6. S καὶ ὁ ἄνθρ. . . . π. ἐστιν
Jb. 12. 20. διαλλάσσων χείλη πιστῶν (1 a)
17. 9. A B S² σχοίη δὲ πιστὸς τὴν ἑαυτοῦ ὁδόν (3)
Ps. 18 (19). 7. ἡ μαρτυρία κυρίου πιστή (1 a)
88 (89). 28. ἡ διαθήκη μου πιστὴ αὐτῷ (1 a)
— 37. καὶ ὁ μάρτυς ἐν οὐρανῷ πιστός (1 a)
100 (101). 6. οἱ ὀφθαλμοί μου ἐπὶ τοὺς π. τῆς γῆς (1 a)
110 (111). 7. πισταὶ πᾶσαι αἱ ἐντολαὶ αὐτοῦ (1 a)
144 (145). 13. πιστὸς κύριος ἐν τοῖς λόγοις αὐτοῦ –
Pr. 2. 12. ἀπὸ ἀνδρὸς λαλοῦντος μηδὲν πιστόν (4)
11. 13. πιστὸς δὲ πνοῇ κρύπτει πράγματα (1 a)
— 21. λήψεται μισθὸν πιστόν [A -ῶν] †
13. 17. S¹ ἄγγελος δὲ πιστὸς [A B S² σοφὸς] ῥύσεται αὐτόν (1 c)
14. 5. μάρτυς πιστὸς οὐ ψεύδεται (1 c)
— 25. ῥύσεται ἐκ κακῶν ψυχὴν μάρτυς π. (1 d)
17. 6 (A 4). τοῦ π. ὅλος ὁ κόσμος τῶν χρημάτων –
— 7. οὐχ ἁρμόσει ἄφρονι χείλη πιστά [S om.] (2 ?)
20. 6. ἄνδρα δὲ πιστὸν ἔργον εὑρεῖν (1 c)
25. 13. οὕτως ἄγγελος πιστὸς τοὺς ἀποστείλαντας αὐτόν (1 a)
Wi. 3. 9. οἱ π. ἐν ἀγάπῃ προσμενοῦσιν αὐτῷ
Si. 1. 14. μετὰ πιστῶν ἐν μήτρᾳ συνεκτίσθη αὐτοῖς
— 23. χείλη πιστῶν [A S πολλῶν] ἐκδιηγήσεται σύνεσιν αὐτοῦ
6. 14. φίλος πιστὸς σκέπη κραταιά
— 15. φίλου πιστοῦ οὐκ ἔστιν ἀντάλλαγμα
— 16. φίλος πιστὸς φάρμακον ζωῆς
22. 23. S¹ πιστὸν [A B S² -ιν] κτῆσαι ἐν πτωχείᾳ
31 (34). 8. σοφία στόματι πιστῷ τελείωσις
34 (31). 23. μαρτυρία τῆς καλλονῆς αὐ. πιστή
36 (33). 3. ὁ νόμος αὐτῷ πιστός
37. 13. οὐ γάρ ἐστί σοι πιστότερος αὐτῆς
— 22. οἱ καρποὶ τῆς συνέσεως αὐτοῦ ἐπὶ στόματος [S -τι] πιστοί
— 23. οἱ καρποὶ τῆς συνέσεως αὐτοῦ πιστοί
44. 20. ἐν πειρασμῷ εὑρέθη πιστός
46. 15. ἐγνώσθη ἐν πίστει [A S ῥήμασιν] αὐτοῦ πιστὸς ὁράσεως
48. 22. Ἡσαΐας ὁ προφήτης ὁ μέγας καὶ πιστὸς ἐν ὁράσει αὐτοῦ
Ho. 5. 9. ἐν ταῖς φυλαῖς τοῦ Ἰσρ. ἔδειξα πιστά (1 a)
Is. 1. 21. πῶς ἐγένετο πόρνη πόλις πιστὴ Σιών (1 a)
— 26. κληθήσῃ . . . μητρόπολις π. Σιών (1 a)

Is. 8. 2. μάρτυράς μοι ποίησον π. ἀνθρώπους (1 a)
22. 23. στήσω αὐτὸν ἄρχοντα ἐν τόπῳ πιστῷ (1 a)
— 25. ὁ ἄνθρωπος ὁ ἐστηριγμένος ἐν τόπῳ π. (1 a)
33. 16. τὸ ὕδωρ αὐτοῦ πιστόν (1 a)
49. 7. π. ἐστιν ὁ ἅγιος Ἰσραήλ (1 a)
55. 3. διαθήσομαι ὑμῖν διαθήκην αἰώνιον τὰ ὅσια Δαυὶδ τὰ π. (1 a)
Je. 49 (42). 5. εἰς μάρτυρα δίκαιον καὶ πιστόν (1 a)
Da. LXX. 2. 45. καὶ π. ἡ τούτου κρίσις (1 e)
Da. TH. 2. 45. καὶ π. ἡ σύγκρισις αὐ. (1 e)
6. 4 (5). ὅτι πιστὸς ἦν (1 e)
I Ma. 2. 52. Ἀβρ. οὐχὶ ἐν πειρασμῷ εὑρέθη πιστός
3. 13. ἤθροισεν Ἰ. . . . ἐκκλησίαν πιστῶν
7. 8. ἐπέλεξεν ὁ βασ. τὸν Β. . . . πιστὸν τῷ βασ.
14. 41. ἕως τοῦ ἀναστῆναι προφήτην π.
— 48. A ἐν τόπῳ π. [S R ἐπισήμῳ]
II Ma. 1. 2. τῆς πρὸς Ἀ. καὶ Ἰσ. καὶ Ἰ. τῶν δούλων αὐ. τῶν π.
III Ma. 1. 9. A θύσας τῷ π. [R μεγίστῳ] θεῷ
2. 11. πιστὸς εἶ καὶ ἀληθινός
IV Ma. 7. 15. ὃν πιστὴ θανάτου σφραγὶς ἐτελείωσεν
[Aq. Ps. 11 (12). 2 : 30 (31). 24.]
[Th. Pr. 13. 17.]
[Al. II Ki. 20. 19.]

πιστοῦν. (1) אָמַן ni. (2) אָמַר (3) עָמַד hi. (4) קוּם hi.

II Ki. 7. 16. πιστωθήσεται ὁ οἶκος αὐτοῦ (1)
— 25. ῥῆμα . . . πίστωσον ἕως τοῦ αἰῶνος (4)
III Ki. 1. 36. πιστώσαι κ. ὁ θ. τοῦ κυρίου μου (2)
8. 26. πιστωθήτω [A -θῇ] δὴ τὸ ῥῆμά σου (1)
I Ch. 17. 14. καὶ πιστώσω αὐτόν (3)
— 23. ὁ λόγος σου . . . πιστωθήτω (1)
— 24. R πιστωθήτω . . . τὸ ὄνομά σου (1)
II Ch. 1. 9. πιστωθήτω τὸ ὄνομά σου (1)
6. 17. πιστωθήτω δὴ τὸ ῥῆμά σου (1)
Ps. 77 (78). 8. οὐκ ἐπιστώθη . . . τὸ πνεῦμα αὐ. (1)
— 37. οὐδὲ ἐπιστώθησαν ἐν τῇ διαθήκῃ αὐτοῦ (1)
92 (93). 5. τὰ μαρτύριά σου ἐπιστώθησαν (1)
Si. 27. 17. στέρξον φίλον καὶ πιστώθητι μετ' αὐτοῦ
29. 3. στερέωσον λόγον καὶ πιστώθητι μετ' αὐτοῦ
II Ma. 7. 24. ἀλλὰ καὶ δι' ὅρκων ἐπίστου
12. 25. πιστώσαντος δὲ αὐτοῦ
III Ma. 4. 20. A σαφῶς αὐτὸν περὶ τούτου πιστωθῆναι [R πεισθ.]

πιστῶς.

IV Ki. 16. 2. οὐκ ἐποίησε τὸ εὐθὲς . . . π. –

πίστωσις.

[Al. Le. 6. 2 (5. 21).]

πίτυρον.

Ep. Je. 43. ἐγκάθηνται θυμιῶσαι τὰ π.

πίτυς. (1) אֹרֶן (2) בְּרוֹשׁ

Za. 11. 2. ὀλολυξάτω πίτυς (2)
Is. 44. 14. R ἔκοψε ξύλον . . . πίτυν [A B S om.] (1)
Ez. 31. 8. αἱ [A om.] π. οὐχ ὅμοιαι [A -οι] ταῖς παραφυάσιν αὐτοῦ (2)
[Aq., Th. Is. 44. 14 (Sw.).]
[Sm. Is. 14. 8 : 44. 14 (Sw.).]

πίων. (1) בָּשָׁן (2) דָּשֵׁן (3) נָעֵם (4) רַעֲנָן (5) a. שָׁמֵן b. מִשְׁמָן c. שָׁמָן

Ge. 46. 29. B¹ R ἔκλαυσε κλαυθμῷ π. [A B² πλείονι] †
49. 15. ἰδὼν . . . τὴν γῆν ὅτι πίων (3)
— 20. π. αὐτοῦ ὁ ἄρτος (5 a)
Nu. 13. 21 (20). ἢ πίων ἢ παρειμένη (5 a)
I Ch. 4. 40. B¹ εὗρον νομὰς πίονας [A B² R πλείονας] (5 a)
Ps. 21 (22). 12. ταῦροι πίονες περιέσχον με (1 ?)
— 29. προσεκύνησαν πάντες οἱ π. τῆς γῆς (2)
67 (68). 15. ὄρος τοῦ θεοῦ ὄρος πῖον ὄρος τετυρωμένον ὄρος πῖον (1 ?, 1 ?)
77 (78). 31. R ἀπέκτεινεν ἐν τοῖς π. [B S πλείοσιν] αὐτῶν (5 b)
91 (92). 10. A B² S καὶ τὸ γῆράς μου ἐν ἐλαίῳ [B¹ R ἐλέῳ] πίονι (4)
— 14. πληθυνθήσονται ἐν γήρει πίονι (2)
Mi. 6. 7. ἢ ἐν μυριάσι χιμάρων [A ἀρνῶν] π. (5 c)
Is. 5. 1. ἐν κέρατι ἐν τόπῳ πίονι (5 c)
17. 4. τὰ π. [A² S πλείονα] τῆς δόξης αὐ. σεισθήσεται (5 b)
30. 23. βοσκηθήσεταί σου τὰ κτήνη . . . τόπον πίονα –
Ez. 34. 14. A² B ἐν νομῇ πίονι βοσκηθήσονται (5 a)
Da. LXX. 3. (40). ὡς ἐν μυριάσιν ἀρνῶν πιόνων
Da. TH. 3. (40). ὡς . . . ἐν μυριάσιν ἀρνῶν πιόνων
11. 24. ἐν π. [A πλείοσιν] χώραις ἥξει (5 b)
[Aq. Ps. 91 (92). 15 : Is. 30. 23.]
[Sm. Je. 8. 17 : Ps. 19 (20). 4 : 91 (92). 15 : Is. 30. 23.]
[Th. Le. 2. 14 bis : Je. 8. 17 (P.) : Ps. 77 (78). 31 : 91 (92). 15 : Is. 19. 10 (Sw.) : 28. 1 : 30. 23 : Ez. 34. 16.]
[Quint. Ps. 77 (78). 31.]

πλαγιάζειν. (1) נָטָה hi. (2) תָּפַשׂ

Is. 29. 21. ἐπλαγίασαν ἐπ' [A S ἐν] ἀδίκοις δίκαιον (1)
Ez. 14. 5. ὅπως πλαγιάσῃ [A μὴ διαστρέψωσιν] τὸν οἶκον τοῦ Ἰσραήλ (2)

πλάγιος. (1) יָרֵךְ (2) עֻמָּה (3) צַד (4) a. קְרִי b. בִּקְרִי (5) תְּוֵךְ (6) θυμὸς πλ. קְרִי

Ge. 6. 16. τὴν δὲ θύραν . . . ποιήσεις ἐκ πλαγίων (3)
Ex. 25. 31 (32). ἐκπορευόμενοι ἐκ πλαγίων (3)
26. 13. συγκαλύπτον ἐπὶ τὰ πλ. τῆς σκηνῆς (3)
Le. 1. 11. ἐκ πλαγίων τοῦ θυσιαστηρίου (1)
26. 21. ἐὰν μετὰ ταῦτα πορεύησθε πλάγιοι (4 a)
— 23. ἀλλὰ πορεύησθε πρὸς μὲ πλάγιοι (4 a)
— 24. πορεύσομαι κἀγὼ . . . θυμῷ πλ. (6)
— 27. καὶ πορεύησθε πρὸς μὲ πλάγιοι (4 b)
— 28. πορεύσομαι μεθ' ὑ. ἐν θυμῷ πλ. (4 a)
— 40. ἐπορεύθησαν ἐναντίον μου πλάγιοι (4 b)
— 41. ἐπορεύθην μετ' αὐτῶν ἐν θυμῷ πλ. (6)
Nu. 3. 29, 35. ἐκ πλαγίων τῆς σκηνῆς (1)
De. 31. 26. ἐκ πλαγίων τῆς κιβωτοῦ (3)
Ru. 2. 14. ἐκ πλαγίων τῶν θεριζόντων (3)
I Ki. 20. 25. ἐκάθισεν . . . ἐκ πλαγίων Σ. (3)
II Ki. 2. 16. A εἰς πλάγιον [B πλευρὰν] τοῦ πλησίον αὐ. (3)
3. 27. ἐκ πλαγίων τῆς πύλης (5)
16. 13. λιθάζων . . . ἐκ πλαγίων αὐτοῦ (2)
Da. TH. Su. 18. ἐξῆλθαν κατὰ τὰς πλαγίας [A -ους] θύρας
— 26. εἰσεπήδησαν διὰ τῆς πλαγίας θύρας
[Aq. I Ki. 25. 29 : Ps. 90 (91). 7 : Is. 60. 4.]
[Sm. I Ki. 6. 8 : Ps. 90 (91). 7.]
[Th. Da. 6. 4†.]
[Al. Le. 6. 10 (3) : I Ki. 6. 8 : II Ki. 2. 16.]

πλαδαροῦσθαι.

[Aq. Is. 19. 3.]

πλακωτή.

[Sm. Je. 48 (31). 5.]

πλανᾶν. (1) אָשַׁר pu. (2) בּוּךְ ni. (3) כָּשַׁל ni. (4) מָעַל (5) נָדַח ni. (6) נָטָה hi. (7) a. סוּר b. סָרָה (8) פָּזַר (9) פָּנָה (10) a. פָּשַׁע b. פֶּשַׁע (11) פָּתָה a. qal. b. pi. c. pu. (12) שָׁגָה a. qal. b. hi. (13) שָׁלָה hi. (14) שָׁלַח pu. (15) תָּלַל a. hi. b. hoph. (16) תָּעָה a. qal. b. ni. c. hi. (17) טָעָה hi.

Ge. 21. 14. A ἐπλανᾶτο [R add. κατὰ] τὴν ἔρημον (16 a)
37. 15. εὗρεν αὐτὸν ἄνθρωπος πλανώμενον (16 a)
Ex. 14. 3. πλανῶνται οὗτοι ἐν τῇ γῇ (2)
23. 4. τῷ βοῖ . . . ἢ τῷ ὑποζυγίῳ αὐτοῦ πλανωμένοις (16 a)
De. 4. 19. μὴ . . . πλανηθεὶς προσκυνήσῃς αὐτοῖς (5)
11. 28. καὶ πλανηθῆτε ἀπὸ τῆς ὁδοῦ (7 a)
13. 5 (6). ἐλάλησε γὰρ πλανῆσαί σε (7 b)
22. 1. πλανώμενα ἐν τῇ ὁδῷ (5)
27. 18. ὁ πλανῶν τυφλόν (12 b)
30. 17. καὶ πλανηθεὶς προσκυνήσῃς θεοῖς ἑτ. (5)
Jd. 16. 10, 13, 15. ἐπλάνησάς [A παρελογίσω] με (15 a)
IV Ki. 4. 28. οὐ πλανήσεις μετ' ἐμοῦ (13)
21. 9. ἐπλάνησεν αὐτοὺς Μανασσῆς (16 c)
II Ch. 33. 9. ἐπλάνησε Μαν. τὸν Ἰούδαν (16 c)
I Es. 3. 18. πάντας τοὺς ἀνθρ. . . . πλανᾷ
II Es. 9. 11. S¹ ὧν ἐπλάνησαν [A B ἔπλησαν] αὐτήν †
To. 5. 13. καὶ οὐκ ἐπλανήθησαν
10. 7. μὴ πλάνα με
To. 14. 6. S τοὺς πλανῶντας ψευδῆ τὴν πλάνησιν αὐ.
Jb. 2. 9. κἀγὼ πλανωμένη [A S² πλανῆτις] καὶ λάτρις –
5. 2. πεπλανημένον δὲ θανατοῖ ζῆλος (11 a)
6. 24. εἴ τι πεπλάνημαι φράσατέ μοι (12 a)
12. 23. A B² S R πλανῶν ἔθνη καὶ ἀπολλύων αὐτά †
— 24. ἐπλάνησε δὲ αὐτούς (16 c)
— 25. πλανηθείησαν δὲ ὥσπερ ὁ μεθύων (16 c)
19. 4. καὶ δὴ ἐπ' ἀληθείας ἐγὼ ἐπλανήθην (12 a)
— 4. τὰ δὲ ῥήματά μου πλανᾶται –
38. 41. πρὸς κύριον κεκράγασι πλανώμενοι (16 a)
Ps. 57 (58). 3. ἐπλανήθησαν ἀπὸ γαστρός (16 a)
94 (95). 10. ἀεὶ πλανῶνται τῇ καρδίᾳ (16 a)
106 (107). 4. ἐπλανήθησαν ἐν τῇ ἐρήμῳ (16 a)
— 40. ἐπλάνησεν αὐτοὺς ἐν ἀβάτῳ (16 c)
118 (119). 110. ἐκ τῶν ἐντολῶν σου οὐκ ἐπλανήθην (16 a)
— 176. ἐπλανήθην ὡς πρόβατον ἀπολωλός (16 a)
Pr. 1. 10. μή σε πλανήσωσιν ἄνδρες ἀσεβεῖς (11 b)
7. 25. A S² μὴ πλανηθῇς ἐν ἀτραποῖς αὐτῆς (16 a)
9. 12. τοὺς δὲ ἄξονας τοῦ ἰδίου γεωργίου πεπλάνηται –
10. 17. παιδεία δὲ ἀνεξέλεγκτος πλανᾶται (16 c)
12. 26. ἡ δὲ ὁδὸς τῶν ἀσεβῶν πλανήσει αὐτούς (16 c)
13. 9. ψυχαὶ δόλιαι πλανῶνται ἐν ἁμαρτίαις –
14. 22. πλανώμενοι τεκταίνουσι κακά (16 a)
16. 10. οὐ μὴ πλανηθῇ τὸ στόμα αὐτοῦ (4)
21. 16. ἀνὴρ πλανώμενος ἐξ ὁδοῦ δικαιοσύνης (16 a)
28. 10. ὃς πλανᾷ εὐθεῖς ἐν ὁδῷ κακῇ (12 b)
29. 15. παῖς δὲ πλανώμενος αἰσχύνει γονεῖς (14)
Ec. 7. 27 (26). S² καὶ εὐφροσύνην πλανᾶς –
Wi. 2. 21. καὶ ἐπλανήθησαν
5. 6. ἄρα ἐπλανήθημεν ἀπὸ ὁδοῦ ἀληθείας
11. 15. ἐν οἷς πλανηθέντες ἐθρήσκευον ἄλογα ἑρπετά
12. 24. τῶν πλάνης ὁδῶν μακρότερον ἐπλανήθησαν
13. 6. αὐτοὶ τάχα πλανῶνται θεὸν ζητοῦντες
14. 22. οὐκ ἤρκεσε τὸ [A αὐτοῖς τό, S om.] πλανᾶσθαι περὶ τὴν τοῦ θεοῦ γνῶσιν
15. 4. οὔτε γὰρ ἐπλάνησεν ἡμᾶς ἀνθρώπων . . . ἐπίνοια
17. 1. ἀπαίδευτοι ψυχαὶ ἐπλανήθησαν
Si. 3. 24. πολλοὺς γὰρ ἐπλάνησεν ἡ ὑπόληψις αὐτῶν
9. 7. ἐν ταῖς ἐρήμοις [S¹ ῥύμαις] αὐτῆς μὴ πλανῶ
— 8. ἐν κάλλει γυναικὸς πολλοὶ ἐπλανήθησαν
15. 12. μὴ εἴπῃς ὅτι [S om.] αὐτός με ἐπλάνησεν
16. 23. ἀνὴρ ἄφρων καὶ πλανώμενος διανοεῖται μωρά
29. 18. ἐπλανήθησαν ἐν ἔθνεσιν ἀλλοτρίοις
31 (34). 7. πολλοὺς ἐπλάνησε τὰ ἐνύπνια
— 9. A¹ S ἀνὴρ πεπλανημένος [A² B πεπαιδευμένος] ἔγνω πολλά
— 10. ὁ δὲ πεπλανημένος πληθυνεῖ πανουργίαν
36. 30 (27). οὗ οὐκ ἔστι γυνὴ στενάξει πλανώμενος
51. 13. ἔτι ὢν νεώτερος πρὶν ἢ πλανηθῆναί με
Ho. 2. 14 (16). ἰδοὺ ἐγὼ πλανῶ αὐτήν (11 b)
4. 12. πνεύματι πορνείας ἐπλανήθησαν (16 c)
8. 6. πλανῶν ἦν ὁ μόσχος σου †
Am. 2. 4. ἐπλάνησεν αὐτοὺς τὰ μάταια αὐ. (16 c)
Mi. 3. 5. ἐπὶ τοὺς προφήτας τοὺς πλανῶντας τὸν λαόν μου (16 c)
Is. 3. 12. οἱ μακαρίζοντες ὑμᾶς πλανῶσιν ὑμᾶς (16 c)
9. 16 (15). ἔσονται οἱ μακαρίζοντες τὸν λαὸν τ. πλανῶντες καὶ πλανῶσιν (16 c, 1 ?)
13. 14. ὡς πρόβατον πλανώμενον –
16. 8. πλανήθητε [S ἐπλ.] τὴν ἔρημον (16 a)
17. 11. τῇ ἡμέρᾳ ᾗ ἂν φυτεύσῃς πλανηθήσῃ †
19. 13. πλανήσουσιν Αἴγυπτον κατὰ φυλάς (16 c)
— 14. ἐπλάνησαν [S -εν] Αἴγυπτον . . . ὡς πλανᾶται ὁ μεθύων (16 c, 16 b)
21. 4. ἡ καρδία μου πλανᾶται (16 a)
— 15. διὰ τὸ πλῆθος τῶν πλανωμένων –
22. 5. ἐν φάραγγι Σιὼν πλανῶνται ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου πλανῶνται ἐπὶ τὰ ὄρη †, †
28. 7. A B³ S οὗτοι γὰρ οἴνῳ πεπλανημένοι [B¹ R πεπλημμελημένοι] εἰσὶν ἐπλανήθησαν διὰ τὸ σίκερα . . . ἐπλανήθησαν (12 a, 16 a, 12 a)
29. 24. A S R γνώσονται οἱ [B om.] πλανώμενοι τῷ πνεύματι σύνεσιν (16 a)
30. 20. οὐκέτι μὴ ἐγγίσωσί σοι οἱ πλανῶντές σε †
— 20. οἱ ὀφθαλμοί σου ὄψονται τοὺς πλανῶντάς σε †
— 21. τοὺς λόγους τῶν ὀπίσω σε πλανησάντων †
35. 8. οὐ μὴ πλανηθῶσι (16 a)
41. 10. μὴ πλανῶ ἐγὼ γάρ εἰμι ὁ θεός σου †
— 29. μάτην οἱ πλανῶντες ὑμᾶς †
44. 8. B μηδὲ πλανᾶσθε †
— 20. καὶ πλανῶνται (15 b + 6 ?)

Is. 46. 5. τεχνάσασθε, οἱ πλανώμενοι †
— 8. μετανοήσατε, οἱ πεπλανημένοι (10 *a*)
47. 15. ἄνθρωπος καθ' ἑαυτὸν ἐπλανήθη (16 *a*)
53. 6. ὡς πρόβατα ἐπλανήθημεν ἄνθρωπος τῇ ὁδῷ αὐ. ἐπλανήθη (16 *a*, 9)
63. 17. τί ἐπλάνησας ἡμᾶς (16 *c*)
64. 5 (4). διὰ τοῦτο ἐπλανήθημεν †
Je. 23. 13. ἐπλάνησαν τὸν λαόν μου Ἰσραήλ (16 *c*)
— 32. ἐπλάνησαν τὸν λαόν μου (16 *c*)
27 (50). 17. πρόβατον πλανώμενον Ἰσραήλ (8)
38 (31). 9. οὐ μὴ πλανηθῶσιν ἐν αὐτῇ (3)
Ba. 4. 28. ἐγένετο ἡ διάνοια ὑμῶν εἰς τὸ πλανηθῆναι ἀπὸ τοῦ θεοῦ
Ez. 8. 17. B[1] ἐπλάνησαν [A B[2] R ἔπλησαν] τὴν γῆν ἀνομίας †
13. 10. ἐπλάνησαν τὸν λαόν μου (17)
14. 9. ὁ προφήτης ἐὰν πλανήσῃ [A -νηθῇ] . . . ἐγὼ κύριος πεπλάνηκα [A ἐπλάνησα] τὸν προφήτην ἐκεῖνον (11 *c*, 11 *b*)
— 11. ὅπως μὴ πλανᾶται ἔτι ὁ οἶκος τοῦ Ἰ. (16 *a*)
33. 12. ἐν ᾗ ἂν ἡμέρᾳ πλανηθῇ (10 *b*)
34. 4. τὸ πλανώμενον οὐκ ἀπεστρέψατε [A ἐπ.] (5)
— 16. τὸ πλανώμενον [A πεπλανημ.] ἀποστρέψω [A B[1] ἐπιστρ.] (5)
44. 10. A ἐν τῷ πλανᾶσθαι τὸν Ἰσραὴλ οἱ ἐπλανήθησαν ἀπ' ἐμοῦ [B *al.*] (16 *a*, 16 *a*)
— 13. ἐν τῇ πλανήσει ᾗ ἐπλανήθησαν †
— 15. ἐν τῷ πλανᾶσθαι οἶκον Ἰσραὴλ ἀπ' ἐμοῦ (16 *a*)
48. 11. οὐκ ἐπλανήθησαν . . . ὃν τρόπον ἐπλανήθησαν οἱ Λ. (16 *a*, 16 *a*)
Da. LXX. 6. 22 (23). σὺ δὲ ἤκουσας ἀνθρώπων πλανώντων βασιλεῖς –
Da. TH. Bel 7. μὴ πλανῶ
II Ma. 6. 25. καὶ αὐτοὶ . . . πλανηθῶσι δι' ἐμέ
7. 18. R μὴ πλανῶ μάτην [A μᾶλλον]
III Ma. 4. 16. R πεπλανημένῃ [A -πληρωμ.] πόρρω τῆς ἀληθείας φρενί
[Aq. Jb. 12. 23: Ps. 106 (107). 40: Pr. 14. 22: Ec. 7. 8 (7): Is. 19. 13: 30. 28: 35. 8: 47. 15: Je. 50 (27). 6: Ez. 44. 10 (Sw.).]
[Sm. Ps. 106 (107). 40: Pr. 5. 23: Is. 19. 13: 28. 1: 29. 24: 35. 8: 47. 15: Je. 50 (27). 6.]
[Th. Jb. 12. 23: Ps. 31 (32). 3: 118 (119). 118: Pr. 7. 25: 14. 22: Is. 19. 13: 30. 28: 35. 8: 44. 8: 47. 15: Ez. 44. 10 (Sw.): Da. 7. 25†: Ho. 8. 6.]
[Al. Jb. 12. 25: Pr. 19. 23.]
[Quint. Ps. 118 (119). 118.]

πλάνη. (1) כִּרְמָה (2) פֶּשַׁע (3) שְׁרִירוּת
To. 5. 13. οὐκ ἐπλανήθησαν ἐν τῇ πλ. [A τὴν πλ.] τῶν ἀδ. ἡμῶν [S *al.*]
Pr. 14. 8. ἄνοια δὲ ἀφρόνων ἐν πλάνῃ (1)
Wi. 1. 12. μὴ ζηλοῦτε θάνατον ἐν πλάνῃ ζωῆς ὑμῶν
12. 24. τῶν πλάνης ὁδῶν μακρότερον ἐπλανήθησαν
Je. 23. 17. παντὶ τῷ πορευομ. πλάνῃ καρδίας αὐ. (3)
Ez. 33. 10. αἱ πλ. ἡμῶν . . . ἐφ' ἡμῖν εἰσι (2)
[Aq. Ec. 1. 17: 2. 12: 7. 26 (25): 9. 3.]
[Sm. Ec. 2. 12: Is. 30. 10.]
[Th. Ec. 2. 12.]
[Sext. Ps. 126 (127). 2.]

πλάνησις. (1) מְבוּכָה (2) מַהֲתַלּוֹת (3) עִוְעִים (4) תַּעֲתֶה *a.* qal. *b.* hi. *c.* תּוֹעֶה
To. 14. 6. S τοὺς πλανῶντας ψευδῆ τὴν πλ. αὐ.
Is. 19. 14. ἐκέρασεν αὐτοῖς πνεῦμα πλανήσεως (3)
22. 5. πλ. [S[1] *om.*, S[2] -σεως] παρὰ κυρίου σαβαώθ (1)
30. 10. ἀναγγέλλετε ἡμῖν ἑτέραν πλάνησιν (2)
— 28. τοῦ ταράξαι ἔθνη ἐπὶ πλ. ματαίᾳ καὶ διώξεται αὐτοὺς πλ. [A S[2] *add.* ματαίᾳ] (†, 4 *b*)
32. 6. καὶ λαλεῖν πρὸς κύριον πλάνησιν (4 *c*)
Je. 4. 11. πνεῦμα πλανήσεως ἐν τῇ ἐρήμῳ †
Ez. 44. 13. λήψονται ἀτιμίαν αὐτῶν ἐν τῇ πλ. †
48. 11. οὐκ ἐπλανήθησαν ἐν τῇ πλ. υἱῶν Ἰσραήλ (4 *a*)
[Aq. Ec. 2. 2.]

πλανητεύειν.
[Al. Le. 16. 21.]

πλανήτης. (1) נָדַד
Ho. 9. 17. ἔσονται [A *add.* ὡς] πλανῆται ἐν τοῖς ἔθνεσιν

πλανῆτις.
Jb. 2. 9. A S[2] κἀγὼ πλανῆτις [B S[1] πλανωμένη] καὶ λάτρις –

πλάνος. (1) מְשֻׁגָּנָה
Jb. 19. 4. παρ' ἐμοὶ δὲ αὐλίζεται πλάνος (1)
Je. 23. 32. ἐπλάνησαν τὸν λαόν μου . . . ἐν τοῖς πλ. αὐτῶν †

πλάξ. (1) לוּחַ
Ex. 31. 18. ἔδωκε . . . τὰς δύο πλ. τοῦ μαρτ. πλάκας λιθίνας (1, 1)
32. 15. αἱ δύο πλ. τοῦ μαρτ. ἐν ταῖς χ. αὐτοῦ πλ. λίθιναι (1, 1)
— 16. αἱ πλ. ἔργον θεοῦ ἦσαν (1)
— 16. γραφὴ . . . κεκολαμμένη ἐν ταῖς πλ. (1)
— 19. ἔρριψεν . . . τὰς δύο πλ. (1)
34. 1. λάξευσον σεαυτῷ δύο πλάκας (1)
— 1. γράψω ἐπὶ τῶν πλ. τὰ ῥήματα ἃ ἦν ἐν [A ἐπὶ] ταῖς πλ. ταῖς πρώταις (1, 1)
— 4. ἐλάξευσε δύο πλ. λιθίνας (1)
— 4. ἔλαβε M. τὰς δύο πλ. τὰς λιθ. (1)
— 28. ἔγραψεν ἐπὶ τῶν [A *add.* δύο] πλ. (1)
— 29. αἱ δύο πλ. ἐπὶ τῶν χειρῶν M. (1)
De. 4. 13: 5. 22 (19). ἔγραψεν αὐτὰ ἐπὶ δύο πλ. λιθίνας (1)
9. 9. λαβεῖν τὰς πλ. τὰς λιθίνας πλάκας διαθήκης (1, 1)
— 10. ἔδωκε μοι κ. τὰς δύο πλ. (1)
— 11. ἔδωκε κ. ἐμοὶ τὰς δύο πλ. τὰς λιθίνας πλάκας διαθήκης (1, 1)
— 15. καὶ αἱ δύο πλ. (1)
— 17. ἐπιλαβόμενος τῶν δύο πλ. (1)
10. 1. λάξευσον σεαυτῷ δύο πλ. λιθίνας (1)
— 2. γράψεις ἐπὶ τὰς πλ. τὰ ῥήμ. ἃ ἦν ἐν ταῖς πλ. ταῖς πρώταις (1, 1)
— 3. ἐλάξευσα τὰς πλ. λιθίνας (1)
— 3. αἱ δύο πλ. ἐπὶ ταῖς χερσί μου (1)
— 4. ἔγραψεν ἐπὶ τὰς πλ. (1)
— 5. ἐνέβαλον τὰς πλ. εἰς τὴν κιβωτόν (1)
III Ki. 8. 9. πλὴν δύο πλάκες λίθιναι πλάκες τῆς διαθήκης (1, –)
II Ch. 5. 10. οὐκ ἦν . . . πλὴν δύο πλάκες (1)
[Aq., Sm. Ex. 24. 12.]
[Th. Ex. 24. 12: Pr. 3. 3.]

πλάσμα. (1) דֶּרֶךְ (2) יֵצֶר
Ju. 8. 29. ἀγαθόν ἐστι τὸ πλ. τῆς καρδίας σου
Jb. 40. 14 (19). ἀρχὴ πλάσματος κυρίου (1)
Ps. 102 (103). 14. αὐτὸς ἔγνω τὸ πλ. ἡμῶν (2)
Hb. 2. 18. πέποιθεν ὁ πλάσας ἐπὶ τὸ πλ. αὐ. (2)
Is. 29. 16. μὴ ἐρεῖ τὸ πλ. τῷ πλάσαντι αὐτό (2)
45. 9. B S[1] μὴ ἀποκριθήσεται τὸ πλ. –
[Aq., Sm. Dt. 31. 21: Is. 26. 3.]
[Hebr. Ge. 8. 21.]

πλάσσειν. (1) בָּרָא (2) חוּל pil. (3) יָצַר *a.* qal. *b.* pu. (4) כּוּן pil. (5) נָצַר (6) עָצַב pi. (7) עָשָׂה (8) צוּר
Ge. 2. 7. ἔπλασεν ὁ θ. τὸν ἄνθρωπον (3 *a*)
— 8. τὸν ἄνθρ. ὃν ἔπλασε (3 *a*)
— 15. τὸν ἄνθρ. ὃν ἔπλασε –
— 19. ἔπλασεν ὁ θ. . . . πάντα τὰ θηρία (3 *a*)
Ex. 32. 4. ἔπλασεν αὐτὰ ἐν τῇ γραφίδι (8)
De. 32. 6. R καὶ ἔπλασέ [A ἔκτισέν] σε (4)
III Ki. 12. 33. ᾗ ἐπλάσατο ἀπὸ καρδίας αὐτοῦ (1)
IV Ki. 19. 25. ἔπλασα αὐτήν (3 *a*)
Es. 1. 7. S[1] κύκλῳ ῥόδα πεπλασμένα [A B S[2] πεπασ.] –
Jb. 10. 8. αἱ χεῖρές σου ἔπλασάν με [A S σου . . . ἔπλ. με] (6 [7])
— 9. μνήσθητι ὅτι πηλόν με ἔπλασας (7)
34. 15. εἰς γῆν ἀπελεύσεται ὅθεν καὶ ἐπλάσθη –
38. 14. ἢ σὺ λαβὼν γῆν πηλὸν ἔπλασας ζῷον †
Ps. 32 (33). 15. ὁ πλάσας κατὰ μόνας τὰς καρδίας αὐτῶν (3 *a*)
73 (74). 17. S[2] ἔαρ σὺ ἔπλασας [B S[1] ἐποίησας] (3 *a*)
89 (90). 2. πρὸ τοῦ . . . πλασθῆναι τὴν γῆν (2)
93 (94). 9. ἢ ὁ πλάσας τὸν ὀφθαλμόν (3 *a*)
— 20. ὁ πλάσσων κόπον (3 *a*)
94 (95). 5. τὴν ξηρὰν αἱ χεῖρες αὐτοῦ ἔπλασαν (3 *a*)
103 (104). 26. δράκων οὗτος ὃν ἔπλασας (3 *a*)
118 (119). 73. αἱ χεῖρές σου ἐποίησάν με καὶ ἔπλασάν με [S[1] ἔπλ. με καὶ ἡτοίμασάν με] (4 [7])
138 (139). 5. σὺ ἔπλασάς με (8)
— 16. ἡμέρας πλασθήσονται (3 *b*)
Pr. 8. 25. S καὶ πλασθῆναι τὴν γῆν –
24. 12. ὁ πλάσας πνοὴν πᾶσιν (5)
Wi. 15. 7. ἐπίμοχθον πλάσσει . . . ἕκαστον
Wi. 15. 8. θεὸν μάταιον ἐκ τοῦ αὐτοῦ πλάσσει πηλοῦ
— 9. δόξαν ἡγεῖται ὅτι κίβδηλα πλάσσει
— 11. ἡγνόησε τὸν πλάσαντα [A ποιήσαντα] αὐτόν
— 16. τὸ πνεῦμα δεδανεισμένος ἔπλασεν αὐτούς
— 16. οὐδεὶς γὰρ αὐτῷ ὅμοιον ἄνθρωπος ἰσχύει πλάσαι θεόν [A S *al.*]
Hb. 1. 12. ἔπλασέ με τοῦ ἐλέγχειν παιδείαν αὐ. †
2. 18. ἔπλασεν αὐτὸ [S[3] -αν τὸ] χώνευμα (3 *a*)
— 18. πέποιθεν ὁ πλάσας ἐπὶ τὸ πλάσμα αὐ. (3 *a*)
Za. 12. 1. καὶ πλάσσων πνεῦμα ἀνθρώπου (3 *a*)
Is. 27. 11. ὁ πλάσας αὐτοὺς οὐ μὴ ἐλεήσῃ (3 *a*)
29. 16. μὴ ἐρεῖ τὸ πλάσμα τῷ πλάσαντι αὐτὸ [A S *om.*], Οὐ σύ με ἔπλασας (3 *a*, †)
43. 1. λέγει κύριος . . . ὁ πλάσας σε, Ἰσραήλ (3 *a*)
— 7. ἔπλασα αὐτὸν καὶ ἐποίησα αὐτόν (3 *a*)
44. 2. οὕτω λέγει κύριος . . . ὁ πλάσας σε (3 *a*)
— 9. οὐκ ἤκουσαν [A S ἦσαν] τότε οἱ πλάσσοντες (3 *a*)
— 10. αἰσχυνθήσονται οἱ πλάσσοντες θεόν (3 *a*)
— 21. ἔπλασά σε παῖδά μου (3 *a*)
— 24. ὁ . . . πλάσσων [S πλάσας] σε ἐκ κοιλίας (3 *a*)
45. 9. B S[1] μὴ ἀποκριθήσεται τὸ πλάσμα πρὸς τὸν πλάσαντα αὐτό –
— 18. B ἔπλασεν αὐτήν (3 *a*)
49. 5. ὁ πλάσας με ἐκ κοιλίας δοῦλον ἑαυτῷ (3 *a*)
— 8. B ἔπλασά σε (3 *a*)
53. 11. πλάσαι τῇ συνέσει †
Je. 1. 5. πρὸ τοῦ με πλάσαι σε (8*, 3 *a*)
10. 16. ὁ πλάσας τὰ πάντα (3 *a*)
18. 11. πλάσσω ἐφ' ὑμᾶς κακά (3 *a*)
19. 1. κτῆσαι βικὸν πεπλασμένον ὀστράκινον (3 *a*)
28 (51). 19. ὁ πλάσας τὰ πάντα (3 *a*)
40 (33). 2. κύριος ποιῶν γῆν καὶ πλάσσων αὐτήν (3 *a*)
II Ma. 7. 23. ὁ πλάσας ἀνθρώπου γένεσιν
IV Ma. 13. 20. καὶ ἐν τῷ αὐτῷ πλασθέντες
[Aq. Ge. 2. 7: Ps. 32 (33). 15: 93 (94). 20: 138 (139). 16 (P.): Is. 44. 12: 45. 9: 54. 17: Je. 10. 16.]
[Sm. Ge. 2. 7: Ps. 32 (33). 15: 34 (35). 16: 93 (94). 20: 138 (139). 16: Is. 41. 29 (Sw.): 45. 9: 54. 17.]
[Th. Ge. 2. 7: Ps. 138 (139). 16: Is. 44. 10: 45. 9: 54. 17: Je. 10. 16.]
[Al. Je. 23. 31.]

πλάστης.
[Aq. Is. 64. 8 (7): Za. 11. 13 *bis.*]
[Th. Is. 64. 8 (7).]

πλάστιγξ.
Wi. 11. 22. ὡς ῥοπὴ ἐκ πλαστίγγων
II Ma. 9. 8. πλάστιγγι τὰ τῶν ὀρέων οἰόμενος ὕψη στήσειν

πλάτανος. (1) עַרְמוֹן
Ge. 30. 37. ἔλαβε δὲ ἑαυτῷ Ἰ. ῥάβδον . . . πλατάνου (1)
Si. 24. 14. ἀνυψώθην ὡς πλάτανος
[Sm. Ho. 4. 13.]
[Th. Ez. 31. 8.]

πλατεῖα (subst.). (1) חוּץ (2) רְחוֹב, רָחֹב (3) תָּוֶךְ
Ge. 19. 2. ἐν τῇ πλ. καταλύσομεν (2)
Jd. 19. 15. ἐκάθισαν ἐν τῇ πλ. τῆς πόλεως (2)
— 17. ἐν τῇ πλ. τῆς πόλεως (2)
— 20. ἐν τῇ πλ. οὐ μὴ αὐλισθήσῃ [A *al.*] (2)
II Ki. 21. 12. οἱ ἔκλεψαν αὐτοὺς ἐκ τῆς πλ. B. (2)
II Ch. 32. 6. ἐπὶ [A εἰς] τὴν πλ. τῆς πύλης τῆς φάραγγος (2)
II Es. 10. 9. ἐν πλατείᾳ οἴκου τοῦ θεοῦ (2)
Ne. 8. 16. A S R ἐν [B ἐν ταῖς] πλατείαις τῆς πόλεως (2)
To. 2. 4. S ἀναιροῦμαι αὐτὸν ἐκ τῆς πλ. [A B *al.*]
13. 17. καὶ αἱ πλ. Ἱερουσαλὴμ
Ju. 1. 14. ἐπρονόμευσε τὰς πλ. αὐτῆς
7. 14. καταστρωθήσονται ἐν ταῖς πλ.
— 22. ἔπιπτον ἐν ταῖς πλ. τῆς πόλεως
Es. 4. 1. ἐκπήδησας διὰ τῆς πλ. τῆς πόλεως (3)
— 5. S[2] εἰς τὴν πλ. τῆς πόλεως [A *al.*] –
6. 9. κηρυσσέτω διὰ τῆς πλ. τῆς πόλεως (2)
— 11. διῆλθε διὰ τῆς πλ. τῆς πόλεως (2)
Jb. 29. 7. ἐν δὲ πλατείαις ἐτίθετό μου ὁ δίφρος (2)
Ps. 17 (18). 42. ὡς πηλὸν πλατειῶν λεανῶ αὐτούς (1)
54 (55). 11. B S[1] οὐκ ἐξέλιπεν ἐκ τῶν πλ. αὐτῆς κόπος [S[2] R τόκος] (2)

Ps. 143 (144). 14. S² οὐδὲ κραυγὴ ἐν ταῖς πλ. [A B S¹ ἐπαύλεσιν] αὐτῶν (2)
Pr. 1. 20. ἐν δὲ πλατείαις παρρησίαν ἄγει (2)
5. 16. εἰς δὲ σὰς πλ. διαπορευέσθω τὰ σὰ ὕδατα (2)
7. 6. εἰς τὰς πλ. παρακύπτουσα †
— 12. χρόνον δὲ ἐν πλατείαις παρὰ πᾶσαν γωνίαν ἐνεδρεύει (2)
9. 14. ἐν πλατείαις προσκαλουμένη †
22. 13 : 26. 13 (A B² S R). ἐν δὲ ταῖς πλ. φονευταί (2)
Ca. 3. 2. κυκλώσω . . . ἐν ταῖς πλ. (2)
Si. 23. 21. οὗτος ἐν πλατείαις πόλεως ἐκδικηθήσεται
Am. 5. 16. ἐν πάσαις ταῖς [A om.] πλ. κοπετός (2)
Na. 2. 4 (5). συμπλακήσονται ἐν ταῖς πλ. (2)
Za. 8. 4. ἔτι καθήσονται . . . ἐν ταῖς πλ. Ἱερ. (2)
— 5. αἱ πλ. τῆς πόλεως πλησθήσονται . . . κορασίων παιζόντων ἐν ταῖς πλ. αὐ. (2, 2)
Is. 15. 3. ἐν ταῖς πλ. αὐ. περιζώσασθε σάκκους (1)
— 3. AB²R κόπτεσθε . . . ἐν ταῖς πλ. αὐ. [B¹S om. ἐν τ. πλ. αὐ.] (2)
Je. 5. 1. ζητήσατε ἐν ταῖς πλ. αὐ. (2)
9. 21 (20). τοῦ ἐκτρῖψαι . . . νεανίσκους ἀπὸ τῶν πλ. (2)
27 (50). 30. πεσοῦνται . . . ἐν ταῖς πλ. αὐ. (2)
30 (49). 26. πεσοῦνται . . . ἐν πλατείαις σου (2)
31 (48). 38. καὶ ἐπὶ πλατείαις αὐτῆς (2)
La. 2. 11. ἐν τῷ ἐκλείπειν νήπιον καὶ θηλάζοντα ἐν πλατείαις πόλεως (2)
— 12. ἐν τῷ ἐκλύεσθαι αὐτοὺς ὡς τραυματίας ἐν πλατείαις πόλεως (2)
4. 18. τοῦ μὴ πορεύεσθαι ἐν ταῖς πλ. ἡμῶν (2)
Ez. 7. 19. τὸ ἀργύριον αὐ. ῥιφήσεται ἐν ταῖς πλ. (1)
16. 24. ἐποίησας σεαυτῇ ἔκθεμα ἐν πάσῃ πλ. (2)
— 31. τὴν βάσιν σου ἐποίησας ἐν πάσῃ πλ. (2)
26. 11. καταπατήσουσί σου πάσας τὰς πλ. (1)
28. 23. αἷμα καὶ θάνατος ἐν ταῖς πλ. σου (1)
Da. TH. 9. 25. οἰκοδομηθήσεται πλατεία (2)
I Ma. 1. 55. ἐν ταῖς πλ. ἐθυμίων
2. 9. ἀπεκτάνθη τὰ νηπία αὐ. ἐν ταῖς πλ. αὐ.
14. 9. ἐν ταῖς πλ. [S¹ ἐκκλησίαις] ἐκάθηντο
III Ma. 1. 18. στεναγμῶν τὰς πλ. ἐνεπίμπλων
[Aq. Is. 15. 3.]
[Sm. Ps. 54 (55). 12 : 143 (144). 14 : Is. 15. 3.]
[Th. Is. 15. 3.]

πλάτος. (1) כַּף (2) לוּחַ (3) עֲבִי (4) פְּתִי (5) *a.* רֹחַב *b.* רְחוֹב *c.* מֶרְחָב
Ge. 6. 15. πεντήκοντα πήχεων τὸ πλ. (5 *a*)
13. 17. διόδευσον τὴν γῆν . . . εἰς τὸ πλ. (5 *a*)
32. 25 (26). ἥψατο τοῦ πλ. τοῦ μηροῦ αὐ. (1)
— 25 (26). ἐνάρκησε τὸ πλ. τοῦ μηροῦ Ἰ. (1)
— 32 (33). ὅ ἐστιν ἐπὶ τοῦ πλ. τοῦ μηροῦ (1)
— 32 (33). ἥψατο τοῦ πλ. τοῦ μηροῦ Ἰ. (1)
Ex. 25. 9 (10), 16 (17). πήχεος καὶ ἡμίσους τὸ πλ. (5 *a*)
26. 16. πήχεως ἑνὸς καὶ ἡμίσ. τὸ πλ. (5 *a*)
38 (37). 1. A πήχεως καὶ ἡμίσους τὸ πλ. αὐτῆς (5 *a*)
III Ki. 3. 1 (4. 29 [5. 9]). ἔδωκε κ. . . . πλάτος καρδίας (5 *a*)
6. 2. εἴκοσιν ἐν πήχει πλάτος αὐτοῦ (5 *a*)
— 3. εἰς τὸ πλ. τοῦ οἴκου [A *al.*] (5 *a*)
— 6. πέντε [A ἑξ] πήχεων . . . τὸ πλ. αὐτῆς (5 *a*)
— 6. A τὸ μέσον ἐξ πήχεων πλάτος [B *om.* π. πλ.] (5 *a*)
— 6. ἡ τρίτη ἑπτὰ ἐν πήχει τὸ πλ. αὐτῆς (5 *a*)
— 20. καὶ εἴκοσι πήχεις πλάτος (5 *a*)
7. 27. τέσσαρες πήχεις πλάτος αὐτῆς (5 *a*)
— 2. πεντήκοντα πήχεις πλάτος αὐτοῦ (5 *a*)
— 6. καὶ πεντήκοντα [A τριάκ.] ἐν πλάτει (5 *a*)
II Ch. 3. 4. A R μῆκος ἐπὶ πρόσωπον πλάτους [B -ος] (5 *a*)
— 8. A B πλάτος [R *add.* τοῦ οἴκου] πήχεων εἴκοσι (5 *a*)
I Es. 6. 25. πλάτος πηχῶν ἑξήκοντα
II Es. 6. 3. A R πλάτος αὐ. πήχεων ἑξήκοντα (4)
Ne. 8. 1. συνήχθησαν . . . εἰς τὸ πλ. (5 *b*)
Ju. 1. 2. εἰς πλάτος πηχῶν τριῶν
— 2. B S² καὶ τὸ πλ. αὐ. πηχῶν πεντήκ. [A ἑβδομήκ.]
— 3. τὸ πλ. αὐ. ἐθεμελίωσεν
— 4. τὸ πλ. αὐ. πήχεις [S -εων] τεσσαράκ.
Pr. 3. 4. A γράψον δὲ αὐτὰς ἐπὶ τὸ πλ. τῆς καρδίας σου (2)
7. 3. ἐπίγραψον δὲ ἐπὶ τὸ πλ. τῆς καρδίας σου (2)
22. 20. ἐπὶ τὸ πλ. τῆς καρδίας σου –
Si. 1. 3. ὕψος οὐρανοῦ καὶ πλάτος γῆς
Hb. 1. 6. τὸ πορευόμενον ἐπὶ τὰ πλ. [A τὸ πλ.] τῆς γῆς (5 *c*)
Za. 2. 2 (6). τοῦ ἰδεῖν πηλίκον τὸ πλ. αὐ. ἐστι (5 *a*)
5. 2. δρέπανον πετόμενον . . . πλάτους [A -ος] πήχεων δέκα (5 *a*)
Is. 8. 8. ὥστε πληρῶσαι τὸ πλ. τῆς χώρας σου [A *al.*] (5 *a*)
Je. 52. 21. S τὸ πλ. [A B πάχος] αὐτοῦ δακτύλων τεσσάρων κύκλῳ (3)
Ez. 40. 5. πλ. [A τὸ πλ.] ἴσον τῷ καλάμῳ (5 *a*)
— 7. ἴσον τῷ καλάμῳ τὸ πλ. . . . ἴσον τῷ καλάμῳ [A *add.* τὸ] πλ. (5 *a*, –)
— 8. ἴσον τῷ καλάμῳ πλ. [A τὸ πλ.] –
— 11. διεμέτρησε τὸ πλ. τῆς θύρας (5 *a*)
— 13. πλ. πήχεις [A *om.*] εἴκοσι πέντε (5 *a*)
— 19. διεμέτρησε τὸ πλ. τῆς αὐλῆς (5 *a*)
— 20. τό τε μῆκος αὐτῆς καὶ τὸ πλ. (5 *a*)
— 30. A πλ. πέντε πήχεων (5 *a*)
— 42. πήχεος καὶ ἡμίσους τὸ πλ. (5 *a*)
— 48. πηχῶν πέντε τὸ πλ. –
41. 1. πηχῶν [A -χεις] ἓξ τὸ πλ. ἔνθεν (5 *a*)
— 11. πηχῶν πέντε πλ. κυκλόθεν –
— 12. πλ. τοῦ τοίχου τοῦ διορίζοντος (5 *a*)
42. 2. τὸ πλ. πεντήκοντα [A *add.* πήχεων] (5 *a*)
— 4. πηχῶν δέκα τὸ πλ. (5 *a*)
43. 16. A ἐπὶ πήχεις δώδεκα πλάτους [B *om.*] (5 *a*)
48. 10. A πρὸς θάλασσαν πλ. [B *om.*] δέκα χιλιάδες (5 *a*)
— 15. τὰς δὲ πέντε χιλιάδας τὰς περισσὰς ἐπὶ τῷ πλ. (5 *a*)
Da. LXX. 9. 27. ἀνοικοδομηθήσεται εἰς πλάτος –
12. 2. πολλοὶ τῶν καθευδόντων ἐν τῷ πλ. τῆς γῆς †
II Ma. 12. 16. τὴν παρακειμένην λίμνην τὸ πλ. ἔχουσαν σταδίων δύο
[Aq. III Ki. 6. 20 : Is. 59. 14 : Ez. 40. 5 : 41. 1 : 42. 20.]
[Sm. III Ki. 6. 20 : Ez. 40. 5 : 41. 12 (Sw.).]
[Th. Ex. 37 (38). 1 : III Ki. 6. 20 : Is. 51. 9 : Za. 2. 4 (8).]
[Al. Nu. 35. 2.]

πλατύνειν. (1) אָרַךְ (2) כָּשָׁה (3) פָּרַץ (4) פָּתָה *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. (5) רָחַב *a.* qal. *b.* hi. *c.* רָחַב
Ge. 9. 27. πλατύναι ὁ θ. τῷ Ἰαφέθ (4 *c*)
26. 22. ἐπλάτυνε κύριος ἡμῖν (5 *b*)
28. 14. πλατυνθήσεται ἐπὶ θάλασσαν (3)
Ex. 34. 24. πλατύνω [A ἐμπλ.] τὰ ὅριά σου (5 *b*)
De. 6. 12. A πλατυνθῇ ἡ καρδία σου –
11. 16. μὴ πλατυνθῇ ἡ καρδία σου (4 *a*)
32. 15. ἐπαχύνθη ἐπλατύνθη (2)
I Ki. 2. 1. ἐπλατύνθη ἐπ' ἐχθρούς μου τὸ στόμα μου (5 *a*)
Ps. 4. 1. ἐν θλίψει ἐπλάτυνάς μοι (5 *b*)
17 (18). 36. ἐπλάτυνας τὰ διαβήματά μου (5 *b*)
34 (35). 21. ἐπλάτυναν [A -α] ἐπ' ἐμὲ τὸ στόμα (5 *b*)
80 (81). 10. πλάτυνον τὸ στόμα σου (5 *b*)
118 (119). 32. ὅταν ἐπλάτυνας τὴν καρδίαν μου (5 *b*)
Pr. 24. 43 (28). μηδὲ πλατύνου σοῖς χείλεσι (4 *b*)
Hb. 2. 5. ὃς ἐπλάτυνεν καθὼς ᾅδης τὴν ψυχήν (5 *b*)
Is. 5. 14. ἐπλάτυνεν ὁ ᾅδης τὴν ψυχὴν αὐτοῦ (5 *b*)
54. 2. πλάτυνον τὸν τόπον τῆς σκηνῆς σου (5 *b*)
Je. 2. 24. τὰς ὁδοὺς αὐτῆς ἐπλάτυνεν †
28 (51). 58. τεῖχος Βαβυλῶνος ἐπλατύνθη (5 *c*)
Ez. 31. 5. ἐπλατύνθησαν οἱ κλάδοι αὐτοῦ (1)
I Ma. 3. 3. ἐπλάτυνε δόξαν τῷ λαῷ αὐ.
14. 6. ἐπλάτυνε τὰ ὅρια τῷ ἔθνει
[Aq. Is. 57. 4 : 60. 5.]
[Sm. Le. 6. 21 (14) : Jb. 31. 27 : Is. 57. 4 : 60. 5.]
[Th. Is. 30. 33 : 57. 4, 8 : 60. 5.]
[Al. Le. 13. 7 *bis*, 22 *bis*.]
[Sam. Le. 13. 8.]

πλατύς, *cf.* πλατεῖα. (1) *a.* רָחָב *b.* רַחַב־יָדַיִם
Ge. 34. 10. ἡ γῆ ἰδοὺ πλ. ἐναντίον ὑμῶν –
— 21. ἡ δὲ γῆ ἰδοὺ πλ. ἐναντίον αὐτῶν (1 *b*)
Jd. 18. 10. καὶ ἡ γῆ πλ. [A εὐρύχωρος] (1 *b*)
I Ch. 4. 40. καὶ ἡ γῆ πλ. ἐναντίον αὐτῶν (1 *b*)
Ne. 3. 8. A ἕως τοῦ τείχους τοῦ πλατέος [BS -ως] (1 *a*)
4. 19 (13). τὸ ἔργον πλ. καὶ πολύ (1 *a*)
7. 4. ἡ πόλις πλ. καὶ μεγάλη (1 *b*)
9. 35. καὶ ἐν τῇ γῇ τῇ [A *om.*] πλ. (1 *a*)
12. 38. S² καὶ ἕως τοῦ τείχους τοῦ πλ. (1 *a*)
Ps. 118 (119). 96. πλ. ἡ ἐντολή σου σφόδρα (1 *a*)
Is. 33. 21. διώρυχες πλ. καὶ εὐρύχωροι (1 *b*)
Ez. 23. 32. τὸ ποτήριον τῆς ἀδελφῆς σου πίεσαι τὸ βαθὺ καὶ τὸ πλατύ (1 *a*)
[Aq. Ps. 103 (104). 25 : Pr. 28. 25.]
[Sm. Ps. 24 (25). 17 : Ho. 5. 1.]

πλατυσμός. (1) *a.* מֶרְחָב *b.* רָחַב hi. *c.* רָחָב
II Ki. 22. 20. ἐξήγαγέ με εἰς πλατυσμόν (1 *a*)
— 37. ἐπλήθυνέ με εἰς πλατυσμόν (1 *b*)
Ps. 17 (18). 19. ἐξήγαγέ με εἰς πλατυσμόν (1 *a*)
117 (118). 5. ἐπήκουσέ μου εἰς πλατυσμόν (1 *a*)
118 (119). 45. ἐπορευόμην ἐν πλατυσμῷ (1 *c*)
Si. 47. 12. κατέλυσεν [S -έπαυσεν] ἐν πλατυσμῷ

πλατύτης.
[Aq. Ps. 30 (31). 9.]

πλατύψυχος.
[Sm. Pr. 28. 25.]

πλέγμα.
[Aq., Th. Is. 28. 5.]

πλεῖν. (1) בּוֹא
I Es. 4. 23. εἰς τὴν θάλασσαν πλεῖν [A πλεῖ]
Si. 43. 24. οἱ πλέοντες τὴν θάλασσαν
Jn. 1. 3. A B S² τοῦ πλεῦσαι μετ' αὐτῶν εἰς Θ. (1)
Is. 42. 10. οἱ καταβαίνοντες εἰς τὴν θάλασσαν καὶ πλέοντες αὐτήν †
I Ma. 13. 29. ὑπὸ πάντων τῶν πλεόντων τὴν θάλ.
IV Ma. 7. 3. ἔπλευσεν ἐπὶ τὸν τῆς ἀθανάτου νίκης λιμένα

πλεῖον, πλέον, *vid.* πολύ.

πλειστάκις. (1) פְּעָמִים רַבּוֹת
Ec. 7. 23 (22). πλειστάκις πονηρεύσεταί σε (1)
[Al. Ps. 118 (119). 164.]

πλεῖστος, πλείων, *vid.* πολύς.

πλέκειν. (1) עָבֹת (2) צָפִירָה
Ex. 28. 14. ἐπιθήσεις τὰ κροσσωτὰ τὰ πεπλεγμ. (1)
Is. 28. 5. ὁ στέφανος τῆς ἐλπίδος ὁ πλεκεὶς [A πλακ.] τῆς δόξης (2)

πλεκτόν.
[Al. Ex. 27. 11.]

πλέον, *vid. sub* πολύς.

πλεονάζειν. (1) אָרַךְ hi. (2) כָּבֵד hi. (3) עָדַף *a.* qal. *b.* hi. (4) רָבָה *a.* qal. *b.* hi. *c.* רַב (5) שָׁלַח (6) τὸ πλεονάζον מִרְבָּה
Ex. 16. 18. οὐκ ἐπλεόνασεν ὁ τὸ πολύ (3 *b*)
— 23. πᾶν τὸ πλεονάζον καταλείπετε αὐτό (3 *a*)
26. 12. ὑποθήσεις τὸ πλεονάζον (3 *a*)
— 12. A R τὸ πλεονάζον τῶν δέρρεων (3 *a*)
Nu. 3. 46. οἱ πλεονάζοντες παρὰ τοὺς Λ. (3 *a*)
— 48. λύτρα τῶν πλεοναζόντων ἐν αὐτοῖς (3 *a*)
— 49. τὰ λύτρα τῶν πλεοναζόντων (3 *a*)
— 51. τὰ λύτρα τῶν πλεοναζόντων †
9. 22. πλεοναζούσης τῆς νεφέλης [A *om.* τ. ν.] (1)
26. 54. πλεονάσεις τὴν κληρονομίαν (4 *b*)
II Ki. 18. 8. ἐπλεόνασεν ὁ δρυμὸς τοῦ καταφαγεῖν (4 *b*)
I Ch. 4. 27. πᾶσαι αἱ πατριαὶ αὐ. οὐκ ἐπλεόνασαν (4 *b*)
5. 23. ἐν τῷ Λ. αὐτοὶ ἐπλεονάσθησαν (4 *a*)
II Ch. 24. 11. ἐπλεόνασε τὸ ἀργύριον (4 *c*)
31. 5. ἐπλεόνασεν Ἰσρ. ἀπαρχὴν σίτου [A *al.*] (4 *b*)
I Es. 8. 75. ἐπλεόνασαν ὑπὲρ τὰς κεφ. ἡμῶν
Ps. 49 (50). 19. τὸ στόμα σου ἐπλεόνασε κακίαν (5)
70 (71). 21. S R ἐπλεόνασας [B πλ.] τὴν δικαιοσύνην [S² μεγαλωσύνην] σου (4 *b*)
Pr. 15. 5 (6). ἐν πλεοναζούσῃ δικαιοσύνῃ †
Si. 20. 8. ὁ πλεονάζων λόγῳ [A -ον] βδελυχθήσεται
23. 3. ὅπως μὴ . . . αἱ ἁμαρτίαι μου πλεονάσωσι
32 (35). 1. ὁ συντηρῶν νόμον πλεονάζει προσφοράς
Je. 37 (30). 19. πλεονάσω αὐτούς (2)
Ez. 23. 32. τὸ ποτήριον . . . τὸ πλεονάζον τοῦ συντελέσαι μέθην (6)
I Ma. 4. 35. R πλεονάσας τὸν γενηθέντα στρατόν [A S *al.*]
10. 41. καὶ πᾶν τὸ πλεονάζον
II Ma. 2. 32. εὔηθες γὰρ τὸ μὲν πρὸ τῆς ἱστορίας πλεονάζειν

πλεονάκις. (1) *a.* רַבַּת *b.* רַבּוֹת *c.* פְּעָמִים רַבּוֹת

To. 1. 6. ἐπορευόμην πλ. [S πολλάκις] εἰς Ἱερ.
5. 6. S πλ. ἐπορεύθην εἰς Μηδίαν
Ps. 105 (106). 43. πλ. ἐρρύσατο αὐτούς (1 *c*)
128 (129). 1. πλ. ἐπολέμησάν με (1 *a*)
— 2. πλ. ἐπολέμησάν με ἐκ νεότητός μου (1 *a*)
Si. 31 (34). 12. πλ. ἕως θανάτου ἐκινδύνευσα
Is. 42. 20. εἴδετε πλ. (1 *b*)
I Ma. 16. 2. ῥύσασθαι τὸν Ἰσρ. πλ.
III Ma. 2. 12. ἐπεὶ δὲ πλ. . . . ἐβοήθησας αὐτοῖς
6. 26. τοὺς χειρίστους πλ. ἀνθρώπων ἐπιδεδεγμένους κινδύνους
[Aq., Sm. Ec. 7. 23 (22).]

πλεόνασμα. (1) יֶתֶר

Nu. 31. 32. ἐγενήθη τὸ πλ. τῆς προνομῆς (1)
[Th. Ps. 43 (44). 13.]

πλεονασμός. (1) *a.* מַרְבִּית *b.* תִּרְבִּית

Le. 25. 37. A B[1] πλεονασμὸν [B[2] R ἐπὶ πλεονασμῷ] οὐ δώσεις (1 *a*)
Pr. 28. 8. ὁ πληθύνων τὸν πλοῦτον αὐτοῦ μετὰ τόκων καὶ πλεονασμῶν (1 *b*)
Ez. 18. 8. πλεονασμὸν οὐ λήψεται (1 *b*)
— 13. πλεονασμὸν ἔλαβεν (1 *b*)
— 17. τόκον οὐδὲ πλεονασμὸν οὐκ ἔλαβε (1 *b*)
22. 12. τόκον καὶ πλεονασμὸν ἐλαμβάνοσαν (1 *b*)
[Al. Le. 25. 36 : Ps. 43 (44). 13.]

πλεοναστός. (1) πλεοναστὸν ποιεῖν רָבָה hi.

De. 30. 5. πλ. σε ποιήσει ὑπὲρ τοὺς πατέρας (1)
I Ma. 4. 35. A S πλεοναστὸν πάλιν γενηθέντα [R *al.*]

πλεονεκτεῖν. (1) בָּצַע

Jd. 4. 11. ἕως δρυὸς πλεονεκτούντων [A *al.*] †
Hb. 2. 9. ὦ ὁ πλεονεκτῶν πλεονεξίαν κακήν (1)
Ez. 22. 27. ὅπως πλεονεξίᾳ πλεονεκτῶσι (1)
[Aq. Jb. 27. 8 : Pr. 1. 19 : Je. 6. 13.]
[Sm. Jb. 27. 8 : Pr. 1. 19 : 15. 27 : Ez. 22. 12.]
[Th. Jd. 4. 11 : Jb. 27. 8 : Pr. 1. 19 : Je. 8. 10 : Ez. 22. 12.]

πλεονέκτημα.
[Aq. Ge. 37. 26.]

πλεονέκτης.
Si. 14. 9. πλεονέκτου ὀφθαλμὸς οὐκ ἐμπίπλαται μερίδι
[Aq., Sm. Ps. 9. 24 (10. 3).]

πλεονεξία. (1) בָּצַע

Jd. 5. 19. A πλεονεξίαν [B δῶρον] ἀργυρίου οὐκ ἔλαβον (1)
Ps. 118 (119). 36. καὶ μὴ εἰς πλεονεξίαν (1)
Wi. 10. 11. ἐν πλεονεξίᾳ κατισχυόντων αὐτὸν παρέστη
Hb. 2. 9. ὦ ὁ πλεονεκτῶν πλ. κακὴν τῷ οἴκῳ αὐ. (1)
Is. 28. 8. αὕτη γὰρ ἡ βουλὴ ἕνεκεν πλεονεξίας †
Je. 22. 17. οὐκ εἰσὶν οἱ ὀφθαλμοί σου . . . ἀλλὰ εἰς τὴν πλ. σου (1)
Ez. 22. 27. ὅπως πλεονεξίᾳ πλεονεκτῶσι (1)
II Ma. 4. 50. διὰ τὰς τῶν κρατούντων πλεονεξίας
[Aq. Ex. 18. 21 : I Ki. 8. 3 : Pr. 1. 19 : Is. 33. 15 : 56. 11 : 57. 17 : Je. 51 (28). 13.]
[Sm. Ex. 18. 21 : I Ki. 8. 3 : Pr. 1. 19 : 15. 27 : Is. 33. 15 : 56. 11 : 57. 17 : Je. 6. 13 : Ez. 7. 11 : 33. 31 : Hb. 1. 9 : 2. 17.]
[Th. Ex. 18. 21 : I Ki. 8. 3 : Pr. 1. 19 : Is. 33. 15 : 56. 11 : 57. 17 : Je. 8. 10 : Ez. 33. 31.]

πλευρά, *cf.* πλευρόν. (1) אֶפִיק (2) חֶלְיָא (3) יָצוּעַ (4) יְצִיעַ (5) עֶלַע (6) עֶצֶם (7) צַד (8) צֵלַע

Ge. 2. 21. ἔλαβε μίαν τῶν πλ. αὐτοῦ (8)
— 22. ᾠκοδόμησεν κ. ὁ θ. τὴν πλ. (8)
Nu. 33. 55. καὶ βολίδες ἐν ταῖς πλ. ὑμῶν (7)
II Ki. 2. 16. εἰς πλευρὰν [A πλάγιον] τοῦ πλησίον αὐ. (7)
13. 34. ἐκ πλευρᾶς [A -οῦ] τοῦ ὄρους (7)
16. 13. A εἰς πλευρὰς τοῦ ὄρους [B R *al.*] (8)
21. 14. ἐν γῇ Βεν. ἐν τῇ πλ. (8)
III Ki. 6. 5. A ἐποίησεν πλευρὰς κυκλόθεν (8)
— 6. ἡ πλ. ἡ ὑποκάτω πέντε [A ἑξ] πήχεων (3*, 4)
— 8. ὁ πυλὼν τῆς πλ. τῆς ὑποκάτωθεν (8)
— 15. περιέσχε . . . ἐν πλ. πευκίναις (8)
7. 20. ἐπάνωθεν τῶν πλ. ἐπίθεμα †
III Ki. 7. 3. ἐπὶ τῶν πλ. τῶν στύλων (8)
8. 19. ὁ ἐξελθὼν ἐκ τῶν πλ. σου (2)
Ju. 6. 6. διελεύσεται . . . τὰς πλ. σου
Jb. 40. 13 (18). αἱ πλ. αὐτοῦ πλευραὶ χάλκειαι [A ὡς πέτραι χαλκαῖ] (6, 1)
Pr. 22. 27. τὸ στρῶμα τὸ ὑπὸ τὰς πλ. σου –
Si. 30. 12. θλάσον τὰς πλ. αὐτοῦ
42. 5. οἰκέτῃ πονηρῷ πλευρὰν αἱμίξαι
Is. 11. 5. ἔσται . . . ἀληθείᾳ εἱλημένος [A S εἱλημμ.] τὰς πλ. (2)
Ez. 34. 21. ἐπὶ ταῖς πλ. . . . διωθεῖσθε (7)
41. 5. τὸ εὖρος τῆς πλ. πηχῶν τεσσάρων [A *al.*] (8)
— 7. τὸ εὖρος τῆς ἀνωτέρας τῶν πλ. (8)
— 8. διάστημα τῶν πλ. ἴσον τῷ καλάμῳ (8)
— 9. εὖρος τοῦ τοίχου τῆς πλ. . . . τὰ ἀνὰ μέσον τῶν πλ. τοῦ οἴκου (8, 8)
Da. TH. 7. 5. τρεῖς πλ. [A τρία πλευρὰ] ἐν τῷ στόματι αὐ. (5)
IV Ma. 18. 7. ἐφύλασσον δὲ τὴν ᾠκοδομημένην πλ.
[Aq. Is. 66. 12.]
[Sm. Ex. 25. 11 (12) : Is. 66. 12.]
[Th. Is. 41. 9 : 66. 12 : Je. 20. 10.]

πλευρόν, *cf.* πλευρά. (1) יָרֵךְ (2) עֶלַע (3) צַד (4) צֶלַע (5) שְׁטַר *v.* שִׁטַּר

Ex. 27. 7. κατὰ [A *add.* τὰ δύο] πλευρὰ τοῦ θυσιαστ. (4)
30. 4. ποιήσεις ἐν τοῖς δυσὶ πλ. (3)
II Ki. 13. 34. A ἐκ πλευροῦ [B -ᾶς] τοῦ ὄρους (3)
III Ki. 6. 16. B τὸ πλ. τὸ πλ. [A R *om.* τὸ πλ.] τὸ ἕν (4, –)
Ps. 47 (48). 2. ὄρη Ζιὼν τὰ πλ. τοῦ βορρᾶ (1)
Ez. 4. 4. κοιμηθήσῃ ἐπὶ τὸ πλ. σου τὸ ἀριστερόν (3)
— 6. κοιμηθήσῃ ἐπὶ τὸ πλ. σου τὸ δεξιόν (3)
— 8. μὴ στραφῇς ἀπὸ τοῦ πλ. σου ἐπὶ τὸ πλ. σου (3, 3)
— 9. ἃς σὺ καθεύδεις ἐπὶ τοῦ πλ. σου (3)
41. 6. πλευρὰ [A τὰ πλ.] πλ. ἐπὶ πλ. τριάκοντα τρὶς δὶς . . . ἐν τοῖς πλ. [A *add.* τοῦ οἴκου] κύκλῳ (4 *quater*)
— 26. τὰ πλ. τοῦ οἴκου ἐζυγωμένα [A ἐξυλωμ.] (4)
Da. LXX. 7. 5. ἐπὶ τοῦ ἑνὸς πλ. ἐστάθη (5)
— 5. τρία πλ. ἦν ἐν τῷ στόματι αὐ. (2)
10. 16. ἐπεστράφη ἐπὶ τὸ πλ. μου †
Da. TH. 7. 5. A τρία πλ. [B τρεῖς πλευραὶ] ἐν τῷ στόματι αὐ. (2)
IV Ma. 6. 6. τὰ πλ. κατετιτρώσκετο
11. 19. τὰ πλ. διαπείραντες
[Th. Ex. 37 (38). 5.]

πληγή. (1) *a.* מַכָּאוֹב *b.* מַכְאֹב (2) מַטֶּה (3) *a.* מַכָּה *b.* נָכָה hi. *c.* hoph. (4) נֶגַע (5) *a.* נֶגֶף *b.* מַגֵּפָה *c.* נָגַף (6) שֵׁבֶט

Ex. 11. 1. ἔτι μίαν πλ. ἐπάξω (4)
12. 13. οὐκ ἔσται ἐν ὑμῖν πλ. (5 *a*)
33. 5. μὴ πλ. ἄλλην ἐπάξω †
Le. 26. 21. προσθήσω ὑμῖν πληγὰς ἑπτά (3 *a*)
Nu. 11. 33. ἐπάταξε κ. . . . πλ. μεγάλην (3 *a*)
14. 37. ἀπέθανον . . . ἐν τῇ πλ. (5 *b*)
25. 8. ἐπαύσατο ἡ πλ. (5 *b*)
— 9. οἱ τεθνηκότες ἐν τῇ πλ. (5 *b*)
— 18. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῆς πλ. (5 *b*)
26. 1 (25. 19). μετὰ τὴν πλ. (5 *b*)
31. 16. ἐγένετο ἡ πλ. ἐν τῇ συναγ. κυρίου (5 *b*)
De. 25. 2. ἐὰν ἄξιος ᾖ πληγῶν ὁ ἀσεβῶν (3 *b*)
— 3. ὑπὲρ ταύτας τὰς [A *om.*] πλ. πλείους (3 *a*)
28. 59. τὰς πλ. σου καὶ τὰς πλ. τοῦ σπέρμ. σου πλ. μεγάλας (3 *a ter*)
— 61. πᾶσαν [A *om.*] πλ. τὴν μὴ γεγραμμ. (3 *a*)
29. 22 (21). ὄψονται τὰς πλ. τῆς γῆς ἐκ. (3 *a*)
Jo. 22. 17. ἐγενήθη πλ. ἐν τῇ συναγ. κυρίου (5 *a*)
Jd. 11. 33. ἐπάταξεν . . . πλ. μεγάλην σφόδρα (3 *a*)
15. 8. ἐπάταξεν . . . πλ. μεγάλην (3 *a*)
— 19. A τὸ ὄνομα τῆς πλ. [B ὄν. αὐτῆς] †
I Ki. 4. 8. οἱ πατάξαντες τὴν Αἴγ. ἐν π. πληγῇ (3 *a*)
— 10. καὶ ἐγένετο πλ. μεγάλη (3 *a*)
— 17. καὶ ἐγένετο πλ. μεγάλη (5 *b*)
6. 19. ἐπάταξε . . . πλ. μεγάλην σφόδρα (3 *a*)
14. 14. ἐγενήθη ἡ πλ. ἡ πρώτη (3 *a*)
— 30. νῦν ἂν μείζων ἦν ἡ πλ. (3 *a*)
19. 8. ἐπάταξεν . . . πλ. μεγάλην σφόδρα (3 *a*)
23. 5. ἐπάταξεν . . . πλ. μεγάλην (3 *a*)
III Ki. 21 (20). 21. ἐπάταξε πλ. μεγάλην (3 *a*)
22. 35. ἀπέχυνε τὸ αἷμα ἐκ τῆς πλ. (3 *a*)
IV Ki. 8. 29. ἀπὸ τῶν πλ. ὧν ἐπάταξαν αὐτόν (3 *a*)
IV Ki. 9. 15. ἀπὸ τῶν πλ. ὧν ἔπαισαν αὐτόν (3 *a*)
I Ch. 21. 22. παύσεται ἡ πλ. (5 *b*)
II Ch. 6. 28. κατὰ πᾶσαν πλ. (4)
13. 17. ἐπάταξεν . . . πλ. μεγάλην (3 *a*)
21. 14. πατάξει σε πλ. μεγάλην (5 *b*)
22. 6. τοῦ ἰατρευθῆναι . . . ἀπὸ τῶν πλ. (3 *a*)
28. 5. ἐπάταξεν . . . πλ. μεγάλην (3 *a*)
Ju. 5. 12. ἐπάταξε πᾶσαν τὴν γῆν Αἰγ. πληγαῖς
15. 5. ὑπερεκέρασαν αὐτοὺς πλ. μεγάλῃ [S *al.*]
Jb. 2. 13. ἑώρων γὰρ τὴν πλ. δεινὴν οὖσαν (1 *a*)
42. 16. ἔζησε δὲ Ἰὼβ μετὰ τὴν πλ. †
Ps. 63 (64). 7. βέλος νηπίων ἐγενήθησαν αἱ πλ. αὐτῶν (3 *a*)
Pr. 20. 30. πληγαὶ δὲ εἰς ταμιεῖα κοιλίας (3 *a*)
22. 8. πληγὴν δὲ ἔργων αὐτοῦ συντελέσει (6)
29. 15. πληγαὶ καὶ ἔλεγχοι διδόασι σοφίαν (6)
Wi. 5. 11. πληγῇ δὲ ταρσῶν μαστιζόμενον πνεῦμα κοῦφον
Si. 21. 3. τῇ πλ. αὐτῆς οὐκ ἔστιν ἴασις
22. 22. πλὴν ὀνειδισμοῦ . . . καὶ πληγῆς δολίας
25. 13. πᾶσαν πληγὴν καὶ μὴ πληγὴν καρδίας
— 23. πρόσωπον σκυθρωπὸν καὶ πληγὴ καρδίας γυνὴ πονηρά
27. 25. πληγὴ δολία διελεῖ τραύματα
28. 17. πληγὴ μάστιγος ποιεῖ μώλωπας πληγὴ δὲ γλώσσης συγκλάσει ὀστᾶ
Mi. 1. 9. κατεκράτησεν ἡ πλ. αὐ. (3 *a*)
— 11. λήψεται ἐξ ὑμῶν πληγὴν ὀδύνης †
Na. 3. 19. ἐφλέγμανεν ἡ πλ. σου (3 *a*)
Za. 13. 6. τί αἱ πλ. αὗται (3 *a*)
Is. 1. 6. οὔτε μώλωψ οὔτε πλ. φλεγμαίνουσα (3 *a*)
10. 24. πληγὴν [S[1] πλὴν] γὰρ ἐπάγω ἐπὶ σέ (2)
— 26. ἐγερεῖ ὁ θ. ἐπ' αὐτοὺς κατὰ τὴν πλ. [A S *add.* τὴν] Μαδ. (3 *a*)
14. 6. πατάξας ἔθνος θυμῷ πληγῇ ἀνιάτῳ παίων ἔθνος πληγὴν θυμοῦ (3 *a*, –)
19. 22. πατάξει κύριος τοὺς Αἰγ. πληγῇ (5 *c*)
30. 26. τὴν ὀδύνην τῆς πλ. σου ἰάσεται (3 *a*)
— 31. ἡττηθήσονται Ἀσσύριοι τῇ πλ. (6)
53. 3. ἄνθρωπος ἐν πληγῇ ὤν (1 *b*)
— 4. ἐλογισάμεθα αὐτὸν εἶναι . . . ἐν πληγῇ (3 *c*)
— 10. καθαρίσαι αὐτὸν [A *add.* ἀπὸ] τῆς πλ. †
Je. 10. 18. ὅπως εὑρεθῇ ἡ πλ. σου –
— 19. ἀλγηρὰ ἡ πλ. σου (3 *a*)
14. 17. πλ. ὀδυνηρὰ σφόδρα (3 *a*)
15. 18. ἡ πλ. μου στερεά (3 *a*)
19. 8. συριεῖ ὑπὲρ πάσης τῆς πλ. αὐτῆς (3 *a*)
27 (50). 13. συριοῦσιν ἐπὶ πᾶσαν τὴν πλ. αὐτῆς (3 *a*)
37 (30). 12. ἀλγηρὰ ἡ πλ. σου (3 *a*)
— 14. πληγὴν ἐχθροῦ ἔπαισά σε (3 *a*)
— 17. ἀπὸ πληγῆς ὀδυνηρᾶς ἰατρεύσω σε (3 *a*)
I Ma. 1. 30. ἐπάταξεν αὐτὴν πλ. μεγάλην
3. 29. χάριν τῆς διχοστασίας καὶ πλ.
5. 3. ἐπάταξεν αὐτοὺς πλ. μεγάλην
— 34. S R ἐπάταξεν αὐτοὺς πλ. μεγάλην [A *al.*]
7. 22. ἐποίησαν πλ. μεγάλην
8. 4. ἐπάταξαν ἐν αὐτοῖς πλ. μεγάλην
13. 32. ἐποίησε πλ. μεγάλην ἐπὶ τῆς γῆς
14. 36. ἐποίουν πλ. μεγάλην
15. 29. ἐποιήσατε πλ. μεγάλην
— 35. ἐποίουν ἐν τῷ λαῷ πλ. μεγάλην
II Ma. 3. 26. πολλὰς ἐπιρριπτοῦντες αὐτῷ πλ.
6. 29. μέλλων δὲ ταῖς πλ. τελευτᾶν
9. 5. ἐπάταξεν αὐτὸν ἀνιάτῳ καὶ ἀοράτῳ πλ.
14. 43. τῇ δὲ πλ. μὴ κατευθικτήσας
[Aq. Ps. 63 (64). 8 : Je. 30 (37). 17 : 50 (27). 13 : Ez. 24. 16 : Am.[a]4. 6, 10 (?).]
[Sm. Ex. 9. 14 : Ps. 37 (38). 12 : 63 (64). 8 : 105 (106). 30 : Is. 1. 6 : 53. 8 : Je. 6. 7 : 50 (27). 13 : Am. 4. 10 (?).]
[Th. Am. 4. 10 (?).]
[Al. Le. 13. 51 : I Ki. 6. 4.]

πλήθειν, *vid. sub* πιμπλάναι.

πλῆθος. (1) בָּצַע (2) גֹּבַהּ (3) הָמוֹן (4) כָּבֵד (5) כַּבִּיר (6) מְלֹא (7) מִסְפָּר (8) עָם (9) *a.* עָצוּם *b.* עָצֹם (10) קָהָל (11) *a.* רַב, רוֹב *b.* רַב *c.* רִבּוֹ *d.* מַרְבִּית *e.* תִּרְבִּית *f.* רָבָה qal. *g.* pi. *h.* hi. (12) רִגְשָׁה (13) שִׁפְעָה (14) צָבָא

Ge. 16. 10. οὐκ ἀριθμήσεται ἀπὸ τοῦ πλ. (11 *a*)
17. 4. ἔσῃ πατὴρ πλήθους ἐθνῶν (3)
27. 28. δῴη σοι . . . πλῆθος σίτου (11 *a*)

Ge. 30. 30. ηὐξήθη εἰς πλῆθος (11 *a*)
32. 12 (13). ἡ οὐκ ἀριθμηθήσεται ἀπὸ τοῦ πλ. (11 *a*)
36. 7. ἀπὸ τοῦ πλ. τῶν ὑπαρχόντων αὐ. –
48. 16. πληθυνθείησαν εἰς πλ. πολύ (11 *a*)
— 19. ἔσται εἰς πλῆθος ἐθνῶν (6)
Ex. 1. 9. τὸ γένος τῶν υἱῶν Ἰσρ. μέγα πλ. (11 *b*)
8. 24 (20). παρεγένετο ἡ κυνόμυια πλῆθος (4)
12. 6. σφάξουσιν αὐτὸ πᾶν τὸ πλ. (10)
15. 7. τῷ πλ. τῆς δόξης σου (11 *a*)
19. 21. καὶ πέσωσιν [A πέσῃ] ἐξ αὐτῶν πλῆθος (11 *b*)
— 22. A μή ποτε ἀπαλλάξῃ ἀπ' αὐτῶν πλῆθος [B κύριος] †
23. 2. οὐ προστεθήσῃ μετὰ πλήθους †
32. 13. ὡσεὶ τὰ ἄστρα τοῦ οὐρ. τῷ πλ. –
36. 5. πλῆθος φέρει ὁ λαός (11 *h*)
Le. 25. 36. οὐδὲ ἐπὶ πλήθει (11 *e*)
Nu. 32. 1. κτήνη πλῆθος ἦν τοῖς υἱοῖς Ρ. . . . πλῆθος σφόδρα (11 *b*, 9 *a*)
De. 1. 10: 10. 22. ὡσεὶ τὰ ἄστρα τοῦ οὐρ. τῷ πλ. (11 *a*)
26. 5. εἰς ἔθνος μέγα καὶ πλ. πολύ (9 *a*)
28. 47. διὰ τὸ πλ. πάντων (11 *a*)
— 62. ὡσεὶ τὰ ἄστρα τοῦ οὐρ. τῷ πλ. (11 *a*)
Jo. 11. 4. ὥσπερ ἡ ἄμμος τῆς θαλ. τῷ πλ. (11 *a*)
Jd. 4. 7. καὶ τὸ πλ. αὐτοῦ (3)
6. 5. καθὼς ἀκρὶς εἰς πλῆθος (11 *a*)
7. 12. ὡς ἀκρὶς εἰς πλῆθος (11 *a*)
— 12. ὡς ἡ ἄμμος . . . εἰς πλῆθος (11 *a*)
I Ki. 1. 16. ἐκ πλήθους ἀδολεσχίας μου (11 *a*)
13. 5. B ὡς ἡ ἄμμος ἡ παρὰ τὴν θάλ. τῷ πλ. (11 *a*)
II Ki. 17. 11. ὡς ἡ ἄμμος . . . εἰς πλῆθος (11 *a*)
18. 29. εἶδον τὸ πλ. τὸ μέγα (3)
III Ki. 1. 19, 25. καὶ πρόβατα εἰς πλῆθος (11 *a*)
3. 1 (B), 4. 20 (A). ὡς ἡ ἄμμος ἡ ἐπὶ τῆς θαλ. εἰς πλῆθος (11 *a*)
— 8. A οὐ ψηφισθήσεται ἀπὸ πλήθους (11 *a*)
7. 47. οὐκ ἦν σταθμὸς . . . ἐκ πλήθους (11 *a*)
— 48. A ἀπὸ τοῦ πλ. σφόδρα σφόδρα –
8. 5. A ἀναρίθμητα ἀπὸ πλήθους [B *om.* ἀ. πλ.] (11 *a*)
10. 10. κατὰ τὰ ἡδύσμ. ἐκεῖνα ἔτι εἰς πλῆθος (11 *a*)
— 27. ὡς συκαμίνους τὰς ἐν τῇ πεδινῇ εἰς πλῆθος (11 *a*)
IV Ki. 7. 13. πρὸς πᾶν τὸ πλ. Ἰσρ. (3)
19. 23. ἐν τῷ πλ. τῶν ἁρμάτων μου (11 *a*, †*)
I Ch. 4. 38. ἐπληθύνθησαν εἰς πλῆθος (11 *a*)
12. 40. μόσχους καὶ πρόβατα εἰς πλῆθος (11 *a*)
22. 3. καὶ χαλκὸν εἰς πλῆθος (11 *a*)
— 4. ξύλα κέδρινα εἰς πλῆθος (11 *a*)
— 5. ἡτοίμασε Δ. εἰς πλῆθος (11 *a*)
— 8. αἷμα εἰς πλῆθος ἐξέχεας (11 *a*)
— 14. ὅτι εἰς πλῆθός ἐστι (11 *a*)
— 15. εἰς πλῆθος ποιούντων ἔργα (11 *a*)
29. 16. πρὸς πᾶν [A *om.*] τὸ πλ. τοῦτο (3)
— 21. καὶ θυσίας εἰς πλῆθος (11 *a*)
II Ch. 1. 15. ὡς συκαμίνους . . . εἰς πλῆθος (11 *a*)
2. 9 (8). ἑτοιμάσαι μοι ξύλα εἰς πλῆθος (11 *a*)
4. 18. πάντα τὰ σκεύη ταῦτα εἰς πλῆθος (11 *a*)
5. 6. οὐ λογισθήσονται ἀπὸ τοῦ πλ. (11 *a*)
9. 1. ἄρουσαι . . . χρυσίον εἰς πλῆθος (11 *a*)
— 6. ἥμισυ τοῦ πλ. τῆς σοφίας σου (11 *d*)
— 9. καὶ ἀρώματα εἰς πλ. πολύ (11 *a*)
— 27. ὡς συκαμίνους . . . εἰς πλῆθος (11 *a*)
11. 12. κατίσχυσεν αὐτὰς εἰς πλῆθος σφόδρα (11 *h*)
— 23. ἔδωκεν αὐταῖς τροφὰς πλ. πολύ (11 *a*)
— 23. ᾐτήσατο πλῆθος γυναικῶν (3)
12. 3. οὐκ ἦν ἀριθμὸς τοῦ πλ. (8)
13. 8. καὶ ὑμεῖς πλ. πολύ (3)
14. 11 (10). ἤλθομεν ἐπὶ τὸ πλ. τὸ πολὺ τοῦτο (3)
16. 8. οὐχ οἱ Αἰθίοπες . . . ἦσαν . . . εἰς πλῆθος σφόδρα (11 *h*)
20. 2. ἥκει ἐπὶ σὲ πλῆθος πολύ (3)
— 12. τοῦ ἀντιστῆναι πρὸς τὸ πλ. τὸ πολὺ τ. (3)
— 24. εἶδε τὸ πλ. (3)
30. 5. πλῆθος οὐκ ἐποίησε (11 *a*)
— 17. πλῆθος τῆς ἐκκλησίας οὐχ ἡγνίσθη (11 *b*)
— 24. καὶ τὰ ἅγια τῶν ἱερέων εἰς πλῆθος (11 *a*)
31. 5. ἐπιδέκατα πάντα εἰς πλῆθος (11 *a*)
— 10. B ἕως εἰς πλῆθος (11 *a*)
— 10. κατελίπομεν ἐπὶ [A ἔτι] τὸ πλ. τοῦτο (3)
— 18. εἰς πᾶν τὸ πλ. (10)
32. 29. ἀποσκευὴν . . . βοῶν εἰς πλῆθος (11 *a*)
I Es. 8. 21. A R καὶ ἄλλα ἐκ πλήθους πάντα
— 91. κλαυθμὸς γὰρ ἦν μέγας ἐν τῷ πλ.
9. 2. τῶν ἀνομιῶν τῶν μεγ. τοῦ πλ.
— 4. ἀλλοτριωθήσεται ἀπὸ τοῦ πλ.
I Es. 9. 6. συνεκάθισαν πᾶν τὸ πλ.
— 10. ἐφώνησαν ἅπαν τὸ πλῆθος
— 11. τὸ πλ. πολύ
— 12. οἱ προηγούμενοι τοῦ πλ.
— 38. συνήχθη πᾶν τὸ πλ.
— 40. ἐκόμισεν . . . παντὶ τῷ πλ.
— 41. A R ἐπέδωκαν πᾶν τὸ πλ. τὸν νοῦν [B *al.*]
— 45. A R ἀναλαβὼν . . . ἐνώπιον τοῦ πλ. [B *al.*]
— 47. A R ἐπεφώνησε [B ἐφ.] πᾶν τὸ πλ.
— 48. B πρὸς τὸ πλ. ἀνεγίνωσκον τὸν νόμον
— 49. τοῖς διδάσκουσι τὸ πλ.
Ne. 5. 18. οἶνος τῷ πλ. (11 *h*)
9. 25. πᾶν ξύλον βρώσιμον εἰς πλῆθος (11 *a*)
13. 22. κατὰ τὸ πλ. τοῦ ἐλέους σου (11 *a*)
To. 4. 8. A B ὡς σοι ὑπάρχει κατὰ τὸ πλ.
Ju. 1. 16. A S R πλῆθος ἀνδρῶν πολεμιστῶν πολὺ σφόδρα
2. 5. A B S² καὶ πλῆθος
— 16. πολέμου πλῆθος συντάσσεται
— 17. ἔλαβε . . . πλ. πολὺ σφόδρα
— 18. ἐπισιτισμὸν παντὶ ἀνδρὶ εἰς πλῆθος
— 20. οὐ γὰρ ἦν ἀριθμὸς ἀπὸ πλήθους αὐτῶν
5. 3. καὶ τὸ πλ. τῆς δυνάμεως αὐ.
— 10. ἐγένοντο ἐκεῖ εἰς πλ. πολύ
7. 2. πλ. πολὺ σφόδρα
— 4. ὡς εἶδον αὐτῶν τὸ πλ.
— 18. ἦσαν εἰς πλ. πολὺ σφόδρα
9. 11. οὐ γὰρ ἐν πλήθει τὸ κράτος σου
15. 7. ἦν γὰρ πλ. πολὺ σφόδρα
16. 4. τὸ πλ. αὐ. ἐνέφραξε χειμάρρους
Es. 5. 11. S² καὶ τὸ πλ. τῶν υἱῶν αὐτοῦ (11 *a*)
Jb. 31. 34. οὐ γὰρ διετράπην πολυοχλίαν πλήθους [A λαοῦ] (11 *b*)
33. 19. πλῆθος ὀστῶν αὐτοῦ ἐνάρκησε (†*, 11 *a*)
35. 9. ἀπὸ πλήθους συκοφαντούμενοι (11 *a*)
Ps. 5. 7. ἐν τῷ πλ. τοῦ ἐλέου σου (11 *a*)
— 10. κατὰ τὸ πλ. τῶν ἀσεβειῶν αὐτῶν (11 *a*)
9. 25 (10. 4). κατὰ τὸ πλ. τῆς ὀργῆς αὐτοῦ (2)
30 (31). 19. ὡς πολὺ τὸ πλ. τῆς χρηστότητός σου (11 *b*)
32 (33). 16. ἐν πλήθει ἰσχύος αὐτοῦ (11 *a*)
— 17. ἐν δὲ πλήθει δυνάμεως αὐτοῦ σωθήσεται (11 *a*)
36 (37). 11. κατατρυφήσουσιν ἐπὶ πλήθει εἰρήνης (11 *a*)
43 (44). 12. οὐκ ἦν πλῆθος ἐν τοῖς ἀλαλάγμασιν αὐτῶν [A S² ἡμῶν] (11 *g*)
48 (49). 6. ἐπὶ τῷ πλ. τοῦ πλούτου αὐτῶν (11 *a*)
50 (51). 1. κατὰ τὸ πλ. τῶν οἰκτιρμῶν σου (11 *a*)
51 (52). 7. B S¹ ἐπήλπισεν ἐπὶ τὸ πλ. [S² τῷ πλ.] τοῦ πλούτου αὐ. (11 *a*)
63 (64). 2. ἀπὸ πλήθους ἐργαζομένων ἀδικίαν (12)
65 (66). 3. ἐν τῷ πλ. τῆς δυνάμεώς σου (11 *a*)
68 (69). 13. ἐν τῷ πλ. τοῦ ἐλέους σου (11 *a*)
— 16. κατὰ τὸ πλ. τῶν οἰκτιρμῶν σου (11 *a*)
71 (72). 7. ἀνατελεῖ . . . πλῆθος εἰρήνης (11 *a*)
76 (77). 17. πλῆθος ἤχους ὕδατος †
93 (94). 19. κατὰ τὸ πλ. τῶν ὀδυνῶν μου (11 *a*)
105 (106). 7. οὐκ ἐμνήσθησαν τοῦ πλ. τοῦ ἐλέους σου (11 *a*)
— 45. μετεμελήθη κατὰ τὸ πλ. τοῦ ἐλέους αὐ. (11 *a*)
144 (145). 7. μνήμην τοῦ πλ. τῆς χρηστότητός σου ἐξερεύξονται [A ἐρ.] (11 *b*)
146 (147). 4. ὁ ἀριθμῶν πλήθη ἄστρων (7)
150. 2. κατὰ τὸ πλ. τῆς μεγαλωσύνης αὐτοῦ (11 *a*)
Pr. 5. 23. ἐκ δὲ πλήθους τῆς ἑαυτοῦ βιότητος ἐξερρίφη (11 *a*)
Ec. 1. 18. ἐν πλήθει σοφίας πλῆθος γνώσεως (11 *a*, 11 *a*)
5. 2. παραγίνεται ἐνύπνιον ἐν πλήθει περισπασμοῦ καὶ φωνὴ ἄφρονος ἐν πλήθει λόγων (11 *a*, 11 *a*)
— 6. ἐν πλήθει ἐνυπνίων καὶ ματαιοτήτων (11 *a*)
— 9. τίς ἠγάπησεν ἐν πλήθει αὐ. γένημα (3)
— 10. ἐν πλήθει ἀγαθωσύνης ἐπληθύνθησαν ἔσθοντες αὐτήν (11 *f*)
6. 3. καὶ πλῆθος ὅτι ἔσονται αἱ ἡμέραι ἐτῶν αὐ. (11 *b*)
11. 1. ἐν πλήθει ἡμερῶν εὑρήσεις αὐτόν (11 *a*)
Wi. 4. 3. πολύγονον δὲ ἀσεβῶν πλῆθος οὐ χρησιμεύσει
6. 2. ἐνωτίσασθε, οἱ κρατοῦντες πλήθους
— 24. πλῆθος δὲ σοφῶν σωτηρία κόσμου
8. 15. ἐν πλήθει φανοῦμαι ἀγαθός
11. 16. ἐπαπέστειλας αὐτοῖς πλῆθος ἀλόγων ζῴων
— 17. ἐπιπέμψαι αὐτοῖς πλῆθος ἄρκων
14. 20. τὸ δὲ πλ. ἐφελκόμενον διὰ τὸ εὔχαρι [A -ρὲς] τῆς ἐργασίας
16. 1. διὰ πλήθους κνωδάλων ἐβασανίσθησαν
Wi. 18. 5. τὸ [A τὸν] αὐτῶν ἀφείλω πλῆθος τέκνων
— 20. θραῦσις ἐν ἐρήμῳ ἐγένετο πλήθους
19. 10. ἐξηρεύξατο ὁ ποταμὸς πλῆθος [S¹ *om.*] βατράχων [S¹ -ους]
Si. 5. 6. τὸ πλ. τῶν ἁμαρτιῶν μου ἐξιλάσεται
6. 34. ἐν πλήθει πρεσβυτέρων στῆθι
7. 7. μὴ ἁμάρτανε εἰς πλῆθος πόλεως
— 9. τῷ πλ. τῶν δώρων μου ἐπόψεται [A -ομαι]
— 14. μὴ ἀδολέσχει ἐν πλήθει πρεσβυτέρων
— 16. μὴ προσλογίζου σεαυτὸν ἐν πλήθει ἁμαρτωλῶν
16. 1. μὴ ἐπιθύμει τέκνων πλῆθος ἀχρήστων [A -ον]
— 3. A S μὴ ἔπεχε ἐπὶ τὸ πλ. [B τὸν τόπον] αὐτῶν
— 9. S² ἐπὶ πλήθει ἀγίων αὐ. οὐ παρεκλήθη
21. 4. B² κακῶν πλῆθος [A B¹ S καταπληγμὸς] καὶ ὕβρις
31 (34). 19. οὐδὲ ἐν πλήθει θυσιῶν ἐξιλάσκεται ἁμαρτίας
32 (35). 18. ἕως ἐξάρῃ πλῆθος ὑβριστῶν
36 (33). 11. ἐν πλήθει ἐπιστήμης κύριος διεχώρισεν αὐτούς
42. 11. μή ποτε . . . καταισχύνῃ σε ἐν πλήθει πολλῶν
44. 19. Ἀβραὰμ μέγας πατὴρ πλήθους ἐθνῶν
51. 3. ἐλυτρώσω με κατὰ τὸ πλ. ἐλέους
Ho. 4. 7. κατὰ τὸ πλ. αὐ. οὕτως ἡμαρτόν μοι (11 *a*)
8. 12. καταγράψω αὐτῷ πλῆθος (11 *a*, 11 *c**)
9. 7. ὑπὸ τοῦ πλ. τῶν ἀδικιῶν σου (11 *a*)
10. 1. κατὰ τὸ πλ. τῶν καρπῶν αὐ. (11 *a*)
— 13. ἐν πλήθει δυνάμεώς σου (11 *a*)
Mi. 4. 13. ἀναθήσεις τῷ κυρίῳ τὸ πλ. αὐ. (1)
Na. 2. 13 (14). ἐκκαύσω ἐν καπνῷ πλῆθός σου †
3. 3. φωνὴ . . . πλήθους τραυματιῶν (11 *a*)
— 4. ἀσθενήσουσιν ἀπὸ πλήθους πορνείας (11 *a*)
Za. 2. 4 (8). ἀπὸ πλήθους ἀνθρώπων καὶ κτηνῶν (11 *a*)
8. 4. ἀπὸ πλήθους ἡμερῶν (11 *a*)
9. 10. καὶ πλῆθος καὶ εἰρήνη ἐξ ἐθνῶν †
14. 14. καὶ ἱματισμὸν εἰς πλῆθος σφόδρα (11 *a*)
Is. 1. 11. τί μοι πλ. τῶν θυσιῶν ὑμῶν (11 *a*)
5. 13. πλ. ἐγενήθη νεκρῶν διὰ λιμόν (3 ?)
17. 12. οὐαὶ πλ. ἐθνῶν πολλῶν (3)
21. 15. διὰ τὸ πλ. τῶν πεφονευμ. [A S φευγόντων] καὶ διὰ τὸ πλ. τῶν πλανωμ. καὶ διὰ τὸ πλ. τῆς μαχαίρας καὶ διὰ τὸ πλ. τῶν τοξευμάτων τῶν διατεταμ. καὶ διὰ τὸ πλ. τῶν πεπτωκότων – *quinquiens*
28. 2. ὡς ὕδατος πολὺ πλ. σῦρον χώραν (5)
29. 5. B τὸ πλ. τῶν καταδυναστευόντων σε (3)
31. 1. ἐφ' ἵπποις πλ. σφόδρα (9 *b*)
— 4. τὸ πλ. τοῦ θυμοῦ ἐπτοήθησαν (3)
37. 24. τῷ πλ. τῶν ἁρμάτων ἐγὼ ἀνέβην (11 *a*)
51. 10. οὐ σὺ εἶ ἡ ἐρημοῦσα θάλασσαν ὕδωρ ἀβύσσου πλ. (11 *b*)
60. 5. S¹ μεταβαλεῖ εἰς σὲ πλῆθος [A B S² πλοῦτος] θαλάσσης (3)
63. 7. κατὰ τὸ πλ. τῆς δικαιοσύνης αὐ. (11 *a*)
— 15. ποῦ ἐστι τὸ πλ. τοῦ ἐλέους σου (3)
Je. 10. 13. ἐξέτεινε . . . πλ. ὕδατος (3)
13. 22. διὰ τὸ πλ. τῆς ἀδικίας [A κακίας] (11 *a*)
26 (46). 16. τὸ πλ. σου ἠσθένησε (11 *h*)
28 (51). 13. ἐπὶ πλήθει θησαυρῶν αὐτῆς (11 *b*)
— 27. A B S² ὡς ἀκρίδων πλ. †
30. 10 (49. 32). πλ. κτηνῶν αὐτῶν εἰς ἀπώλειαν (3)
37 (30). 15. ἐπὶ πλ. ἀδικιῶν [A -ίας, S δικαίων] σου ἐπληθύνθησαν αἱ ἁμαρτίαι σου (11 *a*)
La. 1. 3. ἀπὸ πλήθους δουλείας αὐτῆς (11 *a*)
— 5. ἐπὶ τὸ πλ. τῶν ἀσεβειῶν αὐτῆς (11 *a*)
3. 32. κατὰ τὸ πλ. τοῦ ἐλέους αὐτοῦ (11 *a*)
Ez. 7. 12. A ὀργὴ εἰς πᾶν τὸ πλ. αὐτῆς (3)
— 13. A ὅρασις εἰς πᾶν τὸ πλ. αὐτῆς οὐκ ἀνακάμψει (3)
— 14. A ἡ ὀργή μου εἰς πᾶν τὸ πλ. αὐτῆς (3)
19. 11. ἐν πλήθει κλημάτων αὐτῆς (11 *a*)
28. 42. πρὸς ἄνδρας ἐκ πλήθους ἀνθρώπων ἥκοντας (11 *a*)
26. 10. ἀπὸ τοῦ πλ. τῶν ἵππων αὐτοῦ (13)
— 13. καταλύσει τὸ πλ. τῶν μουσικῶν σου (3)
27. 12. ἀπὸ πλήθους πάσης ἰσχύος σου (11 *a*)
— 16. ἀπὸ πλήθους τοῦ συμμίκτου σου (11 *a*)
— 18. ἐκ πλήθους πάσης δυνάμεώς σου (11 *a*)
— 25. ἔμποροί σου ἐν τῷ πλ. –
— 33. ἐνέπλησας [A ἐνεποίησας] ἔθνη ἀπὸ τοῦ πλ. σου (11 *a*)
28. 10. ἐν πλήθει ἀπεριτμήτων [A *al.*] †
— 16. ἀπὸ πλήθους τῆς ἐμπορίας σου (11 *a*)
— 17. διὰ πλ. [A τὸ πλ.] ἁμαρτιῶν σου –
— 18. διὰ τὸ πλ. τῶν ἁμαρτιῶν σου (11 *a*)

Ez. 29. 19. A λήψεται τὸ πλ. αὐτῆς (3)
30. 4. A λήψονται τὸ πλ. αὐτῆς (3)
— 10. ἀπολῶ πλ. Αἰγυπτίων (3)
— 15. ἀπολῶ τὸ [A om.] πλ. Μέμφεως (3)
31. 2. εἰπὸν πρὸς Φαραὼ . . . καὶ τῷ πλ. αὐτοῦ (3)
— 6. κατῴκησε πᾶν πλ. ἐθνῶν (11 b)
— 7. διὰ τὸ πλ. τῶν κλάδων αὐτοῦ †
— 9. διὰ τὸ πλ. τῶν κλάδων αὐτοῦ (11 a)
— 15. ἐκώλυσα [A -σεν] πλ. ὕδατος (11 b)
— 18. οὕτως Φαραὼ καὶ [A add. πᾶν] τὸ πλ. τῆς ἰσχύος αὐτοῦ (3)
32. 6. ἀπὸ τοῦ πλ. σου ἐπὶ τῶν ὀρέων –
— 32. πᾶν τὸ πλ. αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ [A om. μ. αὐ.] (3)
39. 4. δοθήσονται εἰς πλήθη ὀρνέων †
— 11. Γὼγ καὶ πᾶν τὸ πλ. αὐτοῦ (3)
47. 10. πλ. πολὺ σφόδρα (11 b)
Da. LXX. 3. (36). ὡς τὰ ἄστρα τοῦ οὐρανοῦ τῷ πλ.
— (42). κατὰ τὸ πλ. τοῦ ἐλέους σου
10. 1. τὸ πλ. τὸ ἰσχυρὸν διανοηθήσεται τὸ πρόσταγμα (14)
Da. TH. 2. 35. ἐξῆρεν αὐτὰ τὸ πλ. τοῦ πνεύματος –
3. (42). κατὰ τὸ πλ. τοῦ ἐλέους σου
I Ma. 1. 3. AR ἔλαβε σκῦλα πλήθους [S -ος] ἐθνῶν
3. 17. πολεμῆσαι πρὸς πλ. τοσοῦτο ἰσχυρόν
— 19. οὐκ ἐν πλήθει δυνάμεως νίκη πολέμου ἐστίν
— 20. SR ἔρχονται . . . ἐν [A om.] πλήθει ὕβρεως
4. 8. μὴ φοβεῖσθε τὸ πλ. αὐ.
5. 12. πέπτωκεν ἐξ ἡμῶν πλῆθος
6. 41. πάντες οἱ ἀκούοντες φωνῆς πλήθους αὐτῶν καὶ ὁδοιπορίας τοῦ πλ.
8. 15. ἐβουλεύοντο . . . διὰ παντὸς περὶ τοῦ πλ.
— 20. τὸ πλ. τῶν Ἰ. ἀπέστειλαν ἡμᾶς
9. 6. ἴδον τὸ πλ. τῶν δυνάμεων ὅτι πολλοί εἰσι
— 63. συνήγαγε πᾶν τὸ πλ. αὐ.
10. 77. διὰ τὸ ἔχειν αὐτὸν πλῆθος ἵππου
15. 3. ἐξενολόγησα δὲ πλῆθος δυνάμεων
II Ma. 2. 21. καὶ τὰ βάρβαρα πλ. διώκειν
— 24. διὰ τὸ πλ. τῆς ὕλης
3. 6. ὥστε τὸ πλ. τῶν διαφόρων ἀναρίθμητον εἶναι
— 21. τὴν τοῦ πλήθους παμμιγῆ πρόπτωσιν
4. 5. τὸ δὲ σύμφορον . . . παντὶ τῷ πλ. σκοπῶν
— 39. ἐπισυνήχθη τὸ πλ. ἐπὶ τὸν Λ.
5. 3. καὶ καμάκων πλήθη
— 10. ὁ πλῆθος ἀτάφων ἐκρίψας
— 26. ἱκανὰ κατέστρωσε πλήθη
9. 2. τῶν πλ. ὁρμησάντων
11. 16. Λυσίας τῷ πλ. τῶν Ἰουδ. χαίρειν
12. 27. R ἐν ᾗ κατῴκει Λ. καὶ πάμφυλα πλ. [A al.]
— 42. παρεκάλεσε τὸ πλ.
13. 1. παραγενέσθαι σὺν πλήθεσιν ἐπὶ τὴν Ἰουδ.
— 10. παρήγγειλε τῷ πλ.
14. 1. εἰσπλεύσαντα μετὰ πλ. ἰσχυροῦ
— 20. τοῦ ἡγεμόνος τοῖς πλ. ἀνακοινωσαμένου
— 41. τῶν δὲ πλ. μελλόντων τὸν πύργον καταλαβέσθαι
15. 21. συνιδὼν ὁ Μ. τὴν τῶν πληθῶν παρουσίαν
III Ma. 1. 24. τὸ μὲν πλ. . . . ἀνεστρέφετο δεόμενον
2. 7. σὺν ἅρμασι καὶ ὄχλων πλήθει
4. 5. R ἤγετο γὰρ γεραιῶν πλῆθος [A al.]
5. 24. τὰ δὲ κατὰ τὴν πόλιν πλήθη συνήθροιστο
— 46. τῆς πόλεως ἤδη πλήθεσιν ἀναριθμήτοις . . . καταμεμεστωμένης
— 48. τῆς τε τοῦ πλ. πορείας κονιορτὸν ἰδόντες
6. 14. ἱκετεύει σε τὸ πᾶν πλ. τῶν νηπίων
7. 13. οἱ τούτων ἱερεῖς καὶ πᾶν τὸ πλ.
IV Ma. 8. 5. τὸ πλ. τοσούτων ἀδελφῶν ὑπερτιμῶν

[Aq. I Ki. 19. 13, 16: III Ki. 4. 20: Jb. 22. 11: 23. 6: 37. 23: Ps. 32 (33). 16: 71 (72). 7: 88 (89). 8 bis: Pr. 14. 28: 15. 22: Ec. 5. 10: Ca. 8. 11: Is. 16. 14: 33. 23: Je. 13. 22: 30 (37). 15: 47 (29). 3: Ez. 23. 42: 27. 9, 18: 30. 10: 31. 9: 32. 20, 25.]
[Sm. III Ki. 4. 20: Ps. 32 (33). 16 bis, 17: 41 (42). 5: 49 (50). 11: Pr. 14. 4, 28: 15. 22: 25. 8: Ec. 5. 2, 6: Ca. 7. 4 (5): Is. 16. 14: 29. 5: 31. 4: 32. 14: 40. 26: 60. 5: 63. 1, 7: Je. 10. 13: 47 (29). 3: 51 (28). 55: La. 1. 5: Ez. 27. 18: 30. 10: 32. 25: Ho. 8. 12.]
[Th. Jb. 22. 11: 33. 19: Ps. 3. 7: Pr. 7. 21: 14. 4, 28: 15. 22: 20. 15: Is. 9. 3 (2): 16. 14: 29. 5, 8: 31. 4: 32. 14: 33. 3: 40. 26: 66. 11: Je. 30 (37). 15: Ez. 7. 11, 12, 13, 14: 27. 18: 30. 10: 31. 9: 32. 18, 25: Da. 2. 35: 3. (36).]
[Al. Ex. 32. 26: Dt. 1. 10: I Ki. 14. 11: Ec. 5. 9: Ez. 32. 24, 25.]
[Quint. Ps. 32 (33). 16: Ca. 4. 1.]
[Sext. Ps. 32 (33). 17: 77 (78). 31.]

πληθύνειν (-ύειν). (1) אָרַךְ hi. (2) דָּגָה (3) יָתַר hi. (4) מָלֵא a. qal. b. ni. (5) נוּב (6) עָטַף (7) עָצַם (8) פָּרַץ (9) רָבַב a. qal. b. pu. (10) רָבָה a. qal. b. pi. c. hi. d. רַב e. רָבְבָה (11) רָחַב hi. (12) שָׂבַע (13) a. שָׁנָה b. שָׁנָא (סָנָא) pe. (14) שָׁרַץ

Ge. 1. 22. αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε (10 a)
— 22. τὰ πετεινὰ πληθυνέσθωσαν (10 a)
— 28. αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε (10 a)
3. 16. πληθύνων πληθυνῶ τὰς λύπας σου (10 c, 10 c)
6. 5. ἐπληθύνθησαν αἱ κακίαι τῶν ἀνθρ. (9 a)
7. 17. A ἐπληθύνθη [R ἐπεπλ.] τὸ ὕδωρ (10 a)
— 18. καὶ ἐπληθύνετο σφόδρα (10 a)
8. 17. πληθύνεσθε ἐπὶ τῆς γῆς (10 a)
9. 1, 7. αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε (10 a)
— 7. A πληθύνεσθε ἐπὶ τῆς γῆς [R al.] (10 a)
16. 10. πληθύνων πληθυνῶ τὸ σπέρμα σου (10 c, 10 c)
17. 2. πληθυνῶ σε σφόδρα (10 c)
— 20. πληθυνῶ αὐτὸν σφόδρα (10 c)
18. 20. κραυγὴ Σοδ. καὶ Γ. πεπλήθυνται (10 a)
22. 17. πληθύνων πληθυνῶ τὸ σπέρμα σου (10 c, 10 c)
26. 4, 24. πληθυνῶ τὸ σπέρμα σου (10 c)
28. 3. ὁ δὲ θεός μου . . . πληθύναι σε (10 c)
34. 12. πληθύνατε τὴν φερνὴν σφόδρα (10 c)
35. 11. αὐξάνου καὶ πληθύνου (10 a)
38. 12. ἐπληθύνθησαν δὲ αἱ ἡμέραι (10 a)
47. 27. ἐπληθύνθησαν σφόδρα (10 a)
48. 4. B αὐξανῶ σε καὶ πληθυνῶ [AR add. σε] (10 c)
— 16. πληθυνθείησαν εἰς πλῆθος πολύ (2)
Ex. 1. 7. ηὐξήθησαν καὶ ἐπληθύνθησαν (14)
— 7. ἐπλήθυνε δὲ ἡ γῆ αὐτούς (4 b)
— 10. μή ποτε πληθυνθῇ (10 a)
— 20. ἐπλήθυνεν ὁ λαός (10 a)
7. 3. πληθυνῶ τὰ σημεῖά μου (10 c)
11. 9. ἵνα πληθύνων [A om.] πληθύνω μου τὰ σημεῖα (–, 10 a)
Le. 25. 16. AB καθότι ἂν . . . πληθύνῃ [R -νεῖ] τὴν ἔγκτησιν αὐ. (10 c)
26. 9. καὶ πληθυνῶ ὑμᾶς (10 c)
Nu. 33. 54. πληθυνεῖτε τὴν κατάσχεσιν αὐτῶν (10 c)
De. 1. 10. κ. ὁ θ. ὑμῶν ἐπλήθυνεν ὑμᾶς (10 c)
6. 3. ἵνα πληθυνθῆτε σφόδρα (10 a)
7. 13. καὶ πληθυνεῖ σε (10 c)
— 22. καὶ πληθυνθῇ ἐπὶ σὲ τὰ θηρία τὰ ἄγρια (10 a)
8. 13. B¹ τῶν βοῶν σου πληθυνθέντων [AB²R om.] –
— 13. τῶν προβάτων σου πληθυνθέντων (10 a)
— 13. χρυσίου πληθυνθέντος σοι (10 a)
— 13. πάντων . . . πληθυνθέντων σοι (10 a)
13. 17 (18). καὶ πληθυνεῖ σε (10 c)
17. 16. οὐ πληθυνεῖ ἑαυτῷ ἵππον (10 c)
— 16. ὅπως μὴ πληθύνῃ αὐτῷ ἵππον (10 c)
— 17. οὐ πληθυνεῖ ἑαυτῷ γυναῖκας [B¹ om.] (10 c)
— 17. AB²R χρυσίον οὐ πληθυνεῖ ἑαυτῷ (10 c)
28. 11. πληθυνεῖ σε . . . εἰς ἀγαθά (3)
— 63. AR καὶ πληθῦναι ὑμᾶς (10 c)
Jo. 24. 3. ἐπλήθυνα αὐτοῦ σπέρμα (10 c)
Jd. 9. 29. πλήθυνον τὴν δύναμίν σου (10 b)
16. 24. ἐπλήθυνε τοὺς τραυματίας ἡμῶν (10 c)
I Ki. 1. 12. ὅτε ἐπλήθυνε προσευχομένη (10 c)
7. 2. ἐπλήθυναν αἱ ἡμέραι (10 a)
14. 19. ὁ ἦχος . . . ἐπλήθυνε (10 d)
25. 10. πεπληθυμμένοι εἰσὶν οἱ δοῦλοι (9 a)
II Ki. 14. 11. πληθυνθῆναι [A -ῦναι] ἀγχιστέα τοῦ αἵματος (10 c)
22. 36. ἡ ὑπακοή σου ἐπλήθυνέ με (10 c)
III Ki. 3. 1 (4. 30 [5. 10]). ἐπληθύνθη ἡ φρόνησις Σαλ. (10 a)
— 14. πληθυνῶ τὰς ἡμέρας σου (1)
4. 30 (5. 10). ἐπληθύνθη [A add. ἡ σοφία] Σαλ. σφόδρα (10 a)
IV Ki. 21. 6. καὶ γνώστας ἐπλήθυνε (10 c)
I Ch. 4. 10. ἐὰν . . . πληθύνῃς τὰ ὅριά μου (10 c)
— 38. ἐπληθύνθησαν εἰς πλῆθος (8)
7. 4. ἐπλήθυναν γυναῖκας καὶ υἱούς (10 c)
8. 40. καὶ πληθύοντες υἱούς (10 c)
23. 11. AR οὐκ ἐπλήθυναν [B -εν] υἱούς (10 c)
27. 23. κύριος εἶπε πληθῦναι τὸν Ἰσρ. (10 c)
II Ch. 33. 6. ἐπλήθυνε τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρόν [A al.] (10 c)
— 23. ἐπλήθυνε πλημμέλειαν (10 c)
36. 14. ἐπλήθυνεν τοῦ ἀθετῆσαι (10 c)
II Es. 4. 22. μή ποτε πληθυνθῇ ἀφανισμός (13 b)
9. 6. ἐπληθύνθησαν ὑπὲρ κεφαλῆς ἡμῶν (10 a)
10. 13. ἐπληθύναμεν τοῦ ἀδικῆσαι (10 c)
Ne. 9. 23. τοὺς υἱοὺς αὐτῶν ἐπλήθυνας (10 c)
Ju. 5. 9. καὶ ἐπληθύνθησαν χρυσίῳ
9. 7. ἐπληθύνθησαν ἐν δυνάμει αὐτῶν
Jb. 39. 4. πληθυνθήσονται ἐν γεννήματι (10 a)
Ps. 3. 1. τί ἐπληθύνθησαν οἱ θλίβοντές με (9 a)
4. 7. ἀπὸ καρποῦ . . . ἐπληθύνθησαν (9 a)
15 (16). 4. ἐπληθύνθησαν αἱ ἀσθένειαι αὐτῶν (10 a)
17 (18). 14. ἀστραπὰς ἐπλήθυνε (10 d)
24 (25). 17. αἱ θλίψεις τῆς καρδίας μου ἐπληθύνθησαν (11)
— 19. ἴδε τοὺς ἐχθρούς μου ὅτι ἐπληθύνθησαν (9 a)
35 (36). 7. ὡς ἐπλήθυνας τὸ ἔλεός σου, ὁ θεός †
37 (38). 19. ἐπληθύνθησαν οἱ μισοῦντές με [A om.] ἀδίκως (9 a)
39 (40). 5. ἐπληθύνθησαν ὑπὲρ ἀριθμόν (7)
— 12. ἐπληθύνθησαν ὑπὲρ τὰς τρίχας τῆς κεφαλῆς μου (7)
48 (49). 16. ὅταν πληθυνθῇ ἡ δόξα τοῦ οἴκου αὐτοῦ (10 a)
64 (65). 9. ἐπλήθυνας τοῦ πλουτίσαι αὐτήν (10 d)
— 10. πλήθυνον τὰ γεννήματα αὐτῆς †
— 13. αἱ κοιλάδες πληθυνοῦσι σῖτον (6)
68 (69). 4. ἐπληθύνθησαν ὑπὲρ τὰς τρίχας τῆς κεφαλῆς μου (9 a)
77 (78). 38. πληθυνεῖ τοῦ ἀποστρέψαι τὸν θυμὸν αὐτοῦ (10 c)
91 (92). 12. ὡς ἡ κέδρος ἡ ἐν τῷ Λιβάνῳ πληθυνθήσεται (13 a)
— 14. πληθυνθήσονται ἐν γήρει πίονι (5)
105 (106). 29. ἐπληθύνθη ἐν αὐτοῖς ἡ πτῶσις (8)
106 (107). 38. ἐπληθύνθησαν σφόδρα (10 a)
118 (119). 69. ἐπληθύνθη ἐπ' ἐμὲ ἀδικία †
122 (123). 3. S¹ ἐπὶ πολὺ ἐπληθύνθημεν [AS²R ἐπλήσθημεν] ἐξουδενώσεως (12)
— 4. S ἐπὶ πλεῖον ἐπληθύνθη [AR ἐπλήσθη] ἡ ψυχὴ ἡμῶν (12)
138 (139). 18. ὑπὲρ ἄμμον πληθυνθήσονται (10 a)
143 (144). 13. τὰ πρόβατα αὐτῶν πολυτόκα πληθύνοντα ἐν ταῖς ἐξόδοις αὐτῶν (9 b)
Pr. 4. 10. πληθυνθήσεται ἔτη ζωῆς σου (10 a)
13. 11. μετ' εὐσεβείας πληθυνθήσεται (10 c)
28. 8. ὁ πληθύνων τὸν πλοῦτον αὐτοῦ (10 c)
— 28. ἐν δὲ τῇ ἐκείνων ἀπωλείᾳ πληθυνθήσονται δίκαιοι (10 a)
Ec. 5. 10. ἐν πλήθει ἀγαθωσύνης ἐπληθύνθησαν ἔσθοντες αὐτήν (9 a)
6. 11. εἰσὶ λόγοι [S ὀλίγοι] πολλοὶ πληθύνοντες ματαιότητα (10 c)
10. 14. ὁ ἄφρων πληθύνει λόγους (10 c)
Wi. 10. 10. ἐπλήθυνε τοὺς πόνους [A S κόπους] αὐ.
Si. 6. 5. λάρυγξ γλυκὺς πληθυνεῖ φίλους αὐτοῦ καὶ γλῶσσα εὔλαλος πληθυνεῖ εὐπροσήγορα
11. 10. ἐὰν πληθύνῃς
— 32. ἀπὸ σπινθῆρος πυρὸς πληθύνεται [B¹ S² -υνθήσεται] ἀνθρακιά
16. 2. ἐὰν πληθύνωσι [S² -υνθῶσιν]
18. 12. διὰ τοῦτο ἐπλήθυνε τὸν ἐξιλασμὸν αὐτοῦ
21. 12. ἔστι πανουργία πληθύνουσα πικρίαν [A² παιδείαν]
— 13. γνῶσις σοφοῦ ὡς κατακλυσμὸς πληθυνθήσεται
22. 13. μετὰ ἄφρονος μὴ πληθύνῃς λόγον
23. 3. ὅπως μὴ πληθύνωσιν [AS -υνθῶσιν] αἱ ἄγνοιαί μου
— 16. δύο εἴδη πληθύουσιν [A -ωσιν] ἁμαρτίας
24. 29. ἐπληθύνθη δανόημα [A -ατα] αὐτῆς
27. 1. ὁ ζητῶν πληθῦναι ἀποστρέψει ὀφθαλμόν
31 (34). 10. ὁ δὲ πεπλανημένος πληθυνεῖ πανουργίαν
34 (31). 30. πληθύνει μέθη θυμὸν ἄφρονος
40. 15. ἔκγονα ἀσεβῶν οὐ πληθυνεῖ [? -ύνει] κλάδους
43. 30. ὑψοῦντες αὐτὸν πληθύνατε ἐν ἰσχύϊ
44. 21. AB S² πληθῦναι αὐτὸν ὡς χοῦν τῆς γῆς
47. 18. ὡς μόλιβδον ἐπλήθυνας ἀργύριον
— 24. ἐπληθύνθησαν αἱ ἁμαρτίαι αὐτῶν σφόδρα
48. 16. τινὲς δὲ ἐπλήθυναν ἁμαρτίας
Ho. 2. 8 (10). ἀργύριον ἐπλήθυνα αὐτῇ (10 c)
8. 11. ἐπλήθυνεν Ἐφρ. θυσιαστήρια (10 c)
— 14. Ἰ. ἐπλήθυνε πόλεις τετειχισμένας (10 c)
9. 7. ἐπλήθυνθη μανία [A μνεία] σου (10 d)
10. 1. ἐπλήθυνε τὰ θυσιαστήρια (10 c)
12. 1 (2). κενὰ καὶ μάταια ἐπλήθυνε (10 c)
— 10 (11). ὁράσεις ἐπλήθυνα (10 c)
Am. 4. 4. ἐπλήθυνατε τοῦ ἀσεβῆσαι (10 c)

Am. 4. 9. ἐπληθύνατε κήπους ὑμῶν (10 c)
Jl. 3 (4). 13. πεπλήθυνται τὰ κακὰ αὐ. (10 d)
Na. 3. 16. A B S² ἐπλήθυνας τὰς ἐμπορίας σου (10 c)
Hb. 2. 6. ὁ πληθύων ἑαυτῷ τὰ οὐκ ὄντα αὐ. (10 c)
Za. 10. 8. πληθυνθήσονται καθότι ἦσαν πολλοί (10 a)
Is. 1. 15. ἐὰν πληθύνητε τὴν δέησιν (10 c)
6. 12. οἱ καταλειφθέντες πληθυνθήσονται (10 d)
14. 2. πληθυνθήσονται ἐπὶ τῆς γῆς –
51. 2. A S R ἐπλήθυνα αὐτόν (10 c)
57. 9. ἐπλήθυνας τὴν πορνείαν σου μετ' αὐτῶν (10 c ?)
Je. 2. 22. ἐὰν . . . πληθύνῃς σεαυτῇ ποίαν (10 c)
3. 16. ἔσται ἐὰν πληθυνθῆτε (10 a)
5. 6. ἐπλήθυναν ἀσεβείας αὐτῶν (9 a)
15. 8. ἐπληθύνθησαν χῆραι αὐτῶν (7)
23. 3. αὐξηθήσονται καὶ πληθυνθήσονται (10 a)
26 (46). 11. εἰς τὸ κενὸν ἐπλήθυνας ἰάματά σου (10 c)
— 23. πληθύνει ὑπὲρ ἀκρίδα [A al.] (9 a)
36 (29). 6. πληθύνεσθε καὶ μὴ σμικρυνθῆτε (10 a)
37 (30). 14. ἐπλήθυναν αἱ ἁμαρτίαι σου (7)
— 15. ἐπληθύνθησαν αἱ ἁμαρτίαι σου (7)
Ba. 2. 34. πληθυνῶ αὐτούς
La. 1. 1. ἡ πόλις ἡ πεπληθυμμένη λαῶν (10 d)
— 1. ἐγενήθη ὡς χήρα πεπληθυμμένη ἐν ἔθνεσιν (10 d)
2. 5. ἐπλήθυνε [S¹ -αν] τῇ θυγατρὶ Ἰούδα ταπεινουμένην [A S -ον] (10 c)
— 22. ἐπλήθυνα ἐχθρούς μου πάντας (10 b)
Ez. 11. 6. ἐπληθύνατε νεκροὺς ὑμῶν (10 c)
16. 7. πληθύνου . . . καὶ ἐπληθύνθης (10 e, 10 a)
— 25. ἐπλήθυνας τὴν πορνείαν σου (10 c)
— 29. ἐπλήθυνας τὰς διαθήκας [A τὴν δ.] σου (10 c)
— 51. ἐπλήθυνας τὰς ἀνομίας σου (10 c)
19. 2. ἐπλήθυνε σκύμνους αὐτῆς (10 b)
21. 15 (20). πληθυνθῶσιν οἱ ἀσθενοῦντες (10 c)
22. 25. χῆραί σου ἐπληθύνθησαν (10 c)
23. 19. ἐπλήθυνας τὴν πορνείαν σου (10 c)
24. 10. πληθυνῶ τὰ ξύλα (10 c)
27. 15. ἐπλήθυναν τὴν ἐμπορίαν σου ὀδόντας (10 d)
28. 5. ἐπλήθυνας δύναμίν [A -εις] σου (10 c)
— 16. A ἐπλήθυνας [B ἔπλησας] τὰ ταμεῖά σου ἀνομίας (4 a)
36. 10, 11. πληθυνῶ ἐφ' ὑμᾶς ἀνθρώπους (10 c)
— 29. πληθυνῶ αὐτόν (10 c)
— 30. πληθυνῶ τὸν καρπὸν τοῦ ξύλου (10 c)
— 37. πληθυνῶ αὐτοὺς ὡς πρόβατα ἀνθρώπους (10 c)
Da. LXX. 3. (36). πολὺ πληθῦναι [? πολυπλ.] τὸ σπέρμα αὐ.
— 31 (98). εἰρήνη ὑμῖν πληθυνθείη (13 b)
4. 34. εἰρήνη ὑμῖν πληθυνθείη ἐν παντὶ καιρῷ –
11. 39. πληθυνεῖ δόξαν (10 c)
Da. TH. 3. (36). πληθῦναι τὸ σπέρμα αὐ.
— 31 (98): 6. 25 (26). εἰρήνη ὑμῖν πληθυνθείη (13 b)
11. 39. πληθυνεῖ δόξαν (10 c)
12. 4. ἕως . . . πληθυνθῇ ἡ γνῶσις (10 a)
I Ma. 1. 9. ἐπλήθυναν κακὰ ἐν τῇ γῇ
— 40. ἐπληθύνθη ἡ ἀτιμία αὐ. [A S¹ al.]
2. 30. R ἐπληθύνθη [A S ἐσκληρύνθη] ἐπ' αὐτοὺς [S¹ add. ἐπληθύνθη, S² add. καὶ ἐπλ.] τὰ κακά
3. 42. ἐπληθύνθη τὰ κακά
14. 15. A R ἐπλήθυνε [S om.] τὰ σκεύη τῶν ἁγίων
II Ma. 3. 19. κατὰ τὰς ὁδοὺς ἐπλήθυνον
III Ma. 5. 41. καὶ πληθύουσα συστροφαῖς ἤδη
6. 4. Φαραὼ πληθύοντα ἅρμασι . . . ἀπώλεσας
[Aq. Ge. 1. 28: Jb. 8. 11: Ps. 15 (16). 4: 17 (18). 36: 70 (71). 21: Pr. 29. 2: Is. 40. 29: 55. 7: 57. 9: Je. 46 (26). 11: Ez. 36. 11: 37. 26: Ho. 8. 12.]
[Sm. Ge. 1. 28: Jb. 8. 11: 39. 4: Ps. 28 (29). 9: 91 (92). 15 (P.): Is. 9. 3 (2), 7 (6): 22. 9: 40. 29: 57. 9: Je. 46 (26). 11: 51 (28). 13: La. 1. 1.]
[Th. Ge. 1. 28: Jb. 39. 4: Ps. 15 (16). 4: 24 (25). 17: 70 (71). 21: Is. 9. 7 (6): 57. 9: Je. 33 (40). 22: Ez. 36. 11: 37. 26: Da. 3. (36).]
[Al. Dt. 11. 21: La. 3. 23.]
[Heb. Jb. 40. 22 (27).]
[Quint. Ps. 17 (18). 36.]
[Sext. Ps. 24 (25). 17: 91 (92). 15.]

πληθύς.

III Ma. 4. 17. διὰ τὴν ἀμέτρητον αὐτῶν πλ.
[Sm. Ps. 39 (40). 11.]

πλήκτης.

[Sm. Ps. 34 (35). 15.]

πληκτικός.

[Al. Je. 30 (37). 5.]

πλημμέλεια (-λία). (1) a. אָשָׁם b. אֲשַׁם c. אַשְׁמָה d. אָשֵׁם (2) מַעַל (3) רֶשַׁע (4) τὸ τῆς πλ. אָשָׁם (5) περὶ τῆς πλ., περὶ πλημμελείας אָשָׁם

Le. 5. 15. οἴσει τῆς πλ. αὐτοῦ (1 a)
— 16. ἐν τῷ κριῷ τῆς πλ. (1 a)
— 18. τιμῆς ἀργυρίου εἰς πλημμέλειαν (1 a)
— 19. R ἐπλημμέλησε γὰρ πλημμελείᾳ [B² -αν, A B¹ -λησιν] (1 a + 1 b)
6. 5 (5. 25). τῆς πλ. αὐτοῦ οἴσει (1 a)
— 17 (10). καὶ ὥσπερ τὸ τῆς πλ. (4)
— 31 (7. 1). τοῦ κριοῦ τοῦ περὶ τῆς πλ. (5)
— 32 (7. 2). σφάξουσι τὸν κριὸν τῆς πλ. (1 a)
— 35 (7. 5). περὶ πλημμελείας ἐστί (5)
— 37 (7. 7). οὕτω καὶ τὸ τῆς πλ. (4)
7. 27 (37). καὶ περὶ ἁμαρτίας καὶ τῆς πλ. (1 a)
14. 12. προσάξει αὐτὸν τῆς πλ. (1 a)
— 13. ὥσπερ τὸ τῆς πλ. ἐστὶ τῷ ἱερεῖ (4)
— 14. ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ τῆς πλ. (1 a)
— 17. τοῦ αἵματος τοῦ τῆς πλ. (1 a)
— 24. τὸν ἀμνὸν τῆς πλ. (1 a)
— 25. B² R τὸν ἀμνὸν τὸν [A B¹ om.] τῆς πλ. (1 a)
— 25. ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ τῆς πλ. (1 a)
— 28. τοῦ αἵματος τοῦ τῆς πλ. (1 a)
19. 21. προσάξει τῆς πλ. αὐτοῦ (1 a)
— 21. κριὸν πλημμελείας (1 a)
— 22. ἐν τῷ κριῷ τῆς πλ. (1 a)
22. 16. ἐπάξουσιν . . . ἀνομίαν πλημμελείας (1 c)
Nu. 5. 7. ἀποδώσει τὴν πλ. (1 a)
6. 12. ἀμνὸν ἐνιαύσιον εἰς πλημμέλειαν (1 a)
18. 9. ἀπὸ πάσης [A π. τῆς] πλ. αὐτῶν (1 a)
Jo. 7. 1. ἐπλημμέλησαν . . . πλ. μεγάλην [A om.] (2)
22. 16. τίς ἡ πλ. αὕτη (2)
— 20. οὐκ ἰδοὺ . . . πλημμελείᾳ ἐπλημμέλησεν (2)
— 31. οὐκ ἐπλημμελήσατε . . . πλημμέλειαν (2)
I Ki. 24. 14. ἐξ ἀνόμων ἐξελεύσεται πλ. (3)
II Ki. 14. 13. ὁ λόγος οὗτος ὡς πλημμέλεια (1 d)
IV Ki. 12. 16 (17). ἀργύριον περὶ πλημμελείας (1 a)
II Ch. 33. 23. ἐπλήθυνε πλημμέλειαν (1 c)
II Es. 9. 6. αἱ πλ. ἡμῶν ἐμεγαλύνθησαν (1 c)
— 7. ἐσμὲν ἐν πλ. μεγάλῃ (1 c)
— 13. καὶ ἐν πλ. ἡμῶν τῇ μεγάλῃ (1 c)
— 15. ἐναντίον σου ἐν πλημμελείαις ἡμῶν (1 c)
10. 10. τοῦ προσθεῖναι ἐπὶ πλημμέλειαν Ἰσρ. (1 c)
— 19. A B S² τοῦ ἐξενέγκαι . . . πλημμελείας (1 d)
Ps. 67 (68). 21. κορυφὴν τριχὸς διαπορευομένων ἐν πλημμελείαις αὐτῶν (1 a)
68 (69). 5. αἱ πλ. μου ἀπὸ σοῦ οὐκ ἐκρύβησαν (1 c)
Si. 7. 31. δὸς τὴν μερίδα αὐτῷ . . . ἀπαρχὴν καὶ περὶ πλημμελείας
10. 7. S² ἐξ ἀμφοτέρων πλημμέλεια ἀδικία [A B S¹ al.]
18. 27. προσέξει ἀπὸ πλημμελείας
26. 29. μόλις ἐξελεῖται ἔμπορος ἀπὸ πλημμελείας
38. 10. ἀπόστησον πλημμέλειαν
41. 18. ἀπὸ κριτοῦ καὶ ἄρχοντος περὶ πλημμελείας
49. 4. πάντες πλημμέλειαν [A -α] ἐπλημμέλησαν
Da. LXX. 9. 7. ἐν τῇ πλ. ᾗ ἐπλημμέλησαν (2)
[Aq. Ge. 42. 21: Pr. 14. 9.]
[Sm. II Ki. 14. 13: Ps. 67 (68). 22: Pr. 14. 9.]
[Th. Pr. 14. 9: Ez. 20. 26.]
[Al. Le. 14. 12: I Ki. 6. 3, 17: Am. 8. 14.]

πλημμελεῖν. (1) a. אָשַׁם, אָשֵׁם b. אַשְׁמָה (2) מָעַל (3) שָׁגַג (4) שְׁגָגָה (5) περὶ ὧν (περὶ οὗ) ἐπλημμέλησε אָשָׁם (6) εἰς ὃ ἐπλημμέλησε אָשָׁם

Le. 4. 13. A B¹ καὶ πλημμελήσουσιν [B² R -σωσι] (1 a)
— 22. καὶ ἁμάρτῃ καὶ πλημμελήσῃ (1 a)
— 27: 5. 3. καὶ πλημμελήσῃ (1 a)
5. 6. περὶ ὧν ἐπλημμέλησε κυρίῳ (5)
— 15. περὶ οὗ ἐπλημμέλησε (5)
— 17. καὶ πλημμελήσῃ (1 a)
— 19. A B¹ ἐπλημμέλησε γὰρ πλημμέλησιν [B² -λίαν, R -λείᾳ] (1 a)
6. 4 (5. 23). ἡνίκα ἐὰν . . . πλημμελήσῃ (1 a)
Le. 6. 5 (5. 25). εἰς ὃ ἐπλημμέλησε (6)
— 6 (5. 26). A B καὶ ἐπλημμέλησεν αὐτῷ [R ἐν αὐ.] (1 b)
14. 21. εἰς ὃ ἐπλημμέλησεν (6)
Nu. 5. 6. B¹ καὶ πλημμελῶν [A B² R om.] πλημμελήσῃ (–, 1 a)
— 7. τίνι ἐπλημμέλησεν αὐτῷ (1 a)
Jo. 7. 1. ἐπλημμέλησαν . . . πλημμέλειαν (2)
22. 16. ἣν ἐπλημμελήσατε ἐναντίον τοῦ θ. (2)
— 20. οὐκ ἰδοὺ . . . πλημμελείᾳ ἐπλημμέλησεν (2)
— 22. εἰ ἐν ἀποστασίᾳ ἐπλημμελήσαμεν †
— 31. οὐκ ἐπλημμελήσατε . . . πλημμέλειαν (2)
Jd. 21. 22. ὡς κλῆρος πλημμελήσατε [A al.] (1 a)
Ps. 33 (34). 21. οἱ μισοῦντες τὸν δίκαιον πλημμελήσουσι (1 a)
— 22. οὐ μὴ πλημμελήσουσι [S -σωσιν] πάντες οἱ ἐλπίζοντες ἐπ' αὐτόν (1 a)
118 (119). 67. ἐγὼ ἐπλημμέλησα (3)
Si. 9. 13. μὴ πλημμελήσῃς
10. 7. πλημμελήσει [A S¹ -η, S¹ -λίᾳ] ἄδικα [A S -κία]
19. 4. ὁ ἁμαρτάνων εἰς ψυχὴν αὐτοῦ πλημμελήσει [S¹ -λεῖ]
23. 11. ἐὰν πλημμελήσῃ ἁμαρτία αὐτοῦ ἐπ' αὐτῷ
— 23. εἰς ἄνδρα ἑαυτῆς ἐπλημμέλησε
26. 11. μὴ θαυμάσῃς ἐὰν εἰς σὲ πλημμελήσῃ [A -ει]
49. 4. πάντες πλημμέλειαν [A -α] ἐπλημμέλησαν
Is. 28. 7. οὗτοι οἴνῳ πεπλημμελημένοι [A S πεπλανημένοι] εἰσίν (4)
Je. 2. 3. πάντες οἱ ἔσθοντες αὐτὸν πλημμελήσουσι (1 a)
16. 18. ἐν αἷς ἐπλημμέλησαν τὴν κληρονομίαν μου †
Da. LXX. 9. 7. ἐν τῇ πλημμελείᾳ ᾗ ἐπλημμέλησαν (2)
[Aq., Sm. Pr. 30. 10: Je. 50 (27). 7: Ez. 22. 4: Hb. 1. 11.]
[Th. Pr. 30. 10; Je. 50 (27). 7: Ez. 6. 6: 22. 4.]
[Al. Le. 5. 4.]

πλημμέλημα. (1) a. אָשָׁם b. אַשְׁמָה (2) עָוֹן

Nu. 5. 8. ὥστε ἀποδοῦναι αὐτῷ τὸ πλ. πρὸς αὐτὸν τὸ πλ. τὸ ἀποδιδόμ. κυρίῳ (1 a, 1 a)
II Es. 10. 19. S² περὶ πλημμελήματος [A B -λήσεως] αὐ. (1 b)
Je. 2. 5. τί εὕροσαν οἱ πατ. ὑμῶν ἐν ἐμοὶ πλ. (2)
[Aq., Sm. Ge. 26. 10.]

πλημμέλησις. (1) a. אָשָׁם b. אָשֵׁם

Le. 5. 19. A B¹ ἐπλημμέλησε γὰρ πλημμέλησιν [B² -λίαν, R -λείᾳ] (1 a + 1 b)
II Es. 10. 19. A B περὶ πλημμελήσεως [S² -λήματος] αὐ. (1 b)
[Aq. Le. 4. 3.]

πλημμύρα. (1) πλημμύρα γίγνεται עֶשֶׂק נָהָר

Jb. 40. 18 (23). ἐὰν γένηται πλημμύρα (1)
[Aq. Dt. 33. 19: Is. 60. 6.]

πλημμυρεῖν.

[Sm. Ec. 1. 7.]

πλήν. (1) אֶבֶל (2) אוּלָם (3) אַף (4) אָכֵן (5) אֶפֶס (6) a. בְּלָעֲדֵי רַק b. מִבַּלְעֲדֵי c. בִּלְעֲדֵי (7) בֶּלֶת (8) בְּרַם (9) הִנֵּה (10) וְ (11) זוּלָה (12) כִּי אִם (13) a. לְבַד b. לְבַד מִ c. מִלְּבַד (14) לָהֵן (15) מִן (16) עֵקֶב (17) עִמָּד (18) עַל־פָּנִים (19) רַק (20) ἄλλος πλήν כִּי (21) πλὴν καί אַף כִּי (22) πλὴν ὅτι a. אוּלָם b. אַף c. רַק (23) ἀλλὰ πλήν רַק

Ge. 9. 4. πλὴν κρέας . . . οὐ φάγεσθε (3)
14. 24. πλὴν ὧν ἔφαγον οἱ νεανίσκοι (6 a)
39. 6. πλὴν τοῦ ἄρτου οὗ ἤσθιεν αὐτός (12)
— 9. οὐδὲν πλὴν σοῦ (12)
41. 40. πλὴν τὸν θρόνον ὑπερέξω σου (19)
Ex. 8. 9 (5). πλὴν ἐν τῷ ποτ. ὑπολειφθήσονται (19)
— 10 (6). οὐκ ἔστιν ἄλλος πλὴν κυρίου [A -ιος] (20)
— 11 (7). πλὴν ἐν τῷ ποτ. ὑπολειφθήσονται (19)
9. 26. πλὴν ἐν γῇ Γ. . . . οὐκ ἐγένετο ἡ χάλ. (19)

Ex. 10. 24. πλὴν τῶν προβάτων . . . ὑπολείπεσθε (19)
12. 16. πλὴν ὅσα ποιηθήσεται πάσῃ ψυχῇ (3)
— 37. οἱ ἄνδρες πλὴν τῆς ἀποσκευῆς (13 b)
20. 3. θεοὶ ἕτεροι πλὴν ἐμοῦ (16)
21. 19. πλὴν τῆς ἀργείας αὐτοῦ ἀποτίσει (19)
22. 20 (19). ὁ θυσιάζων . . . πλὴν κυρίῳ μόνῳ (7)
Le. 11. 4. B πλὴν ἀπὸ τούτων οὐ φάγεσθε (3)
— 36. πλὴν πηγῶν ὑδάτων (3)
21. 23. πλὴν πρὸς τὸ καταπέτασμα οὐ προσελεύσεται (3)
23. 38. πλὴν τῶν σαββ. κυρίου καὶ πλ. τῶν δομάτων ὑ. καὶ πλ. πασῶν τῶν εὐχῶν ὑ. καὶ πλ. τῶν ἑκουσίων ὑ. (13 c quater)
Nu. 5. 8. πλὴν τοῦ κριοῦ τοῦ ἱλασμοῦ (13 c)
— 20. καὶ ἔδωκέ τις . . . πλὴν τοῦ ἀνδρός σου (6 b)
11. 6. πλὴν εἰς τὸ μάννα (7)
18. 3. πλὴν . . . πρὸς τὸ θυσιαστ. οὐ προσελεύσονται (3)
— 17. πλὴν πρωτότοκα μόσχων . . . οὐ λυτρώσῃ (3)
22. 35. πλὴν τὸ ῥῆμα ὃ ἐὰν εἴπω πρὸς σέ (5)
26. 65. πλὴν Χάλεβ υἱὸς Ἰεφ. (12)
28. 23. πλὴν τῆς ὁλοκαυτώσεως τῆς διὰ παντός (13 c)
— 30 (31). πλὴν τοῦ ὁλοκαυτώματος (13 c)
29. 6. πλὴν τῶν ὁλοκαυτωμ. τῆς νουμηνίας (13 c)
— 11. πλὴν τὸ περὶ τῆς ἁμαρτίας (13 c)
— 16, 19, 22, 25, 28, 31, 34, 38. πλὴν τῆς ὁλοκαυτώσεως τῆς διὰ παντός (13 c)
— 39. πλὴν τῶν εὐχῶν ὑμῶν (13 b)
31. 22. πλὴν τοῦ χρυσίου καὶ τοῦ ἀργ. (3)
32. 12. πλὴν Χάλεβ υἱὸς Ἰεφ. (7)
36. 6. A B² R πλὴν ἐκ τοῦ δήμου τοῦ πατρὸς αὐ. (3)
De. 1. 36. πλὴν Χάλεβ υἱὸς Ἰεφ. (11)
2. 28. πλὴν ὅτι παρελεύσομαι τοῖς ποσί (22 c)
— 35. πλὴν τὰ κτήνη ἐπρονομεύσαμεν (19)
— 37. πλὴν ἐγγὺς υἱῶν Ἀ. οὐ προσήλθομεν [A al.] (19)
3. 5. πλὴν τῶν πόλεων τῶν Φερ. (13 b)
— 11. πλὴν Ὤγ βασιλεὺς Β. κατελείφθη (19)
— 19. πλὴν αἱ γυναῖκες ὑμῶν (19)
4. 35. οὐκ ἔστιν ἔτι [A ἄλλος] πλὴν αὐτοῦ (13 c)
— 39. οὐκ ἔστιν ἔτι πλὴν αὐτοῦ –
5. 7. A θεοὶ ἕτεροι πλὴν ἐμοῦ [B al.] (16)
10. 15. πλὴν τοὺς πατέρας ὑμῶν προείλατο (19)
12. 16. πλὴν τὸ αἷμα οὐ φάγεσθε (19)
— 26. πλὴν τὰ ἅγιά σου (19)
15. 23. πλὴν αἷμα οὐ φάγεσθε (19)
16. 8. πλὴν ὅσα ποιηθήσεται ψυχῇ –
17. 16. A πλὴν [B διότι] οὐ πληθυνεῖ ἑαυτῷ ἵππον (19)
18. 8. πλὴν τῆς πράσεως τῆς κατὰ πατριάν (13 b)
— 20. πλὴν ὁ προφήτης ὃς ἂν ἀσεβήσῃ (3)
20. 14. πλὴν τῶν γυναικῶν καὶ τῆς ἀποσκευῆς (19)
29. 1 (28. 69). πλὴν τῆς διαθήκης ἧς διέθετο αὐτοῖς (13 c)
32. 39. οὐκ ἔστι θεὸς πλὴν ἐμοῦ (17)
Jo. 1. 17. πλὴν ἔστω κ. ὁ θ. ἡμῶν μετὰ σοῦ (19)
6. 16 (17). πλὴν Ῥαὰβ . . . περιποιήσασθε (19)
— 23 (24). πλὴν ἀργυρίου . . . ἔδωκαν (19)
8. 27. πλὴν τῶν σκύλων τῶν ἐν τῇ πόλει (19)
11. 13. πλὴν Ἀσὼρ μόνην ἐνέπρησεν (11)
— 22. ἀλλὰ πλὴν ἐν Γ. . . . κατελείφθη (23)
13. 14. πλὴν τῆς φυλῆς [A τῇ φ.] Λευί (19)
22. 29. πλὴν τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου (13 c)
Jd. 3. 2. πλὴν διὰ τὰς γενεὰς υἱῶν Ἰσρ. (19)
— 2. πλὴν οἱ ἔμπροσθεν αὐτῶν οὐκ ἔγνωσαν (19)
4. 9. πλὴν γίνωσκε (5)
8. 26. A πλὴν τῶν σιώνων [B al.] (13 b)
— 26. A πλὴν τῶν κλοιῶν τῶν χρυσῶν (13 b)
10. 15. πλὴν ἐξελοῦ ἡμᾶς (3)
11. 34. A οὐκ ἔστιν αὐτῷ πλὴν αὐτῆς [B al.] (15)
14. 16. πλὴν [A om.] μεμίσηκάς με (19)
16. 28. A πλὴν [B om.] ἔτι τὸ ἅπαξ τοῦτο (3)
19. 20. πλὴν πᾶν τὸ ὑστέρημά σου ἐπ' ἐμὲ πλὴν ἐν τῇ πλατείᾳ (19, 19)
20. 10. πλὴν [A καὶ] ληψόμεθα δέκα ἄνδρας (10)
— 39. A πλὴν τροπούμενος τροποῦται [B al.] (3)
I Ki. 1. 5. πλὴν ὅτι [A ἐπεὶ] τὴν Ἄ. ἠγάπα Ἑλκ. –
— 13. A πλὴν [B καὶ] τὰ χείλη αὐτῆς ἐκινεῖτο (19)
2. 2. A οὐκ ἔστιν πλὴν σοῦ (7)
— 2. οὐκ ἔστιν ἅγιος πλὴν σοῦ –
5. 4. πλὴν ἡ ῥάχις Δ. ὑπελείφθη (19)
— 5. A πλὴν ἡ ῥάχις Γ. –
8. 9. πλὴν ὅτι . . . διαμαρτύρῃ αὐτοῖς (3)
12. 20. B πλὴν μὴ ἐκκλίνητε ἀπὸ ὄπισθεν κ. (3)
— 24. B πλὴν φοβεῖσθε τὸν κ. (3)
18. 8. A τί αὐτῷ πλὴν ἡ βασιλεία (3)
I Ki. 18. 17. A πλὴν γίνου μοι εἰς υἱὸν δυνάμεως (3)
21. 4 (5). A R πεφυλαγμένα . . . πλὴν [B om.] ἀπὸ γυναικός (3)
25. 34. πλὴν ὅτι ζῇ κ. ὁ θ. Ἰσρ. (22 a)
II Ki. 2. 10. A² R πλὴν τοῦ οἴκου [A¹ τοὺς οἴ.] Ἰ. (3)
3. 13. πλὴν λόγον ἕνα ἐγὼ αἰτοῦμαι (3)
7. 22. οὐκ ἔστι θεὸς πλὴν σοῦ (11)
12. 14. πλὴν ὅτι . . . παρώξυνας τοὺς ἐχθρούς (5)
17. 3. πλὴν ψυχὴν ἑνὸς ἀνδρὸς σὺ ζητεῖς –
22. 32. τίς ἰσχυρὸς πλὴν κυρίου (6 b)
— 32. τίς κτίστης ἔσται πλὴν τοῦ θ. ἡμῶν (6 b)
23. 10. ὁ λαὸς ἐκάθητο . . . πλὴν ἐκδιδύσκειν (3)
III Ki. 3. 1. πλὴν μετὰ τὸ οἰκοδομῆσαι –
— 2. A R πλὴν ὁ λαὸς ἦσαν θυμιῶντες [B al.] (19)
— 3. πλὴν ἐν τοῖς ὑψηλοῖς ἔθυε (19)
8. 9. πλὴν δύο πλάκες λίθιναι (19)
— 19. A R πλὴν [B om.] σὺ οὐκ οἰκοδομήσεις (19)
— 25. πλὴν ἐὰν φυλάξωνται τὰ τέκνα σου (19)
— 27. πλὴν καὶ ὁ οἶκος οὗτος (21)
9. 24 (cf. 3. 1). A πλὴν θυγάτηρ Φ. ἀνέβη (3)
11. 12. πλὴν ἐν ταῖς ἡμ. σου οὐ ποιήσω αὐτά (3)
— 13. πλὴν ὅλην τὴν βασ. οὐ μὴ λάβω (19)
— 39. A πλὴν οὐ πάσας τὰς ἡμέρας (3)
15. 14. πλὴν ἡ καρδία Ἀσὰ ἦν τελεία (19)
— 23. πλὴν ἐν τῷ καιρῷ τοῦ γήρως αὐ. (19)
16. 28 (22. 43 [44]). B πλὴν τῶν ὑψηλῶν οὐκ ἐξῆραν (3)
20 (21). 25. πλὴν ματαίως Ἀχ. (19)
22. 44. πλὴν τῶν ὑψηλῶν οὐκ ἐξῆρεν (3)
IV Ki. 1. 18 (3. 2). πλὴν οὐχ ὡς οἱ ἀδελφοὶ αὐ. (19)
— 18 (3. 3). πλὴν ἐν ταῖς ἁμαρτίαις οἴκου Ἱερ. (19)
3. 2. πλὴν οὐχ ὡς ὁ πατὴρ αὐτοῦ (19)
— 3. πλὴν ἐν τῇ ἁμαρτίᾳ Ἱερ. (19)
5. 7. ὅτι πλὴν γνῶτε δή (3)
10. 29. πλὴν ἁμαρτιῶν Ἱεροβοάμ (19)
12. 3 (4). πλὴν τῶν ὑψηλῶν οὐ μετεστάθησαν (19)
— 13 (14). πλὴν οὐ ποιηθήσεται (3)
13. 6. πλὴν οὐκ ἀπέστησαν (3)
14. 3. πλὴν οὐχ ὡς Δ. ὁ πατὴρ αὐτοῦ (19)
— 4. πλὴν τὰ ὑψηλὰ οὐκ ἐξῆρεν (19)
15. 4. πλὴν τῶν ὑψηλῶν οὐκ ἐξῆρεν (19)
— 35. πλὴν τὰ ὑψηλὰ οὐκ ἐξῆρεν (19)
17. 2. πλὴν οὐχ ὡς οἱ βασ. Ἰσραήλ (19)
— 18. πλὴν φυλὴ Ἰούδα μονωτάτη (19)
— 21. πλὴν Ἰσρ. ἐπάνωθεν οἴκου Δ. †
18. 20. πλὴν λόγοι χειλέων (3)
21. 16. πλὴν ἀπὸ τῶν ἁμαρτιῶν αὐτοῦ (13 a)
22. 7. πλὴν οὐκ ἐξελογίζοντο αὐτούς (3)
23. 9. πλὴν οὐκ ἀνέβησαν οἱ ἱερεῖς (3)
— 26. πλὴν οὐκ ἀπεστράφη κύριος (3)
— 35. πλὴν ἐτιμογράφησαν τὴν γῆν (3)
24. 3. πλὴν ἐπὶ τὸν θυμὸν κυρίου ἦν (3)
— 14. οὐχ ὑπελείφθη πλὴν οἱ πτωχοί (11)
I Ch. 3. 9. πλὴν τῶν υἱῶν τῶν παλλακῶν (13 c)
17. 20. οὐκ ἔστι . . . πλὴν σοῦ (11)
II Ch. 5. 10. οὐκ ἦν . . . πλὴν δύο πλάκες (19)
6. 9. πλὴν σὺ οὐκ οἰκοδομήσεις (19)
— 16. πλὴν ἐὰν φυλάξωσιν οἱ υἱοί σου (19)
9. 14. πλὴν τῶν ἀνδρῶν τῶν ὑποτεταγμ. (13 b)
15. 17. πλὴν τὰ ὑψηλὰ οὐκ ἀπέστησαν (10)
18. 15. ἵνα μὴ λαλήσῃς . . . πλὴν τὴν ἀλήθειαν (19)
33. 8. πλὴν ἐὰν φυλάσσωνται τοῦ ποιῆσαι (19)
— 17. πλὴν ὁ λαὸς ἔτι ἐπὶ τῶν ὑψηλῶν (1)
— 17. A B πλὴν κ. ὁ θ. αὐτῶν [R al.] (19)
35. 19. πλὴν οὐκ ἀπεστράφη κύριος –
36. 5. πλὴν θυμὸς κυρίου ἦν ἐπὶ Ἰ. –
II Es. 10. 15. πλὴν Ἰων. . . . μετ' ἐμοῦ (3)
To. 1. 20. οὐδὲν πλὴν Ἄννας τῆς γυναικός μου
6. 11. S πλὴν Σάρρας μόνης
— 14. A B πλὴν τῶν προσαγόντων αὐτῇ
7. 10. S ἑτέρῳ ἀνδρὶ πλὴν σοῦ [A B al.]
— 10. πλὴν ὑποδείξω σοι [S al.]
Ju. 8. 20. ἕτερον θεὸν οὐκ ἐπέγνωμεν πλὴν αὐτοῦ
Es. 4. 11. πλὴν ᾧ ἐκτείνει ὁ βασ. (13 b)
— 17. οὐ προσκυνήσω οὐδένα πλὴν σοῦ
— 17. οὐκ ηὐφράνθη . . . πλὴν ἐπὶ σοί
Jb. 6. 27. πλὴν ὅτι ἐπ' [A om.] ὀρφανῷ ἐπιπίπτετε (22 b)
9. 21. πλὴν [A πλὴν ὅτι, S διὸ] ἀφαιρεῖταί μου ἡ ζωή –
14. 18. καὶ πλὴν ὄρος πίπτον διαπεσεῖται (2)
33. 8. πλὴν εἶπας ἐν ὠσί μου (3)
Ps. 17 (18). 31. τίς θεὸς πλὴν [S παρὲξ] τοῦ κ. καὶ τίς θεὸς πλὴν τοῦ θ. ἡμῶν (6 b, 11)
Ps. 31 (32). 6. πλὴν ἐν κατακλυσμῷ ὑδάτων πολλῶν (19)
38 (39). 5. πλὴν τὰ σύμπαντα ματαιότης (3)
— 6. πλὴν μάτην ταράσσεται (3)
— 11. A S πλὴν μάτην πᾶς [B ταράσσεται πᾶς] ἄνθρωπος (3)
48 (49). 15. πλὴν ὁ θεὸς λυτρώσεται τὴν ψυχήν μου (3)
61 (62). 4. πλὴν τὴν τιμήν μου ἐβουλεύσαντο ἀπώσασθαι (3)
— 5. πλὴν τῷ θεῷ ὑποτάγηθι, ἡ ψυχή μου (3)
— 9. πλὴν μάταιοι οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων (3)
67 (68). 21. πλὴν ὁ θεὸς συνθλάσει κεφαλὰς ἐχθρῶν αὐτοῦ (3)
72 (73). 18. πλὴν διὰ τὰς δολιότητας (3)
74 (75). 8. πλὴν ὁ τρυγίας αὐ. οὐκ ἐξεκενώθη (3)
84 (85). 9. πλὴν ἐγγὺς τῶν φοβουμένων αὐτὸν τὸ σωτήριον αὐτοῦ (3)
90 (91). 8. πλὴν τοῖς ὀφθ. σου κατανοήσεις (19)
139 (140). 13. πλὴν δίκαιοι ἐξομολογήσονται τῷ ὀνόματί σου (3)
Pr. 7. 2. πλὴν δὲ αὐτοῦ μὴ φοβοῦ ἄλλον –
Ec. 2. 24. S² πλὴν [A B S¹ om.] ὃ φάγεται –
7. 30 (29). πλὴν ἴδε τοῦτο εὗρον (13 a)
Wi. 12. 13. οὔτε γὰρ θεός ἐστι πλὴν σοῦ
Si. 17. 24. πλὴν μετανοοῦσιν ἔδωκεν ἐπάνοδον
22. 22. πλὴν ὀνειδισμοῦ καὶ ὑπερηφανίας
29. 8. πλὴν ἐπὶ ταπειν῾ῳ μακροθύμησον
33 (36). 5. οὐκ ἔστι θεὸς πλὴν σοῦ, κύριε
— 10. οὐκ ἔστι πλὴν ἡμῶν
38. 34. πλὴν τοῦ ἐπιδόντος τὴν ψυχὴν αὐ.
45. 13. πλὴν τῶν υἱῶν αὐτοῦ μόνον
— 22. πλὴν ἐν γῇ λαοῦ οὐ κληρονομήσει
Ho. 12. 8 (9). πλὴν πεπλούτηκα (3)
13. 4. θεὸν πλὴν ἐμοῦ οὐ γνώσῃ (11)
Am. 3. 2. πλὴν ὑμᾶς ἔγνων (19)
4. 12. πλὴν ὅτι οὕτως ποιήσω σοι (18)
9. 8. πλὴν ὅτι οὐκ εἰς τέλος ἐξαρῶ (5)
Jl. 2. 27. οὐκ ἔστιν ἔτι πλὴν ἐμοῦ –
Ze. 3. 7. πλὴν φοβεῖσθέ με (3)
Za. 1. 6. πλὴν τοὺς λόγους μου . . . δέχεσθε (3)
Is. 4. 1. πλὴν τὸ ὄνομα τὸ σὸν κεκλήσθω ἐφ' ἡμᾶς (19)
10. 24. S¹ πλὴν [A B S³ πληγὴν] γὰρ ἐπάγω ἐπὶ σέ †
44. 6. πλὴν ἐμοῦ οὐκ ἔστι θεός (6 b)
— 8. εἰ ἔστι θεὸς πλὴν ἐμοῦ (6 b)
45. 5. οὐκ ἔστιν ἔτι πλὴν ἐμοῦ (11)
— 6. οὐκ ἔστι πλὴν ἐμοῦ (6 c)
— 14. οὐκ ἔστι θεὸς πλὴν σοῦ (5)
— 21. A² B S οὐκ ἔστιν ἄλλος πλὴν ἐμοῦ (6 b)
— 22. A² οὐκ ἔστιν ἄλλος πλὴν ἐμοῦ [B S om. πλ. ἐ.] –
46. 9. οὐκ ἔστιν ἔτι πλὴν ἐμοῦ –
64. 4 (3). οὐδὲ οἱ ὀφθ. ἡμῶν εἶδον θεὸν πλὴν σοῦ [A¹ al.] (11)
Je. 2. 24. S¹ πλὴν [A B S² om.] πάντες οἱ ζητοῦντες αὐτὴν οὐ κοπιάσουσιν –
3. 13. πλὴν γνῶθι τὴν ἀδικίαν σου (3)
— 20. πλὴν ὡς ἀθετεῖ γυνή (4)
— 23. πλὴν διὰ κ. θεοῦ ἡμῶν ἡ σωτηρία τοῦ Ἰσρ. (4)
10. 24. πλὴν ἐν κρίσει καὶ μὴ ἐν θυμῷ (3)
12. 1. πλὴν κρίματα λαλήσω πρὸς σέ (3)
33 (26). 24. πλὴν χεὶρ Ἀχ. υἱοῦ Σ. ἦν μετὰ Ἱερ. (3)
35 (28). 7. πλὴν ἀκούσατε τὸν λόγον κυρίου (3)
La. 2. 16. πλὴν αὕτη ἡ ἡμέρα ἣν προσεδοκῶμεν (3)
3. 3. πλὴν ἐν ἐμοὶ ἐπέστρεψε χεῖρα αὐ. (3)
Ez. 16. 49. πλὴν τοῦτο τὸ ἀνόμημα Σοδόμων (9)
46. 17. πλὴν τῆς κληρονομίας τῶν υἱῶν αὐ. (3)
Da. LXX. Bel 40. οὐκ ἔστι πλὴν αὐτοῦ ἄλλος
Da. TH. Su. 16. οὐκ ἦν ἐκεῖ οὐδεὶς πλὴν οἱ δύο πρεσβύτεροι
2. 6. πλὴν τὸ ἐνύπνιον . . . ἀπαγγείλατέ μοι (14)
4. 12. πλὴν τὴν φυὴν . . . ἐν τῇ γῇ ἐάσατε (8)
— 20. πλὴν τὴν φυὴν . . . ἐάσατε ἐν τῇ γῇ (8)
11. 18. πλὴν ὀνειδισμὸς αὐ. ἐπιστρέψει αὐτῷ (7)
Bel 41. οὐκ ἔστι πλὴν σοῦ ἄλλος
I Ma. 4. 6. πλὴν καλύμματα καὶ μάχαιρας οὐκ εἶχον
5. 48. πλὴν τοῖς ποσὶ παρελευσόμεθα
6. 24. πλὴν ὅσοι εὑρίσκοντο [S¹ al.]
10. 14. πλὴν ἐν Β. ὑπελείφθησάν τινες
11. 38. πλὴν τῶν ξένων δυνάμεων
— 70. οὐδὲ εἷς κατελείφθη ἀπ' αὐτῶν πλὴν Ματτ.
13. 6. πλὴν ἐκδικήσω περὶ τοῦ ἔθνους μου

II Ma. 6. 17. πλὴν ἕως ὑπομνήσεως ταῦθ' ἡμῖν εἰρήσθω
III Ma. 6. 18. φανεροὶ πᾶσι πλὴν τοῖς Ἰουδαίοις
IV Ma. 8. 11. πλὴν τοῦ μετὰ στρεβλῶν ἀποθανεῖν
[Aq. Le. 27. 26 : I Ki. 16. 6 : 25. 21 : III Ki. 9. 24 : 11. 39 : Jb. 13. 20 : 33. 8 : Ps. 38 (39). 12 : 57 (58). 12 : 67 (68). 7 : 72 (73). 13 : Is. 36. 5 : 45. 14 : 63. 8 : Je. 10. 19 : 32 (39). 30 *bis* : 34 (41). 4.]
[Sm. Le. 27. 26 : II Ki. 12. 14 : Ps. 22 (23). 6 : 61 (62). 10 : 72 (73). 1 : 74 (75). 9 : Is. 36. 5 : 63. 8 : Je. 32 (39). 30 : 34 (41). 4.]
[Th. Le. 27. 26 : I Ki. 14. 30 : 16. 6 : II Ki. 12. 14 : III Ki. 15. 14 : Jb. 13. 20 : 14. 18 : 33. 8 : Ps. 57 (58). 12 : 61 (62). 10 : 67 (68). 7 : 72 (73). 13 : Pr. 21. 5 *bis* : Is. 28. 19 : 36. 5 : 45. 14 *bis* : 63. 8 : Je. 30 (37). 11 : Da. 2. 6.]
[Al. Le. 23. 27 : Nu. 14. 9, 30 : 35. 33 : Dt. 15. 4 : Jo. 11. 19 : III Ki. 15. 5.]
[Quint. Ps. 22 (23). 6.]

πλῆξις.
[Aq. Pr. 17. 10.]

πλήρης. (1) כָּבֵד (2) *a.* מָלֵא adj. *b.* מָלֵא, מְלוֹא *c.* מָלַא qal. *d.* ni. *e.* pi. (3) עָבַר (4) *a.* שָׂבֵעַ *b.* שָׂבַע (5) שָׁלֵם (6) πλήρης γίνεσθαι שָׂבַע (7) πλήρης εἶναι *a.* מָלֵא *b.* שָׂבַע (8) πλήρης ἡμερῶν שָׂבֵעַ

Ge. 25. 8. πρεσβύτης καὶ πλήρης ἡμερῶν (8)
27. 27. ὡς ὀσμὴ ἀγροῦ πλήρους –
35. 29. πρεσβύτερος καὶ πλήρης ἡμερῶν (4 *a*)
41. 7. τοὺς ἑπτὰ στάχυας . . . τοὺς πλ. (2 *a*)
— 22. ὥσπερ ἑπτὰ στάχυες ἀνέβαινον . . . πλ. (2 *a*)
— 24. τοὺς ἑπτὰ στάχυας . . . τοὺς πλ. –
Ex. 9. 8. λάβετε ὑμεῖς πλήρεις τὰς χεῖρας (2 *b*)
16. 33. πλῆρες τὸ γομὸρ τοῦ μάν (2 *b*)
Le. 2. 2 : 5. 12. δραξάμενος . . . πλήρη τὴν δράκα (2 *b*)
16. 12. τὸ πυρεῖον πλῆρες ἀνθράκων πυρός (2 *b*)
Nu. 7. 13. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 *a*)
— 14. θυίσκην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 *a*)
— 19. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 *a*)
— 20. θυίσκην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 *a*)
— 25. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 *a*)
— 26. θυίσκην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 *a*)
— 31. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 *a*)
— 32. θυίσκην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 *a*)
— 37. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 *a*)
— 38. θυίσκην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 *a*)
— 43. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 *a*)
— 44. θυίσκην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 *a*)
— 49. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 *a*)
— 50. θυίσκην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 *a*)
— 55. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 *a*)
— 56. θυίσκην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 *a*)
— 61. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 *a*)
— 62. θυίσκην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 *a*)
— 67. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 *a*)
— 68. θυίσκην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 *a*)
— 73. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 *a*)
— 74. θυίσκην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 *a*)
— 79. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 *a*)
— 80. θυίσκην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 *a*)
— 86. θυίσκαι χρυσαῖ δώδ. πλήρεις θυμιάματος (2 *a*)
22. 18 : 24. 13. πλήρη τὸν οἶκον αὐ. ἀργυρίου (2 *b*)
De. 6. 11. οἰκίας πλ. πάντων ἀγαθῶν (2 *a*)
Jd. 6. 38. πλ. λεκάνη ὕδατος (2 *b*)
16. 27. ὁ οἶκος πλ. τῶν ἀνδρῶν (2 *c*)
Ru. 1. 21. ἐγὼ πλήρης ἐπορεύθην (2 *a*)
2. 12. γένοιτο ὁ μισθός σου πλ. (5)
I Ki. 2. 5. πλήρεις ἄρτων ἠλαττώθησαν (4 *a*)
II Ki. 23. 7. καὶ πλῆρες σιδήρου (2 *d*)
— 11. μερὶς τοῦ ἀγροῦ πλήρης φακοῦ (2 *a*)
IV Ki. 4. 39. συνέλεξεν . . . πλ. τὸ ἱμάτιον αὐτοῦ (2 *b*)
6. 17. τὸ ὄρος πλῆρες ἵππων (2 *c*)
7. 15. πᾶσα ἡ ὁδὸς πλ. ἱματίων (2 *a*)
20. 3. ἐν ἀληθείᾳ καὶ καρδίᾳ πλ. (5)
I Ch. 11. 13. ἦν μερὶς τοῦ ἀγροῦ πλήρης κριθῶν (2 *a*)
23. 1. καὶ Δ. . . . πλήρης ἡμερῶν (4 *b*)
29. 9. ἐν καρδίᾳ πλ. προεθυμήθησαν (5)
— 28. ἐτελεύτησεν . . . πλήρης ἡμερῶν (4 *a*)
II Ch. 15. 17. ἡ καρδία Ἀ. ἐγένετο πλ. (5)
16. 9. κατισχῦσαι ἐν πάσῃ καρδίᾳ πλ. (5)
19. 9. καὶ ἐν πλ. καρδίᾳ [A καὶ πλήρεις καρδίας] (5)
24. 15. ἐγήρασεν Ἰω. πλήρης ἡμερῶν (4 *b*)
25. 2. ἀλλ' οὐκ ἐν καρδίᾳ πλ. (5)
I Es. 1. 23. ἐν καρδίᾳ πλήρει εὐσεβείας
II Es. 4. 20. καὶ φόροι πλ. καὶ μέρος δίδοται αὐτοῖς †
Ne. 9. 25. οἰκίας πλ. πάντων ἀγαθῶν (2 *a*)
Jb. 7. 4. πλήρης δὲ γίνομαι ὀδυνῶν (6)
10. 15. πλήρης γὰρ ἀτιμίας [A ἀνομίας] εἰμί (4 *a*)
14. 1. βροτὸς γὰρ . . . πλήρης ὀργῆς (4 *a*)
21. 24. τὰ δὲ ἔγκατα αὐτοῦ πλήρης στέατος (2 *c*)
32. 18. πλήρης γάρ εἰμι ῥημάτων (7 *a*)
36. 16. κατέβη τράπεζά σου πλήρης πιότητος (2 *c*)
39. 2. ἠρίθμησας δὲ μῆνας αὐ. πλήρεις τοκετοῦ (2 *e*)
42. 17. ἐτελεύτησεν Ἰὼβ . . . πλήρης ἡμερῶν (4 *a*)
Ps. 32 (33). 5. τοῦ ἐλέους κυρίου πλήρης ἡ γῆ (2 *c*)
47 (48). 10. δικαιοσύνης πλήρης ἡ δεξιά σου (2 *c*)
72 (73). 10. ἡμέραι πλήρεις εὑρεθήσονται (2 *a*)
74 (75). 8. οἴνου ἀκράτου πλῆρες κεράσματος (2 *c*)
118 (119). 64. S R τοῦ ἐλέους σου, κύριε, [A ἐλ. κυρίου] πλήρης ἡ γῆ (2 *c*)
143 (144). 13. τὰ ταμεῖα αὐτῶν πλήρη (2 *a*)
Pr. 17. 1. A S οἶκος πλήρης [B *om.*] πολλῶν ἀγαθῶν (2 *a*)
Ca. 5. 5. δάκτυλοί μου σμύρναν πλήρη (3)
— 13. χείλη αὐτοῦ κρίνα στάζοντα σμύρναν πλήρη (3)
Wi. 3. 4. ἡ ἐλπὶς αὐτῶν ἀθανασίας πλήρης
5. 22. πλήρεις ῥιφήσονται χάλαζαι
11. 18. ἢ νεοκτίστους [A -ου] θυμοῦ [S -οὺς] πλήρεις θῆρας ἀγνώστους [S¹ θρασυγνώστους]
17. 6. αὐτομάτη πυρὰ φόβου πλήρης
Si. 1. 30. ἡ καρδία σου πλήρης δόλου
19. 26. τὰ ἐντὸς αὐτοῦ πλήρης [B³ S¹ -η] δόλου
42. 16. τῆς δόξης αὐτοῦ [A S² κυρίου] πλῆρες τὸ ἔργον αὐτοῦ
50. 6. ὡς σελήνη πλήρης ἐν ἡμέραις
Jl. 3 (4). 13. διότι πλήρης ἡ ληνός (2 *c*)
Na. 3. 1. ὦ πόλις αἱμάτων . . . ἀδικίας πλήρης (2 *a*)
Hb. 3. 3. αἰνέσεως αὐτοῦ πλήρης ἡ γῆ (2 *c*)
Is. 1. 4. λαὸς πλ. ἁμαρτιῶν (1)
— 11. πλήρεις εἰμὶ ὁλοκαυτωμάτων κριῶν (7 *b*)
— 15. αἱ γὰρ χεῖρες ὑμῶν αἵματος πλήρεις (2 *c*)
— 21. ἐγένετο πόρνη πόλις πιστὴ Σιὼν πλ. κρίσεως (2 *a*)
6. 1. πλ. ὁ οἶκος τῆς δόξης αὐτοῦ (2 *a*)
— 3. πλ. πᾶσα ἡ γῆ τῆς δόξης αὐτοῦ (2 *b*)
30. 27. τὸ λόγιον ὀργῆς πλῆρες (2 *c*)
51. 20. οἱ πλ. θυμοῦ κυρίου (2 *a*)
63. 3. πλήρης [S -ρους] καταπεπατημένης †
Je. 5. 27. ὡς παγὶς ἐφεσταμένη [S συνεσ.] πλ. πετεινῶν οὕτως οἱ οἶκοι αὐ. πλ. δόλου (2 *a*, 2 *a*)
6. 11. πρεσβύτερος [A *add.* καὶ] μετὰ πλήρους ἡμερῶν (2 *a*)
Ep. Je. 17. οἱ ὀφθ. αὐ. πλ. εἰσὶ κονιορτοῦ
Ez. 1. 18. οἱ νῶτοι αὐτῶν πλήρεις ὀφθαλμῶν (2 *a*)
7. 23. ἡ γῆ πλ. λαῶν καὶ ἡ πόλις πλ. ἀνομίας (2 *c*, 2 *c*)
10. 12. οἱ τροχοὶ πλήρεις ὀφθαλμῶν (2 *a*)
17. 3. ἀετὸς . . . πλ. ὀνύχων (2 *a*)
26. 2. ἡ πλήρης ἠρήμωται (2 *d*)
36. 38. ἔσονται αἱ πόλεις αἱ ἔρημοι πλήρεις προβάτων (2 *a*)
43. 5. πλ. δόξης κυρίου ὁ οἶκος (2 *c*)
44. 4. πλ. δόξης ὁ οἶκος τοῦ κυρίου (2 *c*)
Da. LXX. 4. 25. καὶ πλήρης ὁ χρόνος σου –
5. 31 (6. 1). καὶ Δαρ. πλήρης τῶν ἡμερῶν –
Da. TH. Su. 28. ἦλθον . . . πλήρεις τῆς ἀνόμου ἐννοίας
I Ma. 8. 25. ὡς ἂν ὁ καιρὸς ὑπογραφῇ αὐτοῖς καρδίᾳ πλ.
II Ma. 13. 5. πύργος πεντήκοντα πήχεων πλήρης σποδοῦ
III Ma. 4. 5. A ἤγετο γὰρ γέρων πλ. πολιᾶς [R *al.*]
6. 31. τὸν . . . τόπον . . . κατεμέρισαν πλήρεις χαρμονῆς
[Aq. Jb. 14. 1 : Ps. 64 (65). 10 : Je. 5. 27 : Ez. 24. 4 : 28. 12 : Na. 3. 1.]
[Sm. Ge. 41. 5 : Ps. 25 (26). 10 : Pr. 11. 1 : Ca. 5. 14 : Ez. 28. 12 : Na. 3. 1.]
[Th. Is. 31. 4 : Ez. 24. 4 : 28. 12.]
[Al. Le. 27. 23 : Ps. 9. 28 (10. 7).]
[Quint. Ps. 74 (75). 9.]

πληροῦν. (1) כָּלָה *a.* qal. *b.* pi. (2) מָלֵא *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* pu. *e.* מָלֵא adj. *f.* מָלֵא *g.* מְלֵא (3) נָשָׂא ni. (4) שָׂבַע (5) שִׁלֵּם aph. (6) שָׁרַץ בְּ׳ (7) תָּמַם *a.* qal. *b.* hi. (8) ὅταν πληρωθῇ מִקֵּץ

Ge. 1. 22. πληρώσατε τὰ ὕδατα (2 *a*)
— 28 : 9. 1. πληρώσατε τὴν γῆν (2 *a*)
9. 7. πληρώσατε τὴν γῆν (6)
25. 24. ἐπληρώθησαν αἱ ἡμ. τοῦ τεκεῖν αὐτήν (2 *a*)
29. 21. πεπλήρωνται γὰρ αἱ ἡμέραι (2 *a*)
50. 3. A R ἐπλήρωσαν [B -εν] αὐτοῦ τεσσαράκ. ἡμέρας (2 *a*)
Ex. 32. 29. ἐπληρώσατε τὰς χεῖρας ὑμῶν (2 *a*)
Le. 8. 33. ἕως ἡμέρα πληρωθῇ (2 *a*)
12. 4. ἕως ἂν πληρωθῶσιν αἱ ἡμέραι (2 *a*)
25. 29. ἕως πληρωθῇ (7 *a*)
— 30. ἕως ἂν πληρωθῇ αὐτῆς ἐνιαυτὸς ὅλος (2 *a*)
Nu. 6. 5. ἕως ἂν πληρωθῶσιν αἱ ἡμέραι (2 *a*)
— 13. ἢ ἂν ἡμέρα πληρώσῃ ἡμέρας εὐχῆς αὐ. (2 *a*)
7. 88. μετὰ τὸ πληρῶσαι τὰς χεῖρας αὐ. –
Jo. 3. 15. A B ὁ δὲ Ἰορδ. ἐπλήρου [B -οῦτο] (2 *a*)
Jd. 17. 5. ἐπλήρωσε [A ἐνέπλησεν] τὴν χεῖρα (2 *c*)
— 12. ἐπλήρωσε [A ἐνέπλησεν] M. τὴν χεῖρα (2 *c*)
I Ki. 18. 26. A οὐκ ἐπληρώθησαν αἱ ἡμέραι (2 *a*)
— 27. A ἐπλήρωσεν αὐτὰς τῷ βασ. [B *al.*] (2 *c*)
20. 3. A πεπλήρωται [B ἐμπέπλησται] ἀνὰ μέσον ἐμοῦ –
II Ki. 7. 12. ἐὰν πληρωθῶσιν αἱ ἡμέραι σου (2 *a*)
III Ki. 1. 14. πληρώσω τοὺς λόγους σου (2 *c*)
2. 27. πληρωθῆναι τὸ ῥῆμα κυρίου (2 *c*)
7. 14. ἀνὴρ . . . πεπληρωμένος τῆς τέχνης (2 *b*)
8. 15. ἐν ταῖς χερσὶν αὐτοῦ ἐπλήρωσε (2 *c*)
— 24. καὶ ἐν χερσί σου ἐπλήρωσας (2 *c*)
13. 33. ἐπλήρου τὴν χεῖρα αὐτοῦ (2 *c*)
IV Ki. 4. 4. τὸ πληρωθὲν ἀρεῖς (2 *e*)
I Ch. 12. 15. καὶ οὗτος πεπληρωκώς (2 *c*)
17. 11. ὅταν πληρωθῶσιν ἡμέραι σου (2 *a*)
29. 5. πληρῶσαι τὰς χεῖρας αὐτοῦ (2 *c*)
II Ch. 6. 4. καὶ ἐν χερσὶν αὐ. ἐπλήρωσε (2 *c*)
— 15. καὶ ἐν χερσί σου ἐπλήρωσας (2 *c*)
13. 9. πληρῶσαι τὰς χεῖρας (2 *c*)
16. 14. A καὶ ἐπλήρωσαν [B ἔπλησαν] ἀρωμάτων (2 *c*)
24. 10. ἕως οὗ ἐπληρώθη (1 *b*)
29. 31. ἐπληρώσατε τὰς χεῖρας ὑμῶν (2 *c*)
36. 21. τοῦ πληρωθῆναι λόγον κυρίου (2 *c*)
— 22. μετὰ τὸ πληρωθῆναι ῥῆμα κυρίου (1 *a*)
To. 8. 20. A B ἐὰν μὴ πληρωθῶσιν αἱ δέκα τέσσ. ἡμ.
10. 1. ὡς ἐπληρώθησαν αἱ ἡμέραι τῆς πορείας [S *al.*]
14. 5. ἕως πληρωθῶσι καιροὶ τοῦ αἰῶνος [S *al.*]
Ju. 2. 8. πληρώσουσι τὰς φάραγγας
— 8. ποταμὸς ἐπικλύζων . . . πληρωθήσεται
6. 4. τὰ πεδία αὐ. πληρωθήσεται [S πλησθ.] νεκρῶν
10. 5. πῆραν ἐπλήρωσεν ἀλφίτων
Es. 4. 17. A² ἐπλήρωσεν [B S ἔπλησε] στρεπτῶν τριχῶν αὐ.
5. 1. S¹ τὸ πρόσωπον αὐ. πεπληρωμένη δόξῃ [A B S² *al.*]
Jb. 20. 22. ὅταν δὲ δοκῇ ἤδη πεπληρῶσθαι (2 *a*)
— 23. εἴ πως εἰ πληρῶσαι [A καὶ πληρώσει] γαστέρα αὐτοῦ (2 *c*)
Ps. 15 (16). 11. πληρώσεις με εὐφροσύνης [A -ην] (4)
19 (20). 4. πᾶσαν τὴν βουλήν σου πληρώσαι [A -σει] (2 *c*)
— 5. πληρώσαι κύριος πάντα τὰ αἰτήματά σου (2 *c*)
64 (65). 9. ὁ ποταμὸς τοῦ θ. ἐπληρώθη ὑδάτων (2 *a*)
70 (71). 8. πληρωθήτω τὸ στόμα μου αἰνέσεως (2 *b*)
71 (72). 19. B S² πληρωθήσεται τῆς δόξης αὐ. (2 *b*)
73 (74). 20. ἐπληρώθησαν οἱ ἐσκοτωμένοι τῆς γῆς οἴκων ἀνομιῶν (2 *a*)
79 (80). 9. S² ἐπλήρωσεν τὴν γῆν [B S¹ ἐπλήσθη ἡ γῆ] (2 *c*)
80 (81). 10. πληρώσω αὐτό (2 *c*)
82 (83). 16. πλήρωσον τὰ πρόσωπα αὐτῶν ἀτιμίας (2 *c*)
103 (104). 24. ἐπληρώθη ἡ γῆ τῆς κτίσεώς σου (2 *a*)
109 (110). 6. πληρώσει πτώματα (2 *a*)
126 (127). 5. πληρώσει τὴν ἐπιθυμίαν αὐτοῦ ἐξ αὐτῶν (2 *c*)
128 (129). 7. οὗ οὐκ ἐπλήρωσε τὴν χεῖρα αὐτοῦ ὁ θερίζων (2 *c*)

Ec. 1. 8. οὐ πληρωθήσεται [S οὐκ ἐμπλησθήσ.] οὗς ἀπὸ ἀκροάσεως (2 b)
6. 8 (7). ἡ ψυχὴ οὐ πληρωθήσεται (2 b)
9. 3. καρδία υἱῶν τοῦ ἀνθρ. ἐπληρώθη πονηροῦ (2 a)
11. 3. A S ἐὰν πληρωθῶσιν [B πλησθῶσι] τὰ νέφη ὑετοῦ (2 b)
Ca. 5. 14. χεῖρες αὐτοῦ τορευταὶ χρυσαῖ πεπληρωμέναι θαρσίς (2 d)
Wi. 1. 7. πνεῦμα κυρίου πεπλήρωκε [A ἐπλήρωσεν] τὴν οἰκουμένην
4. 13. ἐπλήρωσε χρόνους μακρούς
18. 16. ἐπλήρωσε τὰ πάντα θανάτου
Si. 26. 2. τὰ ἔτη αὐτοῦ πληρώσει ἐν εἰρήνῃ
30. 25 (33. 16). ὡς τρυγῶν ἐπλήρωσα ληνόν
39. 12. ὡς διεκομηνία ἐπληρώθη
45. 15. ἐπλήρωσε Μωυσῆς τὰς χεῖρας
Ze. 1. 9. τοὺς πληροῦντας τὸν οἶκον κυρίου (2 c)
Hg. 2. 8 (7). A πληρώσω [B S πλήσω] τὸν οἶκον τοῦτον δόξης (2 c)
Is. 8. 8. ὥστε πληρῶσαι τὸ πλάτος τῆς χώρας σου [A al.] (2 f)
13. 3. γίγαντες ἔρχονται πληρῶσαι τὸν θυμόν μου †
40. 4. πᾶσα φάραγξ πληρωθήσεται (3)
65. 11. ὑμεῖς οἱ . . . πληροῦντες τῇ τύχῃ κέρασμα (2 c)
Je. 13. 12 *bis*. πᾶς ἀσκὸς πληρωθήσεται οἴνου (2 b)
— 13. πληρῶ τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν ταύτην . . . μεθύσματι (2 c)
23. 24. μὴ οὐχὶ . . . τὴν γῆν ἐγὼ πληρῶ (2 e)
25. 12. ἐν τῷ πληρωθῆναι [A συμπλ.] τὰ ἑβδομήκοντα ἔτη (2 a)
28 (51). 11. πληροῦτε τὰς φαρέτρας (2 a)
— 14. πληρώσω σε ἀνθρώπων ὡσεὶ ἀκρίδων (2 c)
32 (25). 34. ἐπληρώθησαν αἱ ἡμέραι ὑμῶν (2 a)
36 (29). 10. ὅταν μέλλῃ πληροῦσθαι Βαβυλῶνι ἑβδομήκοντα ἔτη (2 a)
40 (33). 5. πληρῶσαι αὐτὴν τῶν νεκρῶν (2 c)
41 (34). 14. ὅταν πληρωθῇ ἓξ ἔτη (8)
51 (44). 25. καὶ ταῖς χερσὶν ὑμῶν ἐπληρώσατε (2 c)
Ba. 5. 7. φάραγγας πληροῦσθαι εἰς ὁμαλισμόν
La. 4. 18. ἐπληρώθησαν αἱ ἡμέραι ἡμῶν (2 a)
Ez. 7. 19. αἱ κοιλίαι αὐτῶν οὐ μὴ πληρωθῶσι (2 c)
9. 7. A πληρώσατε [B πλήσ.] τὰς ὁδοὺς νεκρῶν (2 c)
Da. LXX. 4. 9. πληροῦν τὰ ὑποκάτω τοῦ οὐρ. –
— 32. αἱ ἄγνοιαί μου ἐπληρώθησαν –
8. 23. πληρουμένων τῶν ἁμαρτιῶν αὐ. (7 b)
Da. TH. 2. 35. ἐπλήρωσε πᾶσαν τὴν γῆν (2 g)
5. 26. καὶ ἐπλήρωσεν αὐτήν (5)
8. 23. πληρουμένων τῶν ἁμαρτιῶν αὐ. (7 b)
I Ma. 2. 55. ἐν τῷ πληρῶσαι λόγον
3. 50. οἱ ἐπλήρωσαν τὰς ἡμέρας
4. 19. A S ἔτι πληροῦντος [R λαλοῦντος] Ἰ. ταῦτα
II Ma. 3. 30. R εὐφροσύνης ἐπεπλήρωτο [A ἐπλ.]
6. 4. R τὸ μὲν γὰρ ἱερὸν . . . κώμων . . . ἐπεπλήρωτο [A -οῦτο]
— 5. τὸ δὲ θυσιαστήριον τοῖς . . . ἀθεμίτοις ἐπεπλήρωτο
7. 21. R τῇ πατρίῳ φωνῇ γενναίῳ πεπληρωμένῃ [A -ῳ] φρονήματι
9. 7. τῆς ὑπερηφανίας ἐπεπλήρωτο
10. 30. κατεκόπτοντο ταραχῆς πεπληρωμένοι
12. 16. R ὥστε τὴν . . . λίμνην . . . κατάρρυτον αἵματι πεπληρωμένην φαίνεσθαι [A al.]
13. 16. τὴν παρεμβολὴν . . . ταραχῆς ἐπλήρωσαν
III Ma. 4. 16. διηνεκῶς ὁ βασ. χαρᾷ πεπληρωμένος
— 16. A πεπληρωμένῃ [R -πλανημ.] πόρρω τῆς ἀληθείας φρενί
5. 10. ἐλέφαντας . . . πεπληρωμένους τῆς τοῦ οἴνου πολλῆς χορηγίας
— 30. ὁ δὲ . . . πληρωθεὶς βαρεῖ χόλῳ
6. 19. τὴν δύναμιν . . . ἐπλήρωσαν ταραχῆς
IV Ma. 12. 14. ἐπλήρωσαν τὴν εἰς τὸν θεὸν εὐσέβειαν
18. 21. A τὰς τῶν ὀμμάτων κόρας ἐπλήρωσε [S R ἐπήρ.]

[Aq. Ge. 1. 28: Ex. 1. 7: 28. 17: Dt. 1. 36: I Ki. 18. 26, 27: III Ki. 8. 24: Jb. 40. 26 (31): Ps. 16 (17). 14: 25 (26). 10: 37 (38). 8: 126 (127). 5: Is. 14. 21: 28. 8: 38. 12: Hb. 3. 3.]
[Sm. Ge. 1. 28: Ex. 1. 7: 28. 17: Jb. 39. 2: 40. 26 (31): Ps. 16 (17). 14: 32 (33). 5: 63 (64). 4: 74 (75). 9: 126 (127). 5: Is. 6. 1: 14. 21: 28. 8: 38. 12: Ez. 4. 9: 5. 2: 24. 4: 32. 5.]
[Th. Ge. 1. 28: Ex. 1. 7: 28. 17: I Ki. 18. 26, 27: Jb. 20. 23: Ps. 25 (26). 10: 126 (127). 5: Pr. 20. 17: Is. 6. 1: 14. 21: 28. 8: 38. 12: Da. 2. 35: 8. 23: Hb. 3. 3.]
[Al. Le. 16. 32.]

πληροφορεῖσθαι. (1) מָלֵא
Ec. 8. 11. ἐπληροφορήθη καρδία . . . τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρόν (1)

πλήρωμα. (1) אָפִיק (2) a. מְלֹא, מְלוֹא
b. מִלֻּאת

I Ch. 16. 32. βομβήσει ἡ θάλ. σὺν τῷ πλ. (2 a)
Ps. 23 (24). 1. τοῦ κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλ. αὐτῆς (2 a)
49 (50). 12. ἡ οἰκουμένη καὶ τὸ πλ. αὐτῆς (2 a)
88 (89). 11. τὴν οἰκουμένην καὶ τὸ πλ. αὐ. (2 a)
95 (96). 11 : 97 (98). 7. ἡ θάλασσα καὶ τὸ πλ. αὐ. (2 a)
Ec. 4. 6. A S R ἀγαθὸν πλ. δρακὸς ἀναπαύσεως ὑπὲρ πληρώματα [B -ωμα] δύο δρακῶν μόχθου (2 a, 2 a)
Ca. 5. 12. ὡς περιστεραὶ ἐπὶ πληρώματα ὑδάτων . . . καθήμεναι ἐπὶ πληρώματα (1, 2 b)
Je. 8. 16. καταφάγεται τὴν γῆν καὶ τὸ πλ. αὐ. (2 a)
29 (47). 2. κατακλύσει γῆν καὶ τὸ πλ. αὐτῆς (2 a)
Ez. 12. 19. ἡ γῆ σὺν [A σὺν τῷ] πληρώματι αὐ. (2 a)
19. 7. ἠφάνισε τὴν γῆν καὶ τὸ πλ. αὐτῆς (2 a)
30. 12. τὴν γῆν καὶ τὸ πλ. [A γ. αὐ. σὺν τῷ πλ.] αὐ. (2 a)

[Aq. Ex. 28. 17: II Ki. 5. 9: Ps. 95 (96). 11: Ez. 12. 19.]
[Sm. Ex. 28. 17: Ps. 95 (96). 11: 97 (98). 7: Ec. 4. 6: Is. 31. 4.]
[Th. Ex. 28. 17: Ps. 95 (96). 11.]
[Al. Ex. 34. 22.]

πλήρωσις. (1) a. מְלֹא b. מְלֹאִים c. מְלֵא adj.
d. מָלֵא verb.

Ex. 35. 27. καὶ τοὺς λίθους τῆς πλ. (1 b)
De. 33. 16. καθ' ὥραν γῆς πληρώσεως (1 a)
I Ch. 29. 2. λίθους σ. καὶ πληρώσεως (1 b)
Ju. 8. 31. εἰς πλήρωσιν τῶν λάκκων ἡμῶν
Je. 4. 12. πνεῦμα πλήρωσεως ἥξει μοι (1 c)
5. 24. κατὰ καιρὸν πλήρώσεως προστάγματος θερισμοῦ †
Ez. 5. 2. κατὰ τὴν πλ. τῶν ἡμ. τοῦ συγκλεισμοῦ (1 d)
32. 15. ἐρημωθῇ ἡ γῆ σὺν τῇ πλ. αὐτῆς (1 a)
Da. TH. 10. 3. ἕως πλήρώσεως τριῶν ἑβδομάδων ἡμερῶν (1 d)

[Aq., Sm., Th. Ex. 25. 6 (7): 35. 9.]
[Al. Le. 7. 37: 8. 33.]

πλησιάζειν.
II Ma. 6. 4. ἐν τοῖς ἱεροῖς περιβόλοις γυναιξὶ πλησιαζόντων

πλησίον (πλησιέστερον). (1) אָח (2) אֵל
(3) אֲצַל (4) בִּקְצֵה (5) עַל־יַד (6) a. מוֹל
b. מוּל c. אֶל־מוּל d. מִמּוּל (7) מִצַּד
(8) עָמִית (9) קָרוֹב אֶל־בַּיִת (10) a. רֵעַ
b. רֵעָה c. רְעוּת d. רַעְיָה

Ge. 11. 3. εἶπεν ἄνθρωπος τῷ πλ. (10 a)
— 7. ἵνα μὴ ἀκούσωσιν . . . τὴν φ. τοῦ πλ. (10 a)
26. 31. A ὤμοσαν ἄνθρωπος τῷ πλ. αὐ. [R al.] (1)
Ex. 2. 13. διὰ τί σὺ τύπτεις τὸν πλ. (10 a)
11. 2. αἰτησάτω ἕκ. παρὰ τοῦ πλ. (10 a)
— 2. A B⁴ καὶ γυνὴ παρὰ τῆς πλ. (10 c)
12. 4. συλλήψεται . . . τὸν γείτονα τὸν πλ. αὐ. (9)
20. 16. οὐ ψευδομαρτυρήσεις κατὰ τοῦ πλ. σου (10 a)
— 17. τὴν γυναῖκα τοῦ πλ. σου (10 a)
— 17. τὴν οἰκίαν τοῦ πλ. σου (10 a)
— 17. ὅσα τῷ πλ. σού ἐστι (10 a)
21. 14. ἐὰν δέ τις ἐπιθῆται τῷ πλ. (10 a)
— 18. καὶ πατάξωσι τὸν πλ. (10 a)
— 35. ἐὰν δὲ κερατίσῃ . . . τὸν ταῦρον τοῦ πλ. (10 a)
22. 7 (6). ἐὰν δέ τις δῷ τῷ πλ. ἀργύριον (10 a)
— 8 (7). ἐφ' ὅλης τῆς παρακαταθήκης τοῦ πλ. (10 a)
— 9 (8). ἀποτίσει διπλοῦν τῷ πλ. [B¹ *om.* τῷ πλ.] (10 a)
— 10 (9). ἐὰν δέ τις δῷ τῷ πλ. ὑποζύγιον (10 a)
— 11 (10). τῆς παρακαταθήκης τοῦ πλ. (10 a)
Ex. 22. 12 (11). A ἀποτίσει τῷ πλ. [B κυρίῳ] †
— 14 (13). ἐὰν δὲ αἰτήσῃ τις παρὰ τοῦ πλ. (10 a)
— 26 (25). ἐὰν δὲ . . . ἐνεχυράσῃς τὸ ἱμάτ. τοῦ πλ. (10 a)
32. 27. A R ἕκαστος τὸν πλ. αὐτοῦ. (10 a)
34. 3. μὴ νεμέσθωσαν πλ. τοῦ ὄρους ἐκείνου (6 c)
Le. 6. 2 (5. 21). καὶ ψεύσηται τὰ πρὸς τὸν πλ. (8)
— 2 (5. 21). ἢ ἠδίκησέ τι τὸν πλ. (8)
18. 20. πρὸς τὴν γυναῖκα τοῦ πλ. σου (8)
19. 11. οὐ συκοφάντησει ἕκαστος τὸν πλ. (8)
— 13. οὐκ ἀδικήσεις τὸν πλ. (10 a)
— 15. ἐν δικαιοσύνῃ κρινεῖς τὸν πλ. σου (8)
— 16. οὐκ ἐπιστήσῃ ἐφ' αἷμα τοῦ πλ. σου (10 a)
— 17. ἐλέγξεις τὸν πλ. σου (8)
— 18. ἀγαπήσεις τὸν πλ. σου (10 a)
20. 10. ὃς ἂν μοιχεύσηται γυναῖκα τοῦ πλ. (10 a)
24. 19. ἐάν τις δῷ μῶμον τῷ πλ. (8)
25. 14. ἐὰν δὲ ἀποδῷ πρᾶσιν τῷ πλ. σου (8)
— 14. ἐὰν καὶ κτήσῃ παρὰ τοῦ πλ. σου (8)
— 14. μὴ θλιβέτω ἄνθρωπος τὸν πλ. (1)
— 15. κτήσῃ παρὰ τοῦ πλ. (8)
— 17. μὴ θλιβέτω ἄνθρωπος τὸν πλ. (8)
Nu. 33. 37. παρενέβαλον . . . πλ. γῆς Ἐδώμ (4)
— 38. A ἀνέβη Ἀ. ὁ ἱερεὺς πλ. τοῦ ὄρους [B *om.* πλ. τ. ὄ.] (2)
De. 1. 1. πλ. τῆς ἐρυθρᾶς ἀνὰ μέσον Φ. (6 a)
4. 42. ὃς ἂν φονεύσῃ τὸν πλ. (10 a)
5. 20 (17). οὐ ψευδομαρτυρήσεις κατὰ τοῦ πλ. σου (10 a)
— 21 (18). τὴν γυναῖκα τοῦ πλ. σου (10 a)
— 21 (18). τὴν οἰκίαν τοῦ πλ. σου (10 a)
— 21 (18). ὅσα τῷ [B² τοῦ] πλ. σού ἐστι (10 a)
10. 18. A ἀγαπᾶν τὸν πλ. [B al.] †
11. 30. πλ. τῆς δρυὸς τῆς ὑψηλῆς (3)
15. 2. ὃ ὀφείλει σοι ὁ πλ. (10 a)
19. 4. ὃς ἂν πατάξῃ τὸν πλ. αὐ. (10 a)
— 5. ὃς ἂν εἰσέλθῃ μετὰ τοῦ πλ. (10 a)
— 5. καὶ . . . τύχῃ τοῦ πλ. (10 a)
— 11. μισῶν τὸν πλ. (10 a)
— 14. οὐ μετακινήσεις ὅρια τοῦ πλ. (10 a)
— 19. A ἐπονηρεύσατο τῷ πλ. [B al.] (1)
— 21. A B² καθότι ἂν δῷ μῶμον τῷ πλ. –
22. 24. ἐταπείνωσε τὴν γυναῖκα τοῦ πλ. (10 a)
— 26. ὡς εἴ τις ἐπαναστῇ . . . ἐπὶ τὸν πλ. (10 a)
23. 25 (26). A² B εἰς ἀμητὸν τοῦ πλ. σου (10 a)
— 25 (26). A² B ἐπ' ἀμητὸν τοῦ πλ. σου (10 a)
— 24 (25). A² B εἰς τὸν ἀμπελῶνα τοῦ πλ. σου (10 a)
24. 10. ἐὰν ὀφείλημα ᾖ ἐν τῷ πλ. σου (10 a)
27. 17. ὁ μετατιθεὶς ὅρια τοῦ πλ. (10 a)
— 24. A R ὁ τύπτων τὸν πλ. [B *add.* αὐ.] (10 a)
Jo. 9. 1 (8. 33). οἱ ἦσαν ἥμισυ πλ. ὄρους Γ. καὶ οἱ ἦσαν ἥμισυ πλ. ὄρους Γ. (6 c, 6 c)
12. 9. ἥ ἐστι πλ. Β. (7)
15. 46. ὅσαι εἰσὶ πλ. Ἀσ. (5)
19. 46. ὅριον πλ. Ἰόππης (6 b)
20. 5. A ἐπάταξεν τὸν πλ. αὐ. (10 a)
Jd. 4. 11. A οἱ πλ. τοῦ Κιναίου †
6. 29. εἶπεν ἀνὴρ πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 a)
7. 13. ἐξηγούμενος τῷ πλ. αὐτοῦ (10 a)
— 14. ἀπεκρίθη ὁ πλ. αὐτοῦ (10 a)
— 22. ἔθηκε κ. . . . ἐν τῷ πλ. αὐτοῦ (10 a)
10. 18. ἀνὴρ πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 a)
Ru. 3. 14. πρὸ τοῦ ἐπιγνῶναι ἄνδρα τὸν πλ. αὐ. (10 a)
4. 7. ἐδίδου τῷ πλ. αὐτοῦ (10 a)
I Ki. 10. 11. ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 a)
14. 20. ἐγένετο ῥομφαία ἀνδρὸς ἐπὶ τὸν πλ. αὐ. (10 a)
15. 28. δώσει αὐτὴν τῷ πλ. σου (10 a)
20. 41. κατεφίλησεν ἕκαστος τὸν πλ. αὐ. (10 a)
— 41. ἔκλαυσεν ἕκαστος τῷ [A τὸν] πλ. αὐ. (10 a)
28. 16. καὶ γέγονε μετὰ τοῦ πλ. σου †
— 17. δώσει αὐτὴν τῷ πλ. σου (10 a)
30. 26. ἀπέστειλε . . . τοῖς πλ. αὐτοῦ (10 a)
II Ki. 2. 16. ἐκράτησαν . . . τὴν κεφαλὴν τοῦ πλ. αὐ. (10 a)
— 16. εἰς πλευρὰν [A πλάγιον] τοῦ πλ. αὐ. (10 a)
5. 23. παρέσῃ αὐτοῖς πλ. τοῦ κλαυθμῶνος (6 d)
12. 11. καὶ δώσω τῷ πλ. σου (10 a)
III Ki. 8. 31. ὅσα ἂν ἁμάρτῃ ἕκ. τῷ πλ. αὐτοῦ (10 a)
12. 24. B εἶπε . . . ἕκαστος τῷ πλ. αὐτοῦ –
21 (20). 35. εἶπε πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 a)
IV Ki. 3. 23. ἐπάταξεν ἀνὴρ τὸν πλ. αὐτοῦ (10 a)
7. 3, 9. εἶπεν ἀνὴρ πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 a)
I Ch. 14. 14. παρέσῃ αὐτοῖς πλ. τῶν ἀπίων (6 d)
II Ch. 6. 22. ἐὰν ἁμάρτῃ ἀνὴρ τῷ πλ. αὐτοῦ (10 a)
To. 2. 8. οἱ πλ. ἐπεγέλων [S μου κατεγ.]

Ju. 2. 21. πλ. τοῦ ὄρους τοῦ ἐπ' ἀριστερᾷ [S *al.*]
3. 9. κατὰ πρόσωπον Ἐσδρ. πλ. τῆς Δωταίας
4. 6. κατὰ πρόσωπον τοῦ πεδίου τοῦ πλ. Δωθ. [S *al.*]
5. 5. ὃς κατοικεῖ . . . πλ. σοῦ οἰκοῦντος
7. 3. παρενέβαλον ἐν τῷ αὐλῶνι πλ. Βαιτ.
— 4. εἶπεν ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐ.
— 13. ἀναβησόμεθα ἐπὶ τὰς πλ. κορυφάς
— 18. ἥ ἐστι πλ. Χούς
10. 19. εἶπεν ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐ.
15. 2. μένων κατὰ πρόσωπον τοῦ [S[1] αὐτοῦ] πλ.
Es. 9. 19. ἕκαστος τῷ πλ. [A τοῖς πλ.] (10 *a*)
— 19. A B S [R *om.*] ἐξαποστέλλοντες μερίδας καὶ τοῖς πλ. (10 *a* ?)
Jb. 16. 22 (21). B S[2] καὶ υἱῷ [A -ὸς] ἀνθρώπου τῷ πλ. αὐτοῦ (10 *a*)
Ps. 11 (12). 2. μάταια ἐλάλησεν ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 *a*)
14 (15). 3. οὐδὲ ἐποίησε τῷ πλ. αὐτοῦ κακόν (10 *a*)
— 4. ὁ ὀμνύων τῷ πλ. αὐτοῦ [S[1] *om.*] †
23 (24). 4. οὐκ ὤμοσεν ἐπὶ δόλῳ τῷ πλ. αὐ. –
27 (28). 3. τῶν λαλούντων εἰρήνην μετὰ τῶν πλ. αὐτῶν (10 *a*)
34 (35). 14. ὡς πλησίον . . . οὕτως εὐηρέστουν (10 *a*)
37 (38). 11. οἱ πλ. μου . . . ἤγγισαν (10 *a*)
44 (45). 14. αἱ [A οἱ] πλ. αὐτῆς ἀπενεχθήσονταί σοι (10 *b*)
87 (88). 18. A S[2] ἐμάκρυνας ἀπ' ἐμοῦ φίλον καὶ πλησίον [B S[1] *om.* καὶ πλ.] (10 *a*)
100 (101). 5. τὸν καταλαλοῦντα λάθρα τοῦ πλ. αὐτοῦ (10 *a*)
121 (122). 8. ἕνεκα τῶν ἀδ. μου καὶ τῶν πλ. μου (10 *a*)
Pr. 9. 12. σοφὸς ἔσῃ καὶ τοῖς [A τῷ] πλ. –
26. 27. ὁ ὀρύσσων βόθρον [S βόθυνον] τῷ πλ. –
Ca. 1. 9. ὡμοίωσά σε, ἡ πλ. μου (10 *d*)
— 15. ἰδοὺ εἶ καλή, ἡ πλ. μου (10 *d*)
2. 2. οὕτως ἡ πλ. μου ἀνὰ μέσον τῶν θυγατέρων (10 *d*)
— 10. ἀνάστα ἐλθὲ, ἡ [S *om.*] πλ. μου (10 *d*)
— 13. ἀνάστα ἐλθὲ, ἡ πλ. μου (10 *d*)
4. 1. A S ἰδοὺ εἶ καλή, ἡ [B *om.*] πλ. μου (10 *d*)
— 7. ὅλη καλὴ εἶ, πλησίον [A S ἡ πλ.] μου (10 *d*)
5. 1. S τοῖς πλ. ὁ νυμφίος –
— 1. A S[2] φάγετε οἱ [B S[1] *om.*] πλ. [B S[1] πλησίοι] καὶ πίετε (10 *a*)
— 2. ἄνοιξόν μοι, ἀδελφή μου ἡ πλ. μου (10 *d*)
— 16. οὗτος πλησίον μου (10 *a*)
6. 3 (4). S R καλὴ εἶ, ἡ [A B *om.*] πλ. μου (10 *d*)
Si. 5. 12. εἰ ἔστι σοι σύνεσις ἀποκρίθητι τῷ πλ.
6. 17. κατ' αὐτὸν οὕτως καὶ ὁ [S[1] οἱ] πλ. αὐτοῦ
9. 14. κατὰ τὴν ἰσχύν σου στόχασαι τοὺς [A τῷ] πλ.
10. 6. μὴ μηνιάσῃς τῷ πλ.
13. 15. ἀγαπᾷ . . . πᾶς ἄνθρωπος τὸν πλ. αὐτοῦ
15. 5. ὑψώσει αὐτὸν παρὰ τοὺς πλ. αὐτοῦ
16. 28. ἕκαστος τὸν πλ. αὐτοῦ οὐκ ἔθλιψε
17. 14. ἐνετείλατο αὐτοῖς ἑκάστῳ περὶ τοῦ πλ.
18. 13. ἔλεος ἀνθρώπου ἐπὶ τὸν πλ. αὐτοῦ
19. 14. S ἔλεγξον τὸν πλ. [B φίλον]
— 17. ἔλεγξον τὸν πλ. σου πρὶν ἢ ἀπειλῆσαι
22. 23. πίστιν κτῆσαι ἐν πτωχείᾳ μετὰ τοῦ πλ.
25. 1. ὁμόνοια ἀδελφῶν καὶ φιλία τῶν πλ.
— 18. ἀνὰ μέσον τοῦ πλ. αὐτοῦ ἀναπεσεῖται ὁ ἀνήρ
27. 18. A B S ἀπώλεσας τὴν φιλίαν τοῦ πλ. [R -ίου]
— 19. οὕτως ἀφῆκας τὸν πλ.
28. 2. ἄφες ἀδίκημα τῷ πλ. σου
— 7. μὴ μηνίσῃς τῷ πλ. [S πλ. σου]
29. 1. ὁ ποιῶν ἔλεος δανειεῖ τῷ πλ.
— 2. δάνεισον τῷ πλ. ἐν καιρῷ χρείας αὐ. καὶ πάλιν ἀπόδος τῷ πλ. εἰς τὸν καιρόν
— 5. ἐπὶ τῶν χρημάτων τοῦ πλ. ταπεινώσει φωνήν
— 14. ἀνὴρ ἀγαθὸς ἐγγυήσεται τὸν πλ.
— 20. ἀντιλαβοῦ τοῦ πλ. κατὰ δύναμίν σου
31 (34). 22. φονεύων τὸν πλ. ὁ ἀφαιρούμενος συμβίωσιν [A S ἐμβ.]
34 (31). 15. νόει τὰ τοῦ πλ. ἐκ σεαυτοῦ
— 31. ἐν συμποσίῳ οἴνου μὴ ἐλέγξῃς τὸν πλ.
36. 19 (16). B[3] πλησίον [A B[1] S R πλῆσον] Σ. ἀρεταλογίας
Mi. 7. 2. ἕκαστος τὸν πλ. αὐ. ἐκθλίβουσιν (1)
Jn. 1. 7. εἶπεν ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐ. (10 *a*)
Hb. 2. 15. ὦ ὁ ποτίζων τὸν πλ. αὐ. (10 *a*)
Za. 3. 9 (8). σὺ καὶ οἱ πλ. σου (10 *a*)
— 11 (10). συγκαλέσατε ἕκαστος τὸν πλ. αὐ. (10 *a*)
8. 10. ἐξαποστελῶ . . . ἕκαστον ἐπὶ τὸν πλ. αὐ. (10 *a*)
— 16. λαλεῖτε ἀλήθειαν ἕκ. πρὸς τὸν πλ. αὐ. (10 *a*)
Za. 8. 17. ἕκαστος τὴν κακίαν τοῦ πλ. αὐ. μὴ λογίζεσθε (10 *a*)
11. 6. παραδίδωμι . . . ἕκαστον εἰς χεῖρα τοῦ πλ. αὐ. (10 *a*)
— 9. ἕκαστος τὰς σάρκας τοῦ πλ. αὐ. (10 *c*)
14. 13. ἐπιλήψονται ἕκαστος τῆς χειρὸς τοῦ πλ. αὐ. (10 *a*)
— 13. πρὸς τὴν χεῖρα τοῦ πλ. αὐ. (10 *a*)
Ma. 3. 16. ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐ. (10 *a*)
4. 6 (3. 24). καὶ καρδίαν ἀνθρώπου πρὸς τὸν πλ. αὐ. †
Is. 3. 5. ἄνθρωπος πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 *a*)
5. 8. ἵνα τοῦ πλ. ἀφέλωνταί τι †
19. 2. πολεμήσει . . . ἄνθρωπος τὸν πλ. αὐτοῦ (10 *a*)
41. 6. ἦλθον ἅμα κρίνων ἕκαστος τῷ πλ. (10 *a*)
Je. 5. 8. ἕκαστος ἐπὶ τὴν γυναῖκα τοῦ πλ. αὐτοῦ ἐχρεμέτιζον (10 *a*)
6. 21. γείτων καὶ ὁ πλ. αὐτοῦ ἀπολοῦνται (10 *a*)
7. 5. ἀνὰ μέσον ἀνδρὸς καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ πλ. αὐτοῦ (10 *a*)
9. 4 (3). ἕκαστος ἀπὸ τοῦ πλ. αὐτοῦ [A *add.* ἐξήλθοσαν] φυλάξασθε (10 *a*)
— 8 (7). τῷ πλ. αὐτοῦ λαλεῖ εἰρηνικά (10 *a*)
— 20 (19). διδάξατε . . . γυνὴ τὴν πλ. αὐτῆς θρῆνον (10 *c*)
19. 9. τὰς σάρκας τοῦ πλ. αὐτοῦ ἔδονται (10 *a*)
22. 8. ἐρεῖ ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 *a*)
— 13. παρὰ τῷ πλ. αὐτοῦ ἐργᾶται δωρεάν (10 *a*)
23. 27. ἃ διηγοῦντο ἕκαστος τῷ πλ. αὐτοῦ (10 *a*)
— 30. R ἕκαστον [A S -ος] παρὰ τοῦ πλ. αὐτοῦ (10 *a*)
— 35. οὕτως ἐρεῖτε ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 *a*)
26 (46). 16. ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ ἐλάλει (10 *a*)
38 (31). 34. A ἕκαστος τὸν πλ. [B ἀδελφὸν] αὐτοῦ (1)
41 (34). 15. τοῦ καλέσαι ἄφεσιν ἕκαστον τοῦ [A -ος τῷ] πλ. αὐτοῦ (10 *a*)
— 17. τοῦ καλέσαι ἄφεσιν ἕκαστος πρὸς τὸν [A S[3] *add.* ἀδελφὸν αὐτοῦ καὶ πρὸς τὸν] πλ. αὐτοῦ (1+10 *a* [10 *a*])
43 (36). 16. συνεβουλεύσαντο ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 *a*)
Ep. Je. 43. τὴν πλ. ὀνειδίζει
Ez. 18. 6. τὴν γυναῖκα τοῦ πλ. αὐτοῦ οὐ μὴ μιάνῃ (10 *a*)
— 8. ἀνὰ μέσον ἀνδρὸς καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ πλ. αὐτοῦ †
— 11. τὴν γυναῖκα τοῦ πλ. αὐτοῦ ἐμίανε (10 *a*)
— 15. τὴν γυναῖκα τοῦ πλ. αὐτοῦ οὐκ ἐμίανε (10 *a*)
22. 11. ἕκαστος τὴν γυν. τοῦ πλ. αὐ. ἠνομοῦσαν (10 *a*)
33. 26. A ἀνὴρ τὸν πλ. αὐτοῦ ἐμιάνατε (10 *a*)
40. 9. τὸ αἰλὰμ τοῦ πυλῶνος πλ. τοῦ αἰλὰμ τῆς πύλης –
41. 16. τὰ πλ. ἐξυλωμένα κύκλῳ †
— 17. ἕως πλ. τῆς ἐσωτέρας †
Da. TH. Su. 62. ὃν τρόπον ἐπονηρεύσαντο τῷ πλ.
I Ma. 2. 40. S R εἶπεν ἀνὴρ τῷ [A πρὸς τὸν] πλ. αὐ.
3. 40. παρενέβαλον πλ. Ἀμμ.
— 43. εἶπαν ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐ.
12. 33. A S ἕως Ἀσκ. καὶ τὰ πλ. ὀχυρώματα [R *al.*]
II Ma. 6. 11. ἕτεροι δὲ πλ. συνδραμόντες
III Ma. 1. 6. ἔκρινε τὰς πλ. πόλεις
6. 31. οἱ τὸ πρὶν ἐπονείδιστοι καὶ πλ. τοῦ ᾅδου
IV Ma. 2. 5. οὐκ ἐπιθυμήσεις τὴν γυναῖκα τοῦ πλ. σου οὐδὲ ὅσα τῷ πλ. σού ἐστι
5. 4. παρήχθη πλησίον αὐτοῦ
8. 5. καὶ πλ. καλέσας ἔφη
12. 3. πλησιέστερον αὐτὸν μετεπέμψατο
— 10. δραμὼν ἐπὶ πλησίον τῶν τηγάνων
[Aq. III Ki. 1. 9 : Je. 41. 9 : Pr. 11. 9 : 12. 26 : Je. 9. 5 (4) : Ez. 1. 15 : 9. 2 : 10. 16 : Da. 10. 13.]
[Sm. III Ki. 1. 9 : Pr. 6. 1, 24, 29 : 11. 9 : 21. 10 : Je. 29 (36). 23 : Ez. 1. 15 : 22. 12.]
[Th. Je. 16. 21 : Pr. 6. 1 : 11. 9 : Is. 34. 14 : Ez. 22. 12 : 33. 26.]
[Al. I Ki. 20. 41.]
[Quint. Pr. 6. 29.]

πλησίος. (1) רֵעַ

Ca. 5. 1. φάγετε, πλησίοι [A S[2] οἱ πλησίον] (1)
Si. 27. 18. R ἀπώλεσας τὴν φιλίαν τοῦ πλ. [A B S -ίον]
Je. 24. 1. μετὰ τὸ ἀποικίσαι Ναβ. . . . τοὺς πλουσίους [B[1] πλησ.] –
I Ma. 12. 33. R ἕως Ἀσκ. καὶ τῶν πλ. ὀχυρωμάτων [A S *al.*]

πλησμονή. (1) דֶּשֶׁן (2) טֹרַח (3) רְבִיבִים (4) *a.* שָׂבָע *b.* שֹׂבַע *c.* שָׂבָע *d.* שָׂבֵעַ *e.* שְׂבָעָה *f.* שִׂבְעָה (5) ἐν πλησμονῇ שֹׂבַע שֹׂבַע

Ge. 41. 30. ἐπιλήσονται τῆς πλ. (4 *a*)
Ex. 16. 3. ἠσθίομεν ἄρτους εἰς πλησμονήν (4 *b*)
— 8. καὶ ἄρτους τὸ πρωὶ εἰς πλησμονήν (4 *c*)
Le. 25. 19. φάγεσθε εἰς πλησμονήν (4 *b*)
26. 5. φάγεσθε τὸν ἄρτον ὑ. εἰς πλησμονήν (4 *b*)
De. 33. 23. Νεφθ. πλησμονὴ δεκτῶν (4 *d*)
Ju. 7. 21. οὐκ εἶχον πιεῖν εἰς πλησμονὴν ὕδωρ
8. 31. S[2] τὸν ὑετὸν εἰς πλησμονήν [A B S[1] *om.* εἰς πλ.]
Ps. 77 (78). 25. ἐπισιτισμὸν ἀπέστειλεν αὐτοῖς εἰς πλησμονήν (4 *b*)
105 (106). 15. ἐξαπέστειλε πλησμονήν †
Pr. 3. 10. ἵνα πίμπληται τὰ ταμιεῖά σου πλησμονῆς σίτῳ [A S[2] -ου] (4 *a*)
26. 16. τοῦ ἐν πλησμονῇ ἀποκομίζοντος ἀγγελίαν †
27. 7. ψυχὴ ἐν πλησμονῇ οὖσα κηρίοις ἐμπαίζει (5)
Si. 1. 16. πλησμονὴ σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κύριον
18. 25. ἐν καιρῷ [A ἡμέραις] πλησμονῆς
45. 21. ἄρτον . . . ἡτοίμασε πλησμονήν [A S ἐν πλησμονῇ]
Ho. 13. 6. ἐνεπλήσθησαν εἰς πλησμονήν (4 *c*)
Hb. 2. 16. πλησμονὴν ἀτιμίας ἐκ δόξης πίε (4 *c*)
Hg. 1. 6. ἐφάγετε καὶ οὐκ εἰς πλησμονήν (4 *e*)
Is. 1. 14. ἐγενήθητέ μοι εἰς πλησμονήν (2)
30. 23. ὁ ἄρτος τοῦ γεννήματος τῆς γῆς σου ἔσται πλ. (1)
55. 2. τὸν μόχθον ὑμῶν οὐκ εἰς πλησμονήν (4 *e*)
56. 11. οἱ κύνες ἀναιδεῖς τῇ ψυχῇ οὐκ εἰδότες πλησμονήν (4 *e*)
65. 15. καταλείψετε τὸ ὄνομα ὑ. εἰς πλησμονήν †
Je. 14. 22. εἰ ὁ οὐρανὸς δώσει πλησμονὴν αὐτοῦ (3)
La. 5. 6. Ἀσσοὺρ εἰς πλησμονὴν αὐτῶν (4 *c*)
Ez. 16. 49. ἐν πλησμονῇ ἄρτων (4 *f*)
39. 19. φάγεσθε στέαρ εἰς πλησμονήν (4 *e*)
[Aq. Ge. 26. 33 *bis* : Ps. 15 (16). 11 : Is. 23. 18 : Je. 5. 24.]
[Sm. Ge. 26. 33 *bis* : Ps. 15 (16). 11 : Ec. 5. 11 : Is. 23. 18 : 55. 2.]
[Th. Je. 5. 24.]
[Quint. Ho. 7. 14.]

πλήσσειν. (1) כָּרַת hi. (2) נָגַף ni. (3) נָכָה *a.* ni. *b.* pu. *c.* hi. *d.* hoph. *e.* נָכֶה (4) נָפַל (5) נָשַׁךְ (6) פָּלַח pi. (7) πληγεὶς ὑπό בְּיַד

Ex. 9. 31. ἡ κριθὴ ἐπλήγη (3 *b*)
— 32. ὁ δὲ πυρὸς καὶ ἡ ὀλύρα οὐκ ἐπλήγησαν [A -γη] (3 *b*)
16. 3. πληγέντες ὑπὸ κυρίου (7)
22. 2 (1). καὶ πληγεὶς ἀποθάνῃ (3 *d*)
Nu. 25. 14. τὸ δὲ ὄνομα τοῦ ἀνθρ. . . . τοῦ πεπληγότος ὃς ἐπλήγη μετὰ τῆς Μαδ. (3 *d*, 3 *d*)
— 15. ὄνομα τῇ γυναικὶ . . . τῇ πεπληγυίᾳ (3 *d*)
— 18. διὰ Χασβὶ . . . τὴν πεπληγυῖαν (3 *d*)
Jd. 20. 36. εἶδον . . . ὅτι ἐπλήγησαν [A *al.*] (2)
I Ki. 4. 2. ἐπλήγησαν ἐν τῇ παρατάξει (3 *c*)
5. 12. ἐπλήγησαν εἰς τὰς ἕδρας (3 *d*)
11. 11. A ἔπληξεν [B ἔτυπτον] τοὺς υἱοὺς Ἀ. (3 *c*)
II Ki. 1. 12. ἐπλήγησαν ἐν ῥομφαίᾳ (4)
4. 4. υἱὸς πεπληγὼς τοὺς πόδας (3 *e*)
9. 3. υἱὸς . . . πεπληγὼς τοὺς πόδας (3 *e*)
11. 15. πληγήσεται καὶ ἀποθανεῖται (3 *a*)
— 20. B[2] πληγήσεσθε ἀπάνωθεν τοῦ τείχους [A B[1] *al.*] †
— 22. πληγήσεσθε ἀπὸ τοῦ τείχους –
III Ki. 14. 14. A ὃς πλήξει τὸν οἶκον Ἱερ. (1)
— 15. A κύριος πλήξει τὸν Ἰσρ. (3 *c*)
II Ch. 29. 9. πεπλήγασιν οἱ πατέρες ὑμῶν (4)
II Es. 6. 11. πληγήσεται [A παγ.] ἐπ' αὐτοῦ †
Ps. 101 (102). 4. ἐπλήγην [S[1] -η] ὡσεὶ χόρτος (3 *d*)
Pr. 7. 23. ἢ ὡς ἔλαφος τοξεύματι πεπληγὼς εἰς τὸ ἧπαρ (6)
23. 32. ὥσπερ ὑπὸ ὄφεως πεπληγὼς ἐκτείνεται (5)
Wi. 19. 17. ἐπλήγησαν δὲ καὶ ἀορασίᾳ
Za. 13. 6. ἃς ἐπλήγην ἐν τῷ οἴκῳ (3 *d*)
Is. 1. 5. τί ἔτι πληγῆτε (3 *d*)
9. 13 (12). ἕως ἐπλήγη (3 *c*)

Is. 27. 7. αὐτὸς οὕτως πληγήσεται (3 c)
I Ma. 9. 55. ἐπλήγη Ἄλκιμος
III Ma. 2. 22. A πεπληγμένον [R περιπεπλεγμ.] κρίσει
IV Ma. 14. 19. πλήσσουσι τοὺς προσιόντας τῇ νοσσιᾷ αὐ.
[Aq. Ge. 4. 15: 14. 17: Ex. 5. 16: I Ki. 2. 14: 24. 6: II Ki. 1. 1: 6. 7: 21. 2: III Ki. 14. 14, 15: Jb. 33. 16: Ps. 3. 8: 77 (78). 66: Pr. 17. 22: Is. 37. 38: 66. 2: Mi. 5. 1 (4. 14).]
[Sm. I Ki. 5. 6: Jb. 32. 4: Ps. 72 (73). 5: Is. 10. 24: 53. 4: Je. 40 (47). 14.]
[Th. Pr. 17. 10: 18. 14: Is. 53. 4.]
[Heb. Jb. 19. 6.]

πλινθάριον.
[Al. Ex. 5. 16.]

πλινθεία (-ία). (1) a. לְבֵנָה b. לַבֵּן
Ex. 1. 14. ἐν τοῖς ἔργοις τοῖς σκλ. . . . τῇ πλ. (1 a)
5. 8. τὴν σύνταξιν τῆς πλ. [A πλινθουργίας] (1 a)
— 14. τὰς συντάξεις ὑμῶν τῆς πλ. (1 b)
— 18. τὴν σύνταξιν τῆς πλ. (1 a)
— 19. οὐκ ἀπολείψετε τῆς πλ. τὸ καθῆκον (1 a)

πλινθεῖον, πλινθίον. (1) מַלְבֵּן
II Ki. 12. 31. διήγαγεν [A ἀπήγ.] αὐτοὺς διὰ τοῦ πλ. (1, †*)
III Ki. 3. 1. ἐπὶ τῆς αὐλαρχίας καὶ ἐπὶ τοῦ πλ. –
[Aq. Je. 43 (50). 9.]
[Sm. Je. 43 (50). 9: Ez. 4. 1.]
[Th. II Ki. 20. 23: Je. 43 (50). 9.]

πλινθεύειν. (1) לָבַן
Ge. 11. 3. πλινθεύσωμεν πλίνθους (1)

πλίνθος. (1) a. לְבֵנָה b. מַלְבֵּן
Ge. 11. 3. πλινθεύσωμεν πλίνθους (1 a)
— 3. ἐγένετο αὐτοῖς ἡ πλ. εἰς λίθον (1 a)
Ex. 5. 16. τὴν πλ. ἡμῖν λέγουσι ποιεῖν (1 a)
24. 10. ὡσεὶ ἔργον πλίνθου σαπφείρου [A -ος] (1 a)
Ju. 5. 11. ἐν πόνῳ [S πηλῷ] καὶ πλίνθῳ
Mi. 7. 11. ἡμέρας ἀλοιφῆς πλίνθου †
Na. 3. 14. κατακράτησον ὑπὲρ πλίνθον (1 b)
Is. 9. 10 (9). πλίνθοι πεπτώκασιν (1 a)
24. 23. τακήσεται ἡ πλ. †
65. 3. θυμιῶσιν ἐπὶ ταῖς πλ. τοῖς δαιμονίοις (1 a)
Ez. 4. 1. λάβε σεαυτῷ πλίνθον (1 a)

πλινθουργία. (1) a. לְבֵנָה b. לָבַן הַלְּבֵנִים
Ex. 5. 7. διδόναι ἄχυρον . . . εἰς τὴν [A¹ om.] πλ. (1 b)
— 8. A τὴν σύνταξιν τῆς πλ. [B πλινθείας] (1 a)
[Al. Ex. 5. 16.]

πλοῖον. (1) a. אֳנִי b. אֳנִיָּה (2) סְפִינָה (3) צִי
Ge. 49. 13. καὶ αὐτὸς παρ' ὅρμον πλοίων (1 b)
De. 28. 68. ἀποστρέψει σε . . . ἐν πλοίοις (1 b)
Jd. 5. 17. εἰς τί παροικεῖ πλοίοις (1 b)
II Ch. 8. 18. ἀπέστειλε Χ. . . . πλοῖα (1 b)
9. 21. ἤρχετο πλοῖα [A -ον] ἐκ Θ. (1 b)
20. 36. B τοῦ ποιῆσαι πλοῖα (1 b)
— 36. καὶ ἐποίησε πλοῖα (1 b)
— 37. συνετρίβη τὰ πλ. σου (1 b)
Jb. 40. 26 (31). καὶ ἐν πλοίοις ἁλιέων κεφαλὴν αὐτοῦ †
Ps. 47 (48). 7. συντρίψεις [A -ει] πλοῖα Θ. (1 b)
103 (104). 26. AB²SR ἐκεῖ πλοῖα διαπορεύονται (1 b)
106 (107). 23. οἱ καταβαίνοντες εἰς θάλασσαν ἐν πλοίοις (1 b)
Wi. 14. 1. τοῦ φέροντος αὐτὸν πλ. [A ξύλου] σαθρότερον ξύλον ἐπιβοᾶται
Si. 36 (33). 2. ὡς ἐν καταγίδι πλοῖον
Jn. 1. 3. εὗρε πλοῖον βαδίζον εἰς Θ. (1 b)
— 4. τὸ πλ. ἐκινδύνευε τοῦ συντριβῆναι (1 b)
— 5. τῶν σκευῶν τῶν ἐν τῷ πλ. (1 b)
— 5. κατέβη εἰς τὴν κοίλην τοῦ πλ. (2)
Ma. 3. 2. S¹ ὡς πλοῖα [A B S² ποία] πλυνόντων †
Is. 2. 16. ἐπὶ πᾶν πλ. θαλάσσης καὶ ἐπὶ πᾶσαν θέαν πλοίων κάλλους (1 b, †)
11. 14. πετασθήσονται ἐν πλοίοις ἀλλοφύλων †
18. 1. οὐαὶ γῆς πλοίων πτέρυγες †
23. 1. ὀλολύξατε, πλοῖα Καρχηδόνος (1 b)
Is. 23. 10. πλοῖα οὐκέτι ἔρχεται ἐκ Καρχηδόνος †
— 14. ὀλολύξατε, πλοῖα Καρχηδόνος (1 b)
33. 21. οὐδὲ πορεύσεται πλ. ἐλαῦνον (1 a + 3)
43. 14. ἐν πλοίοις [A S² κλ.] δεθήσονται (1 b)
60. 9. πλοῖα Θαρσὶς ἐν πρώτοις (1 b)
Ez. 27. 9. πάντα τὰ πλ. τῆς θαλάσσης . . . ἐγένοντό σοι (1 b)
— 25. κυπαρίσσινα πλοῖα [A ἐν κ. πλοίοις] (1 b)
— 29. καταβήσονται ἀπὸ τῶν πλ. (1 b)
Da. LXX. 11. 40. ἐν ἵπποις πολλοῖς καὶ ἐν πλ. πολλοῖς (1 b)
I Ma. 8. 26. οὐδὲ ἐπαρκέσουσι . . . πλοῖα [S¹ -ον]
— 28. S R οὐ δοθήσεται . . . πλοῖα [A om.]
11. 1. ἤθροισε . . . πλ. πολλά
13. 29. ἐποίησεν . . . παρὰ ταῖς πανοπλίαις πλοῖα
15. 3. κατεσκεύασα πλ. πολεμικά
— 14. A R τὰ πλ. ἀπὸ θαλάσσης συνῆψαν
— 37. Τρ. δὲ ἐμβὰς εἰς πλοῖον
III Ma. 4. 7. μέχρι τῆς εἰς τὸ πλ. ἐμβολῆς
— 9. τοῖς ζυγοῖς τῶν πλ. προσηλωμένοι τοὺς τραχήλους
[Aq. Ez. 27. 25.]
[Sm. Is. 33. 21.]

πλόκαμος.
III Ma. 1. 4. R τοὺς πλ. [A πολέμους] λελυμένη
[Aq. Ca. 4. 9.]

πλοκή. (1) מִקְלַעַת (2) עֲבֹת
Ex. 28. 14. δύο κροσσωτὰ . . . ἔργον πλοκῆς (2)
III Ki. 6. 18. A πλοκὴν ἐπαναστήσεις (1)
Si. 41. 19. S ἀπὸ τόπου οὗ παροικεῖς περὶ πλοκῆς [A B κλοπῆς]
Ez. 7. 10. A ἐξῆλθεν ἡ πλ. †
[Sm. III Ki. 6. 18.]
[Th. Ez. 7. 7, 10.]

πλόκιον. (1) דַּלָּה
Ca. 7. 5 (6). πλόκιον κεφαλῆς σου ὡς πορφύρα (1)

πλοῦς.
Wi. 14. 1. πλοῦν τις πάλιν στελλόμενος

πλούσιος. (1) כָּפִיר (2) עָלִין (3) a. עָשִׁיר b. עָשַׁר hi. (4) שְׁאָנָן (5) εἶναι πλούσιος כָּבַד
Ge. 13. 2. Ἄβ. δὲ ἦν πλ. σφόδρα κτήνεσι (5)
Ru. 3. 10. εἴτοι πτωχὸς εἴτοι πλούσιος (3 a)
I Ki. 2. 10. μὴ καυχάσθω ὁ πλ. ἐν τῷ πλούτῳ αὐ. –
II Ki. 12. 1. εἷς πλ. καὶ εἷς πένης (3 a)
— 2. τῷ πλ. ἦν ποίμνια (3 a)
— 4. ἦλθε πάροδος τῷ ἀνδρὶ τῷ πλ. (3 a)
I Es. 3. 19. τήν τε τοῦ πένητος καὶ τὴν τοῦ πλ.
— 21. πάσας καρδίας ποιεῖ πλουσίας
Es. 1. 20. ἀπὸ πτωχοῦ ἕως πλουσίου †
Jb. 27. 19. ABS¹ πλούσιος κοιμηθείς [S²R -θήσεται] (3 a)
Ps. 9. 29 (10. 8). ἐγκάθηται ἐνέδρᾳ μετὰ πλουσίων ἐν ἀποκρύφοις †
33 (34). 10. πλούσιοι ἐπτώχευσαν (1)
44 (45). 12. τὸ πρόσωπόν σου λιτανεύσουσιν οἱ πλ. τοῦ λαοῦ (3 a)
48 (49). 2. ἐπὶ τὸ αὐτὸ πλούσιος καὶ πένης (3 a)
Pr. 10. 15. κτῆσις πλουσίων πόλις ὀχυρά (3 a)
14. 20. φίλοι δὲ πλουσίων πολλοί (3 a)
18. 11. ὕπαρξις πλουσίου ἀνδρὸς πόλις ὀχυρά (3 a)
19. 22. κρείσσων δὲ πτωχὸς δίκαιος ἢ πλούσιος ψευδής [A S² ψεύστης] †
22. 2. πλούσιος καὶ πτωχὸς συνήντησαν ἀλλήλοις (3 a)
— 7. πλούσιοι πτωχῶν ἄρξουσι (3 a)
— 16. δίδωσι δὲ πλουσίῳ ἐπ' ἐλάσσονι (3 a)
23. 4. μὴ παρεκτείνου πένης ὢν πλουσίῳ (3 b)
28. 6. κρείσσων πτωχὸς πορευόμενος ἐν ἀληθείᾳ πλουσίου ψευδοῦς (3 a)
— 11. σοφὸς παρ' ἑαυτῷ ἀνὴρ πλούσιος (3 a)
Ec. 10. 6. πλούσιοι ἐν ταπεινῷ καθήσονται (3 a)
— 20. μὴ καταράσῃ πλούσιον (3 a)
Wi. 8. 5. τί σοφίας πλουσιώτερον [S τιμιώτ.] τῆς τὰ πάντα ἐργαζομένης [S¹ περιεργ.]
Si. 8. 2. μὴ ἔριζε μετὰ ἀνθρώπου πλουσίου
10. 22. πλούσιος καὶ ἔνδοξος . . . τὸ καύχημα αὐτῶν φόβος κυρίου
— 30. πλούσιος δοξάζεται διὰ τὸν πλοῦτον αὐτοῦ
Si. 13. 2. ἰσχυροτέρῳ σου καὶ πλουσιωτέρῳ μὴ [A S σου μὴ] κοινώνει
— 3. πλούσιος ἠδίκησε καὶ αὐτὸς προσενεβριμήσατο
— 18. τίς εἰρήνη πλουσίῳ πρὸς πένητα
— 19. οὕτως νομαὶ πλουσίων πτωχοί
— 20. οὕτως βδέλυγμα πλουσίῳ πτωχός
— 21. πλούσιος σαλευόμενος στηρίζεται ὑπὸ φίλων
— 22. πλουσίου σφαλέντος πολλοὶ ἀντιλήπτορες
— 23. πλούσιος ἐλάλησε καὶ πάντες ἐσίγησαν
25. 2. πτωχὸν ὑπερήφανον καὶ πλούσιον ψεύστην
26. 4. πλουσίου δὲ καὶ πτωχοῦ καρδία ἀγαθή
30. 14. πλούσιος μεμαστιγωμένος εἰς σῶμα αὐτοῦ
34 (31). 3. ἐκοπίασε πλούσιος ἐν συναγωγῇ χρημάτων
— 8. μακάριος πλούσιος ὃς εὑρέθη ἄμωμος
44. 6. ἄνδρες πλούσιοι κεχορηγημένοι ἰσχύϊ
Is. 5. 14. καταβήσονται . . . οἱ πλ. †
32. 9. γυναῖκες πλούσιαι, ἀνάστητε (4)
— 13. πόλις πλουσία (2)
33. 20. πόλις πλουσία (4)
53. 9. δώσω . . . τοὺς πλ. ἀντὶ τοῦ θανάτου αὐ. (3 a)
Je. 9. 23 (22). μὴ καυχάσθω ὁ πλ. ἐν τῷ πλούτῳ αὐτοῦ (3 a)
24. 1. μετὰ τὸ ἀποικίσαι . . . τοὺς πλ. [B¹ πλησ.] –
Da. LXX., TH. Su. 4. ἦν Ἰ. πλούσιος σφόδρα
I Ma. 6. 2. τὸ ἱερὸν τὸ ἐν αὐτῇ πλούσιον σφόδρα
[Aq. II Ki. 12. 4: Ps. 21 (22). 13 (P.).]
[Sm. II Ki. 12. 4: Jb. 34. 19 (P.): Pr. 12. 24: 22. 16: Ec. 5. 11: 10. 6.]
[Th. II Ki. 12. 4: Pr. 18. 23.]
[Al. Le. 25. 47.]

πλουτεῖν. (1) הוֹן (2) a. עָשַׁר qal. b. hi. c. עָשִׁיר (3) פָּרַץ
Ge. 30. 43. ἐπλούτησεν ὁ ἄνθρ. σφόδρα σφ. (3)
Ex. 30. 15. ὁ πλουτῶν οὐ προσθήσει (2 c)
Ju. 15. 6. καὶ ἐπλούτησαν σφόδρα
Ps. 48 (49). 16. ὅταν πλουτήσῃ ἄνθρωπος (2 b)
Pr. 28. 22. σπεύδει πλουτεῖν ἀνὴρ βάσκανος (1)
31. 28. καὶ ἐπλούτησαν †
Ec. 5. 11. τῷ ἐμπλησθέντι τοῦ πλουτῆσαι (2 c)
Si. 11. 18. ἔστι πλουτῶν ἀπὸ προσοχῆς
— 21. A κοῦφον ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου . . . πλουτῆσαι [B S -ίσαι] πένητα
Ho. 12. 8 (9). πλὴν πεπλούτηκα (2 a)
Za. 11. 5. καὶ πεπλουτήκαμεν (2 b)
Je. 5. 27. ἐμεγαλύνθησαν καὶ ἐπλούτησαν (2 b)
Ez. 27. 33. R ἐπλούτησας [A B -ισας] πάντας βασιλεῖς (2 b)
Da. LXX., TH. 11. 2. πλουτήσει πλοῦτον μέγαν (2 b)
[Aq. Pr. 21. 17: 23. 4.]
[Sm., Th. Pr. 21. 17.]
[Al. Pr. 28. 20.]

πλουτίζειν. (1) עָשַׁר a. qal. b. hi. c. hithpa.
Ge. 14. 23. ἐγὼ ἐπλούτισα τὸν Ἄβραμ (1 b)
I Ki. 2. 7. κύριος πτωχίζει καὶ πλουτίζει (1 b)
17. 25. A πλουτίσει αὐτὸν ὁ βασ. πλοῦτον μέγ. (1 b)
Jb. 15. 29. οὔτε μὴ πλουτισθῇ (1 a)
Ps. 64 (65). 9. ἐπλήθυνας τοῦ πλουτίσαι αὐτήν (1 b)
Pr. 10. 4. χεῖρες δὲ ἀνδρείων πλουτίζουσιν (1 b)
— 22. B S αὕτη πλουτίζει (1 b)
13. 7. εἰσὶν οἱ πλουτίζοντες ἑαυτούς [A al.] (1 c)
Wi. 10. 11. καὶ ἐπλούτισεν αὐτόν
Si. 11. 21. κοῦφον ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου . . . πλουτίσαι [A -ῆσαι] πένητα
19. 1. ἐργάτης μέθυσος οὐ πλουτισθήσεται
Ez. 27. 33. A B ἐπλούτισας [R -ησας] πάντας τοὺς βασιλεῖς (1 b)
II Ma. 7. 24. ἅμα πλουτιεῖν καὶ μακαριστὸν ποιήσειν
[Sm. Ps. 64 (65). 10.]

πλοῦτος. (1) אוֹצָר (2) גְּדוּלָּה (3) הוֹן (4) הָמוֹן (5) חַיִל (6) כָּבוֹד (7) a. עָשָׁר b. עָשַׁר hi. c. עָשִׁיר (8) רְכֻלָּה (9) שֶׂפַע
Ge. 31. 16. πάντα τὸν πλ. καὶ τὴν δόξαν (7 a)
De. 33. 19. πλοῦτος θαλάσσης θηλάσει σε (9)
I Ki. 2. 10. μὴ καυχάσθω ὁ πλούσιος ἐν τῷ πλ. αὐτοῦ –
17. 25. A πλουτίσει αὐτὸν ὁ βασ. πλ. μέγαν (7 a)
III Ki. 3. 11. οὐκ ᾐτήσω πλοῦτον (7 a)
— 13. δέδωκά σοι καὶ πλοῦτον καὶ δόξαν (7 a)
10. 23. ἐμεγαλύνθη . . . πλούτῳ καὶ φρονήσει (7 a)

I Ch. 29. 12. παρὰ σοῦ ὁ πλ. (7 a)
— 28. ἐτελεύτησεν . . . πλούτῳ καὶ δόξῃ (7 a)
II Ch. 1. 11. οὐκ ᾐτήσω πλοῦτον χρημάτων (7 a)
— 12. πλοῦτον . . . δώσω σοι (7 a)
9. 22. ἐμεγαλύνθη Σ. . . . πλούτῳ (7 a)
17. 5. ἐγένετο αὐτῷ πλοῦτος (7 a)
18. 1. ἐγενήθη τῷ Ἰωσ. ἔτι πλοῦτος (7 a)
32. 27. ἐγένετο τῷ Ἐζ. πλοῦτος (7 a)
To. 12. 8. S μᾶλλον ἢ πλοῦτος μετὰ ἀδικίας [A B al.]
Es. 1. 4. μετὰ τὸ δεῖξαι αὐτοῖς τὸν πλ. τῆς βασ. αὐ. καὶ τὴν δόξαν τῆς εὐφροσύνης τοῦ πλ. αὐ. (7 a, 2)
5. 11. ὑπέδειξεν αὐτοῖς τὸν πλ. αὐ. (6 + 7 a)
10. 2. πλοῦτόν τε καὶ δόξαν τῆς βασ. αὐ. †
Jb. 20. 15. πλοῦτος ἀδίκως συναγόμενος ἐξεμεθήσεται (5)
— 18. πλοῦτον ἐξ οὗ οὐ γεύσεται (5?)
21. 7. πεπαλαίωνται δὲ καὶ ἐν [A om.] πλούτῳ (5)
27. 18. A καὶ ὥσπερ ἀράχνη ὁ πλ. αὐτοῦ [B S om. ὁ πλ. αὐ.] †
31. 25. πολλοῦ πλούτου μοι γενομένου (5)
Ps. 36 (37). 3. ποιμανθήσῃ ἐπὶ τῷ πλ. αὐτῆς †
— 16. ὑπὲρ πλοῦτον ἁμαρτωλῶν πολύν (4)
48 (49). 6. ἐπὶ τῷ πλήθει τοῦ πλ. αὐτῶν (7 a)
— 10. καταλείψουσιν ἀλλοτρίοις τὸν πλ. αὐ. (5)
51 (52). 7. B S¹ ἐπήλπισεν ἐπὶ τὸ πλῆθος [S² τῷ πλ.] τοῦ πλ. αὐτοῦ (5)
61 (62). 10. πλοῦτος ἐὰν ῥέῃ (5)
72 (73). 12. εἰς τὸν αἰῶνα κατέσχον πλούτου (5)
75 (76). 5. οὐχ εὗρον οὐδὲν πάντες οἱ ἄνδρες τοῦ πλ. (5)
111 (112). 3. πλοῦτος ἐν τῷ οἴκῳ αὐτοῦ (7 a)
118 (119). 14. ἐτέρφθην ὡς ἐπὶ παντὶ πλούτῳ (3)
Pr. 3. 16. ἐν δὲ τῇ ἀριστερᾷ αὐτῆς πλοῦτος (7 a)
8. 18. πλοῦτος καὶ δόξα ἐμοὶ ὑπάρχει (7 a)
11. 16. πλούτου ὀκνηροὶ ἐνδεεῖς γίνονται οἱ δὲ ἀνδρεῖοι ἐρείδονται πλούτῳ (–, 7 a)
— 28. ὁ πεποιθὼς ἐπὶ πλούτῳ οὗτος πεσεῖται (7 a)
13. 7. εἰσὶν οἱ ταπεινοῦντες ἑαυτοὺς ἐν πολλῷ πλ. (3)
— 8. λύτρον ἀνδρὸς ψυχῆς ὁ ἴδιος πλ. (7 a)
— 22. θησαυρίζεται δὲ δικαίοις πλοῦτος ἀσεβῶν (5)
— 23. δίκαιοι ποιήσουσιν ἐν πλούτῳ ἔτη πολλά †
19. 1 (4). πλοῦτος προστίθησι φίλους πολλούς (3)
21. 17. φιλῶν οἶνον καὶ ἔλαιον εἰς πλοῦτον (7 b)
22. 1. αἱρετώτερον ὄνομα καλὸν ἢ πλ. πολύς (7 a)
— 4. πλοῦτος καὶ δόξα καὶ ζωή (7 a)
24. 4. ἐμπίμπλανται ταμιεῖα ἐκ παντὸς πλούτου τιμίου καὶ καλοῦ (3)
— 31 (30. 8). πλοῦτον δὲ . . . μή μοι δῷς (7 a)
— 71 (31. 3). μὴ δῷς γυναιξὶ σὸν πλ. (5)
28. 8. ὁ πληθύων τὸν πλ. αὐτοῦ μετὰ τόκων (3)
29. 3. ὃς δὲ ποιμαίνει πόρνας ἀπολεῖ πλοῦτον (3)
31. 14. A S² συνάγει δὲ αὐτῆς τὸν πλ. [B S¹ αὐτῇ τὸν βίον] †
— 29. πολλαὶ θυγατέρες ἐκτήσαντο πλοῦτον (5)
Ec. 4. 8. ὀφθαλμὸς αὐτοῦ οὐκ ἐμπίμπλαται πλούτου (7 a)
5. 12. πλοῦτον φυλασσόμ. τῷ παρ' αὐτοῦ (7 a)
— 13. καὶ ἀπολεῖται ὁ πλ. ἐκεῖνος (7 a)
— 18. ᾧ ἔδωκεν αὐτῷ ὁ θεὸς πλοῦτον (7 a)
6. 2. ἀνὴρ ᾧ δώσει αὐτῷ ὁ θεὸς πλοῦτον (7 a)
9. 11. οὐ τοῖς συνετοῖς πλοῦτος [A S ὁ πλ.] (7 a)
Wi. 5. 8. τί πλοῦτος μετὰ ἀλαζονείας συμβέβληται ἡμῖν
6. 14. S¹ πάρεδρον γὰρ εὑρήσει τῶν πλ. [A B S² πυλῶν] αὐτοῦ
7. 8. πλοῦτον οὐδὲν ἡγησάμην ἐν συγκρίσει αὐτῆς
— 11. ἀναρίθμητος πλοῦτος ἐν χερσὶν αὐ.
— 13. τὸν πλ. αὐτῆς οὐκ ἀποκρύπτομαι
8. 5. εἰ δὲ πλοῦτός ἐστιν ἐπιθυμητὸν κτῆμα ἐν βίῳ
— 18. ἐν πόνοις χειρῶν αὐτῆς πλοῦτος [S¹ τέρψις] ἀνεκλιπής
Si. 10. 30. πλούσιος δοξάζεται διὰ τὸν πλ. αὐτοῦ
— 31. ὁ δὲ δοξαζόμ. ἐν πτωχείᾳ καὶ ἐν πλούτῳ ποσαχῶς [S-απλῶς]; καὶ ὁ ἄδοξος ἐν πλούτῳ καὶ ἐν πτωχείᾳ ποσαχῶς [S² -απλῶς]
11. 14. πτωχεία καὶ πλοῦτος παρὰ κυρίου ἐστί
13. 24. ἀγαθὸς ὁ [A ἐστιν ὁ] πλ. ᾧ μὴ ἔστιν ἁμαρτία
14. 3. ἀνδρὶ μικρολόγῳ οὐ καλὸς ὁ πλ.
18. 25. μνήσθητι . . . ἔνδειαν ἐν ἡμέραις πλούτου
21. 4. καταπληγμὸς καὶ ὕβρις ἐρημώσουσι πλοῦτον
24. 17. τὰ ἄνθη μου καρπὸς δόξης καὶ πλούτου
28. 10. κατὰ τὸν πλ. ἀνυψώσει ὀργὴν αὐτοῦ
30. 16. οὐκ ἔστι πλοῦτος βελτίων ὑγιείας σώματος
34 (31). 1. ἀγρυπνία πλούτου ἐκτήκει σάρκας
Mi. 6. 12. τὸν πλ. αὐ. ἀσεβείας ἔπλησαν (7 c)
Is. 16. 14. ἀτιμασθήσεται ἡ δόξα Μωὰβ [A S add. ἐν] παντὶ τῷ πλ. τῷ πολλῷ (4)
24. 8. ABS πέπαυται αὐθαδία καὶ πλ. ἀσεβῶν –
29. 2. ἔσται αὐτῆς ἡ ἰσχὺς καὶ ὁ [A S τὸ] πλ. ἐμοί †
— 5. A S R ἀπὸ τροχοῦ [B τοίχ.] ὁ πλ. τῶν ἀσεβῶν (4)
— 7. ἔσται ὡς ἐνυπνιαζόμενος καθ' ὕπνους νυκτὸς ὁ πλ. ἁπάντων τῶν ἐθνῶν (4)
— 8. οὕτως ἔσται ὁ πλ. πάντων τῶν ἐθνῶν (4)
30. 6. ἔφερον . . . τὸν πλ. αὐ. (5 + 1)
32. 14. οἶκοι ἐγκαταλελειμμένοι πλοῦτον πόλεως ἀφήσουσιν (4)
— 18. ἀναπαύσονται μετὰ πλούτου †
60. 5. μεταβαλεῖ εἰς σὲ πλ. θαλάσσης (4 + 5)
— 16. πλοῦτον βασιλέων φάγεσαι †
61. 6. ἐν [A ἐπὶ] τῷ πλ. αὐ. θαυμασθήσεσθε (6)
Je. 9. 23 (22). μὴ καυχάσθω ὁ πλούσιος ἐν τῷ πλ. αὐτοῦ (7 a)
17. 11. ποιῶν πλοῦτον αὐ. οὐ μετὰ κρίσεως (7 a)
Ep. Je. 35. οὔτε πλοῦτον οὔτε χαλκὸν οὐ μὴ δύνωνται διδόναι
Ez. 26. 12. A σκυλεύσει τὸν πλ. [B τὰ ὑπάρχοντά] σου (8)
Da. LXX. 11. 2. πλουτήσει πλ. μέγαν (7 a)
— 2. ἐν τῷ κατισχῦσαι αὐτὸν ἐν τῷ πλ. αὐ. (7 a)
Da. TH. 11. 2. πλουτήσει πλ. μέγαν (7 a)
— 2. μετὰ τὸ κρατῆσαι αὐτὸν τοῦ πλ. αὐ. (7 a)
I Ma. 4. 23. ἔλαβον . . . πλ. μέγαν
6. 1. πόλις ἔνδοξος πλούτῳ

[Aq. Pr. 14. 24: Ez. 27. 12, 18, 27, 33: Da. 11. 2 (Sw.).]
[Sm. Ps. 61 (62). 11: Pr. 1. 13: 14. 24: Is. 33. 6: Ez. 27. 12, 18: Da. 11. 2 (Sw.).]
[Th. Pr. 11. 16: 14. 24: Ez. 27. 12, 18, 27, 33: Da. 11. 2.]
[Al. Ez. 22. 25.]

πλύνειν. (1) דּוּחַ hi. (2) כָּבַס *a.* pi. *b.* pu. *c.* hothpa. (3) רָחַץ

Ge. 49. 11. πλυνεῖ ἐν οἴνῳ τὴν στολὴν αὐ. (2 a)
Ex. 19. 10. πλυνάτωσαν [A -νοῦσιν] τὰ ἱμάτια (2 a)
— 14. ἔπλυναν τὰ ἱμάτια (2 a)
29. 17. πλυνεῖς τὰ ἐνδόσθια (3)
Le. 1. 9, 13. τοὺς πόδας πλυνοῦσιν ὕδατι (3)
6. 27 (20). πλυθήσεται ἐν τόπῳ ἁγίῳ (2 a)
8. 19 (21). τοὺς πόδας ἔπλυνεν ὕδατι (3)
9. 14. ἔπλυνε τὴν κοιλίαν (3)
11. 25, 28, 40, 40 (A² B). πλυνεῖ τὰ ἱμάτια (2 a)
13. 6, 34. πλυνάμενος τὰ ἱμάτια (2 a)
— 54. πλυνεῖ ἐφ' οὗ ἐὰν ᾖ ἐπ' αὐτοῦ ἡ ἁφή (2 a)
— 55. μετὰ τὸ πλυθῆναι αὐτὸ τὴν ἁφήν (2 c)
— 56. μετὰ τὸ πλυθῆναι αὐτό [A al.] (2 c)
— 58. πᾶν σκεῦος δερμάτινον ὃ πλυθήσεται (2 a)
— 58. πλυθήσεται τὸ δεύτερον (2 b)
14. 8. πλυνεῖ . . . τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (2 a)
— 9. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια (2 a)
— 47 *bis*: 15. 5, 6. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (2 a)
15. 7, 8. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια (2 a)
— 10. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (2 a)
— 11. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια (2 a)
— 13. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (2 a)
— 17. πλυθήσεται ὕδατι (2 b)
— 21, 22. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (2 a)
— 27: 16. 26, 28. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια (2 a)
17. 15. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (2 a)
— 16. ἐὰν δὲ μὴ πλύνῃ τὰ ἱμάτια (2 a)
Nu. 8. 7. πλυνοῦσι τὰ ἱμάτια αὐτῶν (2 a)
— 21. ἐπλύναντο [A -ναν] τὰ ἱμάτια (2 a)
19. 7, 8. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (2 a)
— 10. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια (2 a)
— 19, 21. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (2 a)
31. 24. πλυνεῖσθε τὰ ἱμάτια (2 a)
II Ki. 19. 24 (25). A τὰ ἱμάτια αὐ. οὐκ ἔπλυνεν [B ἀπέπλ.] (2 a)
II Ch. 4. 6. τοῦ πλύνειν ἐν αὐτοῖς τὰ ἔργα τῶν ὁλοκαυτωμ. (3)
Ps. 50 (51). 2. πλῦνόν με ἀπὸ τῆς ἀνομίας μου (2 a)
— 7. πλυνεῖς με (2 a)
Ma. 3. 2. ὡς ποία [S¹ πλοῖα] πλυνόντων (2 a)
Ez. 40. 38. A ἐκεῖ πλυνοῦσιν τὴν ὁλοκαύτωσιν (1)

[Al. Le. 15. 12.]

πλώστης (?).

I Ki. 28. 3. A περιεῖλε . . . τοὺς πλ. [B γνώστας] ἀπὸ τῆς γῆς †

πλωτός.

Jb. 40. 26 (31). πᾶν δὲ πλωτὸν συνελθὸν οὐ μὴ ἐνέγκωσι βύρσαν μίαν οὐρᾶς αὐτοῦ †
II Ma. 5. 21. R τὴν μὲν γῆν πλ. [A πρώτην] . . . θέσθαι

πνεῖν. (1) נָשַׁב hi. (2) נָשַׁף

Ps. 147. 7 (18). πνεύσει [S¹ -αι] τὸ πνεῦμα αὐτοῦ (1)
Si. 43. 16. ἐν θελήματι πνεύσεται νότος
— 20. ψυχρὸς ἄνεμος βορέης πνεύσει
Is. 40. 24. ἔπνευσεν ἐπ' αὐτούς (2)
Ep. Je. 61. τὸ δ' αὐτὸ καὶ πνεῦμα ἐν πάσῃ χώρᾳ πνεῖ
II Ma. 9. 7. πῦρ πνέων τοῖς θυμοῖς ἐπὶ τοὺς Ἰουδ.

[Sm., Th. Ge. 2. 7: Is. 40. 7.]

πνεῦμα. (1) *a.* נְשָׁמָה *b.* נִשְׁמָא (2) קְדִים (3) רוּחַ (4) ἕλκειν πνεῦμα שָׁאַף

Ge. 1. 2. πνεῦμα θεοῦ ἐπεφέρετο ἐπάνω τοῦ ὕδ. (3)
6. 3. οὐ μὴ καταμείνῃ τὸ πν. μου (3)
— 17. ἐν ᾗ ἐστιν ἐν αὐτῇ πνεῦμα ζωῆς (3)
7. 15. ἐν ᾧ ἐστι πνεῦμα ζωῆς (3)
8. 1. ἐπήγαγεν ὁ θ. πνεῦμα (3)
41. 38. ὃς ἔχει πνεῦμα θεοῦ ἐν αὐτῷ (3)
45. 27. ἀνεζωπύρησε τὸ πν. Ἰακώβ (3)
Ex. 15. 8. διὰ πνεύματος τοῦ θυμοῦ σου (3)
— 10. ἀπέστειλας τὸ πν. σου (3)
28. 3. οὓς ἐνέπλησα πνεύματος (3)
31. 3. ἐνέπλησα αὐτὸν πν. θεῖον σοφίας (3)
35. 31. ἐνέπλησεν αὐτὸν πν. θεῖον σοφίας (3)
Nu. 5. 14. καὶ ἐπέλθῃ αὐτῷ πν. ζηλώσεως (3)
— 14. ἢ ἐπέλθῃ αὐτῷ πν. ζηλώσεως (3)
— 30. ᾧ ἐὰν ἐπέλθῃ ἐπ' αὐτὸν πν. ζηλώσεως (3)
11. 17. ἀφελῶ ἀπὸ τοῦ πν. τοῦ ἐπὶ σοί (3)
— 25. παρείλατο ἀπὸ τοῦ πν. (3)
— 25. ὡς δὲ ἐπανεπαύσατο τὸ πν. ἐπ' αὐτούς (3)
— 26. ἐπανεπαύσατο ἐπ' αὐτοὺς πνεῦμα [A τὸ πν.] (3)
— 29. ὅταν δῷ κ. τὸ πν. αὐτοῦ (3)
— 31. πνεῦμα ἐξῆλθε παρὰ κυρίου (3)
14. 24. ἐγενήθη πν. ἕτερον ἐν αὐτῷ (3)
16. 22. θεὸς τῶν πν. (3)
23. 6. ἐγενήθη πνεῦμα θεοῦ ἐπ' αὐτῷ –
24. 2. ἐγένετο ἐπ' αὐτῷ πνεῦμα θεοῦ (3)
27. 16. κ. ὁ θεὸς τῶν πν. (3)
— 18. ὃς ἔχει πνεῦμα ἐν ἑαυτῷ (3)
De. 2. 30. ἐσκλήρυνε κ. ὁ θ. ἡ. τὸ πν. αὐ. (3)
34. 9. ἐνεπλήσθη πνεύματος συνέσεως (3)
Jo. 2. 11. οὐκ ἔστη ἔτι πν. (3)
Jd. 3. 10. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν πν. κυρίου (3)
6. 34. πνεῦμα κ. ἐνεδυνάμωσεν τὸν Γ. [A al.] (3)
8. 3. ἀνέθη [A -ῆκε] τὸ πν. αὐτῶν (3)
9. 23. ἐξαπέστειλεν ὁ θ. πν. πονηρόν (3)
11. 29. ἐγένετο ἐπὶ Ἰ. πν. κυρίου (3)
13. 25. ἤρξατο πν. κ. συνεκπορεύεσθαι [A συμπ.] (3)
14. 6, 19: 15. 14. ἥλατο [A κατεύθυνεν] ἐπ' αὐτὸν πν. κ. (3)
15. 19. ἐπέστρεψε τὸ πν. αὐτοῦ (3)
I Ki. 10. 6. ἐφαλεῖται ἐπὶ σὲ πν. κυρίου (3)
— 10. ἥλατο ἐπ' αὐτὸν πν. θεοῦ (3)
11. 6. B ἐφήλατο πν. κυρίου ἐπὶ Σ. (3)
16. 13. ἐφήλατο πν. κυρίου ἐπὶ Δ. (3)
— 14. πν. κυρίου ἀπέστη ἀπὸ Σ. (3)
— 14. ἔπνιγεν αὐτὸν πν. πονηρόν (3)
— 15. πν. κυρίου πονηρὸν πνίγει σε (3)
— 16. ἐν τῷ εἶναι πν. πονηρὸν ἐπὶ σοί [A al.] (3)
— 23. ἐν τῷ εἶναι πν. πονηρὸν ἐπὶ Σ. (3)
— 23. ἀφίστατο ἀπ' αὐτοῦ τὸ πν. τὸ πονηρόν (3)
18. 10. A ἔπεσεν πν. θεοῦ πονηρὸν ἐπὶ Σ. (3)
19. 9. ἐγένετο πν. θεοῦ [A κυρίου] πον. ἐπὶ Σ. (3)
— 20. ἐγενήθη ἐπὶ τοὺς ἀγγ. τοῦ Σ. πν. θεοῦ (3)
— 23. ἐγενήθη καὶ ἐπ' αὐτῷ πν. θεοῦ (3)
30. 12. κατέστη τὸ πν. αὐ. ἐν [A ἐπ'] αὐτῷ (3)
II Ki. 13. 21. οὐκ ἐλύπησε τὸ πν. Ἀ. –
22. 16. ἀπὸ πνοῆς πνεύματος θυμοῦ αὐ. (3)
23. 2. πνεῦμα κυρίου ἐλάλησεν ἐν ἐμοί (3)
III Ki. 17. 17. οὐχ ὑπελείφθη ἐν αὐτῷ πν. (1 a)
18. 12. πνεῦμα κυρίου ἀρεῖ σε (3)
— 45. συνεσκότασε νεφέλαις καὶ πνεύματι (3)
19. 11. πν. μέγα κραταιόν (3)
— 11. A R οὐκ ἐν τῷ πν. κύριος [B al.] (3)
— 12 (11). μετὰ τὸ πν. συσσεισμός (3)
20 (21). 4. B ἐγένετο τὸ πν. Ἀχ. τεταραγμ. †
— 5. τί τὸ πν. σου τεταραγμ. (3)
22. 21. καὶ ἐξῆλθε πνεῦμα (3)
— 22. ἔσομαι πν. ψευδές (3)

III Ki. 22. 23. ἔδωκε κύριος πν. ψευδές (3)
— 24. ποῖον πν. κυρίου [A al.] (3)
IV Ki. 2. 9. γενηθήτω δὴ διπλᾶ ἐν πνεύματί σου (3)
— 15. ἐπαναπέπαυται τὸ πν. Ἠ. ἐπὶ Ἐλ. (3)
— 16. εὗρεν αὐτὸν πν. κυρίου (3)
3. 17. B οὐκ ὄψεσθε πνεῦμα (3)
19. 7. δίδωμι ἐν αὐτῷ πνεῦμα (3)
I Ch. 5. 26. ἐπήγειρεν ὁ θ. Ἰσρ. τὸ πν. Φ. . . . καὶ τὸ πν. Θαγ. (3, 3)
12. 18. πνεῦμα ἐνέδυσε [A -δυνάμωσε] τὸν Ἀμ. (3)
28. 12. ὃ εἶχεν ἐν πνεύματι αὐτοῦ (3)
II Ch. 15. 1. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν πν. κυρίου (3)
18. 20. ἐξῆλθε τὸ πν. (3)
— 21. ἔσομαι πν. ψευδές (3)
— 22. ἔδωκε κύριος πν. ψευδές (3)
— 23. B ποίᾳ τῇ ὁδῷ πνεῦμα παρ' ἐμοῦ πνεῦμα πρὸς σὲ πνεῦμα κυρίου παρ' ἐμοῦ [A R al.] (†, –, 3)
20. 14. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν πν. κυρίου (3)
24. 20. πνεῦμα θεοῦ ἐνέδυσε τὸν Ἀζ. (3)
36. 22. ἐξήγειρε κ. τὸ πν. Κύρου (3)
I Es. 2. 2. ἤγειρε κύριος τὸ πν. Κύρου
— 8. ὃν ἤγειρε κύριος τὸ πν.
II Es. 1. 1. ἐξήγειρε κύριος τὸ πν. Κύρου (3)
— 5. ὧν ἐξήγειρεν ὁ θ. τὸ πν. αὐτῶν (3)
Ne. 9. 20. τὸ πν. σου τὸ ἀγαθὸν ἔδωκας (3)
— 30. ἐπεμαρτύρω αὐτοῖς ἐν πνεύματί σου (3)
To. 3. 6. ἀναλαβεῖν τὸ πν. μου
4. 3. S μὴ λυπήσῃς τὸ πν. αὐτῆς [A B al.]
6. 7. A B ἐάν τινα ὀχλῇ . . . πν. πονηρόν [S ᾧ ἀπάντημα . . . πν. πονηροῦ]
Ju. 7. 19. ὠλιγοψύχησε τὸ πν. αὐτῶν
10. 13. σὰρξ μία οὐδὲ πνεῦμα ζωῆς
14. 6. ἐξελύθη τὸ πν. αὐτοῦ
16. 14. ἀπέστειλας [S ἐπέστρεψας] τὸ πν. σου
Es. 5. 1. μετέβαλεν ὁ θ. τὸ πν. τοῦ βασ.
8. 13. τῆς ἀρχῆς στερῆσαι ἡμᾶς καὶ [A om.] τοῦ πν.
Jb. 1. 19. πνεῦμα μέγα ἐπῆλθεν [A ἦλθεν, S¹ om.] ἐκ [A ἀπὸ] τῆς ἐρήμου (3)
4. 9. ἀπὸ δὲ πνεύματος ὀργῆς αὐτοῦ ἀφανισθήσονται (3)
— 15. πνεῦμα ἐπὶ πρόσωπόν μου ἐπῆλθεν (3)
7. 7. μνήσθητι οὖν ὅτι πνεῦμά μου ἡ ζωή (3)
— 11. A S² λαλήσω ἐν ἀνάγκῃ ὧν τοῦ πν. μου [B S¹ om. τοῦ πν. μου] (3)
— 15. ἀπαλλάξεις ἀπὸ πνεύματός μου τὴν ψυχὴν [A ζωήν] μου †
8. 2. πνεῦμα πολυρρῆμον τοῦ στόματός σου (3)
10. 12. ἡ δὲ ἐπισκοπή σου ἐφύλαξέ μου τὸ πν. (3)
12. 10. ἐν χειρὶ αὐτοῦ . . . πνεῦμα παντὸς ἀνθρώπου (3)
13. 25. ὡς χόρτῳ φερομένῳ ὑπὸ πνεύματος [A al.] –
15. 2. B² S¹ πότερον [A τίνα ἄρα] σοφὸς ἀπόκρισιν δώσει συνέσεως πνεῦμα [A B¹ S² -ατος] (3)
16. 3. τί γὰρ μὴ τάξις ἐστὶ ῥήμασι πνεύματος (3)
17. 1. A B S² ὀλέκομαι πνεύματι φερόμενος (3)
20. 3. πνεῦμα ἐκ τῆς συνέσεως ἀποκρίνεταί μοι (3)
27. 3. πνεῦμα δὲ θεῖον τὸ περιόν μοι ἐν ῥινί [A ῥήμασί μου] (3)
30. 15. ᾤχετό μου ἡ ἐλπὶς ὥσπερ πνεῦμα (3)
32. 8. πνεῦμά ἐστιν ἐν βροτοῖς (3)
— 18. ὀλέκει γάρ με τὸ πν. τῆς γαστρός (3)
33. 4. πνεῦμα θεῖον τὸ ποιήσάν με (3)
34. 14. τὸ πν. παρ' αὐτῷ κατασχεῖν (3+1 a)
41. 7 (8). πνεῦμα δὲ οὐ μὴ διέλθῃ αὐτόν (3)
Ps. 10 (11). 7. θεῖον καὶ πνεῦμα καταιγίδος (3)
17 (18). 15. ἀπὸ ἐμπνεύσεως πνεύματος ὀργῆς σου (3)
30 (31). 5. εἰς χεῖράς μου παραθήσομαι τὸ πν. μου (3)
32 (33). 6. τῷ πν. τοῦ στόματος αὐτοῦ πᾶσα ἡ δύναμις αὐτῶν (3)
33 (34). 18. τοὺς ταπεινοὺς τῷ πν. σώσει (3)
47 (48). 7. ἐν πνεύματι βιαίῳ συντρίψεις [A -ει] πλοῖα Θαρσίς (3)
50 (51). 10. πνεῦμα εὐθὲς ἐγκαίνισον (3)
— 11. τὸ πν. τὸ ἅγιόν σου μὴ ἀντανέλῃς (3)
— 12. πνεύματι ἡγεμονικῷ στήρισόν με (3)
— 17. θυσία τῷ θεῷ πνεῦμα συντετριμμένον (3)
75 (76). 12. τῷ . . . ἀφαιρουμ. πνεύματα ἀρχόντων (3)
76 (77). 3. ὠλιγοψύχησε τὸ πν. μου (3)
— 6. ἔσκαλλον τὸ πν. μου (3)
77 (78). 8. οὐκ ἐπιστώθη μετὰ τοῦ θεοῦ τὸ πν. αὐτῆς (3)
— 39. πνεῦμα πορευόμενον καὶ οὐκ ἐπιστρέφον (3)
Ps. 102 (103). 16. πνεῦμα διῆλθεν ἐν αὐτῷ (3)
103 (104). 4. ὁ ποιῶν τοὺς ἀγγέλους αὐ. πνεύματα (3)
— 29. ἀνταναλεῖς τὸ πν. αὐτῶν (3)
— 30. ἐξαποστελεῖς τὸ πν. σου (3)
105 (106). 33. παρεπίκραναν τὸ πν. αὐτοῦ (3)
106 (107). 25. ἔστη πνεῦμα καταιγίδος (3)
118 (119). 131. εἵλκυσα πνεῦμα (4)
134 (135). 17. οὐδὲ γάρ ἐστι πνεῦμα ἐν τῷ στόματι αὐτῶν (3)
138 (139). 7. ποῦ πορευθῶ ἀπὸ τοῦ πν. σου (3)
141 (142). 3. ἐν τῷ ἐκλείπειν ἐξ ἐμοῦ τὸ πν. μου (3)
142 (143). 4. ἠκηδίασεν ἐπ' ἐμὲ τὸ πν. μου (3)
— 7. ἐξέλιπε τὸ πν. μου (3)
— 10. A B S¹ τὸ πν. σου τὸ ἅγιον [S² R ἀγαθὸν] ὁδηγήσει με (3)
145 (146). 4. ἐξελεύσεται τὸ πν. αὐτοῦ (3)
147. 7 (18). πνεύσει τὸ πν. αὐτοῦ (3)
148. 8. χιὼν κρύσταλλος πνεῦμα καταιγίδος (3)
Pr. 15. 4. ὁ δὲ συντηρῶν αὐτὴν πλησθήσεται πνεύματος [S al.] (3)
Ec. 1. 6. κυκλοῖ κυκλῶν πορεύεται τὸ πν. (3)
— 6. ἐπὶ κύκλους αὐτοῦ ἐπιστρέφει τὸ πν. (3)
— 14. τὰ πάντα . . . προαίρεσις πνεύματος (3)
— 17. τοῦτό ἐστι προαίρεσις πνεύματος (3)
2. 11. τὰ πάντα ματαιότης καὶ προαίρεσις [S περίσσεια] πνεύματος (3)
— 17. πάντα . . . προαίρεσις πνεύματος (3)
— 26. τοῦτο . . . προαίρεσις πνεύματος (3)
3. 19. πνεῦμα ἓν τοῖς πᾶσι (3)
— 21. τίς οἶδεν πνεῦμα [A S² τὸ πν.] υἱῶν τοῦ ἀνθρώπου (3)
— 21. S R τὸ [A B om.] πν. τοῦ κτήνους εἰ καταβαίνει (3)
4. 4. τοῦτο ματαιότης καὶ προαίρεσις πνεύματος (3)
— 6. πληρώματα δύο δρακῶν . . . προαιρέσεως πνεύματος (3)
— 16. τοῦτο . . . προαίρεσις πνεύματος (3)
6. 9. τοῦτο ματαιότης καὶ προαίρεσις πνεύματος (3)
7. 9 (8). A S² R ἀγαθὸν μακρόθυμος ὑπὲρ ὑψηλὸν πνεύματι [B S¹ πνεῦμα τιμῆς] (3)
— 10 (9). μὴ σπεύσῃς ἐν πνεύματί σου (3)
8. 8. οὐκ ἔστιν ἄνθρωπος ἐξουσιάζων ἐν πνεύματι τοῦ κωλῦσαι σὺν τὸ πν. (3, 3)
10. 4. ἐὰν πνεῦμα τοῦ ἐξουσιάζοντος ἀναβῇ (3)
11. 5. οὐκ ἔστι γινώσκων τίς ἡ ὁδὸς τοῦ πν. (3)
12. 7. τὸ πν. ἐπιστρέψῃ πρὸς τὸν θεόν (3)
Wi. 1. 5. ἅγιον γὰρ πνεῦμα παιδείας [A σοφίας] φεύξεται δόλον
— 6. φιλάνθρωπον γὰρ πνεῦμα σοφία [A -ίας]
— 7. πνεῦμα κυρίου πεπλήρωκε τὴν οἰκουμ.
2. 3. τὸ πν. διαχυθήσεται ὡς καῦνος ἀήρ
5. 3. διὰ στενοχωρίαν πνεύματος
— 11. πληγῇ δὲ ταρσῶν μαστιζόμενον πνεῦμα κοῦφον
— 23. ἀντιστήσεται αὐτοῖς πνεῦμα δυνάμεως
7. 7. ἦλθέ μοι πνεῦμα σοφίας
— 20. πνευμάτων βίας καὶ διαλογισμοὺς ἀνθρώπων
— 22. ἔστι γὰρ ἐν [A om.] αὐτῇ πνεῦμα νοερόν
— 23. διὰ πάντων χωροῦν πνευμάτων νοερῶν
9. 17. ἔπεμψας τὸ ἅγιόν σου πν.
11. 20. ἐνὶ πνεύματι πεσεῖν ἐδύναντο
— 20. λικμηθέντες ὑπὸ πνεύματος δυνάμεώς σου
12. 1. τὸ γὰρ ἄφθαρτόν σου πν. ἐστιν ἐν πᾶσι
13. 2. ἢ πῦρ ἢ πνεῦμα ἢ ταχινὸν ἀέρα
15. 11. τὸν . . . ἐμφυσήσαντα πνεῦμα ζωτικόν
— 16. τὸ [S² ὁ τὸ] πν. δεδανεισμένος
16. 14. ἐξελθὸν δὲ πνεῦμα [S² τὸ πν.] οὐκ ἀναστρέφει
17. 18. εἴ τε πνεῦμα συρίζον [S¹ διασυρ.]
Si. 9. 9. μή ποτε . . . τῷ πν. σου ὀλισθήσῃς
31 (34). 13. πνεῦμα φοβουμένων κύριον ζήσεται
38. 23. ἐν ἐξόδῳ πνεύματος αὐτοῦ
39. 6. πνεύματι συνέσεως ἐμπλησθήσεται [A S² -πλήσει αὐτόν]
— 28. ἔστι πνεύματα [S¹ -μα] ἃ εἰς ἐκδίκησιν ἔκτισται
43. 17. καταιγὶς βορέου καὶ συστροφὴ πνεύματος
48. 12. Ἐλισαιὲ ἐνεπλήσθη πνεύματος αὐτοῦ [A ἁγίου]
— 24. πνεύματι μεγάλῳ εἶδε τὰ ἔσχατα
Ho. 4. 12. πνεύματι πορνείας ἐπλανήθησαν (3)
— 19. συστροφὴ πνεύματος σὺ εἶ (3)
5. 4. πνεῦμα πορνείας ἐν αὐτοῖς ἐστι (3)
12. 1 (2). πονηρὸν πνεῦμα ἐδίωξε (3)
Am. 4. 13. καὶ κτίζων πνεῦμα (3)
Mi. 2. 7. οἶκος Ἰ. παρώργισε πνεῦμα κυρίου (3)
Mi. 2. 11. πνεῦμα ἔστησε ψεῦδος (3)
3. 8. ἐν πνεύματι κυρίου καὶ κρίματος (3)
Jl. 2. 28 (3. 1), 29 (3. 2). ἐκχεῶ ἀπὸ τοῦ πν. μου (3)
Jn. 1. 4. ἐξήγειρε πνεῦμα ἐπὶ τὴν θάλ. (3)
4. 8. προσέταξεν ὁ θεὸς πνεύματι καύσωνος (3)
Hb. 1. 11. μεταβαλεῖ τὸ πν. (3)
2. 19. πᾶν πν. οὐκ ἔστιν ἐν αὐτῷ (3)
Hg. 1. 14. ἐξήγειρε κύριος τὸ πν. Ζ. . . . καὶ τὸ πν. Ἰ. . . . καὶ τὸ πν. τῶν καταλοίπων παντὸς τοῦ λαοῦ (3 ter)
2. 6 (5). τὸ πν. μου ἐφέστηκεν ἐν μέσῳ ὑμῶν (3)
Za. 1. 6. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι ἐν πνεύματί μου –
4. 6. οὐδὲ ἐν ἰσχύϊ ἀλλ' ἢ ἐν πνεύματί μου (3)
5. 9. πνεῦμα ἐν ταῖς πτέρυξιν αὐ. (3)
7. 12. οὓς ἐξαπέστειλε . . . ἐν πνεύματι αὐ. (3)
12. 1. καὶ πλάσσων πνεῦμα ἀνθρώπου (3)
— 10. ἐκχεῶ . . . πνεῦμα χάριτος καὶ οἰκτιρμοῦ (3)
13. 2. τὸ πν. τὸ ἀκάθαρτον ἐξαρῶ (3)
Ma. 2. 15. καὶ ὑπόλειμμα πνεύματος αὐ. (3)
— 15, 16. φυλάξασθε ἐν τῷ πν. ὑμῶν (3)
Is. 4. 4. ἐν πνεύματι κρίσεως καὶ πνεύματι καύσεως [A om. κ. πν. κ.] (3, 3)
7. 2. ὃν τρόπον . . . ξύλον ὑπὸ πνεύματος σαλευθῇ (3)
11. 2. ἀναπαύσεται ἐπ' αὐτὸν πν. τοῦ θεοῦ πν. σοφίας καὶ συνέσεως πν. βουλῆς καὶ ἰσχύος πν. γνώσεως καὶ εὐσεβείας (3 quater)
— 3. ἐμπλήσει αὐτὸν πν. φόβου θεοῦ †
— 4. ἐν [S ἐν τῷ] πνεύματι διὰ χειλέων ἀνελεῖ ἀσεβῆ (3)
— 15. ἐπιβαλεῖ τὴν χεῖρα αὐτοῦ ἐπὶ τὸν ποταμὸν πνεύματι βιαίῳ (3)
19. 3. ταραχθήσεται τὸ πν. τῶν Αἰγυπτίων (3)
— 14. κύριος γὰρ ἐκέρασεν αὐτοῖς πν. πλανήσεως (3)
25. 4. πν. ἀνθρώπων ἀδικουμένων (3)
26. 9. ἐκ νυκτὸς ὀρθρίζει τὸ πν. μου πρὸς σέ (3)
— 18. πν. σωτηρίας σου ἐποιήσαμεν ἐπὶ τῆς γῆς (3)
27. 8. οὐ σὺ ἤσθα μελετῶν τῷ πν. τῷ σκληρῷ ἀνελεῖν αὐτοὺς πνεύματι [S¹ -μα] θυμοῦ (3, 2)
28. 6. καταλειφθήσονται ἐπὶ πνεύματι κρίσεως ἐπὶ κρίσιν (3)
29. 10. πεπότικεν ὑμᾶς κύριος πνεύματι [S -μα] κατανύξεως (3)
— 24. γνώσονται οἱ πλανώμενοι τῷ πν. σύνεσιν (3)
30. 1. ἐποιήσατε . . . συνθήκας οὐ διὰ τοῦ πν. μου (3)
— 28. τὸ πν. αὐ. . . . ἥξει ἕως τοῦ τραχήλου (3)
32. 15. ἕως ἂν ἔλθῃ ἐφ' ὑμᾶς πν. (3)
33. 11. ματαία ἔσται ἡ ἰσχὺς τοῦ πν. ὑμῶν (3)
34. 16. τὸ [S om.] πν. αὐτοῦ συνήγαγεν αὐτά (3)
37. 7. ἐμβάλλω εἰς αὐτὸν πν. (3)
38. 12. ὡς ἱστὸς τὸ πν. μου παρ' ἐμοὶ ἐγένετο †
42. 1. ἔδωκα τὸ πν. μου ἐπ' αὐτόν (3)
— 5. διδοὺς . . . πν. τοῖς πατοῦσιν αὐτήν (3)
44. 3. ἐπιθήσω τὸ πν. μου ἐπὶ τὸ σπέρμα σου (3)
48. 16. κύριος ἀπέστειλέ με καὶ τὸ πν. αὐ. (3)
57. 16. πν. γὰρ παρ' ἐμοῦ ἐξελεύσεται (3)
59. 21. τὸ πν. τὸ ἐμὸν ὅ ἐστιν ἐπὶ σοί (3)
61. 1. πν. κυρίου ἐπ' ἐμέ (3)
— 3. δοθῆναι . . . καταστολὴν δόξης ἀντὶ πνεύματος ἀκηδίας (3)
63. 10. παρώξυναν τὸ πν. τὸ ἅγιον αὐτοῦ (3)
— 11. ποῦ ἔστιν ὁ θεὶς ἐν αὐτοῖς τὸ πν. τὸ ἅγιον (3)
— 14. κατέβη πν. παρὰ κυρίου (3)
65. 14. ἀπὸ συντριβῆς πνεύματος ὑμῶν (3)
Je. 4. 11. πν. πλανήσεως ἐν τῇ ἐρήμῳ (3)
— 12. πν. πληρώσεως ἥξει μοι (3)
10. 14. οὐκ ἔστι πν. ἐν αὐτοῖς (3)
28 (51). 11. ἤγειρε κ. τὸ πν. βασιλέως Μήδων (3)
— 17. οὐκ ἔστι πν. ἐν αὐτοῖς (3)
30. 10 (49. 32). λικμήσω αὐτοὺς παντὶ πνεύματι (3)
Ba. 2. 17. ἐλήφθη τὸ πν. αὐ. ἀπὸ τῶν σπλάγχνων αὐ.
3. 1. ψυχὴ ἐν στενοῖς καὶ πν. ἀκηδιῶν κέκραγε
La. 4. 20. πν. προσώπου ἡμῶν χριστὸς κύριος συνελήφθη (3)
Ep. Je. 25. ἐν οἷς οὐκ ἔστι πν.
— 61. τὸ δ' αὐτὸ καὶ πν. ἐν πάσῃ χώρᾳ πνεῖ
Ez. 1. 4. πν. ἐξαῖρον ἤρχετο ἀπὸ βορρᾶ (3)
— 12. οὗ ἂν ἦν τὸ πν. πορευόμενον (3)
— 20. ἐκεῖ τὸ πν. τοῦ πορεύεσθαι . . . πν. ζωῆς ἐν τοῖς τροχοῖς (3, 3)
— 21. πν. ζωῆς ἦν ἐν τοῖς τροχοῖς (3)
2. 2. A² B ἦλθεν ἐπ' ἐμὲ πν. (3)
3. 12. ἀνέλαβέ με πν. (3)

Ez. 3. 14. τὸ πν. ἐξῆρέ με . . . ἐπορεύθην [A *add.* μετέωρος] ἐν ὁρμῇ τοῦ πν. μου (3, 3)
— 24. ἦλθεν ἐπ' ἐμὲ πν. (3)
5. 2. τὸ τέταρτον διασκορπιεῖς τῷ πν. (3)
8. 3. ἀνέλαβέ με πν. (3)
10. 17. πν. ζωῆς ἐν αὐτοῖς ἦν (3)
11. 1. ἀνέλαβέ με πν. (3)
— 5. ἔπεσεν ἐπ' ἐμὲ πν. . . . τὰ διαβούλια τοῦ πν. ὑμῶν ἐγὼ ἐπίσταμαι (3, 3)
— 19. πν. καινὸν δώσω ἐν αὐτοῖς (3)
— 24. ἀνέλαβέ με πν. . . . ἐν πνεύματι θεοῦ (3, 3)
13. 11. δώσω . . . πν. ἐξαῖρον (3)
18. 31. ποιήσατε ἑαυτοῖς . . . πν. καινόν (3)
20. 32. εἰ ἀναβήσεται ἐπὶ τὸ πν. ὑμῶν τοῦτο (3)
21. 7 (12). ἐκψύξει πᾶσα σὰρξ καὶ πᾶν πν. (3)
27. 26. τὸ πν. τοῦ νότου συνέτριψέ σε (3)
36. 26. πν. καινὸν δώσω ἐν ὑμῖν (3)
— 27. τὸ πν. μου δώσω ἐν ὑμῖν (3)
37. 1. ἐξήγαγέ με ἐν πνεύματι κύριος (3)
— 5. φέρω εἰς ὑμᾶς πν. ζωῆς (3)
— 6. δώσω πν. μου εἰς ὑμᾶς (3)
— 8. πν. οὐκ ἦν ἐν αὐτοῖς (3)
— 9. προφήτευσον ἐπὶ τὸ πν. . . . εἰπὸν τῷ πν. . . . ἐκ [A ἐλθὲ ἐκ] τῶν τεσσάρων πν. [A ἀνέμων τοῦ οὐρανοῦ] ἐλθέ [A *add.* τὸ πν.] (3 *ter*, [3])
— 10. εἰσῆλθεν εἰς αὐτοὺς τὸ πν. [A αὐ. πν. ζωῆς] (3)
— 14. δώσω [B[1] *add.* τὸ] πν. μου εἰς ὑμᾶς (3)
43. 5. ἀνέλαβέ με πν. (3)
Da. LXX. Su. 42. ἔδωκεν . . . πνεῦμα συνέσεως νεωτέρῳ
— 64. ἔσται ἐν αὐτοῖς πνεῦμα ἐπιστήμης
2. 3. ἐκινήθη μου τὸ πν. (3)
3. (39). ἐν . . . πν. τεταπεινωμένῳ προσδεχθείημεν
— (50). ὡσεὶ πνεῦμα δρόσου διασυρίζον
— (65). εὐλογεῖτε, πάντα τὰ πν., τὸν κ.
— (86). εὐλογεῖτε, πνεύματα καὶ ψυχαὶ δικαίων, τὸν κ.
5. 4. τὸν ἔχοντα τὴν ἐξουσίαν τοῦ πν. αὐ. –
— 12. πν. ἅγιον ἐν αὐτῷ ἐστι (3)
— 23. καὶ τὸ πν. σου ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (1 *b*)
6. 3 (4). καὶ πν. ἅγιον ἐν αὐτῷ (3)
10. 8. πνεῦμα ἐπεστράφη ἐπ' ἐμὲ εἰς φθοράν †
— 17. πν. οὐ κατελείφθη ἐν ἐμοί (1 *a*)
Da. TH. Su. 45. ἐξήγειρεν ὁ θ. τὸ πν. τὸ ἅγιον παιδαρίου νεωτέρου
2. 1. ἐξέστη τὸ πν. αὐ. (3)
— 3. ἐξέστη τὸ πν. μου (3)
— 35. ἐξῆρεν αὐτὰ τὸ πλῆθος τοῦ πν. (3)
3. (39). ἐν . . . πνεύματι ταπεινώσεως προσδεχθείημεν
— (50). ὡς πνεῦμα δρόσου διασυρίζον
— (65). εὐλογεῖτε, πάντα τὰ πν., τὸν κ.
— (86). εὐλογεῖτε, πνεύματα καὶ ψυχαὶ δικαίων, τὸν κ.
4. 5. ὃς πνεῦμα θεοῦ ἅγιον ἐν ἑαυτῷ ἔχει (3)
— 6, 15. πνεῦμα θεοῦ ἅγιον ἐν σοί (3)
5. 4. A B[2] τὸν ἔχοντα ἐξουσίαν τοῦ πν. αὐ. –
— 11. ἐν ᾧ πνεῦμα θεοῦ [A *add.* ἅγιον] (3)
— 12. πνεῦμα περισσὸν ἐν αὐτῷ (3)
— 14. πνεῦμα θεοῦ ἐν σοί (3)
— 20. καὶ τὸ πν. αὐ. ἐκραταιώθη (3)
6. 3 (4). πν. περισσὸν ἐν [A ἦν ἐπ'] αὐτῷ (3)
7. 15. ἔφριξε τὸ πν. μου ἐν τῇ ἕξει μου (3)
10. 17. πνεῦμα [A πνοὴ] οὐχ ὑπελείφθη ἐν ἐμοί (1 *a*)
Bel 36. ἐν τῷ ῥοίζῳ τοῦ πν. αὐτοῦ
I Ma. 1. 48. S[1] βδελύξαι τὰς ψυχὰς αὐ. ἐν παντὶ πνεύματι [A S[2] R *om.*] ἀκαθάρτῳ
13. 7. ἀνεζωοπύρησε τὸ πν. τοῦ λαοῦ
II Ma. 3. 24. A ὁ τῶν πν. . . . δυνάστης [R *al.*]
7. 22. οὐδὲ ἐγὼ τὸ πν. . . . ὑμῖν ἐχαρισάμην
— 23. τὸ πν. . . . ὑμῖν πάλιν ἀποδώσει
14. 46. τὸν δεσπόζοντα τῆς ζωῆς καὶ τοῦ πν.
III Ma. 6. 24. ἐμὲ . . . ἐπιχειρεῖτε . . . τοῦ πν. μεθιστᾶν
IV Ma. 7. 14. A R ἀνενέασε τῷ πν. τοῦ [S διὰ τοῦ] λογισμοῦ
11. 11. τὸ πν. στενοχωρούμενος
12. 20. S ἀπέδωκε τὸ πν. [A R τὴν ψυχήν]

[Aq. Ge. 1. 2 : Ex. 6. 9 : 35. 21 : I Ki. 16. 23 : Jb. 6. 4 : 7. 11 : 15. 2 : 21. 4 : 37. 21 : Ps. 31 (32). 2 : 47 (48). 8 : 54 (55). 9 : 76 (77). 7 : Pr. 1. 23 : 11. 13 : 17. 22 : 18. 14 : 30. 4 : Is. 19. 3 : 28. 6 : 31. 3 : 32. 2 : 38. 16 : 40. 13 : 54. 6 : 59. 19 : 61. 3 : 66. 2 : La. 4. 20 : Ez. 1. 4 : 37. 9 : Da. 2. 35 (Sw.) : 5. 11.]
[Sm. Ge. 1. 2 : 3. 9 (8) : 6. 4 (3) : I Ki. 16. 23 : Jb. 7. 11 : 15. 2 *bis* : 21. 4 : 32. 8 : 33. 4 : Ps. 30 (31). 6 : 50 (51). 19 : 54 (55). 9 : 75 (76). 13 : 76 (77). 7 : 77 (78). 8 : 102 (103). 16 : Pr. 11. 13 : Ec. 4. 6 : 6. 9 : 10. 4 : Is. 19. 3 : 28. 6 : 29. 24 : 31. 3 : 32. 2 : 40. 7 : 54. 6 : 59. 19 : 61. 3 : Ez. 1. 12 : 13. 3 : 37. 9 (Sw.) : Da. 2. 1 (Sw.) : 5. 11 : Jn. 1. 4.]
[Th. Ge. 1. 2 : 3. 9 (8) : I Ki. 1. 15 : 16. 23 : Jb. 7. 11 : 8. 2 : 20. 3 : Ps. 31 (32). 2 : 54 (55). 9 : 76 (77). 7 : Pr. 1. 23 : 16. 2 : 18. 14 *bis* : Is. 19. 3 : 27. 8 : 28. 6 : 31. 3 : 33. 11 : 40. 7 : 54. 6 : 59. 19 : 61. 3 : Ez. 1. 4 : 13. 3 : 37. 9 (Sw.) : Da. 2. 1, 3, 35 : 3. (39) : 4. 6 : 5. 11.]
[Al. Le. 21. 20 : Ps. 50 (51). 12.]
[Quint., Sext. Ps. 31 (32). 2.]

πνευματοφορεῖσθαι. (1) שָׁאַפָּה רוּחַ
Je. 2. 24. ἐν ἐπιθυμίαις ψυχῆς αὐτῆς ἐπνευματοφορεῖτο (1)

πνευματοφόρος, πνευματόφορος. (1) פָּחַז (2) רוּחַ
Ho. 9. 7. ἄνθρωπος ὁ πν. (2)
Ze. 3. 4. οἱ προφῆται αὐ. πνευματόφοροι (1)

πνεύμων. (1) דֶּבֶק
III Ki. 22. 34 : II Ch. 18. 33. ἐπάταξεν . . . ἀνὰ μέσον τοῦ πν. (1)

πνίγειν. (1) בָּעַת pi.
I Ki. 16. 14. ἔπνιγεν αὐτὸν πνεῦμα πονηρόν (1)
— 15. πνεῦμα κ. πονηρὸν πνίγει σε (1)

πνιγμός.
Si. 51. 4. ἀπὸ πνιγμοῦ πυρᾶς κυκλόθεν

πνοή. (1) נֶפֶשׁ (2) *a.* נְשָׁמָה *b.* נִשְׁמַת־רוּחַ *c.* נִשְׁמָא (3) רוּחַ
Ge. 2. 7. ἐνεφύσησεν . . . πνοὴν ζωῆς (2 *a*)
7. 22. ὅσα ἔχει πνοὴν ζωῆς (2 *b*)
II Ki. 22. 16. ἀπὸ πνοῆς πνεύματος θυμοῦ αὐ. (2 *a*)
III Ki. 15. 29. οὐχ ὑπελίπετο πᾶσαν πν. (2 *a*)
Ne. 6. 1. οὐ κατελείφθη ἐν [A *om.*] αὐτοῖς πνοή †
Jb. 26. 4. πνοὴ δὲ τίνος ἐστὶν ἡ ἐξελθοῦσα ἐκ σοῦ (2 *a*)
27. 3. ἔτι τῆς πν. μου ἐνούσης [A ἐν. ἐν ἐμοί] (2 *a*)
32. 8. πνοὴ δὲ παντοκράτορός ἐστιν ἡ διδάσκουσα (2 *a*)
33. 4. πνοὴ δὲ παντοκράτορος ἡ διδάσκουσά με (2 *a*)
37. 10. ἀπὸ πνοῆς ἰσχυροῦ δώσει πάγος (2 *a*)
Ps. 150. 6. πᾶσα πνοὴ αἰνεσάτω τὸν κύριον (2 *a*)
Pr. 1. 23. προήσομαι ὑμῖν ἐμῆς πνοῆς ῥῆσιν (3)
11. 13. πιστὸς δὲ πνοῇ κρύπτει πράγματα (3)
20. 27. φῶς κυρίου πνοὴ ἀνθρώπων (2 *a*)
24. 12. ὁ πλάσας πνοὴν πᾶσιν (1)
Wi. 2. 2. καπνὸς ἡ πν. ἐν ῥισὶν ἡμῶν
Si. 30. 29 (33. 20). ἕως ἔτι ζῇς καὶ πνοὴ ἐν σοί
Is. 38. 16. ἐξήγειράς μου τὴν πν. (3)
42. 5. διδοὺς πνοὴν τῷ λαῷ τῷ ἐπ' αὐτῆς (2 *a*)
57. 16. πνοὴν πᾶσαν ἐγὼ ἐποίησα (2 *a*)
Ez. 13. 13. ῥήξω πνοὴν ἐξαίρουσαν (3)
Da. TH. 5. 23. οὗ ἡ πν. σου ἐν χειρὶ αὐ. (2 *c*)
10. 17. A πνοὴ [B πνεῦμα] οὐχ ὑπελείφθη ἐν ἐμοί (2 *a*)
II Ma. 3. 31. τῷ παντελῶς ἐν ἐσχάτῃ πν. κειμένῳ
7. 9. ἐν ἐσχάτῃ δὲ πν. γενόμενος

[Aq. Is. 30. 33.]
[Sm. Ps. 32 (33). 6 : Is. 30. 33 : La. 4. 20 : Ez. 1. 4.]
[Th. Jb. 37. 10 : Is. 30. 33.]

πόα, ποία. (1) בְּרִית (2) דֶּשֶׁא
Pr. 27. 25. καὶ κερεῖς πόαν [A ποίαν] (2)
Ma. 3. 2. ὡς ποία [S[1] πλοῖα] πλυνόντων (1)
Je. 2. 22. ἐὰν . . . πληθυνῇς σεαυτῇ ποίαν [A S πόαν] (1)

[Aq. Ps. 22 (23). 2 : Mi. 5. 7 (6).]

ποδάγρα.
IV Ma. 11. 10. καὶ ταῦτα ποδάγραις σιδηραῖς ἐφαρμόσαντες

ποδήρης. (1) אֵפוֹד (2) בַּד (3) חֹשֶׁן (4) מַחֲלָצוֹת (5) מְעִיל
Ex. 25. 6 (7). εἰς τὴν ἐπωμίδα καὶ τὸν π. (3)
28. 4. τὴν ἐπωμίδα καὶ τὸν π. (5)
— 27 (31). ποιήσεις ὑποδύτην ποδήρη (1)
29. 5. ἐνδύσεις Ἀ. . . . τὸν χιτῶνα τὸν π. (5)
35. 9. εἰς τὴν ἐπωμίδα καὶ τὸν π. (3)
Wi. 18. 24. ἐπὶ γὰρ ποδήρους ἐνδύματος ἦν ὅλος ὁ κόσμος
Si. 27. 8. ἐνδύσῃ αὐτὸ ὡς ποδήρη δόξης
45. 8. περισκελῆ καὶ ποδήρη καὶ ἐπωμίδα
Za. 3. 5 (4). ἐνδύσατε αὐτὸν ποδήρη (4)
Ez. 9. 2. εἷς ἀνὴρ ἐν μέσῳ αὐτῶν ἐνδεδυκὼς ποδήρη (2)
— 3. ἐκάλεσε τὸν ἄνδρα τὸν ἐνδεδυκότα τὸν π. (2)
— 11. ἰδοὺ ὁ ἀνὴρ ὁ ἐνδεδυκὼς τὸν π. (2)
[Quint. Ez. 10. 2.]

ποδιστήρ. (1) סִיר
II Ch. 4. 16. ἐποίησεν . . . τοὺς π. (1)
[Aq. Je. 52. 18.]
[Th. II Ch. 4. 16 : Je. 52. 18.]

ποδοκάκη.
[Al. Jb. 13. 27.]

ποθεῖν. (1) שָׁחַר pi.
Es. 3. 13. τὴν ποθουμ. τοῖς [A παρὰ] πᾶσιν ἀνθρ. εἰρήνην
Pr. 7. 15. ποθοῦσα τὸ σὸν πρόσωπον εὕρηκά σε (1)
Wi. 4. 2. ποθοῦσιν ἀπελθοῦσαν
6. 11. ποθήσατε καὶ παιδευθήσεσθε
8. 8. εἰ δὲ καὶ πολυπειρίαν [A -ραν] ποθεῖ τις
15. 5. ποθεῖ τε νεκρᾶς εἰκόνος εἶδος ἄπνουν [A ἄγνουν]
— 6. ἄξιοί τε τοιούτων ἐλπίδων . . . καὶ οἱ ποθοῦντες
IV Ma. 11. 7. A R εἴπερ ᾐσθάνου ἀνθρώπους ποθῶν
[Sm. Ps. 67 (68). 17 : Pr. 21. 10.]

ποθεινός. (1) אֲבַל
Jb. 29. 25. S[2] ὃν τρόπον ποθεινοὺς παρεκάλουν [A B S[1] *al.*] (1)
Pr. 6. 8. ποθεινὴ δέ ἐστι πᾶσι καὶ ἐπίδοξος –
IV Ma. 13. 26. A R ποθεινοτέραν [S τὴν π.] αὐτοῖς κατεσκεύαζε τὴν φιλαδελφίαν
15. 1. εὐσέβεια μητρὶ τέκνων ποθεινοτέρα
[Th. Is. 57. 18 (Sw.).]

πόθεν.
Ge. 16. 8†: 29. 4 : 42. 7.
Nu. 11. 13.
Jo. 9. 8 *bis*.
Jd. 13. 6 : 17. 9 : 19. 17.
I Ki. 25. 11 : 30. 13.
II Ki. 1. 3, 13.
IV Ki. 5. 25 : 6. 27 : 20. 14.
To. 2. 13 : 5. 5†: 7. 3.
Ju. 10. 12 : 12. 3†.
Jb. 1. 7 : 2. 2 : 28. 12, 20 : 38. 24.
Ps. 120 (121). 1†.
Pr. 22. 27.
Si. 27. 27 : 37. 3.
Jn. 1. 8.
Na. 3. 7.
Is. 39. 3 : 41. 24 *bis*, 28.
Je. 15. 18 : 31 (48). 9†: 43 (36). 17†.
Ep. Je. 30.
IV Ma. 1. 33 : 8. 26 : 13. 12.

[Aq. Je. 10. 6, 7.]
[Th. Jo. 2. 4 : Je. 10. 6, 7.]
[Al. Ps. 120 (121). 1.]

ποθητός.
[Al. Jd. 11. 34.]

πόθος.
[Aq. Ps. 9. 24 (10. 3).]

ποῖ.
Je. 2. 28†.

ποία, *vid.* **πόα.**

ποιεῖν. (1) אָכַל ni. (2) אָפָה *a.* qal. *b.* ni. (3) בָּזַז (4) בָּנָה (5) בָּרָא *a.* qal. *b.* ni. (6) הָיָה (7) זָמַן *a.* aph. *b.* ithp. (8) חָטָא (9) חָצַב (10) חָשַׁב (11) יָטַב hi. (12) יָכֹל (13) יָעַל hi. (14) יָפַע hi. (15) יָצָא (16) יָצַר (17) יָשַׁע hi. (18) כָּרַת (19) לָחַם ni. (20) מָטַר (21) נָטָה (22) *a.* נָסַךְ *b.* נָסַךְ pa. (23) נָצַב hi. (24) נָצַר (25) נָתַן (26) סָבַב hi. (27) עָבַד *a.* qal. *b.* hi. *c.* עֲבֹדָה *d.* עָבַד pe. *e.* ithpe. *f.* הָוָה עָבֵד (28) c. neg. עָוַל pi. (29) עָלָה hi. (30) עָמַד hi. (31) עָמַל (32) עָצַב pi. (33) עָשָׂה *a.* qal. *b.* ni. *c.* pu. *d.* עֵשׂ עֹשֶׂה *e.* מַעֲשֶׂה *f.* הָיָה עֹשֶׂה (34) *a.* פָּעַל *b.* פֹּעַל (35) פָּשַׁע (36) קוּם (37) רָבָה hi. (38) רָחַם (39) שׂוּם, שִׂים (40) שָׁחָה hithpal. (41) שָׁלַל (42) שָׁלֵם hi. (43) שָׁמַע *a.* qal. *b.* hi. (44) שָׁמַר (45) שָׁפַךְ (46) ἃ ποιεῖ מַעֲשֶׂה (47) ἀγαθὸν π. גָּמַל (48) ἀθῷον π. נָקָה pi. (49) ἀκουσθῆναι π. שָׁמַע hi. (50) ἀκουστὸν π. שָׁמַע hi. (51) ἄκυρον π. *a.* סוּר *b.* פָּרַע (52) ἀλγεῖν π. כָּאַב hi. (53) ἁμαρτεῖν π. חָטָא hi. (54) π. ἀνάπαυμα (-παυσιν) נוּחַ hi. (55) ἀπόκρισιν ποιεῖσθαι שׁוּב hi. (56) ἀσθενῆ π. חָתַת ni. (57) ἄτοπα (τὰ ἄ.) π. רָשַׁע hi. (58) ἄφεσιν π. שְׁמִטָּה *a.* qal. *b.* hi. (59) βαθέως βουλὴν π. עָמֹק hi. (60) βελτίονα π. יָטַב hi. (61) γεννῶσαν π. יָלַד hi. (62) δεῖ ποιεῖν עָשָׂה *a.* qal. *b.* ni. (63) ἔγκοπον π. יָגַע hi. (64) εἶναι πεποιηκώς עָשָׂה (65) π. εἰσελθεῖν בּוֹא hi. (66) ἐκβολὴν ποιεῖσθαι טוּל hi. (67) ἔλεος π. חָנַן (68) ἐνεὸν ἑαυτὸν π. אָטַם עָפְעַפַּיִם (69) ἐντομίδας π. גָּדַר hithpo. (70) ἐπιγαμίαν, ἐπιγαμίας π. חָתַן hithpa. (71) ἐπιλαθέσθαι π. נָשָׁה pi. (72) ἐπισκοπὴν π. פָּקַד (73) π. ἐπιφυλλίδα עָלַל po. (74) εὖ π. *a.* טוֹב adj. *b.* טוֹב hi. *c.* יָטַב hi. *d.* נָשַׂג hi. (75) εὐεκτεῖν π. הֵיטִיב גֵּהָה (76) εὐθὺν π. יָשַׁר pi. (77) εὐλαβῆ π. נָזַר hi. (78) π. εὐφραινόμενον שָׂמַח pi. (79) ζῆν π. חָיָה pi. (80) ἰσχυρὸν π. *a.* אָמֵץ pi. *b.* חָזַק (81) καλλίονα π. יָטַב hi. (82) καλὸν π. יָטַב hi. (83) καλῶς π. *a.* טוֹב hi. *b.* יָטַב hi. (84) κατάκοπον π. לָאָה hi. (85) κενὸν π. חָסֵר hi. (86) π. κοπιᾶσαι יָגַע (87) κρίσιν π. נָקַם ni. (88) λεπτὸν π. זָרָה (89) π. λήθην נָשָׁא (90) μακρὰν π. רָחַק hi. (91) μάρτυρας π. עוּד hi. (92) π. μικρόν קָטֹן hi. (93) μισητὸν π. עָבַר (94) μνείαν π. זָכַר (95) ὀλίγον π. מְעַט hi. (96) ὀλιγοστὸν π. מְעַט hi. (97) ὀρθὸν π. פָּלַס pi. (98) ὁ τὰ πάντα ποιήσας שַׁדַּי (99) πατῆσαι π. דָּרַךְ hi. (100) πεποιθέναι π. *a.* בָּטַח hi. *b.* סוּת hi. (101) πλεῖον π. יָסַף ni. (102) πλεοναστὸν π. רָבָה hi. (103) πολὺν π. *a.* פָּרַץ *b.* רָבָה hi. *c.* אָנַר (104) πόρρω π. רָחַק hi. (105) π. σισόην נָקַף hi. (106) στεῖραν π. עָצַר (107) π. συμβῆναι קָרָה hi. (108) συνετῶς π. בִּין hi. (109) συστροφὰς ποιεῖσθαι קָשַׁר (110) π. ταλαίπωρον שָׁדַד (111) τέκνα π. יָלַד (112) π. τόπον נָגַשׁ (113) ὑψηλὸν π. נָבַהּ hi. (114) φαῦλον π. סָלַף pi. (115) π. χαρμονήν שָׂחַק pi. (116) π. ψηλαφᾶν *a.* יָמַשׁ hi. *b.* מוּשׁ hi. (117) π. ψήφισμα נָפַל hi. (118) ἐκδίκησιν ποιεῖν נָקַם ni.

Ge. 1. 1. ἐν ἀρχῇ ἐποίησεν ὁ θ. τὸν οὐρ. (5 *a*)
— 7. ἐποίησεν ὁ θ. τὸ στερέωμα (33 *a*)
— 11, 12. ξύλον κάρπιμον ποιοῦν καρπόν (33 *a*)
— 16. ἐποίησεν ὁ θ. τοὺς δύο φωστ. (33 *a*)
— 21. ἐποίησεν ὁ θ. τὰ κήτη τὰ μεγ. (5 *a*)
— 25. ἐποίησεν ὁ θ. τὰ θηρία (33 *a*)
— 26. ποιήσωμεν ἄνθρωπον (33 *a*)
— 27. ἐποίησεν ὁ θ. τὸν ἄνθρωπον· κατ' εἰκόνα θεοῦ ἐποίησεν αὐτόν· ἄρσεν καὶ θῆλυ ἐποίησεν αὐτούς (5 *a ter*)
— 31. τὰ πάντα ὅσα ἐποίησε (33 *a*)
2. 2. τὰ ἔργα αὐτοῦ ἃ ἐποίησε (33 *a*)
— 2. ἀπὸ πάντων τῶν ἔργων αὐ. ὧν ἐποίησε (33 *a*)
— 3. ὧν ἤρξατο ὁ θ. ποιῆσαι (33 *a*)
— 4. ᾗ ἡμέρᾳ ἐποίησε κ. ὁ θ. τὸν οὐρ. (33 *a*)
— 18. ποιήσωμεν αὐτῷ βοηθόν (33 *a*)
3. 1. ὧν ἐποίησε κ. ὁ θ. (33 *a*)
— 7. ἐποίησαν ἑαυτοῖς περιζώματα (33 *a*)
— 13. τί τοῦτο ἐποίησας (33 *a*)
— 14. ὅτι ἐποίησας τοῦτο (33 *a*)
— 21. ἐποίησε κ. ὁ θ. . . . χιτῶνας (33 *a*)
4. 10. A τί ἐποίησας [B πεποίηκας] (33 *a*)
5. 1. ᾗ ἡμέρᾳ ἐποίησεν ὁ θ. τὸν Ἀ. (5 *a*)
— 1. κατ' εἰκόνα θ. ἐποίησεν αὐτόν (33 *a*)
— 2. ἄρσεν καὶ θ. ἐποίησεν αὐτούς (5 *a*)
— 2. ᾗ ἡμέρᾳ ἐποίησεν αὐτούς (5 *b*)
6. 6. ἐποίησε τὸν ἄνθρ. ἐπὶ τῆς γῆς (33 *a*)
— 7. τὸν ἄνθρωπον ὃν ἐποίησα (5 *a*)
— 7. ὅτι ἐποίησα αὐτούς (33 *a*)
— 14. ποίησον οὖν σεαυτῷ κιβωτόν (33 *a*)
— 14. νοσσιὰς ποιήσεις τὴν κιβ. (33 *a*)
— 15. οὕτω ποιήσεις τὴν κιβ. (33 *a*)
— 16. ἐπισυνάγων ποιήσεις τὴν κιβ. (33 *a*)
— 16. τὴν δὲ θύραν τῆς κιβ. ποιήσεις (39)
— 16. κατάγαια . . . ποιήσεις αὐτήν (33 *a*)
— 22. ἐποίησε Νῶε πάντα . . . οὕτως ἐποίησε (33 *a*, 33 *a*)
7. 4. πᾶν τὸ ἀνάστημα ὃ ἐποίησα (33 *a*)
— 5. ἐποίησε Νῶε πάντα (33 *a*)
8. 6. τὴν θυρίδα τῆς κιβ. ἣν ἐποίησε (33 *a*)
— 13. B τῆς κιβ. ἣν ἐποίησε [A *om.* ἣν-ἐπ.] –
— 21. καθὼς ἐποίησα (33 *a*)
9. 6. ἐν εἰκόνι θεοῦ ἐποίησα τὸν ἄνθρ. (33 *a*)
— 24. ὅσα ἐποίησεν αὐτῷ ὁ υἱὸς αὐ. (33 *a*)
11. 4. ποιήσωμεν ἑαυτῶν ὄνομα (33 *a*)
— 6. τοῦτο ἤρξαντο ποιῆσαι (33 *a*)
— 6. ὅσα ἂν ἐπιθῶνται ποιῆσαι (33 *a*)
12. 2. ποιήσω σε εἰς ἔθνος μέγα (33 *a*)
— 18. τί τοῦτο ἐποίησάς μοι (33 *a*)
13. 4. οὗ ἐποίησεν ἐκεῖ τὴν σκηνήν (33 *a*)
— 16. ποιήσω τὸ σπέρμα σου ὡς τὴν ἄμμον (39)
14. 2. ἐποίησαν πόλεμον μετὰ Βαλλά (33 *a*)
18. 5. οὕτω ποίησον καθὼς εἴρηκας (33 *a*)
— 6. ποίησον ἐγκρυφίας (33 *a*)
— 7. ἐτάχυνε τοῦ ποιῆσαι αὐτό (33 *a*)
— 8. τὸ μοσχάριον ὃ ἐποίησε (33 *a*)
— 17. μὴ κρύψω . . . ἃ ἐγὼ ποιῶ (33 *a*)
— 19. ποιεῖν δικαιοσύνην καὶ κρίσιν (33 *a*)
— 25. μηδαμῶς σὺ ποιήσεις (33 *a*)
— 25. οὐ ποιήσεις κρίσιν (33 *a*)
19. 3. ἐποίησεν αὐτοῖς πότον (33 *a*)
— 8. A μὴ ποιήσητε μηδὲν [B *om.*] ἄδικον (33 *a*)
— 19. ὃ ποιεῖς ἐπ' ἐμέ (33 *a*)
— 22. οὐ γὰρ δυνήσομαι ποιῆσαι πρᾶγμα (33 *a*)
20. 5. ἐν καθαρᾷ καρδίᾳ . . . ἐποίησα τοῦτο (33 *a*)
— 6. ἐν καθαρᾷ καρδίᾳ ἐποίησας τοῦτο (33 *a*)
— 9. τί τοῦτο ἐποίησας ἡμῖν (33 *a*)
— 9. ἔργον ὃ οὐδεὶς ποιήσει πεποιηκάς μοι (33 *b*, 33 *a*)

Ge. 20. 10. τί ἐνιδὼν ἐποίησας τοῦτο (33 *a*)
— 13. A ταύτην τὴν δικαιοσ. ποίησον ἐπ' [B -σεις εἰς] ἐμέ (33 *a*)
21. 1. ἐποίησε κύριος τῇ Σάρρᾳ (33 *a*)
— 6. γέλωτά μοι ἐποίησε κύριος (33 *a*)
— 8. ἐποίησεν Ἀβ. δοχὴν μεγάλην (33 *a*)
— 13. εἰς ἔθνος μέγα ποιήσω αὐτόν (39)
— 18. εἰς γὰρ ἔθνος μέγα ποιήσω αὐτόν (39)
— 22. ἐν πᾶσιν οἷς ἐὰν ποιῇς (33 *a*)
— 23. ἣν ἐποίησα μετὰ σοῦ ποιήσεις μετ' ἐμοῦ (33 *a*, 33 *a*)
— 26. τίς ἐποίησε τὸ πρᾶγμα τοῦτο (33 *a*)
22. 12. μηδὲ ποιήσῃς αὐτῷ μηδέν (33 *a*)
— 16. οὗ εἵνεκεν ἐποίησας τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 *a*)
24. 12. ποίησον ἔλεος μετὰ τοῦ κυρίου μου (33 *a*)
— 14. ἐποίησας ἔλεος τῷ κυρίῳ μου (33 *a*)
— 44. πεποίηκας ἔλεος τῷ κυρίῳ μου Ἀβ. –
— 49. εἰ οὖν ποιεῖτε ὑμεῖς ἔλεος (33 *d*)
— 66. πάντα τὰ ῥήματα ἃ ἐποίησεν (33 *a*)
26. 10. τί τοῦτο ἐποίησας ἡμῖν (33 *a*)
— 29. A μὴ ποιήσειν [B -ῆσαι] μεθ' ἡμῶν κακόν (33 *a*)
— 30. ἐποίησεν αὐτοῖς δοχήν (33 *a*)
27. 4, 7. ποίησόν μοι ἐδέσματα (33 *a*)
— 9. ποιήσω αὐτοὺς ἐδέσματα (33 *a*)
— 14. ἐποίησεν ἡ μήτηρ αὐτοῦ ἐδέσματα (33 *a*)
— 17. τοὺς ἄρτους οὓς ἐποίησεν (33 *a*)
— 19. A ἐποίησα [B πεποίηκα] καθὰ ἐλάλησας (33 *a*)
— 31. ἐποίησε καὶ αὐτὸς ἐδέσματα (33 *a*)
— 37. εἰ κύριον αὐτὸν πεποίηκά σου (39)
— 37. A πάντας τοὺς ἀδ. αὐ. ἐποίησα [B πεποίηκα] αὐ. οἰκέτας . . . σοὶ δὲ τί ποιήσω (25, 33 *a*)
— 45. ἃ πεποίηκας αὐτῷ (33 *a*)
28. 15. ἕως τοῦ ποιῆσαί με πάντα (33 *a*)
29. 22. καὶ ἐποίησε γάμον (33 *a*)
— 25. τί τοῦτο ἐποίησάς μοι (33 *a*)
— 28. ἐποίησε δὲ Ἰ. οὕτως (33 *a*)
30. 30. πότε ποιήσω κἀγὼ ἐμαυτῷ οἶκον (33 *a*)
— 31. ἐὰν ποιήσῃς μοι τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 *a*)
31. 1. πεποίηκε πᾶσαν τὴν δόξαν ταύτην (33 *a*)
— 12. ὅσα σοι Λάβαν ποιεῖ (33 *a*)
— 16. ὅσα σοι εἴρηκεν ὁ θ. ποίει (33 *a*)
— 26. τί ἐποίησας (33 *a*)
— 43. τί ποιήσω ταύταις σήμερον (33 *a*)
— 46. καὶ ἐποίησαν βουνόν (33 *a*)
32. 9 (10). καὶ εὖ σε ποιήσω (74 *c*)
— 10 (11). ἧς ἐποίησας τῷ παιδί σου (33 *a*)
— 12 (13). εὖ σε ποιήσω (74 *c*)
— 16 (17). διάστημα ποιεῖτε (39)
33. 2. A ἐποίησεν [B ἔθετο] τὰς δύο παιδίσκας . . . ἐν πρώτοις (39)
— 17. ἐποίησεν ἑαυτῷ ἐκεῖ οἰκίας (4)
— 17. τοῖς κτήνεσιν αὐ. ἐποίησε σκηνάς (33 *a*)
34. 7. ἄσχημον ἐποίησεν Συχέμ (33 *a*)
— 14. οὐ δυνησόμεθα ποιῆσαι τοῦτο (33 *a*)
— 19. τοῦ ποιῆσαι τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 *a*)
— 30. μισητόν με πεποιήκατε (93)
35. 1. ποίησον ἐκεῖ θυσιαστήριον (33 *a*)
— 3. ποιήσωμεν ἐκεῖ θυσιαστήριον (33 *a*)
37. 3. ἐποίησε δὲ αὐτῷ χιτῶνα ποικ. (33 *a*)
38. 10. ὅτι ἐποίησε τοῦτο (33 *a*)
39. 3. ὅσα ἂν ποιῇ (33 *a*)
— 9. πῶς ποιήσω τὸ ῥῆμα τὸ πον. τοῦτο (33 *a*)
— 11. τοῦ ποιεῖν τὰ ἔργα αὐτοῦ (33 *a*)
— 19. οὕτως ἐποίησέ μοι ὁ παῖς σου (33 *a*)
— 22. ὅσα ποιοῦσιν ἐκεῖ (33 *a*)
— 22. B αὐτὸς ἦν ποιῶν (33 *a*)
— 23. ὅσα αὐτὸς ἐποίει (33 *a*)
40. 14. ποιήσεις ἐν ἐμοὶ ἔλεος (33 *a*)
— 15. ὧδε οὐκ ἐποίησα οὐδέν (33 *a*)
— 20. ἐποίει πότον πᾶσι τοῖς παισὶν αὐ. (33 *a*)
41. 25, 28. ὅσα ὁ θ. ποιεῖ (33 *a*)
— 32. ταχυνεῖ ὁ θ. τοῦ ποιῆσαι αὐτό (33 *a*)
— 34. καὶ ποιησάτω Φ. (33 *a*)
— 47. ἐποίησεν ἡ γῆ . . . δράγματα (33 *a*)
— 51. ἐπιλαθέσθαι με ἐποίησεν ὁ θ. (71)
— 55. ὃ ἐὰν εἴπῃ ὑμῖν ποιήσατε (33 *a*)
42. 18. τοῦτο ποιήσατε (33 *a*)
— 20. ἐποίησαν δὲ οὕτως (33 *a*)
— 28. τί τοῦτο ἐποίησεν ὁ θ. ἡμῖν (33 *a*)
43. 11. τοῦτο ποιήσατε (33 *a*)
— 17. ἐποίησε δὲ ὁ ἄνθρ. καθὰ εἶπεν Ἰ. (33 *a*)
44. 5. ἃ πεποιήκατε (33 *a*)
— 7. B ποιῆσαι κατὰ [A² *om.*] τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 *a*)

Ge. 44. 15. τί τὸ πρᾶγμα τοῦτο ἐποιήσατε (33 a)
— 17. μή μοι γένοιτο ποιῆσαι τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)
45. 8. ἐποίησέ με ὡς πατέρα Φ. (39)
— 9. ἐποίησέ με ὁ θ. κύριον (39)
— 17. τοῦτο ποιήσατε (33 a)
— 21. ἐποίησαν δὲ οὕτως (33 a)
46. 3. εἰς γὰρ ἔθνος μέγα ποιήσω σε (39)
47. 29. ποιήσεις ἐπ' ἐμὲ ἐλεημοσύνην (33 a)
— 30. ποιήσω κατὰ τὸ ῥῆμά σου (33 a)
48. 4. ποιήσω σε εἰς συναγωγὰς ἐθνῶν (25)
— 20. ποιήσει σε ὁ θ. ὡς Ἐφρ. (39)
50. 10. ἐποίησε τὸ πένθος τῷ πατρὶ αὐ. (33 a)
— 12. ἐποίησαν αὐτῷ οὕτως (33 a)
Ex. 1. 17. οὐκ ἐποίησαν καθότι συνέταξεν αὐταῖς (33 a)
— 18. τί ὅτι ἐποιήσατε τὸ πρᾶγμα τοῦτο (33 a)
— 20. εὖ δὲ ἐποίει ὁ θ. ταῖς μαίαις (74 c)
— 21. ἐποίησαν ἑαυταῖς οἰκίας (33 a)
3. 20. οἷς ποιήσω ἐν αὐτοῖς (33 a)
4. 11. τίς ἐποίησε δύσκωφον (39)
— 15. συμβιβάσω ὑμᾶς ἃ ποιήσετε (33 a)
— 17. ἐν ᾗ ποιήσεις ἐν αὐτῇ τὰ σημεῖα (33 a)
— 21. ποιήσεις αὐτὰ ἐναντίον Φ. (33 a)
— 30. ἐποίησε τὰ σημεῖα (33 a)
5. 8. ἧς αὐτοὶ ποιοῦσι (33 a)
— 15. ἵνα τί οὕτως ποιεῖς (33 a)
— 16. τὴν πλίνθον ἡμῖν λέγουσι π. (33 a)
6. 1. ἃ ποιήσω τῷ Φ. (33 a)
7. 6. ἐποίησε δὲ Μ. . . . οὕτως ἐποίησαν (33 a, 33 a)
— 10. καὶ ἐποίησαν οὕτως (33 a)
— 11. καὶ ἐποίησαν . . . ταῖς φαρμακίαις αὐ. (33 a)
— 20. καὶ ἐποίησαν οὕτως Μ. καὶ Ἀ. (33 a)
— 22 : 8. 7 (3). ἐποίησαν δὲ ὡσαύτως καὶ οἱ ἐπαοιδοί (33 a)
8. 13 (9). ἐποίησε δὲ κύριος καθάπερ εἶπε Μ. (33 a)
— 18 (14). ἐποίησαν δὲ ὡσαύτως καὶ οἱ ἐπαοιδοί (33 a)
— 24 (20). ἐποίησε δὲ κύριος οὕτως (33 a)
— 31 (27). ἐποίησε δὲ κύριος (33 a)
9. 5. A² B ποιήσει κ. τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)
— 6. A² B ἐποίησε κ. τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)
10. 2. ἃ ἐποίησα ἐν αὐτοῖς (39)
— 25. ἃ ποιήσομεν κ. τῷ θ. ἡ. (33 a)
11. 10. ἐποίησαν πάντα τὰ σημεῖα (33 a)
12. 12. ποιήσω τὴν ἐκδίκησιν (33 a)
— 16. πᾶν ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (33 b)
— 16. ὅσα ποιηθήσεται πάσῃ ψυχῇ (1)
— 16. τοῦτο μόνον ποιηθήσεται ὑμῖν (33 b)
— 17. ποιήσετε τὴν ἡμέραν ταύτην (44)
— 28. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . . οὕτως ἐποίησαν (33 a, 33 a)
— 35. ἐποίησαν καθὰ συνέταξεν αὐτοῖς Μ. (33 a)
— 39. οὐδὲ ἐπισιτισμὸν ἐποίησαν ἑαυτοῖς (33 a)
— 47. πᾶσα συναγωγὴ . . . ποιήσει αὐτό (33 a)
— 48. ποιῆσαι [A καὶ ποιῇ] τὸ πάσχα κυρίῳ (33 a)
— 48. προσελεύσεται ποιῆσαι αὐτό (33 a)
— 50. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . . οὕτως ἐποίησαν (33 a, 33 a)
13. 5. ποιήσεις τὴν λατρείαν ταύτην (27 a)
— 8. ἐποίησε κ. ὁ θ. μοι (33 a)
14. 4. καὶ ἐποίησαν οὕτως (33 a)
— 5. τί τοῦτο ἐποιήσαμεν [A πεποιήκαμεν] (33 a)
— 11. τί τοῦτο ἐποίησας ἡμῖν (33 a)
— 13. ἣν ποιήσει ἡμῖν σήμερον (33 a)
— 21. ἐποίησε τὴν θάλασσαν ξηράν (39)
— 31. ἃ ἐποίησε κ. τοῖς Αἰγ. (33 a)
15. 11. θαυμαστὸς ἐν δόξαις ποιῶν τέρατα (33 a)
— 26. ἐὰν . . . τὰ ἀρεστὰ ἐναντίον αὐτοῦ ποιήσῃς (33 a)
16. 17. ἐποίησαν δὲ οὕτως οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (33 a)
17. 4. τί ποιήσω τῷ λαῷ τούτῳ (33 a)
— 6. ἐποίησε δὲ Μ. οὕτως (33 a)
— 10. ἐποίησεν Ἰ. καθάπερ εἶπεν αὐτῷ Μ. (33 a)
18. 1, 8. ὅσα ἐποίησε κύριος (33 a)
— 9. οἷς ἐποίησεν αὐτοῖς κύριος (33 a)
— 14. ὅσα ποιεῖ [A ἐποίει] τῷ λαῷ (33 a)
— 14. τί τοῦτο ὃ σὺ ποιεῖς τῷ λαῷ (33 a)
— 17. οὐκ ὀρθῶς σὺ ποιεῖς τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)
— 18. B οὐ δυνήσῃ π. μόνος (33 a)
— 20. τὰ ἔργα ἃ ποιήσουσι (33 a)
— 23. ἐὰν τὸ ῥῆμα τοῦτο ποιήσῃς (33 a)
— 24. ἐποίησεν ὅσα εἶπεν αὐτῷ (33 a)
— 25. ἐποίησεν αὐτοὺς ἐπ' αὐτῶν χιλιάρχους (25)
19. 4. ὅσα πεποίηκα τοῖς Αἰγ. (33 a)
— 8. πάντα ὅσα εἶπεν ὁ θ. ποιήσομεν (33 a)
20. 4. οὐ ποιήσεις σεαυτῷ εἴδωλον (33 a)
— 6. ποιῶν ἔλεος εἰς χιλιάδας (33 a)

Ex. 20. 9. ποιήσεις πάντα τὰ ἔργα σου (33 a)
— 10. οὐ ποιήσεις ἐν αὐτῇ πᾶν ἔργον (33 a)
— 11. ἐποίησε κύριος τὸν οὐρ. (33 a)
— 23. οὐ ποιήσετε ὑμῖν αὐτοῖς θεοὺς ἀργ. (33 a)
— 23. θεοὺς χρυσοῦς οὐ ποιήσετε ὑμῖν ἔαυ. (33 a)
— 24. θυσιαστήριον ἐκ γῆς ποιήσετέ μοι (33 a)
— 25. ἐὰν δὲ θυσιαστήρ. ἐκ λίθων ποιῇς μοι (33 a)
21. 9. κατὰ τὸ δικαίωμα τῶν θυγ. ποιήσει αὐτῇ (33 a)
— 11. ἐὰν δὲ τὰ τρία ταῦτα μὴ ποιήσῃ αὐτῇ (33 a)
— 31. A B κατὰ τὸ δικ. τοῦτο ποιήσουσιν [R -σωσιν] αὐτῷ (33 b)
22. 30 (29). οὕτω ποιήσεις τὸν μόσχον σου (33 a)
23. 11. ἄφεσιν ποιήσεις (58 a)
— 11. οὕτω ποιήσεις τὸν ἀμπελῶνά σου (33 a)
— 12. ἓξ ἡμέρας ποιήσεις τὰ ἔργα σου (33 a)
— 15. τὴν ἑορτὴν τῶν ἀζ. φυλάξασθε π. —
— 16. ἑορτὴν θερισμοῦ πρωτογ. ποιήσεις —
— 22. ἐὰν . . . ποιήσῃς πάντα (33 a)
— 22. ἐὰν . . . ποιήσητε [A -σῃς] πάντα (33 a ?)
— 24. οὐ ποιήσεις κατὰ τὰ ἔργα αὐτῶν (33 a)
— 33. ἵνα μὴ ἁμαρτεῖν σε ποιήσωσι (58)
24. 3. πάντας τοὺς λόγους . . . ποιήσομεν (33 a)
— 7. πάντα . . . ποιήσομεν (33 a)
25. 7 (8). ποιήσεις μοι ἁγίασμα (33 a)
— 8 (9). ποιήσεις μοι κατὰ πάντα —
— 8 (9). οὕτω ποιήσεις (33 a)
— 9 (10). ποιήσεις κιβωτὸν μαρτυρίου (33 a)
— 10 (11). ποιήσεις αὐτῇ κυμάτια (33 a)
— 12 (13). ποιήσεις δὲ ἀναφορεῖς (33 a)
— 16 (17). ποιήσεις ἱλαστήριον (33 a)
— 17 (18). ποιήσεις δύο χερουβίμ (33 a)
— 18 (19). ποιηθήσονται χερ. εἷς . . . καὶ χερ. εἷς (33 a)
— 18 (19). ποιήσεις τοὺς δύο Χερ. (33 a)
— 22 (23). καὶ ποιήσεις τράπεζαν (33 a)
— 23 (24). ποιήσεις αὐτῇ στρεπτὰ κυμάτια (33 a ?)
— 23 (24). καὶ ποιήσεις αὐτῇ (33 a)
— 24 (25). ποιήσεις στρεπτὸν κυμάτιον (33 a)
— 25 (26). ποιήσεις τέσσαρας δακτυλίους (33 a)
— 27 (28). ποιήσεις τοὺς ἀναφορεῖς (33 a)
— 28 (29). ποιήσεις τὰ τρυβλία αὐ. (33 a)
— 28 (29). χρυσίου καθαροῦ ποιήσεις αὐτά (33 a)
— 30 (31). καὶ ποιήσεις λυχνίαν (33 a)
— 30 (31). τορευτὴν ποιήσεις τὴν λυχνίαν (33 b)
— 36 (37). καὶ ποιήσεις τοὺς λύχνους αὐ. (33 a)
— 37 (38). τὰ ὑποθέματα αὐτῆς . . . ποιήσεις (33 a)
— 39 (40). ποιήσεις κατὰ τὸν τύπον (33 a)
26. 1. τὴν σκηνὴν ποιήσεις (33 a)
— 1. ἐργασίᾳ ὑφάντου ποιήσεις αὐτάς (33 a)
— 4. ποιήσεις αὐταῖς ἀγκύλας (33 a)
— 4. οὕτω ποιήσεις ἐπὶ τοῦ χείλους (33 a)
— 5 *bis*. πεντήκ. ἀγκύλας ποιήσεις (33 a)
— 6. ποιήσεις κρίκους πεντήκ. χρυσοῦς (33 a)
— 7. ποιήσεις δέρρεις τριχίνας (33 a)
— 7. ἕνδεκα δέρρεις ποιήσεις αὐτάς (33 a)
— 10. ποιήσεις ἀγκύλας πεντήκ. (33 a)
— 10. πεντήκ. ἀγκύλας ποιήσεις —
— 11. ποιήσεις κρίκους χαλκοῦς (33 a)
— 14. καὶ ποιήσεις κατακάλυμμα (33 a)
— 15. καὶ ποιήσεις στύλους (33 a)
— 16. ποιήσεις [A *om.*] τὸν στῦλον τὸν ἕνα —
— 17. οὕτω ποιήσεις πᾶσι τοῖς στύλοις (33 a)
— 18. καὶ ποιήσεις στύλους (33 a)
— 19. τεσσαράκ. βάσεις ἀργ. ποιήσεις (33 a)
— 22. ποιήσεις ἓξ στύλους (33 a)
— 23. δύο στύλους ποιήσεις (33 a)
— 24. οὕτω ποιήσεις ἀμφοτ. ταῖς δυσὶ γωνίαις (6)
— 26. καὶ ποιήσεις μοχλούς (33 a)
— 29. τοὺς δακτυλίους ποιήσεις χρυσοῦς (33 a)
— 31. καὶ ποιήσεις καταπέτασμα (33 a)
— 31. ἔργον ὑφαντὸν ποιήσεις αὐτό (33 a)
— 36. καὶ ποιήσεις ἐπίσπαστρον (33 a)
— 37. καὶ ποιήσεις . . . πέντε στύλους (33 a)
27. 1. καὶ ποιήσεις θυσιαστήριον (33 a)
— 2. καὶ ποιήσεις τὰ κέρατα (33 a)
— 3. καὶ ποιήσεις στεφάνην (33 a)
— 3. πάντα τὰ σκεύη αὐ. ποιήσεις χαλκᾶ (33 a)
— 4. καὶ ποιήσεις αὐτῷ ἐσχάραν (33 a)
— 4. καὶ ποιήσεις . . . τέσσαρας δακτυλίους (33 a)
— 6. καὶ ποιήσεις . . . ἀναφορεῖς (33 a)
— 8. κοῖλον σανιδωτὸν ποιήσεις αὐτό (33 a)
— 8. οὕτω ποιήσεις αὐτό [A *om.*] (33 a)
— 9. ποιήσεις αὐλὴν τῇ σκηνῇ (33 a)
28. 2. ποιήσεις στολὴν ἁγίαν Ἀαρών (33 a)
— 3. ποιήσουσι τὴν στολὴν τὴν ἁγ. (33 a)
— 4. αὗται αἱ στολαὶ ἃς ποιήσουσι (33 a)

Ex. 28. 4. ποιήσουσι στολὰς ἁγίας Ἀ. (33 a)
— 6. ποιήσουσι τὴν ἐπωμίδα (33 a)
— 13. καὶ ποιήσεις ἀσπιδίσκας (33 a)
— 14. καὶ ποιήσεις δύο κροσσωτά (33 a)
— 15. καὶ ποιήσεις λόγιον (33 a)
— 15. ποιήσεις αὐτὸ ἐκ χρυσίου (33 a)
— 16 (15). ποιήσεις αὐτὸ τετράγωνον (33 a)
— 22. καὶ ποιήσεις . . . κρωσσούς (33 a)
— 27 (31). καὶ ποιήσεις ὑποδύτην ποδήρη (33 a)
— 29 (33). καὶ ποιήσεις . . . ῥοΐσκους (33 a)
— 32 (36). καὶ ποιήσεις πέταλον χρυσοῦν (33 a)
— 35 (39). ποιήσεις κίδαριν βυσσίνην καὶ ζώνην ποιήσεις (33 a, 33 a)
— 36 (40). ποιήσεις χιτῶνας καὶ ζώνας (33 a)
— 36 (40). καὶ κιδάρεις ποιήσεις αὐτοῖς (33 a)
— 38 (42). ποιήσεις αὐτοῖς περισκελῆ λινᾶ (33 a)
29. 1. ἃ ποιήσεις αὐτοῖς (33 a)
— 2. σεμίδαλιν ἐκ πυρῶν ποιήσεις αὐτά (33 a)
— 35. καὶ ποιήσεις . . . κατὰ πάντα (33 a)
— 36. τὸ μοσχάριον τῆς ἁμαρτ. ποιήσεις (33 a)
— 38. ταῦτά ἐστιν ἃ ποιήσεις (33 a)
— 39. τὸν ἀμνὸν τὸν ἕνα ποιήσεις τὸ πρωΐ (33 a)
— 39, 41. τὸν ἀμνὸν τὸν δεύτ. ποιήσεις τὸ δειλ. (33 a)
— 41. ποιήσεις . . . κάρπωμα κυρίῳ (33 a)
30. 1. καὶ ποιήσεις θυσιαστήριον θυμιάματος (33 a)
— 2 (1). καὶ ποιήσεις αὐτό (33 a)
— 3. ποιήσεις αὐτῷ στρεπτὴν στεφάνην (33 a)
— 4. δύο δακτυλίους . . . ποιήσεις (33 a)
— 4. εἰς τὰ δύο κλίτη ποιήσεις (33 a)
— 5. καὶ ποιήσεις σκυτάλας (33 a)
— 18. ποίησον λουτῆρα χαλκοῦν (33 a)
— 25. ποιήσεις αὐτὸ ἔλαιον [A¹ *om.*] χρῖσμα (33 a)
— 32. A R οὐ ποιήσετε [B -ηθήσεται] ὑμῖν ἑαυτοῖς (33 a)
— 33. ὃς ἂν ποιήσῃ ὡσαύτως (38)
— 35. ποιήσουσιν ἐν αὐτῷ [A² αὐτὸ] θυμίαμα (33 a)
— 37. κατὰ τὴν σύνθεσιν τ. οὐ ποιήσετε (33 a)
— 38. ὃς ἂν ποιήσῃ ὡσαύτως (33 a)
31. 6. καὶ ποιήσουσιν πάντα (33 a)
— 11. κατὰ πάντα . . . ποιήσουσι (33 a)
— 14. ὃς ποιήσει ἐν αὐτῷ ἔργον (33 a)
— 15. ἓξ ἡμέρας ποιήσεις ἔργα (33 b)
— 15. ὃς ποιήσει ἔργον (33 a)
— 16. ποιεῖν αὐτὰ εἰς τὰς γενεὰς αὐτῶν (33 a)
— 17. ἓξ ἡμέρας ἐποίησε κ. τὸν οὐρ. (33 a)
32. 1. ποίησον ἡμῖν θεούς (33 a)
— 4. ἐποίησεν αὐτὰ μόσχον (33 a)
— 8. ἐποίησαν ἑαυτοῖς μόσχον (33 a)
— 10. ποιήσω σε εἰς ἔθνος μέγα (33 a)
— 14. A ποιῆσαι [B περιπ.] τὸν λαὸν αὐτοῦ (33 a)
— 20. τὸν μόσχον ὃν ἐποίησαν (33 a)
— 21. τί ἐποίησέ σοι ὁ λαὸς οὗτος (33 a)
— 23. ποίησον ἡμῖν θεούς (33 a)
— 28. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Λ. καθὰ ἐλάλησεν (33 a)
— 31. ἐποίησαν ἑαυτοῖς θεοὺς χρυσοῦς (33 a)
— 35. οὗ [A ὃν] ἐποίησεν Ἀ. (33 a)
33. 5. ἃ ποιήσω σοι (33 a)
— 17. τοῦτόν σοι τὸν λόγον . . . ποιήσω (33 a)
34. 7. A καὶ ποιῶν [B *om.*] ἔλεος εἰς χιλιάδας (24)
— 10. ποιήσω ἔνδοξα (33 a)
— 10. ἃ ἐγὼ ποιήσω σοι [A *om.*] (33 a)
— 17. θεοὺς χωνευτοὺς οὐ ποιήσεις σεαυτῷ (33 a)
— 22. ἑορτὴν ἑβδομάδων ποιήσεις μοι (33 a)
35. 1. οὗς εἶπε κύριος ποιῆσαι αὐτούς (33 a)
— 2. ἓξ ἡμέρας ποιήσεις ἔργα (33 b)
— 2. πᾶς ὁ ποιῶν ἔργον (33 a)
— 29. π. πάντα τὰ ἔργα —
— 29. ὅσα συνέταξε κύριος ποιῆσαι αὐτά (33 a)
— 32. ποιεῖν τὸ χρυσίον (33 a)
— 33. ποιεῖν ἐν παντὶ ἔργῳ σοφίας (33 a)
— 35. πάντα συνιέναι ποιῆσαι τὰ ἔργα (33 a)
— 35. ποιεῖν πᾶν ἔργον ἀρχιτεκτονίας (33 a)
36. 1. καὶ ἐποίησε Βεσ. (33 a)
— 1. συνιέναι ποιεῖν πάντα τὰ ἔργα (33 a)
— 3. εἰς πάντα τὰ ἔργα τοῦ ἁγίου ποιεῖν αὐτά (33 a)
— 4. οἱ ποιοῦντες τὰ ἔργα τοῦ ἁγίου (33 a)
— 5. ὅσα συνέταξε κύριος ποιῆσαι (33 a)
— 7. τὰ ἔργα ἦν αὐτοῖς ἱκανὰ . . . ποιῆσαι (33 a)
— 8. ἐποίησε [A -σαν] πᾶς σοφός (33 a)
— 9 (39. 2). ἐποίησε [A -σαν] τὴν ἐπωμίδα (33 a)
— 10 (39. 3). ἔργον ὑφαντὸν ἐποίησαν αὐτό —
— 12 (39. 5). ἐξ αὐτοῦ ἐποίησαν αὐτό —
— 13 (39. 6). ἐποίησαν ἀμφοτ. τοὺς λίθους (33 a)
— 15 (39. 8). ἐποίησαν [A -σεν] λόγιον (33 a)
— 16 (39. 9). ἐποίησαν τὸ λόγιον (33 a)

Ex. 36. 22 (39. 15). καὶ ἐποίησαν . . . κρωσσούς (33 *a*)
— 23 (39. 16). καὶ ἐποίησαν δύο ἀσπιδίσκας (33 *a*)
— 27 (39. 19), 28 (39. 20). καὶ ἐποίησαν δύο δακτυλίους (33 *a*)
— 30 (39. 22). καὶ ἐποίησαν τὸν ὑποδύτην (33 *a*)
— 32 (39. 24). καὶ ἐποίησαν . . . ῥοΐσκους (33 *a*)
— 33 (39. 25). καὶ ἐποίησαν κώδωνας χρυσοῦς (33 *a*)
— 35 (39. 27). καὶ ἐποίησαν χιτῶνας βυσσίνους (33 *a*)
— 38 (39. 30). καὶ ἐποίησαν τὸ πέταλον (33 *a*)
37. 1 (36. 8). ἐποίησαν τῇ σκηνῇ δέκα αὐλαίας (33 *a*?)
— 3 (36. 35). A R ἐποίησαν [B -εν] τὸ καταπέτασμα (33 *a*)
— 5 (36. 37). καὶ ἐποίησαν τὸ καταπέτασμα (33 *a*)
— 7 (38. 9). καὶ ἐποίησαν τὴν αὐλήν (33 *a*)
— 22 (38. 22). ἐποίησε καθὰ συνέταξε κύριος (33 *a*)
38 (37). 1. καὶ ἐποίησε Βεσ. τὴν κιβ. (33 *a*)
— 2. A καὶ ἐποίησεν αὐτῇ κυμάτιον χρυσοῦν (33 *a*)
38. 5 (37. 6). καὶ ἐποίησε τὸ ἱλαστήριον (33 *a*)
— 6 (37. 7). A καὶ ἐποίησεν δύο χερ. [B *al.*] (33 *a*)
— 9 (37. 10). ἐποίησε τὴν τράπεζαν τὴν προκειμ. (33 *a*)
— 11 (37. 15). τοὺς διωστῆρας . . . ἐποίησε (33 *a*)
— 12 (37. 16). ἐποίησε τὰ σκεύη τῆς τραπέζης (33 *a*)
— 13 (37. 17). ἐποίησε τὴν λυχνίαν (33 *a*)
— 18 (36. 36). ἐποίησε τὰς ἀγκύλας χρυσᾶς –
— 19. ἐποίησε [A *add.* τοὺς στύλους] καὶ τοὺς κρίκους –
— 20. καὶ ἀγκύλας ἐποίησε [A -σαν] –
— 21 (38. 20). AR ἐποίησε τοὺς πασσάλους [B *al.*] –
— 22 (1). ἐποίησε τὸ θυσιαστήριον (33 *a*)
— 23 (3). ἐποίησε πάντα τὰ σκεύη (33 *a*)
— 24 (4). ἐποίησε τῷ θυσιαστ. παράθεμα (33 *a*)
— 25 (37. 29). ἐποίησε τὸ ἔλαιον . . . τὸ ἅγιον (33 *a*)
— 26 (8). ἐποίησε τὸν λουτῆρα (33 *a*)
— 27 (40. 30). ἐποίησε τὸν λουτῆρα (39?)
39. 6 (38. 28). A B τοὺς . . . σίκλους ἐποίησαν [R -σεν] (33 *a*)
— 8 (38. 30). B ἐποίησεν [A R -σαν] . . . τὰς βάσεις (33 *a*)
— 11 (32). καὶ ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . . οὕτως ἐποίησαν (33 *a*, 33 *a*)
— 12 (32). ἐποίησαν σκεύη εἰς τὸ λειτουργεῖν –
— 13 (1). ἐποίησαν στολὰς λειτουργικάς (33 *a*)
— 22 (42). ἐποίησαν . . . πᾶσαν τὴν ἀποσκευήν [A παρασκ.] (33 *a*)
— 23 (43). ἦσαν πεποιηκότες αὐτά (64)
— 23 (43). οὕτως ἐποίησαν αὐτά (33 *a*)
40. 16. ἐποίησε Μ. πάντα . . . οὕτως ἐποίησε (33 *a*, 33 *a*)
Le. 2. 7. ἐν ἐλαίῳ ποιηθήσεται (33 *b*)
— 8. AB ἣν ἂν ποιῇ [R -ήσῃ] ἐκ τούτων (33 *b*)
— 11. πᾶσαν θυσίαν . . . οὐ ποιήσετε ζυμωτόν (33 *b*)
4. 2. ὧν οὐ δεῖ ποιεῖν (62 *b*)
— 2. καὶ ποιήσῃ [A -σει] ἕν τι ἀπ' αὐτῶν (33 *a*)
— 13. καὶ ποιήσωσι μίαν ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντ. κυρίου ἣ οὐ ποιηθήσεται (33 *a*, 33 *b*)
— 20. καὶ ποιήσει τὸν μόσχον ὃν τρόπον ἐποίησε τὸν μόσχον τὸν τῆς ἁμαρτ. οὕτω ποιηθήσεται [A ποιήσεται] (33 *a ter*)
— 22. καὶ ποιήσῃ μίαν ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντ. . . . ἣ οὐ ποιηθήσεται (33 *a*, 33 *b*)
— 27. ἐν τῷ ποιῆσαι μίαν ἀπὸ π. τῶν ἐντ. κ. ἣ οὐ ποιηθήσεται (33 *a*, 33 *b*)
5. 4. κακοποιῆσαι ἢ καλῶς ποιῆσαι (83 *b*)
— 10. ποιήσει [A -σεις] ὁλοκάρπωμα (33 *a*)
— 17. AB καὶ ποιήσῃ [R -σει] μίαν ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντ. κ. ὧν οὐ δεῖ ποιεῖν (33 *a*, 62 *b*)
6. 3 (5. 22). ὧν ἐὰν ποιήσῃ ὁ ἄνθρωπος (33 *a*)
— 6 (5. 26). ἀπὸ πάντων ὧν ἐποίησε (33 *a*)
— 21 (14). B ἐν ἐλαίῳ ποιηθήσεται (33 *b*)
— 22 (15). B ὁ ἰ. ὁ χριστὸς . . . ποιήσει αὐτήν (33 *a*)
— 39 (7. 9). πᾶσα θυσία ἥτις ποιηθήσεται (2 *b*)
— 39 (7. 9). ἥτις ποιηθήσεται ἐπ' ἐσχάρας (33 *b*)
7. 14 (24). στέαρ . . . ποιηθήσεται [A οὐ π.] (33 *b*)
8. 4. ἐποίησε Μ. ὃν τρόπον συνέταξεν (33 *a*)
— 5. ὃ ἐνετείλατο κύριος ποιῆσαι (33 *a*)
— 34. καθάπερ ἐποίησεν ἐν τῇ ἡμέρᾳ ταύτῃ ᾗ ἐνετείλατο κ. τοῦ ποιῆσαι (33 *a*, 33 *a*)
— 36. ἐποίησεν Ἀ. . . . πάντας τοὺς λόγους (33 *a*)
9. 6. τοῦτο τὸ ῥῆμα . . . ποιήσατε (33 *a*)
— 7. ποίησον τὸ περὶ τῆς ἁμαρτίας σου (33 *a*)
— 7. ποίησον τὰ δῶρα τοῦ λαοῦ (33 *a*)
— 16. καὶ ἐποίησεν αὐτό (33 *a*)
— 22. ποιήσας τὸ περὶ τῆς ἁμαρτίας (33 *a*)
10. 7. ἐποίησαν κατὰ τὸ ῥῆμα Μωυσῆ (33 *a*)
11. 32. ὃ ἐὰν ποιηθῇ ἔργον ἐν αὐτῷ (33 *b*)
Le. 13. 51. ὅσα ἐὰν ποιηθῇ δέρματα (33 *b*)
14. 19. ποιήσει ὁ ἱερεὺς τὸ περὶ τῆς ἁμαρτ. (33 *a*)
— 30. ποιήσει μίαν τῶν τρυγόνων (33 *a*)
15. 15. ποιήσει αὐτὰ ὁ ἱερεύς (33 *a*)
— 30. ποιήσει ὁ ἱερεὺς τὴν μίαν (33 *a*)
— 31. εὐλαβεῖς ποιήσετε τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (77)
16. 15. ποιήσει τὸ αἷμα αὐτοῦ ὃν τρόπον ἐποίησε τὸ αἷμα τοῦ μόσχου (33 *a*, 33 *a*)
— 16. οὕτω ποιήσει τῇ σκηνῇ τοῦ μαρτ. (33 *a*)
— 24. ποιήσει τὸ ὁλοκάρπωμα αὐ. (33 *a*)
— 29. πᾶν ἔργον οὐ ποιήσετε (33 *a*)
— 34. ἅπαξ τοῦ ἐνιαυτοῦ ποιηθήσεται (33 *a*)
17. 4. ὥστε ποιῆσαι αὐτό –
— 8. ὃς ἂν ποιήσῃ ὁλοκαύτωμα (29)
— 9. ποιῆσαι αὐτὸ τῷ κυρίῳ (33 *a*)
18. 3. A R οὐ ποιήσετε [B¹ -ηθήσεται, B² -ήσεται] (33 *a*)
— 3. κατὰ τὰ ἐπιτηδεύμ. γῆς Χ. . . . οὐ ποιήσετε (33 *a*)
— 4. τὰ κρίματά μου ποιήσετε (33 *a*)
— 5. καὶ ποιήσετε αὐτά –
— 5. ἃ ποιήσας ἄνθρωπος (33 *a*)
— 26. οὐ ποιήσετε ἀπὸ πάντων τῶν βδελυγμ. (33 *a*)
— 27. πάντα γὰρ τὰ βδελύγμ. ταῦτα ἐποίησαν (33 *a*)
— 29. ὃς ἂν ποιήσῃ ἀπὸ πάντων τῶν βδ. (33 *a*)
— 29. αἱ ψυχαὶ αἱ ποιοῦσαι (33 *a*)
— 30. ὅπως μὴ ποιήσητε ἀπὸ πάντων (33 *a*)
19. 4. θεοὺς χωνευτοὺς οὐ ποιήσετε ὑμῖν (33 *a*)
— 15. οὐ ποιήσετε ἄδικον ἐν κρίσει (33 *a*)
— 27. οὐ ποιήσετε σισόην (105)
— 28. ἐντομίδας . . . οὐ ποιήσετε (25)
— 28. γράμματα στικτὰ οὐ ποιήσετε (25)
— 35. οὐ ποιήσετε ἄδικον ἐν κρίσει (33 *a*)
— 37 : 20. 8. καὶ ποιήσετε αὐτά (33 *a*)
20. 13. βδέλυγμα ἐποίησαν [A -σεν] ἀμφότεροι (33 *a*)
— 22. A φυλάξασθε . . . τὰ κρίματά μου π. [B *om.*] καὶ ποιήσετε αὐτά (–, 33 *a*)
— 23. ταῦτα πάντα ἐποίησαν (33 *a*)
22. 23. B σφάγια ποιήσεις [A² ἀποθήσεις] αὐτά (33 *a*)
— 24. ἐπὶ τῆς γῆς ὑμῶν οὐ ποιήσετε (33 *a*)
— 31. καὶ ποιήσετε αὐτάς (33 *a*)
23. 3. ἓξ ἡμέρας ποιήσεις ἔργα (33 *b*)
— 3. πᾶν ἔργον οὐ ποιήσεις (33 *a*)
— 7, 8. πᾶν ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (33 *a*)
— 12. ποιήσετε . . . πρόβατον ἄμωμον (33 *a*)
— 19. ποιήσουσι χίμαρον ἐξ αἰγῶν (33 *a*)
— 21, 25. πᾶν ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (33 *a*)
— 28. πᾶν ἔργον οὐ ποιήσετε (33 *a*)
— 30. πᾶσα ψυχὴ ἥτις ποιήσει ἔργον (33 *a*)
— 31. πᾶν ἔργον οὐ ποιήσετε (33 *a*)
— 35, 36. πᾶν ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (33 *a*)
24. 5. ποιήσετε αὐτὴν δώδεκα ἄρτους (2 *a*)
— 19. ὡς ἐποίησεν αὐτῷ (33 *a*)
— 23. ἐποίησαν καθὰ συνέταξε κύριος (33 *a*)
25. 18. ποιήσετε πάντα τὰ δικαιώμ. μου (33 *a*)
— 18. καὶ ποιήσετε αὐτά [A -σατε αὐτάς] (33 *a*)
— 21. καὶ ποιήσει τὰ γενήμ. αὐτῆς (33 *a*)
26. 1. οὐ ποιήσετε ὑμῖν αὐτοῖς χειροποίητα (33 *a*)
— 3. καὶ ποιήσητε αὐτάς (33 *a*)
— 14. μηδὲ ποιήσητε τὰ προστάγμ. μου ταῦτα (33 *a*)
— 15. ὥστε ὑμᾶς μὴ π. πάσας τὰς ἐντ. μου (33 *a*)
— 16. καὶ ἐγὼ ποιήσω οὕτως ὑμῖν (33 *a*)
— 22. ὀλιγοστοὺς ποιήσω [A³ -σει] ὑμᾶς (96)
Nu. 1. 54. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰ. κατὰ πάντα . . . οὕτως ἐποίησαν (33 *a*, 33 *a*)
2. 34. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰ. πάντα [A *om.*] (33 *a*)
4. 3. ποιῆσαι πάντα τὰ ἔργα (33 *a*)
— 19. τοῦτο ποιήσατε αὐτοῖς (33 *a*)
— 23. ποιεῖν τὰ ἔργα (27 *a*)
— 26. πάντα τὰ σκεύη . . . ποιήσουσι (27 *a*)
— 35, 39. λειτουργεῖν καὶ ποιεῖν (27 *c*)
5. 4. ἐποίησαν οὕτως οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (33 *a*)
— 4. οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (33 *a*)
— 6. ὅστις ἐὰν ποιήσῃ ἀπὸ τῶν ἁμαρτ. (33 *a*)
— 7. τὴν ἁμαρτίαν ἣν ἐποίησε [A ἥμαρτεν] (33 *a*)
— 30. καὶ ποιήσει αὐτῇ . . . π. τὸν νόμον τ. (33 *a*)
6. 11. ποιήσει ὁ ἱερεὺς μίαν (33 *a*)
— 16. ποιήσει τὸ περὶ ἁμαρτίας αὐτοῦ (33 *a*)
— 17. τὸν κριὸν ποιήσει θυσίαν σωτηρίου (33 *a*)
— 17. ποιήσει ὁ ἱερεὺς τὴν θυσίαν αὐ. (33 *a*)
8. 3. ἐποίησεν οὕτως Ἀ. (33 *a*)
— 4. οὕτως ἐποίησε τὴν λυχνίαν (33 *a*)
— 7. οὕτω ποιήσεις αὐτοῖς τὸν ἁγνισμόν (33 *a*)
— 12. A B ποιήσει [R -σεις] τὸν ἕνα (33 *a*)
— 20. ἐποίησε Μ. . . . καθὰ ἐνετείλατο κ. (33 *a*)
Nu. 8. 20, 22. οὕτως ἐποίησαν αὐτοῖς (33 *a*)
— 26. οὕτως ποιήσεις τοῖς Λευίταις (33 *a*)
9. 2. ποιείτωσαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὸ πάσχα (33 *a*)
— 3. ποιήσεις [A -σετε] αὐτό (33 *a*)
— 3. ποιήσεις αὐτό (33 *a*)
— 4. ποιῆσαι τὸ πάσχα (33 *a*)
— 5. οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (33 *a*)
— 6. οὐκ ἠδύναντο ποιῆσαι τὸ πάσχα (33 *a*)
— 10. ποιήσει τὸ πάσχα κυρίῳ (33 *a*)
— 11, 12. ποιήσουσιν αὐτό (33 *a*)
— 13. ποιῆσαι τὸ πάσχα (33 *a*)
— 14. AB καὶ ποιήσει [R -σῃ] τὸ πάσχα κυρίῳ (33 *a*)
— 14. ποιήσει αὐτό (33 *a*)
10. 2. ποίησον σεαυτῷ δύο σάλπιγγας ἀργ. (33 *a*)
— 2. ἐλατὰς ποιήσεις αὐτάς (33 *a*)
— 29, 32. καὶ εὖ σε ποιήσομεν (74 *b*)
11. 8. ἐποίουν αὐτὸ ἐγκρυφίας (33 *a*)
— 15. εἰ δ' οὕτω σὺ ποιεῖς μοι (33 *a*)
14. 11. οἷς ἐποίησα ἐν αὐτοῖς (33 *a*)
— 12. ποιήσω σε . . . εἰς ἔθνος μέγα (33 *a*)
— 22. τὰ σημεῖα ἃ ἐποίησα ἐν Αἰγ. (33 *a*)
— 28. οὕτω ποιήσω ὑμῖν (33 *a*)
— 35. οὕτω ποιήσω τῇ συναγωγῇ τῇ πον. ταύτῃ (33 *a*)
15. 3. ποιήσεις ὁλοκαυτώματα [A -σητε κάρπωμα] (33 *a*)
— 3. ποιῆσαι ὀσμὴν εὐωδίας (33 *a*)
— 5. τὸ τέταρτον τοῦ ἵν ποιήσετε (33 *a*)
— 5. τῷ ἀμνῷ τῷ ἑνὶ ποιήσεις τοσοῦτο –
— 6. ὅταν ποιῆτε αὐτόν –
— 6. ποιήσεις [A *om.*] θυσίαν σεμιδάλεως (33 *a*)
— 8. ἐὰν δὲ ποιῆτε ἀπὸ τῶν βοῶν [A² *add.* ποιήσεται] (33 *a*, –)
— 11. οὕτω ποιήσεις τῷ μόσχῳ τῷ ἑνί (33 *b*)
— 12. ὧν ἐὰν ποιήσητε [A ὃν π.] (33 *a*)
— 12. οὕτως ποιήσετε τῷ ἑνί (33 *a*)
— 13. ποιήσει οὕτως τοιαῦτα (33 *a*)
— 14. ποιήσει [A -σῃ] κάρπωμα (33 *a*)
— 14. ὃν τρόπον ποιεῖτε ὑμεῖς (33 *a*)
— 14. οὕτω ποιήσει ἡ συναγωγὴ κυρίῳ (33 *a*)
— 22. ὅταν δὲ . . . μὴ ποιήσητε πάσας τὰς ἐντ. (33 *a*)
— 24. ποιήσει [B¹ -σῃ] πᾶσα ἡ συν. μόσχον (33 *a*)
— 29. ὃς ἂν ποιήσῃ ἀκουσίως (33 *a*)
— 30. A B ἥτις ποιήσει [R -σῃ] ἐν χειρὶ ὑπερηφ. (33 *a*)
— 34. τί ποιήσωσιν αὐτόν [A -ῷ] (33 *b*)
— 38. ποιησάτωσαν ἑαυτοῖς κράσπεδα (33 *a*)
— 39. καὶ ποιήσετε αὐτάς (33 *a*)
— 40. ὅπως ἂν . . . ποιήσητε π. τὰς ἐντ. μου (33 *a*)
16. 6. τοῦτο ποιήσατε (33 *a*)
— 28. ποιῆσαι πάντα τὰ ἔργα ταῦτα (33 *a*)
— 38 (17. 3). ποίησον αὐτὰ λεπίδας (33 *a*)
17. 11 (26). ἐποίησε Μ. . . . καθὰ συνέταξε . . . οὕτως ἐποίησαν (33 *a*, 33 *a*)
20. 27. ἐποίησε Μ. καθὰ συνέταξε (33 *a*)
21. 8. ποίησον σεαυτῷ ὄφιν (33 *a*)
— 9. ἐποίησε Μ. ὄφιν χαλκοῦν (33 *a*)
— 34. ποιήσεις αὐτῷ καθὼς ἐποίησας τῷ Σ. (33 *a*, 33 *a*)
22. 2. πάντα ὅσα ἐποίησεν Ἰ. τῷ Ἀμ. (33 *a*)
— 17. ὅσα ἐὰν εἴπῃς ποιήσω σοι (33 *a*)
— 18. ποιῆσαι αὐτὸ μικρόν (33 *a*)
— 20. τοῦτο ποιήσεις (33 *a*)
— 28. τί ἐποίησά [A πεποίηκά] σοι (33 *a*)
— 30. μὴ . . . ἐποίησά σοι οὕτως [A τοῦτο] (33 *a*)
23. 2. ἐποίησε Β. ὃν τρόπον εἶπεν αὐτῷ (33 *a*)
— 11. τί πεποίηκάς [A ἐποίησάς] μοι (33 *a*)
— 19. αὐτὸς εἴπας οὐχὶ ποιήσει (33 *a*)
— 26. τοῦτο ποιήσω (33 *a*)
— 30. ἐποίησε Β. καθάπερ εἶπεν αὐτῷ (33 *a*)
24. 13. ποιῆσαι αὐτὸ καλόν (33 *a*)
— 14. τί ποιήσει ὁ λαὸς οὗτος τὸν λαόν σου (33 *a*)
— 18. Ἰσρ. ἐποίησεν ἐν ἰσχύϊ (33 *a*)
27. 22. ἐποίησε Μ. καθὰ ἐνετείλατο αὐτῷ (33 *a*)
28. 4. τὸν ἀμνὸν τὸν ἕνα ποιήσεις [A -σετε] (33 *a*)
— 4. τὸν ἀμνὸν τὸν δεύτ. ποιήσεις [A -σετε] (33 *a*)
— 5. ποιήσεις τὸ δέκατον τοῦ οἰφί –
— 8. τὸν ἀμνὸν τὸν δεύτ. ποιήσεις (33 *a*)
— 8. κατὰ τὴν σπονδὴν αὐ. ποιήσετε (33 *a*)
— 15. ἐπὶ τῆς ὁλοκαυτώσεως . . . ποιηθήσεται (33 *b*)
— 16 (17). A ποιηθήσεται [B *om.*] ἑορτή –
— 18. πᾶν ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (33 *a*)
— 20. A δύο δέκατα . . . ποιήσετε [B *om.*] (33 *a*)
— 21. δέκατον δέκατον ποιήσεις (33 *a*)
— 24. ταῦτα κατὰ ταῦτα ποιήσετε (33 *a*)
— 24. ποιήσεις τὴν σπονδὴν αὐτοῦ (33 *b*)
— 25, 26. πᾶν ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (33 *a*)

Nu. 28. 30 (31). τὴν θυσίαν αὐτῶν ποιήσετέ μοι (33 *a*)
29. 1. πᾶν ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (33 *a*)
— 2. καὶ ποιήσετε ὁλοκαυτώματα (33 *a*)
— 7. πᾶν ἔργον [A *add.* λατρευτὸν] οὐ ποιήσετε (33 *a*)
— 12, 35. πᾶν ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (33 *a*)
— 39. ταῦτα ποιήσετε κυρίῳ (33 *a*)
30. 3. πάντα . . . ποιήσει (33 *a*)
31. 31. ἐποίησε M. . . . καθὰ συνέταξε (33 *a*)
32. 8. οὐχ οὕτως ἐποίησαν οἱ πατέρες ὑμῶν (33 *a*)
— 13. οἱ ποιοῦντες τὰ πονηρά (33 *a*)
— 20. ἐὰν ποιήσητε κατὰ τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 *a*)
— 23. ἐὰν δὲ μὴ ποιήσητε οὕτως (33 *a*)
— 24. A R τὸ ἐκπορευόμ. ἐκ τοῦ στόμ. ὑμῶν ποιήσητε [B -σετε] (33 *a*)
— 25. οἱ παῖδές σου ποιήσουσι (33 *a*)
— 31. οὕτω ποιήσομεν [A -σωμεν] ἡμεῖς (33 *a*)
33. 4. ἐποίησε τὴν ἐκδίκησιν κύριος (33 *a*)
— 56. B² R καθότι διεγνώκειν ποιῆσαι αὐτοὺς ποιήσω ὑμᾶς [A B¹ -ῖν] (33 *a*, 33 *a*)
36. 10. A B¹ οὕτως ἐποίησαν θυγατέρες [B² R -γατράσι] Σ. (33 *a*)
De. 1. 14. καλὸν τὸ ῥῆμα ὃ ἐλάλησας ποιῆσαι (33 *a*)
— 18. πάντας τοὺς λόγους οὓς ποιήσετε (33 *a*)
— 30. ὅσα ἐποίησεν ὑμῖν (33 *a*)
— 44. ὡσεὶ ποιήσαισαν αἱ μέλισσαι (33 *a*)
2. 12. ὃν τρόπον ἐποίησεν Ἰσρ. τὴν γῆν (33 *a*)
— 22. ὥσπερ ἐποίησαν [A -σεν] τοῖς υἱοῖς Ἡ. (33 *a*)
— 29. καθὼς ἐποίησάν μοι οἱ υἱοὶ Ἡ. (33 *a*)
3. 2. ποιήσεις αὐτῷ ὥσπερ ἐποίησας Σ. (33 *a*, 33 *a*)
— 6. ὥσπερ ἐποίησαμεν τὸν Σ. (33 *a*)
— 21. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θ. ἡμῶν (33 *a*)
— 21. οὕτως ποιήσει . . . πᾶσας τὰς βασιλείας (33 *a*)
— 24. ὅστις ποιήσει καθὰ ἐποίησας σύ (33 *a*, 33 *e*)
4. 1. ὅσα ἐγὼ διδάσκω ὑμᾶς σήμερον π. (33 *a*)
— 3. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θ. ἡμῶν τῷ B. (33 *a*)
— 5. ποιῆσαι οὕτως ἐν τῇ γῇ (33 *a*)
— 6. φυλάξεσθε καὶ ποιήσετε (33 *a*)
— 13. ἣν ἐνετείλατο ὑμῖν π. (33 *a*)
— 14. ποιεῖν ὑμᾶς αὐτά (33 *a*)
— 16. μὴ . . . ποιήσητε ὑμῖν ἑαυτοῖς γλυπτὸν ὁμοίωμα (33 *a*)
— 23. μὴ . . . ποιήσητε [A -σετε] . . . ὁμοίωμα (33 *a*)
— 25. ἐὰν . . . ποιήσητε . . . ὁμοίωμα . . . καὶ ποιήσητε τὸ πονηρόν (33 *a*, 33 *a*)
— 34. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡ. (33 *a*)
— 36. A ἀκουστήν σοι ἐποίησεν τὴν φωνήν [B *al.*] (50)
5. 1. φυλάξεσθε π. αὐτά (33 *a*)
— 8. οὐ ποιήσεις σεαυτῷ εἴδωλον (33 *a*)
— 10. ποιῶν ἔλεος εἰς χιλιάδας (33 *a*)
— 13. ποιήσεις πάντα τὰ ἔργα σου (33 *a*)
— 14. οὐ ποιήσεις ἐν αὐτῇ πᾶν ἔργον (33 *a*)
— 14. B¹ ἐποίησεν κύριος τόν τε οὐρ. –
— 27 (24). ἀκουσόμεθα καὶ ποιήσομεν (33 *a*)
— 31 (28). καὶ ποιείτωσαν (33 *a*)
— 32 (29). καὶ φυλάξεσθε π. (33 *a*)
6. 1. διδάξαι ὑμᾶς ποιεῖν οὕτως (33 *a*)
— 3. καὶ φύλαξαι ποιεῖν (33 *a*)
— 18. ποιήσεις τὸ ἀρεστόν (33 *a*)
— 24. ποιεῖν πάντα τὰ δικαιώμ. ταῦτα (33 *a*)
— 25. π. πάσας τὰς ἐντολὰς ταύτας (33 *a*)
7. 5. οὕτω ποιήσετε αὐτοῖς (33 *a*)
— 11. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σήμ. π. (33 *a*)
— 12. καὶ ποιήσητε αὐτά [B² *om.*] (33 *a*)
— 18. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θ. σου (33 *a*)
— 19. οὕτω ποιήσει . . . πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν (33 *a*)
8. 1. πάσας τὰς ἐντ. . . . φυλάξεσθε π. (33 *a*)
— 16. καὶ εὖ σε ποιήσῃ (74 *c*)
— 17. ἐποίησέ μοι τὴν δύναμιν τὴν μεγ. τ. (33 *a*)
— 18. τοῦ ποιῆσαι δύναμιν (33 *a*)
9. 12. ἐποίησαν ἑαυτοῖς χώνευμα (33 *a*)
— 14. ποιήσω σε εἰς ἔθνος μέγα (33 *a*)
— 16. ἐποιήσατε ὑμῖν αὐτοῖς χωνευτόν (33 *a*)
— 16. R ἧς ἐνετείλατο κ. ὑμῖν π. [A B *om.*] –
— 18. ὧν ἡμάρτετε ποιῆσαι τὸ πονηρόν (33 *a*)
— 21. τὴν ἁμαρτίαν ὑμῶν ἣν ἐποιήσατε (33 *a*)
10. 1. ποιήσεις σεαυτῷ κιβωτόν (33 *a*)
— 3. καὶ ἐποίησα κιβωτόν (33 *a*)
— 5. τὴν κιβωτὸν ἣν ἐποίησα (33 *a*)
— 18. ποιῶν κρίσιν προσηλύτῳ (33 *a*)
— 21. ὅστις ἐποίησεν ἐν [A *om.*] σοὶ τὰ μεγ. (33 *a*)
— 22. ἐποίησέ σε κ. ὁ θ. σου (39)
11. 3. ὅσα ἐποίησεν ἐν μέσῳ Αἰγ. (33 *a*)
— 4. ὅσα ἐποίησε τὴν δύναμιν [A² τῇ δ.] (33 *a*)
De. 11. 5. ὅσα ἐποίησεν ὑμῖν ἐν τῇ ἐρήμῳ (33 *a*)
— 6. ὅσα ἐποίησε τῷ Δ. (33 *a*)
— 7. ὅσα ἐποίησεν ὑμῖν σήμερον (33 *a*)
— 22. ἃς ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σήμ. π. (33 *a*)
— 32. τοῦ π. πάντα τὰ προστάγμ. αὐτοῦ (33 *a*)
12. 1. ἃς φυλάξετε τοῦ π. [A ποιῆσαι] (33 *a*)
— 4. οὐ ποιήσετε οὕτω κ. τῷ θ. ὑμῶν (33 *a*)
— 8. οὐ ποιήσετε πάντα ἃ ἡμεῖς ποιοῦμεν (33 *a*, 33 *a*)
— 14. ἐκεῖ ποιήσεις πάντα (33 *a*)
— 25. ἐὰν ποιήσῃς τὸ καλόν (33 *a*)
— 27. ποιήσεις τὰ ὁλοκαυτώματα (33 *a*)
— 28. ποιήσεις πάντας τοὺς λόγους (33 *a*)
— 28. ἐὰν ποιήσῃς τὸ καλόν (33 *a*)
— 30. πῶς ποιοῦσι τὰ ἔθνη τ. τοῖς θεοῖς αὐ. (27 *a*)
— 30. ποιήσω κἀγώ (33 *a*)
— 31. οὐ ποιήσεις οὕτω τῷ θεῷ σου (33 *a*)
— 31. τὰ γὰρ βδελύγμ. . . . ἐποίησαν (33 *a*)
— 32 (13. 1). τοῦτο φυλάξῃ π. (33 *a*)
13. 11 (12). ποιῆσαι κατὰ τὸ ῥῆμα τὸ πον. (33 *a*)
— 18 (19). π. τὸ ἀρεστόν (33 *a*)
14. 29. ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις οἷς ἐὰν ποιῇς (33 *a*)
15. 1. δι' ἑπτὰ ἐτῶν ποιήσεις ἄφεσιν (33 *a*)
— 3. ἄφεσιν ποιήσεις τοῦ χρέους σου (58 *b*)
— 5. π. [A *om.*] πάσας τὰς ἐντ. ταύτας (33 *a*)
— 11. π. [A *om.*] τὸ ῥῆμα τοῦτο –
— 15. π. τὸ ῥῆμα τοῦτο –
— 17. τὴν παιδίσκην σου ποιήσεις ὡσαύτως (33 *a*)
— 18. ἐν πᾶσιν οἷς ἐὰν ποιῇς (33 *a*)
16. 1. ποιήσεις τὸ πάσχα κ. τῷ θεῷ σου (33 *a*)
— 8. οὐ ποιήσεις ἐν αὐτῇ πᾶν ἔργον πλὴν ὅσα ποιηθήσεται ψυχῇ (33 *a*, –)
— 10. ποιήσεις ἑορτὴν ἑβδομάδων (33 *a*)
— 12. ποιήσεις τὰς ἐντολὰς ταύτας (33 *a*)
— 13. ἑορτὴν σκηνῶν ποιήσεις [A -εῖς] (33 *a*)
— 18. κριτὰς . . . ποιήσεις [A καταστήσεις] σεαυτῷ (25)
— 21. πᾶν ξύλον . . . οὐ ποιήσεις σεαυτῷ (33 *a*)
17. 2. ὃς ποιήσει [B² -σῃ] τὸ πονηρόν (33 *a*)
— 5. A οἵτινες ἐποίησαν τὸ πρᾶγμα (33 *a*)
— 10. ποιήσεις κατὰ τὸ πρᾶγμα [A ῥῆμα] (33 *a*)
— 10. φυλάξῃ ποιῆσαι πάντα [A κατὰ π.] (33 *a*)
— 11. κατὰ τὸν νόμον . . . ποιήσεις (33 *a*)
— 12. ὃς ἐὰν ποιήσῃ ἐν ὑπερηφανίᾳ (33 *a*)
— 19. τὰ δικαιώμ. ταῦτα π. [A *add.* αὐτά] (33 *a*)
18. 9. οὐ μαθήσῃ π. κατὰ τὰ βδελύγμ. (33 *a*)
— 12. πᾶς ποιῶν ταῦτα (33 *a*)
19. 9. π. πάσας τὰς ἐντ. ταύτας (33 *a*)
— 19. καὶ ποιήσετε αὐτῷ (33 *a*)
— 19. ἐπονηρεύσατο [A *add.* τῷ πλησίον] ποιῆσαι (33 *a*)
— 20. οὐ προσθήσουσιν ἔτι ποιῆσαι [A π.] (33 *a*)
20. 12. καὶ ποιῶσι [A -ήσωσιν] πρὸς σὲ πόλεμον (33 *a*)
— 15. οὕτω ποιήσεις πάσας τὰς πόλεις (33 *a*)
— 18. ἵνα μὴ διδάξωσιν ὑμᾶς π. πάντα τὰ βδελύγμ. αὐ. ὅσα ἐποίησαν τοῖς θεοῖς αὐ. (33 *a*, 33 *a*)
— 20. ἥτις ποιεῖ πρὸς σὲ τὸν πόλεμον (33 *a*)
21. 9. ἐὰν ποιήσῃς τὸ καλόν (33 *a*)
22. 3. οὕτω ποιήσεις τὸν ὄνον αὐτοῦ (33 *a*)
— 3. A R οὕτω ποιήσεις τὸ ἱμάτιον αὐτοῦ (33 *a*)
— 3. οὕτω ποιήσεις κατὰ πᾶσαν ἀπώλειαν (33 *a*)
— 5. πᾶς ποιῶν ταῦτα (33 *a*)
— 8. ποιήσεις στεφάνην τῷ δώματί σου (33 *a*)
— 8. οὐ ποιήσεις φόνον (39)
— 12. στρεπτὰ ποιήσεις σεαυτῷ (33 *a*)
— 21. ἐποίησεν ἀφροσύνην ἐν υἱοῖς Ἰσρ. (33 *a*)
— 26. AB² οὐ ποιήσετε οὐδέν (33 *a*)
23. 23 (24). ποιήσεις ὃν τρόπον ηὔξω (33 *a*)
24. 8. π. κατὰ πάντα τὸν νόμον (33 *a*)
— 8. φυλάξασθε π. (33 *a*)
— 9. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θ. σου τῇ M. (33 *a*)
— 18. π. τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 *a*)
— 20. π. τὸ ῥῆμα τοῦτο –
— 22. π. τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 *a*)
25. 9. οὕτω ποιήσουσι τῷ ἀνθρώπῳ (33 *b*)
— 16. A¹ B πᾶς ποιῶν ταῦτα (33 *a*)
— 16. A² B πᾶς ποιῶν ἄδικον (33 *a*)
— 17. ὅσα ἐποίησέ σοι Ἀμ. (33 *a*)
26. 14. A R ἐποίησα καθὰ ἐνετείλω μοι [B *al.*] (33 *a*)
— 16. ποιῆσαι πάντα [A κατὰ π.] τὰ δικαιώμ. (33 *a*)
— 16. καὶ ποιήσετε αὐτά (33 *a*)
— 19. ὡς ἐποίησέ σε ὀνομαστόν (33 *a*)
27. 10. ποιήσεις πάσας τὰς ἐντ. αὐτοῦ (33 *a*)
— 15. ὅστις ποιήσει γλυπτόν (33 *a*)
De. 27. 26. ποιῆσαι [A τοῦ π.] αὐτούς (33 *a*)
28. 1. π. πάσας τὰς ἐντ. ταύτας (33 *a*)
— 13. A φυλάσσειν καὶ π. [B *om.* καὶ π.] (33 *a*)
— 15. A φυλάσσειν καὶ π. [B -άσσεσθαι] πάσας τὰς ἐντ. (33 *a*)
— 20. A ὅσα ἐὰν ποιήσῃς (33 *a*)
— 58. π. πάντα τὰ ῥήματα τοῦ νόμου τ. (33 *a*)
— 63. εὖ ποιῆσαι ὑμᾶς (74 *c*)
29. 2 (1). ὅσα ἐποίησε κύριος (33 *a*)
— 9 (8). π. πάντας τοὺς λόγους τῆς διαθήκης –
— 9 (8). A ποιεῖν αὐτούς (33 *a*)
— 9 (8). ὅσα ποιήσετε [A -σητε] (33 *a*)
— 24 (23). διὰ τί ἐποίησε κ. οὕτω (33 *a*)
— 29 (28). π. πάντα τὰ ῥήμ. τοῦ νόμου τ. (33 *a*)
30. 5. καὶ εὖ σε ποιήσει (74 *c*)
— 5. πλεοναστόν σε ποιήσει (102)
— 8. ποιήσεις τὰς ἐντολὰς αὐτοῦ (33 *a*)
— 10. A π. πάσας [B *om.* π. π.] τὰς ἐντ. αὐ. –
— 12. καὶ ἀκούσαντες αὐτὴν ποιήσομεν (33 *a*)
— 13. καὶ ἀκουστὴν ἡμῖν ποιήσῃ αὐτὴν καὶ ποιήσομεν [A ἀκούσαντες αὐ. π.] (50 [43 *b*], 33 *a*)
— 14. π. αὐτό (33 *a*)
31. 4. ποιήσει κύριος . . . αὐτοῖς καθὼς ἐποίησε Σηών (33 *a*, 33 *a*)
— 5. A B² R καὶ ποιήσετε αὐτοῖς (33 *a*)
— 12. π. πάντας τοὺς λόγους τοῦ νόμου τ. (33 *a*)
— 18. διὰ πάσας τὰς κακίας ἃς ἐποίησαν (33 *a*)
— 21. ὅσα ποιοῦσιν [A *add.* μοι] (33 *a*)
— 29. ποιήσετε τὰ πονηρά (33 *a*)
32. 6. καὶ ἐποίησέ σε (33 *a*)
— 15. τὸν θ. τὸν ποιήσαντα αὐτόν (33 *a*)
— 27. ἐποίησε ταῦτα πάντα (34 *a*)
— 39. καὶ ζῆν ποιήσω (79)
— 46. π. πάντας τοὺς λόγους (33 *a*)
33. 21. δικαιοσύνην κύριος ἐποίησε (33 *a*)
34. 9. ἐποίησαν καθότι ἐνετείλατο κ. (33 *a*)
— 11. ποιῆσαι αὐτὰ ἐν γῇ Αἰγ. (33 *a*)
— 12. ἃ ἐποίησε M. (33 *a*)
Jo. 1. 7. π. καθότι ἐνετείλατό σοι M. (33 *a*)
— 8. π. πάντα τὰ γεγραμμένα (33 *a*)
— 16. πάντα . . . ποιήσομεν (33 *a*)
2. 10. ὅσα ἐποίησε τοῖς δυσὶ βασ. τῶν Ἀ. (33 *a*)
— 12. ποιῶ ὑμῖν ἔλεος (33 *a*)
— 12. ποιήσατε καὶ ὑμεῖς ἔλεος (33 *a*)
— 14. ποιήσετε εἰς ἐμὲ [A -σατε μετ' ἐμοῦ] ἔλεος (33 *a*)
3. 5. ποιήσει κ. ἐν ὑμῖν θαυμαστά (33 *a*)
4. 8. ἐποίησαν οὕτως οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (33 *a*)
— 23. καθάπερ ἐποίησε [A -αν] . . . τὴν ἐρυθρὰν θάλ. (33 *a*)
5. 2. ποίησον σεαυτῷ μαχαίρας (33 *a*)
— 3. ἐποίησεν Ἰ. μαχαίρας (33 *a*)
— 9 (10). ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὸ πάσχα (33 *a*)
6. 13 (14). οὕτως ἐποίει ἐπὶ ἓξ ἡμέρας (33 *a*)
— 17 (18). καὶ ποιήσητε [A -σετε] τὴν παρεμβολήν (39)
— 25 (26). οὕτως ἐποίησεν Ὀζᾶν –
7. 9. τί ποιήσεις τὸ ὄνομά σου τὸ μέγα (33 *a*)
— 15. ἐποίησεν [A -σαν] ἀνόμημα (33 *a*)
— 19. ἀνάγγειλόν μοι τί ἐποίησας (33 *a*)
— 20. οὕτως καὶ οὕτως ἐποίησα (33 *a*)
8. 2. ποιήσεις τὴν [A -σῃς τῇ] Γ. ὃν τρόπον ἐποίησας τὴν [A τῇ] Ἱερ. (33 *a*, 33 *a*)
— 8. κατὰ τὸ ῥῆμα τοῦτο ποιήσετε [A -σατε] (33 *a*)
9. 3. ὅσα ἐποίησε κ. τῇ Ἰ. (33 *a*)
— 4. καὶ ἐποίησαν καί γε αὐτοί (33 *a*)
— 9. ὅσα ἐποίησεν ἐν Αἰγ. (33 *a*)
— 10. ὅσα ἐποίησε τοῖς βασ. τῶν Ἀμ. (33 *a*)
— 15. ἐποίησεν Ἰ. πρὸς αὐτοὺς εἰρήνην (33 *a*)
— 20. τοῦτο ποιήσομεν (33 *a*)
— 24. ἐποιήσαμεν τὸ πρᾶγμα τοῦτο (33 *a*)
— 25. ὡς ἀρέσκει ὑμῖν . . . ποιήσατε [A -σαι] ἡμῖν (33 *a*)
— 26. ἐποίησαν αὐτοῖς οὕτως (33 *a*)
10. 1. ὃν τρόπον ἐποίησαν [A -σεν] τὴν Ἱερ. (33 *a*)
— 1. οὕτως ἐποίησαν [A -σεν] καὶ τὴν Γ. (33 *a*)
— 25. οὕτω ποιήσει κ. πᾶσι τοῖς ἐχθροῖς ὑ. (33 *a*)
— 28. ἐποίησαν τῷ βασ. Μακ. ὃν τρόπον ἐποίησαν τῷ βασ. Ἱερ. (33 *a*, 33 *a*)
— 30. ἐποίησαν [A -σεν] τῷ βασ. αὐ. ὃν τρόπον ἐποίησαν [A -σεν] τῷ βασ. Ἱερ. (33 *a*, 33 *a*)
— 32. ὃν τρόπον ἐποίησαν τὴν [A -σεν τῇ] Λ. (33 *a*)
— 35. ὃν τρόπον ἐποίησαν τῇ Λ. (33 *a*)
— 37. ὃν τρόπον ἐποίησαν τὴν [A τῇ] Ὀδ. (33 *a*)

Jo. 10. 39. B ὃν τρόπον ἐποίησαν τὴν [A R τῇ] X. (33 a)
— 39. οὕτως ἐποίησαν τῇ Δ. (33 a)
— 39. A καθάπερ ἐποίησαν τῇ Λ. (33 a)
11. 9. ἐποίησεν αὐτοῖς Ἰ. (33 a)
— 15. καὶ οὕτως ἐποίησεν Ἰ. (33 a)
— 18. ἐποίησεν Ἰ. . . . τὸν πόλεμον (33 a)
14. 5. οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱοὶ [A τοῖς υἱ.] Ἰσρ. (33 a)
17. 13. ἐποίησαν τοὺς Χαναναίους ὑπηκόους (25)
22. 5. π. τὰς ἐντ. καὶ τὸν νόμον (33 a)
— 5. ὃν ἐνετείλατο ἡμῖν π. Μ. –
— 23. ὥστε ποιῆσαι ἐπ' αὐτοῦ θυσίαν σωτηρίου (33 a)
— 24. ἐποιήσαμεν τοῦτο (33 a)
— 26. εἴπαμεν ποιῆσαι οὕτω (33 a)
— 28. ὃ ἐποίησαν οἱ πατέρες ἡμῶν (33 a)
23. 3. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θ. ἡμῶν (33 a)
— 6. π. πάντα τὰ γεγραμμένα (33 a)
— 8. καθάπερ ἐποιήσατε (33 a)
— 12. καὶ ἐπιγαμίας ποιήσητε πρὸς αὐτούς (70)
24. 5. B οἷς ἐποίησαν [A -σεν ἐν, R -σα ἐν] αὐτοῖς (33 a)
— 7. ὅσα ἐποίησε κύριος (33 a)
— 20. εὖ ἐποίησεν ὑμᾶς [A -ῖν] (74 c)
— 31. ὅσα ἐποίησε τῷ Ἰσρ. (33 a)
Jd. 1. 7. καθὼς οὖν ἐποίησα (33 a)
— 24. ποιήσομεν μετὰ σοῦ ἔλεος (33 a)
— 28. ἐποίησε [A ἔθετο] τὸν Χαν. εἰς φόρον (39)
2. 2. ταῦτα ἐποιήσατε (33 a)
— 7. ὅσα ἐποίησεν ἐν [A om.] τῷ Ἰσρ. (33 a)
— 10. ὃ ἐποίησεν [A -σαν] ἐν [A om.] τῷ Ἰσρ. (33 a)
— 11. ἐποίησαν . . . τὸ πονηρόν (33 a)
— 17. οὐκ ἐποίησαν οὕτω (33 a)
3. 7. ἐποίησαν . . . τὸ πονηρόν (33 a)
— 12. ποιῆσαι τὸ πονηρόν (33 a)
— 12. διὰ τὸ πεποιηκέναι αὐτοὺς τὸ πονηρόν (33 a)
— 16. ἐποίησεν ἑαυτῷ Ἀ. μάχαιραν (33 a)
4. 1. ποιῆσαι τὸ πονηρόν (33 a)
6. 1. ἐποίησαν . . . τὸ πονηρόν (33 a)
— 2. ἐποίησαν . . . τὰς τρυμαλιάς [A μάνδρας] (33 a)
— 17. ποιήσεις μοι σήμερον πᾶν [A al.] (33 a)
— 19. ἐποίησεν ἔριφον αἰγῶν (33 a)
— 20. καὶ ἐποίησεν οὕτως (33 a)
— 27. ἐποίησεν ὃν τρόπον ἐλάλησε (33 a)
— 27. τοῦ [A μὴ] ποιῆσαι ἡμέρας (33 a)
— 27. καὶ ἐποίησε νυκτός (33 a)
— 29. τίς ἐποίησε τὸ ῥῆμα [A πρᾶγμα] τοῦτο (33 a)
— 29. ἐποίησε τὸ ῥῆμα [A πρᾶγμα] τοῦτο (33 a)
— 40. ἐποίησεν ὁ θ. οὕτως (33 a)
7. 17. καὶ οὕτω ποιήσετε (33 a)
— 17. καθὼς ἂν ποιήσω οὕτω ποιήσετε (33 a, 33 a)
8. 1. τί τὸ ῥῆμα τοῦτο ἐποίησας ἡμῖν (33 a)
— 2. τί ἐποίησα νῦν (33 a)
— 3. τί ἠδυνήθην ποιῆσαι (33 a)
— 27. ἐποίησεν αὐτὸ Γ. (33 a)
— 35. οὐκ ἐποίησαν ἔλεος (33 a)
— 35. ἃ ἐποίησε μετὰ Ἰσρ. (33 a)
9. 16. εἰ . . . ἐποιήσατε καὶ ἐβασιλεύσατε τὸν Ἀβ. (33 a)
— 16. εἰ ἀγαθωσύνην ἐποιήσατε [A al.] (33 a)
— 16. καὶ εἰ . . . ἐποιήσατε αὐτῷ (33 a)
— 19. εἰ . . . ἐποιήσατε μετὰ Ἱερ. (33 a)
— 27. καὶ ἐποίησαν Ἑλλ. [A χορούς] (33 a)
— 33. καὶ ποιήσεις αὐτῷ (33 a)
— 48. ὃ εἴδετέ με ποιοῦντα ταχέως ποιήσατε (33 a, 33 a)
— 56. ἣν ἐποίησε τῷ πατρὶ αὐτοῦ (33 a)
10. 6. ποιῆσαι τὸ πονηρόν (33 a)
— 15. ποίησον σὺ ἡμῖν (33 a)
11. 10. εἰ μὴ κατὰ τὸ ῥῆμά σου οὕτω ποιήσομεν (33 a)
— 27. σὺ ποιεῖς μετ' ἐμοῦ πονηρίαν (33 a)
— 36. ποίησόν [A ποίει] μοι ὃν τρόπον ἐξῆλθεν (33 a)
— 36. ἐν τῷ ποιῆσαί σοι κ. ἐκδίκησιν [A al.] (33 a)
— 37. ποιησάτω δὴ ὁ πατήρ μου τὸν λόγον τοῦτον [A al.] (33 b)
— 39. ἐποίησεν ἐν αὐτῇ τὴν εὐχὴν αὐ. [A al.] (33 a)
13. 1. ποιῆσαι τὸ πονηρόν (33 a)
— 8. τί ποιήσομεν τῷ παιδίῳ [A -δαρίῳ] (33 a)
— 15. ποιήσομεν [A -σομεν] . . . ἔριφον αἰγῶν (33 a)
— 16. ἐὰν ποιήσῃς [A -σεις] ὁλοκαύτωμα (33 a)
— 19. καὶ διεχώρισε ποιῆσαι [A al.] (33 a)
Jd. 13. 23. A οὐκ ἂν ἀκουστὰ ἐποίησεν ἡμῖν ταῦτα [B al.] (50)
14. 6. ὃ ἐποίησε (33 a)
— 10. ἐποίησεν ἐκεῖ Σ. πότον (33 a)
— 10. οὕτως ποιοῦσιν [A ἐποίουν] οἱ νεανίσκοι (33 a)
15. 3. ποιῶ ἐγὼ μετ' αὐτῶν πονηρίαν [A al.] (33 a)
— 6. τίς ἐποίησε ταῦτα (33 a)
— 7. ἐὰν ποιήσητε οὕτως ταύτην [A om.] (33 a)
— 7. A τὴν ἐκδίκησίν μου . . . ποιήσομαι [B al.] (117)
— 10. ποιῆσαι αὐτῷ ὃν τρόπον ἐποίησεν ἡμῖν (33 a, 33 a)
— 11. τί τοῦτο [A ἵνα τί ταῦτα] ἐποίησας ἡμῖν (33 a)
— 11. ὃν τρόπον ἐποίησάν μοι οὕτως ἐποίησα αὐτοῖς [A al.] (33 a, 33 a)
16. 20. A καὶ ποιήσω καθὼς ἀεί [B al.] –
— 26. A ποίησον ψηλαφῆσαί με [B al.] (116 a*, 116 b)
— 26. A ὁ δὲ παῖς ἐποίησεν οὕτως –
17. 3. τοῦ ποιῆσαι γλυπτόν (33 a)
— 4. ἐποίησεν αὐτὸ γλυπτόν (33 a)
— 5. καὶ ἐποίησεν ἐφόδ (33 a)
— 6. ἀνὴρ τὸ εὐθὲς [A ἀγαθὸν] . . . ἐποίει (33 a)
— 8. τοῦ ποιῆσαι ὁδὸν αὐτοῦ (33 a)
18. 3. τί ποιεῖς ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ [A al.] (33 a)
— 4. οὕτως ἐποίησέ μοι Μ. (33 a)
— 14. γνῶτε ὅτι [A τί] ποιήσετε (33 a)
— 18. τί ὑμεῖς ποιεῖτε (33 a)
— 24. τὸ γλυπτόν μου ὃ ἐποίησα (33 a)
— 27. ὃ [A ὅσα] ἐποίησε Μ. (33 a)
— 31. ὃ ἐποίησε Μ. (33 a)
19. 21. τόπον ἐποίησε τοῖς ὄνοις [A al.] †
— 23. μὴ ποιήσητε τὴν ἀφροσύνην ταύτην (33 a)
— 24. ποιήσατε αὐταῖς τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθ. ὑ. (33 a)
— 24. B οὐ ποιήσετε [A R μὴ ποιήσητε] τὸ ῥῆμα (33 a)
20. 6. ἐποίησαν ζέμα [A ἀφροσύνην] (33 a)
— 9. ὃ ποιηθήσεται [A -ήσομεν] τῇ Γ. (33 a)
— 10. τοῦ ποιῆσαι ἐλθεῖν αὐτούς [A al.] (33 a)
— 10. ποιῆσαι αὐτῇ κατὰ πᾶν τὸ ἀπόπτωμα [A al.] –
— 10. ὃ ἐποίησεν [A ἣν ἐποίησαν] ἐν Ἰσρ. (33 a)
— 32. B καὶ ἐποίησαν οὕτω –
21. 7. τί ποιήσομεν αὐτοῖς τοῖς περισσοῖς (33 a)
— 11. τοῦτο [A οὗτος ὁ λόγος ὃν] ποιήσετε (33 a)
— 11. B καὶ ἐποίησαν οὕτως –
— 15. ἐποίησε κύριος διακοπήν (33 a)
— 16. τί ποιήσωμεν τοῖς περισσοῖς [A al.] (33 a)
— 22. ἔλεος ποιήσατε ἡμῖν αὐτάς [A al.] (67)
— 23. καὶ ἐποίησαν οὕτως (33 a)
— 25. ἀνὴρ τὸ εὐθὲς ἐνώπιον αὐτοῦ ἐποίει [A al.] (33 a)
Ru. 1. 8. ποιήσαι κύριος μεθ' ὑμῶν ἔλεος (33 a)
— 8. καθὼς ἐποιήσατε μετὰ τῶν τεθνηκότων (33 a)
— 17. τάδε ποιήσαι μοι κύριος (33 a)
2. 11. ὅσα πεποίηκας (33 a)
— 19. καὶ ποῦ ἐποίησας (33 a)
— 19. ποῦ ἐποίησε (33 a)
— 19. μεθ' οὗ ἐποίησα σήμερον (33 a)
3. 4. ἀπαγγελεῖ σοι ἃ ποιήσεις (33 a)
— 5. πάντα ὅσα ἐὰν εἴπῃς ποιήσω (33 a)
— 6. ἐποίησε κατὰ πάντα (33 a)
— 11. πάντα ὅσα ἐὰν εἴπῃς ποιήσω σοι (33 a)
— 16. ὅσα ἐποίησεν αὐτῇ ὁ ἀνήρ (33 a)
4. 11. ἐποίησαν [A ποιήσαι] δύναμιν ἐν Ἐφρ. (33 a)
I Ki. 1. 7. οὕτως ἐποίει ἐνιαυτὸν κατ' ἐνιαυτόν (33 a)
— 23. ποίει τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (33 a)
— 25. τὴν θυσίαν ἣν ἐποίει –
2. 10. ἀσθενῆ ποιήσει ἀντίδικον αὐτοῦ (56)
— 10. καὶ ποιεῖν κρίμα –
— 14. ἐποίουν παντὶ Ἰσραήλ (33 a)
— 19. διπλοΐδα μικρὰν ἐποίησεν αὐτῷ (33 a)
— 22. ἃ ἐποίουν οἱ υἱοὶ αὐτοῦ (33 a)
— 23. ἵνα τί ποιεῖτε κατὰ τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)
— 24. μὴ ποιεῖτε οὕτως –
— 35. τὰ ἐν τῇ ψυχῇ μου ποιήσει (33 a)
3. 11. ποιῶ τὰ ῥήματά μου ἐν Ἰσρ. (33 a)
— 17. τάδε ποιήσαι σοι ὁ θ. (33 a)
— 18. τὸ ἀγαθὸν ἐνώπιον αὐτοῦ ποιήσει (33 a)
5. 8. τί ποιήσωμεν κιβωτῷ (33 a)
— 10. ἐποίησαν οἱ Γ. ἑαυτοῖς ἕδρας –
6. 2. τί ποιήσωμεν τῇ κιβωτῷ κ. (33 a)
— 5. A ποιήσετε ὁμοίωμα τῶν ἑδρῶν (33 a)
— 7. ποιήσατε ἅμαξαν καινήν (33 a)
— 9. πεποίηκεν ἡμῖν τὴν κακίαν τὴν μεγ. τ. (33 a)
I Ki. 6. 10. ἐποίησαν οἱ ἀλλόφ. οὕτω (33 a)
8. 8. ἃ ἐποίησάν μοι (33 a)
— 8. οὕτως αὐτοὶ ποιοῦσι (33 a)
— 12. καὶ π. σκεύη πολεμικὰ αὐτοῦ (33 a)
10. 2. τί ποιήσω ὑπὲρ τοῦ υἱοῦ μου (33 a)
— 7. ποίει πάντα (33 a)
— 8. γνωρίσω σοι ἃ ποιήσεις (33 a)
11. 7. κατὰ τάδε ποιήσουσι τοῖς βουσὶν αὐ. (33 b)
— 10. ποιήσετε ἡμῖν τὸ ἀγ. ἐνώπιον ὑμῶν (33 a)
— 13. ἐποίησε κ. σωτηρίαν ἐν Ἰσρ. (33 a)
12. 6. ὁ ποιήσας τὸν Μ. (33 a)
— 7. ἃ ἐποίησεν ἐν [A ἃς ἐπ.] ὑμῖν (33 a)
— 16. ὃ ὁ κ. ποιήσει ἐν ὀφθ. ὑμῶν (33 a)
— 17. ἣν ἐποίησατε ἐνώπιον κυρίου (33 a)
— 20. B πεποιήκατε τὴν πᾶσαν κακίαν τ. (33 a)
13. 9. B ὅπως ποιήσω ὁλοκαύτωσιν –
— 11. B τί πεποίηκας (33 a)
— 19. B μὴ ποιήσωσιν οἱ Ἑβρ. ῥομφαίαν (33 a)
14. 6. B εἴ τι ποιήσει κύριος ἡμῖν (33 a)
— 7. B ποίει πᾶν (33 a)
— 15. οὐκ ἤθελον π. [A πονεῖν] –
— 36. πᾶν τὸ ἀγ. ἐνώπιόν σου ποίει (33 a)
— 40. τὸ ἀγαθὸν ἐνώπιόν σου ποίει (33 a)
— 43. ἀπάγγειλόν μοι τί πεποίηκας (33 a)
— 44. τάδε ποιήσαι μοι ὁ θ. (33 a)
— 45. ὁ ποιήσας τὴν σωτηρίαν τὴν μεγ. τ. (33 a)
— 45. ὅτι ὁ λαὸς τοῦ θ. ἐποίησε τὴν ἡμ. τ. (33 a)
— 48. ἐποίησε δύναμιν (33 a)
— 48. B ἐποίησεν τὸν Ἀμ. [A R al.] †
15. 2. ἃ ἐποίησεν Ἀμ. τῷ Ἰσρ. (33 a)
— 6. καὶ σὺ ἐποίησας ἔλεος (33 a)
— 19. καὶ ἐποίησας τὸ πονηρόν (33 a)
16. 3. γνωριῶ σοι ἃ ποιήσεις (33 a)
— 4. ἐποίησε Σαμ. πάντα (33 a)
17. 25. A τὸν οἶκον . . . ποιήσει ἐλεύθερον (33 a)
— 26. A ἢ ποιηθήσεται τῷ ἀνδρί (33 b)
— 27. A οὕτως ποιηθήσεται τῷ ἀνδρί (33 b)
— 29. A τί ἐποίησα νῦν (33 a)
19. 5. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μεγ. (33 a)
— 18. ὅσα ἐποίησεν αὐτῷ [A om.] Σ. (33 a)
20. 1. τί πεποίηκα (33 a)
— 2. οὐ μὴ ποιήσῃ ὁ πατήρ μου ῥῆμα (33 a)
— 4. καὶ τί ποιήσω σοι (33 a)
— 8. ποιήσεις ἔλεος μετὰ τοῦ δούλου σου (33 a)
— 13. τάδε ποιήσαι ὁ θ. τῷ Ἰων. (33 a)
— 14. ποιήσεις ἔλεος μετ' ἐμοῦ (33 a)
— 32. τί πεποίηκε (33 a)
22. 3. τί [A ὅ τι] ποιήσει μοι ὁ θ. (33 a)
24. 5. ποιήσεις αὐτῷ ὡς ἀγαθόν (33 a)
— 7. εἰ ποιήσω τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)
— 19. ἃ ἐποίησάς μοι ἀγαθά (33 a)
— 20. καθὼς πεποίηκας σήμερον (33 a)
25. 17. ἴδε σὺ τί ποιήσεις (33 a)
— 18. καὶ πέντε πρόβατα πεποιημένα (33 a)
— 22. τάδε ποιήσαι ὁ θ. τῷ Δ. (33 a)
— 28. ποιῶν [A om.] ποιήσει . . . οἶκον πιστόν (33 a, 33 a)
— 30. ποιήσει κύριος τῷ κ. μου πάντα (33 a)
26. 16. τὸ ῥῆμα τοῦτο ὃ πεποίηκας (33 a)
— 25. καὶ ποιῶν ποιήσεις (33 a, 33 a)
27. 11. τάδε Δ. ποιεῖ [A ἐποίει Δ.] (33 a)
28. 2. ἃ ποιήσει ὁ δοῦλός σου (33 a)
— 9. ὅσα ἐποίησε Σ. (33 a)
— 15. γνωρίσαι μοι τί ποιήσω (33 a)
— 17. πεποίηκε κ. σοι καθὼς ἐλάλησε (33 a)
— 18. καὶ οὐκ ἐποίησας θυμὸν ὀργῆς αὐ. (33 a)
— 18. ἐποίησε κύριός σοι (33 a)
29. 7. οὐ μὴ ποιήσεις κακίαν (33 a)
— 8. τί πεποίηκά σοι (33 a)
30. 23. οὐ ποιήσετε οὕτως (33 a)
31. 11. ἃ ἐποίησαν οἱ ἀλλόφυλοι τῷ Σ. (33 a)
II Ki. 2. 5. A πεποιήκατε τὸ ἔλεος τοῦ θ. [R ἐποιήσατε τ. ἔ. τοῦτο] (33 a)
— 6. A R ποιήσαι κ. μεθ' ὑμῶν ἔλεος (33 a)
— 6. A R ποιήσω μεθ' ὑμῶν τὸ ἀγαθὸν τοῦτο (33 a)
— 6. A R ἐποιήσατε τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)
3. 8. ἐποίησα σήμερον ἔλεος (33 a)
— 9. τάδε ποιήσαι ὁ θ. τῷ Ἀβ. (33 a)
— 9. οὕτως ποιήσω αὐτῷ (33 a)
— 18. καὶ νῦν ποιήσατε (33 a)
— 20. ἐποίησε Δ. . . . πότον (33 a)
— 24. τί τοῦτο ἐποίησας (33 a)
— 25. ὅσα σὺ ποιεῖς (33 a)
— 35. τάδε ποιήσαι μοι ὁ θ. (33 a)
— 36. ὅσα ἐποίησεν ὁ βασ. (33 a)
— 39. τῷ ποιοῦντι πονηρά (33 a)

II Ki. 5. 25. ἐποίησε Δ. καθὼς ἐνετείλατο (33 a)
7. 3. βάδιζε καὶ ποίει (33 a)
— 9. ἐποιησά σε ὀνομαστόν (33 a)
— 21. διὰ τὸν δοῦλόν [A λόγον] σου πεποίηκας –
— 21. ἐποίησας πᾶσαν τὴν μεγαλωσύνην τ. (33 a)
— 23. τοῦ ποιῆσαι μεγαλωσύνην (33 a)
— 25. A ποίησον καθὼς ἐλάλησας (33 a)
8. 7. B οὓς ἐποίησεν [AR οἱ ἦσαν] (6)
— 8. ἐποίησε Σαλ. τὴν θάλ. τὴν χαλκῆν –
— 13. ἐποίησε Δ. ὄνομα (33 a)
— 15. ἦν Δ. ποιῶν κρίμα (33 a)
9. 1, 3. ποιήσω μετ' αὐτοῦ ἔλεος (33 a)
— 7. ποιῶν ποιήσω μετὰ σοῦ ἔλεος (33 a, 33 a)
— 11. οὕτως ποιήσει ὁ δοῦλός σου (33 a)
10. 2. ποιήσω ἔλεος μετὰ 'Α. (33 a)
— 2. ὃν τρόπον ἐποίησεν . . . ἔλεος (33 a)
— 12. κύριος ποιήσει τὸ ἀγαθόν (33 a)
11. 11. εἰ ποιήσω τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)
— 27. ὃ ἐποίησε Δ. ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (33 a)
12. 4. τοῦ ποιῆσαι τῷ ξένῳ (33 a)
— 4. ἐποίησεν αὐτὴν τῷ ἀνδρί (33 a)
— 5. ὁ ἀνὴρ ὁ ποιήσας τοῦτο (33 a)
— 6. ἐποίησε τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)
— 7. ὁ ἀνὴρ ὁ ποιήσας τοῦτο –
— 9. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρόν (33 a)
— 12. σὺ ἐποίησας κρυβῇ (33 a)
— 12. κἀγὼ ποιήσω τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)
— 18. καὶ ποιήσει κακά (33 a)
— 21. ὃ ἐποίησας ἕνεκα τοῦ παιδαρίου (33 a)
— 31. οὕτως ἐποίησε πάσαις ταῖς πόλεσι (33 a)
13. 2. τοῦ ποιῆσαί τι αὐτῇ (33 a)
— 5. ποιησάτω κατ' ὀφθαλμούς μου βρῶμα (33 a)
— 7. ποίησον αὐτῷ βρῶμα (33 a)
— 10. τὰς κολλυρίδας ἃς ἐποίησε (33 a)
— 12. οὐ ποιηθήσεται οὕτως ἐν 'Ισρ. (33 b)
— 12. μὴ ποιήσῃς τὴν ἀφροσύνην ταύτην (33 a)
— 16. ἣν ἐποίησας μετ' ἐμοῦ (33 a)
— 27. ἐποίησεν 'Αβ. πότον –
— 29. ἐποίησαν τὰ παιδάρια 'Αβ. τῷ 'Α. (33 a)
14. 15. εἴ πως ποιήσει [A -σῃ] ὁ βασ. τὸ ῥῆμα (33 a)
— 20. AR ὃ ἐποίησεν . . . τὸν λόγον [B δόλον] τ. (33 a)
— 21. ἐποιησά σοι κατὰ τὸν λόγον σου τ. (33 a)
— 22. ἐποίησεν . . . τὸν λόγον τοῦ δούλου αὐ. (33 a)
15. 1. ἐποίησεν ἑαυτῷ 'Αβ. ἅρματα (33 a)
— 6. ἐποίησεν 'Αβ. κατὰ τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)
— 20. κ. ποιήσει μετὰ σοῦ ἔλεος –
— 26. ποιείτω μοι κατὰ τὸ ἀγαθόν (33 a)
16. 10. ὡς τί ἐποίησας οὕτως (33 a)
— 20. τί ποιήσωμεν (33 a)
17. 6. ποιήσομεν κατὰ τὸν λόγον αὐ. (33 a)
18. 4. ὃ ἐὰν ἀρέσῃ . . . ποιήσω (33 a)
— 13. μὴ ποιῆσαι ἐν τῇ ψυχῇ αὐ. ἄδικον (33 a)
19. 13 (14). τάδε ποιήσαι μοι ὁ θ. (33 a)
— 18 (19). τοῦ ποιῆσαι τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθ. αὐ. (33 a)
— 24 (25). οὐδὲ ἐποίησε τὸν μύστακα αὐ. (33 a)
— 27 (28). A B [R om.] ἐποίησαν τὸ καλόν –
— 27 (28). ποίησον τὸ ἀγαθόν (33 a)
— 37 (38). ποίησον αὐτῷ τὸ ἀγαθόν (33 a)
— 38 (39). ποιήσω αὐτῷ τὸ ἀγαθόν (33 a)
— 38 (39). πάντα . . . ποιήσω σοι (33 a)
21. 3. τί ποιήσω ὑμῖν (33 a)
— 4. καὶ ποιήσω ὑμῖν (33 a)
— 11. ὅσα ἐποίησε 'Ρ. θυγάτηρ 'Α. (33 a)
— 14. καὶ ἐποίησαν πάντα (33 a)
22. 51. καὶ ποιῶν ἔλεος τῷ χριστῷ αὐ. (33 a)
23. 10, 12. ἐποίησε κ. σωτηρίαν μεγάλην (33 a)
— 17. ἵλεώς μοι κύριε τοῦ ποιῆσαι τοῦτο (33 a)
— 17. ταῦτα ἐποίησαν οἱ τρεῖς δυνατοί (33 a)
— 22. ταῦτα ἐποίησε Βαν. (33 a)
24. 10. ὃ ἐποίησα νῦν [A al.] (33 a)
— 12. καὶ ποιήσω σοι (33 a)
— 17. οὗτοι τὰ πρόβατα τί ἐποίησαν (33 a)
— 22. B³ ποιησάτω ὁ κύριός μου . . . τὸ ἀγαθόν [AB¹ al.] (29)
III Ki. 1. 5. ἐποίησεν ἑαυτῷ ἅρματα (33 a)
— 6. διὰ τί σὺ ἐποίησας (33 a)
— 30. οὕτω ποιήσω τῇ ἡμέρᾳ ταύτῃ (33 a)
2. 3. ἃ ποιήσεις κατὰ πάντα (33 a)
— 5. ὅσα ἐποίησέ μοι 'Ιωάβ (33 a)
— 5. ὅσα ἐποίησε τοῖς δυσὶν ἄρχουσι (33 a)
— 6. ποιήσεις κατὰ τὴν σοφίαν σου (33 a)
— 7. τοῖς υἱοῖς τοῦ B. τοῦ Γ. ποιήσεις ἔλεος (33 a)
— 9. γνώσῃ ἃ ποιήσεις αὐτῷ (33 a)
— 23. τάδε ποιήσαι μοι ὁ θ. (33 a)
III Ki. 2. 24. καὶ αὐτὸς ἐποίησέ μοι οἶκον (33 a)
— 31. ποίησον αὐτῷ καθὼς εἴρηκε (33 a)
3. 1. ἐποίησε καὶ συνετέλεσε –
— 1. ἐποίησε Σαλ. τὴν θάλασσαν –
— 1 (5. 16 [30]). τῶν ποιούντων τὰ ἔργα (33 a)
— 1 (2. 9). ἃ ποιήσεις αὐτῷ (33 a)
— 1 (2. 38). οὕτω ποιήσει ὁ δοῦλός σου (33 a)
— 1 (2. 44). ἃ ἐποίησας τῷ Δ. τῷ πατρί μου (33 a)
— 1. A ἐπιγαμίαν ἐποιήσατο Σαλ. (70)
— 6. σὺ ἐποίησας . . . ἔλεος μέγα (33 a)
— 12. AR πεποίηκα κατὰ [B om.] τὸ ῥῆμά σου (33 a)
— 15. ἐποίησεν εἰρηνικάς (33 a)
— 15. ἐποίησε πότον μέγαν (33 a)
— 28. τοῦ π. δικαίωμα (33 a)
5. 8 (22). ποιήσω πᾶν θέλημά σου (33 a)
— 9 (23). ποιήσεις τὸ θέλημά μου (33 a)
— 16 (30). οἱ ποιοῦντες τὰ ἔργα (33 a)
6. 4. ἐποίησε τῷ οἴκῳ θυρίδας (33 a)
— 5. A ἐποίησεν πλευρὰς κυκλόθεν (33 a)
— 12. A καὶ τὰ κρίματα μου ποιῇς (33 a)
— 16. καὶ ἐποίησεν ἐκ τοῦ δαβείρ [A al.] (4)
— 20. καὶ ἐποίησε θυσιαστήριον –
— 23. ἐποίησεν . . . δύο χερ. (33 a)
— 31. τῷ θυρώματι . . . ἐποίησε θύρας (33 a)
— 33. A οὕτως ἐποίησεν τῷ πυλῶνι (33 a)
7. 14. τοῦ π. πᾶν ἔργον ἐν χαλκῷ (33 a)
— 14. ἐποίησε πάντα τὰ ἔργα (33 a)
— 16. δύο ἐπιθέματα ἐποίησε (33 a)
— 17. ἐποίησε δύο δίκτυα –
— 18. οὕτως ἐποίησε τῷ ἐπιθέματι τῷ δευτ. (33 a)
— 23. ἐποίησε τὴν θάλασσαν (33 a)
— 27. ἐποίησε δέκα μεχωνὼθ χαλκᾶς (33 a)
— 37. ἐποίησε πάσας τὰς δέκα μεχ. (33 a)
— 38. ἐποίησε δέκα χυτροκαύλους (33 a)
— 40. ἐποίησε Χ. τοὺς λέβητας (33 a)
— 40. συνετέλεσε Χ. ποιῶν πάντα τὰ ἔργα ἃ ἐποίησε τῷ βασ. (33 a, 33 a)
— 45. ἃ ἐποίησε Χ. τῷ βασ. (33 a)
— 45. πάντα τὰ ἔργα τοῦ βασ. ἐποίησε Χ. –
— 47. οὗ ἐποίησε πάντα τὰ ἔργα ταῦτα –
— 48. τὰ σκεύη ἃ ἐποίησεν [A ἐποίησε Σ. πάντα τὰ σκεύη] (– [33 a])
— 51. ὃ ἐποίησε Σαλ. (33 a)
— 6. A ἐποίησεν πεντήκοντα πηχῶν μῆκος [B al.] (33 a)
— 7. A αἰλὰμ τοῦ κριτηρίου ἐποίησεν [B om.] (33 a)
8. 18. καλῶς ἐποίησας (33 a)
— 30. ποιήσεις [A -σῃς] καὶ ἵλεως ἔσῃ (43 a)
— 32, 39. καὶ ποιήσεις (33 a)
— 43. ποιήσεις κατὰ πάντα (33 a)
— 45. ποιήσεις τὸ δικαίωμα αὐτοῖς (33 a)
— 49. A ποιήσεις κρίσιν αὐτῶν (33 a)
— 59. τοῦ π. τὸ δικαίωμα τοῦ δούλου σου (33 a)
— 64. ἐποίησεν ἐκεῖ τὴν ὁλοκαύτωσιν (33 a)
— 65. ἐποίησε Σαλ. τὴν ἑορτήν (33 a)
— 66. οἷς ἐποίησε κ. τῷ Δαυίδ (33 a)
9. 1. ὅσα ἠθέλησε ποιῆσαι (33 a)
— 3. πεποίηκά σοι κατὰ π. τὴν προσευχήν σου –
— 4. τοῦ π. κατὰ πάντα (33 a)
— 8. ἕνεκα τίνος ἐποίησε κ. οὕτως τῇ γῇ τ. (33 a)
— 23. A οἱ ποιοῦντες ἐν τῷ ἔργῳ (33 a)
— 26. ὑπὲρ οὗ ἐποίησεν ὁ βασ. Σαλ. (33 a)
10. 9. τοῦ π. κρίμα (33 a)
— 12. ἐποίησεν ὁ βασ. τὰ ξύλα (33 a)
— 16. ἐποίησε . . . τριακόσια δόρατα (33 a)
— 18. ἐποίησεν . . . θρόνον ἐλεφάντινον μέγαν (33 a)
11. 8. οὕτως ἐποίησε πάσαις ταῖς γυν. αὐ. (33 a)
— 6. ἐποίησε Σ. τὸ πονηρόν (33 a)
— 10. ποιῆσαι ἃ ἐνετείλατο αὐτῷ –
— 12. ἐν ταῖς ἡμ. σου οὐ ποιήσω αὐτά (33 a)
— 22. ἣν ἐποίησεν Α. [A al.] –
— 33. καὶ ἐποίησε τῇ 'Αστάρτῃ (40)
— 33. τοῦ ποιῆσαι τὸ εὐθές (33 a)
— 38. καὶ ποιήσῃς [A -σεις] τὸ εὐθές (33 a)
— 38. καθὼς ἐποίησε Δ. ὁ δοῦλός μου (33 a)
— 41. πάντα ὅσα ἐποίησε (33 a)
12. 21. νεανιῶν ποιούντων πόλεμον (33 a)
— 24 (cf. A 14. 22). B ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 28. ἐποίησε δύο δαμάλεις χρυσᾶς (33 a)
— 31. καὶ ἐποίησεν οἴκους (33 a)
— 31. καὶ ἐποίησεν ἱερεῖς (33 a)
— 32. ἐποίησεν 'Ιερ. ἑορτήν (33 a)
— 32. ὃ ἐποίησεν ἐν B. (33 a)
— 32. ταῖς δαμάλεσιν αἷς ἐποίησε (33 a)
— 32. τῶν ὑψηλῶν ὧν ἐποίησε (33 a)
III Ki. 12. 33. τὸ θυσιαστήριον ὃ ἐποίησε (33 a)
— 33. ἐποίησεν ἑορτὴν τοῖς υἱοῖς 'Ισρ. (33 a)
13. 11. ἃ ἐποίησεν ὁ ἄνθρωπος τοῦ θ. (33 a)
— 33. ἐποίησεν . . . ἱερεῖς ὑψηλῶν (33 a)
14. 4. A ἐποίησεν οὕτως γυνὴ 'Ιερ. (33 a)
— 8. A ποιῆσαι ἕκαστος τὸ εὐθές (33 a)
— 9. A ἐπονηρεύσω τοῦ ποιῆσαι (33 a)
— 9. A ἐποίησας σεαυτῷ θεοὺς ἑτέρους (33 a)
— 15. A ἐποίησαν τὰ ἄλση αὐτῶν (33 a)
— 22. ἐποίησε 'Ρ. τὸ πονηρόν (33 a)
— 22. οἷς ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐ. (33 a)
— 24. ἐποίησαν ἀπὸ πάντων τῶν βδελυγμ. (33 a)
— 26. A B² R ὅσα ἐποίησε Σαλ. (33 a)
— 27. ἐποίησε . . . ὅπλα χαλκᾶ (33 a)
— 29. καὶ πάντα ἃ ἐποίησεν (33 a)
15. 3. αἷς ἐποίησεν ἐνώπιον αὐτοῦ (33 a)
— 5. ὡς ἐποίησε Δ. τὸ εὐθές (33 a)
— 7. καὶ πάντα ἃ ἐποίησεν (33 a)
— 11. ἐποίησεν 'Ασὰ τὸ εὐθές (33 a)
— 12. ἃ ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐτοῦ (33 a)
— 13. καθὼς ἐποίησε σύνοδον (33 a)
— 23. ἣν ἐποίησε [A καὶ πάντα ἃ ἐποίησαν] (33 a)
— 26. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 31. καὶ πάντα ἃ ἐποίησεν (33 a)
— 34. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
16. 5. καὶ πάντα ἃ ἐποίησε (33 a)
— 7. πᾶσαν τὴν κακίαν ἣν ἐποίησεν (33 a)
— 14. ἃ ἐποίησεν (33 a)
— 19. ὑπὲρ τῶν ἁμαρτ. αὐ. ὧν ἐποίησε (8)
— 19. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρόν (33 a)
— 19. A αἷς ἐποίησεν (33 a)
— 25. ἐποίησεν 'Α. τὸ πονηρόν (33 a)
— 27. καὶ πάντα ἃ ἐποίησε (33 a)
— 27. A ἣν ἐποίησεν (33 a)
— 28 (22. 43). B τοῦ π. τὸ εὐθές (33 a)
— 28 (22. 45 [46]). B πᾶσα δυναστεία ἣν ἐποίησε (33 a)
— 28 (22. 48 [49]). B ἐποίησε ναῦν εἰς Θ. πορεύεσθαι (†*, 33 a)
— 30. ἐποίησεν 'Α. τὸ πονηρόν (33 a)
— 33. ἐποίησεν 'Αχ. ἄλσος (33 a)
— 33. τοῦ ποιῆσαι παροργίσματα [A om.] (33 a)
17. 5. ἐποίησεν 'Ηλ. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου [A al.] (33 a)
— 12. ποιήσω αὐτὸ ἐμαυτῇ (33 a)
— 13. ποίησον κατὰ τὸ ῥῆμά σου (33 a)
— 13. ποίησόν μοι . . . ἐγκρυφίαν μικρόν (33 a)
— 13. τοῖς τέκνοις σου ποιήσεις (33 a)
— 15. καὶ ἐποίησε (33 a)
18. 13. οἷα πεποίηκα (33 a)
— 23. ποιήσω τὸν βοῦν τὸν ἄλλον (33 a)
— 25. καὶ ποιήσατε πρῶτοι (33 a)
— 26. καὶ ἐποίησαν (33 a)
— 26. ἐπὶ τοῦ θυσιαστ. οὗ ἐποίησαν (33 a)
— 29. ποιήσω τὸ ὁλοκαύτωμά μου –
— 32. καὶ ἐποίησε θάλασσαν (33 a)
— 33. ἐπὶ τὸ θυσιαστ. ὃ ἐποίησε –
— 33. B καὶ ἐποίησαν οὕτως –
— 36. πεποίηκα τὰ ἔργα ταῦτα (33 a)
19. 1. πάντα ἃ ἐποίησεν 'Η. (33 a)
— 2. τάδε ποιήσαι [A -σαισάν] μοι (33 a)
— 20. ὅτι πεποίηκά σοι (33 a)
20 (21). 7. ποιεῖς βασιλέα [A -λείαν] ἐπὶ 'Ισρ. (33 a)
— 11. AR ἐποίησαν οἱ ἄνδρες πόλεως αὐ. (33 a)
— 20, 25. ποιῆσαι τὸ πονηρόν (33 a)
— 26. ἃ ἐποίησεν ὁ 'Αμ. (33 a)
21 (20). 9. πάντα . . . ποιήσω (33 a)
— 9. τὸ δὲ ῥῆμα τοῦτο οὐ δυνήσομαι ποιῆσαι (33 a)
— 10. τάδε ποιήσαι [A -σαισάν] μοι (33 a)
— 22. ἴδε τί ποιήσεις (33 a)
— 24. τὸ ῥῆμα τοῦτο ποίησον (33 a)
— 25. καὶ ἐποίησεν οὕτως (33 a)
22. 11. ἐποίησεν ἑαυτῷ Σεδ. . . . κέρατα σιδ. (33 a)
— 22. καὶ ποίησον οὕτως (33 a)
— 39. καὶ πάντα ἃ ἐποίησε (33 a)
— 39. πάσας τὰς πόλεις ἃς ἐποίησεν (4)
— 43. τοῦ ποιῆσαι τὸ εὐθές (33 a)
— 46. ὅσα ἐποίησεν (33 a)
— 49. A ὁ βασ. 'Ι. ἐποίησεν νῆας (†*, 33 a)
— 53. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
IV Ki. 1. 18. ἃ [A ὅσα] ἐποίησεν (33 a)
— 18 (3. 2). ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 18 (3. 2). ἃς ἐποίησεν ὁ πατὴρ αὐ. (33 a)
2. 9. τί ποιήσω σοι (33 a)
3. 2. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)

IV Ki. 3. 2. B ἃς ἐποίησεν ὁ πατὴρ αὐ. (33 a)
— 16. ποιήσατε τὸν χειμάρρουν τ. βοθύνους (33 a)
4. 2. τί ποιήσω σοι [A om.] (33 a)
— 10. ποιήσωμεν δὴ αὐτῷ ὑπερῷον τόπον (33 a)
— 13. τί δεῖ ποιῆσαί σοι (62 a)
— 14. τί δεῖ ποιῆσαι αὐτῇ (62 a)
5. 13. οὐχὶ ποιήσεις (33 a)
— 17. οὐ ποιήσει ἔτι ὁ δοῦλός σου ὁλοκαύτωμα (33 a)
6. 2. ποιήσωμεν ἑαυτοῖς ἐκεῖ (33 a)
— 15. A B¹ πῶς ποιήσωμεν [B² R -ομεν] (33 a)
— 31. τάδε ποιήσαι μοι ὁ θεός (33 a)
7. 2. ποιήσει κύριος καταράκτας (33 a)
— 6. ἀκουστὴν ἐποίησε παρεμβολήν (50)
— 9. οὐχ οὕτως ἡμεῖς ποιοῦμεν (33 a)
— 12. ἃ ἐποίησεν ἡμῖν Συρία (33 a)
— 19. ἰδοὺ κύριος ποιεῖ καταράκτας (33 a)
8. 2. ἐποίησε κατὰ τὸ ῥῆμα Ἐλ. (33 a)
— 4. πάντα τὰ μεγάλα ἃ [A om.] ἐποίησεν Ἐλ. (33 a)
— 12. ὅσα ποιήσεις τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (33 a)
— 13. ποιήσει τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)
— 18. καθὼς ἐποίησεν οἶκος Ἀχαάβ (33 a)
— 18. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 23. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)
— 27. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
10. 5. ὅσα ἐὰν εἴπῃς πρὸς ἡμᾶς ποιήσομεν (33 a)
— 5. τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου ποιήσομεν (33 a)
— 10. A οὐ ποιήσαι [B πεσεῖται] ἀπὸ τοῦ ῥήμ. †
— 10. κύριος ἐποίησεν ὅσα ἐλάλησεν (33 a)
— 19. Ἰοὺ ἐποίησεν ἐν πτερνισμῷ (33 a)
— 21. B θυσίαν μεγάλην ποιῶ –
— 24. τοῦ ποιῆσαι τὰ θύματα [A -μιάματα] (33 a)
— 25. ὡς συνετέλεσε ποιῶν τὴν ὁλοκαύτωσιν (33 a)
— 30. ποιῆσαι τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς μου (33 a)
— 30. κατὰ πάντα . . . ἐποίησας τῷ οἴκῳ Ἀχ. (33 a)
— 34. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησε (33 a)
11. 5. οὗτος ὁ λόγος ὃν ποιήσετε (33 a)
— 9. καὶ ἐποίησαν . . . πάντα (33 a)
12. 2 (3). ἐποίησεν Ἰ. τὸ εὐθές (33 a)
— 11 (12). ἐπὶ χεῖρας ποιούντων [A τῶν π.] τὰ ἔργα (33 a)
— 11 (12). τοῖς οἰκοδόμοις τοῖς ποιοῦσιν ἐν οἴκῳ κ. (33 a)
— 13 (14). οὐ ποιηθήσεται οἶκῳ κυρίου (33 b)
— 14 (15). τοῖς ποιοῦσι τὰ ἔργα (33 a)
— 15 (16). δοῦναι τοῖς ποιοῦσι τὰ ἔργα (33 a)
— 15 (16). ἐν πίστει αὐτῶν ποιοῦσιν (33 a)
— 19 (20). καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)
13. 2. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 8. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησε (33 a)
— 11. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 12. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησε (33 a)
— 12. αἱ δυναστεῖαι αὐτοῦ ἃς ἐποίησε (19)
14. 3. ἐποίησε τὸ εὐθές (33 a)
— 3. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησεν Ἰ. ὁ πατὴρ αὐ. ἐποίησε (33 a, 33 a)
— 15. ὅσα ἐποίησεν ἐν δυναστείᾳ αὐ. (33 a)
— 18. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν –
— 24. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 28. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησε (33 a)
15. 3. ἐποίησε τὸ εὐθές [A ἀγαθόν] (33 a)
— 3. ὅσα ἐποίησεν Ἀμ. (33 a)
— 6. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)
— 9. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 9. καθὰ ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐτοῦ (33 a)
— 18. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 21. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)
— 24. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 26. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)
— 28. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 31. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)
— 34. ἐποίησε τὸ εὐθές (33 a)
— 34. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησεν Ἀζ. (33 a)
— 36. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)
16. 2. οὐκ [B¹ om.] ἐποίησε τὸ εὐθές (33 a)
— 11. A οὕτως ἐποίησεν Οὐρίας (33 a)
— 16. ἐποίησεν Οὐρ. . . . κατὰ πάντα (33 a)
— 19. ὅσα ἐποίησεν (33 a)
17. 2. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 8. οἱ βασ. Ἰσρ. ὅσοι ἐποίησαν (33 a)
— 11. καὶ ἐποίησαν κοινωνούς (33 a)
— 12. οὐ ποιήσετε τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)
— 15. μὴ ποιῆσαι κατὰ ταῦτα (33 a)
— 16. ἐποίησαν ἑαυτοῖς χώνευμα (33 a)
— 16. B καὶ ἐποίησαν ἄλση (33 a)

IV Ki. 17. 17. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρόν (33 a)
— 19. ἐν τοῖς δικαιώμ. Ἰσρ. οἷς ἐποίησαν (33 a)
— 22. ἐν πάσῃ ἁμαρτ. Ἱερ. ἧς ἐποίησεν (33 a)
— 29. ἦσαν ποιοῦντες ἔθνη ἔθνη θεοὺς αὐ. (33 a)
— 29. ὧν ἐποίησαν οἱ Σαμαρεῖται (33 a)
— 30. ἐποίησαν τὴν Σ. B. (33 a)
— 30. B ἐποίησαν τὴν Ἐ. (33 a)
— 30. ἐποίησαν τὴν Ἀσ. (33 a)
— 31. ἐποίησαν τὴν Ἐβλ. (33 a)
— 32. ἃ ἐποίησαν ἐν Σαμ. –
— 32. ἐποίησαν ἑαυτοῖς ἱερεῖς τῶν ὑψ. (33 a)
— 32. ἐποίησαν ἑαυτοῖς ἐν οἴκῳ τῶν ὑψ. (33 f)
— 34. ἐποίουν κατὰ τὸ κρίμα αὐτῶν (33 a)
— 34. ποιοῦσι κατὰ τὰ δικαιώματα αὐ. (33 a)
— 37. ὃς ἔγραψεν ὑμῖν π. φυλάσσεσθε [A φ. π.] (33 a)
— 40. ὃ αὐτοὶ ποιοῦσι (33 a)
— 41. καθὰ ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐτῶν ποιοῦσιν (33 a, 33 a)
18. 3. ἐποίησε τὸ εὐθές (33 a)
— 3. ὅσα ἐποίησε Δαυίδ (33 a)
— 4. ὃν ἐποίησε Μωυσῆς (33 a)
— 7. ἐν πᾶσιν οἷς ἐποίει (15)
— 12. καὶ οὐκ ἐποίησαν (33 a)
— 31. ποιήσατε μετ' ἐμοῦ εὐλογίαν (33 a)
19. 11. ὅσα ἐποίησαν βασιλεῖς Ἀσσυρίων (33 a)
— 15. σὺ ἐποίησας τὸν οὐρανόν (33 a)
— 25. A ἀπὸ μακρόθεν αὐτὴν ἐποίησα (33 a)
— 30. ποιήσει καρπὸν ἄνω (33 a)
— 31. ὁ ζῆλος κυρίου . . . ποιήσει τοῦτο (33 a)
20. 3. τὸ ἀγαθὸν . . . ἐποίησα (33 a)
— 9. ποιήσει κύριος τὸν λόγον (33 a)
— 20. καὶ ὅσα ἐποίησε (33 a)
21. 2. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 3. καὶ ἐποίησεν ἄλση καθὼς ἐποίησεν Ἀχ. (33 a, 33 a)
— 6. B² R καὶ ἐποίησε τελένη [A B¹ al.] (33 a)
— 6. τοῦ π. τὸ πονηρόν (33 a)
— 7. A ὡς ἐποίησεν (33 a)
— 8. A φυλάξουσι τοῦ π. [B om. τ. π.] πάντα (33 a)
— 9. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρόν (33 a)
— 11. ὅσα ἐποίησε Μανασσῆς (33 a)
— 11. ἀπὸ πάντων ὧν ἐποίησεν ὁ Ἀμ. (33 a)
— 15. A R ἐποίησαν [B -εν] τὸ πονηρόν (33 a)
— 16. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρόν (33 a)
— 17. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησε (33 a)
— 20. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 20. καθὼς ἐποίησε Μανασσῆς (33 a)
— 25. ὅσα ἐποίησεν (33 a)
22. 2. ἐποίησε τὸ εὐθές (33 a)
— 5. ἐπὶ χεῖρα ποιούντων τὰ ἔργα (33 a)
— 5. ἔδωκεν αὐτὸ τοῖς ποιοῦσι τὰ ἔργα (33 a)
— 7. ἐν πίστει αὐτοὶ [A -ὸ] ποιοῦσι (33 a)
— 9. ἐπὶ χεῖρα ποιούντων τὰ ἔργα (33 a)
— 13. τοῦ π. κατὰ πάντα τὰ γεγραμμ. (33 a)
23. 4. πάντα τὰ σκεύη τὰ πεποιημ. τῷ B. (33 a)
— 12. B ἃ ἐποίησεν βασιλεὺς [A R -σαν βασιλεῖς] Ἰούδα (33 a)
— 12. ἃ ἐποίησε Μανασσῆς (33 a)
— 15. ὃ ἐποίησεν Ἱερ. (33 a)
— 19. οὓς ἐποίησαν βασιλεῖς Ἰσρ. (33 a)
— 19. ἐποίησεν ἐν αὐτοῖς πάντα τὰ ἔργα ἃ ἐποίησεν ἐν B. [A al.] (33 a, 33 a)
— 21. ποιήσατε πάσχα τῷ κυρίῳ (33 a)
— 28. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)
— 32. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 32. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησαν (33 a)
— 37. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 37. ὅσα ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐτοῦ (33 a)
24. 3. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησε (33 a)
— 5. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)
— 9. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 9. ὅσα ἐποίησεν ὁ πατὴρ αὐτοῦ (33 a)
— 13. ἃ ἐποίησε Σαλ. (33 a)
— 16. πάντες δυνατοὶ ποιοῦντες πόλεμον (33 a)
— 19. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 19. ὅσα ἐποίησεν Ἰ. (33 a)
25. 16. ἃ ἐποίησε Σαλ. (33 a)
I Ch. 4. 10. ἐὰν . . . ποιήσῃς [A -σεις] γνῶσιν (33 a)
5. 10. ἐποίησαν [A -σαντο] πόλεμον (33 a)
— 19. ἐποίουν πόλεμον μετὰ τῶν Ἀγ. (33 a)
10. 11. ἃ ἐποίησαν ἀλλόφυλοι (33 a)
11. 14. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μεγ. (17)
— 19. τοῦ ποιῆσαι τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)
— 19. ταῦτα ἐποίησαν οἱ τρεῖς δυνατοί (33 a)
— 24. ταῦτα ἐποίησε Βαν. (33 a)

I Ch. 12. 32. τί ποιῆσαι [S -σει] Ἰσρ. (33 a)
13. 4. εἶπε . . . τοῦ ποιῆσαι οὕτως (33 a)
14. 16. ἐποίησε καθὼς ἐνετείλατο (33 a)
15. 1. ἐποίησεν αὐτῷ οἰκίας ἐν πόλει Δ. (33 a)
— 1. ἐποίησεν αὐτῇ σκηνήν (21)
— 19. τοῦ ἀκουσθῆναι [S¹ add. καὶ] ποιῆσαι (49 [–])
16. 9. ἃ ἐποίησε κύριος –
— 12. τὰ θαυμάσια αὐ. ἃ ἐποίησε (33 a)
— 26. ὁ θεὸς ἡμῶν οὐρανὸν ἐποίησε (33 a)
17. 2. πᾶν τὸ ἐν τῇ ψυχῇ σου ποίει (33 a)
— 8. ἐποίησά σοι ὄνομα (33 a)
— 19. ἐποίησας τὴν πᾶσαν μεγαλωσύνην (33 a)
— 23. R ποίησον καθὼς ἐλάλησας (33 a)
18. 8. ἐποίησε Σαλ. τὴν θάλ. τὴν χαλκῆν (33 a)
— 14. καὶ ἦν ποιῶν κρίμα (33 a)
19. 2. ποιήσω ἔλεος μετὰ Ἀνάν (33 a)
— 2. ὡς ἐποίησεν ὁ πατὴρ αὐ. . . . ἔλεος (33 a)
— 13. κύριος τὸ ἀγαθὸν . . . ποιήσει [S -σαι] (33 a)
20. 3. καὶ οὕτως ἐποίησε Δ. (33 a)
21. 8. ἐποίησα τὸ πρᾶγμα τοῦτο (33 a)
— 10. καὶ ποιήσω σοι (33 a)
— 17. ταῦτα τὰ πρόβατα τί ἐποίησαν (33 a)
— 23. ποιησάτω ὁ κύριός μου . . . τὸ ἀγαθόν (33 a)
— 29. ἣν ἐποίησε Μ. ἐν τῇ ἐρήμῳ (33 a)
22. 8. πολέμους μεγάλους ἐποίησας (33 a)
— 12. τοῦ π. τὸν νόμον κ. τοῦ θεοῦ σου (44)
— 13. τοῦ π. τὰ προστάγματα (33 a)
— 15. εἰς πλῆθος ποιούντων ἔργα (33 a)
— 16. ἀνάστηθι καὶ ποίει (33 a)
23. 5. οἷς ἐποίησε τοῦ αἰνεῖν τῷ κ. (33 a)
— 24. ποιοῦντες τὰ ἔργα λειτουργίας (33 a)
26. 8. ποιοῦντες δυνατῶς ἐν τῇ ἐργασίᾳ †
— 10. ἐποίησεν αὐτὸν ὁ πατὴρ αὐτοῦ ἄρχοντα (39)
28. 10. ἴσχυε καὶ ποίει (33 a)
— 20. ἴσχυε καὶ ἀνδρίζου καὶ ποίει (33 a)
29. 19. ποιεῖν τὰς ἐντολάς σου (44)
II Ch. 1. 3. ἣν ἐποίησε Μ. (33 a)
— 5. ὃ ἐποίησε Βεσ. (33 a)
— 8. ἐποίησας μετὰ Δ. . . . ἔλεος μέγα (33 a)
2. 3 (2). ὡς ἐποίησας μετὰ τοῦ πατρός μου Δ. (33 a)
— 7 (6). εἰδότα τοῦ ποιῆσαι ἐν τῷ χρυσίῳ (33 a)
— 12 (11). ὃς ἐποίησε τὸν οὐρανόν (33 a)
— 14 (13). εἰδότα ποιῆσαι ἐν χρυσίῳ (33 a)
— 18 (17). ἐποίησεν ἐξ αὐτῶν ἑβδομήκ. χιλιάδας (33 a)
3. 8. ἐποίησε τὸν οἶκον τοῦ ἁγ. τῶν ἁγ. (33 a)
— 10. ἐποίησεν . . . χερουβεὶν δύο (33 a)
— 14. ἐποίησε τὸ καταπέτασμα (33 a)
— 15. ἐποίησεν . . . στύλους δύο (33 a)
— 16. ἐποίησε σερσερώθ (33 a)
— 16. ἐποίησε ῥοΐσκους ἑκατόν (33 a)
4. 1. καὶ ἐποίησε τὸ θυσιαστ. χαλκοῦν (33 a)
— 2. καὶ ἐποίησε τὴν θάλ. χυτήν (33 a)
— 4. ἣ ἐποίησαν αὐτοὺς δώδεκα μόσχους †
— 6. ἐποίησε λουτῆρας δέκα (33 a)
— 7. ἐποίησε τὰς λυχνίας τὰς χρυσᾶς (33 a)
— 8. ἐποίησε τραπέζας δέκα (33 a)
— 8. ἐποίησε φιάλας χρυσᾶς ἑκατόν (33 a)
— 9. ἐποίησε τὴν αὐλὴν τῶν ἱερέων (33 a)
— 11. ἐποίησε Χ. τὰς κρεάγρας (33 a)
— 11. ποιῆσαι πᾶσαν τὴν ἐργασίαν ἣν ἐποίησε Σαλ. (33 a, 33 a)
— 14. τὰς μεχ. ἐποίησε δέκα (33 a)
— 14. τοὺς λουτῆρας ἐποίησεν (33 a)
— 16. ἃ ἐποίησε Χ. (33 a)
— 18. ἐποίησε Σ. πάντα τὰ σκεύη ταῦτα (33 a)
— 19. ἐποίησε Σ. πάντα τὰ σκεύη (33 a)
— 22 (5. 1). ἣν ἐποίησε Σαλ. (33 a)
6. 8. καλῶς ἐποίησας [B¹ om.] (33 a)
— 13. ἐποίησε Σαλ. βάσιν χαλκῆν (33 a)
— 23. καὶ ποιήσεις (33 a)
— 33. καὶ ποιήσεις κατὰ πάντα (33 a)
— 35. ποιήσεις τὸ δικαίωμα αὐτῶν (33 a)
— 39. καὶ ποιήσεις κρίματα (33 a)
7. 7. ἐποίησεν ἐκεῖ τὰ ὁλοκαυτώμ. (33 a)
— 7. ὃ ἐποίησε Σαλ. (33 a)
— 7. A οὐκ ἐποίει [B ἐξεπ.] δέξασθαι (12)
— 8. ἐποίησε Σ. τὴν ἑορτήν (33 a)
— 9. καὶ ἐποίησεν . . . ἐξόδιον (33 a)
— 9. ἐγκαινισμὸν τοῦ θυσιαστ. ἐποίησεν (33 a)
— 10. οἷς ἐποίησε κύριος τῷ Δ. (33 a)
— 11. B ὅσα ἐποίησεν [A R ἠθέλησεν] †
— 11. τοῦ ποιῆσαι ἐν οἴκῳ κυρίου (33 a)
— 17. ἐὰν . . . ποιήσῃς κατὰ πάντα (33 a)
— 21. χάριν τίνος ἐποίησε κύριος τῇ γῇ ταύτῃ (33 a)

II Ch. 9. 8. τοῦ ποιῆσαι κρίμα [A κρίσιν] (33 a)
— 11. ἐποίησεν ὁ βασ. τὰ ξύλα τὰ πεύκ. (33 a)
— 15. ἐποίησεν ὁ βασ. Σ. διακοσ. θυρεούς (33 a)
— 17. ἐποίησεν ὁ βασ. θρόνον (33 a)
11. 1. νεανίσκων ποιούντων πόλεμον (33 a)
— 15. ἃ ἐποίησεν Ἱερ. (33 a)
12. 9. οὓς ἐποίησε Σαλ. (33 a)
— 10. ἐποίησεν Ῥ. θυρεοὺς χαλκοῦς (33 a)
— 14. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
13. 8. οὓς ἐποίησεν ὑμῖν Ἱερ. (33 a)
— 9. ἐποιήσατε ἑαυτοῖς ἱερεῖς (33 a)
14. 2 (1). ἐποίησε τὸ καλόν (33 a)
— 4 (3). καὶ ποιῆσαι τὸν νόμον (33 a)
— 7 (6). καὶ ποιήσωμεν τείχη (26)
16. 14. ἐποίησαν αὐτῷ ἐκφορὰν μεγάλην †
18. 10. ἐποίησεν ἑαυτῷ . . . κέρατα σιδηρᾶ (33 a)
— 21. ἔξελθε καὶ ποίησον οὕτω (33 a)
— 23. A καὶ ἐποίησεν [B ἤγγισεν] Σεδ. †
19. 6. ἴδετε τί ὑμεῖς ποιεῖτε (33 a)
— 7. A B φυλάσσετε καὶ ποιήσετε [R -ατε] (33 a)
— 9. ποιήσετε ἐν φόβῳ κυρίου (33 a)
— 10. οὕτω ποιήσετε (33 a)
— 11. ἰσχύσατε καὶ ποιήσατε (33 a)
20. 12. τί ποιήσωμεν αὐτοῖς (33 a)
32. τοῦ ποιῆσαι τὸ εὐθές (33 a)
— 36 (35). ἠνόμησεν ἐν τῷ ποιῆσαι (33 a)
— 36. B τοῦ ποιῆσαι πλοια (33 a)
— 36. καὶ ἐποίησε πλοῖα (33 a)
21. 6. ὡς ἐποίησεν οἶκος Ἀχ. (33 a)
— 6. καὶ ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 11. αὐτὸς ἐποίησεν ὑψηλά (33 a)
— 19. οὐκ ἐποίησεν ὁ λαὸς αὐ. ἐκφοράν (33 a)
22. 4. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
23. 4. ὃν ποιησετε (33 a)
— 8. ἐποίησαν οἱ Λ. . . . κατὰ πάντα (33 a)
24. 2. ἐποίησεν Ἰ. τὸ εὐθές (33 a)
— 7. τὰ ἅγ. οἴκου κυρίου ἐποίησαν ταῖς B. (33 a)
— 11. οὕτως ἐποίουν ἡμέραν ἐξ ἡμέρας (33 a)
— 12. ἔδωκεν . . . τοῖς ποιοῦσι τὰ ἔργα (33 a)
— 13. ἐποίουν οἱ ποιοῦντες τὰ ἔργα (33 a, 33 a)
— 14. καὶ ἐποίησαν σκεύη (33 a)
— 16. ἐποίησεν [A -αν] ἀγαθωσύνην (33 a)
— 22. οὗ ἐποίησεν μετ' αὐτοῦ Ἰ. (33 a)
— 24. μετὰ Ἰωὰς ἐποίησε κρίματα (33 a)
25. 2. ἐποίησε τὸ εὐθές (33 a)
— 9. τί ποιήσω τὰ ἑκατὸν τάλαντα (33 a)
— 16. ὅτι ἐποίησας τοῦτο (33 a)
26. 4. ἐποίησε τὸ εὐθές (33 a)
— 4. ὅσα ἐποίησεν Ἀμ. ὁ πατὴρ αὐτοῦ (33 a)
— 11. δυνάμεις ποιοῦσαι πόλεμον (33 a)
— 13. οὗτοι οἱ ποιοῦντες πόλεμον (33 a)
— 15. ἐποίησεν ἐν Ἱερ. μηχανάς (33 a)
27. 2. ἐποίησε τὸ εὐθές (33 a)
— 2. κατὰ πάντα ἃ ἐποίησεν Ὀζ. (33 a)
28. 1. οὐκ ἐποίησε τὸ εὐθές (33 a)
— 2. γλυπτὰ ἐποίησε (33 a)
— 24. ἐποίησεν ἑαυτῷ θυσιαστήρια (33 a)
— 25. B ἐποίησεν [A² -σαν] ὑψηλά (33 a)
29. 2. ἐποίησε τὸ εὐθές (33 a)
— 2. ὅσα ἐποίησε Δαυίδ (33 a)
— 6. ἐποίησαν τὸ πονηρόν (33 a)
30. 1, 2. ποιῆσαι τὸ φασέκ (33 a)
— 3. οὐ γὰρ ἠδυνάσθησαν ποιῆσαι αὐτό (33 a)
— 5. ποιῆσαι τὸ φασέκ (33 a)
— 5. πλῆθος οὐκ ἐποίησε (33 a)
— 12. τοῦ ποιῆσαι κατὰ τὰ προστάγματα (33 a)
— 13. τοῦ ποιῆσαι τὴν ἑορτὴν τῶν ἀζύμων (33 a)
— 21. ἐποίησαν . . . τὴν ἑορτὴν τῶν ἀζύμων (33 a)
— 23. ποιῆσαι ἑπτὰ ἡμέρας ἄλλας (33 a)
— 23. ἐποίησαν ἑπτὰ ἡμέρας (33 a)
31. 20. ἐποίησεν οὕτως Ἐζ. (33 a)
— 20. ἐποίησε τὸ καλόν (33 a)
— 21. καὶ ἐποίησε (33 a)
32. 13. ὅ τι [A τί] ἐποίησα ἐγώ (33 a)
— 15. μὴ πεποιθέναι ὑμᾶς ποιεῖτω κατὰ ταῦτα (100 b)
— 27. θησαυροὺς ἐποίησεν αὐτῷ (33 a)
33. 2. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 3. καὶ ἐποίησεν ἄλση (33 a)
— 6. ἐποίησεν ἐγγαστριμύθους (33 a)
— 6. A ἐπαοιδοὺς ἐποίησεν τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρόν [B al.] (37 [–], 33 a)
— 7. εἰκόνα ἣν ἐποίησεν (33 a)
— 8. τοῦ ποιῆσαι πάντα (33 a)
— 9. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρόν (33 a)
— 22. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 22. ὡς ἐποίησε Μαν. ὁ πατὴρ αὐ. (33 a)
II Ch. 33. 22. οἷς ἐποίησε Μαν. ὁ πατὴρ αὐ. (33 a)
34. 2. ἐποίησε τὸ εὐθές (33 a)
— 10. ἐπὶ χεῖρα ποιούντων τὰ ἔργα (33 a)
— 10. ἔδωκαν αὐτὸ ποιοῦσι τὰ ἔργα οἱ ἐποίουν ἐν οἴκῳ κυρίου (33 a, 33 a)
— 13. ἐπὶ πάντων τῶν ποιούντων τὰ ἔργα (33 a)
— 16. ἐν χειρὶ τῶν παίδων σου τῶν ποιούντων [A add. τὸ ἔργον] (33 a)
— 17. ἐπὶ χεῖρα . . . τῶν ποιούντων ἐργασίαν (33 a)
— 21. τοῦ ποιῆσαι κατὰ πάντα (33 a)
— 31. R ὥστε π. [A B om. ὥ. π.] τοὺς λόγους (33 a)
— 32. καὶ ἐποίησαν . . . διαθήκην (33 a)
— 33. ἐποίησε πάντας τοὺς εὑρεθέντας (27 b)
35. 1. ἐποίησεν Ἰ. τὸ φασέκ (33 a)
— 6. τοῦ ποιῆσαι κατὰ τὸν λόγον κυρίου (33 a)
— 16. τοῦ ποιῆσαι τὸ φασέκ (33 a)
— 17. καὶ ἐποίησαν . . . τὸ φασέκ (33 a)
— 18. οὐκ ἐποίησαν τὸ φασὲκ ὃ ἐποίησεν Ἰ. (33 a, 33 a)
— 19. R ἐποιήθη τὸ φασὲκ τοῦτο (33 b)
— 21. A πόλεμον ποιῆσαι [B πολεμῆσαι] †
36. 2. ἐποίησε τὸ πονηρόν –
— 2. ἃ ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐτοῦ –
— 5. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
— 5. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησαν –
— 5. ἐν πᾶσιν οἷς ἐποίησε –
— 8. καὶ πάντα ἃ ἐποίησεν (33 a)
— 9, 12. ἐποίησε τὸ πονηρόν (33 a)
I Es. 1. 6. ποιήσατε τὸ πάσχα
— 39, 44, 47. ἐποίησε τὸ πονηρόν
3. 1. ἐποίησε δοχὴν μεγάλην
— 19. ποιεῖ τὴν διάνοιαν μίαν
— 21. πάσας καρδίας ποιεῖ πλουσίας
— 21. πάντα διὰ ταλάντων ποιεῖ λαλεῖν
— 24. οὕτως ἀναγκάζει π.
4. 3. A πάντα . . . ποιήσουσιν [B al.]
— 4. ἐὰν εἴπῃ αὐτοῖς ποιῆσαι πόλεμον . . . ποιοῦσιν [A ποιήσουσιν]
— 11. καὶ π. τὰ ἔργα αὐτοῦ
— 17. ποιοῦσι τὰς στολὰς τῶν ἀνθρώπων
— 17. ποιοῦσι δόξαν τοῖς ἀνθρώποις
— 35. ὃς ταῦτα ποιεῖ
— 39. τὰ δίκαια ποιεῖ
— 46. ἵνα ποιήσῃς τὴν εὐχὴν ἣν ηὔξω . . . ποιῆσαι
— 57. ὅσα εἶπε Κῦρος ποιῆσαι
— 57. αὐτὸς ἐπέταξε ποιῆσαι
5. 3. ἐποίησεν αὐτοῖς συναναβῆναι
— 58. ποιοῦντες εἰς τὰ ἔργα ἐν τῷ οἴκῳ
— 73. συστάσεις [A ἐπισυστ.] ποιούμενοι
7. 6. καὶ ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ.
8. 16. ὅσα ἂν βούλῃ . . . ποιῆσαι
— 80. ἐποίησεν ἡμᾶς ἐν χάριτι
— 95. ἡμεῖς μετὰ σοῦ ἰσχὺν π.
— 96. ποιῆσαι κατὰ ταῦτα
9. 9. ποιήσατε τὸ θέλημα αὐτοῦ
— 10. οὕτως ὡς εἴρηκας ποιήσομεν
— 15. ἐποίησαν κατὰ πάντα ταῦτα
II Es. 3. 4. ἐποίησαν τὴν ἑορτὴν τῶν σκηνῶν (33 a)
— 8. A R ἐπὶ τοὺς ποιοῦντας [B om. τ. π.] τὰ ἔργα –
— 9. ἐπὶ τοὺς ποιοῦντας τὰ ἔργα (33 a)
4. 22. ἄνεσιν ποιῆσαι περὶ τούτου (27 d ?)
6. 8. μή ποτέ τι ποιήσητε (27 d)
— 11. ὁ οἶκος αὐ. τὸ κατ' ἐμὲ ποιηθήσεται (27 e)
— 13. οὕτως ἐποίησαν ἐπιμελῶς (27 d)
— 16. καὶ ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . . ἐγκαίνια (27 d)
— 19. καὶ ἐποίησαν . . . τὸ πάσχα (33 a)
— 22. ἐποίησαν τὴν ἑορτὴν τῶν ἀζύμων (33 a)
7. 10. καὶ π. καὶ διδάσκειν . . . προστάγματα (33 a)
— 18. ἐν καταλοίπῳ τοῦ ἀργ. . . . ποιῆσαι (27 d)
— 18. ὡς ἀρεστὸν τῷ θ. ὑμῶν ποιήσατε (27 d)
— 26. ὃς ἂν μὴ ᾖ ποιῶν νόμον τοῦ θ. (27 d)
10. 3. S² ποιηθήσεται κατὰ τὸν νόμον [A B S¹ al.] (33 b)
— 4. κραταιοῦ καὶ ποίησον (33 a)
— 5. τοῦ ποιῆσαι κατὰ τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)
— 11. καὶ ποιήσατε τὸ ἀρεστόν (33 a)
— 12. μέγα τοῦτο τὸ ῥῆμά σου ἐφ' ἡμᾶς ποιῆσαι (33 a)
— 16. ἐποίησαν οὕτως υἱοὶ τῆς ἀποικίας (33 a)
— 39 (37). καὶ ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Βαν. (33 a*, †)
Ne. 1. 9. καὶ ποιήσητε αὐτάς (33 a)
2. 12. τοῦ ποιῆσαι μετὰ τοῦ Ἰσρ. (33 a)
— 16. οὐκ ἔγνωσαν . . . τί ἐγὼ ποιῶ (33 a)
— 16. τοῖς ποιοῦσι τὰ ἔργα (33 a)
Ne. 2. 19. ὃ ὑμεῖς ποιεῖτε (33 a)
4. 8 (2). R ποιῆσαι αὐτὴν ἀφανῆ (33 a)
— 16 (10). ἐποίουν τὸ ἔργον (33 a)
— 17 (11). ἐποίει αὐτὸ τὸ ἔργον (33 a)
— 21 (15). ποιοῦντες τὸ ἔργον (33 a)
5. 9. ὃν ὑμεῖς ποιεῖτε (33 a)
— 12. οὕτως ποιήσομεν (33 a)
— 12. ποιῆσαι ὡς τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)
— 13. ἐποίησεν ὁ λαὸς τὸ ῥῆμα τοῦτο [S² al.] (33 a)
— 15. οὐκ ἐποίησα οὕτως (33 a)
— 19. ὅσα ἐποίησα τῷ λαῷ τούτῳ (33 a)
6. 2. ποιῆσαί μοι πονηρίαν (33 a)
— 3. ἔργον μέγα ἐγὼ ποιῶ (33 a)
— 9. καὶ οὐ ποιηθήσεται (33 b)
— 13. καὶ ποιήσω οὕτως (33 a)
8. 12. ποιῆσαι [S² ποιεῖν] εὐφροσύνην μεγ. (33 a)
— 15. ποιῆσαι σκηνὰς κατὰ τὸ γεγραμμ. (33 a)
— 16. ἐποίησαν ἑαυτοῖς σκηνάς (33 a)
— 17. καὶ ἐποίησαν . . . σκηνάς (33 a)
— 17. οὐκ ἐποίησαν . . . οὕτως οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (33 a)
— 18. ἐποίησαν ἑορτὴν ἑπτὰ ἡμέρας (33 a)
9. 6. σὺ ἐποίησας τὸν οὐρανόν (33 a)
— 10. ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα (33 a)
— 17. ὧν ἐποίησας μετ' αὐτῶν (33 a)
— 18. ἐποίησαν ἑαυτοῖς μόσχον χωνευτόν (33 a)
— 18. ἐποίησαν παροργισμοὺς μεγάλους (33 a)
— 24. ποιῆσαι αὐτοῖς ὡς ἀρεστόν (33 a)
— 26. ἐποίησαν παροργισμοὺς μεγάλους (33 a)
— 28. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιόν σου (33 a)
— 29. ἃ ποιήσας αὐτά (33 a)
— 31. οὐκ ἐποίησας αὐτοὺς συντέλειαν (33 a)
— 33. ἀλήθειαν ἐποίησας (33 a)
— 34. οὐκ ἐποίησαν τὸν νόμον σου (33 a)
10. 29 (30). καὶ π. πάσας τὰς ἐντολάς (33 a)
— 32 (33). B ποιήσομεν [A S R στήσ.] ἐφ' ἡμᾶς ἐντολάς (30)
11. 12. ποιοῦντες τὸ ἔργον τοῦ οἴκου (33 a)
12. 27. ποιῆσαι ἐγκαίνια (33 a)
13. 5. καὶ ἐποίησεν ἑαυτῷ γαζοφυλάκιον (33 a)
— 7. A S R ᾗ ἐποίησεν Ἐλ. (33 a)
— 7. A B² S R ποιῆσαι αὐτῷ γαζοφυλάκιον (33 a)
— 10. ποιοῦντες τὸ ἔργον (33 a)
— 14. ὃ ἐποίησα ἐν οἴκῳ κυρίου (33 a)
— 17. ὃν ὑμεῖς ποιεῖτε (33 a)
— 18. οὐχὶ οὕτως ἐποίησαν οἱ πατέρες ὑμῶν (33 a)
— 20. καὶ ἐποίησαν πρᾶσιν (20)
— 27. ποιῆσαι πᾶσαν πονηρίαν ταύτην (33 a)
To. 1. 3. ἐλεημοσύνας πολλὰς ἐποίησα
— 5. S ὃν ἐποίησεν Ἱερ.
— 16. ἐλεημοσύνας πολλὰς ἐποίουν [S¹ ἐποίησα]
— 18. S ἧς ἐποίησεν ἐξ αὐτοῦ ὁ βασ. τοῦ οὐρ.
3. 5. ποιῆσαι περὶ τῶν ἁμαρτιῶν μου
— 5. οὐκ ἐποιήσαμεν τὰς ἐντολάς σου
— 6. ποίησον μετ' ἐμοῦ
— 10. ἐὰν ποιήσω τοῦτο [S al.]
4. 3. ποίει τὸ ἀρεστὸν αὐτῇ
— 5. δικαιοσύνην ποίει [A -εῖν]
— 6. ποιοῦντός σου τὴν ἀλήθειαν [S al.]
— 6. πᾶσι τοῖς ποιοῦσι τὴν δικαιοσύνην
— 7. A B ποίει ἐλεημοσύνην
— 7. A B ἐν τῷ π. σε ἐλεημοσύνην
— 8. A B ποίησον ἐξ αὐτῶν ἐλεημοσύνην
— 8. A B μὴ φοβοῦ π. ἐλεημοσύνην
— 11. A B πᾶσι τοῖς ποιοῦσιν αὐτήν
— 15. A B ὃ μισεῖς μηδενὶ ποιήσῃς
— 16. A B ποίει ἐλεημοσύνην
— 16. A B ἐν τῷ π. σε ἐλεημοσύνην
— 21. καὶ ποιήσῃς τὸ ἀρεστόν [S τὰ ἀγαθά]
5. 1. πάτερ, ποιήσω πάντα
6. 5. ἐποίησε τὸ παιδάριον [S al.]
— 12. A S R ποιήσομεν [B -σωμεν] τὸν γάμον
7. 7. S καὶ ποιῶν ἐλεημοσύνας
— 11. S κύριος ποιήσει ἐν ὑμῖν
— 12. S εἶπεν αὐτῷ Ῥ. ὅτι ποιῶ [A B al.]
— 12. S ποιήσαι ἐφ' ὑμᾶς ἔλεος [A B al.]
— 17. καὶ ἐποίησεν [S al.]
8. 4. S ὅπως ποιήσῃ ἐφ' ἡμᾶς ἔλεος [A B al.]
— 6. σὺ ἐποίησας Ἀδάμ
— 6. S ἐποίησας [A B ἔδωκας] αὐτῷ βοηθόν
— 6. ποιήσωμεν αὐτῷ βοηθόν
— 16. κατὰ τὸ πολὺ ἔλεός σου ἐποίησας μεθ' ἡ.
— 17. ποίησον αὐτοῖς . . . ἔλεος
— 19. καὶ ἐποίησεν αὐτοῖς γάμον [S ποιῆσαι ἄρτους πολλούς]
10. 7. ποιῆσαι αὐτὸν ἐκεῖ [S al.]
12. 6. περὶ ὧν [S ἃ] ἐποίησε μεθ' ὑμῶν

To. 12. 7. B ἀγαθὸν ποιήσατε [S τὸ ἀ. ποιεῖτε]
— 8. καλὸν [A *add.* τὸ] ποιῆσαι ἐλεημοσύνην
— 9. οἱ ποιοῦντες ἐλεημοσύνας
— 10. S οἱ ποιοῦντες ἁμαρτίαν [A B *al.*]
— 13. A οὐκ ἔλαθές με ἀγαθὸν ποιῶν [B ἀγαθοπ.]
13. 6. ποιῆσαι ἐνώπιον αὐτοῦ ἀλήθειαν
— 6. ἃ ποιήσει [S ἐποίησεν] μεθ' ὑμῶν
— 6. A B ποιήσατε δικαιοσύνην
— 6. B καὶ ποιήσει ἐλεημοσύνην ὑμῖν [A εἰς ὑμᾶς]
14. 2. ἐποίει ἐλεημοσύνας [S ἐλ. ἐποίησεν]
— 7. S οἱ ποιοῦντες τὴν ἁμαρτίαν
— 7. S ποιήσατε τὸ ἀρεστόν
— 7. ποιοῦντες ἔλεος τοῖς ἀδ. ἡμῶν [S *al.*]
— 7. S π. δικαιοσύνην καὶ ἐλεημοσύνην [A B *al.*]
— 10. τί ἐποίησεν Ἀ. [S *al.*]
— 10. Μαν. ἐποίησεν [S ἐν τῷ ποιῆσαί με] ἐλεημοσύνην
— 11. τί ἐλεημοσύνη ποιεῖ
— 11. S τί ποιεῖ ἀδικία
— 15. S ἐν πᾶσιν οἷς ἐποίησεν
Ju. 1. 2. ἐποίησε τὸ ὕψος [A μῆκος] τοῦ τείχους
— 4. ἐποίησε τὰς πύλας αὐ.
— 5. καὶ ἐποίησε πόλεμον
2. 12. ποιήσω ταῦτα ἐν χειρί μου
— 13. οὐ μακρυνεῖς τοῦ ποιῆσαι αὐτά
4. 1. ὅσα ἐποίησεν Ὀλ.
— 8. καὶ ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ.
6. 21. ἐποίησε πότον τοῖς πρεσβυτέροις
7. 1. καὶ π. πόλεμον πρὸς τοὺς υἱοὺς Ἰσρ.
— 16. καὶ συνέταξεν π.
— 24. ἐποιήσατε ἐν ἡμῖν ἀδικίαν μεγάλην
— 28. ἵνα μὴ [S *om.*] ποιήσῃ κατὰ τὰ ῥήμ. ταῦτα
— 31. ποιήσω κατὰ τὰ ῥήματα ὑμῶν
8. 5. ἐποίησεν ἑαυτῇ σκηνήν
— 14. ὃς ἐποίησε πάντα ταῦτα
— 26. ὅσα ἐποίησε μετὰ Ἀβραάμ
— 30. ἠνάγκασαν ποιῆσαι ἡμᾶς
— 32. καὶ ποιήσω πρᾶγμα
— 34. ἃ ἐγὼ ποιῶ
9. 2. καὶ ἐποίησαν
— 5. ἐποίησας τὰ πρότερα ἐκείνων
— 14. καὶ ποίησον . . . ἐπίγνωσιν
10. 10. καὶ ἐποίησαν οὕτως
— 16. καὶ εὖ [A εὐθῆ] σε ποιήσει
11. 2. αὐτοὶ ἑαυτοῖς ἐποίησαν ταῦτα
— 4. εὖ σε ποιήσει
— 6. τελείως πρᾶγμα ποιήσει μετὰ σοῦ
— 11. ὁπηνίκα ἂν ποιήσωσιν ἀτοπίαν
— 14. A B οἱ ἐκεῖ κατοικοῦντες ἐποίησαν ταῦτα
— 15. A B ὡς ἂν ἀναγγείλῃ αὐτοῖς καὶ ποιήσωσι
— 16. A B ποιῆσαι μετὰ σοῦ πράγματα
— 17. A B πότε ἐποίησαν τὰ ἁμαρτήμ. αὐτῶν
— 22. A B εὖ ἐποίησεν ὁ θεός
— 23. R ἐὰν ποιήσῃς [A -σεις, B -σῃ] καθὰ ἐλάλησας
12. 4. A B ἕως ἂν ποιήσῃ κύριος ἐν χειρί μου
— 10. A B ἐποίησεν Ὀλ. πότον
— 14. A B πᾶν . . . σπεύσασα ποιήσω
13. 5. A B καὶ ποιῆσαι τὸ ἐπιτήδευμά μου
— 11. ποιῆσαι ἔτι ἰσχὺν ἐν Ἰσρ.
— 11. καθὰ καὶ σήμερον ἐποίησε
— 16. οὐκ ἐποίησεν ἁμάρτημα μετ' ἐμοῦ
— 20. ποιήσαι σοι αὐτὰ ὁ θεός
14. 5. πρὸ δὲ τοῦ ποιῆσαι ταῦτα
— 8. ὅσα ἐποίησας ἐν ταῖς ἡμέραις ταύταις
— 8. πάντα ὅσα ἦν πεποιηκυῖα
— 10. ὅσα ἐποίησεν ὁ θ. τοῦ Ἰσρ.
— 18. ἐποίησεν αἰσχύνην μία γυνὴ τῶν Ἑβρ.
15. 8. ἃ ἐποίησε κύριος τῷ Ἰσρ.
— 10. ἐποίησας πάντα ταῦτα
— 10. ἐποίησας [A εὖ π.] τὰ ἀγαθὰ μετὰ Ἰσρ.
— 12. καὶ ἐποίησαν [A *om.* κ. ἐ.] αὐτῇ χορόν
Es. 1. 1. τί ὁ θ. βεβούλευται ποιῆσαι
— 3. δοχὴν ἐποίησε τοῖς φίλοις (33 *a*)
— 5. ἐποίησεν ὁ βασ. πότον (33 *a*)
— 8. ποιῆσαι τὸ θέλημα αὐτοῦ (33 *a*)
— 9. ἐποίησε πότον ταῖς γυναιξίν (33 *a*)
— 13. ποιήσατε οὖν περὶ τούτου νόμον –
— 15. ὡς δεῖ ποιῆσαι Ἀστὶν τῇ βασιλίσσῃ (33 *a*)
— 15. οὐκ ἐποίησε τὰ ὑπὸ τοῦ βασ. προσταχθέντα (33 *a*)
— 20. ὃν ἐὰν ποιῇ ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐ. (33 *a*)
— 21. ἐποίησεν ὁ βασ. καθὰ ἐλάλησεν ὁ Μ. (33 *a*)
2. 1. A καθὰ ἐποίησεν [B S *al.*] (33 *a*)
— 4. καὶ ἐποίησεν οὕτως (33 *a*)
— 18. ἐποίησεν ὁ βασ. πότον (33 *a*)
Es. 2. 18. καὶ ἄφεσιν ἐποίησε (33 *a*)
— 20. καὶ π. τὰ προστάγματα αὐτοῦ (33 *a*)
3. 2. προσέταξεν [A ἐπέτ.] ὁ βασ. ποιῆσαι –
— 7. ἐποίησε ψήφισμα (117)
— 9. S^2 ἐπὶ χεῖρας τῶν ποιούντων τὰ ἔργα (33 *a*)
4. 17. ἐποίησεν ὅσα ἐνετείλατο (33 *a*)
— 17. σὺ ἐποίησας τὸν οὐρανόν
— 17. οὐδὲ ἐν φιλοδοξίᾳ ἐποίησα τοῦτο
— 17. ἐποίησα τοῦτο
— 17. καὶ οὐ ποιήσω αὐτά
— 17. ἐποίησας αὐτοῖς ὅσα ἐλάλησας
5. 4. τὴν δοχὴν ἣν ποιήσω σήμερον (33 *a*)
— 5. ὅπως ποιήσωμεν [S -σομεν, A ποιῆσαι] τὸν λόγον Ἐ. (33 *a*)
— 8. S^2 καὶ ποιῆσαι τὸ ἀξίωμά μου (33 *a*)
— 8. A B S^2 ἣν ποιήσω αὐτοῖς (33 *a*)
— 8. A B S^2 ποιήσω τὰ αὐτά (33 *a*)
— 11. ὡς ἐποίησεν αὐτὸν πρωτεύειν [A πρῶτον] †
— 12. S^2 ἣν ἐποίησεν (33 *a*)
6. 3. τίνα δόξαν ἢ χάριν ἐποιήσαμεν τῷ Μ. (33 *b*)
— 3. οὐκ ἐποίησας αὐτῷ οὐδέν (33 *b*)
— 6. τί ποιήσω τῷ ἀνθρώπῳ (33 *a*)
— 10. οὕτως ποίησον [A -σομεν] τῷ Μαρδ. (33 *a*)
7. 5. ποιῆσαι τὸ πρᾶγμα τοῦτο (33 *a*)
8. 3. ὅσα ἐποίησε τοῖς Ἰουδαίοις (10)
— 13. καλῶς οὖν ποιήσετε [A -σατε, S -σητε]
— 13. ἐποίησεν αὐτοῖς [S^2 *add.* εἰς] εὐφροσύνην
— 13. ἥτις κατὰ ταῦτα μὴ ποιήσῃ
9. 1. S^2 καὶ τὸ δόγμα αὐ. ποιῆσαι (33 *b*)
— 29. ὅσα ἐποίησαν [S -σεν] †
10. 3. ἣν . . . ἐποίησε βασίλισσαν
— 3. ἐποίησεν ὁ θ. τὰ σημεῖα
— 3. B S ἐποίησε κλήρους δύο
Jb. 1. 4. ἐποιοῦσαν [A S^2 -ουν] πότον (33 *a*)
— 5. οὕτως οὖν [A *om.*] ἐποίει Ἰώβ [A *om.*] (33 *a*)
— 10. τὰ κτήνη αὐ. πολλὰ ἐποίησας (103 *a*)
— 17. οἱ ἱππεῖς ἐποίησαν ἡμῖν κεφαλὰς [A S^2 ἀρχὰς] τρεῖς (39)
5. 9. τὸν ποιοῦντα μεγάλα καὶ ἀνεξιχνίαστα (33 *a*)
— 11. τὸν ποιοῦντα ταπεινοὺς εἰς ὕψος (39)
— 12. οὐ μὴ ποιήσουσιν αἱ χεῖρες αὐτῶν ἀληθές (33 *a*)
— 18. αὐτὸς γὰρ ἀλγεῖν ποιεῖ (52)
— 27. A τί ἐποίησας [B S *al.*] –
7. 18. ἢ ἐπισκοπῇν αὐτοῦ ποιήσῃ [A ποιῇ] (72)
— 21. διὰ τί οὐκ ἐποιήσω τῆς ἀνομίας [A ἁμαρτίας] μου λήθην (89)
8. 3. ἢ ὁ τὰ πάντα ποιήσας ταράξει τὸ δίκαιον (98)
9. 9. ὁ ποιῶν Πλειάδα καὶ Ἕσπερον (33 *a*)
— 10. ὁ ποιῶν μεγάλα καὶ ἀνεξιχνίαστα (33 *a*)
— 12. τίς ἐρεῖ αὐτῷ, Τί ἐποίησας (33 *a*)
— 17. πολλὰ δέ μου τὰ συντρίμματα πεποίηκε διὰ κενῆς (103 *b*)
10. 8. αἱ χεῖρές σου ἔπλασάν με καὶ ἐποίησάν με [A S ἐπ. με κ. ἔπλ. με] (33 *a* [32])
— 14. ἀπὸ δὲ ἀνομίας οὐκ ἀθῷόν με πεποίηκας [A ἐάσεις] (48)
11. 7. ἃ [A ὃν] ἐποίησεν ὁ παντοκράτωρ –
— 8. καὶ τί ποιήσεις (34 *a*)
— 10. τίς ἐρεῖ αὐτῷ, Τί ἐποίησας †
— 14. πόρρω ποίησον αὐτὸ ἀπὸ σοῦ (104)
12. 9. χεὶρ κυρίου ἐποίησε ταῦτα (33 *a*)
13. 9. εἰ γὰρ τὰ πάντα ποιοῦντες προστεθήσεσθε αὐτῷ [A ὁδῷ αὐτοῦ] †
14. 3. οὐχὶ καὶ τούτου λόγον ἐποιήσω [B^1 π.] καὶ τοῦτον ἐποίησας εἰσελθεῖν ἐν κρίματι ἐνώπιόν [A ἐπί] σου (†, 65)
— 9. ποιήσει δὲ θερισμὸν ὥσπερ νεόφυτον (33 *a*)
— 13. ἐν ᾧ μνείαν μου ποιήσῃ (94)
15. 27. ἐποίησε περιστόμιον ἐπὶ τῶν μηρίων [A S -ρῶν] (33 *a*)
16. 8 (7). κατάκοπόν με πεποίηκε μωρὸν σεσηπότα (84)
17. 2. B λίσσομαι κάμνων καὶ τί ποιήσας [A S^2 -σω] –
19. 2. ἕως τίνος ἔγκοπον ποιήσετε [R -ητε, S ποιήσατε] ψυχήν μου (63)
— 2. ὁ [S *om.*] κύριος ἐποίησέ με οὕτως –
21. 31. S R αὐτὸς [A B ἃ αὐτὸς] ἐποίησε (33 *a*)
22. 4. ἢ λόγον σου ποιούμενος ἐλέγξει σε †
— 17. κύριος τί ποιήσει ἡμῖν (34 *a*)
— 23. πόρρω ἐποίησας [A^1 ποιήσῃς, A^2 ποίησον] ἀπὸ διαίτης σου ἄδικον (104)
23. 9. ἀριστερὰ ποιήσαντος αὐτοῦ (33 *a*)
— 13. ὃ γὰρ αὐτὸς ἠθέλησε καὶ ἐποίησε (33 *a*)
Jb. 24. 13 (12). διὰ τί τούτων ἐπισκοπὴν οὐ πεποίηται (39 ?)
— 21. στείραν δὲ οὐκ εὖ ἐποίησε [A *al.*] †
25. 2. ὁ ποιῶν τὴν σύμπασαν ἐν ὑψίστῳ (33 *a*)
26. 14. σθένος δὲ βροντῆς αὐτοῦ τίς οἶδεν ὁπότε ποιήσει –
28. 25. A S εἰδὼς τὰ ἐν τῇ γῇ πάντα ἃ [B *om.*] ἐποίησεν (33 *a*)
— 25. A ἐποίησεν δὲ [B S *om.* ἐπ. δὲ] ἀνέμων σταθμόν (33 *a* ?)
— 26. ὅτε ἐποίησεν (33 *a*)
29. 4. ἐπισκοπὴν ἐποιεῖτο τοῦ οἴκου μου †
30. 24. καὶ ποιήσει μοι τοῦτο †
31. 3. ἀπαλλοτρίωσις τοῖς ποιοῦσιν ἀνομίαν (34 *a*)
— 14. τί γὰρ ποιήσω ἐὰν ἔτασίν μου ποιῆται [A -ήσῃ, S -ήσηται] ὁ κ. ἐὰν δὲ καὶ ἐπισκοπὴν τίνα ἀπόκρισιν ποιήσομαι (33 *a*, –, 55)
33. 4. πνεῦμα θεῖον τὸ ποιήσάν με (33 *a*)
34. 8. ἢ οὐδ' οὐ κοινωνήσας μετὰ ποιούντων τὰ ἄνομα [A *al.*] (34 *a*)
— 11. καθὰ ποιεῖ [S ἐποίει] ἕκαστος αὐτῶν (34 *b*)
— 12. οἴει δὲ τὸν κ. ἄτοπα [A τὰ ἄ.] ποιήσειν (57)
— 13. ὃς ἐποίησε τὴν γῆν †
— 13. τίς δέ ἐστιν ὁ ποιῶν [A ποιήσας] τὴν ὑπ' οὐρανόν (39)
— 22. τοῦ κρυβῆναι τοὺς ποιοῦντας τὰ ἄνομα (34 *a*)
35. 3. A S^2 ἢ ἐρεῖς, Τί ποιήσω ἁμαρτών (13)
— 5 (6). τί δύνασαι ποιῆσαι (33 *a*)
— 10. ποῦ ἔστιν ὁ θεὸς ὁ ποιήσας με (33 *a*)
37. 5. ἐποίησε γὰρ μεγάλα ἃ οὐκ ᾔδειμεν (33 *a*)
— 15. φῶς ποιήσας ἐκ σκότους (14)
40. 14 (19). πεποιημένον ἐγκαταπαίζεσθαι [A εἰς τὸ ἐ.] ὑπὸ τῶν ἀγγέλων αὐ. (33 *a*)
— 15 (20). ἐποίησε χαρμονὴν τετράποσιν (115)
41. 17 (18). οὐδὲν μὴ ποιήσωσι δόρυ καὶ θώρακα [A S^2 *al.*] (36 ?)
— 24 (25). πεποιημένον ἐγκαταπαίζεσθαι (33 *a*)
42. 8. ποιήσει [A^1 -εις] κάρπωσεις [A -ωμα] περὶ ὑμῶν (29)
— 9. ἐποίησαν [A ἐ. ἑαυτοῖς] καθὼς συνέταξεν αὐτοῖς ὁ κύριος (33 *a*)
Ps. 1. 3. πάντα ὅσα ἂν ποιῇ [A -ήσῃ] (33 *a*)
7. 3. εἰ ἐποίησα τοῦτο (33 *a*)
9. 4. ἐποίησας τὴν κρίσιν μου (33 *a*)
— 15. ἐν διαφθορᾷ ᾗ ἐποίησαν (33 *a*)
— 16. γινώσκεται κύριος κρίματα ποιῶν (33 *a*)
10 (11). 4. ὁ δὲ δίκαιος τί ἐποίησε (34 *a*)
13 (14). 1. οὐκ ἔστι ποιῶν χρηστότητα (33 *a*)
— 3. οὐκ ἔστι ποιῶν [S^1 ὁ π.] χρηστότητα (33 *a*)
14 (15). 3. οὐδὲ ἐποίησε τῷ πλησίον αὐτοῦ κακόν (33 *a*)
— 5. ὁ ποιῶν ταῦτα οὐ σαλευθήσεται (33 *a*)
17 (18). 50. ποιῶν ἔλεος τῷ χριστῷ αὐ. (33 *a*)
21 (22). 31. ὃν ἐποίησεν ὁ κύριος (33 *a*)
30 (31). 23. ἀνταποδίδωσι τοῖς περισσῶς ποιοῦσιν ὑπερηφανίαν (33 *a*)
33 (34). 14. ποίησον ἀγαθόν (33 *a*)
— 16. πρόσωπον δὲ κυρίου ἐπὶ ποιοῦντας κακά (33 *a*)
36 (37). 1. μηδὲ ζήλου τοὺς ποιοῦντας τὴν ἀνομίαν (33 *a*)
— 3. ποίει χρηστότητα (33 *a*)
— 5. καὶ αὐτὸς ποιήσει (33 *a*)
— 7. ἐν ἀνθρώπῳ ποιοῦντι παρανομίας (33 *a*)
— 27. ποίησον ἀγαθόν (33 *a*)
38 (39). 9. σὺ εἶ ὁ ποιήσας [A S^2 σὺ ἐποίησάς] με [S^2 *om.*] (33 *a*)
39 (40). 5. πολλὰ ἐποίησας σὺ . . . τὰ θαυμάσιά σου (33 *a*)
— 8. τοῦ ποιῆσαι τὸ θέλημά σου (33 *a*)
49 (50). 21. ταῦτα ἐποίησας (33 *a*)
50 (51). 4. τὸ πονηρὸν ἐνώπιόν σου ἐποίησα (33 *a*)
51 (52). 2. BS^1 ὡσεὶ ξυρὸν ἐξηκονημένον [S R ἠκ.] ἐποίησας δόλον (33 *a*)
— 9. ὅτι ἐποίησας [S^1 ἐπήκουσάς μου] (33 *a*)
52 (53). 1. S R οὐκ ἔστι ποιῶν [B ὁ π.] ἀγαθόν (33 *a*)
— 3. οὐκ ἔστι ποιῶν ἀγαθόν [S^1 χρηστότητα] (33 *a*)
55 (56). 4. τί ποιήσει μοι σάρξ (33 *a*)
— 11. τί ποιήσει μοι ἄνθρωπος (33 *a*)
59 (60). 12. ἐν τῷ θεῷ ποιήσομεν δύναμιν (33 *a*)
65 (66). 15. $B^1 S^1$ R ποιήσω [$B^2 S^2$ ἀνοίσω] σοι βόας μετὰ χιμάρων (33 *a*)
— 16. ὅσα ἐποίησε τῇ ψυχῇ μου (33 *a*)
70 (71). 19. ἃ ἐποίησας μεγαλεῖα (33 *a*)

Ps. 71 (72). 18. ὁ ποιῶν θαυμάσια μόνος (33 *a*)
73 (74). 17. B S[1] σὺ ἐποίησας πάντα τὰ ὅρια τῆς γῆς θέρος καὶ ἔαρ σὺ ἐποίησας [S[2] ἔπλασας] (23, 16)
76 (77). 14. σὺ εἶ ὁ θεὸς ὁ ποιῶν θαυμάσια (33 *a*)
77 (78). 4. τὰ θαυμάσια αὐτοῦ ἃ ἐποίησε [S[1] -αν] (33 *a*)
— 12. ἃ ἐποίησε θαυμάσια ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (33 *a*)
82 (83). 9. ποίησον αὐτοῖς ὡς τῇ Μαδιάμ (33 *a*)
85 (86). 9. πάντα τὰ ἔθνη ὅσα ἐποίησας (33 *a*)
— 10. μέγας εἶ σὺ καὶ ποιῶν θαυμάσια (33 *a*)
— 17. ποίησον μετ' ἐμοῦ σημεῖον εἰς ἀγαθόν (33 *a*)
87 (88). 10. μὴ τοῖς νεκροῖς ποιήσεις θαυμάσια (33 *a*)
94 (95). 5. καὶ αὐτὸς ἐποίησεν αὐτήν (33 *a*)
— 6. κλαύσωμεν ἐναντίον κυρίου τοῦ ποιήσαντος ἡμᾶς (33 *a*)
95 (96). 5. ὁ δὲ κύριος τοὺς οὐρανοὺς ἐποίησεν (33 *a*)
97 (98). 1. θαυμαστὰ ἐποίησεν ὁ κύριος (33 *a*)
98 (99). 4. δικαιοσύνην ἐν Ἰ. σὺ ἐποίησας (33 *a*)
99 (100). 3. αὐτὸς ἐποίησεν ἡμᾶς καὶ οὐχ ἡμεῖς (33 *a*)
100 (101). 3. ποιοῦντας [S[1] -α] παραβάσεις ἐμίσησα (33 *a*)
— 7. οὐ κατῴκει ἐν μέσῳ τῆς οἰκίας μου ποιῶν ὑπερηφανίαν (33 *a*)
102 (103). 6. ποιῶν ἐλεημοσύνας ὁ κύριος (33 *a*)
— 10. οὐ κατὰ τὰς ἁμαρτίας ἡμῶν ἐποίησεν ἡμῖν (33 *a*)
— 18. τοῦ ποιῆσαι αὐτάς (33 *a*)
— 20. ποιοῦντες τὸν λόγον αὐτοῦ (33 *a*)
— 21. ποιοῦντες τὰ θελήματα αὐτοῦ (33 *a*)
103 (104). 4. ὁ ποιῶν τοὺς ἀγγέλους αὐτοῦ πνεύματα (33 *a*)
— 19. ἐποίησε σελήνην εἰς καιρούς (33 *a*)
— 24. πάντα ἐν σοφίᾳ ἐποίησας (33 *a*)
— 32. καὶ ποιῶν αὐτὴν τρέμειν –
104 (105). 5. τῶν θαυμασίων αὐ. ὧν ἐποίησε (33 *a*)
105 (106). 2. ἀκουστὰς [S -ὰ] ποιήσει πάσας τὰς αἰνέσεις αὐτοῦ (50)
— 3. ποιοῦντες δικαιοσύνην ἐν παντὶ καιρῷ (33 *a*)
— 19. ἐποίησαν μόσχον ἐν Χωρήβ (33 *a*)
— 21. τοῦ ποιήσαντος μεγάλα [A[2] -λεῖα] ἐν Αἰγύπτῳ (33 *a*)
106 (107). 23. ποιοῦντες [A[2] οἱ π.] ἐργασίαν ἐν ὕδασι πολλοῖς (33 *a*)
— 37. ἐποίησαν καρπὸν γεννήματος (33 *a*)
107 (108). 13. ἐν τῷ θεῷ ποιήσομεν [A -ωμεν] δύναμιν (33 *a*)
108 (109). 16. A S[1] οὐκ ἐμνήσθη τοῦ [S[2] R *om.*] ποιῆσαι ἔλεος (33 *a*)
— 21. A S[1] ποίησον μετ' ἐμοῦ ἔλεος [S[2] R *om.*] (33 *a*)
— 27. σὺ, κύριε, ἐποίησας αὐτήν (33 *a*)
110 (111). 4. μνείαν ἐποιήσατο τῶν θαυμασίων αὐτοῦ (33 *a*)
— 8. πεποιημένοι ἐν ἀληθείᾳ καὶ εὐθύτητι (33 *a*)
— 10. σύνεσις δὲ ἀγαθὴ πᾶσι τοῖς ποιοῦσιν αὐτήν (33 *a*)
113. 11 (115. 3). πάντα ὅσα ἠθέλησεν ἐποίησε (33 *a*)
— 16 (115. 8). S R ὅμοιοι αὐτοῖς [A -ῶν] γένοιντο οἱ ποιοῦντες αὐτά (33 *a*)
— 23 (115. 15). τῷ ποιήσαντι τὸν οὐρανόν (33 *a*)
117 (118). 6. τί ποιήσει μοι ἄνθρωπος (33 *a*)
— 15. δεξιὰ κυρίου ἐποίησε δύναμιν (33 *a*)
— 16. A S[2] R δεξιὰ κυρίου ἐποίησε δύναμιν (33 *a*)
— 24. αὕτη ἡμέρα ἣν ἐποίησεν ὁ κύριος (33 *a*)
118 (119). 65. χρηστότητα ἐποίησας μετὰ τοῦ δούλου σου (33 *a*)
— 73. A S[2] R αἱ χεῖρές σου ἐποίησάν με [S[1] *al.*] (33 *a*)
— 84. πότε ποιήσεις μοι ἐκ τῶν καταδιωκόντων με κρίσιν (33 *a*)
— 112. τοῦ ποιῆσαι τὰ δικαιώματά σου (33 *a*)
— 121. ἐποίησα κρίμα καὶ δικαιοσύνην (33 *a*)
— 124. A S[1] ποίησον μετὰ τοῦ δούλου σου κατὰ τὸ λόγιόν [S[2] R ἔλεός] σου (33 *a*)
— 126. καιρὸς τοῦ ποιῆσαι τῷ κυρίῳ (33 *a*)
120 (121). 2 : 123 (124). 8. τοῦ ποιήσαντος τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν (33 *a*)
125 (126). 2. ἐμεγάλυνε κύριος τοῦ ποιῆσαι μετ' αὐτῶν (33 *a*)
— 3. ἐμεγάλυνε κύριος τοῦ ποιῆσαι μεθ' ἡμῶν (33 *a*)
133 (134). 3. ὁ ποιήσας τὸν οὐρανόν (33 *a*)
134 (135). 6. πάντα ὅσα ἠθέλησεν ὁ κ. ἐποίησεν (33 *a*)
— 7. ἀστραπὰς εἰς ὑετὸν ἐποίησεν (33 *a*)
— 18. A S[1] ὅμοιοι αὐτοῖς γένοιντο πάντες [S[2] R *om.*] οἱ ποιοῦντες αὐτά (33 *a*)
Ps. 135 (136). 4. τῷ ποιήσαντι [S[1] ποιοῦντι] θαυμάσια μεγάλα μόνῳ (33 *a*)
— 5. τῷ ποιήσαντι τοὺς οὐρανοὺς ἐν συνέσει (33 *a*)
— 7. τῷ ποιήσαντι φῶτα μεγάλα μόνῳ (33 *a*)
138 (139). 15. ὃ ἐποίησας ἐν κρυφῇ (33 *c*)
139 (140). 12. ποιήσει κύριος τὴν κρίσιν τοῦ πτωχοῦ (33 *a*)
142 (143). 8. ἀκουστὸν ποίησόν μοι τὸ πρωὶ τὸ ἔλεός σου (50)
— 10. δίδαξόν με τοῦ ποιεῖν τὸ θέλημά σου (33 *a*)
144 (145). 19. θέλημα τῶν φοβουμένων αὐτὸν ποιήσει (33 *a*)
145 (146). 6. τὸν ποιήσαντα τὸν οὐρανόν (33 *a*)
— 7. ποιοῦντα κρίμα τοῖς ἀδικουμένοις (33 *a*)
147. 9 (20). οὐκ ἐποίησεν οὕτως παντὶ ἔθνει (33 *a*)
148. 8. τὰ ποιοῦντα τὸν λόγον αὐτοῦ (33 *a*)
149. 2. εὐφρανθήτω Ἰ. ἐπὶ τῷ ποιήσαντι αὐτόν (33 *a*)
— 7. τοῦ ποιῆσαι ἐκδίκησιν ἐν τοῖς ἔθνεσιν (33 *a*)
— 9. τοῦ ποιῆσαι ἐν αὐτοῖς κρίμα ἔγγραπτον (33 *a*)
151. 2. αἱ χεῖρές μου ἐποίησαν ὄργανον
Pr. 1. 7. σύνεσις δὲ ἀγαθὴ πᾶσι τοῖς ποιοῦσιν αὐτήν –
— 25. ἀκύρους ἐποιεῖτε ἐμὰς βουλάς (51 *b*)
2. 16. τοῦ μακράν σε ποιῆσαι ἀπὸ ὁδοῦ εὐθείας †
3. 27. A μὴ ἀπόσχῃ εὖ ποιεῖν ἐνδεῆ ἡνίκα ἂν ἔχῃ ἡ χείρ σου εὖ ποίει [B S σου βοηθεῖν] (74 *a*, 33 *a*)
— 28. δυνατοῦ σου ὄντος εὖ ποιεῖν –
4. 26. ὀρθὰς τροχιὰς ποίει σοῖς ποσί (97)
— 27. αὐτὸς δὲ ὀρθὰς ποιήσει τὰς τροχιάς σου –
5. 7. A B S[1] μὴ ἀκύρους [S[1] μακρύνῃς] ποιήσῃς [S[2] -σαι] ἐμοὺς λόγους (51 *a* [–])
— 8. μακρὰν ποίησον ἀπ' αὐτῆς σὴν ὁδόν (90)
6. 3. ποίει, υἱὲ, ἃ ἐγώ σοι ἐντέλλομαι (33 *a*)
— 8. πολλήν τε ἐν τῷ ἀμητῷ ποιεῖται τὴν παράθεσιν (103 *c*)
— 8. τήν τε ἐργασίαν ὡς σεμνὴν ποιεῖται –
7. 10. ἢ ποιεῖ νέων ἐξίπτασθαι καρδίας †
8. 23. πρὸ τοῦ τὴν γῆν ποιῆσαι †
— 24. πρὸ τοῦ τὰς ἀβύσσους ποιῆσαι †
— 26. κύριος ἐποίησε χώρας καὶ ἀοικήτους (33 *a*)
— 28. ἰσχυρὰ ἐποίει τὰ ἄνω νέφη (80 *a*)
— 29. ἰσχυρὰ ἐποίει τὰ θεμέλια [A θελήματα] τῆς γῆς (80 *b*)
10. 16. ἔργα δικαίων ζωὴν ποιεῖ –
11. 17. τῇ ψυχῇ αὐτοῦ ἀγαθὸν ποιεῖ ἀνὴρ ἐλεήμων (47)
— 18. ἀσεβὴς ποιεῖ ἔργα ἄδικα (33 *a*)
— 24. εἰσὶν οἱ τὰ ἴδια σπείροντες πλείονα ποιοῦσιν (101)
12. 22. ὁ δὲ ποιῶν πίστεις δεκτὸς παρ' αὐτῷ (33 *a*)
13. 6. A τοὺς δὲ ἀσεβεῖς φαύλους ποιεῖ ἁμαρτία (114)
— 23. δίκαιοι ποιήσουσιν ἐν πλούτῳ ἔτη πολλά †
14. 27. ποιεῖ δὲ ἐκκλίνειν ἐκ παγίδος θανάτου –
— 31. ὁ συκοφαντῶν πένητα παροξύνει τὸν ποιήσαντα αὐτόν (33 *a*)
16. 5 (7). ἀρχὴ ὁδοῦ ἀγαθῆς τὸ ποιεῖν τὰ δίκαια †
— 12. βδέλυγμα βασιλεῖ ὁ ποιῶν κακά (33 *a*)
17. 5. παροξύνει τὸν ποιήσαντα αὐτόν (33 *a*)
— 16 (19). ὃς ὑψηλὸν ποιεῖ τὸν ἑαυτοῦ οἶκον (113)
— 22. καρδία εὐφραινομένη εὐεκτεῖν ποιεῖ (75)
— 28. ἐνεὸν δέ τις ἑαυτὸν ποιήσας (68)
19. 7. S[1] πᾶς ὃς ἀδελφὸν πτωχὸν ποιεῖ [A B S[2] μισεῖ] †
20. 10 (11). καὶ ὁ ποιῶν αὐτά –
21. 3. ποιεῖν δίκαια καὶ ἀληθεύειν (33 *a*)
— 15. A S R εὐφροσύνη δικαίων ποιεῖν [B -εῖ] κρίμα (33 *a*)
— 25. οὐ γὰρ προαιροῦνται αἱ χεῖρες αὐτοῦ ποιεῖν τι (33 *a*)
22. 2. ἀμφοτέρους δὲ ὁ κύριος ἐποίησε (33 *a*)
— 16. ὁ συκοφαντῶν πένητα πολλὰ ποιεῖ τὰ ἑαυτοῦ [A S[2] ἑ. κακά] (103 *b*)
24. 31 (30. 8). μάταιον λόγον καὶ ψευδῆ μακρὰν μου ποίησον (90)
— 49 (34). ἐὰν δὲ τοῦτο ποιῇς [S -ήσῃς] –
— 61 (30. 26). οἱ ἐποιήσαντο ἐν πέτραις τοὺς ἑαυτῶν οἴκους (39)
— 71 (31. 3). μετὰ βουλῆς πάντα ποίει †
25. 22. τοῦτο γὰρ ποιῶν [S[1] ποιήσας] –
26. 6. ὄνειδος ποιεῖται †
— 28. στόμα δὲ ἄστεγον ποιεῖ ἀκαταστασίας (33 *a*)
29. 13. ἐπισκοπὴν ἀμφοτέρων ποιεῖται ὁ κύριος †
31. 13. ἐποίησεν εὔχρηστον ταῖς χερσὶν αὐτῆς (33 *a*)
— 22. δίσσας χλαίνας ἐποίησε τῷ ἀνδρὶ αὐ. (33 *a*)
Pr. 31. 24. σίνδονας ἐποίησε (33 *a*)
— 29. πολλαὶ ἐποίησαν δύναμιν (33 *a*)
Ec. 1. 9. τί τὸ πεποιημένον [S[1] ποιησόμενον] αὐτὸ τὸ ποιηθησόμενον (33 *b*, 33 *b*)
— 14. τὰ πεποιημένα ὑπὸ τὸν ἥλιον (33 *b*)
2. 2. τί τοῦτο ποιεῖς (33 *a*)
— 3. ὃ ποιήσουσιν ὑπὸ τὸν ἥλιον (33 *a*)
— 5. ἐποίησά μοι κήπους καὶ παραδείσους (33 *a*)
— 6. ἐποίησά μοι κολυμβήθρας ὑδάτων (33 *a*)
— 8. ἐποίησά μοι ᾄδοντας καὶ ᾀδούσας (33 *a*)
— 11. οἷς ἐποίησαν αἱ χεῖρές μου (33 *a*)
— 11. ᾧ ἐμόχθησα τοῦ ποιεῖν (33 *a*)
— 12. τὰ ὅσα ἐποίησεν [A -αν] αὐτήν [S -ῇ] (33 *a*)
— 17. τὸ ποίημα τὸ πεποιημένον ὑπὸ τὸν ἥλιον (33 *b*)
3. 9. τίς περισσεία τοῦ ποιοῦντος (33 *a*)
— 11. ἃ [S[1] *om.*] ἐποίησε καλά (33 *a*)
— 11. τὸ ποίημα ὃ ἐποίησεν ὁ θεός (33 *a*)
— 12. τοῦ ποιεῖν [S[1] πιεῖν] ἀγαθὸν ἐν ζωῇ αὐτοῦ (33 *a*)
— 14. πάντα ὅσα ἐποίησεν ὁ θεός (33 *a*)
— 14. ὁ θεὸς ἐποίησεν ἵνα φοβηθῶσιν (33 *a*)
4. 3. A B S[2] τὸ ποίημα τὸ πονηρὸν τὸ πεποιημένον ὑπὸ τὸν ἥλιον (33 *b*)
— 17. A S R οὐκ εἰσὶν εἰδότες τοῦ ποιῆσαι [B ποιεῖν] κακόν [S τὸ καλόν] (33 *a*)
5. 17. R τοῦ φαγεῖν καὶ τοῦ ποιεῖν [A B S πιεῖν] †
7. 1 (6. 12). ἐποίησεν αὐτὰ [A -ὰς] ἐν σκιᾷ [S[2] ἕως σκιᾶς] (33 *a*)
— 15 (14). σὺν τοῦτο συμφώνως τοῦτο ἐποίησεν ὁ θεός [A S *al.*] (33 *a*)
— 21 (20). ὃς ποιήσει ἀγαθόν (33 *a*)
— 30 (29). ὃ ἐποίησεν ὁ θεὸς σὺν τὸν ἄνθρωπον εὐθῆ (33 *a*)
8. 3. πᾶν ὃ ἐὰν θελήσει ποιήσει (33 *a*)
— 5 (4). τίς ἐρεῖ αὐτῷ, Τί ποιεῖς [A S -ήσεις] (33 *a*)
— 9. ὃ πεποίηται ὑπὸ τὸν ἥλιον (33 *b*)
— 10. ἐπηνέθησαν ἐν τῇ πόλει ὅτι οὕτως ἐποίησαν (33 *a*)
— 11. οὐκ ἔστι γινομένη ἀντίρρησις ἀπὸ τῶν ποιούντων τὸ πονηρόν †
— 11. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρόν (33 *a*)
— 12. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἀπὸ τότε (33 *a*)
— 14. ἃ πεποίηται ἐπὶ τῆς γῆς (33 *b*)
— 16. τὸν περισπασμὸν [A πειρασμὸν] τὸν πεποιημένον ἐπὶ τῆς γῆς (33 *b*)
— 17. σὺν τὸ ποίημα τὸ πεποιημένον ὑπὸ τὸν ἥλιον (33 *b*)
— 17. A ὅσα ἐὰν ποιήσῃ [B S μοχθήσῃ] ἄνθρωπος (31)
9. 3. ἐν παντὶ πεποιημένῳ ὑπὸ τὸν ἥλιον (33 *b*)
— 6. ἐν παντὶ τῷ πεποιημένῳ ὑπὸ τὸν ἥλιον (33 *b*)
— 10. πάντα ὅσα ἂν εὕρῃ ἡ χείρ σου τοῦ ποιῆσαι ὡς ἡ δύναμίς σου ποίησον (33 *a*, 33 *a*)
10. 19. εἰς γέλωτα ποιοῦσιν ἄρτον (33 *a*)
11. 5. ὅσα ποιήσει τὰ σύμπαντα (33 *a*)
12. 12. τοῦ [S[1] *om.*] ποιῆσαι βιβλία πολλά (33 *a*)
Ca. 1. 11. ὁμοιώματα χρυσίου ποιήσομέν σοι (33 *a*)
3. 9. φορεῖον ἐποίησεν ἑαυτῷ (33 *a*)
— 10. στύλους αὐτοῦ ἐποίησεν ἀργύριον (33 *a*)
8. 8. τί ποιήσωμεν τῇ ἀδελφῇ ἡμῶν (33 *a*)
Wi. 1. 13. ὁ θεὸς θάνατον οὐκ ἐποίησεν
2. 23. εἰκόνα τῆς ἰδίας ἰδιότητος ἐποίησεν αὐτόν
6. 7. μικρὸν καὶ μέγαν αὐτὸς ἐποίησεν
— 19. ἀφθαρσία δὲ ἐγγὺς εἶναι ποιεῖ θεοῦ
9. 1. ὁ ποιήσας τὰ πάντα ἐν λόγῳ σου
— 9. ὅτε ἐποίεις τὸν κόσμον
11. 24. οὐδὲν [A -ένα] βδελύσσῃ ὧν ἐποίησας
12. 12. τίς γὰρ ἐρεῖ, Τί ἐποίησας
— 12. ἃ σὺ ἐποίησας
— 16. πάντων φείδεσθαι [A S[2] φ. σε] ποιεῖ
— 19. εὐέλπιδας ἐποίησας τοὺς υἱούς σου
13. 15. ποιήσας αὐτῷ αὐτοῦ [S *om.*] ἄξιον οἴκημα
14. 8. ἐπικατάρατον αὐτὸ καὶ ὁ ποιήσας αὐτό
— 15. εἰκόνα ποιήσας τὸν τότε [A ποτέ] νεκρὸν ἄνθρωπον
— 17. ἐμφανῆ εἰκόνα τοῦ τιμωμ. βασ. ἐποίησαν
15. 11. A ἠγνόησε τὸν ποιήσαντα [B S πλάσαντα] αὐτόν
— 16. ἄνθρωπος γὰρ ἐποίησεν αὐτούς
16. 24. ἡ γὰρ κτίσις σοι τῷ ποιήσαντι ὑπηρετοῦσα
Si. *prol.* 13. παρακέκλησθε οὖν . . . τὴν ἀνάγνωσιν ποιεῖσθαι
2. 14. τί ποιήσετε ὅταν ἐπισκέπτηται ὁ κύριος
3. 1. οὕτως ποιήσατε ἵνα σωθῆτε

Si. 4. 6. τῆς δεήσεως αὐτοῦ ἐπακούσεται [S εἰσακ.] ὁ ποιήσας αὐτόν
— 7. προσφιλῆ συναγωγῇ σεαυτὸν ποίει
6. 4. ἐπίχαρμα ἐχθρῶν [S -οῖς] ποιήσει αὐτόν
7. 1. μὴ ποίει κακά
— 10. ἐλεημοσύνην ποιῆσαι μὴ παρίδῃς
— 12. μηδὲ φίλῳ [S² ἐπὶ φ.] τὸ ὅμοιον ποίει
— 30. ἐν ὅλῃ δυνάμει ἀγάπησον τὸν ποιήσαντά σε
8. 15. αὐτὸς γὰρ κατὰ τὸ θέλημα αὐτοῦ ποιήσει
— 16. μετὰ θυμώδους μὴ ποιήσῃς μάχην
— 18. ἐνώπιον ἀλλοτρίου μὴ ποιήσῃς κρυπτόν
10. 12. ἀπὸ τοῦ ποιήσαντος αὐτὸν ἀπέστη ἡ καρδία αὐτοῦ
— 26. μὴ σοφίζου ποιῆσαι τὸ ἔργον σου
11. 27. κάκωσις ὥρας ἐπιλησμονὴν ποιεῖ τρυφῆς
12. 1. ἐὰν εὖ ποιῇς γνῶθι τίνι ποιεῖς
— 2. εὖ ποίησον εὐσεβεῖ
— 5. εὖ ποίησον τῷ ταπεινῷ
— 5. οἷς ἂν ποιήσῃς [S¹ ποιῇς] αὐτῷ
14. 7. κἂν εὖ ποιῇ ἐν λήθῃ ποιεῖ
— 11. εὖ ποίει σεαυτόν
— 13. εὖ ποίει φίλῳ
15. 1. ὁ φοβούμενος κύριον ποιήσει αὐτό
— 11. ἃ γὰρ ἐμίσησεν οὐ ποιήσεις
— 14. αὐτὸς ἐξ ἀρχῆς ἐποίησεν ἄνθρωπον
— 15. πίστιν ποιῆσαι [? ποίησαι] εὐδοκίας
16. 3. S² εἷς δίκαιος ποιῶν θέλημα κυρίου
— 9. S² ταῦτα πάντα ἐποίησεν ἔθνεσιν σκληροκαρδίοις
— 14. πάσῃ ἐλεημοσύνῃ ποιήσει τόπον
— 20. S² καθὸ ποιεῖ ἄνθρωπος
17. 3. κατ' εἰκόνα αὐτοῦ ἐποίησεν αὐτούς
18. 31. ποιήσει σε [A S¹ -σεις] ἐπίχαρμα τῶν ἐχθρῶν σου
19. 13. ἔλεγξον φίλον μή ποτε οὐκ ἐποίησε
— 13. B S καὶ εἴ τι ἐποίησε μή ποτε προσθῇ [A al.]
20. 4. οὕτως ὁ ποιῶν ἐν [S¹ om.] βίᾳ κρίματα
— 13. ἑαυτὸν προσφιλῆ ποιήσει
27. 27. ὁ ποιῶν πονηρὰ εἰς αὐτὸν κυλισθήσεται
28. 17. πληγὴ μάστιγος ποιεῖ μώλωπας [A S -πα]
— 25. τοῖς λόγοις σου ποίησον ζυγὸν καὶ σταθμὸν καὶ τῷ στόματί σου ποίησον θύραν καὶ μοχλόν
29. 1. ὁ ποιῶν ἔλεος δανιεῖ τῷ πλησίον
— 1. A ὁ ἐπισχύων τῇ χειρὶ αὐτοῦ ποιεῖ [B S τηρεῖ] ἐντολάς
30. 20. B² οὕτως ὁ ποιῶν ἐν βίᾳ κρίματα
— 38 (33. 29). ἄνευ κρίσεως μὴ ποιήσῃς μηδέν
31 (34). 26. πάλιν πορευόμενος καὶ τὰ αὐτὰ ποιῶν
32 (35). 2. ὁ ποιῶν ἐλεημοσύνην θυσιάζων [S¹ -ία] αἰνέσεως
— 18. καὶ ποιήσει κρίσιν
34 (31). 9. ἐποίησε γὰρ θαυμάσια ἐν λαῷ αὐτοῦ
— 10. τίς ἐδύνατο . . . ποιῆσαι κακὰ καὶ οὐκ ἐποίησε
35 (32). 2. πᾶσαν τὴν χρείαν σου ποιήσας ἀνάπεσε
— 12. ἐκεῖ παῖζε καὶ ποίει τὰ ἐνθυμήματά σου
— 13. ἐπὶ τούτοις εὐλόγησον τὸν ποιήσαντά σε
— 18. καὶ μετὰ τὸ ποιῆσαι μετ' αὐτοῦ ἄνευ βουλῆς
— 19. ἄνευ βουλῆς μηθὲν ποιήσῃς καὶ ἐν τῷ ποιῆσαί σε μὴ μεταμελοῦ
36 (33). 13. οὕτως ἄνθρωποι ἐν χειρὶ τοῦ ποιήσαντος αὐτούς
38. 8. μυρεψὸς ἐν τούτοις ποιήσει μίγμα
— 15. ὁ ἁμαρτάνων ἔναντι τοῦ ποιήσαντος αὐτόν
— 17. ποίησον τὸ πένθος κατὰ τὴν ἀξίαν αὐτοῦ
39. 5. ὀρθρίσαι πρὸς κύριον τὸν ποιήσαντα αὐτόν
— 28. τὸν θυμὸν τοῦ ποιήσαντος αὐτοὺς κοπάσουσι
42. 11. μή ποτε ποιήσῃ σε [A -σει σε, S¹ ποιήσῃς] ἐπίχαρμα ἐχθροῖς
— 24. οὐκ ἐποίησεν οὐδὲν ἐκλεῖπον
43. 5. μέγας κύριος ὁ ποιήσας αὐτόν
— 11. εὐλόγησον τὸν ποιήσαντα αὐτό
— 33. πάντα γὰρ ἐποίησεν ὁ κύριος
45. 9. ἀκουστὸν ποιῆσαι ἦχον ἐν ναῷ
— 19. ἐποίησεν αὐτοῖς [S ἐν αὐτοῖς] τέρατα
46. 7. ἐν ἡμέραις Μωυσέως ἐποίησεν ἔλεος
— 17. ἀκουστὴν ἐποίησε τὴν φωνὴν αὐτοῦ
47. 8. ἠγάπησε τὸν ποιήσαντα αὐτόν
48. 14. ἐν ζωῇ αὐτοῦ ἐποίησε τέρατα
— 16. τινὲς μὲν αὐτῶν ἐποίησαν τὸ ἀρεστόν
— 22. ἐποίησε γὰρ Ἐζεκίας τὸ ἀρεστὸν κυρίῳ
50. 16. ἀκουστὴν ἐποίησαν φωνὴν μεγάλην
— 22. A S εὐλογήσατε τῷ θεῷ πάντων τῷ μεγάλα ποιοῦντι [B πάντες τῷ μεγαλοποιοῦντι] πάντη

Si. 50. 22. τὸν . . . ποιοῦντα μεθ' ἡμῶν κατὰ τὸ ἔλεος αὐτοῦ
— 29. ἐὰν γὰρ αὐτὰ [A ταῦτα] ποιήσῃ
51. 18. διενοήθην γὰρ τοῦ ποιῆσαι [A π. με] αὐτήν
Ho. 2. 8 (10). χρυσὰ ἐποίησε τῇ B. (33 a)
6. 5 (4). τί σοι ποιήσω, Ἐφρ. (33 a)
— 5 (4). τί σοι ποιήσω, Ἰούδα (33 a)
— 10 (9). ἀνομίαν ἐποίησαν (33 a)
8. 4. τὸ χρυσίον αὐ. ἐποίησαν ἑαυτοῖς εἴδωλα (33 a)
— 6. καὶ αὐτὸ τέκτων ἐποίησε (33 a)
— 7. οὐκ ἔχον ἰσχὺν τοῦ ποιῆσαι ἄλευρον (33 a)
— 7. ἐὰν δὲ καὶ ποιήσῃ (33 a)
— 14. ἐπελάθετο Ἰσρ. τοῦ ποιήσαντος αὐτόν (33 a)
9. 5. R τί ποιήσετε [A B -αι] ἐν ἡμέραις πανηγύρεως (33 a)
10. 3. ὁ δὲ βασ. τί ποιήσει ἡμῖν (33 a)
— 15. οὕτως ποιήσω ὑμῖν (33 a)
11. 9. οὐ μὴ ποιήσω κατὰ τὴν ὀργὴν τοῦ θυμοῦ μου (33 a)
13. 2. ἐποίησαν ἑαυτοῖς χώνευμα (33 a)
Am. 2. 4. τὰ μάταια αὐτῶν ἃ ἐποίησαν –
— 8. παραπετάσματα ἐποίουν –
3. 6. ἢν κύριος οὐκ ἐποίησε (33 a)
— 7. A R οὐ μὴ ποιήσῃ [B -σει] κ. ὁ θεὸς πρᾶγμα (33 a)
4. 12 bis. οὕτως ποιήσω σοι (33 a)
— 13. B ὁ [A R om.] ποιῶν ὄρθρον (33 a)
5. 7. ὁ ποιῶν εἰς ὕψος κρίμα †
— 8. ὁ [A om.] ποιῶν πάντα (33 a)
— 26. οὓς ἐποίησατε ἑαυτοῖς (33 a)
7. 10. συστροφὰς ποιεῖται κατὰ σοῦ Ἀ. (109)
8. 5. τοῦ ποιῆσαι μικρὸν μέτρον (92)
— 5. καὶ ποιῆσαι ζυγὸν ἄδικον †
9. 12. ὁ ποιῶν ταῦτα (33 a)
— 14. R ποιήσουσι κήπους [A B al.] (33 a)
Mi. 1. 8. A R ποιήσεται [B -ε] κοπετὸν ὡς δρακόντων (33 a)
5. 15 (14). ποιήσω . . . ἐκδίκησιν ἐν τοῖς ἔθνεσιν (33 a)
6. 3. τί ἐποίησά σοι (33 a)
— 8. τοῦ ποιεῖν κρίμα (33 a)
7. 9. ποιήσει [A ἀποίσει] τὸ κρίμα μου (33 a)
Jl. 2. 21. ἐμεγάλυνε κύριος τοῦ ποιῆσαι (33 a)
— 26. ἃ ἐποίησε μεθ' ὑμῶν εἰς θαυμάσια (33 a)
Ob. 1. 15. ὃν τρόπον ἐποίησας (33 a)
Jn. 1. 5. ἐκβολὴν ἐποίησαντο τῶν σκευῶν (66)
— 9. ὃς ἐποίησε τὴν θάλασσαν (33 a)
— 10. τί τοῦτο ἐποίησας (33 a)
— 11. τί σοι ποιήσομεν [A S -ωμεν] (33 a)
— 14. ὃν τρόπον ἐβούλου πεποίηκας (33 a)
3. 10. ἢ ἐλάλησε τοῦ ποιῆσαι αὐτοῖς (33 a)
— 10. καὶ οὐκ ἐποίησε (33 a)
4. 5. ἐποίησεν ἑαυτῷ ἐκεῖ σκηνήν (33 a)
Na. 1. 8. ἐν κατακλυσμῷ πορείας συντέλειαν ποιήσεται (33 a)
— 9. συντέλειαν αὐτὸς ποιήσεται [S³ -σει] (33 a)
— 11. A¹ ποιήσεται [A² -σει, B S om.] ἐναντία †
Hb. 1. 14. ποιήσεις [S -ῃς] τοὺς ἀνθρ. ὡς τοὺς ἰχθύας (33 a)
2. 18. τοῦ ποιῆσαι εἴδωλα κωφά (33 a)
3. 17. τὰ πεδία οὐ ποιήσει βρῶσιν (33 a)
Ze. 1. 18. συντέλειαν καὶ σπουδὴν ποιήσει (33 a)
3. 5. οὐ μὴ ποιήσῃ ἄδικον (33 a)
— 13. οὐ ποιήσουσιν ἀδικίαν (33 a)
— 19. ποιῶ ἐν σοὶ ἕνεκέν σου (33 a)
— 20. ὅταν καλῶς ὑμῖν ποιήσω †
Hg. 1. 14. ἐποίουν ἔργα ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (33 a)
2. 5 (4). καὶ ποιεῖτε (33 a)
Za. 1. 6. καθὼς παρατέτακται . . . τοῦ ποιῆσαι (33 a)
— 6. οὕτως ἐποίησεν ἡμῖν (33 a)
— 21 (2. 4). τί οὗτοι ἔρχονται ποιῆσαι (33 a)
6. 11. ποιήσεις στεφάνους [S¹ -ην] (33 a)
7. 3. καθότι ἐποίησεν [A -αν] ἤδη ἱκανὰ ἔτη (33 a)
— 9. ἔλεος καὶ οἰκτιρμὸν ποιεῖτε (33 a)
8. 11. οὐ κατὰ τὰς ἡμ. τὰς ἔμπροσθεν ἐγὼ ποιῶ –
— 15. τοῦ καλῶς ποιῆσαι τὴν Ἰερ. (83 b)
— 16. οὗτοι οἱ λόγοι οὓς ποιήσετε (33 a)
10. 1. κύριος ἐποίησε φαντασίας (33 a)
Ma. 2. 12. τὸν ἄνθρωπον τὸν ποιοῦντα ταῦτα (33 a)
— 13. ταῦτα ἃ ἐμίσουν ἐποιεῖτε (33 a)
— 15. οὐ καλὸν ἐποίησε [A S³ al.] (33 a)
— 17. πᾶς ποιῶν πονηρόν (33 a)
3. 15. ἀνοικοδομοῦνται πάντες [A S³ om.] ποιοῦντες ἄνομα (33 a)
— 17. ἣν ἐγὼ ποιῶ εἰς περιποίησιν (33 a)
4. 1 (3. 19). καὶ πάντες οἱ ποιοῦντες ἄνομα (33 a)

Ma. 4. 3 (3. 21). ἐν τῇ ἡμέρᾳ ᾗ ἐγὼ ποιῶ (33 a)
Is. 1. 17. μάθετε καλὸν π. (82)
— 24. κρίσιν ἐκ τῶν ἐχθρῶν μου ποιήσω (87)
2. 8. A S οἷς ἐποίησαν [B om. οἷς ἐ.] οἱ δάκτυλοι αὐ. (33 a)
— 20. ἃ ἐποίησαν [A -εν] προσκυνεῖν (33 a)
5. 2. ἔμεινα τοῦ ποιῆσαι σταφυλὴν καὶ ἐποίησεν ἀκάνθας (33 a, 33 a)
— 4. τί ποιήσω ἔτι τῷ ἀμπελῶνί μου καὶ οὐκ ἐποίησα αὐτῷ (33 a, 33 a)
— 4. ἔμεινα τοῦ ποιῆσαι σταφυλὴν ἐποίησε δὲ ἀκάνθας (33 a, 33 a)
— 5. τί ποιήσω τῷ ἀμπελῶνί μου (33 a)
— 7. ἔμεινα τοῦ ποιῆσαι κρίσιν ἐποίησε δὲ ἀνομίαν –, –
— 10. ποιήσει κεράμιον ἕν . . . ποιήσει μέτρα τρία (33 a, 33 a)
— 19. τὸ τάχος ἐγγισάτω ἃ ποιήσει [S² ποιῇ ὁ θ.] (46)
7. 22. A B S ἀπὸ τοῦ πλεῖστον π. [R πιεῖν] γάλα (33 a)
8. 1. τοῦ ὀξέως προνομὴν ποιῆσαι σκύλων †
— 2. μάρτυράς μοι ποίησον πιστοὺς ἀνθρώπους (91)
9. 1 (8. 23). ταχὺ ποίει χώρα Ζαβουλών †
— 7 (6). ὁ ζῆλος κυρίου σαβαὼθ ποιήσει ταῦτα (33 a)
10. 3. τί ποιήσουσιν ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῆς ἐπισκοπῆς (33 a)
— 6. τῷ ἐμῷ λαῷ συντάξω ποιῆσαι σκῦλα (41)
— 11. ὃν τρόπον γὰρ ἐποίησα Σαμαρείᾳ . . . οὕτω ποιήσω καὶ Ἱερουσαλήμ (33 a, 33 a)
— 12. ὅταν συντελέσῃ κύριος πάντα ποιῶν (33 e)
— 13. ἐν [A S om.] τῇ ἰσχύϊ ποιήσω (33 a)
— 23. λόγον συντετμημένον ποιήσει κύριος (33 a)
12. 5. ὑψηλὰ ἐποίησεν (33 a)
16. 3. ποίει τε σκέπην πένθους (33 a)
17. 7. πεποιθὼς ἔσται ὁ ἄνθρωπος ἐπὶ τῷ ποιήσαντι αὐτόν (33 a)
— 8. ἃ ἐποίησαν οἱ δάκτυλοι αὐτῶν (33 a)
19. 10. πάντες οἱ ποιοῦντες τὸν ζῦθον (33 a)
— 15. ὃ ποιήσει κεφαλὴν καὶ οὐράν (33 a)
— 21. ποιήσουσι θυσίας (27 a)
20. 2. ποίησον οὕτως (33 a)
22. 11. ἐποίησατε ἑαυτοῖς ὕδωρ . . . οὐκ ἐνεβλέψατε εἰς τὸν ἀπ' ἀρχῆς ποιήσαντα αὐτήν (33 a, 33 a)
— 13. αὐτοὶ δὲ ἐποίησαντο εὐφροσύνην –
— 16. ἐποίησας σεαυτῷ ἐν ὑψηλῷ μνημεῖον (9)
23. 17. ἐπισκοπὴν ποιήσει ὁ θεὸς Τύρου (72)
25. 1. ἐποίησας θαυμαστὰ πράγματα (33 a)
— 6. ποιήσει κύριος σαβαὼθ πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν (33 a)
26. 10. ἀλήθειαν οὐ μὴ ποιήσει [A S -ῃ] (28)
— 18. πνεῦμα σωτηρίας σου ἐποιήσαμεν (33 a)
27. 4. ἐποίησε κύριος πάντα †
— 5. A S R ποιήσωμεν εἰρήνην αὐτῷ ποιήσωμεν εἰρήνην [B om. αὐ. π. εἰ.] (33 a, 33 a)
— 11. οὐ μὴ οἰκτειρήσῃ ὁ ποιήσας αὐτούς (33 a)
28. 2. τῇ γῇ ποιήσει ἀνάπαυμα [A S -παυσιν] (54)
— 15. ἐποιήσαμεν διαθήκην μετὰ τοῦ ᾅδου (18)
— 21. μετὰ θυμοῦ ποιήσει τὰ ἔργα αὐτοῦ (33 a)
— 22. ἃ ποιήσει [S ποιεῖ] ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν –
29. 15. οὐαὶ οἱ βαθέως βουλὴν ποιοῦντες (59)
— 15. A B² S οὐαὶ οἱ ἐν κρυφῇ βουλὴν ποιοῦντες †
— 15. τίς ἡμᾶς γνώσεται ἢ ἃ ἡμεῖς ποιοῦμεν –
— 16. ἢ τὸ ποίημα τῷ ποιήσαντι, Οὐ συνετῶς με ἐποίησας (16, 108)
— 21. οἱ ποιοῦντες ἁμαρτεῖν ἀνθρώπους ἐν λόγῳ (53)
30. 1. ἐποιήσατε βουλὴν οὐ δι' ἐμοῦ (33 a)
— 22. περικεχρυσωμένα λεπτὰ ποιήσεις (88)
— 30. ἀκουστὴν ποιήσει κ. τὴν δόξαν (50)
31. 7. ἃ ἐποίησαν αἱ χεῖρες αὐτῶν (33 a)
32. 6. τὰς ψυχὰς τὰς διψώσας κενὰς ποιήσει [A -σαι] (85)
— 10. μνείαν ποιήσασθε ἐν ὀδύνῃ μετ' ἐλπίδος †
33. 1. ὑμᾶς δὲ οὐδεὶς ποιεῖ ταλαιπωρούς (110)
— 13. ἀκούσονται οἱ πόρρωθεν ἃ ἐποίησα [S¹ -αν] (33 a)
— 23. πολλοὶ χωλοὶ προνομὴν ποιήσουσι [A -σωσιν] (3)
37. 11. ἃ ἐποίησαν βασιλεῖς Ἀσσυρίων (33 a)
— 16. ἐποίησας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν (33 a)
— 26. ἃ ἐγὼ ἐποίησα (33 a)
— 31. ποιήσουσι σπέρμα ἄνω (33 a)
— 32. ὁ ζῆλος κυρίου σαβαὼθ ποιήσει ταῦτα (33 a)
38. 3. τὰ ἀρεστὰ ἐνώπιόν σου ἐποίησα (33 a)
— 7. ποιήσει ὁ θεὸς τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)
— 19. ἀπὸ γὰρ τῆς σήμερον παιδία ποιήσω †

Is. 39. 7. ποιήσουσι σπάδοντας ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ βασιλέως (6)
40. 3. εὐθείας ποιεῖτε τὰς τρίβους τοῦ θεοῦ ἡμῶν (76)
— 19. μὴ εἰκόνα ἐποίησε τέκτων (22 *a*)
— 23. τὴν δὲ γῆν ὡς οὐδὲν ἐποίησεν (33 *a*)
41. 4. τίς ἐνήργησε καὶ ἐποίησε ταῦτα (33 *a*)
— 15. ἐποίησά σε ὡς τροχοὺς ἀμάξης (39)
— 18. ποιήσω τὴν ἔρημον εἰς ἕλη (39)
— 20. χεὶρ κυρίου ἐποίησε ταῦτα (33 *a*)
— 23. εὖ ποιήσατε καὶ κακώσατε (74 *c*)
— 29. εἰσὶ γὰρ οἱ ποιοῦντες ὑμᾶς †
42. 5. ὁ θεὸς ὁ ποιήσας τὸν οὐρανόν (5 *a*)
— 9. S[1] καινὰ ἃ ἐγὼ ποιῶ [A B S[2] *om.*] ἀναγγέλλω –
— 16. πατῆσαι ποιήσω αὐτούς· ποιήσω [S *om.* αὐ. π.] αὐτοῖς τὸ σκότος εἰς φῶς . . . ταῦτα τὰ ῥήματα [A *add.* ἃ] ποιήσω (99, 39, 33 *a*)
43. 1. λέγει κύριος ὁ θεὸς ὁ ποιήσας σε (5 *a*)
— 3. ἐποίησά σου ἄλλαγμα Αἴγυπτον (25)
— 7. ἔπλασα αὐτὸν καὶ ἐποίησα αὐτόν (33 *a*)
— 13. ποιήσω καὶ τίς ἀποστρέψει αὐτό (34 *a*)
— 19. ποιῶ καινὰ ἃ νῦν ἀνατελεῖ . . . ποιήσω ἐν τῇ ἐρήμῳ ὁδόν (33 *a*, 39)
— 22. οὐδὲ κοπιᾶσαί σε ἐποίησα (86)
— 23. οὐδὲ ἔγκοπον ἐποίησά σε ἐν λιβάνῳ (63)
44. 2. οὕτω λέγει κύριος ὁ θεὸς ὁ ποιήσας σε (33 *a*)
— 7. ἀφ' οὗ ἐποίησα ἄνθρωπον εἰς τὸν αἰῶνα (39)
— 9. ποιοῦντες [A S οἱ π.] τὰ καταθύμια αὐτῶν –
— 13. ἐποίησεν αὐτὸ ὡς μορφὴν ἀνδρός (33 *a*)
— 17. τὸ δὲ λοιπὸν ἐποίησεν εἰς [A *om.*] θεὸν γλυπτόν (33 *a*)
— 19. τὸ λοιπὸν αὐτοῦ εἰς βδέλυγμα ἐποίησε (33 *a*)
— 28. πάντα τὰ θελήματά μου ποιήσει (42)
45. 7. ἐγὼ ὁ . . . ποιήσας σκότος ὁ ποιῶν εἰρήνην . . . ὁ θεὸς ὁ ποιῶν πάντα ταῦτα (5 *a*, 33 *a*, 33 *a*)
— 9. μὴ ἐρεῖ ὁ πηλὸς τῷ κεραμεῖ, Τί ποιεῖς (33 *a*)
— 11. κύριος . . . ὁ ποιήσας τὰ ἐπερχόμενα (16)
— 12. ἐποίησα γῆν καὶ ἄνθρωπον ἐπ' αὐτῆς (33 *a*)
— 18. λέγει κύριος ὁ ποιήσας τὸν οὐρανόν (5 *a*)
— 18. οὗτος ὁ θεὸς ὁ καταδείξας τὴν γῆν καὶ ποιήσας αὐτήν (33 *a*)
— 18. οὐκ εἰς κενὸν ἐποίησεν αὐτήν (5 *a*)
— 21. τίς ἀκουστὰ ἐποίησε ταῦτα ἀπ' ἀρχῆς (50)
46. 4. ἐγὼ ἐποίησα καὶ ἐγὼ ἀνήσω (33 *a*)
— 6. μισθωσάμενοι χρυσοχόον ἐποίησαν χειροποίητα (33 *a*)
— 10. πάντα ὅσα βεβούλευμαι ποιήσω (33 *a*)
— 11. S[1] ἐλάλησα καὶ ἐποίησα [A B S[2] ἤγαγον] ἔκτισα καὶ ἐποίησα (†, 33 *a*)
48. 3. ἐξάπινα ἐποίησα (33 *a*)
— 5. ἀκουστόν σοι ἐποίησα μή ποτε εἴπῃς ὅτι τὰ εἴδωλά μοι ἐποίησε [A S -σαν] (50, 33 *a*)
— 6. ἀκουστά σοι ἐποίησα τὰ καινὰ ἀπὸ τοῦ νῦν (50)
— 11. ἕνεκεν ἐμοῦ ποιήσω σοι (33 *a*)
— 14. ἀγαπῶν σε ἐποίησα [A *add.* ταῦτα] τὸ θέλημά σου ἐπὶ Βαβυλῶνα (33 *a*)
49. 20. ποίησόν μοι τόπον ἵνα κατοικήσω (112)
51. 13. ἐπελάθου θεὸν τὸν ποιήσαντά σε τὸν ποιήσαντα τὸν οὐρανόν (33 *a*, 21)
52. 7. ἀκουστὴν ποιήσω τὴν σωτηρίαν σου (50)
53. 9. ἀνομίαν οὐκ ἐποίησεν (33 *a*)
54. 5. κύριος ὁ ποιῶν σε (33 *a*)
56. 1. ποιήσατε δικαιοσύνην (33 *a*)
— 2. μακάριος ἀνὴρ ὁ ποιῶν ταῦτα . . . διατηρῶν τὰς χεῖρας αὐτοῦ μὴ π. ἄδικα [A S -κημα] (33 *a*, 33 *a*)
57. 9. πολλοὺς ἐποίησας τοὺς μακρὰν ἀπὸ σοῦ (103 *b*)
— 16. πνοὴν πᾶσαν ἐγὼ ἐποίησα (33 *a*)
58. 2. ὡς λαὸς δικαιοσύνην πεποιηκώς (33 *a*)
— 13. τοῦ μὴ π. τὰ θελήματά σου (33 *a*)
62. 7. ἐὰν . . . ποιήσῃ Ἱερουσαλὴμ ἀγαυρίαμα (39)
— 11. ἐποίησεν ἀκουστὸν ἕως ἐσχάτου τῆς γῆς (50)
63. 12. ποιῆσαι ἑαυτῷ ὄνομα αἰώνιον (33 *a*)
— 14. ποιῆσαι σεαυτῷ ὄνομα δόξης (33 *a*)
64. 3 (2). ὅταν ποίῃς [S[1] -ήσῃς] τὰ ἔνδοξα (33 *a*)
— 4 (3). τὰ ἔργα σου ἃ ποιήσεις (33 *a*)
— 5 (4). συναντήσεται γὰρ τοῖς ποιοῦσι [S ὑπομένουσιν] τὸ δίκαιον (33 *a*)
65. 8. οὕτως ποιήσω ἕνεκεν τοῦ δουλεύοντός μοι (33 *a*)
— 12. ἐποιήσατε τὸ πονηρὸν ἐναντίον ἐμοῦ (33 *a*)
— 18. ποιῶ Ἱερουσαλὴμ ἀγαλλίαμα (5 *a*)
— 23. A οὐδὲ τέκνα ποιήσουσιν [B S τεκνοπ.] εἰς κατάραν (111)

Is. 66. 2. πάντα γὰρ ταῦτα ἐποίησεν ἡ χείρ μου (33 *a*)
— 4. ἐποίησαν τὸ πονηρὸν ἐναντίον ἐμοῦ (33 *a*)
— 9. γεννῶσαν καὶ στεῖραν ἐποίησα (61 + 106)
— 22. ἃ ἐγὼ ποιῶ (33 *a*)
Je. 1. 12. A B S[2] ἐγρήγορα ἐπὶ τοὺς λόγους μου τοῦ ποιῆσαι αὐτούς (33 *a*)
2. 13. δύο καὶ πονηρὰ ἐποίησεν ὁ λαός μου (33 *a*)
— 17. οὐχὶ ταῦτα ἐποίησέ [A[1] -άν] σοι (33 *a*)
— 23. γνῶθι τί ἐποίησας (33 *a*)
— 28. οἱ θεοί σου οὓς ἐποίησας σεαυτῷ (33 *a*)
3. 5. ἐλάλησας καὶ ἐποίησας [S *om.* κ. ἐ.] τὰ πονηρὰ ταῦτα (33 *a*)
— 6. ἃ ἐποίησέ μοι ἡ κατοικία τοῦ Ἰσρ. (33 *a*)
— 16. οὐ ποιηθήσεται ἔτι (33 *b*)
4. 18. τὰ ἐπιτηδεύματά σου ἐποίησαν ταῦτά σοι (33 *a*)
— 22. τὸ δὲ καλῶς [A S -λὸν] ποιῆσαι οὐκ ἐπέγνωσαν [A ποιοῦντες οὐκ ἔγν.] (83 *b*)
— 27. συντέλειαν δὲ οὐ μὴ ποιήσω (33 *a*)
— 30. τί ποιήσεις ἐὰν περιβάλῃ κόκκινον (33 *a*)
5. 1. εἰ ἔστι ποιῶν κρίμα (33 *a*)
— 10. συντέλειαν δὲ μὴ ποιήσητε [A *al.*] (33 *a*)
— 18. οὐ μὴ ποιήσω ὑμᾶς εἰς συντέλειαν (33 *a*)
— 19. τίνος ἕνεκεν ἐποίησε κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν ἡμῖν πάντα ταῦτα (33 *a*)
— 31. B[2] R τί ποιήσετε [B[1] -σητε, A S -σεται] εἰς τὰ μετὰ ταῦτα (33 *a*)
6. 8. μὴ ποιήσω σε ἄβατον γῆν (39)
— 13. πάντες ἐποίησαν ψευδῆ (33 *a*)
— 26. πένθος ἀγαπητοῦ ποίησαι σεαυτῇ (33 *a*)
7. 5. καὶ ποιοῦντες ποιήσητε κρίσιν (33 *a*, 33 *a*)
— 10. τοῦ μὴ π. πάντα τὰ βδελύγματα τ. (33 *a*)
— 12. ἴδετε ἃ ἐποίησα αὐτῷ (33 *a*)
— 13. ἀνθ' ὧν ἐποιήσατε πάντα τὰ ἔργα ταῦτα (33 *a*)
— 14. ποιήσω τῷ οἴκῳ [A τόπῳ τούτῳ] . . . καθὼς ἐποίησα τῷ Σηλώ (33 *a*, 33 *a*)
— 17. ἢ οὐχ ὁρᾷς τί αὐτοὶ ποιοῦσιν (33 *a*)
— 18. τοῦ ποιῆσαι χαυῶνας τῇ στρατιᾷ τοῦ οὐρανοῦ (33 *a*)
— 29. ἀπώσατο τὴν γενεὰν τὴν ποιοῦσαν ταῦτα †
— 30. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰούδα τὸ πονηρόν (33 *a*)
8. 6. λέγων, Τί ἐποίησα (33 *a*)
9. 7 (6). ποιήσω ἀπὸ προσώπου πονηρίας [S τῆς] θυγατρὸς λαοῦ μου (33 *a*)
— 24 (23). A[2] B S ἐγώ εἰμι κύριος ὁ ποιῶν ἔλεος (33 *a*)
10. 11. θεοὶ οἱ τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν οὐκ ἐποίησαν (27 *d*)
— 12. κύριος ὁ ποιήσας τὴν γῆν (33 *a*)
— 13. ἀστραπὰς εἰς ὑετὸν ἐποίησε (33 *a*)
— 24. ἵνα μὴ ὀλίγους ἡμᾶς ποιήσῃς [A S -εις] (95)
11. 4. ποιήσατε πάντα ὅσα ἐὰν ἐντείλωμαι ὑμῖν (33 *a*)
— 6. ποιήσατε αὐτούς (33 *a*)
— 8. καὶ οὐκ ἐποίησαν (33 *a*)
— 15. τί ἡ ἠγαπημένη ἐν τῷ οἴκῳ μου ἐποίησε βδέλυγμα (33 *a*)
— 17. ἐποίησαν ἑαυτοῖς τοῦ παροργίσαι με (33 *a*)
12. 2. καὶ ἐποίησαν [S *om.* κ. ἐ.] καρπόν (33 *a*)
— 5. πῶς ποιήσεις [S[1] -σω] ἐν φρυάγματι τοῦ Ἰορδάνου (33 *a*)
13. 23. δυνήσεσθε εὖ ποιῆσαι (74 *c*)
14. 7. ποίησον ἡμῖν ἕνεκέν σου (33 *a*)
— 22. σὺ ἐποίησας πάντα ταῦτα (33 *a*)
15. 4. A[2] B S ὧν ἐποίησεν ἐν Ἱερουσαλὴμ (33 *a*)
16. 6. οὐδὲ ἐντομίδας οὐ μὴ ποιήσουσι (69)
— 20. εἰ ποιήσει ἑαυτῷ ἄνθρωπος θεούς (33 *a*)
17. 8. οὐ διαλείψει ποιῶν [S[2] -οῦν] καρπόν (33 *a*)
— 11. ποιῶν πλοῦτον αὐτοῦ οὐ μετὰ κρίσεως (33 *a*)
— 22. πᾶν ἔργον οὐ ποιήσετε (33 *a*)
— 24. τοῦ μὴ π. πᾶν ἔργον (33 *a*)
18. 3. ἐποίει ἔργον ἐπὶ τῶν λίθων (33 *a*)
— 4. ὃ αὐτὸς ἐποίει ἐν ταῖς χερσὶν αὐτοῦ (33 *a*)
— 4. ἐποίησεν αὐτὸ ἀγγεῖον ἕτερον καθὼς ἤρεσεν ἐνώπιον αὐτοῦ [A *add.* τοῦ] ποιῆσαι (33 *a*, 33 *a*)
— 6. εἰ . . . οὐ δυνήσομαι τοῦ ποιῆσαι ὑμᾶς (33 *a*)
— 8. ὧν ἐλογισάμην [A ἐλάλησα] τοῦ ποιῆσαι αὐτοῖς (33 *a*)
— 10. ποιήσωσι [A S -σουσιν] τὰ πονηρὰ ἐναντίον μου . . . ὧν ἐλάλησα τοῦ ποιῆσαι αὐτοῖς (33 *a*, 11)
— 11. A R καλλίονα ποιήσατε [B S -ετε] τὰ ἐπιτηδεύματα ὑμῶν (81)
— 12. ἕκαστος τὰ ἀρεστὰ τῆς καρδίας αὐτοῦ τῆς πονηρᾶς ποιήσομεν (33 *a*)
— 13. ἃ ἐποίησε σφόδρα παρθένος Ἰ. (33 *a*)

Je. 18. 23. ἐν καιρῷ θυμοῦ σου ποίησον ἐν [A *om.*] αὐτοῖς (33 *a*)
19. 12. οὕτως ποιήσω [S[1] *om.*] . . . τῷ τόπῳ τούτῳ (33 *a*)
21. 2. εἰ ποιήσει κύριος κατὰ πάντα τὰ θαυμάσια αὐτοῦ (33 *a*)
22. 3. ποιεῖτε κρίσιν καὶ δικαιοσύνην (33 *a*)
— 4. ἐὰν ποιοῦντες ποιήσητε τὸν λόγον τοῦτον (33 *a*, 33 *a*)
— 5. ἐὰν δὲ μὴ ποιήσητε τοὺς λόγους τούτους (43 *a*)
— 8. διὰ τί ἐποίησε κύριος οὕτως τῇ πόλει ταύτῃ (33 *a*)
— 15. βέλτιόν σε π. κρίμα (33 *a*)
— 17. εἰς ἀδικήματα καὶ εἰς φόνον τοῦ π. (33 *a*)
23. 5. ποιήσει κρίμα καὶ δικαιοσύνην ἐπὶ τῆς γῆς (33 *a*)
— 20. ἕως ποιήσῃ [S -ει] αὐτό (33 *a*)
26 (46). 19. σκεύη ἀποικισμοῦ ποίησον σεαυτῇ (33 *a*)
— 28. ποιήσω συντέλειαν ἐν παντὶ ἔθνει . . . σὲ δὲ οὐ μὴ ποιήσω ἐκλιπεῖν (33 *a*, 33 *a*)
27 (50). 2. ἀκουστὰ ποιήσατε καὶ μὴ κρύψητε (50)
— 15. καθὼς ἐποίησε ποιήσατε αὐτῇ (33 *a*, 33 *a*)
— 21. ποίει κατὰ πάντα ὅσα ἐντέλλομαί σοι (33 *a*)
— 29. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησε ποιήσατε αὐτῇ (33 *a*, 33 *a*)
28 (51). 12. A B S[2] ποιήσει κύριος ἃ ἐλάλησεν (33 *a*)
— 15. ποιῶν [S ὁ π.] γῆν ἐν τῇ ἰσχύϊ αὐτοῦ (33 *a*)
— 16. ἀστραπὰς εἰς ὑετὸν ἐποίησε (33 *a*)
— 24. ἃς ἐποίησαν ἐπὶ Σιών (33 *a*)
29 (49). 8. δύσκολα ἐποίησεν †
31 (48). 10. ἐπικατάρατος ὁ ποιῶν τὰ ἔργα κυρίου ἀμελῶς (33 *a*)
— 30. οὐχὶ τὸ ἱκανὸν αὐτῷ οὐχ οὕτως ἐποίησε (33 *a*)
— 33. οὐδὲ δείλης οὐκ ἐποίησαν †
33 (26). 3. τοῦ ποιῆσαι αὐτοῖς ἕνεκεν τῶν πονηρῶν ἐπιτηδευμάτων αὐτῶν (33 *a*)
— 13. βελτίους ποιήσατε τὰς ὁδοὺς ὑμῶν (60)
— 14. ποιήσατέ μοι ὡς συμφέρει (33 *a*)
— 19. ἐποιήσαμεν κακὰ μεγάλα (33 *a*)
34 (27). 2. ποίησον δεσμοὺς καὶ κλοιούς (33 *a*)
— 5. ἐποίησα τὴν γῆν ἐν τῇ ἰσχύϊ μου τῇ μεγάλῃ (33 *a*)
35 (28). 6. ἀληθῶς οὕτω ποιήσαι [S -σει] κύριος (33 *a*)
— 13. ποιήσω ἀντ' αὐτῶν κλοιοὺς σιδηροῦς (33 *a*)
— 15. πεποιθέναι ἐποίησας τὸν λαὸν τοῦτον ἐπ' ἀδίκῳ (100 *a*)
36 (29). 22. ποιῆσαι σε κύριος ὡς Σεδεκίαν ἐποίησε (39, –)
— 23. δι' ἣν ἐποίησαν ἀνομίαν ἐν Ἰσραήλ (33 *a*)
— 31. πεποιθέναι ἐποίησεν ὑμᾶς ἐπ' ἀδίκοις [A S -κῳ] (100 *a*)
— 32. τὰ ἀγαθὰ ἃ ἐγὼ ποιήσω ὑμῖν (33 *a*)
37 (30). 15. ἐποίησαν ταῦτά σοι (33 *a*)
— 24. οὐ μὴ ἀποστραφῇ ὀργὴ θυμοῦ [S[1] *om.*] κυρίου ἕως ποιήσῃ (33 *a*)
38 (31). 7. ἀκουστὰ [S -σατε καὶ] ποιήσατε (50)
— 13. ποιήσω αὐτοὺς εὐφραινομένους (78)
— 21. ποιήσον τιμωρίαν (39)
— 37. περὶ πάντων ὧν ἐποίησαν (33 *a*)
39 (32). 17. σὺ ἐποίησας τὸν οὐρανόν (33 *a*)
— 18. ποιῶν ἔλεος εἰς χιλιάδας (33 *a*)
— 20. ὃς ἐποίησας σημεῖα καὶ τέρατα . . . καὶ ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα (39, 33 *a*)
— 23. ἃ ἐνετείλω αὐτοῖς οὐκ ἐποίησαν καὶ ἐποίησαν [B[1] S[1] *om.* κ. ἐ.] συμβῆναι αὐτοῖς πάντα τὰ κακὰ ταῦτα (33 *a*, 107)
— 30. ἦσαν . . . μόνοι ποιοῦντες τὸ πονηρόν (33 *a*)
— 32. ὧν ἐποίησαν πικραναί [A S παραπ.] με (33 *a*)
— 35. τοῦ ποιῆσαι τὸ βδέλυγμα τοῦτο (33 *a*)
40 (33). 2. κύριος ποιῶν γῆν καὶ πλάσσων αὐτήν (33 *a*)
— 6. A S[2] ποιήσω [B S[1] *om.*] αὐτοῖς εἰρήνην καὶ πίστιν –
— 9. τὰ ἀγαθὰ ἃ ἐγὼ ποιήσω [A ποιῶ] . . . περὶ πάσης τῆς εἰρήνης ἧς ἐγὼ ποιήσω [A ποιῶ] αὐτοῖς (33 *a*, 33 *a*)
41 (34). 15. ποιῆσαι τὸ εὐθές (33 *a*)
— 18. τὴν διαθήκην μου ἣν ἐποίησαν . . . τὸν μόσχον ὃν ἐποίησαν [A S[1] *al.*] (18, 18)
42 (35). 10. ἐποιήσαμεν [A *om.*] κατὰ πάντα ἃ ἐνετείλατο (33 *a*)
— 15. βελτίω ποιήσατε τὰ ἐπιτηδεύματα ὑμῶν (60)
— 18. π. καθότι ἐνετείλατο αὐτοῖς (33 *a*)
43 (36). 3. ἃ ἐγὼ λογίζομαι ποιῆσαι αὐτοῖς [A *al.*] (33 *a*)
— 8. ἐποίησε Βαρούχ κατὰ πάντα (33 *a*)

Je. 44 (37). 15. *ταύτην ἐποίησαν εἰς οἰκίαν φυλακῆς* (33 *a*)
45 (38). 9. *ἐπονηρεύσω ἃ ἐποίησας* (33 *a*)
— 12. *ἐποίησεν* Ἱερεμίας οὕτως (33 *a*)
— 16. *ὃς ἐποίησεν ἡμῖν τὴν ψυχὴν ταύτην* (33 *a*)
47 (40). 3. *ἐποίησε κύριος* (33 *a*)
— 16. *μὴ ποιήσῃς τὸ πρᾶγμα τοῦτο* (33 *a*)
48 (41). 9. *ὃ ἐποίησεν ὁ βασ.* (33 *a*)
— 11. *τὰ κακὰ ἃ ἐποίησεν* Ἰσμαήλ (33 *a*)
49 (42). 3. *λόγον ὃν ποιήσομεν* (33 *a*)
— 5. *οὕτως ποιήσομεν* (33 *a*)
— 10. *οἷς ἐποίησα ὑμῖν* (33 *a*)
— 20. *κατὰ πάντα . . . ποιήσομεν* (33 *a*)
51 (44). 3. *ἧς ἐποίησαν παραπικρᾶναί με* (33 *a*)
— 4. *μὴ ποιήσητε τὸ πρᾶγμα τῆς μολύνσεως ταύτης* (33 *a*)
— 7. *ἵνα τί ὑμεῖς ποιεῖτε κακὰ μεγάλα* (33 *a*)
— 9. *ὧν ἐποίησαν ἐν γῇ* [A *πόλεσιν*] Ἰούδα (33 *a*)
— 17. *ποιοῦντες ποιήσομεν πάντα τὸν λόγον . . . καθὰ ἐποιήσαμεν ἡμεῖς* (33 *a ter*)
— 19. *ἐποιήσαμεν αὐτῇ χαυῶνας* (33 *a*)
— 22. *ἀπὸ τῶν βδελυγμάτων ὧν ἐποιήσατε* (33 *a*)
— 25. *ποιοῦσαι* [S[1] *om.*] *ποιήσομεν* [AS *-ωμεν*] *τὰς ὁμολογίας ἡμῶν . . . καὶ ποιοῦσαι ἐποιήσατε* [S *ποιήσατε*] (33 *a quater*)
52. 20. *ἃ ἐποίησεν ὁ βασιλεὺς Σαλωμών* (33 *a*)
Ba. 1. 8. *σκεύη ἀργυρᾶ ἃ ἐποίησε Σεδεκίας*
— 10. *ποιήσατε μαννά*
— 22. *ποιῆσαι τὰ κακὰ κατ' ὀφθαλμοὺς κυρίου*
2. 2. R *οὐκ ἐποίησεν* [AB *-ήθη*] *ὑποκάτω παντὸς τοῦ οὐρανοῦ καθὰ ἐποιήθη* [B *-ησεν*] *ἐν* Ἱερ.
— 11. *ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα*
— 23. *ἐκλείψειν ποιήσω . . . φωνὴν εὐφροσύνης*
— 27. *ἐποίησας εἰς ἡμᾶς . . . κατὰ πᾶσαν ἐπιείκειάν σου*
3. 34. *ἔλαμψαν μετ' εὐφροσύνης τῷ ποιήσαντι αὐτούς*
4. 7. *παρωξύνατε γὰρ τὸν ποιήσαντα ὑμᾶς*
La. 1. 21. *ἐχάρησαν ὅτι σὺ ἐποίησας* (33 *a*)
— 22. *ἐποίησαν ἐπιφυλλίδα* (73)
2. 6. *ἐπελάθετο κύριος ἃ ἐποίησεν* —
— 17. *ἐποίησε κύριος ἃ ἐνεθυμήθη* (33 *a*)
— 20. *ἐπιφυλλίδα ἐποίησε μάγειρος* —
Ep. Je. 38. AR *οὔτε ὀρφανὸν εὖ ποιήσωσι* [B *-σουσιν*]
— 63. *τό τε πῦρ . . . ποιεῖ τὸ συνταχθέν*
— 64. R *οὔτε εὖ ποιῆσαι* [AB *ποιεῖν*] *ἀνθρώποις*
Ez. 3. 20. A *καὶ ποιήσῃ παράπτωμα . . . αἱ δικαιοσύναι αὐτοῦ ἃς ἐποίησεν* [B *om. ἃς ἐ.*] (33 *a*, 33 *a*)
4. 9. *ποιήσεις αὐτὰ σεαυτῷ εἰς ἄρτους* (33 *a*)
— 15. *ποιήσεις τοὺς ἄρτους σου ἐπ' αὐτῶν* (33 *a*)
5. 7. *τὰ δικαιώματά μου οὐκ ἐποιήσατε ἀλλ' οὐδὲ κατὰ τὰ δικαιώματα τῶν ἐθνῶν . . . οὐ πεποιήκατε* [A *οὐκ ἐποιήσατε*] (33 *a*, 33 *a*)
— 8. *ποιήσω ἐν μέσῳ σὸν κρίμα* (33 *a*)
— 9. *ποιήσω ἐν σοὶ ἃ οὐ πεποίηκα* [A *οὐκ ἐποίησα*] *καὶ ἃ οὐ* [A *οὐ μὴ*] *ποιήσω ὅμοια* (33 *a ter*)
— 10. *ποιήσω ἐν σοὶ κρίματα* (33 *a*)
— 15. *ἐν τῷ ποιῆσαί με ἐν σοὶ κρίματα* (33 *a*)
6. 9. A *περὶ τῶν κακιῶν ὧν ἐποίησαν* (33 *a*)
— 10. A *τοῦ ποιῆσαι αὐτοῖς ἅπαντα τὰ κακὰ ταῦτα* (33 *a*)
7. 20. *εἰκόνας τῶν βδελυγμάτων αὐ. ἐποίησαν* (33 *a*)
— 23. *ποιήσουσι φυρμόν* (33 *a*)
— 27. *κατὰ τὰς ὁδοὺς αὐτῶν ποιήσω αὐτοῖς* (33 *a*)
8. 6. *ἑώρακας τί οὗτοι ποιοῦσιν* (33 *a*)
— 6. *ἀνομίας μεγάλας ποιοῦσιν ὧδε* (33 *a*)
— 9. *ἃς οὗτοι ποιοῦσιν ὧδε* (33 *a*)
— 12. *ἃ οἱ πρεσβύτεροι οἴκου* Ἰσ. *ποιοῦσιν* (33 *a*)
— 13. *ἃς οὗτοι ποιοῦσι* (33 *a*)
— 15. A *τοῦ π. τὰς ἀνομίας ἃς πεποίηκαν αὐτοὶ ὧδε* —, —
— 17. *τοῦ π. τὰς ἀνομίας ἃς πεποιήκασιν ὧδε* (33 *a*, 33 *a*)
— 18. *ποιήσω αὐτοῖς μετὰ θυμοῦ* (33 *a*)
9. 11. *πεποίηκα καθὼς ἐνετείλω μοι* (33 *a*)
11. 9. *ποιήσω ἐν ὑμῖν κρίματα* (33 *a*)
— 13. *εἰς συντέλειαν σὺ ποιεῖς τοὺς καταλοίπους* (33 *a*)
— 20. *ὅπως . . . ποιῶσιν* [A *ποιήσουσιν*] *αὐτά* (33 *a*)
— 21. A *τῶν πονηρῶν ὧν ἐποίησαν* —
12. 3. *ποίησον σεαυτῷ σκεύη αἰχμαλωσίας* (33 *a*)
— 7. *ἐποίησα οὕτως κατὰ πάντα* (33 *a*)
— 9. *τί σὺ ποιεῖς* (33 *a*)

Ez. 12. 11. *τέρατα ποιῶ ὃν τρόπον πεποίηκα* (—, 33 *a*)
— 25. *ποιήσω καὶ οὐ μὴ μηκύνω ἔτι . . . λαλήσω λόγον καὶ ποιήσω* (33 *b*, 33 *a*)
— 28. *λαλήσω* [A *add. λόγον*] *καὶ ποιήσω* (33 *b*)
13. 18. *οὐαὶ ταῖς . . . ποιούσαις ἐπιβόλαια* (33 *a*)
14. 23. *οὐ μάτην πεποίηκα πάντα ὅσα ἐποίησα ἐν αὐτῇ* (33 *a*, 33 *a*)
15. 3. *τοῦ ποιῆσαι εἰς ἐργασίαν* (33 *a*)
16. 5. *τοῦ ποιῆσαί σοι ἓν ἐκ πάντων τούτων* [B[1] *om.*] (33 *a*)
— 16. *ἐποίησας σεαυτῇ εἴδωλα ῥαπτά* (33 *a*)
— 17. *ἐποίησας σεαυτῇ εἰκόνας ἀρσενικάς* (33 *a*)
— 24. *ἐποίησας σεαυτῇ ἔκθεμα* (33 *a*)
— 30. *ἐν τῷ ποιῆσαί σε πάντα ταῦτα* [A *om. π. τ.*] *ἔργα* (33 *a*)
— 31. *τὴν βάσιν σου ἐποίησας ἐν πάσῃ πλατείᾳ* (33 *a*)
— 41. *ποιήσουσιν ἐν σοὶ ἐκδικήσεις* (33 *a*)
— 43. *οὕτως ἐποίησας τὴν ἀσέβειαν* (33 *a*)
— 47. *οὐδὲ κατὰ τὰς ἀνομίας αὐτῶν ἐποίησας* (33 *a*)
— 48. *εἰ πεποίηκε Σόδομα . . . ὃν τρόπον ἐποίησας* [A *πεποίηκας*] *σύ* (33 *a*, 33 *a*)
— 50. *ἐποίησαν ἀνομήματα ἐνώπιον ἐμοῦ* (33 *a*)
— 51. *ἐν πάσαις ταῖς ἀνομίαις σου αἷς ἐποίησας* (33 *a*)
— 54. *ἐκ πάντων ὧν ἐποίησας* (33 *a*)
— 59. *ποιήσω ἐν* [A *om.*] *σοὶ καθὼς ἐποίησας* (33 *a*, 33 *a*)
— 63. *κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησας* (33 *a*)
17. 6. *ἐποίησεν ἀπώρυγας* (33 *a*)
— 8. *τοῦ π. βλαστοὺς* [A *ποιῆσαι καρπόν*] (33 *a*)
— 15. *εἰ διασωθήσεται ὁ ποιῶν ἐναντία* (33 *a*)
— 17. *οὐδὲ ἐν ὄχλῳ πολλῷ ποιήσει . . . πόλεμον* (33 *a*)
— 18. *πάντα ταῦτα ἐποίησεν αὐτῷ* (33 *a*)
— 23. *ποιήσει καρπόν* (33 *a*)
— 24. *λελάληκα καὶ ποιήσω* (33 *a*)
18. 5. AR *ὁ ποιῶν κρίμα καὶ* [B *om. κρ. κ.*] *δικαιοσύνην* (33 *a*)
— 8. *κρίμα δίκαιον ποιήσει* (33 *a*)
— 9. *τοῦ ποιῆσαι αὐτά* (33 *a*)
— 10. *ἐὰν γεννήσῃ υἱὸν λοιμὸν . . . ποιοῦντα ἁμαρτήματα* (33 *a*)
— 12. *ἀνομίαν πεποίηκε* (33 *a*)
— 13. *πάσας τὰς ἀνομίας ταύτας ἐποίησε* (33 *a*)
— 14. A *ἃς ἐποίησε καὶ φοβηθῇ καὶ μὴ ποιήσῃ κατ' αὐτάς* [B *κατὰ ταύτας*] (33 *a*, 33 *a*)
— 17. *δικαιοσύνην ἐποίησε* (33 *a*)
— 18. *ἐναντία ἐποίησεν* (33 *a*)
— 19. *δικαιοσύνην καὶ ἔλεος πεποίηκε* [A *ἐποίησεν*] . . . *ἐποίησεν αὐτά* (33 *a*, 33 *a*)
— 21. *ἐκ* [A *ἀπὸ*] *πασῶν τῶν ἀνομιῶν ὧν ἐποίησε . . . καὶ ποιήσῃ δικαιοσύνην καὶ ἔλεος* [A *π. τὰ δικαιώματά μου*] (33 *a*, 33 *a*)
— 22. *ὅσα* [A *ἃς*] *ἐποίησε . . . ἐν τῇ δικαιοσύνῃ αὐτοῦ ᾗ ἐποίησε* (33 *a*, 33 *a*)
— 24. *ποιῆσαι* [A *-σῃ*] *ἀδικίαν . . . ἃς ἐποίησεν ὁ ἄνομος . . . ἃς ἐποίησεν* (33 *a ter*)
— 26. *καὶ ποιήσῃ παράπτωμα . . . ᾧ ἐποίησεν* (33 *a*, 33 *a*)
— 27. *ἧς ἐποίησε καὶ ποιήσῃ κρίμα* (33 *a*, 33 *a*)
— 28. *ὧν ἐποίησε* (33 *a*)
— 31. A *ἃς ἐποιήσατε* [B *ἠσεβήσατε*] (35)
— 31. *ποιήσατε ἑαυτοῖς καρδίαν καινήν* (33 *a*)
— 31. A *ποιήσουτε πάσας τὰς ἐντολάς μου* —
20. 9. *ἐποίησα ὅπως τὸ ὄνομά μου τὸ παράπαν μὴ βεβηλωθῇ* (33 *a*)
— 11. *ὅσα ποιήσει αὐτὰ ἄνθρωπος* (33 *a*)
— 13. A *τοῦ π. αὐτὰ ἃ ποιήσει αὐτὰ ἄνθρωπος* —, —
— 13. *ἃ ποιήσει αὐτὰ ἄνθρωπος* (33 *a*)
— 14. *ἐποίησα* [A *οὐκ ἐ.*] *ὅπως τὸ ὄνομά μου . . . μὴ βεβηλωθῇ* (33 *a*)
— 17. *οὐκ ἐποίησα αὐτοὺς εἰς συντέλειαν* (33 *a*)
— 19. *ποιεῖτε αὐτά* (33 *a*)
— 21. *τοῦ ποιεῖν αὐτὰ ἃ ποιήσει ἄνθρωπος* (33 *a*, 33 *a*)
— 22. *ἐποίησα* [A *οὐκ ἐ.*] *ὅπως τὸ ὄνομά μου . . . μὴ βεβηλωθῇ* (33 *a*)
— 24. *τὰ δικαιώματά μου οὐκ ἐποίησαν* (33 *a*)
— 44. *ἐν τῷ ποιῆσαί με οὕτως ὑμῖν* (33 *a*)
22. 3. *πόλις . . . ποιοῦσα ἐνθυμήματα καθ' ἑαυτῆς* (33 *a*)
— 4. *ἐν τοῖς ἐνθυμήμασί σου οἷς ἐποίεις ἐμιαίνου* (33 *a*)

Ez. 22. 9. *ἀνόσια ἐποίουν ἐν μέσῳ σου* (33 *a*)
— 13. *συντετέλεσαι οἷς ἐποίησας* (33 *a*)
— 14. *αἷς ἐγὼ ποιῶ ἐν σοί* (33 *a*)
— 14. *ἐγὼ κύριος λελάληκα καὶ ποιήσω* (33 *a*)
23. 10. *ἐποίησαν ἐκδικήσεις ἐν αὐτῇ* (33 *a*)
— 21. *ἃ ἐποίεις ἐν Αἰγύπτῳ* (33 *a*)
— 25. *ποιήσουσι μετὰ σοῦ ἐν ὀργῇ θυμοῦ* (33 *a*)
— 29. *ποιήσουσιν ἐν σοὶ ἐν μίσει* (33 *a*)
— 30. *ἡ πορνεία σου ἐποίησε ταῦτά σοι* (33 *a*)
— 38. *ἕως καὶ ταῦτα ἐποίησάν μοι* (33 *a*)
— 38. A *καὶ ἃ ἐμίσουν ἐποίησαν* —
— 40 (39). *οὕτως ἐποίουν ἐν μέσῳ τοῦ οἴκου μου* (33 *a*)
— 43. A *ἔργα γυναικὸς πόρνης ἐποίεις* [B *al.*] —
— 44. *τοῦ ποιῆσαι ἀνομίαν* †
— 48. *οὐ μὴ ποιήσουσι κατὰ τὰς ἀσεβείας αὐτῶν* (33 *a*)
24. 14. *λελάληκα καὶ ἥξει καὶ ποιήσω* (33 *a*)
— 18. *ἐποίησα τὸ πρωΐ* (33 *a*)
— 19. *τί ἐστι ταῦτα ἃ σὺ ποιεῖς* (33 *a*)
— 22. *ποιήσετε* [A *-σω*] *ὃν τρόπον πεποίηκα* [A *ἐποίησα*] (33 *a*, 33 *a*)
— 24. *ὅσα ἐποίησα* [B[1] *-σατε*, B[2] *-σε*] *ποιήσετε* (33 *a*, 33 *a*)
25. 11. *εἰς* [A *ἐν*] *Μωὰβ ποιήσω ἐκδίκησιν* (33 *a*)
— 12. *ἀνθ' ὧν ἐποίησεν ἡ* Ἰδουμαία (33 *a*)
— 14. *ποιήσουσιν ἐν τῇ* Ἰδουμαίᾳ *κατὰ τὴν ὀργήν* [A *add. τοῦ θυμοῦ*] *μου* (33 *a*)
— 15. *ἀνθ' ὧν ἐποίησαν οἱ ἀλλόφυλοι ἐν ἐκδικήσει* (33 *a*)
— 17. *ποιήσω ἐν αὐτοῖς ἐκδικήσεις* (33 *a*)
26. 8. *ποιήσει* [A *περιπ.*] *ἐπὶ σὲ κύκλῳ χάρακα* (45)
27. 5. *τοῦ ποιῆσαί σοι ἱστοὺς ἐλατίνους* (33 *a*)
— 6. *ἐκ τῆς Βασ. ἐποίησαν τὰς κώπας σου* (33 *a*)
— 6. *τὰ ἱερά σου ἐποίησαν ἐξ ἐλέφαντος* (33 *a*)
28. 4. A *ἐποίησας σεαυτῷ δύναμιν καὶ ἐποίησας* [B *om.*] *χρυσίον* (33 *a*, 33 *a*)
— 22. *ἐν τῷ ποιῆσαί με ἐν σοὶ κρίματα* (33 *a*)
— 26. *ὅταν ποιήσω κρίμα* (33 *a*)
29. 3, 9. *ἐγὼ ἐποίησα αὐτούς* (33 *a*)
— 15. *ὀλιγοστοὺς αὐτοὺς ποιήσω* (96)
— 20. A *ὅσα ἐποίησάν μοι* (33 *a*)
30. 14. *ποιήσω ἐκδίκησιν ἐν Διοσπόλει* (33 *a*)
— 19. *ποιήσω κρίμα ἐν Αἰγύπτῳ* (33 *a*)
31. 11. *ἐποίησε τὴν ἀπόλειαν αὐτοῦ* (33 *a*)
33. 13. A *ἐὰν ποιήσῃ ἀδικίαν πᾶσαι αἱ δικαιοσύναι αὐ. ἃς ἐποίησεν οὐ μὴ μνησθῶσιν ἐν τῇ ἀδικίᾳ αὐ. ᾗ ἐποίησεν* (33 *a*, —, 33 *a*)
— 14. R *ποιήσει* [AB *-σῃ*] *κρίμα καὶ δικαιοσύνην* (33 *a*)
— 15. *τοῦ μὴ ποιῆσαι ἄδικον* (33 *a*)
— 16. A *πᾶσαι αἱ ἁμαρτίαι αὐ. ἃς ἐποίησεν* [B *ἥμαρτεν*] (8)
— 16. *κρίμα καὶ δικαιοσύνην ἐποίησεν* (33 *a*)
— 18. R *ποιήσει* [AB *-σῃ*] *ἀνομίας* (33 *a*)
— 19. R *ποιήσει* [AB *-σῃ*] *κρίμα* (33 *a*)
— 26. A *ἐποιήσατε βδέλυγμα* (33 *a*)
— 29. *ποιήσω τὴν γῆν αὐτῶν ἔρημον . . . ἃ ἐποίησαν* (25, 33 *a*)
— 31. *αὐτὰ οὐ μὴ ποιήσουσιν* [A *-σωσιν*] (33 *a*)
— 32. *οὐ μὴ ποιήσουσιν αὐτά* (33 *a*)
35. 4. *ταῖς* [A *ἐν τ.*] *πόλεσί σου ἐρημίαν ποιήσω* (39)
— 11. *ποιήσω σοι κατὰ τὴν ἔχθραν σου* (33 *a*)
— 11. A *κατὰ τὸν ζῆλόν σου ὃν ἐποίησας* (33 *a*)
— 15. B *ἔρημον ποιήσω σε* (33 *a*)
36. 11. *εὖ ποιήσω ὑμᾶς* (74 *b*)
— 22. *οὐχ ὑμῖν ἐγὼ ποιῶ* (33 *a*)
— 27. *ποιήσω ἵνα ἐν τοῖς δικαιώμασί μου πορεύησθε καὶ τὰ κρίματά μου . . . ποιήσητε* [A *-ετε*] (33 *a*, 33 *a*)
— 32. *οὐ δι' ὑμᾶς ἐγὼ ποιῶ* (33 *a*)
— 36. *ἐλάλησα καὶ ποιήσω* (33 *a*)
— 37. *τοῦ ποιῆσαι αὐτούς* [A *-οῖς*] (33 *a*)
37. 14. *λελάληκα καὶ ποιήσω* (33 *a*)
— 24. *ποιήσουσιν αὐτά* (33 *a*)
38. 12. *ἐπ' ἔθνος . . . πεποιηκότας κτήσεις* (33 *a*)
39. 21. *τὴν κρίσιν μου ἣν ἐποίησα* (33 *a*)
— 24. *κατὰ τὰ ἀνομήματα αὐ. ἐποίησα αὐτοῖς* (33 *a*)
43. 8. *ἐν ταῖς ἀνομίαις αὐτῶν αἷς ἐποίουν* (33 *a*)
— 11. *περὶ πάντων ὧν ἐποίησαν . . . ποιήσουσιν αὐτά* (33 *a*, 33 *a*)
— 25. *ἑπτὰ ἡμέρας ποιήσεις ἔριφον . . . ἄμωμα ποιήσουσιν ἑπτὰ ἡμέρας* (33 *a*, 33 *a*)
— 27. *ποιήσουσιν οἱ ἱερεῖς . . . τὰ ὁλοκαυτώματα ὑμῶν* (33 *a*)

Ez. 44. 14. εἰς πάντα ὅσα ἂν ποιήσωσιν (33 *b*)
45. 9. κρίμα καὶ δικαιοσύνην ποιήσατε (33 *a*)
— 17. αὐτὸς ποιήσει τὰ ὑπὲρ ἁμαρτίας (33 *a*)
— 20. οὕτως ποιήσεις ἐν τῷ μηνὶ τῷ ἑβδόμῳ (33 *a*)
— 22. ποιήσει ὁ ἀφηγούμενος . . . ὑπὲρ αὐτοῦ (33 *a*)
— 23. ποιήσει [A -εις] ὁλοκαυτώματα τῷ κυρίῳ ἑπτὰ μόσχους (33 *a*)
— 24. πέμμα τῷ κριῷ ποιήσεις (33 *a*)
— 25. ποιήσεις κατὰ τὰ αὐτὰ ἑπτὰ ἡμέρας (33 *a*)
46. 2. ποιήσουσιν οἱ ἰ. τὰ ὁλοκαυτώματα αὐ. (33 *a*)
— 7. A καθὼς ἂν εὗ ποιῇ [B ἐὰν ἐκπ.] ἡ χεὶρ αὐ. (74 *d*)
— 12. ἐὰν δὲ ποιήσῃ ὁ ἀφηγούμενος ὁμολογίαν . . . ποιήσει τὸ ὁλοκαύτωμα αὐτοῦ . . . ὃν τρόπον ποιεῖ ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῶν σαββάτων (33 *a ter*)
— 13. ἀμνὸν ἐνιαύσιον ἄμωμον ποιήσει . . . πρωῒ ποιήσει αὐτόν (33 *a*, 33 *a*)
— 14. μαναὰ ποιήσει ἐπ' αὐτῷ (33 *a*)
— 15. πρόσταγμα διὰ παντὸς ποιήσετε τὸν ἀμνὸν καὶ τὸ μαναὰ καὶ τὸ ἔλαιον ποιήσετε τὸ πρωῒ (33 *a*, –)
Da. LXX. Su. 35. οὐκ ἐποίησα ἃ πονηρεύονται
— 52. ἃς ἐποίεις τὸ πρότερον
— 57. οὕτως ἐποιεῖτε θυγατράσιν Ἰσρ.
— 61. ὡς ὁ νόμος διαγορεύει ἐποίησαν αὐτοῖς
2. 9. λόγους ψευδεῖς ποιήσασθαι ἐπ' ἐμοῦ (7 *a**, 7 *b*)
— 46. ἐπέταξε . . . σπονδὰς ποιῆσαι αὐτῷ (22 *b*)
3. 1. ἐποίησεν εἰκόνα χρυσῆν (27 *d*)
— (27). οἷς ἐποίησας ἡμῖν
— (28). κρίματα ἀληθείας ἐποίησας
— (28). ἐποίησας πάντα ταῦτα
— (30). οὐδὲ ἐποιήσαμεν καθὼς ἐνετείλω ἡμῖν
— (31). πάντα ὅσα ἐποίησας ἡμῖν ἐν ἀληθινῇ κρίσει ἐποίησας
— (42). ποίησον μεθ' ἡμῶν ἔλεος
— (50). ἐποίησε τὸ μέσον τῆς καμίνου ὡσεὶ πνεῦμα
— 32 (99). ἃ ἐποίησε μετ' ἐμοῦ ὁ θ. (27 *d*)
4. 14. ὅσα ἂν θέλῃ ποιεῖν ποιεῖ ἐν αὐτοῖς †
— 34. ποιεῖ σημεῖα καὶ τέρατα –
— 34. ἀποκτεῖναι καὶ ζῆν ποιῆσαι –
— 34. καὶ ποιῆσαι σημεῖα –
— 34. καθὼς ἐποίησεν ἐν ἐμοὶ ὁ θεὸς τοῦ οὐρ. –
— 34. τὸ ἀρεστὸν ἐνώπιον αὐτοῦ ποιήσω –
— 34. οὕτως ἐποίησε μετ' ἐμοῦ –
— 34. ἃς ἐποίησε μετ' ἐμοῦ ὁ θ. ὁ μέγας –
5. 1. B. ὁ βασ. ἐποίησε δοχὴν μεγάλην (27 *d*)
— 1. B. ὁ βασ. ἐποίησεν ἑστιατορίαν μεγάλην (27 *d*)
— 23. σὺ ἐποίησω ἑστιατορίαν τοῖς φίλοις σου –
6. 10 (11). καθὼς ἐποίει ἔμπροσθεν (27 *f*)
— 12 (13). οὕτως ποιήσω καθὼς λέγετε †
— 18 (19). πρόνοιαν ποιούμενος αὐτοῦ –
7. 8. ἐποίει πόλεμον πρὸς τοὺς ἁγίους –
8. 4. ἐποίει ὡς ἤθελε (33 *a*)
— 12. καὶ ἐποίησε καὶ εὐωδώθη (33 *a*)
— 24. καὶ ποιήσει καὶ φθερεῖ δυνάστας (33 *a*)
— 25. ποιήσει συναγωγὴν χειρός –
9. 14. ἐπὶ πάντα ὅσα ἂν ποιήσῃ (33 *a*)
— 15. ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα (33 *a*)
— 19. ἐπάκουσον καὶ ποίησον (33 *a*)
11. 3. ποιήσει καθὼς ἂν βούληται (33 *a*)
— 6. ποιήσασθαι συνθήκας (33 *a*)
— 7. καὶ ποιήσει ταραχήν (33 *a*)
— 16. ποιήσει . . . κατὰ τὸ θέλημα αὐ. (33 *a*)
— 17. συνθήκας μετ' αὐτοῦ ποιήσεται (33 *a*)
— 23. ποιήσει ψεῦδος (33 *a*)
— 24. ποιήσει ὅσα οὐκ ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐ. (33 *a*, 33 *a*)
— 28, 30. ποιήσει καὶ ἐπιστρέψει (33 *a*)
— 32. κατισχύσουσι καὶ ποιήσουσι (33 *a*)
— 36. ποιήσει κατὰ τὸ θέλημα αὐ. ὁ βασ. (33 *a*)
— 39. ἐν ἐπιθυμήμασι ποιήσει πόλεων (33 *a*)
Bel 26. ἐποίησε μάζαν
Da. TH. Su. 18. ἐποίησαν καθὼς εἶπε
— 43. ἀποθνήσκω μὴ ποιήσασα μηδέν
— 52. ἃς ἐποίεις τὸ πρότερον
— 57. οὕτως ἐποιεῖτε θυγατράσιν Ἰσρ.
— 62. ἐποίησαν αὐτοῖς ὃν τρόπον ἐπονηρεύσαντο
— 62. ποιῆσαι κατὰ τὸν νόμον M.
1. 13. ποίησον μετὰ τῶν παίδων [A -δαρίων] σου (33 *a*)
3. 1. Nαβ. ὁ βασ. ἐποίησεν εἰκόνα χρυσῆν (27 *d*)
— 15. τῇ εἰκόνι τῇ χρυσῇ ᾗ ἐποίησα (27 *d*)
— (27). ἐπὶ πᾶσιν οἷς ἐποίησας
— (28). κρίματα ἀληθείας ἐποίησας
Da. TH. 3. (30). οὐδὲ ἐποιήσαμεν καθὼς ἐνετείλω ἡμῖν
— (31). πάντα ὅσα ἐποίησας ἡμῖν ἐν ἀληθινῇ κρίσει ἐποίησας
— (42). ποίησον μεθ' ἡμῶν κατὰ τὴν ἐπιείκειάν σου
— (50). ἐποίησε τὸ μέσον τῆς καμίνου ὡς πνεῦμα
— 32 (99). ἃ ἐποίησε μετ' ἐμοῦ ὁ θεός (27 *d*)
4. 32. κατὰ τὸ θέλημα αὐ. ποιεῖ (27 *d*)
— 32. τί ἐποίησας (27 *d*)
5. 1. ἐποίησε δεῖπνον μέγα τοῖς μεγιστᾶσιν αὐ. (27 *d*)
6. 10 (11). καθὼς ἦν ποιῶν ἔμπροσθεν (27 *d*)
— 22 (23). παράπτωμα οὐκ ἐποίησα (27 *d*)
— 27 (28). ποιεῖ σημεῖα καὶ τέρατα (27 *d*)
7. 21. ἐποίει πόλεμον μετὰ τῶν ἁγίων (27 *d*)
8. 4. ἐποίησε κατὰ τὸ θέλημα αὐ. (33 *a*)
— 12. καὶ ἐποίησε καὶ εὐωδώθη (33 *a*)
— 24. κατευθυνεῖ καὶ ποιήσει (33 *a*)
— 27. ἐποίουν τὰ ἔργα τοῦ βασ. (33 *a*)
9. 14. πᾶσαν τὴν ποίησιν αὐ. ἣν ἐποίησε (33 *a*)
— 15. ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα (33 *a*)
— 19. A κύριε, ποίησον [B *om.*] (33 *a*)
11. 3. ποιήσει κατὰ τὸ θέλημα αὐ. (33 *a*)
— 6. τοῦ ποιῆσαι συνθήκας μετ' αὐτοῦ (33 *a*)
— 7. καὶ ποιήσει ἐν [A *om.*] αὐτοῖς (33 *a*)
— 16. ποιήσει . . . κατὰ τὸ θέλημα αὐ. (33 *a*)
— 17. εὐθεῖα πάντα μετ' αὐτοῦ ποιήσει (33 *a*)
— 23. ποιήσει δόλον (33 *a*)
— 24. ποιήσει ἃ οὐκ ἐποίησαν οἱ πατ. αὐ. (33 *a*, 33 *a*)
— 28, 30. ποιήσει καὶ ἐπιστρέψει (33 *a*)
— 32. κατισχύσουσι καὶ ποιήσουσι (33 *a*)
— 36. ποιήσει κατὰ τὸ θέλημα αὐ. (33 *a*)
— 39. ποιήσει τοῖς ὀχυρώμασι τῶν καταφυγῶν (33 *a*)
Bel 13. πεποιήκεισαν . . . κεκρυμμένην εἴσοδον
— 27. καὶ ἐποίησε μάζας
I Ma. 1. 13. ποιῆσαι τὰ δικαιώματα τῶν ἐθνῶν
— 15. ἐποίησαν ἑαυτοῖς ἀκροβυστίας
— 15. ἐπράθησαν [S² ἐπειρ.] τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρόν
— 24. S R ἐποίησε [A -σαν] φονοκτονίαν
— 50. ὃς ἂν μὴ ποιήσῃ κατὰ τὸ ῥῆμα τοῦ βασ.
— 51. καὶ ἐποίησεν ἐπισκόπους
— 52. ἐποίησαν κακὰ ἐν τῇ γῇ
— 58. ἐν ἰσχύϊ αὐ. ἐποίουν
2. 18. A R ποίησον τὸ πρόσταγμα τοῦ βασ. ὡς ἐποίησαν [S -εν] πάντα τὰ ἔθνη
— 26. καθὼς ἐποίησε Φ.
— 33. ποιήσατε [S¹ -σωμεν] κατὰ τὸν λόγον τοῦ βασ.
— 34. S R οὐδὲ ποιήσομεν [A -σωμεν] τὸν λόγον τοῦ βασ.
— 40. ἐὰν πάντες ποιήσωμεν ὡς οἱ ἀδ. ἡμῶν ἐποίησαν
— 51. τὰ ἔργα ἃ ἐποίησαν [S¹ -εν]
3. 14. ποιήσω ἐμαυτῷ ὄνομα
— 15. ποιῆσαι τὴν ἐκδίκησιν ἐν υἱοῖς Ἰσρ.
— 42. οὓς ἐνετείλατο ποιῆσαι τῷ λαῷ
— 50. τί ποιήσωμεν τούτοις
— 60. οὕτως ποιήσει
4. 44. A R τί αὐτῷ [S -ὸ] ποιήσωσι
— 49. ἐποίησαν σκεύη ἅγια καινά
— 51. πάντα τὰ ἔργα ἃ ἐποίησαν
— 53. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον . . . ὃ ἐποίησαν
— 56. ἐποίησαν τὸν ἐγκαινισμόν
— 60. ὡς ἐποίησαν τὸ πρότερον
5. 16. τί ποιήσωσι τοῖς ἀδ. αὐ.
— 56. οἷα ἐποίησαν
— 57. S R ποιήσωμεν [A -ομεν] καὶ αὐτοὶ ἑαυτοῖς ὄνομα
6. 12. A R τῶν κακῶν ὧν ἐποίησα [S ὧν ἐπ. κ.]
— 20. ἐποίησεν ἐπ' αὐτοὺς βελοστάσεις
— 22. S¹ R ἕως πότε οὐ ποιήσῃ [A S² -σεις] κρίσιν
— 27. μείζονα τούτων ποιήσουσι
— 31. A R ἐποίησαν [S -εν] μηχανάς
— 49. S R ἐποίησεν εἰρήνην [A *om.*]
— 52. ἐποίησαν καὶ αὐτοὶ μηχανάς
— 58. ποιήσωμεν μετ' αὐτῶν εἰρήνην
— 59. ἐποίησαν ταῦτα πάντα
7. 7. ἣν ἐποίησεν ἡμῖν
— 9. ποιῆσαι τὴν ἐκδίκησιν ἐν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ.
— 22. ἐποίησαν πληγὴν μεγάλην
— 23. πᾶσαν τὴν κακίαν ἣν ἐποίησεν Ἀ.
— 24. καὶ ἐποίησεν ἐκδίκησιν
— 38. ποίησον ἐκδίκησιν
8. 2. ἃς ποιοῦσιν ἐν τοῖς Γαλάταις
I Ma. 8. 3. ὅσα ἐποίησαν ἐν χώρᾳ Σπανίας
— 15. βουλευτήριον ἐποίησαν ἑαυτοῖς
— 30. A R ποιήσονται [S -σωνται] ἐξ αἱρέσεως αὐ.
— 32. ποιήσομεν αὐτοῖς τὴν κρίσιν
9. 1. A ἐποίησεν [S ἔπεισεν, R ἔπεσε] Νικάνωρ
— 10. μή μοι γένοιτο ποιῆσαι τὸ πρᾶγμα τοῦτο
— 22. τῶν ἀνδραγαθιῶν ὧν ἐποίησε
— 37. ποιοῦσι γάμον μέγαν
— 64. καὶ ἐποίησε μηχανάς
— 71. ἐποίησε κατὰ τοὺς λόγους αὐτοῦ [S¹ -ῷ]
10. 11. εἶπε πρὸς τοὺς ποιοῦντας τὰ ἔργα
— 11. A R καὶ ἐποίησαν [S -εν] οὕτως
— 15. ἃς ἐποίησεν αὐτός
— 16. S R ποιήσομεν [A -ωμεν] αὐτὸν φίλον
— 23. A R τί τοῦτο ἐποίησαμεν [S -σας]
— 27. ἀνθ' ὧν ποιεῖτε μεθ' ἡμῶν
— 46. ἧς ἐποίησεν [S¹ -αν] ἐν Ἰσρ.
— 56. ποιήσω σοι ἃ ἔγραψας
— 58. ἐποίησε τὸν γάμον αὐ.
— 62. καὶ ἐποίησαν οὕτως
11. 4. ἐποίησαν γὰρ θημωνίας αὐτῶν
— 5. ἃ ἐποίησεν Ἰων.
— 20. S R ἐποίησεν [A -αν] . . . μηχανὰς πολλάς
— 26. ἐποίησεν αὐτῷ ὁ βασ. καθὼς ἐποίησαν αὐτῷ
— 27. ἐποίησεν αὐτὸν τῶν πρώτων φίλων ἡγεῖσθαι
— 28. ποιῆσαι τὴν Ἰουδ. ἀφορολόγητον
— 33. S ἐκρίναμεν ἀγαθὸν ποιῆσαι [A R ἀγαθοπ.]
— 37. τοῦ ποιῆσαι τούτων ἀντίγραφον
— 42. οὐ μόνον ταῦτα ποιήσω σοι
— 43. ὀρθῶς ποιήσεις ἀποστείλας μοι ἄνδρας
— 51. ἐποίησαν εἰρήνην
12. 18. S R καλῶς ποιήσετε [A ἐποιήσατε] ἀντιφωνήσαντες ἡμῖν
— 22. καλῶς ποιήσετε γράφοντες ἡμῖν
— 46. ἐποίησε καθὼς εἶπε
13. 3. A R ὅσα . . . ἐποιήσαμεν περὶ τῶν νόμων [S *al.*]
— 9. πάντα ὅσα ἂν εἴπῃς ἡμῖν ποιήσομεν
— 29. ἐποίησε μηχανήματα
— 29. ἐποίησεν ἐπὶ τοῖς στύλοις πανοπλίας
— 30. ὃν ἐποίησεν ἐν M.
— 32. ἐποίησε πληγὴν μεγάλην ἐπὶ τῆς γῆς
— 34. τοῦ ποιῆσαι ἄφεσιν τῇ χώρᾳ
— 37. τοῦ ποιεῖν ὑμῖν εἰρήνην μεγάλην
— 43. R καὶ ἐποίησεν ἑλεπόλεις [A S *al.*]
— 48. A R οἵτινες τὸν νόμον ποιοῦσι [S ποιήσωσιν]
14. 5. ἐποίησεν εἴσοδον ταῖς νήσοις
— 11. ἐποίησε τὴν εἰρήνην ἐπὶ τῆς γῆς
— 35. ἣν ἐβουλεύσατο ποιῆσαι τῷ ἔθνει αὐ.
— 35. διὰ τὸ αὐτὸν πεποιηκέναι πάντα ταῦτα
— 36. ἐποίησαν [S¹ -εν] ἑαυτοῖς ἄκραν
— 36. S R ἐποίουν [A -ουσαν] πληγὴν μεγάλην
— 39. ἐποίησεν αὐτὸν τῶν φίλων αὐ.
— 45. ὃς δ' ἂν παρὰ ταῦτα ποιήσῃ
— 46. ποιῆσαι κατὰ τοὺς λόγους τούτους
15. 6. ποιῆσαι κόμμα ἴδιον
— 25. καὶ μηχανὰς ποιούμενος
— 29. ἐποιήσατε [S¹ π.] πληγὴν μεγάλην
— 35. ἐποίουν ἐν τῷ λαῷ πληγὴν μεγάλην
16. 15. ἐποίησεν αὐτοῖς πότον μέγαν
— 17. S R ἐποίησεν ἀθεσίαν [A ἀθεΐαν] μεγάλην
II Ma. 1. 3. εἰς τὸ . . . ποιεῖν αὐτοῦ τὰ θελήματα
— 4. καὶ εἰρήνην ποιήσαι
— 16. καὶ μέλη ποιήσαντες
— 23. προσευχὴν δὲ ἐποιήσαντο οἱ ἱερεῖς
— 25. ὁ ποιήσας τοὺς πατέρας ἐκλεκτούς
— 34. περιφράξας δὲ ὁ βασ. ἱερὸν ἐποίησε
2. 16. καλῶς οὖν ποιήσετε ἄγειν τὰς ἡμέρας
— 30. R περὶ πάντων ποιεῖσθαι λόγον [A *al.*]
— 31. τῷ τὴν μετάφρασιν ποιουμένῳ συγχωρητέον
3. 7. τὴν τῶν προειρημ. χρημάτων ἐκκομιδὴν ποιήσασθαι
— 8. ἐποιεῖτο τὴν πορείαν
— 20. ἐποιοῦντο τὴν λιτανείαν
— 24. ἐπιφάνειαν μεγάλην ἐποίησεν
— 33. ποιουμένου δὲ τοῦ ἀρχιερέως τὸν ἱλασμόν
4. 11. τοῦ ποιησαμένου τὴν πρεσβείαν
— 27. ποιουμένου δὲ τὴν ἀπαίτησιν Σωστράτου
— 42. πολλοὺς μὲν αὐτῶν τραυματίας ἐποίησαν
— 44. ἐπ' αὐτοῦ τὴν δικαιολογίαν ἐποιήσαντο
5. 6. ἐποιεῖτο σφαγὰς τῶν πολιτῶν
7. 16. ὃ θελεῖς ποιεῖς
— 24. οὐ μόνον διὰ λόγων ἐποιεῖτο τὴν παράκλησιν
— 24. ἅμα πλουτιεῖν καὶ μακαριστὸν ποιήσειν
— 28. ἐξ οὐκ ὄντων ἐποίησεν αὐτὰ ὁ θ.

II Ma. 8. 21. τετραμερές τι ἐποίησε τὸ στράτευμα
— 24. R τραυματίας . . . τὸ πλεῖστον μέρος τῆς τοῦ N. στρατιᾶς ἐποίησαν [A al.]
— 29. κοινὴν ἱκετείαν ποιησάμενοι
— 30. ἔτι δὲ καὶ πρεσβυτέροις ποιήσαντες
— 35. ἔρημον ἑαυτὸν ποιήσας
9. 2. ἀσχήμονα τὴν ἀναζυγὴν ποιήσασθαι
— 4. πολυάνδριον Ἰουδαίων Ἱεροσόλυμα ποιήσω
— 14. ἦν . . . παρεγίνετο ἰσόπεδον ποιῆσαι
— 15. πάντας αὐτοὺς ἴσους Ἀθηναίοις ποιήσειν
10. 3. ἕτερον θυσιαστήριον ἐποίησαν
— 3. τῶν ἄρτων τὴν πρόθεσιν ἐποιήσαντο
— 4. ταῦτα δὲ ποιήσαντες
— 16. οἱ δὲ περὶ τὸν M. ποιησάμενοι λιτανίαν
11. 2. τὴν μὲν πόλιν Ἕλλησιν οἰκητήριον ποιήσειν
— 3. πρατὴν δὲ . . . τὴν ἀρχιερωσύνην ποιήσειν
— 26. εὖ οὖν ποιήσεις διαπεμψάμενος
12. 10. ποιουμένων τὴν πορείαν ἐπὶ τὸν Τιμ.
— 16. ἀμυθήτους ἐποιήσαντο σφαγάς
— 23. ἐποιείτο δὲ τὸν διωγμὸν εὐτονώτερον Ἰ.
— 30. R ἥμερον ἀπάντησιν ἐποιοῦντο [A om.]
— 37. τροπὴν ἐποιήσατο αὐτῶν
— 41. τοῦ τὰ κεκρυμμένα φανερὰ ποιοῦντος
— 43. R ποιησάμενός τε . . . καστασκευάσματα [A al.]
— 45. περὶ τῶν τεθνηκότων τὸν ἐξιλασμὸν ἐποιήσατο
13. 6. R ἢ καί τινων ἄλλων κακῶν ὑπεροχὴν πεποιημένον [A -ων]
— 12. πάντων δὲ τὸ αὐτὸ ποιησάντων
— 14. ἐποιήσατο περὶ M. τὴν στρατοπεδείαν
— 26. εὐμενεῖς ἐποίησεν
14. 18. τὴν κρίσιν δι' αἱμάτων ποιήσασθαι
— 22. τὴν ἁρμόζουσαν ἐποιήσαντο κοινολογίαν
— 33. τόνδε τοῦ θεοῦ σηκὸν εἰς πεδίον ποιήσω
— 39. πρόδηλον ποιῆσαι . . . δυσμένειαν
III Ma. 1. 7. ποιήσας δὲ τοῦτο
— 9. τῶν ἑξῆς τι τῷ τόπῳ ποιήσας
— 23. τὴν ὁρμὴν ἐπὶ τὰ ὅπλα ποιήσασθαι
— 23. ἱκανὴν ἐποίησαν ἐν τῷ τόπῳ τραχύτητα
— 26. πρόσβασιν ἐποιεῖτο
2. 1. ἐποιήσατο τὴν δέησιν τοιαύτην
— 4. τοὺς ἔμπροσθεν ἀδικίαν ποιήσαντας
— 9. σύστασιν ποιησάμενος αὐτοῦ
— 20. ποιήσας ἡμῖν εἰρήνην
3. 4. χωρισμὸν ἐποίουν
— 15. R εὖ ποιῆσαί [A -σαντές] τε ἀσμένως
— 20. καθὼς ἔπρεπεν ἐποιήσαμεν
4. 13. τὸν αὐτὸν τρόπον ἐπιμελῶς ὡς ἐκείνοις ποιῆσαι
— 17. τὴν τῶν Ἰουδ. ἀπογραφὴν ποιεῖσθαι
5. 15. τὸν περὶ τούτων λόγον ποιούμενος
6. 17. ἀκατάσχετον οἰμωγὴν ποιῆσαι
— 40. τὴν ἐντυχίαν ἐποιήσαντο
7. 18. ἐπεὶ ἐποίησαν πότον σωτήριον
— 22. τὰ μεγαλεῖα τοῦ μεγίστου θεοῦ ποιήσαντος
IV Ma. 1. 12. ὅπερ εἴωθα ποιεῖν
2. 17. οὐ θυμῷ τι κατ' αὐτῶν ἐποίησεν
5. 9. ἀνοητότερον ποιήσειν δοκεῖς
6. 29. A R καθάρσιον αὐτῶν ποίησον [S -σαι] τὸ ἐμὸν αἷμα
12. 6. A R εὐπειθῆ ποιῆσαι τὸν περιλειπόμενον [S al.]
18. 16. A R πᾶσι [S om.] τοῖς ποιοῦσιν αὐ. τὸ θέλημα
— 18. καὶ ζῆν ποιήσω

[Aq. Ge. 1. 26, 31 : 3. 2 (1) : 6. 7 (6), 17 (16) : 20. 10 : Ex. 1. 21 : 30. 18, 37 *bis* : Le. 20. 12 : Dt. 30. 12 : Jo. 1. 8 : 2. 14 : 5. 15 (16) : II Ki. 7. 25 : 12. 5 : III Ki. 7. 6 (43), 7 (44), 38 (24) : 9. 23 : 14. 4, 8, 9 *bis*, 15 : 16. 27 : 22. 49 : IV Ki. 16. 11 : 17. 11, 16 : 19. 25 : 21. 8 : Jb. 10. 12 : 13. 20 : 34. 22 : 40. 10 (15) : Ps. 17 (18). 41 : 21 (22). 32 : 30 (31). 23 : 32 (33). 6 : 70 (71). 19 : 118 (119). 73, 121 : 138 (139). 15 : Pr. 8. 26 : 10. 23 : 22. 19 : Ec. 2. 11, 17 : Is. 5. 2 : 20. 2 : 32. 6 : 38. 15 : 40. 23 : 44. 13, 24 : 55. 11 : Je. 6. 15 : 8. 8 : 30 (37). 15 : 32 (39). 23 : 33 (40). 9 : 46 (26). 28 : 51 (28). 12 : Ez. 18. 10, 11 : 20. 14, 43 : 22. 11 : 23. 21 : 29. 3 : 31. 9, 11 *bis* : 44. 14 (P.) : Ma. 2. 13.]
[Sm. Ge. 1. 26, 31 : 6. 15 (14), 17 (16) *bis* : 18. 25 : 20. 10 : 27. 37 : Ex. 1. 21 : 18. 14 : 30. 18, 37 *bis* : 39. 1 (13) : Dt. 7. 15 : Jo. 1. 8 : 2. 14 : 5. 15 (16) : I Ki. 12. 7 : 20. 12 : 29. 7 : II Ki. 7. 11, 25, 27 : 12. 5, 14 : 14. 20 : 15. 31 : III Ki. 3. 1 : 7. 6 (43), 38 (24) : IV Ki. 16. 11 : 17. 16 : 21. 7 : 23. 17 : Jb. 24. 4 : 35. 16 : 36. 13 : 39. 34 (40. 4) : 40. 3 (8), 14 (19) : Ps. 4. 7 : 17 (18). 41 : 19 (20). 4 : 21 (22). 32 : 25 (26). 7 : 27 (28). 4 : 28 (29). 6 : 31 (32). 5 : 38 (39). 10 : 39 (40). 6 : 43 (44). 13, 15 : 48 (49). 19 : 50 (51). 10 : 54 (55). 8, 9, 10 *bis* : 55 (56). 12 : 58 (59). 11 : 64 (65). 9 : 65 (66). 8 : 67 (68). 23 *bis*, 29 : 70 (71). 19 : 75 (76). 9 : 76 (77). 15 : 77 (78). 43 : 82 (83). 5 : 87 (88). 9, 11, 19 : 88 (89). 30 : 89 (90). 17 : 99 (100). 3 : 100 (101). 8 : 101 (102). 9 : 106 (107). 38 : 118 (119). 73, 121 : 125 (126). 2 : 134 (135) 18 : 138 (139). 15 : 141 (142). 8 : Pr. 3. 6 : 8. 26 : 22. 19 : Ec. 2. 4 : 7. 15 (14) : Is. 5. 2 : 6. 12 : 10. 13 : 22. 11 : 25. 8 : 32. 6 *bis* : 42. 9 : 44. 24 : 46. 11 (Sw.) : 48. 14 : 50. 2 : 52. 7 *bis* : 53. 6 : 55. 5, 10, 11 : 60. 7 : Je. 6. 15 : 7. 3 : 22. 15 : 31 (38). 7, 37 : 32 (39). 23 : 37 (44). 15 : 44 (51). 4 : 46 (26). 28 : Ez. 11. 16 : 13. 18 : 18. 8 : 19. 7 : 20. 11 : 22. 4, 11 : 24. 17 : 27. 30 : 29. 3, 18 : 31. 11 *bis* : 40. 16 (P.), 17 : 44. 14 (P.) : Da. 11. 6 (Sw.) : Ma. 2. 13.]
[Th. Ge. 1. 26, 27 : 4. 7 : 20. 10 : Ex. 28. 23, 26, 27 : 30. 18, 37 *bis* : 37 (38). 4, 11, 12 *bis*, 13, 15 : 38. 3 (23) : 39. 1 (13) : Le. 20. 12 : Jo. 1. 8 : 2. 14 : 5. 15 (16) : Jd. 11. 37 : 13. 23 : 15. 7 : 18. 24 : II Ki. 12. 9, 12 *bis* : 15. 26 : III Ki. 6. 16 : 7. 6 (43) : Jb. 10. 12 : 12. 9 : 13. 20 : 15. 27 : 21. 31 : 34. 22 : 35. 10 : 40. 10 (15) : 41. 25 : Ps. 8. 7 : 21 (22). 32 : Pr. 20. 18 : Is. 5. 2 : 22. 11 : 32. 6 *bis* : 38. 15 : 43. 24 : 44. 15, 24 : 46. 11 (Sw.) : 55. 11 : 58. 13 : Je. 6. 15 : 8. 10, 12 : 11. 8, 8 (Sw.) : 30 (37). 11 *bis*, 15 : 32 (39). 23 : 33 (40). 15, 18 : 38 (45). 9 : 39 (46). 12 *bis* : Ez. 6. 10 : 11. 12 (Sw.) : 18. 24 (Sw.) : 20. 21, 43 : 22. 11 : 31. 9, 11 *bis* : 33. 26, 31 : 35. 11, 15 : 40. 16 (P.), 17 : 44. 14 (P.) : Da. 3. (42) : 11. 6, 39 : 13. 62 : 14. 26 : Ma. 2. 13.]
[Al. Le. 16. 9 : 24. 20 : Nu. 9. 3 : 22. 30, 35 : 33. 1 : Dt. 32. 18 : Jo. 22. 10 : I Ki. 9. 27 : 12. 22 : 22. 8 : 28. 15, 17, 18 : III Ki. 22. 49 : I Ch. 4. 10 : Es. 2. 1 : Jb. 37. 5 : Ps. 9. 17 : 105 (106). 3 : 138 (139). 15 : Pr. 1. 25 : Is. 1. 29 : Ez. 9. 8.]
[Heb. Jb. 14. 9 : Ez. 13. 18.]
[Quint. IV Ki. 16. 11 : Ps. 28 (29). 6 : 118 (119). 121.]
[Sext. Ps. 70 (71). 19 : 118 (119). 121.]

ποίημα. (1) מְעֻשֶׂה (2) פֹּעַל

Jd. 13. 12. καὶ τὰ π. [A ἔργα] αὐτοῦ (1)
I Ki. 8. 8. κατὰ πάντα τὰ π. [A om. τ. π.] ἃ ἐποίησαν (1)
19. 4. τὰ π. αὐτοῦ ἀγαθὰ σφόδρα (1)
III Ki. 7. 31. A ποίημα οὕτως πήχεος (1)
II Es. 9. 13. ἐν π. ἡμῶν τοῖς πονηροῖς (1)
Ne. 6. 14. ὡς τὰ π. αὐτοῦ ταῦτα (1)
Ps. 63 (64). 9. τὰ π. αὐτοῦ συνῆκαν (1)
91 (92). 4. εὔφρανάς με, κύριε, ἐν τῷ π. σου (2)
142 (143). 5. ἐν ποιήμασι τῶν χειρῶν σου (1)
Ec. 1. 14. εἶδον σύμπαντα τὰ π. [S¹ om. τὰ π.] τὰ πεποιημένα (1)
2. 4. ἐμεγάλυνα ποίημά μου (1)
— 11. ἐπέβλεψα ἐγὼ ἐν πᾶσι [A S² πᾶσιν τοῖς] π. μου (1)
— 17. πονηρὸν ἐπ' ἐμὲ τὸ π. τὸ πεποιημένον (1)
3. 11. ὅπως μὴ εὕρῃ ὁ ἄνθρωπος τὸ π. (1)
— 17. καιρὸς . . . ἐπὶ παντὶ τῷ [A S om.] π. (1)
— 22. ὁ εὐφρανθήσεται ὁ ἄνθρωπος ἐν ποιήμασιν αὐ. (1)
4. 3. B οὐκ εἶδε σὺν πᾶν [A S² om.] τὸ π. τὸ πονηρόν (1)
— 4. σύμπασαν [A S σὺν πᾶσαν] ἀνδρείαν τοῦ π. (1)
5. 5. καὶ διαφθείρῃ τὰ [S² om.] π. χειρῶν σου (1)
7. 14 (13). ἴδε τὰ π. τοῦ θεοῦ (1)
8. 9. ἔδωκα τὴν καρδίαν μου εἰς πᾶν τὸ [A S om.] π. (1)
— 14. ὡς ποίημα τῶν ἀσεβῶν (1)
— 14. ὡς ποίημα τῶν δικαίων (1)
— 17. εἶδον σύμπαντα [A S σὺν πάντα] τὰ π. τοῦ θεοῦ (1)
— 17. οὐ δυνήσεται ἄνθρωπος τοῦ εὑρεῖν σὺν τὸ π. (1)
9. 7. εὐδόκησεν ὁ θεὸς τὰ π. σου (1)
— 10. οὐκ ἔστι ποίημα . . . ἐν ᾅδῃ (1)
11. 5. οὐ γνώσῃ τὰ π. τοῦ θεοῦ (1)
Ec. 12. 14. σύμπαν [A S σὺν πᾶν] τὸ π. ὁ θεὸς ἄξει ἐν κρίσει (1)
Is. 29. 16. ἢ τὸ π. τῷ ποιήσαντι (1 ?)
[Aq. Ex. 28. 15 : Dt. 24. 21 (19) : Ps. 18 (19). 2 : 27 (28). 4 : 32 (33). 4, 15 : Pr. 31. 31 : Is. 57. 12 : Ez. 6. 6 : 27. 16 : Mi. 6. 16.]
[Th. Ps. 44 (45). 2.]
[Quint. Ps. 27 (28). 5.]

ποίησις. (1) חֵשֶׁב (2) *a.* מַעֲשֶׂה *b.* עֲשָׂיָה qal. *c.* ni.

Ex. 28. 8. κατὰ τὴν π. ἐξ αὐτοῦ ἔσται (2 *a*)
32. 35. περὶ τῆς π. τοῦ μόσχου (2 *b*)
36. 12 (39. 5). κατὰ τὴν αὐτοῦ π. (2 *a*)
Le. 8. 8 (7). κατὰ τὴν π. τῆς ἐπωμίδος (1)
IV Ki. 16. 10. εἰς πᾶσαν π. αὐτοῦ (2 *a*)
Ps. 18 (19). 1. ποίησιν δὲ χειρῶν αὐτοῦ ἀναγγέλλει τὸ στερέωμα (2 *a*)
Si. 16. 26. ἀπὸ ποιήσεως αὐτῶν διέστειλε μερίδας αὐτῶν
19. 20. ἐν πάσῃ σοφίᾳ ποίησις [A -εις] νόμου
51. 19. ἐν ποιήσει λιμοῦ [A μου] διηκριβασάμην
Ez. 43. 18. ἐν ἡμέρᾳ ποιήσεως αὐτοῦ (2 *c*)
Da. TH. 9. 14. ἐπὶ πᾶσαν τὴν π. αὐ. ἣν ἐποίησε (2 *a*)
[Aq. Ps. 27 (28). 5 : Ez. 1. 16.]
[Th. Ps. 18 (19). 2 : Ez. 1. 16.]

ποιητής.

I Ma. 2. 67. προσάξετε πρὸς ὑμᾶς πάντας τοὺς π. τοῦ νόμου

ποικιλία. (1) *a.* חֶשֶׁב *b.* מַחֲשָׁבָה (2) מַעֲשֶׂה (3) רִקְמָה

Ex. 27. 16. κεκλωσμένης τῇ π. τοῦ ῥαφιδευτοῦ (2)
35. 35. πᾶν ἔργον ἀρχιτεκτονίας ποικιλίας (1 *b*)
36. 15 (39. 8). ἔργον ὑφαντὸν ποικιλίᾳ [A -ας] (1 *a* ?)
Jd. 5. 30. σκῦλα βαμμάτων ποικιλίας (3)
Si. 38. 27. ἀλλοιῶσαι ποικιλίαν
43. 25. ποικιλία παντὸς ζῴου
Ez. 27. 7. βύσσος μετὰ ποικιλίας ἐξ Αἰγύπτου (3)
IV Ma. 15. 24. καίπερ . . . ὁρῶσα . . . τὴν τῶν στρεβλῶν . . . π.
[Aq. Ez. 17. 3 : 27. 24.]
[Sm., Th. Ez. 17. 3 : 27. 24 (Sw.).]

ποικίλλειν. (1) רִקְמָה

Ps. 44 (45). 9. ἐν ἱματισμῷ διαχρύσῳ περιβεβλημένη πεποικιλμένη [S -οις] –
— 13 (15). ἐν κροσσωτοῖς χρυσοῖς περιβεβλημένη πεποικιλμένη [S¹ -οις] (1)
[Aq., Sm. Ps. 138 (139). 15.]

ποίκιλμα. (1) חֲבַרְבֻּרוֹת (2) רִקְמָה

Je. 13. 23. εἰ ἀλλάξεται . . . πάρδαλις τὰ π. αὐ. (1)
Ez. 23. 15. ἐζωσμένους [A διεζ.] ποίκιλματα †
27. 16. ἐπλήθυναν . . . ποίκιλματα ἐκ Θ. (2)
[Sm. Ca. 1. 11.]

ποικίλος. (1) בָּרֹד (2) חוּם (3) נָקֹד (4) פֵּס (5) רִקְמָה (6) שָׂרֹק

Ge. 30. 37. ἐφαίνετο . . . τὸ λευκὸν . . . ποικίλον –
— 39. ἔτικτον τὰ πρόβατα . . . ποικίλα (3)
— 40. πᾶν π. ἐν τοῖς ἀμνοῖς (2)
31. 8. τὰ π. ἔσται σου μισθός (3)
— 8. τέξεται πάντα τὰ πρόβ. ποικίλα (3)
— 10. οἱ τράγοι . . . διάλευκοι καὶ π. (3)
— 12. τοὺς τράγους . . . διαλεύκους καὶ π. (3)
37. 3. ἐποίησε δὲ αὐτῷ χιτῶνα π. (4)
— 23. ἐξέδυσαν τὸν Ἰ. τὸν χιτῶνα τὸν π. (4)
— 32. ἀπέστειλαν τὸν χιτῶνα τὸν π. (4)
Jo. 7. 21. εἶδον . . . ψιλὴν ποικίλην †
Jd. 5. 30. A βάθη ποικίλων [B al.] (5)
I Ch. 29. 2. λίθους πολυτελεῖς καὶ π. (5)
Za. 1. 8. ὀπίσω αὐτοῦ ἵπποι πυρροὶ . . . καὶ π. (6)
6. 3. ἐν τῷ ἅρματι τῷ τετάρτῳ ἵπποι π. ψαροί (1)
— 6. οἱ π. ἐξεπορεύοντο ἐπὶ γῆν νότου (1)
Ez. 16. 10. ἐνέδυσά σε ποικίλα (5)
— 13. τὰ περιβόλαιά σου . . . ποικίλα (5)
— 18. ἔλαβες τὸν ἱματισμὸν τὸν π. σου (5)
26. 16. τὸν ἱματισμὸν τὸν π. αὐτῶν ἐκδύσονται (5)
II Ma. 15. 21. συνιδὼν . . . τῶν ὅπλων τὴν π. παρασκευήν
III Ma. 1. 21. π. δὲ ἦν . . . ἡ δέησις
2. 6. ποικίλαις καὶ πολλαῖς δοκιμάσας τιμωρίαις
IV Ma. 7. 4. πολλοῖς καὶ π. μηχανήμασιν ἀντέσχε

IV Ma. 17. 7. π. βασάνους . . . ὑπομείνασαν
18. 21. καὶ βασάνοις ποικίλαις ἀπέκτεινεν
[Sm. Ps. 44 (45). 15.]

ποικιλτής. (1) חָשַׁב (2) רָקַם

Ex. 26. 36. ἔργον ποικιλτοῦ (2)
28. 6. ἔργον ὑφαντὸν ποικιλτοῦ (1)
— 15. ἔργον ποικιλτοῦ (1)
— 35 (39): 36. 37 (39. 29): 37. 16 (38. 18). ἔργον ποικιλτοῦ (2)
Si. 45. 10. A R ὑακίνθῳ καὶ πορφύρᾳ ἔργῳ [B S -ων] ποικιλτοῦ
[Al. Ex. 26. 1: 27. 16.]

ποικιλτικός. (1) רָקַם

Ex. 37. 21 (38. 23). ἠρχιτεκτόνησε . . . ποικιλτικά [A -κιλτά] (1?)
Jb. 38. 36. τίς δὲ ἔδωκε γυναιξὶν [A -κὶ] . . . ποικιλτικὴν ἐπιστήμην [A σοφίας ἐ.] †

ποικιλτός. (1) *a.* רָקַם *b.* רִקְמָה

Ex. 35. 35. τὰ ὑφαντὰ καὶ π. [A τὰ π.] (1 *a*?)
37. 21 (38. 23). A ἠρχιτεκτόνησε . . . ποικιλτά [B -τικά] (1 *a*?)
Jd. 5. 30. βάμματα ποικιλτῶν [A *al.*] (1 *b*)
[Aq. Ps. 44 (45). 15.]
[Th. Ex. 35. 35.]

ποικίλως.

Es. 1. 6. στρωμναὶ . . . π. διηνθισμέναι [A *al.*] †
IV Ma. 16. 3. S οὕτως π. βασανιζομένους

ποιμαίνειν. (1) נָהַג pi. (2) רָעָה *a.* qal. *b.* hi.

Ge. 30. 31. πάλιν ποιμανῶ τὰ πρόβατά σου (2 *a*)
— 36. Ἰακ. δὲ ἐποίμαινε τὰ πρόβ. Λ. (2 *a*)
37. 2. ποιμαίνων τὰ πρόβατα (2 *a*)
— 13. οὐχὶ οἱ ἀδ. σου ποιμαίνουσιν (2 *a*)
Ex. 2. 16. ποιμαίνουσαι τὰ πρόβ. τοῦ πατρὸς αὐ. –
3. 1. Μ. ἦν ποιμαίνων τὰ πρόβ. Ἰ. (2 *a*)
I Ki. 16. 11. ποιμαίνει ἐν τῷ ποιμνίῳ (2 *a*)
17. 15. A ποιμαίνων τὰ πρόβατα τοῦ πατρὸς αὐ. (2 *a*)
— 34. ποιμαίνων ἦν ὁ δοῦλός σου (2 *a*)
25. 16. ποιμαίνοντες τὸ ποίμνιον (2 *a*)
II Ki. 5. 2. ποιμανεῖς [A -μαίνεις] τὸν λαόν μου (2 *a*)
7. 7. π. τὸν λαόν μου Ἰσρ. (2 *a*)
I Ch. 11. 2. σὺ ποιμανεῖς τὸν λαόν μου (2 *a*)
17. 6. τοῦ π. τὸν λαόν μου (2 *a*)
Ju. 8. 26. τῷ Ἰ. . . . ποιμαίνοντι τὰ πρόβατα Λ. [A S *al.*]
Ps. 2. 9. ποιμανεῖς αὐτοὺς ἐν ῥάβδῳ σιδηρᾷ †
22 (23). 1. κύριος ποιμαίνει [A S[1] -ανεῖ] με (2 *a*)
27 (28). 9. ποίμανον αὐτούς (2 *a*)
36 (37). 3. ποιμανθήσῃ [A -σει] ἐπὶ τῷ πλούτῳ αὐτῆς (2 *a*)
47 (48). 14. A S R αὐτὸς ποιμανεῖ ἡμᾶς (1)
48 (49). 14. θάνατος ποιμανεῖ [B[1] -αίνει] αὐτούς (2 *a*)
77 (78). 71. ποιμαίνειν Ἰ. τὸν δοῦλον αὐ. (2 *a*)
— 72. ἐποίμανεν αὐτοὺς ἐν τῇ ἀκακίᾳ (2 *b*)
79 (80). 1. ὁ ποιμαίνων τὸν Ἰσραὴλ πρόσχες (2 *a*)
151. 1. ἐποίμαινον τὰ πρόβατα τοῦ πατρός μου
Pr. 9. 12. οὗτος ποιμαίνει [A S[1] -ανεῖ] ἀνέμους –
22. 11. χείλεσι ποιμαίνει βασιλεύς †
28. 7. ὃς δὲ ποιμαίνει ἀσωτίαν (2 *a*)
29. 3. ὃς δὲ ποιμαίνει πόρνας ἀπολεῖ πλοῦτον (2 *a*)
Ca. 1. 7. ποῦ ποιμαίνεις [A -ανεῖς] (2 *a*)
— 8. ποίμαινε τὰς ἐρίφους σου (2 *a*)
2. 16. ὁ ποιμαίνων ἐν τοῖς κρίνοις (2 *a*)
6. 1 (2). κατέβη . . . ποιμαίνειν ἐν κήποις (2 *a*)
— 2 (3). ὁ ποιμαίνων ἐν τοῖς κρίνοις (2 *a*)
Ho. 13. 5. ἐποίμανόν σε ἐν τῇ ἐρήμῳ †
Mi. 5. 4 (3). ποιμανεῖ τὸ ποίμνιον αὐ. (2 *a*)
— 6 (5). ποιμανοῦσι τὸν Ἀσσοὺρ ἐν ῥομφαίᾳ (2 *a*)
7. 14. ποίμαινε λαόν σου (2 *a*)
Za. 11. 4. ποιμαίνετε τὰ πρόβατα τῆς σφαγῆς (2 *a*)
— 7. ποιμανῶ τὰ πρόβατα τῆς σφαγῆς (2 *a*)
— 7. ποιμανῶ τὰ πρόβατα (2 *a*)
— 9. οὐ ποιμανῶ ὑμᾶς (2 *a*)
— 17. ὦ οἱ ποιμαίνοντες τὰ μάταια (2 *a*)
Is. 40. 11. ὡς ποιμὴν ποιμανεῖ τὸ ποίμνιον αὐ. (2 *a*)
61. 5. ἥξουσιν ἀλλογενεῖς ποιμαίνοντες τὰ πρόβατά σου [S *om.*] (2 *a*)
Je. 3. 15. ποιμανοῦσιν ὑμᾶς ποιμαίνοντες [A ποιμένες] μετ' ἐπιστήμης (2 *a*, †)
Je. 6. 3. ποιμανοῦσιν ἕκαστος τῇ χειρὶ [S τὴν χεῖρα] αὐτοῦ (2 *a*)
— 18. καὶ οἱ ποιμαίνοντες τὰ ποίμνια αὐ. †
22. 22. πάντας τοὺς ποιμένας σου ποιμανεῖ ἄνεμος (2 *a*)
23. 1. S ὦ οἱ ποιμαίνοντες [A B *al.*] (2 *a*)
— 2. τάδε λέγει κύριος ἐπὶ τοὺς ποιμαίνοντας τὸν λαόν μου (2 *a*)
— 4. οἱ [A καὶ] ποιμανοῦσιν αὐτούς (2 *a*)
Ez. 34. 10. τοῦ μὴ π. τὰ πρόβατά μου (2 *a*)
— 23. A R ποιμανεῖ [B -αίνει] αὐτούς [B[3] -ούς] (2 *a*)
[Aq. Pr. 10. 21: Ez. 34. 13, 15, 23.]
[Sm. Ps. 27 (28). 9: 36 (37). 3: Pr. 15. 14: Ca. 2. 16: 4. 5: 6. 2 (3): Is. 61. 5: Ez. 34. 2, 15.]
[Th. Is. 61. 5: Ez. 34. 13, 15, 23.]

ποιμενικός. (1) רָעָה

I Ki. 17. 40. ἔθετο αὐτοὺς ἐν τῷ καδίῳ τῷ π. (1)
Za. 11. 15. λάβε σεαυτῷ σκεύη π. [A *al.*] (1)

ποιμήν. (1) רָעָה

Ge. 4. 2. ἐγένετο Ἄ. ποιμὴν προβάτων (1)
13. 7. ἀνὰ μέσον τῶν π. τῶν κτηνῶν τοῦ Ἄ. καὶ ἀνὰ μέσον τῶν π. τῶν κτηνῶν τοῦ Λ. (1, 1)
— 8. ἀνὰ μέσον τῶν π. σου καὶ ἀνὰ μέσον τῶν π. μου (1, 1)
26. 20. ἐμαχέσαντο οἱ π. Γ. μετὰ τῶν π. Ἰ. (1, 1)
29. 8. ἕως τοῦ συναχθῆναι πάντας τοὺς π. †
38. 12. αὐτὸς καὶ Εἰρὰς ὁ π. αὐτοῦ †
— 20. ἐν χειρὶ τοῦ π. αὐτοῦ †
43. 32. A πᾶς π. προβάτων –
46. 32. οἱ δὲ ἄνδρες εἰσὶ π. (1)
— 34. πᾶς π. προβάτων (1)
47. 3. ποιμένες προβάτων οἱ παῖδές σου (1)
Ex. 2. 17. παραγενόμενοι δὲ οἱ π. (1)
— 19. ἐρρύσατο ἡμᾶς ἀπὸ τῶν π. (1)
Nu. 27. 17. οἷς οὐκ ἔστι ποιμήν (1)
I Ki. 25. 7. κείρουσί σοι νῦν οἱ π. σου (1)
II Ki. 24. 17. B[2] ἐγώ εἰμι ὁ π. [A καὶ ἐγὼ ὁ π.] –
III Ki. 22. 17. ὡς ποίμνιον ᾧ οὐκ ἔστι π. (1)
IV Ki. 10. 12. ἐν βαιθακὰθ τῶν π. (1)
II Ch. 18. 16. ὡς πρόβατα οἷς οὐκ ἔστι π. (1)
Ju. 11. 19. A B ὡς πρόβατα οἷς οὐκ ἔστι π.
Jb. 1. 16. τοὺς π. κατέφαγεν [A -έκαυσεν, S[1] -έφλεξεν] ὁμοίως †
24. 2. ποίμνιον σὺν ποιμένι ἁρπάσαντες †
Ec. 12. 11. ἐδόθησαν ἐκ ποιμένος ἑνός (1)
Ca. 1. 8. ἐπὶ σκηνώμασι τῶν π. [A π. σου] (1)
Wi. 17. 17. εἴ τε γὰρ γεωργὸς ἦν τις ἢ [S[1] *om.*] ποιμήν
Si. 18. 13. ἐπιστρέφων ὡς ποιμὴν τὸ ποίμνιον αὐ.
Am. 1. 2. ἐπένθησαν αἱ νομαὶ τῶν π. (1)
3. 12. ὅταν ἐκσπάσῃ ὁ π. . . . δύο σκέλη (1)
Mi. 5. 5 (4). ἐπεγερθήσονται ἐπ' αὐτὸν ἑπτὰ ποιμένες (1)
Na. 3. 18. ἐνύσταξαν οἱ π. σου (1)
Za. 10. 3. ἐπὶ τοὺς π. παρωξύνθη ὁ θυμός μου (1)
11. 3. φωνὴ θρηνούντων ποιμένων (1)
— 5. οἱ π. αὐ. οὐκ ἔπασχον οὐδέν (1)
— 8. ἐξαρῶ τοὺς τρεῖς π. (1)
— 15. λάβε σεαυτῷ σκεύη ποιμενικὰ π. ἀπείρου [A *al.*] (1)
— 16. ἐξεγείρω ποιμένα (1)
13. 7. ἐξεγέρθητι ἐπὶ τοὺς π. [A S[3] τὸν π.] (1)
— 7. πατάξατε τοὺς π. [A S[2] *al.*] (1)
— 7. A ἐπάξω τὴν χεῖρά μου ἐπὶ τοὺς π. [B μικρούς, S[2] ποιμένας τοὺς μικρούς] †
Is. 13. 20. ποιμένες οὐ μὴ ἀναπαύσονται ἐν αὐτῇ (1)
32. 14. εὐφροσύνη ὄνων ἀγρίων βοσκήματα ποιμένων †
40. 11. ὡς π. ποιμανεῖ τὸ ποίμνιον αὐτοῦ (1)
63. 11. ὁ ἀναβιβάσας . . . τὸν π. τῶν προβάτων (1)
Je. 2. 8. οἱ π. ἠσέβουν εἰς ἐμέ (1)
3. 1. ἐξεπόρνευσας ἐν ποιμέσι πολλοῖς †
— 3. ἔσχες ποιμένας πολλούς [S[1] *al.*] †
— 15. A δώσω ὑμῖν ποιμένας κατὰ τὴν καρδίαν μου καὶ ποιμανοῦσιν ὑμᾶς ποιμένες [B -μαίνοντες] μετ' ἐπιστήμης (1, †)
6. 3. εἰς αὐτὴν ἥξουσι ποιμένες (1)
10. 21. οἱ π. ἠφρονεύσαντο (1)
12. 10. ποιμένες πολλοὶ διέφθειραν τὸν ἀμπελῶνά μου (1)
22. 22. πάντας τοὺς π. σου ποιμανεῖ ἄνεμος (1)
23. 1. ὦ ποιμένες οἱ ἀπολλύοντες [S *al.*] (1)
Je. 23. 4. ἀναστήσω αὐτοῖς ποιμένας (1)
27 (50). 6. οἱ π. αὐτῶν ἔξωσαν αὐτούς (1)
— 44. τίς οὗτος π. ὃς στήσεται (1)
28 (51). 23. διασκορπιῶ ἐν σοὶ ποιμένα (1)
29 (49). 19. τίς οὗτος π. [S ὁ π.] ὃς στήσεται (1)
32 (25). 34. ἀλαλάξατε, ποιμένες (1)
— 35. ἀπολεῖται φυγὴ ἀπὸ τῶν π. (1)
— 36. φωνὴ κραυγῆς τῶν π. (1)
40 (33). 12. ἐν πάσαις ταῖς πόλεσιν αὐτοῦ καταλύματα ποιμένων (1)
50 (43). 12. ὥσπερ φθειρίζει π. [A ὁ π.] τὸ ἱμάτιον αὐτοῦ (1)
Ez. 34. 2. προφήτευσον ἐπὶ τοὺς π. τοῦ Ἰσραήλ (1)
— 2. εἰπὸν τοῖς π. [A εἰ. αὐτοῖς] . . . ὦ ποιμένες Ἰσραήλ, μὴ βόσκουσι ποιμένες [A οἱ π. β.] ἑαυτούς; οὐ τὰ πρόβατα βόσκουσιν οἱ π. (1 *quater*)
— 5. διὰ τὸ μὴ εἶναι ποιμένας (1)
— 7. ποιμένες, ἀκούσατε λόγον κυρίου (1)
— 8. παρὰ τὸ μὴ εἶναι ποιμένας καὶ οὐκ ἐξεζήτησαν οἱ π. τὰ πρόβατά μου καὶ ἐβόσκησαν οἱ π. ἑαυτούς (1 *ter*)
— 9. ποιμένες [A *add.* ἀκούσατε λόγον κυρίου] (1)
— 10. ἐγὼ ἐπὶ τοὺς π. . . . οὐ βοσκήσουσιν ἔτι οἱ π. αὐτά (1, 1)
— 12. ζητεῖ [A ἐπισκέπτεται] ὁ π. τὸ ποίμνιον αὐτοῦ (1)
— 23. ἀναστήσω ἐπ' αὐτοὺς [A ἀ. αὐτοῖς] ποιμένα ἕνα [A ἕτερον] . . . ἔσται αὐτῶν π. (1, 1)
37. 24. ἔσται π. εἷς πάντων (1)
[Aq. Je. 23. 2: Ez. 34. 2: Za. 13. 7.]
[Sm. Ca. 1. 8: Is. 31. 4: 38. 12: 44. 28: Je. 23. 2: 49. 20 (29. 21): Am. 1. 1: Mi. 5. 5 (4).]
[Th. Is. 31. 4: 56. 11: Ez. 34. 2: Mi. 5. 5 (4).]
[Al. Jd. 5. 16.]
[Quint. Am. 1. 1.]

ποίμνη. (1) עֵדֶר

Ge. 32. 16 (17). ἀνὰ μέσον ποίμνης καὶ ποίμνης (1, 1)
Za. 13. 7. A διασκορπισθήσονται τὰ πρόβατα τῆς π. [B S *al.*] –
[Sm. Ps. 106 (107). 41.]

ποιμνημίον (?). (1) צֹאן

Ne. 10. 36 (37). A τὰ πρωτότοκα . . . ποιμνημίων [B S -νίων] ἡμῶν (1)

ποίμνιον. (1) חֵשִׁיף (2) מִכְלָה (3) מַרְעִית (4) עֵדֶר (5) עֶשְׁתֹּרֶת (6) צֹאן (7) שֶׂה

Ge. 29. 2. τρία π. προβάτων (4)
— 2. ἐπότιζον τὰ π. (4)
— 3. συνήγοντο ἐκεῖ πάντα τὰ π. (4)
30. 40. διεχώρισεν ἑαυτῷ ποίμνια (4)
31. 4. οὗ [A *add.* ἦν] τὰ π. (6)
32. 16 (17). ποίμνιον κατὰ μόνας (4)
— 19 (20). τοῖς προπορευομ. ὀπίσω τῶν π. τ. (4)
De. 7. 13: 28. 4, 18, 51. καὶ τὰ π. τῶν προβάτων σου (5)
Jd. 6. 4. οὐδὲ ἐν τοῖς π. ταῦρον [A καὶ ποίμνιον καὶ μόσχον] (7)
I Ki. 8. 17. τὰ π. ὑμῶν ἀποδεκατώσει (6)
14. 32. ἔλαβεν ὁ λαὸς ποίμνια (6)
15. 9. τὰ ἀγαθὰ τῶν π. καὶ τῶν βουκολίων (6)
— 14. τίς ἡ φωνὴ τοῦ π. (6)
— 15. τὰ κράτιστα τοῦ π. καὶ τῶν βοῶν (6)
— 21. ἔλαβεν ὁ λαὸς τῶν σκύλων ποίμνια (6)
16. 11. ποιμαίνει ἐν τῷ π. (6)
— 19. τὸν υἱόν σου Δ. τὸν ἐν τῷ π. σου (6)
17. 34. ποιμαίνων ἦν . . . ἐν τῷ π. (6)
24. 4. ἦλθεν εἰς τὰς ἀγέλας τῶν π. (6)
25. 2. καὶ τὰ π. αὐτοῦ ἐν τῷ Καρμ. †
— 2. καὶ τούτῳ π. τρισχίλια (6)
— 2. ἐν τῷ κείρειν τὸ π. [A τὰ π.] αὐ. (6)
— 4. κείρει Ν. . . . τὸ π. αὐτοῦ (6)
— 16. ποιμαίνοντες τὸ π. (6)
27. 9. ἐλάμβανεν ποίμνια (6)
30. 20. ἔλαβε πάντα τὰ π. (6)
II Ki. 12. 2. τῷ πλουσίῳ ἦν ποίμνια (6)
— 4. λαβεῖν ἐκ τῶν π. αὐτοῦ (6)
III Ki. 21 (20). 27. ὡσεὶ δύο ποίμνια αἰγῶν (1)
22. 17. ὡς ποίμνιον ᾧ οὐκ ἔστι ποιμήν (6)
I Ch. 17. 7. ἔλαβόν σε . . . ἐξόπισθεν τῶν π. (6)
II Ch. 32. 28. μάνδρας εἰς τὰ π. (4)

Ne. 10. 36 (37). καὶ τὰ πρωτότοκα . . . ποιμνίων [A -νημίων] ἡμῶν (6)
Ju. 2. 27. τὰ π. . . . ἔδωκεν εἰς ἀφανισμόν
3. 3. A B καὶ τὰ π. καὶ τὰ βουκόλια
Jb. 24. 2. ποίμνιον σὺν ποιμένι ἁρπάσαντες (4)
Ps. 49 (50). 9. οὐδὲ ἐκ τῶν π. σου χιμάρους (2)
77 (78). 52. ἤγαγεν αὐτοὺς ὡσεὶ ποίμνιον (4)
— 70. ἀνέλαβεν αὐτὸν ἐκ τῶν π. τῶν προβάτων (2)
Pr. 27. 23. γνωστῶς ἐπιγνώσῃ ψυχὰς ποιμνίου σου (6)
Ec. 2. 7. κτῆσις βουκολίου καὶ ποιμνίου (6)
Ca. 1. 8. ἔξελθε σὺ ἐν πτέρναις τῶν π. (6)
Si. 18. 13. ἐπιστρέφων ὡς ποιμὴν τὸ π. αὐτοῦ
Am. 6. 4. ἔσθοντες ἐρίφους ἐκ ποιμνίων (6)
Mi. 2. 12. ὡς ποίμνιον ἐν μέσῳ κοίτης αὐ. (4)
4. 8. καὶ σὺ πύργος ποιμνίου αὐχμώδης (4)
5. 4 (3). ποιμανεῖ τὸ π. αὐ. –
— 8 (7). ὡς σκύμνος ἐν ποιμνίοις προβάτων (4)
Jl. 1. 18. τὰ π. τῶν προβάτων ἠφανίσθησαν (4)
Ze. 2. 6. ἔσται Κρήτη νομὴ ποιμνίων †
— 14. νεμήσονται ἐν μέσῳ αὐτῆς ποίμνια (4)
Za. 10. 3. ἐπισκέψεται . . . τὸ π. αὐ. (4)
Ma. 1. 14. καὶ ὑπῆρχεν ἐν τῷ π. αὐ. ἄρσεν (4)
Is. 17. 2. ἔσται . . . εἰς κοίτην ποιμνίων (4)
27. 10. R τὸ κατοικούμενον π. ἀνειμένον ἔσται ὡς π. καταλελειμμένον . . . ἐκεῖ ἀναπαύσονται ποίμνια [A B S om.] † ter
35. 7. S ἐπαύλεις ποιμνίων [A B καλάμου] καὶ ἕλη †
40. 11. ὡς ποιμὴν ποιμανεῖ τὸ π. αὐτοῦ (4)
65. 10. ἔσονται ἐν τῷ δρυμῷ ἐπαύλεις ποιμνίων (6)
Je. 6. 3. εἰς αὐτὴν ἥξουσι ποιμένες καὶ τὰ π. αὐτῶν (4)
— 18. καὶ οἱ ποιμαίνοντες τὰ π. αὐτῶν †
13. 17. συνετρίβη τὸ π. κυρίου (4)
— 20. ποῦ ἐστι τὸ π. ὃ ἐδόθη σοι (4)
28 (51). 23. διασκορπιῶ . . . τὸ π. αὐ. (4)
38 (31). 10. ὡς ὁ βόσκων π. [A S τὸ π.] αὐ. (4)
— 24. ἀρθήσεται ἐν ποιμνίῳ (4)
Ba. 4. 26. ὡς π. ἡρπασμένον ὑπὸ [A ἀπὸ] ἐχθρῶν
Ez. 13. 5. συνήγαγον ποίμνια †
34. 12. ζητεῖ [A ἐπισκέπτεται] ὁ ποιμὴν τὸ π. αὐτοῦ (4)
— 31. B¹ R πρόβατα [A B² add. τοῦ] ποιμνίου μού ἐστε (3)
[Aq. Ps. 79 (80). 2: 106 (107). 41: Je. 31 (38). 24: Mi. 2. 12: Za. 11. 11.]
[Sm. Ps. 79 (80). 2: Ca. 1. 8: Is. 66. 3: Je. 50 (27). 8: Ez. 34. 6, 8.]
[Th. Le. 27. 26: Is. 66. 3.]
[Al. Ge. 38. 17: Le. 1. 10: Jd. 5. 16.]
[Quint. Ca. 1. 8.]

ποιμνιοτρόφος.

[Aq. IV Ki. 3. 4: Am. 1. 1.]

ποῖος. (1) *a.* אֵי זֶה *b.* אֵי לְ (2) *a.* מָה, מַה־ *b.* מִי (3) מִן־הוּא

De. 4. 7, 8. π. ἔθνος μέγα (2 *b*)
Jd. 9. 2. A ποῖον βέλτιόν ἐστιν [B *al.*] (2 *a*)
I Ki. 9. 18. π. ὁ [A *om.*] οἶκος τοῦ βλέποντος (1 *a*)
II Ki. 15. 2. ἐκ π. πόλεως σὺ εἶ (1 *a*)
III Ki. 13. 12. π. ὁδῷ πεπόρευται (1 *a*)
22. 24. ποῖον πνεῦμα κυρίου [A *al.*] (1 *a*)
IV Ki. 3. 8. π. ὁδῷ ἀναβῶ (1 *a*)
II Ch. 18. 23. R π. τῇ [A *om.*] ὁδῷ παρῆλθε πνεῦμα [B *al.*] (1 *a*)
To. 5. 8. π. [S ἐκ π.] φυλῆς ἐστι
— 10. A S R ἐκ π. φυλῆς καὶ ἐκ π. πατριᾶς [B -ίδος] εἶ σύ
Es. 7. 5. S² ποῖός ἐστιν οὗτος (1 *a*)
Jb. 28. 12. ποῖος δὲ τόπος ἐστὶ τῆς ἐπιστήμης (1 *a*)
— 20. ποῖος δὲ τόπος ἐστὶ τῆς συνέσεως (1 *a*)
38. 19. ποίᾳ [A ἐν π.] δὲ γῇ αὐλίζεται τὸ φῶς σκότους δὲ ποῖος ὁ [A ἐστιν] τόπος (1 *a*, 1 *a*)
Ec. 2. 3. ποῖον τὸ ἀγαθὸν τοῖς υἱοῖς τῶν ἀνθρ. (1 *a*)
11. 6. οὐ γινώσκεις ποῖον στοιχήσει (1 *a*)
Si. 10. 19. σπέρμα ἔντιμον ποῖον; σπέρμα ἀνθρώπου. σπέρμα ἔντιμον ποῖον; οἱ φοβούμενοι τὸν κύριον. σπέρμα ἄτιμον ποῖον; σπέρμα ἀνθρώπου· σπέρμα ἄτιμον ποῖον [S¹ *om.*]; οἱ παραβαίνοντες ἐντολάς
30. 40 (33. 31). ἐν ποίᾳ ὁδῷ ζητήσεις αὐτόν
Jn. 1. 8. ἐκ π. χώρας καὶ ἐκ π. λαοῦ εἶ σύ (2 *a*, 1 *a*)
Is. 45. 9. ποῖον βέλτιον κατεσκεύασα †
50. 1. ποῖον τὸ βιβλίον τοῦ ἀποστασίου (1 *a*)
66. 1. ποῖον οἶκον [A¹ *om.*] οἰκοδομήσετέ μοι (1 *a*)
Is. 66. 1. π. τόπος τῆς καταπαύσεώς μου (1 *a*)
Je. 5. 7. ποίᾳ τούτων ἵλεως γένωμαί σοι (1 *b*)
6. 16. ποία ἐστὶν ἡ ὁδὸς ἡ ἀγαθή (1 *a*)
Da. LXX. Su. 58. ἐν π. τοῦ κήπου τόπῳ
3. 15. ποῖος θεὸς ἐξελεῖται ὑμᾶς (3)
I Ma. 2. 10. ποῖον ἔθνος οὐκ ἐκληρονόμησε
II Ma. 3. 37. ποῖός τις εἴη ἐπιτήδειος
IV Ma. 8. 16. ποίοις ἂν ἐχρήσαντο λόγοις
[Aq., Sm., Th. Is. 50. 1.]
[Al. Ge. 32. 29 (30).]

πόκος. (1) *a.* גֵּז *b.* גִּזָּה (2) צֶמֶר

Jd. 6. 37. τίθημι [A ἀπερείδομαι] τὸν π. (1 *b*)
— 37. ἐὰν δρόσος γένηται ἐπὶ τὸν π. (1 *b*)
— 38. ἐξεπίασε [A ἀπεπ.] τὸν π. (1 *b*)
— 38. ἔσταξε δρόσος ἀπὸ τοῦ π. [A *al.*] (1 *b*)
— 39. πειράσω . . . ἐν τῷ π. (1 *b*)
— 39. ἐπὶ τὸν [A τὴν] π. μόνον (1 *b*)
— 40. ἐπὶ τὸν π. μόνον (1 *b*)
IV Ki. 3. 4. ἑκατὸν χιλιάδας κριῶν ἐπὶ πόκων [? ἐπιπ.] (2)
Ps. 71 (72). 6. καταβήσεται ὡς ὑετὸς ἐπὶ πόκον (1 *a*)
[Sm. Ps. 71 (72). 6.]

πολειά, *cf.* πολιά.

πολεμεῖν. (1) לָחַם *a.* qal. *b.* ni. *c.* מִלְחָמָה *d.* לָחַם (2) צָרַר

Ex. 14. 14. κύριος πολεμήσει περὶ ὑμῶν (1 *b*)
— 25. ὁ γὰρ κ. πολεμεῖ . . . τοὺς Αἰγ. (1 *b*)
17. 8. ἐπολέμει [A ἐπορεύθη] Ἰσρ. ἐν Ῥ. (1 *b*)
— 16. πολεμεῖ [A -μήσει] κύριος ἐπὶ Ἀμ. (1 *c*)
Nu. 21. 1. ἐπολέμησε πρὸς Ἰσρ. (1 *b*)
— 26. ἐπολέμησε βασιλέα Μ. (1 *b*)
De. 1. 41. πολεμήσομεν [A -σωμεν] κατὰ πάντα (1 *b*)
— 42. οὐδὲ μὴ πολεμήσετε (1 *b*)
3. 22. A B² R πολεμήσει [B¹ -μεῖ] περὶ ὑμῶν (1 *b*)
Jo. 11. 5. πολεμῆσαι τὸν Ἰσρ. (1 *b*)
— 23. ἡ γῆ κατέπαυσε πολεμουμένη (1 *c*)
19. 47. ἐπολέμησαν τὴν Λ. (1 *b*)
24. 11. ἐπολέμησαν πρὸς ἡμᾶς (1 *b*)
Jd. 1. 1. τοῦ πολεμῆσαι πρὸς αὐτούς [A ἐν αὐτῷ] (1 *b*)
— 3. A πολεμήσω ἐν τῷ Χαν. [B *al.*] (1 *b*)
— 5. A ἐπολέμησαν ἐν αὐτῷ [B *al.*] (1 *b*)
— 8. ἐπολέμουν . . . τὴν Ἱερ. (1 *b*)
— 9. τοῦ πολεμῆσαι πρὸς τὸν Χαν. (1 *b*)
5. 8. ἐπολέμησαν πόλεις ἀρχόντων [A *al.*] (1 *d*)
— 14. A κύριος ἐπολέμει μοι [B *al.*] †
— 19. ἐπολέμησαν βασιλεῖς Χαναάν (1 *b*)
— 20. A ἐπολεμήθησαν ἀστέρες [B *al.*] (1 *b*)
— 20. A ἐπολέμησαν μετὰ Ἰσρ. [B *al.*] (1 *b*)
8. 1. A πολεμῆσαι ἐν τῇ Μ. [B *al.*] (1 *b*)
9. 17. A ὡς ἐπολέμησεν [B παρετάξατο] ὁ πατήρ μου (1 *b*)
— 38. A πολέμει πρὸς αὐτόν [B *al.*] (1 *b*)
— 39. A ἐπολέμησεν ἐν Ἀβ. [B *al.*] (1 *b*)
— 45. A ἐπολέμει [B παρετάσσετο] ἐν τῇ π. (1 *b*)
10. 18. A πολεμῆσαι ἐν τοῖς υἱοῖς Ἀ. [B *al.*] (1 *b*)
11. 4. A ἐπολέμησαν . . . μετὰ Ἰσρ. [B *al.*] (1 *b*)
— 5. A ἐπολεμοῦσαν . . . μετὰ Ἰσρ. (1 *b*)
— 6, 8. A πολεμήσομεν ἐν τοῖς υἱοῖς Ἀ. [B *al.*] (1 *b*)
— 9. A πολεμῆσαι ἐν τοῖς υἱοῖς Ἀ. [B *al.*] (1 *b*)
— 12. A πολεμῆσαί με ἐν τῇ γῇ μου (1 *b*)
— 20. A ἐπολέμησεν μετὰ Ἰσρ. [B *al.*] (1 *b*)
— 25. ἢ πολεμῶν ἐπολέμησεν αὐτόν [A -οῖς] (1 *b*, 1 *b*)
— 27. A τοῦ πολεμῆσαι [B παρατάξασθαι] ἐν ἐμοί (1 *b*)
— 32. A τοῦ πολεμῆσαι πρὸς αὐτούς [B *al.*] (1 *b*)
12. 1. A ἐπορεύθης π. ἐν τοῖς υἱοῖς Ἀ. [B *al.*] (1 *b*)
— 3. A τοῦ π. ἐν ἐμοί [B *al.*] (1 *b*)
— 4. A ἐπολέμει τὸν Ἐφρ. [B *al.*] (1 *b*)
20. 14. A ἐξελθεῖν τοῦ πολεμῆσαι [B εἰς παράταξιν] (1 *c*)
— 18. A τίς ἀναβήσεται . . . πολεμῆσαι [B *al.*] (1 *c*)
I Ki. 4. 9. καὶ πολεμήσατε αὐτούς (1 *b*)
— 10. καὶ ἐπολέμησαν αὐτούς (1 *b*)
8. 20. πολεμήσει τὸν πόλεμον ἡμῶν (1 *b*)
12. 9. ἐπολέμησεν ἐν [A -σαν] αὐτοῖς (1 *b*)
14. 47. ἐπολέμει . . . πάντας τοὺς ἐχθροὺς αὐ. (1 *b*)
15. 18. καὶ πολεμήσεις αὐτούς (1 *b*)
17. 9. ἐὰν δυνηθῇ πρὸς μὲ πολεμῆσαι (1 *b*)
— 19. A πολεμοῦντες μετὰ τῶν ἀλλοφ. (1 *b*)
— 32. πολεμήσει μετὰ τοῦ ἀλλοφ. τούτου (1 *b*)
— 33. τοῦ π. μετ' αὐτοῦ [A πρὸς αὐτόν] (1 *b*)
I Ki. 18. 17. A πολέμει τοὺς πολέμους κυρίου (1 *b*)
19. 8. ἐπολέμησε τοὺς ἀλλοφύλους (1 *b*)
23. 1. οἱ ἀλλόφυλοι πολεμοῦσιν ἐν τῇ Κ. (1 *b*)
— 5. ἐπολέμησεν ἐν τοῖς ἀλλοφύλοις (1 *b*)
25. 28. πόλεμον κυρίου μου ὁ κ. πολεμεῖ (1 *b*)
28. 1. π. μετὰ [A ἐπὶ] Ἰσρ. (1 *b*)
— 15. οἱ ἀλλόφυλοι πολεμοῦσιν ἐν ἐμοί (1 *b*)
29. 8. πολεμῆσαι τοὺς ἐχθροὺς τοῦ κ. μου (1 *b*)
— 11. π. ἐπὶ [A πρὸς] Ἰσρ. –
31. 1. οἱ ἀλλόφυλοι ἐπολέμουν ἐπὶ Ἰσρ. (1 *b*)
II Ki. 2. 28. οὐ προσέθεντο ἔτι τοῦ π. (1 *b*)
8. 10. R ἐπολέμησε [A B ἐπάταξεν] τὸν Ἀδρ. (1 *b*)
10. 17. ἐπολέμησαν μετ' αὐτοῦ (1 *b*)
11. 17. ἐπολέμουν μετὰ Ἰ. (1 *b*)
— 20. ἤγγισατε [A ἠργάσατε] . . . πολεμῆσαι (1 *b*)
— 22. ἵνα τί προσηγάγετε . . . τοῦ πολεμῆσαι –
12. 26. ἐπολέμησεν Ἰ. ἐν Ῥ. (1 *b*)
— 27. ἐπολέμησα ἐν [A πρὸς] Ῥ. (1 *b*)
— 29. ἐπολέμησεν ἐν αὐτῇ (1 *b*)
21. 15. ἐπολέμησαν μετὰ τῶν ἀλλοφύλων (1 *b*)
III Ki. 12. 21. τοῦ π. πρὸς οἶκον Ἰσρ. (1 *b*)
— 24. οὐδὲ πολεμήσετε [A μὴ πολεμήσαιτε] (1 *b*)
— 24. B τοῦ π. πρὸς Ἱερ. –
— 24. B οὐδὲ πολεμήσετε πρὸς τοὺς ἀδ. ὑ. –
14. 19. A ὅσα ἐπολέμησεν (1 *b*)
16. 28 (22. 45 [46]). B καὶ οὐς ἐπολέμησεν (1 *b*)
21 (20). 1. ἐπολέμησαν [A -σεν] ἐπ' αὐτήν (1 *b*)
— 23. ἐὰν δὲ πολεμήσομεν αὐτούς (1 *b*)
— 25. πολεμήσομεν πρὸς αὐτούς (1 *b*)
22. 31. μὴ πολεμεῖτε μικρὸν καὶ μέγαν (1 *b*)
— 32. ἐκύκλωσαν αὐτὸν πολεμῆσαι (1 *b*)
— 46. A καὶ ὅσα ἐπολέμησεν (1 *b*)
IV Ki. 3. 21. ἀνέβησαν οἱ βασ. π. αὐτούς (1 *b*)
6. 8. καὶ βασιλεὺς Σ. ἦν πολεμῶν ἐν Ἰσρ. (1 *b*)
8. 29. ἐν τῷ π. αὐτὸν μετὰ Ἀζ. (1 *b*)
9. 15. ἐν τῷ π. αὐτοὺς μετὰ Ἀζ. (1 *b*)
10. 3. πολεμεῖτε ὑπὲρ τοῦ οἴκου τοῦ κυρίου (1 *b*)
12. 17 (18). ἐπολέμησεν ἐπὶ Γέθ (1 *b*)
14. 15. ἃ ἐπολέμησε μετὰ Ἀμεσσίου (1 *b*)
— 28. ὅσα ἐπολέμησε (1 *b*)
16. 5. καὶ οὐκ ἐδύναντο π. (1 *b*)
19. 8. εὗρε τὸν βασ. Ἀσσ. πολεμοῦντα (1 *b*)
— 9. ἐξῆλθε π. μετὰ σοῦ (1 *b*)
I Ch. 7. 11. ἐκπορευόμενοι δυνάμει τοῦ π. (1 *c*)
— 40. εἰς παράταξιν τοῦ π. (1 *c*)
10. 1. ἀλλόφυλοι ἐπολέμησαν πρὸς Ἰσρ. (1 *b*)
11. 9. καὶ ἐπολέμησεν –
18. 10. ἐπολέμησε τὸν Ἀδρ. (1 *b*)
19. 7. ἦλθον εἰς τὸ πολεμῆσαι (1 *c*)
— 10. ἀντιπρόσωποι τοῦ π. πρὸς αὐτόν (1 *c*)
— 17. B καὶ ἐπολέμησαν [A S -σεν] αὐτόν (1 *b*)
II Ch. 11. 1. καὶ ἐπολέμει πρὸς Ἰσρ. (1 *b*)
— 4. οὐ πολεμήσετε πρὸς τοὺς ἀδ. ὑμῶν (1 *b*)
12. 15. ἐπολέμει Ῥ. τὸν [A πρὸς] Ἱερ. (1 *c*)
13. 12. R μὴ πολεμήσητε πρὸς κύριον [A B *al.*] (1 *b*)
15. 6. πολεμήσει ἔθνος πρὸς ἔθνος †
17. 10. οὐκ ἐπολέμουν πρὸς Ἰωσ. (1 *b*)
18. 30. μὴ πολεμεῖτε τὸν μικρὸν καὶ τὸν μέγαν (1 *b*)
— 31. ἐκύκλωσαν αὐτὸν τοῦ π. (1 *b*)
20. 17. οὐχ ὑμῖν ἐστι πολεμῆσαι (1 *b*)
— 22. ἔδωκε κύριος π. τοὺς υἱοὺς Ἀ. †
— 29. ἐπολέμησε κ. πρὸς τοὺς ὑπεναντίους Ἰ. (1 *b*)
22. 6. ἐν τῷ π. αὐτὸν πρὸς Ἀζ. (1 *b*)
26. 6. ἐπολέμησε πρὸς τοὺς ἀλλοφύλους (1 *b*)
32. 2. τοῦ πολεμῆσαι ἐπὶ Ἱερ. (1 *c*)
— 8. τοῦ π. τὸν πόλεμον ἡμῶν (1 *b*)
35. 21. πόλεμον πολεμῆσαι [A ποιῆσαι] (1 *c* ?)
— 22. π. αὐτὸν ἐκραταιώθη (1 *b*)
— 22. ἦλθε τοῦ πολεμῆσαι (1 *b*)
I Es. 1. 28. πολεμεῖν αὐτὸν ἐπεχείρει
4. 6. ὅσοι οὐ στρατεύονται οὐδὲ πολεμοῦσιν
Ne. 4. 20 (14). ὁ θεὸς ἡμῶν πολεμήσει περὶ ἡμῶν (1 *b*)
Ju. 6. 2. τὸ γένος Ἰσρ. μὴ πολεμῆσαι
7. 11. μὴ πολέμει πρὸς αὐτούς [S μετ' αὐτῶν]
Es. 1. 1. ὥστε πολεμῆσαι δικαίων ἔθνος
4. 17. εἰς μῖσος τοῦ πολεμοῦντος ἡμᾶς
8. 13. πολεμῆσαι αὐτῶν τοὺς ὑπεναντίους
9. 24. Ἀμὰν . . . ἐπολέμει αὐτούς [A S τοὺς Ἰουδ.] (2)
Jb. 11. 19. οὐκ ἔσται ὁ πολεμῶν σε †
Ps. 34 (35). 1. πολέμησον τοὺς πολεμοῦντάς με (1 *a*, 1 *a*)
55 (56). 1. ὅλην τὴν ἡμέραν πολεμῶν ἔθλιψέ με (1 *a*)
— 2. πολλοὶ οἱ πολεμοῦντές με (1 *a*)
108 (109). 3. ἐπολέμησάν με δωρεάν (1 *b*)

Ps. 119 (120). 7. ἐπολέμουν με δωρεάν (1 c)
128 (129). 1, 2. πλεονάκις ἐπολέμησάν με (2)
Si. 4. 28. κύριος ὁ θεὸς πολεμήσει ὑπὲρ σοῦ
29. 13. κατέναντι ἐχθροῦ πολεμήσει ὑπὲρ σοῦ
Mi. 4. 3. οὐκέτι μὴ μάθωσι πολεμεῖν (1 c)
Is. 2. 4. οὐ μὴ μάθωσιν ἔτι π. (1 c)
7. 1. ἀνέβη . . . ἐπὶ Ἱερ. πολεμῆσαι αὐτήν (1 c)
19. 2. πολεμήσει ἄνθρωπος τὸν ἀδελφὸν αὐ. (1 b)
— 2. S[1] καὶ ἄνθρωπος τὸν πλησίον αὐ. πολεμήσει [A B S[2] om.] –
20. 1. ἐπολέμησε τὴν Ἄζωτον (1 b)
29. 1. οὐαὶ Ἀριὴλ πόλις ἣν ἐπολέμησε Δαυίδ †
30. 32. πολεμήσουσιν αὐτόν (1 b)
36. 10. μὴ ἄνευ κυρίου ἀνέβημεν ἐπὶ τὴν χώραν ταύτην πολεμῆσαι αὐτήν †
63. 10. αὐτὸς ἐπολέμησεν αὐτούς (1 b)
Je. 1. 19. πολεμήσουσί [S -σωσίν] σε (1 b)
15. 20. πολεμήσουσι [S -σωσι] πρὸς [A om.] σέ (1 b)
21. 4. ἐν οἷς ὑμεῖς πολεμεῖτε ἐν αὐτοῖς (1 b)
— 5. πολεμήσω ἐγὼ ὑμᾶς ἐν χειρὶ ἐκτεταμ. (1 b)
28 (51). 30. ἐξέλιπε μαχητὴς Βαβυλῶνος τοῦ π. (1 b)
31 (48). 27. ἐπολέμει αὐτόν †
39 (32). 24. εἰς χεῖρας Χαλδαίων τῶν πολεμούντων αὐτήν (1 b)
— 29. ἥξουσιν οἱ Χ. πολεμοῦντες (1 b)
41 (34). 1. ἐπολέμουν ἐπὶ Ἱερουσαλήμ (1 b)
— 7. ἐπολέμει ἐπὶ Ἱερουσαλήμ (1 b)
— 22. πολεμήσουσιν ἐπ' αὐτήν (1 b)
44 (37). 8. πολεμήσουσιν ἐπὶ τὴν πόλιν [A οἱ πολεμοῦντες τὴν γῆν] ταύτην (1 b)
— 10. ἐὰν πατάξητε πᾶσαν δύναμιν τῶν Χαλδαίων τοὺς πολεμοῦντας ὑμᾶς (1 b)
45 (38). 4. ἑκλύει τὰς χεῖρας τῶν ἀνθρώπων τῶν πολεμούντων [A -μιστ.] (1 c)
48 (41). 12. ᾤχοντο π. αὐτόν (1 b)
51 (44). 11. S τοῦ πολεμῆσαι [A B ἀπολέσαι] πάντας τοὺς καταλοίπους †
Da. LXX. 9. 26. ἀπὸ πολέμου πολεμηθήσεται (1 c?)
11. 11. πολεμήσει μετὰ βασιλέως βορρᾶ (1 b)
Da. TH. 10. 20. ἐπιστρέψω τοῦ πολεμῆσαι μετὰ τοῦ ἄρχοντος Περσῶν (1 b)
11. 11. πολεμήσει μετὰ τοῦ βασ. τοῦ βορρᾶ (1 b)
I Ma. 2. 40. ἐὰν . . . μὴ πολεμήσωμεν πρὸς [A εἰς] τὰ ἔθνη
— 41. πολεμήσωμεν κατέναντι αὐτοῦ
— 66. S R πολεμήσει [A -σετε] πόλεμον λαῶν
3. 2. ἐπολέμουν τὸν [S[1] -μοῦντο] πόλεμον Ἰσρ.
— 10. τοῦ πολεμῆσαι πρὸς Ἰσρ.
— 12. ἦν πολεμῶν ἐν αὐτῇ πάσας τὰς ἡμέρας
— 14. πολεμήσω τὸν [S[1] add. υἱὸν] Ἰ.
— 17. πολεμῆσαι πρὸς πλῆθος τοσοῦτο
— 21. πολεμοῦμεν περὶ τῶν ψυχῶν ἡμῶν
— 43. S πολεμήσομεν [R -ωμεν] περὶ [S[1] om.] τοῦ λαοῦ ἡ.
— 58. γίνεσθε ἕτοιμοι . . . τοῦ πολεμῆσαι
4. 18. καὶ πολεμήσατε αὐτούς
— 28. S ὥστε πολεμῆσαι [A R ἐκπ.] αὐτούς
— 41. πολεμεῖν τοὺς ἐν τῇ ἄκρᾳ
5. 3. ἐπολέμει Ἰ. πρὸς τοὺς υἱοὺς Ἡ.
— 16. τοῖς . . . πολεμουμένοις ὑπ' αὐτῶν
— 30. καὶ ἐπολέμουν αὐτούς
— 32. πολεμήσατε σήμερον ὑπὲρ τῶν ἀδ. ὑμῶν
— 35. καὶ ἐπολέμησεν αὐτήν
— 50. A R ἐπολέμησαν [S -εν] τὴν πόλιν
— 57. πορευθῶμεν πολεμῆσαι πρὸς τὰ ἔθνη
— 65. ἐπολέμουν τοὺς υἱοὺς Ἡ.
6. 31. A R ἐπολέμησαν [S -εν] ἡμέρας πολλάς
— 31. A R ἐπολέμησαν [S -εν] ἀνδρωδῶς
— 37. S R οἱ πολεμοῦντες ἐπ' αὐτοῖς [A -ούς]
— 52. ἐπολέμησαν ἡμέρας πολλάς
— 63. ἐπολέμησε πρὸς αὐτόν
8. 10. ἐπολέμησαν πρὸς αὐτούς
— 26. τοῖς πολεμοῦσιν οὐ δώσουσιν . . . σῖτον
— 32. πολεμήσομέν σε [S[1] ὑπὲρ σοῦ]
9. 8. A R ἐὰν ἄρα δυνώμεθα πολεμῆσαι [S add. πρὸς] αὐτούς
— 9. πολεμήσωμεν πρὸς αὐτούς
— 30. τοῦ πολεμῆσαι τὸν πόλεμον ἡμῶν
— 44. A R πολεμήσωμεν ὑπὲρ [S περὶ] τῶν ψυχῶν ἡμῶν
— 64. ἐπολέμησεν αὐτὴν ἡμέρας πολλάς
— 68. R ἐπολέμησεν [A S -αν] πρὸς τὸν Β.
10. 75. καὶ ἐπολέμησαν αὐτήν
11. 20. S τοῦ πολεμῆσαι [A R ἐκπ.] τὴν ἄκραν
— 41. ἦσαν γὰρ πολεμοῦντες τὸν Ἰσρ.
— 46. S R καὶ ἤρξαντο πολεμεῖν [A ἐκπ.]
I Ma. 11. 50. πολεμοῦντες ἡμᾶς καὶ τὴν πόλιν
— 55. A R ἐπολέμησαν [S -εν] πρὸς αὐτόν
— 65. ἐπολέμει αὐτὴν ἡμέρας πολλάς
12. 13. ἐπολέμησαν ἡμᾶς οἱ βασιλεῖς
— 24. τοῦ πολεμῆσαι πρὸς αὐτόν
— 40. μή ποτε πολεμήσῃ πρὸς αὐτόν
— 53. πολεμήσωμεν αὐτούς
13. 9. πολέμησον τὸν πόλεμον ἡμῶν
— 47. οὐκ ἐπολέμησεν αὐτούς
14. 1. ὅπως πολεμήσῃ τὸν Τρύφωνα
— 13. ἐξέλιπεν πολεμῶν αὐτούς
— 26. A R ἐπολέμησαν [S -εν] τοὺς ἐχθροὺς Ἰσρ.
— 32. ἐπολέμησε περὶ τοῦ ἔθνους αὐ.
15. 19. καὶ μὴ πολεμήσωσιν αὐτούς [S[1] al.]
— 19. S R ἵνα μὴ συμμαχῶσιν τοῖς πολεμοῦσιν [A -ῶσιν] αὐτούς [S πρὸς αὐ.]
— 39. R ὅπως πολεμήσῃ [A -μῇ, S -μήσωσιν] τὸν λαόν
16. 2. S[1] R ἐπολεμήσαμεν τοὺς πολεμίους [A S[2] -μους] Ἰσρ.
IV Ma. 4. 21. ἡ θεία δίκη . . . τὸν Ἀντ. ἐπολέμησεν
— 22. πολεμῶν ἦν κατ' Αἴγυπτον Πτολεμαίῳ
11. 8. A R πολεμεῖς τοὺς εὐσεβοῦντας εἰς τὸν θεόν
[Aq. Jd. 5. 20: 11. 32: 12. 3: II Ki. 8. 10: III Ki. 14. 19: Ps. 55 (56). 3: Is. 37. 9: Je. 21. 2: 37 (44). 8.]
[Sm. Jd. 5. 20: 11. 32: 12. 3: II Ki. 8. 10: Ps. 54 (55). 22: 55 (56). 3: Is. 37. 9: Je. 21. 2: 41 (48). 12.]
[Th. Jd. 1. 5: 5. 20: 9. 17: 11. 32: 12. 1, 3: Ps. 119 (120). 7: Is. 37. 9: Je. 32 (39). 5.]
[Al. Jd. 5. 13: Je. 41 (48). 12: Hb. 3. 16.]

πολεμία. (1) מִלְחָמָה

Is. 27. 4. διὰ τὴν π. ταύτην ἠθέτηκα αὐτήν (1)

πολεμικός. (1) מִלְחָמָה (2) צָבָא

De. 1. 41. ἀναλαβόντες ἕκ. τὰ σκεύη τὰ π. αὐ. (1)
Jd. 18. 11, 16. A περιεζωσμένοι σκεύη π. [B al.] (1)
— 17. A περιεζωσμένοι σκεύη π. (1)
I Ki. 8. 12. ποιεῖν σκεύη π. αὐτοῦ (1)
II Ki. 1. 27. πῶς . . . ἀπώλοντο σκεύη π. (1)
I Ch. 12. 33. ἐν πᾶσι σκεύεσι π. (1)
— 37. ἐν πᾶσι σκεύεσι π. (2+1)
II Ch. 26. 13. καὶ μετ' αὐτῶν δύναμις π. (2)
Ju. 7. 5. ἀναλαβόντες ἕκ. τὰ σκεύη τὰ π. αὐ.
14. 2. ἀναλήψεσθε ἕκ. τὰ σκεύη τὰ π. ὑμῶν
Za. 9. 10. ἐξολεθρεύσεται τόξον π. (1)
Je. 21. 4. μεταστρέφω τὰ ὅπλα τὰ π. (1)
31 (48). 14. ἄνθρωπος ἰσχύων εἰς τὰ π. (1)
Ez. 32. 27. κατέβησαν εἰς ᾅδου ἐν ὅπλοις π. (1)
I Ma. 3. 3. συνεζώσατο τὰ σκεύη τὰ π. αὐ.
15. 3. κατεσκεύασα πλοῖα π.
— 13. S[1] δώδεκα μυριάδες ἀνδρῶν π. [A S[2] R -ιστῶν]
II Ma. 8. 9. ἐν π. χρείαις ἔχοντα πεῖραν
[Aq. Ec. 9. 18.]
[Sm. Jb. 39. 25.]

πολέμιος. (1) אֹיֵב (2) אָרַב (3) מִלְחָמָה

I Ch. 18. 10. ἀνὴρ π. Θ. ἦν τῷ Ἀδρ. (3)
I Es. 4. 4. ἐὰν δὲ ἐξαποστείλῃ αὐτοὺς πρὸς τοὺς π. [A[1] -μους]
II Es. 8. 31. ἀπὸ χειρὸς ἐχθροῦ καὶ πολεμίου (2)
To. 12. 10. πολέμοι εἰσι τῆς ἑαυτῶν ζωῆς [S ψυχῆς]
Ju. 15. 4. ἵνα πάντες ἐπεκχυθῶσι [A ἀπ.] τοῖς π.
Es. 9. 16. ἀνεπαύσαντο ἀπὸ τῶν π. (1)
Wi. 11. 3. ἀντέστησαν πολεμίοις
Si. 46. 3. τοὺς γὰρ π. [S[2] -μους] κύριος [A S[2] -ου] αὐτὸς ἐπήγαγεν [A ἀπ.]
Ep. Je. 56. πολέμιοις οὐ μὴ ἀντιστῶσι
I Ma. 7. 29. οἱ π. ἦσαν ἕτοιμοι ἐξαρπάσαι τὸν Ἰ.
14. 33. οὗ ἦν τὰ ὅπλα τῶν π.
— 34. ἐν ᾗ ᾤκουν οἱ π. τὸ πρότερον
16. 2. S[1] R ἐπολεμήσαμεν τοὺς π. [A S[2] -μους] Ἰσρ.
II Ma. 3. 38. εἴ τινα ἔχεις πολέμιον
4. 16. R τούτους [A τοὺς] πολεμίους . . . ἔσχον
5. 6. πολεμίων . . . τρόπαια καταβάλλεσθαι
8. 6. οὐκ ὀλίγους τῶν π. ἐνίκα
— 16. R μὴ καταπλαγῆναι τοὺς π. [A τοῖς δεσμίοις]
— 24. κατέσφαξαν τῶν π. ὑπὲρ τοὺς ἐννακισχιλίους
— 27. τὰ σκῦλα ἐκδύσαντες τῶν π.
10. 21. τοὺς π. κατ' αὐτῶν ἀπολύσαντες
— 27. συνεγγίσαντες δὲ τοῖς π.
11. 11. ἐντινάξαντες εἰς τοὺς π.
12. 22. γενομένου δέους ἐπὶ τοὺς π.
II Ma. 12. 28. συντρίβοντα τὰς τῶν π. ἀλκάς
13. 21. προσήγγειλε δὲ τὰ μυστήρια τοῖς π.
14. 22. μή ποτε ἐκ τῶν π. αἰφνιδίως κακουργία γένηται
15. 20. R συμμιξάντων [A προσμ.] τῶν π.
— 26. συνέμιξαν τοῖς π.
— 39. ὡσαύτως δὲ καὶ ὕδωρ πάλιν πολέμιον
III Ma. 2. 33. ὡς πολεμίους τοῦ ἔθνους ἔκρινον
3. 24. μή ποτε . . . τοὺς δυσσεβεῖς τούτους . . . ἔχωμεν πολεμίους
IV Ma. 2. 14. τὰ ἥμερα τῶν π. φυτά
3. 11. ἐπιθυμία τοῦ παρὰ τοῖς π. ὕδατος
— 12. ὑπερέβησαν τοὺς τῶν π. χάρακας
— 13. κατὰ πᾶν τὸ τῶν π. στρατόπεδον
8. 10. οὗς καὶ ὁ π. ἔγωγε . . . οἰκτείρομαι
11. 23. πολέμιε τῶν ἀληθῶς εὐσεβούντων
17. 20. τῷ δι' αὐτοὺς . . . τοὺς π. μὴ ἐπικρατῆσαι
— 24. ἐνίκησε πάντας τοὺς π.
18. 4. ἐκπεπολιόρκηκε τοὺς π.
[Aq. Ps. 73 (74). 4.]
[Sm. Ps. 73 (74). 23: Ez. 30. 16.]
[Th. Je. 49 (30). 2.]

πολεμιστής. (1) גִּבּוֹר (2) חָלָץ (3) *a.* מִלְחָמָה *b.* תָּפַשׂ הַמִּלְחָמָה (4) צָבָא *a.* subst. *b.* verb.

Nu. 31. 27. διελεῖτε τὰ σκῦλα ἀνὰ μέσον τῶν π. (3 b)
— 28. ἀφελεῖτε . . . παρὰ τῶν ἀνθρ. τῶν π. (3 a)
— 32. ὃ ἐπρονόμευσαν οἱ ἄνδρες οἱ π. (4 a)
— 42. ἀπὸ τῶν ἀνδρῶν τῶν π. (4 b)
— 49. τὸ κεφάλαιον τῶν ἀνδρῶν τῶν π. (3 a)
— 53. οἱ ἄνδρες οἱ π. ἐπρονόμευσαν (4 a)
De. 2. 14. πᾶσα γενεὰ ἀνδρῶν π. (3 a)
— 16. πάντες οἱ ἄνδρες οἱ π. (3 a)
Jo. 8. 1. λάβε . . . πάντας τοὺς ἄνδρας τοὺς π. (3 a)
— 3, 11: 10. 7: 11. 7. καὶ πᾶς ὁ λαὸς ὁ π. (3 a)
17. 1. ἀνὴρ γὰρ π. ἦν (3 a)
Jd. 20. 17. A πάντες οὗτοι ἄνδρες π. [B al.] (3 a)
I Ki. 13. 15. B ὀπίσω τοῦ λαοῦ τοῦ π. –
16. 18. καὶ ὁ ἀνὴρ π. (3 a)
17. 33. καὶ αὐτὸς ἀνὴρ π. (3 a)
30. 22. πᾶς ἀνὴρ . . . τῶν π. –
II Ki. 17. 8. ὁ πατήρ σου ἀνὴρ π. (3 a)
III Ki. 10. 22 (B): 9. 22 (A). αὐτοὶ ἦσαν ἄνδρες οἱ [A om.] π. (3 a)
IV Ki. 25. 19. ἐπιστάτης τῶν ἀνδρῶν τῶν π. (3 a)
I Ch. 12. 38. πάντες οὗτοι ἄνδρες π. (3 a)
28. 3. ἄνθρωπος π. εἶ σύ (3 a)
II Ch. 8. 9. ἄνδρες π. καὶ ἄρχοντες (3 a)
13. 3. ἐν δυνάμει πολεμισταῖς δυνάμεως (1?)
— 3. δυνατοὶ π. [A -ῶν π.] δυνάμεως (1)
14. 8 (7). πάντες οὗτοι π. δυνάμεως (1)
17. 13. καὶ ἄνδρες π. δυνατοί (3 a)
28. 14. ἀφῆκαν οἱ π. τὴν αἰχμαλωσίαν (2)
32. 21. ἐξέτριψε . . . πολεμιστὴν καὶ ἄρχοντα (1?)
Ju. 1. 16. A S R πλῆθος ἀνδρῶν π. πολὺ σφόδρα
7. 2. ἡ δύναμις αὐτῶν ἀνδρῶν π.
— 7. παρεμβολὰς ἀνδρῶν π. [S ἄνδρας π.]
15. 3. πᾶς ἀνὴρ π. ἐξ αὐτῶν
Wi. 18. 15. ὁ παντοδύναμός σου λόγος . . . ἀπότομος πολεμιστής
Si. 26. 28. ἀνὴρ πολεμιστὴς ὑστερῶν δι' ἔνδειαν
Jl. 2. 7. ὡς ἄνδρες π. ἀναβήσονται (3 a)
3 (4). 9. ἀναβαίνετε πάντες ἄνδρες π. (3 a)
Za. 13. 7. S[1] ἐξεγέρθητι . . . ἐπὶ ἄνδρα π. [A B S[2] πολίτην] μου †
Is. 3. 2. ἀφελεῖ . . . ἄνθρωπον πολεμιστήν (3 a)
Je. 27 (50). 30. πάντες οἱ ἄνδρες οἱ π. αὐτῆς ῥιφήσονται (3 a)
28 (51). 32. ἄνδρες αὐτοῦ οἱ π. ἐξέρχονται (3 a)
30 (49). 26. πάντες οἱ ἄνδρες οἱ π. σου πεσοῦνται [A om.] (3 a)
45 (38). 4. A τὰς χεῖρας τῶν ἀνθρ. τῶν π. [B S -μούντων] (3 a)
52. 7. πάντες οἱ ἄνδρες οἱ π. ἐξῆλθον νυκτός (3 a)
— 25. ὃς ἦν ἐπιστάτης τῶν ἀνδρῶν τῶν π. (3 a)
Ez. 27. 10. ἄνδρες π. σου πέλτας . . . ἐκρέμασαν (3 a)
— 27. πάντες οἱ ἄνδρες οἱ π. σου (3 a)
39. 20. πάντα ἄνδρα πολεμιστήν (3 a)
I Ma. 13. 10. συνήγαγε πάντας τοὺς ἄνδρας τοὺς π.
15. 13. δώδεκα μυριάδες ἀνδρῶν πολεμιστῶν [S[1] -ικῶν]
16. 4. εἴκοσι χιλιάδας ἀνδρῶν π.
[Sm. Is. 42. 13.]

πόλεμος. (1) חַיִל (2) חֶרֶב (3) מַחֲנֶה (4) *a.* מִלְחָמָה, מִלְחֶמֶת *b.* לָחַם ni. (5) נָשַׁק (6) צָבָא (7) קְרָב (8) שָׁלַח (9) συνάπτειν πόλεμον (εἰς πόλεμον) נָגַף hithpa.

Ge. 14. 2. ἐποίησαν πόλεμον μετὰ Βαλλά (4 *a*)
— 8. παρετάξαντο αὐτοῖς εἰς πόλεμον (4 *a*)
Ex. 1. 10. ἡνίκα ἂν συμβῇ ἡμῖν π. (4 *a*)
13. 17. τῷ λαῷ ἰδόντι πόλεμον (4 *a*)
15. 3. κύριος συντρίβων πολέμους (4 *a*)
32. 17. φωνὴ πολέμου ἐν τῇ παρεμβολῇ (4 *a*)
Le. 26. 5 (6). π. οὐ διελεύσεται διὰ τῆς γῆς ὑ. (2?)
— 7. A B² π. οὐ διελεύσεται διὰ τῆς γῆς ὑ. (2)
— 36. ὡς φεύγοντες ἀπὸ πολέμου (2)
— 37. ὑπερόψεται . . . ὡσεὶ ἐν πολέμῳ (2)
Nu. 10. 9. ἐὰν δὲ ἐξέλθητε εἰς πόλεμον (4 *a*)
14. 3. πεσεῖν ἐν πολέμῳ (2)
20. 18. ἐν πολέμῳ ἐξελεύσομαι (2)
21. 14. πόλεμος τοῦ κ. τὴν Ζ. ἐφλόγισε (4 *a*)
— 33. ἐξῆλθεν . . . εἰς πόλεμον εἰς Ἐδρ. (4 *a*)
31. 14, 21. ἐκ τῆς παρατάξεως τοῦ π. (4 *a*)
— 36. τῶν ἐκπεπορευμ. εἰς τὸν π. (6)
32. 6. B²R πορεύονται εἰς τὸν [A B¹ *om.*] πόλεμον (4 *a*)
— 20. ἐὰν ἐξοπλίσησθε . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 27. παρελεύσονται . . . εἰς τὸν π. (4 *a*)
— 29. πᾶς ἐνωπλισμένος εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 30. ἐὰν δὲ μὴ διαβῶσιν . . . εἰς τὸν [A *om.*] π. –
De. 2. 5. μὴ συνάψητε πρὸς αὐτοὺς πόλεμον (9)
— 9. μὴ συνάψητε πρὸς αὐτοὺς πόλεμον (4 *a*)
— 19. μὴ συνάψητε αὐτοῖς εἰς πόλεμον (9)
— 24. σύναπτε πρὸς αὐτὸν πόλεμον (4 *a*)
— 32. ἐξῆλθε . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
3. 1. ἐξῆλθεν Ὤγ . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
4. 34. ἐν τέρασι καὶ ἐν πολέμῳ (4 *a*)
20. 1. ἐὰν δὲ ἐξέλθῃς εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 2. ὅταν ἐγγίσῃς τῷ π. (4 *a*)
— 3. πορεύεσθε σήμερον εἰς τὸν [A *om.*] π. (4 *a*)
— 5, 6, 7. μὴ ἀποθάνῃ ἐν τῷ π. (4 *a*)
— 12. καὶ ποιῶσι πρὸς σὲ πόλεμον (4 *a*)
— 20. ἥτις ποιεῖ πρὸς σὲ τὸν π. (4 *a*)
21. 10. ἐξελθὼν εἰς πόλεμον (4 *a*)
23. 9 (10). A² παρεμβαλεῖν εἰς πόλεμον [B *om.* εἰς π.] –
24. 5. AR οὐκ ἐξελεύσεται εἰς πόλεμον [B τὸν π.] (6)
29. 7 (6). εἰς συνάντησιν ἡμῖν ἐν πολέμῳ [A τῷ π.] (4 *a*)
Jo. 4. 13. διέβησαν . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
8. 14. ἐξῆλθεν . . . εἰς τὸν π. (4 *a*)
10. 11. ἃ οὓς ἀπέκτειναν . . . ἐν τῷ π. (2)
— 24. καὶ τοὺς ἀναχομ. τοῦ π. (4 *a*?)
11. 18. ἐποίησεν Ἰ. . . . τὸν π. (4 *a*)
— 19. πάντα ἐλάβοσαν ἐν πολέμῳ [A *al.*] (4 *a*)
— 20. συναντᾶν εἰς πόλεμον πρὸς Ἰσρ. (4 *a*)
14. 11. εἰσελθεῖν εἰς τὸν π. (4 *a*)
— 15. ἡ γῆ ἐκόπασε τοῦ π. (4 *a*)
22. 33. μηκέτι ἀναβῆναι . . . εἰς πόλεμον (6)
Jd. 3. 1. πάντας τοὺς μὴ ἐγνωκότας τοὺς π. Χ. (4 *a*)
— 2. τοῦ διδάξαι αὐτοὺς πόλεμον (4 *a*)
— 10. ἐξῆλθεν εἰς [A ἐπὶ τὸν] πόλεμον (4 *a*)
8. 13. A ἀνέστρεψεν . . . ἐκ τοῦ π. [B *al.*] (4 *a*)
20. 20. A ἐξῆλθεν . . . εἰς πόλεμον [B *al.*] (4 *a*)
— 20. A παρετάξατο . . . εἰς πόλεμον [B *al.*] (4 *a*)
— 22. A προσέθεντο παρατάξαι πόλεμον [B *al.*] (4 *a*)
— 23. A προσεγγίσαι εἰς πόλεμον [B *al.*] (4 *a*)
— 28. A ἐξελθεῖν εἰς πόλεμον [B παράταξιν] (4 *a*)
— 34. A ὁ π. ἐβαρύνθη [B *al.*] (4 *a*)
— 39. A ἀπέστρεψεν . . . ἐν τῷ π. [B *al.*] (4 *a*)
— 39. A καθὼς ὁ π. ἔμπροσθεν [B *al.*] (4 *a*)
— 42. A ὁ π. κατέφθασεν αὐτόν [B *al.*] (4 *a*)
21. 22. A οὐκ ἐλάβομεν . . . ἐν τῷ π. [B *al.*] (4 *a*)
I Ki. 4. 1. συναθροίζονται ἀλλόφυλοι εἰς πόλεμον –
— 1. ἐξῆλθεν Ἰσρ. . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 2. παρατάσσονται οἱ ἀλλόφ. εἰς πόλεμον †
— 2. ἔκλινεν ὁ π. (4 *a*)
7. 10. προσῆγον εἰς πόλεμον (4 *a*)
8. 20. πολεμήσει τὸν π. ἡμῶν (4 *a*)
13. 5. B συνάγονται εἰς πόλεμον (4 *b*)
— 22. B ἐν ταῖς ἡμέραις τοῦ π. Μ. (4 *a*)
14. 20. ἔρχονται ἕως τοῦ π. (4 *a*)
— 22. συνάπτουσι καὶ αὐτοὶ . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 22 (23). ὁ π. διῆλθε τὴν B. (4 *a*)
— 23 (24). ἦν ὁ π. διεσπαρμένος –
I Ki. 14. 51 (52). ἦν ὁ π. κραταιός (4 *a*)
17. 1. συνάγουσιν . . . τὰς παρεμβ. αὐ. εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 2. παρατάσσονται εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 8. παρατάξασθαι πολέμῳ (4 *a*)
— 13. A ἐπορεύθησαν . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 13. A τῶν πορευθέντων εἰς τὸν π. (4 *a*)
— 20. A ἠλάλαξαν ἐν τῷ π. (4 *a*)
— 28. A ἕνεκεν τοῦ ἰδεῖν τὸν π. (4 *a*)
— 47. τοῦ κυρίου ὁ π. (4 *a*)
18. 5. A ἐπὶ τοὺς ἄνδρας τοῦ π. (4 *a*)
— 17. A πολέμει τοὺς π. κυρίου (4 *a*)
19. 8. προσέθετο ὁ π. γενέσθαι (4 *a*)
23. 8. καταβαίνειν εἰς πόλεμον (4 *a*)
25. 28. πόλεμον κυρίου μου ὁ κ. πολεμεῖ (4 *a*)
26. 10. ἢ εἰς πόλεμον καταβῇ (4 *a*)
28. 1. ἐξελεύσῃ εἰς πόλεμον [A τὸν π.] (3)
29. 4. μὴ ἐρχέσθω μεθ' ἡμῶν εἰς τὸν π. (4 *a*)
— 9. οὐχ ἥξει μεθ' ἡμῶν εἰς πόλεμον (4 *a*)
30. 24. τοῦ καταβαίνοντος εἰς πόλεμον (4 *a*)
31. 3. βαρύνεται ὁ π. ἐπὶ Σ. (4 *a*)
II Ki. 1. 4. B ἔφυγεν ὁ λαὸς ἐκ τοῦ π. (4 *a*)
— 25. ἐν μέσῳ τοῦ [A *om.*] π. Ἰων. (4 *a*)
2. 17. ἐγένετο ὁ π. σκληρός (4 *a*)
3. 1. ἐγένετο ὁ π. ἐπὶ πολύ (4 *a*)
— 6. ἐν τῷ εἶναι τὸν π. (4 *a*)
— 30. ἐθανάτωσε τὸν Ἀσ. . . . ἐν τῷ π. (4 *a*)
5. 24. κόπτειν ἐν τῷ π. τῶν ἀλλοφύλων (3)
10. 8. καὶ παρετάξαντο πόλεμον (4 *a*)
— 9. ἐγενήθη πρὸς αὐτὸν ἀντιπρόσωπον τοῦ π. (4 *a*)
— 13. προσῆλθεν . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
11. 7. εἰς εἰρήνην τοῦ π. (4 *a*)
— 15. ἐξ ἐναντίας τοῦ π. τοῦ κραταιοῦ (4 *a*)
— 18, 19. πάντας τοὺς λόγους τοῦ π. (4 *a*)
— 22. πάντα τὰ ῥήματα τοῦ π. –
— 25. κραταίωσον τὸν π. σου (4 *a*)
18. 6. ἐγένετο ὁ π. ἐν τῷ δρυμῷ Ἐφρ. (4 *a*)
— 8. ἐγένετο ἐκεῖ ὁ π. διεσπαρμένος (4 *a*)
19. 3 (4). ἐν τῷ αὐτοὺς φεύγειν ἐν τῷ [A *om.*] π. (4 *a*)
— 10 (11). ἀπέθανεν ἐν τῷ π. (4 *a*)
21. 15. ἐγενήθη ἔτι π. (4 *a*)
— 17. οὐκ ἐξελεύσῃ ἔτι . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 18. ἐγενήθη μετὰ ταῦτα ἔτι π. (4 *a*)
— 19. ἐγένετο ὁ π. ἐν Ῥ. (4 *a*)
— 20. ἐγένετο ἔτι π. ἐν Γ. (4 *a*)
22. 35. διδάσκων χεῖράς μου εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 40. ἐνισχύσεις με δυνάμει εἰς πόλεμον (4 *a*)
23. 9. συνήχθησαν ἐκεῖ εἰς πόλεμον (4 *a*)
III Ki. 2. 5. ἔταξε τὰ αἵματα πολέμου (4 *a*)
5. 3 (17). ἀπὸ προσώπου τῶν [A *om.*] π. (4 *a*)
8. 44. ἐξελεύσεται ὁ λαός σου εἰς πόλεμον (4 *a*)
12. 21. νεανιῶν ποιούντων πόλεμον (4 *a*)
14. 30. πόλεμος ἦν ἀνὰ μέσον Ῥ. (4 *a*)
15. 6. A πόλεμος ἦν μεταξὺ Ῥ. (4 *a*)
— 7. πόλεμος ἦν ἀνὰ μέσον Ἀβ. (4 *a*)
— 16. πόλεμος ἦν ἀνὰ μέσον Ἀσά (4 *a*)
— 32. A πόλεμος ἦν μεταξὺ Ἀσά (4 *a*)
21 (20). 14. τίς συνάψει τὸν π. (4 *a*)
— 18. καὶ εἰ εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 26. ἀνέβη . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 29. προσήγαγεν ὁ π. (4 *a*)
— 39. ἐπὶ τὴν στρατιὰν τοῦ π. (4 *a*)
22. 1. οὐκ ἦν πόλεμος ἀνὰ μέσον Συρίας (4 *a*)
— 4. ἀναβήσῃ [A -βηθι] . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 6. εἰ πορευθῶ . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 15. εἰ ἀναβῶ . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 30. εἰσελεύσομαι εἰς τὸν π. (4 *a*)
— 30. εἰσῆλθεν εἰς τὸν π. (4 *a*)
— 34. ἐξάγαγέ με ἐκ τοῦ π. (3)
— 35. ἐτροπώθη ὁ π. (4 *a*)
IV Ki. 3. 7. εἰ πορεύσῃ μετ' ἐμοῦ . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 26. ἐκραταίωσεν ὑπὲρ αὐτὸν ὁ π. (4 *a*)
8. 28. ἐπορεύθη . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
9. 16. ἐν τῷ π. μετὰ Ἀζαήλ –
13. 25. ἃς ἔλαβεν . . . ἐν τῷ π. (4 *a*)
14. 7. συνέλαβε τὴν πέτραν ἐν τῷ π. (4 *a*)
16. 5. ἀνέβη Ῥ. . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
18. 20. βουλὴ καὶ δύναμις εἰς πόλεμον (4 *a*)
24. 16. πάντες δυνατοὶ ποιοῦντες πόλεμον (4 *a*)
25. 4. καὶ πάντες οἱ ἄνδρες τοῦ π. (4 *a*)
I Ch. 5. 10. ἐποίησαν πόλεμον πρὸς τοὺς παροίκους (4 *a*)
— 18. καὶ δεδιδαγμένοι πόλεμον (4 *a*)
— 19. ἐποίουν πόλεμον μετὰ τῶν Ἀγ. (4 *a*)
— 20. πρὸς τὸν θ. ἐβόησαν ἐν τῷ π. (4 *a*)
I Ch. 5. 22. παρὰ τοῦ θεοῦ ὁ π. (4 *a*)
7. 4. ἰσχυροὶ παρατάξασθαι εἰς πόλεμον (4 *a*)
10. 3. ἐβαρύνθη ὁ π. ἐπὶ Σαοὺλ (4 *a*)
11. 13. συνήχθησαν ἐκεῖ εἰς πόλεμον (4 *a*)
12. 1. βοηθοῦντες ἐν πολέμῳ (4 *a*)
— 8. ἄνδρες παρατάξεως πολέμου (4 *a*)
— 19. ἐν τῷ ἐλθεῖν τοὺς ἀλλοφ. . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 33. ἐκπορευόμενοι εἰς παράταξιν πολέμου (4 *a*)
— 35. παρατασσόμενοι εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 36. ἐκπορευόμενοι βοηθῆσαι εἰς πόλεμον (4 *a*)
14. 15. ἐξελεύσῃ εἰς τὸν π. (4 *a*)
18. 8. B S ἐκ τῶν ἐκλεκτῶν π. [A R πόλεων] Ἀδρ. †
19. 9. παρατάσσονται εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 14. παρετάξατο . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 17. R παρατάσσεται . . . εἰς πόλεμον [A B S *om.* εἰς π.] (4 *a*)
20. 4. ἐγένετο ἔτι π. ἐν Γ. (4 *a*)
— 5. ἐγένετο ἔτι π. μετὰ τῶν ἀλλοφ. (4 *a*)
— 6. ἐγένετο ἔτι π. ἐν Γέθ (4 *a*)
22. 8. π. μεγάλους ἐποίησας (4 *a*)
26. 27. A ἐκ τῶν π. [B ἐκ πόλεων] καὶ ἐκ τῶν λαφ. (4 *a*)
II Ch. 6. 34. ἐὰν δὲ ἐξέλθῃ ὁ λαός σου εἰς πόλεμον (4 *a*)
11. 1. νεανίσκων ποιούντων πόλεμον (4 *a*)
13. 2. καὶ πόλεμος ἦν (4 *a*)
— 3. A παρετάξατο Ἀβ. τὸν π. [B *om.* τ. π.] (4 *a*)
— 3. παρετάξατο πρὸς αὐτὸν πόλεμον (4 *a*)
— 14. αὐτοῖς ὁ π. ἐκ τῶν ἔμπροσθεν [A *al.*] (4 *a*)
14. 6 (5). οὐκ ἦν αὐτῷ πόλεμος (4 *a*)
— 10 (9). καὶ παρετάξατο πόλεμον (4 *a*)
15. 19. πόλεμος οὐκ ἦν μετ' αὐτοῦ (4 *a*)
16. 9. ἔσται μετὰ σοῦ πόλεμος (4 *a*)
17. 18. καὶ μετ' αὐτοῦ . . . δυνατοὶ πολέμου (6)
18. 3. ὁ λαός μου μετὰ σοῦ εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 5. εἰ πορευθῶ . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 14. εἰ πορευθῶ [A εἰσπ.] . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
— 29. εἰσελεύσομαι εἰς τὸν π. (4 *a*)
— 29. εἰσῆλθεν εἰς τὸν π. (4 *a*)
— 33. ἐξάγαγέ με ἐκ τοῦ π. (3)
— 34. ἐτροπώθη ὁ π. (4 *a*)
20. 1. ἦλθον . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
22. 5. ἐπορεύθη . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
25. 5. δυνατοὺς ἐξελθεῖν εἰς πόλεμον (6)
— 13. R τοῦ μὴ πορευθῆναι [A B εὑρεθ.] . . . εἰς πόλεμον (4 *a*)
26. 11. δυνάμεις ποιοῦσαι πόλεμον (4 *a*)
— 11. R ἐκπορευομένη . . . εἰς πόλεμον [A B *om.* εἰς π.] –
— 12. τῶν δυνατῶν εἰς πόλεμον (1)
— 13. οὗτοι οἱ ποιοῦντες πόλεμον (4 *a*)
27. 7. ὁ π. καὶ αἱ πράξεις αὐ. (4 *a*)
28. 12. ἐπὶ τοὺς ἐρχομ. ἀπὸ τοῦ π. (6)
32. 6. ἔθετο ἄρχοντας τοῦ π. (4 *a*)
— 8. τοῦ πολεμεῖν τὸν π. ἡμῶν (4 *a*)
35. 21. πόλεμον πολεμῆσαι [A ποιῆσαι] (4 *a*?)
I Es. 1. 25. πόλεμον ἐγείραι ἐν Χ.
— 27. ἐπὶ γὰρ τοῦ Εὐφρ. ὁ π. μού ἐστι
— 29. συνεστήσατο πρὸς αὐτὸν πόλεμον
2. 27. πολέμους ἐν αὐτῇ συντελοῦντες
4. 4. ἐὰν εἴπῃ αὐτοῖς ποιῆσαι πόλεμον
— 4. A¹ ἐὰν δὲ ἐξαποστείλῃ αὐτοὺς πρὸς τοὺς π. [A² B -μίους]
Ju. 1. 5. καὶ ἐποίησε πόλεμον
— 6. S συνήντησαν . . . εἰς πόλεμον [A B *om.* εἰς π.]
— 11. οὐ συνῆλθον αὐτῷ εἰς τὸν π.
— 13. ἐκραταιώθη ἐν τῷ π. αὐτοῦ
2. 16. ὃν τρόπον πολέμου πλῆθος συντάσσεται
4. 5. εἰς παρασκευὴν πολέμου
5. 1. παρεσκευάσαντο εἰς πόλεμον
— 18. ἐξωλεθρεύθησαν ἐν πολλοῖς π.
7. 1. καὶ ποιεῖν πόλεμον πρὸς τοὺς υἱοὺς Ἰ.
— 11. καθὼς γίνεται πόλεμος παρατάξεως
9. 7. σὺ εἶ κύριος συντρίβων πολέμους
11. 8. θαυμαστὸς ἐν στρατεύμασι πολέμου
14. 13. καταβαίνειν ἐφ' ἡμᾶς εἰς πόλεμον
16. 3. θεὸς συντρίβων πολέμους κύριος
Es. 1. 1. ἡτοιμάσθη πᾶν ἔθνος εἰς πόλεμον
Jb. 5. 15. ἀπόλοιντο δὲ ἐν πολέμῳ (2)
— 20. ἐν πολέμῳ δὲ ἐκ χειρὸς σιδήρου σε λύσει (4 *a*)
22. 10. ἐσπούδασέ σε πόλεμος ἐξαίσιος †
33. 18. καὶ [A S² τοῦ] μὴ πεσεῖν αὐτὸν ἐν πολέμῳ (8)
38. 23. εἰς ἡμέραν πολέμων [A S -ου] καὶ μάχης (7)

Jb. 39. 25. πόρρωθεν δὲ ὀσφραίνεται πολέμου (4 a)
40. 27 (32). μνησθεὶς πόλεμον τὸν γινόμενον [A πολέμου τοῦ γιγνομένου] (4 a)
Ps. 17 (18). 34. διδάσκων χεῖράς μου εἰς πόλεμον (4 a)
— 39. περιέζωσάς με δύναμιν εἰς πόλεμον (4 a)
23 (24). 8. κύριος δυνατὸς ἐν πολέμῳ (4 a)
26 (27). 3. ἐὰν ἐπαναστῇ ἐπ' ἐμὲ πόλεμος (4 a)
45 (46). 9. ἀνταναιρῶν [A -ανελὼν] πολέμους μέχρι τῶν περάτων τῆς γῆς (4 a)
67 (68). 30. διασκόρπισον ἔθνη τὰ τοὺς π. θέλοντα (7)
75 (76). 3. ὅπλον καὶ ῥομφαίαν καὶ πόλεμον (4 a)
77 (78). 9. ἐστράφησαν ἐν ἡμέρᾳ πολέμου (7)
88 (89). 43. οὐκ ἀντελάβου αὐτοῦ ἐν τῷ π. (4 a)
139 (140). 2. ὅλην τὴν ἡμέραν παρετάσσοντο πολέμους (4 a)
— 7. ἐν ἡμέρᾳ πολέμου (5)
143 (144). 1. ὁ διδάσκων . . . τοὺς δακτύλους μου εἰς πόλεμον (4 a)
Pr. 21. 31. ἵππος ἑτοιμάζεται εἰς ἡμέραν πολέμου (4 a)
24. 6. μετὰ κυβερνήσεως γίνεται πόλεμος (4 a)
Ec. 3. 8. καιρὸς πολέμου [S¹ τοῦ π.] καὶ καιρὸς εἰρήνης (4 a)
8. 8. οὐκ ἔστιν ἀποστολὴ ἐν ἡμέρᾳ πολέμου [A θανάτου] (4 a)
9. 11. A S R οὐ τοῖς δυνατοῖς ὁ [B om.] π. (4 a)
— 18. ἀγαθὴ σοφία ὑπὲρ σκεύη πολέμου (7)
Ca. 3. 8. πάντες . . . δεδιδαγμένοι πόλεμον (4 a)
Wi. 8. 15. φανοῦμαι . . . ἐν πολέμῳ ἀνδρεῖος
14. 22. μεγάλῳ [AS² ἐν μ., S¹ -ως] ζῶντες ἀγωνίας πολέμῳ
Si. 37. 5. ἔναντι πολέμου λήψεται ἀσπίδα
— 11. μετὰ δειλοῦ περὶ πολέμου
40. 6. ὡς ἐκπεφευγὼς ἀπὸ προσώπου πολέμου
46. 1. κραταιὸς ἐν πολέμοις [A S -ῳ] Ἰησοῦς
— 3. S² τοὺς γὰρ π. [A B S¹ -μίους] κύριος [A S² -ίου] αὐτὸς ἐπήγαγεν [A ἀπ.]
— 6. κατέρραξεν ἐπ' ἔθνος πόλεμον
— 6. ἐναντίον κυρίου ὁ π. αὐτοῦ
47. 5. ἐξᾶραι ἄνθρωπον δυνατὸν ἐν πολέμῳ
Ho. 1. 7. οὐδὲ ἐν ῥομφαίᾳ οὐδὲ ἐν πολέμῳ (4 a)
2. 18 (20). ῥομφαίαν καὶ πόλεμον συντρίψω (4 a)
10. 9. οὐ μὴ καταλάβῃ αὐτοὺς . . . πόλεμος (4 a)
— 14. ἐν ἡμέραις πολέμου (4 a)
Am. 1. 14. ἐν ἡμέρᾳ πολέμου (4 a)
Mi. 2. 8. τοῦ ἀφελέσθαι ἐλπίδα συντριμμὸν πολέμου (4 a)
3. 5. ἤγειραν ἐπ' αὐτὸν πόλεμον (4 a)
Jl. 2. 5. ὡς λαὸς . . . παρατασσόμενος εἰς πόλεμον (4 a)
3 (4). 9. ἁγιάσατε πόλεμον (4 a)
Ob. 1. 1. ἐξαναστῶμεν ἐπ' αὐτὴν εἰς πόλεμον (4 a)
Na. 3. 14. S¹ ἔμβηθι εἰς πόλεμον [A B S² πηλόν] †
Za. 10. 3. ὡς ἵππον εὐπρεπῆ αὐ. ἐν πολέμῳ (4 a)
— 5. ὡς μαχηταὶ πατοῦντες πηλὸν . . . ἐν πολέμῳ (4 a)
14. 2. ἐπισυνάξω πάντα τὰ ἔθνη . . . εἰς πόλεμον (4 a)
— 3. καθὼς ἡμέρα παρατάξεως αὐ. ἐν ἡμέρᾳ πολέμου (7)
Is. 14. 21. ἐμπλήσωσι τὴν γῆν πολέμων †
21. 15. διὰ τὸ πλῆθος τῶν πεπτωκότων ἐν τῷ π. [A πεδίῳ] (4 a)
22. 2. οὐδὲ οἱ νεκροί σου νεκροὶ πολέμων [A S -μου] (4 a)
42. 13. συντρίψει πόλεμον (4 a)
— 25. κατίσχυσεν [AS¹ add. ἐπ'] αὐτοὺς π. (4 a)
46. 2. οὐ δυνήσονται σωθῆναι ἀπὸ πολέμου †
Je. 4. 19. κραυγὴν πολέμου . . . ἐπικαλεῖται (4 a)
6. 4. παρασκευάσασθε ἐπ' αὐτὴν εἰς πόλεμον (4 a)
— 23. παρατάξεται ὡς [S¹ παρατάξεως] πῦρ εἰς πόλεμον πρὸς σέ (4 a)
18. 21. οἱ νεανίσκοι αὐτῶν πεπτωκότες μαχαίρᾳ ἐν πολέμῳ (4 a)
26 (46). 3. προσαγάγετε εἰς πόλεμον (4 a)
27 (50). 22. φωνὴ πολέμου . . . ἐν γῇ Χ. (4 a)
— 42. παρεσκευασμένοι ὥσπερ πῦρ εἰς πόλεμον (4 a)
28 (51). 20. διασκορπίζεις σύ μοι σκεύη πολέμου (4 a)
29 (49). 14. ἀνάστητε εἰς πόλεμον (4 a)
30 (49). 2. ἀκουτιῶ ἐπὶ Ῥαββὰθ θόρυβον πολέμων [A -ου] (4 a)
35 (28). 8. ἐπροφήτευσαν . . . εἰς πόλεμον (4 a)
48 (41). 16. ἔλαβεν . . . δυνατοὺς ἄνδρας ἐν [S³ om.] πολέμῳ [S¹ ἄ. πολέμου] (4 a)
49 (42). 14. οὐ μὴ ἴδωμεν πόλεμον (4 a)

Ba. 3. 26. ἐκεῖ ἐγεννήθησαν οἱ γίγαντες . . . ἐπιστάμενοι πόλεμον
Ep. Je. 15. ἑαυτὸν ἐκ πολέμου [A -ων] . . . οὐκ ἐξελεῖται
— 48. ὅταν γὰρ ἐπέλθῃ [A om.] ἐπ' αὐτὰ [A -οὺς] π.
— 49. οὕτε σώζουσιν ἑαυτοὺς ἐκ πολέμου [A -ων]
Ez. 7. 14. A οὐκ ἔστιν πορευόμενος εἰς τὸν π. (4 a)
— 15. ὁ π. ἐν ῥομφαίᾳ ἔξωθεν –
17. 17. οὐδὲ . . . ποιήσει πρὸς αὐτὸν Φαραὼ πόλεμον (4 a)
Da. LXX. 7. 8. ἐποίει πόλεμον πρὸς τοὺς ἁγίους –
— 21. τὸ κέρας ἐκεῖνο πόλεμον συνιστάμενον (7)
9. 26. ἀπὸ πολέμου πολεμηθήσεται (4 a)
— 27. ἕως καιροῦ συντελείας πολέμου –
11. 20. οὐκ ἐν ὀργῇ οὐδὲ ἐν πολέμῳ (4 a)
— 25. ἐρεθισθήσεται εἰς πόλεμον (4 a)
Da. TH. 7. 21. ἐποίει πόλεμον μετὰ τῶν ἁγίων (7)
9. 26. ἕως τέλους πολέμου συντετμημένου (4 a)
11. 20. οὐκ ἐν προσώποις οὐδὲ ἐν πολέμῳ (4 a)
— 25. ὁ βασ. τοῦ νότου συνάψει πόλεμον (4 a)
I Ma. 1. 2. συνεστήσατο π. πολλούς
— 18. R συνεστήσαντο [AS -ατο] πόλεμον πρὸς Πτ.
2. 32. συνεστήσαντο [A -στείλαντο] πρὸς αὐτοὺς πόλεμον
— 35. ἐτάχυναν ἐπ' αὐτοὺς πόλεμον
— 38. AR ἀνέστησαν ἐπ' αὐτοὺς ἐν τῷ [S om.] π.
— 41. ὃς ἐὰν ἔλθῃ πρὸς ἡμᾶς εἰς πόλεμον
— 66. πολεμήσει πόλεμον λαῶν
3. 2. ἐπολέμουν τὸν [S¹ -μοῦντο] π. Ἰσρ.
— 3. συνεστήσατο πολέμους
— 13. ἐκπορευομένων εἰς πόλεμον
— 19. οὐκ ἐν πλήθει δυνάμεως νίκη πολέμου ἐστίν
— 44. τοῦ εἶναι ἑτοίμους εἰς πόλεμον
— 59. SR κρείσσον ἡμᾶς ἀποθανεῖν ἐν τῷ [A om.] π.
4. 7. καὶ οὗτοι διδακτοὶ πολέμου
— 13. ἐξῆλθον ἐκ τῆς παρεμβ. εἰς πόλεμον
— 17. πόλεμος ἐξ ἐναντίας ἡμῶν
5. 7. συνῆψε πρὸς αὐτοὺς π. πολλούς
— 19. μὴ συνάψητε πόλεμον πρὸς τὰ ἔθνη
— 21. συνῆψε π. πολλοὺς πρὸς τὰ ἔθνη
— 31. ἦρκται ὁ π.
— 39. ἕτοιμοι τοῦ ἐλθεῖν ἐπὶ σὲ εἰς πόλεμον
— 42. ἐρχέσθωσαν πάντες εἰς τὸν π.
— 56. ἤκουσεν Ἰ. . . . τοῦ π.
— 59. ἐξῆλθε Γ. . . . εἰς πόλεμον
— 67. S R ἔπεσον ἱερεῖς ἐν [A om.] πολέμῳ
— 67. S R ἐν τῷ αὐτὸν [R -οὺς] ἐξελθεῖν εἰς πόλεμον [A τὸν π.]
6. 4. A R ἀνέστησαν [S ἀντ.] αὐτῷ εἰς πόλεμον
— 30. ἐλέφαντες δύο καὶ τριάκοντα εἰδότες πόλεμον
— 33. διεσκευάσθησαν αἱ δυνάμεις εἰς τὸν π.
— 34. τοῦ παραστῆσαι αὐτοὺς εἰς τὸν π.
7. 31. S R ἐξῆλθεν . . . ἐν πολέμῳ [A om. ἐν π.]
— 43. συνῆψαν αἱ παρεμβολαὶ εἰς πόλεμον
— 43. ἔπεσεν αὐτὸς πρῶτος ἐν τῷ π.
8. 2. διηγήσαντο αὐτῷ τοὺς π. αὐ.
— 5. SR συνέτριψαν αὐτοὺς ἐν [A om.] πολέμῳ
— 6. τὸν πορευθέντα ἐπ' αὐτοὺς εἰς πόλεμον
— 24. ἐὰν δὲ ἐνστῇ πόλεμος
— 27. ἐὰν ἔθνει Ἰ. συμβῇ προτέροις πόλεμος
9. 1. A ἐποίησεν . . . πόλεμον [S ἔπεσεν . . . πόλεμῳ, R ἔπεσε . . . ἐν πολέμῳ]
— 7. ὁ π. ἔθλιβεν αὐτόν
— 13. S R ἐγένετο ὁ π. συνημμένος [A συνηγμ.]
— 17. ἐβαρύνθη ὁ π.
— 22. τὰ περισσὰ τῶν λόγων Ἰ. καὶ τῶν π.
— 30. τοῦ πολεμῆσαι τὸν π. ἡμῶν
— 45. ὁ π. ἐξ ἐναντίας ἡμῶν
— 47. συνῆψεν ὁ π.
10. 2. ἐξῆλθεν . . . εἰς πόλεμον
— 15. διηγήσαντο αὐτῷ τοὺς π.
— 49. συνῆψαν πόλεμον οἱ δύο βασιλεῖς
— 50. S R ἐστερέωσε τὸν [A om.] π. σφόδρα
— 78. S κατεδίωξεν . . . εἰς πόλεμον [AR om. εἰς π.]
— 78. συνῆψαν αἱ παρεμβ. ὀπίσω αὐτοῦ εἰς πόλεμον
11. 4. οὗς ἐνεπύρισεν ἐν τῷ π.
— 15. S²R ἦλθεν ἐπ' αὐτὸν [AS¹ add. ἐν] πολέμῳ
— 69. συνῆψαν πόλεμον
— 72. ὑπέστρεψε πρὸς αὐτοὺς πολέμῳ
12. 13. ἡμᾶς δὲ ἐκύκλωσαν . . . π. πολλοί
— 14. παρενοχλεῖν ὑμῖν . . . ἐν τοῖς π. τούτοις
— 27. ἑτοιμάζεσθαι εἰς πόλεμον
— 28. ἡτοίμασται . . . εἰς πόλεμον
— 44. πολέμου μὴ ἐνεστηκότος ἡμῖν
— 50. ἐπορεύοντο . . . ἕτοιμοι εἰς πόλεμον
13. 3. οἴδατε . . . τοὺς π.

I Ma. 13. 9. πολέμησον τὸν π. ἡμῶν
— 14. S R συνάπτειν αὐτῷ μέλλει πόλεμον [A εἰς π.]
14. 9. ἐνεδύσαντο . . . στολὰς πολέμου
— 29. πολλάκις ἐγενήθησαν πόλεμοι
16. 2. A S² ἐπολεμήσαμεν τοὺς π. [S¹ R -μίους] Ἰσρ.
— 23. τὰ λοιπὰ . . . τῶν π. αὐτοῦ
II Ma. 2. 14. διὰ τὸν π. τὸν γεγονότα ἡμῖν
— 20. ἔτι τε τοὺς πρὸς Ἀντίοχον . . . πολέμους
10. 10. R αὐτὰ συντέμνοντες τὰ τῶν π. κακά [A al.]
12. 36. σύμμαχον φανῆναι καὶ προοδηγὸν τοῦ π.
III Ma. 1. 2. διαλῦσαι τὸν π.
— 4. A τοὺς π. [R πλοκάμους] λελυμένη
[Aq. I Ki. 17. 8 : 29. 4 : III Ki. 15. 6, 32 : Jb. 40. 27 (32) : Ps. 75 (76). 4 : 119 (120). 7 : Is. 22. 2 : 36. 5 : 42. 25 : Je. 6. 4, 23 : 8. 6 : 49 (30). 2 : Da. 9. 26.]
[Sm. I Ki. 17. 8 : 29. 4 : Ps. 26 (27). 3 : 75 (76). 4 : Ec. 8. 8 : 9. 11 : Is. 28. 6 : 36. 5 : 42. 25 : Je. 6. 23 : 8. 6 : 49 (30). 2 : Ez. 13. 5 : Da. 9. 26.]
[Th. Jd. 8. 13 : I Ki. 17. 8 : 29. 4 : Ps. 75 (76). 4 : Pr. 20. 18 : Is. 22. 2 : 28. 6 : 30. 32 : 36. 5 : 42. 25 : Je. 39 (46). 4 : Ez. 7. 14 : 13. 5 : Da. 9. 26.]
[Al. Ex. 15. 3 : 17. 16 : Nu. 31. 28 : Dt. 20. 2.]
[Quint. Ps. 75 (76). 4.]
[Sext. Ps. 26 (27). 5 : 75 (76). 4.]

πολεμοτροφεῖν.

II Ma. 10. 14. πρὸς τοὺς Ἰουδαίους ἐπολεμοτρόφει
— 15. πολεμοτροφεῖν ἐπεχείρουν
14. 6. πολεμοτροφοῦσι καὶ στασιάζουσιν

πολιά, πολειά. (1) שֵׂיבָה

Jd. 8. 32. A ἀπέθανε Γ. . . . ἐν πολειᾷ ἀγαθῇ [B al.] (1)
Ru. 4. 15. τοῦ διαθρέψαι τὴν π. σου (1)
III Ki. 2. 6. AR οὐ κατάξεις τὴν π. αὐ. [B al.] (1)
— 9 : 3. 1 (2. 9). A R κατάξεις τὴν π. [B πόλιν] αὐτοῦ (1)
Pr. 20. 29. δόξα δὲ πρεσβυτέρων πολιαί (1)
Wi. 2. 10. μηδὲ . . . ἐντραπῶμεν πολιὰς πολυχρονίους
4. 9. πολιὰ δέ ἐστιν φρόνησις ἀνθρώποις [S² ἐν ἀ.]
Si. 6. 18. ἕως πολιῶν εὑρήσεις σοφίαν
25. 4. ὡς ὡραῖον πολιαῖς κρίσις
Ho. 7. 9. πολιαὶ ἐξήνθησαν αὐτῷ (1)
Is. 47. 2. ἀνακάλυψαι τὰς π. †
II Ma. 6. 23. R ἄξιον . . . τῆς ἐπικτήτου καὶ ἐπιφανοῦς π. [A al.]
15. 13. ἄνδρα πολιᾷ καὶ δόξῃ διαφέροντα
III Ma. 4. 5. R ἤγετο γὰρ γεραιῶν πλῆθος πολιᾷ πεπυκασμένων [A al.]
IV Ma. 5. 6. αἰδοῦμαι γάρ σου . . . τὴν π.
7. 15. ὦ μακαρίου γήρως καὶ σεμνῆς π.
[Aq. Ge. 15. 15 : 25. 8 : Dt. 32. 25 : Jd. 8. 32 : Ps. 91 (92). 15 : Pr. 20. 29.]
[Sm. Ge. 25. 8 : Jd. 8. 32 : Pr. 20. 29.]
[Th. Jd. 8. 32 : Pr. 20. 29.]

πολιορκεῖν. (1) לָחַם ni. c. praep. (2) לָחַץ (3) נָצַר (4) עָצַר (5) צוּק hi. (6) צוּר

Jo. 10. 29. καὶ ἐπολιόρκει Λεβνά (1)
— 31. καὶ ἐπολιόρκει αὐτήν (1)
— 34. B καὶ ἐπολιόρκησεν [A -κει, R ἔξεπ.] αὐτήν (1)
Jd. 2. 18. ἀπὸ [A πρὸ] προσώπου τῶν πολιορκούντων αὐτούς (2)
9. 31. A πολιορκοῦσιν τὴν πόλιν [B al.] (6)
II Ki. 20. 15. ἐπολιόρκουν ἐπ' αὐτόν (6)
IV Ki. 16. 5. καὶ ἐπολιόρκουν ἐπὶ Ἄχαζ (6)
17. 4. ἐπολιόρκησεν αὐτὸν ὁ βασ. Ἀσσ. (4)
— 5. ἐπολιόρκησεν ἐπ' αὐτήν [A ἐν αὐτῇ] (6)
18. 9. ἐπολιόρκει ἐπ' αὐτήν (6)
24. 11. ἐπολιόρκουν [A add. τὴν] ἐπ' αὐτήν (6)
I Es. 5. 72. πολιορκοῦντες εἶργον τοῦ οἰκοδομεῖν
Jb. 17. 7. A B S² πεπολιόρκημαι μεγάλως ὑπὸ πάντων †
Is. 1. 8. ὡς πόλις πολιορκουμένη (3)
7. 1. οὐκ ἠδυνάσθησαν πολιορκῆσαι αὐτήν (1)
9. 21 (20). ἅμα πολιορκήσουσι τὸν Ἰούδαν –
27. 3. ἐγὼ πόλις ὀχυρὰ πόλις πολιορκουμένη †
37. 8. κατέλαβε τὸν βασιλέα Ἀσσυρίων πολιορκοῦντα Λοβνάν (1)
— 9. ἐξῆλθε . . . πολιορκῆσαι αὐτόν (1)
Je. 19. 9. ᾗ πολιορκήσουσιν αὐτούς (5)
46 (39). 1. ἐπολιόρκουν [A -κει] αὐτήν (6)

Da. LXX., TH. 1. 1. ἐπολιόρκει αὐτήν (6)
II Ma. 11. 6. μετέλαβον . . . πολιορκοῦντα αὐτὸν τὰ ὀχυρώματα
IV Ma. 7. 4. πόλις . . . ἀντέσχε ποτὲ πολιορκουμένη
— 4. ἐνίκησε τοὺς πολιορκοῦντας
[Aq. I Ki. 23. 8: Je. 30 (37). 16: 32 (39). 2: 37 (44). 5.]
[Sm. I Ki. 23. 8: IV Ki. 18. 9: Is. 21. 2: 59. 15: Je. 6. 27: 21. 4: 32 (39). 2: 51 (28). 30: Ez. 4. 3.]
[Th. I Ki. 23. 8: Je. 37 (44). 5: Ez. 4. 3.]

πολιορκητής.

[Th. Is. 59. 19: 63. 9.]

πολιορκία. (1) *a.* צוּקָה *b.* מָצוֹק

I Es. 2. 23. καὶ πολιορκίας συνιστάμενοι
Pr. 1. 27. ὅταν ἔρχηται ὑμῖν . . . π. (1 *a*)
Je. 19. 9. ἕκαστος τὰς σάρκας τοῦ πλησίον αὐτοῦ ἔδονται ἐν τῇ περιοχῇ καὶ ἐν τῇ π. (1 *b*)
II Ma. 10. 18. πάντα τὰ πρὸς πολιορκίαν ἔχοντας
— 19. ἀπολιπὼν Σίμωνα . . . πρὸς τὴν τούτων π.
IV Ma. 17. 24. ἀνδρείους εἰς . . . πολιορκίαν
[Aq., Th. Mi. 7. 12.]
[Sm. Ps. 65 (66). 11: Is. 29. 3, 7: Je. 10. 17: 52. 5: Ez. 21. 20 (25): Am. 3. 11: Mi. 7. 12.]

πολιός, *cf.* πολιά. (1) שֵׂיבָה

Le. 19. 32. ἀπὸ προσώπου π. ἐξαναστήσῃ (1)
[Quint. Ho. 7. 9.]

πολιοῦσθαι.

[Al. I Ki. 12. 2.]

πόλις. (1) אַרְמוֹן (2) בִּירָה (3) מָקוֹם
(4) עִיר (5) *a.* קִרְיָה *b.* קִרְיוֹת *c.* קֶרֶת
(6) שַׁעַר (7) Ἡλίου πόλις אֹן, און
(8) Ἡρῶων πόλις גֹּשֶׁן

Ge. 4. 17. ἦν οἰκοδομῶν πόλιν (4)
— 17. ἐπωνόμασε τὴν π. (4)
10. 11. καὶ τὴν Ῥοωβὼς πόλιν (4)
— 12. αὕτη ἡ π. ἡ μεγάλη (4)
11. 4. οἰκοδομήσωμεν ἑαυτοῖς πόλιν (4)
— 5. κατέβη κύριος ἰδεῖν τὴν π. (4)
— 8. ἐπαύσαντο οἰκοδομοῦντες τὴν π. (4)
13. 12. ἐν πόλει τῶν περιχώρων (4)
14. 5. τοὺς Ὀμμαίους τοὺς ἐν Σαυῇ τῇ π. †
18. 24. ἐὰν ὦσι πεντήκ. δίκαιοι ἐν τῇ π. (4)
— 26. πεντήκ. δικαίους ἐν τῇ π. (4)
— 26. B ἀφήσω ὅλην τὴν π. [A *om.* ὅ. τ. π.] (3 ?)
— 28. ἀπολεῖς . . . π. τὴν πόλιν (4)
19. 4. οἱ ἄνδρες τῆς π. οἱ Σοδομῖται (4)
— 12. εἴ τις σοι ἄλλος ἐστὶν ἐν τῇ π. (4)
— 14. ἐκτρίβει κύριος τὴν π. (4)
— 15. ταῖς ἀνομίαις τῆς π. (4)
— 20. ἡ π. αὕτη ἐγγύς (4)
— 21. τοῦ μὴ καταστρέψαι τὴν π. (4)
— 22. ἐπωνόμασεν τὸ ὄνομα τῆς π. ἐκ. (4)
— 25. κατέστρεψε τὰς π. ταύτας (4)
— 25. πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν ταῖς π. (4)
— 29. πάσας τὰς π. τῆς περιοίκου (4)
— 29. ἐν τῷ καταστρέψαι κύριον τὰς π. (4)
20. 2. οἱ ἄνδρες τῆς π. –
22. 17. τὰς π. τῶν ὑπεναντίων (6)
23. 2. ἀπέθανε Σάρρα ἐν πόλει Ἀρβόκ (5 *a*)
— 10. τῶν εἰσπορευομ. εἰς τὴν π. πάντων (4)
— 18. πάντων τῶν εἰσπορευομ. εἰς τὴν π. (4)
24. 10. ἐπορεύθη . . . εἰς τὴν π. Ναχώρ (4)
— 11. ἐκοίμισεν τὰς καμ. ἔξω τῆς π. (4)
— 13. αἱ δὲ θυγ. τῶν οἰκούντων τὴν π. (4)
— 43. αἱ θυγ. τῶν ἀνθρώπων τῆς π. –
— 60. τὰς π. τῶν ὑπεναντίων (6)
26. 33. ἐκάλεσεν τὸ ὄνομα τῇ π. (4)
28. 19. ἦν ὄνομα τῇ π. τὸ πρότερον (4)
33. 18. εἰς Σαλὴμ πόλιν Σηκίμων (4)
— 18. κατὰ πρόσωπον τῆς π. (4)
34. 20. πρὸς τὴν πύλην τῆς π. αὐτῶν (4)
— 20. πρὸς τοὺς ἄνδρας τῆς π. αὐτῶν (4)
— 24. τὴν πύλην τῆς π. αὐτῶν (4)
— 25. εἰσῆλθον εἰς τὴν π. ἀσφαλῶς (4)
— 27. διήρπασαν τὴν π. (4)
— 28. ὅσα τε ἦν ἐν τῇ π. (4)
— 29. ὅσα τε ἦν ἐν τῇ π. –
35. 5. ἐπὶ τὰς π. τὰς κύκλῳ αὐτῶν (4)
— 27. ἦλθε δὲ Ἰ. . . . εἰς πόλιν τοῦ πεδίου (5 *a*)
Ge. 36. 32. ὄνομα τῇ π. αὐτοῦ Δ. (4)
— 35. ὄνομα τῇ π. αὐτοῦ Γ. (4)
— 39. ὄνομα τῇ π. αὐτοῦ Φ. (4)
41. 35. βρώματα ἐν ταῖς π. συναχθήτω (4)
— 45. Πετ. ἱερέως Ἡλίου πόλεως (7)
— 48. ἔθηκε τὰ βρώματα ἐν ταῖς π. (4)
— 48. βρώματα τῶν πεδίων τῆς π. (4)
— 50. Πετ. ἱερέως Ἡλίου πόλεως (7)
44. 4. ἐξελθόντων δὲ αὐτῶν τὴν π. (4)
— 13. ἐπέστρεψαν εἰς τὴν π. (4)
46. 20. Πετ. ἱερέως Ἡλίου πόλεως (7)
— 28. συναντῆσαι αὐτῷ καθ' Ἡρῶων πόλιν (8)
— 29. εἰς συνάντησιν Ἰσρ. . . . καθ' Ἡρῶων πόλιν (8)
Ex. 1. 11. ᾠκοδόμησαν π. ὀχυράς (4)
— 11. Ὧν ἡ ἐστιν Ἡλίου πόλις –
9. 29. ὡς ἂν ἐξέλθω τὴν π. (4)
— 33. ἐξῆλθε δὲ Μ. . . . ἐκτὸς τῆς π. (4)
Le. 14. 40. ἐκβαλοῦσιν αὐτοὺς ἔξω τῆς π. (4)
— 41. ἐκχεοῦσι . . . ἔξω τῆς π. (4)
— 45. ἐξοίσουσιν ἔξω τῆς π. (4)
— 53. A B[1] ἐξαποστελεῖ . . . ἔξω πόλεως [B[2] R τῆς π.] (4)
25. 29. οἰκίαν οἰκητὴν ἐν π. τετειχισμένῃ (4)
— 30. ἡ οἰκία ἡ οὖσα ἐν π. τῇ ἐχούσῃ τεῖχος (4)
— 32. αἱ π. τῶν Λευιτῶν οἰκίαι τῶν π. (4, 4)
— 33. οἰκιῶν πόλεως κατασχέσεως αὐτῶν (4)
— 33. οἰκίαι τῶν π. τῶν Λ. κατάσχεσις αὐ. (4)
— 34. οἱ ἀγροὶ ἀφωρισμ. ταῖς π. αὐτῶν (4)
26. 25. καταφεύξεσθε εἰς τὰς π. ὑμῶν (4)
— 31. θήσω τὰς π. ὑμῶν ἐρήμους (4)
— 33. αἱ π. ὑμῶν ἔσονται ἔρημοι (4)
Nu. 13. 20 (19). τίνες αἱ π. εἰς ἃς οὗτοι κατοικοῦσιν (4)
— 29 (28). π. [A αἱ π.] ὀχυραὶ τετειχισμέναι (4)
20. 16. ἐν Κάδης πόλει ἐκ μέρους τῶν ὁρίων σου (4)
21. 2. ἀναθεματιῶ . . . τὰς π. αὐτοῦ (4)
— 3. ἀνεθεμάτισεν . . . τὰς π. αὐτοῦ (4)
— 25. ἔλαβεν Ἰσρ. πάσας τὰς π. ταύτας (4)
— 25. ἐν πάσαις ταῖς π. τῶν Ἀμ. (4)
— 26. ἔστι γὰρ Ἐσ. πόλις Σηών (4)
— 27. ἵνα οἰκοδομηθῇ . . . πόλις Σηών (4)
— 28. φλὸξ ἐκ πόλεως Σηών (5 *a*)
— 31. ἐν πάσαις ταῖς π. τῶν Ἀμ. †
22. 36. ἐξῆλθεν . . . εἰς πόλιν Μ. (4)
— 39. ἦλθον εἰς πόλεις ἐπαύλεων (5 *a*)
24. 19. ἀπολεῖ σωζόμενον ἐκ πόλεως (4)
31. 10. καὶ πάσας τὰς π. αὐ. . . . ἐνέπρησαν (4)
32. 16. καὶ πόλεις ταῖς ἀποσκευαῖς ἡμῶν (4)
— 17. κατοικήσει . . . ἐν π. τετειχισμέναις (4)
— 24. οἰκοδομήσετε ὑμῖν ἑαυτοῖς πόλεις (4)
— 26. ἔσονται ἐν ταῖς π. Γ. (4)
— 33. τὴν γῆν καὶ τὰς π. . . . πόλεις τῆς γῆς κύκλῳ (4, 4)
— 36. A πόλεις ὀχυρὰς πόλεις [B καὶ ἐπαύλεις] προβάτων (4, †)
— 38. ἐπωνόμασαν . . . τὰ ὀνόματα τῶν π. (4)
35. 2. δώσουσι . . . πόλεις κατοικεῖν (4)
— 2. τὰ προάστια τῶν π. . . . δώσουσι (4)
— 3. ἔσονται αὐτοῖς αἱ π. κατοικεῖν (4)
— 4. τὰ συγκυροῦντα τῶν π. (4)
— 4. ἀπὸ τείχους τῆς π. (4)
— 5. μετρήσεις ἔξω τῆς π. (4)
— 5. ἡ π. μέσον τούτου ἔσται ὑμῖν καὶ τὰ ὅμορα τῶν π. (4, 4)
— 6. τὰς π. δώσετε τοῖς Λ. τὰς ἓξ π. τῶν φυγαδευτηρίων (4, 4)
— 6. πρὸς ταύταις τεσσαράκοντα καὶ δύο πόλεις (4)
— 7. πάσας τὰς π. δώσετε τοῖς Λ. τεσσαράκοντα καὶ ὀκτὼ πόλεις (4, 4)
— 8. τὰς π. ἃς δώσετε (4)
— 8. δώσουσιν ἀπὸ τῶν π. τοῖς Λ. (4)
— 11. διαστελεῖτε ὑμῖν αὐτοῖς πόλεις (4)
— 12. ἔσονται αἱ π. ὑμῖν φυγαδευτήρια (4)
— 13. αἱ π. ἃς δώσετε τὰς ἓξ π. (4, 4)
— 14. τὰς [B[1] *om.*] τρεῖς π. δώσετε (4)
— 14. καὶ τὰς τρεῖς π. δώσετε (4)
— 15. ἔσονται αἱ π. αὗται εἰς φυγαδευτήριον (4)
— 25. εἰς τὴν π. τοῦ φυγαδευτηρίου (4)
— 26. ἐὰν δὲ . . . ἐξέλθῃ . . . τὰ ὅρια τῆς π. (4)
— 27. ἔξω τῶν ὁρίων τῆς π. (4)
— 28. ἐν γὰρ τῇ π. τῆς καταφυγῆς (4)
— 32. τοῦ φυγεῖν εἰς πόλιν τῶν φυγαδευτ. (4)
De. 1. 22. ἀναγγειλάτωσαν ἡμῖν . . . τὰς π. (4)
— 28. καὶ π. μεγάλαι καὶ τετειχισμ. (4)
2. 34. ἐκρατήσαμεν πασῶν τῶν π. αὐτοῦ (4)
De. 2. 34. ἐξωλεθρεύσαμεν π. πόλιν [B[1] π. τὰς π.] (4)
— 35. τὰ σκῦλα τῶν π. ἐλάβομεν (4)
— 36. καὶ τὴν π. τὴν οὖσαν ἐν τῇ φάραγγι (4)
— 36. οὐκ ἐγενήθη πόλις (5 *a*)
— 37. καὶ τὰς π. τὰς ἐν τῇ ὀρεινῇ (4)
3. 4. ἐκρατήσαμεν πασῶν τῶν π. αὐ. (4)
— 4. οὐκ ἦν πόλις ἣν οὐκ ἐλάβομεν . . . ἑξήκοντα πόλεις (5 *a*, 4)
— 5. πᾶσαι π. ὀχυραί (4)
— 5. πλὴν τῶν π. τῶν Φερ. (4)
— 6. ἐξωλεθρεύσαμεν πᾶσαν π. ἑξῆς (4)
— 7. τὰ σκῦλα τῶν π. ἐπρονομεύσαμεν (4)
— 10. A R πᾶσαι π. Μεισὼρ . . . πόλεις βασιλείας [B -αι] τοῦ Ὤγ (4, 4)
— 12. τὰς π. αὐτοῦ ἔδωκα (4)
— 19. κατοικείτωσαν ἐν ταῖς π. ὑμῶν (4)
4. 41. ἀφώρισε Μ. τρεῖς πόλεις (4)
— 42. καταφεύξεται εἰς μίαν τῶν π. τούτων (4)
6. 10. δοῦναί σοι π. μεγάλας (4)
9. 1. π. μεγάλας καὶ τειχήρεις (4)
12. 5. ἐν μιᾷ τῶν π. [A φυλῶν] ὑμῶν †
— 14. A ἐν μιᾷ τῶν π. [B φυλῶν] σου †
— 15. ἣν ἔδωκέ σοι ἐν πάσῃ π. (6)
— 17. οὐ δυνήσῃ φαγεῖν ἐν ταῖς π. σου (6)
— 18. ὁ προσήλυτος ὁ ἐν ταῖς π. ὑμῶν (6)
— 21. φάγῃ ἐν ταῖς π. σου (6)
13. 12 (13). ἐὰν δὲ ἀκούσῃς ἐν μιᾷ τῶν π. σου (4)
— 13 (14). A τοὺς κατοικοῦντας τὴν π. [B γῆν] αὐ. (4)
— 15 (16). A τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ π. [B γῇ] ἐκ. (4)
— 16 (17). ἐμπρήσεις τὴν π. (4)
14. 21. τῷ παροίκῳ τῷ ἐν ταῖς π. σου (6)
— 27. ὁ Λ. ὁ ἐν ταῖς π. σου (6)
— 28. θήσεις αὐτὸ ἐν ταῖς π. σου (6)
— 29. ἡ χήρα ἡ ἐν ταῖς π. σου (6)
15. 7. ἐν μιᾷ τῶν π. σου (6)
— 22. ἐν ταῖς π. σου φάγῃ αὐτό (6)
16. 5. ἐν οὐδεμιᾷ τῶν π. σου (6)
— 11. A ὁ ἐν ταῖς π. σου (6)
— 14. ἡ χήρα ἡ οὖσα ἐν ταῖς π. σου (6)
— 18. ἐν ταῖς π. σου αἷς κ. ὁ θ. σου δίδωσι (6)
17. 2. ἐν μιᾷ τῶν π. σου (6)
— 8. ῥήματα κρίσεως ἐν ταῖς π. ὑμῶν (6)
18. 6. ἐκ μιᾶς τῶν π. (6)
19. 1. καὶ κατοικήσητε ἐν ταῖς π. αὐτῶν (4)
— 2. τρεῖς π. διαστελεῖς σεαυτῷ (4)
— 5. εἰς μίαν τῶν π. τούτων (4)
— 7. τρεῖς π. διαστελεῖς σεαυτῷ (4)
— 9. A προσθήσεις σεαυτῷ ἔτι τρεῖς π. πρὸς τὰς τρεῖς π. [B *om.*] ταύτας (4, –)
— 11. εἰς μίαν τῶν π. τούτων (4)
— 12. ἡ γερουσία τῆς π. αὐτοῦ (4)
20. 10. ἐὰν δὲ προσέλθῃς πρὸς πόλιν (4)
— 11. A οἱ εὑρεθέντες ἐν τῇ π. [B ἐν αὐτῇ] †
— 14. ὅσα ἂν ὑπάρχῃ ἐν τῇ π. (4)
— 15. οὕτω ποιήσεις πάσας τὰς π. (4)
— 15. οὐχὶ ἐκ τῶν π. τῶν ἐθνῶν τούτων (4)
— 15 (16). A ἰδοὺ δὲ ἀπὸ τῶν π. τούτων (4)
— 19. ἐὰν δὲ περικαθίσῃς περὶ π. μίαν [A *om.*] (4)
— 20. οἰκοδομήσεις χαράκωσιν ἐπὶ τὴν π. (4)
21. 2. ἐκμετρήσουσιν ἐπὶ [A *om.*] τὰς π. (4)
— 3. ἔσται ἡ π. ἡ ἐγγίζουσα τῷ τραυματίᾳ (4)
— 3, 4. ἡ γερουσία τῆς π. ἐκείνης (4)
— 6. πᾶσα ἡ γερουσία τῆς π. ἐκείνης (4)
— 19. ἐπὶ τὴν γερουσίαν τῆς π. αὐτοῦ (4)
— 19. A ἐπὶ τὴν πύλην τῆς π. [B τοῦ τόπου] (3)
— 20. ἐροῦσι τοῖς ἀνδράσι τῆς π. αὐ. (4)
— 21. λιθοβολήσουσιν αὐτὸν οἱ ἄνδρες τῆς π. αὐ. (4)
22. 17. ἐναντίον τῆς γερουσίας τῆς π. (4)
— 18. ἡ γερουσία τῆς π. ἐκείνης (4)
— 21. A οἱ ἄνδρες τῆς π. αὐτῆς (4)
— 23. εὑρὼν αὐτὴν ἄνθρωπος ἐν πόλει [A[1] *om.* ἐν π.] (4)
— 24. ἐπὶ τὴν πύλην τῆς π. αὐτῶν (4)
— 24. οὐκ ἐβόησεν ἐν τῇ π. (4)
24. 14. τῶν προσηλύτων τῶν ἐν ταῖς π. σου (6)
25. 8. ἡ γερουσία τῆς π. αὐ. (4)
26. 12. φάγονται ἐν ταῖς π. σου (6)
28. 3. εὐλογημένος σὺ ἐν πόλει (4)
— 16. ἐπικατάρατος σὺ ἐν πόλει (4)
— 52 *bis.* ἐν [A *add* πάσαις] ταῖς π. σου (6)
— 55. ἐν πάσαις ταῖς π. σου (6)
— 57. ἐν [A *add.* πάσαις] ταῖς π. σου (6)
31. 12. τὸν προσήλυτον τὸν ἐν ταῖς π. ὑμῶν (6)

De. 34. 3. πόλιν φοινίκων ἕως Σ. (4)
Jo. 2. 14. ὡς ἂν παραδῷ κύριος ὑμῖν τὴν π. †
— 18. εἰσπορευόμεθα εἰς μέρος τῆς π. †
4. 13. διέβησαν . . . πρὸς τὴν Ἱερ. π. –
6. 5. πεσεῖται αὐτόματα τὰ τείχη τῆς π. (4)
— 5. εἰσελεύσεται . . . εἰς τὴν π. –
— 6 (7). καὶ κυκλῶσαι τὴν π. (4)
— 10 (11). A περιελθοῦσα ἡ κιβ. . . . τὴν π. [B om. τ. π.] (4)
— 13 (14). B περιεκύκλωσε τὴν π. (4)
— 14 (15). περιήλθοσαν τὴν πόλιν (4)
— 15 (16). παρέδωκε γὰρ κ. ὑμῖν τὴν π. (4)
— 16 (17). ἔσται ἡ π. ἀνάθεμα (4)
— 19 (20). ἀνέβη πᾶς ὁ λαὸς εἰς τὴν π. (4)
— 20 (21). ὅσα ἦν ἐν τῇ π. (4)
— 22 (23). οἱ κατασκοπεύσαντες τὴν π. –
— 23 (24). ἡ π. ἐνεπρήσθη [A -πυρίσθη] (4)
— 25 (26). ὃς . . . οἰκοδομήσει τὴν π. ἐκ. (4)
7. 3. ἐκπολιορκησάτωσαν τὴν π. †
8. 2. κατάστησον δὲ . . . ἔνεδρα τῇ π. (4)
— 4. ἐνεδρεύσατε ὀπίσω τῆς π. (4)
— 4. μὴ μακρὰν γίνεσθε ἀπὸ [A om.] τῆς π. (4)
— 5. προσάξομεν πρὸς τὴν π. (4)
— 6. ἀποσπάσομεν αὐτοὺς ἀπὸ τῆς π. (4)
— 7. πορεύσεσθε εἰς τὴν π. (4)
— 11. ἦλθον ἐξ ἐναντίας τῆς π. (4)
— 12. τὰ ἔνεδρα τῆς π. ἀπὸ θαλάσσης (4 *, †)
— 14. ἔνεδρα αὐτῷ ἐστιν ὀπίσω τῆς π. [A al.] (4)
— 16. ἀπέστησαν ἀπὸ τῆς π. (4)
— 17. B κατέλιπον τὴν π. ἠνεῳγμένην (4)
— 18. ἔκτεινον τὴν χεῖρά σου . . . ἐπὶ τὴν π. †
— 19 (18). ἐξέτεινεν Ἰ. . . . ἐπὶ τὴν π. (4)
— 19. εἰσήλθοσαν ἐπὶ [A εἰς] τὴν π. (4)
— 19. ἐνέπρησαν τὴν π. ἐν πυρί (4)
— 20. καπνὸν ἀναβαίνοντα ἐκ τῆς π. [A al.] (4)
— 21. B ἕλαβον τὰ ἔνεδρα τὴν π. (4)
— 21. B ἀνέβη ὁ καπνὸς τῆς π. (4)
— 22. ἐξῆλθοσαν ἐκ τῆς π. (4)
— 27. πλὴν τῶν σκύλων τῶν ἐν τῇ π. (4)
— 28. ἐνεπύρισεν Ἰ. τὴν π. †
9. 17. ἦλθον εἰς τὰς π. αὐτῶν (4)
— 17. αἱ δὲ π. αὐτῶν Γ. καὶ K. . . . καὶ πόλεις Ἰαρίν (4, 5 a)
10. 2. π. μεγάλη Γαβαών (4)
— 19. εἰσελθεῖν εἰς τὰς π. αὐτῶν (4)
— 20. διεσώθησαν εἰς τὰς π. τὰς ὀχυράς (4)
11. 12. πάσας τὰς π. τῶν βασιλειῶν (4)
— 13. πάσας τὰς π. τὰς κεχωματισμένας (4)
— 19. οὐκ ἦν π. ἣν οὐκ ἔλαβεν [A al.] (4)
— 21. σὺν ταῖς π. αὐτῶν (4)
13. 9. καὶ τὴν π. τὴν ἐν μέσῳ τῆς φάραγγος (4)
— 10. πάσας τὰς π. Σηών (4)
— 16. καὶ ἡ π. ἡ ἐν τῇ φάραγγι Ἀρ. (4)
— 17. πάσας τὰς π. τὰς οὔσας ἐν τῇ M. (4)
— 21. πάσας τὰς π. τοῦ M. (4)
— 23. αἱ π. αὐτῶν καὶ αἱ ἐπαύλεις αὐ. (4)
— 25. πᾶσαι αἱ π. Γαλαάδ (4)
— 28. A R καὶ κατὰ πόλεις αὐτῶν (4 ?)
— 28. B κατὰ δήμους αὐτῶν αἱ π. αὐτῶν (4)
— 30. ἑξήκοντα πόλεις (4)
— 31. πόλεις βασιλείας Ὤγ (4)
14. 4. ἀλλ' ἢ πόλεις κατοικεῖν (4)
— 12. π. ὀχυραὶ καὶ μεγάλαι (4)
— 15. ἦν τὸ πρότερον πόλις Ἀργόβ (5 a)
15. 9. αὕτη ἐστὶ π. Ἰαρίν (5 a)
— 10. παρελεύσεται . . . ἐπὶ νώτου πόλιν Ἰ. †
— 10. καταβήσεται ἐπὶ πόλιν ἡλίου †
— 13. ἔδωκεν αὐτῷ Ἰ. τὴν π. Ἀ. (5 a)
— 15. ἦν τὸ πρότερον π. γραμμάτων (5 a)
— 16. ὃς ἂν λάβῃ . . . τὴν π. τῶν γραμμ. (5 a)
— 21. ἐγενήθησαν δὲ π. αὐτῶν πόλεις πρὸς τῇ φυλῇ υἱῶν Ἰ. [A al.] (–, 4)
— 25. καὶ αἱ π. Ἀσ. (5 b)
— 32. πόλεις εἴκοσι ἐννέα καὶ αἱ κῶμαι αὐ. (4)
— 36. πόλεις δέκα τέσσαρες καὶ αἱ κῶμαι αὐ. (4)
— 41. πόλεις ἓξ καὶ δέκα καὶ αἱ κῶμαι αὐ. (4)
— 44. πόλεις δέκα καὶ αἱ κῶμαι αὐ. (4)
— 49. καὶ πόλις [B² -εις] γραμμάτων (5 a)
— 51. πόλεις ἕνδεκα καὶ αἱ κῶμαι αὐ. (4)
— 54. καὶ πόλις Ἀρβόκ (5 a)
— 54. πόλεις ἐννέα καὶ αἱ ἐπαύλεις αὐ. (4)
— 57. πόλεις ἐννέα καὶ αἱ κῶμαι αὐ. (4)
— 59. πόλεις ἓξ καὶ αἱ κῶμαι αὐ. (4)
— 60. πόλεις ἕνδεκα καὶ αἱ κῶμαι αὐ. –
— 60. αὕτη ἡ π. Ἰαρίμ (5 a)
— 60. πόλεις δύο καὶ αἱ ἐπαύλεις αὐ. (4)
Jo. 15. 62. καὶ αἱ π. Σ. καὶ Ἀγκ. (4)
— 62. πόλεις ἑπτὰ καὶ αἱ κῶμαι αὐ. (4)
16. 9. αἱ π. αἱ ἀφορισθεῖσαι τοῖς υἱοῖς Ἐφρ. (4)
— 9. πᾶσαι αἱ π. καὶ αἱ κῶμαι αὐ. (4)
— 10. A ἔλαβε τὴν π. [B αὐτήν] –
17. 9. ἀνὰ μέσον πόλεως Μαν. (4)
— 12. ἐξολεθρεῦσαι τὰς π. ταύτας (4)
18. 9. ἔγραψαν αὐτὴν κατὰ πόλεις (4)
— 14. K. πόλις υἱῶν Ἰούδα (4)
— 21. ἐγενήθησαν αἱ π. τῶν υἱῶν B. (4)
— 24. πόλεις δώδεκα καὶ αἱ κῶμαι αὐ. (4)
— 28. B καὶ πόλεις [A R om. καὶ π.] καὶ Γ. –
— 28. A Γ. καὶ πόλις [B om. κ. π.] Ἰαρίμ (5 a)
— 28 : 19. 6. πόλεις δέκα τρεῖς καὶ αἱ κῶμαι αὐ. (4)
19. 7. π. τέσσαρες (4)
— 8. καὶ αἱ κῶμαι αὐ. κύκλῳ τῶν π. αὐ. (4)
— 13. περιελεύσεται . . . ἐπὶ πόλιν K. †
— 16. πόλεις καὶ αἱ κῶμαι αὐτῶν (4)
— 23. αἱ π. καὶ αἱ κῶμαι [A ἐπαύλεις] αὐ. (4)
— 29. A ἕως πόλεως ὀχυρώματος [B al.] (4)
— 30. A πόλεις εἴκοσι δύο (4)
— 31. πόλεις [A om.] καὶ αἱ κῶμαι αὐ. (4)
— 35. αἱ [A om.] π. τειχήρεις τῶν Τυρίων (4)
— 38. A πόλεις δέκα ἐννέα (4)
— 41. πόλεις Σαμμαΰς (4)
— 48. αἱ π. αὐτῶν καὶ αἱ κῶμαι αὐ. (4)
— 50. ἔδωκαν αὐτῷ τὴν π. (4)
— 50. ᾠκοδόμησε τὴν π. (4)
20. 2. δότε τὰς π. τῶν φυγαδευτηρίων (4)
— 3. ἔσονται ὑμῖν αἱ π. φυγαδευτήριον –
— 4. A εἰς μίαν τῶν π. τούτων (4)
— 4. A ἐπὶ τὴν θύραν τῆς π. (4)
— 4. A ἐν τοῖς ὠσὶν τῶν πρεσβυτ. τῆς π. ἐκ. (4)
— 6. A κατοικήσει ἐν τῇ π. ἐκ. (4)
— 6. A ἐλεύσεται εἰς τὴν π. αὐ. . . . καὶ πρὸς πόλιν (4, 4)
— 7. καὶ τὴν π. Ἀρβόκ (5 a)
— 9. αὗται αἱ π. αἱ ἐπίκλητοι (4)
21. 2. δοῦναι ἡμῖν πόλεις κατοικεῖν (4)
— 3. ἔδωκαν . . . τὰς π. (4)
— 4. πόλεις δέκα τρεῖς (4)
— 5. πόλεις δέκα (4)
— 6. πόλεις δέκα τρεῖς (4)
— 7. πόλεις δώδεκα (4)
— 8. ἔδωκαν . . . τὰς π. (4)
— 9. ἔδωκεν . . . τὰς π. (4)
— 12. καὶ τοὺς ἀγροὺς τῆς π. (4)
— 13. ἔδωκε [A om.] τὴν π. φυγαδευτήριον (4)
— 16. πόλεις ἐννέα παρὰ τῶν δύο φυλῶν τ. (4)
— 18. π. τέσσαρες (4)
— 19. A πᾶσαι αἱ π. υἱῶν Ἀ. τῶν ἱερέων π. [B om.] δέκα τρεῖς (4, 4)
— 20. ἐγενήθη π. τῶν ἱερέων [A ὁρίων] (4)
— 21. ἔδωκαν αὐτοῖς τὴν π. (4)
— 22, 24. π. τέσσαρες (4)
— 25. πόλεις δύο (4)
— 26. πᾶσαι π. δέκα (4)
— 27. τὰς π. τὰς ἀφωρισμ. τοῖς φονεύσασι (4)
— 27. πόλεις δύο (4)
— 29, 31. π. τέσσαρες (4)
— 32. τὴν π. τὴν ἀφωρισμ. τῷ φονεύσαντι (4)
— 32. πόλεις τρεῖς (4)
— 33. πᾶσαι αἱ π. τοῦ Γ. . . . π. δέκα τρεῖς (4, 4)
— 35. π. τρεῖς [A τέσσαρες] (4)
— 36. τὴν π. τὸ φυγαδευτήριον τοῦ φονεύσαντος –
— 36 (37). π. τέσσαρες –
— 37 (36). τὴν π. τὸ φυγαδευτήριον [A τοῦ φ.] (4)
— 37. πᾶσαι αἱ π. τέσσαρες (4)
— 38. πᾶσαι αἱ π. τοῖς υἱοῖς M. (4)
— 38. αἱ [A om.] π. δέκα δύο (4)
— 39. B πᾶσα π. [A πᾶσαι αἱ π., R πᾶσαι π.] τῶν Λ. (4)
— 40 (39). τεσσαράκοντα ὀκτὼ πόλεις (4)
— 40. κύκλῳ τῶν π. τούτων (4)
— 40. πόλις καὶ τὰ περισπόρια κύκλῳ τῆς π. [A τῶν π.] πάσαις ταῖς π. ταύταις (4, †, 4)
— 40. ἔδωκαν αὐτῷ τὴν π. –
— 40. ᾠκοδόμησεν Ἰ. τὴν π. –
24. 12. A δώδεκα πόλεις [B βασιλεῖς] τῶν Ἀμ. †
— 13. ἔδωκεν ὑμῖν . . . πόλεις (4)
— 33. καὶ εἰς τὴν ἑαυτῶν π. –
Jd. 1. 8. τὴν π. ἐνέπρησαν ἐν πυρί (4)
— 11. τὸ δὲ ὄνομα . . . ἦν . . . πόλις γραμμάτων (5 a)
— 12. ὃς ἂν πατάξῃ τὴν π. τῶν γραμμ. (5 a)
Jd. 1. 16. ἀνέβησαν ἐκ πόλεως [A τῆς π.] τῶν φοινίκων (4)
— 17. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τῆς π. (4)
— 20. ἐκληρονόμησεν ἐκεῖθεν τὰς τρεῖς π. †
— 23. τὸ δὲ ὄνομα τῆς π. (4)
— 24. ἐξεπορεύετο ἐκ τῆς π. (4)
— 24. δεῖξον ἡμῖν τῆς π. τὴν εἴσοδον (4)
— 25. ἔδειξεν αὐτοῖς τὴν εἴσοδον τῆς π. (4)
— 25. ἐπάταξαν τὴν π. (4)
— 26. ᾠκοδόμησεν ἐκεῖ πόλιν (4)
— 27. ἥ ἐστι Σκυθῶν πόλις –
3. 13. ἐκληρονόμησε τὴν π. τῶν φοινίκων (4)
5. 8. ἐπολέμησαν πόλεις ἀρχόντων [A al.] (6)
— 11. κατέβη εἰς τὰς π. (6)
6. 27. ἐφοβήθη . . . τοὺς ἄνδρας τῆς π. (4)
— 28. ὤρθρισαν οἱ ἄνδρες τῆς π. (4)
— 30. εἶπαν οἱ ἄνδρες τῆς π. (4)
8. 16. τοὺς πρεσβυτέρους τῆς π. (4)
— 16. τοὺς ἄνδρας τῆς π. [A al.] †
— 17. ἀπέκτεινε τοὺς ἄνδρας τῆς π. (4)
— 27. ἔστησεν αὐτὸ ἐν πόλει αὐ. (4)
— 32. ἀπέθανε Γ. . . . ἐν πόλει αὐτοῦ [A al.] †
9. 30. Z. ἄρχων τῆς π. (4)
— 31. περικάθηνται [A πολιορκοῦσιν] τὴν π. (4)
— 33. ἐκτενεῖς ἐπὶ τὴν π. (4)
— 35. πρὸς τῇ θύρᾳ τῆς πύλης [A τῇ π.] τῆς π. (4)
— 40. A ἕως θυρῶν τῆς π. [B al.] (6)
— 43. λαὸς ἐξῆλθεν ἐκ τῆς π. (4)
— 44. παρὰ τὴν θύραν τῆς πύλης [A π. τὴν π.] τῆς π. (4)
— 45. παρετάσσετο ἐν τῇ π. (4)
— 45. κατελάβετο τὴν π. (4)
— 45. τὴν π. καθεῖλε (4)
— 51. ἐν μέσῳ τῆς π. (4)
— 51. αἱ γυναῖκες τῆς π. [A al.] (4)
10. 4. τριάκοντα δύο πόλεις αὐτοῖς (4)
11. 26. καὶ ἐν πάσαις ταῖς π. (4)
— 33. εἴκοσι πόλεις (4)
12. 7. ἐτάφη ἐν [A ἐν τῇ] πόλει αὐτοῦ Γαλ. (4)
14. 18. εἶπαν αὐτῷ οἱ ἄνδρες τῆς π. (4)
16. 2. ἐν τῇ πύλῃ [A ἐπὶ τῆς π.] τῆς π. (4)
— 3. τῶν θυρῶν τῆς πύλης τῆς π. (4)
17. 8. ἀπὸ [A ἐκ] Βηθ. τῆς π. Ἰούδα (4)
18. 27. τὴν π. ἐνέπρησαν (4)
— 28. ᾠκοδόμησαν τὴν π. (4)
— 29. ἐκάλεσαν τὸ ὄνομα τῆς π. Δάν (4)
— 29. ὄνομα τῆς π. [A τῇ π.] τὸ πρότερον (4)
19. 11. ἐκκλίνωμεν εἰς πόλιν [A τὴν π.] (4)
— 12. οὐκ ἐκκλινοῦμεν εἰς π. ἀλλοτρίαν [A al.] (4)
— 15. ἐκάθισαν ἐν τῇ πλατείᾳ τῆς π. (4)
— 17. ἐν τῇ πλατείᾳ τῆς π. (4)
— 22. ἄνδρες τῆς π. υἱοὶ παρανόμων (4)
20. 11. συνήχθη . . . εἰς τὴν π. [A ἐκ τῶν π.] (4)
— 14. συνήχθησαν . . . ἀπὸ [A ἐκ] τῶν π. αὐτῶν (4)
— 15. ἐπεσκέπησαν . . . ἀπὸ [A ἐκ] τῶν π. (4)
— 21. A ἐξῆλθον . . . ἐκ τῆς π. [B al.] †
— 31. ἐξεκενώθησαν ἐκ τῆς π. (4)
— 32. ἐκκενώσωμεν αὐτοὺς ἀπὸ τῆς π. [A al.] (4)
— 37. ἐπάταξαν [A add. ὅλην] τὴν π. (4)
— 38. σύσσημον καπνοῦ ἀπὸ τῆς π. (4)
— 40. ἀνέβη . . . ἐπὶ τῆς π. [A al.] (4)
— 40. ἀνέβη συντέλεια τῆς π. (4)
— 42. οἱ ἀπὸ τῶν π. διέφθειρον αὐτούς (4)
— 48. ἐπάταξαν αὐτοὺς . . . ἀπὸ πόλεως M. (4)
— 48. εἰς πάσας τὰς π. –
— 48. τὰς π. τὰς εὑρεθείσας (4)
21. 23. ᾠκοδόμησαν τὰς [A ἑαυτοῖς] π. (4)
Ru. 1. 19. ἤχησε πᾶσα ἡ π. (4)
2. 18 : 3. 15. εἰσῆλθεν εἰς τὴν π. (4)
4. 2. δέκα ἄνδρας ἀπὸ τῶν πρεσβυτ. τῆς π. (4)
I Ki. 1. 3. ἀνέβαινεν . . . ἐκ πόλεως αὐτοῦ (4)
4. 13. ὁ ἄνθρ. εἰσῆλθεν εἰς τὴν π. (4)
— 13. ἀνεβόησεν ἡ π. (4)
5. 6. σύγχυσις θανάτου μεγ. ἐν τῇ π. –
— 9. γίνεται χεὶρ κ. [A add. ἐν] τῇ π. (4)
— 9. ἐπάταξε τοὺς ἄνδρας τῆς π. (4)
— 12 (11). σύγχυσις [A add. θανάτου] ἐν ὅλῃ τῇ π. (4)
— 12. ἀνέβη ἡ κραυγὴ τῆς π. (4)
6. 18. κατ' ἀριθμὸν πασῶν π. [A τῶν π.] . . . ἐκ π. ἐστρεωμένης (4, 4)
7. 14. ἀπεδόθησαν αἱ π. (4)
8. 22. ἀποτρεχέτω ἕκαστος εἰς τὴν π. αὐτοῦ (4)
9. 6. ἄνθρωπος τοῦ θ. ἐν τῇ π. ταύτῃ (4)
— 10. ἐπορεύθησαν εἰς τὴν π. (4)

I Ki. 9. 11. τὴν ἀνάβασιν τῆς π. (4)
— 12. ἥκει εἰς τὴν π. (4)
— 13. ὡς ἂν εἰσέλθητε τὴν π. (4)
— 13. εὑρήσετε αὐτὸν ἐν τῇ π. –
— 14. ἀναβαίνουσι τὴν π. (4)
— 14. αὐτῶν εἰσπορευομ. εἰς μέσον τῆς π. (4)
— 18. προσήγαγε . . . εἰς μέσον τῆς π. (6)
— 25. κατέβη . . . ἐν τῇ π. (4)
— 27. εἰς μέρος τῆς π. (4)
10. 5. ὡς ἂν εἰσέλθητε ἐκεῖ εἰς τὴν π. (4)
11. 9. ἦλθον οἱ ἄγγελοι εἰς τὴν π. –
14. 23. ἦν ὁ πόλεμος διεσπαρμ. εἰς ὅλην π. [A τὴν π.] –
15. 5. ἦλθε Σ. ἕως τῶν π. Ἀμ. (4)
16. 4. ἐξέστησαν οἱ πρεσβύτεροι τῆς π. (4)
18. 6. ἐκ πασῶν [A π. τῶν] π. Ἰσραήλ (4)
20. 6. εἰς Βηθ. τὴν π. αὐτοῦ (4)
— 9. ἐὰν μὴ ᾖ εἰς τὰς π. σου –
— 28. ἕως εἰς Βηθ. τὴν π. αὐτοῦ –
— 29. θυσία τῆς φυλῆς ἡμῖν ἐν τῇ π. (4)
— 40. εἴσελθε εἰς τὴν π. (4)
— 42 (21. 1). Ἰων. εἰσῆλθεν εἰς τὴν π. (4)
21. 13 (14). ἐτυμπάνιζεν ἐπὶ ταῖς θύραις τῆς π. (6)
22. 5. ἐκάθισεν ἐν πόλει [A τῇ π.] Σ. †
— 19. τὴν N. τὴν π. τῶν ἱερέων ἐπάταξεν (4)
23. 7. εἰσελθὼν εἰς πόλιν θυρῶν (4)
— 10. διαφθεῖραι τὴν π. δι' ἐμέ (4)
27. 5. ἐν μιᾷ τῶν π. τῶν κατ' ἀγρόν (4)
— 5. ἵνα τί κάθηται . . . ἐν π. βασιλευομένῃ (4)
28. 3. θάπτουσιν αὐτὸν . . . ἐν πόλει αὐτοῦ (4)
30. 3. ἦλθε Δ. . . . εἰς τὴν π. (4)
— 29. καὶ τοῖς ἐν ταῖς π. τοῦ Ἰ. (4)
— 29. καὶ τοῖς ἐν ταῖς π. τοῦ Κ. (4)
31. 7. καταλείπουσι τὰς π. αὐτῶν (4)
II Ki. 2. 1. εἰς μίαν τῶν π. Ἰούδα (4)
— 3. κατῴκουν ἐν ταῖς π. Χεβρών (4)
5. 7. αὕτη ἡ π. τοῦ Δ. (4)
— 9. ἐκλήθη αὕτη ἡ π. Δ. (4)
— 9. ᾠκοδόμησεν αὐτὴν πόλιν –
6. 10. τοῦ ἐκκλῖναι . . . τὴν κιβωτὸν . . . εἰς τὴν π. Δ. (4)
— 12. ἀνήγαγε τὴν κιβωτὸν . . . εἰς τὴν π. Δ. (4)
— 16. τῆς κιβωτοῦ παραγινομ. ἕως πόλεως Δ. (4)
8. 8. ἐκ τῶν ἐκλεκτῶν π. τοῦ Ἀδρ. (4)
— 11. οὗ ἡγίασεν ἐκ πασῶν τῶν π. †
10. 3. ἐρευνήσωσι τὴν π. (4)
— 8. B² παρὰ τῇ θύρᾳ τῆς π. [A B¹ R πύλης] (6)
— 12. καὶ περὶ τῶν π. τοῦ θ. ἡμῶν (4)
— 14. εἰσῆλθεν εἰς τὴν π. (4)
11. 16. ἐν τῷ φυλάσσειν Ἰ. ἐπὶ τὴν π. (4)
— 17. ἐξῆλθον οἱ ἄνδρες τῆς π. (4)
— 20. ἠγγίσατε [A ἠργάσατε] πρὸς τὴν π. (4)
— 22. ἵνα τί προσηγάγετε πρὸς τὴν π. –
— 25. κραταίωσον . . . πρὸς τὴν π. (4)
12. 1. δύο ἦσαν ἄνδρες ἐν π. μιᾷ (4)
— 26. κατέλαβε τὴν π. τῆς βασιλείας (4)
— 27. κατελαβόμην τὴν π. τῶν ὑδάτων (4)
— 28. παρέμβαλε ἐπὶ τὴν π. (4)
— 28. ἵνα μὴ προκαταλάβωμαι ἐγὼ τὴν π. (4)
— 30. σκῦλα τῆς π. ἐξήνεγκε (4)
— 31. οὕτως ἐποίησε πάσαις ταῖς π. [A al.] (4)
15. 2. ἐκ ποίας π. σὺ εἶ (4)
— 12. A B σύμβουλον Δ. ἐν πόλει [R ἐκ τῆς π.] αὐ. (4)
— 14. ἵνα μὴ . . . πατάξῃ τὴν π. (4)
— 18. A οἱ ἐλθόντες ἐν ταῖς π. αὐτῶν [B al.] –
— 24. παρελθεῖν ἐκ τῆς π. (4)
— 25. ἀπόστρεψον τὴν κιβ. τοῦ θ. εἰς τὴν π. (4)
— 27. ἐπιστρέφεις εἰς τὴν π. (4)
— 34. ἐὰν ἐπιστρέψῃς εἰς τὴν π. (4)
— 37. εἰσῆλθε . . . εἰς τὴν π. (4)
— 37. A ἐπορεύετο εἰς τὴν π. [B al.] †
17. 13. ἐὰν εἰς τὴν π. συναχθῇ (4)
— 13. λήψεται . . . πρὸς τὴν π. ἐκείνην σχοινία (4)
— 17. τοῦ εἰσελθεῖν εἰς τὴν π. (4)
— 23. ἀπῆλθεν . . . εἰς τὴν π. αὐτοῦ (4)
18. 3. ἔσῃ ἡμῖν ἐν τῇ π. βοήθεια (4)
19. 3 (4). τοῦ εἰσελθεῖν εἰς τὴν π. (4)
— 37 (38). ἀποθανοῦμαι ἐν τῇ π. μου (4)
20. 6. μή ποτε ἑαυτῷ εὕρῃ π. ὀχυράς (4)
— 15. ἐξέχεαν πρόσχωμα πρὸς τὴν π. (4)
— 19. σὺ δὲ ζητεῖς θανατῶσαι πόλιν (4)
— 21. ἀπελεύσομαι ἀπάνωθεν τῆς π. (4)
— 22. ἐλάλησε πρὸς πᾶσαν τὴν π. –
— 22. διεσπάρησαν ἀπὸ τῆς π. (4)
24. 5. ἐκ δεξιῶν τῆς π. (4)

II Ki. 24. 7. καὶ πάσας τὰς π. τοῦ Εὐαίου (4)
III Ki. 1. 41. τίς ἡ φωνὴ τῆς π. ἠχούσης (5 a)
— 45. ἤχησεν ἡ π. (5 a)
2. 6. B σὺ κατάξεις τὴν π. [A R -λιὰν] αὐτοῦ †
— 9. B κατάξεις τὴν π. [A R -λιὰν] αὐτοῦ †
— 10. ἐτάφη ἐν πόλει Δ. (4)
3. 1. εἰσήγαγεν αὐτὴν εἰς τὴν π. Δ. (4)
— 1. διέκοψε τὴν π. Δ. –
— 1 (9. 24). ἀνέβαινεν ἐκ τῆς π. Δ. (4)
— 1. ᾠκοδόμησε τὰς π. ταύτας –
— 1 (2. 9). B κατάξεις τὴν π. [A R -λιὰν] αὐ. †
— 1. A εἰσήγαγεν αὐτὴν εἰς τὴν π. Δ. (4)
4. 13. ἑξήκοντα π. μεγάλαι τειχήρεις (4)
— 34 (3. 1). B εἰσήγαγεν αὐτὴν εἰς τὴν π. Δ. (4)
8. 1. τοῦ ἐνεγκεῖν τὴν κιβωτὸν . . . ἐκ πόλεως Δ. (4)
— 16. οὐκ ἐξελεξάμην ἐν πόλει (4)
— 37. ἐν μιᾷ τῶν π. αὐτοῦ (6)
— 44. ὁδὸν [A -ὸς] τῆς π. ἧς ἐξελέξω (4)
— 48. ὁδὸν . . . τῆς π. ἧς ἐξελέξω (4)
9. 9. ἀνήγαγε Σαλ. τὴν θυγ. Φ. ἐκ πόλεως Δ. –
— 11. εἴκοσι πόλεις ἐν τῇ γῇ τῇ Γαλ. (4)
— 12. τοῦ ἰδεῖν τὰς π. (4)
— 13. τί αἱ π. αὗται (4)
— 24. A ἀνέβη ἐκ πόλεως Δ. –
10. 22 (B), 9. 15 (A). τὸν φραγμὸν τῆς π. Δ. –
— 22 (B), 9. 16 (A). A τὸν καθήμενον ἐν τῇ π. (4)
— 22 (B), 9. 19 (A). A πάσας τὰς π. τῶν σκηνωμ. (4)
— 22 (B), 9. 19 (A). πάσας [A om.] τὰς π. τῶν ἁρμ. (4)
— 22 (B), 9. 19 (A). πάσας τὰς π. τῶν ἱππέων (4)
— 26. ἐν ταῖς π. τῶν ἁρμάτων (4)
11. 13. διὰ Ἱερ. τὴν π. ἣν ἐξελεξάμην –
— 18. ἄνδρες ἐκ τῆς π. Μ. –
— 27. συνέκλεισε τὸν φραγμὸν τῆς π. (4)
— 32. καὶ διὰ Ἱερ. τὴν π. (4)
— 36. ἐν Ἱερ. τῇ π. ἣν ἐξελεξάμην (4)
— 43. ἔθαψαν αὐτὸν ἐν πόλει Δ. (4)
— 43. B ἔρχεται εἰς τὴν π. αὐτοῦ –
12. 17. A τῶν καθημ. ἐν πόλεσιν Ἰ. (4)
— 24. B θάπτεται . . . ἐν πόλει Δ. –
— 24. B συνέκλεισε τὴν π. Δ. –
— 24. B ἐλθούσης αὐτῆς εἰς τὴν π. –
— 24. R εἰσελθούσης σου τὴν π. [B πύλην] –
— 24. B ἔσονται οἱ τεθνηκ. τοῦ Ἱ. ἐν τῇ π. –
13. 25. ἐλάλησαν ἐν τῇ π. (4)
— 29. ἐπέστρεψεν αὐτὸν εἰς τὴν π. [A al.] (4)
14. 11. A οἱ τεθνηκ. τοῦ Ἱερ. ἐν τῇ π. (4)
— 12. A ἐν τῷ εἰσέρχεσθαι πόδα σου τὴν π. (4)
— 21. ἐβασίλευσεν ἐν Ἱερ. τῇ π. (4)
— 31: 15. 8. θάπτεται . . . ἐν πόλει Δ. (4)
15. 20. ἀπέστειλε . . . ταῖς π. τοῦ Ἰσρ. (4)
— 23. A R καὶ τὰς π. ἃς ᾠκοδόμησεν (4)
— 24. θάπτεται . . . ἐν πόλει Δ. (4)
16. 4. τὸν τεθνηκότα τοῦ B. ἐν τῇ π. (4)
— 18. προκατείληπται αὐτοῦ ἡ π. (4)
— 28 (22. 50 [51]). B ἐν πόλει Δαυίδ (4)
17. 10. εἰς τὸν πυλῶνα τῆς π. (4)
20 (21). 8. A οἱ ἐν τῇ π. αὐτοῦ (4)
— 11. A R ἐποίησαν οἱ ἄνδρες πόλεως αὐ. (4)
— 11. A οἱ καθήμενοι ἐν πόλει αὐ. [R al.] (4)
— 13. ἐξήγαγον αὐτὸν ἔξω τῆς π. (4)
— 24. τὸν τεθνηκότα τοῦ Ἀχ. ἐν τῇ π. (4)
21 (20). 2. ἀπέστειλε . . . εἰς τὴν π. (4)
— 12. ἔθετο χάρακα ἐπὶ τὴν π. (4)
— 14. A ἐν τοῖς παιδαρίοις τῶν ἀρχόντων τῶν π. [B al.] †
— 19. μὴ ἐξελθάτωσαν ἐκ τῆς π. (4)
— 30. ἔφυγον . . . εἰς τὴν π. (4)
— 34. τὰς π. ἃς ἔλαβεν ὁ πατήρ μου (4)
22. 26. πρὸς Σ. τὸν βασ. τῆς π. [A al.] (4)
— 36. ἕκαστος εἰς τὴν ἑαυτοῦ π. (4)
— 39. πάσας τὰς π. ἃς ἐποίησεν (4)
— 51. ἐν πόλει Δ. τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (4)
IV Ki. 2. 19. εἶπον οἱ ἄνδρες τῆς π. (4)
— 19. ἡ κατοίκησις τῆς π. ἀγαθή (4)
— 23. ἐξῆλθον ἐκ τῆς π. (4)
3. 19. πατάξετε πᾶσαν π. [A τὴν π.] ὀχυράν (4)
— 19. A καὶ πᾶσαν π. ἐκλεκτήν (4)
— 25. τὰς π. καθεῖλον (4)
6. 14. περιεκύκλωσαν τὴν π. (4)
— 15. δύναμις κυκλοῦσα τὴν π. (4)
— 19. οὐχὶ αὕτη ἡ π. (4)
7. 3. παρὰ τὴν θύραν τῆς π. (6)
— 4. εἰσέλθωμεν εἰς τὴν π. (4)
— 4. ὁ λιμὸς ἐν τῇ π. (4)

IV Ki. 7. 10. ἐβόησαν πρὸς τὴν πύλην τῆς π. (4)
— 12. ἐξελεύσονται ἐκ τῆς π. [A γῆς] (4)
— 12. εἰς τὴν π. εἰσελευσόμεθα (4)
8. 3. ἐπέστρεψεν . . . εἰς τὴν π. [A al.] –
— 24. ἐν πόλει Δαυὶδ τοῦ π. αὐτοῦ (4)
9. 15. μὴ ἐξελθέτω ἐκ τῆς π. (4)
— 28. ἔθαψαν αὐτὸν . . . ἐν πόλει Δ. (4)
— 31. εἰσεπορεύετο ἐν τῇ π. (6)
10. 2. καὶ π. [A αἱ π.] ὀχυραὶ καὶ τὰ ὅπλα (4)
— 5. ἀπέστειλαν . . . οἱ ἐπὶ τῆς π. (4)
— 6. οὗτοι ἁδροὶ τῆς π. (4)
— 8. A B² παρὰ τὴν θύραν τῆς [B¹ add. πύλης] π. (6)
— 26 (25). ἐπορεύθησαν ἕως πόλεως (4)
11. 20. ἡ π. ἡσύχασε (4)
12. 21 (22). ἔθαψαν αὐτὸν . . . ἐν πόλει Δαυίδ (4)
13. 25. καὶ ἔλαβε τὰς π. (4)
— 25. ἐπέστρεψε τὰς π. Ἰσραήλ (4)
14. 20. ἐτάφη . . . ἐν πόλει Δαυίδ (4)
15. 7. ἐν πόλει Δαυίδ (4)
— 38. ἐτάφη . . . ἐν πόλει Δ. [A al.] (4)
16. 20. ἐτάφη ἐν πόλει Δαυίδ (4)
17. 9. ἐν πάσαις ταῖς π. αὐτῶν . . . ἕως π. ὀχυρᾶς (4, 4)
— 24. κατῴκισθησαν ἐν πόλεσι Σαμ. (4)
— 24. B κατῴκησαν [A -ισαν] ἐν ταῖς π. αὐ. (4)
— 26. ἀντεκάθισας ἐν πόλεσι Σαμ. (4)
— 29. ἐν ταῖς π. αὐτῶν ἐν αἷς κατῴκουν (4)
— 32. ἐν πόλει ἐν ᾗ κατῴκουν ἐν αὐτῇ –
18. 8. καὶ ἕως π. ὀχυρᾶς (4)
— 13. ἀνέβη . . . ἐπὶ τὰς π. Ἰούδα (4)
— 30. οὐ μὴ παραδοθῇ ἡ π. αὕτη (4)
19. 13. A R ὁ βασ. τῆς π. Σεπφ. [B al.] (4)
— 25. ἐγενήθη εἰς ἐπάρσεις . . . πόλεις ὀχυράς (4)
— 32. οὐκ εἰσελεύσεται εἰς τὴν π. ταύτην (4)
— 33. εἰς τὴν π. ταύτην οὐκ εἰσελεύσεται (4)
— 34. ὑπερασπιῶ ὑπὲρ τῆς π. ταύτης (4)
20. 6. σώσω σε καὶ τὴν π. ταύτην (4)
— 6. ὑπερασπιῶ ὑπὲρ τῆς π. ταύτης (4)
— 20. εἰσήνεγκεν τὸ ὕδωρ εἰς τὴν π. (4)
23. 5. ἐθυμίων . . . ἐν ταῖς π. Ἰούδα (4)
— 8. ἀνήγαγε . . . ἐκ πόλεων [A -ως] Ἰούδα (4)
— 8. R τῆς πύλης Ἰ. ἄρχοντος τῆς π. [A B πύλης] (4)
— 8. ἐν τῇ πύλῃ τῆς π. (4)
— 16. εἶδε τοὺς τάφους τοὺς ἐκεῖ ἐν τῇ π. †
— 17. εἶπον αὐτῷ οἱ ἄνδρες τῆς π. (4)
— 19. πάντας τοὺς οἴκους τῶν ὑψ. τοὺς ἐν ταῖς π. Σαμ. (4)
— 27. ἀπεώσομαι τὴν π. ταύτην (4)
24. 10. ἦλθεν ἡ π. ἐν περιοχῇ (4)
— 11. εἰσῆλθε . . . εἰς τὴν π. (4)
25. 2. ἦλθεν ἡ π. ἐν περιοχῇ [A al.] (4)
— 3. ἐνίσχυσεν ὁ λιμὸς ἐν τῇ π. (4)
— 4. ἐρράγη ἡ π. (4)
— 4. καὶ οἱ Χαλδαῖοι ἐπὶ τὴν π. κύκλῳ (4)
— 11. τὸ καταλειφθὲν ἐν τῇ π. (4)
— 19. ἐκ τῆς π. ἔλαβεν εὐνοῦχον ἕνα (4)
— 19 bis. τοὺς εὑρεθέντας ἐν τῇ π. (4)
I Ch. 1. 43. καὶ ὄνομα τῇ π. αὐ. Δ. (4)
— 46. καὶ ὄνομα τῇ π. αὐ. Γ. (4)
— 50. καὶ ὄνομα τῇ π. αὐτοῦ Φ. (4)
2. 22. ἦσαν αὐτῷ εἴκοσι τρεῖς π. ἐν τῇ Γ. (4)
— 23. καὶ ἔλαβε . . . ἑξήκοντα π. (4)
— 53. πόλεις Ἰαὶρ Αἰθ. καὶ Μιφ. (5 a)
4. 12. ἐγέννησε . . . τὸν Θ. πατέρα πόλεως N. (4)
— 31. αὗται π. αὐτῶν (4)
— 32. ἐπαύλεις αὐτῶν . . . πόλεις πέντε (4)
— 33. κύκλῳ τῶν π. τούτων (4)
6. 56 (41). τὰ πεδία τῆς π. . . . ἔδωκαν τῷ Χ. (4)
— 57 (42). ἔδωκαν τὰς π. τῶν φυγαδευτηρίων (4)
— 60 (45). πᾶσαι αἱ π. αὐ. τρισκαίδεκα π. (4, 4)
— 61 (46). κλήρῳ πόλεις δέκα (4)
— 62 (47). τοῖς υἱοῖς Γ. . . . πόλεις τρισκαίδεκα (4)
— 63 (48). κλήρῳ πόλεις δέκα δύο (4)
— 64 (49). ἔδωκαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τοῖς Δ. τὰς π. (4)
— 65 (50). ἔδωκαν . . . τὰς π. ταύτας (4)
— 66 (51). ἐγένοντο πόλεις τῶν ὁρίων αὐ. (4)
— 67 (52). ἔδωκαν αὐτοῖς τὰς π. τῶν φυγαδευτ. (4)
9. 2. ἐν ταῖς π. Ἰσραήλ (4)
10. 7. κατέλειπον τὰς π. αὐτῶν (4)
11. 5. αὕτη ἡ π. Δαυίδ (4)
— 7. ἐκάλεσεν αὐτὴν πόλιν Δαυίδ (4)
— 8. ᾠκοδόμησε τὴν π. κύκλῳ (4)
— 9 (8). A B S καὶ ἔλαβεν τὴν π. (4?)
13. 2. ἐν πόλεσι κατασχέσεως αὐτῶν (4)

I Ch. 13. 5. τοῦ εἰσενέγκαι . . . ἐκ πόλεως Ἰ. (5 *a*)
— 6. ἀνέβη εἰς πόλιν Δ. (5 *a*)
— 13. οὐκ ἀπέστρεψε . . . εἰς [A εἰς τὴν] πόλιν Δ. (4)
15. 1. ἐποίησεν αὐτῷ οἰκίας ἐν πόλει Δ. (4)
— 29. ἦλθεν ἕως πόλεως Δ. (4)
16. 42. S¹ οἱ υἱοὶ Ἰδ. εἰς τὴν π. [A B S² πύλην] (6)
18. 8. A R ἐκ τῶν ἐκλεκτῶν π. [B S πολέμων] τῶν Ἀδρ. (6)
19. 3. ὅπως ἐξερευνήσωσι τὴν π. [A *al.*] –
— 7. συνήχθησαν ἐκ τῶν π. αὐ. (4)
— 9. παρὰ τὸν πυλῶνα τῆς π. (4)
— 13. A R ἐνισχύσωμεν . . . περὶ τῶν π. τοῦ θ. ἡμῶν (4)
— 15. ἦλθον [A εἰσῆλ.] εἰς τὴν π. (4)
20. 2. σκῦλα τῆς π. ἐξήνεγκε πολλὰ σφόδρα (4)
— 3. A τοῖς πᾶσιν ταῖς π. υἱῶν Ἀ. [B *al.*] (4)
26. 27. ἐκ πόλεων [A τῶν πολέμων] καὶ ἐκ τῶν λαφύρων †
II Ch. 1. 4. ἀνήνεγκε Δ. ἐκ πόλεως Καρ. (5 *a*)
— 14. κατέλιπεν αὐτὰ ἐν πόλεσι τῶν ἁρμ. (4)
5. 2. τοῦ ἀνενέγκαι . . . ἐκ πόλεως Δ. (4)
6. 5. οὐκ ἐξελεξάμην ἐν πόλει (4)
— 28. κατέναντι τῶν π. αὐτῶν (6)
— 34. κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. ταύτης (4)
— 38. καὶ τῆς π. ἧς ἐξελέξω (4)
8. 2. καὶ τὰς π. ἃς ἔδωκε Χ. (4)
— 4. καὶ πάσας τὰς π. τὰς ὀχυράς (4)
— 5. ᾠκοδόμησε . . . π. ὀχυράς (4)
— 6. A² B καὶ πάσας τὰς π. τὰς ὀχυράς (4)
— 6. καὶ πάσας τὰς π. τῶν ἁρμάτων (4)
— 6. καὶ [A *add.* πάσας] τὰς π. τῶν ἱππέων (4)
— 11. ἀνήγαγεν ἐκ πόλεως Δ. (4)
— 11. οὐ κατοικήσει . . . ἐν πόλει Δ. †
9. 25. ἔθετο αὐτοὺς ἐν πόλεσι τῶν ἁρμ. (4)
— 31. ἔθαψαν αὐτὸν ἐν πόλει Δ. (4)
10. 17. οἱ κατοικοῦντες ἐν πόλεσιν Ἰ. (4)
11. 5. ᾠκοδόμησε π. τειχήρεις (4)
— 10. ᾠκοδόμησε . . . π. τειχήρεις (4)
— 12. κατὰ πόλιν καὶ [A *om.* κ. π. κ.] κατὰ πόλιν θυρεούς (4, 4)
— 23. ηὐξήθη . . . ἐν ταῖς π. ταῖς ὀχυραῖς (4)
12. 4. κατεκράτησαν τῶν π. τῶν ὀχυρῶν (4)
— 13. ἐβασίλευσεν ἐν Ἱερ. ἐν τῇ π. (4)
— 16. ἐτάφη ἐν πόλει Δ. [A *al.*] (4)
13. 19. προκατελάβετο παρ' αὐτοῦ πόλεις (4)
14. 1 (13. 23). ἔθαψαν αὐτὸν ἐν πόλει Δ. (4)
— 5 (4). ἀπέστησεν ἀπὸ πασῶν τῶν π. Ἰ. (4)
— 6 (5). π. τειχήρεις ἐν γῇ Ἰούδα (4)
— 7 (6). οἰκοδομήσωμεν τὰς π. ταύτας (4)
— 14 (13). ἐσκύλευσαν πάσας τὰς π. αὐτῶν (4)
15. 6. πολεμήσει . . . πόλις πρὸς πόλιν (4, 4)
— 8. ἀπὸ τῶν π. ὧν κατέσχεν Ἱερ. (4)
16. 4. ἀπέστειλε . . . ἐπὶ τὰς π. Ἰσρ. (4)
— 14. ᾧ ὤρυξεν ἑαυτῷ ἐν πόλει Δ. (4)
17. 2. ἐν πάσαις ταῖς π. Ἰ. ταῖς ὀχυραῖς (4)
— 2. ἐν πάσαις ταῖς π. Ἰ. καὶ ἐν πόλεσιν Ἐφρ. (†, 4)
— 7. διδάσκειν ἐν πόλεσιν Ἰούδα (4)
— 9. διῆλθον ἐν ταῖς π. Ἰούδα (4)
— 12. ᾠκοδόμησεν . . . π. ὀχυράς (4)
— 19. ὧν ἔδωκεν . . . ἐν ταῖς π. ταῖς ὀχυραῖς (4)
18. 25. πρὸς Ἐ. ἄρχοντα τῆς π. (4)
19. 5. ἐν πάσαις ταῖς π. Ἰ. ταῖς ὀχυραῖς ἐν πόλει καὶ πόλει (4 *ter*)
— 10. A R τῶν κατοικούντων ἐν ταῖς π. αὐ. [B *om.* ἐν τ. π. αὐ.] (4)
20. 4. ἀπὸ πασῶν τῶν π. Ἰ. ἦλθον (4)
21. 1. ἐτάφη ἐν πόλει Δ. (4)
— 3. μετὰ πόλεων τετειχισμ. ἐν Ἰ. (4)
— 11. ἐποίησεν ὑψηλὰ ἐν πόλεσιν Ἰ. †
— 20. ἐτάφη ἐν πόλει Δ. (4)
23. 2. συνήγαγον τοὺς Λ. ἐκ πασῶν τῶν π. Ἰ. (4)
— 21. ἡ π. ἡσύχασε (4)
24. 5. ἐξέλθατε εἰς τὰς π. Ἰούδα (4)
— 16, 25. ἔθαψαν αὐτὸν ἐν πόλει Δ. (4)
25. 13. ἐπέθεντο ἐπὶ τὰς π. Ἰούδα (4)
— 28. ἔθαψαν αὐτὸν . . . ἐν πόλει Δ. (4)
26. 6. ᾠκοδόμησε πόλεις Ἀζ. (4)
27. 4. A B [R *om.*] καὶ πόλεις ᾠκοδόμησεν (4)
— 9. ἐτάφη ἐν πόλει Δ. (4)
28. 15. εἰς Ἱεριχὼ πόλιν φοινίκων (4)
— 18. ἐπέθεντο ἐπὶ τὰς π. τῆς πεδινῆς (4)
— 25. ἐν πάσῃ π. καὶ πόλει (4, 4)
— 27. ἐτάφη ἐν πόλει Δ. (4)
29. 20. συνήγαγε τοὺς ἄρχοντας τῆς π. (4)
II Ch. 30. 10. διαπορευόμενοι πόλιν ἐκ πόλεως (4, 4)
31. 1. οἱ εὑρεθέντες ἐν πόλεσιν Ἰ. (4)
— 1. ἕκαστος . . . εἰς τὰς π. αὐτῶν (4)
— 6. οἱ κατοικοῦντες ἐν ταῖς π. Ἰούδα (4)
— 19. οἱ ἀπὸ τῶν π. αὐ. ἐν πάσῃ π. καὶ πόλει (4 *ter*)
32. 1. παρενέβαλεν ἐπὶ τὰς π. τὰς τειχήρεις (4)
— 3. ἃ ἦν ἔξω τῆς π. (4)
— 4. τὸν ποταμὸν τὸν διορίζοντα διὰ τῆς π. †
— 5. τὸ ἀνάλημμα πόλεως Δ. (4)
— 18. ὅπως προκαταλάβωνται τὴν π. (4)
— 28. καὶ πόλεις εἰς τὰ γενήματα σίτου †
— 29. καὶ πόλεις ἃς ᾠκοδόμησεν αὐτῷ (4)
— 30. πρὸς λίβα τῆς π. Δ. (4)
33. 14. ᾠκοδόμησε τεῖχος ἔξω τῆς π. (4)
— 14. ἐν πάσαις ταῖς π. ταῖς τειχήρεσιν (4)
— 15. ἃ ᾠκοδόμησεν . . . ἔξωθεν τῆς π. (4)
34. 6. καὶ ἐν πόλεσιν Ἐφρ. καὶ Μαν. (4)
— 8. καὶ τὸν Μ. ἄρχοντα τῆς π. [A δυνάμεως] (4)
35. 19. ἀπωσάμην τὴν π. –
I Es. 2. 18. εἰς Ἱερ. τὴν πόλιν τὴν ἀποστάτιν
— 19. ἐὰν οὖν ἡ π. αὕτη οἰκοδομηθῇ
— 22. ἡ π. ἣν ἐκείνη ἀποστάτις καὶ βασιλεῖς καὶ πόλεις ἐνοχλοῦσα
— 23. ἡ π. αὕτη ἠρημώθη
— 24. ἐὰν ἡ π. αὕτη οἰκοδομηθῇ
— 26. ἐστὶν ἡ π. ἐκ. . . . βασιλεῦσιν ἀντιπαρατάσσουσα
— 28. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὴν π.
4. 48. ὅπως οἰκοδομήσωσι . . . τὴν π.
— 53. κτίσαι τὴν π.
— 56. πᾶσι τοῖς φρουροῦσι τὴν π.
5. 8. ἕκαστος εἰς τὴν ἰδίαν π.
6. 8. ἐλθόντες εἰς Ἱερ. τὴν π.
— 8. κατελάβομεν . . . ἐν Ἱερ. τῇ π.
II Es. 2. 1. ἀνὴρ εἰς πόλιν αὐτοῦ (4)
— 70. οἱ Ναθινὶμ ἐν πόλεσιν αὐ. (4)
— 70. καὶ πᾶς Ἰσρ. ἐν πόλεσιν αὐτῶν (4)
3. 1. καὶ ὁ Ἰσρ. ἐν πόλεσιν αὐτῶν (4)
4. 10. κατῴκισεν αὐτοὺς ἐν πόλεσι τῆς Σ. (5 *a*)
— 12. ἦλθοσαν εἰς Ἱερ. τὴν [B² *om.*] π. [B¹ *om.* τ. π.] (5 *a*)
— 13. A R ἐὰν ἡ π. ἐκ. ἀνοικοδομηθῇ [B οἰκ.] (5 *a*)
— 15. ἡ π. ἐκ. π. ἀποστάτις (5 *a*, 5 *a*)
— 15. ἡ π. αὕτη ἠρημώθη (5 *a*)
— 16. ἐὰν ἡ π. ἐκ. οἰκοδομηθῇ (5 *a*)
— 19. ἡ π. ἐκ. . . ἐπὶ βασιλεῖς ἐπαίρεται (5 *a*)
— 21. ἡ π. ἐκ. οὐκ οἰκοδομηθήσεται ἔτι (5 *a*)
5. 4. τῶν οἰκοδομούντων τὴν π. ταύτην †
6. 2. εὑρέθη ἐν πόλει (2)
10. 14. πᾶσι τοῖς ἐν πόλεσιν ἡμῶν [S² *al.*] (4)
— 14. πρεσβύτεροι πόλεως καὶ πόλεως (4, 4)
Ne. 1. 3. B S ἐν τῇ χώρᾳ ἐν πόλει [S τῇ π., A R *om.* ἐν π.] –
2. 3. ἡ π. οἶκος μνημείων πατέρων μου (4)
— 5. εἰς πόλιν μνημείων πατέρων μου (4)
— 8. καὶ εἰς τὸ τεῖχος τῆς π. (4)
3. 15. τῶν καταβαινουσῶν ἀπὸ πόλεως Δ. (4)
4. 2 (3. 34). οἰκοδομοῦσι τὴν ἑαυτῶν π. †
7. 4. ἡ π. πλατεῖα καὶ μεγάλη (4)
— 6. ἀνὴρ εἰς τὴν π. αὐτοῦ [S¹ *al.*] (4)
— 73. ἐκάθισαν . . . ἐν πόλεσιν αὐτῶν (4)
8. 1 (7. 73). καὶ οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν πόλεσιν αὐτῶν (4)
— 15. ἐν πάσαις ταῖς π. αὐτῶν (4)
— 16. καὶ ἐν πλατείαις τῆς π. (6?)
9. 25. κατελάβοσαν π. ὑψηλάς (4)
10. 37 (38). ἐν πάσαις π. δουλείας ἡμῶν (4)
11. 1. καθίσαι ἐν Ἱερ. τῇ ἁγίᾳ (4)
— 1. ἐννέα μέρη ἐν ταῖς π. (4)
— 3. οἱ ἐκάθισαν . . . ἐν πόλεσιν Ἰούδα (4)
— 3. ἐκάθισαν . . . ἐν πόλεσιν αὐτῶν Ἰσρ. (4)
— 9. A R καὶ Ἰούδα . . . ἀπὸ [B S ἐπὶ] τῆς π. (4)
— 18. S² πάντες οἱ Λ. ἐν τῇ π. τῇ ἁγίᾳ (4)
— 20. S² ἐν πάσαις ταῖς π. τῆς Ἰ. (4)
12. 37. A S R ἐπὶ κλίμακας πόλεως [B -ων] Δ. (4)
— 44. τοῖς συνηγμ. ἐν αὐτοῖς ἄρχουσι τῶν π. (4)
13. 18. καὶ ἐπὶ τὴν π. ταύτην (4)
To. 1. 4. S καὶ ἀπὸ Ἱερ. πόλεως [A B *al.*]
13. 9. B Ἱεροσόλυμα πόλις ἁγίου [A -ία]
— 16. S Ἱερ. οἰκοδομηθήσεται τῇ π. οἶκος αὐτοῦ [A B *al.*]
Ju. 1. 1. ἐν Νιν. τῇ π. τῇ μεγάλῃ [S τῇ μ. π.]
— 9. πάντας τοὺς ἐν Σαμ. καὶ ταῖς π. αὐ.
— 13. ἐκυρίευσε τῶν π. αὐτοῦ
2. 24. B διέσκαψε [A S κατέσκ.] πάσας τὰς π.
— 27. τὰς π. αὐτῶν ἐσκύλευσε
Ju. 3. 4. αἱ π. ἡμῶν καὶ οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐταῖς
— 5. S παρεγένοντο οἱ ἄνδρες τῆς π. [A B *om.* τ. π.]
— 6. ἐφρούρησε τὰς π. τὰς ὑψηλάς
— 10. ἀνὰ μέσον Γ. καὶ Σκυθῶν πόλεως
4. 12. καὶ τὰς π. τῆς κληρονομίας αὐ.
5. 3. τίνες ἃς κατοικοῦσι πόλεις
— 18. αἱ π. αὐτῶν ἐκρατήθησαν
6. 7. θήσουσί σε ἐν μιᾷ τῶν π.
— 12. ὡς εἶδαν αὐτοὺς οἱ ἄνδρες τῆς π.
— 14. καταβάντες δὲ . . . ἐκ τῆς π. αὐτῶν
— 14. ἐπὶ [A εἰς] τοὺς ἄρχοντας τῆς π. αὐ.
— 16. πάντας τοὺς πρεσβυτέρους τῆς π. [S *al.*]
7. 7. ἐπεσκέψατο τὰς ἀναβάσεις τῆς π. αὐ.
— 13. ἐκδώσουσι τὴν [A *om.*] π. αὐτῶν
— 13. τοῦ μὴ ἐξελθεῖν ἐκ τῆς π. ἄνδρα ἕνα
— 22. ἔπιπτον ἐν ταῖς πλατείαις τῆς π.
— 23. ἐπὶ . . . τοὺς ἄρχοντας τῆς π.
— 26. ἔκδοσθε τὴν π. πᾶσαν
— 32. A ἐσκόρπισε τὸν λαὸν εἰς τὴν ἔαυ. π. [B S *om.*] παρεμβολήν
— 32. ἐπὶ τὰ τείχη καὶ τοὺς πύργους τῆς π. αὐ.
— 32. ἦσαν ἐν ταπεινώσει πολλῇ ἐν τῇ π.
8. 3. ἐτελεύτησεν ἐν Β. τῇ π. αὐ.
— 9. παραδώσειν τὴν π.
— 10. ἐκάλεσεν . . . τοὺς πρεσβυτέρους τῆς π. αὐ.
— 11. ἐκδώσειν τὴν π. τοῖς ἐχθροῖς ἡμῶν
— 18. οὔτε δῆμος οὔτε πόλις ἐξ ἡμῶν
— 33. παραδώσειν τὴν π. τοῖς ἐχθροῖς ἡμῶν
10. 6. ἐξήλθοσαν ἐπὶ τὴν πύλην τῆς π. Β.
— 6. καὶ τοὺς πρεσβυτέρους τῆς π. Χ.
— 9. ἀνοῖξαί μοι τὴν πύλην τῆς π.
— 10. ἀπεσκόπευον δὲ αὐτὴν οἱ ἄνδρες τῆς π.
13. 12. ὡς ἤκουσαν οἱ ἄνδρες τῆς π. αὐ.
— 12. τοῦ καταβῆναι ἐπὶ τὴν πύλην τῆς π. αὐ.
— 12. συνεκάλεσαν τοὺς πρεσβυτέρους τῆς π.
14. 2. ἐξελεύσεσθε . . . ἔξω τῆς π.
— 9. ἔδωκε φωνὴν εὐφρόσυνον ἐν τῇ π. αὐ.
15. 7. A S καὶ αἱ π. [B κ. ἐπαύλεις] ἐν τῇ ὀρεινῇ
Es. 1. 1. οἰκῶν ἐν Σούσοις τῇ π.
— 2. ἐθρονίσθη . . . ἐν Σ. τῇ π. (2)
— 5. τοῖς ἔθνεσι τοῖς εὑρεθεῖσιν εἰς τὴν π. (2)
2. 3. ἐπιλεξάτωσαν [A -δειξ.] . . . εἰς Σ. τὴν π. (2)
— 5. ἄνθρωπος ἦν Ἰ. ἐν Σ. τῇ π. (2)
— 8. συνήχθησαν . . . εἰς Σ. τὴν π. [S *al.*] (2)
3. 15. ἐταράσσετο δὲ ἡ π. (4)
4. 1. ἐκπηδήσας διὰ τῆς πλατείας τῆς π. (4)
— 6. S² εἰς τὴν πλατεῖαν τῆς π. (4)
— 6. S² κατὰ πρόσωπον τῆς πύλης τῆς π. †
6. 9. κηρυσσέτω διὰ τῆς πλατείας τῆς π. (4)
— 11. διῆλθε διὰ τῆς πλατείας τῆς π. (4)
8. 11. S R χρῆσθαι τοῖς νόμοις αὐ. ἐν πάσῃ [A τῇ, B π. τῇ] π. (4)
— 13. πᾶσα δὲ π. ἡ χώρα τὸ σύνολον
— 17. κατὰ πόλιν καὶ χώραν (4)
9. 6. A S² R ἐν Σούσοις [B αὐτῇ] τῇ π. [S¹ *om.* τ. π.] (2)
— 11. S² ἐν Σούσοις τῇ π. [A B S¹ *om.* τ. π.] (2)
— 12. ἐν Σούσοις τῇ π. [S¹ *om.* τ. π.] (2)
— 14. τοῖς Ἰουδαίοις τῇ π. [S¹ *om.* τ. π.] –
— 18. ἐν Σούσοις τῇ π. [S¹ *om.* τ. π.] –
— 27. καὶ πόλιν καὶ πατριάν [A πατρ. κ. πόλ.] –
Jb. 2. 8. ἐκάθητο . . . ἔξω τῆς π. –
— 11. A παρεγένοντο ἕκαστος ἐκ τῆς ἰδίας π. [B S χώρας] πρὸς αὐτόν (3)
6. 10. εἴη δέ μου πόλις [A μοι ἡ π. μου] τάφος †
— 20. οἱ ἐπὶ πόλεσι καὶ χρήμασι πεποιθότες †
15. 28. αὐλισθείη δὲ πόλεις ἐρήμους (4)
24. 12. οἱ [A S² *om.*] ἐκ πόλεως [S¹ -ων] . . . ἐξεβάλοντο (4)
29. 7. ὅτε ἐξεπορευόμην ὅρθριος ἐν πόλει (5 *c*)
39. 7. καταγελῶν πολυοχλίας πόλεως (5 *a*)
42. 17. ὄνομα τῇ π. αὐτοῦ Δενναβά
— 17. ὄνομα τῇ π. αὐτοῦ Γ.
Ps. 9. 6. πόλεις καθείλες (4)
30 (31). 21. ἐθαυμάστωσε τὸ ἔλεος αὐτοῦ ἐν πόλει περιοχῆς (4)
45 (46). 4. εὐφραίνουσι τὴν π. τοῦ θεοῦ (4)
47 (48). 1. καὶ αἰνετὸς σφόδρα ἐν πόλει τοῦ θεοῦ ἡμῶν (4)
— 2. ἡ π. τοῦ βασιλέως τοῦ μεγάλου (5 *a*)
— 8. οὕτως εἴδομεν ἐν πόλει κυρίου τῶν δυνάμεων ἐν πόλει τοῦ θεοῦ ἡμῶν (4, 4)
54 (55). 9. B εἶδον ἀνομίαν . . . ἐν τῇ π. [S¹ γῇ] (4)
58 (59). 6, 14. κυκλώσουσι πόλιν (4)
59 (60). 9. τίς ἀπάξει με εἰς πόλιν περιοχῆς (4)
68 (69). 35. οἰκοδομηθήσονται αἱ π. τῆς Ἰ. (4)

Ps. 71 (72). 16. ἐξανθήσουσιν ἐκ πόλεως (4)
72 (73). 20. ἐν τῇ π. σου τὴν εἰκόνα αὐτῶν ἐξουδενώσεις (4)
86 (87). 3. δεδοξασμένα ἐλαλήθη περὶ σοῦ, ἡ π. τοῦ θεοῦ (4)
100 (101). 8. τοῦ ἐξολεθρεῦσαι ἐκ πόλεως κυρίου (4)
106 (107). 4. ὁδὸν πόλεως [S¹ πόλιν] κατοικητηρίου οὐχ εὗρον (4)
— 7. τοῦ πορευθῆναι εἰς πόλιν κατοικητηρίου (4)
— 36. συνεστήσαντο πόλεις [S¹ πόλιν] κατοικεσίας (4)
107 (108). 10. τίς ἀπάξει με εἰς πόλιν περιοχῆς (4)
121 (122). 3. S R ὡς πόλις ἧς ἡ μετοχὴ [A οἱ μέτοχοι] αὐτῆς ἐπὶ τὸ αὐτό (4)
126 (127). 1. S R ἐὰν μὴ κύριος φυλάξῃ πόλιν (4)
138 (139). 20. λήψονται εἰς ματαιότητα τὰς π. σου (4)
Pr. 1. 21. ἐπὶ δὲ πύλαις πόλεως θαρροῦσα λέγει (4)
6. 14. ὁ τοιοῦτος ταραχὰς συνίστησι πόλει –
10. 15. κτῆσις πλουσίων πόλις ὀχυρά (5 a)
11. 10. ἐν ἀγαθοῖς δικαίων κατώρθωσε πόλις (5 a)
— 11. A B²S² ὑψωθήσεται πόλις (5 c)
16. 32. ὁ δὲ κρατῶν ὀργῆς κρείσσων καταλαμβανομένου πόλιν (4)
18. 11. ὕπαρξις πλουσίου ἀνδρὸς πόλις ὀχυρά (5 a)
— 19. ὡς πόλις ὀχυρὰ καὶ ὑψηλή (5 a)
21. 22. πόλεις ὀχυρὰς ἐπέβη σοφός (4)
25. 28. ὥσπερ πόλις τὰ τείχη καταβεβλημένη (4)
29. 8. ἐξέκαυσαν πόλιν (5 a)
Ec. 7. 20 (19). δέκα ἐξουσιάζοντας τοὺς ὄντας [S om.] ἐν τῇ π. (4)
8. 10. ἐπηνέθησαν ἐν τῇ π. (4)
9. 14. πόλις μικρὰ καὶ ἄνδρες ἐν αὐτῇ ὀλίγοι (4)
— 15. καὶ διασώσῃ [A S -ει] αὐτὸς τὴν π. (4)
10. 15. οὐκ ἔγνω τοῦ πορευθῆναι εἰς πόλιν (4)
— 16. οὐαί σοι, πόλις †
Ca. 3. 2. κυκλώσω ἐν τῇ π. (4)
— 3. οἱ κυκλοῦντες ἐν τῇ π. (4)
5. 7. οἱ φύλακες οἱ κυκλοῦντες ἐν τῇ π. (4)
Wi. 9. 8. ἐν πόλει κατασκηνώσεώς σου
Si. 7. 7. μὴ ἁμάρτανε εἰς πλῆθος πόλεως
9. 7. μὴ περιβλέπου ἐν ῥύμαις πόλεως
— 13. ἐπὶ ἐπάλξεων πόλεων [S¹ -ως] περιπατεῖς
— 18. φοβερὸς ἐν πόλει αὐτοῦ ἀνὴρ γλωσσώδης
10. 2. κατὰ τὸν ἡγούμενον τῆς π. πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτήν
— 3. πόλις οἰκισθήσεται ἐν συνέσει δυναστῶν
16. 4. ἀπὸ γὰρ ἑνὸς συνετοῦ συνοικισθήσεται πόλις
23. 21. οὗτος ἐν πλατείαις πόλεως ἐκδικηθήσεται
24. 11. ἐν πόλει ἠγαπημένῃ ὁμοίως με κατέπαυσε
26. 5. διαβολὴν πόλεως καὶ ἐκκλησίαν ὄχλου
28. 14. πόλεις ὀχυρὰς καθεῖλε
34 (31). 24. πονηρῷ ἐπ' ἄρτῳ διαγογγύσει πόλις
36. 18 (15). οἰκτείρησον πόλιν ἁγιάσματός σου Ἱερουσαλὴμ πόλιν [A S τόπον] καταπαύματός σου
— 31 (28). εὐζώνῳ λῃστῇ σφαλλομένῳ [A S ἀφαλλ.] ἐκ πόλεως εἰς πόλιν
38. 32. ἄνευ αὐτῶν οὐκ οἰκισθήσεται πόλις
40. 19. τέκνα καὶ οἰκοδομὴ πόλεως στηρίζουσιν ὄνομα
42. 11. λαλιὰν ἐν πόλει καὶ ἔκκλητον λαοῦ
46. 2. τῷ ἐκκλῖναι [A S -τεῖναι] ῥομφαίαν ἐπὶ πόλεις
48. 17. Ἐζεκίας ὠχύρωσε τὴν π. αὐτοῦ
49. 6. ἐνεπύρισαν ἐκλεκτὴν πόλιν ἁγιάσματος
50. 4. ὁ . . . ἐνισχύσας πόλιν ἐμπολιορκῆσαι
Ho. 6. 9 (8). πόλις ἐργαζομένη μάταια (5 a)
8. 14. Ἰ. ἐπλήθυνε πόλεις τετειχισμένας (4)
— 14. ἐξαποστελῶ πῦρ εἰς τὰς π. αὐ. (4)
11. 6. ἠσθένησεν . . . ἐν ταῖς π. αὐ. (4)
— 9. οὐκ εἰσελεύσομαι εἰς πόλιν (4)
13. 10. διασωσάτω σε ἐν πάσαις ταῖς π. σου (4)
Am. 2. 2. καταφάγεται τὰ θεμέλια τῶν π. αὐ. (5 b)
3. 6. εἰ φωνήσει σάλπιγξ ἐν πόλει (4)
— 6. εἰ ἔσται κακία ἐν πόλει (4)
4. 6. ἐν πάσαις ταῖς π. ὑμῶν (4)
— 6. A ἐν πάσαις ταῖς πόλεσιν [B πᾶσι τοῖς τόποις] ὑμῶν (3)
— 7. βρέξω ἐπὶ π. μίαν ἐπὶ δὲ πόλιν μίαν οὐ βρέξω (4, 4)
— 8. συναθροισθήσονται δύο [A add. πόλεις] καὶ τρεῖς πόλεις [A¹ om.] εἰς π. μίαν (–, 4, 4)
5. 3. ἡ π. ἐξ ἧς ἐξεπορεύοντο χίλιοι (4)
Am. 6. 8. ἐξαρῶ πόλιν σὺν πᾶσι τοῖς κατοικοῦσιν αὐτήν (4)
7. 17. ἡ γυνή σου ἐν τῇ π. πορνεύσει (4)
9. 14. οἰκοδομήσουσι πόλεις τὰς ἠφανισμ. (4)
Mi. 1. 10 (11). κατοικοῦσα καλῶς τὰς π. αὐ. †
4. 10. ἐξελεύσῃ ἐκ πόλεως (5 a)
5. 11 (10). ἐξολεθρεύσω τὰς π. τῆς γῆς σου (4)
— 14 (13). ἀφανιῶ τὰς π. σου (4)
6. 9. φωνὴ κυρίου τῇ π. ἐπικληθήσεται (4)
— 9 (10). τίς κοσμήσει πόλιν †
7. 12. αἱ π. σου ἥξουσιν εἰς ὁμαλισμόν †
— 12. καὶ αἱ π. σου αἱ ὀχυραὶ εἰς διαμερισμόν (4)
Jl. 2. 9. τῆς π. ἐπιλήψονται (4)
3 (4). 17. S² ἔσται Ἱερ. πόλις [A B S¹ om.] ἁγία –
Ob. 1. 20. κληρονομήσουσι τὰς π. τοῦ ναγέβ (4)
Jn. 1. 2 : 3. 2. εἰς N. τὴν π. τὴν μεγάλην (4)
3. 3. ἡ δὲ N. ἦν π. μεγάλη τῷ θεῷ (4)
— 4. τοῦ εἰσελθεῖν [A S³ -πορεύεσθαι] εἰς τὴν π. (4)
4. 5. ἐξῆλθεν Ἰ. ἐκ τῆς π. (4)
— 5. ἐκάθισεν ἀπέναντι τῆς π. (4)
— 5. τί ἔσται [S add. ἐν] τῇ π. (4)
— 11. ὑπὲρ N. τῆς π. τῆς μεγάλης [A om. τ. μ.] (4)
Na. 2. 6 (7). πύλαι τῶν π. [S¹ ποταμῶν] διηνοίχθησαν †
3. 1. ὦ πόλις αἱμάτων (4)
Hb. 2. 8. δι' αἵματα ἀνθρώπων . . . καὶ ἀσεβείας πόλεως (5 a)
— 12. οὐαὶ ὁ οἰκοδομῶν πόλιν ἐν αἵμασι καὶ ἑτοιμάζων πόλιν ἐν ἀδικίαις (4, 5 a)
— 17. διὰ αἵματα ἀνθρώπων . . . καὶ ἀσεβείας . . . πόλεως (5 a)
Ze. 1. 16. ἡμέρα σάλπιγγος . . . ἐπὶ τὰς π. τὰς ὀχυράς [A ἰσχ.] (4)
3. 1 (2. 15). αὕτη ἡ π. ἡ φαυλίστρια (4)
— 1. ὦ ἡ ἐπιφανὴς καὶ ἀπολελυτρωμένη π. (4)
— 6. ἐξέλιπον αἱ π. αὐ. (4)
Za. 1. 12. ἕως τίνος οὐ μὴ ἐλεήσῃς . . . τὰς π. Ἰ. (4)
— 17. ἔτι διαχυθήσονται πόλεις (4)
7. 7. καὶ αἱ π. κυκλόθεν αὐτῆς (4)
8. 3. κληθήσεται ἡ Ἱερ. πόλις ἀληθινή (4)
— 5. αἱ πλατεῖαι τῆς π. πλησθήσονται (4)
— 20. κατοικοῦντες πόλεις πολλάς [S² om. π. π.] (4)
— 21. συνελεύσονται κατοικοῦντες πέντε πόλεις [S² om. σ. κ. π. π.] εἰς μίαν π. –, –
14. 2. ἁλώσεται ἡ π. (4)
— 2. ἐξελεύσεται τὸ ἥμισυ τῆς π. ἐν αἰχμαλωσίᾳ (4)
— 2. οὐ μὴ ἐξολεθρευθῶσιν ἐκ τῆς π. (4)
Is. 1. 7. αἱ π. ὑμῶν πυρίκαυστοι (4)
— 8. ὡς π. πολιορκουμένη (4)
— 21. πῶς ἐγένετο πόρνη π. πιστὴ Σιών (5 a)
— 22. A αἱ π. ὑμῶν πυρίκαυστοι –
— 26. κληθήσῃ π. δικαιοσύνης (4)
6. 11. ἕως ἂν ἐρημωθῶσι πόλεις (4)
10. 6. καταπατεῖν τὰς π. †
— 14. σείσω πόλεις κατοικουμένας –
— 28. ἥξει γὰρ εἰς τὴν π. Ἀγγαί †
— 29. φόβος λήψεται Ῥαμᾶ πόλιν Σαούλ †
14. 17. B S τὰς π. αὐτοῦ καθεῖλε (4)
— 31. ὀλολύξατε, πύλαι πόλεων, κεκραγέτωσαν πόλεις τεταραγμέναι (–, 4)
17. 1. Δαμασκὸς ἀρθήσεται ἀπὸ πόλεων (4)
— 9. ἔσονται αἱ π. σου ἐγκαταλελειμμέναι (4)
18. 4. ἀσφάλεια ἔσται ἐν τῇ ἐμῇ πόλει †
19. 2. π. ἐπὶ πόλιν (4, 4)
— 18. ἔσονται πέντε πόλεις ἐν Αἰγύπτῳ . . . π. ἀσεδὲκ κληθήσεται ἡ μία π. (4, 4, –)
22. 2. ἐνεπλήσθη ἡ π. βοώντων (4)
— 8. εἰς τοὺς ἐκλεκτοὺς οἴκους τῆς π. †
— 9. ἀπέστρεψε τὸ ὕδωρ τῆς ἀρχαίας κολυμβήθρας εἰς τὴν π. –
— 10. εἰς ὀχυρώματα τείχους τῇ π. –
23. 16. ῥέμβευσον, π. πόρνη ἐπιλελησμένη (4)
24. 10. ἠρημώθη [S add. ὅλη ἡ γῆ] πᾶσα π. (5 a)
— 12. καταλειφθήσονται πόλεις ἔρημοι (4)
25. 2. ἔθηκας πόλεις [S¹ -ιν] εἰς χῶμα πόλεις ὀχυρὰς τοῦ μὴ [A S om.] πεσεῖν αὐτῶν τὰ θεμέλια τῶν ἀσεβῶν π. [A S³ -εις] τὸν αἰῶνα οὐ μὴ οἰκοδομηθῇ (4, 5 a, 4)
— 3. πόλεις ἀνθρώπων ἀδικουμένων εὐλογήσουσί σε (5 a)
— 4. ἐγένου γὰρ πάσῃ πόλει ταπεινῇ βοηθός –
Is. 26. 1. ἰδοὺ π. ἰσχυρά [A S ὀχ.] (4)
— 5. πόλεις ὀχυρὰς καταβαλεῖς (5 a)
27. 3. ἐγὼ π. ὀχυρὰ [A S ἰσχ.] π. πολιορκουμένη †, †
29. 1. οὐαὶ Ἀριὴλ π. ἣν ἐπολέμησε Δαυίδ (5 a)
30. 13. ὡς τεῖχος πίπτον παραχρῆμα πόλεως ὀχυρᾶς [A om.] ἑαλωκυίας †
32. 13. π. πλουσία (5 a)
— 14. οἶκοι ἐγκαταλελειμμένοι πλοῦτον πόλεως ἀφήσουσιν (4)
— 18. κατοικήσει ὁ λαὸς αὐτοῦ ἐν πόλει εἰρήνης †
33. 20. ἰδοὺ Σιὼν ἡ π. τὸ σωτήριον ἡμῶν . . . Ἱερ. [B¹ π. Ἱερ.] π. πλουσία (5 a, [–], †)
34. 13. ἀναφυήσει εἰς τὰς π. αὐτῶν ἀκάνθινα [A -θα καὶ] ξύλα (1)
36. 1. ἀνέβη . . . ἐπὶ τὰς π. τῆς Ἰ. τὰς ὀχ. (4)
— 15. οὐ μὴ παραδοθῇ ἡ π. αὕτη ἐν χειρὶ βασιλέως (4)
— 19. ποῦ ὁ θεὸς τῆς π. Ἐπφαρουαΐμ –
37. 13. ποῦ πόλεως Ἐπφαρουαΐμ (4)
— 26. ἐξερημῶσαι . . . οἰκοῦντας [A S ἐνοικ.] ἐν πόλεσιν ὀχυραῖς (4)
— 33. οὐ μὴ εἰσέλθῃ εἰς τὴν π. ταύτην (4)
— 34. B εἰς τὴν π. ταύτην οὐ μὴ εἰσέλθῃ (4)
— 35. ὑπερασπιῶ ὑπὲρ τῆς π. ταύτης (4)
38. 6. ῥύσομαί σε καὶ τὴν π. ταύτην καὶ ὑπερασπιῶ ὑπὲρ τῆς π. ταύτης [A S al.] (4, 4)
40. 9. εἶπον ταῖς π. Ἰούδα (4)
44. 26. ὁ λέγων . . . ταῖς π. τῆς Ἰ. (4)
45. 1. πόλεις οὐ συγκλεισθήσονται (6)
— 13. οὗτος οἰκοδομήσει τὴν π. μου (4)
48. 2. ἀντεχόμενοι τῷ ὀνόματι τῆς π. τῆς ἁγίας (4)
52. 1. Ἱερουσαλὴμ π. ἡ ἁγία (4)
54. 3. πόλεις ἠρημωμένας κατοικιεῖς (4)
60. 14. κληθήσῃ Π. κυρίου Σιὼν ἁγίου Ἰσραήλ (4)
61. 4. καινιοῦσι πόλεις ἐρήμους [S¹ αἰωνίους] (4)
62. 12. σὺ δὲ κληθήσῃ [S¹ συνεκλήθη] Ἐπιζητουμένη π. (4)
64. 10 (9). π. τοῦ ἁγίου σου ἐγενήθη ἔρημος (4)
66. 6. A B S² φωνὴ κραυγῆς ἐκ πόλεως (4)
— 20. μετὰ σκιαδίων εἰς τὴν ἁγίαν πόλιν Ἱερ. †
Je. 1. 15. ἐπὶ πάσας τὰς π. Ἰούδα (4)
— 18. τέθεικά σε . . . ὡς πόλιν ὀχυράν (4)
2. 15. αἱ π. αὐτοῦ κατεσκάφησαν (4)
— 28. κατ' ἀριθμὸν τῶν π. σου ἦσαν θεοί σου (4)
3. 14. λήψομαι ὑμᾶς ἕνα ἐκ πόλεως (4)
4. 5. εἰσέλθωμεν εἰς τὰς π. τὰς τειχήρεις (4)
— 7. πόλεις καθαιρεθήσονται (4)
— 16. ἔδωκαν ἐπὶ τὰς π. Ἰούδα φωνὴν αὐτῶν (4)
— 26. πᾶσαι αἱ π. ἐμπεπυρισμέναι (4)
— 29. πᾶσα π. ἐγκατελείφθη (4)
5. 6. πάρδαλις ἐγρηγόρησεν ἐπὶ τὰς π. αὐτῶν (4)
— 17. ἀλοήσουσι τὰς π. [B¹ add. τὰς π.] τὰς ὀχυρὰς ὑμῶν (4, –)
6. 6. ὦ π. ψευδής (4)
7. 17. τί αὐτοὶ ποιοῦσιν ἐν ταῖς π. Ἰούδα [A om. ἐν τ. π. Ἰ.] (4)
— 34. καταλύσω ἐκ πόλεως Ἰούδα . . . φωνὴν εὐφραινομένων (4)
8. 14. εἰσέλθωμεν εἰς τὰς π. τὰς ὀχυράς (4)
— 16. καταφάγεται . . . πόλιν (4)
9. 11 (10). τὰς π. Ἰούδα εἰς ἀφανισμὸν θήσομαι (4)
10. 22. τοῦ τάξαι τὰς π. Ἰούδα εἰς ἀφανισμόν (4)
11. 6. ἀνάγνωθι τοὺς λόγους τ. ἐν πόλεσιν Ἰ. (4)
— 9. A εὑρέθη σύνδεσμος ἐν πόλεσιν [B S ἀνδράσιν] Ἰούδα †
— 12. πορεύσονται πόλεις Ἰούδα (4)
— 13. κατ' ἀριθμὸν τῶν π. σου ἦσαν θεοί σου (4)
13. 19. πόλεις αἱ πρὸς νότον συνεκλείσθησαν (4)
14. 18. ἐὰν εἰσέλθω εἰς τὴν π. (4)
17. 24. τοῦ μὴ εἰσφέρειν βαστάγματα διὰ τῶν πυλῶν τῆς π. ταύτης (4)
— 25. εἰσελεύσονται διὰ τῶν πυλῶν τῆς π. ταύτης . . . κατοικισθήσεται ἡ π. αὕτη (4, 4)
— 26. ἥξουσιν ἐκ τῶν π. Ἰούδα (4)
19. 8. κατάξω [A τ.] τὴν π. ταύτην εἰς ἀφανισμόν (4)
— 11. συντρίψω . . . τὴν π. τ. (4)
— 12. τοῦ δοθῆναι τὴν π. ταύτην (4)
— 15. ἐπάγω ἐπὶ τὴν π. τ. [A add. κακὰ] καὶ ἐπὶ πάσας τὰς π. αὐτῆς καὶ ἐπὶ τὰς κώμας αὐ. ἅπαντα τὰ κακὰ ἃ ἐλάλησα ἐπ' αὐτήν [A add. καὶ ἐπὶ τὰς π. αὐ.] (4, 4, [–])
20. 5. δώσω τὴν πᾶσαν ἰσχὺν τῆς π. ταύτης . . . εἰς χεῖρας ἐχθρῶν (4)

Je. 20. 16. ὡς αἱ π. ἃς κατέστρεψε κύριος ἐν θυμῷ (4)
21. 4. εἰς τὸ μέσον τῆς π. ταύτης (4)
— 6. πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ π. τ. (4)
— 7. τὸν λαὸν τὸν καταλειφθέντα ἐν τῇ π. τ. (4)
— 9. ὁ καθήμενος ἐν τῇ π. ταύτῃ ἀποθανεῖται (4)
— 10. ἐστήρικα τὸ πρόσωπόν μου ἐπὶ τὴν π. ταύτην εἰς κακά (4)
22. 6. ἐὰν μὴ θῶ σε εἰς ἔρημον πόλεις μὴ κατοικηθησομένας (4)
— 8. διελεύσονται ἔθνη διὰ τῆς π. ταύτης (4)
— 8. διὰ τί ἐποίησε κ. οὕτως τῇ π. τ. τῇ μεγάλῃ (4)
23. 39. ῥάσσω ὑμᾶς καὶ τὴν π. ἣν ἔδωκα ὑμῖν (4)
24. 8. A τοὺς ὑπολελειμμ. ἐν τῇ π. [B S γῇ] τ. †
28 (51). 31. ἐάλωκεν ἡ π. αὐτοῦ (4)
— 43. ἐγενήθησαν αἱ π. αὐ. ὡς γῆ ἄνυδρος (4)
29 (47). 2. κατακλύσει . . . πόλιν (4)
29 (49). 13. πᾶσαι αἱ π. αὐτῆς ἔσονται ἔρημοι (4)
30 (49). 1. ἐν πόλεσιν αὐτῶν ἐνοικήσει (4)
30. 14 (49. 25). πῶς οὐχὶ ἐγκατέλιπε πόλιν ἐμήν (4)
31 (48). 8. A ἥξει ὄλεθρος ἐπὶ πᾶσαν πόλιν καὶ π. [B S *om.* κ. π.] οὐ μὴ σωθῇ (4, 4)
— 9. πᾶσαι αἱ π. αὐτῆς εἰς ἄβατον ἔσονται (4)
— 15. ὄλετο Μωὰβ π. αὐτοῦ (4)
— 24. ἐπὶ πάσας τὰς π. Μωάβ (4)
— 28. κατέλιπον τὰς π. (4)
— 32. A S^2 R πόλεις [B S^1 πόλις] Ἰαζὴρ ἤψαντο †
— 34. αἱ π. αὐτῶν ἔδωκαν φωνὴν αὐτῶν †
32 (25). 18. τὴν Ἱερουσαλὴμ καὶ τὰς π. Ἰούδα (4)
— 29. ἐν πόλει ἐν [A ἐφ'] ᾗ ὠνομάσθη τὸ ὄνομά μου (4)
33 (26). 6. τὴν π. [A π. ταύτην] δώσω εἰς κατάραν (4)
— 9. ἡ π. αὕτη ἐρημωθήσεται (4)
— 11. ἐπροφήτευσε κατὰ τῆς π. ταύτης (4)
— 12. προφητεῦσαι . . . ἐπὶ τὴν π. τ. (4)
— 15. αἷμα ἀθῷον δίδοτε . . . ἐπὶ τὴν π. τ. (4)
37 (30). 18. οἰκοδομηθήσεται π. ἐπὶ τὸ ὕψος [A ἐ. τεῖχος] αὐτῆς (4)
38 (31). 21. ἀποστράφηθι εἰς τὰς π. σου (4)
— 23. ἐν γῇ Ἰούδα καὶ ἐν πόλεσιν αὐτοῦ (4)
— 24. ἐνοικοῦντες ἐν ταῖς [A *om.*] π. Ἰ. [S ἐν τῇ Ἰουδαίᾳ] καὶ ἐν πάσῃ τῇ γῇ [A πάσαις ταῖς π., S πάσῃ πόλει] αὐ. (†, 4)
— 38. οἰκοδομηθήσεται π. τῷ κυρίῳ [S^1 λαῷ] (4)
39 (32). 3. A B S^2 δίδωμι τὴν π. ταύτην ἐν χερσὶ βασιλέως Βαβυλῶνος (4)
— 24. ὄχλος ἥκει εἰς τὴν π. (4)
— 24, 25. ἡ π. ἐδόθη εἰς χεῖρας Χαλδαίων (4)
— 28. παραδοθήσεται ἡ π. αὕτη εἰς χεῖρας βασιλέως Βαβυλῶνος (4)
— 29. ἥξουσιν οἱ Χ. πολεμοῦντες ἐπὶ τὴν π. [A γῆν] τ. καὶ καύσουσι τὴν π. τ. (4, 4)
— 31. ἐπὶ τὸν θυμόν μου ἦν ἡ π. αὕτη (4)
— 36. εἶπε κύριος ὁ θεὸς Ἰσραὴλ ἐπὶ τὴν π. (4)
— 44. A S R ἐν πόλεσιν Ἰ. καὶ ἐν πόλεσι τοῦ ὄρους καὶ ἐν πόλεσι [B *om.* κ. ἐν π.] τῆς σεφ. καὶ ἐν πόλεσι τῆς ναγέβ (4 *quater*)
40 (33). 4. περὶ οἴκων τῆς π. ταύτης [S^1 *al.*] (4)
— 10. ἐν πόλεσιν Ἰ. καὶ ἔξωθεν Ἱερ. (4)
— 12. ἐν πάσαις ταῖς π. αὐ. καταλύματα ποιμένων (4)
— 13. ἐν πόλεσι τῆς ὀρεινῆς καὶ ἐν πόλεσι τῆς σεφηλὰ καὶ ἐν πόλεσι [A *om.* τ. σ. κ. ἐ. π.] τῆς ναγὲβ . . . καὶ ἐν πόλεσιν [S ταῖς π.] Ἰούδα (4 *quater*)
41 (34). 1. ἐπολέμουν . . . ἐπὶ πάσας τὰς π. Ἰ. (4)
— 2. παραδόσει παραδοθήσεται ἡ π. αὕτη (4)
— 7. ἐπὶ Ἱερ. καὶ ἐπὶ τὰς [S^1 *om.*] π. Ἰ. . . . ὅτι αὗται κατελείφθησαν ἐν πόλεσιν Ἰούδα πόλεις ὀχυραί (4 *ter*)
— 22. κατακαύσουσιν . . . τὰς π. Ἰ. (4)
43 (36). 6. ἐν ὡσὶ . . . τῶν ἐρχομ. ἐκ πόλεως αὐ. (4)
44 (37). 4. διῆλθε διὰ μέσου [A ἀνὰ μέσον] τῆς π. †
— 8. πολεμήσουσιν ἐπὶ τὴν π. τ. [A *al.*] (4)
— 10. καύσουσιν τὴν π. ταύτην ἐν πυρί (4)
— 21. ἕως ἐξέλιπον οἱ ἄρτοι ἐκ τῆς π. (4)
45 (38). 2. ὁ κατοικῶν ἐν τῇ π. ταύτῃ ἀποθανεῖται (4)
— 3. παραδιδομένη παραδοθήσεται ἡ π. αὕτη (4)
— 4. τῶν καταλειπομ. ἐν τῇ π. (4)
— 9. οὐκ εἰσὶν ἔτι ἄρτοι ἐν τῇ π. [S εἰς τὴν π.] (4)
— 17. ἡ π. αὕτη οὐ μὴ κατακαυθῇ ἐν πυρί (4)
— 18. δοθήσεται ἡ π. αὕτη εἰς χεῖρας τῶν Χ. [A *al.*] (4)
— 23. ἡ π. αὕτη κατακαυθήσεται (4)
— 28. A οὗ συνελήφθη Ἱερ. ἡ π. [B S *om.* ἡ π.] –
46 (39). 2. ἐρράγη ἡ π. (4)
Je. 46 (39). 16. φέρω τοὺς λόγους μου ἐπὶ τὴν π. [A εἰς τ. γῆν] ταύτην (4)
47 (40). 10. οἰκήσατε ἐν ταῖς π. (4)
48 (41). 7. εἰσελθόντων αὐτῶν εἰς τὸ μέσον τῆς π. (4)
50 (43). 13. συντρίψει τοὺς στύλους Ἡλίου πόλεως †
51 (44). 2. ἐπὶ Ἱερ. καὶ ἐπὶ τὰς [S *om.*] π. Ἰ. (4)
— 9. A ἐν πόλεσιν [B S γῇ] Ἰούδα †
— 17. ἐν πόλεσιν Ἰούδα καὶ ἔξωθεν Ἱερ. (4)
— 21. ἐν ταῖς π. Ἰούδα καὶ ἔξωθεν Ἱερ. (4)
52. 5. ἦλθεν ἡ π. εἰς συνοχήν (4)
— 6. ἐστερεώθη ὁ λιμὸς ἐν τῇ π. (4)
— 7. διεκόπη ἡ π. (4)
— 7. S^1 κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. [A B S^2 πύλης] (6)
— 7. καὶ οἱ Χ. ἐπὶ τῆς π. κύκλῳ [A ἐκύκλωσαν] (4)
— 13. ἐνέπρησε . . . πάσας τὰς οἰκίας τῆς π. †
— 25. A ἐκ τῆς π. ἔλαβεν [B S *om.* ἐκ τ. π. ἔ.] εὐνοῦχον ἕνα (4)
— 25. ἔλαβεν . . . τοὺς εὑρεθέντας ἐν τῇ π. . . . τοὺς εὑρεθέντας ἐν μέσῳ τῆς π. (4, 4)
Ba. 2. 23. ἐκ πόλεων [A -ως] Ἰ. καὶ ἔξωθεν Ἱερ.
4. 32. δείλαιαι αἱ π.
La. 1. 1. ἐκάθισε μόνη ἡ π. ἡ πεπληθυμμένη λαῶν (4)
— 19. οἱ πρεσβύτεροί μου ἐν τῇ π. ἐξέλιπον (4)
2. 11. ἐν πλατείαις πόλεως (5 *a*)
— 12. ἐν πλατείαις πόλεως (4)
— 15. αὕτη ἡ π. [A *add.* ἣν] ἐροῦσι στέφανος (4)
3. 51. παρὰ πάσας θυγατέρας πόλεως (4)
5. 11. παρθένους ἐν πόλεσιν Ἰούδα (4)
Ez. 4. 1. διαγράψεις ἐπ' αὐτὴν πόλιν τὴν Ἱερ. (4)
— 3. ἀνὰ μέσον σοῦ καὶ ἀνὰ μέσον τῆς π. (4)
5. 2. ἀνακαύσεις ἐν μέσῳ τῇ π. (4)
6. 6. αἱ π. ἐξερημωθήσονται (4)
7. 15. τοὺς δ' ἐν τῇ π. λιμὸς καὶ θάνατος συντελέσει (4)
— 23. ἡ π. πλήρης ἀνομίας (4)
9. 1. ἤγγικεν ἡ ἐκδίκησις τῆς π. (4)
— 5. πορεύεσθε ὀπίσω αὐτοῦ εἰς τὴν π. (4)
— 9. ἡ π. ἐπλήσθη ἀδικίας (4)
10. 2. διασκόρπισον ἐπὶ τὴν π. (4)
11. 2. βουλευόμενοι βουλὴν πονηρὰν ἐν τῇ π. τ. (4)
— 6. ἐπληθύνατε νεκροὺς ὑμῶν ἐν τῇ π. ταύτῃ (4)
— 23. ἀνέβη ἡ δόξα κυρίου ἐκ μέσης [A -ου] τῆς π. καὶ ἔστη ἐπὶ τοῦ ὄρους ὃ ἦν ἀπέναντι τῆς π. (4, 4)
12. 20. αἱ π. αὐτῶν αἱ κατοικούμεναι ἐξερημωθήσονται (4)
16. 7. εἰσῆλθες εἰς πόλεις πόλεων †, †
17. 4. εἰς πόλιν τετειχισμένην ἔθετο αὐτά (4)
19. 7. τὰς π. αὐτῶν ἐξηρήμωσε (4)
21. 19 (24). ἐν ἀρχῇ ὁδοῦ πόλεως [A *al.*] (4)
22. 2. εἰ [A οὐ] κρινεῖς τὴν π. τῶν αἱμάτων (4)
— 3. ὦ π. ἐκχέουσα αἵματα (4)
24. 6. ὦ π. αἱμάτων (4)
— 9. A οὐαὶ πόλις τῶν αἱμάτων (4)
25. 5. δώσω τὴν π. τοῦ Ἀμμὼν εἰς νομὰς καμήλων †
— 9. A παραλύω τὸν ὦμον Μ. ἀπὸ τῶν π. ἀπὸ [B *om.* τ. π. ἀ.] πόλεων ἀκρωτηρίων αὐ. . . . ἐπάνω πηγῆς [B^1 ἐπαναγωγῆς] πόλεως παραθαλασσίας (4, 4, †)
26. 10. ὡς εἰσπορευόμενος εἰς πόλιν ἐκ πεδίου (4)
— 17. κατελύθης ἐκ θαλάσσης ἡ π. ἡ ἐπαινετή (4)
— 19. ὅταν δῷ σε πόλιν ἠρημωμένην ὡς τὰς π. (4, 4)
29. 12 : 30. 7. αἱ π. αὐ. ἐν μέσῳ πόλεων ἠρημωμένων ἔσονται (4, 4)
30. 17. νεανίσκοι Ἡλίου πόλεως . . . πεσοῦνται †
— 17. A αἱ π. αἰχμαλωτισθήσονται [B *al.*] †
33. 21. ἑάλω ἡ π. (4)
35. 4. ταῖς [A ἐν τ.] π. σου ἐρημίαν ποιήσω (4)
— 9. αἱ π. σου οὐ μὴ κατοικηθῶσιν ἔτι (4)
36. 4. τάδε λέγει . . . ταῖς π. ταῖς ἐγκαταλελειμμέναις (4)
— 10. κατοικηθήσονται αἱ π. (4)
— 33. κατοικιῶ τὰς π. (4)
— 35. αἱ π. αἱ ἔρημοι . . . ὀχυραὶ ἐκάθισαν (4)
— 38. ἔσονται αἱ π. αἱ ἔρημοι πλήρεις προβάτων (4)
38. 11. A κατοικοῦντας πόλεις [B γῆν] –
39. 9. ἐξελεύσονται οἱ κατοικοῦντες τὰς π. Ἰσραήλ (4)
— 16. τὸ ὄνομα τῆς π. Πολυάνδριον (4)
40. 1. μετὰ τὸ ἁλῶναι τὴν π. (4)
— 2. ὡσεὶ οἰκοδομὴ πόλεως ἀπέναντι (4)
43. 3. τοῦ χρῖσαι τὴν π. (4)
45. 5. εἰς κατάσχεσιν πόλεις τοῦ κατοικεῖν †
— 6. τὴν κατάσχεσιν τῆς π. δώσεις (4)
— 7. εἰς κατάσχεσιν τῆς π. . . . κατὰ πρόσωπον τῆς κατασχέσεως τῆς π. (4, 4)
Ez. 48. 15. προτείχισμα ἔσται τῇ π. . . . ἔσται ἡ π. ἐν μέσῳ αὐτοῦ (4, 4)
— 17. ἔσται διάστημα τῇ π. (4)
— 18. ἔσται . . . τοῖς ἐργαζομ. τὴν π. (4)
— 19. οἱ δὲ ἐργαζόμενοι τὴν π. ἐργῶνται αὐτήν (4)
— 20. ἀπὸ τῆς κατασχέσεως τῆς π. (4)
— 21. εἰς τὴν κατάσχεσιν τῆς π. (4)
— 22. ἀπὸ τῆς κατασχέσεως τῆς π. (4)
— 30. αὗται αἱ διεκβολαὶ τῆς π. (4)
— 31. αἱ πύλαι τῆς π. ἐν ὀνόμασι φυλῶν (4)
— 35. τὸ ὄνομα τῆς π. ἀφ' ἧς ἂν ἡμέρας γένηται (4)
Da. LXX. Su. 6. ἤρχοντο κρίσεις ἐξ ἄλλων π.
— 28. ἐλθόντες ἐπὶ τὴν συναγωγὴν τῆς π.
3. 1. Ναβ. βασιλεὺς διοικῶν πόλεις –
— (28). καὶ ἐπὶ τὴν π. σου τὴν ἁγίαν
4. 26. ἐπὶ τῶν τειχῶν τῆς π. . . . περιεπάτει –
8. 2. ἐμοῦ ὄντος ἐν Σ. τῇ π. (2)
9. 16. ἀποστραφήτω . . . ἡ ὀργή σου ἀπὸ τῆς π. σου Ἱερ. (4)
— 18. ἴδε τὴν ἐρήμωσιν ἡμῶν καὶ τῆς π. σου (4)
— 19. τὸ ὄνομά σου ἐπεκλήθη ἐπὶ τὴν π. σου Σ. (4)
— 24. ἐπὶ τὸν λαόν σου καὶ ἐπὶ τὴν π. Σ. (4)
— 25. οἰκοδομήσεις Ἱερ. πόλιν κυρίῳ –
— 26. βασιλεία ἐθνῶν φθερεῖ τὴν π. (4)
11. 13. συνάξει πόλεως συναγωγήν †
— 15. λήψεται τὴν π. τὴν ὀχυράν (4)
— 24. ἐξάπινα ἐρημώσει πόλιν –
— 24. ἐπὶ τὴν π. τὴν ἰσχυρὰν διανοηθήσεται †
— 34. ἐπισυναχθήσονται . . . πολλοὶ ἐπὶ πόλεως –
— 39. ἐν ἐπιθυμήμασι ποιήσει πόλεων –
Da. TH. 3. (28). καὶ ἐπὶ τὴν π. τὴν ἁγίαν
9. 16. ἀποστραφήτω δὴ . . . ἡ ὀργή σου ἀπὸ τῆς π. σου Ἱερ. (4)
— 18. ἴδε τὸν ἀφανισμὸν ἡμῶν καὶ τῆς π. σου (4)
— 19. τὸ ὄνομά σου ἐπικέκληται ἐπὶ τὴν π. σου (4)
— 24. ἐπὶ τὸν λαόν σου καὶ ἐπὶ τὴν π. τὴν ἁγίαν (4)
— 26. τὴν π. καὶ τὸ ἅγιον διαφθερεῖ (4)
11. 15. συλλήψεται π. ὀχυράς (4)
I Ma. 1. 19. κατελάβοντο τὰς π. τὰς ὀχυράς
— 29. ἀπέστειλεν ὁ βασ. . . . εἰς τὰς π. Ἰ.
— 30. ἐπέπεσεν ἐπὶ τὴν π. ἐξάπινα
— 31. ἔλαβε τὰ σκῦλα τῆς π.
— 33. ᾠκοδόμησαν τὴν π. Δ. τείχει μεγάλῳ
— 44. ἀπέστειλεν . . . εἰς . . . τὰς π. Ἰ.
— 51. ἐνετείλατο ταῖς π. Ἰ. θυσιάζειν κατὰ πόλιν καὶ πόλιν
— 54. ἐν πόλεσιν Ἰ. κύκλῳ
— 58. ἐν παντὶ μηνὶ καὶ μηνὶ ἐν ταῖς π.
2. 7. AR καὶ τὸ σύντριμμα τῆς π. τῆς [S *om.*] ἁγίας
— 15. ἦλθον . . . εἰς Μ. τὴν π.
— 17. μέγας εἶ ἐν τῇ π. ταύτῃ
— 27. ἀνέκραξε Μ. ἐν τῇ π.
— 28. ἐγκατέλιπον ὅσα εἶχον ἐν τῇ π.
— 31. αἳ ἦσαν ἐν Ἱερ. πόλει Δ.
3. 8. A R διῆλθεν ἐν πόλεσιν [S πόλει] Ἰ.
— 37. ἀπῆρεν . . . ἀπὸ πόλεως βασιλείας αὐ.
5. 21. A ἐδίωξεν αὐτοὺς ἕως τῶν π. [SR τῆς πύλης] Πτ.
— 26. πᾶσαι αἱ π. αὗται ὀχυραί
— 27. A R ἐν ταῖς λοιπαῖς [S ἄλλαις] π. τῆς Γ.
— 28. κατελάβετο τὴν π.
— 31. ἡ κραυγὴ τῆς π. ἀνέβη
— 36. προκατελάβετο . . . τὰς λοιπὰς π. τῆς Γαλ.
— 44. προκατελάβοντο τὴν π.
— 46. καὶ αὕτη ἡ π. μεγάλη
— 47. ἀπέκλεισαν αὐτοὺς οἱ ἐκ τῆς π.
— 50. A παρενέβαλον οἱ ἄνδρες τῆς π. [S R δυνάμεως]
— 50. ἐπολέμησαν τὴν π.
— 50. παρεδόθη ἡ π. ἐν χερσὶν αὐ.
— 51. A ἔλαβε τὰ σκῦλα τῆς π. [S R σκ. αὐτῆς]
— 51. διῆλθε διὰ τῆς π.
— 59. ἐξῆλθε Γ. ἐκ τῆς π.
— 68. ἐσκύλευσε τὰ σκῦλα τῶν π.
6. 1. ἐστὶν Ἐλ. . . . πόλις ἔνδοξος πλούτῳ
— 3. ἐζήτει καταλαβέσθαι τὴν π.
— 3. ἐγνώσθη ὁ λόγος τοῖς ἐκ τῆς π.
— 7. καὶ τὴν Β. πόλιν αὐ. [S^1 *om.* π. αὐ.]
— 49. ἐξῆλθεν ἐκ τῆς π.
— 63. εὗρε Φίλιππον κυριεύοντα τῆς π.
— 63. κατελάβετο τὴν π. βίᾳ
7. 1. A R ἀνέβη . . . εἰς π. [S *om.* εἰς π.] παραθαλασσίαν [S παρὰ θάλασσαν]
— 32. ἔφυγον εἰς τὴν π. Δ.
9. 50. ᾠκοδόμησε π. ὀχυρὰς ἐν τῇ Ἰ.
— 52. ὠχύρωσε τὴν π.

I Ma. 9. 65. ἀπέλιπεν Ἰ. Σίμωνα . . . ἐν τῇ π.
— 67. ἐξῆλθον ἐκ τῆς π.
10. 10. ἤρξατο . . . καινίζειν τὴν π.
— 63. ἐξέλθατε μετ' αὐτοῦ εἰς μέσον τῆς π.
— 71. μετ' ἐμοῦ ἐστι [S¹ οὐκ ἐ. ἔτι] δύναμις τῶν π.
— 75. ἀπέκλεισαν αὐτὸν οἱ ἐκ τῆς π.
— 76. ἤνοιξαν οἱ ἐκ τῆς π.
— 84. ἐνεπύρισεν Ἰων. . . . τὰς π. τὰς κύκλῳ αὐτῆς
— 86. ἐξῆλθον οἱ ἐκ τῆς π.
11. 2. A R ἤνοιγον αὐτῷ οἱ ἀπὸ τῶν π. [S τῆς π.]
— 3. ὡς δὲ εἰσεπορεύετο εἰς τὰς π.
— 3. ἀπέτασσε τὰς δυνάμεις φρουρὰν [S³ -εῖν] ἐν ἑκάστῃ π.
— 8. ἐκυρίευσε τῶν π. τῆς παραλίας
— 45. A R ἐπισυνήχθησαν οἱ ἐκ [S ἀπὸ] τῆς π. εἰς μέσον τῆς π.
— 46. A R κατελάβοντο οἱ ἐκ τῆς π. [S οἰκίας] τὰς διόδους τῆς π.
— 47. διεσπάρησαν ἐν τῇ π.
— 47. A R ἀπέκτειναν ἐν τῇ π. [S om. ἐν τῇ π.]
— 48. ἐνεπύρισαν τὴν π.
— 49. ἴδον οἱ ἀπὸ τῆς π.
— 49. κατεκράτησαν οἱ Ἰ. τῆς π.
— 50. πολεμοῦντες ἡμᾶς καὶ τὴν π.
— 60. διεπορεύετο . . . ἐν ταῖς π.
— 60. ἀπήντησαν αὐτῷ οἱ ἐκ τῆς π. ἐνδόξως
— 66. κατελάβετο τὴν π.
12. 36. ἀνὰ μέσον τῆς ἄκρας καὶ τῆς π.
— 36. R εἰς τὸ διαχωρίζειν [A -ρῆσαι, S² -ρίσαι] αὐτὴν τῆς π.
— 37. S R τοῦ οἰκοδομεῖν τὴν π. [A om. τ. π.]
13. 20. A τοῦ ἐμβατεῦσαι εἰς τὴν π. [S R χώραν]
— 25. ἐν Μ. πόλει τῶν πατέρων αὐ.
— 43. προσήγαγε τῇ π.
— 44. A ἐξήλλοντο οἱ ἐν τῇ π. [R ἐλεπ., S ἐλεοπ.] εἰς τὴν π.
— 44. ἐγένετο κίνημα μέγα ἐν τῇ π.
— 45. ἀνέβησαν οἱ ἐν τῇ π.
— 47. A R ἐξέβαλεν αὐτοὺς ἐκ [S ἔξω] τῆς π.
14. 10. ταῖς π. ἐχορήγησε βρώματα
— 17. ἐπικρατεῖ . . . τῶν π. τῶν ἐν αὐτῇ
— 20. Σπαρτιατῶν ἄρχοντες καὶ ἡ π. Σίμωνι
— 33. ὠχύρωσε τὰς π. τῆς Ἰουδαίας
— 36. τοῦ ἐξαρθῆναι . . . τοὺς ἐν τῇ π. Δ.
— 37. πρὸς ἀσφάλειαν τῆς χώρας καὶ τῆς π.
15. 4. καὶ τοὺς ἠρημωκότας π. πολλάς
— 14. ἐκύκλωσε τὴν π.
— 14. A συνέθλιβεν [R ἔθλ.] τὴν π.
— 19. καὶ τὰς π. αὐ. καὶ τὴν χώραν αὐ.
— 28. κατακρατεῖτε . . . πόλεις τῆς βασ. μου
— 30. παράδοτε τὰς π.
— 31. καὶ τῶν φόρων τῶν π.
— 39. A ὀχυρῶσαι τὰς π. [S R al.]
16. 14. Σ. δὲ ἦν ἐφοδεύων τὰς π.
— 18. ὅπως . . . παραδῷ αὐτῷ . . . τὰς π.
II Ma. 1. 12. τοὺς παραταξαμένους ἐν τῇ ἁγίᾳ π.
2. 22. καὶ τὴν π. ἐλευθερῶσαι
3. 1. τῆς ἁγίας π. κατοικουμένης μετὰ πάσης εἰρήνης
— 4. R τῆς κατὰ τὴν π. παρανομίας [A al.]
— 8. ὡς τὰς κατὰ κοίλην Συρίαν . . . π. ἐφοδεύσων
— 9. R ὑπὸ τοῦ ἀρχιερέως τῆς π. ἀποδεχθείς [A al.]
— 14. ἦν δὲ οὐ μικρὰ καθ' ὅλην τὴν π. ἀγωνία
4. 2. τὸν εὐεργέτην τῆς π.
— 22. ὑπὸ τοῦ Ἰ. καὶ τῆς π. παραδεχθείς
— 32. εἴς τε Τύρον καὶ τὰς κύκλῳ πόλεις
— 36. οἱ κατὰ πόλιν Ἰουδαῖοι
— 38. περιαγαγὼν καθ' ὅλην τὴν π.
— 39. γενομένων δὲ πολλῶν ἱεροσυλημάτων κατὰ τὴν π.
— 48. R οἱ ὑπὲρ [A περὶ] πόλεως . . . προαγορεύσαντες
5. 2. καθ' ὅλην τὴν π. . . . τεσσαράκοντα φαίνεσθαι
— 5. ἐπὶ τὴν π. συνετελέσατο ἐπίθεσιν
— 5. τέλος ἤδη καταλαμβανομένης τῆς π.
— 6. A ἐποιεῖτο σφαγὰς τῆς π. [R τῶν πολιτῶν]
— 8. πόλιν ἐκ πόλεως φεύγων
— 11. ἔλαβε τὴν μὲν π. δοριάλωτον
— 17. διὰ τὰς ἁμαρτίας τῶν τὴν π. οἰκούντων
— 26. εἰς τὴν π. σὺν τοῖς ὅπλοις εἰσδραμών
6. 8. εἰς τὰς ἀστυγείτονας Ἑλληνίδας π.
— 10. περιαγαγόντες αὐτὰς τὴν π.
8. 3. ἐλεῆσαι δὲ καὶ τὴν καταφθειρομ. πόλιν
— 6. πόλεις δὲ . . . ἐνεπίμπρα
— 11. εἰς τὰς παραθαλασσίους π. ἀπέστειλε
II Ma. 8. 17. τὸν τῆς ἐμπεπαιγμένης π. αἰκισμόν
9. 2. καὶ τὴν π. συνέχειν
— 14. τὴν μὲν ἁγίαν π. . . . ἐλευθέραν ἀναδεῖξαι
10. 1. τὸ μὲν ἱερὸν ἐκομίσαντο καὶ τὴν π.
— 10. A συντέμνοντες τὰ συνέχοντα τῶν π. κακά [R al.]
— 27. προῆγον ἀπὸ τῆς πόλεως ἐπὶ πλεῖον
— 36. προκατελάβοντο τὴν π.
11. 2. τὴν μὲν π. Ἕλλησιν οἰκητήριον ποιήσειν
12. 4. κατὰ δὲ τὸ κοινὸν τῆς π. ψήφισμα
— 13. ἐπί τινα π. γεφυροῦν [? Γεφ.] ὀχυράν
— 16. καταλαβόμενοί τε τὴν π.
— 27. καὶ ἐπὶ Ἐφρὼν π. ὀχυράν
— 28. ἔλαβον τὴν π. ὑποχείριον
— 29. ὥρμησαν ἐπὶ Σκυθῶν πόλιν
— 38. ἦγεν εἰς Ὀδ. πόλιν
13. 13. πρὶν . . . γενέσθαι τῆς π. ἐγκρατεῖς
— 14. περὶ ἱεροῦ πόλεως πατρίδος
15. 14. προσευχόμενος περὶ . . . τῆς ἁγίας π.
— 17. διὰ τὸ καὶ τὴν π. . . . κινδυνεύειν
— 19. τοῖς ἐν τῇ π. κατειλημμένοις
— 37. κρατηθείσης τῆς π. ὑπὸ τῶν Ἑβρ.
III Ma. 1. 6. ἔκρινε τὰς πλησίον π.
— 17. οἱ κατὰ τὴν π. ἀπολειπόμενοι
— 19. R δρόμον ἄπακτον ἐν τῇ π. [A om. ἐν τῇ π.] συνίσταντο
2. 9. ἐξελέξω τὴν π. ταύτην
— 31. ἔνιοι μὲν οὖν ἐπὶ πόλεως [? ἐπιπολαίως] τὰς τῆς π. εὐσεβείας ἐπιβάθρας στυγοῦντες
3. 8. οἱ δὲ κατὰ τὴν π. Ἕλληνες
— 16. τοῖς κατὰ πόλεσιν ἱεροῖς
4. 3. τίς νομὸς ἢ πόλις
— 4. ὑπὸ τῶν κατὰ πόλιν στρατηγῶν
— 11. ἐν τῷ πρὸ τῆς π. ἱπποδρόμῳ
— 11. πᾶσι τοῖς καταπορευομένοις εἰς τὴν π.
— 12. τοὺς ἐκ τῆς π. ὁμοεθνεῖς
5. 24. τὰ δὲ κατὰ τὴν π. πλήθη
— 41. ἡ π. διὰ τὴν προσδοκίαν ὀχλεῖ
— 44. ἐπὶ τοὺς ἐπικαιροτάτους τόπους τῆς π.
— 46. τῆς π. ἤδη πλήθεσιν ἀναριθμήτοις . . . καταμεμεστωμένης
6. 5. μετεωρισθέντα ἐπὶ τὴν ἁγίαν σου π.
— 30. ὁ βασ. εἰς τὴν π. ἀπαλλαγείς
— 41. πρὸς τοὺς κατὰ πόλιν στρατηγούς
7. 16. ἀνέζευξαν ἐκ τῆς π.
IV Ma. 7. 4. οὐχ οὕτω πόλις . . . ἀντέσχε
[Aq. Ge. 28. 19: Jo. 2. 14: 15. 21: 21. 20: III Ki. 9. 24: 12. 17: 14. 11, 12: IV Ki. 7. 12: Ps. 45 (46). 5: 106 (107). 36: 121 (122). 3: Pr. 18. 19: 21. 22: Is. 14. 21: 15. 1: 17. 2: 19. 18: 26. 1: 29. 1: 32. 19: 33. 20: 38. 6: 42. 11: Je. 6. 6: 15. 8: 26 (33). 20: 27 (34). 17: 31 (38). 21, 24: 32 (39). 24: 33 (40). 5: 34 (41). 22: 40 (47). 5: 48 (31). 15: 49. 25 (30. 14): 51 (28). 43: 52. 15: Ez. 24. 9: 25. 9: 26. 10: Da. 9. 24, 26.]
[Sm. Ge. 19. 16: Jo. 2. 14: 15. 9, 21: 21. 20: II Ki. 5. 9: III Ki. 20 (21). 14: IV Ki. 3. 19: 7. 12: Ps. 30 (31). 22: 45 (46). 5: 54 (55). 10: 58 (59). 7, 15: 59 (60). 11: 106 (107). 36: 121 (122). 3: Pr. 9. 3: 11. 10: 21. 22: Ec. 10. 15: Is. 14. 21: 15. 1: 17. 2: 19. 18: 26. 1: 27. 10: 29. 1: 32. 13, 19: 33. 20: 38. 6: 42. 11: 45. 13: Je. 6. 6: 11. 6: 15. 7, 8: 27 (34). 17: 31 (38). 21: 33 (40). 5: 34 (41). 22: 40 (47). 5: 49. 25 (30. 14): 51 (28). 43: La. 1. 19: Ez. 22. 2: 25. 9: 26. 10: Da. 3. 2 (Sw.), 12 (Sw.): 9. 24.]
[Th. Jo. 2. 14: 15. 21: 21. 20: Jd. 10. 4: 17. 8: III Ki. 15. 23: IV Ki. 3. 19: 7. 12: Pr. 9. 3: 10. 15: 11. 11: 21. 22: Is. 14. 21: 17. 1, 2: 19. 18: 22. 2: 29. 1: 33. 20: 37. 34: 38. 6: 42. 11: Je. 11. 6: 26 (33). 20: 27 (34). 17, 19: 29 (36). 16: 34 (41). 22: 39 (46). 4, 9: 48 (31). 45: 49. 25 (30. 14): Ez. 22. 2: 24. 9: 25. 9: 30. 7 *bis* (Sw.): 43. 3: Da. 3. (28): 9. 24, 26.]
[Al. Dt. 20. 15: Jo. 11. 19: 24. 28: Is. 32. 18.]
[Heb. III Ki. 20 (21). 19: Ez. 43. 3.]
[Quint. IV Ki. 3. 19: 7. 12: Ho. 7. 4.]

πολιτεία.

II Ma. 4. 11. τὰς μὲν νομίμους καταλύων πολιτείας
6. 23. A ἄξιον . . . τῆς ἐπικτήτου καὶ ἐπιφανοῦς π. [R al.]
8. 17. τὴν τῆς προγονικῆς π. κατάλυσιν
13. 14. περὶ ἱεροῦ πόλεως πατρίδος πολιτείας
III Ma. 3. 21. πολιτείας αὐτοὺς Ἀλεξανδρέων καταξιῶσαι
— 23. οὐ μόνον ἀπεστρέψαντο τὴν ἀτίμητον π.
IV Ma. 3. 20. τὴν π. αὐ. ἀποδέχεσθαι
8. 7. ἀρνησάμενοι τὸν πάτριον ὑμῶν τῆς π. θεσμόν
17. 9. τὴν Ἑβραίων π. καταλῦσαι

πολιτεύεσθαι.

Es. 8. 13. δικαιοτάτοις [S¹ ἀναγκαιοτ.] δὲ πολιτευομένους νόμοις
II Ma. 6. 1. τοῖς τοῦ θεοῦ νόμοις μὴ πολιτεύεσθαι
11. 25. καὶ π. κατὰ τὰ ἐπὶ τῶν προγόνων αὐ. ἔθη
III Ma. 3. 4. τῷ τούτου νόμῳ πολιτευόμενοι
IV Ma. 2. 8. αὐτίκα γοῦν τῷ νόμῳ πολιτευόμενος
— 23. καθ' ὃν πολιτευόμενος βασιλεύσει
4. 23. τῷ πατρίῳ πολιτευόμενοι νόμῳ
5. 16. θείῳ πεπεισμένοι νόμῳ πολιτεύεσθαι

πολίτευμα.

II Ma. 12. 7. τὸ σύμπαν τῶν Ἰοππ. ἐκριζῶσαι π.

πολίτης. (1) בֶּן־עַמִּי (2) עַמִּית (3) רֵעַ

Ge. 23. 11. ἐναντίον τῶν π. μου (1)
Nu. 4. 18. B¹ ἐκ μέσου τῶν π. [AB²R Λευιτῶν] †
Pr. 11. 9. ἐν στόματι ἀσεβῶν [S ἁμαρτολῶν] παγὶς πολίταις (3)
— 12. μυκτηρίζει πολίτας ἐνδεὴς φρενῶν (3)
24. 43 (28). μὴ ἴσθι ψευδὴς μάρτυς ἐπὶ σὸν π. (3)
Za. 13. 7. ἐξεγέρθητι . . . ἐπὶ ἄνδρα π. [S¹ πολεμιστήν] μου (2)
Je. 36 (29). 23. ἐμοιχῶντο τὰς γυν. τῶν π. αὐ. (3)
38 (31). 34. οὐ μὴ διδάξωσιν ἕκαστος τὸν π. [A ἀδελφὸν] αὐτοῦ (3)
II Ma. 4. 5. οὐ γινόμενος τῶν π. κατήγορος
— 50. μέγας τῶν π. ἐπίβουλος καθεστώς
5. 6. R ἐποιεῖτο σφαγὰς τῶν π. [A τῆς πόλεως]
— 8. βδελυσσόμενος ὡς . . . πολιτῶν δήμιος
— 23. χείριστα τῶν ἄλλων ὑπερῄρετο τοῖς π.
— 23. ἀπεχθῆ δὲ πρὸς τοὺς π. Ἰουδ. ἔχων διάθεσιν
9. 19. τοῖς χρηστοῖς Ἰουδ. τοῖς π.
14. 8. τῶν ἰδίων π. στοχαζόμενος
15. 30. ὁ . . . πρωταγωνιστὴς ὑπὲρ τῶν π.
III Ma. 1. 22. R οἱ [A add. περὶ] τῶν π. θρασυνθέντες
[Al. Pr. 6. 3.]

πολίχνη.

[Aq. Is. 26. 5: 29. 1.]

πολλάκις.

To. 1. 6. S ἐπορευόμην π. [A B πλεονάκις] εἰς Ἱερ.
5. 6. S π. ἐγὼ ἐγενόμην ἐκεῖ
— 9. S π. ᾠχόμην εἰς Μηδείαν
Es. 8. 13. π. δὲ καὶ πολλοὺς . . . καταστήσασα
Jb. 4. 2. μὴ π. σοι λελάληται ἐν κόπῳ –
31. 31. εἰ δὲ καὶ π. εἶπον αἱ θεράπαιναί μου –
Si. 19. 15. π. γὰρ γίνεται διαβολή
I Ma. 14. 29. π. ἐγενήθησαν πόλεμοι
II Ma. 9. 25. ὃν π. . . . τοῖς πλείστοις ὑμῶν παρακατετιθέμην
12. 22. ὥστε π. ὑπὸ τῶν ἰδίων βλάπτεσθαι
III Ma. 5. 41. καὶ κινδυνεύει π. διαρπασθῆναι
IV Ma. 16. 6. ὃ μελεὰ ἔγωγε καὶ π. τρισαθλία
[Al. Jb. 31. 31.]

πολλαπλασίως.

[Sm. II Ki. 12. 8.]

πολλαχόθεν.

IV Ma. 1. 7. π. μὲν οὖν καὶ ἀλλαχόθεν

πολλαχῶς. (1) רָבָה hi.

Ez. 16. 26. π. ἐξεπόρνευσας τοῦ παροργίσαι με (1)
III Ma. 1. 25. π. ἐπειρῶντο τὸν . . . νοῦν ἐξιστάνειν

πολλοστός. (1) רַב (2) תָּמִיד

II Ki. 23. 20. ἀνὴρ αὐτὸς π. ἔργοις (1)
Pr. 5. 19. ἐν γὰρ τῇ ταύτης [A ταύτῃ τῇ] φιλίᾳ συμπεριφερόμενος πολλοστὸς ἔσῃ (2)
[Aq. Je. 51 (28). 13.]
[Sm. Ps. 54 (55). 19.]

πολλύς (?).

II Ki. 23. 36 (35). A Γ. υἱὸς N. πολλὺς δυνάμεως [B al.] †

πολύ (*adv.*), **πλεῖον, πλέον,** *vid. sub* **πολύς.**

πολυάνδριον (-ειον). (1) גַּיְא (2) *a.* הָמוֹן *b.* הֲמוֹנָה

Je. 2. 23. ἴδε τὰς ὁδούς σου ἐν τῷ π. (1)
19. 2. ἐξελεύσῃ εἰς τὸ π. υἱῶν τῶν τέκνων αὐτῶν (1)
— 6. διάπτωσις καὶ π. υἱοῦ Ἐννὸμ ἀλλ' ἢ π. τῆς σφαγῆς (1, 1)
Ez. 39. 11. τὸ π. τῶν ἐπελθόντων πρὸς τῇ θαλάσσῃ [A τὴν θ.] . . . κληθήσεται τότε [? τὸ Τὲ, A τὸ Γαὶ] τὸ π. τοῦ Γώγ (1, 2 *a*)
— 15. θάψωσιν αὐτὸ . . . εἰς τὸ γαὶ τὸ π. τοῦ Γώγ (2 *a*)
— 16. τὸ ὄνομα τῆς πόλεως π. (2 *b*)
II Ma. 9. 4. πολυάνδριον Ἰουδαίων Ἱερ. ποιήσω
— 14. καὶ πολυάνδριον οἰκοδομῆσαι
IV Ma. 15. 20. πολυάνδριον ὁρῶσα τῶν τέκνων χορεῖον

πολύβουλος.

[Sm., Th. Pr. 11. 14 : 24. 6.]

πολύγονος.

Wi. 4. 3. πολύγονον δὲ ἀσεβῶν πλῆθος
IV Ma. 15. 5. ὅσῳ γὰρ . . . πολυγονώτεραι ὑπάρχουσιν αἱ μητέρες

πολυδάκρυος (R), **πολύδακρυς** (A).

III Ma. 5. 25. π. ἱκετείαν . . . ἐδέοντο τοῦ μεγίστου θεοῦ

πολυέλεος. (1) גָּדֹל־חֶסֶד (2) רַב־חֶסֶד

Ex. 34. 6. κ. ὁ θ. . . . μακρόθυμος καὶ π. (2)
Nu. 14. 18. κύριος μακρόθυμος καὶ π. (2)
Ne. 9. 17. σὺ θεὸς . . . μακρόθυμος καὶ π. (2)
Ps. 85 (86). 5. καὶ πολυέλεος πᾶσι τοῖς ἐπικαλουμένοις σε (2)
— 15. μακρόθυμος καὶ πολυέλεος καὶ ἀληθινός (2)
102 (103). 8. μακρόθυμος καὶ πολυέλεος (2)
144 (145). 8. μακρόθυμος καὶ πολυέλεος (1)
Si. 2. 11. S² ὁ κύριος μακρόθυμος καὶ πολυέλεος [A B S¹ *al.*]
Jl. 2. 13 : Jn. 4. 2. μακρόθυμος καὶ πολυέλεος (2)
III Ma. 6. 9. καὶ νῦν μισύβρι πολυέλεε

πολυετής.

Wi. 4. 16. νεότης [A -τητος] τελεσθεῖσα ταχέως [S¹ *om.*] πολυετὲς γῆρας ἀδίκου

πολυημερεύειν. (1) רָבָה יָמִים

De. 11. 21. A ἵνα πολυημερεύσητε [B μακροημ.] (1)

πολυήμερος. (1) π. γίγνεσθαι הַאֲרִיךְ יָמִים (2) π. εἶναι הַאֲרִיךְ יָמִים

De. 6. 24. A ἵνα πολυήμεροι ὦμεν [B *al.*] †
22. 7. καὶ πολυήμερος γένῃ [A ἔσῃ] (1 [2])
25. 15. ἵνα πολυήμερος γένῃ (1)
30. 18. οὐ μὴ πολυήμεροι γένησθε (1)
Da. LXX. 4. 24. ἵνα . . . πολυήμερος γένῃ †
[Al. Dt. 6. 24.]

πολύθρηνος.

IV Ma. 16. 10. γυνὴ χήρα καὶ μόνη π.

πολυκαρπία.

[Sm. Ps. 64 (65). 10.]

πολυκέφαλος.

IV Ma. 7. 14. τὴν π. στρέβλαν ἠκύρωσεν

πολύλαλος.

[Sm. Jb. 11. 2.]

πολυλογία. (1) רֹב דְּבָרִים

Pr. 10. 19. ἐκ πολυλογίας οὐκ ἐκφεύξῃ [A -εται] ἁμαρτίαν [A -ία] (1)

πολυμερής.

Wi. 7. 22. ἔστι γὰρ ἐν αὐτῇ πνεῦμα . . . π.

πολύμιτος.

[Sm. Ez. 16. 13 : 27. 13 (P.), 16.]

πολυοδία. (1) רֹב דֶּרֶךְ

Is. 57. 10. ταῖς π. σου ἐκοπίασας (1)

πολύορκος.

Si. 23. 11. ἀνὴρ πολύορκος πλησθήσεται ἀνομίας
27. 14. λαλιὰ πολυόρκου ὀρθώσει [A ἀνορθ.] τρίχας

πολυοχία (?). (1) הָמוֹן

Jb. 39. 7. A καταγελῶν πολυοχίας [B S -οχλίας] (1)

πολυοχλία. (1) הָמוֹן

Jb. 31. 34. οὐ γὰρ διετράπην πολυοχλίαν πλήθους [A λαοῦ] (1)
39. 7. καταγελῶν πολυοχλίας πόλεως [A *al.*] (1)
Ba. 4. 34. περιελῶ αὐτῆς τὸ ἀγαλλίαμα [A ἄγαλμα] τῆς π.

πολύπαις.

IV Ma. 16. 10. ὦ ἡ π. καὶ καλλίπαις ἐγὼ γυνή

πολύπειρα.

Wi. 8. 8. A εἰ δὲ καὶ πολύπειραν [B S -ρίαν] ποθεῖ τις

πολυπειρία.

Wi. 8. 8. εἰ δὲ καὶ πολυπειρίαν [A -ραν] ποθεῖ τις
Si. 25. 6. στέφανος γερόντων πολυπειρία

πολύπειρος.

Si. 21. 22. ἄνθρωπος δὲ πολύπειρος αἰσχυνθήσεται
31 (34). 9. ὁ π. ἐκδιηγήσεται σύνεσιν
36. 25 (22). ἄνθρωπος π. ἀνταποδώσει αὐτῷ

πολυπλασιάζειν. (1) רָבָה

De. 4. 1. B καὶ πολυπλασιασθῆτε –
8. 1. καὶ πολυπλασιασθῆτε (1)
11. 8. καὶ πολυπλασιασθῆτε –

πολυπλάσιος.

II Ma. 9. 16. τὰ ἱερὰ σκεύη π. πάντα ἀποδώσειν

πολυπληθεῖν. (1) *a.* רַב *b.* רָבָה hi. *c.* רֹב

Ex. 5. 5. πολυπληθεῖ ὁ λαός (1 *a*)
Le. 11. 42. ὃ πολυπληθεῖ ποσίν (1 *b*)
De. 7. 7. πολυπληθεῖτε παρὰ π. τὰ ἔθνη (1 *c*)

πολυπληθία (-εία).

II Ma. 8. 16. μηδὲ εὐλαβεῖσθαι τὴν . . . π.

πολυπληθύνειν. (1) רָבָה hi.

Ex. 32. 13. πολυπληθυνῶ τὸ σπέρμα ὑμῶν (1)
Da. LXX. 3. (36). πολυπληθῦναι [? πολὺ πλ.] τὸ σπέρμα αὐτῶν

πολύπλοκος. (1) פְּתַל ni.

Es. 8. 13. πολυπλόκοις μεθόδων παραλογισμοῖς
Jb. 5. 13. βουλὴν [A -ὰς] δὲ πολυπλόκων [S¹ -τρόπων] ἐξέστησεν (1)
IV Ma. 14. 13. πῶς π. ἐστιν ἡ τῆς φιλοτεκνίας στοργή
15. 24. AR τὴν τῶν στρεβλῶν πολύπλοκον ποικιλίαν [S *al.*]

πολυπραγμονεῖν.

II Ma. 2. 30. καὶ π. ἐν τοῖς κατὰ μέρος

πολυπραγμοσύνη.

[Sm. Ec. 7. 30 (29).]

πολυρρήμων. (1) כַּבִּיר אֲמָרִים

Jb. 8. 2. πνεῦμα πολυρρῆμον τοῦ στόματός σου (1)

πολύς, πλείων, πλεῖστος. (1) אֹרֶךְ (2) גָּדוֹל (3) הָמוֹן (4) כָּבֵד *a.* adj. *b.* verb. (5) כַּבִּיר (6) πλείων γίγνεσθαι רָבָה (7) מְאֹד (8) עָצוּם (9) *a.* רַב *b.* רֹב *c.* רָבַב *d.* רָבָה qal. *e.* hi. *f.* רִבּוֹא *g.* רַבְרַב (10) רוּם (11) רָחָב (12) שַׁגִּיא (13) πολὺς γίγνεσθαι *a.* רָבַב *b.* רָבָה (14) πολὺς εἶναι *a.* רָבַב *b.* רָבָה qal. *c.* hi. (15) ὁ τὸ π. *a.* הַמַּרְבֶּה *b.* הָרַב (16) ἐπὶ πολύ *a.* אָרֹךְ *b.* רָבָה hi. *c.* רַב *d.* שַׁגִּיא (17) πολὺν ποιεῖν *a.* פָּרַץ *b.* רָבָה hi. (18) διὰ χρόνου π. *a.* מִמֶּרְחָק *b.* מֵרָחוֹק (19) εἰς χρόνον π. לְנֶצַח נְצָחִים (20) πλείων, πλέον, πλεῖον *a.* בָּצַע *b.* רַב *c.* רֹב *d.* רָבָה hi. *e.* יָסַף hi. (21) πλείων εἶναι רָבַב (22) πλείονα ποιεῖν יָסַף ni. (23) ἐπὶ πλεῖον *a.* רָבָה hi. *b.* רַבָּה (24) πλεῖστον, τὸ πλεῖστον *a.* רָבָה hi. *b.* רֹב *c.* מַרְבִּית (25) πλῆθος π. (τὸ πλ. τὸ π.) *a.* רֹב *b.* עָצוּם *c.* הָמוֹן *d.* רַב

Ge. 6. 1. ἤρξαντο οἱ ἄνθρ. π. γίνεσθαι (13 *a*)
13. 6. ἦν τὰ ὑπάρχοντα αὐτῶν π. (9 *a*)
15. 1. ὁ μισθός σου π. ἔσται σφόδρα (14 *c*)
— 14. μετὰ ἀποσκευῆς π. (2)
17. 5. πατέρα πολλῶν ἐθνῶν τέθεικά σε (3)
18. 18. εἰς ἔθνος μέγα καὶ π. (8)
21. 34. παρῴκησεν δὲ . . . ἡμέρας π. (9 *a*)
24. 25. A χόρτασμα π. [R -ματα π.] παρ' ἡμῖν (9 *a*)
26. 14. κτήνη βοῶν καὶ γεώργια π. (9 *a*)
29. 7. ἔτι ἐστὶν ἡμέρα π. (2)
30. 43. ἐγένετο αὐτῷ κτήνη π. (9 *a*)
33. 9. ἔστι μοι πολλά (9 *a*)
36. 7. ἦν γὰρ αὐτῶν τὰ ὑπάρχοντα π. (9 *a*)
37. 34. R ἐπένθει . . . ἡμέρας π. [A τινάς] (9 *a*)
41. 29. ἑπτὰ ἔτη ἔρχεται εὐθηνία π. (2)
— 49. σῖτον ὡσεὶ τὴν ἄμμον τῆς θ. πολύν (9 *e*)
46. 29. A B² ἔκλαυσε κλαυθμῷ πλείονι [B¹ R πίονι] †
48. 16. πληθυνθείησαν εἰς πλῆθος π. (25 *a*)
50. 20. ἵνα τραφῇ λαὸς π. (9 *a*)
Ex. 1. 12. τοσούτῳ πλείους ἐγίγνοντο (6)
2. 11. ἐν ταῖς ἡμέραις ταῖς π. ἐκείναις –
— 23. μετὰ δὲ τὰς ἡμέρας τὰς π. ἐκείνας (9 *a*)
3. 8. εἰς γῆν ἀγαθὴν καὶ π. (11)
4. 18. μετὰ δὲ τὰς ἡμέρας τὰς π. ἐκείνας –
9. 18. ὕω . . . χάλαζαν π. σφόδρα (4 *a*)
— 24. ἡ δὲ χάλαζα π. σφόδρα (4 *a*)
10. 4. ἐπάγω . . . ἀκρίδα π. –
— 14. καὶ κατέπαυσεν . . . πολλὴ σφόδρα (4 *a*)
12. 38. ἐπίμικτος π. συνανέβη αὐτοῖς . . . καὶ κτήνη π. σφόδρα (9 *a*, 4 *a*)
16. 17. ὁ τὸ π. καὶ ὁ τὸ ἔλαττον (15 *a*)
— 18. οὐκ ἐπλεόνασεν ὅ τὸ π. (15 *a*)
23. 2. οὐκ ἔσῃ μετὰ πλειόνων ἐπὶ κακίᾳ (20 *b*)
— 2. ἐκκλίναι μετὰ πλειόνων (20 *b*)
— 29. καὶ π. γένηται ἐπὶ σὲ τὰ θηρία (13 *a*)
Le. 15. 25. ἐὰν ῥέῃ . . . ἡμέρας πλείους (20 *b*)
25. 16. καθότι ἂν πλεῖον τῶν ἐτῶν πληθύνῃ (20 *c*)
— 51. ἐὰν δέ τινι πλεῖον [A πλέον] τῶν ἐτῶν ᾖ (20 *b*)
Nu. 9. 19. ὅταν ἐφέλκηται . . . ἡμέρας πλείους (20 *b*)
13. 19 (18). ἢ ὀλίγοι εἰσὶν ἢ πολλοί (9 *a*)
14. 12. εἰς ἔθνος μέγα καὶ πολὺ μᾶλλον ἢ τοῦτο (8)
20. 11. ἐξῆλθεν ὕδωρ π. (9 *a*)
— 15. παρῳκήσαμεν . . . ἡμέρας πλείους [A *om.* ἡ. πλ.] (9 *a*)
— 15. A ἐκάκωσαν ἡμᾶς . . . ἡμέρας πλείους [B *om.* ἡ. πλ.] –
21. 6. ἀπέθανε λαὸς π. (9 *a*)
22. 3. ὅτι πολλοὶ ἦσαν (9 *a*)
— 15. ἀποστεῖλαι ἄρχοντας πλείους (20 *b*)
24. 7. κυριεύσει ἐθνῶν π. (9 *a*)
26. 54. τοῖς πλείοσι πλεονάσεις τὴν κληρον. (20 *b*)
— 56. ἀνὰ μέσον πολλῶν καὶ ὀλίγων (9 *a*)
32. 1. A πλῆθος π. [B *om.*] σφόδρα (25 *b*)
33. 54. τοῖς πλείοσι πληθυνεῖτε τὴν κατάσχ. αὐ. (20 *b*)
35. 8. ἀπὸ τῶν τὰ π. πολλά (15 *b*, 9 *e*)
De. 1. 28. ἔθνος μέγα καὶ π. (10)
— 46. ἐνεκάθησθε ἐν Κ. ἡμέρας π. (9 *a*)
2. 1. ἐκυκλώσαμεν τὸ ὄρος τὸ Σ. ἡμέρας π. (9 *a*)
— 10, 21. ἔθνος μέγα καὶ π. (9 *a*)
3. 5. πλὴν τῶν πόλεων τῶν Φ. τῶν π. (9 *e*)
— 19. οἶδα ὅτι π. [A π. τὰ] κτήνη ὑμῖν (9 *a*)
7. 1. A B² ἔθνη μεγάλα καὶ π. [B¹ R *om.* κ. π.] (9 *a*)
— 1. ἑπτὰ ἔθνη [A *add.* μεγάλα καὶ] π. [B¹ μεγάλα] (9 *a* [8])
— 17. π. τὸ ἔθνος τοῦτο ἢ ἐγώ (9 *a*)
8. 7. εἰς γῆν ἀγαθὴν καὶ π. –
9. 2. λαὸν μέγαν καὶ π. (10)
— 14. A ποιήσω σε εἰς ἔθνος μέγα καὶ ἰσχ. καὶ π. [A π. κ. ἰσχ.] μᾶλλον ἢ τοῦτο (9 *a*)
15. 6. δανεῖς ἔθνεσι π. (9 *a*)
— 6. ἄρξεις ἐθνῶν π. (9 *a*)
20. 1. καὶ ἴδῃς . . . λαὸν πλείονά σου (20 *b*)
— 19. ἐὰν δὲ περικαθίσῃς . . . ἡμέρας πλείους [A πλείονας] (20 *b*)
25. 3. ὑπὲρ ταύτας τὰς πληγὰς πλείους (20 *b*)
26. 5. εἰς ἔθνος μέγα καὶ πλῆθος π. (9 *a*)
28. 12. δανεεῖς ἔθνεσι π. (9 *a*)
— 12. A B² R ἄρξεις σὺ ἐθνῶν π. –

De. 28. 38. σπέρμα π. ἐξοίσεις εἰς τὸ πεδίον (9 a)
30. 16. καὶ πολλοὶ ἔσεσθε (14 b)
31. 17. εὑρήσουσιν αὐτὸν κακὰ π. (9 a)
— 21. A ὅταν εὕρωσιν αὐτὸν κακὰ π. (9 a)
33. 6. ἔστω πολὺς ἐν ἀριθμῷ †
Jo. 5. 6. ἀπερίτμητοι ἦσαν οἱ πλεῖστοι αὐ. –
9. 13. ἀπὸ τῆς π. ὁδοῦ σφόδρα (9 b)
10. 11. ἐγένοντο πλείους οἱ ἀποθανόντες (20 b)
11. 4. καὶ ἅρματα π. σφόδρα (9 a)
— 18. ἡμέρας πλείους ἐποίησεν . . . τὸν πόλεμον (20 b)
13. 1. ἡ γῆ ὑπολέλειπται πολλή (9 e)
17. 14. ἐγὼ δὲ λαὸς π. εἰμι (9 a)
— 15, 17. εἰ λαὸς π. εἶ (9 a)
22. 3. ταύτας τὰς ἡμ. [A *add.* καὶ] πλείους (20 b)
— 8. ἐν χρήμασι π. ἀπήλθοσαν (9 a)
— 8. κτήνη π. σφόδρα . . . καὶ ἱματισμὸν π. [A *add.* σφόδρα] διείλαντο (9 a, 9 e)
23. 1. μεθ' ἡμέρας πλείους (20 b)
24. 4. εἰς ἔθνος μέγα καὶ π. –
— 7. ἦτε ἐν τῇ ἐρήμῳ ἡμέρας πλείους (20 b)
Jd. 7. 2. π. ὁ λαὸς ὁ μετὰ σοῦ (9 a)
— 4. ἔτι ὁ λαὸς π. (9 a)
8. 24. A ἐνώτια χρυσᾶ π. ἦν [B *om.* π. ἦν] αὐτοῖς –
— 30. γυναῖκες π. ἦσαν αὐτῷ (9 a)
9. 40. ἔπεσον τραυματίαι π. (9 a)
16. 30. ἦσαν οἱ τεθνηκότες . . . πλείους (20 b)
20. 40. ἀνέβη ἐπὶ πλεῖον [A *al.*] –
I Ki. 2. 5. ἡ π. ἐν τέκνοις ἠσθένησε (9 a)
9. 7. πλεῖον οὐκ ἔστι μεθ' ἡμῶν [A ἐν ἡμῖν] †
14. 6. B σώζειν ἐν πολλοῖς ἢ ἐν ὀλίγοις (9 a)
26. 13. καὶ π. ἡ ὁδὸς ἀνὰ μέσον αὐτῶν (9 a)
— 21. ἠγνόηκα πολλὰ σφόδρα (9 e)
II Ki. 1. 4. πεπτώκασι πολλοὶ ἐκ τοῦ λαοῦ (9 e)
3. 1. ἐγένετο ὁ πόλεμος ἐπὶ πολύ (16 a)
— 22. σκῦλα πολλὰ ἔφερον (9 a)
8. 8. ἔλαβεν ὁ βασ. Δ. χαλκὸν π. σφόδρα (9 e)
12. 2. τῷ πλουσίῳ ἦν . . . βουκόλια π. σφόδρα (9 e)
— 30. σκῦλα . . . ἐξήνεγκε πολλὰ σφόδρα (9 e)
13. 34. λαὸς π. πορευόμενος ἐν τῇ ὁδῷ (9 a)
14. 2. ἔσῃ ὡς γυνὴ πενθοῦσα . . . ἡμέρας π. (9 a)
15. 12. ὁ λαὸς ὁ πορευόμ. καὶ π. (9 a)
22. 17. εἵλκυσέ με ἐξ ὑδάτων π. (9 a)
24. 14. π. οἱ οἰκτιρμοὶ αὐτοῦ σφόδρα (9 a)
— 16. πολὺ νῦν [A πολὺν] ἄνες τὴν χεῖρά σου (9 a)
III Ki. 3. 1 (4. 29 [5. 9]). ἔδωκε κ. . . . σοφίαν π. σφόδρα (9 e)
— 1 (B), 4. 20 (A). Ἰούδα καὶ Ἰσρ. πολλοὶ σφόδρα (9 a)
— 8. ὃν ἐξελέξω λαὸν π. (9 a)
— 11. οὐκ ᾐτήσω σαυτῷ ἡμέρας π. (9 a)
4. 29 (5. 9). ἔδωκε κ. . . . σοφίαν [A φρόνησιν] π. (9 e)
5. 7 (21). ἐπὶ τὸν λαὸν τὸν π. τοῦτον (9 a)
10. 2. καὶ χρυσὸν π. [A -σίον π.] (9 a)
— 10. καὶ ἡδύσματα π. σφόδρα (9 e)
— 11. ἤνεγκε ξύλα πελεκητὰ π. σφόδρα (9 e)
11. 1. A ἔλαβε γυναῖκας ἀλλοτρίας π. [B *om.*] (9 a)
18. 1. καὶ ἐγένετο μεθ' ἡμέρας π. (9 a)
— 25. ὅτι πολλοὶ ὑμεῖς (9 a)
19. 7. ὅτι π. ἀπὸ σοῦ ἡ ὁδός (9 a)
IV Ki. 6. 16. πλείους οἱ μεθ' ἡμῶν (20 b)
9. 22. καὶ τὰ φάρμακα αὐτῆς τὰ π. (9 a)
10. 18. Ἰοὺ δουλεύσει αὐτῷ πολλά (9 e)
12. 10 (11). π. τὸ ἀργύριον ἐν τῇ κιβωτῷ (9 a)
21. 16. αἷμα ἀθῷον ἐξέχεε M. πολὺ σφόδρα (9 e)
I Ch. 4. 27. τοῖς ἀδ. αὐ. οὐκ ἦσαν υἱοὶ π. (9 a)
— 40. AB²R εὗρον νομὰς πλείονας [B¹ πίονας] †
5. 9. κτήνη αὐτῶν π. ἐν γῇ Γαλ. (9 d)
— 22. τραυματίαι π. ἔπεσον (9 a)
7. 22. ἐπένθησεν Ἐφρ. . . . ἡμέρας π. (9 a)
11. 22. π. ἔργα αὐτοῦ ὑπὲρ Καβ. (9 a)
12. 29. τὸ πλεῖστον αὐ. ἀπεσκόπει τὴν φυλακήν (24 c)
18. 8. ἔλαβε Δ. χαλκὸν π. σφόδρα (9 a)
20. 2. σκῦλα τῆς πόλ. ἐξήνεγκε πολλὰ σφόδρα (9 e)
21. 13. π. οἱ οἰκτιρμοὶ αὐ. σφόδρα (9 a)
22. 3. σίδηρον π. . . . ἡτοίμασε Δ. (9 b)
— 8. αἵματα π. ἐξέχεας (9 a)
24. 4. εὑρέθησαν οἱ υἱοὶ Ἐλ. πλείους (20 b)
28. 5. π. υἱοὺς ἔδωκέ μοι κύριος (9 a)
29. 2. A R καὶ Πάριον πολὺν [B -ύ] (9 b)
II Ch. 1. 9. ἐβασίλευσάς με ἐπὶ λαὸν π. (9 a)
— 11. ἡμέρας π. οὐκ ᾐτήσω (9 a)
9. 9. καὶ ἀρώματα εἰς πλῆθος π. (7)
II Ch. 11. 23. ἔδωκεν αὐταῖς τροφὰς πλῆθος π. (25 a)
13. 8. καὶ ὑμεῖς πλῆθος π. (9 a)
— 8. A² μεθ' ὑμῶν μόσχοι π. [A¹ B χρυσοῖ] †
14. 11 (10). σώζειν ἐν πολλοῖς (9 a)
— 11 (10). ἤλθομεν ἐπὶ τὸ πλῆθος τὸ π. τοῦτο (25 c)
— 13 (12). ἐσκύλευσαν σκῦλα π. (9 e)
— 14 (13). π. σκῦλα ἐγενήθη αὐτοῖς (9 a)
— 15 (14). ἔλαβον πρόβατα π. (9 b)
15. 3. ἡμέραι π. τῷ Ἰσρ. (9 a)
— 9. προσετέθησαν πρὸς αὐτὸν πολλοί (9 b)
16. 8. οὐχ οἱ Αἰθίοπες . . . ἦσαν εἰς δύναμιν π. (9 b)
17. 5. ἐγένετο αὐτῷ . . . δόξα π. (9 b)
— 13. ἔργα π. ἐγένετο αὐτῷ (9 a)
18. 1. ἐγενήθη τῷ Ἰωσ. ἔτι . . . δόξα π. (9 b)
— 2. ἔθυσεν αὐτῷ Ἀχ. . . . μόσχους π. (9 b)
20. 2. ἥκει ἐπὶ σὲ πλῆθος π. (9 a)
— 12. τοῦ ἀντιστῆναι πρὸς τὸ πλῆθος τὸ π. τ. (9 a)
— 15. ἀπὸ προσώπου τοῦ ὄχλου τοῦ π. τούτου (9 a)
— 25. εὗρον κτήνη π. (9 b)
— 25. ὅτι πολλὰ ἦν (9 a)
21. 3. ἔδωκεν αὐτοῖς ὁ πατὴρ αὐ. δύματα π. (9 a)
24. 11. συνήγαγον ἀργύριον π. (9 b)
— 24. παρέδωκεν . . . δύναμιν π. σφόδρα (9 b)
25. 9. δοῦναί σοι πλεῖστα τούτων (24 a)
— 13. ἐσκύλευσαν σκῦλα π. (9 a)
26. 10. ἐλατόμησε λάκκους π. (9 a)
— 10. κτήνη π. ὑπῆρχεν αὐτῷ (9 a)
27. 3. ᾠκοδόμησε πολλά (9 b)
28. 5. ᾐχμαλώτευσεν . . . αἰχμαλωσίαν π. (2)
— 8. σκῦλα π. ἐσκύλευσαν (9 a)
— 13. πολλὴ ἡ ἁμαρτία ἡμῶν (9 a)
29. 35. ἡ ὁλοκαύτωσις π. (9 b)
30. 13. συνήχθησαν . . . λαὸς π. . . . ἐκκλησία π. σφόδρα (9 a, 9 b)
— 18. πλεῖστον [A τὸ πλ.] τοῦ λαοῦ . . . οὐχ ἥγνισαν (24 c)
32. 4. συνήγαγε λαὸν π. (9 a)
— 4. καὶ εὗρη ὕδωρ π. (9 a)
— 5. κατεσκεύασεν ὅπλα π. (9 b)
— 7. μεθ' ἡμῶν πλείονες ἢ μετ' αὐτοῦ (20 b)
— 23. πολλοὶ ἔφερον δῶρα τῷ κυρίῳ (9 a)
— 27. ἐγένετο τῷ Ἐζ. . . . δόξα π. σφόδρα (9 e)
— 29. ἔδωκεν αὐτῷ κ. ἀποσκευὴν π. σφόδρα (9 a)
I Es. 1. 49. πολλὰ ἠσέβησαν
2. 9. καὶ εὐχαῖς ὡς πλείσταις πολλῶν
— 29. καὶ μὴ προβῇ ἐπὶ πλεῖον
3. 22. μετ' οὐ πολὺ σπῶνται τὰς μαχαίρας
4. 14. καὶ π. οἱ ἄνθρωποι
— 25. πλείον ἀγαπᾷ ἄνθρ. τὴν ἰδίαν γυναῖκα
— 26. πολλοὶ ἀπενοήθησαν
— 27. πολλοὶ ἀπώλοντο
— 42. αἴτησαι . . . πλείω τῶν γεγραμμ.
5. 64. καὶ πολλοὶ διὰ σαλπίγγων
6. 14. ᾠκοδόμητο . . . ἔμπροσθεν ἐτῶν πλειόνων
8. 7. π. ἐπιστήμην περιεῖχεν
— 91. ἐπισυνήχθησαν . . . ὄχλος π. σφόδρα
9. 11. τὸ πλῆθος π.
— 11. ἐπὶ πλεῖον γὰρ ἡμάρτομεν
II Es. 3. 12. πολλοὶ ἀπὸ τῶν ἱερέων (9 a)
5. 11. πρὸ τούτου ἔτη π. (12)
10. 1. συνήχθησαν . . . ἐκκλησία π. σφόδρα (9 a)
— 13. ἀλλὰ ὁ λαὸς π. (9 a)
Ne. 2. 2. ἐφοβήθην πολὺ σφόδρα (9 e)
4. 1 (3. 33). ὠργίσθη ἐπὶ πολύ (16 b)
— 10 (4). A S² R καὶ ὁ χοῦς [B S¹ ὄχλος] π. (9 e)
— 19 (13). τὸ ἔργον πλατὺ καὶ π. (9 e)
5. 2. ἐν υἱοῖς ἡμῶν . . . ἡμεῖς πολλοί (9 a)
6. 17. ἀπὸ π. ἐντίμων Ἰ. ἐπιστολαὶ ἐπορεύοντο (9 e)
— 18. πολλοὶ ἐν Ἰ. ἔνορκοι ἦσαν αὐτῷ (9 a)
7. 2. φοβούμενος τὸν θ. παρὰ πολλούς (9 a)
9. 19. ἐν οἰκτιρμοῖς σου τοῖς π. [A μεγάλοις] (9 a)
— 28. ἐν οἰκτιρμοῖς σου π. (9 a)
— 30. εἵλκυσας ἐπ' αὐτοὺς ἔτη [S² ἔθνη] π. (9 a)
— 31. ἐν οἰκτιρμοῖς σου τοῖς π. (9 a)
— 35. ἐν ἀγαθωσύνῃ σου τῇ π. (9 a)
— 37. R καὶ οἱ καρποὶ αὐτῆς π. (9 e)
13. 26. ἐν ἔθνεσι π. [S² τοῖς π.] οὐκ ἦν βασ. ὅμοιος αὐτῷ (9 a)
To. 1. 3. ἐλεημοσύνας π. ἐποίησα
— 16. ἐλεημοσύνας π. ἐποίουν
— 18. πολλοὺς γὰρ ἀπέκτειναν
2. 2. ἐθεασάμην ὄψα π. [S παρετέθη μοι ὀψάρια πλείονα]
3. 5. π. αἱ κρίσεις σου
— 6. λύπη ἐστὶ π. ἐν ἐμοί
— 6. S βλέπειν ἀνάγκην π.
To. 4. 4. π. κινδύνους ἑώρακεν
— 13. A B καὶ ἀκαταστασία π.
— 21. ὑπάρχει σοι πολλά
5. 9. S χαίρειν σοι πολλὰ γένοιτο
7. 1. S χαίρετε πολλά, ἀδελφοί
— 8. A B παρέθηκαν ὄψα πλείονα
8. 16. κατὰ τὸ π. ἔλεός σου
— 19. S ποιῆσαι ἄρτους π.
12. 8. ἀγαθὸν τὸ ὀλίγον . . . ἢ πολὺ μετὰ ἀδικίας
13. 11. ἔθνη π. μακρόθεν ἥξει
14. 10. S π. ἀδικία ἐν αὐτῇ καὶ ὄλος π. συντελεῖται ἐν αὐτῇ
Ju. 1. 6. συνῆλθον [S -ήχθησαν] ἔθνη π.
— 16. A S R πλῆθος ἀνδρῶν πολεμιστῶν πολὺ σφόδρα
2. 17. ἔλαβε . . . πλῆθος π. σφόδρα
— 18. AS²R καὶ ἀργύριον . . . π. [BS¹ *om.*] σφόδρα
— 20. καὶ π. ὁ ἐπίμικτος
4. 13. ἦν ὁ λαὸς νηστεύων ἡμέρας πλείους
5. 8. παρῴκησαν ἐκεῖ ἡμέρας π.
— 9. καὶ ἐν κτήνεσι π. σφόδρα
— 10. ἐγένοντο ἐκεῖ εἰς πλῆθος π.
— 16. κατῴκησαν ἐν αὐτῇ ἡμέρας π.
— 18. ἐξωλεθρεύθησαν ἐν π. πολέμοις ἐπὶ πολὺ σφόδρα
7. 2. πλῆθος π. σφόδρα
— 18. κατεστρατοπέδευσαν ἐν ὄχλῳ π.
— 18. ἦσαν εἰς πλῆθος π. σφόδρα
— 32. ἦσαν ἐν ταπεινώσει π.
10. 7. καὶ ἐθαύμασαν . . . ἐπὶ πολὺ σφόδρα
12. 20. A B καὶ ἔπιεν οἶνον π. σφόδρα
13. 1. A B διὰ τὸ ἐπὶ πλεῖον γεγονέναι τὸν πότον
15. 7. ἐκράτησαν π. λαφύρων
— 7. ἦν γὰρ πλῆθος π. σφόδρα
16. 22. πολλοὶ ἐπεθύμησαν αὐτήν
— 25. οὐκ ἦν ἔτι ὁ ἐκφοβῶν . . . ἡμέρας π.
Es. 1. 1. ποταμὸς μέγας ὕδωρ π.
— 7. οἶνος π. καὶ ἡδύς (9 a)
2. 8. συνήχθησαν π. κοράσια [S *al.*] (9 a)
3. 13. πολλῶν ἐπάρξας ἐθνῶν
8. 13. πολλοὶ τῇ πλείστῃ . . . χρηστότητι πυκνότερον τιμώμενοι
— 13. πολλοὺς τῶν ἐπ' ἐξουσίαις τεταγμένων
— 13. πολὺ διεστηκὼς τῆς ἡμετέρας χρηστότητος
— 17. πολλοὶ τῶν ἐθνῶν περιετέμοντο (9 a)
10. 3. ἦν φῶς καὶ ἥλιος καὶ ὕδωρ π.
Jb. 1. 3. καὶ ὑπηρεσία πολλὴ σφόδρα (9 a)
— 10. τὰ κτήνη αὐτοῦ πολλὰ ἐποίησας (17 a)
2. 9. χρόνου δὲ πολλοῦ προβεβηκότος –
3. 15. μετὰ ἀρχόντων ὧν πολὺς ὁ χρυσός –
4. 3. εἰ γὰρ σὺ ἐνουθέτησας πολλούς (9 a)
5. 25. γνώσῃ δὲ ὅτι πολὺ τὸ σπέρμα σου (9 a)
9. 17. πολλὰ δέ μου τὰ συντρίμματα πεποίηκε διὰ κενῆς (17 b)
11. 2. ὁ τὰ πολλὰ λέγων καὶ ἀντακούσεται (9 b)
— 3. μὴ πολὺς ἐν ῥήμασι γίνου †
— 19. πολλοί σου δεηθήσονται (9 a)
12. 12. ἐν πολλῷ χρόνῳ σοφία [A σ. εὑρίσκεται] ἐν δὲ πολλῷ [A μακρῷ] βίῳ ἐπιστήμη (†, 1)
14. 21. πολλῶν δὲ γενομένων τῶν υἱῶν αὐ. (4 b)
16. 2. ἀκήκοα τοιαῦτα πολλά (9 a)
18. 11. πολλοὶ [A -ῶν] δὲ περὶ πόδα αὐτοῦ ἔλθοισαν –
20. 19. πολλῶν γὰρ δυνατῶν [A S² ἀδ.] οἴκους ἔθλασε †
22. 5. πότερον οὐχ ἡ κακία σου ἐστὶ πολλή (9 a)
23. 6. καὶ ἐν [A εἰ] πολλῇ ἰσχύϊ ἐπελεύσεταί μοι (9 b)
24. 7. γυμνοὺς πολλοὺς ἐκοίμισαν ἄνευ ἱματίων –
— 24. πολλοὺς γὰρ ἐκάκωσε τὸ ὕψωμα αὐτοῦ †
26. 2. πότερον οὐχ ᾧ πολλὴ ἰσχύς –
27. 14. ἐὰν δὲ πολλοὶ γένωνται οἱ υἱοὶ αὐ. (13 b)
29. 18. πολὺν χρόνον βιώσω (9 e)
30. 18. ἐν [A *om.*] πολλῇ ἰσχύϊ ἐπελάβετό μου τῆς στολῆς (9 b)
31. 21. πολλή μοι βοήθεια περίεστιν –
— 25. πολλοῦ πλούτου μοι γενομένου (9 a)
32. 7. A R ἐν π. δὲ ἔτεσιν οἴδασι [B S οὐκ οἴ.] σοφίαν (9 b)
34. 37. πολλὰ λαλούντων [A -οῦσιν] ῥήματα (9 e)
35. 5 (6). εἰ δὲ καὶ πολλὰ ἠνόμησας (9 c)
— 9. βοήσονται ἀπὸ βραχίονος πολλῶν (9 a)
36. 26. ἰδοὺ ὁ ἰσχυρὸς πολύς (12)
37. 19. παυσώμεθα πολλὰ λέγοντες †
38. 21. ἀριθμὸς δὲ ἐτῶν σου πολύς (9 a)

Jb. 39. 11. πολλὴ ἡ ἰσχὺς αὐτοῦ (9 a)
Ps. 3. 1. πολλοὶ ἐπανίστανται ἐπ' ἐμέ (9 a)
— 2. πολλοὶ λέγουσι τῇ ψυχῇ μου (9 a)
4. 6. πολλοὶ λέγουσι, Τίς δείξει ἡμῖν τὰ ἀγαθά (9 a)
17 (18). 16. προσελάβετό με ἐξ ὑδάτων π. (9 a)
18 (19). 10. ἐπιθυμητὰ ὑπὲρ χρυσίον καὶ λίθον τίμιον πολύν (9 a)
— 11. ἐν τῷ φυλάσσειν αὐτὰ ἀνταπόδοσις πολλή (9 a)
21 (22). 12. περιεκύκλωσάν με μόσχοι πολλοί (9 a)
— 16. ἐκύκλωσάν με κύνες πολλοί –
24 (25). 11. ἱλάσῃ τῇ ἁμαρτίᾳ μου πολλὴ γάρ ἐστι (9 a)
28 (29). 3. κύριος ἐπὶ ὑδάτων πολλῶν (9 a)
30 (31). 13. ψόγον πολλῶν παροικούντων (9 a)
— 19. ὡς π. τὸ πλῆθος τῆς χρηστότητός σου (25 d)
31 (32). 6. ἐν κατακλυσμῷ ὑδάτων π. (9 a)
— 10. πολλαὶ αἱ μάστιγες τοῦ ἁμαρτωλοῦ (9 a)
32 (33). 16. οὐ σώζεται βασιλεὺς διὰ πολλὴν δύναμιν (9 b)
33 (34). 19. πολλαὶ αἱ θλίψεις τῶν δικαίων (9 a)
34 (35). 18. ἐν ἐκκλησίᾳ πολλῇ (9 a)
35 (36). 6. A S τὰ κρίματά σου ἄβυσσος [B ὡσεὶ ἅ.] πολλή (9 a)
36 (37). 16. ὑπὲρ πλοῦτον ἁμαρτωλῶν πολύν (9 a)
39 (40). 3. ὄψονται πολλοί (9 a)
— 5. πολλὰ ἐποίησας σὺ . . . τὰ θαυμάσιά σου (9 a)
— 10. ἀπὸ συναγωγῆς πολλῆς (9 a)
50 (51). 2. ἐπὶ πλεῖον πλύνόν με (23 a)
54 (55). 18. ἐν πολλοῖς ἦσαν σὺν ἐμοί (9 a)
55 (56). 2. πολλοὶ οἱ πολεμοῦντές με (9 a)
61 (62). 2. οὐ μὴ σαλευθῶ ἐπὶ πλεῖον (23 b)
67 (68). 11. τοῖς εὐαγγελιζομ. δυνάμει π. (9 a)
70 (71). 7. ὡσεὶ τέρας ἐγενήθην τοῖς π. (9 a)
— 20. B S¹ ὅτι [S² R ὅσας] ἔδειξάς μοι θλίψεις πολλάς (9 a)
76 (77). 19. αἱ τρίβοι σου ἐν ὕδασι πολλοῖς (9 a)
77 (78). 15. ὡς ἐν ἀβύσσῳ πολλῇ (9 a)
— 31. B S ἀπέκτειναν ἐν τοῖς πλείοσιν [R πίοσιν] αὐτῶν †
88 (89). 50. B S οὗ ὑπέσχου [A R -ον] ἐν τῷ κόλπῳ μου πολλῶν ἐθνῶν (9 a)
89 (90). 10. τὸ πλεῖον αὐτῶν κόπος καὶ πόνος †
92 (93). 4. ἀπὸ φωνῶν ὑδάτων πολλῶν (9 a)
96 (97). 1. εὐφρανθήτωσαν νῆσοι πολλαί (9 a)
106 (107). 23. ποιοῦντες ἐργασίαν ἐν ὕδασι πολλοῖς (9 a)
108 (109). 30. ἐν μέσῳ πολλῶν αἰνέσω αὐτόν (9 a)
109 (110). 6. A S² R συνθλάσει κεφαλὰς ἐπὶ γῆς πολλῶν [S¹ γῆν πολλήν] (9 a)
118 (119). 156. οἱ οἰκτιρμοί σου πολλοί (9 a)
— 157. πολλοὶ οἱ ἐκδιώκοντές με (9 a)
— 162. ὡς ὁ εὑρίσκων σκῦλα πολλά (9 a)
— 165. S R εἰρήνη πολλὴ τοῖς ἀγαπῶσι τὸν νόμον [A τὸ ὄνομά] σου (9 a)
119 (120). 6. πολλὰ παρῴκησεν ἡ ψυχή μου (9 a)
122 (123). 3. A R ἐπὶ πολὺ ἐπλήσθημεν [S ἐπληθύνθημεν] ἐξουδενώσεως (16 c)
— 4. A R ἐπὶ πλεῖον ἐπλήσθη [S ἐπληθύνθη] ἡ ψυχὴ ἡμῶν (23 b)
129 (130). 7. καὶ πολλὴ παρ' αὐτῷ λύτρωσις (9 e)
134 (135). 10. ὃς ἐπάταξεν ἔθνη πολλά (9 a)
137 (138). 3. S πολυωρήσεις με ἐν ψυχῇ μου ἐν δυνάμει π. [A R al.] –
143 (144). 7. ῥῦσαί με ἐξ ὑδάτων πολλῶν (9 a)
Pr. 4. 10. ἵνα σοι γένωνται πολλαὶ ὁδοὶ βίου (13 b)
5. 20. μὴ πολὺς ἴσθι πρὸς ἀλλοτρίαν †
6. 8. πολλὴν τε ἐν τῷ ἀμητῷ ποιεῖται τὴν παράθεσιν †
— 35. οὐδὲ μὴ διαλυθῇ [A διὰ] π. δώρων (9 e)
7. 20. δι' ἡμερῶν πολλῶν ἐπανήξει †
— 21. ἀπεπλάνησε δὲ αὐτὸν πολλῇ ὁμιλίᾳ (9 b)
— 26. πολλοὺς γὰρ τρώσασα καταβέβληκε (9 a)
8. 6. S¹ πολλὰ [A B S² σεμνὰ] γὰρ ἐρῶ †
— 18. καὶ κτῆσις πολλῶν καὶ δικαιοσύνη †
— 19. A ὑπὲρ χρυσίον καὶ λίθον τίμιον πολύν [B S om.] –
9. 11. πολὺν ζήσεις χρόνον (9 d)
— 18. ἵνα πολὺν ζήσῃς χρόνον –
11. 14. σωτηρία δὲ ὑπάρχει ἐν πολλῇ βουλῇ (9 b)
— 24. εἰσὶν οἳ . . . πλείονα ποιοῦσιν (22)
13. 7. εἰσὶν οἱ ταπεινοῦντες ἑαυτοὺς ἐν πολλῷ πλούτῳ (9 a)
— 23. δίκαιοι ποιήσουσιν ἐν πλούτῳ ἔτη πολλά †
14. 4. οὗ δὲ πολλὰ γενήματα (9 b)
Pr. 14. 17. ἀνὴρ δὲ φρόνιμος πολλὰ ὑποφέρει †
— 20. φίλοι δὲ πλουσίων πολλοί (9 a)
— 28. ἐν πολλῷ ἔθνει δόξα βασιλέως (9 b)
— 29. μακρόθυμος ἀνὴρ πολὺς ἐν φρονήσει (9 a)
15. 5 (6). ἐν πλεοναζούσῃ δικαιοσύνῃ ἰσχὺς πολλή (9 a ?)
— 6. A B S² οἴκοις δικαίων ἰσχὺς πολλή (9 a)
— 29 (16. 8). πολλὰ γενήματα μετὰ ἀδικίας (9 b)
16. 21. οἱ δὲ γλυκεῖς ἐν λόγῳ πλείονα [A πλεῖον] ἀκούσονται (20 e)
17. 1. A S οἶκος πλήρης [B om.] πολλῶν ἀγαθῶν †
19. 1 (4). πλούτος προστίθησι φίλους πολλούς (9 a)
— 6. πολλοὶ θεραπεύουσι πρόσωπα βασιλέων (9 a)
— 7. ὁ πολλὰ κακοποιῶν τελεσιουργεῖ κακίαν –
— 19. A R κακόφρων ἀνὴρ πολλὰ [B S om.] ζημιωθήσεται –
— 21. πολλοὶ λογισμοὶ ἐν καρδίᾳ ἀνδρός (9 a)
22. 1. αἱρετώτερον ὄνομα καλὸν ἢ πλοῦτος πολύς (9 a)
— 16. ὁ συκοφαντῶν πένητα πολλὰ ποιεῖ τὰ ἑαυτοῦ [A S² ἑ. κακά] (17 b)
23. 34. ὥσπερ κυβερνήτης ἐν πολλῷ κλύδωνι †
25. 27. ἐσθίειν μέλι πολὺ οὐ καλόν (9 e)
26. 10. πολλὰ χειμάζεται πᾶσα σὰρξ ἀφρόνων (9 a)
— 20. ἐν πολλοῖς ξύλοις θάλλει πῦρ †
28. 12. πολλὴ γίνεται δόξα (9 a)
— 20. ἀνὴρ ἀξιόπιστος [A -ότερος] πολλὰ εὐλογηθήσεται (9 a)
— 27. ἐν πολλῇ ἀπορίᾳ ἔσται (9 a)
29. 16. πολλῶν ὄντων ἀσεβῶν πολλαὶ γίνονται ἁμαρτίαι (9 d, 9 d)
— 26. πολλοὶ θεραπεύουσι πρόσωπα ἡγουμένων (9 a)
31. 29. πολλαὶ θυγατέρες ἐκτήσαντο πλοῦτον πολλαὶ ἐποίησαν δύναμιν (9 a, –)
Ec. 1. 16. καρδία μου εἶδε πολλά (9 e)
2. 7. κτῆσις . . . πολλὴ [S¹ om.] ἐγένετό μοι (9 e)
5. 6. ἐν πλήθει ἐνυπνίων . . . καὶ λόγων π. (9 e)
— 11. εἰ ὀλίγον καὶ εἰ πολὺ φάγεται (9 e)
— 16. πᾶσαι [S¹ om.] αἱ ἡμ. αὐ. ἐν . . . θυμῷ π. (9 e)
— 19. B² R οὐ πολλὰ [A S πολλάς, B¹ ἀλλὰ] μνησθήσεται τὰς ἡμέρας (9 e)
6. 1. ἔστι πονηρία . . . καὶ πολλή ἐστιν (9 a)
— 3. καὶ ἔτη πολλὰ ζήσεται (9 a)
— 11. εἰσὶ λόγοι [S ὀλίγοι] π. πληθύνοντες ματαιότητα (9 e)
7. 17 (16). μὴ γίνου δίκαιος πολύ [S ἐπὶ π.] (9 e [16 b])
— 18 (17). μὴ ἀσεβήσῃς πολύ (9 e)
— 23 (22). A B S² καθόδους πολλὰς [S¹ πολλὰ] κακώσει καρδίαν [B -ία] σου (9 a)
— 30 (29). αὐτοὶ ἐζήτησαν λογισμοὺς π. (9 a)
8. 6. γνῶσις τοῦ ἀνθρώπου πολλὴ ἐπ' αὐτόν (9 a)
9. 18. ἁμαρτάνων εἷς ἀπολέσει ἀγαθωσύνην π. (9 e)
11. 8. ἐὰν ἔτη π. ζήσεται ὁ ἄνθρωπος (9 e)
— 8. τὰς ἡμ. τοῦ σκότους ὅτι πολλαὶ ἔσονται (9 e)
12. 10 (9). πολλὰ ἐζήτησεν ἐκκλησιαστής (9 e)
— 12. τοῦ [S¹ om.] ποιῆσαι βιβλία π. (9 e)
— 12. μελέτη π. κόπωσις σαρκός (9 e)
Ca. 7. 4 (5). ἐν πύλαις θυγατρὸς πολλῶν (9 a)
8. 7. ὕδωρ π. οὐ δυνήσεται σβέσαι τὴν ἀγάπην (9 a)
Wi. 5. 1. στήσεται ἐν παρρησίᾳ π. ὁ δίκαιος
8. 12. λαλοῦντος ἐπὶ πλεῖον
10. 18. διήγαγεν αὐτοὺς δι' ὕδατος πολλοῦ
12. 18. μετὰ πολλῆς φειδοῦς διοικεῖς ἡμᾶς
16. 17. πλεῖον [S πλέον] ἐνήργει τὸ πῦρ
17. 13. πλείονα λογίζεται τὴν [S ἀναλογ.] ἄγνοιαν τῆς . . . αἰτίας
18. 20. οὐκ ἔπι πολὺ ἔμεινεν ἡ ὀργή
Si. *prol.* 1. πολλῶν καὶ μεγάλων ἡμῖν διὰ τοῦ νόμου . . . δεδομένων
— 7. ἐπὶ πλείον [S πλέον] ἑαυτὸν δοὺς εἴς τε τὴν τοῦ νόμου . . . ἀνάγνωσιν
— 11. ὅπως οἱ φιλομαθεῖς . . . πολλῷ μᾶλλον ἐπιπροσθῶσι [S ἔτι προσθήσουσιν]
— 23. πολλὴν γὰρ [A om.] ἀγρυπνίαν . . . προσενεγκάμενος
1. 23. A S χείλη πολλῶν [B πιστῶν] ἐκδιηγήσεται σύνεσιν αὐτοῦ
2. 18. S² οὕτως καὶ π. [A B S¹ om.] τὸ ἔλεος αὐ.
3. 18. S² πολλοὶ εἰσιν ὑψηλοὶ καὶ ἐπίδοξοι
— 23. πλείονα γὰρ συνέσεως ἀνθρώπων ὑπεδείχθη σοι
— 24. πολλοὺς γὰρ ἐπλάνησεν ἡ ὑπόληψις αὐτῶν
5. 6. ὁ οἰκτιρμὸς αὐτοῦ πολύς
6. 6. οἱ εἰρηνεύοντές σοι ἔστωσαν πολλοί
Si. 6. 22. σοφία . . . οὐ πολλοῖς ἐστι φανερά
8. 2. πολλοὺς γὰρ ἀπώλεσε τὸ χρυσίον
9. 8. ἐν κάλλει γυναικὸς πολλοὶ ἐπλανήθησαν
11. 5. πολλοὶ τύραννοι ἐκάθισαν ἐπὶ ἐδάφους
— 6. πολλοὶ δυνάσται ἠτιμάσθησαν σφόδρα
— 10. μὴ περὶ πολλὰ ἔστωσαν αἱ πράξεις σου
— 13. ἀπεθαύμασαν ἐπ' αὐτῷ πολλοί
— 29. πολλὰ γὰρ τὰ ἔνεδρα τοῦ δολίου
12. 16. B² πολλὰ ψιθυρίσει
— 18. πολλὰ διαψιθυρίσει
13. 11. μὴ πίστευε τοῖς πλείοσι λόγοις αὐτοῦ
— 11. ἐκ πολλῆς γὰρ λαλιᾶς πειράσει σε
— 22. πλουσίου σφαλέντος πολλοὶ ἀντιλήπτορες
15. 18. πολλὴ σοφία τοῦ κυρίου
16. 5. πολλὰ τοιαῦτα ἑώρακα [S al.]
— 12. κατὰ τὸ π. ἔλεος αὐτοῦ οὕτως καὶ πολὺς ὁ ἔλεγχος αὐτοῦ
— 17. ἐν λαῷ πλείονι οὐ μὴ μνησθῶ [A S γνωσθῶ]
— 21. τὰ δὲ πλείονα τῶν ἔργων αὐ. ἐν ἀποκρύφοις
18. 9. ἀριθμὸς ἡμερῶν ἀνθρώπου πολλὰ ἔτη ἑκατόν
— 32. μὴ εὐφραίνου ἐπὶ πολλῇ τρυφῇ
20. 5. ἔστι μισητὸς ἀπὸ πολλῆς λαλιᾶς
— 12. ἔστιν ἀγοράζων πολλὰ ὀλίγου
— 14. οἱ γὰρ ὀφθαλμοὶ αὐτοῦ ἀνθ' ἑνὸς πολλοί
— 15. ὀλίγα δώσει καὶ πολλὰ ὀνειδίσει
27. 1. χάριν ἀδιαφόρου [S¹ διαφ.] πολλοὶ ἥμαρτον
— 24. πολλὰ ἐμίσησα
28. 13. πολλοὺς γὰρ εἰρηνεύοντας ἀπώλεσαν
— 14. γλῶσσα τρίτη πολλοὺς ἐσάλευσε
— 18. πολλοὶ ἔπεσαν ἐν στόματι μαχαίρας
29. 4. πολλοὶ ὡς εὕρεμα ἐνόμισαν δάνος
— 7. πολλοὶ χάριν πονηρίας ἀπέστρεψαν
— 18. ἐγγύη πολλοὺς ἀπώλεσε κατευθύνοντας
30. 23. πολλοὺς γὰρ ἀπέκτεινεν
— 37 (33. 27). πολλὴν γὰρ κακίαν ἐδίδαξεν ἡ ἀργία
31 (34). 7. πολλοὺς ἐπλάνησε τὰ ἐνύπνια
— 9. ἀνὴρ πεπαιδευμ. [S πεπλανημ.] ἔγνω πολλά
— 11. πολλὰ ἑώρακα ἐν τῇ ἀποπλανήσει μου
— 11. πλείονα τῶν λόγων μου σύνεσίς μου
— 14. A ὁ φοβούμενος κύριον πολλὰ [B οὐ μή, S οὐδὲν] εὐλαβηθήσεται
— 23 τί ὠφέλησαν [A -εν] πλεῖον ἢ κόπους
34 (31). 6. πολλοὶ ἐδόθησαν εἰς πτῶμα
— 12. πολλά γε τὰ ἐπ' αὐτῆς
— 18. εἰ ἀνὰ μέσον πλειόνων ἐκάθισας
— 25. πολλοὺς γὰρ ἀπώλεσεν ὁ οἶνος
— 29. οἶνος πινόμενος [A γιν.] πολὺς ἐν ἐρεθισμῷ
35 (32). 8. ἐν ὀλίγοις πολλά
— 9. ἑτέρου λέγοντος μὴ πολλὰ ἀδολέσχει
37. 11. οἰκέτῃ ἀργῷ περὶ πολλῆς ἐργασίας
— 19. ἔστιν ἀνὴρ . . . πολλῶν παιδευτής
— 30. ἐν π. γὰρ βρώμασιν ἔσται πόνος
— 31. δι' ἀπληστίαν πολλοὶ ἐτελεύτησαν
39. 9. αἰνέσουσι τὴν σύνεσιν αὐτοῦ πολλοί
42. 4. περὶ κτήσεως πολλῶν καὶ ὀλίγων
— 5. περὶ παιδείας τέκνων πολλῆς
— 6. ὅπου χεῖρες πολλαὶ κλεῖσον
— 11. μή ποτε . . . αἰσχύνῃ σε ἐν πλήθει πολλῶν
43. 27. πολλὰ ἐροῦμεν καὶ οὐ μὴ ἀφικώμεθα
— 32. πολλὰ ἀπόκρυφά ἐστι μείζονα τούτων
44. 2. πολλὴν δόξαν ἔκτισεν ὁ κύριος
45. 9. ἐκύκλωσεν αὐτὸν . . . χρυσοῖς κώδωσι πλείστοις
49. 13. AS²R Νεεμίου [B S¹ νέμουσιν] ἐπὶ πολὺ τὸ μνημόσυνον
50. 18. ἐν πλείστῳ οἴκῳ [S² ἤχῳ] ἐγλυκάνθη μέλος
51. 3. ἐκ πλειόνων θλίψεων ὧν ἔσχον
— 16. πολλὴν εὗρον ἐμαυτῷ παιδείαν
— 27. εὗρον ἐμαυτῷ πολλὴν ἀνάπαυσιν
— 28. μετάσχετε παιδείας ἐν π. ἀριθμῷ ἀργυρίου καὶ π. χρυσὸν κτήσασθε ἐν αὐτῇ
Ho. 3. 3. ἡμέρας πολλὰς καθήσῃ ἐπ' ἐμοί (9 a)
— 4. ἡμέρας πολλὰς καθήσονται οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (9 a)
Am. 3. 9. ἴδετε θαυμαστὰ πολλὰ ἐν μέσῳ αὐτῆς (9 a)
— 15. προστεθήσονται ἕτεροι οἶκοι π. (9 a)
5. 12. ἔγνων πολλὰς ἀσεβείας ὑμῶν (9 a)
6. 2. εἰ πλέονα [A πλείονα] τὰ ὅρια αὐ. ἐστι (9 a)
7. 4. κατέφαγε τὴν ἄβυσσον τὴν π. (9 a)
8. 3. πολὺς ὁ πεπτωκὼς ἐν παντὶ τόπῳ (9 a)
Mi. 4. 2. πορεύσονται ἔθνη πολλά (9 a)
— 3. κρινεῖ ἀνὰ μέσον λαῶν π. (9 a)
— 11. ἐπισυνήχθη ἐπὶ σὲ ἔθνη π. (9 a)
— 13. κατατήξεις λαοὺς π. (9 a)
5. 7 (6), 8 (7). ἐν μέσῳ λαῶν π. (9 a)
Jl. 2. 2. χυθήσεται ἐπὶ τὰ ὄρη λαὸς π. (9 a)
— 5. ὡς λαὸς π. καὶ ἰσχυρός (8)

Jl. 2. 11. πολλή ἐστι σφόδρα ἡ παρεμβολὴ αὐ. (9 a)
Jn. 4. 11. ἐν ᾗ κατοικοῦσι πλείους ἢ δώδεκα μυριάδες ἀνθρώπων . . . καὶ κτήνη πολλά (20 d, 9 a)
Na. 1. 12. κύριος κατάρχων ὑδατῶν π. (9 a)
Hb. 2. 8. ἐσκύλευσας ἔθνη π. (9 a)
— 10. συνεπέρανας λαοὺς π. (9 a)
— 13. ἔθνη π. ὠλιγοψύχησαν –
— 14. A ὡς ὕδωρ π. [B S om.] κατακαλύψει αὐτούς –
3. 15. τοὺς ἵππους σου ταράσσοντας ὕδωρ π. [S³ ὕδατα π.] (9 a)
Ze. 3. 12. A ὑπολείψομαι ἐν σοὶ λαὸν π. [B S πραΰν] †
Hg. 1. 6. ἐσπείρατε πολλά (9 e)
— 9. ἐπεβλέψατε εἰς πολλά (9 e)
Za. 2. 11 (15). καταφεύξονται ἔθνη π. (9 a)
8. 20. ἥξουσι λαοὶ π. καὶ κατοικοῦντες πόλεις π. [S² om. π. π.] (–, 9 a)
— 22. ἥξουσι λαοὶ π. καὶ ἔθνη π. (9 a, 8)
10. 8. πληθυνθήσονται καθότι ἦσαν πολλοί (14 b)
Ma. 2. 6. πολλοὺς ἐπέστρεψεν ἀπὸ ἀδικίας (9 a)
— 8. ἠσθενήσατε πολλοὺς ἐν νόμῳ (9 a)
3. 14. τί πλέον [S πλεῖον] ὅτι ἐφυλάξαμεν (20 a)
Is. 2. 3. πορεύσονται ἔθνη πολλά (9 a)
— 4. S κρινεῖ ἀνὰ μέσον ἐθνῶν πολλῶν [A B τῶν ἐ.] –
— 4. ἐξελέγξει [A ἐλ.] λαὸν πολύν (9 a)
— 6. τέκνα πολλὰ ἀλλόφυλα –
5. 9. ἐὰν γὰρ γένωνται οἰκίαι πολλαί (9 a)
7. 22. ἀπὸ τοῦ πλεῖστον ποιεῖν γάλα (24 b)
8. 7. ἀνάγει ἐφ' ὑμᾶς τὸ ὕδωρ τοῦ ποταμοῦ τὸ ἰσχυρὸν καὶ τὸ π. (9 a)
— 15. ἀδυνατήσουσιν ἐν αὐτοῖς πολλοί (9 a)
9. 3 (2). τὸ πλείστον τοῦ λαοῦ ὁ κατήγαγες (24 a)
11. 9. ὡς ὕδωρ πολὺ κατακαλύψαι θαλάσσας –
13. 4. φωνὴ ἐθνῶν πολλῶν . . . ὁμοία ἐθνῶν πολλῶν [S¹ om. ὁ. ἐ. π.] (3?, 9 a)
— 20. διὰ πολλῶν γενεῶν †
14. 11. ἡ π. εὐφροσύνη σου †
— 19. μετὰ πολλῶν τεθνηκότων †
16. 2 (3). Ἀρνῶν πλείονα βουλεύου †
— 14. παντὶ [A S ἐν π.] τῷ πλούτῳ τῷ π. (9 a)
17. 4. A²S τὰ πλείονα [A¹B πίονα] τῆς δόξης αὐ. σεισθήσεται †
— 12. οὐαὶ πλῆθος ἐθνῶν πολλῶν . . . νῶτος ἐθνῶν πολλῶν ὡς ὕδωρ ἠχήσει (9 a, –)
— 13. ὡς ὕδωρ πολὺ ἔθνη πολλὰ ὡς ὕδατος πολλοῦ βίᾳ φερομένου (–, –, 9 a)
21. 7. ἀκρόασαι ἀκρόασιν πολλήν (9 a)
22. 9. εἴδοσαν ὅτι πλείους εἰσί (21)
23. 3. διαπερῶντες τὴν θάλ. ἐν ὕδατι π. (9 a)
— 16. πολλὰ ᾖσον (9 e)
24. 22. διὰ π. γενεῶν ἐπισκοπὴ ἔσται (9 b)
27. 10. ἔσται πολὺν χρόνον εἰς βόσκημα †
— 11. S μετὰ π. [A B om.] χρόνον –
28. 2. ὡς ὕδατος πολὺ πλῆθος (5)
30. 17. διὰ φωνὴν πέντε φεύξονται πολλοί –
— 25. ὅταν ἀπόλωνται πολλοί (9 a)
— 27. A S διὰ χρόνου ἔρχεται πολλοῦ [B om.] (18 a)
— 33. πῦρ καὶ ξύλα πολλά (9 e)
31. 1. ἔστι γὰρ πολλά (9 a)
33. 23. πολλοὶ χωλοὶ προνομὴν ποιήσουσι (9 e)
34. 10. B S εἰς χρόνον πολὺν . . . κατοικήσουσιν (19)
36. 2. μετὰ δυνάμεως πολλῆς (4 a)
40. 26. καλέσει ἀπὸ πολλῆς [A τῆς π., S¹ πάσης] δόξης (9 b)
43. 4. A S δώσω ἀνθρώπους πολλοὺς [B om.] ὑπὲρ σοῦ –
47. 12. στῆθι . . . ἐν τῇ π. φαρμακείᾳ σου (9 b)
49. 1. διὰ χρόνου πολλοῦ στήσεται (18 b)
52. 14. ἐκστήσονται ἐπὶ σὲ πολλοί (9 a)
— 15. θαυμάσονται ἔθνη πολλὰ ἐπ' αὐτῷ (9 a)
53. 11. δικαιῶσαι δίκαιον εὖ δουλεύοντα πολλοῖς (9 a)
— 12. αὐτὸς κληρονομήσει πολλούς (9 a)
— 12. ἁμαρτίας πολλῶν ἀνήνεγκε (9 a)
54. 1. πολλὰ τὰ τέκνα τῆς ἐρήμου (9 a)
— 13. ἐν πολλῇ εἰρήνῃ τὰ τέκνα σου (9 a)
55. 7. ἐπὶ πολὺ ἀφήσει τὰς ἁμαρτίας ὑμῶν (16 b)
57. 8. ἐὰν ἀπ' ἐμοῦ ἀποστῇς πλείόν τι ἕξεις †
— 9. πολλοὺς ἐποίησας τοὺς μακρὰν ἀπὸ σοῦ (17 b)
59. 12. πολλὴ γὰρ ἡμῶν ἡ ἀνομία [S² al.] (9 c)
Is. 66. 16. πολλοὶ τραυματίαι ἔσονται ὑπὸ κυρίου (14 a)
Je. 2. 12. ἔφριξεν ἐπὶ πλεῖον [S -ω] σφόδρα †
3. 1. ἐξεπόρνευσας ἐν ποιμέσι πολλοῖς (9 a)
— 3. ἔσχες ποιμένας πολλοὺς εἰς πρόσκομμα [S¹ al.] †
12. 10. ποιμένες πολλοὶ διέφθειραν τὸν ἀμπελῶνά μου (9 a)
13. 6. μεθ' ἡμέρας πολλάς (9 a)
— 9. φθερῶ . . . τὴν π. ταύτην ὕβριν (9 a)
14. 7. πολλαὶ αἱ ἁμαρτίαι ἡμῶν (9 c)
16. 16. ἀποστέλλω τοὺς ἁλιεῖς τοὺς [S om.] π. (9 a)
— 16. ἀποστέλλω τοὺς π. [A σοφοὺς] θηρευτάς (9 a)
20. 10. ἤκουσα ψόγον πολλῶν συναθροιζομένων (9 a)
23. 14. ἑώρακα . . . ἀντιλαμβανομένους χειρῶν πολλῶν [A πονηρῶν] †
27 (50). 29. παραγγείλατε ἐπὶ Βαβ. πολλοῖς (9 a)
— 41. βασιλεῖς πολλοὶ ἐξεγερθήσονται (9 a)
28 (51). 13. κατασκηνοῦντας ἐφ' ὕδασι π. (9 a)
— 55. φωνὴν μεγάλην ἠχοῦσαν ὡς ὕδατα πολλά (9 a)
35 (28). 8. ἐπροφήτευσαν ἐπὶ γῆς πολλῆς (9 a)
38 (31). 8. τεκνοποιήσει ὄχλον πολύν (2)
39 (32). 14. ἵνα διαμείνῃ ἡμέρας πλείους (20 b)
42 (35). 7. ὅπως ἂν ζήσητε ἡμέρας πολλάς (9 a)
43 (36). 32. προστέθησαν αὐτῷ λόγοι πλείονες (20 b)
44 (37). 16. ἐκάθισεν ἐκεῖ ἡμέρας πολλάς (9 a)
47 (40). 12. συνήγαγον . . . ὀπώραν π. (9 e)
48 (41). 12. εὗρον αὐτὸν ἐπὶ ὕδατος πολλοῦ (9 a)
49 (42). 2. κατελείφθημεν ὀλίγοι ἀπὸ πολλῶν (9 e)
Ba. 1. 12. δουλεύσομεν αὐτοῖς ἡμέρας πολλάς
2. 29. ἡ βόμβησις ἡ μεγάλη ἡ π. αὖτη ἀποστρέψει
4. 12. μηδεὶς ἐπιχαιρέτω μοι τῇ χήρᾳ καὶ καταλειφθείσῃ ὑπὸ πολλῶν
— 35. κατοικισθήσεται ὑπὸ δαιμονίων τὸν πλείονα χρόνον
La. 1. 22. πολλοὶ οἱ στεναγμοί μου (9 a)
3. 23. R πολλὴ ἡ πίστις σου (9 a)
Ep. Je. 3. ἔσεσθε ἐκεῖ ἔτη πλείονα
— 13. ὅς ἐστι πλείω [? -ων] ἐπ' αὐτοῖς
— 19. λύχνους καίουσι καὶ πλείους ἢ ἑαυτοῖς [A πλείονας αὐ.]
Ez. 1. 24. ἤκουον . . . ὡς φωνὴν ὕδατος πολλοῦ (9 a)
3. 6. οὐδὲ πρὸς λαοὺς πολλοὺς ἀλλοφώνους (9 a)
9. 9. ἐπλήσθη ἡ γῆ λαῶν πολλῶν –
12. 27. ἡ ὅρασις ἣν οὗτος ὁρᾷ εἰς ἡμέρας π. (9 a)
16. 41. ποιήσουσιν ἐν σοὶ ἐκδικήσεις ἐνώπιον γυναικῶν πολλῶν (9 a)
17. 5. ἔδωκεν αὐτὸ . . . φυτὸν ἐφ' ὕδατι πολλῷ (9 a)
— 7. ἐγένετο ἀετὸς ἕτερος μέγας . . . π. ὄνυξι (9 a)
— 8. ἐφ' ὕδατι πολλῷ αὕτη πιαίνεται (9 a)
— 9. οὐδὲ ἐν λαῷ πολλῷ (9 a)
— 15. τοῦ δοῦναι αὐτῷ ἵππους καὶ λαὸν πολύν (9 a)
— 17. οὐδὲ ἐν ὄχλῳ π. ποιήσει . . . πόλεμον (9 a)
19. 10. ὁ βλαστὸς αὐ. ἐγένετο ἐξ ὕδατος π. (9 a)
22. 5. ἡ ὀνομαστὴ καὶ π. ἐν ταῖς ἀνομίαις (9 a)
24. 12. οὐ μὴ ἐξέλθῃ ἐξ αὐτῆς π. ὁ ἰὸς αὐτῆς (9 a)
— 14. ἡ ὀνομαστὴ καὶ πολλὴ τοῦ παραπικραίνειν –
26. 3. ἀνάξω ἐπὶ σὲ ἔθνη πολλά (9 a)
— 7. καὶ συναγωγῆς ἐθνῶν πολλῶν [A σ. πολλῆς ἐ.] σφόδρα (9 a)
— 19. κατακαλύψει σε ὕδωρ πολύ (9 a)
27. 3. ἐρεῖς . . . ἀπὸ νήσων πολλῶν (9 a)
— 26. ἐβαρύνθης σφόδρα . . . ἐν ὕδατι πολλῷ (9 a)
28. 5. ἐν τῇ π. ἐπιστήμῃ σου (9 b)
29. 15. τοῦ μὴ εἶναι αὐτοὺς πλείονας †
31. 5. ἐπλατύνθησαν οἱ κλάδοι αὐτοῦ ἀφ' [A ἐφ'] ὕδατος πολλοῦ (9 a)
— 7. ἐγενήθησαν αἱ ῥίζαι αὐ. εἰς ὕδωρ π. (9 a)
32. 3. περιβαλῶ ἐπὶ σὲ δίκτυα [A δίκτυόν μου καὶ ἐν ἐκκλησίᾳ] λαῶν πολλῶν (9 a)
— 9. παροργιῶ καρδίαν λαῶν πολλῶν (9 a)
— 10. στυγνάσουσιν ἐπὶ σὲ ἔθνη π. [A om.] (9 a)
— 13. ἀπολῶ πάντα τὰ κτήνη αὐ. ἀφ' ὕδατος π. (9 a)
33. 24. ἡμεῖς πλείους ἐσμέν (20 b)
37. 2. πολλὰ σφόδρα ἐπὶ προσώπου τοῦ πεδίου (9 a)
— 10. ἔστησαν . . . συναγωγὴ πολλὴ [A μεγάλη] σφόδρα (2)
38. 4. συνάξω . . . πάντας συναγωγῇ πολλῇ (9 a)
— 6. ἔθνη πολλὰ μετὰ σοῦ (9 a)
— 8. ἀφ' ἡμερῶν πλειόνων [A add. ἐτῶν] ἑτοιμασθήσεται (20 b)
— 8. συνηγμένων ἀπὸ ἐθνῶν πολλῶν (9 a)
— 9. ἔθνη πολλὰ μετὰ σοῦ (9 a)
— 12. ἐπ' ἔθνος συνηγμένον ἀπὸ ἐθνῶν πολλῶν –
— 15. ἔθνη πολλὰ μετὰ σοῦ (9 a)
— 15. συναγωγὴ μεγάλη καὶ δύναμις πολλή (9 a)
Ez. 38. 22. βρέξω . . . ἐπ' ἔθνη πολλὰ μετ' αὐτοῦ (9 a)
— 23. γνωσθήσομαι ἐναντίον ἐθνῶν πολλῶν (9 a)
39. 27. A ἁγιασθήσομαι . . . ἐνώπιον ἐθνῶν πολλῶν [B ἐν. τῶν ἐ.] (9 a)
43. 2. ὡς φωνὴ διπλασιαζόντων πολλῶν (9 a)
47. 7. ἐπὶ τοῦ χείλους τοῦ ποτ. δένδρα π. (9 a)
— 9. ἔσται ἐκεῖ ἰχθὺς π. σφόδρα (9 a)
— 10. οἱ ἰχθύες αὐ. . . . πλῆθος π. σφόδρα (9 a)
Da. LXX. 2. 48. δοὺς δωρεὰς μεγάλας καὶ π. (12)
3. (36). πολὺ πληθῦναι [? πολυπλ.] τὸ σπέρμα αὐ.
4. 9. ὁ καρπὸς αὐ. π. καὶ ἀγαθός (12)
— 32. ὕπνος με ἔλαβε πολύς –
7. 5. κατάφαγε σάρκας π. (12)
— 8. καὶ βουλαὶ π. ἐν τοῖς κέρασιν αὐ. –
8. 25. δόλῳ ἀφανιεῖ πολλούς (9 a)
— 26. ἔτι γὰρ εἰς ἡμέρας π. (9 a)
— 27. ἀσθενήσας ἡμέρας π. –
9. 27. δυναστεύσει ἡ διαθήκη εἰς πολλούς (9 a)
— 27. ἐπὶ π. ἑβδομάδας –
11. 3. κυριεύσει κυρείας π. (9 a)
— 10. συνάξει συναγωγὴν ὄχλου πολλοῦ (9 a)
— 11. παροξυνθήσεται ἐπὶ πολύ –
— 11. στήσει ὄχλον πολύν (9 a)
— 12. ταράξει πολλούς (9 f)
— 13. ἐν ὄχλῳ π. καὶ ἐν χρήμασι π. (2, 9 a)
— 18. καὶ λήψεται πολλούς (9 a)
— 25. ἐγερθήσεται . . . ἐν ὄχλῳ π. (2)
— 26. καὶ πεσοῦνται τραυματίαι π. (9 a)
— 28. ἐπιστρέψει . . . ἐν χρήμασι π. (2)
— 33. συνήσουσιν εἰς πολλούς (9 a)
— 34. ἐπισυναχθήσονται . . . πολλοὶ ἐπὶ πόλεως καὶ πολλοὶ ὡς ἐν κληροδοσίᾳ (–, 9 a)
— 39. κατακυριεύσει αὐτοῦ ἐπὶ πολύ (9 a)
— 40. ἐν ἵπποις π. καὶ ἐν πλοίοις π. (–, 9 a)
— 41. καὶ πολλαὶ σκανδαλισθήσονται (9 a)
— 44. καὶ ἀποκτεῖναι πολλούς (9 a)
12. 2. πολλοὶ τῶν καθευδόντων (9 a)
— 4. ἕως ἂν ἀπομανῶσιν οἱ π. (9 a)
— 10. ἕως ἂν . . . ἁγιασθῶσι πολλοί (9 a)
Da. TH. 2. 6. τιμὴν π. λήψεσθε παρ' ἐμοῦ (12)
— 12. B² ἐν θυμῷ καὶ ὀργῇ πολλῇ [A B¹ om.] (12)
— 48. A δόματα πολλὰ καὶ [B om. π. κ.] μέγαλα καὶ π. ἔδωκεν αὐτῷ (9 g?, 12)
4. 7. τὸ ὕψος αὐ. πολύ (12)
— 9, 18. καὶ ὁ καρπὸς αὐ. πολύς (12)
5. 9. A ὁ βασ. B. πολὺ [B om.] ἐταράχθη (12)
6. 14 (15). πολὺ ἐλυπήθη ἐπ' αὐτῷ (12)
— 23 (24). ὁ βασ. πολὺ ἠγαθύνθη ἐπ' αὐτῷ (12)
7. 5. φάγε σάρκας π. (12)
— 28. οἱ διαλογισμοί μου ἐπὶ πολὺ συνετάρασσόν με (16 d)
8. 25. δόλῳ διαφθερεῖ πολλούς (9 a)
— 25. ἐπὶ ἀπωλείας πολλῶν στήσεται †
— 26. ὅτι εἰς ἡμέρας π. (9 a)
9. 18. ἐπὶ τοὺς οἰκτιρμούς σου τοὺς π. (9 a)
— 27. δυναμώσει διαθήκην πολλοῖς (9 a)
— 27. A B² δυναμώσει διαθήκην πολλοῖς (9 a?)
11. 3. κυριεύσει κυρείας πολλῆς (9 a)
— 5. κυριεύσει κυρείαν π. [A κυριείας πολλῆς] (9 a)
— 10. συνάξουσιν ὄχλον ἀνὰ μέσον πολλῶν [A ὃ. δυνάμεων πολλῶν] (9 a)
— 11. στήσει ὄχλον π. (9 a)
— 13. ἄξει ὄχλον π. ὑπὲρ τὸν πρότερον (9 a)
— 13. καὶ ἐν ὑπάρξει π. (9 a)
— 14. πολλοὶ ἐπαναστήσονται ἐπὶ βασιλέα τοῦ νότου (9 a)
— 18. καὶ συλλήψεται πολλάς (9 a)
— 24. A ἐν πλείοσιν [B πίοσι] χώραις ἥξει †
— 26. πεσοῦνται τραυματίαι π. (9 a)
— 28. ἐν ὑπάρξει π. (2)
— 33. συνήσουσιν εἰς πολλά (9 a)
— 34. προστεθήσονται πρὸς αὐτοὺς πολλοί (9 a)
— 39. ὑποτάξει αὐτοῖς πολλούς (9 a)
— 40. ἐν ἱππεῦσι καὶ ἐν ναυσὶ π. (9 a)
— 41. πολλοὶ ἀσθενήσουσι (9 a)
— 44. ἥξει ἐν θυμῷ πολλῷ τοῦ ἀφανίσαι πολλούς (2, 9 a)
12. 2. πολλοὶ τῶν καθευδόντων (9 a)
— 3. καὶ ἀπὸ τῶν δικαίων τῶν π. (9 a)
— 4. ἕως διδαχθῶσι πολλοί (9 a)
— 10. καὶ ἁγιασθῶσι πολλοί [B¹ al.] (9 a)
I Ma. 1. 2. συνεστήσατο πολέμους π.
— 2. R ἐκρατήσατο ὀχυρωμάτων π. [A S om.]
— 9. καὶ οἱ υἱοὶ αὐ. ὀπίσω αὐτῶν ἔτη πολλά
— 11. καὶ ἀνέπεισαν πολλούς

I Ma. 1. 11. εὗρεν ἡμᾶς κακὰ π.
— 18. ἔπεσον [S¹ ἔφυγον] τραυματίαι π.
— 30. ἀπώλεσε λαὸν π. ἐξ Ἰσρ.
— 43. πολλοὶ ἀπὸ Ἰσρ. εὐδόκησαν
— 47. S¹ καὶ θύειν . . . κτήνη πολλά [A S² R κοινά]
— 52. συνηθροίσθησαν . . . πρὸς αὐτοὺς πολλοί
— 62. πολλοὶ ἐν Ἰσρ. ἐκραταιώθησαν
2. 16. πολλοὶ ἀπὸ Ἰσρ. πρὸς αὐτοὺς προσῆλθον
— 18. δοξασθήσεσθε . . . ἀποστολαῖς π.
— 29. κατέβησαν πολλοὶ ζητοῦντες δικαιοσύνην
— 32. ἔδραμον ὀπίσω αὐτῶν πολλοί
3. 7. ἐπίκρανε βασιλεῖς πολλούς
— 11. ἔπεσον τραυματίαι π.
— 18. συγκλεισθῆναι πολλοὺς ἐν χερσὶν ὀλίγων
— 18. σώζειν ἐν πολλοῖς ἢ ἐν ὀλίγοις
— 31. S R συναγαγεῖν ἀργύριον πολύ [A -ύν]
— 41. S R ἔλαβον . . . χρυσίον πολύ [A -ύν]
4. 23. S R ἔλαβον χρυσίον πολὺ καὶ ἀργ. [A χρ. κ. ἀ. πολύν]
5. 6. εὗρε . . . λαὸν π.
— 7. συνῆψε πρὸς αὐτοὺς πολέμους π.
— 21. συνῆψε πολέμους π. πρὸς τὰ ἔθνη
— 26. πολλοὶ ἐξ αὐτῶν συνειλημμένοι εἰσίν
— 30. καὶ ἰδοὺ λ. πολύς
— 38. δύναμις π. σφόδρα
6. 6. S R καὶ δυνάμει καὶ σκύλοις π.
— 9. ἦν ἐκεῖ ἡμέρας πλείους
— 31. S R ἐπολέμησαν ἡμέρας [A ἐπὶ ἡ.] π.
— 51. παρενέβαλεν ἐπὶ τὸ ἁγίασμα ἡμέρας π.
— 52. A R ἐπολέμησαν ἡμέρας π. [S om.]
7. 10, 11. ἦλθον μετὰ δυνάμεως π.
— 19. συνέλαβε πολλούς
— 27. ἦλθε N. εἰς Ἱερ. δυνάμει π.
8. 6. ἔχοντα . . . δύναμιν π. σφόδρα
— 10. ἔπεσον ἐξ αὐτῶν τραυματίαι π.
— 19. καὶ ἡ ὁδὸς π. σφόδρα
9. 2. ψυχὰς ἀνθρώπων πολλάς
— 6. ἴδον . . . ὅτι πολλοί εἰσι
— 6. ἐξερύησαν πολλοί
— 17. ἔπεσον τραυματίαι π.
— 20. ἐπένθουν ἡμέρας π.
— 22. A R πολλὰ [S -ὴ] γὰρ ἦν σφόδρα
— 35. A R τὴν ἀποσκευὴν [S παρασκ.] αὐ. τὴν π.
— 39. καὶ ἀποσκευὴ π.
— 39. μετὰ τυμπάνων . . . καὶ ὅπλων π.
— 40. ἔπεσον τραυματίαι π.
— 43. ἦλθε . . . ἐν δυνάμει π.
— 60. τοῦ ἐλθεῖν μετὰ δυνάμεως π.
— 64. ἐπολέμησεν αὐτὴν ἡμέρας π.
— 69. ἀπέκτειναν ἐξ αὐτῶν πολλούς
10. 2. συνήγαγε δυνάμεις π. σφόδρα
— 21. κατεσκεύασεν ὅπλα π.
— 28. ἀφήσομεν ὑμῖν ἀφέματα π.
— 60. ἔδωκεν αὐτοῖς . . . δόματα π.
— 77. παρενέβαλε . . . δύναμιν π.
— 87. ἔχοντες σκῦλα π.
11. 1. ἤθροισε δυνάμεις π. . . . καὶ πλοῖα π.
— 20. ἐποίησεν . . . μηχανὰς π.
— 24. S² R λαβὼν . . . ἕτερα ξένια πλείονα [S¹ πλείον, A al.]
— 40. ἔμεινεν ἐκεῖ ἡμέρας π.
— 48. ἐλάβοσαν σκῦλα π.
— 51. ἔχοντες σκῦλα π.
— 63. παρῆσαν . . . μετὰ δυνάμεως π.
— 65. ἐπολέμει αὐτὴν ἡμέρας π.
12. 10. π. γὰρ καιροὶ διῆλθον
— 13. ἡμᾶς δὲ ἐκύκλωσαν π. θλίψεις καὶ πόλεμοι π.
— 24. ἐπέστρεψαν . . . μετὰ δυνάμεως π.
— 42. πάρεστιν μετὰ δυνάμεως π.
— 45. A παραδώσω σοι . . . τὰς δυνάμεις τὰς π. [S R λοιπάς]
13. 1. συνήγαγε Τρ. δύναμιν π.
— 12. ἀπῆρε Τρ. . . . μετὰ δυνάμεως π.
— 22. ἦν χιὼν π. σφόδρα
— 26. ἐπένθησαν αὐτὸν ἡμέρας π.
14. 7. συνήγαγεν αἰχμαλωσίαν π.
— 32. ἐδαπάνησε χρήματα π. τῶν ἑαυτοῦ
15. 4. καὶ τοὺς ἠρημωκότας πόλεις π.
— 29. A R ἐκυριεύσατε τόπων [S om.] πολλῶν
16. 5. δύναμις π. εἰς συνάντησιν αὐτοῖς
— 7. ἡ δὲ ἵππος τῶν ὑπεναντίων πολλὴ σφόδρα
— 8. ἔπεσον ἐξ αὐτῶν τραυματίαι π.
— 11. ἔσχεν . . . χρυσίον πολύ

II Ma. 1. 14. A χάριν τοῦ λαβεῖν τὰ χρήματα πλείονα [R om.]
II Ma. 1. 35. πολλὰ διάφορα ἐλάμβανε
— 36. καλεῖται δὲ παρὰ τοῖς π. N.
2. 27. διὰ τὴν τῶν π. εὐχαριστίαν
3. 26. πολλὰς ἐπιρριπτοῦντες αὐτῷ πληγάς
— 27. πολλῷ σκότει περιχυθέντα
— 28. τὸν ἄρτι μετὰ π. παραδρομῆς . . . εἰσελθόντα
— 33. R πολλὰς [A -ὰ] τῷ Ὀ. . . . χάριτας ἔχε
4. 35. πολλοὶ δὲ καὶ τῶν ἄλλων ἐθνῶν ἐδείναζον
— 37. διὰ τὴν . . . π. εὐταξίαν
— 39. γενομένων δὲ π. ἱεροσυλημάτων
— 39. χρυσωμάτων ἤδη πολλῶν διενηνεγμένων
— 42. πολλοὺς μὲν αὐτῶν τραυματίας ἐποίησαν
5. 16. A² ὑπὸ π. βασιλέων ἀνασταθέντα [A¹ R al.]
— 18. προενέχεσθαι πολλοῖς ἁμαρτήμασι
6. 1. μετ' οὐ πολὺν δὲ χρόνον
— 13. τὸ μὴ π. χρόνον ἐᾶσθαι τοὺς δυσσεβοῦντας
— 24. R πολλοὶ [A -οῖς] τῶν νέων ὑπολαβόντες Ἐλεάζαρον
— 31. τοῖς πλείστοις τοῦ ἔθνους τὸν ἑαυ. θάνατον ὑπόδειγμα . . . καταλείπων
7. 26. πολλὰ δὲ αὐτοῦ παραινέσαντος
8. 20. ὠφέλειαν πολλὴν ἔλαβον
— 24. R τὸ πλεῖστον [A πλεῖον] μέρος τῆς τοῦ N. στρατιᾶς
— 30. R λάφυρα πλεῖστα [A πλείονος] ἐμερίσαντο
— 32. καὶ πολλὰ τοὺς Ἰουδ. ἐπιλελυπηκότα
9. 6. πολλαῖς καὶ ξενιζούσαις συμφοραῖς
— 11. ἤρξατο τὸ π. τῆς ὑπερηφανίας λήγειν
— 19. τοῖς χρηστοῖς Ἰουδ. . . . πολλὰ χαίρειν
— 22. ἔχων π. ἐλπίδα
— 25. ὃν . . . τοῖς πλείστοις ὑμῶν παρακατετιθέμην
10. 23. ἀπώλεσεν . . . πλείους τῶν δισμυρίων
— 27. προῆγον ἀπὸ τῆς πόλεως ἐπὶ πλεῖον
11. 12. οἱ πλείονες δὲ αὐτῶν τραυματίαι γυμνοὶ διεσώθησαν
12. 12. ἐν πολλοῖς αὐτοὺς χρησίμους
— 19. ἀπώλεσαν . . . πλείους τῶν μυρίων ἀνδρῶν
— 24. μετὰ π. γοητείας ἐξαφεῖναι σῶον αὐτόν
— 24. διὰ τὸ πλειόνων μὲν γονεῖς ὧν δὲ ἀδελφοὺς ἔχειν
— 25. πιστώσαντος δὲ αὐτοῦ διὰ πλειόνων
— 27. βελῶν πολλαὶ παραθέσεις ὑπῆρχον
— 36. τῶν δὲ περὶ τὸν Ἔσδριν ἐπὶ πλεῖον μαχομένων
13. 3. παρεκάλει μετὰ π. εἰρωνείας τὸν Ἀντ.
— 8. ἐπεὶ γὰρ συνετελέσατο πολλὰ . . . ἁμαρτήματα
14. 20. πλείονος δὲ γενομένης περὶ τούτων ἐπισκέψεως
15. 14. ὁ πολλὰ προσευχόμενος περὶ τοῦ λαοῦ

III Ma. 1. 5. π. δὲ καὶ δοριαλώτους συλληφθῆναι
2. 6. ποικίλαις καὶ π. δοκιμάσας τιμωρίαις
— 13. διὰ τὰς π. καὶ μεγάλας ἡμῶν ἁμαρτίας
— 26. πολλοὺς τῶν φίλων ἀτενίζοντας
— 32. οἱ δὲ πλεῖστοι γενναίᾳ ψυχῇ ἐνίσχυσαν
3. 15. π. φιλανθρωπίᾳ τιθηνήσασθαι
— 16. ἀπονείμαντες προσόδους πλείστας
4. 18. καίπερ ὄντων ἔτι κατὰ τὴν χώραν τῶν πλειόνων
5. 2. οἴνῳ πλείονι ἀκράτῳ
— 10. πεπληρωμένους τῆς τοῦ οἴνου π. χορηγίας
— 12. τῆς ἀθέσμου μὲν προθέσεως πολὺ διεσφαλμένος
— 17. τὸ παρὸν τῆς συμποσίας ἐπὶ πολὺ γεραιρομένους
— 18. ἐπὶ πλεῖον δὲ προβαινούσης τῆς ὁμιλίας
6. 5. ἔκδηλον δεικνὺς ἔθνεσι πολλοῖς τὸ σὸν κράτος
7. 21. R πλείστην ἢ ἔμπροσθεν . . . ἐξουσίαν ἐσχηκότες [A al.]

IV Ma. 1. 8. πολὺ δὲ πλέον τοῦτο ἀποδείξαιμι
— 21. πολλαὶ δὲ καὶ . . . παθῶν εἰσιν ἀκολουθίαι
— 28. πολλαὶ τούτων τῶν παθῶν εἰσι παραφυάδες
2. 6. πολὺ πλέον πείσαιμ' ἂν ὑμᾶς
3. 7. πολλοὺς αὐτῶν ἀπέκτεινε
4. 3. πολλὰς ἰδιωτικῶν χρημάτων μυριάδας
— 10. A R πολὺν αὐτοῖς [S -ῶν] φόβον . . . ἐνιέντες
5. 4. πολλῶν δὲ συναρπασθέντων
— 4. καὶ πολλοῖς τῶν περὶ τὸν τύραννον . . . γνώριμος
7. 4. πολλοῖς καὶ ποικίλοις μηχανήμασιν ἀντέσχε
9. 30. A R πλεῖον [S πλέον] ἐμοῦ σε νῦν βασανίζεσθαι
10. 1. παρακαλούμενος πολλὰ ὑπὸ πολλῶν
IV Ma. 11. 3. ὅπως . . . περὶ πλειόνων ἀδικημάτων ὀφειλήσῃς . . . τιμωρίαν [S al.]
15. 7. διὰ π. τὰς καθ' ἕκαστον αὐτῶν ὠδῖνας
16. 8. πολλὰς ὑπέμεινα ὠδῖνας
18. 15. πολλαὶ αἱ θλίψεις τῶν δικαίων

[Aq. Nu. 16. 3 : Dt. 2. 21 : 3. 26 : III Ki. 4. 20 : 11. 1 : Jb. 1. 3 : Ps. 3. 2 : 30 (31). 20 : 31 (32). 6, 10 : 55 (56). 3 : 61 (62). 3 : 70 (71). 20 : 122 (123). 4 : Pr. 10. 21 : 28. 2 : Ec. 1. 3 : Is. 2. 3 : 9. 7 (6) : 16. 14 : 30. 25 : 33. 23 : Je. 6. 22 : 25. 14 : 28 (35). 8 : Ez. 17. 17 : Da. 9. 27 : 11. 41.]
[Sm. Le. 11. 22 : I Ki. 30. 16 : III Ki. 4. 20 : 11. 1 : II Ch. 30. 5 : Jb. 1. 3 : Ps. 15 (16). 4 : 30 (31). 14, 20 : 31 (32). 6, 10 : 39 (40). 6 : 43 (44). 13 : 55 (56). 3 : 67 (68). 12 : 70 (71). 7, 20 : 72 (73). 8 : 77 (78). 38 : 88 (89). 8 : 122 (123). 3, 4 : Ec. 1. 3 : 3. 19 : 5. 6 : 7. 17 (16) : 8. 6 : 9. 18 : 10. 4, 14 : Is. 2. 3 : 16. 14 : 30. 25 : 33. 23 : 42. 20 : 55. 7 : Je. 6. 22 : 25. 14 : 28 (35). 8 : Ez. 17. 17 : 23. 32 : Da. 9. 27.]
[Th. Le. 11. 22 : Nu. 16. 3 : III Ki. 11. 1 : Jb. 36. 28 : Pr. 28. 2 : Ec. 8. 6 : Is. 2. 3 : 16. 14 : Je. 6. 22 : 25. 14 : 40 (47). 7 : Ez. 17. 17 : Da. 8. (36) : 4. 7 : 8. 25, 26 : 9. 27 : 11. 5, 10, 11, 41, 44 : 12. 3, 4.]
[Al. Dt. 1. 6 : 2. 7 : Jb. 18. 11.]
[Quint. Ps. 61 (62). 3.]
[Sext. Ps. 31 (32). 4.]
[Heb. Ez. 43. 2.]

πολύστρεβλος.

[Al. Pr. 28. 16.]

πολυτελής. (1) יָקָר (2) כֶּתֶם (3) פִּוּךְ (4) λίθος π. כֶּתֶם (5) λίθοι π. *a.* פְּנִינִים *b.* פְּנִינִים

I Ch. 29. 2. λίθους π. καὶ ποικίλους (3)
I Es. 6. 9. διὰ λίθων ξυστῶν π.
Ju. 10. 21. ὁ ἦν ἐκ . . . λιθῶν π. καθυφασμένων
Es. 5. 1. ὅλος διὰ χρυσοῦ καὶ λίθων π.
Jb. 31. 24. εἰ δὲ καὶ λίθῳ πολυτελεῖ ἐπεποίθησα (4)
Pr. 1. 13. τὴν κτῆσιν [A κτίσιν] αὐτοῦ τὴν π. καταλαβώμεθα (1)
3. 15. τιμιωτέρα δέ ἐστι λίθων πολυτελῶν (5*a**, 5*b*)
8. 11. κρείσσων γὰρ σοφία λίθων πολυτελῶν (5 *b*)
25. 12. εἰς . . . σάρδιον π. δέδεται (2)
31. 10. τιμιωτέρα δέ ἐστι λίθων πολυτελῶν (5 *b*)
Wi. 2. 7. οἴνου πολυτελοῦς καὶ μύρων πλησθῶμεν
Si. 45. 11. λίθοις πολυτελέσι γλύμματος σφραγῖδος
50. 9. ὡς σκεῦος . . . κεκοσμημένον παντὶ λίθῳ πολυτελεῖ
Is. 28. 16. ἐμβάλλω εἰς τὰ θεμέλια Σ. λίθον π. †
Da. LXX. 11. 38. ἐν χρυσίῳ . . . καὶ λίθῳ π. (1)

πολυτόκος. (1) אָלֹף hi.

Ps. 143 (144). 13. τὰ πρόβατα αὐτῶν πολυτόκα (1)

πολυτρόπος. (1) פָּתַל ni.

Jb. 5. 13. S¹ βουλὴν δὲ πολυτρόπων [A B S² -πλόκων] ἐξέστησεν (1)
IV Ma. 1. 25. πολυτροπωτάτη πάντων τῶν παθῶν οὖσα
3. 21. S R πολυτρόποις [A -ως] ἐχρήσαντο συμφοραῖς
14. 11. πολυτροπωτέρων ὑπερεφρόνησεν ἀλγηδόνων
15. 24. S τὴν τῶν στρεβλῶν πολυτρόπον ποικιλίαν [A R al.]

πολυτρόπως.

IV Ma. 3. 21. A π. [S R -οις] ἐχρήσαντο συμφοραῖς

πολυφόρος.

[Sm., Th. Is. 32. 12.]

πολυφροντίς.

Wi. 9. 15. βρίθει τὸ γεῶδες σκῆνος νοῦν π.

πολυχειρία.

[Quint. Ho. 6. 9.]

πολυχρονίζειν. (1) אָרַךְ hi.

De. 4. 26. οὐχὶ πολυχρονιεῖτε ἡμέρας (1)

πολυχρόνιος. (1) רַב (2) γίγνεσθαι π. אָרְכוּ הַיָּמִים

Ge. 26. 8. ἐγένετο δὲ πολυχρόνιος ἐκεῖ (2)
Jb. 32. 9. οὐχ οἱ πολυχρόνιοί εἰσι σοφοί (1)

Wi. 2. 10. μηδὲ . . . ἐντραπῶμεν πολιὰς πολυχρονίους
4. 8. γῆρας γὰρ τίμιον οὐ τὸ π.
Ep. Je. 46. οὐ μὴ γένωνται πολυχρόνιοι
IV Ma. 17. 12. ἀφθαρσία ἐν ζωῇ π.
[Aq. Is. 16. 7.]
[Sm. Jb. 15. 10.]

πολυωρεῖν. (1) יָתַר hi. (2) רָחַב hi.

De. 30. 9. A πολυωρήσει [B εὐλογήσει] σε (1)
Ps. 11 (12). 8. ἐπολυώρησας τοὺς [A πάντας τοὺς] υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων †
137 (138). 3. A πολυωρήσεις με ἐν ψυχῇ μου (2)

πόμα. (1) מִשְׁתֶּה (2) שִׁקּוּי

Ps. 101 (102). 9. τὸ π. μου μετὰ κλαυθμοῦ ἐκίρνων (2)
Da. TH. 1. 16. καὶ τὸν οἶνον τοῦ π. αὐ. (1)
III Ma. 5. 2. τῇ τοῦ π. ἀφθόνῳ χορηγίᾳ
— 45. εὐωδεστάτοις π. οἴνου λελιβανωμένου
IV Ma. 3. 16. ἔσπεισε τὸ π. τῷ θεῷ

πομπεύειν.

Wi. 4. 2. πομπεύει τὸν τῶν ἀμιάντων ἄθλων ἀγῶνα νικήσασα
II Ma. 6. 7. πομπεύειν τῷ Διονύσῳ

πομπή.

[Al. Ps. 43 (44). 14.]

πονεῖν. (1) אָנַם (2) חוּל (3) חָלָה a. qal. b. hoph. (4) חָמַל (5) נָגָה hoph. (6) סָבַל (7) עָמַל

Ge. 49. 15. ὑπέθηκε τὸν ὦμον αὐ. εἰς τὸ π. (6)
Ex. 31. 6. B καὶ ποιήσουσι [A B ποιήσ.] πάντα †
I Ki. 14. 15. A οὐκ ἤθελον π. [B ποιεῖν] –
22. 8. οὐκ ἔστι πονῶν περὶ ἐμοῦ (3 a)
23. 21. ἐπονέσατε περὶ ἐμοῦ (4?)
III Ki. 15. 23. ἐπόνεσε τοὺς πόδας αὐτοῦ (3 a)
I Ch. 10. 3. A S ἐπόνεσεν [B -σαν] ἀπὸ τῶν τόξων (2)
II Ch. 18. 33. ὅτι ἐπόνεσα (3 b)
35. 23. ὅτι ἐπόνεσα σφόδρα (3 b)
I Es. 4. 22. οὐχὶ πονεῖτε καὶ μοχθεῖτε
Ju. 16. 8. A B S² εἰς ὕψος τῶν πονούντων ἐν Ἰσρ.
Pr. 16. 26. ἀνὴρ ἐν πόνοις πονεῖ ἑαυτῷ (7)
23. 35. τύπτουσί με καὶ οὐκ ἐπόνεσα (3 a)
Si. 11. 11. ἔστι κοπιῶν καὶ πονῶν καὶ σπεύδων
13. 5. ἀποκενώσει σε καὶ αὐτὸς οὐ πονέσει
Ho. 9. 16. ἐπόνεσεν Ἐφρ. (5)
Is. 19. 10. τὰς ψυχὰς πονέσουσι (1)
Je. 5. 3. A B S² καὶ οὐκ ἐπόνεσαν (3 a)
28 (51). 29. ἐσείσθη ἡ γῆ καὶ ἐπόνεσε (2)
La. 4. 6. οὐκ ἐπόνεσαν ἐν αὐτῇ χεῖρας (3 a)
I Ma. 7. 2. S¹ καὶ ἐπονεῖτο [A S² R ἐγένετο]
[Aq. Pr. 16. 26 bis.]
[Sm. Pr. 14. 13: Ec. 2. 11.]
[Th. Pr. 16. 26.]

πονεύειν.

Is. 28. 13. ἵνα πονεύσωσι [A S πορευθῶσιν] †

πονηρεύεσθαι. (1) זָמַם (2) מָאַס ni. (3) נָבַל hithp. (4) רָעַע a. qal. b. hi. c. רַע (5) תָּעַב hi.

Ge. 19. 7. μὴ πονηρεύσησθε (4 b)
37. 18. R ἐπονηρεύοντο τοῦ [A ἐπορεύοντο] ἀποκτεῖναι αὐτόν (3)
Ex. 22. 8 (7). ἢ μὴν μὴ [A om.] αὐτὸν [AB²-ὸς] πεπονηρεῦσθαι †
— 11 (10). ἢ μὴν μὴ αὐτὸν πεπονηρεῦσθαι †
De. 15. 9. καὶ πονηρεύσηται ὁ ὀφθ. σου τῷ ἀδ. σου (4 a)
19. 19. ὃν τρόπον ἐπονηρεύσατο ποιῆσαι (1)
Jd. 19. 23. A μὴ πονηρεύσησθε [B κακοποιήσητε] (4 b)
III Ki. 14. 9. A ἐπονηρεύσω τοῦ ποιῆσαι (4 b)
16. 25. ἐπονηρεύσατο ὑπὲρ πάντας (4 b)
— 30. B καὶ ἐπονηρεύσατο –
I Ch. 16. 22. ἐν τοῖς προφήταις μου μὴ πονηρεύεσθε (4 b)
Es. 4. 17. ῥῦσαι ἡμᾶς ἐκ χειρὸς τῶν πονηρευομ.
Ps. 5. 4. οὐδὲ παροικήσει σοι πονηρευόμενος (4 c)
14 (15). 4. ἐξουδένωται ἐνώπιον αὐτοῦ πονηρευόμενος [A πᾶς πον.] (2)
21 (22). 16. συναγωγὴ πονηρευομένων περιέσχον με (4 b)
Ps. 25 (26). 5. ἐμίσησα ἐκκλησίαν πονηρευομένων (4 b)
36 (37). 1. μὴ παραζήλου ἐν πονηρευομένοις (4 b)
— 8. μὴ παραζήλου ὥστε [S¹ ἐν τῷ] πονηρεύεσθαι (4 b)
— 9. οἱ πονηρευόμενοι ἐξολεθρευθήσονται (4 b)
63 (64). 2. B²S R ἐσκέπασάς με ἀπὸ συστροφῆς πονηρευομένων (4 b)
73 (74). 3. ὅσα ἐπονηρεύσατο ὁ ἐχθρός (4 b)
91 (92). 11. ἐν τοῖς ἐπανιστανομ. ἐπ' ἐμὲ πονηρευομένοις (4 b)
93 (94). 16. τίς ἀναστήσεταί μοι ἐπὶ πονηρευομένους (4 b)
104 (105). 15. ἐν τοῖς προφήταις μου μὴ πονηρεύεσθε [A -θαι] (4 b)
118 (119). 115. A R ἐκκλίνατε ἀπ' ἐμοῦ πονηρευόμενοι [S οἱ π.] (4 b)
Ec. 7. 23 (22). πλειστάκις πονηρεύσεταί σε †
Si. 19. 26. ἔστι πονηρευόμενος συγκεκυφὼς μελανίᾳ
Mi. 3. 4. ἐπονηρεύσαντο ἐν τοῖς ἐπιτηδεύμασιν αὐ. (4 b)
Je. 2. 33. ἐπονηρεύσω τοῦ μιᾶναι τὰς ὁδούς σου †
16. 12. ἐπονηρεύσασθε [S¹ οὐκ ἐπορεύεσθε] ὑπὲρ τοὺς πατέρας ὑμῶν (4 b)
20. 13. ἐκ χειρὸς πονηρευομένων [A S al.] (4 b)
45 (38). 9. ἐπονηρεύσω ἃ ἐποίησας (4 b)
49 (42). 20. ἐπονηρεύσασθε ἐν ψυχαῖς ὑμῶν (5)
Da. LXX. Su. 35. οὐκ ἐποίησα ἃ πονηρεύονται
— 61. καθὼς ἐπονηρεύσαντο
Da. TH. Su. 43. ὧν οὗτοι ἐπονηρεύσαντο κατ' ἐμοῦ
— 62. ὃν τρόπον ἐπονηρεύσαντο τῷ πλησίον
[Aq. Dt. 28. 54, 56: III Ki. 14. 9: Ps. 26 (27). 2: 36 (37). 1: Pr. 24. 19: Ec. 7. 23 (22): Is. 1. 4: Je. 6. 11.]
[Sm. Ec. 7. 23 (22): Is. 1. 4, 16.]
[Th. Pr. 24. 19: Is. 1. 4: Je. 6. 11: 38 (45). 9.]
[Quint. Ps. 26 (27). 2: 36 (37). 1.]

πονηρία. (1) אָוֶן (2) יֵצֶר (3) עָמָל (4) a. רַע b. רֹעַ c. רָעָה d. רָעַע hi. (5) תּוֹעֵבָה

Ex. 10. 10. πονηρία πρόσκειται [A πρόκ.] ὑμῖν (4 c)
32. 12. μετὰ πονηρίας ἐξήγαγεν αὐτούς (4 c)
De. 31. 21. οἶδα τὴν π. αὐτῶν (2)
Jd. 9. 56. ἐπέστρεψεν ὁ θ. τὴν π. Ἀβ. [A al.] (4 c)
— 57. τὴν πᾶσαν π. ἀνδρῶν Σ. [A al.] (4 c)
11. 27. σὺ ποιεῖς μετ' ἐμοῦ πονηρίαν (4 c)
15. 3. ποιῶ ἐγὼ μετ' αὐτῶν πονηρίαν [A al.] (4 c)
20. 3. ποῦ ἐγένετο ἡ π. [A κακία] αὕτη (4 c)
— 12. τίς ἡ π. [A κακία] αὕτη (4 c)
— 13. ἐκκαθαριοῦμεν πονηρίαν [A al.] (4 c)
— 41. συνήντησεν ἐπ' αὐτοὺς ἡ π. [A al.] (4 c)
Ne. 1. 3. ἐν π. μεγάλῃ καὶ ἐν ὀνειδισμῷ (4 c)
2. 2. οὐκ ἔστι τοῦτο εἰ μὴ πονηρία καρδίας (4 b)
— 17. ὑμεῖς βλέπετε τὴν π. (4 c)
6. 2. ποιῆσαί μοι πονηρίαν (4 c)
13. 7. A S R συνῆκα ἐν τῇ [B² om.] π. (4 c)
— 27. ποιῆσαι π. [A S π. τὴν] πονηρίαν ταύτην (4 c)
Ps. 7. 9. συντελεσθήτω δὴ πονηρία ἁμαρτωλῶν (4 a)
27 (28). 4. κατὰ τὴν π. τῶν ἐπιτηδευμάτων αὐ. (4 b)
54 (55). 15. πονηρίαι ἐν ταῖς παροικίαις αὐ. (4 c)
72 (73). 8. ἐλάλησαν ἐν πονηρίᾳ (4 a)
93 (94). 23. ἀποδώσει αὐτοῖς . . . τὴν [A S² κατὰ τὴν] π. αὐτῶν (4 c)
140 (141). 4. εἰς λόγους πονηρίας [S -ρούς] (4 a)
Pr. 26. 25. ἑπτὰ γάρ εἰσι πονηρίαι (5)
Ec. 2. 21. τοῦτο ματαιότης καὶ π. μεγάλη (4 c)
6. 1: 10. 5. ἔστι πονηρία ἣν εἶδον ὑπὸ τὸν ἥλιον (4 c)
11. 10. πάραγε πονηρίαν ἀπὸ σαρκός σου (4 c)
Wi. 4. 6. μάρτυρές εἰσι πονηρίας κατὰ γονέων
— 14. ἔσπευσεν ἐκ μέσου πονηρίας
5. 11. S¹ οὐθὲν εὑρίσκεται τεκμήριον πονηρίας [A B S² πορείας]
10. 5. ἐν ὁμονοίᾳ πονηρίας ἐθνῶν συγχυθέντων
— 7. ἐπὶ μαρτύριον τῆς π.
17. 11. δειλὸν γὰρ ἰδίως πονηρία μαρτυρεῖ
19. 13. δικαίως γὰρ ἔπασχον ταῖς ἰδίαις αὐτῶν π.
Si. 3. 28. φυτὸν γὰρ πονηρίας ἐρρίζωκεν ἐν αὐτῷ
12. 10. ὡς γὰρ ὁ χαλκὸς ἰοῦται οὕτως ἡ π. αὐτοῦ
19. 22. οὐκ ἔστι σοφία πονηρίας ἐπιστήμη
— 23. ἔστι πονηρία καὶ αὕτη βδέλυγμα
25. 13. πᾶσαν πονηρίαν καὶ μὴ πονηρίαν γυναικός
— 17. πονηρία γυναικὸς ἀλλοιοῖ τὴν ὅρασιν αὐτῆς
29. 7. πολλοὶ χάριν πονηρίας ἀπέστρεψαν
32 (35). 3. εὐδοκία κυρίου ἀποστῆναι ἀπὸ πονηρίας
34 (31). 24. ἡ μαρτυρία τῆς π. αὐτοῦ ἀκριβής
Si. 41. 17. S¹ αἰσχύνεσθε ἀπὸ πατρὸς καὶ μητρὸς ἀπὸ πονηρίας [ABS² περὶ πορνείας]
42. 13. ἀπὸ γυναικὸς πονηρία γυναικός
— 14. κρείσσων πονηρία ἀνδρὸς ἢ ἀγαθοποιὸς γυνή
46. 7. κοπάσαι γογγυσμὸν πονηρίας
47. 25. πᾶσαν πονηρίαν ἐξεζήτησαν
Hg. 2. 15 (14). S² ἀπὸ προσώπου πονηριῶν [A B S¹ πόνων] αὐ. –
Is. 1. 16. ἀφέλετε τὰς π. ἀπὸ τῶν ψυχῶν ὑμῶν . . . παύσασθε ἀπὸ τῶν π. ὑμῶν (4 b, 4 d)
7. 16. πρὶν ἢ γνῶναι τὸ παιδίον ἀγαθὸν ἢ κακὸν ἀπειθεῖ πονηρίᾳ [S¹ om. ἀ. π.] –
10. 1. οὐαὶ τοῖς γράφουσι πονηρίαν γράφοντες γὰρ πονηρίαν γράφουσιν (1, 3)
47. 10. τῇ ἐλπίδι τῆς π. [S πορνίας] σου (4 c)
59. 7. οἱ δὲ πόδες αὐ. ἐπὶ πονηρίαν τρέχουσι (4 a)
Je. 4. 4. ἀπὸ προσώπου πονηρίας ἐπιτηδευμάτων ὑμῶν (4 b)
6. 29. π. αὐτῶν οὐκ ἐτάκη (4 a)
9. 7 (6). ποιήσω ἀπὸ προσώπου [S add. τῆς] πονηρίας θυγατρὸς λαοῦ μου –
10. 23. S¹ κατορθώσει πονηρίαν [A B S² πορείαν] αὐ. †
13. 27. S ὀφθήσεται . . . . ἡ ἀπαλλοτρίωσις τῆς π. [AB πορνείας] σου †
23. 11. ἐν τῷ οἴκῳ μου εἶδον πονηρίας αὐτῶν (4 c)
24. 2, 3, 8. ἃ οὐ βρωθήσεται ἀπὸ πονηρίας αὐ. (4 b)
31 (48). 16. π. αὐτοῦ ταχεῖα σφόδρα (4 c)
39 (32). 32. διὰ πάσας τὰς π. τῶν υἱῶν Ἰσραήλ (4 c)
40 (33). 5. ἀπέστρεψα τὸ πρόσωπόν μου ἀπ' αὐτῶν περὶ πασῶν τῶν π. αὐτῶν (4 c)
51 (44). 3. ἀπὸ προσώπου πονηρίας αὐτῶν (4 c)
— 22. ἀπὸ προσώπου πονηρίας πραγμάτων ὑμῶν (4 b)
Ba. 2. 26. διὰ πονηρίαν οἴκου Ἰσραήλ
Da. TH. 11. 27. αἱ καρδίαι αὐ. εἰς πονηρίαν (4 d)
I Ma. 13. 46. μὴ ἡμῖν χρήσῃ κατὰ τὰς π. ἡμῶν
IV Ma. 2. 12. S R διὰ πονηρίαν [A -ας] αὐτοὺς ἐξελέγχων
[Aq. Ps. 54 (55). 16: 93 (94). 23: Ec. 7. 16 (15): Je. 12. 4.]
[Sm. I Ki. 25. 28: Ps. 54 (55). 16: 93 (94). 23: Je. 12. 4: 44 (51). 22.]
[Th. Ps. 93 (94). 23: Je. 29 (36). 17.]
[Heb. Ps. 93 (94). 23.]
[Al. Ps. 140 (141). 5: Je. 25. 14.]

πονήριος (?). (1) רַע

IV Ki. 13. 2. A ἐποίησε τὸ π. [B -ρόν] (1)

πονηρός. (1) אִיד (2) בְּאֵשׁ (3) דַּל (4) a. רַע b. רֹעַ c. רָעָה d. רָעַע qal. e. hi. (5) רָשָׁע (6) תּוֹעֵבָה (7) ἄνθρωπος π. רָעַע hi. (8) π. γίγνεσθαι רָעַע (9) π. εἶναι רָעַע (10) ἡ ὁδὸς ἡ π. רָעָה (11) π. πρᾶγμα רַע (12) ῥήματα π. דִּבָּה (13) πονηρὰ συντελεῖν רָעַע hi. (14) π. φαίνεσθαι רָעַע (15) τὸ ῥῆμα τὸ π. רָעָה (16) βουλὴ π. רָעָה (17) רַב

Ge. 2. 9. γνωστὸν καλοῦ καὶ πονηροῦ (4 a)
— 17. τοῦ γινώσκειν καλὸν καὶ πονηρόν (4 a)
3. 5. γινώσκοντες καλὸν καὶ πονηρόν (4 a)
— 22. τοῦ γινώσκειν καλὸν καὶ πονηρόν (4 a)
6. 5. πᾶς τις διανοεῖται . . . ἐπὶ τὰ π. (4 a)
8. 21. ἔγκειται ἡ διάνοια . . . ἐπὶ τὰ π. (4 a)
12. 17. ἐτασμοῖς μεγάλοις καὶ π. –
13. 13. οἱ δὲ ἄνθρ. οἱ ἐν Σοδ. πονηροί (4 a)
28. 8. π. εἰσιν αἱ θυγατέρες Χαναάν (4 a)
31. 24, 29. μή ποτε λαλήσῃς μετὰ Ἰ. πονηρά (4 a)
34. 30. ὥστε πονηρόν με εἶναι †
35. 21 (22). πονηρὸν ἐφάνη ἐναντίον αὐτοῦ –
37. 2. κατήνεγκαν δὲ Ἰ. ψόγον π. (4 a)
— 20, 33. θηρίον π. κατέφαγεν αὐτόν (4 a)
38. 7. ἐγένετο δὲ Ἠρ . . . π. ἐναντίον κ. (4 a)
— 10. πονηρὸν δὲ ἐφάνη (14)
39. 9. πῶς ποιήσω τὸ ῥῆμα τὸ π. τοῦτο (15)
41. 19. ἑπτὰ βόες ἕτεραι . . . π. (3)
44. 4. τί ὅτι ἀνταπεδώκατέ μοι πονηρά (4 c)
— 5. πονηρὰ συντετελέκατε (13)
47. 9. π. γεγόνασιν αἱ ἡμέραι (4 a)
50. 17. πονηρά σοι ἐνεδείξαντο (4 c)
— 20. ἐβουλεύσασθε κατ' ἐμοῦ εἰς πονηρά (4 c)
Ex. 33. 4. ἀκούσας ὁ λαὸς τὸ ῥῆμα τὸ π. τ. (4 a)
Le. 26. 6. ἀπολῶ θηρία π. ἐκ τῆς γῆς ὑ. (4 a)

Le. 27. 10. οὐκ ἀλλάξει αὐτὸ καλὸν πονηρῷ οὐδὲ πονηρὸν καλῷ (4 a, 4 a)
— 12. ἀνὰ μέσον καλοῦ καὶ ἀνὰ μέσον πονηροῦ (4 a)
— 14. ἀνὰ μέσον καλῆς καὶ ἀνὰ μέσον πονηρᾶς (4 a)
— 33. οὐκ ἀλλάξεις καλὸν πονηρῷ (4 a)
— 33. R οὐδὲ πονηρὸν καλῷ –
Nu. 11. 1. γογγύζων πονηρὰ ἔναντι κυρίου (4 a)
— 10. ἔναντι Μωυσῆ ἦν πονηρόν (4 a)
13. 20 (19). ἡ καλή ἐστιν ἢ πονηρά (4 a)
14. 27. τὴν συναγωγὴν τὴν π. ταύτην (4 a)
— 35. ποιήσω τῇ συναγωγῇ τῇ π. ταύτῃ (4 a)
— 36. ἐξενέγκαι ῥήματα π. (12)
— 37. οἱ κατείπαντες πονηρὰ κατὰ τῆς γῆς (4 a)
20. 5. AB² εἰς τὸν τόπον τὸν π. [B¹ om. τ. π.] τοῦτον (4 a)
24. 13. ποιῆσαι αὐτὸ καλὸν ἢ πονηρόν (4 a)
32. 13. οἱ ποιοῦντες τὰ π. (4 a)
De. 4. 25. B¹ καὶ ποιήσητε τὰ [B² om.] π. [B³ -ον, A R τὸ π.] (4 a)
6. 22. τέρατα μεγάλα καὶ π. (4 a)
7. 15. πάσας νόσους Αἰγ. τὰς π. (4 a)
9. 18. ποιῆσαι τὸ π. (4 a)
13. 5 (6). ἀφανεῖς τὸν π. (4 a)
— 11 (12). κατὰ τὸ ῥῆμα τὸ π. [A τὸ π. ῥ.] τ. (4 a)
15. 21. μῶμον π. [A ἢ καὶ πᾶς μῶμος π.] (4 a)
17. 1. πᾶν ῥῆμα π. (4 a)
— 2. ὃς ποιήσει τὸ π. (4 a)
— 5. A τὸ πρᾶγμα τὸ π. τοῦτο (4 a)
— 7, 12 : 19. 19. ἐξαρεῖς τὸν π. (4 a)
19. 20. κατὰ τὸ ῥῆμα τὸ π. τοῦτο (4 a)
21. 21. ἐξαρεῖς τὸν π. (4 a)
22. 14. καὶ κατενέγκῃ αὐτῆς ὄνομα π. (4 a)
— 19. ἐξήνεγκεν ὄνομα π. (4 a)
— 21, 22, 24. ἐξαρεῖς τὸν π. (4 a)
23. 9 (10). ἀπὸ παντὸς ῥήματος [A πράγμ.] π. (4 a)
24. 7. ἐξαρεῖς τὸν π. (4 a)
28. 20. διὰ τὰ π. ἐπιτηδεύματά σου (4 b)
— 35. πατάξαι σε κ. ἐν ἕλκει π. (4 a)
— 59. AB²R νόσους π. καὶ πιστάς (4 a)
— 60. πᾶσαν τὴν ὀδύνην Αἰγ. τὴν π. –
31. 29. ποιήσετε τὰ π. [A τὸ π.] (4 a)
Jo. 23. 15. ἐπάξει . . . πάντα τὰ ῥήματα τὰ π. (4 a)
Jd. 2. 11 : 3. 7. ἐποίησαν . . . τὸ π. (4 a)
3. 12. ποιῆσαι τὸ π. (4 a)
— 12. διὰ τὸ πεποιηκέναι αὐτοὺς τὸ π. (4 a)
4. 1. ποιῆσαι τὸ π. (4 a)
6. 1. ἐποίησαν . . . τὸ π. (4 a)
9. 23. ἐξαπέστειλεν . . . πνεῦμα π. (4 a)
10. 6 : 13. 1. ποιῆσαι τὸ π. (4 a)
I Ki. 2. 23. A ἃ ἐγὼ ἀκούω ῥήματα π. [B om. ῥ. π.] (4 a)
3. 21. π. ἡ ὁδὸς αὐτῶν ἐνώπιον κυρίου –
8. 6. π. [A ἦν π.] τὸ ῥῆμα ἐν ὀφθ. [A ἐνώπιον Σαμ.] (4 d [9])
15. 19. καὶ ἐποίησας τὸ π. (4 a)
16. 14. πνεῦμα π. παρὰ κυρίου (4 a)
— 15. πνεῦμα κ. πονηρὸν πνίγει σε (4 a)
— 16. ἐν τῷ εἶναι πνεῦμα π. ἐπὶ σοί [A al.] (4 a)
— 23. ἐν τῷ εἶναι πνεῦμα π. ἐπὶ Σ. †
— 23. ἀφίστατο ἀπ' αὐτοῦ τὸ πνεῦμα τὸ π. (4 a)
18. 8. π. ἐφάνη τὸ ῥῆμα (14)
— 10. A ἔπεσεν πνεῦμα θεοῦ πονηρὸν ἐπὶ Σ. (4 a)
19. 9. πνεῦμα θεοῦ [A κυρίου] πονηρόν (4 a)
25. 3. ὁ ἄνθρωπος σκληρὸς καὶ π. [A π. κ. σκλ.] ἐν ἐπιτηδεύμασι (4 a)
— 21. ἀνταπέδωκέ μοι πονηρά (4 a)
30. 22. πᾶς ἀνὴρ λοιμὸς καὶ π. (4 a)
II Ki. 3. 39. τῷ ποιοῦντι πονηρά (4 a)
4. 11. ἄνδρες π. ἀπεκτάγκασιν ἄνδρα δίκαιον (5)
11. 25. μὴ π. ἔστω . . . τὸ ῥῆμα τοῦτο (9)
— 27. π. ἐφάνη τὸ ῥῆμα (14)
12. 9. τοῦ ποιῆσαι τὸ π. (4 a)
13. 22. ἀπὸ πονηροῦ ἕως ἀγαθοῦ (4 a)
14. 17. τοῦ ἀκούειν τὸ ἀγ. καὶ τὸ π. (4 a)
19. 35 (36). B ἀνὰ μέσον ἀγ. καὶ κακοῦ εἰς πονηρόν [A R om. εἰς π.] (4 a)
III Ki. 5. 4 (18). οὐκ ἔστιν ἁμάρτημα [A ἀπάντημα] π. (4 a)
11. 6. ἐποίησε Σ. τὸ π. (4 a)
12. 24 (cf. A 14. 22). B ἐποίησε τὸ π. (4 a)
14. 22. ἐποίησε Ῥ. τὸ π. (4 a)
15. 26, 34. ἐποίησε τὸ π. (4 a)
16. 19. τοῦ ποιῆσαι τὸ π. (4 a)
— 25. ἐποίησεν Ἀ. τὸ π. (4 a)
— 30. ἐποίησεν Ἀχ. τὸ π. (4 a)
20 (21). 20, 25. ποιῆσαι τὸ π. (4 a)
III Ki. 22. 53. ἐποίησε τὸ π. (4 a)
IV Ki. 1. 18 (3. 2). ἐποίησε τὸ π. (4 a)
2. 19. καὶ τὰ ὕδατα π. (4 a)
3. 2. ἐποίησε τὸ π. (4 a)
4. 41. οὐκ ἐγενήθη . . . ῥῆμα π. (4 a)
8. 18, 27. ἐποίησε τὸ π. (4 a)
13. 2. ἐποίησε τὸ π. [A -ριον] (4 a)
13. 11 : 14. 24 : 15. 9, 18, 24, 28 : 17. 2. ἐποίησε τὸ π. (4 a)
17. 13. ἀποστράφητε ἀπὸ τῶν ὁδῶν ὑ. τῶν π. (4 a)
— 17. τοῦ ποιῆσαι τὸ π. (4 a)
21. 2. ἐποίησε τὸ π. (4 a)
— 6. τοῦ ποιεῖν τὸ π. (4 a)
— 9. τοῦ ποιῆσαι τὸ π. (4 a)
— 11. τὰ βδελύγματα ταῦτα τὰ π. (4 e)
— 15. ἐποίησαν τὸ π. (4 a)
— 16. τοῦ ποιῆσαι τὸ π. (4 a)
— 20 : 23. 32, 37 : 24. 9, 19. ἐποίησε τὸ π. (4 a)
I Ch. 2. 3. ἦν Ἡρ . . . π. ἐναντίον κυρίου (4 a)
21. 7. πονηρὸν [A π. ἐφάνη] ἐναντίον τοῦ θεοῦ (4 d [14])
II Ch. 7. 14. ἀπὸ τῶν ὁδῶν αὐ. τῶν π. (4 a)
12. 14. ἐποίησε τὸ π. (4 a)
21. 6. καὶ ἐποίησε τὸ π. (4 a)
— 15. καὶ σὺ ἐν μαλακίᾳ π. (17)
— 19. ἀπέθανεν ἐν μαλακίᾳ π. (4 a)
22. 4. ἐποίησε τὸ π. (4 a)
29. 6. ἐποίησαν τὸ π. (4 a)
33. 2. ἐποίησε τὸ π. (4 a)
— 6, 9. τοῦ ποιῆσαι τὸ π. (4 a)
— 22. ἐποίησε τὸ π. (4 a)
36. 2. ἐποίησε τὸ π. –
— 5, 9, 12. ἐποίησε τὸ π. (4 a)
I Es. 1. 39, 44, 47. ἐποίησε τὸ π.
2. 18. τὴν πόλιν τὴν ἀποστάτιν καὶ π. [A τὴν π.]
4. 39. ἀπὸ πάντων τῶν ἀδίκων καὶ π.
8. 86. διὰ τὰ ἔργα ἡμῶν τὰ π.
II Es. 4. 12. τὴν πόλιν τὴν ἀποστάτιν καὶ π. (2)
9. 13. ἐν ποιήμασιν ὑμῶν τοῖς π. (4 a)
Ne. 2. 2. διὰ τί τὸ πρόσωπόν σου π. (4 a)
— 3. διὰ τί οὐ μὴ γένηται π. τὸ πρόσωπόν μου (8)
— 10. πονηρὸν αὐτοῖς ἐγένετο (8)
4. 1 (3. 33). B πονηρὸν αὐτῷ ἐφάνη [A S ἦν αὐτῷ] †
— 7 (1). πονηρὸν αὐτοῖς ἐφάνη σφόδρα †
6. 13. καὶ γένωμαι αὐτοῖς εἰς ὄνομα π. (4 a)
9. 28. ποιῆσαι τὸ π. ἐνώπιόν σου (4 a)
— 35. ἀπὸ ἐπιτηδευμάτων αὐτῶν τῶν π. (4 a)
13. 8. πονηρὸν μοι ἐφάνη σφόδρα (14)
— 17. τίς ὁ λόγος οὗτος ὁ π. (4 a)
To. 3. 8. Ἀσμοδαῖος τὸ π. δαιμόνιον
— 17. Ἀσμοδαῖον τὸ π. δαιμόνιον [S τὸ δ. τὸ π.]
6. 7. A B ἐάν τινα ὀχλῇ . . . πνεῦμα π.
— 7. S ᾧ ἀπάντημα . . . πνεύματος π.
Ju. 7. 15. ἀνταποδώσεις αὐτοῖς ἀνταπόδομα π.
8. 8. ὃς ἐπήνεγκεν αὐτῇ ῥῆμα π.
— 9. ἤκουσε τὰ ῥήματα τοῦ λαοῦ τὰ π.
Es. 7. 6. Ἀμὰν ὁ π. οὗτος (4 a)
Jb. 1. 1, 8. ἀπεχόμενος ἀπὸ παντὸς π. πράγματος (11)
2. 7. ἔπαισε τὸν Ἰὼβ ἕλκει πονηρῷ (4 a)
12. 5 (6). μηδεὶς πεποιθέτω πονηρὸς ὢν ἀθῷος ἔσεσθαι †
21. 30. εἰς ἡμέραν ἀπωλείας κουφίζεται ὁ π. (4 a)
34. 17. τὸν ὀλλύντα τοὺς π. †
35. 12. οὐ μὴ εἰσακούσῃ καὶ [A om.] ἀπὸ ὕβρεως πονηρῶν (4 a)
37. 16. ἐξαίσια δὲ πτώματα πονηρῶν †
Ps. 9. 36 (10. 15). σύντριψον τὸν βραχίονα τοῦ ἁμαρτωλοῦ καὶ π. (4 a)
33 (34). 21. θάνατος ἁμαρτωλῶν πονηρός (4 a)
34 (35). 12. ἀνταπεδίδοσάν μοι πονηρὰ ἀντὶ καλῶν [A ἀγαθῶν] (4 c)
36 (37). 19. οὐ καταισχυνθήσονται ἐν καιρῷ π. (4 a)
40 (41). 1. ἐν ἡμέρᾳ π. ῥύσεται αὐτὸν ὁ κ. (4 a)
48 (49). 5. ἵνα τί φοβοῦμαι ἐν ἡμέρᾳ πονηρᾷ (4 a)
50 (51). 4. τὸ π. ἐνώπιόν σου ἐποίησα (4 a)
63 (64). 5. ἐκραταίωσαν ἑαυτοῖς λόγον πονηρόν (4 a)
77 (78). 49. ἀποστολὴν δι' ἀγγέλων πονηρῶν (4 a)
93 (94). 13. τοῦ πραῦναι αὐτῷ ἀφ' ἡμερῶν π. (4 a)
96 (97). 10. μισεῖτε πονηρόν [A S² -ρά] (4 a)
100 (101). 4. ἐκκλίνοντος ἀπ' ἐμοῦ τοῦ π. (4 a)
108 (109). 20. τῶν λαλούντων πονηρὰ κατὰ τῆς ψυχῆς μου (4 a)
111 (112). 7. ἀπὸ ἀκοῆς π. οὐ φοβηθήσεται (4 a)
118 (119). 101. ἐκ πάσης ὁδοῦ πονηρᾶς (4 a)
139 (140). 1. ἐξελοῦ με, κύριε, ἐξ ἀνθρώπου πονηροῦ (4 a)
Ps. 140 (141). 4. S μὴ ἐκκλίνῃς τὴν καρδίαν μου εἰς λόγους π. [A B -ρίας] (4 a)
143 (144). 10. ἐκ ῥομφαίας πονηρᾶς ῥῦσαί με (4 a)
Pr. 3. 15. οὐκ ἀντιτάξεται αὐτῇ οὐδὲν π. –
7. 5. ἵνα σε τηρήσῃ ἀπὸ γυναικὸς ἀλλοτρίας καὶ π. †
8. 13. ὑπερηφανίαν καὶ ὁδοὺς πονηρῶν (4 a)
11. 15. πονηρὸς κακοποιεῖ ὅταν συμμίξῃ δικαίῳ (4 a)
20. 8. οὐκ ἐναντιοῦται ἐν ὀφθ. αὐτοῦ πᾶν π. (4 a)
22. 3. πανοῦργος ἰδὼν πονηρὸν τιμωρούμενον κραταιῶς (4 c)
24. 20. οὐ γὰρ μὴ γένηται ἔκγονα πονηρῷ [A S -ῶν] (4 a)
Ec. 1. 13. περισπασμὸν π. ἔδωκεν ὁ θεός (4 a)
2. 17. πονηρὸν ἐπ' ἐμὲ τὸ ποίημα (4 a)
4. 3. ABS² οὐκ εἶδε σὺν πᾶν τὸ ποίημα τὸ π. (4 a)
— 8. τοῦτο . . . περισπασμὸς [A πειρασμὸς] π. ἐστιν (4 a)
5. 13. ἐν περισπασμῷ [S πειρασμῷ] π. [A αὐτοῦ] (4 a)
— 15. τοῦτο πονηρὰ ἀρρωστία (4 a)
6. 2. τοῦτο . . . ἀρρωστία π. ἐστιν (4 a)
8. 3. μὴ στῇς ἐν λόγῳ πονηρῷ (4 a)
— 5. ὁ φυλάσσων ἐντολὴν οὐ γνώσεται ῥῆμα π. (4 a)
— 11. ἀπὸ τῶν ποιούντων τὸ [A om.] π. ταχύ (4 a)
— 11. τοῦ ποιῆσαι τὸ π. (4 a)
— 12. ἐποίησε τὸ π. ἀπὸ τότε (4 a)
9. 3. τοῦτο π. [A τὸ π.] ἐν παντὶ πεποιημένῳ (4 a)
— 3. καρδία υἱῶν τοῦ ἀνθρώπου ἐπληρώθη πονηροῦ (4 a)
— 12. παγιδεύονται εἰς καιρὸν π. (4 a)
10. 13. ἐσχάτη στόματος αὐ. περιφέρεια π. (4 a)
11. 2. τί ἔσται πονηρὸν [S τὸ π.] ἐπὶ τὴν γῆν (4 c)
12. 14. ἐὰν ἀγαθὸν καὶ ἐὰν πονηρόν (4 a)
Wi. 3. 12. πονηρὰ τὰ τέκνα αὐτῶν
— 14. μηδὲ ἐνθυμηθεὶς κατὰ τοῦ κυρίου πονηρά
12. 10. πονηρὰ ἡ γένεσις αὐτῶν
Si. 3. 24. ὑπόνοια π. ὠλίσθησε διανοίας αὐ.
4. 20. φύλαξαι ἀπὸ πονηροῦ
5. 14. κατάγνωσις πονηρὰ ἐπὶ διγλώσσου
6. 1. ὄνομα γὰρ πονηρὸν αἰσχύνην . . . κληρονομήσει
— 4. ψυχὴ πονηρὰ ἀπολεῖ τὸν κτησάμενον αὐτήν
9. 1. μηδὲ διδάξῃς ἐπὶ σεαυτὸν παιδείαν [S καρδίαν] πονηράν
11. 33. πονηρὰ γὰρ τεκταίνει
13. 24. πονηρὰ ἡ πτωχεία
14. 5. ὁ π. ἑαυτῷ τίνι ἀγαθὸς ἔσται
— 6. τοῦ βασκαίνοντος ἑαυτὸν οὐκ ἔστι πονηρότερος
— 8. πονηρὸς ὁ βασκαίνων ὀφθαλμῷ [A -ὸν ἑαυτοῦ]
— 9. ἀδικία πονηρὰ ἀναξηραίνει ψυχήν
— 10. ὀφθαλμὸς π. φθονερὸς ἐπ' ἄρτῳ
17. 31. πονηρὸς [A B² -όν, S² τί πονηρότερον] ἐνθυμηθήσεται σάρκα [A B² σάρξ]
18. 12. ἐπέγνω τὴν καταστροφὴν αὐτῶν ὅτι πονηρά
19. 5. S¹ ὁ εὐφραινόμενος πονηρά [A B S² καρδίᾳ]
20. 24. μῶμος πονηρὸς ἐν ἀνθρώπῳ ψεῦδος
22. 11. τοῦ δὲ μωροῦ ὑπὲρ θάνατον ἡ ζωὴ πονηρά
25. 16. ἐνοικῆσαι [A S² συνοικ.] μετὰ γυναικὸς π.
— 23. πληγὴ καρδίας γυνὴ πονηρά
— 25. μὴ δῷς . . . γυναικὶ πονηρᾷ ἐξουσίαν [A S παρρησίαν]
26. 7. βοοζύγιον σαλευόμενον γυνὴ πονηρά
27. 15. S² ἡ διαλοιδόρησις αὐτῶν ἀκοὴ πονηρά [A B S¹ μοχθηρά]
— 27. ὁ ποιῶν πονηρὰ εἰς αὐτὸν [A S² -ὰ] κυλισθήσεται
28. 21. θάνατος πονηρὸς ὁ θάνατος αὐτῆς
29. 24. ζωὴ πονηρὰ ἐξ οἰκίας εἰς οἰκίαν
34 (31). 13. κακὸν ὀφθαλμὸς πονηρός· πονηρότερον ὀφθαλμοῦ τί ἔκτισται
— 24. πονηρῷ ἐπ' ἄρτῳ διαγογγύσει πόλις
37. 3. ὦ πονηρὸν ἐνθύμημα
— 27. ἴδε τί πονηρὸν αὐτῇ
39. 34. τοῦτο τούτου πονηρότερον
42. 5. οἰκέτῃ πονηρῷ πλευρὰν αἱμάξαι [A -ξας]
— 6. ἐπὶ γυναικὶ πονηρᾷ καλὸν σφραγίς
51. 12. ἐξείλου με ἐκ καιροῦ πονηροῦ
Ho. 3. 1. ἀγάπησον γυναῖκα ἀγαπῶσαν πονηρά †
7. 15. εἰς ἐμὲ ἐλογίσαντο πονηρά (4 a)
12. 1 (2). πονηρὸν πνεῦμα ἐδίωξε †
Am. 5. 13. καιρὸς πονηρῶν [A -ός] ἐστιν (4 a)
— 14. ἐκζητήσατε τὸ καλὸν καὶ μὴ [A add. τὸ] πονηρόν (4 a)
— 15. μεμισήκαμεν τὰ π. [A τὸ π.] (4 a)
Mi. 2. 3. καιρὸς π. ἐστιν (4 a)
— 9. διὰ τὰ π. ἐπιτηδεύματα αὐ. ἐξώσθησαν †
3. 2. ζητοῦντες τὰ π. (4 c*, 4 a)

Ob. 1. 13. S[1] ἐν ἡμέρᾳ πονηρῶν [A B S[2] πόνων] αὐ. (1)
Jn. 3. 8. ἀπὸ τῆς ὁδοῦ αὐ. τῆς π. (4 a)
— 10. ἀπὸ τῶν ὁδῶν αὐ. τῶν π. (4 a)
Na. 1. 11. ἐξελεύσεται λογισμὸς κατὰ τοῦ κυρίου πονηρά (4 c)
Hb. 1. 13. τοῦ μὴ ὁρᾶν πονηρά (4 a)
Za. 1. 4. ἀποστρέψατε ἀπὸ τῶν ὁδῶν ὑ. τῶν π. καὶ ἀπὸ τῶν ἐπιτηδευμ. ὑ. τῶν π. (4 a, 4 a)
Ma. 2. 17. πᾶς ποιῶν πονηρόν (4 a)
Is. 1. 4. σπέρμα πονηρόν (4 e)
3. 9. βεβούλευνται βουλὴν πονηράν (16)
— 11. πονηρὰ κατὰ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν αὐτοῦ συμβήσεται αὐτῷ (4 a)
5. 20. οὐαὶ οἱ λέγοντες τὸ π. καλὸν καὶ τὸ καλὸν πονηρόν (4 a, 4 a)
7. 5. ἐβουλεύσαντο βουλὴν πονηράν (16)
— 15. πρὶν ἢ γνῶναι αὐτὸν ἢ προελέσθαι πονηρά (4 a)
9. 17 (16). πάντες ἄνομοι καὶ πονηροί (4 e)
14. 20. οὐ μὴ μείνῃς εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον, σπέρμα πονηρόν (4 e)
25. 4. ἀπὸ ἀνθρώπων πονηρῶν ῥύσῃ αὐτούς †
28. 19. ἐν νυκτὶ ἔσται ἐλπὶς πονηρά †
30. 4. εἰσὶν ἐν Τάνει ἀρχηγοὶ ἄγγελοι πονηροί †
31. 2. ἐπαναστήσεται ἐπ' οἶκους ἀνθρώπων π. (7)
32. 7. ἡ γὰρ βουλὴ τῶν π. ἄνομα βουλεύσεται (4 a)
35. 9. οὐδὲ τῶν π. θηρίων [A S τ. θ. τῶν π.] οὐ μὴ ἀναβῇ εἰς [A S ἐπ'] αὐτήν †
53. 9. δώσω τοὺς π. ἀντὶ τῆς ταφῆς αὐτοῦ (5)
56. 11. εἰσὶ πονηροὶ οὐκ εἰδότες σύνεσιν †
65. 12. ἐποιήσατε τὸ π. ἐναντίον ἐμοῦ (4 a)
66. 4. ἐποίησαν τὸ π. ἐναντίον ἐμοῦ (4 a)
Je. 2. 13. δύο καὶ πονηρὰ ἐποίησεν ὁ λαός μου (4 a)
3. 5. ἐλάλησας καὶ ἐποίησας [S om. κ. ἐ.] τὰ π. ταῦτα (4 a)
— 17. ὀπίσω τῶν ἐνθυμημάτων [A ἐπιθ.] τῆς καρδίας αὐτῶν τῆς π. (4 a)
7. 30. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰούδα τὸ π. ἐναντίον [A S τὰ π., A ἐνώπιον] ἐμοῦ (4 a)
11. 19. ἐπ' ἐμὲ ἐλογίσαντο λογισμὸν πονηρόν –
12. 14. τάδε λέγει κύριος περὶ πάντων τῶν γειτόνων τῶν π. [A σκληρῶν] (4 a)
15. 21. ἐξαιρεῖσθαί σε ἐκ χειρὸς πονηρῶν (4 a)
16. 12. ὀπίσω τῶν ἀρεστῶν [A ἐρασ.] τῆς καρδίας ὑμῶν τῆς π. (4 a)
17. 17. A B S[2] ἐν ἡμέρᾳ π. (4 a)
— 18. ἐπάγαγε ἐπ' αὐτοὺς ἡμέραν [A λιμὸν] π. (4 a)
18. 10. ποιήσωσι τὰ π. ἐναντίον μου (4 c*, 4 a)
— 11. ἀποστραφήτω ἕκαστος ἀπὸ ὁδοῦ τῆς π. (4 a)
— 12. τὰ ἀρεστὰ τῆς καρδίας αὐτοῦ τῆς π. (4 a)
23. 2. κατὰ τὰ π. ἐπιτηδεύματα ὑμῶν (4 b)
— 10. ἐγένετο ὁ δρόμος αὐτῶν π. (4 a)
— 14. A ἀντιλαμβανομένους χειρῶν π. [B πολλῶν] (4 e)
— 14. τοῦ μὴ ἀποστραφῆναι ἕκαστον ἀπὸ τῆς ὁδοῦ αὐτοῦ τῆς π. (10)
— 22. ἀπὸ τῶν π. ἐπιτηδευμάτων αὐτῶν [A τ. ἐπ. αὐ. τῶν π.] (4 a + 4 b)
24. 2. ὁ κάλαθος ὁ ἕτερος σύκων π. σφόδρα (4 a)
— 3. τὰ π. πονηρὰ λίαν (4 a, 4 a)
— 8. ὡς τὰ σῦκα τὰ π. (4 a)
25. 5. ἀποστράφητε ἕκαστος ἀπὸ τῆς ὁδοῦ αὐτοῦ τῆς π. καὶ ἀπὸ τῶν π. ἐπιτηδευμάτων ὑμῶν (4 a, 4 b)
30. 12 (49. 23). ἤκουσαν ἀκοὴν πονηράν (4 a)
33 (26). 3. ἀποστραφήσονται ἕκαστος ἀπὸ τῆς ὁδοῦ αὐ. τῆς π. . . . τοῦ ποιῆσαι αὐτοῖς ἕνεκεν τῶν π. ἐπιτηδευμάτων αὐ. (4 a, 4 b)
39 (32). 30. ποιοῦντες τὸ π. κατ' ὀφθαλμούς μου (4 a)
42 (35). 15. ἀπὸ τῆς ὁδοῦ αὐτοῦ τῆς π. (4 a)
43 (36). 3. ἀπὸ ὁδοῦ αὐτῶν τῆς π. (4 a)
— 7. ἐκ [A ἀπὸ] τῆς ὁδοῦ αὐτῶν τῆς π. (4 a)
45 (38). 4. οὐ χρησμολογεῖ εἰρήνην τῷ λαῷ τούτῳ ἀλλ' ἢ πονηρά (4 c)
51 (44). 29. ἐπισκέψομαι ἐγὼ ἐφ' ὑμᾶς εἰς πονηρά (4 c)
Ba. 1. 22. ἐν διανοίᾳ καρδίας αὐ. [A ἡμῶν] τῆς π.
2. 8. ἀπὸ τῶν νοημάτων τῆς καρδίας αὐ. τῆς π.
— 25. ἀπεθάνοσαν ἐν πόνοις πονηροῖς
— 33. B ἀποστρέψουσιν [A ἐπιστρ.] . . . ἀπὸ πονηρῶν [A τῶν π.] προσταγμάτων [A B πραγ.] αὐτῶν
Ez. 5. 17. ἐξαποστελῶ ἐπὶ σὲ . . . θηρία πονηρά (4 a)
Ez. 7. 24. A ἄξω πονηροὺς ἐθνῶν (4 a)
8. 9. A ἴδε τὰς ἀνομίας τὰς π. [B om. τ. π.] (4 a)
11. 2. βουλευόμενοι βουλὴν πονηράν (4 a)
— 21. A κατὰ τὰς καρδίας . . . τῶν π. [B al.] (6 ?)
13. 22. ἀπὸ τῆς ὁδοῦ αὐτοῦ τῆς π. (4 a)
14. 15. ἐὰν καὶ θηρία π. ἐπάγω ἐπὶ τὴν γῆν (4 a)
— 21. ἐὰν δὲ καὶ τὰς τέσσαρας ἐκδικήσεις μου τὰς π. . . . θηρία πονηρὰ ἐξαποστείλω (4 a, 4 a)
18. 23. ἐκ τῆς ὁδοῦ [A add. αὐτοῦ] τῆς π. –
30. 12. A ἀποδώσομαι τὴν γῆν ἐν χειρὶ πονηρῶν (4 a)
33. 11. A ἀπὸ τῆς ὁδοῦ αὐ. τῆς π. [B om. τ. π.] . . . ἀπὸ τῶν ὁδῶν ὑμῶν τῶν π. [B τῆς ὁ. ὑ.] (–, 4 a)
34. 25. ἀφανιῶ [A ἀπολῶ] θηρία π. (4 a)
36. 31. μνησθήσεσθε τὰς ὁδοὺς ὑμῶν τὰς π. (4 a)
38. 10. λογιῇ λογισμοὺς πονηρούς (4 a)
Da. LXX., TH. 3. (32). βασιλεῖ ἀδίκῳ καὶ πονηροτάτῳ
I Ma. 1. 15. SR ἐπράθησαν τοῦ ποιῆσαι τὸ [A om.] π.
— 36. ἐγένετο . . . εἰς διάβολον π.
7. 25. κατηγόρησεν αὐτῶν πονηρά
11. 8. διελογίζετο . . . λογισμοὺς π.
14. 14. ἐξῆρε πάντα ἄνομον καὶ π.
II Ma. 1. 5. μὴ ὑμᾶς ἐγκαταλείποι ἐν καιρῷ π.
III Ma. 7. 9. ἐάν τι κακοτεχνήσωμεν πονηρόν
IV Ma. 12. 11. A R πάντων τῶν [S om.] π. ἀσεβέστατε τύραννε [S om.]

[Aq. Ge. 37. 2: Dt. 7. 15: IV Ki. 17. 11: Ps. 5. 5: Pr. 4. 14: Ec. 5. 12: 9. 12: Je. 5. 28: 8. 3: 11. 15: 13. 10 *bis*, 23: 21. 14: 29 (36). 17: Ez. 8. 9: 30. 12.]
[Sm. Ge. 3. 23 (22): 37. 2: Dt. 7. 15: IV Ki. 17. 11: Ps. 63 (64). 6: 140 (141). 4: Pr. 15. 15: 21. 10: 29. 6: Ec. 8. 5: Je. 5. 28: 8. 3: 13. 10: Ez. 8. 9.]
[Th. Ge. 37. 2: Ex. 21. 8: II Ki. 12. 9: Pr. 4. 14: 20. 14 *bis*: Je. 5. 28: 8. 3: 11. 8: 13. 10 *bis*: 21. 14: Ez. 5. 16: 7. 24: 8. 9: 30. 12.]
[Al. Le. 27. 33: Nu. 22. 32: Ps. 48 (49). 6: Pr. 15. 10: 19. 23.]
[Quint. IV Ki. 17. 11.]
[Hebr. Ge. 6. 6 (5).]

πονηρόφθαλμος.

[Al. Pr. 23. 6.]

πονικός.

[Th. Pr. 15. 1.]

πόνος. (1) אָוֶן (2) אִיד (3) חָלִי (4) יָגוֹן (5) יְגִיעַ (6) כְּאֵב (7) מַחֲלָה (8) סִבְלָה (9) עָמָל (10) עֶצֶב (11) פְּעֻלָּה (12) תַּחֲלוּאָה (13) ἐν τῷ π. כְּאֵב (ptcp.) (14) ἐν πόνοις עָמָל (15) εἶναι ἐν πόνῳ נָגַע (16) ὁ π. τῶν ὠδίνων חֵבֶל

Ge. 34. 25. ὅτε ἦσαν ἐν τῷ π. (13)
41. 51. ἐπιλαθέσθαι . . . πάντων τῶν π. μου (9)
Ex. 2. 11. κατανοήσας δὲ τὸν π. αὐτῶν (8)
Nu. 23. 21. οὐδὲ ὀφθήσεται π. ἐν Ἰσρ. (9)
De. 28. 33. πάντας τοὺς π. σου φάγεται ἔθνος (5)
I Ki. 15. 23. ὀδύνη καὶ πόνος θερ. ἐπάγουσιν (1)
III Ki. 8. 37. πᾶν [A πάντα] πόνον πᾶσαν προσευχὴν (7)
I Ch. 10. 3. εὗρον αὐτὸν οἱ τοξόται ἐν . . . πόνοις –
II Ch. 6. 28. A B κατὰ . . . πᾶν [R πάντα] πόνον (7)
Ju. 5. 11. ἐν πόνῳ [S πηλῷ] καὶ πλίνθῳ
Jb. 2. 9. ἐμῆς κοιλίας ὠδῖνες καὶ πόνοι –
3. 10. ἀπήλλαξε γὰρ ἂν πόνον [A κόπον] (9)
4. 5. ἥκει ἐπὶ σὲ πόνος †
5. 6. οὐδὲ ἐξ ὀρέων ἀναβλαστήσει πόνος (9)
15. 2. ἐνέπλησε πόνον γαστρός †
— 35. A ἡ δὲ κοιλία αὐ. ὑποίσει πόνον [B S δόλον] †
20. 14. A χολὴ ἀσπίδος ἐν γαστρὶ αὐτοῦ καὶ πόνος [B S om. καὶ π.] –
Ps. 7. 14. συνέλαβε πόνον (9)
— 16. ἐπιστρέψει ὁ π. αὐ. εἰς κεφαλὴν αὐτοῦ (9)
9. 28 (10. 7). ὑπὸ τὴν γλῶσσαν αὐτοῦ κόπος καὶ πόνος (1)
— 35 (10. 14). σὺ πόνον [A κόπον] καὶ θυμὸν κατανοεῖς (9)
Ps. 54 (55). 10. B πόνος [S κόπος] ἐν μέσῳ αὐτῆς (9)
77 (78). 46. καὶ τοὺς π. αὐτῶν τῇ ἀκρίδι (5)
— 51. B ἀπαρχὴν πόνων [S[1] τῶν πρωτοτόκων, S[2] παντὸς πόνου] αὐτῶν (1)
89 (90). 10. τὸ πλεῖον αὐτῶν κόπος καὶ πόνος (1)
104 (105). 36. ἀπαρχὴν παντὸς πόνου αὐτῶν (1)
— 44. πόνους λαῶν ἐκληρονόμησαν [A S[2] κατεκλ.] (9)
108 (109). 11. διαρπασάτωσαν ἀλλότριοι τοὺς π. αὐτοῦ (5)
127 (128). 2. A S[1] τοὺς καρποὺς τῶν π. [S[2] R τοὺς π. τῶν καρπῶν] σου φάγεσαι († [5])
Pr. 3. 9. τίμα τὸν κύριον ἀπὸ σῶν δικαίων π. †
5. 10. οἱ δὲ σοὶ π. εἰς οἴκους ἀλλοτρίων ἔλθωσι (10)
6. 8. ἧς τοὺς π. βασιλεῖς . . . προσφέρονται –
16. 26. ἀνὴρ ἐν πόνοις πονεῖ ἑαυτῷ (14)
24. 2. πόνους τὰ χείλη αὐτῶν λαλεῖ (9)
— 75 (31. 7). καὶ τῶν π. μὴ μνησθῶσιν ἔτι (9)
Wi. 3. 15. ἀγαθῶν γὰρ πόνων καρπὸς εὐκλεής
5. 1. τῶν ἀθετούντων τοὺς π. αὐτοῦ
8. 7. οἱ π. ταύτης εἰσὶν ἀρεταί
— 18. ἐν πόνοις χειρῶν αὐτῆς
9. 16. τὰ ἐν χερσὶν [S ποσὶν] εὑρίσκομεν μετὰ πόνου
10. 9. σοφία δὲ τοὺς θεραπεύσαντας [A S[1] -πεύοντας] αὐτὴν ἐκ πόνων ἐρρύσατο
— 10. ἐπλήθυνε τοὺς π. [A S κόπους] αὐτοῦ
15. 4. οὐδὲ σκιαγράφων πόνος ἄκαρπος
19. 16. τοὺς ἤδη τῶν αὐτῶν μετεσχηκότας δικαίων δεινοῖς ἐκάκωσαν πόνοις
Si. 3. 27. καρδία σκληρὰ βαρυνθήσεται πόνοις
11. 21. ἔμμενε τῷ π. σου
14. 15. οὐχὶ ἑτέρῳ καταλείψεις τοὺς π. σου
28. 15. ἐστέρησεν αὐτὰς τῶν π. αὐτῶν
29. 4. παρέσχον πόνον [A S κόπον] τοῖς βοηθήσασιν αὐτοῖς
34 (31). 20. πόνος ἀγρυπνίας . . . μετὰ ἀνδρὸς ἀπλήστου
37. 30. ἐν πολλοῖς γὰρ βρώμασιν ἔσται πόνος [A S νόσος]
38. 7. ἦρε τὸν [A πᾶν] π. αὐτοῦ
Ho. 12. 8 (9). πάντες οἱ π. αὐ. οὐχ εὑρεθήσονται αὐτῷ (5)
Ob. 1. 13. ἐν ἡμέρᾳ πόνων [S[1] πονηρῶν] αὐ. (2)
Hb. 1. 3. ἔδειξάς μοι κόπους καὶ πόνους (9)
— 13. ἐπιβλέπειν ἐπὶ πόνους (9)
Hg. 1. 11. καὶ ἐπὶ πάντας τοὺς π. τῶν χειρῶν αὐ. (5)
2. 15 (14). ἀπὸ προσώπου πόνων [S[2] -νηριῶν] αὐτῶν –
Is. 1. 5. πᾶσα κεφαλὴ εἰς πόνον (3)
49. 4. ὁ π. μου ἐναντίον τοῦ θεοῦ μου (11)
53. 4. ἐλογισάμεθα αὐτὸν εἶναι [S[1] om.] ἐν πόνῳ [S[1] -οις] (15)
— 11. ἀπὸ τοῦ π. τῆς ψυχῆς αὐτοῦ (9)
59. 4. κύουσι πόνον (9)
65. 14. κεκράξεσθε διὰ τὸν π. τῆς καρδίας ὑμῶν (6)
— 23 (22). τὰ γὰρ ἔργα τῶν π. αὐτῶν παλαιώσουσιν †
66. 7. πρὶν ἐλθεῖν τὸν π. τῶν ὠδίνων ἐξέφυγε (16)
Je. 4. 14. διαλογισμοὶ [B[2] S λ.] πόνων σου (1)
— 15. ἀκουσθήσεται π. ἐξ ὄρους Ἐφραίμ (1)
6. 7. πόνῳ καὶ μάστιγι παιδευθήσῃ (3)
14. 18. ἰδοὺ πόνος λιμοῦ (12)
20. 5. δώσω . . . πάντας τοὺς π. αὐτῆς . . . εἰς χεῖρας ἐχθρῶν αὐτοῦ (5)
— 18. τοῦ βλέπειν κόπους καὶ πόνους [S[1] μόχθους] (4)
Ba. 2. 25. ἀπεθάνοσαν ἐν πόνοις πονηροῖς
Ez. 23. 29. λήψονται πάντας τοὺς π. σου (5)
II Ma. 7. 36. βραχὺν ὑπενέγκαντες πόνον
9. 18. οὐδαμῶς δὲ ληγόντων τῶν π.
IV Ma. 1. 4. θυμοῦ τε καὶ πόνου καὶ φόβου
— 9. τῶν ἕως θανάτου π. [S τοὺς . . . π.] ὑπεριδόντες
— 20. ἡδονή τε καὶ πόνος
— 21. S R καὶ περὶ τὴν ἡδονὴν καὶ τὸν π. [A al.]
— 23. πρὸ δὲ τοῦ π. ἐστὶ φόβος
— 23. μετὰ δὲ τὸν π. λύπη
— 24. κοινὸν πάθος ἐστὶν ἡδονῆς καὶ πόνου
— 28. ἡδονῆς τε καὶ πόνου
5. 23. ὥστε πάντα π. ἑκουσίως ὑπομένειν
6. 9. ὁ δὲ ὑπέμενε τοὺς π.
7. 13. A λελυμένων ἤδη τῶν τοῦ σώματος π. [S R al.]
— 22. διὰ τὴν ἀρετὴν πάντα π. ὑπομένειν
9. 31. τὸν π. ἐπικουφίζομαι
11. 12. διὰ γεννιαιοτέρων π. ἐπιδείξασθαι
— 20. εἰς γυμνασίαν πόνων . . . κληθέντες

IV Ma. 13. 1. εἰ . . . τῶν μέχρι θανάτου π. ὑπερεφρόνησαν
— 4. ἐπεκράτησαν γὰρ καὶ πάθους καὶ πόνων
15. 16. ὦ πικροτέρων μὲν νῦν μήτηρ πόνων πειρασθεῖσα
16. 19. ὀφείλετε πάντα π. ὑπομένειν
— 23. A R μὴ ἀνθίστασθαι [S ἀντιτάσσεσθαι] τοῖς π.
18. 2. οὐ μόνον τῶν ἔνδοθεν ἀλλὰ καὶ τῶν ἔξωθεν π.
— 3. προϊέμενοι τὰ σώματα τοῖς π.
[Aq. Jb. 15. 35 : 16. 2 : Ps. 9. 35 (10. 14) : 72 (73). 5 : Is. 53. 4.]
[Sm. Jb. 16. 6 : 33. 19 : Ec. 2. 11 : Is. 53. 4.]
[Th. Pr. 16. 26.]
[Al. Ex. 15. 14.]
[Heb. Jb. 7. 12.]

ποντόβροχος.

III Ma. 6. 4. ποντοβρόχους ἀπώλεσας

ποντοπορεῖν. (1) בְּלֶבֶיָּם

Pr. 24. 54 (30. 19). καὶ τρίβους νηὸς ποντοπορούσης (1)

πόντος. (1) תְּהוֹם

Ex. 15. 5. πόντῳ ἐκάλυψεν αὐτούς (1)

πορεία, πορία. (1) *a.* הֲלִיכָה *b.* מַהֲלָךְ *c.* הָלַךְ (2) מוֹצָא (3) צַעַד

Nu. 33. 2. οὗτοι σταθμοὶ τῆς π. αὐτῶν (2)
Ne. 2. 6. ἕως πότε ἔσται ἡ π. [A παρουσία] σου (1 *b*)
To. 7. 8. A B ὑπὲρ ὧν ἔλεγες ἐν τῇ π. [A ἐν πορίᾳ]
10. 1. ὡς ἐπληρώθησαν αἱ ἡμ. τῆς π. [S *al.*]
Ju. 2. 19. ἐξῆλθεν . . . εἰς πορείαν
Ps. 67 (68). 24. ἐθεωρήθησαν αἱ π. σου, ὁ θεὸς, αἱ π. τοῦ θεοῦ μου (1 *a*, 1 *a*)
Pr. 2. 7. ὑπερασπιεῖ τὴν π. αὐτῶν (1 *c*)
4. 27. τὰς δὲ π. σου ἐν εἰρήνῃ προάξει –
26. 7. ἀφελοῦ πορείαν [S¹ πορνίαν] σκελῶν †
Wi. 3. 3. ἡ ἀφ' ἡμῶν π, σύντριμμα
5. 11. οὐθὲν εὑρίσκεται τεκμήριον πορείας [S¹ πονηρίας]
13. 18. S¹ περὶ δὲ πορείας [A B S² ὁδοιπορίας] τὸ μηδὲ βάσει χρῆσθαι δυνάμενον
Si. 43. 5. ἐν λόγοις αὐτοῦ κατέσπευσε [S² -έπαυσεν] πορείαν
Jn. 3. 3. ὡσεὶ πορείας ὁδοῦ ἡμερῶν τριῶν (1 *b*)
— 4. ὡσεὶ πορείαν [A -ας ὁδοῦ] ἡμέρας μιᾶς (1 *b*)
Na. 1. 8. ἐν κατακλυσμῷ πορείας συντέλειαν ποιήσεται †
2. 5 (6). ἀσθενήσουσιν ἐν τῇ π. [A ταῖς π.] αὐ. (1 *a*)
Hb. 3. 6. βουνοὶ αἰώνιοι πορείας αἰωνίας αὐ. (1 *a*)
— 10. σκορπίζων ὕδατα πορείας †
Is. 3. 16. τῇ π. τῶν ποδῶν ἅμα σύρουσαι τοὺς χιτῶνας †
8. 11. ἀπειθοῦσι τῇ π. τῆς ὁδοῦ τοῦ λαοῦ τ. (1 *c*)
Je. 10. 23. καὶ κατορθώσει πορείαν αὐτοῦ (3)
18. 15. οὐκ ἔχοντας ὁδὸν εἰς πορείαν [A ὁ. πορείας] †
II Ma. 3. 8. ἐποιεῖτο τὴν π.
9. 4. R καταύειν τὴν π. [A *al.*]
— 7. ἐποξύνειν τὴν π.
12. 10. ποιουμένων τὴν π. ἐπὶ τὸν Τιμ.
III Ma. 4. 5. πρὸς ὀξεῖαν καταχρωμένων πορείαν
5. 48. τῆς τε τοῦ πλήθους π. κονιορτὸν ἰδόντες
[Aq., Th. Ps. 67 (68). 25 *bis* : Pr. 30. 29.]
[Sm. Ps. 24 (25). 4 : 67 (68). 25 *bis* : Pr. 31. 27.]

πορεῖον, πόριον.

Ge. 45. 17. A γεμίσατε τὰ π. [R φορεῖα] ὑμῶν †
Es. 8. 14. S² καὶ ἐπιβάται τῶν π. †
[Th. Ge. 45. 17.]

πορεύεσθαι. (1) אָזַל *a.* pe. *b.* pa. (2) בּוֹא *a.* qal. *b.* hi. (3) הָלַךְ *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. *d.* hithpa. *e.* הֲלַךְ pe. *f.* aph. (4) יָצָא (5) יָרַד (6) מָלֵא pi. (7) נָגַשׁ (8) סָחַר (9) עָבַר (10) עָלָה (11) צַעַד (12) קָרַב (13) πάλιν π. שׁוּב (14) π. πρό קָדַם pi. (15) εἶναι πεπορευμένος הָלַךְ pi.

Ge. 2. 14. A οὗτος ὁ πορευόμ. [R προπορ.] (3 *a*)
3. 14. ἐπὶ τῷ στήθει σου . . . πορεύῃ (3 *a*)
8. 3. ἐνεδίδου τὸ ὕδωρ πορευόμ. ἀπὸ τῆς γῆς (3 *a*)
Ge. 8. 4 (5). A τὸ δὲ ὕδωρ πορευόμ. [R *om.*] ἠλαττονοῦτο (3 *a*)
9. 23. καὶ ἐπορεύθησαν ὀπισθοφανῶς (3 *a*)
11. 31. πορευθῆναι εἰς τὴν γῆν Χαναάν (3 *a*)
12. 4. καὶ ἐπορεύθη Ἄβραμ (3 *a*)
— 5. πορευθῆναι εἰς γῆν Χαναάν (3 *a*)
— 9. καὶ πορευθεὶς ἐστρατοπέδευσεν (3 *a*)
13. 3. ἐπορεύθη ὅθεν ἦλθεν (3 *a*)
16. 8. R καὶ ποῦ πορεύῃ (3 *a*)
21. 19. καὶ ἐπορεύθη (3 *a*)
22. 2. πορεύθητι εἰς τὴν γῆν τὴν ὑψ. (3 *a*)
— 3. ἀναστὰς ἐπορεύθη (3 *a*)
— 6. καὶ ἐπορεύθησαν οἱ δύο ἅμα (3 *a*)
— 8. πορευθέντες δὲ ἀμφότεροι (3 *a*)
— 13. καὶ ἐπορεύθη Ἀβ. (3 *a*)
— 19. ἀναστάντες ἐπορεύθησαν (3 *a*)
24. 4. εἰς τὴν γῆν μου . . . πορεύσῃ (3 *a*)
— 5. πορευθῆναι μετ' ἐμοῦ ὀπίσω (3 *a*)
— 8. ἐὰν δὲ μὴ θέλῃ . . . πορευθῆναι (3 *a*)
— 10. καὶ ἀναστὰς ἐπορεύθη (3 *a*)
— 38. εἰς τὸν οἶκον τοῦ πατρός μου πορεύσῃ (3 *a*)
— 39. A μή ποτε οὐ πορευθῇ [R πορεύσεται] (3 *a*)
— 42. ἣν νῦν ἐγὼ πορεύομαι ἐπ' αὐτήν (3 *a*)
— 58. πορεύσῃ μετὰ τοῦ ἀνθρ. τούτου; καὶ εἶπεν, Πορεύσομαι (3 *a*, 3 *a*)
— 61. ἐπορεύθησαν μετὰ τοῦ ἀνθρ. (3 *a*)
— 62. A ἐπορεύετο [R διεπ.] διὰ τῆς ἐρήμου (2 *a*)
— 65. ὁ πορευόμ. ἐν τῷ πεδίῳ (3 *a*)
25. 22. ἐπορεύθη δὲ πυθέσθαι παρὰ κυρίου (3 *a*)
— 32. ἐγὼ πορεύομαι τελευτᾶν (3 *a*)
26. 1. ἐπορεύθη δὲ Ἰσαὰκ πρὸς Ἀβιμ. (3 *a*)
— 26. Ἀβιμ. ἐπορεύθη πρὸς αὐτόν (3 *a*)
27. 5. ἐπορεύθη δὲ Ἡ. εἰς τὸ πεδίον (3 *a*)
— 9. πορευθεὶς εἰς τὰ πρόβατα (3 *a*)
— 13. πορευθεὶς ἔνεγκέ μοι (3 *a*)
— 14. πορευθεὶς δὲ ἔλαβε (3 *a*)
28. 5, 7. ἐπορεύθη εἰς τὴν Μεσοπ. (3 *a*)
— 9. ἐπορεύθη Ἡ. πρὸς Ἰσμ. (3 *a*)
— 10. ἐπορεύθη εἰς Χαρράν (3 *a*)
— 15. οὗ ἂν πορευθῇς (3 *a*)
— 20. ᾗ ἐγὼ πορεύομαι (3 *a*)
29. 1. ἐπορεύθη εἰς γῆν ἀνατολῶν (3 *a*)
30. 14. ἐπορεύθη δὲ Ῥουβὴν (3 *a*)
31. 30. νῦν οὖν πεπόρευσαι (3 *a*)
32. 17 (18). καὶ ποῦ πορεύῃ (3 *a*)
33. 12. A πορευθῶμεν [R -ευσώμεθα] ἐπ' εὐθεῖαν (3 *a*)
35. 3. A ἐν τῇ ὁδῷ ᾗ ἐπορευόμην [R -εύθην] (3 *a*)
— 21 (22). ἐπορεύθη Ῥουβὴν (3 *a*)
36. 6. ἐπορεύθη ἐκ γῆς Χ. (3 *a*)
37. 12. ἐπορεύθησαν δὲ οἱ ἀδ. αὐτοῦ (3 *a*)
— 14. πορευθεὶς ἴδε (3 *a*)
— 17. πορευθῶμεν εἰς Δωθαείμ (3 *a*)
— 17. καὶ ἐπορεύθη Ἰωσήφ (3 *a*)
— 18. A ἐπορεύοντο [R ἐπονηρεύοντο τοῦ] ἀποκτεῖναι αὐτόν †
— 25. ἐπορεύοντο δὲ καταγαγεῖν εἰς Αἴγ. (3 *a*)
— 30. ἐγὼ δὲ ποῦ πορεύομαι ἔτι (2 *a*)
41. 55. πορεύεσθε πρὸς Ἰ. (3 *a*)
42. 38. A ᾗ ἂν πορεύεσθε [R ἐὰν πορεύησθε] (3 *a*)
43. 2. πάλιν πορευθέντες (13)
— 5. οὐ πορευσόμεθα (5)
— 8. ἀναστάντες πορευσόμεθα (3 *a*)
45. 24. καὶ ἐπορεύθησαν (3 *a*)
— 28. πορευθεὶς ὄψομαι αὐτόν (3 *a*)
Ex. 2. 7 (8). ἡ δὲ εἶπεν . . . Πορεύου (3 *a*)
3. 11. πορεύσομαι πρὸς Φ. (3 *a*)
— 18. πορευσόμεθα οὖν ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3 *a*)
— 19. οὐ προήσεται ὑμᾶς Φ. . . . πορευθῆναι (3 *a*)
4. 12. καὶ νῦν πορεύου (3 *a*)
— 18. ἐπορεύθη δὲ Μ. (3 *a*)
— 18. πορεύσομαι καὶ ἀποστρέψω (3 *a*)
— 21. πορευομένου σου καὶ ἀποστρέφοντος (3 *a*)
— 27. πορεύθητι εἰς συνάντησιν Μ. (3 *a*)
— 27. καὶ ἐπορεύθη (3 *a*)
— 29. ἐπορεύθη δὲ Μ. (3 *a*)
5. 3. πορευσόμεθα οὖν ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3 *a*)
— 7. πορευέσθωσαν καὶ συναγαγέτωσαν (3 *a*)
— 8. A πορευθῶμεν [B ἐγερθ.] καὶ θύσωμεν (3 *a*)
— 11. πορευόμενοι συλλέγετε ἑαυτοῖς ἄχ. (3 *a*)
— 17. πορευθῶμεν θύσωμεν (3 *a*)
— 18. πορευθέντες [A ἀπελθόντες] ἐργάζεσθε (3 *a*)
— 23. ἀφ' οὗ πεπόρευμαι πρὸς Φ. (2 *a*)
8. 27 (23). ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν πορευσόμεθα [A -σώμ.] (3 *a*)
— 28 (24). οὐ μακρὰν ἀποτενεῖτε πορευθῆναι (3 *a*)
Ex. 10. 8. πορεύεσθε καὶ λατρεύσατε (3 *a*)
— 8. τίνες εἰσιν οἱ πορευόμ. (3 *a*)
— 9. σὺν τοῖς νεανίσκοις . . . πορευσόμεθα (3 *a*)
— 11. πορευέσθωσαν δὲ οἱ ἄνδρες (3 *a*)
— 26. τὰ κτήνη ἡμῶν πορεύσεται μεθ' ἡμῶν (3 *a*)
12. 32. τὰ πρόβατα . . . ἀναλαβόντες πορεύεσθε (3 *a*)
14. 19. καὶ ἐπορεύθη ἐκ τῶν ὄπισθεν (3 *a*)
— 29 : 15. 19. ἐπορεύθησαν διὰ ξηρᾶς (3 *a*)
15. 22. ἐπορεύοντο τρεῖς ἡμέρας (3 *a*)
16. 4. εἰ πορεύσονται τῷ νόμῳ [A ὀνόματί] μου (3 *a*)
17. 5. καὶ πορεύσῃ (3 *a*)
— 8. A ἐπορεύθη [B ἐπολέμει] Ἰσρ. ἐν Ῥ. †
18. 20. ἐν αἷς πορεύσονται ἐν αὐταῖς (3 *a*)
23. 23. πορεύσεται γὰρ ὁ ἄγγελός μου (3 *a*)
33. 1. B πορεύου [A R προπορ.] ἀνάβηθι (3 *a*)
— 15. B εἰ μὴ αὐτὸς σὺ πορεύῃ [A R συμπ.] (3 *a*)
Le. 11. 20, 21. ἃ πορεύεται ἐπὶ τέσσαρα (3 *a*)
— 27. ὃς πορεύεται ἐπὶ χειρῶν (3 *a*)
— 27. ἃ πορεύεται ἐπὶ τέσσαρα (3 *a*)
— 42. πᾶς ὁ πορευόμ. ἐπὶ κοιλίας (3 *a*)
— 42. πᾶς ὁ πορευόμ. ἐπὶ τέσσαρα (3 *a*)
18. 3. τοῖς [A ἐν τ.] νομίμοις αὐ. οὐ πορεύσεσθε (3 *a*)
— 4. πορεύεσθαι ἐν αὐτοῖς (3 *a*)
19. 16. οὐ πορεύσῃ δόλῳ (3 *a*)
20. 23. οὐχὶ πορεύεσθε τοῖς νομίμοις τῶν ἐθνῶν (3 *a*)
26. 3. ἐὰν τοῖς προστάγμασί μου πορεύησθε (3 *a*)
— 21. ἐὰν μετὰ ταῦτα πορεύησθε [A -εσθε] πλάγιοι (3 *a*)
— 23. ἀλλὰ πορεύησθε [A -σησθε] πρὸς μὲ πλάγιοι (3 *a*)
— 24. παρεύσομαι κἀγὼ . . . θυμῷ πλαγίῳ (3 *a*)
— 27. καὶ πορεύησθε [A -σησθε] πρὸς μὲ πλάγιοι (3 *a*)
— 28. αὐτὸς πορεύσομαι μεθ' ὑμῶν (3 *a*)
— 40. ἐπορεύθησαν ἐναντίον μου πλάγιοι (3 *a*)
— 41. ἐπορεύθην μετ' αὐτῶν ἐν θυμῷ πλαγίῳ (3 *a*)
Nu. 10. 30. οὐ πορεύσομαι ἀλλὰ εἰς τὴν γῆν μου (3 *a*)
— 32. ἐὰν πορευθῇς μεθ' ἡμῶν (3 *a*)
13. 27 (26). καὶ πορευθέντες ἦλθον (3 *a*)
14. 14. σὺ πορεύῃ [B¹ συμπ.] πρότερος αὐτῶν (3 *a*)
— 38. τῶν πεπορευμ. κατασκέψασθαι (3 *a*)
16. 25. ἐπορεύθη πρὸς Δ. (3 *a*)
20. 17. ὁδῷ βασιλικῇ πορευσόμεθα (3 *a*)
— 19. A παρὰ τὸ ὄρος πορευόμεθα [B παρελευσόμ.] (9)
21. 21 (22). τῇ ὁδῷ πορευσόμεθα [B² -σομαι] –
— 22. ὁδῷ βασιλικῇ πορευσόμεθα (3 *a*)
22. 7. ἐπορεύθη ἡ γερουσία Μ. (3 *a*)
— 12. οὐ πορεύσῃ μετ' αὐτῶν (3 *a*)
— 13. οὐκ ἀφίησί με ὁ θ. π. μεθ' ὑμῶν (3 *a*)
— 14. οὐ θέλει Β. πορευθῆναι μεθ' ἡμῶν (3 *a*)
— 21. ἐπορεύθη μετὰ τῶν ἀρχόντων Μ. (3 *a*)
— 22. ὅτι ἐπορεύθη [A -εύετο] αὐτός (3 *a*)
— 23. ἐπορεύετο εἰς τὸ πεδίον (3 *a*)
— 35. ἐπορεύθη Β. μετὰ τῶν ἀρχόντων Β. (3 *a*)
— 39. ἐπορεύθη Βαλαὰμ μετὰ Βαλάκ (3 *a*)
23. 3. καὶ [A ἐγὼ δὲ] πορεύσομαι (3 *a*)
— 4 (3). ἐπορεύθη ἐπερωτῆσαι τὸν θ. –
— 4 (3). καὶ ἐπορεύθη εὐθεῖαν (3 *a*)
— 15. πορεύσομαι ἐπερωτῆσαι τὸν θ. †
24. 1. οὐκ ἐπορεύθη κατὰ τὸ εἰωθός (3 *a*)
32. 6. πορεύονται [A -σονται] εἰς τὸν πόλεμον (2 *a*)
— 39. ἐπορεύθη υἱὸς Μαχίρ (3 *a*)
— 41. Ἰαΐρ ὁ τοῦ Μαν. ἐπορεύθη (3 *a*)
— 42. καὶ Ναβαὺ ἐπορεύθη (3 *a*)
33. 8. ἐπορεύθησαν ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3 *a*)
De. 1. 19. ἐπορεύθημεν πᾶσαν τὴν ἔρημον (3 *a*)
— 31. εἰς [A B² *om.*] ἣν ἐπορεύθητε (3 *a*)
— 33. A ὃς πορεύεται [B προπ.] πρότερος ὑμῶν (3 *a*)
— 33. καθ' ἣν πορεύεσθε ἐπ' αὐτῆς [A ἐν αὐτῇ] (3 *a*)
2. 27. A B² R ἐν τῇ ὁδῷ πορεύσομαι [B¹ *al.*] (3 *a*)
4. 3. ὅστις ἐπορεύθη ὀπίσω Β. (3 *a*)
5. 33 (30). πορεύεσθαι ἐν αὐτῇ [A *al.*] (3 *a*)
6. 7. καὶ πορευόμενος ἐν ὁδῷ (3 *a*)
— 14. οὐ πορεύεσθε [A οὐ μὴ πορεύσ.] ὀπίσω θεῶν ἑτ. (3 *a*)
8. 6. π. ἐν [B¹ *om.*] ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (3 *a*)
— 19. καὶ πορευθῇς ὀπίσω θεῶν ἑτέρων (3 *a*)
10. 12. π. ἐν πάσαις ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (3 *a*)
11. 19. πορευομ. σου [A -μένους] ἐν ὁδῷ (3 *a*)
— 22. π. ἐν πάσαις ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (3 *a*)

De. 11. 28. πορευθέντες λατρεύειν θεοῖς ἑτ. (3 a)
13. 2 (3). πορευθῶμεν καὶ λατρεύσωμεν (3 a)
— 4 (5). ὀπίσω κ. τοῦ θ. ὑμῶν πορεύεσθε (3 a)
— 5 (6). π. ἐν αὐτῇ (3 a)
— 6 (7). A πορευθῶμεν [B βαδίσωμεν] καὶ λατρεύσωμεν (3 a)
— 13 (14). πορευθῶμεν καὶ λατρεύσωμεν (3 a)
14. 25. πορεύσῃ εἰς τὸν τόπον (3 a)
19. 9. π. ἐν πάσαις ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (3 a)
20. 3. ὑμεῖς πορεύεσθε [A προσπ.] σήμερον (12)
— 5, 6, 7, 8. πορενέσθω καὶ ἀποστραφήτω (3 a)
26. 2. πορεύσῃ εἰς τὸν τόπον (3 a)
— 17. π. ἐν πάσαις [A om.] ταῖς ὁδοῖς αὐ. (3 a)
28. 9. καὶ πορευθῇς ἐν πάσαις ταῖς ὁδοῖς αὐ. (3 a)
— 14. π. ὀπίσω θεῶν ἑτέρων (3 a)
29. 18 (17). πορευθέντες [A -εύεσθαι] λατρεύειν τοῖς θεοῖς (3 a)
— 19 (18). ἐν τῇ ἀποπλανήσει τῆς καρδ. μου πορεύσομαι (3 a)
— 26 (25). πορευθέντες ἐλάτρευσαν θεοῖς ἑτ. (3 a)
30. 16. π. ἐν πάσαις ταῖς ὁδοῖς αὐ. (3 a)
31. 14. καὶ ἐπορεύθη M. (3 a)
Jo. 1. 9. οὗ ἐὰν πορεύῃ (3 a)
— 16. εἰς πάντα τόπον . . . πορευσόμεθα (3 a)
2. 1. πορευθέντες οἱ δύο νεανίσκοι (3 a)
— 5. οὐκ ἐπίσταμαι ποῦ πεπόρευνται (3 a)
— 22. καὶ ἐπορεύθησαν (3 a)
3. 3. A B¹ πορέυεσθε [B³ R -εύσ.] ὀπίσω αὐτῆς (3 a)
— 4. A B¹ ἣν πορέυεσθε [B² R -εύσ.] αὐτήν (3 a)
— 4. οὐ γὰρ πεπόρευσθε τὴν ὁδόν (9)
— 6. ἐπορεύοντο ἔμπροσθεν τοῦ λαοῦ (3 a)
4. 18. ἐπορεύετο καθὰ χθές (3 a)
6. 8 (9). A πορευόμενοι καὶ [B om. π. καὶ] σαλπίζοντες (3 a)
8. 7. πορεύσεσθε εἰς τὴν πόλιν †
— 9. ἐπορεύθησαν εἰς τὴν ἐνέδραν (3 a)
— 11. πορευόμενοι ἦλθον ἐξ ἐναντίας τῆς πόλ. (7)
9. 11. πορεύθητε εἰς συνάντησιν αὐτῶν (3 a)
10. 9. A ἐπορεύθ' Ἰ. [B εἰσεπ.] ἐκ Γ. (10)
14. 10. ἐπορεύθ' Ἰσρ. ἐν τῇ ἐρήμῳ (3 a)
15. 4. A πορεύεται [B ἐκπορ.] ἐπὶ Σ. (9)
16. 8. πορεύσεται τὰ ὅρια . . . ἐπὶ Χ. [A al.] (3 a)
17. 7. πορεύεται ἐπὶ [A om.] τὰ ὅρια ἐπὶ Ἰ. (3 a)
18. 8. ἀναστάντες οἱ ἄνδρες ἐπορεύθησαν (3 a)
— 8. ἐνετείλατο Ἰ. τοῖς ἀνδράσι τοῖς πορευομ. (3 a)
— 8. πορεύεσθε [A -εύθητε] καὶ χωροβατήσατε (3 a)
— 9. ἐπορεύθησαν καὶ ἐχωρόβατησαν (3 a)
19. 8. ἕως B. πορευομένων †
— 27. A πορεύεται τὸ μεθόριον –
— 47. ἐπορεύθησαν οἱ υἱοὶ Δάν (10)
— 49, 51. ἐπορεύθησαν ἐμβατεῦσαι τὴν γῆν †
22. 5. π. [A add. ἐν] πάσαις ταῖς ὁδοῖς αὐ. (3 a)
— 6. ἐπορεύθησαν εἰς τοὺς οἴκους αὐ. (3 a)
— 9. ἐπορεύθησαν οἱ υἱοὶ Ῥ. (3 a)
23. 16. καὶ πορευθέντες λατρεύσητε θεοῖς ἑτ. (3 a)
24. 17. ᾗ ἐπορεύθημεν ἐν αὐτῇ (3 a)
— 28. ἐπορεύθησαν ἕκ. εἰς τὸν τόπον αὐ. [A al.] –
Jd. 1. 3. πορεύσομαι κἀγὼ μετὰ σοῦ (3 a)
— 3. ἐπορεύθη μετ' αὐτοῦ Σ. (3 a)
— 10. ἐπορεύθ' Ἰ. πρὸς τὸν Χαν. (3 a)
— 11. A ἐπορεύθησαν [B ἀνέβησαν] ἐκεῖθεν (3 a)
— 16. A καὶ ἐπορεύθη (3 a)
— 17. καὶ ἐπορεύθ' Ἰ. (3 a)
— 26. ἐπορεύθ' [A ἀπῆλθεν] ὁ ἀνήρ (3 a)
2. 12. ἐπορεύθησαν ὀπίσω θεῶν ἑτ. (3 a)
— 15. R οἷς ἐπορεύοντο [B ἐξεπ., A ἐπόρνευον] (4)
— 17. ἧς ἐπορεύθησαν οἱ πατέρες αὐτῶν (3 a)
— 19. π. [A πορευθῆναι] ὀπίσω θεῶν ἑτ. (3 a)
— 22. π. ἐν αὐτῇ (3 a)
3. 13. καὶ ἐπορεύθη (3 a)
— 17. B καὶ ἐπορεύθη –
4. 8. ἐὰν πορευθῇς μετ' ἐμοῦ πορεύσομαι καὶ ἐὰν μὴ πορευθῇς [A add. μετ' ἐμοῦ] οὐ πορεύσομαι (3 a quater)
— 9. πορευμένη [A -σομ.] πορεύσομαι μετὰ σοῦ (3 a, 3 a)
— 9. ἣν σὺ πορεύῃ (3 a)
— 9. καὶ ἐπορεύθη μετὰ τοῦ B. (3 a)
— 24. καὶ ἐπορεύετο [A -εύθη] χείρ . . . πορευομένη (3 a, 3 a)
5. 6. καὶ ἐπορεύθησαν ἀτραποὺς [A τρίβους] ἐπορεύθησαν ὁδοὺς διεστραμμ. (3 a, 3 a)
— 10. πορευόμενοι ἐπὶ ὁδοὺς συνέδρων [A al.] (3 a)
Jd. 6. 14. πορεύου ἐν τῇ ἰσχύϊ σου (3 a)
— 21. ἐπορεύθη ἀπ' ὀφθαλμῶν αὐ. [A al.] (3 a)
7. 4. οὗτος πορεύσεται σὺν σοί [A μετὰ σοῦ] (3 a)
— 4. αὐτὸς πορεύσεται σὺν σοί [A μετὰ σοῦ] (3 a)
— 4. οὗτος οὐ πορεύσεται μετὰ σοῦ (3 a)
— 4. αὐτὸς οὐ πορεύσεται μετὰ σοῦ (3 a)
— 7. πᾶς ὁ λαὸς πορεύσονται [A ἀποτρεχέτω] (3 a)
8. 1. ἐπορεύθης παρατάξασθαι ἐν M. [A al.] (3 a)
— 29. καὶ ἐπορεύθη Ἱερ. (3 a)
9. 1. καὶ ἐπορεύθη Ἀβ. (3 a)
— 4. ἐπορεύθησαν ὀπίσω αὐτοῦ (3 a)
— 6. καὶ ἐπορεύθησαν (3 a)
— 7. καὶ ἐπορεύθη (3 a)
— 8. πορευόμενα ἐπορεύθη [A -θησαν] τὰ ξύλα (3 a, 3 a)
— 9, 11, 13. πορεύσομαι κινεῖσθαι ἐπὶ [A -ευθῶ ἄρχειν] τῶν ξύλων (3 a)
— 21. καὶ ἐπορεύθη [A add. ἐν ὁδῷ] (3 a)
— 49. καὶ ἐπορεύθησαν (3 a)
— 50. καὶ ἐπορεύθη Ἀβ. (3 a)
— 55. καὶ ἐπορεύθησαν [A ἀπῆλθον] (3 a)
10. 14. πορεύεσθε [A βαδίζετε] καὶ βοήσατε (3 a)
11. 5. καὶ ἐπορεύθησαν οἱ πρεσβύτ. (3 a)
— 8. πορεύσῃ μεθ' ἡμῶν [A al.] (3 a)
— 11. καὶ ἐπορεύθη Ἰ. (3 a)
— 13. B καὶ πορεύσομαι –
— 16. ἐπορεύθη Ἰσρ. ἐν τῇ ἐρήμῳ (3 a)
— 18. ἐπορεύθη [A διῆλθεν] ἐν τῇ ἐρήμῳ (3 a)
— 37. καὶ πορεύσομαι (3 a)
— 38. καὶ εἶπε, Πορεύου (3 a)
— 38. καὶ ἐπορεύθη αὐτή (3 a)
— 40. ἐπορεύοντο θυγατέρες Ἰσρ. [A al.] (3 a)
12. 1. A ἐπορεύθης πολεμεῖν ἐν τοῖς υἱοῖς A. [B al.] (9)
— 1. πορευθῆναι μετὰ σοῦ (3 a)
13. 11. καὶ ἐπορεύθη (3 a)
14. 3. πορεύῃ λαβεῖν γυναῖκα (3 a)
— 9. καὶ ἐπορεύετο [A -εύθη] πορευόμενος (3 a, 3 a)
— 9. ἐπορεύθη πρὸς τὸν πατέρα (3 a)
15. 4 : 16. 1. καὶ ἐπορεύθη Σ. (3 a)
17. 8. καὶ ἐπορεύθη ὁ ἀνήρ (3 a)
— 9. πορεύομαι παροικῆσαι (3 a)
— 11 (10). καὶ ἐπορεύθη ὁ Λ. (3 a)
18. 2. εἶπαν πρὸς αὐτοὺς, Πορεύεσθε (3 a)
— 5. ἐν ᾗ [A ἣν] ἡμεῖς πορευόμεθα (3 a)
— 6. πορεύεσθε ἐν εἰρήνῃ [A καὶ εἰς εἰ.] (3 a)
— 6. ἐν ᾗ [A καθ' ἣν ὑμεῖς] πορεύεσθε (3 a)
— 7. ἐπορεύθησαν οἱ πέντε ἄνδρες (3 a)
— 9. μὴ ὀκνήσητε τοῦ πορευθῆναι (3 a)
— 14. A R οἱ πορευόμ. [B πεπορευμ.] κατασκέψασθαι (3 a)
— 17. οἱ πορευθέντες [A -ευόμ.] κατασκέψασθαι (3 a)
— 24. καὶ ἐπορεύθητε [A ἀπήλθατε] (3 a)
— 26. ἐπορεύθησαν . . . εἰς ὁδὸν αὐτῶν (3 a)
19. 2. ἐπορεύθη ἀπ' αὐτοῦ ἡ παλλακὴ αὐ. [A al.] †
— 3. ἐπορεύθη ὀπίσω [A κατόπισθεν] αὐτῆς. (3 a)
— 3. A καὶ ἐπορεύθη ἕως οἴκου [B al.] (2 b)
— 5. ἀνέστη τοῦ πορευθῆναι [A ἀπελθεῖν] (3 a)
— 5. μετὰ τοῦτο πορεύσεσθε [A -εύσεθε] (3 a)
— 7. ἀνέστη ὁ ἀνὴρ τοῦ π. [A ἀ. ἀπελθεῖν] (3 a)
— 8. ὤρθρισε . . . τοῦ πορευθῆναι [A al.] (3 a)
— 9. ἀνέστη . . . τοῦ πορευθῆναι [A ἀπελθεῖν] (3 a)
— 9. πορεύσῃ [A ἀπελεύσῃ] εἰς τὸ σκήνωμά σου (3 a)
— 14. καὶ ἐπορεύθησαν [A ἀπῆλθον] (3 a)
— 17. ποῦ πορεύῃ (3 a)
— 18. ἐπορεύθην ἕως Βηθ. (3 a)
— 18. εἰς τὸν οἶκόν μου ἐγὼ πορεύομαι [A ἀποτρέχω] (3 a)
— 27. τοῦ πορευθῆναι [A ἀπελθεῖν] τὴν ὁδὸν αὐ. (3 a)
— 28. ἐπορεύθη [A ἀπῆλθεν] εἰς τὸν τόπον αὐ. (3 a)
20. 37. A ἐπορεύθη [B ἐξεχύθη] τὸ ἔνεδρον †
21. 10. πορεύεσθε [A -εύθητε] καὶ πατάξατε (3 a)
— 20. πορεύεσθε [A διέλθατε] ἐνεδρεύσατε (3 a)
— 21. πορεύεσθε [A ἀπελεύσεσθε] εἰς γῆν Βεν. (3 a)
— 23. B καὶ ἐπορεύθησαν (3 a)
Ru. 1. 1. καὶ ἐπορεύθη ἀνήρ (3 a)
— 7. ἐπορεύοντο ἐν τῇ ὁδῷ (3 a)
— 8. πορεύεσθε [A -εύθητε] δή (3 a)
— 11. A πορεύθητε [B om.] καὶ ἵνα τί πορεύεσθε μετ' ἐμοῦ (–, 3 a)
— 16. ὅπου ἐὰν πορευθῇς πορεύσομαι (3 a, 3 a)
Ru. 1. 18. κραταιοῦται αὐτὴ τοῦ π. μετ' αὐτῆς (3 a)
— 19. ἐπορεύθησαν δὲ ἀμφότεραι (3 a)
— 21. ἐγὼ πλήρης ἐπορεύθην (3 a)
2. 2. πορευθῶ δὴ εἰς ἀγρόν (3 a)
— 2. πορεύου, θυγάτηρ (3 a)
— 3. καὶ ἐπορεύθη (3 a)
— 8. μὴ πορευθῇς ἐν ἀγρῷ συλλέξαι ἑτέρῳ (3 a)
— 8. σὺ οὐ πορεύῃ ἐντεῦθεν (9)
— 9. πορεύσῃ κατόπισθεν αὐτῶν (3 a)
— 9. πορευθήσῃ εἰς τὰ σκεύη (3 a)
— 11. καὶ ἐπορεύθης πρὸς λαόν (3 a)
— 22. A B ἐπορεύθης [R ἐξῆλθες] μετὰ τῶν κορασίων αὐ. (4)
3. 10. τὸ μὴ πορευθῆναί σε ὀπίσω νεανιῶν (3 a)
I Ki. 1. 14. πορεύου ἐκ προσώπου κυρίου –
— 17. πορεύου εἰς εἰρήνην (3 a)
— 18. καὶ ἐπορεύθη ἡ γυνή (3 a)
— 19. πορεύονται [A add. καὶ ἦλθον] τὴν ὁδὸν αὐ. †
2. 26. τὸ παιδάριον Σαμ. ἐπορεύετο (3 a)
3. 6, 8. καὶ ἐπορεύθη πρὸς Ἠ. (3 a)
— 9. καὶ ἐπορεύθη Σαμ. (3 a)
— 21. οἱ υἱοὶ αὐ. πορευόμενοι ἐπορεύοντο –, –
6. 9. εἰ εἰς ὁδὸν ὁρίων αὐτῆς πορεύσεται (10)
— 12. ἐν τρίβῳ ἑνὶ ἐπορεύοντο (3 a)
— 12. ἐπορεύοντο ὀπίσω αὐτῆς (3 a)
7. 16. ἐπορεύετο κατ' ἐνιαυτὸν ἐνιαυτόν (3 a)
8. 3. οὐκ ἐπορεύθησαν οἱ υἱοὶ αὐτοῦ (3 a)
— 5. οὐ πορεύονται ἐν τῇ ὁδῷ σου (3 a)
9. 3. καὶ πορεύθητε (3 a)
— 6. καὶ νῦν πορευθῶμεν (3 a)
— 6. ἐφ' ἣν ἐπορεύθημεν ἐπ' αὐτήν (3 a)
— 7. καὶ ἰδοὺ πορευσόμεθα (3 a)
— 9. ἐν τῷ π. ἐπερωτᾶν τὸν θ. (3 a)
— 9. πορευθῶμεν πρὸς τὸν βλέποντα (3 a)
— 10. δεῦρο καὶ πορευθῶμεν (3 a)
— 10. ἐπορεύθησαν εἰς τὴν πόλιν (3 a)
10. 2. ἃς ἐπορεύθητε ζητεῖν (3 a)
— 14. ποῦ ἐπορεύθητε (3 a)
— 26. ἐπορεύθησαν υἱοὶ δυνάμεων [A -άμενοι] (3 a)
11. 14. πορευθῶμεν εἰς Γαλγ. (3 a)
— 15. ἐπορεύθη πᾶς ὁ λαὸς εἰς Γάλγ. (3 a)
12. 14. ὀπίσω κυρίου πορευόμενοι [B¹ -ων] †
14. 3. B πεπόρευται Ἰ. (3 a)
— 17. τίς πεπόρευται ἐξ ὑμῶν (3 a)
— 19. ὁ ἦχος . . . ἐπορεύετο πορευόμενος (3 a, 3 a)
— 26. καὶ ἰδοὺ ἐπορεύετο λαλῶν †
15. 3. καὶ νῦν πορεύου (3 a)
— 12. καὶ ἐπορεύθη εἰς ἀπάντησιν Ἰ. –
— 18. πορεύθητι καὶ ἐξολέθρευσον (3 a)
— 20. ἐπορεύθην [A add. ἐν] τῇ ὁδῷ (3 a)
16. 2. πῶς πορευθῶ (3 a)
17. 13. A ἐπορεύθησαν οἱ τρεῖς υἱοὶ Ἰ. (3 a)
— 13. A ἐπορεύθησαν ὀπίσω Σ. (3 a)
— 13. A τῶν πορευθέντων εἰς τὸν πόλεμον (3 a)
— 14. A ἐπορεύθησαν ὀπίσω Σ. (3 a)
— 32. ὁ δοῦλός σου πορεύσεται (3 a)
— 33. πορευθῆναι πρὸς τὸν ἀλλόφ. (3 a)
— 36. οὐχὶ πορεύσομαι καὶ πατάξω αὐτόν –
— 37. πορεύου καὶ ἔσται κ. μετὰ σοῦ (3 a)
— 39. οὐ μὴ δύνωμαι πορευθῆναι (3 a)
— 41. A ἐπορεύθη ὁ ἀλλόφ. πορευόμενος (3 a, 3 a)
— 45. κἀγὼ πορεύομαι πρὸς σέ (2 a)
— 48. ἐπορεύθη εἰς συνάντησιν Δ. (3 a)
18. 27. ἀνέστη Δ. καὶ ἐπορεύθη (3 a)
19. 18. καὶ ἐπορεύθη Σαμ. (3 a)
— 22. ἐπορεύθη καὶ αὐτὸς εἰς Ἀρμ. (3 a)
— 23. καὶ ἐπορεύθη ἐκεῖθεν (3 a)
— 23. A ἐπορεύθη πορευόμενος [B -εύετο] (3 a, 3 a)
20. 5. A πορεύσομαι [B κρυβήσ.] ἐν τῷ πεδίῳ †
— 11. πορεύου καὶ μένε εἰς ἀγρόν (3 a)
— 22. πορεύου ὅτι ἐξαπέσταλκέ σε (3 a)
— 28. ἕως εἰς Βηθ. τὴν πόλιν αὐ. πορευθῆναι –
— 40. πορεύου εἴσελθε εἰς τὴν πόλιν (3 a)
— 42. πορεύου εἰς εἰρήνην (3 a)
22. 5. πορεύου καὶ ἤξεις (3 a)
— 5. καὶ ἐπορεύθη Δ. (3 a)
23. 2. εἰ πορευθῶ καὶ πατάξω (3 a)
— 2. πορεύου καὶ πατάξεις [A al.] (3 a)
— 3. πῶς ἔσται ἐὰν πορευθῶμεν εἰς K. (3 a)
— 3. A εἰς τὰ σκῦλα . . . εἰ πορευόμεθα [B εἰσπορευσ.] –
— 5. καὶ ἐπορεύθη Δ. (3 a)
— 13. ἐπορεύοντο οὗ ἐὰν ἐπορεύθησαν (3 d, 3 d)
— 16. ἐπορεύθη πρὸς Δ. (3 a)
— 22. πορεύθητε δὴ καὶ ἑτοιμάσατε ἔτι (3 a)
— 23. πορευσόμεθα μεθ' ὑμῶν (3 a)

I Ki. 23. 24. ἐπορεύθησαν ἔμπροσθεν Σ. (3 a)
— 25. καὶ ἐπορεύθη Σ. (3 a)
— 26. πορεύονται Σ. καὶ οἱ ἄνδρες αὐ. (3 a)
— 26. π. ἀπὸ προσώπου Σ. (3 a)
— 28. ἐπορεύθη εἰς συνάντησιν τῶν ἀλλοφ. (3 a)
24. 3. ἐπορεύθη ζητεῖν τὸν Δ. (3 a)
25. 42. ἐπορεύθη ὀπίσω τῶν παίδων Δ. (3 a)
26. 2. A ἐπορεύθη [B κατέβη] εἰς τὴν ἔρημον Z. (5)
— 5. A πορεύεται [B εἰσπορ.] εἰς τὸν τόπον (2 a)
— 19. πορεύου δούλευε θεοῖς ἑτέροις (3 a)
27. 2. A R ἐπορεύθη [B *om.*] πρὸς Ἀ. –
28. 7. πορεύσομαι πρὸς αὐτήν (3 a)
— 8. καὶ πορεύεται αὐτός (3 a)
— 22. A R πορεύῃ [B -σῃ] ἐν ὁδῷ (3 a)
29. 7. πορεύου εἰς εἰρήνην (3 a)
— 10. πορεύεσθε εἰς τὸν τόπον –
— 10. καὶ πορεύθητε (3 a)
30. 9. καὶ ἐπορεύθη Δ. (3 a)
— 21. τοῦ π. ὀπίσω Δ. (3 a)
— 22. τῶν πορευθέντων μετὰ Δ. (3 a)
31. 12. ἐπορεύθησαν ὅλην τὴν νύκτα (3 a)
II Ki. 2. 19. τοῦ π. εἰς δεξιά (3 a)
— 29. ἐπορεύθησαν ὅλην τὴν παρατείνουσαν (3 a)
— 32. καὶ ἐπορεύθη Ἰωάβ (3 a)
3. 1. ὁ οἶκος Δ. ἐπορεύετο (3 a)
— 1. ὁ οἶκος Σ. ἐπορεύετο (3 a)
— 16. ἐπορεύετο ὁ ἀνὴρ αὐτῆς (3 a)
— 16. πορεύου ἀνάστρεφε (3 a)
— 19. καὶ ἐπορεύθη Ἀβ. (3 a)
— 21. πορεύσομαι καὶ συναθροίσω (3 a)
— 21. A B ἐπορεύθησαν [R -θη] ἐν εἰρήνῃ (3 a)
— 31. ἐπορεύετο ὀπίσω τῆς κλίνης (3 a)
4. 5. ἐπορεύθησαν υἱοὶ Ῥ. (3 a)
5. 10. A ἐπορεύετο [B διεπ.] Δ. πορευόμενος (3 a, 3 a)
6. 2. καὶ ἐπορεύθη Δ. (3 a)
— 4. ἐπορεύοντο ἔμπροσθεν τῆς κιβωτοῦ (3 a)
— 12. καὶ ἐπορεύθη Δ. (3 a)
7. 4 (5). πορεύου καὶ εἶπον (3 a)
— 9. ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύου (3 a)
8. 3. πορευομένου αὐτοῦ ἐπιστῆσαι τὴν χεῖρα αὐ. (3 a)
— 6, 14. ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύετο (3 a)
11. 21 (22). καὶ ἐπορεύθη ὁ ἄγγελος Ἰ. (3 a)
12. 23. ἐγὼ πορεύσομαι πρὸς αὐτόν (3 a)
— 29. ἐπορεύθη εἰς [A πρὸς] Ῥ. (3 a)
13. 7. πορεύθητι δὴ εἰς τὸν οἶκον (3 a)
— 8. ἐπορεύθη Θ. εἰς τὸν οἶκον (3 a)
— 15. ἀνάστηθι καὶ πορεύου (3 a)
— 19. ἐπορεύθη πορευομένη καὶ κράζουσα (3 a, 3 a)
— 24. πορευθήτω δὴ ὁ βασιλεύς (3 a)
— 25. μὴ πορευθῶμεν πάντες ἡμεῖς (3 a)
— 25. οὐκ ἠθέλησε τοῦ πορευθῆναι (3 a)
— 26. πορευθήτω δὴ μεθ' ἡμῶν Ἀ. (3 a)
— 26. ἵνα τί πορευθῇ μετὰ σοῦ (3 a)
— 34. λαὸς πολὺς πορευόμ. ἐν τῇ ὁδῷ (3 a)
— 37. ἐπορεύθη πρὸς Θ. (3 a)
— 38. ἐπορεύθη εἰς Γ. (3 a)
14. 21. A πορεύθητι καὶ [B *om.* π. κ., R -εύου] ἐπίστρεψον (3 a)
— 23. ἐπορεύθη εἰς Γ. (3 a)
— 30. πορεύεσθε καὶ ἐμπρήσατε αὐτήν (3 a)
15. 7. πορεύσομαι δή (3 a)
— 9. ἐπορεύθη εἰς Χ. (3 a)
— 11. ἐπορεύθησαν διακόσιοι ἄνδρες ἐξ Ἱερ. (3 a)
— 11. πορευόμενοι [A *add.* ἐν] τῇ ἁπλότητι αὐ. (3 a)
— 12. ὁ λαὸς ὁ [A *om.*] πορευόμ. καὶ πολύς (3 a)
— 14. ταχύνατε τοῦ πορευθῆναι (3 a)
— 18. πορευόμενοι ἐπὶ πρόσωπον τοῦ βασ. (9)
— 19. ἵνα τί πορεύῃ καὶ σὺ μεθ' ἡμῶν (3 a)
— 20. μετακινήσω σε . . . τοῦ πορευθῆναι [A *al.*] (3 a)
— 20. πορεύσομαι ἐφ' οὗ ἂν ἐγὼ πορευθῶ (3 a, 3 a)
— 30. ἐπορεύετο ἀνυπόδετος (3 a)
— 37. A ἐπορεύετο εἰς τὴν πόλιν [B *al.*] (2 a)
16. 13. καὶ ἐπορεύθη Δ. (3 a)
— 13. καὶ Σ. ἐπορεύετο . . . πορευόμενος καὶ καταρώμενος (3 a, 3 a)
17. 11. τὸ πρόσωπόν σου πορευόμενον ἐν μέσῳ αὐτῶν (3 a)
— 17. ἐπορεύθη ἡ παιδίσκη (3 a)
— 17. καὶ αὐτοὶ πορεύονται (3 a)
— 18. ἐπορεύθησαν οἱ δύο ταχέως (3 a)
— 21. καὶ ἐπορεύθησαν (3 a)
18. 22. εἰς [A πρὸς] ὠφέλειαν πορευομένῳ †
— 24. ἐπορεύθη ὁ σκοπός (3 a)
— 25. ἐπορεύετο [A ἐγένετο] πορευόμενος (3 a, 3 a)
II Ki. 18. 33 (19. 1). ἐν τῷ π. αὐτόν (3 a)
19. 15 (16). τοῦ π. εἰς ἀπαντὴν τοῦ βασ. (3 a)
— 25 (26). τί ὅτι οὐκ ἐπορεύθης μετ' ἐμοῦ (3 a)
— 26 (27). πορεύσομαι μετὰ τοῦ βασ. (3 a)
20. 5. καὶ ἐπορεύθη Ἀμ. (3 a)
21. 12. καὶ ἐπορεύθη Δ. (3 a)
— 15. καὶ ἐπορεύθη [A ἐξελύθη] Δ. †
23. 17. τῶν πορευθέντων ἐν ταῖς ψυχαῖς αὐ. (3 a)
24. 12. πορεύθητι καὶ λάλησον (3 a)
III Ki. 2. 2. πορεύομαι ἐν ὁδῷ πάσης τῆς γῆς (3 a)
— 3. τοῦ π. ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (3 a)
— 4. π. ἐνώπιόν μου ἐν ἀληθείᾳ (3 a)
— 8. ᾗ ἐπορευόμην εἰς παρεμβολάς (3 a)
— 29. πορεύου καὶ ἄνελε αὐτόν (3 a)
— 31. πορεύου καὶ ποίησον αὐτῷ –
3. 1 (*cf.* 2. 8). ἐπορευόμην εἰς παρεμβολάς (3 a)
— 1 (2. 40). ἐπορεύθη εἰς Γέθ (3 a)
— 1 (2. 40). ἐπορεύθη Σ. (3 a)
— 1 (2. 41). ἐπορεύθη Σ. ἐξ Ἱερ. (3 a)
— 1 (2. 42). καὶ πορευθῇς εἰς δεξιά (3 a)
— 3. π. ἐν τοῖς προστάγμασι Δ. (3 a)
— 4. ἐπορεύθη εἰς Γ. (3 a)
— 14. ἐὰν πορευθῇς ἐν τῇ ὁδῷ μου (3 a)
— 14. ὡς ἐπορεύθη Δ. ὁ πατήρ σου (3 a)
8. 23. τῷ δούλῳ σου τῷ πορευομ. ἐνώπιόν σου (3 a)
— 25. τοῦ π. ἐνώπιόν μου καθὼς ἐπορεύθης ἐνώπιον ἐμοῦ (3 a, 3 a)
— 36. π. ἐν αὐτῇ (3 a)
— 58. τοῦ π. ἐν πάσαις ὁδοῖς αὐτοῦ (3 a)
— 61. ὁσίως π. ἐν τοῖς προστάγμασιν αὐ. (3 a)
9. 4. ἐὰν πορευθῇς ἐνώπιον ἐμοῦ (3 a)
— 4. καθὼς ἐπορεύθη Δ. ὁ πατήρ σου (3 a)
— 6. καὶ πορευθῆτε καὶ δουλεύσητε (3 a)
— 12. ἐπορεύθη εἰς τὴν Γαλιλαίαν –
11. 5. A ἐπορεύθη Σ. ὀπίσω τῆς Ἀστ. [B *al.*] (3 a)
— 6. οὐκ ἐπορεύθη ὀπίσω κυρίου (6)
— 10. μὴ πορευθῆναι ὀπίσω θεῶν ἑτ. (3 a)
— 14 (B), 24 (A). A καὶ ἐπορεύθησαν Δαμ. [B *al.*] (3 a)
— 15. ἐν τῷ πορευθῆναι Ἰωάβ (10)
— 33. οὐκ ἐπορεύθη ἐν ταῖς ὁδοῖς μου (3 a)
— 38. καὶ πορευθῇς ἐν ταῖς ὁδοῖς μου (3 a)
12. 1. πορεύεται βασιλεὺς Ῥοβ. (3 a)
— 24. κατέπαυσαν τοῦ πορευθῆναι (3 a)
— 24. B οὐκ ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ Δ. –
— 24. B ἐπορεύθη Ἱερ. ἐπερωτῆσαι –
— 24 (*cf.* A 14. 2). B ἀνάστηθι πορεύου –
— 24. B καὶ πορεύεται –
— 24. B ἐπορεύθη Ἱερ. εἰς Σίκ. –
— 24. B πορεύονται ὀπίσω αὐτοῦ –
— 24. B ἀνέσχον τοῦ [R μὴ] πορευθῆναι –
— 28. A καὶ ἐπορεύθη ὁ βασ. –
— 28. καὶ ἐπορεύθη –
— 30. ἐπορεύετο . . . πρὸ προσώπου τῆς μιᾶς (3 a)
13. 9. ᾗ ἐπορεύθης ἐν αὐτῇ (3 a)
— 12. ποίᾳ ὁδῷ πεπόρευται (3 a)
— 14. B καὶ ἐπορεύθη (3 a)
— 17. ᾗ ἐπορεύθης ἐν αὐτῇ (3 a)
— 28. καὶ ἐπορεύθη (3 a)
14. 2. A πορευθήσῃ εἰς Σ. (3 a)
— 4. A ἐπορεύθη εἰς Σ. (3 a)
— 7. A πορευθεῖσα εἰπὸν τῷ Ἱερ. (3 a)
— 8. A ὃς ἐπορεύθη ὀπίσω μου (3 a)
— 9. A καὶ ἐπορεύθης (3 a)
— 12. A πορεύθητι εἰς τὸν οἶκόν σου (3 a)
— 17. A ἐπορεύθη εἰς γῆν Σ. (3 a)
15. 3. ἐπορεύθη ἐν ταῖς ἁμαρτίαις τοῦ πατρὸς αὐ. (3 a)
— 26. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (3 a)
— 34. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ Ἱερ. (3 a)
16. 2. ἐπορεύθης ἐν τῇ ὁδῷ Ἱερ. (3 a)
— 18. B πορεύονται [R -εύεται, A εἰσπορ.] εἰς ἄντρον (2 a)
— 19. πορευθῆναι ἐν ὁδῷ Ἱερ. (3 a)
— 26. ἐπορεύθη ἐν πάσῃ ὁδῷ Ἱερ. (3 a)
— 28 (22. 43). B ἐπορεύθη ἐν τῇ ὁδῷ Ἀσά (3 a)
— 28 (22. 48 [49]). B ἐποίησε ναῦν εἰς Θ. π. (3 a)
— 28 (22. 48 [49]). B π. [R *om.*] ἐπὶ τὸ χρυσίον –
— 28 (22. 48 [49]). καὶ οὐκ ἐπορεύθη (3 a)
— 31. τοῦ π. ἐν ταῖς ἁμαρτίαις Ἱερ. (3 a)
— 31. καὶ ἐπορεύθη (3 a)
17. 3. πορεύου ἐντεῦθεν κατὰ ἀνατολάς (3 a)
— 5. A καὶ ἐπορεύθη (3 a)
— 9. ἀνάστηθι καὶ πορεύου [A -εύθητι] (3 a)
— 10. ἐπορεύθη εἰς Σαρ. (3 a)
III Ki. 17. 11. καὶ ἐπορεύθη λαβεῖν (3 a)
— 15. ἐπορεύθη ἡ γυνή (3 a)
18. 1. πορεύθητι καὶ ὄφθητι (3 a)
— 2. καὶ ἐπορεύθη Ἠ. (3 a)
— 6. Ἀχ. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ μιᾷ (3 a)
— 6. Ἀβδ. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ ἄλλῃ (3 a)
— 8. πορεύου λέγε (3 a)
— 11. πορεύου ἀνάγγελε (3 a)
— 14. πορεύου λέγε (3 a)
— 16. καὶ ἐπορεύθη Ἀ. (3 a)
— 16. ἐπορεύθη εἰς συνάντησιν Ἠ. (3 a)
— 18. καὶ ἐπορεύθης [A -θη] ὀπίσω Β. (3 a)
— 21 *bis.* πορεύεσθε ὀπίσω αὐτοῦ (3 a)
— 45. ἐπορεύετο [A -εύθη] Ἀχ. ἕως Ἰ. (3 a)
19. 4. ἐπορεύθη . . . ὁδὸν ἡμέρας (3 a)
— 8. καὶ ἐπορεύθη . . . τεσσαράκοντα ἡμέρας (3 a)
— 15. πορεύου ἀνάστρεφε (3 a)
— 20. A πορεύου [B *om.*] ἀνάστρεφε (3 a)
— 21. ἐπορεύθη ὀπίσω Ἠ. (3 a)
20 (21). 26. π. ὀπίσω τῶν βδελυγμάτων (3 a)
— 27. καὶ ἐπορεύετο κλαίων –
— 27. καὶ ἐπορεύθη (3 b)
21 (20). 38. καὶ ἐπορεύθη ὁ προφήτης (3 a)
22. 6. εἰ πορευθῶ εἰς Ῥ. (3 a)
— 13. ὁ ἄγγελος ὁ πορευθεὶς καλέσαι (3 a)
— 43. ἐπορεύθη ἐν πάσῃ ὁδῷ Ἀσά (3 a)
— 49. A τοῦ πορευθῆναι Ὠφειρδέ (3 a)
— 49. A καὶ οὐκ ἐπορεύθησαν (3 a)
— 50. A πορευθήτωσαν δοῦλοί σου (3 a)
— 53. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ Ἀχ. (3 a)
IV Ki. 1. 2. ἐπορεύθησαν ἐπερωτῆσαι –
— 3. A πορεύθητι εἰς συνάντησιν τῶν ἀγγ. [B *al.*] (10)
— 3. ὑμεῖς πορεύεσθε ἐπιζητῆσαι (3 a)
— 4. καὶ ἐπορεύθη Ἠλ. (3 a)
— 6. σὺ πορεύῃ ζητῆσαι †
2. 1. καὶ ἐπορεύθη Ἠλ. (3 a)
— 6. καὶ ἐπορεύθησαν ἀμφότεροι (3 a)
— 11. καὶ ἐγένετο αὐτῶν πορευομ. ἐπορεύοντο καὶ ἐλάλουν (3 a, 3 a)
— 16. πορευθέντες δὴ ζητησάτωσαν (3 a)
— 18. μὴ πορευθῆτε (3 a)
— 25. καὶ ἐπορεύθη ἐκεῖθεν (3 a)
3. 7. καὶ ἐπορεύθη (3 a)
— 7. εἰ πορεύσῃ μετ' ἐμοῦ (3 a)
— 9. καὶ ἐπορεύθη ὁ βασ. Ἰσρ. (3 a)
4. 23. τί ὅτι σὺ πορεύῃ πρὸς αὐτόν (3 a)
— 24. ἄγε πορεύου (3 a)
— 24. καὶ πορεύσῃ (3 a ?)
— 25. R καὶ ἐπορεύθη (3 a)
— 30. ἐπορεύθη ὀπίσω αὐτῆς (3 a)
— 35. ἐπορεύθη ἐν τῇ οἰκίᾳ (3 a)
5. 5. A πορεύου [B *om.*] πρὸς Ν. –
— 5. καὶ ἐπορεύθη (3 a)
— 10. πορευθεὶς λοῦσαι ἑπτάκις (3 a)
— 12. οὐχὶ πορευθεὶς λούσομαι [A πορεύσ.] –, †
— 24. A καὶ ἐπορεύθησαν (3 a)
— 25. οὐ πεπόρευται ὁ δοῦλός σου (3 a)
— 26. A R οὐχὶ ἡ καρδ. μου ἐπορεύθη [B -εύετο] (3 a)
6. 2. πορευθῶμεν δὴ ἕως τοῦ Ἰορδ. (3 a)
— 3. ἐγὼ πορεύσομαι (3 a)
— 4. καὶ ἐπορεύθη μετ' αὐτῶν (3 a)
7. 8 *bis.* καὶ ἐπορεύθησαν (3 a)
— 15. ἐπορεύθησαν ὀπίσω αὐτῶν (3 a)
8. 2. A B καὶ ἐπορεύθη [R *om.*] αὐτή (3 a)
— 9. καὶ ἐπορεύθη Ἀζαήλ (3 a)
— 18. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ βασιλέων Ἰσρ. (3 a)
— 27. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ οἴκου Ἀχ. (3 a)
— 28. ἐπορεύθη μετὰ Ἰ. . . . εἰς πόλεμον (3 a)
9. 4. ἐπορεύθη τὸ παιδάριον (3 a)
— 15. τοῦ πορευθῆναι καὶ ἀπαγγεῖλαι (3 a)
— 16. καὶ ἐπορεύθη Ἰού (3 a)
— 18. καὶ ἐπορεύθη ἐπιβάτης ἵππου (3 a)
— 35. ἐπορεύθησαν θάψαι αὐτήν (3 a)
10. 12. καὶ ἐπορεύθη εἰς Σαμάρειαν (2 a + 3 a [3 a])
— 15. καὶ ἐπορεύθη ἐκεῖθεν (3 a)
— 26 (25). καὶ ἐπορεύθησαν ἕως πόλεως (3 a)
— 31. οὐκ ἐφύλαξε π. ἐν νόμῳ κυρίου (3 a)
12. 17 (18). A πορευθῆναι [B ἀναβῆναι] ἐπὶ Ἱερ. (10)
13. 2. ἐπορεύθη ὀπίσω ἁμαρτιῶν Ἱερ. (3 a)
— 6. ἐν αὐτῇ ἐπορεύθη [A -αῖς ἐπορεύθησαν] (3 a)
— 11. ἐν αὐτῇ ἐπορεύθη (3 a)
— 21. καὶ ἐπορεύθη καὶ ἥψατο (3 a)
16. 3. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ βασιλέων Ἰσρ. (3 a)
— 10. καὶ ἐπορεύθη βασιλεὺς Ἄχαζ (3 a)

IV Ki. 17. 8. ἐπορεύθησαν τοῖς δικαιώμασι τῶν ἐθνῶν (3 a)
— 15. ἐπορεύθησαν ὀπίσω τῶν ματαίων [A al.] (3 a)
— 19. ἐπορεύθησαν ἐν τοῖς δικαιώμ. Ἰσρ. (3 a)
— 22. ἐπορεύθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (3 a)
— 27. καὶ πορευέσθωσαν (3 a)
19. 36. ἀπῆρε καὶ ἐπορεύθη (3 a)
20. 9. πορεύσεται ἡ σκιὰ δέκα βαθμούς (3 a)
21. 21. ἐπορεύθη ἐν πάσῃ ὁδῷ ᾗ ἐπορεύθη ὁ πατὴρ αὐτοῦ (3 a, 3 a)
— 22. οὐκ ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ κυρίου (3 a)
22. 2. ἐπορεύθη ἐν πάσῃ ὁδῷ Δ. (3 a)
— 14. καὶ ἐπορεύθη Χ. (3 a)
23. 3. τοῦ π. ὀπίσω κυρίου (3 a)
— 29. καὶ ἐπορεύθη Ἰωσίας (3 a)
25. 4. ἐπορεύθη ὁδὸν τὴν Ἄραβα (3 a)
I Ch. 4. 39. ἐπορεύθησαν ἕως τοῦ ἐλθεῖν Γέρ. (3 a)
— 42. ἐπορεύθησαν εἰς ὄρος Σ. (3 a)
6. 15 (5. 41). Ἰωσ. ἐπορεύθη ἐν τῇ μετοικίᾳ (3 a)
11. 4. καὶ ἐπορεύθη ὁ βασ. (3 a)
— 9. ἐπορεύετο Δαυὶδ πορευόμενος (3 a, 3 a)
12. 18. πορεύου καὶ ὁ λαός σου [A al.] †
— 20. ἐν τῷ πορευθῆναι αὐτὸν εἰς Σικ. (3 a)
14. 14. οὐ πορεύσῃ [S -θῇ] ὀπίσω αὐτῶν (10)
15. 25. οἱ [A om.] πορευόμ. τοῦ ἀναγαγεῖν τὴν κιβ. (3 a)
16. 20. ἐπορεύθησαν ἀπὸ ἔθνους εἰς ἔθνος (3 d)
— 43. ἐπορεύθη ἅπας ὁ λαός (3 a)
17. 4. πορεύου καὶ εἰπὸν πρὸς Δ. (3 a)
— 8. ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύθης (3 a)
18. 3. πορευομ. αὐτοῦ ἐπιστῆσαι χεῖρα αὐ. (3 a)
— 6, 13. ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύετο (3 a)
21. 2. πορεύθητε ἀριθμήσατε τὸν Ἰσρ. (3 a)
— 10. πορεύου καὶ λάλησον (3 a)
— 30. τοῦ πορευθῆναι ἔμπροσθεν αὐτοῦ (3 a)
II Ch. 1. 3. καὶ ἐπορεύθη Σαλ. (3 a)
— 16. ἡ τιμὴ τῶν ἐμπόρων . . . πορεύεσθαι †
2. 8 (7). οἱ παῖδές σου . . . πορεύσονται –
6. 14. τοῖς πορευομ. ἐναντίον σου (3 a)
— 16. B τοῦ π. ἐν τῷ ὀνόματί [A R νόμῳ] μου ὡς ἐπορεύθης ἐναντίον μου (3 a, 3 a)
— 27. ἐν ᾗ πορεύσονται ἐν αὐτῇ (3 a)
7. 17. ἐὰν πορευθῇς ἐναντίον μου (3 a)
— 19. καὶ πορευθῆτε (3 a)
9. 21. ναῦς τῷ βασ. ἐπορεύετο (3 a)
10. 5. πορεύεσθε ἕως τριῶν ἡμερῶν –
— 16. καὶ ἐπορεύθη πᾶς Ἰσρ. (3 a)
11. 4. τοῦ μὴ πορευθῆναι ἐπὶ Ἱερ. (3 a)
— 14. ἐπορεύθησαν πρὸς Ἰούδα (3 a)
— 17. ἐπορεύθη ἐν [A om.] ταῖς ὁδοῖς Δ. (3 a)
17. 3. ἐπορεύθη ἐν ὁδοῖς τοῦ π. αὐτοῦ (3 a)
— 4. ἐν ταῖς ἐντ. τοῦ πατρὸς αὐ. ἐπορεύθη (3 a)
— 12. ἦν Ἰωσ. πορευόμενος (3 a)
18. 3. πορεύσῃ μετ' ἐμοῦ (3 a)
— 5. εἰ πορευθῶ εἰς Ῥ. (3 a)
— 12. ὁ πορευθεὶς τοῦ καλέσαι τὸν Μ. (3 a)
— 14. εἰ πορευθῶ [A εἰσπ.] εἰς Ῥ. (3 a)
20. 32. ἐπορεύθη ἐν [A om.] ταῖς ὁδοῖς (3 a)
— 36. ἐν τῷ ποιῆσαι καὶ πορευθῆναι [A om.] –
— 36. πορευθῆναι εἰς Θ. (3 a)
— 37. οὐκ ἐδυνάσθη τοῦ πορευθῆναι εἰς Θ. (3 a)
21. 6. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ βασιλέων Ἰσρ. (3 a)
— 12. οὐκ ἐπορεύθης ἐν ὁδῷ Ἰωσ. (3 a)
— 13. ἐπορεύθης ἐν ὁδοῖς βασιλέων Ἰσρ. (3 a)
— 20. ἐπορεύθη οὐκ ἐν [A ἐν οὐκ] ἐπαίνῳ (3 a)
22. 3. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ οἴκου Ἀχαάβ (3 a)
— 5. ἐν ταῖς βουλαῖς αὐ. ἐπορεύθη (3 a)
— 5. ἐπορεύθη μετὰ Ἰωράμ (3 a)
25. 7. οὐ πορεύσεται [A παρελεύσ.] . . . δύναμις Ἰσρ. (2 a)
— 11. ἐπορεύθη εἰς τὴν κοιλάδα τῶν ἁλῶν (3 a)
— 13. R τοῦ μὴ πορευθῆναι [A B εὑρεθ.] μετ' αὐτοῦ (3 a)
28. 2. ἐπορεύθη κατὰ τὰς ὁδοὺς βασιλέων Ἰ. (3 a)
30. 6. ἐπορεύθησαν οἱ τρέχοντες (3 a)
33. 14. A πορευομένων [B ἐκπ.] τὴν πύλην –
34. 2. ἐπορεύθη ἐν ὁδοῖς Δ. τοῦ πατρὸς αὐ. (3 a)
— 21. πορεύθητε ζητήσατε τὸν κ. (3 a)
— 22. καὶ ἐπορεύθη Χ. (3 a)
— 31. τοῦ πορευθῆναι ἐνώπιον κυρίου (3 a)
35. 20. καὶ ἐπορεύθη βασ. Ἰωσίας (4)
I Es. 9. 1. ἐπορεύθη εἰς τὸ παστοφόριον
II Es. 4. 23. ἐπορεύθησαν . . . εἰς Ἱερ. (1 a)
5. 8. ἐπορεύθημεν εἰς τὴν Ἰουδαίαν χώραν (1 a)
— 15. λάβε καὶ πορεύου (1 b)
7. 13. πορευθῆναι εἰς Ἱερ. (3 e)
II Es. 7. 13. μετὰ σοῦ πορευθῆναι (3 e)
10. 6. ἐπορεύθη εἰς γαζοφυλάκιον Ἰω. (3 a)
— 6. καὶ ἐπορεύθη ἐκεῖ (3 a)
Ne. 2. 16. οὐκ ἔγνωσαν τί ἐπορεύθην (3 a)
6. 17. ἐπιστολαὶ ἐπορεύοντο πρὸς Τ. (3 a)
8. 10. πορεύεσθε φάγετε (3 a)
9. 12, 19. ἐν ᾗ πορεύσονται ἐν αὐτῇ (3 a)
10. 29 (30). τοῦ π. ἐν νόμῳ τοῦ θεοῦ (3 a)
12. 32. ἐπορεύθη ὀπίσω αὐτῶν Ὠ. (3 a)
— 38. S² ἡ δευτέρα ἐπορεύετο (3 a)
To. 1. 3. ὁδοῖς ἀληθείας ἐπορεύμην
— 3. S τοῖς πορευθεῖσι [B προπορ., A συμπορευομ.] μετ' ἐμοῦ
— 6. ἐπορεύμην . . . εἰς Ἱερ.
— 7. καὶ ἐπορευόμην
— 10. S ἐπορευόμην
— 14. ἐπορευόμην εἰς τὴν Μηδίαν
— 15. οὐκέτι ἠδυνάσθην πορευθῆναι
— 19. πορευθεὶς δὲ εἰς τῶν ἐν Νιν. [S al.]
2. 3. S ἐπορεύθη Τω. ζητῆσαι
— 10. ἐπορεύθην [S -ευόμην] πρὸς ἰατρούς
— 10. ἕως οὗ ἐπορεύθην εἰς τὴν Ἐλ. [S al.]
3. 5. οὐ γὰρ ἐπορεύθημεν ἐν ἀληθείᾳ
4. 5. μὴ πορευθῇς ταῖς ὁδοῖς τῆς ἀδικίας
— 15. A B μὴ πορευθήτω μετὰ σοῦ μέθη
5. 2. S τοῦ πορευθῆναι ἐκεῖ
— 3. S ὃς πορεύσεται μετὰ σοῦ [A B al.]
— 3. λάβε πορευθεὶς τὸ ἀργύριον [S al.]
— 4. καὶ ἐπορεύθη [S al.]
— 4. S ὃς πορεύσεται μετ' αὐτοῦ
— 5. πορευθῆναι μετὰ σοῦ [S al.]
— 6. A B πορεύσομαι μετὰ σοῦ
— 6. S πλεονάκις ἐπορεύθην εἰς Μ.
— 8. εἶπεν αὐτῷ, Πορεύου [S al.]
— 8. τοῦ πορευθῆναι [S ἵνα πορευθῇ] μετὰ σοῦ
— 9. S θέλει πορευθῆναι εἰς Μ.
— 9. S δυνήσομαι πορευθῆναι μετ' αὐτοῦ
— 13. ὡς ἐπορευόμεθα κοινῶς [S al.]
— 14. S πορεύθητι μετὰ τοῦ υἱοῦ μου
— 15. S πορεύσομαι μετ' αὐτοῦ
— 16. πορεύου μετὰ τοῦ ἀνθρώπου τούτου [S al.]
— 16. S πορευθῆναι τὴν ὁδὸν αὐτοῦ [A B al.]
— 16. S πορεύου ὑγιαίνων
— 20. S πορεύσεται τὸ παιδίον ἡμῶν [A B al.]
6. 1. S ἐπορεύθη μετ' αὐτῶν
— 1. οἱ δὲ πορευόμ. τὴν ὁδόν [S καὶ ἐπορεύθησαν ἀμφότεροι]
— 5. S ἐπορεύθησαν ἀμφότεροι κοινῶς [A B al.]
— 16. S ἡ ὀσμὴ πορεύσεται [A B al.]
— 17. πορεύσεται μετὰ σοῦ
8. 2. ὁ δὲ πορευόμ. ἐμνήσθη [S al.]
— 9. ἀναστὰς Ῥ. ἐπορεύθη [S al.]
— 21. π. . . . πρὸς τὸν πατέρα [S al.]
9. 2. πορεύθητι . . . παρὰ Γαβ.
— 5. καὶ ἐπορεύθη Ῥ.
10. 1. S ἐν πόσαις πορεύσεται
— 5. S ἀφῆκά σε πορευθῆναι [A B om.]
— 6. S ὁ ἄνθρ. ὁ πορευθεὶς μετ' αὐτοῦ
— 7. ἐπορεύετο καθ' ἡμέραν [S al.]
— 8. S ὅπως . . . πορευθῶ πρὸς τὸν πατ. μου
11. 1. ἐπορεύετο καὶ Τ. [S al.]
— 1. καὶ ἐπορεύετο [S al.]
— 4. S καὶ ἐπορεύθησαν ἀμφότεροι
— 4. A B καὶ ἐπορεύθησαν
— 6. ὁ ἄνθρωπος ὁ πορευθεὶς μετ' αὐτοῦ
— 16. οἱ θεωροῦντες αὐτὸν πορευόμ. [S al.]
12. 1. S τῷ ἀνθρ. τῷ πορευθέντι μετὰ σοῦ [A B al.]
13. 13. S τότε πορεύθητι [A B χάρηθι]
Ju. 5. 9. καὶ πορευθῆναι εἰς γῆν Χαν.
8. 35. πορεύου εἰς εἰρήνην
— 36. ἐπορεύθησαν ἐπὶ τὰς διατάξεις αὐ.
10. 11. ἐπορεύοντο ἐν τῷ αὐλῶνι
— 12. καὶ ποῦ πορεύῃ
— 13. ὁδὸν καθ' ἣν πορεύσεται
12. 11. A B πεῖσον δὴ πορευθεὶς τὴν γυναῖκα τὴν Ἑβρ.
13. 16. ἐν τῇ ὁδῷ μου ᾗ ἐπορεύθην
— 20. ἐπ' εὐθεῖαν πορευθεῖσα
14. 3. πορεύσονται εἰς τὴν παρεμβολὴν αὐ.
Es. 4. 10. πορεύθητι πρὸς Μαρδοχαῖον †
— 13. πορεύθητι καὶ εἶπον αὐτῇ –
9. 3 (4). S² ἐμεγαλύνετο γὰρ Μ. πορευόμενος (3 a)
Jb. 10. 21. πρὸ τοῦ με πορευθῆναι (3 a)
16. 23 (22). A B S² ὁδῷ δὲ ᾗ οὐκ ἐπαναστραφήσομαι πορεύσομαι (3 a)
Jb. 23. 8. R εἰ γὰρ πρῶτος [B S εἰς γὰρ πρῶτα] πορεύσομαι [A ἐὰν γὰρ πορευθῶ εἰς τὰ πρῶτα] (3 a)
24. 13. οὐδὲ ἁρπαστοὺς αὐ. ἐπορεύθησαν †
29. 3. ὅτε τῷ [A ἐν τῷ] φωτὶ αὐ. ἐπορευόμην (3 a)
— 20. τὸ τόξον μου [A αὐτοῦ] ἐν χειρὶ αὐτοῦ πορεύεται [A πορεύσεται] †
30. 28. στένων πεπόρευμαι ἄνευ φιμοῦ (3 a)
31. 5. εἰ δὲ ἤμην πεπορευμένος μετὰ γελοιαστῶν (15)
34. 8. τοῦ πορευθῆναι μετὰ ἀσεβῶν (3 a)
38. 35. καὶ πορεύσονται (3 a)
42. 8. πορεύθητε πρὸς τὸν θεράποντά μου (3 a)
— 9. ἐπορεύθη [A -ησαν] δὲ Ἐλ. (3 a)
Ps. 1. 1. -ὃς οὐκ ἐπορεύθη ἐν βουλῇ ἀσεβῶν (3 a)
14 (15). 2. πορευόμενος ἄμωμος (3 a)
22 (23). 4. ἐὰν γὰρ καὶ πορευθῶ ἐν μέσῳ σκιᾶς θανάτου (3 a)
25 (26). 1. ἐγὼ ἐν ἀκακίᾳ μου ἐπορεύθην (3 a)
— 11. ἐγὼ δὲ ἐν ἀκακίᾳ μου ἐπορεύθην (3 a)
31 (32). 8. ἐν ὁδῷ ταύτῃ ᾗ πορεύσῃ (3 a)
37 (38). 6. σκυθρωπάζων ἐπορευόμην (3 b)
41 (42). 9. ἵνα τί σκυθρωπάζων πορεύομαι (3 a)
42 (43). 2. ἵνα τί σκυθρωπάζων πορεύομαι (3 d)
54 (55). 14. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ θ. ἐπορεύθημεν (3 b)
77 (78). 10. ἐν τῷ νόμῳ αὐ. οὐκ ἤθελον π. (3 a)
— 39. πνεῦμα πορευόμ. καὶ οὐκ ἐπιστρέφον (3 a)
80 (81). 12. πορεύσονται ἐν τοῖς ἐπιτηδεύμ. αὐ. (3 a)
— 13. Ἰσραὴλ ταῖς ὁδοῖς μου εἰ ἐπορεύθη (3 b)
83 (84). 7. πορεύσονται ἐκ δυνάμεως εἰς δύναμιν (3 a)
— 11. A B S τοὺς πορευομένους [R τοῖς π.] ἐν ἀκακίᾳ (3 a)
84 (85). 13. δικαιοσύνη ἐναντίον αὐτοῦ προπορεύσεται [S¹ πορ.] (3 b)
85 (86). 11. A B πορεύσομαι τῇ [S R ἐν τῇ] ἀληθείᾳ σου (3 b)
88 (89). 14. A ἔλεος καὶ ἀλήθεια πορεύσονται πρὸ προσώπου σου [B S al.] (14)
— 15. ἐν τῷ φωτὶ τοῦ προσώπου σου πορεύσονται (3 b)
— 30. καὶ τοῖς κρίμασί μου μὴ πορευθῶσιν (3 a)
100 (101). 6. πορευόμενος ἐν ὁδῷ ἀμώμῳ (3 a)
104 (105). 41. ἐπορεύθησαν ἐν ἀνύδροις ποταμοί (3 a)
106 (107). 7. τοῦ πορευθῆναι εἰς πόλιν κατοικητηρίου (3 a)
118 (119). 1. οἱ πορευόμενοι ἐν νόμῳ κυρίου (3 a)
— 3. οὐ γὰρ . . . ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐ. ἐπορεύθησαν (3 a)
— 45. ἐπορευόμην ἐν πλατυσμῷ (3 d)
121 (122). 1. εἰς οἶκον κυρίου πορευσόμεθα [A -σώμ.] (3 a)
125 (126). 6. πορευόμενοι ἐπορεύοντο (3 a, 3 a)
127 (128). 1. οἱ πορευόμ. ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐ. (3 a)
130 (131). 1. οὐδὲ ἐπορεύθην ἐν μεγάλοις (3 b)
137 (138). 7. ἐὰν πορευθῶ ἐν μέσῳ θλίψεως (3 a)
138 (139). 7. ποῦ πορευθῶ ἀπὸ τοῦ πνεύματός σου (3 a)
141 (142). 3. ἐν ὁδῷ ταύτῃ ᾗ ἐπορευόμην (3 b)
142 (143). 8. ὁδὸν ἐν ᾗ πορεύσομαι (3 a)
Pr. 1. 15. μὴ πορευθῇς ἐν ὁδῷ [A π. ὁδούς] (3 a)
2. 13. τοῦ πορεύεσθαι ἐν ὁδοῖς σκότους (3 a)
— 19. πάντες οἱ πορευόμενοι ἐν αὐτῇ (2 a)
— 20. εἰ γὰρ ἐπορεύοντο τρίβους ἀγαθάς (3 a)
3. 23. ἵνα πορεύῃ πεποιθὼς ἐν εἰρήνῃ πάσας τὰς ὁδούς σου (3 a)
4. 12. ἐὰν γὰρ πορεύῃ (3 a)
6. 8. πορεύθητι πρὸς τὴν μέλισσαν –
— 12. πορεύεται ὁδοὺς οὐκ ἀγαθάς (3 a)
7. 19. πεπόρευται δὲ ὁδὸν μακράν (3 a)
10. 9. ὃς πορεύεται ἁπλῶς πορεύεται πεποιθώς (3 a, 3 a)
14. 2. ὁ πορευόμενος ὀρθῶς φοβεῖται τὸν κ. (3 a)
15. 21. ἀνὴρ δὲ φρόνιμος κατευθύνων πορεύεται (3 a)
24. 42 (27). πορεύου κατόπισθέν μου †
— 64 (30. 29). ἃ εὐόδως πορεύεται [A -ονται] (11)
28. 6. κρείσσων πτωχὸς πορευόμ. ἐν ἀληθείᾳ (3 a)
— 18. ὁ πορευόμ. δικαίως βεβοήθηται ὁ δὲ σκολιαῖς ὁδοῖς πορευόμ. ἐμπλακήσεται (3 a, †)
— 26. ὃς δὲ πορεύεται σοφίᾳ σωθήσεται (3 a)
Ec. 1. 4. γενεὰ πορεύεται καὶ γενεὰ ἔρχεται (3 a)
— 6. πορεύεται πρὸς νότον (3 a)
— 6. κυκλοῖ κυκλῶν πορεύεται τὸ πνεῦμα (3 a)
— 7. πορεύονται εἰς τὴν θάλασσαν (3 a)
— 7. εἰς τόπον οὗ οἱ χείμαρροι πορεύονται ἐκεῖ αὐτοὶ ἐπιστρέφουσι τοῦ [S om.] πορευθῆναι (3 a, 3 a)

Ec. 2. 14. ὁ ἄφρων ἐν σκότει πορεύεται (3 a)
3. 20. A S² τὰ πάντα πορεύεται [B S¹ om.] εἰς τόπον ἕνα (3 a)
4. 17. ἐν ᾧ ἐὰν πορεύῃ [S² τῷ πορεύεσθαι] εἰς οἶκον τοῦ θεοῦ (3 a)
5. 14. ἐπιστρέψει τοῦ πορευθῆναι ὡς ἥκει (3 a)
— 14. ἵνα πορευθῇ ἐν χειρὶ αὐτοῦ (3 c)
6. 4. ἐν σκότει πορεύεται (3 a)
— 6. μὴ οὐκ εἰς τόπον ἕνα πορεύεται [S πορεύσ.] τὰ πάντα (3 a)
— 8. ὁ πένης οἶδε πορευθῆναι (3 a)
— 9. ἀγαθὸν ὅραμα ὀφθαλμῶν ὑπὲρ πορευόμενον ψυχῇ (3 a)
7. 3 (2). ἀγαθὸν πορευθῆναι εἰς οἶκον πένθους ἢ ὅτι [S² παρὰ τὸ] πορευθῆναι εἰς οἶκον πότου (3 a, 3 a)
8. 3. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ πορεύῃ (3 a)
— 10. S² καὶ ἐκ τοῦ ἁγίου ἐπορεύθησαν [ABS¹ om.] (3 b ?)
— 10. ἐπορεύθησαν καὶ ἐπηνέθησαν ἐν τῇ πόλει (3 b)
9. 10. ὅπου σὺ πορεύῃ ἐκεῖ (3 a)
10. 3. ἐν ὁδῷ ὅταν ἄφρων [S ἄφνω] πορεύηται (3 a)
— 7. ἄρχοντας πορευομένους ὡς δούλους (3 a)
— 15. οὐκ ἔγνω τοῦ πορευθῆναι εἰς πόλιν (3 a)
12. 5. ἐπορεύθη ὁ ἄνθρ. εἰς οἶκον αἰῶνος αὐ. (3 a)
Ca. 2. 11. ὁ ἐετὸς ἀπῆλθεν ἐπορεύθη ἑαυτῷ (3 a)
4. 6. πορεύσομαι ἐμαυτῷ πρὸς τὸ ὄρος (3 a)
7. 9 (10). πορευόμενος τῷ ἀδελφιδῷ μου (3 a)
Wi. 1. 11. φθέγμα λαθραῖον κενὸν οὐ πορεύσεται [S¹ al.]
5. 21. πορεύσονται εὔστοχοι βολίδες ἀστραπῶν
6. 4. οὐδὲ κατὰ τὴν βουλὴν τοῦ θεοῦ ἐπορεύθητε
15. 8. μετ' ὀλίγον πορεύεται ἐξ ἧς ἐλήφθη
17. 18. ἢ ῥύθμὸς ὕδατος πορευομένου βίᾳ
Si. 4. 17. διεστραμμένως πορεύεται [A S² -σεται]
5. 2. B S² τοῦ πορεύεσθαι ἐν ἐπιθυμίαις καρδίας σου
— 9. μὴ πορεύου ἐν πάσῃ ἀτραπῷ
8. 15. μετὰ τολμηροῦ μὴ πορεύου ἐν ὁδῷ
12. 11. ἐὰν ταπεινωθῇ καὶ πορεύηται συγκεκυφώς
18. 30. ὀπίσω τῶν ἐπιθυμιῶν σου μὴ πορεύου
22. 13. πρὸς ἀσύνετον μὴ πορεύου
25. 26. εἰ μὴ πορεύεται κατὰ χεῖρά σου
31 (34). 26. πάλιν πορευόμενος καὶ τὰ αὐτὰ ποιῶν
34 (31). 8. ὃς ὀπίσω χρυσίου οὐκ ἐπορεύθη
35 (32). 20. ἐν ὁδῷ ἀντιπτώματος μὴ πορεύου
46. 10. καλὸν τὸ [S om.] πορεύεσθαι ὀπίσω κυρίου
Ho. 1. 3. καὶ ἐπορεύθη (3 a)
2. 5 (7). πορεύσομαι [A ἀκολουθήσω] ὀπίσω τῶν ἐραστῶν μου (3 a)
— 7 (9). πορεύσομαι . . . πρὸς τὸν ἄνδρα μου (3 a)
— 13 (15). ἐπορεύετο ὀπίσω τῶν ἐραστῶν αὐ. (3 a)
3. 1. ἔτι πορεύθητι καὶ ἀγάπησον (3 a)
5. 6. μετὰ προβάτων καὶ μόσχων πορεύσονται (3 a)
— 11. ἤρξατο πορεύεσθαι ὀπίσω τῶν ματαίων (3 a)
— 13. ἐπορεύθη Ἐφρ. πρὸς Ἀσσυρίους (3 a)
— 14. πορεύσομαι καὶ λήψομαι (3 a)
— 15. πορεύσομαι καὶ ἐπιστρέψω (3 a)
6. 1. πορευθῶμεν καὶ ἐπιστρέψωμεν (3 a)
— 5 (4). ὡς δρόσος ὀρθρινὴ πορευομένη (3 a)
7. 11. εἰς Ἀσσυρίους ἐπορεύθησαν (3 a)
— 12. καθὼς ἂν πορεύωνται (3 a)
9. 6. πορεύονται [A -εύσ.] ἐκ ταλαιπωρίας Αἰγ. (3 a)
11. 10. ὀπίσω κυρίου πορεύσομαι (3 a)
13. 3. ὡς δρόσος ὀρθρινὴ πορευομένη (3 a)
— 4. τοῦ πορεύεσθαι ὀπίσω αὐτῶν –
14. 7. πορεύσονται οἱ κλάδοι αὐ. (3 a)
— 10. δίκαιοι πορεύσονται ἐν αὐταῖς (3 a)
Am. 1. 15. πορεύσονται οἱ βασ. αὐ. ἐν αἰχμαλωσίᾳ (3 a)
3. 3. εἰ πορεύσονται δύο ἐπὶ τὸ αὐτὸ καθόλου (3 a)
5. 3. A ἐξ ἧς ἐπορεύοντο [B ἐξεπ.] χίλιοι (4)
— 3. A ἐξ ἧς ἐπορεύοντο [B ἐξεπ.] ἑκατόν (4)
9. 4. ἐὰν πορευθῶσιν ἐν αἰχμαλωσίᾳ (3 a)
Mi. 1. 8. πορεύσεται ἀνυπόδετος καὶ γυμνή (3 a)
2. 3. οὐ μὴ πορευθῆτε ὀρθοὶ ἐξαίφνης (3 a)
— 7. καὶ ὀρθοὶ πεπόρευνται (3 a)
— 10. ἀνάστηθι καὶ πορεύου (3 a)
4. 2. πορεύσονται ἔθνη πολλά (3 a)
— 2. πορευσόμεθα ἐν ταῖς τρίβοις αὐ. (3 a)
— 5. πορεύσονται ἕκαστος τὴν ὁδὸν αὐ. (3 a)
— 5. πορευσόμεθα ἐν ὀνόματι κυρίου (3 a)
6. 8. τοῦ πορεύεσθαι μετὰ κ. θεοῦ σου (3 a)
— 16. ἐπορεύθητε ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐ. (3 a)
Jl. 2. 7. ἕκαστος ἐν τῇ ὁδῷ αὐ. πορεύσεται (3 a)
— 8. καταβαρυνόμενοι ἐν τοῖς ὅπλοις αὐ. πορεύσονται (3 a)
Jn. 1. 2. πορεύθητι [A πορεύου] εἰς N. (3 a)
— 8. S³ καὶ ποῦ πορεύει –
— 11, 13. ἡ θάλασσα ἐπορεύετο [A S³ ἐπωρ.] (3 a)
3. 2. πορεύθητι εἰς N. (3 a)
— 3. ἐπορεύθη εἰς N. (3 a)
Na. 2. 11 (12). ποῦ [A οὗ] ἐπορεύθη λέων (3 a)
3. 10. εἰς μετοικεσίαν πορεύσεται αἰχμάλωτος (3 a)
Hb. 1. 6. τὸ πορευόμ. ἐπὶ τὰ πλάτη τῆς γῆς (3 a)
3. 5. πρὸ προσώπου αὐτοῦ πορεύσεται λόγος (3 a)
— 11. εἰς φῶς βολίδες σου πορεύσονται (3 b)
Ze. 1. 17. πορεύσονται ὡς τυφλοί (3 a)
Za. 2. 2 (6). ποῦ σὺ πορεύῃ (3 a)
3. 8 (7). ἐὰν ταῖς ὁδοῖς μου πορεύῃ (3 a)
6. 7. τοῦ πορεύεσθαι [S om. τ. π.] τοῦ περιοδεῦσαι [S¹ om.] (3 a)
— 7. πορεύεσθε καὶ περιοδεύσατε τὴν γῆν (3 a)
8. 21. πορευθῶμεν δεηθῆναι τοῦ προσώπου κ. (3 a)
— 21. πορεύσομαι κἀγώ (3 a)
— 23. πορευσόμεθα μετὰ σοῦ (3 a)
9. 14. πορεύσεται [A -σονται] ἐν σάλῳ ἀπειλῆς αὐ. (3 a)
Ma. 2. 6. ἐπορεύθη μετ' ἐμοῦ (3 a)
3. 14. ἐπορεύθημεν ἱκέται πρὸ προσώπου κυρίου (3 a)
Is. 2. 3. πορεύσονται ἔθνη πολλά . . . πορευσόμεθα [S -σώμ.] ἐν αὐτῇ (3 a, 3 a)
— 5. πορευθῶμεν τῷ φωτὶ κυρίου (3 a)
3. 16. ἐπορεύθησαν ὑψηλῷ τραχήλῳ (3 a)
6. 8. τίς πορεύσεται πρὸς τὸν λαὸν τοῦτον (3 a)
— 9. πορεύθητι [S -εύου] καὶ εἰπόν (3 a)
8. 6. τὸ ὕδωρ τοῦ Σ. τὸ πορευόμενον ἡσυχῇ (3 a)
9. 2 (1). ὁ λαὸς ὁ πορευόμενος [A καθήμ.] ἐν σκότει (3 a)
18. 2. πορεύσονται γὰρ ἄγγελοι κοῦφοι (3 a)
19. 23. Αἰγύπτιοι πορεύσονται πρὸς Ἀσσυρίους –
20. 2. πορεύου καὶ ἄφελε τὸν σάκκον . . . ποίησον οὕτως πορευόμενος γυμνός (3 a, 3 a)
— 3. ὃν τρόπον πεπόρευται ὁ παῖς μου (3 a)
22. 15. πορεύου εἰς τὸ παστοφόριον (3 a + 2 a)
28. 13. A S ἵνα πορευθῶσιν [B -σωσιν, R πονεύσωσι] (3 a)
30. 2. οἱ πορευόμενοι καταβῆναι εἰς Αἴγυπτον (3 a)
— 21. πορευθῶμεν ἐν αὐτῇ (3 a)
33. 15. πορευόμενος [S add. ἄμωμος] ἐν δικαιοσύνῃ (3 a)
— 21. οὐ πορεύσῃ ταύτην τὴν ὁδὸν οὐδὲ πορεύσεται πλοῖον ἐλαύνον (3 a, 9)
34. 10. S² οὐκ ἔσται ὁ πορευόμ. δι' αὐτῆς (9)
35. 8. οἱ δὲ διεσπαρμ. πορεύσονται ἐπ' αὐτῆς (3 a ?)
— 9. πορεύσονται ἐν αὐτῇ λελυτρωμένοι (3 a)
38. 3. ὡς ἐπορεύθην ἐνώπιόν σου (3 d)
— 5. πορεύθητι [A -εύου] καὶ εἰπόν (3 a)
— 10. S² πορεύσομαι [A B S¹ om.] ἐν πύλαις ᾅδου (3 a)
41. 2. καὶ [A om.] πορεύσεται –
42. 24. οὐκ ἐβούλοντο ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ π. (3 a)
44. 3. δώσω . . . τοῖς πορευομ. ἐν ἀνύδρῳ †
45. 2. ἔμπροσθέν σου [A αὐτοῦ] πορεύσομαι [S -ωμαι] (3 a)
— 16. πορεύσονται ἐν αἰσχύνῃ (3 a)
46. 7. καὶ πορεύονται [S -σονται] †
48. 17. τὴν ὁδὸν ἐν ᾗ πορεύῃ ἐν αὐτῇ (3 a)
50. 10. οἱ πορευόμενοι ἐν σκότει (3 a)
— 11. πορεύεσθε τῷ φωτὶ τοῦ πυρὸς ὑμῶν (3 a)
52. 12. A οὐδὲ φυγῇ πορεύσεσθε πορεύσεται [B S προπορ.] γὰρ πρότερος ὑμῶν κ. (3 a, 3 a)
55. 1. οἱ διψῶντες πορεύεσθε ἐφ' ὕδωρ (3 a)
57. 17. ἐπορεύθη στυγνὸς ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (3 a)
59. 11. ἅμα πορεύσονται †
60. 3. πορεύσονται βασιλεῖς τῷ φωτί σου (3 a)
— 14. πορεύσονται πρὸς σέ (3 a)
62. 10. πορεύεσθε διὰ τῶν πυλῶν μου (9)
65. 2. τοῖς πορευομ. [A S² οἱ οὐκ ἐπορεύθησαν] ὁδῷ οὐ καλῇ [A S ὁ. ἀληθινῇ] (3 a)
Je. 1. 7. πρὸς πάντας . . . πορεύῃ (3 a)
2. 5. ἐπορεύθησαν ὀπίσω τῶν ματαίων (3 a)
— 8. ὀπίσω ἀνωφελοῦς ἐπορεύθησαν (3 a)
— 20. πορεύσομαι ἐπὶ πάντα βουνὸν ὑψ. –
— 23. ὀπίσω τῆς Βάαλ οὐκ ἐπορεύθην (3 a)
— 25. ὀπίσω αὐτῶν ἐπορεύετο (3 a)
3. 6. ἐπορεύθησαν ἐπὶ πᾶν ὄρος ὑψηλόν (3 a)
— 8. ἐπορεύθη καὶ ἐπόρνευσε καὶ αὐτή (3 a)
— 12. πορεύου [A -εύθητι] καὶ ἀνάγνωθι (3 a)
— 17. οὐ πορεύσονται ἔτι ὀπίσω τῶν ἐνθυμημάτων τῆς καρδίας αὐ. τῆς πον. (3 a)
5. 5. πορεύσομαι πρὸς τοὺς ἀδρούς (3 a)
Je. 6. 16. εἶπαν, Οὐ πορευσόμεθα (3 a)
— 28. πάντες ἀνήκοοι πορευόμενοι σκολιῶς (3 a)
7. 6. ὀπίσω θεῶν ἀλλοτρίων μὴ πορεύησθε [A -σησθε] (3 a)
— 9. ἐπορεύεσθε [A πορ.] ὀπίσω θεῶν ἀλλοτρίων (3 a)
— 12. A S² R πορεύθητε [B S¹ ἐπορ.] εἰς τὸν τόπον μου τὸν ἐν Σηλώ (3 a)
— 23. πορεύεσθε ἐν πάσαις ταῖς ὁδοῖς μου (3 a)
— 24. A S R ἐπορεύθησαν ἐν [B om.] τοῖς ἐνθυμήμασι (3 a)
8. 2. ὧν ἐπορεύθησαν ὀπίσω αὐτῶν (3 a)
9. 4 (3). πᾶς φίλος δολίως πορεύσεται (3 a)
— 14 (13). ἐπορεύθησαν ὀπίσω τῶν ἀρεστῶν [A ἐρασ.] τῆς καρδίας αὐτῶν (3 a)
10. 2. A μὴ πορεύεσθε [B S μανθάνετε] †
— 5. οὐ πορεύσονται †
— 23. οὐδὲ ἀνὴρ πορεύσεται (3 a)
11. 10. πορεύονται [A S βαδίζουσιν] ὀπίσω θεῶν ἀλλοτρίων (3 a)
— 12. πορεύσονται πόλεις Ἰούδα (3 a)
13. 5. ἐπορεύθην [S¹ om.] καὶ ἔκρυψα αὐτό (3 a)
— 7. ἐπορεύθην ἐπὶ τὸν Εὐφράτην ποταμόν (3 a)
— 10. τοὺς . . . πορευθέντας [B² S¹ -ομένους] ὀπίσω θεῶν ἀλλοτρίων (3 a)
14. 18. ἐπορεύθησαν εἰς γῆν [A ἐπ. ὁδόν] (8)
15. 6. ὀπίσω πορεύῃ (3 a)
16. 5. μὴ πορευθῇς τοῦ κόψασθαι (3 a)
— 12. S¹ ἐπονηρεύσασθε ὑπὲρ τοὺς πατέρας ὑ. . . . πορεύεσθε ἕκαστος ὀπίσω τῶν ἀρεστῶν τῆς καρδίας ὑ. [A B S² al.] (†, 3 a)
18. 12. ὀπίσω τῶν ἀποστροφῶν ἡμῶν πορευσόμεθα [S¹ -σώμ.] (3 a)
19. 8. S¹ πᾶς ὁ πορευόμ. [A B S² παραπ.] ἐπ' αὐτῆς (9)
20. 6. πορεύσεσθε [S¹ -εύεσθε] ἐν αἰχμαλωσίᾳ (3 a)
22. 1. πορεύου καὶ κατάβηθι (5 ?)
23. 14. ἑώρακα . . . πορευομένους ἐν ψεύδεσι (3 a)
— 17. καὶ πᾶσι τοῖς πορευομ. τοῖς θελήμασιν αὐ. παντὶ τῷ πορευομ. πλάνῃ καρδίας αὐ. (–, 3 a)
25. 6. μὴ πορεύεσθε ὀπίσω θεῶν ἀλλοτρίων (3 a)
26 (46). 22. ἐν ἄμμῳ πορεύονται [A S -σονται] (3 a)
27 (50). 4. κλαίοντες πορεύσονται (3 a)
28 (51). 50. ἀνασωζόμενοι ἐκ γῆς πορεύεσθε (3 a)
— 59. ἐπορεύετο . . . εἰς Βαβυλῶνα (3 a)
33 (26). 4. τοῦ π. ἐν τοῖς νομίμοις [A -μοις] μου (3 a)
38 (31). 21. ὁδὸν ᾗ ἐπορεύθης ἀποστράφηθι (3 a)
39 (32). 23. ἐν τοῖς προστάγμασί σου οὐκ ἐπορεύθησαν (3 a)
42 (35). 2. A πορεύθητι [B S βάδισον] εἰς οἶκον [S -ίαν] Ἀρχαβεὶν (3 a)
— 13. πορεύου καὶ εἰπὸν ἀνθρώπῳ Ἰούδα (3 a)
— 15. οὐ πορεύεσθε ὀπίσω θεῶν ἑτέρων (3 a)
44 (37). 12. τοῦ πορευθῆναι [S -εύεσθαι] εἰς γῆν Βενιαμίν (3 a)
46 (39). 16. πορεύου καὶ εἰπόν (3 a)
47 (40). 5. τοῦ πορευθῆναι καὶ πορεύου (3 a, 3 a)
— 15. πορεύσομαι [S -εύομαι] δή (3 a)
48 (41). 6. αὐτοὶ ἐπορεύοντο καὶ ἔκλαιον (3 a)
— 17. τοῦ πορευθῆναι [A add. εἰσελθεῖν] εἰς Αἴγυπτον (3 a + 2 a [3 a])
49 (42). 3. τὴν ὁδὸν ᾗ πορευσόμεθα ἐν αὐτῇ (3 a)
51 (44). 3. πορευθέντες θυμιᾶν θεοῖς ἑτέροις (3 a)
— 23. ἐν τοῖς μαρτυρίοις αὐτοῦ οὐκ ἐπορεύθητε (3 a)
52. 7. ἐπορεύθησαν [A ᾤχοντο] ὁδὸν τὴν εἰς ἄραβα (3 a)
Ba. 1. 18. π. [A add. ἐν] τοῖς προστάγμασι κυρίου
2. 10. π. τοῖς προστάγμασι κυρίου
3. 13. τῇ ὁδῷ τοῦ θεοῦ εἰ ἐπορεύθης
— 33. ὁ ἀποστέλλων τὸ φῶς καὶ πορεύεται
4. 13. οὐδὲ ἐπορεύθησαν ὁδοῖς ἐντολῶν θεοῦ
— 26. οἱ τρυφεροί μου ἐπορεύθησαν ὁδοὺς τραχείας
La. 1. 5. ἐπορεύθησαν ἐν αἰχμαλωσίᾳ (3 a)
— 6. ἐπορεύοντο ἐν οὐχ ἰσχύϊ (3 a)
— 18. ἐπορεύθησαν ἐν αἰχμαλωσίᾳ (3 a)
2. 21. ἐπορεύθησαν ἐν αἰχμαλωσίᾳ –
4. 9. ἐπορεύθησαν ἐκκεκεντημένοι †
— 18. τοῦ μὴ π. [A παραπ.] ἐν ταῖς πλατείαις ἡμῶν (3 a)
Ez. 1. 9. ἀπέναντι τοῦ προσώπου αὐ. ἐπορεύοντο (3 a)
— 12. ἑκάτερον κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ ἐπορεύετο· οὗ ἂν ἦν τὸ πνεῦμα πορευόμ. ἐπορεύοντο [A -εύετο] (3 a ter)
— 17. ἐπὶ τὰ τέσσαρα μέρη αὐ. ἐπορεύοντο (3 a)

Ez. 1. 17. οὐκ ἐπέστρεφον ἐν τῷ π. αὐτά (3 a)
— 19. ἐν τῷ π. τὰ ζῷα ἐπορεύοντο οἱ τροχοί (3 a, 3 a)
— 20. ἐκεῖ τὸ πνεῦμα τοῦ π. ἐπορεύοντο οἱ τροχοί [A τὰ ζῷα] (3 a, 3 a)
— 21. ἐν τῷ π. αὐτὰ ἐπορεύοντο (3 a, 3 a)
— 24. ἐν τῷ π. αὐτά –
— 24. A ἐν τῷ π. αὐτά (3 a)
3. 1. πορεύθητι καὶ λάλησον (3 a)
— 14. ἐπορεύθην [A add. μετέωρος] ἐν ὁρμῇ τοῦ πνεύματός μου (3 a)
5. 6. ἐν τοῖς νομίμοις μου οὐκ ἐπορεύθησαν (3 a)
— 7. ἐν τοῖς νομίμοις μου οὐκ ἐπορεύθητε (3 a)
7. 14. A οὐκ ἔστιν πορευόμενος εἰς τὸν πόλεμον (3 a)
9. 5. πορεύεσθε ὀπίσω αὐτοῦ εἰς τὴν πόλιν (9)
10. 11. ἐν τῷ π. αὐτὰ εἰς τὰ τέσσαρα μέρη αὐτῶν ἐπορεύοντο (3 a, 3 a)
— 11. καὶ οὐκ ἐπέστρεφον ἐν τῷ π. αὐτά (3 a)
— 11. ἐπορεύοντο καὶ οὐκ ἐπέστρεφον ἐν τῷ π. αὐτά (3 a, 3 a)
— 16. ἐν τῷ π. τὰ χερουβὶμ ἐπορεύοντο [A add. καὶ] οἱ τροχοί (3 a, 3 a)
— 22. ἕκαστον κατὰ τὸ πρόσ. αὐ. ἐπορεύοντο (3 a)
11. 20. ὅπως ἐν τοῖς προστάγμασί μου πορεύωνται (3 a)
— 21. ὡς ἡ καρδία αὐτῶν ἐπορεύετο (3 a)
12. 11. ἐν αἰχμαλωσίᾳ πορεύσονται (3 a)
16. 47. οὐδ' ὡς ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐ. ἐπορεύθης (3 a)
18. 9. τοῖς προστάγμασί μου πεπόρευται (3 b)
— 11. ἐν τῇ ὁδῷ . . . οὐκ ἐπορεύθη †
— 17. ἐν τοῖς προστάγμασί μου ἐπορεύθη (3 a)
20. 13. ἐν τοῖς προστάγμασί μου πορεύεσθε –
— 13. καὶ οὐκ ἐπορεύθησαν [A al.] (3 a)
— 16. ἐν τοῖς προστάγμασί μου οὐκ ἐπορεύθησαν . . . ὀπίσω τῶν ἐνθυμημάτων καρδίας αὐ. ἐπορεύοντο (3 a, 3 a)
— 18. ἐν τοῖς νομίμοις τῶν πατέρων ὑμῶν μὴ πορεύεσθε (3 a)
— 19. ἐν τοῖς προστάγμασί μου πορεύεσθε (3 a)
— 21. ἐν τοῖς προστάγμασί μου οὐκ ἐπορεύθησαν (3 a)
23. 31. ἐν τῇ ὁδῷ τῆς ἀδελφῆς σου ἐπορεύθης (3 a)
25. 3. ἐπορεύθησαν ἐν αἰχμαλωσίᾳ (3 a)
30. 17. ἐν αἰχμαλωσίᾳ πορεύσονται [A al.] (3 a)
32. 14. οἱ ποτ. αὐ. ὡς ἔλαιον πορεύσονται (3 c)
36. 27. ἵνα ἐν τοῖς δικαιώμασί μου πορεύησθε (3 a)
37. 24. ἐν τοῖς προστάγμασί μου πορεύσονται [A -σωνται] (3 a)
Da. LXX. Su. 19. πορευθῶμεν πρὸς αὐτήν
6. 19 (20). καὶ πορευθεὶς ἔστη (1 a)
Bel 3. ἐπορεύετο ὁ βασ. καθ' ἑκάστην ἡμέραν
— 32. ἐπορεύετο εἰς τὸ πεδίον
Da. TH. Su. 13. πορευθῶμεν δὴ εἰς οἶκον
4. 34. πάντας τοὺς πορευομ. ἐν ὑπερηφανίᾳ (3 f)
9. 10. πορεύεσθαι ἐν [A om.] τοῖς νόμοις αὐ. (3 a)
Bel 4. ἐπορεύετο καθ' ἑκάστην ἡμέραν
— 33. ἐπορεύετο [A -εύθη] εἰς τὸ πεδίον
I Ma. 1. 11. πορευθῶμεν καὶ διαθώμεθα
— 13. ἐπορεύθησαν πρὸς τὸν βασ.
— 44. πορευθῆναι ὀπίσω νομίμων ἀλλοτρίων τῆς γῆς
2. 20. SR πορευσόμεθα [A -σώμ.] ἐν διαθήκῃ πατέρων ἡμῶν
3. 31. ἐβουλεύσατο τοῦ πορευθῆναι εἰς τὴν Π.
5. 17. καὶ πορεύου
— 17. πορευσόμεθα εἰς τὴν Γαλ.
— 20. τοῦ πορευθῆναι εἰς τὴν Γαλ.
— 21. ἐπορεύθη Σ. εἰς τὴν Γαλ.
— 24. ἐπορεύθησαν ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν
— 29. A R ἐπορεύετο [S -οντο] ἕως ἐπὶ τὸ ὀχύρωμα
— 39. ἐπορεύθη Ἰ. εἰς συνάντησιν αὐτῶν
— 46. διὰ μέσου αὐτῆς πορεύεσθαι
— 57. πορευθῶμεν πολεμῆσαι πρὸς τὰ ἔθνη
— 58. ἐπορεύθησαν ἐπὶ Ἰ.
— 66. τοῦ πορευθῆναι εἰς γῆν ἀλλοφύλων
6. 5. αἱ παρεμβολαὶ αἱ πορευθεῖσαι εἰς γῆν Ἰ.
— 6. ἐπορεύθη Λ. δυνάμει ἰσχυρᾷ
— 22. ἐπορεύθησαν πρὸς τὸν βασ.
— 23. πορεύεσθαι τοῖς ὑπ' αὐτοῦ λεγομένοις
— 36. οὗ ἐὰν ἐπορεύετο ἐπορεύοντο ἅμα
— 56. A R αἱ δυνάμεις αἱ πορευθεῖσαι [S add. μετὰ] τοῦ βασ.
— 59. τοῦ πορεύεσθαι τοῖς νομίμοις αὐ.
7. 7. πορευθεὶς ἰδέτω τὴν ἐξολέθρευσιν πᾶσαν
— 24. R τοῦ πορεύεσθαι [S ἐκπ., A πορευθῆναι] εἰς τὴν χώραν

I Ma. 8. 6. Ἀντίοχον . . . τὸν πορευθέντα ἐπ' αὐτούς
— 19. ἐπορεύθησαν εἰς Ῥώμην
9. 2. ἐπορεύθησαν ὁδὸν τὴν εἰς Γ.
— 4. ἐπορεύθησαν εἰς Β.
— 59. πορευθέντες συνεβουλεύσαντο αὐτῷ
10. 37. πορευέσθωσαν τοῖς νόμοις αὐ.
— 60. ἐπορεύθη μετὰ δόξης εἰς Πτ.
— 77. ἐπορεύθη εἰς Ἄζωτον
11. 7. ἐπορεύθη Ἰων. . . . ἕως τοῦ ποταμοῦ
— 21. ἐπορεύθησάν [S¹ -θημέν] τινες
— 24. ἐπορεύθη πρὸς τὸν βασ.
— 39. ἐπορεύθη πρὸς Εἰμ.
12. 3. ἐπορεύθησαν εἰς Ῥώμην
— 3. A ἐπορεύθησαν [S R εἰσῆλθον] εἰς τὸ βουλευτήριον
— 17. πρὸς ὑμᾶς πορευθῆναι
— 50. ἐπορεύοντο συνεστραμμένοι
13. 20. εἰς πάντα τόπον οὗ ἂν ἐπορεύετο
— 31. ἐπορεύετο δόλῳ μετὰ Ἀντιόχου
14. 1. ἐπορεύθη εἰς Μ.
— 3. ἐπορεύθη καὶ ἐπάταξε
— 36. S¹ ἐξ ἧς ἐπορεύοντο [A S² R ἐξεπορ.]
16. 4. ἐπορεύθησαν ἐπὶ τὸν Κ.
— 5. A R ἐπορεύοντο [S -εύθησαν] εἰς τὸ πεδίον
[Aq. Ge. 33. 12: Ex. 4. 18: 5. 7: Dt. 11. 19: III Ki. 14. 2, 4, 7, 8, 9, 12, 17: 17. 5 *bis*: 22. 49 *bis*, 50: IV Ki. 1. 2: 5. 24: 7. 14: 8. 1: Jb. 20. 25: 23. 8: Ps. 25 (26). 11: 31 (32). 8: 57 (58). 9: 80 (81). 13: Pr. 6. 3, 6: 21. 28: Ca. 4. 6: 5. 17 (6. 1): Is. 18. 2: 33. 21: 57. 2: 65. 2: Je. 9. 13 (12): 13. 5, 10: 29 (36). 12: 30 (37). 16: 37 (44). 9 *bis*: 41 (48). 6 *bis*, 10, 17: 44 (51). 10: 46 (26). 22: 51 (28). 59: Ez. 1. 9: 10. 11 (P.): 20. 16: 33. 31 (Sw.): Mi. 2. 7.]
[Sm. Ge. 15. 2: 33. 12: Ex. 4. 18: Dt. 10. 11: 11. 19: II Ki. 8. 3: III Ki. 17. 5: IV Ki. 6. 2, 13: 8. 8: Ps. 137 (138). 7: Pr. 6. 3, 6: 21. 28: Ec. 1. 7: Ca. 1. 8: Is. 8. 11: 18. 2: 33. 21: 42. 5: 51. 20: 57. 2: 65. 2: Je. 31 (38). 2: 37 (44). 9 (Sw.): 41 (48). 6 *bis*, 12, 17: 51 (28). 59: Ez. 1. 9.]
[Th. Ex. 4. 18: 5. 7: Dt. 10. 11: 11. 19: Jo. 1. 7: Jd. 9. 9: 12. 1: III Ki. 17. 5: IV Ki. 7. 14: Jb. 20. 25: 29. 20: Pr. 4. 18: 6. 3, 6: 20. 14, 19: 21. 28: Ec. 4. 17: Is. 18. 2: 55. 1: 57. 2: 65. 2: Je. 2. 1: 11. 8: 13. 5, 10: 27 (34). 18: 29 (36). 12: 41 (48). 6 *bis*: 46 (26). 22: Ez. 1. 9, 12 (Sw.), 17, 24: 7. 14: 10. 11 (P.): 11. 12 (Sw.): 13. 3: 20. 16: 33. 31 (Sw.): Mi. 6. 8.]
[Al. Ge. 18. 22: 31. 19, 30 *bis*: Ex. 10. 11: Nu. 22. 7: Dt. 1. 8: 6. 7: 13. 6 (7): III Ki. 22. 49 *bis*: Pr. 1. 15: Je. 10. 2: 31 (38). 2: 41 (48). 12: Hb. 3. 11.]
[Quint. IV Ki. 8. 8: Ps. 25 (26). 11.]
[Sext. Ps. 25 (26). 11.]

πόρευσις. (1) הָלַךְ (2) רֶגֶל
Ge. 33. 14. κατὰ σχολὴν τῆς π. τῆς ἐναντίον μου (2)
Za. 8. 21. S² πορευθῶμεν πορεύσει [A B S¹ om.] δεηθῆναι (1)

πορευτός.
Es. 3. 13. τήν τε βασιλείαν . . . πορευτὴν . . . παρεξόμενος
II Ma. 5. 21. τὸ πέλαγος πορευτὸν θέσθαι

πορθεῖν.
IV Ma. 4. 23. ὡς ἐπόρθησεν αὐτούς
11. 4. τί δράσαντας ἡμᾶς τοῦτον πορθεῖς τὸν τρόπον
[Sm. Dt. 2. 34: Je. 34 (41). 22: 37 (44). 8.]

πορθομμείν. (1) פַּרְתֻּמִּים
Da. TH. 1. 3. A καὶ ἀπὸ τῶν π. [B φορθ.] (1)

πορία, πόριον, *vid.* πορεία, πορεῖον.

πορίζειν.
Wi. 15. 12. δεῖν γάρ φησιν [A φασιν] ὅθεν δὴ [S om. ὅ. δή] κἂν [A καὶ] ἐκ κακοῦ πορίζειν
[Sm. Ec. 9. 11.]

πορισμός.
Wi. 13. 19. περὶ δὲ πορισμοῦ καὶ ἐργασίας
14. 2. ἐκεῖνο μὲν γὰρ ὄρεξις πορισμῶν ἐπενόησε

πορνεία (-νία). (1) *a.* זְנוּנִים *b.* זְנוּת *c.* זָנָה *d.* תַּזְנוּת
Ge. 38. 24. ἐν γαστρὶ ἔχει ἐκ πορνείας (1 a)
Nu. 14. 33. ἀνοίσουσι τὴν π. (1 b)
IV Ki. 9. 22. αἱ π. Ἰεζ. τῆς μητρός σου (1 a)
To. 4. 12. A B πρόσεχε . . . ἀπὸ πάσης π.
8. 7. οὐ διὰ πορνείαν ἐγὼ λαμβάνω τὴν ἀδ. μου τ.
Pr. 26. 7. S¹ ἀφελοῦ πορνίαν [A B S² πορείαν] σκελῶν †
Wi. 14. 12. ἀρχὴ γὰρ πορνείας ἐπίνοια εἰδώλων
Si. 23. 23. καὶ τὸ τρίτον ἐν πορνείᾳ ἐμοιχεύθη
26. 9. πορνεία γυναικὸς ἐν μετεωρισμοῖς ὀφθαλμῶν
41. 17. αἰσχύνεσθε ἀπὸ πατρὸς καὶ μητρὸς περὶ πορνείας [S¹ ἀπὸ πονηρίας]
Ho. 1. 2. λάβε σεαυτῷ γυναῖκα πορνείας καὶ τέκνα πορνείας (1 a, 1 a)
2. 2 (4). ἐξαρῶ τὴν π. αὐ. ἐκ προσώπου μου (1 a)
— 4 (6). τέκνα πορνείας ἐστίν (1 a)
4. 11. πορνείαν . . . ἐδέξατο καρδία λαοῦ μου (1 b)
— 12. πνεύματι πορνείας ἐπλανήθησαν (1 a)
5. 4. πνεῦμα πορνείας ἐν αὐτοῖς ἐστι (1 a)
6. 11 (10). εἶδον φρικώδη ἐκεῖ πορνείαν τοῦ Ἐφρ. (1 b)
Mi. 1. 7. ἐκ μισθωμάτων πορνείας συνήγαγε (1 c)
— 7. ἐκ μισθωμάτων πορνείας συνεστρέψεν (1 c)
Na. 3. 3 (4). ἀσθενήσουσιν . . . ἀπὸ πλήθους πορνείας (1 a)
— 4. ἡ πωλοῦσα ἔθνη ἐν τῇ π. αὐ. (1 a)
Is. 47. 10. S τῇ ἐλπίδι τῆς π. [A B πονηρίας] σου †
— 10. ἡ π. σου σοὶ αἰσχύνη †
57. 9. ἐπλήθυνας τὴν π. σου μετ' αὐτῶν †
Je. 2. 20. ἐκεῖ διαχυθήσομαι ἐν τῇ π. μου (1 c)
3. 2. ἐμίανας τὴν γῆν ἐν ταῖς π. σου (1 b)
— 9. ἐγένετο εἰς οὐθὲν ἡ π. αὐτῆς (1 b)
13. 27. ἡ ἀπαλλοτρίωσις τῆς π. [S πονηρίας] σου (1 b)
Ez. 16. 15. ἐξέχεας τὴν π. σου (1 d)
— 22. τοῦτο παρὰ πᾶσαν τὴν π. σου (1 d)
— 25. ἐπλήθυνας τὴν π. σου (1 d)
— 33. τοῦ ἔρχεσθαι πρὸς σὲ κυκλόθεν ἐν τῇ π. σου (1 d)
— 34. παρὰ τὰς γυναῖκας ἐν τῇ π. σου (1 d)
— 36. ἀποκαλυφθήσεται ἡ αἰσχύνη σου ἐν τῇ π. σου (1 d)
— 41. ἀποστρέψω σε ἐκ πορνείας [A ἀπὸ τῆς π. σου] (1 c)
23. 7. ἔδωκε τὴν π. αὐτῆς ἐπ' αὐτούς (1 d)
— 8. τὴν π. αὐτῆς ἐξ Αἰγ. οὐκ ἐγκατέλιπεν . . . ἐξέχεαν τὴν π. αὐ. ἐπ' αὐτήν (1 d, 1 d)
— 11. τὴν π. αὐ. ὑπὲρ τὴν π. τῆς ἀδ. αὐ. (1 d, 1 a)
— 14. προσέθετο πρὸς τὴν π. αὐτῆς (1 d)
— 17. ἐμίαινον αὐτὴν ἐν τῇ π. αὐτῆς (1 d)
— 18. ἀπεκάλυψε τὴν π. αὐτῆς (1 d)
— 19. ἐπλήθυνας τὴν π. σου (1 d)
— 27. ἀποστρέψω . . . τὴν π. σου (1 b)
— 29. ἀποκαλυφθήσεται αἰσχύνη πορνείας [A ἡ αἰ. σου πορνεία] σου (1 b)
— 30 (29). ἡ π. σου ἐποίησε ταῦτά σοι (1 d)
— 35. λάβε τὴν ἀσέβειάν σου καὶ τὴν π. σου (1 d)
43. 7. οἱ ἡγούμενοι αὐτῶν ἐν τῇ π. αὐτῶν (1 b)
— 9. νῦν ἀπωσάσθωσαν τὴν π. αὐτῶν (1 b)
[Sm. Ez. 23. 43.]
[Th. Ez. 16. 58: 23. 21, 27, 48.]

πορνεῖον (-νιον). (1) גֵּב (2) רָמָה
Ez. 16. 25. ᾠκοδόμησας τὰ π. σου (2)
— 31. τὸ π. ᾠκοδόμησας (1)
— 39. κατασκάψουσι τὸ π. σου (1)
[Sm. Nu. 25. 8: Ez. 16. 24.]
[Th. Ez. 16. 24.]

πορνεύειν. (1) זָנָה *a.* qal. *b.* pu. *c.* hi.
(2) πορνεύων קָדֵשׁ
De. 23. 17 (18). οὐκ ἔσται πορνεύων ἀπὸ υἱῶν Ἰσρ. (2)
Jd. 2. 15. A οἷς ἐπόρνευον [B ἐξεπορεύοντο, R ἐπορεύοντο] †
I Ch. 5. 25. ἐπόρνευσαν ὀπίσω θεῶν τῶν λαῶν (1 a)
Ps. 72 (73). 27. ἐξωλέθρευσας πάντα τὸν πορνεύοντα ἀπὸ σοῦ (1 a)
105 (106). 39. S R ἐπόρνευσαν ἐν τοῖς ἐπιτηδεύμασιν (1 a)
Ho. 3. 3. καὶ οὐ μὴ πορνεύσῃς (1 a)
4. 10. ἐπόρνευσαν καὶ οὐ μὴ κατευθύνωσι (1 c)

Ho. 4. 14. ὅταν πορνεύωσιν (1 a)
— 18. πορνεύοντες ἐξεπόρνευσαν (1 c)
9. 1. ἐπόρνευσας ἀπὸ τοῦ θεοῦ σου (1 a)
Am. 7. 17. ἡ γυνή σου ἐν τῇ πόλει πορνεύσει (1 a)
Je. 3. 6. ἐπόρνευσαν [A¹ -εν] ἐκεῖ (1 a)
— 7. μετὰ τὸ πορνεῦσαι αὐτὴν ταῦτα πάντα †
— 8. ἐπορεύθη καὶ ἐπόρνευσε καὶ αὐτή (1 a)
Ez. 6. 9. B τοῖς πορνεύουσιν [A R ἐκπ.] ὀπίσω τῶν ἐπιτηδευμάτων αὐτῶν (1 a)
16. 15. ἐπόρνευσας ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου (1 a)
— 34. μετὰ σοῦ πεπορνεύκασιν (1 b)
23. 3. A ἐν τῇ νεότητι αὐτῶν ἐπόρνευσαν [B om.] (1 a)
— 19. ἐν αἷς ἐπόρνευσας ἐν Αἰγύπτῳ (1 a)
[Aq. Ez. 23. 3, 43 : Ho. 4. 15.]
[Sm. Is. 57. 3 : Ez. 16. 34 : 23. 3 : Ho. 4. 15 : Am. 7. 17.]
[Th. Ez. 23. 3 : Ho. 4. 15 : Am. 7. 17.]
[Al. Le. 20. 5.]
[Quint. Ho. 4. 15.]

πόρνη. (1) זָנָה (2) קָדֵשׁ (3) ἐκ πόρνης מַמְזֵר (4) γυνὴ πόρνη זָרָה
Ge. 34. 31. ὡσεὶ πόρνῃ χρήσωνται τῇ ἀδ. ἡμῶν (1)
38. 15. ἔδοξεν αὐτὴν πόρνην εἶναι (1)
— 21. ποῦ ἐστιν ἡ π. ἡ γενομένη ἐν Αἰ. (2)
— 21. οὐκ ἦν ἐνταῦθα πόρνη (2)
— 22. μὴ εἶναι ἐνταῦθα πόρνην (2)
Le. 21. 7. γυναῖκα π. . . . οὐ λήψονται (1)
— 14. χήραν δὲ . . . καὶ πόρνην ταύτας οὐ λήψεται (1)
De. 23. 2 (3). A²B²R οὐκ εἰσελεύσεται ἐκ πόρνης (3)
— 17 (18). οὐκ ἔσται π. ἀπὸ θυγατέρων Ἰ. (2)
— 18 (19). οὐ προσοίσεις μίσθωμα πόρνης (1)
Jo. 2. 1. εἰς οἰκίαν γυναικὸς π. (1)
6. 16 (17). Ῥαὰβ τὴν π. περιποιήσασθε (1)
— 22 (23). ἐξηγάγοσαν Ῥ. τὴν π. –
— 24 (25). Ῥαὰβ τὴν π. . . . ἐζώγρησεν (1)
Jd. 11. 1. υἱὸς γυναικὸς π. (1)
16. 1. εἶδεν ἐκεῖ γυναῖκα π. (1)
III Ki. 3. 16. ἤλθοσαν δύο γυναῖκες πόρναι (1)
12. 24. R Σαριρὰ γυνὴ π. [B al.] –
20 (21). 19. αἱ [A om.] π. λούσονται ἐν τῷ αἵμ. σου –
22. 38. αἱ π. ἐλούσαντο ἐν τῷ αἵματι (1)
Pr. 5. 3. ἀπὸ χειλέων γυναικὸς πόρνης (4)
6. 26. τιμὴ γὰρ πόρνης ὅση καὶ ἑνὸς ἄρτου (1)
29. 3. ὃς δὲ ποιμαίνει πόρνας ἀπολεῖ πλοῦτον (1)
Si. 9. 6. μὴ δῷς πόρναις τὴν ψυχήν σου
19. 2. ὁ κολλώμενος πόρναις
Ho. 4. 14. μετὰ τῶν π. συνεφύροντο (1)
— 14 (15). συνεπλέκετο μετὰ πόρνης (1)
Jl. 3 (4). 3. ἔδωκαν τὰ παιδάρια πόρναις (1)
Na. 3. 4. π. καλὴ καὶ ἐπίχαρις (1)
Is. 1. 21. πῶς ἐγένετο π. πόλις πιστὴ Σιών (1)
23. 15. ἔσται Τύρος ὡς ᾆσμα πόρνης (1)
— 16. ῥέμβευσον, πόλις πόρνη ἐπιλελησμένη (1)
57. 3. σπέρμα μοιχῶν καὶ πόρνης (1)
Je. 3. 3. ὄψις πόρνης ἐγένετό σοι (1)
5. 7. ἐν οἴκοις πορνῶν κατέλυον (1)
Ep. Je. 11. δώσουσι . . . ταῖς ἐπὶ τοῦ στέγους π.
Ez. 16. 30. ἔργα γυναικὸς πόρνης (1)
— 31. ἐγένου ὡς π. συνάγουσα μισθώματα (1)
— 35. π., ἄκουε λόγον κυρίου (1)
23. 43. ἔργα πόρνης καὶ αὐτὴ ἐξεπόρνευσε [A ἔ. γυναικὸς π. ἐποίεις] (1)
— 44. εἰσπορεύονται πρὸς γυναῖκα πόρνην (1)
[Aq. Pr. 7. 10 : 29. 3 : Ez. 16. 34.]
[Sm. Pr. 7. 10 : 23. 27 : Ez. 16. 33.]
[Th. Pr. 6. 24 : Ez. 16. 34.]

πορνικός. (1) זָנָה (2) οἴκημα π. גֵּב
Pr. 7. 10. εἶδος ἔχουσα πορνικόν (1)
Ez. 16. 24. ᾠκοδόμησας σεαυτῇ οἴκημα πορνικόν (2)

πορνοκόπος.
Pr. 23. 21. πᾶς γὰρ μέθυσος καὶ πορνοκόπος πτωχεύσει †

πόρνος.
Si. 23. 16. ἄνθρωπος πόρνος ἐν σώματι σαρκὸς αὐτοῦ
— 17. ἀνθρώπῳ πόρνῳ πᾶς ἄρτος ἡδύς
— 18. A ἄνθρωπος πόρνος [B S om.] παραβαίνων ἀπὸ τῆς κοίτης αὐτοῦ

πόρος. (1) סָחַר
III Ki. 10. 28. A καὶ ἐκ Θ. πόροι [B ἔμπ.] (1)
I Ma. 12. 40. A R ἐζήτει πόρον τοῦ [S om. π. τ.] συλλαβεῖν

πόρπη.
I Ma. 10. 89. ἀπέστειλεν αὐτῷ π. χρυσῆν
11. 58. καὶ ἔχειν π. χρυσῆν
14. 44. ἐμπροπροῦσθαι π. χρυσῆν

πόρρω. (1) a. רָחַק b. מִמֶּרְחָק c. מֵרָחוֹק d. רָחוֹק (2) π. ἀπέχειν רָחַק pi. (3) π. γίνεσθαι רָחַק (4) π. ποιεῖν רָחַק hi. (5) ἕως π. עַד־לְמֶרְחוֹק
II Ch. 26. 15. ἠκούσθη . . . ἕως π. (5)
Jb. 5. 4. π. γένοιντο [A ἐγένοντο] οἱ υἱοὶ αὐ. (3)
11. 14. π. ποίησον αὐτὸ ἀπὸ σοῦ (4)
22. 18. βουλὴ δὲ ἀσεβῶν π. ἀπ' αὐτοῦ (1 a)
— 23. π. ἐποίησας [A¹ ποιήσῃς, A² ποίησον] ἀπὸ διαίτης σου ἄδικον (4)
Si. 47. 16. εἰς νήσους π. ἀφίκετο τὸ ὄνομά σου
Is. 17. 13. π. αὐτὸν διώξεται (1 b)
22. 3. οἱ ἰσχύοντες ἐν σοὶ π. πεφεύγασι (1 c)
29. 13. ἡ καρδία αὐτῶν π. ἀπέχει ἀπ' ἐμοῦ (2)
65. 5. οἱ λέγοντες, Π. ἀπ' ἐμοῦ †
66. 19. εἰς τὰς νήσους τὰς π. (1 d)
Je. 12. 2. καὶ π. ἀπὸ τῶν νεφρῶν αὐτῶν (1 d)
31 (48). 24. ἐπὶ πάσας τὰς πόλεις M. τὰς π. (1 d)
32 (25). 26. πάντας βασιλεῖς . . . τοὺς π. (1 d)
Ba. 3. 21. ἀπὸ τῆς ὁδοῦ αὐτῶν π. ἐγενήθησαν
III Ma. 4. 16. πεπλανημένῃ π. τῆς ἀληθείας φρενί
[Sm. Ps. 54 (55). 8 : Is. 17. 13.]

πόρρωθεν. (1) a. רָחוֹק b. מֵרָחוֹק c. לְמֶרְחוֹק d. מִמֶּרְחָק e. מֶרְחָק (2) ὁ π. רָחוֹק (3) γῆ π. רָחוֹק
IV Ki. 20. 14. ἐκ γῆς π. ἥκασι πρὸς μέ (1 a)
Jb. 2. 12. ἰδόντες δὲ αὐτὸν π. οὐκ ἐπέγνωσαν (1 b)
39. 25. π. δὲ ὀσφραίνεται πολέμου (1 b)
— 29. π. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτοῦ σκοπεύουσι (1 c)
Wi. 14. 17. τὴν π. ὄψιν ἀνατυπωσάμενοι
Is. 10. 3. ἡ γὰρ θλῖψις ὑμῖν π. ἥξει (1 d)
13. 5. ἔρχεσθαι ἐκ γῆς π. (1 e)
33. 13. ἀκούσονται οἱ π. ἃ ἐποίησα (2)
— 17. οἱ ὀφθαλμοὶ ὑμῶν ὄψονται γῆν π. (1 e)
39. 3. ἐκ γῆς π. ἥκασι πρὸς μὲ ἐκ Βαβυλῶνος (1 a)
43. 6. ἄγε τοὺς υἱούς μου ἀπὸ γῆς π. (3)
46. 11. καλῶν . . . ἀπὸ γῆς π. (1 e)
49. 12. οὗτοι π. ἥξουσιν [A S ἔρχονται] (1 b)
Je. 5. 15. ἐπάγω ἐφ' ὑμᾶς ἔθνος π. (1 d)
23. 23. οὐχὶ θεὸς π. (1 b)
38 (31). 3. κύριος π. ὤφθη [A S ὀφθήσεται] (1 b)
[Aq. Is. 8. 9 : 46. 11 : Je. 30 (37). 13.]
[Sm. Je. 39. 25 : Is. 8. 9 : 46. 11.]
[Th. Je. 39. 29 : Is. 8. 9 : 22. 11 : 23. 7 : 46. 11 : Je. 23. 23.]
[Al. Dt. 20. 15.]

πορφύρα. (1) a. אַרְגָּמָן b. אַרְגְּוָן
Ex. 25. 4. καὶ ὑάκινθον καὶ πορφύραν (1 a)
26. 1. καὶ ὑακίνθου καὶ πορφύρας (1 a)
— 31, 36 : 27. 16. ἐξ ὑακίνθου καὶ πορφύρας (1 a)
28. 5. τὸν [A τὴν] ὑάκινθον καὶ τὴν π. (1 a)
— 8, 15. καὶ ὑακίνθου καὶ πορφύρας (1 a)
— 29 (33). ἐξ ὑακίνθου καὶ πορφύρας (1 a)
31. 4. καὶ τὴν ὑάκινθον καὶ τὴν π. –
35. 6. ὑάκινθον πορφύραν (1 a)
— 23. A ὑάκινθος καὶ πορφύρα (1 a)
— 25. τὴν ὑάκινθον καὶ τὴν π. (1 a)
36. 9 (39. 2). καὶ ὑακίνθου καὶ πορφύρας (1 a)
— 10 (39. 3). σὺν τῇ ὑακίνθῳ καὶ τῷ π. (1 a)
— 12 (39. 5), 15 (39. 8). καὶ ὑακίνθου καὶ πορφύρας (1 a)
— 32 (39. 24). ἐξ ὑακίνθου καὶ πορφύρας (1 a)
— 37 (39. 29). καὶ ὑακίνθου καὶ πορφύρας (1 a)
37. 3 (36. 35), 5 (36. 37). 16 (38. 18). ἐξ ὑακίνθου καὶ πορφύρας (1 a)
39. 13 (1). ὑάκινθον καὶ πορφύραν (1 a)
II Ch. 2. 7 (6). εἰδότα τοῦ ποιῆσαι . . . ἐν τῇ π. (1 b)
— 14 (13). καὶ ὑφαίνειν ἐν τῇ π. (1 a)
3. 14. ἐποίησε τὸ καταπέτασμα . . . πορφύρας (1 a)
I Es. 3. 6. καὶ πορφύραν περιβαλέσθαι
Ju. 10. 21. ὃ ἦν ἐκ πορφύρας
Pr. 31. 22. ἐκ δὲ βύσσου καὶ πορφύρας (1 a)
Ca. 7. 5 (6). πλόκιον κεφαλῆς σου ὡς πορφύρα (1 a)
Si. 45. 10. ὑακίνθῳ καὶ πορφύρᾳ
Je. 10. 9. ὑάκινθον καὶ πορφύραν ἐνδύσουσιν αὐτά (1 a)
Ep. Je. 72. ἀπό τε τῆς π. καὶ τῆς μαρμάρου
Ez. 27. 7. περιβαλεῖν σε ὑάκινθον καὶ πορφύραν (1 a)
— 24. A φέροντες ἐμπορίαν ὑάκινθον καὶ πορφύραν [B om. κ. π.] –
Da. LXX. 5. 7. στολιεῖ αὐτὸν πορφύραν (1 b)
— 16. στολιῶ σε πορφύραν (1 b)
— 29. ἐνέδυσε τὸν Δ. πορφύραν (1 b)
6. 3 (4). Δαν. ἦν ἐνδεδυμένος πορφύραν –
Da. TH. 5. 7. πορφύραν ἐνδύσεται (1 b)
— 16. πορφύραν ἐνδύσῃ (1 b)
— 29. ἐνέδυσαν τὸν Δ. πορφύραν (1 b)
I Ma. 4. 23. ἔλαβον . . . π. θαλασσίαν
8. 14. οὐ περιεβάλοντο πορφύραν
10. 20. ἀπέστειλεν αὐτῷ πορφύραν
— 62. ἐνέδυσαν αὐτὸν πορφύραν
— 64. S R περιβεβλημένον αὐτὸν πορφύραν [A σινδόνα]
11. 58. καὶ εἶναι ἐν πορφύρᾳ
14. 43. ὅπως περιβάληται πορφύραν
— 44. καὶ περιβάλλεσθαι πορφύραν
II Ma. 4. 38. τὴν τοῦ Ἀνδρ. πορφύραν περιελόμενος
[Aq. Ex. 35. 23, 35 : Ca. 7. 5 (6) : Je. 10. 9 : Ez. 27. 16.]
[Sm. Ex. 35. 23, 35 : 39. 1 (13) : Ca. 7. 5 (6) : Ez. 27. 16.]
[Th. Ex. 35. 23, 35 : 39. 1 (13) : Je. 10. 9 : Ez. 27. 16.]

πορφύρεος, πορφυροῦς. (1) אַרְגָּמָן
Nu. 4. 14. λήψονται ἱμάτιον πορφυροῦν –
Jd. 8. 26. A καὶ τῶν περιβολαίων τῶν πορφυρῶν [B al.] (1)
Es. 1. 6. ἐπὶ σχοινίοις βυσσίνοις καὶ π. (1)
8. 15. καὶ διάδημα βύσσινον πορφυροῦν (1)
Ca. 3. 10. ἐπίβασις αὐτοῦ πορφυρᾶ (1)
Ep. Je. 12. περιβεβλημένων αὐτῶν ἱματισμὸν π.

πορφυρίς. (1) אַרְגָּמָן
Jd. 8. 26. καὶ τῶν ἱματίων καὶ πορφυρίδων [A al.] (1)

πορφυρίων (B), **πορφυρών** (A). (1) תְּכֵלֶת
Le. 11. 18. καὶ πορφυρίωνα καὶ πελεκᾶνα (1)
De. 14. 18. καὶ πορφυρίων καὶ νυκτερίδα [A al.] (1)

πορφυροῦσθαι.
[Aq. Is. 61. 6.]

ποσάκις. (1) כַּמָּה (2) עַד־כַּמָּה פְּעָמִים
III Ki. 22. 16. R π. [B¹ πεντάκις, A B² ἔτι δίς] ἐγὼ ὁρκίζω σε (2)
II Ch. 18. 15. π. ὁρκίζω σε (2)
Ps. 77 (78). 40. π. παρεπίκραναν αὐτόν (1)
Si. 20. 17. π. καὶ ὅσοι καταγελάσονται αὐτοῦ
III Ma. 5. 37. π. σοι δεῖ . . . προστάττειν
[Sm. III Ki. 22. 16.]

ποσαπλῶς.
Ps. 62 (63). 1. π. σοι ἡ σάρξ μου †
Si. 10. 31. S ὁ δὲ δοξαζόμενος ἐν πτωχείᾳ καὶ ἐν πλούτῳ π. [A B -αχῶς]
— 31. S² καὶ ὁ ἄδοξος ἐν πλούτῳ καὶ ἐν πτωχείᾳ π. [A B S¹ -αχῶς]

ποσαχῶς.
Si. 10. 31. ὁ δὲ δοξαζόμ. ἐν πτωχείᾳ καὶ ἐν πλούτῳ π. [S -απλῶς]; καὶ ὁ ἄδοξος ἐν πλούτῳ καὶ ἐν πτωχείᾳ ποσαχῶς [S² -απλῶς]
[Th. Ps. 62 (63). 2.]

πόσις. (1) מִשְׁתֶּה
Da. LXX., TH. 1. 10. τὸν ἐκτάξαντα . . . τὴν π. ὑμῶν (1)

πόσος. (1) כַּמָּה
Ge. 47. 8. π. ἔτη ἡμερῶν τῆς ζωῆς σου (1)
II Ki. 19. 34 (35). π. ἡμέραι ἐτῶν ζωῆς μου (1)
I Es. 8. 78. κατὰ πόσον τι ἐγενήθη ἡμῖν ἔλεος
To. 10. 1. S ἐν πόσαις πορεύσεται καὶ ἐν πόσαις ἐπιστρέψει
12. 2. S π. αὐτῷ δώσω τὸν μισθόν
— 3. S πόσον αὐτῷ ἔτι δῶ μισθόν
Jb. 13. 23. πόσαι εἰσὶν αἱ ἁμαρτίαι μου (1)
38. 18. ἀνάγγειλον δή μοι πόση τίς ἐστι [A ἥτις ἐστίν] †
Ps. 118 (119). 84. πόσαι εἰσὶν αἱ ἡμέραι τοῦ δούλου σου (1)
Wi. 12. 21. μετὰ πόσης [S² πάσης] ἀκριβείας ἔκρινας τοὺς υἱούς σου

Wi. 13. 3. γνώτωσαν πόσῳ τούτων ὁ δεσπότης ἐστὶ βελτίων
— 4. νοησάτωσαν . . . πόσῳ ὁ κατασκευάσας αὐτὰ δυνατώτερός ἐστιν
Si. 11. 11. A πόσῳ [B¹ S² R τόσῳ, B² S¹ τοσούτῳ] μᾶλλον ὑστερεῖται
Ez. 27. 33. πόσον τινὰ [A καὶ τίνα] εὗρες μισθόν †
IV Ma. 1. 14. καὶ πόσαι παθῶν ἰδέαι
15. 22. πόσαις . . . ἐβασανίζετο βασάνοις
[Aq. III Ki. 22. 16: Jb. 25. 6 (P.): Ps. 34 (35). 17.]
[Sm. I Ki. 14. 30: II Ki. 4. 11: 16. 11: Jb. 4. 19: 15. 16: 25. 6: Ps. 34 (35). 17.]
[Th. Jb. 25. 6 (P.): Ps. 34 (35). 17.]

ποταμίζεσθαι.

[Aq. Je. 51 (28). 44.]

ποταμός. (1) יְאֹר, יֹאר (אֹר) (2) *a.* נָהָר *b.* נַחַל (3) פֶּלֶג (4)

Ge. 2. 10. ποταμὸς δὲ ἐκπορεύεται (2 *a*)
— 13. ὄνομα τῷ π. τῷ δευτέρῳ (2 *a*)
— 14. καὶ ὁ π. ὁ τρίτος (2 *a*)
— 14. ὁ δὲ π. ὁ τέταρτος (2 *a*)
15. 18. R ἀπὸ τοῦ π. Αἰγ. ἕως τοῦ π. τοῦ μεγ. Εὐφρ. (2 *a*, 2 *a*)
31. 21. διέβη τὸν π. (2 *a*)
36. 37. ἐκ Ῥ. τῆς παρὰ ποταμόν (2 *a*)
41. 1. ᾤετο ἑστάναι ἐπὶ τοῦ π. (1)
— 2. ὥσπερ ἐκ τοῦ π. ἀνέβαινον (1)
— 3. ἑπτὰ βόες ἀνέβαινον . . . ἐκ τοῦ π. (1)
— 3, 17. ἐπὶ τὸ χεῖλος τοῦ π. (1)
— 18. ὥσπερ ἐκ τοῦ π. ἀνέβαινον (1)
— 19. ἑπτὰ βόες ἕτ. ἀνέβαινον . . . ἐκ τοῦ π. –
Ex. 1. 22. πᾶν ἄρσεν . . . εἰς τὸν π. ῥίψατε (1)
2. 3. εἰς τὸ ἕλος παρὰ τὸν π. (1)
— 5. κατέβη δὲ . . . λούσασθαι ἐπὶ τὸν π. (1)
— 5. παρεπορεύοντο παρὰ [A ἐπὶ] τὸν π. (1)
4. 9. λήψῃ ἀπὸ τοῦ ὕδατος τοῦ π. (1)
— 9. ὃ ἐὰν λάβῃς ἀπὸ τοῦ π. (1)
7. 15. ἐπὶ τὸ χεῖλος τοῦ π. (1)
— 17. ἐπὶ τὸ ὕδωρ τὸ ἐν τῷ π. (1)
— 18. οἱ ἰχθύες οἱ ἐν τῷ π. (1)
— 18. ἐποζέσει ὁ π. (1)
— 18. πιεῖν ὕδωρ ἀπὸ τοῦ π. (1)
— 19. A ἔκτεινον τὴν χεῖρα ἐπὶ τὰ ὕδατα τοῦ π. καὶ ἐπὶ τοὺς π. αὐτῶν [B *al.*] (†, 2 *a*)
— 20. ἐπάταξε τὸ ὕδωρ τὸ ἐν τῷ π. (1)
— 20. πᾶν τὸ ὕδωρ τὸ ἐν τῷ π. (1)
— 21. οἱ ἰχθύες οἱ ἐν τῷ π. (1)
— 21. ἐπώζεσεν ὁ π. (1)
— 21. πιεῖν ὕδωρ ἐκ τοῦ π. (1)
— 24. ὤρυξαν δὲ πάντες . . . κύκλῳ τοῦ π. (1)
— 24. πιεῖν ὕδωρ ἀπὸ τοῦ π. (1)
— 25. μετὰ τὸ πατάξαι κύριον τὸν π. (1)
8. 3 (7. 28). ἐξερεύξεται ὁ π. βατράχους (1)
— 5 (1). ἔκτεινον . . . τὴν ῥάβδον σου ἐπὶ τοὺς π. (2 *a*)
— 9 (5), 11 (7). ἐν τῷ π. ὑπολειφθήσονται (1)
17. 5. ἐν ᾗ ἐπάταξας τὸν π. (1)
23. 31. ἕως τοῦ μεγάλου π. [A τοῦ π. τοῦ μ.] Εὐφράτου (2 *a*)
Nu. 13. 30 (29). A B² R παρὰ τὸν Ἰορδάνην π. –
22. 5. ὅ ἐστιν ἐπὶ τοῦ π. γῆς (2 *a*)
24. 6. B¹ ὡσεὶ παράδεισοι ἐπὶ ποταμῶν [A B³ R -ῷ] (2 *a*)
De. 1. 7. B² R ἕως τοῦ π. τοῦ μεγάλου π. [A B¹ *om.*] Εὐφρ. (2 *a*, 2 *a*)
11. 24. καὶ ἀπὸ τοῦ π. τοῦ μεγ. π. Εὐφρ. (2 *a*, 2 *a*)
Jo. 1. 4. καὶ τὸν Ἀντιλίβ. ἕως τοῦ π. τοῦ μεγ. π. Εὐφράτου (2 *a*, 2 *a*)
4. 7. A² B ἐξέλιπεν ὁ Ἰορδ. π. –
5. 1. ἀπεξήρανε . . . τὸν Ἰορδ. π. –
24. 2. A R πέραν τοῦ π. παῴκησαν [B κατῴκ.] (2 *a*)
— 3. ἔλαβον . . . ἐκ τοῦ πέραν τοῦ π. (2 *a*)
— 14. ἐν τῷ πέραν τοῦ π. (2 *a*)
— 15. τοῖς ἐν τῷ πέραν τοῦ π. (2 *a*)
Jd. 3. 8. βασιλέως Συρίας [A *add.* Μεσοπ.] ποταμῶν (2 *a*)
— 10. βασιλέα Συρίας ποταμῶν [A *om.*] –
II Ki. 8. 3. πορευομ. αὐτοῦ . . . ἐπὶ τὸν π. Εὐφρ. (2 *a*)
10. 16. τὴν ἐκ τοῦ πέραν τοῦ π. Χ. (2 *a*)
III Ki. 3. 1 (B), 4. 21 (A) [5. 1]. A ἀπὸ τοῦ π. γῆς ἀλλοφύλων (2 *a*)
— 1. B ἐν παντὶ πέραν τοῦ π. –
III Ki. 3. 1. B ἐν πᾶσι τοῖς βασ. πέραν τοῦ π. –
— 1. B ἀπὸ τοῦ π. καὶ ἕως γῆς ἀλλοφύλων –
4. 24 (5. 4). ἄρχων πέραν τοῦ π. [A *al.*] (2 *a*)
— 24 (5. 4). A ἐν πᾶσιν βασ. πέραν τοῦ π. (2 *a*)
8. 65. ἕως ποταμοῦ Αἰγύπτου (3)
10. 26. ἀπὸ τοῦ π. καὶ ἕως γῆς ἀλλοφύλων –
14. 15. A ἀπὸ πέραν τοῦ π. (2 *a*)
IV Ki. 5. 12. Ἀβ. καὶ Φ. ποταμοὶ Δαμ. (2 *a*)
17. 6. ἐν Ἀλαὲ καὶ ἐν Ἀβὼρ ποταμοῖς Γ. (2 *a*)
18. 11. ἐν Ἀβὼρ ποταμῷ Γωζάν (2 *a*)
19. 24. ἐξηρήμωσα . . . πάντας π. [A τοὺς π.] περιοχῆς (1)
23. 29. ἀνέβη . . . ἐπὶ ποταμὸν Εὐφρ. (2 *a*)
24. 7. ἕως τοῦ π. Εὐφράτου (2 *a*)
I Ch. 1. 48. ἐκ Ῥ. τῆς παρὰ ποταμόν (2 *a*)
5. 9. κατῴκησεν . . . ἀπὸ τοῦ π. Εὐφρ. (2 *a*)
— 26. ἤγαγεν αὐτοὺς . . . ἐπὶ ποταμὸν Γ. (2 *a*)
18. 3. πορευομ. αὐτοῦ . . . ἐπὶ ποταμὸν Εὐφρ. (2 *a*)
19. 16. ἐκ τοῦ πέραν τοῦ π. (2 *a*)
II Ch. 9. 26. ἀπὸ τοῦ π. καὶ ἕως γῆς ἀλλοφύλων (2 *a*)
20. 16. ἐπ' ἄκρου π. [A *om.*] τῆς ἐρήμου Ἰερ. (3)
32. 4. ἐνέφραξε . . . τὸν π. (3)
35. 20. ἀνέβη . . . ἐπὶ τὸν π. Εὐφρ. –
I Es. 4. 23. εἰς τὴν θάλ. πλεῖν καὶ ποταμούς
8. 41. ἐπὶ τὸν λεγόμ. Θ. ποταμόν
— 61. A R ἀναζεύξαντες ἀπὸ τοῦ π. [B τόπου] Θ.
II Es. 4. 10. τὸ κατάλοιπον πέραν τοῦ π. (2 *b*)
— 11. ἄνδρες πέραν τοῦ π. (2 *b*)
— 17. καὶ τοὺς καταλοίπους πέραν τοῦ π. (2 *b*)
— 20. R ἐπικρατοῦντες ὅλης τῆς πέραν [A B ἑσπέρας] τοῦ π. (2 *b*)
5. 3. ἔπαρχος πέραν τοῦ π. (2 *b*)
— 6. A R ὁ ἔπαρχος τοῦ πέραν τοῦ π. [B *om.* τ. π.] (2 *b*)
— 6. ἐν τῷ πέραν τοῦ π. (2 *b*)
6. 6. ἔπαρχοι πέραν τοῦ π. (2 *b*)
— 6. A R ἐν τῷ πέραν τοῦ π. [B *al.*] (2 *b*)
— 8. τῶν φόρων πέραν τοῦ π. (2 *b*)
— 13. ἔπαρχος πέραν τοῦ π. (2 *b*)
7. 21. πάσαις ταῖς γάζαις ταῖς ἐν πέρα τοῦ π. (2 *b*)
— 25. παντὶ τῷ λαῷ τῷ ἐν πέρα τοῦ π. (2 *b*)
8. 15. συνῆξα αὐτοὺς πρὸς τὸν π. (2 *a*)
— 21. νησταείαν ἐπὶ τὸν π. Ἀ. (2 *a*)
— 31. ἐξήραμεν ἀπὸ τοῦ π. (2 *a*)
— 36. καὶ ἐπάρχοις πέραν τοῦ π. (2 *a*)
Ne. 2. 7, 9. πρὸς τοὺς ἐπάρχους πέραν τοῦ π. (2 *a*)
3. 7. R τοῦ ἄρχοντος τοῦ πέραν τοῦ π. (2 *a*)
To. 6. 1. A B ἦλθον . . . ἐπὶ τὸν Τ. π. [S ηὐλίσθησαν ἐπὶ τοῦ Τ. π.]
— 2. S περινίψασθαι . . . εἰς τὸν Τ. π. [A B *al.*]
— 2. ἀνεπήδησεν ἰχθὺς ἀπὸ τοῦ π. [S *al.*]
Ju. 1. 9. καὶ τοῦ π. [S τοὺς χειμάρρους] Αἰγύπτου
2. 8. καὶ π. ἐπικλύζων τοῖς νεκροῖς αὐ.
Es. 1. 1. ὡσανεὶ ἀπὸ μικρᾶς πηγῆς π. μέγας
10. 3. ἡ ἐγένετο ποταμός
— 3. Ἐσθὴρ ἐστιν ὁ π.
Jb. 14. 11. ποταμὸς δὲ ἐρημωθεὶς ἐξηράνθη [A *al.*] (2 *a*)
22. 16. ποταμὸς ἐπιρρέων οἱ θεμέλιοι αὐτῶν (2 *a*)
28. 10. δίνας δὲ ποταμῶν ἔρρηξεν (1)
— 11. βάθη δὲ ποταμῶν ἀνεκάλυψεν (2 *a*)
Ps. 23 (24). 2. ἐπὶ ποταμῶν ἡτοίμασεν αὐτήν (2 *a*)
45 (46). 4. τοῦ π. τὰ ὁρμήματα εὐφραίνουσι τὴν πόλιν τοῦ θεοῦ (2 *a*)
64 (65). 9. ὁ π. τοῦ θεοῦ ἐπληρώθη ὑδάτων (4)
65 (66). 6. ἐν ποταμῷ διελεύσονται ποδί (2 *a*)
71 (72). 8. ἀπὸ ποταμοῦ ἕως περάτων τῆς οἰκουμένης (2 *a*)
73 (74). 15. R σὺ ἐξήρανας ποταμοὺς ἠθάμ (2 *a*)
77 (78). 16. κατήγαγεν ὡς ποταμοὺς ὕδατα (2 *a*)
— 44. μετέστρεψεν εἰς αἷμα τοὺς π. αὐτῶν (1)
79 (80). 11. καὶ ἕως ποταμοῦ [A S² -ῶν] τὰς παραφυάδας αὐτῆς (2 *a*)
88 (89). 25. καὶ ἐν ποταμοῖς δεξιὰν αὐτοῦ (2 *a*)
92 (93). 3. ἐπῆραν οἱ π., κύριε, ἐπῆραν οἱ π. φωνὰς αὐτῶν (2 *a*, 2 *a*)
— 3. A S² ἀροῦσιν οἱ π. ἐπιτρίψεις αὐτῶν (2 *a*)
97 (98). 8. ποταμοὶ κροτήσουσι χειρί (2 *a*)
104 (105). 41. ἐπορεύθησαν ἐν ἀνύδροις ποταμοί [A -οῖς] (2 *a*)
106 (107). 33. ἔθετο ποταμοὺς εἰς ἔρημον (2 *a*)
136 (137). 1. ἐπὶ τῶν π. Βαβ. ἐκεῖ ἐκαθίσαμεν (2 *a*)
Pr. 9. 18. A S² ὑπερβήσῃ ποταμὸν ἀλλότριον –
18. 4. ποταμὸς δὲ ἀναπηδύει (3)
Ca. 8. 7. ποταμοὶ οὐ συγκλύσουσιν αὐτήν (2 *a*)
Wi. 5. 22. ποταμοὶ δὲ συγκλύσουσιν ἀποτόμως
Wi. 11. 6. ἀντὶ μὲν πηγῆς ἀεννάου ποταμοῦ
19. 10. ἐξηρεύξατο ὁ π. πλῆθος βατράχων
Si. 4. 26. μὴ βιάζου ῥοῦν ποταμοῦ
24. 30. κἀγὼ ὡς διῶρυξ ἀπὸ ποταμοῦ
— 31. ἐγένετό μοι ἡ διῶρυξ εἰς ποταμὸν καὶ ὁ π. μου ἐγένετο εἰς θάλασσαν
39. 22. ἡ εὐλογία αὐτοῦ ὡς ποταμὸς ἐπεκάλυψε
40. 13. χρήματα ἀδίκων ὡς ποταμὸς ξηρανθήσεται
— 16. ἐπὶ παντὸς ὕδατος καὶ χείλους [A -ος] ποταμοῦ . . . ἐκτιλήσεται
44. 21. ἀπὸ ποταμοῦ ἕως ἄκρου γῆς
47. 14. ἐνεπλήσθης ὡς ποταμὸς συνέσεως
Am. 8. 8. ἀναβήσεται ὡς ποταμὸς συντέλεια (1)
— 8. καταβήσεται ὡς ποταμὸς Αἰγ. (1)
9. 5. ἀναβήσεται ὡς ποταμὸς συντέλεια αὐ. (1)
— 5. καταβήσεται ὡς ποταμὸς Αἰγ. (1)
Mi. 7. 12. ἀπὸ Τύρου ἕως τοῦ π. (2 *a*)
Jn. 2. 4. ποταμοί με ἐκύκλωσαν (2 *a*)
Na. 1. 4. καὶ πάντας τοὺς π. ἐξερημῶν (2 *a*)
2. 6 (7). S¹ πύλαι τῶν π. [A B S² πόλεων] διηνοίχθησαν (2 *a*)
3. 8. ἡ κατοικοῦσα ἐν ποταμοῖς (1)
Hb. 3. 8. μὴ ἐν ποταμοῖς ὠργίσθης (2 *a*)
— 8. ἢ ἐν ποταμοῖς ὁ θυμός σου (2 *a*)
— 10. ποταμῶν [S² -ῷ] ῥαγήσεται γῆ (2 *a*)
Ze. 3. 10 (9). ἐκ περάτων ποταμῶν Αἰθιοπίας (2 *a*)
Za. 9. 10. S² καὶ ἀπὸ ποταμῶν ἕως διεκβολῶν γῆς [A B S¹ *al.*] (2 *a*)
10. 11. ξηρανθήσεται πάντα τὰ βάθη ποταμῶν (1)
Is. 7. 18. ὁ κυριεύσει μέρος ποταμοῦ Αἰγ. (1)
— 20. ξυρήσει κ. . . . πέραν τοῦ π. (2 *a*)
8. 7. ἀνάγει ἐφ' ὑμᾶς τὸ ὕδωρ τοῦ π. τὸ ἰσχυρόν (2 *a*)
11. 15. ἐπιβαλεῖ τὴν χεῖρα αὐ. ἐπὶ τὸν π. (2 *a*)
18. 1. ἐπέκεινα ποταμῶν Αἰθιοπίας (2 *a*)
— 2. οἱ π. τῆς γῆς πάντες (2 *a*)
— 7. ὅ ἐστιν ἐν μέρει ποταμοῦ [A τοῦ π.] τῆς χώρας αὐτοῦ (2 *a*)
19. 5. ὁ δὲ π. ἐκλείψει (2 *a*)
— 6. ἐκλείψουσιν οἱ π. καὶ αἱ διώρυχες τοῦ π. (2 *a*, 1 ?)
— 7. τὸ ἄχι τὸ χλωρὸν πᾶν τὸ κύκλῳ τοῦ π. καὶ πᾶν τὸ σπειρόμ. διὰ τοῦ π. (1, 1)
— 8. οἱ βάλλοντες ἄγκιστρον εἰς τὸν π. (1)
27. 12. ἀπὸ τῆς διώρυγος τοῦ π. ἕως Ῥιν. (2 *a*)
32. 2. φανήσεται ἐν Σιὼν ὡς π. φερόμενος †
33. 21. ποταμοὶ καὶ διώρυχες πλατεῖς (2 *a*)
41. 18. ἀνοίξω ἐπὶ τῶν ὀρέων ποταμούς (2 *a*)
42. 15. θήσω ποταμοὺς εἰς νήσους (2 *a*)
43. 2. ποταμοὶ οὐ συγκλύσουσί σε (2 *a*)
— 19. ποιήσω . . . ἐν τῇ ἀνύδρῳ ποταμούς (2 *a*)
— 20. ἔδωκα . . . ποταμοὺς ἐν τῇ ἀνύδρῳ (2 *a*)
44. 27. τοὺς π. σου ξηρανῶ (2 *a*)
47. 2. διάβηθι ποταμούς (2 *a*)
48. 18. ἐγένετο ἂν ὡσεὶ π. ἡ εἰρήνη σου (2 *a*)
50. 2. θήσω ποταμοὺς ἐρήμους (2 *a*)
59. 19. ἥξει γὰρ ὡς π. βίαιος ἡ ὀργή (2 *a*)
66. 12. ἐκκλίνω εἰς αὐτοὺς ὡς π. εἰρήνης (2 *a*)
Je. 2. 18. τοῦ πιεῖν ὕδωρ ποταμῶν (2 *a*)
13. 7. ἐπορεύθην ἐπὶ τὸν Εὐφράτην π. –
26 (46). 2. ὃς ἦν ἐπὶ τῷ π. Εὐφράτῃ [A τοῦ π. Εὐφράτου] (2 *a*)
— 7. τίς οὗτος ὡς π. ἀναβήσεται καὶ ὡς ποταμοὶ κυμαίνουσιν ὕδωρ (1, 2 *a*)
— 8. ὕδατα Αἰγύπτου ὡς π. ἀναβήσεται (1)
— 10. θυσία τῷ κ. . . . ἐπὶ ποταμῷ Εὐφρ. (2 *a*)
Ba. 1. 4. τῶν κατοικούντων ἐν Βαβυλῶνι ἐπὶ ποταμοῦ [A τοῦ π.] Σούδ
Ez. 1. 1. ἤμην . . . ἐπὶ τοῦ π. τοῦ Χοβάρ (2 *a*)
— 3. ἐγένετο . . . ἐπὶ τοῦ π. τοῦ Χοβάρ (2 *a*)
3. 15. τοὺς κατοικοῦντας ἐπὶ τοῦ π. τοῦ Χ. (2 *a*)
— 23. ἣν ἴδον ἐπὶ τοῦ π. τοῦ Χοβάρ (2 *a*)
10. 15. ὃ ἴδον ἐπὶ τοῦ π. τοῦ Χοβάρ (2 *a*)
— 20. ὃ ἴδον . . . ἐπὶ τοῦ π. τοῦ Χ. (2 *a*)
— 22. ἃ ἴδον . . . ἐπὶ τοῦ π. τοῦ Χοβάρ (2 *a*)
29. 3. τὸν ἐγκαθήμενον ἐν μέσῳ ποταμῶν αὐτοῦ τὸν λέγοντα, Ἐμοί εἰσιν οἱ π. (1, 1)
— 4. προσκολλήσω τοὺς ἰχθύας τοῦ π. σου . . . ἀνάξω σε ἐκ μέσου τοῦ π. [A *add.* καὶ πάντας τοὺς ἰχθύας τοῦ π.] σου (1, 1, [1])
— 5. καταβαλῶ . . . πάντας τοὺς ἰχθύας τοῦ π. σου (1)
— 9. οἱ π. ἐμοί εἰσι (1)
— 10. ἐγὼ ἐπὶ σὲ καὶ ἐπὶ πάντας τοὺς π. σου (1)
30. 12. δώσω τοὺς π. αὐτῶν ἐρήμους (1)

Ez. 31. 4. τοὺς π. αὐτῆς ἤγαγε (2 a)
— 15. ἐπέστησα [A ἐκώλυσα] τοὺς π. αὐτῆς (2 a)
32. 2. ἐκεράτιζες τοῖς π. [A τοὺς π.] σου . . . κατεπάτεις τοὺς π. σου (2 a, 2 a)
— 14. οἱ π. αὐτῶν ὡς ἔλαιον πορεύσονται (2 a)
43. 3. ἣν [A οὗ] ἶδον ἐπὶ τοῦ π. τοῦ Χοβάρ (2 a)
47. 6. ἐπὶ τὸ χεῖλος τοῦ π. (3)
— 7. ἐπὶ τοῦ χείλους τοῦ π. δένδρα πολλά (3)
— 9. ἐφ' ἃ ἂν ἐπέλθῃ ἐκεῖ ὁ π. . . . πᾶν ἐφ' ὃ ἂν ἔλθῃ ὁ π. (3, 3)
— 12. ἐπὶ τοῦ π. ἀναβήσεται (3)
Da. LXX. 3. (78). εὐλογεῖτε, θάλασσαι καὶ ποταμοὶ τὸν κ.
4. 34. τῷ κτίσαντι . . . τὰς θαλάσσας καὶ τοὺς π. –
7. 10. ποταμὸς πυρὸς ἕλκων (2 b)
— 10. ἐξεπορεύετο κατὰ πρόσωπον αὐ. π. πυρός –
10. 4. ἐπὶ τοῦ χείλους τοῦ π. τοῦ μεγάλου (2 a)
12. 5. εἷς ἔνθεν τοῦ π. (1)
— 6. B τῷ ἐπάνω τοῦ ὕδατος τοῦ π. [cod. om. τ. ὕ. τ. π.] (1)
— 7. ὃς ἦν ἐπάνω τοῦ ὕδατος τοῦ π. (1)
Da. TH. 3. (78). εὐλογεῖτε, θάλασσαι καὶ ποταμοὶ τὸν κ.
7. 10. ποταμὸς πυρὸς εἵλκεν ἔμπροσθεν αὐτοῦ (2 b)
10. 4. ἥμην ἐχόμενα τοῦ π. τοῦ μεγάλου (2 a)
12. 5 *bis*. εἷς ἐντεῦθεν τοῦ χείλους τοῦ π. (1)
— 6, 7. ὃς ἦν ἐπάνω τοῦ ὕδατος τοῦ π. (1)
I Ma. 3. 32. ἀπὸ τοῦ π. Εὐφρ. ἕως τῶν ὁρίων Αἰγ.
— 37. διεπέρασε τὸν Εὐφρ. ποταμόν
5. 41. ἐὰν δὲ . . . παρεμβάλῃ πέραν τοῦ π.
7. 8. κυριεύοντα ἐν τῷ πέραν τοῦ π.
11. 7. ἕως τοῦ π. τοῦ καλουμ. Ἐλευθέρου
— 60. διεπορεύετο πέραν τοῦ π.
12. 30. διέβησαν γὰρ τὸν Ἐλ. ποταμόν
III Ma. 7. 20. διά τε γῆς καὶ θαλάσσης καὶ ποταμοῦ
[Aq. Dt. 23. 4 (5): II Ki. 10. 16: III Ki. 4. 21 (5. 1): 14. 15: Ps. 45 (46). 5: 71 (72). 8: 73 (74). 15: 92 (93). 3: Is. 18. 7: 59. 19: Za. 9. 10.]
[Sm. Ex. 7. 24 *bis*: II Ki. 10. 16: III Ki. 4. 21 (5. 1): Jb. 22. 16: Ps. 23 (24). 2: 45 (46). 5: 65 (66). 6: 73 (74). 15: 77 (78). 44: Ec. 1. 7: Is. 7. 18, 20: 18. 1, 7: 27. 12: 33. 21: 37. 25: 50. 2: 59. 19: Ez. 31. 4: Ze. 3. 10.]
[Th. Ex. 7. 24 *bis*: II Ki. 10. 16: Is. 7. 18: 18. 7: 59. 19: Je. 46 (26). 8 *bis*: Ez. 10. 22 (Sw.): Da. 7. 10: 12. 6.]
[Sam. Dt. 34. 1 *ter*.]
[Al. Hb. 3. 9.]
[Heb. Za. 9. 10.]

ποταμοῦσθαι.
[Aq. Je. 51 (28). 44.]

ποταπός.
Da. LXX. Su. 54. ποταπῷ τοῦ παραδείσου τόπῳ

ποτέ. * μή ποτε.
Ge. 3. 22*: 19. 17*, 19*†: 20. 2*: 24. 5* (*ind.*†), 39* (*ind.*†): 26. 7*, 9*: 27. 12*, 45*: 31. 24*, 29*, 31*: 32. 11 (12)*: 38. 11*, 23*: 42. 4*: 43. 12* (*ind.*): 47. 18*: 50. 15*.
Ex. 1. 10*: 5. 3* (*ind.*†): 13. 17*: 19. 21*, 22*, 24*: 20. 19*†: 32. 12*: 34. 12*, 12*†, 15*.
Nu. 16. 34*.
Dt. 1. 46: 9. 28*†.
Jo. 5. 4 *bis*: 6. 17*: 22. 28.
Jd. 3. 24* (*ind.*): 7. 2*: 9. 54*: 14. 15*: 15. 12*: 18. 25*.
Ru. 4. 6*.
I Ki. 4. 9*†: 23. 22*.
II Ki. 1. 20* *bis*: 11. 25 *bis*: 17. 16*: 20. 6*.
III Ki. 18. 27* (*ind.*) *bis*.
IV Ki. 2. 16* (*ind.*).
I Es. 8. 72.
II Es. 4. 22*: 6. 8*: 7. 23*.
Ne. 6. 3*.
To. 2. 13*† (*ind.*): 3. 10*†: 8. 10*†: 10. 2* (*ind.*) *bis*.
Ju. 5. 21*.
Jb. 1. 5* (*ind.*): 31. 16* (*ind.*), 38.
Ps. 2. 12*: 7. 2*: 12 (13). 3*, 4*: 27 (28). 1*: 37 (38). 16*: 49 (50). 22*: 58 (59). 11*: 78 (79). 10*: 90 (91). 12*: 93 (94). 8: 113. 10 (115. 2)*: 139 (140). 8*.
Pr. 22. 25*: 23. 9*: 24. 33 (30. 10)*: 25. 16*, 17* (*ind.*†).
Ec. 7. 17 (16)*.
Ca. 1. 7*.
Wi. 5. 3: 14. 15†: 16. 18, 19: 18. 20†.
Si. 7. 6*: 8. 1*, 2*: 9. 3*, 4*, 5*, 9*: 11. 33*: 12. 12*: 19. 13* (*ind.*), 13*†, 14*† (*ind.*): 23. 14*: 30. 12*† (*ind.*†): 34 (31). 17*: 37. 8*: 42. 9* *bis*, 10* *ter*, 11* (*ind.*†).
Is. 6. 10*: 8. 12*†: 41. 7 (?): 48. 5*†.
Je. 47 (40). 15*†.
Ep. Je. 27*, 27*† *bis*.
Da. TH. Su. 15: 1. 10*.
I Ma. 4. 45*, 60* (*ind.*†): 8. 11: 12. 40* *bis*: 13. 17*.
II Ma. 3. 32*: 6. 16 (?): 10. 4: 13. 10: 14. 22*, 32.
III Ma. 3. 24*: 7. 4 (*inf.*).
IV Ma. 1. 14: 4. 1, 13* (*opt.*): 7. 4.
[Aq. Ex. 19. 22*: I Ki. 20. 3*: Ps. 2. 11*: 27 (28). 1*: 90 (91). 12*: Je. 1. 17*: 51 (28). 6*: Ho. 7. 2*.]
[Sm. Jd. 2. 18: I Ki. 27. 1: Ps. 2. 11*: 58 (59). 12*: 139 (140). 11*: Pr. 5. 9*: Je. 1. 17*: 6. 8*: Da. 8. 13.]
[Th. Je. 1. 17*.]
[Heb. Ex. 34. 12*.]
[Al. Dt. 7. 25*: Ps. 139 (140). 9*, 11*.]

πότε. * ἕως πότε.
Ge. 30. 30.
Ex. 8. 9 (5).
Jd. 5. 13†.
I Ki. 1. 14*: 16. 1*.
II Ki. 2. 26*.
III Ki. 18. 21*.
Ne. 2. 6*, 6.
Ju. 11. 17†.
Jb. 2. 9: 4. 7: 7. 4 *bis*: 19. 2*†: 26. 14†.
Ps. 4. 2*: 6. 3*: 12 (13). 1* *bis*, 2*: 34 (35). 17: 40 (41). 5: 41 (42). 2: 61 (62). 3*: 73 (74). 10*: 78 (79). 5*: 79 (80). 4*: 81 (82). 2*: 88 (89). 46*: 89 (90). 13*: 93 (94). 3* *bis*: 100 (101). 2: 118 (119). 82†, 84.
Pr. 6. 9: 23. 35.
Am. 8. 5.
Is. 6. 11*: 41. 7 (?): 45. 21†.
Je. 4. 14*, 21*: 12. 4*: 23. 26*: 38 (31). 22*.
Da. LXX. 12. 6.
Da. TH. 8. 13*: 12. 6*.
I Ma. 6. 22*.
[Aq. Jb. 7. 4: Ps. 4. 3*: 12 (13). 2* *bis*: 88 (89). 47: Pr. 1. 22*: 6. 9: Je. 13. 27: 47 (29). 5*.]
[Sm. III Ki. 18. 21*: Jb. 37. 15: Ps. 4. 3*: 12 (13). 2* *bis*: 40 (41). 6: 89 (90). 13*: Pr. 6. 9*: Ec. 11. 5: Je. 13. 27: 47 (29). 5*.]
[Th. Jb. 7. 4: Ps. 12 (13). 2*: Pr. 6. 9*.]

πότερον. (1) הֲ'
Jb. 4. 6. πότερον οὐχ ὁ φόβος σού ἐστιν ἐν ἀφροσύνῃ (1)
— 12. πότερον οὐ δέξεταί μου τὸ οὖς ἐξαίσια [A *al.*] –
7. 1. πότερον οὐχὶ πειρατήριόν ἐστιν ὁ βίος (1)
— 12. πότερον θάλασσά εἰμι ἢ δράκων (1)
13. 7. πότερον οὐκ ἔναντι κυρίου λαλεῖτε (1)
— 11. πότερον οὐχὶ δῖνα αὐ. στροβήσει ὑμᾶς (1)
15. 2. πότερον σοφὸς ἀπόκρισιν δώσει [A *al.*] (1)
21. 22: 22. 2. πότερον οὐχὶ ὁ κύριός ἐστιν (1)
22. 5. πότερον οὐχ ἡ κακία σού ἐστι πολλή (1)
26. 2. πότερον οὐχ ᾧ πολλὴ ἰσχύς –
31. 15. πότερον οὐχ ὡς καὶ [A *om.*] ἐγώ (1)

πότημα. (1) מִשְׁתֶּה
Je. 28 (51). 39. δώσω π. αὐτοῖς (1)

ποτήριον. (1) *a.* כּוֹס *b.* כִּיס (2) כְּלִי (3) קְבַעַת
Ge. 40. 11. τὸ π. Φαραὼ ἐν τῇ χειρί μου (1 a)
— 11. ἐξέθλιψα αὐτὴν εἰς τὸ π. (1 a)
— 11. ἔδωκα τὸ π. εἰς τὰς χεῖρας Φ. (1 a)
— 13. δώσεις τὸ π. Φ. εἰς τὴν χεῖρα αὐ. (1 a)
— 21. ἔδωκε τὸ π. εἰς τὴν χεῖρα Φ. (1 a)
II Ki. 12. 3. ἐκ τοῦ π. αὐτοῦ ἔπινε (1 a)
III Ki. 7. 24 (B), 26 (A). ὡς ἔργον χείλους ποτηρίου (1 a)
II Ch. 4. 5. τὸ χεῖλος αὐ. ὡς χεῖλος ποτηρίου (1 a)
Es. 1. 7. π. χρυσᾶ καὶ ἀργυρᾶ (2)
Ps. 10 (11). 7. ἡ μερὶς τοῦ π. αὐτῶν (1 a)
15 (16). 5. κύριος ἡ μερὶς . . . τοῦ π. μου (1 a)
Ps. 22 (23). 5. τὸ π. σου μεθύσκον ὡς κράτιστον (1 a)
74 (75). 8. ποτήριον ἐν χειρὶ κυρίου (1 a)
115. 4 (116. 13). ποτήριον σωτηρίου λήψομαι (1 a)
Pr. 23. 31. ἐὰν γὰρ εἰς τὰς φιάλας καὶ τὰ π. δῷς τοὺς ὀφθαλμούς σου (1 a, 1 b*)
— 32. ἐκύκλωσεν ἐπὶ σὲ π. δεξιᾶς κυρίου (1 a)
Is. 51. 17. ἡ πιοῦσα ἐκ χειρὸς κ. τὸ π. τοῦ θυμοῦ αὐ. τὸ π. γὰρ τῆς πτώσεως τὸ κόνδυ τοῦ θυμοῦ ἐξέπιες (1 a, 3)
— 22. εἴληφα ἐκ τῆς χειρός σου τὸ π. τῆς πτώσεως (1 a)
Je. 16. 7. οὐ ποτιοῦσιν αὐτὸν π. (1 a)
28 (51). 7. π. χρυσοῦν Βαβ. ἐν χειρὶ κ. (1 a)
29 (49). 12. οἷς οὐκ ἦν νόμος πιεῖν τὸ π. ἔπιον (1 a)
32 (25). 15. λάβε τὸ π. τοῦ οἴνου (1 a)
— 17. ἔλαβον τὸ π. [S *om.* τὸ π.] ἐκ χειρὸς κυρίου (1 a)
— 28. δέξασθαι τὸ π. ἐκ τῆς χειρός σου (1 a)
42 (35). 5. κεράμιον οἴνου καὶ ποτήρια (1 a)
La. 2. 13. ἐμεγαλύνθη π. συντριβῆς σου †
4. 21. ἐπὶ σὲ διελεύσεται τὸ [A *om.*] π. κυρίου (1 a)
Ez. 23. 31. δώσω τὸ π. αὐτῆς εἰς χεῖράς σου (1 a)
— 32. τὸ π. τῆς ἀδελφῆς σου πίεσαι (1 a)
— 33. τὸ π. ἀφανισμοῦ π. ἀδελφῆς σου Σαμ. (1 a, 1 a)
[Aq. Ps. 22 (23). 5: Is. 51. 22.]
[Sm. Ps. 22 (23). 5: 74 (75). 9: Is. 51. 17 *bis*, 22.]
[Th. Ps. 22 (23). 5: Is. 51. 17: Ez. 23. 33.]
[Quint., Sext. Ps. 22 (23). 5.]

ποτίζειν. (1) נָטָא hi. (2) נָסַךְ (3) שָׁקָה hi.
Ge. 2. 6. ἐπότιζε πᾶν τὸ πρόσωπον τῆς γῆς (3)
— 10. ποτίζειν τὸν παράδεισον (3)
13. 10. ὅτι πᾶσα ἦν ποτιζομένη (3)
19. 32. ποτίσωμεν τὸν πατέρα ἡμῶν οἶνον (3)
— 33. ἐπότισαν δὲ τὸν πατέρα αὐτῶν οἶνον (3)
— 34. ποτίσωμεν αὐτὸν οἶνον (3)
— 35. ἐπότισαν δὲ . . . τὸν πατ. αὐτῶν οἶνον (3)
21. 19. ἐπότισε τὸ παιδίον (3)
24. 14. τὰς καμήλους σου ποτιῶ (3)
— 17. πότισόν με μικρὸν ὕδωρ (1)
— 18. καὶ ἐπότισεν αὐτόν (3)
— 43. πότισόν με . . . μικρὸν ὕδωρ (3)
— 45. πότισόν με (3)
— 46. τὰς καμήλους σου ποτιῶ (3)
— 46. τὰς καμήλους μου ἐπότισε (3)
29. 2. ἐπότιζον τὰ ποίμνια (3)
— 3. ἐπότιζον τὰ πρόβατα (3)
— 7. ποτίσαντες τὰ πρόβατα (3)
— 8. ποτιοῦμεν τὰ πρόβατα (3)
— 10. A ἐπότισεν [B -ιζε] τὰ πρόβατα Λ. (3)
Ex. 2. 16. ποτίσαι τὰ πρόβ. τοῦ πατρὸς αὐ. (3)
— 17. ἐπότισε τὰ πρόβ. αὐτῶν (3)
— 19. ἐπότισε τὰ πρόβατα (3)
32. 20. ἐπότισεν αὐτὸ τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (3)
Nu. 5. 24, 26. ποτιεῖ τὴν γυναῖκα τὸ ὕδωρ (3)
20. 8. ποτιεῖτε τὴν συναγωγήν (3)
De. 11. 10. καὶ ποτίζωσι τοῖς ποσὶν αὐ. (3)
Jd. 4. 19. πότισόν με δὴ μικρὸν ὕδωρ (3)
— 19. καὶ ἐπότισεν αὐτόν (3)
I Ki. 30. 11. ἐπότισαν αὐτὸν ὕδωρ (3)
II Ki. 23. 15: I Ch. 11. 17. τίς ποτιεῖ με ὕδωρ (3)
Jb. 22. 7. οὐδὲ ὕδωρ διψῶντας ἐπότισας (3)
Ps. 35 (36). 8. τὸν χειμάρρουν τῆς τρυφῆς σου ποτιεῖς αὐτούς (3)
59 (60). 3. ἐπότισας ἡμᾶς οἶνον κατανύξεως (3)
68 (69). 21. εἰς τὴν δίψαν μου ἐπότισάν με ὄξος (3)
77 (78). 15. ἐπότισεν αὐτούς (3)
79 (80). 5. ποτιεῖς ἡμᾶς ἐν δάκρυσιν ἐν μέτρῳ (3)
103 (104). 11. ποτιοῦσι πάντα τὰ θηρία (3)
— 13. ποτίζων ὄρη ἐκ τῶν ὑπερῴων αὐτοῦ (3)
Pr. 25. 21. ἐὰν διψᾷ πότιζε αὐτόν (3)
Ec. 2. 6. τοῦ ποτίσαι ἀπ' αὐτῶν δρυμόν (3)
Ca. 8. 2. ποτιῶ σε ἀπὸ οἴνου τοῦ μυρεψικοῦ (3)
Si. 15. 3. ὕδωρ σοφίας ποτίσει [A S -ιεῖ] αὐτόν
24. 31. ποτιῶ [A B² -ίσω] μου τὸν κῆπον
29. 25. ποτιεῖς εἰς [A S¹ *om.*] ἀχάριστα
Am. 2. 12. ἐποτίζετε τοὺς ἡγιασμένους οἶνον (3)
Jl. 3 (4). 18. ποτιεῖ τὸν χειμάρρουν τῶν σχοίνων (3)
Hb. 2. 15. ὦ ὁ ποτίζων τὸν πλησίον αὐ. (3)
Is. 27. 3. μάτην ποτιῶ αὐτήν (3)
29. 10. πεπότικεν ὑμᾶς κ. πνεύματι κατανύξεως (2)
43. 20. ποτίσαι [A -ιῶ] τὸ γένος μου τὸ ἐκλεκτόν (3)
Je. 8. 14. ἐπότισεν ἡμᾶς ὕδωρ χολῆς (3)

Je. 9. 15 (14). ποτιῶ αὐτοὺς ὕδωρ χολῆς (3)
16. 7. οὐ ποτιοῦσιν αὐτὸν ποτήριον (3)
23. 15. ποτιῶ αὐτοὺς ὕδωρ πικρόν (3)
32 (25). 15. ποτιεῖς πάντα τὰ ἔθνη (3)
— 17. ἐπότισα τὰ ἔθνη (3)
42 (35). 2. ποτιεῖς αὐτοὺς οἶνον (3)
Ez. 17. 7. τοῦ ποτίσαι αὐτήν (3)
32. 6. ποτισθήσεται ἡ γῆ (3)
III Ma. 5. 2. ἅπαντας τοὺς ἐλέφαντας ποτίσαι
— 10. τοὺς ἀνηλεεῖς ἐλέφαντας ποτίσας
[Aq. Ge. 2. 6: 15. 2: Jb. 21. 24: Ps. 59 (60). 5.]
[Sm. Ps. 64 (65). 10: 68 (69). 22: 79 (80). 6.]
[Al. Hb. 2. 15.]

ποτισμός.

[Aq. Pr. 3. 8.]

ποτιστήριον. (1) שִׁקֶּת

Ge. 24. 20. ἐξεκένωσε τὴν ὑδρίαν ἐπὶ τὸ π. (1)
30. 38. ἐν ταῖς ληνοῖς τῶν π. τοῦ ὕδ. (1)
[Sm. Ez. 45. 15 (Sw.).]
[Th. Ez. 45. 15.]

ποτιστής.

[Aq. Ge. 40. 5.]

ποτίστρα.

[Al. Ex. 2. 16.]

πότος. (1) מַיִם (2) מַשְׁקֶה (3) *a.* מִשְׁתֶּה *b.* שְׁתִיָּה *c.* מִשְׁתֵּי

Ge. 19. 3. ἐποίησεν αὐτοῖς πότον (3 *a*)
40. 20. ἐποίει πότον πᾶσι τοῖς παισὶν αὐ. (3 *a*)
Jd. 14. 10. ἐποίησεν ἐκεῖ Σ. πότον (3 *a*)
— 12. ἐν ταῖς ἑπτὰ ἡμέραις τοῦ π. (3 *a*)
— 17. ἃς ἦν αὐτοῖς ὁ π. [A *al.*] (3 *a*)
I Ki. 25. 36. A B² R πότος ἐν οἴκῳ αὐ. ὡς [B¹ *om.* π. ἐν οἴ. αὐ. ὡς] πότος βασιλέως (3 *a*, 3 *a*)
II Ki. 3. 20. ἐποίησε Δαυὶδ . . . πότον (3 *a*)
13. 27. ἐποίησεν Ἀβ. πότον κατὰ τὸν π. τοῦ βασ. – , –
III Ki. 3. 15. ἐποίησε π. μέγαν (3 *a*)
10. 21. A πάντα τὰ σκεύη τοῦ π. [B *om.* τ. π.] (2)
Ju. 6. 21. ἐποίησε πότον τοῖς πρεσβυτέροις
12. 10. A B ἐποίησεν Ὀλ. πότον
13. 1. A B διὰ τὸ ἐπὶ πλεῖον γεγονέναι τὸν π.
Es. 1. 5. A S² ἀνεπληρώθησαν αἱ ἡμ. τοῦ π. [B S¹ γάμου] †
— 5. ἐποίησεν ὁ βασ. πότον (3 *a*?)
— 5. S² ἀπὸ μεγάλου καὶ ἕως μικροῦ πότον (3 *a*)
— 8 ὁ δὲ π. οὗτος οὐ . . . ἐγένετο (3 *b*)
— 9. ἐποίησε πότον ταῖς γυναιξίν (3 *a*)
2. 18. ἐποίησεν ὁ βασ. πότον (3 *a*)
5. 6. ἐν δὲ τῷ π. [S² *add.* τοῦ οἴνου] (3 *a*)
6. 14. ἐπισπεύδοντες [S² *add.* ἀγαγεῖν] τὸν Ἀ. ἐπὶ τὸν π. (3 *a*)
7. 2. εἶπε δὲ ὁ β. . . . ἐν τῷ π. [S² *add.* τοῦ οἴνου] (3 *a*)
— 8. S² εἰς τὸν οἶκον τοῦ π. τοῦ οἴνου (3 *a*)
9. 19. S² μετ' εὐφροσύνης καὶ πότου [A B S¹ *om.* κ. π.] (3 *a*)
Jb. 1. 4. ἐποιοῦσαν πότον καθ' ἑκάστην ἡμέραν (3 *a*)
— 5. ὡς ἂν συνετελέσθησαν αἱ ἡμέραι τοῦ π. (3 *a*)
8. 11. ἢ ὑψωθήσεται βούτομον ἄνευ πότου (1)
Pr. 23. 30. οὐ τῶν ἰχνευόντων ποῦ πότοι γίνονται †
Ec. 7. 3 (2). πορευθῆναι εἰς οἶκον πότου (3 *a*)
Je. 16. 8. εἰς οἰκίαν πότου οὐκ εἰσελεύσῃ (3 *a*)
Da. TH. 1. 5. καὶ ἀπὸ τοῦ οἴνου τοῦ πότου [? ποτοῦ] αὐ. (3 *a*)
— 8. καὶ ἐν τῷ οἴνῳ τοῦ πότου [? ποτοῦ] αὐ. (3 *a*)
5. 10. εἰσῆλθεν . . . εἰς τὸν οἶκον τοῦ π. (3 *c*)
I Ma. 16. 15. S R ἐποίησεν αὐτοῖς πότον μέγαν [A -α]
III Ma. 5. 16. τραπεὶς εἰς τὸν π.
6. 36. οὐ πότου χάριν καὶ λιχνείας
7. 18. ἐπεὶ ἐποίησαν πότον σωτηρίου
[Aq. Ge. 29. 22: Is. 5. 12 (Sw.): 25. 6.]
[Sm. Ge. 29. 22: Pr. 15. 15: Is. 25. 6.]
[Th. Is. 25. 6 *bis.*]
[Al. Ge. 21. 8: 26. 30: Is. 5. 12.]

ποτός, *cf.* **πότος.** (1) מַיִם (2) מַשְׁקֶה (3) מִשְׁתֶּה

Le. 11. 34. καὶ πᾶν π. ὃ πίνεται (2)
I Es. 5. 55. καὶ ποτὰ καὶ βρωτά
II Es. 3. 7. ἔδωκαν . . . βρώματα καὶ ποτά (3)
Jb. 15. 16. πίνων ἀδικίας ἴσα ποτῷ (1)
IV Ma. 3. 14. ἐγέμισαν τῷ βασ. τὸ π.
— 15. A R ἰσοδύναμον τὸ [S *om.*] π. αἵματι

που.

III Ki. 10. 12.
Pr. 31. 21.
II Ma. 5. 27.
III Ma. 1. 18 (πού γε)†: 5. 26.

ποῦ.

Ge. 3. 9: 4. 9: 16. 8†: 18. 9: 19. 5: 22. 7: 32. 17 (18): 37. 16, 30: 38. 21.
Ex. 2. 20.
De. 1. 28: 32. 37.
Jo. 2. 5: 8. 20†.
Jd. 6. 13: 8. 18: 9. 38, 38†: 19. 17: 20. 3.
Ru. 2. 19 *ter.*
I Ki. 10. 14: 19. 22: 26. 16.
II Ki. 2. 1, 23: 9. 4: 13. 13: 16. 3: 17. 20.
IV Ki. 2. 14: 6. 6, 13: 18. 34 *bis*: 19. 13, 13†.
To. 2. 14, 14†.
Ju. 10. 12.
Jb. 17. 15: 19. 29†: 20. 7: 21. 28 *bis*: 24. 15†: 35. 10: 38. 4: 39. 15†.
Ps. 41 (42). 3, 10: 78 (79). 10: 88 (89). 49: 113. 10 (115. 2): 138 (139). 7 *bis.*
Pr. 11. 31: 23. 30.
Ca. 1. 7 *bis*: 5. 17†, 17 *bis.*
Si. 43. 28.
Ho. 13. 10, 14 *bis.*
Mi. 7. 10.
Jl. 2. 17.
Ob. 1. 5.
Jn. 1. 8†.
Na. 2. 11 (12), 11 (12)†.
Za. 1. 5: 2. 2 (6): 5. 10.
Ma. 1. 6 *bis*: 2. 17.
Is. 10. 3: 19. 12: 30. 15, 18†: 33. 18 *ter*: 36. 19 *bis*, 19†: 37. 13, 13† *bis*: 49. 21: 51. 13: 63. 11†, 11, 15 *bis.*
Je. 2. 6, 8, 28†: 3. 2: 6. 14: 13. 20: 15. 2: 17. 15: 43 (36). 17†, 19: 44 (37). 19.
Ba. 3. 14 *quinquiens*, 16.
La. 2. 12.
Ep. Je. 48.
Ez. 13. 12.
Da. LXX. Bel 34.
Da. TH. Bel 35†.
I Ma. 3. 50: 10. 73†.
II Ma. 14. 32.
[Aq. IV Ki. 2. 14: Ps. 88 (89). 50: Je. 36 (43). 19.]
[Sm. IV Ki. 2. 14: Ps. 88 (89). 50: Ca. 8. 5.]
[Th. Ps. 88 (89). 50.]

πούς. (1) אַשּׁוּר (2) כְּרָעַיִם (3) עָקֵב (4) פַּעַם (5) פִּרְסָה (6) *a.* רֶגֶל *b.* כַּף רֶגֶל *c.* מַרְגְּלוֹת (7) πρὸς ποδῶν, τὰ πρὸς ποδῶν מַרְגְּלוֹת

Ge. 8. 9. ἀνάπαυσιν τοῖς π. αὐτῆς (6 *b*)
18. 4. νιψάτω τοὺς π. ὑμῶν (6 *a*)
19. 2. νίψατε τοὺς π. ὑμῶν (6 *a*)
24. 32. R ὕδωρ νίψασθαι [A *om.*] τοῖς π. αὐ. καὶ τοῖς π. τῶν ἀνδρῶν (6 *a*, 6 *a*)
29. 1. ἐξάρας Ἰακὼβ τοὺς π. (6 *a*)
30. 30. εὐλόγησέ σε κύριος ἐπὶ τῷ π. μου (6 *a*)
33. 14. κατὰ πόδα τῶν παιδαρίων (6 *a*)
43. 24. νίψαι τοὺς π. αὐτῶν (6 *a*)
49. 19. πειρατεύσει αὐτῶν κατὰ πόδας (3)
— 33. ἐξάρας τοὺς π. αὐτοῦ (6 *a*)
Ex. 3. 5. λῦσαι τὸ ὑπόδημα ἐκ τῶν π. σου (6 *a*)
4. 25. προσέπεσε πρὸς τοὺς π. (6 *a*)
12. 9. κεφαλὴν σὺν τοῖς π. (2)
— 11. τὰ ὑποδήματα ἐν τοῖς π. ὑμῶν (6 *a*)
21. 24. πόδα ἀντὶ ποδός (6 *a*, 6 *a*)
24. 10. καὶ τὰ ὑπὸ τοὺς π. αὐτοῦ (6 *a*)
25. 25 (26). ἐπὶ τὰ τέσσαρα μέρη τῶν π. αὐτῆς (6 *a*)
29. 17. πλυνεῖς . . . τοὺς π. (2)
— 20. ἐπὶ τὸ ἄκρον τοῦ π. τοῦ δεξιοῦ –
— 20. ἐπὶ τὰ ἄκρα τῶν π. αὐ. τῶν δεξιῶν (6 *a*)
30. 19. νίψεται Ἀ. . . . τοὺς π. (6 *a*)
Ex. 30. 21. νίψονται . . . τοὺς π. ὕδατι (6 *a*)
38. 27 (40. 31). ἵνα νίπτωνται . . . τοὺς π. (6 *a*)
Le. 1. 9, 13. τοὺς π. πλυνοῦσιν ὕδατι (2)
8. 19 (21). τοὺς π. ἔπλυνεν ὕδατι (2)
— 22 (23). ἐπὶ τὸ ἄκρον τοῦ π. τοῦ δεξιοῦ (6 *a*)
— 23 (24). ἐπὶ τὰ ἄκρα τῶν π. αὐ. τῶν δεξ. (6 *a*)
9. 14. ἔπλυνε . . . τοὺς π. ὕδατι (2)
11. 21. σκέλη ἀνώτερον τῶν π. αὐτοῦ (6 *a*)
— 23. οἷς εἰσι τέσσαρες π. (6 *a*)
— 42. ὃ πολυπληθεῖ ποσίν (6 *a*)
13. 12. ἀπὸ κεφαλῆς ἕως ποδῶν (6 *a*)
14. 14, 17, 25. ἐπὶ τὸ ἄκρον τοῦ π. τοῦ δεξιοῦ (6 *a*)
— 28. ἐπὶ τὸ ἄκρον τοῦ π. αὐτοῦ τοῦ δεξιοῦ (6 *a*)
21. 19. ἢ σύντριμμα ποδός (6 *a*)
Nu. 16. 31. A ὑποκάτω τῶν π. [B *om.* τ. π.] αὐ. –
22. 25. ἀπέθλιψε τὸν π. B. (6 *a*)
De. 2. 5. οὐδὲ βῆμα ποδός (6 *b*)
— 28. πλὴν ὅτι παρελεύσομαι τοῖς π. (6 *a*)
8. 4. οἱ π. σου οὐκ ἐτυλώθησαν (6 *a*)
11. 10. καὶ ποτίζωσι τοῖς π. αὐ. (6 *a*)
— 24. οὗ ἐὰν πατήσῃ τὸ ἴχνος τοῦ π. ὑμῶν (6 *a*)
19. 21. πόδα ἀντὶ ποδός (6 *a*, 6 *a*)
25. 9. ὑπολύσει . . . ἀπὸ τοῦ π. αὐ. (6 *a*)
28. 35. ἀπὸ ἴχνους τῶν π. σου (6 *a*)
— 56. ἧς οὐχὶ πεῖραν ἔλαβεν ὁ π. αὐτῆς (6 *b*)
— 65. τῷ ἴχνει τοῦ π. σου (6 *a*)
29. 5 (4). οὐ κατετρίβη ἀπὸ τῶν π. ὑμῶν (6 *a*)
32. 35. ὅταν σφαλῇ ὁ π. αὐτῶν (6 *a*)
33. 24. βάψει ἐν ἐλαίῳ τὸν π. αὐ. (6 *a*)
Jo. 1. 3. ἐφ' ὃν ἂν ἐπιβῆτε τῷ ἴχνει τῶν π. ὑ. (6 *a*)
3. 13. ὡς ἂν καταπαύσωσιν οἱ π. τῶν ἱερέων (6 *b*)
— 15. καὶ οἱ π. τῶν ἱερέων . . . ἐβάφησαν (6 *a*)
4. 9. ὑπὸ τοὺς π. τῶν ἱερέων (6 *a*)
— 18. ἔθηκαν τοὺς π. ἐπὶ τῆς γῆς (6 *b*)
5. 15. λύσαι τὸ ὑπόδημα ἐκ τῶν π. σου (6 *a*)
9. 5. καὶ τὰ σανδάλια . . . ἐν τοῖς π. αὐ. (6 *a*)
10. 24. ἐπίθετε τοὺς π. ὑμῶν (6 *a*)
— 24. ἐπέθηκαν τοὺς π. αὐτῶν (6 *a*)
Jd. 1. 6, 7. καὶ τὰ ἄκρα τῶν π. αὐ. (6 *a*)
3. 24. ἀποκενοῦ τοὺς π. αὐτοῦ [A *al.*] (6 *a*)
4. 10. ἀνέβησαν κατὰ πόδας αὐτοῦ (6 *a*)
— 15. καὶ ἔφυγε τοῖς π. αὐτοῦ (6 *a*)
— 17. ἔφυγε [A ἀνεχώρησεν] τοῖς π. αὐ. (6 *a*)
5. 15. ἀπέστειλεν ἐν [A ἐξέτειναν] τοῖς π. αὐ. (6 *a*)
— 27. ἀνὰ μέσον τῶν π. αὐτῆς (6 *a*)
— 27. ἐκοιμήθη ἀνὰ μέσον τῶν [A μεταξὺ] π. αὐ. (6 *a*)
— 28. ἐχρόνισαν πόδες ἁρμάτων αὐτοῦ [A *al.*] (4)
8. 5. τῷ λαῷ τούτῳ τῷ ἐν ποσί μου (6 *a*)
19. 21. ἐνίψαντο τοὺς π. αὐτῶν (6 *a*)
20. 43. ἐδίωξαν . . . κατὰ πόδα αὐτοῦ [A *al.*] †
Ru. 3. 4, 7. τὰ πρὸς ποδῶν αὐτοῦ (7)
— 8. γυνὴ κοιμᾶται πρὸς ποδῶν αὐτοῦ (7)
— 14. ἐκοιμήθη πρὸς ποδῶν αὐτοῦ (7)
I Ki. 14. 13. ἀνέβη Ἰων. . . . ἐπὶ τοὺς π. αὐ. (6 *a*)
23. 22. οὗ ἔσται ὁ π. αὐτοῦ (6 *a*)
25. 24. A ἔπεσεν [B *om.*] ἐπὶ τοὺς π. αὐ. (6 *a*)
— 41. νίψαι πόδας τῶν παίδων σου (6 *a*)
II Ki. 2. 18. κοῦφος τοῖς π. αὐτοῦ (6 *a*)
3. 34. οἱ π. [A παῖδές] σου οὐκ ἐν πέδαις (6 *a*)
4. 4. υἱὸς πεπληγὼς τοὺς π. (6 *a*)
— 12. κολοβοῦσι . . . τοὺς π. αὐτῶν (6 *a*)
9. 3. υἱὸς . . . πεπληγὼς τοὺς π. (6 *a*)
— 13. ἦν χωλὸς ἀμφοτέροις τοῖς π. αὐτοῦ (6 *a*)
11. 8. νίψαι τοὺς π. σου (6 *a*)
14. 25. ἀπὸ ἴχνους ποδὸς αὐτοῦ (6 *a*)
15. 16. ἐξῆλθεν . . . τοῖς π. αὐτοῦ (6 *a*)
— 18. οἱ ἐλθόντες τοῖς π. αὐτῶν [A *al.*] (6 *a*)
19. 24 (25). οὐκ ἐθεράπευσε τοὺς π. αὐτοῦ (6 *a*)
21. 20. καὶ οἱ δάκτυλοι τῶν π. αὐτοῦ (6 *a*)
22. 10. καὶ γνόφος ὑποκάτω τῶν π. αὐτοῦ (6 *a*)
— 34. τιθεῖς τοὺς π. μου ὡς ἐλάφων (6 *a*)
— 39. πεσοῦνται ὑπὸ τοὺς π. μου (6 *a*)
III Ki. 2. 5. τῷ ὑποδήμ. αὐτοῦ τῷ [A τοῦ] ἐν τῷ π. αὐτοῦ (6 *a*)
5. 3 (17). ὑπὸ τὰ ἴχνη τῶν π. αὐτοῦ (6 *a*)
14. 6. A ὡς ἤκουσεν Ἀχ. τὴν φωνὴν ποδῶν αὐτῆς (6 *a*)
— 12. A ἐν τῷ εἰσέρχεσθαι πόδα σου τὴν πόλιν (6 *a*)
15. 23. ἐπόνεσε τοὺς π. αὐτοῦ (6 *a*)
18. 41. ὅτι φωνὴ τῶν π. [B¹ βοῶν] τοῦ ὑετοῦ †
IV Ki. 3. 9. καὶ τοῖς κτήνεσι τοῖς ἐν τοῖς π. αὐ. (6 *a*)
4. 27. ἐπελάβετο τῶν π. αὐτοῦ (6 *a*)
— 37. ἔπεσεν ἐπὶ τοὺς π. αὐτοῦ (6 *a*)
6. 32. οὐχὶ φωνὴ τῶν π. . . . κατόπισθεν αὐτοῦ (6 *a*)

IV Ki. 9. 35. τὸ κρανίον καὶ οἱ π. (6 a)
13. 21. ἀνέστη ἐπὶ τοὺς π. αὐτοῦ (6 a)
19. 24. ἐξηρήμωσα τῷ ἴχνει τοῦ π. μου (4)
21. 8. τοῦ σαλεῦσαι τὸν π. Ἰσρ. (6 a)
I Ch. 28. 2. οἰκοδομῆσαι . . . στάσιν ποδῶν κυρίου ἡμ. (6 a)
II Ch. 3. 13. ἑστηκότα ἐπὶ τοὺς π. αὐτῶν (6 a)
16. 12. ἐμαλακίσθη Ἀσὰ . . . τοὺς π. (6 a)
33. 8. σαλεῦσαι τὸν π. Ἰσρ. (6 a)
Ne. 9. 21. πόδες αὐ. οὐ διερράγησαν [A S al.] (6 a)
To. 6. 2. S περινίψασθαι τοὺς π. [A B al.]
— 2. S καταπεῖν τὸν π. τοῦ παιδαρίου [A B al.]
11. 10. S προσέκοπτεν τοῖς π. [A B om. τ. π.]
Ju. 2. 7. καλύψω . . . ἐν τοῖς π. τῆς δυνάμεώς μου
6. 4. A τὸ ἴχνος τῶν π. [S τοῦ π.] αὐ. κατὰ πρόσωπον τῶν π. [B S om. τ. π.] ἡμῶν
10. 4. ἔλαβε σανδάλια εἰς τοὺς π. αὐτῆς
14. 7. προσέπεσε τοῖς π. Ἰ.
Es. 4. 17. φιλεῖν πέλματα ποδῶν αὐτοῦ
8. 3. προσέπεσε πρὸς τοὺς π. αὐ. (6 a)
— 13. ὅσα ἐστὶ παρὰ πόδας [S¹ al.]
Jb. 2. 7. ἀπὸ ποδῶν ἕως κεφαλῆς (6 b)
13. 27. ἔθου δέ μου τὸν π. ἐν κωλύματι [A κυκλώματι] (6 a)
— 27. εἰς δὲ ῥίζας τῶν [A om.] π. μου ἀφίκου (6 a)
18. 8. ἐμβέβληται δὲ ὁ π. αὐτοῦ ἐν παγίδι (6 a)
— 11. πολλοὶ δὲ περὶ πόδα αὐτοῦ ἔλθοισαν [A al.] (6 a)
— 13. βρωθείησαν αὐτοῦ κλῶνες ποδῶν †
29. 15. ὀφθαλμὸς ἤμην τυφλῶν πούς δὲ χωλῶν (6 a)
30. 12. πόδα αὐτῶν ἐξέτειναν (6 a)
31. 5. εἰ δὲ καὶ ἐσπούδασεν ὁ π. μου εἰς δόλον (6 a)
— 7. εἰ ἐξέκλινεν ὁ π. μου ἐκ τῆς ὁδοῦ (1)
33. 11. ἔθετο δὲ ἐν ξύλῳ τὸν π. μου (6 a)
39. 15. ἐπελάθετο ὅτι πούς σκορπιεῖ [S² al.] (6 a)
— 21. S² ἀνορύσσων ἐν ποδὶ [A B S¹ πεδίῳ] γαυριᾷ †
Ps. 8. 6. πάντα ὑπέταξας ὑποκάτω τῶν π. αὐτοῦ (6 a)
9. 15. ἐν παγίδι τ. . . . συνελήφθη ὁ π. αὐ. (6 a)
13 (14). 3. B S ὀξεῖς οἱ π. αὐτῶν ἐκχέαι αἷμα –
17 (18). 9. γνόφος ὑπὸ τοὺς π. αὐτοῦ (6 a)
— 33. ὁ καταρτιζόμενος τοὺς π. μου (6 a)
— 38. πεσοῦνται ὑπὸ τοὺς π. μου (6 a)
21 (22). 16. ὤρυξαν χεῖράς μου καὶ πόδας (6 a)
24 (25). 15. ἐκσπάσει ἐκ παγίδος τοὺς π. μου (6 a)
25 (26). 12. ὁ γὰρ π. μου ἔστη ἐν εὐθύτητι (6 a)
30 (31). 8. ἔστησας ἐν εὐρυχώρῳ τοὺς π. μου (6 a)
35 (36). 11. μὴ ἐλθέτω μοι ποὺς ὑπερηφανίας (6 a)
37 (38). 16. ἐν τῷ σαλευθῆναι πόδας μου (6 a)
39 (40). 2. ἔστησεν ἐπὶ πέτραν τοὺς π. μου (6 a)
46 (47). 3. καὶ ἔθνη ὑπὸ τοὺς π. ἡμῶν (6 a)
55 (56). 13. καὶ τοὺς π. μου ἐξ ὀλισθήματος (6 a)
56 (57). 6. B S παγίδας ἡτοίμασαν τοῖς π. [S τὴν ψυχήν] μου (4)
65 (66). 6. ἐν ποταμῷ διελεύσονται ποδί (6 a)
— 9. καὶ μὴ δόντος εἰς σάλον τοὺς π. [S² τὸν π.] μου (6 a)
67 (68). 23. ὅπως ἂν βαφῇ ὁ π. σου ἐν αἵματι (6 a)
72 (73). 2. παρὰ μικρὸν ἐσαλεύθησαν οἱ π. (6 a)
90 (91). 12. μή ποτε προσκόψῃς πρὸς λίθον τὸν π. σου (6 a)
93 (94). 18. εἰ ἔλεγον, Σεσάλευται ὁ π. μου (6 a)
98 (99). 5. προσκυνεῖτε τῷ ὑποποδίῳ τῶν π. αὐτοῦ (6 a)
104 (105). 18. ἐταπείνωσαν ἐν πέδαις τοὺς π. αὐτοῦ (6 a)
109 (110). 1. ἕως ἂν θῶ τοὺς ἐχθρούς σου ὑποπόδιον τῶν π. σου (6 a)
113. 15 (115. 7). πόδας ἔχουσι (6 a)
114 (116). 8. καὶ τοὺς π. μου ἀπὸ ὀλισθήματος (6 a)
118 (119). 59. A R ἐπέστρεψα [S ἀπ.] τοὺς π. μου εἰς τὰ μαρτύριά σου (6 a)
— 101. ἐκ πάσης ὁδοῦ πον. ἐκώλυσα τοὺς π. μου (6 a)
— 105. λύχνος τοῖς π. μου ὁ νόμος σου (6 a)
120 (121). 3. μὴ δῴης εἰς σάλον τὸν π. σου (6 a)
121 (122). 2. ἑστῶτες ἦσαν οἱ π. ἡμῶν (6 a)
131 (132). 7. οὗ ἔστησαν οἱ π. αὐτοῦ (6 a)
134 (135). 17. A πόδας ἔχουσιν –
139 (140). 5. σχοινία διέτειναν παγίδας τοῖς π. μου †
Pr. 1. 15. ἔκκλινον δὲ τὸν π. σου [A σὸν π.] ἐκ τῶν τρίβων αὐτῶν (6 a)
— 16. A S² οἱ γὰρ π. αὐ. εἰς κακίαν τρέχουσιν (6 a)
Pr. 3. 6. S² ὁ δὲ π. σου μὴ προσκόπτῃ –
— 23. ὁ δὲ π. σου οὐ μὴ προσκόψῃ (6 a)
— 26. ἐρεῖσει σὸν π. ἵνα μὴ σαλευθῇς (6 a)
4. 26. ὀρθὰς τροχιὰς ποίει σοῖς π. (6 a)
— 27. ἀπόστρεψον δὲ σὸν π. ἀπὸ ὁδοῦ κακῆς (6 a)
5. 5. τῆς γὰρ ἀφροσύνης οἱ π. κατάγουσι τοὺς χρωμένους αὐτῇ (6 a)
6. 13. σημαίνει δὲ ποδί (6 a)
— 18. πόδες ἐπισπεύδοντες κακοποιεῖν (6 a)
— 28. τοὺς δὲ π. οὐ κατακάυσει (6 a)
7. 11. ἐν οἴκῳ δὲ οὐχ ἡσυχάζουσιν οἱ π. αὐ. (6 a)
24. 75 (31. 7). S¹ καὶ τῶν π. [A B S² πόνων] μὴ μνησθῶσιν ἔτι †
25. 17. σπάνιον εἴσαγε σὸν π. πρὸς σεαυτοῦ φίλον (6 a)
— 19. ποὺς παρανόμου ὀλεῖται ἐν ἡμέρᾳ κακῇ (6 a)
29. 5. δίκτυον περιβάλλει αὐτὸ τοῖς ἑαυτοῦ ποσίν (4)
Ec. 4. 17. φύλαξον τὸν [S¹ om.] π. σου (6 a)
Ca. 5. 3. ἐνιψάμην τοὺς πόδας μου (6 a)
Wi. 9. 16. S τὰ ἐν ποσὶν [A B χερσὶν] εὑρίσκομεν
14. 11. εἰς παγίδα ποσὶν ἀφρόνων
15. 15. οἱ π. αὐτῶν ἀργοὶ πρὸς ἐπίβασιν
Si. 6. 24. εἰσένεγκον τοὺς π. σου εἰς τὰς πέδας αὐτῆς
— 36. βαθμοὺς θυρῶν αὐ. ἐκτριβέτω ὁ π. σου
19. 30. S² βῆμα ποδὸς ἀνθρώπου ἀναγγέλλει τὰ περὶ αὐτοῦ [A B S¹ al.]
21. 19. πέδαι ἐν ποσὶν ἀνοήτοις παιδεία [A S al.]
— 22. ποὺς μωροῦ ταχὺς εἰς οἰκίαν
25. 20. ἀνάβασις ἀμμώδης ἐν ποσὶ πρεσβυτέρου
26. 18. πόδες ὡραῖοι ἐπὶ στέρνοις εὐσταθοῦς
38. 29. συστρέφων ἐν ποσὶν αὐτοῦ τροχόν [S² πηλόν]
— 30. πρὸ ποδῶν κάμψει ἰσχὺν αὐτοῦ
40. 25. χρυσίον καὶ ἀργύριον ἐπιστήσουσι πόδα
51. 15. ἐπέβη ὁ π. μου ἐν εὐθύτητι
Am. 2. 15. A² B ὁ ὀξὺς τοῖς π. αὐ. (6 a)
Na. 1. 3. καὶ νεφέλαι κονιορτὸς ποδῶν αὐ. (6 a)
— 15 (2. 1). ἐπὶ τὰ ὄρη οἱ π. εὐαγγελιζομένου (6 a)
Hb. 3. 6 (5). κατὰ πόδας [A οἱ π.] αὐτοῦ ἔστη (6 a)
— 19. τάξει τοὺς π. μου εἰς συντέλειαν (6 a)
Za. 14. 4. στήσονται οἱ π. αὐ. . . . ἐπὶ τὸ ὄρος (6 a)
— 12. ἑστηκότων ἐπὶ τοὺς π. αὐ. (6 a)
Ma. 4. 3 (3. 21). ἔσονται σποδὸς ὑποκάτω τῶν π. ἡμῶν (6 b)
Is. 1. 6. ἀπὸ ποδῶν ἕως κεφαλῆς (6 b)
3. 12. τὸν τρίβον τῶν π. ὑμῶν ταράσσουσιν †
— 16. τῇ πορείᾳ τῶν π. ἅμα σύρουσαι τοὺς χιτῶνας καὶ τοῖς π. ἅμα παίζουσαι (†, 6 a)
5. 28. οἱ π. τῶν ἵππων αὐτῶν ὡς στερεὰ πέτρα ἐλογίσθησαν (5)
6. 2. ταῖς δὲ δυσὶ κατεκάλυπτον τοὺς π. (6 a)
7. 20. ξυρήσει κύριος . . . τὰς τρίχας τῶν π. (6 a)
20. 2. τὰ σανδάλιά σου ὑπόλυσαι ἀπὸ τῶν π. σου (6 a)
26. 6. πατήσουσιν αὐτοὺς πόδες πραέων (6 a)
28. 3. τοῖς π. καταπατηθήσεται ὁ στέφανος (6 a)
41. 2. ἐκάλεσεν αὐτὴν κατὰ πόδας αὐτοῦ (6 a)
— 3. διελεύσεται ἐν εἰρήνῃ ἡ ὁδὸς τῶν π. αὐ. (6 a)
49. 23. τὸν χοῦν τῶν π. σου λείξουσι (6 a)
52. 7. ὡς πόδες εὐαγγελιζομένου ἀκοὴν εἰρήνης (6 a)
57. 6. S¹ ἐξέχεας πόδας [A B S² σπονδάς] †
58. 13. ἐὰν ἀποστρέψῃς τὸν π. σου ἀπὸ τῶν σαββάτων . . . οὐκ ἀρεῖς τὸν π. σου ἐπ' ἔργῳ (6 a, –)
59. 7. οἱ δὲ π. αὐτῶν ἐπὶ πονηρίαν τρέχουσι (6 a)
66. 1. ἡ γῆ ὑποπόδιον τῶν π. μου (6 a)
Je. 2. 25. ἀπόστρεψον τὸν π. σου ἀπὸ ὁδοῦ τραχείας (6 a)
12. 5. σοῦ οἱ π. τρέχουσι (6 a)
13. 16. πρὸ τοῦ προσκόψαι πόδας ὑμῶν (6 a)
14. 10. ἠγάπησαν κινεῖν πόδας αὐτῶν (6 a)
29 (47). 3. ἀπὸ τῶν ὁπλῶν τῶν π. αὐτοῦ †
45 (38). 22. S¹ R καταλύσουσιν ἐν ὀλισθήμασι πόδα [A B S² -ας] σου (6 a)
La. 1. 9. ἀκαθαρσία αὐτῆς πρὸς ποδῶν αὐτῆς †
— 13. διεπέτασε δίκτυον τοῖς π. μου (6 a)
2. 1. οὐκ ἐμνήσθη ὑποποδίου ποδῶν αὐτοῦ (6 a)
3. 34. τοῦ ταπεινῶσαι ὑπὸ τοὺς π. αὐτοῦ πάντας δεσμίους γῆς (6 a)
Ep. Je. 17. πλήρεις εἰσὶ κονιορτοῦ ἀπὸ τῶν π. τῶν εἰσπορευομένων
— 26. ἄνευ ποδῶν ἐπ' ὤμοις φέρονται [A αἴρ.]
Ez. 1. 7. πτερωτοὶ οἱ π. αὐτῶν (6 a)
2. 1. A² B στῆθι ἐπὶ τοὺς π. σου (6 a)
— 2. ἔστησέ με ἐπὶ τοὺς π. μου (6 a)
Ez. 3. 24. ἔστησέ [B² ἀνέστ.] με ἐπὶ πόδας μου (6 a)
6. 11. ψόφησον τῷ π. (6 a)
24. 17. τὰ ὑποδήματά σου ἐν τοῖς π. σου (6 a)
— 23. τὰ ὑποδήματα ὑμῶν ἐν τοῖς π. ὑμῶν (6 a)
25. 6. ἐπεψόφησας τῷ π. σου (6 a)
29. 11. οὐ μὴ διέλθῃ ἐν αὐτῇ π. ἀνθρώπου καὶ π. κτήνους οὐ μὴ διέλθῃ αὐτήν [A al.] (6 a, 6 a)
32. 2. ἐτάρασσες ὕδωρ τοῖς π. σου (6 a)
— 13. οὐ μὴ ταράξῃ αὐτὸ π. ἀνθρώπου ἔτι (6 a)
34. 18. τὰ κατάλοιπα τῆς νομῆς ὑμῶν κατεπατεῖτε τοῖς π. ὑμῶν . . . τὸ λοιπὸν τοῖς π. ὑμῶν ἐταράσσετε (6 a, 6 a)
— 19. τὰ πρόβατά μου τὰ πατήματα τῶν π. ὑμῶν ἐνέμοντο καὶ τὸ τεταραγμένον ὕδωρ ὑπὸ τῶν π. ὑμῶν ἔπινον (6 a, 6 a)
37. 10. ἔστησαν ἐπὶ τῶν π. αὐτῶν (6 a)
43. 7. ἑώρακας . . . τὸν τόπον τοῦ ἴχνους τῶν π. μου (6 a)
Da. LXX. 2. 33. οἱ π. μέρος μέν τι σιδήρου (6 a)
— 34. ἐπάταξε τὴν εἰκόνα ἐπὶ τοὺς π. τοὺς σιδηροῦς (6 a)
— 41. ὡς ἑώρακας τοὺς π. αὐτῆς (6 a)
— 42. οἱ δάκτυλοι τῶν π. μέρος μέν τι σιδηροῦν (6 a)
7. 4. ἐπὶ ποδῶν ἀνθρωπίνων ἐστάθη (6 a)
— 7. κύκλῳ τοῖς π. καταπατοῦν (6 a)
— 19. καὶ καταπατοῦντος τοῖς π. (6 a)
10. 6. οἱ π. ὡσεὶ χαλκὸς ἐξαστράπτων (6 c)
— 10. ἐπὶ τὰ ἴχνη τῶν π. μου †
Da. TH. 2. 33. οἱ π. μέρος μέν τι σιδηροῦν (6 a)
— 34. ἐπάταξε τὴν εἰκόνα ἐπὶ τοὺς π. τοὺς σιδηροῦς (6 a)
— 41. εἶδες τοὺς π. (6 a)
— 42. καὶ οἱ δάκτυλοι τῶν π. (6 a)
7. 4. ἐπὶ ποδῶν ἀνθρώπου ἐστάθη (6 a)
— 7, 19. τὰ ἐπίλοιπα τοῖς π. αὐ. συνεπάτει (6 a)
8. 18. ἔστησέ με ἐπὶ πόδας †
I Ma. 5. 48. πλὴν τοῖς π. παρελευσόμεθα
9. 16. A S² R ἐπέστρεψαν κατὰ πόδας Ἰ. [S¹ al.]
10. 72. οὐκ ἔστιν ὑμῖν στάσις ποδός [S¹ om., S² ποδῶν]
III Ma. 4. 5. τὴν ἐκ τοῦ γήρως νωθρότητα ποδῶν
— 8. παρὰ πόδας ἤδη τὸν ᾅδην ὁρῶντες κείμενον
— 9. οἱ δὲ τοὺς π. ἀρρήκτοις κατησφαλισμένοι πέδαις
5. 8. ἐκ τοῦ παρὰ πόδας ἐν ἑτοίμῳ μόρου
— 42. ἐν γόνασι καὶ ποσὶ θηρίων
IV Ma. 10. 5. τοὺς π. ἐξήρθρουν
14. 6. A R χεῖρες καὶ πόδες συμφώνως . . . κινοῦνται [S al.]
15. 15. τοὺς τῶν π. καὶ χειρῶν δακτύλους

[Aq. Ge. 49. 10: Ex. 4. 25: Dt. 28. 56: Jo. 4. 3: Jd. 3. 24: III Ki. 14. 6, 12: Jb. 13. 27: Ps. 57 (58). 11: 65 (66). 9: 90 (91). 12: 118 (119). 101: 120 (121). 3: Pr. 4. 26: Is. 36. 12: 52. 7: 60. 13, 14: Je. 13. 22: 38 (45). 22: Ez. 1. 7 bis.]
[Sm. Ex. 4. 25: 28. 33: Jo. 4. 3: Jd. 5. 15: Jb. 13. 27: Ps. 57 (58). 11: 65 (66). 6, 9: 67 (68). 24: 73 (74). 3: 84 (85). 14: 90 (91). 12: Pr. 4. 26: 25. 17: 26. 6: Is. 1. 6: 6. 1: 36. 12: 37. 25: 52. 7: 60. 13, 14: Je. 38 (45). 22: Ez. 1. 7.]
[Th. Ex. 4. 25: 28. 33: 37 (38). 13: Jo. 4. 3: Jd. 3. 24: I Ki. 24. 4: Jb. 13. 27: 23. 11: 39. 15: Ps. 57 (58). 11: 65 (66). 9: Is. 1. 6: 6. 1: 23. 7: 60. 13, 14.]
[Al. Le. 4. 11: Dt. 2. 5: Jb. 18. 11: Ps. 65 (66). 9: 121 (122). 2: Hb. 3. 5, 19.]
[Heb. Jb. 13. 27.]
[Quint. Pr. 26. 6.]

πρᾶγμα. (1) דָּבָר (2) חֵפֶץ (3) מִלָּה (4) מַעֲלָל (5) מַעֲשֶׂה (6) עֲבִידָא (7) צְבִו

Ge. 19. 22. οὐ γὰρ δυνήσομαι ποιῆσαι πρᾶγμα (1)
21. 26. A τίς ἐποίησε τὸ πρ. [R σοι τὸ ῥῆμα] τοῦτο (1)
24. 50. R ἐξῆλθε τὸ πρ. [A πρόσταγμα] τοῦτο (1)
44. 15. τί τὸ πρ. τοῦτο ἐποιήσατε (5)
Ex. 1. 18. τί ὅτι ἐποιήσατε τὸ πρ. τοῦτο (1)
Le. 5. 2. ἥτις ἐὰν ἅψηται παντὸς πρ. ἀκαθάρτου (1)
6. 4 (5. 24). ἀπὸ παντὸς πρ. οὗ ὤμοσε –
7. 11 (21). ἢ ἂν ἅψηται παντὸς πρ. ἀκαθάρτου –
Nu. 20. 19. τὸ πρ. οὐδέν ἐστι (1)
22. 8. ἀποκριθήσομαι ὑμῖν πράγματα [A πρᾶγμα] (1)

Nu. 31. 23. πᾶν πρ. ὃ διελεύσεται ἐν πυρί (1)
De. 17. 5. A ἐποίησαν τὸ πρ. τὸ πονηρὸν τοῦτο (1)
— 10. ποιήσεις κατὰ τὸ πρ. [A ῥῆμα] (1)
22. 26. οὕτω τὸ πρ. τοῦτο (1)
23. 9 (10). A φυλάξῃ ἀπὸ παντὸς πρ. [B ῥήμ.] πον. (1)
— 14 (15). ἀσχημοσύνη πράγματος (1)
— 19 (20). καὶ τόκον παντὸς πράγματος (1)
24. 1. A² B εὗρεν ἐν αὐτῇ ἄσχημον πρ. (1)
— 5. οὐκ ἐπιβληθήσεται αὐτῷ οὐδὲν πρ. (1)
Jo. 9. 24. ἐποιήσαμεν τὸ πρ. τοῦτο (1)
Jd. 6. 29. A τίς ἐποίησε τὸ πρ. [B ῥῆμα] τοῦτο (1)
— 29. A ἐποίησε τὸ πρ. [B ῥῆμα] τοῦτο (1)
19. 19. ὑστέρημα παντὸς πρ. (1)
III Ki. 10. 22 (B), 9. 22 (A). οὐκ ἔδωκε Σαλ. πρᾶγμα [A εἰς πρ.] †
11. 27. τοῦτο τὸ πρ. ὡς ἐπήρατο (1)
I Ch. 21. 7. πονηρὸν . . . περὶ τοῦ πρ. τούτου (1)
— 8. ἐποίησα τὸ πρ. τοῦτο (1)
II Ch. 23. 19. οὐκ εἰσελεύσ. ἀκάθαρτος εἰς πᾶν πρ. (1)
I Es. 4. 18. καὶ πᾶν πρ. ὡραῖον [A al.]
— 19. καὶ πᾶν πρ. ὡραῖον
8. 70. ἀπὸ τῆς ἀρχῆς τοῦ πρ.
— 95. πρὸς σὲ γὰρ τὸ πρ.
9. 13. ἕως τοῦ λῦσαι . . . τοῦ πρ. τούτου
— 16. ἐτάσαι τὸ πρ.
To. 2. 8. φονευθῆναι περὶ τοῦ πρ. τούτου
4. 3. S ἐν παντὶ πρ.
7. 8. A B τελεσθήτω τὸ πρ.
Ju. 8. 32. καὶ ποιήσω πρᾶγμα
11. 6. τελείως πρᾶγμα ποιήσει
— 16. A B ποιῆσαι μετὰ σοῦ πράγματα
Es. 2. 4. ἤρεσε τῷ βασ. τὸ πρ. [B¹ πρόσταγμα] (1)
3. 13. καὶ δυσνοοῦν τοῖς ἡμετέροις πρ. [S¹ al.]
— 13. τοῦ τεταγμένου ἐπὶ τῶν πρ. [B¹ ταγμ.]
— 13. ἀτάραχα παρέχωσιν . . . τὰ πρ. [A προστάγμ.]
— 15. ἐσπεύδετο δὲ τὸ πρ. †
7. 5. ποιῆσαι τὸ πρ. τοῦτο †
8. 13. τῶν πιστευθέντων χειρίζειν φίλων τὰ πρ.
Jb. 1. 1, 8. ἀπεχόμενος ἀπὸ παντὸς πονηροῦ πρ. –
Ps. 63 (64). 3. ἐνέτειναν τόξον πρᾶγμα πικρόν (1)
90 (91). 6. ἀπὸ πράγματος διαπορευομένου ἐν σκότει †
100 (101). 3. οὐ προεθέμην πρὸ ὀφθαλμῶν μου πρᾶγμα παράνομον (1)
Pr. 11. 13. πιστὸς δὲ πνοῇ κρύπτει πράγματα (1)
13. 13. ὃς καταφρονεῖ πράγματος (1)
16. 20. συνετὸς ἐν πράγμασιν εὑρετὴς ἀγαθῶν (1)
25. 2. δόξα δὲ βασιλέως τιμᾷ πράγματα [A B³ προστάγματα] (1)
Ec. 3. 1. καιρὸς τῷ [B¹ om.] παντὶ πρ. (2)
— 17. καιρὸς τῷ παντὶ πρ. (2)
5. 7. μὴ θαυμάσῃς ἐπὶ τῷ πρ. (2)
8. 6. παντὶ πρ. [S¹ πρᾶγμα] ἔστι καιρός (2)
Si. 11. 9. περὶ πράγματος . . . μὴ ἔριζε
34 (31). 15. ἐπὶ παντὶ πράγματι διανοοῦ
Am. 3. 7. οὐ μὴ ποιήσῃ κ. ὁ θεὸς πρᾶγμα (1)
Is. 25. 1. ἐποίησας θαυμαστὰ πρ. –
28. 22. συντετελεσμένα καὶ συντετμημένα πρ. –
Je. 47 (40). 16. μὴ ποιήσῃς τὸ πρ. τοῦτο (1)
51 (44). 4. μὴ ποιήσητε τὸ πρ. (1)
— 22. ἀπὸ προσώπου πονηρίας πραγμάτων ὑμῶν (4)
Ba. 2. 33. A B ἀπὸ πονηρῶν πραγμάτων [R προσταγμ.] αὐτῶν
Da. LXX. Su. 10. οὐδὲ ἡ γυνὴ ἔγνω τὸ πρ. τοῦτο
1. 20. σοφοὺς παρὰ πάντας τοὺς αὐτοῦ ἐν πράγμασιν †
2. 8. ἀπέστη ἀπ' ἐμοῦ τὸ πρ. (3)
— 10. τοιοῦτο πρ. οὐκ ἐπερωτᾷ (3)
— 48. κατέστησεν ἐπὶ τῶν πρ. τῆς Βαβ. †
— 49. ἵνα κατασταθῶσιν ἐπὶ τῶν πρ. τῆς Βαβ. (6)
4. 34. ἀλλοιῶσαι ὑπερμεγέθη πρ. –
— 34. ἠλλοίωσεν ἐπ' ἐμοὶ μεγάλα πρ. –
Da. TH. Su. 63. οὐχ εὑρέθη ἐν αὐτῇ ἄσχημον πρ.
6. 17 (18). ὅπως μὴ ἀλλοιωθῇ πρᾶγμα ἐν τῷ Δ. (7)
Ma. 3. 32. κατέλιπε Δ. . . . ἐπὶ τῶν πρ. τοῦ βασ.
6. 56. R παραλαβεῖν τὰ πρ. [A S⁴ τὰ τῶν πρ., S¹ τὰ τῶν προσταγμάτων]
7. 3. ἐγνώσθη αὐτῷ τὸ πρ.
9. 10. μή μοι γένοιτο ποιῆσαι τὸ πρ. τοῦτο
10. 35. A R παρενοχλεῖν τινα αὐτῶν περὶ παντὸς [S τινὸς] πρ.
— 43. ὀφείλοντες βασιλικὰ καὶ πᾶν πρ.
— 43. S¹ καὶ πᾶν πρ. [A S² R κ. πάντα] ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς
— 63. τοῦ μηδένα ἐντυγχάνειν . . . περὶ μηδενὸς πρ.
II Ma. 1. 33. ὡς δὲ φανερὸν ἐγενήθη τὸ πρ.
— 34. δοκιμάσας τὸ πρ.
2. 26. ἱδρῶτος δὲ καὶ ἀγρυπνίας τὸ πρ.
3. 7. Ἡλιόδωρον τὸν ἐπὶ τῶν πρ.
— 8. τῷ πρ. δὲ τὴν τοῦ βασ. πρόθεσιν ἐπιτελέσων
— 38. εἴ τινα ἔχεις . . . πραγμάτων ἐπίβουλον
4. 2. ἐπίβουλον τῶν πρ. ἐτόλμα λέγειν
— 6. R τυχεῖν εἰρήνης ἔτι [A ἐπὶ] τὰ πρ.
— 21. R ἀλλότριον αὐτὸν τῶν αὐτῶν γεγονέναι πραγμάτων [A al.]
— 23. περὶ πραγμάτων ἀναγκαίων ὑπομνηματισμοὺς τελέσοντα
— 31. καταστεῖλαι τὰ πρ.
8. 8. ἐπιβοηθεῖν τοῖς τοῦ βασ. πρ.
9. 24. ᾧ καταλέλειπται τὰ πρ.
10. 11. ἀνέδειξεν ἐπὶ τῶν πρ. Λυσίαν τινά
11. 1. Λυσίας . . . συγγενὴς καὶ ἐπὶ τῶν πρ.
— 19. τὴν εἰς τὰ πρ. εὔνοιαν
13. 2. Λυσίαν τὸν ἐπίτροπον καὶ ἐπὶ τῶν πρ.
— 13. κρίναι τὰ πρ.
— 23. τὸν ἀπολελειμμένον ἐπὶ τῶν πρ.
14. 10. ἀδύνατον εἰρήνης τυχεῖν τὰ πρ.
— 26. τὸν Νικ. ἀλλότρια φρονεῖν τῶν πρ.
15. 17. κρῖναι τὰ πρ.
III Ma. 1. 4. τῶν πρ. μᾶλλον ἐρρωμένων τῷ Ἀντ.
3. 7. καὶ μέγα τι τοῖς πρ. ἐναντιουμένους
— 13. ἔρρωμαι δὲ καὶ αὐτὸς ἐγὼ καὶ τὰ πρ. ἡμῶν
— 17. τῷ δὲ πρ. νόθως
— 21. τὰ πεπιστευμένα . . . μύρια πρ. τολμήσαντες ἐξαλλοιῶσαι
— 23. A καταστρέψαι τὰ πρ. [R κατορθώματα]
— 26. τελείως ἡμῖν τὰ πρ. . . . κατασταθήσεσθαι
5. 27. R ἐπυνθάνετο τί τὸ πρ. [A al.]
— 40. καὶ πάλιν ἐπὶ τῶν πρ. . . . ἀναλύων
6. 28. R ἀπαραπόδιστον εὐστάθειαν . . . παρέχει τοῖς ἡμετέροις πρ.
7. 1. καὶ πᾶσι τοῖς τεταγμένοις ἐπὶ πραγμάτων
— 2. R κατευθύναντος . . . τοῦ μεγάλου θεοῦ τὰ πρ. [A al.]
— 4. μή ποτε εὐσταθήσειν τὰ πρ. ἡμῶν
— 9. ἐπ' ἐκδικήσει τῶν πρ.
— 11. R μηδέποτε εὐνοήσειν μηδὲ τοῖς τοῦ βασ. πρ. [A προστάγμασιν]
IV Ma. 1. 16. γνῶσις θείων καὶ ἀνθρωπίνων πρ.
4. 3. εὔνους ὢν τοῖς τοῦ βασ. πρ.
8. 7. ἀρχὰς ἐπὶ τῶν ἐμῶν πρ. ἡγεμονικὰς λήψεσθε
12. 5. τῶν ἐπὶ τῆς βασ. ἀφηγήσῃ πρ.
[Aq. Ec. 12. 1.]
[Sm. Ge. 20. 10: II Ki. 12. 14: Ps. 111 (112). 5: Ec. 6. 5: 8. 5: Is. 39. 4.]
[Th. Jd. 6. 29.]
[Al. Dt. 19. 4.]

πραγματεία, πραγματία. (1) דָּבָר (2) חֶשֶׁק (3) מְלָאכָה
III Ki. 7. 33. καὶ ἡ πρ. αὐτῶν –
9. 1. καὶ πᾶσαν τὴν πρ. Σαλ. (2)
10. 22 (B), 9. 15 (A). αὕτη ἦν ἡ πρ. τῆς προνομῆς (1)
— 22 (B), 9. 19 (A). καὶ τὴν πρ. Σαλ. (2)
I Ch. 28. 21. καὶ μετὰ σοῦ ἐν πάσῃ πρ. (3)
Ps. 70 (71). 15. B¹ R οὐκ ἔγνων πραγματείας [B²S γραμματείας] †
Da. LXX. 6. 3 (4). καὶ εὐοδούμενος ἐν ταῖς πρ. τοῦ βασ. –
II Ma. 2. 31. τὸ ἐξεργαστικὸν τῆς πρ. παραιτεῖσθαι

πραγματεύεσθαι. (1) חָשַׁק (2) עָשָׂה אֶת־מְלָאכָה
III Ki. 10. 22 (B), 9. 19 (A). ἣν ἐπραγματεύσατο (1)
Da. LXX. 8. 27. ἐπραγματευόμην πάλιν βασιλικά (2)

πραγματικός.
I Es. 8. 22. ἱεροδούλοις καὶ πραγματικοῖς τοῦ ἱεροῦ

πρᾱέως.
[Th. Is. 40. 11.]

πράκτωρ. (1) נָגַשׁ
Is. 3. 12. οἱ πρ. ὑμῶν καλαμῶνται ὑμᾶς (1)
[Aq., Th. Is. 60. 17.]
[Sm. Ps. 108 (109). 11.]

πρᾶξις. (1) דֶּרֶךְ (2) פֹּעַל
IV Ki. 12. 5. A ἀνὴρ ἀπὸ τῆς πρ. [B πράσεως] αὐ.†
I Ch. 12. 24. S δυνατοὶ πράξεως [A B παρατάξ.] †
II Ch. 12. 15. καὶ πράξεις [A αἱ πρ.] αὐτοῦ †
13. 22. καὶ αἱ πρ. αὐτοῦ (1)
27. 7. ὁ πόλεμος καὶ αἱ πρ. αὐτοῦ (1)
28. 26. καὶ αἱ πρ. αὐτοῦ αἱ πρῶται (1)
I Es. 1. 25. μετὰ πᾶσαν τὴν πρ. ταύτην
— 33. τὸ καθ' ἑν πραχθὲν τῆς πρ. Ἰ.
Ju. 8. 34. οὐκ ἐξερευνήσετε τὴν πρ. μου
Jb. 24. 5. A ὑπὲρ ἐμοῦ ἐξελθόντες τῇ ἑαυτῶν πρ. [B S al.] (2)
Pr. 13. 13. οἰκέτῃ δὲ σοφῷ εὔοδοι ἔσονται πράξεις –
Wi. 9. 11. ὁδηγήσει με ἐν ταῖς πρ. μου σωφρόνως
Si. 11. 10. μὴ περὶ πολλὰ ἔστωσαν αἱ πρ. σου
32 (35). 18. ἕως ἀνταποδῷ ἀνθρώπῳ κατὰ τὰς πρ. αὐτοῦ
37. 16. πρὸ πάσης πράξεως βουλή
38. 24. ὁ ἐλασσούμενος πράξει αὐτοῦ σοφισθήσεται
Da. LXX. 4. 34. ὑποδείξω ὑμῖν τὰς πρ. –
I Ma. 13. 34. πᾶσαι αἱ πρ. Τρύφωνος
14. 35. R εἶδεν ὁ λαὸς τὴν πρ. τοῦ Σ. [A S al.]
16. 23. τὰ λοιπὰ . . . τῶν πρ. αὐ.
II Ma. 4. 28. πρὸς τοῦτον γὰρ ἦν ἡ τῶν φόρων πρᾶξις
— subscr. Ἰούδα τοῦ Μακκ. πράξεων ἐπιστολή
III Ma. 1. 27. μὴ παριδόντα τὴν ἄνομον καὶ ὑπερήφανον πρ.
[Aq. Ps. 142 (143). 5.]
[Sm. Ps. 27 (28). 4, 5: 65 (66). 5: 76 (77). 13: 89 (90). 17: Ec. 12. 14.]

πρᾷος.
II Ma. 15. 12. Ὀνίαν . . . αἰδήμονα μὲν τὴν ἀπάντησιν πρᾷον δὲ τὸν τρόπον
[Sm. Ps. 17 (18). 28.]
[Al. Ps. 9. 19.]

πρᾳότης, *vid.* **πρᾴτης.**

πρασιά.
Si. 24. 31. μεθύσω μου τὴν πρ.
[Aq. Ca. 5. 13: 6. 1 (2): Ez. 17. 7, 10.]
[Sm. Ca. 5. 13: 6. 1 (2).]

πρασιάζεσθαι.
[Aq., Quint. Ps. 41 (42). 2.]

πράσινος. (1) שֹׁהַם
Ge. 2. 12. καὶ ὁ λίθος ὁ πρ. (1)

πρασιοῦσθαι.
[Aq. Jl. 1. 20.]

πρᾶσις. (1) *a.* מִמְכָּר *b.* מִמְכֶּרֶת *c.* מְכַר *d.* מֶכֶר (2) מִקְנָה (3) שֶׁבֶר
Ge. 42. 1. ἐστὶ πρ. ἐν Αἰγύπτῳ (3)
Le. 25. 14. ἐὰν δὲ ἀποδῷ πρᾶσιν (1 *a*)
— 25. λυτρώσεται τὴν πρ. τοῦ ἀδ. αὐ. (1 *a*)
— 27. συλλογιεῖται τὰ ἔτη [A ἐπὶ] τῆς πρ. αὐ. (1 *a*)
— 28. ἔσται ἡ πρ. τῷ κτησαμ. αὐτά (1 *a*)
— 42. οὐ πραθήσεται ἐν πράσει οἰκέτου (1 *b*)
— 50. ἔσται τὸ ἀργ. τῆς πρ. αὐ. ὡς μισθίου (1 *a*)
— 51. ἀπὸ τοῦ ἀργ. τῆς πρ. αὐτοῦ (2)
De. 18. 8. πλὴν τῆς πρ. τῆς κατὰ πατριάν (1 *a*)
21. 14. πράσει οὐ πραθήσεται ἀργυρίου (1 *c*)
IV Ki. 12. 5 (6). ἀνὴρ ἀπὸ τῆς πρ. [A πράξεως] αὐ. †
— 7 (8). μὴ λάβητε ἀργύρ. ἀπὸ τῶν πρ. ὑμῶν †
Ne. 10. 31 (32). οἱ φέροντες . . . πᾶσαν [S¹ τὴν] πρ. (3)
13. 15. ἐν ἡμέρᾳ πράσεως αὐτῶν (1 *c*)
— 16. καὶ πᾶσαν πρ. πωλοῦντες (1 *d*)
— 20. καὶ ἐποίησαν πρᾶσιν (1 *a*)
Si. 27. 2. ἀνὰ μέσον πράσεως καὶ ἀγορασμοῦ
37. 11. μετὰ ἀγοραζόντος περὶ πράσεως
42. 5. περὶ ἀδιαφόρου [A S διαφ.] πράσεως
Ez. 27. 17. οὗτοι ἔμποροί σου ἐν σίτου πράσει †
II Ma. 8. 34. ὁ τοὺς χιλίους ἐμπόρους ἐπὶ τὴν πρ. τῶν Ἰ. ἀγαγών
[Aq. Dt. 18. 8.]
[Al. Le. 25. 29.]

πράσον. (1) חָצִיר
Nu. 11. 5. ἐμνήσθημεν . . . τὰ πρ. (1)
[Aq. Is. 40. 7, 8.]

πράσσειν, πράττειν. (1) הָלַךְ (2) נָגַשׁ (3) עָשָׂה (4) פָּעַל

Ge. 31. 28. νῦν δὲ ἀφρόνως ἔπραξας (3)
Jo. 1. 7. οἷς ἐὰν πράσσῃς (1)
I Es. 1. 33. τὸ καθ' ἓν πραχθὲν τῆς πράξεως 'Ι.
— 33. B¹ τά τε πραχθέντα [A προσπροαχθ., B² R προπρ.] ὑπ' αὐτοῦ
3. 23. οὐ μέμνηται ἃ ἔπραξαν [A -εν]
4. 32. ὅτι οὕτως πράσσουσι
Jb. 5. 27. εἴ [A B² S¹ om.] τι ἔπραξας –
7. 20. τί δυνήσομαι [A S δύναμαί σοι] πρᾶξαι (4)
24. 20. ἃ [A καθὰ] ἔπραξε †
27. 6. οὐ γὰρ σύνοιδα ἐμαυτῷ ἄτοπα πράξας †
34. 21. λέληθε δὲ αὐτὸν οὐδὲν ὧν πράσσουσιν †
35. 5 (6). εἰ ἥμαρτες τί πράξεις (4)
36. 21. S² R φύλαξαι μὴ πράξῃς ἄτοπα [A ἄνομα, B S¹ ἄδικα] †
— 23. ἔπραξεν ἄδικα (4)
Pr. 10. 23. ἐν γέλωτι ἄφρων πράσσει κακά (3)
13. 10. κακὸς μεθ' ὕβρεως πράσσει κακά †
— 16. πᾶς πανοῦργος πράσσει μετὰ γνώσεως (3)
14. 17. ὀξύθυμος πράσσει μετὰ ἀβουλίας (3)
21. 7. οὐ γὰρ βούλονται πράσσειν τὰ δίκαια (3)
24. 55 (30. 20). ἢ ὅταν πράξῃ ἀπονιψαμένη οὐδέν φησι πεπραχέναι ἄτοπον (†, 4)
25. 28. ὃς οὐ μετὰ βουλῆς τι πράσσει †
26. 19. παίζων ἔπραξα –
Wi. 12. 3. μισήσας ἐπὶ τῷ ἔχθιστα πράσσειν ἔργα φαρμακειῶν
14. 10. τὸ πραχθὲν σὺν τῷ δράσαντι κολασθήσεται
Si. 10. 6. μὴ πρᾶσσε μηδὲν ἐν ἔργοις ὕβρεως
Is. 57. 10. ὅτι ἔπραξας [S² -α] ταῦτα †
Da. LXX. Su. 22. ἐὰν πράξω τοῦτο . . . καὶ ἐὰν μὴ πράξω
— 23. κάλλιον δέ με μὴ πράξασαν ἐμπεσεῖν
6. 3 (4). ἐν ταῖς πραγματείαις τοῦ βασ. αἷς ἔπρασσε –
Da. TH. Su. 22. ἐάν τε γὰρ τοῦτο πράξω
— 22. ἐάν τε μὴ πράξω
— 23. μὴ πράξασαν ἐμπεσεῖν εἰς τὰς χεῖρας ὑμῶν
11. 20. πράσσων δόξαν βασιλείας (2)
I Ma. 10. 35. οὐχ ἕξει ἐξουσίαν οὐδεὶς πράσσειν
II Ma. 6. 22. ἵνα τοῦτο πράξας ἀπολυθῇ τοῦ θανάτου
9. 19. πολλὰ χαίρειν καὶ ὑγιαίνειν καὶ εὖ πράττειν
12. 43. R πάνυ καλῶς καὶ ἀστείως πράττων [A -ειν]
14. 23. ἔπραττεν οὐθὲν ἄτοπον
III Ma. 2. 3. τοὺς ὕβρει καὶ ἀγερωχίᾳ τι πράσσοντας
IV Ma. 3. 20. καὶ ἔπραττον καλῶς
[Sm. Jb. 33. 29: Ps. 17 (18). 26: 30 (31). 23: 118 (119). 126: Pr. 21. 24: Ec. 8. 10, 14, 17: Je. 6. 15.]
[Th. Is. 50. 1: Da. 11. 20.]

πρατός.

II Ma. 11. 3. πρατὴν δὲ . . . τὴν ἀρχιερωσύνην ποιήσειν

πραΰθυμος. (1) שְׁפַל־רוּחַ

Pr. 14. 30. πραΰθυμος ἀνὴρ καρδίας ἰατρός †
16. 19. κρείσσων πραΰθυμος [A πρόθυμος] μετὰ ταπεινώσεως (1)

πραΰνειν. (1) כּוּל pilp. (2) שָׁקַט hi.

Ps. 93 (94). 13. τοῦ πραῦναι αὐτῷ ἀφ' ἡμερῶν πονηρῶν (2)
Pr. 18. 14. θυμὸν ἀνδρὸς πραΰνει θεράπων φρόνιμος (1)

πραΰς. (1) *a.* עָנָו *b.* עָנִיו *c.* עָנִי

Nu. 12. 3. ὁ ἄνθρωπος M. πρ. σφόδρα (1 *a**, 1 *b*)
Jb. 24. 4. ὁμοθυμαδὸν δὲ ἐκρύβησαν πραεῖς γῆς (1 *a**, 1 *c*)
36. 15. κρίμα δὲ πραέων ἐκθήσει †
Ps. 24 (25). 9. ὁδηγήσει πραεῖς ἐν κρίσει (1 *a*)
— 9. A B² S R διδάξει πραεῖς ὁδοὺς αὐτοῦ (1 *a*)
33 (34). 2. ἀκουσάτωσιν πραεῖς (1 *a*)
36 (37). 11. οἱ δὲ πρ. κληρονομήσουσι γῆν (1 *a*)
75 (76). 9. B¹ S¹ R τοῦ σῶσαι πάντας τοὺς πρ. τῇ καρδίᾳ [B² S² τῆς γῆς] (1 *a*)
146 (147). 6. ἀναλαμβάνων πραεῖς ὁ κύριος (1 *a*)
149. 4. ὑψώσει πραεῖς ἐν σωτηρίᾳ (1 *a*)
Si. 3. 18. S² πραέσιν ἀποκαλύπτει τὰ μυστήρια αὐτοῦ
10. 14. ἐκάθισε πραεῖς ἀντ' αὐτῶν
Jl. 3 (4). 11. ὁ πρ. ἔστω μαχητής †
Ze. 3. 12. ὑπολείψομαι ἐν σοὶ λαὸν πρ. [A πολύν] (1 *c*)
Za. 9. 9. αὐτὸς πρ. καὶ ἐπιβεβηκὼς ἐπὶ ὑποζύγιον (1 *c*)
Is. 26. 6. πατήσουσιν αὐτοὺς πόδες πραέων (1 *c*)
Da. LXX. 4. 16. ἀπεκρίθη μοι φωνῇ πρ. –
[Aq. Nu. 12. 3: Ps. 75 (76). 10: Is. 11. 4: 29. 19: 66. 2: Za. 9. 9.]
[Sm. Nu. 12. 3: Jb. 24. 4: Ps. 75 (76). 10: Is. 29. 19.]
[Th. Nu. 12. 3: Jb. 24. 4: Is. 29. 19.]
[Quint., Sext. Ps. 75 (76). 10.]

πραΰτης, πραότης. (1) *a.* עֲנָוָה *b.* עָנָה pu.

Es. 3. 13. S² μετὰ πραότητος ἀεὶ διεξάγων [A B S¹ *al.*]
5. 1. μετέβαλεν ὁ θ. . . . εἰς πραΰτητα
Ps. 44 (45). 4. ἕνεκεν ἀληθείας καὶ πραΰτητος (1 *a*)
89 (90). 10. ἐπῆλθε πρ. ἐφ' ἡμᾶς †
131 (132). 1. μνήσθητι, κύριε, τοῦ Δαυὶδ καὶ πάσης τῆς πρ. αὐτοῦ (1 *b*)
Si. 1. 26. ἡ εὐδοκία αὐτοῦ πίστις καὶ πρ.
3. 17. τέκνον, ἐν πραΰτητι τὰ ἔργα σου διέξαγε
4. 8. ἀποκρίθητι αὐτῷ εἰρηνικὰ ἐν πραΰτητι
10. 28. ἐν πραΰτητι δόξασον τὴν ψυχήν σου
36. 28 (25). εἰ ἔστιν ἐπὶ γλώσσης αὐ. ἔλεος καὶ πρ.
45. 4. ἐν πίστει καὶ πραΰτητι
[Aq., Quint. Ps. 17 (18). 36.]
[Sm. Pr. 15. 33: 18. 12: 22. 4.]
[Th. Ps. 89 (90). 10: Pr. 15. 33: 18. 12.]

πρέμνον.

[Sm. Ez. 17. 7.]

πρέπειν. (1) דּוּמִיָּה (2) *a.* נָאָה pi. *b.* נָאוָה

Ps. 32 (33). 1. τοῖς εὐθέσι πρέπει αἴνεσις (2 *b*)
64 (65). 1. σοὶ πρέπει ὕμνος, ὁ θεός, ἐν Σιών (1)
92 (93). 5. τῷ οἴκῳ σου πρέπει ἁγίασμα, κύριε (2 *a*)
Si. 30. 37 (33. 28). καθὼς πρέπει αὐτῷ
35 (32). 3. πρέπει γάρ σοι
I Ma. 12. 11. ὡς δέον ἐστὶ καὶ πρέπον μνημονεύειν ἀδελφῶν
III Ma. 3. 20. καθὼς ἔπρεπεν ἐποιήσαμεν
— 25. πρέποντα δυσμενέσι φόνον
7. 13. ὡς πρέπον ἦν
— 19. ἐν ταῖς πρεπούσαις ἐξομολογήσεσιν
[Aq. Je. 10. 7.]
[Sm. Ps. 32 (33). 1: Pr. 17. 7: 19. 10: 26. 1: Je. 10. 7.]
[Th. Pr. 26. 1.]

πρεπόντως.

II Ma. 15. 12. καὶ λαλιὰν προϊέμενον πρ.

πρεσβεία (-βία).

II Ma. 4. 11. τοῦ ποιησαμένου τὴν πρ. ὑπὲρ φιλίας

πρεσβεῖον. (1) בְּכֹרָה (2) שִׁיבָה

Ge. 43. 33. ὁ πρωτότοκος κατὰ τὰ πρ. αὐ. (1)
Ps. 70 (71). 18. καὶ ἕως γήρους καὶ πρεσβείου (2)
Da. TH. Su. 50. σοὶ δέδωκεν ὁ θεὸς τὸ πρ. [A *al.*]
III Ma. 6. 1. ἐν πρεσβείῳ τὴν ἡλικίαν ἤδη λελογχώς

πρεσβευτής. (1) לוּץ hi.

II Ch. 32. 31. καὶ οὕτως τοῖς πρ. [B¹ -βυτ.] τῶν ἀρχ. (1)
I Ma. 13. 21. ἀπέστελλον . . . πρεσβευτάς
14. 21. A R οἱ πρ. [S -βύτεροι] οἱ ἀποσταλεντες
— 22. A R πρεσβευταὶ [S -βῦται] 'Ι. ἦλθοσαν
— 40. ἀπήντησαν τοῖς πρ. Σίμωνος
15. 17. A R οἱ πρ. [S -ῦται] τῶν 'Ι. ἦλθον
[Aq. Is. 18. 2.]

πρέσβυς. (1) מַלְאָךְ (2) צִיר

Nu. 21. 20 (21). ἀπέστειλε M. πρέσβεις (1)
22. 5. ἀπέστειλε πρέσβεις πρὸς B. (1)
De. 2. 26. ἀπέστειλα πρέσβεις ἐκ τῆς ἐρήμου (1)
Ps. 67 (68). 31. ἥξουσι πρέσβεις ἐξ Αἰγύπτου †
Ho. 5. 13. ἀπέστειλε πρέσβεις πρὸς βασιλέα 'Ι. –
Is. 13. 8. ταραχθήσονται οἱ πρ. (2)
21. 2. οἱ πρ. τῶν Περσῶν ἐπ' ἐμὲ ἔρχονται †
37. 6. οὓς ὠνείδισάν με οἱ πρ. βασιλέως Ἀσσυρίων †
39. 1. ἀπέστειλε . . . πρέσβεις καὶ δῶρα †
57. 9. ἀπέστειλας πρέσβεις ὑπὲρ τὰ ὅριά σου (2)
63. 9. οὐ πρ. [A -βεις] οὐδὲ ἄγγελος †
I Ma. 9. 70. ἀπέστειλε πρὸς αὐτὸν πρέσβεις
10. 51. ἀπέστειλεν Ἀλ. πρὸς Πτ. . . . πρέσβεις
11. 9. ἀπέστειλε πρέσβεις πρὸς Δ.
13. 14. ἀπέστειλε πρὸς αὐτὸν πρέσβεις
IV Ma. 7. 10. S¹ ὦ . . . πυρὸς εὐτονώτερε πρέσβυ [A S² R -ῦτα]

πρεσβύτατος.

IV Ma. 9. 11. τὸν πρ. αὐτῶν . . . παρήγαγον

πρεσβυτέριον.

Da. TH. Su. 50. A σοὶ δέδωκεν ὁ θεὸς τὸ πρ. [B -βεῖον]

πρεσβύτερος, πρεσβυτέρα. (1) *a.* בְּכוֹר *b.* בְּכִירָה (2) גָּדוֹל, גָּדֵל (3) זָקֵן (4) *a.* יָשִׁישׁ *b.* יָשִׁישׁ (5) רֹאשׁוֹן (6) שֵׂיב (7) καθεστηκὼς πρ. אִישׁ שֵׂיבָה (8) כַּבִּיר

Ge. 18. 11. Ἀβραὰμ δὲ καὶ Σάρρα πρεσβύτεροι (3)
— 12. ὁ δὲ κύριός μου πρ. (3)
19. 4. ἀπὸ νεανίσκου ἕως πρεσβυτέρου (3)
— 31. εἶπε δὲ ἡ πρ. πρὸς τὴν νεωτέραν (1 *b*)
— 31. ὁ πατὴρ ἡμῶν πρ. (3)
— 33. εἰσελθοῦσα ἡ πρ. (1 *b*)
— 34. εἶπεν ἡ πρ. πρὸς τὴν νεωτέραν (1 *b*)
— 37. ἔτεκεν ἡ πρ. υἱόν (1 *b*)
24. 1. Ἀβ. ἦν πρεσβύτερος (3)
— 2. τῷ παιδὶ αὐτοῦ τῷ πρ. τῆς οἰκίας αὐ. (3)
27. 1. ἐκάλεσεν Ἠ. τὸν υἱὸν αὐ. τὸν πρ. (2)
— 15, 42. Ἡσαῦ τοῦ υἱοῦ αὐτῆς τοῦ πρ. (2)
29. 26. δοῦναι τὴν νεωτ. πρὶν ἢ τὴν πρ. (1 *b*)
35. 29. πρεσβύτερος καὶ πλήρης ἡμερῶν (3)
43. 27. A ὁ πατὴρ ὑμῶν ὁ πρ. [R -ύτης] (3)
44. 12. ἀπὸ τοῦ πρ. ἀρξάμενος (2)
— 20. ἔστιν ἡμῖν πατὴρ πρεσβύτερος (3)
50. 7. οἱ πρ. τοῦ οἴκου αὐτοῦ (3)
— 7. πάντες οἱ πρ. τῆς γῆς Αἰγ. (3)
Ex. 10. 9. σὺν . . . πρεσβυτέροις [A τοῖς πρεσβύταις] πορευσόμεθα (3)
17. 5. ἀπὸ τῶν πρ. τοῦ λαοῦ (3)
18. 12. καὶ πάντες οἱ πρ. 'Ισρ. (3)
19. 7. ἐκάλεσε [B¹ ἐλάλησε πρὸς] τοὺς πρ. τοῦ λαοῦ (3)
24. 1. ἑβδομήκοντα τῶν πρ. 'Ισρ. (3)
— 9. A ἑβδομήκ. τῶν πρ. [B τῆς γερουσίας] 'Ισρ. (3)
— 14. καὶ τοῖς πρ. εἶπαν (3)
34. 30. καὶ πάντες οἱ πρ. [A υἱοὶ] 'Ισρ. †
— 32. A² πάντες οἱ πρ. [B υἱοὶ] 'Ισρ. †
Le. 4. 15. οἱ πρ. τῆς συναγωγῆς (3)
19. 32. τιμήσεις πρόσωπον πρεσβυτέρου (3)
Nu. 11. 16. ἀπὸ τῶν πρ. Ἰσραήλ (3)
— 16. οὗτοί εἰσι πρ. τοῦ λαοῦ (3)
— 24. ἀπὸ τῶν πρ. τοῦ λαοῦ (3)
— 25. ἐπὶ τοὺς ἑβδομήκ. ἄνδρας τοὺς πρ. (3)
— 30. αὐτὸς καὶ οἱ πρ. Ἰσραήλ (3)
16. 25. πάντες οἱ πρ. Ἰσραήλ (3)
De. 28. 50. A οὐ θαυμάσει πρόσωπον πρεσβυτέρου [B -του] (3)
31. 9. καὶ τοῖς πρ. τῶν υἱῶν 'Ισρ. (3)
— 28. A R καὶ τοὺς πρ. ὑμῶν (3)
32. 7. A² B ἐπερώτησον . . . τοὺς πρ. σου (3)
— 25. A μετὰ καθεστηκότος πρ. [B -του] (7)
Jo. 6. 20 (21). A καὶ ἕως πρεσβυτέρου [B -του] (3)
7. 6. αὐτὸς καὶ οἱ πρ. 'Ισρ. (3)
— 23. καὶ τοὺς πρ. Ἰσραήλ †
8. 10. αὐτὸς καὶ οἱ πρ. [A *add.* 'Ισρ.] (3)
9. 1 (8. 33). πᾶς 'Ισρ. καὶ οἱ πρ. αὐτῶν (3)
— 11. εἶπαν πρὸς ἡμᾶς οἱ πρ. ἡμῶν (3)
13. 1. 'Ι. πρεσβύτερος προβεβηκὼς τῶν ἡμ. (3)
20. 4. A ἐν τοῖς ὠσὶν τῶν πρ. τῆς πόλεως (3)
23. 1. 'Ι. πρεσβύτερος προβεβηκὼς ταῖς ἡμ. (3)
24. 1. συνεκάλεσε τοὺς πρ. αὐτῶν (3)
— 31. πάσας τὰς ἡμέρας τῶν πρ. (3)
Jd. 2. 7. πάσας τὰς ἡμέρας τῶν πρ. (3)
8. 14. ὀνόματα . . . τῶν πρ. αὐτῶν [A *al.*] (3)
— 16. τοὺς πρ. τῆς πόλεως (3)
11. 5. καὶ ἐπορεύθησαν οἱ πρ. (3)
— 7. εἶπεν 'Ι. τοῖς πρ. Γ. (3)
— 8. εἶπαν οἱ πρ. Γ. πρὸς 'Ι. (3)
— 9. εἶπεν 'Ι. πρὸς τοὺς πρ. Γ. (3)
— 10. εἶπαν οἱ πρ. Γ. πρὸς 'Ι. (3)
— 11. ἐπορεύθη 'Ι. μετὰ τῶν πρ. Γ. (3)
21. 16. εἶπον οἱ πρ. τῆς συναγωγῆς (3)
Ru. 4. 2. δέκα ἄνδρας ἀπὸ τῶν πρ. τῆς πόλεως (3)
— 4. ἐναντίον τῶν πρ. τοῦ λαοῦ μου (3)
— 9. εἶπε B. τοῖς πρ. (3)
— 11. οἱ πρ. εἶπον (3)
I Ki. 4. 3. εἶπαν οἱ πρ. Ἰσραήλ (3)
15. 30. ἐνώπιον πρεσβυτέρων 'Ισρ. (3)
16. 4. ἐξέστησαν οἱ πρ. τῆς πόλεως (3)
17. 12. A ὁ ἀνὴρ ἐν ταῖς ἡμ. Σ. πρεσβύτ. (3)
30. 26. ἀπέστειλε τοῖς πρ. (3)
II Ki. 3. 17. εἶπεν Ἀβ. πρὸς τοὺς πρ. 'Ισρ. (3)
5. 3. ἔρχονται πάντες οἱ πρ. 'Ισρ. (3)

II Ki. 12. 17. οἱ πρ. τοῦ οἴκου (3)
17. 4. ἐν ὀφθ. πάντων τῶν πρ. Ἰσρ. (3)
— 15. συνεβούλευσεν . . . τοῖς πρ. Ἰσρ. (3)
19. 11 (12). λαλήσατε πρὸς τοὺς πρ. Ἰ. (3)
— 32 (33). B. ἀνὴρ πρ. σφόδρα (3)
III Ki. 1. 1. ὁ β. Δαυὶδ πρ. προβεβηκὼς ἡμέραις (3)
8. 1. ἐξεκκλησίασεν . . . πάντας τοὺς πρ. Ἰσρ. (3)
— 3. A ἦλθον πάντες οἱ πρ. Ἰσρ. (3)
12. 6. παρήγγειλεν ὁ βασ. τοῖς πρ. (3)
— 8. ἐγκατέλιπε τὴν βουλὴν τῶν πρ. (3)
— 13. ἐγκατέλιπε Ῥ. τὴν βουλὴν τῶν πρ. (3)
— 24. B τὴν Ἀ. ἀδελφὴν Θ. τὴν πρ. τῆς γυν. αὐ. –
— 24 (*cf.* A 14. 4). B καὶ ὁ ἄνθρωπος πρ. –
— 24. B εἰσαγάγετέ μοι τοὺς πρ. –
— 24. B εἶπον οἱ πρ. τοῦ λαοῦ –
13. 29. A εἰς τὴν πόλιν τοῦ προφ. τοῦ πρ. [B *al.*] (3)
14. 4. A ὁ ἄνθρωπος πρ. τοῦ ἰδεῖν †
20 (21). 8. ἀπέστειλε τὸ βιβλίον πρὸς τοὺς πρ. (3)
— 11. A R οἱ πρ. καὶ οἱ ἐλεύθεροι (3)
21 (20). 7. ἐκάλεσεν . . . πάντας τοὺς πρ. (3)
— 8. εἶπαν αὐτῷ οἱ πρ. (3)
IV Ki. 6. 32. οἱ πρ. ἐκάθηντο μετ' αὐτοῦ (3)
— 32. εἶπε πρὸς τοὺς πρ. (3)
10. 1. ἀπέστειλεν . . . πρὸς τοὺς πρ. (3)
— 5. ἀπέστειλαν . . . οἱ πρ. (3)
19. 2. καὶ τοὺς πρ. τῶν ἱερέων (3)
23. 1. συνήγαγε . . . πάντας τοὺς πρ. Ἰ. (3)
I Ch. 11. 3. ἦλθον πάντες πρ. Ἰσρ. (3)
15. 25. A S R Δ. καὶ οἱ [B *om.*] πρ. Ἰσρ. (3)
21. 16. οἱ πρ. περιβεβλημ. ἐν σάκκοις (3)
II Ch. 5. 2. ἐξεκκλησίασε Σ. τοὺς πρ. (3)
— 4. ἦλθον πάντες οἱ πρ. Ἰσρ. (3)
10. 6. συνήγαγεν . . . τοὺς πρ. (3)
— 8. κατέλιπε τὴν βουλὴν τῶν πρ. (3)
— 13. ἐγκατέλιπεν . . . τὴν βουλὴν τῶν πρ. (3)
15. 13. ἀπὸ νεωτέρου ἕως πρεσβυτέρου (2)
22. 1. πάντας τοὺς πρ. ἀπέκτεινε (5)
32. 3. ἐβουλεύσατο μετὰ τῶν πρ. αὐ. †
34. 29. συνήγαγε τοὺς πρ. Ἰούδα (3)
36. 17. τοὺς πρ. αὐτῶν ἀπήγαγον (3 + 4 *b*)
I Es. 5. 63. οἱ πρ. οἱ ἑωρακότες τὸν . . . οἶκον
6. 5. ἔσχοσαν χάριν . . . οἱ πρ. τῶν Ἰουδ.
— 8. κατελάβομεν . . . τοὺς πρ. τῶν Ἰουδ.
— 11. ἐπυνθανόμεθα τῶν πρ. τούτων
— 27. καὶ τοὺς πρ. τῶν Ἰουδ.
7. 2. συνεργοῦντες τοῖς πρ. τῶν Ἰουδ.
9. 4. κατὰ τὸ κρίμα τῶν προκαθημ. πρ.
— 13. ἑκάστου δὲ τόπου τοὺς πρ.
II Es. 3. 12. οἱ πρ. οἱ εἴδοσαν τὸν οἶκον (3)
5. 9. ἠρωτήσαμεν τοὺς πρ. ἐκείνους (6)
6. 7. A R καὶ οἱ [B *om.*] πρ. τῶν Ἰουδαίων (6)
— 8. A R μή ποτέ τι ποιήσητε μετὰ τῶν [B *om.*] πρ. (6)
— 14. καὶ οἱ πρ. τῶν Ἰουδαίων (6)
10. 8. τῶν ἀρχόντων καὶ τῶν πρ. (3)
— 14. καὶ μετ' αὐτῶν πρεσβύτεροι πόλεως (3)
Ju. 6. 16. συνεκάλεσαν πάντας τοὺς πρ.
— 21. ἐποίησε πότον τοῖς πρ.
7. 23. A S R ἐναντίον πάντων [B *om.*] τῶν πρ.
8. 10. ἐκάλεσεν . . . τοὺς πρ. τῆς πόλεως αὐ.
10. 6. καὶ τοὺς πρ. τῆς πόλεως Χ.
13. 12. συνεκάλεσαν τοὺς πρ. τῆς πόλεως
Jb. 1. 13. ἐν τῇ οἰκίᾳ τοῦ ἀδελφοῦ αὐ. τοῦ πρ. (1 *a*)
— 18. πινόντων παρὰ τῷ ἀδελφῷ αὐτῶν [A υἱῷ σου] τῷ πρ. (1 *a*)
12. 20. σύνεσιν δὲ πρεσβυτέρων ἔγνω (3)
15. 10. A[1] πρεσβύτερος [A[2] B S βαρύτερος] τοῦ πατρός σου ἡμέραις (8)
29. 21. A πρεσβύτεροι [B S *om.*] ἀκούσαντές μου προσέσχον –
32. 4. πρεσβύτεροι αὐτοῦ εἰσιν ἡμέραις [A -ῶν] (3)
— 6. ὑμεῖς δέ ἐστε πρεσβύτεροι (4 *a*)
42. 17. ἐτελεύτησεν Ἰὼβ πρεσβύτερος [S -ύτης] (3)
Ps. 104 (105). 22. καὶ τοὺς πρ. αὐτοῦ σοφίσαι (3)
106 (107). 32. ἐν καθέδραις πρεσβυτέρων (3)
118 (119). 100. ὑπὲρ πρεσβυτέρους συνῆκα (3)
148. 12. S πρεσβύτεροι [A B -βῦται] μετὰ νεωτέρων (3)
Pr. 20. 29. δόξα δὲ πρεσβυτέρων πολιαί (3)
31. 23. A B[2] S[2] μετὰ τῶν πρ. τῆς γῆς [B[1] S[1] R *al.*] (3)
Ec. 4. 13. ἀγαθὸς παῖς πένης καὶ σοφὸς ὑπὲρ βασιλέα πρεσβύτερον (3)
Wi. 2. 10. A μηδὲ πρεσβυτέρου [B S -ύτου] ἐντραπῶμεν πολιάς
8. 10. καὶ τιμὴν παρὰ πρεσβυτέροις ὁ νέος
Si. 4, 7. S[2] πρεσβυτέρῳ [A B S[1] μεγιστᾶνι] ταπεινοῦ τὴν κεφαλήν σου
6. 34. ἐν πλήθει πρεσβυτέρων στῆθι
7. 14. μὴ ἀδολέσχει ἐν πλήθει πρεσβυτέρων
25. 4. ὡς ὡραῖον . . . πρεσβυτέροις ἐπιγνῶναι βουλήν
— 20. ἀνάβασις ἀμμώδης ἐν ποσὶ πρεσβυτέρου
35 (32). 3. λάλησον, πρεσβύτερε, πρέπει γάρ σοι
Jl. 1. 2. ἀκούσατε ταῦτα, οἱ πρ. (3)
— 14. συναγάγετε πρεσβυτέρους (3)
2. 16. ἐκλέξασθε πρεσβυτέρους (3)
— 28 (3. 1). οἱ πρ. ὑμῶν ἐνύπνια ἐνυπνιασθήσονται (3)
Za. 8. 4. ἔτι καθήσονται πρεσβύτεροι καὶ πρεσβύτεραι [S[1] -ῦται] (3, 3)
Is. 3. 2. ἀφελεῖ . . . στοχαστὴν καὶ πρεσβύτερον (3)
— 14. εἰς κρίσιν ἥξει μετὰ τῶν πρ. τοῦ λαοῦ (3)
24. 23. ἐνώπιον τῶν πρ. δοξασθήσεται (3)
37. 2. ἀπέστειλεν . . . τοὺς πρ. τῶν ἱερέων (3)
47. 6. τοῦ πρ. ἐβάρυνας τὸν ζυγὸν σφόδρα (3)
Je. 6. 11. πρ. μετὰ πλήρους ἡμερῶν (3)
19. 1. A ἄξεις ἀπὸ τῶν πρ. τοῦ λαοῦ σου καὶ ἀπὸ τῶν πρ. τῶν ἱερέων [B S *al.*] (3, 3)
33 (26). 17. ἀνέστησαν ἄνδρες τῶν πρ. τῆς γῆς (3)
36 (29). 1. οὓς ἀπέστειλεν . . . πρὸς τοὺς πρ. (3)
39 (32). 8. σὺ πρ. †
Ba. 1. 4. ἀνέγνω Βαροὺχ . . . ἐν ὠσὶ τῶν πρ.
La. 1. 19. οἱ πρ. μου ἐν τῇ πόλει ἐξέλιπον (3)
2. 10. ἐσιώπησαν πρεσβύτεροι θυγατρὸς Σιών (3)
5. 12. πρεσβύτεροι οὐκ ἐδοξάσθησαν (3)
Ez. 7. 26. ἀπολεῖται . . . βουλὴ ἐκ πρεσβυτέρων (3)
8. 1. οἱ πρ. Ἰούδα ἐκάθηντο ἐνώπιόν μου (3)
— 11. ἑβδομήκοντα ἄνδρες ἐκ τῶν πρ. οἴκου Ἰσραήλ (3)
— 12. ἃ οἱ πρ. οἴκου Ἰσραὴλ ποιοῦσιν (3)
9. 6. πρεσβύτερον καὶ νεανίσκον . . . ἀποκτείνατε . . . ἤρξαντο ἀπὸ τῶν ἀνδρῶν [A *om.* τ. ἁ.] τῶν πρ. (3, 3)
14. 1. ἦλθον πρὸς μὲ ἐκ τῶν πρ. ἄνδρες [A ἅ. ἀπὸ τ. πρ.] (3)
16. 46. ἡ ἀδελφὴ ὑμῶν ἡ πρ. Σαμάρεια (2)
— 61. ἐν τῷ ἀναλαβεῖν σε τὰς ἀδελφάς σου τὰς πρ. σου (2)
20. 1. ἦλθον ἄνδρες ἐκ τῶν πρ. οἴκου Ἰσραήλ (3)
— 3. λίλησον πρὸς τοὺς πρ. (3)
23. 4. τὰ ὀνόματα αὐτῶν ἦν Ὀολὰ ἡ πρ. (2)
27. 9. οἱ πρ. βιβλίων καὶ οἱ σοφοὶ αὐτῶν (3)
Da. LXX. Su. 5. ἀπεδείχθησαν δύο πρεσβύτεροι
— 5. ἐξῆλθεν ἀνομία ἐκ Βαβ. ἐκ πρεσβυτέρων κριτῶν
— 13. ὁ εἷς τῶν πρ. ἐλῃλύθει
— 29. ἀναστάντες οἱ δύο πρ.
— 34. ἀναστάντες δὲ οἱ πρ.
— 36. οἱ δὲ δύο πρ. εἶπαν
— 41. ὡς πρεσβυτέρων ὄντων καὶ κριτῶν τοῦ λαοῦ
— 51. οὗτοί εἰσι πρεσβύτεροι
— 52. προσήγαγον τὸν πρ. τῷ νεωτέρῳ
Da. TH. Su. 5. ἀπεδείχθησαν δύο πρεσβύτεροι
— 5. ἐξῆλθεν ἀνομία . . . ἐκ πρεσβυτέρων κριτῶν
— 8. ἐθεώρουν αὐτὴν οἱ δύο πρεσβύτεροι
— 16. οὐκ ἦν οὐδεὶς ἐκεῖ πλὴν οἱ δύο πρεσβύτεροι
— 18. οὐκ εἴδοσαν τοὺς πρ.
— 19. A ἀνέστησαν οἱ δύο πρεσβύτεροι [B -ται]
— 24. A ἐβόησαν δὲ καὶ οἱ δύο πρ. [B -ται]
— 27. A ἡνίκα δὲ εἶπαν οἱ πρ. [B -ται] τοὺς λόγους αὐ.
— 28. A ἦλθον οἱ δύο πρεσβύτεροι [A -ται]
— 34. A ἀναστάντες δὲ οἱ δύο πρ. [A -ται]
— 36. A εἶπαν δὲ οἱ πρ. [B -ται]
— 41. ἐπίστευσεν αὐτοῖς . . . ὡς πρεσβυτέροις
— 50. εἶπαν αὐτῷ οἱ πρ.
— 61. A ἀνέστησαν ἐπὶ τοὺς δύο πρ. [B -τας]
I Ma. 1. 26. ἐστέναξαν ἄρχοντες καὶ πρεσβύτεροι
7. 33. ἐξῆλθον . . . ἀπὸ τῶν πρ. τοῦ λαοῦ
11. 23. A R ἐπέλεξε [S ἐξέλ.] τῶν πρ. Ἰσρ.
12. 35. ἐξεκκλησίασε τοὺς πρ. τοῦ λαοῦ
13. 36. βασιλεὺς Δ. Σίμωνι . . . καὶ πρεσβυτέροις
14. 9. πρεσβύτεροι ἐν ταῖς πλατείαις [S[1] ἐκκλησίαις] ἐκάθηντο
— 20. ἡ πόλις Σίμωνι . . . καὶ τοῖς πρ.
— 21. S οἱ πρ. ἀποσταλέντες [A R *al.*]
— 28. ἐπὶ συναγωγῆς . . . τῶν πρ. τῆς χώρας
16. 2. ἐκάλεσε Σ. τοὺς δύο υἱοὺς αὐ. τοὺς πρ.
II Ma. 5. 13. νέων καὶ πρεσβυτέρων ἀναιρέσεις
8. 30. ἔτι δὲ καὶ πρεσβυτέροις ποιήσαντες
13. 13. καθ' ἑαυτὸν δὲ σὺν τοῖς πρ. γενόμενος
14. 37. Ῥ. δέ τις τῶν ἀπὸ Ἱερ. πρ.
II Ma. 1. 8. ἀπὸ τῆς γερουσίας καὶ τῶν πρ.
III Ma. 1. 23. ὑπὸ . . . τῶν πρ. ἀποτραπέντες
— 25. οἱ δὲ περὶ τὸν βασ. πρ.
6. 1. τοὺς περὶ αὐτὸν καταστείλας πρεσβυτέρους
IV Ma. 9. 26. S τὸν καθ' ἡλικίαν τοῦ πρ. [A R πρότερον] δεύτερον

[Aq. Ex. 3. 16: Dt. 5. 23 (20): III Ki. 14. 4: Ps. 118 (119). 100.]
[Sm. Ge. 10. 21.]
[Th. Jd. 8. 14: Jb. 32. 4: Ps. 118 (119). 100.]
[Al. Le. 19. 32: I Ki. 28. 14.]
[Quint. Ps. 118 (119). 100.]

πρεσβύτης. (1) זָקֵן (2) יָשִׁישׁ (3) לוּץ hi. (4) שֵׂיב (5) καθεστηκὼς πρ. אִישׁ שֵׂיבָה

Ge. 25. 8. πρεσβύτης καὶ πλήρης ἡμερῶν (1)
43. 27. R ὁ πατὴρ ὑμῶν ὁ πρ. [A -ύτερος] (1)
Ex. 10. 9. A σὺν . . . τοῖς πρ. [B πρεσβυτέροις] πορευσόμεθα (1)
Nu. 10. 31. ἔσῃ ἐν ἡμῖν πρεσβύτης †
De. 28. 50. οὐ θαυμάσει πρόσωπον πρεσβύτου [A -τέρου] (1)
32. 25. μετὰ καθεστηκότος πρ. [A -τέρου] (5)
Jo. 6. 20 (21). καὶ ἕως πρεσβύτου [A -τέρου] (1)
Jd. 19. 16. ἀνὴρ πρ. ἤρχετο [A εἰσῆλθεν] (1)
— 17, 20. εἶπεν ὁ ἀνὴρ ὁ πρ. (1)
— 22. εἶπον πρὸς τὸν ἄνδρα . . . τὸν πρ. (1)
I Ki. 2. 22. Ἡ. πρεσβύτης σφόδρα (1)
— 32 (31). οὐκ ἔσται σου πρεσβύτης (1)
— 32. A οὐκ ἔσται πρεσβύτης (1)
3. 21. καὶ Ἠλὶ πρεσβύτης σφόδρα –
4. 18. πρεσβύτης ὁ ἄνθρωπος (1)
III Ki. 1. 15. καὶ ὁ βασ. πρ. σφόδρα (1)
13. 11. προφήτης εἷς πρ. (1)
— 25. οὗ ὁ προφήτης ὁ πρ. κατῴκει (1)
IV Ki. 4. 14. καὶ ὁ ἀνὴρ αὐτῆς [A *add.* οὐκ ἔστιν] πρ. (1)
I Ch. 23. 1. καὶ Δ. πρεσβύτης (1)
II Ch. 32. 31. B[1] καὶ οὕτως τοῖς πρ. [A B[2] R -βευτ.] τῶν ἀρχ. (3)
I Es. 1. 53. οὐκ ἐφείσαντο . . . πρεσβύτου
To. 12. 4. εἶπεν ὁ πρ. [S αὐτῷ T.]
Jb. 15. 10. καί γε πρεσβύτης καί γε παλαιός (4)
29. 8. πρεσβῦται δὲ πάντες ἔστησαν (2)
42. 17. S ἐτελεύτησεν Ἰὼβ πρεσβύτης [A B -τερος] (1)
Ps. 148. 12. πρεσβῦται [S -τεροι] μετὰ νεωτέρων (1)
Wi. 2. 10. μηδὲ πρεσβύτου [A -τέρου] ἐντραπῶμεν πολιάς
Za. 8. 4. S[1] ἔτι καθήσονται . . . πρεσβῦται [A B S[2] -τεραι] (1)
Is. 3. 5. προσκόψει τὸ παιδίον πρὸς τὸν πρ. (1)
9. 15 (14). ἀφεῖλε κύριος . . . πρεσβύτην (1)
20. 4. ἄξει . . . νεανίσκους καὶ πρεσβύτας (1)
65. 20. οὐδ' οὐ μὴ γένηται ἔτι ἐκεῖ ἄωρος καὶ πρ. (1)
Je. 38 (31). 13. πρεσβῦται χαρήσονται (1)
Ba. 4. 15. οὐκ ἠσχύνθησαν πρεσβύτην
La. 2. 21. ἐκοιμήθησαν . . . παιδάριον καὶ πρ. (1)
4. 16. A πρεσβύτας [B προφήτας] οὐκ ἠλέησαν (1)
5. 14. πρεσβῦται ἀπὸ πύλης κατέπαυσαν (1)
Da. TH. Su. 19. ἀνέστησαν οἱ δύο πρ. [A -τεροι]
— 24. ἐβόησαν δὲ καὶ οἱ δύο πρεσβῦται [A -τεροι]
— 27. ἡνίκα δὲ εἶπαν οἱ πρ. [A -τεροι] τοὺς λόγους αὐ.
— 28. ἦλθον οἱ δύο πρεσβῦται [A -τεροι]
— 34. ἀναστάντες δὲ οἱ δύο πρεσβῦται [A -τεροι]
— 36. εἶπαν δὲ οἱ πρ. [A -τεροι]
— 61. ἀνέστησαν ἐπὶ τοὺς δύο πρ. [A -τέρους]
I Ma. 14. 22. S πρεσβῦται Ἰουδαίων ἦλθον [A R *al.*]
15. 17. S οἱ πρ. [A R -ευταὶ] τῶν Ἰ. ἦλθον
II Ma. 11. 34. Κόϊντος Μέμμιος Τίτος Μάνλιος πρεσβῦται Ῥωμαίων
IV Ma. 5. 6. ὦ πρεσβῦτα
7. 10. ὦ . . . πυρὸς εὐτονώτερε πρεσβῦτα [S[1] -βυ]

[Aq. I Ki. 28. 14: Is. 18. 2 (Sw.): Je. 6. 11.]
[Sm. Ge. 10. 21: I Ki. 2. 32: 28. 14: Je. 6. 11.]
[Th. I Ki. 2. 32: 28. 14: Jb. 15. 10: Je. 6. 11.]

πρεσβῦτις.
IV Ma. 16. 14. ὦ . . . στρατιῶτι πρεσβῦτι καὶ γυνή

πρήθειν. (1) צָבָה *a.* qal. *b.* hi. *c.* צָבָה
Nu. 5. 21. καὶ τὴν κοιλίαν σου πεπρησμένην (1 *c*)
— 22. πρῆσαι γαστέρα (1 *b*)
— 27. πρησθήσεται τὴν κοιλίαν (1 *a*)

πρῆν (?).
III Ma. 5. 43. A τὸν ἄβατον ἡμῖν αὐτῶν ναὸν πυρὶ πρῆν [? πρήσαντα, R πρηνέα]

πρηνής.
Wi. 4. 19. ῥήξει αὐτοὺς ἀφώνους πρηνεῖς
III Ma. 5. 43. R τὸν ἄβατον αὐ. ἡμῖν ναὸν πυρὶ πρηνέα [A al.]
— 50. πρηνεῖς ὁμοθυμαδὸν ῥίψαντες ἑαυτούς
6. 23. συνιδὼν πρηνεῖς ἅπαντας

πρηστήρ.
[Aq. Ez. 1. 4.]

πρίασθαι. (1) לָקַח (2) שָׁבַר
Ge. 42. 2. πρίασθε ἡμῖν μικρὰ βρώματα (2)
— 3. πρ. σῖτον ἐξ Αἰγ. (2)
— 10. R πρ. [A πριάσασθαι] βρώματα (2)
43. 2. πρίασθε ἡμῖν μικρὰ βρώματα (2)
— 20. κατέβημεν τὴν ἀρχὴν πρ. βρώματα (2)
Pr. 31. 16. θεωρήσασα γεώργιον ἐπρίατο (1)
[Al. Le. 25. 44.]

πρίειν, πρίζειν.
Am. 1. 3. ἔπριζον . . . τὰς ἐν γαστρὶ ἐχούσας †
Da. TH. Su. 59. μένει γὰρ . . . πρίσαι σε μέσον
[Aq. III Ki. 7. 9 (46).]
[Sm. III Ki. 7. 9 (46): Ps. 34 (35). 16.]

πρίν. * πρὶν ἤ.
Ge. 27. 4†: 29. 26* (*sine verbo*).
Ex. 1. 19*.
Nu. 11. 33*.
Jo. 2. 8*.
Jd. 14. 18†.
I Ki. 2. 15: 3. 3, 7*†: 9. 13.
IV Ki. 2. 9*†: 6. 32.
To. 2. 4*†: 3. 8*: 4. 2: 8. 20*†: 14. 15*†, 15 (πρὶν τοῦ)†.
Ju. 7. 14.
Pr. 18. 13.
Wi. 2. 8.
Si. 11. 7*† (*subj.*), 8*†: 14. 13: 18. 19*†, 21, 23: 19. 17*: 23. 20*: 48. 25*: 51. 13*.
Jl. 2. 31 (3. 4).
Ma. 4. 5 (3. 23).
Is. 7. 15*, 16*: 8. 4*: 17. 14* (*sine verbo*): 23. 7*: 28. 4*†, 24: 46. 10: 48. 5: 65. 24*†: 66. 7*†, 7.
Ez. 33. 22.
Da. LXX. Su. 35 (*c. gen.*).
Da. TH. Su. 42 (*c. gen.*).
I Ma. 10. 4*.
II Ma. 8. 14: 13. 13.
III Ma. 5. 28 (ὁ πρίν), 43 (?)†: 6. 4 (ὁ πρίν), 31 (τὸ πρίν), 34 (ὁ πρίν).
IV Ma. 5. 6: 9. 27.
[Aq. I Ki. 3. 3: Ps. 89 (90). 2: Pr. 8. 26* (*ind.*): Je. 38 (45). 10.]
[Sm. Ex. 1. 19: I Ki. 13. 12*: 19. 7: II Ki. 5. 2: Jb. 42. 11, 12 (P.): Ps. 38 (39). 14: 57 (58). 10* (*subj.*): 89 (90). 2: Pr. 8. 26* (*ind.*): Ec. 12. 1, 2, 6*: Is. 66. 7*, 7: Je. 40 (47). 5 (*subj.*).]
[Th. Ex. 1. 19.]
[Sam. Ex. 10. 7.]
[Al. Ps. 43 (44). 2 (ὁ πρίν).]

πρινεών.
[Aq. Ge. 14. 3, 8.]

πρίνινος.
[Aq. Ez. 27. 5.]

πρῖνος.
Da. LXX., TH. Su. 58. ὑπὸ πρῖνον

πριστήρ.
[Aq. III Ki. 7. 9 (46).]

πριστηροειδής (BS), πριστοειδής (A).
(1) בַּעַל פִּיפִיּוֹת
Is. 41. 15. ὡς τροχοὺς ἁμάξης ἀλοῶντας καινοὺς πρ. (1)

πρίων. (1) חָרוּץ (2) מְגֵרָה (3) מַשּׂוֹר
II Ki. 12. 31. ἔθηκεν ἐν τῷ πρ. (2)
I Ch. 20. 3. καὶ διέπρισε πρίσι (2)
Ju. 3. 9. A B S² ἀπέναντι τοῦ πρ. τοῦ μεγ. τῆς Ἰουδαίας
Am. 1. 3. ἔπριζον πρίσι σιδηροῖς (1)
Is. 10. 15. ἢ ὑψωθήσεται πρ. (3)
[Sm. III Ki. 7. 9 (46).]

πρό. * πρὸ τοῦ *c. inf.*
Ge. 2. 5* *bis*: 11. 4*: 13. 10*: 19. 4*: 24. 15*, 45*: 27. 4*†, 7*, 10*, 33*: 36. 31*: 37. 18*: 41. 50*: 45. 28*: 48. 5*: 50. 5*†, 16*.
Ex. 4. 10 *bis*: 12. 34*: 13. 9, 16: 17. 6*†: 21. 29 *bis*, 36 *bis*: 22. 26 (25): 23. 20: 32. 34: 33. 2†: 34. 6, 11†, 24†.
Lev. 5. 4: 14. 36*: 18. 24, 28, 30 (πρὸ τοῦ *sine verbo*).
Nu. 13. 23 (22) (πρὸ τοῦ *sine verbo*): 14. 42: 27. 17 *bis*: 33. 52.
De. 1. 21, 30: 2. 21†, 31†, 33: 3. 18, 28: 4. 38, 42, 42†: 5. 7†: 6. 8, 19: 8. 20: 9. 3, 3†, 4† *bis*: 11. 18: 19. 4, 4†, 6 *bis*: 22. 6: 23. 14†: 28. 7: 30. 1, 15, 19: 31. 3 *bis*, 7, 21*: 33. 1.
Jo. 3. 1*: 4. 5.
Jd. 2. 18†: 14. 18*†.
Ru. 3. 14*.
I Ki. 18. 16.
III Ki. 12. 8, 10, 30.
IV Ki. 2. 9*†: 6. 32: 8. 29*†.
I Ch. 1. 43*†.
II Ch. 1. 13†: 19. 11: 33. 19*.
I Es. 5. 63: 9. 41.
II Es. 5. 11.
Ne. 5. 15: 13. 4, 19.
To. 2. 10*†: 6. 17†: 8. 18*†: 10. 12*, 13*†: 11. 7*†: 14. 15*† *bis*.
Ju. 1. 11†: 3. 3†: 8. 15: 10. 13: 14. 5*: 16. 24*.
Jb. 3. 24: 4. 16: 8. 12*: 10. 21*: 15. 7, 32, 33: 21. 18†: 23. 17†: 24. 6: 42. 11†.
Ps. 26 (27). *tit.**: 38 (39). 13*: 54 (55). 19: 56 (57). 6: 57 (58). 9*: 71 (72). 5, 17: 73 (74). 12: 88 (89). 14: 89 (90). 2*: 95 (96). 13†: 100 (101). 3: 109 (110). 3: 118 (119). 67*: 128 (129). 6*.
Pr. 8. 22, 23* *bis*, 24*, 25* *bis*: 16. 18 *bis*: 18. 12 *bis*: 24. 30 (30. 7)*.
Ec. 2. 26 *bis*: 5. 1, 5†: 7. 27 (26): 9. 2†.
Wi. 14. 20 (πρὸ ὀλίγου): 15. 8 (πρὸ μικροῦ): 16. 28†.
Si. 11. 28: 18. 19, 20: 22. 24 *bis*: 24. 9: 27. 7, 29: 30. 24: 35 (32). 10 *bis*: 37. 16: 38. 30: 40. 16: 42. 21: 45. 13: 46. 19: 48. 10: 51. 30.
Am. 1. 1 (πρὸ δύο ἐτῶν): 4. 7 (πρὸ τριῶν μηνῶν): 9. 4.
Mi. 2. 13 *bis*: 6. 4.
Jl. 2. 3, 10, 11.
Hb. 3. 5.
Ze. 2. 2*, 2*†, 2*.
Hg. 2. 16 (15)*†.
Za. 3. 1, 4 (3), 5 (4), 9 (8), 10 (9): 4. 7: 8. 10: 14. 20.
Ma. 3. 1, 14.
Is. 18. 4: 30. 33: 42. 9*: 44. 7*: 52. 12†: 62. 11.
Je. 1. 5* *bis*: 9. 13 (12): 13. 16* *bis*: 15. 1, 19: 17. 16: 21. 8: 30. 10 (49. 32): 41 (34). 15†.
La. 1. 9†.
Ez. 4. 1: 8. 11: 14. 1, 3, 4, 7: 16. 18, 19, 57*: 20. 1: 22. 30: 23. 24, 41: 36. 17: 38. 17†: 41. 22†: 44. 12, 15.
Da. LXX. 7. 7.
Da. TH. 2. 31: 8. 3.
I Ma. 3. 22: 5. 7, 43: 6. 36: 10. 34: 11. 26: 15. 5.
II Ma. 2. 32: 3. 15: 7. 8*: 8. 17, 26: 10. 6: 12. 27: 15. 31, 36 (πρὸ μιᾶς ἡμέρας).
III Ma. 2. 21†: 4. 4, 11.
IV Ma. 1. 22, 23: 9. 5 (πρὸ βραχέως): 12. 4.
[Aq. I Ki. 22. 4: II Ki. 6. 14: Pr. 8. 25: 30. 7*: Ec. 7. 18 (17): Is. 42. 9*.]
[Sm. I Ki. 9. 15 (πρὸ μιᾶς ἡμέρας): 19. 7: 22. 4: Jb. 22. 16: Ps. 67 (68). 8: Pr. 8. 22, 25: 30. 7*: Ec. 1. 10: Is. 28. 4: 37. 27*: 42. 9: Je. 39 (46). 12: Mi. 2. 8.]
[Th. I Ki. 22. 4: Pr. 8. 22, 23, 25: 30. 7*: Is. 30. 33: 42. 9*.]
[Al. Ex. 23. 23: Nu. 13. 23 (22): Jo. 3. 6: Jd. 3. 2: Jb. 10. 21*: Hb. 3. 5.]

προάγειν. (1) נָגַשׁ
I Ki. 17. 16. A προῆγεν ὁ ἀλλόφυλος (1)
Ju. 10. 22. λαμπάδες ἀργυραῖ προάγουσαι αὐτοῦ
Es. 2. 21. προήχθη Μαρδοχαῖος –
Pr. 4. 27. τὰς δὲ πορείας σου ἐν εἰρήνῃ προάξει [A -αι] –
6. 8. τὴν σοφίαν τιμήσασα προήχθη –
Wi. 19. 11. ἐπιθυμίᾳ προαχθέντες ᾐτήσαντο ἐδέσματα τρυφῆς
Si. *prol.* 9. προήχθη καὶ αὐτὸς συγγράψαι
20. 27. ὁ σοφὸς ἐν λόγοις προάξει [A προσάξεις] ἑαυτόν
I Ma. 10. 77. S R προῆγεν [A προσῆγεν] εἰς τὸ πεδίον
II Ma. 5. 18. οὗτος προαχθεὶς παραχρῆμα
10. 1. τοῦ κυρίου προάγοντος αὐτούς
— 27. προῆγον ἀπὸ τῆς πόλεως ἐπὶ πλεῖον
11. 10. A προῆγον [R προσῆγον] ἐν διασκευῇ
III Ma. 3. 16. R τοῖς . . . ἱεροῖς ἀπονείμαντες . . . προήχθημεν [A προσήχθ.]
[Sm. Ex. 23. 20.]
[Th. Jb. 34. 23.]

προαγορεύειν.
II Ma. 4. 48. R οἱ ὑπὲρ πόλεως . . . προαγορεύσαντες [A al.]

προαγωγή.
[Sm. Da. 3. 30 (97) (Sw.).]

προαγωνίζεσθαι (-νεῖσθαι ?).
IV Ma. 17. 13. Ἑλ. δὲ προηγωνίζετο [S¹ -νεῖτο]

προαδικεῖν.
Wi. 18. 2. ὅτι δὲ οὐ βλάπτουσι [S¹ βλαστοῦσιν, S² βλέπουσιν] προηδικημένοι

προαιρεῖν. (1) בָּחַר (2) חָשַׁק (3) מָאַס
(4) c. neg. מָאֵן pi.
Ge. 34. 8. προείλατο τῇ ψυχῇ τὴν θυγ. ὑ. (2)
De. 7. 6. σὲ προείλατο κ. ὁ θ. σου (1)
— 7. προείλατο κύριος ὑμᾶς (2)
10. 15. τοὺς πατέρας ὑμῶν προείλατο (2)
Ju. 13. 15. προελοῦσα τὴν κεφαλήν
Pr. 1. 29. τὸν δὲ λόγον [S² φόβον] τοῦ κυρίου οὐ προείλαντο (1)
17. 27. B S¹ ὃς φείδεται ῥῆμα προελέσθαι [A S² R προέσθαι] σκληρόν †
21. 25. οὐ γὰρ προαιροῦνται αἱ χεῖρες αὐτοῦ ποιεῖν τι (4)
Wi. 7. 10. προειλόμην [A -άμην] αὐτὴν ἀντὶ φωτὸς ἔχειν
9. 7. σύ με προεῖλω [S -ου] βασιλέα λαοῦ σου
Is. 7. 15. πρὶν ἢ γνῶναι αὐτὸν ἢ [A *om.*] προελέσθαι πονηρά (3 ?)
II Ma. 6. 9. τοὺς δὲ μὴ προαιρουμ. μεταβαίνειν
III Ma. 2. 30. ἐὰν δέ τινες ἐξ αὐτῶν προαιρῶνται
6. 10. ὡς προαιρῇ
7. 2. καθὼς προαιρούμεθα
[Sm. I Ki. 20. 30: Jb. 29. 25.]
[Al. Dt. 14. 2.]

προαίρεσις. (1) נָדַב hithpa. (2) *a.* רְעוּת *b.* רַעְיוֹן (3) *a.* תַּרְמִית *b.* תַּרְמִיתוּת
Jd. 5. 2. A ἐν προαιρέσει λαοῦ [B *al.*] (1)
Ec. 1. 14. τὰ πάντα . . . προαίρεσις [A -εις] πνεύματος (2 *a*)
— 17. τοῦτό ἐστι προαίρεσις πνεύματος (2 *b*)
2. 11. τὰ πάντα . . . προαίρεσις [A -εις, S περισσεία] πνεύματος (2 *a*)
— 17. πάντα . . . προαίρεσις [A -εις] πνεύματος (2 *a*)
— 22. καὶ ἐν προαιρέσει [S¹ τῇ πρ.] καρδίας (2 *b*)
— 26: 4. 4. τοῦτο . . . προαίρεσις πνεύματος (2 *a*)
4. 6. πληρώματα δύο δρακῶν . . . προαιρέσεως πνεύματος (2 *a*)
— 16. τοῦτο . . . προαίρεσις πνεύματος (2 *b*)
6. 9. τοῦτο . . . προαίρεσις πνεύματος (2 *a*)
Je. 8. 5. κατεκρατήθησαν ἐν [A *om.*] τῇ πρ. αὐτῶν (3 *b*)
14. 14. προαιρέσεις καρδίας αὐτῶν αὐτοὶ προφητεύουσιν ὑμῖν (3 *a**, 3 *b*)
II Ma. 9. 27. R αὐτὸν . . . παρακολοθοῦντα τῇ ἐμῇ πρ. [A al.]
11. 26. εἰδότες τὴν ἡμετέραν πρ.
[Th. Jd. 5. 2.]

προαλής.
Si. 30. 8. υἱὸς ἀνειμένος ἐκβαίνει προαλής

προαναμέλπειν.

Wi. 18. 9. πατέρων ἤδη προαναμελπόντων [A S² -οντες] αἴνους

προαναπληροῦν.

Wi. 19. 4. R ἵνα τὴν λείπουσαν ταῖς βασάνοις προαναπληρώσωσι κόλασιν [A B S al.]

προανατάσσειν. (1) עָלָה

Ps. 136 (137). 6. ἐὰν μὴ προανατάξωμαι [A¹ -μεν] τὴν Ἱερουσαλήμ (1)

προανατέλλειν. (1) מָרַף צֶמַח

Ez. 17. 9. ξηρανθήσεται πάντα τὰ προανατέλλοντα αὐτῆς (1)

προαπαγγέλλειν. (1) זָהַר hi.

Ez. 33. 9. ἐὰν προαπαγγείλῃς τῷ ἀσεβεῖ τὴν ὁδὸν αὐτοῦ (1)

προαποδεικνύναι.

III Ma. 2. 25. διὰ δὲ τῶν προαποδεδειγμ. συμποτῶν

προαποθνήσκειν.

IV Ma. 13. 18. S R μηδὲ ψεύσῃ τοὺς προαποθανόντας ἡμῶν ἀδ. [A al.]

προαπολαμβάνειν.

[Al. I Ki. 2. 29.]

προασπίζειν.

IV Ma. 6. 21. τὸν δὲ θεῖον ἡμῶν νόμον . . . μὴ προασπίσαιμεν
9. 15. ἀλλὰ θείου νόμου προασπίζοντα
14. 15. προασπίζει [S¹ προασπ.] τῶν νεοττῶν

προάστειον, προάστιον. (1) מִגְרָשׁ

Nu. 35. 2. τὰ πρ. τῶν πόλεων . . . δώσουσι (1)
— 7. ταύτας καὶ τὰ πρ. αὐτῶν (1)
[Aq. Je. 31 (38). 40.]
[Sm. Jo. 21. 2, 15.]

προβαίνειν. (1) בּוֹא (2) הָלַךְ (3) יָרַד

Ge. 18. 11. πρεσβύτεροι προβεβηκότες ἡμερῶν (1)
24. 1. πρεσβύτερος προβεβηκὼς ἡμερῶν (1)
26. 13. προβαίνων μείζων ἐγένετο (2)
Ex. 19. 19. ἐγίνοντο δὲ αἱ φωναὶ . . . προβαίνουσαι (2)
Jo. 13. 1. Ἰ. πρεσβύτερος προβεβηκὼς τῶν ἡμ. (1)
— 1. σὺ προβέβηκας τῶν ἡμερῶν (1)
23. 1. Ἰ. πρεσβύτερος προβεβηκὼς ταῖς ἡμ. (1)
— 2. προβέβηκα ταῖς ἡμέραις (1)
Jd. 19. 11. ἡ ἡμέρα προβεβήκει [A κεκλικυῖα] σφόδρα (3)
III Ki. 1. 1. πρεσβύτερος προβεβηκὼς ἡμέραις (1)
I Es. 2. 29. καὶ μὴ προβῇ ἐπὶ πλεῖον
Ju. 4. 7. S διακωλῦσαι τοὺς προβαίνοντας [A B al.]
16. 23. ἦν προβαίνουσα μεγάλη σφόδρα
Jb. 2. 9. χρόνου δὲ πολλοῦ προβεβηκότος –
II Ma. 4. 3. τῆς δὲ ἔχθρας ἐπὶ τοσοῦτον προβαινούσης
— 40. προβεβηκότος τὴν ἡλικίαν
6. 18. ἤδη προβεβηκὼς τὴν ἡλικίαν
8. 8. πυκνότερον δὲ ἐν ταῖς εὐημερίαις προβαίνοντα
III Ma. 5. 18. R ἐπὶ πλεῖον δὲ προβαινούσης [A προσκοπτούσης] τῆς ὁμιλίας
[Al. Hb. 3. 9.]

προβάλλειν. (1) חוּד (2) יָרָה (3) מָרַק (4) שָׁלַח

Jd. 14. 12. πρόβλημα ὑμῖν προβάλλομαι [A προβαλῶ ὑμῖν πρόβλημα] (1)
— 13. προβάλου τὸ πρόβλημα (1)
— 16. τὸ πρόβλημα ὁ προεβάλου (1)
Pr. 22. 21. τοῦ ἀποκρίνεσθαί σε λόγους ἀληθείας τοῖς προβαλλομένοις σοι [A al.] (4)
26. 18. προβάλλουσι λόγους εἰς ἀνθρώπους (2)
Je. 26 (46). 4. A προβάλατε [S -ετε, B προσβάλετε] τὰ δόρατα (3)
II Ma. 7. 10. R τὴν γλῶσσαν αἰτηθεὶς ταχέως προέβαλε [A -βαλλεν]
10. 35. A προβαλόντες [R προσβ.] τῷ τείχει
14. 46. προβαλὼν τὰ ἔντερα
[Aq. Ca. 2. 13.]
[Sm. Jb. 21. 11: Ez. 27. 33.]
[Th. Ez. 24. 3.]

προβασανίζειν.

IV Ma. 8. 5. τὴν αὐτὴν τῷ προβασανισθέντι [S¹ βασ.] γέροντι μανίαν
10. 16. ἀδελφός εἰμι τῶν προβασανισθέντων

προβασκάνιον.

Ep. Je. 70. ὥσπερ γὰρ ἐν σικυηράτῳ πρ. οὐδὲν φυλάσσον

προβατικός. (1) צֹאן

Ne. 3. 1. ᾠκοδόμησαν τὴν πύλην τὴν πρ. (1)
— 32. A B ἀναβάσεως [S R τῆς] πύλης τῆς πρ. (1)
12. 39. ἕως πύλης τῆς πρ. (1)

πρόβατον. (1) *a.* כֶּבֶשׂ *b.* כַּבְשָׂה *c.* כִּשְׂבָּ (2) *a.* צֹאן *b.* צֹנָה (3) רָחֵל (4) שֶׂה

Ge. 4. 2. ἐγένετο Ἄ. ποιμὴν προβάτων (2 *a*)
— 4. ἀπὸ τῶν πρωτοτόκων τῶν πρ. αὐτοῦ (2 *a*)
12. 16. καὶ ἐγένοντο αὐτῷ πρόβατα (2 *a*)
13. 5. καὶ Λὼτ . . . ἦν πρόβατα (2 *a*)
20. 14. καὶ πρόβατα καὶ μόσχους (2 *a*)
21. 27. ἔλαβεν Ἀβ. πρόβατα (2 *a*)
— 28. ἑπτὰ ἀμνάδας προβάτων μόνας (2 *a*)
— 29. αἱ ἑπτὰ ἀμνάδες τῶν πρ. τούτων –
22. 7. ποῦ ἐστι τὸ πρ. τὸ εἰς ὁλοκάρπωσιν (4)
— 8. ὁ θ. ὄψεται ἑαυτῷ πρόβατον (4)
24. 35. ἔδωκεν αὐτῷ πρόβατα (2 *a*)
26. 14. κτήνη προβάτων καὶ κτήνη βοῶν (2 *a*)
27. 9. πορευθεὶς εἰς τὰ πρ. (2 *a*)
29. 2. τρία ποίμνια προβάτων (2 *a*)
— 3. ἐπότιζον τὰ πρ. (2 *a*)
— 6. Ῥαχὴλ . . . ἤρχετο μετὰ τῶν πρ. (2 *a*)
— 6. A αὐτὴ γὰρ ἔβοσκεν τὰ πρόβατα –
— 7. ποτίσαντες τὰ πρ. (2 *a*)
— 8. ποτιοῦμεν τὰ πρ. (2 *a*)
— 9. ἤρχετο μετὰ τῶν πρ. τοῦ πατρὸς αὐ. (2 *a*)
— 9. αὐτὴ γὰρ ἔβοσκε τὰ πρ. –
— 10. R καὶ τὰ πρ. Λάβαν (2 *a*)
— 10. ἐπότισεν τὰ πρ. Λάβαν (2 *a*)
30. 31. πάλιν ποιμανῶ τὰ πρ. σου (2 *a*)
— 32. παρελθάτω τὰ πρ. σου (2 *a*)
— 32. διαχώρισον ἐκεῖθεν πᾶν πρ. (4)
— 36. τὰ πρ. Λ. τὰ ὑπολειφθέντα (2 *a*)
— 38. ὡς ἂν ἔλθωσι τὰ πρ. πιεῖν (2 *a*)
— 38. ἵνα . . . ἐγκισσήσωσι τὰ πρ. (2 *a* ?)
— 39. ἐνεκίσσων τὰ πρ. (2 *a*)
— 39. ἔτικτον τὰ πρ. διάλευκα (2 *a*)
— 40. ἔστησεν ἐναντίον τῶν πρ. κριόν (2 *a*)
— 40. οὐκ ἔμιξεν αὐτὰ εἰς τὰ πρ. Λ. (2 *a*)
— 41. ὡ ἐνεκίσσων τὰ πρ. (2 *a*)
— 41. ἔθηκεν Ἰ. τὰς ῥάβδους ἐναντίον τῶν πρ. (2 *a*)
— 42. ἡνίκα γὰρ ἔτεκον τὰ πρ. (2 *a*)
31. 8. τέξεται πάντα τὰ πρ. ποικίλα (2 *a*)
— 8. τέξεται πάντα τὰ πρ. λευκά (2 *a*)
— 10. ἡνίκα ἐνεκίσσων τὰ πρ. (2 *a*)
— 10. ἀναβαίνοντες ἦσαν ἐπὶ τὰ πρ. (2 *a*)
— 12. ἀναβαίνοντας ἐπὶ τὰ πρ. (2 *a*)
— 19. κεῖραι τὰ πρ. αὐτοῦ (2 *a*)
— 38. τὰ πρ. σου καὶ αἱ αἶγές σου (3)
— 38. κριοὺς τῶν πρ. σου οὐ κατέφαγον (2 *a*)
— 41. καὶ ἓξ ἔτη ἐν τοῖς πρ. σου (2 *a*)
32. 5 (6). ἐγένοντό μοι . . . πρόβατα (2 *a*)
— 7 (8). διεῖλε . . . τὰ πρ. (2 *a*)
— 14 (15). πρ. διακόσια κριοὺς εἴκοσι (3)
33. 13. τὰ πρ. καὶ αἱ βόες (2 *a*)
34. 28. τὰ πρ. αὐτῶν καὶ τοὺς βόας αὐτῶν (2 *a*)
37. 2. ποιμαίνων τὰ πρ. (2 *a*)
— 12. βόσκειν τὰ πρ. τοῦ πατρὸς αὐ. (2 *a*)
— 14. εἰ ὑγιαίνουσιν . . . τὰ πρ. (2 *a*)
38. 12. ἐπὶ τοὺς κείροντας τὰ πρ. αὐτοῦ (2 *a*)
— 13. κεῖραι τὰ πρ. αὐτοῦ (2 *a*)
— 17. ἔριφον αἰγῶν ἐκ τῶν πρ. (2 *a*)
43. 32. A πᾶς ποιμὴν προβάτων –
45. 10. τὰ πρ. σου καὶ οἱ βόες σου (2 *a*)
46. 34. πᾶς ποιμὴν προβάτων (2 *a*)
47. 3. ποιμένες προβάτων οἱ παῖδές σου (2 *a*)
— 17. ἀντὶ τῶν ἵππων καὶ ἀντὶ τῶν πρ. (2 *a*)
50. 8. τὰ πρ. . . . ὑπελίποντο ἐν γῇ Γ. (2 *a*)
Ex. 2. 16. ποιμαίνουσαι τὰ πρ. τοῦ πατρὸς αὐ. –
— 16. ποτίσαι τὰ πρ. τοῦ πατρὸς αὐ. (2 *a*)
— 17. ἐπότισε τὰ πρ. αὐτῶν (2 *a*)
— 19. ἐπότισε τὰ πρ. (2 *a*)
3. 1. ποιμαίνων τὰ πρ. Ἰοθόρ (2 *a*)
— 1. ἤγαγε τὰ πρ. ὑπὸ τὴν ἔρημον (2 *a*)
9. 3. καὶ βουσὶ καὶ προβάτοις (2 *a*)
Ex. 10. 9. καὶ προβάτοις καὶ βουσὶν ἡμῶν (2 *a*)
— 24. πλὴν τῶν πρ. . . . ὑπολείπεσθε (2 *a*)
12. 3. λαβέτωσαν ἕκαστος πρόβατον . . . ἕκαστος πρόβατον κατ' οἰκίαν (4, 4)
— 4. ὥστε μὴ εἶναι ἱκανοὺς εἰς πρόβατον (4)
— 4. συναριθμήσεται εἰς πρόβατον (4)
— 5. πρ. τέλειον ἄρσεν (4)
— 21. λάβετε ὑμῖν αὐτοῖς πρόβατον [A -α] (2 *a*)
— 32. τὰ πρ. καὶ τοὺς βόας ὑμῶν (2 *a*)
— 38. καὶ πρόβατα καὶ βόες (2 *a*)
13. 13. πᾶν . . . ὄνου ἀλλάξεις προβάτῳ (4)
20. 24. θύσετε ἐπ' αὐτοῦ . . . τὰ πρ. (2 *a*)
22. 1 (21. 37). ἐὰν δέ τις κλέψῃ . . . πρόβατον (4)
— 1 (21. 37). καὶ τέσσαρα πρ. ἀντὶ τοῦ πρ. (2 *a*, 4)
— 4 (3). ἀπό τε ὄνου ἕως προβάτου (4)
— 9 (8). περί τε μόσχου . . . καὶ προβάτου (4)
— 10 (9). ἢ μόσχον ἢ πρόβατον (4)
— 30 (29). οὕτω ποιήσεις . . . τὸ πρ. σου (2 *a*)
34. 3. καὶ τὰ πρ. καὶ αἱ βόες (2 *a*)
— 19. καὶ πρωτότοκον προβάτου (4)
— 20. πρωτότοκον ὑποζ. λυτρώσῃ προβάτῳ [A¹ om.] (4)
Le. 1. 2. ἀπὸ τῶν πρ. προσοίσετε τὰ δῶρα ὑ. (2 *a*)
— 10 ; 3. 6. ἐὰν δὲ ἀπὸ τῶν πρ. τὸ δῶρον αὐ. (2 *a*)
4. 32. ἐὰν δὲ πρόβατον προσενέγκῃ (1 *a*)
— 35. περιαιρεῖται στέαρ προβάτου (1 *c*)
5. 6. θῆλυ ἀπὸ τῶν πρ. (2 *a*)
— 7. ἐὰν δὲ μὴ ἰσχύῃ . . . εἰς τὸ [A om.] πρ. (4)
— 15, 18. κριὸν ἄμωμον ἐκ τῶν πρ. (2 *a*)
6. 5 (5. 25). κριὸν ἀπὸ τῶν πρ. ἄμωμον (2 *a*)
7. 13 (23). πᾶν στέαρ βοῶν καὶ προβάτων (1 *c*)
14. 10. λήψεται . . . πρ. ἄμωμον ἐνιαύσιον (1 *b*)
17. 3. ὃς ἐὰν σφάξῃ μόσχον ἢ πρόβατον (1 *c*)
22. 19. ἐκ τῶν πρ. καὶ ἐκ τῶν αἰγῶν (1 *c*)
— 21. ἐκ τῶν βουκολίων ἢ ἐκ τῶν πρ. (2 *a*)
— 23. A² B μόσχον ἢ πρ. ὠτότμητον (4)
— 27. μόσχον ἢ πρόβατον ἢ αἶγα (1 *c*)
— 28. μόσχον καὶ πρόβατον . . . οὐ σφάξεις (4)
23. 12. ποιήσετε . . . πρ. ἄμωμον (1 *a*)
27. 26. ἐάν τε μόσχον ἐάν τε πρόβατον (4)
— 32. πᾶσα δεκάτη βοῶν καὶ προβάτων (2 *a*)
Nu. 11. 22. μὴ πρόβατα . . . σφαγήσονται αὐτοῖς (2 *a*)
15. 3. ἀπὸ τῶν βοῶν ἢ ἀπὸ τῶν πρ. (2 *a*)
— 11. ἐκ τῶν πρ. ἢ ἐκ τῶν αἰγῶν (1 *a*)
18. 17. πρωτότοκα προβάτων . . . οὐ λυτρώσῃ (1 *c*)
22. 40. ἔθυσε Β. πρόβατα (2 *a*)
27. 17. ὡσεὶ πρόβατα οἷς οὐκ ἔστι ποιμήν (2 *a*)
31. 28, 30. ἀπὸ τῶν βοῶν καὶ ἀπὸ τῶν πρ. (2 *a*)
— 32. ἀπὸ τῶν πρ. ἑξακόσιαι χιλιάδες (2 *a*)
— 36. ἐκ τοῦ ἀριθμοῦ τῶν πρ. (2 *a*)
— 37. τὸ τέλος κυρίῳ ἀπὸ τῶν πρ. (2 *a*)
— 43. τὸ ἡμίσευμα . . . ἀπὸ τῶν πρ. (2 *a*)
32. 16. ἐπαύλεις προβάτων οἰκοδομήσομεν (2 *a*)
— 36. καὶ ἐπαύλεις [A πόλεις] προβάτων (2 *a*)
De. 7. 13. καὶ τὰ ποίμνια τῶν πρ. σου (2 *a*)
8. 13. τῶν πρ. σου πληθυνθέντων (2 *a*)
12. 6. τὰ πρωτότοκα . . . τῶν πρ. ὑμῶν (2 *a*)
— 17. A R καὶ τῶν πρ. σου (2 *a*)
— 21. καὶ ἀπὸ τῶν πρ. σου (2 *a*)
14. 4. καὶ ἀμνὸν ἐκ προβάτων (1 *c*)
— 23. τὰ πρωτότοκα . . . τῶν πρ. σου (2 *a*)
— 26. A R ἐπὶ βουσὶν ἢ ἐπὶ προβάτοις (2 *a*)
15. 14. ἐφοδιάσεις αὐτὸν ἀπὸ τῶν πρ. σου (2 *a*)
— 19. καὶ ἐν τοῖς πρ. σου (2 *a*)
— 19. τὰ πρωτότοκα τῶν πρ. σου (2 *a*)
16. 2. θύσεις . . . πρόβατα καὶ βόας (2 *a*)
17. 1. οὐ θύσεις [A προσοίσεις] . . . πρόβατον (4)
18. 3. ἐάν τε μόσχον ἐάν τε πρόβατον (4)
— 4. τὴν ἀπαρχὴν τῶν κουρῶν τῶν πρ. σου (2 *a*)
22. 1. μὴ ἰδὼν . . . τὸ πρ. αὐτοῦ (4)
28. 4, 18. καὶ τὰ ποίμνια τῶν πρ. σου (2 *a*)
— 31. τὰ πρ. σου δεδομ. τοῖς ἐχθροῖς σου (2 *a*)
— 51. καὶ τὰ ποίμνια τῶν πρ. σου (2 *a*)
32. 14. καὶ γάλα προβάτων (2 *a*)
Jo. 6. 20 (21). A καὶ ἕως προβάτου (4)
7. 24. καὶ πάντα τὰ πρ. αὐτοῦ (2 *a*)
I Ki. 14. 34. καὶ ἕκαστος τὸ πρ. αὐτοῦ (4)
15. 3. ἀπὸ μόσχου ἕως προβάτου (4)
— 12. A τὰ πρ. [B πρῶτα] τῶν σκύλων –
17. 15. A ποιμαίνων τὰ πρ. τοῦ πατρὸς αὐ. (2 *a*)
— 20. A ἀφῆκεν τὰ πρ. φύλακι (2 *a*)
— 28. A ἐπὶ τίνα ἀφῆκας τὰ μικρὰ πρ. ἐκ. (2 *a*)
— 34. ἐλάμβανε πρόβατον ἐκ τῆς ἀγέλης (4)
22. 19. καὶ μόσχου καὶ ὄνου καὶ προβάτου (4)
25. 11. τοῖς κείρουσί μου τὰ πρ. –
— 18. καὶ πέντε πρόβατα πεποιημένα (2 *a*)

II Ki. 7. 8. ἐκ τῆς μάνδρας τῶν [A ἀπὸ ὄπισθεν τῶν] πρ. (2 a)
17. 29. καὶ βούτυρον καὶ πρόβατα (2 a)
24. 17. οὗτοι τὰ πρ. τί ἐποίησαν (2 a)
III Ki. 1. 9. ἐθυσίασεν Ἀδ. πρόβατα (2 a)
— 19, 25. ἐθυσίασε . . . πρόβατα εἰς πλῆθος (2 a)
3. 1 (cf. 4. 23 [5. 3]). B καὶ ἑκατὸν πρόβατα (2 a)
4. 23 (5. 3). καὶ ἑκατὸν πρόβατα (2 a)
8. 5. θύοντες πρόβατα βόας (2 a)
— 63. A R προβάτων ἑκατὸν εἴκοσι χιλιάδας (2 a)
IV Ki. 5. 26. καὶ νῦν ἔλαβες . . . πρόβατα (2 a)
I Ch. 5. 21. καὶ προβάτων διακοσ. πεντήκ. χιλιάδας (2 a)
12. 40. ἔφερον . . . μόσχους καὶ πρόβατα (2 a)
21. 17. ταῦτα τὰ πρ. τί ἐποίησαν (2 a)
27. 31. καὶ ἐπὶ τῶν πρ. Ἰαζίζ (2 a)
II Ch. 5. 6. θύοντες μόσχους καὶ πρόβατα (2 a)
14. 15 (14). ἔλαβον πρ. πολλά (2 a)
15. 11. ἔθυσε . . . πρ. ἑπτακισχίλια [A al.] (2 a)
17. 11. ἔφερον αὐτῷ κριοὺς προβάτων (2 a)
18. 2. ἔθυσεν αὐτῷ Ἀχ. πρόβατα (2 a)
— 16. διεσπαρμένους . . . ὡς πρόβατα (2 a)
29. 33. πρόβατα τρισχίλια (2 a)
30. 24. ἀπήρξατο . . . ἑπτακισχίλια πρ. (2 a)
— 24. ἀπήρξαντο . . . πρόβατα δέκα χιλιάδες (2 a)
31. 6. ἤνεγκαν ἐπιδέκατα . . . προβάτων (2 a)
32. 29. καὶ ἀποσκευὴν προβάτων (2 a)
35. 7. ἀπήρξατο Ἰωσ. . . . πρόβατα (2 a)
— 8. ἔδωκαν εἰς τὸ φασὲκ πρόβατα –
— 9. A R ἀπήρξαντο . . . πρόβατα [B om.] –
I Es. 1. 8. ἔδωκε . . . πρ. διισχίλια ἑξακόσια
— 9. AR ἔδωκαν . . . πρ. πεντακισχίλια [B χίλ.]
II Es. 10. 19. A B S² κριὸν ἐκ προβάτων (2 a)
Ne. 5. 18. A S R καὶ πρόβατα ἓξ [B om.] ἐκλεκτά (2 a)
To. 1. 6. S καὶ τὰς πρωτοκουρὰς τῶν πρ. ἔχων [A B al.]
7. 8. ἔθυσαν κριὸν [S add. ἐκ] προβάτων
10. 11. S βόας καὶ πρόβατα [A B al.]
Ju. 2. 17. ἔλαβε . . . πρόβατα καὶ βόας
8. 26. ποιμαίνοντι τὰ πρ. Λ. [A S al.]
11. 19. A B ὡς πρόβατα οἷς οὐκ ἔστι ποιμήν
Jb. 1. 3. ἦν τὰ κτήνη αὐ. πρ. ἑπτακισχίλια (2 a)
— 16. κατέκαυσε [A -έφαγεν] τὰ πρ. (2 a)
21. 11. μένουσι δὲ ὡς πρόβατα αἰώνια (2 a)
42. 12. ἦν δὲ τὰ κτήνη αὐ. πρόβατα μύρια (2 a)
Ps. 8. 7. πρόβατα καὶ βόας πάσας (2 b)
43 (44). 11. ἔδωκας ἡμᾶς ὡς πρόβατα βρώσεως (2 a)
— 22. ἐλογίσθημεν ὡς πρόβατα σφαγῆς (2 a)
48 (49). 14. ὡς πρόβατα ἐν ᾅδῃ ἔθεντο (2 a)
64 (65). 13. ἐνεδύσαντο οἱ κριοὶ τῶν πρ. (2 a)
73 (74). 1. ἐπὶ πρόβατα νομῆς σου (2 a)
76 (77). 20. ὡδήγησας ὡς πρόβατα τὸν λαόν σου (2 a)
77 (78). 52. ἀπῆρεν ὡς πρόβατα τὸν λαὸν αὐτοῦ (2 a)
— 70. ἀνέλαβεν αὐτὸν ἐκ τῶν ποιμνίων τῶν πρ. (2 a)
78 (79). 13. ἡμεῖς γὰρ λαός σου καὶ πρόβατα νομῆς σου (2 a)
79 (80). 1. ὁ ὁδηγῶν ὡσεὶ πρόβατα τὸν Ἰ. (2 a)
94 (95). 7. ἡμεῖς . . . πρόβατα χειρὸς αὐ. (2 a)
99 (100). 3. καὶ πρόβατα τῆς νομῆς αὐτοῦ (2 a)
106 (107). 41. ἔθετο ὡς πρόβατα πατριάς (2 a)
113 (114). 4, 6 (A S² R). καὶ οἱ βουνοὶ ὡς ἀρνία προβάτων (2 a)
118 (119). 176. ἐπλανήθην ὡς πρ. ἀπολωλός (4)
143 (144). 13. τὰ πρ. αὐτῶν πολυτόκα (2 a)
151. 1. ἐποίμαινον τὰ πρ. τοῦ πατρός μου
— 4. ἤρέ με ἐκ τῶν πρ. τοῦ πατρός μου
Pr. 27. 26. ἵνα ἔχῃς πρόβατα εἰς ἱματισμόν (1 a)
Si. 47. 3. ἐν ἄρκοις ὡς ἐν ἄρνασι προβάτων
Ho. 5. 6. μετὰ προβάτων καὶ μόσχων (2 a)
Am. 7. 15. A R ἀνέλαβέ με κύριος ἐκ τῶν πρ. [B προφητῶν] (2 a)
Mi. 2. 12. ὡς πρόβατα ἐν θλίψει (2 a)
5. 8 (7). ὡς σκύμνος ἐν ποιμνίοις προβάτων (2 a)
7. 14. πρόβατα κληρονομίας σου (2 a)
Jl. 1. 18. τὰ ποίμνια τῶν πρ. ἠφανίσθησαν (2 a)
Jn. 3. 7. τὰ πρ. μὴ γευσάσθωσαν (2 a)
Hb. 3. 17. ἐξέλιπεν ἀπὸ βρώσεως πρόβατα (2 a)
Ze. 2. 6. ἔσται Κρήτη . . . μάνδρα προβάτων (2 a)
Za. 9. 16. σώσει . . . ὡς πρόβατα λαὸν αὐ. (2 a)
10. 2. ἐξηράνθησαν ὡς πρόβατα (2 a)
11. 4. ποιμαίνετε τὰ πρ. τῆς σφαγῆς (2 a)
— 7. ποιμανῶ τὰ πρ. [S² τὸ πρ.] τῆς σφαγῆς (2 a)
— 7. ποιμανῶ τὰ πρ. (2 a)
— 11. γνώσονται οἱ Χ. τὰ πρ. τὰ φυλασσόμ. μοι (2 a)
— 17. καταλελοιπότες τὰ πρ. (2 a)
13. 7. ἐκσπάσατε τὰ πρ. [A S al.] (2 a)
Is. 7. 21. δάμαλιν βοῶν καὶ δύο πρόβατα (2 a)
Is. 7. 25. εἰς βόσκημα προβάτου (4)
13. 14. ἔσονται . . . ὡς πρ. πλανώμενον (2 a)
22. 13. καὶ θύοντες πρόβατα (2 a)
43. 23. οὐκ ἤνεγκάς μοι [A B S οὐκ ἐμοὶ] πρόβατά σου τῆς ὁλοκαρπώσεώς σου (4)
53. 6. πάντες ὡς πρόβατα ἐπλανήθημεν (2 a)
— 7. ὡς πρ. ἐπὶ σφαγὴν ἤχθη (4)
60. 7. πάντα τὰ πρ. Κηδὰρ συναχθήσονται (2 a)
61. 5. ποιμαίνοντες τὰ πρ. σου [S om.] (2 a)
63. 11. ποῦ [A S om.] ὁ ἀναβιβάσας . . . τὸν ποιμένα τῶν πρ. (2 a)
Je. 3. 24. κατηνάλωσε . . . τὰ πρ. αὐτῶν (2 a)
5. 17. κατέδονται τὰ πρ. ὑμῶν (2 a)
10. 20. οἱ υἱοί μου καὶ τὰ πρ. μου οὐκ εἰσίν †
13. 20. ποῦ ἐστι . . . πρόβατα δόξης σου (2 a)
23. 1. οἱ ἀπολλύοντες καὶ διασκορπίζοντες τὰ πρ. τῆς νομῆς αὐτῶν [A S al.] (2 a)
— 2. διεσκορπίσατε τὰ πρ. μου (2 a)
27 (50). 6. πρ. ἀπολωλότα ἐγενήθη ὁ λαός μου (2 a)
— 8. ὥσπερ δράκοντες κατὰ πρόσωπον προβάτων (2 a)
— 17. πρ. πλανώμενον Ἰσραήλ (4)
— 45. τὰ ἀρνία τῶν πρ. αὐτοῦ (2 a)
29 (49). 20. ἐὰν μὴ συμψηθῶσι [A -ηφισθ., S συνῶσι] τὰ ἐλάχιστα τῶν πρ. (2 a)
30. 7 (49. 29). A R καὶ τὰ [B S om.] πρ. αὐτῶν λήψονται (2 a)
32 (25). 34. κόπτεσθε, οἱ κριοὶ τῶν πρ. (2 a)
— 35. ἀπὸ τῶν κριῶν τῶν πρ. (2 a)
— 36. ἀλαλαγμὸς τῶν πρ. καὶ τῶν κριῶν [S κρ. κ. τ. πρ.] (2 a)
38 (31). 12. ἐπὶ γῆν . . . κτηνῶν καὶ προβάτων (2 a)
40 (33). 12. καταλύματα ποιμένων κοιταζόντων πρόβατα [A -ων] (2 a)
— 13. παρελεύσεται πρόβατα ἐπὶ χεῖρα ἀριθμοῦντος (2 a)
Ez. 25. 5. δώσω . . . τοὺς υἱοὺς Ἀμμὼν εἰς νομὴν [A προν.] προβάτων (2 a)
34. 2. οὐ τὰ πρ. βόσκουσιν οἱ ποιμένες (2 a)
— 3. τὰ πρ. μου οὐ βόσκετε (2 a)
— 5. διεσπάρη τὰ πρ. μου –
— 6. διεσπάρη τὰ πρ. μου (2 a)
— 6. A διεσπάρη τὰ πρ. μου [B om. τὰ πρ. μ.] (2 a)
— 8. ἀντὶ τοῦ γενέσθαι τὰ πρ. μου εἰς προνομὴν καὶ γενέσθαι τὰ πρ. μου εἰς κατάβρωμα . . . οὐκ ἐξεζήτησαν οἱ ποιμένες τὰ πρ. μου . . . τὰ δὲ πρ. μου οὐκ ἐβόσκησαν (2 a quater)
— 10. ἐκζητήσω τὰ πρ. μου . . . τοῦ μὴ ποιμαίνειν τὰ πρ. μου . . . ἐξελοῦμαι τὰ πρ. μου (2 a ter)
— 11. ἐκζητήσω τὰ πρ. μου (2 a)
— 12. ἐν μέσῳ προβάτων διακεχωρισμένων οὕτως ἐκζητήσω τὰ πρ. μου (2 a, 2 a)
— 15. A² B βοσκήσω τὰ πρ. μου (2 a)
— 17. ὑμεῖς, πρόβατα [A τὰ πρ.] . . . διακρινῶ ἀνὰ μέσον προβάτου καὶ προβάτου (2 a, 4, 4)
— 19. τὰ πρ. μου τὰ πατήματα τῶν ποδῶν ὑμῶν ἐνέμοντο (2 a)
— 20. διακρινῶ ἀνὰ μέσον προβάτου ἰσχυροῦ καὶ ἀνὰ μέσον προβάτου ἀσθενοῦς (4, 4)
— 22. σώσω τὰ πρ. μου (2 a)
— 31. πρόβατά μου καὶ πρόβατα ποιμνίου μού ἐστε (2 a, 2 a)
36. 37. πληθυνῶ αὐτοὺς ὡς πρόβατα ἀνθρώπους (2 a)
— 37 (38). ὡς πρόβατα ἅγια ὡς πρόβατα Ἱερ. (2 a, 2 a)
— 38. οὕτως ἔσονται αἱ πόλεις αἱ ἔρημοι πλήρεις προβάτων ἀνθρώπων (2 a)
43. 23. κριὸν ἐκ προβάτων [A τῶν πρ.] ἄμωμον (2 a)
— 25. ποιήσεις . . . κριὸν ἐκ προβάτων [A τῶν πρ.] (2 a)
45. 15. πρ. [A add. ἓν] ἀπὸ τῶν πρ. ἀπὸ δέκα [A τ. δ. πρ.] ἀφαίρεμα (4, 2 a)
Da. LXX. Bel 2. ἀνηλίσκετο δὲ αὐτῷ . . . πρ. τέσσαρα
Da. TH. Bel 3. ἐδαπανῶντο εἰς αὐτὸν . . . πρόβατα τεσσαράκοντα
— 32. ἐδίδοτο αὐτοῖς τὴν ἡμέραν . . . δύο πρόβατα
[Aq. Jb. 30. 1: Ca. 6. 5 (6): Je. 31 (38). 12: Am. 1. 2.]
[Sm. Le. 3. 7: II Ki. 6. 13: Jb. 30. 1: Is. 66. 3.]
[Th. Jb. 30. 1: Ps. 79 (80). 2: Is. 66. 3: Je. 12. 3: Ez. 34. 6 (Sw.): Da. 14. 2.]
[Al. Hb. 3. 17.]

προβιβάζειν. (1) יָרָה hi. (2) שָׁנַן pi.
Ex. 35. 34. προβιβάσαι γε ἔδωκεν (1)
De. 6. 7. προβιβάσεις αὐτὰ τοὺς υἱούς σου (2)
[Aq. Ps. 41 (42). 5: Is. 38. 15.]

προβλέπειν. (1) רָאָה
Ps. 36 (37). 13. προβλέπει ὅτι ἥξει ἡ ἡμέρα αὐτοῦ (1)
[Sm. Ec. 6. 9.]

πρόβλημα. (1) חִידָה
Jd. 14. 12. πρόβλημα ὑμῖν προβάλλομαι [A al.] (1)
— 12. A ἐὰν . . . ἀπαγγείλητέ μοι τὸ πρ. [B al.] –
— 13. προβάλου τὸ πρ. (1)
— 14. οὐκ ἠδύναντο ἀπαγγεῖλαι τὸ πρ. (1)
— 15. ἀπαγγειλάτω σοι τὸ πρ. (1)
— 16. τὸ πρ. ὃ προέβαλου (1)
— 18. οὐκ ἂν ἔγνωτε [A εὕρητε] τὸ πρ. μου (1)
— 19. τοῖς ἀπαγγείλασι τὸ πρ. (1)
Ps. 48 (49). 4. ἀνοίξω ἐν ψαλτηρίῳ τὸ πρ. μου (1)
77 (78). 2. φθέγξομαι προβλήματα ἀπ' ἀρχῆς (1)
Hb. 2. 6. καὶ πρόβλημα εἰς διήγησιν αὐ. (1)
Da. TH. 8. 23. ἀναστήσεται βασιλεὺς . . . συνίων προβλήματα (1)
[Aq. Ez. 17. 2.]
[Sm. Ps. 77 (78). 2: Pr. 1. 6.]
[Th. Pr. 1. 6: Ez. 17. 2.]

προβλής.
IV Ma. 13. 6. S R προβλῆτες λιμένων πύργοι [A al.]

προβλητός. (1) רָקַע pu.
Je. 10. 5 (9). S ἀργύριον προβλητόν [A B προσβλ.] ἐστιν [A B om.] (1)

προγίνεσθαι.
Wi. 19. 13. A S οὐκ ἄνευ τῶν προγεγονότων [B γεγ.] τεκμηρίων
II Ma. 14. 3. R Ἄλκιμος δέ τις προγενόμενος [A -γεγονὼς] ἀρχιερεύς
15. 8. ἔχοντας δὲ κατὰ νοῦν τὰ προγεγονότα αὐτοῖς
[Sm. Ec. 10. 14.]

προγινώσκειν.
Wi. 6. 13. φθάνει τοὺς ἐπιθυμοῦντας [S ἐ. αὐτὴν] προγνωσθῆναι
8. 8. σημεῖα καὶ τέρατα προγινώσκει
18. 6. ἐκείνη ἡ νὺξ προεγνώσθη πατράσιν ἡμῶν

πρόγνωσις.
Ju. 9. 6. ἡ κρίσις σου ἐν προγνώσει
11. 19. A B ἐλαλήθη μοι κατὰ πρόγνωσίν μου

προγονικός.
II Ma. 8. 17. τὴν τῆς πρ. πολιτείας κατάλυσιν
14. 7. ἀφελόμενος τὴν πρ. δόξαν

πρόγονοι.
Es. 4. 17. ἔλαβες . . . ἐκ πάντων τῶν πρ. αὐ.
8. 13. τοῦ κατευθύνοντος . . . τοῖς πρ. ἡμῶν τὴν βασ.
Si. 8. 4. ἵνα μὴ ἀτιμάζωνται οἱ πρ. σου
9. 6. S¹ ἵνα μὴ ἀτιμάζωνται οἱ πρ. σου [A B S² al.]
II Ma. 8. 19. τὰς ἐπὶ τῶν πρ. γενομένας ἀντιλήψεις
11. 25. κατὰ τὰ ἐπὶ τῶν πρ. αὐ. ἔθη
III Ma. 5. 31. ἀντὶ τῶν . . . προγόνοις ἐμοῖς ἀποδεδειγμένων
6. 28. ἀφ' ἡμετέρων μέχρι τοῦ νῦν προγόνων
7. 7. πρὸς ἡμᾶς καὶ τοὺς πρ. ἡμῶν
IV Ma. 3. 8. ὁ πᾶς τῶν πρ. στρατός
5. 29. τοὺς ἱεροὺς τῶν πρ. . . . ὅρκους
9. 2. αἰσχυνόμεθα γὰρ τοὺς πρ.

προγράφειν.
Da. LXX. 3. 3. cod. ἔστησαν οἱ προγεγραμμ. [R προσγ.] –
I Ma. 10. 36. προγραφήτωσαν τῶν Ἰ. εἰς τὰς δυνάμεις

πρόδηλος.
Ju. 8. 29. ἡ σοφία σου πρ. ἐστιν
II Ma. 3. 17. πρόδηλον ἐγένετο . . . τὸ κατὰ καρδίαν ἐνεστὸς ἄλγος
14. 39. πρόδηλον ποιῆσαι . . . δυσμένειαν

προδηλοῦν.
III Ma. 4. 14. τὴν ἔμπροσθε βραχεῖ προδεδηλωμένην . . . λατρείαν

προδιδόναι. (1) נָתַן

IV Ki. 6. 11. *τίς προδίδωσί με βασιλεῖ Ἰσρ.* †
Is. 40. 14. **A** S^1 *τίς προέδωκεν αὐτῷ* –
Ez. 16. 34. **A** *ἐν τῷ πρ.* [B^2 **R** *προσδ.*, B^1 *διδ.*] *σε μισθώματα* (1)
II Ma. 7. 37. *σῶμα . . . προδίδωμι περὶ τῶν πατρίων νόμων*
IV Ma. 4. 1. *τὴν πατρίδα προδώσων*
[**Sm.** Ex. 32. 25: Je. 12. 6.]

πρόδομος. (1) בְּכוּרִים

Nu. 13. 21 (20). A^1 *αἱ ἡμέραι . . . πρόδομοι* [A^2 B *πρόδρ.*] *σταφυλῆς* (1)
[**Aq.** III Ki. 7. 6 (43), 7 (44) *bis*: Jl. 2. 17.]

προδοσία.

Wi. 17. 12. *προδοσία* [**S** *προσδοκία*] *τῶν ἀπὸ λογισμοῦ βοηθημάτων*
— 15. *τὰ δὲ τῆς ψυχῆς παρελύοντο προδοσίᾳ*

προδότης.

II Ma. 5. 15. *τὸν . . . τῆς πατρίδος πρ. γεγονότα*
10. 13. *προδότης παρ' ἕκαστα ἀκούων*
— 22. *τούτους μὲν οὖν πρ. γενομένους ἀπέκτεινε*
III Ma. 3. 24. *τοὺς δυσσεβεῖς τούτους κατὰ νώτου προδότας*

πρόδρομος. (1) בְּכוּרִים (2) πρόδρομος σύκου בְּכוֹרָה

Nu. 13. 21 (20). *αἱ ἡμέραι . . . πρόδρομοι* [A^1 *πρόδομοι*] *σταφυλῆς* (1)
Wi. 12. 8. **A R** *ἀπέστειλάς τε προδρόμους τοῦ στρατοπέδου* [**B S** *τοὺς στρ.*] *σου σφῆκας*
Is. 28. 4. *ὡς πρ. σύκου ὁ ἰδὼν αὐτό* (2)
[**Aq.** Ez. 26. 9: Ho. 9. 10.]
[**Sm.**, **Th.** Ho. 9. 10.]

προειδέναι.

Wi. 19. 2. *προῄδει γὰρ αὐτῶν καὶ τὰ μέλλοντα*
IV Ma. 4. 25. *προειδυίας ὅτι τοῦτο πείσονται*
[**Sm.** Ps. 36 (37). 18.]

προεκφέρειν. (1) נָתַן

Ge. 38. 28. *ὁ εἷς προεξήνεγκε τὴν χεῖρα* (1)

προέλευσις.

[**Sm.** Ex. 21. 7: Dt. 33. 18: Ps. 64 (65). 9: 120 (121). 8: Pr. 4. 23.]

προενέχεσθαι.

II Ma. 5. 18. **R** *προενέχεσθαι* [**A** *προσεν.*] *πολλοῖς ἁμαρτήμασι*

προεξαποστέλλειν.

II Ma. 12. 21. *προεξαπέστειλεν ὁ Τιμ. τὰς γυναῖκας*

προερεῖν.

I Es. 6. 32. **A** *τι τῶν προειρημένων* [**B** *al.*]
II Ma. 2. 32. *τοῖς προειρημένοις τοσοῦτον ἐπιζεύξαντες*
3. 7. *τὴν τῶν προειρημ. χρημάτων ἐκκομιδήν*
— 28. *τὸν . . . εἰς τὸ προειρημένον εἰσελθόντα γαζοφυλάκιον*
4. 1. *ὁ δὲ προειρημένος Σίμων*
6. 29. **R** *διὰ τὸ τοὺς προειρημ. λόγους . . . ἀπόνοιαν εἶναι* [**A** *al.*]
14. 8. *τῇ μὲν γὰρ τῶν προειρημένων ἀλογιστίᾳ*
III Ma. 1. 26. *τέλος ἐπιθήσειν δοκῶν τῷ προειρημένῳ*
4. 17. *μετὰ δὲ τὸ προειρημένον τοῦ χρόνου διάστημα*
6. 35. *καθὼς προειρήκαμεν*
— 35. **R** *συστησάμενοι τὸν προειρημ. χορόν* [**A** *χρόνον*]
— 36. *τὰς προειρημένας ἡμέρας ἄγειν ἔστησαν εὐφροσύνους*

προέρχεσθαι. (1) עָבַר

Ge. 33. 3. **R** *προῆλθεν* [**A** *παρ.*] *ἔμπροσθεν αὐτῶν* (1)
— 14. A^2 **R** *προελθάτω* [A^1 *προσ.*] *ὁ κ. μου* (1)
Ju. 2. 19. *τοῦ προελθεῖν βασιλέως* Ναβ.
12. 15. **B** *προῆλθεν* [**A R** *προσῆλ.*] *ἡ δούλη αὐτῆς*
15. 13. *καὶ προῆλθε παντὸς τοῦ λαοῦ*
Es. 1. 1. *προῆλθον* [**A** *προσῆλ.*] *ἀμφότεροι παλαίειν*
Pr. 8. 24. *πρὸ τοῦ προελθεῖν τὰς πηγὰς τῶν ὑδάτων* †
Si. 35 (32). 10. *πρὸ αἰσχυντηροῦ προελεύσεται χάρις*
II Ma. 4. 34. *ἔπεισεν ἐκ τοῦ ἀσύλου προελθεῖν*
14. 21. *καὶ προῆλθε*
III Ma. 2. 26. *ἐπὶ τοσοῦτον θράσους προῆλθεν*
IV Ma. 4. 5. S^1 *εἰς τὴν πατρίδα ἡμῶν . . . προελθών* [**A** S^2 **R** *προσελ.*]
[**Sm.** Ex. 21. 7: Jd. 4. 14: I Ki. 3. 1: Je. 23. 8: 24. 5: 28. 11: 41. 7: Ps. 43 (44). 10: 67 (68). 8: 84 (85). 14: 87 (88). 9: 107 (108). 12: Ez. 26. 18.]
[**Al.** He. 3. 5.]

προετοιμάζειν.

Wi. 9. 8. *ἣν προητοίμασας ἀπ' ἀρχῆς*
Is. 28. 24. *σπόρον προετοίμασεν* [S^1 *ἑτ.*] †
[**Sm.** Is. 30. 33.]

προέχειν. (1) חָזַק hi.

Jb. 27. 6. **A** *δικαιοσύνη δὲ προέχων* [**B S** *προσ.*] (1)
[**Sm.** Ec. 10. 10.]

προηγεῖσθαι. (1) לִפְנֵי (2) בְּרֹאשׁ

De. 20. 9. *προηγουμένους τοῦ λαοῦ* (2)
I Es. 5. 8. *μετὰ* **Z.** *καὶ Ἰ. . . . τῶν προηγουμένων αὐ.*
— 9. *καὶ οἱ προηγούμενοι αὐ.*
8. 28. *οὗτοι οἱ προηγούμενοι*
— 70. *μετεῖχον οἱ προηγούμενοι*
9. 12. *οἱ προηγούμενοι τοῦ πλήθους*
Pr. 17. 14. *προηγεῖται δὲ τῆς ἐνδείας στάσις* (1)
Si. 41. 17. **S** *ἀπὸ προηγουμένου* [**A B** *ἡγ.*] *καὶ δυνάστου περὶ ψεύδους*
II Ma. 4. 40. *προηγησαμένου τινὸς Τυράννου*
8. 22. *τάξας ἀδελφοὺς αὐ. προηγουμένους ἑκατέρας τάξεως*
— 23. *τῆς πρώτης σπείρας αὐτὸς προηγούμενος*
10. 12. *τὸ δίκαιον συντηρεῖν προηγούμενος*
11. 8. *ἐφάνη προηγούμενος αὐτῶν*
III Ma. 1. 11. *ἀλλ' ἢ μόνῳ τῷ προηγουμένῳ πάντων ἀρχιερεῖ*
[**Al.** Le. 26. 30.]

προηγορεῖν.

II Ma. 4. 48. **A** *οἱ περὶ πόλεως . . . προηγορήσαντες* [**R** *al.*]

προήγορος.

II Ma. 7. 2. *εἷς δὲ αὐτῶν γενόμενος πρ.*
— 4. *τὸν γενόμ. αὐτῶν πρ. προσέταξε γλωσσοτομεῖν*

προήκειν.

IV Ma. 5. 4. *καὶ τὴν ἡλικίαν προήκων*

προθερίζειν.

Jd. 15. 5. **A** *καὶ τὰ προτεθερισμ. ἀπὸ στυβῆς* [**B** *al.*] –

πρόθεσις. (1) *a.* עֵרֶךְ *b.* מַעֲרֶכֶת (2) פָּנִים

Ex. 39. 18 (36). A^2 B *καὶ τὴν τράπεζαν τῆς πρ.* –
— 18 (36). A^2 *τοὺς ἄρτους τῆς πρ.* [**B** *τοὺς προκειμ.*] (2)
40. 4. *προθήσεις τὴν πρ. αὐτῆς* (1 *a*)
— 23. *προσέθηκεν . . . ἄρτους τῆς πρ.* (1 *a*)
I Ki. 21. 6 (7). *ἔδωκεν αὐτῷ . . . τοὺς ἄρτους τῆς πρ.* †
I Ch. 9. 32. *ἐπὶ τῶν ἄρτων τῆς πρ.* (1 *b*)
23. 29. *εἰς τοὺς ἄρτους τῆς πρ.* (1 *b*)
28. 16. *τὸν σταθμὸν τῶν τραπεζῶν τῆς πρ.* (1 *b*)
II Ch. 2. 4 (3). *τοῦ θυμιᾶν . . . πρόθεσιν* (1 *b*)
4. 19. *καὶ ἐπ' αὐτῶν ἄρτοι προθέσεως* (2)
13. 11. *θυμιῶσι . . . προθέσεις ἄρτων* (1 *b*)
29. 18. *καὶ τὴν τράπεζαν τῆς πρ.* (1 *b*)
I Ma. 1. 22. *ἔλαβε . . . τὴν τράπεζαν τῆς πρ.*
II Ma. 3. 8. *τὴν τοῦ βασ. πρ. ἐπιτελέσων*
10. 3. *τῶν ἄρτων τὴν πρ. ἐποιήσαντο*
III Ma. 1. 22. *τὸ τῆς πρ. αὐ. ἐκπληροῦν διανοουμένου*
2. 26. *ἀτενίζοντας εἰς τὴν τοῦ βασ. πρ.*
5. 12. *τῆς ἀθέσμου μὲν πρ. πολὺ διεσφαλμένος*
— 29. *κατὰ τὴν σὴν ἐκτενῆ πρ.*
[**Sm.** Ex. 25. 29 (30): Ps. 9. 38 (10. 17).]
[**Al.** Ex. 39. 36 (18): Ps. 145 (146). 4.]

προθεσμία.

[**Sm.** Je. 28. 3: Da. 9. 26 *bis*.]

πρόθυμα.

[**Aq.** Ex. 24. 6.]

προθυμεῖν, προθυμοῦν. (1) נָדַב hithpa.

I Ch. 29. 5. *καὶ τίς ὁ προθυμούμενος* (1)
— 6. **R** *προεθυμήθησαν* [**A** *-μώθ.* **R** *-μησαν*] *ἄρχοντες* (1)
— 9. *ὑπὲρ τοῦ προθυμηθῆναι* (1)
— 9. *προεθυμήθησαν τῷ κυρίῳ* (1)
— 14. *προθυμηθῆναί σοι κατὰ ταῦτα* (1)
— 17. *προεθυμήθην ταῦτα πάντα* (1)
— 17. *τὸν λαόν σου . . . εἶδον . . . προθυμηθέντα σοι* (1)
II Ch. 17. 16. *ὁ προθυμούμενος τῷ κυρίῳ* (1)
I Ma. 1. 13. *καὶ προεθυμήθησάν* [S^1 *-μώθ.*] *τινες*
III Ma. 1. 8. *συνέβη μᾶλλον αὐτὸν προθυμηθῆναι*
3. 17. *προθυμηθέντων ἡμῶν εἰσελθεῖν*
[**Sm.** Je. 36. 20: Ps. 39 (40). 9.]

προθυμία.

Si. 45. 23. *ἐν ἀγαθότητι προθυμίας ψυχῆς αὐτοῦ*

πρόθυμος. (1) חוּשׁ (2) נָדִיב

I Ch. 28. 21. *καὶ πᾶς πρ. ἐν σοφίᾳ* (2)
II Ch. 29. 31. *καὶ πᾶς πρ. τῇ καρδίᾳ* (2)
Pr. 16. 19. **A** *κρείσσων πρόθυμος* [**B S** *πραΰθ.*] *μετὰ ταπεινώσεως* †
Hb. 1. 8. *ὡς ἀετὸς πρ.* [S^1 *προΐθ.*] *εἰς τὸ φαγεῖν* (1)
II Ma. 4. 14. *ὥστε μηκέτι περὶ τὰς . . . λειτουργίας πρ. εἶναι τοὺς ἱερεῖς*
15. 9. *προθυμοτέρους αὐτοὺς κατέστησε*
III Ma. 5. 26. *ὑποδεικνὺς τὸ πρ. τοῦ βασ. ἐν ἑτοίμῳ κεῖσθαι*

προθυμοῦν, *vid. sub* **προθυμεῖν.**

προθύμως. (1) יִשְׁרֵי לֵבָב

II Ch. 29. 34. *οἱ Λ. πρ. ἤγνισαν* (1)
To. 7. 8. *ὑπεδέξαντο αὐτοὺς πρ.*
II Ma. 6. 28. *εἰς τὸ πρ. . . . ἀπευθανατίζειν*
11. 7. *ὁμοῦ δὲ καὶ πρ. ἐξώρμησαν*
IV Ma. 1. 1. *ὅπως πρ. προσέχητε τῇ φιλοσοφίᾳ*
16. 16. *ἐναγωνίσασθε πρ.*

πρόθυρα (?). (1) פֶּתַח

Pr. 5. 8. **A** *μὴ ἐγγίσῃς προθύραις* [**B S** *πρὸς θ.*] *οἴκων αὐ.* (1)

πρόθυρον. (1) מְזוּזָה (2) מִפְתָּן (3) סַף (4) פֶּתַח

Ge. 19. 6. **R** *ἐξῆλθε δὲ . . . πρὸς τὸ πρ.* [**A** *om. πρ. τὸ πρ.*] (4)
Jd. 19. 27. *καὶ αἱ χεῖρες αὐ. ἐπὶ τὸ πρ.* (3)
I Ki. 5. 4. *πεπτωκότες ἐπὶ τὸ πρ.* (2)
III Ki. 7. 50. *καὶ τὰ πρ. καὶ οἱ ἧλοι* (3)
14. 17. **A** *ὡς εἰσῆλθεν ἐν τῷ πρ. τοῦ οἴκου* (3)
Za. 12. 2. *τίθημι τὴν Ἱερ. ὡς πρόθυρα σαλευόμενα* (3)
Is. 66. 17. *ἐν τοῖς πρ. ἔσθοντες κρέας ὕειον* †
Je. 1. 15. *ἐπὶ τὰ πρ. τῶν πυλῶν Ἱερουσαλήμ* (4)
19. 2. *ὅ ἐστιν ἐπὶ τῶν πρ. πύλης τῆς χαρσείθ* (4)
33 (26). 10. *ἐκάθισαν ἐν προθύροις πύλης* [**A** *add. κυρίου*] *τῆς καινῆς* (4)
43 (36). 10. *ἐν προθύροις πύλης τοῦ* [**A** *om. π. τ.*] *οἴκου κυρίου* (4)
50 (43). 9. *κατάκρυψον αὐτοὺς ἐν* [**S** *ἐπὶ*] *προθύροις* †
Ez. 8. 3. *ἤγαγέ με . . . ἐπὶ τὰ πρ. τῆς πύλης* (4)
— 7. *εἰσήγαγέ με ἐπὶ τὰ πρ. τῆς αὐλῆς* (4)
— 14. *εἰσήγαγέ με ἐπὶ τὰ πρ. τῆς πύλης* (4)
— 16. *ἐπὶ τῶν πρ. τοῦ ναοῦ κυρίου* (4)
10. 19. *ἔστησαν ἐπὶ τὰ πρ. τῆς πύλης* (4)
11. 1. *ἰδοὺ ἐπὶ τῶν πρ. τῆς πύλης* (4)
43. 8. *ἐν τῷ τιθέναι αὐτοὺς τὸ πρ. μου ἐν τοῖς πρ. αὐτῶν* (4, 4)
46. 2. *στήσεται ἐπὶ τὰ πρ. τῆς πύλης . . . προσκυνήσει ἐπὶ τοῦ πρ. τῆς πύλης* (1, 2)
— 3. *κατὰ τὰ πρ. τῆς πύλης ἐκείνης* (4)
47. 1. *εἰσήγαγέ με ἐπὶ τὰ πρ. τοῦ οἴκου* (4)
[**Aq.** III Ki. 14. 17: IV Ki. 12. 9 (10): Ez. 40. 5 (P.), 6.]
[**Sm.** Jd. 3. 22: III Ki. 7. 6 (43): Ez. 8. 16.]
[**Th.** Ez. 40. 5 (P.), 6.]

προϊδεῖν, *cf.* **προοραν.** (1) סָכַן hi. (2) רָאָה

Ge. 37. 18. *προείδον δὲ αὐτὸν μακρόθεν* (2)
Ps. 138 (139). 3. *πάσας τὰς ὁδούς μου προείδες* (1)
[**Sm.** Ps. 65 (66). 18: 138 (139). 16.]

προϊέναι. (1) נָבַע hi. (2) נָתַן (3) רָפָה hi.
Ex. 3. 19. οὐ προήσεται ὑμᾶς Φ. (2)
Jb. 7. 19. ἕως τίνος οὐκ ἐᾷς με οὐδὲ προῖῃ με (3)
27. 6. δικαιοσύνῃ δὲ προσέχων οὐ μὴ προῶμαι (3)
Pr. 1. 23. προήσομαι ὑμῖν ἐμῆς πνοῆς ῥῆσιν (1)
5. 9. ἵνα μὴ πρόῃ ἄλλοις ζωήν σου (2)
8. 4. προίεμαι ἐμὴν φωνὴν υἱοῖς ἀνθρώπων –
17. 27. ὃς φείδεται ῥῆμα προέσθαι [S¹ -ελέσθαι] σκληρόν –
24. 67 (30. 32). ἐὰν πρόῃ σεαυτὸν ἐν εὐφροσύνῃ [A S εἰς εὐφροσύνην] †
II Ma. 10. 34. R λόγους ἀθεμίτους προΐοντο [A -ίέντες]
15. 12. καὶ λαλιὰν προϊέμενον πρεπόντως
IV Ma. 18. 3. A R προϊέμενοι [S προέμ.] τὰ σώματα τοῖς πόνοις
[Sm. Jb. 2. 4.]

πρόϊμος, *vid.* πρῴμος.

προϊνός, *vid.* πρωϊνός.

προίξ.
[Al. Ex. 18. 2.]

προϊστάναι.
II Ki. 13. 17. ἐκάλεσε . . . τὸν προεστηκότα τοῦ οἴκου †
Pr. 23. 5. ὑποστρέφει εἰς τὸν οἶκον τοῦ προεστηκότος αὐτοῦ †
26. 17. οὕτως ὁ προεστὼς ἀλλοτρίας κρίσεως †
Am. 6. 10. ἐρεῖ τοῖς προεστηκόσι τῆς οἰκίας †
Is. 43. 24. ἐν ταῖς ἁμαρτίαις σου προέστης μου [A S -ην σου] †
Da. LXX. Bel 7. ἐκάλεσε τοὺς προεστηκότας τοῦ ἱεροῦ
I Ma. 5. 19. πρόστητε τοῦ λαοῦ τούτου
IV Ma. 11. 27. θείου νόμου προεστήκασιν ἡμῶν
[Al. Ps. 19 (20). 2.]

προκαθηγεῖσθαι.
I Es. 6. 12. τὴν ὀνοματογραφίαν . . . τῶν προκαθηγουμ. [A -καθημ.]

προκαθήκειν.
I Ma. 10. 39. A εἰς τὴν προκαθήκουσαν [S καθήκ., R προσήκ.] δαπάνην τοῖς ἁγίοις

προκαθῆσθαι.
I Es. 1. 32. οἱ προκαθήμενοι . . . ἐθρηνοῦσαν αὐτόν
5. 63. ἐκ . . . τῶν προκαθημ. κατὰ τὰς πατριὰς αὐ.
6. 12. A τὴν ὀνοματογραφίαν . . . τῶν προκαθημένων [B -καθηγουμ.]
9. 4. κατὰ τὸ κρίμα τῶν προκαθημ. πρεσβυτέρων
— 45. προεκάθητο γὰρ ἐπιδόξως

προκαθίζειν.
IV Ma. 5. 1. προκαθίσας γέ τοι μετὰ τῶν συνέδρων

πρόκαιρος.
IV Ma. 15. 2. S¹ τῆς ἑπτὰ υἱῶν σωτηρίας προκαίρου [A S² R προσκ.]

προκακοῦν.
IV Ma. 17. 22. ἡ θεία πρόνοια τὸν Ἰσρ. προκακωθέντα διέσωσε

προκαλεῖσθαι.
II Ma. 8. 11. A προκαλούμενος [R προσκ.] ἐπ' ἀγορασμόν

προκαταλαμβάνειν. (1) אָחַז (2) בָּקַע
(3) לָכַד *a.* qal. *b.* ni. (4) קָדַם pi.
Jd. 1. 12. καὶ προκαταλάβηται αὐτήν (3 *a*)
— 13. προκατελάβετο αὐτὴν Γοθ. (3 *a*)
3. 28. προκατελάβοντο τὰς διαβάσεις (3 *a*)
7. 24. προκατελάβοντο τὸ ὕδωρ (3 *a*)
9. 50. A καὶ προκατελάβοντο αὐτήν [B *al.*] (3 *a*)
12. 5. προκατελάβετο [A -βοντο ἄνδρες] Γαλ. (3 *a*)
20. 39. B προκατελάβετο τὸ ἔνεδρον τὴν Γ. –
II Ki. 5. 7. R προκατελάβετο [A B κατ.] Δ. τὴν περιοχὴν Σ. (3 *a*)
8. 4. προκατελάβετο Δ. . . . χίλια ἅρματα (3 *a*)
12. 28. καὶ προκαταλαβοῦ αὐτὴν ἵνα μὴ προκαταλάβωμαι ἐγὼ τὴν πόλιν (3 *a*, 3 *a*)
III Ki. 4. 34 (B), 9. 16 (A). B προκατελάβετο τὴν Γ. [A *al.*] (3 *a*)
III Ki. 11. 14 (B), 24 (A). προκατελάβετο τὴν Δ. [A *al.*] –
16. 18. προκατείληπται αὐτοῦ ἡ πόλις (3 *b*)
IV Ki. 12. 17 (18). καὶ προκατελάβετο αὐτήν (3 *a*)
I Ch. 11. 5. προκατελάβετο τὴν περιοχὴν Σ. (3 *a*)
18. 4. προκατελάβετο Δ. αὐτῶν χίλια ἅρμ. (3 *a*)
II Ch. 13. 19. προκατελάβετο παρ' αὐτοῦ πόλεις (3 *a*)
17. 2. ἃς προκατελάβετο Ἀσά (3 *a*)
32. 1. εἶπε προκαταλαβέσθαι αὐτάς (2)
— 18. ὅπως προκαταλάβωνται τὴν πόλιν (3 *a*)
Ju. 2. 10. προκαταλήψῃ [A προσκ.] μοι πᾶν ὅριον αὐ.
— 25. S προκατελάβετο τὰ ὄρη [A B *al.*]
4. 5. προκατελάβοντο πάσας τὰς κορυφάς
7. 1. καὶ τὰς ἀναβάσεις . . . προκαταλαμβάνεσθαι
— 7. καὶ προκατελάβετο αὐτάς
— 17. προκατελάβοντο [S -βον] τὰ ὕδατα
Ps. 76 (77). 4. προκατελάβοντο φυλακάς (1)
78 (79). 8. ταχὺ προκαταλαβέτωσαν ἡμᾶς (4)
I Ma. 5. 8. S R προκατελάβετο [A -βε] τὴν Ἰ.
— 11. καὶ προκαταλαβέσθαι τὸ ὀχύρωμα
— 35. R καὶ προκατελάβετο [A S κατ.] αὐτήν
— 36. προκατελάβετο τὴν Χ.
— 44. προκατελάβοντο τὴν πόλιν
6. 27. A R ἐὰν μὴ προκαταλάβῃ [S -ητε] αὐτούς
9. 2. προκατελάβοντο αὐτήν
12. 33. προκατελάβετο αὐτήν
II Ma. 10. 36. προκατελάβοντο τὴν πόλιν
III Ma. 2. 20. προκαταλαβέτωσαν ἡμᾶς οἱ οἰκτιρμοί σου
[Sm. Ps. 78 (79). 8.]
[Al. Jo. 15. 16.]

προκατασκευάζειν.
Si. *prol.* 26. A B S² προκατασκευαζομένους [S¹ -ονταις, R -οις] τὰ ἤθη ἐν νόμῳ [A ἐννόμως] βιοτεύειν

προκατασκιρροῦσθαι.
III Ma. 4. 1. ὡς ἂν τῆς προκατεσκιρρωμένης αὐτοῖς πάλαι . . . συνεκφαινομένης ἀπεχθείας

προκαταχωρίζειν.
III Ma. 2. 29. A οὓς καὶ προκαταχωρίσαι [R καταχ.]

προκεῖσθαι. (1) *a.* פָּנִים *b.* נֶגֶד פָּנִים
Ex. 10. 10. A πονηρία πρόκειται [B πρόσκ.] ὑμῖν (1 *b*)
38. 9 (37. 10). τὴν τράπεζαν τὴν προκειμένην –
39. 18 (36). B τοὺς ἄρτους τοὺς προκειμ. [A² τῆς προθέσεως] (1 *a*)
Le. 24. 7. ἔσονται . . . προκείμενα τῷ κ. †
Nu. 4. 7. ἐπὶ τὴν τράπεζαν τὴν προκειμ. (1 *a*)
Es. 1. 7. ἀνθράκινον κυλίκιον προκείμενον –
— 8. οὗ [S¹ *om.*] κατὰ προκείμ. νόμον ἐγένετο †
10. 3. εἰσήνεγκε Δ. . . . τὴν προκειμ. ἐπιστολήν
III Ma. 5. 46. ἐπὶ τὸ προκείμενον ὤτρυνε τὸν βασ.
IV Ma. 15. 2. δυεῖν προκειμένων
— 15. A R τὰς . . . σάρκας ὥσπερ προσωπεῖα [S -ώτια] προκειμένας
[Sm. Ps. 35 (36). 2.]

πρόκλησις.
II Ma. 4. 14. R μετὰ τὴν τοῦ δίσκου πρόκλησιν [A πρόσκλ.]

προκοπή.
Si. 51. 17. προκοπὴ ἐγένετό μοι ἐν αὐτῇ
II Ma. 8. 8. κατὰ μικρὸν εἰς προκοπὴν ἐρχόμενον τὸν ἄνδρα

προκόπτειν.
[Sm. Ps. 44 (45). 5.]

πρόκρημνος.
IV Ma. 7. 5. ὥσπερ γὰρ πρόκρημνον ἄκραν

προκρίνειν.
Wi. 7. 8. προέκρινα αὐτὴν σκήπτρων καὶ θρόνων
[Sm. Jb. 36. 21.]

προλαλεῖν.
[Sm. Ps. 26 (27). 7 (P.).]

προλαμβάνειν.
Wi. 17. 11. S² ἀεὶ δὲ προείληφεν [A B S¹ προσείληφε] τὰ χαλεπά
— 17. προληφθεὶς τὴν δυσάλυκτον [A S¹ -ηκτον] ἔμενεν ἀνάγκην

προλέγειν. (1) נָגַד hi.
Is. 41. 26. οὐκ ἔστιν ὁ προλέγων (1)

προλήνιον. (1) יֶקֶב
Is. 5. 2. πρ. ὤρυξα ἐν αὐτῷ (1)

πρόλοβος. (1) מְרָאָה
Le. 1. 16. ἀφελεῖ τὸν πρ. (1)

πρόλογος.
Si. *prol. tit.* (A B), *subscr.* (B). πρόλογος

προμαχεῖν.
Wi. 18. 21. σπεύσας γὰρ ἀνὴρ ἄμεμπτος προεμάχησε
[Sm. Ps. 73 (74). 22.]

προμαχών. (1) דַּיִּק (2) שׁוּר
To. 13. 16. καὶ οἱ πύργοι καὶ οἱ πρ. [S *al.*]
Je. 5. 10. ἀνάβητε ἐπὶ τοὺς π. αὐτῆς (2)
40 (33). 4. εἰς χάρακας καὶ προμαχῶνας †
Ez. 4. 2. οἰκοδομήσεις ἐπ' αὐτὴν προμαχῶνας (1)
[Th. Ez. 4. 2 : 21. 22 (27).]

πρόμετρος.
[Sm. II Ki. 21. 20.]

προμηνύειν.
Wi. 18. 19. οἱ γὰρ ὄνειροι . . . τοῦτο [S *om.*] προεμήνυσαν [A προσεμ.]

προνοεῖν. (1) בִּין (2) שׁוּר
Nu. 23. 9. B² ἀπὸ βουνῶν προνοήσω [A B¹ R προσν.] αὐτόν (2)
I Es. 2. 28. καὶ προνοηθῆναι ὅπως μηδὲν . . . γένηται
Jb. 24. 15. R οὐ προνοήσει [A B S² προσν., S¹ προσθήσει] με ὀφθαλμός (2)
Pr. 3. 4. προνοοῦ καλὰ ἐνώπιον κυρίου †
Wi. 6. 7. ὁμοίως τε προνοεῖ [S -εῖται] περὶ πάντων
13. 16. ἵνα μὲν οὖν μὴ καταπέσῃ προενόησεν αὐτοῦ
Da. LXX. 11. 37. ἐπὶ τοὺς θεοὺς τῶν πατ. αὐ. οὐ μὴ προνοηθῇ (1)
— 37. ἐν ἐπιθυμίᾳ γυναικὸς οὐ μὴ προνοηθῇ (1)
II Ma. 14. 9. R τῆς χώρας . . . προνοήθητι [A προσν.]
III Ma. 3. 24. προνοούμενοι μή ποτε . . . ἔχωμεν πολεμίους
IV Ma. 7. 18. ὅσοι τῆς εὐσεβείας προνοοῦσιν
[Th. Jb. 17. 15.]

πρόνοια.
Wi. 14. 3. ἡ δὲ σή, πάτερ, διακυβερνᾷ πρόνοια
17. 2. φυγάδες τῆς αἰωνίου πρ. ἔκειντο
Da. LXX. 6. 18 (19). πρόνοιαν ποιούμενος αὐτοῦ –
II Ma. 4. 6. ἄνευ βασιλικῆς πρ. ἀδύνατον εἶναι
III Ma. 4. 21. τῆς τοῦ βοηθοῦντος τοῖς Ἰ. ἐξ οὐρ. πρ. ἀνικήτου
5. 30. διὰ τὸ περὶ τούτων προνοίᾳ θεοῦ διεσκεδάσθαι πᾶν αὐτοῦ τὸ νόημα
IV Ma. 9. 24. ἡ δικαία καὶ πάτριος ἡμῶν πρόνοια
13. 19. ἅπερ ἡ θεία καὶ πάνσοφος πρόνοια . . . ἐμέρισε
17. 22. ἡ θεία πρ. τὸν Ἰσ. προκακωθέντα διέσωσε

προνομεύειν. (1) בָּזַז *a.* qal. *b.* ni.
(2) יָרַשׁ (3) קוּר pilp. (4) שָׁבָה (5) שָׁלַל
(6) *a.* שָׁסָה (שָׁסָה) qal. *b.* po. *c.* שָׁסַס qal.
d. ni.
Nu. 24. 17. προνομεύσει πάντας υἱοὺς Σήθ (3)
31. 9. ἐπρονόμευσαν [A προενόμ.] τὰς γυν. Μ. (4)
— 9. τὴν δύναμιν αὐτῶν ἐπρονόμευσαν (1 *a*)
— 32. ὃ ἐπρονόμευσαν οἱ ἄνδρες (1 *a*)
— 53. οἱ ἄνδρες οἱ πολεμισταὶ ἐπρονόμευσαν (1 *a*)
De. 2. 35. τὰ κτήνη ἐπρονομεύσαμεν [A προενομ.] (1 *a*)
3. 7. τὰ σκῦλα . . . ἐπρονομεύσαμεν ἑαυτοῖς (1 *a*)
— 12. B¹ τὴν γῆν ἐκ. ἐπρονομεύσαμεν [A B² R ἐκληρομήσ.] (2)
20. 14. πᾶσαν τὴν ἀπαρτίαν προνομεύσεις σεαυτῷ (1 *a*)
21. 10. A B προνομεύσεις [R -σῃς] τὴν προνομὴν αὐ. (4)
Jo. 8. 2. τὴν προνομὴν . . . προνομεύσεις σεαυτῷ (1 *a*)
— 27. ἃ ἐπρονόμευσαν ἑαυτοῖς [A *al.*] (1 *a*)
11. 14. π. τὰ σκῦλα αὐ. ἐπρονόμευσαν ἑαυτοῖς (1 *a*)

Jd. 2. 14. εἰς χεῖρας [A ἐν χειρὶ] προνομευόντων (6 a)
— 14. A καὶ ἐπρονόμευσαν [B κατεπρ.] αὐτούς (6 c)
— 14. A ἐν χειρὶ τῶν προνομευόντων [B al.] †
— 16. ἐκ χειρὸς τῶν προνομευόντων αὐτούς (6 a)
I Es. 4. 5. καὶ [A add. ὅσα] ἐὰν προνομεύσωσι
Ju. 1. 14. ἐπρονόμευσε τὰς πλατείας αὐτῆς
2. 23. ἐπρονόμευσεν πάντας υἱοὺς Ῥ. [S al.]
— 26. ἐπρονόμευσε τὰς μάνδρας αὐτῶν
8. 21. προνομευθήσεται τὰ ἅγια ἡμῶν
15. 6. καὶ ἐπρονόμευσαν αὐτούς
Pr. 11. 3. A ὑποσκελισμὸς ἀθετούντων προνομεύσει αὐτούς †
Si. 48. 15. ἕως ἐπρονομεύθησαν ἀπὸ τῆς γῆς αὐτῶν
Is. 8. 3. ὀξέως προνόμευσον †
10. 13. τὴν ἰσχὺν αὐτῶν προνομεύσω (6 b)
11. 14. θάλασσαν ἅμα προνομεύσουσι [S¹ -μεύουσιν] (1 a)
13. 16. τὰς οἰκίας αὐτῶν προνομεύσουσι [S¹ al.] (6 d)
17. 14. αὕτη ἡ μερὶς τῶν ὑμᾶς προνομευσάντων (6 a)
24. 3. προνομῇ προνομευθήσεται ἡ γῆ (1 b)
42. 22. ἐγένετο ὁ λαὸς πεπρονομευμένος (1 a)
— 24. ἔδωκεν . . . Ἰσραὴλ τοῖς προνομεύουσιν αὐτόν (1 a)
Je. 27 (50). 10. οἱ προνομεύοντες [A -εύσαντες] αὐτὴν ἐμπλησθήσονται (5)
37 (30). 16. πάντας τοὺς προνομεύοντάς σε δώσω εἰς προνομήν [S al.] (1 a)
Ez. 26. 12. προνομεύσει τὴν δύναμίν σου (5)
29. 19. προνομεύσει τὴν προνομὴν αὐτῆς (5)
30. 24. προνομεύσει τὴν προνομὴν αὐ. †
38. 12. προνομεῦσαι προνομήν (5)
— 13. εἰς προνομὴν τοῦ προνομεῦσαι σὺ ἔρχῃ (5)
39. 10. προνομεύσουσι τοὺς προνομεύσαντας αὐτούς (5, 5)
I Ma. 1. 61. S² R τοὺς οἴκους αὐ. προενόμευσαν [A S¹ al.]
6. 3. ἐζήτει . . . προνομεῦσαι αὐτήν
8. 10. ἐπρονόμευσαν [S¹ -εν] αὐτούς
— 10. ἐπρονόμευσαν αὐτούς
[Aq. Ps. 136 (137). 8 : Is. 33. 1.]
[Sm. I Ki. 23. 1.]
[Th. Pr. 11. 3.]

προνομή. (1) *a.* בַּז *b.* בָּזַז qal. *c.* ni. *d.* בִּזָּה (2) מִשְׁסָּה (3) *a.* שְׁבִי *b.* שִׁבְיָה (4) שָׁלָל
Nu. 31. 11. ἔλαβον πᾶσαν τὴν πρ. (4)
— 12. ἤγαγον . . . τὴν πρ. (4)
— 32. ἐγενήθη τὸ πλεόνασμα τῆς πρ. (1 a)
De. 20. 14. φάγῃ πᾶσαν τὴν πρ. (4)
21. 10. προνομεύσεις τὴν πρ. αὐτῶν (3 a)
— 11. καὶ ἴδῃς ἐν τῇ πρ. γυναῖκα καλήν (3 b)
Jo. 7. 21. εἶδον ἐν τῇ πρ. ψιλὴν ποικίλην (4)
8. 2. τὴν πρ. . . . προνομεύσεις σεαυτῷ (4)
22. 8. διείλαντο τὴν πρ. τῶν ἐχθρῶν (4)
III Ki. 10. 22 (B), 9. 15 (A). αὕτη ἦν ἡ πραγματεία τῆς πρ. †
IV Ki. 21. 14. ἔσονται . . . εἰς προνομήν (2)
I Es. 8. 77. εἰς ῥομφαίαν . . . καὶ προνομήν
Ju. 4. 12. τοῦ μὴ δοῦναι . . . εἰς προνομήν
7. 26. εἰς προνομὴν τῷ λαῷ Ὀλ.
9. 4. ἔδωκας γυναῖκας αὐ. εἰς προνομήν
16. 5. τὰ νήπιά μου δώσειν εἰς προνομήν
Es. 8. 11. S² καὶ τὰ σκῦλα αὐτῶν εἰς προνομήν (1 b)
Pr. 12. 24. δόλιοι δὲ ἔσονται ἐν προνομῇ [A εἰς προνομήν] †
Is. 6. 13. πάλιν ἔσται εἰς προνομὴν ὡς τερέβινθος †
8. 1. τοῦ ὀξέως προνομὴν ποιῆσαι σκύλων (4)
10. 2. ὥστε εἶναι αὐτοῖς χήραν εἰς ἁρπαγὴν καὶ ὀρφανὸν εἰς προνομήν (1 b)
— 6. ποιῆσαι σκῦλα καὶ προνομήν (1 a)
24. 3. προνομῇ προνομευθήσεται ἡ γῆ (1 c)
33. 23. ἕως οὗ παραδοθῇ εἰς προνομήν· τοίνυν πολλοὶ χωλοὶ προνομὴν ποιήσουσι (4, 1 a)
42. 22. ἐγένοντο εἰς προνομήν (1 a)
Je. 2. 14. διὰ τί εἰς προνομὴν ἐγένετο (1 a)
15. 13. τοὺς θησαυρούς σου εἰς προνομὴν δώσω (1 a)
27 (50). 10. ἔσται ἡ Χαλδαία εἰς προνομήν (4)
30. 10 (49. 32). ἔσονται κάμηλοι αὐτῶν εἰς προνομήν (1 a)
37 (30). 16. πάντας τοὺς προνομεύσαντάς σε δώσω εἰς προνομήν [S al.] (1 a)
Ez. 25. 5. A δώσω . . . τοὺς υἱοὺς Ἀμμὼν εἰς προνομὴν [B v.] προβάτων †
Ez. 26. 5. ἔσται εἰς προνομὴν τοῖς ἔθνεσι (1 a)
29. 19. προνομεύσει τὴν πρ. αὐτῆς (4)
30. 24. προνομεύσει τὴν πρ. αὐ. †
34. 8. ἀντὶ τοῦ γενέσθαι τὰ πρόβατά μου εἰς προνομήν (1 a)
— 22. οὐ μὴ ὦσιν ἔτι εἰς προνομήν (1 a)
— 28. οὐκ ἔσονται ἔτι ἐν προνομῇ τοῖς ἔθνεσι (1 a)
36. 4. ἐγένοντο εἰς προνομήν (1 a)
— 5. τοῦ ἀφανίσαι ἐν προνομῇ (1 a)
38. 12. προνομεῦσαι προνομήν (4)
— 13. εἰς προνομὴν τοῦ προνομεῦσαι σὺ ἔρχῃ (4)
Da. LXX. 11. 24. προνομὴν . . . αὐτοῖς δώσει (1 d)
— 33. ἐν προνομῇ ἡμερῶν κηλιδωθήσονται (1 d)
Da. TH. 11. 24. προνομὴν . . . αὐτοῖς διασκορπιεῖ (1 d)
I Ma. 7. 47. ἔλαβον . . . τὴν πρ.
[Aq. Jb. 5. 21 : Ps. 11 (12). 6 : 31 (32). 4 : Pr. 21. 7 : Ho. 7. 13 : Hb. 2. 17.]
[Th. Je. 17. 3 : Ez. 25. 7.]
[Al. I Ki. 30. 20.]

προνουμηνία.
Ju. 8. 6. χωρὶς . . . προνουμηνιῶν καὶ νουμηνιῶν

προοδηγός.
II Ma. 12. 36. σύμμαχον φανῆναι καὶ προοδηγὸν τοῦ πολέμου

προοίμιον. (1) מְשָׁל
Jb. 25. 2. τί γὰρ προοίμιον ἢ φόβος παρ' αὐτοῦ [A al.] †
27. 1 : 29. 1. ἔτι δὲ προσθεὶς Ἰὼβ εἶπε τῷ πρ. (1)

προορᾶν, *cf.* προϊδεῖν. (1) שָׁוָה pi.
I Es. 5. 63. A οἱ προεωρακότες [B έωρ.] τὸν . . . οἶκον
Ps. 15 (16). 8. A B¹ S προορώμην [B² R προωρ.] τὸν κ. ἐνώπιόν μου διὰ παντός (1)

πρόπαππος. (1) אֲבִי אָב
Ex. 10. 6. οὐδ' οἱ πρ. αὐτῶν (1)

προπάτωρ.
III Ma. 2. 21. A ὁ πάντων ἐπόπτης θεὸς καὶ πρ. ἅγιος [R al.]
[Sm. Ps. 29 (30). 8.]

προπέμπειν.
I Es. 4. 47. ἵνα προπέμψωσιν αὐτόν
Ju. 10. 15. ἀφ' ἡμῶν προπέμψουσί σε
Wi. 19. 2. μετὰ σπουδῆς προπέμψαντες αὐτούς
I Ma. 12. 4. ὅπως προπέμπωσιν αὐτούς
II Ma. 6. 23. ταχέως λέγων προπέμπειν εἰς τὸν ᾅδην

προπέτεια. (1) שֵׁל
II Ki. 6. 7. A ἔπαισεν αὐτὸν . . . ἐπὶ προπετείᾳ [B om. ἐ. πρ.] (1)

προπετής. (1) אֱוִיל (2) פֶּשַׁע
Pr. 10. 14. στόμα δὲ προπετοῦς ἐγγίζει συντριβῇ (1)
13. 3. ὁ δὲ πρ. χείλεσι πτοήσει ἑαυτόν (2)
Si. 9. 18. ὁ πρ. ἐν λόγῳ αὐτοῦ μισηθήσεται
[Sm. Ec. 5. 1.]

προπηλακίζειν.
[Sm. Ps. 54 (55). 13 : 73 (74). 10.]

προπηλακισμός.
[Sm. Ps. 43 (44). 14.]

προπίπτειν. (1) פָּרַע
Ju. 13. 2. Ὀλ. προπεπτωκὼς ἐπὶ τὴν κλίνην ἑαυ.
Ps. 21 (22). 29. ἐνώπιον αὐτοῦ προπεσοῦνται (1)
71 (72). 9. ἐνώπιον αὐτοῦ προπεσοῦνται Αἰθίοπες (1)
II Ma. 12. 39. τὰ σώματα τῶν προπεπτωκότων
— 42. R διὰ τὴν τῶν προπεπτωκότων ἁμαρτίαν [A al.]
— 44. εἰ γὰρ μὴ τοὺς προπεπτωκότας ἀναστῆναι προσεδόκα
15. 28. ἐπέγνωσαν προπεπτωκότα Νικάνορα
III Ma. 1. 16. R τῶν δὲ ἱερέων . . . προπεσόντων [A προσπ.]
[Sm. Ps. 72 (73). 7.]

προποιεῖν.
[Al. Ps. 136 (137). 8.]

προπομπή.
I Es. 8. 51. ἱππεῖς καὶ προπομπήν

προπορεύεσθαι. (1) אוץ (2) הָלַךְ *a.* qal. *b.* pi. *c.* hithpa. *d.* הָלַךְ לִפְנֵי (3) נָסַע (4) *a.* עָבַר *b.* עָבַר לִפְנֵי (5) קָדַם pi. (6) קָרַב (7) τὰ προπορευόμ. לִפְנֵי
Ge. 2. 14. R οὗτος ὁ προπορευόμ. [A πορ.] (2 a)
32. 16 (17). προπορεύεσθε ἔμπροσθέν μου (4 a)
— 17 (18). τίνος ταῦτα τὰ προπορευόμ. σου (7)
— 19 (20). ἐνετείλατο . . . πᾶσι τοῖς προπορευομ. (2 a)
— 20 (21). ἐν τοῖς δώροις τοῖς προπορευομ. αὐτοῦ (2 d)
— 21 (22). A προεπορεύοντο [R -ετο] τὰ δῶρα (4 a)
Ex. 14. 19. ὁ προπορευόμ. τῆς παρεμβολῆς (2 d)
17. 5. προπορεύου τοῦ λαοῦ (4 b)
32. 1, 23. οἱ προπορεύσονται ἡμῶν (2 d)
— 34. B προπορεύεται [A R -εύσ.] πρὸ προσώπου σου (2 a)
33. 1. R προπορεύου [A B πορ.] ἀνάβηθι (2 a)
— 14. αὐτὸς προπορεύσομαί σου (2 a)
Nu. 10. 33. προεπορεύετο προτέρα αὐτῶν (3)
De. 1. 30. ὁ προπορευόμ. πρὸ προσώπου ὑμῶν (2 a)
— 33. ὃς προπορεύεται [A πορ.] πρότερος ὑμῶν (2 a)
3. 18. προπορεύεσθε πρὸ προσώπου τῶν ἀδ. ὑ. (4 a)
9. 3. προπορεύσεται [B¹ -εύεται] πρὸ προσώπου σου (4 a)
20. 4. ὁ προπορευόμ. μεθ' ὑμῶν (2 a)
31. 3 *bis*. ὁ προπορευόμ. πρὸ προσώπου σου (4 a)
— 6. ὁ προπορευόμ. μεθ' ὑμῶν (2 a)
Jo. 3. 6. προπορεύεσθε τοῦ λαοῦ (4 b)
6. 12 (13). προεπορεύοντο ἐναντίον κυρίου †
9. 1 (8. 35). A τοῖς προσηλ. τοῖς προπορευομ. [B προσπ.] τῷ Ἰ. (2 a)
10. 13. οὐ προεπορεύετο εἰς δυσμάς (1)
— 24. προπορεύεσθε [A προσπ.] (6)
I Ki. 17. 7. προεπορεύετο [A προσπ.] αὐτοῦ (2 d)
25. 19. προπορεύεσθε ἔμπροσθέν μου (4 a)
To. 1. 3. τοῖς προπορευθεῖσι μετ' ἐμοῦ [A al.]
Es. 5. 1. τὴν κεφ. τῆς ἄβρας τῆς προπορευομ. [S προσπ.]
Ps. 84 (85). 13. δικαιοσύνη ἐναντίον αὐτοῦ προπορεύσεται [S¹ πορ., A¹ -εύεται] (2 b)
88 (89). 14. S R ἔλεος καὶ ἀλήθεια προπορεύσονται [A πορ., B -σεται] πρὸ προσώπου σου (5)
96 (97). 3. πῦρ ἐναντίον αὐτοῦ προπορεύσεται (2 a)
Pr. 4. 18. προπορεύονται καὶ φωτίζουσιν (2 a)
24. 49 (34). ἥξει προπορευομένη ἡ πενία σου (2 c)
Is. 52. 12. προπορεύσεται [A πορ.] γὰρ πρότερος [S πρὸ προσώπου] ὑμῶν κ. (2 a)
58. 8. προπορεύσεται ἔμπροσθέν σου ἡ δικαιοσύνη σου (2 a)
I Ma. 9. 11. προεπορεύοντο [S¹ προσεπ.] τῆς δυνάμεως
[Al. Ex. 13. 21 : Dt. 3. 28 : Pr. 15. 33.]

προπράσσειν.
I Es. 1. 33. B² R τά τε προπραχθέντα [A προσπροαχθ., B¹ πραχ.] ὑπ' αὐ.
III Ma. 6. 27. R τὰ προπεπραγμένα [A προστεταγμ.] παραιτησάμενοι

προπτύειν.
II Ma. 6. 20. προπτύσας δὲ καθ' ὃν ἔδει τρόπον προσέρχεσθαι

πρόπτωσις.
II Ma. 3. 21. τὴν τοῦ πλήθους παμμιγῆ πρ.
13. 12. μετὰ κλαυθμοῦ . . . καὶ προπτώσεως

προπύλαιον. (1) מִפְתָּן
Ze. 1. 9. S² ἐκδικήσω . . . ἐπὶ τὰ πρ. [A B S¹ πρόπυλα] (1)
[Sm. Ez. 40. 11, 29 : Jl. 2. 17.]
[Al. Je. 35 (42). 4.]

πρόπυλον. (1) מִפְתָּן (2) סַף
Am. 9. 1. σεισθήσεται τὰ πρ. (2)
Ze. 1. 9. ἐκδικήσω . . . ἐπὶ τὰ πρ. [S² -λαια] (1)
[Sm. III Ki. 6. 3 : 7. 7 (44) : Ps. 72 (73). 4 : Ez. 8. 16 : 40. 9 *bis*, 21, 26, 48 : Jl. 2. 17.]

πρός. I. *c. gen.*

Ge. 23. 13 : 24. 63 (τὸ πρὸς δείλης) : 28. 11, 18 : 29. 34 : 31. 5†.
Jo. 15. 8†.
Ru. 3. 4 (τὰ πρὸς ποδῶν), 7 (τὰ πρὸς ποδῶν), 8, 14.
I Ki. 19. 13, 16 : 26. 7, 11 (ἀπὸ πρός), 12 (ἀπὸ πρός), 16 (τὰ πρὸς κεφαλῆς).
III Ki. 19. 6.
Ju. 13. 6.
Is. 50. 11†.
La. 1. 9†.
II Ma. 1. 2.
IV Ma. 2. 11† : 6. 20†.
[**Aq.** Jb. 5. 5 : Je. 13. 22 (τὰ πρὸς ποδῶν).]
[**Sm.** Ex. 28. 33 (τὰ πρὸς ποδῶν) : Jb. 5. 5 : Is. 6. 1 (τὰ πρὸς ποδῶν) : Ez. 13. 18.]
[**Th.** Ex. 28. 33 (τὰ πρὸς ποδῶν) : Is. 6. 1 (τὰ πρὸς ποδῶν).]

II. *c. dat.* * ὁ πρός.

Ge. 15. 17† : 18. 1, 10 : 28. 9 : 31. 50† : 38. 14.
Ex. 1. 16 : 26. 4.
Le. 4. 18*†.
Nu. 35. 6.
De. 1. 1 : 16. 6† : 24. 13†.
Jo. 9. 1* : 11. 16*, 17* : 15. 8†, 21† : 21. 13*†, 15*† *bis*, 16*† *bis*, 17*†, 18*†, 21*†, 22*†, 23*†, 24*† *bis*, 25*† *bis*, 26*, 27*† *bis*, 28*† *bis*, 29*† *bis*, 30*† *bis*, 31*† *bis*, 32*† *ter* : 24. 30.
Jd. 9. 6, 35.
I Ki. 10. 2.
II Ki. 18. 26 : 20. 23.
IV Ki. 9. 27† *bis*.
I Ch. 2. 23† : 7. 28 : 26. 16†, 18, 18†, 30.
I Es. 4. 10, 31 : 5. 47*†.
Ne. 6. 7.
To. 3. 11† : 11. 16†.
Ju. 1. 7† : 2. 19 : 12. 10*†.
Es. 4. 5† : 8. 13.
Pr. 5. 8†.
Ec. 1. 6†.
Ca. 1. 16.
Ez. 39. 11†.
Da. LXX. 8. 2, 6.
I Ma. 14. 34†.
II Ma. 4. 8, 9 *bis* : 5. 21, 23, 24† : 6. 21 : 7. 14† : 8. 22 : 9. 17, 25 : 10. 31 : 11. 8, 11 *bis*, 26†, 29 : 12. 2, 20 : 14. 4.
III Ma. 1. 20 : 5. 1*, 5, 14*, 51.
IV Ma. 13. 25*†.
[**Aq.** Ez. 40. 40 *bis* : 44. 3 (P.).]
[**Sm.** Ps. 43 (44). 10 : 87 (88). 17 : Ez. 40. 40 *bis* : 44. 3 (P.).]
[**Th.** Ez. 44. 3 (P.) : Da. 6. 14†.]
[**Al.** Ez. 40. 16.]

III. *c. acc.* * ὁ πρός.

Ge. 2. 19, 22, 24† : 3. 16 : 4. 7, 8, 9, 10, 13 : 6. 4, 13†, 18†, 20, 21 : 7. 1, 2, 9, 15 : 8. 9 *bis*, 11, 11 (τὸ πρὸς ἑσπέραν), 12, 15† : 9. 11, 12 : 12. 15, 15† : 13. 14 : 14. 9, 10, 21, 22 *bis* : 15. 1, 4†, 7†, 13, 15, 17† : 16. 2 *bis*, 4, 5, 6, 9†, 13 : 17. 9, 18, 19†, 19, 21, 22 : 18. 5, 6, 9, 10, 13, 14, 19†, 20†, 21, 27, 29, 31 : 19. 2†, 3, 5 *ter*, 6, 6†, 7, 8, 10, 12, 14, 18, 31 *bis*, 34 : 20. 1, 3, 17 : 21. 22 : 22. 1†, 5, 7, 19 : 23. 4, 8, 10 : 24. 5, 6, 11 (τὸ πρὸς ὀψέ), 29, 30, 49, 54, 56 *bis*, 62* : 25. 6, 8, 17, 18 : 26. 1, 16, 26, 27 : 27. 5, 6 *bis*, 11, 22, 38, 43, 46 : 28. 5, 9 : 29. 1, 21, 23 *bis*, 30 : 30. 3, 4, 9, 14, 16, 28 : 31. 2, 3, 18, 24, 29, 52 *bis* : 32. 3 (4), 6 (7) *bis*, 25 (26), 30 (31) : 33. 14 : 34. 4, 6, 11 *bis*, 20 *bis*, 30† : 35. 1, 27, 29 : 37. 2, 13 *bis*, 18, 19, 23, 26, 30, 35 : 38. 1 (ἕως πρός), 2, 8, 9, 16 *ter*, 18, 22, 25 : 39. 14, 17 *bis*, 19 : 40. 6, 14† : 41. 9, 14, 15†, 55 *bis*, 57 : 42. 20, 21, 24, 28, 29, 30, 34, 37 *bis* : 43. 3†, 8, 9, 9†, 13, 19, 23, 29, 33, 34 *bis* : 44. 8, 14, 17, 21, 24, 27, 30, 32, 32†, 34 : 45. 3, 4† *bis*, 9 *bis*, 12, 15, 17, 18, 25 : 46. 28, 30, 31 *bis* : 47. 4, 5 *bis*, 15, 17, 18 *bis* : 48. 1, 2, 5, 10†, 11† : 49. 11, 22, 29, 33 : 50. 4, 16, 17, 18.
Ex. 1. 10, 19 : 2. 9, 10, 11, 18, 23, 24* : 3. 7, 9, 10, 11 *bis*, 13 *quinquiens*, 14 *bis*, 15 *bis*, 16, 18 *bis* : 4. 1, 4, 10, 11†, 15, 16, 16*, 18 *bis*, 19, 21, 25, 27, 30 : 5. 1, 4, 10, 15, 22, 23 : 6. 1, 2 *bis*, 3, 4, 10, 13 *bis*, 27, 29 *ter* : 7. 1, 2, 7, 8, 9, 14, 15, 16 *bis*, 19 : 8. 1 (7. 26) *ter*, 5 (1), 8 (4), 9 (5) *bis*, 12 (8), 16 (12), 20 (16) *bis*, 28 (24), 29 (25), 30 (26) : 9. 1 *bis*, 8, 13 *bis*, 22, 28, 29†, 33 : 10. 1 *bis*, 7, 8, 10, 12, 17, 18, 21 : 11. 1, 8, 9 : 12. 1, 3, 6 (πρὸς ἑσπέραν), 21, 26, 43, 48, 50† : 13. 1, 3 : 14. 1, 10, 11, 12, 13, 15 *bis*, 26, 27 (πρὸς ἡμέραν) : 15. 25 : 16. 3, 4, 6, 9, 11, 12, 12 (τὸ πρὸς ἑσπέραν), 15†, 19, 23, 25†, 28, 33 : 17. 2, 3†, 4, 5, 14 : 18. 5, 6, 15, 16, 17, 19*, 19, 26† : 19. 4, 7†, 8, 9 *quater*, 10, 14, 16, 21 *bis*, 23 *bis*, 24, 25 : 20. 1†, 19 *bis*, 20, 22 *bis*, 24 : 21. 6, 6† : 22. 23 (22), 27 (26) : 23. 13, 23, 33 : 24. 1, 2, 6, 8, 12 *bis*, 14 : 25. 1, 21 (22) : 26. 18*, 20*, 22*, 27*, 35* *bis* : 27. 9*, 11*, 13* : 28. 1, 39 (43), 39 (43)† : 29. 5, 16, 21 : 30. 11, 17, 20, 22, 34 : 31. 1, 12, 18† : 32. 2, 3, 7, 13, 17, 21†, 22, 26 *bis*, 26†, 30 *bis*, 31, 33 : 33. 1, 11 *bis*, 12, 15, 17 : 34. 1 *bis*, 10, 15†, 27, 31, 31†, 32 *bis*, 33 : 35. 1†, 4 : 36. 2, 5 : 37. 7 (38. 9)*, 9 (38. 11)*† *bis*, 10 (38. 12)*†, 11 (38. 13)*† : 38. 27 (40. 32) : 39. 14 (33) : 40. 1, 22*†, 24*.
Le. 1. 2, 3, 11, 15†, 15 : 2. 2, 8, 9 : 4. 1, 2, 18, 18*† : 5. 8, 12, 14, 18 : 6. 1 (5. 20), 2 (5. 21)*, 7 (1), 19 (12)†, 24 (17) : 7. 12 (22), 18 (28) : 8. 1, 31 : 9. 2, 7, 8, 9, 12, 18 *bis* : 10. 3, 6†, 9, 11, 12 *bis*, 19 : 11. 1 : 12. 1, 2, 6 : 13. 1, 2, 9, 16 : 14. 1, 2, 23, 33 : 15. 1, 29 : 16. 1, 2 *bis* : 17. 1, 2 *quater*, 5, 8 : 18. 1, 2, 6, 14, 19, 20 *bis*, 23 *ter* : 19. 1, 2, 34 : 20. 1, 16 : 21. 1 *bis*, 16, 23 *bis*, 24 *bis* : 22. 1, 3, 17, 18 *bis*, 26 : 23. 1, 2, 9, 10 *bis*, 23, 26, 33 : 24. 1, 11, 13, 15 : 25. 1, 2, 6, 31, 50, 51 : 26. 23, 27†, 44* : 27. 1, 13, 19, 23, 27, 31, 34.
Nu. 1. 1, 48 : 2. 1, 10, 25 : 3. 5, 11, 14, 35, 40, 44 : 4. 1, 17, 19, 21, 43, 47 : 5. 1, 5, 8, 11, 12, 15, 19†, 25† : 6. 1, 2, 10, 22 : 7. 4, 5, 11, 89 *bis* : 8. 1, 2, 5, 19, 23 : 9. 1, 3 (πρὸς ἑσπέραν), 7, 8, 9, 11 (τὸ πρὸς ἑσπέραν†, πρὸς ἑσπέραν†), 14 : 10. 1, 4, 6†, 9, 30 : 11. 2 *bis*, 11, 16, 16†, 21†, 23, 24, 25, 26† : 12. 4, 6, 10†, 11, 13, 14 : 13. 2 (1), 18 (17), 27 (26) *bis*, 30 (29)*†, 31 (30) *bis*, 32 (31), 33 (32) : 14. 2, 7, 11, 13, 20, 26, 36, 39 : 15. 1, 2, 17, 18, 22, 23†, 23, 26, 33 *bis*, 35, 36†, 37, 38 : 16. 3†, 5 *quater*, 8, 9, 11, 15, 16, 20, 23, 25, 26, 36 (17. 1), 37 (17. 2), 44 (17. 9), 46 (17. 11), 50 (17. 15) : 17. 1 (16), 9 (24), 10 (25), 12 (27) : 18. 1, 2, 3 *bis*, 4 *bis*, 8, 17, 20, 25, 26, 30 : 19. 1, 2, 3 : 20. 3, 6, 7, 8, 10, 12, 14, 16, 18, 23, 24 : 21. 1, 5, 7 *bis*, 8†, 8, 16, 20 (21), 34 : 22. 5, 7, 8 *bis*, 9†, 10 *bis*, 12, 13, 14, 16 *bis*, 19, 20 *bis*, 25, 25†, 35 *bis*, 37 *ter*, 38 *bis* : 23. 3, 4, 5, 6, 11, 12, 13, 15, 16, 17, 25, 27, 29 : 24. 10, 12 *bis*, 25 : 25. 4†, 6, 10, 16 : 26. 1, 1†, 52 : 27. 5 (6), 12, 13, 15, 18 *bis* : 28. 1, 2, 3, 4 (τὸ πρὸς ἑσπέραν), 8 (τὸ πρὸς ἑσπέραν) : 30. 2 : 31. 1, 2, 3, 12 *ter*, 21, 25, 48 *bis* : 32. 2 *ter*, 20, 25, 29 : 33. 50, 51 : 34. 1, 2, 3*, 3, 4 *bis*, 7, 15†, 16 : 35. 1, 5* *quater*, 9, 10 : 36. 10†.
De. 1. 3 *bis*, 7 *bis*, 9, 20, 25, 29, 36*, 42 : 2. 1, 2, 3†, 5, 9 *bis*, 17, 24, 26, 31 : 3. 2, 26 : 4. 2, 10 *bis*, 12, 15, 23, 30† : 5. 1, 2, 3, 4, 22 (19), 23 (20), 24 (21), 27 (24)†, 27 (24), 28 (25) *ter*, 31 (28) : 6. 13 : 7. 2, 3 : 9. 7*, 9, 10, 12, 13 *bis*, 24*, 26 : 10. 1 *bis*, 4, 11, 20 : 11. 25 : 12. 27† : 13. 2 (3) : 15. 9, 16, 17 : 16. 6† : 17. 9, 9† : 18. 17, 17† : 19. 9 : 20. 3, 5, 8, 9, 10, 12, 20 : 21. 13 : 22. 2, 15 : 23. 11 (12) (τὸ πρὸς ἑσπέραν), 18†, 18 (19) : 24. 13†, 15 : 25. 5, 9† : 26. 3 *bis*, 7 : 28. 7, 25 : 29. 2 (1), 12 (11) : 31. 1, 2 *bis*, 14, 16, 27*, 28 : 32. 44†, 46, 48, 50 *bis* : 34. 4.
Jo. 2. 3, 4, 8, 9, 9†, 17, 18, 23, 24 : 3. 7 : 4. 1†, 13, 19* : 5. 15 : 6. 2, 6 : 7. 3 *bis*, 10, 11, 23, 23† : 8. 1, 5, 18, 23 : 9. 6 *bis*, 6†, 7, 8 *bis*, 9†, 11 *bis*, 12, 15 *bis*, 16 : 10. 1 *bis*, 3 *quater*, 4 *ter*, 6 *bis*, 8, 12, 21, 24, 25, 27 (πρὸς ἡλίου δυσμάς) : 11. 1 *bis*, 2 *bis*, 5†, 6, 18, 20 *bis* : 13. 1 : 14. 6 *ter*, 10 : 15. 1 : 18. 5, 6, 8, 9, 13, 14*, 15*, 18 : 20. 2, 4†, 6† *bis* : 21. 1, 1†, 1, 2, 13*†, 14*†, 17*†, 18*†, 21*† *bis*, 22*†, 23*†, 32*† : 22. 13 *ter*, 15 *quater*, 28, 32, 33 *bis* : 23. 2†, 12, 14, 15† *bis* : 24. 2, 7, 11, 19, 21, 22, 23, 24, 25, 27 *bis*.
Jd. 1. 1, 1†, 3† *bis*, 5†, 9, 10, 11, 16† : 2. 1, 4, 10 : 3. 9, 10†, 13, 15, 19, 19†, 20 *bis*, 24†, 28 : 4. 3, 5, 6, 7† *bis*, 8, 9†, 11†, 14, 18†, 18 *bis*, 19, 20 *bis*, 21, 22 : 5. 29 : 6. 7, 7†, 8, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20 *bis*, 22†, 27, 29, 30, 31†, 36, 39, 39† : 7. 2, 3†, 4, 4†, 4, 4†, 5†, 5, 6†, 7, 9, 11†, 17, 25 : 8. 1, 1†, 2, 8, 9†, 14, 15, 15†, 18, 22, 23, 24 : 9. 1 *ter*, 12†, 14†, 15, 29†, 31, 33, 36 *bis*, 38, 38†, 39†, 48†, 54 : 10. 9† *bis*, 10, 11, 12, 14, 15, 18, 18† : 11. 3, 6† *bis*, 7, 8 *bis*, 8†, 9, 10, 12 *bis*, 13, 14†, 14, 17 *bis*, 19, 20†, 28, 32 *bis*, 35, 36 *bis*, 37, 39 : 12. 1, 2, 2†, 3, 3†, 6† : 13. 3 *bis*, 6, 8† *bis*, 8, 9, 10, 10†, 10, 11 *bis*, 13 *bis*, 15, 16, 17, 21 *bis*, 22 : 14. 3, 9, 9†, 10, 16, 17† : 15. 1, 1†, 4, 11†, 18 : 16. 1, 5, 5† *bis*, 6, 7, 9†, 10 *bis*, 11, 12†, 13 *ter*, 14†, 15, 18, 26, 28 : 17. 9, 10*† : 18. 2, 4, 7†, 8, 10, 14, 18, 19†, 22†, 23†, 24†, 25 : 19. 3†, 5, 6, 11, 12, 18, 22, 23, 23†, 25, 26†, 28, 30† : 20. 1, 3†, 14†, 16, 18†, 20† *bis*, 23†, 23, 24, 28†, 30 *bis*, 36† *ter*, 37†, 38†, 43†, 45, 47, 48† : 21. 5 *bis*, 6†, 8, 13, 14, 22, 22†.
Ru. 1. 15 *ter*, 18, 20 : 2. 2, 8, 10†, 11, 12, 21 *bis*, 22 : 3. 5, 16, 17 *bis* : 4. 1, 13†, 14.
I Ki. 1. 10, 25, 26 : 2. 25, 27 *bis*, 34† : 3. 5†, 6, 8, 11, 16, 17, 21 : 4. 3†, 7, 16† : 5. 8 *bis*, 10† : 6. 20, 21 *bis* : 7. 3 *ter*, 5, 8 *bis*, 9 : 8. 4, 6, 7, 10, 22 *bis* : 9. 3, 9, 10, 15†, 16 *bis*, 18, 21 : 10. 3, 8 *bis*, 11, 14 *ter*, 15, 16, 17, 18, 24, 25 : 11. 1, 2, 3, 4, 10 *bis*, 12, 14 : 12. 1, 4, 5, 6, 8, 10, 19† *ter*, 20† : 13. 12†, 13† : 14. 6†, 8† *bis*, 9†, 10 *bis*, 12†, 12 *ter*, 19 *bis*, 36, 40, 42, 43, 45, 52 : 15. 1, 6, 10, 11, 12, 13, 16 *bis*, 17, 20, 24, 26, 28, 32, 33 : 16. 1 *bis*, 3, 7, 10†, 11 *bis*, 12, 15, 17 *bis*, 19 *bis*, 20, 21, 22 : 17. 8†, 8, 9, 17†, 26†, 28†, 32, 33 *bis*, 33†, 34, 37, 39, 40, 41†, 43, 43†, 44 *bis*, 45 *ter*, 55†, 58† : 18. 1†, 17†, 18†, 22† : 19. 1 *bis*, 3, 4 *bis*, 7, 8†, 15, 17†, 18 : 20. 4, 5, 10, 11, 12 *bis*, 27, 29, 32†, 38 : 21. 1 (2), 8 (9), 10 (11), 11 (12), 14 (15) *bis*, 15 (16) : 22. 1, 2, 3, 5, 7, 9, 11, 17† : 23. 2†, 3, 4† *bis*, 6, 9, 16, 17, 19, 20*, 20, 23†, 27 : 24. 5 *bis*, 7, 10, 17, 18 : 25. 5, 9, 17, 22, 34, 36, 40 *bis* : 26. 1, 6 *ter*, 8, 9, 14†, 15, 25 : 27. 2, 5, 9, 10 *bis* : 28. 1, 2 *bis*, 7 *bis*, 8, 9†, 12, 15†, 21 *bis* : 29. 3 *bis*, 6, 8, 9, 11† : 30. 7, 7†, 11, 15, 21 : 31. 4.
II Ki. 1. 2, 3, 8†, 9, 10†, 16 : 2. 1, 5, 5†, 14, 22, 23 : 3. 7 *bis*, 8, 12, 12†, 13, 14, 16, 17, 20, 21 *bis*, 23, 24 *bis*, 26†, 27, 31 *bis*, 38 : 4. 8 : 5. 1, 2, 3, 6, 11, 19 *bis*, 24 : 6. 9, 10, 21 : 7. 2, 3, 4 *bis*, 7, 17, 20, 27 : 8. 10 : 9. 2 *bis*, 3, 4, 6, 9, 11 : 10. 3 *bis*, 9, 13 : 11. 2 (πρὸς ἑσπέραν), 4, 6 *ter*, 7, 10, 11, 12, 14, 18†, 19, 20, 21 *bis*, 22 *quater*, 23, 23†, 24, 25 *bis*, 25† : 12. 1 *bis*, 1†, 4 *bis*, 5, 7, 13, 18 *bis*, 19, 21, 23 *bis*, 24, 27, 27†, 29† : 13. 5, 6 *bis*, 7, 10, 13, 20, 24, 25, 26†, 28, 30, 35, 37, 39 : 14. 2, 3 *bis*, 4, 5, 7, 8†, 9, 10 *bis*, 12, 13†, 15 *bis*, 18, 21, 29 *quater*, 30 *bis*, 31 *bis*, 32 *ter*, 33 *bis* : 15. 2 *bis*, 3, 6, 7, 13, 15, 19, 22, 25†, 36 : 16. 2, 3, 9, 11 *bis*, 16 *bis*, 17, 18, 20, 21 *bis*, 22† : 17. 1, 3 *bis*, 6 *bis*, 7, 12†, 13, 15, 20, 21, 25 : 18. 2, 4, 12, 22, 22†, 24, 28, 32 : 19. 5 (6), 10 (11)†, 10 (11), 11 (12), 11 (12)†, 11 (12), 11 (12)†, 11 (12), 14 (15), 19 (20), 23 (24), 26 (27), 27 (28), 27 (28)†, 28 (29), 30 (31), 33 (34)†, 34 (35), 41 (42) *bis*, 42 (43) *bis* : 20. 3, 4, 6, 15, 16 *bis*, 17, 21, 21†, 22 *quater* : 21. 2, 3, 5, 10 : 22. 7, 42 : 23. 10, 13, 16, 21†, 23, 23† : 24. 2, 3 *bis*, 4, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 17, 18, 21, 22, 23, 24.
III Ki. 1. 3, 11, 13 *bis*, 15, 20 : 2. 13, 13 (14), 16 (17), 19, 29 *bis*, 30† : 3. 1 (2. 38), 1 (2. 39), 1 (2. 40), 1 (2. 42), 1 (2. 44), 1†, 5, 11, 26 : 5. 1 (15)†, 2 (16), 5 (19), 8 (22) *bis*, 9 (23) : 6. 11†, 12†, 18† : 7. 14 : 8. 1†, 2†, 18, 28, 33† *bis*, 48 *bis*, 54, 58†, 59, 61 : 9. 3, 24 (*cf.* 3. 1)† : 10. 2, 6, 7, 25† : 11. 11, 18 *bis*, 21, 40 : 12. 3, 5 *bis*, 7, 7†, 9, 10 *ter*, 12 *bis*, 13, 14, 14†, 21, 22, 23, 24† *undeviciens*, 27 *bis*, 27†, 28 : 13. 2, 4, 6 *bis*, 7, 8, 12, 18, 18†, 18, 20, 21, 22, 27† : 14. 2†, 3†, 5† *bis*, 6†, 10† *bis*, 13† : 15. 18, 19* : 16. 1, 12 (11)†, 12, 28 (22. 49 [50])† : 17. 1, 2, 8, 13, 18 *bis*, 19, 22†, 24 : 18. 1, 5, 17, 19, 19†, 21, 22, 29, 30 *ter*, 31, 40, 41† : 19. 2, 9, 13, 15 : 20 (21). 2, 3, 4† *bis*, 5, 5†, 5, 6 *bis*, 7, 8, 8†, 11† *bis*, 14, 15, 17, 19, 20, 21 : 21 (20). 2 *bis*, 5† *bis*, 6, 7, 9, 10, 22, 23†, 25, 28†, 31†, 31, 33 *bis*, 33†, 34, 35, 36, 39 *bis*, 39†, 40, 42, 43† : 22. 2, 3, 4, 5†, 5, 7, 8, 14, 15, 15†, 16, 18 *bis*, 22, 26, 26†, 30, 50†.
IV Ki. 1. 2, 3, 4, 5 *bis*, 6 *quater*, 7 *bis*, 8, 9 *ter*, 10, 11 *bis*, 12, 13†, 13, 15 *bis*, 16 : 2. 2, 3 *bis*, 4, 5 *bis*, 9, 16, 18† *ter*, 19, 20 : 3. 7, 12, 13 *bis*, 13†, 14, 26 : 4. 1, 2†, 3, 5, 6 *bis*, 9, 10, 12, 13 *ter*, 14†, 16, 17, 18 *bis*, 19 *bis*, 20†, 23, 24, 24 (25), 25, 27, 33, 36 *bis*, 41, 42 : 5. 5 *bis*, 6 *ter*, 7, 8 *bis*, 10, 11†, 13 *ter*, 15, 19, 22†, 22, 25 *bis*, 26 : 6. 1, 8, 9, 11, 15, 18 *bis*, 19 *bis*, 19†, 21†, 22, 23, 26, 28, 29, 32 *bis*, 33 : 7. 2†, 3, 6, 6†, 7, 9, 10, 12, 13, 17, 18 : 8. 1, 3, 4, 5, 8, 9 *bis*, 10†, 14 : 9. 5 *ter*,

8, 11 *bis*, 12 *bis*, 14, 18†, 19†, 23, 25, 32, 33 *bis*: 10. 1 *bis*, 1†, 2, 5 *bis*, 6 *bis*, 7 *bis*, 9, 15 *bis*, 16, 17, 18, 19, 30: 11. 4†, 7, 8†, 9, 13, 14, 15: 12. 4 (5), 7 (8): 13. 14, 15, 23†: 14. 8, 9 *bis*: 15. 12: 16. 7, 10: 17. 4, 13†: 18. 14, 17, 18 *bis*, 19 *bis*, 22, 25, 26 *bis*, 26†, 27, 27†, 27, 30, 31, 37: 19. 2, 3, 5, 6, 9, 9†, 20 *bis*, 21†, 32 *bis*: 20. 1 *bis*, 2 *bis*, 4, 5, 8, 11, 12, 14 *quater*, 16, 19: 21. 7 *bis*, 23: 22. 4, 8 *bis*, 9, 10, 14 *bis*, 15†, 15, 18 *bis*, 20: 23. 1, 3, 9, 25: 25. 6, 11, 20, 23.

I Ch. 2. 21: 5. 9, 10, 20: 7. 23: 10. 1: 11. 1, 3, 15, 18, 25: 12. 1, 8, 17, 19 *bis*, 22, 23 *bis*: 13. 2 *bis*, 3, 12, 13: 14. 1: 17. 1, 2, 3, 4, 6, 15, 18, 23: 18. 10: 19. 2†, 3 *bis*, 10, 17†: 21. 2 *ter*, 8, 9, 10, 11, 13, 17, 18, 21, 22, 23, 26, 27: 22. 14: 24. 5: 26. 14*†, 16†, 17†, 18, 18†: 29. 16, 18.

II Ch. 1. 2, 8, 11: 2. 3 (2), 11 (10): 4. 10: 5. 3: 6. 4, 8, 34, 38: 7. 21†: 8. 18: 9. 1 *bis*, 5: 10. 3, 5, 9, 10, 12 *bis*, 14, 16: 11. 1, 2, 3, 3†, 4, 13, 14: 12. 5 *bis*, 7, 15†: 13. 3, 7 *bis*, 12, 14: 14. 11 (10) *bis*: 15. 6 *bis*, 9: 16. 2, 4†, 7, 9: 17. 10, 11†: 18. 2, 3, 4, 7, 13, 14, 15, 17, 23†, 23, 25 *bis*, 29: 19. 9, 10†, 11: 20. 1, 6, 9, 12, 29, 33, 35, 36†: 22. 6, 7 *bis*, 9: 23. 12: 24. 11, 14 *bis*, 19 *bis*: 25. 7, 10, 14, 16†, 17†, 18†, 18: 26. 6, 19, 20†: 27. 5: 28. 13, 15, 16: 29. 4*, 18, 24, 27: 30. 6, 9 *bis*: 31. 10†: 32. 6, 9 *bis*, 24, 30, 31: 33. 7, 7†, 13, 18*†, 18: 34. 9, 15, 16, 22, 23, 28 *bis*: 35. 13, 19, 21: 36. 13*, 13.

I Es. 1. 26, 27, 29 *bis*: 2. 18, 26: 3. 4†: 4. 4 *bis*, 20, 33†, 47: 5. 47*†, 63: 6. 3: 7. 8: 8. 8, 43, 45, 51*, 63, 72, 73, 85*, 91, 93, 95: 9. 38*, 48†.

II Es. 3. 7: 4. 2 *bis*, 3, 7, 11 *bis*, 12†, 17, 18: 5. 7, 17: 6. 13, 21: 8. 15 *bis*, 17, 28: 9. 1, 4, 5, 6: 10. 1, 10.

Ne. 1. 3, 7†, 9: 2. 4, 7, 8†, 9, 13†, 17, 18†: 4. 3 (3. 35), 9 (3), 14 (8), 14 (8)†, 14 (8), 19 (13) *ter*, 20 (14): 5. 1, 7, 17: 6. 2, 3†, 3, 4†, 5, 8, 17 *bis*, 19: 8. 13 *bis*: 9. 4, 8, 13, 26, 27, 28: 10. 28 (29): 11. 24, 25: 12. 24†: 13. 6, 21, 22.

To. 1. 6: 2. 10, 13, 14: 3. 11†: 4. 3†: 5. 8†, 9†, 15†, 16†, 16*† *bis*, 16†, 17, 20† *bis*: 6. 13†, 17†: 7. 1†, 9†, 11, 11*†, 13†, 13: 8. 1†, 21: 10. 7†, 8†, 9, 10, 13† *bis*: 11. 2†, 7†, 10† *bis*, 16†, 17, 18†: 12. 20: 13. 6 *bis*, 11, 13†: 14. 3†, 12†.

Ju. 1. 5, 6†, 13: 2. 4, 23, 25*: 3. 1, 5: 4. 9, 12, 15: 5. 5, 12: 6. 1 *bis*, 2†, 13: 7. 1, 4, 11†, 18, 19, 29, 30: 8. 9, 11 *bis*, 28, 32, 35: 9. 1: 10. 1, 9, 14, 15†, 19: 11. 1, 3, 5, 17†, 22†: 12. 3†, 4†, 6† *bis*, 9 (πρὸς ἑσπέραν)†, 11†, 13† *bis*, 14†, 17†: 13. 10†, 10, 14: 14. 1, 10†: 15. 9 *bis*: 16. 22.

Es. 1. 1, 11, 16, 19: 2. 2†, 8, 12, 13, 14 *bis*, 15, 16: 3. 8, 13 *ter*: 4. 5†, 10 *bis*, 11 *bis*, 13†, 15 *bis*, 16, 17: 5. 6, 14: 6. 5†, 7†, 13: 7. 9†: 8. 3 *bis*, 7†, 9†, 13: 9. 12†, 25: 10. 3.

Jb. 1. 4, 5, 7†, 14, 16† *bis*, 17†: 2. 3, 9†, 11 *bis*, 13†: 7. 13: 8. 5: 9. 3: 10. 2: 11. 5, 13: 13. 3: 16. 15†, 21†: 21. 19: 22. 27: 24. 15†: 29. 24: 30. 20: 31. 13: 33. 5, 23†, 26: 34. 31: 38. 41: 39. 26*, 34 (40. 4): 42. 8, 11, 17.

Ps. 2. 5, 7: 3. 4: 4. 3: 5. 2, 7: 11 (12). 2: 12 (13). 4: 17 (18). 6, 41: 21 (22). 2†, 5, 24, 27: 24 (25). 1, 15: 26 (27). 7†: 27 (28). 1, 2, 2†: 29 (30). 2, 8 *bis*: 30 (31). 2, 22: 31 (32). 6 *bis*, 9: 33 (34). 5: 36 (37). 5: 41 (42). 1, 2, 6: 42 (43). 4 *bis*: 43 (44). 20: 50 (51). *tit. bis*: 54 (55). 16: 56 (57). 2: 58 (59). 9: 60 (61). 2: 62 (63). 1: 63 (64). 1†: 64 (65). 2: 65 (66). 17: 68 (69). 13: 70 (71). 2: 73 (74). 23†: 75 (76). *tit.*†: 76 (77). 1 *bis*: 77 (78). 34: 84 (85). 8†: 85 (86). 3, 4, 7: 87 (88). 9, 9†, 13: 90 (91). 7, 10, 12, 15†: 98 (99). 7: 100 (101). 2: 101 (102). 1, 2†: 103 (104). 27: 104 (105). 42*: 106 (107). 6, 13, 19, 28: 118 (119). 48, 128, 148: 119 (120). 1, 3: 122 (123). 1, 2: 136 (137). 9: 137 (138). 2: 138 (139). 6: 140 (141). 1 *bis*, 8: 141 (142). 1 *bis*, 5, 6†: 142 (143). 6, 8, 9: 143 (144). *tit.*†: 151. *tit.*†.

Pr. 3. 30: 5. 3, 20: 6. 6, 8 *bis*, 29: 7. 5*: 9. 4, 16, 18: 15. 17: 21. 8, 30: 23. 5†, 7, 16: 25. 7, 17: 26. 4†, 5†.

Ec. 1. 6, 6†: 8. 14†, 14: 9. 2†, 3, 4, 13†, 14†: 10. 17: 12. 7.

Ca. 1. 7†, 8†, 10†, 12† *bis*, 15†, 16†: 2. 1†, 2†, 3†, 6†, 9†: 3. 6†: 4. 6 *bis*: 5. 1†: 6. 3†, 10†, 11†, 12†: 7. 13 (14): 8. 5†.

Wi. 1. 9, 16: 4. 4: 6. 9, 14†: 7. 14: 8. 9: 15. 7, 15: 16. 6 (πρὸς ὀλίγον), 20, 21 *bis*, 25, 28†: 18. 12 *bis*, 23*.

Si. *prol.* 25†: 3. 10†: 4. 12, 18: 5. 7†: 6. 36: 7. 24: 13. 2, 17, 18 *bis*: 22. 13: 24. 19: 25. 19: 27. 9 *bis*, 16: 36 (33). 11, 12†: 38. 1: 39. 5: 40. 8: 42. 8: 44. 18: 45. 3: 46. 4: 48. 10, 20: 49. 3: 50. 29: 51. 19, 23.

Ho. 1. 1, 2†, 2, 4: 2. 2 (4), 7 (9): 3. 1, 3: 4. 1: 5. 1, 4, 13 *bis*: 6. 1 *bis*: 7. 1, 7, 10, 14: 9. 10: 11. 4: 12. 2 (3), 3 (4), 4 (5), 6 (7), 10 (11): 14. 1, 2, 3.

Am. 2. 7: 3. 7: 4. 6, 8, 9, 10, 11: 5. 4, 19†: 6. 5: 7. 8 *bis*, 10, 12, 14, 15: 8. 2.

Mi. 1. 1: 2. 1: 3. 4: 4. 1, 2†: 6. 1, 2: 7. 10†.

Jl. 1. 1, 8, 14, 19, 20: 2. 12, 13: 3 (4). 2.

Ob. 1. 5 *bis*, 7.

Jn. 1. 1, 2, 5, 6, 6†, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14: 2. 2, 3†, 5, 7†, 8: 3. 1, 2, 6, 8: 4. 2, 4, 9.

Hb. 1. 2: 2. 2, 5†, 5.

Ze. 1. 1: 2. 5†: 3. 2.

Hg. 1. 1 *bis*, 12: 2. 3 (2) *ter*, 11 (10), 18 (17), 21 (20), 22 (21), 23 (22).

Za. 1. 1, 3 *ter*, 7, 9, 10, 14, 17, 19 (2. 2) *bis*, 21 (2. 4)†: 2. 2 (6) *bis*, 4 (8) *bis*, 11 (15): 3. 2 (1), 5 (4) *bis*, 7 (6): 4. 2, 4, 5†, 6†, 6, 8, 9, 11, 12, 13: 5. 2, 3, 5, 10, 11: 6. 4, 5†, 8, 9, 12, 15: 7. 1, 3 *bis*, 4, 5 *bis*, 8, 9: 8. 1†, 16, 18: 11. 10, 12, 13, 15: 12. 10: 13. 3, 6: 14. 4, 4†, 4 *bis*, 7 (πρὸς ἑσπέραν), 13.

Ma. 1. 7: 2. 1, 4 *bis*: 3. 5†, 7 *bis*, 16: 4. 6 (3. 24) *bis*, 4 (3. 22).

Is. 1. 15†: 2. 1: 3. 5 *quater*, 8*: 5. 8 *bis*: 6. 3, 6, 8: 7. 2, 3 *bis*, 6: 8. 1, 3, 19 *bis*: 10. 3: 13. 8: 14. 1, 1†, 12†, 13*†: 15. 5*†: 16. 8†: 17. 14 (πρὸς ἑσπέραν): 18. 2: 19. 19, 20†, 22, 23 *bis*: 20. 2: 21. 6, 11: 22. 15†, 15: 26. 9: 28. 18*: 29. 4: 30. 5, 6, 29: 32. 6: 33. 6, 8*: 34. 14: 36. 2, 3, 10†, 11 *ter*, 12 *quater*, 16, 22: 37. 2†, 2, 4†, 5, 6, 9, 15, 21 *bis*, 23, 23†, 29: 38. 1 *bis*, 2†, 2, 4, 5†, 5, 14, 21, 22†: 39. 3 *quater*, 8†: 40. 14: 41. 1: 44. 17†, 22: 45. 9†, 14†, 16, 20, 22†, 25: 46. 7: 48. 16: 49. 5, 18: 51. 3*†, 4: 52. 8: 56. 3†, 6†: 60. 11, 13, 14: 65. 2.

Je. 1. 2, 4, 7 *bis*, 9 *bis*, 11, 12†, 13†, 14, 16, 17†, 19: 2. 9† *bis*, 29, 31, 35: 3. 1 *bis*, 3, 6, 7, 10, 11, 12 *bis*: 4. 1, 12: 5. 5, 5†: 6. 10, 23: 7. 13, 22, 25: 8. 2 *ter*: 9. 12 (11), 13 (12), 17 (16): 11. 1, 2, 2†, 3, 6, 9, 10, 11, 12, 20: 12. 1 *bis*, 6†: 13. 3, 6, 8, 11, 12 *bis*, 13, 19*: 14. 1, 11, 14 *bis*, 17: 15. 1 *bis*, 2 *bis*, 11, 19 *bis*, 20†, 20: 16. 10, 11†, 19: 17. 15, 20†, 26*: 18. 1, 5, 11 *bis*: 19. 1, 2, 14: 20. 12: 21. 1, 1†, 3 *bis*, 4, 8, 9, 13 *bis*: 22. 8, 21: 23. 21†, 28 *bis*, 30†, 31†, 32, 35 *bis*, 38: 24. 3, 4: 25. 1, 2†, 2, 3, 4: 26 (46). 12, 16, 16†: 27 (50). 5, 29, 31†, 34, 42: 28 (51). 25, 44, 61†: 29 (49). 8*†: 32 (25). 15 *bis*, 17, 17†, 26, 31: 33 (26). 5, 11, 12, 13†, 15, 16, 16†, 16, 23: 34 (27). 3 *sexiens*, 4, 4†, 10, 12, 14: 35 (28). 5, 12, 13: 36 (29). 1 *quater*, 3, 7, 12, 24, 25, 28, 30, 31: 37 (30). 1, 2, 21 *bis*: 38 (31). 6†: 39 (32). 1, 4, 4†, 6, 7, 8, 16 *bis*, 25, 26, 29, 33, 35, 40: 40 (33). 1, 3, 5: 41 (34). 1, 2, 6, 8 *bis*, 9, 12, 13, 17†, 17: 42 (35). 1, 8, 9, 12, 14 *bis*, 15: 43 (36). 1, 2 *bis*, 4, 14 *bis*, 16, 19†, 20, 21†, 25, 27†, 31†: 44 (37). 3 *bis*, 6, 7 *bis*, 13, 14†, 14: 45 (38). 2, 4, 5, 8 *bis*, 11, 14, 17, 19, 20, 22, 23, 25 *bis*, 26, 27: 46 (39). 14, 15, 16: 47 (40). 1, 5, 6, 8, 12, 13, 14, 15, 16: 48 (41). 1, 6, 14, 15, 17*: 49 (42). 2†, 2, 4, 5, 6, 7, 13, 20, 21: 50 (43). 1 *bis*, 2, 3, 8†: 51 (44). 1, 4, 4†, 5, 7, 16, 31 (45. 1): 52. 9, 26.

Ba. 1. 3, 7 *ter*, 10, 13, 14, 19 *bis*, 21: 2. 5: 3. 1, 35: 4. 2, 20, 21, 27, 36: 5. 5, 6.

La. 1. 12*: 2. 18, 19: 3. 41: 4. 4: 5. 21.

Ep. Je. 1, 48.

Ez. 1. 3, 11: 2. 1† *bis*, 2, 3 *bis*, 4†, 4, 7, 8, 9: 3. 1, 3, 4 *ter*, 5 *bis*, 6 *bis*, 10, 11 *ter*, 13, 16, 22 *bis*, 23†, 24, 27 *bis*: 4. 15, 16: 6. 1: 7. 1, 7, 13: 8. 3†, 5 *quater*, 6, 8, 9, 12, 13, 14, 15, 16, 17: 9. 2, 4, 7, 9: 10. 2: 11. 2, 5, 14, 25: 12. 1, 8, 9, 10, 17, 19, 21, 23 *bis*, 24*, 26, 28: 13. 1, 2, 11, 12, 15, 18†, 19: 14. 1, 2, 4 *bis*, 6† *bis*, 7, 12, 22: 15. 1: 16. 1, 29, 33, 36, 37: 17. 1, 2, 7 *bis*, 11, 12 *bis*, 13, 17: 18. 1, 6†, 6: 19. 9: 20. 2, 3 *bis*, 5, 7, 9, 13, 18, 27 *bis*, 29, 30, 35, 36, 45 (21. 1), 49 (21. 5): 21. 1 (6), 3 (8) *bis*, 7 (12), 8 (13), 17 (22), 18 (23), 28 (33) *bis*: 22. 1, 5, 6, 7†, 13†, 17, 23, 29: 23. 1, 14, 16, 17, 36, 40, 42, 44 *quater*: 24. 1, 3, 15, 18, 19, 20, 20†, 21, 26, 27: 25. 1: 26. 1, 2, 20 *bis*: 27. 1, 28: 28. 1, 11, 20: 29. 1, 4, 17: 30. 1, 20: 31. 1, 2, 14, 14†: 32. 1, 17, 18: 33. 1, 2, 12, 21, 22†, 22, 23, 25† *bis*, 31: 34. 1, 22: 35. 1: 36. 16: 37. 3, 4, 7, 9, 11, 12†, 15, 16†, 16, 17, 18, 19 *bis*: 38. 1: 39. 11†, 17: 40. 4, 20, 24, 27 *bis*, 28*, 35*, 40 *bis*, 44 *bis*, 44*, 44, 45 *bis*, 46 *bis*: 41. 4†, 7, 11*, 11, 12, 19 *bis*, 22: 42. 1*, 1, 2, 4, 7*, 9*, 10*, 11*, 12*, 13, 13* *bis*, 13, 15†, 17, 18, 19, 20: 43. 2*†, 6, 7, 14, 18 *bis*, 19: 44. 2, 4*, 5, 6 *bis*, 13 *ter*, 15, 16, 19: 45. 7* *bis*, 7*†, 7* *bis*, 11: 46. 1, 9, 9* *ter*, 19, 20, 24: 47. 2*, 2, 6, 8, 8*, 15*†, 17*, 18* *ter*, 19*, 20*: 48. 1*, 1, 1*, 1, 2*† *bis*, 3* *bis*, 4*†, 4*, 5* *bis*, 6* *bis*, 7* *bis*, 8*, 8*†, 8* *bis*, 10 *ter*, 16* *quater*, 17, 17† *bis*, 17, 18 *bis*, 21*, 21, 21*, 23* *bis*, 24* *bis*, 25* *bis*, 26* *bis*, 27* *bis*, 28*†, 30*, 31*, 32*, 33*, 34*.

Da. LXX. Su. 4, 6, 12, 14, 19: 1. 18: 2. 4, 7, 16 23, 24 *bis*, 25, 47: 3. 13, (36), 26 (93): 4. 19*: 5. 11, 13: 6. 4 (5), 5 (6), 28 (29): 7. 8, 16, 21: 8. 4 *ter*, 6, 7: 9. 4: 10. 12, 20 *bis*: Bel 3, 4, 8, 17, 32, 33, 36.

Da. TH. Su. 4, 6, 28, 37, 47, 51, 52: 1. 11: 2. 24: 3. (36)†, 26 (93): 7. 21, 25: 8. 1, 6, 7, 9, 9†, 9, 17: 9. 2, 3, 4, 6 *bis*: 10. 11 *quater*, 12, 16, 20: 11. 6, 7, 16, 23, 34†: Bel 1, 29, 34†.

I Ma. 1. 13, 18, 52: 2. 16, 32†, 32, 33, 38†, 40† *bis*, 41†, 42, 67, 69: 3. 10, 17, 20†, 41, 43: 4. 17: 5. 3, 7, 10, 19, 21, 38, 40 *bis*, 41, 41†, 43†, 48, 57, 64, 65*†: 6. 10, 22, 29, 52, 57, 57†, 60, 63: 7. 5, 6, 10, 10†, 12, 20, 22, 25, 27, 29, 46: 8. 10, 20: 9. 8†, 9, 26, 29, 57, 68, 70 *bis*: 10. 3, 5, 11, 20, 26*, 27, 38†, 51, 53, 54, 61†, 69, 71, 82: 11. 9 *bis*, 21, 24, 31, 33*, 33, 39, 41, 42, 44, 47, 49, 55 *bis*, 60, 72, 73†: 12. 1*, 2, 4, 7, 10*, 10 *bis*, 16, 16*, 17, 18, 24, 40: 13. 14, 17 *bis*, 21†, 21, 34, 38, 50: 14. 3, 18 *ter*, 21, 22, 22*, 24, 30, 34†, 37: 15. 10, 17, 19†, 21, 28, 36: 16. 19.

II Ma. 1. 11: 2. 10, 10†, 20*, 29: 3. 3*, 5, 6, 27, 35: 4. 5†, 10†, 11, 19†, 28, 33*, 40, 43†, 45, 49*: 5. 8, 9, 16, 23, 27: 6. 12 *bis*, 14, 15, 20*†, 21, 22, 29†, 29: 7. 14†, 16, 21: 8. 3, 7, 8, 15*, 20*: 9. 13, 16, 18, 25, 29: 10. 12† *bis*, 12*, 13 *bis*, 14, 18*, 19, 25, 36: 11. 6, 13, 23, 26, 26†, 27, 34, 36: 12. 1, 3, 12, 17, 30: 14. 3, 4, 5, 9, 11*, 26*, 26, 30*†, 39: 15. 27*†.

III Ma. 1. 8 *bis*, 19*: 2. 9: 3. 3*, 10, 14†, 18, 21, 23, 25: 4. 5, 6*, 11 *ter*: 5. 2, 3 *bis*, 11†, 24, 26, 42, 44, 49: 6. 26, 30, 41: 7. 4, 6, 7, 18*.

IV Ma. 1. 33: 2. 1, 3, 10*, 11*†: 3. 21: 4. 1, 2†, 4, 7, 10: 5. 16*, 32: 6. 18, 22†, 24 *bis*, 26: 7. 21: 9. 30: 10. 4†: 11. 2, 25: 13. 10, 23*†, 25*: 14. 4, 6, 13, 14†, 18: 15. 6*, 8*, 9*, 21, 24*, 27†, 30 *bis*: 16. 22: 17. 1, 4, 5, 23.

[**Aq.** Ge. 4. 6: 6. 7 (6), 18 (19) (P.): 8. 21: 20. 2: 29. 34: 32. 9 (10): 37. 2: 39. 20: Ex. 4. 10: 6. 3 *ter*: 9. 14, 33: 12. 1: 14. 20: 21. 6: 28. 26 (πρὸς πέραν): Le. 14. 33: Nu. 9. 14: 31. 12: Dt. 22. 21: 25. 2: Jo. 1. 1: 2. 3: 4. 21: Jd. 4. 7, 18: 9. 14: 16. 9: I Ki. 14. 9: 21. 2 (3): 26. 14: II Ki. 2. 23: III Ki. 5. 1 (15): 6. 18: 8. 1: 9. 24: 12. 27: 13. 27: 14. 2, 3, 5 *bis*, 6, 10 *bis*, 13, 28: 17. 22: 20 (21). 43: 21 (20). 8: 22. 4, 15, 50: IV Ki. 2. 18 *bis*: 3. 13: 4. 2: 6. 8: 9. 13: 11. 4: 19. 10: Jb. 1. 14: 4. 2: 33. 13: 42. 8: Ps. 2. 7: 5. 8: 27 (28). 2 *bis*, 5 *bis*: 29 (30). 10: 31 (32). 6 *bis*, 9: 32 (33). 18: 54 (55). 17: 55 (56). 4: 60 (61). 3: 76 (77). 2: 90 (91). 10: 142 (143). 6: Pr. 19. 18: 26. 5: Ec. 1. 17: 3. 20: Ca. 4. 6 *bis*: Is. 13. 14 *bis*: 21. 11: 22. 15: 34. 14: 36. 4, 7, 10, 11: 41. 1: 51. 1: 55. 2, 3: 60. 8: 63. 15: 66. 2: Je. 7. 1, 28: 8. 4: 13. 1, 12: 16. 1: 17. 19: 25. 3, 9 (Sw.): 26 (33). 4: 27 (34). 1, 2: 28 (35). 16: 29 (36). 25, 26 *bis*: 30 (37). 21: 31 (38). 6: 32 (39). 26: 33 (40). 3: 36 (43). 1, 2, 18: 38 (45). 17, 18, 24: 41 (48). 6, 17: 42 (49). 5: 44 (51). 1, 20: 47 (29). 1: 49. 19 (29. 20): 50 (27). 1: 51 (28). 59: 52. 15: Ez. 2. 4 (Sw.): 3. 26: 4. 13: 8. 17: 17. 6: 20. 4, 35: 33. 2: 34. 2: 37. 12: 40. 40: 45. 15 (?) (P.): Ze. 3. 9: Za. 11. 13 *ter*: 14. 5: Ma. 2. 13: 3. 6 (P.).]

[**Sm.** Ge. 3. 2 (1): 4. 7: 8. 21: 25. 8: 27. 37: 32. 9 (10), 28 (29): 37. 2: Ex. 6. 13: 12. 1: 17. 8: 21. 6: 32. 9: Le. 14. 33: Dt.

32. 5: Jo. 1. 1: 2. 3: 4. 21: Jd. 3. 20: 4. 18: 10. 12: I Ki. 12. 7: 26. 14: 30. 7, 27: II Ki. 10. 6: III Ki. 3. 1: 5. 1 (15), 2 (16): 6. 18: IV Ki. 3. 13: Jb. 1. 22: 2. 13: 4. 2, 12: 11. 13: 16. 21: 29. 25: 30. 2*: 32. 14: 33. 29: 34. 31: 39. 4, 32 (40. 2): Ps. 17 (18). 26: 27 (28). 4: 29 (30). 9: 31 (32). 6, 9: 32 (33). 17: 34 (35). 14 *bis*: 42 (43). 4 *bis*: 54 (55). 19, 21: 76 (77). 2 *bis*, 7: 77 (78). 8: 85 (86). 3: 87 (88). 10, 14: 88 (89). 39: 93 (94). 16 *bis*: 130 (131). 2: 138 (139). 6: Pr. 26. 5: Ec. 1. 17: 6. 5: 7. 28 (27): Is. 8. 11: 17. 14 (*τὸ πρὸς ἑσπέραν*): 21. 11: 22. 15: 30. 19: 34. 14: 36. 4, 7, 10, 11: 45. 9: 55. 2, 3, 7, 11: 63. 15: 66. 2: Je. 7. 1: 8. 2: 9. 12 (11): 10. 13: 12. 1: 13. 1: 16. 1, 16: 17. 19: 21. 2: 22. 15: 25. 9 (Sw.): 26 (33). 4: 27 (34). 2: 29 (36). 25: 30 (37). 21 *bis*: 31 (38). 6: 32 (39). 26: 33 (40). 4: 36 (43). 1, 2: 38 (45). 17, 18, 19, 22: 39 (46). 9: 41 (48). 6, 12, 17: 42 (49). 5: 44 (51). 1, 20, 24: 47 (29). 1: 51 (28). 16: Ez. 2. 6: 3. 26: 4. 13: 8. 16: 11. 21: 17. 7: 20. 35: 23. 40: 24. 27: 33. 2: 34. 2: 37. 12: 40. 31, 40: 41. 14: Da. 11. 2 (Sw.), 6 *bis* (Sw.): Jn. 2. 5: Hb. 1. 13: Za. 4. 7: 5. 6: 14. 5, 7 (*τὸ πρὸς ἑσπέραν*): Ma. 2. 13: 3. 6 (P.).]

[**Th.** Ge. 3. 9 (8): 4. 7: 8. 21: 37. 2: Ex. 1. 19: 6. 13: 12. 1: 28 24†: 32. 9: Le. 14. 33: Jo. 2. 3: 4. 21: Jd. 4. 18: 7. 11: 9. 14: 16. 9: I Ki. 26. 14: II Ki. 12. 4: III Ki. 5. 1 (15), 2 (16): 6. 18: 13. 27: 21 (20). 8: 22. 4, 15: IV Ki. 2. 18 *bis*: 3. 13: 4. 2: 8. 10: 11. 8: Jb. 2. 13: 4. 2: 21. 19: 34. 23, 31: 42. 8: Ps. 54 (55). 17: 68 (69). 14: 76 (77). 2: 77 (78). 21: 138 (139). 6: Pr. 26. 5: Is. 17. 14 (*τὸ πρὸς ἑσπέραν*): 21. 11: 36. 4, 7, 10, 11: 41. 1: 45. 14: 54. 8 (*πρὸς ὀλίγον*): 55. 2, 3. 7, 11: 63. 15: 66. 2: Je. 2. 1: 7. 1: 13. 1: 17. 19: 23. 37: 25. 3, 9 (Sw.): 26 (33). 4: 27 (34). 2, 18: 28 (35). 16: 29 (36). 16, 19, 25: 30 (37). 21: 33 (40). 19, 21*, 23, 26: 34 (41). 8: 38 (45). 12: 39 (46). 5, 5 (Sw.), 11, 12: 40 (47). 14: 41 (48). 6: 42 (49). 9: Ez. 2. 3, 4: 3. 26: 4. 13: 7. 6: 20. 35: 23. 40: 33. 2, 25, 25 (P.), 27: 34. 2: 37. 12: 40. 28* (Sw.): Da. 6. 14†: 7. 25: 8. 9, 9†: Jn. 2. 5: Ze. 3. 9: Za. 12. 10: 14. 5: Ma. 3. 6 (P.).]

[**Al.** Ge. 43. 23: Ex. 19. 3: 33. 11: Le. 18. 6: 19. 31 *bis*: 20. 6 *bis*: 24. 2: 26. 21, 37: Nu. 2. 10: 25. 6: Dt. 2. 5: 3. 26: 20. 2: Jd. 1. 9*: 19. 4: II Ki. 3. 8 *bis*: III Ki. 22. 50: IV Ki. 13. 4*: Jb. 2. 3: Je. 26 (33). 17: 41 (48). 12: Ez. 42. 3: Da. 1. 18.]

[**Sam.** Ex. 26. 5.]

[**Quint.** IV Ki. 4. 2: 6. 21: Ps. 27 (28). 2: 60 (61). 3: 76 (77). 2: 77 (78). 21: 138 (139). 6: Ho. 7. 4 (*πρὸς ὀλίγον*).]

[**Sext.** Ps. 27 (28). 2: 76 (77). 2: 138 (139). 6.]

[**Heb.** Jb. 20. 5 (*πρὸς βραχύ*), 5: 40. 22 (27) *bis*.]

IV. *anom.*

Ps. 45 (46). 5 (*τὸ πρὸς πρωΐ πρωΐ*)†.

Si. 29. 25 (*πρὸς ἐπὶ τούτοις*).

[**Aq.** Ec. 7. 23 (22) (*πρὸς πλεονάκις*).]

[**Sm.** Ec. 7. 23 (22) (*πρὸς πλεονάκις*): 9. 1 (*πρός τε δέ*).]

[**Al.** Jb. 36. 16 (*καὶ πρὸς ἐπεὶ ἠπάτησε*).]

προσάββατον. (1) שַׁבָּת

Ju. 8. 6. *χωρὶς προσαββάτων καὶ σαββάτων*

Ps. 91 (92). *tit.* S *ψαλμὸς ᾠδῆς εἰς τὴν ἡμέραν τοῦ πρ.* [A B *σαββ.*] (1)

92 (93). *tit. εἰς τὴν ἡμέραν τοῦ πρ.* [A *σαββ.*] –

προσαγγέλλειν.

Ju. 10. 18. *ἕως προσήγγειλαν αὐτῷ*

II Ma. 3. 6. *προσήγγειλε περὶ τοῦ . . . γέμειν τὸ . . . γαζοφυλάκιον*

9. 24. R *ἢ καὶ προσαγγελθῇ τι δυσχερές* [A *al.*]

10. 21. *προσαγγελθόντος δὲ τῷ Μακκ.*

13. 21. *προσήγγειλε δὲ τὰ μυστήρια τοῖς πολεμίοις*

III Ma. 5. 10. *περὶ τούτων προσαγγεῖλαι τῷ βασ.*

προσάγειν. (1) אָסַף (2) בּוֹא *a.* hi. *b.* hoph. (3) לָקַח (4) נָגַע *a.* qal. *b.* hi. (5) נָגַשׁ ni. (6) נָגַשׁ *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. *d.* hoph. (7) סָבַב (8) סוּר (9) סָמַךְ (10) עָבַר (11) קָרַב *a.* qal. *b.* hi. *c.* קָרֵב aph. (12) שׁוּב hi.

Ge. 27. 25. *προσάγαγέ μοι* (6 *c*)
48. 9. *προσάγαγέ μοι αὐτούς* (3)
Ex. 3. 4. *προσάγει ἰδεῖν* (8)
14. 10. *καὶ Φ. προσῆγε* [A *-ήγαγεν*] (11 *b*)
19. 4. *προσηγαγόμην ὑμᾶς πρὸς ἐμαυτόν* (2 *a*)
21. 6. *προσάξει αὐτὸν ὁ κύριος αὐ.* (6 *c*)
— 6. *προσάξει αὐτὸν ἐπὶ* [A *πρὸς*] *τὴν θύραν* (6 *c*)
28. 1. *προσαγάγου πρὸς σεαυτὸν τόν τε Ἀ.* (11 *b*)
29. 4. *Ἀ. καὶ τοὺς υἱοὺς αὐ. προσάξεις* (11 *b*)
— 8. *τοὺς υἱοὺς αὐ. προσάξεις* (11 *b*)
— 10. *προσάξεις τὸν μόσχον* (11 *b*)
40. 12. *καὶ προσάξεις Ἀαρὼν* (11 *b*)
— 14. *καὶ τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ προσάξεις* (11 *b*)
Le. 1. 2. *ἐὰν προσαγάγῃ* [A *-φέρῃ*] *δῶρα τῷ κ.* (11 *b*)
— 3. *ἄρσεν ἄμωμον προσάξει* (11 *b*)
— 10. *ἄρσεν ἄμωμον προσάξει αὐτό* (11 *b*)
3. 1. *ἐὰν μὲν ἐκ τῶν βοῶν αὐ. προσαγάγῃ* (11 *b*)
— 1. *ἄμωμον προσάξει αὐτό* (11 *b*)
— 3. *προσάξουσιν . . . κάρπωμα κυρίῳ* (11 *b*)
— 7. *ἐὰν ἄρνα προσαγάγῃ τὸ δῶρον αὐ.* (11 *b*)
— 7. *προσάξει αὐτὸ ἔναντι κυρίου* (11 *b*)
— 12. *προσάξει ἔναντι κυρίου* (11 *b*)
4. 3. *προσάξει . . . μόσχον ἐκ βοῶν* (11 *b*)
— 4. *προσάξει τὸν μόσχον* (2 *a*)
— 14. *προσάξει ἡ συναγωγὴ μόσχον* (11 *b*)
— 14. *καὶ προσάξει αὐτόν* (2 *a*)
5. 8. *προσάξει . . . τὸ περὶ τῆς ἁμαρτίας* (2 *a*)
6. 14 (7). *ἣν προσάξουσιν αὐτὴν οἱ υἱοὶ Ἀ.* (11 *b*)
— 38 (7. 8). *ὁ προσάγων ὁλοκαύτωμα ἀνθρώπου* (11 *b*)
7. 4 (14). *προσάξει ἐν ἀπὸ πάντων τῶν δώρων* (11 *b*)
— 6 (16). *ᾗ ἂν ἡμέρᾳ προσαγάγῃ* [B² *-άγῃ*] *τὴν θυσίαν* (11 *b*)
— 15 (25). *ὧν προσάξει ἀπ' αὐτῶν κάρπωμα* (11 *b*)
— 25 (35). *προσηγάγετο αὐτοὺς τοῦ ἱερατεύειν* (11 *b*)
8. 13. *προσήγαγε Μ. τοὺς υἱοὺς Ἀ.* (11 *b*)
— 14. *προσήγαγε Μ. τὸν μόσχον* (6 *c*)
— 18. *προσήγαγε Μ. τὸν κριόν* (11 *b*)
— 21 (22). *προσήγαγε Μ. τὸν κριὸν τὸν δεύτ.* (11 *b*)
— 23 (24). *προσήγαγε Μ. τοὺς υἱοὺς Ἀ.* (11 *b*)
10. 19. *εἰ σήμ. προσαγηόχασι τὰ περὶ τῆς ἁμαρτ.* (11 *b*)
14. 2. *προσαχθήσεται πρὸς τὸν ἱερέα* (2 *b*)
— 12. *προσάξει αὐτὸν τῆς πλημμελείας* (11 *b*)
16. 1. *ἐν τῷ πρ. αὐτοὺς πῦρ ἀλλότριον* (11 *a*)
— 6. *προσάξει Ἀ. τὸν μόσχον* (11 *b*)
— 9. *προσάξει Ἀ. τὸν χίμαρον* (11 *b*)
— 11. *προσάξει Ἀ. τὸν μόσχον* (11 *b*)
— 20. *προσάξει τὸν χίμαρον τὸν ζῶντα* (11 *b*)
— 21. A *προσάξει* [B *ἐπιθήσει*] *Ἀ. τὰς χεῖρας αὐ.* (9)
19. 21. *προσάξει τῆς πλημμελείας αὐ.* (2 *a*)
22. 20. *πάντα . . . οὐ προσάξουσι κυρίῳ* (11 *b*)
— 22. A² B *οὐ προσάξουσι ταῦτα τῷ κ.* (11 *b*)
— 24. *οὐ προσάξεις* [A *-άξετε*] *αὐτά* (11 *b*)
23. 8. *προσάξετε ὁλοκαυτώματα τῷ κ.* (11 *b*)
— 18. A B¹ *προσάξει* [B² R *-ξετε*] . . . *ἑπτὰ ἀμνούς* (11 *b*)
— 25. *προσάξετε ὁλοκαύτωμα κυρίῳ* (11 *b*)
— 27. *προσάξετε ὁλοκαύτωμα τῷ κ.* (11 *b*)
— 36. *προσάξετε ὁλοκαυτώματα τῷ κυρίῳ* (11 *b*)
— 36. *προσάξετε ὁλοκαυτώματα κυρίῳ* (11 *b*)
Nu. 5. 16. *προσάξει αὐτὴν ὁ ἱερεύς* (11 *b*)
6. 12. *προσάξει ἀμνὸν ἐνιαύσιον* (2 *a*)
— 14. *προσάξει τὸ δῶρον αὐτοῦ* (11 *b*)
7. 3. *προσήγαγον* [A *-ήνεγκαν*] *ἐναντίον τῆς σκηνῆς* (11 *b*)
8. 9, 10. *προσάξεις τοὺς Λευίτας* (11 *b*)
15. 27. *προσάξει αἶγα μίαν ἐνιαυσίαν* (11 *b*)
— 33. *προσήγαγον αὐτὸν οἱ εὑρόντες* (11 *b*)
16. 5. *προσηγάγετο πρὸς ἑαυτόν* (11 *b*)
— 5. *προσηγάγετο* [A *οὐ πρ.*] *πρὸς ἑαυτόν* (11 *b*)
— 9. *προσηγάγετο ὑμᾶς πρὸς ἑαυτόν* (11 *b*)
— 10. *καὶ προσηγάγετό σε* (11 *b*)
— 17. A² B *προσάξετε . . . ἕκαστος τὸ πυρεῖον* (11 *b*)
18. 2. *τοὺς ἀδ. σου . . . προσαγάγου πρὸς σεαυτόν* (11 *b*)
25. 6. *προσήγαγε τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ* (11 *b*)
27. 4 (5). *προσήγαγε Μ. τὴν κρίσιν αὐτῶν* (11 *b*)
28. 3. *ὅσα προσάξετε κυρίῳ* (11 *b*)
— 9. *προσάξετε δύο ἀμνοὺς ἐνιαυσίους* –
— 11. *προσάξετε ὁλοκαυτώματα τῷ κ.* (11 *b*)
Nu. 28. 19, 27. *προσάξετε ὁλοκαυτώματα* (11 *b*)
29. 13. AB *προσάξετε* [R *-ατε*] *ὁλοκαυτώματα* (11 *b*)
— 36. *προσάξετε ὁλοκαυτώματα* (11 *b*)
De. 2. 19. *προσάξετε ἐγγὺς υἱῶν Ἀμμάν* (11 *a*)
Jo. 3. 9. *προσαγάγετε ὧδε* (6 *a*)
4. 5. *προσαγάγετε ἔμπροσθέν μου* (10)
7. 14. *προσάξετε κατὰ δήμους* (11 *a*)
— 14. *προσάξετε κατ' οἶκον* (11 *a*)
— 14. *προσάξετε κατ' ἄνδρα* (11 *a*)
— 16. *προσήγαγε τὸν λαόν* (11 *b*)
— 17. *προσήχθη κατὰ δήμους* (11 *b*)
— 18 (17). *προσήχθη κατ' ἄνδρα* [A *-ας*] (11 *b*)
8. 5. *προσάξομεν πρὸς τὴν πόλιν* (11 *a*)
— 23. *προσήγαγον αὐτὸν πρὸς Ἰ.* (11 *b*)
Jd. 3. 13. A *προσήγαγεν* [B *συνήγ.*] . . . *π. τοὺς υἱοὺς Ἀ.* (1)
I Ki. 1. 24. *προσήγαγον ἐνώπιον κυρίου* –
— 25. *προσήγαγε* [A *-ον*] *τὸ παιδάριον* (2 *a*)
— 25. *προσηγαγεν Ἀ. ἡ μήτηρ τοῦ παιδ.* [A *τὸ π.*] –
7. 10. *προσῆγον εἰς πόλεμον* (6 *b*)
9. 18. *προσήγαγε Σ. πρὸς Σαμ.* (6 *a*)
10. 20. *προσήγαγε Σαμ. πάντα τὰ σκῆπτρα* (11 *b*)
— 21. *προσάγει σκῆπτρον Βεν.* (11 *b*)
— 21. *προσάγουσι τὴν φυλὴν Μ.* –
13. 6. B *στενῶς αὐτῷ μὴ πρ. αὐτόν* (5?)
— 9. B *προσαγάγετε ὅπως ποιήσω* (6 *c*)
14. 18. *προσάγαγε τὸ ἐφούδ* (6 *c*)
— 34. B *πρ.* [A R *-αγαγεῖν*] . . . *ἕκαστος τὸν μόσχον αὐ.* (6 *c*)
— 34. *προσῆγεν* [A *-ήγαγεν*] *πᾶς ὁ λαός* (6 *c*)
— 38. *προσαγάγετε* [A *-γε*] . . . *πάσας τὰς γωνίας* (6 *a*)
15. 32. *προσαγάγετέ μοι τὸν Ἀ.* (6 *c*)
22. 17. *προσαγάγετε . . . τοὺς ἱερεῖς τοῦ κ.* (7)
23. 9. *προσάγαγε τὸ ἐφοὺδ κυρίου* (6 *c*)
28. 25. *προσήγαγεν ἐνώπιον Σ.* (6 *c*)
30. 7. *προσάγαγε τὸ ἐφούδ* (6 *c*)
— 7. A *προσήγαγεν Ἀβ. τὸ ἐφούδ* (6 *c*)
— 21. *προσήγαγε Δ. ἕως τοῦ λαοῦ* (6 *a*)
II Ki. 3. 34. *οὐ προσήγαγεν ὡς νάβαλ* (6 *d*)
11. 21. *ἵνα τί προσηγάγετε πρὸς τὸ τεῖχος* (6 *b*)
— 22. *ἵνα τί προσηγάγετε πρὸς τὴν πόλιν* –
— 22. *ἵνα τί προσηγάγετε πρὸς τὸ τεῖχος* –
13. 11. *προσήγαγεν αὐτῷ τοῦ φαγεῖν* (6 *c*)
III Ki. 18. 21. *προσήγαγεν Ἠ. πρὸς πάντας* (6 *a*)
— 30. *προσαγάγετε πρὸς μέ* (6 *a*)
— 30. *προσήγαγε πᾶς ὁ λαός* (6 *a*)
21 (20). 29. *καὶ προσήγαγεν ὁ πόλεμος* (11 *a*)
IV Ki. 16. 14. *προσήγαγε τὸ πρόσωπον τοῦ οἴκου* (11 *b*)
II Ch. 29. 23. *προσήγαγον τοὺς χιμάρους* (6 *c*)
— 31. *προσαγάγετε καὶ φέρετε θυσίας* (6 *a*)
35. 12. *τοῦ πρ. τῷ κυρίῳ* (11 *b*)
I Ès. 1. 18. *προσαχθῆναι* [A *-ενεχθ.*] *τὰς θυσίας*
To. 6. 14. A B *πλὴν τῶν προσαγόντων αὐτῇ*
12. 12. *προσήγαγον τὸ μνημόσυνον τῆς προσευχῆς ὑ.*
Ps. 71 (72). 10. S¹ *αἱ νῆσοι δῶρα προσάξουσιν* [B S² *-οίσ.*] (12)
— 10. *βασιλεῖς Ἀρ. καὶ Σ. δῶρα προσάξουσι* (11 *b*)
Pr. 19. 24. A S *οὐδὲ τῷ στόματι οὐ μὴ προσαγάγῃ* [B *-ενέγκῃ*, R *-ενείκῃ*] *αὐτάς* (12)
24. 15. *μὴ προσαγάγῃς ἀσεβῆ νομῇ δικαίων* †
Si. 12. 13. *καὶ πάντας τοὺς προσάγοντας θηρίοις*
14. 11. *προσφορὰς κυρίῳ ἀξίως πρόσαγε*
20. 27. A *ὁ σοφὸς ἐν λόγοις προσάξεις* [B S *προάξει*] *ἑαυτόν*
31 (34). 20. *ὁ προσάγων* [S *-αγαγὼν*] *θυσίαν*
45. 16. *προσαγαγεῖν κάρπωσιν* [S *-ωμα*] *κυρίῳ*
Jl. 3 (4). 9. *προσαγάγετε καὶ ἀναβαίνετε* (6 *a*)
Ma. 1. 7. *προσάγοντες . . . ἄρτους ἠλισγημένους* (6 *c*)
— 8. *ἐὰν προσαγάγητε τυφλόν* (6 *c*)
— 8. *ἐὰν προσαγάγητε χωλόν* (6 *c*)
— 8. *προσάγαγε* [S¹ *-ετε*] *δὴ αὐτὸ τῷ ἡγουμ. σου* (11 *b*)
— 11. *θυμίαμα προσάγεται* [A *-αγάγετε*] (6 *d*)
2. 12. *καὶ ἐκ προσαγόντων* [A *-αγαγ.*] *θυσίαν* (6 *c*)
3. 3. *ἔσονται τῷ κυρίῳ προσάγοντες θυσίαν* (6 *c*)
— 5. *προσάξω πρὸς* [A *om.*] *ὑμᾶς* (11 *a*)
Is. 34. 1. *προσαγάγετε ἔθνη* (11 *a*)
48. 16. *προσαγάγετε πρὸς μέ* (11 *a*)
57. 3. *προσαγάγετε ὧδε* (11 *a*)
Je. 26 (46). 3. *προσαγάγετε εἰς πόλεμον* (6 *a*)
Ez. 37. 7. *προσήγαγε τὰ ὀστᾶ* (11 *a*)
42. 14. *ὅπως διὰ παντὸς ἅγιοι ὦσιν οἱ προσάγοντες* –

Ez. 44. 13. οὐδὲ τοῦ πρ. [A -αγαγεῖν] πρὸς τὰ ἅγια υἱῶν τοῦ Ἰσραὴλ (6 a)
— 15. προσάξουσι πρὸς μέ (11 a)
Da. LXX. Su. 4. πρὸς αὐτὸν προσήγοντο οἱ Ἰ.
— 52. προσήγαγον τὸν πρεσβύτερον τῷ νεωτέρῳ
— 56. εἶπε προσαγαγεῖν αὐτῷ τὸν ἕτερον
3. 22. καὶ προσαγαγόντες τῇ καμίνῳ –
8. 7. εἶδον αὐτὸν προσάγοντα πρὸς τὸν κριόν (4 b)
10. 10. χεῖρα προσήγαγέ μοι (4 a)
Da. TH. Su. 4. πρὸς αὐτὸν προσήγοντο οἱ Ἰ.
— 56. ἐκέλευσε προσαγαγεῖν τὸν ἕτερον
7. 13. B προσήχθη αὐτῷ [A -ήγαγον αὐτόν, R προσηνέχθη αὐτῷ] (11 c)
I Ma. 2. 67. προσάξετε πρὸς ὑμᾶς πάντας τοὺς ποιητὰς τοῦ νόμου
5. 54. προσήγαγον ὁλοκαυτώματα
10. 77. A προσῆγεν [S R προῆγεν] εἰς τὸ πεδίον
13. 43. προσήγαγε τῇ πόλει
15. 25. προσάγων διὰ παντὸς αὐτῇ τὰς χεῖρας
II Ma. 3. 32. προσήγαγε θυσίαν
6. 19. ἐπὶ τὸ τύμπανον προσῆγε
7. 5. τῇ πυρᾷ προσάγειν ἔμπνουν
— 15. τὸν πέμπτον προσάγοντες ᾐκίζοντο
11. 10. R προσῆγον [A προῆγον] ἐν διασκευῇ
— 36. προσάγομεν πρὸς Ἀντιόχειαν
12. 43. προσαγαγεῖν περὶ ἁμαρτίας θυσίαν
13. 19. φρούριον ὀχυρὸν τῶν Ἰουδ. προσῆγεν
— 23. θυσίαν προσήγαγεν
14. 4. προσάγων αὐτῷ στέφανον χρυσοῦν
— 31. τῶν ἱερέων τὰς καθηκούσας θυσίας προσαγόντων
— 41. καὶ κελευόντων πῦρ προσάγειν
15. 25. μετὰ σαλπίγγων καὶ παιάνων προσῆγον
III Ma. 3. 16. A τοῖς . . . ἱεροῖς ἀπονείμαντες . . . προσήχθημεν [R προήχ.]
IV Ma. 10. 4. A R προσαγάγετε τῷ σώματί μου
[Sm. Jb. 40. 14 (19): Is. 41. 21.]
[Th. Is. 53. 7: 57. 3.]
[Al. Le. 3. 14: Nu. 29. 8.]

προσαγορεύειν. (1) דָּרַשׁ (2) יָדָה hithpa.
De. 23. 6 (7). οὐ προσαγορεύσεις εἰρηνικὰ αὐτοῖς (1)
II Es. 10. 1. B¹ ὡς προσηγόρευσε [A B² S R ἐξηγ.] κλαίων (2)
Wi. 14. 22. τὰ τοσαῦτα κακὰ εἰρήνην προσαγορεύουσιν
I Ma. 14. 40. S² R προσηγόρευνται [S¹ -ευται, A -αγορεύονται] οἱ Ἰ. . . . φίλοι
II Ma. 1. 36. προσηγόρευσαν δὲ . . . τοῦτο Νέφθαρ
4. 7: 10. 9. Ἀντιόχου τοῦ προσαγορευθέντος Ἐπιφ.
14. 37. πατὴρ τῶν Ἰουδ. προσαγορευόμενος

προσαιτεῖν.
Jb. 27. 14. ἐὰν δὲ καὶ ἀνδρωθῶσι προσαιτήσουσιν [A -σωσιν] †

προσάλληλος, *vid. sub* πρὸς *et* ἀλλήλων.

προσαναβαίνειν. (1) עָלָה
Ex. 19. 23. προσαναβῆναι πρὸς τὸ ὄρος (1)
Jo. 11. 17. ὃ προσαναβαίνει εἰς Σ. (1)
15. 3. προσαναβαίνει εἰς Σ. (1)
— 6. προσαναβαίνει τὰ ὅρια ἐπὶ λίθον B. (1)
— 7. προσαναβαίνει τὰ ὅρια ἐπὶ τὸ τέταρτον (1)
18. 12. προσαναβήσεται τὰ ὅρια (1)
19. 12. προσαναβήσεται ἐπὶ Φ. (1)
Ju. 13. 10. προσανέβησαν τὸ ὄρος [S¹ πρὸς] B.
II Ma. 10. 36. ἕτεροι δὲ ὁμοίως προσαναβάντες

προσανάβασις. (1) מַעֲלָה
Jo. 15. 3. ἀπέναντι τῆς πρ. Ἀκρ. (1)
— 7. A ἀπέναντι τῆς πρ. [B προσβ.] Ἀδ. (1)

προσαναλέγεσθαι.
II Ma. 8. 19. προσαναλεξάμενος δὲ αὐτοῖς καὶ τὰς . . . ἀντιλήψεις

προσαναπαύεσθαι.
Wi. 8. 16. προσαναπαύσομαι αὐτῇ

προσαναπληροῦν.
Wi. 19. 4. A B ἵνα τὴν λείπουσαν ταῖς βασάνοις προσαναπληρώσωσι [S -σουσιν, R προαναπληρώσωσι] κόλασιν

προσανατρέπειν.
Si. 13. 23. προσανατρέψουσιν [A -πουσιν] αὐτόν

προσανάφερειν.
To. 12. 15. οἱ προσαναφέρουσι τὰς προσευχὰς τῶν ἁγ. [S al.]
Ju. 11. 18. ἐλθοῦσα προσανοίσω σοι
II Ma. 11. 36. R ἃ δὲ ἔκρινε προσανενεχθῆναι [A -ανενηνέχθαι] τῷ βασ.

προσανοικοδομεῖν.
Si. 3. 14. ἀντὶ ἁμαρτιῶν προσανοικοδομηθήσεταί [S -μήσεταί] σοι

προσαξιοῦν.
III Ma. 7. 10. τὸν βασ. προσηξίωσαν

προσαπειλεῖν.
Si. 13. 3. S καὶ αὐτὸς προσαπειληθήσεται [A B -δεηθήσεται]

προσαπέρχεσθαι.
II Ma. 9. 24. A καὶ προσαπέλθῃ τι δυσχερές [R al.]

προσαποθνήσκειν. (1) מוּת hoph.
Ex. 21. 29. ὁ κύριος αὐτοῦ προσαποθανεῖται (1)

προσαπολλύναι.
II Ma. 13. 4. προσέταξεν . . . προσαπολέσαι ἀγαγόντας αὐτὸν εἰς B.

προσαποστέλλειν.
II Ma. 11. 14. προσαποστείλας ἔπεισε συλλύσεσθαι

προσαπωθεῖν.
Si. 13. 21. προσαπωθεῖται ὑπὸ φίλων

προσαρτίως.
III Ma. 1. 19. αἱ δὲ καὶ πρ. ἐσταλμέναι

προσασπίζειν.
IV Ma. 14. 15. S¹ προσασπίζει [A S² R προασπ.] τῶν νεοττῶν

προσβαίνειν.
I Es. 4. 53. πᾶσι τοῖς προσβαίνουσιν ἀπὸ τῆς B.
— 53. πᾶσι τοῖς ἱερεῦσι-τοῖς προσβαίνουσιν
8. 1. προσέβη Ἔσδρας
Ju. 4. 7. διακωλῦσαι αὐτοὺς προσβ. [S τοὺς προβ.]
7. 10. προσβῆναι ταῖς κορ. τῶν ὀρέων αὐ.

προσβάλλειν. (1) נִיתַ aph. (2) מָרַק
Je. 26 (46). 4. προσβάλετε [A S προβάλετε] τὰ δόρατα (2)
Da. TH. 7. 2. προσέβαλλον εἰς τὴν θάλ. τὴν μεγάλην (1)
II Ma. 10. 17. οἷς καὶ προσβαλόντες
— 28. R προσέβαλον [A -βαλλον] ἑκάτεροι
— 35. R προσβαλόντες [A προβ.] τῷ τείχει
12. 10. R προσέβαλον [A ἐπέβαλλον] Ἄραβες αὐτῷ
13. 22. προσέβαλε τοῖς περὶ τὸν Ἰ.
IV Ma. 3. 7. S R προσβαλὼν [A -βάλλων] τοῖς ἀλλοφύλοις
11. 23. μέγαν σοι προσβάλλων καὶ αὐτὸς ἀλάστορα

πρόσβασις. (1) מַעֲלָה
Jo. 15. 7. ἥ ἐστιν ἀπέναντι τῆς πρ. [A προσαναβ.] Ἀδ. (1)
Ju. 4. 7. στενῆς τῆς πρ. οὔσης [A S al.]
II Ma. 4. 13. ἦν δ' οὕτως . . . πρόσβασις ἀλλοφυλισμοῦ
III Ma. 1. 26. πρόσβασιν ἐποιεῖτο

προσβλέπειν.
[Sm. Ps. 83 (84). 10; Jn. 2. 5.]

προσβλητός. (1) רָקַע pu.
Je. 10. 5 (9). ἀργύριον προσβλητόν [S προβλ.] ἐστιν

προσβολή.
II Ma. 5. 3. καὶ προσβολὰς γινομένας
15. 19. ταρασσομένοις τῆς ἐν ὑπαίθρῳ πρ.

προσβόλωσις.
[Aq. I Ki. 13. 21.]

προσγελᾶν.
I Es. 4. 31. A R ἐὰν προσγελάσῃ [B γελ.] αὐτῷ
Si. 13. 6. καὶ προσγελάσεταί σοι
— 11. ὡς προσγελῶν ἐξετάσει [A S ἐξ. σε]
[Sm. Jb. 29. 24.]

προσγεννᾶν. (1) נוּר
Le. 20. 2. A ἢ τῶν προσγεγεννημ. προσηλύτων [B al.] (1)

προσγίνεσθαι. (1) נוּר
Le. 18. 26. ὁ προσγενόμ. προσήλυτος ἐν ὑμῖν (1)
Nu. 15. 14. ἐὰν δὲ προσήλυτος ἐν ὑμῖν προσγένηται (1)
I Ma. 3. 41. A προσεγενήθησαν [S R -ετέθ.] πρὸς αὐτούς
[Sm. Jb. 16. 4.]

προσγράφειν.
I Es. 6. 32. A τι . . . τῶν προσγεγραμμένων [B al.]
Da. LXX. 3. 3. ἔστησαν οἱ προσγεγραμμ. [cod. προγ.] –

προσδεῖν (*indigere*). (1) חָסַר
Pr. 12. 9. καὶ προσδεόμενος ἄρτου [A -ων] (1)
Si. 4. 3. μὴ παρελκύσῃς δόσιν προσδεομένου
— 5. S¹ ἀπὸ προσδεομένου [A B S² δεομ.] μὴ ἀποστρέψῃς ὀφθαλμόν
11. 12. ἔστι . . . προσδεόμενος ἀντιλήψεως
13. 3. καὶ αὐτὸς προσδεηθήσεται [S προσαπειληθήσεται]
18. 32. A S¹ μηδὲ προσδεηθῇς [B S² -δεθῇς] συμβολῇ [A -ῆς] αὐτῆς
42. 21. καὶ οὐ προσεδεήθη οὐδενὸς συμβούλου

προσδεῖν (*alligare*).
Si. 18. 32. μηδὲ προσδεθῇς [A S¹ -δεηθῇς] συμβολῇ [A -ῆς] αὐτῆς
IV Ma. 9. 26. καταπέλτῃ προσέδησαν αὐτόν

προσδεκτός. (1) רָצוֹן
Pr. 11. 20. προσδεκτοὶ δὲ αὐτῷ πάντες ἄμωμοι (1)
16. 15. οἱ δὲ πρ. αὐτῷ ὥσπερ νέφος ὄψιμον (1)
Wi. 9. 12. ἔσται προσδεκτὰ τὰ ἔργα μου [S¹ αὐτοῦ]

προσδέχεσθαι. (1) בּוֹא hi. (2) יָחֵל pi. (3) לָקַח (4) נָשָׂא (5) סָבַר (6) קָבַל pi. (7) רָצָא (8) רָצָה *a.* qal. *b.* ni. (9) שָׁבַר pi.
Ge. 32. 20 (21). προσδέξεται τὸ πρόσωπόν μου (4)
Ex. 10. 17. προσδέξασθε οὖν μου τὴν ἁμαρτ. (4)
22. 11 (10). προσδέξεται ὁ κύριος αὐτοῦ (3)
36. 3. προσεδέχοντο ἔτι τὰ προσφερόμ. (1)
Le. 22. 23. A² B¹ εἰς δὲ εὐχὴν σου οὐ προσδεχθήσεται [B² R δεχθ.] (8 b)
26. 43. προσδέξεται ἡ γῆ τὰ σαββ. αὐ. (8 a)
— 43. προσδέξονται τὰς αὐτῶν ἀνομίας (8 a)
Ru. 1. 13. μὴ αὐτοὺς προσδέξεσθε (9)
I Ch. 12. 18. προσεδέξατο [S¹ -τάξ.] αὐτοὺς Δ. (6)
II Ch. 36. 21. ἕως τοῦ προσδέξασθαι τὴν γῆν (8 a)
Es. 9. 23. καὶ προσεδέξαντο οἱ Ἰουδαῖοι (6)
— 27. προσεδέχοντο οἱ Ἰ. ἐφ' ἑαυτοῖς (6)
Jb. 2. 9. προσδεχόμενος τὴν ἐλπίδα τῆς σωτηρίας μου –
— 9. προσδεχομένη τὸν ἥλιον πότε δύσεται –
29. 23. A ὥσπερ γῆ διψῶσα προσδεχομένη τὸν ὑετὸν οὕτως οὗτοι τὴν ἐμὴν λαλιὰν προσεδέχοντο [B S om.] (2, †)
33. 20. πᾶν δὲ βρωτὸν σίτου οὐ μὴ δύνηται προσδέξασθαι †
Ps. 6. 9. κύριος τὴν προσευχήν μου προσεδέξατο (3)
54 (55). 8. προσεδεχόμην τὸν σώζοντά με †
103 (104). 11. προσδέξονται ὄναγροι εἰς δίψαν αὐτῶν †
Pr. 15. 15. οἱ ὀφθ. τῶν κακῶν προσδέχονται κακά –
Wi. 3. 6. ὡς ὁλοκάρπωμα θυσίας προσεδέξατο αὐτούς
14. 29. ἀδικηθῆναι οὐ προσδέχονται
18. 7. προσεδέχθη [A προσδεχθῇ] δὲ ὑπὸ λαοῦ σου σωτηρία μὲν δικαίων
19. 15. ἀπεχθῶς προσεδέχοντο τοὺς ἀλλοτρίους
Si. 7. 9. ἐν τῷ προσενέγκαι με θεῷ ὑψίστῳ προσδέξεται
15. 2. ὡς γυνὴ παρθενίας προσδέξεται αὐτόν
32 (35). 12. μὴ δωροκόπει οὐ γὰρ προσδέξεται
Ho. 8. 13. κύριος οὐ προσδέξεται αὐτά (8 a)
Am. 5. 22. οὐ προσδέξομαι [A *add.* αὐτά] (8 a)
Mi. 6. 7. εἰ προσδέξεται κύριος ἐν χιλιάσι κριῶν (8 a)
Ze. 3. 10. B προσδέξομαι ἐν διεσπαρμένοις μου [S *al.*] †
Ma. 1. 8. εἰ προσδέξεταί σε (8 a)
— 10. θυσίαν οὐ προσδέξομαι (8 a)

Ma. 1. 13. εἰ προσδέξομαι αὐτά (8 a)
Is. 28. 10. θλῖψιν ἐπὶ θλῖψιν προσδέχου –
42. 1. προσδέξατο αὐτὸν ἡ ψυχή μου (8 a)
45. 4. προσδέξομαί σε †
55. 12. προσδεχόμενοι ὑμᾶς ἐν χαρᾷ †
Ez. 20. 40. ἐκεῖ προσδέξομαι (8 a)
— 41. ἐν ὀσμῇ εὐωδίας προσδέξομαι ὑμᾶς (8 a)
32. 10. προσδεχόμενοι τὴν πτῶσιν αὐτῶν †
43. 27. προσδέξομαι ὑμᾶς (7)
Da. LXX. 3. (39). ἐν ψυχῇ συντετριμμ. . . . προσδεχθείημεν
7. 25. προσδέξεται ἀλλοιῶσαι καιρούς (5)
Da. TH. 3. (39). ἐν ψυχῇ συντετριμμ. . . . προσδεχθείημεν
II Ma. 1. 26. πρόσδεξαι τὴν θυσίαν
3. 38. μεμαστιγωμένον αὐτὸν προσδέξῃ
8. 11. οὐ προσδεχόμενος τὴν . . . δίκην
9. 25. R προσδεχομένους [A -δοκῶντας] τὸ ἀποβησόμενον
IV Ma. 5. 37. ἁγνόν με οἱ πατέρες προσδέξονται [S¹ εἰσδ.]
[Aq. Is. 8. 17 : Hb. 2. 3.]
[Sm. Jb. 30. 26 : Ps. 24 (25). 3 : 50 (51). 21 : Am. 1. 3.]
[Th. II Ki. 15. 28.]
[Al. Le. 1. 4 : Nu. 16. 15.]

προσδιδόναι. (1) נָתַן

Ge. 29. 33. προσέδωκέ μοι καὶ τοῦτον (1)
To. 2. 12. προσδόντες καὶ ἔριφον [S al.]
Ez. 16. 33. προσεδίδου μισθώματα (1)
— 34. B²R ἐν τῷ πρ. [A προδ., B¹ διδ.] σε μισθώματα (1)

προσδοκᾶν. (1) קָוָה pi. (2) שָׁבַר pi.

De. 32. 2. προσδοκάσθω . . . τὸ ἀπόφθεγμά μου †
Ps. 68 (69). 20. ὀνειδισμὸν προσεδόκησεν ἡ ψυχή μου †
103 (104). 27. πάντα πρὸς σὲ προσδοκῶσι (2)
118 (119). 166. S R προσεδόκων [A -ουν] τὸ σωτήριόν σου (2)
Wi. 12. 22. κρινόμενοι δὲ προσδοκῶμεν ἔλεος
La. 2. 16. αὕτη ἡ ἡμέρα ἣν προσδοκῶμεν (1)
II Ma. 7. 14. τὰς ὑπὸ τοῦ θ. προσδοκᾶν ἐλπίδας
9. 25. A προσδοκῶντας [R -δεχομένους] τὸ ἀποβησόμενον
12. 44. εἰ γὰρ μὴ τοὺς προπεπτωκότας ἀναστῆναι προσεδόκα
15. 8. προσδοκᾶν τὴν . . . νίκην
— 20. πάντων ἤδη προσδοκώντων τὴν ἐσομ. κρίσιν
III Ma. 5. 24. προσδοκῶντα τὴν πρωΐαν μετὰ σπουδῆς
[Aq. Ps. 24 (25). 3 : Is. 38. 18.]
[Sm. Jb. 3. 9 : Ps. 30 (31). 20, 25 : 32 (33). 18, 22 : 38 (39). 8 : 55 (56). 7 : 68 (69). 7 : 118 (119). 95 : Is. 8. 17 : 49. 23 : 59. 9, 11 : 64. 3 (2), 4 (3) : Je. 3. 2 : 14. 22.]
[Th. Ps. 118 (119). 95 : Is. 64. 3 (2) : Da. 6. 3†.]
[Al. Jb. 6. 19.]
[Quint. Ps. 24 (25). 3 : 30 (31). 25 : 129 (130). 5 bis.]

προσδοκεῖν. (1) שָׁבַר pi.

Ps. 118 (119). 166. A προσεδόκουν [S R -ων] τὸ σωτήριόν σου (1)

προσδοκία. (1) יְקָוָה (2) שֶׁבֶר

Ge. 49. 10. καὶ αὐτὸς προσδοκία ἐθνῶν (1)
Ps. 118 (119). 116. μὴ καταισχύνῃς με ἀπὸ τῆς πρ. μου (2)
Wi. 17. 12. S προσδοκία [A B προδοσία] τῶν ἀπὸ λογισμοῦ βοηθημάτων
— 13. ἔνδοθεν δὲ οὖσα ἥττων ἡ πρ.
Si. 40. 2. ἐπίνοια προσδοκίας [S¹ -α] ἡμέρα τελευτῆς
Is. 66. 9. ἔδωκα τὴν πρ. ταύτην †
II Ma. 3. 21. τήν τε τοῦ . . . ἀρχιερέως πρ.
III Ma. 5. 41. ἡ πόλις διὰ τὴν πρ. ὀχλεῖ
— 49. τὸ τέλος τῆς ἀθλιωτάτης πρ.
[Aq. Jb. 41. 1 : Is. 66. 9.]
[Sm. Jb. 14. 19 : Ps. 70 (71). 5 : Je. 14. 8 : 17. 13 : Ez. 19. 5.]
[Th. Ge. 49. 10 : Pr. 10. 28 : 11. 7.]
[Al. Ps. 9. 19.]

προσδόκιμος.

[Sm. Jb. 17. 12.]

προσδραμεῖν, *vid. sub* προστρέχειν.

προσεγγίζειν. (1) נָגַע (2) נָגַשׁ *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. (3) קָרַב *a.* qal. *b.* hi.

Ge. 33. 6. προσήγγισαν αἱ παιδίσκαι (2 a)
— 7. καὶ προσήγγισε Λεία (2 a)
— 7. μετὰ ταῦτα προσήγγισε Ῥ. (2 b)
Le. 2. 9 (8). προσεγγίσας πρὸς τὸ θυσιαστ. (2 c)
15. 8. A ἐὰν δὲ προσεγγίσῃ [B -σιελίσῃ] †
21. 21. A B¹ οὐ προσεγγιεῖ [B²R οὐκ ἐγγ.] τοῦ προσενεγκεῖν (2 a)
Nu. 8. 19. οὐκ ἔσται . . . προσεγγίζων πρὸς τὰ ἅγια (2 a)
De. 20. 2. προσεγγίσας ὁ ἱερεύς (2 b)
Jo. 3. 4. μὴ προσεγγίσητε αὐτῇ (3 a)
Jd. 5. 25. A προσήγγισεν [B -ήνεγκε] βούτυρον (3 b)
6. 19. καὶ προσήγγισε [A προσεκύνησεν] (2 c)
20. 23. A προσεγγίσαι εἰς πόλεμον [B al.] (2 a)
II Ki. 20. 17. προσήγγισε [A ἤγγ.] πρὸς αὐτήν (3 a)
III Ki. 3. 1 (B), 4. 21 (A) (5. 1). A προσεγγίζοντες [B -φέροντες] δῶρα (2 c)
IV Ki. 4. 5. προσήγγιζον πρὸς αὐτήν (2 c)
To. 6. 9. ὡς δὲ προσήγγισαν τῇ Ῥ. [S al.]
Ps. 118 (119). 150. προσήγγισαν οἱ καταδιώκοντές με ἀνομίᾳ (3 a)
Ez. 18. 6. πρὸς γυναῖκα ἐν ἀφέδρῳ οὖσαν οὐ προσεγγιεῖ (3 a)
Da. LXX. 9. 21. τάχει φερόμενος προσήγγισέ μοι (1)
[Aq. I Ki. 30. 7 : III Ki. 4. 21 (5. 1) : Jb. 41. 8.]
[Sm. III Ki. 4. 21 (5. 1) : Jb. 41. 8 : Is. 45. 20.]
[Th. Ma. 2. 13.]
[Al. Ex. 24. 14 : Nu. 25. 6 : Dt. 4. 7.]

προσεγκρούειν.

II Ma. 13. 19. A ἐτροποῦτο προσενέκρουσεν [R προσέκρουεν]

προσεδρεύειν.

I Ma. 11. 40. προσήδρευεν αὐτῷ

προσεδρία.

III Ma. 4. 15. μετὰ πικρᾶς σπουδῆς καὶ φιλοτίμου πρ.

προσεῖναι.

Si. 13. 24. S² ᾧ μὴ πρόσεστιν [ABS¹ ἔστιν] ἁμαρτία

προσειπεῖν. (1) אָמַר

Jd. 17. 2. προσεῖπας ἐν ὠσί μου [A al.] (1)
Pr. 7. 13. ἀναιδεῖ δὲ προσώπῳ προσείπεν αὐτῷ [S al.] (1)
II Ma. 7. 8. A ὁ δὲ ἀποκριθεὶς . . . προσεῖπεν [R εἶπεν]
[Al. I Ki. 25. 5.]

προσεκκαίειν.

Nu. 21. 30. προσεξέκαυσαν πῦρ ἐπὶ M. †

προσεμβριμᾶσθαι.

Si. 13. 3. καὶ αὐτὸς προσενεβριμήσατο

προσεμπιπράναι. (1) אָכַל ni.

Ex. 22. 6 (5). καὶ προσεμπρήσῃ ἄλωνας (1)

προσενέχεσθαι.

II Ma. 5. 18. A εἰ δὲ μὴ συνέβη προσενέχεσθαι [R al.]

προσεξηγεῖσθαι.

II Ma. 15. 11. R προσεξηγησάμενος [A προσηγ.] ὄνειρον ἀξιόπιστον

προσεπιαπατᾶν. (1) סוּת hi.

Jb. 36. 16. προσεπιηπάτησέ [S² πρόσετι ἠπάτησέν] σε ἐκ στόματος ἐχθροῦ (1)
[Th. Jb. 36. 16.]

προσεπικατατείνειν.

IV Ma. 9. 19. προσεπικατέτεινον [S καὶ προσεκατέτεινον]

προσεπιτιμᾶν.

Si. 13. 22. καὶ προσεπετίμησαν αὐτῷ

προσερίζειν.

[Aq. Ex. 23. 21 : Dt. 1. 26 : 9. 7 : 21. 20 : 31. 27 : Ps. 5. 11 : 77 (78). 17 : 104 (105). 28 : 105 (106). 7 : Ez. 5. 6.]
[Sm. Dt. 9. 7 : 31. 27 : I Ki. 15. 23 : Ps. 77 (78). 8.]

προσεριθεύεσθαι.

[Sm. Ez. 23. 9.]

προσεριστής.

[Aq. Is. 30. 9 : Ez. 2. 5 : 12. 2 : 44. 6.]
[Sm. Ez. 2. 5, 6 : 12. 2 : 17. 12 : 44. 6.]
[Th. Ez. 44. 6.]

προσερυθριᾶν.

To. 2. 14. S προσηρυθρίων χάριν τούτου [A B al.]

προσέρχεσθαι. (1) אָתָה pu. (2) בּוֹא (3) גּוּר (4) הָלַךְ (5) יָעַד ni. (6) נָבַט hi. (7) נָגַשׁ *a.* qal. *b.* ni. (8) עָבַר (9) פָּגַע (10) קָרַב *a.* qal. *b.* ni. *c.* קָרוֹב *d.* קָרַב (11) רָגַשׁ aph. (12) πάλιν πρ. שׁוּב

Ge. 29. 10. προσελθὼν Ἰ. ἀπεκύλισε (7 a)
33. 14. A¹ προσελθάτω [A²R προελ.] ὁ κ. μου (8)
42. 24. πάλιν προσῆλθε πρὸς αὐτούς (12)
43. 19. προσελθόντες δὲ πρὸς τὸν ἄνθρ. (7 a)
Ex. 12. 48. ἐὰν δέ τις προσέλθῃ πρὸς ὑ. (3)
— 48. προσελεύσεται ποιῆσαι αὐτό (10 a)
— 49. τῷ προσελθόντι προσηλύτῳ [A al.] (3)
16. 9. προσέλθατε ἐναντίον τοῦ θ. (10 a)
19. 15. μὴ προσέλθητε γυναικί (7 a)
22. 8 (7). προσελεύσεται ὁ κύριος τῆς οἰκίας (10 b)
34. 32. προσῆλθον πρὸς αὐτόν (7 b)
Le. 9. 5. προσῆλθε πᾶσα συναγωγή (10 a)
— 7. πρόσελθε πρὸς τὸ θυσιαστήριον (10 a)
— 8. προσῆλθεν Ἀ. πρὸς τὸ θυσιαστ. (10 a)
10. 4. προσέλθατε καὶ ἄρατε (10 a)
— 5. B²R προσῆλθον [A -εν] καὶ ἦραν (10 a)
18. 6. οὐ προσελεύσεται [A -τε] ἀποκαλύψαι (10 a)
— 19. A B πρὸς γυναῖκα ἐν χωρισμῷ . . . οὐ προσελεύσῃ [R οὐκ εἰσελ.] (10 a)
19. 33. ἐὰν δέ τις προσέλθῃ ὑμῖν (3)
20. 16. ἥτις προσελεύσεται πρὸς πᾶν κτῆνος (10 a)
21. 17. οὐ προσελεύσεται προσφέρειν [A -ρων] τὰ δῶρα (10 a)
— 18. πᾶς ἄνθρωπος . . . οὐ προσελεύσεται (10 a)
— 21. οὐ προσελεύσεται προσενεγκεῖν (7 a)
— 23. πρὸς τὸ καταπέτασμα οὐ προσελεύσεται (2)
22. 3. ὃς ἂν προσέλθῃ . . . πρὸς τὰ ἅγια (10 a)
Nu. 9. 6. προσῆλθον ἐναντίον M. (10 a)
— 14. ἐὰν δὲ προσέλθῃ πρὸς ὑμᾶς (3)
10. 4. προσελεύσονται πρὸς σέ (5)
16. 40 (17. 5). ὅπως ἂν μὴ προσέλθῃ [B¹ -ητε] μηδεὶς ἄλλος. (10 a)
18. 3. πρὸς τὸ θυσιαστ. οὐ προσελεύσονται (10 a)
— 4. ὁ ἄλλος. οὐ προσελεύσεται πρὸς σέ (10 a)
— 22. οὐ προσελεύσονται ἔτι . . . εἰς τὴν σκηνήν (10 a)
27. 1. προσελθοῦσαι αἱ θυγατέρες Σ. (10 a)
31. 48. προσῆλθον πρὸς M. (10 a)
32. 2. προσελθόντες οἱ υἱοὶ Ῥ. (2)
— 16. καὶ προσῆλθον αὐτῷ (7 a)
36. 1. προσῆλθον οἱ ἄρχοντες (10 a)
De. 1. 22. προσήλθατέ μοι πάντες (10 a)
2. 37. ἐγγὺς υἱῶν Ἀ. οὐ προσήλθομεν [A al.] (10 a)
4. 11. προσήλθετε καὶ ἔστητε (10 a)
5. 23 (20). προσήλθετε πρὸς μέ (10 a)
— 27 (24). πρόσελθε σὺ καὶ ἄκουσον (10 a)
20. 10. ἐὰν δὲ προσέλθῃς πρὸς πόλιν (10 a)
21. 5. προσελεύσονται οἱ ἱερεῖς (7 b)
22. 14. καὶ προσελθὼν αὐτῇ (10 a)
25. 1. καὶ προσέλθωσιν εἰς κρίσιν (7 b)
— 9. προσελθοῦσα ἡ γυνὴ τοῦ ἀδ. αὐ. (7 b)
— 11. καὶ προσέλθῃ ἡ γυνὴ ἑνὸς αὐτῶν (10 a)
32. 44. A καὶ προσῆλθεν [B εἰσῆλ.] M. (2)
Jo. 5. 12 (13). καὶ προσελθὼν Ἰησοῦς (4)
10. 24. προσελθόντες ἐπέθηκαν τοὺς πόδας αὐ. (10 a)
14. 6. προσήλθοσαν [A -ον] οἱ υἱοὶ Ἰ. (7 a)
21. 1. προσήλθοσαν [A -ον] οἱ ἀρχιπατριῶται (7 a)
Jd. 20. 24. προσῆλθον [A -θοσαν] οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (10 a)
Ru. 2. 14. πρόσελθε ὧδε (7 a)
I Ki. 4. 16. A B προσῆλθε πρὸς [B *om.*] Ἠλί –
7. 13. οὐ προσέθεντο ἔτι προσελθεῖν [A ἐπ.?] (2)
14. 36. προσέλθωμεν ἐνταῦθα πρὸς τὸν θ. (10 a)
15. 32. καὶ προσῆλθε πρὸς αὐτόν (4)
17. 40. προσῆλθε πρὸς τὸν ἄνδρα τὸν ἀλλόφ. (7 a)
II Ki. 1. 15. προσελθὼν ἀπάντησον αὐτῷ (7 a)
10. 13. καὶ προσῆλθεν Ἰωάβ (7 a)
III Ki. 21 (20). 13. προφήτης εἷς προσῆλθε τῷ Ἀχ. (7 b)

III Ki. 21 (20). 22. προσῆλθεν ὁ προφήτης (7 a)
— 28. προσῆλθεν ὁ ἄνθρωπος τοῦ θ. (7 a)
22. 24. καὶ προσῆλθε Σεδ. (7 a)
IV Ki. 16. 12. A προσῆλθεν ὁ βασ. (10 a)
II Ch. 24. 27. προσῆλθον αὐτῷ οἱ πέντε †
I Es. 5. 68. προσελθόντες τῷ Z.
8. 68. προσήλθοσάν [A -θόν] μοι οἱ ἡγούμ.
Ju. 7. 8. καὶ προσελθόντες αὐτῷ
10. 15. πρόσελθε ἐπὶ τὴν σκηνὴν αὐτοῦ
12. 15. A R προσῆλθεν [B προῆλ.] ἡ δούλη αὐτῆς
13. 6. A B προσελθοῦσα τῷ κανόνι τῆς κλίνης
Es. 1. 1. A προσῆλθον [B S προῆλ.] ἀμφότεροι παλαίειν
— 14. προσῆλθεν αὐτῷ Ἀρκεσαῖος (10 c)
5. 1. πρόσελθε
Ps. 33 (34). 5. προσέλθατε πρὸς αὐτόν (6)
63 (64). 6. προσελεύσεται ἄνθρωπος †
90 (91). 10. οὐ προσελεύσεται πρὸς σὲ κακά (1)
Si. 1. 27. μὴ προσέλθῃς αὐτῷ ἐν καρδίᾳ δισσῇ
— 30. οὐ προσῆλθες φόβῳ κυρίου
2. 1. εἰ προσέρχῃ δουλεύειν κυρίῳ θεῷ
4. 15. ὁ προσελθὼν [A S -έχων] αὐτῇ κατασκηνώσει πεποιθώς
6. 19. πρόσελθε αὐτῇ
— 26. ἐν πάσῃ ψυχῇ σου πρόσελθε αὐτῇ
9. 13. κἂν [S¹ καὶ μήν] προσέλθῃς
21. 2. ἐὰν γὰρ προσέλθῃς
24. 19. προσέλθετε [A S -ατε] πρὸς μέ
Jn. 1. 6. προσῆλθε πρὸς αὐτὸν ὁ πρωρεύς (10 a)
Is. 8. 3. προσῆλθον [A S -θεν] πρὸς τὴν προφῆτιν (10 a)
54. 15. προσήλυτοι προσελεύσονταί σοι δι' ἐμοῦ (3)
Je. 7. 16. B S μὴ προσέλθῃς μοι περὶ αὐτῶν (9)
49 (42). 1. προσῆλθον πάντες οἱ ἡγεμόνες (7 a)
Ez. 44. 16. οὗτοι προσελεύσονται πρὸς τὴν τράπεζάν μου (10 a)
Da. LXX. Su. 19. συνθέμενοι προσήλθοσαν αὐτῇ
— 39. προσελθόντες ἐπέγνωμεν αὐτήν
3. 8. προσελθόντες ἄνδρες Χαλδαῖοι (10 d)
— 26 (93). προσελθὼν ὁ βασ. πρὸς τὴν θύραν (10 d)
6. 6 (7). προσήλθοσαν οἱ ἄνθρωποι ἐκεῖνοι (11)
7. 16. προσῆλθον πρὸς ἕνα τῶν ἑστώτων (10 d)
9. 22. καὶ προσῆλθε †
Da. TH. 3. 8. προσήλθοσαν [A -θαν] ἄνδρες Χαλδ. (10 d)
— 26 (93). προσῆλθε Ναβ. πρὸς τὴν θύραν (10 d)
6. 12 (13). προσελθόντες λέγουσι τῷ βασ. (10 d)
7. 16. προσῆλθον ἑνὶ τῶν ἑστηκότων (10 d)
I Ma. 2. 16. S R πρὸς αὐτοὺς προσῆλθον [A -αν]
— 18. πρόσελθε πρῶτος
— 23. προσῆλθεν ἀνὴρ Ἰουδαῖος
8. 1. ὅσοι ἐὰν προσέλθωσιν αὐτοῖς
II Ma. 1. 15. κἀκείνου προσελθόντος μετ' ὀλίγων
2. 6. προσελθόντες τινὲς τῶν συνακολουθούντων
6. 20. καθ' ὃν ἔδει τρόπον πρ. τοὺς ὑπομένοντας
13. 26. προσῆλθεν ἐπὶ τὸ βῆμα Δ.
III Ma. 5. 14. προσελθὼν τὸν βασ.
IV Ma. 4. 5. εἰς τὴν πατρίδα ἡμῶν . . . προσελθών [S¹ προελ.]
18. 14. S² κἂν διὰ πυρὸς προσέλθῃς [S¹ εἰσέλθ., A R διέλθ.]
[Aq. Nu. 9. 14: I Ki. 14. 18: IV Ki. 16. 12.]
[Sm. I Ki. 14. 18: IV Ki. 16. 12: Ps. 59 (60). 12.]
[Al. Le. 21. 23: Nu. 3. 10, 38.]
[Quint. IV Ki. 16. 12.]

προσέτι. (1) *a.* אַף *b.* אַף כִּי

II Ki. 16. 11. καὶ πρ. νῦν ὁ υἱὸς τοῦ Ἰ. (1 b)
Jb. 36. 16. S² προσέτι ἠπάτησέν [A B S¹ προεπιηπάτησέ] σε ἐκ στόματος ἐχθροῦ (1 a)
II Ma. 12. 14. καὶ πρ. βλασφημοῦντες
IV Ma. 14. 1. πρ. καὶ ἐπὶ τὸν αἰκισμὸν ἐποτρύνοντες
[Sm. Ps. 48 (49). 3.]
[Heb. Jb. 36. 16.]

προσεύχεσθαι. (1) נָפַל hithpa. (2) עָתַר *a.* qal. *b.* hi. (3) פָּלַל *a.* pi. *b.* hithpa. *c.* תְּפִלָּה (4) צְלָא pa.

Ge. 20. 7. προσεύξεται περὶ σοῦ (3 b)
— 17. προσηύξατο δὲ Ἀβ. πρὸς τὸν θ. (3 b)
Ex. 10. 17. προσεύξασθε πρὸς κ. τὸν θ. ὑμῶν (2 b)
Jd. 13. 8. καὶ προσηύξατο [A ἐδεήθη] Μ. (2 a)
I Ki. 1. 10. προσηύξατο πρὸς κύριον (3 b)
— 12. ὅτε ἐπλήθυνε προσευχομένη (3 b)
I Ki. 1. 26. ἐν τῷ προσεύξασθαι πρὸς κύριον (3 b)
— 27. ὑπὲρ τοῦ παιδαρίου τούτου προσηυξάμην (3 b)
2. 1. A καὶ προσηύξατο Ἄννα (3 b)
— 25. προσεύξονται ὑπὲρ αὐτοῦ (3 a)
— 25. τίς προσεύξεται ὑπὲρ [A περὶ] αὐτοῦ (3 b)
7. 5. προσεύξομαι περὶ ὑμῶν (3 b)
8. 6. καὶ προσηύξατο Σαμ. (3 b)
12. 19. B πρόσευξαι ὑπὲρ τῶν δούλων σου (3 b)
— 23. B τοῦ πρ. περὶ ὑμῶν (3 b)
14. 45. προσηύξατο ὁ λαὸς περὶ Ἰ. †
II Ki. 7. 27. τοῦ προσεύξασθαι . . . τὴν προσευχὴν ταύτην (3 b)
III Ki. 8. 28. ἧς ὁ δοῦλός σου προσεύχεται (3 b)
— 29. ἧς προσεύχεται ὁ δοῦλός σου (3 b)
— 30. ἃ ἂν προσεύξωνται [A -εύχ.] (3 b)
— 33, 35, 42, 44. καὶ προσεύξονται (3 b)
— 48. καὶ προσεύξονται [A -ωνται] πρὸς σέ (3 b)
— 54. προσευχόμενος . . . ὅλην τὴν προσευχήν (3 b)
13. 6. A πρόσευξαι περὶ ἐμοῦ (3 b)
IV Ki. 4. 33. προσηύξατο πρὸς κύριον (3 b)
6. 17. καὶ προσηύξατο Ἐλ. (3 b)
— 18. προσηύξατο πρὸς κύριον (3 b)
19. 15. A καὶ προσηύξατο Ἐζ. (3 b)
— 20. ἃ προσηύξω πρὸς μέ (3 b)
I Ch. 17. 25. εὗρεν ὁ παῖς σου τοῦ προσεύξασθαι (3 b)
II Ch. 6. 19. A B² R ἧς ὁ παῖς σου προσεύχεται (3 b)
— 20. ἧς ὁ παῖς σου προσεύχεται (3 b)
— 21. ἃ ἂν προσεύξωνται (3 b)
— 24. καὶ προσεύξονται (3 b)
— 26. καὶ προσεύξονται εἰς τὸν τόπον τοῦτον (3 b)
— 32. καὶ προσεύξωνται [A -ονται] εἰς τὸν τόπον τ. (3 b)
— 34. καὶ προσεύξονται πρὸς σέ (3 b)
— 38. A R καὶ προσεύξωνται [B -ονται] ὁδὸν γῆς αὐ. (3 b)
7. 1. ὡς συνετέλεσε Σ. προσευχόμενος (3 b)
— 14. καὶ προσεύξωνται (3 b)
30. 18. προσηύξατο Ἐζ. περὶ αὐτῶν (3 b)
32. 20. προσηύξατο Ἐζ. ὁ βασ. (3 b)
— 24. προσηύξατο πρὸς κύριον (3 b)
33. 13. προσηύξατο πρὸς αὐτόν (3 b)
I Es. 6. 31. καὶ προσεύχωνται περὶ τῆς αὐτῶν ζωῆς
8. 91. προσευχόμενος Ἔσδ. ἀνθωμολογεῖτο
II Es. 6. 10. καὶ προσεύχωνται εἰς ζωὴν τοῦ βασ. (4)
10. 1. ὡς προσηύξατο Ἔσδρας (3 b)
— 1. κλαίων καὶ προσευχόμενος (1)
Ne. 1. 4. ἤμην . . . προσευχόμενος ἐνώπιον θεοῦ (3 b)
— 6. ἣν ἐγὼ προσεύχομαι ἐνώπιόν σου (3 b)
2. 4. προσηυξάμην πρὸς τὸν θεὸν τοῦ οὐρ. (3 b)
4. 9 (3). προσηυξάμεθα πρὸς τὸν θεὸν ἡμῶν (3 b)
To. 3. 1. προσευξάμην μετ' ὀδύνης [S al.]
6. 17. S προσεύξασθε καὶ δεήθητε [A B al.]
8. 4. καὶ προσευξώμεθα
— 5. S ἤρξαντο πρ.
12. 12. ὅτε προσηύξω
Ju. 11. 17. προσεύξομαι πρὸς τὸν θεόν
Es. 5. 1. ὡς ἐπαύσατο προσευχομένη
Ps. 5. 2. πρὸς σὲ προσεύξομαι (3 b)
31 (32). 6. προσεύξεται πρὸς σὲ πᾶς ὅσιος (3 b)
71 (72). 15. προσεύξονται περὶ αὐτοῦ (3 b)
108 (109). 4. ἐγὼ δὲ προσηυχόμην (3 c)
Wi. 13. 17. περὶ δὲ κτημάτων . . . προσευχόμενος [S εὐχ.]
Jn. 2. 2. προσηύξατο Ἰ. πρὸς κύριον (3 b)
4. 2. προσεύξατο πρὸς κύριον (3 b)
Is. 16. 12. ὥστε προσεύξασθαι (3 b)
37. 15. προσηύξατο Ἐζεκίας πρὸς κύριον (3 b)
— 21. ἤκουσα ἃ προσηύξω πρὸς μέ (3 b)
38. 2. προσηύξατο πρὸς κύριον (3 b)
44. 17. A R προσεύχεται λέγων [B S al.] (3 b)
45. 14. ἐν σοὶ προσεύξονται (3 b)
— 20. R οἱ [A B S om.] προσευχόμενοι [A S add. ὡς] πρὸς θεούς (3 b)
Je. 7. 16: 11. 14: 14. 11. μὴ προσεύχου περὶ [A ὑπέρ] τοῦ λαοῦ τ. (3 b)
36 (29). 7. R προσεύξεσθε [B S -ασθε, A -χεσθε] περὶ αὐτῶν πρὸς κύριον (3 b)
— 12. προσεύξασθε πρὸς μέ (3 b)
39 (32). 16. προσευξάμην [A -ηυξ.] πρὸς κ. (3 b)
44 (37). 3. πρόσευξαι δὴ περὶ ἡμῶν πρὸς κύριον (3 b)
49 (42). 2. πρόσευξαι πρὸς κύριον (3 b)
— 4. προσεύξομαι πρὸς κύριον (3 b)
— 20. πρόσευξαι περὶ ἡμῶν πρὸς κύριον (3 b)
Ba. 1. 11. προσεύξασθε περὶ τῆς ζωῆς Ναβ.
— 13. προσεύξασθε περὶ ἡμῶν πρὸς κύριον
Da. LXX. 3. (24). οὕτως οὖν προσηύξατο Ἀν.
Da. LXX. 3. (25). στὰς δὲ Ἀζ. προσηύξατο οὕτως
6. 5 (6). Δαν. προσεύχεται καὶ δεῖται κυρίου –
9. 4. προσηυξάμην πρὸς κ. τὸν θεόν (3 b)
— 20. ἐλάλουν προσευχόμενος (3 b)
Bel 3. Δαν. δὲ προσηύχετο πρὸς κύριον
Da. TH. 3. (24). συστὰς Ἀζ. προσηύξατο οὕτως
6. 10 (11). προσευχόμενος καὶ ἐξομολογούμενος (4)
9. 4. προσευξάμην πρὸς κ. τὸν θεόν (3 b)
— 20. ἔτι ἐμοῦ λαλοῦντος καὶ προσευχομένου (3 b)
— 21. A ἔτι ἐμοῦ λαλοῦντος καὶ προσευχομένου [B om. κ. πρ.] ἐν τῇ προσευχῇ μου –
I Ma. 3. 44. καὶ τοῦ προσεύξασθαι
4. 30. A R καὶ προσηύξατο [S -αντο]
7. 40. καὶ προσηύξατο Ἰ.
11. 71. καὶ προσηύξατο
II Ma. 1. 6. ὧδέ ἐσμεν προσευχόμενοι περὶ ὑμῶν
2. 10. M. προσηύξατο πρὸς κύριον
— 10. Σαλ. προσηύξατο πρὸς κύριον
12. 44. R ὑπὲρ νεκρῶν προσέχεσθαι [A εὔχ.]
15. 14. ὁ πολλὰ προσευχόμενος περὶ τοῦ λαοῦ
III Ma. 6. 1. προσηύξατο τάδε
IV Ma. 4. 11. S περὶ αὐτοῦ προσευξάμενοι [A R εὐξ.]
[Aq. III Ki. 13. 6: Jb. 42. 10: Ps. 31 (32). 6.]
[Sm. Jb. 42. 10: Ps. 31 (32). 6.]
[Th. III Ki. 13. 6: Jb. 42. 10.]

προσευχή. (1) קוֹל (2) *a.* תְּחִנָּה *b.* תַּחֲנוּן (3) תְּפִלָּה

II Ki. 7. 27. τοῦ προσεύξασθαι . . . τὴν πρ. τ. (3)
III Ki. 8. 28. A ἐπιβλέψῃ ἐπὶ προσευχὴν δούλου σου [B al.] (3)
— 28. A R ἀκούειν . . . τῆς πρ. [B al.] (3)
— 29. τοῦ εἰσακούειν τῆς πρ. (3)
— 38. πᾶσαν πρ. πᾶσαν δέησιν (3)
— 45. εἰσακούσῃ τῆς δεήσεως αὐ. καὶ τῆς πρ. αὐτῶν [A πρ. αὐ. κ. τ. δ. αὐ.] (2 a [3])
— 49. A τὴν πρ. αὐτῶν καὶ τὴν δέησιν αὐ. (3)
— 54. προσευχόμενος . . . ὅλην τὴν πρ. (3)
9. 3. ἤκουσα τῆς φωνῆς τῆς πρ. σου (3)
— 3. κατὰ πᾶσαν τὴν πρ. σου –
IV Ki. 19. 4. καὶ λήψῃ προσευχὴν (3)
20. 5. ἤκουσα τῆς πρ. σου (3)
II Ch. 6. 19. ἐπιβλέψῃ ἐπὶ τὴν πρ. παιδός σου (3)
— 19. τοῦ ἐπακοῦσαι . . . τῆς πρ. (3)
— 20. τοῦ ἀκοῦσαι τῆς πρ. (3)
— 29. πᾶσα πρ. καὶ πᾶσα δέησις (3)
— 35. ἀκούσῃ . . . τῆς πρ. αὐτῶν (2 a)
— 39. ἀκούσῃ . . . τῆς πρ. αὐ. (3)
7. 12. ἤκουσα τῆς πρ. σου (3)
— 15. A R τὰ ὦτά μου ἐπήκοα τῇ πρ. [B τῆς πρ.] (3)
30. 27. ἦλθεν ἡ πρ. αὐ. εἰς τὸ κατοικητήριον (3)
33. 18. ἡ πρ. αὐτοῦ ἡ πρὸς τὸν θεόν (3)
— 19. ἐπὶ λόγων προσευχῆς αὐτοῦ (3)
Ne. 1. 6. τοῦ ἀκοῦσαι προσευχὴν [S² τὴν πρ.] δούλου σου (3)
— 11. εἰς τὴν πρ. τοῦ δούλου σου καὶ εἰς τὴν πρ. παίδων σου (3, 3)
11. 17. S² ἀρχηγὸς τοῦ αἴνου τοῦ Ἰ. εἰς προσευχήν (3)
To. 3. 16. S εἰσηκούσθη ἡ πρ. ἀμφοτέρων [A B al.]
12. 8. ἀγαθὸν προσευχὴ μετὰ νηστείας [S ἀληθ.]
— 12. τὸ μνημόσυνον τῆς πρ. ὑμῶν
— 15. οἱ προσαναφέρουσι τὰς πρ. τῶν ἁγ. [S al.]
13. 1. A B Τωβὶτ ἔγραψε προσευχὴν
Ju. 12. 6. ἐπὶ προσευχὴν ἐξελθεῖν
13. 3. ἐξελεύσεσθαι γὰρ ἔφη ἐπὶ τὴν πρ. αὐτῆς
— 10. A S ἐξῆλθον . . . ἐπὶ τὴν πρ. [B om. ἐ. τ. πρ.]
Ps. 4. 1. εἰσάκουσον τῆς πρ. μου (3)
6. 9. κύριος τὴν πρ. μου προσεδέξατο (3)
16 (17). tit. προσευχὴ τοῦ Δαυίδ (3)
— 1. ἐνώτισαι τὴν πρ. [B¹ τῆς πρ.] μου (3)
34 (35). 13. ἡ πρ. μου εἰς κόλπον μου ἀποστραφήσεται [A -ήτω] (3)
38 (39). 12. εἰσάκουσον τῆς πρ. μου (3)
41 (42). 8. προσευχὴ τῷ θεῷ τῆς ζωῆς μου (3)
53 (54). 2. εἰσάκουσον τῆς πρ. μου (3)
54 (55). 1. ἐνώτισαι, ὁ θεὸς, τὴν πρ. μου (3)
60 (61). 1. S R πρόσχες τῇ πρ. [B τῆς πρ.] μου (3)
— 5. εἰσήκουσας τῶν πρ. [S¹ τῆς πρ.] μου †
63 (64). 1. B εἰσάκουσον, ὁ θεὸς, τῆς [S² om.] πρ. [S φωνῆς] μου (1)
64 (65). 2. εἰσάκουσον προσευχῆς μου (3)

Ps. 65 (66). 19. B S[1] προσέσχε τῇ φωνῇ τῆς πρ. [S[2] δεήσεώς] μου (3)
— 20. ὃς οὐκ ἀπέστησε τὴν πρ. μου (3)
68 (69). 13. ἐγὼ δὲ τῇ πρ. μου πρὸς σέ (3)
79 (80). 4. B S[1] ἕως πότε ὀργίζῃ ἐπὶ τὴν πρ. τοῦ δούλου [S[2] τῶν δ.] σου (3)
83 (84). 8. εἰσάκουσον τῆς πρ. μου (3)
85 (86). *tit.* προσευχὴ τῷ Δ. [A *al.*] (3)
— 6. ἐνώτισαι, κύριε, τὴν πρ. μου (3)
87 (88). 2. εἰσελθάτω ἐνώπιόν σου ἡ πρ. μου (3)
— 13. τὸ πρωΐ ἡ πρ. μου προφθάσει σε (3)
— 14. ἵνα τί, κύριε, ἀπωθεῖς τὴν πρ. [A S[1] ψυχήν] μου †
89 (90). *tit.* προσευχὴ τοῦ [A S τῷ] M. (3)
101 (102). *tit.* προσευχὴ τῷ πτωχῷ (3)
— 1. κύριε, εἰσάκουσον τῆς πρ. μου (3)
— 17. ἐπέβλεψεν ἐπὶ τὴν πρ. τῶν ταπεινῶν [S[1] πτωχῶν] (3)
108 (109). 7. ἡ πρ. αὐτοῦ γενέσθω εἰς ἁμαρτίαν (3)
129 (130). 2. A εἰσάκουσον τῆς πρ. [S R φωνῆς] μου (1)
140 (141). 2. κατευθυνθήτω ἡ πρ. μου ὡς θυμίαμα ἐνώπιόν σου (3)
— 5. ἡ πρ. μου ἐν ταῖς εὐδοκίαις αὐτῶν (3)
141 (142). *tit.* ἐν τῷ εἶναι αὐτὸν ἐν τῷ σπηλαίῳ προσευχή (3)
142 (143). 1. εἰσάκουσον τῆς πρ. μου (3)
Pr. 28. 9. καὶ αὐτὸς τὴν πρ. αὐτοῦ ἐβδέλυκται (3)
Wi. 18. 21. τὸ τῆς ἰδίας λειτουργίας ὅπλον προσευχὴν [S[2] -ῆς] . . . κομίσας
Si. 3. 5. ἐν ἡμέρᾳ προσευχῆς αὐτοῦ εἰσακουσθήσεται
7. 10. μὴ ὀλιγοψυχήσῃς ἐν τῇ πρ. σου
— 14. μὴ δευτερώσῃς λόγον ἐν προσευχῇ σου
31 (34). 26. τῆς πρ. αὐτοῦ τίς εἰσακούσεται
32 (35). 17. προσευχὴ ταπεινοῦ νεφέλας διῆλθε
39. 5. ἀνοίξει τὸ στόμα αὐ. ἐν προσευχῇ
— 7. ἐν προσευχῇ ἐξομολογήσεται κυρίῳ
50. 19. ἐδεήθη ὁ λαὸς . . . ἐν προσευχῇ
51. 1. προσευχὴ Ἰησοῦ υἱοῦ Σειράχ
— 13. ἐζήτησα σοφίαν προφανῶς ἐν προσευχῇ μου
Jn. 2. 8. A S[2] R ἔλθοι πρὸς σὲ ἡ πρ. [B S[1] εὐχή] μου (3)
Hb. 3. 1. προσευχὴ Ἀμβ. τοῦ προφήτου (3)
— 16. ἀπὸ φωνῆς προσευχῆς χειλέων μου †
Is. 38. 5. ἤκουσα [A S *add.* τῆς φωνῆς] τῆς πρ. σου (3)
— 9. πρ. Ἐζεκίου βασιλέως τῆς Ἰουδαίας †
56. 7. εὐφρανῶ αὐτοὺς ἐν τῷ οἴκῳ τῆς πρ. μου . . . ὁ γὰρ οἶκός μου οἶκος προσευχῆς κληθήσεται (3, 3)
60. 7. ὁ οἶκος τῆς πρ. μου δοξασθήσεται †
Je. 11. 14. μὴ ἀξίου περὶ αὐτῶν ἐν δεήσει καὶ προσευχῇ (3)
Ba. 2. 14. εἰσάκουσον, κύριε, τῆς πρ. ἡμῶν
3. 4. ἄκουσον δὴ τῆς πρ. τῶν τεθνηκότων Ἰσραήλ
La. 3. 8. ἀπέφραξε προσευχήν μου (3)
— 44. ἐπεσκέπασας νεφέλην σεαυτῷ ἕνεκεν προσευχῆς (3)
Da. LXX. 9. 3. εὑρεῖν προσευχὴν καὶ ἔλεος (3)
— 17. ἐπάκουσον, δέσποτα, τῆς πρ. τοῦ παιδός σου (3)
— 18. δεόμεθα ἐν ταῖς πρ. ἡμῶν (2 *b*)
— 20. καὶ δεόμενος ἐν ταῖς πρ. (2 *a*)
— 21. ἔτι λαλοῦντός μου ἐν τῇ πρ. μου (3)
Da. TH. 9. 3. τοῦ ἐκζητῆσαι προσευχήν (3)
— 17. εἰσάκουσον . . . τῆς πρ. τοῦ δούλου σου (3)
— 21. ἔτι ἐμοῦ λαλοῦντος ἐν τῇ πρ. [A *al.*] (3)
I Ma. 3. 46. A R τόπος προσευχῆς εἰς [S ἦν ἐν] M.
5. 33. ἐβόησαν ἐν προσευχῇ
7. 37. εἶναι οἶκον προσευχῆς
12. 11. καὶ ἐν ταῖς πρ.
II Ma. 1. 23. προσευχὴν δὲ ἐποιήσαντο οἱ ἱερεῖς
— 24. ἦν δὲ ἡ πρ. τὸν τρόπον ἔχουσα τοῦτον
III Ma. 6. 16. τοῦ δὲ Ἐλ. λήγοντος ἄρτι τῆς πρ.
7. 20. κατὰ τὸν τῆς συμποσίας τόπον προσευχῆς καθιδρύσαντες

[**Aq.** Ps. 68 (69). 14 : 71 (72). 20 : 85 (86). 1 : 140 (141). 5 : Pr. 28. 9 : Je. 7. 16.]
[**Sm.** Ps. 60 (61). 6 : 68 (69). 14 : 71 (72). 20 : 85 (86). 1 : 87 (88). 14 : 140 (141). 5 : Pr. 28. 9 : Je. 33 (40). 6 : Ez. 41. 11 *bis.*]
[**Th.** Ps. 68 (69). 14 : 71 (72). 20 : 87 (88). 15 : Pr. 28. 9.]
[**Quint.** Ps. 71 (72). 20.]
[**Al.** Ps. 140 (141). 2, 5.]

προσέχειν. (1) אָבָה (2) אָזַן hi. (3) בִּין (4) דָּבַק (5) זָהַר ni. (6) חָדַל (7) *a.* חוּשׁ *b.* חִישׁ (8) חָזַק hi. (9) יָדַע (10) יָפַע hi. (11) נָזַר ni. (12) נָטָה *a.* qal. *b.* hi. (13) פָּנָה (14) קִין hi. (15) קָרַב (16) *a.* קָשַׁב hi. *b.* קָשַׁב *c.* קָשַׁב (17) *a.* שׂוּם *b.* שׂוּם לֵב (18) שִׁית (19) שָׁמַר *a.* qal. *b.* ni. (20) שָׁעָה (21) τὸ προσέχον (22) πρ. ἰσχυρῶς חָזַק
Ge. 4. 5. ἐπὶ δὲ Κάϊν . . . οὐ προσέσχε (20)
24. 6. πρόσεχε σεαυτῷ (19 *b*)
34. 3. προσέχε τῇ ψυχῇ Δείνας (4)
Ex. 9. 21. ὃς δὲ μὴ προσέσχε . . . εἰς τὸ ῥῆμα κ. (17 *a*)
10. 28. πρόσεχε σεαυτῷ ἔτι (19 *b*)
19. 12. προσέχετε ἑαυτοῖς τοῦ ἀναβῆναι (19 *b*)
23. 21. πρόσεχε σεαυτῷ (19 *b*)
34. 11. πρόσεχε σὺ πάντα (19 *a*)
— 12. πρόσεχε σεαυτῷ (19 *b*)
Le. 22. 2. προσεχέτωσαν ἀπὸ τῶν ἁγίων (11)
Nu. 16. 15. μὴ πρόσχῃς εἰς τὴν θυσίαν αὐ. (13)
De. 1. 45. οὐδὲ προσέσχεν ὑμῖν (2)
4. 9. πρόσεχε σεαυτῷ (19 *b*)
— 23. B[1] R προσέχετε ὑμῖν [A B[2] ὑμεῖς] (19 *b*)
6. 12 : 8. 11 : 11. 16 : 12. 13, 19. πρόσεχε σεαυτῷ (19 *b*)
12. 23. πρόσεχε ἰσχυρῶς τοῦ μὴ φαγεῖν (22)
— 30 : 15. 9 : 24. 8. πρόσεχε σεαυτῷ (19 *b*)
32. 1. πρόσεχε, οὐρανέ, καὶ λαλήσω (2)
— 46. προσέχετε τῇ καρδίᾳ (17 *a*)
III Ki. 7. 30. καὶ τὰ προσέχοντα χαλκᾶ (21)
II Ch. 25. 16. πρόσεχε μὴ μαστιγωθῇς (6)
35. 21. πρόσεχε ἀπὸ τοῦ θ. τοῦ μετ' ἐμοῦ (6)
I Es. 1. 28. οὐ προσέχων ῥήμασιν Ἱερ.
II Es. 7. 23. προσέχετε [A -χε] μήτις ἐπιχειρήσῃ †
Ne. 1. 6. ἔστω δὴ τὸ οὖς σου προσέχον (16 *b*)
— 11. ἔστω τὸ οὖς σου προσέχον (16 *b*)
9. 34. οὐ προσέσχον τῶν ἐντολῶν σου (16 *a*)
To. 4. 12, 14. A B πρόσεχε σεαυτῷ
Es. 8. 13. προσέχειν εἰς τὰ μετὰ ταῦτα
Jb. 1. 8. προσέσχες τῇ διανοίᾳ σου κατὰ τοῦ παιδός [A θεράποντός] μου Ἰώβ (17 *a*)
2. 3. προσέσχες οὖν τῷ θεράποντί μου Ἰώβ (17 *b*)
7. 17. ἢ ὅτι προσέχεις τὸν νοῦν εἰς αὐτόν (18)
10. 3. βουλῇ δὲ ἀσεβῶν προσέσχες (10)
13. 6. κρίσιν [A -σει] δὲ χειλέων μου προσέχετε (16 *a*)
27. 6. δικαιοσύνῃ δὲ προσέχων οὐ μὴ προῶμαι (8)
29. 21. ἐμοῦ ἀκούσαντες [A πρεσβύτεροι ἀ.] προσέσχον †
33. 31. A πρόσεχε [B S ἐνωτίζου], Ἰώβ (16 *a*)
Ps. 5. 2. B S πρόσχες τῆς φωνῆς [A R τῇ φ.] τῆς δεήσεώς μου (16 *a*)
9. 38 (10. 17). τὴν ἑτοιμασίαν τῆς καρδίας αὐ. προσέσχε τὸ οὖς σου [A αὐ.] (16 *a*)
16 (17). 1. πρόσχες τῇ δεήσει μου (16 *a*)
21 (22). 1. ὁ θεὸς ὁ θεός μου, πρόσχες μοι –
— 19. εἰς τὴν ἀντίλημψίν μου πρόσχες (7 *a*)
34 (35). 23. πρόσχες τῇ κρίσει μου (14)
37 (38). 22. πρόσχες εἰς τὴν βοήθειάν μου (7 *a*)
39 (40). 1. καὶ προσέσχε μοι (12 *a*)
— 13. εἰς τὸ βοηθῆσαί μοι πρόσχες [A σπεῦσον] (7 *a*)
54 (55). 2. πρόσχες μοι (16 *a*)
58 (59). 5. πρόσχες τοῦ ἐπισκέψασθαι πάντα τὰ ἔθνη (14)
60 (61). 1. S R πρόσχες τῇ προσευχῇ [B τῆς πρ.] μου (16 *a*)
65 (66). 19. B S[1] προσέσχε τῇ φωνῇ τῆς προσευχῆς [S[2] δεήσεώς] μου (16 *a*)
68 (69). 18. πρόσχες τῇ ψυχῇ μου (15)
69 (70). 1. εἰς τὴν βοήθειάν μου πρόσχες (7 *a*)
70 (71). 12. S R εἰς τὴν βοήθειάν μου πρόσχες (7 *b**, 7 *a*)
76 (77). 1. καὶ προσέσχε μοι (2)
77 (78). 1. προσέχετε, λαός μου, τὸν νόμον μου (2)
79 (80). 1. ὁ ποιμαίνων τὸν Ἰσραήλ, πρόσχες (2)
80 (81). 11. Ἰσραὴλ οὐ προσέσχε μοι (1)
85 (86). 6. πρόσχες τῇ φωνῇ τῆς δεήσεώς μου (16 *a*)
129 (130). 2. γενηθήτω τὰ ὦτά σου προσέχοντα εἰς τὴν φωνὴν τῆς δεήσεώς μου (16 *c*)
Ps. 140 (141). 1. πρόσχες τῇ φωνῇ [S τῆς φ.] τῆς δεήσεώς μου (2)
141 (142). 1. A καὶ προσέσχεν μοι †
— 6. πρόσχες πρὸς [A εἰς] τὴν δέησίν μου (16 *a*)
Pr. 1. 24. ἐξέτεινον λόγους καὶ οὐ προσείχετε (16 *a*)
— 25. A S τοῖς δὲ ἐμοῖς ἐλέγχοις οὐ προσείχετε [B ἐλ. ἠπειθήσατε] (1)
— 30. οὐδὲ ἤθελον ἐμαῖς προσέχειν βουλαῖς (1)
4. 1. προσέχετε γνῶναι ἔννοιαν (16 *a*)
— 20. ἐμῇ ῥήσει πρόσεχε (16 *a*)
5. 1. ἐμῇ σοφίᾳ πρόσεχε (16 *a*)
— 2. μὴ πρόσεχε φαύλῃ γυναικί –
7. 24. πρόσεχε ῥήμασι [A ῥῆσιν] στόματός μου (16 *a*)
17. 4. δίκαιος δὲ οὐ προσέχει χείλεσι ψευδέσιν (2)
Ec. 4. 13. ὃς οὐκ ἔγνω τοῦ προσέχειν ἔτι (5)
Ca. 8. 13. ἑταῖροι προσέχοντες τῇ φωνῇ [S τὴν φ.] σου (16 *a*)
Wi. 8. 12. φθεγγομένῳ προσέξουσι
13. 1. οὕτε τοῖς ἔργοις προσχόντες [A S προσέχ.]
14. 30. προσχόντες [A S προσέχ.] εἰδώλοις
Si. 1. 29. ἐν τοῖς χείλεσί σου πρόσεχε
4. 15. A S ὁ προσέχων [B -ελθὼν] αὐτῇ κατασκηνώσει πεποιθώς
6. 13. ἀπὸ τῶν φίλων σου πρόσεχε
7. 24. πρόσεχε τῷ σώματι αὐτῶν
11. 33. πρόσεχε ἀπὸ κακούργου
13. 8. πρόσεχε μὴ ἀποπλανηθῇς
— 13. συντήρησον καὶ πρόσεχε σφοδρῶς
16. 24. ἐπὶ τῶν λόγων μου πρόσεχε τῇ καρδίᾳ σου
17. 14. προσέχετε ἀπὸ παντὸς ἀδίκου
18. 27. προσέξει ἀπὸ πλημμελείας
23. 27. οὐθὲν γλυκύτερον τοῦ προσέχειν ἐντολαῖς κυρίου
28. 16. ὁ προσέχων αὐτῇ οὐ μὴ εὕρῃ ἀνάπαυσιν
— 26. πρόσεχε μή πως ὀλισθήσῃς ἐν αὐτῇ
29. 20. πρόσεχε σεαυτῷ μὴ ἐμπέσῃς
32 (35). 1. θυσιάζων σωτηρίου ὁ προσέχων ἐντολαῖς
35 (32). 24. ὁ πιστεύων νόμῳ προσέχει ἐντολαῖς
37. 31. ὁ δὲ προσέχων προσθήσει ζωήν
Ho. 5. 1. προσέχετε, οἶκος Ἰσρ. (16 *a*)
Mi. 1. 2. προσεχέτω ἡ γῆ (16 *a*)
Za. 1. 4. οὐ προσέσχον τοῦ εἰσακοῦσαί μου (16 *a*)
7. 11. ἠπείθησαν τοῦ προσέχειν (16 *a*)
Ma. 3. 16. καὶ προσέχε κύριος (16 *a*)
Is. 1. 10. προσέχετε νόμον θεοῦ (2)
— 23. κρίσιν χηρῶν [A S -ρας] οὐ προσέχοντες †
28. 23. προσέχετε καὶ ἀκούετε τοὺς λόγους μου (16 *a*)
32. 4. A S R προσέξει τοῦ ἀκούειν [B *al.*] (3)
49. 1. προσέχετε, ἔθνη (16 *a*)
55. 3. προσέχετε τοῖς ὠσὶν [A ὠτίοις] ὑμῶν (12 *b*)
58. 3. A οὐ προσέσχες [B S οὐκ ἔγνως] (9)
Je. 6. 19. τῶν λόγων [A τοῖς λ., S τῷ λ.] μου οὐ προσέσχον (16 *a*)
7. 24. οὐ προσέσχε [A -ον] τὸ οὖς αὐτῶν (12 *b*)
— 26. οὐ προσέσχε [S -ον] τὸ οὖς αὐτῶν (12 *b*)
25. 4. οὐ προσέσχετε [S -ατε] τοῖς ὠσὶν ὑμῶν (12 *b*)
Da. LXX. 9. 18. πρόσχες, κύριε, τὸ οὖς σου (12 *b*)
12. 10. καὶ οἱ διανοούμενοι προσέξουσιν (3)
Da. TH. 9. 19. πρόσχες, κύριε (16 *a*)
I Ma. 2. 68. προσέχετε εἰς τὰ προστάγματα τοῦ νόμου
7. 11. S R οὐ προσέσχον [A -εῖχον] τοῖς λόγοις αὐ.
10. 61. οὐ προσέσχεν αὐτοῖς ὁ βασ.
II Ma. 7. 25. τοῦ δὲ νεανίου μηδαμῶς προσέχοντος
III Ma. 2. 2. πρόσχες ἡμῖν καταπονουμένοις
IV Ma. 1. 1. ὅπως προθύμως προσέχητε τῇ φιλοσοφίᾳ

[**Aq.** Dt. 27. 9 : Jb. 16. 18 : Ps. 9. 38 (10. 17) : 16 (17). 1 : Pr. 2. 2 : Je. 6. 10, 19 : 18. 19.]
[**Sm.** Ex. 7. 22 : I Ki. 25. 25 : Jb. 16. 18 : Pr. 2. 2 : Ec. 7. 3 (2) : Is. 32. 4 : Je. 6. 10.]
[**Th.** Jb. 16. 18 : Pr. 2. 2 : Is. 7. 4.]
[**Sam.** Ex. 26. 5.]
[**Al.** I Ki. 15. 22 : Pr. 17. 4.]

προσεχόντως. (1) בְּחָכְמָה
Pr. 31. 24 (26). στόμα αὐτῆς διήνοιξε πρ. (1)

προσηγεῖσθαι.
II Ma. 15. 11. A προσηγησάμενος [R προσεξηγ.] ὄνειρον ἀξιόπιστον

προσήκειν. (1) בִּין
I Es. 5. 51. ὡς προσῆκον ἦν
Is. 32. 4. B προσήξει [A S R -έξ.] τῷ [A S τοῦ] ἀκούειν (1)
I Ma. 10. 39. R εἰς τὴν προσήκουσαν [S καθήκ., A προκαθήκ.] δαπάνην τοῖς ἁγίοις

II Ma. 3. 6. R καὶ μὴ προσήκειν [A -ενεγκεῖν] αὐτά
IV Ma. 4. 3. προσήκειν ταῦτα Σελεύκῳ τῷ βασ.
[Sm. Dt. 29. 26 (25).]

προσηκόντως.
IV Ma. 6. 33. αὐτῷ πρ. τὴν ... προσνέμομεν ἐξουσίαν

προσηλοῦν.
III Ma. 4. 9. τοῖς ζυγοῖς τῶν πλοίων προσηλωμένοι τοὺς τραχήλους

προσηλυτεύειν. (1) גּוּר
Ez. 14. 7. ἐκ τῶν προσηλύτων τῶν προσηλυτευόντων ἐν τῷ Ἰσρ. [A *al.*] (1)
[Aq. Ps. 5. 5 : 119 (120). 5.]
[Al. Le. 19. 34 : 25. 6.]

προσηλύτευσις.
[Aq. Ge. 47. 9.]

προσήλυτος. (1) *a.* גֵּר *b.* גּוּר
Ex. 12. 48. ἐὰν δέ τις προσέλθῃ πρὸς ὑ. προσήλυτος (1 *a*)
— 49. τῷ προσελθόντι προσηλύτῳ [A *al.*] (1 *a*)
20. 10. ὁ πρ. ὁ παροικῶν ἐν σοί (1 *a*)
22. 21 (20). προσήλυτον οὐ κακώσετε (1 *a*)
— 21 (20). ἦτε γὰρ προσήλυτοι ἐν γῇ Αἰγ. (1 *a*)
23. 9. προσήλυτον οὐ θλίψετε (1 *a*)
— 9. οἴδατε τὴν ψυχὴν τοῦ πρ. (1 *a*)
— 9. προσήλυτοι ἦτε ἐν γῇ Αἰγ. (1 *a*)
— 12. ὁ υἱὸς τῆς παιδίσκης σου καὶ ὁ πρ. (1 *a*)
Le. 16. 29. ὁ πρ. ὁ προσκείμενος ἐν ὑμῖν (1 *a*)
17. 3. ἢ τῶν πρ. ἢ τῶν προσκειμ. ἐν ὑμῖν –
— 8. ἀπὸ τῶν υἱῶν τῶν πρ. (1 *a*)
— 10. τῶν πρ. τῶν προσκειμ. ἐν ὑμῖν (1 *a*)
— 12. ὁ πρ. ὁ προσκείμ. ἐν ὑμῖν (1 *a*)
— 13. τῶν πρ. τῶν προσκειμ. ἐν ὑμῖν (1 *a*)
— 15. ἢ ἐν τοῖς πρ. (1 *a*)
18. 26. ὁ προσγενόμ. πρ. ἐν ὑμῖν (1 *a*)
19. 10. τῷ πρ. καταλείψεις αὐτά (1 *a*)
— 33. προσήλυτος ἐν τῇ γῇ ὑμῶν (1 *a*)
— 34. ὁ πρ. ὁ προσπορευόμ. πρὸς ὑμᾶς (1 *a*)
— 34. προσήλυτοι ἐγενήθητε ἐν γῇ Αἰγ. (1 *a*)
20. 2. ἢ ἀπὸ τῶν γεγενημ. [A προσγεγενν.] πρ. (1 *a*)
22. 18. τῶν πρ. τῶν προσκειμ. πρὸς αὐτούς (1 *a*)
23. 22. τῷ πρ. ὑπολείψῃ αὐτά (1 *a*)
24. 16. ἐάν τε προσήλυτος ἐάν τε αὐτόχθων (1 *a*)
— 22. δικαίωσις μία ἔσται τῷ πρ. (1 *a*)
25. 23. προσήλυτοι καὶ πάροικοι ὑμεῖς ἐστε (1 *a*)
— 35. ἀντιλήψῃ αὐτοῦ ὡς προσηλύτου (1 *a*)
— 47. ἐὰν δὲ εὕρῃ ἡ χεὶρ τοῦ πρ. (1 *a*)
— 47. καὶ ... πραθῇ τῷ πρ. ... ἐκ γενετῆς προσηλύτῳ (1 *a*)
Nu. 9. 14. προσήλυτος ἐν τῇ γῇ ὑμῶν (1 *a*)
— 14. ὑμῖν καὶ τῷ πρ. (1 *a*)
15. 14. ἐὰν δὲ προσήλυτος ... προσγένηται (1 *a*)
— 15. τοῖς πρ. τοῖς προσκειμ. ἐν ὑμῖν (1 *a*)
— 15. ὁ πρ. ἔσται ἔναντι κυρίου (1 *a*)
— 16. τῷ πρ. τῷ προσκειμ. ἐν ὑμῖν (1 *a*)
— 26. καὶ τῷ πρ. τῷ προσκειμ. [A *al.*] (1 *a*)
— 29. τῷ πρ. τῷ προσκειμ. ἐν αὐτοῖς (1 *a*)
— 30. ἢ ἀπὸ τῶν πρ. (1 *a*)
19. 10. καὶ τοῖς πρ. προσκειμένοις (1 *a*)
35. 15. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. καὶ τῷ πρ. (1 *a*)
De. 1. 16. καὶ ἀνὰ μέσον προσηλύτου αὐτοῦ (1 *a*)
5. 14. καὶ ὁ πρ. ὁ παροικῶν ἐν σοί (1 *a*)
10. 18. ποιῶν κρίσιν προσηλύτῳ †
— 18. ἀγαπᾷ τὸν πρ. [A *al.*] (1 *a*)
— 19. ἀγαπήσετε τὸν πρ. (1 *a*)
— 19. προσήλυτοι γὰρ ἦτε ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1 *a*)
12. 18. ὁ πρ. ὁ ἐν ταῖς πόλεσιν ὑμῶν –
14. 29 : 16. 11, 14. ὁ πρ. καὶ ὁ ὀρφανός (1 *a*)
24. 14. ἢ ἐκ τῶν πρ. τῶν ἐν ταῖς πόλεσί σου (1 *a*)
— 17. οὐκ ἐκκλινεῖς κρίσιν προσηλύτου (1 *a*)
— 19, 20, 21. τῷ πρ. καὶ τῷ ὀρφανῷ (1 *a*)
26. 11. καὶ ὁ πρ. ὁ ἐν σοί (1 *a*)
— 12, 13. καὶ τῷ πρ. καὶ τῷ ὀρφανῷ (1 *a*)
27. 19. ὃς ἂν ἐκκλίνῃ κρίσιν προσηλύτου (1 *a*)
28. 43. B ὁ πρ. ὁ [A R ὅς ἐστιν] ἐν σοί (1 *a*)
29. 11 (10). ὁ πρ. ὁ ἐν μέσῳ τῆς παρεμβ. ὑμῶν (1 *a*)
31. 12. τὸν πρ. [A *add.* σου] τὸν ἐν ταῖς πόλεσιν (1 *a*)
Jo. 9. 1 (8. 33). καὶ ὁ πρ. καὶ ὁ αὐτόχθων (1 *a*)
— 1 (8. 35). τοῖς πρ. τοῖς προσπορευομ. [A προπ.] (1 *a*)
20. 9. καὶ τῷ πρ. τῷ προσκειμ. ἐν αὐτοῖς (1 *a*)
I Ch. 22. 2. συναγαγεῖν πάντας τοὺς πρ. (1 *a*)
II Ch. 2. 17 (16). συνήγαγε Σ. πάντας τοὺς ἄνδρας τοὺς πρ. (1 *a*)
15. 9. ἐξεκκλησίασε ... τοὺς πρ. (1 *b*)
30. 25. καὶ οἱ πρ. οἱ εἰσελθόντες (1 *a*)
To. 1. 8. S καὶ ταῖς χήραις καὶ προσηλύτοις
Ps. 93 (94). 6. προσήλυτον ἐφόνευσαν (1 *a* ?)
145 (146). 9. κύριος φυλάσσει τοὺς πρ. (1 *a*)
Za. 7. 10. προσήλυτον καὶ πένητα μὴ καταδυναστεύετε (1 *a*)
Ma. 3. 5. τοὺς ἐκκλίνοντας κρίσιν προσηλύτου (1 *a*)
Is. 54. 15. προσήλυτοι προσελεύσονταί σοι †
Je. 7. 6 : 22. 3. προσήλυτον καὶ ὀρφανὸν καὶ χήραν (1 *a*)
Ez. 14. 7. ἐκ τῶν πρ. τῶν προσηλυτευόντων [A -κειμένων] ἐν τῷ Ἰσραήλ (1 *a*)
22. 7. πρὸς τὸν πρ. ἀνεστρέφοντο [B¹ *al.*] (1 *a*)
— 29. πρὸς τὸν πρ. οὐκ ἀναστρεφόμενοι (1 *a*)
47. 22. βαλεῖτε αὐτὴν ... ὑμῖν καὶ τοῖς πρ. (1 *a*)
— 23. ἔσονται ἐν φυλῇ προσηλύτων ἐν τοῖς πρ. τοῖς μετ' αὐτῶν (1 *b* ?, 1 *a*)
[Aq. Ex. 2. 22 : 12. 19 : Nu. 9. 14 : Dt. 14. 20 (21) : II Ki. 1. 13 : Jb. 31. 32 : Is. 14. 1 : Ma. 3. 5.]
[Sm. Ex. 12. 19 : Is. 14. 1 : Ma. 3. 5.]
[Th. Ps. 93 (94). 6 : Is. 14. 1 : Ma. 3. 5.]
[Al. Ex. 22. 21 (20) *bis* : Le. 20. 2 : Nu. 19. 10 : Jo. 8. 33 (9. 6) : I Ch. 29. 15.]

προσημαίνειν.
II Ma. 4. 23. Μενέλαον τὸν τοῦ προσημαινομ. Σ. ἀδ.
III Ma. 5. 13. τὴν προσημανθεῖσαν ὥραν διαφυγόντες
— 47. τὴν ἐπίπονον ... τῶν προσεσημαμμένων καταστροφήν

προσημειοῦν.
IV Ma. 15. 19. καὶ τοὺς μυκτῆρας προσημειουμένους [A² προσσημ.] αὐτῶν τὸν θάνατον

προσήνεια.
[Sm. Ec. 9. 17.]

προσηνής.
Pr. 25. 25. ὥσπερ ὕδωρ ψυχρὸν ψυχῇ διψώσῃ προσηνές –
[Aq. Pr. 15. 4.]

πρόσθεμα. (1) יָסַף hi. (2) מוּסָב
Le. 19. 25. πρόσθεμα ὑμῖν τὰ γενήματα αὐ. (1)
Ez. 41. 7. κατὰ τὸ πρ. ἐκ τοῦ τοίχου [A οἴκου] (2)
[Sm. II Ki. 5. 9.]

πρόσθεσις.
Ez. 47. 13. ταῖς δώδεκα φυλαῖς ... πρ. σχοινίσματος †

προσθήκη.
[Aq. Pr. 1. 9.]
[Sm. Ez. 27. 33.]

προσθλίβειν. (1) לָחַץ ni.
Nu. 22. 25. A R προσέθλιψεν ἑαυτήν [B αὐτόν] (1)

πρόσθλιψις.
[Aq. Ps. 42 (43). 2.]

προσιδεῖν.
Jb. 6. 15. οὐ προσεῖδόν με οἱ ἐγγύτατοί μου †
19. 14. S οὐ προσεῖδόν [A B -εποιήσαντό] με οἱ ἐγγύτατοί μου †
Wi. 17. 10. τὸν μηδαμόθεν φευκτὸν ἀέρα προσιδεῖν ἀρνούμενοι

προσιέναι (*accedere*).
IV Ma. 6. 14. προσιόντες αὐτῷ τινες τῶν τοῦ βασ.
14. 16. καὶ τὸν προσιόντα κωλύει
— 19. ἀπαμύνονται τοὺς προσιόντας
— 19. πλήσσουσι τοὺς προσιόντας τῇ νοσσιᾷ αὐ.

προσιέναι (*admittere*).
[Sm. Jb. 42. 9 : Je. 6. 10.]

προσκαθιστάναι. (1) לָכַד
Jd. 14. 11. A προσκατέστησαν αὐτῷ ἑταίρους τριάκ. [B *al.*] (1)

προσκαίειν. (1) חָמַם
Ez. 24. 11. ὅπως προσκαυθῇ [A ἐκκ.] (1 ?)

πρόσκαιρος.
IV Ma. 15. 2. S²R τῆς ἑπτὰ υἱῶν σωτηρίας προσκαίρου [A -ους, S¹ προκ.]
— 8. ὑπερείδε τὴν τῶν τέκνων πρόσκαιρον σωτηρίαν
— 23. ἐπέτεινε τὴν πρ. φιλοτεκνίαν παριδεῖν

προσκαλεῖν. (1) בּוֹא (2) קָרָא *a.* qal. *b.* ni.
(3) קָרָה ni.
Ge. 28. 1. προσκαλεσάμενος δὲ Ἰσ. τὸν Ἰακ. (2 *a*)
Ex. 3. 18. ὁ θ. τῶν Ἑβρ. προσκέκληται ὑμᾶς (3)
5. 3. ὁ θ. τῶν Ἑβρ. προσκέκληται ἡμᾶς (2 *b*)
I Ki. 26. 14. προσεκαλέσατο Δ. τὸν λαόν (2 *a*)
Es. 4. 5. προσεκαλέσατο Ἀχρ. τὸν εὐνοῦχον αὐ. (2 *a*)
8. 1. Μαρδ. προσεκλήθη ὑπὸ τοῦ βασ. (1)
Jb. 17. 14. A S² θάνατον προσεκαλεσάμην [S¹ -σα, B ἐπεκ.] πατέρα μου εἶναι (2 *a*)
19. 17. προσεκαλούμην δὲ κολακεύων υἱοὺς παλλακίδων μου †
Ps. 49 (50). 4. προσκαλέσεται τὸν οὐρανὸν ἄνω (2 *a*)
Pr. 9. 15. προσκαλουμένη τοὺς παριόντας (2 *a*)
Wi. 1. 16. προσεκαλέσαντο [S¹ -ατο] αὐτόν
18. 8. τούτῳ ἡμᾶς προσκαλεσάμενος ἐδόξασας
Si. 13. 9. προσκαλεσαμένου σε δυνάστου ὑποχωρῶν γίνου καὶ τόσῳ μᾶλλον προσκαλέσεταί σε [A σε προσκαλέσηται]
Am. 5. 8 : 9. 6. ὁ προσκαλούμ. τὸ ὕδωρ τῆς θαλ. (2 *a*)
Jl. 2. 32 (3. 5). οὗς κύριος προσέκληται (2 *a*)
II Ma. 4. 28. οἱ δύο ὑπὸ τοῦ βασ. προσεκλήθησαν
7. 25. προσκαλεσάμενος ὁ βασ. τὴν μητέρα
8. 1. προσεκαλοῦντο τοὺς συγγενεῖς
— 11. R ἀπέστειλε προσκαλούμενος [A προκ.] ἐπ' ἀγορασμόν
14. 5. προσκληθεὶς εἰς συνέδριον ὑπὸ τοῦ Δ.
— 12. R προσκαλεσάμενος [A προχειρησάμ.] δὲ εὐθέως Νικάνορα
III Ma. 5. 1. προσκαλεσάμενος Ἕρμωνα
— 18. A τὸν Ἕρμωνα προσκαλεσάμενος [R μεταπεμψάμ.]
— 37. τὸν δὲ Ἕρμωνα προσκαλεσάμενος
6. 30. τὸν ἐπὶ τῶν προσόδων προσκαλεσάμενος

προσκαρτερεῖν. (1) חָזַק hithpa.
Nu. 13. 21 (20). προσκαρτερήσαντες λήψεσθε (1)
To. 5. 8. S ἰδοὺ ἐγὼ προσκαρτερῶ [A B *al.*]
Da. Th. Su. 6. προσεκαρτέρουν ἐν τῇ οἰκίᾳ Ἰ.

προσκαταβαίνειν. (1) יָרַד
Ez. 31. 14. ἐν μέσῳ υἱῶν ἀνθρώπων προσκαταβαίνοντας [? πρὸς κ.] εἰς βόθρον (1)

προσκαταλαμβάνειν.
Ju. 2. 10. A προσκαταλήψῃ [B S προκ.] μοι πᾶν ὅριον

προσκαταλείπειν. (1) יָתַר hi.
Ex. 36. 7. καὶ προσκατέλιπον [A -έλειπον] (1)

προσκατατείνειν.
IV Ma. 9. 19. S προσεκατέτεινον [A R προσεπικατ.]

πρόσκαυμα.
Jl. 2. 6. πᾶν πρόσωπον ὡς πρόσκαυμα χύτρας †
Na. 2. 10 (11). τὸ πρόσωπον πάντων ὡς πρόσκαυμα χύτρας †

προσκεῖσθαι. (1) גּוּר (2) *a.* דָּבַק *b.* דָּבֵק
(3) חָבֵר (4) *a.* לָוָה ni. *b.* לֵוָה (5) נָגַד פְּנֵי
(6) עָזַר (7) שָׁעַן ni.
Ex. 10. 10. πονηρία πρόσκειται [A πρόκ.] ὑμῖν (5)
12. 49. A τῷ προσηλύτῳ τῷ προσκειμ. [B *al.*] (1)
Le. 16. 29. ὁ προσήλυτος ὁ προσκείμ. ἐν ὑμῖν (1)
17. 3. ἢ τῶν προσηλύτων ἢ τῶν προσκειμ. ἐν ὑ. –
— 8, 10. τῶν προσηλύτων τῶν προσκειμ. ἐν ὑμῖν (1)
— 12. ὁ προσήλυτος ὁ προσκείμ. ἐν ὑμῖν (1)
— 13. τῶν προσηλύτων τῶν προσκειμ. ἐν ὑ. (1)
22. 18. τῶν προσηλ. τῶν προσκειμ. πρὸς αὐτούς –
25. 6. τῷ παροίκῳ τῷ προσκειμ. πρὸς σέ (1)
Nu. 15. 15. τοῖς προσηλύτοις τοῖς προσκειμ. ἐν ὑμῖν (1)
— 16. τῷ προσηλύτῳ τῷ προσκειμ. ἐν ὑμῖν (1)
— 26. τῷ προσηλύτῳ τῷ προσκειμ. [A *al.*] (1)
— 29. τῷ προσηλύτῳ τῷ προσκειμ. ἐν αὐτοῖς (1)
19. 10. καὶ τοῖς προσηλύτοις προσκειμένοις [A τοῖς πρ.] (1)
21. 15. πρόσκειται τοῖς ὁρίοις Μωάβ (7)

De. 1. 36. διὰ τὸ πρ. αὐτὸν τὰ πρὸς κύριον †
4. 4. ὑμεῖς δὲ οἱ προσκείμ. κ. τῷ θ. ὑ. (2 b)
Jo. 20. 9. τῷ προσηλύτῳ τῷ προσκειμ. ἐν αὐτοῖς (1)
22. 5. καὶ πρ. αὐτῷ (2 a)
III Ki. 7. 30. A ἀπὸ πέραν ἀνδρὸς προσκείμεναι (4 b)
To. 1. 8. S προσηλύτοις τοῖς προσκειμ. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ.
Jb. 26. 2. τίνι πρόσκεισαι (6)
Is. 56. 3. ὁ ἀλλογενὴς ὁ προσκείμ. πρὸς κύριον [S προσκ. κυρίῳ] (4 a)
— 6. τοῖς ἀλλογενέσι τοῖς προσκειμένοις κυρίῳ [A πρὸς κύριον] (4 a)
Ez. 14. 7. A τῶν προσηλύτων τῶν προσκειμένων ἐν Ἰσρ. [B al.] (1)
37. 16. τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. [A αὐτῆς] τοὺς προσκειμ. ἐπ' [A πρὸς] αὐτόν (3)
— 16. A τοὺς υἱοὺς Ἰσραὴλ τοὺς προσκειμένους [B -τεθέντας] πρὸς αὐτόν (3)
— 19. τὰς φυλὰς Ἰσρ. τὰς προσκειμ. πρὸς αὐτόν (3)
[Aq. Ge. 29. 34.]
[Al. Le. 20. 2 : Nu. 19. 10.]

προσκεφάλαιον. (1) כֶּסֶת

I Es. 3. 8. ἔθηκαν ὑπὸ τὸ πρ. Δαρ.
Ez. 13. 18. ταῖς συρραπτούσαις προσκεφάλαια (1)
— 20. ἰδοὺ ἐγὼ ἐπὶ τὰ πρ. ὑμῶν (1)
[Heb. Ge. 47. 31.]

προσκεφαλῆς, *vid. sub* πρός *et* κεφαλή.

προσκήνιον.

Ju. 10. 22. ἐξῆλθεν εἰς τὸ πρ.

πρόσκλησις.

II Ma. 4. 14. A μετὰ τὴν τοῦ δίσκου πρ. [R πρόκλ.]

προσκλίνειν.

II Ma. 14. 24. ψυχικῶς τῷ ἀνδρὶ προσεκέκλιτο
[Sm. Ps. 39 (40). 2.]

προσκολλᾶν. (1) דָּבַק pi. (2) דָּבַק *a.* qal. *b.* pu. *c.* hi. *d.* דְּבַק (3) קִרְבָה

Ge. 2. 24. A προσκολληθήσεται τῇ γυν. [R πρὸς τὴν γ.] αὐ. (2 a)
Le. 19. 31. τοῖς ἐπαοιδοῖς οὐ προσκολληθήσεσθε (1)
Nu. 36. 7, 9. ἐν τῇ κληρονομίᾳ . . . προσκολληθήσονται (2 a)
De. 11. 22. προσκολλᾶσθαι αὐτῷ (2 a)
13. 17 (18). οὐ προσκολληθήσεται οὐδέν (2 a)
28. 21. προσκολλήσαι κ. εἰς σὲ τὸν θάν. (2 c)
Jo. 23. 8. κ. τῷ θεῷ ἡμῶν προσκολληθήσεσθε (2 a)
Jd. 20. 45. A προσεκολλήθησαν ὀπίσω αὐτοῦ [B al.] (2 c)
Ru. 2. 21. A R μετὰ τῶν παιδαρίων . . . προσκολλήθητι [B κολλ.] (2 a)
— 23. προσεκολλήθη Ῥ. τοῖς κορασίοις (2 a)
II Ki. 23. 10. προσεκολλήθη ἡ χεὶρ αὐτοῦ πρὸς τὴν μάχαιραν (2 a)
Jb. 41. 8 (9). ἀνὴρ τῷ ἀδ. αὐ. προσκολληθήσεται (2 b)
Ps. 72 (73). 28. ἐμοὶ δὲ τὸ προσκολλᾶσθαι τῷ θεῷ ἀγαθόν ἐστι (3)
Si. 6. 34. αὐτῷ προσκολλήθητι
13. 16. τῷ ὁμοίῳ αὐτοῦ προσκολληθήσεται ἀνήρ
Ba. 3. 4. A προσεκολλήθη [B ἐκ.] ἡμῖν τὰ κακά
Ez. 29. 4. προσκολλήσω τοὺς ἰχθύας τοῦ ποταμοῦ σου (2 c)
Da. TH. 2. 43. οὐκ ἔσονται προσκολλώμενοι [A -ος] οὗτος μετὰ τούτου (2 d)
[Aq. Dt. 7. 7 : Jb. 41. 9.]
[Sm. Is. 56. 6 : Ez. 29. 4.]
[Th. Jb. 41. 9 : Is. 56. 3.]
[Al. I Ki. 14. 22.]

πρόσκομμα. (1) מוֹקֵשׁ (2) נֶגֶף (3) πρόσκομμα τιθέναι קוֹשׁ

Ex. 23. 33. οὗτοι ἔσονταί σοι πρόσκομμα (1)
34. 12. μή σοι γένηται πρ. ἐν ὑμῖν (1)
Ju. 8. 22. ἐσόμεθα εἰς πρόσκομμα
Si. 17. 25. καὶ σμίκρυνον πρόσκομμα
31 (34). 16. φυλακὴ ἀπὸ προσκόμματος
34 (31). 7. ξύλον προσκόμματός [S¹ οὐδὲ προστάγματός] ἐστι τοῖς ἐνθυσιάζουσιν αὐτῷ
— 30. πληθύνει μέθη θυμὸν ἄφρονος εἰς πρόσκομμα
39. 24. οὕτως τοῖς ἀνόμοις προσκόμματα
Is. 8. 14. οὐχ ὡς λίθου προσκόμματι συναντήσεσθε (2)
Is. 29. 21. τοὺς ἐλέγχοντας ἐν πύλαις πρ. θήσουσιν (3)
Je. 3. 3. ἔσχες ποιμένας πολλοὺς εἰς πρ. σεαυτῇ †
[Aq. Is. 8. 14.]
[Sm. Is. 8. 14 : 57. 14.]
[Th. Is. 8. 14 : Ez. 20. 7 (P.).]

προσκοπεῖν.

[Aq. Nu. 24. 17.]

προσκοπεύειν.

[Sm. Jb. 15. 22.]

προσκόπησις.

[Aq., Sm. Ez. 7. 7.]

προσκόπτειν. (1) כָּשַׁל ni. (2) נָגַף *a.* qal. *b.* ni. *c.* hithp. (3) רָהַב

Jd. 20. 32. A προσκόπτουσιν [B πίπτουσιν] ἐνώπιον ἡμῶν (2 b)
To. 11. 10. καὶ προσέκοπτεν
Ps. 90 (91). 12. μή ποτε προσκόψῃς πρὸς λίθον τὸν πόδα σου (2 a)
Pr. 3. 6. S² ὁ δὲ ποῦς σου μὴ προσκόπτῃ –
— 23. ὁ δὲ ποῦς σου οὐ μὴ προσκόψῃ (2 a)
4. 19. οὐκ οἴδασι πῶς προσκόπτουσιν (1)
Si. 13. 23. κἂν προσκόψῃ
30. 13. ἵνα μὴ ἐν τῇ ἀσχημοσύνῃ σου προσκόψῃ [A S αὐτοῦ προσκόψῃς]
34 (31). 17. μὴ ἀπληστεύου μή ποτε προσκόψῃς
35 (32). 20. μὴ προσκόψῃς ἐν λιθώδεσι
Is. 3. 5. προσκόψει τὸ παιδίον πρὸς τὸν πρεσβύτην (3)
Je. 13. 16. πρὸ τοῦ προσκόψαι πόδας ὑμῶν ἐπ' ὄρη σκοτεινά (2 c)
Da. LXX. 11. 14. καὶ προσκόψουσι (1)
— 19. καὶ προσκόψει (1)
— 33. καὶ προσκόψουσι ῥομφαίᾳ (1)
III Ma. 5. 18. A ἐπὶ πλεῖον δὲ προσκοπτούσης [R προβαινούσης] τῆς ὁμιλίας
[Aq. Ps. 90 (91). 12.]
[Sm. Ps. 9. 4: Is. 8. 15 : 59. 10.]
[Al. Le. 26. 37 : Dt. 28. 25.]

προσκρούειν. (1) נִיחַ

Jb. 40. 18 (23). προσκρούσει ὁ Ἰ. εἰς τὸ στόμα αὐ. (1)
Si. 13. 2. αὕτη προσκρούσει
II Ma. 13. 19. R ἐτροποῦτο προσέκρουεν [A προσενέκρουσεν]
[Aq. I Ki. 21. 13 (14).]
[Th. Ez. 3. 13.]

πρόσκρουσις.

[Aq. Pr. 29. 6.]

πρόσκρουσμα.

[Th. Ez. 26. 9.]

προσκυνεῖν. (1) זוּעַ (2) כָּרַע (3) נָשַׁק (4) *a.* סָגַד *b.* סְגִד (5) עָבַד (6) שָׁחָה hithpal.

Ge. 18. 2. προσεκύνησεν ἐπὶ τὴν γῆν (6)
19. 1. προσεκύνησε τῷ προσώπῳ (6)
22. 5. προσκυνήσαντες ἀναστρέψομεν (6)
23. 7. προσεκύνησε τῷ λαῷ τῆς γῆς (6)
— 12. προσεκύνησεν Ἀβ. ἐναντίον τοῦ λαοῦ (6)
24. 26. προσεκύνησε κυρίῳ (6)
— 48. προσεκύνησα κυρίῳ (6)
— 52. προσεκύνησεν ἐπὶ τὴν γῆν κυρίῳ (6)
27. 29. A προσκυνήσουσίν [R -σάτωσάν] σοι ἄρχοντες (6)
— 29. A προσκυνήσουσί σε [R σοι] οἱ υἱοί (6)
33. 3. προσεκύνησεν ἐπὶ τὴν γῆν ἑπτάκις (6)
— 6, 7 *bis.* καὶ προσεκύνησαν (6)
37. 7. προσεκύνησαν τὸ ἐμὸν δράγμα (6)
— 9. ὥσπερ . . . ἕνδεκα ἀστέρες προσεκύνουν με (6)
— 10. προσκυνῆσαί σοι ἐπὶ τὴν γῆν (6)
42. 6: 43. 26. προσεκύνησαν αὐτῷ ἐπὶ πρόσωπον (6)
43. 28. κύψαντες προσεκύνησαν (6)
47. 31. προσεκύνησεν Ἰσρ. ἐπὶ τὸ ἄκρον τῆς ῥάβδου (6)
48. 12. προσεκύνησαν αὐτῷ ἐπὶ πρόσωπον (6)
49. 8. προσκυνήσουσί σοι [A σε] οἱ υἱοὶ τοῦ πατ. σου (6)
Ex. 4. 31. κύψας δὲ ὁ λαὸς προσεκύνησε (6)
11. 8. καὶ προσκυνήσουσί με (6)
Ex. 12. 27. κύψας ὁ λαὸς προσεκύνησε (6)
18. 7. καὶ προσεκύνησεν αὐτῷ (6)
20. 5. οὐ προσκυνήσεις αὐτοῖς (6)
23. 24. οὐ προσκυνήσεις τοῖς θεοῖς αὐτῶν (6)
24. 1. προσκυνήσουσι μακρόθεν τῷ κ. (6)
32. 8. καὶ προσκεκυνήκασιν αὐτῷ (6)
33. 10. προσεκύνησαν ἕκαστος ἀπὸ τῆς θύρας (6)
34. 8. κύψας ἐπὶ τὴν γῆν προσεκύνησε (6)
— 14. οὐ γὰρ μὴ προσκυνήσητε θεοῖς ἑτέροις (6)
Le. 26. 1. οὐδὲ λίθον σκοπὸν θήσετε . . . προσκυνῆσαι αὐτῷ (6)
Nu. 22. 31. προσεκύνησε τῷ προσώπῳ αὐτοῦ (6)
25. 2. προσεκύνησαν [A -σεν] τοῖς εἰδώλοις αὐτῶν (6)
De. 4. 19. μὴ . . . προσκυνήσῃς [A -σεις] αὐτοῖς (6)
5. 9. οὐ . . . προσκυνήσεις αὐτοῖς (6)
6. 13. A κ. τὸν θ. σου προσκυνήσεις [B φοβηθήσῃ] †
8. 19. A B²R καὶ προσκυνήσῃς αὐτοῖς (6)
10. 20. A κ. τὸν θ. σου προσκυνήσεις [B φοβηθήσῃ] †
11. 16. καὶ προσκυνήσητε αὐτοῖς (6)
17. 3. καὶ προσκυνήσουσιν αὐτοῖς (6)
26. 10. προσκυνήσεις ἔναντι κ. τοῦ θ. σου (6)
29. 26 (25). A καὶ προσεκύνησαν αὐτοῖς (6)
30. 17. προσκυνήσῃς [A -σεις] θεοῖς ἑτ. (6)
32. 43. καὶ προσκυνησάτωσαν αὐτῷ –
Jo. 23. 7. οὐδὲ μὴ προσκυνήσητε [B¹ -σετε] αὐτοῖς (6)
— 16. καὶ προσκυνήσητε αὐτοῖς (6)
Jd. 2. 2. οὐδὲ τοῖς θεοῖς αὐτῶν προσκυνήσετε [A οὐ μὴ προσκυνήσητε] –
— 12, 17. καὶ προσεκύνησαν αὐτοῖς (6)
— 19. καὶ πρ. αὐτοῖς (6)
6. 19. A καὶ προσεκύνησεν [B -ήγγισε] †
7. 15. προσεκύνησε κυρίῳ [A -ον] (6)
Ru. 2. 10. καὶ προσεκύνησεν (6)
— 10. A καὶ προσεκύνησεν αὐτόν –
I Ki. 1. 3. ἀνέβαινεν . . . πρ. καὶ θύειν (6)
— 19. προσκυνοῦσι τῷ κ. (6)
2. 36. ἥξει πρ. [A -νῆσαι] αὐτῷ (6)
15. 25, 30. προσκυνήσω κ. τῷ θεῷ σου (6)
— 31. προσεκύνησε τῷ κ. (6)
20. 41. προσεκύνησεν αὐτῷ τρίς (6)
24. 9 : 25. 23. καὶ προσεκύνησεν αὐτῷ (6)
25. 41. προσεκύνησεν ἐπὶ τὴν γῆν (6)
28. 14 : II Ki. 1. 2 : 9. 6. καὶ προσεκύνησεν αὐτῷ (6)
II Ki. 9. 8. καὶ προσεκύνησε Μ. (6)
12. 20 : 14. 4. καὶ προσεκύνησεν αὐτῷ (6)
14. 22. καὶ προσεκύνησε (6)
— 33. καὶ προσεκύνησεν αὐτῷ (6)
15. 5. τοῦ προσκυνῆσαι αὐτῷ (6)
— 32. οὗ προσεκύνησεν ἐκεῖ τῷ θ. (6)
16. 4. προσκυνήσας εὕροιμι χάριν (6)
18. 21. προσεκύνησε Χ. τῷ Ἰ. (6)
— 28 : 24. 20 : III Ki. 1. 16, 23, 31. προσεκύνησε τῷ βασ. (6)
III Ki. 1. 47. προσεκύνησεν ὁ βασ. ἐπὶ τὴν κοίτην (6)
— 53. A R προσεκύνησε τῷ βασ. [B om.] Σαλ. (6)
2. 13. καὶ προσεκύνησεν αὐτῇ [A -ήν] –
9. 6. καὶ προσκυνήσητε αὐτοῖς (6)
— 9. καὶ προσεκύνησαν αὐτοῖς (6)
16. 31. καὶ προσεκύνησεν αὐτῷ (6)
19. 18. ὃ οὐ προσεκύνησεν [A προσκυνήσει] αὐτῷ (3)
22. 54. καὶ προσεκύνησεν αὐτοῖς (6)
IV Ki. 2. 15. καὶ προσεκύνησαν αὐτῷ (6)
4. 37. προσεκύνησεν ἐπὶ τὴν γῆν (6)
5. 18. προσκυνῆσαι ἐκεῖ [A αὐτόν] (6)
— 18. προσκυνήσω ἐν οἴκῳ Ῥ. (6)
— 18. B ἐν τῷ πρ. αὐτὸν ἐν οἴκῳ Ῥ. (6)
17. 16. προσεκύνησαν π. τῇ δυνάμει τοῦ οὐρ. (6)
— 35. καὶ οὐ [B¹ om.] προσκυνήσετε αὐτοῖς (6)
— 36. καὶ αὐτῷ προσκυνήσετε (6)
18. 22. προσκυνήσετε [A -σατε] ἐν Ἱερ. (6)
19. 37. αὐτοῦ προσκυνοῦντος ἐν οἴκῳ Μ. (6)
21. 3. προσεκύνησε πάσῃ τῇ δυνάμει τοῦ οὐρ. (6)
— 21. καὶ προσεκύνησεν αὐτοῖς (6)
I Ch. 16. 29. καὶ προσκυνήσατε κυρίῳ (6)
21. 21. προσεκύνησε τῷ Δ. (6)
29. 20. προσεκύνησαν κυρίῳ (6)
II Ch. 7. 3. καὶ προσεκύνησαν (6)
— 19. καὶ προσκυνήσητε αὐτοῖς (6)
— 22. καὶ προσεκύνησαν αὐτοῖς (6)
20. 18. προσκυνῆσαι κυρίῳ (6)
24. 17. προσεκύνησαν τὸν βασ. (6)
25. 14. B ἔστησεν ἐναντίον αὐτῶν πρ. [A R al.] (6)
29. 28. πᾶσα ἐκκλησία προσεκύνει (6)
— 29, 30. καὶ προσεκύνησαν (6)

II Ch. 32. 12. κατέναντι τοῦ θυσιαστ. τ. προσκυνήσετε (6)
33. 3. προσεκύνησε πάσῃ τῇ στρατιᾷ τοῦ οὐρ. (6)
I Es. 9. 47. προσεκύνησαν τῷ κυρίῳ
Ne. 8. 6. προσεκύνησαν τῷ κυρίῳ (6)
9. 3. ἦσαν . . . προσκυνοῦντες τῷ κ. θεῷ αὐτῶν (6)
— 6. σοὶ προσκυνοῦσιν αἱ στρατιαὶ τῶν οὐρ. (6)
To. 5. 13. ὡς ἐπορευόμεθα . . . πρ. [S *al.*]
Ju. 5. 8. προσεκύνησαν τῷ θεῷ τοῦ οὐρ.
6. 18. προσεκύνησαν τῷ θεῷ
8. 18. οἱ προσκυνοῦσι θεοῖς χειροποιήτοις
10. 8. καὶ προσεκύνησε τῷ θεῷ
— 23. προσεκύνησεν αὐτῷ
13. 17. προσεκύνησαν τῷ θεῷ
14. 7. προσεκύνησε τῷ προσώπῳ αὐτῆς
16. 18. προσεκύνησαν τῷ θεῷ
Es. 3. 2. προσεκύνουν αὐτῷ (2+6)
— 2. ὁ δὲ M. οὐ [A *om.*] προσεκύνει αὐτῷ (2+6)
— 5. οὐ προσκυνεῖ αὐτῷ M. (2+6)
4. 17. τὸ μὴ πρ. τὸν ὑπερήφανον Ἀμάν
— 17. οὐ προσκυνήσω οὐδένα
8. 13. προσκυνούμενον [A -ος] ὑπὸ πάντων
Jb. 1. 20. πεσὼν χαμαὶ προσεκύνησε [A S² πρ. τῷ κυρίῳ] (6)
Ps. 5. 7. προσκυνήσω πρὸς ναὸν ἅγιόν σου (6)
21 (22). 27. προσκυνήσουσιν ἐνώπιον αὐτοῦ (6)
— 29. προσεκύνησαν πάντες οἱ πίονες τῆς γῆς (6)
28 (29). 2. προσκυνήσατε τῷ κυρίῳ (6)
44 (45). 12. προσκυνήσουσιν [S² -σεις] αὐτῷ (6)
65 (66). 4. πᾶσα ἡ γῆ προσκυνησάτωσάν σοι (6)
71 (72). 11. προσκυνήσουσιν αὐτῷ πάντες οἱ βασιλεῖς (6)
80 (81). 9. οὐδὲ προσκυνήσεις θεῷ ἀλλοτρίῳ (6)
85 (86). 9. προσκυνήσουσιν ἐνώπιόν σου (6)
94 (95). 6. προσκυνήσωμεν καὶ προσπέσωμεν αὐτῷ (6)
95 (96). 9. προσκυνήσατε τῷ κυρίῳ (6)
96 (97). 7. πάντες οἱ προσκυνοῦντες [S¹ πεποιθότες ἐπὶ] τοῖς γλυπτοῖς (5)
— 7. προσκυνήσατε αὐτῷ πάντες οἱ ἄγγ. αὐ. (6)
98 (99). 5. προσκυνεῖτε τῷ ὑποποδίῳ τῶν ποδῶν αὐτοῦ (6)
— 9. προσκυνεῖτε εἰς ὄρος ἅγιον αὐτοῦ (6)
105 (106). 19. προσεκύνησαν τῷ γλυπτῷ (6)
131 (132). 7. A R προσκυνήσωμεν [S -σομεν] εἰς τὸν τόπον (6)
137 (138). 2. προσκυνήσω πρὸς ναὸν ἅγιόν σου (6)
Si. 50. 17. προσκυνῆσαι τῷ κυρίῳ αὐτῶν
Mi. 5. 13 (12). A R οὐκέτι μὴ προσκυνήσεις [B -σῃς] τοῖς ἔργοις (6)
Ze. 1. 5. καὶ τοὺς προσκυνοῦντας ἐπὶ τὰ δώματα [S εἴδωλα] (6)
— 5. B S καὶ τοὺς προσκυνοῦντας καὶ τοὺς ὀμνύοντας (6)
2. 11. καὶ προσκυνήσουσιν αὐτῷ (6)
Za. 14. 16, 17. τοῦ προσκυνῆσαι τῷ βασ. κυρίῳ (6)
Is. 2. 8. A S προσεκύνησαν οἷς [S¹ ἃ] ἐποίησαν [B *om.* οἷς ἐ.] οἱ δάκτυλοι αὐ. (6)
— 20. ἃ ἐποίησαν πρ. (6)
27. 13. προσκυνήσουσι [A -σωσιν] τῷ κ. (6)
37. 38. ἐν τῷ αὐτὸν πρ. ἐν τῷ οἴκῳ Νασ. (6)
44. 15. καὶ προσκυνοῦσιν αὐτούς (6+4 *a*)
— 17. προσκυνεῖ [A S *add.* αὐτῷ] καὶ προσεύχεται (6+4 *a*)
— 19. προσκυνοῦσιν [S -νήσουσιν] αὐτῷ (4 *a*)
45. 14. προσκυνήσουσί σοι (6)
46. 6. κύψαντες προσκυνοῦσιν [S¹ -νεῖ] αὐτοῖς [A -ό, S -ῷ] (6)
49. 7. καὶ προσκυνήσουσιν [S -σωσιν] αὐτῷ (6)
— 23. προσκυνήσουσί σοι (6)
66. 23. τοῦ προσκυνῆσαι ἐνώπιον ἐμοῦ (6)
Je. 1. 16. προσεκύνησαν τοῖς ἔργοις τῶν χειρῶν αὐτῶν (6)
8. 2. A S R οἷς [B οἱ] προσεκύνησαν αὐτοῖς (6)
13. 10. τοῦ δουλεύειν αὐτοῖς καὶ τοῦ πρ. αὐτοῖς (6)
16. 11. B S προσεκύνησαν αὐτοῖς (6)
22. 9. προσεκύνησαν θεοῖς ἀλλοτρίοις (6)
25. 6. τοῦ δουλεύειν αὐτοῖς καὶ τοῦ πρ. αὐτοῖς (6)
33 (26). 2. πρ. ἐν οἴκῳ κυρίου (6)
Ep. Je. 5. ὄχλον ἔμπροσθεν καὶ ὄπισθεν αὐτῶν προσκυνοῦντας αὐτά
— 6. B σοὶ δεῖ πρ. [A *om.*]
Ez. 8. 16. προσκυνοῦσι [A -εκύνουν κατ' ἀνατολὰς] τῷ ἡλίῳ (6)
46. 2. προσκυνήσει ἐπὶ τοῦ προθύρου τῆς πύλης (6)
— 3. προσκυνήσει ὁ λαὸς τῆς γῆς (6)
Ez. 46. 9. ὁ εἰσπορευόμενος . . . πρ. (6)
Da. LXX. 2. 46. προσεκύνησε τῷ Δ. (4 *b*)
3. 5. πεσόντες προσκυνήσατε τῇ εἰκόνι (4 *b*)
— 6. ὃς ἂν μὴ πεσὼν προσκυνήσῃ (4 *b*)
— 7. προσεκύνησαν τῇ εἰκόνι τῇ χρυσῇ (4 *b*)
— 10. ἵνα . . . πεσὼν προσκυνήσῃ τῇ εἰκόνι (4 *b*)
— 11. ὃς ἂν μὴ πεσὼν προσκυνήσῃ (4 *b*)
— 12. τῇ εἰκόνι σου . . . οὐ προσεκύνησαν (4 *b*)
— 14. καὶ τῇ εἰκόνι . . . οὐ προσκυνεῖτε (4 *b*)
— 15. προσκυνῆσαι τῇ εἰκόνι τῇ χρυσῇ (4 *b*)
— 15. μὴ προσκυνησάντων ὑμῶν (4 *b*)
— 18. οὔτε τῇ εἰκόνι σου . . . οὐ προσκυνοῦμεν (4 *b*)
— 28 (95). μηδὲ προσκυνήσωσι θεῷ ἑτέρῳ (4 *b*)
6. 26 (27). ἔστωσαν προσκυνοῦντες (1)
— 27 (28). ἔσομαι αὐτῷ προσκυνῶν –
Bel 3. καὶ προσεκύνει αὐτῷ
— 3. διὰ τί οὐ προσκυνεῖς τῷ Βήλ
— 23. προσκύνησον αὐτῷ
Da. TH. 2. 46. τῷ Δαν. προσεκύνησε (4 *b*)
3. 5. πίπτοντες προσκυνεῖτε τῇ εἰκόνι (4 *b*)
— 6. ὃς ἂν μὴ προσκυνήσῃ (4 *b*)
— 7. προσεκύνουν τῇ εἰκόνι τῇ χρυσῇ (4 *b*)
— 11. καὶ μὴ πεσὼν προσκυνήσῃ τῇ εἰκόνι (4 *b*)
— 12. τῇ εἰκόνι τῇ χρυσῇ . . . οὐ προσκυνοῦσι (4 *b*)
— 14. καὶ τῇ εἰκόνι τῇ χρυσῇ . . . οὐ προσκυνεῖτε (4 *b*)
— 15. ἵνα . . . πεσόντες προσκυνήσητε [A -νεῖτε] τῇ εἰκόνι (4 *b*)
— 15. ἐὰν δὲ μὴ προσκυνήσητε (4 *b*)
— 18. τῇ εἰκόνι ᾗ ἔστησας οὐ προσκυνοῦμεν (4 *b*)
— 27 (94). A B² προσεκύνησεν ὁ βασ. ἐνώπιον αὐτῶν τῷ κ. –
— 28 (95). μηδὲ προσκυνήσωσι [A *om.* μ. πρ.] παντὶ θεῷ (4 *b*)
Bel 4. ἐπορεύετο . . . προσκυνεῖν [B² κυνεῖν] αὐτῷ
— 4. Δαν. δὲ προσεκύνει τῷ θεῷ αὐ.
— 4. διὰ τί οὐ προσκυνεῖς τῷ Βήλ
— 24. προσκύνησον αὐτῷ
— 25. κ. τῷ θεῷ μου προσκυνήσω
I Ma. 4. 55. καὶ προσεκύνησαν
IV Ma. 5. 12. προσκυνήσας μου τὴν φιλάνθρωπον παρηγορίαν
[Aq. Ge. 47. 31: Jo. 5. 14 (15): Ps. 5. 8: 44 (45). 12: Is. 36. 7: 60. 14: Je. 7. 2.]
[Sm. Ge. 47. 31: Jo. 5. 14 (15): Jb. 31. 27: Ps. 2. 11: 5. 8: 44 (45). 12: 65 (66). 4: 80 (81). 10: Is. 36. 7: 60. 14: Je. 7. 2.]
[Th. Ge. 47. 31: Jo. 5. 14 (15): Ps. 44 (45). 12: Is. 36. 7: 60. 14: Je. 7. 2.]

προσκύνησις.
Si. 50. 21. ἐδευτέρωσεν ἐν [A ἐπὶ] προσκυνήσει
III Ma. 3. 7. τὴν δὲ περὶ τῶν πρ. . . . διάστασιν

προσκύπτειν.
II Ma. 7. 27. προσκύψασα δὲ αὐτῷ

προσκυρεῖν.
I Ma. 10. 39. Πτολεμαῖδα καὶ τὴν προσκυροῦσαν αὐτῇ

προσλαλεῖν. (1) דִּבֵּר pi.
Ex. 4. 16. A B² αὐτός σοι προσλαλήσει [B¹ R λαλ.] (1)
Wi. 13. 17. οὐκ αἰσχύνεται τῷ ἀψύχῳ προσλαλῶν
[Sm. Ge. 24. 63 (P.): Ps. 26 (27). 7: 54 (55). 3: 63 (64). 2: La. 3. 20.]

προσλαμβάνειν. (1) אָסַף (2) לָקַח (3) מָשָׁה hi. (4) עָשָׂה (5) קָרַב pi.
I Ki. 12. 22. B προσελάβετο ὑμᾶς ἑαυτῷ εἰς λαόν (4)
Ps. 17 (18). 16. προσελάβετό με [B¹ προσέλαβε] ἐξ ὑδάτων πολλῶν (3)
26 (27). 10. ὁ δὲ κύριος προσελάβετό με (1)
64 (65). 4. μακάριος ὃν ἐξελέξω καὶ προσελάβου (5)
72 (73). 24. μετὰ δόξης προσελάβου με (2)
Wi. 17. 11. ἀεὶ δὲ προσείληφε [S² προείληφεν] τὰ χαλεπά
II Ma. 8. 1. R τοὺς μεμενηκότας ἐν τῷ Ἰουδαισμῷ προσλαβόμενοι [A -λαμβανόμ.]
10. 15. τοὺς φυγαδευθέντας ἀπὸ Ἱερ. προσλαβόμενοι [Aq. Jb. 24. 2.]

προσλογίζεσθαι. (1) חָשַׁב *a.* ni. *b.* pi.
Le. 27. 18. προσλογιεῖται αὐτῷ ὁ ἱερεὺς τὸ ἀργ. (1 *b*)
Jo. 13. 3. προσλογίζεται ταῖς πέντε σατραπείαις (1 *a*)
Ps. 87 (88). 4. προσελογίσθην μετὰ τῶν καταβαινόντων εἰς λάκκον (1 *a*)
Si. 7. 16. μὴ προσλογίζου σεαυτὸν ἐν πλήθει ἁμαρτωλῶν
Ba. 3. 11. προσελογίσθης μετὰ τῶν εἰς ᾅδου
I Ma. 10. 38. S προσλογισθῆναι [A R πρὸς τὸ λογ.] τοῦ γενέσθαι ὑφ' ἕνα

προσμαρτυρεῖν.
III Ma. 5. 19. R τῶν φίλων αὐτῷ [A -ῶν] προσμαρτυρησάντων

προσμειδιᾶν.
IV Ma. 8. 4. προσεμειδίασεν αὐτοῖς

προσμένειν. (1) חוּל hi.
Jd. 3. 25. A προσέμειναν αἰσχυνόμενοι [B *al.*] (1)
To. 2. 2. S προσμενῶ [A B μένω] σε
Wi. 3. 9. οἱ πιστοὶ ἐν ἀγάπῃ προσμενοῦσιν αὐτῷ
III Ma. 7. 17. προσέμεινεν αὐτοὺς ὁ στόλος
[Aq. Jb. 3. 9]
[Sm. Ex. 24. 14.]

προσμηνύειν.
Wi. 18. 19. A οἱ γὰρ ὄνειροι . . . τοῦτο [S *om.*] προσεμήνυσαν [B S προεμ.]

προσμιγνύναι.
Pr. 14. 13. ἐν εὐφροσύναις οὐ προσμίγνυται λύπη †
II Ma. 15. 20. A προσμιξάντων [R συμμιξ.] τῶν πολεμίων

προσνέμειν.
IV Ma. 6. 33. τὴν τῆς ἡγεμονίας προσνέμομεν ἐξουσίαν

προσνοεῖν. (1) שׁוּר (2) מְשִׁתַּבֵּל הָוָה
Nu. 23. 9. ἀπὸ βουνῶν προσνοήσω [B² προν.] αὐτόν (1)
Jd. 3. 26. οὐκ ἦν ὁ προσνοῶν αὐτῷ –
To. 11. 6. προσενόησεν αὐτὸν ἐρχόμενον
Jb. 20. 9. οὐκέτι προσνοήσει αὐτὸν ὁ τόπος αὐτοῦ (1)
24. 15. A B S² οὐ προσνοήσει [S¹ προσθήσει, R προν.] με ὀφθαλμός (1)
Is. 63. 5. προσενόησα καὶ οὐθεὶς ἀντελαμβάνετο †
Da. TH. 7. 8. προσενόουν τοῖς κέρασιν αὐ. (2)
II Ma. 14. 9. A τῆς χώρας . . . προσνοήθητι [R προν.]
[Th. Da. 7. 8.]

πρόσοδος.
Pr. 28. 16. βασιλεὺς ἐνδεὴς προσόδων [S² χρημάτων] μέγας συκοφάντης †
II Ma. 3. 3. χορηγεῖν ἐκ τῶν ἰδίων πρ. πάντα
4. 8. καὶ προσόδου τινὸς ἄλλης τάλαντα ὀγδοήκοντα
9. 16. τὰς δὲ . . . συντάξεις ἐκ τῶν ἰδίων πρ. χορηγήσειν
14. 3. οὐδὲ πρὸς ἅγιον θυσιαστήριον ἔτι πρόσοδος
III Ma. 3. 16. τοῖς . . . ἱεροῖς ἀπονείμαντες προσόδους πλείστας
6. 30. τὸν ἐπὶ τῶν πρ. προσκαλεσάμενος
[Al. Le. 19. 25: 25. 3: 26. 20: 27. 16.]

προσοδύρεσθαι.
Wi. 19. 3. προσοδυρόμενοι τάφοις νεκρῶν

προσόζειν. (1) בָּאַשׁ hi.
Ps. 37 (38). 5. προσώζεσαν καὶ ἐσάπησαν οἱ μώλωπές μου (1)

προσοίγειν.
Ge. 19. 6. τὴν δὲ θύραν προσέῳξεν †

προσοικεῖν. (1) גּוּר
Ez. 47. 22. A βαλεῖτε αὐτὴν . . . τοῖς προσοικοῦσιν [B παροικ.] ἐν μέσῳ ὑμῶν

προσονομάζειν.
II Ma. 6. 2. καὶ προσονομάσαι Διὸς Ὀλ.

προσοχή.
Wi. 6. 18. προσοχὴ δὲ νόμων βεβαίωσις ἀφθαρσίας
12. 20. μετὰ τοσαύτης ἐτιμώρησας προσοχῆς
Si. *prol.* 13. μετ' εὐνοίας καὶ προσοχῆς τὴν ἀνάγνωσιν ποιεῖσθαι
11. 18. ἔστι πλουτῶν ἀπὸ προσοχῆς

προσοχθίζειν. (1) נָעַל *a.* qal. *b.* ni. (2) מָאַס (3) קוּא *a.* qal. *b.* hi. (4) קוּט *a.* qal. *b.* ni. (5) קוּץ (6) שָׁקַץ pi. (7) תָּעַב ni.
Ge. 27. 46. προσώχθικα τῇ ζωῇ μου (5)
Le. 18. 25. προσώχθισεν ἡ γῆ τοῖς ἐγκαθημ. [A *al.*] (3 *b*)

Le. 18. 28. ἵνα μὴ προσοχθίσῃ ὑμῖν ἡ γῆ (3 b)
— 28. ὃν τρόπον προσώχθισε τοῖς [A ἐν τ.] ἔθνεσι (3 a)
20. 22. οὐ μὴ προσοχθίσῃ ὑμῖν [A -ᾶς] ἡ γῆ (3 b)
26. 15. καὶ τοῖς κρίμασί μου προσοχθίσῃ ἡ ψυχή (1 a)
— 30. προσοχθεῖ ἡ ψυχή μου ὑμῖν (1 a)
— 43. τοῖς προστάγμασί μου προσώχθισαν (1 a)
— 44. οὐδὲ προσώχθισα αὐτοῖς (1 a)
Nu. 21. 5. προσώχθισεν ἐν τῷ ἄρτῳ (5)
22. 3. προσώχθισε M. ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰ. (5)
De. 7. 26. προσοχθίσματι προσοχθιεῖς (6)
II Ki. 1. 21. προσωχθίσθη θυρεὸς δυνατῶν [A al.] (1 b)
I Ch. 21. 6. A προσώχθισεν ὁ [B κατίσχυσε] λόγος . . . τὸν Ἰ. (7)
Ps. 21 (22). 24. οὐδὲ προσώχθισε τῇ δεήσει τοῦ πτωχοῦ (6)
35 (36). 4. τῇ δὲ κακίᾳ οὐ προσώχθισε (2)
94 (95). 10. προσώχθισα τῇ γενεᾷ ἐκείνῃ (4 a)
Si. 6. 25. μὴ προσοχθίσῃς τοῖς [S¹ ἐν τοῖς] δεσμοῖς αὐτῆς
25. 2. προσώχθισα σφόδρα τῇ ζωῇ αὐτῶν
38. 4. ἀνὴρ φρόνιμος οὐ προσοχθεῖ αὐτοῖς
50. 25. ἐν δυσὶν ἔθνεσι προσώχθισεν ἡ ψυχή μου
Ez. 36. 31. προσοχθεῖτε κατὰ [B² καὶ τὸ] πρόσωπον αὐ. (4 b)
[Aq. Ez. 23. 22.]
[Th. Ez. 6. 9 : 20. 43.]

προσόχθισμα (-ώχ.). (1) *a.* שָׁקַץ pi. *b.* שִׁקּוּץ (2) תּוֹעֵבָה

De. 7. 26. προσοχθίσματι προσοχθιεῖς (1 a)
III Ki. 11. 33. καὶ τῷ βασ. αὐ. προσοχθίσματι υἱῶν Ἀ. †
16. 32. ἐν οἴκῳ [A ἐνώπιον] τῶν πρ. αὐτοῦ †
18. 29. πρὸς τοὺς προφήτας τῶν πρ. –
IV Ki. 23. 13. τῇ Ἀστ. προσοχθίσματι Σιδωνίων καὶ τῷ Χ. προσοχθίσματι Μωάβ (1 b, 1 b)
— 24. καὶ πάντα τὰ πρ. τὰ γεγονότα (1 b)
Si. 27. 13. διήγησις μωρῶν προσόχθισμα [A S -ώχ.]
Ez. 5. 11. A ἐμίανας ἐν πᾶσι τοῖς πρ. [B βδελύγμασί] μου (1 b + 2)
37. 23. A ἐν τοῖς πρ. αὐτῶν (1 b)
III Ma. 2. 18. ὡς καταπατοῦνται οἱ οἶκοι τῶν πρ.
[Aq. Dt. 29. 17 (16): IV Ki. 1. 2 : Ez. 8. 10.]
[Sm. IV Ki. 1. 2 : Ez. 8. 10.]
[Th. IV Ki. 1. 2 : Ez. 5. 11 : 7. 20 : 20. 7 : 37. 23 (Sw.).]

προσοχυροῦν.

I Ma. 13. 48. προσωχύρωσεν αὐτήν
— 52. προσωχύρωσε τὸ ὄρος τοῦ ἱεροῦ

πρόσοψις. (1) זִיו (2) חֲזוּת (3) רְוָה

Da. LXX. 2. 31. καὶ ἡ πρ. αὐ. ὑπερφερὴς ἑστήκει (1)
— 31. καὶ ἡ πρ. τῆς εἰκόνος φοβερά (3)
7. 20. καὶ ἡ πρ. αὐ. ὑπερέφερε τὰ ἄλλα (2)
Da. TH. 2. 31. καὶ ἡ πρ. [A ὄψις] αὐ. ὑπερφερής (1)
II Ma. 6. 18. τὴν πρ. τοῦ προσώπου κάλλιστος τυγχάνων
[Sm. Le. 19. 27 : Hb. 1. 9.]

προσπαίειν.

[Sm. Ps. 90 (91). 12.]

προσπαίζειν. (1) רָקַד pi.

Jb. 21. 11. τὰ δὲ παιδία αὐτῶν προσπαίζουσιν [A -ζει αὐτοῖς] (1)
Si. 8. 4. μὴ πρόσπαιζε ἀπαιδεύτῳ

προσπαρακαλεῖν.

II Ma. 12. 31. προσπαρακαλέσαντες . . . πρὸς τὸ γένος εὐμενεῖς εἶναι

προσπάσσειν.

To. 11. 11. προσέπασε τὴν χολήν [S al.]

προσπίπτειν. (1) יָצָא (2) כָּרַע (3) נָגַע hi. (4) נָפַל

Ge. 33. 4. προσέπεσεν ἐπὶ τὸν τράχ. αὐ. (4)
Ex. 4. 25. προσέπεσε πρὸς τοὺς πόδας (3)
I Es. 2. 17. Ῥάθυμος ὁ τὰ προσπίπτοντα
— 25. Ῥαθύμῳ τῷ γράφοντι τὰ προσπίπτοντα
8. 8. A R προσπεσόντος δὲ τοῦ γραφέντος προστάγμ. [B al.]
I Es. 9. 47. προσπεσόντες ἐπὶ τὴν γῆν
Ju. 14. 7. προσέπεσε τοῖς ποσὶν Ἰ.
Es. 8. 3. προσέπεσε πρὸς τοὺς πόδας αὐτοῦ (4)
9. 4. προσέπεσε [S² ἐπέπ.] γὰρ τὸ πρόσταγμα –
Ps. 94 (95). 6. προσπέσωμεν αὐτῷ (2)
Pr. 25. 8. μὴ πρόσπιπτε εἰς μάχην ταχέως (1)
— 20. A S οὕτως προσπεσὸν πάθος σώματι [B ἐν σ.] καρδίαν λυπεῖ †
Si. 25. 21. μὴ προσπέσῃς ἐπὶ κάλλος [S² -ους] γυναικός
II Ma. 5. 11. προσπεσόντων δὲ τῷ βασιλεῖ
8. 12. τῷ δὲ Ἰ. προσέπεσε
9. 3. προσέπεσε τὰ κατὰ Νικάνορα
10. 26. ἐπὶ τὴν . . . κρηπῖδα προσπεσόντες
13. 1 : 14. 1. προσέπεσε τοῖς περὶ τὸν Ἰούδαν
14. 28. προσπεσόντων δὲ τούτων τῷ Ν.
III Ma. 1. 16. A τῶν δὲ ἱερέων . . . προσπεσόντων [R al.]
3. 25. ἅμα τῷ προσπεσεῖν τὴν ἐπιστολὴν τήνδε
4. 1. ὅπου προσέπιπτε τοῦτο τὸ πρόσταγμα
[Sm. Ps. 24 (25). 1 : Je. 38 (45). 26 : Ez. 3. 13.]
[Al. Dt. 9. 18.]

προσπλάσσειν. (1) יָצַר

Is. 45. 9. S¹ τῷ προσπλάσαντι αὐτόν [B al.] (1 ?)

προσπλήρωμα.

[Sm. II Ch. 32. 5.]

προσπλοκή.

[Aq. Ex. 28. 32.]

προσποιεῖν. (1) הָלַל hithpo.

I Ki. 21. 13 (14). καὶ προσεποιήσατο (1)
Jb. 19. 14. οὐ προσεποιήσαντό [S -εἶδόν] με †
Si. 34 (31). 30. καὶ προσποιῶν τραύματα
Da. LXX. Su. 11. οὐ προσεποιεῖτο τὸ κακὸν τὸ ἔχον αὐτούς

προσπορεύεσθαι. (1) בּוֹא (2) גּוּר (3) *a.* הָלַךְ *b.* הָלַךְ לְפָנֵי (4) נָגַשׁ (5) *a.* קָרַב *b.* קָרֵב

Ex. 24. 14. προσπορευέσθωσαν αὐτοῖς (4)
28. 39 (43). ὅταν προσπορεύωνται λειτουργεῖν (4)
30. 20. ὅταν προσπορεύωνται . . . λειτουργεῖν (4)
36. 2. βουλομένους πρ. πρὸς τὰ ἔργα (5 a)
38. 27 (40. 32). ὅταν προσπορεύωνται πρὸς τὸ θυσιαστ. (5 a)
Le. 10. 9. προσπορευομ. ὑμῶν πρὸς τὸ θυσιαστ. –
19. 34. ὁ προσήλ. ὁ προσπορευόμ. πρὸς ὑμᾶς (2)
Nu. 1. 51. ὁ ἀλλογενὴς ὁ προσπορευόμ. ἀποθανέτω (5 b)
3. 38. A ὁ ἄλλογ. ὁ προσπορευόμ. [B ἁπτόμ.] ἀποθανεῖται (5 b)
4. 19. προσπορευομ. αὐτῶν πρὸς τὰ ἅγ. τῶν ἁγ. Ἀ. καὶ οἱ υἱοὶ αὐτοῦ προσπορευέσθωσαν [A εἰσπ.] (4, 1)
15. 26. A τῷ προσηλύτῳ καὶ τῷ προσπορευομ. [B al.] (2)
18. 7. ὁ ἀλλογ. ὁ προσπορευόμ. ἀποθανεῖται (5 b)
De. 20. 3. A ὑμεῖς προσπορεύεσθε [A πορ.] σήμερον (5 b)
Jo. 9. 1 (8. 35). τοῖς προσηλύτοις τοῖς προσπορευομ. [A προπ.] τῷ Ἰσρ. (3 a)
10. 24. A προσπορεύεσθε [B προπ.] (5 a)
I Ki. 17. 7. A προσπορεύετο [B προεπ.] αὐτοῦ (3 b)
II Ch. 13. 9. ὁ προσπορευόμ. πληρῶσαι τὰς χεῖρας (1)
II Es. 7. 17. A B καὶ πᾶν [R πάντα] προσπορευόμ. τοῦτον †
Ne. 10. 28 (29). καὶ πᾶς ὁ προσπορευόμ. †
To. 6. 17. ὅταν δὲ προσπορεύῃ [A -εύσῃ] αὐτῇ [S al.]
Es. 5. 1. S τὴν κεφ. τῆς ἄβρας τῆς προσπορευομ. [A B προπ.]
Pr. 16. 4 (15. 33). A S² προσπορεύεται δὲ ταπεινοῖς δόξα †
Si. 12. 14. οὕτως τὸν προσπορευόμ. ἀνδρὶ ἁμαρτωλῷ
I Ma. 9. 11. S¹ προσεπορεύοντο [A S² R προεπ.] τῆς δυνάμεως

προσπροάγειν.

I Es. 1. 33. A τά τε προσπροαχθέντα ὑπ' αὐτοῦ [B al.]

προσπταίειν.

[Sm. Ps. 90 (91). 12.]

πρόσπταισμα.

[Sm. Ex. 10. 7.]

προσπυροῦν.

II Ma. 14. 11. προσεπύρωσαν τὸν Δ.

προσραίνειν. (1) נָזָה hi.

Le. 4. 6. προσρανεῖ ἀπὸ τοῦ αἵματος (1)
8. 29 (30). προσέρρανεν ἐπὶ Ἀαρών (1)

προσράσσειν.

[Aq. Is. 27. 9.]

προσρηγνύναι.

[Aq. Ps. 2. 9.]

προσσημειοῦν.

IV Ma. 15. 19. A² τοὺς μυκτῆρας προσσημειουμένους [A¹ S R προσημ.] αὐτῶν τὸν θάνατον

προσσιελίζειν. (1) רָקַק

Le. 15. 8. ἐὰν δὲ προσσιελίσῃ [A -εγγίσῃ] (1)

προσστατεῖν.

I Ma. 14. 47. S¹ τοῦ προσστατῆσαι [A S² R προστ.] πάντων

προσταγή. (1) מִלָּה

Da. LXX. 3. 28 (95). τὴν γὰρ πρ. τοῦ βασ. ἠθέτησαν (1)

πρόσταγμα. (1) דָּבָר (2) דָּת (3) *a.* חֹק *b.* חֻקָּה (4) מִלָּה (5) מִצְוָה (6) מִשְׁמֶרֶת (7) מִשְׁפָּט (8) פֶּה (9) תּוֹרָה

Ge. 24. 50. A ἐξῆλθε τὸ πρ. [R πρᾶγμα] τοῦτο (1)
26. 5. ἐφύλαξε τὰ πρ. μου (6)
47. 26. ἔθετο αὐτοῖς Ἰ. εἰς πρόσταγμα (3 a)
Ex. 18. 16. συμβιβάζω αὐτοῖς τὰ πρ. τοῦ θ. (3 a)
— 20. διαμαρτύρῃ αὐτοῖς τὰ πρ. τοῦ θ. (3 a)
20. 6. τοῖς φυλάσσουσι τὰ πρ. μου (5)
Le. 4. 2. ἀπὸ τῶν πρ. κυρίου (5)
18. 4. τὰ πρ. μου φυλάξεσθε (3 b)
— 5. φυλάξεσθε πάντα τὰ πρ. μου (3 b)
— 26. B καὶ πάντα τὰ πρ. μου (7)
— 30. φυλάξετε τὰ πρ. μου (6)
19. 37. καὶ πάντα τὰ πρ. μου (7)
20. 8. φυλάξεσθε τὰ πρ. μου (3 b)
— 22. φυλάξασθε πάντα τὰ πρ. μου (3 b)
24. 12. διακρῖναι αὐτὸν διὰ προστάγματος κυρίου (8)
26. 3. ἐὰν τοῖς πρ. μου πορεύησθε (3 b)
— 14. μηδὲ ποιήσητε τὰ πρ. μου ταῦτα (5)
— 43. τοῖς πρ. μου προσώχθισαν (3 b)
— 46. ταῦτα . . . τὰ πρ. . . . μου [B² om.] (7)
Nu. 9. 18 *bis*, 20, 23 *bis* : 33. 38 : 36. 5. διὰ προστάγματος κυρίου (8)
De. 5. 10. τοῖς φυλάσσουσι τὰ πρ. μου (5)
11. 32. τοῦ ποιεῖν πάντα τὰ πρ. αὐτοῦ (3 a)
12. 1. καὶ ταῦτα τὰ πρ. (3 a)
15. 2. οὕτω τὸ πρ. τῆς ἀφέσεως (1)
19. 4. τοῦτο δὲ ἔσται τὸ πρ. τοῦ φονευτοῦ (1)
Jo. 8. 27. κατὰ πρόσταγμα κυρίου (1)
14. 14. διὰ τὸ αὐτὸν ἐπακολουθῆσαι τῷ πρ. κυρίου –
15. 13. διὰ [B¹ ἀπὸ] προστάγματος τοῦ θ. (8)
17. 4. διὰ προστάγματος κυρίου (8)
19. 50. διὰ προστάγματος τοῦ θ. (8)
21. 3. διὰ προστάγματος κυρίου (8)
— 40. B κατὰ [A R διὰ] πρόσταγμα [A -ατος] κυρίου –
22. 9. διὰ προστάγματος κυρίου (8)
Jd. 11. 39. ἐγένετο εἰς πρόσταγμα ἐν Ἰσρ. (3 a)
I Ki. 30. 25. ἐγένετο εἰς πρόσταγμα (3 a)
III Ki. 3. 3. πορεύεσθαι ἐν τοῖς πρ. Δ. (3 b)
— 14. φυλάσσειν τὰς ἐντ. μου καὶ τὰ πρ. μου [A τὰ πρ. μ. κ. τ. ἐ. μ.] (5 [3 a])
6. 12. A ἐὰν ὁδεύῃς τοῖς πρ. μου (3 b)
8. 58. φυλάσσειν . . . προστάγματα αὐτοῦ (3 a + 7)
— 61. ὁσίως πορεύεσθαι ἐν τοῖς πρ. αὐτοῦ (3 a)
9. 4. καὶ τὰ πρ. μου . . . φυλάξῃς (3 a)
— 6. καὶ μὴ φυλάξητε . . . τὰ πρ. μου (3 b)
11. 11. οὐκ ἐφύλαξας τὰς ἐντ. μου καὶ τὰ πρ. μου [A τὰ πρ. μ. κ. τ. ἐ. μ.] (3 b)
— 38. τοῦ φυλάξασθαι . . . τὰ πρ. σου (5)
I Ch. 16. 17. ἔστησεν αὐτὸν τῷ Ἰ. εἰς πρόσταγμα (3 a)
22. 13. τοῦ ποιεῖν τὰ πρ. (3 a)
26. 32. εἰς πᾶν πρ. κυρίου [A al.] (1)

I Ch. 29. 19. ποιεῖν . . . τὰ πρ. σου (3 a)
II Ch. 7. 17. B καὶ τὰ πρ. μου (3 a)
— 19. καὶ ἐγκαταλείπητε τὰ πρ. μου (3 b)
8. 10. A ἄρχοντες τῶν πρ. [B -στατῶν] βασ. Σ. †
19. 10. καὶ ἀνὰ μέσον προστάγματος (9)
29. 15. διὰ προστάγματος κυρίου (1)
— 25. διὰ ἐντολῆς κυρίου τὸ πρ. (5)
30. 6. κατὰ τὸ πρ. τοῦ βασιλέως (5)
— 12. τοῦ ποιῆσαι κατὰ τὰ πρ. [A τὸ πρ.] (5)
31. 21. ἐν τοῖς πρ. ἐξεζήτησε τὸν θ. αὐ. (5)
33. 8. κατὰ . . . τὰ πρ. (3 a)
34. 31. τοῦ φυλάσσειν . . . προστάγματα [A τὰ πρ.] αὐ. (3 a)
35. 19. B ἐπὶ πάντα τὰ πρ. [A R παρoργίσμ.] –
— 25. ἔδωκαν αὐτὸν εἰς πρόσταγμα (3 a)
I Es. 1. 6. κατὰ τὸ πρ. τοῦ κυρίου
5. 55. A R κατὰ [B καὶ] τὸ πρ. τὸ γραφὲν αὐτοῖς
7. 4. διὰ προστάγματος τοῦ κυρίου
8. 8. AR προσπεσόντος δὲ τοῦ γραφέντος πρ. [B al.]
— 67. ἀπέδωκαν τὰ πρ. τοῦ βασ.
— 82. τὰ πρ. σου ἃ ἔδωκας
II Es. 7. 10. διδάσκειν ἐν Ἰσρ. προστάγματα (3 a)
— 11. βιβλίου λόγων ἐντολῶν κ. καὶ προσταγμάτων αὐ. (3 a)
Ne. 1. 7. οὐκ ἐφυλάξαμεν . . . τὰ πρ. (3 a)
9. 13. ἔδωκας αὐτοῖς . . . προστάγματα (3 a)
— 14. προστάγματα . . . ἐνετείλω αὐτοῖς (3 a)
10. 29 (30). S² R καὶ προστάγματα αὐτοῦ (3 a)
To. 1. 6. καθὼς γέγραπται . . . ἐν πρ. αἰωνίῳ
— 8. S κατὰ τὸ πρ. τὸ προστεταγμ. περὶ αὐτῶν
14. 9. A B τήρησον . . . τὰ πρ.
Es. 2. 4. B¹ ἤρεσε τῷ βασ. τὸ πρ. [A B² S R πρᾶγμα] (1)
— 8. ὅτε ἠκούσθη τὸ τοῦ βασ. πρ. (1)
— 20. καὶ ποιεῖν τὰ πρ. αὐτοῦ †
3. 13. B¹ τὰ τε τῶν βασ. παραπέμποντας διηνεκῶς προστάγματα [A B² S διατάγ.] †
— 13. A ἀτάραχα παρέχουσιν . . . τὰ πρ. [B S πράγμ.]
4. 3. S² οὗ ἐξετίθετο τὸ πρ. τοῦ βασ. [A B S¹ τὰ γράμμ.] (1+2)
5. 1. κοινὸν τὸ πρ. ἡμῶν ἐστιν
8. 14. ἐξετέθη δὲ τὸ πρ. [A ἔκθεμα] (2)
— 17. B S¹ οὗ ἂν ἐξετέθη τὸ πρ. [S² al.] (1)
9. 4. προσέπεσε [S² ἐπέπ.] γὰρ τὸ πρ. τοῦ βασ. †
Jb. 4. 9. ἀπὸ προστάγματος κυρίου ἀπολοῦνται †
26. 10. πρόσταγμα ἐγύρωσεν ἐπὶ πρόσωπον ὕδατος (3 a)
— 13. προστάγματι δὲ ἐθανάτωσε δράκοντα ἀποστάτην †
39. 27. ἐπὶ δὲ [A ἢ ἐπὶ τῷ] σῷ πρ. ὑψοῦται ἀετός (8)
Ps. 2. 6 (7). διαγγέλλων τὸ πρ. κυρίου (3 a)
7. 6. ἐν προστάγματι ᾧ ἐνετείλω (7)
80 (81). 4. πρόσταγμα τῷ Ἰσραήλ ἐστι (3 a)
93 (94). 20. ὁ πλάσσων κόπον ἐπὶ προστάγματι [A S² -μα] (3 a)
98 (99). 7. καὶ τὰ πρ. [S¹ τὸ πρ.] ἃ ἔδωκεν αὐτοῖς (3 a)
104 (105). 10. ἔστησεν αὐτὴν τῷ Ἰ. εἰς πρόσταγμα (3 a)
148. 6. πρόσταγμα ἔθετο (3 a)
Pr. 14. 27. πρόσταγμα κυρίου πηγὴ ζωῆς †
25. 2. A B³ δόξα δὲ βασιλέως τιμᾷ προστάγματα [B¹ S R πράγματα] (1)
Si. 6. 37. διανοοῦ ἐν τοῖς πρ. κυρίου
34 (31). 7. S¹ οὐδὲ προστάγματός [A B S² ξύλον προσκόμματος] ἐστι τοῖς εὐθυσιάζουσιν αὐτῷ
39. 16. πᾶν πρόσταγμα ἐν καιρῷ αὐτοῦ ἔσται
— 18. ἐν προστάγματι αὐτοῦ πᾶσα ἡ εὐδοκία
43. 13. προστάγματι αὐτοῦ κατέσπευσε [S -έπαυσεν] χιόνα
Am. 2. 4. τὰ πρ. αὐ. οὐκ ἐφυλάξαντο (3 a)
Za. 3. 8 (7). καὶ ἐν τοῖς πρ. μου φυλάξῃ (6)
Ma. 4. 4 (3. 22). καθότι ἐνετειλάμην . . . προστάγματα (3 a)
Is. 24. 5. ἤλλαξαν τὰ πρ. [A add. κυρίου] διαθήκην αἰώνιον (3 a)
26. 9. φῶς τὰ πρ. σου ἐπὶ τῆς γῆς (7)
56. 4. S¹ ὅσοι ἐὰν φυλάξωνται τὰ πρ. [A B S² σάββατά] μου †
Je. 5. 22. πρ. αἰώνιον καὶ οὐχ ὑπερβήσεται αὐτό (3 a)
— 24. κατὰ καιρὸν πληρώσεως προστάγματος θερισμοῦ (3 b)
39 (32). 23. ἐν τοῖς πρ. σου οὐκ ἐπορεύθησαν (9)
51 (44). 10. οὐκ ἀντείχοντο τῶν πρ. μου (9+3 b)
— 23. ἐν τοῖς πρ. αὐτοῦ . . . οὐκ ἐπορεύθητε (3 b)
Ba. 1. 18. πορεύεσθαι [A add. ἐν] τοῖς πρ. κυρίου
2. 10. πορεύεσθαι τοῖς πρ. κυρίου
— 33. R ἀπὸ πονηρῶν προσταγμάτων [A B πραγ.] αὐτῶν
4. 1. αὕτη ἡ βίβλος τῶν πρ. τοῦ θεοῦ
5. 8. ἐσκίασαν . . . τῷ Ἰσρ. προστάγματι τοῦ θ.
Ez. 11. 20. ὅπως ἐν τοῖς πρ. μου πορεύωνται (3 b)
18. 9. καὶ τοῖς πρ. μου πεπόρευται (3 b)
— 17. ἐν τοῖς πρ. μου ἐπορεύθη (3 b)
20. 11. ἔδωκα αὐτοῖς τὰ πρ. μου (3 b)
— 13. A ἐν τοῖς πρ. μου πορεύεσθε . . . ἐν τοῖς πρ. μου [B om. ἐν . . . μου] οὐκ ἐπορεύθησαν (–, 3 b)
— 16. ἐν τοῖς πρ. μου οὐκ ἐπορεύθησαν (3 b)
— 19. ἐν τοῖς πρ. μου πορεύεσθε (3 b)
— 21. ἐν τοῖς πρ. μου οὐκ ἐπορεύθησαν (3 b)
— 24. τὰ πρ. μου ἀπώσαντο (3 b)
— 25. ἔδωκα αὐτοῖς προστάγματα οὐ καλά (3 a)
33. 15. ἐν προστάγμασι [A -ατι] ζωῆς διαπορεύηται (3 b)
37. 24. ἐν τοῖς πρ. μου πορεύσονται (7)
43. 11. διαγράψεις . . . πάντα τὰ πρ. αὐ. . . . φυλάξονται . . . πάντα τὰ πρ. μου (3 b, 3 b)
— 18. ταῦτα τὰ πρ. τοῦ θυσιαστηρίου (3 b)
44. 5. κατὰ πάντα τὰ πρ. οἴκου κυρίου (3 b)
— 24. τὰ πρ. μου . . . φυλάξονται (3 b)
45. 14. τὸ πρ. [A τὰ πρ.] τοῦ ἐλαίου κοτύλην ἐλαίου (3 a)
46. 15 (14). πρ. [A add. αἰώνιον] διὰ παντὸς ποιήσετε τὸν ἀμνόν (3 b)
Da. LXX. 2. 15. τὸ πρ. ἐσήμανεν ὁ Ἀρ. (4)
3. 22. τὸ πρ. τοῦ βασ. ἤπειγε (4)
5. 7. ὁ βασ. ἐξέθηκε πρόσταγμα †
6. 12 (13). ἵνα μὴ ἀλλοιώσῃς τὸ πρ. –
8. 16. εἶπεν ὁ ἄνθρωπος ἐπὶ τὸ πρ. ἐκεῖνο –
9. 2. ὅτε ἐγένετο πρ. τῇ γῇ (1)
— 4. καὶ τοῖς φυλάσσουσι τὰ πρ. σου (5)
— 12. ἔστησεν ἡμῖν τὰ πρ. αὐ. (1)
— 23. ἐξῆλθε πρόσταγμα παρὰ κυρίου (1)
— 23. διανοήθητι τὸ πρ. (1)
— 25. εὑρήσεις προστάγματα ἀποκριθῆναι (1?)
10. 1. πρ. ἐδείχθη τῷ Δ. (1)
— 1. ἀληθὲς τὸ ὅραμα καὶ τὸ πρ. (1)
— 1. διανοηθήσεται τὸ πρ. (1)
— 11. διανοήθητι τοῖς πρ. (1)
— 11. ἐν τῷ λαλῆσαι αὐτὸν μετ' ἐμοῦ τὸ πρ. τοῦτο (1)
— 15. ἐν τῷ αὐτὸν λαλῆσαι μετ' ἐμοῦ τὰ πρ. ταῦτα (1)
12. 4. κάλυψον τὰ πρ. (1)
— 9. ἐσφραγισμένα τὰ πρ. (1)
I Ma. 1. 60. ἐθανάτωσαν κατὰ τὸ πρ.
2. 18. ποίησον τὸ πρ. τοῦ βασ.
— 23. κατὰ τὸ πρ. τοῦ βασ.
— 68. A R προσέχετε εἰς τὰ πρ. [S εἰς πρόσταγμα] τοῦ νόμου
6. 23. κατακολουθεῖν τοῖς πρ. αὐ.
— 56. S¹ παραλαβεῖν τὰ τῶν πρ. [A S² R al.]
10. 14. τῶν καταλιπόντων . . . τὰ πρ.
II Ma. 1. 4. διανοίξαι τὴν καρδίαν ὑμῶν . . . ἐν τοῖς πρ.
2. 2. A² R ἵνα μὴ ἐπιλάθωνται τῶν πρ. τοῦ κ.
7. 30. οὐχ ὑπακούω τοῦ πρ. τοῦ βασ.
— 30. τοῦ δὲ πρ. ἀκούω τοῦ νόμου
10. 8. ἐδογμάτισαν δὲ μετὰ κοινοῦ πρ.
III Ma. 4. 1. ὅπου προσέπιπτε τοῦτο τὸ πρ.
7. 2. A κατευθύνοντος ἡμῖν τοῦ μεγάλου θεοῦ τὰ πρ. [R al.]
— 11. τοὺς . . . τὰ θεῖα παραβεβηκότας προστάγματα
— 11. A μηδέποτε εὐνοήσειν μηδὲ τοῖς τοῦ βασ. πρ. [R πράγμασιν]

[Aq. Ps. 118 (119). 54, 56, 93, 100.]
[Sm. Ex. 12. 14 : 13. 10 : Le. 23. 41 : Dt. 4. 5 : 6. 17 : Jd. 5. 9 : Ps. 93 (94). 20 : 118 (119). 23, 54, 71, 118 : 147. 8 (19) : Pr. 31. 15.]
[Th. Jb. 26. 10 : Ps. 2. 7 : 118 (119). 54, 100 : Mi. 7. 11.]
[Al. Ps. 18 (19). 9 : 35 (36). 7 : 49 (50). 16 : 88 (89). 32 : 104 (105). 5, 45.]
[Quint. Ps. 118 (119). 56, 100.]

προσταράσσειν.

Si. 4. 3. καρδίαν παρoργισμένην μὴ προσταράξῃς

προστάς. (1) מִסְּדִרוֹן

Jd. 3. 23. ἐξῆλθεν Ἀ. [A add. εἰς] τὴν πρ. (1)
[Aq. Ez. 40. 48.]

προστάσσειν, προστάττειν. (1) a. אָמַר b. אֲמַר
(2) דָּבַר pi. (3) יָצָא דָּבָר (4) מָנָה pi.
(5) a. צִוָּה pi. b. מִצְוָה (6) שׂוּם טַעַם
(7) καθὼς προσέταξεν בְּמִפְקָד (8) τὰ προσταχθέντα כַּאֲמַר

Ge. 47. 11. καθὰ προσέταξε Φαραώ (5 a)
50. 2. προσέταξεν Ἰ. τοῖς παισὶν αὐτοῦ (5 a)
Ex. 36. 6. καὶ προσέταξε Μ. (5 a)
Le. 10. 1. ὃ οὐ προσέταξε κύριος αὐτοῖς (5 a)
14. 4, 5, 36, 40. προστάξει ὁ ἱερεύς (5 a)
Nu. 5. 2. πρόσταξον τοῖς υἱοῖς Ἰσραήλ (5 a)
De. 17. 3. ἃ οὐ προσέταξε [A -ξα] (5 a)
18. 20. ὃ οὐ προσέταξα [A add. αὐτῷ] λαλῆσαι (5 a)
27. 1. καὶ προσέταξε Μ. (5 a)
Jo. 5. 14. τί προστάσσεις τῷ σῷ οἰκέτῃ (2)
I Ch. 12. 18. S¹ προσετάξατο [A B S² -δέξ.] αὐτοὺς Δ. †
II Ch. 31. 5. ὡς προσέταξε τὸν λόγον †
— 13. καθὼς προσέταξεν ὁ βασ. Ἐζ. (7)
I Es. 1. 52. προστάξαι ἀναβιβάσαι ἐπ' αὐτοὺς τοὺς βασ.
5. 71. οἷς προσέταξεν ἡμῖν Κῦρος
6. 11. τίνος ὑμῖν προστάξαντος
— 23. προσέταξεν ἐπισκέψασθαι
— 24. προσέταξε τὸν οἶκον . . . οἰκοδομῆσαι
— 27. προσέταξε δὲ ἐπιμεληθῆναι Σισίννῃ
— 32. καὶ προστάξαι [A -έταξεν] . . . ληφθῆναι ξύλον
7. 1. τοῖς ὑπὸ τοῦ βασ. Δ. προσταγεῖσιν
8. 10. προσέταξα τοὺς βουλομ. ἐκ τοῦ ἔθνους
— 19. προσέταξα τοῖς γαζοφύλαξι Συρίας
To. 1. 8. S κατὰ τὸ πρόσταγμα τὸ προστεταγμ.
Ju. 2. 13. καθότι προστέταχά σοι
— 15. A S καθότι προσέταξεν [B ἐκέλευσεν] αὐτῷ
6. 10. προσέταξεν Ὀλ. τοῖς δούλοις αὐ.
12. 7. A B προσέταξεν Ὀλ. τοῖς σωματοφύλαξι
Es. 1. 15. οὐκ ἐποίησε τὰ ὑπὸ τοῦ βασ. προσταχθέντα (8)
— 19. προσταξάτω βασιλικόν (3)
2. 23. καὶ προσέταξεν ὁ βασ. †
3. 2. οὕτως γὰρ προσέταξεν [A ἐπέτ.] ὁ βασ. (5 a)
— 12. A ὡς προσέταξεν [B S ἐπέτ.] Ἀμάν (5 a)
— 13. προστετάχαμεν οὖν τοὺς σημαινομ. ὑμῖν
— 14. προσετάγη πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν †
Si. 3. 22. ἃ προσετάγη σοι
Jn. 2. 1. προσέταξε κύριος κῆτει μεγάλῳ (4)
— 11. προσετάγη τῷ κῆτει (1 a)
4. 6. προσέταξε κ. ὁ θ. κολοκύνθῃ (4)
— 7. προσέταξεν ὁ θεὸς σκώληκι ἑωθινῇ (4)
— 8. προσέταξεν ὁ θεὸς πνεύματι καύσωνος (4)
Is. 36. 21. διὰ τὸ προστάξαι τὸν βασιλέα (5 b)
55. 4. ἔδωκα αὐτὸν ἄρχοντα καὶ προστάσσοντα ἔθνεσιν (5 a)
Je. 34 (27). 4. S προστάξεις [A B συντ.] αὐτοῖς (5 a)
Da. LXX. Su. 32. καὶ προσέταξαν οἱ παράνομοι
— 42. καθὼς προσετάγη
2. 8. καθάπερ οὖν προσέταχα –
— 12. προσέταξεν ἐξαγαγεῖν πάντας τοὺς σοφούς (1 b)
— 14. ᾧ προσέταξεν ἐξαγαγεῖν τοὺς σοφιστάς †
3. 10. σύ, βασιλεῦ, προσέταξας (6)
— 13. προσέταξεν ἀγαγεῖν τὸν Σ. Μ. Ἀ. (1 b)
— (24). ὅτε αὐτοὺς ὁ βασ. προσέταξεν ἐμβληθῆναι
4. 11. προστέτακται γὰρ ἀπὸ τοῦ ὑψίστου –
Da. TH. Su. 18. ἐνέγκαι τὰ προστεταγμένα αὐταῖς
I Ma. 10. 37. καθὰ καὶ προσέταξεν ὁ βασ.
— 62. S R προσέταξεν [A add. αὐτοῖς] ὁ βασ.
II Ma. 5. 24. προστάξας τοὺς ἐν ἡλικίᾳ πάντας κατασφάξαι
6. 21. R ἐσθίοντα τὰ ὑπὸ τοῦ βασ. προστεταγμένα [A τετ.]
7. 3. προστάξε τήγανα . . . ἐκπυροῦν
— 4. τὸν γενόμ. αὐ. προήγορον προστάξε γλωσσοτομεῖν
8. 36. A τοῖς ὑπ' αὐτοῦ προστεταγμένοις [R προτ.] νόμοις
13. 4. προσέταξεν . . . προσαπολέσαι
14. 16. προστάξαντος δὲ τοῦ ἡγουμένου
15. 3. ὁ προστεταχὼς ἄγειν τὴν τῶν σαββάτων ἡμέραν
— 5. ὁ προστάσσων αἴρειν ὅπλα
— 30. προσέταξεν . . . τὴν τοῦ Ν. κεφαλὴν ἀποτεμόντας

III Ma. 3. 1. καὶ προστάξαι σπεύσαντας
— 25. προστετάχαμεν . . . ἀποστεῖλαι
4. 11. προσέταξεν αὐτοὺς . . . παρεμβαλεῖν
— 13. προσέταξε καὶ τούτοις
5. 3. ὁ μὲν τάδε προστάσσων
— 4. τὸ προσταγὲν . . . συνετέλει
— 19. τὸ προσταγὲν ἐπὶ τέλος ἠγηοχέναι
— 37. ποσάκις σοι δεῖ περὶ τούτων αὐτῶν προστάττειν
— 40. προστάσσων ἤδη τρίτον αὐτοὺς ἀφανίσαι
6. 27. A τὰ προστεταγμένα [R προπεπραγμ.] παραιτησάμενοι
7. 8. προστετάχαμεν ἑκάστῳ
[Sm. Ps. 32 (33). 9: 67 (68). 29.]
[Al. Ex. 18. 23.]

προστατεῖν.

I Ma. 14. 47. τοῦ προστατῆσαι [S¹ προσστ.] πάντων

προστάτης. (1) a. פָּקִדָה b. פָּקִיד (2) שַׂר

I Ch. 27. 31. πάντες οὗτοι πρ. ὑπαρχόντων Δ. (2)
29. 6. καὶ οἱ πρ. τῶν ἔργων (2)
II Ch. 8. 10. ἄρχοντες τῶν πρ. [A -ταγμάτων] βασιλέως Σ. (2)
24. 11. εἰσέφερον . . . πρὸς τοὺς πρ. τοῦ βασ. (1 a)
— 11. ἦλθεν . . . ὁ πρ. τοῦ ἱερέως τοῦ μεγ. (1 b)
I Es. 2. 12. παρεδόθησαν Σ. προστάτῃ τῆς Ἰουδ.
Si. 45. 24. προστάτην ἁγίων καὶ λαῷ [S² -οῦ] αὐτοῦ
II Ma. 3. 4. προστάτης τοῦ ἱεροῦ καθεσταμένος

προστιθέναι. (1) אָסַף a. qal. b. ni. (2) דָּבַק (3) חָבֵר (4) יָסַף a. qal. b. ni. c. hi. d. יֻסַף hoph. (5) לָוָה ni. (6) נָפַל (7) נָתַן (8) סָפָה a. qal. b. ni. (9) סָפַח ni. (10) עָרַךְ (11) רָבָה hi. (12) שׂוּם (13) שׁוּב (14) שִׁית (15) שָׁנָה

Ge. 4. 2. προσέθηκε τεκεῖν τὸν ἀδ. αὐ. (4 c)
— 12. οὐ προσθήσει τὴν ἰσχ. αὐ. δοῦναι (4 c)
8. 12. οὐ προσέθετο τοῦ ἐπιστρέψαι (4 a)
— 21. οὐ προσθήσω ἔτι τοῦ καταράσασθαι (4 c)
— 21. οὐ προσθήσω οὖν ἔτι πατάξαι (4 c)
18. 29. προσέθηκεν ἔτι λαλῆσαι πρὸς αὐτόν (4 c)
25. 1. προσθέμενος δὲ Ἀβ. (4 c)
— 8. προσετέθη πρὸς τὸν λαὸν αὐτοῦ (1 b)
— 17. προσετέθη πρὸς τὸ γένος αὐτοῦ (1 b)
30. 24. προσθέτω ὁ θ. μοι υἱὸν ἕτερον (4 c)
35. 29. προσετέθη πρὸς τὸ γένος αὐτοῦ (1 b)
37. 8. προσέθεντο ἔτι μισεῖν αὐτόν (4 c)
38. 5. προσθεῖσα ἔτι ἔτεκεν υἱόν (4 c)
— 26. οὐ προσέθετο ἔτι τοῦ γνῶναι αὐτήν (4 a)
44. 23. A οὐ προσθήσεσθε ἔτι [R om.] ἰδεῖν (4 c)
49. 29. προστίθεμαι πρὸς τὸν ἐμὸν λαόν (1 b)
— 33. προσετέθη πρὸς τὸν λαὸν αὐ. (1 b)
Ex. 1. 10. προστεθήσονται καὶ οὗτοι (4 b)
5. 7. A R οὐκέτι προστεθήσεσθε [B -σεται] διδόναι ἄχ. (4 c)
8. 29 (25). μὴ προσθῇς ἔτι, Φ., ἐξαπατῆσαι (4 c)
9. 28. οὐκέτι προστεθήσεσθε [A προσθ.] μένειν (4 c)
— 34. προσέθετο τοῦ ἁμαρτάνειν (4 c)
10. 28. προσθεῖναι ἰδεῖν μου τὸ πρόσωπον (4 c)
11. 6. τοιαύτη οὐκέτι προστεθήσεται (4 c)
14. 13. οὐ προσθήσεσθε ἔτι ἰδεῖν αὐτούς (4 c)
23. 2. οὐ προστεθήσῃ [B¹ προσθ.] μετὰ πλήθους †
30. 15. ὁ πλουτῶν οὐ προσθήσει (11)
40. 23. A R προσέθηκεν [B προέθ.] . . . ἄρτους (10)
Le. 5. 16. τὸ ἐπίπεμπτον προσθήσει ἐπ' αὐτό (4 c)
6. 4 (5. 24). A¹ B τὸ πέμπτον [A² R ἐπίπ.] προσθήσει (4 c)
19. 14. οὐ προσθήσεις [A προθ.] σκάνδαλον (7)
22. 14. προσθήσει τὸ ἐπίπεμπτον αὐ. (4 a)
24. 8. R προσθήσεται [A B προθ.] ἔναντι κυρίου (10)
26. 18. προσθήσω τοῦ [A om.] παιδεῦσαι ὑμᾶς (4 a)
— 21. προσθήσω ὑμῖν πληγὰς ἑπτά (4 a)
27. 13. προσθήσεται τὸ ἐπίπεμπτον (4 a)
— 15. προσθήσει ἐπ' αὐτὸ τὸ ἐπίπεμπτον (4 a)
— 19, 27. προσθήσει τὸ ἐπίπεμπτον (4 a)
— 31. τὸ ἐπίπεμπτον προσθήσει (4 c)
Nu. 5. 7. τὸ ἐπίπεμπτον αὐτοῦ προσθήσει (4 c)
11. 25. καὶ οὐκέτι προσέθεντο (4 a)
16. 39 (17. 4). προσέθηκαν αὐτὰ περίθεμα †
18. 2. καὶ προστεθήτωσάν σοι [A om.] (5)
— 4. προστεθήσονται πρὸς σέ (5)
Nu. 20. 24. προστεθήτω Ἀ. πρὸς τὸν λαὸν αὐ. (1 b)
— 26. Ἀ. προστεθεὶς ἀποθανέτω ἐκεῖ (1 b)
22. 15. προσέθετο Β. ἔτι ἀποστεῖλαι (4 c)
— 19. τί προσθήσει κύριος λαλῆσαι (4 c)
— 25. προσέθετο ἔτι μαστίξαι αὐτήν (4 c)
— 26. καὶ προσέθετο ὁ ἄγγελος τοῦ θ. (4 c)
27. 13. προστεθήσῃ πρὸς τὸν λαόν σου (1 b)
— 13. καθὰ προσετέθη Ἀ. (1 b)
31. 2. προστεθήσῃ πρὸς τὸν λαόν σου (1 b)
32. 14. προσθεῖναι ἔτι ἐπὶ τὸν θυμόν (8 a)
— 15. προσθεῖναι ἔτι καταλιπεῖν αὐτόν (4 a)
36. 3. προστεθήσεται [A -σονται] εἰς κληρονομίαν (4 b)
— 4. προστεθήσεται ἡ κληρονομία αὐ. (4 b)
De. 1. 11. προσθείη ὑμῖν ὡς ἐστέ (4 c)
3. 26. μὴ προσθῇς ἔτι λαλῆσαι (4 c)
4. 2. οὐ προσθήσετε [B¹ -σεσθε] πρὸς τὸ ῥῆμα (4 c)
5. 22 (19). καὶ οὐ προσέθηκε (4 a)
— 25 (22). ἐὰν προσθώμεθα [A -ῶμεν] ἡμεῖς ἀκοῦσαι (4 a)
12. 32 (13. 1). οὐ προσθήσεις [A¹ -σει] ἐπ' αὐτό (4 c)
13. 4 (5). αὐτῷ προστεθήσεσθε (2)
— 11 (12). οὐ προσθήσει [A -σουσιν] ἔτι ποιῆσαι (4 c)
17. 16. A R οὐ προσθήσεσθε [B -σεται] ἀποστρέψαι (4 c)
18. 16. οὐ προσθήσομεν ἀκοῦσαι (4 c)
19. 9. προσθήσεις σεαυτῷ ἔτι τρεῖς πόλεις (4 a)
— 20. οὐ προσθήσουσιν ἔτι ποιῆσαι (4 c)
20. 8. προσθήσουσιν οἱ γραμματεῖς λαλῆσαι (4 a)
23. 15 (16). ὃς προστέθειταί σοι †
25. 3. οὐ προσθήσουσιν (4 c)
— 3. ἐὰν δὲ προσθῇς [A -θῶσιν] μαστιγῶσαι (4 c)
28. 68. οὐ προσθήσει [A -σεσθε] ἔτι ἰδεῖν αὐτήν (4 c)
32. 50. προστέθητι πρὸς τὸν λαόν σου (1 b)
— 50. προστετέθη πρὸς τὸν λαὸν αὐ. (1 b)
Jo. 7. 12. A² B οὐ προσθήσω ἔτι εἶναι μεθ' ὑμῶν (4 c)
14. 8. προστεθήν [B¹ προσέθην] ἐπακολουθῆσαι κ. τῷ θ. μου †
— 9. προστετέθης [A -ην] ἐπακολουθῆσαι †
23. 12. καὶ προσθῆσθε [A ὑπολειφθῆτε] τοῖς ὑπολειφθεῖσιν ἔθνεσι (2)
— 13. οὐ μὴ προσθῇ κ. τοῦ ἐξολεθρεῦσαι (4 c)
Jd. 2. 3. A οὐ προσθήσω τοῦ μετοικίσαι [B al.] †
— 10. προστετέθησαν [B¹ -θη] πρὸς τοὺς πατέρας αὐτῶν (1 b)
— 21. οὐ προσθήσω τοῦ ἐξᾶραι ἄνδρα (4 c)
3. 12: 4. 1. προσέθεντο . . . ποιῆσαι τὸ πονηρόν (4 c)
8. 28. οὐ προσθήκαν [A -έθεντο] ἆραι κεφ. αὐ. (4 a)
9. 37. προσέθετο ἔτι Γ. τοῦ λαλῆσαι (4 c)
10. 6. προσέθεντο . . . ποιῆσαι τὸ πονηρόν (4 c)
— 13. οὐ προσθήσω τοῦ σῶσαι ὑμᾶς (4 c)
11. 14. B καὶ προσέθηκεν ἔτι Ἰ. (4 c)
13. 1. προσέθηκαν [A -έθεντο] . . . ποιῆσαι τὸ πονηρόν (4 c)
— 21. οὐ προσέθηκεν . . . ὀφθῆναι (4 a)
18. 25. προσθήσουσι [A -σεις] ψυχήν σου (1 a)
20. 22. προσέθηκαν συνάψαι παράταξιν [A al.] (4 c)
— 23. εἰ προσθῶμεν ἐγγίσαι [A -θῶ προσεγγ.] (4 c)
— 28. εἰ προσθῶμεν [A -θῶ] ἔτι ἐξελθεῖν (4 c)
Ru. 1. 17. καὶ τάδε προσθείη (4 c)
I Ki. 3. 6. καὶ προσέθετο κύριος (4 c)
— 8. προσέθετο κύριος καλέσαι (4 c)
— 17. A R καὶ τάδε προσθείη (4 c)
— 21. προσέθετο κύριος δηλωθῆναι (4 c)
7. 13. οὐ προσέθεντο ἔτι προσελθεῖν (4 a)
9. 8. προσέθετο τὸ παιδάριον ἀπακριθῆναι (4 c)
12. 19. B ὅτι προστεθείκαμεν . . . κακίαν (4 a)
— 25. B ὑμεῖς καὶ ὁ βασ. ὑμῶν προστεθήσεσθε (8 b)
14. 44. καὶ τάδε προσθείη (4 c)
15. 6. μὴ προσθῶ σε μετ' αὐτοῦ (4 c)
— 35. οὐ προσέθετο ἔτι Σαμ. ἰδεῖν (4 a)
18. 29. προσέθετο εὐλαβεῖσθαι ἀπὸ Δ. (4 c)
19. 8. προσέθετο ὁ πόλεμος γενέσθαι (4 c)
— 21. προσέθετο Σ. ἀποστεῖλαι ἀγγέλους τρίτους (4 c)
20. 13. καὶ τάδε προσθείη (4 c)
— 17. προσέθετο ἔτι Ἰ. ὀμόσαι (4 c)
23. 4. προσέθετο Δ. ἔτι ἐρωτῆσαι (4 c)
25. 22. καὶ τάδε προσθείη (4 c)
26. 10. καὶ προστεθῇ (8 b)
27. 1. προστεθήσομαι . . . εἰς χεῖρας Σ. (8 b)
— 4. οὐ προσέθετο ἔτι ζητεῖν αὐτόν (4 c*, 4 a)
II Ki. 2. 22. προσέθετο ἔτι Ἀβ. λέγων (4 c)
II Ki. 2. 28. οὐ προσέθεντο ἔτι τοῦ πολεμεῖν (4 a)
3. 9. καὶ τάδε προσθείη αὐτῷ (4 c)
— 35. καὶ τάδε προσθείη (4 c)
5. 22. προσέθεντο ἔτι ἀλλόφυλοι τοῦ ἀναβῆναι (4 c)
7. 10. οὐ προσθήσει . . . τοῦ ταπεινῶσαι αὐτόν (4 c)
— 20. τί προσθήσει Δ. ἔτι τοῦ λαλῆσαι (4 c)
12. 8. προσθήσω σοι κατὰ [A καὶ] ταῦτα (4 c)
14. 10. οὐ [A add. μὴ] προσθήσει ἔτι ἅψασθαι αὐτοῦ (4 c)
18. 22. προσέθετο ἔτι Ἀχ. (4 c)
19. 13 (14). καὶ τάδε προσθείη (4 c)
24. 1. B¹ R προσέθετο ὀργὴν κ. ἐκκαῆναι [A B² al.] (4 c)
— 3. προσθείη κ. ὁ θ. πρὸς τὸν λαόν (4 c)
— 25. προσέθηκε Σ. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον –
III Ki. 2. 23. καὶ τάδε προσθείη (4 c)
10. 7. προστέθεικας ἀγαθὰ πρὸς αὐτά (4 c)
12. 11, 14. προσθήσω ἐπὶ τὸν κλοιὸν ὑμῶν (4 c)
16. 33. προσέθηκεν Ἀχ. τοῦ ποιῆσαι (4 c)
19. 2. καὶ τάδε προσθείη [A -ησαν] (4 c)
21 (20). 10. καὶ τάδε προσθείη [A -ησαν] (4 c)
IV Ki. 1. 11. προσέθετο [A -έθηκεν] ὁ βασ. (13)
— 13. προσέθετο [A -έθηκεν] ὁ βασ. (13)
6. 23. οὐ προσέθεντο ἔτι . . . τοῦ ἐλθεῖν (4 a)
— 31. καὶ τάδε προσθείη (4 c)
19. 30. προσθήσει τὸν διασεσωσμ. οἶκον Ἰ. (4 a)
20. 6. προσθήσω . . . πέντε καὶ δέκα ἔτη (4 c)
21. 8. οὐ προσθήσω τοῦ σαλεῦσαι τὸν πόδα (4 c)
22. 20. προστίθημί σε πρὸς τοὺς πατέρας σου (4 c)
24. 7. οὐ προσέθετο ἔτι . . . ἐξελθεῖν (4 c)
I Ch. 14. 13. προσέθεντο ἔτι ἀλλόφυλοι [S al.] (4 c)
17. 9. A B S οὐ προσθήσει ἀδικία [R al.] (4 c)
— 18. τί προσθήσει ἔτι Δ. πρὸς σέ (4 c)
21. 3. προσθείη κύριος ἐπὶ τὸν λαὸν αὐ. (4 c)
22. 14. καὶ πρὸς ταῦτα πρόσθες (4 c)
— 15. καὶ μετὰ σοῦ πρόσθες –
II Ch. 9. 6. προσέθηκας ἐπὶ τὴν ἀκοήν (4 a)
10. 11. προσθήσω ἐπὶ τὸν ζυγὸν ὑμῶν (4 c)
— 14. προσθήσω ἐπ' αὐτόν (4 c)
15. 9. προστετέθησαν πρὸς αὐτόν (6)
28. 13. προσθεῖναι [A προθ.] ἐπὶ ταῖς ἁμαρτ. ἡμῶν (4 c)
— 22. προσέθηκε τοῦ ἀποστῆναι (4 c)
33. 8. οὐ προσθήσω σαλεῦσαι τὸν πόδα Ἰσρ. (4 c)
34. 28. προστίθημί σε πρὸς τοὺς πατ. σου (4 c)
— 28. προστεθήσῃ πρὸς τὰ μνήματά σου (1 b)
I Es. 2. 7. σὺν τοῖς ἄλλοις τοῖς κατ' εὐχὰς προστεθειμ.
7. 6. καὶ οἱ λοιποὶ . . . οἱ προστεθέντες
9. 7. τοῦ προσθεῖναι ἁμαρτίας τῷ Ἰσρ.
II Es. 10. 10. τοῦ προσθεῖναι ἐπὶ πλημμέλειαν Ἰσρ. (4 c)
Ne. 13. 18. καὶ ὑμεῖς προστίθετε ὀργήν (4 c)
To. 5. 15. ἔτι προσθήσω [S ἐπιπρ.] σοι
12. 1. καὶ προσθείναι αὐτῷ δεῖ [S al.]
14. 2. προσέθετο φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν [S al.]
Ju. 14. 10. προστετέθη πρὸς [A S εἰς] τὸν οἶκον Ἰσρ.
16. 22. προστετέθη πρὸς τὸν λαὸν αὐτοῦ
Es. 8. 3. προσθεῖσα ἐλάλησε πρὸς τὸν βασ. (4 c)
9. 27. ἐπὶ τοῖς προστεθειμ. [A προτ.] ἐπ' αὐτῶν (5)
Jb. 13. 9. εἰ γὰρ . . . προστεθήσεσθε αὐτῷ [A ὁδῷ αὐ.] †
20. 9. καὶ οὐ προσθήσει [S¹ -σεται] (4 c)
27. 1. ἔτι δὲ προσθεὶς Ἰὼβ εἶπε τῷ προοιμίῳ (4 c)
— 19. καὶ οὐ προσθήσει (1 b)
29. 1. ἔτι δὲ προσθεὶς Ἰὼβ εἶπε τῷ προοιμίῳ (4 c)
— 22. ἐπὶ τῷ ἐμῷ ῥήματι οὐ προσέθεντο (15)
32. 13. εὕρομεν σοφίαν κυρίῳ προσθέμενοι †
34. 32. οὐ μὴ προσθήσω [A -θῶ] (4 c)
— 37. ἵνα μὴ προσθῶμεν ἐφ' ἁμαρτίαις ἡμῶν (4 c)
36. 1. προσθεὶς δὲ Ἐλιοὺς ἔτι λέγει (4 c)
39. 35 (40. 5). ἐπὶ δὲ τῷ δευτέρῳ οὐ προσθήσω (4 c)
42. 10. A προσέθηκεν δὲ ὁ κύριος τῷ Ἰ. τὰ διπλᾶ [B S al.] (4 c)
Ps. 9. 39 (10. 18). ἵνα μὴ προσθῇ ἔτι μεγαλαυχεῖν ἄνθρωπος (4 c)
40 (41). 8. μὴ ὁ κοιμώμενος οὐχὶ προσθήσει τοῦ ἀναστῆναι (4 c)
60 (61). 6. ἡμέρας ἐφ' ἡμέρας βασιλέως προσθήσεις ἔτη αὐτοῦ (4 c)
61 (62). 10. μὴ προστίθεσθε καρδίαν (14)
68 (69). 26. ἐπὶ τὸ ἄλγος τῶν τραυμάτων μου προσέθηκαν †
— 27. πρόσθες ἀνομίαν ἐπὶ τὴν ἀνομίαν αὐτῶν (7)
70 (71). 14. προσθήσω ἐπὶ πᾶσαν τὴν αἴνεσίν σου (4 c)

Ps. 76 (77). 7. καὶ οὐ προσθήσει τοῦ εὐδοκῆσαι ἔτι (4 c)
77 (78). 17. προσέθεντο ἔτι τοῦ ἁμαρτάνειν αὐτῷ (4 c)
85 (86). 14. S οὐ προσέθεντό [A B προέθ.] σε ἐνώπιον αὐτῶν (12)
88 (89). 22. υἱὸς ἀνομίας οὐ προσθήσει τοῦ κακῶσαι [A¹ S¹ οὐ κακώσει] αὐτόν –
113. 22 (115. 14). προσθείη κύριος ἐφ' ὑμᾶς (4 c)
119 (120). 3. τί προστεθείη σοι (4 c)
Pr. 3. 2. ἔτη ζωῆς καὶ εἰρήνην προσθήσουσί σοι (4 c)
9. 9. προσθήσει τοῦ δέχεσθαι (4 c)
— 11. προστεθήσεταί σοι ἔτη ζωῆς σου (4 c)
— 18. προστεθῇ δέ σοι ἔτη ζωῆς " –
10. 22. οὐ μὴ προστεθῇ αὐτῇ λύπη ἐν καρδίᾳ (4 c)
— 27. φόβος κυρίου προστίθησιν ἡμέρας (4 c)
19. 1 (4). πλοῦτος προστίθησι φίλους πολλούς (4 c)
— 19. τὴν ψυχὴν αὐτοῦ προσθήσει (4 c)
24. 29 (30. 6). μὴ προσθῇς τοῖς λόγοις αὐτοῦ (4 a)
Ec. 1. 16. προσέθηκα [S προέθ.] σοφίαν (4 c)
— 18. ὁ προστιθεὶς [A προτ., S προσθεὶς] γνῶσιν [A γνώσει] προσθήσει ἄλγημα (4 c, 4 c)
2. 9. προσέθηκα παρὰ πάντας (4 c)
— 26. ἔδωκε περισπασμὸν τοῦ προσθεῖναι (1 a)
3. 14. ἐπ' αὐτῷ [A -ῶν] οὐκ ἔστι προσθεῖναι (4 c)
Si. *prol.* 12. S ὅπως οἱ φιλομαθεῖς . . . πολλῷ μᾶλλον ἔτι προσθήσουσιν [A B ἐπιπροσθῶσι]
3. 27. προσθήσει ἁμαρτίαν ἐφ' ἁμαρτίαις
5. 5. προσθεῖναι ἁμαρτίαν ἐφ' ἁμαρτίαις
17. 11. προσέθηκεν αὐτοῖς ἐπιστήμην
18. 5. τίς προσθήσει ἐκδιηγήσασθαι τὰ ἐλέη αὐτοῦ
— 6. οὐκ ἔστιν ἐλαττῶσαι οὐδὲ προσθεῖναι
19. 13. B S μή ποτε [S ἵνα μὴ] προσθῇ
21. 1. μὴ προσθῇς μηκέτι
— 15. αἰνέσει αὐτὸν καὶ ἐπ' αὐτὸν προσθήσει
37. 31. ὁ δὲ προσέχων προσθήσει ζωήν
42. 21. οὔτε προσετέθη οὔτε ἠλαττώθη
45. 20. προσέθηκεν Ἀαρὼν δόξαν
48. 23. προσέθηκε ζωὴν βασιλεῖ
Ho. 1. 6. οὐ μὴ προσθήσω ἔτι ἐλεῆσαι τὸν οἶκον Ἰ. (4 c)
9. 15. οὐ μὴ προσθήσω τοῦ ἀγαπῆσαι αὐτούς (4 c)
13. 2. προσέθεντο [A -ετο] τοῦ ἁμαρτάνειν (4 c)
Am. 3. 15. προστεθήσονται ἕτεροι οἶκοι πολλοί (8 a)
5. 1 (2). οὐκέτι μὴ προσθήσει [A -θῇ] τοῦ ἀναστῆναι (4 c)
7. 8. οὐκέτι μὴ προσθῶ [A -θήσω] τοῦ παρελθεῖν αὐτόν (4 c)
— 13. οὐκέτι προσθήσεις [A μὴ προσθῇς] τοῦ προφητεῦσαι (4 c)
8. 2. οὐ προσθήσω [A οὐκέτι μὴ προσθῶ] ἔτι τοῦ παρελθεῖν αὐτόν (4 c)
Jl. 2. 2. μετ' αὐτὸν οὐ προστεθήσεται (4 c)
Jn. 2. 5. προσθήσω τοῦ ἐπιβλέψαι [S¹ ἐπιστρ.] (4 c)
Na. 1. 15 (2. 1). οὐ μὴ προσθήσωσιν [A S -θῶσιν] ἔτι τοῦ διελθεῖν (4 c)
Ze. 3. 11. οὐκέτι μὴ προσθῇς τοῦ μεγαλαυχῆσαι (4 c)
Za. 14. 17. οὗτοι ἐκείνοις προστεθήσονται †
Is. 1. 5. τί ἔτι πληγῆτε προστιθέντες ἀνομίαν (4 c)
— 13. πατεῖν τὴν αὐλήν μου οὐ προσθήσεσθε (4 c)
7. 10. προσέθετο κύριος λαλῆσαι τῷ Ἄχαζ (4 c)
8. 5. προσέθετο Κύριος λαλῆσαί μοι ἔτι (4 c)
10. 20. οὐκέτι προστεθήσεται τὸ καταλειφθὲν Ἰσραήλ (4 c)
11. 11. προσθήσει ὁ κύριος τοῦ δεῖξαι (4 c)
14. 1. ὁ γειώρας προστεθήσεται πρὸς αὐτοὺς καὶ προστεθήσεται πρὸς [A ἐπὶ] τὸν οἶκον Ἰακώβ (5, 9)
23. 12. οὐκέτι μὴ προστεθῆτε [A S προσθ.] τοῦ ὑβρίζειν (4 c)
26. 15. πρόσθες αὐτοῖς κακά, κύριε, πρόσθες [S -θήσει] κακά (4 a, 4 a)
29. 14. προσθήσω τοῦ μεταθεῖναι (4 c)
30. 1. προσθεῖναι ἁμαρτίας ἐφ' ἁμαρτίας (8 a)
38. 5. προστίθημι πρὸς τὸν χρόνον σου ἔτη δέκα πέντε (4 c)
47. 1. οὐκέτι προστεθήσῃ κληθῆναι ἁπαλή (4 c)
50. 5 (4). προσέθηκέ μοι ὠτίον ἀκούειν †
51. 22. οὐ προσθήσῃ [S -σει] ἔτι πιεῖν αὐτό (4 c)
52. 1. οὐκέτι προστεθήσεται διελθεῖν διὰ σοῦ ἀπερίτμητος (4 c)
Je. 43 (36). 32. ἔτι προστέθησαν αὐτῷ λόγοι πλείονες ὡς οὗτοι (4 b)
51. 33 (45. 3). προσέθηκε κύριος κόπον ἐπὶ πονόν μοι (4 a)
La. 4. 15. οὐ μὴ προσθῶσι τοῦ παροικεῖν (4 c)
— 16. οὐ προσθήσει ἐπιβλέψαι αὐτοῖς (4 c)
— 22. οὐ προσθήσει [A *add.* ἔτι] ἀποικίσαι (4 c)
Ez. 23. 5. A προσέθετο [B ἐπέθ.] ἐπὶ τοὺς ἐραστὰς αὐτῆς †
— 14. προσέθετο πρὸς τὴν πορνείαν αὐτῆς (4 c)
36. 12. οὐ μὴ προστεθῆτε [A -τεθήσεσθε] ἔτι ἀτεκνωθῆναι ἀπ' αὐτῶν (4 c)
37. 16. τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. τοὺς προστεθέντας [A -κειμένους] πρὸς αὐτόν (3)
Da. LXX. 6. 28 (29). προσετέθη πρὸς τὸ γένος αὐ. –
10. 18. προσέθηκε καὶ ἥψατό μου (4 c)
Da. TH. 4. 33. μεγαλωσύνη περισσοτέρα προσετέθη μοι (4 d)
10. 18. προσέθετο καὶ ἥψατό μου (4 a)
11. 34. προστεθήσονται πρὸς [A ἐπ'] αὐτοὺς πολλοί (6)
Bel 1. προσετέθη πρὸς τοὺς πατέρας αὐ.
I Ma. 2. 43. προστεθήσαν αὐτοῖς
— 69. προστετέθη πρὸς τοὺς πατέρας αὐ.
3. 15. καὶ προσέθετο
— 41. S R προστεθήσαν [A -εγενήθ.] πρὸς αὐτούς
8. 1. S R ἐν πᾶσι τοῖς προστιθεμένοις [A -τεθειμ.] αὐτοῖς
— 1. A ὅσοι ἐὰν προστεθῶσιν αὐτοῖς
— 30. προσθεῖναι ἢ ἀφελεῖν
— 30. ὃ ἐὰν προσθῶσιν ἢ ἀφέλωσιν
9. 1. προσέθετο τὸν B. . . . ἀποστεῖλαι
— 72. οὐ προσέθετο ἔτι ἐλθεῖν εἰς τὰ ὅρια αὐ.
10. 30. τῶν τριῶν νομῶν τῶν προστιθεμένων αὐτῇ
— 38. τοὺς τρεῖς νομοὺς τοὺς προστεθέντας τῇ Ἰουδ.
— 38. προστεθήτω τῇ Ἰουδ.
— 88. προσέθετο δοξάσαι τὸν Ἰων.
11. 1. καὶ προσθεῖναι αὐτὴν τῇ βασ. αὐ.
— 34. προστετέθησαν τῇ Ἰουδ.
14. 30. προστετέθη πρὸς τὸν λαὸν αὐ.
[Aq. Ge. 30. 24: II Ki. 12. 8: Jb. 27. 1: 40. 27 (32): Ps. 40 (41). 9: 70 (71). 14: 119 (120). 3: Pr. 19. 19: Is. 11. 11: 26. 15: 29. 19: Je. 50 (27). 5.]
[Sm. Ge. 30. 24: II Ki. 12. 8: Jb. 13. 4: 23. 4: Ps. 60 (61). 7: 70 (71). 14: 119 (120). 3: Pr. 9. 2: Ca. 7. 9 (10): Is. 11. 11: 26. 15: 29. 19: Je. 50 (27). 5.]
[Th. Jd. 8. 28: 13. 1: II Ki. 12. 8: 24. 1: Jb. 27. 19: Pr. 19. 19: Is. 24. 20: 26. 15: 29. 19.]
[Al. Za. 2. 11 (15).]

πρόστιμον.
II Ma. 7. 36. τὰ πρ. τῆς ὑπερηφανίας ἀποίσῃ

πρόστομα (?). (1) אֶל־פִּנֵי
Ne. 2. 13. A B S καὶ πρόστομα [R πρὸς στόμα] πηγῆς (1)

προστρέπειν.
II Ma. 11. 7. A¹ προστρέψατο [A² R προετρ.] τοὺς ἄλλους

προστρέχειν. (1) רוּץ
Ge. 18. 2. προσέδραμεν εἰς συνάντησιν αὐτοῖς (1)
33. 4. προσέδραμεν Ἠ. εἰς συνάντησιν αὐτῷ (1)
Nu. 11. 27. προσδραμὼν ὁ νεανίσκος (1)
To. 11. 9. προσδραμοῦσα Ἄννα [S *al.*]
— 10. προσέδραμεν αὐτῷ [S *al.*]
Pr. 18. 10. αὐτῷ δὲ προσδραμόντες δίκαιοι (1)

προστρίβειν.
[Aq. Ge. 3. 16 (15).]
[Sm. Pr. 6. 13.]

προσυμνεῖν.
II Ma. 15. 9. A προσυμνήσας [R προσυπομν.] δὲ αὐτούς

προσυμπλέκεσθαι. (1) נָרָה hithpa.
Da. TH. 11. 10. A προσυμπλακήσονται [B συμπροσπλακήσεται] ἕως τῆς ἰσχύος αὐ. (1)

προσυπομιμνήσκειν.
II Ma. 15. 9. R προσυπομνήσας [A προσυμν.] δὲ αὐτούς

προσυστέλλεσθαι.
III Ma. 2. 29. εἰς τὴν προσυνεσταλμένην αὐθεντίαν

προσυψοῦν.
I Ma. 12. 36. προσυψῶσαι τὰ τείχη Ἱερ.

πρόσφατος. (1) זוּר (2) חָדָשׁ (3) לַח
Nu. 6. 3. σταφυλὴν πρόσφατον . . . οὐ φάγεται (3)
De. 32. 17. καινοὶ καὶ πρόσφατοι ἥκασιν (2?)
Ps. 80 (81). 9. οὐκ ἔσται ἐν σοὶ θεὸς πρ. (1)
Ec. 1. 9. οὐκ ἔστι πᾶν πρ. ὑπὸ τὸν ἥλιον (2)
Si. 9. 10. ὁ γὰρ πρ. οὐκ ἔστιν ἔφισος αὐτῷ

προσφάτως. (1) חָדָשׁ
De. 24. 5. ἐὰν δέ τις λάβῃ γυναῖκα πρ. (1)
Ju. 4. 3. πρ. ἦσαν ἀναβεβηκότες
— 5. πρ. ἦν τὰ πεδία αὐ. τεθερισμένα
Ez. 11. 3. οὐχὶ πρ. ᾠκοδόμηνται αἱ οἰκίαι †
II Ma. 14. 36. τόνδε τὸν πρ. κεκαθαρισμένον οἶκον

προσφέρειν. (1) בּוֹא hi. (2) זָבַח (3) נָגַשׁ hi. (4) נָשָׂא (5) עָלָה hi. (6) עָשָׂה (7) קָטַר hi. (8) *a.* קָרַב hi. *b.* קָרַב pa. *c.* aph. (9) רוּם hi. (10) שׁוּב hi. (11) מָצָא hi.
Ge. 4. 7. οὐκ ἐὰν ὀρθῶς προσενέγκῃς (4)
27. 25. καὶ προσήνεγκεν αὐτῷ (3)
— 31. προσήνεγκε τῷ πατρὶ αὐτοῦ (1)
43. 26. προσήνεγκαν αὐτῷ τὰ δῶρα (1)
Ex. 29. 3. προσοίσεις [B¹ -σει] αὐτὰ ἐπὶ τῷ κανῷ (8 a)
32. 6. προσήνεγκε θυσίαν σωτηρίου (3)
34. 26. B οὐ προσοίσεις [A R οὐχ ἑψήσεις] ἄρνα †
36. 3. προσεδέχοντο ἔτι τὰ προσφερόμ. †
— 6. ἐκωλύθη ὁ λαὸς ἔτι πρ. (1)
Le. 1. 2. A ἐὰν προσφέρῃ [B -αγάγῃ] δῶρα τῷ κ. (8 a)
— 2. προσοίσετε τὰ δῶρα ὑμῶν (8 a)
— 3. προσοίσει αὐτὸ δεκτόν (8 a)
— 5. προσοίσουσιν . . . τὸ αἷμα (8 a)
— 13. προσοίσει ὁ ἱερεὺς τὰ πάντα (8 a)
— 14. B ἐὰν δὲ . . . προσφέρῃς [A -η, R -ει] δῶρον –
— 14. προσοίσει ἀπὸ τῶν τρυγόνων (8 a)
— 15. προσοίσει αὐτὸ [A *om.*] ὁ ἱερεύς (8 a)
2. 1. ἐὰν δὲ ψυχὴ προσφέρῃ δῶρον (8 a)
— 4. ἐὰν δὲ προσφέρῃ [A -ῃς] δῶρον (8 a)
— 8. προσοίσει τὴν θυσίαν (1)
— 8. προσοίσει πρὸς τὸν ἱερέα (8 a)
— 11. ἣν ἂν προσφέρητε κυρίῳ (8 a)
— 11. οὐ προσοίσετε ἀπ' αὐτοῦ (7)
— 12. προσοίσετε αὐτὰ κυρίῳ (8 a)
— 13. προσοίσετε κ. τῷ θεῷ ὑμῶν ἅλας (8 a)
— 14. ἐὰν δὲ προσφέρῃς [A -η] θυσίαν (8 a)
— 14. προσοίσεις [A -σει] τὴν θυσίαν (8 a)
3. 6. ἄμωμον προσοίσει [A¹ -σεις] αὐτό (8 a)
— 9. προσοίσει . . . κάρπωμα τῷ θεῷ (8 a)
4. 23. προσοίσει τὸ δῶρον αὐτοῦ (1)
— 32. ἐὰν δὲ πρόβατον προσενέγκῃ (1)
— 32. θῆλυ ἄμωμον προσοίσει αὐτό (1)
6. 20 (13). B ὃ προσοίσουσι κυρίῳ (8 a)
— 33 (7. 3). πᾶν τὸ στέαρ αὐτοῦ προσοίσει (8 a)
— 38 (7. 8). ἧς προσφέρει αὐτός (8 a)
— 39 (7. 9). τοῦ ἱερέως τοῦ προσφέροντος αὐτήν (8 a)
7. 1 (11). ἣν προσοίσουσι κυρίῳ (8 a)
— 2 (12). ἐὰν μὲν περὶ αἰνέσεως προσφέρῃ αὐτήν (8 a)
— 2 (12). προσοίσει . . . ἄρτους ἐκ σεμιδάλεως (8 a)
— 3 (13). A² B προσοίσει τὰ δῶρα αὐτοῦ (8 a)
— 8 (18). οὐ δεχθήσεται αὐτῷ τῷ προσφέροντι αὐτό (8 a)
— 19 (29). ὁ προσφέρων θυσίαν σωτηρίου (8 a)
— 20 (30). προσοίσουσι τὰ καρπώμ. κυρίῳ (1)
— 20 (30). προσοίσει αὐτά (1)
— 23 (33). ὁ προσφέρων τὸ αἷμα τοῦ σωτηρίου (8 a)
— 28 (38). προσφέρειν τὰ δῶρα αὐτῶν (8 a)
8. 6. προσήνεγκε Μ. τὸν Ἀ. (8 a)
9. 2. προσένεγκε αὐτὰ ἔναντι κυρίου (8 a)
— 9. προσήνεγκαν . . . τὸ αἷμα (8 a)
— 12. προσήνεγκαν . . . τὸ αἷμα (11)
— 13. τὸ ὁλοκαύτωμα προσήνεγκαν (11)
— 15. προσήνεγκε τὸ δῶρον τοῦ λαοῦ (8 a)
— 16. προσήνεγκε τὸ ὁλοκαύτωμα (8 a)
— 17. προσήνεγκε τὴν θυσίαν (8 a)
— 18. προσήνεγκαν . . . τὸ αἷμα (11)
10. 1. προσήνεγκαν . . . πῦρ ἀλλότριον (8 a)
— 15. προσοίσουσιν ἀφόρισμα (1)
12. 6. προσοίσει ἀμνὸν ἐνιαύσιον (1)
— 7. προσοίσει ἔναντι κυρίου (8 a)
14. 23. καὶ προσοίσει αὐτά (1)
16. 9. καὶ προσοίσει περὶ ἁμαρτίας (6)
17. 4. A B ὥστε μὴ [R *om.*] προσενέγκαι δῶρον (8 a)

Le. 21. 6. τὰς γὰρ θυσίας κυρίου . . . προσφέρουσι (8 a)
— 8. τὰ δῶρα κ. τοῦ θ. ὑμῶν οὗτος προσφέρει (8 a)
— 17. οὐ προσελεύσεται πρ. [A -ρων] τὰ δῶρα (8 a)
— 21. τοῦ προσενεγκεῖν τὰς θυσίας (8 a)
— 21. τὰ δῶρα . . . οὐ προσελεύσεται προσενεγκεῖν (8 a)
22. 15. A ἃ αὐτοὶ προσφέρουσιν [B ἀφαιροῦσι] τῷ κ. (9)
— 18. ὃς ἂν προσενέγκῃ τὰ δῶρα αὐτοῦ (8 a)
— 18. ὅσα ἂν προσενέγκωσι τῷ θεῷ (8 a)
— 21. ὃς ἂν προσενέγκῃ θυσίαν σωτηρίου (8 a)
— 25. οὐ προσοίσετε τὰ δῶρα τοῦ θ. ὑμῶν (8 a)
23. 14. ἕως ἂν προσενέγκητε ὑμεῖς τὰ δῶρα (1)
— 15. ἧς ἂν προσενέγκητε τὸ δράγμα (1)
— 16. προσοίσετε θυσίαν νέαν τῷ κ. (8 a)
— 17. προσοίσετε ἄρτους ἐπίθεμα (1)
— 20. τῷ ἱερεῖ τῷ προσφέροντι αὐτά –
— 37. ὥστε προσενέγκαι καρπώματα τῷ κ. (8 a)
27. 9. ἀπὸ τῶν κτηνῶν τῶν προσφερομ. (8 a)
— 11. ἀφ' ὧν οὐ προσφέρεται [A -τε] ἀπ' αὐτῶν δῶρον (8 a)
Nu. 3. 4. προσφερόντων αὐτῶν πῦρ ἀλλότριον (8 a)
5. 9. ὅσα ἐὰν προσφέρωσι τῷ κ. (8 a)
— 15. προσοίσει [A οἴσει] τὸ δῶρον (1)
— 25. προσοίσει αὐτὴν πρὸς [A ἐπὶ] τὸ θυσιαστ. (8 a)
6. 13. προσοίσει αὐτὸς παρὰ τὰς θύρας (1)
— 16. προσοίσει ὁ ἱερεὺς ἔναντι κυρίου (8 a)
— 20. προσοίσει αὐτὰ ὁ ἱερεὺς ἐπίθεμα †
7. 2. προσήνεγκαν οἱ ἄρχοντες Ἰσρ. (8 a)
— 3. A προσήνεγκαν [B -ήγαγον] ἐναντίον τῆς σκηνῆς (8 a)
— 10. προσήνεγκαν . . . εἰς τὸν ἐγκαινισμόν (8 a)
— 10. προσήνεγκαν . . . τὰ δῶρα αὐτῶν (8 a)
— 11. προσοίσουσι τὰ δῶρα αὐτῶν (8 a)
— 12. ἦν ὁ προσφέρων ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ πρώτῃ (8 a)
— 13. προσήνεγκε [S¹ -καν] τὸ δῶρον αὐτοῦ –
— 18. τῇ ἡμ. τῇ δευτ. προσήνεγκε Ναθ. (8 a)
— 19. προσήνεγκε [S¹ -καν] τὸ δῶρον αὐτοῦ (8 a)
9. 7. προσενέγκαι τὸ δῶρον κυρίῳ (8 a)
— 13. τὸ δῶρον κυρίῳ οὐ προσήνεγκε [A¹ -καν] (8 a)
15. 4. προσοίσει ὁ προσφέρων τὸ δῶρον αὐ. κυρίῳ θυσίαν (8 a, 8 a)
— 7. τὸ τρίτον τοῦ ἵν προσοίσετε (8 a)
— 9. προσοίσει . . . θύσιαν σεμιδάλεως (8 a)
— 13. προσενέγκαι καρπώματα (8 a)
16. 35. τοὺς προσφέροντας τὸ θυμίαμα (8 a)
— 38 (17. 3). προσηνέχθησαν ἔναντι κυρίου (8 a)
— 39 (17. 4). ὅσα προσήνεγκαν οἱ κατακεκαυμ. (8 a)
18. 15. ὅσα προσφέρουσι κυρίῳ (8 a)
26. 61. ἐν τῷ πρ. αὐτοὺς πῦρ ἀλλότριον (8 a)
28. 2. τὰ δῶρά μου . . . διατηρήσετε πρ. (8 a)
— 26. ὅταν προσφέρητε θυσίαν νέαν (8 a)
29. 8. προσοίσετε ὁλοκαυτώματα (8 a)
31. 50. προσενηνόχαμεν τὸ δῶρον κυρίῳ (8 a)
De. 17. 1. A οὐ προσοίσεις [B θύσεις] . . . μόσχον (2)
23. 18 (19). οὐ προσοίσεις μίσθωμα πόρνης (1)
Jd. 3. 17. προσήνεγκε τὰ δῶρα τῷ Ἐγ. (8 a)
— 18. προσφέρων τὰ δῶρα (8 a)
5. 25. προσήνεγκε [A -ήγγισεν] βούτυρον (8 a)
II Ki. 17. 29. καὶ προσήνεγκαν τῷ Δ. (3)
III Ki. 3. 1 (B), 4. 21 (A) (5. 1). B προσφέροντες [A -εγγίζοντες] δῶρα (3)
— 24. προσήνεγκαν τὴν μάχειραν (1)
IV Ki. 16. 15. πρόσφερε τὴν ὁλοκαύτωσιν (7)
I Ch. 16. 1. προσήνεγκαν ὁλοκαυτώματα (8 a)
II Ch. 29. 7. ὁλοκαυτώματα οὐ προσήνεγκαν (5)
I Es. 1. 11. προσενεγκεῖν τῷ κυρίῳ
— 18. A προσενεχθῆναι [B προσαχθ.] τὰς θυσίας
4. 52. ἑπτὰ καὶ δέκα πρ. ἄλλα τάλαντα
5. 49. προσενέγκαι ἐπ' αὐτοῦ ὁλοκαυτώσεις
— 53. ἤρξαντο πρ. θυσίας τῷ θεῷ
6. 31. ὅπως προσφέρωνται σπονδαί
7. 7. προσήνεγκαν . . . ταύρους ἑκατόν
8. 15. ὥστε προσενεγκεῖν θυσίας
— 65. προσήνεγκαν θυσίας τῷ θεῷ
II Es. 6. 10. ἵνα ὦσιν προσφέροντες εὐωδίας (8 c)
— 17. προσήνεγκαν . . . μόσχους ἑκατόν (8 c)
7. 17. καὶ προσοίσεις αὐτά (8 b)
8. 35. προσήνεγκαν ὁλοκαυτώσεις (8 a)
Ju. 4. 14. προσέφερον [S προσφέροντες] τὴν ὁλοκαύτωσιν
9. 1. ἦν ἄρτι προσφερόμενον . . . τὸ θυμίαμα
12. 9. B προσηνέγκατο τὴν τροφὴν [A τρυφὴν] αὐ.
Jb. 1. 5. προσέφερε περὶ αὐτῶν θυσίας (5)
Ps. 71 (72). 10. αἱ νῆσοι δῶρα προσοίσουσι [S¹ -άξουσιν] (10)
Pr. 6. 8. ἧς τοὺς πόνους . . . προσφέρονται [A φέρ.] –
19. 24. B οὐδὲ τῷ στόματι οὐ μὴ προσενέγκῃ [A S -αγάγῃ, R -ενείκῃ] αὐτάς (10)
21. 27. καὶ γὰρ παρανόμως προσφέρουσιν αὐτάς (1)
Wi. 16. 21. τῇ δὲ τοῦ προσφερομένου ἐπιθυμίᾳ
Si. *prol.* 22. προσενέγκασθαί τινα [S¹ προεν.] σπουδήν
— 24. πολλὴν γὰρ ἀγρυπνίαν καὶ ἐπιστήμην προσενεγκάμενος
7. 9. ἐν τῷ προσενέγκαι με θεῷ ὑψίστῳ
32 (35). 2. ἀνταποδιδοὺς χάριν προσφέρων σεμίδαλιν
Am. 5. 25. μὴ σφάγια . . . προσηνέγκατέ μοι (3)
Ma. 1. 13. S² καὶ προσφέρετε [A B S¹ ἐὰν φέρητε] τὴν θυσίαν (1)
Je. 14. 12. ἐὰν προσενέγκωσιν ὁλοκαυτώματα (5)
Ep. Je. 41. προσενεγκάμενοι τὸν Βῆλον ἀξιοῦσι
Ez. 43. 23. προσοίσουσι μόσχον (8 a)
— 24. προσοίσετε ἐναντίον κυρίου (8 a)
44. 7. ἐν τῷ πρ. ὑμᾶς ἄρτους [A *add.* μου] (8 a)
— 15. τοῦ πρ. μοι θυσίαν (8 a)
— 27. προσοίσουσιν ἱλασμόν (8 a)
46. 4. τὰ ὁλοκαυτώμ. προσοίσει ὁ ἀφηγούμ. (8 a)
Da. LXX. 4. 34. τῷ ὑψίστῳ θυσίας προσοίσω –
— 34. προσφορὰν προσφέρετε αὐτῷ –
Da. TH. 7. 13. R προσηνέχθη αὐτῷ [B προσήχθη αὐ., A προσήγαγον αὐτόν] (8 c)
I Ma. 4. 56. προσήνεγκαν ὁλοκαυτώματα
7. 33. δεῖξαι αὐτῷ τὴν ὁλοκάυτωσιν τὴν προσφερομ. [S¹ προφ.]
12. 11. A R ἐφ' ὧν προσφέρομεν θυσιῶν [S -ίαν]
II Ma. 1. 8. προσηνέγκαμεν θυσίαν
3. 6. A καὶ μὴ προσενεγκεῖν [R -ήκειν] αὐτά
11. 18. ὅσα μὲν οὖν ἔδει καὶ τῷ βασ. προσενεχθῆναι
III Ma. 3. 10. καὶ πᾶν ἐκτενὲς προσοίσεσθαι
4. 17. R προσηνέγκαντο [A προην.] οἱ γραμματεῖς τῷ βασ.
7. 4. R προσφερόμενοι μή ποτε εὐσταθήσειν [A *al.*]
IV Ma. 11. 19. τοῖς νώτοις προσέφερον
[Sm. Is. 53. 7.]
[Th. Da. 7. 13.]
[Al. Le. 4. 4: 7. 15: Dt. 17. 1.]

προσφεύγειν.

[Sm. I Ki. 29. 3: Ez. 29. 16.]

προσφιλής.

Es. 5. 1. τὸ πρόσωπον αὐ. ἱλαρὸν ὡς προσφιλές [S προφ.]
Si. 4. 7. προσφιλῆ συναγωγῇ σεαυτὸν ποίει
20. 13. ὁ σοφὸς ἐν λόγῳ [A S -οις] ἑαυτὸν προσφιλῆ ποιήσει

προσφιλία.

[Aq. Ps. 44 (45). 1.]

προσφορά. (1) מִנְחָה (2) פָּנִים

III Ki. 7. 48. ἐφ' ἧς οἱ ἄρτοι τῆς πρ. (2)
I Es. 5. 52. μετὰ ταῦτα προσφορὰς ἐνδελεχισμοῦ
Ps. 39 (40). 6. προσφορὰν οὐκ ἠθέλησας (1)
Si. 14. 11. προσφορὰς κυρίῳ ἀξίως πρόσαγε
31 (34). 18. θυσιάζων ἐξ ἀδίκου προσφορὰ μεμωκημένη
— 19. οὐκ εὐδοκεῖ ὁ ὕψιστος ἐν προσφοραῖς ἀσεβῶν
32 (35). 1. ὁ συντηρῶν νόμον πλεονάζει προσφοράς [B² συμφ.]
— 6. προσφορὰ δικαίου λιπαίνει θυσιαστήριον
38. 11. λίπανον προσφορὰν ὡς μὴ ὑπάρχων
46. 16. ἐν προσφορᾷ ἀρνὸς γαλαθηνοῦ
50. 13. προσφορὰ κυρίου ἐν χερσὶν αὐτῶν
— 14. κοσμήσαι προσφορὰν ὑψίστου παντοκράτορος
Da. LXX. 3. (38). οὐδὲ θυσία οὐδὲ προσφορά
4. 34. προσφορὰν προσφέρετε αὐτῷ –
Da. TH. 3. (38). A²B οὐδὲ προσφορὰ οὐδὲ θυμίαμα
[Aq., Th. Le. 1. 2.]
[Sm. Le. 1. 2: Ps. 140 (141). 2: Is. 57. 6: 66. 3: Je. 14. 12: Ez. 20. 28.]
[Al. Le. 2. 1: 3. 16: 5. 12: 6. 18 (11): 7. 30: 8. 28: 23. 18: Nu. 5. 15: 16. 15.]

πρόσφορος.

[Sm. Is. 57. 6.]

προσφύγιον.

[Al. II Ki. 19. 42 (43).]

προσφύειν. (1) סָלַק

Da. LXX. 7. 20. καὶ τοῦ ἑνὸς τοῦ ἄλλου τοῦ προσφυέντος (1)

προσφωνεῖν.

I Es. 2. 21. προσφωνῆσαι τῷ κυρίῳ βασ.
6. 6. μέχρις οὗ . . . προσφωνηθῆναι
— 22. προσφωνησάτω ἡμῖν περὶ τούτων
II Ma. 15. 15. διδόντα δὲ προσφωνῆσαι τάδε

προσχαίρειν. (1) שִׂמְחָה

Pr. 8. 30. ἐγὼ ἤμην ᾗ προσέχαιρε (1)

προσχεῖν. (1) זָרַק (2) שָׁפַךְ ni.

Ex. 24. 6. τὸ δὲ ἥμ. τοῦ αἵματος προσέχεε (1)
29. 16. προσχεεῖς πρὸς τὸ θυσιαστήριον (1)
— 21 (20). τὸ δὲ αἷμα τοῦ κριοῦ προσχεεῖς (1)
Le. 1. 5. προσχεοῦσι τὸ αἷμα (1)
— 11. προσχεοῦσιν . . . τὸ αἷμα αὐτοῦ (1)
3. 2, 8, 13. προσχεοῦσιν . . . τὸ αἷμα (1)
6. 32 (7. 2). καὶ τὸ αἷμα προσχεεῖ (1)
7. 4 (14). τῷ ἱερεῖ τῷ προσχέοντι τὸ αἷμα (1)
8. 18 (19), 23 (24). προσέχεε M. τὸ αἷμα (1)
9. 12. προσέχεεν ἐπὶ τὸ θυσιαστ. (1)
— 18. προσέχεε πρὸς τὸ θυσιαστ. (1)
17. 6. προσχεεῖ . . . τὸ αἷμα (1)
Nu. 18. 17. τὸ αἷμα αὐτῶν προσχεεῖς (1)
De. 12. 27. A R τὸ δὲ αἷμα . . . προσχεεῖς (2)
IV Ki. 16. 13. καὶ προσέχεε τὸ αἷμα (1)
— 15. A B πᾶν αἷμα . . . προσχεεῖς [R ἐκχ.] (1)
II Ch. 29. 22. προσέχεον ἐπὶ τὸ θυσιαστ. (1)
— 22. προσέχεαν [B¹ -ον] τὸ αἷμα (1)
35. 11. προσέχεαν οἱ ἱερεῖς τὸ αἷμα (1)
Ez. 43. 18. τοῦ . . . πρ. πρὸς αὐτὸ [A τὸ] αἷμα (1)
[Th. Ex. 29. 20.]

πρόσχεσις.

IV Ma. 15. 2. S κατὰ τὴν τοῦ τυράννου πρ. [A R ὑπόσχ.]

προσχρᾶσθαι.

Es. 8. 13. μὴ προσχρησάμενοι τοῖς ὑπὸ Ἀ. . . . ἀποσταλεῖσι γράμμασι

πρόσχωμα. (1) סֹלְלָה

II Ki. 20. 15. ἐξέχεαν πρόσχωμα [A πρόχ.] (1)
IV Ki. 19. 32. οὐ μὴ ἐκχέῃ πρὸς αὐτὴν πρόσχωμα (1)
Da. TH. 11. 15. ἐκχεεῖ πρόσχωμα (1)
[Aq. Is. 37. 33: Je. 6. 6: 32 (39). 24: 33 (40). 4: Ez. 4. 2: 17. 17: 21. 22 (27): 26. 8.]
[Sm. Is. 37. 33: Je. 6. 6: Ez. 4. 2.]
[Th. Is. 37. 33: Ez. 4. 2: 21. 22 (27): 26. 8.]

προσχωρεῖν. (1) נָפַל

I Ch. 12. 19. ἀπὸ Μαν. προσεχώρησαν πρὸς Δ. (1)
— 20. προσεχώρησαν αὐτῷ ἀπὸ Μαν. (1)
Je. 21. 9. προσχωρῆσαι πρὸς τοὺς Χαλδαίους (1)
I Ma. 10. 26. οὐ προσεχωρήσατε τοῖς ἐχθροῖς ἡ.

προσωθεῖν.

II Ma. 13. 6. τὸν ἱεροσυλίας ἔνοχον . . . προσωθοῦσιν εἰς ὄλεθρον

προσωπεῖον.

IV Ma. 15. 15. τὰς . . . σάρκας ὥσπερ προσωπεῖα [S¹ -ώτια] προκειμένας

πρόσωπον. (1) אֲנַף (2) אַף (3) מַרְאֶה (4) עֵינַיִם (5) פֶּה (6) פָּנִים (7) ἀπὸ προσώπου, ἀπὸ τοῦ πρ. *a.* מִפָּנִים *b.* מֵעַל פָּנִים *c.* מִלְּפָנִים *d.* פָּנִים *e.* מֵאֵת פָּנִים *f.* לְפָנִים *g.* עַל אֹרוֹת *h.* מֵעִם פָּנִים *i.* מִנֶּגֶד *j.* מִן קֶדֶם (8) εἰς πρόσωπον, εἰς τὸ πρ. *a.* פָּנִים *b.* אֶל־פָּנִים *c.* לְפָנִים *d.* עַל־פָּנִים *e.* בְּפָנִים (9) ἐκ προσώπου, ἐκ τοῦ πρ. *a.* מִלְּפָנִים *b.* מֵעִם פָּנִים *c.* מֵאֵת פָּנִים *d.* בְּפָנִים *e.* לְפָנִים *f.* מֵעַל פָּנִים *g.* מִן קֶדֶם (10) ἐκ τοῦ κατὰ πρόσωπον מִפָּנִים (11) ἐν προσώπῳ לְפָנִים (12) ἐπὶ προσώπου עַל פָּנִים (13) ἐπὶ προσώπῳ עַל פָּנִים (14) ἐπὶ πρόσωπον, ἐπὶ τὸ πρ. *a.* אַפַּיִם *b.* עַל פָּנִים

c. אֶל פָּנִים *d.* לְפָנִים *e.* לְאַפַּיִם *f.* עַל אַפַּיִם *g.* פָּנִים *h.* עַל אֲנַף (15) κατὰ πρόσωπον, κατὰ τὸ πρ. *a.* מִפְּאֵת פָּנִים *b.* עַל פָּנִים *c.* לְפָנִים *d.* אֶת פָּנִים *e.* אֶל מוּל פָּנִים *f.* מִמּוּל פָּנִים *g.* אֶל פָּנִים *h.* בְּפָנִים *i.* עַל שָׁפָה *j.* פָּנִים *k.* לְעֵינַיִם *l.* מִן קֶדֶם *m.* נֶגֶד *n.* עַל אַפַּיִם *o.* פֵּאָה *p.* אֶל עֵבֶר פָּנִים (16) τὰ κατὰ πρόσωπον פֵּאָה (17) κατὰ πρόσωπον ἔσω פְּנִימָה (18) πρὸ προσώπου, τὸ πρὸ προσώπου *a.* לִפְנֵי *b.* עַל פָּנִים *c.* מִפְּנֵי *d.* מִלִּפְנֵי *e.* פֵּאָה *f.* פָּנִים

Ge. 2. 6. ἐπότιζε πᾶν τὸ πρ. τῆς γῆς (6)
— 7. ἐνεφύσησεν εἰς τὸ πρ. αὐτοῦ (2)
3. 8. ἀπὸ προσώπου κ. τοῦ θ. (7 *a*)
— 19. ἐν ἱδρῶτι τοῦ πρ. σου (2)
4. 5. καὶ συνέπεσε τῷ πρ. (6)
— 6. ἵνα τί συνέπεσε τὸ πρ. σου (6)
— 14. ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς καὶ ἀπὸ τοῦ πρ. σου (7 *b*, 6)
— 16. ἀπὸ προσώπου τοῦ θ. (7 *c*)
6. 7 : 7. 4. ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς (7 *b*)
7. 23. ὃ ἦν ἐπὶ προσώπου πάσης τῆς γῆς (12)
8. 9. A ἐπὶ παντὶ πρ. [B πᾶν τὸ πρ.] πάσης τῆς γῆς (13 [14 *b*])
— 13. ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς (7 *d*)
9. 23. τὸ πρ. αὐτῶν ὀπισθοφανές (6)
11. 4. ἐπὶ προσώπου πάσης τῆς γῆς (12)
— 8, 9. ἐπὶ πρόσωπον πάσης τῆς γῆς (14 *b*)
16. 6. B ἀπέδρα ἀπὸ προσώπου αὐτῆς (7 *a*)
— 8. B ἀπὸ προσώπου Σάρας τῆς κυρίας μου (7 *a*)
— 12. κατὰ πρόσωπον πάντων τῶν ἀδ. αὐτοῦ (15 *b*)
17. 3. ἔπεσεν Ἄ. ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (14 *b*)
— 17. ἔπεσεν Ἀ. ἐπὶ πρόσωπον (14 *b*)
18. 16. ἐπὶ πρόσωπον Σοδόμων (14 *b*)
19. 1. προσεκύνησε τῷ πρ. (2)
— 21. ἐθαύμασά σου τὸ πρ. (6)
— 28. ἐπέβλεψεν ἐπὶ πρόσωπον Σοδ. καὶ Γομ. (14 *b*)
— 28. ἐπὶ πρόσωπον τῆς γῆς τῆς περιχ. (14 *b*)
20. 16. εἰς τιμὴν τοῦ πρ. σου (4)
23. 8. θάψαι τὸν νεκρόν μου ἀπὸ προσώπου μου (7 *c*)
— 17. ὅς ἐστι κατὰ πρόσωπον Μαμβρῆ (15 *c*)
25. 18. ἥ ἐστι κατὰ πρόσωπον Αἰγ. (15 *b*)
— 18. κατὰ πρόσωπον πάντων τῶν ἀδ. αὐ. (15 *b*)
27. 30. ἀπὸ προσώπου Ἰσ. τοῦ πατρὸς αὐ. (7 *e*)
31. 2. εἶδεν Ἰ. τὸ πρ. Λάβαν (6)
— 5. ὁρῶ ἐγὼ τὸ πρ. τοῦ πατρὸς ὑμῶν (6)
32. 20 (21). ἐξιλάσομαι τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
— 20 (21). ὄψομαι τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
— 20 (21). προσδέξεται τὸ πρ. μου (6)
— 21 (22). προεπορεύοντο τὰ δῶρα κατὰ πρόσωπον αὐ. (15 *b*)
— 30 (31). εἶδον γὰρ θεὸν πρόσωπον πρὸς πρόσωπον (6, 6)
33. 10. εἶδον τὸ πρ. σου ὡς ἄν τις ἴδοι πρόσωπον θεοῦ (6, 6)
— 18. κατὰ πρόσωπον τῆς πόλεως (15 *d*)
35. 1. ἀπὸ προσώπου Ἡ. τοῦ ἀδ. σου (7 *a*)
— 7. ἀπὸ προσώπου Ἡ. τοῦ ἀδ. αὐτοῦ (7 *a*)
36. 6. ἀπὸ προσώπου Ἰ. τοῦ ἀδ. αὐτοῦ (7 *a*)
38. 15. κατεκαλύψατο γὰρ τὸ πρ. αὐτῆς (6)
40. 7. τί ὅτι τὰ πρ. ὑμῶν σκυθρωπά (6)
41. 46. A ἐξῆλθε δὲ Ἰ. ἐκ [B ἀπὸ] προσώπου Φ. (9 *a* [7 *c*])
— 56. ἐπὶ προσώπου πάσης τῆς γῆς (12)
42. 6. ἐπὶ πρόσωπον ἐπὶ τὴν γῆν (14 *a*)
43. 3. οὐκ ὄψεσθε τὸ πρ. μου (6)
— 5. οὐκ ὄψεσθέ μου τὸ πρ. (6)
— 26. ἐπὶ πρόσωπον ἐπὶ τὴν γῆν –
— 31. νιψάμενος τὸ πρ. (6)
44. 23. ἰδεῖν τὸ πρ. μου (6)
— 26. ἰδεῖν τὸ πρ. τοῦ ἀνθρ. (6)
— 29. ἐὰν οὖν λάβητε . . . ἐκ προσώπου μου (9 *b*)
46. 30. ἑώρακα τὸ πρ. σου (6)
48. 11. A^2 B τοῦ πρ. σου οὐκ ἐστερήθην (6)
— 12. ἐπὶ πρόσωπον ἐπὶ τῆς γῆς (14 *e*)
50. 1. ἐπὶ τὸ πρ. [A τὸν τράχ.] τοῦ πατ. αὐ. (14 *b*)
Ex. 2. 15. ἀνεχώρησε δὲ Μ. ἀπὸ προσώπου Φ. (7 *a*)
3. 6. ἀπέστρεψε δὲ Μ. τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
10. 11. ἐξέβαλον δὲ αὐτοὺς ἀπὸ προσώπου Φ. (7 *e*)
Ex. 10. 28. ἰδεῖν μου τὸ πρ. (6)
— 29. οὐκέτι ὀφθήσομαί σοι εἰς πρόσωπον (8 *a*)
14. 19. ἐξῆρε δὲ . . . ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 *a*)
— 25. φύγωμεν ἀπὸ προσώπου Ἰσρ. (7 *a*)
16. 14. ἐπὶ πρόσωπον τῆς ἐρήμου (14 *b*)
23. 18. ὅταν γὰρ ἐκβάλω τὰ ἔθνη ἀπὸ προσώπου σου –
— 20. ἀποστέλλω . . . πρὸ προσώπου σου (18 *a*)
25. 19 (20). καὶ τὰ πρ. αὐτῶν εἰς ἄλληλα (6)
— 19 (20). εἰς τὸ ἱλαστ. ἔσονται τὰ πρ. τῶν χ. (6)
— 36 (37). φανοῦσιν ἐκ τοῦ ἑνὸς πρ. (6)
26. 9. κατὰ πρόσωπον τῆς σκηνῆς (15 *e*)
28. 25 (29). ἐπ' ἀμφοτ. τοὺς ὤμους . . . κατὰ πρόσωπον –
— 33 (37). κατὰ πρόσωπον τῆς μίτρας ἔσται (15 *e*)
32. 34. προπορεύσεται πρὸ προσώπου σου (18 *a*)
33. 2. συναποστελῶ . . . πρὸ προσώπου [A πρότερόν] σου (18 *a*)
— 20. οὐ δυνήσῃ ἰδεῖν τὸ πρ. μου (6)
— 20. οὐ γὰρ μὴ ἴδῃ ἄνθρωπος τὸ πρ. μου –
— 23. τὸ δὲ πρ. μου οὐκ ὀφθήσεταί σοι (6)
34. 6. παρῆλθε κύριος πρὸ προσώπου αὐ. (18 *b*)
— 11. ἐκβάλλω πρὸ [A ἀπὸ] προσώπου ὑμῶν (18 *c* [7 *a*])
— 24. ὅταν γὰρ ἐκβάλω . . . πρὸ [A ἀπὸ] προσώπου σου (18 *c* [7 *a*])
— 29, 30. ἡ ὄψις τοῦ χρώματος τοῦ πρ. αὐτοῦ (6)
— 33. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸ πρ. αὐ. κάλυμμα (14 *b*)
— 35. εἶδον . . . τὸ πρ. Μ. (6)
— 35. κάλυμμα ἐπὶ τὸ πρ. ἑαυτοῦ (14 *b*)
36. 26 (39. 18). ἐπὶ τοὺς ὤμους . . . κατὰ πρόσωπον [A πρ. αὐ.] (15 *e*)
— 28 (39. 20). A B κατὰ πρόσωπον κατὰ τὴν συμβολήν (15 *f*)
38. 8 (37. 9). A κατὰ πρόσωπον αὐτῶν –
Le. 8. 9. ἐπέθηκεν . . . κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (15 *e*)
9. 24. ἔπεσαν ἐπὶ πρόσωπον (14 *b*)
10. 4. ἄρατε . . . ἐκ προσώπου τῶν ἁγίων (9 *c*)
— 18. κατὰ πρόσωπον ἔσω [A ἕως] φάγεσθε (17)
13. 41. ἐὰν δὲ κατὰ πρόσωπον μαδήσῃ (15 *a*)
16. 2. εἰς πρόσωπον τοῦ ἱλαστηρίου (8 *b*)
— 14, 15. κατὰ πρόσωπον τοῦ ἱλαστηρίου (15 *c*)
17. 10. ἐπιστήσω τὸ πρ. μου ἐπὶ τὴν ψυχήν (6)
18. 24. ἃ ἐγὼ ἐξαποστέλλω πρὸ προσώπου ὑμῶν (18 *c*)
19. 15. οὐ λήψῃ πρόσωπον πτωχοῦ οὐδὲ θαυμάσεις πρόσωπον δυνάστου (6, 6)
— 32. ἀπὸ πρ. πολιοῦ ἐξαναστήσῃ (7 *a*)
— 32. τιμήσεις πρόσωπον πρεσβυτέρου (6)
20. 3, 5. ἐπιστήσω τὸ πρ. μου ἐπὶ τὸν ἄνθρ. ἐκ. (6)
— 6. ἐπιστήσω τὸ πρ. μου ἐπὶ τὴν ψυχὴν ἐκ. (6)
26. 10. παλαιὰ ἐκ προσώπου νέων ἐξοίσετε (9 *d*)
— 17. ἐπιστήσω τὸ πρ. μου ἐφ' ὑμᾶς (6)
Nu. 3. 38. κατὰ πρόσωπον τῆς σκηνῆς (15 *c*)
6. 25. ἐπιφάναι κύριος τὸ πρ. αὐτοῦ ἐπὶ σέ (6)
— 26. ἐπάραι κύριος τὸ πρ. αὐτοῦ ἐπὶ σέ (6)
8. 2, 3. κατὰ πρόσωπον τῆς λυχνίας (15 *e*)
12. 14. εἰ . . . ἐνέπτυσεν εἰς τὸ πρ. αὐ. (8 *e*)
14. 5. ἔπεσε Μ. . . . ἐπὶ πρόσωπον (14 *b*)
— 42. πρὸ προσώπου τῶν ἐχθρῶν ὑ. (18 *a*)
16. 4. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον (14 *b*)
— 22. ἔπεσαν ἐπὶ πρόσωπον αὐτῶν (14 *b*)
— 43 (17. 8). κατὰ πρόσωπον τῆς σκηνῆς τοῦ μαρτ. (15 *g*)
— 45 (17. 10). ἔπεσον ἐπὶ πρόσωπον αὐτῶν (14 *b*)
— 46 (17. 11) : 17. 9 (24). ἀπὸ προσώπου κυρίου (7 *c*)
19. 4. ἀπέναντι τοῦ πρ. τῆς σκηνῆς τοῦ μαρτ. (6)
— 16. ἐπὶ προσώπου [A -ον] τοῦ πεδίου (12 [14 *b*])
20. 6. ἀπὸ προσώπου τῆς συναγωγῆς (7 *a*)
— 6. ἔπεσον ἐπὶ πρόσωπον (14 *b*)
21. 11. ἥ ἐστι κατὰ πρόσωπον Μ. (15 *b*)
— 19 (20). τὸ βλέπον κατὰ πρόσωπον τῆς ἐρήμου (15 *b*)
22. 3. ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (7 *a*)
— 31. προσεκύνησε τῷ πρ. αὐτοῦ (2)
24. 1. ἀπέστρεψε τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
27. 17. ἐξελεύσεται πρὸ προσώπου αὐτῶν (18 *a*)
— 17. εἰσελεύσεται πρὸ προσώπου αὐτῶν (18 *a*)
32. 21. ἕως ἂν ἐκτριβῇ . . . ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 *a*)
33. 52. ἀπολεῖτε . . . πρὸ προσώπου ὑμῶν (18 *c*)
— 55. ἐὰν δὲ μὴ ἀπολέσητε . . . ἀπὸ προσώπου ὑ. (7 *a*)
De. 1. 17. οὐκ ἐπιγνώσῃ πρόσωπον ἐν κρίσει (6)
— 17. οὐ μὴ ὑποστείλῃ πρόσωπον ἀνθρώπου (6)
De. 1. 21. παραδέδωκεν . . . πρὸ προσώπου ὑμῶν (18 *a*)
— 30. ὁ προπορευόμ. πρὸ προσώπου ὑμῶν (18 *a*)
2. 12. ἐξέτριψαν αὐτοὺς ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 *a*)
— 21. ἀπώλεσεν αὐτοὺς κ. πρὸ [A ἀπὸ] προσώπου αὐ. (18 *c* [7 *a*])
— 22. ἐξέτριψαν τὸν Χ. ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 *a*)
— 25. ἐπὶ πρόσωπον πάντων τῶν ἐθνῶν (14 *b*)
— 25. ὠδῖνας ἕξουσιν ἀπὸ προσώπου σου (7 *a*)
— 31. παραδοῦναι πρὸ προσώπου σου [A παρ. σοι] τὸν Σ. (18 *a*)
— 33. παρέδωκεν αὐτὸν . . . πρὸ προσώπου ἡμῶν (18 *a*)
3. 18. προπορεύεσθε πρὸ προσώπου τῶν ἀδ. ὑ. (18 *a*)
— 28. διαβήσεται πρὸ προσώπου τοῦ λαοῦ τ. (18 *a*)
4. 38. ἐξολεθρεῦσαι . . . πρὸ προσώπου σου (18 *c*)
5. 4. πρόσωπον κατὰ πρόσωπον ἐλάλησε (6, 6)
— 5. ἐφοβήθητε ἀπὸ προσώπου τοῦ π. (7 *a*)
— 7. θεοὶ ἕτ. πρὸ προσώπου μου [A *al.*] (18 *b*)
6. 15. μὴ . . . ἐξολεθρεύσῃ σε ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς (7 *b*)
— 19. ἐκδιῶξαι . . . πρὸ προσώπου σου (18 *c*)
7. 1. καὶ ἐξάρῃ . . . ἀπὸ προσώπου σου (7 *a*)
— 6. ὅσα ἐπὶ προσώπου τῆς γῆς (12)
— 10. ἀποδιδοὺς τοῖς μισοῦσι κατὰ πρόσωπον (15 *g*)
— 10. κατὰ πρόσωπον ἀποδώσει αὐτοῖς (15 *g*)
— 19. οὓς σὺ φοβῇ ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 *a*)
— 21. A B^2 B οὐ τρωθήσῃ ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 *a*)
— 22. καταναλώσει . . . ἀπὸ προσώπου σου (7 *a*)
— 24. οὐκ ἀντιστήσεται οὐδεὶς κατὰ πρόσωπόν σου (15 *h*)
8. 20. ἀπολλύει πρὸ προσώπου ὑμῶν (18 *c*)
9. 2. τίς ἀντιστήσεται κατὰ πρόσωπον υἱῶν Ἐ. (15 *c*)
— 3. προπορεύσεται πρὸ προσώπου σου (18 *a*)
— 3. ἀποστρέψει αὐτοὺς ἀπὸ [A B^2 πρὸ] προσώπου σου (7 *f* [18 *a*])
— 4. ἐν τῷ ἐξαναλῶσαι . . . πρὸ [B^1 ἀπὸ] προσώπου σου (18 *d* [7 *c*])
— 4. A ἐξολεθρεύσει αὐτοὺς πρὸ προσώπου σου (18 *c*)
— 5. ἐξολεθρεύσει αὐτοὺς ἀπὸ προσώπου σου (7 *a*)
10. 17. ὅστις οὐ θαυμάζει πρόσωπον (6)
11. 4. ὡς ἐπέκλυσε . . . ἐπὶ προσώπου αὐτῶν (12)
— 23. ἐκβαλεῖ . . . ἀπὸ προσώπου ὑμῶν (7 *c*)
— 25. οὐκ ἀντιστήσεται οὐδεὶς κατὰ πρόσωπον ὑ. (15 *h*)
— 25. ἐπιθήσει . . . ἐπὶ πρόσωπον [A -ου] π. τῆς γῆς (14 *b* [12])
12. 29. ἐὰν δὲ ἐξολεθρεύσῃ . . . ἀπὸ προσώπου σου (7 *a*)
— 30. μετὰ τὸ ἐξολεθρευθῆναι . . . ἀπὸ προσώπου σου (7 *a*)
14. 2. τῶν ἐθνῶν τῶν ἐπὶ προσώπου γῆς (12)
16. 19. οὐκ ἐπιγνώσονται πρόσωπον (6)
18. 12. A B ἐξολεθρεύσει . . . ἀπὸ πρωσώπου [B *om.*] σου (7 *a*)
20. 3. μηδὲ ἐκκλίνετε ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 *a*)
— 19. εἰσελθεῖν ἀπὸ προσώπου σου (7 *a*)
22. 6. ἐὰν δὲ συναντήσῃς . . . πρὸ προσώπου σου (18 *a*)
23. 14 (15). παραδοῦναι . . . πρὸ προσώπου σου [A *al.*] (18 *a*)
25. 9. ἐμπτύσεται κατὰ [A εἰς τὸ] πρόσωπον αὐ. (15 *h* [8 *e*])
28. 7. συντετριμμένους πρὸ προσώπου σου (18 *a*)
— 7. φεύξονται ἀπὸ προσώπου σου (7 *f*)
— 25. φεύξῃ ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 *f*)
— 50. ἔθνος ἀναιδὲς προσώπῳ ὅστις οὐ θαυμάσει πρόσωπον πρεσβύτου (6, 6)
— 60. ἣν διευλαβοῦ ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 *a*)
30. 1. ἣν ἔδωκα πρὸ προσώπου σου (18 *a*)
— 15. δέδωκα πρὸ προσώπου σου (18 *a*)
— 19. δέδωκα πρὸ προσώπου ὑμῶν (18 *a*)
31. 3. ὁ προπορευόμ. πρὸ προσώπου σου (18 *a*)
— 3. ἐξολεθρεύσει . . . ἀπὸ προσώπου σου (7 *c*)
— 3. ὁ προπορευόμ. . . . πρὸ προσώπου σου (18 *a*)
— 6. μηδὲ πτοηθῇς ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 *a*)
— 7. εἰσελεύσῃ πρὸ προσώπου τοῦ λαοῦ –
— 17, 18. ἀποστρέψω τὸ πρ. μου (6)
— 19. κατὰ πρόσωπον μαρτυροῦσα ἐν υἱοῖς Ἰσρ. [A *al.*] –
— 21. κατὰ πρόσωπον [A *add.* αὐτῶν] μαρτυροῦσα (15 *c*)
32. 20. ἀποστρέψω τὸ πρ. μου (6)
— 49. κατὰ πρόσωπον Ἱεριχώ (15 *b*)
33. 27. ἐκβαλεῖ ἀπὸ προσώπου σου ἐχθρόν (7 *a*)

De. 34. 1. ἥ ἐστιν ἐπὶ προσώπου [A -ον] Ἱερ. (12 [14 b])
— 10. πρόσωπον κατὰ πρόσωπον (6, 6)
Jo. 2. 10. κατεξήρανε . . . ἀπὸ προσώπου ὑμῶν (7 a)
— 11. οὐκ ἔστη . . . ἀπὸ προσώπου ὑμῶν (7 a)
3. 10. ὀλεθρεύσει ἀπὸ προσώπου ἡμῶν (7 a)
4. 5. προσαγάγετε . . . πρὸ προσώπου κυρίου (18 a)
— 7. A² B ἐξέλιπεν . . . ἀπὸ προσώπου κιβωτοῦ (7 a)
5. 1. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱῶν Ἰσρ. (7 a)
— 14. Ἰ. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον (14 c)
6. 5. ἕκαστος κατὰ πρόσωπον (15 m)
7. 4. ἔφυγον ἀπὸ προσώπου ἀνδρῶν Γ. (7 f)
— 6. ἔπεσεν Ἰ. . . . ἐπὶ πρόσωπον (14 b)
— 10. ἵνα τί . . . πέπτωκας ἐπὶ πρόσωπόν σου (14 b)
— 12. κατὰ πρόσωπον τῶν ἐχθρῶν αὐ. (15 c)
— 12. A² κατὰ πρόσωπον [B ἔναντι] τῶν ἐχθρῶν αὐ. (15 c)
8. 5. φευξόμεθα ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 f)
— 6. φεύγουσιν οὗτοι ἀπὸ προσώπου ἡμῶν (7 f)
— 10. ἀνέβησαν . . . κατὰ πρόσωπον τοῦ λαοῦ (15 c)
— 15. ἀνεχώρησεν . . . ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 f)
9. 24. ἐξολεθρεῦσαι . . . ἀπὸ προσώπου ὑμῶν (7 a)
— 24. ἐφοβήθημεν . . . ἀπὸ προσώπου ὑμῶν (7 a)
10. 10. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱῶν [A om. τ. υἱ.] Ἰσρ. (7 f)
— 11. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱῶν Ἰσρ. (7 a)
— 12. ἀπὸ προσώπου υἱῶν [A om.] Ἰσρ. (7 f)
11. 6. μὴ φοβηθῇς ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 a)
13. 3. τῆς κατὰ πρόσωπον Αἰγύπτου (15 b)
— 6. ἐξολεθρεύσω ἀπὸ προσώπου Ἰσρ. (7 a)
— 16. ἥ ἐστι κατὰ πρόσωπον φάραγγος Ἀρ. (15 i)
— 25. ἥ ἐστι κατὰ πρόσωπον Ἀ. (15 b)
15. 8. κατὰ πρόσωπον φάραγγος Ἐννόμ (15 b)
17. 7. ἥ ἐστι κατὰ πρόσωπον υἱῶν Ἀ. [A al.] (15 b)
18. 14. ἐπὶ πρόσωπον Βαιθωρών (14 b)
— 16. κατὰ πρόσωπον νάπης Σ. (15 b)
19. 11. ἥ ἐστι κατὰ πρόσωπον Ἰ. (15 b)
20. 6. A ἕως τῆς κατὰ πρόσωπον τῆς συναγ. (15 c)
23. 3. ὅσα ἐποίησε . . . ἀπὸ προσώπου ὑμῶν (7 a)
— 5. ἐξολεθρεύσει . . . ἀπὸ προσώπου ἡμῶν (7 a)
— 5. ἕως ἂν ἐξολεθρεύσῃ . . . ἀπὸ προσώπου ὑμῶν (7 c)
— 9. ἐξολεθρεύσει . . . ἀπὸ προσώπου ὑμῶν (7 a)
— 13. τοῦ ἐξολεθρεῦσαι . . . ἀπὸ προσώπου ὑμῶν (7 c)
24. 8. ἐξωλεθρεύσατε . . . ἀπὸ προσώπου ὑ. (7 a)
— 12. ἐξαπέστειλεν . . . ἀπὸ προσώπου ἡ. (7 a)
— 18. ἐξέβαλε . . . ἀπὸ προσώπου ἡμῶν (7 a)
Jd. 2. 3. ἐκ προσώπου ὑμῶν (9 d)
— 14. κατὰ πρόσωπον τῶν ἐχθρῶν αὐ. (15 c)
— 18. ἀπὸ [A πρὸ] προσώπου τῶν πολιορκούντων αὐτούς (7 a [18 c])
— 21. τοῦ ἐξᾶραι ἄνδρα ἐκ προσώπου αὐτῶν (9 d)
4. 19. A συνεκάλυψεν τὸ πρ. αὐτοῦ [B al.] –
5. 5. ἐσαλεύθησαν ἀπὸ προσώπου κυρίου . . . ἀπὸ προσώπου κ. θεοῦ Ἰσρ. (7 a, 7 a)
6. 2. ἐποίησαν ἑαυτοῖς ἀπὸ προσώπου Μ. (7 a)
— 6. ἐπτώχευσεν Ἰ. . . . ἀπὸ προσώπου Μ. (7 a)
— 7. ἐβόησαν . . . ἀπὸ προσώπου Μ. [A al.] (7 g)
— 9. ἐξέβαλον αὐτοὺς ἐκ προσώπου ὑμῶν (9 d)
— 11. ἐκφυγεῖν ἀπὸ [A ἐκ] προσώπου τοῦ Μ. (7 a [9 d])
— 22. A R εἶδον . . . πρόσωπον πρὸς [B om.] πρόσωπον (6, 6)
8. 28. A ἐνετράπη . . . ἀπὸ προσώπου Ἰσρ. [B al.] (7 f)
9. 21. ᾤκησεν [A κατῴκ.] . . . ἀπὸ προσώπου Ἀβ. (7 a)
— 39. A ἐξῆλθε Γ. ἀπὸ προσώπου τῶν ἀνδρ. Σ. [B al.] (7 f)
— 40. ἔφυγεν [A om.] ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 a)
11. 3. ἔφυγεν Ἰ. ἀπὸ [A ἐκ] προσώπου τῶν ἀδ. αὐ. (7 a [9 d])
— 23. ἀπὸ [A ἐκ] προσώπου λαοῦ αὐ. Ἰσρ. (7 a [9 d])
— 24. B ἀπὸ προσώπου ἡμῶν (7 a)
— 33. ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (7 a)
13. 20. ἔπεσον ἐπὶ πρόσωπον αὐτῶν (14 b)
16. 3. τοῦ [A ὅ ἐστιν] ἐπὶ προσώπου [A -ον] Χ. (12 [14 b])
18. 23. A ἐπέστρεψαν . . . κατὰ [B τὸ] πρόσωπον αὐτῶν (15 j [6])
20. 2. ἐστάθησαν κατὰ πρόσωπον κυρίου [A al.] †
Jd. 20. 35. A ἐτρόπωσεν . . . κατὰ πρόσωπον Ἰσρ. [B al.] (15 c)
Ru. 2. 10. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτῆς (14 b)
— 10. A καὶ προσεκύνησεν ἐπὶ πρόσωπον [B om. ἐπὶ πρ.] –
I Ki. 1. 14. πορεύου ἐκ προσώπου κυρίου –
— 18. τὸ πρ. αὐτῆς οὐ συνέπεσεν ἔτι (6)
— 22. ὀφθήσεται τῷ πρ. κυρίου (6)
2. 11. λειτουργῶν τῷ πρ. κυρίου –
4. 17. πέφευγεν ἀνὴρ Ἰσρ. ἐκ προσώπου ἀλλοφ. (9 e)
5. 3, 4. Δ. πεπτωκὼς ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (14 d)
7. 7. ἐφοβήθησαν ἀπὸ προσώπου ἀλλοφύλων (7 a)
8. 18. ἐκ προσώπου βασιλέως ὑμῶν (9 a)
9. 12. ἰδοὺ κατὰ πρόσωπον ὑμῶν (15 c)
13. 12. B τοῦ πρ. τοῦ κ. οὐκ ἐδεήθην (6)
14. 13. ἐπέβλεψαν κατὰ πρόσωπον Ἰ. (15 c)
— 25. κατὰ πρόσωπον τοῦ ἀγροῦ (15 b)
15. 7. ἐπάταξε Σ. τὸν Ἀ. . . . ἐπὶ προσώπου Αἰγ. (12)
— 27. ἐπέστρεψε Σαμ. τὸ πρ. αὐτοῦ –
16. 7. A μὴ ἐπιστρέψῃς ἐπὶ τὸ πρ. αὐ. [B al.] (3)
— 7. ἄνθρωπος ὄψεται εἰς πρόσωπον (4)
— 8. παρῆλθε κατὰ πρόσωπον Σαμ. (15 c)
17. 24. A ἔφυγον ἐκ προσώπου αὐτοῦ (9 d)
— 49. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (14 b)
18. 11. A ἐξέκλινεν Δ. ἀπὸ προσώπου αὐ. δίς (7 a)
— 12. ἐφοβήθη Σ. ἀπὸ προσώπου Δ. (7 c)
— 15. εὐλαβεῖτο ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 a)
— 16. ἐξεπορεύετο πρὸ προσώπου τοῦ λαοῦ (18 a)
19. 8. ἔφυγον ἐκ προσώπου αὐτοῦ (9 d)
— 10. ἀπέστη Δ. ἐκ προσώπου Σ. (9 d)
20. 15. ἕκαστον ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς (7 b)
— 41. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (14 e)
21. 6 (7). ἀλλ' ἢ ἄρτοι τοῦ πρ. [A προφήτου] οἱ ἀφῃρημένοι ἐκ προσώπου κυρίου (6, 9 a)
— 10 (11). ἔφυγεν . . . ἐκ προσώπου Σ. (9 d)
— 12 (13). ἐφοβήθη σφόδρα ἀπὸ προσώπου Α. (7 a)
— 13 (14). ἠλλοίωσε τὸ πρ. [A τὸν τρόπον] αὐ. †
22. 4. παρεκάλεσε τὸ πρ. τοῦ βασ. Μ. (6)
23. 5. ἔφυγον ἐκ προσώπου αὐτοῦ –
— 26. πορεύεσθαι ἀπὸ προσώπου Σ. (7 a)
24. 3. ζητεῖν τὸν Δ. . . . ἐπὶ πρόσωπον Σ. (14 b)
— 9. ἔκυψε Δ. ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (14 a)
25. 10. ἐκ προσώπου τοῦ κυρίου αὐτοῦ (9 d)
— 23. ἔπεσεν . . . ἐπὶ πρόσωπον αὐτῆς (14 b)
— 35. ᾐρέτισα τὸ πρ. σου (6)
— 41. προσεκύνησεν . . . ἐπὶ πρόσωπον (14 a)
26. 1. κατὰ πρόσωπον τοῦ Ἰεσσ. (15 b)
— 3. τῷ ἐπὶ προσώπου τοῦ Ἰεσσ. (12)
— 20. ἐξ ἐναντίας προσώπου κυρίου (6)
28. 14. ἔκυψεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (14 a)
30. 16. ἐπὶ πρόσωπον πάσης τῆς γῆς (14 b)
31. 1. ἔφυγον . . . ἐκ προσώπου τῶν ἀλλοφ. (9 d)
II Ki. 1. 2. A ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον [B om. ἐ. πρ.] –
2. 22. πῶς ἀρῶ τὸ πρ. μου πρὸς Ἰωάβ (6)
— 24. ὅ ἐστιν ἐπὶ προσώπου Γαί (12)
3. 13. οὐκ ὄψει τὸ πρ. μου (6)
— 13. ἰδεῖν τὸ πρ. μου (6)
7. 9. ἐξωλέθρευσα . . . ἀπὸ προσώπου σου (7 a)
— 15. ἀφ' ὧν ἀπέστησα ἐκ προσώπου μου (9 a)
— 23. τοῦ ἐκβαλεῖν σε ἐκ προσώπου τοῦ λαοῦ σου (9 d)
9. 6. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (14 b)
10. 9. ἐκ τοῦ κατὰ πρόσωπον (10)
— 13. ἔφυγαν ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 a)
— 14. ἔφυγαν ἀπὸ προσώπου Ἀβ. (7 a)
— 18. ἔφυγε Σ. ἀπὸ προσώπου Ἰσρ. (7 a)
11. 11. ἐπὶ πρόσωπον τοῦ ἀγροῦ παρεμβάλλουσι (14 b)
14. 4. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτῆς (14 f)
— 7. ὥστε μὴ θέσθαι . . . ἐπὶ προσώπου τῆς γῆς (12)
— 20. τὸ πρ. τοῦ ῥήματος τούτου (6)
— 22. ἔπεσεν Ἰ. ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (14 c)
— 24. τὸ πρ. μου μὴ βλεπέτω (6)
— 24, 28. τὸ πρ. τοῦ βασ. οὐκ εἶδε (6)
— 32. τὸ πρ. τοῦ βασ. οὐκ εἶδον (6)
— 33. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ . . . καὶ κατὰ πρόσωπον τοῦ βασ. (14 f, 15 c)
15. 14. οὐκ ἔστιν ἡμῖν σωτηρία ἀπὸ προσώπου Ἀβ. (7 a)
— 18. πορευόμενοι ἐπὶ πρόσωπον τοῦ βασ. (14 b)
— 23. παρεπορεύοντο ἐπὶ πρόσωπον ὁδοῦ τὴν ἔρημον (14 b)
17. 11. τὸ πρ. σου πορευόμ. ἐν μέσῳ αὐτῶν (6)
II Ki. 17. 19. διεπέτασε . . . ἐπὶ πρόσωπον τοῦ λάκκου (14 b)
18. 8. διεσπαρμένος ἐπὶ πρόσωπον πάσης τῆς γῆς (14 b)
— 28. προσεκύνησε τῷ βασ. ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (14 e)
19. 4 (5). ἔκρυψε [A ἐπέκρ.] τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
— 5 (6). A B τὸ πρ. [R τὰ πρ.] πάντων τῶν δούλων σου (6)
— 8 (9). εἰσῆλθε . . . κατὰ πρόσωπον τοῦ βασ. (15 c)
— 18 (19). ἐπὶ πρόσωπον αὐ. ἐνώπιον [A om. αὐ. ἐ.] τοῦ βασ. (– [14 d])
21. 1. ἐζήτησε Δ. τὸ πρ. τοῦ κυρίου (6)
23. 11. ἔφυγεν ἐκ προσώπου ἀλλοφύλων (9 d)
24. 20. προσεκύνησε τῷ βασ. ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (14 a)
III Ki. 1. 23. εἰσῆλθε κατὰ πρόσωπον [A τὸ πρ.] τοῦ βασ. (15 c)
— 23. προσεκύνησε τῷ βασ. κατὰ πρόσωπον αὐ. (15 n)
— 31. ἔκυψε Βηρσ. ἐπὶ πρόσωπον (14 a)
— 50. Ἀδ. ἐφοβήθη ἀπὸ προσώπου Σαλ. (7 a)
2. 7. ἐν τῷ με ἀποδιδράσκειν ἀπὸ προσώπου Ἀβ. (7 a)
— 14 (15). ἔθετο πᾶς Ἰσρ. τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
— 15 (16). μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. σου (6)
— 16 (17). οὐκ ἀποστρέψει τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
— 20. μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. σου (6)
— 29. ἐφοβήθην ἀπὸ προσώπου σου –
3. 15. κατὰ πρόσωπον τοῦ θυσιαστ. τοῦ κατὰ πρόσωπον κιβωτοῦ (15 c, –)
— 28. ἐφοβήθησαν ἀπὸ προσώπου τοῦ βασ. (7 a)
5. 3 (17). ἀπὸ προσώπου τῶν πολέμων (7 a)
6. 3. τὸ αἰλὰμ κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ (15 b)
— 3. A κατὰ πρόσωπον εἰς τὸ ὕψος τοῦ οἴκου (15 b)
— 3. κατὰ πρόσωπον τοῦ οἴκου (15 b)
— 19. κατὰ πρόσωπον τοῦ δαβίρ –
— 20. A εἰς πρόσωπον τοῦ δαβείρ (8 c)
— 20 (21). κατὰ πρόσωπον τοῦ δαβίρ (15 c)
— 36. B τοῦ οἴκου τοῦ κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ –
7. 36. ἐχόμενον ἕκαστον κατὰ πρόσωπον [A add. αὐτοῦ] ἔσω †
— 49. κατὰ πρόσωπον τοῦ δαβίρ (15 c)
— 6. ἐπὶ πρόσωπον αὐτῶν (14 b)
— 6. καὶ πάχος ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (14 b)
— 12. A κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ –
8. 8. εἰς πρόσωπον τοῦ δαβίρ (8 d)
— 11. ἀπὸ προσώπου τῆς νεφέλης (7 a)
— 14. ἀπέστρεψεν ὁ βασ. τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
— 22. κατὰ πρόσωπον τοῦ θυσιαστηρίου (15 c)
— 25. οὐκ ἐξορθήσεταί σου ἀνὴρ ἐκ προσώπου μου (9 a)
— 31. κατὰ πρόσωπον τοῦ θυσιαστηρίου σου (15 c)
— 40. A ἐπὶ προσώπου πάσης [B om. πρ. π.] τῆς γῆς (12)
— 54. ἀπὸ προσώπου τοῦ θυσιαστηρίου κ. (7 c)
— 64. τὸ κατὰ πρόσωπον τοῦ οἴκου κυρίου (15 c)
9. 7. ἀπορρίψω ἐκ προσώπου μου (9 f)
— 25 (cf. 3. 1). A ἐθυμία αὐτὸς εἰς πρόσωπον κυρίου (8 c)
10. 24. ἐζήτουν τὸ πρ. Σαλ. (6)
11. 7. A ὁ ἐπὶ πρόσωπον Ἱερ. (14 b)
— 43 (B), 12. 2 (A). ἔφυγεν ἐκ προσώπου Σ. (9 d)
12. 8. τῶν παρεστηκότων πρὸ προσώπου αὐ. (18 a)
— 10. οἱ παρεστηκότες πρὸ προσώπου αὐ. –
— 30. ἐπορεύετο . . . πρὸ προσώπου τῆς μιᾶς (18 a)
13. 6. B² R δεήθητι τοῦ πρ. [A τῷ πρ., B¹ om. τ. πρ.] κυρίου (6)
— 6. ἐδεήθη . . . τοῦ πρ. κυρίου (6)
— 11. ἐπέστρεψαν τὸ πρ. τοῦ πατρὸς αὐτῶν –
— 34. εἰς ἀφανισμὸν ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς (7 b)
14. 9. A ὅσοι ἐγένοντο εἰς πρόσωπόν σου (8 c)
— 24. ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (7 a)
17. 3. τοῦ ἐπὶ προσώπου τοῦ Ἰορδ. (12)
— 5. ἐκάθισεν . . . ἐπὶ προσώπου [A -ον] τοῦ Ἰορδ. (12 [14 b])
— 14. A ἐπὶ προσώπου [B om.] τῆς γῆς (12)
18. 1. δώσω ὑετὸν ἐπὶ πρόσωπον τῆς γῆς (14 b)
— 7. καὶ ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (14 b)
— 39. ἔπεσε . . . ἐπὶ πρόσωπον αὐ. [A al.] (14 b)
— 42. ἔθηκε τὸ [A om.] πρ. αὐ. ἀνὰ μέσον τῶν γον. (6)
19. 13. ἐπεκάλυψε τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
20 (21). 4. συνεκάλυψε τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
— 26. ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (7 a)
— 27. κατενύγη Ἀχ. ἀπὸ προσώπου τοῦ κ. †
— 29. κατενύγη Ἀχ. ἀπὸ προσώπου μου (7 c)
IV Ki. 1. 15. μὴ φοβηθῇς ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 a)
3. 14. εἰ μὴ πρόσωπον Ἰ. . . . λαμβάνω (6)
— 24. ἔφυγον ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 a)

IV Ki. 4. 29. ἐπιθήσεις . . . ἐπὶ πρόσωπον τοῦ παιδαρίου (14 *b*)
— 31. ἐπέθηκεν . . . ἐπὶ πρόσωπον τοῦ παιδαρίου (14 *b*)
— 44. A ἔδωκεν εἰς πρόσωπον αὐτῶν (8 *c*)
5. 1. καὶ τεθαυμασμένος προσώπῳ (6)
— 15. A ἔστη εἰς πρόσωπον [B *om.* εἰς πρ., A ἐνώπιον] αὐτοῦ (8 *c*)
— 27. ἐξῆλθεν ἐκ προσώπου [A τοῦ πρ.] αὐτοῦ (9 *a*)
6. 32. ἀπέστειλεν ἄνδρα πρὸ προσώπου αὐ. (18 *d*)
8. 11. καὶ παρέστη τῷ πρ. αὐτοῦ (6)
— 15. περιέβαλεν ἐπὶ τὸ πρ. αὐτοῦ (14 *b*)
9. 7. ἐξολεθρεύσεις . . . ἐκ προσώπου σου –
— 14. ἀπὸ προσώπου Ἀζ. βασιλέως Σ. (7 *a*)
— 32. ἐπῆρε τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
— 37. ὡς κοπρία ἐπὶ προσώπου τοῦ ἀγροῦ (12)
10. 4. οὐκ ἔστησαν κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (15 *c*)
11. 2. ἔκρυψεν αὐτὸν ἀπὸ προσώπου Γ. (7 *a*)
— 18. κατὰ πρόσωπον τῶν θυσιαστ. (15 *c*)
12. 17 (18). ἔταξεν Ἀζ. τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
13. 4. ἐδεήθη Ἰ. τοῦ πρ. κυρίου (6)
— 14. B ἔκλαυσεν ἐπὶ προσώπου [A R -ον] αὐ. (12 [14 *b*])
— 23. οὐκ ἀπέρριψεν αὐτοὺς ἀπὸ τοῦ πρ. αὐ. (7 *b*)
14. 8. ὀφθῶμεν προσώποις (6)
— 11. ὤφθησαν προσώποις (6)
— 12. ἔπταισεν Ἰ. ἀπὸ προσώπου Ἰσρ. (7 *f*)
16. 3. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱῶν Ἰσρ. (7 *a*)
— 14. προσήγαγε τὸ πρ. τοῦ οἴκου (6 ?)
— 18. ἀπὸ προσώπου βασιλέως Ἀσσ. (7 *a*)
17. 8. ἐκ [A ἀπὸ] προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (9 *d* [7 *a*])
— 11. ἃ ἀπῴκισεν κ. ἐκ [A ἀπὸ] προσώπου αὐ. (9 *d* [7 *a*])
— 18. ἀπέστησεν αὐτοὺς ἀπὸ τοῦ πρ. αὐ. (7 *b*)
— 20. ἀπέρριψεν αὐτοὺς ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 *a*)
— 23. μετέστησε κ. τὸν Ἰσρ. ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 *b*)
18. 24. πῶς ἀποστρέψεις τὸ πρ. τοπάρχου ἑνός (6)
19. 6. A μὴ φοβοῦ ἀπὸ προσώπου [B *om.*] τῶν λόγων (7 *a*)
— 15. A προσηύξατο . . . εἰς πρόσωπον κυρίου (8 *c*)
21. 2. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱῶν Ἰσρ. (7 *a*)
— 9. ἐκ προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (9 *d*)
— 13. καταστρέφεται ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (14 *b*)
22. 19. ἐνετρίπης ἀπὸ προσώπου [B[1] ἐν. τὸ πρ.] κυρίου (7 *a* [6])
23. 13. τὸν οἶκον τὸν ἐπὶ πρόσωπον Ἱερ. (14 *b*)
— 27. ἀποστήσω ἀπὸ τοῦ πρ. μου (7 *b*)
24. 3. ἀποστῆσαι αὐτὸν ἀπὸ τοῦ [A *om.*] πρ. αὐ. (7 *b*)
— 20. ἀπέρριψεν αὐτοὺς ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 *b*)
25. 19. τῶν ὁρώντων τὸ πρ. τοῦ βασ. (6)
— 26. ἐφοβήθησαν ἀπὸ προσώπου τῶν Χ. (7 *a*)
I Ch. 5. 25. οὓς ἐξῆρεν ὁ θ. ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 *a*)
10. 1. ἔφυγον ἀπὸ προσώπου ἀλλοφύλων (7 *a*)
11. 13. ἔφυγεν ἀπὸ προσώπου ἀλλοφύλων (7 *a*)
12. 1. ἔτι συνεχομένου ἀπὸ προσώπου Σ. (7 *a*)
— 8. πρόσωπον λέοντος πρόσωπα αὐτῶν (6, 6)
16. 4. ἔταξε κατὰ πρόσωπον τῆς κιβωτοῦ (15 *c*)
— 11. ζητήσατε τὸ πρ. αὐ. διὰ παντός (6)
— 27. δόξα . . . κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (15 *c*)
— 29. ἐνέγκατε κατὰ πρόσωπον [S τὸ πρ.] αὐτοῦ (15 *c*)
— 30. φοβηθήτω ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 *c*)
— 33. εὐφρανθήσεται . . . ἀπὸ προσώπου κυρίου (7 *c*)
17. 8. ἐξωλέθρευσα . . . ἀπὸ προσώπου σου (7 *a*)
— 21. τοῦ ἐκβαλεῖν ἀπὸ προσώπου λαοῦ σου (7 *a*)
— 25. τοῦ προσεύξασθαι κατὰ πρόσωπόν σου (15 *c*)
19. 10. τοῦ πολεμεῖν πρὸς αὐτὸν κατὰ πρόσωπον (15 *f*)
— 15. ἔφυγον . . . ἀπὸ προσώπου Ἀβ. καὶ ἀπὸ προσώπου Ἰ. (7 *a*, –)
— 18. ἔφυγε Σύρος ἀπὸ προσώπου Ἰσρ. (7 *c*)
— 19. ἐπτάκαστιν ἀπὸ προσώπου Ἰσρ. (7 *f*)
21. 12. φεύγειν σε ἐκ προσώπου ἐχθρῶν σου (7 *a*)
— 16. ἔπεσε . . . ἐπὶ πρόσωπον αὐτῶν (14 *b*)
— 21. προσεκύνησε τῷ Δ. τῷ πρ. ἐπὶ τὴν γῆν (2)
— 30. ἀπὸ προσώπου τῆς ῥομφαίας ἀγγέλου κυρίου (7 *a*)
28. 8. κατὰ πρόσωπον πάσης ἐκκλησίας κυρίου (15 *k*)
29. 11. ἀπὸ προσώπου σου ταράσσεται πᾶς βασ. –
II Ch. 1. 13. πρὸ [A ἀπὸ] προσώπου τῆς σκηνῆς (18 *d* [7 *c*])
3. 4. κατὰ πρόσωπον τοῦ οἴκου μῆκος ἐπὶ πρόσωπον πλάτους τοῦ οἴκου (15 *b*, 14 *b*)
— 8. μῆκος αὐτοῦ ἐπὶ πρόσωπον (14 *b*)
II Ch. 3. 13. καὶ τὰ πρ. αὐτῶν εἰς τὸν οἶκον (6)
— 17. κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ (15 *b*)
4. 20. κατὰ πρόσωπον τοῦ δαβίρ (15 *c*)
5. 9. εἰς πρόσωπον τοῦ δαβίρ (8 *d*)
— 14. ἀπὸ προσώπου τῆς νεφέλης (7 *a*)
6. 3. ἐπέστρεψεν ὁ βασ. τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
— 16. οὐκ ἐκλείψει σοι ἀνὴρ ἀπὸ προσώπου μου (7 *c*)
— 31. ἐπὶ προσώπου [A *add.* πάσης] τῆς γῆς (12)
— 36. παραδώσεις αὐτοὺς κατὰ πρόσωπον ἐχθρῶν (15 *c*)
— 42. A R μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. τοῦ χριστοῦ [B *om.* τ. χρ.] σου (6)
7. 3. ἔπεσον ἐπὶ πρόσωπον (14 *a*)
— 14. καὶ ζητήσωσι τὸ πρ. μου (6)
— 20. ἀποστρέψω ἐκ [A ἀπὸ] προσώπου μου (9 *f* [7 *b*])
9. 23. ἐζήτουν τὸ πρ. Σαλ. (6)
10. 2. ἔφυγεν ἀπὸ προσώπου Σαλ. (7 *a*)
12. 5. τοὺς συναχθέντας . . . ἀπὸ προσώπου Σ. (7 *a*)
13. 7. οὐκ ἀντέστη κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (15 *c*)
— 8. κατὰ πρόσωπον βασιλείας κυρίου (15 *c*)
— 16. ἔφυγον . . . ἀπὸ προσώπου Ἰ. (7 *a*)
19. 7. οὐδὲ θαυμάσαι πρόσωπον (6)
— 11. καὶ οἱ Λ. πρὸ προσώπου ὑμῶν (18 *a*)
20. 3. ἔδωκεν Ἰωσ. τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
— 5. κατὰ πρόσωπον τῆς αὐλῆς τῆς καινῆς (15 *c*)
— 7. ἀπὸ προσώπου τοῦ λιοῦ σου Ἰσρ. (7 *c*)
— 15. ἀπὸ προσώπου τοῦ ὄχλου τοῦ πολλοῦ τ. (7 *a*)
— 18. κύψας Ἰωσ. ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (14 *a*)
22. 11. ἔκρυψεν αὐτὸν ἀπὸ προσώπου Γοθ. (7 *a*)
25. 17. A R ὀφθῶμεν προσώποις (6)
— 22. ἐτροπώθη Ἰ. κατὰ πρόσωπον Ἰσρ. (15 *c*)
28. 3. ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (7 *a*)
29. 6. ἀπέστρεψαν τὸ πρ. (6)
30. 9. οὐκ ἀποστρέψει τὸ πρ. αὐ. (6)
32. 2. καὶ τὸ [A κατὰ] πρ. αὐ. τοῦ πολεμῆσαι (6 [15 *j*])
— 7. μὴ πτοηθῆτε ἀπὸ προσώπου βασ. Ἀ. καὶ ἀπὸ προσώπου παντὸς τοῦ ἔθνους (7 *a*, 7 *c*)
— 21. ἀπέστρεψε μετὰ αἰσχύνης προσώπου [A *al.*] (6)
33. 2. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱῶν Ἰσρ. (7 *a*)
— 9. ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (7 *a*)
— 12. ἐζήτησε τὸ πρ. θεοῦ τοῦ κ. αὐ. (6)
— 12. ἀπὸ προσώπου θεοῦ πατέρων αὐ. (7 *c*)
34. 4. τὰ [A *om.*] κατὰ πρόσωπον αὐ. θυσιαστήρια (15 *c*)
— 4. ἔρριψεν ἐπὶ πρόσωπον τῶν μνημάτων (14 *b*)
— 27. ἐταπεινώθης ἀπὸ προσώπου μου (7 *c*)
35. 19. ἀποστήσω ἀπὸ προσώπου μου –
— 22. οὐκ ἀπέστρεψεν Ἰ. τὸ πρ. αὐ. (6)
36. 5. τοῦ ἀποστῆναι αὐτὸν ἀπὸ προσώπου αὐ. –
— 12. οὐκ ἐνετράπη ἀπὸ προσώπου Ἱερ. (7 *c*)
I Es. 4. 39. οὐκ ἔστι . . . λαμβάνειν πρόσωπα
— 58. ἆρας τὸ πρ. εἰς τὸν οὐρανόν
8. 74. ἐντέτραμμαι κατὰ πρόσωπόν σου
II Es. 7. 14. ἀπὸ προσώπου τοῦ βασ. (7 *j*)
9. 6. ὑψῶσαι . . . τὸ πρ. μου πρὸς σέ (6)
— 7. καὶ ἐν αἰσχύνῃ προσώπου ἡμῶν (6)
10. 6. ἀπὸ προσώπου οἴκου τοῦ θεοῦ (7 *c*)
Ne. 1. 11. S[2] μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. σου –
2. 2. διὰ τί τὸ πρ. σου πονηρόν (6)
— 3. διὰ τί οὐ μὴ γένηται πονηρὸν τὸ πρ. μου (6)
4. 9 (3). προφύλακας . . . ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 *a*)
— 14 (8). μὴ φοβηθῆτε ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 *a*)
5. 15. ἀπὸ προσώπου φόβου θεοῦ (7 *a*)
8. 6. προσεκύνησαν . . . ἐπὶ πρόσωπον (14 *a*)
10. 33 (34). εἰς ἄρτους τοῦ πρ. †
To. 2. 9. τὸ πρ. μου ἀκάλυπτον ἦν [S *al.*]
3. 6. S ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς
— 6. μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. σου
— 12. τὸ πρ. μου εἰς σὲ δέδωκα [S *al.*]
4. 7. A B μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. σου
— 7. A B οὐ μὴ ἀποστραφῇ τὸ πρ. τοῦ θεοῦ
12. 16. ἔπεσον ἐπὶ πρόσωπον
13. 6. οὐ μὴ κρύψῃ τὸ πρ. αὐτοῦ
14. 10. S ἀπέδωκεν ὁ θ. τὴν τιμίαν κατὰ πρόσωπον αὐ.
Ju. 1. 7. κατὰ πρόσωπον παραλίας
— 11. ἐν ἀτιμίᾳ πρὸ προσώπου [A[3] ἀπὸ πρ., S προσώπων] αὐ.
2. 5. ἐξελεύσῃ ἐκ τοῦ [S *om.*] πρ. μου
— 7. καλύψω πᾶν τὸ πρ. τῆς γῆς
— 14. ἐξῆλθεν Ὀλ. ἀπὸ προσώπου τοῦ κυρίου αὐ.
— 19. καλύψαι πᾶν τὸ πρ. τῆς γῆς
Ju. 2. 21. ἐπὶ πρόσωπον τοῦ πεδίου B.
— 23. τοὺς [S[1] *om.*] κατὰ πρόσωπον τῆς ἐρήμου
— 25. κατὰ πρόσωπον τῆς Ἀραβίας
3. 2. καθὼς ἀρεστόν ἐστι τῷ [S[1] ἐν] πρ. [S[2] *om.* τῷ πρ.] σου
— 3. A B S[1] παράκειται πρὸ προσώπου σου
— 9. ἦλθε κατὰ πρόσωπον Ἔσ.
4. 2. ἐφοβήθησαν . . . ἀπὸ προσώπου αὐ.
— 6. κατὰ πρόσωπον τοῦ πεδίου τοῦ πλησίον [S *om.* τ. π. τ. πλ.] Δωθ.
— 11. ἔπεσον [A ἐπέθεντο] κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ
— 11. ἐξέτειναν τοὺς σάκκους αὐ. κατὰ πρόσωπον κυρίου
— 13. κατὰ πρόσωπον τῶν ἁγίων κυρίου
5. 8. ἐξέβαλον αὐτοὺς ἀπὸ προσώπου τῶν θ. αὐ.
— 10. ἐκάλυψε γὰρ τὸ πρ. τῆς γῆς Χ. λιμός
— 12. ἐξέβαλον αὐτοὺς . . . ἀπὸ προσώπου αὐτῶν
— 16. ἐξέβαλον ἐκ προσώπου αὐ. τὸν Χαν.
6. 3. ἐξολεθρεύσει αὐτοὺς ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς
— 4. κατὰ πρόσωπον [A *add.* τῶν ποδῶν] ἡμῶν
— 5. οὐκ ὄψῃ ἔτι [S *om.*] τὸ πρ. μου
— 9. μὴ συμπεσέτω σου τὸ πρ.
— 19. ἐπίβλεψον ἐπὶ τὸ πρ. τῶν ἡγιασμ. σοι
7. 4. ἐκλείξουσιν οὗτοι τὸ πρ. τῆς γῆς πάσης
— 6. κατὰ πρόσωπον τῶν υἱῶν Ἰσρ.
— 15. οὐκ ἀπήντησαν [A οὐχ ὑπ.] τῷ πρ. σου
— 18. ἐκάλυψαν [S ἐπεκ.] πᾶν τὸ πρ. τῆς γῆς
8. 15. πρὸ προσώπου τῶν ἐχθρῶν ἡμῶν
9. 1. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον
10. 7. ἣν ἠλλοιωμένον τὸ πρ. αὐτῆς
— 12. ἀποδιδράσκω ἀπὸ προσώπου αὐτῶν
— 13. ἔρχομαι εἰς τὸ [S *om.*] πρ. Ὀλοφέρνου
— 13. δείξω πρὸ προσώπου αὐτοῦ ὁδόν
— 14. κατενόησαν τὸ πρ. αὐτῆς
— 15. A B καταβῆναι εἰς πρόσωπον τοῦ κυρίου [S *al.*]
— 23. ὡς δὲ ἦλθε κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ Ἰ.
— 23. ἐπὶ τῷ κάλλει τοῦ πρ. αὐτῆς
— 23. καὶ πεσοῦσα ἐπὶ πρόσωπον
11. 5. λαλησάτω . . . κατὰ πρόσωπόν σου
— 11. ἐπιπεσεῖται θάν. ἐπὶ πρόσωπον [A S -ου] αὐ.
— 13. τοῖς παρεστηκόσιν . . . ἀπέναντι τοῦ πρ. τοῦ θ.
— 16. A B ἀπέδρων ἀπὸ προσώπου αὐτῶν
— 21. A B γυνὴ . . . ἐν καλῷ πρ. καὶ συνέσει λόγων
12. 12. A B αἰσχρὸν τῷ πρ. ἡμῶν
— 13. A B ἐξῆλθε B. ἀπὸ προσώπου Ὀλ.
— 13. A B δοξασθῆναι κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ
13. 1. A B τοὺς παρεστῶτας ἐκ προσώπου τοῦ κυρίου
— 4. A B ἀπήλθοσαν πάντες ἐκ προσώπου [A *add.* αὐτῆς]
— 16. ἠπάτησεν αὐτὸν τὸ πρ. μου
14. 3. φεύξονται ἀπὸ προσώπου ὑμῶν [S *om.*]
— 6. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον
— 7. προσεκύνησε τῷ πρ. αὐτῆς
15. 2. μένων κατὰ πρόσωπον τοῦ πλησίον
16. 7. ἐν κάλλει προσώπου αὐτῆς
— 8. A B S[2] ἠλείψατο τὸ [A[1] *om.*] πρ. αὐτῆς
— 15. ἀπὸ προσώπου σου . . . τακήσονται
— 20. κατὰ πρόσωπον τῶν ἁγίων
Es. 4. 5. S[2] κατὰ πρόσωπον τῆς πύλης τῆς πόλεως –
5. 1. καὶ τὸ πρ. αὐτῆς ἱλαρόν
— 1. τὸ πρ. αὐ. πεπυρωμένον [S[1] -πληρωμένη] δόξῃ
— 2. τὸ πρ. σου χαρίτων μεστόν
7. 8. διετράπη τῷ πρ. (6)
8. 13. τὸ δεύτ. τοῦ βασιλικοῦ θρόνου πρ.
— 15. S[2] ἐκ προσώπου τοῦ βασ. (9 *a*)
9. 2. S[2] κατὰ πρόσωπον αὐτῶν (15 *h*)
Jb. 1. 11. εἰς πρόσωπόν σε εὐλογήσει (8 *d*)
— 12. A ἐξῆλθεν ὁ διάβολος ἀπὸ προσώπου [B S παρὰ τοῦ] κυρίου (7 *h*)
2. 5. εἰς πρόσωπόν σε εὐλογήσει (8 *b*)
4. 15. πνεῦμα ἐπὶ πρόσωπόν μου ἐπῆλθεν (14 *b*)
6. 28. εἰσβλέψας [A ἐμβλ.] εἰς πρόσωπα ὑμῶν (6)
9. 24. πρόσωπα κριτῶν αὐ. συγκαλύπτει (6)
— 27. συγκύψας τῷ πρ. στενάξω (6)
11. 15. ἀναλάμψει σου τὸ πρ. (6)
13. 10. εἰ δὲ καὶ κρυφῇ πρόσωπα [A -ον] θαυμάσεσθε [A -σετε] (6)
— 20. ἀπὸ τοῦ πρ. σου οὐ [S *om.*] κρυβήσομαι (7 *a*)
14. 20. ἐπέστησας αὐτῷ τὸ πρ. (6)
15. 27. ἐκάλυψε τὸ πρ. αὐτοῦ ἐν στέατι αὐτοῦ (6)
16. 9 (8). κατὰ πρόσωπόν μου ἀνταπεκρίθη (15 *h*)
17. 12. A B S[2] φῶς ἐγγὺς ἀπὸ προσώπου σκότους (7 *a*)

Jb. 18. 17. ὑπάρχει ὄνομα αὐτῷ ἐπὶ πρόσωπον ἐξωτέρω (14 *b*)
19. 8. ἐπὶ πρόσωπόν [S -ου, A δὲ ἀτραπούς] μου σκότος ἔθετο †
21. 31. τίς ἀπαγγελεῖ ἐπὶ προσώπου [A S^2 -ον] αὐτοῦ τὴν ὁδὸν αὐτοῦ (12 [14 *b*])
22. 8. ἐθαύμασας δέ τινων πρόσωπον [A S^2 -πα] (6)
23. 15. ἀπὸ προσώπου αὐ. κατασπουδασθῶ (7 *a*)
— 17. πρὸ [A *om.*] προσώπου [A -ον] δέ μου ἐκάλυψε γνόφος [A σκότος] (18 *c* [6])
24. 15. ἀποκρυβὴν προσώπου ἔθετο [A *al.*] (6)
— 18. ἐλαφρός ἐστιν ἐπὶ πρόσωπον [A -ου] ὕδατος (14 *b* [12])
26. 9. A B S^2 ὁ κρατῶν πρόσωπον θρόνου (6)
— 10. πρόσταγμα ἐγύρωσεν ἐπὶ πρόσωπον ὕδατος (14 *b*)
29. 24. φῶς τοῦ πρ. μου οὐκ ἀπέπιπτεν (6)
30. 10. A B S^2 ἀπὸ δὲ προσώπου μου οὐκ ἐφείσαντο πτύελον (7 *a*)
— 11. χαλινὸν τοῦ πρ. [S τῷ πρ.] μου (6)
32. 22. οὐ γὰρ ἐπίσταμαι θαυμάσαι πρόσωπα [A S -ον] †
33. 26. εἰσελεύσεται δὲ προσώπῳ ἱλαρῷ [A S^2 καθαρῷ] (6)
34. 19. ὃς οὐκ ἐπαισχυνθῇ πρόσωπον ἐντίμου . . . θαυμασθῆναι πρόσωπα [S -ον, A τὰ πρ.] αὐ. (6, †)
— 29. κρύψει πρόσωπον καὶ τίς ὄψεται αὐτόν (6)
38. 30. πρόσωπον δὲ ἀσεβοῦς τίς ἔπηξε (6)
40. 8 (13). τὰ δὲ πρ. αὐτῶν ἀτιμίας ἔμπλησον (6)
41. 4 (5). τίς ἀποκαλύψει [A ἄνακ.] πρόσωπον ἐνδύσεως αὐτοῦ (6)
— 5 (6). πύλας προσώπου αὐτοῦ τίς ἀνοίξει (6)
42. 8. πρόσωπον αὐτοῦ λήψομαι (6)
Ps. 1. 4. ὃν ἐκρίπτει ὁ ἄνεμος ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς –
3. *tit.* ὁπότε ἀπεδίδρασκεν ἀπὸ προσώπου Ἀβεσσαλώμ (7 *a*)
4. 6. ἐσημειώθη ἐφ' ἡμῖν τὸ φῶς τοῦ πρ. σου (6)
9. 3. ἀπολοῦνται ἀπὸ προσώπου σου (7 *a*)
— 26 (10. 5). ἀνταναιρεῖται τὰ κρίματά σου ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 *i*)
— 32 (10. 11). ἀπέστρεψε τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
10 (11). 8. εὐθύτητα εἶδε τὸ πρ. αὐ. (6)
12 (13). 1. ἕως πότε ἀποστρέψεις τὸ πρ. σου ἀπ' ἐμοῦ (6)
15 (16). 11. πληρώσεις με εὐφροσύνης μετὰ τοῦ πρ. σου (6)
16 (17). 2. ἐκ προσώπου σου τὸ κρίμα μου ἐξέλθοι (9 *a*)
— 9. ἀπὸ προσώπου ἀσεβῶν τῶν ταλαιπωρησάντων με (7 *a*)
— 15. ὀφθήσομαι τῷ πρ. σου (6)
17 (18). 8. A S R πῦρ ἀπὸ προσώπου [B πῦρ ἐναντίον] αὐτοῦ κατεφλόγισεν (5)
— 42. ὡς χοῦν κατὰ πρόσωπον ἀνέμου (15 *b*)
20 (21). 6. εὐφρανεῖς αὐτὸν ἐν χαρᾷ μετὰ τοῦ πρ. σου (6)
— 9. εἰς καιρὸν τοῦ πρ. σου (6)
— 12. ἑτοιμάσεις τὸ πρ. αὐτῶν (6)
21 (22). 24. οὐδὲ ἀπέστρεψε τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
23 (24). 6. ζητούντων τὸ πρ. τοῦ θεοῦ Ἰακώβ (6)
26 (27). 8. ἐξεζήτησα τὸ πρ. σου τὸ πρ. σου, κύριε, ζητήσω (6, 6)
— 9. μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. σου ἀπ' ἐμοῦ (6)
29 (30). 7. ἀπέστρεψας δὲ τὸ πρ. σου (6)
30 (31). 16. ἐπίφανον τὸ πρ. σου ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου (6)
— 20. ἐν ἀποκρύφῳ τοῦ πρ. σου (6)
— 22. ἀπέρριμμαι ἀπὸ προσώπου [S^1 *om.*] τῶν ὀφθαλμῶν σου (7 *i*)
33 (34). *tit.* ὁπότε ἠλλοίωσε τὸ πρ. αὐτοῦ †
— 5. τὰ πρ. ὑμῶν οὐ μὴ καταισχυνθῇ (6)
— 16. πρόσωπον δὲ κυρίου ἐπὶ ποιοῦντας κακά (6)
34 (35). 5. ὡσεὶ χοῦς κατὰ πρόσωπον ἀνέμου (15 *c*)
37 (38). 3. ἀπὸ προσώπου τῆς ὀργῆς σου . . . ἀπὸ προσώπου τῶν ἁμαρτιῶν μου (7*a*, 7*a*)
— 5. ἀπὸ προσώπου τῆς ἀφροσύνης μου (7 *a*)
41 (42). 2. καὶ ὀφθήσομαι τῷ πρ. τοῦ θεοῦ (6)
— 5. σωτήριον τοῦ πρ. μου [S^1 σου] (6)
— 11. ἡ σωτηρία [A S^2 σωτήριον] τοῦ πρ. μου (6)
42 (43). 5. σωτήριον τοῦ πρ. μου (6)
43 (44). 3. καὶ ὁ φωτισμὸς τοῦ πρ. σου (6)
— 15. ἡ αἰσχύνη τοῦ πρ. μου ἐκάλυψέ με (6)
— 16. ἀπὸ προσώπου [S^1 φόβου] ἐχθροῦ (7 *a*)
— 24. ἵνα τί τὸ [A *om.*] πρ. σου ἀποστρέφεις (6)
44 (45). 12. τὸ πρ. σου λιτανεύσουσιν (6)
Ps. 45 (46). 5. βοηθήσει αὐτῇ ὁ θ. τῷ πρ. [A B^3 S^2 *al.*] †
49 (50). 21. B S^1 παραστήσω κατὰ πρόσωπόν σου [S^2 σου τὰς ἁμαρτίας σου] (15 *k*)
50 (51). 9. ἀπόστρεψον τὸ πρ. σου (6)
— 11. μὴ ἀπορρίψῃς με ἀπὸ τοῦ πρ. σου (7 *c*)
54 (55). 21. ἀπὸ ὀργῆς τοῦ πρ. αὐτοῦ (5)
56 (57). *tit.* ἐν τῷ αὐτὸν ἀποδιδράσκειν ἀπὸ προσώπου Σαούλ (7 *a*)
— 6. ὤρυξαν πρὸ προσώπου μου βόθρον (18 *a*)
59 (60). 4. τοῦ φυγεῖν ἀπὸ προσώπου τόξου (7 *a*)
60 (61). 3. πύργος ἰσχύος ἀπὸ προσώπου ἐχθροῦ (7 *a*)
66 (67). 1. ἐπιφάναι τὸ πρ. αὐτοῦ ἐφ' ἡμᾶς (6)
67 (68). 1. φυγέτωσαν οἱ μισοῦντες αὐτὸν ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 *a*)
— 2. ὡς τήκεται κηρὸς ἀπὸ προσώπου πυρὸς οὕτως ἀπόλοιντο οἱ ἁμαρτωλοὶ ἀπὸ προσώπου τοῦ θεοῦ (7 *a*, 7 *a*)
— 4. ταραχθήσονται ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 *f* ?)
— 8. οἱ οὐρανοὶ ἔσταξαν ἀπὸ προσώπου τοῦ θεοῦ (7 *a*)
— 8. A B S^2 ἀπὸ προσώπου τοῦ θεοῦ Ἰσραήλ (7 *a*)
68 (69). 7. ἐκάλυψεν ἐντροπὴ τὸ πρ. μου (6)
— 17. B^2 S R μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. σου (6)
— 29. B S^1 ἡ σωτηρία τοῦ πρ. [S^2 *om.* τοῦ πρ.] σου ἀντελάβετό μου –
77 (78). 55. ἐξέβαλεν ἀπὸ προσώπου αὐτῶν ἔθνη (7 *a*)
79 (80). 3, 7. ἐπίφανον τὸ πρ. σου (6)
— 16. ἀπὸ ἐπιτιμήσεως τοῦ πρ. σου ἀπολοῦνται (6)
— 19. ἐπίφανον τὸ πρ. σου (6)
81 (82). 2. πρόσωπα ἁμαρτωλῶν λαμβάνετε (6)
82 (83). 13. ὡς καλάμην κατὰ πρόσωπον ἀνέμου [S^1 πυρός] (15 *c*)
— 16. A πλήρωσον τὰ πρ. αὐ. ἀτιμίας καὶ ζητήσουσι τὸ πρ. [B S ὄνομά] σου (6, †)
83 (84). 9. ἐπίβλεψον ἐπὶ τὸ πρ. τοῦ χριστοῦ σου (14 *g*)
87 (88). 14. ἀποστρέφεις τὸ πρ. σου ἀπ' ἐμοῦ (6)
88 (89). 14. ἔλεος καὶ ἀλήθεια προπορεύσονται πρὸ προσώπου σου (18 *f*)
— 15. ἐν τῷ φωτὶ τοῦ πρ. σου πορεύσονται (6)
— 23. συγκόψω ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ τοὺς ἐχθροὺς αὐτοῦ [A μου] (7 *a*)
89 (90). 8. εἰς φωτισμὸν τοῦ πρ. σου (6)
94 (95). 2. προφθάσωμεν τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
95 (96). 9. σαλευθήτω ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ πᾶσα ἡ γῆ (7 *a*)
— 13. ἀγαλλιάσονται . . . πρὸ [A S^2 ἀπὸ] προσώπου κυρίου (18 *a* [7 *f*])
96 (97). 5. ἐτάκησαν ἀπὸ προσώπου κυρίου ἀπὸ προσώπου κυρίου [S *om.*] πάσης τῆς γῆς (7 *c*, 7 *c*)
97 (98). 8. A S^2 ἀπὸ προσώπου κυρίου (7 *f*)
101 (102). 2. μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. σου ἀπ' ἐμοῦ (6)
— 10. ἀπὸ προσώπου τῆς ὀργῆς σου (7 *a*)
103 (104). 15. τοῦ ἱλαρῦναι πρόσωπον ἐν ἐλαίῳ (6)
— 29. ἀποστρέψαντος δέ σου τὸ πρ. (6)
— 30. ἀνακαινιεῖς τὸ πρ. τῆς γῆς (6)
104 (105). 4. ζητήσατε τὸ πρ. αὐτοῦ διὰ παντός (6)
113 (114). 7. ἀπὸ προσώπου κυρίου ἐσαλεύθη ἡ γῆ ἀπὸ προσώπου τοῦ θεοῦ Ἰ. (7 *c*, 7 *c*)
118 (119). 58. ἐδεήθην τοῦ πρ. σου (6)
— 135. τὸ πρ. σου ἐπίφανον ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου (6)
131 (132). 10. μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. τοῦ χριστοῦ σου (6)
138 (139). 7. ἀπὸ τοῦ [S *om.*] πρ. σου ποῦ φύγω (7 *a*)
139 (140). 13. A S^2 κατοικήσουσιν εὐθεῖς σὺν [B S^1 ἐν] τῷ πρ. σου (6)
142 (143). 7. μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. σου ἀπ' ἐμοῦ (6)
147. 6 (17). κατὰ πρόσωπον ψύχους αὐτοῦ (15 *c*)
Pr. 2. 6. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ γνῶσις καὶ σύνεσις (5)
4. 3. ἀγαπώμενος ἐν προσώπῳ μητρός (11)
7. 13. ἀναιδεῖ δὲ προσώπῳ προσεῖπεν αὐτῷ (6)
— 15. ποθοῦσα τὸ σὸν πρ. εὕρηκά σε (6)
8. 30. εὐφραινόμην ἐν προσώπῳ αὐτοῦ (11)
15. 13. καρδίας εὐφραινομένης πρόσωπον θάλλει (6)
17. 24. πρόσωπον συνετὸν ἀνδρὸς σοφοῦ (6)
18. 5. θαυμάσαι πρόσωπον ἀσεβοῦς οὐ καλόν (6)
19. 6. πολλοὶ θεραπεύουσι πρόσωπα βασιλέων (6)
21. 29. ἀσεβὴς ἀνὴρ ἀναιδῶς ὑφίσταται προσώπῳ (6)
22. 26. μὴ δίδου σεαυτὸν εἰς ἐγγύην αἰσχυνόμενος πρόσωπον –
24. 38 (23). A B αἰδεῖσθαι πρόσωπον ἐν κρίσει οὐ καλόν (6)
25. 5. κτεῖνε ἀσεβεῖς ἐκ προσώπου βασιλέως (9 *e*)
Pr. 25. 7. ἢ ταπεινῶσαί [S -ωθῆναί] σε ἐν προσώπῳ δυνάστου (11)
— 23. πρόσωπον δὲ ἀναιδὲς γλῶσσαν ἐρεθίζει (6)
27. 17. ἀνὴρ δὲ παροξύνει πρόσωπον ἑταίρου (6)
— 19. ὥσπερ οὐκ ὅμοια πρόσωπα προσώποις (6, 6)
28. 21. ὃς οὐκ αἰσχύνεται πρόσωπα δικαίων (6)
29. 5. ὃς παρασκευάζεται ἐπὶ πρόσωπον τοῦ ἑαυτοῦ φίλου †
— 26. πολλοὶ θεραπεύουσι πρόσωπα ἡγουμένων (6)
Ec. 2. 26. πρὸ προσώπου αὐτοῦ ἔδωκε σοφίαν (18 *a*)
— 26. τοῦ δοῦναι τῷ ἀγαθῷ πρὸ προσώπου τοῦ θεοῦ (18 *a*)
3. 14. ἵνα φοβηθῶσιν ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 *c*)
5. 1. τοῦ ἐξενέγκαι λόγον πρὸ προσώπου τοῦ θεοῦ (18 *a*)
— 5. μὴ εἴπῃς πρὸ προσώπου [S τὸ πρ.] τοῦ θεοῦ (18 *a* [6])
7. 4 (3). A S ἐν κακίᾳ προσώπου ἀγαθυνθήσεται καρδία [B *om.*] (6)
— 27 (26). ἀγαθὸς πρὸ προσώπου τοῦ θεοῦ ἐξαιρεθήσεται ἀπ' αὐτῆς (18 *a*)
8. 1. σοφία ἀνθρώπου φωτεῖ πρόσωπον [S τὸ πρ.] αὐτοῦ [A *om.*] (6)
— 1. ἀναιδὴς προσώπῳ αὐτοῦ μισηθήσεται (6)
— 3. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ πορεύσῃ (7 *a*)
— 12. ὅπως φοβῶνται ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 *c*)
— 13. ὃς οὐκ ἔστι φοβούμενος ἀπὸ προσώπου τοῦ θεοῦ (7 *c*)
9. 2 (1). τὰ πάντα πρὸ προσώπου [S^1 πρὸς πρόσωπον] αὐτῶν (18 *a* [6])
10. 5. ἐξῆλθεν ἀπὸ προσώπου ἐξουσιάζοντος (7 *c*)
— 10. αὐτὸς πρόσωπον ἐτάραξε (6)
11. 1. A B^2 S R ἀπόστειλον τὸν ἄρτον σου ἐπὶ πρόσωπον τοῦ ὕδατος (14 *b*)
Ca. 7. 4 (5). σκοπεύων πρόσωπον Δαμασκοῦ (6)
Wi. 4. 19. B^2 ῥήξει αὐτοὺς ἀφώνους πρηνεῖς ἐπὶ πρόσωπον [A B^1 S R *om.* ἐ. πρ.]
5. 1. στήσεται . . . κατὰ πρόσωπον τῶν θλιψάντων αὐτόν
6. 7. οὐ γὰρ ὑποστελεῖται πρόσωπον ὁ πάντων δεσπότης
17. 4. φάσματα ἀμειδητοῖς κατηφῆ προσώποις ἐνεφανίζετο
Si. 4. 4. μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. σου ἀπὸ πτωχοῦ
— 22. μὴ λάβῃς πρόσωπον κατὰ τῆς ψυχῆς σου
— 27. μὴ λάβῃς πρόσωπον δυνάστου
6. 12. ἀπὸ τοῦ πρ. σου κρυβήσεται
7. 6. μή ποτε εὐλαβηθῇς ἀπὸ προσώπου δυνάστου
— 24. μὴ ἱλαρώσῃς πρὸς αὐτὰς [A -ὰ] τὸ πρ. σου
8. 11. μὴ ἐξαναστῇς ἀπὸ προσώπου ὑβριστοῦ
10. 5. προσώπῳ γραμματέως ἐπιθήσει δόξαν αὐτοῦ
12. 18. ἀλλοιώσει τὸ πρ. αὐτοῦ
13. 25. καρδία ἀνθρώπου ἀλλοιοῖ τὸ πρ. αὐτοῦ
— 26. ἴχνος καρδίας ἐν ἀγαθοῖς πρόσωπον ἱλαρόν
14. 8. ἀποστρέφων πρόσωπον καὶ ὑπερορῶν ψυχάς
16. 30. ἐκάλυψε τὸ πρ. αὐτῆς
17. 25. δεήθητι κατὰ πρόσωπον
18. 24. ἐν ἀποστροφῇ προσώπου
19. 11. ἀπὸ προσώπου λόγου ὠδινήσει μωρὸς ὡς ἀπὸ προσώπου βρέφους ἡ τίκτουσα
— 27. συγκύφων πρόσωπον καὶ ἑτεροκωφῶν
— 29. ἀπὸ ἀπαντήσεως προσώπου
20. 22. ἀπὸ ἄφρονος προσώπου ἀπολεῖ αὐτήν
21. 2. ὡς ἀπὸ προσώπου ὄφεως φεῦγε ἀπὸ ἁμαρτίας
— 22. αἰσχυνθήσεται ἀπὸ προσώπου
22. 25. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ οὐ μὴ κρυβῷ
25. 17. σκοτοῖ τὸ πρ. αὐτῆς ὡς σάκκον [A S ἄρκος]
— 23. καρδία ταπεινὴ καὶ πρόσωπον σκυθρωπόν
26. 4. ἐν παντὶ καιρῷ πρόσωπον ἱλαρόν
— 5. ἐπὶ τῷ τετάρτῳ προσώπῳ ἐδεήθην
— 17. κάλλος προσώπου ἐπὶ ἡλικίᾳ στασίμῳ
29. 27. ἐξελθε, πάροικε, ἀπὸ προσώπου δόξης
31 (34). 3. κατέναντι προσώπου ὁμοίωμα προσώπου
32 (35). 4. μὴ ὀφθῇς ἐν προσώπῳ κυρίου κενός
— 9. ἐν πάσῃ δόσει ἱλάρωσον τὸ πρ. σου
— 12. οὐκ ἔστι παρ' αὐτῷ δόξα προσώπου
— 13. οὐ λήψεται πρόσωπον ἐπὶ πτωχοῦ
34 (31). 6. ἐγενήθη ἀπώλεια αὐ. κατὰ πρόσωπον αὐ.
— 13. ἀπὸ παντὸς προσώπου δακρύει
36. 27 (24). κάλλος γυναικὸς ἱλαρύνει πρόσωπον
38. 8. εἰρήνη παρ' αὐτοῦ ἐστιν ἐπὶ προσώπου τῆς γῆς
40. 6. ὡς ἐκπεφευγὼς ἀπὸ προσώπου πολέμου
41. 20. ἀπὸ ἀποστροφῆς προσώπου συγγενοῦς
42. 1. μὴ λάβῃς πρόσωπον τοῦ ἁμαρτάνειν
45. 3. ἐδόξασεν αὐτὸν κατὰ πρόσωπον βασιλέων

Si. 45. 5. ἔδωκεν αὐτῷ κατὰ πρόσωπον ἐντολάς
50. 17. ἔπεσαν ἐπὶ πρόσωπον ἐπὶ τὴν γῆν
Ho. 2. 2 (4). ἐξαρῶ τὴν πορνείαν αὐ. ἐκ πρόσ-
ώπου μου (9 *d*)
5. 5. ταπεινωθήσεται ἡ ὕβρις τοῦ Ἰσρ. εἰς
πρόσωπον αὐτοῦ (8 *e*)
— 15. ζητήσουσι [A ἐπιζ.] τὸ πρ. μου (6)
7. 2. ἀπέναντι τοῦ πρ. μου ἐγένοντο (6)
— 10. ταπεινωθήσεται ἡ ὕβρις Ἰσρ. εἰς πρόσ-
ωπον αὐτοῦ (8 *e*)
10. 7. ὡς φρύγανον ἐπὶ προσώπου [A -ον]
ὕδατος (12 [14 *b*])
— 15. ἀπὸ προσώπου ἀδικίας [A *om.*] κακιῶν
ὑμῶν (7 *a*)
11. 2. ἀπῴχοντο ἐκ προσώπου μου (9 *d*)
Am. 2. 9. ἐξῆρα τὸν Ἀμ. ἐκ προσώπου αὐτῶν (9 *d*)
5. 8. ἐκχέων αὐτὸ ἐπὶ πρόσωπον [A -ου] τῆς
γῆς (14 *b* [12])
— 19. ἐὰν φύγῃ ἄνθρωπος ἐκ προσώπου τοῦ
λέοντος (9 *d*)
9. 4. ἐὰν πορευθῶσιν . . . πρὸ προσώπου τῶν
ἐχθρῶν αὐ. (18 *a*)
— 4. A στηριῶ τὸ πρ. [B τοὺς ὀφθ.] μου ἐπ'
αὐτούς (4)
— 6. ἐκχέων αὐτὸ ἐπὶ πρόσωπον [A -ου] τῆς
γῆς (14 *b* [12])
— 8. ἐξαρῶ αὐτὴν ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς (7 *b*)
Mi. 1. 4. ὡς κηρὸς ἀπὸ προσώπου πυρός (7 *a*)
2. 13. διὰ τῆς διακοπῆς πρὸ προσώπου αὐτῶν (18 *a*)
— 13. ἐξῆλθεν ὁ βασ. αὐ. πρὸ προσώπου
αὐτῶν (18 *a*)
3. 4. ἀποστρέψει τὸ πρ. αὐ. ἀπ' αὐτῶν (6)
6. 4. ἐξαπέστειλα πρὸ προσώπου σου τὸν Μ. (18 *a*)
Jl. 2. 3. ὡς παράδεισος τρυφῆς ἡ γῆ πρὸ προσ-
ώπου αὐτοῦ (18 *a*)
— 6. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ συντριβήσονται λαοί (7 *a*)
— 6. πᾶν πρ. ὡς πρόσκαυμα χύτρας (6)
— 10. πρὸ προσώπου αὐ. συγχυθήσεται ἡ γῆ (18 *a*)
— 11. πρὸ προσώπου δυνάμεως αὐτοῦ (18 *a*)
— 20. ἀφανιῶ τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
Jn. 1. 3. τοῦ φυγεῖν εἰς Θ. ἐκ [A S ἀπὸ] προσώ-
που κυρίου (9 *a* [7 *c*])
— 3. ἐκ προσώπου κυρίου (9 *a*)
— 10. ἐκ προσώπου κυρίου ἦν φεύγων (9 *a*)
Na. 1. 5. ἀνεστάλη ἡ γῆ ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 *a*)
— 6. ἀπὸ προσώπου ὀργῆς αὐτοῦ (7 *f*)
2. 1 (2). ἀνέβη ἐμφυσῶν εἰς πρόσωπόν σου (8 *d*)
— 10 (11). τὸ πρ. πάντων ὡς πρόσκαυμα
χύτρας (6)
3. 5. ἀποκαλύψω τὰ ὀπίσω σου ἐπὶ τὸ [A *om.*]
πρ. σου (14 *b*)
Hb. 1. 9. ἀνθεστηκότας προσώποις αὐ. ἐξ ἐναντίας (6)
2. 20. A S R εὐλαβείσθω ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ
[B *om.*] (7 *a*)
3. 5. πρὸ προσώπου αὐτοῦ πορεύσεται λόγος (18 *a*)
Ze. 1. 2. ἐκλιπέτω ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς (7 *b*)
— 3. ἐξαρῶ τοὺς ἀνόμους ἀπὸ προσώπου τῆς
γῆς (7 *b*)
— 7. εὐλαβεῖσθε ἀπὸ προσώπου κ. τοῦ θεοῦ (7 *a*)
2. 7. καταλύσουσιν ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰ. –
Hg. 1. 12. ἐφοβήθη ὁ λαὸς ἀπὸ προσώπου κυρίου (7 *a*)
2. 15 (14). ἀπὸ προσώπου πόνων [S² -νηριῶν] αὐ. –
Za. 2. 13 (17). εὐλαβείσθω πᾶσα σὰρξ ἀπὸ
προσώπου κυρίου (7 *a*)
3. 1. ἑστῶτα πρὸ προσώπου ἀγγέλου κυρίου (18 *a*)
— 4 (3). εἱστήκει πρὸ προσώπου τοῦ ἀγγέλου (18 *a*)
— 5 (4). πρὸς τοὺς ἑστηκότας πρὸ προσώπου
αὐτοῦ (18 *a*)
— 9 (8). οἱ καθήμενοι πρὸ προσώπου [A S
add. σου] (18 *a*)
— 10 (9). ὃν ἔδωκα πρὸ προσώπου Ἰ. (18 *a*)
4. 7. τὸ ὄρος τὸ μέγα τὸ πρὸ προσώπου Ζ. (18 *a*)
5. 3. ἐπὶ πρόσωπον [A -ου] πάσης τῆς γῆς (14 *b* [12])
8. 21. δεηθῆναι τοῦ πρ. κυρίου (6)
— 21. ἐκζητῆσαι τὸ πρ. κυρίου παντοκράτορος –
— 22. ἐκζητῆσαι τὸ πρόσωπον κυρίου –
— 22. ἐξιλάσασθαι τὸ πρ. κυρίου (6)
14. 5. S³ ἀπὸ προσώπου [A B S¹ ἐν ταῖς ἡμέ-
ραις] τοῦ σεισμοῦ (7 *a*)
— 20. ὡς φιάλαι πρὸ προσώπου τοῦ θυσιαστ. (18 *a*)
Ma. 1. 8. εἰ λήψεται πρόσωπόν σου (6)
— 9. ἐξιλάσκεσθε τὸ πρ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (6)
— 9. εἰ λήψομαι [S¹ -ονται] ἐξ ὑμῶν πρόσωπα
ὑμῶν (6)
2. 3. σκορπιῶ ἔνυστρον ἐπὶ τὰ πρ. ὑμῶν [S¹
om. ἐ. τὰ πρ. ὑ.] (6)
Ma. 2. 5. ἀπὸ προσώπου ὀνόματός μου (7 *a*)
— 9. ἐλαμβάνετε πρόσωπα ἐν νόμῳ (6)
3. 1. ἐπιβλέψεται ὁδὸν πρὸ προσώπου μου (18 *a*)
— 14. πρὸ προσώπου κυρίου π. (18 *c*)
Is. 2. 10, 19, 21. ἀπὸ προσώπου τοῦ φόβου (7 *a*)
3. 9. ἡ αἰσχύνη τοῦ πρ. αὐτῶν ἀντέστη αὐτοῖς (6)
— 15. τὸ πρ. τῶν πτωχῶν καταισχύνετε (6)
— 19. ἀφελεῖ . . . τὸν κόσμον τοῦ πρ. αὐτῶν –
6. 2. ταῖς μὲν δυσὶ κατεκάλυπτον τὸ πρ. (6)
7. 16. καταλειφθήσεται ἡ γῆ . . . ἀπὸ προσώπου
τῶν δύο βασιλέων [A πρ. αὐτῶν] (7 *a*)
8. 17. τὸν θ. τὸν ἀποστρέψαντα τὸ πρ. αὐ. (6)
9. 15 (14). καὶ τοὺς τὰ πρ. θαυμάζοντας (6)
13. 8. τὸ πρ. αὐτῶν ὡς φλὸξ μεταβαλοῦσιν (6)
16. 4. ἔσονται σκέπη ὑμῖν ἀπὸ προσώπου διώ-
κοντος (7 *a*)
17. 9. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱῶν Ἰσραήλ (7 *a*)
19. 1. σεισθήσεται τὰ χειροποίητα Αἰγ. ἀπὸ
προσώπου αὐτοῦ (7 *a*)
— 16. ἐν τρόμῳ ἀπὸ προσώπου τῆς χειρὸς
κυρίου σαβαώθ (7 *a*)
23. 17. B ἐπὶ πρόσωπον τῆς γῆς (14 *b*)
24. 1. ἀνακαλύψει τὸ πρ. αὐτῆς (6)
25. 8. ἀφεῖλε κ. ὁ θεὸς πᾶν δάκρυον ἀπὸ παντὸς
προσώπου (6)
28. 25. ὅταν ὁμαλίσῃ τὸ πρ. αὐτῆς (6)
29. 22. οὐδὲ νῦν τὸ πρ. μεταβαλεῖ (6)
30. 28. λήψεται αὐτοὺς κατὰ πρ. αὐτῶν †
31. 8. φεύξεται οὐκ ἀπὸ προσώπου μαχαίρας
[A διώκοντος] (7 *a*)
34. 15. εἶδον τὰ πρ. ἀλλήλων †
36. 9. πῶς δύνασθε ἀποστρέψαι εἰς πρ. τῶν
τοπαρχῶν [A ἀ. τὸ πρ. τοπάρχου
ἑνός] (8 *a* [6])
38. 2. ἀπέστρεψεν Ἐζεκίας τὸ πρ. αὐ. (6)
49. 23. ἐπὶ πρόσωπον τῆς γῆς προσκυνήσουσί
σοι (14 *a*)
50. 6. τὸ δὲ πρ. μου οὐκ ἀπέστρεψα (6)
— 7. ἔθηκα τὸ πρ. μου ὡς στερεὰν πέτραν (6)
51. 13. ἐφόβου ἀεὶ . . . τὸ πρ. [S τοῦ πρ.] τοῦ
θυμοῦ τοῦ θλίβοντός σε (6)
52. 12. S προπορεύσεται [A πορ.] γὰρ πρὸ
προσώπου [A B πρότερος] ὑμῶν κ. (18 *a*)
53. 3. ἀπέστραπται τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
54. 8. ἀπέστρεψα τὸ πρ. μου ἀπὸ σοῦ (6)
57. 1. ἀπὸ γὰρ προσώπου ἀδικίας ᾖρται ὁ
δίκαιος (7 *a*)
— 14. καθαρίσατε ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ ὁδούς †
— 17. ἀπέστρεψα τὸ πρ. μου ἀπ' αὐτοῦ –
59. 2. ἀπέστρεψε τὸ πρ. [A S² *add.* αὐτοῦ] (6)
62. 11. τὸ ἔργον αὐτοῦ πρὸ προσώπου αὐτοῦ (18 *a*)
63. 12. κατίσχυσεν ὕδωρ ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 *a*)
64. 2 (1). A R ὡς κηρὸς ἀπὸ προσώπου [B S
om.] πυρὸς τήκεται . . . ἀπὸ προσώ-
που σου ἔθνη ταραχθήσονται (–, 7 *a*)
— 7 (6). ἀπέστρεψας τὸ πρ. σου ἀφ' ἡμῶν (6)
Je. 1. 8. μὴ φοβηθῇς ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 *a*)
— 13. A B S² τὸ πρ. αὐτοῦ ἀπὸ προσώπου
βορρᾶ (6, 7 *a*)
— 14. ἀπὸ προσώπου βορρᾶ ἐκκαυθήσεται τὰ
κακά –
— 15. A ἀπὸ προσώπου [B S *om.*] βορρᾶ τῆς
γῆς –
— 17. μὴ φοβηθῇς ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 *a*)
2. 27. ἔστρεψαν ἐπ' ἐμὲ νῶτα καὶ οὐ πρόσωπα
αὐτῶν (6)
3. 12. οὐ στηριῶ τὸ πρ. μου ἐφ' ὑμᾶς (6)
4. 1. ἀπὸ τοῦ πρ. μου [A ἀπὸ πρ. αὐτοῦ]
εὐλαβηθῇ (7 *a*)
— 4. ἀπὸ προσώπου πονηρίας ἐπιτηδευμάτων
ὑμῶν (7 *a*)
— 26. ἀπὸ προσώπου κυρίου καὶ ἀπὸ προσώ-
που ὀργῆς θυμοῦ αὐτοῦ (7 *a*, 7 *a*)
5. 3. ἐστερέωσαν [A -ώθησαν] τὰ πρ. αὐ. (6)
— 22. ἀπὸ προσώπου μου οὐκ εὐλαβηθήσεσθε (7 *a*)
6. 7. ταλαιπωρία ἀκουσθήσεται ἐν αὐτῇ ἐπὶ
πρόσωπον αὐτῆς (14 *b*)
7. 12. ἃ ἐποίησα αὐτῷ ἀπὸ προσώπου κακίας
λαοῦ μου (7 *a*)
— 15. ἀπορρίψω ὑμᾶς ἀπὸ προσώπου μου (7 *b*)
— 19. ὅπως καταισχυνθῇ τὰ πρ. αὐτῶν (6)
8. 2. ἔσονται εἰς παράδειγμα ἐπὶ προσώπου
[S -ου] τῆς γῆς (12 [14 *b*])
9. 7 (6). ποιήσω ἀπὸ προσώπου πονηρίας [S
τῆς] θυγατρὸς λαοῦ μου (7 *a*)
— 13 (12). ὃν ἔδωκα πρὸ προσώπου αὐτῶν (18 *a*)
Je. 9. 22 (21). εἰς παράδειγμα ἐπὶ προσώπου
τοῦ πεδίου τῆς γῆς ὑμῶν (12)
— 26 (25). ἐπὶ πάντα περικειρόμενον τὰ [S
om.] κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (16 [15 *o*])
10. 2. φοβοῦνται αὐτὰ τοῖς πρ. αὐτῶν †
13. 17. κλαύσεται ἡ ψυχὴ ὑμῶν ἀπὸ προσώπου
ὕβρεως (7 *a*)
— 26. ἀποκαλύψω τὰ ὀπίσω σου ἐπὶ τὸ [A
ὀπίσθιά σ. κατὰ] πρ. σου (14 *b* [15 *b*])
14. 16. ἀπὸ προσώπου μαχαίρας καὶ τοῦ λιμοῦ (7 *a*)
15. 1. ἐὰν στῇ . . . πρὸ προσώπου μου (18 *a*)
— 17. εὐλαβούμην ἀπὸ προσώπου χειρός σου (7 *a*)
— 19. πρὸ προσώπου μου στήσῃ (18 *a*)
16. 4. εἰς παράδειγμα ἐπὶ προσώπου τῆς γῆς
ἔσονται (12)
— 17. S¹ οὐκ ἐκρύβησαν ἀπὸ προσώπου μου (7 *c*)
17. 16. τὰ ἐκπορευόμενα διὰ τῶν χειλέων μου
πρὸ προσώπου σού ἐστι (6)
18. 17. διασπερῶ αὐτοὺς κατὰ πρόσωπον ἐχθρῶν
αὐτῶν (15 *c*)
— 20. μνήσθητι ἑστηκότος μου κατὰ πρόσωπόν
σου (15 *c*)
— 23. τὰς ἁμαρτίας [A *add.* τῶν πατέρων]
αὐτῶν ἀπὸ προσώπου σου μὴ ἐξα-
λείψῃς (7 *c*)
21. 8. δέδωκα πρὸ προσώπου ὑμῶν τὴν ὁδὸν
τῆς ζωῆς (18 *a*)
— 10. ἐστήρικα τὸ πρ. μου ἐπὶ τὴν πόλιν
ταύτην εἰς κακά (6)
22. 25. ὧν σὺ εὐλαβῇ ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 *a*)
23. 9. ἀπὸ προσώπου κυρίου καὶ ἀπὸ προσώπου
εὐπρεπείας δόξης αὐτοῦ (7 *a*, 7 *a*)
— 10. ἀπὸ προσώπου τούτων ἐπένθησεν ἡ γῆ (7 *a*)
24. 1. κειμένους κατὰ πρόσωπον ναοῦ κ. (15 *c*)
26 (46). 16. ἀπὸ προσώπου μαχαίρας Ἑλλ. (7 *a*)
27 (50). 5. ὧδε γὰρ τὸ πρ. αὐτῶν δώσουσι (6)
— 8. ὥσπερ δράκοντες κατὰ πρόσωπον προ-
βάτων (15 *c*)
— 16. ἀπὸ προσώπου μαχαίρας Ἑλληνικῆς (7 *a*)
— 44. στήσεται κατὰ πρ. μου (15 *c*)
28 (51). 51. κατεκάλυψεν ἀτιμία τὸ πρ. ἡμῶν (6)
— 64. A S R οὐ μὴ ἀναστῇ ἀπὸ προσώπου τῶν
κακῶν [B Χαλδαίων] (7 *a*)
29 (49). 19. ὃς στήσεται κατὰ πρόσωπόν μου (15 *c*)
30 (49). 5. διασπαρήσεσθε ἕκαστος εἰς πρόσ-
ωπον αὐτοῦ (8 *c*)
— 10 (49. 32). κεκαρμένους [A B¹ κεκραμ.] πρὸ
προσώπου αὐτῶν (18 *e*)
31 (48). 44. ὁ φεύγων ἀπὸ προσώπου τοῦ φόβου (7 *a*)
32 (25). 16. μανήσονται ἀπὸ προσώπου τῆς
μαχαίρας (7 *a*)
— 23. πᾶν περικεκαρμένον κατὰ πρόσωπον αὐ. (15 *o*)
— 26. πάσας βασιλείας τὰς ἐπὶ προσώπου τῆς
γῆς (12)
— 27. S¹ οὐ μὴ ἀναστῆτε ἀπὸ προσώπου τῆς
μαχαίρας ἧς ἐγὼ ἀποστέλλω ἀπὸ
προσώπου [A B S² ἀνὰ μέσον]
ὑμῶν (7 *a*, †)
— 33. ἐπὶ προσώπου τῆς γῆς ἔσονται (12)
— 37. παύσεται . . . ἀπὸ προσώπου ὀργῆς
θυμοῦ μου (7 *a*)
— 38. ἀπὸ προσώπου τῆς μαχαίρας τῆς μεγάλης (7 *a*)
33 (26). 4. οἷς ἔδωκα κατὰ πρόσωπον ὑμῶν (15 *c*)
— 19. ἐδεήθησαν τοῦ πρ. κυρίου [A αὐτοῦ] (6)
35 (28). 16. ἐξαποστέλλω σε ἀπὸ προσώπου
τῆς γῆς (7 *b*)
37 (30). 6. ἐστράφησαν πρόσωπα εἰς ἴκτερον (6)
— 20. τὰ μαρτύρια αὐ. κατὰ πρόσωπόν μου
ὀρθωθήσεται (15 *c*)
38 (31). 36. ἐὰν παύσωνται οἱ νόμοι οὗτοι ἀπὸ
προσώπου μου . . . καὶ τὸ γένος Ἰσρ.
παύσεται γενέσθαι ἔθνος κατὰ πρόσ-
ωπόν μου (7 *c*, 15 *c*)
39 (32). 24. ἀπὸ προσώπου μαχαίρας (7 *a*)
— 31. ἀπαλλάξαι αὐτὴν ἀπὸ προσώπου μου (7 *b*)
— 33. ἀπέστρεψαν πρὸς μὲ νῶτον καὶ οὐ πρόσ-
ωπον (6)
40 (33). 5. ἀπέστρεψα τὸ πρ. μου ἀπ' αὐτῶν (6)
41 (34). 15. συνετέλεσαν διαθήκην κατὰ πρόσ-
ωπόν μου [S¹ *om.* κ. πρ. μ.] (15 *c*)
— 18. ἣν ἐποίησαν κατὰ πρόσωπόν μου (15 *c*)
42 (35). 5. ἔδωκα κατὰ πρόσωπον αὐτῶν κερά-
μιον οἴνου (15 *c*)
— 11. B S² ἀπὸ προσώπου τῆς δυνάμεως τῶν Χ. (7 *a*)
— 11. ἀπὸ προσώπου τῆς δυνάμεως τῶν Ἀσσ. (7 *a*)
— 19. παρεστηκὼς κατὰ πρόσωπόν μου (15 *c*)

Je. 43 (36). 7. ἴσως πεσεῖται ἔλεος αὐτῶν κατὰ πρόσωπον κυρίου (15 c)
— 9. ἐξεκκλησίασαν νηστείαν κατὰ πρόσωπον κυρίου (15 c)
— 22. ἐσχάρα πυρὸς κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (15 c)
44 (37). 11. ἀπὸ προσώπου τῆς δυνάμεως Φ. (7 a)
— 20. πεσέτω τὸ ἔλεός μου κατὰ πρόσωπόν σου (15 c)
45 (38). 9. τοῦ ἀποκτεῖναι τὸν ἄνθρωπον τοῦτον ἀπὸ προσώπου τοῦ λιμοῦ (7 a)
46 (39). 17. ὧν σὺ φοβῇ ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 a)
47 (40). 9. μὴ φοβηθῆτε ἀπὸ προσώπου τῶν παίδων τῶν Χαλδαίων †
— 10. στῆναι κατὰ πρόσωπον τῶν Χ. (15 c)
48 (41). 9. ὃ ἐποίησεν ... ἀπὸ προσώπου Βαασά [S om.] (7 a)
— 17 (18). τοῦ πορευθῆναι ... ἀπὸ προσώπου τῶν Χαλδαίων (7 a)
— 18. ἐφοβήθησαν ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 a)
49 (42). 2. πεσέτω δὴ τὸ ἔλεος ἡμῶν κατὰ πρόσωπόν σου (15 c)
— 11. μὴ φοβηθῆτε ἀπὸ προσώπου βασιλέως Βαβυλῶνος ... οὗ ὑμεῖς φοβεῖσθε ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 a, 7 a)
— 15. ἐὰν ὑμεῖς δῶτε τὸ πρ. ὑμῶν εἰς Αἴγυπτον (6)
— 16. ἡν ὑμεῖς φοβεῖσθε ἀπὸ προσώπου αὐτῆς ... οὗ ὑμεῖς λόγον ἔχετε ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ –, –
— 17. οἱ θέντες τὸ πρ. αὐτῶν εἰς γῆν Αἰγύπτου (6)
51 (44). 3. ἀπὸ προσώπου πονηρίας αὐτῶν (7 a)
— 10. ὧν ἔδωκα κατὰ πρόσωπον τῶν πατέρων αὐ. (15 c)
— 11. ἐφίστημι τὸ πρ. μου (6)
— 22. ἀπὸ προσώπου πονηρίας πραγμάτων ὑμῶν (7 a)
— 23. ἀπὸ προσώπου ὧν ἐθυμιᾶτε (7 a)
52. 12. ἑστηκὼς κατὰ πρόσωπον τοῦ βασ. (15 c)
— 25. τοὺς [S om.] ἐν προσώπῳ τοῦ βασ. (6)
— 33. ἤσθιεν ἄρτον διὰ παντὸς κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (15 c)
Ba. 1. 15. ἡμῖν δὲ αἰσχύνη τῶν πρ.
— 18. οἷς ἔδωκε κατὰ πρόσωπον ἡμῶν
2. 6. ἡμῖν δὲ καὶ τοῖς πατράσιν ἡμῶν ἡ αἰσχύνη τῶν πρ.
— 8. οὐκ ἐδεήθημεν τοῦ πρ. κυρίου
— 10. οἷς ἔδωκε κατὰ πρόσωπον ἡμῶν
— 14. δὸς ἡμῖν χάριν κατὰ πρόσωπον τῶν ἀποικισάντων ἡμᾶς
— 19. καταβάλλομεν τὸν ἔλεον κατὰ πρόσωπόν σου
La. 1. 5. ἐπορεύθησαν ἐν αἰχμαλωσίᾳ κατὰ πρόσωπον [S αἰχ. ἐνώπιον] θλίβοντος (15 c)
— 6. ἐπορεύοντο ἐν οὐκ ἰσχύϊ κατὰ πρόσωπον [A i. ἐνώπιον] διώκοντος (15 c)
— 22. εἰσέλθοι πᾶσα ἡ κακία αὐ. κατὰ πρόσωπόν σου (15 c)
2. 3. ἀπέστρεψεν ... δεξιὰν αὐτοῦ ἀπὸ προσώπου ἐχθροῦ [S¹ om. δ. αὐ. ἀ. πρ. ἐ.] (7 a)
— 19. ἔκχεον ὡς ὕδωρ καρδίαν σου ἀπέναντι προσώπου [S τοῦ πρ.] κυρίου (6)
3. 35. τοῦ ἐκκλῖναι κρίσιν ἀνδρὸς κατέναντι προσώπου ὑψίστου (6)
4. 16. πρ. κυρίου μερὶς αὐτῶν ... πρ. ἱερέων οὐκ ἔλαβον (6, 6)
— 20. πνεῦμα προσώπου ἡμῶν χριστὸς κύριος (2)
5. 9. ἀπὸ προσώπου ῥομφαίας τῆς ἐρήμου (7 a)
— 10. συνεσπάσθησαν ἀπὸ προσώπου καταιγίδων λιμοῦ (7 a)
Ep. Je. 13. ἐκμάσσονται τὸ πρ. αὐτῶν
— 21. οὐκ αἰσθάνονται μεμελανωμένοι τὸ πρ. αὐτῶν
Ez. 1. 6. τέσσαρα πρόσωπα τῷ ἑνί (6)
— 9 (8). καὶ τὰ πρ. αὐτῶν τῶν τεσσάρων (6)
— 9. A καὶ τὰ πρ. αὐ. [B om. κ. τὰ πρ. αὐ.] οὐκ ἐπεστρέφοντο ... ἕκαστον ἀπέναντι [A B¹ κατέν.] τοῦ πρ. αὐτῶν ἐπορεύοντο (†, 6)
— 10. ὁμοίωσις τῶν πρ. αὐτῶν πρ. ἀνθρώπου [A add. αὐτοῖς] καὶ πρ. λέοντος ... καὶ πρ. μόσχου ... καὶ πρ. ἀετοῦ (6 quinquiens)
— 12. ἑκάτερον κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ ἐπορεύετο (15 p)
— 23. A ἐπικαλύπτουσαι τῷ σώματι τὰ πρ. αὐτῶν [B al.] †
2. 1 (1. 28). A² B πίπτω ἐπὶ πρόσωπόν μου (14 b)
— 6. μηδὲ ἐκστῇς ἀπὸ προσώπου αὐτῶν ... ἀπὸ προσώπου αὐτῶν μὴ ἐκστῇς (†, 7 a)
Ez. 3. 8. δέδωκα τὸ πρ. σου δυνατὸν κατέναντι τῶν πρ. αὐτῶν (6, 6)
— 9. μηδὲ πτοηθῇς ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 a)
— 20. δώσω τὴν βάσανον εἰς πρόσωπον αὐτοῦ (8 c)
— 23. πίπτω ἐπὶ πρόσωπόν μου (14 b)
4. 1. θήσεις αὐτὴν πρὸ προσώπου σου (18 a)
— 3. ἑτοιμάσεις τὸ πρ. σου ἐπ' αὐτήν (6)
— 7. ἑτοιμάσεις τὸ πρ. σου (6)
6. 2. στήρισον τὸ πρ. σου ἐπὶ τὰ ὄρη Ἰσραήλ (6)
— 5. A κατὰ πρόσωπον τῶν εἰδώλων αὐ. (15 c)
— 9. κόψονται [A add. τὰ] πρόσωπα αὐτῶν (6)
7. 18. ἐπὶ πᾶν πρ. αἰσχύνη (6)
— 22. ἀποστρέψω τὸ πρ. μου ἀπ' αὐτῶν (6)
8. 11. Ἰεχ. ... εἱστήκει πρὸ προσώπου αὐ. (18 a)
— 16. τὰ πρ. αὐτῶν ἀπέναντι (6)
9. 8. πίπτω ἐπὶ πρόσωπόν μου (14 b)
10. 14. A τέσσαρα πρόσωπα τῷ ἑνί· τὸ πρ. τοῦ ἑνὸς πρ. Χερουβ καὶ τὸ πρ. τοῦ δευτέρου πρ. ἀνθρώπου καὶ τὸ πρ. τοῦ τρίτου πρ. λέοντος καὶ τὸ τέταρτον πρ. ἀετοῦ (6 quinquiens, –, 6, 6)
— 21. τέσσαρα πρόσωπα τῷ ἑνί (6)
— 22. ὁμοίωσις τῶν πρ. αὐ. ταῦτα τὰ πρ. ἐστιν ... αὐτὰ ἕκαστον κατὰ πρόσωπον αὐ. ἐπορεύοντο (6, 6, 15 p)
11. 13. πίπτω ἐπὶ πρόσωπόν μου (14 b)
12. 6. τὸ πρ. σου συγκαλύψεις (6)
— 12. τὸ πρ. αὐτοῦ συγκαλύψει (6)
13. 17. στήρισον τὸ πρ. σου (6)
14. 1. ἐκάθισαν πρὸ προσώπου μου (18 a)
— 3. τὴν κόλασιν τῶν ἀδικιῶν αὐτῶν ἔθηκαν πρὸ προσώπου αὐτῶν (6)
— 4. τὴν κόλασιν τῆς ἀδικίας αὐτοῦ τάξῃ πρὸ προσώπου αὐτοῦ (6)
— 6. ἐπιστρέψατε τὰ πρ. ὑμῶν [A al.] (6)
— 7. τὴν κόλασιν ... τάξῃ πρὸ προσώπου αὐτοῦ (6)
— 8. στηριῶ τὸ πρ. μου (6)
— 15. ὁ διοδεύων ἀπὸ προσώπου τῶν θηρίων (7 a)
15. 7. δώσω [A στηριῶ] τὸ πρ. μου ἐπ' αὐτοὺς ... ἐν τῷ στηρίσαι με τὸ πρ. μου ἐπ' αὐτούς (6, 6)
16. 5. ἀπερρίφης ἐπὶ πρόσωπον τοῦ πεδίου (14 c)
— 18. τὸ θυμίαμά μου ἔθηκας πρὸ προσώπου αὐτῶν (18 a)
— 19. ἔθηκας αὐτὰ πρὸ προσώπου αὐτῶν (18 a)
— 63. ἀπὸ προσώπου τῆς ἀτιμίας σου (7 a)
20. 1. ἐκάθισαν πρὸ προσώπου μου (18 a)
— 35. διακριθήσομαι ... πρόσωπον κατὰ πρόσωπον (6, 6)
— 43. κόψεσθε τὰ πρ. ὑμῶν (6)
— 46 (21. 2). στήρισον τὸ πρ. σου ἐπὶ θαιμάν (6)
— 47 (21. 3). κατακαυθήσεται ἐν αὐτῇ πᾶν πρ. (6)
21. 2 (7). στήρισον τὸ πρ. σου (6)
— 16 (21). οὗ ἂν τὸ πρ. σου ἐξεγείρηται (6)
22. 30. ἐζήτουν ... ἑστῶτα πρὸ προσώπου μου (18 a)
23. 24. δώσω πρὸ προσώπου αὐτῶν κρίμα (18 a)
— 41. τράπεζα κεκοσμημένη πρὸ προσώπου αὐτῆς (18 a)
25. 2. στήρισον τὸ πρ. σου (6)
27. 35. ἐδάκρυσε τὸ πρ. [A -σαν τῷ πρ.] αὐτῶν (6)
28. 21 : 29. 2. στήρισον τὸ πρ. σου (6)
29. 5. ἐπὶ προσώπου τοῦ πεδίου πεσῇ (14 b)
32. 10. ἐν τῷ πετᾶσθαι [A -θῆναι] τὴν ῥομφαίαν μου ἐπὶ πρόσωπα [A -ον] αὐτῶν (6 [14 b])
33. 27. οἱ ἐπὶ προσώπου τοῦ πεδίου (12)
34. 6. ἐπὶ προσώπου [A παντὶ προσώπῳ πάσης] τῆς γῆς διεσπάρη (12 [13])
35. 2. ἐπίστρεψον τὸ πρ. σου ἐπ' ὄρος Σηείρ (6)
36. 17. ἐγενήθη ἡ ὁδὸς αὐ. πρὸ προσώπου μου (18 a)
— 31. προσοχθιεῖτε κατὰ [B² καὶ τὸ] πρόσωπον αὐτῶν (15 h [6])
37. 2. πολλὰ σφόδρα ἐπὶ προσώπου τοῦ πεδίου (12)
38. 2. στήρισον τὸ πρ. σου ἐπὶ Γώγ (6)
— 20. σεισθήσονται ἀπὸ προσώπου κ. ... οἱ ἄνθρ. οἱ ἐπὶ προσώπου τῆς γῆς (7 a, 12)
39. 5. ἐπὶ προσώπου τοῦ πεδίου πεσῇ (12)
— 14. τοὺς καταλελειμμ. ἐπὶ προσώπου τῆς γῆς (12)
— 23. ἀπέστρεψα τὸ πρ. μου (6)
— 24. ἀπέστρεψα τὸ πρ. μου ἀπ' αὐτῶν (6)
— 29. οὐκ ἀποστρέψω οὐκέτι τὸ πρ. μου (6)
40. 12. ἐπὶ πρόσωπον τῶν θεείμ [A κατὰ πρόσωπον τῷ θεέ] (14 d [15 c])
41. 4. κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ (15 g)
— 12. κατὰ πρόσωπον τοῦ ἀπολοίπου (15 g)
— 14. τὸ εὖρος κατὰ πρόσωπον τοῦ οἴκου (15 j)
Ez. 41. 15. κατὰ πρόσωπον τοῦ ἀπολοίπου τῶν κατόπισθεν (15 g)
— 18. δύο πρόσωπα τῷ [A τῶν] χερούβ (6)
— 19. πρ. ἀνθρώπου ... πρ. λέοντος (6, 6)
— 21. κατὰ πρόσωπον τῶν ἁγίων ὅρασις (15 j)
— 22. αὕτη ἡ τράπεζα ἡ πρὸ προσώπου [A τρ. κατὰ πρόσωπον] κυρίου [B¹ om.] (18 a [15 c])
— 25. σπουδαῖα ξύλα κατὰ πρόσωπον τοῦ αἰλάμ (15 g)
42. 2. A κατὰ πρόσωπον [B om. κ. πρ.] ἐπὶ πήχεις ἑκατὸν μῆκος (15 g)
— 10. κατὰ πρόσωπον τοῦ νότου κατὰ πρόσωπον τοῦ ἀπολοίπου καὶ κατὰ πρόσωπον τοῦ διορίζοντος (†, 15 g, 15 g)
— 11. ὁ περίπατος κατὰ πρόσωπον αὐτῶν (15 c)
— 13. κατὰ πρόσωπον τῶν διαστημάτων (15 g)
— 17. διεμέτρησε τὸ κατὰ πρόσωπον τοῦ βορρᾶ †
— 18. διεμέτρησε τὸ κατὰ πρόσωπον θαλάσσης †
— 19. A διεμέτρησε κατὰ πρόσωπον [B δ. κατέναντι] τοῦ νότου –
43. 3 : 44. 4. πίπτω ἐπὶ πρόσωπόν μου (14 c)
44. 12. ἐλειτούργουν αὐτοῖς πρὸ προσώπου τῶν εἰδώλων αὐτῶν (18 a)
— 15. στήσονται πρὸ προσώπου μου (18 a)
45. 7. κατὰ πρόσωπον τῶν ἀπαρχῶν τῶν ἁγίων καὶ κατὰ πρόσωπον τῆς κατασχέσεως τῆς πόλεως (15 g, 15 g)
47. 1. τὸ πρ. τοῦ οἴκου ἔβλεπε [A ἐπέβλ.] κατ' ἀνατολάς (6)
48. 21. A εἰς τὴν κατάσχεσιν τῆς πόλεως κατὰ πρόσωπον [B om. κ. πρ.] ... ἐπὶ πρόσωπον [B om. ἐ. πρ.] (15 g, 14 b)
Da. LXX. 1. 10. ἵνα μὴ ἴδῃ τὰ πρ. ὑμῶν διατεταραμμένα (6)
2. 46. πεσὼν ἐπὶ πρόσωπον χαμαί (14 h)
3. 19. ἡ μορφὴ τοῦ πρ. αὐ. ἠλλοιώθη (1)
— (41). ζητοῦμεν τὸ πρ. σου
4. 19. τοὺς ὄντας ἐπὶ προσώπου πάσης τῆς γῆς –
— 31. ἠξίωσα ... κατὰ πρόσωπον κυρίου –
6. 10 (11). ἔπιπτεν ἐπὶ πρόσωπον αὐ. †
— 12 (13). μηδὲ θαυμάσῃς πρόσωπον –
— 13 (14). δεόμενον τοῦ πρ. τοῦ θεοῦ αὐ. –
7. 10. ἐξεπορεύετο κατὰ πρόσωπον αὐ. ποταμὸς πυρός (15 l)
8. 5. ἤρχετο ... ἐπὶ προσώπου τῆς γῆς (12)
— 17. ἔπεσα ἐπὶ πρόσωπόν μου (14 b)
— 18. ἐκοιμήθην ἐπὶ πρόσωπον χαμαί (14 b)
— 23. ἀναστήσεται βασιλεὺς ἀναιδὴς προσώπῳ (6)
9. 3. ἔδωκα τὸ πρ. μου ἐπὶ κύριον (6)
— 7. καὶ ἡμῖν ἡ αἰσχύνη τοῦ πρ. (6)
— 8. ἡμῖν ἡ αἰσχύνη τοῦ πρ. (6)
— 13. οὐκ ἐξεζητήσαμεν τὸ πρ. κ. θεοῦ ἡμῶν (6)
— 17. ἐπιβλεψάτω τὸ πρ. σου ἐπὶ τὸ ὄρος (6)
10. 6. τὸ πρ. αὐ. ὡσεὶ ὅρασις ἀστραπῆς (6)
— 9. ἤμην πεπτωκὼς ἐπὶ πρόσωπόν μου (14 b)
— 12. ἧς ἔδωκας τὸ πρ. σου †
— 15. ἔδωκα τὸ πρ. μου ἐπὶ τὴν γῆν (6)
11. 17, 18. δώσει τὸ πρ. αὐ. (6)
— 19. ἐπιστρέψει τὸ πρ. αὐ. (6)
— 22. συντρίψει ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 c)
Da. TH. 1. 10. μή ποτε ἴδῃ τὰ πρ. ὑμῶν σκυθρωπά (6)
2. 15. περὶ τίνος ἐξῆλθεν ἡ γνώμη ... ἐκ προσώπου τοῦ βασ. (9 g)
— 31. εἰκὼν μία ... ἑστῶσα πρὸ προσώπου σου –
— 46. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον (14 h)
3. 19. ἡ ὄψις τοῦ πρ. αὐ. ἠλλοιώθη (1)
— (41). ζητοῦμεν τὸ πρ. σου
5. 19. φοβούμενοι ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 k)
— 24. ἐκ προσώπου αὐ. ἀπεστάλη ἀστράγαλος (9 g)
6. 26 (27). ἐκ προσώπου μου ἐτέθη δόγμα τοῦτο (9 g)
— 26 (27). φοβουμένους ἀπὸ προσώπου τοῦ θεοῦ Δ. (7 k)
7. 8. τρία κέρατα ... ἐξερριζώθη ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 k)
8. 5. ἐπὶ πρόσωπον πάσης τῆς γῆς (14 b)
— 17, 18. πίπτω ἐπὶ πρόσωπόν μου (14 b)
— 23. ἀναστήσεται βασιλεὺς ἀναιδὴς προσώπῳ (6)
9. 3. ἔδωκα τὸ πρ. μου πρὸς κ. τὸν θεόν (6)
— 7, 8. καὶ ἡμῖν ἡ αἰσχύνη τοῦ πρ. (6)
— 10. οἷς ἔδωκε κατὰ πρόσωπον ἡμῶν (15 c)
— 13. οὐκ ἐδεήθημεν τοῦ πρ. κυρίου (6)
— 17. ἐπίφανον τὸ πρ. σου ἐπὶ τὸ ἁγίασμά σου (6)
10. 6. καὶ τὸ πρ. αὐ. ὡς ἡ ὅρασις ἀστραπῆς (6)
— 9. καὶ τὸ πρ. μου ἐπὶ τὴν γῆν (6)
— 15. ἔδωκα τὸ πρ. μου ἐπὶ τὴν γῆν (6)

Da. TH. 11. 16. οὐκ ἔστιν ἑστὼς κατὰ πρόσωπον αὐ. (15 c)
— 17. τάξει τὸ πρ. αὐ. εἰσελθεῖν (6)
— 18, 19. ἐπιστρέψει τὸ πρ. αὐ. (6)
— 20. οὐκ ἐν προσώποις οὐδὲ ἐν πολέμῳ (2)
— 22. κατακλυσθήσονται ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 c)
I Ma. 1. 18. ἐνετράπη [S¹ ἀπεστράφη] Πτ. ἀπὸ προσώπου αὐ.
— 22. τὸν κόσμον τὸν χρυσοῦν τὸν κατὰ πρόσωπον τοῦ λαοῦ
3. 22. συντρίψει αὐτοὺς πρὸ προσώπου ἡμῶν
— 53. πῶς δυνησόμεθα ὑποστῆναι κατὰ πρόσωπον αὐτῶν
4. 10. συντρίψει τὴν παρεμβ. τ. κατὰ πρόσωπον ἡμῶν
— 40. ἔπεσον ἐπὶ πρόσωπον ἐπὶ τὴν γῆν
— 55. ἔπεσον πᾶς ὁ λαὸς ἐπὶ πρόσωπον
— 57. κατεκόσμησαν τὸ κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ
— 61. ὀχύρωμα κατὰ πρόσωπον τῆς Ἰδ.
5. 7. συνετρίβησαν πρὸ προσώπου αὐτοῦ
— 21. συνετρίβη τὰ ἔθνη ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ
— 34. ἔφυγον ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ
— 37. S παρενέβαλε κατὰ πρόσωπον Ῥ. ἐκ προσώπου [A R πέραν] τοῦ χειμάρρου
— 43. συνετρίβησαν πρὸ προσώπου αὐ.
— 44. ὑποστῆναι κατὰ πρόσωπον Ἰ.
— 52. τὸ πεδίον τὸ μέγα κατὰ πρόσωπον B.
— 55. αἷς ἦν Ἰ. . . . ἐν τῇ Γαλ. κατὰ πρόσωπον Πτ.
6. 6. A R ἀνετράπη [S ἐν.] ἀπὸ προσώπου αὐτῶν
7. 3. μή μοι δείξητε τὰ πρ. αὐ.
— 28. ἵνα ὑμῶν ἴδω τὰ πρ.
— 30. ἰδεῖν τὸ πρ. αὐτοῦ
— 36. ἔστησαν κατὰ πρόσωπον τοῦ θυσιαστηρίου
9. 16. S¹ συνετρίβη τὸ δεξιὸν κέρας κατὰ πρόσωπον [A S² R al.]
10. 72. οὐκ ἔστιν ὑμῖν στάσις . . . κατὰ πρόσωπον ἡμῶν
11. 12. A ἠλλοιώθη τὸ πρ. Ἀλ. [S R al.]
13. 13. παρενέβαλεν . . . κατὰ πρόσωπον τοῦ πεδίου
15. 39. παρεμβάλλειν κατὰ πρόσωπον τῆς Ἰουδ.
16. 6. παρενέβαλε κατὰ πρόσωπον αὐτῶν
II Ma. 4. 24. δοξάσας αὐτὸν τῷ πρ. τῆς ἐξουσίας
6. 18. τὴν πρόσοψιν τοῦ πρ. κάλλιστος τυγχάνων
7. 6. διὰ τῆς κατὰ πρόσωπον ἀντιμαρτυρούσης ᾠδῆς
14. 24. εἶχε τὸν Ἰ. διὰ παντὸς ἐν προσώπῳ
III Ma. 5. 33. τῷ πρ. συνεστάλη
6. 15. οὐκ ἀπέστρεψας τὸ πρ. σου ἀφ' ἡμῶν
— 18. ἐπιφάνας τὸ ἅγιον αὐ. πρ.
IV Ma. 6. 11. ἰδρῶν γέ τοι τὸ πρ.
[Aq. GE. 1. 2 *bis*, 20, 29 : 2. 6 : 4. 5 : 19. 21 : 32. 30 (31) : 46. 28 : 47. 6 : EX. 25. 29 (30) : LE. 23. 40 : NU. 3. 7 : DT. 21. 16 : 23. 14 (15) : JO. 4. 5 : 6. 1 : JD. 4. 14 : I KI. 2. 35 : 22. 4 : II KI. 6. 14 : III KI. 6. 20 : 9. 25 : 11. 7 : 14. 9 : 17. 14 : IV KI. 5. 15 : JB. 1. 11 : 2. 5 : 3. 24 : 4. 15 : 5. 10 : 8. 16 : 16. 8 : 20. 25 : 23. 15 : 42. 11 : PS. 5. 9 : 12 (13). 2 : 16 (17). 13 : 20 (21). 13 : 21 (22). 30 : 23 (24). 6 : 26 (27). 7 : 29 (30). 8 : 30 (31). 17, 21 : 33 (34). 1 : 37 (38). 4 : 41 (42). 6 : 42 (43). 5 : 59 (60). 6 : 71 (72). 5, 9 : 79 (80). 3 : 83 (84). 10 : 95 (96). 9 : 113 (114). 7 : 131 (132). 10 : 147. 6 (17) : PR. 8. 27 : 16. 15, 18 : 18. 5 : 27. 23 : 30. 30 : IS. 7. 2, 16 : 8. 4, 17 : 14. 21 : 23. 18 : 25. 7 : 30. 17 : 36. 7 : 40. 10 : 41. 2 : 51. 13 : 53. 2, 3 : 57. 1 : 64. 1 (63. 19) : JE. 15. 1 : 16. 17 : 18. 17, 23 : 23. 39 : 25. 38 (32. 24) : 27 (34). 5 : EZ. 1. 9 : 10. 21 : 14. 3 : 20. 35 : 48. 21 (SW.) : MA. 1. 8 : 2. 3.]
[Sm. GE. 1. 2, 20, 29 : 19. 21 : 47. 6 : NU. 3. 7 : JO. 4. 5 : 6. 1 : I KI. 1. 19 : 13. 12 : 22. 4 : III KI. 17. 14 : IV KI. 3. 14 : 5. 15 : 16. 14 : JB. 1. 11 : 13. 8, 10 : 15. 27 : 16. 8 : 18. 17 : 24. 15, 17 (P.) : 42. 9 : PS. 9. 4 : 12 (13). 2 : 15 (16). 11 : 16 (17). 2. 13 : 20 (21). 7, 13 : 23 (24). 6 : 26 (27). 7 *bis* : 29 (30). 8 : 30 (31). 21 : 37 (38). 4 : 41 (42). 6 : 42 (43). 5 : 43 (44). 16, 17, 25 : 49 (50). 3 : 59 (60). 6 : 60 (61). 4 : 67 (68). 5, 9 *bis* : 68 (69). 8 : 83 (84). 10 : 89 (90). 8 : 95 (96). 9 : 103 (104). 15 : 131 (132). 10 : 139 (140). 14 : 147. 6 (17) : PR. 7. 13 : 16. 15 : 17. 24 : 18. 5 : 27. 23 : 30. 30 : CA. 8. 12 : IS. 6. 2 : 7. 16 : 8. 17 : 14. 21 : 25. 7, 8 : 30. 11, 17 : 36. 7, 9 : 64. 1 (63. 19) : JE. 18. 17 : 23. 39 : 25. 38 (32. 24) : 47 (29). 3 (SW.) : EZ. 1. 9 : 20. 35 : 48. 21 (SW.) : HB. 1. 9 : MA. 1. 8 : 2. 9.]
[Th. GE. 1. 2 *bis*, 20, 29 : 47. 6 : EX. 28. 25, 27 : NU. 3. 7 : DT. 7. 20 : 23. 14 (15) : JO. 4. 5 : 6. 1 : JD. 16. 3 : I KI. 22. 4 : III KI. 6. 20 : 17. 14 : JB. 9. 24 : 13. 8 : 15. 27 : 17. 12 : 18. 17 : 20. 25 : 23. 15 : 24. 15, 18 : 29. 24 : 42. 8 : PS. 12 (13). 2 : 33 (34). 1 (P.) : 41 (42). 6, 12 : 82 (83). 17 : 131 (132). 10 : PR. 6. 35 : 7. 13 : 8. 27 : 16. 15 : 18. 5 : 21. 29 : 27. 23 : 30. 30 : IS. 7. 16 : 14. 21 : 23. 17 : 25. 7 : 29. 22 : 30. 17 : 36. 7 : 41. 2 : 51. 13 : 63. 9 : 64. 1 (63. 19) : JE. 16. 17 : 21. 12 : 23. 39 : 25. 38 (32. 24) : 27 (34). 5 : 33 (40). 18 : 44 (51). 12 : EZ. 1. 8 (SW.), 9 : 6. 5, 9 : 10. 14 *septiens*, 21 : 20. 35 : 30. 9 : 47. 18 : 48. 21, 21 (SW.) : DA. 2. 46 : 7. 8 : 10. 9†.]
[Heb. GE. 47. 6 : EX. 23. 29 : III KI. 9. 7 : JB. 2. 5 : 13. 11 : 38. 30 : EZ. 20. 47 (21. 3).]
[Al. EX. 1. 12 : 3. 7 : 10. 8 : 23. 23 : 33. 11 *bis* : LE. 3. 8 : 4. 6, 17 : 14. 7 : 19. 15 : 22. 3 : DT. 34. 7 : JO. 1. 5 : 18. 1 : JB. 2. 7 : 9. 24 : PS. 9. 20 : 10 (11). 7 : 142 (143). 7 : PR. 27. 4 : EZ. 32. 4 : 42. 3 : HB. 3. 5.]
[Quint. PS. 23 (24). 6 : 29 (30). 8 : 33 (34). 1 : 41 (42). 6 : PR. 16. 15.]
[Sext. PS. 23 (24). 6 : 29 (30). 8 : 41 (42). 6.]

προσωποποιΐα.
[Sm. II KI. 14. 20.]

προσώτιον (?).
IV Ma. 15. 15. S¹ τὰς . . . σάρκας ὥσπερ προσώτια [A S² R -ωπεῖα] προκειμένας

προτάσσειν.
II Ma. 8. 36. R τοῖς ὑπ' αὐτοῦ προτεταγμένοις [A προστ.] νόμοις
[Sm. PS. 59 (60). 9.]

προτείνειν.
II Ma. 3. 20. προτείνουσαι τὰς χεῖρας εἰς τὸν οὐρανόν
7. 10. τὰς χεῖρας εὐθαρσῶς προέτεινε
14. 33. προτείνας τὴν δεξιὰν ἐπὶ τὸν νεώ
— 34. προτείναντες τὰς χεῖρας εἰς τὸν οὐρανόν
15. 12. τοῦτον τὰς χεῖρας προτείναντα
— 15. προτείναντα δὲ τὸν Ἱερ. τὴν δεξιάν
— 21. R προτείνας τὰς χεῖρας εἰς τὸν οὐρ. [A al.]
III Ma. 2. 1. τὰς χεῖρας προτείνας εὐτάκτως

προτείχισμα. (1) בִּנְיָן (2) חוֹמָה (3) חֵל (4) מַדְרֵגָה
II Ki. 20. 15. ἔστη ἐν τῷ πρ. (3)
III Ki. 20 (21). 23. καταφάγονται αὐτὴν ἐν τῷ πρ. (3)
II Ch. 32. 5. ᾠκοδόμησε . . . πρ. ἄλλο (2)
Ca. 2. 14. ἐν σκέπῃ τῆς πέτρας ἐχόμενα τοῦ πρ. (4)
Je. 52. 7. ἀνὰ μέσον τοῦ τείχους [A τῆς πύλης] καὶ τοῦ πρ. (2 ?)
La. 2. 8. ἐπένθησε τὸ πρ. (3)
Ez. 40. 5. διεμέτρησε τὸ πρ. (1)
42. 20. ἀνὰ μέσον τῶν ἁγίων καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ πρ. †
48. 15. πρ. ἔσται τῇ πόλει †
[Aq. PS. 121 (122). 7.]

προτέρημα. (1) תִּפְאָרֶת
Jd. 4. 9. οὐκ ἔσται τὸ πρ. σου (1)

πρότερον (*adv.*). (1) לְפָנִים (2) *a.* רִאשׁוֹן *b.* בְּרִאשֹׁנָה *c.* מֵרֵאשִׁית (3) ἐν τῷ πρ. לְמִבְּרֵאשׁוֹנָה (4) קֶדֶם
Ge. 26. 1. χωρὶς τοῦ λιμοῦ τοῦ πρ. (2 *a*)
Le. 5. 8. προσάξει . . . τὸ περὶ τῆς ἁμαρτ. πρ. (2 *a*)
18. 27. R οἱ ὄντες πρότερον [A B -οι] ὑμῶν (1)
Nu. 6. 12. A αἱ ἡμέραι αἱ πρ. [B -αι] ἄλογοι ἔσονται (2 *a*)
De. 2. 12. B¹ ἐνεκάθητο ὁ Χ. πρ. [A B² R τὸ πρ.] (1)
Jo. 1. 14. A διαβήσεσθε . . . πρ. [B -οι] τῶν ἀδ. ὑμῶν (1)
III Ki. 13. 6. A ἐγένετο καθὼς πρ. [B τὸ πρ.] (2 *b*)
I Ch. 9. 2. οἱ κατοικοῦντες πρ. ἐν ταῖς κατασχέσ. αὐ. (2 *a*)
15. 13. ἐν τῷ πρ. ὑμᾶς εἶναι (3)
Ne. 13. 5. ἐκεῖ ἦσαν πρ. [B² τὸ πρ.] (1)
Ju. 8. 18. καθάπερ ἐγένετο ἐν ταῖς πρ. ἡμέραις
Ec. 7. 11 (10). A αἱ ἡμέραι αἱ πρ. [B S -αι] ἦσαν ἀγαθαὶ ὑπὲρ ταύτας (2 *a*)
Si. 12. 17. εὑρήσεις αὐτὸν πρότερον ἐκεῖ σου
37. 8. γνῶθι πρότερον τίς σὺ τοῦ χρεία
46. 3. τίς πρότερον [A S -ος] αὐτοῦ οὕτως ἔστη
Is. 41. 22. τὰ πρ. [A S -α] τίνα ἦν εἴπατε (2 *a*)
46. 10. ἀναγγέλλων πρ. τὰ ἔσχατα (2 *c*)
61. 4. ἐξηρημωμένας πρ. [A -ας, S τὸ πρ.] ἐξαναστήσουσι (2 *a*)
Je. 11. 10. ἐπεστράφησαν ἐπὶ τὰς ἀδικίας τῶν πατέρων αὐ. τῶν πρ. [S -ων] (2 *a*)
37 (30). 20. A¹ εἰσελεύσονται οἱ υἱοὶ αὐ. ὡς πρ. [A² B S τὸ πρ.] (4)
40 (33). 11. A καθὰ [B S κατὰ τὸ] πρ. (2 *b*)
41 (34). 5. ἔκλαυσαν τοὺς πατέρας σου τοὺς βασιλεύσαντας πρ. σου (2 *a* + 1)
I Ma. 1. 1. A S ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ πρ. [R -ος]
5. 43. A διεπέρασεν πρὸς αὐτοὺς πρ. [S R al.]
12. 7. πρ. ἀπεστάλησαν ἐπιστολαί
— 16. A S ἀνανεώσασθαι τὴν . . . συμμαχίαν τὴν πρ. [R -αν]
14. 33. οὗ ἦν τὰ ὅπλα τῶν πολεμίων τὰ [S¹ τῶν] πρ.
15. 3. R ὡς ἦν πρ. [A S τὸ πρ.]
II Ma. 1. 22. R ὅ τε ἥλιος ἀνέλαμψε πρ. [A om.] ἐπινεφὴς ὤν
3. 30. τὸ μικρῷ πρ. δέους . . . γέμον ἱερόν
6. 29. τὴν μικρῷ πρ. εὐμένειαν πρὸς αὐτόν
9. 10. τὸν μικρῷ πρ. τῶν οὐρανίων ἄστρων ἅπτεσθαι δοκοῦντα
— 16. ὃν δὲ πρ. ἐσκύλευσεν ἅγιον νεών
10. 24. R ὁ πρ. [A πρῶτον] ἡττηθεὶς ὑπὸ τῶν Ἰ.
[Aq. GE. 28. 19.]
[Sm. EX. 5. 7.]

πρότερος. (1) *a.* לְפָנִים *b.* עַל־פָּנִים (2) מִן קֶדֶם (3) רִאשׁוֹן, רִאשֹׁן (4) τὸ πρ. *a.* בַּתְּחִלָּה *b.* לָרִאשֹׁנָה *c.* רִאשֹׁן, רִאשׁוֹן *d.* לְפָנִים *e.* רִאשֹׁנָה *f.* בָּרִאשֹׁנָה *g.* קֶדֶם
Ge. 13. 3. οὗ ἦν ἡ σκηνὴ αὐτοῦ τὸ πρ. (4 *a*)
28. 19. ἦν ὄνομα τῇ πόλει τὸ πρ. (4 *b*)
38. 28. οὗτος ἐξελεύσεται πρ. (3)
40. 13. κατὰ τὴν ἀρχήν σου τὴν πρ. (3)
Ex. 10. 14. προτέρα αὐτῆς οὐ γέγονε τοιαύτη ἀκρίς (1 *a*)
23. 28. ἀποστελῶ τὰς σφηκίας προτέρας σου (1 *a*)
33. 2. A συναποστελῶ τὸν ἄγγελόν μου πρ. [B πρὸ προσώπου] σου (1 *a*)
— 19. παρελεύσομαι προτέρός σου (1 *b*)
Le. 4. 21. κατέκαυσαν τὸν μόσχον τὸν πρ. (3)
18. 27. A B οἱ ὄντες πρ. [R -ρον] ὑμῶν (1 *a*)
26. 45. μνησθήσομαι αὐτῶν τῆς διαθήκης τῆς πρ. (3)
Nu. 6. 12. αἱ ἡμέραι αἱ πρ. [A -ρον] ἄλογοι ἔσονται (3)
10. 33. προεπορεύετο προτέρα αὐτῶν (1 *a*)
14. 14. σὺ πορεύῃ πρότερος αὐτῶν (1 *a*)
21. 26. ἐπολέμησε βασιλέα Μωάβ τὸ πρ. (4 *c*)
32. 17. ἡμεῖς . . . πρότεροι τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1 *a*)
— 30. καὶ τὰ κτήνη αὐτῶν πρότερα ὑμῶν –
De. 1. 22. ἀποστείλωμεν ἄνδρας προτέρους ἡμῶν (1 *a*)
— 33. ὃς προπορεύεται πρότερος ὑμῶν (1 *a*)
2. 10. οἱ Ὀμμὶν πρότεροι [A τὸ πρ.] ἐνεκάθηντο (1 *a* [4 *d*])
— 12. ἐνεκάθητο ὁ Χ. τὸ [B¹ om.] πρ. (4 *d*)
— 20. ἐπ' αὐτῆς κατῴκουν οἱ Ῥ. τὸ πρ. (4 *d*)
4. 32. ἐπερωτήσατε ἡμέρας πρ. τὰς γενομ. πρ. σου (3, 1 *a*)
9. 18. καθάπερ καὶ τὸ πρ. (4 *e*)
19. 14. A ἃ ἔστησαν οἱ πρ. [B πατέρες] σου (3)
24. 4. ὁ ἀνὴρ ὁ πρ. ὁ ἐξαποστείλας αὐτήν (3)
Jo. 1. 14. διαβήσεσθε . . . πρότεροι [A -ον] τῶν ἀδ. ὑ. (1 *a*)
3. 14. οἱ δὲ ἱερεῖς . . . πρότεροι τοῦ λαοῦ (1 *a*)
10. 14. οὐδὲ τὸ πρ. οὐδὲ τὸ ἔσχατον (4 *d*)
11. 10. ἦν δὲ Ἀ. τὸ πρ. ἄρχουσα (4 *d*)
14. 15. ἦν τὸ πρ. πόλις Ἀργόβ (4 *d*)
15. 15. ἦν τὸ πρ. πόλις γραμμάτων (4 *d*)
24. 12. ἐξαπέστειλε προτέραν ἡμῶν τὴν σφηκίαν (1 *a*)
Jd. 1. 10. τὸ πρ. Καριαθαρβοκσεφέρ [A al.] (4 *d*)
18. 29. ὄνομα τῆς πόλεως τὸ πρ. (4 *b*)
II Ki. 19. 20 (21). ἦλθον σήμερον πρότερος παντὸς Ἰσρ. (3)
III Ki. 13. 6. ἐγένετο καθὼς τὸ [A om.] πρ. (4 *f*)
I Ch. 29. 29. οἱ δὲ λοιποὶ λόγοι . . . οἱ πρ. (3)
Ne. 13. 5. B² ἐκεῖ ἦσαν τὸ [A B¹ S R om.] πρ. (4 *d*)
To. 6. 14. A B καθὼς καὶ οἱ πρ.
14. 5. οὐχ οἷος ὁ πρ. [S ὡς τὸν πρῶτον]
Ju. 5. 7. παρῴκησαν τὸ πρ. ἐν τῇ Μεσοπ.
9. 5. ἐποίησας τὰ πρ. ἐκείνων
Jb. 42. 5. ἀκοῇ μὲν ὠτὸς ἤκουόν σου τὸ πρ. –
Ec. 7. 11 (10). αἱ ἡμέραι αἱ πρ. [A -ρον] ἦσαν ἀγαθαὶ ὑπὲρ ταύτας (3)
Wi. 7. 29. φωτὶ συγκρινομένη εὑρίσκεται προτέρα
Si. 1. 4. προτέρα πάντων ἔκτισται σοφία
21. 1. περὶ τῶν πρ. σου δεήθητι

Si. 34 (31). 18. πρότερος αὐτῶν μὴ ἐκτείνῃς τὴν χεῖρά σου
41. 3. μνήσθητι προτέρων σου καὶ ἐσχάτων
46. 3. A S τίς πρότερος [B -ον] αὐτοῦ οὕτως ἔστη
Ho. 2. 7 (9). ἐπιστρέψω πρὸς τὸν ἄνδρα μου τὸν πρ. (3)
Is. 1. 26. ἐπιστήσω τοὺς κριτάς σου ὡς τὸ πρ. (4 f)
41. 22. A S τὰ πρ. [B -ρον] τίνα ἦν εἴπατε (3)
46. 9. μνήσθητε τὰ πρ. ἀπὸ τοῦ αἰῶνος (3)
48. 3. τὰ πρ. ἔτι ἀνήγγειλα (3)
— 7. οὐ προτέραις ἡμέραις ἤκουσας αὐτά (1 a ?)
52. 4. εἰς Αἴγυπτον κατέβη ὁ λαός μου τὸ πρ. (4 f)
— 12. προπορεύσεται γὰρ πρ. [S πρὸ προσώπου] ὑμῶν κύριος (1 a)
61. 4. A ἐξηρημωμένας προτέρας [B -ρον, S τὸ πρ.] ἐξαναστήσουσι (3 [4 c])
65. 17. οὐ μὴ μνησθῶσι τῶν πρ. (3)
Je. 11. 10. S ἐπεστράφησαν ἐπὶ τὰς ἀδικίας τῶν πατ. αὐτῶν τῶν πρ. [A B -ον] (3)
35 (28). 8. οἱ προφῆται οἱ γεγονότες πρότεροί μου καὶ πρότεροι ὑμῶν (1 a, 1 a)
37 (30). 20. εἰσελεύσονται οἱ υἱοὶ αὐ. ὡς τὸ [A¹ om.] πρ. (4 g)
40 (33). 7. οἰκοδομήσω αὐτοὺς καθὼς καὶ τὸ πρ. (4 f)
— 11. κατὰ τὸ [A καθὰ] πρ. (4 f)
Da. LXX. Su. 12. τίς φανήσεται αὐτῇ πρότερος –
52. ἃς ἐποίεις τὸ πρ.
3. 22. ἡ κάμινος ἐξεκαύθη ὑπὲρ τὸ πρ. ἑπταπλασίως –
Da. TH. Su. 52. ἃς ἐποίεις τὸ πρ.
7. 20. A καὶ ἐκτινάξαντος τῶν πρ. τρία [B τῶν πρώτων] (2)
11. 13. ἄξει ὄχλον πολὺν ὑπὲρ τὸν πρ. (3)
I Ma. 1. 1. R ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ πρότερος [A S -ον]
3. 46. τόπος προσευχῆς εἰς Μ. τὸ πρ.
4. 47. ᾠκοδόμησαν τὸ θυσιαστ. καινὸν κατὰ τὸ πρ.
— 60. ὡς ἐποίησαν τὸ πρ.
5. 1. ἐνεκαινίσθη τὸ ἁγίασμα ὡς τὸ πρ.
— 40. ἐὰν διαβῇ πρὸς ἡμᾶς πρότερος
— 43. S R διεπέρασεν ἐπ' αὐτοὺς πρότερος [A al.]
6. 7. καθὼς τὸ πρ. ἐκύκλωσαν τείχεσιν ὕψ.
— 59. τοῦ πορεύεσθαι τοῖς νομίμοις αὐ. ὡς τὸ πρ.
8. 24. ἐὰν δὲ ἐνστῇ πόλεμος Ῥώμῃ προτέρᾳ
— 27. ἐὰν ἔθνει Ἰ. συμβῇ προτέροις πόλεμος
9. 72. ἣν ᾐχμαλώτευσε τὸ πρ.
11. 27. ὅσα ἄλλα εἶχε τίμια τὸ πρ.
— 34. ὧν ἐλάμβανεν ὁ βασ. παρ' αὐτῶν τὸ πρ.
— 39. Τρ. δὲ ἦν τῶν παρὰ Ἀλεξάνδρου τὸ πρ.
12. 3. ἀνανεώσασθαι . . . τὴν συμμαχίαν κατὰ τὸ πρ.
— 16. R ἀνανεώσασθαι τὴν . . . συμμαχίαν τὴν πρ. [A S -ον]
— 24. μετὰ δυνάμεως πολλῆς ὑπὲρ τὸ πρ.
14. 33. οὗ ἦν τὰ ὅπλα τῶν πολεμίων τὸ [S¹ τῶν] πρ.
— 34. ἐν ᾗ ᾤκουν οἱ πολέμοι τὸ πρ.
15. 3. A S ὡς ἦν τὸ [R om.] πρ.
— 27. ὅσα συνέθετο αὐτῷ τὸ πρ.
II Ma. 11. 31. καθὰ καὶ τὸ πρ.
IV Ma. 9. 26. A R τὸν καθ' ἡλικίαν τοῦ πρ. [S πρεσβυτέρου] δεύτερον
[Aq. Jo. 4. 11 : Je. 28 (35). 8 : 34 (41). 5.]
[Sm. Jo. 4. 11.]
[Th. Jo. 4. 11 : Da. 7. 20†.]

προτιθέναι. (1) יָסַף hi. (2) לָוָה ni. (3) נָתַן (4) עָרַךְ (5) שׂוּם (6) שִׁית

Ex. 29. 23. τῶν ἀζύμων τῶν προτεθειμ. ἔναντι κ. –
40. 4. προθήσεις τὴν πρόθεσιν αὐτῆς (4)
— 23. B προέθηκεν [A R προσέθ.] . . . ἄρτους (4)
Le. 19. 14. A οὐ προθήσεις [B προσθ.] σκάνδαλον (3)
24. 8. A B προθήσεται [B προσθ.] ἔναντι κυρίου (4)
II Ch. 28. 13. A προθεῖναι [B προσθ.] ἐπὶ ταῖς ἁμαρτ. ἡμῶν (1)
Es. 9. 27. A τοῖς προτεθειμένοις ἐφ' ἑαυτῶν [B S al.] (2)
Ps. 53 (54). 3. οὐ προέθεντο τὸν θεὸν ἐνώπιον αὐτῶν (5)
85 (86). 14. οὐ προέθεντό [S προσέθ.] σε ἐνώπιον αὐτῶν (5)
100 (101). 3. οὐ προεθέμην [S² -ετιθ.] πρὸ ὀφθαλμῶν μου πρᾶγμα παράνομον (6)
Pr. 29. 24. ὅρκου προτεθέντος ἀκούσαντες –
Ec. 1. 16. S προέθηκα [A B προσέθ.] σοφίαν ἐπὶ πᾶσιν (1)
— 18. A ὁ προτιθεὶς [B προστ., S προσθεὶς] γνώσει [B S γνῶσιν] προσθήσει ἄλγημα (1)
Si. prol. 22. S¹ ἀναγκαιότατον προεθέμην [A B S² ἐθ.]
II Ma. 1. 8. προεθήκαμεν τοὺς ἄρτους
— 15. προθέντων αὐτὰ τῶν ἱερέων
III Ma. 2. 27. προέθετο δὲ δημοσίᾳ
IV Ma. 8. 12. A R προτεθῆναι [S τιθέναι] τὰ βασανιστήρια
— 13. τὰ ζώπυρα τοῦ πυρὸς οἱ δορυφόροι προέθεσαν
[Sm. I Ch. 21. 10 : Ps. 89 (90). 8 : Ec. 1. 13.]
[Th. Ez. 24. 2.]

προτιμᾶν.
II Ma. 15. 2. τῇ προτετιμημένῃ . . . μεθ' ἁγιότητος ἡμέρᾳ
IV Ma. 1. 15. προτιμῶν τὸν σοφίας βίον [A λόγον]
[Sm. I Ki. 2. 29.]

προτομή. (1) רֹאשׁ

III Ki. 10. 19. καὶ προτομαὶ μόσχων τῷ θρόνῳ (1)
II Ma. 15. 35. A ἐξέδησε δὲ τὴν τοῦ N. πρ. [R κεφαλήν]
[Aq. I Ki. 19. 16.]

προτρέπεσθαι.
Wi. 14. 18. τοὺς ἀγνοοῦντας ἡ τοῦ τεχνίτου προετρέψατο φιλοτιμία
II Ma. 11. 7. A² R προετρέψατο [A¹ προσετρ.] τοὺς ἄλλους
IV Ma. 12. 7. τῆς μητρὸς τῇ Ἑβραΐδι φωνῇ προτρεψαμένης αὐτόν
15. 12. πάντας . . . ἐπὶ τὸν . . . προετρέπετο θάνατον
16. 13. ἐπὶ τὸν θάνατον αὐτοὺς προετρέπετο

προτρέχειν. (1) רוּץ (2) רוּץ לִפְנֵי

I Ki. 8. 11. καὶ προτρέχοντας τῶν ἁρμ. αὐτοῦ (2)
To. 11. 3. προδραμὼν ἔμπροσθεν [S om.] τῆς γυναικός σου
Jb. 41. 13 (14). ἔμπροσθεν αὐτοῦ προτρέχει [B S τρέχει] ἀπώλεια (1)
I Ma. 16. 21. προδραμών τις ἀπήγγειλεν

προϋπάρχειν.
Jb. 42. 18. προϋπῆρχε δὲ αὐτῷ ὄνομα Ἰωβάβ
— 18. A προϋπῆρχεν δὲ τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰωβάβ

προϋποτάσσεσθαι.
III Ma. 1. 2. παραλαβὼν τῶν προϋποτεταγμ. αὐτῷ ὅπλων [A¹ τόπων] Πτ. τὰ κράτιστα

προϋφιστάναι.
Wi. 19. 7. ἐκ δὲ προϋφεστῶτος ὕδατος ξηρᾶς ἀνάδυσις γῆς ἐθεωρήθη

προφαίνεσθαι.
II Ma. 3. 26. R ἕτεροι δὲ δύο προεφάνησαν [A ἐφ.] αὐτῷ νεανίαι
IV Ma. 4. 10. οὐρανόθεν ἔφιπποι προὐφάνησαν ἄγγελοι

προφανῶς.
Si. 51. 13. ἐζήτησα σοφίαν πρ. ἐν προσευχῇ μου
[Al. Le. 26. 43.]

προφασίζεσθαι. (1) אָמַר (2) אָנָה hithpa. (3) עָלַל hithpo.

IV Ki. 5. 7. προφασίζεται οὗτός μοι [A με] (2)
Ps. 140 (141). 4. τοῦ προφασίζεσθαι προφάσεις (3)
Pr. 22. 13. προφασίζεται καὶ λέγει ὀκνηρός (1)

πρόφασις. (1) a. עִלָּה b. עֲלִילָה

Ps. 140 (141). 4. τοῦ προφασίζεσθαι προφάσεις (1 b)
Pr. 18. 1. προφάσεις ζητεῖ †
Ho. 10. 4. λαλῶν ῥήματα προφάσεις ψευδεῖς †
Da. TH. 6. 4 (5). ἐζήτουν πρόφασιν εὑρεῖν (1 a)
— 4 (5). πᾶσαν πρ. . . . οὐχ εὗρον κατ' αὐτοῦ (1 a)
— 5 (6). οὐχ εὑρήσομεν κατὰ Δ. . . . πρόφασιν (1 a)
[Aq. Jd. 14. 4.]
[Sm. I Ki. 2. 3.]

προφασιστικός. (1) עֲלִילָה

De. 22. 14. καὶ ἐπιθῇ αὐτῇ πρ. λόγους (1)
— 17. ἐπιτίθησιν αὐτῇ πρ. λόγους (1)

προφέρειν. (1) מָצָא ni.

To. 9. 5. προήνεγκε τὰ θυλάκια [S al.]
Pr. 10. 13. A S R ὃς ἐκ χειλέων προφέρει σοφίαν (1)
Si. prol. 22. S¹ προενέγκασθαι [A B S² προσεν. τινα] σπουδήν
I Ma. 7. 33. S¹ δεῖξαι αὐτῷ τὴν ὁλοκαύτωσιν τὴν προφερομένην [A S² R προσφ.]
III Ma. 1. 12. R οὐδαμῶς ἀπέλιπε προφερόμενος ἑαυτόν [A al.]
4. 17. A προηνέγκαντο [R προσην.] οἱ γραμματεῖς τῷ βασ.
5. 39. προεφέροντο τάδε
6. 28. A ἀπαραπόδιστον εὐστάθειαν . . . προφέρει [R παρέχει]
7. 4. A προφερόμενοι μηδέποτε εὐσταθήσειν [R al.]
— 11. προφερόμενοι τοὺς . . . τὰ θεῖα παραβεβηκότας προστάγματα
[Sm. Ps. 134 (135). 7.]

προφητεία (-ία). (1) חָזוֹן (2) נְבוּאָה

II Ch. 15. 8. ἐν τῷ ἀκοῦσαι . . . τὴν πρ. Ἀ. (2)
32. 32. γέγραπται ἐν τῇ πρ. Ἡσ. (1)
II Es. 5. 1. ἐπροφήτευσεν Ἀ. . . . προφητείαν †
6. 14. ἐν προφητείᾳ Ἀγγαίου (2)
Ne. 6. 12. ἡ πρ. λόγος κατ' ἐμοῦ (2)
To. 2. 6. A B ἐμνήσθην τῆς πρ. Ἀ. [S al.]
Si. prol. 18. αἱ πρ. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν βιβλίων
24. 33. ἔτι διδασκαλίαν ὡς προφητείαν ἐκχεῶ
36. 20 (17). ἔγειρον προφητείας τὰς ἐπ' ὀνόματί σου
39. 1. ἐν προφητείαις ἀσχοληθήσεται
44. 3. ἀπηγγελκότες ἐν προφητείαις
46. 1. διάδοχος Μωυσῆ ἐν προφητείαις
— 20. ἐν προφητείᾳ [S -αις] ἐξαλεῖψαι [S -ει] ἀνομίαν λαοῦ
Je. 23. 31. S R τοὺς προφήτας τοὺς ἐκβάλλοντας προφητείας γλώσσης [A -είαν γλώσσῃ] –
Da. LXX. 11. 14. εἰς τὸ ἀναστῆσαι τὴν πρ. (1)
Bel tit. ἐκ προφητείας Ἀμβ.

προφητεύειν. (1) אָמַר (2) נָבָא a. ni. b. hithp. c. נָבָא ithpa.

Nu. 11. 25. καὶ ἐπροφήτευσαν (2 b)
— 26. ἐπροφήτευσαν ἐν τῇ παρεμβολῇ (2 b)
— 27. προφητεύουσιν ἐν τῇ παρεμβολῇ (2 b)
I Ki. 10. 5. καὶ αὐτοὶ προφητεύοντες (2 b)
— 6. προφητεύσεις μετ' [A ἐπ'] αὐτῶν (2 b)
— 10. B ἐπροφήτευσεν [A R προεφ.] ἐν μέσῳ αὐτῶν (2 b)
— 11. A ἐν μέσῳ τῶν προφητῶν προφητεύων [B om.] (2 a)
— 13. καὶ συνετέλεσε προφητεύων (2 b)
18. 10. A προεφήτευσεν ἐν μέσῳ οἴκου αὐ. (2 b)
19. 20. A τὴν ἐκκλησίαν τῶν προφητῶν τῶν προφητευόντων [B om. τ. πρ.] (2 a)
— 20. καὶ προφητεύουσι (2 b)
— 21 bis. ἐπροφήτευσαν [A προεφ.] καὶ αὐτοί (2 b)
— 23. καὶ ἐπορεύετο προφητεύων [A al.] (2 b)
— 24. καὶ ἐπροφήτευσεν (2 b)
III Ki. 18. 29. B καὶ ἐπροφήτευσαν [A R -ον] (2 b)
22. 10. πάντες οἱ προφ. ἐπροφήτευον (2 b)
— 12. πάντες οἱ προφ. ἐπροφήτευον [A προεφ.] (2 a)
— 18. οὐ προφητεύει οὗτός μοι καλά (2 b)
II Ch. 18. 7. οὐκ ἔστι προφητεύων . . . εἰς ἀγαθά (2 b)
— 9. πάντες οἱ προφ. ἐπροφήτευον (2 b)
— 11. πάντες οἱ προφ. ἐπροφήτευον (2 a)
— 17. οὐ προφητεύει περὶ ἐμοῦ ἀγαθά (2 b)
20. 37. ἐπροφήτευσεν Ἐλ. (2 b)
I Es. 6. 1. ἐπροφήτευσεν Ἀγγαῖος
7. 3. προφητευόντων Ἀγγαίου καὶ Ζαχ.
II Es. 5. 1. ἐπροφήτευσεν Ἀγγαῖος (2 c)
Ju. 6. 2. ἐπροφήτευσας ἐν ἡμῖν
Wi. 14. 28. ἢ προφητεύουσι ψευδῆ
Si. 46. 20. μετὰ τὸ ὑπνῶσαι αὐτὸν προεφήτευσε [A S ἐπροφήτευσεν]
47. 1. ἀνέστη Νάθαν προφητεύειν ἐν ἡμέραις Δαυίδ
48. 13. ἐν κοιμήσει ἐπροφήτευσε τὸ σῶμα αὐτοῦ
Am. 2. 12. οὐ μὴ προφητεύσητε (2 a)
3. 8. τίς οὐ προφητεύσει (2 a)
7. 12. καὶ ἐκεῖ προφητεύσεις (2 a)
— 13. οὐκέτι προσθήσεις τοῦ προφητεῦσαι (2 a)
— 15. προφήτευσον ἐπὶ τὸν λαόν μου Ἰσρ. (2 a)
— 16. μὴ προφήτευε ἐπὶ τὸν Ἰσρ. (2 a)
Jl. 2. 28 (3. 1). προφητεύσουσιν οἱ υἱοὶ ὑμῶν (2 a)
Za. 13. 3. ἐὰν προφητεύσῃ ἄνθρωπος ἔτι (2 a)
— 3. A ἐν τῷ προφητεύειν αὐτόν –
— 3, 4. ἐν τῷ προφητεύειν αὐτόν (2 a)
Je. 2. 8. οἱ προφῆται ἐπροφήτευον [A -ο]ντο τῇ Βάαλ (2 a)
5. 31. οἱ προφῆται προφητεύουσιν ἄδικα (2 a)

Je. 11. 21. οὐ μὴ προφητεύσεις [A -ῃς] ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου (2 a)
14. 13. οἱ προφῆται αὐτῶν προφητεύουσι (1?)
— 14. ψευδῆ οἱ προφῆται προφητεύουσιν [B¹ -εύσ.] . . . προαιρέσεις καρδίας αὐ. αὐτοὶ προφητεύουσιν ὑμῖν (2 a, 2 b)
— 15. περὶ τῶν προφητῶν τῶν προφητευόντων ἐπὶ [A om.] τῷ ὀνόματί μου ψευδῆ (2 a)
— 16. ὁ λαὸς οἷς αὐτοὶ προφητεύουσιν αὐτοῖς (2 a)
19. 14. οὗ ἀπέστειλεν αὐτὸν κύριος ἐκεῖ τοῦ προφητεῦσαι (2 a)
20. 1. τοῦ Ἱερ. προφητεύοντος τοὺς λόγους τ. (2 a)
— 6. οἷς ἐπροφήτευσας αὐτοῖς ψευδῆ (2 a)
23. 13. ἐπροφήτευσαν διὰ τῆς Βάαλ (2 b)
— 21. αὐτοὶ ἐπροφήτευον [S -σάν] (2 a)
— 25. ἃ προφητεύουσιν [S al.] (2 a)
— 26. ἐν καρδίᾳ τῶν προφητῶν τῶν προφητευόντων ψευδῆ ἐν τῷ πρ. αὐτοὺς τὰ θελήματα τῆς καρδίας αὐ. (2 a, †)
— 32. ἐγὼ πρὸς τοὺς προφήτας τοὺς προφητεύοντας ἐνύπνια ψευδῆ (2 a)
25. 14 (49. 34). ἃ ἐπροφήτευσεν Ἱερεμίας †
32. 15 (25. 13). A ὅσα ἐπροφήτευσεν Ἱερεμίας (2 a)
32 (25). 30. προφητεύσεις ἐπ' αὐτοὺς τοὺς λόγους τούτους (2 a)
33 (26). 9. ἐπροφήτευσας [S add. ἐπὶ] τῷ ὀνόματι κυρίου (2 a)
— 11. ἐπροφήτευσε κατὰ τῆς πόλεως ταύτης (2 a)
— 12. ἀπέστειλέ με προφητεῦσαι (2 a)
— 20. ἄνθρωπος ἦν προφητεύων [A add. ἐπὶ] τῷ ὀνόματι κυρίου . . . καὶ ἐπροφήτευσε περὶ τῆς γῆς ταύτης (2 b, 2 a)
34 (27). 10. ψευδῆ αὐτοὶ προφητεύουσιν ὑμῖν (2 a)
— 14. ἄδικα αὐτοὶ προφητεύουσιν [S -σουσιν] ὑμῖν (2 a)
— 15. καὶ προφητεύουσι [A add. ἐπὶ] τῷ ὀνόματί μου (2 a)
— 15. καὶ οἱ προφῆται ὑμῶν οἱ προφητεύοντες ὑμῖν ἐπ' ἀδίκῳ ψευδῆ (2 a)
— 16. μὴ ἀκούετε τῶν λόγων τῶν προφητῶν τῶν προφητευόντων ὑμῖν [A add. ψευδῆ] . . . ὅτι ἄδικα αὐτοὶ προφητεύουσιν ὑμῖν (2 a, 2 a)
35 (28). 6. στήσαι τὸν λόγον ὃν σὺ προφητεύεις (2 a)
— 8. ἐπροφήτευσαν ἐπὶ γῆς πολλῆς (2 a)
— 9. ὁ προφήτης ὁ προφητεύσας εἰς [S om.] εἰρήνην (2 a)
36 (29). 9. ἄδικα αὐτοὶ προφητεύουσιν ὑμῖν (2 a)
— 26. γενέσθαι ἐπιστάτην . . . παντὶ ἀνθρώπῳ προφητεύοντι (2 b)
— 27. συνελοιδορήσατε Ἱερεμίαν τὸν ἐξ Ἀναθὼθ τὸν προφητεύσαντα ὑμῖν (2 b)
— 31. ἐπροφήτευσεν ὑμῖν Σαμαίας (2 a)
39 (32). 3. A B S² διὰ τί σὺ προφητεύεις (2 a)
44 (37). 19. ποῦ εἰσιν οἱ προφῆται ὑμῶν οἱ προφητεύσαντες [A -εύοντες] ὑμῖν (2 a)
Ez. 4. 7. προφητεύσεις ἐπ' αὐτήν (2 a)
6. 2. προφήτευσον ἐπ' αὐτά (2 a)
11. 4. προφήτευσον ἐπ' αὐτοὺς προφήτευσον (2 a, 2 a)
— 13. ἐγένετο ἐν τῷ πρ. με (2 a)
12. 27. εἰς καιροὺς μακροὺς οὗτος προφητεύει (2 a)
13. 2. A προφήτευσον ἐπὶ τοὺς προφήτας τοῦ Ἰσραὴλ τοὺς προφητεύοντας καὶ ἐρεῖς τοῖς προφήταις τοῖς προφητεύουσιν ἀπὸ καρδίας αὐτῶν [B om. τοὺς πρ. . . . αὐ.] καὶ προφητεύσεις (2 a, †, †)
— 3. οὐαὶ τοῖς προφητεύουσιν ἀπὸ καρδίας αὐτῶν †
— 16. οἱ προφητεύοντες ἐπὶ Ἱερουσαλὴμ (2 a)
— 17. ἐπὶ τὰς θυγατέρας τοῦ λαοῦ σου τὰς προφητευούσας ἀπὸ καρδίας αὐτῶν καὶ προφήτευσον ἐπ' αὐτάς (2 b, 2 a)
20. 46 (21. 2). προφήτευσον ἐπὶ δρυμόν (2 a)
21. 2 (7). προφήτευσον . . . καὶ προφητεύσεις ἐπὶ τὴν γῆν τοῦ Ἰσραήλ (–, 2 a)
— 9 (14). προφήτευσον καὶ ἐρεῖς (2 a)
— 14 (19). προφήτευσον καὶ κρότησον (2 a)
— 28 (33). προφήτευσον καὶ ἐρεῖς (2 a)
25. 2. προφήτευσον ἐπ' αὐτούς (2 a)
28. 21. προφήτευσον ἐπ' αὐτήν (2 a)
29. 2. προφήτευσον ἐπ' αὐτόν (2 a)
30. 2. προφήτευσον καὶ εἰπόν (2 a)
34. 2. προφήτευσον ἐπὶ τοὺς ποιμένας τοῦ Ἰσραὴλ προφήτευσον (2 a, 2 a)
35. 2. προφήτευσον εἰς [A ἐπ'] αὐτό (2 a)
36. 1. προφήτευσον ἐπὶ τὰ ὄρη Ἰσραήλ (2 a)
— 3. προφήτευσον καὶ εἰπόν (2 a)
Ez. 36. 6. προφήτευσον ἐπὶ τὴν γῆν τοῦ Ἰσραήλ (2 a)
37. 4. προφήτευσον ἐπὶ τὰ ὀστᾶ ταῦτα (2 a)
— 7. ἐπροφήτευσα . . . ἐγένετο [A add. φωνὴ] ἐν τῷ ἐμὲ προφητεῦσαι [A -εύειν] (2 a, 2 a)
— 9. προφήτευσον ἐπὶ τὸ πνεῦμα προφήτευσον (2 a, 2 a)
— 10. ἐπροφήτευσα καθότι ἐνετείλατό μοι (2 b)
— 12. προφήτευσον καὶ εἰπόν (2 a)
38. 2. προφήτευσον ἐπ' αὐτόν (2 a)
— 14. προφήτευσον, υἱὲ ἀνθρώπου (2 a)
39. 1. προφήτευσον ἐπὶ Γώγ (2 a)
[Aq. I Ch. 25. 3: Je. 14. 15: 26 (33). 18: 29 (36). 26: Ez. 13. 2 *bis*: 21. 2 (7) (Sw.).]
[Sm. I Ch. 25. 1, 3: Je. 26 (33). 18, 20: 29 (36). 26: Ez. 20. 46 (21. 2): 21. 2 (7) (Sw.): 38. 17.]
[Th. Je. 29 (36). 21: Ez. 13. 2 *bis*: 21. 2 (7) (Sw.): 38. 17.]

προφήτης. (1) חֹזֶה (2) *a.* נָבִיא *b.* נְבִיא (3) רֹאֶה

Ge. 20. 7. ὅτι προφήτης ἐστί (2 a)
Ex. 7. 1. Ἀ. ὁ ἀδ. σου ἔσται σου πρ. (2 a)
Nu. 11. 29. τίς δῴη πάντα τὸν λαὸν κ. προφήτας (2 a)
12. 6. ἐὰν γένηται προφήτης ὑμῶν κυρίῳ (2 a)
De. 13. 1 (2). ἐὰν δὲ ἀναστῇ ἐν σοὶ πρ. (2 a)
— 3 (4). οὐκ ἀκούσεσθε τῶν λόγων τοῦ πρ. ἐκ. (2 a)
— 5 (6). ὁ πρ. ὃς ἂν ἀσεβήσῃ λαλῆσαι (2 a)
18. 15. προφήτην ἐκ τῶν ἀδελφῶν σου (2 a)
— 18. προφήτην ἀναστήσω αὐτοῖς (2 a)
— 19. ὅσα ἐὰν λαλήσῃ ὁ πρ. –
— 20. ὁ πρ. ὃς ἂν ἀσεβήσῃ λαλῆσαι (2 a)
— 20. ἀποθανεῖται ὁ πρ. ἐκεῖνος (2 a)
— 22. ὅσα ἐὰν λαλήσῃ ὁ πρ. (2 a)
— 22. ἐν ἀσεβείᾳ ἐλάλησεν ὁ πρ. (2 a)
34. 10. οὐκ ἀνέστη ἔτι προφήτης (2 a)
Jd. 6. 8. ἐξαπέστειλε κ. ἄνδρα πρ. (2 a)
I Ki. 3. 20. πιστὸς Σαμ. εἰς προφήτην τῷ κ. (2 a)
— 21. προφήτης γενέσθαι τῷ κ. –
9. 9. τὸν πρ. ἐκάλει ὁ λαὸς ἔμπροσθεν (2 a)
10. 5. ἀπαντήσεις χορῷ προφητῶν (2 a)
— 10. A ἔρχεται . . . εἰς τὸν βουνὸν τῶν πρ. [B om. τ. πρ.] –
— 10. χορὸς προφητῶν ἐξ ἐναντίας αὐτοῦ (2 a)
— 11. αὐτὸς ἐν μέσῳ τῶν πρ. (2 a)
— 11, 12. ἢ καὶ Σ. ἐν προφήταις (2 a)
19. 20. εἶδαν τὴν ἐκκλησίαν τῶν πρ. (2 a)
— 24. εἰ καὶ Σ. ἐν προφήταις (2 a)
21. 6 (7). A ἀλλ' ἢ ἄρτοι τοῦ πρ. [B προσώπου] †
22. 5. εἶπε Γὰδ ὁ πρ. πρὸς Δ. (2 a)
28. 6. οὐκ ἀπεκρίθη αὐτῷ . . . ἐν τοῖς πρ. (2 a)
— 15. καὶ ἐν χειρὶ τῶν πρ. (2 a)
II Ki. 7. 2. εἶπεν ὁ βασ. πρὸς Ν. τὸν πρ. (2 a)
12. 1. ἀπέστειλε κ. τὸν Ν. τὸν πρ. –
— 25. ἐν χειρὶ Ν. τοῦ πρ. (2 a)
24. 11. λόγος κ. ἐγένετο πρὸς Γ. τὸν πρ. (2 a)
III Ki. 1. 8. καὶ Νάθαν ὁ πρ. (2 a)
— 10. καὶ τὸν Ν. τὸν πρ. (2 a)
— 22. καὶ Νάθαν ὁ πρ. ἦλθε (2 a)
— 22. B¹ Ν. ὁ πρ. ἦλθεν (2 a ?)
— 23. ἰδοὺ Ν. ὁ πρ. (2 a)
— 32. καλέσατέ μοι . . . Ν. τὸν πρ. (2 a)
— 34. χρισάτω αὐτὸν . . . Ν. ὁ πρ. (2 a)
— 38. κατέβη . . . Ν. ὁ πρ. (2 a)
— 44. ἀπέστειλε μετ' αὐτοῦ . . . Ν. τὸν πρ. (2 a)
— 45. Σαδ. ὁ ἱερεὺς καὶ Ν. ὁ πρ. (2 a)
11. 29. Ἀχ. ὁ Σηλ. ὁ πρ. (2 a)
13. 11. πρ. εἷς πρεσβύτης (2 a)
— 18. κἀγὼ πρ. εἰμί (2 a)
— 20. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς τὸν πρ. (2 a)
— 23. A ἐπέσαξεν αὐτῷ τὴν ὄνον τῷ πρ. [B om. τ. πρ.] (2 a)
— 25. οὗ ὁ πρ. ὁ πρεσβύτης κατῴκει (2 a)
— 29. B ἦρεν ὁ πρ. τὸ σῶμα (2 a)
— 29. ἐπέστρεψεν αὐτὸν . . . ὁ πρ. [A al.] (2 a)
— 30. A ἀνέπαυσεν τὸ νεκριμαῖον αὐ. ὁ πρ. –
14. 2. A ἰδοὺ ἐκεῖ Ἀχ. ὁ πρ. (2 a)
— 18. A ἐν χειρὶ δούλου αὐ. Ἀχ. τοῦ πρ. (2 a)
16. 7. A ἐν χειρὶ Ἰ. υἱοῦ Ἀν. τοῦ πρ. [B al.] (2 a)
— 12. καὶ πρὸς Ἰ. τὸν πρ. (2 a)
17. 1. εἶπεν Ἠλιοὺ ὁ πρ. –
18. 4. ἐν τῷ τύπτειν τὴν Ἰ. τοὺς πρ. κυρίου (2 a)
— 4. ἔλαβεν Ἀ. ἑκατὸν ἄνδρας πρ. (2 a)
— 13. ἐν τῷ ἀποκτείνειν Ἰ. τοὺς πρ. κυρίου (2 a)
— 13. ἔκρυψα ἀπὸ τῶν πρ. κυρίου (2 a)
— 19. A καὶ τοὺς πρ. τοῦ Β. [B al.] (2 a)
III Ki. 18. 19. τοὺς [A om.] πρ. τῆς αἰσχύνης (2 a ?)
— 19. καὶ τοὺς πρ. τῶν ἀλσῶν (2 a)
— 20. ἐπισυνήγαγε πάντας τοὺς πρ. (2 a)
— 22. ὑπολέλειμμαι προφήτης τοῦ κ. (2 a)
— 22. οἱ πρ. τοῦ Β. τετρακόσιοι . . . ἄνδρες (2 a)
— 22. καὶ οἱ πρ. τοῦ ἄλσους –
— 25. εἶπεν Ἠ. τοῖς πρ. τῆς αἰσχύνης (2 a)
— 29. ἐλάλησεν . . . πρὸς τοὺς πρ. τῶν προσοχθισμ. –
— 40. συλλάβετε τοὺς πρ. τοῦ Β. (2 a)
19. 1. ὡς ἀπέκτεινε τοὺς πρ. (2 a)
— 10, 14. τοὺς πρ. σου ἀπέκτειναν (2 a)
— 16. χρίσεις προφήτην (2 a)
21 (20). 13. πρ. εἷς προσῆλθε (2 a)
— 22. προσῆλθεν ὁ πρ. (2 a)
— 35. ἐκ τῶν υἱῶν τῶν πρ. (2 a)
— 38. ἐπορεύθη ὁ πρ. (2 a)
— 41. ὅτι ἐκ τῶν πρ. οὗτος (2 a)
22. 6. συνήθροισεν . . . πάντας τοὺς πρ. (2 a)
— 7. οὐκ ἔστιν ὧδε προφήτης τοῦ κ. (2 a)
— 10, 12. πάντες οἱ προφῆται ἐπροφήτευον (2 a)
— 13. λαλοῦσι πάντες οἱ πρ. . . . καλά (2 a)
— 22. εἰς τὸ στόμα πάντων τῶν πρ. αὐ. (2 a)
— 23. ἐν στόματι πάντων τῶν πρ. σου τούτων (2 a)
IV Ki. 2. 3. ἦλθον οἱ υἱοὶ τῶν πρ. (2 a)
— 3. A εἶπον . . . οἱ υἱοὶ τῶν πρ. [B om. οἱ υἱ. τ. πρ.] –
— 5. ἤγγισαν οἱ υἱοὶ τῶν πρ. (2 a)
— 7. καὶ πεντήκ. ἄνδρες υἱοὶ τῶν πρ. (2 a)
— 15. εἶδον αὐτὸν οἱ υἱοὶ τῶν πρ. (2 a)
3. 11. οὐκ ἔστιν ὧδε προφήτης τοῦ κ. (2 a)
— 13. δεῦρο πρὸς τοὺς πρ. τοῦ πατρός σου (2 a)
— 13. A B καὶ πρὸς τοὺς πρ. τῆς μητρός σου (2 a)
4. 1. γυνὴ μία ἀπὸ τῶν υἱῶν τῶν πρ. (2 a)
— 38. οἱ υἱοὶ τῶν πρ. ἐκάθηντο (2 a)
— 38. ἕψε ἕψεμα τοῖς υἱοῖς τῶν πρ. (2 a)
5. 3. ἐνώπιον τοῦ πρ. τοῦ θεοῦ (2 a)
— 8. ἐστὶ προφήτης ἐν Ἰσραήλ (2 a)
— 13. μέγαν λόγον ἐλάλησεν ὁ πρ. (2 a)
— 22. ἀπὸ τῶν υἱῶν τῶν πρ. (2 a)
6. 1. εἶπον οἱ υἱοὶ τῶν πρ. (2 a)
— 12. Ἑλ. ὁ πρ. ὁ [A Ἑλ. πρ.] ἐν Ἰσρ. (2 a)
9. 1. Ἑλ. ὁ πρ. ἐκάλεσεν ἕνα τῶν υἱῶν τῶν πρ. (2 a, 2 a)
— 4. ἐπορεύθη τὸ παιδάριον ὁ πρ. (2 a)
— 7. τὰ αἵματα τῶν δούλων μου τῶν πρ. (2 a)
10. 19. πάντες οἱ πρ. τοῦ Β. (2 a)
— 21 *bis*. B καὶ πάντες οἱ πρ. αὐτοῦ –
14. 25. ἐν χειρὶ δούλου αὐ. Ἰ. υἱοῦ Ἀμ. τοῦ πρ. (2 a)
17. 13. ἐν χειρὶ πάντων τῶν πρ. αὐτοῦ (2 a)
— 13. ἐν χειρὶ τῶν δούλων μου τῶν πρ. (2 a)
— 23. ἐν χειρὶ πάντων τῶν δούλων αὐ. τῶν πρ. (2 a)
19. 2. ἀπέστειλεν . . . πρὸς Ἡσ. τὸν πρ. (2 a)
20. 1. εἰσῆλθε πρὸς αὐτὸν Ἡσ. . . . ὁ πρ. (2 a)
— 11. ἐβόησεν Ἡσ. ὁ πρ. πρὸς κύριον (2 a)
— 14. εἰσῆλθεν Ἡσ. ὁ πρ. πρὸς τὸν βασ. (2 a)
21. 10. ἐν χειρὶ δούλων αὐτοῦ τῶν πρ. (2 a)
23. 2. καὶ οἱ ἱερεῖς καὶ οἱ πρ. (2 a)
— 18. μετὰ τῶν ὀστῶν τοῦ πρ. (2 a)
24. 2. ἐν χειρὶ τῶν δούλων αὐ. τῶν πρ. (2 a)
I Ch. 10. 13. ἀπεκρίνατο αὐτῷ Σαμ. ὁ πρ. –
16. 22. ἐν [S om.] τοῖς πρ. μου μὴ πονηρεύεσθε (2 a)
17. 1. εἶπε Δ. πρὸς Νάθαν τὸν πρ. (2 a)
26. 28. πάντων τῶν ἁγ. τοῦ θ. [A om. τ. θ.] Σαμ. τοῦ πρ. (3)
29. 29. ἐπὶ λόγων Ν. τοῦ πρ. (2 a)
II Ch. 9. 29. ἐπὶ τῶν λόγων Ν. τοῦ πρ. (2 a)
12. 5. Σαμ. ὁ πρ. ἦλθε πρὸς Ῥ. (2 a)
— 15. ἐν τοῖς λόγοις Σαμ. τοῦ πρ. (2 a)
13. 22. ἐπὶ βιβλίῳ τοῦ πρ. Ἀδδώ (2 a)
15. 8. τὴν προφητείαν Ἀ. τοῦ πρ. (2 a)
16. 7. ἦλθεν Ἀν. ὁ πρ. (3)
— 10. ἐθυμώθη Ἀσὰ τῷ πρ. (3)
18. 5. συνήγαγεν ὁ βασ. Ἰσρ. τοὺς πρ. (2 a)
— 6. οὐκ ἔστιν ὧδε πρ. τοῦ κ. ἔτι (2 a)
— 9, 11. πάντες οἱ πρ. ἐπροφήτευον (2 a)
— 12. ἐλάλησαν οἱ πρ. ἐν στόματι ἑνὶ ἀγαθά (2 a)
— 21. ἐν στόματι πάντων τῶν πρ. αὐτοῦ (2 a)
— 22. ἐν στόματι [A add. πάντων] τῶν πρ. σου τούτων (2 a)
19. 2. Ἰηοὺ ὁ τοῦ Ἀν. ὁ πρ. (1)
20. 20. ἐμπιστεύσατε ἐν προφήτῃ αὐ. (2 a)
21. 12. ἦλθεν . . . παρὰ Ἠ. τοῦ πρ. (2 a)
24. 19. ἀπέστειλε πρὸς αὐτοὺς προφήτας (2 a)
25. 15. ἀπέστειλεν αὐτῷ προφήτας (2 a)
— 16. ἐσιώπησεν ὁ πρ. (2 a)
26. 22. γεγραμμένοι ὑπὸ Ἰ. τοῦ πρ. (2 a)

II Ch. 28. 9. ἐκεῖ ἦν ὁ πρ. τοῦ κυρίου (2 a)
29. 25. B κατὰ τὴν ἐντ. . . . Γὰδ τοῦ πρ. [A R ὁρῶντος τῷ βασ.] καὶ N. τοῦ πρ. (1, 2 a)
— 25. ἐν χειρὶ τῶν πρ. (2 a)
— 30. ἐν λόγοις Δ. καὶ 'Α. τοῦ πρ. (1)
32. 20. προσηύξατο . . . 'Ησ. υἱὸς 'Α. ὁ πρ. (2 a)
— 32. ἐν τῇ προφητείᾳ 'Ησ. υἱοῦ 'Α. τοῦ πρ. (2 a)
35. 15. 'Α. καὶ Αἰ. καὶ 'Ιδ. οἱ πρ. τοῦ βασ. (1)
— 18. ἀπὸ ἡμερῶν Σαμ. τοῦ πρ. (2 a)
36. 5. ἐν χειρὶ τῶν παίδων αὐ. τῶν πρ. –
— 12. ἀπὸ προσώπου 'Ιερ. τοῦ πρ. (2 a)
— 15. A ἐν χειρὶ προφητῶν [R τῶν πρ.] αὐ. [B al.] †
— 16. ἐμπαίζοντες ἐν τοῖς πρ. αὐτοῦ (2 a)
I Es. 1. 20. ἀπὸ τῶν χρόνων Σαμ. τοῦ πρ.
— 28. ῥήμασιν 'Ιερ. προφήτου
— 32. ἐθρήνησεν 'Ιερ. ὁ πρ.
— 47. τῶν ῥηθέντων λόγων ὑπὸ 'Ιερ. τοῦ πρ.
— 51. ἦσαν ἐκπαίζοντες τοὺς πρ. αὐτοῦ
6. 1. 'Αγγαῖος καὶ Ζαχ. . . . οἱ πρ.
— 2. συνόντων τῶν πρ. τοῦ κυρίου
7. 3. προφητευόντων 'Α. καὶ Ζαχ. τῶν πρ.
8. 82. ἐν χειρὶ τῶν παίδων σου τῶν πρ.
II Es. 5. 1. ἐπροφήτευσεν 'Α. ὁ πρ. (2 b)
— 2. μετ' αὐτῶν οἱ πρ. τοῦ θεοῦ (2 b)
6. 14. ἐν προφητείᾳ 'Αγγ. τοῦ πρ. (2 b)
9. 11. ἐν χειρὶ δούλων σου τῶν πρ. (2 a)
Ne. 6. 7. προφήτας ἔστησας σεαυτῷ (2 a)
— 14. A S² R καὶ τῷ N. τῷ πρ. καὶ τοῖς καταλοίποις τῶν πρ. [B S¹ ἱερέων] (†, 2 a)
9. 26. τοὺς πρ. σου ἀπέκτειναν (2 a)
— 30. ἐν χειρὶ προφητῶν σου (2 a)
— 32. ὃς εὗρεν . . . τοὺς πρ. ἡμῶν (2 a)
To. 2. 6. S ἐμνήσθην τοῦ ῥήματος τοῦ πρ. [A B al.]
4. 12. A B υἱοὶ προφητῶν ἐσμέν
14. 4. ὅσα ἐλάλησεν 'Ιωνᾶς ὁ πρ. [S al.]
— 4. S ὅσα ἐλάλησεν οἱ πρ. τοῦ 'Ισρ.
— 5. καθὼς ἐλάλησαν . . . οἱ πρ.
— 8. A B ἃ ἐλάλησεν ὁ πρ. 'Ιωνᾶς
Ps. 50 (51). tit. ἐν τῷ ἐλθεῖν πρὸς αὐτὸν Νάθαν τὸν πρ. (2 a)
73 (74). 9. οὐκ ἔστιν ἔτι προφήτης (2 a)
104 (105). 15. ἐν τοῖς πρ. μου μὴ πονηρεύεσθε (2 a)
Wi. 7. 27. φίλους θεοῦ καὶ προφήτας κατασκευάζει
11. 1. εὐώδωσε τὰ ἔργα αὐ. ἐν χειρὶ προφήτου ἁγίου [A προφητῶν ἁγίων]
Si. prol. 1. πολλῶν καὶ μεγάλων ἡμῖν διὰ . . . τῶν πρ. . . . δεδομένων
— 8. ἑαυτὸν δοὺς εἴς τε τὴν . . . τῶν πρ. . . . ἀνάγνωσιν
36. 21 (18). οἱ πρ. σου ἐμπιστευθήτωσαν
44. 3. S¹ ἀπηγγελκότες ἐν προφήταις [A B S² al.]
46. 13. ἠγαπημένος ὑπὸ κυρίου αὐ. Σαμουὴλ προφήτης κυρίου
— 15. ἐν πίστει αὐτοῦ ἠκριβάσθη προφήτης
48. 1. ἀνέστη 'Ηλίας προφήτης ὡς πῦρ
— 8. ὁ χρίων . . . προφήτας διαδόχους μετ' αὐτόν
— 22. ἃς ἐνετείλατο 'Ησαΐας ὁ πρ. ὁ μέγας
49. 7. αὐτὸς ἐν μήτρᾳ ἡγιάσθη προφήτης
— 10. τῶν δώδεκα πρ. τὰ ὀστᾶ ἀναθάλοι
Ho. 4. 5. ἀσθενήσει προφήτης μετὰ σοῦ (2 a)
6. 6 (5). ἀπεθέρισα τοὺς πρ. ὑμῶν (2 a)
9. 7. ὥσπερ ὁ πρ. ὁ παρεξεστηκώς (2 a)
— 8. προφήτης παγὶς σκολιά (2 a)
12. 10 (11). λαλήσω πρὸς προφήτας (2 a)
— 10 (11). ἐν χερσὶ προφητῶν ὡμοιώθην (2 a)
— 13 (14). ἐν προφήτῃ ἀνήγαγε κ. τὸν 'Ισρ. (2 a)
— 13 (14). ἐν προφήτῃ διεφυλάχθη (2 a)
Am. 2. 11. ἔλαβον ἐκ τῶν υἱῶν ὑμῶν εἰς προφήτας (2 a)
— 12. τοῖς πρ. ἐνετέλλεσθε (2 a)
3. 7. πρὸς τοὺς δούλους αὐ. τοὺς πρ. (2 a)
7. 14. οὐκ ἤμην προφήτης ἐγὼ οὐδὲ υἱὸς προφήτου (2 a, 2 a)
— 15. B ἀνέλαβέ με κύριος ἐκ τῶν πρ. [A R προβάτων] †
Mi. 3. 5. τάδε λέγει κύριος ἐπὶ τοὺς πρ. (2 a)
— 6. δύσεται ὁ ἥλιος ἐπὶ τοὺς πρ. (2 a)
— 11. οἱ πρ. αὐ. μετὰ ἀργυρίου ἐμαντεύοντο (2 a)
Jn. subscr. A 'Ιωνᾶς προφήτης [B S om.] –
Hb. 1. 1. ὃ εἶδεν 'Αμβ. ὁ πρ. (2 a)
3. 1. προσευχὴ 'Αμβ. τοῦ πρ. (2 a)
Ze. 3. 4. οἱ πρ. αὐ. πνευματόφοροι (2 a)
Hg. 1. 1, 3. ἐν χειρὶ 'Α. τοῦ πρ. (2 a)
— 12. καὶ τῶν λόγων 'Α. τοῦ πρ. (2 a)
2. 2 (1). ἐν χειρὶ 'Α. τοῦ πρ. (2 a)
— 11 (10). ἐγένετο λόγος κ. πρὸς 'Α. τὸν πρ. (2 a)
— 21 (20). ἐγένετο λόγος κ. . . . πρὸς 'Α. τὸν πρ. –
Za. 1. 1. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς Ζ. . . . τὸν πρ. (2 a)
— 4. οἷς ἐνεκάλεσαν αὐτοῖς οἱ πρ. ἔμπροσθεν (2 a)
— 5. οἱ πατέρες ὑμῶν ποῦ εἰσι καὶ οἱ πρ. (2 a)
— 6. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι . . . τοῖς δούλοις μου τοῖς πρ. (2 a)
— 7. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ζ. . . . τὸν πρ. (2 a)
7. 3. λέγων . . . πρὸς τοὺς πρ. (2 a)
— 7, 12. ἐν χερσὶ τῶν πρ. τῶν ἔμπροσθεν (2 a)
8. 9. ἐκ στόματος τῶν πρ. (2 a)
13. 4. καταισχυνθήσονται οἱ πρ. (2 a)
— 5. οὐκ εἰμὶ προφήτης ἐγώ (2 a)
Ma. subscr. A S προφήτης ἄγγελος Μαλ. [B al.] –
Is. inscr. A 'Ησαΐας πρ. ιγ [B S al.] –
3. 2. ἀφελεῖ . . . δικαστὴν καὶ προφήτην (2 a)
9. 15 (14). καὶ προφήτην διδάσκοντα ἄνομα (2 a)
28. 7. ἱερεὺς καὶ πρ. ἐξέστησαν (2 a)
29. 10. καμμύσει τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτῶν καὶ τῶν πρ. αὐτῶν (2 a)
30. 10. οἱ λέγοντες τοῖς πρ. (3)
37. 2. πρὸς 'Ησαΐαν υἱὸν 'Αμὼς τὸν πρ. (2 a)
38. 1. ἦλθε πρὸς αὐτὸν 'Ησ. υἱὸς 'Αμὼς ὁ πρ. (2 a)
— 21. S¹ εἶπεν 'Η. ὁ πρ. [A B S² om. ὁ πρ.] –
39. 3. ἦλθεν 'Ησαΐας ὁ πρ. (2 a)
subscr. A 'Ησαΐας πρ. [B S om.] –
Je. 1. 5. προφήτην εἰς ἔθνη τέθεικά σε (2 a)
2. 8. οἱ πρ. ἐπροφήτευον [A -ντο] τῇ Βάαλ (2 a)
— 26. αἰσχυνθήσονται . . . οἱ πρ. αὐ. (2 a)
— 30. μάχαιρα κατέφαγε τοὺς πρ. ὑμῶν (2 a)
4. 9. B S οἱ πρ. θαυμάσονται (2 a)
5. 13. οἱ πρ. ἡμῶν ἦσαν εἰς ἄνεμον (2 a)
— 31. οἱ πρ. προφητεύουσιν ἄδικα (2 a)
7. 25. ἐξαπέστειλα πρὸς ὑμᾶς πάντας τοὺς δούλους μου τοὺς πρ. (2 a)
8. 1. ἐξοίσουσι . . . τὰ ὀστᾶ προφητῶν [A S τῶν πρ. αὐ.] (2 a)
13. 13. πληρῶ . . . τοὺς πρ. . . . μεθύσματι (2 a)
14. 13. οἱ πρ. αὐτῶν προφητεύουσι (2 a)
— 14. ψευδῆ οἱ πρ. προφητεύουσιν (2 a)
— 15. περὶ τῶν πρφφητῶν [B¹ add. τῶν πρ.] τῶν προφητευόντων (2 a, [–])
— 15. ἐν λιμῷ συντελεσθήσονται οἱ πρ. (2 a)
— 18. ἱερεὺς καὶ πρ. ἐπορεύθησαν εἰς γῆν [A ἐπ. ὁδόν] (2 a)
18. 18. οὐκ ἀπολεῖται . . . λόγος ἀπὸ προφήτου (2 a)
23. 6 (9). ἐν τοῖς πρ. (2 a)
— 11. ἱερεὺς καὶ πρ. ἐμολύνθησαν (2 a)
— 13. ἐν τοῖς πρ. Σαμαρείας εἶδον ἀνομήματα (2 a)
— 14. ἐν τοῖς πρ. 'Ιερουσαλὴμ ἑώρακα φρικτὰ μοιχωμένους (2 a)
— 15. ἀπὸ τῶν πρ. 'Ιερουσαλὴμ ἐξῆλθε μολυσμὸς πάσῃ τῇ γῇ (2 a)
— 16. μὴ ἀκούετε τοὺς λόγους τῶν πρ. (2 a)
— 21. οὐκ ἀπέστελλον τοὺς πρ. (2 a)
— 25. ἤκουσα ἃ λαλοῦσιν οἱ πρ. [S al.] (2 a)
— 26. ἕως πότε ἔσται ἐν καρδίᾳ τῶν πρ. (2 a)
— 28. ὁ πρ. ἐν ᾧ τὸ ἐνύπνιόν ἐστι (2 a)
— 30. A S R ἐγὼ διὰ τοῦτο πρὸς τοὺς πρ. (2 a)
— 31. ἐγὼ πρὸς τοὺς πρ. (2 a)
— 32. ἐγὼ πρὸς τοὺς πρ. –
— 33. ἐὰν ἐρωτήσωσίν σε ὁ λαὸς οὗτος ἢ ἱερεὺς ἢ πρ. (2 a)
— 34. ὁ πρ. καὶ οἱ ἱερεῖς [A S ὁ ἱ.] καὶ ὁ λαός (2 a)
25. 4. ἀπέστελλον πρὸς ὑμᾶς τοὺς δούλους μου τοὺς πρ. (2 a)
28 (51). 59. ὃν ἐνετείλατο κ. 'Ιερ. τῷ πρ. (2 a)
33 (26). 5. εἰσακούειν τῶν λόγων [A add. μου καὶ] τῶν παίδων μου τῶν πρ. (2 a)
34 (27). 15. ἀπολεῖσθε ὑμεῖς καὶ οἱ πρ. ὑ. (2 a)
— 16. μὴ ἀκούετε τῶν λόγων τῶν πρ. (2 a)
— 18. εἰ προφῆταί εἰσι (2 a)
35 (28). 8. οἱ πρ. οἱ γεγονότες πρότεροί μου καὶ πρότεροι ὑμῶν (2 a)
— 9. ὁ πρ. ὁ προφητεύσας εἰς εἰρήνην . . . γνώσονται τὸν πρ. (2 a, 2 a)
36 (29). 15. κατέστησεν ἡμῖν κ. προφήτας [A -ην] (2 a)
39 (32). 32. οἱ ἱερεῖς αὐτῶν καὶ οἱ πρ. αὐτῶν (2 a)
42 (35). 15. ἀπέστειλα πρὸς ὑμᾶς τοὺς παῖδάς [A δούλους] μου τοὺς πρ. (2 a)
44 (37). 19. ποῦ εἰσὶν οἱ πρ. ὑμῶν (2 a)
49 (42). 2. προσῆλθον . . . πρὸς [A ἐπὶ] 'Ιερεμίαν τὸν πρ. (2 a)
50 (43). 6. ἔλαβε . . . 'Ιερεμίαν τὸν πρ. (2 a)
51 (44). 4. ἀπέστειλα πρὸς ὑμᾶς τοὺς παῖδάς [A δούλους] μου τοὺς πρ. (2 a)
51. 31 (45. 1). ὃν ἐλάλησεν 'Ιερεμίας ὁ πρ. (2 a)
subscr. 'Ιερεμίας πρ. ιδ [B S al.] –
Ba. 1. 16. αἰσχύνη . . . τοῖς πρ. ἡμῶν
— 21. κατὰ πάντας τοὺς λόγους τῶν πρ.
2. 20. ἐν χειρὶ τῶν παίδων σου τῶν πρ.
— 24. ἐν χερσὶ τῶν παίδων σου τῶν πρ.
La. 2. 9. προφῆται αὐτῆς οὐκ εἶδον ὅρασιν (2 a)
— 14. προφῆταί σου εἶδοσάν σοι μάταια (2 a)
— 20. ἀποκτενεῖς . . . ἱερέα καὶ προφήτην (2 a)
4. 13. ἐξ ἁμαρτιῶν προφητῶν αὐ. (2 a)
— 16. προφήτας [A πρεσβύτας] οὐκ ἠλέησαν †
Ep. Je. subscr. A R 'Ιερεμίας πρ. Βαρουχ Θρῆνοι καὶ Ἐπιστολή [B al.]
Ez. inscr. A 'Ιεζεκιὴλ προφήτης ιε [B al.] –
2. 5. γνώσονται ὅτι πρ. εἶ σύ (2 a)
7. 26. ζητηθήσεται ὅρασις ἐκ προφήτου (2 a)
13. 2. προφητεύσον ἐπὶ τοὺς πρ. τοῦ 'Ισραήλ (2 a)
— 2. A ἐρεῖς τοῖς πρ. (2 a)
— 4. ὡς ἀλώπεκες ἐν ταῖς ἐρήμοις οἱ πρ. σου (2 a)
— 9. ἐκτενῶ τὴν χεῖρά μου ἐπὶ τοὺς πρ. (2 a)
— 16. οὐδὲ οἱ ἀλείφοντες αὐτὸν προφῆται τοῦ 'Ισραήλ (2 a)
14. 4, 7. καὶ ἔλθῃ πρὸς τὸν πρ. (2 a)
— 9. ὁ πρ. ἐὰν πλανήσῃ [A -νηθῇ] . . . ἐγὼ κύριος πεπλάνηκα τὸν πρ. ἐκ. (2 a, 2 a)
— 10. ὁμοίως τῷ πρ. ἔσται (2 a)
22. 28. οἱ πρ. αὐ. ἀλείφοντες αὐτούς (2 a)
33. 33. πρ. ἦν ἐν μέσῳ αὐτῶν (2 a)
38. 17. A R διὰ χειρὸς τῶν δούλων μου τῶν [B om.] πρ. τοῦ 'Ισραήλ (2 a)
subscr. A R 'Ιεζεκιὴλ πρ. [B om.] –
Da. LXX. 3. (38). οὐκ ἔστιν ἐν τῷ καιρῷ τ. . . . πρ.
9. 2. ὅτε ἐγένετο πρόσταγμα . . . ἐπὶ 'Ιερ. τὸν πρ. (2 a)
— 6. οὐκ ἠκούσαμεν τῶν παίδων σου τῶν πρ. (2 a)
— 10. διὰ τῶν παίδων σου τῶν πρ. (2 a)
— 24. συντελεσθῆναι τὰ ὁράματα καὶ προφήτην (2 a)
Da. TH. 3. (38). οὐκ ἔστιν ἐν τῷ καιρῷ τ. . . . πρ.
9. 2. ὃς ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς 'Ιερ. τὸν πρ. (2 a)
— 6. οὐκ εἰσηκούσαμεν τῶν δούλων σου τῶν πρ. (2 a)
— 10. ἐν χερσὶ τῶν δούλων αὐ. τῶν πρ. (2 a)
— 24. τοῦ σφραγίσαι ὅρασιν καὶ προφήτην (2 a)
Bel 33. ἦν 'Αμβ. ὁ πρ. ἐν τῇ 'Ιουδαίᾳ
subscr. A R τέλος Δ. προφήτου [B al.]
I Ma. 4. 46. μέχρι τοῦ παραγενηθῆναι προφήτην
7. 16. S² ὃν ἔγραψεν ὁ πρ. [A S¹ R al.]
9. 27. ἀφ' ἧς ἡμέρας οὐκ ὤφθη προφήτης
— 54. καθεῖλε τὰ ἔργα τῶν πρ.
14. 41. ἕως τοῦ ἀναστῆναι πρ. πιστόν
II Ma. 2. 1. εὑρίσκεται δὲ ἐν ταῖς ἀπογραφαῖς 'Ιερ. ὁ πρ.
— 2. A² R ὡς ἐνετείλατο τοῖς μεταγενομένοις ὁ πρ.
— 4. A² R τὴν κιβωτὸν ἐκέλευσεν ὁ πρ. . . . συνακολουθεῖν
— 13. A τὰ περὶ τῶν βασ. καὶ πρ. βιβλία [R om.]
15. 9. παραμυθούμενος αὐτοὺς ἐκ . . . τῶν πρ.
— 14. 'Ιερ. ὁ τοῦ θεοῦ πρ.
IV Ma. 18. 10. ὃς ἐδίδασκεν ὑμᾶς . . . τοὺς πρ.

[Aq. III Ki. 13. 23 : 14. 2, 18 : 18. 19 : IV Ki. 3. 13 : I Ch. 25. 1 : Je. 6. 13 : 14. 15 : 23. 15 (Sw.) : 26 (33). 7, 8, 11 : 28 (35). 1, 9, 10, 11, 12, 17 : 32 (39). 2 : 37 (44). 3 : 38 (45). 10 : 47 (29). 1 : 50 (27). 1 : 51 (28). 59 : Ez. 13. 2 : Da. 9. 24.]
[Sm. I Ki. 9. 9 : III Ki. 13. 23 : IV Ki. 3. 13 : Je. 26 (33). 7, 8, 11 : 28 (35). 1, 9, 10, 11, 12 *bis*, 17 : 32 (39). 2 : 37 (44). 3 : 47 (29). 1 : Ez. 13. 4.]
[Th. IV Ki. 3. 13 : Je. 8. 10 : 23. 15 (Sw.), 37 : 28 (35). 9, 10, 11, 17 : 29 (36). 19 : 32 (39). 2 : 37 (44). 3 : 38 (45). 9, 10 : Ez. 13. 2, 3, 4 : 22. 25 : Da. 9. 24.]
[Al. I Ki. 28. 15.]
[Sext. Ps. 88 (89). 20.]

προφῆτις. (1) נְבִיאָה

Ex. 15. 20. λαβοῦσα δὲ Μ. ἡ πρ. (1)
Jd. 4. 4. Δεββῶρα γυνὴ πρ. (1)
IV Ki. 22. 14 : II Ch. 34. 22. ἐπορεύθη Χ. . . . πρὸς Ὄλδαν τὴν πρ. (1)
Is. 8. 3. προσῆλθον [A S -εν] πρὸς τὴν πρ. (1)

προφθάνειν. (1) קִדֵּם pi. (2) רוּץ hi.

I Ki. 20. 25. προέφθασε τὸν 'Ιων. †
II Ki. 22. 6. προέφθασάν με σκληρότητες θανάτου (1)
— 19. προέφθασάν με ἡμέραι θλίψεώς μου (1)

IV Ki. 19. 32. οὐ προφθάσει αὐτὸν [A -ἠν] θυρεός (1)
Jb. 30. 27. προέφθασάν με ἡμέραι πτωχείας (1)
Ps. 16 (17). 13. πρόφθασον αὐτούς (1)
17 (18). 5. προέφθασάν με παγίδες θανάτου (1)
— 18. προέφθασάν με ἐν ἡμέρᾳ κακώσεώς μου (1)
20 (21). 3. προέφθασας αὐτὸν ἐν εὐλογίαις (1)
58 (59). 10. τὸ ἔλεος αὐτοῦ προφθάσει με (1)
67 (68). 25. προέφθασαν ἄρχοντες (1)
— 31. Αἰθιοπία προφθάσει χεῖρα αὐ. τῷ θ. (2)
87 (88). 13. ἡ προσευχή μου προφθάσει σε (1)
94 (95). 2. προφθάσωμεν τὸ πρόσωπον αὐτοῦ (1)
118 (119). 147. προέφθασα [S¹ -σάν με] ἐν ἀωρίᾳ (1)
— 148. προέφθασαν οἱ ὀφθαλμοί μου (1)
Si. 19. 27. ὅπου οὐκ ἐπεγνώσθη προφθάσει σε
Jn. 4. 2. προέφθασα τοῦ φυγεῖν (1)
I Ma. 10. 4. προφθάσωμεν τοῦ εἰρήνην θεῖναι
— 23. A R προέφθακεν [S -σεν] ἡμᾶς ὁ Ἀλ.
[Aq. Ps. 16 (17). 13 : Is. 37. 33.]
[Sm. Ps. 16 (17). 13 : 87 (88). 14 : Is. 37. 33.]
[Th. Is. 37. 33.]

προφιλής.
Es. 5. 1. S¹ τὸ πρόσωπον αὐ. ἱλαρὸν ὡς προφιλές [A B S² προσφ.]

προφυλακή. (1) דָּיֵק (2) סָכָךְ (3) קוֹבַע (4) *a.* שְׁמָר *b.* מִשְׁמָר
Ex. 12. 42. προφυλακή ἐστι τῷ κυρίῳ (4 *a*)
— 42. ἐκείνη ἡ νὺξ αὕτη πρ. κυρίῳ (4 *a*)
Nu. 32. 17. ἐνοπλισάμενοι προφυλακήν [A -ή] †
Ne. 4. 22 (16). ἔστω ὑμῖν ἡ νὺξ προφυλακή (4 *b*)
— 23 (17). καὶ οἱ ἄνδρες τῆς πρ. ὀπίσω μου (4 *b*)
7. 3. ἀνὴρ ἐν προφυλακῇ αὐτοῦ (4 *b*)
Ju. 7. 13. παρεμβαλοῦμεν . . . εἰς προφυλακήν [S τὴν πρ.]
10. 11. συνήντησεν αὐτῇ προφυλακὴ τῶν Ἀ.
14. 2. εἰς τὴν πρ. υἱῶν Ἀσσούρ
Na. 2. 5 (6). ἑτοιμάσουσι τὰς πρ. αὐ. (2)
Ez. 23. 24. A βαλεῖ ἐπὶ σὲ προφυλακήν [B *al.*] (3)
26. 8. δώσει ἐπὶ σὲ προφυλακήν (1)
38. 7. ἔσῃ μοι εἰς προφυλακήν (4 *b*)

προφύλαξ. (1) *a.* מִשְׁמָר *b.* מִשְׁמֶרֶת
Ne. 4. 9 (3). καὶ ἐστήσαμεν προφύλακας (1 *a*)
7. 3. στήσον προφύλακας (1 *b*)
I Ma. 12. 27. ἐξέβαλε προφύλακας

προφυλάσσειν. (1) שָׁמַר hithpa.
II Ki. 22. 24. προφυλάξομαι ἀπὸ τῆς ἀνομίας μου (1)
[Aq. Ez. 33. 3.]
[Sm. Ez. 3. 17, 18, 20 : 33. 3.]

προχαλᾶσθαι.
IV Ma. 10. 19. S R προκεχάλασται [A κεχ.] ἡ γλῶσσα

προχειρεῖν, προχειρίζειν. (1) לָקַח (2) שָׁלַח
Ex. 4. 13. προχείρισαι δυνάμενον ἄλλον (2)
Jo. 3. 12. προχειρίσασθε ὑμῖν δώδεκα ἄνδρας (1)
Da. LXX. 3. 22. οἱ ἄνδρες οἱ προχειρισθέντες συμποδίσαντες αὐτούς –
II Ma. 3. 7. R προχειρισάμενος [A -ρησ.] Ἡλιόδωρον
8. 9. ὁ δὲ ταχέως προχειρισάμενος Νικάνορα
14. 12. A προχειρησάμενος [R προσκαλεσάμ.] δὲ εὐθέως τὸν Νικάνορα
[Sm., Th. Pr. 8. 23.]

πρόχειρος.
Pr. 11. 3. πρόχειρος δὲ γίνεται †

πρόχωμα. (1) סֹלְלָה
II Ki. 20. 15. A ἐξέχεαν πρόχωμα [B πρόσχ.] (1)

προχώρημα.
Ez. 32. 6. ποτισθήσεται ἡ γῆ ἀπὸ τῶν πρ. [A χ.] σου †
[Aq., Sm., Th. Ez. 32. 6.]

πρύτανις.
Wi. 13. 2. φωστῆρας οὐρανοῦ πρυτάνεις κόσμου θεοὺς ἐνόμισαν

πρώην. (1) בְּרִאשֹׁנָה
Jo. 8. 5. καθάπερ καὶ πρ. (1)

πρωΐ. (1) *a.* בֹּקֶר *b.* בַּבֹּקֶר *c.* לַבֹּקֶר *d.* לִפְנוֹת הַבֹּקֶר (2) בְּנֶגְהָא (3) שָׁחַר (4) ἕως πρ., ἕως τὸ πρ. *a.* עַד עֲלוֹת הַשַּׁחַר *b.* עַד־בֹּקֶר, עַד־הַבֹּקֶר *c.* עַד־אוֹר הַבֹּקֶר *d.* לַבְּקָרִים (5) τὸ πρὸς πρ. πρ. לִפְנוֹת בֹּקֶר (6) נֶשֶׁף
Ge. 1. 5, 8, 13, 19, 23, 31. καὶ ἐγένετο πρωΐ (1 *a*)
19. 27. ὤρθρισε δὲ Ἀβ. τὸ πρωΐ (1 *b*)
20. 8. ὤρθρισεν Ἀβιμ. τὸ πρωΐ (1 *b*)
21. 14. ἀνέστη δὲ Ἀβ. τὸ πρωΐ (1 *b*)
22. 3. ἀναστὰς δὲ Ἀβ. τὸ πρωΐ (1 *b*)
24. 54. A ἀναστὰς πρωΐ [R τὸ πρ.] (1 *b*)
26. 31. ἀναστάντες τὸ πρωΐ (1 *b*)
28. 18. ἀνέστη Ἰακὼβ τὸ πρωΐ (1 *b*)
29. 25. ἐγένετο δὲ πρωΐ (1 *b*)
31. 55 (32. 1). ἀναστὰς δὲ Λ. τὸ πρωΐ (1 *b*)
32. 24 (25). ἐπάλαιεν ἄνθρ. μετ' αὐτοῦ ἕως πρωΐ (4 *a*)
40. 6. εἰσῆλθεν δὲ πρὸς αὐτοὺς Ἰ. τὸ πρ. (1 *b*)
41. 8. ἐγένετο δὲ πρωΐ (1 *b*)
44. 3. τὸ πρωΐ διέφαυσε (1 *a*)
Ex. 7. 15. βάδισον πρὸς Φ. τὸ πρωΐ (1 *b*)
8. 20 (16) : 9. 13. ὄρθρισον τὸ πρωΐ (1 *b*)
10. 13. τὸ πρωΐ ἐγενήθη (1 *a*)
12. 10. οὐκ ἀπολείψεται . . . ἕως [A εἰς τὸ] πρωΐ (4 *b* [1 *a*])
— 10. τὰ δὲ καταλειπόμ. . . . ἕως πρωΐ (4 *b*)
— 22. οὐκ ἐξελεύσεσθε . . . ἕως πρωΐ (4 *b*)
— 46. A οὐ καταλείψετε . . . εἰς τὸ πρωΐ –
16. 7. πρωΐ ὄψεσθε τὴν δόξαν (1 *a*)
— 8. καὶ ἄρτους τὸ πρ. εἰς πλησμονήν (1 *b*)
— 12. τὸ πρ. πλησθήσεσθε ἄρτων (1 *b*)
— 13. τὸ πρ. ἐγένετο (1 *b*)
— 19. μηδεὶς καταλειπέτω . . . εἰς τὸ πρ. (1 *a*)
— 20. κατέλιπόν τινες . . . εἰς τὸ πρ. (1 *a*)
— 21. A R συνέλεξαν αὐτὸ πρ. πρ. [B *om.*] (1 *b*, 1 *b*)
— 23. καταλείπετε αὐτὸ . . . εἰς τὸ [A ἕως] πρ. (1 *a* [4 *b*])
— 24. A R κατελίποσαν . . . ἕως [B εἰς τὸ] πρ. (4 *b* [1 *a*])
18. 14. A ἀπὸ πρωΐ [B -ἴθεν] ἕως δείλης (1 *a*)
23. 18. οὐδὲ μὴ κοιμηθῇ στέαρ . . . ἕως πρωΐ (4 *b*)
24. 4. ὀρθρίσας δὲ Μ. τὸ πρ. [A¹ *om.* τὸ πρ.] (1 *b*)
27. 21. ἀφ' ἑσπέρας ἕως πρωΐ (4 *b*)
29. 34. ἐὰν δὲ καταλειφθῇ . . . ἕως πρωΐ (4 *b*)
— 39. τὸν ἀμνὸν τὸν ἕνα ποιήσεις τὸ πρ. (1 *b*)
30. 7. θυμιάσει . . . τὸ πρωΐ πρωΐ (1 *b*, 1 *b*)
34. 2. γίνου ἕτοιμος εἰς τὸ πρ. (1 *a*)
— 4. A ὀρθρίσας Μ. τὸ πρ. [B *om.* τὸ πρ.] (1 *b*)
— 25. οὐ κοιμηθήσεται εἰς τὸ πρ. θύματα (1 *a*)
36. 3. A παρὰ τῶν φερόντων τὸ πρ. πρ. [B *om.*] (1 *b*, 1 *b*)
Le. 6. 9 (2). ὅλην τὴν νύκτα ἕως τὸ πρωΐ (4 *b*)
— 12 (5). καύσει . . . ξύλα τὸ πρ. πρ. [A B¹ *om.*] (1 *b*, 1 *b*)
— 20 (13). B τὸ ἥμισυ αὐτῆς τὸ πρ. (1 *b*)
7. 5 (15). οὐ καταλείψουσιν . . . εἰς τὸ πρ. (1 *a*)
19. 13. οὐ μὴ κοιμηθήσεται . . . ἕως πρωΐ (4 *b*)
22. 30. οὐκ ἀπολείψετε . . . εἰς τὸ πρ. (1 *a*)
24. 3. ἀπὸ ἑσπέρας ἕως πρωΐ (4 *b*)
— 4. ἕως εἰς [B¹ *om.*] τὸ [A *om.*] πρ. †
Nu. 9. 12. οὐ καταλείψουσιν . . . εἰς τὸ πρ. (1 *a*)
— 15. ὡς εἶδος πυρὸς ἕως πρωΐ (4 *b*)
— 21. ἀφ' ἑσπέρας ἕως πρωΐ (4 *b*)
— 21. καὶ ἀναβῇ ἡ νεφέλη τὸ πρ. (1 *b*)
14. 40. ὀρθρίσαντες τὸ [B² εἰς τὸ] πρ. (1 *b* [1 *a*])
22. 13, 21. ἀναστὰς Β. τὸ πρ. (1 *b*)
— 41. καὶ ἐγενήθη πρωΐ (1 *b*)
28. 4. τὸν ἀμνὸν τὸν ἕνα ποιήσεις τὸ πρ. (1 *b*)
De. 16. 4. οὐ κοιμηθήσεται . . . εἰς τὸ πρ. (1 *a*)
— 7. ἀποστραφήσῃ τὸ πρ. (1 *b*)
28. 67. τὸ πρ. ἐρεῖς (1 *b*)
— 67. πῶς ἂν γένοιτο πρωΐ (1 *a*)
Jo. 3. 1. ὤρθρισεν Ἰ. τὸ πρ. (1 *b*)
6. 11 (12). ἀνέστη Ἰ. τὸ πρ. (1 *b*)
7. 14. συναχθήσεσθε πάντες τὸ πρ. (1 *b*)
8. 10. ὀρθρίσας Ἰ. τὸ πρ. (1 *b*)
Jd. 6. 28. ὤρθρισαν . . . τὸ πρ. (1 *b*)
— 31. θανατωθήτω [A ἀποθανεῖται] ἕως πρωΐ (4 *b*)
9. 33. καὶ ἔσται τὸ πρ. (1 *b*)
— 35. A καὶ ἐγένετο πρωΐ –
16. 2. A ἕως φωτὸς πρωΐ μείνωμεν [B *al.*] (1 *a*)
19. 5. ὤρθρισαν τὸ πρ. (1 *b*)
Jd. 19. 8. ὤρθρισε τὸ πρ. (1 *b*)
— 25. ἐνέπαιζον . . . ἕως πρωΐ (4 *b*)
— 25. ὡς ἀνέβη τὸ πρ. [A *al.*] (3)
— 26. A ἦλθεν ἡ γυνὴ τὸ πρ. [B πρὸς τὸν ὄρθρον] (1 *d*)
— 27. ἀνέστη ὁ ἀνὴρ αὐ. τὸ πρ. (1 *b*)
20. 19. καὶ ἀνέστησαν . . . τὸ πρ. [A *om.* τὸ πρ.] (1 *b*)
Ru. 3. 13. καὶ ἔσται τὸ πρ. (1 *b*)
— 13. κοιμήθητι ἕως πρωΐ (4 *b*)
— 14. ἐκοιμήθη . . . ἕως πρωΐ (4 *b*)
I Ki. 1. 19. ὀρθρίζουσι τὸ πρ. (1 *b*)
3. 15. κοιμᾶται Σαμ. ἕως πρωΐ (4 *b*)
— 15. ὤρθρισε τὸ πρ. –
5. 4. ὅτε ὤρθρισαν τὸ πρ. (1 *b*)
9. 19. ἐξαποστελῶ σε πρ. (1 *b*)
11. 5. Σ. ἤρχετο μετὰ τὸ πρ. †
15. 12. καὶ ἐπορεύθη . . . πρ. (1 *b*)
17. 20. A ὤρθρισεν Δ. τὸ πρ. (1 *b*)
19. 2. φύλαξαι οὖν αὔριον πρ. (1 *b*)
— 11. τοῦ θανατῶσαι αὐτὸν πρ. (1 *b*)
20. 35. καὶ ἐγενήθη πρωΐ (1 *b*)
25. 22. εἰ ὑπολήψομαι . . . ἕως πρωΐ (4 *c*)
— 34. εἰ ὑπολειφθήσεται . . . ἕως φωτὸς τοῦ πρ. (1 *a*)
— 36. ἕως φωτὸς τοῦ πρ. (1 *a*)
— 37. καὶ ἐγένετο πρωΐ (1 *b*)
29. 10. ὄρθρισον τὸ πρ. (1 *b*)
— 11. A ἀπελθεῖν τὸ πρ. [B *om.* τὸ πρ.] (1 *b*)
II Ki. 11. 14. καὶ ἐγένετο πρ. (1 *b*)
13. 4. τὸ πρ. πρ. οὐκ ἀπαγγέλλεις μοι (1 *b*, 1 *b*)
17. 22. ἕως τοῦ φωτὸς τοῦ πρ. (1 *a*)
23. 4. ἀνατείλαι ἥλιος τὸ πρ. (1 *a*)
24. 11. ἀνέστη Δ. τὸ πρ. (1 *b*)
III Ki. 3. 21. ἀνέστην τὸ πρ. (1 *b*)
— 21. κατενόησα αὐτὸν πρ. [A τὸ πρ.] (1 *b*)
17. 6. ἔφερον αὐτῷ ἄρτους τὸ πρ. (1 *b*)
22. 35. ἀπὸ πρ. ἕως ἑσπέρας –
IV Ki. 3. 20. B καὶ ἐγένετο τὸ [A R *om.*] πρ. (1 *b*)
— 22. ὤρθρισαν τὸ πρ. (1 *b*)
7. 9. μένομεν ἕως φωτὸς τοῦ πρ. (1 *a*)
10. 8. θέτε αὐτὰς βουνοὺς δύο . . . εἰς πρωΐ (1 *a*)
— 9. καὶ ἐγένετο πρ. [A ἐν πρωΐᾳ] (1 *b*)
16. 15. ἔσται μοι εἰς τὸ [A *om.*] πρ. †
19. 35. ὤρθρισαν τὸ πρ. (1 *b*)
I Ch. 9. 27. τὸ πρ. πρ. [S *om.*] ἀνοίγειν τὰς θύρας (1 *c*, 1 *c*)
16. 40. τὸ πρ. καὶ τὸ ἑσπέρας (1 *c*)
23. 30. τοῦ στῆναι πρ. τοῦ αἰνεῖν (1 *b bis*)
II Ch. 2. 4 (3). τὸ πρ. καὶ τὸ δείλης (1 *c*)
13. 11. θυμιῶσι . . . πρ. καὶ δείλης (1 *b bis*)
20. 20. ὤρθρισαν [A *add.* τὸ] πρ. (1 *b*)
35. 12. καὶ οὕτως εἰς τὸ πρ. †
II Es. 3. 3. τὸ πρ. καὶ εἰς ἑσπέραν (1 *c*)
Jb. 1. 5. ἀνιστάμενος τὸ πρ. (1 *b*)
7. 4. ἀπὸ ἑσπέρας ἕως πρ. (6)
— 18. ἢ ἐπισκοπῇν αὐτοῦ ποιήσῃ ἕως [A *om.*] τὸ πρ. [S¹ *al.*] (4 *d* [1 *a*])
24. 17. ὁμοθυμαδὸν αὐτοῖς τὸ πρ. (1 *b*)
Ps. 5. 3. τὸ πρ. εἰσακούσῃ τῆς φωνῆς μου (1 *a*)
— 3. τὸ πρ. παραστήσομαί σοι (1 *a*)
29 (30). 5. καὶ εἰς τὸ πρ. ἀγαλλίασις (1 *a*)
45 (46). 5. A B³ S² βοηθήσει αὐτῇ ὁ θεὸς τῷ [A B³ τὸ] πρὸς πρ. πρ. [B¹ S¹ R προσώπῳ] (5)
48 (49). 14. κατακυριεύσουσιν αὐτῶν οἱ εὐθεῖς τὸ πρ. (1 *c*)
54 (55). 17. ἑσπέρας καὶ πρ. καὶ μεσημβρίας (1 *a*)
58 (59). 16. ἀγαλλιάσομαι τὸ πρ. τὸ ἔλεός σου (1 *c*)
87 (88). 13. τὸ πρ. ἡ προσευχή μου προφθάσει σε (1 *b*)
89 (90). 5. τὸ πρ. ὡσεὶ χλόη παρέλθοι (1 *b*)
— 6. τὸ πρ. ἀνθήσαι καὶ παρέλθοι (1 *b*)
— 14. ἐνεπλήσθημεν τὸ πρ. τοῦ ἐλέους σου (1 *b*)
91 (92). 2. τοῦ ἀναγγέλλειν τὸ πρ. τὸ ἔλεός σου (1 *b*)
142 (143). 8. ἀκουστὸν ποίησόν μοι τὸ πρ. τὸ ἔλεός σου (1 *b*)
Pr. 27. 14. ὃς ἂν εὐλογῇ φίλον τὸ πρ. (1 *b*)
Ec. 10. 16. οἱ ἄρχοντές σου πρωΐ [A ἐν πρωΐᾳ, S πρωΐας] ἐσθίουσι (1 *b*)
11. 6. ἐν τῷ πρωΐ [A S ἐν πρωΐᾳ] σπεῖρον τὸ σπέρμα σου (1 *a*)
Wi. 19. 22. S¹ οὐχ ὑπερεῖδες ἐν παντὶ καιρῷ καὶ τὸ πρωΐ [A B S² τόπῳ] παριστάμενος
Si. 34 (31). 20. ἀνέστη πρωΐ
47. 10. ἀπὸ πρωΐ [A S -ίας] ἠχεῖν τὸ ἁγίασμα
Ho. 7. 6. πρωΐ ἐνεγενήθη [A ἐγ.] (1 *a*)

Am. 4. 4. ἠνέγκατε εἰς τὸ πρ. θυσίας ὑμῶν (1 a)
5. 8. ἐκτρέπων εἰς τὸ πρ. σκιάν (1 a)
8. 4. οἱ ἐκτρίβοντες εἰς τὸ πρ. πένητα –
Ze. 3. 3. οὐχ ὑπελίποντο εἰς τὸ πρ. (1 a)
— 5. πρ. πρ. δώσει κρίμα αὐτοῦ (1 b, 1 b)
Is. 5. 11. οὐαὶ οἱ ἐγειρόμ. τὸ πρ. (1 b)
14. 12. ὁ ἑωσφόρος ὁ πρ. ἀνατέλλων (3)
17. 11. τὸ δὲ πρ. ἐὰν σπείρῃς [A φυτεύσῃς] (1 b)
— 14. πρὶν ἢ πρ. καὶ οὐκ ἔσται (1 a)
21. 12. φυλάσσω τὸ πρ. καὶ τὴν νύκτα (1 a)
28. 19. πρ. πρ. παρελεύσεται ἡμέρας (1 b, 1 b)
37. 36. ἀναστάντες τὸ [S om.] πρ. (1 b)
38. 13. παρεδόθην ἕως πρ. ὡς λέοντι (4 b)
50. 4. ἔθηκέ μοι [A add. τὸ] πρ. [S³ add. πρ.] (1 b, [1 b])
Je. 20. 16. ἀκουσάτω κραυγῆς τὸ πρ. (1 b)
21. 12. κρίνατε [S add. τὸ] πρ. κρίμα (1 c)
31 (48). 33. πρ. οὐκ ἐπάτησαν †
Ez. 12. 8. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μὲ τὸ πρ. (1 b)
24. 18. ἐλάλησα πρὸς τὸν λαὸν τὸ πρ. (1 b)
— 18. καὶ ἐποίησα τὸ πρ. (1 b)
33. 22. B² R ὡς [A B¹ ἕως] ἦλθε πρὸς μὲ τὸ πρ. (1 b)
46. 13. πρ. ποιήσει αὐτόν (1 b)
— 14. τὸ πρ. ἕκτον τοῦ μέτρου (1 b bis)
— 15. τὸ ἔλαιον ποιήσετε τὸ [A om.] πρ. (1 b bis)
Da. LXX. 4. 15. ἀναστὰς τὸ πρ. ἐκ τῆς κοίτης μου –
— 30. ἕως δὲ πρ. πάντα τελεσθήσεται †
6. 16 (17). ἕως πρωῒ θάρρει –
— 19 (20). ὁ βασ. Δ. ὤρθρισε πρ. (2)
8. 14. ἕως ἑσπέρας καὶ πρ. (1 a)
— 26. τὸ ὅραμα τὸ ἑσπέρας καὶ πρ. (1 a)
Da. TH. 6. 19 (20). ὁ βασ. ἀνέστη τὸ πρ. (2)
8. 14. ἕως ἑσπέρας καὶ πρ. (1 a)
Bel 12. ἐλθὼν πρ. ἐὰν μὴ εὕρῃς
— 16. A R ὤρθρισεν ὁ βασ. τὸ [B om.] πρ.
I Ma. 3. 58. γίνεσθε ἕτοιμοι εἰς τὸ [S¹ om.] πρ.
4. 52. ὤρθρισαν τὸ πρ.
6. 33. ὤρθρισεν ὁ βασ. τὸ πρ.
11. 67. ὤρθρισαν τὸ πρ.
12. 29. οὐκ ἔγνωσαν ἕως πρ.
16. 5. ἀναστάντες τὸ πρ.
[Aq. III Ki. 17. 6: Is. 50. 4 (ἐν πρ.).]
[Sm. III Ki. 17. 6: Ps. 45 (46). 6 bis (P.): Is. 50. 4.]
[Th. III Ki. 17. 6: Jb. 24. 17: Ps. 45 (46). 6 bis: 109 (110). 3: Is. 38. 13.]

πρωΐθεν. (1) בֹּקֶר
Ex. 18. 13. ἀπὸ πρ. ἕως δείλης (1)
— 14. ἀπὸ πρ. [A πρωῒ] ἕως δείλης (1)
Ru. 2. 7. ἀπὸ πρ. καὶ ἕως ἑσπέρας (1)
II Ki. 2. 27. B ἐκ πρ. [A R -ϊόθεν] ἀνέβη ὁ λαός (1)
24. 15. ἀπὸ πρ. ἕως ὥρας [A om.] ἀρίστου (1)
III Ki. 18. 26. ἐκ πρ. ἕως μεσημβρίας (1)
Jb. 4. 20. ἀπὸ πρ. μέχρι [A S ἕως] ἑσπέρας (1)
Si. 18. 26. ἀπὸ πρ. ἕως ἑσπέρας μεταβάλλει καιρός
I Ma. 9. 13. A R ἀπὸ πρ. ἕως [S μέχρι] ἑσπέρας
10. 80. ἐκ πρ. ἕως δείλης

πρώϊμος, πρόϊμος. (1) בַּכּוּרָה (2) a. יָרֶה hi. b. יוֹרֶה (3) בְּרֵאשִׁית (4) כַּשַּׁחַר
De. 11. 14. δώσει τὸν ὑετὸν . . . πρ. (2 b)
Ho. 6. 4 (3). ἥξει ὡς ὑετὸς ἡμῖν πρ. (2 b?)
9. 10. ὡς σκοπὸν ἐν συκῇ πρώϊμον (3)
Jl. 2. 23. βρέξει ὑμῖν ὑετὸν πρ. (2 a)
Za. 10. 1. αἰτεῖσθε . . . ὑετὸν . . . πρώϊμον –
Is. 58. 8. ῥαγήσεται πρώϊμον τὸ φῶς σου (4)
Je. 5. 24. τὸν διδόντα ἡμῖν ὑετὸν πρώϊμον (2 b)
24. 2. ὡς τὰ σῦκα τὰ πρ. (1)
[Aq. Ps. 83 (84). 7.]
[Sm. Ge. 30. 41: Jb. 18. 13: Ec. 11. 6.]
[Th. Jb. 18. 13: Is. 28. 4.]
[Al. Ex. 23. 15: 34. 18: Nu. 13. 21 (20).]

πρωϊνός, προϊνός. (1) בֹּקֶר (2) τὸ πρ. בַּבֹּקֶר
Ge. 49. 27. τὸ πρ. ἔδεται ἔτι (2)
Ex. 29. 41. κατὰ τὴν θυσίαν τὴν πρ. (1)
Le. 9. 17. χωρὶς τοῦ ὁλοκαυτώματος τοῦ πρ. (1)
Nu. 28. 23. πλὴν τῆς ὁλοκαυτώσεως . . . τῆς πρ. (1)
I Ki. 11. 11. A ἐν φυλακῇ τῇ πρ. [B ἑωθινῇ] (1)
IV Ki. 16. 15. πρόσφερε τὴν ὁλοκαύτωσιν τὴν πρ. (1)
II Ch. 31. 3. εἰς τὰς ὁλοκαυτ. τὴν πρ. καὶ τὴν δειλινήν [A¹ al.] (1)
I Es. 1. 11. καὶ οὕτως τὸ πρ.
5. 50. ὁλοκαυτώματα . . . τὸ πρ. καὶ τὸ δειλινόν
Jb. 38. 12. ἢ ἐπὶ σοῦ συντέταχα φέγγος πρωϊνόν (1)
Ho. 6. 5 (4). τὸ δὲ ἔλεος ὑμῶν ὡς νεφέλη πρ. (1)
13. 3. ἔσονται ὡς νεφέλη πρ. (1)
Da. TH. 8. 26. A ἡ ὅρασις τῆς ἑσπέρας καὶ τῆς πρ. [B -ΐας] (1)
[Sm. PR. 11. 25.]

πρωϊόθεν. (1) בֹּקֶר
II Ki. 2. 27. A R ἐκ πρ. [B -ΐθεν] ἀνέβη ὁ λαός (1)

πρῴϊος (*incl.* πρωΐα). (1) a. בֹּקֶר b. לַבֹּקֶר c. בַּבֹּקֶר
II Ki. 23. 4. A B ἐν θεῷ φωτὶ [R φ. θεοῦ] πρωΐας (1 a)
IV Ki. 10. 9. A καὶ ἐγένετο ἐν πρωΐᾳ [B ἐγ. πρωΐ] (1 a)
Ps. 64 (65). 8. ἐξόδους πρωΐας καὶ ἑσπέρας (1 a)
72 (73). 14. ὁ ἔλεγχός μου εἰς τὰς πρ. (1 a)
100 (101). 8. εἰς τὰς πρ. ἀπέκτενον πάντας τοὺς ἁμαρτωλοὺς τῆς γῆς (1 a)
129 (130). 6. S² ἀπὸ φυλακῆς πρ. ἐλπισάτω Ἰσρ. (1 b)
— 6. ἀπὸ φυλακῆς πρ. μέχρι νυκτός (1 b)
— 7. A ἀπὸ φυλακῆς πρ. –
Ec. 10. 16. S οἱ ἄρχοντές σου πρωΐας [A ἐν πρωΐᾳ, B πρωΐ] ἐσθίουσι (1 c [1 a])
11. 6. A S ἐν πρωΐᾳ [B ἐν τῷ πρωΐ] σπεῖρον τὸ σπέρμα σου (1 a)
Si. 47. 10. A S ἀπὸ πρωΐας [B πρωΐ] ἠχεῖν [S² φωνῇ ἡ.] τὸ ἁγίασμα
La. 3. 22 (23). R μῆνας εἰς τὰς πρ. ἐλέησον (1 a)
— 23. R καινὰ εἰς τὰς πρ. (1 a)
Da. TH. 8. 26. ἡ ὅρασις τῆς ἑσπέρας καὶ τῆς πρ. [A -ινῆς] (1 a)
III Ma. 5. 24. προσδοκῶντα τὴν πρ. μετὰ σπουδῆς
[Aq. Jb. 7. 18: Ps. 45 (46). 6: 89 (90). 14: 129 (130). 6: Is. 33. 2: Ho. 7. 6.]
[Sm. Ps. 89 (90). 14: Is. 58. 8.]
[Th. Ps. 89 (90). 14: Is. 33. 2.]

πρωρεύς. (1) a. חֹבֵל b. רַב הַחֹבֵל
Jn. 1. 6. προσῆλθε πρὸς αὐτὸν ὁ πρ. (1 b)
Ez. 27. 29. οἱ πρ. τῆς θαλάσσης ἐπὶ τὴν γῆν [A τῆς γ.] στήσονται (1 a)

πρωταγωνιστής.
I Ma. 9. 11. καὶ οἱ πρ. πάντες οἱ δυνατοί
II Ma. 15. 30. ὁ . . . πρ. ὑπὲρ τῶν πολιτῶν

πρώταρχος.
II Ma. 10. 11. Φοινίκης στρατηγὸν πρώταρχον

πρωτεῖος.
[Sm. Jb. 22. 24: 28. 16: Ps. 44 (45). 10: 77 (78). 51: Ca. 5. 13.]

πρωτεύειν. (1) ποιεῖν πρωτεύειν a. גָּדַל pi. b. נָשָׂא pi.
Es. 5. 11. ὡς ἐποίησεν αὐτὸν πρ. [A πρῶτον] (1 a + 1 b)
II Ma. 6. 18. Ἑλ. τις τῶν πρωτευόντων γραμματέων ἀνήρ
13. 15. τὸν πρωτεύοντα τῶν ἐλεφάντων . . . συνέθηκε
[Aq. Za. 4. 7.]

πρώτιστος.
[Al. Dt. 21. 2.]

πρωτοβαθρεῖν. (1) שׂוּם אֶת־כִּסְאוֹ מֵעַל
Es. 3. 1. ἐπρωτοβάθρει πάντων τῶν φίλων αὐ. (1)

πρωτοβολεῖν. (1) בָּכַר pi.
Ez. 47. 12. τῆς καινότητος αὐτοῦ πρωτοβολήσει (1)

πρωτογενής. (1) בְּכוֹר
Ex. 13. 2. πᾶν πρωτότοκον πρ. (1)
Pr. 24. 70 (31. 2). πρωτογενές σοὶ λέγω, υἱέ –

πρωτογεννᾶν.
[Al. Ez. 47. 12 (Sw.).]

πρωτογέννημα, προτογένημα. (1) בְּכוּרִים (2) רֵאשִׁית
Ex. 23. 16. ἑορτὴν θερισμοῦ πρωτογεννημάτων (1)
— 19. τὰς ἀπαρχὰς τῶν πρ. τῆς γῆς σου (1)
34. 26. τὰ πρ. τῆς γῆς σου (2 + 1)
Le. 2. 14. θυσίαν πρωτογεννημάτων τῷ κ. (1)
— 14. τὴν θυσίαν τῶν πρ. (1)
23. 17. πρωτογεννημάτων τῷ κυρίῳ (1)
— 19. μετὰ τῶν ἄρτων τοῦ πρ. –
Le. 23. 20. μετὰ τῶν ἄρτων τοῦ πρ. (1)
Nu. 18. 13. τὰ πρ. πάντα ὅσα ἐν τῇ γῇ αὐ. (1)
IV Ki. 4. 42. ἤνεγκε . . . πρωτογεννημάτων εἴκοσι ἄρτους (1)
Ne. 10. 35 (36). ἐνέγκαι τὰ πρ. τῆς γῆς ὑμῶν καὶ πρ. καρποῦ (1, 1)
To. 1. 6. S καὶ τὰ πρ.
Si. 45. 20. ἀπαρχὰς πρωτογεννημάτων ἐμέρισεν αὐτοῖς
Ez. 44. 30. τὰ πρ. ὑμῶν δώσετε τῷ ἱερεῖ (2)
48. 14. οὐδὲ ἀφαιρεθήσεται τὰ πρ. τῆς γῆς (2)
I Ma. 3. 49. ἤνεγκαν . . . τὰ πρ.
[Aq. Ex. 34. 22: Is. 28. 4.]
[Sm., Th. Ex. 34. 22.]

πρωτόγονος. (1) בְּכוֹרָה
Si. 36. 17 (14). ὃν πρωτογόνῳ [S² -τόκῳ] ὡμοίωσας
Mi. 7. 1. τοῦ φαγεῖν τὰ πρ. (1)

πρωτοκλίσιον (-κλής.).
II Ma. 4. 21. R διὰ τὰ πρ. [A -κλήσια] Πτολεμαίου

πρωτοκουρά, πρωτοκουρία, πρωτοκυρία.
To. 1. 6. S καὶ τὰς πρ. τῶν προβ. [A -κυρίας, R -κουρίας, B προκουρίας] ἔχων

πρωτολογία. (1) κατήγορος ἐν πρωτολογίᾳ רִאשׁוֹן בָּרִיב
Pr. 18. 17. δίκαιος ἑαυτοῦ κατήγορος ἐν πρωτολογίᾳ (1)

πρῶτον (*adv.*). (1) רִאשׁוֹן
I Ki. 2. 16. θυμιαθήτω πρῶτον . . . τὸ στέαρ –
14. 12. A ἀπεκρίθησαν . . . πρῶτον [B πρὸς] Ἰ. †
To. 4. 12. A B γυναῖκα πρ. λάβε
6. 17. S ἐξεγέρθητε πρ. [A B al.]
Si. 11. 7. νόησον πρῶτον καὶ τότε ἐπιτίμα
23. 23. πρῶτον μὲν γὰρ . . . ἠπείθησε
Is. 9. 1 (8. 23). τοῦτο πρ. τάχυνε (1?)
11. 14. ἐπὶ Μωὰβ πρ. τὰς χεῖρας ἐπιβαλοῦσιν –
28. 25. A πρ. [B S τότε] σπείρει μικρὸν μελάνθιον –
43. 26. S λέγε σὺ τὰς ἀνομίας σου πρῶτον [A B -ος] –
II Ma. 10. 24. A ὁ πρ. [R πρότερον] ἡττηθεὶς ὑπὸ τῶν Ἰ.
14. 8. πρ. μὲν ὑπὲρ τῶν ἀνηκόντων τῷ βασ.
IV Ma. 1. 30. ἐπιθεώρει γε τοίνυν πρ.
6. 2. πρ. μὲν περιέδυσαν τὸν γεραιόν
[Aq., Th. Is. 65. 7: Je. 16. 18.]
[Sm. Is. 65. 7.]
[Heb. Ez. 47. 8 (Sw.).]

πρωτόπλαστος.
Wi. 7. 1. γηγενοῦς ἀπόγονος [S¹ -ον] πρωτοπλάστου
10. 1. αὕτη πρωτόπλαστον πατέρα κόσμου . . . διεφύλαξε

πρῶτος. (1) a. אֶחָד b. חַד (2) a. קֶדֶם b. קַדְמֹנִי c. קַדְמַי d. קֶדֶם (3) a. רִאשׁוֹן, רִאשׁוֹן b. בָּרִאשׁוֹנָה c. רֹאשׁ d. רֵאשִׁית e. רִישׁוֹן f. רִאישׁוֹן (4) בַּתְּחִלָּה (5) ὁ μὴν ὁ πρ., ὁ πρ. μήν רִאשׁוֹן (6) ἐν πρώτοις רִאשׁוֹנָה (7) ποιεῖν αὐτὸν πρῶτον a. גָּדַל pi. b. נָשָׂא pi. (8) ἐκ πρώτου לְפָנִים
Ge. 8. 5. τῇ πρ. τοῦ μηνός (1 a)
— 13. τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (5)
32. 17 (18). ἐνετείλατο τῷ πρ. (3 a)
— 19 (20). ἐνετείλατο τῷ πρ. –
33. 2. ἐποίησεν τὰς δύο παιδίσκας . . . ἐν πρώτοις (6)
41. 20. κατέφαγον . . . τὰς ἑπτὰ βόας τὰς πρ. (3 a)
Ex. 4. 8. τῆς φωνῆς τοῦ σημείου τοῦ πρ. (3 a)
12. 2. πρῶτός ἐστιν ὑμῖν ἐν τοῖς μησί (3 a)
— 15. ἀπὸ δὲ τῆς ἡμέρας τῆς πρ. (3 a)
— 15. ἀπὸ τῆς ἡμέρας τῆς πρ. (3 a)
— 16. ἡ ἡμέρα ἡ πρ. κληθήσεται ἁγία (3 a)
— 18. τῇ τεσσαρεσκαιδεκ. ἡμ. τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (5)
34. 1. δύο πλάκας λιθ. καθὼς καὶ αἱ πρ. (3 a)
— 1. ἐν [A ἐπὶ] ταῖς πλαξὶ ταῖς πρ. (3 a)
— 4. δύο πλάκας λιθ. καθάπερ καὶ αἱ πρ. (3 a)
40. 2. ἐν ἡμέρᾳ μιᾷ [A om.] τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (3 a)
— 17. ἐν τῷ μηνὶ τῷ πρ. (3 a)
Le. 9. 15. καθὰ καὶ τὸ πρ. (3 a)

Le. 23. 5. ἐν τῷ πρ. μηνί (3 a)
— 7. ἡ ἡμέρα ἡ πρ. κλητὴ ἁγία ἔσται (3 a)
— 11. τῇ ἐπαύριον τῆς πρ. †
— 35. ἡ ἡμέρα ἡ πρ. κλητὴ ἁγία (3 a)
— 39. τῇ ἡμέρᾳ τῇ πρ. ἀνάπαυσις (3 a)
— 40. AB[1] λήψεσθε τῇ [B[2]R τῇ ἡμέρᾳ τῇ] πρ. (3 a)
Nu. 2. 3. A R οἱ παρεμβάλλοντες πρῶτοι [B κατὰ νότον] (2 d)
— 9. πρῶτοι ἐξαροῦσι [A ἀναζεύξουσιν] (3 a)
7. 12. ὁ προσφέρων ἐν τῇ ἡμ. τῇ πρ. (3 a)
9. 1. ἐν τῷ μηνὶ τῷ πρ. (3 a)
— 3. τῇ τεσσαρεσκαιδεκ. ἡμ. τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. †
10. 13. ἐξῆραν πρῶτοι διὰ φωνῆς κυρίου (3 b)
— 14. ἐξῆραν . . . πρῶτοι σὺν δυνάμει αὐτῶν (3 b)
20. 1 : 28. 16. ἐν τῷ μηνὶ τῷ πρ. (3 a)
28. 18. ἡ ἡμέρα ἡ πρ. ἐπίκλητος ἁγ. ἔσται (3 a)
29. 13. τῇ ἡμέρᾳ τῇ πρ. μόσχους –
33. 3. τῷ μηνὶ τῷ πρ. τῇ πεντεκαιδεκάτῃ ἡμ. τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (3 a, 3 a)
De. 10. 1. δύο πλάκας λιθ. ὥσπερ [A ὑπὲρ] τὰς πρ. (3 a)
— 2. ἃ ἦν ἐν ταῖς πλαξὶ ταῖς πρ. (3 a)
— 3. τὰς πλάκας λιθ. ὡς αἱ πρ. (3 a)
— 4. κατὰ τὴν γραφὴν τὴν πρ. (3 a)
13. 9 (10). αἱ χεῖρές σου ἔσονται ἐπ' αὐτὸν ἐν πρώτοις (3 a)
16. 4. τῇ ἡμέρᾳ τῇ πρ. (3 a)
17. 7. ἡ χεὶρ τῶν μαρτ. ἔσται ἐπ' αὐτῷ ἐν πρώτοις (3 a)
Jo. 4. 19. δεκάτῃ τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (3 a)
9. 1 (8. 33). εὐλογῆσαι τὸν λαὸν ἐν πρώτοις (3 a)
15. 21. A πόλις πρ. φυλῆς υἱῶν Ἰ. [B al.] †
18. 11. ἐξῆλθεν ὁ κλῆρος φυλῆς B. [A M.] πρ. –
Jd. 20. 22. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ πρ. (3 a)
— 32. ὡς τὸ πρ. [A καθὼς ἔμπροσθεν] (3 b)
— 39. ὡς ἡ παράταξις ἡ πρ. [A al.] (3 a)
Ru. 3. 10. τὸ ἔλεός σου τὸ ἔσχατον ὑπὲρ τὸ πρ. (3 a)
I Ki. tit. βασιλειῶν πρῶτη
9. 22. ἐν πρώτοις τῶν κεκλημένων (3 c)
14. 14. ἐγενήθη ἡ πληγὴ ἡ πρ. (3 a)
15. 12. τὰ πρ. [A πρόβατα] τῶν σκύλων –
— 21. τὰ πρ. τοῦ ἐξολεθρεύματος (3 d)
17. 30. A κατὰ τὸ ῥῆμα τοῦ πρ. (3 a)
II Ki. 13. 15. B μείζων ἡ κακία ἡ ἐσχ. ἢ ἡ πρ. –
16. 23. ἐν ταῖς ἡμέραις ταῖς πρ. †
18. 27. ὁρῶ τὸν δρόμον τοῦ πρ. (3 a)
19. 43 (44). οὐκ ἐλογίσθη ὁ λόγος μου πρ. μοι (3 a)
20. 18. λόγον ἐλάλησαν ἐν πρώτοις (3 a)
21. 9. ἐθανατώθησαν . . . ἐν πρώτοις (3 a)
24. 25. μικρὸν ἦν ἐν πρώτοις –
III Ki. 2. 35. εἰς ἱερέα πρ. ἀντὶ Ἀβ. –
3. 1. τὸν οἶκον κυρίου ἐν πρώτοις –
16. 23. ἐν τῷ ἔτει τῷ τριακοστῷ καὶ πρ. (1 a)
17. 13. ποίησόν μοι . . . ἐν πρώτοις (3 a)
18. 25. καὶ ποιήσατε πρῶτοι (3 a)
21 (20). 9. πάντα . . . ἐν πρώτοις [A om. ἐν πρ.] ποιήσω (3 a)
— 17. καὶ ἐξῆλθον . . . ἐν πρώτοις (3 a)
IV Ki. 1. 14. τοὺς δύο πεντηκοντάρχους τοὺς πρ. (3 a)
25. 18. τὸν Σαραίαν ἱερέα τὸν πρ. (3 c)
I Ch. 11. 6. πᾶς τύπτων Ἰεβ. ἐν πρώτοις (3 a)
— 6. ἀνέβη ἐπ' αὐτὴν ἐν πρώτοις Ἰωάβ (3 a)
— 11. πρῶτος [A πρωτότοκος] τῶν τριάκοντα (3 c)
12. 15. ἐν τῷ μηνὶ τῷ πρ. (3 a)
18. 17. υἱοὶ Δ. οἱ πρ. διάδοχοι τοῦ βασ. (3 a)
24. 7 : 25. 9. ἐξῆλθεν ὁ κλῆρος [A ὁλόκλ.] ὁ πρ. (3 a)
25. 28. ὁ εἰκοστὸς [A add. καὶ] πρ. Ὠ. (1 a)
27. 2. ἐπὶ τῆς διαιρέσεως τῆς πρ. τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (3 a, 3 a)
— 3. ἄρχων . . . τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (3 a)
— 33. καὶ Χ. ὁ πρ. φίλος τοῦ βασ. †
29. 21. τῇ ἐπαύριον τῆς πρ. ἡμέρας †
II Ch. 3. 3. A[1] B ἡ διαμέτρησις ἡ πρ. (3 a)
9. 29. οἱ κατάλοιποι λόγοι Σ. οἱ πρ. (3 a)
12. 15. λόγοι Ῥ. οἱ πρ. (3 a)
16. 11. οἱ λόγοι Ἀσὰ οἱ πρ. (3 a)
17. 3. ἐν ὁδοῖς τοῦ πατρὸς αὐ. ταῖς πρ. (3 a)
20. 34. οἱ λοιποὶ λόγοι Ἰωσ. οἱ πρ. (3 a)
25. 26. οἱ λοιποὶ λόγοι Ἀμ. οἱ πρ. (3 a)
26. 20. ἐπέστρεψε . . . ὁ ἱερεὺς ὁ πρ. (3 c)
— 22. οἱ λοιποὶ λόγοι Ὀζ. οἱ πρ. (3 a)
27. 5. ἐν τῷ πρ. ἔτει –
28. 26. καὶ αἱ πράξεις αὐτοῦ αἱ πρ. (3 a)
29. 3. ἐν τῷ πρ. μηνί (3 a)
II Ch. 29. 17. τῇ ἡμέρᾳ τῇ πρ. [B[1] τρίτῃ] νουμηνίᾳ τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (1 a, 3 a)
— 17. τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (3 a)
35. 1. τῇ τεσσαρεσκαιδεκάτῃ τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (3 a)
— 27. οἱ λόγοι αὐ. οἱ πρ. (3 a)
36. 22. A R ἔτους πρ. Κύρου [B om.] βασ. Περσῶν (1 a)
I Es. 1. 1. τῇ τεσσαρεσκαιδ. ἡμ. τοῦ μηνὸς τοῦ πρ.
2. 1. βασιλεύοντος Κ. Περσῶν ἔτους πρ.
3. 17. ἤρξατο ὁ πρ.
5. 6. μηνὶ Νισὰν τοῦ πρ. μηνός
— 47. εἰς τὸ εὐρύχωρον τοῦ πρ. πυλῶνος
— 53. B ἀπὸ τῆς νουμηνίας τοῦ πρ. [A R ἑβδ.] μηνός
6. 17. ἐν δὲ τῷ πρ. ἔτει βασιλεύοντος Κύρου
— 24. ἔτους πρ. βασιλεύοντος Κύρου
7. 10. ἐν τῇ τεσσαρεσκαιδεκάτῃ τοῦ πρ. μηνός
8. 2. A R τοῦ Ἀαρὼν τοῦ ἱερέως τοῦ πρ. [B τ. πρ. ἱ.]
— 6. τῇ νουμηνίᾳ τοῦ πρ. μηνός
— 61. τῇ δωδεκάτῃ τοῦ πρ. [A om.] μηνός
9. 17. ἕως τῆς νουμηνίας τοῦ πρ. μηνός
II Es. 1. 1. ἐν τῷ πρ. ἔτει Κύρου (1 a)
3. 12. οἱ εἴδοσαν τὸν οἶκον τὸν πρ. (3 a)
5. 13 : 6. 3. ἐν ἔτει πρ. Κύρου (1 b)
6. 19. τῇ τεσσαρεσκαιδ. τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (3 a)
7. 5. R υἱοῦ Ἀαρὼν τοῦ ἱερέως τοῦ πρ. [A B πατρῴου] (3 c)
— 9. ἐν μιᾷ τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. [A al.] (3 a)
— 9. ἐν δὲ τῇ πρ. τοῦ μηνὸς τοῦ πέμπτου [A al.] (1 a)
8. 31. ἐν τῇ δωδεκάτῃ τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (3 a)
10. 17. ἕως ἡμέρας μιᾶς τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (3 a)
Ne. 5. 15. τὰς βίας τὰς πρ. ἃς . . . ἐβάρυναν (3 a)
7. 5. οἱ ἀνέβησαν ἐν πρώτοις (3 a)
8. 18. ἀπὸ τῆς ἡμέρας τῆς πρ. (3 a)
12. 46. Ἀσὰφ . . . πρῶτος τῶν ᾀδόντων (3 c*, †)
To. 5. 9. S ἐχαιρέτισεν αὐτὸν Τ. πρῶτος
7. 1. S ἐχαιρέτισαν αὐτὸν πρῶτοι [A B al.]
14. 5. S οὐχ ὡς τὸν πρ. [A B οἷος ὁ πρότερος]
Ju. 2. 1. δευτέρᾳ καὶ εἰκάδι τοῦ πρ. μηνός
Es. 1. 14. οἱ πρ. παρακαθήμ. τῷ βασιλεῖ (3 a)
3. 7. S[2] ἐν τῷ μηνὶ τῷ πρ. (3 a)
— 12. ἐκλήθησαν . . . μηνὶ πρώτῳ (3 a)
5. 11. A ὡς ἐποίησεν αὐτὸν πρῶτον [B S πρωτεύειν] (7 a + 7 b)
8. 9. ἐν τῷ πρ. [S[2] τρίτῳ] μηνί †
Jb. 8. 7. ἔσται οὖν τὰ μὲν πρ. σου ὀλίγα (3 d)
— 8. ἐπερώτησον γὰρ [A om., S δὲ] γενεὰν πρώτην (3 e*, 3 a)
15. 7. B S μὴ πρῶτος ἀνθρώπων [A -ος] ἐγενήθης [A R ἐγεννήθης] (3 f*, 3 a)
18. 20. πρώτους δὲ ἔσχε θαῦμα (2 b)
23. 8. R εἰ γὰρ πρῶτος [B S εἰς γὰρ πρῶτα] πορεύσομαι [A ἐὰν γὰρ πορευθῶ εἰς τὰ πρ.] (2 a)
42. 11. ὅσοι ᾔδεισαν αὐτὸν ἐκ πρώτου [A al.] (8)
— 14. ἐκάλεσε τὴν μὲν πρ. Ἡμέραν (1 a)
— 17. πρῶτος Βαλὰκ ὁ τοῦ Βεώρ
Ps. 70 (71). tit. καὶ τῶν πρ. αἰχμαλωτισθέντων –
Pr. 20. 21. μερὶς ἐπισπουδαζομένη ἐν πρώτοις (3 a)
26. 18. ὁ δὲ ἀπαντήσας τῷ λόγῳ πρῶτος ὑποσκελισθήσεται †
Ec. 1. 11. οὐκ ἔστι μνήμη τοῖς πρ. (3 a)
Ca. 4. 14. μετὰ πάντων πρ. [A[1] τῶν] μύρων (3 c)
Wi. 7. 3. πρώτην φωνὴν τὴν ὁμοίαν πᾶσιν ἔσα [S ἅπασι] κλαίων
Si. 4. 17. διεστραμμένως πορεύεται μετ' αὐτοῦ ἐν πρώτοις
24. 28. οὐ συνετέλεσεν ὁ πρ. γνῶναι αὐτήν
34 (31). 17. παῦσαι πρῶτος χάριν παιδείας
45. 21. B ἄρτον πρώτοις [R ἐν πρ.] ἡτοίμασε πλησμονήν [A S al.]
Am. 6. 6. καὶ τὰ πρ. μύρα χριόμενοι (3 d)
Mi. 4. 8. ἡ πρ. βασιλεία ἐκ Βαβυλῶνος (3 a)
Jl. 2. 20. εἰς τὴν θάλασσαν τὴν πρ. (2 b)
Hg. 2. 10 (9). μεγάλη ἔσται ἡ δόξα . . . ἡ ἐσχάτη ὑπὲρ τὴν πρ. (3 a)
Za. 6. 2. ἐν τῷ ἅρματι τῷ πρ. ἵπποι πυρροί (3 a)
14. 8. τὸ ἥμισυ αὐ. εἰς τὴν θάλασσαν τὴν πρ. (2 b)
— 10. ἕως τοῦ τόπου τῆς πύλης τῆς πρ. (3 a)
Is. 11. 14. οἱ δὲ υἱοὶ Ἀ. πρῶτοι ὑπακούσονται –
41. 4. ἐγὼ θεὸς πρ. (3 a)
43. 18. μὴ [A om.] μνημονεύετε τὰ πρ. (3 a)
— 26. λέγε σὺ τὰς ἀνομίας σου πρῶτος [S -ον] –
— 27. οἱ πατέρες ὑμῶν πρῶτοι (3 a)
44. 6. ἐγὼ πρ. καὶ ἐγὼ μετὰ ταῦτα (3 a)
48. 12. ἐγώ εἰμι πρ. (3 a)
Is. 60. 9. πλοῖα Θαρσὶς ἐν πρώτοις (3 a)
65. 16. ἐπιλήσονται γὰρ τὴν θλῖψιν τὴν πρ. (3 a)
Je. 27 (50). 17. ὁ πρ. ἔφαγεν αὐτόν (3 a)
52. 24. ἔλαβεν ὁ ἀρχιμάγειρος τὸν ἱερέα τὸν πρ. [S[1] δεύτερον] (3 c)
Ez. 26. 1. A μιᾷ τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. [B om. τ. πρ.] –
27. 17. πρῶτον μέλι . . . ἔδωκαν –
— 22. οὗτοι ἔμποροί σου μετὰ πρώτων ἡδυσμάτων (3 c)
29. 17. μιᾷ τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (5)
30. 20. ἐν τῷ πρ. μηνί (5)
32. 17. ἐν τῷ δωδεκάτῳ ἔτει τοῦ πρ. μηνός [A ἐν τῷ πρ. μηνί] –
40. 1. ἐν τῷ πρ. μηνί †
45. 18. ἐν τῷ πρ. μηνί (5)
— 21. ἐν τῷ πρ. [A add. μηνί] (3 a [5])
Da. LXX. 1. 21. ἦν Δ. ἕως τοῦ πρ. ἔτους τῆς βασ. Κύρου (1 a)
7. 1. ἔτους πρώτου βασιλεύοντος B. (1 b)
— 4. τὸ πρ. ὡσεὶ λέαινα (2 c)
— 8. τρία τῶν κεράτων τῶν πρ. ἐξηράνθησαν (2 c)
— 24. διοίσει κακοῖς ὑπὲρ τοὺς πρ. (2 c)
8. 1. μετὰ τὸ ἰδεῖν με τὴν πρ. (4)
— 21. αὐτὸς ὁ βασιλεὺς ὁ πρ. (3 a)
9. 1. ἔτους πρ. ἐπὶ Δαρ. (1 a)
— 2. τῷ πρ. ἔτει τῆς βασ. αὐ. (1 a)
10. 1. ἐν τῷ ἐνιαυτῷ τῷ πρ. Κύρου †
— 4. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τετάρτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (3 a)
— 12. ἀπὸ τῆς ἡμέρας τῆς πρ. (3 a)
— 13. εἷς τῶν ἀρχόντων τῶν πρ. (3 a)
— 21. ὑποδείξω σοι τὰ πρ. †
11. 1. ἐν τῷ ἐνιαυτῷ τῷ πρ. Κύρου (1 a)
— 13. πόλεως συναγωγὴν μείζονα παρὰ τὴν πρ. (3 a)
— 29. οὐκ ἔσται ὡς ἡ πρ. (3 a)
Da. TH. 7. 1. ἐν ἔτει πρ. [B[1] τρίτῳ] B. (1 b)
— 4. τὸ πρ. ὡσεὶ λέαινα (2 c)
— 20. τοῦ ἑτέρου τοῦ . . . ἐκτινάξαντος τῶν πρ. [A τῶν προτέρων τρία] †
8. 21. αὐτός ἐστιν ὁ βασιλεὺς ὁ πρ. (3 a)
9. 1. ἐν τῷ πρ. ἔτει Δαρείου (1 a)
10. 4. ἐν ἡμέρᾳ εἰκοστῇ καὶ τετάρτῃ τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (3 a)
— 12. B ἀπὸ τῆς πρ. ἡμέρας (3 a)
— 13. A εἷς τῶν ἀρχόντων τῶν πρ. [B om. τ. πρ.] (3 a)
11. 1. ἐν ἔτει πρ. Κύρου (1 a)
— 29. οὐκ ἔσται ὡς ἡ πρ. (3 a)
I Ma. tit. Μακκαβαίων πρῶτος
2. 18. πρόσελθε πρῶτος
3. 29. ἃ ἦσαν ἀφ' ἡμερῶν τῶν πρ.
6. 2. ὃς ἐβασίλευσε πρῶτος
— 6. ἐπορεύθη Δ. . . . ἐν πρώτοις
7. 13. πρῶτοι οἱ Ἀσ. ἦσαν ἐν υἱοῖς Ἰσρ.
— 43. ἔπεσεν αὐτὸς πρ.
9. 3. τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. . . . παρενέβαλον
10. 41. ὡς ἐν τοῖς πρ. ἔτεσιν [S[1] ἔθνεσιν]
— 42. A ὡς ἐν τοῖς πρ. ἔθεσιν [? ἔτεσιν]
— 65. ἔγραψεν αὐτὸν τῶν πρ. φίλων
11. 27. ἐποίησεν αὐτὸν τῶν [S[1] om.] πρ. φίλων ἡγεῖσθαι
13. 42. ἔτους πρ. ἐπὶ Σίμωνος ἀρχιερέως μεγάλου
— 51. S ἔτους πρ. [A R ἑνὸς καὶ] ἑβδομηκοστοῦ
16. 6. καὶ διεπέρασε πρῶτος
II Ma. 5. 21. A τὴν μὲν γῆν πρ. [R πλωτὴν] . . . θέσθαι
7. 7. μεταλλάξαντος δὲ τοῦ πρ. τὸν τρόπον τοῦτον
— 8. τὴν ἕξης ἔλαβε βάσαναν ὡς ὁ πρ.
8. 9. προχειρισάμενος Νικάνορα . . . τῶν πρ. φίλων
— 23. τῆς πρ. σπείρας αὐτὸς προηγούμενος
11. 7. αὐτὸς δὲ πρ. ὁ Μακκ.
12. 22. R ἐπιφανείσης δὲ τῆς Ἰούδα σπείρας πρ. [A al.]
14. 4. πρώτῳ καὶ ἑκατοστῷ καὶ πεντηκοστῷ ἔτει
15. 18. μέγιστος δὲ καὶ πρῶτος ὁ . . . φόβος
IV Ma. 5. 4. εἷς πρ. ἐκ τῆς ἀγέλης
8. 1. κατὰ τὴν πρ. πεῖραν ἐνικήθη

[Aq. IV Ki. 1. 14: Jb. 29. 2: Is. 9. 1 (8. 23): 48. 12: 61. 4: Je. 25. 1.]
[Sm. Ge. 2. 8: IV Ki. 1. 14: Jb. 29. 2: Ps. 67 (68). 34: 76 (77). 6: Ec. 11. 2: Is. 9. 1 (8. 23): 41. 22: 48. 12: Ez. 26. 1: 31. 1.]
[Th. Ge. 2. 8: II Ki. 23. 8: IV Ki. 1. 14: Is. 9. 1 (8. 23): 48. 12: Ez. 10. 11: Da. 7. 20†: 10. 13†: 11. 29: Za. 4. 7.]
[Al. Le. 9. 17: 23. 15, 24: Dt. 1. 3: IV Ki. 1. 14.]

πρωτοστάτης (AB), **πρωτοστράτης** (S).

Jb. 15. 24. ὥσπερ στρατηγὸς πρ. πίπτων †

πρωτοτοκεῖν. (1) בָּכַר hi. (2) עוּל

I Ki. 6. 7, 10. δύο βόας πρωτοτοκούσας (2)
Je. 4. 31. φωνὴν ὡς ὠδινούσης ἤκουσα τοῦ στεναγμοῦ σου ὡς πρωτοτοκούσης (1)

πρωτοτοκεῖον, πρωτοτόκιον. (1) בְּכֹרָה

Ge. 25. 31. ἀπόδου μοι σήμερον τὰ πρ. σου ἐμοί (1)
— 32. ἵνα τί μοι ταῦτα τὰ πρ. (1)
— 33. ἀπέδοτο δὲ Ἡσαῦ τὰ πρ. τῷ Ἰ. (1)
— 34. ἐφαύλισεν Ἡ. τὰ πρ. (1)
27. 36. τά τε πρ. μου εἴληφε (1)
De. 21. 17. καὶ τούτῳ καθήκει τὰ πρ. (1)
I Ch. 5. 1. οὐκ ἐγενεαλογήθη εἰς πρωτοτοκεῖα (1)

πρωτοτοκεύειν. (1) בָּכַר pi.

De. 21. 16. οὐ δυνήσεται πρωτοτοκεῦσαι τῷ υἱῷ [A τὸν υἱ.] (1)
[Aq. Le. 27. 26.]

πρωτοτοκία.

[Aq. Ge. 25. 34: Dt. 21. 17.]
[Sm., Th. Dt. 21. 17.]
[Al. Ge. 43. 33.]

πρωτότοκος. (1) *a.* בְּכֹר, בְּכוֹר *b.* בְּכֹרָה *c.* בְּכִירָה *d.* בִּכּוּרִים (2) פֶּטֶר (3) רֵאשִׁית (4) ὁ υἱὸς ὁ πρ. רְאוּבֵן

Ge. 4. 4. ἀπὸ τῶν πρ. τῶν προβάτων αὐτοῦ (1 *b*)
10. 15. τὸν Σιδῶνα πρ. αὐτοῦ (1 *a*)
22. 21. τὸν Ὤξ πρωτότοκον (1 *a*)
25. 13. πρωτότοκος Ἰσμαήλ (1 *a*)
— 25. ἐξῆλθε δὲ ὁ υἱὸς ὁ πρ. (4)
27. 19. ἐγὼ Ἡσαῦ ὁ πρ. σου (1 *a*)
— 32. ὁ υἱός σου ὁ πρ. Ἡσαῦ (1 *a*)
35. 23. πρωτότοκος Ἰακὼβ Ῥουβήν (1 *a*)
36. 15. υἱοὶ Ἐλιφὰς πρωτότοκου Ἡσαῦ (1 *a*)
38. 6. γυναῖκα Ἡρ τῷ πρ. αὐτοῦ (1 *a*)
— 7. Ἦρ πρωτότοκος Ἰούδα (1 *a*)
41. 51. ἐκάλεσε δὲ Ἰ. τὸ ὄνομα τοῦ πρ. (1 *a*)
43. 33. ὁ πρ. κατὰ τὰ πρεσβεῖα αὐτοῦ (1 *a*)
46. 8. πρωτότοκος Ἰακὼβ Ῥουβήν (1 *a*)
48. 18. οὗτος γὰρ ὁ πρ. (1 *a*)
49. 3. Ῥουβὴν πρωτότοκός μου (1 *a*)
Ex. 4. 22. υἱὸς πρ. μου Ἰσρ. (1 *a*)
— 23. ἀποκτενῶ τὸν υἱόν σου τὸν πρ. (1 *a*)
6. 14. υἱοὶ Ῥουβὴν πρωτοτόκου Ἰσρ. (1 *a*)
11. 5. τελευτήσει πᾶν πρ. (1 *a*)
— 5. ἀπὸ πρωτοτόκου Φ. . . . καὶ ἕως πρωτοτόκου [A τοῦ πρ.] τῆς θεραπαίνης . . . καὶ ἕως πρωτοτόκου παντὸς κτήνους (1 *a ter*)
12. 12. πατάξω πᾶν πρ. (1 *a*)
— 29. πᾶν πρ. ἐν γῇ Αἰγ. ἀπὸ πρωτοτόκου Φ. . . . ἕως πρωτοτόκου τῆς αἰχμαλωτίδος . . . καὶ ἕως πρωτοτόκου παντὸς [A κ. πᾶν πρ.] κτήνους (1 *a quater*)
13. 2. πᾶν πρ. πρωτογενές (1 *a*)
— 13. πᾶν πρ. ἀνθρώπου (1 *a*)
— 15. ἀπέκτεινε πᾶν πρ. . . . ἀπὸ πρωτοτόκων [A -ου] ἀνθρώπων ἕως πρωτοτόκων [A -ου] κτηνῶν (1 *a ter*)
— 15. B [R *om.*] πᾶν πρ. τῷ κυρίῳ –
— 15. πᾶν πρ. τῶν υἱῶν μου (1 *a*)
22. 29 (28). τὰ πρ. τῶν υἱῶν σου δώσεις ἐμοί (1 *a*)
34. 19. πᾶν [A *om.*] πρ. μόσχου καὶ πρ. προβάτου (2, –)
— 20. καὶ πρωτότοκον ὑποζυγίου (2)
— 20. πᾶν πρ. τῶν υἱῶν σου (1 *a*)
Le. 27. 26. πᾶν πρ. ὃ ἐὰν γένηται (1 *a*)
Nu. 1. 20. οἱ υἱοὶ Ῥουβὴν πρωτοτόκου Ἰσρ. (1 *a*)
3. 2. πρωτότοκος Ναδάβ (1 *a*)
— 12. ἀντὶ παντὸς πρ. (1 *a*)
— 13. ἐμοὶ γὰρ πᾶν πρ. (1 *a*)
— 13. ἐπάταξα πᾶν πρ. (1 *a*)
— 13. ἡγίασα ἐμοὶ πᾶν πρ. (1 *a*)
— 40. ἐπίσκεψαι πᾶν πρ. ἄρσεν (1 *a*)
— 41 *bis.* ἀντὶ πάντων τῶν πρ. (1 *a*)
— 42. πᾶν πρ. ἐν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (1 *a*)
— 43. ἐγένοντο πάντα τὰ πρ. (1 *a*)
— 45. ἀντὶ πάντων τῶν πρ. (1 *a*)
— 46. ἀπὸ τῶν πρ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1 *a*)
Nu. 3. 50. παρὰ τῶν πρ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1 *a*)
8. 16. πᾶσαν μήτραν πρωτοτόκων πάντων (1 *a*)
— 17. ἐμοὶ πᾶν πρ. (1 *a*)
— 17. ἐπάταξα πᾶν πρ. (1 *a*)
— 18. ἀντὶ παντὸς πρ. (1 *a*)
18. 15. λυτρωθήσεται τὰ πρ. τῶν ἀνθρ. (1 *a*)
— 15. τὰ πρ. τῶν κτηνῶν τῶν ἀκαθ. (1 *a*)
— 17. πρωτότοκα μόσχων καὶ πρωτότοκα προβάτων καὶ πρωτότοκα αἰγῶν (1 *a ter*)
26. 5. Ῥουβὴν πρωτότοκος Ἰσραήλ (1 *a*)
33. 4. πᾶν πρ. ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1 *a*)
De. 12. 6. τὰ πρ. τῶν βοῶν ὑμῶν (1 *b*)
— 17 : 14. 23. τὰ πρ. τῶν βοῶν σου (1 *b*)
15. 19. πᾶν πρ. ὃ ἐὰν τεχθῇ (1 *a*)
— 19. ἐν τῷ πρ. μόσχῳ σου (1 *a*)
— 19. τὰ πρ. [A τὸ πρ.] τῶν προβάτων σου (1 *a*)
21. 15. καὶ γένηται υἱὸς πρ. τῆς μισουμ. (1 *a*)
— 16. ὑπεριδὼν τὸν υἱὸν τῆς μισουμ. τὸν πρ. (1 *a*)
— 17. τὸν πρ. υἱὸν τῆς μισουμ. (1 *a*)
33. 17. πρωτότοκος ταύρου τὸ κάλλος αὐ. (1 *a*)
Jo. 6. 25 (26). ἐν τῷ πρ. αὐτοῦ θεμελιώσει αὐτήν (1 *a*)
— 25 (26). ἐν τῷ Ἀβ. τῷ πρ. ἐθεμελίωσεν αὐτήν –
17. 1. οὗτος πρ. τῷ Ἰ. τῷ Μ. πρ. Μαν. (1 *a*, 1 *a*)
Jd. 8. 20. εἶπεν Ἰ. τῷ πρ. αὐτοῦ (1 *a*)
I Ki. 8. 2. πρωτότοκος Ἰωήλ (1 *a*)
14. 49. ὄνομα τῇ πρ. Μ. (1 *c*)
17. 13. A Ἐλ. ὁ πρ. αὐτοῦ (1 *a*)
II Ki. 3. 2. ἦν ὁ πρ. αὐτοῦ Ἀμνών (1 *a*)
13. 21. πρωτότοκος αὐτοῦ ἦν –
19. 43 (44). πρωτότοκος ἐγὼ ἢ σύ –
III Ki. 16. 34. ἐν τῷ Ἀβ. τῷ πρ. αὐτοῦ (1 *a*)
IV Ki. 3. 27. ἔλαβε τὸν υἱὸν αὐ. τὸν πρ. (1 *a*)
I Ch. 1. 13. A Χαν. ἐγέννησεν τὸν Σιδ. πρωτότοκον (1 *a*)
— 29. A B αἱ γενέσεις πρωτότοκου Ἰσμ. [R *al.*] (1 *a*)
2. 3. ἦν Ἦρ ὁ πρ. Ἰ. πονηρός (1 *a*)
— 13. Ἰ. ἐγέννησε τὸν πρ. αὐ. τὸν Ἐλιάβ (1 *a*)
— 25. ἦσαν υἱοὶ Ἱερ. πρωτοτόκου [A -ος] Ἐ. ὁ πρ. Ῥάμ (1 *a*, 1 *a*)
— 27. υἱοὶ Ῥὰμ πρωτοτόκου Ἱερ. (1 *a*)
— 42. Μαρ. ὁ [A *om.*] πρ. αὐτοῦ (1 *a*)
— 50. υἱοὶ Ὠρ πρωτοτόκου Ἐφρ. (1 *a*)
3. 1. ὁ πρ. Ἀμνὼν τῇ Ἀχ. (1 *a*)
— 15. υἱοὶ Ἰωσία πρωτότοκος Ἰωανάν (1 *a*)
4. 4. υἱοὶ Ὠρ τοῦ [A *om.*] πρ. Ἐφρ. (1 *a*)
5. 1. υἱοὶ Ῥ. πρωτοτόκου Ἰσρ. (1 *a*)
— 1. οὗτος ὁ πρ. (1 *a*)
— 3. υἱοὶ Ῥ. πρωτοτόκου Ἰσρ. (1 *a*)
— 12. Ἰωὴλ πρωτότοκος [A ὁ πρ.] (3)
6. 28 (13). υἱοὶ Σαμ. ὁ πρ. Σανί (1 *a*)
8. 1. Βεν. ἐγέννησε Β. πρωτότοκον αὐ. (1 *a*)
— 30. υἱὸς αὐτῆς ὁ πρ. Ἀβδών (1 *a*)
— 38. Ἐζ. πρωτότοκος [A ὁ πρ.] αὐτοῦ †
— 39. Αἰλὰμ πρωτότοκος [A ὁ πρ.] αὐτοῦ (1 *a*)
9. 5. Ἀσαΐα πρωτότοκος [A ὁ πρ.] αὐτοῦ (1 *a*)
— 31. οὗτος ὁ πρ. τῷ Σαλώμ (1 *a*)
— 36. καὶ υἱὸς αὐ. ὁ πρ. Ἀβδών (1 *a*)
— 44. Ἐζ. πρωτότοκος αὐτοῦ †
11. 11. A πρωτότοκος [B S πρῶτος] τῶν τριάκοντα (3)
26. 2. Ζαχ. ὁ πρ. (1 *a*)
— 4. Σαμ. ὁ πρ. (1 *a*)
— 6. υἱοὶ τοῦ πρ. [A τῷ πρ.] Ῥωσαΐ †
— 10. οὐκ ἦν πρωτότοκος (1 *a*)
II Ch. 21. 3. A R ὅτι οὗτος ὁ [B *om.*] πρ. (1 *a*)
Ne. 10. 35 (37). καὶ τὰ πρ. υἱῶν ἡμῶν (1 *b*)
— 36 (37). καὶ τὰ πρ. τῶν βοῶν ἡμῶν (1 *a*)
To. 5. 13. A B ἀναφέροντες τὰ πρ.
Ps. 77 (78). 51. S[1] ἐπάταξε πᾶν πρ. ἐν γῇ Αἰγ. ἀπαρχὴν τῶν πρ. αὐ. ἐν τοῖς σκηνώμασι Χάμ [B S[2] *al.*] (1 *a*, †)
88 (89). 27. κἀγὼ πρωτότοκον θήσομαι αὐτόν (1 *a*)
104 (105). 36. ἐπάταξε πᾶν πρ. (1 *a*)
134 (135). 8. ὃς ἐπάταξε τὰ πρ. Αἰγύπτου (1 *a*)
135 (136). 10. τῷ πατάξαντι Αἴγυπτον σὺν τοῖς πρ. αὐτῶν (1 *a*)
Wi. 18. 13. ἐπὶ τῷ τῶν πρωτοτόκων ὀλέθρῳ
Si. 36. 17 (14). S[2] ὃν πρωτοτόκῳ [A B S[1] -γόνῳ] ὡμοίωσας
Mi. 6. 7. εἰ δῶ πρωτότοκά μου (1 *a*)
Za. 12. 10. ὀδύνην ὡς ἐπὶ τῷ [A *om.*] πρ. (1 *a*)
Je. 38 (31). 9. Ἐφραὶμ πρ. μού ἐστιν (1 *a*)
Ez. 44. 30. καὶ τὰ πρ. πάντων (1 *a*)
IV Ma. 15. 18. A R οὐ μετέτρεψέ σε πρωτότοκος [S ὁ πρ.] ἀποπνέων [S[1] *om.*]
[Aq. Ge. 49. 3: Le. 27. 26: Dt. 25. 6.]
[Sm., Th. Ge. 49. 3: Le. 27. 26 *bis.*]
[Heb. Je. 2. 23.]

πταίειν. (1) יָקֹשׁ ni. (2) נָגַף *a.* qal. *b.* ni.

De. 7. 25. μὴ πταίσῃς δι' αὐτό (1)
I Ki. 4. 2. ἔπταισεν ἀνὴρ Ἰσρ. ἐνώπιον ἀλλοφύλων (2 *b*)
— 3. κατὰ τί ἔπταισεν ἡμᾶς κύριος (2 *a*)
— 10. καὶ πταίει ἀνὴρ Ἰσρ. (2 *b*)
7. 10. B ἔπταισαν ἐνώπιον Ἰσρ. (2 *b*)
II Ki. 2. 17. καὶ ἔπταισεν Ἀβ. (2 *b*)
10. 15. ἔπταισεν ἔμπροσθεν Ἰσρ. (2 *b*)
— 19. ἔπταισαν ἔμπροσθεν Ἰσρ. (2 *b*)
18. 7. ἔπταισεν ἐκεῖ ὁ λαός (2 *b*)
III Ki. 8. 33. ἐν τῷ πταῖσαι τὸν λαόν σου Ἰσρ. (2 *b*)
IV Ki. 14. 12. καὶ ἔπταισεν Ἰούδας (2 *b*)
19. 26. B ἔπταισαν [A R ἔπτηξαν] καὶ κατῃσχύνθησαν †
I Ch. 19. 19. ἐπταίκασιν ἀπὸ προσώπου Ἰσρ. (2 *b*)
Si. 2. 8. οὐ μὴ πταίσῃ ὁ μισθὸς ὑμῶν
37. 12. ἐὰν πταίσῃς συναλγήσει σοι
II Ma. 14. 17. βραχέως δὲ διὰ τὴν . . . ἀφασίαν ἐπταικώς
[Sm. Ps. 63 (64). 9: Je. 6. 15.]
[Al. II Ch. 14. 12 (11).]

πταῖσμα. (1) מַגֵּפָה

I Ki. 6. 5 (4). πταῖσμα ἐν ὑμῖν (1)

πταρμός. (1) עֲטִישָׁה

Jb. 41. 9 (10). ἐν πταρμῷ αὐτοῦ ἐπιφαύσκεται φέγγος (1)
[Aq. Jb. 41. 10.]

πτελέα.

[Sm. Is. 41. 19.]

πτέρνα. (1) *a.* עָקֵב *b.* עָקֹב

Ge. 3. 15. σὺ τηρήσεις αὐτοῦ πτέρναν (1 *a*)
25. 26. ἐπειλημμένη τῆς πτ. Ἡσαῦ (1 *a*)
49. 17. δάκνων πτέρναν ἵππου (1 *a*)
Jo. 23. 13. καὶ εἰς ἥλους ἐν ταῖς πτ. ὑμῶν †
Jd. 5. 22. ἐνεποδίσθησαν [A ἀπεκόπησαν] πτ. ἵππου (1 *a*)
Ps. 48 (49). 5. ἡ ἀνομία τῆς πτ. μου κυκλώσει με (1 *a*)
55 (56). 6. τὴν πτ. μου φυλάξουσι (1 *a*)
Ca. 1. 8. ἔξελθε σὺ ἐν πτέρναις τῶν ποιμνίων (1 *a*)
Si. 12. 17. ὡς βοηθῶν ὑποσχάσει πτέρναν σου
Je. 9. 4 (3). πᾶς ἀδελφὸς πτέρνῃ πτερνιεῖ (1 *b*)
13. 22. παραδειγματισθῆναι τὰς πτ. σου (1 *a*)
[Aq. Ge. 49. 19: Ps. 40 (41). 10: Je. 13. 22.]
[Th. Ps. 40 (41). 10: Ho. 6. 8.]

πτερνίζειν. (1) עָקַב (2) קָבַע

Ge. 27. 36. ἐπτέρνικε γάρ με (1)
Ho. 12. 3 (4). ἐπτέρνισε τὸν ἀδελφὸν αὐ. (1)
Ma. 3. 8. μήτι [A S[3] εἰ] πτερνιεῖ ἄνθρωπος θεόν (2)
— 8. ὑμεῖς πτερνίζετέ με (2)
— 8. ἐν τίνι ἐπτερνίσαμέν [A -ίκ.] σε (2)
— 9. ἐμὲ ὑμεῖς πτερνίζετε (2)
Je. 9. 4 (3). πᾶς ἀδελφὸς πτέρνῃ πτερνιεῖ (1)

πτερνισμός. (1) *a.* עָקֵב *b.* עֲקֻבָּה

IV Ki. 10. 19. Ἰοὺ ἐποίησεν ἐν πτερνισμῷ (1 *b*)
Ps. 40 (41). 9. ἐμεγάλυνεν ἐπ' ἐμὲ πτερνισμόν (1 *a*)
[Sm. Ps. 54 (55). 13.]

πτέρνον (?).

Si. 26. 18. S[1] πόδες ὡραῖοι ἐπὶ πτέρνοις εὐστάθμοις [A B S[2] στέρνοις εὐσταθοῦς]

πτερόν. (1) נֵפַץ (2) נֹצָה

Le. 1. 16. ἀφελεῖ τὸν πρόλοβον σὺν τοῖς πτ. (2)
Ps. 103 (104). 12. S[1] ἐκ μέσου τῶν πτ. [A B S[2] πετρῶν] δώσουσι φωνήν †
Da. LXX. 7. 4. ἔχουσα πτερὰ ὡσεὶ ἀετοῦ (1)
— 4. ἐτίλη τὰ πτ. αὐτῆς (1)
— 6. καὶ πτερὰ τέσσαρα ἐπέτεινον ἐπάνω αὐτοῦ (1)
Da. TH. 7. 4. A B[2] ὡσεὶ λέαινα ἔχουσα πτερὰ [B[1] *om.* ἔ. πτ.] καὶ πτερὰ αὐτῆς ὡς ἀετοῦ (–, 1)
— 4. ἐξετίλη τὰ πτ. αὐ. (1)
— 6. καὶ αὐτῇ πτ. τέσσαρα πετεινοῦ (1)
[Aq. Ez. 17. 7.]
[Sm. Jb. 5. 7: 39. 13: Ez. 12. 14.]

πτεροφυεῖν. (1) עָלָה אֵבֶר

Is. 40. 31. πτεροφυήσουσιν ὡς ἀετοί (1)

πτερύγιον. (1) כָּנָף (2) סְנַפִּיר (3) קָצָה

Ex. 36. 27 (39. 19). ἐπέθηκαν ἐπὶ τὰ δύο πτ. (3)
Le. 11. 9. B ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς πτερύγια (2)
— 10, 12. ὅσα οὐκ ἔστιν αὐτοῖς πτερύγια (2)
Nu. 15. 38. ἐπὶ τὰ πτ. τῶν ἱματίων αὐτῶν (1)
— 38. ἐπὶ τὰ κράσπεδα τῶν πτ. (1)
De. 14. 9. πάντα ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτοῖς πτερύγια (2)
— 10. πάντα ὅσα οὐκ ἔστιν αὐτοῖς πτερύγια (2)
Ru. 3. 9. περιβαλεῖς τὸ πτ. σου (1)
I Ki. 15. 27. ἐκράτησε Σ. τοῦ πτ. τῆς διπλοΐδος αὐ. (1)
24. 5, 6. ἀφεῖλε τὸ πτ. τῆς διπλοΐδος (1)
— 12. τὸ πτ. τῆς διπλοΐδος σου (1)
— 12. ἀφῄρηκα τὸ πτ. (1)
III Ki. 6. 24, 24 (A R). καὶ πέντε πήχεων πτερύγιον (1)
— 24. ἀπὸ μέρους πτερυγίου αὐτοῦ (1)
— 24. A ἕως μέρους πτερυγίου αὐ. [R *al.*] (1)
Da. TH. 9. 27. A B² ἕως πτερυγίου ἀπὸ ἀφανισμοῦ (1)
[**Aq.** Dt. 22. 30 (23. 1): Jb. 39. 13.: Ez. 5. 3: 28. 16.]
[**Heb.** Ez. 16. 8.]
[**Al.** Da. 9. 27.]

πτέρυξ. (1) אֵבֶר (2) כָּנָף

Ex. 19. 4. ὡσεὶ ἐπὶ πτέρυγων ἀετῶν (2)
25. 19 (20). ἐκτείνοντες τὰς πτ. ἐπάνωθεν (2)
— 19 (20). συσκιάζοντες ἐν [A *om.*] ταῖς πτ. αὐ. (2)
38. 8 (37. 9). σκιάζοντα ταῖς πτ. αὐτῶν (2)
Le. 1. 17. ἐκκλάσει αὐτὸ ἐκ τῶν πτ. (2)
De. 32. 11. διεὶς τὰς πτ. αὐτοῦ (2)
Ru. 2. 12. πεποιθέναι ὑπὸ τὰς πτ. αὐτοῦ (2)
II Ki. 22. 11. ὤφθη ἐπὶ πτερύγων ἀνέμου (2)
III Ki. 6. 27. διεπέτασε τὰς πτ. αὐτῶν (2)
— 27. ἥπτετο πτ. μία τοῦ τοίχου καὶ πτέρυξ . . . ἥπτετο τοῦ τοίχου τοῦ δευτ. καὶ αἱ πτ. αὐ. αἱ ἐν μέσῳ τοῦ οἴκου ἥπτοντο πτέρυξ πτέρυγος [A *al.*] (2 *quinquiens*)
8. 6. ὑπὸ τὰς πτ. τῶν χερ. (2)
— 7. τὰ χερ. διαπεπετασμένα ταῖς πτ. (2)
I Ch. 28. 18. τῶν διαπεπετασμ. ταῖς πτ. –
II Ch. 3. 11. αἱ πτ. τῶν χερ. (2)
— 11. A R ἡ πτ. ἡ μία [B ἡ μ. πτ.] πήχεων πέντε (2)
— 11. ἡ πτ. ἡ ἑτέρα πήχεων πέντε ἁπτομένη τῆς πτ. τοῦ χερ. τοῦ ἑτ. (2, 2)
— 12. A ἡ πτ. τοῦ χερ. τοῦ ἑνός (2)
— 12. A ἡ πτ. ἡ ἑτέρα πήχεων πέντε ἁπτομένη τῆς πτ. τοῦ χ. τοῦ ἑτέρου (2, 2)
— 13. αἱ πτ. τῶν χερ. τούτων (2)
5. 7. ὑποκάτω τῶν πτ. τῶν χερ. (2)
— 8. διαπεπετακότα τὰς πτ. αὐτῶν (2)
Jb. 37. 3. τὸ φῶς αὐτοῦ ἐπὶ πτερύγων τῆς γῆς (2)
38. 13. ἐπιλαβέσθαι πτερύγων γῆς (2)
39. 13. πτέρυξ τερπομένων νεέλασσα (2)
— 26. ἱέραξ ἀναπετάσας τὰς πτ. ἀκίνητος (2)
Ps. 16 (17). 8. ἐν σκέπῃ τῶν πτ. σου σκεπάσεις με (2)
17 (18). 10. ἐπετάσθη ἐπὶ πτερύγων ἀνέμων (2)
35 (36). 7. ἐν σκέπῃ [S¹ εἰς σκέπην] τῶν πτ. σου ἐλπιοῦσι (2)
54 (55). 6. τίς δώσει μοι πτέρυγας (1)
56 (57). 1. ἐν τῇ σκιᾷ τῶν πτ. σου ἐλπιῶ (2)
60 (61). 4. σκεπασθήσομαι ἐν σκέπῃ τῶν πτ. σου (2)
62 (63). 7. ἐν τῇ σκέπῃ τῶν πτ. σου ἀγαλλιάσομαι (2)
67 (68). 13. πτέρυγες περιστερᾶς περιηργυρωμέναι (2)
90 (91). 4. ὑπὸ τὰς πτ. αὐτοῦ ἐλπιεῖς (2)
103 (104). 3. ὁ περιπατῶν ἐπὶ πτερύγων ἀνέμων (2)
138 (139). 9. ἐὰν ἀναλάβω τὰς πτ. μου (2)
Pr. 23. 5. κατεσκεύασται γὰρ αὐτῷ πτέρυγες [S¹ -ας] (2)
Ec. 10. 20. ὁ ἔχων τὰς [A S *om.*] πτ. ἀπαγγελεῖ λόγον σου (2)
Wi. 5. 11. βίᾳ ῥοίζου κινουμένων πτέρυγων
Ho. 4. 19. συστροφὴ πνεύματος σὺ εἶ ἐν ταῖς πτ. αὐ. (2)
Za. 5. 9. πνεῦμα ἐν ταῖς [S¹ τοῖς] πτ. αὐ. (2)
— 9. A S εἶχον πτέρυγας ὡς πτέρυγας [B *om.* ὡς πτ.] ἔποπος (2, 2)
Ma. 4. 2 (3. 20). καὶ ἴασις ἐν ταῖς πτ. αὐ. (2)
Is. 6. 2 *bis.* ἓξ πτέρυγες τῷ ἑνί (2)
11. 12. συνάξει ἐκ τῶν τεσσάρων πτ. τῆς γῆς (2)
18. 1. οὐαὶ γῆς πλοίων πτέρυγες (2)
24. 16. ἀπὸ τῶν πτ. τῆς γῆς τέρατα ἠκούσαμεν (2)
Je. 29 (49). 22. ἐκτενεῖ τὰς πτ. (2)
Ez. 1. 6. τέσσαρες πτέρυγες τῷ ἑνί (2)
— 7. ἑλαφραὶ αἱ πτ. αὐτῶν –
— 8. χεὶρ ἀνθρώπου ὑποκάτωθεν τῶν πτ. αὐτῶν (2)
— 9. A αἱ πτ. αὐτῶν τῶν τεσσ. ἐχόμεναι [B *al.*] (2)
— 11. αἱ πτ. αὐτῶν ἐκτεταμέναι ἄνωθεν (2)
— 22. ἐκτεταμένον ἐπὶ τῶν πτ. αὐτῶν ἐπάνωθεν †
— 23. αἱ πτ. αὐτῶν ἐκτεταμέναι (2)
— 24. ἤκουον τὴν φωνὴν τῶν πτ. αὐτῶν . . . κατέπαυον αἱ πτ. αὐτῶν (2, 2)
— 25. A ἀνίεντο αἱ πτ. αὐτῶν –
3. 13. ἤδον φωνὴν πτερύγων τῶν ζῴων (2)
7. 2. τὸ πέρας ἥκει ἐπὶ τὰς τέσσαρας πτ. τῆς γῆς (2)
10. 5. φωνὴ τῶν πτ. τῶν χερ. ἠκούετο (2)
— 8. ὁμοίωμα χειρῶν ἀνθρώπων ὑποκάτωθεν τῶν πτ. αὐτοῦ (2)
— 12. αἱ πτ. αὐτῶν καὶ οἱ τροχοὶ πλήρεις ὀφθαλμῶν (2)
— 16. ἐν τῷ ἐξαίρειν τὰ χερ. τὰς πτ. αὐ. (2)
— 19. ἀνέλαβον τὰ χερ. τὰς πτ. αὐτῶν (2)
— 21. ὀκτὼ πτέρυγες τῷ ἑνὶ καὶ ὁμοίωμα χειρῶν ἀνθρώπου ὑποκάτωθεν τῶν πτ. αὐ. (2, 2)
11. 22. ἐξῆραν τὰ χερ. τὰς πτ. αὐτῶν (2)
16. 8. διεπέτασα τὰς πτ. μου ἐπὶ σέ (2)
29. 4. προσκολλήσω τοὺς ἰχθύας τοῦ ποταμοῦ σου πρὸς τὰς πτ. σου †
Da. LXX. 4. 31. αἱ τρίχες μου ἐγένοντο ὡς πτέρυγες ἀετοῦ –
[**Aq.** III Ki. 6. 27: Ps. 17 (18). 11 (P.): 60 (61). 5: Je. 48 (31). 40: Ez. 1. 8, 9: 17. 3.]
[**Sm.** III Ki. 6. 27: Ps. 17 (18). 11 (P.): 35 (36). 8: 54 (55). 7: 60 (61). 5: 62 (63). 8.]
[**Th.** IH Ki. 6. 27: Jb. 37. 3: Ps. 17 (18). 11 (P.): Ez. 1. 8, 9, 25.]

πτερύσσεσθαι. (1) נָשַׁק hi.

Ez. 1. 23. αἱ πτέρυγες . . . πτερυσσόμεναι –
3. 13. ἤδον φωνὴν πτερύγων τῶν ζῴων πτερυσσομένων (1)

πτερωτός. (1) *a.* כָּנָף *b.* בַּעַל כָּנָף

Ge. 1. 21. καὶ πᾶν πετεινὸν πτερωτόν (1 *a*)
De. 4. 17. ὁμοίωμα παντὸς ὀρνέου πτ. (1 *a*)
Ps. 77 (78). 27. καὶ ὡσεὶ ἄμμον θαλασσῶν πετεινὰ πτερωτά (1 *a*)
148. 10. ἑρπετὰ καὶ πετεινὰ πτερωτά (1 *a*)
Pr. 1. 17. οὐ γὰρ ἀδίκως ἐκτείνεται δίκτυα πτερωτοῖς (1 *b*)
Ez. 1. 7. πτερωτοὶ οἱ πόδες αὐτῶν †
[**Sm.** Ps. 77 (78). 27: Is. 18. 1.]

πτηνός.

[**Aq.**, **Sext.** Jb. 5. 7.]

πτῆξις.

[**Aq.**, **Sm.**, **Th.** Pr. 18. 7: Ez. 32. 25.]

πτήσσειν. (1) חָתַת (2) עָרַץ

De. 1. 29. μὴ πτήξητε (2)
IV Ki. 19. 26. A R ἔπτηξαν [B ἔπταισαν] καὶ κατῃσχύνθησαν (1)
Jb. 38. 17. πυλωροὶ δὲ ᾅδου ἰδόντες σε ἔπτηξαν –
— 30. πρόσωπον δὲ ἀσεβοῦς τίς ἔπτηξε [A S ἔτηξεν] †
I Ma. 12. 28. S R ἔπτηξαν τῇ καρδίᾳ [A τὴν κ.] αὐ.
III Ma. 6. 13. πτηξάτω δὲ ἔθνη σὴν δύναμιν ἀνίκητον
IV Ma. 16. 20. οὐκ ἔπτηξε [S¹ ἔπηξεν]
[**Aq.** Ez. 2. 6.]
[**Sm.** I Ki. 28. 5: Jb. 37. 1: Ps. 26 (27). 1: Ez. 2. 6 (P.).]

πτίλλος (B²), **πτίλος** (A B¹) (*adj.*). (1) חִבֻּלָּל

Le. 21. 20. ἢ πτίλος τοὺς ὀφθ. [A τοῖς ὀφθ.] (1)

πτίλος (*subst.*).

[**Sm.** Le. 1. 16: Jb. 39. 13: Ez. 17. 7.]
[**Th.** Le. 1. 16: Ez. 17. 7.]

πτισάνη.

[**Aq.**, **Sm.** II Ki. 17. 19.]

πτοεῖν. (1) חָרַד (2) חָתַת *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* hi. *e.* מְחַתָּה *f.* חַת (3) יָרֵא (4) מָסַס ni. (5) נָדַד (6) עָרַץ (7) פָּחַד (8) רָגַז

Ex. 19. 16. ἐπτοήθη πᾶς ὁ λαός (1)
De. 31. 6. μηδὲ πτοηθῇς ἀπὸ προσώπου αὐ. (6)
Jo. 7. 5. ἐπτοήθη ἡ καρδία τοῦ λαοῦ (4)
I Ch. 22. 13: 28. 20. μὴ φοβοῦ μηδὲ πτοηθῇς (2 *b*)
II Ch. 20. 15. μὴ φοβεῖσθε μηδὲ πτοηθῆτε (2 *b*)
— 17. A R μὴ φοβηθῆτε μηδὲ πτοηθῆτε [B πτ. μ. φ.] (2 *b* [3])
32. 7. μὴ πτοηθῆτε ἀπὸ προσώπου βασ. Ἀ. (3 + 2 *b*)
Ju. 16. 11. καὶ ἐπτοήθησαν [S¹ -όησαν]
Jb. 11. 16. καὶ οὐ πτοηθήσῃ –
23. 15. κατανοήσω καὶ πτοηθήσομαι ἐξ αὐτοῦ (7)
32. 15. ἐπτοήθησαν οὐκ ἀπεκρίθησαν ἔτι (2 *a*)
Pr. 13. 3. ὁ δὲ προπετὴς χείλεσι πτοήσει ἑαυτόν (2 *e*)
Am. 3. 6. καὶ λαὸς οὐ πτοηθήσεται (1)
Ob. 1. 9. πτοηθήσονται οἱ μαχηταί σου (2 *a*)
Hb. 2. 17. ταλαιπωρία θηρίων πτοήσει σε (2 *d*)
3. 7. πτοηθήσονται καὶ αἱ σκηναὶ γῆς M. (8)
— 16. ἐπτοήθη ἡ κοιλία [S² καρδία] μου (8)
Is. 31. 4. τὸ πλῆθος τοῦ θυμοῦ ἐπτοήθησαν †
Je. 1. 17. μηδὲ πτοηθῇς ἐναντίον αὐτῶν (2 *d*)
4. 25. πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ ἐπτοεῖτο [S² -ηντο] (5)
8. 9. ἐπτοήθησαν καὶ ἑάλωσαν (2 *a*)
17. 13. S¹ πτοηθείησαν οὗτοι καὶ μὴ πτοηθείην ἐγώ –, –
— 18. A μὴ πτοηθείην [B S καταισχυνθείην] ἐγώ †
— 18. πτοηθείησαν αὐτοὶ καὶ μὴ πτοηθείην [A *om.*] ἐγώ (2 *b*, 2 *b*)
21. 13. τίς πτοήσει ἡμᾶς (2 *b*)
23. 4. οὐ φοβηθήσονται ἔτι οὐδὲ πτοηθήσονται (2 *b*)
25. 16 (49. 37). πτοήσω αὐτούς (2 *d*)
26 (46). 5. B² R τί ὅτι αὐτοὶ πτοοῦνται [A B¹ S πτοῶνται] (2 *f*)
— 27. μηδὲ πτοηθῇς, Ἰσραήλ (2 *b*)
28 (51). 56. ἐπτόηται τὸ τόξον αὐτῶν (2 *c*)
Ez. 2. 5, 7. ἐὰν ἄρα ἀκούσωσιν ἢ πτοηθῶσι †
3. 9. μηδὲ πτοηθῇς ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (2 *b*)
34. 28. A τὰ θηρία τῆς γῆς οὐκέτι μὴ πτοήσει [B φάγωσιν] αὐτούς †
I Ma. 7. 30. ἐπτοήθη ἀπ' αὐτοῦ
[**Aq.** Jb. 23. 15: Ps. 26 (27). 1: 52 (53). 6: 77 (78). 53: Pr. 3. 25: Is. 37. 27: Je. 1. 17: Ho. 3. 5.]
[**Sm.** Jb. 13. 11: Pr. 3. 25: Is. 64. 2 (1): Je. 1. 17.]
[**Th.** Jb. 23. 15: 32. 15: Pr. 3. 25: Is. 37. 27: Je. 1. 17: Ez. 2. 6: 3. 9 (P.).]
[**Al.** Ex. 19. 18: Jo. 1. 9.]

πτοή.

I Ma. 3. 25. A S ἡ πτ. ἔπιπτεν [R *al.*]
III Ma. 6. 17. A ἀκατάσχετον πτ. [R οἰμωγὴν] ποιῆσαι

πτόησις. (1) פַּחַד

Pr. 3. 25. οὐ φοβηθήσῃ πτόησιν ἐπελθοῦσαν (1)
Si. 50. 4. S¹ ὁ φροντίζων τὸ ἔλεον αὐ. ἀπὸ πτοήσεως [A B S² *al.*]
I Ma. 3. 25. R ἤρξατο . . . ἡ πτόησις ἐπιπίπτειν [A S *al.*]
[**Aq.** Ps. 30 (31). 12: 118 (119). 120: Ca. 3. 8: Je. 17. 17.]
[**Sm.** Ps. 30 (31). 12: Je. 17. 17: La. 3. 47.]

πτύειν. (1) יָרַק

Nu. 12. 14. εἰ ὁ πατὴρ αὐ. πτύων ἐνέπτυσεν (1)
Si. 28. 12. ἐὰν πτύσῃς ἐπ' [A εἰς] αὐτόν
[**Sm.** Jb. 30. 10.]
[**Sam.** Le. 15. 8.]

πτύελος. (1) רֹק

Jb. 7. 19. ἕως ἂν καταπίω τὸν πτ. μου (1)
30. 10. B S² οὐκ ἐφείσαντο πτύελον [A -ου] (1)

πτύξ.

[**Sm.** Is. 30. 8.]

πτύξις. (1) כֶּפֶל

Jb. 41. 4 (5). εἰς δὲ πτύξιν θώρακος αὐτοῦ (1)

πτύον.

[Sm. Is. 30. 24.]

πτυχή. (1) צֵלָע (2) קֶלַע

III Ki. 6. 34. δύο πτυχαὶ ἡ θύρα ἡ μία (1)
— 34. δύο πτυχαὶ ἡ θύρα ἡ δευτ. (2)
[Sm. Is. 30. 8.]

πτῶμα. (1) אֵיד (2) נְוֵלָה (3) *a.* כִּשָּׁלוֹן *b.* מִכְשׁוֹל (4) מַפֶּלֶת (5) פֶּגֶר (6) פִּיד (7) פֶּרֶץ (8) שֶׁבֶר (9) שֹׁד

Jd. 14. 8. ἰδεῖν τὸ πτ. τοῦ λέοντος (4)
Ju. 8. 19. ἔπεσον πτῶμα μέγα
13. 20. A S ἐπεξῆλθες τῷ [B *om.*] πτ. ἡμῶν
Jb. 15. 23. μένει εἰς πτῶμα [S πτῶσιν] †
16. 15 (14). κατέβαλόν με πτῶμα [S¹ *om.*] ἐπὶ πτώματι (7, 7)
18. 12. πτῶμα δὲ αὐτῷ ἡτοίμασται ἐξαίσιον (1)
20. 5. εὐφροσύνη δὲ ἀσεβῶν πτῶμα ἐξαίσιον –
31. 29. εἰ δὲ καὶ ἐπιχαρὴς ἐγενόμην πτώματι [A S ἐπὶ πτ.] ἐχθρῶν μου (6)
33. 17. τὸ δὲ σῶμα αὐτοῦ ἀπὸ πτώματος [A ἀδικίας πτ.] ἐρρύσατο †
37. 16. ἐξαίσια δὲ πτώματα πονηρῶν †
Ps. 109 (110). 6. A B πληρώσει πτώματα [S -μα] (2)
Pr. 16. 18. πρὸ δὲ πτώματος κακοφροσύνη (3 *a*)
Wi. 4. 18. ἔσονται μετὰ τοῦτο εἰς πτῶμα ἄτιμον
Si. 31 (34). 16. καὶ βοήθεια ἀπὸ πτώματος [A πτώσεως]
34 (31). 6. πολλοὶ ἐδόθησαν εἰς πτῶμα
Is. 8. 14. οὐχ ὡς λίθου προσκόμματι συναντήσεσθε οὐδ' ὡς πέτρας πτώματι (3 *b*)
30. 13. παραχρῆμα πάρεστι τὸ πτ. (8)
— 14. τὸ πτ. αὐτῆς ἔσται ὡς σύντριμμα ἀγγείου (8)
51. 19. πτ. καὶ σύντριμμα (9)
Ba. 4. 33. εὐφράνθη ἐπὶ τῷ [A *om.*] πτ. σου
Ez. 6. 5. A δώσω τὰ πτ. τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ κατὰ πρόσωπον τῶν εἰδώλων αὐτῶν (5)
II Ma. 9. 7. δυσχερεῖ πτώματι περιπεσόντα
[Aq. Nu. 14. 33.]
[Sm. Is. 8. 14: Je. 31 (38). 40: 36 (43). 30.]
[Th. Nu. 14. 33: Is. 8. 14: Ez. 6. 5.]

πτωματίζειν.

[Aq. Dt. 25. 1: I Ki. 30. 10, 21: Ps. 139 (140). 11.]

πτῶσις. (1) *a.* נֶגֶף *b.* נָגַף ni. *c.* מַגֵּפָה (2) *a.* מַכָּלָה *b.* נָפַל *c.* נֵפֶל *d.* מַפֶּלֶת (3) פֶּגֶר (4) תַּרְעֵלָה

Ex. 30. 12. οὐκ ἔσται ἐν αὐτοῖς πτ. (1 *a*)
Jd. 20. 39. πτώσει πίπτουσιν ἐνώπιον ἡ. [A *al.*] (1 *b*)
Ju. 10. 2. ἀνέστη ἀπὸ τῆς πτ.
Es. 4. 17. μὴ καταγελασάτωσαν [A γελ.] ἐν τῇ πτ. ἡμῶν
Jb. 15. 23. S μένει εἰς πτῶσιν [A B πτῶμα] †
Ps. 105 (106). 29. ἐπληθύνθη ἐν αὐτοῖς ἡ πτ. (1 *c*)
Si. 1. 21. ἡ γὰρ ῥοπὴ [S¹ ὀργὴ] τοῦ θυμοῦ αὐτοῦ πτῶσις αὐτῷ
3. 31. ἐν καιρῷ πτώσεως εὑρήσει στήριγμα
4. 19. παραδώσει αὐτὸν εἰς χεῖρας πτώσεως αὐτοῦ
— 22. μὴ ἐντραπῇς εἰς πτῶσίν σου
5. 13. γλῶσσα ἀνθρώπου πτῶσις αὐτῷ
11. 30. ὡς ὁ κατάσκοπος ἐπιβλέπει πτῶσιν
13. 13. μετὰ τῆς πτ. σου περιπατεῖς
20. 18. οὕτως πτῶσις κακῶν κατὰ σπουδὴν ἥξει
25. 7. καὶ βλέπων ἐπὶ πτώσει ἐχθρῶν
27. 29. οἱ εὐφραινόμενοι πτώσει εὐσεβῶν
31 (34). 16. A καὶ βοήθεια ἀπὸ πτώσεως [B S πτώματος]
50. 4. ὁ φροντίζων τοῦ λαοῦ αὐτοῦ ἀπὸ πτώσεως [S¹ *al.*]
Na. 3. 3. φωνὴ . . . βαρείας πτ. (3)
Za. 14. 12. A B S³ αὕτη ἔσται ἡ πτ. (1 *c*)
— 15. αὕτη ἔσται ἡ πτ. τῶν ἵππων . . . κατὰ τὴν πτ. ταύτην (1 *c*, 1 *c*)
— 18. ἐπὶ τούτους ἔσται ἡ πτ. (1 *c*)
Is. 17. 1. ἔσται εἰς πτῶσιν καταλελειμμένη (2 *a*)
51. 17. τὸ ποτήριον γὰρ τῆς πτ. τὸ κόνδυ τοῦ θυμοῦ ἐξέπιες –
— 22. εἴληφα ἐκ τῆς χειρός σου τὸ ποτήριον τῆς πτ. (4)
Je. 6. 15. πεσοῦνται ἐν τῇ πτ. αὐτῶν (2 *b*)
29 (49). 21. ἀπὸ φωνῆς πτώσεως αὐτῶν (2 *c*)
Ba. 4. 31. δειλαῖοι οἱ . . . ἐπιχαρέντες τῇ σῇ πτ.
— 33. ἐχάρη ἐπὶ τῇ σῇ πτ.
Ez. 26. 15. ἀπὸ φωνῆς τῆς πτ. σου (2 *d*)
— 18. ἀπὸ ἡμέρας πτώσεώς σου (2 *d*)
27. 27. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῆς πτ. σου (2 *d*)
31. 13. ἐπὶ τὴν πτ. αὐτοῦ ἀνεπαύσαντο (2 *d*)
— 16. ἀπὸ τῆς φωνῆς τῆς πτ. αὐτοῦ (2 *d*)
32. 10. προσδεχόμενοι τὴν πτ. αὐτῶν ἀφ' ἡμέρας πτώσεως σου (†, 2 *d*)
III Ma. 6. 31. τὸν εἰς πτῶσιν αὐτοῖς . . . ἡτοιμασμένον τόπον
[Sm. Jb. 21. 20.]
[Al. Hb. 3. 5.]

πτωχεία, πτωχία. (1) מִסְכֵּנוּת (2) עֳנִי

De. 8. 9. οὐ μετὰ πτωχείας φάγῃ τὸν ἄρτον σου (1)
I Ch. 22. 14. κατὰ τὴν πτ. μου (2)
Jb. 26. 6. S¹ οὐκ ἔστι περιβόλαιον τῆς πτ. [S² τῇ πτ., A B τῇ ἀπωλείᾳ] †
30. 27. προέφθασάν με ἡμέραι πτωχείας (2)
36. 21. ἐξείλω ἀπὸ πτωχείας (2)
Ps. 30 (31). 10. ἠσθένησεν ἐν πτωχείᾳ ἡ ἰσχύς μου †
43 (44). 24. ἐπιλανθάνῃ τῆς πτωχείας ἡμῶν (2)
87 (88). 9. οἱ ὀφθαλμοί μου ἠσθένησαν ἀπὸ πτωχείας (2)
106 (107). 10. πεπεδημένους ἐν πτωχείᾳ (2)
— 41. ἐβοήθησε πένητι ἐκ πτωχείας (2)
Si. 10. 31. ὁ δὲ δοξαζόμ. ἐν πτωχείᾳ [S *al.*]
— 31. καὶ ἐν πτωχείᾳ ποσαχῶς [S² -απλῶς]
11. 12. καὶ πτωχείᾳ περισσεύει [S -εύων]
— 14. πτωχεία καὶ πλοῦτος παρὰ κυρίου ἐστί
13. 24. A S R ποιηρὰ ἡ πτ. ἐν στόματι ἀσεβοῦς [B εὐσ.]
18. 25. μνήσθητι . . . πτωχείαν καὶ ἔνδειαν
22. 23. πίστιν κτῆσαι ἐν πτωχείᾳ μετὰ τοῦ πλησίον
Is. 48. 10. ἐξειλάμην δέ σε ἐκ καμίνου πτωχείας (2)
La. 3. 1. ἐγὼ ἀνὴρ ὁ βλέπων πτωχείαν (2)
— 19. ἐμνήσθην ἀπὸ πτωχείας μου (2)
[Sm. Jb. 36. 21.]
[Th. Jb. 30. 27: 36. 21.]
[Quint. Ps. 30 (31). 8.]

πτωχεύειν. (1) דָּלַל *a.* qal. *b.* ni. (2) יָרַשׁ *a.* qal. *b.* ni. (3) רוּשׁ

Jd. 6. 6. ἐπτώχευσεν Ἰσρ. σφόδρα (1 *b*)
14. 15. A ἢ πτωχεῦσαι ἐκαλέσατε ἡμᾶς [B *al.*] (2 *a*)
To. 4. 21. μὴ φοβοῦ . . . ὅτι ἐπτωχεύσαμεν
Ps. 33 (34). 10. πλούσιοι ἐπτώχευσαν (3)
78 (79). 8. ἐπτωχεύσαμεν σφόδρα (1 *a*)
Pr. 23. 21. πᾶς γὰρ μέθυσος καὶ πορνοκόπος πτωχεύσει (2 *b*)
[Sm. Pr. 13. 7.]

πτωχίζειν. (1) יָרַשׁ hi.

I Ki. 2. 7. κύριος πτωχίζει καὶ πλουτίζει (1)

πτωχός. (1) אֶבְיוֹן (2) *a.* דַּל *b.* דַּלָּה (3) חֵלְכָה (4) *a.* עָנִי *b.* עָנָו (5) עַרְעָר (6) קָטָן (7) רוּשׁ

Ex. 23. 11. ἔδονται οἱ πτ. τοῦ ἔθνους σου (1)
Le. 19. 10. τῷ πτ. . . . καταλείψεις αὐτά (4 *a*)
— 15. οὐ λήψῃ πρόσωπον πτωχοῦ (2 *a*)
23. 22. τῷ πτ. . . . ὑπολείψῃ αὐτά (4 *a*)
De. 24. 19. A τῷ πτ. καὶ [B *om.* τ. πτ. κ.] τῷ προσηλύτῳ –
Ru. 3. 10. εἴτοι πτωχὸς εἴτοι πλούσιος (2 *a*)
I Ki. 2. 8. ἀπὸ κοπρίας ἐγείρει πτωχόν (1)
II Ki. 22. 28. τὸν λαὸν τὸν πτ. σώσεις (4 *a*)
IV Ki. 24. 14. οὐχ ὑπελείφθη πλὴν οἱ πτ. (2 *b*)
25. 12. ἀπὸ τῶν πτ. τῆς γῆς (2 *b*)
To. 2. 2. S ὃν ἂν εὕρῃς πτωχόν [A B *al.*]
— 3. S ζητῆσαί τινα πτωχόν
4. 7. A B μὴ ἀποστρέψῃς . . . ἀπὸ παντὸς πτ.
Es. 1. 20. ἀπὸ πτωχοῦ ἕως πλουσίου (6)
9. 22. ἐξαποστέλλοντας μερίδας . . . τοῖς πτ. (1)
Jb. 22. 8. A S² ὤκισας [A ἐκόμισας] δὲ πτωχοὺς [B S¹ τοὺς] ἐπὶ τῆς γῆς [S⁴ τοὺς ἐ. τ. γ. πτ.] –
29. 12. διέσωσα γὰρ πτωχόν (4 *a*)
34. 28. κραυγὴν πτωχῶν εἰσακούσεται (4 *a*)
36. 6. κρίμα πτωχῶν δώσει (4 *a*)
Ps. 9. 18. οὐκ εἰς τέλος ἐπιλησθήσεται ὁ πτ. (1)
— 23 (10. 2). ἐμπυρίζεται ὁ πτ. (4 *a*)
Ps. 9. 30 (10. 9). ἐνεδρεύει τοῦ ἁρπάσαι πτωχὸν ἁρπάσαι πτωχόν (4 *a*, 4 *a*)
— 35 (10. 14). σοὶ ἐγκαταλέλειπται ὁ πτ. (3)
11 (12). 5. ἀπὸ τῆς ταλαιπωρίας τῶν πτ. (4 *a*)
13 (14). 6. βουλὴν πτωχοῦ κατῃσχύνατε (4 *a*)
21 (22). 24. οὐδὲ προσώχθισε τῇ δεήσει τοῦ πτ. (4 *a*)
24 (25). 16. μονογενὴς καὶ πτωχός εἰμι ἐγώ (4 *a*)
33 (34). 6. οὗτος ὁ πτ. ἐκέκραξε (4 *a*)
34 (35). 10. ῥυόμενος πτωχὸν ἐκ χειρὸς στερεωτέρων αὐ. καὶ πτωχὸν καὶ πένητα ἀπὸ τῶν διαρπαζόντων αὐτόν (4 *a*, 4 *a*)
36 (37). 14. τοῦ καταβαλεῖν πτωχὸν καὶ πένητα (4 *a*)
39 (40). 17. ἐγὼ δὲ πτωχὸς καὶ πένης εἰμί (4 *a*)
40 (41). 1. μακάριος ὁ συνίων ἐπὶ πτωχόν (2 *a*)
67 (68). 10. ἡτοίμασας ἐν τῇ χρηστότητί σου τῷ πτ. (4 *a*)
68 (69). 29. πτωχὸς καὶ ἀλγῶν εἰμι ἐγώ (4 *a*)
— 32. ἰδέτωσαν πτωχοί (4 *b*)
69 (70). 5. ἐγὼ δὲ πτωχὸς καὶ πένης (4 *a*)
71 (72). 2. καὶ τοὺς πτ. σου ἐν κρίσει (4 *a*)
— 4. ἐν δικαιοσύνῃ κρινεῖ τοὺς πτ. τοῦ λαοῦ (4 *a*)
— 12. ἐρρύσατο πτωχόν (1)
— 13. φείσεται πτωχοῦ καὶ πένητος (2 *a*)
73 (74). 21. πτωχὸς καὶ πένης αἰνέσουσι τὸ ὄνομά σου (4 *a*)
81 (82). 3. κρίνατε ὀρφανὸν καὶ πτωχόν [A S² *al.*] (2 *a*)
— 4. καὶ πτωχὸν ἐκ χειρὸς ἁμαρτωλοῦ ῥύσασθε (1)
85 (86). 1. πτωχὸς καὶ πένης εἰμὶ ἐγώ (4 *a*)
87 (88). 15. πτωχός εἰμι ἐγώ (4 *a*)
101 (102). *tit.* προσευχὴ τῷ πτ. (4 *a*)
— 17. S¹ ἐπέβλεψεν ἐπὶ τὴν προσευχὴν τῶν πτ. [A B S² ταπεινῶν] (5)
108 (109). 16. κατεδίωξεν ἄνθρωπον πένητα καὶ πτωχόν (1)
— 22. πτωχὸς καὶ πένης εἰμὶ ἐγώ (4 *a*)
112 (113). 7. ὁ ἐγείρων ἀπὸ γῆς πτωχόν (2 *a*)
131 (132). 15. τοὺς πτ. αὐτῆς χορτάσω ἄρτων (1)
139 (140). 12. ποιήσει κύριος τὴν κρίσιν τοῦ πτ. [S² τῶν πτ.] (4 *a*)
Pr. 13. 8. πτωχὸς δὲ οὐχ ὑφίσταται ἀπειλήν (7)
14. 20. φίλοι μισήσουσι φίλους πτωχούς (7)
— 21. ἐλεῶν δὲ πτωχοὺς μακαριστός (4 *a**, 4 *b*)
— 31. ὁ δὲ τιμῶν αὐτὸν ἐλεᾷ πτωχόν (1)
17. 5. ὁ καταγελῶν [A καταγγέλλων] πτωχοῦ (7)
19. 1 (4). ὁ δὲ πτ. καὶ ἀπὸ τοῦ ὑπάρχοντος φίλου λείπεται (2 *a*)
— 7. πᾶς ὃς ἀδελφὸν πτωχὸν μισεῖ [S¹ ποιεῖ] (7)
— 17. δανείζει θεῷ ὁ ἐλεῶν πτωχόν (2 *a*)
— 22. κρείσσων δὲ πτωχὸς δίκαιος (7)
22. 2. πλούσιος καὶ πτωχὸς συνήντησαν ἀλλήλοις (7)
— 7. πλούσιοι πτωχῶν ἄρξουσι (7)
— 9. ὁ ἐλεῶν πτωχὸν αὐτὸς διατραφήσεται τῶν γὰρ ἑαυτοῦ ἄρτων ἔδωκε τῷ πτ. (†, 2 *a*)
— 22. μὴ ἀποβιάζου πένητα πτωχὸς γάρ ἐστι (2 *a*)
28. 3. ἀνδρεῖος ἐν ἀσεβείαις συκοφαντεῖ πτωχούς (2 *a*)
— 6. κρείσσων πτωχὸς πορευόμενος ἐν ἀληθείᾳ (7)
— 8. τῷ ἐλεοῦντι πτωχοὺς συνάγει αὐτόν (2 *a*)
— 15. ὃς τυραννεῖ πτωχὸς ὢν ἔθνους πενιχροῦ (2 *a*)
— 27. ὃς δίδωσι πτωχοῖς οὐκ ἐνδεηθήσεται (7)
29. 7. πτωχῷ οὐχ ὑπάρχει νοῦς ἐπιγνώμων –
— 14. βασιλεὺς ἐν ἀληθείᾳ κρίνοντος πτωχούς (2 *a*)
31. 20. καρπὸν δὲ ἐξέτεινε πτωχῷ (1)
Si. 4. 1. τὴν ζωὴν τοῦ πτ. μὴ ἀποστερήσῃς
— 4. μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρόσωπόν σου ἀπὸ πτωχοῦ
— 8. κλῖνον πτωχῷ τὸ οὖς σου
7. 32. πτωχῷ ἔκτεινον τὴν χεῖρά σου
10. 22. ἔνδοξος καὶ πτωχὸς τὸ καύχημα αὐτῶν φόβος κυρίου
— 23. οὐ δίκαιον ἀτιμάσαι πτωχὸν συνετόν
— 30. πτωχὸς δοξάζεται δι' ἐπιστήμην [S² -ης] αὐτοῦ
13. 3. πτωχὸς ἠδίκηται
— 19. οὕτως νομαὶ πλουσίων πτωχοί
— 20. οὕτως βδέλυγμα πλουσίῳ πτωχός
— 21. S¹ πτωχὸς [A B S² ταπεινὸς] δὲ πεσὼν προσαπωθεῖται ὑπὸ φίλων
— 23. πτωχὸς ἐλάλησε
18. 33. μὴ γίνου πτωχὸς συμβολοκοπῶν ἐκ δανεισμοῦ
21. 5. δέησις πτωχοῦ ἐκ στόματος ἕως ὠτίων αὐτοῦ
25. 2. πτωχὸν ὑπερήφανον καὶ πλούσιον ψεύστην
26. 4. πλουσίου δὲ καὶ πτωχοῦ καρδία ἀγαθή
29. 9. A¹ χάριν ἐντολῆς ἀντιλαβοῦ πτωχοῦ [A² B S πένητος]

Si. 29. 22. κρείσσων βίος πτωχοῦ ὑπὸ σκέπην δοκῶν
30. 14. κρείσσων πτωχὸς ὑγιὴς καὶ ἰσχύων τῇ ἕξει
31 (34). 21. ἄρτος ἐπιδεομένων ζωὴ πτωχῶν
32 (35). 13. οὐ λήψεται πρόσωπον ἐπὶ πτωχοῦ
34 (31). 4. ἐκοπίασε πτωχὸς ἐν ἐλαττώσει βίου
38. 19. βίος πτωχοῦ κατὰ καρδίας
Am. 2. 7. ἐκονδύλιζον εἰς κεφαλὰς πτωχῶν (2 a)
4. 1. αἱ καταδυναστεύουσαι πτωχοὺς καὶ καταπατοῦσαι πένητας [A πέν. κ. κ. πτωχούς] (2 a [1])
5. 11. κατεκονδύλιζον πτωχούς [A εἰς κεφαλὰς πτωχῶν] (2 a)
8. 4. καταδυναστεύοντες πτωχοὺς ἀπὸ τῆς γῆς (4 b*, 4 a)
— 6. τοῦ κτᾶσθαι ἐν ἀργυρίῳ καὶ πτωχούς (2 a)
Hb. 3. 14. ὡς ἔσθων πτωχὸς λάθρα (4 a)
Is. 3. 14. ἡ ἁρπαγὴ τοῦ πτ. ἐν τοῖς οἴκοις ὑμῶν (4 a)
— 15. τὸ πρόσωπον τῶν πτ. [S¹ τῷ πτ.] καταισχύνετε (4 a)
10. 2. ἐκκλίνοντες κρίσιν πτωχῶν (2 a)
14. 30. βοσκηθήσονται πτωχοὶ δι᾽ αὐτοῦ (2 a)
— 30. πτωχοὶ δὲ ἄνθρωποι [A S ἄνδρες] ἐπὶ εἰρήνης ἀναπαύσονται (1)
24. 6. πτωχοὶ ἔσονται οἱ ἐνοικοῦντες ἐν τῇ γῇ †
25. 3. εὐλογήσει σε ὁ λαὸς ὁ πτ. †
29. 19. ἀγαλλιάσονται πτωχοὶ [S οἱ πτ.] διὰ κύριον (4 b)
41. 17. ἀγαλλιάσονται οἱ πτ. καὶ οἱ ἐνδεεῖς (4 a)
58. 7. πτωχοὺς ἀστέγους εἴσαγε (4 a)
61. 1. εὐαγγελίσασθαι πτωχοῖς [S¹ ταπεινοῖς] ἀπέσταλκέ με (4 b)
Je. 5. 4. ἴσως πτωχοί εἰσι (2 a)
Ep. Je. 28. οὔτε πτωχῷ . . . μὴ μεταδῶσι
Ez. 16. 49. χεῖρα πτωχοῦ καὶ πένητος (4 a)
18. 12. πτωχὸν καὶ πένητα κατεδυνάστευσε (4 a)
22. 29. πτωχὸν καὶ πένητα καταδυναστεύοντες (4 a)
[Aq. Ps. 11 (12). 6 : 106 (107). 41 : Pr. 28. 3 : Is. 29. 19 : 41. 17 : Za. 11. 11.]
[Sm. Jb. 5. 16 : 24. 9 : Ps. 11 (12). 6 : 87 (88). 16 : Pr. 15. 15 : 22. 22 : Is. 11. 4 : 41. 17 : 66. 2 : Ez. 16. 49 : Hb. 3. 14 : Za. 9. 9.]
[Th. Jb. 5. 16 : Ps. 81 (82). 3 : Pr. 28. 3 : Is. 41. 17 : Je. 40 (47). 7.]
[Al. Pr. 31. 9 : Hb. 3. 14.]
[Quint. Za. 9. 9.]

πτωχοφανής.
[Th. Pr. 13. 7.]

πύγαργος. (1) דִּישׁוֹן
De. 14. 5. καὶ δορκάδα καὶ πύγαργον [A al.]

πυγμή. (1) אֲגַרוֹף
Ex. 21. 18. λίθῳ ἢ πυγμῇ (1)
Is. 58. 4. τύπτετε πυγμαῖς ταπεινόν (1)

πύδαργος. (1) דִּישׁוֹן
De. 14. 5. A τραγέλαφον καὶ πύδαργον [B al.] (1)

πυθμήν. (1) דָּרָךְ (2) מַנָּה (3) שְׂרִיג
Ge. 40. 10. ἐν δὲ τῇ ἀμπέλῳ τρεῖς π. (3)
— 12. οἱ τρεῖς π. τρεῖς ἡμέραι εἰσίν (3)
41. 5, 22. ἀνέβαινον ἐν π. ἑνί (2)
Pr. 14. 12. ἔρχεται εἰς πυθμένα ᾅδου (1)
16. 25. βλέπει εἰς πυθμένα ᾅδου (1)

πυκάζειν. (1) עָבֹת (2) a. רָעַן pil. b. רַעֲנָן
Jb. 15. 32. ὁ ῥάδαμνος αὐτοῦ οὐ μὴ πυκάσῃ [A S -σει] (2 a)
Ps. 117 (118). 27. συστήσασθε ἑορτὴν ἐν τοῖς πυκάζουσιν (1)
Ho. 14. 9. ἐγὼ ὡς ἄρκευθος πυκάζουσα (2 b)
III Ma. 4. 5. B ἤγετο γὰρ γεραιῶν πλῆθος πολιᾷ πεπυκασμένων [A al.]
[Sm. Ez. 31. 3, 10.]

πύκασμα.
[Sm. Ps. 117 (118). 27 : Ez. 31. 14.]

πυκνός. (1) חָרֹשׁ
Ez. 31. 3. A καὶ π. ἐν τῇ σκέπῃ (1)
III Ma. 1. 28. ἐκ δὲ τῆς πυκνοτάτης τε καὶ ἐμπόνου . . . κρανγῆς
4. 10. τῷ καθύπερθε π. σανιδώματι διακειμένῳ
IV Ma. 12. 12. πυκνοτέρῳ καὶ αἰωνίῳ πυρί
[Th. Ez. 31. 3 (Sw.).]

πυκνότερον (*adv.*).
Es. 8. 13. πολλοὶ . . . πυκνότερον τιμώμενοι
II Ma. 8. 8. πυκνότερον δὲ ἐν ταῖς εὐημερίαις προβαίνοντα
III Ma. 4. 12. πυκνότερον ἀποδύρεσθαι τὴν ἀκλεᾶ . . . ταλαιπωρίαν
7. 3. πυκνότερον ἡμῖν παρακείμενοι

πυκνοῦσθαι.
[Al. Ca. 1. 16.]

πύλη. (1) דֶּלֶת (2) סַף (3) פֶּתַח (4) שַׁעַר
Ge. 19. 1. ἐκάθητο παρὰ τὴν π. Σοδόμων (4)
28. 17. αὕτη ἡ π. τοῦ οὐρανοῦ (4)
34. 20. πρὸς τὴν π. τῆς πόλεως αὐ. (4)
— 24. πάντες οἱ ἐκπορευόμ. τὴν π. (4)
38. 14. ἐκάθισε πρὸς ταῖς π. Αἰνάν (3)
Ex. 27. 16. καὶ τῇ π. τῆς αὐλῆς (4)
32. 26. ἔστη δὲ M. ἐπὶ τῆς π. τῆς παρεμβ. (4)
— 27. ἀπὸ πύλης ἐπὶ πύλην [A -ης] (4, 4)
37. 13 (38. 15). κατὰ τὴν π. τῆς αὐλῆς (4)
— 14 (38. 16). A πᾶσαι αἱ π. αἱ τῆς αὐλῆς [B al.] †
— 16 (38. 18). τὸ καταπέτασμα [A -κάλυμμα] τῆς π. (4)
38. 20 (36. 36). καὶ τὴν π. [A τῇ π.] τῆς αὐλῆς –
39. 9 (38. 30). B τὰς βάσεις τῆς π. [A σκηνῆς, R αὐλῆς] –
— 9 (38. 30). τὰς βάσεις τῆς π. τῆς αὐλῆς (3 ?)
— 20 (40). τὸ καταπέτασμα . . . τῆς π. τῆς αὐλῆς (4)
Nu. 3. 26. τὸ καταπέτασμα τῆς π. τῆς αὐλῆς (3)
4. 32. τοὺς στύλους τοῦ καταπετάσμ. τῆς π. τῆς αὐλῆς –
De. 3. 5. πύλαι καὶ μοχλοί (1)
6. 9 : 11. 20. ἐπὶ τὰς φλιὰς . . . τῶν π. ὑμῶν (4)
12. 12. ὁ Λ. ὁ ἐπὶ τῶν π. ὑμῶν (4)
17. 5. A ἐπὶ τὴν π. ἐξάξεις [B al.] (4)
21. 19. καὶ ἐπὶ τὴν π. τοῦ τόπου [A τῆς πόλ.] (4)
22. 15. ἐξοίσουσι τὰ παρθένια . . . ἐπὶ τὴν π. (4)
— 24. ἐπὶ τὴν π. τῆς πόλεως αὐτῶν (4)
25. 7. ἀναβήσεται ἡ γυνὴ ἐπὶ τὴν π. (4)
Jo. 2. 5. ὡς δὲ ἡ π. ἐκλείετο ἐν τῷ σκότει (4)
— 7. ἡ π. ἐκλείσθη (4)
6. 25 (26). ἐπιστήσει τὰς π. αὐτῆς (1)
— 25 (26). ἐπέστησε τὰς [A om.] π. αὐτῆς –
7. 5. κατεδίωξαν αὐτοὺς ἀπὸ τῆς π. (4)
Jd. 9. 35. πρὸς τῇ θύρᾳ τῆς π. [A τῇ π.] τῆς πόλεως (4)
— 40. ἕως τῆς θύρας τῆς π. [A al.] (4)
— 44. παρὰ τὴν θύραν τῆς π. [A π. τὴν π.] τῆς πόλεως (4 [3 + 4])
16. 2. ἐν τῇ π. [A ἐπὶ τῆς π.] τῆς πόλεως (4)
— 3. τῶν θυρῶν τῆς π. τῆς πόλεως (4)
18. 16. παρὰ θύρας τῆς π. [A al.] (4)
Ru. 4. 1. ἀνέβη ἐπὶ τὴν π. (4)
— 11. πᾶς ὁ λαὸς οἱ ἐν τῇ π. (4)
I Ki. 4. 13. ἐπὶ τοῦ δίφρου παρὰ τὴν π. †
— 18. ἔπεσεν . . . ἐχόμενος τῆς π. (4)
17. 52. καὶ ἕως τῆς π. Ἀσκάλωνος (4)
— 52. ἔπεσον . . . ἐν τῇ ὁδῷ τῶν π. (4 ?)
21. 13 (14). ἔπιπτεν ἐπὶ τὰς θύρας τῆς π. (4)
II Ki. 3. 27. ἐκ πλαγίων τῆς π. (4)
10. 8. παρὰ τῇ θύρᾳ τῆς π. [B² πόλεως] (4)
11. 23. ἕως τῆς θύρας τῆς π. (4)
15. 2. ἀνὰ χεῖρα τῆς ὁδοῦ τῆς π. (4)
18. 4. ἀνὰ χεῖρα τῆς π. (4)
— 24. ἐκάθητο ἀνὰ μέσον τῶν δύο π. (4)
— 24. εἰς τὸ δῶμα τῆς π. (4)
— 26. ἐβόησεν ὁ σκοπὸς πρὸς τῇ π. †
— 33 (19. 1). εἰς τὸ ὑπερῷον τῆς π. (4)
19. 8 (9). ἐκάθισεν ἐν τῇ π. (4)
— 8 (9). κάθηται ἐν τῇ π. (4)
— 8 (9). R εἰσῆλθε . . . ἐπὶ τὴν π. [A B om. ἐ. τ. π.] –
23. 15, 16. ἐκ τοῦ λάκκου τοῦ ἐν B. τοῦ ἐν τῇ π. (4)
III Ki. 12. 24. B εἰσελθούσης σου τὴν π. [R πόλιν] –
22. 10. ἐκάθηντο . . . ἐν ταῖς π. [A πύλεσιν] Σαμ. (3 + 4)
IV Ki. 7. 1. ἐν ταῖς π. Σαμαρείας (4)
— 10. ἐβόησαν πρὸς τὴν π. τῆς πόλεως †
— 17. κατέστησε . . . ἐπὶ τῆς π. (4)
— 17. συνεπάτησεν αὐτὸν . . . ἐν τῇ π. [A ἐπὶ τῆς π.] (4)
— 18. ἐν τῇ π. Σαμαρείας (4)
— 20. συνεπάτησεν αὐτὸν . . . ἐν τῇ π. (4)
10. 8. παρὰ τὴν θύραν τῆς π. [A πόλεως, B² π. πόλεως] (4)
11. 6. τὸ τρίτον ἐν τῇ [A om.] π. τῶν ὁδῶν (4)
— 6. τὸ τρίτον τῆς π. ὀπίσω τῶν παρατρεχόντων (4)
IV Ki. 11. 19. ὁδὸν πύλης τῶν παρατρεχόντων (4)
14. 13. ἐν τῇ π. Ἐφρ. ἕως πύλης [A τῆς π.] τῆς γωνίας (4, 4)
15. 35. ᾠκοδόμησε τὴν π. οἴκου κ. τὴν ἐπάνω (4)
23. 8. A B καθεῖλε τὸν οἶκον τῶν π. τὸν παρὰ τὴν θύραν τῆς π. Ἰησοῦ ἄρχοντος τῆς π. [R πόλεως] (4, 4, †)
— 8. ἐν τῇ π. τῆς πόλεως (4)
25. 4. ἐξῆλθον νυκτὸς ὁδὸν πύλης (4)
I Ch. 9. 18. ἐν τῇ π. τοῦ βασ. κατ᾽ ἀνατολάς (4)
— 18. αὗται αἱ [A om.] π. τῶν παρεμβολῶν †
— 22. A B πάντες οἱ ἐκλεκτοὶ ταῖς π. [R ἐπὶ τῆς π.] ἐν ταῖς π. (†, 2)
— 23. οἱ υἱοὶ αὐ. ἐπὶ τῶν π. (4)
— 24. κατὰ τοὺς τέσσ. ἀνέμους ἦσαν αἱ π. †
— 26. ἐν πίστει εἰσὶ τέσσ. δυνατοὶ τῶν π. †
11. 17. ἐκ τοῦ λάκκου Βηθ. τοῦ ἐν τῇ π. (4)
— 18. A B S² ὃς ἦν ἐν τῇ π. (4)
16. 42. οἱ υἱοὶ Ἰδ. εἰς τὴν π. [S¹ πόλιν] (4)
22. 3. εἰς τοὺς ἥλους . . . τῶν π. (4)
26. 1. A R εἰς διαιρέσεις τῶν π. [B φυλῶν] †
— 12. τούτοις αἱ διαιρέσεις τῶν π. †
— 16. μετὰ τὴν π. παστοφορίου (4)
— 18. μετὰ τὴν π. τοῦ παστοφορίου –
II Ch. 8. 5. τείχη πύλαι καὶ μοχλοί (1)
— 14. κατὰ τὰς διαιρέσεις αὐ. εἰς πύλην καὶ πύλην (4, 4)
14. 7 (6). ποιήσωμεν . . . πύλας (1)
18. 9. ἐν τῷ εὐρυχώρῳ θύρας πύλης Σαμ. (4)
23. 4. καὶ εἰς τὰς π. τῶν εἰσόδων †
— 5. καὶ τὸ τρίτον ἐν τῇ π. τῇ μέσῃ (4)
— 15. διῆλθε διὰ τῆς π. τῶν ἱππέων (4)
— 19. ἔστησαν οἱ πυλωροὶ ἐπὶ τὰς π. (4)
— 20. εἰσῆλθε διὰ τῆς π. τῆς ἐσωτέρας (4)
24. 8. τεθήτω ἐν πύλῃ οἴκου κυρίου (4)
25. 23. ἀπὸ πύλης Ἐφρ. ἕως πύλης γωνίας (4, 4)
26. 9. R καὶ ἐπὶ τὴν π. τῆς γωνίας καὶ ἐπὶ τὴν π. τῆς φάραγγος [A B al.] (4, 4)
27. 3. ᾠκοδόμησε τὴν π. οἴκου κυρίου (4)
31. 2. λειτουργεῖν ἐν ταῖς π. [A om. ἐν τ. π.] (4)
32. 6. ἐπὶ [A εἰς] τὴν πλατεῖαν τῆς π. (4)
33. 14. A B² R τὴν εἴσοδον τὴν διὰ τῆς π. τῆς ἰχθυϊκῆς (4)
— 14. ἐκπορευομένων [A πορ.] τὴν π. τὴν κυκλόθεν –
34. 9. οἱ Λ. φυλάσσοντες τὴν π. (2)
35. 15. καὶ οἱ πυλωροὶ πύλης [A τῆς π.] καὶ πύλης (4, 4)
II Es. 2. 42. B υἱοὶ τῶν π. [A R -ωρῶν] †
Ne. 1. 3. αἱ [A S¹ om.] πύλαι αὐτῆς ἐνεπρήσθησαν (4)
2. 3. αἱ π. αὐτῆς κατεβρώθησαν ἐν πυρί (4)
— 8. στεγάσαι τὰς π. (4)
— 13. ἐξῆλθον ἐν πύλῃ τοῦ γ. (4)
— 13. καὶ εἰς πύλην τῆς κοπρίας (4)
— 13. πύλαι αὐτῆς κατεβρώθησαν πυρί (4)
— 14. παρῆλθον ἐπὶ πύλην τοῦ αἰνά (4)
— 15. ἤμην ἐν πύλῃ [S τῇ π.] τῆς φάραγγος (4)
— 17. αἱ π. αὐ. ἐδόθησαν πυρί (4)
3. 1. ᾠκοδόμησαν τὴν π. τὴν προβατικήν (4)
— 3. τὴν π. τὴν ἰχθυηρὰν ᾠκοδόμησαν (4)
— 6. τὴν π. Ἰασαναῖ ἐκράτησαν (4)
— 13. τὴν π. τῆς φάραγγος ἐκράτησαν (4)
— 13. A S¹ R ἕως τῆς [B S² om.] π. τῆς κοπρίας (4)
— 14. τὴν π. τῆς κοπρίας ἐκράτησε M. (4)
— 15. R τὴν δὲ π. τῆς πηγῆς ἠσφαλίσατο Σ. (4)
— 26. ἕως κήπου πύλης τοῦ ὕδατος (4)
— 28. ἀνώτερον πύλης τῶν ἵππων (4)
— 29. A S R φύλαξ τῆς π. [B φ. οἴκου] τῆς ἀνατολῆς (4)
— 31. ἀπέναντι πύλης τοῦ Μαφ. (4)
— 32. B S ἀνὰ μέσον ἀναβάσεως [A R om.] τῆς πύλης τῆς προβ. (4)
6. 1. οὐκ ἐπέστησα ἐν [S¹ ἐπὶ, S² om.] ταῖς π. (4)
7. 3. οὐκ ἀνοιγήσονται πύλαι Ἱερ. (4)
8. 1. τὸ πλάτος τὸ ἔμπροσθεν πύλης τοῦ ὕδ. (4)
— 16. καὶ ἕως πύλης [A οἴκου] Ἐφρ. (4)
11. 19. S² οἱ φυλάσσοντες ἐν ταῖς π. (4)
12. 31. S² ἐπάνω τοῦ τείχους τῆς π. τῆς κοπρίας (4)
— 37. καὶ Ἔσδρας . . . ἐπὶ πύλης (4)
— 37. A R ἕως τῆς [B S om.] π. τοῦ ὕδατος (4)
— 39. S² καὶ ὑπεράνω τῆς π. (4)
— 39. S² καὶ ἐπὶ τὴν π. τῆς ἰσανά (4)
— 39. S² R καὶ ἐπὶ τὴν [A B S¹ om.] π. τὴν ἰχθυηράν (4)
— 39. ἕως πύλης [S² τῆς π.] τῆς προβατικῆς (4)

Ne. 12. 39. S² ἐν πύλῃ τῆς φυλακῆς (4)
13. 19. ἡνίκα κατέστησαν πύλαι ἐν Ἱερ. (4)
— 19. ἔκλεισαν τὰς π. (1)
— 19. ἔστησα ἐπὶ τὰς π. (4)
— 22. φυλάσσοντες τὰς π. (4)
To. 11. 15. S ἐστὶν σύνεγγυς τῆς π. Νιν.
— 16. A S ἐξῆλθε . . . πρὸς τὴν π. [B τῇ π.] Νιν.
Ju. 1. 3. τοὺς πύργους . . . ἐπὶ ταῖς π. [S τὰς π.] αὐ.
— 4. ἐποίησε τὰς π. αὐτῆς π. διεγειρομένας
7. 22. καὶ ἐν ταῖς διόδοις τῶν π. [S ὁδῶν]
8. 33. στήσεσθε ἐπὶ τῆς π.
10. 6. ἐξῆλθοσαν ἐπὶ τὴν π. τῆς πόλεως B.
— 9. ἀνοίξαί μοι τὴν π. τῆς πόλεως
13. 10. ἦλθοσαν πρὸς τὰς π. αὐτῆς
— 11. τοῖς φυλάσσουσιν ἐπὶ τῶν π.
— 11. ἀνοίξατε δὴ τὴν π.
— 12. τοῦ καταβῆναι ἐπὶ τὴν π. τῆς πόλεως αὐ.
— 13. ἤνοιξαν τὴν π.
Es. 4. 2. ἦλθεν ἕως τῆς π. [A αὐλῆς] τοῦ βασ. (4)
— 2. S² εἰσελθεῖν εἰς τὴν π. [A B S¹ αὐλήν] (4)
— 6. S² κατὰ πρόσωπον τῆς π. τῆς πόλεως (4)
8. 13. πρὸς ταῖς Σούσων π. ἐσταυρῶσθαι
Jb. 3. 10. οὐ συνέκλεισε πύλας γαστρὸς μητρός μου (1)
38. 8. ἔφραξα δὲ θάλασσαν πύλαις (1)
— 10. περιθεὶς κλεῖθρα καὶ πύλας (1)
— 17. ἀνοίγονται δέ σοι φόβῳ πύλαι θανάτου (4)
41. 5 (6). πύλας προσώπου αὐτοῦ τίς ἀνοίξει (1)
Ps. 9. 13. ὁ ὑψῶν με ἐκ τῶν π. τοῦ θανάτου (4)
— 14. ἐν ταῖς π. τῆς θυγατρὸς Σιών (4)
23 (24). 7, 9. ἄρατε πύλας, οἱ ἄρχοντες ὑμῶν, καὶ ἐπάρθητε, πύλαι αἰώνιοι (4, 3)
68 (69). 12. οἱ καθήμενοι ἐν πύλῃ [S² -αις] (4)
72 (73). 28. ἐν ταῖς π. τῆς θυγατρὸς Σιών –
86 (87). 2. ἀγαπᾷ κύριος τὰς π. Σιών (4)
99 (100). 4. εἰσέλθατε εἰς τὰς π. αὐτοῦ (4)
106 (107). 16. συνέτριψε πύλας χαλκᾶς (1)
— 18. ἤγγισαν ἕως τῶν π. τοῦ θανάτου (4)
117 (118). 19. ἀνοίξατέ μοι πύλας δικαιοσύνης (4)
— 20. αὕτη ἡ π. τοῦ κυρίου (4)
126 (127). 5. A S¹ ὅταν λαλῶσι τοῖς ἐχθροῖς αὐτῶν ἐν πύλῃ [S² B -αις] (4)
147. 2 (13). ἐνίσχυσε τοὺς μοχλοὺς τῶν π. σου (4)
Pr. 1. 21. ἐπὶ δὲ πύλαις δυναστῶν παρεδρεύει ἐπὶ δὲ πύλαις πόλεως θαρροῦσα λέγει (–, 3+4)
8. 3. παρὰ γὰρ πύλαις δυναστῶν παρεδρεύει (4)
12. 13. ὁ δὲ συναντῶν ἐν πύλαις ἐκθλίψει ψυχάς –
22. 22. μὴ ἀτιμάσῃς ἀσθενῆ ἐν πύλαις (4)
24. 7. σοφία καὶ ἔννοια ἀγαθὴ ἐν πύλαις σοφῶν (4)
31. 23. περίβλεπτος δὲ γίνεται ἐν πύλαις [S ῥύμαις] ὁ ἀνὴρ αὐτῆς (4)
— 31. αἰνείσθω ἐν πύλαις ὁ ἀνὴρ αὐτῆς (4)
Ca. 7. 4 (5). ἐν πύλαις θυγατρὸς πολλῶν (4)
Wi. 6. 14. πάρεδρον γὰρ εὑρήσει τῶν π. [S¹ πλούτων] αὐτοῦ
16. 13. κατάγεις εἰς πύλας ᾅδου καὶ ἀνάγεις
Si. 49. 13. τοῦ . . . στήσαντος πύλας καὶ μοχλούς
Am. 5. 10. ἐμίσησαν ἐν πύλαις ἐλέγχοντα (4)
— 12. πένητας ἐν πύλαις ἐκκλίνοντες (4)
— 15. ἀποκαταστήσατε ἐν πύλαις κρίμα (4)
Mi. 1. 9. ἥψατο ἕως πύλης λαοῦ μου (4)
— 12. κατέβη κακὰ . . . ἐπὶ πύλας Ἱερ. (4)
2. 13. διῆλθον πύλην (4)
5. 1 (4. 14). B πατάξουσιν . . . τὰς π. [A R φυλὰς] τοῦ Ἰσρ. †
Ob. 1. 11. εἰσῆλθον εἰς [A *add.* τὰς] πύλας αὐ. (4)
— 13. μηδὲ εἰσέλθῃς εἰς πύλας λαῶν (4)
Na. 2. 6 (7). πύλαι τῶν πόλεων [S¹ ποταμῶν] διηνοίχθησαν (4)
3. 13. ἀνοιχθήσονται πύλαι τῆς γῆς σου (4)
Ze. 1. 10. φωνὴ κραυγῆς ἀπὸ πύλης ἀποκεντούντων (4)
Hg. 2. 15 (14). ἐμισεῖτε ἐν πύλαις ἐλέγχοντας –
Za. 8. 16. κρίμα εἰρηνικὸν κρίνατε ἐν ταῖς π. ὑμῶν (4)
14. 10. ἀπὸ τῆς π. Βεν. ἕως τοῦ τόπου [A *om.* τ. τ.] τῆς π. τῆς πρώτης ἕως τῆς π. τῶν γωνιῶν (4 *ter*)
Is. 14. 31. ὀλολύξατε, πύλαι πόλεων (4)
22. 7. οἱ δὲ ἱππεῖς ἐμφράξουσι τὰς π. σου (4)
— 8. καὶ ἀνακαλύψουσι τὰς π. Ἰούδα †
26. 2. ἀνοίξατε πύλας (4)
29. 21. πάντας δὲ τοὺς ἐλέγχοντας ἐν πύλαις (4)
38. 10. ἐν πύλαις ᾅδου καταλείψω τὰ ἔτη τὰ ἐπίλοιπα (4)
54. 12. θήσω . . . τὰς π. σου λίθους κρυστάλλου (4)
60. 11. ἀνοιχθήσονται αἱ π. σου διὰ παντός (4)
— 18. καὶ αἱ π. σου Γλύμμα (4)
Is. 62. 10. πορεύεσθε διὰ τῶν π. μου (4)
Je. 1. 15. ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῶν π. Ἱερουσαλήμ (4)
14. 2. αἱ π. αὐτῆς ἐκενώθησαν (4)
15. 7. ἐν πύλαις λαοῦ μου ἠτεκνώθησαν (4)
17. 19. στῆθι ἐν ταῖς [A *om.*] π. υἱῶν λαοῦ σου . . . καὶ ἐν πάσαις ταῖς π. Ἱερ. (4, 4)
— 20. οἱ εἰσπορευόμ. ἐν ταῖς π. ταύταις (4)
— 21. A B S² μὴ ἐκπορεύεσθε ταῖς π. Ἱερ. (4)
— 24. τοῦ μὴ εἰσφέρειν βαστάγματα διὰ τῶν π. τῆς πόλεως ταύτης (4)
— 25. εἰσελεύσονται διὰ τῶν π. τῆς πόλεως ταύτης βασιλεῖς (4)
— 27. μὴ εἰσπορεύεσθαι ταῖς π. Ἱερουσαλήμ . . . ἀνάψω πῦρ ἐν ταῖς π. αὐτῆς (4, 4)
19. 2. ὅ ἐστιν ἐπὶ τῶν προθύρων πύλης [A τῆς π., S πυλῶν] τῆς χαρσείθ (4)
— 3. A B οἱ εἰσπορευόμενοι ἐν ταῖς π. ταύταις –
20. 2. εἰς τὸν καταράκτην ὃς ἦν ἐν πύλῃ οἴκου (4)
22. 2. οἱ εἰσπορευόμενοι [A *add.* ἐν] ταῖς π. ταύταις [S τὰς π. τ.] (4)
— 4. εἰσελεύσονται ἐν ταῖς π. τοῦ οἴκου τούτου βασιλεῖς (4)
— 19. ῥιφήσεται ἐπέκεινα τῆς π. Ἱερουσαλήμ (4)
28 (51). 58. αἱ π. αὐτῆς αἱ ὑψηλαὶ ἐμπυρισθήσονται (4)
33 (26). 10. ἐκάθισαν ἐν προθύροις πύλης [A *add.* κυρίου] τῆς καινῆς (4)
38 (31). 38. ἕως πύλης [A τῆς π.] τῆς γωνίας (4)
— 40. ἕως γωνίας πύλης ἵππων ἀνατολῆς (4)
43 (36). 10. ἐν προθύροις πύλης τοῦ [A *om.* π. τ.] οἴκου κυρίου τῆς καινῆς (4)
44 (37). 13. ἐγένετο αὐτὸς ἐν πύλῃ Βενιαμίν (4)
45 (38). 7. ὁ βασ. ἦν ἐν τῇ π. [A αὐλῇ] Βεν. (4)
46 (39). 3. ἐκάθισαν ἐν πύλῃ [A τῇ π.] τῇ μέσῃ (4)
50 (43). 9. ἐν πύλῃ τῆς οἰκίας Φ. [A *om.*] (3)
51 (44). 6. ἐξεκαύθη ἐν πύλαις Ἰούδα †
52. 7. A ἐξῆλθον νυκτὸς κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. [S¹ πόλεως] ἀνὰ μέσον τῆς π. [B S τοῦ τείχους] καὶ τοῦ προτειχίσματος (4, †)
La. 1. 4. πᾶσαι αἱ π. αὐτῆς ἠφανισμέναι (4)
2. 9. ἐνεπάγησαν εἰς γῆν πύλαι [A αἱ π.] αὐτῆς (4)
4. 12. εἰσελεύσεται . . . διὰ τῶν π. Ἱερ. (4)
5. 14. πρεσβῦται ἀπὸ πύλης κατέπαυσαν (4)
Ez. 8. 3. ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῆς π. [A *add.* τῆς ἐσωτέρας] (4)
— 5. ἀπὸ βορρᾶ ἐπὶ τὴν π. (4)
— 14. εἰσήγαγέ με ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῆς π. (4)
9. 2. ἀπὸ τῆς ὁδοῦ τῆς π. τῆς ὑψηλῆς (4)
10. 19. ἔστησαν ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῆς π. οἴκου (4)
11. 1. ἤγαγέ με ἐπὶ τὴν π. τοῦ οἴκου κυρίου τὴν κατέναντι . . . ἐπὶ τῶν προθύρων τῆς π. (4, 4)
21. 15 (20). καὶ πληθυνθῶσιν οἱ ἀσθενοῦντες ἐπὶ πᾶσαν πύλην (4)
— 22 (27). τοῦ βαλεῖν χάρακα ἐπὶ τὰς π. αὐτῆς (4)
26. 10. εἰσπορευομένου αὐτοῦ τὰς π. σου (4)
40. 3. εἱστήκει ἐπὶ τῆς π. (4)
— 6. εἰσῆλθεν εἰς τὴν π. τὴν βλέπουσαν κατὰ ἀνατολὰς . . . διεμέτρησε τὸ αἰλὰμ τῆς π. (4, 4)
— 9. πλησίον τοῦ αἰλὰμ τῆς π. –
— 9. A διεμέτρησεν τὸ αἰλὰμ τῆς π. (4)
— 9. καὶ τὸ αἰλὰμ τῆς π. ἔσωθεν (4)
— 10. τὰ [A τὸ] θεὲ τῆς π. (4)
— 13. διεμέτρησε τὴν π. . . . αὕτη π. ἐπὶ πύλην (4, 3, 3)
— 14. τὸ αἴθριον τοῦ αἰλὰμ τῆς π. ἔξωθεν πήχεις εἴκοσι θεεὶμ [A ἔξ. εἴ. πέντε καὶ τὸ θεὲμ] τῆς π. κύκλῳ (–, 4)
— 15. τὸ αἴθριον τῆς π. ἔξωθεν εἰς τὸ αἴθριον [A *add.* τῆς π. τοῦ] αἰλὰμ τῆς π. ἔσωθεν (4, [–], 4)
— 16. ἔσωθεν τῆς π. τῆς αὐλῆς (4)
— 18. αἱ στοαὶ κατὰ νώτου τῶν π. κατὰ τὸ μῆκος τῶν π. (4, 4)
— 19. ἀπὸ τοῦ αἰθρίου τῆς π. τῆς ἐξωτέρας ἔσωθεν ἐπὶ τὸ αἴθριον τῆς π. τῆς βλεπούσης ἔξω (4, †)
— 20. ἰδοὺ π. βλέπουσα πρὸς βορρᾶν (4)
— 21. κατὰ τὰ μέτρα τῆς π. τῆς βλεπούσης κατὰ ἀνατολάς (4)
— 22. καθὼς ἡ π. ἡ βλέπουσα κατὰ ἀνατολάς (4)
— 23. π. [A τῇ π.] τῇ αὐλῇ τῇ ἐσωτέρᾳ βλέπουσα ἐπὶ πύλην τοῦ βορρᾶ ὃν τρόπον τῆς π. τῆς βλεπούσης κατὰ ἀνατολάς . . . ἀπὸ πύλης ἐπὶ πύλην (4, 4, –, 4, 4)
Ez. 40. 24. π. βλέπουσα πρὸς νότον (4)
— 27. A R π. κατέναντι τῆς [B *om.*] π. τῆς αὐλῆς . . . διεμέτρησε τὴν αὐλὴν ἀπὸ πύλης ἐπὶ πύλην (4, –, 4, 4)
— 28. εἰσήγαγέ με εἰς τὴν αὐλὴν τὴν ἐσωτέραν τῆς π. τῆς πρὸς νότον καὶ διεμέτρησε τὴν π. (4, 4)
— 32. εἰσήγαγέ με εἰς τὴν π. τὴν βλέπουσαν κατὰ ἀνατολάς †
— 35. εἰσήγαγέ με εἰς τὴν π. τὴν πρὸς βορρᾶν (4)
— 38. ἐπὶ τῆς π. τῆς δευτέρας ἔκρυσις (4 ?)
— 39. A ἐν δὲ τῷ αἰλὰμ τῆς π. δύο τράπεζαι (4)
— 40. κατὰ νώτου τῆς δευτέρας καὶ τοῦ αἰλὰμ τῆς π. δύο τράπεζαι (4)
— 41. κατὰ νώτου τῆς π. (4)
— 44. κατὰ νώτου τῆς π. τῆς βλεπούσης πρὸς βορρᾶν . . . κατὰ νώτου τῆς π. τῆς πρὸς νότον (4, 4)
42. 1. κατέναντι τῆς π. τῆς πρὸς βορρᾶν †
— 3. αἱ π. τῆς αὐλῆς τῆς ἐσωτέρας –
— 15. καθ' ὁδὸν τῆς π. τῆς βλεπούσης πρὸς [A B² κατ'] ἀνατολάς (4)
— 16. κατὰ νώτου τῆς π. τῆς βλεπούσης κατὰ ἀνατολάς –
43. 1. ἤγαγέ με ἐπὶ τὴν π. τὴν βλέπουσαν κατὰ ἀνατολάς (4)
— 2. A κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς βλεπούσης [B ὁ. τὴν] πρὸς ἀνατολάς –
— 4. κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς βλεπούσης κατὰ ἀνατολάς (4)
44. 1. κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῶν ἁγίων τῆς ἐξωτέρας (4)
— 2. ἡ π. αὕτη κεκλεισμένη ἔσται (4)
— 3. κατὰ τὴν ὁδὸν αἰλὰμ τῆς π. εἰσελεύσεται (4)
— 4. εἰσήγαγέ με κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς πρὸς βορρᾶν (4)
— 11. θυρωροὶ ἐπὶ τῶν π. τοῦ οἴκου (4)
— 17. ἐν τῷ εἰσπορεύεσθαι αὐτοὺς τὰς π. τῆς αὐλῆς . . . ἀπὸ τῆς π. τῆς ἐσωτέρας αὐλῆς (4, 4)
45. 19. δώσει . . . ἐπὶ τὰς φλιὰς τῆς π. (4)
46. 1. π. ἡ ἐν τῇ αὐλῇ τῇ ἐσωτέρᾳ . . . ἔσται κεκλεισμένη (4)
— 2. κατὰ τὴν ὁδὸν τοῦ αἰλὰμ τῆς π. τῆς ἔσωθεν [A ἔξω.] . . . ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῆς π. . . . ἐπὶ τοῦ προθύρου τῆς π. . . . ἡ π. οὐ μὴ κλεισθῇ (4 *quater*)
— 3. κατὰ τὰ πρόθυρα τῆς π. ἐκείνης (4)
— 8. κατὰ τὴν ὁδὸν τοῦ αἰλὰμ τῆς π. εἰσελεύσεται καὶ κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. ἐξελεύσεται (4, †)
— 9. κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς βλεπούσης [A *om.*] πρὸς βορρᾶν . . . κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς πρὸς νότον . . . κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς πρὸς νότον . . . κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς πρὸς βορρᾶν οὐκ ἀναστρέψει κατὰ τὴν π. (4 *quinquiens*)
— 12. ἀνοίξει ἑαυτῷ τὴν π. τὴν βλέπουσαν κατ' ἀνατολάς (4)
— 19. εἰς τὴν εἴσοδον τῆς κατὰ νώτου τῆς π. (4)
47. 2. κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς πρὸς βορρᾶν . . . πρὸς τὴν π. τῆς αὐλῆς τῆς βλεπούσης κατ' ἀνατολάς (4, 4)
48. 31. αἱ π. τῆς πόλεως ἐπ' ὀνόμασι φυλῶν τοῦ Ἰσραὴλ πύλαι τρεῖς πρὸς βορρᾶν π. Ῥουβὴν μία καὶ π. Ἰούδα μία καὶ π. Λευὶ μία (4 *quinquiens*)
— 32. πύλαι τρεῖς π. Ἰωσὴφ μία καὶ π. Βενιαμὶν μία καὶ π. Δὰν μία (4 *quater*)
— 33. πύλαι τρεῖς π. Συμεὼν μία καὶ π. Ἰσσαχὰρ μία καὶ π. Ζαβουλὼν μία (4 *quater*)
— 34. πύλαι τρεῖς π. Γὰδ μία καὶ π. Ἀσὴρ μία καὶ π. Νεφθαλὶμ μία (4 *quater*)
Da. LXX. 8. 2. ἔτι ὄντος μου πρὸς τῇ π. Αἰ. †
— 3. ἑστῶτα ἀπέναντι τῆς π. †
— 6. ὃν εἶδον ἑστῶτα πρὸς τῇ π. †
1 Ma. 4. 38. A R ἴδον . . . τὰς π. [S θύρας] κατακεκαυμένας
— 57. ἐνεκαίνισαν τὰς π.
5. 21. S R ἐδίωξεν αὐτοὺς ἕως τῆς π. [A τῶν πόλεων] Πτ.
— 47. ἐνέφραξαν τὰς π. λίθοις
9. 50. A R ἐν τείχεσιν ὑψηλοῖς καὶ πύλαις [S *al.*]
12. 48. ἀπέκλεισαν οἱ Πτ. τὰς π.
13. 33. καὶ περιετείχισε . . . πύλαις
15. 39. R ὀχυρῶσαι [S οἰκοδομῆσαι] τὰς π. [A *al.*]

II Ma. 10. 36. οἱ δὲ τὰς π. διέκοπτον
III Ma. 5. 48. R τῶν ἐλεφάντων ἐξιόντων περὶ [A ἐπὶ] πύλην
— 51. πρὸς πύλαις ᾅδου καθεστῶτας
6. 18. ἠνέῳξε τὰς οὐρανίους π.
IV Ma. 3. 13. λαθόντες τοὺς τῶν π. ἀκροφύλακας

[Aq. Nu. 4. 26: Dt. 12. 18: 15. 22: 23. 16 (17): Ps. 23 (24). 7: 68 (69). 13: Pr. 31. 31: Is. 26. 2: Je. 7. 2 *bis*: 15. 7: 17. 21: Ez. 40. 40: 44. 3 (P.).]
[Sm. Dt. 23. 16 (17): Ps. 23 (24). 7 *bis*: 68 (69). 13: 73 (74). 6: Is. 54. 12: Je. 7. 2 *bis*: Ez. 40. 9, 11, 15 *bis*, 27, 40: 44. 3 (P.): Mi. 5. 6 (5).]
[Th. Dt. 23. 16 (17): Jd. 16. 2: Is. 28. 6: Je. 7. 2 *bis*: 39 (46). 4: Ez. 44. 3 (P.).]
[Al. Dt. 5. 14: 11. 20.]

πυλών. (1) סַף (2) פֶּתַח (3) שַׁעַר

Ge. 43. 19. ἐλάλησαν αὐτῷ ἐν τῷ π. τοῦ οἴκου (2)
Jd. 18. 16. A παρὰ τὴν θύραν τοῦ π. [B *al.*] (3)
— 17. A παρὰ τῇ θύρᾳ τοῦ π. (3)
19. 26. A παρὰ τὴν θύραν τοῦ π. [B *om.* τ. π.] τοῦ οἴκου –
III Ki. 6. 8. ὁ π. τῆς πλευρᾶς τῆς ὑποκάτωθεν (2)
— 33. A οὕτως ἐποίησεν τῷ π. (2)
14. 27. οἱ φυλάσσοντες τὸν π. (2)
17. 10. εἰς τὸν π. τῆς πόλεως (2)
IV Ki. 11. 6 (5). φυλάξατε φυλακὴν . . . ἐν τῷ π. –
I Ch. 19. 9. παρὰ τὸν π. τῆς πόλεως (2)
26. 13. εἰς πυλῶνα καὶ πυλῶνα (3, 3)
II Ch. 3. 7. ἐχρύσωσε . . . τοὺς π. (1)
12. 10. τοὺς φυλάσσοντας τὸν π. τοῦ βασ. (2)
I Es. 1. 16. οἱ θυρωροὶ ἐφ' ἑκάστου π.
5. 47. εἰς τὸ εὐρύχωρον τοῦ πρώτου π.
7. 9. οἱ θυρωροὶ ἐφ' ἑκάστου π.
9. 38. A S R τοῦ πρὸς ἀνατολὰς τοῦ [B *om.*] ἱεροῦ π.
— 41. ἐν τῷ πρὸ τοῦ ἱεροῦ π.
Ze. 2. 14. A B S² κόρακες ἐν τοῖς π. αὐ. (1)
Ez. 33. 30. οἱ λαλοῦντες . . . ἐν τοῖς π. τῶν οἰκιῶν (2)
40. 9. τὸ αἰλὰμ τοῦ π. πλησίον τοῦ αἰλὰμ τῆς πύλης (3)
— 11. διεμέτρησε τὸ πλάτος τῆς θύρας τοῦ π. πηχῶν δέκα καὶ τὸ εὖρος τοῦ π. πηχῶν δέκα τριῶν (3, 3)
41. 2. τὸ εὖρος τοῦ π. πηχῶν δέκα καὶ ἐπωμίδες τοῦ π. πηχῶν πέντε (2, 2)
II Ma. 1. 8. ἐνεπύρισαν τὸν π.
3. 19. αἱ μὲν συνέτρεχον ἐπὶ τοὺς π.
8. 33. τοὺς ἐμπρήσαντας τοὺς ἱεροὺς π.

[Sm. Ez. 40. 9.]
[Th. Jd. 18. 16.]

πυλωρός. (1) שׁוֹעֵר (2) תֹּרֵעַ

I Ch. 9. 17. οἱ π. Σ. Ἀ. Τ. καὶ Δ. (1)
— 21. Ζαχ. . . . πυλωρὸς τῆς θύρας (1)
15. 18. καὶ μετ' αὐτῶν . . . οἱ π. (1)
— 23. καὶ Βαρ. καὶ Ἐλ. πυλωροὶ τῆς κιβ. (1)
— 24. καὶ Ἀβδ. καὶ Ἰ. πυλωροὶ τῆς κιβ. (1)
16. 38. καὶ Ἀβδ. . . . καὶ Ὁσὰ εἰς πυλωρούς (1)
23. 5. καὶ τέσσαρες χιλιάδες πυλωροί [B¹ *om.*] (1)
26. 19. αὗται αἱ διαιρέσεις τῶν π. (1)
II Ch. 8. 14. καὶ οἱ π. κατὰ τὰς διαιρέσεις αὐ. (1)
23. 19. ἔστησαν οἱ π. ἐπὶ τὰς π. (1)
31. 14. καὶ Κωρὴ . . . ὁ π. κατὰ ἀνατολάς (1)
34. 13. γραμματεῖς καὶ κριταὶ καὶ πυλωροί (1)
35. 15. καὶ οἱ π. πύλης καὶ πύλης (1)
II Es. 2. 42. A R υἱοὶ τῶν π. [B πυλῶν] (1)
— 70: 7. 7. οἱ ᾄδοντες καὶ οἱ π. (1)
7. 24. ἐν . . . τοῖς Δ. ᾄδουσι πυλωροῖς (2)
10. 24. καὶ ἀπὸ τῶν π. (1)
Ne. 7. 1. ἐπεσκέπησαν οἱ π. (1)
— 45. οἱ π. υἱοὶ Σ. (1)
— 73. οἱ π. καὶ οἱ ᾄδοντες (1)
10. 28 (29). οἱ Δ. οἱ π. οἱ ᾄδοντες (1)
— 39 (40). καὶ οἱ π. καὶ οἱ ᾄδοντες (1)
11. 19. καὶ οἱ π. (1)
12. 25. S² φύλακες πυλωροὶ φυλακῆς (1)
— 25. ἐν τῷ συναγαγεῖν με τοὺς π. †
— 30. ἐκαθάρισαν . . . τοὺς π. †
— 45. καὶ τοὺς ᾄδοντας καὶ τοὺς π. (1)
— 47: 13. 5. τῶν ᾀδόντων καὶ τῶν π. (1)
Jb. 38. 17. πυλωροὶ δὲ ᾅδου ἰδόντες σε ἔπτηξαν †

πυνθάνεσθαι. (1) דָּרַשׁ

Ge. 25. 22. πυθέσθαι παρὰ κυρίου (1)
II Ch. 31. 9. ἐπυνθάνετο Ἐζ. τῶν ἱερέων (1)
32. 31. πυθέσθαι παρ' αὐτοῦ τὸ τέρας (1)
I Es. 6. 11. ἐπυνθανόμεθα τῶν πρεσβυτέρων τούτων
Es. 3. 13. πυθομένου [A S² πυνθανομ.] δέ μου τῶν συμβούλων
6. 4. ἐν δὲ τῷ π. τὸν βασ. περὶ τῆς εὐνοίας Μ. –
Ca. 5. 9, 17. S πυνθάνονται τῆς νύμφης –
Da. LXX. 2. 15. ἐπυνθάνετο αὐτοῦ †
Da. TH. 2. 15. A καὶ ἐπυνθάνετο αὐτοῦ †
II Ma. 3. 9. ἐπυνθάνετο δὲ εἰ . . . ταῦτα οὕτως ἔχοντα τυγχάνει
III Ma. 1. 13. καὶ ἐπυνθάνετο
5. 18. ἐπυνθάνετο τίνος ἕνεκεν αἰτίας ἐλάθησαν
— 27. ἀγνωσίᾳ κεκρατημένος ἐπυνθάνετο
IV Ma. 9. 27. εἰ φαγεῖν βούλοιτο πρὶν βασανίζεσθαι πυνθανόμενοι
11. 13. πυνθανομένου τοῦ τυράννου εἰ βούλοιτο

[Sm. IV Ki. 1. 2.]
[Th. Da. 2. 15†.]

πυξίον. (1) לוּחַ (2) עֶשֶׁת

Ex. 24. 12. δώσω σοι τὰ π. τὰ λίθινα (1)
Ca. 5. 14. κοιλία αὐτοῦ πυξίον ἐλεφάντινον (2)
Hb. 2. 2. γράψον . . . σαφῶς εἰς [A ἐπὶ] πυξίον (1)
Is. 30. 8. γράψον ἐπὶ πυξίου ταῦτα (1)

πύξος. (1) שִׁטָּה

Is. 41. 19. θήσω εἰς τὴν ἄνυδρον γῆν κέδρον καὶ πύξον (1 ?)

[Sm. Is. 41. 19: 60. 13.]

πῦρ. (1) אור (2) *a.* אֵשׁ *b.* אֶשֶׁת (3) בְּעֵרָה (4) לַהַבָּה (5) לְהָבָה (6) נוּר (7) רֶשֶׁף (8) שְׂרֵפָה

Ge. 11. 3. ὀπτήσωμεν αὐτὰς πυρί (8)
15. 17. R καὶ ἰδοὺ . . . λαμπάδες πυρός (2 *a*)
19. 24. κύριος ἔβρεξεν . . . θεῖον καὶ πῦρ (2 *a*)
22. 6. ἔλαβε δὲ καὶ τὸ π. (2 *a*)
— 7. ἰδοὺ τὸ π. καὶ τὰ ξύλα (2 *a*)
Ex. 3. 2. ὤφθη . . . ἐν πυρὶ φλογὸς [A φλογὶ πυρός] (4 [2 *a*])
— 2. ὁ βάτος καίεται πυρί (2 *a*)
9. 23. διέτρεχε τὸ π. ἐπὶ τῆς γῆς (2 *a*)
— 24. καὶ τὸ π. φλογίζον ἐν τῇ χαλάζῃ (2 *a*)
— 28. παυσάσθω τοῦ γενηθῆναι . . . πῦρ –
12. 8. φάγονται τὰ κρέα . . . ὀπτὰ πυρί (2 *a*)
— 9. ἀλλ' ἢ ὀπτὰ πυρί (2 *a*)
— 10. ἐν πυρὶ κατακαύσετε (2 *a*)
13. 21. τὴν δὲ νύκτα ἐν στύλῳ πυρός (2 *a*)
— 22. καὶ ὁ στῦλος τοῦ π. νυκτός (2 *a*)
14. 24. ἐν στύλῳ πυρὸς καὶ νεφέλης (2 *a*)
19. 18. διὰ τὸ καταβεβηκέναι . . . τὸν θ. ἐν πυρί (2 *a*)
22. 6 (5). ἐὰν δὲ ἐξελθὸν πῦρ εὕρῃ ἀκάνθας (2 *a*)
— 6 (5). ὁ τὸ π. ἐκκαύσας (3)
24. 17. ὡσεὶ πῦρ φλέγον ἐπὶ τῆς κορυφῆς (2 *a*)
29. 14. τὰ δὲ κρέα . . . κατακαύσεις πυρί (2 *a*)
— 34. κατακαύσεις τὰ λοιπὰ πυρί (2 *a*)
32. 20. κατέκαυσεν αὐτὸν ἐν [A *om.* αὐ. ἐν] πυρί (2 *a*)
— 24. ἔρριψα εἰς τὸ π. (2 *a*)
34. 13. τὰ γλυπτὰ . . . κατακαύσετε ἐν [A *om.*] πυρί –
35. 3. οὐ καύσετε πῦρ (2 *a*)
40. 38. πῦρ ἦν ἐπ' αὐτῆς νυκτός (2 *a*)
Le. 1. 7. ἐπιθήσουσιν . . . πῦρ ἐπὶ τὸ θυσιαστ. (2 *a*)
— 7. ἐπιστοιβάσουσι ξύλα ἐπὶ τὸ π. (2 *a*)
— 8, 12, 17: 3. 5. τὰ ξύλα τὰ ἐπὶ τοῦ π. (2 *a*)
4. 12. κατακαύσουσιν αὐτὸν . . . ἐν πυρί (2 *a*)
6. 9 (2). τὸ π. τοῦ θυσιαστηρίου καυθήσεται (2 *a*)
— 10 (3). ἣν ἂν καταναλώσῃ τὸ π. (2 *a*)
— 12 (5). πῦρ ἐπὶ τὸ θυσιαστ. καυθήσεται (2 *a*)
— 13 (6). πῦρ διὰ παντὸς καυθήσεται (2 *a*)
— 30 (23): 7. 7 (17), 9 (19). ἐν πυρὶ κατα-καυθήσεται (2 *a*)
8. 17. κατέκαυσεν αὐτὰ πυρί [A *al.*] (2 *a*)
— 32. ἐν πυρὶ κατακαυθήσεται (2 *a*)
9. 11. κατέκαυσεν αὐτὰ πυρί (2 *a*)
— 24. ἐξῆλθε πῦρ παρὰ κυρίου (2 *a*)
10. 1. ἐπέθηκαν ἐπ' αὐτὸ πῦρ (2 *a*)
— 1. προσήνεγκαν . . . πῦρ ἀλλότριον (2 *a*)
— 2. ἐξῆλθε πῦρ παρὰ κυρίου (2 *a*)
13. 24. κατάκαυμα πυρός (2 *a*)
Le. 13. 52, 55, 57. ἐν πυρὶ κατακαυθήσεται (2 *a*)
16. 1. ἐν τῷ προσάγειν αὐτοὺς π. ἀλλότριον –
— 12. τὸ πυρεῖον πλῆρες ἀνθράκων πυρός (2 *a*)
— 13. ἐπιθήσει τὸ θυμίαμα ἐπὶ τὸ π. (2 *a*)
— 27. κατακαύσουσιν αὐτὰ ἐν πυρί (2 *a*)
19. 6. ἐν πυρὶ κατακαυθήσεται (2 *a*)
20. 14. ἐν πυρὶ κατακαύσουσιν αὐτόν (2 *a*)
21. 9. ἐπὶ πυρὸς κατακαυθήσεται (2 *a*)
Nu. 3. 4. προσφερόντων αὐτῶν π. ἀλλότριον (2 *a*)
6. 18. ἐπιθήσει τὰς τρίχας ἐπὶ τὸ π. (2 *a*)
9. 15. ὡς εἶδος πυρὸς ἕως πρωΐ (2 *a*)
— 16. καὶ εἶδος πυρὸς τὴν νύκτα (2 *a*)
11. 1. ἐξεκαύθη ἐν αὐτοῖς πῦρ παρὰ κυρίου (2 *a*)
— 2. ἐκόπασε τὸ π. (2 *a*)
— 3. A B² ἐξεκαύθη ἐν αὐτοῖς πῦρ [B¹ R *om.*] (2 *a*)
14. 14. καὶ ἐν στύλῳ πυρὸς τὴν νύκτα (2 *a*)
16. 7. A B² R ἐπίθετε ἐπ' αὐτὰ πῦρ (2 *a*)
— 18. B ἐπέθηκαν ἐπ' αὐτὰ πῦρ (2 *a*)
— 35. πῦρ ἐξῆλθε παρὰ κυρίου (2 *a*)
— 37 (17. 2). τὸ π. τὸ ἀλλότριον τοῦτο σπεῖρον (2 *a*)
— 46 (17. 11). ἐπίθες ἐπ' αὐτὸ πῦρ (2 *a*)
21. 28. πῦρ ἐξῆλθεν ἐξ Ἐσεβών (2 *a*)
— 30. προσεξέκαυσαν πῦρ ἐπὶ Μ. †
26. 10. ὅτε κατέφαγε τὸ π. τοὺς πεντήκ. καὶ διακοσίους (2 *a*)
— 61. ἐν τῷ προσφέρειν αὐτοὺς π. ἀλλότριον (2 *a*)
31. 10. ἐνέπρησαν ἐν [B² *om.*] πυρί (2 *a*)
— 23. ὃ διελεύσεται ἐν πυρί (2 *a*)
— 23. ὅσα ἐὰν μὴ διαπορεύηται διὰ πυρός (2 *a*)
De. 1. 33. ὁδηγῶν ὑμᾶς ἐν πυρὶ νυκτός (2 *a*)
4. 11. τὸ ὄρος ἐκαίετο πυρί (2 *a*)
— 12. ἐλάλησε κύριος . . . ἐκ μέσου τοῦ π. (2 *a*)
— 15. ᾗ ἐλάλησε κύριος . . . ἐκ μέσου τοῦ π. (2 *a*)
— 24. κ. ὁ θ. σου πῦρ καταναλίσκον ἐστί (2 *a*)
— 33. λαλοῦντος ἐκ μέσου τοῦ π. (2 *a*)
— 36. ἔδειξέ σοι τὸ π. αὐτοῦ τὸ μέγα (2 *a*)
— 36. τὰ ῥήμ. αὐ. ἤκουσας ἐκ μέσου τοῦ π. (2 *a*)
5. 4. ἐλάλησε κύριος . . . ἐκ μέσου τοῦ π. (2 *a*)
— 5. ἐφοβήθητε ἀπὸ προσώπου τοῦ π. (2 *a*)
— 22 (19). ἐλάλησε κύριος . . . ἐκ μέσου τοῦ π. (2 *a*)
— 23 (20). ὡς ἠκούσατε . . . ἐκ μέσου τοῦ π. †
— 23 (20). τὸ ὄρος ἐκαίετο πυρί (2 *a*)
— 24 (21). ἠκούσαμεν ἐκ μέσου τοῦ π. (2 *a*)
— 25 (22). ἐξαναλώσει ἡμᾶς τὸ π. τὸ μέγα τοῦτο (2 *a*)
— 26 (23). λαλοῦντος ἐκ μέσου τοῦ π. (2 *a*)
7. 5. τὰ γλυπτὰ . . . κατακαύσετε πυρί (2 *a*)
— 25. τὰ γλυπτὰ . . . καύσετε [A κατακ.] πυρί (2 *a*)
9. 3. πῦρ καταναλίσκον ἐστίν (2 *a*)
— 10. A² ἐκ μέσου τοῦ π. (2 *a*)
— 15. τὸ ὄρος ἐκαίετο πυρί (2 *a*)
— 21. κατέκαυσα αὐτὸν ἐν πυρί (2 *a*)
10. 4. οὓς ἐλάλησε . . . ἐκ μέσου τοῦ π. (2 *a*)
12. 3. τὰ γλυπτὰ . . . κατακαύσετε πυρί (2 *a*)
— 31. κατακαίουσιν ἐν πυρί (2 *a*)
13. 16 (17). ἐμπρήσεις τὴν πόλιν ἐν πυρί (2 *a*)
18. 10. περικαθαίρων . . . ἐν πυρί (2 *a*)
— 16. καὶ τὸ π. τὸ μέγα τοῦτο (2 *a*)
32. 22. πῦρ ἐκκέκαυται ἐκ τοῦ θυμοῦ μου (2 *a*)
Jo. 6. 23 (24). A ἐνεπυρίσθη ἐν πυρί [B *al.*] (2 *a*)
7. 15. κατακαυθήσεται ἐν πυρί (2 *a*)
8. 19. ἐνέπρησαν τὴν πόλιν ἐν πυρί (2 *a*)
— 28. ἐνεπύρισεν Ἰ. τὴν πόλιν ἐν πυρί –
11. 6. κατακαύσεις ἐν [A *om.*] πυρί (2 *a*)
— 9. A B ἐνέπρησεν ἐν [R *om.*] πυρί (2 *a*)
— 11. τὴν Ἀ. ἐνέπρησαν ἐν πυρί (2 *a*)
16. 10. ἐνέπρησεν αὐτὴν ἐν πυρί –
Jd. 1. 8. τὴν πόλιν ἐνέπρησαν ἐν πυρί (2 *a*)
6. 21. ἀνέβη [A -ήφθη] πῦρ ἐκ τῆς πέτρας (2 *a*)
9. 15. ἐξέλθῃ πῦρ ἀπ' ἐμοῦ [A ἐκ τῆς ῥάμνου] (2 *a*)
— 20. ἐξέλθοι πῦρ ἀπὸ [A ἐξ] Ἀβιμ. (2 *a*)
— 20. ἐξέλθοι πῦρ ἀπὸ ἀνδρῶν Σικ. (2 *a*)
— 49. καὶ ἐνεπύρισαν [A -έπρησαν] . . . ἐν πυρί (2 *a*)
— 52. τοῦ ἐμπρῆσαι αὐτὸν ἐν πυρί (2 *a*)
12. 1. τὸν οἶκόν σου ἐμπρήσομεν . . . ἐν πυρί (2 *a*)
14. 15. μή ποτε κατακαύσωμέν [A ἐμπυρίσ.] σε . . . ἐν πυρί (2 *a*)
15. 5. ἐξέκαυσε [A -ῆψεν] πῦρ (2 *a*)
— 6. ἐνέπρησαν [A -πύρισαν] . . . ἐν πυρί (2 *a*)
— 14. ὃ ἐξεκαύθη ἐν πυρί [A ἡνίκα ἂν ὀσφραν-θῇ πυρός] (2 *a*)
16. 9. ἐν τῷ ὀσφρανθῆναι αὐτὸ πυρός (2 *a*)
18. 27. τὴν πόλιν ἐνέπρησαν ἐν πυρί [A *om.* ἐν π.] (2 *a*)

Jd. 20. 48. ἐνέπρησαν [A ἐξαπέστειλαν] ἐν πυρί (2 a)
I Ki. 2. 28. τὰ πάντα τοῦ π. υἱῶν Ἰσρ. (2 b)
30. 1. B ἐνεπύρισαν [B -εν, A -έπρησεν] αὐτὴν ἐν πυρί (2 a)
— 3. ἐμπεπύρισται ἐν πυρί (2 a)
— 14. τὴν Σ. ἐνεπυρίσαμεν ἐν πυρί (2 a)
II Ki. 14. 30. ἐμπρήσατε αὐτὴν ἐν πυρί (2 a)
— 30. ἐνεπύρισαν . . . τὴν μερίδα ἐν πυρί (2 a)
— 31. ἵνα τί ἐνεπύρισαν . . . τὴν μερίδα τὴν ἐμὴν ἐν πυρί (2 a)
22. 9. πῦρ ἐκ στόματος αὐτοῦ κατέδεται (2 a)
— 13. ἐξεκαύθησαν ἄνθρακες πυρός (2 a)
23. 7. καὶ ἐν πυρὶ καύσει (2 a)
III Ki. 9. 16. A ἐνέπρησεν αὐτὴν ἐν πυρί (2 a)
15. 13. καὶ ἐνέπρησε πυρί –
16. 18. A ἐνεπύρισαν . . . ἐν πυρί [B om. ἐν π.] (2 a)
18. 23. καὶ πῦρ μὴ ἐπιθέτωσαν (2 a)
— 23. καὶ πῦρ οὐ μὴ ἐπιθῶ (2 a)
— 24. ὃς ἐὰν ἐπακούσῃ ἐν πυρί (2 a)
— 25. πῦρ μὴ ἐπιθῆτε (2 a)
— 36. ἐπάκουσόν μου σήμερον ἐν πυρί [A *al.*] –
— 38. ἔπεσε πῦρ παρὰ κυρίου (2 a)
— 38. τὸν χοῦν ἐξέλειξε τὸ π. –
19. 12. μετὰ τὸν συσσεισμὸν πῦρ (2 a)
— 12. οὐκ ἐν τῷ π. κύριος (2 a)
— 12. μετὰ τὸ π. φωνὴ αὔρας λεπτῆς (2 a)
IV Ki. 1. 10. καταβήσεται πῦρ ἐκ τοῦ οὐρ. (2 a)
— 10. κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐρ. (2 a)
— 12. καταβήσεται πῦρ ἐκ τοῦ οὐρ. (2 a)
— 12, 14. κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐρ. (2 a)
2. 11. ἅρμα πυρὸς καὶ ἵπποι πυρός (2 a, 2 a)
6. 17. καὶ ἅρμα πυρὸς περικύκλῳ Ἐλ. (2 a)
8. 12. τὰ ὀχυρώμ. αὐ. ἐξαποστελεῖς ἐν πυρί (2 a)
16. 3. A B τὸν υἱὸν αὐ. διῆγεν ἐν [B om.] πυρί (2 a)
17. 17. διῆγον τοὺς υἱοὺς αὐ. . . . ἐν πυρί (2 a)
— 31. κατέκαιον τοὺς υἱοὺς αὐ. ἐν πυρί (2 a)
19. 18. ἔδωκαν τοὺς θεοὺς αὐ. εἰς τὸ π. (2 a)
21. 6. διῆγε τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ ἐν πυρί (2 a)
23. 10. τοῦ διαγαγεῖν ἄνδρα τὸν υἱὸν αὐ. . . . ἐν πυρί (2 a)
— 11. τὸ ἅρμα τοῦ ἡλίου κατέκαυσε πυρί (2 a)
25. 9. A ἐνέπρησεν ἐν πυρί [B om. ἐν π.] (2 a)
I Ch. 14. 12. κατακαῦσαι [A *add.* αὐτοὺς] ἐν πυρί (2 a)
21. 26. ἐπήκουσεν αὐτῷ ἐν πυρί (2 a)
II Ch. 7. 1. τὸ π. κατέβη ἐκ τοῦ οὐρανοῦ (2 a)
— 3. ἑώρων καταβαίνον τὸ πῦρ (2 a)
28. 3. διῆγε τὰ τέκνα αὐ. διὰ πυρός (2 a)
33. 6. διήγαγε τὰ τέκνα αὐ. ἐν πυρί (2 a)
35. 13. ὤπτησαν τὸ φασὲκ ἐν πυρί (2 a)
36. 19. τὰς βάρεις αὐτῆς ἐνέπρησεν ἐν πυρί (2 a)
I Es. 1. 12. B ὤπτησαν τὸ πάσχα [A B *add.* ἐν] πυρί
— 55. τοὺς πύργους αὐ. ἐνεπύρισαν ἐν πυρί
6. 24. ὅπου ἐπιθύουσι διὰ πυρὸς ἐνδελεχοῦς
Ne. 1. 3. ἐνεπρήσθησαν ἐν πυρί (2 a)
2. 3. κατεβρώθησαν ἐν πυρί (2 a)
— 13. A S κατεβρώθησαν ἐν [B om.] πυρί (2 a)
— 17. αἱ πύλαι αὐ. ἐδόθησαν πυρί (2 a)
9. 12. καὶ ἐν στύλῳ πυρὸς τὴν νύκτα (2 a)
— 19. καὶ τὸν στῦλον τοῦ π. τὴν νύκτα (2 a)
Ju. 13. 13. ἅψαντες πῦρ εἰς φαῦσιν
16. 17. δοῦναι πῦρ καὶ σκώληκας
Es. 8. 13. δόρατι καὶ πυρὶ καταναλωθήσεται
Jb. 1. 16. πῦρ ἔπεσεν ἐκ τοῦ οὐρανοῦ (2 a)
15. 34. πῦρ δὲ καύσει [A κατακ.] οἴκους δωροδεκτῶν (2 a)
20. 26. κατέδεται αὐτὸν πῦρ ἄκαυστον [A ἄσβεστον] (2 a)
22. 20. τὸ κατάλειμμα αὐτῶν καταφάγεται πῦρ (2 a)
28. 5. ὑποκάτω αὐτῆς ἐστράφη ὡσεὶ πῦρ (2 a)
31. 12. πῦρ γάρ ἐστι καιόμενον (2 a)
41. 10 (11). διαρριπτοῦνται ἐσχάραι πυρός (2 a)
— 11 (12). καπνὸς καμίνου καιομένης πυρὶ [A φλογὶ] ἀνθράκων †
Ps. 10 (11). 7. πῦρ καὶ θεῖον καὶ πνεῦμα καταιγίδος (2 a)
17 (18). 8. πῦρ ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ κατεφλόγισεν (2 a)
— 12. χάλαζα καὶ ἄνθρακες πυρός (2 a)
20 (21). 9. θήσεις αὐτοὺς ὡς κλίβανον πυρός (2 a)
— 9. καταφάγεται αὐτοὺς πῦρ (2 a)
28 (29). 7. φωνὴ κυρίου διακόπτοντος φλόγα πυρός (2 a)
38 (39). 3. ἐν τῇ μελέτῃ μου ἐκκαυθήσεται πῦρ (2 a)
Ps. 45 (46). 9. θυρεοὺς κατακαύσει ἐν πυρί (2 a)
49 (50). 3. πῦρ ἐναντίον αὐτοῦ καυθήσεται (2 a)
57 (58). 8. ἔπεσε πῦρ †
65 (66). 12. διήλθομεν διὰ πυρὸς καὶ ὕδατος (2 a)
67 (68). 2. ὡς τήκεται κηρὸς ἀπὸ προσώπου πυρός (2 a)
73 (74). 7. ἐνεπύρισαν ἐν πυρὶ τὸ ἁγιαστήριόν σου εἰς τὴν γῆν (2 a)
77 (78). 14. B S² καὶ ὅλην τὴν νύκτα ἐν φωτισμῷ πυρός [S¹ φωτός] (2 a)
— 21. πῦρ ἀνήφθη ἐν Ἰακώβ (2 a)
— 48. καὶ τὴν ὕπαρξιν αὐτῶν τῷ π. (7)
— 63. τοὺς νεανίσκους αὐτῶν κατέφαγε πῦρ (2 a)
78 (79). 5. ἐκκαυθήσεται ὡς πῦρ ὁ ζῆλός σου (2 a)
79 (80). 16. ἐμπεπυρισμένη πυρί (2 a)
82 (83). 13. S¹ ὡς καλάμην κατὰ πρόσωπον πυρός [A B S² ἀνέμου] †
— 14. ὡσεὶ πῦρ ὃ διαφλέξει δρυμόν (2 a)
88 (89). 46. ἐκκαυθήσεται ὡς πῦρ ἡ ὀργή σου (2 a)
96 (97). 3. πῦρ ἐναντίον αὐτοῦ προπορεύσεται (2 a)
103 (104). 4. καὶ τοὺς λειτουργοὺς αὐτοῦ πῦρ φλέγον [A² πυρὸς φλέγα] (2 a)
104 (105). 32. πῦρ καταφλέγον ἐν τῇ γῇ αὐτῶν (2 a)
— 39. καὶ πῦρ τοῦ φωτίσαι αὐτοῖς τὴν νύκτα (2 a)
105 (106). 18. ἐξεκαύθη πῦρ ἐν τῇ συναγωγῇ αὐτῶν (2 a)
117 (118). 12. ἐξεκαύθησαν ὡς πῦρ ἐν ἀκάνθαις (2 a)
139 (140). 10. πεσοῦνται ἐπ' αὐτοὺς ἄνθρακες πυρός [A S² *al.*] (2 a)
148. 8. πῦρ χάλαζα χιὼν κρύσταλλος (2 a)
Pr. 6. 27. ἀποδήσει τις πῦρ ἐν κόλπῳ (2 a)
— 28. ἢ περιπατήσει τις ἐπ' ἀνθράκων πυρός –
16. 27. ἐπὶ δὲ τῶν ἑαυτοῦ χειλέων θησαυρίζει [S¹ -εται, A ὀρύσσει] πῦρ (2 a)
24. 51 (30. 16). ὕδωρ καὶ πῦρ οὐ μὴ εἴπωσιν (2 a)
25. 22. ἄνθρακας πυρὸς [A *om.*] σωρεύσεις –
26. 20. ἐν πολλοῖς ξύλοις θάλλει πῦρ (2 a)
— 21. ἐσχάρα ἄνθραξι καὶ ξύλα πυρί (2 a)
Ca. 8. 6. περίπτερα πυρὸς [S² πυρὸς ἄνθρακες πυρὸς] φλόγες αὐτῆς (2 a [2 a, –])
Wi. 10. 6. δίκαιον . . . ἐρρύσατο φυγόντα πῦρ καταβάσιον πενταπόλεως
13. 2. ἢ πῦρ ἢ πνεῦμα ἢ ταχινὸν ἀέρα
16. 16. καὶ πυρὶ καταναλισκόμενοι
— 17. ἐν τῷ . . . ὕδατι πλεῖον ἐνήργει τὸ πῦρ
— 19. ὑπὲρ τὴν πυρὸς δύναμιν φλέγει
— 22. χιὼν δὲ καὶ κρύσταλλος ὑπέμεινε πῦρ
— 22. τοὺς τῶν ἐχθρῶν [A ἐθνῶν] καρποὺς κατέφθειρε πῦρ
— 27. τὸ γὰρ ὑπὸ πυρὸς μὴ [S¹ *om.*] φθειρόμενον
17. 5. πυρὸς μὲν οὐδεμία βία κατίσχυε φωτίζειν
19. 20. πῦρ ἴσχυσεν ἐν ὕδατι τῆς ἰδίας δυνάμεως
Si. 2. 5. ἐν πυρὶ δοκιμάζεται χρυσός
3. 30. πῦρ φλογιζόμενον ἀποσβέσει ὕδωρ
7. 17. ἐκδίκησις ἀσεβοῦς πῦρ καὶ σκώληξ
8. 3. μὴ ἐπιστοιβάσῃς ἐπὶ τὸ π. αὐτοῦ ξύλα
— 10. μὴ ἐμπυρισθῇς ἐν πυρὶ φλογὸς αὐτοῦ
9. 8. ἐκ τούτου φιλία ὡς πῦρ ἀνακαίεται
11. 32. ἀπὸ σπινθῆρος πυρὸς πληθύνεται ἀνθρακιά
15. 16. παρέθηκέ σοι πῦρ καὶ ὕδωρ
16. 6. ἐν συναγωγῇ ἁμαρτωλῶν ἐκκαυθήσεται πῦρ
21. 9. ἡ συντέλεια αὐτῶν φλὸξ πυρός
22. 24. πρὸ πυρὸς ἀτμὶς καμίνου καὶ καπνός
23. 16. ψυχὴ θερμὴ ὡς πῦρ καιόμενον
— 16. οὐ μὴ παύσηται ἕως ἂν ἐκκαύσῃ πῦρ
28. 10. κατὰ τὴν ὕλην πυρός [S² τοῦ π.]
— 11. ἔρις κατασπευδομένη ἐκκαίει πῦρ
33 (36). 9. ἐν ὀργῇ πυρὸς καταβρωθήτω
38. 28. ἀτμὶς πυρὸς πήξει [A S τήξει] σάρκας αὐτοῦ
39. 26. ὕδωρ πῦρ καὶ σίδηρος
— 29. πῦρ καὶ χάλαζα καὶ λιμὸς καὶ θάνατος
40. 30. ἐν κοιλίᾳ αὐτοῦ πῦρ καήσεται
43. 21. ἀποσβέσει χλόην ὡς πῦρ
45. 19. καταναλῶσαι ἐν πυρὶ φλογὸς αὐτοῦ [A S -ούς]
48. 1. ἀνέστη Ἠλίας προφήτης ὡς πῦρ
— 3. κατήγαγεν οὕτως τρὶς πῦρ
— 9. ὁ ἀναληφθεὶς ἐν λαίλαπι [A λαμπάδι] πυρός
50. 9. ὡς πῦρ καὶ λίβανος ἐπὶ πυρίου
51. 4. B ἀπὸ πνιγμοῦ πυρὸς [A B S -ᾶς] κυκλόθεν καὶ ἐκ μέσου πυρός
Ho. 7. 6. ἀνεκαύθη ὡς πυρὸς [A πῦρ] φέγγος (2 a)
— 7. A πάντες ἐθερμάνθησαν ὡς κλίβανος πυρός [B *om.*] –
— 7. A κατέφαγεν πῦρ τοὺς κριτὰς αὐ. [B *al.*] –
8. 14. ἐξαποστελῶ πῦρ εἰς τὰς πόλεις αὐ. (2 a)
Am. 1. 4. ἐξαποστελῶ πῦρ εἰς τὸν οἶκον Ἀ. (2 a)
— 7. ἐξαποστελῶ πῦρ ἐπὶ τὰ τείχη Γ. (2 a)
— 10. ἐξαποστελῶ πῦρ ἐπὶ τὰ τείχη Τύρου (2 a)
— 12. ἐξαποστελῶ πῦρ εἰς Θ. (2 a)
— 14. ἀνάψω πῦρ ἐπὶ τὰ τείχη Ῥ. (2 a)
2. 2. ἐξαποστελῶ πῦρ ἐπὶ Μ. (2 a)
— 5. ἐξαποστελῶ πῦρ ἐπὶ Ἰ. (2 a)
4. 10. ἀνήγαγον ἐν πυρὶ τὰς παρεμβολάς †
— 11. ὡς δαλὸς ἐξεσπασμένος ἐκ πυρός (8)
5. 6. ὅπως μὴ ἀναλάμψῃ ὡς πῦρ ὁ οἶκος Ἰ. (2 a)
7. 4. ἐκάλεσε τὴν δίκην ἐν πυρὶ κύριος (2 a)
Mi. 1. 4. ὡς κηρὸς ἀπὸ προσώπου πυρός (2 a)
— 7. ἐμπρήσουσιν ἐν πυρί (2 a)
6. 10. πῦρ καὶ οἶκος ἀνόμου †
Jl. 1. 19. πῦρ ἀνήλωσε τὰ ὡραῖα τῆς ἐρήμου (2 a)
— 20. πῦρ κατέφαγε τὰ ὡραῖα τῆς ἐρήμου (2 a)
2. 3. τὰ ἔμπροσθεν αὐτοῦ πῦρ ἀναλίσκον (2 a)
— 5. ὡς φωνὴ φλογὸς πυρὸς κατεσθιούσης καλάμην (2 a)
— 30 (3. 3). αἷμα καὶ πῦρ καὶ ἀτμίδα καπνοῦ (2 a)
Ob. 1. 18. ἔσται ὁ οἶκος Ἰ. πῦρ (2 a)
Na. 2. 3 (4). ἄνδρας δυνατοὺς ἐμπαίζοντας ἐν πυρί (2 a)
— 4 (5). ἡ ὅρασις αὐ. ὡς λαμπάδες πυρός –
3. 13. καταφάγεται πῦρ τοὺς μοχλούς σου (2 a)
— 15. καταφάγεταί σε πῦρ (2 a)
Hb. 2. 13. ἐξέλιπον λαοὶ ἱκανοὶ ἐν πυρί (2 a)
Ze. 1. 18. ἐν πυρὶ ζήλου αὐτοῦ (2 a)
3. 8. ἐν πυρὶ ζήλου μου (2 a)
Za. 2. 5 (9). ἔσομαι . . . τεῖχος πυρὸς κυκλόθεν (2 a)
3. 3 (2). ὡς δαλὸς ἐξεσπασμένος ἐκ πυρός (2 a)
9. 4. ἐν πυρὶ καταναλωθήσεται (2 a)
11. 1. καταφαγέτω πῦρ τὰς κέδρους σου (2 a)
12. 6. ὡς δαλὸν πυρὸς ἐν ξύλοις καὶ ὡς λαμπάδα πυρὸς ἐν [S¹ *om.* ξ. . . . ἐν] καλάμῃ (2 a, 2 a)
13. 9. διάξω τὸ τρίτον διὰ πυρός (2 a)
Ma. 3. 2. εἰσπορεύεται ὡς πῦρ χωνευτηρίου (2 a)
Is. 1. 31. A S αἱ ἐργασίαι αὐτῶν ὡς σπινθῆρες πυρός [B *om.*] –
4. 5. ὡς καπνοῦ καὶ φωτὸς πυρὸς καιομένου νυκτός (2 a)
5. 24. καυθήσεται καλάμη ὑπὸ ἄνθρακος πυρός (2 a)
6. 6. A ἐν τῇ χειρὶ εἶχεν ἄνθρακα πυρός [B S *om.*] –
9. 18 (17). καυθήσεται ὡς π. ἡ ἀνομία καὶ ὡς ἄγρωστις ξηρὰ βρωθήσεται ὑπὸ πυρός (2 a, –)
— 19 (18). ἔσται ὁ λαὸς ὡς ὑπὸ πυρὸς κατακεκαυμένος (2 a)
10. 16. π. καιόμενον καυθήσεται (2 a)
— 17. ἔσται τὸ φῶς τοῦ Ἰσραὴλ εἰς π. καὶ ἁγιάσει αὐτὸν ἐν πυρὶ καιομένῳ (2 a, 5)
26. 11. π. τοὺς ὑπεναντίους ἔδεται (2 a)
29. 6. φλὸξ πυρὸς κατεσθίουσα (2 a)
30. 14. ὄστρακον ἐν ᾧ π. ἀρεῖς [S¹ *om.*] (2 a)
— 27. ἡ ὀργὴ τοῦ θυμοῦ ὡς π. ἔδεται (2 a)
— 33. ξύλα κείμενα π. καὶ ξύλα πολλά (2 a)
33. 11. π. κατέδεται ὑμᾶς (2 a)
— 14. πῦρ καίεται (2 a)
37. 19. ἐνέβαλον τὰ εἴδωλα αὐτῶν εἰς τὸ π. (2 a)
43. 2. ἐὰν διέλθῃς διὰ πυρός (2 a)
44. 16. τὸ ἥμισυ αὐτοῦ κατέκαυσεν ἐν πυρί . . . εἶδον π. (2 a, 1)
— 19. τὸ ἥμισυ αὐτοῦ κατέκαυσεν ἐν πυρί (2 a)
47. 14. ὡς φρύγανα ἐπὶ πυρὶ κατακαυθήσονται . . . ἔχεις ἄνθρακας πυρός (2 a, 1)
50. 11. S πάντες ὑμεῖς π. καίετε καὶ κατισχύσατε φλόγα πυρός [A B *om.*]· πορεύεσθε τῷ φωτὶ τοῦ π. [S¹ πρὸς] ὑμῶν (2 a, –, 2 a)
64. 2 (1). ὡς κηρὸς ἀπὸ προσώπου πυρὸς τήκεται καὶ κατακαύσει π. τοὺς ὑπεναντίους (2 a, 2 a)
65. 5. π. καίεται ἐν αὐτῷ πάσας τὰς ἡμέρας (2 a)
66. 15. κύριος ὡς π. ἥξει . . . ἀποδοῦναι . . . ἀποσκορακισμὸν αὐτοῦ ἐν φλογὶ πυρός (2 a, 2 a)
— 16. ἐν γὰρ τῷ π. κυρίου κριθήσεται [A καταναλωθ.] πᾶσα ἡ γῆ (2 a)
— 24. τὸ π. αὐτῶν οὐ σβεσθήσεται (2 a)
Je. 4. 4. μὴ ἐξέλθῃ ὡς π. ὁ θυμός μου (2 a)
— 26. A B πᾶσαι αἱ πόλεις ἐμπεπυρισμέναι πυρί [B S *om.*] –
5. 14. δέδωκα τοὺς λόγους μου εἰς τὸ στόμα σου π. (2 a)
6. 23. παρατάξεται ὡς [S παρατάξεως] π. εἰς πόλεμον πρὸς σέ †

Je. 6. 29. ἐξέλιπε φυσητὴρ ἀπὸ πυρός [A τῆς γῆς] (2 a)
7. 18. οἱ πατέρες αὐτῶν καίουσι π. (2 a)
— 31. τοῦ κατακαίειν τοὺς υἱοὺς αὐτῶν . . . ἐν πυρί (2 a)
11. 16. ἀνήφθη π. ἐπ' αὐτήν [A ἐν αὐτῇ] (2 a)
15. 14. π. ἐκκέκαυται ἐκ τοῦ θυμοῦ μου (2 a)
17. 27. ἀνάψω π. ἐν ταῖς πύλαις αὐτῆς (2 a)
19. 5. τοῦ κατακαίειν τοὺς υἱοὺς αὐτῶν ἐν πυρί (2 a)
20. 9. ἐγένετο ὡς π. καιόμενον (2 a)
21. 10. κατακαύσει αὐτὴν ἐν πυρί (2 a)
— 12. ὅπως μὴ ἀναφθῇ ὡς π. ἡ ὀργή μου (2 a)
— 14. ἀνάψω π. ἐν τῷ δρυμῷ αὐτῆς (2 a)
22. 7. ἐμβαλοῦσιν εἰς τὸ π. (2 a)
23. 29. οὐκ ἰδοὺ [A S om.] οἱ λόγοι μου ὥσπερ [A add. φλέγον] π. (2 a)
27 (50). 32. ἀνάψω π. ἐν τῷ δρυμῷ αὐτῆς (2 a)
— 42. ἱππάσονται παρεσκευασμένοι ὥσπερ π. †
28 (51). 32. τὰ συστήματα αὐτῶν ἐνέπρησαν ἐν πυρί [A al.] (2 a)
30 (49). 2. βωμοὶ αὐτῆς ἐν πυρὶ κατακαυθήσονται (2 a)
— 16 (49. 27). καύσω π. ἐν τείχει Δαμασκοῦ (2 a)
36 (29). 22. οὓς ἀπετηγάνισε . . . ἐν πυρί (2 a)
39 (32). 29. καύσουσι τὴν πόλιν ταύτην ἐν πυρί (2 a)
41 (34). 2. καύσει αὐτὴν ἐν πυρί (2 a)
— 22. κατακαύσουσιν αὐτὴν ἐν πυρί (2 a)
43 (36). 22. ἐσχάρα πυρὸς κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ †
— 23. ἔρριπτεν εἰς τὸ π. τὸ ἐπὶ τῆς ἐσχάρας ἕως ἐξέλιπε πᾶς ὁ χάρτης εἰς τὸ π. τὸ ἐπὶ τῆς ἐσχάρας (2 a, 2 a)
44 (37). 8. A R καύσουσιν αὐτὴν ἐν [B S om.] πυρί (2 a)
— 10. καύσουσι τὴν πόλιν ταύτην ἐν πυρί (2 a)
45 (38). 17. ἡ πόλις αὕτη οὐ μὴ κατακαυθῇ ἐν πυρί (2 a)
— 18. καύσουσιν αὐτὴν ἐν πυρί (2 a)
50 (43). 12. καύσει π. ἐν οἰκίαις τῶν θεῶν αὐτῶν (2 a)
— 13. τὰς οἰκίας αὐτῶν κατακαύσει ἐν πυρί (2 a)
52. 13. πᾶσαν οἰκίαν μεγάλην ἐνέπρησεν ἐν πυρί (2 a)
Ba. 1. 2. ἐνέπρησαν αὐτὴν ἐν πυρί
4. 35. π. γὰρ ἐπελεύσεται αὐτῇ παρὰ τοῦ αἰωνίου
La. 1. 13. ἐξ ὕψους αὐτοῦ ἀπέστειλε π. (2 a)
2. 3. ἀνῆψεν ἐν [A om.] Ἰακὼβ ὡς π. φλόγα (2 a)
— 4. ἐξέχεεν ὡς π. τὸν θυμὸν αὐτοῦ (2 a)
4. 11. ἀνῆψε π. ἐν Σιών (2 a)
Ep. Je. 55. ὅταν ἐμπέσῃ εἰς οἰκίαν θεῶν . . . π. [A om.]
— 63. τό τε π. ἐξαποσταλὲν ἄνωθεν . . . ποιεῖ τὸ συνταχθέν
Ez. 1. 4. καὶ π. ἐξαστράπτον καὶ ἐν τῷ μέσῳ αὐ. ὡς ὅρασις [A ὁμοίωμα] ἠλέκτρου ἐν μέσῳ τοῦ π. (2 a, 2 a)
— 13. ὅρασις ὡς [A om.] ἀνθράκων πυρὸς καιομένων . . . καὶ φέγγος τοῦ π. καὶ ἐκ τοῦ π. ἐξεπορεύετο [A add. ὡς] ἀστραπή (2 a ter)
— 27. A ὡς ὅρασις πυρὸς ἔσωθεν αὐτοῦ (2 a)
— 27. ἴδον ὡς ὅρασιν πυρός (2 a)
5. 2. τὸ τέταρτον ἐν [A¹ τὸ ἐν] πυρὶ ἀνακαύσεις (1)
— 4. ῥίψεις αὐτοὺς εἰς μέσον τοῦ π. καὶ κατακαύσεις αὐτοὺς ἐν πυρί· ἐξ αὐτῆς ἐξελεύσεται π. (2 a ter)
8. 2. ἀπὸ τῆς ὀσφύος αὐτοῦ καὶ ἕως κάτω π. (2 a)
10. 2. πλῆσον τὰς δράκας [A χεῖράς] σου ἀνθράκων πυρός (2 a)
— 6. λάβε π. ἐκ μέσου τῶν τροχῶν (2 a)
— 7. ἐξέτεινε τὴν χεῖρα αὐ. εἰς μέσον τοῦ π. (2 a)
15. 4. A² R ὁ [A¹ B om.] πυρὶ δέδοται . . . ἀναλίσκει τὸ π. (2 a, 2 a)
— 5. ἐὰν καὶ [A add. μὴ] π. αὐτὸ ἀναλώσῃ (2 a)
— 6. ὃ δέδωκα αὐτὸ πυρὶ [A τῷ π.] (2 a)
— 7. ἐκ τοῦ π. ἐξελεύσονται καὶ π. αὐτοὺς καταφάγεται (2 a, 2 a)
16. 41. ἐμπρήσουσι τοὺς οἴκους σου [A add. ἐν] πυρί (2 a)
19. 12. π. ἀνῆλωσεν αὐτήν (2 a)
— 14. ἐξῆλθε π. ἐκ ῥάβδου ἐκλεκτῶν αὐτῆς (2 a)
20. 31. A ἐν τοῖς ἀφορισμοῖς υἱῶν ὑ. ἐν πυρὶ [B al.] (2 a)
— 47 (21. 3). ἀνάπτω ἐν σοὶ π. (2 a)
21. 31 (36). ἐν πυρὶ ὀργῆς μου ἐμφυσήσω ἐπὶ σέ (2 a)
— 32 (37). ἐν πυρὶ ἔσῃ κατάβρωμα (2 a)
22. 20. A μόλιβδος εἰς μέσον καμίνου πυρός [B om.] –
Ez. 22. 20. τοῦ ἐκφυσῆσαι εἰς αὐτὸ π. (2 a)
— 21, 31. ἐν πυρὶ ὀργῆς μου (2 a)
23. 25. τοὺς καταλοίπους σου π. καταφάγεται [A σ. ἐμπρήσουσιν ἐν πυρί] (2 a)
24. 10. ἀνακαύσω [A ἐκκ.] τὸ π. (2 a)
28. 18. ἐξάξω π. ἐκ μέσου σου (2 a)
30. 8. ὅταν δῶ π. ἐπ' Αἴγυπτον (2 a)
— 14. δώσω π. ἐπὶ Τάνιν (2 a)
— 16. δώσω π. ἐπ' Αἴγυπτον (2 a)
36. 5. ἐν πυρὶ θυμοῦ μου ἐλάλησα (2 a)
38. 19. ἐν πυρὶ τῆς ὀργῆς μου (2 a)
— 22. π. καὶ θεῖον βρέξω ἐπ' αὐτόν (2 a)
39. 6. ἀποστελῶ π. ἐπὶ Γώγ [A σέ] (2 a)
— 9. καύσουσιν ἐν αὐτοῖς π. ἑπτὰ ἔτη (2 a)
— 10. τὰ ὅπλα κατακαύσουσι πυρί (2 a)
Da. LXX. Su. 62. ἔρριψε πῦρ διὰ μέσου αὐτῶν
3. 6, 11, 15. εἰς τὴν κάμινον τοῦ π. τὴν καιομ. (6)
— 17. ἐκ τῆς καμίνου τοῦ π. τῆς καιομένης (6)
— 20. εἰς τὴν κάμινον τοῦ π. τὴν καιομένην (6)
— (25). ἐξωμολογεῖτο τῷ κ. . . . ἐν μέσῳ τῷ π.
— (49). ἐξετίναξε τὴν φλόγα τοῦ π.
— (50). οὐχ ἥψατο αὐτῶν καθόλου τὸ π.
— (66). εὐλογεῖτε, πῦρ καὶ καῦμα, τὸν κ.
— (88). ἐκ τοῦ π. ἐλυτρώσατο ἡμᾶς
— 24 (91). οὐχὶ ἄνδρας τρεῖς ἐβάλομεν εἰς μέσον τοῦ π. (6)
— 25 (92). ἄνδρας τέσσαρας λελυμένους περιπατοῦντας ἐν τῷ π. (6)
— 26 (93). τὴν θύραν τῆς καμίνου καιομένης τῷ π. (6)
— 26 (93). ἐξέλθετε ἐκ τοῦ π. –
— 26 (93). ἐξῆλθον οἱ ἄνδρες ἐκ μέσου τοῦ π. (6)
— 27 (94). οὐχ ἥψατο τὸ π. τοῦ σώματος αὐ. (6)
— 27 (94). οὐδὲ ὀσμὴ τοῦ π. ἦν ἐν αὐτοῖς (6)
7. 9. ὁ θρόνος ὡσεὶ φλὸξ πυρός (6)
— 9. τροχοὶ αὐ. πῦρ καιόμενον (6)
— 10. ποταμὸς πυρὸς ἕλκων (6)
— 10. ἐξεπορεύετο κατὰ πρόσωπον αὐ. ποταμὸς πυρός –
— 11. ἐδόθη εἰς καῦσιν πυρός (2 a)
10. 6. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐ. ὡσεὶ λαμπάδες πυρός (2 a)
Da. TH. 3. 6, 11, 15. εἰς τὴν κάμινον τοῦ π. τὴν καιομένην (6)
— 17. ἐκ τῆς καμίνου τοῦ π. τῆς καιομένης (6)
— 20. εἰς τὴν κάμινον τοῦ π. τὴν καιομένην (6)
— 21. εἰς τὸ μέσον τῆς καμίνου τοῦ π. τῆς καιομένης (6)
— 22. A τοὺς ἄνδρας ἐκ. . . . ἀπέκτεινεν ἡ φλὸξ τοῦ π. (6)
— 23. A εἰς μέσον τῆς καμίνου τοῦ π. [B om. τοῦ π.] τῆς καιομ. (6)
— (24). ἀνοίξας τὸ στόμα αὐ. ἐν μέσῳ τοῦ π.
— (49). ἐξετίναξε τὴν φλόγα τοῦ π.
— (50). οὐχ ἥψατο αὐτῶν τὸ καθόλου τὸ π.
— (66). εὐλογεῖτε, πῦρ καὶ καῦμα, τὸν κ.
— (88). ἐκ μέσου πυρὸς ἐρρύσατο ἡμᾶς
— 24 (91). εἰς μέσον τοῦ π. (6)
— 25 (92). περιπατοῦντας ἐν μέσῳ τοῦ π. (6)
— 26 (93). πρὸς τὴν θύραν τῆς καμίνου τοῦ π. τῆς καιομ. (6)
— 26 (93). ἐξῆλθον . . . ἐκ μέσου τοῦ π. (6)
— 27 (94). οὐκ ἐκυρίευσε τὸ πῦρ τοῦ σώματος αὐ. (6)
— 27 (94). ὀσμὴ πυρὸς οὐκ ἦν ἐν αὐτοῖς (6)
— 28 (95). παρέδωκαν τὰ σώματα αὐ. εἰς πῦρ –
7. 9. ὁ θρόνος αὐ. φλὸξ πυρός (6)
— 9. οἱ τροχοὶ αὐ. πῦρ φλέγον (6)
— 10. ποταμὸς πυρὸς εἵλκεν ἔμπροσθεν αὐτοῦ (6)
— 11. τὸ σῶμα αὐ. ἐδόθη εἰς καῦσιν πυρός (6)
10. 6. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐ. ὡσεὶ λαμπάδες πυρός (2 a)
I Ma. 1. 31. ἐνεπύρισεν αὐτὴν πυρί
— 56. A R ἐνεπύρισαν [S add. ἐν] πυρί
5. 5. ἐνεπύρισε τοὺς πύργους αὐ. ἐν πυρί
— 28. ἐνέπρησεν αὐτὴν πυρί
— 35. ἐνέπρησεν αὐτὴν ἐν πυρί
— 44. τὸ τέμενος ἐνεπύρισαν ἐν πυρί
— 68. S R τὰ γλυπτὰ . . . κατέκαυσε πυρί [A om.]
6. 31. A R ἐνεπύρισαν αὐτὰς ἐν [S om.] πυρί
— 39. κατηύγαζεν ὡς λαμπάδες πυρός [S¹ om.]
10. 84, S R τὸ ἱερὸν Δ. . . . ἐνεπύρισε πυρί [A ἐν π.]
11. 61. ἐνεπύρισε τὰ περιπόλια αὐ. ἐν πυρί
16. 10. ἐνεπύρισεν αὐτὴν ἐν πυρί
II Ma. 1. 18. ἵνα καὶ αὐτοὶ ἄγητε . . . τοῦ π.
— 19. λαβόντες ἀπὸ τοῦ π. τοῦ θυσιαστηρίου
— 20. τοὺς ἐκγόνους . . . ἔπεμψεν ἐπὶ τὸ π.
II Ma. 1. 20. μὴ εὑρηκέναι πῦρ
— 33. οὗ τὸ π. ἔκρυψαν
2. 1. A² R ἐκέλευσε τοῦ π. λαβεῖν
— 10. κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ
— 10. καταβὰν τὸ π. ἀνήλωσε τὰ ὁλοκαυτώματα
9. 7. πῦρ πνέων τοῖς θυμοῖς
10. 3. πῦρ ἐκ τούτων λαβόντες
13. 8. οὗ τὸ π. ἀγνὸν ἦν
14. 41. καὶ κελευόντων πῦρ προσάγειν
III Ma. 2. 5. πυρὶ καὶ θείῳ κατέφλεξας
— 29. χαράσσεσθαι καὶ διὰ πυρὸς εἰς τὸ σῶμα
5. 43. ἰσόπεδον πυρὶ καὶ δόρατι θήσεσθαι
— 43. R τὸν ἄβατον αὐ. ἡμῖν ναὸν πυρὶ πρηνέα [A al.]
6. 6. πυρὶ τὴν ψυχὴν αὐθαιρέτως δεδωκότας
IV Ma. 5. 32. τὸ π. ἐκφύσα σφοδρότερον
6. 24. ἐπὶ τὸ π. αὐτὸν ἤγαγον
7. 10. ὦ . . . πυρὸς εὐτονώτερε πρεσβῦτα
— 12. διὰ τοῦ π. ὑπερτηκόμενος
8. 13. ὡς δὲ . . . τὰ ζώπυρα τοῦ π. οἱ δορυφόροι προέθεσαν
9. 9. καρτερήσεις . . . βάσανον διὰ πυρός [S² om. διὰ π.]
— 19. R ταῦτα λέγοντι πῦρ ὑπέστρωσαν [A S al.]
— 22. ὥσπερ ἐν πυρὶ μετασχηματιζόμενος
10. 14. οὐχ οὕτω καυστικώτερον ἔχετε κατ' ἐμοῦ τὸ πῦρ
11. 18. S ὑπεκαίετο πυρί [A R om.]
— 26. τὸ π. σου ψυχρὸν ἡμῖν
12. 12. ταμιεύεταί σε . . . πυκνοτέρῳ καὶ αἰωνίῳ π.
13. 5. οἱ τῶν μὲν διὰ πυρὸς ἀλγηδόνων οὐκ ἐπεστράφησαν
14. 9. A R καὶ τοῦτο ταῖς διὰ πυρὸς [S τοῦ π.] ὀδύναις
— 10. A R ἡ τοῦ π. οὖσα [S οὗ. ἡ τ. π.] δύναμις
15. 15. τὰς σάρκας . . . περὶ τὸ π. τηκομένας
16. 3. ἡ Μ. ἐκφλεγομένη κάμινος λαβροτάτῳ π.
— 21. εἰς κάμινον πυρὸς ἀπεσφενδονήθησαν
18. 12. τοὺς ἐν πυρὶ Ἀν. καὶ Ἀζ. καὶ Μισ.
— 14. κἂν διὰ πυρὸς διέλθῃς
— 20. πῦρ φλέξας [S¹ σβέσας]

[Aq. Le. 2. 14: Dt. 33. 2: Jb. 1. 16: 20. 26: 41. 10, 11: Ps. 103 (104). 4: 117 (118). 12: Ca. 8. 6: Is. 54. 16: 66. 15: Je. 6. 23: 51 (28). 58: Ez. 1. 27, 27 (P.): 24. 12: 28. 16: Da. 3. 23: Za. 3. 2.]
[Sm. Le. 2. 14: IV Ki. 16. 3: 23. 10: Jb. 20. 26 (P.): 41. 11: Ps. 17 (18). 14: 38 (39). 4: 88 (89). 47: 117 (118). 12: Pr. 26. 20: Is. 9. 5 (4): 31. 9: 54. 16: 64. 2 (1): 66. 15: Je. 51 (28). 58: Am. 1. 14: Za. 3. 2.]
[Th. Le. 2. 3: 24. 9: Jd. 15. 14: Jb. 1. 16: 20. 26: 22. 20: 41. 11: Ps. 17 (18). 14: Pr. 16. 27: Is. 30. 27: 54. 16: 64. 2 (1) *bis*: 66. 15: Je. 17. 4 (Sw.): 39 (46). 8: 48 (31). 45: 51 (28). 58: Ez. 1. 27, 27 (P.): 20. 31 (Sw.): Da. 3. 21, 22†, (88): 7. 9, 10: Am. 1. 14.]
[Al. Le. 6. 17 (10): 7. 35: Nu. 16. 18: 31. 23: IV Ki. 1. 12: Jb. 1. 16: Ps. 45 (46). 10: Ez. 20. 31.]
[Sext. Ca. 8. 6.]
[Heb. Ez. 20. 47 (21. 3).]

πυρά.
Ju. 7. 5. A B S² καὶ ἀνακαύσαντες πυράς
Wi. 17. 6. διεφαίνετο δ' αὐτοῖς μόνον αὐτομάτη πυρὰ φόβου πλήρης
Si. 51. 4. A B S ἀπὸ πνιγμοῦ πυρᾶς [R -ὸς] κυκλόθεν
I Ma. 12. 28. καὶ ἀνέκαυσαν πυράς
II Ma. 1. 22. ἀνήφθη π. μεγάλη
7. 5. τῇ π. προσάγειν ἔμπνουν
10. 36. καὶ πυρὰς ἀνάψαντες
IV Ma. 17. 1. ἑαυτὴν ἔρριψε κατὰ τῆς π.

[Th. Is. 30. 33.]
[Al. Nu. 19. 6.]

πυραμίς.
I Ma. 13. 28. ἔστησεν ἑπτὰ πυραμίδας

πυργόβαρις. (1) אַרְמוֹן
Ps. 121 (122). 7. καὶ εὐθηνία ἐν ταῖς [S¹ τοῖς] π. σου (1)

πύργος. (1) מִגְדָּל (2) מְצוּדָה (3) מַשְׂאֵת
Ge. 11. 4. οἰκοδομήσωμεν ἑαυτοῖς . . . πύργον (1)
— 5. κατέβη κύριος ἰδεῖν . . . τὸν π. (1)
— 8. ἐπαύσαντο οἰκοδομοῦντες . . . τὸν π. –

Ge. 35. 16 (21). ἐπέκεινα τοῦ π. Γαδέρ (1)
Jd. 8. 9. κατασκάψω τὸν π. τοῦτον (1)
— 17. τὸν π. Φ. κατέστρεψε [A -έσκαψεν] (1)
9. 46, 47. A R πάντες οἱ ἄνδρες πύργου [B -ων] Σ. (1)
— 49. πάντες οἱ ἄνδρες πύργου Σ. (1)
— 51. π. ἰσχυρὸς ἦν [A ἦν ὑψηλός] (1)
— 51. ἀνέβησαν ἐπὶ τὸ δῶμα τοῦ π. (1)
— 52. ἦλθεν Ἀβ. ἕως τοῦ π. (1)
— 52. ἕως τῆς θύρας τοῦ π. (1)
20. 38. A πύργον τοῦ καπνοῦ τῆς πόλεως [B *al.*] (3)
— 40. A ὁ π. ἤρξατο ἀναβαίνειν [B *al.*] (3)
IV Ki. 9. 17. ἀνέβη ἐπὶ τὸν π. (1)
17. 9 : 18. 8. ἀπὸ πύργου φυλασσόντων (1)
I Ch. 27. 25. ἐπὶ τῶν θησαυρῶν τῶν . . . ἐν τοῖς π. (1)
II Ch. 14. 7 (6). ποιήσωμεν . . . πύργους (1)
26. 9. ᾠκοδόμησεν Ὀζ. πύργους [A -ον] (1)
— 10. καὶ ᾠκοδόμησε πύργους (1)
— 15. τοῦ εἶναι ἐπὶ τῶν π. (1)
27. 4 : 32. 5. ᾠκοδόμησε . . . πύργους (1)
I Es. 1. 55. τοὺς π. αὐ. ἐνεπύρισαν ἐν πυρί
4. 4. κατεργάζονται . . . τοὺς π.
Ne. 3. 1. ἕως πύργου τῶν ἑκατὸν ἡγίασαν ἕως πύργου Ἀναμ. (1, 1)
— 11. ἕως πύργου τῶν θανουρίμ (1)
— 19. μέτρον δεύτερον πύργου ἀναβάσεως †
— 25. ὁ π. ὁ ἐξέχων ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ βασ. (1)
— 26. καὶ ὁ π. ὁ ἐξέχων (1)
— 27. ἐξ ἐναντίας τοῦ π. τοῦ μεγάλου (1)
12. 38. S² ὑπεράνω τοῦ π. τῶν θεννουρίμ (1)
— 39. καὶ πύργῳ [A -ου] Ἀναμ. (1)
— 39. S² ἀπὸ πύργου τοῦ Ἠνά [? μηά] (1)
To. 13. 12. S πάντες οἱ ἀνατρέποντες τοὺς π. σου
— 16. καὶ οἱ π. καὶ οἱ προμαχῶνες [S *al.*]
Ju. 1. 3. τοὺς π. αὐτοῦ ἔστησεν [S -ῆς κατέστ.]
— 14. ἐκράτησε τῶν π.
7. 5. A B S² ἀνακαύσαντες πυρὰς ἐπὶ τοὺς π. αὐ.
— 32. ἐπὶ τὰ τείχη καὶ τοὺς π. τῆς πόλεως αὐ.
Ps. 47 (48). 12. διηγήσασθε ἐν τοῖς π. αὐτῆς (1)
60 (61). 3. πύργος ἰσχύος ἀπὸ προσώπου ἐχθροῦ (1)
Ca. 4. 4. ὡς πύργος Δαυὶδ τράχηλός σου (1)
7. 4 (5). ὁ τράχηλός σου ὡς πύργος ἐλεφαντινος (1)
— 4 (5). μυκτήρ σου ὡς πύργος τοῦ Λιβάνου (1)
8. 10. A S R μαστοί μου ὡς [B *om.*] πύργοι (1)
Si. 49. 12. A B¹ ᾠκοδόμησαν πύργον [B² S R οἶκον]
Mi. 4. 8. καὶ σὺ πύργος ποιμνίου αὐχμώδης (1)
Za. 14. 10. καὶ ἕως τοῦ π. Ἀν. (1)
Is. 2. 15. ἐπὶ πάντα πύργον ὑψηλόν (1)
5. 2. ᾠκοδόμησα πύργον ἐν μέσῳ αὐτοῦ (1)
9. 10 (9). οἰκοδομήσωμεν ἑαυτοῖς πύργον –
10. 9. οὗ ὁ π. ᾠκοδομήθη †
29. 3. θήσω περὶ [A ἐπὶ] σὲ πύργους (2)
30. 25. ὅταν πέσωσι πύργοι (1)
Je. 38 (31). 38. ἀπὸ πύργου Ἀναμεήλ (1)
Ez. 26. 4. καταβαλοῦσι [A καθελ.] τοὺς π. σου (1)
— 9. τοὺς π. σου καταβαλεῖ (1)
27. 11. φύλακες ἐν τοῖς π. σου ἦσαν (1)
Da. LXX. 4. 26. ἐπὶ τῶν π. αὐ. διεπορεύετο –
I Ma. 1. 33. ᾠκοδόμησαν τὴν πόλιν Δ. . . . π. ὀχυροῖς
4. 60. ᾠκοδόμησαν . . . π. ὀχυρούς
5. 5. A S συνεκλείσθησαν [A διεκλ.] . . . εἰς τοὺς π. [R ἐν τοῖς π.]
— 5. ἐνεπύρισε τοὺς π. αὐ. ἐν πυρί
— 65. τοὺς π. αὐ. ἐνεπύρισεν
6. 37. π. ξύλινοι ἐπ' αὐτούς [S¹ *al.*]
13. 33. A καὶ περιετείχισε π. ὑψηλοῖς . . . καὶ πύργοις [S R *om.* κ. π.]
— 43. ἐπάταξε π. ἕνα
16. 10. ἔφυγον εἰς τοὺς π.
II Ma. 10. 18. συμφυγόντων δὲ . . . εἰς δύο πύργους ὀχυρούς
— 20. ὑπό τινων τῶν ἐν τοῖς π. ἐπείσθησαν
— 22. τοὺς δύο π. κατελάβετο
— 36. ἐνεπίμπρων τοὺς π.
13. 5. ἔστι δὲ ἐν τῷ τόπῳ πύργος
14. 41. τῶν δὲ πληθῶν μελλόντων τὸν π. καταλαβέσθαι
III Ma. 2. 27. ἐπὶ τοῦ κατὰ τὴν αὐλὴν π.
IV Ma. 13. 6. S R προβλῆτες λιμένων πύργοι [A *al.*]

[Aq. Ge. 35. 21 : Ps. 47 (48). 13 : 60 (61). 4 : Pr. 18. 10 : Ez. 29. 10 : 30. 6.]
[Sm. Ps. 60 (61). 4 : Ez. 29. 10 : 30. 6.]
[Th. Jd. 9. 46 : Pr. 18. 10.]

πυρεῖον, πυρίον. (1) מַחְתָּה

Ex. 27. 3. καὶ ποιήσεις . . . τὸ π. αὐτοῦ (1)
38. 22 (1). ἐποίησε . . . ἐκ τῶν π. τῶν χαλκῶν –
— 23 (3). ἐποίησε . . . τὸ π. αὐτοῦ (1 ?)
— 24 (4). ἔργον δικτυωτὸν κάτωθεν τοῦ π. †
Le. 10. 1. λαβόντες . . . ἕκαστος τὸ π. αὐτοῦ (1)
16. 12. λήψεται τὸ π. (1)
Nu. 4. 14. καὶ τὰ π. καὶ τὰς κρεάγρας (1)
16. 6. λάβετε ὑμῖν αὐτοῖς πυρεῖα (1)
— 17. λάβετε ἕκαστος τὸ π. αὐτοῦ (1)
— 17. A² B προσάξετε . . . ἕκαστος τὸ π. αὐ. (1)
— 17. A² B πεντήκοντα καὶ διακόσια π. (1)
17, 17 (18). A² B ἕκαστος τὸ π. αὐτοῦ (1)
— 37 (17. 2). ἀνέλεσθε τὰ π. τὰ χαλκᾶ (1)
— 38 (17. 3). ἡγίασαν τὰ π. τῶν ἁμαρτωλῶν τούτων (1)
— 39 (17. 4). ἔλαβεν . . . τὰ π. τὰ χαλκᾶ (1)
— 46 (17, 11). λάβε τὸ π. (1)
IV Ki. 25. 15. καὶ τὰ π. καὶ τὰς φιάλας (1)
II Ch. 4. 11. ἐποίησε Χ. . . . τὰ π. †
— 21. καὶ τὰ π. χρυσίου καθαροῦ –
Si. 50. 9. ὡς πῦρ καὶ λίβανος ἐπὶ πυρίου

[Aq., Sm., Th. Ex. 25. 37 (38).]
[Al. Nu. 16. 18.]

πυρετός. (1) קַדַּחַת

De. 28. 22. ἐν ἀπορίᾳ καὶ πυρετῷ (1)

πυρίζειν (?), *vid. sub* πυρρίζειν.

πυρίκαυστος. (1) *a.* שְׂרוּף אֵשׁ *b.* שְׂרֵפָה אֵשׁ *c.* מַאֲכֹלֶת אֵשׁ

Is. 1. 7. αἱ πόλεις ὑμῶν πυρίκαυστοι (1 *a*)
— 22. A αἱ πόλεις ὑμῶν πυρίκαυστοι –
9. 5 (4). εἰ ἐγένοντο πυρίκαυστοι (1 *b*)
64. 11 (10). ἡ δόξα . . . ἐγενήθη π. (1 *c*)

πύρινος. (1) אֵשׁ

Si. 48. 9. ὁ ἀναληφθεὶς . . . ἐν ἅρματι ἵππων πυρίνων
Ez. 28. 14. ἐγενήθης [A *om.*] ἐν μέσῳ λίθων π. (1)
— 16. ἤγαγέ σε τὸ χερ. ἐκ μέσου λίθων π. (1)

[Sm. Dt. 33. 2 : Ps. 103 (104). 4 : Ca. 8. 6.]

πυρίον, *vid. sub* πυρεῖον.

πυρίπνους.

III Ma. 6. 34. R τὴν π. τόλμαν ἀκλεῶς ἐσβεσμένοι [A *al.*]

πυρισμός. (1) אֵשׁ

Jo. 6. 23 (24). R ἐνεπρήσθη ἐν πυρισμῷ [A B *al.*] (1)

πυριφλεγής.

Wi. 18. 3. πυριφλεγῆ στῦλον . . . παρέσχες
III Ma. 3. 29. πᾶς δὲ τόπος . . . π. γινέσθω

πυρόβολον.

I Ma. 6. 51. ἔστησεν ἐκεῖ . . . πυρόβολα

πυρογενής.

Wi. 17. 5. S² οὔτε πυρογενεῖς [A B S¹ *om.*] ἄστρων ἔκλαμπροι φλόγες

πυρόν, πύρον.

[Aq. Ex. 29. 18 : 30. 20 : Le. 2. 3, 9, 16 : 3. 9 : 24. 9 : Dt. 18. 1.]
[Sm. Le. 3. 9.]
[Th. Ex. 29. 18 : 30. 20 : Le. 2. 9, 16 : 3. 9.]
[Al. Le. 3. 3, 11, 16 : 7. 25, 30 : 8. 21 : 21. 6, 21 : 22. 27 : 23. 8, 13.]

πυρόπνους.

III Ma. 6. 34. A πυρόπνουν τόλμαν ἀκμαίως ἐσβεσμένοι [R *al.*]

πυρός. (1) דָּגָן (2) *a.* חִטָּה *b.* חִנְטִין

Ge. 30. 14. ἐν ἡμέραις θερισμοῦ πυρῶν (2 *a*)
Ex. 9. 32. ὁ δὲ π. καὶ ἡ ὀλύρα οὐκ ἐπλήγησαν (2 *a*)
29. 2. σεμίδαλιν ἐκ πυρῶν ποιήσεις αὐτά (2 *a*)
34. 22. ἀρχὴν θερισμοῦ πυροῦ [A -ῶν] (2 *a*)
De. 8. 8. γῆ πυροῦ καὶ κριθῆς (2 *a*)
32. 14. μετὰ στέατος νεφρῶν πυροῦ (2 *a*)
Jo. 3. 15. ὡσεὶ ἡμέραι θερισμοῦ πυρῶν –
Jd. 6. 11. A ἐράβδιζεν πυρούς [B *al.*] (2 *a*)
15. 1. ἐν ἡμέραις θερισμοῦ πυρῶν (2 *a*)
Ru. 2. 23. τὸν θερισμὸν . . . τῶν π. (2 *a*)
I Ki. 6. 13. ἐθέριζον θερισμὸν πυρῶν (2 *a*)
I Ki. 12. 17. οὐχὶ θερισμὸς πυρῶν σήμερον (2 *a*)
II Ki. 4. 6. ἐκάθαιρε πυρούς (2 *a*)
17. 28. καὶ πυροὺς καὶ κριθάς (2 *a*)
24. 15. ἡμέραι θερισμοῦ πυρῶν –
III Ki. 5. 11 (25). εἴκοσι χιλιάδας κόρους πυροῦ (2 *a*)
I Ch. 21. 20. Ὀρνὰ ἦν ἁλῶν πυρούς (2 *a*)
II Ch. 2. 10 (9). A R κόρων πυροῦ [B *om.*] εἴκοσι χιλιάδας (2 *a*)
27. 5. δέκα χιλιάδας κόρων πυροῦ (2 *a*)
I Es. 6. 30. πυρὸν καὶ ἅλα καὶ οἶνον
8. 20. ἕως πυροῦ κόρων ἑκατόν
II Es. 6. 9. πυροὺς ἅλας οἶνον (2 *b*)
7. 22. ἕως πυροῦ κόρων ἑκατόν (2 *b*)
Ne. 13. 12. ἤνεγκαν δεκάτην τοῦ [A *om.*] π. (1)
Ju. 2. 27. ἐν ἡμέραις θερισμοῦ πυρῶν
3. 3. A B καὶ πᾶν πεδίον πυρῶν
Jb. 31. 40. ἀντὶ πυροῦ ἄρα ἐξέλθοι μοι κνίδη (2 *a*)
Ps. 80 (81). 16. ἐψώμισεν αὐτοὺς ἐκ στέατος πυροῦ (2 *a*)
147. 3 (14). καὶ στέαρ πυροῦ ἐμπιπλῶν σε (2 *a*)
Si. 39. 26. S R ἅλα καὶ σεμίδαλις πυροῦ [A B -ός]
Jl. 1. 11. θρηνεῖτε κτήματα ὑπὲρ πυροῦ (2 *a*)
Is. 28. 25. πάλιν σπείρει [A *om.*] πυρόν (2 *a*)
Je. 12. 13. σπείρατε πυρούς (2 *a*)
48 (41). 8. εἰσὶν ἡμῖν θησαυροὶ ἐν ἀγρῷ πυροὶ καὶ κριθαί (2 *a*)
Ez. 4. 9. λάβε σεαυτῷ πυρούς (2 *a*)
45. 13. ἀπὸ τοῦ γομὸρ τοῦ π. (2 *a*)

[Aq. III Ki. 5. 11 (25) : Je. 41 (48). 8.]
[Sm. Ps. 77 (78). 24 : Je. 41 (48). 8.]

πυροῦν. (1) אָדַם (2) בָּחַר ni. (3) צָרַף *a.* qal. *b.* ni. (4) תּוֹעֲפוֹת

II Ki. 22. 31. τὸ ῥῆμα κυρίου κραταιὸν πεπυρωμ. (3 *a*)
Ju. 8. 27. καθὼς ἐκείνους ἐπύρωσεν
Es. 5. 1. τὸ πρόσωπον αὐτοῦ πεπυρωμένον [S¹ -πληρωμένη] δόξῃ
Jb. 22. 25. καθαρὸν δὲ ἀποδώσει σε ὥσπερ ἀργύριον πεπυρωμένον (4)
Ps. 11 (12). 6. ἀργύριον πεπυρωμένον δοκίμιον τῇ γῇ (3 *a*)
16 (17). 3. ἐπύρωσάς με (3 *a*)
17 (18). 30. τὰ λόγια κυρίου πεπυρωμένα (3 *a*)
25 (26). 2. πύρωσον τοὺς νεφρούς μου (3 *a*)
65 (66). 10. ἐπύρωσας ἡμᾶς ὡς πυροῦται τὸ ἀργύριον (3 *a*, 3 *a*)
104 (105). 19. τὸ λόγιον τοῦ κ. ἐπύρωσεν αὐτόν (3 *a*)
— 20 (19). S¹ τὸ λόγιον τοῦ κ. ἐπύρωσεν αὐτόν –
118 (119). 140. πεπυρωμένον τὸ λόγιόν σου σφόδρα (3 *a*)
Pr. 10. 20. ἄργυρος πεπυρωμένος [A πεπωρ.] γλῶσσα δικαίου (2)
24. 28 (30. 5). πάντες γὰρ λόγοι θεοῦ πεπυρωμένοι (3 *a*)
Ec. 12. 11. A S ὡς ἧλοι πεπυρωμένοι [B πεφυτευμένοι] †
Za. 13. 9. πυρώσω αὐτοὺς ὡς πυροῦται τὸ ἀργύριον (3 *a*, 3 *a*)
Is. 1. 25. πυρώσω [A S *add.* σε] εἰς καθαρόν (3 *a*)
Je. 9. 7 (6). πυρώσω αὐτοὺς καὶ δοκιμῶ αὐτούς (3 *a*)
La. 4. 7. ἐπυρώθησαν [A ἐτυρ.] ὑπὲρ λίθους σαπφείρου (1)
Da. TH. 11. 35. τοῦ πυρῶσαι αὐτούς (3 *a*)
12. 10. καὶ πυρωθῶσι καὶ ἁγιασθῶσι πολλοί (3 *b*)
II Ma. 4. 37. πυρωθεὶς τοῖς θυμοῖς
10. 3. πυρώσαντες λίθους
— 35. πυρωθέντες τοῖς θυμοῖς
14. 45. πεπυρωμένος τοῖς θυμοῖς
III Ma. 4. 2. στεναγμοῖς πεπυρωμένης τῆς . . . καρδίας
IV Ma. 9. 17. πυροῦτε τὰς σάρκας
11. 19. ὀβελίσκους ὀξεῖς πυρώσαντες

[Aq. Jd. 7. 4 : Is. 1. 25 : Je. 6. 29.]
[Sm. Is. 1. 25 : Je. 6. 29.]
[Th. Jd. 7. 4 : Is. 1. 25.]

πυροφόρος.

Ob. 1. 18. οὐκ ἔσται πυροφόρος [A S² πυρφ.] τῷ οἴκῳ Ἠ. †

πυρπνεῖν (?).

Wi. 11. 18. S ἤτοι πυρπνέον [A B -όον] φυσῶντας ἄσθμα

πυρπνόος.
Wi. 11. 18. ἤτοι πυρπνόον [S -έον] φυσῶντας ἄσθμα

πυροπολεῖν.
IV Ma. 7. 4. τὴν ἱερὰν ψυχὴν . . . πυρπολούμενος

πυρράκης. (1) אַדְמֹנִי, אַדְמוֹנִי
Ge. 25. 25. ἐξῆλθε δὲ ὁ υἱὸς ὁ πρωτότ. π. (1)
I Ki. 16. 12. καὶ οὗτος π. (1)
17. 42. καὶ αὐτὸς π. μετὰ κάλλους ὀφθ. (1)

πυρρίζειν, πυρίζειν. (1) אֲדַמְדָּם
Le. 13. 19. οὐλὴ λευκὴ . . . ἢ πυρρίζουσα (1)
— 42. ἀφὴ λευκὴ ἢ πυρρίζουσα (1)
— 43. ἡ ὄψις . . . λευκὴ ἢ πυρρίζουσα [A[1] πυρίζ.] (1)
— 49. καὶ γένηται ἡ ἀφὴ . . . πυρρίζουσα [A πυρίζ.] (1)
14. 37. B[2] R κοιλάδας χλωριζούσας ἢ πυρριζούσας [A B[1] om. ἢ π.] (1)

πυρρός. (1) אָדֹם
Ge. 25. 30. ἀπὸ τοῦ ἑψέματος τοῦ π. τούτου (1)
Nu. 19. 2. λαβέτωσαν . . . δάμαλιν π. ἄμωμον (1)
IV Ki. 3. 22. τὰ ὕδατα π. ὡσεὶ αἷμα (1)
5. 17. R ἐκ τῆς γῆς τῆς π. [A al.] –
Ca. 5. 10. ἀδελφιδός μου λευκὸς καὶ πυρρός (1)
Za. 1. 8. ἀνὴρ ἐπιβεβηκὼς ἐπὶ ἵππον π. (1)
— 8. ὀπίσω αὐτοῦ ἵπποι π. (1)
6. 2. ἐν τῷ ἅρματι τῷ πρώτῳ ἵπποι π. (1)
[Sm. Is. 1. 18 : La. 4. 7.]

πυρροῦσθαι.
[Aq., Sm., Th. Ex. 25. 5.]

πυρσεύειν.
Jb. 20. 10. B S αἱ δὲ χεῖρες αὐ. πυρσεύσαισαν [A ψηλαφήσουσιν] ὀδύνας [B[1] S[1] -αις] †
Pr. 16. 28. λαμπτῆρα δόλου [S χόλου] πυρσεύσει [A S -εύει] κακοῖς –

πυρφόρος. (1) כִּידוֹן
Jb. 41. 20 (21). καταγελᾷ δὲ σεισμοῦ πυρφόρου (1?)
Ob. 1. 18. A S[2] οὐκ ἔσται πυρφόρος τῷ οἴκῳ Ἠ. [B S[1] al.] †

πυρώδης.
Si. 43. 4. ἥλιος . . . ἀτμίδας πυρώδεις ἐμφυσῶν

πύρωμα.
[Aq. Jb. 41. 12 (P.).]

πύρωσις. (1) כּוּר (2) שִׂדָּפוֹן
Pr. 27. 21. δοκίμιον ἀργυρίῳ καὶ χρυσῷ πύρωσις (1)
Am. 4. 9. ἐπάταξα ὑμᾶς ἐν πυρώσει (2)
[Sm. Je. 30 (37). 13.]

πυρωτής. (1) צָרַף
Ne. 3. 8. R Ὀζ. υἱὸς Ἀρ. πυρωτῶν (1)
[Aq., Sm. Is. 41. 7 : Je. 6. 29.]

πω. * οὔ πω.
Ge. 15. 16*†: 18. 12* : 29. 7*.
III Ma. 5. 26*†.
[Aq. Ex. 10. 7*.]
[Sm. Ex. 10. 7* : I Ki. 3. 3*, 7*.]

πώγων. (1) זָקָן
Le. 13. 29. ἀφὴ λέπρας . . . ἐν τῷ π. (1)
— 30. λέπρα τοῦ π. ἐστι (1)
Le. 14. 9. τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ καὶ τὸν π. (1)
19. 27. οὐδὲ φθερεῖτε τὴν ὄψιν τοῦ π. ὑμῶν (1)
21. 5. τὴν ὄψιν τοῦ π. οὐ ξυρήσονται (1)
I Ki. 21. 13 (14). τὰ σίελα αὐ. κατέρρει ἐπὶ τὸν π. αὐ. (1)
II Ki. 10. 4. ἐξύρησε τοὺς π. αὐτῶν (1)
— 5. ἕως τοῦ ἀνατεῖλαι τοὺς π. ὑμῶν (1)
20. 9. ἐκράτησεν . . . τοῦ π. Ἀμ. (1)
I Ch. 19. 5. ἕως τοῦ ἀνατεῖλαι τοὺς π. ὑμῶν (1)
I Es. 8. 71. τῆς κεφαλῆς καὶ τοῦ π.
II Es. 9. 3. ἔτιλλον . . . ἀπὸ τοῦ π. μου (1)
Ps. 132 (133). 2. τὸ καταβαῖνον ἐπὶ πώγωνα τὸν π. τὸν Ἀαρών (1, 1)
Is. 7. 20. τὸν π. ἀφελεῖ (1)
Je. 31 (48). 37. πᾶς π. ξυρηθήσεται (1)
48 (41). 5. ἦλθοσαν ἄνδρες . . . ἐξυρημένοι πώγωνας (1)
Ep. Je. 31. τοὺς π. ἐξυρημένους [A -νοι]
Ez. 5. 1. ἐπάξεις αὐτὴν . . . ἐπὶ τὸν π. σου (1)
[Aq. I Ki. 17. 35 : Ps. 132 (133). 2 bis : Je. 48 (31). 37.]
[Sm. I Ki. 17. 35 : Ps. 132 (133). 2 : Je. 48 (31). 37.]
[Th. Le. 19. 27 : I Ki. 17. 35.]

πωλεῖν. (1) מָכַר a. qal. b. ni. (2) שָׁבַר a. qal. b. hi.
Ge. 41. 56. ἐπώλει πᾶσι τοῖς Αἰγυπτίοις (2 a)
42. 6. οὗτος ἐπώλει παντὶ τῷ λαῷ (2 b)
Ex. 21. 8. οὐ κύριός ἐστι π. αὐτήν (1 a)
Ne. 5. 8. τοὺς πωλουμ. τοῖς ἔθνεσιν (1 b)
— 8. πωλεῖτε τοὺς ἀδελφοὺς ἡμῶν (1 a)
13. 16. καὶ πᾶσαν πρᾶσιν πωλοῦντες (1 a)
Jl. 3 (4). 3. τὰ κοράσια ἐπώλουν ἀντὶ οἴνου (1 a)
Na. 3. 4. ἡ πωλοῦσα ἔθνη ἐν τῇ πορνείᾳ αὐ. (1 a)
Za. 11. 5. οἱ πωλοῦντες αὐτὰ ἔλεγον (1 a)
Is. 24. 2. ἔσται ὁ ἀγοράζων ὡς ὁ πωλῶν (1 a)
Ez. 7. 12. ὁ πωλῶν μὴ θρηνείτω (1 a)
— 13. ὁ κτώμενος πρὸς τὸν πωλοῦντα οὐκέτι μὴ ἐπιστρέψει †
I Ma. 12. 36. A R ὅπως μήτε ἀγοράζωσι μήτε πωλῶσιν [S[2] -λήσωσιν]
13. 49. καὶ ἀγοράζειν καὶ πωλεῖν
II Ma. 5. 24. τὰς δὲ γυναῖκας καὶ νεωτέρους πωλεῖν
8. 14. τὰ περιλελειμμένα πάντα ἐπώλουν
[Aq. Ge. 25. 31 : Ex. 21. 7.]
[Sm. Pr. 11. 26.]
[Al. Le. 25. 14.]

πῶλος. (1) בֵּן (2) יַעֲלָה (3) עַיִר
Ge. 32. 15 (16). ὄνους εἴκοσι πώλους δέκα (3)
49. 11. δεσμεύων πρὸς ἄμπελον τὸν π. αὐ. καὶ τῇ ἕλικι τὸν π. τῆς ὄνου αὐ. (3, 1)
Jd. 10. 4. ἐπιβαίνοντες ἐπὶ τριάκοντα δύο πώλους (3)
12. 13 (14). ἐπιβαίνοντες ἐπὶ ἑβδομήκοντα πώλους (3)
Pr. 5. 19. πῶλος σῶν χαρίτων ὁμιλείτω σοι (2)
Za. 9. 9. ἐπὶ ὑποζύγιον καὶ π. νέον (3)
[Aq. Ca. 2. 9 : Is. 30. 6 : Za. 9. 9.]
[Sm., Th. Is. 30. 6 : Za. 9. 9.]
[Quint. Za. 9. 9.]

πωμάζειν.
[Sm. Ps. 139 (140). 10.]

πώποτε. (1) מִימִים
I Ki. 25. 28. οὐχ εὑρεθήσεται ἐν σοὶ π. (1)
Ju. 12. 20. ὅσον οὐκ ἔπιε π. [A om.]
Da. LXX. Bel 6. οὐθὲν βέβρωκε πώποτε οὗτος
Da. TH. Su. 27. π. οὐκ ἐρρέθη λόγος τοιοῦτος
Bel 7. A οὐδὲ πέπωκεν π. [B al.]

πωροῦν. (1) כָּהָה
Jb. 17. 7. B πεπώρωνται [A S[2] πεπήρ.] γὰρ ἀπὸ ὀργῆς οἱ ὀφθαλμοί μου (1)
Pr. 10. 20. A ἄργυρος πεπωρωμένος [B S πεπυρ.] γλῶσσα δικαίου †

πως. * εἴ πως.
II Ki. 14. 15* : 16. 12*.
III Ki. 18. 5 (ἐάν πως) : 21 (20). 31*.
IV Ki. 19. 4*.
Jb. 20. 23*†.
Si. 28. 26 (μή πως).
Jn. 1. 6*†.
Je. 28 (51). 8*.
I Ma. 4. 10*†.
[Aq. Ge. 16. 2* : Jb. 1. 5*.]
[Sm. Ge. 16. 2* : 32. 20 (21) (ἐάν πως) : Is. 6. 10 (μή πως).]
[Th. Jb. 20. 23* : Is. 47. 12*.]
[Al. Ez. 2. 5 (ἐάν πως).]

πῶς. * πῶς ἄν.
Ge. 39. 9 : 43. 27 : 44. 8*, 34.
Ex. 6. 12, 30 : 33. 16.
De. 1. 12 : 2. 7 : 7. 17 : 12. 30 : 18. 21 : 25. 18 : 28. 67* bis : 29. 16 (15)† : 31. 27 : 32. 30.
Jo. 9. 7.
Jd. 16. 15.
Ru. 2. 11 : 3. 18.
I Ki. 16. 2 : 23. 3.
II Ki. 1. 5, 14, 19, 25, 27 : 2. 22 : 6. 9 : 11. 11 : 12. 18 : 23. 3.
III Ki. 12. 6.
IV Ki. 6. 15 : 10. 4 : 17. 28† : 18. 24.
I Ch. 13. 12.
II Ch. 10. 6.
I Es. 3. 18 : 4. 12, 32.
Ne. 2. 17 : 8. 15†.
To. 5. 2 : 11. 2.
Ju. 8. 14.
Es. 3. 13* : 8. 6 bis : 9. 12, 24†.
Jb. 9. 2 : 11. 5* : 21. 34 : 25. 4 : 27. 10† : 33. 12.
Ps. 10 (11). 1 : 72 (73). 11, 19 : 136 (137). 4.
Pr. 4. 19 : 5. 12 : 15. 11 : 20. 24*.
Ec. 2. 16 : 4. 11.
Ca. 5. 3 bis.
Wi. 5. 5 : 6. 22 : 11. 8, 9, 25 : 13. 9 : 16. 4 : 19. 10.
Si. 25. 3* : 49. 11.
Ob. 1. 6.
Ze. 3. 1 (2. 15).
Hg. 2. 4 (3).
Is. 1. 21 : 7. 13 : 14. 4, 12 : 19. 11 : 20. 6 : 36. 9 : 40. 20.
Je. 2. 21, 23 : 8. 8 : 9. 19 : 12. 5 bis : 27 (50). 23 bis : 28 (51). 41 bis : 29 (47). 7 : 30. 14 (49. 25) : 31 (48). 14, 17, 39 bis.
La. 1. 1 : 2. 1 : 4. 1, 2.
Ep. Je. 40, 44, 46, 49, 56.
Ez. 26. 17 : 33. 10.
Da. LXX., TH. 10. 17.
I Ma. 3. 17†, 53 : 4. 9† : 9. 21.
IV Ma. 1. 5 : 2. 24 : 13. 5 : 14. 13.
[Aq. Jd. 16. 15 : Ps. 72 (73). 11 : Je. 12. 5 : 48 (31). 39 : 50 (27). 23.]
[Sm. Jb. 11. 8* : Ps. 72 (73). 11 : Je. 12. 5 : 48 (31). 39 : 50 (27). 23.]
[Th. Jd. 16. 15 : Ps. 72 (73). 11 : Jn. 2. 5.]
[Heb. Jb. 15. 14.]
[Al. Ez. 2. 5 (?).]

P

ῥαβά. (1) עֲרָבָה

Je. 52. 7. S ὁδὸν εἰς ῥ. [A B *al.*] (1)

ῥαββίμ.

[Aq. Je. 41 (48). 12.]

ῥαβδίζειν. (1) חָבַט

Jd. 6. 11. Γ. ὁ υἱὸς αὐ. ῥαβδίζων σῖτον [A ἐράβδιζεν πυρούς] (1)

Ru. 2. 17. ἐρράβδισεν ἃ συνέλεξε (1)

[Aq. Dt. 24. 22 (20): Is. 27. 12: 28. 27.]
[Sm., Th. Is. 27. 12.]
[Al. Is. 28. 27.]

ῥαβδίον.

Ez. 21. 21 (26). A τοῦ ἀναβράσαι ῥαβδία [B -δον] †

[Aq. Is. 11. 1.]
[Th. Pr. 14. 3.]

ῥάβδος. (1) חֹטֶר (2) מַטֶּה (3) מַקֵּל (4) מִשְׁעֶנֶת (5) עֵץ (6) שֵׁבֶט (7) שַׁרְבִיט

Ge. 30. 37. ἔλαβε δὲ ἑαυτῷ Ἰ. ῥ. στυρακίνην χλωράν (3)
— 37. R ἐφαίνετο ἐπὶ ταῖς [A τοῖς] ῥ. τὸ λευκόν (3)
— 38. παρέθηκε τὰς ῥ. (3)
— 38. ἐνώπιον τῶν ῥ. ἐλθόντων αὐτῶν †
— 38. ἐγκισσήσωσι τὰ πρόβατα εἰς τὰς ῥ. †
— 39. ἐνεκίσσων τὰ πρόβατα εἰς τὰς ῥ. (3)
— 41. ἔθηκεν Ἰ. τὰς ῥ. ἐναντίον τῶν προβάτων (3)
— 41. τοῦ ἐγκισσῆσαι αὐτὰ κατὰ τὰς ῥ. (3)
32. 10 (11). ἐν γὰρ τῇ ῥ. μου διέβην τὸν Ἰορδ. τοῦτον (3)
38. 18. καὶ τὴν ῥ. τὴν ἐν τῇ χειρί σου (2)
— 25. ἐπίγνωθι τίνος . . . ἡ ῥ. αὕτη (2)
47. 31. προσεκύνησεν Ἰσρ. ἐπὶ τὸ ἄκρον τῆς ῥ. αὐ. †
Ex. 4. 2. ὁ δὲ εἶπε, Ῥάβδος (2)
— 4. καὶ ἐγένετο ῥάβδος ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (2)
— 17. τὴν ῥ. ταύτην τὴν στραφεῖσαν εἰς ὄφιν (2)
— 20. ἔλαβε δὲ Μ. τὴν ῥ. τὴν παρὰ τοῦ θεοῦ (2)
7. 9. λάβε τὴν ῥ. (2)
— 10. ἔρριψεν Ἀ. τὴν ῥ. (2)
— 12. ἔρριψαν ἕκαστος τὴν ῥ. αὐ. (2)
— 12. κατέπιεν ἡ ῥ. ἡ Ἀ. τὰς ἐκείνων ῥ. (2, 2)
— 15. τὴν ῥ. τὴν στραφεῖσαν εἰς ὄφιν (2)
— 17. τύπτω τῇ ῥ. τῇ ἐν τῇ χειρί μου (2)
— 19. λάβε τὴν ῥ. σου (2)
— 20. ἐπάρας τῇ ῥ. [A Ἀ. τὴν ῥ.] αὐ. (2)
8. 5 (1), 16 (12). ἔκτεινον τῇ χειρὶ τὴν ῥ. σου (2)
— 17 (13). ἐξέτεινεν οὖν Ἀ. τῇ χειρὶ τὴν ῥ. (2)
10. 13. ἐπῆρε Μ. τὴν ῥ. (2)
14. 16. ἔπαρον τῇ ῥ. [A τὴν ῥ.] σου (2)
17. 5. καὶ τὴν ῥ. . . . λάβε (2)
— 9. καὶ ἡ ῥ. τοῦ θεοῦ ἐν τῇ χειρί μου (2)
21. 19. περιπατήσῃ ἔξω ἐπὶ ῥάβδου (4)
— 20. ἐὰν δέ τις πατάξῃ τὸν παῖδα αὐ. . . . ἐν ῥάβδῳ (6)
Le. 27. 32. ὃ ἐὰν ἔλθῃ ἐν τῷ ἀριθμῷ ὑπὸ τὴν ῥ. (6)
Nu. 17. 2 (17). λάβε παρ' αὐτῶν ῥάβδον ῥάβδον κατ' οἴκους πατριῶν . . . δώδεκα ῥάβδους (2 *ter*)
— 2 (17). ἑκάστου τὸ ὄνομα αὐ. ἐπίγραψον ἐπὶ τῆς ῥ. (2)
— 3 (18). τὸ ὄν. Ἀ. ἐπίγραψον ἐπὶ τῆς ῥ. Λ. (2)
— 3 (18). ἔστι γὰρ ῥ. μία (2)
— 5 (20). ἡ ῥ. αὐ. ἐκβλαστήσει (2)
— 6 (21). ἔδωκαν αὐτῷ . . . ῥάβδον τῷ ἄρχοντι τῷ ἑνὶ ῥάβδον κατ' ἄρχοντα . . . δώδεκα ῥάβδους (2 *ter*)
— 6 (21). ἡ ῥ. Ἀ. ἀνὰ μέσον τῶν ῥ. αὐ. (2, 2)
— 7 (22). ἀπέθηκε Μ. τὰς ῥ. ἔναντι κυρίου (2)
— 8 (23). ἐβλάστησεν ἡ ῥ. Ἀ. (2)
— 9 (24). ἐξήνεγκε Μ. πάσας τὰς ῥ. (2)
— 9 (24). A R ἔλαβον [B ἔβαλεν] ἕκαστος τὴν ῥ. αὐ. (2)
— 10 (25). ἀπόθες τὴν ῥ. Ἀ. (2)
20. 8. λάβε τὴν ῥ. σου (2)
Nu. 20. 9. ἔλαβε Μ. τὴν ῥ. τὴν ἀπέναντι κυρίου (2)
— 11. ἐπάταξε τὴν πέτραν τῇ ῥ. δίς (2)
22. 23. A R ἐπάταξε τὴν ὄνον ἐν [B *om.*] τῇ ῥ. –
— 27. ἔτυπτε τὴν ὄνον τῇ ῥ. (3)
Jd. 5. 14. ἐν ῥάβδῳ διηγήσεως γραμματέως [A *al.*] (6)
6. 21. ἐξέτεινεν . . . τὸ ἄκρον τῆς ῥ. (4)
I Ki. 17. 43. σὺ ἔρχῃ ἐπ' ἐμὲ ἐν ῥάβδῳ (3)
II Ki. 7. 14. ἐλέγξω αὐτὸν ἐν ῥάβδῳ ἀνδρῶν (6)
23. 21. R κατέβη πρὸς αὐτὸν ἐν ῥάβδῳ [B τῷ δόρατι] (6)
III Ki. 8. 1. A σὺν πάσας κεφαλὰς τῶν ῥ. (2)
IV Ki. 18. 21. πέποιθας σαυτῷ ἐπὶ τὴν ῥ. τὴν καλαμίνην (4)
I Ch. 11. 23. κατέβη ἐπ' αὐτὸν Β. ἐν ῥάβδῳ (6)
To. 5. 17. οὐχὶ ἡ [S αὐτὸς] ῥ. τῆς χειρὸς ἡμῶν ἐστιν
Es. 4. 11. ᾧ ἐκτείνει ὁ βασ. τὴν χρυσῆν ῥ. (7)
5. 2. ἄρας τὴν χρυσῆν ῥ. (7)
8. 4. ἐξέτεινε δὲ . . . τὴν ῥ. τὴν χρυσῆν (7)
Jb. 9. 34. ἀπαλλαξάτω ἀπ' ἐμοῦ τὴν ῥ. (6)
Ps. 2. 9. ποιμανεῖς αὐτοὺς ἐν ῥάβδῳ σιδηρᾷ (6)
22 (23). 4. ἡ ῥ. σου καὶ ἡ βακτηρία σου αὗταί [A αὐτά] με παρεκάλεσαν (6)
44 (45). 6. ῥάβδος εὐθύτητος ἡ ῥ. τῆς βασιλείας σου (6, 6)
73 (74). 2. ἐλυτρώσω ῥάβδον κληρονομίας σου (6)
88 (89). 32. ἐπισκέψομαι ἐν ῥάβδῳ τὰς ἀνομίας αὐτῶν (6)
109 (110). 2. ῥάβδον δυνάμεως ἐξαποστελεῖ (2)
124 (125). 3. οὐκ ἀφήσει κύριος τὴν ῥ. τῶν ἁμαρτωλῶν (6)
Pr. 10. 13. ῥάβδῳ τύπτει ἄνδρα ἀκάρδιον (6)
22. 15. ῥάβδος δὲ καὶ παιδεία μακρὰν ἀπ' αὐτοῦ (6)
23. 13. ἐὰν πατάξῃς αὐτὸν ῥάβδῳ (6)
— 14. σὺ μὲν γὰρ πατάξεις αὐτὸν ῥάβδῳ (6)
26. 3. οὕτως ῥάβδος ἔθνει παρανόμῳ (6)
Si. 30. 33 (33. 24). ῥάβδος καὶ φορτία ὄνῳ
Ho. 4. 12. ἐν ῥάβδοις αὐ. ἀπήγγελλον αὐτῷ (3)
Mi. 5. 1 (4. 14). ἐν ῥάβδῳ πατάξουσιν (6)
7. 14. ποίμαινε λαόν σου ἐν ῥάβδῳ σου (6)
Na. 1. 13. συντρίψω τὴν ῥ. αὐ. ἀπὸ σοῦ †
Za. 8. 4. ἕκαστος τὴν ῥ. αὐ. ἔχων (4)
11. 7. λήψομαι ἐμαυτῷ δύο ῥάβδους (3)
— 10. λήψομαι τὴν ῥ. μου τὴν καλήν (3)
— 14. ἀπέρριψα τὴν ῥ. τὴν δευτέραν (3)
Is. 9. 4 (3). καὶ ἡ ῥ. ἡ ἐπὶ τοῦ τραχήλου αὐτῶν τὴν γὰρ ῥ. τῶν ἀπαιτούντων διεσκέδασεν (2, 6)
10. 5. ἡ ῥ. τοῦ θυμοῦ μου (6)
— 15. ὡς ἂν τις ἄρῃ ῥάβδον (6 + 2)
— 24. ἐν ῥάβδῳ πατάξει σε (6)
11. 1. ἐξελεύσεται ῥ. ἐκ τῆς ῥίζης Ἰεσσαί (1)
28. 27. ῥάβδῳ τινάσσεται τὸ μελάνθιον (2)
36. 6. πεποιθὼς εἶ ἐπὶ τὴν ῥ. τὴν καλαμίνην τὴν τεθλασμένην ταύτην (4)
Je. 31 (48). 17. συνετρίβη βακτηρία εὐκλεὴς ῥ. μεγαλώματος (3)
La. 3. 1. ἐν ῥάβδῳ θυμοῦ αὐτοῦ ἐπ' ἐμέ (6)
Ez. 7. 10. εἰ καὶ ἡ ῥ. ἤνθηκεν (2)
19. 11. ἐγένετο αὕτη [A -νοντο αὐτῇ] ῥ. (2)
— 12. ἐξηράνθη ἡ ῥ. ἰσχύος αὐτῆς (2)
— 14. ἐξῆλθε πῦρ ἐκ ῥάβδου ἐκλεκτῶν αὐτῆς . . . οὐκ ἦν ἐν αὐτῇ ῥ. ἰσχύος (2, 2)
20. 37. διάξω ὑμᾶς ὑπὸ τὴν ῥ. μου (6)
21. 21 (26). τοῦ ἀναβράσαι ῥάβδον [A -δία] †
29. 6. ἐγενήθης ῥ. καλαμίνη (4)
37. 16. λάβε σεαυτῷ ῥάβδον . . . ῥάβδον δευτέραν λήψῃ σεαυτῷ . . . ῥάβδον Ἐφραίμ (5 *ter*)
— 17. συνάψεις αὐτὰς πρὸς ἀλλήλας σαυτῷ εἰς ῥάβδον μίαν (5)
— 19. ἔσονται εἰς ῥάβδον μίαν (5)
— 20. ἔσονται αἱ ῥ. . . . ἐν τῇ χειρί σου (5)
39. 9. ῥάβδοις χειρῶν καὶ λόγχαις (3)
Da. LXX. Bel 25. ἀνελῶ τὸν δράκοντα ἄνευ . . . ῥάβδου
Da. TH. Bel 26. ἀποκτενῶ τὸν δράκοντα ἄνευ . . . ῥάβδου

[Aq. Nu. 1. 21, 47: III Ki. 8. 1: Ps. 73 (74). 2: Je. 10. 16: Ez. 4. 16: 7. 11: Za. 11. 10.]
[Sm. Ge. 30. 41: Jd. 5. 14: I Ki. 14. 27: Is. 10. 24: 14. 5: Je. 51 (28). 19.]
[Th. Ge. 47. 31: Nu. 21. 18: Jd. 5. 14: Pr. 10. 13: Je. 10. 16: Ez. 7. 10: 21. 10 (15).]
[Al. Le. 26. 13, 26.]

ῥαβομόγ, ῥαβσαρίς.

[Sm., Th. Je. 39 (46). 13.]

ῥαβώθ. (1) עַרְבוֹת

IV Ki. 25. 5. A ἐν ῥ. Ἱερ. [B *al.*] (1)

ῥαγάς. (1) נַחֲלָל

Is. 7. 19. εἰς τὰ σπήλαια καὶ εἰς [A S σπ. ἐπὶ] πᾶσαν ῥαγάδα (1)

ῥάγμα. (1) בְּקִיעַ

Am. 6. 12 (11). πατάξει . . . τὸν οἶκον τὸν μικρὸν ῥάγμασιν [A ῥήγμασιν] (1)

ῥάδαμνος. (1) יוֹנֶקֶת (2) כְּפָה

Jb. 8. 16. ἐκ σαπρίας αὐτοῦ ὁ ῥ. αὐτοῦ ἐξελεύσεται (1)
14. 7. ὁ ῥ. αὐτοῦ οὐ μὴ ἐκλείπῃ (1)
15. 32. ὁ ῥ. αὐτοῦ οὐ μὴ πυκάσῃ (2)
40. 17 (22). σκιάζονται δὲ ἐν αὐτῷ δένδρα μεγάλα σὺν ῥαδάμνοις [S[1] ῥάμνοις] †

ῥᾴδιος.

II Ma. 2. 26. καὶ ἡμῖν μὲν . . . οὐ ῥᾴδιον
4. 17. ἀσεβεῖν γὰρ εἰς τοὺς θείους νόμους οὐ ῥᾴδιον

ῥαθέμ.

[Heb. III Ki. 19. 5.]

ῥαθμέν. (1) רֹתֶם

III Ki. 19. 4. ἐκάθισεν ὑποκάτω ῥ. [A ῥαμάθ] (1)

ῥαθυμεῖν. (1) רָאָה hithpa.

Ge. 42. 1. ἵνα τί ῥαθυμεῖτε (1)
Ju. 1. 16. A S R καὶ ἦν ἐκεῖ ῥαθυμῶν
Si. 35 (32). 11. καὶ μὴ ῥαθύμει [A ἀθ.]
II Ma. 6. 4. ὑπὸ τῶν ἐθνῶν ἐπεπλήρωτο ῥαθυμούντων

ῥαθυμία.

III Ma. 4. 8. ἀντὶ εὐωχίας καὶ νεωτερικῆς ῥ.

ῥαίνειν, ῥανίζειν. (1) זָרַק (2) נָזָה hi. (3) נָזַל

Ex. 29. 21. καὶ ῥανεῖς ἐπὶ Ἀ. (2)
Le. 4. 17. καὶ ῥανεῖ ἑπτάκις ἔναντι κυρίου (2)
5. 9. ῥανεῖ ἀπὸ τοῦ αἵματος (2)
8. 11. ἔρρανεν ἀπ' αὐτοῦ ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον (2)
14. 16. ῥανεῖ [A -ιεῖ] τῷ δακτύλῳ ἑπτάκις (2)
— 27. ῥανεῖ ὁ ἱερεὺς τῷ δακτύλῳ τῷ δεξιῷ (2)
16. 14. ῥανεῖ τῷ δακτύλῳ ἐπὶ τὸ ἱλαστήριον (2)
— 14. κατὰ πρόσωπον τοῦ ἱλαστηρίου ῥανεῖ ἑπτάκις (2)
— 15. ῥανεῖ τὸ αἷμα αὐ. ἐπὶ τὸ ἱλαστήριον (2)
— 19. ῥανεῖ ἐπ' αὐτοῦ ἀπὸ τοῦ αἵματος (2)
Nu. 19. 4. ῥανεῖ ἀπέναντι τοῦ προσώπου τῆς σκηνῆς (2)
Is. 45. 8. αἱ νεφέλαι ῥανάτωσαν [A ῥαινέτ.] δικαιοσύνην (3)
Ez. 36. 25. ῥανῶ ἐφ' ὑμᾶς ὕδωρ καθαρόν (1)

[Th. Le. 8. 11.]
[Al. Je. 26. 8.]

ῥάκος. (1) בֶּגֶד (2) סְחָבָה

Es. 4. 17. βδελύσσομαι αὐτὸ ὡς ῥάκος καταμηνίων
Is. 64. 6 (5). ὡς ῥ. ἀποκαθημένης πᾶσα ἡ δικαιοσύνη ἡμῶν (1)
Je. 45 (38). 11. ἔλαβεν ἔκειθεν παλαιὰ ῥάκη (2)

[Th. Je. 38 (45). 12.]

ῥακώδης. (1) קְרָעִים

Pr. 23. 21. ἐνδύσεται διερρηγμένα καὶ ῥακώδη (1)

ῥαμά. (1) רָאֵמָה

Za. 14. 10. ῥαμὰ δὲ ἐπὶ τόπου μενεῖ (1)

ῥαμάθ.

III Ki. 19. 4. A ἐκάθισεν ὑποκάτω ῥ. [B ῥαθμέν] †

ῥάμμα. (1) חוּט

Jd. 16. 12. A ἔσπασεν αὐτὰ . . . ὡς ῥάμμα (1)
[Aq. Ge. 14. 23.]

ῥάμνος. (1) אָטָד

Jd. 9. 14. εἶπαν πάντα τὰ ξύλα τῇ ῥ. [A *al.*] (1)
— 15. εἶπεν ἡ ῥ. πρὸς τὰ ξύλα (1)
— 15. A ἐξέλθῃ πῦρ ἐκ τῆς ῥ. [B *al.*] (1)
Jb. 40. 17 (22). S¹ σκιάζονται δὲ ἐν αὐτῷ δένδρα μεγάλα σὺν ῥάμνοις [A B S² ῥαδάμνοις] †
Ps. 57 (58). 9. B S¹ πρὸ τοῦ συνεῖναι [B²R -ιέναι] τὰς ἀκάνθας ὑμῶν τὴν ῥ. [S² τῇ ῥ.] (1)
Ep. Je. 71. τὸν αὐτὸν τρόπον καὶ τῇ ἐν κήπῳ ῥ.
[Aq., Th. Jd. 9. 14.]
[Sm. Ps. 57 (58). 10.]
[Al. Ge. 50. 10, 11.]

ῥανίς.

Wi. 11. 22. ὡς ῥανὶς δρόσου ὀρθρινή

ῥαντίζειν. (1) חָטָא pi. (2) נָזָה

Le. 6. 27 (20). ὃς ἐὰν ῥαντισθῇ ἐπ' αὐτό (2)
IV Ki. 9. 33. ἐρραντίσθη τοῦ αἵματος αὐ. (2)
Ps. 50 (51). 7. ῥαντιεῖς με ὑσσώπῳ (1)
[Aq. Le. 8. 11 : Is. 52. 15 : 63. 3.]
[Sm. Is. 63. 3.]
[Th. Is. 52. 15.]

ῥαντισμός. (1) נִדָּה

Nu. 19. 9. ὕδωρ ῥαντισμοῦ ἁγνισμά ἐστι (1)
— 13, 20. ὕδωρ ῥαντισμοῦ οὐ περιερραντίσθη (1)
— 21. ὁ περιρραίνων ὕδωρ ῥαντισμοῦ (1)
— 21. ὁ ἁπτόμενος τοῦ ὕδατος τοῦ ῥ. (1)
Za. 13. 1. A S² καὶ εἰς τὸν ῥ. [B S¹ χωρισμόν] (1)
[Aq. Za. 13. 1.]

ῥαντός. (1) נָקֹד (2) עָקֹד (3) σποδοειδὴς

ῥαντός *a.* בָּרֹד *b.* טָלָא

Ge. 30. 32. R καὶ πᾶν διάλευκον καὶ ῥ. [A *al.*] (1)
— 33. πᾶν ὃ ἐὰν μὴ ᾖ ῥαντὸν καὶ διάλευκον (1)
— 35. διέστειλεν . . . τοὺς τράγους τοὺς ῥ. . . . καὶ πάσας τὰς αἶγας τὰς ῥ. (2, 1)
— 39. ἔτικτον τὰ πρόβατα . . . σποδοειδῆ ῥαντά (3 *b*)
31. 10. καὶ ποικίλοι καὶ σποδοειδεῖς ῥαντοί (3 *a*)
— 12. καὶ ποικίλους καὶ σποδοειδεῖς ῥαντούς (3 *a*)
[Sext. Ca. 1. 11.]

ῥαπίζειν.

Jd. 16. 25. B καὶ ἐρράπιζον αὐτόν –
I Es. 4. 31. ἐρράπιζε τὸν βασ. τῇ ἀριστερᾷ
Ho. 11. 4. ὡς ῥαπίζων ἄνθρωπος ἐπὶ τὰς σιαγόνας αὐ. †

ῥάπισμα. (1) מָרַט

Is. 50. 6. τὰς δὲ σιαγόνας μου εἰς ῥαπίσματα (1)

ῥάπτειν. (1) תָּפַר

Ge. 3. 7. ἔρραψαν φύλλα συκῆς (1)
Jb. 16. 16 (15). σάκκον ἔρραψαν ἐπὶ βύρσης μου [A S² *al.*] (1)
Ec. 3. 7. καιρὸς τοῦ ῥάψαι (1)

ῥαπτός. (1) טָלָא

Ez. 16. 16. ἐποίησας σεαυτῇ εἴδωλα ῥαπτά (1)

ῥασείμ, ῥασίμ, ῥασσείμ. (1) חֲרָשִׁים (2) רָצִים

IV Ki. 11. 4. A R τοὺς ἑκατοντάρχους . . . τῶν [B τὸν] ῥ. (2)
— 19. ἔλαβε . . . τὸν ῥ. (2)
I Ch. 4. 14. A τὸν Ἰ. πατέρα γῆς ῥ. [B *al.*] (1)
[Th. IV Ki. 11. 4.]

ῥάσσειν. (1) נָטַשׁ (2) נָפַל hi. (3) רָטַשׁ pu.
(4) שָׁלַךְ hoph.

Ju. 9. 8. σὺ ῥάξον [S σύνρ.] αὐτῶν τὴν ἰσχύν
16. 10. B S¹ Μῆδοι τὸ θράσος αὐ. ἐρράχθησαν [A S² ἐταράχ.]
Is. 9. 11 (10). ῥάξει ὁ θεὸς τοὺς ἐπανισταμένους †
13. 16. τὰ τέκνα αὐ. ῥάξουσιν [S¹ *om.*] ἐνώπιον αὐτῶν (3)
Je. 23. 33. ῥάξω ὑμᾶς (1)
— 39. λαμβάνω καὶ ῥάσσω ὑμᾶς (1)
Da. LXX. 8. 10. ἐρράχθη ἐπὶ τὴν γῆν (2)
— 11. τὰ ὄρη τὰ ἀπ' αἰῶνος ἐρράχθη (4)
Da. TH. 8. 11. B δι' αὐτὸν θυσία ἐράχθη [A R ἐταράχθη] (4)

ῥασών.

[Heb. Ma. 2. 13.]

ῥαφά. (1) רָפָא (2) רָפָה

II Ki. 21. 16. ὃς ἦν ἐν τοῖς ἐκγόνοις τοῦ ῥ. (2)
— 18. ἐν τοῖς ἐκγόνοις τοῦ ῥ. (2)
— 20. καί γε αὐτὸς ἐτέχθη τῷ ῥ. (2)
— 22. ἐτέχθησαν . . . τῷ ῥ. (2)
I Ch. 20. 8. B οὗτος ἐγένετο ῥ. [A R *al.*] (1)

ῥαφαείμ, ῥαφαΐμ.

[Aq. Jb. 26. 5 : Is. 14. 9 : 26. 19.]
[Th. Is. 14. 9.]
[Al. I Ch. 11. 15 : 14. 9.]

ῥαφαείν, ῥαφαΐν.

[Aq. Jb. 26. 5 : Pr. 9. 18 : 21. 16 : Is. 26. 14.]
[Quint. Pr. 9. 18.]

ῥαφιδευτής. (1) רָקָם

Ex. 27. 16. καὶ βύσσου κεκλωσμένης τῇ ποικιλίᾳ τοῦ ῥ. (1)

ῥαφιδευτός. (1) רָקָם

Ex. 37 (38). 23. τὰ ὑφαντὰ καὶ τὰ [A *om.*] ῥ. (1)

ῥάχις. (1) גֶּרֶם

I Ki. 5. 4. ἡ ῥ. Δαγὼν ὑπελείφθη –
— 5. A πλὴν ἡ ῥ. Γαζεέ –
Jb. 40. 13 (18). ἡ δὲ ῥ. αὐτοῦ σίδηρος [A ὡς σ.] χυτός (1)

ῥαψάρτης (?).

[Aq. Je. 51 (28). 27.]

ῥεβωμά.

[Aq. Je. 39 (46). 13.]

ῥέγχειν. (1) רָדַם ni.

Jn. 1. 5. καὶ ἔρεγχε
— 6. τί σὺ ῥέγχεις [S¹ -ει]

ῥεῖθρον.

[Aq. Ex. 1. 22 : 7. 19, 24 : Jb. 28. 10.]
[Sm. Jb. 20. 17 : 28. 10 : Ps. 68 (69). 3 : 77 (78). 44 : Is. 27. 12.]
[Al. Ex. 2. 5 : 4. 9 : 7. 15 : 8. 5 (1).]

ῥεῖν. (1) הָלַךְ (2) זוּב (3) טָקַק ni.
(4) נוּב (5) נָזַל (6) רָעַף

Ex. 3. 8, 17. εἰς γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι (2)
13. 5. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι (2)
33. 3. εἰς γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι (2)
Le. 15. 3. ῥέων γόνον ἐκ σώματος αὐτοῦ (2)
— 19. ἥτις ἐὰν ᾖ ῥέουσα αἵματι (2)
— 25. ἐὰν ῥέῃ ῥύσει αἵματος (2)
— 25. ἐὰν καὶ ῥέῃ μετὰ τὴν ἄφεδρον αὐ. (2)
20. 24 : Nu. 13. 28 (27). γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι (2)
Nu. 14. 8. ἥτις ἐστὶ ῥέουσα γάλα καὶ μέλι (2)
16. 13, 14. εἰς γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι (2)
De. 6. 3 : 11. 9 : 26. 9. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι (2)
26. 10. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι –
— 15 : 27. 3 : 31. 20 : Jo. 5. 6. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι (2)
Jb. 36. 28. ῥυήσονται παλαιώματα (5)
38. 30. ἢ καταβαίνει ὥσπερ ὕδωρ ῥέον †
Ps. 61 (62). 10. πλοῦτος ἐὰν ῥέῃ (4)
77 (78). 20 : 104 (105). 41. καὶ ἐρρύησαν ὕδατα (2)
147. 7 (18). καὶ ῥυήσεται ὕδατα (5)
Pr. 3. 20. νέφη δὲ ἐρρύησαν δρόσους [S² -ῳ] (6)
Ca. 4. 16. ῥευσάτωσαν ἀρώματά μου (5)
Wi. 16. 29. ῥυήσεται ὡς ὕδωρ ἄχρηστον
Si. 46. 8. εἰς γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι
Jl. 3 (4). 18. οἱ βουνοὶ ῥυήσονται γάλα (1)
— 18. πᾶσαι αἱ ἀφέσεις Ἰ. ῥυήσονται ὕδατα (1)
Za. 14. 12. οἱ ὀφθ. αὐ. ῥυήσονται ἐκ τῶν ὀπῶν αὐ. (3)
Is. 48. 21. ῥυήσεται ὕδωρ (2)
Je. 9. 18 (17). τὰ βλέφαρα ὑμῶν ῥείτω ὕδωρ (5)
11. 5 : 39 (32). 22. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι (2)
Ba. 1. 20. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι
Ez. 20. 6, 15. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι (2)
[Aq. Le. 15. 4, 6 : Nu. 5. 2 : Ca. 4. 16.]
[Sm. Le. 15. 4, 6 : Nu. 5. 2 : Jb. 36. 28 : Ez. 7. 17 : 21. 7 (12).]
[Th. Le. 15. 4, 6 : Nu. 5. 2 : Jb. 36. 28.]
[Al. Le. 15. 2 : 22. 4.]
[Quint. Ca. 4. 15.]
[Sext. Ps. 26 (27). 2 : Ca. 4. 15.]

ῥεμβασμός.

Wi. 4. 12. ῥεμβασμὸς ἐπιθυμίας μεταλλεύει νοῦν ἄκακον

ῥέμβεσθαι.

Pr. 7. 12. χρόνον γάρ τινα ἔξω ῥέμβεται –
[Aq. Ps. 118 (119). 176.]
[Sm. I Ki. 23. 13 : Ps. 58 (59). 16 : 118 (119). 118 : Ca. 1. 7.]

ῥεμβεύειν. (1) סָבַב

Is. 23. 16. ῥέμβευσον, πόλις πόρνη (1)
[Aq. Je. 31 (38). 22 : 49 (30). 4.]
[Quint. Ho. 8. 6.]

ῥεμελέ.

IV Ki. 14. 7. B ἐπάταξε τὴν Ἐ. ἐν ῥ. [A R *al.*] †

ῥεῦμα.

Si. 39. 13. ὡς ῥόδον φυόμενον ἐπὶ ῥεύματος ἀγροῦ [A S ὑγροῦ]

ῥῆγμα. (1) בְּקִיעַ (2) קְרָעִים

III Ki. 11. 30. διέρρηξεν αὐτὸ δώδεκα ῥήγματα (2)
— 31. λάβε σεαυτῷ δέκα ῥήγματα (2)
— 31. A δώσω σοι δέκα ῥήγματα [B σκῆπτρα] †
12. 24. B ῥῆξον αὐτὸ δώδεκα ῥήγματα –
— 24. R λάβε σεαυτῷ δέκα [B δώδεκα] ῥήγματα –
IV Ki. 2. 12. διέρρηξεν αὐτὰ εἰς δύο ῥήγματα (2)
Am. 6. 12 (11). A πατάξει . . . τὸν οἶκον τὸν μικρὸν ῥήγμασιν [B ῥάγμασιν] (1)
[Sm. Is. 22. 9.]

ῥηγνύναι (*incl.* ῥήσσειν). (1) בָּקַע *a.* qal.
b. ni. *c.* pi. *d.* hoph. *e.* hithpa.
(2) חָרַם ni. (3) נָתַק ni. (4) פָּצַח (5) קָרַע
a. qal. *b.* ni. (6) ῥ. φωνήν פָּעָה

Ge. 7. 11. ἐρράγησαν πᾶσαι αἱ πηγαὶ τῆς ἀβ. (1 *b*)
Ex. 14. 16. καὶ ῥῆξον αὐτήν (1 *a*)
28. 28 (32). ἵνα μὴ ῥαγῇ (5 *b*)
Nu. 16. 31. ἐρράγη ἡ γῆ (1 *b*)
Jo. 9. 13. καὶ οὗτοι ἐρρώγασι (1 *e*)
Jd. 15. 19. ἔρρηξεν ὁ θεὸς τὸν λάκκον [A *al.*] (1 *a*)
III Ki. 1. 40. ἐρράγη ἡ γῆ ἐν τῇ φωνῇ αὐ. (1 *b*)
11. 31. ῥήσσω τὴν βασ. ἐκ χειρὸς Σ. (5 *a*)
12. 24. B ῥῆξον αὐτὸ δώδεκα ῥήγματα –
13. 3. τὸ θυσιαστήριον ῥήγνυται (5 *b*)
— 5. τὸ θυσιαστήριον ἐρράγη (5 *b*)
14. 8. A ἔρρηξα σὺν τὸ βασίλειον ἀπὸ τοῦ οἴκου Δ. (5 *a*)
IV Ki. 22. 11. A ἔρρηξεν [B διέρρ.] τὰ ἱμάτια ἑαυτοῦ (5 *a*)
25. 4. ἐρράγη ἡ πόλις (1 *b*)
I Es. 8. 71. B ἔρρηξα [A R διέρρ.] τὰ ἱμάτια
Ne. 9. 11. τὴν θάλασσαν ἔρρηξας ἐνώπιον αὐτῶν (1 *a*)
Jb. 1. 20. R ἔρρηξε [A B S διέρρηξεν] τὰ ἱμάτια ἑαυτοῦ (5 *a*)
2. 12. ῥήξαντες ἕκαστος τὴν ἑαυτοῦ στολήν (5 *a*)
6. 5. εἰ δὲ καὶ ῥήξει φωνὴν βοῦς ἐπὶ φάτνης (6)
15. 13. θυμὸν ἔρρηξας ἔναντι κυρίου †
17. 11. A B S² ἐρράγη δὲ τὰ ἄρθρα τῆς καρδίας μου (3)
26. 8. οὐκ ἐρράγη νέφος ὑποκάτω αὐτοῦ (1 *b*)
28. 10. A B S δίνας δὲ ποταμῶν ἔρρηξεν [R διέρρηξε] (1 *c*)
31. 37. εἰ μὴ ῥήξας αὐτὴν ἀπέδωκα †
32. 19. ὥσπερ φυσητὴρ [S¹ -ὴς] χαλκέως ἐρρηγώς [S¹ *om.*, A δεδεμένος καὶ κατερρ.] (1 *b*)
Ps. 140 (141). 7. S² ὡσεὶ πάχος γῆς ἐρράγη [A B S¹ διερράγη] (1 *a*)
Pr. 3. 20. ἐν αἰσθήσει ἄβυσσοι ἐρράγησαν (1 *b*)
Ec. 3. 7. καιρὸς τοῦ ῥῆξαι (5 *a*)
Wi. 4. 19. ῥήξει αὐτοὺς ἀφώνους πρηνεῖς

Si. 19. 10. οὐ μή σε ῥήξει
Hb. 3. 10 (9). ποταμῶν [S² -φῇ] ῥαγήσεται γῆ (1 c)
Is. 5. 27. οὐδὲ μὴ ῥαγῶσιν οἱ ἱμάντες τῶν ὑποδημάτων αὐτῶν (3)
33. 23. ἐρράγησαν τὰ σχοινία σου †
35. 6. ἐρράγη ἐν τῇ ἐρήμῳ ὕδωρ (1 b)
49. 13. ῥηξάτωσαν τὰ ὄρη εὐφροσύνην (4)
52. 9. ῥηξάτω εὐφροσύνην [S -νῃ] ἅμα τὰ ἔρημα Ἱερουσαλήμ (4)
54. 1. ῥῆξον καὶ βόησον (4)
58. 8. ῥαγήσεται πρῴϊμον τὸ φῶς σου (1 b)
59. 5. ᾠὰ ἀσπίδων ἔρρηξαν (1 c)
Je. 46 (39). 2. ἐρράγη ἡ πόλις. (1 d)
Ez. 13. 11. καὶ ῥαγήσεται (1 c)
— 13. ῥῆξω πνοὴν ἐξαίρουσαν (1 c)
38. 20. ῥαγήσεται [A -σονται] τὰ ὄρη (2)
1 Ma. 4. 39. S ἔρρηξαν [A R διέρρ.] τὰ ἱμάτια αὐ.

[Aq. III Ki. 14. 8: Ps. 34 (35). 15: Is. 64. 1 (63. 19): Ez. 26. 10.]
[Sm. Ps. 140 (141). 7: Is. 19. 3: 63. 12: 64. 1 (63. 19).]
[Th. Jb. 26. 8: Is. 54. 1: 59. 5: 64. 1 (63. 19).]

ῥῆμα. (1) a. אֵמֶר b. אֹמֶר c. אִמְרָה d. אָמְרָה e. מֵאֹמַר (2) a. דָּבָר b. דְּבַר pi. (3) מִלָּה (4) מִצְוָה (5) מַשָּׂא (6) פֶּה (7) פִּתְגָם (8) ῥ. πονηρά דִּבָּה

Ge. 15. 1. μετὰ δὲ τὰ ῥ. ταῦτα ἐγενήθη ῥῆμα κυρίου πρὸς Ἄ. (2 a, 2 a)
18. 14. μὴ ἀδυνατήσει παρὰ τῷ θεῷ ῥῆμα (2 a)
— 25. μηδαμῶς σὺ ποιήσεις ὡς τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
19. 21. ἐθαύμασά σου τὸ πρόσωπον καὶ ἐπὶ τῷ ῥ. τούτῳ (2 a)
20. 8. ἐλάλησε πάντα τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
21. 11. σκληρὸν δὲ ἐφάνη τὸ ῥ. σφόδρα (2 a)
— 12. A μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥ. [R om. τὸ ῥ.] –
— 26. R τίς ἐποίησέ σοι τὸ ῥ. τοῦτο [A al.] (2 a)
22. 1. καὶ ἐγένετο μετὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
— 16. οὗ εἵνεκεν ἐποίησας τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 20. ἐγένετο δὲ μετὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
24. 9. ὤμοσεν αὐτῷ περὶ τοῦ ῥ. τούτου (2 a)
— 28. ἀνήγγειλεν . . . κατὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
— 30. ὅτε ἤκουσε τὰ ῥ. Ῥ. (2 a)
— 33. ἕως τοῦ λαλῆσαί με τὰ ῥ. μου (2 a)
— 52. ἐν τῷ ἀκοῦσαι . . . τῶν ῥ. τούτων (2 a)
— 66. διηγήσατο . . . π. τὰ ῥ. ἃ ἐποίησεν (2 a)
27. 34. ἡνίκα ἤκουσεν Ἠ. τὰ ῥ. τοῦ πατρὸς αὐ. (2 a)
— 42. ἀπηγγέλη δὲ Ῥεβέκκα τὰ ῥ. Ἠ. (2 a)
29. 12. ἀπήγγειλε τῷ πατρὶ αὐ. κατὰ τὰ ῥ. ταῦτα –
30. 31. ἐὰν ποιήσῃς μοι τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 34. ἔστω κατὰ τὸ ῥ. σου (2 a)
31. 1. ἤκουσε δὲ Ἰ. τὰ ῥ. τῶν υἱῶν Λ. (2 a)
32. 19 (20). κατὰ τὸ ῥ. τοῦτο λαλήσατε (2 a)
34. 14. R ποιῆσαι τὸ ῥ. [A om. τὸ ῥ.] τοῦτο (2 a)
— 19. τοῦ ποιῆσαι τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
37. 8. καὶ ἕνεκεν τῶν ῥ. αὐ. (2 a)
— 11. ὁ δὲ πατὴρ αὐ. διετήρησε τὸ ῥ. (2 a)
38. 10. A πονηρὸν δὲ ἐφάνη τὸ ῥ. [R om. τὸ ῥ.] –
39. 7. καὶ ἐγένετο μετὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
— 9. πῶς ποιήσω τὸ ῥ. τὸ πονηρὸν τοῦτο –
— 17. ἐλάλησεν αὐτῷ κατὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
— 19. ὡς ἤκουσεν . . . τὰ ῥ. τῆς γυναικὸς αὐ. (2 a)
40. 1. ἐγένετο δὲ μετὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
41. 28. τὸ δὲ ῥ. ὃ εἴρηκα Φαραώ (2 a)
— 32. ἀληθὲς ἔσται τὸ ῥ. τὸ παρὰ τοῦ θεοῦ (2 a)
— 37. R ἤρεσε δὲ τὸ ῥ. [A τὰ ῥ.] ἐναντίον Φ. (2 a)
42. 16. ἕως τοῦ φανερὰ γενέσθαι τὰ ῥ. ὑμῶν (2 a)
— 20. πιστευθήσονται τὰ ῥ. ὑμῶν (2 a)
44. 2. ἐγενήθη δὲ κατὰ τὸ ῥ. Ἰ. (2 a)
— 6. εἶπεν αὐτοῖς κατὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
— 7. ἵνα τί λαλεῖ ὁ κύριος κατὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
— 7. R ποιῆσαι κατὰ [A² om.] τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 17. μή μοι γένοιτο ποιῆσαι τὸ ῥ. τοῦτο –
— 18. λαλησάτω ὁ παῖς σου ῥῆμα (2 a)
— 24. ἀπηγγείλαμεν αὐτῷ τὰ ῥ. τοῦ κυρίου (2 a)
47. 30. ἐγὼ ποιήσω κατὰ τὸ ῥ. σου (2 a)
48. 1. ἐγένετο δὲ μετὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
Ex. 2. 14. εἰ οὕτως ἐμφανὲς γέγονε τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 15. ἤκουσε δὲ Φ. τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
4. 15. δώσεις τὰ ῥ. μου εἰς τὸ στόμα αὐ. (2 a)
— 28. ἀνήγγειλε . . . πάντα τὰ ῥ. [A σημεῖα] †
— 30. ἐλάλησεν Ἀ. πάντα τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
8. 26 (22). B¹ οὐ δυνατὸν γενέσθαι οὕτως τὸ ῥ. τοῦτο [A B² R om. τὸ ῥ. τ.] –
Ex. 9. 5. A² B ποιήσει κύριος τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 6. A² B ἐποίησε κύριος τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 20. ὁ φοβούμενος τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
— 21. ὃς δὲ μὴ προσέσχε τῇ διανοίᾳ εἰς τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
12. 24. φυλάξασθε τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
14. 12. οὐ τοῦτο ἦν τὸ ῥ. (2 a)
16. 16. τοῦτο τὸ ῥ. ὃ συνέταξε κύριος (2 a)
— 23. B¹ R οὐ [A B² om.] τοῦτο τὸ ῥ. ἐστιν –
— 32. τοῦτο τὸ ῥ. ὃ συνέταξε κύριος (2 a)
17. 1. διὰ ῥήματος κυρίου (6)
18. 17. οὐκ ὀρθῶς σὺ ποιεῖς τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 18. B βαρύ σοι τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 22. τὸ δὲ ῥ. τὸ ὑπέρογκον ἀνοίσουσιν ἐπὶ σέ (2 a)
— 23. ἐὰν τὸ ῥ. τοῦτο ποιήσῃς (2 a)
— 26. πᾶν δὲ ῥ. ὑπέρογκον ἀνεφέροσαν ἐπὶ Μ. [A al.] (2 a)
— 26. πᾶν δὲ ῥ. ἐλαφρὸν ἐκρίνοσαν αὐτοί (2 a)
19. 6. ταῦτα τὰ ῥ. ἐρεῖς τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 a)
— 9. ἀνήγγειλε δὲ Μ. τὰ ῥ. τοῦ λαοῦ (2 a)
23. 7. ἀπὸ παντὸς ῥ. ἀδίκου ἀποστήσῃ (2 a)
— 8. καὶ λυμαίνεται ῥήματα δίκαια (2 a)
— 22. ταῦτα τὰ ῥ. ἐρεῖς τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. –
24. 3. διηγήσατο τῷ λαῷ πάντα τὰ ῥ. τοῦ θ. (2 a)
— 4. ἔγραψε Μ. πάντα τὰ ῥ. κυρίου (2 a)
33. 4. ἀκούσας ὁ λαὸς τὸ ῥ. τὸ πονηρὸν τοῦτο (2 a)
34. 1. γράψω ἐπὶ τῶν πλακῶν τὰ ῥ. (2 a)
— 27. γράψον σεαυτῷ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
— 28. ἔγραψεν ἐπὶ τῶν πλακῶν τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
35. 4. τοῦτο τὸ ῥ. ὃ συνέταξε κύριος (2 a)
Le. 4. 13. καὶ λάθῃ ῥῆμα ἐξ ὀφθαλμῶν τῆς συναγωγῆς (2 a)
8. 5. τοῦτό ἐστι τὸ ῥ. τοῦτό ἐστιν (2 a)
9. 6. τοῦτο τὸ ῥ. ὃ εἶπε κύριος ποιήσατε (2 a)
10. 7. ἐποίησαν κατὰ τὸ ῥ. Μ. (2 a)
17. 2. τοῦτο τὸ ῥ. ὃ ἐνετείλατο κύριος (2 a)
Nu. 11. 14. βαρύτερόν [A βαρύ] μοί ἐστι τὸ ῥ. τοῦτο –
— 24. ἐλάλησε πρὸς τὸν λαὸν τὰ ῥ. κυρίου (2 a)
13. 28 (26). ἀπεκρίθησαν αὐτοῖς ῥῆμα (2 a)
14. 20. ἵλεως αὐτοῖς εἰμι κατὰ τὸ ῥ. σου (2 a)
— 36. ἐξενέγκαι ῥ. πονηρὰ περὶ [A ἐπὶ] τῆς γῆς (8)
— 39. ἐλάλησε Μ. τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
— 41. ἵνα τί ὑμεῖς παραβαίνετε τὸ ῥ. κυρίου (6)
15. 31. τὸ ῥ. [B¹ τὰ ῥ.] κυρίου ἐφαύλισε (2 a)
22. 7. εἶπαν αὐτῷ τὰ ῥ. Β. (2 a)
— 18. οὐ δυνήσομαι παραβῆναι τὸ ῥ. κ. τοῦ θεοῦ (6)
— 20. τὸ ῥ. ὃ ἐὰν λαλήσω [A εἴπω] πρὸς σέ (2 a)
— 35. τὸ ῥ. ὃ ἐὰν εἴπω πρὸς σέ (2 a)
— 38. τὸ ῥ. ὃ ἐὰν ἐμβάλῃ ὁ θεός (2 a)
23. 3. καὶ ῥῆμα . . . ἀναγγελῶ σοι (2 a)
— 5. ἐνέβαλεν ὁ θ. ῥῆμα εἰς τὸ στόμα Β. (2 a)
— 16. καὶ ἐνέβαλε ῥῆμα εἰς τὸ στόμα αὐ. (2 a)
— 26. τὸ ῥ. ὃ ἐὰν λαλήσῃ ὁ θεός †
24. 13. οὐ δυνήσομαι παραβῆναι τὸ ῥ. κυρίου (6)
27. 14. παρέβητε τὸ ῥ. μου (6)
30. 2. τοῦτο τὸ ῥ. ὃ συνέταξε κύριος (2 a)
— 3. οὐ βεβηλώσει τὸ ῥ. αὐ. (2 a)
31. 16. κατὰ τὸ ῥ. Β. (2 a)
— 16. ὑπεριδεῖν τὸ ῥ. κυρίου –
32. 20. ἐὰν ποιήσητε κατὰ τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
33. 2. διὰ ῥήματος κυρίου (6)
36. 6. τοῦτο τὸ ῥ. ὃ συνέταξε κύριος (2 a)
De. 1. 14. καλὸν τὸ ῥ. ὃ ἐλάλησας ποιῆσαι (2 a)
— 17. τὸ ῥ. ὃ ἐὰν σκληρὸν ᾖ ἀφ' ὑμῶν (2 a)
— 23. ἤρεσεν ἐναντίον μου τὸ ῥ. (2 a)
— 26. ἠπειθήσατε τῷ ῥ. κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (6)
— 43. παρέβητε τὸ ῥ. κυρίου (6)
2. 7. οὐκ ἐπεδεήθης ῥήματος (2 a)
4. 1. A ἄκουε . . . τῶν ῥ. [B κριμάτων] †
— 2. οὐ προσθήσετε πρὸς τὸ ῥ. (2 a)
— 10. ἀκουσάτωσαν τὰ ῥ. μου (2 a)
— 12. ἐλάλησε . . . φωνὴν ῥημάτων (2 a)
— 13. ἀνήγγειλεν ὑμῖν . . . τὰ δέκα ῥ. (2 a)
— 32. εἰ γέγονε κατὰ τὸ ῥ. τὸ μέγα τοῦτο (2 a)
— 36. καὶ τὰ ῥ. αὐ. ἤκουσας (2 a)
5. 5. ἀναγγεῖλαι ὑμῖν τὰ ῥ. κυρίου [A al.] (2 a)
— 22 (19). τὰ ῥ. ταῦτα ἐλάλησε κύριος (2 a)
6. 6. ἔσται τὰ ῥ. ταῦτα . . . ἐν τῇ καρδίᾳ σου (2 a)
8. 3. ἀλλ' ἐπὶ παντὶ ῥ. τῷ ἐκπορευομ. –
9. 23. ἠπειθήσατε τῷ ῥ. κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (6)
10. 2. γράψεις ἐπὶ τὰς πλάκας τὰ ῥ. (2 a)
11. 18. ἐμβαλεῖτε τὰ ῥ. ταῦτα εἰς τὴν καρδίαν ὑμῶν (2 a)
12. 32 (13. 1). πᾶν ῥ. ὃ ἐγὼ ἐντέλλομαι (2 a)
13. 11 (12). κατὰ τὸ ῥ. τὸ πονηρὸν [A τὸ πον. ῥ.] τοῦτο (2 a)
De. 15. 9. μὴ γένηται ῥ. κρυπτὸν ἐν τῇ καρδίᾳ σου (2 a)
— 10. διὰ τὸ ῥ. τοῦτο εὐλογήσει σε κύριος (2 a)
— 11. ἐντέλλομαι ποιεῖν [A om.] τὸ ῥ. τοῦτο –
— 15. ἐντέλλομαι ποιεῖν τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
17. 1. ἐν ᾧ ἐστιν ἐν αὐτῷ μῶμος πᾶν ῥ. πονηρόν (2 a)
— 4. καὶ ἰδοὺ ἀληθῶς γέγονε τὸ ῥ. (2 a)
— 8. ἐὰν δὲ ἀδυνατήσῃ ἀπὸ σοῦ ῥῆμα (2 a)
— 8. ῥήματα κρίσεως ἐν ταῖς πόλεσιν ὑ. (2 a)
— 10. A ποιήσεις κατὰ τὸ ῥ. [B πρᾶγμα] (6 + 2 a)
— 11. οὐκ ἐκκλινεῖς ἀπὸ τοῦ ῥ. (2 a)
18. 18. δώσω τὰ ῥ. [A τὸ ῥ.] μου ἐν τῷ στόματι αὐ. (2 a)
— 20. λαλῆσαι ἐπὶ τῷ ὀνόματί μου ῥῆμα (2 a)
— 21. πῶς γνωσόμεθα τὸ ῥ. (2 a)
— 22. A καὶ μὴ γένηται τὸ ῥ. [B om. τὸ ῥ.] (2 a)
— 22. τοῦτο τὸ ῥ. ὃ οὐκ ἐλάλησε κύριος (2 a)
19. 7. ἐγώ σοι ἐντέλλομαι τὸ ῥ. τοῦτο –
— 15. στήσεται πᾶν ῥ. (2 a)
— 20. ποιῆσαι κατὰ τὸ ῥ. τὸ πονηρὸν τοῦτο (2 a)
23. 9 (10). φυλάξῃ ἀπὸ παντὸς ῥ. [A πράγματος] πονηροῦ (2 a)
24. 18. ποιεῖν τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 20. ποιεῖν τὸ ῥ. τοῦτο –
— 22. ποιεῖν τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
28. 58. ποιεῖν πάντα τὰ ῥ. τοῦ νόμου τούτου (2 a)
29. 19 (18). ἐὰν ἀκούσῃ τὰ ῥ. τῆς ἀρᾶς ταύτης (2 a)
— 29 (28). ποιεῖν πάντα τὰ ῥ. τοῦ νόμου τούτου (2 a)
30. 1. ὡς ἂν ἔλθωσιν ἐπὶ σὲ πάντα τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
— 14. ἐγγύς σού ἐστι τὸ ῥ. σφόδρα (2 a)
31. 9. ἔγραψε Μ. [A add. πάντα] τὰ ῥ. τοῦ νόμου τούτου –
— 19. γράψατε τὰ ῥ. τῆς ᾠδῆς ταύτης –
— 30. ἐλάλησε Μ. . . . τὰ ῥ. τῆς ᾠδῆς ταύτης (2 a)
32. 1. ἀκουέτω ἡ γῆ ῥήματα ἐκ στόματός μου (1 a)
— 2. καταβήτω ὡς δρόσος τὰ ῥ. μου (1 c)
— 51. ἠπειθήσατε τῷ ῥ. μου –
34. 5. ἐτελεύτησε Μ. . . . διὰ ῥήματος κυρίου (6)
Jo. 1. 13. μνήσθητε τὸ ῥ. (2 a)
— 18. ὅστις μὴ ἀκούσῃ τῶν ῥ. σου (2 a)
2. 21. κατὰ τὸ ῥ. ὑμῶν ἔστω (2 a)
3. 9. ἀκούσατε τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
8. 8. κατὰ τὸ ῥ. τοῦτο ποιήσετε (2 a)
9. 2 (8. 34). ἀνέγνω Ἰ. πάντα τὰ ῥ. τοῦ νόμου τούτου (2 a)
— 2 (8. 35). οὐκ ἦν ῥῆμα ἀπὸ πάντων (2 a)
14. 6. σὺ ἐπίστῃ τὸ ῥ. (2 a)
— 10. ἐλάλησε κύριος τὸ ῥ. τοῦτο πρὸς Μ. (2 a)
— 12. σὺ ἀκήκοας τὸ ῥ. τοῦτο –
21. 43. οὐ διέπεσεν ἀπὸ πάντων τῶν ῥ. τῶν καλῶν (2 a)
22. 24. ἕνεκεν εὐλαβείας ῥήματος (2 a)
23. 15. ἥκει πρὸς ἡμᾶς πάντα τὰ ῥ. τὰ καλά [A¹ κακά] (2 a)
— 15. ἐπάξει . . . πάντα τὰ ῥ. τὰ πονηρά (2 a)
24. 26. ἔγραψε τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
Jd. 5. 29. A ἀπεκρίνατο ἐν ῥήμασιν αὐτῆς [B al.] (1 a)
6. 29. τίς ἐποίησε τὸ ῥ. [A πρᾶγμα] τοῦτο (2 a)
— 29. ἐποίησε τὸ ῥ. [A πρᾶγμα] τοῦτο (2 a)
8. 1. τί τὸ ῥ. τοῦτο ἐποίησας ἡμῖν (2 a)
11. 10. κατὰ τὸ ῥ. σου οὕτω ποιήσομεν (2 a)
— 37. A ποίησόν μοι τὸ ῥ. τοῦτο [B al.] (2 a)
13. 12. A ἐλθόντος τοῦ ῥ. σου [B al.] (2 a)
— 17. ὅτι ἔλθοι τὸ ῥ. σου [A al.] (2 a)
18. 7. A καὶ μὴ δυναμένους λαλῆσαι ῥῆμα [B al.] (2 a)
— 10. οὐκ ἔστιν ἐκεῖ ὑστέρημα παντὸς ῥ. (2 a)
19. 24. μὴ ποιήσητε τὸ ῥ. τῆς ἀφροσύνης τ. (2 a)
— 30. A εἰ γέγονεν κατὰ τὸ ῥ. τοῦτο –
20. 9. τοῦτο τὸ ῥ. ὃ ποιηθήσεται (2 a)
Ru. 3. 18. πῶς οὐ πεσεῖται ῥῆμα (2 a)
— 18. ἕως ἂν τελέσῃ τὸ ῥ. (2 a)
1 Ki. 2. 23. A ἵνα τί ποιεῖτε κατὰ τὸ ῥ. τοῦτο ὃ ἐγὼ ἀκούω ῥ. πονηρά [B om. ῥ. π.] (2 a, 2 a)
3. 1. ῥῆμα κυρίου ἦν τίμιον (2 a)
— 7. πρὶν . . . ἀποκαλυφθῆναι αὐτῷ ῥῆμα κυρίου (2 a)
— 11. ποιῶ τὰ ῥ. μου ἐν Ἰσρ. (2 a)
— 17. τί τὸ ῥ. τὸ λαληθὲν πρὸς σέ (2 a)
— 17. ἐὰν κρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ ῥῆμα (2 a)
4. 16. τί τὸ γεγονὸς ῥ. (2 a)
8. 6. πονηρὸν τὸ ῥ. ἐν ὀφθαλμοῖς Σαμ. (2 a)
— 10. εἶπε Σαμ. πᾶν τὸ ῥ. τοῦ κυρίου (2 a)
9. 10. ἀγαθὸν τὸ ῥ. (2 a)
— 21. ἵνα τί ἐλάλησας πρὸς ἐμὲ κατὰ τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)

I Ki. 9. 27. ἄκουσον [A ἀκουστόν σοι] ῥῆμα θεοῦ (2 a)
10. 2. ἀποτετίνακται τὸ ῥ. τῶν ὄνων (2 a)
— 16. τὸ δὲ ῥ. τῆς βασ. οὐκ ἀπήγγειλεν αὐτῷ (2 a)
11. 5. διηγοῦνται αὐτῷ τὰ ῥ. (2 a)
— 6. B ὡς ἤκουσε τὰ ῥ. (2 a)
12. 16. ἴδετε τὸ ῥ. τὸ μέγα τοῦτο (2 a)
14. 12. γνωριοῦμεν ὑμῖν ῥῆμα (2 a)
— 42. οὐκ ἔστι τὸ ῥ. τοῦτο –
15. 10. ἐγενήθη ῥῆμα κυρίου πρὸς Σαμ. (2 a)
— 23. ἐξουδένωσας τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
— 24. παρέβην . . . τὸ ῥ. σου (2 a)
— 26. ἐξουδένωσας τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
17. 11. ἤκουσε Σ. . . . τὰ ῥ. τοῦ ἀλλοφύλου ταῦτα (2 a)
— 23. A ἐλάλησεν κατὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
— 27. A εἶπεν αὐτῷ ὁ λαὸς κατὰ τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 29. A οὐχὶ ῥῆμά ἐστιν (2 a)
— 30. A εἶπεν κατὰ τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 30. A ἀπεκρίθη αὐτῷ ὁ λαὸς κατὰ τὸ ῥ. τοῦ πρώτου (2 a)
18. 8. πονηρὸν ἐφάνη τὸ ῥ. ἐν ὀφθαλμοῖς Σ. (2 a)
— 20. A εὐθύνθη τὸ ῥ. ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. [B al.] (2 a)
— 23. ἐλάλησαν . . . τὰ [A κατὰ τὰ] ῥ. ταῦτα (2 a)
— 24. ἀπήγγειλαν . . . κατὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
— 26. ἀπαγγέλλουσιν . . . τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
19. 7. ἀπήγγειλεν αὐτῷ πάντα τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
20. 2. A² οὐ μὴ ποιήσῃ ὁ πατήρ μου ῥῆμα μέγα ἢ ῥῆμα μικρόν [A¹ B al.] (2 a, 2 a)
— 2. τί ὅτι κρύψει ὁ πατήρ μου τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 23. τὸ ῥ. ὃ ἐλαλήσαμεν ἐγὼ καὶ σύ (2 a)
21. 2 (3). ἐντέταλταί μοι ῥῆμα σήμερον (2 a)
— 2 (3). μηδεὶς γνώτω τὸ ῥ. (2 a)
— 8 (9). ἦν τὸ ῥ. τοῦ βασ. κατὰ σπουδήν [A κατασπεῦδον] (2 a)
— 12 (13). ἔθετο Δ. τὰ ῥ. ἐν τῇ καρδίᾳ αὐ. (2 a)
22. 15. οὐκ ᾔδει . . . ῥ. μικρὸν ἢ μέγα (2 a)
24. 7. εἰ ποιήσω τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 17. ὡς συνετέλεσε Δ. τὰ ῥ. ταῦτα λαλῶν (2 a)
25. 9. A R λαλοῦσι . . . κατὰ [B καὶ] πάντα τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
— 12. ἀνήγγειλαν τῷ Δ. κατὰ [A add. πάντα] τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
— 36. οὐκ ἀπήγγειλεν αὐτῷ ῥ. μικρὸν ἢ μέγα (2 a)
— 37. ἀπήγγειλεν ἡ γυνὴ αὐ. τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
26. 16. οὐκ ἀγαθὸν τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 19. ἀκουσάτω . . . τὸ ῥ. τοῦ δούλου αὐ. (2 a)
28. 18. διὰ τοῦτο τὸ ῥ. ἐποίησε κύριός σοι (2 a)
II Ki. 2. 6. A R ἐποιήσατε τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
3. 11. ἀποκριθῆναι τῷ Ἀβ. ῥῆμα (2 a)
7. 4. ἐγένετο ῥῆμα κυρίου πρὸς N. (2 a)
— 25. ῥῆμα ὃ ἐλάλησας (2 a)
11. 11. εἰ ποιήσω τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 22. ἀπήγγειλε . . . πάντα τὰ ῥ. τοῦ πολέμου –
— 25. μὴ πονηρὸν ἔστω ἐν ὀφθαλμοῖς σου τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 27. πονηρὸν ἐφάνη τὸ ῥ. (2 a)
12. 6. ἐποίησε τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 12. κἀγὼ ποιήσω τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 14. παρώξυνας . . . ἐν τῷ ῥ. τούτῳ (2 a)
— 21. τί τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
13. 20. τοῦ λαλῆσαι εἰς τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 33. μὴ θέσθω . . . ῥῆμα [A τὸ ῥ.] (2 a)
14. 3. λαλήσεις πρὸς αὐτὸν κατὰ τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 12. λαλησάτω δὴ ἡ δούλη σου . . . ῥῆμα (2 a)
— 15. λαλῆσαι . . . τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 15. εἴ πως ποιήσει ὁ βασ. τὸ ῥ. τῆς δούλης αὐ. (2 a)
— 18. μὴ δὴ κρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ ῥῆμα (2 a)
— 20. ἕνεκεν τοῦ περιελθεῖν τὸ πρόσωπον τοῦ ῥ. τούτου (2 a)
15. 6. ἐποίησεν Ἀβ. κατὰ τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 11. οὐκ ἔγνωσαν πᾶν ῥ. (2 a)
— 28. ἕως τοῦ ἐλθεῖν ῥῆμα παρ' ὑμῶν (2 a)
— 35. πᾶν ῥ. ὃ ἐὰν ἀκούσῃς (2 a)
— 36. πᾶν ῥ. ὃ ἐὰν ἀκούσητε (2 a)
17. 6. A R κατὰ τὸ ῥ. τοῦτο [B add. ὃ] ἐλάλησεν Ἀχ. (2 a)
— 19. καὶ οὐκ ἐγνώσθη ῥῆμα (2 a)
19. 10 (11). τὸ ῥ. παντὸς Ἰσρ. ἦλθε πρὸς τὸν βασ. –
22. 31. τὸ ῥ. κυρίου κραταιὸν πεπυρωμ. (1 c)
24. 10. A ἐποίησα τὸ ῥ. τοῦτο [B al.] –
— 13. τί ἀποκριθῶ τῷ ἀποστειλαντί με ῥῆμα (2 a)
III Ki. 1. 27. εἰ διὰ τοῦ κυρίου μου τοῦ βασ. γέγονε τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
III Ki. 2. 27. πληρωθῆναι τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
3. 1 (2. 38). ἀγαθὸν τὸ ῥ. ὃ ἐλάλησας (2 a)
— 1 (2. 42). A ἀγαθὸν τὸ ῥ. ὃ ἤκουσα (2 a)
— 10. ᾐτήσατο Σαλ. τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 11. ᾐτήσω παρ' ἐμοῦ τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 12. A R πεποίηκα κατὰ [B om.] τὸ ῥ. σου (2 a)
8. 20. ἀνέστησε κύριος τὸ ῥ. αὐ. (2 a)
— 26. πιστωθήτω δὴ τὸ ῥ. σου (2 a)
— 59. ῥῆμα ἡμέρας ἐν ἡμέρᾳ ἐνιαυτοῦ (2 a)
11. 41. B τὰ λοιπὰ τῶν ῥ. [A R λόγων] Σαλ. (2 a)
— 41. ἐν βιβλίῳ ῥημάτων Σαλ. (2 a)
12. 15. ὅπως στήσῃ τὸ ῥ. αὐ. (2 a)
— 24. παρ' ἐμοῦ γέγονε τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 24. κατὰ τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
— 24. B ῥῆμα κυρίου μετ' αὐτοῦ –
— 24 (cf. A 14. 13). B εὑρέθη ἐν αὐτῷ ῥ. καλὸν περὶ τοῦ κυρίου –
— 24. B ἀποκριθήσομαι ὑμῖν ῥῆμα –
— 24. B τί ἀποκριθῶ τῷ λαῷ ῥῆμα –
— 24. B ἤρεσε τὸ ῥ. ἐνώπιον Ῥ. –
— 24. B ἐγένετο ῥῆμα κυρίου πρὸς Σαμ. –
— 24. B παρ' ἐμοῦ γέγονε τὸ ῥ. τοῦτο –
— 24. B κατὰ τὸ ῥ. κυρίου –
13. 3. τοῦτο τὸ ῥ. ὃ ἐλάλησε κύριος [A al.] †
— 18. ἄγγελος λελάληκε πρὸς μὲ ἐν ῥήματι κυρίου (2 a)
— 21. παρεπίκρανας τὸ ῥ. κυρίου (6)
— 26. ὃς παρεπίκρανε τὸ ῥ. κυρίου (6)
— 26. A κατὰ τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
— 32. γινόμενον ἔσται τὸ ῥ. (2 a)
— 33. μετὰ τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 34. ἐγένετο τὸ ῥ. τοῦτο εἰς ἁμαρτίαν (2 a)
14. 5. A τοῦ ἐκζητῆσαι ῥῆμα παρὰ σοῦ (2 a)
— 13. A εὑρέθη ἐν αὐτῷ ῥ. καλὸν περὶ τοῦ κυρίου (2 a)
— 18. A κατὰ τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
— 19. A περισσὸν ῥημάτων Ἱερ. (2 a)
— 19. A ἐπὶ βιβλίου ῥημάτων τῶν ἡμερῶν (2 a)
15. 5. A ἐκτὸς ἐν ῥήματι Οὐρίου (2 a)
— 29. B κατὰ τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
16. 12. κατὰ τὸ ῥ. ὃ ἐλάλησε κύριος [A al.] (2 a)
— 34. κατὰ τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
17. 2. ἐγένετο ῥῆμα [A λόγος] κυρίου πρὸς Ἠ. (2 a)
— 5. B κατὰ τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
— 8. ἐγένετο ῥῆμα κυρίου πρὸς Ἠ. (2 a)
— 13. ποίησον κατὰ τὸ ῥ. σου (2 a)
— 15. A ἐποίησεν κατὰ τὸ ῥ. Ἠ. [B al.] (2 a)
— 16. κατὰ τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
— 17. A ἐγένετο μετὰ τὰ ῥ. [B om. τὰ ῥ.] ταῦτα (2 a)
— 24. ῥῆμα κυρίου ἐν στόματί σου ἀληθινόν (2 a)
18. 1. ῥῆμα κυρίου ἐγένετο πρὸς Ἠ. (2 a)
— 24. καλὸν τὸ ῥ. ὃ ἐλάλησας (2 a)
19. 9. ῥῆμα κυρίου πρὸς αὐτόν (2 a)
20 (21). 1. A ἐγένετο μετὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)
— 28. ἐγένετο ῥῆμα κυρίου ἐν χειρὶ δούλου αὐ. Ἠ. (2 a)
21 (20). 9. τὸ δὲ ῥ. τοῦτο οὐ δυνήσομαι ποιῆσαι (2 a)
— 24. τὸ ῥ. τοῦτο ποίησον (2 a)
22. 19. ἄκουε ῥῆμα κυρίου (2 a)
— 38. κατὰ τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
IV Ki. 1. 16. A τοῦ ἐκζητῆσαι ἐν ῥήματε αὐ. (2 a)
— 17. ἀπέθανε κατὰ τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
2. 22. κατὰ τὸ ῥ. Ἐλ. (2 a)
3. 12. ἔστιν [A add. σὺν] αὐτῷ ῥῆμα (2 a)
4. 41. οὐκ ἐγενήθη ἔτι ἐκεῖ ῥ. πονηρόν (2 a)
— 44. κατὰ τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
5. 14. κατὰ τὸ ῥ. Ἐλ. (2 a)
— 17 (18). ἀλλ' ἢ τῷ κυρίῳ τῷ ῥ. τούτῳ (2 a)
6. 18. κατὰ τὸ ῥ. Ἐλ. (2 a)
7. 2. μὴ ἔσται τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 16. κατὰ τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
— 19. A R μὴ [B οὐ μὴ] ἔσται τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
8. 2. ἐποίησε κατὰ τὸ ῥ. Ἐλ. (2 a)
— 13. ὅτι ποιήσει τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
9. 25. A κύριος ἔλαβεν ἐπ' αὐτὸν τὸ ῥ. [B λῆμμα] τοῦτο (5)
— 26. κατὰ τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
10. 10. οὐ πεσεῖται ἀπὸ τοῦ ῥ. κυρίου (2 a)
— 17. κατὰ τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
14. 25. κατὰ τὸ ῥ. κ. θεοῦ Ἰσρ. (2 a)
17. 12. οὐ ποιήσετε τὸ ῥ. τοῦτο κυρίῳ (2 a)
20. 4. ῥῆμα κυρίου ἐγένετο πρὸς αὐτόν (2 a)
— 17. οὐχ ὑπολειφθήσεται ῥῆμα (2 a)
22. 9. ἀπέστρεψε τῷ βασ. ῥῆμα (2 a)
IV Ki. 23. 1 (22. 20). ἐπέστρεψαν . . . τὸ ῥ. (2 a)
— 16. κατὰ τὸ ῥ. κυρίου (2 a)
24. 13. κατὰ τὸ ῥ. κυρίου †
I Ch. 11. 19. τοῦ ποιῆσαι τὸ ῥ. τοῦτο –
18. 4. S¹ ὑπελείπετο ἐξ αὐτῶν εἴκοσι ῥήματα [A B S² ἑκατὸν ἅρματα] †
21. 4. R τὸ δὲ ῥ. τοῦ βασ. ἰσχυσεν [A ἐκραταιώθη] (2 a)
II Ch. 6. 17. πιστωθήτω δὴ τὸ ῥ. σου (2 a)
11. 4. παρ' ἐμοῦ ἐγένετο τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
36. 22. μετὰ τὸ πληρωθῆναι ῥῆμα κυρίου (2 a)
I Es. 1. 28. οὐ προσέχων ῥήμασιν Ἱερ.
— 57. εἰς ἀναπλήρωσιν τοῦ ῥ. τοῦ [A ἀ. λόγου] κυρίου
2. 1. εἰς συντέλειαν ῥήματος κυρίου
3. 5. οὗ ἐὰν φανῇ τὸ ῥ. αὐ. σοφώτερον τοῦ ἑτέρου
8. 72. ὅσοι ποτὲ ἐπεκινοῦντο ἐπὶ τῷ ῥ. κυρίου
9. 55. ἐνεφυσώθησαν ἐν τοῖς ῥ.
II Es. 5. 7. R ῥήμασιν [A B ῥῆσιν] ἀπέστειλαν πρὸς αὐτόν (7)
— 11. A R τοιοῦτο [B τοῦτο] τὸ [A om.] ῥ. ἀπεκρίθησαν (7)
6. 9. κατὰ τὸ ῥ. ἱερέων τῶν ἐν Ἱερ. (1 e)
— 11. ὃς ἀλλάξει τὸ ῥ. τοῦτο (7)
7. 1. A B καὶ μετὰ τὰ ῥ. [R add. ταῦτα] (2 a)
10. 4. ἐπὶ σὲ τὸ ῥ. (2 a)
— 5. τοῦ ποιῆσαι κατὰ τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 9. ἀπὸ θορύβου αὐ. περὶ τοῦ ῥ. (2 a)
— 12. μέγα τοῦτο τὸ ῥ. σου (2 a)
— 13. τοῦ ἀδικῆσαι ἐν τῷ ῥ. τούτῳ (2 a)
— 14. τοῦ ἀποστρέψαι ὀργὴν . . . περὶ τοῦ ῥ. τούτου (2 a)
— 16. ἐκζητῆσαι τὸ ῥ. (2 a)
Ne. 2. 19. τί τὸ ῥ. τοῦτο ὃ ὑμεῖς ποιεῖτε (2 a)
5. 12. ποιῆσαι ὡς τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
— 13. ἐποίησεν ὁ λαὸς τὸ ῥ. τοῦτο [S² τὸν λόγον τοῦτον] (2 a)
6. 4. B S ἀπέστειλαν πρὸς μὲ ὡς τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
11. 24. S² εἰς πᾶν ῥῆμα [A B S¹ χρῆμα] τῷ λαῷ (2 a)
To. 2. 6. S ἐμνήσθην τοῦ ῥ. τοῦ προφήτου [A B al.]
12. 11. οὐ μὴ κρύψω ἀφ' ὑμῶν πᾶν ῥ.
14. 4. S πιστεύω ἐγὼ τῷ ῥ. τοῦ θεοῦ [A B al.]
— 4. S οὐ μηθὲν ἐλαττονωθῇ ἐκ πάντων τῶν ῥ.
— 4. S οὐ μὴ διαπέσῃ ῥῆμα ἐκ τῶν λόγων
Ju. 1. 11. ἐφαύλισαν . . . τὸ ῥ. Ναβ.
2. 6. ἠπείθησαν τῷ ῥ. τοῦ στόματός μου
— 13. οὐ παραβήσῃ ἕν τι τῶν ῥ. τοῦ κυρίου σου
3. 5. ἀπήγγειλαν αὐτῷ κατὰ τὰ ῥ. ταῦτα
6. 4. οὐ ματαιωθήσεται τὰ ῥ. τῶν λόγων [S τοῦ στόματος] αὐ.
— 9. οὐδὲν διαπεσεῖται τῶν ῥ. μου
— 17. ἀπήγγειλεν αὐτοῖς τὰ ῥ. τῆς συνεδρίας Ὀλ. καὶ πάντα τὰ ῥ. ὅσα ἐλάλησεν
7. 28. ἵνα μὴ ποιήσῃ κατὰ τὰ ῥ. ταῦτα
— 31. ποιήσω κατὰ τὰ ῥ. ὑμῶν
8. 8. ὃς ἐπήνεγκεν αὐτῇ ῥ. πονηρόν
— 9. ἤκουσε τὰ [B¹ om.] ῥ. τοῦ λαοῦ τὰ πονηρά
10. 1. ὡς . . . συνετέλεσε πάντα τὰ ῥ. ταῦτα
— 13. τοῦ ἀναγγεῖλαι ῥήματα ἀληθείας
— 14. ὡς δὲ ἤκουσαν οἱ ἄνδρες τὰ ῥ. αὐ. [S ταῦτα]
— 16. ἀνάγγειλον κατὰ τὰ ῥ. σου
11. 5. δέξαι τὰ ῥ. τῆς δούλης σου
— 9. ἠκούσαμεν τὰ ῥ. αὐ.
13. 3. A B ἐλάλησε κατὰ τὰ ῥ. ταῦτα
14. 19. A R ὡς δὲ ἤκουσαν ταῦτα [B S om.] τὰ ῥ.
Es. 1. 12. S² κατὰ τὸ ῥ. τοῦ βασ. (2 a)
— 17. διηγήσατο αὐτοῖς τὰ ῥ. τῆς βασιλίσσης (2 a)
5. 14. ἤρεσε τὸ ῥ. τῷ Ἀ. (2 a)
Jb. 2. 9. εἰπόν τι ῥῆμα εἰς [A πρὸς] κύριον †
4. 2. ἰσχὺν δὲ ῥημάτων σου τίς ὑποίσει (3)
— 4. ἀσθενοῦντάς τε ἐξανέστησας ῥήμασι (3)
— 12. εἰ δέ τι ῥῆμα ἀληθινὸν ἐγεγόνει ἐν λόγοις σου (2 a)
6. 3. ἀλλ' ὡς ἔοικε τὰ ῥ. μού ἐστι φαῦλα (2 a)
— 6. εἰ δὲ καὶ ἔστι γεῦμα ἐν ῥήμασι κενοῖς †
— 10. οὐ γὰρ ἐψευσάμην ῥήματα ἅγια [A ἐν ῥήματι ἁγίου] θεοῦ μου (1 a)
— 25. ἀλλ' ὡς ἔοικε φαῦλα ἀληθινοῦ ῥήματα (1 a)
— 25. A οὐ γὰρ παρ' ὑμῶν ῥῆμα οὐδὲ [B S om. ῥ. οὐδὲ] ἰσχὺν αἰτοῦμαι †
— 26. οὐδὲ ὁ ἔλεγχος ὑμῶν ῥήμασί με [A τὰ ῥ. μου] παύσει οὐδὲ γὰρ ὑμῶν φθέγμα [A -ματος] ῥήματος [S¹ τὸ ῥ.] ἀνέξομαι (3, 1 a)
8. 10. A ἢ οὐχ οὗτοί σε διδάξουσιν ῥήματα [B S om.] –

Jb. 8. 10. καὶ ἐκ καρδίας ἐξάξουσι [A διδάξουσιν] ῥήματα (3)
9. 14. ἢ διακρινεῖ τὰ ῥ. μου (2 a)
10. 1. ἐπαφήσω ἐπ' αὐτὸν τὰ ῥ. μου [A al.] †
11. 3. μὴ πολὺς ἐν ῥήμασι γίνου †
12. 11. R οὖς [A B S νοῦς] μὲν γὰρ ῥήματα διακρίνει (3)
13. 17. ἀκούσατε τὰ ῥ. μου (3)
15. 3. ἐλέγχων ἐν ῥήμασιν οἷς οὐ δεῖ [A al.] (2 a)
— 4. συνετελέσω δὲ ῥήματα τοιαῦτα †
— 5. ἔνοχος εἶ ῥήμασι στόματός σου οὐδὲ διέκρινας ῥήματα [B² S¹ ῥῆμα] δυναστῶν †, †
— 13. ἐξήγαγες δὲ ἐκ στόματος ῥήματα τοιαῦτα (3)
16. 3. τί γὰρ μὴ τάξις ἐστὶ ῥήμασι πνεύματος (2 a)
— 5. εἶτ' ἐναλοῦμαι ὑμῖν ῥήμασι [A λόγοις] (6)
19. 4. λαλῆσαι ῥήματα ἃ [A S ῥῆμα ὃ] οὐκ ἔδει τὰ δὲ ῥ. μου πλανᾶται –, –
— 23. τίς γὰρ ἂν δῴη γραφῆναι τὰ ῥ. μου (3)
22. 22. ἀνάλαβε τὰ ῥ. αὐτοῦ ἐν καρδίᾳ σου (1 a)
23. 5. A S² γνῴην δὲ ῥήματα [B S¹ ἰάματα] (3)
— 12. ἐν δὲ κόλπῳ μου ἔκρυψα ῥήματα αὐτοῦ (1 a + 6)
24. 25. τίς . . . θήσει εἰς οὐδὲν τὰ ῥ. μου (3)
26. 4. τίνι ἀνήγγειλας ῥήματα (3)
27. 3. A² πνεῦμα δὲ θεῖον ἔτι περιόν μοι ἐν ῥήμασίν μου [B S al.] †
29. 22. ἐπὶ τῷ ἐμῷ ῥ. οὐ προσέθεντο (2 a)
32. 1 (31. 40). ἐπαύσατο Ἰὼβ ῥήμασιν (2 a)
— 11. ἐνωτίζεσθέ μου τὰ ῥ. (2 a)
— 12. B S² ἀνταποκρινόμενος ῥήματα [A -ασιν] αὐτοῦ ἐξ ὑμῶν (1 a)
— 14. λαλῆσαι τοιαῦτα ῥήματα (3 + 1 a)
— 18. πλήρης γάρ εἰμι ῥημάτων (3)
33. 1. ἄκουσον, Ἰὼβ, τὰ ῥ. μου (3)
— 3. καθαρά μου ἡ καρδία ῥήμασι [A ἐν ῥ.] (1 a)
— 8. φωνὴν ῥημάτων σου ἀκήκοα (3)
— 13. διὰ τί . . . οὐκ ἐπακήκοέ μου πᾶν ῥῆμα [A ἐν παντὶ ῥήματι] (2 a)
34. 16. ἐνωτίζου φωνὴν ῥημάτων (3)
— 34. ἀνὴρ δὲ σοφὸς ἀκήκοέ μου τὸ ῥ. –
— 35. τὰ ῥ. αὐτοῦ [A σου] οὐκ ἐν ἐπιστήμῃ (2 a)
— 37. πολλὰ λαλοῦντων [A -οῦσιν] ῥήματα ἐναντίον τοῦ κυρίου (1 a)
35. 16. ἐν ἀγνωσίᾳ ῥήματα βαρύνει (3)
36. 4. καὶ οὐκ ἄδικα ῥήματα (3)
38. 2. συνέχων δὲ ῥήματα ἐν καρδίᾳ (3)
42. 3. φειδόμενος δὲ ῥημάτων –
— 7. μετὰ τὸ λαλῆσαι τὸν κύριον πάντα τὰ ῥ. ταῦτα [A om.] τῷ Ἰώβ (2 a)
Ps. 5. 1. τὰ ῥ. μου ἐνώτισαι, κύριε (1 a)
16 (17). 6. εἰσάκουσον τῶν ῥ. μου (1 c)
18 (19). 2. ἡμέρα τῇ ἡμέρᾳ ἐρεύγεται ῥῆμα (1 b)
— 4. εἰς τὰ πέρατα τῆς οἰκουμ. τὰ ῥ. αὐ. (3)
35 (36). 3. τὰ ῥ. τοῦ στόματος αὐ. ἀνομία (2 a)
51 (52). 4. B S ἠγάπησας πάντα τὰ [S² om.] ῥ. καταποντισμοῦ (2 a)
53 (54). 2. ἐνώτισαι τὰ ῥ. τοῦ στόματός μου (1 a)
55 (56). 10. ἐπὶ τῷ θεῷ αἰνέσω ῥῆμα (2 a)
67 (68). 11. κύριος δώσει ῥῆμα (1 b)
76 (77). 8. S² συνετέλεσεν ῥῆμα (1 b)
77 (78). 1. κλίνατε τὸ οὖς ὑμῶν εἰς τὰ ῥ. τοῦ στόματός μου (1 a)
137 (138). 1. R ἤκουσας πάντα [S om.] τὰ ῥ. τοῦ στόματός μου –
— 4. ἤκουσαν πάντα τὰ ῥ. τοῦ στόματός σου (1 a)
140 (141). 6. ἀκούσονται τὰ [S¹ om.] ῥ. μου (1 a)
Pr. 3. 1. τὰ δὲ ῥ. μου τηρείτω σὴ καρδία (4)
4. 5. A μηδὲ ἐκκλίνῃς ἀπὸ ῥημάτων στόματός μου (1 a)
7. 24. πρόσεχε ῥήμασι [A ῥῆσιν] στόματός μου (1 a)
8. 8. μετὰ δικαιοσύνης πάντα τὰ ῥ. [A κρίματα] τοῦ στόματός μου (1 a)
17. 27. ὃς φείδεται ῥῆμα προέσθαι σκληρόν (1 a)
Ec. 1. 1. ῥήματα ἐκκλησιαστοῦ υἱοῦ Δαυίδ (2 a)
7. 30 (8. 1). τίς οἶδε λύσιν ῥήματος (2 a)
8. 5. οὐ γνώσεται ῥ. πονηρόν (2 a)
Wi. 6. 25. παιδεύεσθε τοῖς ῥ. μου
16. 26. τὸ ῥ. σου τοὺς σοὶ πιστεύοντας διατηρεῖ
Si. 2. 15. οὐκ ἀπειθήσουσι ῥημάτων [S¹ τῶν ῥ.] αὐ. [A al.]
4. 24. γνωσθήσεται . . . παιδεία ἐν ῥήματι γλώσσης [S¹ γλωσσώδους]
12. 12. ἐπὶ τῶν ῥ. μου καταυγήσῃ
16. 28. οὐκ ἀπειθήσουσι τοῦ ῥ. [S² τῶν ῥ.] αὐ.
Si. 39. 7. αὐτὸς ἀνομβρήσει ῥήματα σοφίας αὐτοῦ
— 17. ἐν ῥήματι στόματος αὐτοῦ ἀποδοχεῖα ὑδάτων
41. 16. ἐντράπητε ἐπὶ τῷ ῥ. μου
46. 15. A S ἐγνώσθη ἐν ῥήμασιν [B πίστει] αὐτοῦ
47. 8. ῥήματι δόξης ἐν πάσῃ καρδίᾳ αὐτοῦ ὕμνησε
Ho. 6. 6 (5). ἀπέκτεινα αὐτοὺς ἐν ῥήματι [A -ασιν] στόματός μου (1 a)
10. 4. λαλῶν ῥήματα προφάσεις ψευδεῖς (2 a)
Za. 1. 13. τῷ λαλοῦντι ἐν ἐμοὶ ῥ. καλά (2 a)
Is. 8. 20. ἵνα εἴπωσιν οὐχ ὡς τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
14. 28. ἐγενήθη τὸ ῥ. τοῦτο (5)
15. 1. τὸ ῥ. [A ὅραμα] τὸ κατὰ τῆς Μωαβίτιδος (5)
16. 13. A S R τοῦτο τὸ [B om.] ῥ. ὃ ἐλάλησε κύριος (2 a)
17. 1. τὸ ῥ. τὸ κατὰ Δαμασκοῦ (5)
22. 1. τὸ ῥ. [A ὅραμα] τῆς φάραγγος Σιών (5)
23. 1. τὸ ῥ. [A S ὅραμα] Τύρου (5)
29. 11. ἔσται ὑμῖν τὰ ῥ. πάντα ταῦτα ὡς οἱ λόγοι τοῦ βιβλίου †
38. 7. ποιήσει ὁ θεὸς τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
40. 8. τὸ δὲ ῥ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν μένει (2 a)
42. 16. ταῦτα τὰ ῥ. [A add. ἃ] ποιήσω (2 a)
44. 26. ἱστῶν ῥήματα παιδὸς αὐτοῦ (2 a)
55. 11. οὕτως ἔσται τὸ ῥ. μου (2 a)
58. 9. ἐὰν ἀφέλῃς ἀπὸ σοῦ . . . ῥ. γογγυσμοῦ (2 b)
59. 21. τὰ ῥ. ἃ ἔδωκα εἰς τὸ στόμα [S¹ τὴν καρδίαν] σου οὐ μὴ ἐκλίπῃ (2 a)
66. 5. ἀκούσατε ῥήματα [A S τὸ ῥ.] κυρίου (2 a)
Je. 1. 1. τὸ ῥ. τοῦ θεοῦ ὃ ἐγένετο ἐπὶ Ἱερεμίαν (2 a)
5. 14. ἐλαλήσατε τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)
6. 10. τὸ ῥ. κυρίου ἐγένετο αὐτοῖς εἰς ὀνειδισμόν (2 a)
7. 23. τὸ ῥ. τοῦτο ἐνετειλάμην αὐτοῖς (2 a)
9. 8 (7). δόλια τὰ ῥ. τοῦ στόματος αὐτῶν (2 b)
16. 10. ὅταν ἀναγγείλῃς . . . ἅπαντα τὰ ῥ. τ. (2 a)
18. 20. συνελάλησαν ῥήματα κατὰ τῆς ψυχῆς μου †
23. 33. S¹ ὑμεῖς ἐστε τὸ ῥ. [A B S² λῆμμα] (5)
33 (26). 2. μὴ ἀφέλῃς ῥ. (2 a)
42 (35). 14. ἔστησαν ῥ. υἱοὶ Ἰωναδάβ (2 a)
45 (38). 14. μὴ δὴ κρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ ῥ. (2 a)
49 (42). 4. οὐ μὴ κρύψω ἀφ' ὑμῶν ῥ. (2 a)
Ba. 4. 37. ἔρχονται . . . τῷ ῥ. τοῦ ἁγίου
5. 5. ἴδε σου συνηγμένα τὰ τέκνα . . . τῷ ῥ. τοῦ ἁγίου
La. 2. 17. συνετέλεσε ῥήματα αὐτοῦ (1 d)
Ez. 33. 31. ἀκούουσι τὰ ῥ. σου (2 a)
— 32. ἀκούσονταί σου τὰ ῥ. [A al.] (2 a)
38. 10. ἀναβήσεται ῥήματα ἐπὶ τὴν καρδίαν σου (2 a)
Da. LXX. 1. 17. σύνεσιν ἐν παντὶ ῥ. –
2. 9. ἐὰν τὸ ῥ. εἴπητέ μοι †
7. 25. ῥήματα εἰς τὸν ὕψιστον λαλήσει (3)
— 28. τὸ ῥ. ἐν καρδίᾳ μου ἐστήριξα (3)
10. 12. εἰσηκούσθη τὸ ῥ. σου (2 a)
— 12. εἰσῆλθον τῷ ῥ. σου (2 a)
Da. TH. 1. 20. ἐν παντὶ ῥ. σοφίας (2 a)
2. 8. ἀπέστη ἀπ' ἐμοῦ τὸ ῥ. (3)
— 9. ῥ. ψευδὲς . . . συνέθεσθε εἰπεῖν (3)
— 10. ὅστις τὸ ῥ. τοῦ βασ. δυνήσεται γνωρίσαι (3)
— 10. ῥ. τοιοῦτο οὐκ ἐπερωτᾷ ἐπαοιδόν (3)
— 15. A ἐγνώρισε δὲ τὸ ῥ. Ἀρ. τῷ Δαν. [B al.] (3)
— 17. τοῖς φίλοις αὐ. τὸ ῥ. ἐγνώρισε (3)
3. 16. περὶ τοῦ ῥ. τούτου ἀποκριθῆναί σοι (7)
— 22. τὸ ῥ. τοῦ βασ. ὑπερίσχυεν (3)
— 28 (95). τὸ ῥ. τοῦ βασ. ἠλλοίωσαν (3)
4. 14. καὶ ῥῆμα [A λόγος] ἁγίων τὸ ἐπερώτημα (1 e)
5. 26. τοῦτο τὸ σύγκριμα τοῦ ῥ. (3)
6. 14 (15). ὡς τὸ ῥ. ἤκουσε (3)
7. 28. τὸ ῥ. ἐν τῇ καρδίᾳ μου διετήρησα (3)
9. 23. ἐνοήθητι ἐν τῷ ῥ. (2 a)
10. 9. A ἐν τῷ ἀκοῦσαί με φωνὴν ῥημάτων [B om. φ. ῥ.] αὐ. (2 a)
Bel 9. γινέσθω κατὰ τὸ ῥ. σου
I Ma. 1. 50. A R κατὰ τὸ ῥ. [S τὸν λόγον] τοῦ βασ.
5. 14. ἀπαγγέλλοντες κατὰ τὰ ῥ. ταῦτα
— 37. μετὰ δὲ τὰ ῥ. ταῦτα

[Aq. Ge. 20. 10 : 41. 32 : Ex. 2. 10 (P.) : 4. 10 : 16. 4 : 18. 14 : Dt. 22. 14 : Jo. 2. 14 : III Ki. 13. 26 : 14. 5, 13, 18, 19 *bis* : 15. 5 : 17. 17 : 21 (20). 1 : IV Ki. 1. 16 : 17. 11 : Jb. 6. 3 : 33. 13 : 38. 12 (P.) : Ps. 18 (19). 4 : 21 (22). 2 : 32 (33). 4, 6 : 34 (35). 20 : 55 (56). 5, 11 : 63 (64). 4 : 90 (91). 6 : 118 (119). 49, 57, 105, 116 : 129 (130). 5 : 147. 8 (19) : Pr. 25. 2, 11 : Is. 9. 8 (7) : 39. 2, 4 : Je. 32 (39). 17 : 38 (45). 5, 14, 27 : 40 (47). 3 : 44 (51). 4, 20 : Ez. 20. 8 : Da. 10. 1 : Mi. 2. 7.]

[Sm. Jo. 2. 14 : II Ki. 14. 20 : Jb. 23. 5 : Ps. 5. 2 : Pr. 6. 1 *bis* : 25. 2 : 27. 11 : Da. 3. 22 (Sw.), 28 (95) (Sw.).]

[Th. Jo. 2. 14 : Jd. 11. 37 : 13. 12 : II Ki. 12. 12 : III Ki. 2. 42 : 13. 26 : 17. 17 : Jb. 22. 28 : 32. 12 : 35. 16 : Ps. 5. 2 : Pr. 7. 5 : 24. 26 : 25. 11 : 31. 1 : Is. 24. 3 : 32. 9 : 39. 2, 4 : Je. 11. 6 : 40 (47). 3 : Da. 2. 10 : 3. 22, 28 (95) : 10. 9†.]

[Al. Ex. 22. 9 (8) : Nu. 3. 16 : 22. 8 : 35. 30 : Dt. 1. 32 : 17. 9, 10 : 22. 26 : II Ch. 36. 22 : Ec. 7. 30 (8. 1).]

[Quint. Ps. 34 (35). 20 : 129 (130). 5.]

ῥῆσις. (1) אֵמֶר (2) דָּבָר (3) פִּתְגָם

II Es. 5. 7. A B ῥῆσιν [R ῥήμασιν] ἀπέστειλαν πρὸς αὐτόν (3)
Pr. 1. 6. ῥήσεις τε σοφῶν καὶ αἰνίγματα (2)
— 23. προήσομαι ὑμῖν ἐμῆς πνοῆς ῥῆσιν –
2. 1. ἐὰν δεξάμενος ῥῆσιν ἐμῆς ἐντολῆς κρύψῃς (1)
4. 5. μηδὲ παρίδῃς ῥῆσιν ἐμοῦ στόματος (1)
— 20. υἱέ, ἐμῇ ῥήσει πρόσεχε (2)
7. 24. A πρόσεχε ῥῆσιν [B S ῥήμασι] στόματός μου (1)
15. 26. ἀγνῶν δὲ ῥήσεις σεμναί (1)
19. 27. μελετήσει ῥήσεις κακάς (1)
24. 70 (31. 2). τί ; ῥήσεις θεοῦ –
27. 27. παρ' ἐμοῦ ἔχεις ῥήσεις ἰσχυράς †

[Sm. Jb. 34. 31 : Ps. 17 (18). 31 : 18 (19). 4 : 28 (29). 9 : 67 (68). 12 : 76 (77). 9 : 137 (138). 2 : 140 (141). 6 : Pr. 1. 2 : 19. 7 : Ec. 8. 2 : Is. 32. 9.]

[Th. Pr. 19. 7.]

ῥήσσειν, *vid. sub* ῥηγνύναι.

ῥητίνη (ῥιτ.). (1) צָרִי

Ge. 37. 25. ἔγεμον θυμιαμάτων καὶ ῥητίνης (1)
43. 11. καταγάγετε τῷ ἀνδρ. δῶρα τῆς ῥ. (1)
Je. 8. 22. μὴ ῥ. οὐκ ἔστιν ἐν Γαλαάδ (1)
26 (46). 11. λάβετε ῥητίνην τῇ παρθένῳ (1)
28 (51). 8. λάβετε ῥητίνην τῇ διαφθορᾷ αὐτῆς (1)
Ez. 27. 17. ἔλαιον καὶ ῥητίνην ἔδωκαν (1)

ῥητός. (1) דָּבָר

Ex. 9. 4. οὐ τελευτήσει ἀπὸ πάντων τῶν τοῦ Ἰσρ. ῥητόν (1)
22. 9 (8). κατὰ πᾶν ῥ. ἀδίκημα (1)

[Aq. Pr. 31. 1.]
[Sm. Is. 39. 2.]

ῥηχάβ. (1) רֶכֶב

Jd. 1. 19. ῥ. διεστείλατο αὐτοῖς (1)

ῥίγος. (1) דֶּלֶקֶת

De. 28. 22. πατάξαι σε κύριος ἐν [A om.] . . . ῥίγει (1)
Da. LXX. 3. (67). εὐλογεῖτε ῥίγος καὶ ψῦχος τὸν κ.

ῥίζα. (1) אֵב (2) גֶּזַע (3) כֵּן (4) מְכוֹרָה (5) שֹׁרֶשׁ (6) ῥίζαν βάλλειν שָׁרַשׁ hi. (7) ἐκ ῥιζῶν ἀπολλύναι שָׁרַשׁ pi.

De. 29. 18 (17). μή τίς ἐστιν ἐν ὑμῖν ῥίζα ἄνω φύουσα (5)
IV Ki. 19. 30. προσθήσει . . . ῥίζαν κάτω (5)
I Es. 8. 78. καταλειφθῆναι ἡμῖν ῥίζαν
— 87. ἔδωκας ἡμῖν τοιαύτην ῥ.
— 88. ἕως τοῦ μὴ καταλιπεῖν ῥίζαν
— 89. κατελείφθημεν γὰρ ῥίζα ἐν τῇ σήμερον
To. 5. 13. ἐκ ῥ. καλῆς εἶ [A S al.]
Ju. 6. 13. ἀφῆκαν ἐρριμμένον ὑπὸ τὴν ῥ. τοῦ ὄρους
7. 12. ἢ ἐκπορεύεται ἐκ τῆς ῥ. τοῦ ὄρους
Jb. 5. 3. ἐγὼ δὲ ἑώρακα ἄφρονας ῥίζαν βάλλοντας (6)
8. 12. A B S² ἔτι ὂν ἐπὶ ῥίζης (1 ?)
13. 27. εἰς δὲ ῥίζας τῶν ποδῶν μου ἀφίκου (5)
14. 8. ἐὰν γὰρ γηράσῃ ἐν γῇ ἡ ῥ. αὐτοῦ (5)
18. 16. ὑποκάτωθεν αἱ ῥ. αὐτοῦ ξηρανθήσονται (5)
19. 28. ῥίζαν λόγου εὑρήσομεν ἐν αὐτῷ (5)
28. 9. κατέστρεψε δὲ ἐκ ῥιζῶν ὄρη (5)
29. 19. ἡ ῥ. διήνοικται ἐπὶ ὕδατος (5)
30. 4. A B² S R ῥίζας ξύλων ἐμασῶντο (5)
31. 12. οὗ δ' ἂν ἐπέλθῃ ἐκ ῥιζῶν ἀπώλεσεν (7)
Ps. 79 (80). 9. κατεφύτευσας τὰς ῥ. αὐτῆς (5)
Pr. 12. 3. αἱ δὲ ῥ. τῶν δικαίων οὐκ ἐξαρθήσονται (5)
— 12. αἱ δὲ ῥ. τῶν εὐσεβῶν ἐν ὀχυρώμασι (5)
Wi. 3. 15. ἀδιάπτωτος ἡ ῥ. τῆς φρονήσεως
4. 3. ἐκ νόθων μοσχευμάτων οὐ δώσει ῥίζαν εἰς βάθος
7. 20. διαφορὰς φυτῶν καὶ δυνάμεις ῥιζῶν

Wi. 15. 3. εἰδέναι σου τὸ κράτος ῥίζα ἀθανασίας
Si. 1. 6. ῥίζα σοφίας τίνι ἀπεκαλύφθη
— 20. ῥίζα σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κύριον
10. 15. ῥίζας ἐθνῶν ἐξέτιλεν ὁ κύριος
23. 25. οὐ διαδώσουσι τὰ τέκνα αὐτῆς εἰς ῥίζαν
40. 15. ῥίζαι ἀκάθαρτοι ἐπ' ἀκροτόμου πέτρας
47. 22. ἔδωκε . . . τῷ Δαυὶδ ἐξ αὐτοῦ ῥίζαν
Ho. 9. 16. τὰς ῥ. αὐ. ἐξηράνθη (5)
14. 6. βαλεῖ τὰς ῥ. αὐ. (5)
Am. 2. 9. καὶ τὰς ῥ. αὐ. ὑποκάτωθεν (5)
Ma. 4. 1 (3. 19). οὐ μὴ ὑπολειφθῇ ἐξ αὐτῶν ῥίζα (5)
Is. 5. 24. ἡ ῥ. αὐτῶν ὡς χνοῦς ἔσται (5)
11. 1. ἐξελεύσεται ῥάβδος ἐκ τῆς ῥ. Ἰεσσαὶ καὶ ἄνθος ἐκ τῆς ῥ. ἀναβήσεται (2, 5)
— 10. ἔσται ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ ἡ ῥ. τοῦ Ἰεσσαί (5)
37. 31. φυήσουσι ῥίζαν κάτω (5)
40. 24. οὐδὲ μὴ ῥιζωθῇ εἰς τὴν γῆν ἡ ῥ. αὐτῶν (2)
53. 2. ὡς ῥ. ἐν γῇ διψώσῃ (5)
Je. 17. 8. ἐπὶ ἰκμάδα βαλεῖ ῥίζαν [A S -ας] αὐτοῦ (5)
Ez. 16. 3. ἡ ῥ. σου . . . ἐκ γῆς Χαναάν (4)
17. 6. ῥίζαι [A αἱ ῥ.] αὐτῆς ὑποκάτω αὐτῆς ἦσαν (5)
— 7. ῥίζαι [A αἱ ῥ.] αὐτῆς πρὸς αὐτόν (5)
— 9. οὐχὶ αἱ ῥ. τῆς ἀπαλότητος αὐτῆς καὶ ὁ καρπὸς σαπήσεται . . . τοῦ ἐκσπάσαι αὐτὴν ἐκ ῥιζῶν αὐτῆς (5, 5)
31. 7. ἐγενήθησαν αἱ ῥ. αὐ. εἰς ὕδωρ πολύ (5)
Da. LXX. 4. 12. ῥίζαν μίαν ἄφετε αὐτοῦ (5)
— 23. ἡ ῥ. τοῦ δένδρου ἡ ἀφεθεῖσα (5)
11. 7. ἀναστήσεται φυτὸν ἐκ τῆς ῥ. αὐ. (5)
— 20. ἀναστήσεται ἐκ τῆς ῥ. αὐ. φυτὸν βασιλείας (3)
Da. TH. 2. 41. ἀπὸ τῆς ῥ. τῆς σιδηρᾶς ἔσται ἐν αὐτῇ †
4. 12. τὴν φυὴν τῶν ῥ. αὐ. ἐν τῇ γῇ ἐάσατε (5)
— 20. τὴν φυὴν τῶν ῥ. αὐ. ἐάσατε ἐν τῇ γῇ (5)
— 23. ἐάσατε τὴν φυὴν τῶν ῥ. [A om. τ. ῥ.] τοῦ δένδρου (5)
11. 7. ἀναστήσεται ἐκ τοῦ ἄνθους τῆς ῥ. αὐ. (5)
— 20. ἀναστήσεται ἐκ τῆς ῥ. αὐ. φυτόν (3)
I Ma. 1. 10. ἐξῆλθεν ἐξ αὐτῶν ῥίζα ἁμαρτωλός
[Aq. Le. 25. 47: Jb. 36. 30: Is. 53. 2.]
[Sm. Jb. 30. 4: 36. 30: Ps. 79 (80). 10: Is. 53. 2.]
[Th. Jb. 8. 17: 18. 16: 19. 28: 29. 19: Is. 53. 2: Da. 2. 41.]

ῥιζοβολεῖν.
[Sm. Ps. 79 (80). 10.]

ῥιζοῦν. (1) שָׁרַשׁ *a.* poel. *b.* poal.
Si. 3. 28. φυτὸν γὰρ πονηρίας ἐρρίζωκεν ἐν αὐτῷ
24. 12. ἐρρίζωσα ἐν λαῷ δεδοξασμένῳ [S² δεδοκιμασμένῳ]
Is. 40. 24. οὐδὲ μὴ ῥιζωθῇ εἰς τὴν γῆν ἡ ῥίζα αὐτῶν (1 *a*)
Je. 12. 2. ἐφύτευσας αὐτοὺς καὶ ἐρριζώθησαν [A S -ωσαν] (1 *b*)
[Aq., Sm., Th. Is. 27. 6.]

ῥίζωμα. (1) *a.* שֹׁרֶשׁ *b.* שָׁרַשׁ pi.
Jb. 36. 30. ῥιζώματα [A -μα] τῆς θαλ. ἐκάλυψεν (1 *a*)
Ps. 51 (52). 5. καὶ τὸ ῥ. σου ἐκ γῆς ζώντων (1 *b*)
[Th. Jb. 36. 30.]

ῥίζωσις.
[Sm. Ez. 17. 5.]

ῥιμεῖμ.
[Aq. Is. 34. 7.]

ῥιμός (?).
[Aq. Dt. 32. 14.]

ῥινητός.
[Sm. Je. 10. 5.]

ῥινόκερως.
[Aq. Jb. 39. 9: Ps. 28 (29). 6.]

ῥίξ (?).
[Aq. I Ki. 13. 21.]

ῥιπίζειν. (1) נָשָׁא
Da. LXX. 2. 35. ἐρρίπισεν αὐτὰ ὁ ἄνεμος (1)

ῥιπιστός. (1) רָוַח pu.
Je. 22. 14. ὑπερῷα ῥιπιστὰ διεσταλμένα θυρίσι (1)
[Sm., Th. Je. 22. 14 (Sw.).]

ῥιπτάζεσθαι.
[Aq. Is. 51. 20.]

ῥίπτειν, ῥιπτεῖν. (1) זָרַק (2) יָרָה (3) יָרַט (4) פָּסַח (5) מָטַר hi. (6) נָפַל *a.* qal. *b.* hi. (7) צָנַף (8) *a.* רָמָה *b.* רָמָה, רָמָא pe. *c.* ithp. (9) שָׁלַח pi. (10) שָׁלַךְ *a.* hi. *b.* hoph.
Ge. 21. 15. ἔρριψε τὸ παιδίον ὑποκάτω μιᾶς ἐλάτης (10 *a*)
37. 20. ῥίψομεν αὐτὸν εἰς ἕνα τῶν λάκκων (10 *a*)
— 24. ἔρριψαν εἰς τὸν λάκκον (10 *a*)
Ex. 1. 22. πᾶν ἄρσεν . . . εἰς τὸν ποταμὸν ῥίψατε (10 *a*)
4. 3. ῥίψον αὐτὴν ἐπὶ τὴν γῆν (10 *a*)
— 3. ἔρριψεν αὐτὴν ἐπὶ τὴν γῆν (10 *a*)
7. 9. ῥίψον [A *add.* αὐτὴν] ἐπὶ τὴν γῆν (10 *a*)
— 10. ἔρριψεν Ἀ. τὴν ῥάβδον (10 *a*)
— 12. ἔρριψαν [A -εν] ἕκαστος τὴν ῥάβδον αὐ. (10 *a*)
15. 1. ἵππον . . . ἔρριψεν εἰς θάλασσαν (8 *a*)
— 4. τὴν δύναμιν αὐ. ἔρριψεν εἰς θάλασσαν (2)
— 21. ἵππον . . . ἔρριψεν εἰς θάλασσαν (8 *a*)
32. 19. ἔρριψεν ἀπὸ τῶν χειρῶν αὐ. τὰς δύο πλάκας (10 *a*)
— 24. καὶ ἔρριψα εἰς τὸ πῦρ (10 *a*)
De. 9. 17. ἔρριψα αὐτὰς ἀπὸ τῶν δύο χειρῶν μου (10 *a*)
— 21. ἔρριψα τὸν κονιορτὸν εἰς τὸν χειμάρρουν (10 *a*)
Jo. 8. 29. ἔρριψαν αὐτὸν εἰς τὸν βόθρον (10 *a*)
10. 27. ἔρριψαν αὐτοὺς εἰς τὸ σπήλαιον (10 *a*)
Jd. 4. 22. Σ. ἐρριμμένος [A πεπτωκὼς] νεκρός (6 *a*)
8. 25. A ἔρριψεν [B ἔβαλεν] ἐκεῖ ἀνὴρ ἐνώτιον (10 *a*)
9. 17. A ἔρριψεν [B ἐξέρρ.] τὴν ψυχὴν αὐ. (10 *a*)
— 53. ἔρριψε γυνὴ μία κλάσμα (10 *a*)
15. 15. A εὗρε σιαγόνα ὄνου ἐρριμμένην ἐν τῇ ὁδῷ [B *al.*] †
— 17. ἔρριψε τὴν σιαγόνα (10 *a*)
II Ki. 11. 21. οὐχὶ γυνὴ ἔρριψε κλάσμα μύλου (10 *a*)
— 22. οὐχὶ γυνὴ ἔρριψεν ἐπ' αὐτὸν κλάσμα μύλου –
18. 17. ἔρριψεν αὐτὸν [A *om.*] εἰς χάσμα μέγα (10 *a*)
20. 21. ἡ κεφαλὴ αὐτοῦ ῥιφήσεται (10 *b*)
III Ki. 13. 24. ἦν τὸ σῶμα αὐ. ἐρριμμένον ἐν τῇ ὁδῷ (10 *b*)
— 25. εἶδον τὸ θνησιμαῖον ἐρριμμένον ἐν τῇ ὁδῷ (10 *b*)
— 28. εὗρε τὸ σῶμα αὐ. ἐρριμμένον ἐν τῇ ὁδῷ (10 *b*)
14. 9. A ἐμὲ ἔρριψας ὀπίσω σώματός σου (10 *a*)
IV Ki. 2. 16. καὶ ἔρριψεν αὐτὸν ἐν τῷ Ἰ. (10 *a*)
— 21. καὶ ἔρριψεν ἐκεῖ ἅλα (10 *a*)
3. 25. ἔρριψαν ἀνὴρ τὸν λίθον (10 *a*)
6. 6. καὶ ἔρριψεν ἐκεῖ (10 *a*)
7. 15. ὧν ἔρριψε Συρία (10 *a*)
9. 25. ῥίψαι αὐτὸν ἐν τῇ μερίδι ἀγροῦ N. (10 *a*)
— 26. ῥίψον αὐτὸν ἐν τῇ μερίδι (10 *a*)
10. 25. καὶ ἔρριψαν οἱ παρατρέχοντες (10 *a*)
13. 21. ἔρριψαν τὸν ἄνδρα ἐν τῷ τάφῳ Ἐλ. (10 *a*)
23. 6. ἔρριψε τὸν χοῦν αὐ. εἰς τὸν τάφον (10 *a*)
— 12. ἔρριψε τὸν χοῦν αὐ. εἰς τὸν χειμάρρουν (10 *a*)
II Ch. 30. 14. καὶ ἔρριψαν εἰς τὸν χειμάρρουν K. (10 *a*)
34. 4. καὶ ἔρριψεν ἐπὶ πρόσωπον τῶν μνημάτων (1)
Ne. 9. 11. τοὺς καταδιώξαντας αὐτοὺς ἔρριψας εἰς βυθόν (10 *a*)
— 26. ἔρριψαν τὸν νόμον σου ὀπίσω σώματος αὐ. (10 *a*)
13. 8. ἔρριψα πάντα τὰ σκεύη οἴκου T. (10 *a*)
To. 1. 17. εἴ τινα . . . ἐθεώρουν . . . ἐρριμμένον
2. 3. εἷς ἐκ τοῦ γένους ἡμῶν . . . ἔρριπται ἐν τῇ ἀγορᾷ
Ju. 6. 13. καὶ ἀφῆκαν ἐρριμμένον [A ῥεριμμ.]
14. 15. εὗρεν αὐτὸν . . . ἐρριμμένον νεκρόν
Jb. 16. 12 (11). ἐπὶ δὲ ἀσεβέσιν [A -βεῖς] ἔρριψέ με (3)
— 16 (15). A S² σάκκον ἔρριψαν [B S¹ R ἔρραψαν] ἐπὶ βύρσης [A -η] μου †
20. 23. A S¹ ῥίψαι [B S² νίψαι] ἐπ' αὐτὸν ὀδύνας (5)
Ps. 87 (88). 5. ὡσεὶ τραυματίαι ἐρριμμένοι [A S² *om.*] καθεύδοντες ἐν τάφῳ –
Wi. 5. 22. πλήρεις ῥιφήσονται χάλαζαι
11. 14. τὸν γὰρ ἐν ἐκθέσει πάλαι ῥιφέντα
18. 18. ἄλλος ἀλλαχῇ ῥιφεὶς [A ῥιφθεὶς] ἡμίθνητος
Si. 10. 9. ἐν ζωῇ ἔρριψα τὰ ἐνδόσθια αὐ. [S² *al.*]
Jl. 1. 7. ἐξηρεύνησεν αὐτὴν καὶ ἔρριψεν (10 *a*)
Za. 5. 8. ἔρριψεν αὐτὴν ἐν μέσῳ τοῦ μέτρου (10 *a*)
— 8. ἔρριψε τὸν λίθον τοῦ μολίβου εἰς τὸ στόμα αὐ. (10 *a*)
Is. 14. 19. ῥιφήσῃ ἐν τοῖς ὄρεσιν (10 *b*)
Is. 22. 18. ῥίψει σε εἰς χώραν μεγάλην (7)
33. 12. ὡς ἄκανθα ἐν ἀγρῷ ἐρριμμένη (4)
34. 3. οἱ δὲ τραυματίαι αὐτῶν ῥιφήσονται (10 *b*)
Je. 14. 16. ἔσονται ἐρριμμένοι ἐν ταῖς ὁδοῖς (10 *b*)
22. 19. ῥιφήσεται ἐπέκεινα τῆς πύλης Ἱερ. (10 *a*)
27 (50). 30. οἱ ἄνδρες οἱ πολεμισταὶ αὐτῆς ῥιφήσονται †
28 (51). 63. ῥίψεις αὐτὸ εἰς μέσον τοῦ Εὐφράτου (10 *a*)
33 (26). 23. ἔρριψεν αὐτὸν εἰς τὸ μνῆμα (10 *a*)
43 (36). 23. ἔρριπτεν εἰς τὸ πῦρ (10 *a*)
— 30. τὸ θνησιμαῖον αὐτοῦ ἔσται ἐρριμμένον [A ῥεριμμ.] (10 *b*)
45 (38). 6. ἔρρ. ψαν αὐτὸν εἰς λάκκον Μελχίου (10 *a*)
— 11. ἔρριψεν αὐτὰ πρὸς Ἱερ. εἰς τὸν λάκκον (9)
— 26. ῥίπτω ἐγὼ τὸ ἔλεός μου κατ' ὀφθαλμοὺς τοῦ βασιλέως (6 *b*)
48 (41). 9. εἰς ὃ ἔρριψεν ἐκεῖ Ἰσμ. πάντας (10 *a*)
Ep. Je. 71. νεκρῷ ἐρριμμένῳ ἐν σκότει
Ez. 5. 4. ῥίψεις αὐτοὺς εἰς μέσον τοῦ πυρός (10 *a*)
7. 19. ῥιφήσεται ἐν ταῖς πλατείαις (10 *a*)
19. 12. ἐπὶ γῆν ἐρρίφη (10 *b*)
28. 17. ἐπὶ τὴν γῆν ἔρριψά σε (10 *a*)
Da. LXX. Su. 62. ἔρριψαν εἰς φάραγγα
— 62. ἔρριψε πῦρ διὰ μέσου αὐτῶν
4. 15. εἰλκύσθη καὶ ἐρρίφη –
6. 5 (6). ἵνα . . . ῥιφῇ εἰς τὸν λάκκον τῶν λεόντων –
— 7 (8), 12 (13). ῥιφήσεται εἰς τὸν λάκκον (8 *c*)
— 14 (15). εἶπεν ῥιφῆναι τὸν Δ. εἰς τὸν λάκκον –
— 17. Δαν. ἐρρίφη εἰς τὸν λάκκον (8 *b*)
— 22 (23). ἔρριψάς με εἰς τὸν λάκκον –
— 24 (25). ἐρρίφησαν τοῖς λέουσι (8 *b*)
8. 12. ἐρρίφη χαμαὶ ἡ δικαιοσύνη (10 *a*)
Da. TH. 8. 7. ἔρριψεν αὐτὸν ἐπὶ τὴν γῆν (10 *a*)
— 12. ἐρρίφη χαμαὶ ἡ δικαιοσύνη (10 *a*)
9. 18. ῥιπτοῦμεν τὸν οἰκτιρμὸν ἡμῶν ἐνώπιόν σου (6 *b*)
— 20. ἔτι ἐμοῦ . . . ῥιπτοῦντος τὸν ἔλεόν μου (6 *b*)
I Ma. 5. 43. ἔρριψαν τὰ ὅπλα αὐ.
7. 44. ῥίψαντες τὰ ὅπλα αὐ.
11. 4. ἔδειξαν αὐτῷ . . . τὰ σώματα ἐρριμμένα
— 51. ἔρριψαν τὰ ὅπλα
II Ma. 3. 15. πρὸ τοῦ θυσιαστηρίου . . . ῥίψαντες ἑαυτούς
— 29. καὶ ὁ μὲν . . . ἔρριπτο
III Ma. 5. 50. πρηνεῖς ὁμοθυμαδὸν ῥίψαντες ἑαυτούς
6. 7. τὸν . . . λέουσι κατὰ γῆς ῥιφέντα θηρσὶ βοράν
IV Ma. 12. 20. ἑαυτὸν ἔρριψε κατὰ τῶν τηγάνων
17. 1. ἑαυτὴν ἔρριψε κατὰ τῆς πυρᾶς
[Aq. III Ki. 14. 9: Je. 36 (43). 23: 38 (45). 26: Ez. 30. 23: Jn. 2. 4: Za. 11. 13 *bis.*]
[Sm. Je. 36 (43). 23: Za. 11. 13 *bis.*]
[Th. Jd. 8. 25: Je. 36 (43). 23: 42 (49). 9: Jn. 2. 4.]
[Al. IV Ki. 9. 25: Ec. 3. 5.]

ῥίς. (1) אַף
Jb. 27. 3. B S¹ πνεῦμα δὲ θεῖον τὸ περιόν μοι ἐν ῥινί [S² ῥισίν, A² ῥήμασί μου] (1)
40. 19 (24). ἐνσκολιευόμενος τρήσει ῥῖνα (1)
— 20 (25). περιθήσεις δὲ φορβέαν περὶ ῥῖνα αὐτοῦ †
Ps. 113. 14 (115. 6): 134 (135). 17 (A). ῥῖνας ἔχουσι (1)
Pr. 11. 22. ὥσπερ ἐνώτιον [S² ἐ. χρυσοῦν] ἐν ῥινὶ ὑός (1)
Ca. 7. 8 (9). ὀσμὴ ῥινός σου ὡς μῆλα (1)
Wi. 2. 2. καπνὸς ἡ πνοὴ ἐν ῥισὶν ἡμῶν
15. 15. οὔτε ῥῖνες εἰς συνολκὴν ἀέρος
Is. 37. 29. ἐμβαλῶ φιμὸν εἰς τὴν ῥ. σου (1)
[Sm., Th. Jb. 40. 19 (24).]

ῥόα. (1) רִמּוֹן
Ex. 28. 29 (33). ὡσεὶ ἐξανθούσης ῥόας –
36. 32 (39. 24). ὡς ἐξανθούσης ῥόας –
Nu. 13. 24 (23). καὶ ἀπὸ τῶν ῥ. (1)
20. 5. οὐδὲ ἄμπελοι οὔτε ῥόαι (1)
De. 8. 8. ἄμπελοι συκαῖ ῥόαι (1)
I Ki. 14. 2. ἐκάθητο . . . ὑπὸ τὴν ῥ. (1)
III Ki. 7. 18. δύο στίχοι ῥοῶν χαλκῶν δεδικτυωμένοι (1 ?)
— 20. A καὶ τῶν ῥ. πέντε στίχοι κύκλῳ (1)
— 42. τὰς ῥ. τετρακοσίας ἀμφοτέροις τοῖς δικτύοις (1)
— 42. δύο στίχοι ῥοῶν τῷ δικτύῳ τῷ ἑνί (1)
IV Ki. 25. 17. A R καὶ ῥόαι ἐπὶ τοῦ χωθάρ [B *al.*] (1)
To. 1. 7. S καὶ τὴν δεκάτην . . . ῥοῶν [A B *al.*]

Ca. 4. 3. ὡς λέπυρον ῥόας [A τῆς ῥ.] μῆλόν σου (1)
— 13. A¹ S² R ἀποστολαί σου παράδεισος ῥοῶν [A² B S¹ om.] (1)
6. 6 (7). ὡς λέπυρον τῆς [B¹ om.] ῥ. μῆλόν σου (1)
— 10 (11). ἐξήνθησαν [A εἰ ἤνθ.] αἱ ῥ. (1)
7. 12 (13). ἤνθησαν αἱ ῥ. (1)
8. 2. ποτιῶ σε . . . ἀπὸ νάματος ῥοῶν (1)
Jl. 1. 12. ῥόα καὶ φοῖνιξ καὶ μῆλον (1)
Hg. 2. 20 (19). καὶ ἡ συκῆ καὶ ἡ ῥ. (1)
Je. 52. 22. δίκτυον καὶ ῥόαι ἐπὶ τοῦ γείσους κύκλῳ . . . τῷ στύλῳ τῷ δευτέρῳ ὀκτὼ ῥόαι (1, 1)
— 23. ἦσαν αἱ ῥ. ἐνενήκοντα ἑξ τὸ ἓν μέρος καὶ ἦσαν αἱ πᾶσαι ῥ. ἑκατόν (1, 1)
Ez. 19. 10. ὡς ἄνθος ἐν ῥόᾳ †
[Aq., Sm., Th. Ca. 4. 13.]

ῥόαξ (?).
Ez. 40. 40. A B κατὰ νώτου τοῦ ῥ. [R ῥύα.] †

ῥοβογμά.
[Th. Je. 39 (46). 13.]

ῥόδον.
Es. 1. 6. κύκλῳ ῥ. [A δόρα] πεπασμένα [S¹ πεπλ.] †
Wi. 2. 8. στεψώμεθα ῥόδων κάλυξι
Si. 24. 14. ὡς φυτὰ ῥόδου ἐν Ἱερ.
39. 13. βλαστήσατε ὡς ῥόδον φυόμενον ἐπὶ ῥεύματος ἀγροῦ [A S ὑγροῦ]
50. 8. ὡς ἄνθος ῥόδων ἐν ἡμέραις νέων

ῥοδοφόνος.
III Ma. 7. 17. A εἰς Πτ. τὴν ὀνομαζομένην . . . ῥοδοφόνον [R al.]

ῥοδοφόρος.
III Ma. 7. 17. R εἰς Πτ. τὴν ὀνομαζομένην . . . ῥοδοφόρον [A al.]

ῥοιζεῖν, ῥοίζεσθαι. (1) יָרָה a. qal. b. hi. (2) נָזַל
IV Ki. 13. 17. A ῥοίζησον καὶ ἐροίζησεν [B al.] (1 a, 1 b)
Ca. 4. 15. φρέαρ ὕδατος . . . ῥοιζοῦντος ἀπὸ τοῦ Λιβάνου (2)
[Aq. Ge. 31. 51: Ex. 19. 13: I Ki. 31. 3 bis: IV Ki. 13. 17 bis: Ps. 63 (64). 8: Is. 37. 33.]
[Sm. I Ki. 31. 3: Is. 29. 4.]
[Th. I Ki. 31. 3.]

ῥοῖζος.
Wi. 5. 11. πνεῦμα . . . σχιζόμενον βίᾳ ῥοίζου κινουμένων πτερύγων
Ez. 47. 5. A ὕδωρ ἕως ῥοῖζος χειμάρρου [B al.] †
Da. TH. Bel 36. ἐν τῷ ῥ. τοῦ πνεύματος αὐτοῦ
II Ma. 9. 7. ἀπὸ τοῦ ἅρματος φερομένου ῥοίζῳ

ῥοῖσκος. (1) פֻּעָמוֹן (2) רִמּוֹן
Ex. 28. 29 (33). ῥοῖσκους ἐξ ὑακίνθου (2)
— 29 (33). τὸ αὐτὸ εἶδος ῥοῖσκους χρυσοῦς (1)
— 30 (34). παρὰ ῥοῖσκον χρυσοῦν κώδωνα (1)
36. 32 (39. 24). ὡς ἐξανθούσης ῥόας ῥοῖσκους (2)
— 33 (39. 25). ἀνὰ μέσον τῶν ῥ. (2)
— 34 (39. 26). κώδων χρυσοῦς καὶ ῥοῖσκος (2)
II Ch. 3. 16. ἐποίησε ῥοῖσκους ἑκατόν (2)
4. 13. καὶ δύο γένη ῥοῖσκων ἐν τῷ δικτύῳ τῷ ἑνί (2)
Si. 45. 9. ἐκύκλωσεν αὐτὸν ῥοῖσκοις
[Aq., Sm., Th. Ex. 39. 25 (36. 33).]

ῥομφαία. (1) חֲנִית (2) חֶרֶב (3) מַאֲכֶלֶת
Ge. 3. 24. ἔταξε . . . τὴν φλογίνην ῥ. (2)
Ex. 5. 21. δοῦναι ῥομφαίαν εἰς τὰς χεῖρας αὐ. (2)
32. 27. θέσθε ἕκαστος τὴν ἑαυτοῦ ῥ. ἐπὶ τὸν μηρόν (2)
Nu. 22. 23. καὶ τὴν ῥ. ἐσπασμ. ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (2)
31. 8. τὸν B. . . . ἀπέκτειναν ἐν ῥομφαίᾳ [A -αις] (2)
Jo. 5. 12 (13). καὶ ἡ ῥ. ἐσπασμ. ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (2)
6. 20 (21). ἐν στόματι ῥομφαίας (2)
8. 24. ἐν στόματι ῥομφαίας [B² μαχαίρας] (2)
24. 12. οὐκ ἐν τῇ ῥ. σου οὐδὲ ἐν τῷ τόξῳ σου (2)
Jd. 1. 8. ἐν στόματι ῥομφαίας [A μαχαίρας] (2)
— 25: 4. 15, 16. ἐν στόματι ῥομφαίας (2)
7. 14. ῥομφαία Γ. υἱοῦ Ἰ. (2)
— 20. ῥομφαία τῷ κυρίῳ καὶ τῷ Γ. (2)
— 22. ἔθηκε κύριος τὴν ῥ. ἀνδρὸς [A al.] (2)
Jd. 8. 10. ἑκατὸν εἴκοσι χιλιάδες ἀνδρῶν σπωμένων ῥομφαίαν (2)
— 20. οὐκ ἔσπασε τὸ παιδάριον τὴν ῥ. αὐ. [A al.] (2)
9. 54. σπάσον τὴν ῥ. μου [A al.] (2)
18. 27. ἐπάταξαν αὐτοὺς ἐν στόματι ῥομφαίας (2)
19. 29. ἔλαβε τὴν ῥ. [A μάχαιραν] (3)
20. 2. ἔλκοντες [A σπωμένων] ῥομφαίαν (2)
— 15. ἕλκων [A σπωμένων] ῥομφαίαν (2)
— 17. ἀνδρῶν ἑλκόντων [A σπωμένων] ῥομφαίαν (2)
— 25. B² R πάντες οὗτοι ἕλκοντες [A ἐσπασμένοι] ῥομφαίαν (2)
— 35. πάντες οὗτοι εἷλκον [A σπώμενοι] ῥομφαίαν (2)
— 37. ἐν στόματι ῥομφαίας (2)
— 46. ἀνδρῶν ἑλκόντων [A σπωμένων] ῥομφαίαν (2)
— 48. ἐπάταξαν αὐτοὺς ἐν στόματι ῥομφαίας (2)
21. 10. ἐν στόματι ῥομφαίας (2)
I Ki. 2. 33. πεσοῦνται ἐν ῥομφαίᾳ ἀνδρῶν –
13. 19. B μὴ ποιήσωσιν οἱ Ἑβρ. ῥομφαίαν (2)
— 22. B οὐχ εὑρέθη ῥομφαία καὶ δόρυ (2)
14. 20. ἐγένετο ῥομφαία ἀνδρὸς ἐπὶ τὸν πλησίον αὐ. (2)
15. 8. ἀπέκτειναν ἐν στόματι ῥομφαίας (2)
— 33. καθότι ἠτέκνωσε γυναῖκας ἡ ῥ. σου (2)
17. 39. ἔζωσε τὸν Δ. τὴν ῥ. αὐ. [A al.] (2)
— 45. σὺ ἔρχῃ πρὸς μὲ ἐν ῥομφαίᾳ (2)
— 47. οὐκ ἐν ῥομφαίᾳ καὶ δόρατι σώζει κύριος (2)
— 50. A ῥομφαία οὐκ ἦν ἐν χειρὶ Δ. (2)
— 51. ἔλαβε τὴν ῥ. αὐ. (2)
18. 4. A καὶ ἕως τῆς ῥ. αὐ. (2)
21. 8 (9). εἰ ἔστιν ἐνταῦθα . . . ῥομφαία (2)
— 8 (9). τὴν ῥ. μου . . . οὐκ εἴληφα (2)
— 9 (10). ἰδοὺ ἡ ῥ. Γ. τοῦ ἀλλοφύλου (2)
22. 10. τὴν ῥ. Γ. τοῦ ἀλλοφύλου ἔδωκεν αὐτῷ (2)
— 13. δοῦναι . . . ῥομφαίαν (2)
— 19. ἐπάταξεν ἐν στόματι ῥομφαίας (2)
— 19. A ἐν στόματι ῥομφαίας (2)
25. 13. ζώσασθε ἕκαστος τὴν ῥ. αὐ. (2)
31. 4. σπάσαι τὴν ῥ. σου (2)
— 4. ἔλαβε Σ. τὴν ῥ. (2)
— 5. ἐπέπεσε καὶ αὐτὸς ἐπὶ τὴν ῥ. αὐ. (2)
II Ki. 1. 12. ἐπλήγησαν ἐν ῥομφαίᾳ (2)
— 22. ῥομφαία Σ. οὐκ ἀνέκαμψε κενή (2)
2. 26. μὴ εἰς νῖκος καταφάγεται ἡ [A om.] ῥ. (2)
3. 29. μὴ ἐκλίποι . . . πίπτων ἐν ῥομφαίᾳ (2)
12. 9. τὸν Οὐ. . . . ἐπάταξας ἐν ῥομφαίᾳ (2)
— 9. αὐτὸν ἀπέκτειναν ἐν ῥομφαίᾳ υἱῶν Ἀμμών (2)
— 10. οὐκ ἀποστήσεται ῥομφαία ἐκ τοῦ οἴκου σου (2)
23. 8. B οὗτος ἐσπάσατο τὴν ῥ. αὐ. –
24. 9. ἀνδρῶν δυνάμεως σπωμένων ῥομφαίαν (2)
III Ki. 1. 51. εἰ οὐ θανατώσει τὸν δοῦλον αὐ. ἐν ῥομφαίᾳ (2)
2. 8. εἰ θανατώσω σε ἐν ῥομφαίᾳ (2)
— 32. καὶ ἀπέκτειναν αὐτοὺς ἐν ῥομφαίᾳ (2)
3. 1 (2. 8). εἰ θανατωθήσεται ἐν ῥομφαίᾳ (2)
19. 1. ἀπέκτεινε τοὺς προφήτας ἐν ῥομφαίᾳ (2)
— 10. τοὺς προφήτας σου ἀπέκτειναν ἐν ῥομφαίᾳ (2)
— 14. τοὺς προφήτας σου ἀπέκτειναν ἐν ῥομφαίᾳ [A -αις] (2)
— 17. τὸν σωζόμενον ἐκ ῥομφαίας Ἀ. (2)
— 17. B τὸν σωζόμενον ἐκ ῥομφαίας Ἰ. (2)
IV Ki. 3. 23. αἷμα τοῦτο τῆς ῥ. †
— 26. ἑπτακοσίους ἄνδρας ἐσπασμένους ῥομφαίαν (2)
6. 22. οὓς ᾔχμαλώτευσας ἐν ῥομφαίᾳ σου (2)
8. 12. τοὺς ἐκλεκτοὺς αὐ. ἐν ῥομφαίᾳ ἀποκτενεῖς (2)
10. 25. ἐπάταξαν αὐτοὺς ἐν στόματι ῥομφαίας (2)
11. 15. θανατωθήσεται ῥομφαίᾳ (2)
— 20. τὴν Γ. ἐθανάτωσαν ἐν ῥομφαίᾳ (2)
19. 7. καταβαλῶ αὐτὸν ἐν ῥομφαίᾳ (2)
I Ch. 10. 4. σπάσαι τὴν ῥ. σου (2)
— 4. ἔλαβε Σ. τὴν ῥ. (2)
— 5. ἔπεσε καὶ αὐτὸς ἐπὶ τὴν ῥ. αὐ. (2)
11. 11. ἐσπάσατο τὴν ῥ. αὐ. ἅπαξ (1)
— 20. ἐσπάσατο τὴν ῥ. αὐ. (1)
21. 12. ἢ τρεῖς ἡμέρας ῥομφαίαν κυρίου (2)
— 16. καὶ ἡ ῥ. αὐ. ἐσπασμένη (2)
— 27. κατέθηκε τὴν ῥ. εἰς τὸν κολεόν (2)
— 30. ἀπὸ προσώπου τῆς ῥ. ἀγγέλου κυρίου (2)
II Ch. 20. 9. ἐὰν ἐπέλθῃ ἐφ' ἡμᾶς κακὰ ῥομφαία (2)
21. 4. ἀπέκτεινε πάντας τοὺς ἀδ. αὐ. ἐν ῥομφαίᾳ (2)
II Ch. 32. 21. κατέβαλον αὐτὸν ἐν ῥομφαίᾳ (2)
36. 17. ἀπέκτεινε τοὺς νεανίσκους αὐ. ἐν ῥομφαίᾳ (2)
I Es. 1. 53. ἀπέκτειναν τοὺς νεανίσκους αὐ. ἐν ῥομφαίᾳ
— 56. ἀπήγαγε μετὰ [A ἀπὸ] ῥομφαίας εἰς Βαβ.
4. 23. λαμβάνει ἄνθρωπος τὴν ῥ. αὐ.
8. 77. παρεδόθημεν . . . εἰς ῥομφαίαν
II Es. 9. 7. παρεδόθημεν . . . ἐν ῥομφαίᾳ (2)
Ne. 4. 13 (7). ἔστησα τὸν λαὸν . . . μετὰ ῥομφαιῶν αὐ. (2)
— 18 (12). ἀνὴρ ῥομφαίαν αὐ. ἐζωσμένος (2)
Ju. 1. 12. ἀνελεῖν τῇ [S ἐν τῇ] ῥ. αὐ.
2. 27. ἐπάταξε . . . ἐν [S om.] στόματι ῥομφαίας
7. 14. πρὶν ἐλθεῖν τὴν ῥ. ἐπ' αὐτούς
8. 19. ἐδόθησαν εἰς ῥομφαίαν
9. 2. ᾧ ἔδωκας ἐν χειρὶ ῥομφαίαν
11. 10. οὗ [A ὃς, S οὐδὲ] κατισχύει ῥομφαία ἐπ' αὐτούς
16. 5. A R καὶ τοὺς νεανίσκους μου ἀνελεῖν ἐν [B S om.] ῥομφαίᾳ
Ps. 7. 12. τὴν ῥ. αὐτοῦ στιλβώσει (2)
9. 6. τοῦ ἐχθροῦ ἐξέλιπον αἱ ῥ. εἰς τέλος †
16 (17). 13. ῥομφαίαν [S² -ας] σου ἀπὸ ἐχθρῶν τῆς χειρός σου (2)
21 (22). 20. ῥῦσαι ἀπὸ ῥομφαίας τὴν ψυχήν μου (2)
34 (35). 3. ἔκχεον ῥομφαίαν [A ῥ. σου] (1)
36 (37). 14. ῥομφαίαν ἐσπάσαντο οἱ ἁμαρτωλοί (2)
— 15. ἡ ῥ. αὐ. εἰσέλθοι εἰς τὴν καρδίαν [S¹ εἰς ψυχήν, S² εἰς τὰς καρδίας] αὐ. (2)
43 (44). 3. οὐ γὰρ ἐν τῇ ῥ. αὐτῶν ἐκληρονόμησαν γῆν (2)
— 6. ἡ ῥ. μου οὐ σώσει με (2)
44 (45). 3. περίζωσαι τὴν ῥ. σου ἐπὶ τὸν μηρόν σου (2)
58 (59). 7. καὶ ῥομφαία ἐν τοῖς χείλεσιν αὐτῶν (2)
62 (63). 10. B S² παραδοθήσονται εἰς χεῖρας ῥομφαίας (2)
63 (64). 3. οἵτινες ἠκόνησαν ὡς ῥομφαίαν τὰς γλώσσας αὐτῶν (2)
75 (76). 3. ὅπλον καὶ ῥομφαίαν καὶ πόλεμον (2)
77 (78). 62. συνέκλεισεν εἰς ῥομφαίαν τὸν λαὸν αὐτοῦ (2)
— 64. οἱ ἱερεῖς αὐτῶν ἐν ῥομφαίᾳ ἔπεσαν (2)
88 (89). 43. ἀπέστρεψας τὴν βοήθειαν τῆς ῥ. αὐτοῦ (2)
143 (144). 10. ἐκ ῥομφαίας πονηρᾶς ῥῦσαί με (2)
149. 6. καὶ ῥ. δίστομοι ἐν ταῖς χερσὶν αὐ. (2)
Ca. 3. 8. πάντες κατέχοντες ῥομφαίαν . . . ἀνὴρ ῥομφαία [S -αν] αὐ. ἐπὶ μηρὸν αὐ. (2, 2)
Wi. 5. 20. ὀξυνεῖ δὲ ἀπότομον ὀργὴν εἰς ῥομφαίαν
Si. 21. 3. ὡς ῥομφαία δίστομος πᾶσα ἀνομία
22. 21. ἐπὶ φίλον ἐὰν σπάσῃς ῥομφαίαν
26. 28. ὁ κύριος ἑτοιμάσει εἰς ῥομφαίαν αὐτόν
39. 30. ῥομφαία ἐκδικοῦσα [S² ἐκδιώκ.] εἰς ὄλεθρον ἀσεβεῖς
40. 9. θάνατος καὶ αἷμα καὶ ἔρις καὶ ῥομφαία
46. 2. ὡς ἐδοξάσθη ἐν . . . τῷ ἐκκλίναι [A S ἐκτεῖναι] ῥομφαίαν ἐπὶ πόλεις
Ho. 1. 7. οὐδὲ ἐν ῥομφαίᾳ οὐδὲ ἐν πολέμῳ (2)
2. 18 (20). ῥομφαίαν καὶ πόλεμον συντρίψω (2)
7. 16. πεσοῦνται ἐν ῥομφαίᾳ οἱ ἄρχοντες αὐ. (2)
11. 6. A B ἠσθένησεν ῥομφαία [R ἐν ῥ.] (2)
14. 1. ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται αὐτοί (2)
Am. 1. 11. ἕνεκα τοῦ διῶξαι αὐτοὺς ἐν ῥομφαίᾳ τὸν ἀδ. αὐ. (2)
4. 10. ἀπέκτεινα ἐν ῥομφαίᾳ τοὺς νεανίσκους ὑμῶν (2)
7. 9. ἀναστήσομαι ἐπὶ τὸν οἶκον Ἰ. ἐν ῥομφαίᾳ (2)
— 11. ἐν ῥομφαίᾳ τελευτήσει Ἱερ. (2)
— 17. ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται (2)
9. 1. τοὺς καταλοίπους αὐ. ἐν ῥομφαίᾳ ἀποκτενῶ (2)
— 4. ἐκεῖ ἐντελοῦμαι τῇ ῥ. (2)
— 10. ἐν ῥομφαίᾳ τελευτήσουσι (2)
Mi. 4. 3. κατακόψουσι τὰς ῥ. αὐ. εἰς ἄροτρα (2)
— 3. οὐκέτι μὴ ἀντάρῃ ἔθνος ἐπ' ἔθνος ῥομφαίαν (2)
5. 6 (5). ποιμανοῦσι τὸν Ἀσσοὺρ ἐν ῥομφαίᾳ (2)
6. 14. εἰς ῥομφαίαν παραδοθήσονται (2)
Jl. 3 (4). 10. συγκόψατε τὰ ἄροτρα ὑμῶν εἰς ῥομφαίας (2)
Na. 2. 13 (14). τοὺς λέοντάς σου καταφάγεται ῥομφαία (2)
3. 3. φωνὴ . . . στιλβούσης ῥομφαίας (2)
— 15. ἐξολεθρεύσει σε ῥομφαία (2)
Ze. 2. 12. τραυματίαι ῥομφαίας μού ἐστε (2)
Hg. 1. 11. ἐπάξω ῥομφαίαν ἐπὶ τὴν γῆν †

Hg. 2. 23 (22). καταβήσονται ... ἕκαστος ἐν ῥομφαίᾳ (2)
Za. 9. 13. ψηλαφήσω σε ὡς ῥομφαίαν μαχητοῦ (2)
13. 7. ῥομφαία, ἐξεγέρθητι ἐπὶ τοὺς ποιμένας μου (2)
Is. 66. 16. ἐν τῇ ῥ. αὐτοῦ πᾶσα σάρξ (2)
Je. 5. 17. ἀλοήσουσι τὰς πόλεις τὰς ὀχυρὰς ὑμῶν ... ἐν ῥομφαίᾳ (2)
6. 25. ῥ. [S ἡ ῥ.] τῶν ἐχθρῶν παροικεῖ κυκλόθεν (2)
14. 18. A ἰδοὺ τραυματίαι ῥομφαίας [B S μαχαίρας] (2)
45 (38). 2. ἀποθανεῖται ἐν ῥομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ (2)
46 (39). 18. ἐν ῥομφαίᾳ οὐ μὴ πέσῃς (2)
49 (42). 16. ἡ ῥ. ... εὑρήσει ὑμᾶς (2)
— 17. ἐκλείψουσιν ἐν τῇ ῥ. (2)
— 22. ἐν ῥομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ ἐκλείψετε (2)
50 (43). 11. οὗς εἰς ῥομφαίαν εἰς ῥομφαίαν [S¹ om. εἰς ῥ.] (2, 2)
51 (44). 12. πεσοῦνται ἐν ῥομφαίᾳ (2)
— 13. ὡς ἐπεσκεψάμην ἐπὶ Ἱερ. ἐν ῥομφαίᾳ (2)
— 18. ἐν ῥομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ ἐξελίπομεν (2)
— 27. ἐκλείψουσι ... ἐν ῥομφαίᾳ (2)
— 28. οἱ σεσωσμένοι ἀπὸ ῥομφαίας (2)
Ba. 2. 25. ἀπεθάνοσαν ... ἐν λιμῷ καὶ ἐν ῥομφαίᾳ
La. 2. 21. ἐν ῥομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ ἀπέκτειναν (2)
4. 9. καλοὶ ἦσαν οἱ τραυματίαι ῥομφαίας (2)
5. 9. ἀπὸ προσώπου ῥομφαίας τῆς ἐρήμου (2)
Ez. 5. 1. λάβε σεαυτῷ ῥομφαίαν ὀξεῖαν (2)
— 2. τὸ τέταρτον κατακόψεις ἐν ῥομφαίᾳ (2)
— 12. τὸ τέταρτόν σου ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται (2)
— 17. ῥομφαίαν ἐπάξω ἐπὶ σὲ κυκλόθεν (2)
6. 3. ἐπάγω ἐφ' ὑμᾶς ῥομφαίαν (2)
— 8. ἐν τῷ γενέσθαι ἐξ ὑμῶν ἀνασωζομένους ἐκ ῥομφαίας (2)
— 11. ἐν ῥομφαίᾳ ... πεσοῦνται (2)
— 12. ὁ ἐγγὺς ἐν ῥομφαίᾳ πεσεῖται [A τελευτήσει] (2?)
7. 15. ὁ πόλεμος ἐν ῥομφαίᾳ ἔξωθεν ... ὁ ἐν τῷ πεδίῳ ἐν ῥομφαίᾳ τελευτήσει (2, 2)
11. 8. ῥομφαίαν φοβεῖσθε καὶ ῥομφαίαν ἐπάξω (2, 2)
— 10. ἐν ῥομφαίᾳ πεσεῖσθε (2)
12. 14. ῥομφαίαν ἐκκενώσω [A ἐκχεῶ] ὀπίσω αὐτῶν (2)
— 16. ὑπολείψομαι ἐξ αὐτῶν ἄνδρας ἀριθμῷ ἐκ ῥομφαίας (2)
14. 17. ῥομφαίαν ἐὰν ἐπάγω ... καὶ εἴπω, Ῥ. διελθάτω (2, 2)
— 21. ἐὰν ... ῥομφαίαν ... ἐξαποστείλω (2)
17. 21. ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται (2)
21. 9 (14). ῥ. ῥ., ὀξύνου (2, 2)
— 11 (16). ἐξηκονήθη ἡ [A om.] ῥ. (2)
— 12 (17). ἐπὶ ῥομφαίᾳ [B² ἐπεὶ ῥομφαία] ἐγένετο ἐν τῷ λαῷ μου (2)
— 14 (19). διπλασίασον ῥομφαίαν· ἡ τρίτη ῥ. τραυματιῶν ἐστι ῥ. τραυματιῶν ἡ μεγάλη (2, ter)
— 15 (20). παραδέδοται εἰς σφάγια ῥομφαίας (2)
— 19 (24). τοῦ εἰσελθεῖν ῥομφαίαν βασιλέως Βαβυλῶνος (2)
— 20 (25). τοῦ εἰσελθεῖν ῥομφαίαν ἐπὶ Ῥαββάθ (2)
— 28 (33). ῥ. ῥ. ἐσπασμένη εἰς [A ἑτοιμάζου ἐσ.] σφάγια (2, 2)
23. 10. αὐτὴν ἐν ῥομφαίᾳ ἀπέκτειναν (2)
— 25. τοὺς καταλοίπους σου ἐν ῥομφαίᾳ καταβαλοῦσιν (2)
24. 21 : 25. 13. ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται (2)
29. 8. ἐπάγω ἐπὶ σὲ ῥομφαίαν (2)
— 10. δώσω γῆν Αἰγ. εἰς ... ῥομφαίαν [A om.] †
30. 24. δώσω τὴν ῥ. μου εἰς τὴν χεῖρα αὐ. (2)
— 25. ἐν τῷ δοῦναι τὴν ῥ. μου εἰς χεῖρας βασιλέως Βαβ. (2)
32. 10. ἐν τῷ πετᾶσθαι τὴν [A -θῆναι] ῥ. μου (2)
— 11. ῥ. βασιλέως Βαβυλῶνος ἥξει σοι (2)
33. 2. ἐφ' ἣν ἂν ἐπάγω ῥομφαίαν [A al.] (2)
— 3. ἴδῃ τὴν ῥ. ἐρχομένην (2)
— 4. καὶ ἐπέλθῃ ἡ ῥ. [A al.] (2)
— 6. ἐὰν ἴδῃ τὴν ῥ. ἐρχομένην ... καὶ ἐλθοῦσα ἡ ῥ. λάβῃ ἐξ αὐτῶν ψυχήν (2, 2)
— 26. A ἔστητε ἐπὶ τῇ ῥ. ὑμῶν (2)
Da. LXX. Su. 59. τὴν ῥ. ἔστηκεν ἔχων
11. 33. καὶ προσκόψουσι ῥομφαίᾳ (2)
— 44. ἐξελεύσεται ἐν ... ῥομφαίᾳ —
Da. TH. Su. 59. μένει γὰρ ὁ ἄγγελος τοῦ θ. τὴν ῥ. ἔχων
11. 33. ἀσθενήσουσιν ἐν ῥομφαίᾳ (2)
I Ma. 2. 9. οἱ νεανίσκοι αὐ. ἐν ῥομφαίᾳ ἐχθροῦ
I Ma. 3. 3. σκεπάζων παρεμβολὴν ἐν ῥομφαίᾳ
4. 15. ἔπεσον ἐν ῥομφαίᾳ
— 33. κατάβαλε αὐτοὺς ῥομφαίᾳ ἀγαπώντων σε
5. 28. ἀπέκτεινε πᾶν ἀρσενικὸν ἐν στόματι ῥομφαίας
— 51. ἀπώλεσε πᾶν ἀρσενικὸν ἐν στόματι ῥομφαίας
7. 38. πεσέτωσαν ἐν ῥομφαίᾳ
— 46. ἔπεσον πάντες ῥομφαίᾳ
8. 23. ῥομφαία ... μακρυνθείη ἀπ' αὐτῶν
9. 73. κατέπαυσε ῥομφαίᾳ ἐξ Ἰσρ.
12. 48. πάντας ... ἀπέκτειναν ἐν ῥομφαίᾳ
II Ma. 15. 15. παραδοῦναι τῷ Ἰ. ῥ. χρυσῆν
— 16. λάβε τὴν ἁγίαν ῥ.
[Aq. I Ki. 17. 50: Je. 14. 15: 44 (51). 12: Ez. 5. 12 (P.): 21. 3 (8): 32. 20: 35. 5.]
[Sm. I Ki. 17. 50: Ez. 35. 5.]
[Th. Ex. 5. 3: 20. 25: I Ki. 17. 50: II Ki. 12. 10: Ps. 75 (76). 4: Je. 14. 15: 29 (36). 18: 44 (51). 12: Ez. 5. 12 (Sw.): 7. 14 (P.): 35. 5.]
[Al. Le. 26. 6, 7: Nu. 22. 31.]
[Quint., Sext. Ps. 75 (76). 4.]

ῥόπαλον. (1) מִפִּיץ

Pr. 25. 18. ῥόπαλον καὶ μάχαιρα (1)

ῥοπή. (1) פֶּלֶס (2) שַׁחַק

Jo. 13. 22. καὶ τὸν B.... ἀπέκτειναν ἐν τῇ ῥ. †
Pr. 16. 11. ῥοπὴ ζυγοῦ δικαιοσύνη παρὰ κυρίῳ (1)
Wi. 11. 22. ὡς ῥοπὴ ἐκ πλαστίγγων
18. 12. πρὸς μίαν ῥ. ἡ ἐντιμοτέρα γένεσις αὐτῶν διεφθάρη
Si. 1. 21. ἡ γὰρ ῥ. [S¹ ὀργὴ] τοῦ θυμοῦ αὐτοῦ πτῶσις αὐτῷ
Is. 40. 15. ὡς ῥ. ζυγοῦ ἐλογίσθησαν (2)
III Ma. 5. 48. ὑστάτην βίου ῥοπὴν αὐτοῖς ἐκείνην δόξαντες εἶναι
[Aq. Je. 37. 18: Pr. 8. 28.]
[Sm. Is. 40. 12.]
[Th. Ps. 61 (62). 10.]
[Heb. Je. 20. 5.]

ῥοποπώλης, *vid. sub* ῥωποπώλης.

ῥοῦς.

Si. 4. 26. μὴ διάζου ῥοῦν ποταμοῦ
[Aq. Ps. 68 (69). 3.]

ῥοών. (1) הַדַּרְמֹן

Za. 12. 11. ὡς κοπετὸς ῥοῶνος ἐν πεδίῳ ἐκκοπτομένου (1)

ῥοώς, ῥώς. (1) רֹאשׁ

II Ki. 15. 32. ἦν Δ. ἐρχόμενος ἕως τοῦ ῥ. (1)
16. 1. παρῆλθε βραχύ τι ἀπὸ τῆς ῥ. (1)
Ez. 38. 2. στήρισον τὸ πρόσωπόν σου ἐπὶ Γὼγ ... ἄρχοντα ῥ. Μεσόχ (1)
— 3 : 39. 1. ἐγὼ ἐπὶ σὲ ἄρχοντα ῥ. Μεσόχ (1)
[Sm., Th. Ez. 38. 2.]

ῥύαξ.

Ez. 40. 40. κατὰ νώτου τοῦ ῥ. [A B ῥόα.] τῶν ὁλοκαυτωμάτων †

ῥύδην.

II Ma. 3. 25. φερόμενος δὲ ῥ.

ῥύεσθαι. (1) נָאַל (2) חִלֵּץ *a.* ni. *b.* pi.
(3) יָשַׁע hi. (4) מָלַט *a.* ni. *b.* pi.
(5) נָצַל *a.* ni. *b.* hi. *c.* נָצַל aph.
(6) נָצַר (7) פָּדָה (8) פָּלַט pi. (9) פָּצָה
(10) שֵׁיזִיב

Ge. 48. 16. ὁ ἄγγελος ὁ ῥύομένός με (1)
Ex. 2. 17. ἀναστὰς δὲ Μ. ἐρρύσατο αὐτάς (3)
— 19. ἄνθρωπος Αἰγύπτιος ἐρρύσατο ἡμᾶς (5 *b*)
5. 23. οὐκ ἐρρύσω τὸν λαόν σου (5 *b*)
6. 6. ῥύσομαι ὑμᾶς ἐκ τῆς δουλείας (5 *b*)
12. 27. τοὺς δὲ οἴκους ἡμῶν ἐρρύσατο (5 *b*)
14. 30. ἐρρύσατο κύριος τὸν Ἰσρ. (3)
Jo. 22. 22. μὴ ῥύσαιτο ἡμᾶς (3)
— 31. ἐρρύσασθε τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. ἐκ χειρὸς κυρίου (5 *b*)
Jd. 6. 9. B ἐρρυσάμην ὑμᾶς ἐκ χειρὸς Αἰγ. (5 *b*)
8. 34. τοῦ ῥυσαμένου αὐτοὺς ἐκ χειρὸς πάντων (5 *b*)
9. 17. ἐρρύσατο [A ἐξείλατο] ὑμᾶς ἐκ χειρὸς Μ. (5 *b*)
11. 26. διὰ τί οὐκ ἐρρύσω αὐτούς [A al.] (5 *b*)
18. 28. καὶ οὐκ ἦν ὁ ῥύομενος [A al.] (5 *b*)
II Ki. 12. 7. ἐρρυσάμην σε ἐκ χειρὸς Σ. (5 *b*)
II Ki. 14. 16. ῥυσάσθω τὴν δούλην αὐ. (5 *b*)
19. 9 (10). ἐρρύσατο ἡμᾶς ἐκ χειρὸς ἀπὸ ἀλλοφύλων (5 *b*)
— 9 (10). ἐρρύσατο [B ἐξείλατο] ἡμᾶς ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων (4 *b*)
22. 18. ἐρρύσατό με ἐξ ἐχθρῶν μου (5 *b*)
— 44. ῥύσῃ με ἐκ μάχης λαῶν (8)
— 49. ἐξ ἀνδρὸς ἀδικημάτων ῥύσῃ με (5 *b*)
IV Ki. 18. 32. κύριος ῥύσεται ὑμᾶς (5 *b*)
— 33. μὴ ῥύομενοι ἐρρύσαντο οἱ θεοὶ ... τὴν ἑαυτοῦ χώραν (5 *b*, 5 *b*)
19. 11. καὶ σὺ ῥυσθήσῃ (5 *a*)
23. 18. ἐρύσθησαν [A εὑρέθησαν] τὰ ὀστᾶ αὐ. (4 *b*)
I Es. 8. 61. ἐρρύσατο ἡμᾶς ἀπὸ τῆς εἰσόδου
II Es. 8. 31. ἐρρύσατο ἡμᾶς ἀπὸ χειρὸς ἐχθροῦ (5 *b*)
Ne. 9. 28. ἐρρύσω αὐτοὺς ἐν οἰκτιρμοῖς σου πολλοῖς (5 *b*)
To. 4. 10. A B ἐλεημοσύνη ἐκ θανάτου ῥύεται
12. 9. ἐλεημοσύνη ἐκ θανάτου ῥύεται
14. 11. A B δικαιοσύνη ῥύεται [S al.]
Ju. 6. 3. οὐ ῥύσεται αὐτοὺς ὁ θεὸς αὐ.
Es. 4. 8. ῥῦσαι ἡμᾶς ἐκ θανάτου —
— 17. ἡμᾶς δὲ ῥῦσαι ἐν χειρί σου
— 17. ῥῦσαι ἡμᾶς ἐκ χειρὸς τῶν ποιηρευομ.
— 17. ῥῦσαί με ἐκ τοῦ φόβου μου
10. 3. ἐρρύσατο κύριος ἡμᾶς
Jb. 5. 20. ἐν λιμῷ ῥύσεταί σε ἐκ θανάτου (7)
— 20. A ἐκ χειρὸς σιδήρου ῥύσεταί [B S λύσει] σε —
6. 23. ὥστε ... ἐκ χειρὸς δυναστῶν ῥύσασθαί με (7)
22. 30. ῥύσεται ἀθῷον (4 *b*)
33. 17. τὸ δὲ σῶμα αὐτοῦ ἀπὸ πτώματος [A ἀδικίας πτ.] ἐρρύσατο †
— 30. ἐρρύσατο τὴν ψυχήν μου ἐκ θανάτου †
Ps. 6. 4. ῥῦσαι τὴν ψυχήν μου (2 *b*)
7. 1. καὶ ῥῦσαί με (5 *b*)
16 (17). 13. ῥῦσαι τὴν ψυχήν μου ἀπὸ ἀσεβοῦς (8)
17 (18). *tit.* ἐν ἡμέρᾳ ᾗ ἐρρύσατο αὐτὸν κ. (5 *b*)
— 17. ῥύσεταί με ἐξ ἐχθρῶν μου δυνατῶν (5 *b*)
— 19. ῥύσεταί με ὅτι ἠθέλησέ με (2 *b*)
— 20. A B S¹ ῥύσεταί με ἐξ ἐχθρῶν μου δυνατῶν —
— 29. ἐν σοὶ ῥυσθήσομαι ἀπὸ πειρατηρίου †
— 43. ῥῦσαί με ἐξ ἀντιλογιῶν λαοῦ [A al.] (8)
— 48. ἀπὸ ἀνδρὸς ἀδίκου ῥύσῃ [A S² ῥῦσαί] με (5 *b*)
21 (22). 4. ἤλπισαν καὶ ἐρρύσω αὐτούς (8)
— 8. ῥυσάσθω αὐτόν (8)
— 20. ῥῦσαι ἀπὸ ῥομφαίας τὴν ψυχήν μου (5 *b*)
24 (25). 20. καὶ ῥῦσαί με (5 *b*)
30 (31). 1. ἐν τῇ δικαιοσύνῃ σου ῥῦσαί με (8)
— 15. ῥῦσαί με ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν μου (5 *b*)
32 (33). 19. ῥύσασθαι ἐκ θανάτου τὰς ψυχὰς αὐτῶν (5 *b*)
33 (34). 4. ἐκ πασῶν τῶν παροικιῶν [A S² θλίψεών] μου ἐρρύσατό με (5 *b*)
— 7. καὶ ῥύσεται αὐτούς [A -όν] (2 *b*)
— 17. ἐκ πασῶν τῶν θλίψεων αὐτῶν ἐρρύσατο αὐτούς (5 *b*)
— 19. ἐκ πασῶν αὐτῶν ῥύσεται αὐτοὺς ὁ κύριος (5 *b*)
34 (35). 10. ῥυόμενος πτωχόν (5 *b*)
36 (37). 40. A B S² καὶ ῥύσεται αὐτούς (8)
38 (39). 8. ἀπὸ πασῶν τῶν ἀνομιῶν μου ῥῦσαί [S¹ καθάρισόν] με (5 *b*)
39 (40). 13. εὐδόκησον, κύριε, τοῦ ῥύσασθαί με (5 *b*)
40 (41). 1. ῥύσεται αὐτὸν ὁ [S om.] κύριος (4 *b*)
42 (43). 1. ἀπὸ ἀνθρώπου ἀδίκου καὶ δολίου ῥῦσαί με (8)
49 (50). 22. καὶ μὴ ᾖ ὁ ῥυόμενος (5 *b*)
50 (51). 14. ῥῦσαί με ἐξ αἱμάτων (5 *b*)
53 (54). 7. ἐκ πάσης θλίψεως ἐρρύσω με (5 *b*)
55 (56). 13. ἐρρύσω τὴν ψυχήν μου ἐκ θανάτου (5 *b*)
56 (57). 4. ἐρρύσατο τὴν ψυχήν μου —
58 (59). 2. ῥῦσαί με ἐκ τῶν ἐργαζομένων τὴν ἀνομίαν (5 *b*)
59 (60). 5. ὅπως ἂν ῥυσθῶσιν οἱ ἀγαπητοί σου (2 *a*)
68 (69). 14. ῥυσθείην ἐκ τῶν μισούντων με (5 *a*)
— 18. ἕνεκα τῶν ἐχθρῶν μου ῥῦσαί με (7)
70 (71). 2. ἐν τῇ δικαιοσύνῃ σου ῥῦσαί με (5 *b*)
— 4. ῥῦσαί με ἐκ χειρὸς ἁμαρτωλοῦ (8)
— 11. οὐκ ἔστιν ὁ ῥυόμενος (5 *b*)
71 (72). 12. ἐρρύσατο πτωχόν (5 *b*)
78 (79). 9. ῥῦσαι ἡμᾶς (5 *b*)
80 (81). 7. καὶ ἐρρυσάμην σε (2 *b*)
81 (82). 4. καὶ πτωχὸν ἐκ χειρὸς ἁμαρτωλοῦ ῥύσασθε (5 *b*)
85 (86). 13. ἐρρύσω τὴν ψυχήν μου (5 *b*)
88 (89). 48. ῥύσεται τὴν ψυχὴν αὐτοῦ (4 *b*)

Ps. 90 (91). 3. ῥύσεταί σε ἐκ παγίδος θηρευτῶν (5 b)
— 14. ἐπ' ἐμὲ ἤλπισε καὶ ῥύσομαι αὐτόν (8)
96 (97). 10. ἐκ χειρὸς ἁμαρτωλῶν ῥύσεται αὐτούς (5 b)
105 (106). 43. πλεονάκις ἐρρύσατο αὐτούς (5 b)
106 (107). 6. ἐκ τῶν ἀναγκῶν αὐτῶν ἐρρύσατο αὐτούς (5 b)
— 20. ἐρρύσατο αὐτοὺς ἐκ τῶν διαφθορῶν αὐτῶν (4 b)
107 (108). 6. ὅπως ἂν ῥυσθῶσιν οἱ ἀγαπητοί σου (2 a)
108 (109). 22 (21). ῥῦσαί με (5 b)
114 (116). 4. ῥῦσαι τὴν ψυχήν μου (4 b)
118 (119). 170. S R ῥῦσαί [A ζῆσόν] με (5 b)
119 (120). 2. ῥῦσαι τὴν ψυχήν μου (5 b)
123 (124). 7. ἐρρύσθη ἐκ τῆς παγίδος τῶν θηρευόντων . . . ἡμεῖς ἐρρύσθημεν (4 a, 4 a)
139 (140). 1. ἀπὸ ἀνδρὸς ἀδίκου ῥῦσαί με (6)
— 4. A ἀπὸ ἀνθρώπου ἀδίκου ῥῦσαί με [B S al.] (6)
141 (142). 6. ῥῦσαί με ἐκ τῶν καταδιωκόντων με (5 b)
143 (144). 7. ῥῦσαί με ἐξ ὑδάτων πολλῶν (5 b)
— 11. ἐκ χομφαίας πονηρᾶς ῥῦσαί με (9)
Pr. 2. 12. ἵνα ῥύσηταί σε ἀπὸ ὁδοῦ κακῆς (5 b)
6. 31. πάντα τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ δοὺς ῥύσεται ἑαυτόν –
10. 2. δικαιοσύνη δὲ ῥύσεται ἐκ θανάτου (5 b)
11. 4. A δικαιοσύνη ῥύσεται ἀπὸ θανάτου (5 b)
— 6. B δικαιοσύνη ἀνδρῶν ὀρθῶν ῥύεται [A S² ῥύσ.] αὐτούς (5 b)
12. 6. στόμα δὲ ὀρθῶν ῥύσεται αὐτούς (5 b)
13. 17. ἄγγελος δὲ σοφὸς [S¹ πιστὸς] ῥύσεται αὐτόν †
14. 25. ῥύσεται ἐκ κακῶν ψυχὴν μάρτυς πιστός (5 b)
22. 23. ῥύσῃ σὴν ἄσυλον ψυχήν †
23. 14. τὴν δὲ ψυχὴν αὐτοῦ ἐκ θανάτου ῥύσῃ (5 b)
24. 11. ῥῦσαι ἀγομένους εἰς θάνατον (5 b)
Wi. 2. 18. ῥύσεται αὐτὸν ἐκ χειρὸς ἀνθεστηκότων
10. 6. αὕτη δίκαιον ἐξαπολλυμένων ἀσεβῶν ἐρρύσατο
— 9. σοφία δὲ τοὺς θεραπεύσαντας αὐτὴν ἐκ πόνων ἐρρύσατο
— 13. ἐξ ἁμαρτίας ἐρρύσατο αὐτόν
— 15. αὕτη λαὸν ὅσιον . . . ἐρρύσατο
16. 8. σὺ εἶ ὁ ῥυόμενος ἐκ παντὸς κακοῦ
19. 9. αἰνοῦντές σε, κύριε, τὸν ῥυόμενον [A ῥυσάμ.] αὐτούς
Si. 29. 17. ἀχάριστος ἐν διανοίᾳ ἐγκαταλείψει ῥυσάμενον
40. 24. ὑπὲρ ἀμφότερα ἐλεημοσύνη ῥύσεται [A S ῥύεται]
Ho. 13. 14. ἐκ χειρὸς ᾅδου ῥύσομαι [A add. αὐτούς] (7)
Mi. 4. 10. ἐκεῖθεν ῥύσεταί σε (5 a)
5. 6 (5). καὶ ῥύσεται ἐκ τοῦ Ἀσσούρ (5 b)
Is. 1. 17. ῥύσασθε ἀδικούμενον †
5. 29. οὐκ ἔσται ὁ ῥυόμενος αὐτούς [A om.] (5 b)
25. 4. ἀπὸ ἀνθρώπων πονηρῶν ῥύσῃ αὐτούς –
— 5. S ῥύσῃ αὐτούς †
36. 14. οὐ δύνηται ῥύσασθαι ὑμᾶς [A S al.] (5 b)
— 15. ῥύσεται ὑμᾶς ὁ θεός (5 b)
— 18. ὁ θεὸς ῥύσεται ὑμᾶς (5 b)
— 18. μὴ ἐρρύσαντο οἱ θεοὶ τῶν ἐθνῶν ἕκαστος τὴν ἑαυτοῦ χώραν (5 b)
— 19. μὴ ἐδύναντο ῥύσασθαι Σαμάρειαν (5 b)
— 20. ἐρρύσατο τὴν γῆν αὐ. ἐκ χειρός μου ὅτι ῥύσεται ὁ θ. τὴν Ἱερ. (5 b, 5 b)
37. 11. B σὺ ῥυσθήσῃ (5 a)
— 12. μὴ ἐρρύσαντο αὐτοὺς οἱ θεοὶ τῶν ἐθνῶν (5 b)
38. 6. ἐκ χειρὸς βασιλέως Ἀσσυρίων ῥύσομαί [A S σώσω] σε (5 b)
44. 6. καὶ [A S ὁ] ῥυσάμενος αὐτὸν θεός (1)
47. 4. ὁ ῥυσάμενός σε κύριος σαβαώθ (1)
48. 17. οὕτω λέγει κύριος ὁ ῥυσάμενός σε (1)
— 20. ἐρρύσατο κ. τὸν δοῦλον [A λαὸν] αὐ. (1)
49. 7. λέγει κύριος ὁ ῥυσάμενός [S ῥύομ.] σε (1)
— 25. τοὺς υἱούς σου ῥύσομαι (3)
— 26. ἐγὼ κύριος [A om.] ὁ ῥυσάμενός σε (3)
50. 2. μὴ οὐκ ἰσχύει ἡ χείρ μου τοῦ ῥύσασθαι (7)
51. 10. ἡ θεῖσα τὰ βάθη τῆς θαλάσσης ὁδὸν διαβάσεως ῥυομένοις (1)
52. 9. ἐρρύσατο Ἱερουσαλήμ (1)
54. 5. καὶ ὁ ῥυσάμενός σε (1)
— 8. εἶπεν ὁ ῥυσάμενός σε κύριος (1)
59. 20. ἥξει ἕνεκεν Σιὼν ὁ [S¹ om.] ῥύομενος (1)
Is. 63. 5. ἐρρύσατο αὐτοὺς ὁ βραχίων μου (3)
— 16. ῥῦσαι ἡμᾶς (1)
Ep. Je. 36. ἐκ θανάτου ἄνθρωπον οὐ μὴ ῥύσωνται
— 54. οὐδὲ μὴ ῥύσωνται ἀδίκημα [A -κούμενον]
Ez. 3. 19. σὺ τὴν ψυχήν σου ῥύσῃ [A ἐρύσω] (5 b)
— 21. σὺ τὴν σεαυτοῦ ψυχὴν ῥύσῃ (5 b)
13. 21, 23. ῥύσομαι τὸν λαόν μου (5 b)
14. 18. οὐ μὴ ῥύσωνται υἱοὺς οὐδὲ θυγατέρας (5 b)
— 20. ῥύσονται τὰς ψυχὰς αὐτῶν (5 b)
33. 9. A τὴν ψυχήν σου ἐρρύσω [B al.] (5 b)
37. 23. ῥύσομαι αὐτοὺς ἀπὸ πασῶν τῶν ἀνομιῶν αὐτῶν (3)
Da. LXX. 3. (88). ἐρρύσατο ἡμᾶς ἐκ μέσου καιομένης φλογός
8. 4. οὐκ ἦν ὁ ῥυόμενος ἐκ τῶν χειρῶν αὐ. (5 b)
— 7. οὐκ ἦν ὁ ῥύομ. τὸν κριὸν ἀπὸ τοῦ τράγου (5 b)
— 11. ῥύσεται τὴν αἰχμαλωσίαν †
Da. TH. 3. 17. ἐκ τῶν χειρῶν σου, βασιλεῦ, ῥύσεται ἡμᾶς (10)
— (88). ἐρρύσατο ἡμᾶς
— (88). ἐκ μέσου πυρὸς ἐρρύσατο ἡμᾶς
— 29 (96). ὅστις δυνήσεται ῥύσασθαι οὕτως (5 c)
6. 27 (28). ἀντιλαμβάνεται καὶ ῥύεται (5 c)
8. 11. ἕως οὗ ὁ ἀρχιστράτηγος ῥύσηται τὴν αἰχμαλωσίαν †
11. 45. οὐκ ἔστιν ὁ ῥυόμενος αὐτόν †
I Ma. 2. 60. ἐρρύσθη ἐκ στόματος λεόντων
5. 17. ῥῦσαι τοὺς ἀδ. σου
12. 15. ἐρρύσθημεν ἀπὸ τῶν ἐχθρῶν
16. 2. ῥύσασθαι τὸν Ἰσρ. πλεονάκις
II Ma. 8. 14. ῥύσασθαι τοὺς . . . πεπραμένους
III Ma. 2. 12. καὶ ἐρύσω αὐτούς
— 32. ἐπειρῶντο ἑαυτοὺς ῥύσασθαι
5. 8. καὶ ῥύσασθαι αὐτούς
6. 6. ἐρρύσω μέχρι τριχὸς ἀπημάντους
— 10. ῥυσάμενος ἡμᾶς ἀπὸ ἐχθρῶν χειρός
— 11. οὐδὲ ὁ θεὸς αὐ. ἐρρύσατο αὐτούς
— 39. ἀπταίστους αὐτοὺς ἐρρύσατο ὁμοθυμαδόν
[Aq. Ex. 5. 23: I Ki. 30. 22: Jb. 5. 19: Ps. 30 (31). 3: 32 (33). 16, 19: Pr. 11. 9: Is. 37. 11: 57. 13: Je. 15. 21: 39 (46). 18 *bis*: Ez. 33. 9: Za. 3. 2.]
[Sm. II Ki. 4. 9: Ps. 17 (18). 44: 55 (56). 8: 77 (78). 42: Pr. 11. 8: Is. 37. 11: 58. 11: Je. 15. 21.]
[Th. Ex. 5. 23: Is. 35. 9: 37. 11: 57. 13: Je. 15. 21: Ez. 33. 9: Da. 8. 11.]
[Al. Ps. 43 (44). 27: Pr. 19. 19: Hb. 3. 13.]
[Quint. Ps. 32 (33). 16, 19.]

ῥυθμίζειν. (1) תָּאַר pi.
Is. 44. 13. ἐν κόλλῃ ἐρρύθμισεν αὐτό (1)
[Th. Is. 44. 12.]

ῥυθμός. (1) חַמּוּק (2) מַעֲשֶׂה (3) תַּבְנִית
Ex. 28. 15. κατὰ τὸν ῥ. τῆς ἐπωμίδος (2)
IV Ki. 16. 10. ἀπέστειλεν . . . τὸν ῥ. αὐ. (3)
Ca. 7. 1 (2). ῥυθμοὶ μηρῶν σου ὅμοιοι ὁρμίσκοις (1)
Wi. 17. 18. ἢ ῥυθμὸς ὕδατος πορευομένου βίᾳ
19. 18. ὥσπερ ἐν ψαλτηρίῳ φθόγγοι τοῦ ῥ. τὸ ὄνομα διαλλάσσουσι

ῥυθμοῦν.
[Sm. Is. 44. 12.]

ῥύμη. (1) רְחוֹב
To. 13. 18. ἐροῦσι πᾶσαι αἱ ῥ. αὐτῆς ἀλληλούϊα [S al.]
Pr. 31. 23. S περίβλεπτος δὲ γίνεται ἐν ῥύμαις [A B πύλαις] †
Si. 9. 7. S¹ μὴ περιβλέπου ἐν ῥύμαις πόλεως καὶ ἐν ταῖς ῥ. [A B S² ἐρήμοις] αὐτῆς μὴ πλανῶ
Is. 15. 3. κόπτεσθε . . . ἐν ταῖς ῥ. αὐτῆς (1)

ῥυπαρός. (1) צוֹא
Za. 3. 4 (3). Ἰ. ἦν ἐνδεδυμένος ἱμάτια ῥ. (1)
— 5 (4). ἀφέλετε τὰ ἱμάτια τὰ ῥ. ἀπ' αὐτοῦ (1)

ῥύπος. (1) טָמֵא (2) צֹאָה (3) שַׁחַת
Jb. 9. 31. ἱκανῶς ἐν ῥύπῳ με ἔβαψας (3)
11. 15. ἐκδύσῃ δὲ ῥύπον †
14. 4. τίς γὰρ καθαρὸς ἔσται ἀπὸ ῥύπου (1)
Is. 4. 4. ἐκπλυνεῖ κύριος τὸν ῥ. τῶν υἱῶν (2)
[Aq. Ex. 32. 25: Is. 30. 22.]
[Th. Pr. 30. 12.]

ῥύπτειν.
[Heb. Ez. 21. 21 (26).]

ῥύσις. (1) *a.* זוֹב *b.* זוֹב (2) מָקוֹר (3) קָרֶה (4) תְּעָלָה
Le. 15. 2. ᾧ ἐὰν γένηται ῥύσις ἐκ τοῦ σώματος αὐ. (1 a)
— 2. ἡ ῥ. αὐ. ἀκάθαρτός ἐστι [A al.] (1 b)
— 3. ἐκ τῆς ῥ. ἧς συνέστηκε τὸ σῶμα αὐ. διὰ τῆς ῥ. (1 b, 1 b)
— 3. πᾶσαι αἱ ἡμέραι ῥύσεως σώματος αὐ. –
— 3. ᾗ συνέστηκε τὸ σῶμα αὐ. διὰ τῆς ῥ. (1 b)
— 13. ἐὰν δὲ καθαρισθῇ ὁ γονορρυὴς ἐκ τῆς ῥ. αὐ. (1 b)
— 15. ἐξιλάσεται περὶ αὐτοῦ . . . ἀπὸ [A περὶ] τῆς ῥ. αὐ. (1 b)
— 19. ἔσται ἡ ῥ. αὐ. ἐν τῷ σώματι αὐ. (1 b)
— 25. ἐὰν ῥέῃ ῥύσει αἵματος (1 b)
— 25. πᾶσαι αἱ ἡμέραι ῥύσεως ἀκαθαρσίας αὐ. (1 b)
— 26. πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ῥ. (1 b)
— 28. ἐὰν δὲ καθαρισθῇ ἀπὸ τῆς ῥ. (1 b)
— 30. ἐξιλάσεται . . . ἀπὸ ῥύσεως ἀκαθαρσίας αὐ. (1 b)
— 33. ὁ γονορρυὴς ἐν τῇ ῥ. αὐ. (1 b)
20. 18. ἀπεκάλυψε τὴν ῥ. τοῦ αἵματος αὐτῆς (2)
De. 23. 10 (11). ὃς οὐκ ἔσται καθαρὸς ἐκ ῥύσεως αὐ. νυκτός (3)
Jb. 38. 25. τίς δὲ ἡτοίμασεν ὑετῷ λάβρῳ ῥύσιν (4)
[Al. Le. 20. 18.]

ῥῦσις.
Si. 51. 9. ὑπὲρ θανάτου [A ἀπὸ ἀθανάτου] ῥύσεως ἐδεήθην

ῥύστης. (1) פָּלַט pi.
Ps. 17 (18). 2. κύριος στερέωμά μου καὶ καταφυγή μου καὶ ῥ. μου (1)
— 48. ὁ ῥ. μου ἐξ ἐχθρῶν [A ἐ. μου] ὀργίλων (1)
69 (70). 5. βοηθός μου καὶ ῥύστης μου εἶ σύ (1)
143 (144). 2. ἀντιλήπτωρ μου καὶ ῥύστης μου (1)
III Ma. 7. 23. εὐλογητὸς ὁ ῥ. Ἰσρ.
[Aq., Sm., Th. Ps. 17 (18). 49.]

ῥωκεείμ, ῥωκεΐμ. (1) רַקְחִים
Ne. 3. 8. A R Ἀν. υἱὸς τοῦ ῥ. [B S Ἰωακείμ] (1)

ῥωμαλέος.
II Ma. 12. 27. νεανίαι δὲ πρὸ τῶν τειχῶν καθεστῶτες ῥ.

ῥώμη.
Pr. 6. 8. καίπερ οὖσα τῇ ῥ. ἀσθενής –
II Ma. 3. 26. τῇ ῥ. μὲν ἐκπρεπεῖς
III Ma. 2. 4. ῥώμῃ καὶ θράσει πεποιθότες
3. 14. R καὶ τῇ ἡμετέρᾳ δὲ ῥ. . . . ἀχθείσης [A al.]

ῥώννυσθαι.
II Ma. 9. 20. R εἰ [A om.] ἔρρωσθε
11. 21. ἔρρωσθε
— 28. R εἰ [A om.] ἔρρωσθε
— 33. ἔρρωσθε
III Ma. 1. 4. τῶν πραγμάτων μᾶλλον ἐρρωμένων τῷ Ἀντ.
3. 12. χαίρειν καὶ ἐρρῶσθαι
— 13. ἔρρωμαι δὲ καὶ αὐτὸς ἐγώ
7. 1. χαίρειν καὶ ἐρρῶσθαι
— 2. ἐρρώμεθα δὲ καὶ αὐτοί
— 9. ἔρρωσθε

ῥώξ. (1) נֹקֶף (2) פֶּרֶט (3) תִּירוֹשׁ
Le. 19. 10. οὐδὲ τοὺς ῥ. τοῦ ἀμπελῶνός σου συλλέξεις (2)
Is. 17. 6. ὡς ῥῶγες ἐλαίας δύο ἢ τρεῖς (1)
65. 8. ὃν τρόπον εὑρεθήσεται ὁ ῥ. ἐν τῷ βότρυϊ (3)

ῥωποπώλης (ῥοβ., ῥοπ.). (1) רָכַל
III Ki. 10. 15. A χωρὶς τῶν φόρων . . . τῶν ἐμπόρων τῶν ῥ. [B om. τ. ρ.] (1)
Ne. 3. 31. καὶ οἱ ῥ. ἀπέναντι πύλης τοῦ Μ. (1)
— 32. ἐκράτησαν οἱ χαλκεῖς καὶ οἱ ῥ. (1)
[Aq. III Ki. 10. 15: Ez. 27. 8.]

ῥώς, *vid.* **ῥοώς.**

ῥωσαί.
I Ch. 26. 6. ῥ. εἰς τὸν οἶκον τὸν πατρικὸν αὐ. †

Σ

σααρείμ.

[Heb. Is. 26. 2.]

σαβαείν (-είμ). (1) צְבִי

Da. TH. 11. 41. εἰσελεύσεται εἰς τὴν γῆν τοῦ σ. (1)
— 45. εἰς ὄρος σ. [A σαβεὶν] ἅγιον (1)
[Th. DA. 11. 45.]

σαβάτ.

[Quint. Ps. 73 (74). 2.]

σαβάχ. (1) שְׁבָכָה

IV Ki. 25. 17. A τὸ ὕψος τοῦ χωθὰρ τριῶν πήχεων σ. [B *al.*] (1)

σαβαχά. (1) שְׁבָכָה

IV Ki. 25. 17. B καὶ τὸ ὕψος τοῦ χωθὰρ τριῶν πήχεων σ. [A B *al.*] (1)
— 17. A R τῷ στύλῳ τῷ δευτέρῳ ἐπὶ τῷ σ. [B γαβ.] (1)
[Aq. JE. 52. 22.]

σαβαχώθ.

[Al. II CH. 4. 12.]

σαβαώθ. (1) צְבָאוֹת

Jo. 6. 16 (17). ἔσται ἡ πόλις ἀνάθεμα . . . κυρίῳ σ. [A *al.*] –
I Ki. 1. 3. θύειν κυρίῳ τῷ θεῷ σαβ. (1)
— 11. ἀδ. κύριε ἐλωὲ σαβ. (1)
— 20. παρὰ κυρίου θεοῦ σαβ. ᾐτησάμην αὐτόν –
15. 2. τάδε εἶπε κύριος σαβ. (1)
17. 45. ἐν ὀνόματι κυρίου θεοῦ σαβ. [A σαβ. θ.] (1)
I Es. 9. 46. A R τῷ κυρίῳ θεῷ τῷ ὑψίστῳ θεῷ σαβ. [B *al.*]
Za. 13. 2. λέγει κύριος σ. [A *om.*] (1)
Is. 1. 9. εἰ μὴ κύριος σ. ἐγκατέλιπεν ἡμῖν σπέρμα (1)
— 24. τάδε λέγει κύριος ὁ δεσπότης σ. (1)
2. 12. ἡμέρα γὰρ κυρίου σ. ἐπὶ πάντα ὑβριστήν (1)
3. 1. ὁ δεσπότης κύριος σ. ἀφελεῖ ἀπὸ Ἱερουσαλὴμ . . . ἰσχύοντα καὶ ἰσχύουσαν (1)
5. 7. ὁ γὰρ ἀμπελὼν κυρίου σ. οἶκος τοῦ Ἰσρ. (1)
— 9. ἠκούσθη γὰρ εἰς τὰ ὦτα κυρίου σ. ταῦτα (1)
— 16. ὑψωθήσεται κύριος σ. ἐν κρίματι (1)
— 24. οὐ γὰρ ἠθέλησαν τὸν νόμον κυρίου σ. (1)
— 25. ἐθυμώθη ὀργῇ [S ὠργίσθη θυμῷ] κύριος σ. –
6. 3. ἅγιος ἅγιος ἅγιος κύριος σ. (1)
— 5. τὸν βασιλέα κύριον σ. εἶδον (1)
7. 7. τάδε λέγει κύριος σ. –
8. 18. παρὰ κυρίου σ. (1)
9. 7 (6). ὁ ζῆλος κυρίου σ. ποιήσει ταῦτα (1)
10. 16. ἀποστελεῖ κύριος σ. . . . ἀτιμίαν (1)
— 24. τάδε λέγει κύριος σ. (1)
— 33. ὁ δεσπότης κύριος σ. συνταράσσει τοὺς ἐνδόξους (1)
13. 4. κύριος σ. ἐντέταλται ἔθνει ὁπλομάχῳ (1)
— 13. διὰ θυμὸν ὀργῆς κυρίου σ. (1)
14. 22. λέγει κύριος σ. (1)
— 22. S τάδε λέγει κύριος σ. [A B *om.*] –
— 24 : 17. 3. τάδε λέγει κύριος σ. (1)
18. 7. ἀνενεχθήσεται δῶρα κυρίῳ σ. . . . οὗ τὸ ὄνομα κυρίου σ. [S *add.* ἐπεκλήθη] (1, 1)
19. 4. τάδε λέγει κύριος σ. (1)
— 12. τί βεβούλευται κύριος σ. ἐπ' Αἴγυπτον (1)
— 16. ἀπὸ προσώπου τῆς χειρὸς κυρίου σ. (1)
— 17. R διὰ τὴν βουλὴν [A *add.* κυρίου σ.] ἣν βεβούλευται κύριος σ. [A B S *om.*] ἐπ' αὐτήν ([1], –)
— 18. R ὀμνύντες [A S³ -ύουσαι] τῷ ὀνόματι κυρίου σ. [A B S *om.*] (1)
— 25. ἣν εὐλόγησε κύριος σ. (1)
21. 6. S⁴ οὕτως εἶπε πρὸς μὲ κύριος σ. [A B S¹ *al.*] –
— 10. ἃ ἤκουσα παρὰ κυρίου σ. (1)
22. 5. πλάνησις [S¹ *om.*] παρὰ κυρίου σ. (1)
— 12. ἐκάλεσε κύριος κύριος σ. ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ κλαυθμόν (1)
Is. 22. 14. ἐν τοῖς ὠσὶ κυρίου σ. (1)
— 15. τάδε λέγει κύριος σ. [A¹ -ὼν] (1)
— 17. κύριος σ. . . . ἐκτρίψει ἄνδρα –
— 25. τάδε λέγει κύριος σ. (1)
23. 9. κύριος σ. ἐβουλεύσατο παραλῦσαι (1)
— 11. κύριος σ. ἐνετείλατο περὶ Χαναάν –
25. 6. ποιήσει κύριος σ. πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν (1)
28. 5. ἔσται κύριος σ. ὁ στέφανος τῆς ἐλπίδος (1)
— 22. συντετμημένα πράγματα ἤκουσα παρὰ κυρίου σ. (1)
— 29. ταῦτα παρὰ κυρίου σ. ἐξῆλθε τὰ τέρατα (1)
29. 5 (6). ὡς στιγμὴ παραχρῆμα παρὰ κυρίου σ. (1)
31. 4. καταβήσεται κύριος σ. (1)
— 5. ὑπερασπιεῖ κύριος σ. [A *om.*] (1)
37. 16. κύριος [A S -ιε] σ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (1)
— 32. ὁ ζῆλος κυρίου σ. ποιήσει ταῦτα (1)
39. 5. ἄκουσον τὸν λόγον κυρίου σ. (1)
44. 6. καὶ [A ὁ] ῥυσάμενός αὐτὸν θεὸς σ. (1)
45. 13. εἶπε κύριος σ. (1)
— 14. οὕτως λέγει κύριος σ. –
47. 4. ὁ ῥυσάμενός σε κύριος σ. (1)
48. 2. κύριος σ. ὄνομα αὐτῷ (1)
51. 15. κύριος σ. ὄνομά μοι (1)
54. 5. κύριος σ. ὄνομα αὐτῷ (1)
Je. 26 (46). 10. A θυσία τῷ κυρίῳ σ. [B S *om.*] (1)
[Heb. III KI. 19. 14.]

σαβαών.

Is. 22. 15. A¹ τάδε λέγει κύριος σ. [A² B S -ώθ] †

σαββατίζειν. (1) שָׁבַת

Ex. 16. 30. ἐσαββάτισεν ὁ λαὸς τῇ ἡμ. τῇ ἑβδόμῃ (1)
Le. 23. 32. σαββατιεῖτε τὰ σάββατα ὑμῶν (1)
26. 35 (34). σαββατιεῖ ἡ γῆ (1)
— 35. σαββατιεῖ ἃ οὐκ ἐσαββάτισεν (1, 1)
II Ch. 36. 21. ἕως τοῦ προσδέξασθαι τὴν γῆν τὰ σάββατα αὐ. σαββατίσαι –
— 21. A R πάσας τὰς ἡμέρας ἐρημώσεως αὐ. σαββατίσαι (1)
I Es. 1. 58. πάντα τὸν χρόνον τῆς ἐρημώσεως αὐ. σαββατιεῖ
II Ma. 6. 6. ἣν δ' οὔτε σαββατίζειν
[Aq. LE. 25. 2.]

σάββατον. (1) *a.* שַׁבָּת *b.* שַׁבָּתוֹן

Ex. 16. 23. σάββατα ἀνάπαυσις ἁγία τῷ κ. αὔριον (1 *b*)
— 25. ἔστι γὰρ σάββατα σήμερον τῷ κ. (1 *a*)
— 26. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἑβδόμῃ σάββατα (1 *a*)
— 29. A ἔδωκεν ὑμῖν τὴν ἡμ. τ. καὶ τὰ σ. [B *om.* κ. τὰ σ., R *al.*] (1 *a*)
20. 8. μνήσθητι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1 *a*)
— 10. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἑβδόμῃ σάββατα (1 *a*)
31. 13. τὰ σ. μου φυλάξεσθε (1 *a*)
— 14. φυλάξεσθε τὰ σ. [A *al.*] (1 *a*)
— 15. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἑβδόμῃ σάββατα (1 *a*)
— 15. A ὅστις ποιήσει ἔργον τῇ ἡμέρᾳ τοῦ σ. [B *al.*] (1 *a*)
— 16. φυλάξουσιν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὰ σ. (1 *a*)
35. 2. σάββατα ἀνάπαυσις κυρίῳ [A *al.*] (1 *a*)
— 3. τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ. (1 *a*)
Le. 16. 31. σάββατα σαββάτων ἀνάπαυσις αὕτη ἔσται ὑμῖν (1 *a*, –)
19. 3, 30. τὰ σ. μου φυλάξεσθε (1 *a*)
23. 3. τῇ ἡμέρᾳ τῇ ἑβδ. σάββατα ἀνάπαυσις (1 *a*)
— 3. σάββατά ἐστι τῷ κ. (1 *a*)
— 15. ἀπὸ τῆς ἐπαύριον τῶν σ. (1 *a*)
— 32. σάββατα σαββάτων ἔσται ὑμῖν (1 *a*, 1 *b*)
— 32. σαββατιεῖτε τὰ σ. ὑμῶν (1 *a*)
— 38. πλὴν τῶν σ. κυρίου (1 *a*)
24. 8. τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ. προθήσεται (1 *a*)
25. 2. ἀναπαύσεται ἡ γῆ . . . σάββατα τῷ κ. (1 *a*)
— 4. τῷ δὲ ἔτει τῷ ἑβδ. σάββατα ἀνάπαυσις ἔσται τῇ γῇ σάββατα τῷ κ. (1 *a*, 1 *a*)
— 6. ἔσται τὰ σ. τῆς γῆς βρώματά σοι (1 *a*)
Le. 26. 2. τὰ σ. μου φυλάξεσθε (1 *a*)
— 34. εὐδοκήσει ἡ γῆ τὰ σ. αὐ. (1 *a*)
— 35 (34). εὐδοκήσει ἡ γῆ τὰ σ. αὐ. (1 *a*)
— 35. σαββατιεῖ ἃ οὐκ ἐσαββάτισεν ἐν τοῖς σ. ὑμῶν (1 *a*)
— 43. προσδέξεται ἡ γῆ τὰ σ. αὐ. (1 *a*)
Nu. 15. 32. τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ. [A τοῦ σ.] (1 *a*)
— 33. B τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ. –
28. 9. τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ. (1 *a*)
— 10. ὁλοκαύτωμα σαββάτων [A -ου] ἐν τοῖς σ. (1 *a*, 1 *a*)
De. 5. 12. φύλαξαι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1 *a*)
— 14. σάββατα κ. τῷ θεῷ σου (1 *a*)
— 15. ὥστε φυλάσσεσθαι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1 *a*)
IV Ki. 4. 23. οὐ νεομηνία οὐδὲ σάββατον (1 *a*)
11. 6 (5). τὸ τρίτον ἐξ ὑμῶν εἰσελθέτω τὸ σ. (1 *a*)
— 7. πᾶς ὁ ἐκπορευόμενος τὸ σ. [A *om.* τὸ σ.] (1 *a*)
— 9. καὶ τοὺς εἰσπορευομ. τὸ σ. (1 *a*)
— 9. A R μετὰ τῶν ἐκπορευομ. τὸ σ. (1 *a*)
I Ch. 9. 32. τοῦ ἑτοιμάσαι σάββατον κατὰ σάββατον [S¹ *om.* κατὰ σ.] (1 *a*, 1 *a*)
23. 31 : II Ch. 2. 4 (3). ἐν τοῖς σ. καὶ ἐν ταῖς νεομηνίαις (1 *a*)
II Ch. 8. 13. ἐν τοῖς σ. καὶ ἐν τοῖς μησί (1 *a*)
23. 4. τὸ τρίτον ἐξ ὑμῶν εἰσπορευέσθωσαν τὸ σ. (1 *a*)
— 8. ἀπ' ἀρχῆς τοῦ σ. ἕως ἐξόδου τοῦ σ. (1 *a*, 1 *a*)
31. 3. ὁλοκαυτώσεις εἰς σάββατα (1 *a*)
36. 21. ἕως τοῦ προσδέξασθαι τὴν γῆν τὰ σ. αὐ. (1 *a*)
I Es. 1. 58. ἕως τοῦ εὐδοκῆσαι τὴν γῆν τὰ σ. αὐ.
5. 52. καὶ μετὰ ταῦτα . . . θυσίας σαββάτων
Ne. 9. 14. τὸ σ. σου τὸ ἅγιον ἐγνώρισας αὐτοῖς (1 *a*)
10. 31 (32). ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. ἀποδόσθαι (1 *a*)
— 31 (32). οὐκ ἀγορῶμεν παρ' αὐτῶν ἐν σαββάτῳ (1 *a*)
— 33 (34). εἰς ὁλοκαύτωμα τοῦ ἐνδελεχισμοῦ τῶν σ. (1 *a*)
13. 15. εἶδον ἐν Ἰ. πατοῦντας ληνοὺς ἐν τῷ [A *om.*] σ. (1 *a*)
— 15. ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 *a*)
— 16. B S² καὶ πᾶσαν πρᾶσιν πωλοῦντες ἐν [A S¹ R *om.*] τῷ σ. (1 *a*)
— 17. καὶ βεβηλοῦτε τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 *a*)
— 18. βεβηλῶσαι τὸ σ. (1 *a*)
— 19. ἡνίκα κατέστησαν πύλαι ἐν Ἱερ. πρὸ τοῦ σ. (1 *a*)
— 19. ὥστε μὴ ἀνοιγῆναι αὐτὰς ἕως ὀπίσω τοῦ σ. (1 *a*)
— 19. ὥστε μὴ αἴρειν βαστάγματα ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 *a*)
— 21. οὐκ ἤλθοσαν ἐν σαββάτῳ (1 *a*)
— 22. ἁγιάζειν τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 *a*)
Ju. 8. 6. χωρὶς προσαββάτων καὶ σαββάτων [A¹ *om.* κ. σ.]
10. 2. ἐν ταῖς ἡμέραις τῶν σ.
Ps. 23 (24). *tit.* A R ψαλμὸς τῷ Δ. τῆς μιᾶς σαββάτου [B -ων, S *om.* τῆς μ. σ.] –
37 (38). *tit.* εἰς ἀνάμνησιν περὶ σαββάτου [A τοῦ σ.] –
47 (48). *tit.* δευτέρᾳ σαββάτου [A *al.*] –
91 (92). *tit.* εἰς τὴν ἡμέραν τοῦ σ. [S προσαββ.] (1 *a*)
92 (93). *tit.* A εἰς τὴν ἡμέραν τοῦ σ. [B S προσαββ.] –
93 (94). *tit.* B S τετράδι σαββάτων [A R -ου] –
Ho. 2. 11 (13). ἀποστρέψω . . . τὰ σ. αὐ. (1 *a*)
Am. 6. 3. καὶ ἐφαπτόμενοι σ. ψευδῶν †
8. 5. πότε διελεύσεται . . . τὰ σ. (1 *a*)
Is. 1. 13. τὰ σ. . . . οὐκ ἀνέχομαι (1 *a*)
56. 2. φυλάσσων τὰ σ. μὴ βεβηλοῦν (1 *a*)
— 4. ὅσοι ἂν φυλάξωνται τὰ σ. [S¹ προστάγματά] μου (1 *a*)
— 6. πάντας τοὺς φυλασσομένους τὰ σ. μου (1 *a*)
58. 13. ἐὰν ἀποστρέψῃς τὸν πόδα σου ἀπὸ τῶν σ. . . . καὶ καλέσεις τὰ σ. [S¹ τὸ σ.] τρυφερά (1 *a*, 1 *a*)
66. 23. ἔσται . . . σάββατον ἐκ σαββάτου (1 *a*, 1 *a*)
Je. 17. 21, 22 (A B S²). ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ. (1 *a*)
— 22. ἁγιάσατε τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1 *a*)

Je. 17. 24. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ. (1 a)
— 24. A B S² καὶ ἁγιάζειν τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1 a)
— 27. τοῦ ἁγιάζειν τὴν ἡμέραν τῶν σ. . . . ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ. (1 a, 1 a)
La. 2. 6. ἐπελάθετο κύριος ἃ ἐποίησεν ἐν Σιὼν ἑορτῆς καὶ σαββάτου (1 a)
Ez. 20. 12. τὰ σ. μου ἔδωκα αὐτοῖς (1 a)
— 13. τὰ σ. μου ἐβεβήλωσαν σφόδρα (1 a)
— 16. τὰ σ. μου ἐβεβήλουν (1 a)
— 20. τὰ σ. μου ἁγιάζετε (1 a)
— 21, 24. τὰ σ. μου ἐβεβήλουν (1 a)
22. 8. τὰ σ. μου ἐβεβήλουν ἐν σοι (1 a)
— 26. ἀπὸ τῶν σ. μου παρεκάλυπτον τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτῶν (1 a)
— 26. A τὰ σ. μου ἐβεβήλουν [B al.] –
23. 38. τὰ σ. μου ἐβεβήλουν (1 a)
44. 24. τὰ σ. μου ἁγιάσουσι (1 a)
45. 17. ἐν τοῖς σ. καὶ ἐν πάσαις ταῖς ἑορταῖς οἴκου Ἰσραήλ (1 a)
46. 1. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ. ἀνοιχθῇ (1 a)
— 3. ἐν τοῖς σ. καὶ ἐν ταῖς νουμηνίαις (1 a)
— 4, 12. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ. (1 a)
I Ma. 1. 39. τὰ σ. αὐ. εἰς ὀνειδισμόν [S¹ om. εἰς ὀν.]
— 43. ἐβεβήλωσαν τὸ σ. [A² ἁγίασμα]
— 45. καὶ βεβηλῶσαι σάββατα
2. 32. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ.
— 34. βεβηλῶσαι τὴν ἡμέραν τῶν σ.
— 38. ἀνέστησαν ἐπ᾽ αὐτοὺς ἐν τῷ πολέμῳ τοῖς [S¹ om.] σ.
— 41. τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ.
6. 49. σάββατον ἦν τῇ γῇ
9. 34, 43. τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ.
10. 34. πᾶσαι αἱ ἑορταὶ καὶ τὰ σ.
II Ma. 5. 25. ἕως τῆς ἁγίας ἡμέρας τοῦ σ.
8. 26. ἦν γὰρ ἡ πρὸ τοῦ σ. δίκη
— 27. περὶ τὸ σ. ἐγίνοντο περισσῶς εὐλογοῦντες
— 28. μετὰ δὲ τὸ σ.
12. 38. αὐτόθι τὸ σ. διῆγεν
15. 3. ἄγειν τὴν τῶν σ. ἡμέραν
[Aq. Le. 25. 2, 8: Ez. 20. 12.]
[Sm. Le. 25. 8.]
[Th. Le. 25. 8: IV Ki. 11. 9: Is. 58. 13: Ez. 22. 26†: Ho. 2. 11 (13).]
[Al. Le. 23. 3, 11, 15 bis, 16, 24, 39.]
[Quint. IV Ki. 11. 9.]

σαββείρ, σαβείρ. (1) צָבִי
Da. TH. 11. 16. A B στήσεται ἐν τῇ γῇ τοῦ σ. [R -εί] (1)
[Th. Da. 11. 16.]

σαβεί, σαβείν. (1) צָבִי
Da. TH. 11. 16. R στήσεται ἐν τῇ γῇ τοῦ σ. [A B -είρ] (1)
— 45. A εἰς ὄρος σ. [B -αεὶν] ἅγιον (1)
[Th. Da. 11. 16.]

σαβέκ. (1) סְבַךְ
Ge. 22. 13. κριὸς εἷς κατεχόμενος ἐν φυτῷ σ. (1)
[Th. Ge. 22. 13.]

σαγή.
II Ma. 3. 25. καλλίστῃ σ. διακεκοσμημένος

σαγήνη. (1) חֶרֶם (2) a. מִכְמֶרֶת b. מִכְמֹרֶת
Ec. 7. 27 (26). σαγῆναι καρδία αὐτῆς (1)
Hb. 1. 15. συνήγαγεν αὐτὸν ἐν ταῖς σ. αὐ. (2 a)
— 16. θύσει τῇ σ. [A τῷ ἀμφιβλήστρῳ] αὐ. (1)
— 16. A θυμιάσει τῇ σ. [B S τῷ ἀμφιβλήστρῳ] αὐ. (2 a)
Is. 19. 8. στενάξουσι . . . οἱ βάλλοντες σαγήνας (2 b)
Ez. 26. 5. ψυγμὸς σαγηνῶν ἔσται (1)
— 14. ψυγμὸς σαγηνῶν ἔσῃ (1)
47. 10. ψυγμὸς σαγηνῶν ἔσται (1)
[Sm. Ps. 9. 30 (10. 9): Ez. 12. 13.]

σάγμα. (1) כֹּר
Ge. 31. 34. ἐνέβαλεν αὐτὰ εἰς τὰ σ. τῆς καμήλου (1)

σάγος.
[Th. Jd. 4. 18.]

σαδδαΐ. (1) שַׁדַּי
Ez. 10. 5. ὡς φωνὴ θεοῦ σ. λαλοῦντος (1)
[Aq., Th. Ez. 1. 24.]
[Sm. Jb. 6. 4: Ez. 1. 24.]
[Heb. Jb. 6. 4.]

σαδημώθ. (1) שְׁדֵמוֹת
IV Ki. 23. 4. A R κατέκαυσεν αὐτὰ . . . ἐν σ. [B σαλ.] (1)

σαδηρώθ. (1) שְׁדֵרוֹת
IV Ki. 11. 8. R ὁ εἰσπορευόμενος εἰς τὰς σ. [A B al.] (1)
— 15. A ἐξαγάγετε αὐτὴν ἔσωθεν τὴν σ. [B al.] (1)

σαδίκ.
[Heb. Is. 26. 2.]

σαθρός. (1) רְקָבוֹן
Jb. 41. 18 (19). χαλκὸν δὲ ὥσπερ ξύλον σαθρόν (1)
Wi. 14. 1. τοῦ φέροντος αὐτὸν πλοίου [A ξύλου] σαθρότερον ξύλον ἐπιβοᾶται

σαθροῦν. (1) רָעַע
Jd. 10. 8. A ἐσάθρωσαν [B ἔθλιψαν] καὶ ἔθλασαν τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (1)

σακαχαρθαί.
IV Ki. 25. 17. B καὶ τὸ ὕψος τοῦ χωθὰρ τριῶν πήχεων σ. [A R al.] †

σάκκος. (1) שַׂק
Ge. 37. 34. ἐπέθετο σάκκον ἐπὶ τὴν ὀσφὺν αὐ. (1)
42. 25. ἀποδοῦναι τὸ ἀργ. ἑκάστου εἰς τὸν σ. αὐ. (1)
— 35. ἐν τῷ κατακενοῦν αὐτοὺς τοὺς σ. αὐ. (1)
— 35. ἦν ἑκάστου ὁ δεσμὸς τοῦ ἀργ. ἐν τῷ σ. αὐ. (1)
Le. 11. 32. ἀπὸ παντὸς σκεύους ξυλίνου . . . ἢ σάκκου (1)
Jo. 9. 4. λαβόντες σ. παλαιοὺς ἐπὶ τῶν ὤμων αὐ. (1)
II Ki. 3. 31. περιζώσασθε σάκκους (1)
21. 10. ἔλαβε Ῥ. . . . τὸν σ. (1)
III Ki. 20 (21). 16. περιεβάλετο σάκκον –
— 27. καὶ ἐζώσατο σάκκον (1)
— 27. B καὶ περιεβάλετο σάκκον (1)
21 (20). 31. ἐπιθώμεθα δὴ σάκκους (1)
— 32. περιεζώσαντο σάκκους (1)
IV Ki. 6. 30. εἶδεν ὁ λαὸς τὸν σ. (1)
19. 1. περιεβάλετο σάκκον (1)
— 2. ἀπέστειλεν . . . τοὺς πρεσβυτ. τῶν ἱ. περιβεβλημένους σάκκους (1)
I Ch. 21. 16. ἔπεσε Δ. καὶ οἱ πρεσβύτ. περιβεβλημένοι ἐν σάκκοις (1)
Ne. 9. 1. συνήχθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . . ἐν σάκκοις (1)
— 1. S¹ ἐχωρίσθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . . ἐν σάκκοις (1?)
Ju. 4. 10. ἐπέθεντο σάκκους ἐπὶ τὰς ὀσφύας αὐ.
— 11. ἐξέτειναν τοὺς σ. αὐ. κατὰ πρόσωπον κυρίου
— 11. τὸ θυσιαστήριον σάκκῳ περιέβαλον
— 14. σάκκους περιεζωσμένοι τὰς ὀσφύας αὐ.
8. 5. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὴν ὀσφὺν αὐ. σάκκον
— 31. S εἰς πλήρωσιν τῶν σ. [A B λάκκων] ἡμῶν
9. 1. ἐγύμνωσεν ὃν ἐνεδιδύσκετο σάκκον
10. 3. περιείλατο τὸν σ.
Es. 4. 1. ἐνεδύσατο σάκκον (1)
— 2. οὐ γὰρ ἦν αὐτῷ ἐξὸν . . . σάκκον ἔχοντι (1)
— 3. σάκκον καὶ σποδὸν ἔστρωσαν ἑαυτοῖς (1)
— 4. καὶ ἀφελέσθαι αὐτοῦ τὸν σ. (1)
Jb. 16. 16 (15). σάκκον ἔρραψαν [A -ιψαν] (1)
Ps. 29 (30). 11. διέρρηξας τὸν σ. μου (1)
34 (35). 13. ἐνεδυσάμην σάκκον (1)
68 (69). 11. ἐθέμην τὸ ἔνδυμά μου σάκκον (1)
Si. 25. 17. σκοτοῖ τὸ πρόσωπον αὐτῆς ὡς σάκκον [A S ἄρκος]
Am. 8. 10. ἀναβιβῶ ἐπὶ πᾶσαν ὀσφὺν σάκκον (1)
Jl. 1. 8. ὑπὲρ νύμφην περιεζωσμένην σάκκον (1)
— 13. ὑπνώσατε ἐν σάκκοις (1)
Jn. 3. 5. ἐνεδύσαντο σάκκους (1)
— 6. περιεβάλετο σάκκον (1)
— 8. περιεβάλοντο σάκκους (1)
Is. 3. 24. περιζώσῃ σάκκον [S¹ -οι] (1)
15. 3. περιζώσασθε σάκκους (1)
20. 2. ἄφελε τὸν σ. ἀπὸ τῆς ὀσφύος σου (1)
22. 12. ἐκάλεσε κύριος . . . ζῶσιν σάκκων (1)
32. 11. A S περιζώσασθε σάκκους [B om.] τὰς ὀσφύας –
37. 1. περιεβάλετο σάκκον (1)
— 2. τοὺς πρεσβυτέρους τῶν ἱερέων περιβεβλημένους σάκκους (1)
50. 3. ὡς σάκκον θήσω τὸ περιβόλαιον αὐτοῦ (1)
58. 5. σάκκον καὶ σποδὸν ὑποστρώσῃ (1)
Je. 4. 8. περιζώσασθε σάκκους (1)
Je. 6. 26. περίζωσαι σάκκον (1)
30 (49). 3. περιζώσασθε σάκκους (1)
31 (48). 37. ἐπὶ πάσης ὀσφύος σ. (1)
Ba. 4. 20. ἐνεδυσάμην δὲ σάκκον τῆς δεήσεώς μου
La. 2. 10. περιεζώσαντο σάκκους (1)
Ez. 7. 18. περιζώσονται σάκκους (1)
27. 31. A περιζῶνται σάκκον (1)
Da. LXX. 9. 3. ἐν νηστείαις καὶ σάκκῳ καὶ σποδῷ (1)
Da. TH. 9. 3. ἐν νηστείαις καὶ σάκκῳ (1)
I Ma. 2. 14. περιεβάλοντο σάκκους
3. 47. περιεβάλοντο σάκκους
II Ma. 3. 19. σάκκους κατὰ τὰς ὁδοὺς ἐπλήθυνον
10. 25. τὰς ὀσφύας σάκκοις ζώσαντες
[Aq. Ps. 34 (35). 13: 68 (69). 12.]
[Sm. Ge. 42. 27, 28: Ps. 34 (35). 13: 68 (69). 12.]
[Th. Ez. 27. 31.]

σακχώ.
I Ch. 28. 20. B καὶ σ. [A R ζ.] αὐ. καὶ τὰ ὑπερῷα –

σαλαμείν (-μίν).
Jo. 22. 29. θυσιαστήριον . . . ταῖς θυσίαις σ. –

σαλασία (-σεία). (1) שְׁלִשִׁיָּה
Je. 31 (48). 34. B ἔδωκαν . . . ἀγγελίαν σ. [A -ία σαλισία, S² ἀ. εἰς σαλισά] (1)

σαλαχώθ.
[Al. I Ch. 26. 16.]

σαλεύειν. (1) פָּעַשׁ a. qal. b. hithp. (2) זוּעַ (3) זָלַל ni. (4) חִיל, חוּל (5) חָפַז ni. (6) לָכַד (7) מוּג a. qal. b. hithp. (8) מוּד pil. (9) מוּט a. qal. b. ni. (10) מָסַס ni. (11) מָעַד (12) a. נוּד hi. b. נוּד pe. (13) נוּם (14) נוּעַ a. qal. b. ni. c. hi. (15) נָטָה (16) סוּר hi. (17) עָנָה pi. (18) פָּלַץ hithp. (19) צָעַן (20) רָגַז (21) רָחַף (22) רַעַל (23) רָעַם
Jd. 5. 5. ὄρη ἐσαλεύθησαν (3)
II Ki. 22. 37. οὐκ ἐσαλεύθησαν τὰ σκέλη μου (11)
IV Ki. 17. 20. καὶ ἐσάλευσεν αὐτούς (17)
21. 8. οὐ προσθήσω τοῦ σαλεῦσαι τὸν πόδα Ἰσρ. (12 a)
I Ch. 16. 30. καὶ μὴ σαλευθήτω (9 b)
II Ch. 33. 8. οὐ προσθήσω σαλεῦσαι τὸν πόδα Ἰσρ. (16)
Ju. 12. 16. A B ἐσαλεύθη ἡ ψυχὴ αὐ.
16. 15. ὄρη γὰρ . . . σαλευθήσεται [S¹ ἐσαλεύθησαν σ., S² ἐσ.]
Jb. 9. 6. οἱ δὲ στῦλοι αὐτῆς σαλεύονται (18)
28. 4. R ἐκ βροτῶν ἐσαλεύθησαν [ABS om.] (14 a)
41. 14 (15). οὐ σαλευθήσεται (9 b)
Ps. 9. 27 (10. 6). οὐ μὴ σαλευθῶ ἀπὸ γενεᾶς εἰς γενεὰν ἄνευ κακοῦ (9 b)
12 (13). 4. ἐὰν σαλευθῶ (9 b)
14 (15). 5. ὁ ποιῶν ταῦτα οὐ σαλευθήσεται (9 b)
15 (16). 8. ἐκ δεξιῶν μού ἐστιν ἵνα μὴ σαλευθῶ (9 b)
16 (17). 5. A S ἵνα μὴ σαλευθῶσιν [B -θῇ] τὰ διαβήματά μου (9 b)
17 (18). 7. ἐσαλεύθη . . . ἡ γῆ καὶ τὰ θεμέλια τῶν ὀρέων . . . ἐσαλεύθησαν (1 a, 1 b)
20 (21). 7. ἐν τῷ ἐλέει τοῦ ὑψίστου οὐ μὴ σαλευθῇ [S¹ -θῶ] (9 b)
25 (26). 1. ἐπὶ τῷ κυρίῳ ἐλπίζων οὐ μὴ σαλευθῶ [A S ἀσθενήσω] (11)
29 (30). 6. οὐ μὴ σαλευθῶ εἰς τὸν αἰῶνα (9 b)
32 (33). 8. ἀπ᾽ αὐτοῦ δὲ σαλευθήτωσαν †
35 (36). 11. χεὶρ ἁμαρτωλῶν μὴ σαλεύσαι [AS² -σει] με (12 a)
37 (38). 16. ἐν τῷ σαλευθῆναι πόδας μου (9 a)
45 (46). 5. ὁ θεὸς ἐν μέσῳ αὐτῆς οὐ σαλευθήσεται (9 b)
— 6. ἐσαλεύθη ἡ γῆ (7 a)
47 (48). 5. ἐταράχθησαν ἐσαλεύθησαν (5)
59 (60). 2. S R ὅτι ἐσαλεύθη [B -ησαν] (9 a)
61 (62). 2. οὐ μὴ σαλευθῶ ἐπὶ πλεῖον (9 b)
72 (73). 2. ἐμοῦ δὲ παρὰ μικρὸν ἐσαλεύθησαν οἱ πόδες (15)
76 (77). 18. ἐσαλεύθη . . . ἡ γῆ (20)
81 (82). 5. σαλευθήσονται [S² -ήτωσαν] πάντα τὰ θεμέλια τῆς γῆς (9 b)

Ps. 92 (93). 1. ἥτις οὐ σαλευθήσεται (9 b)
93 (94). 18. σεσάλευται ὁ πούς μου (9 a)
95 (96). 9. σαλευθήτω ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ πᾶσα ἡ γῆ (4)
— 10. ἥτις οὐ σαλευθήσεται (9 b)
— 11. σαλευθήτω ἡ θάλασσα (23)
96 (97). 4. ἐσαλεύθη ἡ γῆ (4)
97 (98). 7. σαλευθήτω ἡ θάλασσα (23)
98 (99). 1. σαλευθήτω ἡ γῆ (13)
106 (107). 27. ἐσαλεύθησαν ὡς ὁ μεθύων (14 a)
108 (109). 10. σαλευόμενοι μεταναστήτωσαν οἱ υἱοὶ αὐτοῦ (14 a)
— 25. ἐσάλευσαν κεφαλὰς αὐτῶν (14 c)
111 (112). 6. εἰς τὸν αἰῶνα οὐ σαλευθήσεται (9 b)
113 (114). 7. ἀπὸ προσώπου κυρίου ἐσαλεύθη ἡ γῆ (4)
124 (125). 1. οὐ σαλευθήσεται εἰς τὸν αἰῶνα (9 b)
Pr. 3. 26. ἐρείσει σὸν πόδα ἵνα μὴ σαλευθῇς (6)
Ec. 12. 3. ἢ ἐὰν σαλευθῶσι φύλακες τῆς οἰκίας (2)
Wi. 4. 4. ὑπὸ ἀνέμου σαλευθήσεται
— 19. σαλεύσει αὐτοὺς ἐκ θεμελίων
Si. 13. 21. πλούσιος σαλευόμενος στηρίζεται ὑπὸ φίλων
16. 18. ἄβυσσος καὶ γῆ σαλευθήσονται [S² -εύονται] ἐν τῇ ἐπισκοπῇ αὐτοῦ
26. 7. βοοζύγιον σαλευόμενον γυνὴ πονηρά
28. 14. γλῶσσα τρίτη πολλοὺς ἐσάλευσε
29. 18. ἐσάλευσεν αὐτοὺς ὡς κῦμα θαλάσσης
43. 16. ἐν ὀπτασίαις αὐτοῦ σαλευθήσεται [A S -σονται] ὄρη
48. 12. ἐν ἡμέραις αὐτοῦ οὐκ ἐσαλεύθη ὑπὸ ἄρχοντος
— 19. τότε ἐσαλεύθησαν καρδίαι καὶ χεῖρες αὐτῶν
Am. 8. 12. σαλευθήσονται [A -σεται] ὕδατα (14 a)
9. 5. ὁ ἐφαπτόμενος τῆς γῆς καὶ σαλεύων αὐτήν (7 a)
Mi. 1. 4. σαλευθήσεται τὰ ὄρη ὑποκάτωθεν αὐτοῦ (10)
Na. 1. 5. A B S² οἱ βουνοὶ ἐσαλεύθησαν (7 b)
3. 12. ἐὰν σαλευθῶσι (14 b)
Hb. 2. 16. καρδία σαλεύθητι [A S³ al.] †
3. 6. ἐσαλεύθη ἡ γῆ (8)
Za. 12. 2. ὡς πρόθυρα σαλευόμενα πᾶσι τοῖς λαοῖς κύκλῳ (22)
Is. 7. 2. ὃν τρόπον ἐν δρυμῷ ξύλον ὑπὸ πνεύματος σαλευθῇ (14 a)
33. 20. A¹ αἱ οὐ μὴ σαλευθῶσιν [A² B S σεισθ.] (19)
40. 20. καὶ ἵνα μὴ σαλεύηται (9 b)
Je. 23. 9. ἐσαλεύθη πάντα τὰ ὀστᾶ μου (21)
28 (51). 7. διὰ τοῦτο ἐσαλεύθησαν †
La. 4. 14. ἐσαλεύθησαν ἐγρήγοροι αὐτῆς (14 a)
— 15. ἀνήφθησαν καί γε ἐσαλεύθησαν (14 a)
Da. TH. 4. 11. σαλευθήτωσαν τὰ θηρία ὑποκάτωθεν αὐτοῦ (12 b)
I Ma. 4. 32. σαλευθήτωσαν τῇ συντριβῇ αὐ.
6. 8. καὶ ἐσαλεύθη σφόδρα
— 41. καὶ ἐσαλεύοντο
9. 13. S R ἐσαλεύθη ἡ γῆ ἀπὸ τῆς φωνῆς τῶν παρεμβ. [A al.]
[Aq. Ge. 4. 12: Ex. 20. 18: 28. 28: Nu. 32. 13: Ps. 58 (59). 16: Is. 7. 2: Je. 50 (27). 3: 51 (28). 58 bis.]
[Sm. Ge. 4. 12: Pr. 10. 30: 12. 3: Is. 14. 9: 54. 10.]
[Th. Ge. 4. 12, 16: I Ki. 1. 13: Jb. 28. 4: 41. 15: Pr. 10. 30: Is. 24. 20: 54. 10 bis: 64. 1 (63. 19): Je. 10. 10: Ez. 27. 28.]
[Quint. Ps. 45 (46). 3: 61 (62). 3.]
[Sext. Ps. 25 (26). 1.]
[Heb. Ge. 4. 12.]

σαλευτόν.

[Al. Dt. 6. 8: 11. 18.]

σαλημώθ.

IV Ki. 23. 4. κατέκαυσεν αὐτὰ . . . ἐν σ. [A R σαδ.] †

σαλισά, σαλισία. (1) שְׁלִישִׁיָּה

Je. 31 (48). 34. S³ ἀγγελίαν εἰς σαλισά [A σαλισία, B σαλασία] (1)

σάλος. (1) זַעַף (2) מוֹט (3) נִידָה (4) נָשְׂא (5) סְעָרָה

Ps. 54 (55). 22. οὐ δώσει εἰς τὸν αἰῶνα σάλον τῷ δικαίῳ (2)
65 (66). 9. καὶ μὴ δόντος εἰς σάλον τοὺς πόδας μου (2)
88 (89). 9. τὸν δὲ σ. τῶν κυμάτων αὐτῆς (4)
120 (121). 3. μὴ δῴης εἰς σάλον τὸν πόδα σου (2)
Si. 40. 5. θυμὸς καὶ ζῆλος καὶ ταραχὴ καὶ σάλος
Jn. 1. 15. ἔστη ἡ θάλασσα ἐκ τοῦ σάλου [A -ους] αὐ. (1)
Za. 9. 14. πορεύσεται ἐν σάλῳ ἀπειλῆς αὐ. (5)
La. 1. 8. εἰς σάλον ἐγένετο (3)
[Sm. Jb. 39. 24: Ps. 59 (60). 5: Je. 15. 4: Ez. 12. 18.]
[Th. Ps. 120 (121). 3: Is. 24. 20: 51. 17: Je. 29 (36). 18: Ez. 12. 18.]

σάλπιγξ. (1) חֲצֹצְרָה, חֲצֹצְרָה (2) יוֹבֵל (3) קֶרֶן (4) שׁוֹפָר (5) תְּקוּעַ (6) תְּרוּעָה

Ex. 19. 13. αἱ φωναὶ καὶ αἱ σ. καὶ ἡ νεφέλη (2)
— 16. φωνὴ τῆς σ. ἤχει μέγα (4)
— 19. ἐγίνοντο δὲ αἱ φωναὶ τῆς σ. προβαίνουσαι (4)
20. 18. πᾶς ὁ λαὸς ἑώρα . . . τὴν φωνὴν τῆς σ. (4)
Le. 23. 24. μνημόσυνον σαλπίγγων (6)
25. 9. διαγγελεῖτε σάλπιγγος φωνῇ (4)
— 9. διαγγελεῖτε σάλπιγγι (4)
Nu. 10. 2. ποίησον σεαυτῷ δύο σάλπιγγας (1)
— 8. σαλπιοῦσι ταῖς σ. (1)
— 9. σημανεῖτε [A σαλπιεῖτε] ταῖς σ. (1)
— 10. σαλπιεῖτε ταῖς σ. (1)
31. 6. καὶ αἱ σ. τῶν σημασιῶν (1)
Jo. 6. 4 (5). ὡς ἂν σαλπίσητε τῇ σ. (3+2+4)
— 7 (8). ἑπτὰ ἱερεῖς ἔχοντες ἑπτὰ σ. ἱερὰς (4+2)
— 12 (13). οἱ φέροντες τὰς σ. τὰς ἑπτά [A al.] (4+2)
— 13. οἱ ἱερεῖς ἐσάλπισαν ταῖς σ. (4)
— 19 (20). ἐσάλπισαν ταῖς [A τοῖς] σ. (4)
— 19 (20). ὡς δὲ ἤκουσεν ὁ λαὸς τῶν σ. [A al.] (4)
I Ki. 13. 3. B Σ. σάλπιγγι σαλπίζει (4)
II Ki. 2. 28. ἐσάλπισεν Ἰ. τῇ σ. (4)
6. 15. μετὰ κραυγῆς καὶ μετὰ φωνῆς σάλπιγγος (4)
IV Ki. 11. 14. οἱ ᾠδοὶ καὶ αἱ σ. πρὸς τὸν βασ. (1)
— 14. καὶ πᾶς ὁ λαὸς . . . σαλπίζων ἐν σάλπιγξι (1)
12. 13 (14). ἧλοι φιάλαι καὶ σάλπιγγες (1)
I Ch. 13. 8. ἐν κυμβάλοις καὶ ἐν σάλπιγξι (1)
15. 24. σαλπίζοντες ταῖς σ. (1)
— 28. ἀνάγοντες τὴν κιβωτὸν . . . ἐν σάλπιγξι (1)
16. 6. Βαν. καὶ Ὀζ. οἱ ἱερεῖς ἐν ταῖς σ. (1)
— 42. καὶ μετ' αὐτῶν σάλπιγγες (1)
II Ch. 5. 12. σαλπίζοντες ταῖς [A om.] σ. (1)
— 13. ὕψωσαν φωνὴν ἐν σάλπιγξι (1)
7. 6. οἱ ἱερεῖς σαλπίζοντες ταῖς σ. –
13. 12. μεθ' ἡμῶν . . . αἱ [A om.] σ. τῆς σημασίας (1)
— 14. οἱ ἱερεῖς ἐσάλπισαν ταῖς σ. (1)
15. 14. ὤμοσαν ἐν κυρίῳ . . . ἐν σάλπιγξι (1)
20. 28. εἰσῆλθον . . . ἐν σάλπιγξιν (1)
23. 13. ἐπὶ τῆς εἰσόδου οἱ ἄρχοντες καὶ αἱ σ. (1)
— 13. ἐσάλπισαν ταῖς [A ἐν] σ. (1)
29. 26. ἔστησαν . . . οἱ ἱερεῖς ταῖς σ. (1)
— 27. καὶ σάλπιγγες [A αἱ σ.] πρὸς τὰ ὄργανα Δ. (1)
— 28. καὶ σάλπιγγες [A αἱ σ.] σαλπίζουσαι (1)
I Es. 5. 59. ἔστησαν οἱ ἱερεῖς . . . μετὰ μουσικῶν καὶ σαλπίγγων
— 64. καὶ πολλοὶ διὰ σαλπίγγων
— 65. ὥστε τὸν λαὸν μὴ ἀκούειν τῶν σ.
— 66. ἐπιγνῶναι τίς ἡ φωνὴ τῶν σ.
II Es. 3. 10. ἔστησαν οἱ ἱερεῖς . . . ἐν σάλπιγξι (1)
Ne. 8. 15. ὅπως σημαίνωσι σάλπιγξιν †
12. 35. ἀπὸ υἱῶν τῶν ἱερέων ἐν [A om.] σάλπιγξι (1)
— 41. S² καὶ οἱ ἱερεῖς . . . ἐν σάλπιγξιν (1)
Jb. 39. 24. ἕως ἂν σημάνῃ σάλπιγξ (4)
— 25. σάλπιγγος δὲ σημαινούσης (4)
Ps. 46 (47). 5. κύριος ἐν φωνῇ σάλπιγγος (4)
80 (81). 3. σαλπίσατε ἐν νεομηνίᾳ σάλπιγγι (4)
97 (98). 6. ἐν σάλπιγξιν ἐλαταῖς καὶ φωνῇ σάλπιγγος κερατίνης (1, 4)
150. 3. αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν ἤχῳ σάλπιγγος (4)
Si. 50. 16. ἐν σάλπιγξιν ἐλαταῖς ἤχησαν
Ho. 5. 8. σαλπίσατε σάλπιγγι ἐπὶ τοὺς βουνούς (4)
Am. 2. 2. μετὰ φωνῆς σάλπιγγος (4)
3. 6. εἰ φωνήσει σάλπιγξ ἐν πόλει (4)
Jl. 2. 1, 15. σαλπίσατε σάλπιγγι ἐν Σιών (4)
Ze. 1. 16. ἡμέρα σάλπιγγος καὶ κραυγῆς (4)
Za. 9. 14. ἐν σάλπιγγι σαλπιεῖ (4)
Is. 18. 3. ὡς σάλπιγγος φωνὴ ἀκουστὸν ἔσται (4)
27. 13. σαλπιοῦσι [A add. ἐν] τῇ σ. τῇ μεγάλῃ (4)
58. 1. ὡς σάλπιγγι [A -γα, S -γος] ὕψωσον τὴν φωνήν σου (4)
Je. 4. 5. σημάνατε ἐπὶ τῆς γῆς σάλπιγγι (4)
— 19. φωνὴν σάλπιγγος ἤκουσεν ἡ ψυχή μου (4)
Je. 4. 21. ἀκούων φωνὴν σαλπίγγων (4)
6. 1. ἐν [A ἐκ] Θεκουὲ σημάνατε σάλπιγγι (4)
— 17. ἀκούσατε τῆς φωνῆς τῆς σ. (4)
28 (51). 27. σαλπίσατε ἐν ἔθνεσι σάλπιγγι (4)
49 (42). 14. φωνὴν σάλπιγγος οὐ μὴ ἀκούσωμεν (4)
Ez. 7. 14. σαλπίσατε ἐν σάλπιγγι (5)
33. 3. καὶ σαλπίσῃ τῇ σ. (4)
— 4. καὶ ἀκούσῃ ὁ ἀκούσας τὴν φωνὴν τῆς σ. (4)
— 5. τὴν φωνὴν τῆς σ. ἀκούσας οὐκ ἐφυλάξατο (4)
— 6. καὶ μὴ σημάνῃ [A add. τῷ λαῷ] τῇ σ. (4)
Da. LXX. 3. 5. ὅταν ἀκούσητε τῆς φωνῆς τῆς σ. (3)
— 7. ὅτε ἤκουσαν . . . τῆς φωνῆς τῆς σ. (3)
— 10. ὃς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς τῆς σ. (3)
— 15. ἅμα τῷ ἀκοῦσαι τῆς σ. (3)
Da. TH. 3. 5. ᾗ ἂν ὥρᾳ ἀκούσητε φωνῆς [A τῆς φ. τῆς] σάλπιγγος (3)
— 7. ὅταν ἤκουον οἱ λαοὶ τῆς φωνῆς τῆς σ. (3)
— 10. ὃς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς τῆς σ. (3)
— 15. ὡς ἂν ἀκούσητε τῆς φωνῆς τῆς σ. (3)
I Ma. 3. 54. ἐσάλπισαν ταῖς σ.
4. 40. ἐσάλπισαν ταῖς σ. τῶν σημασιῶν
5. 31. ἡ κραυγὴ τῆς πόλεως ἀνέβη . . . σάλπιγξι [S¹ ἡ σ., S² καὶ σάλπιγξ]
— 33. ἐσάλπισαν ταῖς σ.
— 33. S¹ καὶ ἐβόησαν ταῖς σ.
6. 33. καὶ ἐσάλπισαν ταῖς σ.
7. 45. ἐσάλπισαν ὀπίσω αὐτῶν ταῖς σ. τῶν σημασιῶν
9. 12. ἐφώνουν ταῖς σ.
— 13. ἐσάλπισαν . . . ταῖς σ.
16. 8. ἐσάλπισαν ταῖς σ.
II Ma. 15. 25. μετὰ σαλπίγγων καὶ παιάνων προσῆγον
[Sm. Jb. 39. 24: Je. 49 (30). 2.]
[Al. Ez. 21. 22 (27).]

σαλπίζειν. (1) חָצַר (2) רוּעַ hi. (3) תָּקַע

a. qal. *b.* ni.

Nu. 10. 3. B¹ σαλπίσεις [A B² R -ιεῖς] ἐν αὐταῖς (3 a)
— 4. ἐὰν δὲ ἐν μιᾷ σαλπίσωσι (3 a)
— 5. καὶ σαλπιεῖτε σημασίαν (3 a)
— 6. σαλπιεῖτε σημασίαν δευτέραν (3 a)
— 6. σαλπιεῖτε σημασίαν τρίτην –
— 6. σαλπιεῖτε σημασίαν τετάρτην –
— 6. σημασίᾳ σαλπιοῦσιν ἐν τῇ ἐξάρσει αὐ. (3 a)
— 7. σαλπιεῖτε καὶ οὐ σημασίᾳ (3 a)
— 8. σαλπιοῦσι ταῖς σάλπιγξι (3 a)
— 9. A σαλπιεῖτε [B σημανεῖτε] ταῖς σάλπιξι (2)
— 10. σαλπιεῖτε ταῖς σάλπιγξιν (3 a)
Jo. 6. 4. ὡς ἂν σαλπίσητε τῇ σάλπιγγι (3 a)
— 8 (9). καὶ οἱ ἱερεῖς . . . σαλπίζοντες (3 a)
— 13. οἱ ἱερεῖς ἐσάλπισαν ταῖς σάλπιγξι (3 a)
— 15 (16). ἐσάλπισαν οἱ ἱερεῖς (3 a)
— 19 (20). ἐσάλπισαν ταῖς σάλπιγξιν οἱ ἱερεῖς (3 a)
Jd. 3. 27: 6. 34. ἐσάλπισεν ἐν κερατίνῃ (3 a)
7. 18. σαλπιῶ ἐν τῇ κερατίνῃ (3 a)
— 18. πάντες μετ' ἐμοῦ σαλπιεῖτε (3 a)
— 19. ἐσάλπισαν ἐν ταῖς κερατίναις (3 a)
— 20. ἐσάλπισαν αἱ τρεῖς ἀρχαὶ ἐν ταῖς κερατίναις (3 a)
— 20. τὰς κερατίνας τοῦ σαλπίζειν (3 a)
— 22. ἐσάλπισαν ἐν ταῖς τριακοσίαις κερατίναις [A al.] (3 a)
I Ki. 13. 3. B Σ. σάλπιγγι σαλπίζει (3 a)
II Ki. 2. 28. ἐσάλπισεν Ἰ. τῇ σάλπιγγι (3 a)
18. 16. ἐσάλπισεν Ἰ. ἐν κερατίνῃ (3 a)
20. 1. ἐσάλπισε τῇ κερατίνῃ (3 a)
— 22. ἐσάλπισεν ἐν κερατίνῃ (3 a)
III Ki. 1. 34. σαλπίσατε κερατίνῃ (3 a)
— 39. ἐσάλπισε τῇ κερατίνῃ (3 a)
IV Ki. 9. 13. καὶ ἐσάλπισαν ἐν κερατίνῃ (3 a)
11. 14. καὶ πᾶς ὁ λαὸς . . . σαλπίζων ἐν σάλπιγξι (3 a)
I Ch. 15. 24. σαλπίζοντες ταῖς σάλπιγξιν (1)
II Ch. 5. 12. ἱερεῖς ἑκατὸν εἴκοσι σαλπίζοντες ταῖς σάλπιγξι (1)
— 13. ἐγένετο μία φωνὴ ἐν τῷ σαλπίζειν (1)
7. 6. καὶ οἱ ἱερεῖς σαλπίζοντες ταῖς σάλπιγξιν (1)
13. 14. οἱ ἱερεῖς ἐσάλπισαν ταῖς σάλπιγξι (1)
23. 13. ἐσάλπισαν ταῖς [A ἐν] σάλπιγξι (3 a)
29. 28. καὶ σάλπιγγες σαλπίζουσαι (1)
I Es. 5. 62. πᾶς ὁ λαὸς ἐσάλπισαν
— 65. ὁ γὰρ ὄχλος ἦν ὁ σαλπίζων μεγάλως

Ne. 4. 18 (12). καὶ ὁ σαλπίζων ἐν τῇ κερατίνῃ ἐχόμενα αὐτοῦ (3 a)
Ps. 80 (81). 3. σαλπίσατε ἐν νεομηνίᾳ σάλπιγγι (3 a)
Ho. 5. 8. σαλπίσατε σάλπιγγι (3 a)
Jl. 2. 1, 15. σαλπίσατε σάλπιγγι ἐν Σιών (3 a)
Za. 9. 14. ἐν σάλπιγγι σαλπιεῖ (3 a)
Is. 27. 13. σαλπιοῦσι τῇ σάλπιγγι τῇ μεγ. (3 b)
44. 23. σαλπίσατε τὰ θεμέλια τῆς γῆς (2)
Je. 28 (51). 27. σαλπίσατε ἐν ἔθνεσι [S¹ om. σ. ἐν ἔ.] σάλπιγγι (3 a)
Ez. 7. 14. σαλπίσατε ἐν σάλπιγγι (3 a)
33. 3. καὶ σαλπίσῃ [A -σει] τῇ σάλπιγγι (3 a)
I Ma. 3. 54. ἐσάλπισαν ταῖς σάλπιγξι
4. 13. ἐσάλπισαν οἱ παρὰ Ἰούδα
— 40. ἐσάλπισαν ταῖς σάλπιγξι τῶν σημασιῶν
5. 33. A ἐσάλπισεν [S R -σαν] ταῖς σάλπιγξι
6. 33. A R ἐσάλπισαν [S -εν] ταῖς σάλπιγξι
7. 45. A R ἐσάλπισαν [S -ιζον] ὀπίσω αὐτῶν
9. 13. ἐσάλπισαν . . . ταῖς σ.
16. 8. ἐσάλπισαν ταῖς σάλπιγξι
[Aq., Sm. Je. 6. 1.]

σαλπισμός.
[Th. Nu. 23. 21.]
[Al. Le. 23. 24.]

σαλώμ.
[Heb. Is. 26. 3 bis.]

σαμβύκη. (1) a. סַבְּכָא b. שַׁבְּכָא
Da. LXX. 3. 5. ὅταν ἀκούσητε τῆς φωνῆς . . . σαμβύκης (1 a)
— 7. ὅτε ἤκουσαν . . . τῆς φωνῆς . . . σαμβύκης (1 b)
— 10. ὃς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς . . . σαμβύκης (1 b)
— 15. ἅμα τῷ ἀκοῦσαι . . . σαμβύκης (1 b)
Da. TH. 3. 5. ἧ ἂν ὥρᾳ ἀκούσητε φωνῆς . . . σαμβύκης (1 a)
— 7. ὅταν ἤκουον οἱ λαοὶ τῆς φωνῆς . . . σαμβύκης (1 b)
— 10. ὃς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς . . . σαμβύκης (1 b)
— 15. ὡς ἂν ἀκούσητε τῆς φωνῆς . . . σαμβύκης (1 b)

σαμθέχ.
[Th. Is. 47. 2.]

σανδάλιον. (1) נַעַל
Jo. 9. 5. καὶ τὰ σ. αὐ. παλαιά (1)
Ju. 10. 4. ἔλαβε σανδάλια εἰς τοὺς πόδας αὐ.
16. 9. τὸ σ. αὐ. ἥρπασεν ὀφθαλμὸν αὐ.
Is. 20. 2. τὰ σ. σου ὑπόλυσαι ἀπὸ τῶν ποδῶν σου (1)

σανίδωμα.
III Ma. 4. 10. τῷ καθύπερθε πυκνῷ σ. διακειμένῳ

σανιδωτός. (1) לוּחַ
Ex. 27. 8. κοῖλον σανιδωτὸν ποιήσεις αὐτό (1)

σανίς. (1) דֶּלֶת (2) לוּחַ
IV Ki. 12. 9 (10). R ἔτρησε τρώγλην ἐπὶ τῆς σ. αὐ. [A B al.] (1)
Ca. 8. 9. διαγράψωμεν ἐπ' αὐτὴν σανίδα κεδρίνην (2)
Ez. 27. 5. ταινίαι σανίδων κυπαρίσσον [A -σίνων] ἐκ τοῦ Λιβάνου ἐλήφθησαν (2)
[Aq. Ex. 26. 15, 18: Ez. 27. 6.]
[Sm. Ex. 26. 15, 18: 35. 11: Ca. 8. 9: Ez. 27. 5.]
[Th. Ex. 26. 15, 18: 35. 11: 39. 33 (14).]

σαπρία. (1) בֹּאשׁ (2) רִמָּה
Jb. 2. 9. σύ τε αὐτὸς ἐν σαπρίᾳ σκωλήκων κάθησαι –
7. 5. φύρεται δέ μου τὸ σῶμα ἐν σαπρίᾳ σκωλήκων (2)
8. 16. ἐκ σαπρίας αὐτοῦ ὁ ῥάδαμνος αὐτοῦ ἐξελεύσεται †
17. 14. μητέρα δέ μου καὶ ἀδελφὴν σαπρίαν (2)
21. 26. σαπρία δὲ αὐτοὺς ἐκάλυψεν (2)
25. 6. ἄνθρωπος σαπρία καὶ υἱὸς ἀνθρώπου σκώληξ (2)
Jl. 2. 20. B ἀναβήσεται σαπρία [A² S R ἡ σ.] αὐ. (1)
Is. 28. 21. ἡ σ. [A S πικρία] αὐτοῦ ἀλλοτρία †
II Ma. 9. 9. A πᾶν τὸ στρατόπεδον βαρύνεσθαι τὴν σ. [R τῇ σ.]
[Aq. Is. 5. 2: Am. 4. 10.]

σαπρίζειν.
[Aq., Sm. Ex. 5. 21.]
[Al. IV Ki. 8. 11.]

σαπριοῦν. (1) בָּאַשׁ hi.
Ec. 10. 1. μυῖαι θανατοῦσαι σαπριοῦσι σκευασίαν ἐλαίου ἡδύσματος (1)

σαπρός.
[Sam. Le. 27. 14, 33.]

σάπφειρος. (1) סַפִּיר
Ex. 24. 10. ὡσεὶ ἔργον πλίνθου σαπφείρου [A -ος] (1)
28. 18 : 36. 18 (39. 11). ἄνθραξ καὶ σάπφειρος καὶ ἴασπις (1)
To. 13. 16. οἰκοδομηθήσεται Ἱερ. σαπφείρῳ [S al.]
Jb. 28. 6. τόπος σαπφείρου οἱ λίθοι αὐ. (1)
— 16. ἐν ὄνυχι τιμίῳ καὶ σαπφείρῳ (1)
Ca. 5. 14. πυξίον ἐλεφάντινον ἐπὶ λίθου σαπφείρου (1)
Is. 54. 11. ἑτοιμάζω . . . τὰ θεμέλιά σου σάπφειρον (1)
La. 4. 7. ὑπὲρ λίθους σαπφείρου τὸ ἀπόσπασμα αὐ. (1)
Ez. 1. 26. ὡς ὅρασις λίθου σαπφείρου (1)
9. 2. ζώνη σαπφείρου ἐπὶ τῆς ὀσφύος αὐ. †
10. 1. ὡς λίθος σαπφείρου ὁμοίωμα θρόνου (1)
28. 13. ἐνδέδεσαι . . . σάπφειρον καὶ ἴασπιν (1)
[Sm. La. 4. 7.]

σαράβαρα. (1) סַרְבָּלִין
Da. LXX. 3. 27 (94). τὰ σ. αὐ. οὐκ ἠλλοιώθησαν (1)
Da. TH. 3. 21. ἐπεδήθησαν σὺν τοῖς σ. αὐ. (1)
— 27 (94). τὰ σ. αὐ. οὐκ ἠλλοιώθη (1)
[Aq. Da. 3. 21.]
[Th. Da. 3. 21, 27 (94).]

σαραφεί, *cf.* σαρεφί, σεραφείν. (1) צְרָפִי
Ne. 3. 31. B Μελχεία υἱὸς τοῦ σαρ. [A S R al.] (1)

σαραφείν. (1) שְׂרָפִים
Is. 6. 6. S¹ ἀπεστάλην πρὸς μὲ ἓν τῶν σ. [A B S² al.] (1)

σάρδιον. (1) אֹדֶם (2) שֹׁהַם
Ex. 25. 6 (7). καὶ λίθους σαρδίου (2)
28. 17. σάρδιον τοπάζιον καὶ σμάραγδος (1)
35. 8 (9). οἴσουσι . . . λίθους σαρδίου (2)
36. 17 (39. 10). σάρδιον καὶ τοπάζιον καὶ σμάραγδος (1)
Pr. 25. 11. μῆλον χρυσοῦν ἐν ὁρμίσκῳ σαρδίου †
— 12. εἰς ἐνώτιον χρυσοῦν καὶ σάρδιον πολυτελὲς δέδεται †
Ez. 28. 13. ἐνδέδεσαι σ. καὶ τοπάζιον (1)
[Sam. Ex. 28. 9.]

σαρδονύχιον.
[Al. Jb. 28. 16.]

σαρεφί. (1) צְרָפִי
Ne. 3. 31. A R Μελχ. υἱὸς τοῦ σ. [B S al.] (1)

σαρημώθ. (1) שְׂרֵמוֹת
Je. 38 (31). 40. S¹ πάντες σ. ἕως νάχαλ Κεδρών [A B S² al.] (1*, †)

σάρκινος. (1) בָּשָׂר
II Ch. 32. 8. μετ' αὐτοῦ βραχίονες σ. (1)
Es. 4. 17. θαυμασθῆναι βασιλέα σάρκινον εἰς αἰῶνα
Pr. 24. 23 (29. 27). μάχαιρα γλῶσσα βασιλέως καὶ οὐ σαρκίνη –
Ez. 11. 19. δώσω αὐτοῖς καρδίαν σαρκίνην (1)
36. 26. δώσω ὑμῖν καρδίαν σαρκίνην (1)

σαρκοφαγεῖν.
IV Ma. 5. 26. τὰ δὲ ἐναντιωθησόμενα ἐκώλυσε σαρκοφαγεῖν

σαρκοφαγία.
IV Ma. 5. 7. διὰ τί γὰρ . . . τὴν τοῦδε τοῦ ζῴου σ. βδελύττῃ
— 14. ἐπὶ τὴν ἔκθεσμον σ. ἐποτρύνοντος τοῦ τυράννου

σάρξ. (1) a. בָּשָׂר b. בְּשַׂר (2) לְחוּם (3) שְׁאֵר
Ge. 2. 21. ἀνεπλήρωσε σάρκα ἀντ' αὐτῆς (1 a)
— 23. τοῦτο νῦν . . . σὰρξ ἐκ τῆς σ. μου (1 a, 1 a)
— 24. ἔσονται οἱ δύο εἰς σ. μίαν (1 a)
6. 3. διὰ τὸ εἶναι αὐτοὺς σάρκας (1 a)
Ge. 6. 12. κατέφθειρε πᾶσα σ. τὴν ὁδὸν αὐ. (1 a)
— 17. καταφθεῖραι πᾶσαν σ. (1 a)
— 19. ἀπὸ πάντων τῶν θηρίων καὶ ἀπὸ πάσης σ. (1 a)
7. 15. δύο δύο . . . ἀπὸ πάσης σ. (1 a)
— 16. τὰ εἰσπορευόμενα . . . ἀπὸ πάσης σ. εἰσῆλθεν (1 a)
— 21. ἀπέθανε πᾶσα σ. κινουμένη ἐπὶ τῆς γῆς (1 a)
8. 17. καὶ πᾶσα σ. ἀπὸ πετεινῶν ἕως κτηνῶν (1 a)
— 21. πατάξαι πᾶσαν σ. ζῶσαν –
9. 11. οὐκ ἀποθανεῖται πᾶσα σ. ἔτι (1 a)
— 15. ἀνὰ μέσον πάσης ψυχῆς ζώσης ἐν πάσῃ σ. (1 a)
— 15. ὥστε ἐξαλεῖψαι πᾶσαν σ. (1 a)
— 16. ἀνὰ μέσον π. ψυχῆς ζώσης ἐν πάσῃ σ. (1 a)
— 17. ἧς διεθέμην . . . ἀνὰ μέσον πάσης σ. (1 a)
17. 11. περιτμηθήσεσθε τὴν σ. τῆς ἀκροβυστίας ὑμῶν (1 a)
— 13. ἔσται ἡ διαθήκη μου ἐπὶ τῆς σ. ὑμῶν (1 a)
— 14. ὃς οὐ περιτμηθήσεται τὴν σ. τῆς ἀκροβυστίας αὐ. (1 a)
— 24. ἡνίκα περιέτεμε τὴν σ. τῆς ἀκροβυστίας αὐ. (1 a)
— 25. ἡνίκα περιετμήθη τὴν σ. τῆς ἀκροβυστίας αὐ. (1 a)
29. 14. ἐκ τῆς σ. μου εἶ σύ (1 a)
34. 24. περιετέμοντο τὴν σ. τῆς ἀκροβυστίας αὐ. –
37. 27. σὰρξ ἡμῶν ἐστιν (1 a)
40. 19. φάγεται τὰ ὄρνεα τοῦ οὐρ. τὰς σ. σου (1 a)
41. 2. καὶ ἐκλεκταὶ ταῖς σ. (1 a)
— 3, 4. καὶ λεπταὶ ταῖς σ. (1 a)
— 4. R καὶ τὰς ἐκλεκτὰς ταῖς σ. [A om. τ. σ.] –
— 18. καὶ ἐκλεκταὶ ταῖς σ. (1 a)
— 19. καὶ λεπταὶ ταῖς σ. (1 a)
Ex. 4. 7. ἀπεκατέστη εἰς τὴν χρόαν τῆς σ. αὐ. (1 a)
30. 32. ἐπὶ σάρκα ἀνθρώπου οὐ χρισθήσεται (1 a)
Le. 4. 11. καὶ πᾶσαν αὐτοῦ τὴν σ. (1 a)
12. 3. περιτεμεῖ τὴν σ. τῆς ἀκροβυστίας αὐ. (1 a)
13. 10. ἀπὸ τοῦ ὑγιοῦς τῆς σ. τῆς ζώσης (1 a)
— 18. σὰρξ ἐὰν γένηται ἐν τῷ δέρματι αὐ. ἕλκος (1 a)
— 24. σὰρξ ἐὰν γένηται ἐν τῷ δέρμ. αὐ. κατάκαυμα πυρός (1 a)
— 38. ἐὰν γένηται ἐν δέρματι τῆς σ. αὐ. αὔγασμα (1 a)
— 39. ἐν δέρματι τῆς σ. αὐ. αὐγάσματα (1 a)
— 39. ἐξανθεῖ ἐν τῷ δέρματι τῆς σ. αὐ. –
— 43. ὡς εἶδος λέπρας ἐν δέρματι τῆς σ. αὐ. (1 a)
17. 11, 14. ἡ γὰρ ψυχὴ πάσης σ. αἷμα αὐτοῦ ἐστι (1 a)
— 14. αἷμα πάσης σ. οὐ φάγεσθε (1 a)
— 14. ἡ ψυχὴ πάσης σ. αἷμα αὐτοῦ ἐστι (1 a)
18. 6. πρὸς πάντα οἰκεῖα σαρκὸς αὐ. (1 a)
21. 5. ἐπὶ τὰς σ. αὐ. οὐ κατατεμοῦσιν ἐντομίδας (1 a)
25. 49. ἢ ἀπὸ τῶν οἰκείων τῶν σ. αὐ. ἐκ τῆς φυλῆς [A add. τῆς σ.] αὐ. (1 a, [–])
26. 29. φάγεσθε τὰς σ. τῶν υἱῶν ὑμῶν (1 a)
— 29. καὶ τὰς σ. τῶν θυγ. ὑμῶν φάγεσθε (1 a)
Nu. 12. 12. κατεσθίει τὸ ἥμισυ τῶν σ. αὐ. (1 a)
16. 22. θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σ. (1 a)
18. 15. πᾶν διανοῖγον μήτραν ἀπὸ πάσης σ. (1 a)
27. 16. ὁ θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σ. (1 a)
De. 5. 26 (23). τίς γὰρ σὰρξ ἥτις ἤκουσε φωνήν (1 a)
28. 55. ὥστε δοῦναι ἑνὶ αὐτῶν ἀπὸ τῶν σ. τῶν τέκνων αὐ. (1 a)
Jd. 8. 7. ἀλοήσω [A καταξανῶ] τὰς σ. ὑμῶν (1 a)
9. 2. σὰρξ ὑμῶν εἰμι (1 a)
I Ki. 17. 44. δώσω τὰς σ. σου τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐρ. (1 a)
II Ki. 5. 1. ὀστᾶ σου καὶ σάρκες σου ἡμεῖς (1 a)
19. 12 (13). ὀστᾶ μου καὶ σάρκες μου ὑμεῖς (1 a)
— 13 (14). οὐχὶ ὀστοῦν μου καὶ σὰρξ μου σύ (1 a)
IV Ki. 4. 34. διεθερμάνθη ἡ σ. τοῦ παιδαρίου (1 a)
5. 10. ἐπιστρέψει ἡ σ. σού σοι (1 a)
— 14. ἐπέστρεψεν ἡ σ. αὐ. ὡς σὰρξ παιδαρίου μικροῦ (1 a, 1 a)
6. 30. εἶδεν ὁ λαὸς τὸν σάκκον ἐπὶ τῆς σ. αὐ. (1 a)
9. 36. καταφάγονται οἱ κύνες τὰς σ. Ἰεζ. (1 a)
I Ch. 11. 1. σάρκες σου ἡμεῖς (1 a)
Ne. 5. 5. ὡς σὰρξ ἀδελφῶν ἡμῶν σὰρξ ἡμῶν (1 a, 1 a)
Ju. 2. 3. ἔκρινον ὀλεθρεῦσαι πᾶσαν σ.
10. 13. οὐ διαφωνήσει τῶν ἀνδρῶν αὐ. σ. μία
14. 10. περιετέμετο τὴν σ. τῆς ἀκροβυστίας αὐ.
16. 17. δοῦναι . . . σκώληκας εἰς σάρκας αὐτῶν
Jb. 2. 5. ἅψαι τῶν ὀστῶν αὐτοῦ καὶ τῶν σ. αὐτοῦ (1 a)
4. 15. ἔφριξαν δέ μου τρίχες καὶ σάρκες (1 a)
6. 12. ἢ αἱ σ. μού εἰσι χάλκεαι (1 a)
13. 14. ἀναλαβὼν τὰς σ. μου τοῖς ὀδοῦσι (1 a)

Jb. 14. 22. αἱ σ. αὐτοῦ ἤλγησαν (1 a)
16. 19 (18). γῆ μὴ ἐπικαλύψῃς ἐφ' αἵματι τῆς [A om.] σ. μου –
19. 20. ἐν δέρματί μου ἐσάπησαν αἱ [A om.] σ. μου (1 a)
— 22. ἀπὸ δὲ σαρκῶν μου οὐκ ἐμπίπλασθε (1 a)
21. 6. ἔχουσι δέ μου τὰς σ. ὀδύναι (1 a)
31. 31. τίς ἂν δῴη ἡμῖν τῶν σ. αὐ. πλησθῆναι (1 a)
33. 21. ἕως ἂν σαπῶσιν αὐτοῦ αἱ σ. (1 a)
— 25. ἀπαλυνεῖ δὲ αὐτοῦ τὰς σ. (1 a)
34. 15. τελευτήσει πᾶσα σὰρξ ὁμοθυμαδόν (1 a)
41. 14 (15). σάρκες δὲ σώματος [S om.] αὐτοῦ κεκόλληνται †
Ps. 15 (16). 9. ἡ σ. μου κατασκηνώσει ἐπ' ἐλπίδι (1 a)
26 (27). 2. τοῦ φαγεῖν τὰς σ. μου (1 a)
27 (28). 7. ἀνέθαλεν ἡ σ. μου †
37 (38). 3, 7. οὐκ ἔστιν ἴασις ἐν [S¹ om.] τῇ σ. μου (1 a)
55 (56). 4. οὐ φοβηθήσομαι τί ποιήσει μοι σάρξ (1 a)
62 (63). 1. ποσαπλῶς σοι ἡ σ. μου (1 a)
64 (65). 2. πρὸς σὲ πᾶσα σὰρξ ἥξει (1 a)
72 (73). 26. ἐξέλιπεν ἡ καρδία μου καὶ ἡ σ. μου (3)
77 (78). 27. ἔβρεξεν ἐπ' αὐτοὺς ὡσεὶ χοῦν σάρκας (3)
— 39. ἐμνήσθη ὅτι σάρξ εἰσι (1 a)
78 (79). 2. τὰς σ. τῶν ὁσίων σου τοῖς θηρίοις τῆς γῆς (1 a)
83 (84). 2. ἡ καρδία μου καὶ ἡ σ. μου ἠγαλλιάσαντο ἐπὶ θεὸν ζῶντα (1 a)
101 (102). 5. ἐκολλήθη τὸ ὀστοῦν μου τῇ σ. μου (1 a)
108 (109). 24. ἡ σ. μου ἠλλοιώθη δι' ἔλαιον (1 a)
118 (119). 120. καθήλωσον ἐκ τοῦ φόβου σου τὰς σ. μου (1 a)
135 (136). 25. ὁ διδοὺς τροφὴν πάσῃ σαρκί (1 a)
144 (145). 21. εὐλογείτω πᾶσα σ. τὸ ὄνομα τὸ ἅγιον αὐτοῦ (1 a)
Pr. 3. 22. ἔσται δὲ ἴασις ταῖς σ. σου –
4. 22. καὶ πάσῃ σαρκὶ [A S² σ. αὐτοῦ] ἴασις (1 a)
5. 11. ἡνίκα ἂν κατατριβῶσι σάρκες σώματός σου (1 a)
26. 10. πολλὰ χειμάζεται πᾶσα σὰρξ ἀφρόνων –
Ec. 2. 3. εἰ ἡ καρδία μου ἑλκύσει ὡς οἶνον τὴν σ. μου (1 a)
4. 5. καὶ ἔφαγε τὰς σ. αὐτοῦ (1 a)
5. 5. τοῦ ἐξαμαρτῆσαι τὴν σ. σου (1 a)
11. 10. πάραγε πονηρίαν ἀπὸ σαρκός σου (1 a)
12. 12. μελέτη πολλὴ κόπωσις σαρκός (1 a)
Wi. 7. 2. ἐν κοιλίᾳ μητρὸς ἐγλύφην σάρξ
12. 5. σπλαγχνοφάγων ἀνθρωπίνων σαρκῶν
19. 21. οὐκ ἐμάραναν σάρκας ἐμπεριπατούντων
Si. 1. 10. μετὰ πάσης σαρκὸς κατὰ τὴν δόσιν αὐτοῦ
13. 16. πᾶσα σὰρξ κατὰ γένος συνάγεται
14. 17. πᾶσα σὰρξ ὡς ἱμάτιον παλαιοῦται
— 18. οὕτως γενεὰ σαρκὸς καὶ αἵματος
17. 4. ἔθηκε τὸν φόβον αὐτοῦ ἐπὶ πάσης σαρκός
— 31. πονηρὸς ἐνθυμηθήσεται σάρκα [A B² al.]
18. 13. ἔλεος δὲ κυρίου ἐπὶ πᾶσαν σάρκα
19. 12. βελὸς πεπηγὸς ἐν μηρῷ σαρκός
23. 16. ἄνθρωπος πόρνος ἐν σώματι σαρκὸς αὐτοῦ
25. 26. ἀπὸ τῶν σ. σου ἀπότεμε αὐτήν
28. 5. αὐτὸς σὰρξ ὢν διατηρεῖ μῆνιν
30. 29 (33. 20). μὴ ἀλλάξῃς σεαυτὸν πάσῃ [A S² ἐν π.] σαρκί
— 38 (33. 29). μὴ περισσεύσῃς ἐν [A S ἐπὶ] πάσῃ σαρκί
34 (31). 1. ἀγρυπνία πλούτου ἐκτήκει σάρκας
38. 28. ἀτμὶς πυρὸς πήξει [A S τήξει] σάρκας αὐτοῦ
39. 19. ἔργα πάσης σαρκὸς ἐνώπιον αὐτοῦ
40. 8. μετὰ πάσης σαρκὸς ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους
41. 3. τοῦτο τὸ κρίμα παρὰ κυρίου πάσῃ σαρκί
44. 18. ἵνα μὴ ἐξαλειφθῇ κατακλυσμῷ [A om.] πᾶσα σάρξ
— 20. ἐν σαρκὶ αὐτοῦ ἔστησε [S ἐζήτησεν] διαθήκην
— 27. ἐν ὀφθαλμοῖς πάσης σαρκός
45. 4. ἐξελέξατο αὐτὸν ἐκ πάσης σαρκός
46. 19. ἕως ὑποδημάτων ἀπὸ πάσης σαρκὸς οὐκ εἴληφα
Ho. 9. 12. σάρξ μου ἐξ αὐτῶν †
Mi. 3. 2. ἁρπάζοντες . . . τὰς σ. αὐ. ἀπὸ τῶν ὀστέων αὐ. (3)
— 3. ὃν τρόπον κατέφαγον τὰς σ. τοῦ λαοῦ μου (3)
— 3. ἐμέλισαν ὡς σάρκας εἰς λέβητα †
Jl. 2. 28 (3. 1). ἐκχεῶ ἀπὸ τοῦ πνεύματός μου ἐπὶ πᾶσαν σ. (1 a)
Ze. 1. 17. ἐκχεεῖ . . . τὰς σ. αὐ. ὡς βόλβιτα (2)
Za. 2. 13 (17). εὐλαβείσθω πᾶσα σ. ἀπὸ προσώπου κυρίου (1 a)
Za. 11. 9. κατεσθιέτωσαν ἕκαστος τὰς σ. τοῦ πλησίον αὐ. (1 a)
14. 12. τακήσονται αἱ [S¹ om.] σ. αὐ. (1 a)
Is. 9. 20 (19). ἔσθων τὰς σ. τοῦ βραχίονος αὐ. (1 a)
10. 18. καταφάγεται ἀπὸ ψυχῆς ἕως σαρκῶν (1 a)
31. 3. ἵππων σάρκας καὶ οὐκ ἔστι βοήθεια (1 a)
40. 5. ὄψεται πᾶσα σ. τὸ σωτήριον τοῦ θεοῦ (1 a)
— 6. πᾶσα σ. χόρτος (1 a)
49. 26. φάγονται οἱ θλίψαντές σε τὰς σ. αὐ. . . . καὶ αἰσθανθήσεται πᾶσα σ. (1 a, 1 a)
66. 16. καὶ ἐν τῇ ῥομφαίᾳ αὐτοῦ πᾶσα σ. (1 a)
— 23. ἥξει πᾶσα σ. τοῦ προσκυνῆσαι (1 a)
— 24. ἔσονται εἰς ὅρασιν πάσῃ σαρκί (1 a)
Je. 9. 26 (25). πάντα τὰ ἔθνη ἀπερίτμητα σαρκί –
12. 12. οὐκ ἔστιν εἰρήνη πάσῃ σαρκί (1 a)
17. 5. στηρίσει σάρκα [S²-as] βραχίονος αὐτοῦ ἐπ' αὐτόν (1 a)
19. 9. ἔδονται τὰς σ. τῶν υἱῶν αὐτῶν καὶ τὰς σ. τῶν θυγατέρων αὐτῶν καὶ ἕκαστος τὰς σ. τοῦ πλησίον αὐτοῦ ἔδονται (1 a ter)
32 (25). 31. κρίνεται αὐτὸς πρὸς πᾶσαν σ. (1 a)
39 (32). 27. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς πάσης σαρκός (1 a)
51. 35 (45. 5). ἐπάγω κακὰ ἐπὶ πᾶσαν σάρκα (1 a)
Ba. 2. 3. τοῦ φαγεῖν ἡμᾶς ἄνθρωπον σάρκας υἱοῦ αὐτοῦ καὶ ἄνθρωπον σάρκας θυγατρὸς αὐτοῦ
La. 3. 4. ἐπαλαίωσε σάρκα [A τὰς σ.] μου (1 a)
Ez. 11. 19. ἐκσπάσω τὴν καρδίαν τὴν λιθίνην ἐκ τῆς σ. αὐτῶν (1 a)
20. 48 (21. 4). A B ἐπιγνώσεται [B -σονται] πᾶσα σ. (1 a)
21. 4 (9). ἐξελεύσεται τὸ ἐγχειρίδιόν μου . . . ἐπὶ πᾶσαν σάρκα (1 a)
— 5 (10). ἐπιγνώσεται πᾶσα σ. (1 a)
— 7 (12). ἐκψύξει πᾶσα σ. –
23. 20. ὡς ὄνων αἱ σ. αὐτῶν (1 a)
32. 5. δώσω τὰς σ. σου ἐπὶ τὰ ὄρη (1 a)
36. 26. ἀφελῶ τὴν καρδίαν τὴν λιθίνην ἐκ τῆς σ. ὑμῶν (1 a)
37. 6. ἀνάξω ἐφ' ὑμᾶς σάρκας (1 a)
— 8. νεῦρα καὶ σάρκες ἐφύοντο [A ἀνεφ.] (1 a)
44. 7. τοῦ εἰσαγαγεῖν ὑμᾶς υἱοὺς ἀλλογενεῖς . . . ἀπεριτμήτους σαρκὶ . . . ἐν τῷ προσφέρειν ὑμᾶς ἄρτους [A add. μου καὶ] σάρκας καὶ αἷμα (1 a, †)
— 9. ἀλλογενὴς . . . ἀπερίτμητος σαρκὶ οὐκ εἰσελεύσεται (1 a)
Da. LXX. 2. 11. οὗ οὐκ ἔστι κατοικητήριον μετὰ πάσης σ. (1 b)
4. 31. ἠλλοιώθη ἡ σ. μου –
7. 5. κατάφαγε σ. πολλάς (1 b)
Bel 4. καὶ ἔχοντα πάσης σ. κυρείαν
Da. TH. 1. 15. ὡράθησαν αἱ ἰδέαι αὐ. . . . ἰσχυραὶ ταῖς σ. (1 a)
2. 11. ὧν οὐκ ἔστιν ἡ κατοικία μετὰ πάσης σ. (1 b)
4. 9. ἐξ αὐτοῦ ἐτρέφετο πᾶσα σ. (1 b)
7. 5. φάγε σ. πολλάς (1 b)
Bel 5. καὶ ἔχοντα πάσης σ. κυρείαν
I Ma. 7. 17. σάρκας [S¹ κρέας] ὁσίων σου . . . ἐξέχεαν
II Ma. 9. 9. ὥστε . . . τὰς σ. αὐ. διαπίπτειν
IV Ma. 6. 6. ἀπεξαίνετο ταῖς μάστιξι τὰς σ.
7. 13. καὶ περικεχαλασμένων δὲ τῶν σ.
— 18. κρατεῖν τῶν τῆς σ. παθῶν
9. 17. πυροῦτε τὰς σ.
— 20. περὶ τοὺς ἄξονας τοῦ ὀργάνου περιέρρεον αἱ σ.
— 28. τὴν σ. πᾶσαν . . . οἱ παρδάλειοι θῆρες ἀπέσυραν
10. 8. ἑώρα τὰς ἑαυτοῦ σ. περιλακιζομένας
15. 15. τὰς σ. τῶν τέκνων ἑώρα περὶ τὸ πῦρ τηκομένας
— 15. τὰς τῶν κεφ. μέχρι τῶν περὶ τὰ γένεια σ.
— 20. ἐπὶ σαρξὶ τέκνων ὁρῶσα σάρκας τέκνων ἀποκεκομμένας [S³ -καιομ.]

[Aq. Ps. 62 (63). 2 : 118 (119). 120 : Is. 31. 3 : 58. 7 : Ez. 10. 12 : 23. 20.]
[Sm. Ge. 41. 2 : Le. 17. 14 : Jb. 39. 30 : Ps. 26 (27). 2 : 62 (63). 2 : 108 (109). 24 : 118 (119). 120 : Is. 10. 18 : 31. 3 : 58. 7 : Ez. 10. 12 : 23. 20.]
[Th. Jb. 31. 31 : Ps. 62 (63). 2 : Is. 31. 3 : 58. 7 : Ez. 10. 12 : 23. 20 : Da. 1. 15.]
[Al. Le. 6. 10 (3) : 13. 3, 10, 15, 24 : 15. 7 : 17. 11 : 20. 19.]

σασών.

[Heb. Ps. 44 (45). 9.]

σατάν. (1) שָׂטָן

III Ki. 11. 14. ἤγειρε κύριος σ. τῷ Σαλ. (1)
— 14 (25). B ἦσαν σ. τῷ Ἰσρ. [A al.] (1)
— 23. A ἤγειρε κ. σ. τῷ Σ. (1)

[Aq. Nu. 22. 22 : I Ki. 29. 4 : Jb. 1. 6 : Za. 3. 1.]
[Sm., Th. I Ki. 29. 4 : Za. 3. 1.]
[Heb. Nu. 22. 22.]

σαταν̂ή.

[Th. Le. 19. 19.]

σάτον.

Hg. 2. 17 (16). ὅτε ἐνεβάλλετε εἰς κυψέλην κριθῆς εἴκοσι σάτα –
— 17 (16). καὶ ἐγένετο κριθῆς δέκα σάτα –

[Aq. Ge. 18. 6 : I Ki. 25. 18 : Is. 27. 8 *bis.*]
[Sm. Ge. 18. 6 : Is. 27. 8 *bis.*]
[Al. Le. 5. 11 : 6. 20 (13).]

σατραπεία (-πία). (1) מְדִינָה (2) סָתְרָן

Jo. 13. 3. προσλογίζεται ταῖς πέντε σ. τῶν Φ. (2)
Jd. 3. 3. τὰς πέντε σ. τῶν ἀλλοφύλων (2)
16. 18. A ἀνέβησαν πρὸς αὐτὴν πᾶσαι αἱ σ. [B al.] (2)
I Ki. 6. 18. A κατ' ἀριθμὸν πασῶν τῶν πόλεων τῶν ἀλλοφ. τῶν πέντε σ. [B -πῶν] (2)
I Es. 3. 2. ἐν ταῖς ἑκατὸν εἴκοσι ἑπτὰ σατραπείαις (1)
Es. 8. 9. ἐγράφη . . . ἑκατὸν εἴκοσι ἑπτὰ σατραπείαις (1)
— 13. τοῖς . . . ἑκατὸν εἴκοσι ἑπτὰ σατραπείαις [S¹ -ραις] χωρῶν ἄρχουσι
II Ma. 9. 25. ἀνατρέχων εἰς τὰς ἐπάνω σ.

σατράπης. (1) אֲחַשְׁדַּרְפְּנִין (2) סָגָן (3) סָרָן (4) פֶּחָה (5) רָזָן (6) שַׂר

Jd. 5. 3. ἐνωτίσασθε, σατράπαι (5)
16. 5. A ἀνέβησαν πρὸς αὐτὴν οἱ σ. [B ἄρχοντες] (3)
— 8. A ἀνήνεγκαν αὐτῇ οἱ σ. [B ἄρχοντες] . . . ἑπτὰ νευράς (3)
— 18. A ἀπέστειλεν πάντας τοὺς σ. [B al.] (3)
— 23. A οἱ σ. [B ἄρχοντες] τῶν ἀλλοφύλων συνήχθησαν (3)
— 27. A καὶ ἐκεῖ πάντες οἱ σ. [B ἄρχοντες] τῶν ἀλλοφ. (3)
— 30. A ἔπεσεν ὁ οἶκος ἐπὶ τοὺς σ. [B ἄρχοντας] (3)
I Ki. 5. 8. συνάγουσι τοὺς [A τοὺς πάντας] σ. τῶν ἀλλοφ. (3)
— 11. συνάγουσι τοὺς [A πάντας τοὺς] σ. τῶν ἀλλοφ. (3)
6. 5 (4). κατ' ἀριθμὸν τῶν σ. τῶν ἀλλοφύλων (3)
— 12. οἱ σ. τῶν ἀλλοφ. ἐπορεύοντο ὀπίσω αὐτῆς (3)
— 16. καὶ οἱ πέντε σ. τῶν ἀλλοφ. ἑώρων (3)
— 18. κατ' ἀριθμὸν πασῶν πόλεων τῶν ἀλλοφ. τῶν πέντε σ. [A -πιῶν] (3)
7. 7. ἀνέβησαν σατράπαι ἀλλοφύλων ἐπὶ Ἰσρ. (3)
29. 2. σατράπαι τῶν ἀλλοφύλων παρεπορεύοντο (3)
— 3. εἶπον οἱ σ. τῶν ἀλλοφύλων (6)
— 6. ἐν ὀφθαλμοῖς τῶν σ. (3)
— 7. ἐν ὀφθαλμοῖς τῶν σ. τῶν ἀλλοφύλων (3)
— 9. οἱ σ. τῶν ἀλλοφύλων λέγουσιν (6)
III Ki. 10. 15. καὶ τῶν σ. τῆς γῆς (4)
21 (20). 24. θοῦ ἀντ' αὐτῶν σατράπας (4)
II Ch. 9. 14. πλὴν . . . σατραπῶν τῆς γῆς (4)
I Es. 3. 2. ἐποίησε δοχὴν μεγάλην . . . πᾶσι τοῖς σ.
— 14. ἐκάλεσε πάντας τοὺς . . . σατράπας
— 21. οὐ μέμνηται βασιλέα οὐδὲ σατράπην
4. 47. πρὸς πάντας τοὺς οἰκονόμους . . . καὶ σ.
— 49. πάντα δυνατὸν καὶ σ. . . . μὴ ἐπελεύσεσθαι
Ju. 2. 14. S¹ ἐκάλεσε . . . τοὺς σ. [A B S² al.]
5. 2. A B καὶ πάντας σ. τῆς παραλίας
Es. 1. 3. δοχὴν ἐποίησε . . . τοῖς ἄρχουσι τῶν σ. †
8. 9. ὅσα ἐνετείλατο . . . τοῖς ἄρχουσι τῶν σ. (4 ?)
— 9. R ἑκατὸν εἴκοσι ἑπτὰ σατράπαις [A B S -πείαις] κατὰ χώραν καὶ χώραν †
— 13. S¹ τοῖς . . . ἑκατὸν εἴκοσι ἑπτὰ σατράπαις [A B S² -πείαις] χωρῶν ἄρχουσι
— 13. A S² καὶ σατράπαις [B S¹ om.] τοῖς τὰ ἡμέτερα φρονοῦσι
9. 3. οἱ γὰρ ἄρχοντες τῶν σ. †
Da. LXX. 3. 2. ἐπισυναγαγεῖν . . . σατράπας στρατηγούς (1)

Da. LXX. 6. 1 (2). κατέστησε σατράπας . . . ἐπὶ πάσης τῆς βασ. αὐ. (1)
— 3 (4). καταστῆσαι . . . σατράπας ἑκατὸν εἴκοσι ἑπτά (1 ?)
— 14 (15). ἐξελέσθαι αὐτὸν . . . ἀπὸ τῶν χειρῶν τῶν σ. –
— 19 (20). παρέλαβε μεθ' ἑαυτοῦ τοὺς σ. –
Da. TH. 2. 48. κατέστησεν αὐτὸν . . . ἄρχοντα σατραπῶν (2)
3. 27 (94). συνάγονται οἱ σ. (1)
6. 1 (2). κατέστησεν . . . σατράπας ἑκατὸν εἴκοσι (1)
— 2 (3). τοῦ ἀποδιδόναι αὐτοῖς τοὺς σ. λόγον (1)
— 4 (5). οἱ σ. ἐζήτουν πρόφασιν εὑρεῖν (1)
— 6 (7). οἱ σ. παρέστησαν τῷ βασ. (1)
— 7 (8). συνεβουλεύσαντο πάντες . . . σατράπαι (1)
[Th. DA. 2. 48: 6. 3†.]

σαυλασαῦ.
[Heb. Is. 28. 13 *bis*.]

σαῦρα. (1) חֹמֶץ
Le. 11. 30. καλαβώτης καὶ σαῦρα καὶ ἀσπάλαξ (1)

σαυτοῦ, *vid.* σεαυτοῦ.

σαφής.
Wi. 7. 22. ἔστι γὰρ ἐν [A *om.*] αὐτῇ πνεῦμα . . . σαφές
Da. LXX., TH. Su. 48. οὐδὲ τὸ σ. ἐπεγνόντες
II Ma. 12. 40. τοῖς δὲ πᾶσι σαφὲς ἐγένετο
IV Ma. 3. 6. ἔστι γοῦν τοῦτο . . . σαφέστερον ἐπιλογίσασθαι

σαφούν.
[Heb. Ps. 47 (48). 3.]

σαφφώθ (σαφώθ). (1) סִפִּים (2) שְׂפוֹת
II Ki. 17. 29. ἤνεγκαν . . . σαφφὼθ βοῶν (2)
Je. 52. 19. A B S τὰ [S R τὰς] σ. [R ἀπφ.] καὶ τὰς μασμαρώθ (1)

σαφῶς. (1) בָּאַר pi. (2) כּוּן ni.
De. 13. 14 (15). B ἀληθῶς [A R -ὴς] σ. ὁ λόγος (2)
27. 8. γράψεις . . . πάντα τὸν νόμον τ. σ. σφόδρα (1)
Hb. 2. 2. γράψον ὅρασιν καὶ σ. εἰς πυξίον (1)
II Ma. 4. 33. σ. ἐπεγνωκὼς ὁ Ὀ.
III Ma. 4. 20. συνέβη σ. αὐτὸν περὶ τούτου πιστωθῆναι

σαχών (AR), **σαχώχ** (B).
II Es. 8. 18. ἀνὴρ σ. ἀπὸ υἱῶν M. †

σαών. (1) שָׁאוֹן
Je. 26 (46). 17. σ. ἐσβεὶ ἐμω. (1)
[Aq. Je. 46 (26). 17.]
[Th. Je. 48 (31). 45.]

σβεννύναι. (1) דָּעַךְ (2) כָּבָה *a.* qal. *b.* pi. (3) נָכָא ni.
Le. 6. 9 (2). οὐ σβεσθήσεται –
— 12 (5). καὶ οὐ σβεσθήσεται (2 *a*)
— 13 (6). οὐ σβεσθήσεται (2 *a*)
II Ki. 14. 7. σβέσουσι τὸν ἄνθρακά μου (2 *b*)
21. 17. οὐ μὴ σβέσῃς τὸν λύχνον Ἰσρ. (2 *b*)
IV Ki. 22. 17. καὶ οὐ σβεσθήσεται (2 *a*)
II Ch. 29. 7. ἔσβεσαν τοὺς λύχνους (2 *b*)
34. 25. καὶ οὐ σβεσθήσεται (2 *a*)
Es. 4. 17. καὶ σβέσαι δόξαν οἴκου σου
Jb. 4. 10. γαυρίαμα δὲ δρακόντων ἐσβέσθη †
16. 16 (15). τὸ δὲ σθένος μου ἐν γῇ ἐσβέσθη [A εἰς γῆν ἔσβεσαν] †
18. 5. φῶς ἀσεβῶν σβεσθήσεται (1)
— 6. ὁ δὲ λύχνος ἐπ' αὐτῷ σβεσθήσεται (1)
21. 17. ἀσεβῶν λύχνος σβεσθήσεται [S¹ οὐ σβ.] (1)
30. 8. κλέος ἐσβεσμένον [S¹ -ων] ἀπὸ [A ἐπὶ] γῆς (3)
34. 26. ἔσβεσε δὲ ἀσεβεῖς †
40. 7 (12). ὑπερήφανον δὲ σβέσον †
Pr. 10. 7. ὄνομα δὲ ἀσεβοῦς σβέννυται †
13. 9. φῶς δὲ ἀσεβῶν σβέννυται (1)
20. 20. κακολογοῦντος πατέρα ἢ μητέρα σβεσθήσεται λαμπτήρ (1)
24. 20. λαμπτὴρ δὲ ἀσεβῶν σβεσθήσεται (1)
Ca. 8. 7. ὕδωρ πολὺ οὐ δυνήσεται σβέσαι τὴν ἀγάπην (2 *b*)
Wi. 2. 3. οὗ σβεσθέντος τέφρα ἀποβήσεται τὸ σῶμα
16. 17. ἐν τῷ πάντα σβεννύντι ὕδατι
Si. 23. 16. οὐ μὴ σβεσθῇ ἕως ἂν καταποθῇ
28. 12. ἐὰν πτύσῃς ἐπ' [A εἰς] αὐτὸν σβεσθήσεται
— 23. καὶ οὐ μὴ σβεσθῇ
Am. 5. 6. οὐκ ἔσται ὁ σβέσων τῷ οἴκῳ Ἰσρ. (2 *b*)
Is. 1. 31. οὐκ ἔσται ὁ σβέσων (2 *b*)
34. 10. οὐ σβεσθήσεται εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (2 *a*)
42. 3. λίνον καπνιζόμενον οὐ σβέσει (2 *b*)
— 4. S¹ οὐ σβεσθήσεται [A B S² θραυσθ.] †
43. 17. ἐσβέσθησαν ὡς λίνον ἐσβεσμένον [S² -ων] (1, 2 *a*)
66. 24. τὸ πῦρ αὐτῶν οὐ σβεσθήσεται (2 *a*)
Je. 4. 4. οὐκ ἔσται ὁ σβέσων (2 *b*)
7. 20. A οὐ σβεσθήσεται καὶ οὐκ ἔσται ὁ σβέσων [B S *al.*] (2 *a*, –)
17. 27. οὐ σβεσθήσεται (2 *a*)
21. 12. καυθήσεται καὶ οὐκ ἔσται ὁ σβέσων (2 *b*)
Ez. 20. 47 (21. 3). οὐ σβεσθήσεται ἡ φλὸξ ἡ ἐξαφθεῖσα (2 *a*)
— 48 (21. 4). οὐ σβεσθήσεται [A *add.* ἔτι] (2 *a*)
32. 7. κατακαλύψω ἐν τῷ σβεσθῆναί σε οὐρανόν (2 *b*)
III Ma. 6. 34. A καὶ πυρόπνουν τόλμαν ἀκμαίως ἐσβεσμένοι [R *al.*]
IV Ma. 3. 17. καὶ σβέσαι τὰς τῶν οἴστρων φλεγμονάς
9. 20. τοῖς τῶν ἰχώρων ἐσβέννυτο σταλαγμοῖς
18. 20. S¹ πῦρ πύροις σβέσας λέβησιν ὠμοῖς [AS²R *al.*]
[Aq. I Ki. 3. 3.]
[Sm. I Ki. 3. 3: Pr. 21. 14.]

σβεστικός.
Wi. 19. 20. ὕδωρ τῆς σβ. δυνάμεως [A S φύσεως] ἐπελανθάνετο

σεαυτοῦ, σαυτοῦ.
Ge. 6. 14, 19, 21 *bis*: 8. 17†: 14. 21: 19. 17: 24. 6: 28. 2: 31. 24, 29: 40. 14.
Ex. 10. 28: 12. 24: 17. 5, 9: 18. 21: 20. 4: 23. 21: 28. 1: 30. 34: 32. 13: 33. 13, 18: 34. 1, 12, 17, 27.
Le. 9. 2, 7: 19. 18, 19, 34: 22. 23†: 25. 8.
Nu. 5. 19: 10. 2, 2†: 13. 3 (2): 18. 2: 21. 8: 27. 18.
De. 4. 9: 5. 8: 6. 12: 7. 25: 8. 11: 9. 27: 10. 1 *bis*: 11. 16: 12. 13, 19, 30: 15. 9: 16. 9, 13, 18, 21 *bis*, 22: 17. 15 *ter*: 19. 2, 7, 9†: 20. 14: 21. 11: 22. 7, 12: 24. 8: 27. 2: 28. 36: 32. 37 (σαυτῶν)†.
Jo. 2. 18: 5. 2: 8. 1†, 2 *bis*: 17. 15.
Jd. 4. 6: 17. 2†.
Ru. 3. 3†: 4. 6, 8.
I Ki. 2. 16: 9. 3: 19. 11: 20. 8: 21. 9 (10): 22. 13†.
II Ki. 2. 21 *bis*: 7. 23, 24: 12. 9: 19. 7 (8): 20. 6†: 24. 12, 13†.
III Ki. 3. 1 (2. 36), 5, 11, 11†, 11: 8. 53 *bis*: 11. 31: 12. 24† *bis*: 13. 18: 14. 9†: 17. 13: 20 (21). 7 (σαυτοῦ γενοῦ): 21 (20). 34.
IV Ki. 4. 3: 6. 7: 18. 21, 23, 24†.
I Ch. 17. 22: 21. 10, 11, 23.
II Ch. 1. 11.
Ne. 6. 7: 9. 10.
To. 4. 9†, 12†, 13†, 14†: 5. 3: 6. 4†: 9. 2.
Ju. 2. 5.
Es. 4. 13, 17.
Jb. 5. 27: 10. 13†: 22. 23, 29: 38. 11.
Ps. 54 (55). 10†: 79 (80). 15, 17.
Pr. 2. 1: 3. 7: 4. 13, 24: 7. 1, 4: 9. 12: 22. 20, 26: 24. 67 (30. 32): 25. 10, 17.
Ca. 1. 8.
Si. 1. 30: 3. 18: 4. 7, 27: 6. 2, 3†, 31: 7. 7, 16, 25†: 9. 1: 12. 12: 14. 11: 18. 20, 23†: 29. 20: 30. 21, 29 (33. 20), 40 (33. 31)†: 34 (31). 15: 38. 21.
Ho. 1. 2: 6. 12 (11).
Na. 3. 11, 14†.
Za. 11. 15.
Is. 7. 11: 8. 1: 21. 6†: 22. 16, 16†, 16: 63. 14.
Je. 2. 22, 28: 3. 3: 6. 26: 13. 1: 22. 14: 26 (46). 19: 34 (27). 2†: 38 (31). 21: 39 (32). 7, 8†, 20, 25: 43 (36). 2, 28†: 50 (43). 9: 51. 35 (45. 5)†.
Ba. 2. 11.
La. 2. 18: 3. 44.
Ez. 3. 21†: 4. 1, 3, 9 *bis*: 5. 1 *bis*: 12. 3, 5: 16. 16, 17, 24 *bis*, 52: 21. 19 (24): 24. 2: 28. 4, 23†: 31. 2: 33. 9†: 37. 16 *bis*, 17: 38. 7.
Da. LXX. Su. 55: 9. 15, 19.
Da. TH. Su. 55, 59: 9. 15.
I Ma. 5. 17: 12. 45.
IV Ma. 5. 12: 6. 14: 10. 13.
[Aq. Dt. 10. 11: III Ki. 3. 11: 14. 9: Ca. 1. 8: Is. 7. 11: 40. 9: Je. 16. 2: 30 (37). 2: 31 (38). 21 (Sw.): 32 (39). 8: 46 (26). 14: Ez. 5. 1.]
[Sm. Ex. 30. 23: III Ki. 3. 11: Ps. 48 (49). 19: 88 (89). 8: Pr. 24. 27: Is. 7. 11: 40. 9: Je. 13. 21: 16. 2: 30 (37). 2: 38 (45). 10: Ez. 16. 61.]
[Th. Je. 22. 29: Is. 7. 11: 40. 9: 57. 8: Je. 30 (37). 2: Ez. 5. 1.]
[Al. Ex. 33. 18.]
[Quint. Ho. 6. 11.]

σεβάζεσθαι.
[Aq. Ho. 10. 5.]

σεβαρείμ.
[Al. Jo. 7. 5.]

σέβασμα.
Wi. 14. 20. τὸν πρὸ ὀλίγου τιμηθέντα ἄνθρωπον νῦν σέβασμα ἐλογίσαντο
15. 17. κρείττων γάρ ἐστι τῶν σ. [A σεβημ.] αὐτοῦ
Da. TH. Bel 27. ἴδετε τὰ σ. ὑμῶν

σέβειν. (1) *a.* יָרֵא verb. *b.* adj. *c.* יְרֵאָה (2) עָבַד
Jo. 4. 24. ἵνα ὑμεῖς σέβησθε κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (1 *a*)
22. 25. ἵνα μὴ σέβωνται κύριον (1 *a*)
24. 33. ἐσέβοντο οἱ υἱ. Ἰσρ. τὴν Ἀστ. –
Jb. 1. 9. μὴ δωρεὰν Ἰὼβ σέβεται τὸν κύριον (1 *b*)
Wi. 15. 6. κακῶν ἐρασταὶ . . . καὶ οἱ ποθοῦντες καὶ οἱ σεβόμενοι –
— 18. καὶ τὰ ζῷα δὲ τὰ ἔχθιστα σέβονται
Jn. 1. 9. τὸν κ. θεὸν τοῦ οὐρ. ἐγὼ σέβομαι [S³ φοβοῦμαι] (1 *b*)
Is. 29. 13. μάτην δὲ σέβονταί με (1 *c*)
66. 14. A S γνωσθήσεται ἡ χεὶρ κυρίου τοῖς σεβομένοις [B φοβουμ.] αὐτόν (2)
Da. LXX. 3. (33). ὄνειδος ἐγενήθη . . . τῶν σεβομένων σε
— (90). εὐλογεῖτε, πάντες οἱ σεβόμ. τὸν κ., τὸν θεόν
Bel 2. ὁ ἐσέβοντο οἱ Βαβυλώνιοι
— 3. ὁ βασ. ἐσέβετο αὐτόν
— 4. οὐδένα σέβομαι ἐγώ
— 22. καὶ ἐσέβοντο οἱ Βαβυλώνιοι
— 26. οὐ ταῦτα σέβεσθε, βασιλεῦ
Da. TH. 3. (33). ὄνειδος ἐγενήθη . . . τοῖς σεβομένοις σε
— (90). εὐλογεῖτε, πάντες οἱ σεβόμ. τὸν κ., τὸν θεόν
Bel 4. ὁ βασ. ἐσέβετο αὐτόν
— 5. οὐ σέβομαι εἴδωλα χειροποίητα
— 23. ἐσέβοντο αὐτὸν οἱ Βαβυλώνιοι
II Ma. 1. 3. εἰς τὸ σέβεσθαι αὐτόν
III Ma. 3. 4. σεβόμενοι δὲ τὸν θεόν
IV Ma. 5. 24. ὥστε μόνον τὸν ὄντα θεὸν σέβειν μεγαλοπρεπῶς
8. 14. ἣν σέβεσθε δίκην
[Th. Da. 3. (33): 14. 22.]

σέβημα.
Wi. 15. 17. A κρείττων γάρ ἐστι τῶν σ. [B S σεβασμ.] αὐτοῦ

σεειρείμ.
[Th. Le. 17. 7.]

σείειν. (1) נוּד hithp. (2) נוּעַ (3) צָעַן (4) רָנַז *a.* qal. *b.* hi. (5) רָעַשׁ *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. (6) תָּעָה (7) סָעַר
Jd. 5. 4. γῆ ἐσείσθη (5 *a*)
II Ki. 22. 8. ἐσείσθη ἡ γῆ (5 *a*)
I Es. 4. 36. πάντα τὰ ἔργα σείεται
Jb. 9. 6. ὁ σείων τὴν ὑπ' οὐρανὸν ἐκ θεμελίων (4 *b*)
— 28. σείομαι πᾶσι τοῖς μέλεσιν †
Ps. 67 (68). 8. γῆ ἐσείσθη (5 *a*)
Pr. 24. 56 (30. 21). διὰ τριῶν σείεται ἡ γῆ (4 *a*)
Am. 1. 14. σεισθήσεται ἐν ἡμέραις συντελείας αὐ. †
9. 1. σεισθήσεται τὰ πρόπυλα (5 *a*)
Jl. 2. 10: 3 (4). 16 (A B S¹). σεισθήσεται ὁ οὐρανός (5 *a*)
Na. 1. 5. τὰ ὄρη ἐσείσθησαν ἀπ' αὐτοῦ (5 *a*)

Hb. 2. 16. καὶ σείσθητι †
3. 14. σεισθήσονται ἐν αὐτῇ (7)
Hg. 2. 7 (6). σείσω τὸν οὐρανόν (5 c)
— 22 (21). σείω [S² σείσω] τὸν οὐρανόν (5 c)
Is. 10. 14 (13). σείσω πόλεις κατοικουμένας †
13. 13. ἡ γῆ σεισθήσεται ἐκ τῶν θεμελίων αὐτῆς (5 a)
14. 16. οὗτος ὁ ἄνθρωπος . . . σείων βασιλεῖς (5 c)
17. 4. τὰ πίονα τῆς δόξης αὐτοῦ σεισθήσεται †
19. 1. σεισθήσεται τὰ χειροποίητα Αἰγύπτου (2)
24. 18. σεισθήσεται τὰ θεμέλια τῆς γῆς (5 a)
— 20. σεισθήσεται ὡς ὀπωροφυλάκιον ἡ γῆ (1)
28. 7. ἐσείσθησαν ἀπὸ τῆς μέθης (6)
33. 20. σκηναὶ αἱ οὐ μὴ σεισθῶσιν [A¹ σαλευθ.] (3)
Je. 8. 16. ἐσείσθη πᾶσα ἡ γῆ (5 a)
27 (50). 46. σεισθήσεται ἡ γῆ (5 b)
28 (51). 29. ἐσείσθη ἡ γῆ καὶ ἐπόνεσε (5 a)
29 (49). 21. A ἐσείσθη [B S ἐφοβήθη] ἡ γῆ (5 a)
Ez. 26. 10. σεισθήσεται τὰ τείχη σου (5 a)
— 15. σεισθήσονται αἱ νῆσοι (5 a)
31. 16. ἐσείσθησαν τὰ ἔθνη (5 c)
38. 20. σεισθήσονται ἀπὸ προσώπου κυρίου οἱ ἰχθύες (5 a)
Da. LXX. 2. 40. σεισθήσεται πᾶσα ἡ γῆ †
I Ma. 1. 28. ἐσείσθη ἡ γῆ ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας αὐτήν
9. 13. A ἐσείσθη [S R ἐσαλεύθη] ἡ γῆ ἀπὸ τῶν παρεμβολῶν αὐ.
II Ma. 3. 25. A ἔσεισεν τῷ Ἡλ. τὰς ἐμπροθεσίους ὁπλάς [R *al.*]
[Aq. Ps. 17 (18). 8 : 76 (77). 19 : Je. 10. 10 : 51 (28). 29.]
[Sm. Jb. 3. 17 : 41. 21 : Ps. 45 (46). 4 : 67 (68). 9 : 76 (77). 19 : Je. 50 (27). 34 : Ez. 27. 28.]
[Th. Ps. 76 (77). 19 : Is. 24. 20.]
[Al. Je. 10. 10 : Hb. 3. 6, 9.]

σειρά. (1) חֶבֶל (2) מַחֲלָפוֹת
Jd. 16. 13. ἐὰν ὑφάνῃς τὰς ἑπτὰ σ. τῆς κεφαλῆς μου (2)
— 14. ἔλαβε Δ. τὰς ἑπτὰ σ. τῆς κεφ. αὐ. [A *al.*] –
— 19. ἐξύρησε τὰς ἑπτὰ σ. τῆς κεφ. αὐ. [A *al.*] (2)
Pr. 5. 22. σειραῖς δὲ τῶν ἑαυτοῦ ἁμαρτιῶν ἕκαστος σφίγγεται (1)

σειρήν. (1) *a.* יַעֲנָה *b.* בַּת יַעֲנָה (2) תַּן
Jb. 30. 29. ἀδελφὸς γέγονα σειρήνων (2)
Mi. 1. 8. ποιήσεται . . . πένθος ὡς θυγατέρων σειρήνων (1 *a*)
Is. 13. 21. ἀναπαύσονται ἐκεῖ σειρῆνες (1 *b*)
34. 13. ἔσται ἐπαύλεις σειρήνων (2)
43. 20. εὐλογήσουσί με τὰ θηρία τοῦ ἀγροῦ σειρῆνες (2)
Je. 27 (50). 39. κατοικήσουσιν ἐν αὐτῇ θυγατέρες σειρήνων (1 *a*)
[Aq. Ps. 43 (44). 20 : Is. 13. 22 : 35. 7 : 43. 20 : Je. 9. 11 (10) : Mi. 1. 8 : Ma. 1. 3.]
[Sm. Is. 13. 22 : 35. 7 : 43. 20 : Je. 9. 11 (10) : 14. 6 : 49. 33 (30. 11) : 50 (27). 39 : La. 4. 3.]
[Th. Is. 13. 22.]

σειρήνιος.
IV Ma. 15. 21. οὐχ οὕτως σ. μελῳδίαι . . . ἐφέλκονται

σειρομάστης (σιρ.). (1) חֲנִית (2) רֹמַח
Nu. 25. 7. λαβὼν σειρομάστην ἐν τῇ χειρί (2)
Jd. 5. 8. A σκέπη νεανίδων σειρομαστῶν [B *al.*] –
— 8. A ἀνήφθη καὶ σειρομάστης [B *al.*] (2)
III Ki. 18. 28. ἐν μαχαίραις καὶ σειρομασταῖς (2)
IV Ki. 11. 10. ἔδωκεν ὁ ἱ. τοῖς ἑκατοντάρχοις τοὺς σ. (1)
Jl. 3 (4). 10. συγκόψατε . . . τὰ δρέπανα ὑμῶν εἰς σειρομαστάς [B¹ -μάστρας] (2)
[Th. Jd. 5. 8.]

σειρομάστρα (?). (1) רֹמַח
Jl. 3 (4). 10. B¹ συγκόψατε . . . τὰ δρέπανα ὑμῶν εἰς σειρομάστρας [A B² S -τας] (1)

σειρωτός.
[Sm., Th. Ex. 28. 32.]

σείς, σῖς.
[Aq. Je. 8. 7.]
[Th. Is. 38. 14.]

σεῖσμα (σῆσμα).
Si. 27. 4. R ἐν σείσματι [A B S σήσμ.] κοσκίνου διαμένει κοπρία

σεισμός. (1) סְעָרָה (2) רַעַשׁ
Es. 1. 1. ἰδοὺ . . . βρονταὶ καὶ σεισμός
Jb. 41. 20 (21). καταγελᾷ δὲ σεισμοῦ πυρφόρου (2)
Am. 1. 1. πρὸ δύο ἐτῶν τοῦ σ. (2)
Na. 3. 2. φωνὴ σεισμοῦ τροχῶν (2)
Za. 14. 5. ἐν ταῖς ἡμέραις [S³ ἀπὸ προσώπου] τοῦ σ. (2)
Is. 15. 5. βοᾷ σύντριμμα καὶ σεισμός †
29. 6. ἐπισκοπὴ γὰρ ἔσται μετὰ βροντῆς [A κραυγῆς] καὶ σεισμοῦ (2)
Je. 10. 22. καὶ σ. μέγας ἐκ γῆς βορρᾶ (2)
23. 19. ἰδοὺ σ. παρὰ κυρίου (1)
29 (47). 3. ἀπὸ σεισμοῦ τῶν ἁρμάτων αὐτοῦ (2)
Ez. 3. 12. ἤκουσα κατόπισθέν μου φωνὴν σεισμοῦ μεγάλου (2)
— 13. φωνὴ τοῦ σ. (2)
37. 7. ἰδοὺ σ. (2)
38. 19. ἔσται σ. μέγας ἐπὶ γῆς Ἰσραήλ (2)
IV Ma. 17. 3. ὑπήνεγκας τὸν διὰ τῶν βασάνων σ.
[Aq. Ez. 3. 14 (P.) : 12. 18.]
[Sm. Is. 9. 5 (4) : 28. 19.]
[Th. Jb. 39. 24 : Ez. 3. 14 (P.).]

σείστρον.
[Aq., Sm. II Ki. 6. 5.]

σείφ (σίφ). (1) סִיף
Jd. 11. 16. ἕως θαλάσσης σ. [A ἐρυθρᾶς] (1)

σειών, *vid. sub* **σιών.**

σέλ.
[Heb. Ps. 3. 3 : 7. 6 : 9. 17 : 19 (20). 4 : 74 (75). 4 : 75 (76). 4, 10.]

σελά.
[Quint. Hb. 3. 3.]

σελήνη. (1) יָרֵחַ (2) לְבָנָה
Ge. 37. 9. ὥσπερ ὁ ἥλιος καὶ ἡ σ. . . . προσεκύνουν με (1)
De. 4. 19. ἰδὼν τὸν ἥλιον καὶ τὴν σ. (1)
17. 3. καὶ ἐλθόντες λατρεύσωσι . . . τῇ σ. (1)
Jo. 10. 12. στήτω . . . ἡ σ. κατὰ φάραγγα Αἰ. (1)
— 13. ἔστη . . . ἡ σ. ἐν στάσει (1)
IV Ki. 23. 5. καὶ τοὺς θυμιῶντας . . . τῇ σ. (1)
Jb. 25. 5. εἰ σελήνῃ [A σελήνην δὲ] συντάσσει (1)
31. 26. ἢ οὐχ ὁρῶμεν ἥλιον . . . σελήνην δὲ φθίνουσαν (1)
Ps. 8. 3. σελήνην καὶ ἀστέρας ἃ σὺ ἐθεμελίωσας (1)
71 (72). 5. καὶ πρὸ τῆς σ. γενεὰς γενεῶν (1)
— 7. ἕως οὗ ἀνταναιρεθῇ ἡ σ. (1)
73 (74). 16. B S¹ σὺ κατηρτίσω ἥλιον καὶ σελήνην [S² κατ. φαῦσιν καὶ ἤ.] †
88 (89). 37. ὡς ἡ σ. κατηρτισμένη εἰς τὸν αἰῶνα (1)
103 (104). 19. ἐποίησε σελήνην εἰς καιρούς (1)
120 (121). 6. οὐδὲ ἡ σ. τὴν νύκτα (1)
135 (136). 9. τῷ ποιήσαντι . . . τὴν σ. (1)
148. 3. αἰνεῖτε αὐτὸν ἥλιος καὶ σελήνη (1)
Ec. 12. 2. ἕως οὗ μὴ σκοτισθῇ . . . ἡ σ. (1)
Ca. 6. 9 (10). τίς αὕτη . . . καλὴ ὡς σελήνη (2)
Si. 27. 11. ὁ δὲ ἄφρων ὡς σελήνη ἀλλοιοῦται (1)
43. 6. ἡ σ. ἐν πᾶσιν εἰς καιρὸν αὐτῆς (1)
— 7. ἀπὸ σελήνης σημεῖον ἑορτῆς (1)
50. 6. ὡς σελήνη πλήρης ἐν ἡμέραις (1)
Jl. 2. 10. ὁ ἥλιος καὶ ἡ σ. συσκοτάσουσι (1)
— 31 (3. 4). μεταστραφήσεται . . . ἡ σ. εἰς αἷμα (1)
3 (4). 15. ὁ ἥλιος καὶ ἡ σ. συσκοτάσουσι (1)
Hb. 3. 11. ἡ σ. ἔστη ἐν τῇ τάξει αὐ. (1)
Is. 13. 10. ἡ σ. οὐ δώσει τὸ φῶς αὐτῆς (1)
24. 23. S ἐντραπήσεται ἡ σ. (2)
30. 26. ἔσται τὸ φῶς τῆς σ. ὡς τὸ φῶς τοῦ ἡλίου (2)
60. 19. οὐδὲ ἀνατολὴ σελήνης φωτεῖ σοι τὴν νύκτα (1)
— 20. ἡ σ. σοι οὐκ ἐκλείψει (1)
Je. 8. 2. ψύξουσιν αὐτὰ πρὸς τὸν ἥλιον καὶ τὴν σ. (1)
38 (31). 35. κύριος ὁ δοὺς . . . σελήνην . . . εἰς φῶς [S¹ *al.*] (1)
Ep. Je. 60. ἥλιος μὲν γὰρ καὶ σ. καὶ ἄστρα
— 67. A R οὔτε φωτιοῦσιν ὡς ἡ [B *om.*] σ.
Ez. 32. 7. σ. οὐ μὴ φάνῃ τὸ φῶς [A ἡ σ. οὐ δώσει τὸ φάος] αὐτῆς (1)
Da. LXX. 3. (62). εὐλογεῖτε, ἥλιος καὶ σελήνη, τὸν κ.
4. 9. ὁ ἥλιος καὶ ἡ σ. ἦν –
Da. TH. 3. (62). εὐλογεῖτε, ἥλιος καὶ σελήνη, τὸν κ.
IV Ma. 17. 5. οὐχ οὕτω σελήνη κατ' οὐρανὸν . . . σεμνὴ καθέστηκεν
[Aq. Dt. 33. 14 : Jb. 25. 5 : 39. 2 : Ps. 71 (72). 5, 7 : Is. 60. 19.]
[Sm. Dt. 33. 14 : Jb. 25. 5 : 39. 2 : Ps. 71 (72). 5, 7 : Is. 24. 23.]
[Th. Dt. 33. 14 : Jb. 25. 5 : 39. 2.]
[Sext. Ps. 73 (74). 16.]
[Al. Hb. 3. 11.]

σελίς. (1) דֶּלֶת
Je. 43 (36). 23. ἀναγινώσκοντος Ἰουδὶν τρεῖς σελίδας καὶ τέσσαρας (1)

σέμ.
[Heb. Ge. 28. 19.]

σεμίδαλις. (1) כֹּלֶת (2) קֶמַח
Ge. 18. 6. φύρασον τρία μέτρα σεμιδάλεως (2+1)
Ex. 29. 2. σεμίδαλιν ἐκ πυρῶν ποιήσεις αὐτά (1)
— 40. δέκατον σεμιδάλεως πεφυραμένης (1)
Le. 2. 1. σεμίδαλις ἔσται τὸ δῶρον αὐ. (1)
— 2. δραξάμενος . . . ἀπὸ τῆς σ. (1)
— 4. δῶρον κυρίῳ ἐκ σεμιδάλεως (1)
— 5. σεμίδαλις πεφυραμένη ἐν ἐλαίῳ (1)
— 7. B² R σεμίδαλις [A B¹ *om.*] ἐν ἐλαίῳ ποιηθήσεται (1)
5. 11. οἴσει . . . τὸ δέκατον τοῦ οἰφὶ σεμιδάλεως [A -λιν] (1)
— 13. ὡς ἡ θυσία τῆς σ. –
6. 15 (8). ἀφελεῖ . . . ἀπὸ τῆς σ. τῆς θυσίας (1)
— 20 (13). B τὸ δέκατον τοῦ οἰφὶ σεμιδάλεως (1)
7. 2 (12). ἄρτους ἐκ σεμιδάλεως ἀναπεποιημένους †
— 2 (12). A² B καὶ σεμίδαλιν πεφυραμένην ἐν ἐλαίῳ (1)
9. 4. καὶ σ. πεφυραμένην ἐν ἐλαίῳ †
14. 10. λήψεται . . . τρία δέκατα σεμιδάλεως (1)
— 21. λήψεται . . . δέκατον σεμιδάλεως (1)
23. 13. δύο δέκατα σεμιδάλεως ἀναπεποιημένης (1)
— 17. ἐκ δύο δεκάτων σεμιδάλεως ἔσονται (1)
24. 5. λήψεσθε σεμίδαλιν (1)
Nu. 6. 15. καὶ κανοῦν ἀζύμων σεμιδάλεως ἄρτους (1)
7. 13, 19, 25, 31, 37, 43, 49, 55, 61, 67, 73, 79. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (1)
8. 8. B καὶ τούτου θυσίαν σεμιδάλεως [A R -λιν] (1)
15. 4. προσοίσει . . . θυσίαν σεμιδάλεως (1)
— 6. ποιήσεις θυσίαν σεμιδάλεως (1)
— 9. προσοίσει . . . θυσίαν σεμιδάλεως (1)
28. 5. ποιήσεις τὸ δέκατον τοῦ οἰφὶ σεμίδαλιν (1)
— 9. καὶ δύο δέκατα σεμιδάλεως (1)
— 12. τρία δέκατα σεμιδάλεως (1)
— 12. καὶ δύο δέκατα σεμιδάλεως (1)
— 13. δέκατον σεμιδάλεως ἀναπεποιημένης (1)
— 20. καὶ θυσία αὐ. σ. ἀναπεποιημένη (1)
— 28 : 29. 3, 9. ἡ θυσία αὐ. σ. ἀναπεποιημένη (1)
29. 14. αἱ θυσίαι αὐ. σ. ἀναπεποιημένη (1)
I Ki. 1. 24. ἀνέβη . . . ἐν . . . ἄρτοις καὶ οἰφὶ σεμιδάλεως (2)
III Ki. 3. 1 (*cf.* 4. 22 [5. 2]). B τριάκοντα κόροι σεμιδάλεως (1)
4. 22 (5. 2). τριάκοντα κόροι σεμιδάλεως (1)
IV Ki. 7. 1. μέτρον σεμιδάλεως σίκλου (1)
— 16. ἐγένετο μέτρον σεμιδάλεως σίκλου (1)
— 18. μέτρον σεμιδάλεως σίκλου (1)
I Ch. 9. 29. καθεσταμένοι . . . ἐπὶ τῆς σ. (1)
23. 29. εἰς τὴν σ. τῆς θυσίας (1)
Si. 32 (35). 2. ἀνταποδιδοὺς χάριν προσφέρων σεμίδαλιν
38. 11. δὸς εὐωδίαν καὶ μνημόσυνον σεμιδάλεως
39. 26. S R ἅλα καὶ σεμίδαλις πυροῦ [A B πυρός]
Is. 1. 13. ἐὰν φέρητε σεμίδαλιν †
66. 3. ὁ δὲ ἀναφέρων σεμίδαλιν ὡς αἷμα ὕειον †
Ez. 16. 13. σεμίδαλιν καὶ ἔλαιον καὶ μέλι ἔφαγες (1)
— 19. σεμίδαλιν . . . ἐψώμισά σε (1)
46. 14. τοῦ ἀναμίξαι τὴν σ. (1)
Da. LXX. Bel 2. σεμιδάλεως ἀρτάβαι δέκα δύο
Da. TH. Bel 3. σεμιδάλεως ἀρτάβαι δώδεκα
II Ma. 1. 8. προσηνέγκαμεν θυσίαν καὶ σεμίδαλιν
[Al. Ez. 45. 24.]

σεμμαθέχ.
[Aq. Is. 47. 2.]

σεμνολογεῖν.
IV Ma. 7. 9. τὴν ἁγιαστίαν σεμνολογήσας

σεμνός. (1) נָגִיד (2) נֹעַם

Jd. 11. 35. A ἐμπεποδεστάτη καὶ σεμνοτάτη [B *al.*] †
Pr. 6. 8. τήν τε ἐργασίαν ὡς σεμνὴν ποιεῖται –
8. 6. σεμνὰ [S¹ πολλὰ] γὰρ ἐρῶ (1)
15. 26. ἁγνῶν δὲ ῥήσεις σεμναί (2)
II Ma. 6. 11. κατὰ δόξαν τῆς σεμνοτάτης ἡμέρας
— 28. ὑπὲρ τῶν σ. καὶ ἁγίων νόμων
8. 15. ἕνεκα τῆς ἐπ' αὐτοὺς ἐπικλήσεως τοῦ σ. . . . ὀνόματος αὐ.
IV Ma. 5. 36. οὐδὲ μιανεῖς μου τὸ σ. γήρως στόμα
7. 15. ὦ . . . σ. πολιᾶς καὶ βίου νομίμου
17. 5. οὐχ οὕτω σελήνη κατ' οὐρανὸν . . . σεμνὴ καθέστηκεν

σεμνότης.

II Ma. 3. 12. τῇ τοῦ τετιμημ. . . . ἱεροῦ σεμνότητι

σεμνῶς.

IV Ma. 1. 17. δι' ἧς τὰ θεῖα σ. . . . μανθάνομεν

σενσερώθ.

II Ch. 3. 16. A ἐποίησε σ. [B σερσ.] ἐν τῷ δαβείρ †

σεραφείν, σεραφείμ (-φίμ). (1) צִרְפִּי (2) שְׂרָפִים

Ne. 3. 31. S Μελχ. υἱὸς τοῦ σεραφείν [A B *al.*] (1)
Is. 6. 2. σ. εἱστήκεισαν κύκλῳ αὐτοῦ (2)
— 6. ἀπεστάλη πρὸς με ἓν τῶν σ. [S¹ *al.*] (2)
[Sm. Is. 6. 2.]

σερσερώθ. (1) שַׂרְשְׂרוֹת

II Ch. 3. 16. ἐποίησε σ. [A σενσ.] ἐν τῷ δαβείρ (1)

σεττίμ.

[Aq. Dt. 10. 3.]

σευτλίον.

Is. 51. 20. οἱ καθεύδοντες ἐπ' ἄκρου πάσης ἐξόδου ὡς σ. ἡμίεφθον †

σεφηλά. (1) שְׁפֵלָה

II Ch. 26. 10. κτήνη πολλὰ ὑπῆρχεν αὐτῷ ἐν σ. (1)
Ob. 1. 19. καὶ οἱ ἐν τῇ σ. τοὺς ἀλλοφύλους (1)
Je. 39 (32). 44: 40 (33). 13 (B S). ἐν πόλεσι τῆς σ. (1)
I Ma. 12. 38. ᾠκοδόμησε τὴν Ἀ. ἐν τῇ σ. [S¹ σ. πεδινῇ]
[Aq. Je. 17. 26.]

σεωρίμ.

[Heb. Ho. 3. 2 *bis.*]

σηείμ.

[Th. Is. 23. 13.]

σήθ.

[Al. Le. 13. 10, 19: 14. 56.]

σηκός.

II Ma. 14. 33. τόνδε τὸν τοῦ θεοῦ σ. εἰς πεδίον ποιήσω

σήκωμα.

[Th. Is. 28. 17.]

σημαία (-μεία). (1) אוֹת (2) נֵס

Nu. 2. 2. κατὰ σημαίας [A τὰς σ.] κατ' οἴκους πατριῶν αὐ. (1)
Is. 30. 17. ὡς σημαίαν φέρων ἐπὶ βουνοῦ (2)

σημαίνειν. (1) זָהַר hi. (2) *a.* יָדַע hi. *b.* יָדַע aph. (3) מָלַל (4) נָגַד hi. (5) רוּעַ hi. (6) תָּקַע

Ex. 18. 20. σημανεῖς αὐτοῖς τὰς ὁδούς (2 *a*)
Nu. 10. 9. σημανεῖτε [A σαλπιεῖτε] ταῖς σάλπιγξι (5)
Jo. 6. 7 (8). σημαινέτωσαν εὐτόνως (6)
Jd. 7. 21. καὶ ἐσήμαναν (5)
II Ch. 13. 12. αἱ σάλπιγγες τῆς σημασίας τοῦ σημαίνειν ἐφ' ἡμᾶς (5)
I Es. 2. 4. ἐσήμηνέ μοι οἰκοδομῆσαι αὐτῷ
8. 49. πάντων ἐσημάνθη [A ὀνομάσθη] ἡ ὀνοματογραφία
II Es. 3. 11. B πᾶς ὁ λαὸς ἐσήμαινον φωνὴν μεγάλην [A R *al.*] (5)
Ne. 8. 15. B S¹ ὅπως σημαίνωσι [A S² R -μάν.] σάλπιγξιν †
Es. 2. 22. καὶ ἐσήμανεν Ἐσθηρ (4)
3. 13. προστετάχαμεν οὖν τοὺς σημαινομένους ὑμῖν
Jb. 39. 24. ἕως ἂν σημάνῃ [A -νεῖ] σάλπιγξ †
— 25. σάλπιγγος δὲ σημαινούσης –
Pr. 6. 13. σημαίνει δὲ ποδί (3)
Ca. 2. 9. S ἡ νύμφη . . . σημαίνουσα αὐταῖς τὸν νυμφίον –
5. 10. S ἡ νύμφη σημαίνει τὸν ἀδελφιδόν –
Za. 10. 8. σημανῶ αὐτοῖς †
Je. 4. 5. σημάνατε ἐπὶ τῆς γῆς σάλπιγγι (6)
6. 1. ἐν [A ἐκ] Θεκουὲ σημάνατε σάλπιγγι (6)
Ez. 33. 3. καὶ σημάνῃ τῷ λαῷ (1)
— 6. καὶ μὴ σημάνῃ [A *add.* τῷ λαῷ] τῇ σάλπ. (6)
Da. LXX. 2. 15. τότε τὸ πρόσταγμα ἐσήμανεν (2 *b*)
— 23. ἐσήμανάς μοι ὅσα ἠξίωσα (2 *b*)
— 30. ἐσημάνθη μοι ἃ ὑπέλαβες (2 *b*)
— 45. ἐσήμανε τῷ βασιλεῖ τὰ ἐσόμενα (2 *b*)
II Ma. 2. 1. A² R ὡς σεσήμανται
11. 17. ἠξίουν περὶ τῶν δι' αὐτοῦ σημαινομένων
[Sm. Ps. 46 (47). 2: 97 (98). 4: 99 (100). 1.]
[Al. Nu. 10. 10: Ps. 65 (66). 1: 94 (95). 2: Is. 42. 13.]

σημανίζειν (?).

Jb. 39. 24. A ἕως ἂν σημανιεῖ [B S -άνῃ] σάλπιγξ †

σημασία. (1) יוֹבֵל (2) *a.* סַפֵּחַת *b.* מִסְפַּחַת (3) תְּרוּעָה (4) ἀφέσεως σ. יוֹבֵל

Le. 13. 2. οὐλὴ σημασίας [A -α] τηλαυγής (2 *a*)
— 6. σημασία γάρ ἐστιν (2 *b*)
— 7. ἐὰν δὲ μεταβαλοῦσα μεταπέσῃ ἡ σ. (2 *b*)
— 8. μετέπεσεν ἡ σ. ἐν τῷ δέρματι (2 *b*)
14. 56. οὗτος ὁ νόμος . . . σημασίας (2 *a*)
25. 10. ἐνιαυτὸς ἀφέσεως σ. αὕτη ἔσται ὑμῖν (4)
— 11. ἀφέσεως σημασία [B¹ -ας] αὕτη (4)
— 12. ἀφέσεως σημασία ἐστίν (4)
— 13. τῆς ἀφέσεως σημασίᾳ αὐτῆς ἐπανελεύσεται (4)
— 15. B μετὰ τὴν σ. κτήσῃ (1)
Nu. 10. 5. σαλπιεῖτε σημασίαν (3)
— 6. σαλπιεῖτε σ. δευτέραν (3)
— 6. σαλπιεῖτε σ. τρίτην –
— 6. σαλπιεῖτε σ. τετάρτην –
— 6. σημασίᾳ σαλπιοῦσιν ἐν τῇ ἐξάρσει αὐ. (3)
— 7. σαλπιεῖτε καὶ οὐ σημασίᾳ †
29. 1. ἡμέρα σημασίας ἔσται ὑμῖν (3)
31. 6. καὶ αἱ σάλπιγγες τῶν σ. (3)
I Ch. 15. 28. ἀνάγοντες τὴν κιβωτὸν . . . ἐν σημασίᾳ (3)
II Ch. 13. 12. μεθ' ἡμῶν . . . αἱ σάλπιγγες τῆς σ. (3)
II Es. 3. 12. καὶ ὄχλος ἐν σημασίᾳ μετ' εὐφροσύνης (3)
— 13. ἐπιγινώσκων φωνὴν σημασίας τῆς εὐφροσύνης (3)
I Ma. 4. 40. A R ἐσάλπισαν ταῖς σάλπιγξι τῶν σ. [S σημείων]
7. 45. ἐσάλπισαν . . . ταῖς σάλπιγξι τῶν σ.
[Aq. Ps. 32 (33). 3.]
[Sm. Nu. 23. 21: Jb. 8. 21: Ps. 26 (27). 6: 32 (33). 3: 88 (89). 16: 150. 5.]

σημεῖον. (1) *a.* אוֹת *b.* אֹת (2) מוֹעֵד (3) מוֹפֵת (4) מַשְׂאֵת (5) נֵס (6) צִיּוּן (7) תָּו (8) תִּקְוָה

Ge. 1. 14. ἔστωσαν εἰς σημεῖα (1 *a*)
4. 15. ἔθετο κ. ὁ θεὸς σημεῖον τῷ Κ. (1 *a*)
9. 12. τοῦτο τὸ σ. τῆς διαθήκης (1 *a*)
— 13. ἔσται εἰς σημεῖον διαθήκης (1 *a*)
— 17. τοῦτο τὸ σ. τῆς διαθήκης (1 *a*)
17. 11. ἔσται ἐν σημείῳ διαθήκης (1 *a*)
Ex. 3. 12. τοῦτό σοι τὸ σ. (1 *a*)
4. 8. μηδὲ εἰσακούσωσι τῆς φωνῆς τοῦ σ. τοῦ πρώτου (1 *a*)
— 8. πιστεύσουσί σοι τῆς φωνῆς τοῦ σ. τοῦ ἐσχάτου (1 *a*)
— 9. ἐὰν μὴ πιστεύσωσί σοι τοῖς δυσὶ σ. τ. (1 *a*)
— 17. ἐν ᾗ ποιήσεις ἐν αὐτῇ τὰ σ. (1 *a*)
— 28. A καὶ πάντα τὰ σ. [B ῥήματα] (1 *a*)
— 30. ἐποίησε τὰ σ. ἐναντίον τοῦ λαοῦ (1 *a*)
7. 3. πληθυνῶ τὰ σ. μου [A *om.*] (1 *a*)
— 9. δότε ἡμῖν σημεῖον (3)
8. 23 (19). A ἔσται τὸ σ. [B *om.* τὸ σ.] τοῦτο ἐπὶ τῆς γῆς (1 *a*)
10. 1. ἵνα ἐξῆς ἐπέλθῃ τὰ σ. [A *add.* μου] ταῦτα (1 *a*)
— 2. καὶ τὰ σ. μου ἃ ἐποίησα ἐν αὐτοῖς (1 *a*)
Ex. 11. 9. ἵνα πληθύνων πληθύνω μου τὰ σ. (3)
— 10. ἐποίησαν πάντα τὰ σ. [A¹ *al.*] (3)
12. 13. ἔσται τὸ αἷμα ὑμῖν ἐν σημείῳ (1 *a*)
13. 9. ἔσται σοι σημεῖον ἐπὶ τῆς χειρός σου (1 *a*)
— 16. ἔσται εἰς σημεῖον ἐπὶ τῆς χειρός σου (1 *a*)
31. 13. σημεῖόν ἐστι παρ' ἐμοί (1 *a*)
— 17. σημεῖόν ἐστιν ἐν ἐμοὶ αἰώνιον (1 *a*)
Nu. 14. 11. ἕως τίνος οὐ πιστεύουσί μοι ἐν πᾶσι τοῖς σ. [A θαυμασίοις] (1 *a*)
— 22. οἱ ὁρῶντες τὴν δόξαν μου καὶ τὰ σ. (1 *a*)
16. 38 (17. 3). ἐγένοντο εἰς σημεῖον (1 *a*)
17. 10 (25). σημεῖον [A εἰς σ.] τοῖς υἱοῖς τῶν ἀνηκόων (1 *a*)
21. 8. θὲς αὐτὸν ἐπὶ σημείου (5)
— 9. ἔστησεν αὐτὸν ἐπὶ σημείου (5)
26. 10. ἐγενήθησαν ἐν σημείῳ (5)
De. 4. 34. λαβεῖν ἑαυτῷ ἔθνος . . . ἐν σημείοις (1 *a*)
6. 8. ἀφάψεις αὐτὰ εἰς σημεῖον (1 *a*)
— 22. ἔδωκε κύριος σημεῖα (1 *a*)
7. 19. μνησθήσῃ . . . τὰ σ. (1 *a*)
11. 3. οὐδὲ ἴδοσαν . . . τὰ σ. αὐ. (1 *a*)
— 18. ἀφάψετε αὐτὰ εἰς σημεῖον (1 *a*)
13. 1 (2). καὶ δῷ σοι σημεῖον ἢ τέρας (1 *a*)
— 2 (3). καὶ ἔλθῃ τὸ σ. ἢ τὸ τέρας (1 *a*)
26. 8. ἐξήγαγεν ἡμᾶς . . . ἐν σημείοις (1 *a*)
28. 46. ἔσται ἐν σοὶ σημεῖα (1 *a*)
29. 3 (2). τὰ σ. καὶ τὰ τέρατα τὰ μεγάλα ἐκεῖνα (1 *a*)
34. 11. ἐν πᾶσι τοῖς σ. καὶ τέρασιν (1 *a*)
Jo. 2. 18. θήσεις τὸ σ. (8 ?)
4. 6. ἵνα ὑπάρχωσιν ὑμῖν οὗτοι εἰς σ. κείμενον διὰ παντός (1 *a*)
24. 5. A ἐπάταξεν τὴν Αἴγ. ἐν σημείοις [B *al.*] –
Jd. 6. 17. A ποιήσεις μοι σημεῖον [B *al.*] (1 *a*)
20. 38. σημεῖον ἦν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. [A *al.*] (2)
I Ki. 2. 34. καὶ τοῦτό σοι τὸ σ. (1 *a*)
10. 1. καὶ τοῦτό σοι τὸ σ. –
— 7. ὅταν ἥξει τὰ σ. ταῦτα ἐπὶ σέ (1 *a*)
— 9. καὶ ἦλθε πάντα τὰ σ. (1 *a*)
14. 10. τοῦτο ἡμῖν τὸ σ. (1 *a*)
IV Ki. 19. 29. τοῦτό σοι τὸ σ. (1 *a*)
20. 8. τί τὸ σ. (1 *a*)
— 9. τοῦτο τὸ σ. παρὰ κυρίου (1 *a*)
II Ch. 32. 24. σημεῖον ἔδωκεν αὐτῷ (3)
Ne. 9. 10. καὶ ἔδωκας σημεῖα (1 *a*)
To. 5. 2. S τί σημεῖον δῶ αὐτῷ
Es. 4. 17. B S βδελύσσομαι τὸ σ. τῆς ὑπερηφανίας μου
10. 3. ἐποίησεν ὁ θεὸς τὰ σ.
Jb. 21. 29. τὰ σ. αὐτῶν οὐκ ἀπαλλοτριώσετε [S -ται, A -ωθήσεται] (1 *a*)
Ps. 64 (65). 8. φοβηθήσονται . . . ἀπὸ τῶν σ. σου (1 *a*)
73 (74). 4. B² S R ἔθεντο τὰ σ. αὐτῶν σημεῖα (1 *a*, 1 *a*)
— 9. τὰ σ. ἡμῶν οὐκ εἴδομεν (1 *a*)
77 (78). 43. ὡς ἔθετο ἐν Αἰγύπτῳ τὰ σ. αὐτοῦ (1 *a*)
85 (86). 17. ποίησον μετ' ἐμοῦ σημεῖον (1 *a*)
104 (105). 27. τοὺς λόγους τῶν σ. αὐτοῦ (1 *a*)
134 (135). 9. ἐξαπέστειλε σημεῖα καὶ τέρατα (1 *a*)
Wi. 5. 11. οὐχ εὑρέθη σημεῖον ἐπιβάσεως
— 13. ἀρετῆς μὲν σημεῖον οὐδὲν ἔσχομεν δεῖξαι
8. 8. σημεῖα καὶ τέρατα προγινώσκει
10. 16. φοβεροῖς ἐν τέρασι καὶ σημείοις
Si. 33 (36). 6. ἐγκαίνισον σημεῖα
42. 19. ἐνέβλεψεν εἰς σημεῖον αἰῶνος
43. 6. ἀνάδειξιν χρόνων καὶ σημεῖον αἰῶνος
— 7. ἀπὸ σελήνης σημεῖον ἑορτῆς
45. 3. ἐν λόγοις αὐτοῦ σημεῖα κατέπαυσεν
Jl. 2. 30 (3. 3). S³ δώσω τέρατα . . . καὶ σημεῖα [A B S¹ *al.*] –
Is. 7. 11. αἴτησαι σεαυτῷ σ. (1 *a*)
— 14. δώσει κύριος αὐτὸς [A² -οῖς] ὑμῖν σ. (1 *a*)
8. 18. ἔσται [A S *add.* εἰς] σημεῖα καὶ τέρατα (1 *a*)
11. 12. ἀρεῖ σ. εἰς τὰ ἔθνη (5)
13. 2. ἐπ' ὄρους πεδινοῦ ἄρατε σ. (5)
18. 3. ἡ χώρα αὐτῶν ὡσεὶ [B¹ ὡς εἰς] σ. ἀπὸ ὄρους ἀρθῇ (5)
19. 20. ἔσται εἰς σ. εἰς τὸν αἰῶνα κυρίῳ (1 *a*)
20. 3. ἔσται εἰς [A S *om.*] σημεῖα [S¹ -ον] (1 *a*)
33. 23. οὐκ ἀρεῖ σ. (5)
37. 30. τοῦτο δέ σοι τὸ σ. (1 *a*)
38. 7. τοῦτο δέ σοι τὸ σ. παρὰ κυρίου (1 *a*)
— 22. τοῦτο σ. πρὸς Ἐζ. [A S τοῦτο τὸ σ.] (1 *a*)
44. 25. τίς ἕτερος διασκεδάσει σημεῖα ἐγγαστριμύθων (1 *a*)

Is. 55. 13. ἔσται κ. εἰς ὄνομα καὶ εἰς σ. αἰώνιον (1 a)
66. 19. καταλείψω ἐπ' αὐτῶν σ. [A S³ -α] (1 a)
Je. 6. 1. ὑπὲρ B. ἄρατε σ. (4)
10. 2. ἀπὸ τῶν σ. [S¹ θηρίων] τοῦ οὐρανοῦ μὴ φοβεῖσθε (1 a)
28 (51). 12. ἐπὶ τειχέων Βαβυλῶνος ἄρατε σ. (5)
— 27. ἄρατε σ. ἐπὶ τῆς γῆς (5)
31 (48). 9. ὅτε σημεῖα [A -ον] τῇ Μωάβ †
39 (32). 20. ὃς [A ὅσα] ἐποίησας σημεῖα (1 a)
— 21. ἐν σημείοις καὶ ἐν τέρασιν (1 a)
51 (44). 29. τοῦτο ὑμῖν τὸ σημεῖον (1 a)
Ba. 2. 11. ἐν σημείοις καὶ ἐν τέρασι
Ep. Je. 67. σημεῖά τε ἐν ἔθνεσιν
Ez. 4. 3. σ. ἐστι τοῦτο τοῖς υἱοῖς Ἰσραήλ (1 a)
9. 4. δὸς σ. ἐπὶ τὰ μέτωπα (7)
— 6. ἐφ' οὓς ἐστι τὸ σ. (7)
20. 12. τοῦ εἶναι εἰς σ. (1 a)
— 20. ἔστω εἰς σ. (1 a)
39. 15. οἰκοδομήσει παρ' αὐτὸ σ. (6)
Da. LXX. 3. 32 (99). τὰ σ. . . . ἤρεσεν ἐναντίον μου ἀναγγεῖλαι ὑμῖν (1 b)
4. 34. ποιεῖ σημεῖα καὶ τέρατα –
— 34. καὶ ποιῆσαι σημεῖα –
5. 10. ἐκάλεσε τὴν βασίλισσαν περὶ τούτου σ. –
Da. TH. 3. 32 (99). τὰ σ. καὶ τὰ τέρατα (1 b)
6. 27 (28). ποιεῖ σημεῖα καὶ τέρατα (1 b)
I Ma. 4. 40. S ἐσάλπισαν ταῖς σάλπιγξι τῶν σ. [A R -μασιῶν]
II Ma. 6. 13. μεγάλης εὐεργεσίας σημεῖόν ἐστιν
15. 35. καὶ φανερὸν τῆς τοῦ κ. βοηθείας σ.
III Ma. 6. 32. χοροὺς συνίσταντο εὐφροσύνης εἰρηνικῆς σημεῖον

[Aq. Jo. 2. 12 : Ps. 73 (74). 4 *bis*, 9 : Is. 7. 11, 14 : 8. 18 : 30. 17 : Je. 6. 1.]
[Sm. Jo. 2. 12 : Ps. 59 (60). 6 : 73 (74). 4, 9 : 77 (78). 43 : Is. 7. 11, 14 : 8. 18 : 38. 22 : Ez. 9. 4.]
[Th. Jo. 2. 12 : Ps. 73 (74). 4 *bis*, 9 : Is. 7. 11 : 8. 18 : 30. 17.]
[Al. Ex. 13. 20.]

σημειοσκοπεῖσθαι.

[Sm. Dt. 18. 10 : Mi. 5. 12 (11).]

σημειοσκόπος.

[Al. I Ki. 28. 3, 9.]

σημειοῦν. (1) נָשָׂא
Ps. 4. 6. ἐσημειώθη ἐφ' ἡμᾶς τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου (1)

[Aq. Ps. 59 (60). 6 : Ez. 9. 4.]
[Sm. Ez. 9. 4.]
[Th. Is. 59. 19 : Ez. 9. 4.]

σημείωσις. (1) נֵס
Ps. 59 (60). 4. ἔδωκας τοῖς φοβουμένοις σε σημείωσιν (1)

σήμερον. (1) *a.* הַיּוֹם *b.* בַּיּוֹם *c.* הַיּוֹם הַזֶּה *d.* בַּיּוֹם (2) ἡ σ. ἡμέρα, ἡ ἡμ. ἡ σ. *a.* הַיּוֹם *b.* הַיּוֹם הַזֶּה (3) ὡς σ. *a.* בַּיּוֹם *b.* בַּיּוֹם הַזֶּה *c.* כְּהַיּוֹם (4) τὸ τῆς σ. הַיּוֹם (5) ἐν τῇ σ. *a.* הַיּוֹם *b.* הַיּוֹם הַזֶּה (6) ἐν τῇ σ. ἡμέρᾳ הַיּוֹם (7) καθὼς ἔχεις σ. בַּיּוֹם הַזֶּה (8) ὥσπερ καὶ σ. כְּהַיּוֹם הַזֶּה (9) καθὰ καὶ σ. בַּיּוֹם הַזֶּה (10) ἐν ταῖς σ. ἡμέραις הַיּוֹם (11) ἡ σ. *a.* הַיּוֹם *b.* הַיּוֹם הַזֶּה
Ge. 4. 14. εἰ ἐκβαλεῖς με σ. ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς (1 a)
19. 38 (37), 39 (38). ἕως τῆς σ. ἡμέρας (2 a)
21. 26. οὐδὲ ἐγὼ ἤκουσα ἀλλὰ σ. (1 a)
22. 14. ἵνα εἴπωσι σ. (1 a)
24. 12. εὐόδωσον ἐναντίον ἐμοῦ σ. (1 a)
— 42. ἐλθὼν σήμερον ἐπὶ τὴν πηγήν (1 a)
25. 31. ἀπόδου μοι σ. τὰ πρωτοτοκεῖά σου ἐμοί (1 b)
— 33. ὄμοσόν μοι σ. (1 b)
26. 33. ἕως τῆς σ. ἡμέρας (2 b)
30. 16. πρὸς ἐμὲ εἰσελεύσῃ σ. –
— 32. παρελθάτω τὰ πρόβατά σου σ. (1 a)
31. 43. τί ποιήσω ταύταις σ. (1 a)
— 46. ὁ βουνὸς οὗτος μαρτυρεῖ . . . σ. –
35. 4. ἕως τῆς σ. ἡμέρας –
Ge. 35. 20. A ἕως τῆς σ. ἡμέρας [R *al.*] (2 a)
40. 7. τί ὅτι τὰ πρόσωπα ὑμῶν σκυθρωπὰ σ. (1 a)
41. 9. τὴν ἁμαρτίαν μου ἀναμιμνήσκω σ. (1 a)
— 41. καθίστημί σε σ. ἐπὶ πάσης γῆς Αἰγ. –
42. 13. ὁ νεώτερος μετὰ τοῦ πατρὸς ἡμῶν σ. (1 a)
— 32. ὁ δὲ μικρότερος μετὰ τοῦ πατρὸς ἡμῶν σ. (1 a)
47. 23. κέκτημαι ὑμᾶς . . . σ. τῷ Φ. (1 a)
50. 20. ὅπως ἂν γενηθῇ ὡς σ. (3 b)
Ex. 2. 18. διὰ τί ἐταχύνατε τοῦ παραγενέσθαι σ. (1 a)
5. 7. A καὶ τὸ τῆς σ. –
— 14. καὶ τὸ τῆς σ. (4)
13. 4. ἐν γὰρ τῇ σ. ὑμεῖς ἐκπορεύεσθε (5 a)
14. 13. ἣν ποιήσει ἡμῖν σ. (1 a)
— 13. ὃν τρόπον γὰρ ἑωράκατε τοὺς Αἰγ. σ. (1 a)
16. 25. φάγετε σ. (1 a)
— 25. ἔστι γὰρ σάββατα σ. τῷ κυρίῳ (1 a)
19. 10. ἅγνισον αὐτοὺς σ. καὶ αὔριον (1 a)
32. 29. ἐπληρώσατε τὰς χ. ὑμῶν σ. κυρίῳ (1 a)
Le. 9. 4. σ. κύριος ὀφθήσεται ἐν ὑμῖν (1 a)
10. 19. εἰ σ. προσαγηόχασι τὰ περὶ τῆς ἁμαρτίας αὐ. (1 a)
— 19. καὶ φάγομαι τὰ περὶ τῆς ἁμαρτίας σ. (1 a)
Nu. 22. 30. ἕως τῆς σ. ἡμέρας [A *al.*] (2 b)
De. 1. 10. ἰδοὺ ἐστε σ. ὡσεὶ τὰ ἄστρα (1 a)
— 39. ὅστις οὐκ οἶδε σ. ἀγαθὸν ἢ κακόν (1 a)
2. 18. παραπορεύσῃ σ. τὰ ὅρια M. (1 a)
4. 1. ὅσα ἐγὼ διδάσκω ὑμᾶς σ. ποιεῖν –
— 2. B² ὃ ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σ. [A B¹ R *om.*] –
— 2. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σ. –
— 4. ζῆτε πάντες ἐν τῇ σ. (5 a)
— 8. ὃν ἐγὼ δίδωμι . . . σ. (1 a)
— 26. διαμαρτύρομαι ὑμῖν σ. (1 a)
— 38. καθὼς ἔχεις σ. (7)
— 39. καὶ γνώσῃ σ. (1 a)
— 40. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. (1 a)
5. 3. ὑμεῖς ὧδε πάντες ζῶντες σ. (1 a)
6. 2. ἃς ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. –
— 6. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. (1 a)
— 24. ἵνα ζῶμεν ὥσπερ καὶ σ. (8)
7. 9. B¹ καὶ γνώσεσθε σ. [A B² R *al.*] –
— 11. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. ποιεῖν (1 a)
8. 1. ἃς ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σ. (1 a)
— 11. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. (1 a)
— 18. ἵνα στήσῃ τὴν διαθήκην . . . ὡς σ. (3 b)
— 19. διαμαρτύρομαι ὑμῖν σ. (1 a)
9. 1. διαβαίνεις σ. τὸν Ἰορδ. (1 a)
— 3. καὶ γνώσῃ σ. (1 a)
— 6. καὶ γνώσῃ σ. [A *om.*] –
10. 13. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. (1 a)
11. 2. καὶ γνώσεσθε σ. (1 a)
— 4. ἕως τῆς σ. ἡμέρας (2 b)
— 7. ὅσα ἐποίησεν ὑμῖν σ. –
— 8. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. (1 a)
— 13. ἃς ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. (1 a)
— 22. ἃς ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. ποιεῖν –
— 26. δίδωμι ἐνώπιον ὑμῶν σ. τὴν εὐλογίαν (1 a)
— 27. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σ. (1 a)
— 28. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σ. (1 a)
— 32. ὅσας ἐγὼ δίδωμι ἐνώπιον ὑμῶν σ. (1 a)
12. 8. ἃ ἡμεῖς ποιοῦμεν ὧδε σ. (1 a)
— 11. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σ. –
— 14. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. –
— 32 (13. 1). ὃ ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σ. –
13. 18 (19) : 15. 5. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. (1 a)
19. 9. ἃς ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. (1 a)
20. 3. ὑμεῖς πορεύεσθε σ. εἰς τὸν πόλεμον (1 a)
26. 3. ἀναγγέλλω σ. κ. τῷ θεῷ μου (1 a)
— 17. τὸν θεὸν εἵλου σ. εἶναί σου θεόν (1 a)
— 18. κύριος εἵλατό σε σ. (1 a)
27. 1. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σ. (1 a)
— 4. οὓς ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. (1 a)
— 10. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. (1 a)
28. 1. ἃς ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. (1 a)
— 13. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. φυλάσσειν (1 a)
— 14. ὧν ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. (1 a)
— 15. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. (1 a)
29. 10 (9). ἑστήκατε πάντες σ. ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (1 a)
— 12 (11). ὅσα κ. ὁ θ. σου διατίθεται πρὸς σὲ σ. (1 a)
— 15 (14). τοῖς ὧδε οὖσι μεθ' ἡμῶν σ. (1 a)
— 15 (14). τοῖς μὴ οὖσιν μεθ' ὑμῶν ὧδε σ. (1 a)
30. 2. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. (1 a)
— 8. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. (1 a)
— 11. ἣν ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. (1 a)
De. 30. 15. δέδωκα πρὸ προσώπου σου σ. τὴν ζωήν (1 a)
— 16. ἃς ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σ. (1 a)
— 18. ἀναγγέλλω σοι σ. (1 a)
— 19. διαμαρτύρομαι ὑμῖν σ. (1 a)
31. 2. ἑκατὸν καὶ εἴκοσι ἐτῶν ἐγώ εἰμι σ. (1 a)
— 21. ὅσα ποιοῦσιν ὧδε σ. (1 a)
— 27. ἔτι γὰρ ἐμοῦ ζῶντος μεθ' ὑμῶν σ. (1 a)
32. 46. οὓς ἐγὼ διαμαρτύρομαι ὑμῖν σ. (1 a)
Jo. 4. 9. εἰσὶν ἐκεῖ ἕως τῆς σ. ἡμέρας (2 b)
5. 8 (9). ἐν τῇ σ. ἡμέρᾳ ἀφεῖλον (6)
6. 24 (25). ἕως τῆς σ. ἡμέρας (2 b)
7. 19. δὸς δόξαν σ. τῷ κυρίῳ θεῷ Ἰσρ. –
— 25. καθὰ καὶ σ. (9)
9. 27 : 10. 27. ἕως τῆς σ. ἡμέρας (2 b)
13. 13. ἕως τῆς σ. ἡμέρας [A *al.*] (2 b)
14. 10. ἰδοὺ ἐγὼ σ. ὀγδοήκοντα καὶ πέντε ἐτῶν (1 a)
— 11. ἔτι εἰμὶ σ. ἰσχύων (1 a)
— 14. A ἕως τῆς σ. ἡμέρας [B *al.*] (2 b)
22. 3. ἕως τῆς σ. ἡμέρας (2 b)
— 16. ἀποστραφῆναι σ. ἀπὸ κυρίου (1 a)
— 18. ἀπεστράφητε σ. ἀπὸ κυρίου (1 a)
— 18. ἐὰν ἀποστῆτε σ. [A¹ *om.*] ἀπὸ κυρίου (1 a)
— 29. B ἐν ταῖς σ. ἡμέραις [A R τῇ σ. ἡ.] (10 [6])
— 31. σ. ἐγνώκαμεν (1 a)
24. 15. ἐκλέξασθε ὑμῖν αὐτοῖς σ. (1 a)
— 27. ὅ τι ἐλάλησε πρὸς ὑμᾶς σ. –
— 30. ἕως τῆς σ. ἡμέρας –
Jd. 6. 17. ποιήσεις μοι σ. πᾶν [A *al.*] †
9. 18. ὑμεῖς ἐπανέστητε . . . σ. (1 a)
11. 27. κρίναι κύριος ὁ κρίνων σ. (1 a)
19. 9. A κατάλυσον ὧδε ἔτι σ. [B *al.*] (1 a)
21. 3. τοῦ ἐπισκεπῆναι σ. ἀπὸ Ἰσρ. φυλὴν μίαν (1 a)
— 6. ἐξεκόπη σ. φυλὴ μία ἀπὸ Ἰσρ. (1 a)
Ru. 2. 19. ποῦ συνέλεξας σ. (1 a)
— 19. μεθ' οὗ ἐποίησα σ. (1 a)
3. 18. ἕως ἂν τελέσῃ τὸ ῥῆμα σ. (1 a)
4. 9, 10. μάρτυρες ὑμεῖς σ. (1 a)
— 14. ὃς οὐ κατέλυσέ σοι σ. τὸν ἀγχιστέα (1 a)
I Ki. 4. 3. κατὰ τί ἔπταισεν ἡμᾶς κ. σ. (1 a)
— 8 (7). ἐξελοῦ ἡμᾶς, κύριε, σ. –
— 16. πέφευγα ἐκ τῆς παρατάξεως σ. (1 a)
9. 12. θυσία σ. τῷ λαῷ ἐν B. (1 a)
— 19. φάγε μετ' ἐμοῦ σ. (1 a)
— 20. περὶ τῶν ὄνων σου τῶν ἀπολωλυιῶν σ. τριταίων (1 a)
— 27. στῆθι ὡς σ. (3 a)
10. 2. ὡς ἂν ἀπέλθῃς σ. ἀπ' ἐμοῦ (1 a)
— 19. ὑμεῖς σ. ἐξουδενήκατε τὸν θεόν (1 a)
11. 13. σ. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν (1 a)
12. 5. μάρτυς χριστὸς αὐ. σ. (1 c)
— 17. οὐχὶ θερισμὸς πυρῶν σ. (1 a)
14. 28. ὃς φάγεται ἄρτον σ. (1 a)
— 30. ἔφαγεν ἔσθων σ. ὁ λαός (1 a)
— 38. ἐν τίνι γέγονεν ἡ ἁμαρτία αὕτη σ. (1 a)
— 41. τί ὅτι οὐκ ἀπεκρίθης τῷ δούλῳ σου σ. –
— 44. θανάτῳ ἀποθανῇ σ. –
— 45. εἰ σ. θανατωθήσεται –
15. 28. διέρρηξε κ. τὴν βασ. σου . . . ἐκ χειρός σου σ. (1 a)
16. 5. εὐφράνθητε μετ' ἐμοῦ σ. †
17. 10. ὠνείδισα τὴν παράταξιν Ἰσρ. σ. (1 c)
— 36. ἀφελῶ σ. ὄνειδος ἐξ Ἰσρ. –
— 45 (46). ἣν ὠνείδισας σ. (1 c)
— 45 (46). ἀποκλείσει σε κ. σ. –
18. 21. A ἐν ταῖς δυσὶν ἐπιγαμβρεύσεις μοι σ. (1 a)
20. 27. οὐ παραγέγονεν ὁ υἱὸς Ἰ. καὶ ἐχθὲς καὶ σ. (1 a)
21. 2 (3). ὁ βασ. ἐντέταλταί μοι ῥῆμα σ. –
— 5 (6). ἁγιασθήσεται σ. διὰ τὰ σκεύη μου (1 a)
22. 15. ἢ σ. ἤρξαμαι ἐρωτᾶν αὐτῷ διὰ τοῦ θ. (1 a)
24. 11. παρέδωκέ σε κ. σ. εἰς χεῖράς μου (1 a)
— 12. γνῶθι καὶ ἴδε σ. –
— 19. ἀπήγγειλάς μοι σ. (1 a)
— 19. ὡς ἀπέκλεισέ με κ. σ. εἰς χεῖράς σου –
— 20. καθὼς πεποίηκας σ. (1 c)
25. 10. σ. πεπληθυμμένοι εἰσὶν οἱ δοῦλοι (1 a)
— 32. A ὃς ἀπέστειλέ σε σ. [R σ. ἐν ταύτῃ, B *al.*] (1 c [1 a])
— 33. ἡ ἀποκωλύσασά με σ. ἐν ταύτῃ (1 a)
— 34. ὃς ἀπεκώλυσέ με σ. –
26. 8. ἀπέκλεισε κ. σ. τὸν ἐχθρόν σου (1 a)
— 19. ἐξέβαλόν με σ. (1 a)
— 21. ἐν τῇ σ. μεματαίωμαι (5 b)
— 23. παρέδωκέ σε κ. σ. [A *om.*] εἰς χεῖράς μου (1 a)

I Ki. 26. 24. καθὼς ἐμεγαλύνθη ἡ ψυχή σου σ. ἐν ταύτῃ (1 a)
27. 10. ἐπὶ τίνα ἐπέθεσθε σ. (1 a)
29. 6. ἕως τῆς σ. ἡμέρας [A ἡ. τῆς σ.] (2 b)
30. 13. ἠνωχλήθην ἐγὼ σ. τριταῖος (1 a)
— 25. ἐγένετο εἰς πρόσταγμα . . . ἕως τῆς σ. (11 b)
II Ki. 3. 8. ἐποίησα σ. ἔλεος μετὰ τοῦ οἴκου Σ. (1 a)
— 8. ἐπιζητεῖς ἐπ' ἐμὲ . . . σ. (1 a)
— 39. ἐγώ εἰμι συγγενὴς σ. (1 a)
6. 8. A ἕως τῆς σ. ἡμέρας [B al.] (2 b)
— 20. τί δεδόξασται σ. ὁ βασ. Ἰσρ. (1 a)
— 20. ὃς ἀπεκαλύφθη σ. (1 a)
11. 12. κάθισον ἐνταῦθα καί γε σ. (1 a)
14. 22. σ. ἔγνω ὁ δοῦλός σου (1 a)
15. 20. σ. κινήσω σε μεθ' ἡμῶν (1 a)
— 20. B σ. μετακινήσω σε μεθ' ἡμῶν (1 a ?)
16. 3. σ. ἐπιστρέψουσί μοι οἶκος Ἰσρ. (1 a)
18. 31. ἔκρινέ σοι κ. σ. (1 a)
19. 5 (6). κατῄσχυνας σ. τὸ πρόσωπον π. τῶν δούλων σου τῶν ἐξαιρουμ. σε σ. (1 a, 1 a)
— 6 (7). καὶ ἀνήγγειλας σ. (1 a)
— 6 (7). ὅτι ἔγνωκα σ. (1 a)
— 6 (7). πάντες ἡμεῖς σ. νεκροί (1 a)
— 7 (8). εἰ μὴ ἐκπορεύσῃ σ. –
— 20 (21). ἦλθον σ. πρότερος (1 a)
— 22 (23). γίνεσθέ μοι σ. εἰς ἐπίβουλον (1 a)
— 22 (23). σ. οὐ θανατωθήσεταί τις ἀνήρ (1 a)
— 22 (23). οὐκ οἶδα εἰ σ. βασιλεύω ἐγώ (1 a)
— 35 (36). υἱὸς ὀγδοήκοντα ἐτῶν ἐγώ εἰμι σ. (1 a)
III Ki. 1. 25. κατέβη σ. (1 a)
— 48. ὃς ἔδωκε σ. ἐκ τοῦ σπέρματός σου (1 a)
— 51. ὀμοσάτω μοι σ. Σαλ. (1 b)
2. 24. σ. θανατωθήσεται Ἀδ. (1 a)
— 31. ἐξαρεῖς σ. τὸ αἷμα –
5. 7 (21). εὐλογητὸς ὁ θεὸς σ. (1 a)
8. 15. εὐλογητὸς κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. σ. –
— 28. ἧς ὁ δοῦλός σου προσεύχεται . . . σ. (1 a)
— 56. εὐλογητὸς κύριος σ. –
18. 15. σ. ὀφθήσομαι αὐτῷ (1 a)
— 36. ἐπάκουσόν μου σ. ἐν πυρί [A al.] (1 a)
21 (20). 13. δίδωμι αὐτὸν σ. εἰς χεῖρας σάς (1 a)
22. 5. ἐπερωτήσατε δὴ σ. τὸν κύριον (1 b)
IV Ki. 2. 3. κύριος σ. λαμβάνει τὸν κύριόν σου (1 a)
— 5. σ. λαμβάνει κύριος τὸν κύριόν σου (1 a)
4. 23. τί ὅτι σὺ πορεύῃ πρὸς αὐτὸν σ. (1 a)
6. 28. φαγόμεθα αὐτὸν σ. (1 a)
— 31. εἰ στήσεται ἡ κεφ. Ἐλ. ἐπ' αὐτῷ σ. (1 a)
I Ch. 29. 5. πληρῶσαι τὰς χεῖρας αὐ. σ. κυρίῳ (1 a)
II Ch. 6. 19. τοῦ ἐπακοῦσαι τῆς δεήσεως . . . σ. –
10. 7. ἐὰν ἐν τῇ σ. γένῃ εἰς ἀγαθὸν τῷ λαῷ τ. –
18. 4. ζήτησον δὴ σ. τὸν κύριον (1 b)
35. 21. οὐκ ἐπὶ σὲ ἥκω σ. (1 a)
— 25. εἶπαν . . . θρῆνον ἐπὶ Ἰωσ. ἕως τῆς σ. (11 a)
I Es. 8. 77. μέχρι τῆς σ. ἡμέρας
— 89. κατελείφθημεν γὰρ ῥίζα ἐν τῇ σ.
Ne. 1. 6. ἣν ἐγὼ προσεύχομαι ἐνώπιόν σου σ. (1 a)
— 11. εὐόδωσον δὴ τῷ παιδί σου σ. (1 a)
4. 2 (3. 34). B σ. ἰάσονται τοὺς λίθους (1 d)
5. 11. ἐπιστρέψατε δὴ αὐτοῖς ὡς σ. ἀγροὺς αὐ. (3 c)
9. 36. ἰδοὺ ἐσμεν σ. δοῦλοι (1 a)
To. 6. 10. σ. αὐλισθησόμεθα παρὰ Ῥαγ. [S al.]
7. 12. S δέδοται σοι ἀπὸ τῆς σ.
Ju. 6. 2. ἐπροφήτευσας ἐν ἡμῖν καθὼς σ.
7. 28 : 8. 12, 18. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ σ.
8. 29. οὐκ ἐν τῇ σ. [S¹ σῇ μερίμνῃ] ἡ σοφία σου πρόδηλός ἐστιν
12. 18. A B ἐμεγαλύνθη τὸ ζῆν μου ἐν ἐμοὶ σ.
13. 11. καθὰ καὶ σ. ἐποίησε
— 17. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ σ.
Es. 1. 18. οὕτως σ. αἱ τυραννίδες αἱ λοιπαί (1 c)
5. 4. ἡμέρα μου ἐπίσημος σ. ἐστιν –
— 4. ἣν ποιήσω σ. (1 a ?)
Ps. 2. 7. ἐγὼ σ. γεγέννηκά σε (1 a)
94 (95). 7. σ. ἐὰν τῆς φωνῆς αὐτοῦ ἀκούσητε (1 a)
Pr. 7. 14. σ. ἀποδίδωμι τὰς εὐχάς μου (1 a)
Si. 10. 10. βασιλεὺς σ. καὶ [S¹ καὶ αὐτὸς] αὔριον τελευτήσει
20. 15. σ. δανιεῖ καὶ αὔριον ἀπαιτήσει [A ἀποτίσει]
38. 22. ἐμοὶ ἐχθὲς καὶ σοὶ σ.
47. 7. ἕως σ. συνέτριψεν αὐτῶν κέρας
Is. 10. 32. παρακαλεῖτε σ. ἐν ὁδῷ τοῦ μεῖναι (1 a)
37. 3. ἡμέρα θλίψεως . . . ἡ σ. ἡμέρα (2 b)
38. 19. ἀπὸ γὰρ τῆς σ. παιδία ποιήσω (11 a)
58. 4. ἵνα τί μοι νηστεύετε ὡς σ. (3 a)
Je. 1. 10. καθέστακά σε σ. ἐπὶ ἔθνη (1 c)
— 18. τέθεικά σε ἐν τῇ σ. ἡμέρᾳ ὡς πόλιν ὀχυράν (6)
Je. 41 (34). 15. ἐπέστρεψαν σ. ποιῆσαι τὸ εὐθές (1 a)
Ba. 3. 8. ἡμεῖς σ. ἐν τῇ ἀποικίᾳ ἡμῶν
Ez. 2. 3. ἕως τῆς σ. ἡμέρας (2 b)
8. 9. A ἃς οὗτοι ποιοῦσιν ὧδε σ. [B om.] –
20. 29. ἕως τῆς σ. ἡμέρας (2 b)
— 31. ἕως τῆς σ. ἡμέρας (2 a)
24. 2. ἀπὸ τῆς ἡμέρας τῆς σ. (2 b)
Da. LXX. Su. 55. σχίσει σου τὴν ψυχὴν σ.
3. (37). ἐσμὲν ταπεινοὶ ἐν πάσῃ τῇ γῇ σ.
— (40). γενέσθω ἡμῶν ἡ θυσία ἐνώπιόν σου σ.
Da. TH. 3. (37). ἐσμὲν ταπεινοὶ ἐν πάσῃ τῇ γῇ σ.
— (40). γενέσθω θυσία ἡμῶν ἐνώπιόν σου σ.
I Ma. 2. 63. σ. ἐπαρθήσεται
3. 17. ἐκλελύμεθα ἀσιτοῦντες σ.
4. 10. καὶ συντρίψει τὴν παρεμβολὴν ταύτην . . . σ.
5. 32. πολεμήσατε σ. ὑπὲρ τῶν ἀδελφῶν ὑμῶν
6. 26. παρεμβεβλήκασι σ. ἐπὶ τὴν ἄκραν
7. 42. σύντριψον τὴν παρεμβολὴν ταύτην . . . σ.
9. 30. νῦν οὖν σε ᾑρετισάμεθα σ.
— 44. οὐ γάρ ἐστι σ. ὡς ἐχθές
10. 20. καθεστάκαμέν σε σ. ἀρχιερέα τοῦ ἔθνους σου
— 30. ἀφίημι ἀπὸ τῆς σ. καὶ ἐπέκεινα
— 30. ἀπὸ τῆς σ. ἡμέρας καὶ εἰς τὸν ἅπαντα χρόνον
13. 39. ἕως τῆς σ. ἡμέρας
16. 2. ἀπὸ νεότητος ἕως τῆς σ. ἡμέρας
III Ma. 5. 20. τὸ τῆς σ. ὕπνῳ χάριν ἔχειν αὐτούς
6. 13. πτηξάτω δὲ ἔθνη σὴν δύναμιν ἀνίκητον σ.
[Aq. Ex. 16. 25 : 32. 29 : 34. 11 : Ps. 2. 7 : Je. 42 (49). 19.]
[Sm. Ex. 16. 25 : 32. 29 : 34. 11 : I Ki. 14. 38 : 17. 10 : III Ki. 8. 24 : Is. 38. 19 : Je. 44 (51). 2, 6.]
[Th. Ex. 16. 25 : 32. 29 : 34. 11 : Je. 40 (47). 4.]
[Al. III Ki. 1. 51.]

σηνίθ.
[Heb. Ma. 2. 13.]

σηπεδών.
[Sm. Je. 18. 28.]

σήπειν. (1) בָּלָה (2) מָקַק ni.
Jb. 16. 8 (7). κατάκοπόν με πεποίηκε μωρὸν σεσηπότα †
19. 20. ἐν δέρματί μου ἐσάπησαν αἱ σάρκες μου †
33. 21. ἕως ἂν σαπῶσιν αὐτοῦ αἱ σάρκες (1)
40. 7 (12). σῆψον δὲ ἀσεβεῖς παραχρῆμα †
Ps. 37 (38). 5. ἐσάπησαν οἱ μώλωπές μου (2)
Si. 14. 19. πᾶν ἔργον σηπόμενον ἐκλείπει
Ep. Je. 72. ἀπὸ . . . τῆς μαρμάρου τῆς ἐπ' αὐτοὺς [A -ῶν] σηπομένης
Ez. 17. 9. οὐχὶ . . . ὁ καρπὸς σαπήσεται †
[Aq. Pr. 10. 7.]
[Sm. Pr. 10. 7 : Ec. 10. 1.]

σήπη.
Si. 19. 3. A B¹ S² σήπη [S¹ σῆπες, B³ R σῆτες] καὶ σκώληκες κληρονομήσουσιν αὐτόν [S¹ τὴν γῆν]
[Al. Je. 17. 14 : 21. 26.]

σής. (1) סָס (2) עָשׁ (3) רָקָב
Jb. 4. 19. ἔπαισεν αὐτοὺς σητὸς τρόπον (2)
27. 18. ἀπέβη δὲ ὁ οἶκος αὐ. ὥσπερ σῆτες [A -ός] (2)
— 20. S¹ συνήντησαν αὐτῷ ὥσπερ σῆτες αἱ ὀδύναι [A B S⁴ al.] †
32. 22. εἰ δὲ μὴ καὶ ἐμὲ σῆτες ἔδονται †
Pr. 14. 30. σὴς δὲ ὀστέων καρδία αἰσθητική (3)
25. 20. ὥσπερ σὴς ἐν [A S om.] ἱματίῳ –
Si. 19. 3. B³ R σῆτες [A B¹ S² σήπη, S¹ σῆπες] καὶ σκώληκες κληρονομήσουσιν αὐτόν [S¹ τὴν γῆν]
42. 13. ἀπὸ γὰρ ἱματίων ἐκπορεύεται σής
Mi. 7. 4. ὡς σὴς ἐκτρώγων †
Is. 33. 1. ὡς σ. ἐφ' ἱματίου [S -ίῳ] †
50. 9. σ. [A ὡς σ.] καταφάγεται ὑμᾶς (2)
51. 8. ὡς ἔρια βρωθήσεται ὑπὸ σητός (1)

σητόβρωτος. (1) אֲכַל עָשׁ
Jb. 13. 28. ἢ ὥσπερ ἱμάτιον σητόβρωτον (1)

σήψ.
Si. 19. 3. S¹ σῆπες [A B¹ S² σήπη, B³ R σῆτες] καὶ σκώληκες κληρονομήσουσιν αὐτόν [S¹ τὴν γῆν]

σῆψις. (1) רִמָּה
Is. 14. 11. ὑποκάτω σου στρώσουσι σῆψιν (1)
[Aq. Je. 17. 14 (P.) : Ho. 5. 12.]
[Sm. Ho. 5. 12.]

σθένειν (σθάνειν).
III Ma. 3. 8. βοηθεῖν μὲν οὐκ ἔσθενον

σθένος. (1) גְּבוּרָה (2) שְׁאָנָה
Jb. 4. 10. σθένος λέοντος φωνὴ δὲ λεαίνης (2)
16. 16 (15). τὸ δὲ σθ. μου ἐν γῇ ἐσβέσθη †
26. 14. σθένος δὲ βροντῆς αὐτοῦ τίς οἶδεν ὁπότε ποιήσει (1)
III Ma. 2. 2. θράσει καὶ σθένει πεφρυασμένου
[Sm. Ps. 26 (27). 1.]

σιαγόνιον. (1) לְחִי
De. 18. 3. δώσει τῷ ἰ. . . . τὰ σ. (1)

σιαγών. (1) לְחִי (2) פֶּה
Jd. 15. 14. ἦλθον ἕως σιαγόνος (1)
— 15. εὗρε σιαγόνα ὄνου ἐξερριμμένην (1)
— 16. ἐν σιαγόνι ὄνου ἐξαλείφων ἐξήλειψα αὐτούς (1)
— 16. ἐν τῇ σ. τοῦ [A ἐν σ.] ὄνου ἐπάταξα χιλίους ἄνδρας (1)
— 17. ἔρριψε τὴν σ. ἐκ τῆς χειρὸς αὐ. (1)
— 17. ἀναίρεσις σιαγόνος (1)
— 19. τὸν λάκκον τὸν ἐν τῇ σ. [A τὸ τραῦμα τῆς σ.] (1)
— 19. ἥ ἐστιν ἐν σιαγόνι [A al.] (1)
III Ki. 22. 24 : II Ch. 18. 23. ἐπάταξε τὸν Μ. ἐπὶ τὴν σ. (1)
Jb. 21. 5. χεῖρα θέντες ἐπὶ σιαγόνι [A στόμα] (2)
Ps. 31 (32). 9. ἐν χαλινῷ καὶ κημῷ τὰς σ. αὐ. ἄγξαι †
Ca. 1. 10. τί ὡραιώθησαν σιαγόνες σου (1)
5. 13. σιαγόνες αὐτοῦ ὡς φιάλαι τοῦ ἀρώματος (1)
Si. 32 (35). 15. οὐχὶ δάκρυα χήρας ἐπὶ σιαγόνα [A -όνι, S -ας] καταβαίνει
Ho. 11. 4. ὡς ῥαπίζων ἄνθρωπος ἐπὶ τὰς σ. αὐ. (1)
Mi. 5. 1 (4. 14). πατάξουσιν ἐπὶ σιαγόνα [A -ας] τὰς φυλὰς τοῦ Ἰσρ. (1)
Is. 50. 6. τὰς δὲ σ. μου εἰς ῥαπίσματα (1)
La. 1. 2. τὰ δάκρυα αὐτῆς ἐπὶ τῶν σ. αὐτῆς (1)
3. 30. δώσει τῷ παίοντι αὐτὸν σιαγόνα (1)
Ez. 29. 4. δώσω παγίδας εἰς τὰς σ. σου (1)
[Aq. Dt. 34. 7 : Jd. 15. 9, 19 : Je. 16. 10 : Ps. 3. 8 : Is. 30. 28 : Mi. 5. 1 (4. 14).]
[Sm. Dt. 34. 7 : Jd. 15. 9, 19 : Ps. 3. 8 : Mi. 5. 1 (4. 14).]
[Th. Dt. 34. 7 : Jd. 15. 9, 19 : Je. 40. 21 (26) : Is. 30. 28 : Ez. 38. 4 : Mi. 5. 1 (4. 14).]

σιβύνη, *vid. sub* **ζιβύνη.**

σίγα. (1) שׁוּעַ
Is. 32. 5. οὐκέτι μὴ εἴπωσιν οἱ ὑπηρέται σου, Σίγα (1)

σιγᾶν. (1) דָּמָה (2) חֵס (3) חָרַשׁ *a.* qal. *b.* hi. (4) חָשָׁה *a.* qal. *b.* hi.
Ex. 14. 14. καὶ ὑμεῖς σιγήσετε (3 b)
Jd. 18. 9. A ἐνεπεριεπατήσαμεν . . . ἕως σιγῆσαι –
I Es. 3. 24. ἐσίγησεν οὕτως εἴπας
4. 12. καὶ ἐσίγησεν
To. 6. 1. S ἐσίγησεν [A B ἐπαύσατο] κλαίουσα
10. 6. σίγα μὴ λόγον ἔχε
— 7. σίγα μὴ πλάνα με [S al.]
Ps. 31 (32). 3. ὅτι ἐσίγησα (3 b)
38 (39). 2. ἐσίγησα ἐξ ἀγαθῶν (4 b)
49 (50). 21. ταῦτα ἐποίησας καὶ ἐσίγησα (3 b)
82 (83). 1. μὴ σιγήσῃς μηδὲ καταπαύνῃς (3 a)
106 (107). 29. ἐσίγησαν τὰ κύματα αὐτῆς (4 a)
Ec. 3. 7. καιρὸς τοῦ σιγᾶν (4 a)
Wi. 8. 12. σιγῶντά με περιμενοῦσι
Si. 13. 23. πάντες ἐσίγησαν
20. 7. ἄνθρωπος σοφὸς σιγήσει [S σιωπήσει] ἕως καιροῦ
Am. 6. 11 (10). καὶ ἐρεῖ, Σίγα (2)
La. 3. 49. οὐ σιγήσομαι [A σιωπήσ.] τοῦ μὴ εἶναι ἔκνηψιν (1)
I Ma. 11. 5. καὶ ἐσίγησεν ὁ βασ.
[Aq. Ps. 27 (28). 1 : 36 (37). 7 : 38 (39). 3 : Is. 42. 14 : Je. 8. 14 : 50 (27). 30.]
[Sm. Jd. 3. 19 : Je. 33. 33 : Ps. 27 (28). 1 : 108 (109). 1 : Is. 23. 2 : Je. 8. 14 : Ez. 24. 17.]
[Al. Jd. 18. 19.]

σιγή.

Wi. 18. 14. ἡσύχου γὰρ σιγῆς περιεχούσης τὰ πάντα
III Ma. 3. 23. βδελύσσονται λόγῳ τε καὶ σιγῇ τοὺς . . . διακειμένους
[Aq., Sext. Ps. 21 (22). 3.]
[Sm. Ps. 21 (22). 3 : 38 (39). 3.]
[Th. Ps. 21 (22). 3 : Is. 62. 7.]

σιγηρός.

Pr. 18. 18. ἀντιλογίας παύει σιγηρός [S² κλῆρος] †
Si. 26. 14. δόσις κυρίου γυνὴ σιγηρά

σίγχος.

[Sm. La. 1. 8 (Sw.).]

σιδήραιος, σιδήρεος, *vid. sub* **σιδηροῦς.**

σιδήριον. (1) בַּרְזֶל

De. 19. 5. καὶ ἐκπεσὼν τὸ σ. ἀπὸ τοῦ ξύλου (1)
IV Ki. 6. 5. τὸ σ. ἐξέπεσεν εἰς τὸ ὕδωρ (1)
— 6. ἐπεπόλασε τὸ σ. [A -ρον] (1)
Jb. 19. 24. S ἐν γραφείῳ σιδηρίῳ [A B -ρῷ] (1)
Ec. 10. 10. ἐὰν ἐκπέσῃ τὸ σ. (1)
[Sm., Th. Jb. 41. 22.]

σιδηρόδεσμος.

III Ma. 4. 9. θηρίων τρόπον ἀγόμενοι σιδηροδέσμοις ἀνάγκαις

σίδηρον. (1) בַּרְזֶל

IV Ki. 6. 6. A ἐπεπόλασε τὸ σ. [B -ριον] (1)

σίδηρος. (1) בַּרְזֶל (2) נְפֶרֶת (3) חֶרֶב (4) מוֹרָה (5) פַּרְזֶל (6) τέκτων σιδήρου חָרָשׁ

Ge. 4. 22. χαλκεὺς χαλκοῦ καὶ σιδήρου (1)
Nu. 31. 22. πλὴν τοῦ χρυσίου . . . καὶ σιδήρου (1)
35. 16. ἐὰν δὲ ἐν σκεύει σιδήρου πατάξῃ αὐτόν (1)
De. 8. 9. γῆ ἧς οἱ λίθοι σίδηρος (1)
20. 19. ἐπιβαλεῖν ἐπ' αὐτὰ σίδηρον (2)
27. 5. οὐκ ἐπιβαλεῖς ἐπ' αὐτὸ σίδηρον (1)
33. 25. σίδηρος καὶ χαλκὸς τὸ ὑπόδημα αὐ. ἔσται (1)
Jo. 6. 18 (19). χρυσίον . . . ἢ σίδηρος ἅγιον ἔσται τῷ κ. (1)
— 23 (24). πλὴν ἀργυρίου . . . καὶ σιδήρου (1)
9. 2 (8. 31). ἐφ' οὓς οὐκ ἐπεβλήθη σίδηρος (1)
17. 16. καὶ σίδηρος τῷ Χαν. τῷ κατοικοῦντι ἐν αὐτῷ (1)
22. 8. ἀργύριον καὶ χρυσίον καὶ σίδηρον [A om. κ. σ.] (1)
Jd. 13. 5. σίδηρος ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ. οὐκ ἀναβήσεται (4)
16. 17. σίδηρος οὐκ ἀνέβη ἐπὶ τὴν κεφ. μου [A al.] (4)
I Ki. 1. 11. σίδηρος οὐκ ἀναβήσεται ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ. (4)
13. 19. B τέκτων σιδήρου οὐχ εὑρίσκετο (6)
17. 5. πέντε χιλιάδες σίκλων χαλκοῦ καὶ σιδήρου –
— 7. ἡ λόγχη αὐ. ἑξακοσίων σίκλων σιδήρου (1)
II Ki. 23. 7. καὶ πλῆρες σιδήρου (1)
III Ki. 8. 51. ἐκ μέσου χωνευτηρίου σιδήρου (1)
I Ch. 22. 3. καὶ σ. πολὺν εἰς τοὺς ἥλους (1)
— 14. ἡτοίμασα . . . χαλκὸν καὶ σίδηρον (1)
— 16. ἐν . . . χαλκῷ καὶ ἐν σιδήρῳ (1)
29. 2. ἡτοίμακα . . . σίδηρον (1)
— 7. καὶ σιδήρου ταλάντων χιλιάδας ἑκατόν (1)
II Ch. 2. 7 (6). εἰδότα τοῦ ποιῆσαι . . . ἐν τῷ σ. (1)
— 14 (13). εἰδότα ποιῆσαι . . . ἐν σιδήρῳ (1)
24. 12. ἐμισθοῦντο . . . χαλκεῖς σιδήρου [A om. χ. σ.] (1)
Ju. 6. 6. τότε διελεύσεται ὁ σ. τῆς στρατιᾶς μου
9. 8. καταβαλεῖν σιδήρῳ κέρας θυσιαστηρίου σου
Jb. 5. 20. ἐκ χειρὸς σιδήρου λύσει σε (3)
15. 22. ἐντέταλται [A -ακται] γὰρ ἤδη εἰς χεῖρας σιδήρου (3)
20. 24. οὐ μὴ σωθῇ ἐκ χειρὸς σιδήρου (1)
28. 2. σίδηρος μὲν γὰρ ἐκ γῆς γίνεται (1)
39. 22. οὐ μὴ ἀποστραφῇ ἀπὸ [A om.] σιδήρου [A -ον] (3)
40. 13 (18). ἡ δὲ ῥάχις αὐτοῦ σίδηρος [A ὡς σ.] χυτός (1)
41. 18 (19). ἤγηται μὲν γὰρ σίδηρον ἄχυρα (1)
Ps. 104 (105). 18. σίδηρον διῆλθεν ἡ ψυχὴ αὐτοῦ (1)
106 (107). 10. πεπεδημένους ἐν πτωχείᾳ καὶ σιδήρῳ (1)
Pr. 27. 17. σίδηρος σίδηρον ὀξύνει (1, 1)
Wi. 13. 15. ἐν τοίχῳ ἔθηκεν αὐτὸ ἀσφαλισάμενος σιδήρῳ
Si. 22. 15. βῶλον σιδήρου [A S¹ -οῦν] εὔκοπον ὑπενεγκεῖν
38. 28. καταμανθάνων ἀργῷ σιδήρῳ [A S al.]
39. 26. ὕδωρ πῦρ [A S² καὶ π.] καὶ σίδηρος
48. 17. ὤρυξε σιδήρῳ ἀκρότομον
Is. 44. 12. ὤξυνε τέκτων σίδηρον (1)
60. 17. ἀντὶ δὲ σιδήρου οἴσω σοι ἀργύριον . . . ἀντὶ δὲ λίθων σίδηρον (1, 1)
Je. 6. 28. χαλκὸς καὶ σ. πάντες διεφθαρμένοι εἰσίν (1)
15. 12. εἰ γνωσθήσεται σ. (1)
Ez. 22. 18. ἀναμεμιγμένοι πάντες χαλκῷ καὶ σιδήρῳ (1)
— 20. εἰσδέχεται ἄργυρος καὶ χαλκὸς καὶ σ. (1)
27. 12. σίδηρον καὶ κασσίτερον . . . ἔδωκαν τὴν ἀγοράν σου (1)
— 19. ἐξ Ἀσὴλ σ. εἰργασμένος [A -ον εἰργασμένον] (1)
Da. LXX. 2. 33. μέρος μέν τι σιδήρου (5)
— 35. λεπτὰ ἐγένετο ἅμα ὁ σ. καὶ τὸ ὄστρακον (5)
— 40. βασιλεία τετάρτη ἰσχυρὰ ὡς ὁ σ. ὥσπερ ὁ σ. ὁ δαμάζων πάντα καὶ ὡς ὁ σ. πᾶν δένδρον ἐκκόπτων (5 *ter*)
— 41. μέρος δέ τι σιδήρου (5)
— 41. καθάπερ εἶδες τὸν σ. ἀναμεμιγμένον (5)
— 43. ὡς εἶδες τὸν σ. ἀναμεμιγμένον (5)
— 43. ὥσπερ οὐδὲ ὁ σ. δύναται συγκραθῆναι (5)
— 45. συνηλόησε τὸ ὄστρακον τὸν σ. (5)
Bel 25. ἀνελῶ τὸν δράκοντα ἄνευ σιδήρου
Da. TH. 2. 35. ἐλεπτύνθησαν εἰσάπαξ τὸ ὄστρακον ὁ σ. (5)
— 40. βασιλεία τετάρτη ἔσται ἰσχυρὰ ὡς ὁ σ. (5)
— 40. ὃν τρόπον ὁ σ. λεπτύνει . . . πάντα (5)
— 41. ὃν τρόπον εἶδες τὸν σ. ἀναμεμιγμένον (5)
— 43. εἶδες τὸν σ. ἀναμεμιγμένον τῷ ὀστράκῳ (5)
— 43. καθὼς ὁ σ. οὐκ ἀναμίγνυται (5)
— 45. ἐλέπτυνε τὸ ὄστρακον τὸν σ. (5)
IV Ma. 14. 19. καθάπερ σιδήρῳ τῷ κέντρῳ πλήσσουσι
[Aq. Je. 15. 12 *bis*: Da. 2. 41 (Sw.).]
[Sm. Ps. 104 (105). 18: Je. 15. 12 *bis*: Da. 2. 41 (Sw.).]
[Th. Da. 2. 40.]

σιδηροῦς. (1) בַּרְזֶל (2) פַּרְזֶל

Le. 26. 19. θήσω τὸν οὐρανὸν ὑμῖν σιδηροῦν (1)
De. 3. 11. ἡ κλίνη αὐ. κλίνη σ. (1)
4. 20. ἐξήγαγεν ὑμᾶς . . . ἐκ τῆς καμίνου τῆς σ. (1)
28. 23. ἔσται . . . ἡ γῆ ἡ ὑποκάτω σου σιδηρᾶ (1)
— 48. ἐπιθήσει κλοιὸν σ. ἐπὶ τὸν τράχηλόν σου (1)
Jd. 4. 3. ἐννακόσια ἅρματα σιδηρᾶ ἦν αὐτῷ (1)
— 13. ἐννακόσια ἅρματα σ. (1)
II Ki. 12. 31. καὶ ἔθηκεν . . . ἐν τοῖς τριβόλοις τοῖς σ. (1)
— 31. A B καὶ ὑποτομεῦσι σιδηροῖς (1)
III Ki. 6. 7. πᾶν σκεῦος σ. οὐκ ἠκούσθη (1)
22. 11. ἐποίησεν ἑαυτῷ Σεδ. υἱὸς Χ. κέρατα σ. (1)
I Ch. 20. 3. διέπρισε . . . ἐν σκεπάρνοις σ. (1)
II Ch. 18. 10. ἐποίησεν ἑαυτῷ Σεδ. υἱὸς Χ. κέρατα σ. (1)
Jb. 19. 24. ἐν γραφείῳ σιδηρῷ [S -ίῳ] καὶ μολίβῳ (1)
Ps. 2. 9. ποιμανεῖς αὐτοὺς ἐν ῥάβδῳ σιδηρᾷ (1)
106 (107). 16. μοχλοὺς σ. συνέθλασεν (1)
149. 8. καὶ τοὺς ἐνδόξους αὐ. ἐν χειροπέδαις σ. (1)
Si. 22. 15. A S¹ βῶλον σιδηροῦν [B S² -ρου] εὔκοπον ὑπενεγκεῖν
28. 20. ὁ γὰρ ζυγὸς αὐτῆς ζυγὸς σιδηροῦς
Am. 1. 3. ἔπριζον πρίσσι σιδηροῖς τὰς ἐν γαστρὶ ἐχούσας (1)
Mi. 4. 13. τὰ κέρατά σου θήσομαι σιδηρᾶ (1)
Is. 45. 2. μοχλοὺς σιδηροῦς συγκλάσω (1)
48. 4. νεῦρον σιδηροῦν ὁ τράχηλός σου (1)
Je. 11. 4. ἐκ γῆς Αἰγύπτου ἐκ καμίνου τῆς σ. (1)
35 (28). 13. ποιήσω ἀντ' αὐτῶν κλοιοὺς σιδηροῦς (1)
— 14. ζυγὸν σιδηροῦν ἔθηκα ἐπὶ τὸν τράχηλον πάντων τῶν ἐθνῶν (1)
Ez. 4. 3. λάβε σεαυτῷ τήγανον σιδηροῦν καὶ θήσεις αὐτὸ τοῖχον σιδηροῦν (1, 1)
Da. LXX. 2. 33. τὰ δὲ σκέλη σ. (2)
— 34. ἐπάταξε τὴν εἰκόνα ἐπὶ τοὺς πόδας τοὺς σ. (2)
— 42. μέρος μέν τι σιδηροῦν (2)
7. 7. ἔχον ὀδόντας σ. μεγάλους (2)
— 19. οἱ ὀδόντες αὐ. σ. (2)
Da. TH. 2. 33. αἱ κνημαὶ σ. οἱ πόδες μέρος μέν τι σιδηροῦν (2, 2)
— 34. ἐπάταξε τὴν εἰκόνα ἐπὶ τοὺς πόδας τοὺς σ. (2)
Da. TH. 2. 41. μέρος δέ τι σιδηροῦν (2)
— 41. ἀπὸ τῆς ῥίζης τῆς σ. ἔσται ἐν αὐτῇ (2)
— 42. μέρος μέν τι σιδηροῦν (2)
4. 12. ἐν δεσμῷ σ. . . . κοιτασθήσεται (2)
— 20. ἐν δεσμῷ σ. . . . αὐλισθήσεται (2)
5. 4. ἤνεσαν τοὺς θεοὺς τοὺς . . . σ. (2)
— 23. τοὺς θεοὺς τοὺς . . . σ. . . . ἤνεσας (2)
7. 7. καὶ οἱ ὀδόντες αὐ. σ. (2)
— 19. οἱ ὀδόντες αὐ. σ. (2)
II Ma. 11. 9. σ. τείχη τιτρώσκειν ὄντες ἕτοιμοι
III Ma. 3. 25. ἀποστεῖλαι πρὸς ἡμᾶς ἐν δεσμοῖς σ.
IV Ma. 8. 13. ὡς δὲ . . . χεῖρας σ. . . . προέθεσαν
9. 26. σιδηρᾶς [S¹ -έας] ἐναρμοσάμενοι χεῖρας
— 27. ταῖς σ. [S¹ -αίαις] χερσὶν ἐπισπασάμενοι
11. 10. καὶ ταῦτα πυδάγραις σ. ἐφαρμόσαντες
[Aq. Je. 1. 18 : 17. 1.]
[Sm. Jb. 40. 13 (18): Je. 17. 1 : Am. 1. 3.]
[Th. Je. 1. 18 : 17. 1 : Da. 2. 41.]
[Al. Jd. 1. 19.]

σιείμ.

[Aq. Is. 34. 14 : Je. 50 (27). 39.]
[Sm., Th. Is. 34. 14.]

σιείν.

[Aq., Sm., Th. Is. 13. 21.]

σίελον (-ος). (1) רִיר

I Ki. 21. 13 (14). τὰ σ. αὐ. κατέρρει ἐπὶ τὸν πώγωνα αὐ. (1)
Is. 40. 15. ὡς σίελος [A¹ -ον] λογισθήσονται [A² al.] †

σίκερα. (1) שֵׁכָר

Le. 10. 9. οἶνον καὶ σίκερα οὐ πίεσθε (1)
Nu. 6. 3. ἀπὸ οἴνου καὶ σίκερα (1)
— 3. ὄξος ἐκ σίκερα οὐ πίεται (1)
28. 7. σπείσεις σπονδὴν σίκερα κυρίῳ (1)
De. 14. 26. A B ἐπὶ οἴνῳ ἢ ἐπὶ σίκερα (1)
29. 6 (5). οἶνον καὶ σίκερα οὐκ ἐπίετε (1)
Jd. 13. 4, 7. A μὴ πίῃς . . . σίκερα [B μέθυσμα] (1)
— 14. A B σίκερα [B om.] μέθυσμα [A om.] μὴ πιέτω (1)
Is. 5. 11. οὐαὶ οἱ . . . τὸ σ. διώκοντες (1)
— 22. οὐαὶ . . . οἱ δυνάσται οἱ κεραννύντες τὸ σ. (1)
24. 9. πικρὸν ἐγένετο τὸ σ. τοῖς πίνουσιν (1)
28. 7. ἐπλανήθησαν διὰ τὸ σ. . . . ἐξέστησαν διὰ τὸ σ. [A S om. δ. τ. σ.] . . . ἐσείσθησαν ἀπὸ τῆς μέθης [A S add. τοῦ σ.] (1, 1, [1])
29. 9. κραιπαλήσατε οὐκ ἀπὸ σ. οὐδὲ ἀπὸ οἴνου (1)
[Th. Jd. 13. 7: Is. 29. 9.]

σίκιμα. (1) שֶׁכֶם

Ge. 48. 22. δίδωμί σοι σ. ἐξαίρετον (1)

σίκλος. (1) שֶׁקֶל

Ex. 30. 23. τὸ ἄνθος σμύρνης ἐκλεκτῆς πεντακοσίους σ. –
— 24. καὶ ἴρεως πεντακοσίους σ. τοῦ ἁγίου (1)
39. 1 (38. 24). ἑπτακόσιοι εἴκοσι σίκλοι κατὰ τὸν σ. τὸν ἅγιον (1, 1)
— 2. (38. 25). καὶ χίλιοι ἑπτακόσιοι ἑβδομήκοντα πέντε σίκλοι (1)
— 2 (38. 26). δραχμὴ μία τῇ κεφαλῇ τὸ ἥμισυ τοῦ σ. κατὰ τὸν σ. τὸν ἅγιον (1, 1)
— 6 (38. 28). τοὺς χιλίους . . . σ. ἐποίησαν εἰς τὰς ἀγκύλας –
— 7 (38. 29). καὶ χίλιοι πεντακόσιοι σ. [A al.] (1)
Le. 5. 15. τιμῆς ἀργυρίου σίκλων τῷ σ. [A τοῦ σ.] τῶν ἁγίων (1, 1)
Nu. 3. 47. λήψῃ πέντε σίκλους (1)
— 47. εἴκοσι ὀβολοὺς τοῦ σ. [A al.] (1)
— 50. χιλίους τριακοσίους ἑξήκοντα πέντε σίκλους [A om.] κατὰ τὸν σ. τὸν ἅγιον (–, 1)
7. 13, 19, 25, 31, 37, 43, 49, 55, 61, 67, 73, 79. ἑβδομήκοντα σίκλων κατὰ τὸν σ. τὸν ἅγιον (1, 1)
— 85. τριάκοντα καὶ ἑκατὸν σίκλων τὸ τρυβλίον τὸ ἕν –
— 85. ἑβδομήκοντα σίκλων ἡ φιάλη ἡ μία –
— 85. A B δισχίλιοι καὶ τετρακόσιοι σ. [B add. σίκλοι] ἐν τῷ σ. τῷ ἁγίῳ (–, [–], 1)
— 86. A ἐν τῷ σ. τῶν ἁγίων (1)
18. 16. ἡ συντίμησις πέντε σίκλων κατὰ τὸν σ. τὸν ἅγιον (1, 1)
31. 52. ἑπτακόσιοι καὶ πεντήκοντα σίκλοι (1)

De. 22. 19. ζημιώσουσιν αὐτὸν ἑκατὸν σίκλους †
Jd. 8. 26. A σ. χίλιοι καὶ ἑπτακόσιοι χρυσοῦ [B *al.*] –
I Ki. 9. 8. εὕρηται . . . τέταρτον σίκλου ἀργυρίου (1)
13. 21. B τὰ δὲ σκεύη ἦν τρεῖς σίκλοι εἰς τὸν ὀδόντα †
17. 5. πέντε χιλιάδες σίκλων χαλκοῦ (1)
— 7. ἡ λόγχη αὐ. ἑξακοσίων σ. σιδήρου (1)
II Ki. 14. 26. ἔστησε τὴν τρίχα τῆς κεφ. αὐ. διακοσίους σ. ἐν τῷ σ. τῷ βασιλικῷ (1, †)
18. 12. ἵστημι ἐπὶ τὰς χεῖράς μου χιλίους σ. ἀργυρίου –
21. 16. καὶ ὁ σταθμὸς τοῦ δόρατος αὐ. τριακοσίων σ. –
24. 24. ἐν ἀργυρίῳ σίκλων πεντήκοντα (1)
IV Ki. 6. 25. B^2 ἐγενήθη κεφαλὴ ὄνου πεντήκοντα σίκλων [A B^1 R *om.*] ἀργυρίου –
7. 1. μέτρον σεμιδάλεως σίκλου (1)
— 1. A B^2 R καὶ δίμετρον κριθῶν σίκλου (1)
— 16. καὶ ἐγένετο μέτρον σεμιδάλεως σίκλου (1)
— 16. καὶ δίμετρον κριθῶν σίκλου (1)
— 18. δίμετρον κριθῆς σίκλου (1)
— 18. μέτρον σεμιδάλεως σίκλου (1)
15. 20. πεντήκοντα σίκλους [A σ. ἀργυρίου] τῷ ἀνδρὶ τῷ ἑνί (1)
I Ch. 21. 25. ἔδωκε Δ. . . . σίκλους χρυσίου ὁλκῆς ἑξακοσίους –
II Ch. 3. 9. πεντήκοντα σίκλοι χρυσίου (1)
Is. 7. 23. οὗ ἐὰν ὦσι χίλιαι ἄμπελοι χιλίων σίκλων †
Je. 39 (32). 9. ἔστησα αὐτῷ ἑπτὰ σίκλους καὶ δέκα [S ἑ. κ. δ. σ.] ἀργυρίου (1)
Ez. 4. 10. φάγεσαι . . . εἴκοσι σίκλους τὴν ἡμέραν (1)
45. 12. πέντε [A οἱ π.] σίκλοι πέντε καὶ [A *add.* οἱ δέκα] σίκλοι δέκα καὶ πεντήκοντα σίκλοι ἡ μνᾶ ἔσται ὑμῖν (1 *ter*)
I Ma. 10. 40. δέκα πέντε χιλιάδας σίκλων ἀργυρίου
— 42. πεντακισχιλίους σίκλους ἀργυρίου

[Th. Ex. 38. 25 (39. 2): Nu. 3. 47.]
[Al. Le. 27. 3, 16.]

σικυήρατον (-ήλ.). (1) מִקְשָׁה
Is. 1. 8. ὡς ὀπωροφυλάκιον ἐν σικυηράτῳ (1)
Ep. Je. 70. ἐν σικυηράτῳ προβασκάνιον οὐδὲν φυλάσσον

σίκυος, σίκυον. (1) קִשּׁוּאָה
Nu. 11. 5. B^2 R ἐμνήσθημεν . . . τοὺς σ. [A B^1 -ας] (1)
13. 24 (23). B^1 ἀπὸ τῶν ῥοῶν καὶ ἀπὸ τῶν σ. [A B^2 R συκῶν] †

σίκυς. (1) קִשּׁוּאָה
Nu. 11. 5. A B^1 ἐμνήσθημεν . . . τοὺς σ. [B^2R -ους] (1)

σικχαίνειν.

[Aq. Ge. 27. 46: Ex. 1. 12: Nu. 21. 5: Is. 7. 16.]
[Al. Pr. 3. 11.]

σίκχος.

[Sm. La. 1. 8: Ez. 7. 19, 20 *bis*: 11. 18: 20. 7.]

σινδόνιον.

[Sm. Ru. 3. 15.]

σινδών. (1) סָדִין
Jd. 14. 12. δώσω ὑμῖν τριάκοντα σινδόνας (1)
— 13. A δώσετε ὑμεῖς ἐμοὶ τριάκοντα σινδόνας [B ὀθόνια] (1)
Pr. 31. 24. σινδόνας ἐποίησε (1)
I Ma. 10. 64. A καὶ περιβεβλημένον αὐτὸν σινδόνα [S R πορφύραν]

σινώχ.

[Aq. Je. 29 (36). 26.]

σῖς, *vid.* **σεῖς.**

σισόη. (1) ποιεῖν σισόην נָקַף hi.
Le. 19. 27. οὐ ποιήσετε σισόην (1)

σιταρκισμός.

[Al. Ge. 43. 2.]

σιτεῖσθαι.
II Ma. 5. 27. τὴν χορτώδη τροφὴν σιτούμενοι διετέλουν

σιτευτός. (1) אֲבֵס (2) מְרֻבֵּק (3) שׁוֹר (4) שֵׁנִי
Jd. 6. 25. A λάβε τὸν μόσχον τὸν σ. [B ταῦρον] (3)
— 28. A ὁ μόσχος ὁ σ. ἀνηνεγμένος [B *al.*] (4)
III Ki. 4. 23 (5. 3, *cf.* 3. 1 B). καὶ ἑκατὸν πρόβατα . . . σιτευτά (1)
Je. 26 (46). 21. ὥσπερ μόσχοι σιτευτοὶ τρεφόμενοι ἐν αὐτῇ (2)

[Aq. II Ki. 6. 13: Pr. 15. 17.]
[Th. Pr. 15. 17.]

σίτησις.

[Sm. Jb. 30. 4: Ps. 131 (132). 15.]

σιτίζειν.

[Aq. Le. 1. 16.]

σιτίον. (1) לֶחֶם
Pr. 24. 57 (30. 22). καὶ ἄφρων πλησθῇ σιτίων (1)

σιτιστός.

[Sm. Ps. 21 (22). 13: Je. 46 (26). 21.]

σιτοβολών.
Ge. 41. 56. ἀνέῳξε δὲ Ἰ. πάντας τοὺς σ. †

σιτοδεία (-δία). (1) רָעָב
Le. 26. 26. ἐν τῷ θλίψαι ὑμᾶς σιτοδείᾳ [A^2 -αν] ἄρτων †
Ne. 9. 15. B^1 ἄρτον . . . ἔδωκας αὐτοῖς εἰς σιτοδείαν [A B^3 -δοτίαν, S^2 -δοτείαν, S^1 -δοινα ?] αὐτῶν (1)

[Aq. Ps. 36 (37). 19.]

σιτοδοσία.
Ge. 42. 19. ἀπαγάγετε τὸν ἀγορασμὸν τῆς σ. ὑμῶν †
— 33. τὸν δὲ ἀγορασμὸν τῆς σ. ὑμῶν λαβόντες †

σιτοδοτεία (-τία) (?).
Ne. 9. 15. A B^3 ἄρτον . . . ἔδωκας αὐτοῖς εἰς σιτοδοτείαν [B^1 -δείαν, S^1 -δοινα ?] αὐτῶν †

σιτοδοχεῖον.

[Sm. Jl. 1. 17.]

σιτομετρεῖν. (1) כּוּל pilp.
Ge. 47. 12. ἐσιτομέτρει Ἰ. τῷ πατρὶ αὐ. . . . σῖτον (1)
— 14. καὶ ἐσιτομέτρει αὐτοῖς –

σιτοποιός. (1) אֹפֶה
Ge. 40. 17. ἔργον σιτοποιοῦ (1)
— 20. R ἐμνήσθη . . . τῆς ἀρχῆς τοῦ σ. [A ἀρχισ.] (1)

σῖτος. (1) אֹכֶל (2) בָּר (3) דָּגָן (4) חִטָּה (5) לֶחֶם (6) עָבוּר (7) עֲרִיסָה (8) שֶׁבֶר (9) σ. ὥριμος גָּרִישׁ
Ge. 27. 28. καὶ πλῆθος σίτου καὶ οἴνου (3)
— 37. σίτῳ καὶ οἴνῳ ἐστήρισα αὐτόν (3)
41. 35. συναχθήτω ὁ σ. (2)
— 49. συνήγαγεν Ἰ. σῖτον (2)
42. 2. ἐστὶ σῖτος ἐν Αἰγύπτῳ (8)
— 3. πρίασθαι σῖτον ἐξ Αἰγ. (2)
— 25. ἐμπλῆσαι τὰ ἀγγεῖα αὐ. σίτου (2)
— 26. ἐπιθέντες τὸν σ. ἐπὶ τοὺς ὄνους αὐ. (8)
43. 2. ἡνίκα συνετέλεσαν καταφαγεῖν τὸν σ. (8)
44. 2. καὶ τὴν τιμὴν τοῦ σ. αὐ. (8)
47. 12. ἐσιτομέτρει . . . σῖτον κατὰ σῶμα (5)
— 13. σῖτος δὲ οὐκ ἦν ἐν πάσῃ τῇ γῇ (5)
— 14. πᾶν τὸ ἀργύριον . . . τοῦ σ. οὗ ἠγόραζον (8)
Nu. 18. 12. σίτου ἀπαρχὴ αὐτῶν [A *al.*] (3)
— 27. λογισθήσεται . . . ὡς σῖτος ἀπὸ ἅλω (3)
De. 7. 13. εὐλογήσει . . . τὸν σ. σου (3)
11. 14. εἰσοίσεις τὸν σ. σου (3)
12. 17. τὸ ἐπιδέκατον τοῦ σ. σου (3)
14. 23. οἴσετε τὰ ἐπιδέκατα τοῦ σ. σου (3)
15. 14. ἀπὸ τῶν προβάτων σου καὶ ἀπὸ τοῦ σ. †
18. 4. καὶ τὰς ἀπαρχὰς τοῦ σ. σου . . . δώσεις αὐτῷ (3)
28. 51. ὥστε μὴ καταλιπεῖν σοι σῖτον (3)
33. 28. ἐπὶ σίτῳ καὶ οἴνῳ [A σίτου κ. οἴνου] (3)
Jo. 5. 10 (11). ἐφάγοσαν ἀπὸ τοῦ σ. τῆς γῆς ἄζυμα (6)
— 11 (12). μετὰ τὸ βεβρωκέναι αὐτοὺς ἐκ τοῦ σ. τῆς γῆς (6)
Jd. 6. 11. Γ. ὁ υἱὸς αὐ. ῥαβδίζων σῖτον [A *al.*] (4)
IV Ki. 18. 32. σίτου καὶ οἴνου καὶ ἄρτου (3)
I Ch. 21. 23. δέδωκα . . . τὸν σ. εἰς θυσίαν (4)
II Ch. 21. 10 (9). δέδωκα σῖτον εἰς δόματα (4)
— 15 (14). τὸν σ. . . . ἀποστειλάτω τοῖς παισὶν αὐ. (4)
31. 5. ἐπλεόνασεν Ἰσρ. ἀπαρχὴν σίτου (3)
32. 28. εἰς τὰ γεννήματα σίτου (3)
Ne. 5. 2, 3. ληψόμεθα σῖτον (3)
— 10. ἐθήκαμεν ἑαυτοῖς ἀργύριον καὶ σῖτον (3)
— 11. καὶ ἀπὸ τοῦ ἀργυρίου τὸν σ. (3)
10. 37 (38). καὶ τὴν ἀπαρχὴν σίτων ἡμῶν (7)
— 39 (40). ἀπαρχὰς τοῦ [S^1 *om.*] σ. (3)
13. 5. A B^2 S καὶ τὴν δεκάτην τοῦ σ. (3)
To. 1. 7. S καὶ τὴν δεκάτην τοῦ οἴνου καὶ τοῦ σ. [A B *al.*]
Ju. 11. 13. καὶ τὰς ἀπαρχὰς τοῦ σ.
Jb. 3. 24. πρὸ γὰρ τῶν σ. μου στεναγμὸς ἥκει (5)
5. 26. ὥσπερ σῖτος ὥριμος κατὰ καιρὸν θεριζόμενος (9)
6. 5. ἀλλ' ἢ τὰ σῖτα ζητῶν †
— 7. βρόμον γὰρ ὁρῶ τὰ σῖτά μου (5)
12. 11. λάρυγξ δὲ σῖτα γεύεται (1)
15. 23. κατατέτακται δὲ εἰς σῖτα γυψίν (5)
30. 4. οἵτινες [A ὧν] ἄλιμα ἦν αὐτῶν τὰ σῖτα (5)
33. 20. πᾶν δὲ βρωτὸν σίτου οὐ μὴ δύνηται προσδέξασθαι (5)
38. 41. τὰ σῖτα ζητοῦντες (1)
39. 29. ἐκεῖσε ὧν ζητεῖ τὰ σῖτα (1)
Ps. 4. 7. ἀπὸ καρποῦ σίτου καὶ οἴνου (3)
64 (65). 13. αἱ κοιλάδες πληθυνοῦσι σῖτον (2)
Pr. 3. 10. ἵνα πίμπληται τὰ ταμιεῖά σου πλησμονῆς σίτῳ [A S^2 -ου] –
4. 17. οἶδε γὰρ σιτοῦνται σῖτα ἀσεβείας (5)
11. 26. ὁ συνέχων σῖτον ὑπολείποιτο αὐτὸν τοῖς ἔθνεσιν (2)
20. 4. ὁ δανειζόμενος σῖτον ἐν ἀμητῷ –
31. 26 (27). σῖτα δὲ ὀκνηρὰ οὐκ ἔφαγε (5)
Ca. 7. 2 (3). κοιλία σου θημωνιὰ σίτου (4)
Ho. 2. 8 (10). ἔδωκα αὐτῇ τὸν σ. (3)
— 9 (11). κομιοῦμαι τὸν σ. μου (3)
— 22 (24). ἡ γῆ ἐπακούσεται τὸν σ. (3)
7. 14. ἐπὶ σίτῳ καὶ οἴνῳ κατετέμνοντο (3)
9. 1. ἠγάπησας δόματα ἐπὶ πάντα ἅλωνα σίτου (3)
14. 8. μεθυσθήσονται σίτῳ (3)
Jl. 1. 10. τεταλαιπώρηκε σῖτος (3)
— 17. ἐξηράνθη σῖτος (3)
2. 19. ἐξαποστέλλω ὑμῖν τὸν σ. (3)
— 24. πλησθήσονται αἱ ἅλωνες σίτου (2)
Hg. 1. 11. ἐπάξω ῥομφαίαν . . . ἐπὶ τὸν σ. (3)
Za. 9. 17. σῖτος νεανίσκοις (3)
Is. 36. 17. ὡς ἡ γῆ ὑμῶν γῆ σίτου καὶ οἴνου (3)
62. 8. εἰ ἔτι δώσω τὸν σ. σου (3)
Je. 23. 28. τί τὸ ἄχυρον πρὸς τὸν σ. (2)
38 (31). 12. ἥξουσιν . . . ἐπὶ γῆν σίτου καὶ οἴνου (3)
La. 2. 12. ποῦ σ. καὶ οἶνος (3)
Ez. 27. 17. ἐν σίτου πράσει καὶ μύρων (4)
36. 29. καλέσω τὸν σ. (3)
I Ma. 8. 26. οὐδὲ ἐπαρκέσουσι σῖτον
— 28. τοῖς συμμαχοῦσιν οὐ δοθήσεται σῖτος

[Aq. Ps. 64 (65). 14 (P.).]
[Sm. III Ki. 5. 11 (25): Jb. 31. 40: Pr. 11. 26.]
[Th. Ps. 64 (65). 14: Pr. 11. 26.]
[Al. Ge. 45. 23.]
[Quint. Ho. 7. 14.]

σιτοῦν. (1) לָחַם
Pr. 4. 17. οἶδε γὰρ σιτοῦνται σῖτα ἀσεβείας (1)

σιών (**σειών**). (1) צִיּוֹן
Is. 32. 2. φανήσεται ἐν σ. (1)

[Th. Is. 32. 2.]

σιών (? **σειρών**). (1) שַׂחֲרוּנִים
Jd. 8. 26. A πλὴν τῶν σ. [B *al.*] (1)

σιωπᾶν. (1) אָלַם ni. (2) דָּמָה (3) דָּמַם (4) *a.* חַס *b.* חָסָה pi. (5) חָדַל (6) חָרַשׁ hi. (7) חָשָׁה *a.* qal. *b.* hi. (8) סָכַת hi.
Nu. 30. 15. ἐὰν δὲ σιωπῶν παρασιωπήσῃ αὐτῇ (6)
— 15. ἐσιώπησεν αὐτῇ τῇ ἡμέρᾳ (6)
De. 27. 9. σιώπα καὶ ἄκουε (8)
Jd. 3. 19. εἶπεν Ἐ. πρὸς αὐτόν, Σιώπα [A *al.*] (4 *a*)
18. 9. A καὶ ὑμεῖς σιωπᾶτε [B ἡσυχάζετε] (7 *b*)

III Ki. 22. 3. ἡμεῖς σιωπῶμεν λαβεῖν αὐτήν (7 b)
IV Ki. 2. 3. κἀγὼ ἔγνωκα σιωπᾶτε (7 b)
— 5. καί γε ἐγὼ ἔγνων σιωπᾶτε (7 b)
7. 9. καὶ ἡμεῖς σιωπῶμεν (7 b)
II Ch. 25. 16. ἐσιώπησεν ὁ προφήτης (5)
I Es. 4. 41. ἐσιώπησε τοῦ λαλεῖν
Ne. 8. 11. σιωπᾶτε . . . καὶ μὴ κατατίπτετε (4 b)
Jb. 16. 7 (6). ἐὰν δὲ καὶ σιωπήσω (5)
18. 3. διὰ τί δὲ ὥσπερ τετράποδα σεσιωπήκαμεν ἐναντίον σου †
29. 21. ἐσιώπησαν δὲ ἐπὶ τῇ ἐμῇ βουλῇ (3)
30. 27. ἡ κοιλία μου ἐξέζεσε καὶ οὐ σιωπήσεται (3)
41. 3 (4). οὐ σιωπήσομαι δι' αὐτόν (6)
Si. 19. 31. ἔστι σιωπῶν καὶ αὐτὸς φρόνιμος
20. 5. ἔστι σιωπῶν εὑρισκόμενος σοφός
— 6. ἔστι σιωπῶν οὐ γὰρ ἔχει ἀπόκρισιν καὶ ἔστι σιωπῶν εἰδὼς καιρόν
— 7. S ἄνθρωπος σοφὸς σιωπήσει [A B σιγήσει] ἕως καιροῦ
35 (32). 8. γίνου ὡς [A om.] γινώσκων καὶ ἅμα σιωπῶν
Am. 5. 13. ὁ συνίων ἐν τῷ καιρῷ ἐκ. σιωπήσεται [A¹ -ηθήσεται] (3)
Is. 36. 21. ἐσιώπησαν καὶ οὐδεὶς ἀπεκρίθη (6)
42. 14. ἐσιώπησα μὴ καὶ ἀεὶ σιωπήσομαι [S -ωμαι] (7 b, 6)
62. 1. διὰ Σιὼν οὐ σιωπήσομαι [S¹ -ωμαι] (7 a)
— 6. διὰ τέλους οὐ σιωπήσονται (7 a)
64. 12 (11). ἀνέσχου, κύριε, καὶ ἐσιώπησας (7 a)
65. 6. οὐ σιωπήσω [A -σομαι] ἕως ἂν ἀποδώσω (7 a)
Je. 4. 19. οὐ σιωπήσομαι (6)
45 (38). 27. A ἐσιώπησαν [B S ἀπεσ.] (6)
La. 2. 10. ἐσιώπησαν πρεσβύτεροι θυγατρὸς Σιών (3)
— 18. μὴ σιωπήσαιτο [S¹ -σέτω, S² -σάτω] θυγάτηρ ὁ ὀφθαλμός σου (3)
3. 28. καθήσεται κατὰ μόνας καὶ σιωπήσεται (3)
— 49. A οὐ σιωπήσωμαι [B σιγήσ.] (2)
Da. LXX. 10. 15. καὶ ἐσιώπησα (1)
IV Ma. 10. 18. σιωπώντων ἀκούει ὁ θεός
[Aq. I Ki. 14. 9 : Ps. 4. 5 : 21 (22). 3 (P.) : 30 (31). 18 : 34 (35). 15 : Is. 6. 5 : 23. 2 : Je. 14. 17 : 47 (29). 6 : 51 (28). 6.]
[Sm. Ps. 30 (31). 18 : 38 (39). 3 : 142 (143). 12 : Is. 6. 5 : 41. 1 : 47. 5 : Je. 38 (45). 27 : 47 (29). 5 : 51 (28). 6 : Am. 6. 10.]
[Th. Jb. 30. 27 : 41. 4 : Ps. 4. 5 : Is. 6. 5.]
[Al. Le. 10. 3.]

σιωπή. (1) חֵס
Si. 41. 19. ἀπὸ ἀσπαζομένων περὶ σιωπῆς
Am. 8. 3. ἐπιρρίψω σιωπήν (1)
[Aq. Ps. 38 (39). 3.]
[Th. Ps. 21 (22). 3 (P.)]
[Quint. Ps. 21 (22). 3.]

σιωπηλός.
[Sm. Is. 47. 2.]

σιώπησις. (1) צָמָה
Ca. 4. 1. ὀφθαλμοί σου περιστεραὶ ἐκτὸς τῆς σ. σου (1)
— 3. ὡς λέπυρον ῥόας μῆλόν σου ἐκτὸς τῆς σ. σου (1)
6. 6 (7). ὡς λέπυρον τῆς ῥόας μῆλόν σου ἐκτὸς τῆς σ. σου (1)

σκάζειν.
[Sm. I Ki. 17. 39 : Ps. 34 (35). 15 : 37 (38). 18.]

σκαλεύειν.
[Aq. III Ki. 20 (21). 38 : Ps. 63 (64). 7 : 76 (77). 7.]

σκάλευσις.
[Aq. Ps. 63 (64). 7.]

σκάλιστρον.
[Aq., Sm. Je. 43 (50). 10.]

σκάλλειν. (1) חָפַשׂ pi.
Ps. 76 (77). 6. S¹ B ἔσκαλλον [S² -εν, B¹ -αλεν, B² -αλον, B⁴ -αλαν] τὸ πνεῦμά μου (1)
[Aq. Ps. 118 (119). 85.]
[Th. Ps. 76 (77). 7.]

σκαμβός. (1) עִקֵּשׁ
Ps. 100 (101). 3. οὐκ ἐκολλήθη μοι καρδία σκαμβή (1)
[Sm. Pr. 2. 15 : Je. 17. 9.]

σκαμβοῦσθαι.
[Aq., Th. Is. 59. 8.]

σκανδαλίζειν. (1) כָּשַׁל ni.
Si. 9. 5. μή ποτε σκανδαλισθῇς [S -ίσῃ σε] ἐν τοῖς ἐπιτιμίοις αὐτῆς
23. 8. λοίδορος καὶ ὑπερήφανος σκανδαλισθήσονται ἐν αὐτοῖς
35 (32). 15. ὁ ὑποκρινόμενος σκανδαλισθήσεται ἐν αὐτῷ
Da. LXX. 11. 41. καὶ πολλαὶ σκανδαλισθήσονται (1)
[Aq. Ps. 63 (64). 9 : Pr. 4. 12 : Is. 40. 30 : 63. 13 : Da. 11. 41.]
[Sm. Is. 8. 21 : Ma. 2. 8.]
[Th. Ma. 2. 8.]

σκάνδαλον. (1) דֶּפִי (2) כֶּשֶׁל (3) מוֹקֵשׁ (4) מִכְשׁוֹל
Le. 19. 14. ἀπέναντι τυφλοῦ οὐ προσθήσεις σκάνδαλον (4)
Jo. 23. 13. ἔσονται ὑμῖν . . . εἰς σκάνδαλα (3)
Jd. 2. 3. οἱ θεοὶ αὐ. ἔσονται ὑμῖν εἰς σκάνδαλον (3)
8. 27. A ἐγένετο τῷ Γ. . . . εἰς σκάνδαλον [B σκῶλον] (3)
I Ki. 18. 21. ἔσται αὐτῷ εἰς σκάνδαλον (3)
25. 31. οὐκ ἔσται . . . σκάνδαλον τῷ κ. μου (4)
Ju. 5. 1. ἔθηκαν ἐν τοῖς πεδίοις σκάνδαλα
— 20. ἐστὶν ἐν αὐτοῖς σκ. τοῦτο
12. 2. A B ἵνα μὴ γένηται σκάνδαλον
Ps. 48 (49). 13. αὕτη ἡ ὁδὸς αὐτῶν σκάνδαλον αὐτοῖς (2)
49 (50). 20. κατὰ τοῦ υἱοῦ τῆς μητρός σου ἐτίθεις σκάνδαλον (1)
68 (69). 22. γενηθήτω ἡ τράπεζα αὐτῶν . . . εἰς σκάνδαλον (3)
105 (106). 36. ἐγενήθη αὐτοῖς εἰς σκάνδαλον (3)
118 (119). 165. οὐκ ἔστιν αὐτοῖς σκάνδαλον (4)
139 (140). 5. ἐχόμενα τρίβου σκάνδαλον ἔθεντό μοι (3)
140 (141). 9. ἀπὸ σκανδάλων [A -ου] τῶν ἐργαζομένων τὴν ἀνομίαν (3)
Wi. 14. 11. εἰς σκάνδαλα ψυχαῖς ἀνθρώπων
Si. 7. 6. θήσεις σκάνδαλον ἐν εὐθύτητί σου
27. 23. ἐν τοῖς λόγοις σου δώσει σκάνδαλον
Ho. 4. 17. ἔθηκεν ἑαυτῷ σκάνδαλα †
I Ma. 5. 4. οἱ ἦσαν τῷ λαῷ . . . εἰς σκάνδαλον
[Aq. Is. 8. 14 : 57. 14 : Ez. 3. 20 : 7. 19 : 14. 3.]
[Sm. Jb. 28. 8 : Pr. 13. 14 : 14. 27 : 22. 25 : 29. 6 : Is. 8. 14 bis : Ez. 3. 20 : 7. 19 : Ze. 1. 3.]
[Th. Jd. 8. 27 : Ps. 68 (69). 23 : Pr. 13. 14 : 14. 27 : Is. 8. 14 : Ez. 3. 20.]
[Al. Dt. 7. 16.]
[Quint. Pr. 14. 27.]

σκανδαλοῦν.
[Aq. Ps. 26 (27). 2 : 30 (31). 11 : Is. 8. 15 : 59. 14 : 63. 13 : Ma. 2. 8.]

σκάπτειν. (1) עָדַר ni.
Is. 5. 6. οὐ μὴ τμηθῇ οὐδὲ μὴ σκαφῇ (1)
[Aq. Ps. 39 (40). 7.]
[Quint. Ps. 140 (141). 7.]

σκασμός.
[Aq. Ps. 34 (35). 15.]

σκαφεῖον (-φιον).
[Sm., Al. I Ki. 13. 20.]

σκάφη.
Da. LXX. Bel 32. ἔχων ἄρτους ἐντεθρυμμένους ἐν σκάφῃ
Da. TH. Bel 33. ἐνέθρυψεν ἄρτους εἰς σκάφην

σκάφος.
II Ma. 12. 3. εἰς τὰ παρακατασταθέντα ὑπ' αὐτῶν σκ.
— 6. τὰ σκ. κατέφλεξε

σκεδαννύναι.
[Al. II Ki. 21. 17.]

σκελίζειν.
Je. 10. 18. σκελίζω τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν τ. †
[Aq. Jb. 8. 3.]
[Th. Pr. 19. 3.]

σκελισμός.
[Aq. Je. 14. 14.]

σκέλος. (1) יָרֵךְ (2) כְּרָעַיִם (3) סַרְסֹל (4) a. רֶגֶל b. מַרְגְּלוֹת (5) a. שׁוֹק b. שֹׁק
Le. 11. 21. ἔχει σκέλη ἀνώτερον τῶν ποδῶν αὐ. (2)
I Ki. 17. 6. κνημῖδες χαλκαῖ ἐπάνω τῶν σκ. αὐ. (4 a)
II Ki. 22. 37. οὐκ ἐσαλεύθησαν τὰ σκ. μου (3)
Pr. 26. 7. ἀφελοῦ πορείαν σκελῶν (5 a)
Am. 3. 12. ὅταν ἐκσπάσῃ . . . ἐκ στόματος τοῦ λέοντος δύο σκέλη (2)
Ez. 1. 7. τὰ σκ. αὐτῶν ὀρθά (4 a)
16. 25. διήγαγες τὰ σκ. σου παντὶ παρόδῳ (4 a)
24. 4. σκέλος καὶ ὦμον ἐκσεσαρκισμένα (1)
Da. LXX. 2. 33. τὰ δὲ σκ. σιδηρᾶ (5 b)
Da. TH. 10. 6. καὶ τὰ σκ. ὡς ὅρασις χαλκοῦ στίλβοντος (4 b)
IV Ma. 10. 6. A καὶ τὰ σκ. . . . περιέλκων [S R -έκλων]
[Al. Le. 1. 13.]

σκεπάζειν. (1) הָיָה (2) חָבָא hi. (3) a. חָסָה b. חָסָה בְּצֵל (4) חָפָה (5) כָּסָה pi. (6) סָבַךְ a. qal. b. hi. (7) סָתַר a. ni. b. hi. c. hithp. (8) עוּר hi. (9) פָּסַח עַל (10) צָפַן (11) שָׁכַן
Ex. 2. 2. ἐσκέπασαν αὐτὸ μῆνας τρεῖς (10)
12. 13. καὶ σκεπάσω ὑμᾶς (9)
— 27. ὡς ἐσκέπασε τοὺς οἴκους τῶν υἱῶν Ἰσρ. (9)
33. 22. σκεπάσω τῇ χειρί μου ἐπὶ σέ (11)
40. 3. σκεπάσεις τὴν κιβωτόν (6 a)
— 21. ἐσκέπασε τὴν κιβωτὸν τοῦ μαρτ. (6 b)
Nu. 9. 20. ὅταν σκεπάσῃ ἡ νεφέλη . . . ἐπὶ τῆς σκηνῆς (1)
De. 13. 8 (9). οὐδ' οὐ μὴ σκεπάσῃς αὐτόν (5)
32. 11. ὡς ἀετὸς σκεπάσαι νοσσιὰν αὐ. (8?)
33. 27. A²B²R σκεπάσει σε [A¹ -σεις, B¹ -σις] θεοῦ ἀρχή †
I Ki. 23. 26. ἦν Δ. σκεπαζόμενος πορεύεσθαι †
26. 1. Δ. σκεπάζεται μεθ' ἡμῶν (7 c)
— 24. καὶ σκεπάσαι με [A al.] –
Ne. 3. 14. ἐσκέπασαν αὐτήν –
Ju. 8. 15. ἐν αἷς θέλει σκεπάσαι [A καὶ πάσαις] ἡμέραις
Ps. 16 (17). 8. ἐν σκέπῃ τῶν πτερύγων σου σκεπάσεις με (7 b)
26 (27). 5. ἐσκέπασέ με ἐν ἀποκρύφῳ τῆς σκηνῆς αὐτοῦ (7 b)
30 (31). 20. σκεπάσεις αὐτοὺς ἐν σκηνῇ (10)
60 (61). 4. σκεπασθήσομαι ἐν σκέπῃ τῶν πτερύγων σου (3 a)
63 (64). 2. ἐσκέπασάς [S² σκέπασόν] με ἀπὸ συστροφῆς πονηρευομένων (7 b)
90 (91). 14. σκεπάσω αὐτὸν ὅτι ἔγνω τὸ ὄνομά μου †
Wi. 5. 16. τῇ δεξιᾷ σκεπάσει αὐτούς
19. 8. οἱ τῇ σῇ σκεπαζόμενοι χειρί
Si. 2. 13. διὰ τοῦτο οὐ σκεπασθήσεται
14. 27. σκεπασθήσεται ὑπ' [A S¹ ἀπ'] αὐτῆς ἀπὸ καύματος
22. 25. φίλον σκεπάσαι οὐκ αἰσχυνθήσομαι
28. 19. μακάριος ὁ σκεπασθεὶς ἀπ' αὐτῆς
48. 12. ὃς ἐν λαίλαπι ἐσκεπάσθη
Ze. 2. 3. ὅπως σκεπασθῆτε ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς κυρίου (7 a)
Is. 4. 5. πάσῃ τῇ δόξῃ [A add. κυρίου] σκεπασθήσεται (4)
28. 15. τῷ ψεύδει σκεπασθησόμεθα (7 a)
30. 2. τοῦ . . . σκεπασθῆναι ὑπὸ Αἰγυπτίων (3 b)
49. 2. S¹ ὑπὸ τὴν σκέπην . . . ἐσκέπασέν [A B S² ἔκρυψέ] με (2)
— 2. A S³ ἐν τῇ φαρέτρᾳ αὐτοῦ ἐσκέπασέν [B S¹ ἔκρυψέ] με (7 b)
51. 16. ὑπὸ τὴν σκιὰν [S σκέπην] τῆς χειρός μου σκεπάσω σε (5)
I Ma. 3. 3. σκεπάζων παρεμβολὴν ἐν ῥομφαίᾳ
6. 37. πύργοι ξύλινοι ἐπ' αὐτοὺς ὀχυροὶ σκεπαζόμενοι
11. 16. τοῦ σκεπασθῆναι αὐτὸν ἐκεῖ
II Ma. 10. 30. καὶ σκεπάζοντες ταῖς ἑαυτῶν πανοπλίαις
III Ma. 3. 27. ὃς δ' ἂν σκεπάσῃ τινὰ τῶν Ἰουδ.

III Ma. 3. 29. οὗ ἐὰν φωραθῇ τὸ σύνολον σκεπαζόμενος Ἰουδαῖος
[Aq. Ex. 25. 19 (20): Ez. 28. 16.]
[Sm. Ex. 2. 2: Ps. 26 (27). 5: 30 (31). 21: 87 (88). 7: Ez. 28. 16.]
[Th. Dt. 33. 12.]
[Al. Nu. 6. 11: Ps. 19 (20). 2: 58 (59). 11: 105 (106). 11.]
[Quint., Sext. Ps. 26 (27). 5.]

σκέπαρνον. (1) חָרִיץ (2) מַעֲצָד

I Ch. 20. 3. διέπρισε . . . ἐν σκ. σιδηροῖς (1)
Is. 44. 12. σκεπάρνῳ εἰργάσατο αὐτό (2)
[Aq., Sm., Th. Je. 10. 3.]

σκέπασις.

De. 33. 27. B¹ σκέπασις θεοῦ ἀρχή [A B² R al.] †

σκεπαστής. (1) סִתְרָה

Ex. 15. 2. βοηθὸς καὶ σκεπαστὴς ἐγένετό μοι †
De. 32. 38. γενηθήτωσαν ὑμῖν σκεπασταί (1)
Ju. 9. 11. ἀπεγνωσμένων σκεπαστής
Ps. 70 (71). 6. ἐκ κοιλίας μητρός μου σύ μου εἶ σκεπαστής †
Si. 51. 2. σκεπαστὴς καὶ βοηθὸς ἐγένου μοι
III Ma. 6. 9. R τῶν ὅλων σκεπαστά [A δικαστά]
[Quint. Ps. 83 (84). 12.]

σκεπαστός.

[Aq. Nu. 7. 3: Is. 66. 20.]

σκέπαστρον.

[Sm. Je. 24. 15.]

σκέπειν. (1) אֹהֶל (2) פַּרְשֵׁן

Ex. 26. 7. A ποιήσεις δέρρεις τριχίνας σκέπειν [B -ην] (1)
Jb. 26. 9. A σκέπων [B S ἐκπετάζων] ἐπ' αὐτὸν νέφος αὐτοῦ (2)
[Sm. Je. 10. 21: Ps. 62 (63). 8: Pr. 11. 13: 12. 16: Ec. 7. 13 (12) bis: Ca. 4. 3: 6. 6 (7).]

σκεπεινός. (1) צְחִיחִי

Ne. 4. 13 (7). κατόπισθεν τοῦ τείχους ἐν τοῖς σκ. (1)

σκέπη. (1) אֹהֶל (2) אֶרֶב (3) הַצְּלָה (4) חָגוֹ (5) מַחֲסֶה (6) מָסָךְ (7) סֵתֶר (8) a. צֵל b. צֵלֶל hi.

Ge. 19. 8. R εἰσῆλθον ὑπὸ τὴν σκ. [A στέγην] τῶν δοκῶν μου (8 a)
Ex. 26. 7. ποιήσεις δέρρεις τριχίνας σκέπην [A -ειν] (1)
Jd. 5. 8. A σκέπη νεανίδων σειρομαστῶν [B al.] †
9. 15. A πεποίθατε ἐν τῇ σκ. μου [B al.] (8 a)
I Ki. 25. 20. καταβαινούσης ἐν σκέπῃ τοῦ ὄρους (7)
Es. 4. 14. βοήθεια καὶ σκέπη ἔσται τοῖς Ἰουδ. (3)
Jb. 21. 28. ποῦ ἐστιν ἡ [A om.] σκ. τῶν σκηνωμάτων τῶν ἀσεβῶν (1)
24. 8. παρὰ τὸ μὴ ἔχειν ἑαυτοὺς σκέπην (5)
37. 8. B S εἰσῆλθε δὲ θηρία ὑπὸ [R ὑπὸ τὴν] σκέπην [A -ης] (2)
Ps. 16 (17). 8. ἐν σκέπῃ τῶν πτερύγων σου (8 a)
35 (36). 7. ἐν σκέπῃ [S¹ εἰς σκέπην] τῶν πτερύγων σου ἐλπιοῦσι (8 a)
60 (61). 4. ἐν σκέπῃ τῶν πτερύγων σου (7)
62 (63). 7. ἐν τῇ σκ. τῶν πτερύγων σου (8 a)
90 (91). 1. ἐν σκέπῃ τοῦ θεοῦ τοῦ οὐρανοῦ αὐλισθήσεται (8 a)
104 (105). 39. διεπέτασε νεφέλην εἰς σκέπην αὐτοῖς (6)
120 (121). 5. κύριος σκέπη σου ἐπὶ χεῖρα δεξιάν σου (8 a)
Ca. 2. 14. σὺ περιστερά μου ἐν σκέπῃ τῆς πέτρας (4)
Wi. 10. 17. ἐγένετο αὐτοῖς εἰς σκέπην ἡμέρας
Si. 6. 14. φίλος πιστὸς σκέπη κραταιά
— 29. ἔσονταί σοι αἱ πέδαι εἰς σκέπην ἰσχύος
14. 26. θήσει τὰ τέκνα αὐ. ἐν τῇ [A om.] σκ. [S¹ σκηνῇ] αὐ.
29. 22. κρείσσων βίος πτωχοῦ ὑπὸ σκέπην δοκῶν
31 (34). 16. σκέπη ἀπὸ καύσωνος καὶ σκέπη ἀπὸ μεσημβρίας
Ho. 4. 13. ὅτι καλὸν σκέπη (8 a)
14. 8. καθιοῦνται ὑπὸ τὴν σκ. αὐ. (8 a)
Is. 4. 6. ἐν σκέπῃ καὶ ἐν ἀποκρύφῳ (5)
16. 3. ποίει τε σκέπην πένθους (8 a)
— 4. ἔσονται σκ. ὑμῖν ἀπὸ προσώπου διώκοντος (7)
Is. 25. 4. τοῖς ἀθυμήσασι δι' ἔνδειαν σκ. . . . σκ. διψώντων (5, 8 a)
28. 2. ὡς χάλαζα καταφερομένη οὐκ ἔχουσα σκέπην [S¹ om. οὐκ ἔ. σκ.] †
30. 3. ἔσται γὰρ ὑμῖν σκ. [A S ἡ σκ.] Φαραώ †
49. 2. ὑπὸ τὴν σκ. τῆς χειρὸς αὐτοῦ ἔκρυψέ με [S¹ al.] (8 a)
51. 16. S² ὑπὸ τὴν σκ. τῆς χειρός μου σκεπάσω σε [A B S¹ al.] (8 a)
Ep. Je. 68. δύνανται ἐκφυγόντα εἰς σκέπην αὐτὰ ὠφελῆσαι
Ez. 31. 3. A καὶ πυκνὸς ἐν τῇ σκ. (8 b)
— 12. κατέβησαν ἀπὸ τῆς σκ. αὐτῶν (8 a)
— 17. οἱ κατοικοῦντες ὑπὸ τὴν σκ. αὐτοῦ (8 a)
I Ma. 9. 38. ἐκρύβησαν ὑπὸ τὴν σκ. τοῦ ὄρους
II Ma. 5. 9. ὡς διὰ τὴν συγγένειαν τευξόμενος σκέπης
13. 17. διὰ τὴν ἐπαρήγουσαν αὐτῷ τοῦ κ. σκέπην
III Ma. 5. 6. οἱ δὲ πάσης σκέπης ἔρημοι δοκοῦντες εἶναι
[Aq. Ge. 31. 34: 35. 21: Ex. 35. 11: 39. 32 (10): 40. 6, 26 (24): Nu. 3. 7: 4. 25: II Ki. 7. 6: Je. 8. 22: 11. 14: Ps. 26 (27). 5, 6: 77 (78). 51: 90 (91). 10: Is. 38. 12: 40. 22: 54. 2.]
[Sm. Ex. 35. 11: 39. 32 (10): 40. 6: Nu. 14. 9: II Ki. 7. 6: III Ki. 19. 4: Ps. 26 (27). 6: 30 (31). 21 bis: 31 (32). 7: 60 (61). 5: 90 (91). 1: Ca. 2. 3.]
[Th. Ex. 35. 11: 39. 33 (14): 40. 6, 29: Jd. 5. 8: II Ki. 1. 21: Is. 25. 5: 28. 17: 30. 2: Je. 48 (31). 45: Ez. 31. 3 (Sw.).]
[Al. Ex. 26. 36: Le. 6. 10 (3).]
[Quint. Ps. 26 (27). 5.]

σκέπτεσθαι. (1) חָזָה (2) רָאָה

Ge. 41. 33. σκέψαι ἄνθρωπον φρόνιμον (2)
Ex. 18. 21. καὶ σὺ σεαυτῷ σκέψαι . . . ἄνδρας δυνατούς (1)
Za. 11. 13. σκέψομαι [A σκέψαι αὐτό, S³ σκέψαι] εἰ δόκιμόν ἐστιν †
Da. LXX. Bel 15. σκέψαι μή τί σοι ἀσύμφωνον γεγένηται

σκευάζειν.

Si. 49. 1. ἐσκευασμένον [S -ου] ἔργῳ [A -ον] μυρεψοῦ
III Ma. 5. 31. τήνδε θηρσὶν ἀγρίοις ἐσκεύασαν δαψιλῆ θοίνην
[Sm. Ex. 23. 19.]
[Th. Is. 57. 14: 62. 10.]

σκευασία.

Ec. 10. 1. μυῖαι θανατοῦσαι σαπριοῦσι σκευασίαν [S¹ σκεύασιν] ἐλαίου [B S¹ -ον] ἡδύσματος †
[Th. Ez. 24. 10.]

σκεύασις.

Ec. 10. 1. S¹ μυῖαι θανατοῦσαι σαπριοῦσι σκεύασιν [A B S² σκευασίαν] ἐλαίου [B S¹ -ον] ἡδύσματος †

σκεύασμα.

Ju. 15. 11. ἔδωκαν τῇ Ἰ. . . . πάντα τὰ σκ. [A S κατασκ.] αὐ.

σκευαστής.

[Aq. Is. 32. 5.]

σκευαστός. (1) יָצַר hoph.

Is. 54. 17. πᾶν σκεῦος σκευαστὸν [S¹ τὸν] ἐπὶ σὲ οὐκ εὐοδώσω [A π. σκ. φθαρτὸν ἐ. δὲ σὲ οὐκ εὐδοκήσω] (1)

σκευή.

III Ma. 5. 45. R φοβεραῖς κατεσκευασμένα σκευαῖς [A al.]
[Sm. Is. 61. 10.]

σκεῦος. (1) כְּלִי (2) מָאן

Ge. 24. 53. ἐξενέγκας ὁ παῖς σκ. ἀργυρᾶ (1)
27. 3. λάβε τὸ σκ. (1)
31. 37. ἠρεύνησας πάντα τὰ σκ. τοῦ οἴκου μου (1)
— 37. τί εὗρες ἀπὸ πάντων τῶν σκ. τοῦ οἴκου μου (1)
45. 20. μὴ φείσησθε . . . τῶν σκ. (1)
Ex. 3. 22. αἰτήσει γυνὴ . . . σκ. ἀργυρᾶ (1)
11. 2. αἰτησάτω ἕκαστος . . . σκ. ἀργυρᾶ (1)
12. 35. ᾔτησαν παρὰ τῶν Αἰγ. σκ. ἀργυρᾶ (1)
22. 7 (6). ἐὰν δέ τις δῷ . . . σκεύη φυλάξαι (1)
Ex. 25. 8 (9). καὶ τὸ παράδειγμα πάντων τῶν σκ. αὐ. (1)
— 38 (39). πάντα τὰ σκ. ταῦτα τάλαντον χρυσίου καθαροῦ [A al.] (1)
27. 3. πάντα τὰ σκ. αὐ. ποιήσεις χαλκᾶ (1)
30. 27. A R καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)
— 27. καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)
— 27. B καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)
— 28. καὶ πάντα αὐτοῦ τὰ σκ. (1)
— 28 (27): 31. 8 bis: 35. 15 (13), 15 (16) (A), 16 (14), 17 (16) (B). καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)
35. 22. ἤνεγκαν . . . πᾶν σκ. χρυσοῦν (1)
38. 12 (37. 16). ἐποίησε τὰ σκ. τῆς τραπέζης (1)
— 23 (3). ἐποίησε πάντα τὰ σκ. τοῦ θυσιαστηρίου (1)
39. 10 (38. 31). A B² R καὶ πάντα τὰ σκ. τοῦ θυσιαστ. –
— 12 (32). ἐποίησαν σκεύη εἰς τὸ λειτουργεῖν –
— 14 (33). ἤνεγκαν . . . τὰ σκ. αὐ. (1)
— 16 (38). τὸ θυσιαστ. καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. –
— 18 (36). B καὶ πάντα τὰ αὐτῆς σκ. [A² αὐ. τὰ σκ.] (1)
— 21 (40). καὶ πάντα τὰ σκ. τῆς σκηνῆς (1)
40. 9. καὶ πάντα τὰ σκ. [B¹ om.] αὐ. (1)
— 10. καὶ πάντα τὰ σκ. αὐτοῦ (1)
Le. 6. 28 (21). σκ. ὀστράκινον . . . συντριβήσεται (1)
— 28 (21). ἐὰν δὲ ἐν σκ. χαλκῷ ἑψεθῇ (1)
8. 11. A B καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. [R π. τὰ ἐν αὐτῷ] (1)
— 11. R καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. [A B π. τὰ ἐν αὐτῇ] –
11. 32. ἀπὸ παντὸς σκ. ξυλίνου ἢ ἱματίου (1)
— 32. πᾶν σκ. ὃ ἐὰν ποιηθῇ ἔργον ἐν αὐτῷ (1)
— 33. παν. σκ. ὀστράκινον εἰς ὃ ἐὰν πέσῃ (1)
13. 49. ἢ ἐν παντὶ σκ. ἐργασίμῳ δέρματος (1)
— 52, 53, 57. ἢ ἐν παντὶ σκ. δερματίνῳ (1)
— 58. ἢ πᾶν σκ. δερμάτινον ὃ πλυθήσεται (1)
— 59. οὗτος ὁ νόμος ἀφῆς λέπρας . . . παντὸς σκ. δερματίνου (1)
14. 50. σφάξει τὸ ὀρνίθιον τὸ ἐν εἰς σκ. ὀστράκινον (1)
15. 4. πᾶν σκ. ἐφ' ὃ ἂν καθίσῃ ἐπ' αὐτό (1)
— 6. ὁ καθήμενος ἐπὶ τοῦ σκ. (1)
— 12. σκ. ὀστράκινον . . . συντριβήσεται (1)
— 12. σκ. ξύλινον νιφήσεται ὕδατι (1)
— 22. πᾶς ὁ ἁπτόμενος παντὸς σκ. (1)
— 23. ἢ ἐπὶ τοῦ σκ. οὗ ἐὰν καθίσῃ ἐπ' αὐτῷ (1)
— 26. πᾶν σκ. ἐφ' ὃ ἂν καθίσῃ ἐπ' αὐτό (1)
Nu. 1. 50. καὶ ἐπὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)
— 50. αὐτοὶ ἀροῦσι . . . πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)
3. 8. φυλάξουσι πάντα τὰ σκ. τῆς σκηνῆς (1)
— 31. καὶ ἡ φυλακὴ αὐ. . . . τὰ σκ. τοῦ ἁγίου (1)
— 36. καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)
4. 10. ἐμβαλοῦσιν αὐτὴν καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)
— 12. λήψονται πάντα τὰ σκ. τὰ λειτουργικά (1)
— 14. ἐπιθήσουσιν ἐπ' αὐτὸ πάντα τὰ σκ. [A add. αὐτοῦ] . . . καὶ πάντα τὰ σκ. τοῦ θυσιαστηρίου (1, 1)
— 15. A B² R καὶ πάντα τὰ σκ. τὰ ἅγια (1)
— 25. B² ἀρεῖ τὰ σκ. [A B¹ R τὰς δέρρεις] τῆς σκηνῆς †
— 26. καὶ πάντα τὰ σκ. τὰ λειτουργικά (1)
— 32. καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)
— 32. καὶ πάντα τὰ σκ. τῆς φυλακῆς (1)
7. 1. ἡγίασεν . . . πάντα τὰ σκ. αὐ. καὶ τὸ θυσιαστ. καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. (1, 1)
— 85. πᾶν τὸ ἀργύριον τῶν σκ. (1)
18. 3. πρὸς τὰ σκ. τὰ ἅγια . . . οὐ προσελεύσονται (1)
19. 15. καὶ πᾶν σκ. ἀνεῳγμένον (1)
— 17. ἐκχεοῦσιν . . . ὕδωρ ζῶν εἰς σκεῦος (1)
— 18. περιρανεῖ . . . ἐπὶ τὰ σκ. (1)
31. 6. καὶ τὰ σκ. τὰ ἅγια (1)
— 20. πᾶν σκ. δερμάτινον . . . καὶ πᾶν σκ. ξύλινον ἀφαγνιεῖτε (1, 1)
— 50. ὃ εὗρε σκ. χρυσοῦν (1)
— 51. ἔλαβε Μ. . . . πᾶν σκ. εἰργασμένον (1)
35. 16. ἐὰν δὲ ἐν σκεύει σιδήρου πατάξῃ αὐτόν (1)
— 18. ἐὰν δὲ ἐν σκ. ξυλίνῳ . . . πατάξῃ αὐτόν (1)
— 20. καὶ ἐπιρίψει ἐπ' αὐτὸν πᾶν σκ. [B² om. π. σκ.] –
— 22. ἢ ἐπιρίψῃ ἐπ' αὐτὸν πᾶν σκ. (1)
De. 1. 41. ἀναλαβόντες ἕκαστος τὰ σκ. τὰ πολεμικὰ αὐ. (1)
22. 5. οὐκ ἔσται σκεύη ἀνδρὸς ἐπὶ γυναικί (1)
Jo. 7. 11. ἐνέβαλον εἰς τὰ σκ. αὐ. (1)

Jd. 9. 54. τὸ παιδάριον τὸ αἶρον τὰ σκ. αὐ. (1)
18. 11. ἐζωσμένοι σκεύη παρατάξεως [A *al.*] (1)
— 16. οἱ ἀνεζωσμένοι τὰ σκ. τῆς παρατάξεως [A *al.*] (1)
— 17. A περιεζωσμένοι σκ. πολεμικά (1)
Ru. 2. 9. πορευθήσῃ εἰς τὰ σκ. (1)
I Ki. 6. 8. τὰ σκ. τὰ χρυσᾶ ἀποδώσετε αὐτῇ (1)
— 15. ἀνήνεγκαν . . . τὰ ἐπ' αὐτῆς σκ. τὰ χρυσᾶ (1)
8. 12. καὶ ποιεῖν σκ. πολεμικὰ αὐ. καὶ σκεύη ἁρμάτων αὐ. (1, 1)
10. 22. κέκρυπται ἐν τοῖς σκ. (1)
13. 20. B ἕκαστος τὸ θέριστρον αὐ. καὶ τὸ σκ. †
— 21. B τὰ δὲ σκ. ἦν τρεῖς σίκλοι εἰς τὸν ὀδόντα †
14. 1. B τῷ παιδαρίῳ τῷ αἴροντι τὰ σκ. αὐ. (1)
— 6. B τὸ παιδάριον τὸ αἶρον τὰ σκ. αὐ. (1)
— 7. B εἶπεν αὐτῷ ὁ αἴρων τὰ σκ. αὐ. (1)
— 12. ἀπεκρίθησαν . . . πρὸς τὸν αἴροντα τὰ σκ. αὐ. (1)
— 12. εἶπεν 'Ι. πρὸς τὸν αἴροντα τὰ σκ. αὐ. (1)
— 13. καὶ ὁ αἴρων τὰ σκ. αὐ. μετ' αὐτοῦ (1)
— 13. ὁ αἴρων τὰ σκ. αὐ. ἐπεδίδου ὀπίσω αὐτοῦ (1)
— 14. ἣν ἐπάταξεν 'Ιων. καὶ ὁ αἴρων τὰ σκ. αὐ. (1)
— 17. οὐχ εὑρίσκετο 'Ιων. καὶ ὁ αἴρων τὰ σκ. αὐ. (1)
16. 21. ἐγενήθη αὐτῷ αἴρων τὰ [A *om.*] σκ. αὐ. (1)
17. 22. A ἀφῆκεν Δ. τὰ σκ. αὐ. (1)
— 54. τὰ σκ. αὐ. ἔθηκεν ἐν τῷ σκηνώματι αὐ. (1)
20. 40. B ἔδωκε τὰ σκ. ἐπὶ τὸ παιδάριον (1)
21. 5 (6). ἁγιασθήσεται σήμερον διὰ τὰ σκ. μου (1)
— 8 (9). τὰ σκ. [A σκ. μου] οὐκ εἴληφα (1)
25. 13. οἱ διακόσιοι ἐκάθισαν μετὰ τῶν σκ. (1)
30. 24. ἡ μερὶς τοῦ καθημένου ἐπὶ τὰ σκ. (1)
31. 4. εἶπε Σ. πρὸς τὸν αἴροντα τὰ σκ. αὐ. (1)
— 4. οὐκ ἐβούλετο ὁ αἴρων τὰ σκ. αὐ. (1)
— 5. εἶδεν ὁ αἴρων τὰ σκ. αὐ. (1)
— 6. ἀπέθανε Σ. . . . καὶ ὁ αἴρων τὰ σκ. αὐ. (1)
— 9. ἐξέδυσαν τὰ σκ. αὐ. (1)
— 10. ἀνέθηκαν τὰ σκ. αὐ. εἰς τὸ 'Ασταρτεῖον (1)
II Ki. 1. 27. ἀπώλοντο σκ. πολεμικά (1)
8. 8. ἐν αὐτῷ ἐποίησε . . . πάντα τὰ σκ. –
— 10. ἐν ταῖς χερσὶν αὐ. ἦσαν σκ. ἀργυρᾶ καὶ σκ. χρυσᾶ καὶ σκ. χαλκᾶ (1 *ter*)
17. 28. B καὶ σκεύη κεράμου (1)
18. 15. δέκα παιδάρια αἴροντα τὰ σκ. 'Ι. (1)
23. 37 (36). Γ. ὁ Βηθ. αἴρων τὰ σκ. 'Ι. (1)
24. 22. τὰ σκ. τῶν βοῶν εἰς ξύλα (1)
III Ki. 6. 7. πᾶν σκ. σιδηροῦν οὐκ ἠκούσθη (1)
7. 45. καὶ πάντα τὰ σκ. ἃ ἐποίησε Χ. (1)
— 48 (47). ἔλαβεν ὁ βασ. Σαλ. τὰ σκ. [A *al.*] (1)
— 48. A ἐποίησεν ὁ βασ. Σ. πάντα τὰ σκ. [B *al.*] (1)
— 51. A R τὰ σκ. [B *om.* τὰ σκ.] ἔδωκεν εἰς τοὺς θησαυρούς (1)
8. 4. καὶ τὰ [A πάντα τὰ] σκ. τὰ ἅγια τὰ ἐν τῷ σκηνώματι (1)
10. 21. πάντα τὰ σκ. τὰ ὑπὸ τοῦ Σ. γεγονότα [A *al.*] (1)
— 21. πάντα τὰ σκ. οἴκου δρυμοῦ τοῦ Λιβ. (1)
— 25. A ἔφερον . . . σκ. ἀργυρᾶ καὶ [B *om.* σκ. ἀργ. κ.] σκ. χρυσᾶ (1, 1)
15. 15. τοὺς κίονας αὐ. εἰσήνεγκεν . . . καὶ σκεύη (1)
19. 21. ἤψησεν αὐτὰ ἐν τοῖς σκ. τῶν βοῶν [A *al.*] (1)
IV Ki. 4. 3. αἴτησον σεαυτῇ σκεύη ἔξωθεν . . . σκ. κενά (1, 1)
— 4. ἀποχεεῖς εἰς [A πάντα] τὰ σκ. ταῦτα (1)
— 5 (6). ἕως ἐπλήσθησαν τὰ σκ. (1)
— 6. ἐγγίσατε ἔτι πρὸς μὲ τὸ [A *om.*] σκ. (1)
— 6. οὐκ ἔστιν ἔτι σκεῦος (1)
7. 15. πᾶσα ἡ ὁδὸς πλήρης . . . σκευῶν (1)
11. 8. καὶ τὸ σκ. αὐ. ἐν χειρὶ αὐ. (1)
— 11. καὶ τὸ σκ. αὐ. ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (1)
12. 11 (12). A τὰ ἔργα τῶν ἐπὶ σκευῶν [? ἐπισκ.] οἴκου κυρίου [B *al.*] †
— 13 (14). πᾶν σκ. χρυσοῦν καὶ σκ. ἀργυροῦν (1, 1)
14. 14. ἔλαβε . . . πάντα τὰ σκ. (1)
20. 13. ἔδειξεν αὐτοῖς . . . τὸν οἶκον τῶν σκ. (1)
23. 4. ἐξαγαγεῖν . . . πάντα τὰ σκ. (1)
24. 13. συνέκοψε πάντα τὰ σκ. τὰ χρυσᾶ (1)
25. 14. πάντα τὰ σκ. τὰ χαλκᾶ . . . ἔλαβε (1)
— 16. οὐκ ἦν σταθμὸς τοῦ χαλκοῦ πάντων τῶν σκ. (1)
I Ch. 9. 28. ἐξ αὐτῶν ἐπὶ τὰ σκ. τῆς λειτουργίας (1)
— 29. ἐξ αὐτῶν καθεσταμένοι ἐπὶ τὰ σκ. καὶ ἐπὶ πάντα [A S π. τὰ] σκ. τὰ ἅγια (1, 1)
10. 4. εἶπε Σ. τῷ αἴροντι τὰ σκ. αὐ. (1)
— 4. οὐκ ἐβούλετο ὁ αἴρων τὰ σκ. αὐ. (1)
— 5. εἶδεν ὁ αἴρων τὰ σκ. αὐ. (1)
— 9. ἔλαβον . . . τὰ σκ. αὐ. (1)
I Ch. 10. 10. ἔθηκαν τὰ σκ. αὐ. ἐν οἴκῳ θεοῦ αὐ. (1)
11. 39. αἴρων σκεύη υἱῷ Σαρ. (1)
12. 33. ἐκπορευόμενοι . . . ἐν πᾶσι σκ. πολεμικοῖς (1)
— 37. ἀπὸ 'Ρ. . . . ἐν πᾶσι σκ. πολεμικοῖς (1)
18. 8. ἐποίησε Σαλ. . . . τὰ σκ. τὰ χαλκᾶ (1)
— 11 (10). καὶ πάντα σκ. ἀργυρᾶ καὶ χρυσᾶ (1)
22. 19. τοῦ εἰσενέγκαι . . . σκ. τὰ ἅγια τοῦ θεοῦ (1)
23. 26. οὐκ ἦσαν αἴροντες . . . τὰ πάντα [A π. τὰ] σκ. αὐ. (1)
28. 13. καὶ τῶν ἀποθηκῶν τῶν λειτουργησίμων σκ. (1)
II Ch. 4. 11. ἐποίησε . . . πάντα τὰ σκ. αὐ. –
— 16. καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. ἃ ἐποίησε Χ. (1)
— 18. ἐποίησε Σ. πάντα τὰ σκ. ταῦτα (1)
— 19. ἐποίησε Σ. πάντα τὰ σκ. οἴκου κυρίου (1)
5. 1. εἰσήνεγκε Σ. . . . τὰ σκ. (1)
— 5. ἔλαβον . . . πάντα τὰ σκ. τὰ ἅγια (1)
9. 20. καὶ πάντα τὰ σκ. τοῦ βασ. Σαλ. χρυσίου (1)
— 20. καὶ πάντα τὰ σκ. οἴκου δρυμοῦ τοῦ Λιβ. (1)
— 24. ἔφερον . . . σκ. ἀργυρᾶ καὶ σκ. χρυσᾶ (1, 1)
15. 18. εἰσήνεγκε . . . χρυσίον καὶ σκεύη (1)
20. 25. εὗρον . . . σκ. ἐπιθυμητά (1)
23. 7. ἀνδρὸς σκεῦος σκεῦος [A *om.*] ἐν χειρὶ αὐ. (1, –)
24. 14. ἐποίησαν σκεύη εἰς οἶκον κυρίου σκ. λειτουργικά (1, 1)
25. 24. πάντα τὰ σκ. τὰ εὑρεθέντα ἐν οἴκῳ κυρίου (1)
28. 24. ἀπέστησεν Α. τὰ σκ. οἴκου κυρίου (1)
29. 18. ἡγνίσαμεν . . . τὰ σκ. αὐ. (1)
— 18. καὶ τὴν τράπεζαν τῆς προθέσεως καὶ τὰ σκ. αὐ. (1)
— 19. καὶ πάντα τὰ σκ. ἃ ἐμίανεν Α. (1)
32. 27. καὶ εἰς σκ. ἐπιθυμητά (1)
36. 7. μέρος τῶν σκ. οἴκου κυρίου ἀπήνεγκεν (1)
— 10. μετὰ τῶν σκ. τῶν ἐπιθυμητῶν οἴκου κυρίου (1)
— 18. καὶ πάντα τὰ σκ. οἴκου θεοῦ (1)
— 19. καὶ πᾶν σκ. ὡραῖον εἰς ἀφανισμόν (1)
I Es. 1. 41. ἀπὸ τῶν ἱερῶν σκ. τοῦ κυρίου λαβὼν Ναβ.
— 45. ἅμα τοῖς ἱεροῖς σκ. τοῦ κυρίου
— 54. A καὶ πάντα τὰ ἱερὰ σκ. τοῦ κυρίου . . . καὶ τὰ σκεύη κιβωτοῦ [B τὰς κιβωτοὺς] τοῦ κ.
2. 10. B ἐξήνεγκε τὰ ἅγια [A R ἱερὰ] σκ. τοῦ κυρίου
— 13. καὶ ἄλλα σκ. χίλια
— 14. τὰ δὲ πάντα σκ. ἐκομίσθη
4. 44. καὶ πάντα τὰ σκ. τὰ ληφθέντα ἐξ 'Ιερ.
— 57. ἐξαπέστειλε πάντα τὰ σκ.
6. 18. καὶ τὰ ἱερὰ σκ. τὰ χρυσᾶ
— 19. ἀπήνεγκε πάντα τὰ σκ. ταῦτα [A *al.*]
— 26. καὶ τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ οἴκου κυρίου
8. 17. B καὶ κατὰ [A R *om.*] τὰ ἱερὰ σκ. σου τὰ διδόμενα
— 55. ἔστησα αὐτοῖς . . . τὰ ἱερὰ σκ. τοῦ οἴκου
— 56. καὶ σκ. ἀργυρᾶ ταλάντων ἑκατόν
— 57. καὶ σκ. χαλκᾶ ἀπὸ χρηστοῦ χαλκοῦ στίλβοντα χρυσοειδῆ σκ. δέκα
— 58. καὶ τὰ σκ. τὰ ἅγια . . . εὐχὴ τῷ κυρίῳ
— 60. τὰ σκ. τὰ ἐν 'Ιερ. ἤνεγκαν εἰς τὸ ἱερόν
II Es. 1. 6. ἐνίσχυσαν . . . ἐν σκεύεσιν ἀργυρίου (1)
— 7. ἐξήνεγκε τὰ σκ. οἴκου (1)
— 10. καὶ σκ. ἕτερα χίλια (1)
— 11. πάντα τὰ σκ. τῷ χρυσῷ (1)
5. 14. B καὶ τὰ σκ. τοῦ θεοῦ τὰ ἀργυρᾶ [A R *al.*] (2)
— 15. πάντα τὰ σκ. λάβε (2)
6. 5. καὶ τὰ σκ. οἴκου τοῦ θεοῦ τὰ ἀργυρᾶ (2)
7. 19. τὰ σκ. τὰ διδόμενά σοι . . . παράδοσ (2)
8. 25. ἔστησα αὐτοῖς . . . τὰ σκ. ἀπαρχῆς οἴκου θεοῦ ἡμῶν (1)
— 26. ἔστησα . . . σκ. ἀργυρᾶ ἑκατόν (1)
— 27. σκεύη χαλκοῦ στίλβοντος ἀγαθοῦ διάφορα (1)
— 28. καὶ τὰ σκ. ἅγια (1)
— 30. ἔδεξαντο . . . σταθμὸν . . . τῶν σκ. (1)
— 33. ἐστήσαμεν . . . τὰ σκ. (1)
Ne. 7. 71. S² ἔδωκαν . . . ἀργυρᾶ σκ. δισχίλια [S¹ *al.*] †
10. 39 (40). καὶ ἐκεῖ σκ. τὰ ἅγια (1)
12. 36. S² καὶ ἀδ. αὐ. . . . ἐν σκεύεσιν [A B S¹ *om.* ἐν σκ.] (1)
13. 5. A B² S ἐκεῖ ἦσαν . . . διδόντες . . . τὰ σκ. (1)
— 8. ἔρριψα πάντα τὰ σκ. οἴκου Τ. (1)
— 9. ἐπέστρεψα ἐκεῖ σκεύη οἴκου τοῦ θεοῦ (1)
To. 10. 11. S παρέδωκεν Τ. . . . σκεύη [A B *al.*]
Ju. 4. 3. καὶ τὰ σκ. . . . ἡγιασμένα ἦν
7. 5. ἀναλαβόντες ἕκαστος τὰ σκ. τὰ πολεμικὰ αὐ.
14. 2. ἀναλήψεσθε ἕκαστος τὰ σκ. τὰ πολεμικὰ ὑμῶν
16. 19. ἀνέθηκεν 'Ι. πάντα τὰ σκ. 'Ολ.
Jb. 28. 17. τὸ ἄλλαγμα αὐτῆς σκεύη χρυσᾶ (1)
Ps. 2. 9. ὡς σκεῦος [A S² -η] κεραμέως συντρίψεις αὐτούς (1)
7. 13. ἐν αὐτῷ ἡτοίμασε σκεύη θανάτου (1)
30 (31). 12. ἐγενήθην ὡσεὶ σκεῦος ἀπολωλός (1)
70 (71). 22. B ἐξομολογήσομαί σοι ἐν σκεύει ψαλμοῦ [S *om.* ἐν σκ. ψ.] τὴν ἀλήθειάν σου (1)
Ec. 9. 18. ἀγαθὴ σοφία ὑπὲρ σκεύη πολέμου (1)
Wi. 13. 11. κατεσκεύασε χρήσιμον σκεῦος εἰς ὑπηρεσίαν ζωῆς
15. 7. ἀνεπλάσατο τά τε τῶν καθαρῶν ἔργων δοῦλα σκεύη
— 13. ὕλης γεώδους εὔθραυστα σκεύη . . . δημιουργῶν
Si. 27. 5. σκεύη κεραμέως δοκιμάζει κάμινος
38. 28. κατέναντι ὁμοιώματος σκεύους οἱ ὀφθ. αὐ.
43. 2. σκεῦος θαυμαστὸν ἔργον ὑψίστου
— 8. σκεῦος παρεμβολῶν ἐν ὕψει
45. 8. ἐστερέωσεν αὐτὸν σκεύεσιν [S ἐν σκ.] ἰσχύος
50. 9. ὡς σκεῦος χρυσίου ὁλοσφύρητον
Ho. 8. 8. ἐγένετο ἐν τοῖς ἔθνεσιν ὡς σκ. ἄχρηστον (1)
13. 15. καταξηρανεῖ . . . πάντα τὰ σκ. τὰ ἐπιθυμητὰ αὐ. (1)
Jn. 1. 5. ἐκβολὴν ἐποιήσαντο τῶν σκ. (1)
Na. 2. 9 (10). B S βεβάρυνται ἐπὶ [A S ὑπὲρ] πάντα σκ. [A R τὰ σκ.] τὰ ἐπιθυμητὰ αὐ. (1)
Za. 11. 15. λάβε σεαυτῷ σκ. ποιμενικὰ ποιμένος ἀπείρου [A *al.*] (1)
Is. 10. 28. ἐν Μαχμὰς θήσει τὰ σκ. αὐ. (1)
39. 2. ἔδειξεν αὐτοῖς . . . πάντας τοὺς οἴκους τῶν σκ. τῆς γάζης [S¹ *al.*] (1)
52. 11. ἀφορίσθητε, οἱ φέροντες τὰ σκ. κυρίου (1)
54. 16. ἐκφέρων σκεῦος εἰς ἔργον (1)
— 17. πᾶν σκ. σκευαστὸν ἐπὶ σὲ οὐκ εὐοδώσω [A S¹ *al.*] (1)
65. 4. μεμολυμμένα πάντα τὰ σκ. αὐτῶν (1)
Je. 22. 28. ὡς σκεῦος οὗ οὐκ ἔστι χρεία αὐτοῦ (1)
26 (46). 19. σκεύη ἀποικισμοῦ ποίησον σεαυτῇ (1)
27 (50). 25. ἐξήνεγκε τὰ σκ. ὀργῆς αὐτοῦ (1)
28 (51). 20. διασκορπίζεις σύ μοι σκεύη πολέμου (1)
30. 7 (49. 29). πάντα τὰ σκ. αὐτῶν καὶ καμήλους αὐτῶν λήψονται ἑαυτοῖς (1)
31 (48). 12. τὰ σκ. αὐτοῦ λεπτυνοῦσι (1)
34 (27). 16. σκεύη οἴκου κ. ἐπιστρέψει ἐκ Βαβ. (1)
— 19. τῶν ἐπιλοίπων [S ὑπολ.] σκ. . . . εἰς Βαβυλῶνα εἰσελεύσεται (1)
35 (28). 3. ἀποστρέψω εἰς τὸν τόπον τοῦτον τὰ σκ. οἴκου κυρίου (1)
— 6. τοῦ ἐπιστρέψαι τὰ σκ. οἴκου κυρίου (1)
52. 18. καὶ πάντα τὰ σκ. τὰ χαλκᾶ (1)
Ba. 1. 8. ἐν τῷ λαβεῖν αὐτὸν τὰ σκ. οἴκου κυρίου . . . σκεύη ἀργυρᾶ ἃ ἐποίησε Σεδεκίας
Ep. Je. 17. ὥσπερ γὰρ σκεῦος ἀνθρώπου συντριβέν
— 59. σκ. ἐν οἰκίᾳ χρήσιμον
Ez. 9. 1. εἶχε τὰ σκ. τῆς ἐξολεθρεύσεως (1)
12. 3. ποίησον σεαυτῷ σκεῦη αἰχμαλωσίας (1)
— 4. ἐξοίσεις τὰ σκ. σου σκεύη αἰχμαλωσίας (1, 1)
— 7. σκεύη ἐξήνεγκα [A ἐ. ὡς σκ.] αἰχμαλωσίας (1, 1)
15. 3. τοῦ κρεμάσαι ἐπ' αὐτὸν [A -οῦ] πᾶν σκ. (1)
16. 17. ἔλαβες τὰ σκ. τῆς καυχήσεώς σου (1)
— 39 : 23. 26. λήψονται τὰ σκ. τῆς καυχήσεώς σου (1)
27. 13. σκεύη χαλκᾶ ἔδωκαν τὴν ἐμπορίαν σου (1)
40. 42. ἐπ' αὐτὰ ἐπιθήσουσι τὰ σκ. [A *al.*] (1)
Da. LXX. 1. 2. μέρος τι τῶν ἱερῶν σκ. τοῦ κ. (1)
— 2. ἀπήνεγκεν αὐτὰ . . . καὶ τὰ σκ. (1)
5. 2. εἶπεν ἐνέγκαι τὰ σκ. τὰ χρυσᾶ (2)
— 23. τὰ σκ. τοῦ οἴκου τοῦ θεοῦ τοῦ ζῶντος ἠνέχθη σοι (2)
11. 8. μετὰ τῶν σκ. τῶν ἐπιθυμημάτων αὐ. (1)
Da. TH. 1. 2. ἀπὸ μέρους τῶν σκ. οἴκου τοῦ θ. (1)
— 2. τὰ σκ. εἰσήνεγκεν εἰς τὸν οἶκον (1)
5. 2. ἐνεγκεῖν τὰ σκ. τὰ χρυσᾶ (2)
— 3. ἠνέχθησαν τὰ σκ. τὰ χρυσᾶ (2)
— 23. τὰ σκ. τοῦ οἴκου αὐ. ἤνεγκας ἐνώπιόν σου (2)
11. 8. πᾶν σκ. ἐπιθυμητὸν αὐ. . . . οἴσει (1)
I Ma. 1. 21. ἔλαβε . . . πάντα τὰ σκ. αὐ.
— 23. ἔλαβε . . . τὰ σκ. τὰ ἐπιθυμητά
2. 9. τὰ σκ. τῆς δόξης αἰχμάλωτα ἀπήχθη
3. 3. συνεζώσατο τὰ σκ. τὰ πολεμικὰ αὐ.
— 12. A καὶ ἔλαβον τὰ σκ. [S R σκῦλα] αὐ.
4. 30. εἰς χεῖρας . . . τοῦ αἴροντος τὰ σκ. αὐ.
— 49. A ἐποίησαν τὰ σκ. τὰ [S R ἐπ. σκ.] ἅγια καινά

I Ma. 6. 12. ἔλαβον πάντα τὰ σκ. τὰ ἀργυρᾶ
9. 40. A ἔλαβον πάντα τὰ σκ. [S R σκῦλα] αὐ.
14. 10. ἔταξεν αὐτὰς ἐν σκεύεσιν ὀχυρώσεως
— 15. ἐπλήθυνε τὰ σκ. τῶν ἁγίων
15. 26. ἀπέστειλεν αὐτῷ . . . σκ. ἱκανά
II Ma. 4. 48. οἱ περὶ . . . τῶν ἱερῶν σκ. προηγορήσαντες
5. 16. ταῖς μεραῖς χερσὶ τὰ ἱερὰ σκ. λαμβάνων
9. 16. καὶ τὰ ἱερὰ σκ. πολυπλάσια πάντα ἀποδώσειν

[Aq. Ge. 49. 5 : Ex. 31. 9 : Dt. 24. 2 (23. 25) : I Ki. 17. 40 : 21. 5 (6) : III Ki. 10. 25 : Ec. 9. 18 : Is. 18. 2 : 39. 2 : 54. 16, 17 : 61. 10 : Je. 18. 4 : 25. 34 (32. 20) : 52. 20 : Ez. 9. 2 : 12. 7 *bis* : 32. 27.]
[Sm. Ex. 31. 9 : 39. 37 (17) : I Ki. 17. 40 : III Ki. 10. 25 : Jb. 28. 17 : Is. 13. 5 : 18. 2 : 39. 2 : 54. 16, 17 : 66. 20 : Je. 18. 4 : 25. 34 (32. 20) : 52. 20 : Ez. 9. 2 : 12. 7 *bis* : 32. 27.]
[Th. Ex. 31. 9 : 38. 3 (23) : 39. 37 (17) : I Ki. 17. 40 : 21. 5 (6) : III Ki. 10. 25 : Jb. 28. 17 : Pr. 20. 15 : Is. 18. 2 : 22. 24 *bis* : 39. 2 : 54. 16, 17 : Je. 27 (34). 18, 19, 21 : Ez. 12. 7 *bis* : 32. 27 : Da. 1. 2.]
[Heb. Ge. 49. 5.]
[Al. I Ki. 6. 11.]

σκέψις.

[Sm. Ps. 63 (64). 3.]

σκηνή. (1) אֹהֶל (2) חָצֵר (3) מִשְׁכָּן (4) *a.* סֹךְ *b.* סֻכָּה *c.* סֻכּוֹת

Ge. 4. 20. ὁ πατὴρ οἰκούντων ἐν σκηναῖς (1)
12. 8. ἔστησεν ἐκεῖ τὴν σκ. αὐ. (1)
13. 3. οὗ ἦν ἡ σκ. αὐ. τὸ πρότερον (1)
— 4. A οὗ ἐποίησεν ἐκεῖ τὴν σκ. [R ἀρχήν] †
— 5. R πρόβατα καὶ βόες καὶ σκηναί [A κτήνη] (1)
18. 1. καθημένου αὐτοῦ ἐπὶ τῆς θύρας τῆς σκ. αὐ. (1)
— 2. προσέδραμεν . . . ἀπὸ τῆς θύρας τῆς σκ. αὐ. (1)
— 6. ἔσπευσεν Ἀβ. ἐπὶ τὴν σκ. (1)
— 9. ἰδοὺ ἐν τῇ σκ. (1)
— 10. Σάρρα δὲ ἤκουσε πρὸς τῇ θύρᾳ τῆς σκ. (1)
25. 16. ταῦτα τὰ ὀνόμ. αὐ. ἐν ταῖς σκ. αὐ. (2)
26. 25. ἔπηξεν ἐκεῖ τὴν σκ. αὐ. (1)
31. 25. ἔπηξε τὴν σκ. αὐ. ἐν τῷ ὄρει (1)
33. 17. Ἰ. ἀπαίρει εἰς Σκηνάς (4 *b*)
— 17. τοῖς κτήνεσιν αὐ. ἐποίησε σκηνάς (4 *b*)
— 17. ἐκάλεσε τὸ ὄν. τοῦ τόπου ἐκ. Σκηναί (4 *b*)
— 19. οὗ ἔστησεν ἐκεῖ τὴν σκ. αὐ. (1)
35. 16 (21). ἔπηξε τὴν σκ. αὐ. (1)
Ex. 18. 7. εἰσήγαγεν αὐτοὺς εἰς τὴν σκ. (1)
25. 8 (9). τὸ παράδειγμα τῆς σκ. (3)
26. 1. τὴν σκ. ποιήσεις δέκα αὐλαίας (3)
— 6. καὶ ἔσται ἡ σκ. μία (3)
— 7. σκέπην ἐπὶ τῆς σκ. (3)
— 9. κατὰ πρόσωπον τῆς σκ. (1)
— 12. ἐν ταῖς δέρρεσι τῆς σκ. (1)
— 12. A R τὸ πλεονάζον τῶν δέρρεων τῆς σκ. –
— 12. ὑποκαλύψεις [A ἐπικ.] ὀπίσω τῆς σκ. (3)
— 13. ἐκ τοῦ μήκους τῶν δέρρεων τῆς σκ. [A *al.*] (1)
— 13. ἔσται συγκαλύπτον ἐπὶ τὰ πλάγια τῆς σκ. (3)
— 14. ποιήσεις κατακάλυμμα τῇ σκηνῇ (1)
— 15. ποιήσεις στύλους τῇ σκ. (3)
— 17. οὕτως ποιήσεις πᾶσι τοῖς στ. τῆς σκ. (3)
— 18. ποιήσεις στύλους τῇ σκ. (3)
— 22. ἐκ τῶν ὀπίσω τῆς σκ. (3)
— 23. ἐπὶ τῶν γωνιῶν τῆς σκ. (3)
— 26. ἐκ τοῦ ἑνὸς μέρους τῆς σκ. (3)
— 27. τῷ ἑνὶ [A *om.*] κλίτει τῆς σκ. τῷ δευτέρῳ (3)
— 27. τῷ κλίτει τῆς σκ. τῷ πρὸς θάλασσαν (3)
— 30. ἀναστήσεις τὴν σκ. (3)
— 35. ἐπὶ μέρους τῆς σκ. τὸ πρὸς νότον (3)
— 35. ἐπὶ μέρους τῆς σκ. τὸ πρὸς βορρᾶν –
— 36. B² R ποιήσεις ἐπίσπαστρον τῇ θύρᾳ τῆς σκ. [A B¹ *al.*] (1)
27. 9. ποιήσεις αὐλὴν τῇ σκ. (3)
— 21. ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
28. 39 (43). ὅταν εἰσπορεύωνται εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
29. 4, 10. ἐπὶ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 10. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου –
— 11. B παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 30. ὃς εἰσελεύσεται εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 32. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 42. ἐπὶ θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 44. ἁγιάσω τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
30. 16. εἰς τὸ κάτεργον τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
Ex. 30. 18. θήσεις αὐτὸν ἀνὰ μέσον τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 20. ὅταν εἰσπορεύωνται εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 21. ὅταν εἰσπορεύωνται εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. –
— 26. A B χρίσεις ἐξ αὐτοῦ τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου καὶ τὴν κιβ. [R *add.* τῆς σκ.] τοῦ μαρτ. (1, [–])
— 27. B καὶ τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου –
— 36. ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
31. 7. ποιήσουσι . . . τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 7. καὶ τὴν διασκευὴν τῆς σκ. (1)
33. 7. λαβὼν Μ. τὴν σκ. αὐ. (1)
— 7. ἐκλήθη σκηνὴ μαρτυρίου (1)
— 7. ἐξεπορεύετο εἰς τὴν σκ. (1)
— 8. ἡνίκα δ' ἂν εἰσεπορεύετο Μ. εἰς τὴν σκ. (1)
— 8. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. αὐ. (1)
— 8. ἕως τοῦ εἰσελθεῖν αὐτὸν εἰς τὴν σκ. (1)
— 9. ὡς δ' ἂν εἰσῆλθε Μ. εἰς τὴν σκ. (1)
— 9. ἵστατο ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. (1)
— 10. ἐπὶ τῆς θύρας τῆς σκ. (1)
— 10. ἀπὸ τῆς θύρας τῆς σκ. αὐ. (1)
— 11. οὐκ ἐξεπορεύετο ἐκ τῆς σκ. (1)
35. 11. ἐργαζέσθω . . . τὴν σκ. (3 + 1)
— 21. εἰς πάντα τὰ ἔργα τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
37. 1 (36. 8). ἐποίησαν τῇ σκ. δέκα αὐλαίας (3)
— 5 (36. 37). τὸ καταπέτασμα τῆς θύρας [A¹ *om.* τ. θ.] τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 14 (38. 16). πᾶσαι αἱ αὐλαίαι τῆς σκ. [A *al.*] (2)
— 19 (38. 21). αὕτη ἡ σύνταξις τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (3)
38. 19 (36. 36). ἐποίησε καὶ τοὺς κρίκους τῆς σκ. χρυσοῦς [A *al.*] –
— 20 (36. 36). ἐχώνευσε τὰς κεφαλίδας τὰς ἀργυρᾶς τῆς σκ. [A² τοῖς στύλοις, A¹ *om.* τ. σκ.] –
— 20 (36. 36). τὰς κεφαλίδας τὰς χαλκᾶς τῆς θύρας τῆς σκ. –
— 21 (20). A ἐποίησε τοὺς πασσάλους τῆς σκ. [B *al.*] (3)
— 26 (8). παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 27 (40. 32). εἰσπορευομένων αὐτῶν εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (1)
39. 4 (38. 27). εἰς τὴν χώνευσιν τῶν ἑκατὸν κεφαλίδων τῆς σκ. †
— 8 (38. 30). τὰς βάσεις τῆς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 9 (38. 30). A καὶ τὰς βάσεις τῆς σκ. [B πύλης, R αὐλῆς] κύκλῳ –
— 9 (38. 31). καὶ τοὺς πασσάλους τῆς σκ. (2)
— 9 (38. 31). B¹ καὶ τοὺς πασσάλους τῆς σκ. [A B² R αὐλῆς] (3)
— 10 (38. 31). καὶ πάντα τὰ ἐργαλεῖα τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (2)
— 14 (33). ἤνεγκαν . . . τὴν σκ. (1)
— 20 (40). τὸ καταπέτασμα τῆς θύρας τῆς σκ. (2)
— 21 (40). καὶ πάντα τὰ σκεύη τῆς σκ. (3)
— 21 (40). εἰς τὰ ἔργα τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
40. 2. στήσεις τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου (3 + 1)
— 5. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (3)
— 6. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (3 + 1)
— 6 (8). περιθήσεις τὴν σκ. [A αὐλήν] (2)
— 9. χρίσεις τὴν σκ. (3)
— 12. ἐπὶ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 17. ἐστάθη ἡ σκ. (3)
— 18. ἔστησε Μ. τὴν σκ. (3)
— 19. ἐξέτεινε τὰς αὐλαίας ἐπὶ τὴν σκ. (3)
— 19. ἐπέθηκε τὸ κατακάλυμμα τῆς σκ. (1)
— 21. εἰσήνεγκε τὴν κιβ. εἰς τὴν σκ. (3)
— 22. ἐπέθηκε τὴν τράπεζαν εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. ἐπὶ τὸ κλίτος τῆς σκ. τοῦ μαρτ. . . . ἔξωθεν τοῦ καταπετάσμ. τῆς σκ. (1, 3, –)
— 24. ἔθηκε τὴν λυχνίαν εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. εἰς τὸ κλίτος τῆς σκ. τὸ πρὸς νότον (1, 3)
— 26. ἔθηκε τὸ θυσιαστ. τὸ χρυσοῦν ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 29. A² B παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. (3 + 1)
— 33. B ἔστησε τὴν αὐλὴν κύκλῳ τῆς σκ. (3)
— 34. ἐκάλυψεν ἡ νεφέλη τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 34. δόξης κυρίου ἐπλήσθη ἡ σκ. (3)
— 35. εἰσελθεῖν εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 35. δόξης κυρίου ἐπλήσθη ἡ σκ. (3)
— 36. ἡνίκα δ' ἂν ἀνέβη ἡ νεφέλη ἀπὸ τῆς σκ. (3)
— 38. νεφέλη γὰρ ἦν ἐπὶ τῆς σκ. ἡμέρας (3)
Le. 1. 1. ἐλάλησε κ. αὐτῷ ἐκ τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
Le. 1. 3. πρὸς τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 5. τὸ ἐπὶ τῶν θυρῶν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
3. 2, 8, 13. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
4. 4. παρὰ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 5. εἰσοίσει αὐτὸ ἐπὶ τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 7. ὅ ἐστιν ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 7, 14. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 16. εἰσοίσει . . . εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 18. ὅ ἐστιν ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 18. τῶν πρὸς τῇ θύρᾳ τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
6. 16 (9), 26 (19). ἐν αὐλῇ τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 30 (23). ὧν ἐὰν εἰσενεχθῇ . . . εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (1)
8. 3. ἐκκλησίασον ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 4. ἐξεκκλησίασε τὴν συναγ. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. (1)
— 11. ἔχρισε τὴν σκ. –
— 31. ἐν τῇ αὐλῇ τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 33. ἀπὸ τῆς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 35. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
9. 5. ἀπέναντι τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 23. εἰσῆλθε . . . εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
10. 7. ἀπὸ τῆς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 9. ἡνίκα ἂν εἰσπορεύησθε εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (1)
12. 6 : 14. 11, 23. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
15. 14. ἐπὶ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 29. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 31. ἐν τῷ μιαίνειν αὐτοὺς τὴν σκ. μου τὴν ἐν αὐτοῖς (3)
16. 7. παρὰ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 16. οὕτω ποιήσει τῇ σκ. [B¹ τὴν σκ.] τοῦ μαρτυρίου (1)
— 17. πᾶς ἄνθρ. οὐκ ἔσται ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 20. συντελέσει ἐξιλασκόμενος . . . τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 23. εἰσελεύσεται Ἀ. εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 33. ἐξιλάσεται . . . τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
17. 4. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 4. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1 ?)
— 4. ὥστε μὴ προσενέγκαι δῶρον κυρίῳ ἀπέναντι τῆς σκ. κυρίου (3)
— 5. ἐπὶ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 6. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 9. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
19. 21. παρὰ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
23. 34. ἑορτὴ σκηνῶν ἑπτὰ ἡμέρας τῷ κ. (4 *b*)
— 42. ἐν σκηναῖς κατοικήσετε ἑπτὰ ἡμέρας (4 *b*)
— 42. πᾶς ὁ αὐτόχθων ἐν Ἰσρ. κατοικήσει ἐν σκηναῖς (4 *b*)
— 43. ἐν σκηναῖς κατῴκισα τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (4 *b*)
24. 3. ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
26. 11. R θήσω τὴν σκ. [A B διαθήκην] μου ἐν ὑμῖν (3)
Nu. 1. 1. ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 50. ἐπίστησον τοὺς Λ. ἐπὶ τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (3)
— 50. αὐτοὶ ἀροῦσι τὴν σκ. (3)
— 50. κύκλῳ τῆς σκ. παρεμβαλοῦσι (3)
— 51. ἐν τῷ ἐξαίρειν τὴν σκ. (3)
— 51. ἐν τῷ παρεμβάλλειν τὴν σκ. (3)
— 53. παρεμβαλέτωσαν . . . κύκλῳ τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (3)
— 53. τὴν φυλακὴν τῆς σκηνῆς τοῦ μαρτ. (3)
2. 2. κύκλῳ τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 17. ἀρθήσεται ἡ σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
3. 7. ἔναντι τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 7. ἐργάζεσθαι τὰ ἔργα τῆς σκ. (3)
— 8. πάντα τὰ σκεύη τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 8. κατὰ πάντα τὰ ἔργα τῆς σκ. (3)
— 10. καταστήσεις ἐπὶ τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου –
— 23. ὀπίσω τῆς σκ. παρεμβαλοῦσι (3)
— 25. ἡ φυλακὴ υἱῶν Γ. ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. ἡ σκ. (1, 3)
— 25. καὶ τὸ κατακάλυμμα τῆς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 26. τῆς πύλης τῆς αὐλῆς τῆς οὔσης ἐπὶ τῆς σκ. (3)
— 29. παρεμβαλοῦσιν ἐκ πλαγίων τῆς σκ. (3)
— 35. ἐκ πλαγίων τῆς σκ. παρεμβαλοῦσι (3)
— 36. τὰς κεφαλίδας τῆς σκ. (3)
— 38. κατὰ πρόσωπον τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (3 + 1)
4. 3. ποιῆσαι πάντα τὰ ἔργα ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 4. ταῦτα τὰ ἔργα τῶν υἱῶν Κ. ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)

Nu. 4. 5. A κατακαλύψουσιν ἐν αὐτῷ τὴν σκ. [B κιβωτόν] †
— 15. ταῦτα ἀροῦσιν . . . ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 16. ἡ ἐπισκοπὴ ὅλης τῆς σκ. (3)
— 23. ποιεῖν τὰ ἔργα αὐ. ἐν τῇ σκ. [A ἔ. τῆς σκ.] τοῦ μαρτ. (1)
— 25. ἀρεῖ τὰς δέρρεις [B² τὰ σκεύη] πῆς σκ. καὶ τὴν σκ. τοῦ μαρτ. . . . καὶ τὸ κάλυμμα τῆς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (3, 1, 1)
— 26. A B² R ὅσα ἐπὶ τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (3)
— 28. αὕτη ἡ λειτουργία . . . ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 30. λειτουργεῖν τὰ ἔργα τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 31. B¹ κατὰ πάντα τὰ ἔργα τῶν [A B² R αὐτῶν] ἐν τῇ σκ. (1)
— 31. τὰς κεφαλίδας τῆς σκ. (3)
— 31. A καὶ τὸ κατακάλυμμα τῆς σκ. [B om. τ. σκ.] –
— 31. καὶ τὸ κατακάλυμμα τῆς θύρας τῆς σκ. –
— 33. αὕτη ἡ λειτουργία . . . ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 35. καὶ ποιεῖν ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. [A al.] (1)
— 37. πᾶς ὁ λειτουργῶν ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 39. ποιεῖν τὰ ἔργα ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 41. πᾶς ὁ λειτουργῶν ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 43. πρὸς τὰ ἔργα τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 47. τὰ ἔργα τὰ αἰρόμενα ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)
5. 17. ἐπὶ τοῦ ἐδάφους τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (3)
6. 10. οἴσει . . . ἐπὶ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 13. προσοίσει αὐτὸς παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 18. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
7. 1. ὥστε ἀναστῆσαι τὴν σκ. (3)
— 3. προσήγαγον ἐναντίον τῆς σκ. (3)
— 5. πρὸς τὰ ἔργα τὰ λειτουργικὰ τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 89. ἐν τῷ εἰσπορεύεσθαι Μ. εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (1)
8. 9. προσάξεις τοὺς Λ. ἔναντι τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 15. ἐργάζεσθαι τὰ ἔργα τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 19, 22. ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 24. ἐνεργεῖν ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 26. ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
9. 15. ᾗ ἐστάθη ἡ σκ. (3)
— 15. ἐκάλυψεν ἡ νεφέλη τὴν σκ. (3)
— 15. ἦν ἐπὶ τῆς σκ. [A γῆς] ὡς εἶδος πυρός (3)
— 17. ἡνίκα ἀνέβη ἡ νεφέλη ἀπὸ τῆς σκ. (1)
— 18. ἐν αἷς σκιάζει ἡ νεφέλη ἐπὶ τῆς σκ. (3)
— 19. ὅταν ἐφέλκηται ἡ νεφέλη ἐπὶ τῆς σκ. (3)
— 20. ὅταν σκεπάσῃ ἡ νεφέλη . . . ἐπὶ τῆς σκ. (3)
10. 3. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 11. ἀνέβη ἡ νεφέλη ἀπὸ τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (3)
— 17. καθελοῦσι τὴν σκ. (3)
— 17. αἴροντες τὴν σκ. (3)
— 21. στήσουσι τὴν σκ. (3)
11. 16. ἄξεις αὐτοὺς πρὸς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 24. ἔστησεν αὐτοὺς κύκλῳ τῆς σκ. (1)
— 26. οὐκ ἦλθον πρὸς τὴν σκ. (1)
12. 4. B ἐξέλθατε ὑμεῖς οἱ τρεῖς τὴν [A R εἰς τὴν] σκ. (1)
— 5 (4). ἐξῆλθον οἱ τρεῖς εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. –
— 5. ἔστη ἐπὶ τῆς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 10. ἡ νεφέλη ἀπέστη ἀπὸ τῆς σκ. (1)
14. 10. ἡ δόξα κυρίου ὤφθη . . . ἐπὶ τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
16. 9. λειτουργεῖν τὰς λειτουργίας τῆς σκ. κυρίου (3)
— 9. παρίστασθαι ἔναντι τῆς σκ. [A συναγωγῆς] †
— 18. A² B ἔστησαν παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 19. A² B παρὰ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 26. ἀποσχίσθητε ἀπὸ τῶν σκ. τῶν ἀνθρώπων τῶν σκληρῶν τ. (1)
— 27. ἀπέστησαν ἀπὸ τῆς σκ. Κ. (3)
— 27. παρὰ τὰς θύρας τῶν σκ. [A σκηνωμάτων] αὐ. (1)
— 30. καταπίεται . . . τὰς σκ. αὐ. –
— 42 (17. 7). ὥρμησαν ἐπὶ τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 43 (17. 8). εἰσῆλθε Μ. καὶ Ἀ. κατὰ πρόσωπον τῆς σκ. (1)
— 50 (17. 15). ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
17. 4 (19). θήσει αὐτὰς ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 7 (22). ἀπέθηκε Μ. τὰς ῥάβδους . . . ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 8 (23). εἰσῆλθε Μ. καὶ Ἀ. εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (1)

Nu. 17. 13 (28). πᾶς ὁ ἁπτόμενος τῆς σκ. κυρίου (3)
18. 2. ἀπέναντι τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 3. καὶ τὰς φυλακὰς τῆς σκ. [A add. σου] (1)
— 4. φυλάξονται τὰς φυλακὰς τῆς σκ. (1)
— 4. κατὰ πάσας τὰς λειτουργίας τῆς σκ. (1)
— 6. λειτουργεῖν τὰς λειτουργίας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 21. ὅσα αὐτοὶ λειτουργοῦσι . . . ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 22. οὐ προσελεύσονται ἔτι οἱ υἱοὶ Ἰσρ. εἰς τὴν σκ. (1)
— 23. τὴν λειτουργίαν τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 31. τῶν λειτουργιῶν ὑμῶν τῶν ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)
19. 4. ἀπέναντι τοῦ προσώπου τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 13. τὴν σκ. κυρίου ἐμίανεν (3)
20. 6. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
24. 5. αἱ σκ. σου, Ἰακώβ (1)
— 6. ὡσεὶ σκηναὶ ἃς ἔπηξε κύριος †
25. 6. παρὰ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
27. 2. ἐπὶ τῆς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
31. 30. τοῖς φυλάσσουσι τὰς φυλακὰς ἐν τῇ σκ. κυρίου (3)
— 47. τοῖς φυλάσσουσι τὰς φυλακὰς τῆς σκ. κυρίου (3)
— 54. εἰσήνεγκεν αὐτὰ εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (1)
De. 1. 27. διεγογγύζετε ἐν ταῖς σκ. ὑμῶν (1)
11. 6. κατέπιεν αὐτοὺς . . . καὶ τὰς σκ. αὐ. (1)
16. 13. ἑορτὴν σκηνῶν [A τῶν σκ.] ποιήσεις σεαυτῷ (4 b)
31. 14. στῆτε παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 14. A B² R καὶ ἐπορεύθη Μ. καὶ Ἰ. εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. –
— 14. A B² R ἔστησαν παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 15. ἔστη παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. –
— 15. ἔστη ὁ στῦλος τῆς νεφέλης παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. (1)
Jo. 7. 21. ἐγκέκρυπται ἐν τῇ σκ. μου (1)
— 22. ἔδραμον εἰς τὴν σκ. (1)
— 22. ταῦτα ἦν κεκρυμμ. εἰς τὴν σκ. [A al.] (1)
— 23. ἐξήνεγκαν αὐτὰ ἐκ τῆς σκ. (1)
— 24. ἀνήγαγεν αὐτὸν . . . καὶ τὴν σκ. αὐ. (1)
18. 1. ἔπηξαν ἐκεῖ τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
19. 51. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
22. 19. οὗ κατασκηνοῖ ἐκεῖ ἡ σκ. [A κιβωτὸς] κυρίου (3)
— 29. ὅ ἐστιν ἐναντίον τῆς σκ. αὐ. (3)
24. 25. ἐνώπιον τῆς σκ. τοῦ θεοῦ Ἰσρ. –
Jd. 4. 11. ἔπηξε τὴν σκ. αὐ. (1)
— 17. ἔφυγε τοῖς ποσὶν αὐ. εἰς σκηνὴν Ἰ. (1)
— 18. ἐξέκλινε πρὸς αὐτὴν εἰς τὴν σκ. (1)
— 20. στῆθι δὴ ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. (1)
— 21. ἔλαβεν Ἰ. . . . τὸν πάσσαλον τῆς σκ. (1)
5. 24. ἀπὸ γυναικῶν ἐν σκηναῖς εὐλογηθείη [A al.] (1)
6. 5. αἱ σκ. αὐ. παρεγίνοντο [A al.] (1)
7. 8. ἐξαπέστειλεν ἄνδρα εἰς σκηνὴν [A τὸ σκήνωμα] αὐ. (1)
— 13. ἦλθεν ἕως τῆς σκ. (1)
— 13. ἔπεσεν ἡ σκ. (1)
8. 11. ὁδὸν τῶν σκηνούντων ἐν σκηναῖς [A al.] (1)
I Ki. 2. 22. A παρὰ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
II Ki. 6. 17. ἀνέθηκαν αὐτὴν . . . εἰς μέσον τῆς σκ. (1)
7. 2. ἡ κιβωτὸς τοῦ θ. κάθηται ἐν μέσῳ τῆς σκ. †
— 6. ἤμην ἐμπεριπατῶν . . . ἐν σκηνῇ (3)
11. 11. κατοικοῦσιν ἐν σκηναῖς (4 b)
16. 22. ἔπηξαν τὴν σκ. τῷ Ἀβ. (1)
22. 12. ἡ σκ. αὐ. σκότος ὑδάτων (4 b)
III Ki. 1. 39. ἔλαβε . . . τὸ κέρας τοῦ ἐλαίου ἐκ τῆς σκ. (1)
2. 29. ἔφυγεν Ἰ. εἰς τὴν σκ. τοῦ κυρίου (1)
— 30. ἦλθε Βαν. υἱὸς Ἰ. . . . εἰς τὴν σκ. τοῦ κ. (1)
18. 5. οὐκ ἐξολεθρευθήσονται ἀπὸ τῶν σκ. [A κτηνῶν] †
21 (20). 12. πίνων ἦν αὐτὸς . . . ἐν σκηναῖς (4 b)
IV Ki. 7. 7. ἐγκατέλιπον τὰς σκ. αὐ. (1)
— 8. εἰσῆλθον εἰς σκ. μίαν (1)
— 10. καὶ αἱ σκ. αὐ. ὡς εἰσίν (1)
10. 14. B² ἔσφαξαν αὐτοὺς ἐν τῇ σκ. [A B¹ R al.] †
I Ch. 5. 10. κατοικοῦντες ἐν σκηναῖς (1)
6. 32 (17). ἐναντίον τῆς σκ. οἴκου μαρτυρίου (3)

I Ch. 6. 48 (33). εἰς πᾶσαν ἐργασίαν λειτουργίας σκηνῆς οἴκου τοῦ θεοῦ (3)
9. 19. φυλάσσοντες τὰς φυλακὰς τῆς σκ. (1)
— 21. πυλωρὸς τῆς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)
— 23. ἐν οἴκῳ τῆς σκ. τοῦ φυλάσσειν (1)
15. 1. ἐποίησεν αὐτῇ σκηνήν (1)
16. 1. ἀπηρείσατο αὐτὴν ἐν μέσῳ τῆς σκ. (1)
— 39. ἐναντίον τῆς [S om.] σκ. κυρίου (3)
17. 5. ἤμην ἐν σκηνῇ (1)
21. 29. σκηνὴ κυρίου . . . ἐν B. ἐν Γ. (3)
23. 26. οὐκ ἦσαν αἴροντες τὴν σκ. (3)
— 32. φυλάξουσι τὰς φυλακὰς σκηνῆς τοῦ μαρτ. (1)
II Ch. 1. 3. οὗ ἐκεῖ ἦν ἡ σκ. τοῦ μαρτυρίου τοῦ θ. (1)
— 4. ἡτοίμασεν αὐτῇ σκηνὴν εἰς Ἱερ. (1)
— 5. ἐκεῖ ἦν ἔναντι τῆς σκ. κυρίου (3)
— 6. ἐπὶ τὸ θυσιαστ. τὸ χαλκοῦν . . . τὸ ἐν τῇ σκ. (1)
— 13. B πρὸ προσώπου σκηνῆς [A R τῆς σκ. τοῦ] μαρτυρίου (1)
5. 5. ἔλαβον . . . τὴν σκ. τοῦ μαρτ. καὶ πάντα τὰ σκεύη τὰ ἅγια τὰ ἐν τῇ σκ. (1, 1)
8. 13. ἐν τῇ ἑορτῇ τῶν σκ. (4 b)
14. 15 (14). σκηνὰς κτήσεων . . . ἐξέκοψαν (1)
24. 6. ἐξεκκλησίασε τὸν Ἰσρ. εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)
29. 6. ἀπέστρεψαν τὸ πρόσωπον ἀπὸ τῆς σκ. κυρίου (3)
II Es. 3. 4. ἐποίησαν τὴν ἑορτὴν τῶν σκ. (4 b)
8. 29. ἕως στῆτε . . . εἰς σκηνὰς οἴκου κυρίου †
Ne. 8. 14. ὅπως κατοικήσωσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐν σκηναῖς (4 b)
— 15. A² B S ποιῆσαι σκηνὰς κατὰ τὸ γεγραμμ. (4 b)
— 16. ἐποίησαν ἑαυτοῖς σκηνάς (4 b)
— 17. ἐποίησαν . . . σκηνάς [S¹ ἐν σκηναῖς] (4 b)
— 17. καὶ ἐκάθισαν ἐν σκηναῖς (4 b)
To. 13. 10. ἵνα πάλιν ἡ [A om.] σκ. αὐτοῦ οἰκοδομηθῇ [S al.]
Ju. 3. 3. A B καὶ πᾶσαι αἱ μάνδραι τῶν σκ. ἡμῶν
5. 22. πᾶς ὁ λαὸς ὁ κυκλῶν τὴν σκ. [A -ῳ τῆς σκ.]
6. 10. οἳ ἦσαν παρεστηκότες ἐν τῇ σκ. αὐ. [S παρ. αὐτῷ]
7. 18. καὶ αἱ σκ. καὶ αἱ ἀπαρτίαι αὐ.
8. 5. ἐποίησεν ἑαυτῇ σκηνήν
— 36. ἀποστρέψαντες ἐκ τῆς σκ.
10. 15. πρόσελθε ἐπὶ τὴν σκ. αὐ.
— 17. ἤγαγον αὐτὰς ἐπὶ τὴν σκ. Ὀλ.
— 18. ἐκύκλουν αὐτὴν . . . ἔξω τῆς σκ. Ὀλ.
— 20. εἰσήγαγον αὐτὴν εἰς τὴν σκ.
12. 5. A B ἠγάγοσαν αὐτὴν . . . εἰς τὴν σκ.
— 9. B παρέμενε τῇ [A ἐν τῇ] σκ.
13. 1. A B συνέκλεισε τὴν σκ. ἔξωθεν
— 2. B ὑπελείφθη δὲ Ἰ. μόνη ἐν τῇ σκ. [A om. ἐν τῇ σκ.]
14. 3. συνδραμοῦνται ἐπὶ τὴν σκ. Ὀλ.
— 13. παρεγένοντο ἐπὶ τὴν σκ. Ὀλ.
— 14. ἔκρουσε τὴν αὐλαίαν τῆς σκ.
— 17. εἰσῆλθεν εἰς τὴν σκ.
15. 11. ἔδωκαν τῇ Ἰ. τὴν σκ. Ὀλ.
Jb. 5. 24. ἡ δὲ δίαιτα τῆς σκ. σου οὐ μὴ ἁμάρτῃ [A al.] †
8. 14. ἀράχνη δὲ αὐτοῦ ἀποβήσεται ἡ σκ. †
18. 15. κατασκηνώσει ἐν τῇ σκηνῇ αὐτοῦ (1)
36. 30 (29). ἰσότητα σκηνῆς αὐτοῦ ἴδοὐ ἐκτενεῖ (4 b)
Ps. 17 (18). 11. A² B S κύκλῳ αὐτοῦ ἡ σκ. αὐ. (4 b)
26 (27). 5. ἔκρυψέ με ἐν σκηνῇ (4 a)
— 5. ἐσκέπασέ με ἐν ἀποκρύφῳ τῆς σκ. αὐτοῦ (1)
— 6. ἔθυσα ἐν τῇ σκ. αὐτοῦ θυσίαν ἀλαλαγμοῦ (1)
28 (29). tit. ψαλμὸς τῷ Δαυὶδ ἐξοδίου σκηνῆς –
30 (31). 20. σκεπάσεις αὐτοὺς ἐν σκηνῇ (4 b)
41 (42). 4. διελεύσομαι ἐν τόπῳ σκηνῆς θαυμαστῆς (4 a?)
59 (60). 6. τὴν κοιλάδα τῶν σκ. διαμετρήσω (4 b)
77 (78). 60. ἀπώσατο τὴν σκ. Σηλώμ (3)
107 (108). 7. A R τὴν κοιλάδα τῶν σκ. [S σκηνωμάτων] διαμετρήσω (4 b)
117 (118). 15. φωνὴ ἀγαλλιάσεως καὶ σωτηρίας ἐν σκηναῖς δικαίων (1)
Pr. 14. 11. σκηναὶ δὲ κατορθούντων στήσονται (1)
Wi. 9. 8. μίμημα σκηνῆς ἁγίας
11. 2. ἐν ἀβάτοις ἔπηξαν σκηνάς
Si. 14. 25. στήσει τὴν σκ. αὐτοῦ κατὰ χεῖρας αὐτῆς
— 26. S¹ στήσει τὰ τέκνα αὐτοῦ ἐν τῇ σκ. [A B S² σκέπῃ] αὐτῆς
24. 8. ὁ κτίσας με κατέπαυσε τὴν σκ. μου

Si. 24. 10. ἐν σκηνῇ ἁγίᾳ ἐνώπιον αὐτοῦ ἐλειτούργησα
— 15. ὡς λιβάνου ἀτμὶς ἐν σκηνῇ
Ho. 12. 9 (10). κατοικιῶ σε ἐν σκηναῖς (1)
Am. 5. 26. ἀνελάβετε τὴν σκ. τοῦ Μ. (4 c)
9. 11. ἀναστήσω τὴν σκ. Δ. τὴν πεπτωκυῖαν (4 b)
Jn. 4. 5. ἐποίησεν ἑαυτῷ ἐκεῖ σκηνήν (4 b)
Hb. 3. 7. πτοηθήσονται καὶ αἱ [S om.] σκ. γῆς Μαδ. †
Is. 1. 8. ὡς σκηνὴ ἐν ἀμπελῶνι (4 b)
16. 5. καθεῖται . . . ἐν σκηνῇ Δ. (1)
22. 16. ἔγραψας σεαυτῷ ἐν πέτρᾳ σκηνήν (3)
33. 20. σκηναὶ αἱ οὐ μὴ σεισθῶσιν οὐδὲ μὴ κινηθῶσιν οἱ πάσσαλοι τῆς σκ. αὐτῆς (1, –)
38. 12. ἀπῆλθεν ἀπ' ἐμοῦ ὥσπερ ὁ σκηνὴν καταλύων πήξας (1)
40. 22. διατείνας ὡς σκηνὴν κατοικεῖν (1)
54. 2. πλάτυνον τὸν τόπον τῆς σκ. σου (1)
Je. 4. 20. τεταλαιπώρηκεν ἡ σκ. [A -αί] (1)
6. 3. πήξουσιν ἐπ' αὐτὴν σκηνὰς κύκλῳ (1)
10. 20. ἡ σκ. σου ἐταλαιπώρησεν (1)
— 20. οὐκ ἔστιν ἔτι τόπος τῆς σκ. μου (1)
30. 7 (49. 29). σκηνὰς αὐτῶν καὶ τὰ πρόβατα αὐτῶν λήψονται (1)
42 (35). 7. ἐν σκηναῖς οἰκήσετε (1)
— 10. ᾠκήσαμεν ἐν σκηναῖς (1)
La. 2. 4. ἐν [A om.] σκηνῇ θυγατρὸς Σιών (1)
Da. LXX. 11. 45. στήσει αὐτοῦ τὴν σκ. τότε (1)
Da. TH. 11. 45. πήξει τὴν σκ. αὐ. (1)
II Ma. 2. 4. A² R τὴν σκ. . . . ἐκέλευσεν . . . αὐτῷ συνακολουθεῖν
— 5. τὴν σκ. . . . εἰσήνεγκεν ἐκεῖ
10. 6. τὴν τῶν σκ. ἑορτὴν . . . ἦσαν νεμόμενοι
12. 12. εἰς τὰς σκ. ἐχωρίσθησαν
III Ma. 1. 2. διεκομίσθη νύκτωρ ἐπὶ τὴν τοῦ Πτ. σκ.
— 3. ἄσημόν τινα κατέκλινεν ἐν τῇ σκ.
IV Ma. 3. 8. ἐπὶ τὴν βασίλειον σκ. ἦλθε
[Aq. Ge. 24. 67: Ex. 26. 6 *bis*: Le. 8. 10: Nu. 3. 7: Jb. 31. 31: Ca. 1. 5: Is. 54. 2: Je. 4. 20: 30 (37). 18: Ez. 25. 4: 41. 1.]
[Sm. Ex. 12. 37: 35. 18: 38. 31 (39. 9): 40. 26 (24): Nu. 3. 7 *bis*: 4. 25, 26 *bis*: Dt. 5. 30 (27): I Ki. 26. 5, 7: Jb. 8. 22: 11. 14: 18. 14: 29. 4: 31. 31: 36. 29: 40. 26 (31): Ps. 18 (19). 5: 26 (27). 5: 41 (42). 5: 51 (52). 7: 60 (61). 5: 68 (69). 26: 77 (78). 28: 90 (91). 10: Ca. 1. 5, 8: Is. 28. 20: 33. 20: 38. 12: 54. 2: Je. 35 (42). 7: 37 (44). 10: Ez. 25. 4: Da. 11. 45: Am. 5. 26.]
[Th. Ex. 38. 31 (39. 9): 40. 26 (24), 28, 30: Le. 8. 10: Nu. 3. 7 *bis*: Jd. 6. 5: I Ki. 9. 22: Jb. 8. 22: 11. 14: 18. 14, 15: 31. 31: 36. 29: Is. 33. 20: 38. 12: 54. 2: Ez. 25. 4: Da. 11. 45.]
[Al. Ge. 31. 33 *bis*, 34: Ex. 13. 20: Jb. 18, 15: Hb. 3. 7.]
[Heb. Ex. 26. 36: Jb. 18. 15.]
[Sam. Ex. 38. 8 (26).]

σκηνοπηγία (-εία). (1) סֻכָּה

De. 16. 16. καὶ ἐν τῇ ἑορτῇ τῆς σκ. (1)
31. 10. ἐν ἑορτῇ σκηνοπηγίας (1)
I Es. 5. 51. ἠγάγοσαν τὴν τῆς [A ἡγ. τὰς] σκ. ἑορτήν
Za. 14. 16. τοῦ ἑορτάζειν τὴν ἑορτὴν τῆς σκ. (1)
— 18. τοῦ ἑορτάσαι τὴν ἑορτὴν τῆς σκ. (1)
— 19. ἑορτάσαι τὴν ἑορτὴν τῆς σκ. (1)
I Ma. 10. 21. ἐν ἑορτῇ σκηνοπηγίας
II Ma. 1. 9. ἵνα ἄγητε τὰς ἡμέρας τῆς σκ.
— 18. ἵνα καὶ αὐτοὶ ἄγητε σκηνοπηγίας

σκηνοποιεῖν.

[Sm. Is. 13. 20: 22. 15.]

σκηνοποιΐα.

[Al. Dt. 31. 10.]

σκῆνος.

Wi. 9. 15. βρίθει τὸ γεῶδες σκ. νοῦν πολυφρόντιδα

σκηνοῦν. (1) אָהַל (2) שָׁכַן

Ge. 13. 12. R ἐσκήνωσεν [A ἐνσκ.] ἐν Σοδόμοις (1)
Jd. 5. 17. B Γ. ἐν τῷ πέραν τοῦ Ἰ. ἐσκήνωσε [A R *al.*] (2)
— 17. ἐπὶ διεξόδοις αὐ. σκηνώσει [A *al.*] (2)
8. 11. ὁδὸν τῶν σκηνούντων [A ὁ. κατοικούντων] ἐν σκηναῖς (2)
III Ki. 8. 12. A κύριος εἶπεν τοῦ σκηνῶσαι ἐν γνόφῳ (2)
[Aq. Ex. 24. 16: 25. 7 (8): III Ki. 8. 12: Jb. 11. 14: 26. 5: 38. 19: Ps. 64 (65). 5: 67 (68). 7: 138 (139). 9: Is. 22. 15.]
[Sm. Ex. 25. 7 (8): Jb. 11. 14.]
[Th. Ex. 25. 7 (8): Jb. 11. 14: 38. 19.]
[Al. Ex. 29. 45.]

σκήνωμα. (1) אֹהֶל (2) מִסְכְּנוֹת (3) מִשְׁכָּן (4) סֻכָּה (5) שֵׁדִּ

Nu. 16. 27. A παρὰ τὰς θύρας τῶν σκ. [B σκηνῶν] αὐ. (1)
De. 33. 18. καὶ Ἰσσ. ἐν τοῖς σκ. αὐ. (1)
Jo. 3. 14. ἀπῆρεν ὁ λαὸς ἐκ τῶν σκ. αὐ. (1)
Jd. 7. 8. A ἐξαπέστειλεν ἄνδρα εἰς τὸ σκ. [B εἰς σκηνὴν] αὐ. (1)
19. 9. πορεύσῃ εἰς τὸ σκ. σου (1)
20. 8. οὐκ ἀπελευσόμεθα ἀνὴρ εἰς σκήνωμα [A τὸ σκ.] αὐ. (1)
I Ki. 4. 10. ἔφυγεν ἕκαστος εἰς σκήνωμα αὐ. (1)
13. 2. B ἐξαπέστειλεν ἕκαστον εἰς τὸ σκ. αὐ. (1)
17. 54. τὰ σκεύη αὐ. ἔθηκεν ἐν τῷ σκ. αὐ. (1)
II Ki. 7. 23. ἔθνη καὶ σκηνώματα †
18. 17. πᾶς Ἰσρ. ἔφυγεν ἀνὴρ εἰς τὸ σκ. αὐ. (1)
19. 8 (9). Ἰσρ. ἔφυγεν ἀνὴρ εἰς τὰ σκ. αὐ. (1)
20. 1. ἀνὴρ εἰς τὰ σκ. σου (1)
— 22. ἀνὴρ εἰς τὰ σκ. αὐ. (1)
III Ki. 2. 28. ἔφυγεν Ἰ. εἰς τὸ σκ. τοῦ κυρίου (1)
8. 4. καὶ τὸ σκ. τοῦ μαρτυρίου καὶ τὰ σκεύη τὰ ἅγια τὰ ἐν τῷ σκ. τοῦ μαρτ. (1, 1)
— 66. ἀπῆλθεν ἕκαστος εἰς τὰ σκ. αὐ. χαίροντες (1)
9. 19. A πάσας τὰς πόλεις τῶν σκ. (2)
12. 16. ἀπότρεχε, Ἰσρ., εἰς τὰ σκ. σου (1)
— 16. ἀπῆλθεν Ἰσρ. εἰς τὰ σκ. αὐ. (1)
— 24. B εἰς τὰ σκ. σου Ἰσρ. –
— 24. B ἀπῆλθεν ἕκαστος εἰς τὸ σκ. αὐ. –
IV Ki. 8. 21. ἔφυγεν ὁ λαὸς εἰς τὰ σκ. αὐ. (1)
13. 5. ἐκάθισαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν τοῖς σκ. αὐ. (1)
14. 12. ἔφυγεν ἀνὴρ εἰς τὸ σκ. αὐ. (1)
I Ch. 5. 20. οἱ Ἀγ. καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. †
II Ch. 7. 10. ἀπέστειλε τὸν λαὸν εἰς τὰ σκ. αὐ. (1)
10. 16. εἰς τὰ σκ. σου, Ἰσρ. (1)
— 16. ἐπορεύθη πᾶς Ἰσρ. εἰς τὰ σκ. αὐ. (1)
11. 14. ἐγκατέλιπον οἱ Δ. τὰ σκ. τῆς κατασχέσεως αὐ. †
21. 9. ἔφυγεν ὁ λαὸς εἰς τὰ σκ. αὐ. –
25. 22. ἔφυγεν ἕκαστος εἰς τὸ σκ. (1)
I Es. 1. 50. καθότι ἐφείδετο . . . τοῦ σκ. αὐ.
Ju. 2. 26. ἐνέπρησε τὰ σκ. αὐ.
9. 8. μιᾶναι τὸ σκ. τῆς καταπαύσεως τοῦ ὀνόμ. τῆς δόξης σου
10. 18. διεβοήθη γὰρ εἰς τὰ σκ. ἡ παρουσία αὐ.
14. 7. εὐλογημένη σὺ ἐν παντὶ σκ. Ἰ.
15. 1. ὡς ἤκουσαν οἱ ἐν τοῖς σκ. [S τῷ σκ.] ὄντες
Jb. 21. 28. ἡ σκέπη τῶν σκ. τῶν ἀσεβῶν (3)
39. 6. ἐθέμην . . . τὰ σκ. αὐτοῦ ἁλμυρίδα (3)
Ps. 14 (15). 1. τίς παροικήσει ἐν τῷ σκ. σου (1)
18 (19). 4. ἐν τῷ ἡλίῳ ἔθετο τὸ σκ. αὐτοῦ (1)
25 (26). 8. καὶ τόπον σκηνώματος δόξης σου (3)
42 (43). 3. ἤγαγόν με . . . εἰς τὰ σκ. σου (3)
45 (46). 4. ἡγίασε τὸ σκ. αὐτοῦ ὁ ὕψιστος (3)
48 (49). 11. σκηνώματα αὐτῶν εἰς γενεὰν καὶ γενεάν (3)
51 (52). 5. B S¹ μεταναστεύσαι σε ἀπὸ σκηνώματος [S² τοῦ σκ. σου] (1)
60 (61). 4. παροικήσω ἐν τῷ σκ. σου (1)
68 (69). 25. ἐν τοῖς σκ. αὐ. μὴ ἔστω ὁ κατοικῶν (1)
73 (74). 7. ἐβεβήλωσαν τὸ σκ. τοῦ ὀνόμ. σου (3)
77 (78). 28. κύκλῳ τῶν σκ. αὐτῶν (3)
— 51. ἐν τοῖς σκ. Χάμ (1)
— 55. B³ S R κατεσκήνωσεν ἐν τοῖς σκ. αὐ. τὰς φυλὰς [B¹ ταῖς φ.] τοῦ Ἰσραήλ (1)
— 60. σκήνωμα αὐτοῦ οὗ κατεσκήνωσεν ἐν ἀνθρώποις (1)
— 67. ἀπώσατο τὸ σκ. Ἰωσήφ (1)
82 (83). 6. τὰ σκ. τῶν Ἰδουμαίων (1)
83 (84). 1. ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκ. σου (3)
— 10. μᾶλλον ἢ οἰκεῖν με ἐπὶ [A S² ἐν] σκηνώμασιν ἁμαρτωλῶν (1)
86 (87). 2. ἀγαπᾷ κ. τὰς πύλας Σιὼν ὑπὲρ πάντα τὰ σκ. Ἰακώβ (3)
90 (91). 10. μάστιξ οὐκ ἐγγιεῖ τῷ σκ. σου (1)
105 (106). 25. ἐγόγγυσαν ἐν τοῖς σκ. αὐτῶν (1)
Ps. 107 (108). 7. S τὴν κοιλάδα τῶν σκ. [A R σκηνῶν] ἐκμετρήσω (4)
119 (120). 5. κατεσκήνωσα μετὰ τῶν σκ. Κηδάρ (1)
131 (132). 3. εἰ εἰσελεύσομαι εἰς σκήνωμα οἴκου μου (1)
— 5. σκήνωμα τῷ θεῷ Ἰακώβ (3)
— 7. εἰσελευσώμεθα εἰς τὰ σκ. αὐ. (3)
Ca. 1. 5. ὡς σκηνώματα Κηδάρ (1)
— 8. ποίμαινε τὰς ἐρίφους σου ἐπὶ σκηνώμασι τῶν ποιμένων (3)
Ho. 9. 6. ἄκανθαι ἐν τοῖς σκ. αὐ. (1)
Hb. 1. 6. τοῦ κατακληρονομῆσαι σκηνώματα οὐκ αὐτοῦ (3)
3. 7. εἶδον σκηνώματα Αἰθιόπων (1)
Za. 12. 7. σώσει κύριος τὰ σκ. Ἰ. (1)
Ma. 2. 12. ἕως καὶ ταπεινωθῇ ἐκ σκηνωμάτων Ἰ. (1)
Je. 9. 19 (18). ἀπερρίψαμεν τὰ σκ. ἡμῶν (3)
28 (51). 30. ἐνεπυρίσθη τὰ σκ. αὐτῆς (3)
La. 2. 6. διεπέτασεν ὡς ἄμπελον τὸ σκ. αὐτοῦ (5)
Ez. 25. 4. δώσουσιν ἐν σοὶ τὰ σκ. αὐτῶν (3)
I Ma. 9. 66. ἐπάταξεν Ὀδ. καὶ τοὺς ἀδ. αὐ. . . . ἐν τῷ σκ. αὐ.
II Ma. 10. 6. ἦγον ἡμέρας ὀκτὼ σκηνωμάτων τρόπον
[Aq. Ex. 1. 11: Ps. 18 (19). 5: Je. 30 (37). 18.]
[Sm. Ex. 1. 11.]
[Th. Jb. 39. 6: Ps. 18 (19). 5: 77 (78). 60: Je. 30 (37). 18.]
[Al. Ge. 9. 27: Jb. 5. 24.]
[Quint. Ps. 18 (19). 5.]

σκήνωσις.

II Ma. 14. 35. A ναὸν τῆς σῆς σκ. ἐν ἡμῖν γενέσθαι [R *al.*]
[Aq., Th., Quint. Ps. 42 (43). 3.]
[Sm. Ps. 25 (26). 8: 42 (43). 3: 77 (78). 51, 60 *bis*.]

σκῆπτρον (*incl.* σκῆπτον). (1) מוֹטָה (2) מַטֶּה (3) שֵׁבֶט

Jd. 5. 14. A ἐπολέμει μοι . . . ἐν σκήπτρῳ [B *al.*] (3)
I Ki. 2. 28. ἐξελεξάμην τὸν οἶκον τοῦ πατρός σου ἐκ πάντων τῶν [A om.] σκ. (3)
9. 21. οὐχὶ ἀνδρὸς Ἰεμ. ἐγώ εἰμι τοῦ μικροῦ σκ. φυλῆς Ἰσρ. (3)
— 21. καὶ τῆς φυλῆς τῆς ἐλαχίστης ἐξ ὅλου σκ. Βεν. (3)
10. 19. κατάστητε ἐνώπιον κυρίου κατὰ τὰ σκ. ὑμῶν (3)
— 20. προσήγαγε Σαμ. πάντα τὰ σκ. Ἰσρ. (3)
— 20. κατακληροῦται σκῆπτρον Βεν. (3)
— 21. προσάγει σκῆπτρον Βεν. εἰς φυλάς (3)
14. 27. ἐξέτεινε τὸ ἄκρον τοῦ σκ. αὐ. (2)
— 27. B¹ ἔβαψεν αὐτὸ εἰς τὸ σκ. [A B² R κηρίον] τοῦ μέλιτος †
— 43. ἐγευσάμην ἐν ἄκρῳ τῷ σκ. τῷ ἐν τῇ χειρί μου βραχὺ μέλι (2)
15. 17. ἡγούμενος σκήπτρου φυλῆς Ἰσρ. (3)
III Ki. 8. 16. οὐκ ἐξελεξάμην . . . ἐν ἑνὶ σκ. Ἰσρ. (3)
11. 13. σκῆπτρον ἓν δώσω τῷ υἱῷ σου (3)
— 31. δώσω σοι δέκα σκῆπτρα [A ῥήγματα] (3)
— 32. δύο σκῆπτρα ἔσονται αὐτῷ (3)
— 35. δώσω σοι τὰ δέκα σκ. (3)
— 36. τῷ δὲ υἱῷ αὐ. δώσω τὰ [A om.] δύο σκ. (3)
12. 20. οὐκ ἦν ὀπίσω οἴκου Δ. παρὲξ σκήπτρου Ἰ. (3)
— 21. ἐξεκκλήσιασε . . . σκῆπτρον Βεν. (3)
— 24. B συνάγεται ἐκεῖ πᾶν σκ. Ἐφρ. –
— 24. B πορεύονται ὀπίσω αὐτοῦ πᾶν σκ. Ἰ. καὶ πᾶν σκ. Βεν. –, –
II Es. 9. 13. S² κατέπαυσας τὸ σκ. ἡμῶν †
Es. 4. 17. μὴ παραδῷς, κύριε, τὸ σκ. σου
Wi. 6. 21. εἰ οὖν ἥδεσθε ἐπὶ θρόνοις καὶ σκήπτροις
7. 8. προέκρινα αὐτὴν σκήπτρων καὶ θρόνων
10. 14. ἤνεγκεν αὐτῷ σκῆπτρα βασιλείας
Si. 32 (35). 18. ἕως . . . σκῆπτρα ἀδίκων [A δικαίων] συντρίψῃ
Hb. 3. 9. ἐνέτεινας τόξον σου ἐπὶ σκῆπτρα [A τὰ σκ., S¹ σκῆπτα] (2)
Za. 10. 11. σκῆπτρον Αἰγύπτου περιαιρεθήσεται (3)
Ep. Je. 14. σκῆπτρον ἔχει ὡς ἄνθρωπος κριτὴς χώρας
Ez. 30. 18. ἐν τῷ συντρίψαί με ἐκεῖ τὰ σκ. Αἰγύπτου (1?)
[Aq. Ge. 49. 10: Jo. 3. 12: Ps. 44 (45). 7 *bis*: 121 (122). 4: Is. 28. 27: 63. 17: Je. 10. 16: 48 (31). 17.]
[Sm. Nu. 24. 17: I Ki. 10. 20: Ps. 73 (74). 2: Is. 28. 27: Je. 48 (31). 17: Ez. 19. 14.]
[Th. III Ki. 11. 31: Is. 28. 27: Je. 48 (31). 17.]

σκιά. (1) צֵל (2) צַלְמָוֶת (3) σκιὰ θανάτου צַלְמָוֶת

Jd. 9. 15. ὑπόστητε ἐν τῇ σκ. μου [A *al.*] (1)
— 36. τὴν σκ. τῶν ὀρέων σὺ βλέπεις (1)
IV Ki. 20. 9. πορεύσεται ἡ σκ. δέκα βαθμούς (1)
— 10. κοῦφον τὴν σκ. κλῖναι δέκα βαθμούς (1)
— 10. ἐπιστραφήτω ἡ σκ. . . . δέκα βαθμούς (1)
— 11. ἐπέστρεψεν ἡ σκ. . . . δέκα βαθμούς (1)
I Ch. 29. 15. ὡς σκιὰ αἱ ἡμέραι ἡμῶν ἐπὶ γῆς (1)
Jb. 3. 5. ἐκλάβοι δὲ αὐτὴν σκότος καὶ σκιὰ θανάτου (3)
7. 2. ἢ ὥσπερ θεράπων . . . τετευχὼς σκιᾶς (1)
8. 9. σκιὰ γάρ ἐστιν ἡμῶν ἐπὶ τῆς γῆς ὁ βίος (1)
12. 22. ἐξήγαγε δὲ εἰς φῶς σκιὰν θανάτου (3)
14. 2. ἀπέδρα δὲ ὥσπερ σκιά (1)
15. 29. οὐ μὴ βάλῃ ἐπὶ τὴν γῆν σκιάν †
16. 17 (16). ἐπὶ δὲ βλεφάροις μου σκιά [A S² σκ. θανάτου] (2 [3])
24. 17. τὸ πρωῖ σκιὰ θανάτου [A πρ. διεσκέδασεν] ὅτι ἐπιγνώσεται τάραχος σκιᾶς [A S¹ -ὰ] θανάτου (3, 3)
28. 3. λίθος σκοτία καὶ σκιὰ θανάτου (3)
Ps. 22 (23). 4. ἐὰν γὰρ καὶ πορευθῶ ἐν μέσῳ σκιᾶς θανάτου (3)
43 (44). 19. ἐπεκάλυψεν ἡμᾶς σκιὰ θανάτου (3)
56 (57). 1. ἐν τῇ σκ. τῶν πτερύγων σου ἐλπιῶ (1)
79 (80). 10. ἐκάλυψεν ὄρη ἡ σκ. αὐτῆς (1)
87 (88). 6. ἐν σκοτεινοῖς καὶ ἐν σκιᾷ θανάτου †
101 (102). 11. αἱ ἡμέραι μου ὡσεὶ σκιὰ [S² -αὶ] ἐκλίθησαν (1)
106 (107). 10. καθημένους ἐν σκότει καὶ σκιᾷ θανάτου (3)
— 14. ἐξήγαγεν αὐτοὺς ἐκ σκότους καὶ σκιᾶς θανάτου (3)
108 (109). 23. ὡσεὶ σκιὰ ἐν τῷ ἐκκλῖναι αὐτὴν ἀνταιρέθην (1)
143 (144). 4. αἱ ἡμέραι αὐτοῦ ὡσεὶ σκιὰ [A¹ S² σκιαὶ] παράγουσι (1)
Ec. 7. 1 (6. 12). ἐποίησεν αὐτὰ ἐν σκιᾷ [S² ἕως σκιᾶς] (1)
— 13 (12). ἐν σκιᾷ αὐτῆς ἡ σοφία [S² τῆς σ.] ὡς σκιὰ ἀργυρίου (1, 1)
8. 13. οὐ μακρυνεῖ ἡμέρας ἐν [S¹ ὡς ἐν] σκιᾷ (1)
Ca. 2. 3. ἐν τῇ σκ. αὐτοῦ ἐπεθύμησα (1)
— 17 : 4. 6. ἕως οὗ . . . κινηθῶσιν αἱ σκ. (1)
Wi. 2. 5. σκιᾶς γὰρ πάροδος ὁ βίος [A¹ B² S καιρὸς] ἡμῶν
5. 9. παρῆλθεν ἐκεῖνα πάντα ὡς σκιά
Si. 31 (34). 2. ὡς δρασσόμενος σκιᾶς
Am. 5. 8. ἐκτρέπων εἰς τὸ πρωῖ σκιάν (2)
Jn. 4. 5. ἐκάθητο ὑποκάτω αὐτῆς ἐν σκιᾷ (1)
— 6. τοῦ εἶναι σκιὰν [S² εἰς σκ.] ὑπεράνω τῆς κεφ. αὐ. (1)
Is. 4. 6. ἔσται εἰς σκιὰν ἀπὸ καύματος (1)
9. 2 (1). οἱ κατοικοῦντες ἐν χώρᾳ [A S² *add.* καὶ] σκιᾷ θανάτου (3)
38. 8. στρέψω τὴν σκ. τῶν ἀναβαθμῶν . . . οὓς κατέβη ἡ σκ. (1, –)
51. 16. ὑπὸ τὴν σκ. [S² σκέπην] τῆς χειρός σου σκεπάσω σε [A *al.*] (1)
Je. 6. 4. ἐκλείπουσιν αἱ σκ. τῆς ἡμέρας [A ἑσπέρας] (1)
13. 16. ἐκεῖ σκιὰ θανάτου (3)
Ba. 1. 12. ζησόμεθα ὑπὸ τὴν σκ. Ναβουχοδονόσορ . . . καὶ ὑπὸ τὴν σκ. Βαλτάσαρ
La. 4. 20. ἐν τῇ σκ. αὐτοῦ ζησόμεθα (1)
Ez. 17. 23. ὑπὸ τὴν σκ. αὐτοῦ ἀναπαύσεται (1)
31. 6. ἐν τῇ σκ. [A ὑπὸ τὴν σκ.] αὐτοῦ κατῴκησε (1)
[Aq. Nu. 14. 9 : Jb. 28. 3 : 34. 22 : Ps. 43 (44). 20 : 90 (91). 1 : 106 (107). 10 : Is. 30. 2 : Je. 2. 6.]
[Sm. Jb. 24. 17 : 28. 3 : Ps. 35 (36). 8 : 43 (44). 20 : 90 (91). 1 : 106 (107). 10 : Ca. 2. 17 : Is. 30. 2 : 32. 2 : Je. 2. 6.]
[Th. Nu. 14. 9 : Jb. 24. 17 *bis* : 28. 3 : 34. 22 : Ps. 67 (68). 15 : 106 (107). 10 : Je. 2. 6 : Ho. 13. 3.]
[Quint. Ps. 43 (44). 20.]
[Sext. Ps. 106 (107). 10.]

σκιαγρ φος (-ογρ.).

Wi. 15. 4. σκιαγράφων πόνος ἄκαρπος

σκιάδιον.

Is. 66. 20. ἐν λαμπήναις ἡμιόνων μετὰ σκιαδίων †

σκιάζειν. (1) חָפַף (2) טָלַל aph. (3) סָכַךְ (4) פָּרַשׂ (5) שָׁכַן

Ex. 38. 8 (37. 9). σκιάζοντα ταῖς πτέρυξιν αὐ. (4 + 3)
Nu. 9. 18. ἐν αἷς σκιάζει ἡ νεφέλη ἐπὶ τῆς σκηνῆς (5)
— 22. B τῆς νεφέλης σκιαζούσης (5)
10. 34. ἡ νεφέλη ἐγένετο σκιάζουσα ἐπ' αὐτοῖς –
24. 6. ὡσεὶ νάπαι σκιάζουσαι †
De. 33. 12. ὁ θεὸς σκιάζει ἐπ' αὐτῷ (1)
II Ki. 20. 6. καὶ σκιάσει τοὺς ὀφθ. ἡμῶν †
I Ch. 28. 18. τῶν χερ. τῶν . . . σκιαζόντων ἐπὶ τῆς κιβ. (3)
Jb. 36. 28. ἐσκίασε δὲ νέφη ἐπὶ ἀμυθήτῳ βροτῷ [A S² *al.*] †
40. 17 (22). σκιάζονται δὲ ἐν [A *om.*] αὐτῷ δένδρα μεγάλα (3)
Wi. 19. 7. ἡ τὴν παρεμβολὴν σκιάζουσα νεφέλη [A τῇ τὴν παρεμβολὴν σκιαζούσῃ νεφέλῃ]
Jn. 4. 6. τοῦ σκιάζειν αὐτῷ ἀπὸ τῶν κακῶν αὐ. †
Is. 4. 5. πάντα τὰ περικύκλῳ αὐτῆς σκιάσει νεφέλη –
Ba. 5. 8. ἐσκίασαν δὲ καὶ οἱ δρυμοί
Da. LXX. 4. 9. ὑποκάτω αὐτοῦ ἐσκίαζον πάντα τὰ θηρία (2)
[Sm. Jb. 24. 17.]
[Al. Ex. 24. 15.]

σκιάς.

[Al. I Ki. 10. 2.]

σκιογράφος, *vid.* **σκιαγράφος.**

σκιρροῦσθαι.

[Aq. Is. 27. 1.]

σκιρτᾶν. (1) פּוּשׁ (2) רָצַץ hithpo. (3) רָקַד

Ge. 25. 22. ἐσκίρτων δὲ τὰ παιδία ἐν αὐτῇ (2)
Ps. 113 (114). 4. τὰ ὄρη ἐσκίρτησαν ὡσεὶ κριοί (3)
— 6. ἐσκιρτήσατε ὡσεὶ κριοί (3)
Wi. 17. 19. σκιρτώντων ζῴων δρόμος ἀθεώρητος
Jl. 1. 17. ἐσκίρτησαν δαμάλεις ἐπὶ ταῖς φάτναις αὐ. †
Ma. 4. 2 (3. 20). σκιρτήσετε [A -ατε] ὡς μοσχάρια (1)
Je. 27 (50). 11. ἐσκιρτᾶτε ὡς βοΐδια ἐν βοτάνῃ (1)
[Sm. II Ki. 6. 16 : Pr. 7. 22.]
[Heb. Je. 2. 23.]

σκιρτοποιεῖν.

[Th., Quint., Sext. Ps. 28 (29). 6.]

σκιρτοῦν.

[Aq., Sext. Ps. 28 (29). 6.]

σκληροκαρδία. (1) עָרְלַת לֵבָב

De. 10. 16. περιτεμεῖσθε τὴν σκλ. ὑμῶν (1)
Si. 16. 10. τοὺς ἐπισυναχθέντας ἐν σκληροκαρδίᾳ αὐ.
Je. 4. 4. περιτέμεσθε [A S¹ -ιέλεσθε] τὴν σκλ. ὑμῶν (1)

σκληροκάρδιος. (1) עַקְשֵׁה־לֵב (2) קְשֵׁה־לֵב

Pr. 17. 20. ὁ δὲ σκλ. οὐ συναντᾷ ἀγαθοῖς (1)
Si. 16. 9. S² ταῦτα πάντα ἐποίησεν ἔθνεσιν σκληροκαρδίοις
Ez. 3. 7. πᾶς ὁ οἶκος Ἰσρ. . . . σκληροκάρδιοι (2)
[Sm. Is. 46. 12.]

σκληροπρόσωπος. (1) קְשֵׁה פָנִים

Ez. 2. 4. A υἱοὶ σκληροπρόσωποι (1)
[Aq. Ez. 2. 4 (Sw.).]
[Th. Ez. 2. 4.]

σκληρός. (1) אַמִּיץ (2) עַז (3) פְּרִיץ (4) *a.* קָשֶׁה *b.* קָשֶׁה qal. *c.* ni. *d.* hi. (5) רָשָׁע (6) σκληρὸν φαίνεσθαι *a.* חָרָה בְּעֵינֵי *b.* רָעַע hi. (7) σκληρὸν εἶναι *a.* קָשָׁה *b.* רָעַע hi. (8) σκληρὸς γίνεσθαι קָשָׁה hi.

Ge. 21. 11. σκληρὸν δὲ ἐφάνη τὸ ῥῆμα σφόδρα (6 *b*)
— 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 *b*)
42. 7. ἐλάλησεν αὐτοῖς σκληρά (4 *a*)
— 30. λελάληκεν . . . πρὸς ἡμᾶς σκληρά (4 *a*)
45. 5. μηδὲ σκληρὸν ὑμῖν φανήτω (6 *a*)
49. 3. σκληρὸς φέρεσθαι καὶ σκληρὸς αὐθάδης †, †
Ex. 1. 14. κατωδύνων αὐ. τὴν ζωὴν ἐν τοῖς ἔργοις τοῖς σκλ. (4 *a*)
6. 9. οὐκ εἰσήκουσαν . . . ἀπὸ τῶν ἔργων τῶν σκλ. (4 *a*)
Nu. 16. 26. ἀπὸ τῶν σκηνῶν τῶν ἀνθρώπων τῶν σκλ. τούτων (5)
De. 1. 17. τὸ ῥῆμα ὃ ἐὰν σκληρὸν ᾖ ἀφ' ὑμῶν (7 *a*)
15. 18. οὐ σκληρὸν ἔσται ἐναντίον σου (7 *a*)
26. 6. ἐπέθηκαν ἡμῖν ἔργα σκλ. (4 *a*)
31. 27. ἐπίσταμαι . . . τὸν τράχηλόν σου τὸν σκλ. (4 *a*)
Jd. 2. 19. οὐκ ἀπέρριψαν . . . τὰς ὁδοὺς αὐ. τὰς σκλ. [A *al.*] (4 *a*)
I Ki. 1. 15. γυνὴ ἡ σκλ. ἡμέρα ἐγώ εἰμι (4 *a*)
5. 7. σκληρὰ χεὶρ αὐ. ἐφ' ἡμᾶς (4 *b*)
25. 3. καὶ ὁ ἄνθρωπος σκλ. καὶ πονηρός [A π. κ. σκλ.] (4 *a*)
II Ki. 2. 17. ἐγένετο ὁ πόλεμος σκλ. ὥστε λίαν (4 *a*)
3. 39. οἱ δὲ ἄνδρες οὗτοι . . . σκληρότεροί μού εἰσιν (4 *a*)
III Ki. 12. 4. κούφισον ἀπὸ τῆς δουλείας τοῦ πατρός σου τῆς σκλ. (4 *a*)
— 13. ἀπεκρίθη ὁ βασ. πρὸς τὸν λαὸν σκληρά (4 *a*)
— 24. B σκληρὰ ἐγὼ ἐπαποστέλλω ἐπὶ σέ –
14. 6. A ἐγώ εἰμι ἀπόστολος πρὸς σὲ σκληρός (4 *a*)
II Ch. 10. 4. ἄφες ἀπὸ τῆς δουλείας τοῦ πατρός σου τῆς σκλ. (4 *a*)
— 13. ἀπεκρίθη ὁ βασ. σκληρά (4 *a*)
I Es. 2. 27. βασιλεῖς ἰσχυροὶ καὶ σκλ. ἦσαν ἐν Ἱερ.
To. 13. 12. S οἱ ἐροῦσιν λόγον σκλ. [A B *al.*]
Ju. 9. 13. οἱ . . . ἐβουλεύσαντο σκληρά
Jb. 9. 4. τίς σκληρὸς γενόμενος ἐναντίον αὐτοῦ ὑπέμεινεν (8)
22. 21. γενοῦ δὴ σκληρὸς ἐὰν ὑπομείνῃς †
Ps. 16 (17). 4. ἐγὼ ἐφύλαξα ὁδοὺς σκληράς (3)
59 (60). 3. ἔδειξας τῷ λαῷ σου σκληρά (4 *a*)
Pr. 17. 27. ὃς φείδεται ῥῆμα προέσθαι σκληρὸν ἐπιγνώμων –
27. 16. βορέας σκληρὸς ἄνεμος †
28. 14. ὁ δὲ σκλ. τὴν καρδίαν ἐμπεσεῖται κακοῖς (4 *d*)
29. 19. λόγοις οὐ παιδευθήσεται οἰκέτης σκληρός [S¹ σκληροτράχηλος] –
Ec. 7. 18 (17). μὴ γίνου σκληρός †
Ca. 8. 6. σκληρὸς [A -ὸν] ὡς ᾅδης ζῆλος (4 *a*)
Wi. 11. 4. ἴαμα δίψης ἐκ λίθου σκληροῦ
Si. 3. 26. καρδία σκληρὰ κακωθήσεται ἐπ' ἐσχάτων
— 27. καρδία σκληρὰ βαρυνθήσεται πόνοις
30. 8. ἵππος ἀδάμαστος ἀποβαίνει σκληρός
Ze. 1. 14. φωνὴ ἡμέρας κυρίου . . . σκληρὰ τέτακται †
Is. 5. 30. ἰδοὺ σκότος σκληρὸν ἐν τῇ ἀπορίᾳ αὐτῶν †
8. 12. μή ποτε εἴπωσι [A S -πητε], Σκληρόν· πᾶν γὰρ . . . σκληρόν ἐστι †, †
— 21. ἥξει ἐφ' ὑμᾶς σκληρὰ λιμός (4 *c*)
14. 3. ἀναπαύσει σε κύριος ἀπὸ [A S² ἐκ] . . . τῆς δουλείας σου τῆς σκλ. (4 *a*)
19. 4. εἰς χεῖρας ἀνθρώπων κυρίων σκληρῶν καὶ βασιλεῖς σκληροὶ κυριεύσουσιν αὐτῶν (4 *a*, 2)
21. 2. φοβερὸν τὸ ὅραμα καὶ σκληρὸν ἀνηγγέλη μοι (4 *a*)
27. 8. οὐ σὺ ἦσθα μελετῶν τῷ πνεύματι τῷ σκλ. (4 *a*)
28. 2. ἰσχυρὸν καὶ σκληρὸν ὁ θυμὸς κ. (1)
48. 4. γινώσκω ὅτι σκληρὸς εἶ [B¹ *al.*] (4 *a*)
Je. 12. 14. A τάδε λέγει κύριος περὶ πάντων τῶν γειτόνων τῶν σκλ. [B S πονηρῶν] †
Ba. 2. 33. ἀποστρέψουσιν ἀπὸ τοῦ νώτου αὐ. τοῦ σκλ.
Da. LXX. 11. 32. μιανοῦσιν ἐν σκληρῷ λαῷ †
II Ma. 6. 30. σκληρὰς ὑποφέρω κατὰ σῶμα ἀλγηδόνας
[Aq. Ex. 18. 26 : III Ki. 14. 6 : Pr. 15. 1 : Is. 27. 1.]
[Sm. Ex. 18. 26 : Is. 19. 4 : 27. 1.]
[Th. Ge. 49. 3 *bis* : Is. 27. 1, 8.]

σκληρότης. (1) חָרוּץ (2) מוֹקֵשׁ (3) קְשִׁי

De. 9. 27. μὴ ἐπιβλέψῃς ἐπὶ τὴν σκλ. τοῦ λαοῦ τούτου (3)
II Ki. 22. 6. προέφθασάν με σκληρότητες θανάτου (2)
Is. 4. 6. ἐν ἀποκρύφῳ ἀπὸ [A *om.*] σκληρότητος καὶ ὑετοῦ †
28. 27. οὐ μετὰ σκληρότητος καθαίρεται τὸ μελάνθιον (1)
[Sext. Ps. 36 (37). 35.]

σκληροτράχηλος. (1) *a.* קְשֵׁה־עֹרֶף *b.* מַקְשֶׁה עֹרֶף

Ex. 33. 3. διὰ τὸ λαὸν σκλ. σε εἶναι (1 *a*)
— 5. ὑμεῖς λαὸς σκλ. (1 *a*)
34. 9. ὁ λαὸς γὰρ σκλ. ἐστι (1 *a*)
De. 9. 6. λαὸς σκλ. εἶ (1 *a*)

De. 9. 13. λαὸς σκλ. ἐστι (1 a)
Pr. 29. 1. κρείσσων ἀνὴρ ἐλέγχων ἀνδρὸς σκληροτραχήλου (1 b)
— 19. S¹ λόγοις οὐ παιδευθήσεται οἰκέτης σκληροτράχηλος [A B S² σκληρός] –
Si. 16. 11. κἂν ᾖ εἷς σκληροτράχηλος
Ba. 2. 30. λαὸς σκλ. ἐστι
[Sm., Th. Ex. 32. 9.]

σκληρύνειν. (1) חָזַק a. qal. b. pi. (2) כָּבֵד hi. (3) קָשָׁה a. qal. b. hi. c. קָשֶׁה (4) קָשַׁה hi.

Ge. 49. 7. ὅτι ἐσκληρύνθη (3 a)
Ex. 4. 21. σκληρυνῶ τὴν καρδίαν αὐ. (1 b)
7. 3. σκληρυνῶ τὴν καρδίαν Φ. (3 b)
— 22. B ἐσκλήρυνεν [A R -ύνθη] ἡ καρδία Φ. (1 a)
8. 19 (15). ἐσκληρύνθη ἡ καρδία Φ. (1 a)
9. 12. A²B ἐσκλήρυνε δὲ κύριος τὴν καρδίαν Φ. (1 b)
— 35. ἐσκληρύνθη ἡ καρδία Φ. (1 a)
10. 1. ἐσκλήρυνα [A ἐβάρυνα] αὐτοῦ τὴν καρδίαν (2)
— 20. ἐσκλήρυνε κύριος τὴν καρδίαν Φ. (1 b)
— 27 : 11. 10. ἐσκλήρυνε δὲ κύριος τὴν καρδίαν Φ. (1 b)
13. 15. ἐσκλήρυνε Φ. ἐξαποστεῖλαι ἡμᾶς (3 b)
14. 4. σκληρυνῶ τὴν καρδίαν Φ. (1 b)
— 8. ἐσκλήρυνε κύριος τὴν καρδίαν Φ. (1 b)
— 17. σκληρυνῶ τὴν καρδίαν Φ. (1 b)
De. 2. 30. ἐσκλήρυνε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν τὸ πνεῦμα αὐ. (3 b)
10. 16. τὸν τράχηλον ὑμῶν οὐ σκληρυνεῖτε (3 b)
Jd. 4. 24. ἐπορεύετο χεὶρ . . . πορευομένη καὶ σκληρυνομένη (3 c)
II Ki. 19. 43 (44). ἐσκληρύνθη ὁ λόγος ἀνδρὸς Ἰ. (3 a)
IV Ki. 2. 10. ἐσκλήρυνας τοῦ αἰτήσασθαι (3 b)
17. 14. ἐσκλήρυναν τὸν νῶτον αὐ. (3 b)
II Ch. 10. 4. ὁ πατήρ σου ἐσκλήρυνε τὸν ζυγὸν ἡμῶν (3 b)
30. 8. μὴ σκληρύνητε τὰς καρδίας [A τοὺς τραχήλους] ὑμῶν (3 b)
36. 13. ἐσκλήρυνε τὸν τράχηλον αὐ. (3 b)
I Es. 1. 48. σκληρύνας αὐτοῦ τὸν τράχηλον
Ne. 9. 16, 17. ἐσκλήρυναν τὸν τράχηλον αὐ. (3 b)
— 29. τράχηλον αὐ. ἐσκλήρυναν (3 b)
Ps. 89 (90). 6. σκληρυνθείη καὶ ξηρανθείη †
94 (95). 8. μὴ σκληρύνητε τὰς καρδίας ὑμῶν (3 b)
Si. 30. 12. μή ποτε σκληρυνθεὶς ἀπειθήσῃ σοι
Is. 63. 17. ἐσκλήρυνας τὰς καρδίας ἡμῶν (4)
Je. 7. 26. ἐσκλήρυναν [S¹ -a] τὸν τράχηλον αὐτῶν (3 b)
17. 23. ἐσκλήρυναν τὸν τράχηλον αὐτῶν (3 b)
19. 15. ἐσκλήρυναν τὸν τράχηλον [S αὐχένα] αὐτῶν (3 b)
I Ma. 2. 30. A S ἐσκληρύνθη [R ἐπληθύνθη] ἐπ' αὐτοὺς τὰ κακά
[Al. I Ki. 12. 20.]

σκληρῶς. (1) חָרָה (2) a. קָשָׁה hi. b. קָשֶׁה

Ge. 35. 17. ἐν τῷ σκληρῶς αὐτὴν τίκτειν (2 a)
I Ki. 20. 7. ἐὰν σκλ. ἀποκριθῇ σοι (1)
— 10. ἐὰν ἀποκριθῇ ὁ πατήρ σου σκλ. (2 b)
Is. 22. 3. οἱ ἁλόντες σκλ. δεδεμένοι εἰσί –
III Ma. 4. 19. ἀπειλήσαντος δὲ αὐτοῖς σκληρότερον
7. 6. ἐπὶ τούτοις σκληρότερον διαπειλησάμενοι

σκνίψ. (1) a. כִּנָּה b. כִּנָּם

Ex. 8. 16 (12). ἔσονται σκνῖφες ἔν τε τοῖς ἀνθρώποις (1 a)
— 17 (13). ἐγένοντο οἱ σκν. ἐν τοῖς ἀνθρώποις (1 b)
— 17 (13). ἐν παντὶ χώματι τῆς γῆς ἐγένοντο οἱ σκν. (1 a)
— 18 (14). ἐξαγαγεῖν τὸν σκν. (1 a)
— 18 (14). ἐγένοντο οἱ σκν. ἐν τοῖς ἀνθρώποις (1 b)
— 18 (14). B⁴ ἐν παντὶ χώματι τῆς γῆς ἐγένοντο οἱ σκν. –
Ps. 104 (105). 31. καὶ σκνῖπες ἐν πᾶσι τοῖς ὁρίοις αὐτῶν (1 a)
Wi. 19. 10. ἀντὶ μὲν γενέσεως ζῴων ἐξήγαγεν ἡ γῆ σκνῖπα [A S² σκνῖφας]
[Al. Ex. 8. 17 (13).]

σκολαβρίζειν. (1) דָּכָא hithp.

Jb. 5. 4. A σκολαβρισθείησαν [B S κολ.] δὲ ἐπὶ θύραις ἡσσόνων (1)

σκολιάζειν. (1) הָפַךְ ni. (2) לוּז ni.

Pr. 10. 8. ὁ δὲ ἄστεγος χείλεσι σκολιάζων ὑποσκελισθήσεται –
14. 2. ὁ δὲ σκολιάζων ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (2)
17. 16 (20). ὁ δὲ σκολιάζων τοῦ μαθεῖν (1)

σκολιός. (1) הֲפַכְפַּךְ (2) סָרַר (3) עָלֹב (4) עֲקַלְתּוֹן (5) a. עָקֹשׁ b. עִקְּשׁוּת c. מַעֲקַשִּׁים (6) פֶּתַל ni. (7) תְּהֹלָה (8) תַּהְפֻּכָה (9) σκολιὸς ἀποβαίνειν עָקַשׁ hi. (10) σκολιαῖς ὁδοῖς πορεύεσθαι נֶעֱקַשׁ דְּרָכִים

De. 32. 5. γενεὰ σκ. καὶ διεστραμμένη (5 a)
Jb. 4. 18. κατὰ δὲ ἀγγέλων αὐτοῦ σκολιόν τι ἐπενόησε (7)
9. 7. B S κατὰ δὲ ἀγγέλων αὐτοῦ σκολιόν τι ἐπενόησεν –
— 20. ἐάν τε ὦ ἄμεμπτος σκολιὸς ἀποβήσομαι (9)
Ps. 77 (78). 8. γενεὰ σκολιὰ καὶ παραπικραίνουσα (2)
Pr. 2. 15. ὧν αἱ τρίβοι σκολιαί (5 a)
4. 24. περίελε σεαυτοῦ σκολιὸν στόμα (5 b)
8. 8. οὐδὲν ἐν αὐτοῖς σκολιόν (6)
16. 27 (26). ὁ μέντοι σκ. ἐπὶ τῷ ἑαυτοῦ στόματι φορεῖ τὴν ἀπώλειαν –
— 28. ἀνὴρ σκολιὸς διαπέμπεται κακά (8)
21. 8. πρὸς τοὺς σκ. σκολιὰς ὁδοὺς ἀποστέλλει ὁ θεός (–, 1)
22. 5. τρίβολοι καὶ παγίδες ἐν ὁδοῖς σκολιαῖς (5 a)
— 14. ἀποστρέφειν δὲ δεῖ ἀπὸ ὁδοῦ σκολιᾶς καὶ κακῆς –
23. 33. τὸ στόμα σου τότε λαλήσει σκολιά (8)
28. 18. ὁ δὲ σκολιαῖς ὁδοῖς πορευόμενος (10)
Wi. 1. 3. σκολιοὶ γὰρ λογισμοὶ χωρίζουσιν ἀπὸ θεοῦ
13. 13. ξύλον σκολιὸν καὶ ὄζοις συμπεφυκός
16. 5. δήγμασί τε σκολιῶν διεφθείροντο ὄφεων
Ho. 9. 8. παγὶς σκολιὰ ἐπὶ πάσας τὰς ὁδοὺς αὐ. †
Is. 27. 1. ἐπὶ τὸν δράκοντα ὄφιν σκολιόν (4)
40. 4. ἔσται πάντα [A om.] τὰ σκ. εἰς εὐθεῖαν (3)
42. 16. ποιήσω . . . τὰ σκ. εἰς εὐθεῖαν (5 c)
[Aq. Je. 17. 9.]
[Sm. Jb. 5. 13 : Is. 27. 1.]

σκολιότης.

Ez. 16. 5. τῇ σκ. τῆς ψυχῆς σου †
[Aq. Ps. 80 (81). 13 : Je. 13. 10.]
[Sm. Ps. 124 (125). 5.]

σκολιοῦσθαι.

[Sm. Is. 59. 8.]

σκολιῶς. (1) רָכִיל

Je. 6. 28. πάντες ἀνήκοοι πορευόμενοι σκ. (1)

σκόλοψ. (1) סִיר (2) סִלּוֹן (3) שֵׁךְ

Nu. 33. 55. σκόλοπες ἐν τοῖς ὀφθ. ὑμῶν (3)
Si. 43. 19. παγεῖσα γίνεται σκόλοπων ἄκρα
Ho. 2. 6 (8). φράσσω τὴν ὁδὸν αὐ. ἐν σκόλοψι (1)
Ez. 28. 24. σκόλοψ πικρίας καὶ ἄκανθα ὀδύνης (2)

σκοπεῖν.

Es. 8. 13. σκοπεῖν δὲ ἔξεστιν
II Ma. 4. 5. τὸ δὲ σύμφορον κοινῇ . . . σκοπῶν

σκόπελον. (1) צִיּוּן

IV Ki. 23. 17. τί τὸ σκ. ἐκεῖνο (1)
[Aq. Je. 31 (38). 21.]

σκόπελος.

[Sm. Je. 31 (38). 21.]

σκοπεύειν. (1) נָבַט hi. (2) נָצַב ni. (3) פָּלַס pi. (4) צָפָה a. qal. b. pi.

Ex. 33. 8. σκοπεύοντες ἕκαστος παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς αὐ. (2)
I Ki. 4. 13. καὶ ἰδοὺ Ἡ. . . . σκοπεύων τὴν ὁδόν (4 b)
Jb. 39. 29. πόρρωθεν οἱ ὀφθ. αὐ. σκοπεύουσι (1)
Pr. 5. 21. εἰς δὲ πάσας τὰς τροχιὰς αὐτοῦ [A -οὺς] σκοπεύει (3)
15. 3. σκοπεύουσι κακούς τε καὶ ἀγαθούς (4 a)
Ca. 7. 4 (5). ὡς πύργος τοῦ Λιβάνου σκοπεύων πρόσωπον Δαμασκοῦ (4 a)
Na. 2. 1 (2). σκόπευσον ὁδόν (4 b)
[Aq. Je. 48 (31). 19.]
[Sm. Pr. 31. 27.]
[Th. Jb. 39. 29.]

σκόπευσις.

[Aq. Ho. 5. 1.]

σκοπευτής.

[Aq. Is. 52. 8 : 56. 10 : Ez. 3. 17.]

σκοπή.

Si. 37. 14. ἑπτὰ σκοποὶ ἐπὶ μετεώρου καθήμενοι ἐπὶ σκοπῆς
[Sm. Dt. 3. 27.]

σκοπιά. (1) מַשְׂכִּית (2) a. צָפָה qal. b. pi. c. מִצְפֶּה d. מִצְפָּה

Nu. 23. 14. παρέλαβεν αὐτὸν εἰς ἀγροῦ σκοπιάν (2 a)
33. 52. ἐξαρεῖτε τὰς σκ. αὐ. (1)
Jd. 10. 17. παρενέβαλον ἐν τῇ σκ. [A Μασσ.] (2 d)
11. 29. παρῆλθε τὴν σκ. Γαλ. (2 c)
— 29. A καὶ ἀπὸ σκοπιᾶς Γαλ. (2 c)
III Ki. 15. 22. ᾠκοδόμησεν ἐν αὐτοῖς . . . τὴν σκ. (2 d)
II Ch. 20. 24. Ἦλθεν ἐπὶ τὴν σκ. τῆς ἐρήμου (2 c)
Si. 40. 6. ἀπ' ἐκείνου ἐν ὕπνοις ὡς ἐν ἡμέρᾳ σκοπιᾶς
Ho. 5. 1. παγὶς ἐγενήθητε τῇ σκ. (2 d)
Mi. 7. 4. ἐν ἡμέρᾳ σκοπιᾶς (2 b)
Is. 21. 8. κάλεσον Οὐρίαν εἰς τὴν σκ. (2 c)
41. 9. ἐκ τῶν σκ. αὐτῆς ἐκάλεσά σε †
[Aq. Ps. 72 (73). 7.]
[Al. I Ki. 22. 3.]

σκοπός. (1) מַטָּרָה (2) מַשְׂכִּית (3) צָפָה a. qal. b. pi.

Le. 26. 1. οὐδὲ λίθον σκοπὸν θήσετε ἐν τῇ γῇ ὑμῶν (2)
I Ki. 14. 16. εἶδον οἱ σκ. τοῦ Σ. ἐν Γ. Βεν. (3 a)
II Ki. 13. 34. ἦρε τὸ παιδάριον ὁ σκ. τοὺς ὀφθ. αὐ. (3 a)
— 34. παρεγένετο ὁ σκ. –
18. 24. ἐπορεύθη ὁ σκ. εἰς τὸ δῶμα τῆς πύλης (3 a)
— 25. ἀνεβόησεν ὁ σκ. (3 a)
— 26. εἶδεν ὁ σκ. ἄνδρα ἕτερον τρέχοντα (3 a)
— 26. ἐβόησεν ὁ σκ. πρὸς τῇ πύλῃ (3 a)
— 27. εἶπεν ὁ σκ. (3 a)
IV Ki. 9. 17. ὁ σκ. ἀνέβη ἐπὶ τὸν πύργον Ἰ. (3 a)
— 18, 20. ἀπήγγειλεν ὁ σκ. (3 a)
Jb. 16. 13 (12). κατέστησέ με ὥσπερ σκοπόν (1)
Wi. 5. 12. ὡς βέλους βληθέντος ἐπὶ σκοπόν
— 21. ὡς ἀπὸ εὐκύκλου τόξου τῶν νεφῶν ἐπὶ σκοπὸν ἁλοῦνται
Si. 37. 14. ἑπτὰ σκοποὶ ἐπὶ μετεώρου καθήμενοι ἐπὶ σκοπῆς
Ho. 9. 8. σκοπὸς Ἐφρ. μετὰ θεοῦ (3 a)
— 10. ὡς σκοπὸν ἐν συκῇ πρώϊμον εἶδον πατέρας αὐ. †
Na. 3. 12. συκαῖ σκοποὺς [B² καρποὺς] ἔχουσαι †
Is. 21. 6. βαδίσας σεαυτῷ στῆσον σκοπόν (3 b)
Je. 6. 17. καθέστακα ἐφ' ὑμᾶς σκοπούς (3 a)
La. 3. 12. ἐστήλωσέ με ὡς σκοπὸν εἰς βέλος (1)
Ez. 3. 17. σκοπὸν δέδωκά σε τῷ οἴκῳ Ἰσραήλ (3 a)
33. 2. δῶσιν αὐτὸν ἑαυτοῖς εἰς [A om.] σκοπόν (3 a)
— 6. ὁ σκ. ἐὰν ἴδῃ τὴν ῥομφαίαν . . . τὸ αἷμα ἐκ χειρὸς τοῦ σκ. ἐκζητήσω (3 a, 3 a)
— 7. σκοπὸν δέδωκά σε τῷ οἴκῳ Ἰσραήλ (3 a)
[Aq. I Ki. 20. 20.]
[Sm., Th. Is. 52. 8 : 56. 10.]

σκορακισμός.

Si. 41. 19. ἀπὸ σκορακισμοῦ λήψεως καὶ δόσεως

σκόρδον. (1) שׁוּם

Nu. 11. 5. ἐμνήσθημεν . . . τὰ σκ. (1)

σκορπίδιον.

I Ma. 6. 51. ἔστησεν ἐκεῖ . . . σκορπίδια

σκορπίζειν. (1) זוּר (2) זָרָה pi. (3) נָעַר (4) פּוּץ hi. (5) פָּזַר pi. (6) פָּרַר ni.

II Ki. 22. 15. καὶ ἐσκόρπισεν αὐτούς (4)
Ne. 4. 19 (13). σκορπιζόμεθα ἐπὶ τοῦ τείχους (6)
To. 3. 4. ἐν οἷς ἐσκορπίσμεθα [S al.]
13. 5. οὗ ἐὰν σκορπισθῆτε [A ἐσκ.] ἐν αὐτοῖς [S al.]
14. 4. οἱ ἀδελφοὶ ἡμῶν . . . σκορπισθήσονται [S al.]
Ju. 7. 32. ἐσκόρπισε τὸν λαὸν εἰς τὴν ἑαυ. παρεμβολήν
Jb. 39. 15. ἐπελάθετο ὅτι ποὺς σκορπιεῖ (1 ?)
Ps. 17 (18). 14. καὶ ἐσκόρπισεν αὐτούς (4)
111 (112). 9. ἐσκόρπισεν ἔδωκε τοῖς πένησιν (5)
143 (144). 6. καὶ σκορπιεῖς αὐτούς (4)

Wi. 17. 3. ἀφεγγεῖ λήθης παρακαλύμματι ἐσκορπίσθησαν [S διεσκ., A ἐσκοτίσθησαν]
Si. 48. 15. ἐσκορπίσθησαν [A S διεσκ.] ἐν πάσῃ τῇ γῇ
Hb. 3. 10. σκορπίζων ὕδατα πορείας †
Za. 11. 16. τὸ ἐσκορπισμένον [A διεσκ.] οὐ μὴ ζητήσῃ (3)
Ma. 2. 3. σκορπιῶ ἔνυστρον ἐπὶ τὰ πρόσωπα ὑμῶν [S¹ *al.*] (2)
Ez. 5. 12. εἰς πάντα ἄνεμον σκορπιῶ [A διασπερῶ] αὐτούς (2)
I Ma. 4. 4. ἕως ἔτι αἱ δυνάμεις ἐσκορπισμέναι ἦσαν
6. 54. ἐσκορπίσθησαν ἕκαστος εἰς τὸν τόπον αὐ.
7. 6. A S¹ ἡμᾶς ἐσκόρπισεν [S² R -αν] ἀπὸ τῆς γῆς ἡμῶν
10. 83. ἡ ἵππος ἐσκορπίσθη ἐν τῷ πεδίῳ
II Ma. 14. 13. τοὺς δὲ σὺν αὐτῷ σκορπίσαι
[Aq. Dt. 4. 27: 28. 64: Ps. 52 (53). 6: 140 (141). 7: Pr. 11. 24.]
[Sm. Jb. 38. 32: Ps. 140 (141). 7: Pr. 11. 24: Je. 49 (30). 5: Hb. 3. 14.]
[Th. I Ki. 30. 16: Jb. 39. 15: Pr. 11. 24.]
[Al. I Ki. 14. 34.]

σκορπίος. (1) עַקְרָב

De. 8. 15. οὗ ὄφις δάκων καὶ σκορπίος (1)
III Ki. 12. 11, 14. παιδεύσω ὑμᾶς ἐν σκορπίοις (1)
— 24. B κατάρξω ὑμᾶς ἐν σκορπίοις –
II Ch. 10. 11, 14. παιδεύσω ὑμᾶς ἐν σκορπίοις (1)
Si. 26. 7. ὁ κρατῶν αὐτῆς ὡς ὁ δρασσόμενος σκορπίου
39. 30. θηρίων ὀδόντες καὶ σκορπίοι καὶ ἔχεις
Ez. 2. 6. ἐν μέσῳ σκορπίων σὺ κατοικεῖς (1)
IV Ma. 11. 10. ἐπὶ τὸν τροχὸν σκορπίου τρόπον ἀνακλώμενος

σκορπισμός.
[Aq., Sm., Th. Je. 25. 34 (32. 20).]

σκοτάζειν. (1) חָשַׁךְ *a.* qal. *b.* hi. (2) קָדַר hi.

Ps. 104 (105). 28. ἐξαπέστειλε σκότος καὶ ἐσκότασε (1 *b*)
Ec. 12. 3. σκοτάσουσιν αἱ βλέπουσαι ἐν ταῖς ὀπαῖς (1 *a*)
Mi. 6. 14. σκοτάσει ἐν σοι †
La. 4. 8. ἐσκότασεν ὑπὲρ ἀσβόλην τὸ εἶδος αὐτῶν (1 *a*)
5. 17. ἐσκότασαν οἱ ὀφθαλμοὶ ἡμῶν (1 *a*)
Ez. 31. 15. ἐσκότασεν ἐπ' αὐτὸν [A ἐπένθησεν αὐ.] ὁ Λίβανος (2)
[Aq. Ex. 10. 15.]
[Sm. Ex. 10. 15: Ec. 12. 2.]
[Th. Mi. 6. 14.]

σκοτασμός.
[Aq. Is. 59. 9.]
[Sm. Ps. 87 (88). 19: Ca. 1. 5.]

σκοτεινός (-τιν.). (1) כְּאֲפֵלָה (2) *a.* חֹשֶׁךְ *b.* חֲשֵׁכָה *c.* מַחְשָׁךְ (3) נֶשֶׁף (4) סְתַר pa. (5) σκ. λόγος מְלִיצָה

Ge. 15. 12. φόβος σκ. μέγας ἐπιπίπτει αὐτῷ (2 *b*)
IV Ki. 5. 24. ἦλθεν εἰς τὸ σκ. †
Jb. 10. 21. πρὸ τοῦ με πορευθῆναι . . . εἰς γῆν σκοτεινήν (2 *a*)
15. 23. ἡμέρα δὲ σκοτεινὴ αὐτὸν στροβήσει (2 *a*)
24. 11. A S² ἐν σκοτεινοῖς [B S¹ στενοῖς] ἀδίκως ἐνήδρευσαν †
Ps. 17 (18). 11. σκοτεινὸν ὕδωρ ἐν νεφέλαις ἀέρων (2 *b*)
87 (88). 6. ἐν σκοτεινοῖς καὶ ἐν σκιᾷ θανάτου (2 *c*)
142 (143). 3. ἐκάθισέ με ἐν σκοτεινοῖς (2 *c*)
Pr. 1. 6. νοήσει τε παραβολὴν καὶ σκοτεινὸν λόγον (5)
4. 19. αἱ δὲ ὁδοὶ τῶν ἀσεβῶν σκοτειναί (1)
Is. 45. 3. δώσω σοι θησαυροὺς σκ. ἀποκρύφους (2 *a*)
— 19. οὐκ ἐν κρυφῇ λελάληκα οὐδὲ ἐν τόπῳ γῆς σκοτεινῷ (2 *a*)
48. 16. A S¹ οὐδὲ ἐν τόπῳ γῆς σκοτεινῷ –
Je. 13. 16. πρὸ τοῦ προσκόψαι πόδας ὑμῶν ἐπ' ὄρη σκοτεινά (3)
La. 3. 6. A ἐν σκοτεινοῖς ἐκάθισέ με ἐν σκοτεινοῖς αἰῶνος [B *al.*] (2 *c*, †)
Da. LXX. 2. 22. ἀνακαλύπτων τὰ βαθέα καὶ σκ. (4)
[Aq. Ps. 87 (88). 7: Je. 13. 17.]
[Sm. Jb. 38. 2: Ps. 87 (88). 7: 138 (139). 12: La. 4. 8: Ez. 8. 12.]
[Th. Pr. 22. 29.]
[Heb. Jb. 10. 22.]
[Quint. Ps. 87 (88). 7.]

σκοτία. (1) אֹפֶל (2) חֹשֶׁךְ

Jb. 28. 3. A S R λίθος σκοτία [B -ίας] καὶ σκιὰ θανάτου (1)
Mi. 3. 6. σκοτία ὑμῖν ἔσται ἐκ μαντείας (2)
Is. 16. 3. ἐν μεσημβρινῇ σκοτίᾳ φεύγουσιν †
[Aq. Is. 25. 7.]
[Sm. Ge. 1. 5: Ez. 12. 7.]
[Th. Jb. 28. 3: Is. 25. 7: 59. 9.]

σκοτίζειν. (1) *a.* חָשַׁךְ qal. *b.* hi. *c.* מַחְשָׁךְ

Ps. 68 (69). 23. σκοτισθήτωσαν οἱ ὀφθ. αὐ. (1 *a*)
73 (74). 20. B² S ἐπληρώθησαν οἱ ἐσκοτισμένοι [B¹ R -ωμένοι] τῆς γῆς οἴκων ἀνομιῶν (1 *c*)
138 (139). 12. A B² S τὸ σκότος οὐ σκοτισθήσεται ἀπὸ σοῦ (1 *b*)
Ec. 12. 2. ἕως οὗ μὴ σκοτισθῇ ὁ ἥλιος (1 *a*)
Wi. 17. 3. A ἀφεγγεῖ λήθης παρακαλύμματι ἐσκοτίσθησαν [B ἐσκορπίσθησαν, S διεσκορπίσθησαν]
Is. 13. 10. σκοτισθήσεται τοῦ ἡλίου ἀνατέλλοντος (1 *a*)
III Ma. 4. 10. πάντοθεν ἐσκοτισμένοι τοὺς ὀφθαλμούς
[Aq. Ps. 73 (74). 20.]
[Sm. Ps. 28 (29). 8 (P.): 73 (74). 20 (P.).]

σκοτομήνη (-μένη). (1) אֹפֶל

Ps. 10 (11). 3. B² S R τοῦ κατατοξεῦσαι ἐν σκοτομήνῃ [A -ωμένῃ, B¹ -μένῃ] τοὺς εὐθεῖς τῇ καρδίᾳ
[Aq. I Ki. 30. 17: Jb. 28. 3.]
[Sm. Pr. 20. 20.]
[Th. Ps. 10 (11). 2.]

σκοτομηνία.
[Aq. Jb. 3. 6.]

σκότος. (1) *a.* אֹפֶל *b.* אֲפֵלָה (2) *a.* חֹשֶׁךְ *b.* חֹשֶׁךְ *c.* חֲשֵׁכָה *d.* חֲשֵׁכָה *e.* מַחְשָׁךְ *f.* חֲשׁוֹךְ (3) נֶשֶׁף (4) עִיפָה (5) עָנָן (6) עֲרָפֶל (7) צַלְמָוֶת (8) קַדְרוּת (9) σκ. δεινόν שְׁבָץ

Ge. 1. 2. καὶ σκότος ἐπάνω τῆς ἀβύσσου (2 *a*)
— 4. διεχώρισεν ὁ θ. . . . ἀνὰ μέσον τοῦ σκ. (2 *a*)
— 5. τὸ σκ. ἐκάλεσε νύκτα (2 *a*)
— 18. διαχωρίζειν . . . ἀνὰ μέσον τοῦ σκότους (2 *a*)
Ex. 10. 21. γενηθήτω σκότος ἐπὶ γῆν Αἰγ. ψηλαφητὸν σκ. (2 *a*, 2 *a*)
— 22. ἐγένετο σκότος γνόφος θύελλα (2 *a*)
14. 20. καὶ ἐγένετο σκότος καὶ γνόφος (5)
De. 4. 11. σκότος γνόφος θύελλα (2 *a*)
5. 22 (19). σκότος γνόφος θύελλα (5)
28. 29. ὡσεί τις ψηλαφήσαι τυφλὸς ἐν τῷ σκ. (1 *b*)
Jo. 2. 5. ὡς δὲ ἡ πύλη ἐκλείετο ἐν τῷ σκ. (2 *a*)
II Ki. 1. 9. κατέσχε με σκ. δεινόν (9)
22. 12. B ἔθετο σκότος ἀποκρυφῆς [AR -ὴν] αὐ. (2 *a*)
— 12. ἡ σκηνὴ αὐ. σκότος ὑδάτων †
— 29. κύριος ἐκλάμψει μοι τὸ σκ. μου (2 *a*)
IV Ki. 7. 5. ἀνέστησαν ἐν τῷ σκ. (3)
— 7. ἀπέδρασαν ἐν τῷ σκ. (3)
I Es. 4. 24. ἐν σκότει βαδίζει
To. 4. 10. B οὐκ ἐάσει ἐλθεῖν εἰς τὸ σκ. [A R *al.*]
5. 9. S ἐν τῷ σκ. κεῖμαι
14. 10. ἤγαγεν αὐτὸν εἰς τὸ [A *om.*] σκ. [S *al.*]
— 10. A B αὐτὸς κατέβη εἰς τὸ σκ.
Es. 1. 1. ἡμέρα σκότους καὶ γνόφου
Jb. 3. 4. ἡ νὺξ [A ἡμέρα] ἐκείνη εἴη σκότος (2 *a*)
— 5. ἐκλάβοι δὲ αὐτὴν σκότος (2 *a*)
— 6. A B S² ἀπενέγκοιτο αὐτὴν σκότος (1 *a*)
5. 14. ἡμέρας [A ἐν ἡμέρᾳ] συναντήσεται αὐτοῖς σκότος (2 *a*)
10. 21 (22). πρὸ τοῦ με πορευθῆναι . . . εἰς γῆν σκότους αἰωνίου (4+1 *a*+7)
12. 22. ἀνακαλύπτων βαθέα ἐκ σκότους (2 *a*)
— 25. ψηλαφήσαισαν σκότος καὶ μὴ φῶς (2 *a*)
15. 22. μὴ πιστευέτω ἀποστραφῆναι ἀπὸ σκότους (2 *a*)
— 30. οὐδὲ μὴ ἐκφύγῃ τὸ [A *om.*] σκ. (2 *a*)
17. 12. A B S² φῶς ἐγγὺς ἀπὸ προσώπου σκότους (2 *a*)
18. 6. τὸ φῶς αὐτοῦ σκότος ἐν διαίτῃ (2 *b*)
— 18. ἀπώσειεν αὐτὸν ἐκ φωτὸς εἰς σκότος (2 *a*)
19. 8. ἐπὶ πρόσωπόν [A δὲ ἀτραπούς] μου σκότος ἔθετο (2 *a*)
20. 26. πᾶν δὲ σκότος αὐτῷ ὑπομείναι (2 *a*)
Jb. 22. 11. τὸ φῶς σοι σκότος [A S εἰς σκ.] ἀπέβη (2 *a*)
23. 17. οὐ γὰρ ᾔδειν ὅτι ἐπελεύσεταί μοι σκότος [A γνόφος] (2 *a*)
— 17. A πρόσωπον δέ μου καλύψει σκότος [B S *al.*] (1 *a*)
24. 14. παρέδωκεν αὐτοὺς εἰς σκότος †
— 15. ὀφθαλμὸς μοιχοῦ ἐφύλαξε σκότος (3)
— 16. διώρυξεν ἐν σκότει οἰκίας (2 *a*)
26. 10. μέχρι συντελείας φωτὸς μετὰ σκότους (2 *a*)
28. 3. τάξιν ἔθετο σκότει (2 *a*)
29. 3. ὅτε . . . ἐπορευόμην ἐν σκότει (2 *a*)
37. 15. φῶς ποιήσας ἐκ σκότους (5)
38. 19. σκότους δὲ ποῖος ὁ τόπος (2 *a*)
Ps. 17 (18). 11. ἔθετο σκότος ἀποκρυφὴν αὐτοῦ (2 *a*)
— 28. φωτιεῖς τὸ σκ. μου (2 *a*)
34 (35). 6. γενηθήτω ἡ ὁδὸς αὐτῶν σκότος (2 *a*)
54 (55). 5. B² S R ἐκάλυψέ με σκότος †
81 (82). 5. ἐν σκότει διαπορεύονται (2 *c*)
87 (88). 12. μὴ γνωσθήσεται ἐν τῷ σκ. τὰ θαυμάσιά σου (2 *a*)
90 (91). 6. ἀπὸ πράγματος διαπορευομένου ἐν σκότει (1 *a*)
103 (104). 20. ἔθου σκότος καὶ ἐγένετο νύξ (2 *a*)
104 (105). 28. ἐξαπέστειλε σκότος καὶ ἐσκότασε (2 *a*)
106 (107). 10. καθημένους ἐν σκότει (2 *a*)
— 14. ἐξήγαγεν αὐτοὺς ἐκ σκότους (2 *a*)
111 (112). 4. ἐξανέτειλεν ἐν [A¹ τοῖς ἐν] σκότει φῶς τοῖς εὐθέσιν (2 *a*)
138 (139). 11. ἄρα σκότος καταπατήσει με (2 *a*)
— 12. A B² S R τὸ σκ. οὐ σκοτισθήσεται ἀπὸ σοῦ (2 *a*)
— 12. ὡς τὸ σκ. αὐτῆς οὕτως καὶ τὸ φῶς αὐτῆς (2 *a*)
Pr. 2. 13. τοῦ πορεύεσθαι ἐν ὁδοῖς σκότους (2 *a*)
7. 8 (9). λαλοῦντα ἐν σκότει ἑσπερινῷ (3)
20. 20. αἱ δὲ κόραι τῶν ὀφθαλμῶν αὐτοῦ ὄψονται [S ἔσονται] σκότος (2 *a*)
Ec. 2. 13. ὡς περισσεία τοῦ φωτὸς ὑπὲρ τὸ σκ. (2 *a*)
— 14. ὁ ἄφρων ἐν σκότει πορεύεται (2 *a*)
5. 16. πᾶσαι αἱ ἡμέραι αὐτοῦ ἐν σκότει (2 *a*)
6. 4. ἐν σκότει πορεύεται καὶ ἐν σκότει ὄνομα αὐτοῦ καλυφθήσεται (2 *a*, 2 *a*)
11. 8. μνησθήσεται τὰς ἡμέρας τοῦ σκ. (2 *a*)
Wi. 17. 2. δέσμιοι σκότους καὶ μακρᾶς πεδῆται νυκτός
— 17. μιᾷ γὰρ ἁλύσει σκότους πάντες ἐδέθησαν
— 21. εἰκὼν τοῦ μέλλοντος αὐτοὺς διαδέχεσθαι σκ. ἑαυτοῖς δὲ ἦσαν βαρύτεροι σκότους
18. 4. ἄξιοι . . . φυλακισθῆναι ἐν [A B¹ S *om.*] σκότει [S¹ -ους]
19. 17. ἀχανεῖ περιβληθέντες σκότει
Si. 23. 18. σκότος κύκλῳ μου
Am. 5. 18. αὕτη ἐστὶ σκότος καὶ οὐ φῶς (2 *a*)
— 20. οὐχὶ σκότος ἡ ἡμέρα τοῦ κυρίου (2 *a*)
Mi. 7. 8. ἐὰν καθίσω ἐν τῷ σκ. (2 *a*)
Jl. 2. 2. ἡμέρα σκότους καὶ γνόφου (2 *a*)
— 31 (3. 4). ὁ ἥλιος μεταστραφήσεται εἰς σκότος (2 *a*)
Na. 1. 8. τοὺς ἐχθροὺς αὐ. διώξεται σκότος (2 *a*)
Ze. 1. 15. ἡμέρα σκότους καὶ γνόφου (2 *a*)
Is. 5. 20. οἱ τιθέντες τὸ σκ. φῶς καὶ τὸ φῶς σκ. (2 *a*, 2 *a*)
— 30. ἰδοὺ σκ. σκληρὸν ἐν τῇ ἀπορίᾳ αὐτῶν (2 *a*)
8. 22. ἀπορία στενὴ καὶ σκ. [S *om.* κ. σκ.] θλῖψις καὶ στενοχωρία καὶ σκ. [A *al.*] (2 *c*, 1 *b*)
9. 2 (1). ὁ λαὸς ὁ πορευόμενος [A καθήμ.] ἐν σκότει (2 *a*)
29. 15. ἔσται ἐν σκότει τὰ ἔργα αὐτῶν (2 *c*)
— 18. ἀκούσονται . . . οἱ ἐν τῷ σκ. (1 *a*)
42. 7. ἐξαγαγεῖν . . . καθημένους ἐν σκότει (2 *a*)
— 16. ποιήσω αὐτοῖς τὸ σκ. εἰς φῶς (2 *c*)
45. 7. ἐγὼ ὁ κατασκευάσας φῶς καὶ ποιήσας σκ. (2 *a*)
47. 1. A S εἴσελθε εἰς τὸ σκ. [B *al.*] †
— 5. εἴσελθε εἰς τὸ σκ. (2 *a*)
49. 9. λέγοντα ... τοῖς ἐν τῷ σκ. ἀνακαλυφθῆναι (2 *a*)
50. 3. ἐνδύσω τὸν οὐρανὸν σκότος (8)
— 10. οἱ πορευόμενοι ἐν σκότει (2 *c*)
58. 10. ἀνατελεῖ ἐν τῷ σκ. τὸ φῶς σου καὶ τὸ σκ. σου ὡς μεσημβρία (2 *a*, 1 *b*)
59. 9. φῶς ἐγένετο αὐτοῖς σκ. (2 *a*)
60. 2. σκ. [A S *add.* καὶ γνόφος] καλύψει γῆν (2 *a*)
Je. 13. 16. τεθήσονται εἰς σκότος (6)
28 (51). 34. κατέλαβέ με σκ. λεπτόν –
La. 3. 2. ἀπήγαγέ με εἰς σκότος καὶ οὐ φῶς (2 *a*)
Ep. Je. 71. νεκρῷ ἐρριμμένῳ ἐν σκότει ἀφωμοίωνται
Ez. 32. 8. δώσω σκότος ἐπὶ τὴν γῆν (2 *a*)

Da. LXX., TH. 2. 22. γινώσκων τὰ ἐν τῷ σκ. (2 *f*)
3. (72). εὐλογεῖτε, φῶς καὶ σκότος, τὸν κ.
II Ma. 3. 27. πολλῷ σκ. περιχυθέντα
[Aq. Ge. 1. 2, 4, 5: Ex. 14. 20: Jb. 3. 6†: Ez. 8. 12.]
[Sm. Ex. 14. 20: Ps. 138 (139). 11, 12 *bis*: Is. 32. 14: 59. 9, 10 (σκότῳ): Ez. 8. 12 (Sw.).]
[Th. Ge. 1. 2, 5: Jb. 17. 12: Ez. 8. 12: 12. 7.]
[Sam. Ex. 14. 20.]
[Heb. Jb. 10. 22.]
[Al. Jb. 18. 6: 26. 9: Ps. 138 (139). 11.]
[Sext. Ps. 10 (11). 2.]

σκοτοῦν. (1) *a.* חָשַׁךְ *b.* מַחְשָׁךְ (2) קָדַר (3) שָׁחַר

Jd. 4. 21. ἐξεστὼς ἐσκοτώθη [A *al.*] †
Jb. 3. 9. σκοτωθείη τὰ ἄστρα τῆς νυκτὸς ἐκείνης (1 *a*)
30. 30. τὸ δὲ δέρμα μου ἐσκότωται [A μεμελάνωται] μεγάλως (3)
Ps. 73 (74). 20. B¹ R ἐπληρώθησαν οἱ ἐσκοτώμενοι [B² S -ισμένοι] τῆς γῆς οἴκων ἀνομιῶν (1 *b*)
Ec. 10. 15. A μόχθος τοῦ ἄφρονος σκοτώσει αὐτόν [B S *al.*] †
Si. 25. 17. πονηρία γυναικὸς . . . σκοτοῖ τὸ πρόσωπον αὐτῆς
Je. 8. 21. ἐπὶ συντρίμματι θυγατρὸς λαοῦ μου ἐσκοτώθην (2)
14. 2. ἐσκοτώθησαν ἐπὶ τῆς γῆς (2)

σκοτώδης.
[Aq. Mi. 4. 8.]

σκοτωμένη (?). (1) אֹפֶל
Ps. 10 (11). 3. A τοῦ κατατοξεῦσαι ἐν σκοτωμένῃ [B¹ -ομένῃ, B² S R -ομήνῃ] τοὺς εὐθεῖς τῇ καρδίᾳ (1)

σκυβαλίζειν.
Si. 26. 28. ἄνδρες συνετοὶ ἐὰν σκυβαλισθῶσιν

σκύβαλον.
Si. 27. 4. οὕτως σκύβαλα ἀνθρώπου ἐν λογισμῷ αὐτοῦ
[Sm. Ez. 4. 12, 15.]

σκυθρωπάζειν. (1) קָדַר (2) רוּחַ נְכֵאָה (3) שָׁמֵם
Ps. 34 (35). 14. ὡς πενθῶν καὶ σκυθρωπάζων οὕτως ἐταπεινούμην (1)
37 (38). 6. ὅλην τὴν ἡμέραν σκυθρωπάζων ἐπορευόμην (1)
41 (42). 9: 42 (43). 2. ἵνα τί σκυθρωπάζων πορεύομαι (1)
Pr. 15. 13. ἐν δὲ λύπαις οὔσης σκυθρωπάζει (2)
Je. 19. 8. πᾶς ὁ παραπορευόμενος ἐπ' αὐτῆς σκυθρωπάσει (3)
27 (50). 13. πᾶς ὁ διοδεύων διὰ Βαβυλῶνος σκυθρωπάσει [S¹ κυκλωπ.] (3)
[Aq. Je. 8. 21: 14. 2.]
[Sm. III Ki. 20 (21). 43: Je. 14. 2.]
[Th. Ez. 31. 15.]

σκυθρωπός. (1) זָעֵף (2) רָע
Ge. 40. 7. τί ὅτι τὰ πρόσωπα ὑμῶν σκυθρωπὰ σήμερον (2)
Ne. 2. 1. S² καὶ ἤμην σκυθρωπός (2)
Si. 25. 23. πρόσωπον σκυθρωπὸν καὶ πληγὴ καρδίας γυνὴ πονηρά
Da. TH. 1. 10. μή ποτε ἴδῃ τὰ πρόσωπα ὑμῶν σκυθρωπά (1)
[Sm. Ge. 40. 6: Ps. 37 (38). 7: 41 (42). 10.]
[Th. Da. 1. 10.]

σκυθρωπῶς.
III Ma. 5. 34. ὁ καθ' εἷς δὲ τῶν φίλων σκ. ὑπεκρέων
[Sm. Ps. 34 (35). 14.]

σκύλαξ.
[Aq. Ge. 49. 9.]
[Al. Ps. 16 (17). 12.]

σκυλεία (-λία).
I Ma. 4. 23. ἀνέστρεψεν ἐπὶ τὴν σκ. τῆς παρεμβολῆς

σκυλεύειν. (1) בָּזַז (2) נָצַל pi. (3) נָשָׂא (4) פָּשַׁט pi. (5) שָׁלַל
Ex. 3. 22. σκυλεύσατε [A συσκευάσετε] τοὺς Αἰγ. (2)
12. 36. ἐσκύλευσαν τοὺς Αἰγ. (2)
I Ch. 10. 8. τοῦ σκυλεύειν [A -εῦσαι] τοὺς τραυματίας (4)
II Ch. 14. 13 (12). ἐσκύλευσαν σκῦλα πολλά (3)
— 14 (13). ἐσκύλευσαν πάσας τὰς πόλεις αὐ. (1)
20. 25. ἦλθεν . . . σκυλεῦσαι τὰ σκῦλα αὐ. (1)
— 25. B καὶ ἐσκύλευσεν [A R -σαν] ἐν αὐτοῖς (2)
— 25. σκυλευόντων αὐτῶν τὰ σκῦλα (1)
25. 13. ἐσκύλευσε σκῦλα πολλά (1)
28. 8. σκῦλα πολλὰ ἐσκύλευσαν ἐξ αὐτῶν (1)
Ju. 2. 27. τὰς πόλεις αὐ. ἐσκύλευσε
4. 1. ὃν τρόπον ἐσκύλευσε πάντα τὰ ἱερὰ αὐ.
16. 5. καὶ τὰς παρθένους μου σκυλεῦσαι
Wi. 10. 20. δίκαιοι ἐσκύλευσαν ἀσεβεῖς
Hb. 2. 8. διότι ἐσκύλευσας ἔθνη πολλά (5)
— 8. σκυλεύσουσι πάντες οἱ ὑπολελειμμένοι λαοί (5)
Za. 2. 8 (12). ἐπὶ τὰ ἔθνη τὰ σκυλεύσαντα ὑμᾶς (5)
Is. 8. 3. ταχέως σκύλευσον †
Ez. 26. 12. σκυλεύσει τὰ ὑπάρχοντά [A τὸν πλοῦτόν] σου (1)
29. 19. σκυλεύσει τὰ σκῦλα αὐτῆς (1)
30. 24. σκυλεύσει τὰ σκῦλα αὐτῆς †
38. 12. σκυλεῦσαι σκῦλα αὐτῶν [A *om.*] (1)
— 13. σκυλεῦσαι σκῦλα . . . τοῦ σκυλεῦσαι σκῦλα (1, 5)
39. 10. σκυλεύσουσι τοὺς σκυλεύσαντας αὐτούς (1, 1)
I Ma. 3. 20. τοῦ σκυλεῦσαι ἡμᾶς
5. 68. ἐσκύλευσε τὰ σκῦλα τῶν πόλεων
11. 61. καὶ ἐσκύλευσεν αὐτάς
II Ma. 9. 16. ὃν δὲ πρότερον ἐσκύλευσεν ἅγιον νεὼ
[Aq. Ex. 3. 22.]
[Sm. Ex. 3. 22: Ca. 6. 12 (7. 1): 7. 1 (2).]
[Th. Is. 59. 15.]
[Al. Jd. 5. 30.]

σκύλευσις.
[Heb. Jb. 15. 21.]

σκυλευτής.
[Aq. Ez. 23. 15, 23.]

σκυλμός.
III Ma. 3. 25. μετὰ ὕβρεως καὶ σκυλμῶν
4. 6. R ὡς ἐσπαραγμένοι σκυλμοῖς [A σκύμνοις] ἀλλοεθνέσι
7. 5. δεσμίους καταγαγόντες αὐτοὺς μετὰ σκυλμῶν

σκῦλον. (1) *a.* בֵּז *b.* בִּזָּה (2) מַלְקוֹחַ (3) שָׁלָל
Ex. 15. 9. μεριῶ σκῦλα (3)
Nu. 31. 11. ἔλαβον . . . πάντα τὰ σκ. αὐ. (2)
— 12. καὶ ἤγαγον πρὸς Μ. . . . τὰ σκ. (2)
— 26. λάβε τὸ κεφάλαιον τῶν σκ. τῆς αἰχμαλωσίας (2)
— 27. διελεῖτε τὰ σκ. (2)
De. 2. 35. τὰ σκ. τῶν πόλεων ἐλάβομεν (3)
3. 7. τὰ σκ. τῶν πόλεων ἐπρονομεύσαμεν ἑαυτοῖς (3)
7. 16. φάγῃ πάντα τὰ σκ. τῶν ἐθνῶν –
13. 16 (17). πάντα τὰ σκ. αὐ. συνάξεις (3)
— 16 (17). καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. πανδημεί (3)
Jo. 8. 27. πλὴν τῶν σκ. τῶν ἐν τῇ πόλει (3)
11. 14. πάντα τὰ σκ. αὐ. ἐπρονόμευσαν ἑαυτοῖς (3)
Jd. 5. 30. οὐχ εὑρήσουσιν αὐτὸν διαμερίζοντα σκῦλα (3)
— 30. σκῦλα βαμμάτων τῷ Σ. (3)
— 30. σκῦλα βαμμάτων ποικιλίας (3)
— 30. τῷ τραχήλῳ αὐ. σκῦλα [A *al.*] (3)
8. 24. δότε μοι ἀνὴρ ἐνώτιον ἐκ [A τῶν] σκύλων αὐ. (3)
— 25. ἔβαλεν ἐκεῖ ἀνὴρ ἐνώτιον σκύλων αὐ. [A *al.*] (3)
I Ki. 14. 30. ἔφαγεν . . . τῶν σκ. τῶν ἐχθρῶν αὐ. (3)
— 32. ἐκλίθη ὁ λαὸς εἰς τὰ σκ. (3)
15. 12. τὰ πρῶτα τῶν σκ. ὧν ἤνεγκεν –
— 19. τοῦ θέσθαι ἐπὶ τὰ σκ. (3)
— 21. ἔλαβεν ὁ λαὸς τῶν σκ. [A κύκλων] ποίμνια (3)
23. 3. εἰς τὰ σκ. τῶν ἀλλοφ. εἰσπορευσόμεθα †
30. 16. ἑορτάζοντες ἐν πᾶσι τοῖς σκ. τοῖς μεγάλοις (3)
— 19. οὐ διεφώνησεν αὐτοῖς . . . ἀπὸ τῶν σκ. (3)
— 20. καὶ ἀπήγαγεν ἔμπροσθεν τῶν σκ. †
— 20. καὶ τοῖς σκ. ἐκείνοις ἐλέγετο –
— 20. ταῦτα τὰ [A *om.*] σκ. Δ. (3)
I Ki. 30. 22. οὐ δώσομεν αὐτοῖς ἐκ τῶν σκ. (3)
— 26. ἀπέστειλε τοῖς πρεσβυτέροις τῶν σκ. Ἰ. (3)
— 26. ἰδοὺ ἀπὸ [A ὑμῖν εὐλογία ἀπὸ] τῶν σκ. τῶν ἐχθρῶν κ. (3)
II Ki. 3. 22. σκ. πολλὰ ἔφεραν μετ' αὐτῶν (3)
8. 12. καὶ ἐκ τῶν σκ. Ἀδρ. (3)
12. 30. σκῦλα τῆς πόλεως ἐξήνεγκε πολλὰ σφόδρα (3)
IV Ki. 3. 23. καὶ νῦν ἐπὶ τὰ σκ., Μωάβ (3)
I Ch. 20. 2. σκῦλα τῆς πόλεως ἐξήνεγκε πολλὰ σφόδρα (3)
II Ch. 14. 13 (12). ἐσκύλευσαν σκ. πολλά (3)
— 14 (13). πολλὰ σκ. ἐγενήθη αὐτοῖς (1 *b*)
15. 11. A ἀπὸ τῶν σκ. [B *om.* ἀ. τ. σκ.] ὧν ἤνεγκαν (3)
20. 25. ἦλθεν . . . σκυλεῦσαι τὰ σκ. αὐ. (3)
— 25. καὶ εὗρον . . . σκῦλα †
— 25. σκυλευόντων αὐτῶν τὰ σκ. (3)
24. 23. πάντα τὰ σκ. αὐ. ἀπέστειλαν τῷ βασ. Δ. (3)
25. 13. ἐσκύλευσε σκ. πολλά (1 *b*)
28. 8. σκ. πολλὰ ἐσκύλευσαν ἐξ αὐτῶν (3)
— 8. ἤνεγκαν τὰ σκ. εἰς Σαμ. (3)
— 14. ἀφῆκαν οἱ πολεμισταὶ . . . τὰ σκ. (1 *b*)
— 15. πάντας τοὺς γυμνοὺς περιέβαλον ἀπὸ τῶν σκ. (3)
Ju. 9. 4. ἔδωκας . . . πάντα τὰ σκ. εἰς διαίρεσιν
Es. 8. 11. S² καὶ τὰ σκ. αὐ. εἰς προνομήν (3)
Ps. 67 (68). 12. καὶ ὡραιότητι τοῦ οἴκου διελέσθαι σκῦλα (3)
118 (119). 162. ὡς ὁ εὑρίσκων σκῦλα πολλά (3)
Pr. 1. 13. πλήσωμεν δὲ οἴκους ἡμετέρους [S -ων] σκύλων (3)
16. 19. ὃς διαιρεῖται σκῦλα μετὰ ὑβριστῶν (3)
31. 11. ἡ τοιαύτη καλῶν σκύλων οὐκ ἀπορήσει (3)
Za. 2. 9 (13). ἔσονται σκῦλα τοῖς δουλεύουσιν αὐτοῖς (3)
14. 1. διαμερισθήσονται τὰ σκ. σου ἐν σοί (3)
Is. 8. 1. τοῦ ὀξέως προνομὴν ποιῆσαι σκύλων (1 *a*)
— 4. λήψεται . . . τὰ σκ. Σαμ. (3)
9. 3 (2). ὃν τρόπον [A S *add.* εὐφραίνονται] οἱ διαιρούμενοι σκῦλα (3)
10. 6. συντάξω ποιῆσαι σκῦλα καὶ προνομήν (3)
33. 4. συναχθήσεται τὰ σκ. ὑμῶν (3)
49. 24. μὴ λήψεταί τις παρὰ γίγαντος σκῦλα (2)
— 25. λήψεται σκῦλα (2)
53. 12. τῶν ἰσχυρῶν μερεῖ σκῦλα (3)
Je. 21. 9. ἔσται ἡ ψυχὴ αὐτοῦ εἰς σκῦλα (3)
Ez. 7. 21. παραδώσω αὐτὰ . . . εἰς σκῦλα (3)
29. 19. σκυλεύσει τὰ σκ. αὐτῆς (1 *b*)
30. 24. σκυλεύσει τὰ σκ. αὐτῆς †
38. 12. σκυλεῦσαι σκῦλα αὐτῶν [A *om.*] (1 *a*)
— 13. σκυλεῦσαι σκῦλα . . . τοῦ σκυλεῦσαι σκῦλα (1 *a*, 3)
Da. LXX. 11. 24. σκῦλα καὶ χρήματα αὐτοῖς δώσει (3)
Da. TH. 11. 24. σκῦλα καὶ ὕπαρξιν αὐτοῖς διασκορπιεῖ (3)
I Ma. 1. 3. ἔλαβε σκῦλα πλήθους ἐθνῶν
— 19. ἔλαβε τὰ σκ. γῆς Αἰγύπτου
— 31. ἔλαβε τὰ σκ. τῆς πόλεως
— 35. συναγαγόντες τὰ σκ. Ἱερ.
2. 10. ποῖον ἔθνος . . . οὐκ ἐκράτησε τῶν σκ. αὐ.
3. 12. S R ἔλαβον τὰ σκ. [A σκεύη] αὐ.
4. 17. μὴ ἐπιθυμήσητε τῶν σκ.
— 18. A λάβετε σκῦλα [S R τὰ σκ.]
5. 3. S R ἔλαβε τὰ σκ. [A ἀγκύλα] αὐ.
— 22. ἔλαβε τὰ σκ. αὐ.
— 28. ἔλαβε πάντα τὰ σκ. αὐ.
— 35. ἔλαβε τὰ σκ. αὐ.
— 51. ἔλαβε τὰ σκ. αὐτῆς
— 68. ἐσκύλευσε τὰ σκ. τῶν πόλεων
6. 6. S R ἐπίσχυσαν . . . σκ. πολλοῖς [A *om.* σκ. π.]
7. 47. ἔλαβον τὰ σκ.
9. 40. S R ἔλαβον πάντα τὰ σκ. [A σκεύη] αὐ.
10. 84. ἔλαβε τὰ σκ. αὐ.
— 87. ἔχοντες σκ. πολλά
11. 48. ἐλάβοσαν σκ. πολλά
— 51. ἔχοντες σκ. πολλά
12. 31. ἔλαβε τὰ σκ. αὐ.
II Ma. 8. 27. τὰ σκ. ἐκδύσαντες τῶν πολεμίων
— 28. τοῖς ὀρφανοῖς μερίσαντες ἀπὸ τῶν σκ.
— 31. τὰ δὲ λοιπὰ τῶν σκ. ἤνεγκαν εἰς Ἱερ.
[Aq. Is. 33. 23: Je. 38 (45). 2: 45. 5 (51. 35): 49. 32 (30. 10).]
[Sm. Ge. 49. 27: Is. 33. 23.]
[Al. Jd. 5. 30.]
[Heb. Je. 21. 9.]

σκύμνος. (1) בֵּן (2) *a.* גּוּר *b.* גּוֹר (3) כְּפִיר (4) *a.* לְבִיא *b.* לֶבְיָא *c.* לְבִי (5) σκ. λέοντος *a.* כְּפִיר *b.* לַיִשׁ

Ge. 49. 9. σκύμνος λέοντος Ἰούδα (2 *a*)
— 9. ἐκοιμήθης ὡς λέων καὶ ὡς σκύμνος (4 *a*)
Nu. 23. 24. λαὸς ὡς σκύμνος ἀναστήσεται (4 *a*)
24. 9. ἀνεπαύσατο ὡς λέων καὶ ὡς σκύμνος (4 *a*)
De. 33. 22. Δὰν σκύμνος λέοντος (2 *a*)
Jd. 14. 5. σκύμνος λέοντος ὠρυόμενος (3)
Jb. 4. 11. σκύμνοι δὲ λεόντων ἔλιπον ἀλλήλους (1)
Ps. 16 (17). 12. ὡσεὶ σκύμνος οἰκῶν ἐν ἀποκρύφοις (3)
56 (57). 4. ἐρρύσατο τὴν ψυχήν μου ἐκ μέσου σκύμνων (4 *c*)
103 (104). 21. σκύμνοι ὠρυόμενοι ἁρπάσαι (3)
Pr. 24. 65 (30. 30). σκύμνος λέοντος ἰσχυρότερος κτηνῶν (5 *b*)
Ho. 13. 8. καταφάγονται αὐτοὺς ἐκεῖ σκύμνοι δρυμοῦ (4 *a*)
Am. 3. 4. εἰ δώσει σκύμνος φωνὴν αὐ. (3)
Mi. 5. 8 (7). καὶ ὡς σκύμνος ἐν ποιμνίοις προβάτων (3)
Jl. 1. 6. καὶ αἱ μύλαι αὐ. σκύμνου (4 *a*)
Na. 2. 11 (12). καὶ ἡ νομὴ ἡ οὖσα τοῖς [A ἐν τοῖς] σκ. (3)
— 11 (12). τοῦ εἰσελθεῖν ἐκεῖ σκύμνον [A S² -ος] λέοντος (2 *a*)
— 12 (13). λέων ἥρπασε τὰ ἱκανὰ τοῖς σκ. αὐ. (2 *b*)
Is. 5. 29. παρέστηκαν ὡς σκύμνοι [A S -ος] λέοντος (5 *a*)
30. 6. λέων καὶ σκ. λέοντος (5 *b*)
31. 4. ὃν τρόπον βοήσῃ ὁ λέων ἢ ὁ σκ. (3)
Je. 28 (51). 38. καὶ ὡς σκύμνοι λεόντων (2 *b*)
La. 4. 3. ἐθήλασαν σκύμνοι αὐτῶν θυγατέρας λαοῦ μου (2 *a*)
Ez. 19. 2. τί ἡ μήτηρ σου σκύμνος . . . ἐν μέσῳ λεόντων ἐπλήθυνε σκύμνους αὐτῆς (4 *b*, 2 *a*)
— 3. ἀπεπήδησεν [A ἀπεδήμησεν] εἷς τῶν σκ. αὐτῆς (2 *a*)
— 5. ἔλαβεν ἄλλον ἐκ τῶν σκ. αὐτῆς (2 *a*)
I Ma. 3. 4. καὶ ὡς σκ. ἐρευγόμενος εἰς θήραν
III Ma. 4. 6. A ὡς ἐσπαραγμέναι σκύμνοις [R σκυλμοῖς] ἀλλοεθνέσι
[Sm. Ge. 49. 9.]

σκυτάλη. (1) בַּד (2) פֶּלֶךְ

Ex. 30. 4. ἔσονται ψαλίδες ταῖς σκ. (1)
— 5. ποιήσεις σκυτάλας ἐκ ξύλων ἀσήπτων (1)
II Ki. 3. 29. μὴ ἐκλίποι . . . κρατῶν σκυτάλης [A -η] (2)
III Ki. 12. 24. B ἔδωκεν αὐτὸν Σ. εἰς ἄρχοντα σκυτάλης –
[Al. Ge. 30. 37 : Za. 11. 7.]

σκύφος.
[Aq. Ge. 44. 2 : Ex. 25. 30 (31) : Je. 35 (42). 5.]
[Sm. Je. 35 (42). 5.]

σκωληκίασις.
[Sm., Th. Jb. 17. 14.]

σκώληξ. (1) רִמָּה (2) *a.* תּוֹלָע *b.* תּוֹלָעָה *c.* תּוֹלַעַת

Ex. 16. 20. ἐξέζεσε σκώληκας (2 *a*)
— 24. οὐδὲ σκώληξ ἐγένετο ἐν αὐτοῖς (1)
De. 28. 39. καταφάγεται αὐτὰ ὁ σκ. (2 *c*)
Ju. 16. 17. δοῦναι . . . σκώληκας εἰς σάρκας αὐτῶν
Jb. 2. 9. σύ τε αὐτὸς ἐν σαπρίᾳ σκωλήκων κάθησαι –
7. 5. φύρεται δέ μου τὸ σῶμα ἐν σαπρίᾳ σκωλήκων (1)
25. 6. καὶ υἱὸς ἀνθρώπου σκώληξ (2 *b*)
Ps. 21 (22). 6. ἐγὼ δέ εἰμι σκώληξ (2 *c*)
Pr. 12. 4. ὥσπερ δὲ ἐν ξύλῳ σκώληξ †
25. 20. ὥσπερ σὴς ἐν ἱματίῳ καὶ σκώληξ ξύλῳ –
Si. 7, 17. ἐκδίκησις ἀσεβοῦς πῦρ καὶ σκώληξ
10. 11, κληρονομήσει ἑρπετὰ καὶ θηρία καὶ [B S¹ *om.*] σκώληκας [S² -ες, S¹ *om.*]
19. 3. σκώληκες κληρονομήσουσιν αὐτόν [S¹ τὴν γῆν]
Jn. 4. 7. προσέταξεν ὁ θεὸς σκώληκι (2 *c*)
Is. 14. 11. τὸ κατακάλυμμά σου σκώληξ (2 *b*)
66. 24. ὁ γὰρ σκ. αὐ. οὐ τελευτήσει (2 *c*)
I Ma. 2. 62. ἡ δόξα αὐ. . . . εἰς σκώληκας
II Ma. 9. 9. ὥστε καὶ ἐκ τοῦ σώματος τοῦ δυσσεβοῦς σκώληκας ἀναζεῖν
[Aq. Ex. 25. 4 : 28. 5 : 35. 23, 35 : Is. 41. 14.]
[Sm. Ps. 77 (78). 47 : Is. 41. 14 : Ez. 32. 5.]
[Th. Jb. 25. 6 : Is. 41. 14.]
[Sept. Hb. 2. 11.]

σκῶλον. (1) *a.* כָּשַׁל hi. *b.* מְכָשׁוֹל (2) מוֹקֵשׁ

Ex. 10. 7. ἕως τίνος ἔσται τοῦτο ἡμῖν σκῶλον (2)
De. 7. 16. σκῶλον τοῦτό ἐστί σοι (2)
Jd. 8. 27. ἐγένετο τῷ Γ. . . . εἰς σκῶλον [A σκάνδαλον] (2)
11. 35. A εἰς σκῶλον ἐγένου ἐν ὀφθαλμοῖς μου [B *al.*] †
II Ch. 28. 23. ἐγένοντο αὐτῷ εἰς σκῶλον (1 *a*)
Is. 57. 14. ἄρατε σκῶλα ἀπὸ τῆς ὁδοῦ τοῦ λαοῦ μου (1 *b*)
[Aq. Ps. 68 (69). 23 : Pr. 18. 7 : 20. 25 : 22. 25 : Is. 8. 14.]
[Sm., Th. Pr. 18. 7.]
[Al. Jo. 23. 13.]

σκωλοῦσθαι.
[Aq. Ho. 9. 8.]
[Al. Dt. 7. 25.]

σκώπτειν.
Si. 10. 10. μακρὸν ἀρρώστημα σκώπτει ἰατρός [S² -όν]

σκωρία.
[Sm. Ps. 118 (119). 119 : Is. 1. 25 : Ez. 22. 18 *bis*, 19.]

σμαραγδίτης. (1) בֶּהָט

Es. 1. 6. ἐπὶ λιθοστρώτου σμαραγδίτου λίθου [A *al.*] (1)

σμάραγδος. (1) בֶּהָט (2) בָּרֶקֶת (3) יָהֲלֹם (4) שֹׁהַם

Ex. 28. 9. λήψῃ τοὺς δύο λίθους λίθους σμάραγδου (4)
— 17. σάρδιον τοπάζιον καὶ σμάραγδος (1)
35. 13. B ἐργαζέσθω . . . τοὺς λίθους [AR *add.* τοὺς] τῆς σμ. –
— 27. ἤνεγκαν τοὺς λίθους τῆς σμ. (4)
36. 13 (39. 6). ἐποίησαν ἀμφοτέρους τοὺς λίθους τῆς σμ. (4)
— 17 (39. 10). σάρδιον καὶ τοπάζιον καὶ σμάραγδος (2)
To. 13. 16. οἰκοδομηθήσεται Ἱερ. σαπφείρῳ καὶ σμαράγδῳ [S *al.*]
Ju. 10. 21. ὁ ἦν ἐκ . . . σμάραγδου
Es. 1. 6. A ἐπὶ λιθοστρώτους σμάραγδου [B S *al.*] (1)
Si. 35 (32). 6. ἐν κατασκευάσματι χρυσῷ σφραγὶς σμάραγδου
Ez. 28. 13. ἐνδέδεσαι . . . σμάραγδον καὶ ἄνθρακα (3)

σμῆγμα, σμῖγμα. (1) תַּמְרוּק

Es. 2. 3. δοθήτω σμῆγμα [A² σμῖγμα, A¹ σμῖσμα] (1)
— 9. ἔσπευσεν αὐτῇ δοῦναι τὸ σμ. (1)
— 12. καὶ ἐν τοῖς σμ. τῶν γυναικῶν (1)
Da. TH. Su. 17. ἐνέγκατε δή μοι . . . σμήγματα [A -μα]

σμήχειν.
[Al. Le. 6. 28 (21).]

σμικρότατος, *vid. sub* μικρός.

σμικρύνειν, *vid. sub* μικρύνειν.

σμῖλαξ (-ας).
Na. 1. 10. ὡς σμ. [S¹ -ας] περιπλεκομένη βρωθήσεται †
Je. 26 (46). 14. κατέφαγε μάχαιρα τὴν σμ. σου †

σμίλη.
[Sm. Je. 36 (43). 23.]

σμιρίτης (σμυρ.), **σμίριτος.**
Jb. 41. 6 (7). ὥσπερ σμιρίτης [A -ος, R σμυρίτης] λίθος †

σμῖσμα, *vid. sub* σμῆγμα.

σμοώχ.
[Heb. Is. 26. 3.]

σμυρίτης, *vid.* σμιρίτης.

σμύρνα (ζμ.). (1) מוֹר, מֹר

Ex. 30. 23. τὸ ἄνθος σμύρνης ἐκλεκτῆς (1)
Ps. 44 (45). 8. σμύρνα καὶ στακτή [S² *al.*] (1)
Ca. 3. 6. τεθυμιαμένη σμύρναν καὶ λίβανον (1)
4. 6. πορεύσομαι ἐμαυτῷ πρὸς τὸ ὄρος τῆς σμ. (1)
— 14. σμύρνα ἀλὼθ [S ἀλόη] μετὰ πάντων πρώτων μύρων (1)
5. 1. ἐτρύγησα σμύρναν [S σταφυλήν] μου (1)
Ca. 5. 5. χεῖρές μου ἔσταξαν σμύρναν δάκτυλοί μου σμύρναν πλήρη (1, 1)
— 13. χείλη αὐτοῦ κρίνα στάζοντα σμύρναν πλήρη (1)
Si. 24. 15. ὡς σμύρνα ἐκλεκτὴ διέδωκα εὐωδίαν [A S¹ *al.*]
[Aq. Ca. 1. 13 : 4. 6.]
[Sm. Ca. 1. 13.]

σμύρνινος. (1) מֹר

Es. 2. 12. ἀλειφόμεναι ἐν σμ. ἐλαίῳ [A ἀλ. σμ. ἔλαιον] (1)

σοάμ (R), **σοόμ** (AB). (1) שֹׁהַם

I Ch. 29. 2. ἡτοίμακα . . . λίθους σ.

σοόρ.
[Aq., Th. Ez. 27. 18.]

σόρ. (1) צוּר

Je. 21. 13. ἐγὼ πρὸς σὲ τὸν κατοικοῦντα τὴν κοιλάδα σ. (1)

σορός. (1) אָרוֹן

Ge. 50. 26. καὶ ἔθηκαν ἐν τῇ σ. ἐν Αἰγ. (1)
Jb. 21. 32. A ἐπὶ σορῷ [S σωρῷ, B σωρῶν] ἠγρύπνησεν †
[Th. Jb. 21. 32†.]

σός.
Ge. 14. 23 : 20. 7 : 21. 13 : 30. 27 : 31. 32 : 33. 9.
Ex. 5. 15, 23 : 8. 23 (19) : 32. 13.
Le. 18. 10†.
De. 3. 24 : 22. 9†.
Jo. 5. 14.
I Ki. 22. 15† : 25. 6.
II Ki. 9. 2 : 15. 34†.
III Ki. 21 (20). 4, 13, 28.
I Ch. 29. 14 *bis*.
I Es. 4. 59†, 59.
Ju. 3. 4† : 8. 29†.
Jb. 3. 3† : 15. 6 : 32. 20† : 39. 26, 27.
Ps. 30 (31). 14† : 73 (74). 16 *bis* : 88 (89). 11 *bis*, 13 : 115. 7 (116. 16), 7 (116. 16)† : 118 (119). 91†, 94.
Pr. 1. 9 *bis*, 14, 15† : 2. 10†, 10 : 3. 1, 3, 5, 9 *bis*, 22, 22†, 26, 29 : 4. 4, 9, 20, 21†, 23, 26, 27 : 5. 1, 3, 8, 9, 10 *bis*, 15 *bis*, 16 *ter*, 19, 21† : 6. 1 *bis*, 3, 3†, 4 *bis*, 21 *bis*, 25 : 7. 3, 4, 15 : 9. 18 : 22. 17 *bis*, 18, 23, 25 : 23. 4, 5, 16, 19, 26 *bis* : 24. 14, 43 (28) *bis*, 71 (31. 3)†, 71 (31. 3), 76 (31. 8), 77 (31. 9) : 25. 8†, 17 : 27. 2 *bis*, 10, 23, 27 : 28. 17.
Ec. 5. 5†.
Wi. 9. 4, 5 : 11. 26 : 12. 15 : 14. 3, 6 : 16. 11, 12, 15, 21 : 18. 21 : 19. 6†, 6, 8.
Si. 8. 19† : 38. 22.
Is. 4. 1 : 10. 16 *bis*.
Je. 38 (31). 16, 17 : 43 (36). 3†.
Ba. 4. 31, 33 : 5. 3.
Da. LXX. 9. 18.
II Ma. 14. 35.
III Ma. 2. 6, 8, 9† : 5. 29 : 6. 5, 13.
IV Ma. 9. 6.
[Aq. Ps. 118 (119). 91 : Pr. 31. 3.]
[Sm. Ge. 18. 25 : Jd. 4. 9 : Ps. 88 (89). 14 : Pr. 31. 3.]
[Th. Pr. 31. 3.]

σουαρείμ.
[Th. Je. 29 (36). 17.]

σουμήν.
[Heb. Ge. 1. 8.]

σούρ.
[Sm. Is. 10. 26.]

σούχινος.
[Aq. III Ki. 10. 11.]

σοφία. (1) *a.* בִּינָה *b.* תְּבוּנָה (2) דַּעַת (3) חָכְמָה (4) מוּסָר (5) מַחֲשֶׁבֶת (6) שֵׂכֶל

Ex. 28. 3. R οὓς ἐνέπλησα πνεύματος σοφίας [A B *om.*] (3)
31. 3. ἐνέπλησα αὐτὸν πνεῦμα θεῖον σοφίας (3)
35. 26. αἷς ἔδοξε τῇ διανοίᾳ αὐ. ἐν σοφίᾳ (3)
— 31. B¹ ἐνέπλησεν αὐτὸν πνεῦμα [A B² R *add.* θεῖον] σοφίας (3)

Ex. 35. 33. ποιεῖν ἐν παντὶ ἔργῳ σοφίας (5)
— 35. ἐνέπλησεν αὐτοὺς σοφίας (3)
36. 1. ᾧ ἐδόθη σοφία (3)
— 2. καὶ πάντας τοὺς ἔχοντας τὴν σ. †
De. 4. 6. αὕτη ἡ σ. ὑμῶν (3)
II Ki. 14. 20. καθὼς σοφία ἀγγέλου τοῦ θ. (3)
20. 22. ἐλάλησε πρὸς πᾶσαν τὴν πόλιν ἐν τῇ σ. αὐ. (3)
III Ki. 2. 6. ποιήσεις κατὰ τὴν σ. σου (3)
3. 1 (*cf.* 4. 29 [5. 9]). ἔδωκε κύριος . . . σ. πολλὴν σφόδρα (1 *b*)
4. 29 [5. 9]. ἔδωκε κ. φρόνησιν τῷ Σ. καὶ σ. [A σ. τ. Σ. κ. φρόνησιν] πολλὴν σφόδρα (1 *b* [3])
— 30 (5. 10). A ἐπληθύνθη ἡ σ. Σαλ. σφόδρα [B *al.*] (3)
— 34 (5. 14). ἀκοῦσαι τῆς σ. Σαλ. (3)
— 34 (5. 14). ὅσοι ἤκουον τῆς σ. [A τὴν σ.] αὐ. (3)
5. 12 (26). κύριος ἔδωκε σοφίαν τῷ Σαλ. (3)
10. 7. A προστέθεικας σοφίαν καὶ [B *om.* σ. κ.] ἀγαθά (3)
I Ch. 22. 12. δῴη σοι σοφίαν καὶ σύνεσιν κύριος (6)
28. 21. πᾶς πρόθυμος ἐν σοφίᾳ (3)
II Ch. 1. 10. σοφίαν καὶ σύνεσιν δός μοι (3)
— 11. ᾔτησας σεαυτῷ σοφίαν καὶ σύνεσιν (3)
— 11 (12). τὴν σ. καὶ τὴν σύνεσιν δίδωμί σοι (3)
9. 3. εἶδε βασίλισσα Σ. τὴν σ. Σαλ. (3)
— 5. ὃν ἤκουσα . . . περὶ τῆς σ. σου (3)
— 6. οὐκ ἀπηγγέλη μοι ἥμισυ τοῦ πλήθους τῆς σ. σου (3)
— 7. ἀκούουσιν σοφίαν σου (3)
— 22. ἐμεγαλύνθη Σ. . . . πλούτῳ καὶ σοφίᾳ (3)
— 23. ἀκοῦσαι τῆς σ. αὐ. (3)
I Es. 3. 7. δεύτερος καθιεῖται Δαρείου διὰ τὴν σ. αὐ.
4. 59. παρὰ σοῦ ἡ σ.
— 60. ὃς ἔδωκάς μοι σοφίαν
8. 23. κατὰ τὴν σ. τοῦ θεοῦ ἀνάδειξον
II Es. 7. 25. ὡς ἡ σ. τοῦ θεοῦ ἐν χειρί σου (3)
Ju. 8. 29. οὐκ ἐν τῇ σήμερον ἡ σοφία σου πρόδηλός ἐστιν
11. 8. ἠκούσαμεν γὰρ τὴν σ. σου
— 20. A B ἐθαύμασαν ἐπὶ τῇ σ. αὐ.
Jb. 4. 21. παρὰ τὸ μὴ ἔχειν αὐτοὺς σοφίαν (3)
8. 10. A καὶ ἀναγγελοῦσίν σοι σύνεσιν σοφίας [B S *al.*] –
11. 6. εἶτα ἀναγγελεῖ σοι δύναμιν σοφίας (3)
— 20. A παρ' αὐτῷ γὰρ σοφία καὶ δύναμις –
12. 2. ἢ μεθ' ὑμῶν τελευτήσει σοφία (3)
— 12. ἐν πολλῷ χρόνῳ σοφία [A σ. εὑρίσκεται] (3)
— 13. παρ' αὐτῷ σοφία καὶ δύναμις (3)
13. 5. ἀποβήσεται ὑμῖν σοφία [A εἰς σοφίαν] (3)
15. 8. εἰς δέ σε ἀφίκετο σοφία (3)
26. 3. οὐχ ᾧ πᾶσα σ. [A ᾧ ἡ π. σ.] (3)
28. 12. ἡ δὲ σ. πόθεν εὑρέθη (3)
— 18. ἔλκυσον σοφίαν ὑπὲρ τὰ ἐσώτατα (3)
— 20. ἡ δὲ σ. πόθεν εὑρέθη (3)
— 28. ἡ θεοσέβειά ἐστι σοφία (3)
32. 7. A R ἐν πολλοῖς δὲ ἔτεσιν [B S *add.* οὐκ] οἴδασι σοφίαν (3)
— 13. εὕρομεν σοφίαν κυρίῳ προσθέμενοι (3)
33. 33. A S διδάξω σε σοφίαν [B *om.*] (3)
38. 36. A τίς δὲ ἔδωκε γυναιξὶν ὑφάσματος σοφίαν ἢ ποικιλτικὴν σοφίας [B S *om.*] ἐπιστήμην (3, –)
— 37. τίς δὲ ὁ ἀριθμῶν νέφη σοφίᾳ (3)
39. 17. κατεσιώπησεν [S¹ -έπηξεν] αὐτῇ ὁ θεὸς σοφίαν (3)
Ps. 36 (37). 30. στόμα δικαίου μελετήσει σοφίαν (3)
48 (49). 3. τὸ στόμα μου λαλήσει σοφίαν (3)
50 (51). 6. τὰ κρύφια τῆς σ. σου ἐδήλωσάς μοι (3)
89 (90). 12. καὶ τοὺς πεπαιδευμένους [A S² -δημένους] τῇ καρδίᾳ ἐν σοφίᾳ (3)
103 (104). 24. πάντα ἐν σοφίᾳ ἐποίησας (3)
106 (107). 27. πᾶσα ἡ σ. αὐτῶν κατεπόθη (3)
110 (111). 10. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (3)
Pr. 1. 2. γνῶναι σοφίαν καὶ παιδείαν (3)
— 7. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (2)
— 7. σοφίαν δὲ καὶ παιδείαν ἀσεβεῖς ἐξουθενήσουσιν (3)
— 20. σοφία ἐν ἐξόδοις ὑμνεῖται (3)
— 29. ἐμίσησαν γὰρ σοφίαν [A παιδείαν] (2)
2. 2. ὑπακούσεται σοφίας τὸ οὖς σου (3)
— 3. ἐὰν γὰρ τὴν σ. ἐπικαλέσῃ (1 *a*)
— 6. κύριος δίδωσι σοφίαν (3)
— 10. ἐὰν γὰρ ἔλθῃ ἡ [S¹ *om.*] σ. εἰς σὴν διάνοιαν (3)
Pr. 3. 5. ἐπὶ δὲ σῇ σοφίᾳ μὴ ἐπαίρου (1 *a*)
— 13. μακάριος ἄνθρωπος ὃς εὗρε σοφίαν (3)
— 19. ὁ θεὸς τῇ σ. ἐθεμελίωσε τὴν γῆν (3)
4. 5. S² κτῆσαι σοφίαν καὶ σύνεσιν (3)
— 5. A κτῆσαι σοφίαν κτῆσαι σύνεσιν (3 ?)
— 11. ὁδοὺς γὰρ σοφίας διδάσκω σε (3)
5. 1. ἐμῇ σοφίᾳ πρόσεχε (3)
6. 8. τὴν σ. τιμήσασα προήχθη –
7. 4. εἰπὸν τὴν σ. [S¹ τῇ σ.] σὴν ἀδελφὴν εἶναι (3)
8. 1. σὺ τὴν σ. κηρύξεις (3)
— 11. κρείσσων γὰρ σοφία λίθων πολυτελῶν (3)
— 12. ἐγὼ ἡ σ. κατεσκήνωσα βουλήν (3)
— 12. B¹ κρείσσων γὰρ σοφία λίθων πολυτελῶν –
— 33. A ἀκούσατε σοφίαν [S² παιδείαν] καὶ σοφίσθητε (4)
9. 1. ἡ σ. ᾠκοδόμησεν ἑαυτῇ οἶκον (3)
— 10. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (3)
10. 13. A S R ὃς ἐκ χειλέων προφέρει σοφίαν (3)
— 23. ἡ δὲ σ. ἀνδρὶ τίκτει φρόνησιν (3)
— 31. στόμα δικαίου ἀποστάζει σοφίαν (3)
11. 2. στόμα δὲ ταπεινῶν μελετᾷ σοφίαν (3)
14. 6. ζητήσεις σοφίαν παρὰ κακοῖς (3)
— 8. σοφία πανούργων ἐπιγνώσεται τὰς ὁδοὺς αὐτοῦ (3)
— 33. ἐν καρδίᾳ ἀγαθῇ ἀνδρὸς [S² ἀναπαύσεται] σοφία (3)
16. 4 (15. 33). φόβος κυρίου παιδεία καὶ σοφία (3)
— 16. νοσσιαὶ σοφίας αἱρετώτεραι χρυσίου (3)
17. 16. κτήσασθαι γὰρ σοφίαν [A -ας] ἀκάρδιος οὐ δυνήσεται (3)
— 28. ἀνοήτῳ ἐπερωτήσαντι σοφίαν [S¹ -α, A *om.*] σοφία λογισθήσεται –, †
18. 2. οὐ χρείαν ἔχει σοφίας ἐνδεὴς φρενῶν (1 *b*)
20. 29. κόσμος νεανίαις σοφία †
21. 30. οὐκ ἔστι σοφία οὐκ ἔστιν ἀνδρεία (3)
22. 4. γενεὰ σοφίας φόβος κυρίου †
24. 3. μετὰ σοφίας οἰκοδομεῖται οἶκος (3)
— 7. σοφία καὶ ἔννοια ἀγαθὴ ἐν πύλαις σοφῶν (3)
— 14. οὕτως αἰσθήσῃ σοφίαν [A -ας] τῇ σῇ ψυχῇ (3)
— 26 (30. 3). θεὸς δεδίδαχέ με σοφίαν (3)
— 73 (31. 5). ἵνα μὴ πιόντες ἐπιλάθωνται τῆς σ. †
28. 26. ὃς δὲ πορεύεται σοφίᾳ σωθήσεται (3)
29. 3. ἀνδρὸς φιλοῦντος σοφίαν εὐφραίνεται πατὴρ αὐτοῦ (3)
— 15. πληγαὶ καὶ ἔλεγχοι διδόασι σοφίαν (3)
Ec. 1. 13. τοῦ κατασκέψασθαι ἐν τῇ σ. (3)
— 16. προσέθηκα [S προέθ.] σοφίαν ἐπὶ πᾶσιν (3)
— 16 (17). ἔδωκα καρδίαν μου τοῦ γνῶναι σοφίαν (3)
— 16. καρδία μου εἶδε πολλὰ σοφίαν καὶ γνῶσιν (3)
— 18. ἐν πλήθει σοφίας πλῆθος γνώσεως (3)
2. 3. καρδία μου ὡδήγησεν [S² ὡδ. με] ἐν σοφίᾳ (3)
— 9. σοφία μου ἐστάθη μοι (3)
— 12. ἐπέβλεψα ἐγὼ τοῦ ἰδεῖν σοφίαν (3)
— 13. ἐστὶ περισσεία τῇ σ. ὑπὲρ τὴν ἀφροσύνην (3)
— 21. μόχθος αὐτοῦ ἐν σοφίᾳ (3)
— 26. τῷ ἀνθρώπῳ τῷ ἀγαθῷ πρὸ προσώπου αὐτοῦ ἔδωκε σοφίαν (3)
7. 11 (10). οὐκ ἐν σοφίᾳ ἐπηρώτησας (3)
— 12 (11). ἀγαθὴ σ. μετὰ κληρονομίας (3)
— 13 (12). ἐν σκιᾷ αὐτῆς ἡ σ. [S² τῆς σ.] ὡς σκιὰ ἀργυρίου καὶ περισσεία γνώσεως τῆς σ. [S¹ τῇ σ.] ζωοποιήσει [S ἡ σ. ζ.] τὸν παρ' αὐτῆς [S² ἔχοντα αὐτήν] (3, –, [3])
— 20 (19). ἡ σ. βοηθήσει τῷ σοφῷ (3)
— 24 (23). πάντα ταῦτα ἐπείρασα ἐν σοφίᾳ [A S τῇ σ.] (3)
— 26 (25). τοῦ ζητῆσαι σοφίαν καὶ ψῆφον (3)
8. 1. σοφία ἀνθρώπου φωτιεῖ πρόσωπον αὐ. (3)
— 16. ἔδωκα τὴν καρδίαν μου τοῦ γνῶναι τὴν σ. (3)
9. 10. οὐκ ἔστι . . . σοφία ἐν ᾅδῃ (3)
— 13. τοῦτο εἶδον σοφίαν ὑπὸ τὸν ἥλιον (3)
— 15. διασώσῃ αὐτὸς τὴν πόλιν ἐν τῇ σ. αὐτοῦ (3)
— 16. ἀγαθὴ σ. ὑπὲρ δύναμιν (3)
— 16. σοφία τοῦ πένητος ἐξουδενωμένη (3)
— 18. ἀγαθὴ σ. ὑπὲρ σκεύη πολέμου (3)
10. 1. A B²S R τίμιον ὀλίγον [B¹ ὁ λόγος] σοφίας ὑπὲρ δόξαν ἀφροσύνης μεγάλην (3)
— 10. περισσεία τῷ ἀνδρὶ οὐ σοφία [A S *al.*] (3)
Wi. *tit.* σοφία Σαλωμών
1. 4. εἰς κακότεχνον ψυχὴν οὐκ εἰσελεύσεται σοφία
Wi. 1. 5. A ἅγιον γὰρ πνεῦμα σοφίας [B S παιδείας] φεύξεται δόλον
— 6. φιλάνθρωπον γὰρ πνεῦμα σοφία [A -ίας]
3. 11. σοφίαν γὰρ καὶ παιδείαν ὁ ἐξουθενῶν ταλαίπωρος
6. 9. ἵνα μάθητε σοφίαν καὶ μὴ παραπέσητε
— 12. λαμπρὰ καὶ ἀμάραντός ἐστιν ἡ σ.
— 20. ἐπιθυμία ἄρα σοφίας ἀνάγει ἐπὶ βασιλείαν [S¹ *al.*]
— 21. τιμήσατε σοφίαν
— 22. τί [S¹ τίς] δέ ἐστι σοφία
— 23. οὗτος οὐ κοινωνήσει σοφίᾳ
7. 7. ἦλθέ μοι πνεῦμα σοφίας
— 12. αὐτῶν ἡγεῖται σοφία
— 15. αὐτὸς καὶ τῆς σ. ὁδηγός ἐστι
— 22. ἡ γὰρ πάντων τεχνῖτις ἐδίδαξέ με σοφία
— 24. πάσης γὰρ κινήσεως κινητικώτερον σοφία
— 28. οὐθὲν γὰρ ἀγαπᾷ ὁ θεὸς εἰ μὴ τὸν σοφίᾳ συνοικοῦντα
— 30. σοφίας [A -ίαν, S¹ -ία] δὲ οὐκ ἀντισχύει [A S οὐ κατισχ.] κακία
8. 5. τί σοφίας πλουσιώτερον [S τιμιώτ.] τῆς τὰ πάντα ἐργαζομένης [S¹ περιεργ.]
— 17. ἐστὶν ἀθανασία ἐν [S¹ *om.*] συγγενείᾳ σοφίας
9. 2. καὶ τῇ σ. σου κατεσκεύασας ἄνθρωπον
— 4. δός μοι τὴν τῶν σῶν θρόνων πάρεδρον σοφίαν
— 6. τῆς ἀπὸ σοῦ σ. ἀπούσης εἰς οὐδὲν λογισθήσεται
— 9. μετὰ σοῦ ἡ σ. ἡ εἰδυῖα τὰ ἔργα σου
— 17. εἰ μὴ σὺ ἔδωκας σοφίαν
— 18. καὶ τῇ σ. [S σ. σου] ἐσώθησαν
10. 4. κατακλυζομένην γῆν πάλιν διέσωσε σοφία
— 8. σοφίαν γὰρ παροδεύσαντες οὐ μόνον ἐβλάβησαν
— 9. σοφία δὲ τοὺς θεραπεύσαντας αὐτὴν ἐκ πόνων ἐρρύσατο
— 21. ἡ σ. ἤνοιξε στόμα κωφῶν
14. 2. τεχνῖτις δὲ σοφία κατεσκεύασεν
— 5. θέλεις δὲ μὴ ἀργὰ εἶναι τὰ τῆς σ. σου [S *om.*] ἔργα
subscr. σοφία Σολομῶντος
Si. *prol.* 4. ὑπὲρ ὧν δέον ἐστὶν ἐπαινεῖν τὸν Ἰσραὴλ παιδείας καὶ σοφίας
— 10. τῶν εἰς παιδείαν καὶ σοφίαν ἀνηκόντων
1. 1. σοφία Σειράχ [A S Ἰησοῦ υἱοῦ Σιράχ]
— 1. πᾶσα σοφία παρὰ κυρίου
— 3. ἄβυσσον καὶ σοφίαν τίς ἐξιχνιάσει
— 4. προτέρα πάντων ἔκτισται σοφία
— 6. ῥίζα σοφίας τίνι ἀπεκαλύφθη
— 14. ἀρχὴ σοφίας φοβεῖσθαι τὸν θεόν
— 16. πλησμονὴ σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κύριον
— 18. στέφανος σοφίας φόβος κυρίου
— 20. ῥίζα σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κύριον
— 24. ἐν θησαυροῖς σοφίας παραβολὴ ἐπιστήμης
— 25. ἐπιθυμήσας σοφίαν διατήρησον ἐντολάς
— 26. σοφία γὰρ καὶ παιδεία φόβος κυρίου
4. 11. ἡ σ. υἱοὺς ἑαυτῇ [A S αὐτῆς] ἀνύψωσε
— 24. ἐν γὰρ λόγῳ γνωσθήσεται σοφία
6. 18. ἕως πολιῶν εὑρήσεις σοφίαν [S χάριν]
— 22. σοφία γὰρ κατὰ τὸ ὄνομα αὐτῆς ἐστι
— 37. ἡ ἐπιθυμία τῆς σ. σου [A S *om.*] δοθήσεταί σοι
8. 8. S παρ' αὐτῶν μαθήσῃ σοφίαν [A B παιδείαν]
11. 1. σοφία ταπεινοῦ ἀνύψωσε κεφαλήν
14. 20. ὃς ἐν σοφίᾳ τελευτήσει [S² μελετήσει]
15. 3. ὕδωρ σοφίας ποτίσει αὐτόν
— 10. ἐν γὰρ σοφίᾳ ῥηθήσεται αἶνος
— 18. πολλὴ σοφία [A S² ἡ σ.] τοῦ κυρίου
18. 28. πᾶς συνετὸς ἔγνω σοφίαν
19. 20. πᾶσα σοφία φόβος κυρίου καὶ ἐν πάσῃ σοφίᾳ ποίησις νόμου
— 22. οὐκ ἔστι σοφία πονηρίας ἐπιστήμη
— 23. ἔστιν ἄφρων ἐλαττούμενος σοφίᾳ
20. 30. σοφία κεκρυμμένη καὶ θησαυρὸς ἀφανής
— 31. ἄνθρωπος ἀποκρύπτων τὴν σ. αὐτοῦ
21. 11. συντέλεια τοῦ φόβου κυρίου σοφία
— 18. ὡς οἶκος ἠφανισμένος οὕτως μωρῷ σοφία
22. 6. μάστιγες καὶ παιδεία ἐν παντὶ καιρῷ σοφίας [S¹ -ία]
23. 2. ἐπὶ τῆς καρδίας μου παιδείαν [A -ας] σοφίας
24. 1. αἴνεσις σοφίας
— 1. ἡ [S¹ *om.*] σ. αἰνέσει ψυχὴν αὐτῆς
— 25. ὁ πιμπλῶν ὡς Φεισὼν σοφίαν
25. 5. ὡς ὡραία γερόντων σοφία
— 10. ὡς μέγας ὁ εὑρὼν σοφίαν

Si. 27. 11. διήγησις εὐσεβοῦς [A σοφοῦ] διὰ παντὸς σοφία
31 (34). 8. σοφία στόματι πιστῷ τελείωσις
34 (31). 11. A τὰς ἐλεημοσύνας αὐτοῦ ἐκδιηγήσεται σοφία [B S ἐκκλησία]
37. 20. S¹ οὕτος πάσης σοφίας [A B S² τροφῆς] καθυστερήσει
— 21. πάσης σοφίας ἐστερήθη
38. 24. σοφία γραμματέως ἐν εὐκαιρίᾳ σχολῆς
39. 1. σοφίαν πάντων ἀρχαίων [S¹ ἀρχόντων] ἐκζητήσει
— 7. αὐτὸς ἀνομβρήσει ῥήματα σοφίας αὐτοῦ
— 10. τὴν σ. αὐτοῦ διηγήσονται ἔθνη [B¹ S¹ -νει]
40. 20. ὑπὲρ ἀμφότερα ἀγάπησις [S -σεις] σοφίας [S -ίαν]
41. 14. σοφία δὲ κεκρυμμένη καὶ θησαυρὸς ἀφανής
— 15. ἄνθρωπος ἀποκρύπτων τὴν σ. αὐτοῦ
42. 21. τὰ μεγαλεῖα τῆς σ. αὐτοῦ ἐκόσμησε
43. 33. τοῖς εὐσεβέσιν ἔδωκε σοφίαν
44. 15. σοφίαν αὐτῶν διηγήσονται λαοί
45. 26. δῴη ὑμῖν σοφίαν ἐν καρδίᾳ ὑμῶν
50. 27. ὃς ἀνώμβρησε σοφίαν [S¹ -ας] ἀπὸ καρδίας αὐ.
51. 13. ἐζήτησα σοφίαν προφανῶς ἐν προσευχῇ μου
— 17. τῷ διδόντι μοι [A om.] σοφίαν δώσω δόξαν
subscr. σοφία Ἰησοῦ υἱοῦ Σειράχ
Is. 10. 13. ἐν τῇ σ. τῆς συνέσεως [A τῇ συν. τῆς σ.] ἀφελῶ ὅρια ἐθνῶν (3, [†])
11. 2. πνεῦμα σοφίας καὶ συνέσεως (3)
29. 14. ἀπολῶ τὴν σ. τῶν σοφῶν (3)
33. 6. A S R ἐκεῖ [B ἥκ.] σ. καὶ ἐπιστήμη (3)
50. 4. A κύριος δίδωσί μοι γλῶσσαν σοφίας [B S παιδείας] †
Je. 8. 9. σ. τίς ἐστιν ἐν αὐτοῖς (3)
9. 23 (22). μὴ καυχάσθω ὁ σοφὸς ἐν τῇ σ. αὐτοῦ (3)
10. 12. ὁ ἀνορθώσας τὴν οἰκουμ. ἐν τῇ σ. αὐ. (3)
28 (51). 15. ἑτοιμάζων οἰκουμένην ἐν τῇ σ. αὐ. (3)
29 (49). 7. οὐκ ἔστιν ἔτι σ. ἐν Θ.... ᾤχετο σ. αὐ. (3, 3)
Ba. 3. 12. ἐγκατέλιπες τὴν πηγὴν τῆς σ.
— 23. ὁδὸν δὲ [A τῆς] σοφίας οὐκ ἔγνωσαν
Da. LXX. 1. 4. νεανίσκους . . . ἐπιστήμονας ἐν πάσῃ σ. (3)
— 17. ἔδωκε σύνεσιν . . . ἐν πάσῃ σ. –
2. 20. ἡ σ. καὶ ἡ μεγαλωσύνη αὐτοῦ ἐστι (3)
— 21. διδοὺς σοφοῖς σοφίαν (3)
— 23. σοφίαν καὶ φρόνησιν ἔδωκάς μοι (3)
— 30. οὐ παρὰ τὴν σ. τὴν οὖσαν ἐν ἐμοί (3)
Da. TH. 1. 4. καὶ συνιέντας ἐν πάσῃ σ. (3)
— 17. φρόνησιν ἐν πάσῃ γραμματικῇ καὶ σ. (3)
— 20. ἐν παντὶ ῥήματι σοφίας καὶ ἐπιστήμης (3)
2. 20. ἡ σ. καὶ ἡ σύνεσις αὐτοῦ ἐστι (3)
— 21. διδοὺς σοφίαν τοῖς σοφοῖς (3)
— 23. σοφίαν καὶ δύναμιν δέδωκάς μοι (3)
— 30. οὐκ ἐν σοφίᾳ τῇ οὔσῃ ἐν ἐμοί (3)
5. 14. σ. περισσὴ εὑρέθη ἐν σοί (3)
II Ma. 2. 9. σοφίαν ἔχων ἀνήνεγκε θυσίαν
IV Ma. 1. 15. A νοῦς . . . προτιμῶν τὸν σοφίας λόγον [S B βίον]
— 16. σοφία δὴ τοίνυν ἐστὶ γνῶσις θείων . . . πραγμάτων
— 18. τῆς δὲ σ. ἰδέαι καθεστᾶσι
[Aq. III Ki. 4. 30 (5. 10): Jb. 11. 6: 12. 2, 12: 28. 18: Pr. 2. 2: 4. 7 *bis*: 10. 13: 14. 6, 33: 18. 4: Ez. 28. 4, 12.]
[Sm. III Ki. 4. 30 (5. 10): Jb. 11. 6: 12. 2, 12: 28. 18: Pr. 2. 2: 4. 7 *bis*: 10. 13: 11. 2: 14. 6: 17. 24: 18. 4: Ec. 1. 16: 2. 3, 15: 7. 13 (12) *bis*, 24 (23): 10. 10: Is. 33. 6: Ez. 28. 4, 12.]
[Th. III Ki. 4. 30 (5. 10): Jb. 28. 18: 33. 33: Pr. 2. 2: 4. 7 *bis*: 8. 1: 10. 13: 11. 2: 13. 10: 14. 33: 18. 4: 23. 23: 30. 24: Ez. 28. 4, 12.]
[Al. Dt. 34. 9: III Ki. 7. 14 (2): Pr. 31. 26.]
[Quint. Pr. 18. 4.]

σοφίζειν. (1) בִּין (2) חָכַם *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. *d.* hithp.

I Ki. 3. 8. καὶ ἐσοφίσατο Ἡ. (1)
III Ki. 4. 31 (5. 11). ἐσοφίσατο ὑπὲρ πάντας τοὺς ἀνθρώπους (2 *a*)
— 31 (5. 11). ἐσοφίσατο ὑπὲρ Γ. –
Ps. 18 (19). 7. ἡ μαρτυρία κυρίου πιστὴ σοφίζουσα νήπια (2 *c*)
104 (105). 22. καὶ τοὺς πρεσβυτέρους αὐτοῦ σοφίσαι (2 *b*)
118 (119). 98. ὑπὲρ τοὺς ἐχθρούς μου ἐσόφισάς με τὴν ἐντολήν σου (2 *b*)
Pr. 8. 33. A S² καὶ σοφίσθητε (2 *a*)
16. 17. ὁ δὲ φυλάσσων ἐλέγχους σοφισθήσεται –
Ec. 2. 15. ἵνα τί ἐσοφισάμην (2 *a*)
— 19. ᾧ ἐσοφισάμην ὑπὸ τὸν ἥλιον (2 *a*)
7. 17 (16). μηδὲ σοφίζου περισσά (2 *d*)
— 24 (23). εἶπα, Σοφισθήσομαι (2 *a*)
Si. 7. 5. παρὰ βασιλεῖ μὴ σοφίζου
10. 26. μὴ σοφίζου ποιῆσαι τὸ ἔργον σου
18. 29. συνετοὶ ἐν λόγοις καὶ αὐτοὶ ἐσοφίσαντο
35 (32). 4. ἀκαίρως μὴ σοφίζου
37. 20. ἔστι σοφιζόμενος ἐν λόγοις μισητός
38. 24. ὁ ἐλασσούμενος πράξει αὐτοῦ σοφισθήσεται
— 25. τί σοφισθήσεται [A τίς ὀφθήσεται] ὁ κρατῶν ἀρότρου
— 31. ἕκαστος ἐν τῷ ἔργῳ αὐτοῦ σοφίζεται
47. 14. ὡς ἐσοφίσθης ἐν νεότητί σου
50. 28. ὁ θεὸς αὐτὰ ἐπὶ καρδίαν αὐτοῦ σοφισθήσεται
[Aq. Dt. 32. 29: Jb. 35. 11: Ps. 57 (58). 6.]
[Sm. Ps. 57 (58). 6: Pr. 21. 11.]
[Th. Jb. 35. 11: Pr. 30. 24.]
[Al. Pr. 13. 18, 20: Za. 9. 2.]

σοφιστής. (1) *a.* חָכָם *b.* חַכִּים (2) חַרְטֻמִּים

Ex. 7. 11. συνεκάλεσε δὲ Φ. τοὺς σ. Αἰγ. (1 *a*)
Da. LXX. 1. 20. σοφωτέρους δεκαπλασίως ὑπὲρ τοὺς σ. (2)
2. 14. ἐξαγαγεῖν τοὺς σ. τῆς Βαβυλωνίας (1 *b*)
— 18. ὅπως μὴ ἐκδοθῶσι . . . ἅμα τοῖς σ. Βαβ. (1 *b*)
— 24. ἀποκτεῖναι πάντας τοὺς σ. τῆς Βαβ. (1 *b*)
— 24. τοὺς μὲν σ. τῆς Βαβ. μὴ ἀπολέσῃς (1 *b*)
— 48. καὶ ἡγούμενον πάντων τῶν σ. Βαβ. (1 *b*)
4. 15. ἐκάλεσα τὸν Δαν. τὸν ἄρχοντα τῶν σ. –
— 34. ἀποδεῖξαι ὑμῖν καὶ τοῖς σ. ὑμῶν –
[Th. Ge. 41. 24.]

σοφός. (1) בִּין ni. (2) *a.* חָכָם *b.* חַכִּים (3) חַרְטֹם (4) נָבֹחַ (5) σ. εἶναι חָכָם (6) σοφώτερος εἶναι *a.* הוֹסִיף לֶקַח *b.* חָכָם (7) γίγνεσθαι σοφώτερος חָכָם (8) σ. γίγνεσθαι חָכָם

Ge. 41. 8. ἐκάλεσε . . . πάντας τοὺς σ. αὐ. (2 *a*)
Ex. 28. 3. λάλησον πᾶσι τοῖς σ. τῇ διανοίᾳ (2 *a*)
35. 10. πᾶς σ. τῇ καρδίᾳ ἐν ὑμῖν ἐλθάν (2 *a*)
— 25. πᾶσα γυνὴ σ. τῇ διανοίᾳ ταῖς χερσὶ νήθειν (2 *a*)
36. 1. καὶ πᾶς σ. τῇ διανοίᾳ (2 *a*)
— 4. καὶ παρεγίνοντο πάντες οἱ σ. (2 *a*)
— 8. ἐποίησε πᾶς σ. [A *add.* τῇ διανοίᾳ] (2 *a*)
De. 1. 13. δότε ἑαυτοῖς ἄνδρας σ. (2 *a*)
— 15. ἔλαβον ἐξ ὑμῶν ἄνδρας σ. (2 *a*)
4. 6. ἰδοὺ λαὸς σ. . . . τὸ ἔθνος τὸ μέγα τοῦτο (2 *a*)
16. 19. τὰ γὰρ δῶρα ἀποτυφλοῖ ὀφθαλμοὺς σοφῶν (2 *a*)
32. 6. λαὸς μωρὸς καὶ οὐχὶ σ. (2 *a*)
Jd. 5. 29. αἱ σ. ἄρχουσαι αὐ. ἀπεκρίθησαν [A *al.*] (2 *a*)
I Ki. 16. 18. καὶ ὁ ἀνὴρ . . . σοφὸς [A συνετὸς] λόγῳ (1)
II Ki. 13. 3. καὶ Ἰων. ἀνὴρ σ. σφόδρα (2 *a*)
14. 2. ἔλαβεν ἐκεῖθεν γυναῖκα σ. (2 *a*)
— 20. καὶ ὁ κύριός μου σ. (2 *a*)
20. 16. ἐβόησε γυνὴ σ. ἐκ τοῦ τείχους (2 *a*)
III Ki. 2. 9. ἀνὴρ σ. εἶ σύ (2 *a*)
3. 1 (4. 20). B ἦν ὁ βασ. Σ. φρόνιμος σφόδρα καὶ σ. –
— 12. δέδωκά σοι καρδίαν φρονίμην καὶ σ. [A σ. κ. φρ.] (1 [2 *a*])
I Ch. 22. 15. καὶ πᾶς σ. ἐν παντὶ ἔργῳ (2 *a*)
II Ch. 2. 7 (6). ἀπόστειλόν μοι ἄνδρα σ. (2 *a*)
— 7 (6). μετὰ τῶν σ. τῶν μετ' ἐμοῦ ἐν Ἰ. (2 *a*)
— 12 (11). ὃς ἔδωκε τῷ Δ. . . . υἱὸν σ. (2 *a*)
— 13 (12). ἀπέσταλκά σοι ἄνδρα σ. (2 *a*)
— 14 (13). μετὰ τῶν σ. σου καὶ σοφῶν Δ. κυρίου μου (2 *a*, 2 *a*)
I Es. 3. 5. οὗ ἐὰν φανῇ τὸ ῥῆμα αὐ. σοφώτερον τοῦ ἑτέρου
— 9. οὗ ὁ λόγος αὐ. σοφώτερος
4. 42. ὃν τρόπον εὑρέθης σοφώτερος
5. 6. ὃς ἐλάλησεν ἐπὶ Δαρ. . . . λόγους σ.
Jb. 5. 13. ὁ καταλαμβάνων σοφοὺς ἐν τῇ φρονήσει (2 *a*)
9. 4. σοφὸς γάρ ἐστι διανοίᾳ (2 *a*)
15. 2. πότερον [A τίνα ἄρα] σοφὸς ἀπόκρισιν δώσει (2 *a*)
— 18. ἃ σοφοὶ ἐροῦσι [A ἀνήγγειλαν] (2 *a*)
Jb. 21. 22. A αὐτὸς δὲ σοφοὺς [B S φόνους] διακρίνει †
32. 9. οὐχ οἱ πολυχρόνιοι εἰσι σοφοί (5)
33. 31. A ἀκούσατέ μου, σοφοί –
34. 2. ἀκούσατέ μου, σοφοί (2 *a*)
— 34. ἀνὴρ δὲ σοφὸς [A φρόνιμος] ἀκήκοέ μου τὸ ῥῆμα (2 *a*)
37. 24. φοβηθήσονται δὲ αὐτὸν καὶ οἱ σοφοὶ καρδίᾳ (2 *a*)
Ps. 48 (49). 10. ὅταν ἴδῃ σοφοὺς ἀποθνήσκοντας (2 *a*)
57 (58). 5. φαρμάκου τε φαρμακευομένου παρὰ σοφοῦ †
106 (107). 43. τίς σοφὸς καὶ φυλάξει ταῦτα (2 *a*)
Pr. 1. 5. τῶνδε γὰρ ἀκούσας σοφὸς σοφώτερος ἔσται (2 *a*, 6 *a*)
— 6. ῥήσεις τε σοφῶν καὶ αἰνίγματα (2 *a*)
3. 35. δόξαν σοφοὶ κληρονομήσουσιν (2 *a*)
6. 6. γενοῦ ἐκείνου σοφώτερος (7)
9. 8. ἔλεγχε σοφὸν καὶ ἀγαπήσει σε (2 *a*)
— 9. δίδου σοφῷ ἀφορμὴν καὶ σοφώτερος ἔσται (2 *a*, 6 *b*)
— 12. ἐὰν σοφὸς γένῃ σεαυτῷ σοφὸς ἔσῃ καὶ τοῖς πλησίον (8, 5)
10. 1. υἱὸς σοφὸς εὐφραίνει πατέρα (2 *a*)
— 4. υἱὸς πεπαιδευμένος σοφὸς ἔσται –
— 8. συφὸς καρδίᾳ δέξεται ἐντολάς (2 *a*)
— 14. σοφοὶ κρύψουσιν αἴσθησιν (2 *a*)
— 16. εἰσακούει δὲ συμβουλίας σοφός (2 *a*)
— 18. γλῶσσαι δὲ σοφῶν ἰῶνται (2 *a*)
13. 10. οἱ δὲ ἑαυτῶν ἐπιγνώμονες σοφοί †
— 13. οἰκέτῃ δὲ σοφῷ εὔοδοι ἔσονται πράξεις –
— 14. νόμος σοφοῦ πηγὴ ζωῆς (2 *a*)
— 17. ἄγγελος δὲ σοφὸς [S¹ πιστὸς] ῥύσεται αὐτόν †
— 20. συμπορευόμενος σοφοῖς σοφὸς ἔσῃ [A ἔσται] (2 *a*, 5)
14. 1. σοφαὶ γυναῖκες ᾠκοδόμησαν οἴκους (2 *a*)
— 3. χείλη δὲ σοφῶν φυλάσσει αὐτούς (2 *a*)
— 7. ὅπλα δὲ αἰσθήσεως χείλη σοφά †
— 16. σοφὸς φοβηθεὶς ἐξέκλινεν ἀπὸ κακοῦ (2 *a*)
— 24. στέφανος σοφῶν πανοῦργος (2 *a*)
15. 2. γλῶσσα σοφῶν καλὰ ἐπίσταται (2 *a*)
— 7. χείλη σοφῶν δέδεται αἰσθήσει (2 *a*)
— 12. μετὰ δὲ σοφῶν οὐχ ὁμιλήσει (2 *a*)
— 20. υἱὸς σοφὸς εὐφραίνει πατέρα (2 *a*)
16. 14. ἀνὴρ δὲ σοφὸς ἐξιλάσεται αὐτόν (2 *a*)
— 21. τοὺς σ. καὶ συνετοὺς φαύλους καλοῦσιν (2 *a*)
— 23. καρδία σοφοῦ νοήσει τὰ ἀπὸ τοῦ ἰδίου στόματος (2 *a*)
17. 24. πρόσωπον συνετὸν ἀνδρὸς σοφοῦ †
18. 15. ὦτα δὲ σοφῶν ζητεῖ ἔννοιαν (2 *a*)
19. 20. ἵνα σοφὸς γένῃ ἐπ' ἐσχάτων σου (8)
20. 1. A S² πᾶς δὲ ὁ συμμενόμενος [S -μιγνύμενος] αὐτῇ οὐκ ἔσται σοφός (5)
— 26. λικμήτωρ ἀσεβῶν βασιλεὺς σοφός (2 *a*)
21. 11. συνίων δὲ σοφὸς δέξεται γνῶσιν (2 *a*)
— 20. θησαυρὸς ἐπιθυμητὸς ἀναπαύσεται ἐπὶ στόματος σοφοῦ (2 *a*)
— 22. πόλεις ὀχυρὰς ἐπέβη σοφός (2 *a*)
22. 17. λόγοις σοφῶν παράβαλλε σὸν οὖς (2 *a*)
23. 15. ἐὰν σοφὴ γένηταί σου ἡ καρδία (8)
— 19. σοφὸς γίνου (8)
— 24. ἐπὶ δὲ υἱῷ σοφῷ εὐφραίνεται ἡ ψυχὴ αὐτοῦ (2 *a*)
24. 5. κρείσσων σοφὸς ἰσχυροῦ (2 *a*)
— 7. σοφία καὶ ἔννοια ἀγαθὴ ἐν πύλαις σοφῶν –
— 7. σοφοὶ οὐκ ἐκκλίνουσιν ἐκ στόματος κυρίου –
— 38 (23). ταῦτα δὲ λέγω ὑμῖν τοῖς σ. ἐπιγινώσκειν (2 *a*)
— 41 (26). A S² χείλη δὲ φιλήσουσιν ἀποκρινόμενα λόγους σοφούς [B S¹ ἀγαθούς] (4)
— 59 (30. 24). ταῦτα δέ ἐστι σοφώτερα τῶν σ. (2 *a*, †)
25. 12. λόγος σοφὸς εἰς εὐήκοον οὖς (2 *a*)
26. 5. ἵνα μὴ φαίνηται σοφὸς παρ' ἑαυτῷ (2 *a*)
— 12. εἶδον ἄνδρα δόξαντα παρ' ἑαυτῷ σοφὸν εἶναι (2 *a*)
— 16. σοφώτερος ἑαυτῷ ὀκνηρὸς φαίνεται (2 *a*)
27. 11. σοφὸς γίνου, υἱέ (8)
28. 11. σοφὸς παρ' ἑαυτῷ ἀνὴρ πλούσιος (2 *a*)
29. 8. σοφοὶ δὲ ἀπέστρεψαν [S -έκρυψαν] ὀργήν (2 *a*)
— 9. ἀνὴρ σοφὸς κρίνει ἔθνη (2 *a*)
— 11. σοφὸς δὲ ταμιεύεται κατὰ μέρος (2 *a*)

Pr. 31. 27 (26). B S[1] τὸ στόμα δὲ ἀνοίγει σοφοῖς [A S[2] R -ῶς] †
Ec. 2. 14. τοῦ σ. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐ. ἐν κεφ. αὐ. (2 a)
— 16. οὐκ ἔστιν ἡ μνήμη τοῦ σ. μετὰ τοῦ ἄφρονος (2 a)
— 16. πῶς ἀποθανεῖται ὁ [S om.] σ. μετὰ τοῦ ἄφρονος (2 a)
— 19. τίς οἶδεν εἰ σοφὸς ἔσται ἢ ἄφρων (2 a)
4. 13. ἀγαθὸς παῖς πένης καὶ σ. (2 a)
6. 8. περισσεία τῷ σ. ὑπὲρ τὸν ἄφρονα (2 a)
7. 5 (4). καρδία σοφῶν ἐν οἴκῳ πένθους (2 a)
— 6 (5). ἀγαθὸν τὸ ἀκοῦσαι ἐπιτίμησιν σοφοῦ (2 a)
— 8 (7). ἡ συκοφαντία περιφέρει σοφόν (2 a)
— 20 (19). ἡ σοφία βοηθήσει τῷ σ. (2 a)
— 30 (8. 1). τίς οἶδε σοφούς (2 a)
8. 5. καιρὸν κρίσεως γινώσκει καρδία σοφοῦ (2 a)
— 17. ὅσα ἂν εἴπῃ σοφὸς [A S ὁ σ.] τοῦ γνῶναι (2 a)
9. 1. ὡς [A S[2] ὅτι] οἱ δίκαιοι καὶ οἱ [S[1] om. καὶ οἱ] σ. (2 a)
— 11. οὐ τῷ σοφῷ [A S τοῖς σ.] ἄρτος (2 a)
— 15. καὶ εὕρῃ ἐν αὐτῇ ἄνδρα πένητα σοφόν [A καὶ σ.] (2 a)
— 17. λόγοι σοφῶν ἐν ἀναπαύσει ἀκούονται (2 a)
10. 2. καρδία σοφοῦ εἰς δεξιὸν αὐτοῦ (2 a)
— 12. λόγοι [S[2] λόγοις] στόματος σοφοῦ χάρις (2 a)
12. 9. ἐγένετο ἐκκλησιαστὴς σοφός (2 a)
— 11. λόγοι σοφῶν ὡς τὰ βούκεντρα (2 a)
Wi. 4. 17. ὄψονται γὰρ τελευτὴν σοφοῦ
6. 24. πλῆθος δὲ σοφῶν σωτηρία κόσμου
7. 15. τῶν σ. διορθωτής
Si. 1. 8. εἷς ἐστι σοφὸς φοβερὸς σφόδρα
3. 29. οὖς ἀκροατοῦ ἐπιθυμία σοφοῦ
6. 33. ἐὰν κλίνῃς [S ἐκκλ.] τὸ οὖς σου σοφὸς ἔσῃ
— 34. τίς σοφὸς αὐτῷ προσκολλήθητι
7. 19. μὴ ἀστόχει γυναικὸς σοφῆς καὶ ἀγαθῆς
8. 8. μὴ παρίδῃς διήγημα σοφῶν
9. 14. μετὰ σοφῶν συμβουλεύου
— 17. ὁ ἡγούμενος λαοῦ σοφὸς ἐν λόγῳ αὐτοῦ
10. 1. κριτὴς σοφὸς παιδεύσει τὸν λαὸν αὐτοῦ
— 25. οἰκέτῃ σοφῷ [S[1] συνετῷ] ἐλεύθεροι λειτουργήσουσι
18. 27. ἄνθρωπος σοφὸς ἐν παντὶ εὐλαβηθήσεται
20. 5. ἔστι σιωπῶν εὑρισκόμενος σοφός
— 7. ἄνθρωπος σοφὸς σιγήσει ἕως καιροῦ
— 13. ὁ σ. ἐν λόγῳ ἑαυτὸν προσφιλῆ ποιήσει
— 27. ὁ σ. ἐν λόγοις προάξει ἑαυτόν
— 29. ξένια καὶ δῶρα ἀποτυφλοῖ ὀφθαλμοὺς σοφῶν
21. 13. γνῶσις σοφοῦ ὡς κατακλυσμὸς πληθυνθήσεται
— 15. λογὸν σοφὸν ἐὰν ἀκούσῃ ἐπιστήμων
— 26. καρδία δὲ σοφῶν [A φρονίμων] στόμα αὐτῶν
27. 11. A διήγησις σοφοῦ [B S εὐσεβοῦς] διὰ παντὸς σοφία
36 (33). 2. ἀνὴρ σοφὸς οὐ μισήσει νόμον
37. 22. ἔστι σοφὸς τῇ ἰδίᾳ ψυχῇ
— 23. ἀνὴρ σοφὸς τὸν ἑαυτοῦ λαὸν παιδεύσει
— 24. ἀνὴρ σοφὸς πλησθήσεται εὐλογίας
— 26. ὁ σ. ἐν τῷ λαῷ αὐτοῦ κληρονομήσει πίστιν
44. 4. σοφοὶ λόγοι ἐν [A ἐν λόγοις] παιδείᾳ αὐτῶν
Ho. 14. 10. τίς σοφὸς καὶ συνήσει ταῦτα (2 a)
Ob. 1. 8. ἀπολῶ σοφοὺς ἐκ τῆς Ἰδουμ. (2 a)
Is. 3. 3. ἀφελεῖ . . . σοφὸν ἀρχιτέκτονα (2 a)
19. 11. οἱ σ. σύμβουλοι τοῦ βασιλέως (2 a)
— 12. ποῦ εἰσι νῦν οἱ σ. σου (2 a)
29. 14. ἀπολῶ τὴν σοφίαν τῶν σ. (2 a)
31. 2. A B S αὐτὸς σ. [R -φῶς] ἤγεν ἐπ' αὐτοὺς κακά (2 a)
Je. 4. 22. σοφοί εἰσι τοῦ κακοποιῆσαι (2 a)
8. 8. σοφοί ἐσμεν ἡμεῖς (2 a)
— 9. ᾐσχύνθησαν σοφοί (2 a)
9. 17 (16). πρὸς τὰς σ. ἀποστείλατε (2 a)
— 23 (22). μὴ καυχάσθω ὁ σ. ἐν τῇ σοφίᾳ αὐτοῦ (2 a)
16. 16. A ἀποστελῶ τοὺς σ. [B S πολλοὺς] θηρευτάς †
28 (51). 57. μεθύσει μέθῃ . . . τοὺς σ. αὐτῆς (2 a)
Ez. 27. 8. οἱ σ. σου Σὸρ . . . κυβερνῆται σου (2 a)
— 9. οἱ σ. αὐτῶν ἦσαν ἐν σοί (2 a)
28. 3. μὴ σοφώτερος εἶ σὺ τοῦ Δανιήλ (2 a)
— 3. ἢ σοφοὶ οὐκ ἐπαίδευσάν σε †
Da. LXX. 1. 4. νεανίσκους . . . συνετοὺς καὶ σ. †
— 19. οὐχ εὑρέθη ἐν τοῖς σ. ὅμοιος τῷ Δαν. †
— 20. κατέλαβεν αὐτοὺς σοφωτέρους δεκαπλασίως –
Da. LXX. 1. 20. ἀνέδειξεν αὐτοὺς σοφούς –
2. 10. τοιοῦτο πρᾶγμα οὐκ ἐπερωτᾷ πάντα σοφόν (3)
— 12. ἐξαγαγεῖν πάντας τοὺς σ. τῆς Βαβ. (2 b)
— 21. διδοὺς σοφοῖς σοφίαν (2 b)
— 25. εὕρηκα ἄνθρωπον σ. –
— 27. οὐκ ἔστι σοφῶν . . . ἡ δήλωσις (2 b)
5. 12. ὁ ἄνθρωπος ἐπιστήμων ἦν καὶ σ. καὶ ὑπερέχων πάντας τοὺς σ. Βαβυλῶνος †, –
Da. TH. 2. 12. ἀπολέσαι πάντας τοὺς σ. Βαβ. (2 b)
— 13. οἱ σ. ἀπεκτέννοντο (2 b)
— 14. ἀναιρεῖν τοὺς σ. Βαβυλῶνος (2 b)
— 18. ὅπως ἂν μὴ ἀπόλωνται . . . μετὰ τῶν ἐπιλοίπων σ. Βαβυλῶνος (2 b)
— 21. διδοὺς σοφίαν τοῖς σ. (2 b)
— 24. ἀπολέσαι τοὺς σ. Βαβυλῶνος (2 b)
— 24. τοὺς σ. Βαβυλῶνος μὴ ἀπολέσῃς (2 b)
— 27. τὸ μυστήριον . . . οὐκ ἔστι σοφῶν (2 b)
— 48. κατέστησεν αὐτὸν . . . ἐπὶ πάντας τοὺς σ. Βαβυλῶνος (2 b)
4. 3. τοῦ εἰσαγαγεῖν ἐνώπιόν μου πάντας τοὺς σ. Βαβυλῶνος (2 b)
— 15. πάντες οἱ σ. τῆς βασ. μου οὐ δύνανται (2 b)
5. 7. εἶπε τοῖς σ. Βαβυλῶνος (2 b)
— 8. εἰσεπορεύοντο πάντες οἱ σ. τοῦ βασ. (2 b)
— 15. εἰσῆλθον ἐνώπιόν μου οἱ σ. (2 b)
IV Ma. 7. 23. A R μόνος γὰρ ὁ [S om.] σ. . . . ἐστι τῶν παθῶν κύριος
[Aq. Ex. 23. 8: Jb. 15. 2: Pr. 3. 7: 10. 13: 13. 1, 20: 14. 24: 16. 23: 17. 28: 21. 22: Ec. 7. 20 (19), 30 (8. 1): 9. 1: Je. 8. 9: 9. 12 (11): 10. 7, 9: Ob. 1. 8 (P.).]
[Sm. Jb. 15. 2: Ps. 48 (49). 11: Pr. 3. 7: 10. 13: 13. 1, 20: 16. 23: 17. 28: 21. 22: Ec. 7. 24 (23), 30 (8. 1): 9. 1: Da. 2. 48 (Sw.): Ho. 13. 13 (Sw.).]
[Th. Ps. 57 (58). 6: Pr. 3. 7: 10. 13: 13. 1, 20: 14. 24: 16. 23: 21. 22: Je. 10. 7, 9: Da. 2. 48: Ho. 13. 13 (Sw.): Ob. 1. 8 (P.).]
[Al. Ge 41. 8: Le. 4. 15.]

σοφοῦν.
Ps. 145 (146). 8. κύριος σοφοῖ τυφλούς †

σοφῶς. (1) a. בְּחָכְמָה b. חָכָם
Pr. 31. 27 (26). A S[2] R τὸ στόμα δὲ ἀνοίγει σ. [B S[1] -οῖς] (1 a)
Is. 31. 2. R αὐτὸς σ. [A B S -φὸς] ἤγεν ἐπ' αὐτοὺς κακά (1 b)
40. 20. σ. ζητήσει [A -τεῖ] πῶς στήσει (1 b)

σπάδων. (1) סָרִיס
Ge. 37. 36. τῷ Πετρεφῇ τῷ σπ. Φ. ἀρχιμαγείρῳ (1)
Is. 39. 7. ποιήσουσι σπάδοντας ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ βασιλέως (1)
[Al. Le. 22. 24.]

σπαθαρικόν.
[Sm. Is. 3. 23.]

σπαθαρίσκος.
[Al. Ge. 38. 14.]

σπαίρειν.
IV Ma. 15. 15. τοὺς . . . δακτύλους ἐπὶ γῆς σπαίροντας [A S[2] al.]
[Sm. Jb. 26. 11.]

σπάλαξ. (1) תִּנְשֶׁמֶת
Le. 11. 30. A[2] καλαβώτης καὶ σαῦρα καὶ σπ. [A[1] om., B ἀσπ.] (1)

σπᾶν. (1) מָרַט (2) נָתַק pi. (3) עוּר pil. (4) פָּתַח (5) שָׁלַף
Nu. 22. 23. καὶ τὴν ῥομφαίαν ἐσπασμένην ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (5)
— 31. ὁρᾷ . . . τὴν μάχαιραν ἐσπασμένην ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (5)
Jo. 5. 12 (13). καὶ ἡ ῥομφαία ἐσπασμένη ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (5)
Jd. 8. 10. ἑκατὸν εἴκοσι χιλιάδες ἀνδρῶν σπωμένων [A ἐσπασμένων] ῥομφαίαν (5)
— 20. οὐκ ἔσπασε τὸ παιδάριον τὴν ῥομφαίαν αὐ. [A al.] (5)
9. 54. σπάσον τὴν ῥομφαίαν μου [A al.] (5)
16. 12. A ἔσπασεν αὐτὰ ἀπὸ τῶν βραχιόνων αὐ. [B al.] (2)
Jd. 20. 2. A τετρακόσιαι χιλιάδες ἀνδρῶν πεζῶν σπωμένων ῥομφαίαν [B al.] (5)
— 15. A εἴκοσι καὶ πέντε χιλιάδες ἀνδρῶν σπωμένων ῥομφαίαν [B al.] (5)
— 17. A τετρακόσιαι χιλιάδες ἀνδρῶν σπωμένων [B ἑλκόντων] ῥομφαίαν (5)
— 25. A πάντες οὗτοι ἐσπασμένοι [B[2] ἕλκοντες] ῥομφαίαν (5)
— 35. A πάντες οὗτοι σπώμενοι [B εἷλκον] ῥομφαίαν (5)
— 46. A εἴκοσι καὶ πέντε χιλιάδες ἀνδρῶν σπωμένων ῥομφαίαν [B al.] (5)
I Ki. 31. 4. σπάσαι τὴν ῥομφαίαν σου (5)
II Ki. 23. 8. B ἐσπάσατο τὴν ῥομφαίαν αὐ. –
24. 9. ὀκτακόσιαι χιλιάδες ἀνδρῶν δυνάμεως σπωμένων ῥομφαίαν (5)
IV Ki. 3. 26. ἑπτακοσίους ἄνδρας ἐσπασμένους ῥομφαίαν (5)
I Ch. 10. 4. σπάσαι τὴν ῥομφαίαν σου (5)
11. 11, 20. ἐσπάσατο [A[1] ἐσπᾶτο] τὴν ῥομφαίαν αὐ. (3)
21. 5. ἑκατὸν χιλιάδες ἀνδρῶν ἐσπασμένων μάχαιραν (5)
— 5. A R ὀγδοήκοντα χιλιάδες ἀνδρῶν ἐσπασμένων μάχαιραν (5)
— 16. ἡ ῥομφαία αὐ. ἐσπασμένη ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (5)
I Es. 3. 22. μετ' οὐ πολὺ σπῶνται μαχαίρας
Ps. 36 (37). 14. ῥομφαίαν ἐσπάσαντο οἱ ἁμαρτωλοί (4)
151. 7. σπασάμενος τὴν παρ' αὐτοῦ μάχαιραν
Wi. 7. 3. ἔσπασα τὸν κοινὸν ἀέρα
Si. 22. 21. ἐπὶ φίλον ἐὰν σπάσῃς ῥομφαίαν
Ez. 21. 28 (33). ῥομφαία [A add. ἑτοιμάζου] ἐσπασμένη εἰς [A om.] σφάγια καὶ ἐσπασμένη εἰς συντέλειαν (4, 1)
26. 15. ἐν τῷ σπάσαι μάχαιραν ἐν μέσῳ σου †
[Aq. Ec. 10. 9.]

σπανίζειν. (1) אָזַל
IV Ki. 14. 26. εἴδε κ. . . . ὀλιγοστοὺς τοὺς . . . ἐσπανισμένους –
Ju. 11. 12. καὶ ἐσπανίσθη πᾶν ὕδωρ
Jb. 14. 11. χρόνῳ γὰρ σπανίζεται θάλασσα (1)
Da. LXX. 9. 24. καὶ τὰς ἀδικίας σπανίσαι †
[Al. Le. 13. 51: 14. 44.]

σπάνιος. (1) σπάνιον εἰσάγειν יָקַר hi.
Pr. 25. 17. σπάνιον εἴσαγε σὸν πόδα πρὸς σεαυτοῦ φίλον (1)
[Sm. I Ki. 3. 1.]

σπάνις.
Ju. 8. 9. ὀλιγοψύχησεν ἐπὶ [A S ἐν] τῇ σπ. τῶν ὑδάτων
[Aq. Dt. 28. 20: Ma. 2. 2.]
[Sm. Pr. 14. 28.]

σπάραγμα.
[Al. Le. 19. 28.]

σπαραγμός.
[Sm. Is. 51. 17.]

σπαράσσειν. (1) נָעַשׁ hithp. (2) הָמָה (3) שָׁלַף hi.
II Ki. 22. 8. καὶ ἐσπαράχθησαν [A ἐταρ.] (1)
Je. 4. 19. σπαράσσεται ἡ καρδία μου (2)
Da. LXX. 8. 7. ἐσπάραξεν αὐτὸν ἐπὶ τὴν γῆν (3)
III Ma. 4. 6. ὡς ἐσπαραγμέναι σκύμνοις ἀλλοεθνέσιν
[Aq. Je. 46 (26). 7.]
[Sm. Je. 25. 16 (32. 2).]
[Th. Za. 12. 3.]

σπάργανον. (1) חָתַל hoph.
Wi. 7. 4. ἐν σπαργάνοις ἀνετράφην [A ἀνεστρ.]
Ez. 16. 4. σπαργάνοις οὐκ ἐσπαργανώθης (1)

σπαργανοῦν. (1) a. חָתַל pu. b. חִתֻּלָה
Jb. 38. 9. ὁμίχλῃ δὲ αὐτὴν ἐσπαργάνωσα (1 b)
Ez. 16. 4. σπαργάνοις οὐκ ἐσπαργανώθης (1 a)

σπαρτίον. (1) חוּט (2) פְּתִיל (3) קָו
Ge. 14. 23. ἀπὸ σπαρτίου ἕως σφαιρωτῆρος (1)
Jo. 2. 18. τὸ σπ. τὸ κόκκινον τοῦτο ἐκδήσεις (1)
Jd. 16. 12. διέσπασεν αὐτὰ . . . ὡς σπαρτίον [A al.] (1)
Jb. 38. 5. ἢ τίς ὁ ἐπαγαγὼν σπαρτίον ἐπ' αὐτῆς (3)

Ec. 4. 12. τὸ σπ. τὸ ἔντριτον οὐ ταχέως ἀπορραγήσεται (1)
Ca. 4. 3. ὡς σπαρτίον τὸ κόκκινον χείλη σου (1)
6. 5 (6). ὡς σπαρτίον τὸ κόκκινον χείλη σου –
Is. 34. 11. ἐπιβληθήσεται ἐπ' αὐτὴν σπ. γεωμετρίας ἐρήμου (3)
Je. 52. 21. σπ. δώδεκα πήχεων περιεκύκλου αὐτόν (1)
Ez. 40. 3. ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ ἦν σπ. οἰκοδόμων (2)
[Aq. Ez. 27. 19.]
[Al. III Ki. 7. 15 (3).]

σπάρτος.

[Sm. Is. 28. 17.]

σπασμός.

II Ma. 5. 3. καὶ μαχαιρῶν σπασμούς

σπαταλᾶν. (1) שָׁקַט hi.

Si. 21. 15. ἤκουσεν ὁ σπαταλῶν καὶ ἀπήρεσεν αὐτῷ
Ez. 16. 49. ἐν εὐθηνίᾳ [A add. οἴνου] ἐσπατάλων (1)

σπατάλη.

Si. 27. 13. ὁ γέλως αὐτῶν ἐν σπατάλῃ [S ὡς σπατάλη] ἁμαρτίας
[Sm. Ec. 2. 8: Ca. 7. 6 (7).]
[Al. Ca. 7. 6 (7): Is. 13. 22.]

σπαταλός.

[Sm. Dt. 28. 54.]

σπεῖρα.

Ju. 14. 11. ἐξήλθοσαν κατὰ σπείρας [A -αν]
II Ma. 8. 23. τῆς πρώτης σπ. αὐτὸς προηγούμενος
12. 20. κατέστησεν αὐτοὺς ἐπὶ τῶν σπ.
— 22. A ἐπιφανείσης δὲ τῆς 'Ι. σπ. πρώτου [R -ης]

σπείρειν. (1) זָרָה (2) זָרַע *a.* qal. *b.* ni. *c.* pu. *d.* hi. *e.* זֶרַע *f.* מְזֹרָע (3) זָרַק (4) נָדַח ni. (5) פּוּץ *a.* qal. *b.* hi. (6) פָּזַר pi. (7) שׂוּם

Ge. 1. 11, 12. σπεῖρον σπέρμα κατὰ γένος (2 *d*)
— 29. R πᾶν χόρτον σπόριμον σπεῖρον [A -ων] σπέρμα (2 *a*)
26. 12. ἔσπειρε δὲ 'Ι. ἐν τῇ γῇ ἐκείνῃ (2 *a*)
47. 19. ἵνα σπείρωμεν –
— 23. σπείρατε τὴν γῆν (2 *a*)
Ex. 23. 10. ἓξ ἔτη σπερεῖς τὴν γῆν σου (2 *a*)
— 16. ὃν ἐὰν σπείρῃς ἐν τῷ ἀγρῷ σου (2 *a*)
32. 20. B[1] R ἔσπειρεν αὐτὸν ὑπὸ [A B[2] ἐπὶ] τὸ ὕδωρ (1)
Le. 11. 37. πᾶν σπέρμα σπόριμον ὃ σπαρήσεται (2 *b*)
25. 3. ἓξ ἔτη σπερεῖς τὸν ἀγρόν σου (2 *a*)
— 4. τὸν ἀγρόν σου οὐ σπερεῖς (2 *a*)
— 11. οὐ σπερεῖτε (2 *a*)
— 20. ἐὰν μὴ σπείρωμεν (2 *a*)
— 22. σπερεῖτε τὸ ἔτος τὸ ὄγδοον (2 *a*)
26. 16. σπερεῖτε διὰ κενῆς τὰ σπέρματα ὑμῶν (2 *a*)
Nu. 16. 37 (17. 2). τὸ πῦρ τὸ ἀλλότριον τοῦτο σπείρον ἐκεῖ (1)
20. 5. τόπος οὗ οὐ σπείρεται [A σπερεῖται] (2 *e*)
De. 11. 10. ὅταν σπείρωσι τὸν σπόρον (2 *a*)
21. 4. οὐδὲ σπείρεται (2 *b*)
22. 9. B ὃ ἐὰν σπείρῃ [A R -ης] μετὰ τοῦ γενήματος (2 *a*)
29. 23 (22). πᾶσα ἡ γῆ αὐ. οὐ σπαρήσεται (2 *b*)
Jd. 6. 3. ἐὰν ἔσπειραν οἱ υἱοὶ 'Ισρ. [A *al.*] (2 *a*)
9. 45. B ἔσπειρεν εἰς [A R αὐτὴν] ἅλας (2 *a*)
I Es. 4. 6. ὅταν σπείρωσι
Jb. 4. 8. οἱ δὲ σπείροντες αὐτὰ ὀδύνας θεριοῦσιν ἑαυτοῖς (2 *a*)
31. 8. σπείραιμι [A -οιμι] ἄρα καὶ ἄλλοι φάγοισαν [A φάγονται] (2 *a*)
Ps. 106 (107). 37. ἔσπειραν ἀγρούς (2 *a*)
125 (126). 5. οἱ σπείροντες ἐν δάκρυσιν (2 *a*)
Pr. 11. 21. ὁ δὲ σπείρων δικαιοσύνην λήψεται μισθὸν πιστόν (2 *e*)
— 24. εἰσὶν οἱ τὰ ἴδια σπείροντες πλείονα ποιοῦσιν (6)
22. 8. ὁ σπείρων φαῦλα θερίσει κακά (2 *a*)
Ec. 11. 4. A R τηρῶν ἄνεμον οὐ σπείρει [B S σπερεῖ] (2 *a*)
— 6. σπεῖρον τὸ σπέρμα σου (2 *a*)
Si. 6. 19. ὡς . . . ὁ [S[1] *om.*] σπείρων πρόσελθε αὐτῇ
7. 3. μὴ σπείρε ἐπ' αὔλακας ἀδικίας
Ho. 2. 23 (25). σπερῶ αὐτὴν ἐμαυτῷ ἐπὶ τῆς γῆς (2 *a*)
Ho. 8. 7. ἀνεμόφθορα ἔσπειραν (2 *a*)
10. 12. σπείρατε ἑαυτοῖς εἰς δικαιοσύνην (2 *a*)
Mi. 6. 15. σὺ σπερεῖς καὶ οὐ μὴ ἀμήσῃς (2 *a*)
Na. 1. 14. οὐ σπαρήσεται ἐκ τοῦ ὀνόμ. σου ἔτι (2 *b*)
Ze. 3. 10. S[2] προσδέξομαι τοὺς ἱκετεύοντάς με τῶν ἐσπαρμένων [B S[1] *al.*] (5 *a*)
Hg. 1. 6. ἐσπείρατε πολλά (2 *a*)
Za. 10. 9. σπερῶ αὐτοὺς ἐν λαοῖς (2 *a*)
Is. 5. 10. ὁ σπείρων ἀρτάβας ἕξ (2 *e*)
17. 11. τὸ δὲ πρωῒ ἐὰν σπείρῃς [A φυτεύσῃς] (2 *e*)
19. 7. πᾶν τὸ σπειρόμενον διὰ τοῦ ποταμοῦ ξηρανθήσεται (2 *f*)
28. 25. σπείρει μικρὸν μελάνθιον . . . καὶ πάλιν σπείρει [A *om.*] πυρόν (5 *b*, 3+7)
32. 20. μακάριοι οἱ σπείροντες ἐπὶ πᾶν ὕδωρ (2 *a*)
37. 30. φάγε τοῦτον τὸν ἐνιαυτὸν ἃ ἔσπαρκας . . . τῷ δὲ τρίτῳ σπείραντες ἀμήσατε (†, 2 *a*)
40. 24. οὐδὲ μὴ σπείρωσιν [A *al.*] (2 *c*)
55. 10. δῷ σπέρμα τῷ σπείροντι (2 *a*)
Je. 4. 3. μὴ σπείρητε [S -ετε] ἐπ' ἀκάνθαις (2 *a*)
12. 13. σπείρατε [A ἔσπ.] πυρούς (2 *a*)
37 (30). 17. ἐσπαρμένη ἐκλήθης (4)
38 (31). 27. σπερῶ [S σπείρω] τὸν 'Ισρ. καὶ τὸν 'Ι. σπέρμα ἀνθρώπου (2 *a*)
42 (35). 7. σπέρμα οὐ μὴ σπείρητε (2 *a*)
Ez. 36. 9. B καὶ σπαρήσεσθε (2 *b*)
IV Ma. 10. 2. ὁ αὐτός με τοῖς ἀποθανοῦσιν ἔσπειρε πατήρ
15. 15. S[2] τοὺς . . . δακτύλους ἐπὶ γῆς σπείροντας [A S[1] R *al.*]
[Aq. Ec. 11. 4: Is. 28. 24 (Sw.): Je. 2. 2: 50 (27). 16.]
[Sm. Pr. 22. 8: Ec. 11. 4: Is. 28. 24: Je. 50 (27). 16.]
[Th. Pr. 22. 8: Ec. 11. 4: Je. 2. 2.]

σπειρηδόν.

II Ma. 5. 2. καὶ λόγχας σπ. ἐξωπλισμένους
12. 20. διατάξας τὴν περὶ αὐτὸν στρατιὰν σπ.

σπείρωμα.

[Aq. Je. 48 (50). 10.]

σπένδειν. (1) נָסַךְ *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. *d.* hoph. *e.* נָסֵךְ pa. *f.* נָסָךְ

Ge. 35. 14. ἔσπεισεν ἐπ' αὐτὴν σπονδήν (1 *c*)
Ex. 25. 28 (29). ἐν [B[1] *om.*] οἷς σπείσεις ἐν αὐτοῖς (1 *d*)
30. 9. σπονδὴν οὐ σπείσεις [A -σεται] ἐπ' αὐτοῦ (1 *a*)
38. 12 (37. 16). ἐν οἷς σπείσει [A -εις] ἐν αὐτοῖς (1 *d*)
Nu. 4. 7. τὰ σπονδεῖα ἐν οἷς σπένδει (1 *f*)
28. 7. σπείσεις σπονδὴν σίκερα κυρίῳ (1 *c*)
II Ki. 23. 16. ἔσπεισεν [A ἔπ.] αὐτὸ τῷ κυρίῳ (1 *c*)
III Ki. 21 (20). 33. καὶ ἐσπείσαντο †
IV Ki. 16. 13. A καὶ ἔσπεισεν τὴν σπονδὴν αὐ. [B *al.*] (1 *c*)
I Ch. 11. 18. καὶ ἔσπεισεν αὐτὸ τῷ κυρίῳ (1 *b*)
Si. 50. 15. ἔσπεισεν ἐξ αἵματος σταφυλῆς
Ho. 9. 4. οὐκ ἔσπεισαν τῷ κυρίῳ οἶνον (1 *a*)
Je. 7. 18. ἔσπεισαν [A σπείσαι] σπονδὰς θεοῖς ἀλλοτρίοις (1 *c*)
19. 13. ἔσπεισαν σπονδὰς θεοῖς ἀλλοτρίοις (1 *c*)
39 (32). 29. ἔσπενδον σπονδὰς θεοῖς ἑτέροις (1 *c*)
51 (44). 17. σπένδειν αὐτῇ σπονδάς (1 *c*)
— 19 *bis.* ἐσπείσαμεν αὐτῇ σπονδάς (1 *c*)
— 25. σπένδειν αὐτῇ σπονδάς (1 *c*)
Ez. 20. 28. ἔσπεισαν ἐκεῖ τὰς σπονδὰς αὐτῶν (1 *c*)
Da. TH. 2. 46. εὐωδίας εἶπε σπεῖσαι αὐτῷ (1 *e*)
IV Ma. 3. 16. ἔσπεισε τὸ πόμα τῷ θεῷ
[Aq. Ps. 15 (16). 4: Je. 44 (51). 18 (Sw.).]
[Sm. Je. 44 (51). 18.]
[Th. Je. 44 (51). 18 (Sw.): Da. 2. 46.]

σπέρμα. (1) *a.* זֶרַע *b.* זְרוּעַ *c.* זֶרַע *d.* זְרָעִים *e.* זְרָעִים *f.* זֶרַע (2) נִין (3) ὁ οἰκεῖος τοῦ σπ. בָּשָׂר (4) אַחֲרִית (5) בֵּן (6) נֶכֶד

Ge. 1. 11. σπεῖρον σπέρμα κατὰ γένος (1 *a*)
— 11. οὗ τὸ σπ. αὐ. ἐν αὐτῷ κατὰ γένος (1 *a*)
— 12. σπεῖρον σπέρμα κατὰ γένος (1 *a*)
— 12. οὗ τὸ σπ. αὐ. ἐν αὐτῷ κατὰ γένος (1 *a*)
— 29. πᾶν χόρτον σπόριμον σπεῖρον σπέρμα (1 *a*)
— 29. ὃ ἔχει ἐν ἑαυτῷ καρπὸν σπέρματος σπορίμου (1 *a*)
Ge. 3. 15. ἔχθραν θήσω . . . ἀνὰ μέσον τοῦ σπ. σου καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ σπ. αὐτῆς (1 *a*, 1 *a*)
4. 25. ἐξανέστησε γάρ μοι ὁ θ. σπ. ἕτερον (1 *a*)
7. 3. διαθρέψαι σπέρμα ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν (1 *a*)
8. 22. σπέρμα καὶ θερισμὸς . . . οὐ καταπαύσουσι (1 *a*)
9. 9. ἀνίστημι τὴν διαθήκην μου ὑμῖν καὶ τῷ σπ. ὑμῶν (1 *a*)
12. 7. τῷ σπ. σου δώσω τὴν γῆν ταύτην (1 *a*)
13. 15. σοὶ δώσω αὐτὴν καὶ τῷ σπ. σου (1 *a*)
— 16. ποιήσω τὸ σπ. σου ὡς τὴν ἄμμον τῆς γῆς (1 *a*)
— 16. τὸ σπ. σου ἀριθμηθήσεται (1 *a*)
— 17. σοὶ δώσω αὐτὴν καὶ τῷ σπ. σου –
15. 3. R ἐπειδὴ ἐμοὶ οὐκ ἔδωκας σπέρμα (1 *a*)
— 5. R οὕτως ἔσται τὸ σπ. σου (1 *a*)
— 13. πάροικον ἔσται τὸ σπ. σου ἐν γῇ οὐκ ἰδίᾳ (1 *a*)
— 18. τῷ σπ. σου δώσω τὴν γῆν ταύτην (1 *a*)
16. 10. πληθυνῶ τὸ σπ. σου (1 *a*)
17. 7. καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ σπ. σου μετὰ σέ (1 *a*)
— 7. εἶναί σου θεὸς καὶ τοῦ σπ. σου μετὰ σέ (1 *a*)
— 8. δώσω σοι καὶ τῷ σπ. σου μετὰ σὲ τὴν γῆν (1 *a*)
— 9. σὺ καὶ τὸ σπ. σου μετὰ σέ (1 *a*)
— 10. καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ σπ. σου μετὰ σέ (1 *a*)
— 12. ὃς οὐκ ἔστιν ἐκ τοῦ σπ. σου (1 *a*)
— 19. καὶ τῷ σπ. αὐ. μετ' αὐτόν (1 *a*)
19. 32, 34. ἐξαναστήσωμεν ἐκ τοῦ πατρὸς ἡμῶν σπέρμα (1 *a*)
21. 12. ἐν 'Ι. κληθήσεταί σοι σπέρμα (1 *a*)
— 13. σπέρμα σόν ἐστιν (1 *a*)
— 23. μὴ ἀδικήσειν με μηδὲ τὸ σπ. μου (2)
22. 17. πληθυνῶ τὸ σπ. σου (1 *a*)
— 17. κληρονομήσει τὸ σπ. σου τὰς πόλεις (1 *a*)
— 18. ἐνευλογηθήσονται ἐν τῷ σπ. σου πάντα τὰ ἔθνη (1 *a*)
24. 7. S τῷ σπ. σου δώσω τὴν γῆν ταύτην [A R *al.*] (1 *a*)
— 60. κληρονομησάτω τὸ σπ. σου τὰς πόλεις (1 *a*)
26. 3. τῷ σπ. σου δώσω πᾶσαν τὴν γῆν ταύτην (1 *a*)
— 4. πληθυνῶ τὸ σπ. σου (1 *a*)
— 4. δώσω τῷ σπ. σου πᾶσαν τὴν γῆν ταύτην (1 *a*)
— 4. ἐνευλογηθήσονται ἐν τῷ σπ. σου πάντα τὰ ἔθνη (1 *a*)
— 24. πληθυνῶ τὸ σπ. σου (1 *a*)
28. 4. σοὶ καὶ τῷ σπ. σου μετὰ σέ (1 *a*)
— 13. σοὶ δώσω αὐτὴν καὶ τῷ σπ. σου (1 *a*)
— 14. ἔσται τὸ σπ. σου ὡς ἡ ἄμμος (1 *a*)
— 14. ἐνευλογηθήσονται ἐν σοὶ . . . καὶ ἐν τῷ σπ. σου (1 *a*)
32. 12 (13). θήσω τὸ σπ. σου ὡς τὴν ἄμμον (1 *a*)
35. 12. τῷ σπ. σου μετὰ σὲ δώσω τὴν γῆν ταύτην (1 *a*)
38. 8. ἀνάστησον σπέρμα τῷ ἀδ. σου (1 *a*)
— 9. οὐκ αὐτῷ ἔσται τὸ σπ. (1 *a*)
— 9. τοῦ μὴ δοῦναι σπέρμα τῷ ἀδ. αὐ. (1 *a*)
46. 6. καὶ πᾶν τὸ σπ. αὐ. μετ' αὐτοῦ (1 *a*)
— 7. πᾶν τὸ σπ. αὐ. ἤγαγεν εἰς Αἴγ. (1 *a*)
47. 19. δὸς σπέρμα [A -ατα] ἵνα σπείρωμεν (1 *a*)
— 23. λάβετε αὐτοῖς σπέρμα [A -ατα] (1 *a*)
— 24. ἔσται ὑμῖν αὐτοῖς εἰς σπέρμα [A -ατα] (1 *a*)
48. 4. δώσω σοι τὴν γῆν ταύτην καὶ τῷ σπ. σου (1 *a*)
— 11. ἔδειξέ μοι ὁ θ. καὶ τὸ σπ. σου (1 *a*)
— 19. τὸ σπ. αὐ. ἔσται εἰς πλῆθος ἐθνῶν (1 *a*)
Ex. 16. 31. ἦν δὲ ὡς σπέρμα κορίου λευκόν (1 *a*)
28. 39 (43). νόμιμον αἰώνιον αὐτῷ καὶ τῷ σπ. αὐ. (1 *a*)
32. 13. πολυπληθυνῶ τὸ σπ. ὑμῶν (1 *a*)
— 13. A ἣν εἶπας δοῦναι τῷ σπ. αὐ. [B *al.*] (1 *a*)
33. 1. τῷ σπ. ὑμῶν δώσω αὐτήν (1 *a*)
Le. 11. 37. ἐὰν δὲ ἐπιπέσῃ . . . ἐπὶ πᾶν σπ. σπόριμον (1 *a*)
— 38. ἐὰν δὲ ἐπιχυθῇ ὕδωρ ἐπὶ πᾶν σπ. (1 *a*)
15. 16. ᾧ ἐὰν ἐξελθῇ ἐξ αὐτοῦ κοίτη σπέρματος (1 *a*)
— 17. ἐφ' ὃ ἐὰν ᾖ ἐπ' αὐτὸ κοίτη σπέρματος (1 *a*)
— 18. ἐὰν κοιμηθῇ ἀνὴρ μετ' αὐτῆς κοίτην σπέρματος (1 *a*)
— 32. ἐάν τινι ἐξέλθῃ ἐξ αὐτοῦ κοίτη σπέρματος (1 *a*)
18. 20. οὐ δώσεις κοίτην σπέρματός σου (1 *a*)
— 21. ἀπὸ τοῦ σπ. σου οὐ δώσεις (1 *a*)
19. 20. ἐάν τις κοιμηθῇ . . . κοίτην σπέρματος (1 *a*)
20. 2. ὃς ἂν δῷ [A *add.* ἀπὸ] τοῦ σπ. αὐ. ἄρχοντι (1 *a*)
— 3. τοῦ σπ. αὐ. ἔδωκεν ἄρχοντι (1 *a*)
— 4. ἐν τῷ δοῦναι αὐτὸν τοῦ σπ. αὐ. (1 *a*)
21. 15. οὐ βεβηλώσει τὸ σπ. αὐ. ἐν τῷ λαῷ αὐ. (1 *a*)
— 21. ᾧ ἐστιν ἐν αὐτῷ μῶμος ἐκ τοῦ σπ. 'Α. (1 *a*)

Le. 22. 3. ὃς ἂν προσέλθῃ ἀπὸ [A B² *add.* παντὸς] τοῦ [A *om.*] σπ. ὑ. (1 *a*)
— 4. ἄνθρωπος ἐκ τοῦ σπ. Ἀ. τοῦ ἱερέως (1 *a*)
— 4. ᾧ ἂν ἐξέλθῃ ἐξ αὐτοῦ κοίτη σπέρματος (1 *a*)
— 13. σπέρμα δὲ μὴ ἦν αὐτῇ (1 *a*)
26. 16. σπερεῖτε διὰ κενῆς τὰ σπ. ὑμῶν (1 *a*)
27. 30. πᾶσα δεκάτη τῆς γῆς ἀπὸ τοῦ σπ. τῆς γῆς (1 *a*)
Nu. 5. 13. καὶ κοιμηθῇ τις μετ' αὐτῆς κοίτην σπέρματος (1 *a*)
— 28. ἐκσπερματιεῖ σπέρμα (1 *a*)
11. 7. τὸ δὲ μάννα ὡσεὶ σπέρμα κορίου ἐστί (1 *a*)
14. 24. τὸ σπ. αὐ. κληρονομήσει αὐτήν (1 *a*)
16. 40 (17. 5). ὃς οὐκ ἔστιν ἐκ τοῦ σπ. Ἀ. (1 *a*)
18. 19. διαθήκη . . . σοὶ καὶ τῷ σπ. σου μετὰ σέ (1 *a*)
21. 30. τὸ σπ. αὐ. ἀπολεῖται †
23. 10. τίς ἐξηκριβάσατο τὸ σπ. Ἰ. †
— 10. γένοιτο τὸ σπ. μου ὡς τὸ σπ. τούτων (4, †)
24. 7. ἐξελεύσεται ἄνθρωπος ἐκ τοῦ σπ. αὐ. (1 *a*?)
— 20. τὸ σπ. αὐ. ἀπολεῖται (4)
25. 13. ἔσται αὐτῷ καὶ τῷ σπ. αὐ. (1 *a*)
De. 1. 8. δοῦναι αὐτοῖς καὶ τῷ σπ. αὐ. μετ' αὐτούς (1 *a*)
3. 3. ἕως τοῦ μὴ καταλιπεῖν αὐτοῦ σπέρμα †
4. 37 : 10. 15. ἐξελέξατο τὸ σπ. αὐ. μετ' αὐτοὺς ὑμᾶς (1 *a*)
11. 9. δοῦναι αὐτοῖς καὶ τῷ σπ. αὐ. μετ' αὐτούς (1 *a*)
14. 22. παντὸς γεννήματος τοῦ σπ. σου (1 *a*)
22. 9. ἵνα μὴ ἁγιασθῇ . . . τὸ σπ. (1 *a*)
25. 5. σπέρμα δὲ μὴ ᾖ αὐτῷ (5)
28. 38. σπ. πολὺ ἐξοίσεις εἰς τὸ πεδίον (1 *a*)
— 46. ἔσται ἐν σοὶ σημεῖα καὶ τέρατα ἐν [A καὶ ἐν] τῷ σπ. σου (1 *a*)
— 59. παραδοξάσει κ. . . . τὰς πληγὰς τοῦ σπ. σου (1 *a*)
30. 6. περικαθαριεῖ κ. . . . τὴν καρδίαν τοῦ σπ. σου (1 *a*)
— 6. A² καὶ τὸ σπ. σου –
— 19. ἵνα ζῇς σὺ καὶ τὸ σπ. σου (1 *a*)
31. 21. οὐ γὰρ μὴ ἐπιλησθῇ ἀπὸ στόματος . . . τοῦ σπ. αὐ. (1 *a*)
34. 4. τῷ σπ. ὑμῶν δώσω αὐτήν (1 *a*)
Jo. 24. 3. ἐπλήθυνα αὐτοῦ σπέρμα [A τὸ σπ. αὐ.] (1 *a*)
Ru. 4. 12. ἐκ τοῦ σπ. οὗ δώσει κύριος (1 *a*)
I Ki. 1. 11. ἐὰν . . . δῷς τῇ δούλῃ σου σπέρμα ἀνδρῶν (1 *a*)
2. 20. ἀποτίσαι σοι κ. σπέρμα (1 *a*)
— 31. ἐξολεθρεύσω τὸ σπ. σου καὶ τὸ σπ. οἴκου πατρός σου †, †
8. 15. τὰ σπ. [A τὸ σπ.] ὑμῶν . . . ἀποδεκατώσει (1 *a*)
20. 42. A B κύριος ἔσται μάρτυς . . . ἀνὰ μέσον τοῦ σπ. σου [R μου καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ σπ. σου] (1 *a*, [1 *a*])
24. 22. οὐκ ἐξολεθρεύσεις τὸ σπ. μου (1 *a*)
II Ki. 4. 8. ἐκ Σ. τοῦ ἐχθροῦ σου καὶ ἐκ τοῦ σπ. αὐ. (1 *a*)
7. 12. ἀναστήσω τὸ σπ. σου μετὰ σέ (1 *a*)
22. 51. τῷ Δ. καὶ τῷ σπ. αὐ. (1 *a*)
III Ki. 1. 48. ὃς ἔδωκε σήμερον ἐκ τοῦ σπ. μου –
2. 33. καὶ εἰς κεφαλὴν τοῦ σπ. αὐ. (1 *a*)
— 33. τῷ Δ. καὶ τῷ σπ. αὐ. . . . γένοιτο εἰρήνη (1 *a*)
3. 1. υἱὸς τοῦ [A *om.*] σπ. τοῦ Ἰεμ. –
11. 14 (24). B Ἀ. ὁ Ἴδουμ. ἐκ τοῦ σπ. τῆς βασ. (1 *a*)
— 39. A κακουχήσω τὸ σπ. Ἰσρ. διὰ ταύτην (1 *a*)
18. 32. θάλασσαν χωροῦσαν δύο μετρητὰς σπέρματος (1 *a*)
IV Ki. 5. 27. ἡ λέπρα N. κολληθήσεται . . . ἐν τῷ σπ. σου (1 *a*)
11. 1. ἀπώλεσε πᾶν τὸ σπ. τῆς βασ. (1 *a*)
14. 27. ἐξαλεῖψαι τὸ σπ. Ἰσρ. †
17. 20. ἀπεώσαντο τὸν κ. ἐν παντὶ σπ. Ἰσρ. (1 *a*)
25. 25. ἦλθεν . . . ἐκ τοῦ σπ. τῶν βασ. (1 *a*)
I Ch. 16. 13. σπέρμα Ἰσρ. παῖδες αὐ. (1 *a*)
17. 11. ἀναστήσω τὸ σπ. σου μετὰ σέ (1 *a*)
II Ch. 20. 7. καὶ ἔδωκας αὐτὴν σπέρματι Ἀβρ. (1 *a*)
22. 10. ἀπώλεσε πᾶν τὸ σπ. τῆς βασ. (1 *a*)
I Es. 8. 70. ἐπεμίγη τὸ σπ. τὸ ἅγιον
— 88. ἕως τοῦ μὴ καταλιπεῖν ῥίζαν καὶ σπέρμα
II Es. 2. 59. οὐκ ἠδυνάσθησαν τοῦ ἀναγγεῖλαι . . . σπέρμα αὐ. (1 *a*)
9. 2. παρήχθη σπ. τὸ ἅγιον (1 *a*)
Ne. 7. 61. οὐκ ἠδυνάσθησαν ἀπαγγεῖλαι . . . σπέρμα αὐ. (1 *a*)
9. 8. δοῦναι αὐτῷ τὴν γῆν . . . καὶ τῷ σπ. αὐ. (1 *a*)
To. 1. 1. Τωβεὶτ . . . ἐκ τοῦ σπ. Ἀσιήλ
— 9. ἐκ τοῦ σπ. τῆς πατριᾶς ἡμῶν
4. 12. A B γυναῖκα πρῶτον λάβε ἀπὸ τοῦ σπ. τῶν πατέρων σου
To. 4. 12. A B τὸ σπ. αὐτῶν κληρονομήσει γῆν
6. 17. S ἔστιν αὐτῷ ἀδελφὴ ἐκ τοῦ σπ. τοῦ οἴκου τοῦ πατρὸς αὐ.
8. 6. ἐκ τούτων ἐγενήθη τὸ ἀνθρώπων σπ. [S *al.*]
13. 16. S τὸ κατάλιμμα τοῦ σπ. μου
Es. 9. 27. προσεδέχοντο . . . ἐπὶ τῷ σπ. αὐ. (1 *a*)
Jb. 5. 24. A ἐν εἰρήνῃ τὸ σπ. σου [B S *al.*] †
— 25. γνώσῃ δὲ ὅτι πολὺ τὸ σπ. σου (1 *a*)
Ps. 17 (18). 50. καὶ τῷ σπ. αὐτοῦ ἕως αἰῶνος (1 *a*)
20 (21). 10. καὶ τὸ σπ. αὐτῶν ἀπὸ υἱῶν ἀνθρώπων (1 *a*)
21 (22). 23. ἅπαν τὸ σπ. Ἰακὼβ, δοξάσατε αὐτὸν φοβηθήτωσαν αὐτὸν ἅπαν τὸ σπ. Ἰσραήλ (1 *a*, 1 *a*)
— 30. τὸ σπ. μου δουλεύσει αὐτῷ (1 *a*)
24 (25). 13. τὸ σπ. αὐτοῦ κληρονομήσει γῆν (1 *a*)
36 (37). 25. οὐδὲ τὸ σπ. αὐτοῦ ζητοῦν ἄρτους (1 *a*)
— 26. τὸ σπ. αὐτοῦ εἰς εὐλογίαν ἔσται (1 *a*)
— 28. σπέρμα ἀσεβῶν ἐξολεθρευθήσεται (1 *a*)
68 (69). 36. τὸ σπ. τῶν δούλων αὐτοῦ καθέξουσιν αὐτήν (1 *a*)
88 (89). 4. ἕως τοῦ αἰῶνος ἑτοιμάσω τὸ σπ. σου (1 *a*)
— 29. θήσομαι εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος τὸ σπ. αὐτοῦ (1 *a*)
— 36. τὸ σπ. αὐτοῦ εἰς τὸν αἰῶνα μενεῖ (1 *a*)
101 (102). 28. τὸ σπ. αὐτῶν εἰς τὸν αἰῶνα κατευθυνθήσεται (1 *a*)
104 (105). 6. σπέρμα Ἀβραὰμ δοῦλοι αὐτοῦ (1 *a*)
105 (106). 27. τοῦ καταβαλεῖν τὸ σπ. αὐτῶν ἐν τοῖς ἔθνεσι (1 *a*)
111 (112). 2. δυνατὸν ἐν τῇ γῇ ἔσται τὸ σπ. αὐτοῦ (1 *a*)
125 (126). 6. A S¹ ἔκλαιον αἴροντες [S² R βάλλοντες] τὰ σπ. αὐτῶν (1 *a*)
Pr. 11. 18. σπέρμα δὲ δικαίων μισθὸς ἀληθείας (1 *c*)
Ec. 11. 6. σπεῖρον τὸ σπ. σου (1 *a*)
Wi. 3. 16. ἐκ παρανόμου κοίτης σπέρμα ἀφανισθήσεται
7. 2. παγεὶς ἐν αἵματι ἐκ σπέρματος ἀνδρός
10. 15. σπέρμα ἄμεμπτον ἐρρύσατο ἐξ ἔθνους θλιβόντων
12. 11. σπέρμα γὰρ ἦν κατηραμένον ἀπ' ἀρχῆς
14. 6. ἀπέλιπεν αἰῶνι σπέρμα γενέσεως
Si. 1. 15. μετὰ τοῦ σπ. αὐτῶν ἐμπιστευθήσεται
10. 19. σπέρμα ἔντιμον ποῖον; σπέρμα ἀνθρώπου· σπέρμα ἔντιμον ποῖον; οἱ φοβούμενοι τὸν κύριον. σπέρμα ἄτιμον ποῖον; σπέρμα ἀνθρώπου· σπέρμα ἄτιμον ποῖον οἱ παραβαίνοντες ἐντολάς
41. 6. μετὰ τοῦ σπ. αὐτῶν ἐνδελεχιεῖ ὄνειδος
44. 11. μετὰ τοῦ σπ. αὐτῶν διαμενεῖ ἀγαθὴ κληρονομία
— 12. ἔστη σπέρμα [A S τὸ σπ.] αὐτῶν καὶ τὰ τέκνα αὐτῶν δι' [S² μετ'] αὐτούς
— 13. ἕως αἰῶνος μενεῖ σπέρμα αὐτῶν
— 21. ἐνευλογηθῆναι ἔθνη ἐν τῷ [A S *om.*] σπ. αὐτοῦ
— 21. A B S² ὡς ἄστρα ἀνυψῶσαι τὸ σπ. αὐτοῦ
45. 15. ἐν [A S *om.*] τῷ σπ. αὐτοῦ ἐν ἡμέραις οὐρανοῦ
— 21. ἃς ἔδωκεν αὐτῷ τε καὶ τῷ σπ. αὐτοῦ
— 24. ἵνα αὐτῷ ᾖ καὶ τῷ σπ. αὐτοῦ ἱερωσύνης μεγαλείον
— 25. κληρονομία Ἀαρὼν [A αὐτῷ, S αὐτῶν] καὶ τῷ σπ. αὐτοῦ
46. 9. τὸ σπ. αὐτοῦ κατέσχε κληρονομίαν
47. 20. ἐβεβήλωσας τὸ σπ. σου
— 22. σπέρμα [A τὸ σπ.] τοῦ ἀγαπήσαντος αὐτὸν οὐ μὴ ἐξάρῃ
— 23. κατέλιπε μετ' αὐτὸν ἐκ τοῦ σπ. αὐτοῦ λαοῦ ἀφροσύνην
Ma. 2. 15. τί ἄλλο ἢ σπέρμα ζητεῖ ὁ θεός (1 *a*)
Is. 1. 4. σπ. πονηρόν (1 *a*)
— 9. εἰ μὴ κύριος σαβαὼθ ἐγκατέλιπεν ἡμῖν σπέρμα †
14. 20. οὐ μὴ μείνῃς εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον σπ. πονηρόν (1 *a*)
— 22. ἀπολῶ αὐτῶν ὄνομα καὶ κατάλειμμα καὶ σπέρμα (2 + 6)
— 29. ἐκ γὰρ σπέρματος ὄφεως ἐξελεύσεται ἔκγονα ἀσπίδων †
— 30. ἀνελεῖ δὲ λιμῷ τὸ σπ. σου †
15. 9. ἀρῶ τὸ σπ. Μωάβ †
17. 5. σπέρμα σταχύων ἀμήσῃ †
— 10. φυτεύσεις φύτευμα ἄπιστον καὶ σπ. ἄπιστον †
23. 3. σπέρμα μεταβόλων (1 *a*)
30. 23. τότε ἔσται ὁ ὑετὸς τῷ σπ. τῆς γῆς σου (1 *a*)
31. 9. μακάριος ὃς ἔχει ἐν Σιὼν σπέρμα †
33. 2. ἐγενήθη τὸ σπ. τῶν ἀπειθούντων εἰς ἀπώλειαν †
Is. 37. 31. ποιήσουσι σπέρμα ἄνω †
41. 8. ὃν ἐξελεξάμην σπέρμα Ἀβραάμ (1 *a*)
43. 5. ἀπὸ ἀνατολῶν ἄξω τὸ σπ. σου (1 *a*)
44. 3. ἐπιθήσω τὸ πνεῦμά μου ἐπὶ τὸ σπ. σου (1 *a*)
45. 19. οὐκ εἶπα τῷ σπ. Ἰακὼβ (1 *a*)
— 26 (25). ἐνδοξασθήσεται πᾶν τὸ σπ. τῶν υἱῶν Ἰσραήλ (1 *a*)
48. 14. τοῦ ἆραι σπέρμα Χαλδαίων †
— 19. ἐγένετο ἂν ὡς ἡ ἄμμος τὸ σπ. σου (1 *a*)
53. 10. ἡ ψυχὴ ἡμῶν ὄψεται σπ. μακρόβιον (1 *a*)
54. 3. τὸ σπ. σου ἔθνη κληρονομήσει (1 *a*)
55. 10. καὶ δῷ σπέρμα τῷ σπείροντι (1 *a*)
57. 3. σπέρμα μοιχῶν καὶ πόρνης (1 *a*)
— 4. σπέρμα ἄνομον (1 *a*)
58. 7. ἀπὸ τῶν οἰκείων τοῦ σπ. σου οὐχ ὑπερόψῃ (3)
59. 21. B¹ καὶ ἐκ τοῦ σπ. [A B² S R στόματος] τοῦ σπ. σου (†, 1 *a*)
61. 9. γνωσθήσεται ἐν τοῖς ἔθνεσι τὸ σπ. αὐτῶν . . . οὗτοί εἰσι σπέρμα ηὐλογημένον ὑπὸ θεοῦ (1 *a*, 1 *a*)
— 11. καὶ ὡς κῆπος [A -ον] τὰ σπ. αὐτοῦ (1 *b*)
65. 9. ἐξάξω τὸ ἐξ Ἰακὼβ σπ. (1 *a*)
— 23. σπ. εὐλογημένον ὑπὸ θεοῦ ἐστι (1 *a*)
66. 22. οὕτω στήσεται τὸ σπ. ὑμῶν (1 *a*)
Je. 7. 15. ἀπέρριψα τοὺς ἀδελφοὺς ὑμῶν πᾶν τὸ σπ. Ἐφραίμ (1 *a*)
22. 30. οὐ μὴ αὐξηθῇ ἐκ τοῦ [S *om.*] σπ. αὐτοῦ (1 *a*)
23. 8. συνήγαγεν ἅπαν τὸ σπ. Ἰσρ. (1 *a*)
26 (46). 27. τὸ σπ. σου ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας αὐτῶν (1 *a*)
27 (50). 16. ἐξολεθρεύσασθε σπέρμα ἐκ Βαβ. (1 *c*)
38 (31). 27. σπερῶ τὸν Ἰσρ. καὶ τὸν Ἰ. σπέρμα ἀνθρώπου καὶ σπέρμα κτήνους (1 *a*, 1 *a*)
42 (35). 7. σπέρμα οὐ μὴ σπείρητε (1 *a*)
— 9. σπ. οὐκ ἐγένετο ἡμῖν (1 *a*)
Ez. 17. 5. ἔλαβεν ἀπὸ τοῦ σπ. τῆς γῆς (1 *a*)
— 13. λήψεται ἐκ τοῦ σπ. τῆς βασιλείας (1 *a*)
20. 5. ἐγνωρίσθην τῷ σπ. οἴκου Ἰακὼβ (1 *a*)
31. 17. τὸ σπ. αὐτοῦ . . . ἀπώλοντο †
43. 19. δώσεις τοῖς ἱερεῦσι . . . τοῖς ἐκ τοῦ σπ. Σαδδούκ (1 *a*)
44. 22. ἀλλ' ἢ παρθένον ἐκ τοῦ σπ. Ἰσραήλ (1 *a*)
Da. LXX. Su. 56. διὰ τί διεστραμμένον τὸ σπ. σου
3. (36). πολυπληθῦναι τὸ σπ. αὐ.
Da. TH. Su. 56. σπέρμα Χαν. καὶ οὐκ Ἰούδα
1. 3. εἰσαγαγεῖν . . . ἀπὸ τοῦ σπ. τῆς βασιλείας (1 *a*)
— 12. δότωσαν ἡμῖν ἀπὸ τῶν σπ. (1 *d*)
— 16. ἐδίδου αὐτοῖς σπέρματα (1 *e*)
2. 43. συμμιγεῖς ἔσονται ἐν σπέρματι ἀνθρώπων (1 *f*)
3. (36). πληθῦναι τὸ σπ. αὐ.
9. 1. ἀπὸ τοῦ σπ. τῶν Μήδων (1 *a*)
11. 6. οὐ στήσεται τὸ σπ. αὐ. †
— 31. σπέρματα ἐξ αὐτοῦ ἀναστήσονται †
I Ma. 5. 62. οὐκ ἦσαν ἐκ τοῦ σπ. τῶν ἀνδρῶν ἐκείνων
7. 14. A R ἄνθρωπος ἱερεὺς ἐκ τοῦ [S *om.*] σπ. Ἀ.
II Ma. 7. 17. ὡς σὲ καὶ τὸ σπ. σου βασανιεῖ
III Ma. 6. 3. ἔπιδε ἐπὶ Ἀβραὰμ σπέρμα
IV Ma. 18. 1. ὦ τῶν Ἀβραμιαίων σπ. ἀπόγονοι παῖδες Ἰσρ.

[Aq. Ge. 1. 29: Ex. 32. 13: III Ki. 11. 39: Pr. 11. 21: Is. 1. 4: 6. 13: 41. 8: 59. 21 *bis*: Je. 29 (36). 32: 31 (38). 36: 36 (43). 31.]
[Sm. Ge. 1. 29 *bis*: Ps. 21 (22). 31: 88 (89). 5, 30: Is. 1. 4: 6. 13: 41. 8: 59. 21 *bis*: Je. 29 (36). 32: Da. 11. 6 (Sw.).]
[Th. Ge. 1. 29 *ter*: Is. 1. 4: 6. 13: 33. 2: 59. 21 *bis*: Je. 30 (37). 10: 38 (40). 22, 26 *ter*: Da. 1. 12: 2. 43: 3. (36): 11. 6, 31: 13. 56.]
[Sam. Ex. 16. 31.]
[Al. Le. 22. 4.]

σπερμαίνειν.

[Aq. Ge. 1. 29.]
[Th. Ge. 1. 29 *bis*.]

σπερματίζειν. (1) גָּבַע (2) זָרַע hi.

Ex. 9. 31. τὸ δὲ λίνον σπερματίζον (1)
Le. 12. 2. γυνὴ ἥτις ἐὰν σπερματισθῇ (2)

[Aq. Ge. 1. 11, 12.]
[Sm. Ge. 1. 11, 12, 29 *bis*.]
[Al. Le. 12. 2.]

σπερματισμός.

Le. 18. 23. οὐ δώσεις τὴν κοίτην σου εἰς σπερματισμόν –

σπεύδειν. (1) אָמַץ hithp. (2) בָּהַל
a. ni. *b.* pi. *c.* pu. *d.* בָּהַל ithpe.
(3) דָּחַף *a.* qal. *b.* ni. (4) חוּשׁ (5) חָפַז
(6) *a.* מָהַר pi. *b.* מָהִיר

Ge. 18. 6. ἔσπευσεν Ἀβ. ἐπὶ τὴν σκηνήν (6 *a*)
— 6. σπεῦσον καὶ φύρασον (6 *a*)
19. 22. σπεῦσον οὖν τοῦ σωθῆναι ἐκεῖ (6 *a*)
24. 18, 20. καὶ ἔσπευσε (6 *a*)
— 46. σπεύσασα καθεῖλε τὴν ὑδρίαν (6 *a*)
44. 11. καὶ ἔσπευσαν (6 *a*)
45. 9. σπεύσαντες οὖν ἀνάβητε (6 *a*)
Ex. 15. 15. τότε ἔσπευσαν ἡγεμόνες Ἐδώμ (2 *a*)
34. 8. σπεύσας Μ. κύψας ἐπὶ τὴν γῆν (6 *a*)
Jo. 4. 10. καὶ ἔσπευσεν ὁ λαός (6 *a*)
8. 14. ἔσπευσε καὶ ἐξῆλθεν (6 *a*)
— 19. σπεύσαντες ἐνέπρησαν τὴν πόλιν (6 *a*)
Jd. 5. 22. σπουδῇ ἔσπευσαν ἰσχυροὶ αὐ. [A *al.*] +
20. 41. ἔσπευσαν ἄνδρες Βεν. [A *al.*] (2 *a*)
I Ki. 4. 14. ὁ ἄνθρωπος σπεύσας εἰσῆλθε (6 *a*)
— 16. καὶ ὁ ἀνὴρ σπεύσας προσῆλθε πρὸς Ἠ. –
20. 38. ταχύνας σπεῦσον καὶ μὴ στῇς (4)
23. 27. σπεῦδε καὶ δεῦρο (6 *a*)
25. 18. καὶ ἔσπευσεν Ἀβ. (6 *a*)
— 23. ἔσπευσε καὶ κατεπήδησεν (6 *a*)
— 34. εἰ μὴ ἔσπευσας (6 *a*)
28. 20. καὶ ἔσπευσε Σ. (6 *a*)
— 21. ἔσπευσε [A ἔσπευδεν] σφόδρα (2 *a*)
— 24. ἔσπευσε καὶ ἔθυσεν αὐτήν (6 *a*)
II Ki. 4. 4. ἐν τῷ σπεύδειν αὐτὸν καὶ ἀναχωρεῖν (5)
17. 16. διαβαίνων σπεῦσον +
III Ki. 18. 7. καὶ Ἀβδ. ἔσπευσε +
21 (20). 41. καὶ ἔσπευσε (6 *a*)
IV Ki. 9. 13. καὶ ἀκούσαντες ἔσπευσαν (6 *a*)
— 16. A καὶ ἔσπευσεν [B ἵππ.] +
II Ch. 10. 18. ἔσπευσε τοῦ ἀναβῆναι εἰς τὸ ἅρμα (1)
24. 5. καὶ σπεύσατε λαλῆσαι (6 *a*)
— 5. R καὶ οὐκ ἔσπευσαν [A B ἐπίστευσαν] οἱ Λ. (6 *a*)
26. 20. αὐτὸς ἔσπευσεν ἐξελθεῖν (3 *b*)
Ju. 10. 15. σπεύσασα καταβῆναι εἰς πρόσωπον τοῦ κυρίου ἡμῶν
12. 14. A B πᾶν . . . σπεύσασα ποιήσω
Es. 2. 9. ἔσπευσε δοῦναι αὐτῇ τὸ σμῆγμα (2 *b*)
3. 15. ἐσπεύδετο δὲ τὸ πρᾶγμα (3 *a*)
8. 14. σπεύδοντες τὰ ὑπὸ τοῦ βασ. λεγόμενα ἐπιτελεῖν (2 *c* + 3 *a*)
Ps. 39 (40). 13. A εἰς τὸ βοηθῆσαί μοι σπεῦσον [B S πρόσχες] (4)
69 (70). 1. B¹ S² εἰς τὸ βοηθῆσαί μοι σπεῦσον [S¹ θέλησον] (4)
Pr. 7. 23. σπεύδει δὲ ὥσπερ ὄρνεον εἰς παγίδα (6 *a*)
28. 22. σπεύδει πλουτεῖν ἀνὴρ βάσκανος (2 *a*)
Ec. 5. 1. μὴ σπεῦδε [S σπεύσῃς] ἐπὶ στόματί σου (2 *b*)
7. 10 (9). μὴ σπεύσῃς ἐν πνεύματί σου τοῦ θυμοῦσθαι (2 *b*)
Wi. 4. 14. ἔσπευσεν ἐκ μέσου πονηρίας
18. 21. σπεύσας γὰρ ἀνὴρ ἄμεμπτος προεμάχησε
Si. 2. 2. μὴ σπεύσῃς ἐν καιρῷ ἐπαγωγῆς
11. 11. ἔστι κοπιῶν καὶ πονῶν καὶ σπεύδων
33 (36). 8. σπεῦσον καιρόν
Mi. 4. 1. σπεύσουσι πρὸς αὐτὸ λαοί +
Na. 2. 5 (6). σπεύσουσιν ἐπὶ τὰ τείχη αὐ. (6 *a*)
Is. 16. 5. καθεῖται . . . σπεῦδων δικαιοσύνην (6 *b*)
Je. 4. 6. σπεύσατε μὴ στῆτε +
38 (31). 20. ἔσπευσα ἐπ' αὐτῷ +
Ez. 30. 9. ἐξελεύσονται ἄγγελοι σπεύδοντες –
Da. LXX. Su. 12. ἔκλεπτον ἀλλήλους σπεύδοντες
3. 24 (91). καὶ ἀνέστη σπεύσας (2 *d*)
5. 6. ἔσπευσεν οὖν ὁ βασ. –
I Ma. 11. 53. S¹ ἐσπεύσατο [A S² R ἐψεύσ.] πάντα
II Ma. 4. 14. ἔσπευδον μετέχειν τῆς . . . παρανόμου χορηγίας
9. 14. ἦν σπεύδων παρεγένετο ἰσόπεδον ποιῆσαι
11. 37. διὸ σπεύσατε
III Ma. 3. 1. καὶ προστάξαι σπεύδοντας συναγαγεῖν πάντας
IV Ma. 3. 8. S ἔσπευδεν [A R *om.*] ἱδρῶν
14. 5. ἐπὶ τὸν διὰ τῶν βασάνων θάνατον ἔσπευδον
16. 20. ἔσπευδε τὸν ἐθνοπάτορα υἱὸν σφαγιάσαι Ἰσ.

[Aq. Ps. 37 (38). 23: 39 (40). 14: 54 (55). 9: 89 (90). 7: Is. 28. 16.]
[Sm. Jb. 9. 26: Ps. 37 (38). 23: 41 (42). 2: 67 (68). 32: 89 (90). 7: 118 (119). 150: Pr. 28. 20: Ec. 8. 3: Is. 28. 16: Ho. 6. 3.]
[Th. Ps. 37 (38). 23: 54 (55). 9: Is. 28. 16: Ez. 30. 9.]
[Al. Pr. 28. 20.]

σπήλαιον. (1) *a.* מְעָרָה *b.* מָעוֹר (2) נְצַר
(3) סָעִיף (4) τὸ διπλοῦν σπ. מַכְפֵּלָה

Ge. 19. 30. ᾤκησεν ἐν τῷ σπ. (1 *a*)
23. 9. δότω μοι τὸ σπ. τὸ διπλοῦν (1 *a*)
— 11. τὸ σπ. τὸ ἐν αὐτῷ σοὶ δίδωμι (1 *a*)
— 17. ὃς ἦν ἐν τῷ διπλῷ σπ. (4)
— 17. καὶ τὸ σπ. ὃ ἦν αὐτῷ (1 *a*)
— 19. ἐν τῷ σπ. τοῦ ἀγροῦ τῷ διπλῷ (1 *a*)
— 20. καὶ τὸ σπ. ὃ ἦν αὐτῷ (1 *a*)
25. 9. ἔθαψαν αὐτὸν . . . εἰς τὸ σπ. τὸ διπλοῦν (1 *a*)
— 10. τὸ σπ. ὃ ἐκτήσατο Ἀβ. –
49. 29. θάψατέ με . . . ἐν τῷ σπ. (1 *a*)
— 30. ἐν τῷ σπ. τῷ διπλῷ τῷ ἀπέναντι Μ. (1 *a*)
— 30. ὃ ἐκτήσατο Ἀβρ. τὸ σπ. +
— 32. ἐν κτήσει . . . τοῦ σπ. τοῦ ὄντος ἐν αὐτῷ (1 *a*)
50. 13. ἔθαψαν αὐτὸν εἰς τὸ σπ. τὸ διπλοῦν (1 *a*)
— 13. ὃ ἐκτήσατο Ἀβ. τὸ σπ. +
Jo. 10. 16. κατεκρύβησαν εἰς τὸ σπ. (1 *a*)
— 17. εὕρηται . . . κεκρυμμένοι ἐν τῷ σπ. (1 *a*)
— 18. κυλίσατε λίθους ἐπὶ τὸ στόμα τοῦ σπ. (1 *a*)
— 22. ἀνοίξατε τὸ σπ. (1 *a*)
— 22. ἐξαγάγετε τοὺς πέντε βασ. τ. ἐκ τοῦ σπ. (1 *a*)
— 23. A B² ἐξηγάγοσαν τοὺς πέντε βασ. ἐκ τοῦ σπ. (1 *a*)
— 27. ἔρριψαν αὐτοὺς εἰς τὸ σπ. (1 *a*)
— 27. ἐκύλισαν λίθους ἐπὶ τὸ σπ. (1 *a*)
Jd. 6. 2. ἐποίησαν ἑαυτοῖς . . . τὰ σπ. [A *al.*] (1 *a*)
15. 8. A κατέβη παρὰ τῷ χειμάρρῳ ἐν τῷ σπ. Ἠ. [B *al.*] (3)
I Ki. 13. 6. B ἐκρύβη ὁ λαὸς ἐν τοῖς σπ. (1 *a*)
22. 1. ἔρχεται εἰς τὸ σπ. τὸ Ὀδ. [A *al.*] (1 *a*)
24. 4. καὶ ἦν ἐκεῖ σπήλαιον (1 *a*)
— 4. ἐσώτερον τοῦ σπ. ἐκάθηντο (1 *a*)
— 8. A ἀνέστη Σ. ἐκ τοῦ σπ. [B *om.* ἐκ τ. σπ.] (1 *a*)
— 9. ἀνέστη Δ. ὀπίσω αὐτοῦ ἐκ τοῦ σπ. [A *al.*] (1 *a*)
— 11. παρέδωκέ σε κ. σήμερον εἰς χείρας μου ἐν τῷ σπ. (1 *a*)
II Ki. 23. 13. κατέβησαν . . . εἰς τὸ σπ. Ὀδ. (1 *a*)
III Ki. 18. 4. ἔκρυψεν αὐτοὺς κατὰ πεντήκοντα ἐν σπηλαίῳ (1 *a*)
— 13. ἔκρυψα . . . ἑκατὸν ἄνδρας . . . ἐν σπηλαίῳ (1 *a*)
19. 9. εἰσῆλθεν ἐκεῖ εἰς τὸ σπ. (1 *a*)
— 13. ἔστη ὑπὸ σπήλαιον [A τὸ σπ.] (1 *a*)
I Ch. 11. 15. κατέβησαν . . . εἰς τὸ σπ. Ὀδ. (1 *a*)
Ju. 16. 23. ἔθαψαν αὐτὴν ἐν τῷ σπ. τοῦ ἀνδρὸς αὐ.
Ps. 56 (57). *tit.* ἐν τῷ αὐτὸν ἀποδιδράσκειν ἀπὸ προσώπου Σαοὺλ εἰς τὸ σπ. (1 *a*)
141 (142). *tit.* ἐν τῷ εἶναι αὐτὸν ἐν τῷ σπ. (1 *a*)
Hb. 2. 15. ὅπως ἐπιβλέπῃ ἐπὶ τὰ σπ. αὐ. (1 *b*)
Is. 2. 19. εἰσενέγκαντες εἰς τὰ σπ. (1 *a*)
7. 19. ἐλεύσονται . . . εἰς τὰ σπ. +
32. 14. ἔσονται αἱ κῶμαι σπήλαια ἕως τοῦ αἰῶνος (1 *a*)
33. 16. οἰκήσει ἐν ὑψηλῷ σπ. πέτρας ἰσχυρᾶς +
65. 4. ἐν τοῖς μνήμασι καὶ ἐν τοῖς σπ. κοιμῶνται (2)
Je. 4. 29. εἰσέδυσαν εἰς τὰ σπ. +
7. 11. μὴ σπήλαιον λῃστῶν ὁ οἶκός μου (1 *a*)
12. 9. μὴ σπήλαιον ὑαίνης [A λῃστῶν] ἡ κληρονομία μου ἐμοί +
— 9. B S ἢ σπήλαιον κύκλῳ αὐτῆς +
27 (50). 26. ἐρευνήσατε αὐτὴν ὡς σπήλαιον [S *om.* ὡς σπ.] +
Ez. 33. 27. τοὺς ἐν τοῖς σπ. θανάτῳ ἀποκτενῶ (1 *a*)
II Ma. 6. 11. ἕτεροι δὲ πλησίον συνδραμόντες εἰς τὰ σπ.
10. 6. τὴν τῶν σκηνῶν ἑορτὴν . . . ἐν τοῖς σπ. . . . ἦσαν νεμόμενοι

[Sm. II Ki. 2. 24: Is. 32. 14.]
[Th. I Ki. 23. 14, 19: 24. 1.]
[Al. Je. 12. 9.]

σπιθαμή. (1) גֹּמֶד (2) זֶרֶת

Ex. 28. 16. A B² R σπιθαμῆς τὸ μῆκος αὐ. (2)
— 16. σπιθαμῆς τὸ εὖρος (2)
36. 16 (39. 9). σπιθαμῆς τὸ μῆκος καὶ σπιθαμῆς τὸ εὖρος διπλοῦν (2, 2)
Jd. 3. 16. σπιθαμῆς τὸ μῆκος αὐ. (1)
I Ki. 17. 4. ὕψος αὐ. τεσσάρων πήχεων καὶ σπιθαμῆς (2)
Is. 40. 12. τίς ἐμέτρησε . . . τὸν οὐρανὸν σπιθαμῇ (2)
Ez. 43. 13. γείσος ἐπὶ τὸ χεῖλος αὐτοῦ κυκλόθεν σπιθαμῆς (2)

[Aq. Is. 40. 12.]
[Sm. Ps. 38 (39). 6: Is. 40. 12.]
[Th. Jd. 3. 16: Is. 40. 12.]

σπιλοῦν.

Wi. 15. 4. οὐδὲ σκιαγράφων πόνος ἄκαρπος εἶδος σπιλωθὲν [S¹ σπιν.] χρώμασι διηλλαγμένοις [S¹ -οι]

[Sam. Le. 15. 3.]

σπίλωμα.

[Aq. Is. 13. 12.]

σπινθήρ. (1) *a.* נִיצוֹץ *b.* נֶצֶץ

Wi. 2. 2. ὁ λόγος σπινθὴρ ἐν κινήσει καρδίας ἡμῶν
3. 7. ὡς σπινθῆρες ἐν καλάμῃ διαδραμοῦνται
11. 18. δεινοὺς ἀπ' ὀμμάτων σπινθῆρας ἀστράπτοντας
Si. 11. 32. ἀπὸ σπινθῆρος πυρὸς πληθύνεται ἀνθρακιά
28. 12. ἐὰν φυσήσῃς σπινθῆρα [A εἰς σπ.] ἐκκαήσεται
42. 22. ὡς σπινθηρός ἐστι θεωρῆσαι [S σπ. ἐπιθ.]
Is. 1. 31. αἱ ἐργασίαι αὐτῶν ὡς σπινθῆρες [A S *add.* πυρός] (1 *a*)
Ez. 1. 7. σπινθῆρες ὡς ἐξαστράπτων χαλκός (1 *b*)

[Aq., Sm. Is. 1. 31.]

σπίνθραξ.

[Sext. Ca. 8. 6 *bis.*]

σπινοῦν (?).

Wi. 15. 4. S¹ εἶδος σπινωθὲν [A B S² σπιλ.] χρώμασιν διηλλαγμένοι

σπλάγχνα. (1) בֶּטֶן (2) רַחַם

Pr. 12. 10. τὰ δὲ σπλ. τῶν ἀσεβῶν ἀνελέημονα (2)
26. 22. οὗτοι δὲ τύπτουσιν εἰς ταμιεῖα σπλάγχνων [S² κοιλίας] (1)
Wi. 10. 5. ἐπὶ τέκνου σπλάγχνοις ἰσχυρὸν ἐφύλαξεν
Si. 30. 7. ἐπὶ πάσῃ βοῇ ταραχθήσεται σπλάγχνα αὐτοῦ
36 (33). 5. τροχὸς ἁμάξης σπλάγχνα μωροῦ
Je. 28 (51). 13. ἥκει τὸ πέρας σου ἀληθῶς εἰς [A S ἐπὶ] τὰ σπλ. σου +
Ba. 2. 17. ὃν ἐλήφθη τὸ πνεῦμα αὐ. ἀπὸ τῶν σπλ. αὐ.
II Ma. 9. 5. ἔλαβεν αὐτὸν ἀνήκεστος τῶν σπλ. ἀλγηδών
— 6. τὸν . . . ἑτέρων σπλάγχνα βασανίσαντα
IV Ma. 5. 30. καὶ τὰ σπλ. μου τήξεις
10. 8. καὶ κατὰ σπλάγχνων σταγόνας αἵματος ἀπορρεούσας
11. 19. ἀπ' αὐτοῦ τὰ σπλ. διέκαιον
14. 13. A R πρὸς τὴν τῶν [S *add.* τέκνων] σπλ. συμπάθειαν
15. 23. τὰ σπλ. αὐ. . . . ἐπέτεινε
— 29. τοῦ διὰ σπλάγχνων ἀγῶνος ἀθλοφόρε

[Aq., Sm. Ge. 43. 30: Is. 63. 15: Am. 1. 11.]
[Th. Is. 63. 15: Am. 1. 11.]
[Al. Hb. 3. 16.]

σπλαγχνίζειν.

Pr. 17. 5. A ὁ δὲ σπλαγχνιζόμενος [B S ἐπισπλ.] ἐλεηθήσεται –
II Ma. 6. 8. τὴν αὐτὴν ἀγωγὴν . . . ἄγειν καὶ σπλαγχνίζειν

[Sm. I Ki. 23. 21: Ez. 24. 21.]

σπλαγχνισμός.

II Ma. 6. 7. ἦγον δὲ μετὰ πικρᾶς ἀνάγκης . . . ἐπὶ σπλαγχνισμόν
— 21. οἱ δὲ πρὸς τῷ παρανόμῳ σπλ. τεταγμένοι
7. 42. τὰ μὲν οὖν περὶ τοὺς σπλ. . . . δεδηλώσθω

σπλαγχνοφάγος.

Wi. 12. 5. σπλαγχνοφάγων ἀνθρωπίνων σαρκῶν

σποδιά. (1) אֵפֶר (2) דֶּשֶׁן (3) עָפָר

Le. 4. 12. οὗ ἐκχεοῦσι τὴν σπ. (2)
— 12. ἐπὶ τῆς ἐκχύσεως τῆς σπ. καυθήσεται (2)
Nu. 19. 10. ὁ συνάγων τὴν σπ. [A σποδὸν] τῆς δαμάλεως (1)
— 17. λήψονται . . . ἀπὸ τῆς σπ. (3)

[Sm., Th. Je. 31 (38). 40.]
[Heb. Jb. 14. 8.]
[Quint. Ho. 7. 8.]

σποδοειδής. (1) σπ. ῥαντός *a.* בָּרֹד *b.* טָלָא
Ge. 30. 39. ἔτικτον τὰ πρόβατα διάλευκα . . . καὶ σπ. ῥαντά (1 *b*)
31. 10. διάλευκοι καὶ ποικίλοι καὶ σπ. ῥαντοί (1 *a*)
— 12. διαλεύκους καὶ ποικίλους καὶ σπ. ῥαντούς (1 *a*)

σποδός. (1) אֵפֶר (2) דֶּשֶׁן
Ge. 18. 27. ἐγὼ δέ εἰμι γῆ καὶ σποδός (1)
Le. 1. 16. ἐκβαλεῖ αὐτὸ . . . εἰς τὸν τόπον τῆς σπ. (2)
Nu. 19. 9. συνάξει ἄνθρωπος καθαρὸς τὴν σπ. τῆς δαμάλεως (1)
— 10. A ὁ συνάγων τὴν σπ. [B σποδιὰν] τῆς δαμάλεως (1)
II Ki. 13. 19. ἔλαβε Θ. σποδόν (1)
— 19. B ἐπέθηκε σποδὸν [A R *om.*] ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ. (1 ?)
Ne. 9. 1. R καὶ σποδῷ ἐπὶ κεφαλῆς αὐτῶν †
Ju. 4. 15. ἦν σποδὸς ἐπὶ τὰς κιδάρεις αὐ.
9. 1. ἐπέθετο σποδὸν ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ.
Es. 4. 1. κατεπάσατο σποδόν (1)
— 2. σάκκον ἔχοντι καὶ σποδόν –
— 3. σάκκον καὶ σποδὸν ἔστρωσαν ἑαυτοῖς (1)
— 17. σποδοῦ . . . ἔπλησεν τὴν κεφ. αὐ.
Jb. 13. 12. ἀποβήσεται δὲ ὑμῶν τὸ γαυρίαμα ἴσα σποδῷ (1)
30. 19. ἐν γῇ καὶ σποδῷ μου ἡ μερίς (1)
42. 6. ἤγημαι δὲ ἐμαυτὸν γῆν καὶ σποδόν (1)
Ps. 101 (102). 9. σποδὸν ὡσεὶ ἄρτον ἔφαγον (1)
147. 5 (16). ὁμίχλην ὡσεὶ σποδὸν πάσσοντος (1)
Wi. 15. 10. σποδὸς ἡ καρδία αὐτοῦ
Si. 10. 9. τί ὑπερηφανεύεται γῆ καὶ σποδός
17. 32. οἱ ἄνθρωποι πάντες γῆ καὶ σποδός
40. 3. ἕως τεταπεινωμένου ἐν γῇ καὶ σποδῷ
Jn. 3. 6. ἐκάθισεν ἐπὶ σποδοῦ (1)
Ma. 4. 3 (3. 21). ἔσονται σποδὸς ὑποκάτω τῶν ποδῶν ὑμῶν (1)
Is. 44. 20. σποδὸς ἡ καρδία αὐτῶν (1)
58. 5. σάκκον καὶ σποδὸν ὑποστρώσῃ (1)
61. 3. δοθῆναι . . . δόξαν ἀντὶ σποδοῦ (1)
Je. 6. 26. κατάπασαι ἐν σποδῷ [A κ. σποδόν] (1)
La. 3. 16. ἐψώμισέ με σποδόν (1)
Ez. 27. 30. σποδὸν στρώσονται [A ὑποστρ.] (1)
28. 18. δώσω σε [A *add.* εἰς] σποδόν (1)
Da. LXX. 9. 3. ἐν νηστείαις καὶ σάκκῳ καὶ σποδῷ (1)
Bel 13. καταστῆσαι ὅλον τὸν ναὸν σποδῷ
Da. TH. 9. 3. A ἐν νηστείαις . . . καὶ σποδῷ [B *om.* κ. σπ.] (1)
I Ma. 3. 47. περιεβάλοντο . . . σποδὸν ἐπὶ τὰς κεφ. αὐ.
4. 39. ἐπέθεντο σποδὸν ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ.
II Ma. 4. 41. R τινὲς δὲ ἐκ τῆς παρακειμ. σπ. [A ἐπόδου] δρασσόμενοι
13. 5. πύργος πεντήκοντα πήχεων πλήρης σποδοῦ
— 5. ὄργανον . . . πάντοθεν ἀπόκρημνον εἰς τὴν σπ.
— 8. οὗ τὸ πῦρ ἀγνὸν ἦν καὶ ἡ σπ.
— 8. ἐν σποδῷ τὸν θάνατον ἐκομίσατο
III Ma. 1. 18. R σποδῷ καὶ κόνει τὰς κεφ. πασάμεναι [A *al.*]
[Aq. III Ki. 20 (21). 38 : Jb. 2. 8 : 42. 6.]
[Sm. III Ki. 20 (21). 38 : Jb. 2. 8.]
[Th. Da. 9. 3†.]
[Al. Le. 6. 10 (3), 11 (4).]

σποδοῦσθαι.
Ju. 4. 11. ἐσποδώσαντο τὰς κεφαλὰς αὐ.

σπονδεῖον, σπόνδιον. (1) קְשָׁת
Ex. 25. 28 (29). ποιήσεις . . . τὰ σπ. (1)
38. 12 (37. 16). ἐποίησε . . . τὰ σπ. (1)
Nu. 4. 7. ἐπιβαλοῦσιν ἐπ' αὐτὴν . . . τὰ σπ. (1)
I Ch. 28. 17. καὶ τῶν κρεαγρῶν καὶ σπονδείων (1 ?)
I Es. 2. 13. σπ. χρυσᾶ χίλια σπ. ἀργυρᾶ χίλια
Si. 50. 15. ἐξέτεινεν ἐπὶ σπονδείου χεῖρα αὐτοῦ
I Ma. 1. 22. ἔλαβε . . . τὰ σπ.
[Aq. Je. 52. 17 (Sw.).]
[Sm. Je. 52. 19.]
[Th. Je. 52. 17 (Sw.), 19.]

σπονδή. (1) *a.* נֶסֶךְ, נְסָךְ *b.* נְסִיךְ *c.* נַסְכָּךְ
Ge. 35. 14. ἔσπεισεν ἐπ' αὐτὴν σπονδήν (1 *a*)
Ex. 29. 40. καὶ σπονδὴν τὸ τέταρτον τοῦ εἴν (1 *a*)
— 41. κατὰ τὴν σπ. αὐ. (1 *a*)
30. 9. σπονδὴν οὐ σπείσεις [A -σεται] ἐπ' αὐτοῦ (1 *a*)
Le. 23. 13. A B[1] σπονδὴ [B[2] R -ὴν] αὐ. τὸ τέταρτον τοῦ ἵν οἴνου (1 *a*)
— 18. καὶ αἱ θυσίαι αὐ. καὶ αἱ σπ. αὐ. (1 *a*)
Le. 23. 37. ὥστε προσενέγκαι . . . σπονδὰς αὐ. (1 *a*)
Nu. 6. 15. B θυσία αὐ. καὶ σπονδὴ αὐ. [A R *al.*] (1 *a*)
— 17. ποιήσει ὁ ἱ. . . . τὴν σπ. αὐ. (1 *a*)
7. 87. αἱ θυσίαι αὐ. καὶ αἱ σπ. αὐ. –
15. 5, 7, 10 (A B[2] R). καὶ οἶνον εἰς σπονδήν (1 *a*)
— 24. καὶ σπονδὴν αὐ. κατὰ τὴν σύνταξιν (1 *a*)
28. 7. καὶ σπονδὴν [A -ὴ] αὐ. τὸ τέταρτον τοῦ ἵν (1 *a*)
— 7. σπείσεις σπονδὴν σίκερα κυρίῳ (1 *a*)
— 8. κατὰ τὴν σπ. αὐ. ποιήσετε (1 *a*)
— 9. εἰς θυσίαν καὶ σπονδήν (1 *a*)
— 10. καὶ τὴν σπ. αὐ. (1 *a*)
— 14. ἡ σπ. αὐ. τὸ ἥμισυ τοῦ ἵν (1 *a*)
— 15. καὶ ἡ σπ. αὐ. (1 *a*)
— 24. ποιήσεις τὴν σπ. αὐ. (1 *a*)
— 31. καὶ τὰς σπ. [A αἱ σπ.] αὐ. (1 *a*)
29. 6. αἱ θυσίαι αὐ. καὶ αἱ σπ. αὐ. –
— 6. αἱ θυσίαι αὐ. καὶ αἱ σπ. αὐ. (1 *a*)
— 11. ἡ θυσία αὐ. καὶ ἡ σπ. αὐ. (1 *a*)
— 16. αἱ θυσίαι αὐ. καὶ αἱ σπ. αὐ. (1 *a*)
— 18. ἡ θυσία αὐ. καὶ ἡ σπ. αὐ. (1 *a*)
— 19. αἱ θυσίαι αὐ. καὶ αἱ σπ. αὐ. (1 *a*)
— 21. B καὶ ἡ σπ. αὐ. (1 *a*)
— 22, 24, 25, 27, 28, 30, 31, 33, 34, 37, 38. αἱ θυσίαι αὐ. καὶ αἱ σπ. αὐ. (1 *a*)
— 39. τὰς θυσίας ὑμῶν καὶ τὰς σπ. ὑμῶν (1 *a*)
De. 32. 38. καὶ ἐπίνετε τὸν οἶνον τῶν σπ. αὐ. (1 *b*)
IV Ki. 16. 13. ἐθυμίασε . . . τὴν σπ. αὐ. [A *al.*] (1 *a*)
— 15. πρόσφερε . . . τὴν [A *om.*] σπ. αὐ. (1 *a*)
I Ch. 29. 21. ἀνήνεγκεν . . . τὰς σπ. αὐ. (1 *a*)
II Ch. 29. 35. καὶ τῶν σπ. τῆς ὁλοκαυτώσεως (1 *a*)
I Es. 6. 31. ὅπως προσφέρωνται σπονδαί
II Es. 7. 17. καὶ θυσίας αὐ. καὶ σπονδὰς αὐ. (1 *c*)
Es. 4. 17. οὐδὲ ἔπιον οἶνον σπονδῶν
Jl. 1. 9. ἐξῆρται . . . σπονδὴ ἐξ οἴκου κυρίου (1 *a*)
— 13. ἀπέσχηκεν ἐξ οἴκου θεοῦ ὑμῶν . . . σπονδή (1 *a*)
2. 14. καὶ ὑπολείψεται . . . σπονδὴν κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (1 *a*)
Is. 57. 6. ἐκείνοις ἐξέχεας σπονδάς [S[1] πόδας] (1 *a*)
Je. 7. 18 ; 19. 13. ἔσπεισαν σπονδὰς θεοῖς ἀλλοτρίοις (1 *a*)
39 (32). 29. ἔσπενδον σπονδὰς θεοῖς ἑτέροις (1 *a*)
51 (44). 17. σπένδειν αὐτῇ σπονδάς (1 *a*)
— 19 *bis.* ἐσπείσαμεν αὐτῇ σπονδάς (1 *a*)
— 25. σπένδειν αὐτῇ σπονδάς (1 *a*)
Ez. 20. 28. A R ἔσπεισαν ἐκεῖ τὰς [B *om.*] σπ. αὐτῶν (1 *a*)
45. 17. αἱ σπ. [A *add.* ἔσονται] ἐν ταῖς ἑορταῖς (1 *a*)
Da. LXX. 2. 46. σπονδὰς ποιῆσαι αὐτῷ †
9. 27. ἀρθήσεται ἡ θυσία καὶ ἡ σπ. †
Da. TH. 9. 27. ἀρθήσεταί μου θυσία καὶ σπονδή †
I Ma. 1. 45. κωλῦσαι . . . σπονδὴν ἐκ τοῦ ἀγιάσματος
[Aq. Ps. 15 (16). 4 : Je. 44 (51). 18 (Sw.).]
[Sm. Je. 44 (51). 18.]
[Th. Je. 44 (51). 18 (Sw.) : Da. 9. 27.]

σπόνδυλος (?).
IV Ma. 10. 8. S ἐκ σπονδύλων [A R σφονδ.] ἐκμελιζόμενος
[Sm. I Ki. 4. 18.]

σπορά. (1) זֶרַע
IV Ki. 19. 29. καὶ ἔτει τρίτῳ σπορά (1)
I Ma. 10. 30. ἀντὶ τοῦ τρίτου τῆς σπ.

σπόριμος. (1) *a.* זֶרַע *b.* זְרוּעַ
Ge. 1. 29. πᾶν χόρτον σπόριμον σπεῖρον σπέρμα (1 *a*)
— 29. ὃ ἔχει ἐν ἑαυτῷ καρπὸν σπέρματος σπορίμου (1 *a*)
Le. 11. 37. ἐὰν δὲ ἐπιπέσῃ . . . ἐπὶ πᾶν σπέρμα σπ. [A[1] *om.*] (1 *b*)
Si. 40. 22. S[1] ὑπὲρ ἀμφότερα χλόην σπορίμου [A B S[2] σπόρου]
[Sm. I Ki. 8. 15 : Ez. 17. 5.]

σπόριον (?). (1) מִנְרָשׁ
I Ch. 6. 58 (43). A καὶ τὴν Ἰ. καὶ τὰ σπ. [B περισπ.] αὐ. (1)

σπόρος. (1) *a.* זֶרַע *b.* זֶרַע (2) חָרִישׁ (3) יְבוּל
Ex. 34. 21. τῷ σπ. καὶ τῷ ἀμήτῳ κατάπαυσις (2)
Le. 26. 5. ὁ τρύγητος καταλήψεται τὸν σπ. (1 *a*)
— 20. οὐ δώσει ἡ γῆ ὑμῶν τὸν σπ. αὐ. (3)
27. 16. ἔσται ἡ τιμὴ κατὰ τὸν σπ. αὐ. (1 *a*)
De. 11. 10. ὅταν σπείρωσι τὸν σπ. (1 *a*)
Jb. 21. 8. ὁ σπ. αὐτῶν κατὰ ψυχήν (1 *a*)
39. 12. ἀποδώσει σοι τὸν σπ. (1 *a*)
Si. 40. 22. ὑπὲρ ἀμφότερα χλόην σπόρου [S[1] σπορίμου]
Am. 9. 13. περκάσει ἡ σταφυλὴ ἐν τῷ σπ. (1 *a*)
Is. 28. 24. σπόρον προετοιμάσει (1 *b*)
32. 10. A S πέπαυται ὁ σπ. [B *om.* ὁ σπ.] †
[Al. Ma. 2. 3.]

σπουδάζειν. (1) אוּץ hi. (2) בָּהַל *a.* ni. *b.* pi. *c.* hi. (3) חִשָּׁה
Ge. 19. 15. R ἐσπούδαζον [A ἔπεσπ.] οἱ ἄγγελοι τὸν Λ. (1)
Ju. 13. 1. A B ἐσπούδασαν οἱ δοῦλοι αὐ. ἀναλύειν
— 12. ἐσπούδασαν τοῦ καταβῆναι
Jb. 4. 5. σὺ ἐσπούδασας [A -ακας] (2 *a*)
21. 6. ἐάν τε γὰρ μνησθῶ ἐσπούδακα (2 *a*)
22. 10. ἐσπούδασέ σε πόλεμος ἐξαίσιος (2 *b*)
23. 14 (15). διὰ τοῦτο ἐπ' αὐτῷ ἐσπούδακα [A -κειν] (2 *a*)
— 16. ὁ δὲ παντοκράτωρ ἐσπούδασέ με [A -ακεν ἐπ' ἐμέ] (2 *c*)
31. 5. εἰ δὲ καὶ ἐσπούδασεν ὁ πούς μου εἰς δόλον (3)
Ec. 8. 2 (3). περὶ λόγου ὅρκου θεοῦ [A S *om.*] μὴ σπουδάσῃς (2 *a*)
Is. 21. 3. ἐσπούδασα [S[1] -αν] τοῦ [A S τὸ] μὴ βλέπειν (2 *a*)
III Ma. 7. 10. οὐκ ἐσπούδασαν εὐθέως περὶ τὴν ἄφοδον
[Sm., Th. Pr. 20. 21.]
[Al. Ex. 5. 7 (P.).]

σποῦδαιος.
Ez. 41. 25. σπουδαῖα ξύλα κατὰ πρόσωπον τοῦ αἰλάμ †

σπουδαιότης.
III Ma. 1. 9. τῇ σπ. . . . καταπληγείς

σπουδαίως.
Wi. 2. 6. χρησώμεθα τῇ κτίσει ὡς νεότητι [A S[1] -τητος] σπ.

σπουδασμός.
[Th. Ez. 27. 36.]

σπουδή. (1) *a.* בְּהִילוּ *b.* בֶּהָלָה *c.* בָּהַל ni. *d.* בְּחַל ithpe. (2) בְּעָתָה (3) חִפָּזוֹן (4) מָהַר pi. (5) נָחַץ (6) רֶגַע
Ex. 12. 11. ἔδεσθε αὐτὸ μετὰ σπουδῆς (3)
— 33. κατεβιάζοντο οἱ Αἰγ. τὸν λαὸν σπουδῇ (4)
De. 16. 3. ἐν σπουδῇ ἐξῆλθετε ἐξ Αἰγ. (3)
Jd. 5. 22. σπουδῇ ἔσπευσαν ἰσχυροὶ αὐ. [A *al.*] †
I Ki. 21. 8 (9). ἦν τὸ ῥῆμα τοῦ βασ. κατὰ σπουδήν [A κατασπεῦδον] (5)
I Es. 2. 30. ἀναζεύξαντες εἰς Ἱερ. κατὰ σπουδήν
6. 10. τὰ ἔργα ἐκεῖνα ἐπὶ σπουδῆς [A -ὴν] γινόμενα
II Es. 4. 23. B ἐπορεύθησαν ἐν [A R *om.*] σπουδῇ εἰς Ἱερ. (1 *a*)
Ps. 77 (78). 33. καὶ τὰ ἔτη αὐτῶν μετὰ σπουδῆς (1 *b*)
Wi. 14. 17. ἵνα τὸν ἀπόντα . . . κολακεύωσι διὰ τῆς [A *om.*] σπ.
19. 2. μετὰ σπουδῆς προπέμψαντες αὐτούς
Si. *prol.* 22. προσενέγκασθαί τινα [S[1] προεν.] σπουδήν
20. 18. πτῶσις κακῶν κατὰ σπουδὴν ἥξει
21. 5. τὸ κρίμα αὐτοῦ κατὰ σπουδὴν ἔρχεται
27. 3. ἐὰν μὴ ἐν φόβῳ κυρίου κρατήσῃ κατὰ σπουδήν
43. 22. ἴασις πάντων [S[2] πάγων] κατὰ σπουδὴν ὁμίχλη
Ze. 1. 18. συντέλειαν καὶ σπουδὴν ποιήσει (1 *c*)
Je. 8. 15. εἰς καιρὸν ἰάσεως καὶ ἰδοὺ σπ. (2)
15. 8. ἐπέρριψα ἐπ' αὐτὴν . . . σπουδήν (1 *b*)
La. 4. 6. ἐμεγαλύνθη ἀνομία . . . ὥσπερ σπ. (6)
Ez. 7. 11. οὐ μετὰ θορύβου οὐδὲ μετὰ σπουδῆς †
Da. LXX. 2. 25. κατὰ σπουδὴν εἰσήγαγε τὸν Δαν. (1 *d*)
10. 7. ἀπέδρασαν ἐν σπουδῇ †
Da. TH. Su. 50. ἀνέστρεψε πᾶς ὁ λαὸς μετὰ σπουδῆς
2. 25. ἐν σπουδῇ εἰσήγαγε τὸν Δ. (1 *d*)
3. 24 (91). ἐξανέστη ἐν σπουδῇ (1 *d*)
6. 19 (20). καὶ ἐν σπουδῇ ἦλθεν ἐπὶ τὸν λάκκον (1 *d*)
9. 27. A B[2] ἕως συντελείας καὶ σπουδῆς †
11. 44. σπουδαὶ ταράξουσιν αὐτόν –

I Ma. 6. 63. ἀπῆρε κατὰ σπουδήν
II Ma. 14. 43. διὰ τὴν τοῦ ἀγῶνος σπ.
III Ma. 4. 15. ἐγένετο μὲν οὖν ἡ τούτων ἀπογραφὴ μετὰ πικρᾶς σπ.
5. 24. προσδοκῶντα τὴν πρωΐαν μετὰ σπουδῆς
— 27. μετὰ σπουδῆς τετέλεσται
[Aq. Is. 65. 23: Je. 15. 8: 18. 7, 9: Da. 3. 24 (91).]
[Sm. Ec. 11. 10: Is. 65. 23.]
[Th. Is. 33. 11: 65. 23: Ez. 12. 18: Da. 3. 24 (91): 11. 36†.]
[Al. Le. 26. 16: Je. 31 (38). 2: Da. 9. 27.]

σταγετός.
[Aq. Pr. 19. 13.]

σταγών. (1) דֶּלֶף (2) מַר (3) *a.* נָטָף *b.* נָטַף hi. (4) רְבִיבִים
Jb. 36. 27. ἀριθμηταὶ [S -οι, S¹ ἀναρ.] δὲ αὐτῷ σταγόνες ὑετοῦ (3 *a*)
Ps. 64 (65). 10. ἐν ταῖς στ. αὐτῆς εὐφρανθήσεται ἀνατέλλουσα (4)
71 (72). 6. ὡσεὶ σταγόνες στάζουσαι ἐπὶ τὴν γῆν (4)
Pr. 27. 15. σταγόνες ἐκβάλλουσιν ἄνθρωπον . . . ἐκ τοῦ οἴκου αὐτοῦ (1)
Si. 1. 2. σταγόνας ὑετοῦ . . . τίς ἐξαριθμήσει
18. 10. ὡς σταγὼν ὕδατος ἀπὸ θαλάσσης
Mi. 2. 11. ἔσται ἐκ τῆς στ. τοῦ λαοῦ τούτου (3 *b*)
Is. 40. 15. εἰ πάντα τὰ ἔθνη ὡς στ. ἀπὸ κάδου . . . ἐλογίσθησαν (2)
IV Ma. 10. 8. καὶ κατὰ σπλάγχνων σταγόνας αἵματος ἀπορρεούσας
[Sm. Pr. 19. 13.]

στάδιον, στάδιος.
Da. LXX. Su. 37. κυκλοῦντες τὸ στ. εἴδομεν ταύτην
4. 9. οἱ κλάδοι αὐ. τῷ μήκει ὡς σταδίων τριάκοντα –
II Ma. 11. 5. B ἀπέχοντι ὡσεὶ σταδίους [A σχοίνους] πέντε
12. 9. σταδίων ὄντων διακοσίων τεσσαράκοντα
— 10. ἀποσπάσαντες σταδίους ἐννέα
— 16. τὸ πλάτος ἔχουσαν σταδίους δύο
— 17. ἀποσπάσαντες σταδίους ἑπτακοσίους πεντήκοντα
— 29. ἀπέχουσαν ἀπὸ Ἱερ. σταδίους ἑξακοσίους

στάζειν. (1) דָּלַף (2) זָרַז (3) מָצָה (4) נָטַף (5) נָתַךְ *a.* qal. *b.* ni.
Ex. 9. 33. ἡ χάλαζα καὶ ὁ ὑετὸς οὐκ ἔσταξεν [A -αν] οὐκέτι (5 *b*)
Jd. 5. 4. ὁ οὐρανὸς ἔσταξε δρόσους [A *al.*] (4)
— 4. αἱ νεφέλαι ἔσταξαν ὕδωρ (4)
6. 38. ἔσταξε δρόσος ἀπὸ τοῦ πόκου [A *al.*] (3)
II Ki. 21. 10. ἕως ἔσταξεν ἐπ' αὐτοὺς ὕδωρ (5 *b*)
II Ch. 12. 7. οὐ μὴ στάξῃ ὁ θυμός μου ἐν Ἱερ. (5 *a*)
Jb. 16. 21 (20). B S² ἔναντι δὲ αὐτοῦ στάζοι [A στάξαι] μου ὁ ὀφθαλμός (1)
Ps. 67 (68). 8. οἱ οὐρανοὶ ἔσταξαν ἀπὸ προσώπου τοῦ θεοῦ (4)
71 (72). 6. ὡσεὶ σταγόνες στάζουσαι ἐπὶ τὴν γῆν (2)
Ec. 10. 18. ἐν ἀργίᾳ χειρῶν στάξει [A στενάξει] ἡ οἰκία (1)
Ca. 5. 5. χεῖρές μου ἔσταξαν σμύρναν (4)
— 13. χείλη αὐτοῦ κρίνα στάζοντα σμύρναν πλήρη (4)
Je. 49 (42). 18. καθὼς ἔσταξεν ὁ θυμός μου ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Ἱερουσαλὴμ οὕτως στάξει ὁ θυμός μου ἐφ' ὑμᾶς (5 *b*, 5 *a*)
51 (44). 6. ἔσταξεν ἡ ὀργή μου καὶ ὁ θυμός μου (5 *a*)
[Aq. Je. 7. 20: Da. 9. 27.]
[Sm. Je. 7. 20: Da. 9, 27: Na. 1. 6.]
[Th. Jd. 5. 4: Na. 1. 6.]
[Quint., Sext. Ps. 118 (119). 28.]
[Al. Da. 9. 27.]

σταθμᾶσθαι.
[Aq. Je. 28. 25: Is. 40. 13.]

σταθμίζειν.
[Aq. Je. 28. 25: 31. 6: Ps. 74 (75). 4: Pr. 24. 12: Is. 33. 18: 55. 2.]
[Sm. Je. 6. 2: Za. 11. 12.]
[Al. Ex. 22. 17 (16).]

στάθμιον. (1) אֶבֶן (2) *a.* מִשְׁקָל *b.* שֶׁקֶל *c.* מִשְׁקֹלֶת *d.* מִשְׁקוֹל
Le. 19. 35. ἐν μέτροις καὶ ἐν σταθμίοις (2 *a*)
— 36. ζυγὰ δίκαια καὶ στ. δίκαια . . . ἔσται ὑμῖν (1)
27. 25. πᾶσα τιμὴ ἔσται στ. ἁγίοις (2 *b*)
De. 25. 13. οὐκ ἔσται . . . στάθμιον καὶ στάθμιον (1, 1)
— 15. στ. ἀληθινὸν καὶ δίκαιον ἔσται σοι (1)
IV Ki. 21. 13. ἐκτενῶ . . . τὸ στ. [A -ον] οἴκου Ἀχ. (2 *c*)
Pr. 11. 1. στάθμιον δὲ δίκαιον δεκτὸν αὐτῷ (1)
16. 11. τὰ δὲ ἔργα αὐτοῦ στάθμια δίκαια (1)
20. 10. στάθμιον μέγα καὶ μικρόν (1)
— 23. βδέλυγμα κυρίῳ δισσὸν στάθμιον (1)
Si. 42. 4. περὶ ἀκριβείας ζυγοῦ καὶ σταθμίων
Am. 8. 5. τοῦ μεγαλῦναι στάθμιον [A -ια] (2 *b*)
Mi. 6. 11. καὶ ἐν μαρσίππῳ στάθμια δόλου (1)
Ez. 4. 10. A φάγεσαι ἐν σταθμίῳ [B -μῷ] (2 *d*)
5. 1. λήψῃ ζυγὸν σταθμίων (2 *a*)
45. 12. τὰ στ. εἴκοσι ὀβολοί (2 *b*)
[Aq. Is. 28. 17: Ez. 5. 1.]
[Sm. Pr. 17. 8.]
[Th. Pr. 16. 11.]
[Al. Le. 27. 3, 25.]

σταθμόν (?). (1) מִשְׁקֹלֶת
IV Ki. 21. 13. A ἐκτενῶ . . . τὸ στ. [B -μιον] οἴκου Ἀχ. (1)

σταθμός. (1) מְזוּזָה (2) מָלוֹן (3) מַפַּע (4) סַף (5) פֶּלֶס (6) *a.* שֶׁקֶל *b.* מִשְׁקָל *c.* מִשְׁקֹלֶת *d.* מִשְׁקוֹל
Ge. 43. 21. τὸ ἀργύριον ἡμῶν ἐν σταθμῷ ἀπεστρέψαμεν (6 *b*)
Ex. 12. 7. καὶ θήσουσιν ἐπὶ τῶν δύο στ. (1)
— 22. καὶ ἐπ' ἀμφοτέρων τῶν στ. (1)
— 23. ὄψεται τὸ αἷμα . . . ἐπ' ἀμφοτέρων τῶν στ. (1)
21. 6. προσάξει αὐτὸν . . . ἐπὶ τὸν στ. (1)
Le. 26. 26. ἀποδώσουσι τοὺς ἄρτους ὑμῶν ἐν σταθμῷ (6 *b*)
27. 3. πεντήκοντα δίδραχμα ἀργυρίου τῷ στ. τῷ ἁγίῳ (6 *a*)
Nu. 33. 1. B οὗτοι στ. [A R οἱ στ.] τῶν υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 2. ἔγραψε M. . . . τοὺς στ. αὐ. (3)
— 2. οὗτοι στ. [A οἱ στ.] τῆς πορείας αὐ. (3)
De. 15. 17. A² ἐπὶ τὸν στ. –
Jd. 8. 26. ἐγένετο ὁ στ. τῶν ἐνωτίων τῶν χρυσῶν (6 *b*)
16. 3. ἐπελάβετο τῶν θυρῶν . . . σὺν τοῖς δυσὶ στ. [A *al.*] (1)
I Ki. 17. 5. καὶ ὁ στ. τοῦ θώρακος αὐτοῦ (6 *b*)
II Ki. 12. 30. καὶ ὁ στ. αὐ. τάλαντον χρυσίου (6 *b*)
21. 16. καὶ ὁ στ. τοῦ δόρατος αὐ. τριακοσίων σίκλων (6 *b*)
III Ki. 7. 47. οὐκ ἦν σταθμὸς τοῦ χαλκοῦ –
— 47. οὐκ ἦν τέρμα τῶν στ. τοῦ χαλκοῦ (6 *b*)
— 48. A οὐκ ἦν σταθμὸς τοῦ χαλκοῦ –
10. 14. ἦν ὁ [A *om.*] στ. τοῦ χρυσίου (6 *b*)
IV Ki. 12. 9 (10). οἱ ἱερεῖς οἱ φυλάσσοντες τὸν στ. (4)
22. 4. ὃ συνήγαγον οἱ φυλάσσοντες τὸν στ. (4)
23. 4. ἐνετείλατο . . . τοῖς φυλάσσουσι τὸν στ. [A *om.* τ. στ.] (4)
25. 16. οὐκ ἦν σταθμὸς τοῦ χαλκοῦ (6 *b*)
— 18. τοὺς τρεῖς τοὺς φυλάσσοντας τὸν στ. (4)
I Ch. 20. 2. εὑρέθη ὁ στ. αὐ. τάλαντον χρυσίου (6 *b*)
22. 3. οὐκ ἦν σταθμός (6 *b*)
— 14. οὗ οὐκ ἔστι σταθμός (6 *b*)
28. 14. καὶ τὸν στ. τῆς ὁλκῆς αὐ. (6 *b*)
— 16. ἔδωκεν αὐτῷ ὁμοίως τὸν στ. τῶν τραπεζῶν (6 *b*)
— 17. A B² R καὶ τὸν [B¹ *om.*] στ. τῶν χρυσῶν . . . ἑκάστου στ. (6 *b*, 6 *b*)
— 18. τὸν τοῦ θυσιαστ. . . . στ. ὑπέδειξεν αὐτῷ (6 *b*)
II Ch. 9. 13. ἦν ὁ στ. τοῦ χρυσίου (6 *b*)
II Es. 8. 30. ἐδέξαντο οἱ ἰ. . . . σταθμὸν τοῦ ἀργ. (6 *b*)
— 34. ἐν ἀριθμῷ καὶ ἐν σταθμῷ τὰ πάντα (6 *b*)
— 34. ἐγράφη πᾶς ὁ στ. (6 *b*)
Jb. 28. 25. εἰδὼς . . . ἀνέμων σταθμόν [A *al.*] (6 *b*)
Pr. 8. 34. τηρῶν σταθμοὺς ἐμῶν εἰσόδων (1)
Wi. 11. 20. πάντα . . . ἀριθμῷ καὶ σταθμῷ διέταξας
Si. 6. 15. οὐκ ἔστι σταθμὸς τῆς καλλονῆς αὐτοῦ
16. 25. ἐκφαίνω ἐν σταθμῷ παιδείαν
26. 15. οὐκ ἔστι σταθμὸς πᾶς ἄξιος ἐγκρατοῦς ψυχῆς
28. 25. τοῖς λόγοις σου ποίησον ζυγὸν καὶ σταθμόν
42. 7. ὃ ἐὰν παραδίδῳς ἐν ἀριθμῷ καὶ σταθμῷ
Is. 28. 17. ἡ δὲ ἐλεημοσύνη μου εἰς σταθμούς (6 *c*)
40. 12. τίς ἔστησε τὰ ὄρη σταθμῷ (5)
46. 6. στήσουσιν ἐν σταθμῷ –
57. 8. ὀπίσω τῶν στ. τῆς θύρας σου (1)
Je. 9. 2 (1). τίς δώῃ μοι ἐν τῇ ἐρήμῳ σταθμὸν ἔσχατον (2)
52. 20. οὐκ ἦν σταθμὸς τοῦ χαλκοῦ αὐ. (6 *b*)
Ez. 4. 10. φάγεσαι ἐν σταθμῷ [A -μίῳ] (6 *d*)
— 16. φάγονται ἄρτον ἐν σταθμῷ (6 *b*)
[Aq. Dt. 11. 20: Pr. 16. 11: Je. 35 (42). 4: 52. 24.]
[Sm. Je. 35 (42). 4: 52. 24.]
[Th. Je. 35 (42). 4.]
[Al. Le. 5. 15 *bis*: Nu. 7. 13: 33. 1: II Ki. 21. 16.]

σταθμοῦν.
III Ki. 6. 23. δέκα πήχεων μέγεθος ἐσταθμωμένον [A -ων] –

σταθμοῦχος.
[Sm. Ex. 3. 22.]

σταῖς. (1) בָּצַק
Ex. 12. 34. ἀνέλαβε δὲ ὁ λαὸς τὸ στ. (1)
— 39. ἔπεψαν τὸ στ. (1)
II Ki. 13. 8. ἔλαβε τὸ στ. [A στέαρ] (1)
Je. 7. 18. αἱ γυναῖκες αὐτῶν τρίβουσι σταῖς [S² στέας] (1)
[Sm. Je. 7. 18.]

στακτή. (1) אֲהָלוֹת (2) לוּט (3) מֹר (4) נָטָף (5) נֹפֶךְ
Ge. 37. 25. οἱ κάμηλοι αὐ. ἔγεμον . . . στακτῆς (2)
43. 11. καταγάγετε . . . θυμίαμα καὶ στακτήν (2)
Ex. 30. 34. λάβε σεαυτῷ . . . στακτήν (4)
III Ki. 10. 25: II Ch. 9. 24: ἔφερον . . . στακτὴν καὶ ἡδύσματα †
Ps. 44 (45). 8. στακτὴ [S² -ὴν] καὶ κασία [S² -αν] (1)
Ca. 1. 13. ἀπόδεσμος τῆς στ. ἀδελφιδός μου ἐμοί (3)
Si. 24. 15. ὡς χαλβάνη καὶ ὄνυξ καὶ στακτή
Is. 39. 2. ἔδειξεν αὐτοῖς τὸν οἶκον . . . τῆς στ. –
Ez. 27. 16. στακτὴν καὶ ποικίλματα (5)
[Sm. Ez. 27. 19.]

σταλαγμός.
IV Ma. 9. 20. τοῖς τῶν ἰχώρων ἐσβέννυτο σταλαγμοῖς

σταλάζειν. (1) נָטַף hi.
Mi. 2. 11. ἐστάλαξέ σοι εἰς οἶνον καὶ μέθυσμα (1)
[Aq. Mi. 2. 6 *ter.*]

στάμνος. (1) בַּקְבֻּק (2) צְנִצֶנֶת
Ex. 16. 33. λάβε στ. χρυσοῦν ἕνα (2)
III Ki. 12. 24 (*cf.* A 14. 3). B λάβε εἰς τὴν χεῖρά σου . . . στάμνον μέλιτος (1)
— 24. B ἔλαβεν . . . στάμνον μέλιτος
— 24. B ἵνα τί μοι ἐνήνοχας . . . στάμνον μέλιτος
14. 3. A λάβε εἰς τὴν χεῖρά σου . . . στάμνον μέλιτος (1)
Da. LXX. Bel 32. ἔχων . . . στάμνον οἴνου κεκερασμένου
[Aq. III Ki. 14. 3.]

στασιάζειν.
Ju. 7. 15. ἀνθ' ὧν ἐστασίασαν
II Ma. 4. 30. συνέβη Ταρσεῖς καὶ Μαλλώτας στασιάζειν
14. 6. πολεμοτροφοῦσι καὶ στασιάζουσιν
[Aq. Is. 19. 2.]
[Sm. Ps. 74 (75). 5 *bis.*]

στάσιμος.
Si. 26. 17. κάλλος προσώπου ἐπὶ ἡλικίᾳ στασίμῃ

στάσις. (1) חֶרֶם (2) מָנוֹחַ (3) מָעוֹז (4) מִצָּב (5) מַחְתֹּרֶת (6) *a.* עַמּוּד *b.* מַעֲמָד *c.* עָמֹד *d.* עָמַד (7) קוּם (8) רִיב
De. 28. 65. οὐδ' οὐ μὴ γένηται στάσις τῷ ἴχνει τοῦ ποδός σου (2)
Jo. 10. 13. ἔστη ὁ ἥλιος καὶ ἡ σελήνη ἐν στάσει (6 *d*)
Jd. 9. 6. πρὸς τῇ βαλάνῳ τῇ εὐρετῇ τῆς στ. τῆς ἐν Σικ. (4)
III Ki. 10. 5. καὶ τὴν στ. λειτουργῶν αὐ. (6 *b*)

I Ch. 28. 2. οἰκοδομῆσαι . . . στάσιν ποδῶν κυρίου ἡμῶν (1)
II Ch. 9. 4. εἶδε . . . στάσιν λειτουργῶν αὐ. (6 b)
23. 13. ὁ βασ. ἐπὶ τῆς στ. αὐ. (6 a)
24. 13. ἀνέστησαν τὸν οἶκον κ. ἐπὶ τὴν στ. αὐ. (5)
30. 16. ἔστησαν ἐπὶ τὴν στ. αὐ. (6 c)
35. 10. ἔστησαν οἱ ἱερεῖς ἐπὶ τὴν στ. αὐ. (6 c)
— 15. καὶ οἱ ψαλτῳδοὶ υἱοὶ Ἀ. ἐπὶ τῆς στ. αὐ. (6 b)
Ne. 8. 7. καὶ ὁ λαὸς ἐν τῇ στ. αὐ. (6 c)
9. 3. B S ἔστησαν ἐπὶ στάσει [A R τῇ στ.] αὐ. (6 c)
— 6. ἐποίησας . . . πᾶσαν τὴν στ. αὐ. †
13. 11. ἔστησα αὐτοὺς ἐπὶ τῇ [A om.] στ. αὐ. (6 c)
Pr. 17. 14. προηγεῖται δὲ τῆς ἐνδείας στάσις (8)
Si. 36 (33). 12. ἀνέστρεψεν αὐτοὺς ἀπὸ στάσεως [A ἀποστ.] αὐτῶν
Na. 3. 11. ζητήσεις σεαυτῇ στάσιν ἐξ ἐχθρῶν (3)
Is. 22. 19. ἀφαιρεθήσῃ . . . ἐκ τῆς στ. σου (6 b)
Ez. 1. 28. A² B οὕτως ἡ στ. τοῦ φέγγους κυκλόθεν †
Da. LXX. 6. 7 (8). στάσιν ἐστήσαμεν (7)
8. 17. ἔστη ἐχόμενός μου τῆς στάσεως (6 c)
Da. TH. 6. 7 (8). στῆσαι στάσει βασιλικῇ [A τοῦ στ. στάσιν β.] (7)
— 15 (16). τοῦ πᾶν ὁρισμὸν καὶ στάσιν . . . οὐ δεῖ παραλλάξαι (7)
8. 17. ἔστη ἐχόμενος [A ἀνὰ μέσον] τῆς στ. μου (6 c)
10. 11. στῆθι ἐπὶ τῇ στ. σου (6 c)
I Ma. 7. 18. παρέβησαν γὰρ τὴν στ.
10. 72. οὐκ ἔστιν ὑμῖν στάσις ποδὸς κατὰ πρόσωπον ἡμῶν
III Ma. 1. 23. ἐπὶ τὴν αὐτὴν τῆς δεήσεως παρῆσαν στ.
[Aq. Jo. 4. 3 : Je. 44 (51). 29 : Ez. 20. 6, 15.]
[Sm. Jo. 4. 3 : Jb. 16. 18 : Ps. 68 (69). 3 : Is. 6. 13 : 29. 3 : Ez. 20. 6.]
[Th. Jo. 4. 3 : I Ki. 13. 23 : 14. 1 : Je. 44 (51). 29 : Da. 10. 11.]
[Al. I Ki. 10. 5.]

στατήρ.
[Aq. Ex. 30. 13 : 38. 24 (39. 1) : Nu. 3. 47 *bis* : I Ki. 17. 7.]
[Sm. Ex. 21. 32 : 30. 13 : Nu. 3. 47 *bis* : Ez. 4. 10.]
[Al. Ge. 23. 15 : I Ki. 9. 8.]

σταυροῦν. (1) תָּלָה
Es. 7. 9. σταυρωθήτω ἐπ' αὐτοῦ (1)
8. 13. διὰ τὸ αὐτὸν . . . ἐσταυρῶσθαι σὺν τῇ πανοικίᾳ

σταφίς. (1) עֲנָב יָבֵשׁ (2) עֲנָב (3) צִמּוּק
Nu. 6. 3. σταφίδα οὐ φάγεται (1)
I Ki. 25. 18. καὶ ἔλαβε . . . γομὸρ ἓν σταφίδος (3)
30. 12. A διδόασιν αὐτῷ . . . διακοσίους σταφίδας [B om. δ. στ.] (3)
II Ki. 16. 1. καὶ ἐπ' αὐτοῖς . . . ἑκατὸν σταφίδες (3)
III Ki. 14. 3. A λάβε εἰς τὴν χεῖρά σου . . . σταφίδας –
I Ch. 12. 40. ἔφερον αὐτοῖς . . . σταφίδας (3)
Ho. 3. 1. φιλοῦσι πέμματα μετὰ σταφίδος [A -ων] (2)
[Aq. I Ki. 30. 12 : III Ki. 14. 3.]
[Sm. I Ki. 30. 12.]

σταφυλή. (1) עֵנָב
Ge. 40. 10. πέπειροι οἱ βότρυες σταφυλῆς (1)
— 11. ἔλαβον τὴν στ. (1)
49. 11. πλυνεῖ . . . ἐν αἵματι σταφυλῆς τὴν περιβολὴν αὐ. (1)
Le. 25. 5. τὴν στ. τοῦ ἁγιάσματός σου οὐκ ἐκτρυγήσεις (1)
Nu. 6. 3. ὅσα κατεργάζεται ἐκ σταφυλῆς οὐ πίεται (1)
— 3. σταφυλὴν πρόσφατον . . . οὐ φάγεται (1)
13. 21 (20). ἡμέραι ἔαρος πρόδρομοι σταφυλῆς (1)
— 24 (23). ἔκοψαν ἐκεῖθεν . . . βότρυν σταφυλῆς (1)
De. 23. 24 (25). A² B φάγῃ σταφυλήν (1)
32. 14. αἷμα σταφυλῆς ἔπιεν οἶνον (1)
— 32. σταφυλὴ [A ἡ στ.] αὐ. σταφυλὴ χολῆς (1, 1)
III Ki. 12. 24. B λάβε εἰς τὴν χεῖρά σου . . . σταφυλήν –
— 24. B ἔλαβεν εἰς τὴν χεῖρα αὐ. . . . σταφυλήν –
— 24. B ἵνα τί μοι ἐνήνοχας . . . σταφυλήν –
Ne. 13. 15. καὶ οἶνον καὶ σταφυλήν (1)
Ca. 5. 1. S ἐτρύγησα σταφυλήν [A B σμύρναν] μου †
Si. 39. 26. αἷμα σταφυλῆς καὶ ἔλαιον καὶ ἱμάτιον
50. 15. ἔσπεισεν ἐξ αἵματος σταφυλῆς
51. 15. ἐξ ἄνθους ὡς περκαζούσης σταφυλῆς
Ho. 9. 10. ὡς σταφυλὴν ἐν ἐρήμῳ εὗρον τὸν Ἰσρ. (1)
Am. 9. 13. περκάσει ἡ στ. ἐν τῷ σπόρῳ (1)
Is. 5. 2, 4. ἔμεινα τοῦ ποιῆσαι σταφυλήν (1)
Je. 8. 13. οὐκ ἔστι στ. ἐν ταῖς ἀμπέλοις (1)
Ez. 36. 8. τὴν στ. καὶ τὸν καρπὸν ὑμῶν †
I Ma. 6. 34. τοῖς ἐλέφασιν ἔδειξαν αἷμα σταφυλῆς
[Aq., Sm. Nu. 6. 3.]
[Al. Nu. 13. 21 (20).]

στάχυς. (1) מְלִילָה (2) קָמָה (3) שִׁבֹּלֶת
Ge. 41. 5. ἑπτὰ στάχυες ἀνέβαινον (3)
— 6. ἄλλοι δὲ ἑπτὰ στάχυες λεπτοί (3)
— 7. κατέπιον οἱ ἑπτὰ στ. οἱ λεπτοὶ . . . τοὺς ἑπτὰ στ. τοὺς ἐκλεκτούς (3, 3)
— 22. ὥσπερ ἑπτὰ στάχυες ἀνέβαινον (3)
— 23. ἄλλοι δὲ ἑπτὰ στάχυες λεπτοί (3)
— 24. κατέπιον οἱ ἑπτὰ στ. οἱ λεπτοὶ . . . τοὺς ἑπτὰ στ. τοὺς καλούς (3, 3)
— 26. οἱ ἑπτὰ στ. οἱ καλοὶ ἑπτὰ ἔτη ἐστί (3)
— 27. καὶ οἱ ἑπτὰ στ. οἱ λεπτοί (3)
Ex. 22. 6 (5). καὶ προσεμπρήσῃ ἄλωνας ἢ στάχυς (2)
De. 23. 25 (26). A² B συλλέξεις ἐν ταῖς χερσί σου στάχυς (1)
Jd. 12. 6. εἰπὸν δὴ Στάχυς [A al.] (3)
15. 5. ἐξαπέστειλεν ἐν τοῖς στ. [A al.] (2)
— 5. A ἐνεπύρισε τοὺς στ. [B al.] –
— 5. καὶ ἕως στ. ὀρθῶν [A al.] (2)
Ru. 2. 2. συνάξω ἐν τοῖς στ. (3)
Jb. 24. 24. ὥσπερ στάχυς ἀπὸ καλάμης αὐτόματος ἀποπεσών (3)
Is. 17. 5. σπέρμα σταχύων ἀμήσῃ . . . ἐάν τις συναγάγῃ στάχυν (3, 3)
[Aq. Jd. 12. 6.]

στεάζειν.
[Al. Ps. 19 (20). 4.]

στέαρ, *cf.* στῆρ. (1) חֵלֶב (2) פֶּדֶר
Ge. 4. 4. ἤνεγκε καὶ αὐτὸς . . . ἀπὸ τῶν στ. αὐ. (1)
Ex. 23. 18. οὐδὲ μὴ κοιμηθῇ στέαρ τῆς ἑορτῆς μου (1)
29. 13. λήψῃ πᾶν τὸ στ. τὸ ἐπὶ τῆς κοιλίας . . . καὶ τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν (1, 1)
— 22. λήψῃ ἀπὸ τοῦ κριοῦ τὸ στ. αὐ. καὶ τὸ στ. τὸ κατακαλύπτον τὴν κοιλίαν (1, 1)
— 22. καὶ τοὺς δύο νεφροὺς καὶ τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)
Le. 1. 8. ἐπιστοιβάσουσιν . . . τὸ στ. ἐπὶ τὰ ξύλα (2)
— 12. διελοῦσιν αὐτὸ . . . καὶ τὸ στ. (2)
3. 3. τὸ στ. τὸ κατακαλύπτον τὴν κοιλίαν (1)
— 3. καὶ πᾶν τὸ στ. τὸ ἐπὶ τῆς κοιλίας (1)
— 4. καὶ τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)
— 9. προσοίσει . . . τὸ στ. (1)
— 9. A B καὶ τὸ στ. [R *add.* τὸ κατακαλύπτον τὴν κοιλίαν καὶ πᾶν τὸ στ. τὸ ἐπὶ] τῆς κοιλίας (1, [1])
— 10. καὶ τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)
— 14. ἀνοίσει . . . τὸ στ. τὸ κατακαλύπτον τὴν κοιλίαν (1)
— 14. A² B καὶ πᾶν τὸ στ. τὸ ἐπὶ τῆς κοιλίας (1)
— 15. καὶ πᾶν [A om.] τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)
— 16. πᾶν τὸ στ. τῷ κυρίῳ (1)
— 17. πᾶν στ. . . . οὐκ ἔδεσθε (1)
4. 8. πᾶν τὸ στ. [A τὸ πᾶν στ.] τοῦ μόσχου (1)
— 8. τὸ στ. τὸ κατακαλύπτον τὰ ἐνδόσθια (1)
— 8. πᾶν τὸ στ. τὸ ἐπὶ τῶν ἐνδοσθίων (1)
— 9. καὶ τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)
— 19. τὸ πᾶν στ. περιελεῖ ἀπ' αὐτοῦ (1)
— 26. τὸ πᾶν στ. αὐ. ἀνοίσει . . . ὥσπερ τὸ στ. θυσίας σωτηρίου (1, 1)
— 31. πᾶν τὸ στ. περιελεῖ (1)
— 31. ὃν τρόπον περιαιρεῖται στέαρ (1)
— 35. πᾶν αὐτοῦ τὸ στ. περιελεῖ (1)
— 35. ὃν τρόπον περιαιρεῖται στέαρ προβάτου (1)
6. 12 (5). ἐπιθήσει ἐπ' αὐτὸ τὸ στ. τοῦ σωτηρίου (1)
— 33 (7. 3). πᾶν τὸ στ. αὐ. προσοίσει (1)
— 33 (7. 3). καὶ πᾶν τὸ στ. τὸ κατακαλύπτον τὰ ἐνδόσθια (1)
— 33 (7. 3). καὶ πᾶν τὸ στ. τὸ ἐπὶ τῶν ἐνδοσθίων –
— 34 (7. 4). καὶ τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)
7. 13 (23). πᾶν στ. βοῶν . . . οὐκ ἔδεσθε (1)
— 14 (24). καὶ στέαρ θνησιμαίων [A -ον] . . . ποιηθήσεται (1)
— 15 (25). πᾶς ὁ ἔσθων στέαρ (1)
— 20 (30). τὸ στ. τὸ ἐπὶ τοῦ στηθυνίου (1)
— 21 (31). ἀνοίσει ὁ ἱερεὺς τὸ στ. (1)
— 23 (33). ὁ προσφέρων . . . τὸ στ. τὸ ἀπὸ τῶν υἱῶν Ἀ. (1)
Le. 8. 16. ἔλαβε Μ. πᾶν τὸ [A om.] στ. (1)
— 16. καὶ τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)
— 19 (20). ἀνήνεγκε Μ. . . . τὸ στ. (2)
— 24 (25). καὶ ἔλαβε τὸ στ. (1)
— 24 (25). καὶ τὸ στ. τὸ ἐπὶ τῆς κοιλίας (1)
— 24 (25). καὶ τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)
— 25 (26). καὶ ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸ στ. (1)
9. 10. καὶ τὸ στ. . . . ἀνήνεγκεν (1)
— 19. καὶ τὸ στ. τὸ ἀπὸ τοῦ μόσχου (1)
— 19. καὶ τὸ στ. τὸ κατακαλύπτον ἐπὶ τῆς κοιλίας –
— 19. καὶ τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν –
— 20. ἐπέθηκε τὰ στ. ἐπὶ τὰ στηθύνια (1)
— 20. ἀνήνεγκαν τὰ στ. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον (1)
— 24. καὶ κατέφαγε . . . τὰ στ. (1)
10. 15. ἐπὶ τῶν καρπωμ. τῶν στ. (1)
16. 25. τὸ στ. τὸ περὶ τῶν ἁμαρτιῶν ἀνοίσει (1)
17. 6. ἀνοίσει τὸ στ. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας (1)
Nu. 18. 17. τὸ στ. ἀνοίσεις κάρπωμα (1)
De. 32. 14. μετὰ στέατος ἀρνῶν καὶ κριῶν (1)
— 14. μετὰ στέατος νεφρῶν πυροῦ (1)
— 38. ὧν τὸ στ. τῶν θυσιῶν αὐ. ἠσθίετε (1)
Jd. 3. 22. ἀπέκλεισε τὸ στ. κατὰ τῆς φλογός [A φλεβός] (1)
I Ki. 2. 15. πρὶν θυμιαθῆναι τὸ στ. (1)
— 16. θυμιαθήτω πρῶτον ὡς καθήκει τὸ στ. (1)
15. 22. καὶ ἡ ἐπακρόασις ὑπὲρ στέαρ κριῶν (1)
II Ki. 1. 22. ἀπὸ στέατος δυνατῶν (1)
13. 8. A ἔλαβε τὸ στ. [B σταῖς] †
III Ki. 8. 64. ἐποίησεν ἐκεῖ . . . τὰ στ. τῶν εἰρηνικῶν (1)
II Ch. 7. 7. ἐποίησεν ἐκεῖ . . . τὰ στ. τῶν σωτηρίων (1)
— 7. οὐκ ἐξεποίει δέξασθαι . . . τὰ στ. (1)
29. 35. ἐν τοῖς στ. τῆς τελειώσεως τοῦ σωτηρίου (1)
35. 14. ἐν τῷ ἀναφέρειν τὰ στ. (1)
I Es. 1. 14. οἱ γὰρ ἱερεῖς ἀνέφερον τὰ στ.
Ju. 16. 16. ἐλάχιστον πᾶν στ. εἰς ὁλοκαύτωμά σοι
Jb. 15. 27. ἐκάλυψε τὸ πρόσωπον αὐτοῦ ἐν στέατι αὐτοῦ (1)
21. 24. τὰ δὲ ἔγκατα αὐτοῦ πλήρης στέατος †
Ps. 16 (17). 10. τὸ στ. αὐτῶν συνέκλεισαν (1)
62 (63). 5. ὡσεὶ στέατος καὶ πιότητος ἐμπλησθείη ἡ ψυχή μου (1)
72 (73). 7. ἐξελεύσεται ὡς ἐκ στέατος ἡ ἀδικία αὐτῶν (1)
80 (81). 16. ἐψώμισεν αὐτοὺς ἐκ στέατος πυροῦ (1)
147. 3 (14). στέαρ πυροῦ ἐμπιπλῶν σε (1)
Si. 47. 2. ὥσπερ στέαρ ἀφωρισμένον ἀπὸ σωτηρίου
Ho. 7. 4. ἀπὸ φυράσεως στέατος †
Is. 1. 11. στέαρ ἀρνῶν . . . οὐ βούλομαι (1)
34. 6. ἐπαχύνθη ἀπὸ στέατος [A S *add.* ἀρνῶν] . . . καὶ ἀπὸ στέατος τράγων καὶ κριῶν (1, 1)
— 7. ἀπὸ τοῦ στ. αὐτῶν ἐμπλησθήσεται (1)
43. 24. οὐδὲ τὸ [A S¹ *om.*] στ. τῶν θυσιῶν σου ἐπεθύμησα (1)
55. 1. φάγετε [A S πίετε] ἄνευ ἀργυρίου καὶ τιμῆς οἶνον καὶ στέαρ †
Ez. 39. 19. φάγεσθε στέαρ εἰς πλησμονήν (1)
44. 15. τοῦ προσφέρειν μοι θυσίαν στέαρ καὶ αἷμα (1)
Da. LXX. Bel 26. λαβὼν ὁ Δαν. . . . στέαρ
Da. TH. Bel 27. R ἔλαβεν ὁ Δαν. πίσσαν καὶ στέαρ [A B στῆρ]
[Aq. Ge. 45. 18 : Ps. 72 (73). 7 : 118 (119). 70.]
[Sm. Jb. 15. 27 : Ps. 16 (17). 10 : 118 (119). 70.]
[Th. Jb. 15. 27.]

στέας, *vid. sub* σταῖς.

στεατοῦσθαι. (1) מָרִיא
Ez. 39. 18. οἱ μόσχοι ἐστεατωμένοι πάντες (1)
[Aq., Sm., Th. Je. 5. 28.]

στεγάζειν. (1) עָמַד hi. (2) קָרָה pi.
II Ch. 34. 11. στεγάσαι τοὺς οἴκους (2)
Ne. 2. 8. στεγάσαι τὰς πύλας (2)
3. 3. ἐστέγασαν αὐτὴν καὶ ἐστέγασαν [A ἔστησαν] θύρας αὐ. (2, 1)
— 6. ἐστέγασαν αὐτήν (2)
Ps. 103 (104). 3. ὁ στεγάζων ἐν ὕδασι τὰ ὑπερῷα αὐτοῦ (2)

στέγειν.
Si. 8. 17. οὐ γὰρ δυνήσεται λόγον στέξαι

στέγη. (1) מִכְסֶה (2) צֵל

Ge. 8. 13. ἀπεκάλυψε Νῶε τὴν στ. τῆς κιβωτοῦ (1)
19. 8. A εἰσῆλθον ὑπὸ τὴν στ. [R σκέπην] τῶν δοκῶν μου (2)
I Es. 6. 4. καὶ τὴν στ. ταύτην . . . ἐπιτελεῖτε
Ez. 40. 43. ἕξουσι . . . ἐπὶ τὰς τραπέζας ἐπάνωθεν στέγας –
IV Ma. 17. 3. σὺ στέγη ἐπὶ τοῦ στύλου τῶν παίδων γενναίως ἱδρυμένη

στεγνός.

Pr. 31. 26 (27). στεγναὶ διατριβαὶ οἴκων αὐτῆς †

στέγος.

Ep. Je. 11. δώσουσι δὲ ἀπ' αὐτῶν καὶ ταῖς ἐπὶ τοῦ στ. [A τ.] πόρναις

στεῖρος, στεῖρα. (1) עֲקָרָה, עֲקָרָה (2) στεῖραν ποιεῖν עָצַר

Ge. 11. 30. ἦν Σάρα στεῖρα (1)
25. 21. ὅτι στεῖρα ἦν (1)
29. 31. Ῥαχὴλ δὲ ἦν στεῖρα (1)
Ex. 23. 26. οὐκ ἔσται . . . στεῖρα ἐπὶ τῆς γῆς σου (1)
De. 7. 14. οὐκ ἔσται ἐν ὑμῖν . . . στεῖρα (1)
Jd. 13. 2. καὶ γυνὴ αὐ. στεῖρα (1)
— 3. ἰδοὺ σὺ στεῖρα (1)
I Ki. 2. 5. στεῖρα ἔτεκεν ἑπτά (1)
Jb. 24. 21. στεῖραν δὲ οὐκ εὖ ἐποίησε [A al.] (1)
Ps. 112 (113). 9. ὁ κατοικίζων στεῖραν ἐν οἴκῳ (1)
Wi. 3. 13. μακαρία στεῖρα ἡ ἀμίαντος
Is. 54. 1. εὐφράνθητι, στεῖρα ἡ οὐ τίκτουσα (1)
66. 9. γεννῶσαν καὶ στεῖραν ἐποίησα (2)
[Aq. Dt. 7. 14.]

στειροῦν.

Si. 42. 10. μή ποτε στειρώσῃ [A S -ωθῇ]

στέλεχος. (1) גֶּזַע (2) עֶבֶת (3) עֵלָה (4) פֹּאֵרָה (5) תִּימָרָה (6) στ. φοινίκων תָּמָר

Ge. 49. 21. Νεφθ. στ. ἀνειμένον †
Ex. 15. 27. ἦσαν ἐκεῖ . . . ἑβδομήκοντα στελέχη φοινίκων (6)
Nu. 33. 9. ἐν Αἰ. . . . ἑβδομήκοντα στελέχη φοινίκων (6)
Jb. 14. 9 (8). τὸ στ. αὐτοῦ ἀπὸ ὀσμῆς ὕδατος ἀνθήσει (1)
29. 18. ὥσπερ στέλεχος φοίνικος πολὺν χρόνον βιώσω †
Ca. 3. 6. τίς αὕτη . . . ὡς στελέχη καπνοῦ τεθυμαμένη σμύρνιν (5)
Si. 50. 12. ἐκύκλωσαν αὐτὸν ὡς στελέχη φοινίκων
Je. 17. 8. ἔσται ἐπ' [A ἐν] αὐτῷ στελέχη ἀλσώδη (3)
Ez. 19. 11. ὑψώθη . . . ἐν μέσῳ στελεχῶν [A -έων] (2)
31. 12. συνετρίβη τὰ στ. αὐτοῦ (4)
— 13. ἐπὶ τὰ στ. αὐτοῦ ἐγίνοντο πάντα τὰ θηρία (4)

στέλλεσθαι. (1) חָתַת ni.

Pr. 31. 24 (26). τάξιν ἐστείλατο τῇ γλώσσῃ αὐτῆς –
Wi. 7. 14. πρὸς θεὸν ἐστείλαντο φιλίαν
14. 1. πλοῦν τις πάλιν στελλόμενος
Ma. 2. 5. καὶ ἀπὸ προσώπου ὀνόματός μου στέλλεσθαι αὐτόν (1)
II Ma. 5. 1. τὴν δευτέραν ἄφοδον ὁ Ἀντ. εἰς Αἴγυπτον ἐστείλατο
III Ma. 1. 19. αἱ δὲ καὶ προσαρτίως ἐσταλμέναι
4. 11. τοῖς ἐκ τούτων εἰς τὴν χώραν στελλομένοις
[Aq. Ge. 8. 1.]

στέμφυλλον (-υλον). (1) חֲרָצָן

Nu. 6. 4. οἶνον ἀπὸ στεμφύλλων ἕως γιγάρτου οὐ φάγεται (1)
[Aq. Ps. 118 (119). 119 : Is. 1. 25.]

στεναγμός. (1) אֲנָחָה (2) אֲנָקָה (3) הֵרוֹן (4) נְאָקָה (5) נְהָמָה (6) צְרָה

Ge. 3. 16. πληθυνῶ . . . τὸν στ. σου (3)
Ex. 2. 24. εἰσήκουσεν ὁ θ. τὸν στ. αὐ. (4)
6. 5. εἰσήκουσα τὸν στ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (4)
Jd. 2. 18. παρεκλήθη κ. ἀπὸ τοῦ στ. αὐ. (4)
To. 3. 1. S ἠρξάμην προσεύχεσθαι μετὰ στεναγμῶν [A B al.]
Ju. 14. 16. ἐβόησε . . . μετὰ . . . στεναγμοῦ
Jb. 3. 24. πρὸ γὰρ τῶν σίτων μου στεναγμὸς ἥκει (1)
23. 2. ἡ χεὶρ αὐτοῦ βαρεῖα γέγονεν ἐπ' ἐμῷ στ. [A S¹ al.] (1)
Ps. 6. 6. ἐκοπίασα ἐν τῷ στ. μου (1)
11 (12). 5. ἀπὸ τοῦ στ. τῶν πενήτων (2)
30 (31). 10. καὶ τὰ ἔτη μου ἐν στεναγμοῖς (1)
37 (38). 8. ὠρυόμην ἀπὸ στεναγμοῦ τῆς καρδίας μου (5)
— 9. ὁ στ. μου οὐκ ἐκρύβη ἀπὸ σοῦ (1)
78 (79). 11. εἰσελθέτω ἐνώπιόν σου ὁ στ. τῶν πεπεδημένων (2)
101 (102). 5. ἀπὸ φωνῆς τοῦ στ. μου (1)
— 20. τοῦ ἀκοῦσαι τὸν στ. τῶν πεπεδημένων (2)
Wi. 11. 12. στεναγμὸς μνημῶν τῶν παρελθουσῶν [A S -όντων]
Si. 27. 14. S¹ ἡ μάχη αὐτῶν στεναγμὸς [A B S² ἐμφραγμὸς] ὠτίων
Ma. 2. 13. ἐκαλύπτετε δάκρυσι τὸ θυσιαστήριον . . . καὶ στεναγμῷ ἐκ κόπων (2)
Is. 35. 10 : 51. 11. ἀπέδρα ὀδύνη καὶ λύπη καὶ στεναγμός (1)
Je. 4. 31. φωνῆς ὡς ὠδινούσης ἤκουσα τοῦ στ. σου (6)
51. 33 (45. 3). ἐκοιμήθην ἐν στεναγμοῖς (1)
La. 1. 22. πολλοὶ οἱ στ. μου (1)
Ez. 24. 17. στεναγμὸς αἵματος †
III Ma. 1. 18. στεναγμῶν ἐνεπίμπλων τὰς πλατείας
4. 2. A στεναγμοῖς πεπυρωμένης πάντοθεν αὐ. τῆς καρδίας [R al.]
[Aq. Jb. 3. 24 : Ps. 30 (31). 11 : Je. 45. 3 (51. 33).]
[Th. Je. 45. 3 (51. 33) : Ez. 30. 24.]
[Al. Pr. 19. 12.]

στενάζειν. (1) אָבַל (2) אָנָה (3) אָנַח ni. (4) אָנַק (5) הָמָה (6) זָעַק (7) נוּד (8) עָנַם (9) שָׁוַע pi.

To. 3. 1. S καὶ στενάξας ἔκλαυσα [A B al.]
Jb. 9. 27. συγκύψας τῷ προσώπῳ στενάξω †
18. 20. ἐπ' αὐτῷ ἐστέναξαν ἔσχατοι –
23. 2. A στενάζω δὲ ἐπ' ἐμαυτόν [B S al.] †
24. 12. ψυχὴ δὲ νηπίων ἐστέναξε μέγα (9)
30. 25. ἐστέναξα ἰδὼν ἄνδρα ἐν ἀνάγκαις (8)
31. 38. εἰ ἐπ' ἐμοί ποτε ἡ γῆ ἐστέναξεν (6)
Ec. 10. 18. A ἐν ἀργίᾳ χειρῶν στενάξει [B S στάξει] ἡ οἰκία †
Wi. 5. 3. R διὰ στενοχωρίαν πνεύματος στενάζοντες [A B -άξονται, S -άξουσιν]
Si. 16. 3. S² στενάξεις γὰρ πένθει ἀώρῳ
30. 20. στενάζων ὥσπερ εὐνοῦχος περιλαμβάνων παρθένον καὶ στενάζων
36. 30 (27). οὗ οὐκ ἔστι γυνὴ στενάξει πλανώμενος
Na. 3. 7. τίς στενάξει αὐτήν [A ἀπὸ σοῦ] (7)
Is. 19. 8. στενάξουσιν οἱ ἁλιεῖς καὶ στενάξουσι πάντες οἱ βάλλοντες ἄγκιστρον (2, 1)
21. 2. νῦν στενάξω καὶ παρακαλέσω ἐμαυτόν †
24. 7. στενάξουσι πάντες οἱ εὐφραινόμενοι τὴν ψυχήν (3)
30. 15. ὅταν ἀποστραφεὶς στενάξῃς [A -ῃ] †
46. 8. μνήσθητε ταῦτα καὶ στενάξατε †
59. 11. ὡς ἀποθνήσκοντες στενάξουσιν (5)
Je. 38 (31). 19. ἐστέναξα [S μετεστ.] ἐφ' ἡμέρας [S -αις] αἰσχύνης †
La. 1. 8. αὐτὴ στενάζουσα καὶ ἀπεστράφη [A add. εἰς τὰ] ὀπίσω (3)
— 21. ἀκούσατε δὴ ὅτι στενάζω ἐγώ (3)
Ez. 21. 6 (11). ἐν ὀδύναις στενάξεις (3)
— 7 (12). ἕνεκα τίνος σὺ στενάζεις (3)
26. 15. ἐν τῷ στενάξαι τραυματίας (4)
— 16. στενάξουσιν ἐπὶ σέ †
28. 19. στενάξουσιν [A στυγνάσουσιν] ἐπὶ σέ †
I Ma. 1. 26. καὶ ἐστέναξαν ἄρχοντες
IV Ma. 9. 21. ὁ μεγαλόφρων . . . νεανίας οὐκ ἐστέναξεν
[Aq. Pr. 5. 11 : Je. 51 (28). 52.]
[Sm. Pr. 5. 11 : Ez. 24. 17.]
[Th. Pr. 5. 11 : Ez. 30. 24.]

στενακτός.

Ez. 5. 15. ἔσῃ στενακτή †

στένειν. (1) אָנַח ni. (2) נוּד (3) קָדַר

Ge. 4. 12. στένων καὶ τρέμων ἔσῃ ἐπὶ τῆς γῆς (2)
— 14. ἔσομαι στένων καὶ τρέμων ἐπὶ τῆς γῆς (2)
Jb. 10. 1. στένων ἐπαφήσω ἐπ' αὐτὸν τὰ ῥήματά μου [A al.] †
30. 28. στένων πεπόρευμαι ἄνευ φιμοῦ (3)
Pr. 28. 28. ἐν τόποις ἀσεβῶν στένουσι δίκαιοι †
29. 2. ἀρχόντων δὲ ἀσεβῶν στένουσιν ἄνδρες (1)
[Sm. Jb. 6. 5.]
[Th. Ma. 2. 13.]

στενός. (1) לָחַץ (2) a. מְצָר b. מְצוּדָה (3) צַר, צָר (4) ἀπορία στ. צָרָה

Nu. 22. 26. ὑπέστη ἐν τόπῳ στ. (3)
I Ki. 23. 14. καὶ ἐκάθισεν . . . ἐν τοῖς στ. (2 a)
— 19. οὐκ ἰδοὺ Δ. κέκρυπται . . . ἐν τοῖς στ. (2 a)
24. 1. ἐκάθισεν ἐν τοῖς στ. Ἐνγ. (2 a)
— 23. ἀνέβησαν εἰς τὴν Μ. στενήν (2 b)
II Ki. 24. 14. στενά [A -όν?] μοι πάντοθεν σφόδρα ἐστίν (3)
IV Ki. 6. 1. ὁ τόπος . . . στενὸς ἀφ' ἡμῶν (3)
I Ch. 21. 13. στενά μοι καὶ τὰ τρία σφόδρα (3)
Ju. 4. 7. στενῆς τῆς προσβάσεως [S¹ ἀναβ., A S² διαβ.] οὔσης
Jb. 18. 12. ἔλθοισαν ἐν [A ἔλθοι] λιμῷ στενῷ †
24. 11. ἐν στενοῖς [A S² σκοτεινοῖς] ἀδίκως ἐνήδρευσαν †
Pr. 23. 27. καὶ φρέαρ στενὸν ἀλλότριον (3)
Za. 10. 11. διελεύσονται ἐν θαλάσσῃ στενῇ (3)
Is. 8. 22. ἰδοὺ ἀπορία στενή [A al.] (4)
30. 20. δώσει κ. ὑμῖν . . . ὕδωρ στενόν (1)
49. 20. στ. μοι ὁ τόπος (3)
Je. 37 (30). 7. χρόνος στ. ἐστι τῷ Ἰακώβ (3)
Ba. 3. 1. ψυχὴ ἐν στενοῖς καὶ πνεῦμα ἀκηδιῶν
Da. TH. Su. 22. στενά μοι πάντοθεν
[Aq. I Ki. 28. 15 : Jb. 41. 7 : Ps. 30 (31). 10 : 68 (69). 18 : Is. 59. 19.]
[Sm. I Ki. 28. 15 : Is. 28. 20.]
[Th. Is. 28. 20.]
[Al. Jb. 18. 11.]

στενότης.

II Ma. 12. 21. διὰ τὴν πάντων τῶν τόπων στ.

στενοῦσθαι.

[Aq. Pr. 4. 12.]
[Th. Is. 38. 12.]

στενοχωρεῖν. (1) אוּץ (2) אָלַץ pi. (3) צָרַר (4) קָצַר

Jo. 17. 15. εἰ στενοχωρεῖ σε τὸ ὄρος τὸ Ἐφρ. (1)
Jd. 16. 16. καὶ ἐστενοχώρησεν [A παρηνώχλησεν] αὐτόν (2)
Is. 28. 19 (20). μάθετε ἀκούειν στενοχωρούμενοι (4)
49. 19. στενοχωρήσει [S¹ -ῃ] ἀπὸ τῶν κατοικούντων (3)
IV Ma. 11. 11. τὸ πνεῦμα στενοχωρούμενος
[Sm. I Ki. 22. 2 : Is. 29. 2.]

στενοχωρία. (1) מָצוֹר (2) צוּקָה (3) ὁ ἐν (τῇ) στενοχωρίᾳ (ὤν) אֲשֶׁר מוּצָק לָהּ

De. 28. 53, 55, 57. ἐν τῇ στ. σου καὶ ἐν τῇ θλίψει σου (1)
Es. 1. 1. ἰδοὺ . . . θλίψις καὶ στενοχωρία [A om.]
4. 17. ἐνεδύσατο ἱμάτια στενοχωρίας
Wi. 5. 3. διὰ στενοχωρίαν πνεύματος
Si. 10. 26. μὴ δοξάζου ἐν καιρῷ στενοχωρίας σου
Is. 8. 22. θλῖψις καὶ στ. καὶ σκότος (2)
— 22 (23). οὐκ ἀπορηθήσεται ὁ ἐν στενοχωρίᾳ [S² τῇ στ.] ὢν [A om.] (3)
30. 6. ἐν τῇ θλίψει καὶ [A S add. ἐν] τῇ στ. (2)
I Ma. 2. 53. ἐν καιρῷ στενοχωρίας αὐ.
13. 3. αὐτοὶ οἴδατε . . . τὰς στ. [S¹ om. τ. στ.]
III Ma. 2. 10. ἐὰν . . . καταλάβῃ ἡμᾶς στενοχωρία
[Aq., Sm. Is. 30. 6, 20.]
[Th. Ps. 118 (119). 143 : Is. 30. 6, 20.]

στενῶς. (1) צַר

I Ki. 13. 6. B εἶδεν ὅτι στ. αὐτῷ μὴ προσάγειν αὐτόν (1)

στέργειν.

Si. 27. 17. στέρξον φίλον καὶ πιστώθητι μετ' αὐτοῦ
[Th. Dt. 15. 7.]

στερεῖν. (1) זוּר (2) מָנַע

Ge. 30. 2. ὃς ἐυστέρησέ σε καρπὸν κοιλίας (2)
48. 11. A² B τοῦ προσώπου σου οὐκ ἐστερήθην †

Nu. 24. 11. B¹ ἐστέρεσέν [AB²R -ησέ] σε κύριος τῆς δόξης (2)
Es. 8. 13. τῆς ἀρχῆς στερῆσαι [S¹ -έσαι] ἡμᾶς
Jb. 22. 7. πεινώντων ἐστέρησας ψωμόν (2)
Ps. 20 (21). 2. τὴν δέησιν [S² θέλησιν] τῶν χειλέων αὐτοῦ οὐκ ἐστέρησας αὐτόν (2)
77 (78). 30. οὐκ ἐστερήθησαν ἀπὸ τῆς ἐπιθυμίας αὐτῶν (1)
83 (84). 11. S² κύριος οὐ στερήσει [A B S¹ οὐχ ὑστερήσει] τὰ ἀγαθὰ τοὺς πορευομένους ἐν ἀκακίᾳ (2)
Wi. 18. 4. ἄξιοι μὲν γὰρ ἐκεῖνοι [A -ου] στερηθῆναι φωτός
Si. 7. 21. μὴ στερήσῃς αὐτὸν ἐλευθερίας
28. 15. B¹ ἐστέρεσεν [A -αν, B² R -ησεν] αὐτὰς τῶν πόνων αὐτῶν
37. 21. πάσης σοφίας ἐστερήθη
II Ma. 3. 29. πάσης ἐστερημένος ἐλπίδος
13. 10. τοῖς τοῦ νόμου . . . στερεῖσθαι μέλλουσι
III Ma. 1. 12. καὶ εἰ ἐκεῖνοι ἐστέρηνται ταύτης τῆς τιμῆς
2. 33. καὶ τῆς κοινῆς συναναστροφῆς . . . ἐστέρουν
5. 32. τὸ ζῆν ἀντὶ τούτων ἐστερήθης
IV Ma. 4. 7. εἰ οἱ . . . πιστεύσαντες . . . στερηθήσονται
12. 6. αὐτὴν ἑλεήσας τοσούτων υἱῶν στερηθεῖσαν
[Aq. Pr. 6. 32.]
[Sm. Jb. 31. 39.]

στερέμνιος.
[Aq. Ge. 41. 2.]

στερεοκάρδιος. (1) חֲזַק־לֵב
Ez. 2. 4. A υἱοὶ σκληροπρόσωποι καὶ στ. (1)
[Aq. Ez. 2. 4 (Sw.).]
[Th. Ez. 2. 4.]

στερεός. (1) אַדִּיר (2) אַכְזָרִי (3) אָנֹשׁ (4) חָזָק (5) חַלָּמִישׁ (6) מְקֻשָּׁה (7) στ. πέτρα *a.* צוּר *b.* צַר *c.* חַלָּמִישׁ
Ex. 38. 14 (37. 17). ἐποίησε τὴν λυχνίαν . . . στερεὰν τὸν καυλόν (6)
— 16 (37. 22). καὶ τὸ ἐνθέμιον . . . στ. ὅλον χρυσοῦν (6 ?)
Le. 14. 42. A B λήψονται λίθους ἀπεξυσμένους στ. [R ἑτέρους] †
Nu. 8. 4. αὕτη ἡ κατασκευὴ τῆς λυχνίας στερεὰ χρυσῆ . . . στερεὰ ὅλη (6, 6)
De. 32. 13. καὶ ἔλαιον ἐκ στ. πέτρας (5)
I Ki. 4. 8. ἐκ χειρὸς τῶν θεῶν τῶν στ. τούτων (1)
Ps. 34 (35). 10. ῥυόμενος πτωχὸν ἐκ χειρὸς [A om.] στερεωτέρων αὐτοῦ (4)
Is. 2. 21. τοῦ εἰσελθεῖν εἰς τὰς τρώγλας τῆς στ. πέτρας (7 *a*)
5. 28. ὡς στερεὰ πέτρα ἐλογίσθησαν (7 *b*)
17. 5. ἐάν τις συναγάγῃ στάχυν ἐν φάραγγι στερεᾷ †
50. 7. ἔθηκα τὸ πρόσωπόν μου ὡς στερεὰν πέτραν (7 *c*)
51. 1. ἐμβλέψατε εἰς τὴν στ. πέτραν (7 *a*)
Je. 15. 18. ἡ πληγή μου στερεά (3)
20. 13. A S ἐκ χειρὸς στερεωτέρων [B om.] πονηρευομένων [A αὐτοῦ] †
37 (30). 14. πληγὴν ἐχθροῦ ἔπαισά σε παιδείαν στερεάν (2)
38 (31). 11. ἐξείλατο αὐτὸν ἐκ χειρὸς στερεωτέρων αὐτοῦ (4)
[Aq. Dt. 8. 15: 32. 31 *bis*: II Ki. 2. 16: Ps. 26 (27). 5: 27 (28). 1: 30 (31). 3: 60 (61). 3: 61 (62). 8: 73 (74). 15: Is. 8. 14: 30. 29: Je. 49. 19 (29. 20): Hb. 1. 12.]
[Sm. II Ki. 2. 16: Ps. 60 (61). 3: 72 (73). 4: Ez. 13. 10.]
[Quint. Ps. 27 (28). 1: 30 (31). 3, 4.]

στερεοῦν. (1) אָמֵץ (2) חָזַק *a.* qal. *b.* pi. (3) טָפַח pi. (4) כּוּן ni. (5) מִבְצָר (6) נָטָה (7) נָצַב ni. (8) עָלַץ (9) עָצַם (10) עָשָׂה ni. (11) רָקַע *a.* qal. *b.* hi. (12) תָּכַן pi.
I Ki. 2. 1. ἐστερέωθη ἡ καρδία μου ἐν κυρίῳ (8)
6. 18. ἐκ πόλεως ἐστερεωμένης καὶ ἕως κώμης τοῦ Φ. (5)
Jb. 37. 18. A στερεωθεὶς [B S -ωσις, R -ώσεις] μετ' αὐτοῦ εἰς παλαιώματα (11 *b*)
Ps. 17 (18). 17. ἐστερεώθησαν ὑπὲρ ἐμέ (1)
32 (33). 6. τῷ λόγῳ τοῦ κυρίου οἱ οὐρανοὶ ἐστερεώθησαν (10)
74 (75). 3. ἐγὼ ἐστερέωσα τοὺς στύλους αὐτῆς (12)
92 (93). 1. ἐστερέωσε τὴν οἰκουμένην (4)
135 (136). 6. τῷ στερεώσαντι τὴν γῆν ἐπὶ τῶν ὑδάτων (11 *a*)
Si. 3. 2. κρίσιν μητρὸς ἐστερέωσεν ἐφ' υἱοῖς
26. 10. ἐπὶ θυγατρὶ ἀδιατρέπτῳ στερέωσον φυλακήν
29. 3. στερέωσον λόγον καὶ πιστώθητι μετ' αὐτοῦ
34 (31). 11. στερεωθήσεται τὰ ἀγαθὰ αὐτοῦ
39. 28. ἐν θυμῷ αὐτῶν ἐστερέωσαν [S² -εν] μάστιγας αὐτῶν
42. 11. ἐπὶ θυγατρὶ ἀδιατρέπτῳ στερέωσον φυλακήν
— 17. ἃ ἐστερέωσε κύριος ὁ παντοκράτωρ
— 25. ἐν τοῦ ἑνὸς ἐστερέωσε τὰ ἀγαθά
45. 8. ἐστερέωσεν αὐτὸν σκεύεσιν [S ἐν σκ.] ἰσχύος
50. 1. ἐν ἡμέραις αὐτοῦ ἐστερέωσε τὸν ναόν
Ho. 13. 4. B στερεῶν [A R ὁ στ.] τὸν οὐρανόν –
Am. 4. 13. στερεῶν βροντὴν καὶ κτίζων πνεῦμα †
Is. 42. 5. ὁ θεὸς . . . ὁ στερεώσας τὴν γῆν (11 *a*)
44. 24. ἐστερέωσα τὴν γῆν (11 *a*)
45. 12. τῇ χειρί μου ἐστερέωσα τὸν οὐρανόν (6)
48. 13. ἡ δεξιά μου ἐστερέωσε τὸν οὐρανόν (3)
51. 6. ὁ οὐρανὸς ὡς καπνὸς ἐστερεώθη †
Je. 5. 3. ἐστερέωσαν [A -ώθησαν] τὰ πρόσωπα αὐτῶν ὑπὲρ πέτραν (2 *b*)
10. 4. ἥλοις ἐστερέωσαν αὐτά (2 *b*)
52. 6. ἐστερεώθη ὁ λιμὸς ἐν τῇ πόλει (2 *a*)
La. 2. 4. ἐστερέωσε δεξιὰν αὐτοῦ ὡς ὑπεναντίος (7)
Ez. 4. 7. τὸν βραχίονά σου στερεώσεις †
Da. LXX. 8. 24. στερεωθήσεται ἡ ἰσχὺς αὐ. (9)
I Ma. 9. 62. A καὶ ἐστερέωσεν [S R -αν] αὐτήν
10. 50. ἐστερέωσε τὸν πόλεμον σφόδρα
[Aq. I Ki. 13. 21: Jb. 37. 18: Pr. 16. 30: Is. 26. 4.]
[Sm. Ps. 26 (27). 14: 30 (31). 25: 88 (89). 22.]
[Th. Pr. 16. 30.]
[Al. Ex. 14. 17.]
[Sext. Ps. 74 (75). 4.]

στερέωμα. (1) סֶלַע (2) רָקִיעַ (3) שַׁחַק
Ge. 1. 6. γενηθήτω στερέωμα ἐν μέσῳ τοῦ ὕδατος (2)
— 7. ἐποίησεν ὁ θ. τὸ στ. (2)
— 7. ὃ ἦν ὑποκάτω τοῦ στ. (2)
— 7. ἀνὰ μέσον τοῦ ὕδατος τοῦ ἐπάνω τοῦ στ. (2)
— 8. ἐκάλεσεν ὁ θ. τὸ στ. οὐρανόν (2)
— 14. γενηθήτωσαν φωστῆρες ἐν τῷ στ. τοῦ οὐρ. (2)
— 15. ἔστωσαν εἰς φαῦσιν ἐν τῷ στ. τοῦ οὐρ. (2)
— 17. ἔθετο αὐτοὺς ὁ θ. ἐν τῷ στ. τοῦ οὐρ. (2)
— 20. πετεινὰ πετόμενα . . . κατὰ τὸ στ. τοῦ οὐρ. (2)
Ex. 24. 10. ὥσπερ εἶδος στερεώματος τοῦ οὐρ. †
De. 33. 26. καὶ ὁ μεγαλοπρεπὴς τοῦ στ. (3)
I Es. 8. 81. δοῦναι ἡμῖν στερέωμα ἐν τῇ Ἰ.
Es. 9. 29. τό τε στ. τῆς ἐπιστολῆς τῶν Φρ. †
— 30. S¹ τό τε στ. τῆς ἐπιστολῆς –
Ps. 17 (18). 2. κύριος στερέωμά μου (1)
18 (19). 1. ποίησιν δὲ χειρῶν αὐτοῦ ἀναγγέλλει τὸ στ. (2)
70 (71). 3. στερέωμά μου καὶ καταφυγή μου εἶ σύ (1)
72 (73). 4. καὶ στερέωμα ἐν τῇ μάστιγι αὐτῶν †
150. 1. αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν στερεώματι δυνάμεως αὐτοῦ (2)
Si. 43. 1. γαυρίαμα ὕψους στερέωμα καθαριότητος
— 8. ἐν στερεώματι οὐρανοῦ ἐκλάμπων
Ez. 1. 22. ὁμοίωμα ὑπὲρ κεφαλῆς . . . ὡσεὶ στερέωμα (2)
— 23. ὑποκάτωθεν τοῦ στ. αἱ πτέρυγες αὐτῶν ἐκτεταμέναι (2)
— 25. φωνὴ ὑπεράνωθεν τοῦ στ. (2)
— 26. A ὑπεράνω τοῦ στ. τοῦ ὑπὲρ κεφαλῆς αὐτῶν (2)
10. 1. ἐπάνω τοῦ στ. τοῦ ὑπὲρ κεφαλῆς τῶν χερουβίμ (2)
13. 5. οὐκ ἔστησαν ἐν στερεώματι †
Da. LXX. 3. (56). εὐλογητὸς εἶ ἐν τῷ στ. τοῦ οὐρανοῦ
Da. TH. 3. (56). εὐλογητὸς εἶ ἐν τῷ στ. τοῦ οὐρανοῦ
12. 3. ὡς ἡ λαμπρότης τοῦ στ. (2)
I Ma. 9. 14. τὸ στ. τῆς παρεμβολῆς ἐν τοῖς δεξιοῖς
[Aq. Ge. 1. 6, 8, 20: Ps. 150. 1: Ez. 4. 16.]
[Sm. Ge. 1. 6, 8, 20: Jb. 37. 18: Ps. 150. 1: Ez. 4. 16.]
[Th. Ge. 1. 6, 8, 20: Ez. 1. 26: 4. 16: Da. 3. (56): 12. 3.]
[Al. Ex. 14. 27.]

στερεωματίζειν.
[Aq. II Ki. 22. 43.]

στερέωσις. (1) רָקַע hi.
Jb. 37. 18. B S στερέωσις [R -σεις, A -ωθεὶς] μετ' αὐτοῦ εἰς παλαιώματα (1)
Si. 28. 10. κατὰ τὴν στ. τῆς μάχης ἐκκαυθήσεται

στερίσκειν. (1) חָסֵר pi.
Ec. 4. 8. στερίσκω τὴν ψυχήν μου ἀπὸ ἀγαθωσύνης (1)

στέρνον.
Si. 26. 18. πόδες ὡραῖοι ἐπὶ στέρνοις εὐσταθοῦς [S¹ πτέρνοις εὐστάθμοις]

στερρῶς.
[Sm., Th. Pr. 20. 21.]

στεφάνη. (1) זֵר (2) מִסְגֶּרֶת (3) מַעֲקֶה (4) עֲטָרָה
Ex. 25. 23 (24). ποιήσεις αὐτῇ στεφάνην παλαιστοῦ (1)
— 24 (25). ποιήσεις στρεπτὸν κυμάτιον τῇ στ. κύκλῳ (2)
— 25 (27). ἐπιθήσεις . . . ὑπὸ τὴν στ. (2)
27. 3. ποιήσεις στεφάνην τῷ θυσιαστηρίῳ †
30. 3. ποιήσεις αὐτῷ στρεπτὴν στ. χρυσῆν κύκλῳ (1)
— 4. ποιήσεις ὑπὸ τὴν στρεπτὴν στ. αὐ. (1)
De. 22. 8. ποιήσεις στεφάνην τῷ δώματί σου (3)
Za. 6. 11. S¹ ποιήσεις στεφάνην [A B S² -ους] (4)
Je. 52. 18. τὴν στ. καὶ τὰς φιάλας †
[Sm. Ex. 25. 10 (11): 37 (38). 2.]
[Th. Ex. 37. 12 (38. 11) *bis*, 14 (38. 11).]
[Al. Ex. 25. 26 (27).]

στεφανηφορεῖν.
Wi. 4. 2. ἐν τῷ αἰῶνι στεφανηφοροῦσα πομπεύει [A¹ στεφανηφόρους ἀποπέμπει]

στεφανηφόρος.
Wi. 4. 2. A¹ στεφανηφόρους ἀποπέμπει [A²BS *al.*]

στέφανος. (1) אֲבֶנֶט (2) כְּלִיל (3) לְוָיָה (4) עֲטָרָה
II Ki. 12. 30. ἔλαβε τὸν στ. Μ. τοῦ βασ. αὐ. (4)
I Ch. 20. 2. ἔλαβε Δ. τὸν στ. Μ. βασιλέως αὐ. (4)
Ju. 3. 7. ἐδέξαντο αὐτὸν . . . μετὰ στεφάνων
15. 13. ἠκολούθει πᾶς ἀνὴρ Ἰσρ. . . . μετὰ στεφάνων
Es. 8. 15. καὶ στέφανον ἔχων χρυσοῦν (4)
Jb. 19. 9. ἀφεῖλε δὲ στέφανον ἀπὸ κεφαλῆς μου (4)
31. 36. ἐπ' ὤμοις ἂν περιθέμενος στέφανον [A ὡς στ.] (4)
Ps. 20 (21). 3. ἔθηκας ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ στέφανον ἐκ λίθου τιμίου (4)
64 (65). 11. εὐλογήσεις τὸν στ. τοῦ ἐνιαυτοῦ τῆς χρηστότητός σου †
Pr. 1. 9. στέφανον [S¹ -ος] γὰρ χαρίτων δέξῃ [A ἕξῃ] σῇ κορυφῇ (3)
4. 9. ἵνα δῷ τῇ σῇ κεφαλῇ στέφανον χαρίτων στεφάνῳ [S¹ τρεφ.] δὲ τρυφῆς ὑπερασπίσῃ σου (3, 4)
12. 4. γυνὴ ἀνδρεία στέφανος τῷ ἀνδρὶ αὐτῆς (4)
14. 24. στέφανος σοφῶν πανοῦργος (4)
16. 31. στέφανος καυχήσεως γῆρας (4)
17. 6. στέφανος γερόντων τέκνα τέκνων (4)
Ca. 3. 11. ἴδετε ἐν τῷ βασιλεῖ Σαλ. ἐν τῷ στ. (4)
Si. 1. 11. φόβος κυρίου . . . στέφανος ἀγαλλιάματος
— 18. στέφανος σοφίας φόβος κυρίου
6. 31. στέφανον ἀγαλλιάματος περιθήσεις σεαυτῷ
15. 6. στέφανον ἀγαλλιάματος . . . κατακληρονομήσει
25. 6. στέφανος γερόντων πολυπειρία
35 (32). 2. ἵνα . . . εὐκοσμίας χάριν λάβῃς στέφανον [A S¹ τὸν στ.]
40. 4. ἀπὸ φοροῦντος . . . στέφανον
45. 12. στέφανον χρυσοῦν ἐπάνω κιδάρεως
50. 12. κυκλόθεν αὐτοῦ στέφανος ἀδελφῶν
Za. 6. 11. ποιήσεις στεφάνους [S¹ -ην] (4)
— 14. ὁ δὲ στ. ἔσται τοῖς ὑπομένουσι (4)
Is. 22. 17. ἀφελεῖ . . . τὸν στ. σου τὸν ἔνδοξον †
— 21. τὸν στ. σου δώσω αὐτῷ (1)
28. 1. οὐαὶ τῷ στ. τῆς ὕβρεως (4)
— 3. καταπατηθήσεται ὁ στ. τῆς ὕβρεως (4)
— 5. ἔσται κύριος σαβαὼθ ὁ στ. τῆς ἐλπίδος (4)

Is. 62. 3. ἔσῃ στέφανος κάλλους ἐν χειρὶ κυρίου (4)
Je. 13. 18. καθῃρέθη ἀπὸ κεφαλῆς ὑμῶν στέφανος δόξης ὑμῶν (4)
La. 2. 15. A B² S στέφανος δόξης [B¹ R om.] εὐφροσύνης (2)
5. 16. ἔπεσεν ὁ στ. ἡμῶν τῆς κεφαλῆς (4)
Ep. Je. 9. κατασκευάζουσι στεφάνους
Ez. 16. 12. ἔδωκα . . . στέφανον καυχήσεως (4)
21. 26 (31). ἐπέθου τὸν στ. αὐτῇ (4)
23. 42. ἐδίδοσαν . . . στέφανον καυχήσεως ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν (4)
28. 12. στέφανος κάλλους . . . ἐγενήθης (2)
I Ma. 1. 22. ἔλαβε . . . τοὺς στ.
4. 57. κατεκόσμησαν τὸ κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ στ. χρυσοῖς
10. 20. ἀπέστειλεν αὐτῷ . . . στ. χρυσοῦν
— 29. ἀφίημι πάντας τοὺς Ἰ. . . . ἀπὸ τῶν στ.
11. 35. καὶ τοὺς ἀνήκοντας ἡμῖν στ.
13. 37. τὸν στ. τὸν χρυσοῦν . . . κεκομίσμεθα
— 39. ἀφίεμεν δὲ ὑμῖν . . . τὸν στ.
II Ma. 14. 4. προσάγων αὐτῷ στ. χρυσοῦν
[Aq. Pr. 14. 24: Is. 28. 1: 61. 3, 10.]
[Sm. Is. 28. 1: 61. 10: Ez. 24. 17, 23.]
[Th. Pr. 14. 24: Is. 28. 1: 61. 3: Ez. 27. 3.]
[Sam. Ex. 37 (38). 2.]
[Al. Le. 8. 9.]

στεφανοῦν. (1) עָטַר *a.* qal. *b.* pi.
Ju. 15. 13. ἐστεφανώσαντο [A -ατο] τὴν ἐλαίαν
Ps. 5. 12. ὡς ὅπλῳ εὐδοκίας ἐστεφάνωσας ἡμᾶς (1 *a*)
8. 5. δόξῃ καὶ τιμῇ ἐστεφάνωσας αὐτόν (1 *b*)
102 (103). 4. τὸν στεφανοῦντά σε ἐν ἐλέει (1 *b*)
Ca. 3. 11. ᾧ ἐστεφάνωσεν αὐτὸν ἡ μήτηρ αὐτοῦ (1 *b*)
III Ma. 3. 28. καὶ τῆς ἐλευθερίας στεφανωθήσεται
IV Ma. 17. 15. τοὺς ἑαυτῆς ἀθλητὰς στεφανοῦσα
[Aq. Ps. 5. 13.]
[Sm. Ps. 5. 13: 141 (142). 8.]
[Al. Dt. 24. 22 (20).]

στέφειν.
Wi. 2. 8. στεψώμεθα ῥόδων κάλυξι
[Aq. Ps. 8. 6.]
[Th. Pr. 14. 18.]

στέφος.
III Ma. 4. 8. βρόχους ἀντὶ στεφέων τοὺς αὐχένας περιπεπλεγμένοι

στηθοδεσμίς. (1) קְשָׁרִים
Je. 2. 32. μὴ ἐπιλήσεται . . . παρθένος τὴν στ. αὐτῆς (1)

στῆθος. (1) חָזֶה (2) חֲדִי (3) לֵב
Ge. 3. 14. ἐπὶ τῷ στ. σου . . . πορεύσῃ (1)
Ex. 28. 23 (29). ἐπὶ τοῦ λογείου τῆς κρίσεως ἐπὶ τοῦ στ. (3)
— 26 (30). ἔσται ἐπὶ τοῦ στ. Ἀ. (3)
— 26 (30). οἴσει Ἀ. τὰς κρίσεις . . . ἐπὶ τοῦ στ. (3)
Jb. 39. 20. δόξαν δὲ στηθέων αὐτοῦ τόλμῃ †
Pr. 6. 10. ὀλίγον δὲ ἐναγκαλίζῃ χερσὶ στήθη †
24. 48 (33). ὀλίγον δὲ ἐναγκαλίζομαι χερσὶ στήθη †
Da. LXX. 2. 32. τὸ στ. καὶ οἱ βραχίονες ἀργυροῖ (2)
Da. TH. 2. 32. τὸ στ. καὶ οἱ βραχίονες αὐ. ἀργυροῖ (2)
[Aq. Le. 11. 42: Je. 17. 1.]
[Sm. Pk. 3. 3: 7. 3: Je. 17. 1.]
[Th. Je. 17. 1: 31 (38). 33.]

στηθύνιον (-θήν.). (1) חָזֶה
Ex. 29. 26. λήψῃ τὸ στ. ἀπὸ τοῦ κριοῦ (1)
— 27. ἁγιάσεις τὸ στ. ἀφόρισμα (1)
Le. 7. 20 (30). τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τοῦ στ. (1)
— 21 (31). ἔσται τὸ στ. Ἀ. (1)
— 24 (34). τὸ γὰρ στ. τοῦ ἐπιθέματος . . . εἴληφα (1)
8. 28 (29). λαβὼν Μ. τὸ στ. (1)
9. 20. ἐπέθηκε τὰ στέατα ἐπὶ τὰ στ. (1)
— 21. τὸ στ. . . . ἀφεῖλεν Ἀ. ἀφαίρεμα (1)
10. 14. τὸ στ. τοῦ ἀφορίσματος . . . φάγεσθε (1)
— 15. τὸ στ. τοῦ ἀφορίσματος . . . προσοίσουσιν (1)
Nu. 6. 20. ἅγιον ἔσται τῷ ἱ. ἐπὶ τοῦ στ. τοῦ ἐπιθέματος (1)
18. 18. καθὰ καὶ τὸ στ. τοῦ ἐπιθέματος (1)

στήκειν. (1) יָצַב hithp. (2) כּוּן ni. (3) עָמַד
Ex. 14. 13. A στήκετε [B στῆτε] καὶ ὁρᾶτε (1)
Jd. 16. 26. B ἐφ' οἷς ὁ οἶκος στήκει ἐπ' αὐτούς [A R *al.*] (2)
III Ki. 8. 11. οὐκ ἠδύναντο οἱ ἱ. στήκειν [A στῆναι] (3)
[Aq., Th. Jo. 10. 19.]

στήλη. (1) בָּמָה (2) *a.* מַצֵּבָה *b.* מַצֶּבֶת *c.* נְצִיב
Ge. 19. 26. καὶ ἐγένετο στήλη ἁλός (2 *c*)
28. 18. ἔστησεν αὐτὸν στήλην (2 *a*)
— 22. ὃν ἔστησα στήλην (2 *a*)
31. 13. ᾧ ἤλειψάς μοι ἐκεῖ στήλην (2 *a*)
— 45. ἔστησεν αὐτὸν στήλην (2 *a*)
— 48 (51). ἡ στ. αὕτη ἣν ἔστησα (2 *a*)
— 48 (52). μαρτυρεῖ ἡ στ. αὕτη (2 *a*)
— 51. R μάρτυς ἡ στ. αὕτη (2 *a* ?)
— 52. μηδὲ σὺ διαβῇς πρὸς μὲ . . . τὴν στ. ταύτην (2 *a*)
35. 14. ἔστησεν Ἰ. στήλην . . . στ. λιθίνην (2 *a*, 2 *b*)
— 20. ἔστησεν Ἰ. στήλην (2 *a*)
— 20. αὕτη ἐστὶν στήλη μνημείου Ῥαχήλ (2 *b*)
Ex. 23. 24. συντρίβων συντρίψεις τὰς στ. αὐ. (2 *a*)
29. 29. A ἡ στ. [B στολὴ] τοῦ ἁγίου ἥ ἐστιν Ἀ. †
34. 13. τὰς στ. αὐ. συντρίψετε (2 *a*)
Le. 26. 1. οὐδὲ στήλην ἀναστήσετε ὑμῖν (2 *a*)
— 30. ἐρημώσω τὰς στ. ὑμῶν (1)
Nu. 21. 28. κατέπιε στήλας Ἀρνῶν (1)
22. 41. ἀνεβίβασεν αὐτὸν ἐπὶ τὴν στ. τοῦ B. (1)
33. 52. πάσας τὰς στ. αὐ. ἐξαρεῖτε (1)
De. 7. 5. τὰς στ. αὐ. συντρίψετε (2 *a*)
12. 3. συντρίψετε τὰς στ. αὐ. (2 *a*)
16. 22. οὐ στήσεις σεαυτῷ στήλην (2 *a*)
II Ki. 18. 18. B ἔστησεν ἑαυτῷ τὴν στ. –
— 18. τὴν στ. [A στήλωσιν] τὴν ἐν τῇ κοιλάδι τοῦ βασ. (2 *b*)
— 18. A ἐκάλεσε τὴν στ. ἐπὶ τῷ ὀνόμ. αὐ. (2 *b*)
— 18. ἐκάλεσε τὴν στ. Χεὶρ Αβ. †
III Ki. 14. 23. ᾠκοδόμησαν ἑαυτοῖς . . . στήλας (2 *a*)
IV Ki. 1. 18 (3. 2). ἀπέστησε τὰς στ. τοῦ B. (2 *a*)
3. 2. B μετέστησε τὰς στ. τοῦ B. (2 *a*)
10. 26. R ἐξήνεγκαν τὴν στ. [A B στολὴν] τοῦ B. (2 *a*)
— 27. κατέσπασαν τὰς στ. τοῦ B. (2 *a*)
17. 10. ἐστήλωσαν ἑαυτοῖς στήλας (2 *a*)
18. 4. συνέτριψε τὰς [A πάσας τὰς] στ. (2 *a*)
23. 14: II Ch. 14. 3 (2). συνέτριψε τὰς στ. (2 *a*)
II Ch. 31. 1. συνέτριψαν τὰς στ. (2 *a*)
33. 3. ἔστησε στήλας τοῖς B. †
Wi. 10. 7. ἀπιστούσης ψυχῆς μνημεῖον ἑστηκυῖα στήλη ἁλός
Si. 45. 10. S στήλῃ [A B στολῇ] ἁγίᾳ χρυσῷ καὶ ὑακίνθῳ
Ho. 10. 1. ᾠκοδόμησε στήλας (2 *a*)
— 2. ταλαιπωρήσουσιν αἱ στ. αὐ. (2 *a*)
Mi. 5. 13 (12). ἐξολεθρεύσω . . . τὰς στ. σου (2 *a*)
Is. 19. 19. στήλη πρὸς τὸ ὅριον αὐτῆς τῷ κυρίῳ (2 *a*)
Ez. 8. 3. οὗ ἦν ἡ στ. τοῦ κτωμένου †
I Ma. 14. 27. A καὶ ἔθεντο ἐν στήλῃ [S R -αις]
III Ma. 2. 27. ἐπὶ τοῦ κατὰ τὴν αὐλὴν πύργου στήλην ἀναστήσας
7. 20. ἃς καὶ ἀνιερώσαντες ἐν στήλῃ
[Aq., Sm. Je. 43 (50). 13.]
[Th. Ez. 26. 11.]
[Al. Ge. 31. 51, 52.]

στηλογραφία. (1) מִכְתָּם
Ps. 15 (16). *tit.* στηλογραφία τῷ Δαυίδ (1)
55 (56). *tit.*: 56 (57). *tit.*: 57 (58). *tit.*: 58 (59). *tit.* τῷ Δαυὶδ εἰς στηλογραφίαν (1)
59 (60). *tit.* εἰς στηλογραφίαν τῷ Δαυίδ (1)
[Quint. Ps. 55 (56). 1.]

στηλοῦν. (1) יָצַב hithp. (2) *a.* נָצַב ni. *b.* hi. *c.* נְצִיב (3) תָּקַע
Jd. 18. 16. A ἐστηλωμένοι παρὰ τὴν θύραν [B *al.*] (2 *a*)
— 17. A ὁ ἱερεὺς ἐστηλωμένος παρὰ τῇ θύρᾳ [B *al.*] (2 *a*)
I Ki. 17. 16. A ἐστηλώθη τεσσαράκοντα ἡμέρας (1)
II Ki. 1. 19. στήλωσον, Ἰσρ., ὑπὲρ τῶν τεθνηκότων [A *al.*] †
II Ki. 8. 14. A ἔθηκεν ἐστηλωμένους (2 *c*)
18. 17. ἐστήλωσεν ἐπ' αὐτὸν σωρὸν λίθων μέγαν σφόδρα (2 *b*)
— 18. ἐστήλωσεν αὐτήν (2 *b*)
— 30. στηλώθητι ὧδε [A *om.*] (1)
23. 12. ἐστηλώθη ἐν μέσῳ τῆς μερίδος (1)
III Ki. 9. 23. A οὗτοι οἱ ἄρχοντες οἱ ἐστηλωμένοι (2 *a*)
22. 48. βασιλεὺς οὐκ ἦν ἐν Ἐ. ἐστηλωμένος (2 *a*)
IV Ki. 17. 10. ἐστήλωσαν ἑαυτοῖς στήλας (2 *b*)
Is. 22. 23. B¹ στηλῶ [A B² S R στήσω] αὐτὸν ἄρχοντα (3)
La. 3. 12. ἐστήλωσέ με ὡς σκοπὸν εἰς βέλος (2 *b*)
[Aq. II Ki. 8. 6: III Ki. 9. 23: 22. 48: Ps. 38 (39). 6: 44 (45). 10: 73 (74). 17.]
[Sm. La. 2. 4.]
[Th. Ps. 73 (74). 17.]
[Al. Ge. 28. 13: Jd. 5. 30: I Ki. 3. 10.]

στήλωμα.
[Aq. Jd. 9. 6.]
[Th. Is. 6. 13.]

στήλωσις. (1) מַצֶּבֶת
II Ki. 18. 18. A τὴν στ. [B στήλην] τὴν ἐν τῇ κοιλάδι τοῦ βασ. (1)
[Aq. Is. 6. 13.]

στήμων. (1) שְׁתִי
Le. 13. 48. ἢ ἐν στήμονι ἢ ἐν κρόκῃ (1)
— 49, 51. ἢ ἐν τῷ στ. ἢ ἐν τῇ κρόκῃ (1)
— 52. κατακαύσει τὸ ἱμάτιον ἢ τὸν στ. (1)
— 53. ἢ ἐν τῷ στ. ἢ ἐν τῇ κρόκῃ (1)
— 55. ἐστήρισται ἐν τῷ ἱματίῳ ἢ ἐν τῷ στ. †
— 56. ἀπορρήξει αὐτὸ . . . ἀπὸ τοῦ στ. (1)
— 57. ἐὰν δὲ ὀφθῇ ἔτι . . . ἐν τῷ στ. (1)
— 58. τὸ ἱμάτιον ἢ ὁ στ. (1)
— 59. οὗτος ὁ νόμος ἀφῆς λέπρας . . . στήμονος (1)

στῆρ, *cf.* **στέαρ.**
Da. TH. Bel 27. A B ἔλαβε Δαν. πίσσαν καὶ στῆρ [R στέαρ]

στήριγμα (-ισμα). (1) אֵמוּן (2) יָתֵד (3) מַטֶּה
II Ki. 20. 19. ἐγὼ εἰμι εἰρηνικὰ τῶν στ. Ἰσρ. (1)
IV Ki. 25. 11. τὸ λοιπὸν τοῦ στ. μετῆρε N. †
II Es. 9. 8. A B² R δοῦναι ἡμῖν στήριγμα [? -ισμα, B¹ σωτήρισμα, B³ σωτηρίαγμα] (2)
To. 8. 6. ἔδωκας αὐτῷ βοηθὸν Εὔαν στήριγμα τὴν γυναῖκα αὐ.
Ps. 71 (72). 16. ἔσται στήριγμα ἐν τῇ γῇ †
104 (105). 16. πᾶν στήριγμα ἄρτου συνέτριψεν (3)
Si. 3. 31. ἐν καιρῷ πτώσεως εὑρήσει στήριγμα
31 (34). 15. A B² S τίς αὐτοῦ στήριγμα [B¹ R τίς ἀντιστήριγμα αὐτοῦ]
— 16. ὑπερασπισμὸς δυναστείας καὶ στήριγμα ἰσχύος
49. 15. ἡγούμενος ἀδελφῶν στήριγμα λαοῦ
Ez. 4. 16. συντρίβω στ. ἄρτου ἐν Ἱερουσαλήμ (3)
5. 16. συντρίψω στ. ἄρτου σου (3)
7. 11. συντρίψει στ. ἀνόμου (3)
14. 13. συντρίψω [A *add.* ἀπ'] αὐτῆς στ. ἄρτου (3)
I Ma. 2. 43. καὶ ἐγένοντο αὐτοῖς εἰς στήριγμα
6. 18. ζητοῦντες . . . στήριγμα τοῖς ἔθνεσι
10. 23. τοῦ φιλίαν καταλαβέσθαι τοῖς Ἰ. εἰς στήριγμα
[Aq. Ez. 40. 12, 14 (P.), 16 *bis*, 24, 26 (P.): 41. 3.]
[Sm. Is. 3. 1.]
[Al. Le. 26. 26.]

στηριγμός.
[Sm. Is. 3. 1.]

στηρίζειν. (1) *a.* אֱמוּנָה *b.* אֹמְנָה (2) נָטַר (3) נָפַל hi. (4) נָצַב *a.* hiph. *b.* hoph. (5) נָתַן (6) סָמַךְ *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. (7) סָעַד (8) סָפַח hithp. (9) שִׂים, שִׁים (10) תָּמַךְ (11) תָּקַע
Ge. 27. 37. σίτῳ καὶ οἴνῳ ἐστήρισα αὐτόν (6 *a*)
28. 12. κλῖμαξ ἐστηριγμένη ἐν τῇ γῇ (4 *b*)

Ex. 17. 12. ἐστήριζον τὰς χ. αὐτοῦ (10)
— 12. ἐγένοντο αἱ χεῖρες Μ. ἐστηριγμέναι (1 a)
Le. 13. 55. ἐστήρισται ἐν τῷ ἱματίῳ †
Jd. 19. 5. στήρισον τὴν καρδίαν σου ψωμῷ ἄρτου (7)
— 8. στήρισον δὴ τὴν καρδίαν σου (7)
I Ki. 26. 19. ἐξέβαλόν με σήμερον μὴ ἐστηρίσθαι ἐν κληρονομίᾳ κυρίου (8)
IV Ki. 18. 16. συνέκοψεν Ἐζ. . . . τὰ ἐστηριγμένα (1 b)
— 21. ὃς ἂν στηριχθῇ ἀνὴρ ἐπ' αὐτήν (6 b)
Jb. 20. 7. A ὅταν γὰρ δοκῇ ἤδη ἐστηρίχθαι [B S κατεστ.] †
Ps. 50 (51). 12. πνεύματι ἡγεμονικῷ στήρισόν με (6 a)
103 (104). 15. ἄρτος καρδίαν ἀνθρώπου στηρίζει (7)
110 (111). 8. ἐστηριγμέναι εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος (6 a)
111 (112). 8. ἐστήρικται ἡ καρδία αὐτοῦ (6 a)
Pr. 15. 25. ἐστήρισε [S¹ ἔστησεν] δὲ ὅριον χήρας (4 a)
16. 30. στηρίζων δὲ ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ †
27. 20. βδέλυγμα κυρίῳ στηρίζων ὀφθαλμόν –
Ca. 2. 5. στηρίσατέ με ἐν μύροις (6 c)
Si. 3. 9. εὐλογία γὰρ πατρὸς στηρίζει οἴκους τέκνων
5. 10. ἴσθι ἐστηριγμένος ἐν συνέσει σου
6. 37. αὐτὸς στηριεῖ τὴν καρδίαν σου
13. 21. πλούσιος σαλευόμ. στηρίζεται ὑπὸ φίλων
15. 4. στηριχθήσεται [A S -ισθήσεται] ἐπ' αὐτήν
22. 16. καρδία ἐστηριγμένη ἐπὶ διανοήματος βουλῆς
24. 10. οὕτως ἐν Σιὼν ἐστηρίχθην
38. 34. κτίσμα αἰῶνος στηρίσουσι [S οὐ στηρίζουσιν]
39. 32. ἐξ ἀρχῆς ἐστηρίχθην [S¹ -ίσθην]
40. 19. τέκνα καὶ οἰκοδομὴ πόλεως στηρίζουσιν ὄνομα
42. 17. στηριχθῆναι ἐν δόξῃ αὐτοῦ τὸ πᾶν
Am. 9. 4. στηριῶ τοὺς ὀφθ. μου ἐπ' αὐτούς (9)
Is. 22. 25. κινηθήσεται ὁ ἄνθρωπος ὁ ἐστηριγμένος ἐν τόπῳ πιστῷ (11)
59. 16. τῇ ἐλεημοσύνῃ ἐστηρίσατο (6 a)
Je. 3. 12. οὐ στηριῶ τὸ πρόσωπόν μου ἐφ' ὑμᾶς (3)
17. 5. στηρίσει σάρκα βραχίονος αὐτοῦ ἐπ' αὐτόν (9)
21. 10. ἐστήρικα [A -σα, S³ -ξα] τὸ πρόσωπόν μου ἐπὶ τὴν πόλιν ταύτην εἰς κακά (9)
24. 6. στηριῶ τοὺς ὀφθαλμούς μου ἐπ' αὐτούς (9)
Ez. 6. 2. στήρισον τὸ πρόσωπόν σου ἐπὶ τὰ ὄρη (9)
13. 17. στήρισον τὸ πρόσωπόν σου (9)
14. 8. στηριῶ τὸ πρόσωπόν μου ἐπὶ τὸν ἄνθρωπον ἐκεῖνον (5)
15. 7. A στηριῶ [B δώσω] τὸ πρόσωπόν μου ἐπ' αὐτούς (5)
— 7. ἐν τῷ στηρίσαι με τὸ πρόσωπόν μου ἐπ' αὐτούς (9)
20. 46 (21. 2). στήρισον τὸ πρόσωπόν σου ἐπὶ θαιμάν (9)
21. 2 (7): 25. 2: 28. 21: 29. 2: 38. 2. στήρισον τὸ πρόσωπόν σου (9)
Da. LXX. 7. 28. τὸ ῥῆμα ἐν καρδίᾳ μου ἐστήριξα (2)
I Ma. 2. 17. A R καὶ ἐστηριγμένος ἐν [S -ισμ.] υἱοῖς
— 49. A R νῦν ἐστηρίχθη [S -ίσθη] ὑπερηφανία
14. 14. ἐστήρισε πάντας τοὺς ταπεινοὺς τοῦ λαοῦ αὐ.
— 26. A R ἐστήρισε [S -ισται] γὰρ αὐτός
IV Ma. 17. 5. καὶ ἐστήρισαι ἐν οὐρανῷ σὺν αὐτοῖς
[Aq. Is. 26. 3: 63. 5.]
[Sm. Ps. 103 (104). 15: Pr. 8. 30: Is. 49. 16: 63. 5.]
[Th. Jd. 16. 29: Pr. 8. 30.]

στήρισμα, *vid. sub* στήριγμα.

στιβαρός. (1) כָּבֵד
Ez. 3. 6. οὐδὲ στιβαροὺς τῇ γλώσσῃ ὄντας (1)

στιβαρῶς.
Hb. 2. 6. καὶ βαρύνων τὸν κλοιὸν αὐ. στ. †

στιβάς.
[Aq. Ez. 46. 23.]

στίβι *cf.* στίμμι. (1) פּוּךְ
Je. 4. 30. ἐὰν ἐγχρίσῃ στ. [A στίμῃ] τοὺς ὀφθαλμούς σου (1)
[Aq., Sm., Th. Is. 54. 11.]

στιβίζεσθαι, *vid.* στιμίζεσθαι.

στίγμα. (1) נְקֻדָּה
Ca. 1. 11. ὁμοιώματα χρυσίου ποιήσομέν σοι μετὰ στιγμάτων τοῦ ἀργυρίου (1)
[Al. Jd. 5. 30.]

στιγμή. (1) פֶּתַע
Is. 29. 5. ἔσται ὡς στ. παραχρῆμα παρὰ κυρίου σαβαώθ (1)
II Ma. 9. 11. κατὰ στιγμὴν ἐπιτεινόμενος ταῖς ἀλγηδόσι

στικτός. (1) קַעֲקַע
Le. 19. 28. γράμματα στ. οὐ ποιήσετε ἐν ὑμῖν (1)

στίλβειν. (1) לָהַב (2) צָהַב hoph. (3) קָלַל
III Ki. 7. 47. A οὐκ ἦν τέρμα τῶν σταθμῶν τοῦ χαλκοῦ στίλβοντος [B *om.*] –
I Es. 8. 57. παρέδωκεν αὐτοῖς . . . στίλβοντα χρυσοειδῆ σκεύη δώδεκα
II Es. 8. 27. σκεύη χαλκοῦ στίλβοντος ἀγαθοῦ διάφορα (2)
Na. 3. 3. φωνὴ . . . στιλβούσης ῥομφαίας (1)
Ep. Je. 24. οὐ μὴ στίλψωσιν
Ez. 21. 29 (33). ἐγείρου ὅπως στίλβῃς †
40. 3. ὡσεὶ ὅρασις χαλκοῦ στίλβοντος –
Da. TH. 10. 6. ὡς ὅρασις χαλκοῦ στίλβοντος (3)
I Ma. 6. 39. ὡς δὲ ἔστιλβεν ὁ ἥλιος
— 39. ἔστιλβε τὰ ὄρη ἀπ' αὐτῶν
[Sm. Jd. 5. 10: Ps. 103 (104). 15.]

στιλβός.
[Sm. Le. 13. 36: Ez. 27. 18.]

στιλβοῦν. (1) לָטַשׁ
Ps. 7. 12. τὴν μάχαιραν αὐτοῦ στιλβώσει [A -σιν] (1)
[Th. Ez. 21. 10 (15).]

στίλβωσις. (1) בָּרָק
Ps. 7. 12. A τὴν ῥομφαίαν αὐ. στίλβωσιν [B S -σει] . . . ἐνέτεινε †
Ez. 21. 10 (15). ὅπως γένῃ εἰς στίλβωσιν (1)
— 15 (20). εὖ γέγονεν εἰς στίλβωσιν (1)

στιλπνότης.
[Aq. Dt. 7. 13: Za. 4. 14.]

στίμη. (1) פּוּךְ
Je. 4. 30. A ἐὰν ἐγχρίσῃ στίμῃ [B S στίβι] τοὺς ὀφθαλμούς σου (1)

στιμίζεσθαι (στιβ., στιμμ.). (1) כָּחַל (2) שִׂים בַּפּוּךְ
IV Ki. 9. 30. B¹ ἐστιμίσατο [R -ιμμ., A B² ἐστιβ.] τοὺς ὀφθ. αὐ. (2)
Ez. 23. 40. ἐστιβίζου τοὺς ὀφθαλμούς σου (1)
[Aq., Th. Ez. 23. 40.]

στίμμι.
[Aq., Sm., Th. Is. 54. 11.]

στίππινος, στιππόϊνος, στιππύϊνος. (1) פֵּשֶׁת
Le. 13. 47. ἐν ἱματίῳ ἐρεῷ ἢ ἐν ἱματίῳ στ. (1)
— 59. οὗτος ὁ νόμος ἀφῆς λέπρας ἱματίου ἐρεοῦ ἢ στ. [A *om.* ἐ. ἢ στ.] (1)

στιππύον, στυππεῖον, στύπιον. (1) נְעֹרֶת (2) פֵּשֶׁת (3) καλάμη στιππύου נְעֹרֶת
Jd. 15. 14. ὡσεὶ στιππύον ὃ ἐξεκαύθη ἐν πυρί [A *al.*] (2)
16. 9. ὡς εἴ τις ἀποσπάσοι στρέμμα στιππύου [A *al.*] (1)
Si. 21. 9. στυππεῖον συνηγμένον συναγωγὴ [A εἰσαγ.] ἀνόμων
Is. 1. 31. ἔσται ἡ ἰσχὺς αὐτῶν ὡς καλάμη στιππύου (3)
Da. LXX. 3. (46). οἱ δὲ ὑπέκαιον ὑποκάτωθεν αὐτῶν . . . στιππύον
Da. TH. 3. (46). καίοντες τὴν κάμινον . . . στιππύον
[Al. Le. 13. 48.]

στῖφος.
[Sm. Ca. 6. 9 (10).]

στιχίζειν.
Ez. 42. 3. A B ἐξέδραι . . . ἐστιχισμέναι [R ἐστοιχ.] –

στίχος. (1) טוּר
Ex. 28. 17. στίχος λίθων ἔσται (1)
— 17. τοπάζιον καὶ σμάραγδος ὁ στ. ὁ εἷς (1)
— 18. καὶ ὁ στ. ὁ δεύτερος (1)
— 19. καὶ ὁ στ. ὁ τρίτος (1)
— 20. καὶ ὁ στ. ὁ τέταρτος (1)
— 20. ἔστωσαν κατὰ στίχον αὐ. †
Ex. 36. 17 (39. 10). στίχος λίθων (1)
— 17 (39. 10). ὁ στ. ὁ εἷς (1)
— 18 (39. 11). ὁ στ. ὁ δεύτερος (1)
— 19 (39. 12). ὁ στ. ὁ τρίτος (1)
— 20 (39. 13). ὁ στ. ὁ τέταρτος (1)
III Ki. 6. 36. τρεῖς στίχους ἀπελεκήτων (1)
— 36. καὶ στίχος κατειργασμένης κέδρου (1)
7. 18. δύο στίχοι ῥοῶν χαλκῶν . . . στίχος ἐπὶ στίχον (1, –, –)
— 20. A καὶ τῶν ῥοῶν πέντε στίχοι κύκλῳ (1)
— 24. A δύο στίχοι τῶν ὑποστηριγμάτων (1)
— 42. δύο στίχοι ῥοῶν τῷ δικτύῳ τῷ ἑνί (1)
— 2. καὶ τριῶν στίχων στύλων κεδρίνων (1)
— 3. καὶ πέντε ὁ στ. (1)
— 12. τρεῖς στίχοι ἀπελεκήτων καὶ στίχος κεκολαμμένης (1, 1)

στοά. (1) אַתִּיק (2) מְזוּזָה (3) רִצְפָה
III Ki. 6. 31 (33). στοαὶ τετραπλῶς (2)
Ez. 40. 18. αἱ [A *om.*] στ. κατὰ νώτου τῶν πυλῶν (3)
42. 3. ἀντιπρόσωποι στοαὶ τρισσαί (1)
— 5. οὕτως στοαὶ δύο [A *om.*] –

στοιβάζειν. (1) עָרַךְ (2) רָפַד pi.
Le. 1. 7. A B² στοιβάσουσιν [B¹ R ἐπιστ.] ξύλα ἐπὶ τὸ πῦρ (1)
6. 12 (5). στοιβάσει ἐπ' αὐτοῦ τὴν ὁλοκαύτωσιν (1)
Jo. 2. 6. ἐν τῇ λινοκαλάμῃ τῇ ἐστοιβασμ. αὐτῇ ἐπὶ τοῦ δώμ. (1)
III Ki. 18. 33. ἐστοίβασε τὰς σχίδακας (1)
— 33. καὶ ἐστοίβασεν ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον –
Ca. 2. 5. στοιβάσατέ με [A *om.*] ἐν μήλοις (2)
[Sm. Ps. 119 (120). 4.]
[Th. Ps. 49 (50). 21: Pr. 9. 2.]
[Al. Le. 24. 3, 8.]

στοίβασις.
[Al. Le. 24. 6.]

στοιβή (στυβή). (1) גֶּדִישׁ (2) נְצִיץ (3) עֲרֵמָה
Jd. 15. 5. A ἀπὸ στυβῆς καὶ ἕως ἑστῶτος [B *al.*] (1)
Ru. 3. 7. ἦλθε κοιμηθῆναι ἐν μερίδι τῆς στ. (3)
Is. 55. 13. ἀντὶ τῆς στ. ἀναβήσεται κυπάρισσος (2)
[Sm. Is. 55. 13.]
[Th. Jd. 15. 5.]

στοιχεῖν. (1) כָּשֵׁר
Ec. 11. 6. οὐ γινώσκεις ποῖον στοιχήσει [S -σῃ] (1)

στοιχεῖον.
Wi. 7. 17. εἰδέναι . . . ἐνέργειαν στοιχείων
19. 18. δι' ἑαυτῶν γὰρ τὰ στ. μεθαρμοζόμενα
IV Ma. 12. 13. ἐκ τῶν αὐτῶν γεγονότας στ.

στοιχείωσις.
II Ma. 7. 22. τὴν ἑκάστου στ. οὐκ ἐγὼ διερρύθμισα

στοιχίζειν.
Ez. 42. 3. R ἐξέδραι . . . ἐστοιχισμέναι [A B ἐστιχ.] –

στολή. (1) אַדֶּרֶת (2) אֵפוֹד (3) בֶּגֶד (4) חֲלִיפָה (5) חֲלִיצָה (6) כֻּתֹּנֶת (7) לְבוּשׁ, לֶבֶשׁ (8) מְעִיל (9) עֵרֶךְ (10) שַׂלְמָה (11) שִׂמְלָה (12) αἱ στ. τῶν δοξῶν עֲדִי
Ge. 27. 15. λαβοῦσα Ῥεβ. τὴν στ. Ἡ. (3)
35. 2. ἀλλάξατε τὰς στ. ὑμῶν (11)
41. 14. ἤλλαξαν τὴν στ. αὐ. (11)
— 42. ἐνέδυσεν αὐτὸν στ. βυσσίνην (3)
45. 22. πᾶσιν ἔδωκε δισσὰς στ. καὶ τῷ Βεν. . . . πέντε ἀλλασσούσας στ. (11, 11)
49. 11. πλυνεῖ ἐν οἴνῳ τὴν στ. αὐ. (7)
Ex. 28. 2. ποιήσεις στ. ἁγίαν Ἀ. τῷ ἀδ. σου (3)
— 3. ποιήσουσι τὴν στ. τὴν ἁγίαν Ἀ. (3)
— 4. αὗται αἱ στ. ἃς ποιήσουσι (3)
— 4. ποιήσουσι στ. ἁγίας Ἀ. (3)
29. 5. λαβὼν τὰς στ. (3)
— 21. B καὶ ἐπὶ τὴν στ. αὐ. (3)
— 21. ῥανεῖς . . . ἐπὶ τὰς στ. τῶν υἱῶν αὐ. (3)
— 21. ἁγιασθήσεται αὐτὸς καὶ ἡ στ. αὐ. . . . καὶ αἱ στ. τῶν υἱῶν αὐ. (3, 3)
— 29. ἡ στ. [A στήλη] τοῦ ἁγίου ἥ ἐστιν Ἀαρών (3)
31. 10. ποιήσουσι . . . τὰς στ. τὰς λειτουργικὰς Ἀ. καὶ τὰς στ. τῶν υἱῶν αὐ. (3, 3)

Ex. 33. 5. ἀφέλεσθε τὰς στ. τῶν δοξῶν [B[1] om. τ. δ.] ὑμῶν (12)
35. 18 (19). ἐργαζέσθω . . . τὰς στ. τὰς ἁγίας Ἀ. τοῦ ἱερέως καὶ τὰς στ. ἐν αἷς λειτουργήσουσιν (3, 3)
— 21. εἰς πάσας τὰς στ. τοῦ ἁγίου (3)
36. 8 (39. 1). ἐποίησε . . . τὰς στ. τῶν ἁγίων (3)
39. 13 (1). ἐποίησαν στ. λειτουργικὰς Ἀ. (3)
— 14 (33). ἤνεγκαν τὰς στ. πρὸς Μ. †
— 19 (41). καὶ τὰς στ. τοῦ ἁγίου . . . καὶ τὰς στ. τῶν υἱῶν αὐ. (3, 3)
40. 13. ἐνδύσεις Ἀ. τὰς στ. τὰς ἁγίας (3)
Le. 6. 11 (4). ἐκδύσεται τὴν στ. αὐ. (3)
— 11 (4). ἐνδύσεται στ. ἄλλην (3)
8. 2. λάβε . . . τὰς στ. αὐ. (3)
— 29 (30). προσέρρανεν ἐπὶ Ἀ. καὶ τὰς στ. αὐ. . . . καὶ τὰς στ. τῶν υἱῶν αὐ. (3, 3)
— 30. B[2] R ἡγίασεν . . . τὰς στ. αὐ. . . . καὶ τὰς στ. τῶν υἱῶν αὐ. (3, 3)
16. 23. ἐκδύσεται τὴν στ. τὴν λινῆν (3)
— 24. ἐνδύσεται τὴν στ. αὐ. (3)
— 32. ἐνδύσεται τὴν στ. τὴν λινῆν στ. ἁγίαν (3, 3)
Nu. 20. 26. ἔκδυσον Ἀ. τὴν στ. αὐ. (3)
De. 22. 5. οὐδὲ μὴ ἐνδύσηται ἀνὴρ στ. γυναικείαν (11)
Jd. 14. 12. δώσω ὑμῖν . . . τριάκοντα στολὰς ἱματίων (4)
— 13. δώσετε ὑμεῖς ἐμοὶ . . . τριάκοντα ἀλλασσομένας [A om.] στολὰς ἱματίων (4)
— 19. A ἔλαβε τὰς στ. [B τὰ ἱμάτια] αὐ. (5)
— 19. ἔδωκε τὰς στ. [A om. τ. στ.] τοῖς ἀπαγγείλασι (4)
17. 10. δώσω σοι . . . στολὴν [A ζεῦγος] ἱματίων (9)
II Ki. 6. 14. καὶ ὁ Δ. ἐνδεδυκὼς στ. ἔξαλλον (2)
IV Ki. 5. 5. ἔλαβεν . . . δέκα ἀλλασσομένας στ. (3)
— 22. δὸς δὴ αὐτοῖς . . . δύο ἀλλασσομένας στ. (3)
— 23. A καὶ δύο ἀλλασσομένας στ. –
— 23. ἔλαβε . . . δύο ἀλλασσομένας στ. (3)
10. 26. A B ἐξήνεγκαν τὴν στ. [R στήλην] τοῦ Β. †
I Ch. 15. 27. καὶ Δ. περιεζωσμένος ἐν στ. βυσσίνῃ (8)
— 27. καὶ ἐπὶ Δ. στ. βυσσίνη (2)
II Ch. 5. 12. τῶν ἐνδεδυμένων στ. βυσσίνας –
18. 9. καὶ ἐνδεδυμένοι στολάς (3)
23. 13. διέρρηξε Γ. τὴν στ. αὐ. (3)
I Es. 4. 17. ποιοῦσι τὰς στ. τῶν ἀνθρώπων
— 54. ἔγραψε δὲ καὶ . . . τὴν ἱερατικὴν στ.
5. 45. δοῦναι . . . στ. ἱερατικὰς ἑκατόν
Ju. 10. 7. καὶ τὴν στ. μεταβεβληκυῖαν
16. 8. A B S[2] ἐξεδύσατο γὰρ στολὴν χηρεύσεως αὐ.
— 8. ἔλαβε στ. λινῆν εἰς ἀπάτην αὐ.
Es. 5. 1. πᾶσαν [A τὴν, S[2] add. τὴν] στ. τῆς ἐπιφανείας αὐ. ἐνεδεδύκει
6. 8. ἐνεγκάτωσαν . . . στ. βυσσίνην (7)
— 11. ἔλαβε δὲ Ἀ. τὴν στ. (7)
8. 15. ἐξῆλθεν ἐστολισμένος τὴν βασιλικὴν στ. (7)
Jb. 2. 12. ῥίψαντες ἕκαστος τὴν ἑαυτοῦ στ. (8)
9. 31. ἐβδελύξατο δέ με ἡ στ. (10)
30. 13. ἐξέδυσαν γάρ μου τὴν στ. †
— 18. ἐπελάβετό μου τῆς στ. (7)
37. 17. σοῦ δὲ ἡ στ. θερμή (3)
Si. 6. 29. A R οἱ κλοιοὶ [B S κλάδοι] αὐτῆς εἰς στολὴν δόξης
— 31. στολὴν δόξης ἐνδύσῃ αὐτήν
45. 7. R περιέζωσεν αὐτὸν στολὴν [A περιστολῇ, B S περιστολὴν] δόξης
— 10. στολῇ [S στήλῃ] ἁγίᾳ χρυσῷ καὶ ὑακίνθῳ
50. 11. ἐν τῷ ἀναλαμβάνειν αὐτὸν στολὴν δόξης
Jn. 3. 6. περιείλατο τὴν στ. αὐ. ἀφ' ἑαυτοῦ (1)
Is. 9. 5 (4). πᾶσαν στολὴν ἐπισυνηγμένην δόλῳ . . . ἀποτίσουσι †
22. 17. ἀφελεῖ τὴν στ. σου †
— 21. ἐνδύσω αὐτὸν τὴν στ. σου (6)
63. 1. οὕτως ὡραίος ἐν στολῇ (7)
Je. 52. 33. ἤλλαξε τὴν στ. τῆς φυλακῆς αὐτοῦ (3)
Ba. 4. 20. ἐξεδυσάμην τὴν στ. τῆς εἰρήνης
5. 1. ἔκδυσαι, Ἱερουσαλὴμ, τὴν στ. τοῦ πένθους
Ez. 10. 2. πρὸς τὸν ἄνδρα τὸν ἐνδεδυκότα τὴν στ. †
— 6. τῷ ἀνδρὶ τῷ ἐνδεδυκότι τὴν στ. τὴν ἁγίαν †
— 7. εἰς τὰς χεῖρας τοῦ ἐνδεδυκότος τὴν στ. τὴν ἁγίαν †
44. 17. στολὰς λινᾶς ἐνδύσονται (3)
— 19. ἐκδύσονται τὰς στ. αὐτῶν . . . ἐνδύσονται στολὰς ἑτέρας καὶ οὐ μὴ ἁγιάσωσι τὸν λαὸν ἐν ταῖς στ. αὐτῶν (3 *ter*)
I Ma. 6. 15. ἔδωκεν αὐτῷ . . . τὴν στ. αὐ.
10. 21. ἐνεδύσατο Ἰων. τὴν ἁγίαν στ.
I Ma. 14. 9. ἐνεδύσαντο . . . στολὰς πολέμου
II Ma. 3. 15. ἐν ταῖς ἱερατικαῖς στ. ῥίψαντες ἑαυτούς
5. 2. ἱππεῖς διαχρύσους στ. ἔχοντας
[Aq. Jo. 7. 21.]
[Sm., Th. Ex. 39. 1 (13).]
[Al. Jd. 14. 12.]
[Quint. IV Ki. 23. 7.]

στολίζειν. (1) לָבַשׁ *a.* pu. *b.* hi: *c.* לְבַשׁ
I Es. 1. 2. στήσας τοὺς ἱερεῖς . . . ἐστολισμένους
5. 59. ἔστησαν οἱ ἱερεῖς ἐστολισμένοι
7. 9. ἔστησαν οἱ ἱερεῖς . . . ἐστολισμένοι
II Es. 3. 10. ἔστησαν οἱ ἱερεῖς ἐστολισμένοι (1 *a*)
Ju. 10. 3. ἐν αἷς ἐστολίζετο [S ἐκοσμεῖτο]
Es. 4. 4. ἀπέστειλε στολίσαι τὸν Μαρδ. (1 *b*)
6. 9. στολισάτω [S[2] -ωσαν] τὸν ἄνθρωπον (1 *b*)
— 11. B S ἐστόλισε τὸν Μαρδ. (1 *b*)
8. 15. ἐξῆλθεν ἐστολισμένος τὴν βασιλικὴν στολήν –
Da. LXX. 5. 7. στολιεῖ αὐτὸν πορφύραν (1 *c*)
— 16. στολιῶ σε πορφύραν (1 *c*)
II Ma. 3. 33. ἐφάνησαν . . . ἐν ταῖς αὐταῖς ἐσθήσεσιν ἐστολισμένοι

στολισμός. (1) בֶּגֶד (2) כְּלִבּוּשׁ
II Ch. 9. 4. εἶδε . . . στολισμὸν αὐ. (2)
Si. 19. 30. στολισμὸς ἀνδρὸς . . . ἀναγγέλλει τὰ περὶ αὐτοῦ [A ἐμοῦ]
Ez. 42. 14. μὴ ἅπτωνται τοῦ στ. αὐτῶν (1)
[Aq., Sm. IV Ki. 10. 22.]

στολιστής.
IV Ki. 10. 22. ἐξήνεγκεν αὐτοῖς ὁ στ. †

στόλος.
I Ma. 1. 17. εἰσῆλθεν εἰς Αἴγυπτον . . . ἐν στ. μεγάλῳ
II Ma. 12. 9. ὑφῆψε τὸν λιμένα σὺν τῷ στ.
14. 1. μετὰ πλήθους ἰσχυροῦ καὶ στόλου
III Ma. 7. 17. ἐν ᾗ προσέμεινεν αὐτοὺς ὁ στ.

στόμα. (1) פֶּה (2) פִּם (3) שְׂפָה
(4) τὸ ἐξελθὸν ἐκ τοῦ στ. דָּבָר
Ge. 4. 11. ἣ ἔχανε τὸ στ. αὐ. (1)
8. 11. εἶχε φύλλον ἐλαίας κάρφος ἐν τῷ στ. αὐ. (1)
24. 57. ἐπερωτήσωμεν τὸ στ. αὐ. (1)
29. 2. λίθος δὲ ἦν μέγας ἐπὶ τῷ στ. τοῦ φρέατος (1)
— 3. ἀπεκύλιον τὸν λίθον ἀπὸ τοῦ στ. τοῦ φρέατος (1)
— 3. ἀπεκαθίστων τὸν λίθον ἐπὶ τὸ στ. τοῦ φρέατος (1)
— 8. καὶ ἀποκυλίσωσι τὸν λίθον ἀπὸ τοῦ στ. τοῦ φρέατος (1)
— 10. ἀπεκύλισε τὸν λίθον ἀπὸ τοῦ στ. τοῦ φρέατος (1)
34. 26. ἀπέκτειναν ἐν στόματι μαχαίρας (1)
41. 40. ἐπὶ τῷ στ. σου ὑπακούσεται πᾶς ὁ λαός μου (1)
42. 27. ἦν ἐπάνω τοῦ στ. τοῦ μαρσίππου (1)
44. 1. ἐμβάλατε ἑκάστου τὸ ἀργ. ἐπὶ τοῦ στ. τοῦ μαρσίππου αὐ. (1)
45. 12. τὸ στ. μου τὸ λαλοῦν πρὸς ὑμᾶς (1)
Ex. 4. 11. τίς ἔδωκε στόμα ἀνθρώπῳ (1)
— 12. ἀνοίξω τὸ στ. σου (1)
— 15. δώσεις τὰ ῥήματά μου εἰς τὸ στ. αὐ. (1)
— 15. A B[2] R ἀνοίξω τὸ στ. σου καὶ τὸ στ. αὐ. (1, 1)
— 16. αὐτὸς ἔσται σου στόμα (1)
13. 9. ὅπως ἂν γένηται ὁ νόμος κυρίου ἐν τῷ στ. σου (1)
23. 13. οὐδὲ μὴ ἀκουσθῇ ἐκ τοῦ στ. ὑμῶν (1)
Le. 13. 45. περὶ τὸ στ. αὐ. περιβαλέσθω (3)
Nu. 4. 27. κατὰ στόμα Ἀ. καὶ τῶν υἱῶν αὐ. (1)
12. 8. στόμα κατὰ στόμα λαλήσω αὐτῷ (1, 1)
16. 30. ἀνοίξασα ἡ γῆ τὸ στ. αὐ. (1)
22. 28. ἤνοιξεν ὁ θ. τὸ στ. τῆς ὄνου (1)
— 38. ὃ ἐὰν βάλῃ ὁ θ. εἰς τὸ στ. [A τὴν καρδίαν] μου (1)
23. 5. B[1] ἐνέβαλεν ὁ θ. ῥῆμα εἰς στόμα [A B[2] R τὸ στ.] Βαλ. (1)
— 12. ὅσα ἐὰν ἐμβάλῃ ὁ θ. εἰς τὸ στ. μου (1)
— 16. ἐνέβαλε ῥῆμα εἰς τὸ στ. αὐ. (1)
26. 10. ἀνοίξασα ἡ γῆ τὸ στ. αὐ. (1)
27. 21. ἐπὶ τῷ στ. αὐ. ἐξελεύσονται καὶ ἐπὶ τῷ στ. αὐ. εἰσελεύσονται (1, 1)
30. 3. ὅσα ἂν ἐξέλθῃ ἐκ τοῦ στ. αὐ. (1)
32. 24. τὸ ἐκπορευόμενον ἐκ τοῦ στ. ὑμῶν (1)
Nu. 33. 7. παρενέβαλον ἐπὶ στόμα Εἰ. (1)
De. 8. 3. ἐπὶ παντὶ ῥήμ. τῷ ἐκπορευομ. διὰ στόματος θεοῦ (1)
11. 6. ἀνοίξασα ἡ γῆ τὸ στ. αὐ. (1)
18. 18. δώσω τὰ ῥήματά μου ἐν τῷ στόματι αὐ. (1)
19. 15. ἐπὶ στόματος δύο μαρτύρων καὶ ἐπὶ στόματος τριῶν μαρτύρων (1, 1)
21. 5. ἐπὶ τῷ στ. [A ὀνόματι] αὐ. ἔσται πᾶσα ἀντιλογία (1)
23. 23 (24). ὃ ἐλάλησας τῷ στ. σου [A[1] om. τ. στ. σ.] (1)
30. 14. ἐγγὺς σοῦ ἐστι τὸ ῥῆμα σφόδρα ἐν τῷ στ. σου (1)
31. 19. ἐμβαλεῖτε αὐτὴν εἰς τὸ στ. αὐ. (1)
— 21. B οὐ γὰρ μὴ ἐπιλησθῇ ἀπὸ στόματος [A R add. αὐ. καὶ ἀπὸ στόματος] τοῦ σπέρματος αὐ. (1, [–])
32. 1. ἀκουέτω ἡ γῆ ῥήματα ἐκ στόματός μου (1)
Jo. 1. 8. οὐκ ἀποστήσεται ἡ βίβλος . . . ἐκ τοῦ στ. σου (1)
6. 20 (21). ἀνεθεμάτισεν αὐτὴν . . . ἐν στόματι ῥομφαίας (1)
8. 24. ἐπάταξεν αὐτὴν ἐν στόματι ῥομφαίας (1)
10. 18. κυλίσατε λίθους ἐπὶ τὸ στ. τοῦ σπηλαίου (1)
— 28, 30, 32. ἐφόνευσαν αὐτὴν ἐν στόματι ξίφους (1)
— 33. ἐπάταξεν αὐτὸν Ἰ. ἐν στόματι ξίφους –
— 35. ἐφόνευσεν αὐτὴν ἐν στόματι ξίφους (1)
— 37. ἐπάταξεν αὐτὴν ἐν στόματι ξίφους (1)
— 39. ἐπάταξαν αὐτὴν ἐν στόματι ξίφους (1)
11. 11. A ἀπέκτειναν πᾶν ἐμπνέον . . . ἐν στόματι ξίφους [B *al.*] (1)
— 12. ἀνείλεν αὐτοὺς ἐν στόματι ξίφους (1)
— 14. αὐτοὺς δὲ πάντας ἐξωλέθρευσαν ἐν στόματι ξίφους (1)
19. 47. ἐπάταξαν αὐτὴν ἐν στόματι μαχαίρας (1)
Jd. 1. 8. ἐπάταξαν αὐτὴν ἐν στόματι ῥομφαίας (1)
— 25. ἐπάταξαν τὴν πόλιν ἐν στόματι ῥομφαίας (1)
4. 15. ἐξέστησε κ. τὸν Σ. . . . ἐν στόματι ῥομφαίας (1)
— 16. ἔπεσε πᾶσα παρεμβολὴ Σ. ἐν στόματι ῥομφ. (1)
7. 6. τῶν λαψάντων ἐν χειρὶ αὐ. πρὸς τὸ στ. αὐ. [A *al.*] (1)
9. 38. ποῦ ἐστι τὸ στ. σου (1)
11. 35. ἤνοιξα κατὰ σοῦ τὸ στ. μου [A *al.*] (1)
— 36. ἤνοιξας τὸ στ. σου πρὸς κύριον (1)
— 36. ὃν τρόπον ἐξῆλθεν ἐκ στόματός σου (1)
14. 8. συναγωγὴ μελισσῶν ἐν τῷ στ. τοῦ λέοντος †
— 9. A ἐξείλεν αὐτὸ εἰς τὸ στ. [B εἰς χεῖρας] †
— 9. B ἀπὸ τοῦ στ. τοῦ λέοντος ἐξεῖλε τὸ μέλι [A *al.*] †
18. 19. ἐπίθες τὴν χεῖρά σου ἐπὶ τὸ στ. σου (1)
— 27. ἐπάταξαν αὐτοὺς ἐν στόματι ῥομφαίας (1)
20. 37. ἐπάταξαν τὴν πόλιν ἐν στόματι ῥομφαίας (1)
— 48. ἐπάταξαν αὐτοὺς ἐν στόματι ῥομφαίας (1)
21. 10. πατάξατε τοὺς οἰκοῦντας Ἰ. Γ. ἐν στόματι ῥομφαίας (1)
I Ki. 1. 12. ἐφύλαξε τὸ στ. αὐ. (1)
— 23. τὸ ἐξελθὸν ἐκ τοῦ στ. σου (4)
2. 1. ἐπλατύνθη ἐπ' ἐχθρούς μου τὸ στ. μου (1)
— 3. μὴ ἐξελθάτω μεγαλορημοσύνη ἐκ τοῦ στ. ὑμῶν (1)
— 23. ὃ ἐγὼ ἀκούω ἐκ στόματος παντὸς τοῦ λαοῦ κυρίου –
12. 14. ἐὰν . . . μὴ ἐρίσητε τῷ στ. κυρίου (1)
— 15. ἐὰν δὲ . . . ἐρίσητε τῷ στ. κυρίου (1)
14. 26. οὐκ ἦν ἐπιστρέφων τὴν χεῖρα αὐ. εἰς τὸ στ. αὐ. (1)
— 27. ἐπέστρεψε τὴν χεῖρα αὐ. εἰς τὸ στ. αὐ. (1)
15. 8. πάντα τὸν λαὸν . . . ἀπέκτεινεν ἐν στόματι ῥομφ. (1)
17. 35. καὶ ἐξέσπασα ἐκ τοῦ στ. αὐ. (1)
22. 19. A τὴν Ν. . . . ἐπάταξεν ἐν στόματι ῥομφαίας . . . ἕως . . . ὄνου καὶ προβάτου ἐν στόματι ῥομφαίας [B om. ἐν στ. ῥ.] (1, 1)
II Ki. 1. 16. τὸ στ. σου ἀπεκρίθη κατὰ σοῦ (1)
13. 32. ἐπὶ στόματος Ἀβ. ἦν κείμενος (1)
14. 3. ἔθηκεν Ἰ. τοὺς λόγους ἐν τῷ στ. [A εἰς τὸ στ.] αὐ. (1)
— 13. ἢ ἐκ στόματος τοῦ βασ. ὁ λόγος οὗτος †
— 19. ἔθετο ἐν τῷ στ. [A στ. μου] τῆς δούλης σου (1)

II Ki. 15. 14. ἵνα μὴ ... πατάξῃ τὴν πόλιν στόματι μαχαίρας (1)
17. 5. ἀκούσωμεν τί ἐν τῷ στ. αὐ. (1)
18. 25. εὐαγγέλια ἐν τῷ στ. αὐ. (1)
22. 9. πῦρ ἐκ στόματος αὐ. κατέδεται (1)
III Ki. 7. 31. A καὶ στόμα αὐ. ἔσωθεν τῆς κεφαλίδος (1)
— 31. A καὶ στόμα αὐ. στρογγυλοῦν (1)
— 31. A καί γε ἐπὶ στόματος αὐ. διατορεύματα (1)
8. 15. ὃς ἐλάλησεν ἐν τῷ [A om.] στ. αὐ. (1)
— 24. ἐλάλησας ἐν τῷ [A om.] στ. σου (1)
17. 1. ὅτι εἰ μὴ διὰ στόματος λόγου μου (1)
— 24. ῥῆμα κυρίου ἐν στόματί σου ἀληθινόν (1)
19. 18. καὶ πᾶν στ. ὃ οὐ προσεκύνησεν αὐτῷ (1)
21 (20). 33. ἀνέλεξαν τὸν λόγον ἐκ τοῦ στ. αὐ. †
22. 13. λαλοῦσι πάντες οἱ προφῆται ἐν στόματι ἑνί (1)
— 22. ἔσομαι πνεῦμα ψευδὲς εἰς τὸ στ. [A ἐν στόματι] πάντων τῶν προφητῶν αὐ. (1)
— 23. ἔδωκε κ. πνεῦμα ψευδὲς ἐν στόματι πάντων τῶν προφητῶν σου τούτων (1)
IV Ki. 4. 34. ἔθηκε τὸ στ. αὐ. ἐπὶ τὸ στ. αὐ. (1, 1)
10. 21. ἐπλήσθη ὁ οἶκος τοῦ B. στόμα εἰς στόμα (1, 1)
— 25. ἐπάταξαν αὐτοὺς ἐν στόματι ῥομφαίας (1)
21. 16. ἕως οὗ ἔπλησε τὴν Ἱερ. στόμα εἰς στόμα (1, 1)
23. 35. τοῦ δοῦναι τὸ ἀργύριον ἐπὶ στόματος Φ. (1)
I Ch. 16. 12. τέρατα καὶ κρίματα τοῦ στ. αὐ. (1)
II Ch. 6. 4. ὃς ἐλάλησεν ἐν στόματι αὐ. (1)
— 15. ἐλάλησας ἐν στόματί [A τῷ στ.] σου (1)
18. 12. ἐλάλησαν οἱ προφῆται ἐν στ. ἑνὶ ἀγαθά (1)
— 21. ἔσομαι πνεῦμα ψευδὲς ἐν στόματι πάντων τῶν προφητῶν αὐ. (1)
— 22. ἔδωκε κύριος πνεῦμα ψευδὲς ἐν στόματι τῶν προφητῶν σου τούτων (1)
35. 22. οὐκ ἤκουσε τῶν λόγων N. διὰ στόματος θεοῦ (1)
36. 4. B τοῦ δοῦναι τὸ ἀργύριον ἐπὶ στόμα Φ. –
— 12. οὐκ ἐνετράπη ... ἐκ στόματος κυρίου (1)
— 21. τοῦ πληρωθῆναι λόγον κ. διὰ στόματος Ἱερ. (1)
— 22. μετὰ τὸ πληρωθῆναι ῥῆμα κ. διὰ στόματος Ἱερ. (1)
I Es. 1. 28. οὐ προσέχων ῥήμασιν Ἱερ. προφήτου ἐκ στόματος κυρίου
— 47. τῶν ῥηθέντων λόγων ὑπὸ Ἱερ. τοῦ προφήτου ἐκ στόματος τοῦ κυρίου
— 57. εἰς ἀναπλήρωσιν τοῦ ῥήμ. τοῦ κ. ἐν στόματι Ἱερ.
2. 1. εἰς συντέλειαν ῥήματος κυρίου ἐν στόματι Ἱερ.
4. 19. χάσκοντες τὸ στ. θεωροῦσιν αὐτήν
— 31. ὁ βασ. χάσκων τὸ στ. ἐθεώρει αὐτήν
— 46. ἣν ηὔξω ... ἐκ στόματός σου
II Es. 1. 1. τοῦ τελεσθῆναι λόγον κ. ἀπὸ στόματος Ἱερ. (1)
8. 17. ἔθηκα ἐν στόματι αὐ. λόγους (1)
9. 11. ὧν ἔπλησαν αὐτὴν ἀπὸ στόματος ἐπὶ στόμα (1, 1)
Ne. 2. 13. R καὶ πρὸς στόμα [A B S πρόστ.] πηγῆς τῶν συκῶν †
9. 20. τὸ μάννα σου οὐκ ἀφυστέρησας ἀπὸ στόματος αὐ. (1)
To. 13. 6. A S R ἐξομολογήσασθε αὐτῷ ἐν ὅλῳ τῷ στ. [B σώματι] ὑμῶν
Ju. 2. 2. συνετέλεσε πᾶσαν τὴν κακίαν τῆς γῆς ἐκ τοῦ στ. αὐ.
— 3. οἱ οὐκ ἠκολούθησαν τῷ λόγῳ τοῦ στ. αὐ.
— 6. ἠπείθησαν τῷ ῥήματι τοῦ στ. μου
— 27. ἐπάταξε πάντας τοὺς νεανίσκους αὐ. ἐν στόματι ῥομφαίας
5. 5. ἀκουσάτω δὴ ... ἐκ στόματος τοῦ δούλου σου
— 5. οὐκ ἐξελεύσεται ψεῦδος ἐκ τοῦ στ. τοῦ δούλου σου
6. 4. S οὐ ματαιωθήσεται τὰ ῥήματα τοῦ στ. [A B τῶν λόγων] αὐ.
8. 21. R ζητήσει τὴν βεβήλωσιν αὐ. ἐκ τοῦ στ. [A B S αἵματος] ἡμῶν
15. 13. μετὰ στεφάνων καὶ ὕμνων ἐν τῷ στ. αὐ. [S al.]
Es. 4. 17. μὴ ἀφανίσῃς στόμα [A τὸ στ., S¹ τὸ αἷμα] αἰνούντων σοι
— 17. ἐξᾶραι ὁρισμὸν στόματός σου
— 17. ἐμφράξαι στόμα [S -ατα] αἰνούντων σοι
— 17. ἀνοίξαι στόμα ἐθνῶν
Es. 4. 17. δὸς λόγον εὔρυθμον εἰς τὸ στ. μου
7. 8. S² ὁ λόγος ἐξῆλθεν ἐκ τοῦ στ. τοῦ βασ. (1)
Jb. 1. 15. A τοὺς παῖδας ἐπάταξαν ἐν στόματι μαχαίρας [B S al.] (1)
3. 1. ἤνοιξεν Ἰὼβ τὸ στ. αὐτοῦ (1)
5. 16. ἀδίκου δὲ στόμα ἐμφραχθείη (1)
6. 4. S βέλη γὰρ κυρίου ἐν τῷ στ. [A B σώματί] μού ἐστιν †
7. 11. οὐδὲ ἐγὼ φείσομαι τῷ στ. μου (1)
— 11. A S² ἀνοίξω τὸ στ. μου [B S¹ al.] †
8. 2. πνεῦμα πολυρρῆμον τοῦ στ. σου (1)
— 21. ἀληθινῶν δὲ στόμα ἐμπλήσει γέλωτος (1)
9. 20. ἐὰν γὰρ ὦ δίκαιος τὸ στ. μου ἀσεβήσει (1)
13. 6. ἀκούσατε ἔλεγχον τοῦ [A S om.] στ. μου –
15. 5. ἔνοχος εἶ ῥήμασι στόματός σου (1)
— 6. ἐλέγξαι σε τὸ σὸν στ. καὶ μὴ ἐγώ (1)
— 13. ἐξήγαγες δὲ ἐκ στόματος ῥήματα τοιαῦτα (1)
16. 6 (5). εἴη δὲ ἰσχὺς ἐν τῷ στ. μου (1)
19. 16. στόμα δέ μου ἐδέετο (1)
20. 12. ἐὰν γλυκανθῇ ἐν στόματι αὐτοῦ κακία (1)
21. 5. A χεῖρα θέντες ἐπὶ στόμα [B S σιαγόνι] (1)
22. 22. ἔκλαβε δὲ ἐκ στόματος αὐτοῦ ἐξηγορίαν (1)
23. 4. τὸ δὲ στ. μου ἐμπλήσαι [A ἐμπλ. με, S² -ήσω] ἐλέγχων (1)
27. 4. A οὐ μὴ λαλήσει τὸ στ. μου ἄδικα [B S al.] (3)
29. 9. δάκτυλον ἐπιθέντες ἐπὶ στόματε (1)
— 13. στόμα δὲ χήρας με εὐλόγησε †
31. 27. εἰ δὲ χεῖρά μου ἐπιθεὶς ἐπὶ στόματί μου ἐφίλησα (1)
32. 5. οὐκ ἔστιν ἀπόκρισις ἐν στόματι τῶν τριῶν ἀνδρῶν (1)
33. 2. ἰδοὺ γὰρ ἤνοιξα τὸ στ. μου (1)
35. 16. Ἰὼβ ματαίως ἀνοίγει τὸ στ. αὐτοῦ (1)
36. 16. προσεπιηπάτησέ σε ἐκ στόματος ἐχθροῦ (1)
37. 2. μελέτη ἐκ στόματος αὐτοῦ ἐξελεύσεται (1)
39. 34 (40. 4). χεῖρα θήσω ἐπὶ στόματί μου (1)
40. 18 (23). προσκρούσει ὁ Ἰ. εἰς τὸ στ. αὐ. (1)
41. 10 (11). ἐκ στόματος αὐτοῦ ἐκπορεύονται λαμπάδες καιόμεναι (1)
— 12 (13). φλὸξ δὲ ἐκ στόματος αὐτοῦ ἐκπορεύεται (1)
Ps. 5. 9. οὐκ ἔστιν ἐν τῷ [S¹ om.] στ. αὐτῶν ἀλήθεια (1)
8. 2. ἐκ στόματος νηπίων καὶ θηλαζόντων (1)
9. 28 (10. 7). οὗ ἀρᾶς τὸ στ. αὐτοῦ γέμει (1)
13 (14). 3. B S ὧν τὸ στ. ἀρᾶς καὶ πικρίας γέμει –
16 (17). 3. ὅπως ἂν μὴ λαλήσῃ τὸ στ. μου τὰ ἔργα τῶν ἀνθρώπων (1)
— 10. τὸ στ. αὐτῶν ἐλάλησεν ὑπερηφανίαν (1)
18 (19). 14. ἔσονται εἰς εὐδοκίαν τὰ λόγια τοῦ στ. μου (1)
21 (22). 13. ἤνοιξαν ἐπ' ἐμὲ τὸ στ. αὐτῶν (1)
— 21. σῶσόν με ἐκ στόματος λέοντος (1)
31 (32). 2. οὐδέ ἐστιν ἐν τῷ στ. αὐτοῦ δόλος †
32 (33). 6. καὶ τῷ πνεύματι τοῦ στ. αὐ. πᾶσα ἡ δύναμις αὐ. (1)
33 (34). 1. διὰ παντὸς ἡ αἴνεσις αὐτοῦ ἐν τῷ στ. μου (1)
34 (35). 21. ἐπλάτυναν ἐπ' ἐμὲ τὸ στ. αὐτῶν (1)
35 (36). 3. τὰ ῥήματα τοῦ στ. αὐτοῦ ἀνομία (1)
36 (37). 30. στόμα δικαίου μελετήσει σοφίαν (1)
37 (38). 13. ὡσεὶ ἄλαλος οὐκ ἀνοίγων τὸ στ. αὐτοῦ (1)
— 14. A S² R οὐκ ἔχων ἐν τῷ [B S¹ om.] στ. αὐτοῦ ἐλεγμούς (1)
38 (39). 1. ἐθέμην τῷ στ. μου φυλακήν (1)
— 9. οὐκ ἤνοιξα τὸ στ. μου (1)
39 (40). 3. ἐνέβαλεν εἰς τὸ στ. μου ᾆσμα καινόν (1)
48 (49). 3. τὸ στ. μου λαλήσει σοφίαν (1)
— 13. ἐν τῷ στ. αὐτῶν εὐλογήσουσι [A S² -δοκήσουσιν] (1)
49 (50). 16. καὶ ἀναλαμβάνεις τὴν διαθήκην μου διὰ στόματός σου (1)
— 19. τὸ στ. σου ἐπλεόνασε κακίαν (1)
50 (51). 15. τὸ στ. μου ἀναγγελεῖ τὴν αἴνεσίν σου (1)
53 (54). 2. ἐνώτισαι τὰ ῥήματα τοῦ στ. μου (1)
57 (58). 6. συνέτριψε τοὺς ὀδόντας αὐτῶν ἐν τῷ στ. αὐτῶν (1)
58 (59). 7. ἀποφθέγξονται ἐν τῷ στ. αὐτῶν (1)
— 12. ἁμαρτίαν στόματος αὐτῶν (1)
61 (62). 4. τῷ στ. αὐτῶν εὐλόγουν (1)
62 (63). 5. S² χείλη ἀγαλλιάσεως αἰνέσει τὸ στ. μου [B S¹ ὄνομά σου] (1)
— 11. ἐνεφράγη στόμα λαλούντων ἄδικα (1)
Ps. 65 (66). 14. ἐλάλησε τὸ στ. μου ἐν τῇ θλίψει μου (1)
— 17. πρὸς αὐτὸν τῷ στ. μου ἐκέκραξα (1)
68 (69). 15. S R μηδὲ συσχέτω ἐπ' ἐμὲ φρέαρ τὸ [B om.] στ. αὐτοῦ (1)
70 (71). 8. πληρωθήτω τὸ στ. μου αἰνέσεως (1)
— 15. τὸ στ. μου ἐξαγγελεῖ τὴν δικαιοσύνην σου (1)
72 (73). 9. ἔθεντο εἰς οὐρανὸν τὸ στ. αὐτῶν (1)
77 (78). 1. κλίνατε τὸ οὖς ὑμῶν εἰς τὰ ῥήματα τοῦ στ. μου (1)
— 2. ἀνοίξω ἐν παραβολαῖς τὸ στ. μου (1)
— 30. ἔτι τῆς βρώσεως αὐ. οὔσης ἐν τῷ στ. αὐ. (1)
— 36. ἠγάπησαν αὐτὸν ἐν τῷ στ. αὐτῶν (1)
80 (81). 10. πλάτυνον τὸ στ. σου (1)
88 (89). 1. ἀπαγγελῶ τὴν ἀλήθειάν σου ἐν τῷ στ. μου (1)
104 (105). 5. καὶ τὰ κρίματα τοῦ στ. αὐτοῦ (1)
106 (107). 42. SR πᾶσα ἀνομία ἐμφράξει τὸ [A om.] στ. αὐτῆς (1)
108 (109). 2. στόμα ἁμαρτωλοῦ καὶ στόμα δολίου ἐπ' ἐμὲ ἠνοίχθη (1, 1)
— 30. ἐξομολογήσομαι τῷ κυρίῳ σφόδρα ἐν τῷ στ. μου (1)
113. 13 (115. 5). στόμα ἔχουσι (1)
118 (119). 13. ἐξήγγειλα πάντα τὰ κρίματα τοῦ στ. σου (1)
— 43. μὴ περιέλῃς ἐκ τοῦ στ. μου λόγον ἀληθείας ἕως σφόδρα (1)
— 72. ἀγαθός μοι ὁ νόμος τοῦ στ. σου (1)
— 88. φυλάξω τὰ μαρτύρια τοῦ στ. σου (1)
— 103. ὑπὲρ μέλι τῷ στ. μου (1)
— 108. τὰ ἑκούσια τοῦ στ. μου εὐδόκησον δή (1)
— 131. τὸ στ. μου ἤνοιξα (1)
125 (126). 2. ἐπλήσθη χαρᾶς τὸ στ. ἡμῶν (1)
134 (135). 16. στόμα ἔχουσι καὶ οὐ λαλήσουσιν (1)
— 17. οὐδὲ γάρ ἐστι πνεῦμα ἐν τῷ στ. αὐτῶν (1)
137 (138). 1. S R ἤκουσας τὰ ῥήματα τοῦ στ. μου –
— 4. ἤκουσαν πάντα τὰ ῥήματα τοῦ στ. σου (1)
140 (141). 3. θοῦ, κύριε, φυλακὴν τῷ στ. μου (1)
143 (144). 8, 11. ὧν τὸ στ. ἐλάλησε ματαιότητα (1)
144 (145). 21. αἴνεσιν κυρίου λαλήσει τὸ στ. μου (1)
Pr. 3. 16. ἐκ τοῦ στ. αὐτῆς ἐκπορεύεται δικαιοσύνη –
4. 5. μηδὲ παρίδῃς ῥῆσιν ἐμοῦ στόματος (1 ?)
— 5. A μηδὲ ἐκκλίνῃς ἀπὸ ῥημάτων στόματός μου (1)
— 24. περίελε σεαυτοῦ σκολιὸν στόμα (1)
6. 2. ἁλίσκεται χείλεσιν ἰδίου στόματος (1)
7. 24. πρόσεχε ῥήμασι [A ῥῆσιν] στόματός μου (1)
8. 8. μετὰ δικαιοσύνης πάντα τὰ ῥήματα [A κρίματα] τοῦ στ. μου (1)
— 29. A S² ὕδατα οὐ παρελεύσονται στόματος αὐτοῦ (1)
10. 6. στόμα δὲ ἀσεβῶν καλύψει πένθος ἄωρον (1)
— 11. στόμα δὲ ἀσεβοῦς καλύψει ἀπώλεια (1)
— 14. στόμα δὲ προπετοῦς ἐγγίζει συντριβῇ (1)
— 31. στόμα δικαίου ἀποστάζει σοφίαν (1)
— 32. στόμα δὲ ἀσεβῶν ἀποστρέφεται [S² καταστρ.] (1)
11. 2. στόμα δὲ ταπεινῶν μελετᾷ σοφίαν –
— 9. ἐν στόματι ἀσεβῶν παγὶς πολίταις (1)
— 10 (11). στόμασι δὲ ἀσεβῶν κατεσκάφη (1)
12. 6. στόμα δὲ ὀρθῶν ῥύσεται αὐτούς (1)
— 8. στόμα συνετοῦ ἐγκωμιάζεται ὑπὸ ἀνδρός (1)
— 14. ἀπὸ καρπῶν στόματος ψυχὴ ἀνδρὸς πλησθήσεται ἀγαθῶν (1)
13. 3. ὃς φυλάσσει τὸ ἑαυτοῦ στ. τηρεῖ τὴν ἑαυτοῦ ψυχήν (1)
14. 3. ἐκ στόματος ἀφρόνων βακτηρία ὕβρεως (1)
15. 2. στόμα δὲ ἀφρόνων ἀναγγέλλει κακά (1)
— 14. στόμα δὲ ἀπαιδεύτων [S¹ ἀσεβῶν] γνώσεται κακά (†*, 1)
— 28. στόμα δὲ ἀσεβῶν ἀποκρίνεται κακά (1)
16. 10. ἐν δὲ κρίσει οὐ μὴ πλανηθῇ τὸ στ. αὐτοῦ (1)
— 17. ἀγαπῶν δὲ ζωὴν αὐτοῦ φείσεται στόματος αὐτοῦ –
— 23. καρδία σοφοῦ νοήσει τὰ ἀπὸ τοῦ [S¹ om.] ἰδίου στ. (1)
— 27 (26). ὁ μέντοι σκολιὸς ἐπὶ τῷ ἑαυτοῦ στ. φορεῖ τὴν ἀπώλειαν (1)
18. 6. τὸ δὲ στ. αὐτοῦ τὸ θρασὺ θάνατον ἐπικαλεῖται (1)
— 7. στόμα ἄφρονος συντριβὴ αὐτῷ (1)
— 20. ἀπὸ καρπῶν στόματος ἀνὴρ πίμπλησι κοιλίαν αὐτοῦ (1)
19. 24. οὐδὲ τῷ στ. οὐ μὴ προσενέγκῃ αὐτάς (1)

Pr. 19. 28. στόμα δὲ ἀσεβῶν κιταπίεται κρίσεις (1)
21. 20. θησαυρὸς ἐπιθυμητὸς ἀναπαύσεται ἐπὶ στόματος σοφοῦ †
— 23. ὃς φυλάσσει τὸ στ. αὐτοῦ (1)
22. 14. βόθρος βαθὺς στόμα παρανόμου (1)
23. 33. τὸ στ. σου τότε λαλήσει σκολιά †
24. 7. σοφοὶ οὐκ ἐκκλίνουσιν ἐκ στόματος κυρίου (1?)
— 76 (31. 8). ἄνοιγε σὸν στόμα λόγῳ θεοῦ (1)
— 77 (31. 9). ἄνοιγε σὸν στόμα (1)
26. 7. καὶ παρανομίαν ἐκ στόματος ἀφρόνων (1)
— 15. οὐ δυνήσεται ἐπενεγκεῖν ἐπὶ [A S² εἰς τὸ] στόμα (1)
— 28. στόμα δὲ ἄστεγον ποιεῖ ἀκαταστασίας (1)
27. 2. ἐγκωμιαζέτω σε ὁ πέλας καὶ μὴ τὸ σὸν στόμα (1)
— 21. ἀνὴρ δὲ δοκιμάζεται διὰ στόματος ἐγκωμιαζόντων αὐτόν (1)
31. 24 (26). στόμα [S -ατα] αὐτῆς διήνοιξε (1)
— 27 (26). τὸ στ. δὲ [A στ. δὲ αὐτῆς] ἀνοίγει σοφῶς (1?)
Ec. 5. 1. μὴ σπεῦδε ἐπὶ στόματί σου (1)
— 5. μὴ δῷς τὸ στόμα [A¹ αἷμα] σου τοῦ ἁμαρτῆσαι τὴν σάρκα σου (1)
6. 7. πᾶς μόχθος ἀνθρώπου εἰς στόμα αὐ. (1)
8. 2. στόμα βασιλέως φύλαξον (1)
10. 12. λόγοι [S² λόγοις] στόματος σοφοῦ χάρις (1)
— 13. ἀρχὴ λόγων στόματος αὐτοῦ ἀφροσύνη (1)
— 13. A S R ἐσχάτη στόματος [B om.] αὐτοῦ περιφέρεια πονηρά (1)
Ca. 1. 2. φιλησάτω με ἀπὸ φιλημάτων στόματος αὐτοῦ (1)
Wi. 1. 11. στόμα δὲ καταψευδόμενον ἀναιρεῖ ψυχήν
8. 12. χεῖρα ἐπιθήσουσιν ἐπὶ στόμα [S¹ τὸ στ.] αὐ.
10. 21. ἡ σοφία ἤνοιξε στόμα κωφῶν
Si. 1. 29. μὴ ὑποκριθῇς ἐν στόμασιν [S -ατι] ἀνθρώπων
5. 12. ἡ χείρ σου ἔστω ἐπὶ στόματί [S τῷ στ.] σου
8. 11. ἵνα μὴ ἐγκαθίσῃ ὡς ἔνεδρον τῷ στ. σου
13. 24. πονηρὰ ἡ πτωχεία ἐν στόμασιν [A S -ατι] ἀσεβοῦς
14. 1. ὃς οὐκ ὠλίσθησεν ἐν στόματι [A τῷ στ.] αὐ.
15. 5. ἐν μέσῳ ἐκκλησίας ἀνοίξει στόμα [A S τὸ στ.] αὐτοῦ
— 9. οὐχ ὡραῖος αἶνος ἐν στόματι ἁμαρτωλοῦ
20. 15. ἀνοίξει τὸ στ. αὐτοῦ ὡς κῆρυξ
— 19. ἐν στόματι ἀπαιδεύτων ἐνδελεχισθήσεται
— 20. ἀπὸ στόματος μωροῦ ἀποδοκιμασθήσεται παραβολή
— 24. ἐν στόματι ἀπαιδεύτων ἐνδελεχισθήσεται
— 29. ὡς ψιμὸς ἐν στόματι ἀποτρέπει [A -έμει] ἐλεγμούς
21. 5. δέησις πτωχοῦ ἐκ στόματος ἕως ὠτίων αὐτοῦ
— 17. στόμα φρονίμου ζητηθήσεται ἐν ἐκκλησίᾳ
— 26. ἐν στόματι μωρῶν ἡ καρδία αὐτῶν καρδία δὲ σοφῶν [A φρονίμων] στόμα αὐτῶν
22. 22. ἐπὶ φίλον ἐὰν ἀνοίξῃς στόμα μὴ εὐλαβηθῇς
— 27. τίς δώσει μοι ἐπὶ στόμα [A -ατί, S² τῷ στ.] μου φυλακήν
23. 7. B παιδεία στόματος
— 7. παιδείαν στόματος ἀκούσατε, τέκνα
— 9. ὅρκῳ μὴ ἐθίσῃς τὸ στ. σου
— 13. ἀπαιδευσίαν ἀσυρῆ μὴ συνεθίσῃς τὸ στ. σου
24. 2. ἐν ἐκκλησίᾳ ὑψίστου στόμα [S τὸ στ.] αὐτῆς ἀνοίξει
— 3. ἐγὼ ἀπὸ στόματος ὑψίστου ἐξῆλθον
26. 12. ὡς διῶν ὁδοιπόρος τὸ [S² om.] στ. ἀνοίγει
27. 23. ἀπέναντι τῶν ὀφθαλμῶν σου γλυκανεῖ στόμα σου [A S τὸ στ. αὐτοῦ]
— 23. ὕστερον δὲ διαστρέψει τὸ στ. αὐτοῦ
28. 12. ἀμφότερα ἐκ τοῦ στ. σου ἐκπορεύεται [A S ἐξελεύσ.]
— 18. πολλοὶ ἔπεσαν ἐν στόματι μαχαίρας
— 24. S περίφραξον τὸ στ. [A B κτῆμά] σου ἀκάνθαις
— 25. τῷ στ. σου ποίησον θύραν καὶ μοχλόν
29. 24. οὐκ ἀνοίξει [A S -εις] στόμα
30. 18. ἀγαθὰ ἐκκεχυμένα ἐπὶ στόματι κεκλεισμένῳ
31 (34). 8. σοφία στόματι πιστῷ τελείωσις
37. 22. οἱ καρποὶ τῆς συνέσεως αὐτοῦ ἐπὶ στόματος [S -τι] πιστοί
39. 5. S R ἀνοίξει τὸ [A B om.] στ. αὐτοῦ ἐν προσευχῇ
— 17. ἐν ῥήματι στόματος αὐτοῦ ἀποδοχεῖα ὑδάτων
— 35. ἐν πάσῃ καρδίᾳ καὶ στόματι ὑμνήσατε
40. 30. ἐν στόματι ἀναιδοῦς γλυκανθήσεται ἐπαίτησις [S ἀπ.]
49. 1. ἐν παντὶ στόματι ὡς μέλι γλυκανθήσεται
Si. 51. 25. ἤνοιξα τὸ στ. μου καὶ ἐλάλησα
Ho. 2. 17 (19). ἐξαρῶ τὰ ὀνόματα τῶν B. ἐκ στόματος αὐ. (1)
6. 6 (5). ἀπέκτεινα αὐτοὺς ἐν ῥήματι στόματός μου (1)
Am. 3. 12. ὅταν ἐκσπάσῃ . . . ἐκ στόματος τοῦ λέοντος δύο σκέλη (1)
Mi. 3. 5. καὶ οὐκ ἐδόθη εἰς τὸ στ. αὐ. (1)
4. 4. τὸ στ. κυρίου παντοκράτορος ἐλάλησε ταῦτα (1)
6. 12. B ὑψώθητι [A R -θη] ἐν τῷ στ. αὐ. (1)
7. 16. ἐπιθήσουσι χεῖρας ἐπὶ τὸ [A om.] στ. αὐ. (1)
Jl. 1. 5. ἐξήρθη ἐκ στόματος [A τοῦ στ.] ὑμῶν εὐφροσύνη (1)
Na. 3. 12. πεσοῦνται εἰς στόμα ἔσθοντος (1)
Ze. 3. 13. οὐ μὴ εὑρεθῇ ἐν τῷ [A om.] στ. αὐ. γλῶσσα δολία (1)
Za. 5. 8. ἔρριψε τὸν λίθον . . . εἰς τὸ στ. αὐ. (1)
8. 9. τῶν ἀκουόντων . . . τοὺς λόγους τούτους ἐκ στόματος τῶν προφητῶν (1)
9. 7. ἐξαρῶ τὸ αἷμα αὐ. ἐκ στόματος αὐ. (1)
14. 12. ἡ γλῶσσα αὐ. τακήσεται ἐν τῷ στ. αὐ. (1)
Ma. 2. 6. νόμος ἀληθείας ἦν ἐν τῷ στ. αὐ. (1)
— 7. νόμον ἐκζητήσουσιν ἐκ στόματος αὐ. (1)
Is. 1. 20. τὸ γὰρ στ. κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (1)
5. 14. διήνοιξε τὸ στ. αὐτοῦ τοῦ μὴ διαλιπεῖν (1)
6. 7. ἥψατο τοῦ στ. μου (1)
9. 12 (11). τοὺς κατεσθίοντας τὸν Ἰσραὴλ ὅλῳ τῷ στ. (1)
— 17 (16). πᾶν στ. λαλεῖ ἄδικα (1)
11. 4. πατάξει γῆν τῷ λόγῳ τοῦ στ. αὐτοῦ (1)
24. 3. τὸ γὰρ στ. κυρίου ἐλάλησε ταῦτα –
25. 8. τὸ γὰρ στ. κυρίου ἐλάλησε –
26. 21. A ἀνακαλύψει ἡ γῆ τὸ στ. [B S αἷμα] αὐτῆς †
29. 13. ἐγγίζει μοι ὁ λαὸς οὗτος ἐν τῷ στ. αὐτοῦ [A S om. ἐν τ. στ. αὐ.] (1)
45. 23. εἰ μὴ ἐξελεύσεται ἐκ τοῦ στ. μου δικαιοσύνη (1)
48. 3. ἐκ τοῦ στ. μου ἐξῆλθε (1)
49. 2. ἔθηκε τὸ στ. μου ὡς μάχαιραν ὀξεῖαν (1)
51. 16. θήσω τοὺς λόγους μου εἰς τὸ στ. σου (1)
52. 15. συνέξουσι [A -άξ.] βασιλεῖς τὸ στ. αὐτῶν (1)
53. 7. οὐκ ἀνοίγει τὸ στ. . . . οὕτως οὐκ ἀνοίγει τὸ στ. αὐ. (1, 1)
— 9. οὐδὲ δόλον [A S² εὑρέθη δόλος] ἐν τῷ στ. αὐτοῦ (1)
55. 11. ὃ ἐὰν ἐξέλθῃ ἐκ τοῦ στ. μου (1)
57. 4. ἐπὶ τίνα ἠνοίξατε τὸ στ. ὑμῶν (1)
58. 13. οὐδὲ λαλήσεις λόγον ἐν ὀργῇ ἐκ τοῦ στ. σου †
— 14. τὸ γὰρ στ. κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (1)
59. 21. τὰ ῥήματα ἃ ἔδωκα εἰς τὸ στ. [B¹ τὴν καρδίαν] σου οὐ μὴ ἐκλίπῃ ἐκ τοῦ στ. σου καὶ ἐκ τοῦ στ. τοῦ σπέρματός σου [B¹ *al.*] (1 *ter*)
Je. 1. 9. ἥψατο τοῦ στ. μου . . . δέδωκα τοὺς λόγους μου εἰς τὸ στ. σου (1, 1)
4. 1. ἐὰν περιέλῃ τὰ βδελύγματα αὐτοῦ ἐκ στόματος αὐτοῦ [A *om.* ἐκ στ. αὐ.] –
5. 14. δέδωκα τοὺς λόγους μου εἰς τὸ στ. σου πῦρ (1)
7. 28. ἐξέλιπεν ἡ πίστις ἐκ στόματος αὐτῶν (1)
9. 8 (7). δόλια τὰ ῥήματα τοῦ στ. αὐτῶν (1)
— 12 (11). λόγος στόματος κυρίου πρὸς αὐτόν (1)
— 20 (19). δεξάσθω τὰ ὦτα ὑμῶν λόγους στόματος αὐτοῦ (1)
12. 2. ἐγγὺς εἶ σὺ τοῦ στ. αὐτῶν (1)
15. 19. ὡς στόμα μου ἔσῃ (1)
21. 7. κατακόψουσιν αὐτοὺς ἐν στόματι μαχαίρας (1)
23. 16. καὶ οὐκ ἀπὸ στόματος κυρίου (1)
28 (51). 44. ἐξοίσω ἃ κατέπιεν ἐκ τοῦ στ. αὐ. (1)
31 (48). 28. περιστεραὶ νοσσεύουσαι ἐν πέτραις στόματι βοθύνου (1)
39 (32). 4. λαλήσει στόμα αὐ. πρὸς στόμα αὐ. (1, 1)
41 (34). 3. A στόμα αὐ. μετὰ τοῦ στ. σου λαλήσει (1, 1)
43 (36). 4. ἔγραψεν ἀπὸ στόματος Ἱερεμίου πάντας τοὺς λόγους κυρίου (1)
— 18. ἀπὸ στόματος αὐτοῦ ἀνήγγειλέ μοι Ἱερεμίας πάντας τοὺς λόγους τούτους (1)
— 27. οὗς ἔγραψε Βαρουχ ἀπὸ στόματος Ἱερ. (1)
— 32. ἔγραψεν ἐπ' αὐτῷ ἀπὸ στόματος Ἱερ. (1)
51 (44). 17. ὃς ἐξελεύσεται ἐκ τοῦ στ. ἡμῶν (1)
— 25. ὑμεῖς γυναῖκες τῷ στ. ὑμῶν ἐλαλήσατε (1)
— 26. ἐὰν γένηται ἔτι ὄνομά μου ἐν τῷ στ. παντὸς Ἰούδα (1)
Je. 51. 31 (45. 1). ἔγραφε τοὺς λόγους τούτους . . . ἀπὸ στόματος Ἱερεμίου (1)
La. 1. 18. στόμα [A S τὸ στ.] αὐτοῦ παρεπίκρανα (1)
2. 16. διήνοιξαν ἐπὶ σὲ στόμα αὐτῶν (1)
3. 38. ἐκ στόματος ὑψίστου οὐκ ἐξελεύσεται τὰ κακὰ καὶ τὸ ἀγαθόν (1)
— 46. διήνοιξαν ἐφ' ἡμᾶς τὸ [A *om.*] στ. αὐ. (1)
Ez. 2. 8. χάνε τὸ στ. σου (1)
3. 2. διήνοιξε τὸ στ. μου (1)
— 3. τὸ στ. σου φάγεται . . . ἐγένετο ἐν τῷ στ. μου ὡς μέλι (†, 1)
— 17. A² B ἀκούσῃ ἐκ στόματός μου λόγον (1)
— 27. ἀνοίξω τὸ στ. σου (1)
4. 14. οὐδὲ εἰσελήλυθεν εἰς τὸ στ. μου πᾶν κρέας ἕωλον [A² B¹ βέβηλον] (1)
16. 56. ἦν Σόδομα ἡ ἀδελφή σου εἰς ἀκοὴν ἐν τῷ στ. σου (1)
— 63. μὴ ᾖ σοι ἔτι ἀνοῖξαι τὸ στ. σου [A *om.*] (1)
21. 22 (27). τοῦ διανοῖξαι στόμα ἐν βοῇ (1)
24. 22. ἀπὸ στόματος αὐτῶν οὐ παρακληθήσεσθε (3)
— 27. διανοιχθήσεται τὸ στ. σου (1)
29. 21. σοὶ δώσω στόμα ἀνεῳγμένον (1)
33. 7. ἀκούσῃ ἐκ στόματός μου λόγον (1)
— 22. ἤνοιξέ μου τὸ στ. . . . ἀνοιχθέν μου τὸ στ. οὐ συνεσχέθη [A -εκλείσθη] ἔτι (1,1)
— 31. ψεῦδος ἐν τῷ στ. αὐτῶν (1)
34. 10. ἐξελοῦμαι τὰ πρόβατά μου ἐκ τοῦ στ. αὐτῶν (1)
35. 13. ἐμεγαλορρημόνησας ἐπ' ἐμὲ τῷ στ. σου (1)
Da. LXX. Su. 60. ἐκ τοῦ ἰδίου στ. ὁμολόγους αὐτοὺς κατέστησεν ἀμφοτέρους ψευδομάρτυρας
3. (25). ἀνοίξας τὸ στ. αὐ.
— (33). οὐκ ἔστιν ἡμῖν ἀνοῖξαι τὸ στ.
— (51). ὡς ἐξ ἑνὸς στόματος ὕμνουν
4. 28. ἔτι τοῦ λόγου ἐν τῷ στ. τοῦ βασ. ὄντος (2)
6. 17 (18). καὶ ἐτέθη εἰς τὸ στ. τοῦ λάκκου (2)
— 18 (19). ἀπέκλεισε τὰ στ. τῶν λεόντων –
— 19 (20). ἔστη ἐπὶ τοῦ στ. τοῦ λάκκου τῶν λεόντων –
7. 5. τρία πλευρὰ ἦν ἐν τῷ στ. αὐ. (2)
— 8, 20. καὶ στόμα λαλοῦν μεγάλα (2)
10. 3. οἶνος οὐκ εἰσῆλθεν εἰς τὸ στ. μου (1)
— 5. καὶ τὸ στ. αὐ. ὡσεὶ θαλάσσης –
— 16. ἤνοιξα τὸ στ. μου (1)
Bel 26. ἐνέβαλεν εἰς τὸ στ. τοῦ δράκοντος
Da. TH. Su. 61. συνέστησεν αὐτοὺς Δ. ἐκ τοῦ στ. αὐ.
3. (24). ἀνοίξας τὸ στ. αὐ. . . . εἶπεν
— (33). οὐκ ἔστιν ἡμῖν ἀνοῖξαι τὸ στ. ἡμῶν
— (51). οἱ τρεῖς ὡς ἐξ ἑνὸς στ. ὕμνουν
4. 28. ἔτι τοῦ λόγου ἐν στόματι τοῦ βασ. ὄντος (2)
6. 17 (18). καὶ ἐπέθηκαν ἐπὶ τὸ στ. τοῦ λάκκου (2)
— 18 (19). ἔκλεισεν ὁ θεὸς τὰ στ. τῶν λεόντων –
— 20 (21). ἐξελέσθαι σε ἐκ στόματος τῶν λεόντων –
— 22 (23). ἐνέφραξε τὰ στ. τῶν λεόντων (2)
7. 5. καὶ τρεῖς πλευραὶ ἐν τῷ στ. αὐ. (2)
— 8, 20. καὶ στόμα λαλοῦν μεγάλα (2)
10. 3. οἶνος οὐκ εἰσῆλθεν εἰς τὸ στ. μου (1)
— 16. B ἤνοιξα τὸ στ. μου (1)
Bel 27. καὶ ἔδωκεν εἰς τὸ στ. τοῦ δράκοντος
I Ma. 2. 60. ἐρρύσθη ἐκ στόματος λεόντων
5. 28. ἀπέκτεινε πᾶν ἀρσενικὸν ἐν στόματι ῥομφαίας
— 51. ἀπώλεσε πᾶν ἀρσενικὸν ἐν στόματι ῥομφαίας
9. 55. ἀπεφράγη τὸ στ. αὐ.
III Ma. 2. 20. δὸς αἰνέσεις ἐν τῷ στ. τῶν καταπεπτωκότων
4. 16. καὶ βεβήλῳ στ.
IV Ma. 5. 36. οὐδὲ μανεῖς μου τὸ σεμνὸν γήρως στόμα

[Aq. Ex. 4. 10 : Dt. 17. 6 : Jo. 6. 10 : I Ki. 13. 21 : III Ki. 8. 24 : Jb. 21. 5 : Ps. 8. 3 : 17 (18). 9 : 38 (39). 2 : 132 (133). 2 : 140 (141). 7 : 149. 6 : Pr. 2. 6 : 4. 24 : 10. 11 : 11. 9 : 30. 20, 32 : Is. 5. 14 : 6. 7 : 29. 13 : 41. 15 *bis* : 59. 21 (Sw.) : 62. 2 : Je. 12. 2 : 22. 28 (Sw.) : 48 (31). 28.]

[Sm. Ex. 14. 9 : Nu. 31. 8 : Dt. 9. 23 : Jo. 6. 10 : Jd. 14. 9 : I Ki. 1. 12 : III Ki. 8. 24 : IV Ki. 21. 16 : Jb. 9. 20 : 16. 5 : 21. 5 : 31. 27 : Ps. 16 (17). 10 : 17 (18). 9 : 31 (32). 2 : 37 (38). 15 : 38 (39). 2, 10 : 54 (55). 22 : 58 (59). 8, 13 : 62 (63). 6 : 65 (66). 17 : 68 (69). 16 : 70 (71). 8 : 72 (73). 9 : 140 (141). 7 : Pr. 2. 6 : 6. 1, 12 : 8. 13 : 10. 11 : 11. 9 : 26. 7, 9 : 30. 20 : Ec. 5. 1 : Is. 5. 14 : 29. 13 : 59. 21 (Sw.) : 62. 2 : Je. 9. 12 (11).]

[Th. Dt. 1. 26 : 9. 23 : Jo. 6. 10 : I Ki. 17.

37: Jb. 21. 5: Pr. 2. 6: 4. 24: 6. 12: 8. 13, 29: 11. 9: 20. 17: 30. 20, 32: Is. 5. 14: 6. 7: 10. 14: 22. 25: 29. 13: 59. 21 (Sw.): 62. 2: Da. 4. 28: 6. 18.]
[Al. Ge. 43. 21: Le. 24. 12: II Ch. 36. 22: Ps. 9. 28 (10. 7): Pr. 8. 13: 18. 4: Hb. 3. 16.]
[Quint. Pr. 2. 6.]

στομίζεσθαι.

[Aq. Jb. 39. 30.]

στομίς. (1) מְתַלְּעוֹת

Pr. 24. 37 (30. 14). A S καὶ τὰς μύλας στομίδας [B τομ.] (1)

στομοῦσθαι.

[Sm. Is. 41. 15.]

στόμωμα.

Si. 34 (31). 26. κάμινος δοκιμάζει στόμωμα ἐν βαφῇ
[Aq. I Ki. 13. 21.]

στοργή.

III Ma. 5. 32. διὰ τὴν τῆς συστροφίας στ.
IV Ma. 14. 13. πολύπλοκός ἐστιν ἡ τῆς φιλοτεκνίας στ.
— 14. ὁμοίαν τὴν πρὸς τὰ ἐξ αὐτῶν γεννώμ. . . . στ. ἔχει
— 17. ἀλγοῦντα τῇ στ.

στοχάζεσθαι. (1) כּוּן hi.

De. 19. 3. στόχασαί σοι τὴν ὁδόν (1)
Wi. 13. 9. ἵνα δύνωνται στοχάσασθαι τὸν αἰῶνα
Si. 9. 14. κατὰ τὴν ἰσχύν σου στόχασαι τοὺς [A τῷ] πλησίον
II Ma. 14. 8. τῶν ἰδίων πολιτῶν στοχασάμενος

στοχαστής. (1) קָסַם

Is. 3. 2. ἀφελεῖ . . . στοχαστὴν καὶ πρεσβύτερον (1)

στραγγαλᾶσθαι.

To. 2. 3. A B² εἷς . . . ἐστραγγαλημένος [B¹ -ωμένος] ἔρριπται [S al.]
— 3. S καὶ αὐτόθι νῦν ἐστραγγάληται [A B al.]

στραγγαλιά. (1) אֲגֻדָּה (2) עֲקַלְקַל

Ps. 124 (125). 5. A τοὺς δὲ ἐκκλίνοντας εἰς τὰς στρ. ἀπάξει κύριος (2)
Is. 58. 6. διάλυε στραγγαλιὰς βιαίων συναλλαγμάτων (1)
[Sm., Th. Is. 58. 6.]

στραγγαλίς. (1) נְטִיפוֹת

Jd. 8. 26. παρὲξ τῶν μηνίσκων καὶ τῶν στρ. [A al.] (1)

στραγγαλιώδης. (1) עִקֵּשׁ

Pr. 8. 8. S² R οὐδὲν ἐν αὐτοῖς [R οὐδὲν ἑαυτοῖς] σκολιὸν οὐδὲ στραγγαλιῶδες [A B S¹ -λῶδες] (1)

στραγγαλοῦσθαι.

To. 2. 3. B¹ R εἷς ἐκ τοῦ γένους ἡμῶν ἐστραγγαλωμένος [A B² -ημένος, S al.]

στραγγαλώδης. (1) עִקֵּשׁ

Pr. 8. 8. A B S¹ οὐδὲν ἐν αὐτοῖς σκολιὸν οὐδὲ στραγγαλῶδες [S² R -λιῶδες] (1)

στραγγεύεσθαι.

[Sm. Ge. 19. 16: Pr. 18. 9: 24. 10: Hb. 2. 3.]

στραγγίζειν. (1) מָצָה ni.

Le. 1. 15. στραγγιεῖ τὸ αἷμα (1)
[Aq., Sm., Th. Jb. 6. 38.]

στρατεία, *vid. sub* στρατιά.

στρατεύειν. (1) יָצָא (2) מָהַה hithp. (3) צָבָא

Jd. 19. 8. στράτευσον [A -εύθητι] ἕως κλῖναι τὴν ἡμέραν (2)
II Ki. 15. 28. ἐγὼ εἰμι στρατεύομαι ἐν Ἀρ. (2)
I Es. 4. 6. ὅσοι οὐ στρατεύονται
Pr. 24. 62 (30. 27). στρατεύει [A ἐκστρ.] ἀφ' ἑνὸς κελεύσματος εὐτάκτως (1)
Is. 29. 7. πάντες οἱ στρατευόμενοι [A S² -σάμ.] ἐπὶ Ἱερουσαλήμ (3)
II Ma. 15. 17. διέγνωσαν μὴ στρατεύεσθαι
IV Ma. 9. 23. ἱερὰν καὶ εὐγενῆ στρατείαν στρατεύσασθε [S ἐστρ.]
18. 6. S ἐστράτευσεν [A R ἐστρατοπέδευσεν] ἐπὶ Πέρσας
[Aq. Ex. 38. 8 (26): Nu. 8. 24.]
[Sm. Ex. 38. 8 (26).]

στράτευμα.

Ju. 11. 8. καὶ θαυμαστὸς ἐν στρατεύμασι πολέμου
I Ma. 9. 34. ἦλθεν αὐτὸς καὶ πᾶν τὸ στρ. αὐ.
II Ma. 5. 24. ἔπεμψε δὲ τὸν μυσάρχην Ἀπ. μετὰ στρατεύματος
8. 21. τετραμερές τι ἐποίησε τὸ στρ.
12. 38. Ἰ. δὲ ἀναλαβὼν τὸ στρ.
13. 13. πρὶν εἰσβαλεῖν τὸ στρ. τοῦ βασ. ἐπὶ τὴν Ἰουδ.
IV Ma. 5. 1. τῶν στρ. αὐτῷ παρεστηκότων κυκλόθεν
[Sm. Ps. 43 (44). 10: 107 (108). 12.]
[Al. I Ki. 13. 3.]

στράτευσις.

[Sm. Ps. 59 (60). 12: 107 (108). 12.]

στρατηγεῖν.

II Ma. 10. 32. στρατηγοῦντος ἐκεῖ Χαιρέου
14. 31. γενναίως ὑπὸ τοῦ ἀνδρὸς ἐστρατήγηται

στρατήγημα.

II Ma. 14. 29. εὔκαιρον ἐτήρει στρατηγήματι τοῦ ἐπιτελέσαι

στρατηγία (-εια). (1) צָבָא

III Ki. 2. 35. ἔδωκεν ὁ βασ. τὸν Βαν. . . . ἐπὶ τὴν στρ. (1)
Ju. 5. 3. R ἡγούμενος στρατηγίας [A B στρατιᾶς] αὐ.

στρατηγός. (1) אֲחַשְׁדַּרְפְּנִים (2) מֶלֶךְ (3) *a.* סָגָן *b.* סְגַן (4) סָרָן (5) שַׂר

I Ki. 29. 3. εἶπεν Ἀ. πρὸς τοὺς στρ. τῶν ἀλλοφ. (5)
— 4. ἐλυπήθησαν ἐπ' αὐτῷ οἱ στρ. τῶν ἀλλοφ. (5)
I Ch. 11. 6. ἔσται εἰς ἄρχοντα καὶ εἰς στρατηγόν (5)
12. 19. ἐν βουλῇ ἐγένετο παρὰ τῶν στρ. τῶν ἀλλοφ. (4)
II Ch. 32. 21. ἐξέτριψε πάντα δυνατὸν . . . καὶ στρατηγόν (5)
I Es. 3. 2. καὶ πᾶσι τοῖς σατράπαις καὶ στρατηγοῖς
— 14. ἐκάλεσε πάντας τοὺς . . . στρατηγούς
4. 47. πρὸς πάντας τοὺς οἰκονόμους . . . καὶ στρ.
Ne. 2. 16. A S² R καὶ τοῖς στρ. [S¹ βασιλεῦσιν, B *om.* κ. τ. στρ.] . . . οὐκ ἀπήγγειλα (3 *a*)
4. 14 (8). A S² R καὶ πρὸς τοὺς στρ. (3 *a*)
12. 40. S² καὶ τὸ ἥμισυ τῶν στρ. μετ' ἐμοῦ (3 *a*)
13. 11. S² ἐμαχεσάμην τοῖς στρ. [A B S¹ *om.* τ. στρ.] (3 *a*)
Ju. 2. 14. ἐκάλεσε . . . τοὺς στρ.
5. 2. ἐκάλεσε . . . τοὺς στρ. [A² *add.* υἱοὺς] Ἀ.
7. 8. καὶ οἱ στρ. τῆς παραλίας
14. 3. ἐγεροῦσι τοὺς στρ. τῆς δυνάμεως Ἀσσ.
— 12. A B¹ οἱ δὲ ἦλθον ἐπὶ τοὺς [B² S R *om.*] στρ.
Es. 3. 12. ὡς ἐπέταξεν Ἀ. τοῖς στρ. (1)
Jb. 15. 24. ὥσπερ στρ. πρωτοστάτης πίπτων (2)
Je. 28 (51). 23. διασκορπιῶ ἐν σοὶ ἡγεμόνας καὶ στρατηγούς σου (3 *a*)
— 28. ἀναβιβάσατε ἐπ' αὐτὴν . . . πάντας τοὺς στρ. αὐτοῦ (3 *a*)
— 57. μεθύσει μέθῃ . . . τοὺς στρ. αὐτῆς [A *om.* κ. τ. στρ. αὐ.] (3 *a*)
Ez. 23. 6. ἐπὶ τοὺς Ἀσσυρίους . . . ἡγουμένους καὶ στρατηγούς (3 *a*)
— 12. ἐπὶ τοὺς υἱοὺς τῶν Ἀσσυρίων ἐπέθετο ἡγουμένους καὶ στρατηγούς (3 *a*)
— 23. ἐπάξω . . . ἡγεμόνας καὶ στρατηγούς (3 *a*)
32. 30. πάντες στρατηγοὶ Ἀσσούρ †
Da. LXX. 3. 2. ἐπισυναγαγεῖν . . . σατράπας στρατηγούς (3 *b*)
— 3. τότε συνήχθησαν . . . στρατηγοί (3 *b*)
10. 13. ὁ στρ. βασιλέως Περσῶν ἀνθειστήκει (5)
— 13. αὐτὸν ἐκεῖ κατέλιπον μετὰ τοῦ στρ. τοῦ βασ. Περσῶν (2 ?)
— 20. διαμάχεσθαι μετὰ τοῦ στρ. βασιλέως τῶν Π. (5)
— 20. στρατηγὸς Ἑλλήνων εἰσεπορεύετο (5)
Da. TH. 3. 2. ἀπέστειλε συναγαγεῖν . . . τοὺς στρ. (3 *b*)
— 3. συνήχθησαν . . . στρατηγοί (3 *b* ?)
— 27 (94). συνάγονται . . . οἱ στρ. (3 *b*)
Da. TH. 6. 7 (8). συνεβουλεύσαντο πάντες . . . στρατηγοί (3 *b*)
I Ma. 8. 10. ἀπέστειλαν ἐπ' αὐτοὺς στρ. ἕνα
10. 65. ἔθετο αὐτὸν στρατηγόν
11. 59. Σίμωνα . . . κατέστησε στρατηγόν
13. 42. ἐπὶ Σίμωνος ἀρχιερέως μεγάλου καὶ στρατηγοῦ
14. 42. τοῦ εἶναι ἐπ' αὐτῶν στρατηγόν
— 47. καὶ εἶναι στρατηγὸς καὶ ἐθνάρχης
16. 11. ἦν καθεσταμένος στρατηγός
II Ma. 3. 5. τὸν κατ' ἐκεῖνον τὸν καιρὸν . . . Φοινίκης στρατηγόν
4. 4. Ἀπολλώνιον . . . ἕως τῶν Κοίλης Φοινίκης . . . στρατηγόν
8. 8. πρὸς Πτ. τὸν Κοίλης Συρίας . . . στρ.
— 9. συνέστησαν . . . Γοργίαν ἄνδρα στρ.
9. 19. βασιλεὺς Ἀντίοχος καὶ στρατηγός
10. 11. Κοίλης δὲ Συρίας καὶ Φοινίκης στρατηγὸν πρώταρχον
— 14. Γ. δὲ γενόμενος στρ. τῶν τόπων
12. 2. τῶν δὲ κατὰ τόπον στρ. Τιμ. καὶ Ἀπ.
— 32. ὥρμησαν ἐπὶ Γοργίαν τὸν τῆς Ἰδουμ. στρ.
13. 24. κατέλειπε στρατηγὸν ἀπὸ Πτ.
14. 12. καὶ στρατηγὸν ἀναδείξας τῆς Ἰουδ.
III Ma. 3. 12. τοῖς . . . κατὰ τόπον στρ. . . . χαίρειν
4. 4. ὑπὸ τῶν κατὰ πόλιν στρ. . . . ἐξαπεστέλλοντο
— 18. ὡς ἀδυνάτου καθεστῶτος πᾶσιν τοῖς ἐπ' Αἴγυπτον στρ.
6. 41. ἔγραψεν . . . πρὸς τοὺς κατὰ πόλιν στρ.
7. 1. βασιλεὺς Πτ. Φ. τοῖς κατ' Αἴγυπτον στρ.
IV Ma. 4. 2. πρὸς Ἀπ. τὸν Συρίας . . . στρ.
[Sm. Da. 2. 48 (Sw.).]
[Heb. Ez. 32. 30 (P.).]

στρατιά (-εία). (1) חַיִל (2) מְמִשְׁלָה (3) מַפָּע (4) צָבָא

Ex. 14. 4. ἐνδοξασθήσομαι . . . ἐν πάσῃ τῇ στρ. αὐ. (1)
— 9. καὶ οἱ ἱππεῖς καὶ ἡ στρ. αὐ. (1)
— 17. ἐνδοξασθήσομαι . . . ἐν πάσῃ τῇ στρ. αὐ. (1)
Nu. 10. 28. αὗται αἱ στρ. υἱῶν Ἰσρ. (3)
De. 20. 9. καταστήσουσιν ἄρχοντας τῆς στρ. (4)
Jd. 8. 6. A δώσομεν τῇ στρ. [B δυνάμει] σου ἄρτους (4)
II Ki. 3. 23. Ἰ. καὶ πᾶσα ἡ στρ. αὐ. ἤχθησαν (4)
8. 16. Ἰ. υἱὸς Σαρ. ἐπὶ τῆς στρ. (4)
III Ki. 4. 4. A Βαν. υἱὸς Ἰ. ἐπὶ τῆς στρ. [R δυνάμεως] (4)
11. 15. ἐν τῷ πορευθῆναι Ἰ. ἄρχοντα τῆς στρ. [A δυνάμεως] (4)
— 21. τέθνηκεν Ἰ. ὁ ἄρχων τῆς στρ. (4)
16. 16. ἐβασίλευσαν ἐν Ἰσρ. τὸν Ζ. τὸν ἡγούμενον τῆς στρ. (4)
21 (20). 39. ἐξῆλθεν ἐπὶ τὴν στρ. τοῦ πολέμου †
22. 19. πᾶσα ἡ στρ. τοῦ οὐρ. εἱστήκει περὶ αὐτόν (4)
I Ch. 12. 14. οὗτοι ἐκ τῶν υἱῶν Γὰδ ἄρχοντες τῆς στρ. (4)
— 21. ἦσαν ἡγούμενοι ἐν τῇ στρ. (4)
— 23. ταῦτα τὰ ὀνόματα τῶν ἀρχόντων τῆς στρ. (4)
18. 15. Ἰ. υἱὸς Σαρ. ἐπὶ τῆς στρ. (4)
19. 8. ἀπέστειλε . . . πᾶσαν τὴν στρ. τῶν δυνατῶν (4)
20. 1. ἤγαγεν Ἰ. πᾶσαν τὴν δύναμιν τῆς στρ. (4)
28. 1. A R καὶ τοὺς μαχητὰς τῆς στρ. [B *om.* τ. στρ.] ἐν Ἱερ. (1)
II Ch. 32. 9. καὶ πᾶσα ἡ στρ. μετ' αὐτοῦ (2)
33. 3. προσεκύνησε πάσῃ τῇ στρ. τοῦ οὐρανοῦ (4)
— 5. B ᾠκοδόμησε θυσιαστήριαι τῇ πάσῃ [A R π. τῇ] στρ. τοῦ οὐρ. (4)
Ne. 9. 6. σοὶ προσκυνοῦσιν αἱ στρ. τῶν οὐρανῶν (4)
Ju. 3. 10. S εἰς τὸ συλλέξαι πᾶσαν τὴν στρ. [A B ἀπαρτίαν]
5. 3. A B ἡγούμενος στρατιᾶς [R στρατηγίας] αὐ.
— 24. εἰς κατάβρωμα πάσης τῆς στρ. σου
6. 6. διελεύσεται ὁ σίδηρος τῆς στρ. μου
7. 1. παρήγγειλεν Ὀλ. πάσῃ τῇ στρ. αὐ.
— 18. καὶ ἡ λοιπὴ στρ. τῶν Ἀσσ. παρενέβαλον
Ho. 13. 4. οὗ αἱ χεῖρες ἔκτισαν πᾶσαν τὴν στρ. τοῦ οὐρ. –
Ze. 1. 5. καὶ τοὺς προσκυνοῦντας . . . τῇ στρ. τοῦ οὐρ. (4)
Je. 7. 18. τοῦ ποιῆσαι χαυῶνας τῇ στρ. τοῦ οὐρανοῦ †
8. 2. ψύξουσιν αὐτὰ . . . πρὸς πᾶσαν τὴν στρ. τοῦ οὐρανοῦ (4)

Je. 19. 13. ἐθυμίασαν . . . πάσῃ τῇ στρ. τοῦ οὐρ. (4)
I Ma. 2. 66. οὗτος ὑμῖν ἔσται ἄρχων στρατιᾶς
11. 70. ἄρχοντες τῆς στρ. τῶν δυνάμεων
II Ma. 8. 24. τὸ πλεῖον μέρος τῆς τοῦ N. στρ.
12. 20. διατάξας τὴν περὶ αὐτὸν στρ. σπειρηδόν
13. 14. περὶ δὲ M. ἐποιήσατο τὴν στρ.
15. 20. καὶ τῆς στρ. ἐκταγείσης
III Ma. 5. 3. συναγαγὼν τοὺς μάλιστα . . . τῆς στρ.
6. 4. σὺν τῇ ὑπερηφάνῳ στρ. ποντοβρόχους ἀπώλεσας
IV Ma. 4. 10. A ἀνιόντος τε μετὰ καθωπλισμένης στρ. [S R τῆς στρ.]
9. 23. ἱερὰν καὶ εὐγενῆ στρατείαν στρατεύσασθε
16. 14. S¹ μήτηρ καὶ εὐσεβοῦς στρατιᾶς
[Aq. Ex. 12. 41 : Nu. 1. 20 : 8. 24 : Dt. 4. 19 : 17. 3 : I Ki. 1. 3 : II Ki. 5. 10 : 10. 7 : Jb. 7. 1 : 10. 17 : Ps. 32 (33). 6 : 68 (69). 7 : 83 (84). 13 : 148. 2 : Is. 1. 9, 24 : 3. 15 : 5. 7 : 10. 23 : 34. 2, 4 *bis* : 40. 2, 26 : Je. 49. 26 (30. 15) : Da. 10. 1.]
[Sm. Nu. 1. 20 : I Ki. 1. 3 : II Ki. 10. 7 : Jb. 25. 3 : Ps. 67 (68). 12, 13 : 148. 2 : Is. 5. 7 : 34. 4 : 40. 26 : Za. 9. 8.]
[Th. II Ki. 10. 7 : III Ki. 4. 4† : Is. 34. 4 : 40. 26.]
[Al. I Ki. 15. 2 : Am. 3. 13.]

στρατιώτης.

II Ki. 23. 8. B¹ R ἐσπάσατο τὴν ῥομφ. αὐ. ἐπὶ ὀκτακοσίους στρ. [A B² *al.*] †
II Ma. 5. 12. ἐκέλευσε τοῖς στρ. κόπτειν
14. 39. ἀπέστειλε στρατιώτας . . . συλλαβεῖν αὐτόν
III Ma. 3. 12. τοῖς . . . κατὰ τόπον . . . στρ. χαίρειν
IV Ma. 3. 7. πολλοὺς αὐτῶν ἀπέκτεινε μετὰ τῶν τοῦ ἔθνους στρ.
— 12. δύο νεανίσκοι στρ. καρτεροί
17. 23. ἀνεκήρυξε τοῖς στρ. αὐ. . . . τὴν ἐκείνων ὑπομονήν

στρατιῶτις.

IV Ma. 16. 14. ὦ μήτηρ δι' εὐσέβειαν θεοῦ στρατιῶτι

στρατοκῆρυξ.

III Ki. 22. 36. ἔστη ὁ στρ. †

στρατοπεδεία (-δία). (1) מָלוֹן

Jo. 4. 3. θέτε αὐτοὺς ἐν τῇ στρ. ὑμῶν (1)
II Ma. 13. 14. R ἐποιήσατο περὶ M. τὴν στρ. [A στρατιάν]

στρατοπεδεύειν. (1) חָנָה (2) נָסַע (3) שָׁכַן

Ge. 12. 9. ἐστρατοπέδευσεν ἐν τῇ ἐρήμῳ (2)
Ex. 13. 20. ἐστρατοπέδευσαν ἐν Ὀ. (1)
14. 2. στρατοπεδευσάτωσαν ἀπέναντι τῆς ἐπαύλεως (1)
— 2. στρατοπεδεύσεις ἐπὶ τῆς θαλάσσης (1)
— 10. οἱ Αἰγ. ἐστρατοπέδευσαν ὀπίσω αὐτῶν (2)
Nu. 24. 2. καθορᾷ τὸν Ἰσρ. ἐστρατοπεδευκότα κατὰ φυλάς (3)
De. 1. 40. ἐστρατοπεδεύσατε εἰς τὴν ἔρημον (2)
Pr. 4. 15. ἐν ᾧ ἂν τόπῳ [S¹ *om.*] στρατοπεδεύσωσι †
II Ma. 9. 23. καθ' οὓς καιροὺς εἰς τοὺς ἄνω τόπους ἐστρατοπέδευσεν
15. 17. R διέγνωσαν μὴ στρατοπεδεύεσθαι [A στρατεύεσθαι]
IV Ma. 3. 8. περὶ ἣν ὁ πᾶς τῶν προγόνων στρατὸς ἐστρατοπεδεύκει
18. 6. A R ἐστρατοπέδευσεν [S ἐστράτευσεν] ἐπὶ Πέρσας

στρατοπεδίον (?).

IV Ma. 3. 13. A¹ κατὰ πᾶν τὸ τῶν πολεμίων στρ. [A² S R -δον]

στρατόπεδον (-ος). (1) חַיִל

Wi. 12. 8. A R ἀπέστειλάς τε προδρόμους τοῦ στρ. [B S τοὺς στρατοπέδους] σου σφῆκας
Je. 41 (34). 1. πᾶν τὸ στρ. αὐτοῦ καὶ πᾶσα ἡ γῆ ἀρχῆς αὐτοῦ ἐπολέμουν (1)
48 (41). 12. ἤγαγον ἅπαν τὸ στρ. αὐτῶν †
II Ma. 8. 12. μεταδόντος . . . τὴν παρουσίαν τοῦ στρ.
9. 9. πᾶν τὸ στρ. βαρύνεσθαι τὴν σαπρίαν
III Ma. 6. 17. ἀκατάσχετον πτοὴν ποιῆσαι παντὶ τῷ στρ.
IV Ma. 3. 13. διεξῄεσαν . . . κατὰ πᾶν τὸ τῶν πολεμίων στρ. [A¹ -διον]
[Sm. I Ki. 23. 3 : Jb. 29. 25.]
[Al. Ps. 26 (27). 3.]

στρατός.

I Ma. 4. 35. R πλεονάσας τὸν γενηθέντα στρατόν [A S *al.*]
II Ma. 8. 35. εὐημερηκὼς ἐπὶ τῇ τοῦ στρ. διαφθορᾷ
IV Ma. 3. 8. περὶ ἣν ὁ πᾶς τῶν προγόνων στρ. ἐστρατοπεδεύκει
4. 5. μετὰ . . . βαρυτάτου στρ. προσελθών
— 11. ὅπως . . . τὸν ἐπουράνιον ἐξευμενίσωνται στρ.

στρέβλευμα.

[Sm., Th. Pr. 6. 12.]

στρέβλη (-α).

Si. 30. 35 (33. 26). καὶ οἰκέτῃ κακούργῳ στρέβλαι
IV Ma. 7. 4. τὴν ἱερὰν ψυχὴν . . . στρέβλαις πυροπολούμενος
— 14. τῷ Ἰσακείῳ λογισμῷ τὴν πολυκέφαλον στρ. ἠκύρωσεν
8. 11. πλὴν τοῦ μετὰ στρεβλῶν ἀποθανεῖν
— 24. μηδὲ κενοδοξήσωμεν ἐπὶ τῇ ἑαυτῶν στρ.
9. 22. ὑπέμειναν εὐγενῶς τὰς στρ.
14. 12. τὰς ἐφ' ἑνὶ ἑκάστῳ τῶν τέκνων στρ.
15. 24. καὶ τὴν τῶν στρ. [S¹ τέκνων] πολύπλοκον ποικιλίαν
— 25. A καὶ φιλοτεκνίαν καὶ τέκνων στρέβλαν [S R -ας]

στρεβλοκάρδιος.

[Aq., Pr. 11. 20.]
[Sm., Th. Pr. 11. 20 : 17. 20.]

στρεβλός. (1) עִקֵּשׁ (2) רְמִיָּה

II Ki. 22. 27. μετὰ στρεβλοῦ στρεβλωθήσῃ [A διαστρέψεις] (1)
Ps. 17 (18). 26. μετὰ στρεβλοῦ διαστρέψεις (1)
77 (78). 57. μετεστράφησαν εἰς τόξον στρεβλόν (2)
Si. 36. 25 (22). καρδία στρεβλὴ δώσει λύπην
[Aq. Is. 58. 5.]
[Sm. Pr. 8. 13 : 23. 33.]
[Th. Pr. 2. 15 : 8. 13.]
[Al. Le. 21. 20 : Ps. 100 (101). 4.]

στρεβλότης.

[Aq. Pr. 4. 24 : 6. 14.]
[Th. Pr. 4. 24.]
[Al. Pr. 6. 14.]

στρεβλοῦν. (1) פָּתַל hithpa.

II Ki. 22. 27. μετὰ στρεβλοῦ στρεβλωθήσῃ [A διαστρέψεις] (1)
III Ma. 4. 14. στρεβλωθέντας δὲ παρηγγελμέναις αἰκίαις
IV Ma. 9. 17. στρεβλοῦτε τὰ ἄρθρα
12. 4. διὰ γὰρ ἀπείθειαν στρεβλωθέντες τεθνήκασι
— 11. καὶ τοὺς τῆς εὐσεβείας ἀσκητὰς στρεβλῶσαι
15. 14. καθ' ἕνα στρεβλούμενον . . . ὁρῶσα μήτηρ
[Aq. Jb. 9. 20 : Is. 19. 15.]
[Sm. Pr. 10. 9 : Da. 10. 16 (Sw.).]

στρεβλωτήριον.

IV Ma. 8. 13. ὡς δὲ . . . στρεβλωτήρια . . . προέθεσαν [Sm. Je. 20. 2.]

στρέμμα. (1) פְּתִיל (2) קֶשֶׁר

Jd. 16. 9. ὡς εἴ τις ἀποσπάσοι στρέμμα στυππίου [A *al.*] (1)
IV Ki. 15. 30. B συνέστρεψε στρέμμα [A R σύστρ.] Ὠ. (2)

στρεπτός. (1) גְּדִילִים (2) גֻּלָּה (3) στρ. κυμάτιον זֵר (4) στρ. στεφάνη זֵר

Ex. 25. 10 (11). ποιήσεις αὐτῇ κυμάτια χρυσᾶ στρ. (3)
— 23 (24). ποιήσεις αὐτῇ στρ. κυμάτια χρυσᾶ [A *al.*] (3)
— 24 (25). ποιήσεις στρ. κυμάτιον (3)
30. 3. ποιήσεις αὐτῷ στρ. στεφάνην χρυσῆν (4)
— 4. ποιήσεις ὑπὸ τὴν στρ. στεφάνην αὐ. (4)
De. 22. 12. στρεπτὰ ποιήσεις σεαυτῷ (1)
III Ki. 7. 41. στύλους δύο καὶ τὰ στρ. τῶν στύλων (2)
— 41. τοῦ καλύπτειν ἀμφότερα τὰ στρ. τῶν γλυφῶν (2)
— 42. περικαλύπτειν ἀμφότερα τὰ ὄντα τὰ στρ. τῆς μεχ. (2)
Es. 4. 17. A² B S ἔπλησε στρεπτῶν τριχῶν αὐ.
[Aq. Ge. 38. 18.]
[Quint. Ca. 1, 11.]

στρέφειν. (1) גָּלִיל (2) פָּרַר hithpo. (3) הָפַךְ *a.* qal. *b.* ni. *c.* hithpa. (4) סָבַב *a.* qal. *b.* hi. (5) פָּנָה *a.* qal. *b.* hi. (6) שִׁית (7) שׁוּב *a.* qal. *b.* hi.

Ge. 3. 24. τὴν φλογίνην ῥομφαίαν τὴν στρεφομ. (3 *c*)
Ex. 4. 17. τὴν ῥάβδον ταύτην τὴν στραφεῖσαν εἰς ὄφιν
7. 15. τὴν ῥάβδον τὴν στραφεῖσαν εἰς ὄφιν (3 *b*)
De. 3. 1. B¹ στραφέντες [A B² R ἐπιστρ.] ἀνέβημεν ὁδὸν τὴν εἰς B. (5 *a*)
Jd. 7. 13. μαγὶς ἄρτου κριθίνου στρεφομένη [A κυλιομ.] (3 *c*)
I Ki. 10. 6. στραφήσῃ [A -ει] εἰς ἄνδρα ἄλλον (3 *b*)
14. 47. οὗ ἂν ἐστράφη [B² ἀνεστρ.] ἐσώζετο (5 *a*)
III Ki. 2. 14 (15). ἐστράφη ἡ βασ. (4 *a*)
6. 34. καὶ δύο πτυχαὶ ἡ θύρα ἡ δευτ. στρεφόμενα (1)
18. 37. ἔστρεψας [A ἐπέστρ.] τὴν καρδίαν τοῦ λαοῦ τ. ὀπίσω (4 *b*)
I Es. 4. 34. στρέφεται ἐν τῷ κύκλῳ τοῦ οὐρανοῦ
Ne. 13. 2. B S ἔστρεψεν [A R ἐπέστρ.] ὁ θ. ἡμῶν τὴν κατάραν εἰς εὐλογίαν (3 *a*)
To. 2. 6. στραφήσονται αἱ ἑορταὶ ὑμῶν εἰς πένθος
Es. 4. 8. A ὡς ἐστράφης [B S ἐτρ.] ἐν χειρί μου
— 17. στρέψον τὸ πένθος ἡμῶν εἰς εὐωχίαν
— 17. στρέψον τὴν βουλὴν αὐ. ἐπ' αὐτούς
9. 22. ἐν ᾧ ἐστράφη [A S ἐγράφη] αὐτοῖς (3 *b*)
Jb. 28. 5. ὑποκάτω αὐτῆς ἐστράφη ὡσεὶ πῦρ (3 *b*)
34. 25. στρέψει νύκτα (3 *a*)
41. 16 (17). στραφέντος δὲ αὐτοῦ φόβος θηρίοις (6)
Ps. 29 (30). 11. ἔστρεψας τὸν κοπετόν μου εἰς χαρὰν ἐμοί (3 *a*)
31 (32). 4. ἐστράφην εἰς ταλαιπωρίαν (3 *b*)
40 (41). 3. ὅλην τὴν κοίτην αὐτοῦ ἔστρεψας ἐν τῇ ἀρρωστίᾳ αὐτοῦ (3 *a*)
77 (78). 9. ἐστράφησαν ἐν ἡμέρᾳ πολέμου (3 *a*)
113 (114). 3. ὁ Ἰορδάνης ἐστράφη εἰς τὰ ὀπίσω (4 *a*)
— 5. A S² R ἐστράφης [S¹ ἀνεχώρησας] εἰς τὰ ὀπίσω (4 *a*)
— 8. τοῦ στρέψαντος τὴν πέτραν εἰς λίμνας ὑδάτων (3 *a*)
Pr. 12. 7. οὗ ἐὰν στραφῇ ὁ ἀσεβὴς ἀφανίζεται (3 *a*)
26. 14. ὥσπερ θύρα στρέφεται ἐπὶ τοῦ στρόφιγγος [A τῷ στρ.] (4 *a*)
Si. 6. 28. στραφήσεταί σοι εἰς εὐφροσύνην
34 (31). 20. S¹ καὶ στρεφόμενος [A B S² στρόφος] μετὰ ἀνδρὸς ἀπλήστου
36 (33). 5. ὡς ἄξων στρεφόμενος ὁ διαλογισμὸς αὐτοῦ
Ze. 3. 20. B¹ ἐν τῷ στρέφειν [A B² S ἐπιστρ.] με τὴν αἰχμαλωσίαν ὑμῶν (7 *a*)
Is. 34. 9. στραφήσονται αὐτῆς αἱ φάραγγες εἰς πίσσαν (3 *b*)
38. 8. B² R στρέψω [A B¹ S -φω] τὴν σκιὰν τῶν ἀναβαθμῶν (7 *b*)
63. 10. ἐστράφη αὐτοῖς εἰς ἔχθραν (3 *b*)
Je. 2. 21. πῶς ἐστράφης [A -η] εἰς πικρίαν (3 *b*)
— 27. ἔστρεψαν [S ἐπέστρ.] ἐπ' ἐμὲ νῶτα (5 *a*)
31 (48). 39. πῶς ἔστρεψε νῶτον Μωάβ (5 *b*)
37 (30). 6. ἐστράφησαν πρόσωπα εἰς ἕκτερον (3 *b*)
— 23. ἐξῆλθεν [S ἐπῆλθεν] ὀργὴ στρεφομένη (2)
38 (31). 13. στρέψω [S¹ ἐπιστρ.] τὸ πένθος αὐτῶν εἰς χαρμονήν [A εὐφροσύνην] (3 *a*)
41 (34). 15. A ἔστρεψαν [B S ἐπέστρ.] σήμερον ποιῆσαι τὸ εὐθές (7 *a*)
La. 1. 20. ἡ καρδία μου ἐστράφη ἐν ἐμοί (3 *b*)
5. 15. ἐστράφη εἰς πένθος ὁ χορὸς ἡμῶν (3 *b*)
Ez. 4. 8. μὴ [A οὐ μὴ] στραφῇς ἀπὸ τοῦ πλευροῦ σου (3 *b*)
Da. TH. 10. 16. ἐστράφη τὰ ἐντός μου ἐν ἐμοί (3 *b*)
I Ma. 1. 39. αἱ ἑορταὶ αὐ. ἐστράφησαν [S¹ -φη] εἰς πένθος
— 40. τὸ ὕψος αὐ. ἐστράφη εἰς πένθος
2. 63. R ἔστρεψεν [A S ἐπέστρ.] εἰς τὸν χοῦν αὐ.
[Aq. Le. 13. 13 : Ps. 31 (32). 4 : Pr. 17. 20 : Ze. 3. 9.]
[Sm. Pr. 17. 20 : Ez. 4. 3.]
[Th. Jb. 34. 25 : Ps. 31 (32). 4 : Pr. 17. 20 : Is. 38. 8 : Ez. 47. 6 (Sw.) : Da. 10. 16 : Ze. 8. 9.]
[Quint., Sext. Ps. 31 (32). 4.]

στρηνιᾶν.

[Sm. Is. 61. 6.]

στρῆνος. (1) שַׁאֲנָן

IV Ki. 19. 28. τὸ στρ. σου ἀνέβη ἐν τοῖς ὠσί μου (1)

στρῆξις (?).

[Al. Le. 26. 9.]

στρίφνος.

Jb. 20. 18. ὥσπερ στρίφνος [A στρύχνον, S² στρύχνος] ἀμάσητος [A -ον] †

στροβεῖν. (1) בָּעַת pi.

Jb. 9. 34. ὁ δὲ φόβος αὐτοῦ μή με στροβείτω (1)
13. 11. πότερον οὐχὶ δῖνα [A δειλία] αὐτοῦ στροβήσει ὑμᾶς (1)
15. 23 (24). ἡμέρα δὲ σκοτεινὴ αὐτὸν στροβήσει (1)
33. 7. οὐχ ὁ φόβος μού σε στροβήσει (1)

στρογγύλος. (1) עָגֹל

III Ki. 7. 23. στρογγύλον κύκλῳ τὸ αὐτό (1)
— 31. A καὶ διάπηγα αὐ. τετράγωνα οὐ στρογγύλα (1)
— 35. στρογγύλον κύκλῳ ἐπὶ τῆς κεφαλῆς τῆς μεχ. (1)
II Ch. 4. 2. ἐποίησε τὴν θάλασσαν . . . στρογγύλην κυκλόθεν (1)

[Aq. Ez. 1. 7.]

στρογγυλοῦν. (1) עָגֹל

III Ki. 7. 31. A καὶ στόμα αὐ. στρογγυλοῦν (1)

στρογγύλωμα.

[Al. I Ki. 19. 16.]

στρογγύλωσις. (1) מַעְגָּל

I Ki. 17. 20. A ἦλθεν εἰς τὴν στρ. (1)

[Aq., Sm., Th. I Ki. 26. 5.]

στρουθίζειν.

[Th. Is. 10. 14 : 38. 14.]

στρουθίον. (1) יָעֵן (2) עָנִיר (3) צִפּוֹר

To. 2. 10. στρουθία ἐν τῷ τοίχῳ ἐστί [S al.]
— 10. ἀφώδευσαν τὰ στρ. θερμὸν εἰς τοὺς ὀφθαλμούς μου [S al.] –
Jb. 40. 24 (29). ἡ δήσεις αὐτὸν ὥσπερ στρουθίον παιδίῳ –
Ps. 10 (11). 2. μεταναστεύου ἐπὶ τὰ ὄρη ὡς στρουθίον (3)
83 (84). 3. στρουθίον εὗρεν ἑαυτῷ οἰκίαν (3)
101 (102). 7. ἐγενήθην ὡσεὶ στρ. μονάζον (3)
103 (104). 17. ἐκεῖ στρουθία ἐννοσσεύσουσι (3)
123 (124). 7. ἡ ψυχὴ ἡμῶν ὡς στρουθίον ἐρρύσθη ἐκ τῆς παγίδος τῶν θηρευόντων (3)
Ec. 12. 4. ἀναστήσεται εἰς φωνὴν τοῦ στρ. (3)
Je. 8. 7. στρουθία ἐφύλαξαν καιροὺς εἰσόδων ἑαυτῶν (2?)
La. 3. 52. θηρεύοντες ἐθήρευσάν με ὡς στρουθίον (3)
4. 3. ὡς στρουθίον ἐν ἐρήμῳ (1)

[Sm. Ps. 103 (104). 17 : Ec. 12. 4 : Is. 31. 5.]
[Al. Le. 14. 4.]

στρουθοκάμηλος.

[Aq. Dt. 14. 14 (15) : Is. 13. 21 : 34. 13 : 43. 20 : Mi. 1. 8.]
[Sm. Jb. 30. 29 : Is. 13. 21 : 34. 13 : 43. 20 : Je. 50 (27). 39 : La. 4. 3 : Mi. 1. 8.]
[Th. Is. 43. 20.]
[Al. Le. 11. 16 (15).]

στρουθός. (1) *a.* בַּת הַיַּעֲנָה, בַּת יַעֲנָה *b.* יַעֲנָה (2) דְּרוֹר (3) תַּן

Le. 11. 15 (16) : De. 14. 15. καὶ στρουθὸν καὶ γλαῦκα καὶ λάρον (1 *a*)
Jb. 30. 29. ἀδελφὸς γέγονα σειρήνων ἑταῖρος δὲ στρουθῶν (1 *a*)
Pr. 26. 2. ὥσπερ ὄρνεα πέταται καὶ στρουθοί (2)
Is. 34. 13. ἔσται ἐπαύλεις σειρήνων καὶ αὐλὴ στρουθῶν (1 *a*)
43. 20. σειρῆνες καὶ θυγατέρες στρουθῶν (1 *b*)
Je. 10. 22. εἰς ἀφανισμὸν καὶ κοίτην στρουθῶν (3?)
30. 11 (49. 33). ἔσται ἡ αὐλὴ διατριβὴ στρουθῶν (3?)

[Aq. Ps. 83 (84). 4 : Je. 50 (27). 39.]
[Th. Jb. 30. 29.]

στροφεύς. (1) גָּלִיל (2) מְחַבְּרוֹת

III Ki. 6. 34. ἡ θύρα ἡ μία καὶ στροφεῖς αὐτῶν (1)
I Ch. 22. 3. σίδηρον πολὺν εἰς . . . τοὺς στρ. ἡτοίμασε Δ. (2)

[Aq. Pr. 26. 14.]

στροφή.

Pr. 1. 3. δέξασθαί τε στροφὰς λόγων †
Wi. 8. 8. ἐπίσταται στροφὰς λόγων
Si. 39. 2. ἐν στροφαῖς παραβολῶν συνεισελεύσεται

[Th. Is. 29. 16.]

στρόφιγξ. (1) צִיר

Pr. 26. 14. ὥσπερ θύρα στρέφεται ἐπὶ τοῦ στρ. [A τῷ στρ.] (1)

στρόφος.

Si. 34 (31). 20. πόνος ἀγρυπνίας . . . καὶ στρόφος [S¹ στρεφόμενος] μετὰ ἀνδρὸς ἀπλήστου

στροφωτός. (1) סָבִב ho.

Ez. 41. 23 (24). τοῖς δυσὶ θυρώμασι τοῖς στρ. (1)

στρυφαλίς (στρυνφ.). (1) חָרִין

I Ki. 17. 18. A καὶ τὰς δέκα στρ. τοῦ γάλακτος τ. εἰσοίσεις (1)

στρύχνος.

Jb. 20. 18. A ὥσπερ στρύχνον [S² -ος, B S¹ στρίφνος] ἀμάσητον [B S -ος] †

στρῶμα. (1) מִשְׁכָּב

Pr. 22. 27. λήψονται τὸ στρ. τὸ ὑπὸ τὰς πλευράς σου (1)

[Aq. III Ki. 6. 10 : IV Ki. 8. 15.]
[Sm. IV Ki. 8. 15.]

στρωμνή. (1) יְצוּעַ (2) מִפְרָשׂ (3) עֶרֶשׂ (4) תַּחַת

Ge. 49. 4. τότε ἐμίανας τὴν στρ. (1)
Ju. 9. 3. καὶ τὴν στρ. αὐ. ἢ ᾔδεσατο
13. 9. ἀπεκύλισε τὸ σῶμα αὐ. ἀπὸ τῆς στρ.
Es. 1. 6. καὶ στρωμναὶ διαφανεῖς [S ἐπιφ., A στρωμνῆς ἐπιφανοῦς] –
Jb. 17. 13. ἐν δὲ γνόφῳ ἔστρωταί μου ἡ στρ. (1)
41. 21 (22). ἡ στρ. αὐτοῦ ὀβελίσκοι ὀξεῖς (4)
Ps. 6. 6. ἐν δάκρυσί μου τὴν στρ. μου βρέξω (3)
62 (63). 6. εἰ ἐμνημόνευόν σου ἐπὶ τῆς στρ. μου (1)
131 (132). 3. εἰ ἀναβήσομαι ἐπὶ κλίνης στρωμνῆς μου (1)
Am. 6. 4. κατασπαταλῶντες ἐπὶ ταῖς στρ. αὐ. (3)
Ez. 27. 7. βύσσος . . . ἐγένετό σοι στρωμνή (2)

[Sm. Ps. 62 (63). 7 : Is. 28. 20.]

στρωννύειν, στρωννύναι. (1) חָלַל pi. (2) יָצַע ho. (3) כָּבַד (4) מָתַן (5) מִשְׁכָּב (6) פָּלַשׁ hithpa. (7) רָפַד pi.

To. 7. 17. S ἔστρωσεν εἰς τὸ ταμεῖον [A B al.]
Ju. 12. 15. A B ἔστρωσεν αὐτῇ κατέναντι Ὀλ.
Es. 4. 3. σάκκον καὶ σποδὸν ἔστρωσαν [S² ὑπέστρ.] ἑαυτοῖς (2)
Jb. 17. 13. ἐν δὲ γνόφῳ ἔστρωταί μου ἡ στρωμνή (7)
26. 12. ἐπιστήμῃ δὲ ἔστρωται [A S -ωσεν] τὸ κῆτος (4)
Pr. 7. 16. ἀμφιτάποις δὲ ἔστρωκα τοῖς ἀπ' Αἰγ. –
15. 19. ὁδοὶ ἀεργῶν ἐστρωμέναι ἀκάνθαις (5)
Is. 14. 11. ὑποκάτω σου στρώσουσι σῆψιν (2)
Ez. 23. 41. ἐκάθου ἐπὶ κλίνης ἐστρωμένης (3)
27. 30. σποδὸν στρώσονται [A ὑποστρ.] (6)
28. 7. στρώσουσι τὸ κάλλος σου εἰς ἀπώλειαν (1)

[Aq. Is. 51. 14 : Je. 48 (31). 12.]
[Sm. Je. 48 (31). 12.]
[Al. Ex. 14. 6.]

στρωτήρ.

[Quint. Ca. 1. 17.]

στρώτης.

[Aq. Je. 48 (31). 12.]

στυβή, *vid. sub* **στοιβή.**

στυγεῖν. (1) שָׂנֵא *a.* qal. *b.* hi.

Ez. 27. 35. ἐστύγνασαν ἐπὶ σέ (1 *a*)
28. 19. A στυγνάσουσιν [B στενάξουσιν] ἐπὶ σέ (1 *a*)
32. 10. στυγνάσουσιν ἐπὶ σὲ ἔθνη πολλά [A om.] (1 *b*)

στυγνός. (1) στ. γίνεσθαι בָּנַס (2) שׁוֹבָב

Wi. 17. 5. καταυγάζειν ὑπέμενον τὴν στυγνὴν ἐκείνην νύκτα
Is. 57. 17. ἐπορεύθη στυγνὸς ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (2)
Da. LXX. 2. 12. τότε ὁ βασ. στ. γενόμενος (1)

στῦλος. (1) אֶבֶן (2) כֹּתֶרֶת (3) מַצֵּבָה (4) *a.* עַמּוּד *b.* עַמּוּד (5) קֶרֶשׁ

Ex. 13. 21. ἡμέρας μὲν ἐν στύλῳ νεφέλης (4 *b*)
— 21. τὴν δὲ νύκτα ἐν στύλῳ πυρός (4 *b*)
— 22. οὐκ ἐξέλιπε δὲ ὁ στ. τῆς νεφέλης ἡμέρας καὶ ὁ στ. τοῦ πυρὸς νυκτός (4 *b*, 4 *b*)
14. 19. ἐξῆρε δὲ καὶ ὁ στ. τῆς νεφέλης (4 *b*)
— 24. ἐν στύλῳ πυρὸς καὶ νεφέλης (4 *b*)
19. 9. παραγίνομαι πρὸς σὲ ἐν στύλῳ νεφέλης †
26. 15. ποιήσεις στύλους τῇ σκηνῇ (5)
— 16. δέκα πήχεων ποιήσεις τὸν στ. τὸν ἕνα (5)
— 16. τὸ πλάτος τοῦ στ. τοῦ ἑνός (5)
— 17. δύο ἀγκωνίσκους τῷ στ. τῷ ἑνί (5)
— 17. οὕτως ποιήσεις πᾶσι τοῖς στ. τῆς σκηνῆς (5)
— 18. ποιήσεις στύλους τῇ σκηνῇ εἴκοσι στύλους (5, 5)
— 19. τεσσαράκοντα βάσεις ἀργ. ποιήσεις τοῖς εἴκοσι στ. (5)
— 19. δύο βάσεις τῷ στ. τῷ ἑνί (5)
— 19. B² δύο βάσεις τῷ στ. τῷ ἑνί (5)
— 20. τὸ κλίτος τὸ δεύτερον . . . εἴκοσι στύλους (5)
— 21. δύο βάσεις τῷ στ. τῷ ἑνί (5)
— 21. A R δύο βάσεις τῷ στ. τῷ ἑνί (5)
— 22. ποιήσεις ἓξ στύλους (5)
— 23. δύο στύλους ποιήσεις (5)
— 25. ἔσονται ὀκτὼ στῦλοι (5)
— 25. δύο βάσεις τῷ ἑνὶ στ. [A στ. τῷ ἑνί] (5)
— 25. καὶ δύο βάσεις τῷ στ. τῷ ἑνί (5)
— 26. μοχλοὺς . . . πέντε τῷ ἑνὶ στ. (5)
— 27. καὶ πέντε μοχλοὺς τῷ στ. τῷ ἑνί [A al.] (5)
— 27. καὶ πέντε μοχλοὺς τῷ στ. τῷ ὀπισθίῳ (5)
— 28. ὁ μοχλὸς ὁ μέσος ἀνὰ μέσον τῶν στ. (5)
— 29. τοὺς στ. καταχρυσώσεις χρυσίῳ (5)
— 32. ἐπιθήσεις αὐτὸ ἐπὶ τεσσάρων στ. (4 *b*)
— 33. B¹ R θήσεις τὸ καταπέτασμα ἐπὶ τῶν στ. [AB² τοὺς στ.] †
— 37. ποιήσεις τῷ καταπετάσματι πέντε στύλους (4 *b*)
27. 10. καὶ οἱ [A om.] στ. αὐ. εἴκοσι (4 *b*)
— 11. καὶ οἱ στ. αὐ. εἴκοσι (4 *b*)
— 11. καὶ αἱ ψαλίδες τῶν στ. (4 *b*)
— 12. στῦλοι αὐτῶν δέκα (4 *b*)
— 13. στῦλοι αὐτῶν δέκα –
— 14, 15. στῦλοι αὐτῶν τρεῖς (4 *b*)
— 16. στῦλοι αὐτῶν τέσσαρες (4 *b*)
— 17. πάντες οἱ στ. τῆς αὐλῆς κύκλῳ (4 *b*)
33. 9. κατέβαινεν ὁ στ. τῆς νεφέλης (4 *b*)
— 10. ἑώρα πᾶς ὁ λαὸς τὸν στ. τῆς νεφέλης (4 *b*)
35. 11. ἐργαζέσθω . . . τοὺς στ. (4 *b*)
— 12 (17). ἐργαζέσθω . . . τοὺς στ. αὐ. (4 *b*)
37. 4 (36. 36). ἐπέθηκαν αὐτὸ ἐπὶ τέσσαρας στ. ἀσήπτους (4 *b*)
— 6 (36. 38). καὶ τοὺς στ. αὐ. πέντε (4 *b*)
— 8 (38. 10), 9 (38. 11) (A² B). καὶ οἱ στ. αὐ. εἴκοσι (4 *b*)
— 10 (38. 12). A² B στῦλοι αὐτῶν δέκα (4 *b*)
— 12 (38. 14). A² B καὶ οἱ στ. αὐ. τρεῖς (4 *b*)
— 13 (38. 15). στῦλοι [A οἱ στ.] αὐ. τρεῖς (4 *b*)
— 15 (38. 17). καὶ αἱ βάσεις τῶν στ. αὐ. χαλκαῖ (4 *b*)
— 15 (38. 17). καὶ οἱ στ. περιηργυρωμένοι ἀργυρίῳ †
— 15 (38. 17). πάντες οἱ στ. τῆς αὐλῆς (4 *b*)
— 17 (38. 19). καὶ οἱ στ. αὐ. τέσσαρες (4 *b*)
38. 18 (36. 34). περιηργύρωσε τοὺς στ. (5)
— 18 (36. 34). ἐχώνευσε τῷ στ. [A τοῖς στ.] δακτυλίους χρυσοῦς –
— 18 (36. 36). κατεχρύσωσε τοὺς στ. τοῦ καταπετάσματος –
— 19 (36. 36). A ἐποίησε τοὺς στ. τῆς σκηνῆς χρυσοῦς [B al.] (4 *b*?)
— 20 (36. 36). A² ἐχώνευσε τὰς κεφαλίδας τὰς ἀργυρᾶς τοῖς στ. [B τῆς σκηνῆς, A¹ om. τ. στ.] –

Ex. 38. 20 (36. 36). ἀγκύλας ἐποίησε τοῖς στ. [A *om.* τ. στ.] ἀργυρᾶς ἐπὶ τῶν στ. – , –
39. 6 (38. 28). ἐποίησαν εἰς τὰς ἀγκύλας τοῖς στ. [A τῶν στ.] (4 *b*)
— 14 (33). ἤνεγκαν . . . τοὺς στ. (4 *b*)
— 20 (40). τὰ ἱστία τῆς αὐλῆς καὶ τοὺς στ. (4 *b*)
40. 18. ἔστησε τοὺς στ. [A *add.* αὐ.] (4 *b*)
Nu. 3. 36. καὶ τοὺς στ. αὐ. (4 *b*)
— 37. καὶ τοὺς στ. τῆς αὐλῆς κύκλῳ (4 *b*)
4. 31. καὶ τοὺς στ. αὐ. (4 *b*)
— 31. καὶ οἱ στ. αὐ. –
— 32. καὶ τοὺς στ. τῆς αὐλῆς κύκλῳ (4 *b*)
— 32. καὶ τοὺς στ. τοῦ καταπετάσματος τῆς πύλης –
12. 5. κατέβη κύριος ἐν στύλῳ νεφέλης (4 *b*)
14. 14. ἐν στύλῳ νεφέλης σὺ πορεύῃ (4 *b*)
— 14. καὶ ἐν στύλῳ πυρὸς τὴν νύκτα (4 *b*)
De. 31. 15. A κατέβη κύριος ἐν στύλῳ νεφέλης [B *al.*] (4 *b*)
— 15. ἔστη ὁ στ. τῆς νεφέλης παρὰ τὰς θύρας (4 *b*)
Jd. 16. 25. A ἔστησαν αὐτὸν ἀνὰ μέσον τῶν δύο στ. [B τ. κιόνων] (4 *b*)
— 26. A ποίησον ψηλαφῆσαί με ἐπὶ τοὺς στ. [B *al.*] (4 *b*)
— 29. A περιέλαβε Σ. τοὺς δύο στ. [B *al.*] (4 *b*)
20. 40. τὸ σύσσημον ἀνέβη . . . ὡς στῦλος καπνοῦ [A *al.*] (4 *b*)
II Ki. 8. 8. ἐν αὐτῷ ἐποίησε . . . τοὺς στ. –
III Ki. 3. 1. ἐποίησε Σαλ. . . . τοὺς στ. –
7. 15. A B ἐχώνευσε τοὺς δύο στ. τῷ αἰ. [B *al.*] (4 *b*)
— 15. ὀκτὼ καὶ δέκα πήχεις τὸ ὕψος τοῦ στ. (4 *b*)
— 15. τὸ πάχος τοῦ στ. –
— 15. B οὗτως στῦλος [A B ὁ στ.] ὁ δεύτερος (4 *b*)
— 16. δοῦναι ἐπὶ τὰς κεφαλὰς τῶν στ. (4 *b*)
— 17. περικαλύψαι τὸ ἐπίθεμα τῶν στ. (4 *b*)
— 21. ἔστησε τοὺς στ. τοῦ αἰ. τοῦ ναοῦ (4 *b*)
— 21. ἔστησε τὸν στ. τὸν ἕνα (4 *b*)
— 21. ἔστησε τὸν στ. τὸν δεύτερον (4 *b*)
— 19. ἐπὶ τῶν κεφαλῶν τῶν στ. ἔργον κρίνου (4 *b*)
— 20. μέλαθρον ἐπ' ἀμφοτέρων τῶν στ. (4 *b*)
— 22. A ἐτελειώθη τὸ ἔργον τῶν στ. (4 *b*)
— 41. στύλους δύο καὶ τὰ στρεπτὰ τῶν στύλων ἐπὶ τῶν κεφ. τῶν στ. δύο (4 *b*, 2, 4 *b*)
— 41. ἀμφότ. τὰ στρεπτὰ τῶν γλυφῶν τὰ ὄντα ἐπὶ τῶν στ. (4 *b*)
— 42. ἀμφότ. τὰ ὄντα τὰ στρεπτὰ τῆς μεχ. ἐπ' ἀμφοτ. τοῖς στ. (4 *b*)
— 45. καὶ οἱ στ. τεσσαράκοντα καὶ ὀκτώ –
— 2. καὶ τριῶν στίχων στ. κεδρίνων (4 *b*)
— 2. καὶ ὡμίαι κέδριναι τοῖς στ. (4 *b*)
— 3. ἐπὶ τῶν πλευρῶν τῶν στ. (4 *b*)
— 3. καὶ ἀριθμὸς τῶν στ. τεσσαράκοντα –
— 6. καὶ τὸ αἰ. τῶν στ. (4 *b*)
— 6. καὶ στῦλοι καὶ πάχος ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (4 *b*)
IV Ki. 11. 14. ὁ βασ. εἱστήκει ἐπὶ τοῦ στ. (4 *b*)
23. 3. ἔστη ὁ βασ. πρὸς τὸν στ. (4 *b*)
25. 13. τοὺς [A εἰς τοὺς] στ. τοὺς χαλκοῦς . . . συνέτριψαν (4 *b*)
— 16. στύλους δύο ἡ θάλασσα ἡ μία (4 *b*)
— 17. ὕψος τοῦ στ. τοῦ ἑνός (4 *b*)
— 17. καὶ κατὰ τὰ αὐτὰ τῷ στ. τῷ δευτέρῳ (4 *b*)
I Ch. 18. 8. ἐποίησε Σαλ. . . . τοὺς στ. (4 *b*)
II Ch. 3. 15. ἐποίησεν ἔμπροσθεν τοῦ τοίχου στύλους δύο (4 *b*)
— 16. καὶ ἔδωκεν ἐπὶ τῶν κεφαλῶν τῶν στ. (4 *b*)
— 17. ἔστησε τοὺς στ. (4 *b*)
4. 12. στύλους δύο καὶ ἐπ' αὐτῶν γωλάθ (4 *b*)
— 12. ἐπὶ τῶν κεφαλῶν τῶν στ. δύο (4 *b*)
— 12. ἃ ἐστιν ἐπὶ τῶν κεφαλῶν τῶν στ. (4 *b*)
— 13. ἃ ἐστιν ἐπάνω τῶν στ. (4 *b*)
34. 31. ἔστη ὁ βασ. ἐπὶ τὸν στ. (4 *a*)
Ne. 9. 12. ἐν στύλῳ νεφέλης ὡδήγησας αὐτοὺς ἡμέρας καὶ ἐν στύλῳ πυρὸς τὴν νύκτα (4 *b*, 4 *b*)
— 19. τὸν στ. τῆς νεφέλης οὐκ ἐξέκλινας ἀπ' αὐτῶν (4 *b*)
— 19. καὶ τὸν στ. τοῦ πυρὸς τὴν νύκτα (4 *b*)
Ju. 13. 9. ἀφεῖλε τὸ κωνώπιον ἀπὸ τῶν στ.
Es. 1. 6. ἐπὶ στύλοις παρίνοις καὶ λιθίνοις (4 *b*)
Jb. 9. 6. οἱ δὲ στ. αὐτῆς σαλεύονται (4 *b*)
26. 11. στῦλοι οὐρανοῦ ἐπετάσθησαν (4 *b*)
38. 6. A ἐπὶ τίνος δὲ οἱ στ. [B S κρίκοι] αὐτῆς πεπήγασι (1)
Ps. 74 (75). 3. ἐγὼ ἐστερέωσα τοὺς στ. αὐτῆς (4 *b*)
98 (99). 7. ἐν στύλῳ νεφέλης ἐλάλει πρὸς αὐτούς (4 *b*)
Pr. 9. 1. ὑπήρεισε στύλους ἑπτά (4 *b*)
Ca. 3. 10. στύλους αὐτοῦ ἐποίησεν ἀργύριον (4 *b*)
5. 15. κνῆμαι αὐτοῦ στῦλοι μαρμάρινοι (4 *b*)
Wi. 18. 3. πυριφλεγῆ στῦλον . . . παρέσχες
Si. 24. 4. ὁ θρόνος μου ἐν στύλῳ νεφέλης
26. 18. στῦλοι χρύσεοι [A -έως] ἐπὶ βάσεως ἀργυρᾶς
36. 29 (26). καὶ στῦλον ἀναπαύσεως
Je. 50 (43). 13. συντρίψει τοὺς στ. Ἡλίου πόλεως (3)
52. 17. τοὺς στ. τοὺς χαλκοῦς . . . συνέτριψαν (4 *b*)
— 20. οἱ στ. δύο καὶ ἡ θάλασσα μία (4 *b*)
— 21. οἱ στ. τριάκοντα πέντε πηχῶν ὕψος τοῦ στ. τοῦ ἑνός (4 *b*, 4 *b*)
— 22. τῷ στ. τῷ δευτέρῳ ὀκτὼ ῥόαι τῷ πήχει (4 *b*)
Ep. Je. 59. ξύλινος στ. ἐν βασιλείοις
Ez. 40. 49. στῦλοι ἦσαν ἐπὶ τὸ αἰλάμ (4 *b*)
42. 6. στύλους οὐκ εἶχον καθὼς οἱ στ. τῶν ἐξωτέρων [A ἐξεδρῶν] (4 *b*, 4 *b*)
I Ma. 13. 29. περιθεὶς στύλους μεγάλους
— 29. ἐποίησεν ἐπὶ τοῖς στ. πανοπλίας
IV Ma. 17. 3. ἐπὶ τοῦ στ. [S τοὺς στ.] τῶν παίδων γενναίως ἱδρυμένη
[Aq. Ex. 26. 32: Jd. 16. 29: III Ki. 7. 20 (9): Ps. 74 (75). 4: Je. 1. 18.]
[Sm. Ex. 26. 32: 35. 17: Jd. 16. 29: III Ki. 7. 20 (9): Ps. 74 (75). 4: Je. 52. 21.]
[Th. Ex. 26. 32: 38. 10 (37. 8), 11 (37. 9), 12 (37. 10): Jd. 16. 29: III Ki. 7. 20 (9): Je. 1. 18: 27 (34). 19.]
[Quint., Sext. Ps. 74 (75). 4.]

στυππεῖον, στυππίον, *vid. sub* στιππύον.

στυράκινος. (1) לְבֹנָה
Ge. 30. 37. ἔλαβε δὲ αὐτῷ Ἰ. ῥάβδον στ. χλωράν (1)

στύραξ.
[Aq. Ge. 37. 25: 43. 11.]
[Sm. Ge. 43. 11.]

σύ, *passim.*

σὺ εἶ (*subjectum verbi*). (1) אַתָּה
II Ki. 7. 29. A B σὺ εἶ, κύριέ μου κύριε, ἐλάλησας [R *al.*] (1)

συγγελᾶν.
Si. 30. 10. μὴ συγγελάσῃς αὐτῷ ἵνα μὴ συνοδυνηθῇς

συγγένεια (-νία). (1) דּוֹרָה (2) טַף (3) מוֹלֶדֶת (4) מִשְׁפָּחָה (5) נִין (6) תּוֹלֶדֹת
Ge. 12. 1. ἔξελθε . . . ἐκ τῆς σ. σου (3)
50. 8. καὶ ἡ σ. αὐ. [A τὴν σ.] (2)
Ex. 6. 14. αὕτη ἡ σ. Ῥουβήν (4)
— 16. ταῦτα τὰ ὀνόμ. τῶν υἱῶν Λ. κατὰ συγγενείας αὐ. (6)
— 19. B οὗτοι οἶκοι πατριῶν Λ. κατὰ συγγένειαν [A R -ας] αὐ. (6)
12. 21. λάβετε . . . πρόβατον κατὰ συγγένειαν ὑμῶν (4)
Le. 20. 5. ἐπιστήσω τὸ πρόσωπόν μου ἐπὶ . . . τὴν σ. αὐ. (4)
— 20. A B² R ἀσχημοσύνην τῆς σ. [B¹ -νοῦς] αὐ. ἀπεκάλυψεν (1)
Nu. 1. 2. κατὰ συγγενείας [A *add.* αὐτῶν] (4)
— 20, 22, 26, 28, 30, 32, 34, 36, 24, 38, 40, 42. κατὰ συγγενείας αὐ. (6)
3. 15. A κατὰ συγγενείας αὐτῶν (4 ?)
4. 44. A ἡ ἐπίσκεψις τῆς σ. [B *om.* τ. σ.] αὐ. –
Jo. 6. 22 (23). ἐξηγάγοσαν . . . τὴν [A πᾶσαν τ.] σ. αὐ. (4)
Jd. 1. 25. τὴν σ. αὐ. ἐξαπέστειλαν (4)
9. 1. ἐλάλησε . . . πρὸς πᾶσαν σ. οἴκου πατρὸς μητρὸς αὐ. (4)
13. 2. ἀπὸ δήμου συγγενείας τοῦ Δ. [A *al.*] (4)
17. 7. A ἐκ τῆς σ. Ἰ. (4)
— 9. A ἐκ τῆς σ. Ἰ. [B *al.*] –
18. 2. A ἐξαπέστειλαν . . . ἐκ τῶν σ. αὐ. [B *al.*] (4)
— 11. A ἀπῆραν ἐκεῖθεν ἐκ συγγενείας τοῦ Δάν [B *al.*] (4)
— 19. A ἢ γενέσθαι σε ἱερέα . . . συγγενείας ἐν Ἰσρ. [B *al.*] (4)
21. 24. περιεπάτησαν . . . ἀνὴρ . . . εἰς συγγένειαν [A τὴν σ.] αὐ. (4)
Ru. 2. 1. ὁ δὲ ἀνὴρ δυνατὸς ἰσχύϊ ἐκ τῆς σ. Ἀβ. (4)
— 3. τοῦ ἐκ συγγενείας Ἀβ. (4)
I Ki. 18. 18. A τίς ἡ ζωὴ τῆς σ. σου (4)
II Ki. 16. 5. ἀνὴρ ἐξεπορεύετο ἐκ συγγενείας οἴκου Σ. (4)
To. 1. 22. S καὶ ἐκ τῆς σ. μου
Jb. 32. 2. Ἐλιοὺς . . . ὁ Βουζίτης ἐκ τῆς σ. Ῥάμ (4)
Ps. 73 (74). 8. B S¹ ἡ σ. [S² αἱ σ.] αὐτῶν ἐπὶ τὸ αὐτό (5)
Wi. 8. 17. ἐστὶν ἀθανασία ἐν [S¹ *om.*] συγγενείᾳ σοφίας
Is. 38. 12. οὐκέτι μὴ ἴδω ἄνθρωπον ἐξέλιπεν [A S *om.*] ἐκ τῆς σ. μου †
II Ma. 5. 9. ὡς διὰ τὴν σ. τευξόμενος σκέπης
IV Ma. 10. 3. A R οὐκ ἐξόμνυμαι τὴν εὐγενῆ . . . σ. [S εὐγενίαν]
[Aq. Le. 25. 47: Dt. 29. 18 (17): I Ki. 20. 29: Ps. 21 (22). 28: 95 (96). 7: 106 (107). 41: Ez. 20. 32.]
[Sm. Ps. 21 (22). 28: 95 (96). 7: 106 (107). 41.]
[Th. Jd. 17. 7: 18. 19: I Ki. 20. 29: Ps. 95 (96). 7.]
[Al. Ex. 6. 15: Nu. 2. 34: I Ki. 10. 21.]
[Heb. Ps. 95 (96). 7.]

συγγενεύς (?).
I Ma. 10. 89. A S² δίδοσθαι τοῖς σ. [S¹ R -νέσιν] τῶν βασ.

συγγενής. (1) *a.* דּוֹד *b.* דּוֹרָה (2) מִשְׁפָּחָה
Le. 18. 14. συγγενὴς γάρ σού ἐστιν (1 *b*)
20. 20. B¹ ὃς ἂν κοιμηθῇ μετὰ τῆς σ. αὐ. ἀσχημοσύνην τῆς σ. [A B² R συγγενείας] αὐ. ἀπεκάλυψεν (1 *b*, 1 *a*)
25. 45. καὶ ἀπὸ τῶν σ. αὐτῶν (2)
II Ki. 3. 39. ἐγὼ εἰμι συγγενὴς σήμερον †
I Es. 3. 7. συγγενὴς Δαρείου κληθήσεται
4. 42. συγγενής μου κληθήσῃ
To. 3. 15. S οὔτε συγγενὴς αὐτῷ ὑπάρχει [A B *al.*]
6. 10. αὐτὸς σ. σού ἐστι [S *al.*]
Si. 41. 20. ἀπὸ ἀποστροφῆς προσώπου συγγενοῦς
Ez. 22. 6. ἕκαστος πρὸς τοὺς σ. αὐτοῦ συνεφύροντο †
Da. TH. Su. 30. ἦλθεν αὐτὴ . . . καὶ πάντες οἱ σ. αὐ.
— 63. μετὰ Ἰ. τοῦ ἀνδρὸς αὐ. καὶ τῶν σ. πάντων
I Ma. 10. 89. S¹ δίδοσθαι τοῖς σ. [A S² R -νεῦσι] τῶν βασ.
11. 31. ἧς ἐγράψαμεν Λ. τῷ σ. ἡμῶν
II Ma. 5. 6. τὴν εἰς τοὺς σ. εὐημερίαν
8. 1. προσεκαλοῦντο τοὺς σ.
11. 1. Λυσίας ἐπίτροπος τοῦ βασ. καὶ συγγενής
— 35. ὑπὲρ ὧν Λ. ὁ σ. τοῦ βασ. συνεχώρησεν ὑμῖν
12. 39. καὶ μετὰ τῶν σ. ἀποκαταστῆσαι
15. 18. ἔτι δὲ ἀδελφῶν καὶ συγγενῶν
III Ma. 5. 39. οἱ δὲ συνανακείμενοι σ. . . . θαυμάζοντες
— 44. ἀναλύσαντες οἱ φίλοι καὶ σ.
— 49. περιπλεκόμενοι τοῖς σ.
[Sm. Ge. 15. 2.]
[Al. Le. 25. 25.]

συγγίνεσθαι. (1) הָיָה עִם (2) יָדַע
Ge. 19. 5. ἵνα συγγενώμεθα αὐτοῖς (2)
39. 10. τοῦ συγγενέσθαι αὐτῇ (1)
Ju. 12. 16. A B ἦν κατεπίθυμος σφόδρα τοῦ συγγενέσθαι μετ' αὐτῆς
Da. TH. Su. 11. ἤθελον συγγενέσθαι αὐτῇ
— 39. ἰδόντες συγγινομένους αὐτούς
[Al. Le. 20. 16.]

συγγινώσκειν.
II Ma. 14. 31. συγγνοὺς δὲ ὁ ἕτερος
IV Ma. 8. 22. συγγνώσεται δὲ ἡμῖν καὶ ἡ θεία δίκη

συγγνώμη.
Si. *prol.* 14. συγγνώμην ἔχειν ἐφ' οἷς ἂν δοκῶμεν τῶν κατὰ τὴν ἑρμηνείαν πεφιλοπονημένων τισὶ τῶν λέξεων ἀδυναμεῖν [B¹ S¹ *om.*]
3. 13. κἂν ἀπολείπῃ σύνεσιν συγγνώμην ἔχε
II Ma. 14. 20. φανείσης ὁμοιοψήφου σ.

συγγνωμονεῖν.
IV Ma. 5. 13. A συγγνωμονήσειέν σοι ἐπὶ πᾶσιν [S R *al.*]

συγγνωστός.
Wi. 6. 6. ὁ γὰρ ἐλάχιστος συγγνωστός [S¹ εὔγν.] ἐστιν ἐλέους
13. 8. πάλιν δὲ οὐδ' αὐτοὶ συγγνωστοί

συγγράφειν.
Si. *prol.* 10. προήχθη καὶ αὐτὸς συγγράψαι τι [S περὶ] τῶν εἰς παιδείαν καὶ σοφίαν ἀνηκόντων
[Aq., Sm. Ec. 12. 10.]

συγγραφεύς.
II Ma. 2. 28. τὸ μὲν διακριβοῦν ... τῷ σ. παραχωρήσαντες

συγγραφή. (1) סֵפֶר
To. 7. 14. ἔγραψε συγγραφήν
Jb. 31. 35. συγγραφὴν δὲ ἣν εἶχον κατά τινος (1)
Is. 58. 6. πᾶσαν συγγραφὴν ἄδικον διάσπα †
I Ma. 13. 42. γράφειν ἐν ταῖς σ.
14. 43. ὅπως γράφωνται ... πᾶσαι σ. [S² αἱ σ.]
[Sm. Is. 58. 6.]

συγγυμνασία.
Wi. 8. 18. ἐν συγγυμνασίᾳ ὁμιλίας αὐτῆς φρόνησις

συγκαθῆσθαι. (1) יָשַׁב
Ps. 100 (101). 6. τοῦ συγκαθῆσθαι αὐτοὺς μετ' ἐμοῦ (1)

συγκαθίζειν. (1) יָשַׁב (2) רָבַץ
Ge. 15. 11. συνεκάθισεν αὐτοῖς Ἄβραμ †
Ex. 18. 13. συνεκάθισε Μ. κρίνειν τὸν λαόν (1)
Nu. 22. 27. συνεκάθισεν ὑποκάτω Β. (2)
I Es. 9. 6. συνεκάθισαν [A -εν] πᾶν τὸ πλῆθος
— 16. A συνεκάθισαν [B -εκλείσθησαν] ... ἐτάσαι τὸ πρᾶγμα
Je. 16. 8. οὐκ εἰσελεύσῃ συγκαθίσαι [A τοῦ κ.] μετ' αὐτῶν (1)

συγκαθυφαίνεσθαι.
Is. 3. 23. ἀφελεῖ ... σὺν χρυσῷ καὶ ὑακίνθῳ συγκαθυφασμένα †

συγκαίειν. (1) אָכַל (2) דָּלַק hi. (3) חָמַר poalal. (4) חָרִישִׁי (5) נָכָה hi. (6) עָתַם ni.
Ge. 31. 40. ἐγενόμην τῆς ἡμέρας συγκαιόμενος τῷ καύσωνι (1)
III Ki. 7. 49. A καὶ τὰς λυχνίας ... συγκαιομένας [B -κλειομ.] †
Jb. 16. 17 (16). ἡ γαστήρ μου συγκέκαυται ἀπὸ κλαυθμοῦ (3)
Ps. 120 (121). 6. A S² R ἡμέρας ὁ ἥλιος οὐ συγκαύσει [S¹ οὐκ ἐκκαύσει] σε (5)
Pr. 24. 23 (29. 27). συγκαίει [S ἐκκαίει] ὥσπερ φλόξ –
Jn. 4. 8. προσέταξεν ὁ θ. πνεύματι καύσωνος συγκαίοντι (4)
Is. 5. 11. ὁ γὰρ οἶνος αὐτοὺς συγκαύσει (2)
— 24. συγκαυθήσεται ὑπὸ φλογὸς ἀνειμένης †
9. 19 (18). διὰ θυμὸν ὀργῆς κυρίου συγκέκαυται [A συγκαυθήσεται] ἡ γῆ ὅλη (6)
[Aq. Ca. 1. 6.]
[Sm. Jb. 32. 18.]

συγκαλεῖν. (1) קָרָא a. qal. b. ni.
Ex. 7. 11. συνεκάλεσε δὲ Φ. τοὺς σοφιστὰς Αἰγ. (1 a)
Jo. 9. 22. συνεκάλεσεν αὐτοὺς Ἰ. (1 a)
10. 24. συνεκάλεσεν Ἰ. πάντα Ἰσρ. (1 a)
22. 1. τότε συνεκάλεσεν Ἰ. τοὺς υἱοὺς Ῥ. (1 a)
23. 2. συνεκάλεσεν Ἰ. πάντας τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (1 a)
24. 1. συνεκάλεσε τοὺς πρεσβυτέρους αὐ. (1 a)
Ju. 2. 2. συνεκάλεσε πάντας τοὺς θεράποντας αὐ.
6. 16. B συνεκάλεσεν [A S R -αν] πάντας τοὺς πρεσβυτ. τῆς πόλεως
13. 12. συνεκάλεσαν τοὺς πρεσβυτέρους τῆς πόλεως
Pr. 9. 3. συγκαλοῦσα μετὰ ὑψηλοῦ κηρύγματος ἐπὶ κρατῆρα (1 a)
Za. 3. 11 (10). συγκαλέσετε ἕκαστος τὸν πλησίον αὐ. (1 a)
Is. 62. 12. S¹ συνεκλήθη [A B S² σὺ δὲ κληθήσῃ] Ἐπιζητουμένη πόλις (1 b)
Je. 1. 15. R συγκαλῶ πάσας τὰς βασιλείας ἀπὸ βορρᾶ τῆς γῆς (1 a)
La. 2. 3. B συνεκάλεσεν [A S R -έκλασεν] ἐν ὀργῇ θυμὸν αὐ. †
II Ma. 15. 31. συγκαλεσάμενος τοὺς ὁμοεθνεῖς

συγκάλυμμα. (1) כְּנָף
De. 22. 30 (23. 1). οὐκ ἀποκαλύψει συγκάλυμμα τοῦ πατρὸς αὐ. (1)
27. 20. ἀπεκάλυψε συγκάλυμμα τοῦ πατρὸς αὐ. (1)

συγκαλύπτειν. (1) גָּהַר (2) חָפַשׂ hithpa. (3) כָּסָה pi. (4) סָבַב hi. (5) סָרַח
Ge. 9. 23. συνεκάλυψαν τὴν γύμνωσιν τοῦ πατρὸς αὐ. (3)
Ex. 26. 13. ἔσται συγκαλύπτον ἐπὶ τὰ πλάγια τῆς σκηνῆς (5)
Nu. 4. 14. συγκαλύψουσι τὸν λουτῆρα –
Jd. 4. 18. A συνεκάλυψεν αὐτὸν ἐν τῇ δέρρει αὐ. [B al.] (3)
— 19. A συνεκάλυψε τὸ πρόσωπον αὐ. [B al.] (3)
— 21. A καὶ συνεκάλυψεν αὐτὸν ἐν τῇ δέρρει αὐ. –
I Ki. 28. 8. καὶ συνεκαλύψατο [A περιεκ.] Σ. (2)
III Ki. 20 (21). 4. συνεκάλυψε τὸ πρόσωπον αὐ. (4)
22. 30. συγκαλύψομαι [A -ψόν με] (2)
— 30. συνεκαλύψατο βασιλεὺς Ἰσρ. (2)
IV Ki. 4. 35. A συνεκάλυψεν [B -έκαμψεν] ἐπὶ τὸ παιδάριον (1)
II Ch. 4. 12. δίκτυα δύο συγκαλύψαι τὰς κεφαλὰς τῶν χ. (3)
— 13. τοῦ συγκαλύψαι τὰς δύο γωλὰθ τῶν χ. (3)
5. 8. B συνεκάλυπτε τὰ χερ. τὴν [A R ἐπὶ τὴν] κιβ. (3)
18. 29. συνεκαλύψατο βασιλεὺς Ἰσρ. (2)
Jb. 9. 24. πρόσωπα κριτῶν αὐ. συγκαλύπτει (3)
Ps. 68 (69). 10. S² συνεκάλυψα [B S¹ -έκαμψα] ἐν νηστείᾳ τὴν ψυχήν μου †
Pr. 26. 26. S¹ συγκαλύπτει δὲ τὰς ἑαυτοῦ ἁμαρτίας [A B S² al.] †
Si. 26. 8. ἀσχημοσύνην αὐτῆς οὐ συγκαλύψει
Ez. 12. 6. τὸ πρόσωπόν σου συγκαλύψεις (3)
— 12. τὸ πρόσωπον αὐτοῦ συγκαλύψει (3)
Da. LXX. Su. 39. ὁ δὲ νεανίσκος ἔφυγε συγκεκαλυμμένος
[Sm. Jd. 4. 19.]
[Th. Jb. 9. 24.]

συγκάμπτειν. (1) גָּהַר (2) כָּרַע (3) מָעַד hi.
Jd. 5. 27. A ἀνὰ μέσον τῶν ποδῶν αὐ. συγκάμψας [B al.] (2)
IV Ki. 4. 35. συνέκαμψεν [A -εκάλυψεν] ἐπὶ τὸ παιδάριον (1)
Ps. 68 (69). 10. B S¹ συνέκαμψα [S² -εκάλυψα] ἐν νηστείᾳ τὴν ψυχήν μου †
— 23. τὸν νῶτον αὐτῶν διὰ παντὸς σύγκαμψον (3)
[Th. Jd. 5. 27.]

συγκαταβαίνειν. (1) יָרַד
Ps. 48 (49). 17. A B οὐδὲ συγκαταβήσεται αὐτῷ ἡ δόξα [S² δ. τοῦ οἴκου] αὐ. (1)
Wi. 10. 13. συγκατέβη αὐτῷ εἰς λάκκον
Da. LXX. 3. (49). ἄγγελος δὲ κυρίου συγκατέβη
Da. TH. 3. (49). ὁ δὲ ἄγγελος κυρίου συγκατέβη
[Aq., Sm. Ps. 48 (49). 18.]

συγκαταγηράσκειν.
To. 8. 7. ἐλεῆσαί με καὶ αὐτῇ συγκαταγηρᾶσαι [A -σομαι, S al.]

συγκαταγνύναι.
[Sm. Ps. 28 (29). 5 bis: 67 (68). 24: Ez. 6. 9.]

συγκατακληρονομεῖν. (1) אָחַז ni.
Nu. 32. 30. συγκατακληρονομηθήσονται ἐν ὑμῖν (1)

συγκαταμιγνύναι. (1) בּוֹא
Jo. 23. 12. ἐὰν γὰρ ... συγκαταμιγῆτε αὐτοῖς (1)

συγκατατίθεσθαι. (1) כָּרַת (2) שִׁית יַד
Ex. 23. 1. οὐ συγκαταθήσῃ μετὰ τοῦ ἀδίκου (2)
— 32. οὐ συγκαταθήσῃ αὐτοῖς ... διαθήκην (1)
Da. TH. Su. 20. συγκατάθου ἡμῖν

συγκαταφέρεσθαι.
Is. 30. 30. ὡς ὕδωρ καὶ χάλαζα συγκαταφερομένη βίᾳ †

συγκατεσθίειν.
Is. 9. 18 (17). συγκαταφάγεται τὰ κύκλῳ τῶν βουνῶν πάντα †

σύγκεισθαι. (1) קָשַׁר
I Ki. 22. 8. σύγκεισθε πάντες ὑμεῖς ἐπ' ἐμέ (1)
Si. 43. 26. ἐν λόγῳ αὐτοῦ σύγκειται πάντα
[Aq., Sm. Ez. 27. 24.]
[Th. Ez. 27. 24 (P.).]

συγκεντεῖν.
II Ma. 12. 23. συγκεντῶν τοὺς ἀλιτηρίους

συγκεραννύναι. (1) עָרַב ithpa.
Da. LXX. 2. 43. ὥσπερ οὐδὲ ὁ σίδηρος δύναται συγκραθῆναι τῷ ὀστράκῳ (1)
II Ma. 15. 39. οἶνος ὕδατι συγκερασθείς

συγκερατίζεσθαι. (1) נָגַח hithpa.
Da. LXX. 11. 40. συγκερατισθήσεται αὐτῷ ὁ βασ. Αἰγύπτου (1)
Da. TH. 11. 40. συγκερατισθήσεται μετὰ τοῦ βασ. τοῦ νότου (1)

συγκεραυνοῦν.
II Ma. 1. 16. συνεκεραύνωσαν τὸν ἡγεμόνα

συγκλᾶν. (1) נָדַע a. qal. b. ni. c. pi. (2) קָצַץ pi.
Ps. 45 (46). 9. συγκλάσει ὅπλον (2)
74 (75). 10. πάντα τὰ κέρατα τῶν ἁμαρτωλῶν συγκλάσω [B² συνθλάσω] (1 c)
75 (76). 3. B' ἐκεῖ συγκλάσει τὰ κέρατα –
106 (107). 16. S μοχλοὺς σιδηροῦς συνέκλασεν [A R -έθλασεν] (1 c)
Si. 28. 17. πληγὴ δὲ γλώσσης συγκλάσει ὀστᾶ
Is. 45. 2. μοχλοὺς σιδηροῦς συγκλάσω (1 c)
Je. 27 (50). 23. A S πῶς συνεκλάσθη [B ἐκλ.] καὶ συνετρίβη ἡ σφῦρα πάσης τῆς γῆς (1 b)
La. 2. 3. A S R συνέκλασεν [B -εκάλεσεν] ἐν ὀργῇ θυμοῦ αὐτοῦ πᾶν κέρας Ἰσραήλ (1 a)
Ez. 29. 7. συνέκλασας αὐτῶν πᾶσαν ὀσφύν †
[Aq. I Ki. 24. 8.]
[Sm. Jb. 26. 12: Ez. 6. 4.]
[Th. Ps. 74 (75). 11.]
[Al. Ps. 45 (46). 10.]

σύγκλασις.
[Th. Pr. 19. 29.]

συγκλασμός. (1) קְצָפָה
Jl. 1. 7. ἔθετο ... τὰς συκᾶς μου εἰς συγκλασμόν (1)

συγκλείειν. (1) אָלַם ni. (2) סָגַר a. qal. b. ni. c. pu. d. hi. e. מַסְגֵּר (3) סָכַךְ hi. (4) עָצַר (5) פָּצַח pi. (6) צוּר (7) צָרַר
Ge. 16. 2. συνέκλεισέ με κύριος τοῦ μὴ τίκτειν (4)
20. 18. R συγκλείων [A om.] συνέκλεισε κ. ἔξωθεν πᾶσαν μήτραν (4, 4)
Ex. 14. 3. συγκέκλεικε γὰρ αὐτοὺς ἡ ἔρημος (2 a)
Jo. 6. 1. καὶ Ἱερ. συγκεκλεισμένη καὶ ὠχυρωμένη (2 a)
20. 5. οὐ συγκλείσουσιν τὸν φονεύσαντα (2 d)
I Ki. 1. 6. συνέκλεισε [A συναπέκλ.] κ. τὰ περὶ τὴν μήτραν αὐ. (2 a)
III Ki. 6. 20. περιέσχεν αὐτὸ χρυσίῳ συγκεκλεισμένῳ (2 a)
7. 49. καὶ τὰς λυχνίας ... συγκλειομένας [A -καιομ.] (2 a)
10. 21. πάντα τὰ σκεύη ... χρυσίῳ συγκεκλεισμένα [B¹ -οι, A -ῳ] (2 a)
11. 27. συνέκλεισε τὸν φραγμὸν τῆς πόλεως Δ. (2 a)
12. 24. B συνέκλεισε τὴν πόλιν Δ. –
IV Ki. 24. 14. ἀπῴκισε ... τὸν συγκλείοντα (2 e)
— 16. καὶ τὸν τέκτονα καὶ τὸν συγκλείοντα (2 e)
I Es. 9. 16. συνεκλείσθησαν [A -εκάθισαν] ... ἐτάσαι τὸ πρᾶγμα
To. 8. 4. A B ὡς δὲ συνεκλείσθησαν ἀμφότεροι [S al.]
Ju. 5. 1. τὰς διόδους τῆς ὀρεινῆς συνέκλεισαν
13. 1. A B συνέκλεισε τὴν σκηνὴν ἔξωθεν
Jb. 3. 10. οὐ συνέκλεισε πύλας γαστρὸς μητρός μου (2 a)
— 23. συνέκλεισε γὰρ ὁ θεὸς κατ' αὐτοῦ (3)
Ps. 16 (17). 10. τὸ στέαρ αὐτῶν συνέκλεισαν (2 a)
30 (31). 8. οὐ συνέκλεισάς με εἰς χεῖρας ἐχθροῦ (2 d)
34 (35). 3. σύγκλεισον ἐξ ἐναντίας τῶν καταδιωκόντων με (2 a)
77 (78). 50. τὰ κτήνη αὐτῶν εἰς θάνατον συνέκλεισε (2 d)
— 62. συνέκλεισεν εἰς ῥομφαίαν τὸν λαὸν αὐτοῦ (2 d)
Pr. 4. 12. οὐ συγκλεισθήσεταί σου τὰ διαβήματα (7)
Si. 29. 12. σύγκλεισον ἐλεημοσύνην ἐν τοῖς ταμείοις σου
Am. 1. 6. τοῦ συγκλεῖσαι εἰς τὴν Ἰδουμαίαν (2 d)
— 9. συνέκλεισαν αἰχμαλωσίαν τοῦ Σαλ. εἰς τὴν Ἰδουμ. (2 d)
Mi. 3. 3. A τὰ ὀστᾶ αὐ. συνέκλεισαν [B -έθλασαν] (5)
Ob. 1. 14. μηδὲ συγκλείσῃς τοὺς φεύγοντας αὐτοῦ (2 d)
Ma. 1. 10. συγκλεισθήσονται θύραι (2 a)
Is. 45. 1. πόλεις οὐ συγκλεισθήσονται (2 b)
Je. 13. 19. πόλεις αἱ πρὸς νότον συνεκλείσθησαν (2 c)
21. 4. τοὺς Χαλδ. τοὺς συγκεκλεικότας [A συγκλείοντας] ὑμᾶς ἔξωθεν τοῦ τείχους (6)
— 9. πρὸς τοὺς Χαλδ. τοὺς συγκεκλεικότας ὑμᾶς (6)

Ez. 4. 3. συγκλείσεις αὐτήν (6)
33. 22. A ἀνοιχθέν μου τὸ στόμα οὐ συνεκλείσθη [B -εσχέθη] ἔτι (1 ?)
I Ma. 3. 18. συγκλεισθῆναι πολλοὺς ἐν χερσὶν ὀλίγων
4. 31. σύγκλεισον τὴν παρεμβολὴν ταύτην
5. 5. S R συνεκλείσθησαν [A διεκλ.] ὑπ' αὐτοῦ
6. 18. ἦσαν συγκλείοντες τὸν Ἰσρ.
— 49. οὐκ ἦν αὐτοῖς ἐκεῖ διατροφὴ τοῦ συγκεκλεῖσθαι ἐν αὐτῇ
11. 65. καὶ συνέκλεισεν αὐτήν
15. 25. συνέκλεισε τὸν Τρ. τοῦ εἰσπορεύεσθαι
II Ma. 1. 15. συγκλείσαντες τὸ ἱερόν
8. 25. ἀνέλυσαν ἀπὸ τῆς χώρας συγκλειόμενοι
12. 7. τοῦ δὲ χωρίου συγκλεισθέντος
[Aq. Ez. 21. 12 (17): 35. 5.]
[Sm. Ge. 2. 21: I Ki. 23. 20: Jb. 26. 13: Is. 24. 22: 27. 1: Ez. 35. 5.]
[Th. Le. 13. 4, 5: Ez. 35. 5.]
[Al. Le. 13. 4, 26: I Ki. 23. 12 *bis*.]

σύγκλεισμα. (1) מִסְגֶּרֶת

III Ki. 7. 29. καὶ ἐπὶ τὰ σ. [A -κλίματα] αὐ. (1)
— 35. καὶ τὰ σ. αὐ. (1)
— 36. καὶ τὰ σ. αὐ. χερ. (1)
IV Ki. 16. 17. συνέκοψεν ὁ βασ. τὰ σ. [A *al.*] (1)

συγκλεισμός. (1) *a.* סָגוֹר *b.* מִסְגֶּרֶת (2) מָצוֹר

II Ki. 5. 24. ἐν τῷ ἀκοῦσαί σε τὴν φωνὴν τοῦ σ. †
22. 46. σφαλοῦσιν ἐκ τῶν σ. αὐτῶν (1 *b*)
Jb. 28. 15. οὐ δώσει συγκλεισμὸν ἀντ' αὐτῆς (1 *a*)
Ho. 13. 8. διαρρήξω συγκλεισμὸν καρδίας αὐ. (1 *a*)
Mi. 7. 17. συγχυθήσονται ἐν συγκλεισμῷ αὐ. (1 *b*)
Ez. 4. 3. ἔσται ἐν συγκλεισμῷ (2)
— 7. εἰς τὸν [A *om.*] σ. Ἱερουσαλὴμ ἑτοιμάσεις τὸ πρόσωπόν σου (2)
— 8. ἕως οὗ συντελεσθῶσιν ἡμέραι τοῦ σ. σου (2)
5. 2. κατὰ τὴν πλήρωσιν τῶν ἡμερῶν τοῦ σ. (2)
I Ma. 6. 21. ἐξῆλθον ἐξ αὐτῶν ἐκ τοῦ σ.
[Sm. Ps. 141 (142). 8: Is. 24. 22: Je. 37 (44). 16.]
[Th. Jb. 28. 15.]
[Al. Je. 37 (44). 16.]

συγκλειστός. (1) *a.* סָגַר *b.* מִסְגֶּרֶת

III Ki. 7. 28. συγκλειστὸν αὐτοῖς καὶ συγκλειστὸν ἀνὰ μέσον τῶν ἐξεχομένων (1 *b*, 1 *b*)
— 50. τὰ τρυβλία καὶ αἱ θυῖσκαι χρυσαῖ συγκλειστά (1 *a*)

συγκληρονομεῖν.

Si. 22. 23. ἵνα ἐν τῇ κληρονομίᾳ αὐτοῦ συγκληρονομήσῃς

σύγκλητος. (1) קָרִיא

Nu. 16. 2. σύγκλητοι βουλῆς καὶ ἄνδρες ὀνομαστοί (1)

σύγκλιμα.

III Ki. 7. 29. A καὶ ἐπὶ τὰ σ. [B -κλείσματα] αὐ. †

συγκλύζειν, συγκλύειν. (1) שָׁטַף

Ca. 8. 7. ποταμοὶ οὐ συγκλύσουσιν αὐτήν (1)
Wi. 5. 22. ποταμοὶ δὲ συγκλύσουσιν [A συγκλύουσιν] ἀποτόμως
Is. 43. 2. ποταμοὶ οὐ συγκλύσουσί σε (1)

συγκοιτάζεσθαι.

[Aq. Dt. 28. 30.]

σύγκοιτος. (1) שֹׁכֶבֶת חֵיק

Mi. 7. 5. ἀπὸ τῆς σ. φύλαξαι (1)
[Aq. Ps. 44 (45). 10.]

συγκολάπτειν.

[Aq. Le. 22. 24.]

συγκολλᾶν.

Si. 22. 7. συγκολλῶν ὄστρακον [S -ων] ὁ διδάσκων μωρόν

συγκόλλημα.

[Th. Ex. 38. 11 (37. 9), 12 (37. 10).]

συγκομιδή.

[Sm. Ex. 23. 16.]

συγκομίζεσθαι. (1) עָלָה

Jb. 5. 26. ὥσπερ θιμωνία ἄλωνος καθ' ὥραν συγκομισθεῖσα (1)

συγκόπτειν. (1) כָּתַת *a.* qal. *b.* pi. (2) נָכָה hi. (3) נָפַץ pi. (4) קָצָה pi. (5) קָצַץ pi. (6) שָׁחַק

Ge. 34. 30. συγκόψουσί με (2)
Ex. 30. 36. συγκόψεις ἐκ τούτων λεπτόν (6)
De. 9. 21. καὶ συνέκοψα [A -έτριψα] αὐτόν (1 *a*)
IV Ki. 10. 32. ἤρξατο κ. συγκόπτειν ἐν τῷ Ἰσρ. (4)
16. 17. συνέκοψεν ὁ βασ. τὰ συγκλείσματα [A *al.*] (5)
18. 16. συνέκοψεν Ἐζ. τὰς θύρας ναοῦ (5)
24. 13. συνέκοψε πάντα τὰ σκεύη τὰ χρυσᾶ (5)
Ju. 5. 22. εἶπαν . . . συγκόψαι αὐτόν
Ps. 88 (89). 23. συγκόψω ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ τοὺς ἐχθροὺς αὐτοῦ [A μου] (1 *a*)
128 (129). 4. συνέκοψεν αὐχένας ἁμαρτωλῶν (5)
Jl. 3 (4). 10. συγκόψατε τὰ ἄροτρα ὑμῶν εἰς ῥομφαίας (1 *a*)
Is. 2. 4. συγκόψουσι τὰς μαχαίρας αὐτῶν εἰς ἄροτρα (1 *b*)
Je. 31 (48). 12. τὰ κέρατα αὐτοῦ συγκόψουσι (3)
[Aq. Je. 50 (27). 23.]
[Sm. Ps. 88 (89). 24: Je. 50 (27). 23.]

σύγκρασις. (1) סִיג

Ez. 22. 19. ἐγένεσθε εἰς σύγκρασιν μίαν (1)

συγκρατεῖν.

[Sm. Ps. 16 (17). 5.]

σύγκριμα. (1) גְּוָרָה (2) פְּשַׁר

Jd. 18. 9. A κατὰ σύγκριμα τῶν Σιδ. –
Si. 35 (32). 5. σύγκριμα μουσικῶν ἐν συμποσίῳ [A -ίᾳ] οἴνου
— 17. κατὰ τὸ θέλημα αὐτοῦ εὑρήσει σύγκριμα
Da. LXX. 5. 7. ἀπαγγεῖλαι τὸ σ. τῆς γραφῆς –
— 7. τὸ σ. τῆς γραφῆς οὐκ ἐδύναντο συγκρῖναι –
— 7. ὃς ἂν ὑποδείξῃ τὸ σ. τῆς γραφῆς (2)
— 8. τὸ σ. τῆς γραφῆς ἀπαγγεῖλαι (2)
— 9. ἀπαγγεῖλαι τῷ βασ. τὸ σ. τῆς γραφῆς –
— 12. συγκρίματα ὑπέρογκα ὑπέδειξε †
— 16. δύνῃ μοι ὑποδεῖξαι τὸ σ. τῆς γραφῆς (2)
— 26. τοῦτο τὸ σ. τῆς γραφῆς (2)
— 30. τὸ σ. ἐπῆλθε Βαλτ. τῷ βασ. –
Da. TH. 2. 25. ὅστις τὸ σ. τῷ βασ. ἀναγγελεῖ (2)
4. 14. διὰ συγκρίματος εἷρ ὁ λόγος (1)
— 15. τὸ σ. εἰπόν (2)
— 15. οὐ δύνανται τὸ σ. αὐ. δηλῶσαί μοι (2)
— 21. καὶ σύγκριμα ὑψίστου ἐστίν (1)
5. 26. τοῦτο τὸ σ. τοῦ ῥήματος (2)
I Ma. 1. 57. τὸ σ. τοῦ βασ. ἐθανάτου αὐτόν
[Th. Da. 2. 25.]

συγκρίνειν. (1) פָּרַשׁ pu. (2) *a.* פְּתַר *b.* פְּשַׁר pe. *c.* pa.

Ge. 40. 8. ὁ συγκρίνων αὐτὸ οὐκ ἔστιν (2 *a*)
— 16. ὀρθῶς συνέκρινε (2 *a*)
— 22. καθὰ συνέκρινεν αὐτοῖς Ἰ. (2 *a*)
41. 12. καὶ συνέκρινεν ἡμῖν (2 *a*)
— 13. καθὼς συνέκρινεν ἡμῖν (2 *a*)
— 15. ὁ συγκρίνων αὐτὸ οὐκ ἔστιν (2 *a*)
— 15. ἀκούσαντά σε ἐνύπνια συγκρῖναι αὐτά (2 *a*)
Nu. 15. 34. οὐ γὰρ συνέκριναν τί ποιήσωσιν αὐτόν (1)
Wi. 7. 29. φωτὶ συγκρινομένη εὑρίσκεται προτέρα
15. 18. ἄνοια γὰρ συγκρινόμενα τῶν ἄλλων ἐστὶ χείρονα
Da. LXX. 5. 7. τὸ σύγκριμα τῆς γραφῆς οὐκ ἐδύναντο συγκρῖναι –
Da. TH. 5. 12. συγκρίνων ἐνύπνια (2 *c*)
— 16. δύνασαι κρίματα συγκρῖναι [A -ειν] (2 *b*)
I Ma. 10. 71. συγκριθῶμεν ἑαυτοῖς ἐκεῖ
[Al. Le. 16. 22.]

σύγκρισις. (1) מִשְׁפָּט (2) *a.* פְּתִרוֹן *b.* פְּשַׁר (3) שֶׁבֶר

Ge. 40. 12. τοῦτο ἡ σ. αὐτοῦ (2 *a*)
— 18. αὕτη ἡ σ. αὐτοῦ (2 *a*)
Nu. 9. 3. κατὰ τὴν σ. αὐ. ποιήσεις αὐτό (1)
29. 6. κατὰ τὴν σ. αὐ. (1)
— 11. κατὰ τὴν σ. –
— 18, 21, 24, 27, 30, 33, 37. κατὰ τὴν σ. αὐ. (1)
Jd. 7. 15. ὡς ἤκουσε . . . τὴν σ. αὐ. (3)
18. 7. A κατὰ τὴν σ. τῶν Σιδ. [B *al.*] (1)
Wi. 7. 8. πλοῦτον οὐδὲν ἡγησάμην ἐν συγκρίσει αὐτῆς
Da. LXX. 2. 4. φράσομεν τὴν σ. αὐ. (2 *b*)
— 5. ἐὰν μὴ . . . τὴν τούτου σ. δηλώσητέ μοι (2 *b*)
— 6. ἐὰν δὲ . . . τὴν τούτου σ. ἀναγγείλητε (2 *b*)
— 9. ἐὰν μὴ . . . τὴν τούτου σ. δηλώσητε –
— 26. δυνήσῃ δηλῶσαί μοι . . . τὴν τούτου σ. (2 *b*)
4. 15. ὑπέδειξέ μοι πᾶσαν τὴν σ. αὐ. –
— 16. καὶ ἡ σ. αὐ. τοῖς ἐχθροῖς σου ἐπέλθοι (2 *b*)
5. 17. καὶ αὕτη ἡ σ. αὐ. (2 *b*)
Da. TH. 2. 4. τὴν σ. ἀναγγελοῦμεν (2 *b*)
— 5. ἐὰν μὴ γνωρίσητέ μοι . . . τὴν σ. (2 *b*)
— 6. ἐὰν δὲ . . . τὴν σ. αὐ. γνωρίσητέ μοι (2 *b*)
— 6. τὴν σ. αὐ. ἀπαγγείλατέ μοι (2 *b*)
— 7. τὴν σ. αὐ. ἀναγγελοῦμεν (2 *b*)
— 9. τὴν σ. αὐ. ἀναγγελεῖτέ μοι (2 *b*)
— 16. καὶ τὴν σ. αὐ. ἀναγγείλῃ τῷ βασ. (2 *b*)
— 24. τὴν σ. τῷ βασ. ἀναγγελῶ (2 *b*)
— 26. εἰ δύνασαί μοι ἀναγγεῖλαι . . . τὴν σ. αὐ. (2 *b*)
— 30. ἕνεκεν τοῦ τὴν σ. τῷ βασ. γνωρίσαι (2 *b*)
— 36. τὴν σ. αὐ. ἐροῦμεν ἐνώπιον τοῦ βασ. (2 *b*)
— 45. καὶ πιστὴ ἡ σ. αὐ. (2 *b*)
4. 3. ὅπως τὴν σ. τοῦ ἐνυπνίου γνωρίσωσί μοι (2 *b*)
— 4. τὴν σ. αὐ. οὐκ ἐγνώρισάν μοι (2 *b*)
— 6. τὴν σ. αὐ. εἰπόν μοι (2 *b*)
— 16. A ἡ σ. μὴ κατασπευσάτω σε (2 *b*)
— 16. καὶ ἡ σ. αὐ. τοῖς ἐχθροῖς σου (2 *b*)
— 21. τοῦτο ἡ σ. αὐτοῦ (2 *b*)
5. 7. ὃς ἂν . . . τὴν σ. [A σ. αὐ.] γνωρίσῃ μοι (2 *b*)
— 8. οὐκ ἠδύναντο . . . τὴν σ. γνωρίσαι τῷ βασ. (2 *b*)
— 12. τὴν σ. αὐ. ἀναγγελεῖ σοι (2 *b*)
— 15. ἵνα . . . τὴν σ. αὐ. γνωρίσωσί μοι (2 *b*)
— 16. B ἐὰν . . . τὴν σ. αὐ. γνωρίσῃς μοι [A R *al.*] (2 *b*)
— 17. τὴν σ. αὐτῆς γνωρίσω σοι (2 *b*)
7. 16. τὴν σ. τῶν λόγων ἐγνώρισέ μοι (2 *b*)
[Th. Da. 4. 16†.]

συγκροτεῖν. (1) נָקַשׁ (2) סָפַק

Nu. 24. 10. συνεκρότησε ταῖς χερσὶν αὐ. (2)
Da. TH. 5. 6. τὰ γόνατα αὐ. συνεκροτοῦντο (1)

συγκρούειν.

[Sm. Ps. 108 (109). 11.]
[Al. Is. 29. 1.]

σύγκρουσις.

[Sm. Ez. 3. 13.]

συγκρουσμός.

I Ma. 6. 41. A πάντες οἱ ἀκούοντες . . . συγκρουσμοὺς [S R -οῦ] τῶν ὅπλων

συγκρύπτειν.

II Ma. 14. 30. συνεκρύπτετο τὸν Νικ.
[Aq. Jb. 10. 13: Ps. 26 (27). 5: 30 (31). 20, 21: 82 (83). 4: Pr. 10. 14.]

συγκτίζειν.

Si. 1. 14. μετὰ πιστῶν ἐν μήτρᾳ συνεκτίσθη αὐτοῖς

συγκύπτειν. (1) עָזַב

Jb. 9. 27. συγκύψας τῷ προσώπῳ στενάξω (1 ?)
Si. 12. 11. ἐὰν ταπεινωθῇ καὶ πορεύηται συγκεκυφώς
19. 26. ἔστι πονηρευόμενος συγκεκυφὼς μελανίᾳ
[Al. IV Ki. 4. 35.]

συγκυρεῖν. (1) בַּת (2) חֶבֶל (3) יָד (4) מִגְרָשׁ

Nu. 21. 25. ἐν Ἐσ. καὶ ἐν πάσαις ταῖς συγκυρούσαις αὐτῇ (1)
35. 4. τὰ συγκυροῦντα τῶν πόλεων (4)
De. 2. 37. πάντα τὰ συγκυροῦντα χειμάρρου [A -ῳ] Ἰ. (3)
3. 4. B[1] πάντα τὰ συγκυροῦντα [A B[2] R *om.*] περίχωρα Ἀργόβ (2)
I Ma. 11. 34. καὶ πάντα τὰ συγκυροῦντα αὐτοῖς
[Sm. Ec. 9. 11.]

συγκύρημα.

[Sm. I Ki. 20. 26: Ps. 90 (91). 6.]

συγκυρία.

[Sm. I Ki. 6. 9.]

συγκύφειν.

Si. 19. 27. συγκύφων [B[1] S[2] -κρύφων] πρόσωπον

συγχαίρειν. (1) צָחַק

Ge. 21. 6. ὃς γὰρ ἐὰν ἀκούσῃ συγχαρεῖταί μοι (1)
III Ma. 1. 8. R καὶ ἐπὶ τοῖς συμβεβηκόσι συγχαρησομένους [A χαρ.]

συγχεῖν. (1) בָּלַל (2) הָלַל hithpo. (3) הָמַם (4) חָרָה (5) נָבָה hi. (6) נָקַר pi. (7) סַר (8) עָצַר (9) רָנַז

Ge. 11. 7. συγχέωμεν ἐκεῖ αὐτῶν τὴν γλῶσσαν (1)
— 9. συνέχεε κύριος τὰ χείλη πάσης τῆς γῆς (1)
I Ki. 7. 10. B συνεχύθησαν καὶ ἔπταισαν (3)
III Ki. 20 (21). 4. A ἦλθεν Ἀχ. πρὸς οἶκον αὐ. συγκεχυμένος [B *al.*] (7)
21 (20). 43. ἀπῆλθεν ὁ βασ. Ἰσρ. συγκεχυμένος (7)
IV Ki. 14. 26. A εἶδε κ. . . . ὀλιγοστοὺς συγκεχυμένους [B *al.*] (8)
Jb. 30. 17. νυκτὶ δέ μου τὰ ὀστᾶ συγκέχυται [A συνέθλασαν] (6)
Wi. 10. 5. ἐν ὁμονοίᾳ πονηρίας ἐθνῶν συγχυθέντων
Am. 3. 15. συγχεῶ καὶ πατάξω τὸν οἶκον τὸν περίπτερον (5)
Mi. 7. 17. συγχυθήσονται ἐν συγκλεισμῷ αὐ. (9)
Jl. 2. 1. συγχυθήτωσαν [A συναχθήτ.] πάντες (9)
— 10. συγχυθήσεται ἡ γῆ (9)
Jn. 4. 1. καὶ συνεχύθη (4)
Na. 2. 4 (5). συγχυθήσονται [A¹ -υνθ.] τὰ ἅρματα (2)
I Ma. 4. 27. ὁ δὲ ἀκούσας συνεχύθη
II Ma. 10. 30. συγχυθέντες ἀορασίᾳ
13. 23. συνεχύθη τοὺς Ἰουδ. παρεκάλεσεν
14. 28. συνεκέχυτο καὶ δυσφόρως ἔφερεν
[Sm. Ps. 54 (55). 3: Je. 4. 23.]

συγχρᾶσθαι.
[Al. I Ki. 30. 19.]

συγχρονεῖν, συγχρονίζειν.
Si. *prol.* 21. παραγενηθεὶς εἰς Αἴγυπτον καὶ συγχρονίσας [A -ήσας]

σύγχυσις. (1) בָּבֶל (2) מְהוּמָה
Ge. 11. 9. ἐκλήθη τὸ ὄνομα αὐ. Σύγχυσις (1)
I Ki. 5. 6. ἐγένετο σύγχυσις [A χύσις] θανάτου μεγάλη –
— 12 (11). ἐγενήθη σύγχυσις [A σ. θανάτου] ἐν ὅλῃ τῇ πόλει (2)
14. 20. σ. μεγάλη σφόδρα (2)
[Aq. Jb. 37. 18.]
[Sm. Is. 34. 11: Je. 5. 30.]

συγχωνεύειν.
[Aq. Na. 1. 6.]

συγχωννύναι.
[Aq. Ex. 8. 14 (10).]

συγχωρεῖν.
Da. LXX. Bel 25. συνεχώρησεν αὐτῷ ὁ βασ.
II Ma. 4. 9. R ἐὰν συγχωρηθῇ [A ἐπιχορηγηθῇ] . . . γυμνάσιον
11. 15. συνεχώρησεν ὁ γραμματεύς
— 18. ἃ δὲ ἦν ἐνδεχόμενα συνεχώρησεν
— 24. συγχωρηθῆναι αὐτοῖς τὰ νόμιμα
— 35. ὑπὲρ ὧν Λ. ὁ συγγενὴς τοῦ βασ. συνεχώρησεν ὑμῖν

συγχωρητέον.
II Ma. 2. 31. τῷ τὴν μετάφρασιν ποιουμένῳ συγχωρητέον

συζευγνύναι. (1) חָבַר
Ez. 1. 11. ἑκατέρῳ δύο συνεζευγμέναι πρὸς ἀλλήλας (1)
— 23. A ἑκάστῳ δύο συνεζευγμέναι [B *al.*] –

συζητεῖν, συνζητεῖν. (1) בָּקַשׁ pi.
Ne. 2. 4. A B¹ περὶ τίνος τοῦτο συνζητεῖς [B² S R σὺ ζ.] (1)

συζυγής.
III Ma. 4. 8. οἱ δὲ τούτων σ. βρόχους . . . περιπεπλεγμένοι

συζυγία.
[Aq. Ez. 23. 17.]

σύζυγος.
[Aq. Ez. 23. 21.]

συζωννύναι.
Le. 8. 8. καὶ συνέζωσεν αὐτόν †
I Ma. 3. 3. συνεζώσατο τὰ σκεύη τὰ πολεμικὰ αὐ.

συκάμινον. (1) שִׁקְמָה
Am. 7. 14. ἀλλ' ἢ . . . κνίζων συκάμινα (1)

συκάμινος. (1) שִׁקְמָה
III Ki. 10. 27. τὰς κέδρους ἔδωκεν ὡς συκαμίνους (1)
I Ch. 27. 28. καὶ ἐπὶ τῶν σ. τῶν ἐν τῇ πεδινῇ (1)
II Ch. 1. 15. ἔθηκεν . . . τὰς κέδρους ἐν τῇ Ἰ. ὡς συκαμίνους (1)
9. 27. ἔδωκεν . . . τὰς κέδρους ὡς συκαμίνους (1)
Ps. 77 (78). 47. καὶ τὰς σ. αὐτῶν ἐν τῇ πάχνῃ (1)
Is. 9. 10 (9). κόψωμεν συκαμίνους (1)
[Th. Am. 7. 14.]

συκεών, *vid. sub* **συκών.**

συκῆ. (1) תְּאֵנָה
Ge. 3. 7. ἔρραψαν φύλλα συκῆς (1)
Nu. 13. 24 (23). A B² R ἀπὸ τῶν ῥοῶν καὶ ἀπὸ τῶν σ. [B¹ σικύων] (1)
20. 5. οὐδὲ συκαῖ οὐδὲ ἄμπελοι (1)
De. 8. 8. ἄμπελοι συκαῖ ῥόαι (1)
Jd. 9. 10. εἶπον τὰ ξύλα τῇ σ. (1)
— 11. εἶπεν αὐτοῖς ἡ σ. (1)
III Ki. 3. 1 (B), 4. 25 (A) [5. 5]. ἕκαστος . . . ὑπὸ τὴν σ. αὐ. (1)
IV Ki. 18. 31. ἀνὴρ τὴν σ. αὐ. φάγεται (1)
Ne. 2. 13. πρὸς στόμα πηγῆς τῶν σ. †
Ps. 104 (105). 33. ἐπάταξε . . . τὰς συκᾶς αὐ. (1)
Pr. 27. 18. ὃς φυτεύει συκῆν (1)
Ca. 2. 13. ἡ σ. ἐξήνεγκεν ὀλύνθους αὐτῆς (1)
Ho. 2. 12 (14). ἀφανιῶ . . . τὰς σ. αὐ. (1)
9. 10. ὡς σκοπὸν ἐν συκῇ πρώϊμον εἶδον πατέρας αὐ. (1)
Mi. 4. 4. ἀναπαύσεται . . . ἕκαστος ὑποκάτω συκῆς αὐ. (1)
Jl. 1. 7. ἔθετο . . . τὰς σ. μου εἰς συγκλασμόν (1)
— 12. αἱ σ. ὠλιγώθησαν (1)
2. 22. συκῆ καὶ ἄμπελος ἔδωκαν τὴν ἰσχὺν αὐ. (1)
Na. 3. 12. πάντα τὰ ὀχυρώμ. σου συκαῖ σκοποὺς ἔχουσαι (1)
Hb. 3. 17. συκῆ οὐ καρποφορήσει (1)
Hg. 2. 20 (19). ἡ ἄμπελος καὶ ἡ σ. καὶ ἡ ῥόα (1)
Za. 3. 11 (10). ὑποκάτω ἀμπέλου καὶ ὑποκάτω συκῆς (1)
Is. 34. 4. ὡς πίπτει φύλλα ἀπὸ συκῆς (1)
36. 16. φάγεσθε ἕκαστος . . . τὰς σ. (1)
Je. 8. 13. οὐκ ἔστι σῦκα ἐν ταῖς σ. (1)
I Ma. 14. 12. A R ἐκάθισεν ἕκαστος ὑπὸ . . . τὴν σ. αὐ. [S *om.* τ. σ. αὐ.]
[Aq., Sm. Is. 34. 4.]
[Al. Hb. 3. 17.]

συκήρατος, συκηέρατος (?).
Ep. Je. 70. B ὥσπερ γὰρ ἐν συκηράτῳ [A συκηερ., R σικυηρ.] προβασκάνιον

συκόμορος.
[Aq., Sm. Ps. 77 (78). 47: Is. 9. 10 (9): Am. 7. 14.]
[Th. Is. 9. 10 (9).]

σῦκον. (1) תְּאֵנָה (2) πρόδρομος σύκου בִּכּוּרָה
IV Ki. 20. 7. λαβέτωσαν παλάθην σύκων (1)
Ne. 13. 15. καὶ οἶνον καὶ σταφυλὴν καὶ σῦκα (1)
To. 1. 7. S² καὶ τῶν σ.
Is. 28. 4. ὡς πρόδρομος σύκου ὁ ἰδὼν αὐτό (2)
38. 21. λάβε παλάθην ἐκ [S *om.*] σύκων (1)
Je. 8. 13. οὐκ ἔστι σῦκα ἐν ταῖς συκαῖς (1)
24. 1. ἔδειξέ μοι κύριος δύο καλάθους σύκων (1)
— 2. ὁ κάλαθος ὁ εἷς σύκων χρηστῶν σφόδρα ὡς τὰ σ. τὰ πρώϊμα (1, 1)
— 2. καὶ ὁ κάλαθος ὁ ἕτερος σύκων πονηρῶν σφόδρα (1)
— 3. A B³ R εἶπα, Σῦκα [B¹ S *om.*, A *add.* καὶ τὰ, S² *add.* τὰ] σῦκα τὰ χρηστὰ χρηστὰ λίαν (1, 1)
— 5. ὡς τὰ σ. τὰ χρηστὰ ταῦτα οὕτως ἐπιγνώσομαι τοὺς ἀποικισθέντας Ἰουδαίους (1)
— 8. ὡς τὰ σ. τὰ πονηρὰ ἃ οὐ βρωθήσεται (1)
[Sm. Je. 24. 3 (Sw.).]
[Th. Je. 29 (36). 17.]

συκοφαντεῖν. (1) בָּלַל hithpo. (2) *a.* עָשַׁק *b.* עָשׁוּק (3) שָׁקַר pi.
Ge. 43. 18. τοῦ συκοφαντῆσαι ἡμᾶς (1)
Le. 19. 11. οὐ συκοφαντήσει ἕκαστος τὸν πλησίον (3)
Jb. 35. 9. ἀπὸ πλήθους συκοφαντούμενοι κεκράξονται (2 *b*)
Ps. 118 (119). 122. μὴ συκοφαντησάτωσάν με ὑπερήφανοι (2 *a*)
Pr. 14. 31: 22. 16. ὁ συκοφαντῶν πένητα (2 *a*)
28. 3. ἀνδρεῖος ἐν ἀσεβείαις συκοφαντεῖ πτωχούς (2 *a*)
Ec. 4. 1. ἰδοὺ δάκρυον τῶν συκοφαντουμένων (2 *a*)
— 1. ἀπὸ χειρὸς συκοφαντούντων αὐτοὺς ἰσχύς (2 *a*)
[Aq. Ge. 26. 20: Le. 6. 2 (5. 21): Dt. 24. 16 (14): Jb. 10. 3: Ps. 118 (119). 121: Pr. 28. 3: Je. 50 (27). 33: Ez. 22. 29.]
[Sm. Le. 6. 2 (5. 21): Dt. 24. 16 (14): Ec. 4. 1: Is. 52. 4: Je. 50 (27). 33: Ez. 22. 29 *bis.*]
[Th. Le. 6. 2 (5. 21): Dt. 24. 16 (14): Jb. 35. 9: Pr. 28. 3.]
[Al. Le. 19. 13: I Ki. 12. 3: I Ch. 16. 21: Jb. 10. 3.]

συκοφάντης. (1) עָשַׁק *a.* qal. *b.* מַעֲשַׁקּוֹת
Ps. 71 (72). 4. ταπεινώσει συκοφάντην (1 *a*)
Pr. 28. 16. βασιλεὺς ἐνδεὴς προσόδων μέγας συκοφάντης (1 *b*)

συκοφαντία (-εία). (1) עָנַשׁ (2) *a.* עָשׁוּק *b.* עֹשֶׁק
Ps. 118 (119). 134. λύτρωσαί με ἀπὸ συκοφαντίας ἀνθρώπων (2 *b*)
Ec. 4. 1. εἶδον συμπάσας [S πάσας] τὰς σ. (2 *a*)
5. 7. ἐὰν συκοφαντίαν πένητος . . . ἴδῃς ἐν χώρᾳ (2 *b*)
7. 8 (7). ἡ σ. περιφέρει σοφόν (2 *b*)
Am. 2. 8. οἶνον ἐκ συκοφαντιῶν ἔπινον (1)
[Aq. Ge. 26. 20: Le. 6. 4 (5. 23): Is. 33. 15: 38. 14: Je. 6. 6: 22. 17: Ez. 22. 29.]
[Sm. Le. 6. 4 (5. 23): Jb. 35. 9: Ps. 72 (73). 8: Is. 33. 15: Je. 22. 17: Ez. 22. 12, 29.]
[Th. Le. 6. 4 (5. 23): Is. 33. 15: Ez. 22. 12.]

συκών (συκεών). (1) תְּאֵנָה
Am. 4. 9. συκῶνας ὑμῶν . . . κατέφαγεν ἡ κάμπη (1)
Je. 5. 17. κατέδονται . . . τοὺς σ. ὑμῶν (1)

συλᾶν.
Ep. Je. 18. ὅπως ὑπὸ τῶν λῃστῶν μὴ συληθῶσι
[Aq. Ex. 3. 22.]

συλλαλεῖν. (1) דָּבַר pi. (2) שִׂיחַ
Ex. 34. 35. ἕως ἂν εἰσέλθῃ συλλαλεῖν αὐτῷ (1)
III Ki. 12. 14. A καὶ συνελάλησεν πρὸς αὐτούς (1)
Pr. 6. 22. ἵνα ἐγειρομένῳ συλλαλῇ [A -λήσω] σοι (2)
Is. 7. 6. συλλαλήσαντες αὐτοῖς ἀποστρέψομεν αὐτούς †
Je. 18. 20. συνελάλησαν ῥήματα κατὰ τῆς ψυχῆς μου †

συλλαμβάνειν. (1) *a.* חָרָה *b.* חָרָה (2) חוּל pul. (3) לָבַד *a.* qal. *b.* ni. (4) לָקַח (5) נָקַשׁ (6) קָמַט pu. (7) תָּפַשׂ *a.* qal. *b.* ni. (8) σ. ἐν γαστρί חָרָה
Ge. 4. 1. A συνέλαβεν καὶ ἔτεκεν τὸν Κ. [R *al.*] (1 *a*)
— 17. συλλαβοῦσα ἔτεκε τὸν Ἐ. (1 *a*)
— 25. συλλαβοῦσα ἔτεκεν υἱόν –
16. 4. καὶ συνέλαβε (1 *a*)
19. 36. συνέλαβον αἱ δύο θυγατέρες Λώτ (1 *a*)
21. 2. συλλαβοῦσα ἔτεκε . . . υἱόν (1 *a*)
25. 21. R συνέλαβεν [A ἔλ.] ἐν γαστρὶ Ῥεβ. (8)
29. 32. καὶ συνέλαβε Λεία (1 *a*)
— 33. συνέλαβε πάλιν Λεία (1 *a*)
— 34. καὶ συνέλαβεν ἔτι (1 *a*)
— 35. συλλαβοῦσα ἔτι ἔτεκεν υἱόν (1 *a*)
30. 5. συνέλαβε Β. ἡ παιδίσκη Ῥ. (1 *a*)
— 7. συνέλαβεν ἔτι Β. (1 *a*)
— 10. καὶ συνέλαβε Ζ. –
— 12. καὶ συνέλαβεν ἔτι Ζ. –
— 17. συλλαβοῦσα ἔτεκε τῷ Ἰ. υἱὸν πέμπτον (1 *a*)
— 19. συνέλαβεν ἔτι Λεία (1 *a*)
— 23. συλλαβοῦσα ἔτεκε τῷ Ἰ. υἱόν (1 *a*)
38. 3. συλλαβοῦσα ἔτεκεν υἱόν (1 *a*)
— 4. συλλαβοῦσα ἔτι ἔτεκεν υἱόν (1 *a*)

Ex. 12. 4. συλλήψεται μεθ' ἑαυτοῦ τὸν γείτονα (4)
Nu. 5. 13. καὶ αὐτὴ μὴ ᾖ συνειλημμένη (7 b)
De. 21. 19. συλλαβόντες [B¹ om.] αὐτὸν ὁ πατὴρ αὐ. καὶ ἡ μήτηρ αὐ. (7 a)
Jo. 8. 23. τὸν βασ. τῆς Γ. συνέλαβον ζῶντα (7 a)
Jd. 7. 25. συνέλαβον τοὺς ἄρχοντας Μ. (3 a)
8. 14. συνέλαβε [A -ον] παιδάριον ἀπὸ τῶν ἀνδρῶν Σ. (3 a)
13. 3. καὶ συλλήψῃ [A τέξῃ] υἱόν (1 a)
15. 4. συνέλαβε τριακοσίας ἀλώπεκας (3 a)
I Ki. 1. 20. καὶ συνέλαβε (1 a)
2. 21. A καὶ συνέλαβεν (1 a)
4. 19. νύμφη αὐ. γυνὴ Φ. συνειληφυῖα τοῦ τεκεῖν (1 b)
15. 8. συνέλαβε τὸν 'Α. βασιλέα 'Αμ. ζῶντα (7 a)
23. 26. παρενέβαλον . . . συλλαβεῖν αὐτούς (7 a)
II Ki. 12. 24. καὶ συνέλαβε –
III Ki. 13. 4. συλλάβετε αὐτόν (7 a)
18. 40. συλλάβετε τοὺς προφήτας τοῦ B. (7 a)
— 40. καὶ συνέλαβον αὐτούς (7 a)
21 (20). 18. συλλαβεῖν [A -βετε] αὐτοὺς ζῶντας (7 a)
— 18. ζῶντας συλλαβεῖν [A -βετε] αὐτούς (7 a)
IV Ki. 7. 12. συλληψόμεθα αὐτοὺς ζῶντας (7 a)
10. 14. συλλάβετε αὐτοὺς ζῶντας (7 a)
— 14. A καὶ συνελάβοντο αὐτοὺς ζῶντας (7 a)
14. 7. συνέλαβε τὴν πέτραν ἐν τῷ πολέμῳ (7 a)
— 13. τὸν 'Αμ. . . . συνέλαβεν [A ἕλ.] 'Ι. (7 a)
16. 9. καὶ συνέλαβεν αὐτήν (7 a)
17. 6. συνέλαβε βασιλεὺς 'Ασσυρίων τὴν Σαμ. (3 a)
18. 10. καὶ συνελήφθη Σαμ. (3 b)
— 13. καὶ συνέλαβεν αὐτάς (7 a)
25. 6. συνέλαβον τὸν βασ. (7 a)
I Es. 1. 38. Ζαρ. δὲ τὸν ἀδελφὸν αὐ. συλλαβών
Ju. 6. 9. A οὐ συλληφθήσονται [B S ληφθ.]
— 10. προσέταξεν . . . συλλαβεῖν τὸν 'Αχ.
— 11. συνέλαβον αὐτὸν οἱ δοῦλοι αὐ.
10. 12. συνέλαβον αὐτήν
Jb. 22. 16. οἱ συνελήφθησαν ἄωροι (6)
39. 13. ἐὰν συλλάβῃ ἀσίδα καὶ νέσσα †
Ps. 7. 14. συνέλαβε πόνον (1 a)
9. 15. συνελήφθη ὁ ποὺς αὐτῶν (3 b)
— 16. συνελήφθη ὁ ἁμαρτωλός (5)
— 23 (10. 2). συλλαμβάνονται ἐν διαβουλίοις (7 b)
34 (35). 8. ἡ θήρα ἣν ἔκρυψαν συλλαβέτω αὐτούς (3 a)
50 (51). 5. ἐν ἀνομίαις συνελήφθην (2)
58 (59). 12. συλληφθήτωσαν ἐν τῇ ὑπερηφανίᾳ αὐτῶν (3 b)
Ec. 7. 27 (26). ἁμαρτάνων συλληφθήσεται ἐν αὐτῇ (3 b)
Ca. 3. 4. εἰς ταμεῖον τῆς συλλαβούσης με (1 a)
8. 2. εἰς ταμεῖον τῆς συλλαβούσης με †
Ho. 1. 3. συνέλαβε καὶ ἔτεκεν αὐτῷ υἱόν (1 a)
— 6. συνέλαβεν ἔτι καὶ ἔτεκε θυγατέρα (1 a)
— 8. συνέλαβεν ἔτι καὶ ἔτεκεν υἱόν (1 a)
Am. 3. 5. ἄνευ τοῦ συλλαβεῖν τι (3 a)
Is. 36. 1. A καὶ συνέλαβεν [B S ἕλ.] αὐτάς (7 a)
Je. 5. 26. καὶ συνελαμβάνοσαν (3 a)
6. 11. ἀνὴρ καὶ γυνὴ συλληφθήσονται (3 b)
29 (49). 16. συνέλαβεν ἰσχὺν βουνοῦ ὑψηλοῦ (7 a)
31 (48). 7. σὺ συλληφθήσῃ (3 b)
— 41. τὰ ὀχυρώματα συνελήφθη (7 b)
— 44. συλληφθήσεται ἐν τῇ παγίδι (3 b)
33 (26). 8. συνελάβοσαν [S² -βον] αὐτὸν οἱ ἱερεῖς (7 a)
— 23. A συνελάβοσαν αὐτόν –
39 (32). 24. ὄχλος ἥκει εἰς τὴν πόλιν συλλαβεῖν αὐτήν (3 a)
41 (34). 2. συλλήψεται αὐτήν –
— 3. A S R συλλήψει συλληφθήσῃ [B -σει] (7 b)
43 (36). 26. συλλαβεῖν τὸν Βαρούχ (4)
44 (37). 8. συλλήψονται αὐτήν (3 a)
— 13. συνέλαβε τὸν 'Ιερεμίαν (7 a)
— 14. συνέλαβε Σαρουΐα τὸν 'Ιερεμίαν (7 a)
45 (38). 3. συλλήψεται [A -ονται, S¹ λήψεται] αὐτήν (3 a)
— 23. ἐν χειρὶ βασιλέως Βαβ. συλληφθήσῃ [A al.] (7 b)
— 28. ἕως χρόνου οὗ συνελήφθη 'Ιερουσαλήμ (3 b)
52. 9. συνέλαβον τὸν βασιλέα (7 a)
La. 4. 20. συνελήφθη ἐν ταῖς διαφθοραῖς αὐ. (3 b)
Ez. 12. 13. συλληφθήσεται ἐν τῇ περιοχῇ μου (7 b)
19. 4. ἐν τῇ διαφθορᾷ αὐτῶν συνελήφθη (7 b)
— 8. ἐν διαφθορᾷ αὐτῶν συνελήφθη (7 b)
Da. TH. 11. 15. συλλήψεται πόλεις ὀχυράς (3 a)
— 18. καὶ συλλήψεται πολλάς (3 a)
Da. TH. Bel 21. συνέλαβε [A -ετο] τοὺς ἱερεῖς
I Ma. 5. 26. πολλοὶ ἐξ αὐτῶν συνειλημμένοι εἰσίν
— 27. ἐν ταῖς λοιπαῖς πόλεσι τῆς Γαλ. εἰσὶ συνειλημμένοι
7. 2. συνέλαβον [S¹ - οντο] αἱ δυνάμεις τὸν 'Αντ.
— 16. συνέλαβεν ἐξ αὐτῶν ἑξήκοντα ἄνδρας
— 19. καὶ συνέλαβε [S¹ -έβαλεν] πολλούς
9. 36. καὶ συνέλαβον 'Ιωάννην
— 58. συλλήψεται αὐτοὺς πάντας
— 60. ὅπως συλλάβωσι τὸν 'Ιων.
— 61. A συνέλαβον [R - οντο, S -έβαλον] ἀπὸ τῶν ἀνδρῶν τῆς χώρας
12. 40. AR ἐζήτει πόρον τοῦ [S om. π. τ.] συλλαβεῖν αὐτόν
— 48. καὶ συνέλαβον αὐτόν
— 50. συνελήφθη καὶ ἀπόλωλε
14. 2. συλλαβεῖν αὐτὸν ζῶντα
— 3. καὶ συνέλαβεν αὐτόν
16. 22. συνέλαβε τοὺς ἄνδρας τοὺς ἐλθόντας
II Ma. 7. 1. ἑπτὰ ἀδελφοὺς . . . συλληφθέντας ἀναγκάζεσθαι
14. 39. ἀπέστειλε στρατιώτας . . . συλλαβεῖν αὐτόν
— 40. ἔδοξε γὰρ ἐκεῖνον συλλαβών
III Ma. 1. 5. πολλοὺς δὲ καὶ δοριαλώτους συλληφθῆναι
IV Ma. 16. 15. ὅτε συνελήφθης μετὰ τῶν παίδων
17. 1. ὅτε ἔμελλε καὶ αὐτὴ συλλαμβάνεσθαι
[Aq. IV Ki. 10. 14: Jb. 15. 35: Pr. 11. 6: Is. 7. 14: 33. 11: Je. 6. 12: Ez. 21. 23 (28).]
[Sm. Ru. 1. 12: II Ki. 8. 4: Ps. 58 (59). 13: 68 (69). 23: Pr. 5. 22: 11. 6: Ca. 2. 15: Is. 7. 14: 8. 15: Je. 22. 19: Ez. 21. 24 (29).]
[Th. Jb. 22. 16: 39. 13: Pr. 11. 6: Is. 51. 20.]
[Heb. Jb. 15. 7.]
[Al. Ec. 9. 12.]

συλλέγειν. (1) אָסַף (2) לָקַח (3) לָקַט *a.* qal. *b.* pi. *c.* hithpa. (4) ὁ τὰ δράγματα συλλέγων עָמַר pi. (5) קָטַף (6) קִשֵּׁשׁ po.

Ge. 31. 46. συλλέγετε λίθους (3 a)
— 46. συνέλεξαν λίθους (2)
Ex. 5. 11. συλλέγετε ἑαυτοῖς ἄχυρα (2)
16. 4. συλλέξουσι τὸ τῆς ἡμέρας εἰς ἡμέραν (3 a)
— 16. ἕκαστος σὺν τοῖς συσκηνίοις ὑμῶν συλλέξατε (2)
— 17. συνέλεξαν ὁ τὸ πολὺ καὶ ὁ τὸ ἔλαττον (3 a)
— 18. ἕκαστος . . . παρ' ἑαυτῷ συνέλεξαν [A² -εν] (3 a)
— 21. συνέλεξαν αὐτὸ πρωΐ (3 a)
— 22. συνέλεξαν τὰ δέοντα διπλᾶ (3 a)
— 26. ἓξ ἡμέρας συλλέξετε (3 a)
— 27. ἐξῆλθοσάν τινες ἐκ τοῦ λαοῦ συλλέξαι (3 a)
Le. 19. 9. τὰ ἀποπίπτοντα τοῦ θερισμοῦ σου οὐ [B¹ om.] συλλέξεις (3 b)
— 10. οὐδὲ τοὺς ῥῶγας τοῦ ἀμπελῶνός σου συλλέξεις (3 b)
23. 22. τὰ ἀποπίπτοντα τοῦ θερισμοῦ σου οὐ συλλέξεις (3 b)
Nu. 11. 8. καὶ συνέλεγον (3 a)
15. 32. εὗρον ἄνδρα συλλέγοντα ξύλα (6)
— 33. οἱ εὑρόντες συλλέγοντα [B¹ -ες] ξύλα (6)
De. 23. 25 (26). B συλλέξεις [A² συνάξεις] ἐν ταῖς χερσί σου στάχυς (5)
Jd. 1. 7. ἦσαν συλλέγοντες τὰ ὑποκάτω τῆς τραπέζης μου (3 b)
11. 3. A συνελέγοντο πρὸς τὸν 'Ι. ἄνδρες λιτοί [B al.] (3 c)
Ru. 2. 3. συνέλεξεν ἐν τῷ ἀγρῷ (3 b)
— 7. συλλέξω δὴ καὶ συνάξω (3 b)
— 8. μὴ πορευθῇς ἐν ἀγρῷ συλλέξαι ἑτέρῳ (3 a)
— 15. καὶ ἀνέστη τοῦ συλλέγειν (3 b)
— 15. ἀνὰ μέσον τῶν δραγμάτων συλλεγέτω (3 b)
— 16. καὶ φάγεται καὶ συλλέξει (3 b)
— 17. συνέλεξεν ἐν τῷ ἀγρῷ (3 b)
— 17. ἐρράβδισεν ἃ συνέλεξεν (3 b)
— 18. εἶδεν ἡ πενθερὰ αὐ. ἃ συνέλεξεν (3 b)
— 19. ποῦ συνέλεξας σήμερον (3 b)
— 23. προσεκολλήθη Ῥοὺθ . . . συλλέγειν (3 b)
III Ki. 10. 26. A συνέλεξεν Σ. ἅρματα (1)
17. 10. γυνὴ χήρα συνέλεγε ξύλα (6)
— 12. συλλέγω δύο ξυλάρια (6)
IV Ki. 4. 39. ἐξῆλθεν εἰς τὸν ἀγρὸν συλλέξαι ἀριώθ (3 b)
— 39. συνέλεξεν ἀπ' αὐτῆς τολύπην ἀγρίαν (3 b)
Ju. 3. 10. εἰς τὸ συλλέξαι πᾶσαν τὴν ἀπαρτίαν [S στρατιάν]
4. 3. πᾶς ὁ λαὸς συνελέλεκτο τῆς 'Ιουδαίας
Ps. 103 (104). 28. δόντος σου αὐτοῖς συλλέξουσιν (3 a)
128 (129). 7. ὁ τὰ δράγματα συλλέγων (4)
Ca. 6. 1 (2). καὶ συλλέγειν κρίνα (3 a)
Je. 7. 18. οἱ υἱοὶ αὐτῶν συλλέγουσι [S¹ -έξ.] ξύλα (3 b)
III Ma. 1. 21. ποικίλη δὲ ἦν τῶν εἰς τοῦτο συλλεγέντων ἡ δέησις
[Aq. Ge. 49. 33: Dt. 32. 50: Ps. 25 (26). 9: 26 (27). 10: 34 (35). 15: 38 (39). 7: 49 (50). 5: Pr. 30. 4: Ec. 2. 26: Is. 52. 12: 57. 1 *bis*: 60. 20: Mi. 4. 11.]
[Sm: Jb. 39. 12: Ze. 2. 1.]
[Th. Ps. 38 (39). 7.]
[Sext. Ps. 26 (27). 10.]

σύλλεγμα.
[Al. Le. 23. 22.]

σύλληψις. (1) *a.* הָרָה *b.* הֵרָיוֹן (2) *a.* לֶכֶד *b.* מַלְכֹּדֶת (3) תָּפַשׂ

Jb. 18. 10. ἡ σ. αὐτοῦ ἐπὶ τρίβων (2 b)
Ho. 9. 11. αἱ δόξαι αὐ. ἐκ τόκων . . . καὶ συλλήψεων (1 b)
Je. 18. 22. ἐνεχείρησαν λόγον εἰς σύλληψίν μου (2 a)
20. 17. ἡ μήτρα συλλήψεως αἰωνίας (1 a)
41 (34). 3. συλλήψει συλληφθήσῃ (3)
[Aq. Ge. 3. 17 (16): Ho. 9. 11.]
[Sm., Th., Quint. Ho. 9. 11.]

συλλογή. (1) יַלְקוּט
I Ki. 17. 40. ἐν τῷ καδίῳ τῷ ποιμενικῷ τῷ ὄντι αὐτῷ εἰς συλλογήν (1)
[Aq. Ex. 23. 16: I Ki. 2. 36: Is. 32. 10.]

συλλογίζειν. (1) בִּין hithpal. (2) חָשַׁב *a.* pi. *b.* hithpa.
Le. 25. 27. συλλογιεῖται [A -τε] τὰ ἔτη τῆς πράσεως αὐ. (2 a)
— 50. συλλογιεῖται [A -τε] πρὸς τὸν κεκτημ. αὐτόν (2 a)
— 52. συλλογιεῖται [A -τε] αὐτῷ κατὰ τὰ ἔτη αὐ. (2 a)
Nu. 23. 9. ἐν ἔθνεσιν οὐ συλλογισθήσεται (2 b)
Is. 43. 18. τὰ ἀρχαῖα μὴ συλλογίζεσθε (1)

συλλογισμός. (1) רֹאשׁ
Ex. 30. 12. ἐὰν λάβῃς τὸν σ. τῶν υἱῶν 'Ισρ. (1)
Wi. 4. 20. ἐλεύσονται ἐν συλλογισμῷ ἁμαρτημάτων αὐτῶν δειλοί
[Th. Pr. 1. 4.]

σύλλογος.
[Th. Ps. 1. 5.]

συλλοιδορεῖν. (1) גָּעַר
Je. 36 (29). 27. διὰ τί συνελοιδορήσατε [S ἑλ.] 'Ιερεμίαν (1)

συλλοχᾶν.
I Ma. 4. 28. συνελόχησεν [S¹ -ευδόκησεν] . . . ἑξήκοντα χιλιάδας

συλλοχισμός. (1) יָחַשׁ hithpa.
I Ch. 9. 1. καὶ πᾶς 'Ισρ. ὁ σ. αὐ. (1)

συλλύειν.
I Ma. 13. 47. συνελύθη Σ. αὐτοῖς
II Ma. 11. 14. A ἔπεισε συλλύεσθαι [R -λύσ.] ἐπὶ πᾶσι τοῖς δικαίοις
13. 23. συνελύθη καὶ θυσίαν προσήγαγεν

συλλυπεῖσθαι. (1) נוּד
Ps. 68 (69). 20. ὑπέμεινα συλλυπούμενον (1)
Is. 51. 19. τίς σοι συλλυπηθήσεται (1)
[Sm. Ps. 68 (69). 21.]

συμβαίνειν. (1) בּוֹא (2) הָיָה (3) מָצָא (4) עָשָׂה *a.* qal. *b.* ni. (5) קָרָא *a.* qal. *b.* hi. (6) קָרָה (7) ποιεῖν συμβῆναι קָרָא hi.

Ge. 41. 13. οὕτω καὶ συνέβη (2)
42. 4. μή ποτε συμβῇ αὐτῷ μαλακία (5 a)

Ge. 42. 29. ἀπήγγειλαν αὐτῷ πάντα τὰ συμβεβηκότα αὐτοῖς (6)
— 38. συμβήσεται αὐτὸν μαλακισθῆναι (5 *a*)
44. 29. ἐὰν οὖν . . . συμβῇ αὐτῷ μαλακία (6)
Ex. 1. 10. ἡνίκα ἂν συμβῇ ἡμῖν πόλεμος (5 *a*)
3. 16. ὅσα συμβέβηκεν ὑμῖν ἐν Αἰγ. (4 *a*)
24. 14. ἐάν τινι συμβῇ κρίσις †
Le. 10. 19. καὶ συμβέβηκέ μοι ταῦτα (5 *a*)
De. 18. 22. καὶ μὴ γένηται καὶ μὴ συμβῇ (1)
Jo. 2. 23. διηγήσαντο αὐτῷ πάντα τὰ συμβεβηκότα αὐτοῖς (3)
I Es. 1. 25. συνέβη Φ. βασιλέα Αἰγ. ἐλθόντα πόλεμον ἐγεῖραι
8. 86. τὰ συμβαίνοντα πάντα ἡμῖν γίνεται
To. 3. 7. ἐν τῇ αὐτῇ ἡμέρᾳ συνέβη . . . Σάρρᾳ
12. 20. S γράψατε πάντα ταῦτα τὰ συμβάντα ὑμῖν [A B *al.*]
14. 4. S πάντα συμβήσεται τοῖς καιροῖς αὐ.
Ju. 6. 16. ἐπηρώτησεν αὐτὸν Ὀζ. τὸ συμβεβηκός
Es. 2. 11. τί Ἔσθηρ συμβήσεται [A -βαίνει] (4 *b*)
6. 13. διηγήσατο Ἀ. τὰ συμβεβηκότα αὐτῷ (6)
Jb. 1. 22. ἐν τούτοις πᾶσι τοῖς συμβεβηκόσιν αὐτῷ –
2. 10. ἐν πᾶσι τούτοις τοῖς συμβεβηκόσιν αὐτῷ –
42. 11. ἤκουσαν δὲ . . . πάντα τὰ συμβεβηκότα αὐτῷ –
Wi. 19. 4. τῶν συμβεβηκότων ἀμνηστίαν ἐνέβαλεν
Si. 22. 26. B² R εἰ κακά μοι συμβῇ [A -βέβηκεν, B¹ -βήσεται, S¹ συνέβη, S² συμβαίη] δι' αὐτόν
37. 9. ἰδεῖν τὸ συμβησόμενόν σοι
Is. 3. 11. πονηρὰ κατὰ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν αὐτοῦ συμβήσεται αὐτῷ (4 *b*)
41. 22. ἀναγγειλάτωσαν ὑμῖν ἃ συμβήσεται (6)
Je. 39 (32). 23. A B² S² R ἐποίησαν [B¹ S¹ *om.*] συμβῆναι αὐτοῖς πάντα τὰ κακὰ ταῦτα (7 [5 *b*])
Da. LXX. 2. 1. συνέβη εἰς ὁράματα . . . ἐμπεσεῖν τὸν βασ. –
Da. TH. Su. 26. ἰδεῖν [A *l.* τί] τὸ συμβεβηκὸς αὐτῇ
I Ma. 4. 26. ἀπήγγειλαν τῷ Λ. πάντα τὰ συμβεβηκότα
5. 25. A διηγήσαντο αὐτοῖς ἅπαντα τὰ συμβεβηκότα [S R -βάντα] τοῖς ἀδ. αὐ.
8. 27. ἐὰν ἔθνει Ἰουδαίων συμβῇ πρότεροις πόλεμος
II Ma. 3. 2. συνέβαινε καὶ αὐτοὺς τοὺς βασ. τιμᾶν τὸν τόπον
4. 30. συνέβη Ταρσεῖς καὶ Μαλλώτας στασιάζειν
5. 2. συνέβη δὲ . . . φαίνεσθαι . . . τρέχοντας ἱππεῖς
— 18. εἰ δὲ μὴ συνέβη προσενέχεσθαι
7. 1. συνέβη δὲ καὶ ἑπτὰ ἀδελφοὺς . . . συλληφθέντας
9. 2. συνέβη τροπωθέντα τὸν Ἀντ.
— 7. συνέβη δὲ καὶ πεσεῖν αὐτόν
10. 5. συνέβη . . . τὸν καθαρισμὸν γενέσθαι τοῦ ναοῦ
12. 24. καὶ τούτους ἀλογηθῆναι συμβήσεται
— 34. παραταξαμένους δὲ συνέβη πεσεῖν ὀλίγους τῶν Ἰουδ.
13. 7. τὸν παράνομον συνέβη θανεῖν
III Ma. 1. 3. ὃν συνέβη κομισασθαι τὴν ἐκείνου κόλασιν
— 5. συνέβη τοὺς ἀντιπάλους . . . διαφθαρῆναι
— 8. καὶ ἐπὶ τοῖς συμβεβηκόσι χαρησομένους
— 8. συνέβη μᾶλλον αὐτὸν προθυμηθῆναι
4. 19. συνέβη σαφῶς αὐτὸν περὶ τούτου πιστωθῆναι
IV Ma. 4. 14. δηλώσων τῷ βασ. τὰ συμβάντα αὐτῷ
[Sm. Jb. 34. 11 : Ec. 8. 14 *bis* : 9. 3.]

συμβάλλειν. (1) נָגַר hithpa. (2) זול (3) סוּת hi.

Ge. 30. 8. A συνεβάλετό μοι ὁ θ. [R *al.*] †
II Ch. 25. 19. ἵνα τί συμβάλλεις ἐν κακίᾳ (1)
Wi. 5. 8. τί πλοῦτος μετὰ ἀλαζονείας συμβέβληται ἡμῖν
Si. 22. 1. λίθῳ ἠρδαλωμένῳ συνεβλήθη [S² ἐλιθοβολήθη] ὀκνηρός
— 2. βολβίτῳ κοπρίων [A S -ίῳ] συνεβλήθη [S² ἐβλ.] ὀκνηρός
Is. 46. 6. οἱ συμβαλλόμενοι χρυσίον ἐκ μαρσυππίου (2)
Je. 50 (43). 3. συμβάλλει σε πρὸς ἡμᾶς (3)
I Ma. 4. 34. καὶ συνέβαλλον ἀλλήλοις
7. 19. S¹ συνέβαλεν [A S² R -ἔλαβε] πολλούς
I Ma. 9. 61. S συνέβαλον [A -ἔλαβον, R -ελάβοντο] ἀπὸ τῶν ἀνδρῶν τῆς χώρας
II Ma. 8. 23. συνέβαλε τῷ Νικάνορι
14. 17. συμβεβληκὼς ἦν τῷ Νικάνορι
[Aq. Ge. 14. 3.]
[Sm. Jb. 35. 3 : Is. 19. 2.]

σύμβαμα.

[Sm. Ec. 3. 19.]

συμβασιλεύειν.

I Es. 8. 26. A ἐναντίον τοῦ βασ. καὶ τῶν συμβασιλευόντων [R -βουλ., B *al.*]

συμβαστάζειν. (1) סָלָה pu.

Jb. 28. 16. οὐ συμβασταχθήσεται χρυσίῳ Σ. (1)
— 19. χρυσίῳ καθαρῷ οὐ συμβασταχθήσεται (1)
[Sm. Ex. 18. 22 : Nu. 18. 1.]
[Th. Ex. 18. 22 : Jb. 7. 13 : 28. 16, 19.]

συμβιβάζειν. (1) בִּין hi. (2) יָדַע hi. (3) יָרָה hi. (4) שָׂכַל hi.

Ex. 4. 12. συμβιβάσω σε ὃ μέλλεις λαλῆσαι (3)
— 15. συμβιβάσω ὑμᾶς ἃ ποιήσετε (3)
18. 16. συμβιβάζω αὐτοὺς τὰ προστάγματα τοῦ θ. (2)
Le. 10. 11. συμβιβάσεις τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. πάντα τὰ νόμιμα (3)
De. 4. 9. συμβιβάσεις τοὺς υἱούς σου (2)
Jd. 13. 8. συμβιβασάτω [A φωτισάτω] ἡμᾶς (3)
Ps. 31 (32). 8. συμβιβῶ σε ἐν ὁδῷ ταύτῃ ᾗ πορεύσῃ (3)
Is. 40. 13. ὃς συμβιβᾷ [A S² -άσει] αὐτόν (2)
— 14. συνεβίβασεν αὐτόν (1)
Da. TH. 9. 22. ἐξῆλθον συμβιβάσαι σε σύνεσιν (4)
[Aq., Al. Pr. 6. 13.]
[Th. Is. 55. 4.]

συμβιοῦσθαι.

Si. 13. 5. ἐὰν ἔχῃς συμβιώσεταί σοι

συμβίωσις.

Wi. 8. 3. εὐγένειαν δοξάζει συμβίωσιν θεοῦ ἔχουσα
— 9. ἔκρινα τοίνυν ταύτην ἀγαγέσθαι πρὸς συμβίωσιν
— 16. οὐδὲ ὀδύνην ἡ σ. αὐτῆς
Si. 31 (34). 22. φονεύων τὸν πλησίον ὁ ἀφαιρούμενος συμβίωσιν [A S ἐμβ.]

συμβιωτής.

Da. LXX. Bel 1. συμβιωτὴς τοῦ βασ. Βαβυλῶνος
— 29. ἐκάλεσε τοὺς σ. αὐ.
Da. TH. Bel 2. ἦν Δ. συμβιωτὴς τοῦ βασ.

σύμβλημα. (1) דֶּבֶק

Is. 41. 7. σ. καλόν ἐστιν (1)
[Sm. Jb. 40. 13 (18).]

σύμβλησις. (1) טַבַּעַת

Ex. 26. 24. εἰς σ. [A συμβολὴν] μίαν (1)

συμβοηθός. (1) עָזַר

III Ki. 21 (20). 16. βασιλεῖς συμβοηθοὶ μετ' αὐτοῦ (1)

συμβολή. (1) טַבַּעַת (2) *a.* חֹבֶרֶת *b.* מַחְבֶּרֶת (3) מְכִסָּה (4) קָצָה

Ex. 26. 4. B¹ ἐκ τοῦ ἑνὸς μέρους τὴν [A B² R εἰς τὴν] σ. (2 *a*)
— 4. πρὸς τῇ σ. τῇ δευτέρᾳ (2 *b*)
— 5. κατὰ τὴν σ. τῆς δευτέρας (2 *b*)
— 10. τῆς ἀνὰ μέσον κατὰ συμβολήν [A τὴν σ.] (2 *a*)
— 24. A εἰς σ. [B σύμβλησιν] μίαν (1)
28. 28 (32). τὴν σ. συνυφασμένην ἐξ αὐτοῦ †
36. 25 (39. 18). καὶ εἰς τὰς δύο σ. τὰ δύο ἐμπλόκια (4)
— 28 (39. 20). A R κατὰ τὴν σ. ἄνωθεν τῆς συνυφῆς τῆς ἐπωμίδος (2 *b*)
Pr. 23. 20. μηδὲ ἐκτείνου συμβολαῖς †
Si. 18. 32. μηδὲ προσδεθῇς [A S¹ -δεηθῇς] συμβολῇ [A -ῆς, S² τῇ σ.] αὐτῆς
Is. 23. 18. εἰς συμβολὴν μνημόσυνον ἔναντι κυρίου (3)
[Th. Ex. 28. 27.]
[Sam. Ex. 26. 5.]

συμβολοκοπεῖν. (1) זָלַל

De. 21. 20. συμβολοκοπῶν οἰνοφλυγεῖ (1)
Si. 9. 9. μὴ συμβολοκοπήσῃς μετ' αὐτῆς ἐν οἴνῳ
Si. 18. 33. μὴ γίνου πτωχὸς συμβολοκοπῶν ἐκ δανεισμοῦ
[Aq. Dt. 21. 20.]
[Th. Pr. 23. 20.]

συμβολοκόπος.

[Aq., Th. Pr. 23. 21 : 28. 7.]
[Sm. Pr. 23. 21.]

σύμβολον.

Wi. 2. 9. καταλίπωμεν σύμβολα τῆς εὐφροσύνης
16. 6. B σίμβολον [A S R -βουλον] ἔχοντες σωτηρίας
Ho. 4. 12. ἐν συμβόλοις ἐπηρώτων †

σύμβολος.

II Ki. 8. 17 (18). A καὶ B. υἱὸς Ἰ. σύμβολος [B -βουλος] –
II Es. 7. 14. A ἀπὸ προσώπου . . . τῶν ἑπτὰ σ. [B -βούλων] †
8. 25. A¹ ἃ ὕψωσεν ὁ βασ. καὶ οἱ σ. [A² B -βουλοι] αὐ. †

συμβόσκειν. (1) גּוּר

Is. 11. 6. συμβοσκηθήσεται λύκος μετὰ ἀρνός (1)

συμβουλεύειν. (1) יָעַץ *a.* qal. *b.* ni. *c.* יָעַם ithpa. (2) סוּת hi. (3) שָׂכַל

Ex. 18. 19. καὶ συμβουλεύσω σοι (1 *a*)
Nu. 24. 14. συμβουλεύσω σοι τί ποιήσει (1 *a*)
Jo. 15. 18. καὶ συνεβουλεύσατο αὐτῷ (2)
II Ki. 17. 11. οὕτως συμβουλεύων [A *om.*] ἐγὼ συνεβούλευσα [A -ατο] (–, 1 *a*)
— 15. οὕτως καὶ οὕτως συνεβούλευσεν Ἀχ. τῷ Ἀβ. (1 *a*)
— 15. οὕτως καὶ οὕτως συνεβούλευσα ἐγώ (1 *a*)
III Ki. 1. 12. συμβουλεύσω σοι δὴ συμβουλίαν (1 *a*)
12. 8. ἃ συνεβουλεύσαντο αὐτῷ (1 *a*)
— 8. συνεβουλεύσατο μετὰ τῶν παιδαρίων (1 *b*)
— 9. τί ὑμεῖς συμβουλεύετε [A βουλ.] (1 *b*)
— 13. ἃ συνεβουλεύσαντο αὐτῷ (1 *a*)
— 24. B συμβουλεύσομαι μετ' αὐτῶν –
— 24. B καθὼς συνεβούλευσαν αὐτῷ οἱ σύντροφοι αὐ. –
II Ch. 10. 8. οἱ συνεβουλεύσαντο αὐτῷ (1 *a*)
— 8. συνεβουλεύσατο μετὰ τῶν παιδαρίων (1 *b*)
I Es. 8. 26. R ἐναντίον τοῦ βασ. καὶ τῶν συμβουλευόντων [A B *al.*]
Jb. 26. 3. τίνι συμβεβούλευσαι [S¹ βεβ.] (1 *a*)
Si. 8. 17. μετὰ μωροῦ μὴ συμβουλεύου
9. 14. μετὰ σοφῶν συμβουλεύου [A S βουλ.]
37. 7. ἔστι συμβουλεύων εἰς ἑαυτόν
Is. 33. 18. ποῦ εἰσὶν οἱ συμβουλεύοντες (3)
— 19. ᾧ οὐ συνεβουλεύσατο [A -σαν, S -σαντο] †
40. 14. πρὸς τίνα συνεβουλεύσατο (1 *b*)
Je. 43 (36). 16. συνεβουλεύσαντο ἕκαστος πρὸς τὸν πλησίον αὐτοῦ †
45 (38). 15. ἐὰν συμβουλεύσω σοι (1 *a*)
Da. TH. 6. 7 (8). συνεβουλεύσαντο πάντες οἱ ἐπὶ τῆς βασιλείας σου (1 *c*)
I Ma. 9. 59. συνεβουλεύσαντο αὐτῷ
— 69. τοῖς ἀνδράσι τοῖς ἀνόμοις τοῖς συμβουλεύσασιν αὐτῷ
IV Ma. 1. 1. συμβουλεύσαιμ' ἂν ὑμῖν ὀρθῶς
5. 6. συμβουλεύσαιμ' ἄν σοι ταῦτα
8. 5. οὐ μόνον συμβουλεύω μὴ μανῆναι
— 29. τὸν τύραννον συμβουλεύοντα αὐτοῖς μιαροφαγῆσαι
[Aq. Jb. 26. 3 : Pr. 12. 20 : 15. 22.]
[Sm. Jb. 26. 3 : Ps. 82 (83). 4 : Pr. 15. 22 : Ez. 11. 2.]
[Th. Pr. 12. 20 : 13. 10 : 15. 22.]

συμβουλευτής.

I Es. 8. 11. καθάπερ δέδοκται . . . τοῖς ἑπτὰ φίλοις συμβουλευταῖς

συμβουλευτικός.

[Sm. Pr. 14. 17.]

συμβουλία. (1) עֵצָה

III Ki. 1. 12. συμβουλεύσω σοι δὴ συμβουλίαν (1)
II Ch. 25. 16. οὐκ ἐπήκουσας τῆς σ. μου (1)
To. 4. 18. A B συμβουλίαν παρὰ παντὸς φρονίμου ζήτησον
— 18. A B μὴ καταφρονήσῃς ἐπὶ πάσης σ. χρησίμης

Ps. 118 (119). 24. A S^2 ἡ σ. [S^1 R αἱ σ.] μου τὰ δικαιώματά σου †
Pr. 12. 15. εἰσακούει δὲ συμβουλίας σοφός (1)
Si. 6. 23. μὴ ἀπαναίνου τὴν σ. μου
37. 11. μὴ ἔπεχε ἐπὶ τούτοις περὶ πάσης [A om.] σ.
IV Ma. 6. 16. ὥσπερ πικρότερον διὰ τῆς σ. αἰκισθείς [Sm. Ps. 72 (73). 24.]

συμβούλιον.
IV Ma. 17. 17. S καὶ ὅλον τὸ σ. [A R συνέδριον] αὐ. [Th. Pr. 15. 22.]

σύμβουλος. (1) *a.* יָעַץ *b.* אִישׁ עֵצָה *c.* יַעַם
II Ki. 8. 17 (18). B υἱὸς Ἰ. σύμβουλος [A -βολος] –
15. 12. ἀπέστειλεν Ἀβ. τῷ Ἀχ. τῷ Θ. σύμβουλον [A τῷ σ.] Δ. (1 *a*)
III Ki. 3. 1. B καὶ K. υἱὸς N. ὁ σ. –
I Ch. 27. 32. καὶ Ἰων. ὁ πατράδελφος Δ. σύμβουλος (1 *a*)
— 33. Ἀχ. σύμβουλος τοῦ βασ. (1 *a*)
II Ch. 22. 3. μήτηρ αὐ. ἦν σύμβουλος τοῦ ἁμαρτάνειν (1 *a*)
— 4. ἦσαν αὐτῷ . . . σύμβουλοι (1 *a*)
25. 16. μὴ σύμβουλον τοῦ βασ. δέδωκά σε (1 *a*)
I Es. 8. 55. οὕτως ἐδωρήσατο ὁ βασ. καὶ οἱ σ. αὐ.
II Es. 7. 14. ἀπὸ προσώπου . . . τῶν ἑπτὰ σ. [A -βόλων] (1 *c*)
— 15. ὁ βασιλεὺς καὶ οἱ σ. ἠκουσιάσθησαν (1 *c*)
— 28. ἐν ὀφθαλμοῖς τοῦ βασ. καὶ τῶν σ. αὐ. (1 *a*)
8. 25. ἃ ὕψωσεν ὁ βασ. καὶ οἱ σ. [A^1 -βολοι] αὐ. (1 *a*)
Es. 3. 13. πυθομένου δέ μου τῶν σ.
Jb. 15. 8. R ἢ συμβούλῳ σοι ἐχρήσατο ὁ θεός –
Wi. 8. 9. ἔσται μοι σύμβουλος ἀγαθῶν
16. 6. A S R σύμβουλον [B σύμβολον] ἔχοντες σωτηρίας
Si. 6. 6. οἱ δὲ σ. σου εἷς ἀπὸ χιλίων
37. 7. πᾶς σύμβουλος ἐξαίρει βουλήν
— 8. ἀπὸ συμβούλου φύλαξον τὴν ψυχήν σου
42. 21. καὶ οὐ προσεδεήθη οὐδενὸς σ. [S^1 ἀνδρὸς σ.]
Is. 1. 26. καὶ τοὺς σ. σου ὡς τὸ ἀπ' ἀρχῆς (1 *a*)
3. 3. ἀφελεῖ . . . θαυμαστὸν σύμβουλον (1 *a*)
9. 6 (5). A S^2 θαυμαστὸς σ. ἰσχυρός (1 *a*)
19. 11. οἱ σοφοὶ σ. τοῦ βασιλέως (1 *a*)
40. 13. τίς αὐτοῦ σ. ἐγένετο (1 *b*)
Ez. 27. 27. οἱ κυβερνῆταί σου καὶ οἱ σ. σου †
II Ma. 7. 25. παρῄνει γενέσθαι τοῦ μειρακίου σύμβουλον
IV Ma. 9. 2. εἰ μὴ τῇ τοῦ νόμου εὐπειθείᾳ συμβούλῳ . . . χρησαίμεθα
— 3. σύμβουλε τύραννε παρανομίας
15. 25. τῇ ἑαυτῆς ψυχῇ δεινοὺς ὁρῶσα σ. [Aq. Jb. 12. 17 : Is. 9. 6 (5).]

συμβραβεύειν.
I Es. 9. 14. συνεβράβευσαν αὐτοῖς

συμβράσσειν.
II Ma. 5. 8. R εἰς Αἴγυπτον συνεβράσθη [A ἐξεβρ.]

συμμαχεῖν. (1) עָזַר
Jo. 1. 14. καὶ συμμαχήσετε αὐτοῖς (1)
I Ch. 12. 21. συνεμάχησαν τῷ Δ. ἐπὶ τὸν γ. (1)
I Ma. 8. 25. συμμαχήσει τὸ ἔθνος τῶν Ἰουδαίων
— 27. συμμαχήσουσιν οἱ Ῥωμαῖοι ἐκ ψυχῆς
— 28. καὶ τοῖς συμμαχοῦσιν οὐ δοθήσεται σῖτος
10. 47. καὶ συνεμάχουν αὐτῷ πάσας τὰς ἡμέρας
11. 43. οἱ συμμαχήσουσί μοι
15. 19. ἵνα μὴ συμμαχῶσι τοῖς πολεμοῦσιν αὐτούς
— 26. ἀπέστειλεν αὐτῷ Σ. δισχιλίους ἄνδρας ἐκλεκτοὺς συμμαχῆσαι αὐτῷ
II Ma. 11. 13. τοῦ δυναμένου θεοῦ συμμαχοῦντος αὐτοῖς
III Ma. 7. 6. A ὡς πατέρα ὑπὲρ υἱῶν διὰ παντὸς συμμαχοῦντα [R ὑπερμ.]
IV Ma. 3. 4. τὸ μὴ καμφθῆναι . . . δύναται ὁ λογισμὸς συμμαχῆσαι

συμμαχία.
Ju. 3. 6. ἔλαβεν ἐξ αὐτῶν εἰς συμμαχίαν ἄνδρας ἐπιλέκτους
7. 1. οἱ παρεγένοντο ἐπὶ τὴν σ. αὐ.
Is. 16. 4. ἤρθη ἡ σ. σου †
I Ma. 8. 17. στῆσαι αὐτοῖς φιλίαν καὶ συμμαχίαν
— 20. στῆσαι μεθ' ὑμῶν συμμαχίαν
— 22. μνημόσυνον εἰρήνης καὶ συμμαχίας
11. 60. ἠθροίσθησαν . . . εἰς συμμαχίαν
12. 3. ἀνανεώσασθαι . . . τὴν σ.
I Ma. 12. 8. ἐν αἷς διεσαφεῖτο περὶ συμμαχίας
— 16. ἀνανεώσασθαι τὴν . . . σ. τὴν πρότερον
14. 18. A R τοῦ ἀνανεώσασθαι πρὸς αὐτὸν . . . τὴν [S om.] σ.
— 24. εἰς τὸ στῆσαι πρὸς αὐτοὺς τὴν σ.
15. 17. ἀνανεούμενοι τὴν ἐξ ἀρχῆς φιλίαν καὶ σ.
II Ma. 4. 11. ὑπὲρ φιλίας καὶ συμμαχίας πρὸς τοὺς Ῥωμ.
III Ma. 3. 14. τῇ τῶν θεῶν ἀπροπτώτῳ σ.
— 21. διά τε τὴν σ. καὶ τὰ πεπιστευμ. . . . πράγματα

σύμμαχος.
I Ma. 8. 20. καὶ γραφῆναι ἡμᾶς συμμάχους
— 24. ἐὰν δὲ ἐνστῇ πόλεμος . . . πᾶσι τοῖς σ. αὐ.
— 31. A R ἐπὶ τοὺς φίλους ἡμῶν τοὺς σ. [S σ. ἡμῶν] Ἰουδ.
9. 60. ἀπέστειλεν ἐπιστολὰς λάθρα πᾶσι τοῖς σ. αὐ.
10. 6. καὶ εἶναι αὐτὸν σύμμαχον αὐ.
— 16. ποιήσωμεν αὐτὸν φίλον καὶ σύμμαχον ἡμῶν
12. 14. παρενοχλεῖν ὑμῖν καὶ τοὺς λοιποὺς σ.
14. 40. προσαγορεύονται Ἰουδ. ὑπὸ Ῥωμ. . . . σύμμαχοι
15. 17. ἦλθον πρὸς ἡμᾶς φίλοι ἡμῶν καὶ σύμμαχοι
II Ma. 8. 24. γενομένου δὲ αὐτοῖς τοῦ παντοκράτορος συμμάχου
10. 16. ἀξιώσαντες τὸν θεὸν σύμμαχον αὐτοῖς γενέσθαι
11. 10. τὸν ἀπ' οὐρανοῦ σύμμαχον ἔχοντες
12. 36. ἐπικαλεσάμενος ὁ Ἰ. τὸν κύριον σύμμαχον φανῆναι [Sm. Ps. 82 (83). 9.]

συμμένειν.
Pr. 20. 1. A πᾶς δὲ ὁ συμμενόμενος [S^2 -μιγνύμενος αὐτῇ] οὐκ ἔσται σοφός †

συμμερίζεσθαι. (1) חָלַק
Pr. 29. 24. S^2 ὃς συμμερίζεται [A B μερ., S^1 ἐρίζεται] κλέπτῃ (1)

συμμετέχειν.
II Ma. 5. 20. αὐτὸς ὁ τόπος συμμετασχὼν τοῦ ἔθνους

συμμετρία.
[Aq. Ex. 30. 32.]

σύμμετρος. (1) מִדָּה
Je. 22. 14. ᾠκοδόμησας σεαυτῷ οἶκον σύμμετρον (1)

συμμιαίνειν.
Ba. 3. 10. συνεμιάνθης τοῖς νεκροῖς

συμμιγής. (1) עָרַב ithpa.
Da. LXX. 2. 43. συμμιγεῖς ἔσονται εἰς γένεσιν ἀνθρώπων (1)
Da. TH. 2. 43. συμμιγεῖς ἔσονται ἐν σπέρματι ἀνθρώπων (1)

συμμιγνύναι. (1) בָּלַל hithpo. (2) חָבַר hithpa. (3) עָרַב (4) קָרַב (5) שָׁנָה
Ex. 14. 20. οὐ συνέμιξαν ἀλλήλοις (4)
Pr. 11. 15. ὅταν συμμίξῃ δικαίῳ (3)
20. 1. S^2 πᾶς δὲ ὁ συμμιγνύμενος αὐτῇ [A -μενόμενος] οὐκ ἔσται σοφός (5)
Ho. 7. 8. Ἐφρ. ἐν τοῖς λαοῖς αὐ. συνεμίγνυτο [A συνανεμ.] (1)
Da. TH. 11. 6. μετὰ τὰ ἔτη αὐ. συμμιγήσονται [A ἀποσυμμ.] (2)
II Ma. 3. 7. συμμίξας δὲ Ἀπ. τῷ βασιλεῖ
13. 3. συνέμιξε δὲ αὐτοῖς καὶ Μενέλαος
15. 20. R καὶ ἤδη συμμιξάντων [A προσμ.] τῶν πολεμίων
— 26. συνέμιξαν τοῖς πολεμίοις [Aq. Ge. 11. 9.] [Sm. Pr. 14. 10.] [Th. Ez. 27. 9.]

σύμμικτος. (1) עָרַב *a.* qal. *b.* עֶרֶב *c.* מְעֹרָב
Ju. 1. 16. A S R καὶ πᾶς ὁ σ. αὐ.
Na. 3. 17. ἐξήλατο ὡς ἀττέλεβος ὁ σ. σου †
Je. 27 (50). 37. μάχαιραν . . . ἐπὶ τὸν σ. τὸν ἐν μέσῳ αὐτῆς (1 *b*)
32 (25). 20. ἐπότισα . . . πάντας τοὺς σ. (1 *b*)
— 24. πάντας τοὺς σ. τοὺς καταλύοντας ἐν τῇ ἐρήμῳ (1 *b*)
Ez. 27. 16. ἀπὸ πλήθους τοῦ σ. σου †
Ez. 27. 17. ῥητίνην ἔδωκαν εἰς τὸν σ. σου (1 *c*)
— 19. ἐν τῷ σ. σού ἐστι (1 *c*)
— 25. ἔμποροί σου ἐν τῷ πλήθει ἐν τῷ σ. σου (1 *c*)
— 27. ὁ μισθός σου καὶ τῶν σ. [A σου ἐν τῷ σ.] σου (1 *c*)
— 27. καὶ οἱ σ. σου ἐκ τῶν σ. σου (1 *a*, 1 *c*)
— 33. ἀπὸ τοῦ σ. σου ἐπλούτισας πάντας (1 *c*)
— 34. ἐν βάθει ὕδατος ὁ σ. σου (1 *c*) [Th. Ez. 27. 9, 13, 27.]

σύμμιξις. (1) תַּעֲרוּבָה
IV Ki. 14. 14. ἔλαβε . . . τοὺς υἱοὺς τῶν σ. (1)
II Ch. 25. 24. καὶ τοὺς υἱοὺς τῶν σ. (1) [Aq. I Ki. 17. 18.]

συμμίσγειν.
I Ma. 11. 22. συμμίσγειν εἰς Πτολεμαΐδα τὴν ταχίστην
II Ma. 14. 14. συνέμισγον ἀγεληδὸν τῷ Νικάνορι
— 16. R συμμίσγουσιν [A -μίσσει] αὐτοῖς ἐπὶ κώμην Δ.

συμμισοπονηρεῖν.
II Ma. 4. 36. συμμισοπονηρούντων καὶ τῶν Ἑλλήνων

συμμίσσειν.
II Ma. 14. 16. A συμμίσσει [R -μίσγουσιν] αὐτοῖς ἐπὶ κώμην Δ.

συμμολύνεσθαι. (1) נָאַל hithpa.
Da. LXX. 1. 8. ἵνα μὴ συμμολυνθῇ (1)

συμπάθεια.
IV Ma. 6. 13. τὰ δὲ ἐν συμπαθείᾳ τῆς συνηθείας ὄντες
14. 13. πρὸς τὴν τῶν σπλάγχνων σ.
— 14. ὁμοίαν τὴν πρὸς τὰ ἐξ αὐτῶν γεννώμ. σ. . . . ἔχει
— 18. ἐπιδεικνύναι τὴν πρὸς τὰ τέκνα σ.
— 20. A οὐχὶ τὴν Ἀβρ. . . . μητέρα μετεκίνησε τῇ σ. τέκνων [S R al.]
15. 7. ἠναγκασμένη τὴν εἰς αὐτοὺς ἔχειν σ.
— 11. τῶν . . . εἰς συμπάθειαν ἑλκόντων τὴν μητέρα

συμπαθεῖν.
IV Ma. 5. 25. A R ἡμῖν συμπαθεῖ . . . ὁ τοῦ κόσμου κτίστης [S al.]
13. 23. καθεστηκυίας τῆς φιλαδελφίας συμπαθούσης [Sm. I Ki. 22. 8 : Jb. 2. 11.]

συμπαθής. (1) אָבֵל
Jb. 29. 25. A ὃν τρόπον συμπαθεῖς παρακαλῶν [B S al.] (1)
IV Ma. 5. 25. S κατὰ φύσιν ἡμῖν συμπαθῇ [A R al.]
13. 23. R καθεστηκυίας τῆς φιλαδελφίας συμπαθοῦς [A S al.]
— 23. συμπαθέστερον ἔσχον τὴν πρὸς ἀλλήλους ὁμόνοιαν [S al.]
15. 4. διὰ τὸ . . . τὰς μητέρας καθεστάναι συμπαθεστέρας

συμπαίζειν.
Si. 30. 9. σύμπαιξον αὐτῷ καὶ λυπήσει σε

συμπαράγειν.
To. 12. 12. R ὡσαύτως συμπαρήγμην [A B -ήμην] σοι

συμπαραγίνεσθαι. (1) לוּהַ ni.
Ps. 82 (83). 8. καὶ γὰρ καὶ Ἀσσοὺρ συμπαρεγένετο μετ' αὐτῶν (1)

συμπαραλαμβάνειν. (1) סָפָה ni. (2) קָרָא (3) שָׁלַח
Ge. 19. 17. μή ποτε συμπαραληφθῇς (1)
Jb. 1. 4. συμπαραλαμβάνοντες ἅμα καὶ τὰς τρεῖς ἀδελφὰς αὐτῶν (3+2)
III Ma. 1. 1. καὶ τὴν ἀδ. Ἀρσινόην συμπαραλαβών

συμπαραμένειν.
Ps. 71 (72). 5. συμπαραμενεῖ τῷ ἡλίῳ †

συμπαρεῖναι.
To. 12. 12. A B συμπαρήμην [R -ήγμην] σοι
Pr. 8. 27. συμπαρήμην αὐτῷ †
Wi. 9. 10. ἵνα συμπαροῦσά μοι κοπιάσῃ [Sm. Jb. 38. 4.]

συμπαριστάναι. (1) יָצַב hithpa.
Ps. 93 (94). 16. τίς συμπαραστήσεταί μοι (1)

σύμπας. (1) כֹּל (2) ἡ σύμπασα *a.* אֶרֶץ *b.* תֵּבֵל

I Ki. 2. 22. **A** καὶ ἤκουσεν σύμπαντα [**B** *om.*] (1)
III Ki. 9. 9. **A** ἐπήγαγεν κ. ἐπ' αὐτοὺς σ. [**B** *om.*] τὴν κακίαν τ. (1)
15. 18. **A R** ἔλαβεν 'Α. σ. [**B** *om.*] τὸ ἀργύριον (1)
— 29. **A** ἐπάταξε τὸν σ. οἶκου 'Ιερ. [**B** *al.*] (1)
21 (20). 15. **A** ἐπεσκέψατο σ. τὸν λαόν [**B** *al.*] (1)
Es. 4. 7. **S**[2] ὑπέδειξεν αὐτῷ σύμπαν [**A B S**[1] *om.*] τὸ γεγονός (1)
Jb. 2. 2. ἐμπεριπατήσας τὴν σύμπασαν [**A** γῆν] πάρειμι †
25. 2. ὁ ποιῶν τὴν σύμπασαν ἐν ὑψίστῳ †
Ps. 38 (39). 5. τὰ σ. ματαιότης (1)
103 (104). 28. τὰ σ. [**S**[1] πάντα] πλησθήσονται χρηστότητος –
118 (119). 91. τὰ σ. δοῦλα σά (1)
144 (145). 9. **S**[2] χρηστὸς κύριος τοῖς σ. [**B S**[1] ὑπομένουσι, **A** ὑπομένουσιν αὐτόν] (1)
Ec. 1. 14. εἶδον σύμπαντα [**B S** σὺν π.?] τὰ ποιήματα [**S**[1] *om.* τὰ π.] τὰ πεποιημένα (1)
2. 18. ἐμίσησα ἐγὼ σύμπ. [**A S** σὺν π.] μόχθον [**S** τὸν μ.] μου (1)
3. 11. τὰ [**A S**[2] *om.*] σύμπ. ἃ [**S**[1] *om.*] ἐποίησε καλά (1)
— 11. σύμπ. [**A S** σὺν] τὸν αἰῶνα ἔδωκεν ἐν καρδίᾳ αὐ. –
4. 1. εἶδον συμπ. [**S** πάσας, **A** σὺν π.] τὰς συκοφαντίας (1)
— 2. ἐπῄνεσα ἐγὼ σύμπ. [**A S** σὺν] τοὺς τεθνηκότας –
— 4. εἶδον ἐγὼ σύμπ. [**S** σὺν πάντα] τὸν μόχθον καὶ σύμπ. [**A S** σὺν πᾶσαν] ἀνδρείαν τοῦ ποιήματος (1, 1)
— 15. εἶδον σύμπαντας τοὺς ζῶντας (1)
7. 16 (15). **R** σύμπαντα [**B** τὰ πάντα, **S**[1] σὺν τὰ πάντα, **A S**[2] σὺν πάντα] εἶδον [**S**[2] ἃ εἶδον] ἐν ἡμέραις ματαιότητός μου (1)
8. 9. σύμπαν [**A** σὺν πᾶν] τοῦτο εἶδον (1)
— 17. εἶδον σύμπ. [**A S** σὺν πάντα] τὰ ποιήματα τοῦ θεοῦ (1)
— 17 (9. 1). σύμπαν [**A S** σὺν πᾶν] τοῦτο ἔδωκα εἰς καρδίαν μου καὶ καρδία μου σύμπαν [**A S** σὺν πᾶν] εἶδε τοῦτο (1, 1)
9. 11. ἀπάντημα συναντήσεται σύμπασιν [**A S** τοῖς πᾶσιν] αὐτοῖς (1)
10. 19. **S**[2] ἐπακούσεται τὰ σ. [**A B S**[1] *al.*] (1)
11. 5. ὅσα ποιήσει τὰ σύμπαντα (1)
12. 14. σύμπαν [**A S** σὺν πᾶν] τὸ ποίημα ὁ θεὸς ἄξει ἐν κρίσει (1)
Na. 1. 5. ἀνεστάλη ἡ γῆ ἀπὸ προσώπου αὐ. ἡ σ. (2 *b*)
Hb. 2. 14. **A** ἐμπλησθήσεται ἡ σ. [**B S** *om.*] γῆ –
Is. 11. 9. ἐνεπλήσθη ἡ σ. τοῦ γνῶναι τὸν κύριον (2 *a*)
Ez. 7. 14. κρίνατε τὰ σ. (1)
27. 13. ἡ Ἑλλὰς καὶ ἡ σ. [**A** τὰ σ.] †
II Ma. 3. 12. τοῦ τετιμημ. κατὰ τὸν σ. κόσμον ἱεροῦ
7. 38. τὴν ἐπὶ τὸ σ. ἡμῶν γένος δικαίως ἐπημμένην
8. 9. **R** τὸ σ. τῶν 'Ιουδ. ἐξᾶραι γένος [**A** *al.*]
12. 7. τὸ σ. τῶν 'Ιοππιτῶν ἐκριζῶσαι πολίτευμα
14. 8. τὸ σ. ἡμῶν γένος οὐ μικρῶς ἀκληρεῖ
[**Aq.** Ge. 1. 29, 31: 31. 34: Le. 8. 10: III Ki. 15. 18, 29: Ps. 3. 8: 63 (64). 7 (P.): 144 (145). 9: Ca. 8. 7: Je. 11. 6: 20. 5: 45. 4 (51. 34): Ez. 18. 11.]
[**Sm.** Ps. 63 (64). 7: 144 (145). 9: Ec. 4. 4: Je. 31 (38). 40: 45. 4 (51. 34): 50 (27). 26: Ez. 20. 40.]
[**Th.** III Ki. 15. 18: Ps. 144 (145). 9.]
[**Sext.** Ps. 103 (104). 28.]

συμπάσχειν.
[**Al.** I Ki. 22. 8.]

συμπατεῖν. (1) דּוּשׁ (2) *a.* רָמַס *b.* מִרְמָס (3) רָפַס

IV Ki. 7. 17, 20. συνεπάτησεν αὐτὸν ὁ λαὸς ἐν τῇ πύλῃ (2 *a*)
9. 33. καὶ συνεπάτησαν αὐτήν (2 *a*)
14. 9. συνεπάτησαν τὸν ἄκανα (2 *a*)
Na. 3. 14. συμπατήθητι [**A** -πάτει] ἐν ἀχύροις (2 *a*)
Da. TH. 7. 7, 19. τὰ ἐπίλοιπα τοῖς ποσὶν αὐ. συνεπάτει (3)
— 23. καὶ συμπατήσει αὐτήν (1)
Da. TH. 8. 7. καὶ συνεπάτησεν αὐτόν (2 *a*)
— 10. καὶ συνεπάτησαν αὐτά [**A** -ήθη] (2 *a*)
— 13. ἕως πότε . . . ἡ δύναμις συμπατηθήσεται (2 *b*)
[**Aq.** Ps. 43 (44). 6: Is. 18. 7.]
[**Sm.** Ps. 43 (44). 6.]

συμπείθειν.
II Ma. 13. 26. συνέπεισε καὶ κατεπράϋνεν
III Ma. 7. 3. συνέπεισαν ἡμᾶς

συμπενθεῖν.
[**Sm.** Je. 48 (31). 17.]

συμπεραίνειν. (1) קָצָה
Hb. 2. 10. συνεπέρανας λαοὺς πολλούς (1)

συμπεριλαμβάνειν. (1) צָרַר
Ez. 5. 3. **A R** συμπεριλήψῃ [**B** -ει] αὐτοὺς τῇ ἀναβολῇ σου (1)

συμπεριπλέκειν.
[**Aq.**, **Th.** Pr. 7. 18.]

συμπεριφέρεσθαι.
Pr. 5. 19. ἐν γὰρ τῇ ταύτης [**A** ταύτῃ τῇ] φιλίᾳ συμπεριφερόμενος †
11. 29. ὁ μὴ συμπεριφερόμενος τῷ ἑαυτοῦ οἴκῳ †
Si. 25. 1. γυνὴ καὶ ἀνὴρ ἑαυτοῖς συμπεριφερόμενοι
II Ma. 9. 27. συσταθέντα τῇ ἐμῇ προαιρέσει συμπεριενεχθήσεσθαι ὑμῖν
III Ma. 3. 20. τῇ τούτων ἀνοίᾳ συμπεριενεχθέντες

συμπίνειν. (1) שָׁתָה עִם
Es. 7. 1. συμπιεῖν τῇ βασιλίσσῃ (1)
[**Sm.** Jd. 5. 11.]

συμπίπτειν. (1) הָרַס ni. (2) יָרַד (3) נָגַשׁ ni. (4) נָטַשׁ ni. (5) נָפַל (6) פָּחַד hi. (7) פָּשַׁט

Ge. 4. 5. συνέπεσε τῷ προσώπῳ (5)
— 6. ἵνα τί συνέπεσε τὸ πρ. σου (5)
I Ki. 1. 18. τὸ πρόσωπον αὐ. οὐ συνέπεσεν ἔτι †
17. 32. μὴ δὴ συμπεσέτω καρδία τοῦ κ. μου (5)
II Ki. 5. 18. συνέπεσαν εἰς τὴν κοιλάδα τῶν Τιτάνων (4)
— 22. συνέπεσαν ἐν τῇ κοιλάδι τῶν Τιτάνων (4)
I Ch. 14. 9. συνέπεσον [**A S** -αν] ἐν [**S** *om.*] τῇ κοιλάδι τῶν γιγάντων (7)
— 13. συνέπεσαν ἔτι ἐν τῇ κοιλάδι τῶν γιγάντων (7)
Ju. 6. 9. μὴ συμπεσέτω [**A** -άτω] σου τὸ πρόσωπον
Jb. 4. 14. **A**[1] μεγάλως μου τὰ ὀστᾶ συνέπεσεν [**A**[2] **B S** *al.*] (6)
Is. 3. 5. συμπεσεῖται ὁ λαός (3)
— 8. ἡ 'Ιουδαία συμπέπτωκε (5)
34. 7. συμπεσοῦνται οἱ ἄδροὶ μετ' αὐτῶν (2)
64. 11 (10). πάντα ἔνδοξα ἡμῶν συνέπεσε †
Ez. 30. 4. συμπεσοῦνται [**A** πεσ.] τετραυματισμένοι ἐν Αἰγύπτῳ καὶ συμπεσεῖται τὰ θεμέλια αὐτῆς (5, 1)
I Ma. 6. 10. συμπέπτωκα τῇ καρδίᾳ ἀπὸ τῆς μερίμνης
[**Aq.** Dt. 9. 25.]
[**Sm.** Je. 51 (28). 49.]

συμπλάσσειν.
[**Aq.** Is. 45. 9 (Sw.).]

συμπλέκειν. (1) נִבְלוּת (2) נָבַל hithpa. (3) חָבַר pu. (4) חָבַשׁ (5) לָבַט ni. (6) עָלָה (7) פָּלַס pi. (8) שָׁרַג *a.* pu. *b.* hithpa. (9) שָׁקַק hithpalp.

Ex. 28. 22. ποιήσεις . . . κροσσοὺς συμπεπλεγμ. (1)
36. 11 (39. 4). εἰς ἄλληλα συμπεπλεγμένα [**A** -ον] καθ' ἑαυτό (3)
— 22 (39. 15). ἐποίησαν . . . κροσσοὺς συμπεπλεγμένους (1)
— 29 (39. 21). συμπεπλεγμένους εἰς τὸ ὕφασμα τῆς ἐπωμίδος –
Jb. 40. 12 (17). τὰ δὲ νεῦρα αὐτοῦ [**A** αὐ. ὥσπερ σχοινία] συμπέπλεκται (8 *a*)
Ps. 57 (58). 2. ἀδικίαν αἱ χεῖρες ὑμῶν συμπλέκουσιν (7)
Pr. 20. 1. πᾶς δὲ ἄφρων τοιούτοις συμπλέκεται –
— 3. πᾶς δὲ ἄφρων τοιούτοις συμπλέκεται (2)
Ho. 4. 14. ὁ λαὸς ὁ συνίων συνεπλέκετο μετὰ πόρνης (5)
Na. 2. 4 (5). συμπλακήσονται ἐν ταῖς πλατείαις (9)
Za. 14. 13. συμπλακήσεται ἡ χεὶρ αὐ. πρὸς τὴν χεῖρα τοῦ πλησίον αὐ. (6)
La. 1. 14. ἐν χερσί μου συνεπλάκησαν (8 *b*)
Ez. 24. 17. οὐκ ἔσται τὸ τρίχωμά σου συμπεπλεγμένον ἐπὶ σέ (4)
[**Sm.**, **Th.**, **Al.** Jb. 8. 17.]

συμπλεκτός.
Ex. 36. 31 (39. 23). τὸ δὲ περιστόμιον . . . διϋφασμένον συμπλ. †

συμπλημμελεῖν.
[**Aq.**, **Sm.**, **Th.**, **Quint.** Ho. 4. 15.]

συμπληροῦν. (1) מָלָא
Je. 25. 12. **A** ἐν τῷ συμπληρωθῆναι [**B S** πλ.] τὰ ἑβδομήκοντα ἔτη (1)

συμπλήρωσις. (1) מָלָא pi.
II Ch. 36. 21. εἰς συμπλήρωσιν ἐτῶν ἑβδομήκοντα (1)
I Es. 1. 58. εἰς συμπλήρωσιν ἐτῶν ἑβδομήκοντα
Da. TH. 9. 2. εἰς συμπλήρωσιν ἐρημώσεως 'Ιερ. (1)
[**Th.** Da. 9. 2.]

συμπλοκή.
III Ki. 16. 28 (22. 46 [47]). **B** καὶ τὰ λοιπὰ τῶν σ. –
[**Al.** III Ki. 22. 47.]

συμποδίζειν. (1) דָּקַר (2) כָּפַת *a.* pe. *b.* pa. (3) כָּרַע *a.* qal. *b.* hi. (4) עָקַד (5) רָגַל tiph.

Ge. 22. 9. συμποδίσας 'Ι. τὸν υἱὸν αὐ. (4)
To. 8. 3. **S** συνεπόδισεν αὐτὸν ἐκεῖ [**A B** *al.*]
Ps. 17 (18). 39. συνεπόδισας πάντας τοὺς ἐπανιστανομένους ἐπ' ἐμὲ ὑποκάτω μου (3 *b*)
19 (20). 8. αὐτοὶ συνεποδίσθησαν (3 *a*)
77 (78). 31. τοὺς ἐκλεκτοὺς τοῦ 'Ισραὴλ συνεπόδισεν (3 *b*)
Pr. 20. 11. ἐν τοῖς ἐπιτηδεύμασιν αὐτοῦ συμποδισθήσεται νεανίσκος μετὰ ὁσίου †
Ho. 11. 3. συνεπόδισα τὸν 'Εφρ. (5)
Za. 13. 3. καὶ συμποδιοῦσιν [**S**[3] -δίσουσιν] αὐτόν (1 ?)
Da. LXX. 3. 20. ἐπέταξε συμποδίσαντας τὸν Σ. (2 *b*)
— 21. τότε οἱ ἄνδρες ἐκεῖνοι συνεποδίσθησαν (2 *a*)
— 22. οἱ ἄνδρες οἱ προχειρισθέντες συμποδίσαντες αὐτούς –
— 23 (22). τοὺς μὲν οὖν ἄνδρας τοὺς συμποδίσαντας τοὺς περὶ τὸν 'Αζ. †

συμποιεῖν.
I Es. 6. 28. ἵνα συμποιῶσι τοῖς ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας

συμπολεμεῖν. (1) לָחַם ni.
De. 32. 23. τὰ βέλη μου συμπολεμήσω [**A** συντελέσω] εἰς αὐτούς †
Jo. 10. 14. κύριος συνεπολέμησε τῷ 'Ισρ. (1)
— 42. κ. ὁ θ. 'Ισρ. συνεπολέμει τῷ 'Ισρ. (1)
Wi. 5. 20. **S** συνπολεμήσει [**A B** συνεκπ.] δὲ αὐτῷ ὁ κόσμος ἐπὶ τοὺς παράφρονας

συμπονεῖν.
Si. 37. 5. ἑταῖρος φίλῳ συμπονεῖ χάριν γαστρός

συμπορεύεσθαι. (1) בּוֹא *a.* qal. *b.* hi. *c.* מָבוֹא (2) הָלַךְ (3) פַּעַם (4) רָעָה

Ge. 13. 5. Λὼτ τῷ συμπορευομ. μετὰ 'Αβ. (2)
14. 24. τῆς μερίδος τῶν ἀνδρῶν τῶν συμπορευθέντων μετ' ἐμοῦ (2)
18. 16. 'Αβ. δὲ συνεπορεύετο μετ' αὐτῶν (2)
Ex. 33. 15. **A** εἰ μὴ σὺ αὐτὸς συμπορεύσῃ μεθ' ἡμῶν [**B** *al.*] (2)
— 16. **A B**[2] **R** συμπορευομένου σου μεθ' ἡμῶν (2)
34. 9. συμπορευθήτω ὁ κύριός μου μεθ' ἡμῶν (2)
Nu. 14. 14. **B**[1] συμπορεύῃ [**A B**[2] **R** σὺ πορ.] πρότερος αὐτῶν (2)
16. 25. συνεπορεύθησαν μετ' αὐτοῦ (2)
22. 35. συμπορεύθητι μετὰ τῶν ἀνθρώπων (2)
De. 31. 8. κύριος ὁ συμπορευόμενος [**A** συμπροπορ.] μετὰ σοῦ (2)
— 11. ἐν τῷ συμπορεύεσθαι πάντα 'Ισρ. (1 *a*)
Jo. 10. 24. τοὺς ἐναρχομ. τοῦ πολέμου τοὺς συμπορευομ. αὐτῷ (2)

Jd. 11. 8. A συμπορεύσῃ ἡμῖν [B al.] (2)
— 40. A συνεπορεύοντο [B ἐπορ.] αἱ θυγατέρες Ἰσρ. (2)
13. 25. A ἤρξατο πνεῦμα κ. συμπορεύεσθαι [B συνεκπ.] αὐτῷ (3)
I Es. 8. 10. συμπορεύεσθαί σοι εἰς Ἱερ.
To. 1. 3. A καὶ τῷ ἔθνει μου τοῖς συμπορευομ. μετ' ἐμοῦ [B S al.]
5. 3. ὃς συμπορεύσεταί σοι [S al.]
— 8. A B ὃς συμπορεύσεταί μοι
— 11. A B ὃς συμπορεύσεται μετὰ τοῦ υἱοῦ σου
— 13. S συνεπορεύοντό μοι εἰς Ἱερ. [A B al.]
— 16. ὁ ἄγγελος αὐτοῦ συμπορευθήτω ὑμῖν [S al.]
— 21. ἄγγελος γὰρ ἀγαθὸς συμπορεύσεται [A -εύεται, S συνελεύσεται] αὐτῷ
Jb. 1. 4. συμπορευόμενοι δὲ οἱ υἱοὶ αὐτοῦ πρὸς ἀλλήλους (2)
Pr. 13. 20. συμπορευόμενος [A ὁ σ.] σοφοῖς σοφὸς ἔσῃ [A S² ἔσται] (2)
— 20. ὁ δὲ συμπορευόμ. [A συνρεμβόμ.] ἄφροσι γνωσθήσεται (4)
Ez. 33. 31. ὡς συμπορεύεται λαός (1 c)
Da. LXX. 11. 6. καὶ τῶν συμπορευομένων μετ' αὐτοῦ (1 b)

συμπορπᾶν. (1) סָבַב ho.
Ex. 36. 13 (39. 6). ἐποίησαν ἀμφοτ. τοὺς λίθους . . . συμπεπορπημένους (1)

συμποσία.
Si. 35 (32). 5. A σύγκριμα μουσικῶν ἐν συμποσίᾳ [B S -ίῳ] οἴνου
III Ma. 5. 15. ὑπέδειξε τὸν τῆς σ. καιρὸν ἤδη παρατρέχοντα
— 16. τοὺς παραγεγονότας ἐπὶ τὴν σ.
— 17. τὸ παρὸν τῆς σ. . . . εἰς εὐφροσύνην καταθέσθαι μέρος
7. 20. κατὰ τὸν τῆς σ. τόπον

συμποσιάζειν.
[Aq. Dt. 21. 20.]

συμπόσιον. (1) מִשְׁתֵּה הַיַּיִן
Es. 4. 17. οὐκ ἐδόξασα συμπόσιον βασιλέως
7. 7. ἐξανέστη ἀπὸ τοῦ σ. (1)
Si. 34 (31). 31. ἐν συμποσίῳ οἴνου μὴ ἐλέγξῃς τὸν πλησίον
35 (32). 5. σύγκριμα μουσικῶν ἐν συμποσίῳ [A -ίᾳ] οἴνου
49. 1. ὡς μουσικὰ ἐν συμποσίῳ οἴνου
I Ma. 16. 16. ἐπεισήλθοσαν τῷ Σίμωνι εἰς τὸ σ.
II Ma. 2. 27. καθάπερ τῷ παρασκευάζοντι συμπόσιον
III Ma. 4. 16. συμπόσια ἐπὶ πάντων τῶν εἰδώλων συνιστάμενος
5. 36. συστησάμενος πᾶν τὸ σ.
6. 33. περὶ τούτων συμπόσιον βαρὺ συνάγων
[Aq. Is. 1. 22.]
[Sm., Quint. Ho. 4. 18.]

συμπότης.
III Ma. 2. 25. διά τε τῶν προαποδεδειγμένων σ.

συμπραγματεύεσθαι.
III Ma. 3. 10. ἤδη δὲ καί τινες γείτονες . . . καὶ συμπραγματευόμενοι

συμπράσσειν.
[Sm. II Ki. 3. 9.]

συμπροπέμπειν. (1) שָׁלַח pi.
Ge. 12. 20. συμπροπέμψαι αὐτὸν καὶ τὴν γυν. αὐ. (1)
18. 16. συνεπορεύετο μετ' αὐτῶν συμπροπέμπων αὐτούς (1)

συμπροπορεύεσθαι. (1) הָלַךְ
De. 31. 8. A κύριος ὁ συμπροπορευόμ. [B συμπορ.] μετὰ σοῦ (1)

συμπροσεῖναι. (1) חָבַר (2) לָוָה
Ps. 93 (94). 20. μὴ συμπροσέσται [A S² -έστω] σοι θρόνος ἀνομίας (1)
Ec. 8. 15. συμπροσέσται αὐτῷ ἐν μόχθῳ αὐτοῦ (2)
[Sm. Ec. 8. 15.]

συμπροσπλέκειν. (1) נָרָה hithpa.
Da. TH. 11. 10. συμπροσπλακήσεται [A προσυμπλακήσονται] ἕως τῆς ἰσχύος αὐ. (1)

σύμπτωμα. (1) מִקְרֶה (2) קֶטֶב
I Ki. 6. 9. σύμπτωμα τοῦτο γέγονεν ἡμῖν (1)
20. 26. σύμπτωμα φαίνεται μὴ καθαρὸς εἶναι (1)
Ps. 90 (91). 6. ἀπὸ συμπτώματος καὶ δαιμονίου μεσημβρινοῦ (2)
Pr. 27. 9. καταρρήγνυται δὲ ὑπὸ συμπτωμάτων ψυχή †
[Aq. Ge. 42. 4.]

σύμπτωσις.
[Al. Ge. 44. 29.]

συμφαγεῖν, *vid. sub* συνεσθίειν.

συμφέρειν. (1) *a.* טוֹב *b.* טוֹבָה (2) נָאוָה (3) שָׁוָה
De. 23. 6 (7). οὐ προσαγορεύσεις . . . συμφέροντα αὐτοῖς (1 b)
Es. 3. 8. οὐ συμφέρει τῷ βασ. ἐᾶσαι αὐτούς (3)
Pr. 19. 10. οὐ συμφέρει ἄφρονι τρυφή (2)
31. 19. τοὺς πήχεις [A S² τὰς χείρας] αὐτῆς ἐκτείνει ἐπὶ τὰ συμφέροντα †
Si. 12. 14. A οὕτως τὸν . . . συμφερόμενον [B S συμφυρ.] ἐν ταῖς ἁμαρτίαις αὐτοῦ
30. 19. τί συμφέρει κάρπωσις εἰδώλῳ
37. 28. οὐ γὰρ πάντα πᾶσι συμφέρει
Je. 33 (26). 14. ποιήσατέ μοι ὡς συμφέρει (1 a)
Ba. 4. 3. μὴ δῷς . . . τὰ συμφέροντά σοι ἔθνει ἀλλοτρίῳ
II Ma. 4. 5. R τὸ δὲ συμφέρον [A -φορον] . . . σκοπῶν
11. 15. τοῦ συμφέροντος φροντίζων
III Ma. 6. 24. λάθρα μηχανώμενοι τὰ μὴ συμφέροντα τῇ βασιλείᾳ
IV Ma. 5. 11. φιλοσοφήσεις τὴν τοῦ συμφέροντος ἀλήθειαν
[Sm. II Ki. 17. 14: Ps. 118 (119). 71: Ec. 7. 1 (6. 12).]
[Al. Jb. 13. 9.]

συμφερόντως.
IV Ma. 1. 17. δι' ἧς . . . τὰ ἀνθρώπινα σ. μανθάνομεν

συμφεύγειν.
I Ma. 10. 84. S² καὶ τοὺς συμφεύγοντας εἰς αὐτό [A S¹ R al.]
II Ma. 10. 18. συμφυγόντων δὲ οὐκ ἔλαττον τῶν ἑννακισχιλίων
— 32. συνέφυγεν εἰς Γ.
12. 6. τοὺς δὲ ἐκεῖ συμφυγόντας ἐξεκέντησε

συμφλέγειν. (1) לָהַט pi.
Is. 42. 25. οἱ συμφλέγοντες αὐτοὺς κύκλῳ (1)

συμφλογίζειν.
II Ma. 6. 11. μηνυθέντες τῷ Φιλ. συνεφλογίσθησαν
[Th. Is. 42. 25.]

συμφορά.
Es. 8. 13. περιέβαλε συμφοραῖς ἀνηκέστοις
Wi. 14. 21. ἢ συμφορᾷ ἢ τυραννίδι δουλεύσαντες ἄνθρωποι
18. 21. πέρας ἐπέθηκε τῇ σ.
Si. 32 (35). 1. B² ὁ συντηρῶν νόμον πλεονάζει συμφοράς [A B¹ S R προσφ.]
II Ma. 6. 12. μὴ συστέλλεσθαι διὰ τὰς σ.
— 16. παιδεύων δὲ μετὰ συμφορᾶς
9. 6. τὸν πολλαῖς καὶ ξενιζούσαις σ. ἑτέρων σπλάγχνα βασανίσαντα
14. 14. τὰς τῶν Ἰουδ. . . . σ. ἰδίας εὐημερίας δοκοῦντες ἔσεσθαι
— 40. τούτοις ἐνεργάσασθαι συμφοράν
IV Ma. 3. 21. A πολυτρόπως [S R -οις] ἐχρήσαντο συμφοραῖς
[Aq. Ze. 1. 15.]
[Sm. Ez. 7. 26 *bis*.]

συμφοράζειν. (1) חִיל
Is. 13. 8. συμφοράσουσιν ἕτερος πρὸς τὸν ἕτερον (1)

σύμφορος.
II Ma. 4. 5. τὸ δὲ σ. κοινῇ . . . σκοπῶν
[Sm. Ec. 2. 3.]

συμφράσσειν.
Is. 27. 12. συμφράξει [S συνταρ.] ὁ θεὸς ἀπὸ τῆς διώρυγος †
[Sm. Ps. 20 (21). 12.]

συμφρονεῖν.
III Ma. 3. 2. ἀνθρώποις συμφρονοῦσιν εἰς κακοποίησιν

συμφρύγειν. (1) חָרַר *a.* qal. *b.* ni.
Jb. 30. 30. A τὰ δὲ ὀστᾶ μου ἀπὸ καύματος συνεφρύγη [S² -ησαν, B S¹ *om.*] (1 a)
Ps. 101 (102). 3. τὰ ὀστᾶ μου . . . συνεφρύγησαν (1 b)
Ez. 24. 10. A τὰ ὀστᾶ συμφρυγήσονται (1 b)
— 11. A ὅπως συμφρυγῇ [B al.] (1 a)
IV Ma. 3. 11. αὐτὸν ἀλόγιστος ἐπιθυμία τοῦ . . . ὕδατος . . . συνέφρυγε [S¹ διέφρ.]
[Th. Jb. 30. 30: Ez. 24. 10 (Sw.).]

συμφρυγίζειν. (1) חָרַר ni.
Ps. 101 (102). 3. R τὰ ὀστᾶ μου ὡσεὶ φρύγιον συνεφρύγισαν [A B S al.]

συμφρυγμός.
[Al. Le. 26. 16.]

σύμφυειν.
Wi. 13. 13. ξύλον σκολιὸν καὶ ὄζοις συμπεφυκός [S¹ -ώς]

σύμφυλος.
[Aq. Za. 13. 7.]

συμφύρειν. (1) הָיָה (2) פָּרַר pi.
Si. 12. 14. οὕτως τὸν . . . συμφυρόμενον [A συμφερ.] ἐν ταῖς ἁμαρτίαις αὐτοῦ
Ho. 4. 14. μετὰ τῶν πορνῶν συνεφύροντο (2)
Ez. 22. 6. συνεφύροντο [A συνανεφ., B² ἐνεφύραντο] ἐν σοί (1)

συμφυτεῖν.
I Ma. 10. 84. S¹ καὶ τοὺς συμφυτοῦντας εἰς αὐτό [A S² R al.]

σύμφυτος. (1) *a.* בָּצַר *b.* בָּצִיר (2) מוּג hithp.
Es. 7. 7. S² εἰς τὸν κῆπον τὸν σ. [A B S¹ *om.* τ. σ.] †
— 8. S² ἐκ τοῦ κήπου τοῦ σ. [A B S¹ *om.* τ. σ.] †
Am. 9. 13. πάντες οἱ βουνοὶ σύμφυτοι ἔσονται (2 ?)
Za. 11. 2. κατεσπάσθη ὁ δρυμὸς ὁ σ. (1 a*, 1 b)
III Ma. 3. 22. τῇ σ. κακοηθείᾳ τὸ καλὸν ἀπωσάμενοι
[Sm. Ez. 19. 11.]

συμφωνεῖν. (1) אוֹת ni. (2) חָבַר (3) נוּחַ
Ge. 14. 3. πάντες οὗτοι συνεφώνησαν (2)
IV Ki. 12. 8 (9). συνεφώνησαν οἱ ἱερεῖς (1)
Is. 7. 2. συνεφώνησεν Ἀρὰμ πρὸς τὸν Ἐφραΐμ (3)
IV Ma. 14. 6. πρὸς τὸν ὑπὲρ αὐτῆς συνεφώνησαν θάνατον

συμφωνία. (1) *a.* סוּמְפֹנְיָה *b.* סוּמְפֹנְיָא *c.* סִיפֹנְיָא
Da. LXX. 3. 5. ὅταν ἀκούσητε τῆς φωνῆς . . . συμφωνίας (1 a)
— 15. ἅμα τῷ ἀκοῦσαι . . . συμφωνίας (1 a)
Da. TH. 3. 5. A ᾗ ἂν ὥρᾳ ἀκούσητε φωνῆς . . . συμφωνίας [B *om.*] (1 a)
— 7. A ὅταν ἤκουον οἱ λαοὶ τῆς φωνῆς . . . συμφωνίας [B *om.*] –
— 10. A ὃς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς . . . συμφωνίας [B *om.*] (1 b, 1 c*)
— 15. ὡς ἂν ἀκούσητε τῆς φωνῆς . . . συμφωνίας (1 a)
IV Ma. 14. 3. A ἐναρμόστους περὶ τῆς εὐσεβείας τῶν ἑπτὰ ἀδ. συμφωνίας [S R al.]
[Th. Da. 3. 5†.]

σύμφωνος. (1) לְעֻמַּת
Ec. 7. 15 (14). AS τοῦτο σύμφωνον [B σὺν τούτῳ συμφώνως] τούτῳ [A B τοῦτο] ἐποίησεν [S ὁ ἐπ.] ὁ θεός (1)
IV Ma. 7. 7. ὦ σύμφωνε νόμου
14. 7. ὦ πανάγιε συμφώνων ἀδελφῶν ἑβδομάς

συμφώνως. (1) לְעֻמַּת
Ec. 7. 15 (14). σὺν τούτῳ σ. [A S τοῦτο σύμφωνον] τοῦτο [S τούτῳ] ἐποίησεν [S ὁ ἐπ.] ὁ θεός (1)
IV Ma. 14. 6. σ. τοῖς τῆς ψυχῆς ἀφηγήμασι κινοῦνται
[Aq. Ez. 3. 8: 11. 22.]
[Th. Ex. 28. 27.]

συμψᾶν. (1) אָסַף ni. (2) סָחַב

Je. 22. 19. *συμψησθεὶς* [A S -ψηθ.] *ῥιφήσεται ἐπέκεινα τῆς πύλης Ἱερουσαλήμ* (2)
29 (49). 20. *ἐὰν μὴ συμψηθῶσι* [A -ψηφισθ., S *συνῶσιν*] *τὰ ἐλάχιστα τῶν προβάτων* (2)
31 (48). 33. *συνεψήσθη* [A -ψήθη] *χαρμοσύνη* (1)
[Aq. Je. 50 (27). 45.]
[Sm. Je. 46 (26). 15 : 49. 20 (29. 21).]

συμψηφίζειν.

Je. 29 (49). 20. A *ἐὰν μὴ συμψηφισθῶσι* [B -ηθ., S *συνῶσιν*] *τὰ ἐλάχιστα τῶν προβάτων* †

σύν. I. *c. gen.* (= אֶת־).

Ec. 9. 15.

II. *c. dat.* * ὁ σύν.

Ex. 6. 26 : 7. 4 *bis* : 10. 9 *bis* : 11. 1 : 12. 9, 51 : 15. 19 : 16. 16† : 29. 17 : 36. 10 (39. 3), 10 (39. 3)† *bis* : 40. 36.
Le. 1. 16 : 2. 2, 16 : 3. 4, 9, 10, 15 : 4. 9, 11 : 6. 15 (8) *bis*, 34 (7. 4) : 14. 31.
Nu. 1. 3, 45†, 52 : 2. 3, 9, 10†, 16, 18, 24, 25, 31†, 32 : 10. 12, 14, 18, 22, 25, 28 : 19. 5 : 31. 6, 8 : 32. 33 : 33. 1 : 34. 2.
De. 32. 25 : 33. 2.
Jo. 6. 23 (24) : 11. 21 : 21. 13*†.
Jd. 3. 27 : 7. 4† *bis* : 9. 28 : 16. 3†, 3, 13†, 14† : 18. 22*† : 20. 44†, 46†.
I Ki. 7. 9 : 14. 32, 33, 34 : 30. 10†.
II Ki. 6. 4.
III Ki. 6. 5†, 12† : 8. 5† : 13. 19† : 21 (20). 20†.
IV Ki. 3. 12† : 15. 19† : 17. 15†.
I Ch. 16. 32 : 28. 1†.
II Ch. 30. 6.
I Es. 1. 32 : 2. 7 : 5. 58 : 8. 14†, 77 *ter*, 93 : 9. 36.
II Es. 4. 7†.
Ne. 5. 18 : 8. 13† : 9. 19†.
To. 9. 5† : 12. 13†.
Ju. 2. 5 : 11. 18† : 16. 15.
Es. 3. 13 : 5. 14 : 8. 13 *bis*.
Jb. 24. 2 : 33. 26 : 39. 25 : 40. 17 (22).
Ps. 33 (34). 3 : 54 (55). 18 : 119 (120). 4 : 135 (136). 10 : 139 (140). 13† : 140 (141). 4.
Pr. 24. 23 (29. 27).
Ec. 7. 15 (14)†.
Wi. 14. 10.
Ho. 4. 3 *quater*.
Am. 6. 8.
Mi. 2. 11 : 7. 13†.
Is. 3. 23 : 10. 34 : 29. 1 : 60. 8.
Je. 20. 4 : 23. 9† : 48 (41). 15†.
Ba. 5. 9.
Ez. 1. 20, 21 : 12. 19 : 16. 37, 61 : 17. 7, 10 : 25. 4† : 30. 12† : 32. 15, 30.
Da. LXX. Su. 30, 54 : 3. 21 : 4. 13.
Da. TH. 1. 10† : 3. 21 : 5. 17† : 9. 26.
I Ma. 3. 14*, 40 : 5. 5, 23, 44 : 7. 1† : 9. 60*† : 10. 24, 85, 87 : 13. 45 : 15. 10, 13.
II Ma. 1. 14* : 3. 24 : 5. 26, 27 : 7. 5, 7, 12*, 29 : 8. 1*, 12*, 20 : 9. 15 : 10. 1*, 19* : 11. 6 : 12. 3*†, 3, 9 : 13. 1, 2, 13, 14*, 15 : 14. 13* : 15. 8*, 28, 30.
III Ma. 1. 18, 22, 27 : 2. 7 : 3. 25 : 5. 47 : 6. 4, 16.
IV Ma. 10. 7 : 12. 8* : 13. 26 : 17. 2, 5† *bis* : 18. 8, 10, 23.
[Aq. Ge. 1. 30 : 5. 22, 24 : 6. 10 (9) : Ex. 35. 23 : Le. 8. 10 : Nu. 8. 26 : Jo. 8. 2 (P.), 18 : I Ki. 14. 18 : III Ki. 6. 12 : IV Ki. 17. 15 : Jb. 12. 2 : Ps. 9. 7 : 119 (120). 4 : Pr. 8. 18 : Is. 16. 14 : 39. 2 : 40. 10 : 41. 6, 7 *bis* : 45. 9 : 63. 11 : 66. 10 : Je. 6. 15 : 12. 5 *bis* : Ez. 1. 21 (P.) : 32. 21, 25, 29 : 33. 30 : Da. 3. 33 (100) (Sw.) : 11. 2 (Sw.) : Hb. 3. 13 : Za. 12. 10 : Ma. 2. 3.]
[Sm. Ge. 4. 1 : 6. 18 (P.) : 9. 4 : Le. 1. 16 : 26. 39 : Jo. 8. 2 (P.), 18 *bis* : I Ki. 14. 18 : III Ki. 6. 12 : Jb. 12. 2 : 40. 17 (22) : Ps. 9. 7 : 23. 2 : 74 (75). 4 : 95 (96). 11 : 97 (98). 7 : 138 (139). 16 : 140 (141). 4 : Is. 16. 14 : 63. 3 : Ez. 17. 9 : 32. 25, 29 : Ze. 1. 3.]
[Th. Le. 1. 16 : III Ki. 6. 5, 12 : Ps. 95 (96). 11 : Is. 16. 14 : 22. 6 : Je. 8. 12 : Ez. 1. 21 (P.) : 25. 6 : 32. 25, 29 : 33. 30 : Da. 3. 21 : 9. 26.]
[Al. Le. 4. 6 : Nu. 10. 28 : 25. 6 : Ps. 11 (12). 5 : Ca. 3. 1 : Je. 12. 5 : Ez. 32. 25.]
[Quint. Hb. 3. 13.]

III. *a. c. acc.* = אֵת, אֶת־, *cf.* σύμπας.

III Ki. 8. 1† : 9. 15†, 16†, 24†, 25† : 14. 8†.
Es. 6. 10†.
Ec. 1. 14† : 2. 12†, 17, 18† : 3. 10, 11†, 17 *bis* : 4. 1†, 2†, 3†, 4† *bis* : 5. 6† : 7. 16 (15)†, 27 (26), 30 (29) : 8. 8, 9†, 15, 17†, 17, 17 (9. 1)† *bis* : 10. 19† : 11. 7 : 12. 9, 14†.
[Aq. Ge. 1. 1 *bis*, 4, 16 *bis*, 27 : 2. 7 : 20. 10 : 31. 52 : 36. 24 : Ex. 2. 14 : 3. 9 : 9. 14 : 14. 20 : 28. 5 : Dt. 14. 14 : 27. 1 : Jo. 7. 2 : III Ki. 8. 1 : 9. 15, 24, 25 : 14. 8 : 20 (21). 15 : Is. 27. 1 : 49. 21 (Sw.) : Je. 14. 22 : 16. 10 (Sw.) : 19. 4 *bis*, 8, 11, 12 (Sw.) : 20. 5 (Sw.) : 22. 1, 4 (Sw.), 5 : 23. 21, 24 (Sw.) *bis*, 25 (Sw.) : 24. 10 : 25. 13, 15 (32. 1), 17 (32. 3) (Sw.) *bis*, 20 (32. 6) *bis*, 22 (32. 8) *bis*, 23 (32. 9) (Sw.), 24 (32. 10), 25 (32. 11) (Sw.), 26 (32. 12) : 26 (33). 6 : 28 (35). 10 : 32 (39). 9 : Ez. 6. 14 : 7. 3 : 9. 7, 9 : 11. 18, 25 : 20. 12, 28 : Da. 8. 7 : 10. 1 (Sw.) : 11. 2 (Sw.).]
[Sm. Je. 28 (35). 10 : 32 (39). 9 : 35 (42). 18 (Sw.) : La. 2. 2.]
[Th. Is. 49. 21 (Sw.) : Je. 25. 20 (32. 6), 20 (32. 6) (Sw.), 24 (32. 10) : 28 (35). 10 : 32 (39). 9, 14 (Sw.).]
[Al. Je. 47 (29). 4.]

b. c. acc.

Jb. 22. 22†.
[Aq. Is. 37. 11 (Sw.).]

συνάγειν. (1) אָסַף *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* pu. *e.* hithpa. *f.* אֹסֶף *g.* אָסוֹף
(2) אָצַר *a.* qal. *b.* ni. (3) אָתָא
(4) בּוֹא hi. (5) בָּלַע (6) דָּגַר (7) חוּשׁ hi.
(8) חָטַב (9) חָשַׁךְ (10) יָסַד ni.
(11) יָסַף hi. (12) יָעַד ni. (13) יָצָא hi.
(14) יָצַב hithpa. (15) כָּמַס (16) כָּנַס
a. qal. *b.* hithpa. *c.* כִּנֵּשׁ pe. *d.* ithpe.
(17) לָקַט *a.* qal. *b.* pi. *c.* pu. (18) מָנַע
(19) נָגַע hi. (20) נָהַר (21) נוּחַ hi.
(22) נוּס hi. (23) נָצַל hi. (24) נָקַב ni.
(25) נָתַן (26) סָפָה *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi.
(27) סָפַר (28) עוּז hi. (29) עָלָה hi.
(30) עָמַד hi. (31) פָּדָה (32) צָבַר
(33) צָעַק ni. (34) קָבַץ *a.* qal. *b.* ni.
c. pi. *d.* pu. *e.* hithpa. (35) קָהַל *a.* ni.
b. hi. (36) קָוָה *a.* ni. *b.* pi. *c.* מִקְוֶה
(37) קוּץ (38) קָטַף (39) קָפַץ (40) קָצִיר
(41) קָרַב *a.* ni. *b.* hi. (42) קָשַׁר
(43) קָשַׁשׁ *a.* po. *b.* hithpo. (44) רָנַן
(45) שָׁכַר hithpa. (46) שָׁעַר hithpa.
(47) שׁוּב pil. (48) שָׁמַר (49) τοὺς μισθοὺς συνάγειν שָׂכַר hithpa. (50) חָסַן ni.

Ge. 1. 9. *συναχθήτω τὸ ὕδωρ ... εἰς συναγωγὴν μίαν* (36 *a*)
— 9. *συνήχθη τὸ ὕδωρ ... εἰς τὰς συναγωγὰς αὐ.* –
6. 21. *καὶ συνάξεις πρὸς σεαυτόν* (1 *a*)
29. 3. *συνήγοντο ἐκεῖ πάντα τὰ ποίμνια* (1 *b*)
— 7. *οὔπω ὥρα συναχθῆναι τὰ κτήνη* (1 *b*)
— 8. *ἕως τοῦ συναχθῆναι πάντας τοὺς ποιμένας* (1 *b*)
— 22. *συνήγαγε δὲ Δ. πάντας τοὺς ἄνδρας* (1 *a*)
34. 30. *συναχθέντες ἐπ' ἐμέ* (1 *b*)
37. 35. *συνήχθησαν δὲ πάντες οἱ υἱοὶ αὐ.* †
41. 35. *συναγαγέτωσαν πάντα τὰ βρώματα* (34 *a*)
— 35. *συναχθήτω ὁ σῖτος* (32)
— 35. A *βρώματα ἐν ταῖς πόλεσι συναχθήτω* [R *φυλαχθήτω*] (48)
— 48. *συνήγαγε πάντα τὰ βρώματα* (34 *a*)
— 49. *συνήγαγεν Ἰ. σῖτον* (32)
47. 14. *συνήγαγε δὲ Ἰ. πᾶν τὸ ἀργύριον* (17 *b*)
49. 1. *συνάχθητε ἵνα ἀναγγείλω* (1 *b*)
— 2. *συνάχθητε* [A *ἀθροίσθητε*] *καὶ ἀκούσατέ μου* (34 *b*)
Ex. 3. 16. *συνάγαγε τὴν γερουσίαν* (1 *a*)
Ex. 4. 29. *συνήγαγον τὴν γερουσίαν τῶν υἱῶν Ἰσρ.* (1 *a*)
5. 7. *συναγαγέτωσαν ἑαυτοῖς ἄχυρα* (43 *a*)
— 12. *συναγαγεῖν καλάμην εἰς ἄχυρα* (43 *a*)
8. 5 (1). A *συνάγαγε* [B *ἀνάγ.*] *τοὺς βατράχους* (29)
— 14 (10). *συνήγαγον αὐτοὺς θιμωνιὰς θιμωνιάς* (32)
9. 19. *κατάσπευσον συναγαγεῖν τὰ κτήνη σου* (28)
— 20. *συνήγαγε τὰ κτήνη αὐ. εἰς τοὺς οἴκους* (22)
16. 5. *ὃ ἐὰν συναγάγωσι* [A *εἰσενέγκωσι*] (17 *a*)
— 16. *συναγάγετε ἀπ' αὐτοῦ ἕκαστος* (17 *a*)
23. 10. *συνάξεις* [A[1] *εἰσάξεις*] *τὰ γεννήματα αὐ.* (1 *a*)
Le. 25. 3. *συνάξεις τὸν καρπὸν αὐ.* (1 *a*)
— 20. *μηδὲ συναγάγωμεν τὰ γεννήματα ἡμῶν* (1 *a*)
Nu. 1. 18. *πᾶσαν τὴν συναγωγὴν συνήγαγον* [A *al.*] (35 *b*)
8. 9. *συνάξεις πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ.* (35 *b*)
10. 3. *συναχθήσεται πᾶσα ἡ συναγωγή* (12)
— 7. *ὅταν συναγάγητε τὴν συναγωγήν* (35 *b*)
11. 16. *συνάγαγέ μοι ἑβδομήκοντα ἄνδρας* (1 *a*)
— 22. A[2] B *ἢ πᾶν τὸ ὄψος τῆς θαλ. συναχθήσεται αὐτοῖς* (1 *b*)
— 24. *συνήγαγεν ἑβδομήκοντα ἄνδρας* (1 *a*)
— 32. *συνήγαγον τὴν ὀρτυγομήτραν* (1 *a*)
— 32. *ὁ τὸ ὀλίγον συνήγαγε δέκα κόρους* (1 *a*)
19. 9. *συνάξει ἄνθρωπος καθαρὸς τὴν σποδόν* (1 *a*)
— 10. *ὁ συνάγων τὴν σποδιὰν τῆς δαμάλεως* (1 *a*)
21. 16. B *συνάγαγε τὸν λαόν* (1 *a*)
— 23. *συνήγαγε Σ. πάντα τὸν λαὸν αὐ.* (1 *a*)
De. 13. 16 (17). *πάντα τὰ σκῦλα αὐ. συνάξεις* [B[2] *-ει*] (34 *a*)
16. 13. *ἐν τῷ συναγαγεῖν σε ἐκ τῆς ἅλωνός σου* (1 *a*)
19. 5. *συναγαγεῖν ξύλα* (8)
22. 2. *συνάξεις αὐτὸν ἔνδον εἰς τὴν οἰκίαν σου* (1 *a*)
23. 25 (26). A[2] *συνάξεις* [B *συλλέξεις*] *ἐν ταῖς χερσί σου στάχυς* (38)
30. 3. *καὶ πάλιν συνάξει σε* (34 *c*)
— 4. *ἐκεῖθεν συνάξει σε* (34 *c*)
32. 23. *συνάξω εἰς αὐτοὺς κακά* (26 *c*)
— 34. *οὐκ ἰδοὺ ταῦτα συνῆκται παρ' ἐμοί* (15)
33. 5. *συναχθέντων ἀρχόντων λαῶν* (1 *e*)
— 21. *συνηγμένων ἅμα ἀρχηγοῖς λαῶν* (3)
Jo. 2. 18. *τὸν δὲ πατέρα σου . . . συνάξεις πρὸς σεαυτήν* (1 *a*)
7. 14. *συναχθήσεσθε* [A *-αι*] *πάντες τὸ πρωΐ* (41 *a*)
10. 6. *συνηγμένοι εἰσὶν ἐφ' ἡμᾶς πάντες οἱ βασ.* (34 *b*)
24. 1. *συνήγαγεν Ἰ. πάσας φυλὰς Ἰσρ.* (1 *a*)
Jd. 3. 13. *συνήγαγε* [A *προσήγ.*] *πρὸς ἑαυτὸν πάντας τοὺς υἱοὺς Ἀ.* (1 *a*)
6. 33. *υἱοὶ ἀνατολῶν συνήχθησαν ἐπὶ τὸ αὐτό* (1 *b*)
7. 23 (22). A *καὶ συνηγμένη ἕως χείλους B.* [B *al.*] †
9. 6. *συνήχθησαν πάντες ἄνδρες Σικίμων* (1 *b*)
— 47. *συνήχθησαν πάντες οἱ ἄνδρες πύργων Σ.* (34 *e*)
10. 17. *συνήχθησαν* [A *ἐξῆλθον*] *οἱ υἱοὶ Ἰσρ.* (1 *b*)
11. 20. *συνῆξε* [A *-ήγαγεν*] *Σ. πάντα τὸν λαὸν αὐ.* (1 *a*)
12. 1. A *συνήχθησαν οἱ υἱοὶ Ἐφρ.* (33)
16. 23. *οἱ ἄρχοντες τῶν ἀλλοφύλων συνήχθησαν* (1 *b*)
19. 15. *οὐκ ἦν ἀνὴρ συνάγων αὐτούς* [A *al.*] (1 *c*)
— 18. *οὐκ ἔστιν ἀνὴρ συνάγων με εἰς τὴν οἰκίαν* (1 *c*)
20. 11. *συνήχθη πᾶς ἀνὴρ Ἰσρ.* (1 *b*)
— 14. *συνήχθησαν οἱ υἱ. Βεν.* (1 *b*)
Ru. 2. 2. *συνάξω ἐν τοῖς στάχυσι* (17 *b*)
— 7. *συνάξω ἐν τοῖς δράγμασιν* (1 *a*)
I Ki. 5. 8, 11. *συνάγουσι τοὺς σατράπας τῶν ἀλλοφ.* (1 *a*)
7. 6. *συνήχθησαν εἰς Μ.* (34 *b*)
13. 5. B *οἱ ἀλλόφυλοι συνάγονται εἰς πόλεμον* (1 *b*)
— 11. B *οἱ ἀλλόφυλοι συνήχθησαν εἰς Μ.* (1 *b*)
14. 19. *συνάγαγε τὰς χεῖράς σου* (1 *a*)
— 52. *συνήγαγεν αὐτοὺς πρὸς αὐτόν* (1 *a*)
17. 1. *συνάγουσιν ἀλλόφυλοι τὰς παρεμβολὰς αὐ.* (1 *a*)
— 1. *συνάγονται εἰς Σ. τῆς Ἰδουμ.* (1 *b*)
— 2. *Σ. καὶ οἱ ἄνδρες Ἰσρ. συνάγονται* (1 *b*)
22. 2. *συνήγοντο πρὸς αὐτόν* (34 *e*)
II Ki. 3. 34. *συνήχθη πᾶς ὁ λαός* (11)
6. 1. *συνήγαγεν ἔτι Δ. πάντα νεανίαν* (1 *a*)
10. 15. *συνήθησαν ἐπὶ τὸ αὐτό* (1 *b*)
— 16. *συνήγαγε τὴν Συρίαν* (13)
— 17. *συνήγαγε τὸν πάντα Ἰσρ.* (1 *a*)
11. 27. *συνήγαγεν αὐτὴν εἰς τὸν οἶκον αὐ.* (1 *a*)
12. 28. *συνάγαγε τὸ κατάλοιπον τοῦ λαοῦ* (1 *a*)
— 29. *συνήγαγε Δ. πάντα τὸν λαόν* (1 *a*)
14. 14. *ὃ οὐ συναχθήσεται* (1 *b*)
17. 11. *συναγόμενος συναχθήσεται ἐπὶ σὲ πᾶς Ἰσρ.* (1 *b*, 1 *b*)

II Ki. 17. 13. ἐὰν εἰς τὴν πόλιν συναχθῇ (1 b)
21. 13. συνήγαγε τὰ ὀστᾶ τῶν ἐξηλιασμένων (1 a)
23. 9. συνήχθησαν ἐκεῖ εἰς πόλεμον (1 b)
— 11. συνήχθησαν οἱ ἀλλόφυλοι εἰς Θ. (1 b)
III Ki. 7. 23. καὶ συνηγμένοι τρεῖς καὶ τριάκοντα ἐν πήχει †
12. 24. B συνάγεται ἐκεῖ πᾶν σκῆπτρον Ἐφρ. –
18. 20. A συνήγαγεν [B ἐπισ.] πάντας τοὺς προφήτας (34 a)
IV Ki. 5. 11. A συνάξει [B ἀποσυν.] τὸ λεπρόν (1 a)
19. 25. συνήγαγον [A καὶ ἤγ.] αὐτήν (4)
22. 4. ὁ συνήγαγον οἱ φυλάσσοντες τὸν σταθμόν (1 a)
— 20. συναχθήσῃ εἰς τὸν τάφον σου (1 b)
23. 1. συνήγαγε πρὸς ἑαυτὸν πάντας τοὺς πρεσβυτ. Ἰ. (1 a)
I Ch. 11. 13. συνήχθησαν ἐκεῖ εἰς πόλεμον (1 b)
13. 2. συναχθήσονται πρὸς ἡμᾶς (34 b)
15. 3. A συνήγαγεν [B S ἐξεκκλησίασε] Δ. τὸν πάντα Ἰσρ. (35 b)
— 4. A² B S συνήγαγε Δ. τοὺς υἱοὺς Ἀ. (1 a)
19. 7. συνήχθησαν ἐκ τῶν πόλεων αὐ. (1 b)
— 17. συνήγαγε τὸν πάντα Ἰσρ. (1 a)
22. 2. εἶπε Δ. συναγαγεῖν πάντας τοὺς προσηλύτους (16 a)
23. 2. συνήγαγε τοὺς πάντας ἄρχοντας Ἰσρ. (1 a)
II Ch. 1. 14. συνήγαγε Σ. ἅρματα (1 a)
2. 2 (1). συνήγαγε Σ. ἑβδομήκοντα χιλιάδας ἀνδρῶν (27)
— 16 (15). A συνάξεις [B σὺ ἄξεις] αὐτὰ εἰς Ἱερ. (29)
— 17 (16). συνήγαγε Σ. πάντας τοὺς ἄνδρας (27)
10. 6. συνήγαγεν ὁ βασ. Ῥ. τοὺς πρεσβυτ. †
11. 13. συνήχθησαν πρὸς αὐτόν (14)
12. 5. πρὸς τοὺς ἄρχοντας Ἰ. τοὺς συναχθέντας εἰς Ἱερ. (1 b)
13. 7. συνήχθησαν πρὸς αὐτὸν ἄνδρες λοιμοί (34 b)
15. 10. συνήχθησαν εἰς Ἱερ. (34 b)
18. 5. συνήγαγεν ὁ βασ. Ἰσρ. τοὺς προφήτας (34 a)
20. 4. καὶ συνήχθη Ἰούδας (34 b)
23. 2. B συνήγαγεν [A R -ον] τοὺς Λ. (34 a)
24. 5. συνήγαγε τοὺς ἱερεῖς (34 a)
— 5. συναγάγετε ἀπὸ παντὸς Ἰσρ. ἀργύριον (34 a)
— 11. συνήγαγον ἀργύριον πολύ (1 a)
25. 5. συνήγαγεν Ἀμ. τὸν οἶκον Ἰ. (34 a)
29. 15. B¹ συνήγαγεν [A B² R -ον] τοὺς ἀδελφοὺς αὐ. (1 a)
— 20. συνήγαγε τοὺς ἄρχοντας τῆς πόλεως (1 a)
30. 3. ὁ λαὸς οὐ συνήχθη εἰς Ἱερ. (1 b)
— 13. συνήχθησαν εἰς Ἱερ. λαὸς πολύς (1 b)
32. 4. συνήγαγε λαὸν πολύν (34 b)
— 6. συνήχθησαν πρὸς αὐτόν (34 a)
34. 9. ὃ συνήγαγον οἱ Δ. (1 a)
— 29. συνήγαγε τοὺς πρεσβυτέρους Ἰ. (1 a)
I Es. 4. 18. ἐὰν δὲ συναγάγωσι χρυσίον
5. 47. συνήχθησαν ὁμοθυμαδὸν εἰς τὸ εὐρύχωρον
8. 14. καὶ πᾶν χρυσίον . . . συναχθῆναι [A¹ al.]
— 27. συνήγαγον ἐκ τοῦ Ἰσρ. ἄνδρας
— 41. B συναγαγὼν [A R -ήγαγον] αὐτοὺς ἐπὶ τὸν λεγόμ. Θ. ποταμόν
9. 3. ἐγένετο κήρυγμα . . . συναχθῆναι εἰς Ἱερ.
— 38. συνήχθη πᾶν τὸ πλῆθος ὁμοθυμαδόν
II Es. 3. 1. συνήχθη ὁ λαὸς ὡς ἀνὴρ εἷς (1 b)
7. 28. συνῆξα ἀπὸ Ἰσρ. ἄρχοντας (34 a)
8. 15. συνῆξα αὐτοὺς πρὸς τὸν ποταμόν (34 a)
— 20. πάντες συνήχθησαν ἐν ὀνόμασι (24)
9. 4. συνήχθησαν πρὸς μέ (1 b)
10. 1. συνήχθησαν πρὸς αὐτὸν ἀπὸ Ἰσρ. (34 b)
— 7. S² τοῦ συναχθῆναι [R -αθροισθῆναι] εἰς Ἱερ. (34 b)
— 9. συνήχθησαν πάντες ἄνδρες Ἰ. (34 b)
Ne. 1. 9. ἐκεῖθεν συνάξω αὐτούς (34 c)
4. 8 (2). συνήχθησαν πάντες ἐπὶ τὸ αὐτό (42)
— 20 (14). ἐκεῖ συναχθήσεσθε πρὸς ἡμᾶς (34 b)
5. 16. καὶ πάντες οἱ συνηγμένοι ἐκεῖ ἐπὶ τὸ ἔργον (34 a)
6. 2. συναχθῶμεν ἐπὶ τὸ αὐτὸ ἐν ταῖς κώμαις (12)
— 10. συναχθῶμεν εἰς οἶκον τοῦ θεοῦ (12)
7. 5. συνῆξα τοὺς ἐντίμους (34 a)
8. 1. συνήχθησαν πᾶς ὁ λαός (1 b)
— 13. συνήχθησαν οἱ ἄρχοντες τῶν πατριῶν (1 b)
9. 1. συνήχθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν νηστείᾳ (1 b)
12. 25. ἐν τῷ συναγαγεῖν με τοὺς πυλωρούς (1 g)
— 28. συνήχθησαν [S¹ ἤχθ.] οἱ υἱοὶ τῶν ᾀδόντων (1 b)
Ne. 12. 44. καὶ τοῖς συνηγμένοις ἐν αὐτοῖς ἄρχουσι τῶν πόλεων (16 a)
13. 11. καὶ συνήγαγον αὐτούς (34 c)
To. 6. 5. S συνήγαγεν τὴν χολήν
13. 5. συνάξει ἡμᾶς ἐκ πάντων τῶν ἐθνῶν [S al.]
— 13. συναχθήσονται καὶ εὐλογήσουσι τὸν κ. [S al.]
Ju. 1. 6. S συνήχθησαν [A B συνῆλθον] ἔθνη πολλά
Es. 2. 8. συνήχθησαν κοράσια πολλά [S al.] (34 b)
9. 15. συνήχθησαν οἱ Ἰουδαῖοι (35 a)
— 16. συνήχθησαν καὶ [A -αχθέντες] ἑαυτοῖς ἐβοήθουν (35 a)
— 18. οἱ δὲ Ἰουδ. . . . συνήχθησαν (35 a)
10. 3. A τὰ συναχθέντα [B S ἐπισ.] ἀπολέσαι τὸ ὄνομα τῶν Ἰουδ. –
Jb. 5. 5. ἃ γὰρ ἐκεῖνοι συνήγαγον [A ἐθέρισαν] (40)
20. 13. συνάξει αὐτὴν ἐν μέσῳ τοῦ λάρυγγος αὐτοῦ (18)
— 15. πλοῦτος ἀδίκως συναγόμενος ἐξεμεθήσεται (5)
27. 16. ἐὰν συναγάγῃ ὥσπερ γῆν ἀργύριον (32)
Ps. 2. 2. συνήχθησαν ἐπὶ τὸ αὐτὸ κατὰ τοῦ κυρίου (10)
15 (16). 4. οὐ μὴ συναγάγω τὰς συναγωγὰς αὐτῶν ἐξ αἱμάτων †
30 (31). 13. ἐν τῷ συναχθῆναι [A S ἐπισυν.] αὐτοὺς ἅμα ἐπ' ἐμέ (10)
32 (33). 7. συνάγων ὡσεὶ ἀσκὸν ὕδατα θαλάσσης (16 a)
34 (35). 15. κατ' ἐμοῦ εὐφράνθησαν καὶ συνήχθησαν (1 b)
— 15. συνήχθησαν ἐπ' ἐμὲ μάστιγες (1 b)
38 (39). 6. οὐ γινώσκει τίνι συνάξει [A² -άγει] αὐτά (1 a)
40 (41). 6. ἡ καρδία αὐτοῦ συνήγαγεν ἀνομίαν ἑαυτῷ (34 a)
46 (47). 9. ἄρχοντες λαῶν συνήχθησαν (1 b)
47 (48). 4. οἱ βασιλεῖς τῆς γῆς συνήχθησαν (12)
49 (50). 5. συναγάγετε αὐτῷ τοὺς ὁσίους αὐτοῦ (1 a)
101 (102). 22. ἐν τῷ συναχθῆναι [A S² ἐπισυν.] λαοὺς ἐπὶ τὸ αὐτό (34 b)
103 (104). 22. A S καὶ συνήχθησαν [B -αχθήσονται] (1 b)
106 (107). 3. ἐκ τῶν χωρῶν συνήγαγεν αὐτούς (34 c)
Pr. 9. 12. συνάγει δὲ χερσὶν ἀκαρπίαν –
10. 10. συνάγει ἀνδράσι λύπας (25)
11. 24. εἰσὶ δὲ καὶ οἱ συνάγοντες [S² σ. τὰ ἀλλότρια] ἐλαττονοῦνται (9 ?)
13. 11. ὁ δὲ συνάγων ἑαυτῷ μετ' εὐσεβείας πληθυνθήσεται (34 a)
24. 27 (30. 4). τίς συνήγαγεν ἀνέμους ἐν κόλπῳ (1 a)
27. 25. σύναγε [A συνάγαγε] χόρτον ὀρεινόν (1 b)
28. 8. τῷ ἐλεοῦντι πτωχοὺς συνάγει αὐτόν (34 a v. 34 c)
31. 14. συνάγει δὲ αὕτη τὸν βίον [A S² πλοῦτον] (4)
Ec. 2. 8. συνήγαγόν μοι καί γε ἀργύριον (16 a)
— 26. τοῦ προσθεῖναι καὶ τοῦ [S om.] συναγαγεῖν (16 a)
3. 5. καιρὸς τοῦ συναγαγεῖν λίθους (16 a)
Si. 13. 16. πᾶσα σὰρξ κατὰ γένος συνάγεται
14. 4. ὁ συνάγων ἀπὸ τῆς ψυχῆς αὐτοῦ συνάγει ἄλλοις
21. 8. S R ὡς ὁ [A B om.] συνάγων αὐτοῦ τοὺς λίθους εἰς χειμῶνα
— 9. στυππεῖον συνηγμένον συναγωγὴ [A εἰσαγ.] ἀνόμων
25. 3. ἐν [A ἃ ἐν] νεότητι οὐ συναγήοχας
33 (36). 11. σύναγε [A -άγαγε] πάσας φυλὰς Ἰακώβ
47. 18. συνήγαγες ὡς κασσίτερον τὸ χρυσίον
Ho. 1. 11 (2. 2). συναχθήσονται οἱ υἱοὶ Ἰούδα (34 b)
10. 10. συναχθήσονται ἐπ' αὐτοὺς λαοί (1 d)
Am. 3. 9. συνάχθητε ἐπὶ τὸ ὄρος Σαμαρείας (1 b)
Mi. 1. 7. ἐκ μισθωμάτων πορνείας συνήγαγε (34 c)
2. 11 (12). συναγόμενος συναχθήσεται Ἰ. σὺν πᾶσιν (1 a, 1 a)
4. 6. συνάξω τὴν συντετριμμένην (1 a)
— 12. συνήγαγεν αὐτοὺς ὡς δράγματα ἅλωνος (34 c)
5. 7 (6). ὅπως μὴ συναχθῇ μηδείς (36 b)
7. 1. ἐγενήθη ὡς συνάγων καλάμην (1 f)
Jl. 1. 14. συναγάγετε πρεσβυτέρους (1 a)
2. 1. A συναγάγετε [B S συγχυθήτ.] πάντες (44)
— 16. συναγάγετε λαόν (1 a)
— 16. συναγάγετε νήπια θηλάζοντα μαστούς (1 a)
3 (4). 2. συνάξω πάντα τὰ ἔθνη (34 c)
— 11. συνάχθητε [S¹ -θήσεται] ἐκεῖ (34 b)
Hb. 1. 9. συνάξει ὡς ἄμμον αἰχμαλωσίαν (1 a)
— 15. συνήγαγεν αὐτὸν ἐν ταῖς σαγήναις αὐ. (1 a)
2. 16. A B S² συνήχθη ἀτιμία ἐπὶ τὴν δόξαν σου –
Ze. 2. 1. συνάχθητε καὶ συνδέθητε (43 b)
Ze. 3. 18. συνάξω τοὺς συντετριμμένους (1 a)
Hg. 1. 6. ὁ τοὺς μισθοὺς συνάγων [S -αγαγὼν] συνήγαγεν εἰς δεσμὸν τετρυπημένον (49, 45)
Za. 2. 6 (10). ἐκ τῶν τεσσάρων ἀνέμων τοῦ οὐρ. συνάξω ὑμᾶς †
9. 3. A S² R συνήγαγε [B S¹ om.] χρυσίον –
14. 14. συνάξει τὴν ἰσχὺν πάντων τῶν λαῶν κυκλόθεν (1 d)
Is. 11. 12. συνάξει τοὺς ἀπολομένους Ἰσρ. καὶ τοὺς διεσπαρμ. Ἰ. συνάξει (1 a, 34 c)
13. 4. φωνὴ βασιλέων καὶ ἐθνῶν συνηγμένων (1 b)
— 14. οὐκ ἔσται ὁ συνάγων (34 c)
— 15. οἵτινες συνηγμένοι εἰσί (26 b)
17. 5. ἐάν τις συναγάγῃ ἀμητὸν ἑστηκότα . . . ἐάν τις συναγάγῃ στάχυν (1 a, 17 b)
18. 6. συναχθήσεται ἐπ' αὐτοὺς τὰ πετεινά (37)
23. 18. οὐκ αὐτοῖς συναχθήσεται (2 b + 50)
24. 22. συνάξουσι συναγωγὴν αὐτῆς [A om. σ. αὐ.] εἰς δεσμωτήριον (1 d)
27. 12. συναγάγετε κατὰ ἕνα [A S add. ἕνα] τοὺς υἱοὺς Ἰσραήλ (17 c)
28. 20. ἀσθενοῦμεν τοῦ ἡμᾶς συναχθῆναι (16 b)
29. 1. συναγάγετε γεννήματα ἐνιαυτὸν ἐπὶ ἐνιαυτόν (26 a)
— 7. πάντες οἱ συνηγμένοι ἐπ' αὐτήν †
33. 4. συναχθήσεται τὰ σκῦλα ὑμῶν . . . ὃν τρόπον ἐάν τις συναγάγῃ ἀκρίδας (1 d, 1 f)
34. 16. τὸ πνεῦμα αὐ. συνήγαγεν αὐτά [A -άς] (34 c)
35. 10. καὶ συνηγμένοι διὰ κύριον (31)
39. 6. ὅσα συνήγαγον οἱ πατέρες σου (2 a)
40. 11. τῷ βραχίονι αὐτοῦ συνάξει ἄρνας (34 c)
43. 5. ἀπὸ δυσμῶν συνάξω σε (34 c)
— 9. πάντα τὰ ἔθνη συνήχθησαν ἅμα καὶ συναχθήσονται ἄρχοντες ἐξ αὐτῶν (34 b, 1 b)
44. 11. κωφοὶ ἀπὸ ἀνθρώπων συναχθήτωσαν πάντες (34 e)
45. 20. συνάχθητε καὶ ἥκετε (34 b)
48. 14. συναχθήσονται πάντες (34 b)
49. 5. τοῦ συναγαγεῖν τὸν Ἰακὼβ πρὸς αὐτὸν . . . συναχθήσομαι καὶ δοξασθήσομαι (47, 1 b)
— 18. συνήχθησαν καὶ ἦλθοσαν πρὸς σέ (34 b)
52. 12. S¹ καὶ ὁ συνάγων [A B S² ἐπισ.] ὑμᾶς κ. ὁ θ. Ἰσρ. (1 c)
— 15. A συνάξουσιν [B S -έξ.] βασιλεῖς τὸ στόμα αὐτῶν (39)
56. 8. εἶπε κ. ὁ συνάγων τοὺς διεσπαρμ. Ἰσρ. ὅτι συνάξω ἐπ' αὐτὸν συναγωγήν (34 c, 34 c)
60. 4. ἴδε συνηγμένα τὰ τέκνα σου (34 b)
— 7. πάντα τὰ πρόβατα Κηδὰρ συναχθήσονται [S add. σοι] (34 b)
— 22. ἐγὼ κύριος κατὰ καιρὸν συνάξω αὐτούς (7)
62. 9. οἱ συναγαγόντες [A S συνάγοντες] φάγονται αὐτὰ . . . καὶ οἱ συναγαγόντες [A S² συνάγοντες] πίονται αὐτά [S¹ al.] (1 c, 34 c)
66. 18. ἔρχομαι συναγαγεῖν πάντα τὰ ἔθνη (34 c)
Je. 3. 17. συναχθήσονται πάντα τὰ ἔθνη εἰς αὐτήν (36 a)
4. 5. εἴπατε, Συνάχθητε (1 b)
7. 21. τὰ ὁλοκαυτώματα ὑμῶν συναγάγετε (26 a)
8. 10 (13). συνάξουσι τὰ γεννήματα αὐτῶν (1 a)
— 14. συνάχθητε καὶ εἰσέλθωμεν εἰς τὰς πόλεις (1 b)
— 15. συνήχθημεν εἰς εἰρήνην (36 b)
9. 22 (21). οὐκ ἔσται ὁ συνάγων (1 c)
10. 17. συνήγαγεν ἔξωθεν τὴν ὑπόστασίν σου (1 a)
12. 9. συναγάγετε [B¹ συνάγετε] πάντα τὰ θηρία τοῦ ἀγροῦ (1 a)
17. 11. συνήγαγεν ἃ οὐκ ἔτεκε (6)
21. 4. R συνάξω αὐτοὺς [A B S om. σ. αὐ.] εἰς τὸ μέσον τῆς πόλεως ταύτης (1 a)
23. 7. S¹ ὃς συνήγαγε τὸν λαὸν Ἰσρ. [A B S² al.] (29)
— 8. ὃς συνήγαγε τὸ σπέρμα Ἰσραήλ (29 + 4)
27 (50). 7. νομὴ δικαιοσύνης τῷ συναγαγόντι τοὺς πατέρας αὐτῶν (36 c)
28 (51). 44. οὐ μὴ συναχθῶσι πρὸς αὐτὴν ἔτι τὰ ἔθνη (20)
29 (49). 14. συνάχθητε [S¹ -ῆναι] καὶ παραγένεσθε εἰς αὐτήν (34 e)
30 (49). 5. οὐκ ἔστιν ὁ συνάγων (34 c)
37 (30). 21. συνάξω αὐτούς (41 b)
38 (31). 8. συνάξω αὐτούς ἀπ' [A ἐπ'] ἐσχάτου τῆς γῆς (34 c)
— 10. ὁ λικμήσας τὸν Ἰσραὴλ συνάξει αὐτόν (34 c)

Je. 39 (32). 37. συνάγω αὐτοὺς ἐκ πάσης τῆς γῆς (34 c)
47 (40). 10. A συναγάγετε οἶνον καὶ ὀπώραν καὶ συναγάγετε [BS om.] ἔλαιον (1 a, –)
— 12. συνήγαγον οἶνον καὶ ὀπώραν πολλὴν σφόδρα (1 a)
— 15. διασπαρῇ πᾶς Ἰούδα οἱ [S¹ om.] συνηγμένοι πρὸς σέ [A al.] (34 b)
Ba. 1. 6. συνήγαγον ἀργύριον
4. 37. ἔρχονται συνηγμένοι ἀπὸ ἀνατολῶν
5. 5. ἴδε σου συνηγμένα τὰ τέκνα
Ez. 11. 17. A² B συνάξω αὐτοὺς ἐκ τῶν χωρῶν (1 a)
13. 5. συνήγαγον ποίμνια †
16. 31. ἐγένου ὡς πόρνη συνάγουσα μισθώματα †
— 37. A ἐπὶ σὲ συνάγω [B ἐπισυνάγω] πάντας τοὺς ἐραστάς σου (34 c)
— 37. συνάξω αὐτοὺς ἐπὶ σὲ κυκλόθεν (34 c)
22. 20. συνάξω καὶ χωνεύσω [A¹ ἐπαφήσω] ὑμᾶς (21)
28. 25. συνάξω τὸν Ἰσραήλ (34 c)
29. 5. οὐ μὴ συναχθῇς (1 b)
— 13. συνάξω Αἰγυπτίους ἀπὸ τῶν ἐθνῶν (34 c)
34. 12. A συνάξω [B ἀπελάσω] αὐτὰ ἀπὸ παντὸς τόπου (23)
— 13. συνάξω αὐτοὺς ἀπὸ [A ἐκ] τῶν χωρῶν (34 c)
37. 21. συνάξω αὐτοὺς ἀπὸ πάντων τῶν περικύκλῳ αὐτῶν (34 c)
38. 4. συνάξω σε (47 + 13)
— 7. R ἡ συναγωγή σου ἡ συνηγμένη [A B οἱ σ.] μετὰ σοῦ (35 a)
— 8. συνηγμένων ἀπὸ ἐθνῶν πολλῶν (34 d)
— 12. ἐπ' ἔθνος συνηγμένον ἀπὸ ἐθνῶν πολλῶν (1 d)
— 13. συνήγαγες συναγωγήν σου (35 b)
39. 2. A συνάξω σε ... καὶ συνάξω [B ἀν.] σε (47, 4)
— 17. συνάχθητε καὶ ἔρχεσθε συνάχθητε (34 b, 1 b)
— 27. ἐν τῷ ... συναγαγεῖν με αὐτούς (34 c)
Da. LXX. 3. 3. τότε συνήχθησαν ὕπατοι (16 d)
— 27 (94). συνήχθησαν οἱ ὕπατοι (16 d)
6. 23 (24). συνήχθησαν πᾶσαι αἱ δυνάμεις –
11. 10. συνάξει συναγωγὴν ὄχλου πολλοῦ (1 a)
— 13. συνάξει πόλεως συναγωγήν (30)
— 34. συνάξουσιν ἰσχὺν βραχεῖαν †
12. 12. συνάξει εἰς ἡμέρας χιλίας (19)
Bel 27. συνήχθησαν οἱ ἀπὸ τῆς χώρας πάντες
Da. TH. 3. 2. ἀπέστειλε συναγαγεῖν τοὺς ὑπάτους (16 c)
— 3. καὶ συνήχθησαν οἱ τοπάρχαι (16 d)
— 3. A καὶ συνήχθησαν οἱ τοπάρχαι –
— 27 (94). συνάγονται οἱ σατράπαι (16 d)
11. 10. οἱ υἱοὶ αὐ. συνάξουσιν ὄχλον (1 a)
— 40. συναχθήσεται ἐπ' αὐτὸν βασ. τοῦ βορρᾶ (46)
I Ma. 1. 4. συνήξε δύναμιν ἰσχυρὰν σφόδρα
— 35. συναγαγόντες τὰ σκῦλα Ἱερ.
2. 16. Ματτ. καὶ οἱ υἱοὶ αὐ. συνήχθησαν
— 42. συνήχθησαν πρὸς αὐτοὺς συναγωγὴ Ἰουδαίων
3. 9. καὶ συνήγαγεν ἀπολλυμένους
— 10. καὶ συνήγαγεν Ἀπ. ἔθνη
— 27. συνήγαγε τὰς δυνάμεις πάσας
— 31. καὶ συναγαγεῖν ἀργύριον πολύ
— 46. συνήχθησαν καὶ ἦλθοσαν εἰς Μ.
— 52. τὰ ἔθνη συνῆκται ἐφ' ἡμᾶς
4. 37. συνήχθη ἡ παρεμβολὴ πᾶσα
5. 37. συνήγαγε Τιμ. παρεμβολὴν ἄλλην
— 45. συνήγαγεν Ἰ. πάντα Ἰσρ.
6. 20. S² R καὶ συνήχθησαν ἅμα
— 28. συνήγαγε πάντας τοὺς φίλους αὐ.
7. 22. συνήχθησαν πρὸς αὐτὸν πάντες
9. 7. οὐκ εἶχε καιρὸν συναγαγεῖν αὐτούς
— 13. A ἐγένετο ὁ πόλεμος συνηγμένος [S R -ημμ.]
— 63. συνήγαγε πᾶν τὸ πλῆθος αὐ.
10. 2. συνήγαγε δυνάμεις πολλὰς σφόδρα
— 6. ἔδωκεν αὐτῷ ἐξουσίαν συναγαγεῖν δυνάμεις
— 8. ἔδωκεν αὐτῷ ὁ βασ. ἐξουσίαν συναγαγεῖν δυνάμεις
— 21. καὶ συνήγαγε δυνάμεις
— 48. συνήγαγεν Ἀλ. ὁ βασ. δυνάμεις μεγάλας
— 61. A συνήχθησαν [S R ἐπισ.] ἐπ' αὐτὸν ἄνδρες λοιμοί
— 69. συνήγαγε δύναμιν μεγάλην
11. 20. συνήγαγεν Ἰων. τοὺς ἐκ τῆς Ἰουδ.
12. 37. συνήχθησαν τοῦ οἰκοδομεῖν
13. 1. συνήγαγε Τρ. δύναμιν πολλήν
— 6. συνήχθησαν πάντα τὰ ἔθνη
— 10. συνήγαγε πάντας τοὺς ἄνδρας
14. 1. συνήγαγε Δημ. ὁ βασ. τὰς δυνάμεις αὐ.
— 7. συνήγαγεν αἰχμαλωσίαν πολλήν
— 7. S συνήγαγεν [A R ἐκυρίευσε] Γαζ.
I Ma. 15. 12. R συνῆκται ἐπ' αὐτὸν τὰ κακά [A S al.]
II Ma. 2. 7. ἕως ἂν συνάγῃ ὁ θεὸς ἐπισυναγωγὴν τοῦ λαοῦ
8. 1. τοὺς μεμενηκότας ἐν τῷ Ἰουδαϊσμῷ ... συνήγαγον
— 16. συναγαγὼν δὲ ὁ Μ. τοὺς περὶ αὐτὸν ὄντας
10. 21. συναγαγὼν τοὺς ἡγουμένους τοῦ λαοῦ
— 24. συναγαγὼν ξένας δυνάμεις παμπληθεῖς
14. 23. τοὺς δὲ συναχθέντας ἀγελαίους ὄχλους ἀπέλυσε
III Ma. 1. 28. ἐκ δὲ τῆς ... τῶν ὄχλων συναγομένης κραυγῆς
3. 1. καὶ προστάξαι σπεύδοντας συναγαγεῖν πάντας
5. 3. συναγαγὼν τοὺς μάλιστα τῶν φίλων
6. 33. περὶ τούτων συμπόσιον βαρὺ συνάγων
[Aq. Ps. 32 (33). 7 : 45 (46). 7 : 49 (50). 5 : Ec. 2. 26 : Je. 8. 2 : 16. 5 : 25. 33 (32. 19) : 48 (31). 33 : Ez. 5. 16 : Na. 3. 18.]
[Sm. Ge. 49. 33 : II Ki. 14. 14 : Ps. 32 (33). 7 : 34 (35). 15 : 45 (46). 7 : 49 (50). 5 : 55 (56). 7 : Pr. 6. 8 : 10. 5 : 30. 4 : Is. 57. 1 bis : 60. 20 : Je. 21. 4 : Mi. 4. 11 : Na. 3. 18.]
[Th. II Ki. 14. 14 : Jb. 39. 12 : Ps. 46 (47). 10 : 49 (50). 5 : Is. 28. 20 : 54. 7 : 57. 1 bis : 60. 20 : Je. 21. 4 (Sw.) : 25. 33 (32. 19) : Ez. 5. 16 (Sw.) : Da. 3. 3 : Na. 3. 18.]
[Al. Ge. 9. 14 : Le. 19. 25 : 23. 39 : Nu. 12. 14 : Dt. 4. 10 : 11. 14 : 28. 38.]
[Heb. Ps. 49 (50). 5.]
[Quint. Ps. 32 (33). 7.]

συναγελάζειν.

IV Ma. 18. 23. εἰς πατέρων χορὸν συναγελάζονται [S¹ al.]

σύναγμα. (1) אֲסִפָּה

Ec. 12. 11. A S¹ οἱ παρὰ τῶν σ. [S² συναγμάτων, B συνθεμάτων] ἐδόθησαν (1)

συναγωγή. (1) אָסַף a. qal. b. אָסִיף
c. אֲסִפָּה (2) בַּיִת (3) גֵּן (4) גַּל
(5) הָמוֹן (6) חַיִל (7) מָחוֹל (8) מַחֲנֶה
(9) מְעָנָה (10) מָקוֹם (11) מִשְׁכָּן
(12) סוֹד (13) עֵדָה (14) עַם
(15) עַם הַקָּהָל (16) קָבַץ ni. (17) a. קָהָל
b. קְהִלָּה (18) קָהָל עֵדָה (19) תִּקְוָה

Ge. 1. 9. συναχθήτω τὸ ὕδωρ ... εἰς σ. μίαν (10)
— 9. συνήχθη τὸ ὕδωρ ... εἰς τὰς σ. αὐ. –
28. 3. ἔσῃ εἰς συναγωγὰς ἐθνῶν (17 a)
35. 11. συναγωγαὶ ἐθνῶν ἔσονται ἐκ σοῦ (17 a)
48. 4. ποιήσω σε εἰς συναγωγὰς ἐθνῶν (17 a)
Ex. 12. 3. λάλησον πρὸς πᾶσαν σ. υἱῶν Ἰσρ. (13)
— 6. πᾶν τὸ πλῆθος συναγωγῆς υἱῶν Ἰσρ. (13)
— 19. ἐξολεθρευθήσεται ἡ ψυχὴ ἐκ. ἐκ συναγωγῆς Ἰσρ. (13)
— 47. πᾶσα σ. υἱῶν Ἰσρ. ποιήσει αὐτό (13)
16. 1. ἦλθοσαν πᾶσα σ. υἱῶν Ἰσρ. (13)
— 2. διεγόγγυζε πᾶσα σ. υἱῶν Ἰσρ. (13)
— 3. ἀποκτεῖναι πᾶσαν τὴν σ. ταύτην (17 a)
— 6. εἶπε Μ. καὶ Ἀ. πρὸς πᾶσαν σ. υἱῶν Ἰσρ. –
— 9. εἰπὸν πάσῃ σ. υἱῶν Ἰσρ. (13)
— 10. ἡνίκα δὲ ἐλάλει Ἀ. πάσῃ σ. υἱῶν Ἰσρ. (13)
— 22. πάντες οἱ ἄρχοντες τῆς σ. (13)
17. 1. ἀπῆρε πᾶσα σ. υἱῶν Ἰσρ. (13)
23. 16. ἐν τῇ σ. τῶν ἔργων σου (1 a)
34. 22. B καὶ ἀρχὴν [A R ἑορτὴν] συναγωγῆς μεσοῦντος τοῦ ἐνιαυτοῦ (1 b)
— 31. καὶ πάντες οἱ ἄρχοντες τῆς σ. (13)
35. 1. συνήθροισε Μ. πᾶσαν [A add. τὴν] σ. υἱῶν Ἰσρ. (13)
— 4. εἶπε Μ. πρὸς πᾶσαν σ. υἱῶν Ἰσραήλ (13)
— 20. καὶ ἐξῆλθε πᾶσα σ. υἱῶν Ἰσρ. (13)
38. 22 (2). τοῖς κατασταστιάσασι μετὰ τῆς Κ. συναγωγῆς –
39. 2 (38. 25). παρὰ τῶν ἐπεσκεμμένων ἀνδρῶν τῆς σ. (13)
Le. 4. 13. ἐὰν δὲ πᾶσα σ. Ἰσρ. ἀγνοήσῃ ἀκουσίως (13)
— 13. καὶ λάθῃ ῥῆμα ἐξ ὀφθαλμῶν τῆς σ. (17 a)
— 14. προσάξει ἡ σ. μόσχον (17 a)
— 15. ἐπιθήσουσιν οἱ πρεσβύτεροι τῆς σ. τὰς χεῖρας αὐ. (13)
— 21. ἁμαρτία συναγωγῆς ἐστιν (17 a)
8. 3. πᾶσαν τὴν σ. ἐκκλησίασον (13)
Le. 8. 4. ἐξεκκλησίασε τὴν σ. (13)
— 5. εἶπε Μ. τῇ σ. (13)
9. 5. προσῆλθε πᾶσα σ. (13)
10. 3. ἐν πάσῃ τῇ [B¹ om.] σ. δοξασθήσομαι (14)
— 6. ἐπὶ πᾶσαν τὴν σ. ἔσται θυμός (13)
— 17. ἵνα ἀφέλητε τὴν ἁμαρτίαν τῆς σ. (13)
11. 36. πλὴν πηγῶν ὑδάτων ... καὶ συναγωγῆς ὕδατος (9)
16. 5. παρὰ τῆς σ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. λήψεται δύο χιμάρους (13)
— 17. καὶ περὶ πάσης σ. υἱῶν Ἰσρ. (17 a)
— 33. περὶ πάσης σ. ἐξιλάσεται (15)
19. 2. λάλησον τῇ σ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (13)
22. 18. λάλησον ... πάσῃ σ. Ἰσρ. (3)
24. 14. λιθοβολήσουσιν αὐτὸν πᾶσα ἡ σ. (13)
— 16. A B¹ λιθοβολείτω αὐτὸν πᾶσα [B² R add. ἡ] σ. Ἰσρ. (13)
Nu. 1. 2. λάβετε ἀρχὴν πάσης σ. [A add. υἱῶν] Ἰσρ. (13)
— 16. οὗτοι ἐπίκλητοι τῆς σ. (13)
— 18. πᾶσαν τὴν [A om.] σ. συνήγαγον (13)
5. 2. A ἐξαποστειλάτωσαν ἐκ τῆς σ. [B παρεμβολῆς] (8)
8. 9. συνάξεις πᾶσαν σ. υἱῶν Ἰσρ. (13)
— 20. Μ. καὶ Ἀ. καὶ πᾶσα σ. υἱῶν Ἰσρ. (13)
10. 2. ἔσονταί σου ἀνακαλεῖν τὴν σ. (13)
— 3. συναχθήσεται πᾶσα ἡ σ. (13)
— 7. ὅταν συναγάγητε τὴν σ. (17 a)
13. 27 (26). ἦλθον ... πρὸς πᾶσαν σ. υἱῶν Ἰσρ. (13)
— 27 (26). ἀπεκρίθησαν αὐτοῖς ῥῆμα καὶ πάσῃ σ. [A τῇ σ.] (13)
14. 1. ἀναλαβοῦσα πᾶσα ἡ σ. ἐνέδωκε φωνήν (13)
— 2. εἶπαν πρὸς αὐτοὺς πᾶσα ἡ σ. (13)
— 5. ἐναντίον πάσης σ. υἱῶν Ἰσρ. (18)
— 7. εἶπαν πρὸς πᾶσαν σ. υἱῶν Ἰσρ. (13)
— 10. εἶπε πᾶσα ἡ σ. καταλιθοβολῆσαι αὐτούς (13)
— 27. ἕως τίνος τὴν σ. τὴν πονηρὰν ταύτην (13)
— 35. εἰ μὴν οὕτως ποιήσω τῇ σ. τῇ πονηρᾷ τ. (13)
— 36. διεγόγγυσαν κατ' αὐτῆς πρὸς τὴν σ. (13)
15. 14 (15). οὕτως ποιήσει ἡ σ. κυρίῳ (17 a)
— 24. ἐὰν ἐξ ὀφθαλμῶν τῆς σ. γενηθῇ ἀκουσίως (13)
— 24. καὶ ποιήσει πᾶσα ἡ σ. μόσχον ἕνα (13)
— 25. ἐξιλάσεται ... περὶ πάσης σ. υἱῶν Ἰσρ. (13)
— 26. ἀφεθήσεται κατὰ πᾶσαν σ. [A ἀφ. πᾶσα ἡ σ.] (13)
— 33. προσήγαγον αὐτὸν ... πρὸς πᾶσαν σ. υἱῶν Ἰσρ. (13)
— 35. λιθοβολήσατε αὐτὸν λίθοις πᾶσα ἡ σ. (13)
— 36. ἐξήγαγον αὐτὸν πᾶσα ἡ σ. (13)
— 36. ἐλιθοβόλησεν αὐτὸν πᾶσα ἡ σ. λίθοις –
16. 2. ἀρχηγοὶ συναγωγῆς (13)
— 3. πᾶσα ἡ σ. πάντες ἅγιοι (13)
— 3. διὰ τί κατανίστασθε ἐπὶ τὴν σ. κυρίου (17 a)
— 5. ἐλάλησε ... πρὸς πᾶσαν αὐτοῦ τὴν σ. (13)
— 6. Κ. καὶ πᾶσα ἡ σ. αὐ. (13)
— 9. διέστειλεν ὁ θ. Ἰσρ. ὑμᾶς ἐκ συναγωγῆς Ἰσρ. (13)
— 9. A παρίστασθαι ἔναντι τῆς σ. [B σκηνῆς] (13)
— 11. σὺ καὶ πᾶσα ἡ σ. σου (13)
— 16. ἁγίασον τὴν σ. σου (13)
— 19. A² B ἐπισυνέστησεν ἐπ' αὐτοὺς Κ. τὴν πᾶσαν αὐτοῦ σ. (13)
— 19. ὤφθη ἡ δόξα κυρίου πάσῃ τῇ σ. (13)
— 21. ἀποσχίσθητε ἐκ μέσου τῆς σ. ταύτης (13)
— 22. ἐπὶ πᾶσαν τὴν σ. ὀργὴ κυρίου (13)
— 24. λάλησον τῇ σ. (13)
— 24. ἀναχωρήσατε κύκλῳ ἀπὸ τῆς σ. Κ. (11)
— 26. ἐλάλησε πρὸς τὴν σ. (13)
— 33. ἀπώλοντο ἐκ μέσου τῆς σ. (17 a)
— 42 (17. 7). ἐν τῷ ἐπισυστρέφεσθαι τὴν σ. ἐπὶ Μ. (13)
— 45 (17. 10). ἐκχωρήσατε ἐκ μέσου τῆς σ. τ. (13)
— 47 (17. 12). ἔδραμεν εἰς τὴν σ. (17 a)
19. 9. ἔσται τῇ σ. υἱῶν Ἰσρ. (13)
— 20. ἐξολεθρευθήσεται ἡ ψυχὴ ἐκ. ἐκ μέσου τῆς σ. (17 a)
20. 1. ἦλθον οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πᾶσα ἡ σ. (13)
— 2. οὐκ ἦν ὕδωρ τῇ σ. (13)
— 4. ἵνα τί ἀνηγάγετε τὴν σ. κυρίου (17 a)
— 6. ἦλθε Μ. καὶ Ἀ. ἀπὸ προσώπου τῆς σ. (17 a)
— 8. B ἐκκλησίασον τῇ σ. [A R τὴν σ.] (13)
— 8. ποτιεῖτε τὴν σ. (13)
— 10. ἐξεκκλησίασε Μ. καὶ Ἀ. τὴν σ. (17 a)
— 11. ἔπιεν ἡ σ. (13)
— 12. οὐκ εἰσάξετε ὑμεῖς τὴν σ. ταύτην (17 a)

Nu. 20. 22. B[1] παρεγένοντο οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πᾶσα σ. [A B[2] R ἡ σ.] (13)
— 25. ἀναβίβασον αὐτοὺς . . . ἔναντι πάσης τῆς σ. –
— 27. ἀνεβίβασεν αὐτὸν . . . ἐναντίον πάσης τῆς σ. (13)
— 29. εἶδε πᾶσα ἡ σ. (13)
22. 4. νῦν ἐκλείξει ἡ σ. αὕτη πάντας (17 a)
25. 6. ἐναντίον πάσης σ. υἱῶν Ἰσρ. (13)
— 7. ἐξανέστη ἐκ μέσου τῆς σ. (13)
26. 2. λάβε τὴν ἀρχὴν πάσης σ. [A τῆς σ.] υἱῶν Ἰσρ. (13)
— 9. οὗτοι ἐπίκλητοι τῆς σ. (13)
— 9. οἱ ἐπισυστάντες . . . ἐν τῇ σ. K. (13)
— 10. B[1] κατέπιεν αὐτοὺς καὶ K. ἐν τῇ σ. [A B[2] R τῷ θανάτῳ τῆς σ.] (13)
27. 2. στᾶσαι . . . ἔναντι πάσης σ. [A τῆς σ.] (13)
— 3. οὐκ ἦν ἐν μέσῳ τῆς σ. . . . ἐν τῇ σ. K. (13, 13)
— 14. ἐν τῷ ἀντιπίπτειν τὴν σ. (13)
— 16. ἐπισκεψάσθω . . . ἄνθρωπον ἐπὶ τῆς σ. ταύτης (13)
— 17. οὐκ ἔσται ἡ σ. κυρίου ὡσεὶ πρόβατα (13)
— 19. ἐντελῆ αὐτῷ ἔναντι πάσης σ. (13)
— 21. αὐτὸς . . . καὶ πᾶσα ἡ σ. (13)
— 22. ἔστησεν αὐτὸν . . . ἐναντίον πάσης σ. (13)
31. 13. καὶ πάντες οἱ ἄρχοντες τῆς σ. (13)
— 16. ἐγένετο ἡ πληγὴ ἐν τῇ σ. κυρίου (13)
— 26. καὶ οἱ ἄρχοντες τῶν πατριῶν τῆς σ. (13)
— 27. καὶ ἀνὰ μέσον πάσης σ. [A τῆς σ.] (13)
— 43. ἐγένετο τὸ ἡμίσευμα ἀπὸ [A τὸ] τῆς σ. (13)
32. 2. εἶπαν . . . πρὸς τοὺς ἄρχοντας τῆς σ. (13)
— 15. ἀνομήσετε εἰς ὅλην τὴν σ. ταύτην (14)
35. 12. ἕως ἂν στῇ ἔναντι τῆς σ. (13)
— 24. καὶ κρινεῖ ἡ σ. (13)
— 25. ἐξελεῖται ἡ σ. τὸν φονεύσαντα (13)
— 25. A B[2] R ἀποκαταστήσουσιν αὐτὸν ἡ σ. (13)
De. 5. 22 (19). ἐλάλησε κ. πρὸς πᾶσαν σ. ὑμῶν (17 a)
33. 4. κληρονομίαν συναγωγαῖς Ἰ. (17 b)
Jo. 9. 15. ὤμοσαν αὐτοῖς οἱ ἄρχοντες τῆς σ. (13)
— 18. A ὤμοσαν αὐτοῖς π. οἱ ἄρχοντες τῆς σ. [B om. τ. σ.] (13)
— 18. διεγόγγυσαν πᾶσα ἡ σ. (13)
— 19. εἶπαν οἱ ἄρχοντες πάσῃ [A om.] τῇ σ. (13)
— 21. ἔσονται ξυλοκόποι . . . πάσῃ τῇ σ. (13)
— 27. κατέστησεν αὐτοὺς . . . ὑδροφόρους πάσῃ τῇ σ. (13)
18. 1. ἐξεκκλησιάσθη πᾶσα σ. υἱῶν Ἰσρ. (13)
20. 4. A ἐπιστρέψουσιν αὐτὸν ἡ σ. πρὸς αὐτούς †
— 6. A ἕως τῆς κατὰ πρόσωπον τῆς σ. [B al.] (13)
— 9. ἕως ἂν καταστῇ ἔναντι τῆς σ. (13)
22. 16. τάδε λέγει πᾶσα ἡ σ. κυρίου (13)
— 17. ἐγενήθη πληγὴ ἐν τῇ σ. κυρίου (13)
— 20. ἐπὶ πᾶσαν σ. [A τὴν σ.] Ἰσρ. ἐγενήθη ὀργή (13)
— 30. πάντες οἱ ἄρχοντες τῆς σ. Ἰσρ. (13)
Jd. 14. 8. συναγωγὴ [A συστροφὴ] μελισσῶν ἐν τῷ στόματι τοῦ λέοντος (13)
20. 1. ἐξεκκλησιάσθη ἡ [A πᾶσα ἡ σ.] (13)
21. 10. ἀπέστειλεν ἐκεῖ ἡ σ. δώδεκα χιλιάδας (13)
— 13. ἀπέστειλε πᾶσα ἡ σ. (13)
— 16. εἶπον οἱ πρεσβύτεροι τῆς σ. (13)
III Ki. 8. 5. A καὶ πᾶσα σ. Ἰσρ. [B al.] (13)
12. 20. ἐκάλεσεν αὐτὸν εἰς τὴν σ. (13)
— 21. ἐξεκκλησίασε τὴν σ. Ἰ. (2)
II Ch. 5. 6. ὁ βασ. Σαλ. καὶ πᾶσα σ. Ἰσρ. (13)
II Es. 10. 14. B S[1] ἐλθέτωσαν εἰς καιροὺς ἀπὸ συναγωγῶν [A S[2] R συνταγῶν] †
Es. 10. 3. μετὰ συναγωγῆς καὶ χαρᾶς καὶ εὐφροσύνης –
Jb. 8. 17. ἐπὶ συναγωγὴν [A -ῇ] λίθων κοιμᾶται (4)
Ps. 7. 7. συναγωγὴ λαῶν κυκλώσει σε (13)
15 (16). 4. οὐ μὴ συναγάγω τὰς σ. αὐτῶν ἐξ αἱμάτων †
21 (22). 16. συναγωγὴ πονηρευομένων περιέσχον με (13)
39 (40). 10. οὐκ ἔκρυψα τὸ ἔλεός σου . . . ἀπὸ συναγωγῆς πολλῆς (17 a)
61 (62). 8. B S[2] ἐλπίσατε ἐπ' αὐτὸν πᾶσα συναγωγὴ λαοῦ †
67 (68). 30. ἡ σ. τῶν ταύρων ἐν ταῖς δαμάλεσι τῶν λαῶν (13)
73 (74). 2. μνήσθητι τῆς σ. σου (13)
81 (82). 1. ὁ θεὸς ἔστη ἐν συναγωγῇ θεῶν (13)
85 (86). 14. συναγωγὴ κραταιῶν ἐζήτησαν τὴν ψυχήν μου [S[1] al.] (13)
105 (106). 17. ἐκάλυψεν ἐπὶ τὴν σ. Ἀβειρών (13)
Ps. 105 (106). 18. ἐξεκαύθη πῦρ ἐν τῇ σ. αὐτῶν (13)
110 (111). 1. ἐν βουλῇ εὐθέων καὶ συναγωγῇ (13)
Pr. 5. 14. ἐν μέσῳ ἐκκλησίας καὶ συναγωγῆς (13)
21. 16. ἐν συναγωγῇ γιγάντων ἀναπαύσεται (17 a)
Si. 1. 30. ἐν μέσῳ συναγωγῆς καταβαλεῖ σε
4. 7. προσφιλῆ συναγωγῇ σεαυτὸν ποίει
16. 6. ἐν συναγωγῇ ἁμαρτωλῶν ἐκκαυθήσεται πῦρ
21. 9. στυππεῖον συνηγμένον συναγωγὴ [A εἰσαγ.] ἀνόμων
24. 23. κληρονομίαν συναγωγαῖς Ἰακώβ
34 (31). 3. ἐκοπίασε πλούσιος ἐν συναγωγῇ χρημάτων
41. 18. ἀπὸ συναγωγῆς καὶ λαοῦ περὶ ἀνομίας
43. 20. ἐπὶ πᾶσαν συναγωγὴν ὕδατος καταλύσει
45. 18. ἄνδρες οἱ περὶ Δ. καὶ Ἀβ. καὶ ἡ σ. Κορέ
46. 14. ἐν νόμῳ κυρίου ἔκρινε συναγωγήν
Ob. 1. 13. μηδὲ ἐπίδῃς καὶ σὺ τὴν σ. αὐ. †
Ze. 3. 8. τὸ κρίμα μου εἰς συναγωγὰς ἐθνῶν (17 a)
Za. 9. 12. καθήσεσθε ἐν ὀχυρώμασι δέσμιοι τῆς σ. (19)
Is. 19. 6. ξηρανθήσεται πᾶσα σ. ὕδατος †
22. 6. καὶ σ. παρατάξεως †
24. 22. συνάξουσι συναγωγὴν αὐτῆς [A om. σ. αὐ.] εἰς δεσμωτήριον (1 c)
37. 25. ἠρήμωσα ὕδατα καὶ πᾶσαν σ. ὕδατος †
56. 8. συνάξω ἐπ' αὐτὸν συναγωγήν (16)
Je. 6. 11. ἐκχεῶ . . . ἐπὶ συναγωγὴν νεανίσκων ἅμα (12)
27 (50). 9. ἐγείρω ἐπὶ Βαβυλῶνα συναγωγὰς ἐθνῶν (17 a)
33 (26). 17. εἶπαν πάσῃ τῇ σ. τοῦ λαοῦ (17 a)
38 (31). 4. ἐξελεύσῃ μετὰ συναγωγῆς παιζόντων (7)
— 13. χαρήσονται παρθένοι ἐν συναγωγῇ νεανίσκων (7)
51 (44). 15. θυμιῶσιν αἱ γυναῖκες αὐτῶν . . . σ. μεγάλη (17 a)
Ez. 26. 7. μετὰ . . . συναγωγῆς ἐθνῶν πολλῶν [A πολλῆς ἐ.] σφόδρα (17 a)
27. 27. πᾶσα σ. [A ἡ σ.] σου ἐν μέσῳ σου πεσοῦνται (17 a)
— 34. πᾶσα ἡ σ. σου ἐν μέσῳ σου (17 a)
32. 22. ἐκεῖ Ἀσσοὺρ καὶ πᾶσα ἡ σ. αὐτοῦ (17 a)
— 23. ἐγενήθη ἡ σ. αὐτοῦ (17 a)
37. 10. ἔστησαν . . . σ. πολλὴ [A μεγάλη] σφόδρα (6)
38. 4. συνάξω σε . . . συναγωγῇ πολλῇ (17 a)
— 7. σὺ καὶ πᾶσα ἡ σ. σου (17 a)
— 13. συνήγαγες συναγωγήν σου (17 a)
— 15. σ. μεγάλη καὶ δύναμις πολλή (17 a)
Da. LXX. Su. 28. ἐλθόντες ἐπὶ τὴν σ. τῆς πόλεως
— 41. ἐπίστευσεν αὐτοῖς ἡ σ. πᾶσα
— 51. εἶπε Δαν. τῇ σ.
— 60. πᾶσα ἡ σ. ἀνεβόησεν ἐπὶ τῷ νεωτέρῳ
8. 25. ποιήσει συναγωγὴν χειρός †
11. 10. συνάξει συναγωγὴν ὄχλου πολλοῦ (5)
— 11. παραδοθήσεται ἡ σ. εἰς τὰς χεῖρας αὐ. (5)
— 12. λήψεται τὴν σ. (5)
— 13. συνάξει πόλεως συναγωγήν (5)
Da. TH. Su. 41. ἐπίστευσεν αὐτοῖς ἡ σ.
— 60. ἀνεβόησε πᾶσα ἡ σ. φωνῇ μεγάλῃ
I Ma. 2. 42. A R συνήχθησαν πρὸς αὐτοὺς συναγωγὴ Ἀσιδαίων [S πᾶσα σ. Ἰουδ.]
3. 44. A ἠθροίσθησαν ἡ σ. [S R al.]
7. 12. ἐπισυνήχθησαν . . . συναγωγὴ γραμματέων
14. 28. ἐπὶ συναγωγῆς μεγάλης ἱερέων
[Aq. Nu. 3. 7: Jb. 15. 34: Ps. 1. 5: 73 (74). 8: 81 (82). 1: 85 (86). 14: Je. 15. 17: Ho. 7. 12.]
[Sm. Nu. 3. 7 bis: Ps. 74 (75). 3: 85 (86). 14: Is. 57. 13: Je. 15. 17: Ez. 32. 3.]
[Th. Nu. 3. 7: Jb. 15. 34: Is. 24. 22 (Sw.).]
[Al. Nu. 16. 3, 46 (17. 11): Dt. 11. 6.]

συνᾴδειν. (1) אָמַר

Ho. 7. 2. A ὅπως συνᾴδουσιν ὡς συνᾴδοντες τῇ καρδίᾳ αὐ. [B al.] (1, –)

συναθροίζειν. (1) חִוָּן hi. (2) יָעַד ni. (3) מָנוֹר (4) נוּעַ (5) קָבַץ a. qal. b. ni. c. hithpa. (6) קָהַל a. ni. b. hi. (7) עוּשׁ

Ex. 35. 1. συνήθροισε M. πᾶσαν συναγωγήν (6 b)
Nu. 16. 11. πᾶσα ἡ συναγωγὴ σου ἡ συνηθροισμένη πρὸς τὸν θ. (2)
20. 2. A συνηθροίσθησαν [B ἠθρ.] ἐπὶ M. καὶ Ἀ. (6 a)
De. 1. 41. συνηθροισθέντες ἀνεβαίνετε εἰς τὸ ὄρος (1)
Jo. 22. 12. συνηθροίσθησαν πάντες οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (6 a)
Jd. 12. 4. A συνήθροισεν Ἰ. πάντας τοὺς ἄνδρας Γ. [B al.] (5 a)
I Ki. 4. 1. συναθροίζονται ἀλλόφυλοι εἰς πόλεμον –
7. 7. συνηθροίσθησαν πάντες οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (5 c)
8. 4. συναθροίζονται ἄνδρες Ἰσρ. (5 c)
25. 1. συναθροίζονται πᾶς Ἰσρ. (5 b)
28. 1. συναθροίζονται ἀλλόφυλοι (5 a)
— 4. συναθροίζονται οἱ ἀλλόφυλοι (5 b)
— 4. συναθροίζει Σ. πάντα ἄνδρα Ἰσρ. (5 a)
29. 1. συναθροίζουσιν [A -ονται] ἀλλόφυλοι π. τὰς παρεμβολὰς αὐ. (5 a)
II Ki. 2. 25. συναθροίζονται υἱοὶ Βεν. (5 c)
— 30. συνήθροισε [A -αν] πάντα τὸν λαόν (5 a)
3. 21. συναθροίσω πρὸς κύριόν μου τὸν βασ. πάντα Ἰ. (5 a)
III Ki. 11. 14 (24). συνηθροίσθησαν ἐπ' αὐτὸν ἄνδρες (5 a)
12. 24. B συνήθροισεν ἐκεῖ τὰς φυλὰς τοῦ Ἰσρ. –
— 24. B συνήθροισε P. πάντα ἄνδρα Ἰ. –
18. 19. συνάθροισον πρὸς μὲ πάντα Ἰσρ. (5 a)
21 (20). 1. συνήθροισεν υἱὸς Ἀ. πᾶσαν τὴν δύναμιν αὐ. (5 a)
22. 6. συνήθροισεν ὁ βασιλεὺς Ἰσρ. πάντας τοὺς προφήτας (5 a)
IV Ki. 10. 18. R συνήθροισεν [A B ἐζήλωσεν] Ἰ. πάντα τὸν λαόν (5 a)
II Es. 10. 7. R τοῦ συναθροισθῆναι [S[2] -αχθῆναι] εἰς Ἱερ. (5 b)
Am. 4. 8. συναθροισθήσονται δύο καὶ τρεῖς πόλεις (4)
Jl. 3 (4). 11. συναθροίζεσθε καὶ εἰσπορεύεσθε (7)
Je. 20. 10. ἤκουσα ψόγον πολλῶν συναθροιζομένων κυκλόθεν (3)
I Ma. 1. 52. συνηθροίσθησαν ἀπὸ τοῦ λαοῦ . . . πολλοί
3. 44. R συνηθροίσθη ἡ συναγωγή [A S al.]
II Ma. 10. 24. τοὺς τῆς Ἀ. γενομ. ἵππους συναθροίσας οὐκ ὀλίγους
11. 2. συναθροίσας περὶ τὰς ὀκτὼ μυριάδας
III Ma. 5. 24. τὰ δὲ κατὰ τὴν πόλιν πλήθη συνήθροιστο
— 34. τοὺς συνηθροισμένους ἀπέλυσαν
7. 3. τοὺς ὑπὸ τὴν βασιλείαν Ἰουδ. συναθροίσαντας
[Aq. IV Ki. 10. 18: Is. 8. 9.]
[Sm. Ps. 49 (50). 5: Is. 8. 9.]
[Th. Is. 8. 9.]
[Al. Le. 8. 3: Nu. 16. 42 (17. 7): Dt. 4. 10.]

συναινεῖν.

III Ma. 5. 21. πάντες . . . οἱ παρόντες ὁμοῦ συναινέσαντες
6. 41. συναινέσας δὲ αὐτοῖς ὁ βασ.
7. 12. R ὁ δὲ τἀληθὲς αὐτοὺς λέγειν . . . συναινέσας [A παραιν.]
[Th. Je. 5. 31.]

συναίρειν. (1) עָזַב

Ex. 23. 5. συναρεῖς [B[2] -εγερεῖς, A ἐγερεῖς] αὐτὸ μετ' αὐτοῦ (1)

συναιρεῖν.

[Sm. Ps. 25 (26). 9.]

συναιτεῖν. (1) פָּנַשׁ ni.

Pr. 22. 2. A πλούσιος καὶ πτωχὸς συνῆτησαν [B S -ήντησαν] αὐτοῖς (1)

συνακολουθεῖν.

II Ma. 2. 4. τὴν κιβωτὸν ἐκέλευσεν . . . αὐτῷ συνακολουθεῖν
— 6. προσελθόντες τινὲς τῶν συνακολουθούντων

συναλγεῖν.

Si. 37. 12. ἐὰν πταίσῃς συναλγήσει σοι

συναλίζεσθαι.

[Al. Ps. 140 (141). 4.]

συναλλαγή.

[Aq. Ez. 16. 8: 27. 9, 13, 16, 17, 27, 33, 34.]
[Sm. Ru. 4. 7.]

συνάλλαγμα.

Is. 58. 6. διάλυε στραγγαλιὰς βιαίων συναλλαγμάτων †
I Ma. 13. 42. γράφειν ἐν ταῖς συγγραφαῖς καὶ συναλλάγμασιν [S[1] -ατα]

συναλοᾶν (-λοιᾶν). (1) דָּקַק aph.
Da. LXX. 2. 45. συνηλόησε τὸ ὄστρακον τὸν σίδηρον (1)

συναναβαίνειν. (1) עָלָה
Ge. 50. 7. συνανέβησαν μετ' αὐτοῦ πάντες οἱ παῖδες Φ. (1)
— 9. συνανέβησαν μετ' αὐτοῦ καὶ ἅρματα (1)
— 14. οἱ συναναβάντες [A *add.* πάντες] θάψαι τὸν πατ. αὐ. (1)
Ex. 12. 38. ἐπίμικτος πολὺς συνανέβη αὐτοῖς (1)
24. 2. ὁ δὲ λαὸς οὐ συναναβήσεται μετ' αὐτῶν (1)
33. 3. οὐ γὰρ μὴ συναναβῶ μετὰ σοῦ (1)
Nu. 13. 32 (31). οἱ ἄνθρωποι οἱ συναναβάντες μετ' αὐτοῦ (1)
Jo. 14. 8. A οἱ ἀδ. οἱ συναναβάντες μετ' ἐμοῦ [B *al.*] (1)
Jd. 6. 3. οἱ υἱοὶ ἀνατολῶν συνανέβαινον αὐτοῖς [A *al.*] (1)
II Ch. 18. 2. τοῦ συναναβῆναι μετ' αὐτοῦ εἰς 'P. (1)
I Es. 5. 3. ἐποίησεν αὐτοῖς συναναβῆναι μετ' ἐκείνων
8. 5. συνανέβησαν ἐκ τῶν υἱῶν 'Ισρ.
— 27. ὥστε συναναβῆναί μοι

συναναβιβάζειν.
[Al. Ge. 50. 25.]

συνανακεῖσθαι.
III Ma. 5. 39. οἱ δὲ συνανακείμενοι συγγενεῖς

συναναλαμβάνειν.
[Aq. Ex. 9. 24.]

συναναμιγνύναι (-μίσγειν). (1) בָּלַל hithpo.
Ho. 7. 8. A 'Εφρ. ἐν τοῖς λαοῖς αὐ. συνανεμίγνυτο [B συνεμ.] (1)
Ez. 20. 18. ἐν τοῖς ἐπιτηδεύμασιν αὐτῶν μὴ συναναμίσγεσθε [A -μίγνυσθε] –
[Th. Pr. 20. 19.]

συνανάμιξις. (1) חָבַר hithpa.
Da. Th. 11. 23. ἀπὸ τῶν σ. πρὸς αὐτὸν ποιήσει δόλον (1)

συναναμίσγειν, *vid.* συναναμιγνύναι.

συναναπαύεσθαι. (1) רָבַץ
Is. 11. 6. πάρδαλις συναναπαύσεται ἐρίφῳ (1)

συναναπλέκειν.
[Aq. Jb. 39. 13.]

συναναστρέφειν. (1) פָּחַל ni.
Ge. 30. 8. συνανεστράφην τῇ ἀδελφῇ μου (1)
Si. 41. 5. τέκνα . . . συναναστρεφόμενα παροικίαις ἀσεβῶν
Ba. 3. 37. ἐν τοῖς ἀνθρώποις συνανεστράφη
[Aq. Ge. 30. 8.]

συναναστροφή.
Wi. 8. 16. οὐ γὰρ ἔχει πικρίαν ἡ σ. αὐτῆς
III Ma. 2. 31. ἀπὸ τῆς ἐσομένης τῷ βασ. σ.
— 33. καὶ τῆς κοινῆς σ. . . . ἐστέρουν
3. 5. τῇ δὲ . . . εὐπραξίᾳ κοσμοῦντες τὴν σ.
[Aq. Ge. 30. 8.]

συναναφέρεσθαι. (1) עָלָה hi.
Ge. 50. 25. συνανοίσετε τὰ ὀστᾶ μου ἐντεῦθεν (1)
Ex. 13. 19. συνανοίσετέ μου τὰ ὀστᾶ ἐντεῦθεν (1)
II Ki. 6. 18. συνετέλεσε Δ. συναναφέρων τὰς ὁλοκαυτώσεις (1)

συναναφύρεσθαι. (1) הָיָה
Ez. 22. 6. A συνανεφύροντο [B¹ R συνεφ., B² ἐνεφύραντο] ἐν σοί (1)

συνανᾶν. (1) *a.* בּוֹא *b.* בּוֹא לְ (2) לָמוֹאל, לְמוֹל (3) מָצָא (4) נָגַע (5) נָשַׁג hi. (6) פָּגַע (7) פָּגַשׁ *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. (8) קָבַץ ni. (9) קָדַם pi. (10) קָרָא *a.* qal. *b.* ni. (11) קָרָה *a.* qal. *b.* ni. (12) συναντήσας σοι לִקְרַאת בּוֹאֶךָ
Ge. 32. 1 (2). συνήντησαν αὐτῷ οἱ ἄγγελοι τοῦ θ. (6)
— 17 (18). ἐάν σοι συναντήσῃ Ἡσαῦ (7 *a*)
46. 28. τὸν δὲ 'Ι. ἀπέστειλεν . . . συναντῆσαι αὐτῷ †
Ex. 4. 24. συνήντησεν αὐτῷ ἄγγελος κυρίου (7 *a*)
— 27. καὶ συνήντησεν αὐτῷ (7 *a*)
5. 3. μή ποτε συναντήσῃ [A -σει] ἡμῖν θάνατος (6)
— 20. συνήντησαν δὲ Μ. καὶ 'Ααρών (6)
7. 15. ἔσῃ συναντῶν αὐτῷ (10 *a*)
23. 4. ἐὰν δὲ συναντήσῃς τῷ βοῒ τοῦ ἐχθροῦ σου (6)
Nu. 23. 16. συνήντησεν ὁ θ. τῷ Β. (11 *b*)
35. 19. ὅταν συναντήσῃ αὐτῷ οὗτος (6)
— 21. ἐν τῷ συναντῆσαι αὐτῷ (6)
De. 22. 6. ἐὰν δὲ συναντήσῃς νοσσιᾷ ὀρνέων (10 *b*)
23. 4 (5). παρὰ τὸ μὴ συναντῆσαι αὐτοὺς ὑμῖν (9)
31. 29. A καὶ συναντήσεται ὑμῖν τὰ κακά [B *al.*] (10 *a*)
Jo. 2. 16. μὴ συναντήσωσιν ὑμῖν οἱ καταδιώκοντες (6)
11. 20. συναντᾶν εἰς πόλεμον πρὸς 'Ισρ. (10 *a*)
Jd. 8. 21. συνάντησον [A ἀπάντ.] ἡμῖν (6)
15. 12. μή ποτε συναντήσητε ἐν ἐμοὶ ὑμεῖς [A *al.*] (6)
18. 25. μή ποτε συναντήσωσιν ἐν ἡμῖν ἄνδρες [A *al.*] (6)
20. 41. συνήντησεν ἐπ' αὐτοὺς ἡ πονηρία [A *al.*] (4)
II Ki. 2. 13. A συναντῶσιν αὐτοῖς ἐπὶ τὴν κρήνην τὴν Γ. (7 *a*)
18. 9. συνήντησεν 'Αβ. ἐνώπιον τῶν παίδων Δ. (10 *b*)
Ne. 12. 38. S² ἡ δευτέρα ἐπορεύετο συναντῶσα αὐτοῖς (2)
13. 2. οὐ συνήντησαν τοῖς υἱοῖς 'Ισρ. ἐν ἄρτῳ (9)
Ju. 1. 6. συνήντησαν [A -εν] πρὸς αὐτόν
10. 11. συνήντησεν αὐτῇ προφυλακὴ τῶν 'Ασσ.
Jb. 3. 12. ἵνα τί δὲ συνήντησέν μοι τὰ γόνατα (9)
— 25. φόβος γὰρ . . . ὃν ἐδεδοίκειν συνήντησέ μοι (1 *b*)
4. 12. A οὐδὲν ἂν τούτων κακῶν συνήντησέν μοι [B S *al.*] –
— 14. φρίκη μοι συνήντησε (10 *a*)
5. 14. ἡμέρας [A ἐν ἡμέρᾳ] συναντήσεται αὐτοῖς σκότος (7 *c*)
27. 20. συνήντησαν [A κοιμηθέντι συναντήσονται] αὐτῷ (5)
30. 26. συνήντησάν μοι μᾶλλον ἡμέραι κακῶν (1 *a*)
39. 22. συναντῶν βασιλεῖ [A βέλει] καταγελᾷ †
41. 17 (18). ἐὰν συναντήσωσιν αὐτῷ λόγχαι (5)
Ps. 84 (85). 10. ἔλεος καὶ ἀλήθεια συνήντησαν (7 *b*)
Pr. 7. 10. ἡ δὲ γυνὴ συναντᾷ αὐτῷ (10 *a*)
9. 18. ἐπὶ πέταυρον ᾅδου συναντᾷ (10 *a*)
12. 13. ὁ δὲ συναντῶν ἐν πύλαις ἐκθλίψει ψυχάς –
— 23. καρδία δὲ ἀφρόνων συναντήσεται ἀραῖς (10 *a*)
17. 20. ὁ δὲ σκληροκάρδιος οὐ συναντᾷ ἀγαθοῖς (3)
20. 30. ὑπώπια καὶ συντρίμματα συναντᾷ κακοῖς †
22. 2. πλούσιος καὶ πτωχὸς συνήντησαν [A -ῆτ.] ἀλλήλοις (7 *b*)
24. 7. ἀπαιδεύτοις συναντᾷ θάνατος (10 *a*)
Ec. 2. 14. συνάντημα ἓν συναντήσεται τοῖς πᾶσιν αὐτοῖς (11 *a*)
— 15. καί γε ἐμοὶ συναντήσεταί μοι [S² *om.*] (11 *a*)
9. 11. ἀπάντημα συναντήσεται σύμπασιν αὐτοῖς (11 *a*)
Is. 8. 14. οὐχ ὡς λίθου προσκόμματι συναντήσεσθε –
14. 9. ὁ ᾅδης κάτωθεν ἐπικράνθη συναντήσας σοι (12)
21. 14. συναντᾶτε τοῖς φεύγουσι (9)
34. 14. συναντήσουσι δαιμόνια ὀνοκενταύροις (7 *a*)
— 15. ἐκεῖ συνήντησαν ἔλαφοι (8)
64. 5 (4). συναντήσεται γὰρ τοῖς ποιοῦσι [S ὑπομένουσι] τὸ δίκαιον (6)
I Ma. 4. 29. καὶ συνήντησεν αὐτοῖς 'Ι.
5. 25. συνήντησαν τοῖς Ναβ.
7. 39. συνήντησεν αὐτῷ δύναμις Συρίας
10. 74. συνήντησεν αὐτῷ Σ.
11. 2. A R καὶ συνήντων [S -ουν] αὐτῷ
— 2. ἐντολὴ ἦν 'Αλ. τοῦ βασ. συναντᾶν αὐτῷ
— 6. συνήντησεν 'Ιων. τῷ βασ.
— 64. συνήντησεν αὐτοῖς [S¹ -αν ἑαυ.]
[Aq. Is. 51. 19: 60. 18: Je. 32 (39). 23.]
[Sm. Is. 51. 19: 60. 18: 64. 5 (4).]
[Th. Pr. 17. 12.]
[Al. Nu. 17. 4 (19).]

συναντή. (1) קָרָא
III Ki. 18. 16. ἐπορεύθη 'Αβδ. εἰς συναντὴν [A -ησιν] τῷ 'Αχ. (1)
IV Ki. 2. 15. ἦλθον εἰς συναντὴν [A -ησιν] αὐ. (1)
5. 26. ὅτε ἐπέστρεψεν . . . εἰς συναντήν [A -ησίν] σοι (1)

συνάντημα. (1) מִפְגָּשָׁה (2) מִקְרֶה (3) נֶגַע
Ex. 9. 14. ἐξαποστέλλω πάντα τὰ σ. μου (1)
III Ki. 8. 37. πᾶν σ. πᾶν πόνον (3)
Ec. 2. 14. συνάντημα ἓν συναντήσεται τοῖς πᾶσιν αὐτοῖς (2)
— 15. ὡς συνάντημα τοῦ ἄφρονος (2)
3. 19. A R καί γε αὐτοῖς συνάντημα [B οὐ σ., S ὡς σ.] υἱῶν τοῦ ἀνθρώπου καὶ συνάντημα κτήνους σ. ἓν αὐτοῖς [S² τοῖς πᾶσιν] (2 *ter*)
9. 2. συνάντημα ἓν τῷ δικαίῳ καὶ τῷ ἀσεβεῖ (2)
— 3. συνάντημα ἓν τοῖς πᾶσι (2)
[Aq. I Ki. 6. 9: Is. 57. 13.]
[Al. Ec. 12. 11.]

συνάντησις. (1) אֲגֻדָּה (2) פָּנִים (3) קָרָא
Ge. 14. 17. R ἐξῆλθε δὲ βασιλεὺς Σοδ. εἰς συνάντησιν αὐτῷ (3)
18. 2. προσέδραμεν εἰς συνάντησιν αὐτοῖς (3)
19. 1. ἀνέστη εἰς συνάντησιν αὐτοῖς (3)
24. 17. ἐπέδραμε δὲ ὁ παῖς εἰς συνάντησιν αὐτῆς (3)
— 65. ὁ πορευόμ. ἐν τῷ πεδίῳ εἰς συνάντησιν ἡμῖν (3)
29. 13. ἔδραμεν εἰς συνάντησιν αὐτοῦ (3)
30. 16. ἐξῆλθε Λ. εἰς συνάντησιν αὐτῷ (3)
32. 6 (7). ἔρχεται εἰς συνάντησίν σοι (3)
33. 4. προσέδραμεν 'Η. εἰς συνάντησιν αὐτῷ (3)
46. 29. ἀνέβη εἰς συνάντησιν 'Ισρ. τῷ πατρὶ αὐ. (3)
Ex. 4. 14. ἐξελεύσεται εἰς συνάντησίν σοι (3)
— 27. πορεύθητι εἰς συνάντησιν Μωυσεῖ (3)
5. 20. ἐρχομένοις εἰς συνάντησιν αὐτοῖς (3)
18. 7. ἐξῆλθε δὲ Μ. εἰς συνάντησιν τῷ γαμβρῷ (3)
19. 17. ἐξήγαγε Μ. τὸν λαὸν εἰς [A B² *add.* τὴν] συνάντησιν τοῦ θ. (3)
Nu. 20. 18. ἐξελεύσομαι εἰς συνάντησίν σοι (3)
— 20. ἐξῆλθεν 'Ε. εἰς συνάντησιν αὐτῷ (3)
21. 33. ἐξῆλθεν *Ωγ . . . εἰς συνάντησιν αὐτοῖς (3)
22. 34. ἀνθέστηκας ἐν τῇ ὁδῷ εἰς συνάντησιν [A *add.* μοι] (3)
— 36. ἐξῆλθεν εἰς συνάντησιν αὐτῷ (3)
23. 3. εἴ μοι φανεῖται ὁ θ. ἐν συναντήσει (3)
24. 1. οὐκ ἐπορεύθη . . . εἰς συνάντησιν τοῖς οἰωνοῖς (3)
31. 13. ἐξῆλθε Μ. . . . εἰς συνάντησιν αὐτοῖς (3)
De. 1. 44. ἐξῆλθεν ὁ 'Αμ. . . . εἰς συνάντησιν ὑμῖν (3)
2. 32. ἐξῆλθε Σ. . . . εἰς συνάντησιν ἡμῖν (3)
3. 1. ἐξῆλθεν *Ωγ . . . εἰς συνάντησιν ἡμῖν (3)
29. 7 (6). ἐξῆλθε . . . εἰς συνάντησιν ἡμῖν (3)
Jo. 8. 5. ὡς ἂν ἐξέλθωσιν . . . εἰς συνάντησιν ἡμῖν (3)
— 14. ἐξῆλθεν εἰς συνάντησιν αὐτοῖς (3)
— 22. ἐξήλθοσαν ἐκ τῆς πόλεως εἰς συνάντησιν (3)
9. 11. πορεύθητε εἰς συνάντησιν αὐτῶν (3)
Jd. 4. 18. ἐξῆλθεν 'Ι. εἰς συνάντησιν Σ. [A *al.*] (3)
— 22. ἐξῆλθεν 'Ι. εἰς συνάντησιν αὐτῷ [A *al.*] (3)
6. 35. ἀνέβη εἰς συνάντησιν αὐτῶν [A *al.*] (3)
7. 24. κατάβητε εἰς συνάντησιν Μ. [A *al.*] (3)
11. 31. ὃς ἂν ἐξέλθῃ . . . εἰς συνάντησίν [A ἀπάντ.] μου (3)
14. 5. ὠρυόμενος εἰς συνάντησιν [A ἀπάντ.] αὐτοῦ (3)
15. 14. καὶ ἔδραμον εἰς συνάντησιν αὐτοῦ [A *al.*] (3)
19. 3. ηὐφράνθη εἰς συνάντησιν αὐ. [A *al.*] (3)
20. 25. ἐξῆλθον οἱ υἱοὶ Βεν. εἰς συνάντησιν αὐτοῖς [A *al.*] (3)
— 31. ἐξῆλθον οἱ υἱοὶ Βεν. εἰς συνάντησιν τοῦ λαοῦ [A *al.*] (3)
I Ki. 17. 48. καὶ ἐπορεύθη εἰς συνάντησιν Δ. (3)
18. 6. ἐξῆλθον αἱ χορεύουσαι εἰς συνάντησιν Δ. –
23. 28. ἐπορεύθη εἰς συνάντησιν τῶν ἀλλοφ. (3)
25. 20. κατέβαινον εἰς συνάντησιν αὐτῆς (3)
II Ki. 2. 25. ἐγενήθησαν εἰς σ. μίαν (1)
5. 23. οὐκ ἀναβήσῃ εἰς συνάντησιν αὐτῶν –
III Ki. 12. 24. B ἐξελεύσονταί σοι εἰς συνάντησιν –
18. 7. ἦλθεν 'Η. εἰς συνάντησιν αὐ. (3)
— 16. A ἐπορεύθη 'Αβδ. εἰς συνάντησιν [B -ῆν] τῷ 'Αχ. (3)
— 16. ἐπορεύθη εἰς συνάντησιν 'Η. (3)
IV Ki. 1. 3. ἀναστὰς δεῦρο εἰς συνάντησιν τῶν ἀγγέλων (3)
— 6. ἀνὴρ ἀνέβη εἰς συνάντησιν ἡμῶν (3)
— 7. τίς ἡ κρίσις τοῦ ἀνδρὸς τοῦ ἀναβάντος εἰς συνάντησιν ὑμῖν (3)

IV Ki. 2. 15. A ἦλθον εἰς συνάντησιν [B -ὴν] αὐ. (3)
5. 26. A ὅτε ἐπέστρεψεν . . . εἰς συνάντησίν [B -ήν] σοι (3)
II Ch. 14. 10 (9). ἐξῆλθεν 'A. εἰς συνάντησιν αὐτῷ (2)
35. 20. ἐπορεύθη βασιλεὺς Ἰωσ. εἰς συνάντησιν αὐτῷ (3)
To. 11. 16. ἐξῆλθε Τωβ. εἰς συνάντησιν τῇ νύμφῃ αὐ. [S *al.*]
Ju. 2. 6. ἐξελεύσῃ εἰς συνάντησιν πάσῃ τῇ γῇ [S *al.*]
Ps. 58 (59). 4. ἐξεγέρθητι εἰς συνάντησίν μου (3)
151. 6. ἐξῆλθον εἰς συνάντησιν τῷ ἀλλοφύλῳ
Pr. 7. 15. ἐξῆλθον εἰς συνάντησίν [B¹ ὑπάντ.] σοι (3)
Za. 2. 3 (7). ἐξεπορεύετο εἰς συνάντησιν αὐτῷ [A S *al.*] (3)
Is. 7. 3. ἔξελθε εἰς συνάντησιν Ἄχαζ (3)
21. 14. εἰς συνάντησιν διψῶντι ὕδωρ φέρετε (3)
I Ma. 3. 11. καὶ ἐξῆλθεν εἰς συνάντησιν αὐτῷ
— 16. ἐξῆλθεν 'I. εἰς συνάντησιν αὐτῷ ὀλιγοστός
— 17. A τὴν παρεμβολὴν ἐρχομ. εἰς συνάντησιν αὐτῷ [S -ῶν, R -οῖς]
5. 39. ἐπορεύθη 'I. εἰς συνάντησιν αὐτῶν
— 59. ἐξῆλθε Γ. . . . εἰς συνάντησιν αὐτοῖς
6. 48. ἀνέβαινον εἰς συνάντησιν αὐτῶν
7. 31. ἐξῆλθεν εἰς συνάντησιν τῷ Ἰούδᾳ
9. 11. ἔστησαν εἰς συνάντησιν αὐτοῖς
— 39. A R ἐξῆλθε . . . εἰς συνάντησιν [S ὑπάντ.] αὐ.
10. 2. ἐξῆλθεν εἰς συνάντησιν αὐτῷ
— 59. ἐλθεῖν εἰς συνάντησιν [S² τὴν σ.] αὐτῷ
— 86. ἐξῆλθον οἱ ἐκ τῆς πόλεως εἰς συνάντησιν αὐτῷ
16. 5. δύναμις πολλὴ εἰς συνάντησιν αὐτοῖς
III Ma. 5. 2. εἰσαγαγεῖν πρὸς συνάντησιν τοῦ μόρου τῶν Ἰουδ.
[Aq. I Ki. 20. 26.]

συναντίζειν.
[Aq. Mi. 2. 8.]

συναντιλαμβάνεσθαι. (1) כּוּן ni. (2) נָשָׂא
Ge. 30. 8. R συναντελάβετό μου [A συνεβάλετό μοι] ὁ θ. †
Ex. 18. 22. καὶ συναντιλήψονταί σοι [A σου] (2)
Nu. 11. 17. συναντιλήψονται μετὰ σοῦ τὴν ὁρμὴν τοῦ λαοῦ (2)
Ps. 88 (89). 21. ἡ γὰρ χεὶρ μου συναντιλήψεται αὐτῷ (1)

συνάντισμα.
[Aq. Dt. 23. 10 (11).]

συναπάγειν. (1) לָקַח
Ex. 14. 6. πάντα τὸν λαὸν αὐ. συναπήγαγε (1)

συναπέρχεσθαι.
[Sm. Ec. 5. 14.]

συναποθνήσκειν.
Si. 19. 10. ἀκήκοας λόγον συναποθανέτω σοι

συναποκλείειν. (1) סָגַר
I Ki. 1. 5. A συναπέκλεισεν [B ἀπ.] τὰ περὶ τὴν μήτραν αὐ. (1)
— 6. A συναπέκλεισαν [B συνέκλ.] κ.τὰ περὶ τὴν μήτραν αὐ. (1)

συναποκρύπτειν.
Ep. Je. 48. ποῦ συναποκρυβῶσι μετ' αὐτῶν

συναπολλύναι. (1) אָסַף (2) סָפָה *a.* qal. *b.* ni. (3) קָטַל ithpa.
Ge. 18. 23. μὴ συναπολέσῃς δίκαιον μετὰ ἀσεβοῦς (2 *a*)
19. 15. ἵνα μὴ συναπόλῃ ταῖς ἀνομίαις τῆς πόλεως (2 *b*)
Nu. 16. 26. μὴ συναπόλησθε ἐν πάσῃ τῇ ἁμαρτίᾳ αὐ. (2 *b*)
De. 29. 19 (18). ἵνα μὴ συναπολέσῃ ὁ ἁμαρτωλὸς τὸν ἀναμάρτητον (2 *a*)
Ps. 25 (26). 9. μὴ συναπολέσῃς μετὰ ἀσεβῶν τὴν ψυχήν μου (1)
27 (28). 3. μετὰ ἐργαζομένων ἀδικίαν μὴ συναπολέσῃς με –
Wi. 10. 3. ἄδικος . . . ἀδελφοκτόνοις συναπώλετο θυμοῖς
Si. 8. 15. τῇ ἀφροσύνῃ αὐτοῦ συναπολῇ
Da. LXX. 2. 13. ἐζητήθη . . . χάριν τοῦ συναπολέσθαι (3)
[Sm. I Ki. 12. 25.]

συναποστέλλειν. (1) שָׁלַח
Ex. 33. 2. συναποστελῶ τὸν ἄγγελόν μου (1)
— 12. ὃν συναποστελεῖς μετ' ἐμοῦ (1)
I Es. 5. 2. συναπέστειλε μετ' αὐτῶν ἱππεῖς χιλίους

συνάπτειν. (1) אָסַר (2) אָפַד (3) בּוֹא hi. (4) גָּרָה hithpa. (5) דָּבַק hi. (6) חָבַר *a.* qal. *b.* pi. (7) נָגַע *a.* qal. *b.* hi. (8) נָקַף hi. (9) נָשַׁק (10) עָרַךְ (11) פָּגַע (12) קָרַב pi. (13) קָשַׁר (14) σ. πόλεμον, σ. εἰς πόλεμον גָּרָה hithpa.
Ex. 26. 6. συνάψεις τὰς αὐλαίας (6 *b*)
— 9. συνάψεις τὰς πέντε δέρρεις (6 *b*)
— 10. ἐπὶ τοῦ χείλους τῆς δέρρεως τῆς συναπτούσης τῆς δευτέρας (6 *a*)
— 11. συνάψεις τοὺς κρίκους ἐκ τῶν ἀγκυλῶν (3)
— 11. συνάψεις τὰς δέρρεις (6 *b*)
29. 5. A R συνάψεις αὐτὸ τὸ λογεῖον (2)
De. 2. 5. μὴ συνάψητε πρὸς αὐτοὺς πόλεμον (14)
— 9. μὴ συνάψητε πρὸς αὐτοὺς πόλεμον (4)
— 19. μὴ συνάψητε αὐτοῖς εἰς πόλεμον (14)
— 24. σύναπτε πρὸς αὐτὸν πόλεμον (4)
Jo. 17. 10. ἐπὶ 'A. συνάψουσιν ἐπὶ βορρᾶν (11)
19. 11. συνάψει ἐπὶ B. εἰς τὴν φάραγγα (11)
— 22. συνάψει τὰ ὅρια ἐπὶ Γ. (11)
— 26. συνάψει τῷ Καρμήλῳ (11)
— 27, 34. συνάψει τῷ Ζαβ. (11)
— 34. καὶ 'A. συνάψει κατὰ θάλασσαν (11)
Jd. 20. 20. συνῆψαν αὐτοῖς ἐπὶ Γ. [A *al.*] (10)
— 22. προσέθηκαν συνάψαι παράταξιν [A *al.*] (10)
— 22. ἐν τῷ τόπῳ ὅπου συνῆψαν [A *al.*] (10)
— 30. συνῆψαν πρὸς τὴν Γ. [A *al.*] (10)
— 33. καὶ συνῆψαν ἐν B. Θ. [A *al.*] (10)
I Ki. 14. 22. συνάπτουσι καὶ αὐτοὶ ὀπίσω αὐτῶν εἰς πόλεμον (5)
31. 2. συνάπτουσιν ἀλλόφυλοι τῷ Σ. (5)
II Ki. 1. 6. οἱ ἱππάρχαι συνῆψαν αὐτῷ (5)
III Ki. 16. 20. τὰς συνάψεις αὐ. ἃς συνῆψεν (13)
21 (20). 14. τίς συνάψει τὸν πόλεμον (1)
IV Ki. 10. 34. καὶ τὰς συνάψεις ἃς συνῆψεν –
Ne. 3. 19. μέτρον δεύτερον πύργου ἀναβάσεως τῆς συναπτούσης τῆς γωνίας (9 ?)
Si. 32 (35). 16. ἡ δέησις αὐτοῦ ἕως νεφελῶν συνάψει
Is. 5. 8. οὐαὶ οἱ συνάπτοντες οἰκίαν πρὸς οἰκίαν (7 *b*)
15. 8. συνῆψε γὰρ ἡ βοὴ τὸ ὅριον [A ὅρος] τῆς Μωαβίτιδος (8)
16. 8. οὐ μὴ συνάψητε (7 *a*)
Ez. 37. 17. συνάψεις αὐτὰς πρὸς ἀλλήλας σαυτῷ (12)
Da. TH. 11. 25. ὁ βασ. τοῦ νότου συνάψει πόλεμον (4)
I Ma. 4. 14. καὶ συνῆψαν
5. 7. συνῆψε πρὸς αὐτοὺς πολέμους πολλούς
— 19. μὴ συνάψητε πόλεμον πρὸς τὰ ἔθνη
— 21. συνῆψε πολέμους πολλοὺς πρὸς τὰ ἔθνη
7. 43. συνῆψαν αἱ παρεμβολαὶ εἰς πόλεμον
9. 13. S R ἐγένετο ὁ πόλεμος συνημμένος [A -ηγμ.]
— 47. συνῆψεν ὁ πόλεμος
10. 49. συνῆψαν [S¹ -εν] πόλεμον οἱ δύο βασ.
— 53. συνῆψα πρὸς αὐτὸν μάχην
— 78. συνῆψαν αἱ παρεμβολαὶ ὀπίσω αὐτοῦ
— 82. A R συνῆψε [S -αν] πρὸς τὴν φάλαγγα
11. 69. καὶ συνῆψαν πόλεμον
13. 14. συνάπτειν αὐτῷ μέλλει εἰς πόλεμον
15. 14. A R τὰ πλοῖα ἀπὸ θαλάσσης συνῆψαν
[Aq. Ez. 3. 13.]
[Sm. Jb. 3. 6 : 38. 31 : Ps. 93 (94). 20 : 118 (119). 63.]
[Th. Is. 28. 20.]
[Al. Le. 19. 19.]

συναριθμεῖν. (1) כָּסַם
Ex. 12. 4. ἕκαστος τὸ ἀρκοῦν αὐτῷ συναριθμήσεται (1)

συναρπαγή.
[Sm. Ps. 34 (35). 20.]

συναρπάζειν. (1) לָקַח
Pr. 6. 25. μηδὲ συναρπασθῇς [A -σῃς] ἀπὸ τῶν αὐτῆς βλεφάρων (1)
II Ma. 3. 27. συναρπάσαντες καὶ εἰς φορεῖον ἐνθέντες
4. 41. συναρπάσαντες οἱ μὲν πέτρους
IV Ma. 5. 4. πολλῶν δὲ συναρπασθέντων

συναρχία (-εία).
Es. 3. 13. πρὸς τὸ μὴ κατατίθεσθαι τὴν . . . σ.

συνασπίζειν.
III Ma. 3. 10. πίστεις ἐδίδουν συνασπιεῖν

συναυλίζεσθαι. (1) בּוֹא
Pr. 22. 24. φίλῳ δὲ ὀργίλῳ μὴ συναυλίζου (1)

συναύξειν.
II Ma. 4. 4. συναύξοντα τὴν κακίαν τοῦ Σ.
IV Ma. 13. 27. τῶν τῆς ἀρετῆς ἠθῶν τὰ . . . φίλτρα συναυξόντων [S¹ -άντων]

συνάφεια.
[Aq. Ge. 3. 17 (16).]
[Sm. Ps. 121 (122). 3.]

συναφιστάναι.
To. 1. 5. A B S² πᾶσαι αἱ φυλαὶ αἱ συναποστᾶσαι [S¹ *al.*]

σύναψις. (1) קֶשֶׁר
III Ki. 16. 20. τὰς σ. αὐ. ἃς συνῆψεν (1)
IV Ki. 10. 34. καὶ τὰς σ. ἃς συνῆψεν –

συνδάκνειν.
To. 11. 12. A B ὡς δὲ συνεδήχθησαν

συνδεῖν. (1) דָּבַק hi. (2) פָּנָה hi. (3) קָשַׁר ni. (4) קָשַׁשׁ (5) שָׁבַץ *a.* pu. *b.* מִשְׁבְּצוֹת (6) תָּקַע ni.
Ex. 14. 25. συνέδησε τοὺς ἄξονας τῶν ἁρμάτων αὐ. †
28. 20. συνδεδεμένα ἐν χρυσίῳ (5 *a*)
36. 20 (39. 13). συνδεδεμένα [A *add.* ἐν] χρυσίῳ (5 *b*)
Jd. 15. 4. A συνέδησεν [B ἐπέστρεψε] κέρκον πρὸς κέρκον (2)
I Ki. 18. 1. A ἡ ψυχὴ 'I. συνεδέθη τῇ ψυχῇ Δ. (3)
Jb. 17. 3. A B S² τῇ χειρί μου συνδεθήτω (6)
Si. 36 (33). 4. σύνδησον παιδείαν
Ze. 2. 1. συνάχθητε καὶ συνδέθητε [S² -δεήθ.] (4)
Ez. 3. 26. τὴν γλῶσσάν σου συνδήσω (1)
[Aq. Ge. 44. 30 : Dt. 6. 8 : 11. 18 : I Ki. 22. 8, 13 : Pr. 3. 3 : 6. 21 : 7. 3 : Am. 7. 10.]
[Sm. Ps. 117 (118). 27.]
[Th. Jb. 17. 3 : Pr. 6. 21.]

συνδειπνεῖν. (1) אָכַל (2) לָחֶם אֶת־לֶחֶם
Ge. 43. 32. καὶ τοῖς Αἰγ. τοῖς συνδειπνοῦσι μετ' αὐτοῦ (1)
Pr. 23. 6. μὴ συνδείπνει ἀνδρὶ βασκάνῳ (2)

σύνδειπνος.
Si. 9. 16. ἄνδρες δίκαιοι ἔστωσαν σύνδειπνοί σου

συνδεῖσθαι.
Ze. 2. 1. S² συνάχθητε καὶ συνδεήθητε [A B S¹ -δέθ.] †

σύνδεσμος. (1) בַּיִת (2) חַרְצֻבּוֹת (3) מוֹטָה (4) סָגַר (5) קְטֹר (6) קֶשֶׁר
III Ki. 6. 10. συνέσχε τὸν σ. [A ἔνδ.] (1)
14. 24. σύνδεσμος ἐγενήθη ἐν τῇ γῇ †
IV Ki. 11. 14. καὶ ἐβόησε, Σύνδεσμος σύνδεσμος (6, 6)
12. 20 (21). A B² R ἔδησαν πάντα σ. [B¹ δεσμόν] (6)
Jb. 41. 6 (7). σύνδεσμος [A -οι] δὲ αὐ. ὥσπερ σμυρίτης λίθος (4)
Is. 58. 6. λῦε πάντα σύνδεσμον ἀδικίας (2)
— 9. ἐὰν ἀφέλῃς ἀπὸ σοῦ σύνδεσμον (3)
Je. 11. 9. εὑρέθη σ. τοῖς ἀνδράσιν [A πόλεσιν] Ἰούδα (6)
Da. TH. 5. 6. οἱ σ. τῆς ὀσφύος αὐ. διελύοντο (5)
— 12. καὶ λύων συνδέσμους (5)
[Aq. Ca. 7. 1 (2) : Ho. 5. 13.]
[Sm. Ca. 7. 1 (2) : Hb. 2. 11.]
[Th. I Ki. 22. 8 : Is. 58. 6 : Je. 11. 9 : Da. 5. 16†: Hb. 2. 11.]
[Quint. Hb. 2. 11.]

συνδιαιτεῖσθαι.
[Sm. Ps. 54 (55). 15.]

συνδιώκειν.
II Ma. 8. 25. συνδιώξαντες δὲ αὐτοὺς ἐφ' ἱκανόν

συνδοιάζειν, *cf.* **συνδυάζειν.** (1) לָחַם
Ps. 140 (141). 4. A [1]B οὐ μὴ συνδοιάσω [A [2] S [2] -δυάσω, S [1] ἐνδυάσω] μετὰ τῶν ἐκλεκτῶν αὐτοῦ (1)

σύνδουλος. (1) כָּנָת
II Es. 4. 7. ἔγραψεν . . . τοῖς λοιποῖς σ. [A *al.*] (1)
— 9. καὶ οἱ κατάλοιποι σ. ἡμῶν (1)
— 17. ἀπέστειλεν ὁ βασ. πρὸς . . . τοὺς καταλοίπους σ. αὐ. (1)
— 23. ἐνώπιον Ῥ. καὶ Σ. γραμματέως συνδούλων αὐ. (1)
5. 3, 6 : 6. 6, 13. Σαθ. καὶ οἱ σ. αὐ. (1)

συνδραμεῖν, *vid. sub* **συντρέχειν.**

συνδρομή.
Ju. 10. 18. ἐγένετο συνδρομὴ ἐν π. τῇ παρεμβολῇ
III Ma. 3. 8. θεωροῦντες . . . σ. ἀπροσκόπους γινομένας

συνδυάζειν. (1) לָחַם
Ps. 140 (141). 4. A [2] S [2] οὐ μὴ συνδυάσω [A [1] B -δοιάσω, S [1] ἐνδυάσω] μετὰ τῶν ἐκλεκτῶν αὐτοῦ (1)
[Sm. I Ki. 26. 19.]

συνεγγίζειν.
Si. 32 (35). 17. ἕως συνεγγίσῃ οὐ μὴ παρακληθῇ
II Ma. 10. 25. συνεγγίζοντος αὐτοῦ
— 27. συνεγγίσαντες δὲ τοῖς πολεμίοις
11. 5. καὶ συνεγγίσας Βεθσ.

σύνεγγυς. (1) מוּל
De. 3. 29. ἐνεκαθήμεθα ἐν νάπῃ σύνεγγυς οἴκου Φ. (1)
To. 11. 15. S ἐστὶν σύνεγγυς τῆς πύλης Νιν.
Si. 14. 24. ὁ καταλύων σ. τοῦ οἴκου αὐτῆς
26. 12. ἀπὸ παντὸς ὕδατος τοῦ σ. πίεται
51. 6. ἡ ζωή μου ἦν σ. ᾅδου κάτω [S [2] κατωτάτου]
[Al. Le. 18. 6.]

συνεγείρειν. (1) עוּר pil. (2) עָנַב
Ex. 23. 5. B [2] συνεγερεῖς [B [1] R συναρεῖς, A ἐγ.] αὐτὸ μετ' αὐτοῦ (2)
Is. 14. 9. συνηγέρθησάν σοι πάντες οἱ γίγαντες (1)
IV Ma. 2. 14. καὶ τὰ πεπτωκότα συνεγείρων

συνεδρεύειν.
Si. 11. 9. ἐν κρίσει ἁμαρτωλῶν μὴ συνέδρευε
23. 14. A B [4] R ἀνὰ μέσον γὰρ μεγιστάνων συνεδρεύεις [B [1] -ει, S -σεις]
42. 12. ἐν μέσῳ γυναικῶν μὴ συνέδρευε
Da. LXX. Su. 28. συνήδρευσαν οἱ ὄντες ἐκεῖ πάντες

συνεδρία (-εία).
Ju. 6. 1. ὁ θόρυβος τῶν ἀνδρῶν τῶν κύκλῳ τῆς σ.
— 17. ἀπήγγειλεν αὐτοῖς τὰ ῥήματα τῆς σ. Ὀλ.
11. 9. ὃν ἐλάλησεν Ἀχ. ἐν τῇ σ. σου

συνεδριάζειν. (1) סוֹד
Pr. 3. 32. ἐν δὲ δικαίοις οὐ συνεδριάζει (1)

συνέδριον. (1) דִּין (2) מַת (3) סוֹד (4) קָהָל
Ps. 25 (26). 4. οὐκ ἐκάθισα μετὰ συνεδρίου ματαιότητος [A -ας] (2)
Pr. 11. 13. ἀνὴρ δίγλωσσος ἀποκαλύπτει βουλὰς ἐν συνεδρίῳ (3)
15. 22. ὑπερτίθενται λογισμοὺς οἱ μὴ τιμῶντες συνέδρια (3)
22. 10. ἔκβαλε ἐκ συνεδρίου λοιμόν –
— 10. ὅταν γὰρ καθίσῃ ἐν συνεδρίῳ (1)
24. 7. λογίζονται ἐν συνεδρίοις –
26. 26. εὔγνωστος ἐν συνεδρίοις [A S [2] -ίῳ] (4)
27. 22. ἐὰν μαστιγοῖς ἄφρονα ἐν μέσῳ συνεδρίου [A -ῳ] ἀτιμάζων †
31. 23. ἡνίκα ἂν καθίσῃ ἐν συνεδρίῳ –
Je. 15. 17. οὐκ ἐκάθισα ἐν συνεδρίῳ αὐτῶν παιζόντων (3)
II Ma. 14. 5. προσκληθεὶς εἰς συνέδριον
IV Ma. 17. 17. καὶ ὅλον τὸ σ. [S συμβούλιον] αὐτῶν
[Al. Ps. 1. 1.]

σύνεδρος.
Jd. 5. 10. B πορευόμενοι ἐπὶ ὁδοὺς συνέδρων [A *al.*] †
IV Ma. 5. 1. προκαθίσας γέ τοι μετὰ τῶν σ.

συνεθίζειν.
Si. 23. 9. ὀνομασίᾳ τοῦ ἁγίου [A S [2] ὑψίστου] μὴ συνεθισθῇς
— 13. ἀπαιδευσίαν ἀσυρῇ μὴ συνεθίσῃς [S [1] ἐθ.] τὸ στόμα σου
— 15. ἄνθρωπος συνεθιζόμενος λόγοις ὀνειδισμοῦ

συνειδέναι. (1) יָדַע
Le. 5. 1. καὶ οὗτος μάρτυς ἢ ἑώρακεν ἢ σύνοιδεν (1)
Jb. 27. 6. οὐ γὰρ σύνοιδα ἐμαυτῷ ἄτοπα πράξας †
I Ma. 4. 21. A οἱ δὲ ταῦτα συνειδότες [S R -ιδόντες]
II Ma. 4. 41. A συνειδότες [R -ιδόντες] δὲ καὶ τὴν ἐπίθεσιν τοῦ Λ.
III Ma. 2. 8. R οἱ καὶ συνειδότες [A -ιδόντες] ἔργα σῆς χειρός

συνείδησις. (1) מַדָּע
Ec. 10. 20. ἐν συνειδήσει σου βασιλέα μὴ καταράσῃ (1)
Wi. 17. 11. προσείληφε [S [2] προείληφεν] τὰ χαλεπὰ συνεχομένη τῇ σ.
Si. 42. 18. S ἔγνω γὰρ ὁ ὕψιστος πᾶσαν συνείδησιν [A B εἴδησιν]

συνείκειν.
IV Ma. 8. 6. παρακαλῶ συνείξαντάς μοι τῆς ἐμῆς ἀπολαῦσαι φιλίας

συνεῖναι. (1) יָדַע
I Es. 6. 2. συνόντων τῶν προφητῶν τοῦ κ. βοηθούντων αὐτοῖς
8. 50. A R ἡμῖν τε καὶ τοῖς συνοῦσιν ἡμῖν [B *om.* σ. ἡ.] τέκνοις ἡμῶν
Jb. 36. 29. ἐὰν συνῇ [A S [2] -ῇς] ἀπέκτασις [A S [2] -ιν] νεφέλης †
Ps. 57 (58). 9. B [1] S πρὸ τοῦ συνεῖναι [B [2] R -ιέναι] τὰς ἀκάνθας ὑμῶν τὴν ῥάμνον [S [2] τῇ ῥ.] †
Pr. 5. 19. συνέστω σοι ἐν παντὶ καιρῷ
Je. 3. 20. ὡς ἀθετεῖ γυνὴ εἰς τὸν συνόντα αὐτῇ (1)
II Ma. 9. 4. τῆς ἐξ οὐρανοῦ δὴ κρίσεως συνούσης αὐτῷ
[Sm. Jb. 37. 18 : Ps. 72 (73). 23 : 88 (89). 22, 25 : Is. 57. 1.]
[Th. Is. 57. 1.]

συνειπεῖν. (1) זָמַן *a.* aph. *b.* ithpa.
Da. LXX. Su. 38. τότε συνειπάμεθα ἀλλήλοις
2. 9. συνείπασθε γὰρ λόγους ψευδεῖς ποιήσασθαι (1 *a**, 1 *b*)

συνεισέρχεσθαι. (1) בּוֹא עִם
Ex. 21. 3. ἐὰν δὲ γυνὴ συνεισέλθῃ μετ' αὐτοῦ †
Es. 2. 13. παραδώσει αὐτὴν συνεισέρχεσθαι αὐτῷ (1)
Jb. 22. 4. καὶ συνεισελεύσεταί σοι εἰς κρίσιν (1)
Si. 39. 2. ἐν στροφαῖς παραβολῶν συνεισελεύσεται
I Ma. 12. 48. S πάντας τοὺς συνεισελθόντας [A συνελθ., R εἰσελθ.] αὐτῷ

συνεισφορά.
[Sam. Ex. 23. 16.]

συνεκκεντεῖν.
II Ma. 5. 26. τοὺς ἐλθόντας πάντας ἐπὶ τὴν θεωρίαν συνεξεκέντησε

συνεκπολεμεῖν. (1) לָחַם ni.
De. 1. 30. συνεκπολεμήσει αὐτοὺς μεθ' ὑμῶν (1)
20. 4. συνεκπολεμῆσαι ὑμῖν τοὺς ἐχθροὺς ὑμῶν (1)
Jo. 10. 14. R κύριος συνεξεπολέμησε [A B συνεπ.] τῷ Ἰσρ. (1)
Wi. 5. 20. συνεκπολεμήσει [S συνπ.] δὲ αὐτῷ ὁ κόσμος ἐπὶ τοὺς παράφρονας

συνεκπορεύεσθαι. (1) יָצָא (2) פֶּעָם
Jd. 11. 3. A συνεξεπορεύοντο [B ἐξῆλθον] μετ' αὐτοῦ (1)
13. 25. ἤρξατο πνεῦμα κυρίου συνεκπορεύεσθαι [A συμπ.] αὐτῷ (2)

συνεκτικός.
[Aq. Da. 6. 2.]

συνεκτοκίζειν.
[Sm. Is. 66. 9.]

συνεκτρέφεσθαι. (1) גָּדַל
II Ch. 10. 8. μετὰ τῶν παιδαρίων τῶν συνεκτραφέντων μετ' αὐτοῦ (1)

συνεκτρίβειν.
Wi. 11. 19. οὐ μόνον ἡ βλάβη ἠδύνατο συνεκτρῖψαι [A S [2] ἐκτρ.] αὐτούς

συνέκτροφος.
I Ma. 1. 6. ἐκάλεσε τοὺς παῖδας αὐ. . . . τοὺς σ. αὐ.

συνεκφαίνειν.
III Ma. 4. 1. R μετὰ παρρησίας συνεκφαινομένης [A νῦν ἐκφ.] ἀπεχθείας

συνελαύνειν.
II Ma. 4. 26. εἰς τὴν Ἀμμανῖτιν χώραν συνήλαστο
— 42. πάντας δὲ εἰς φυγὴν συνήλασαν
5. 5. τῶν δὲ ἐπὶ τῷ τείχει συνελασθέντων

συνέλευσις. (1) צָרִיחַ
Jd. 9. 46. ἦλθον εἰς συνέλευσιν Βαιθ. [A *al.*] (1)
— 49. καὶ ἐπέθηκαν ἐπὶ τὴν σ. [A τὸ ὀχύρωμα] (1)
— 49. ἐνεπύρισαν ἐπ' αὐτοὺς τὴν σ. [A *al.*] (1)
[Aq. Ps. 1. 1.]
[Sm. Ps. 1. 5.]
[Th. Jd. 9. 49.]

συνέλκειν. (1) מָשַׁךְ
Ps. 27 (28). 3. μὴ συνελκύσῃς μετὰ ἁμαρτωλῶν τὴν ψυχήν μου [S με μετὰ ἁμ.] (1)
[Sm. Ps. 27 (28). 3.]

συνεξαίρειν.
[Th., Al. Jb. 4. 21.]

συνεξέρχεσθαι. (1) יָצָא
Ju. 2. 20. πολὺς ὁ ἐπίμικτος . . . συνεξῆλθον [S -εν] αὐτοῖς
Pr. 22. 10. συνεξελεύσεται αὐτῷ νεῖκος (1)

συνεξορμᾶν.
I Es. 8. 11. συνεξορμάσθωσαν [A -άτωσαν]

συνεπαίρεσθαι.
[Sm. Ez. 1. 19, 20.]

συνεπακολουθεῖν. (1) מָלֵא pi.
Nu. 32. 11. οὐ γὰρ συνεπηκολούθησαν ὀπίσω μου (1)
— 12. B συνεπηκολούθησεν [A R -αν] ὀπίσω κυρίου (1)

συνεπεῖναι (?).
[Aq. Is. 38. 12.]

συνέπεσθαι.
II Ma. 15. 2. τῶν δὲ κατὰ ἀνάγκην συνεπομένων αὐτῷ Ἰουδαίων
III Ma. 5. 48. R καὶ τῆς συνεπομένης [A ἐπ.] ἐνόπλου δυνάμεως
6. 21. ἐπὶ τὰς συνεπομένας ἐνόπλους δυνάμεις

συνεπίθεσις.
[Aq. Ps. 118 (119). 118.]

συνεπισκέπτεσθαι. (1) פָּקַד *a.* qal. *b.* hothpa.
Nu. 1. 47. A οὐ συνεπεσκέπησαν [B οὐκ ἐπεσκ.] ἐν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (1 *b*)
— 49. ὅρα τὴν φυλὴν Λ. οὐ συνεπισκέψῃ (1 *a*)
2. 33. οἱ δὲ Λ. οὐ συνεπεσκέπησαν ἐν [A *om.*] αὐτοῖς (1 *b*)
26. 62. οὐ γὰρ συνεπεσκέπησαν ἐν μέσῳ υἱῶν Ἰσρ. (1 *b*)

συνεπίστασθαι. (1) חָזָה
Jb. 9. 35. οὐ γὰρ οὕτω συνεπίσταμαι [A S [2] σ. ἐμαυτῷ ἄδικον] †
19. 27. ἃ ἐγὼ ἐμαυτῷ συνεπίσταμαι (1)

συνεπισχύειν. (1) עָזַר
II Ch. 32. 3. B συνεπίσχυσεν [A R -αν] αὐτῷ (1)
Es. 8. 13. καὶ συνεπισχύειν αὐτοῖς –
[Sm. Je. 5. 31.]

συνεπιτιθέναι. (1) נָכַר pi. (2) עָזַר (3) שִׁית (4) שָׁלַח
Nu. 12. 11. μὴ συνεπιθῇ ἡμῖν ἁμαρτίαν (3)
De. 32. 27. ἵνα μὴ συνεπιθῶνται οἱ ὑπεναντίοι (1)

Ps. 3. 6. A S τῶν κύκλῳ [A -ων] συνεπιτιθεμένων [B ἐπιτιθ.] μοι (3)
Ob. 1. 13. A B¹ S² R μηδὲ συνεπιθῇ ἐπὶ τὴν δύναμιν αὐ. (4)
Za. 1. 15. ἐπὶ τὰ ἔθνη τὰ συνεπιτιθέμενα †
— 15. αὐτοὶ δὲ συνεπέθεντο εἰς κακά (2)

συνεργεῖν.

I Es. 7. 2. συνεργοῦντες τοῖς πρεσβυτέροις τῶν Ἰ.
I Ma. 12. 1. ὁ καιρὸς αὐτῷ συνεργεῖ

συνεργός.

II Ma. 8. 7. τὰς νύκτας . . . συνεργοὺς ἐλάμβανε
14. 5. καιρὸν δὲ λαβὼν τῆς ἰδίας ἀνοίας συνεργόν [Th. Is. 38. 12.]

συνερίζειν.

II Ma. 8. 30. A τοῖς περὶ Τιμ. καὶ Β. συνερίσαντες [R *al.*]

συνέρχεσθαι. (1) אָסַף ni. (2) בּוֹא (3) הָלַךְ (4) חָבַק pi. (5) יָעַד ni. (6) פָּגַשׁ ni. (7) קָבַץ hithpa.

Ex. 32. 26. συνῆλθον [A -οσαν] οὖν . . . πάντες οἱ υἱοὶ Λ. (1)
Jo. 9. 2. συνῆλθοσαν [A -ον] ἐπὶ τὸ αὐτό (7)
11. 5. συνῆλθον πάντες οἱ βασ. (5)
To. 5. 9. S εἰ δυνήσῃ συνελθεῖν αὐτῷ
— 21. S ἄγγελος γὰρ ἀγαθὸς συνελεύσεται αὐτῷ [A B *al.*]
11. 4. συνῆλθεν ὁ κύων ὄπισθεν αὐτῶν [S *al.*]
12. 1. ὅρα . . . μισθὸν τῷ ἀνθρώπῳ τῷ συνελθόντι σοι [S *al.*]
Ju. 1. 6. συνῆλθον [A -αν, S -ήχθησαν] ἔθνη πολλά
— 11. οὐ συνῆλθον [S -οσαν] αὐτῷ εἰς τὸν πόλεμον
Jb. 6. 29. πάλιν τῷ δικαίῳ συνέρχεσθε †
40. 26 (31). πᾶν δὲ πλωτὸν συνελθὸν οὐ μὴ ἐνέγκωσι βύρσαν μίαν οὐρᾶς αὐτοῦ †
Pr. 5. 20. B μηδὲ συνέρχου [A S R -έχου] ἀγκάλαις τῆς μὴ ἰδίας [A ταῖς μὴ ἰδίαις] (4)
23. 35. ἵνα ἐλθὼν ζητήσω μεθ' ὧν συνελεύσομαι †
29. 13. δανειστοῦ καὶ χρεωφειλετοῦ ἀλλήλοις [A -ων] συνελθόντων (6)
Wi. 7. 2. ἐκ σπέρματος ἀνδρὸς καὶ ἡδονῆς ὕπνῳ [S -ου] συνελθούσης
Za. 8. 21. συνελεύσονται [S¹ -οδεύσ.] κατοικοῦντες πέντε πόλεις (3)
— 21. S¹ συνελεύσονται κατοικοῦντες πέντε πόλεις (3)
Je. 3. 18. συνελεύσονται [A -σεται] οἶκος Ἰ. ἐπὶ τὸν οἶκον τοῦ Ἰ. (3)
Ez. 33. 30. συνέλθωμεν καὶ ἀκούσωμεν (2)
Da. TH. Su. 28. ὡς συνῆλθεν ὁ λαὸς πρὸς τὸν ἄνδρα αὐ. Ἰ.
I Ma. 9. 14. συνῆλθον αὐτῷ πάντες οἱ εὔψυχοι τῇ καρδίᾳ
12. 47. χίλιοι δὲ συνῆλθον αὐτῷ
— 48. A πάντας τοὺς συνελθόντας [S συνεισελθ., R εἰσελθ.] μετ' αὐτοῦ
15. 10. συνῆλθον πρὸς αὐτὸν πᾶσαι αἱ δυνάμεις
II Ma. 3. 24. ὥστε πάντας τοὺς κατατολμήσαντας συνελθεῖν
[Sm. Ge. 14. 3 : Ps. 82 (83). 5.]

συνεσθίειν. (1) אָכַל (2) בָּרָה

Ge. 43. 32. οὐ γὰρ ἐδύναντο οἱ Αἰγ. συνεσθίειν . . . ἄρτους (1)
Ex. 18. 12. συμφαγεῖν [A φ.] ἄρτον μετὰ τοῦ γαμβροῦ Μ. (1)
II Ki. 12. 17. οὐ συνέφαγεν αὐτοῖς ἄρτον (2)
Ps. 100 (101). 5. τούτῳ οὐ συνήσθιον †
[Sm. Ps. 40 (41). 10 : 140 (141). 4 : Ob. 7.]

σύνεσις. (1) בִּין *a.* ni. *b.* hi. *c.* בִּינָה *d.* תְּבוּנָה (2) גְּבוּרָה (3) *a.* דַּעַת *b.* מַדָּע *c.* מַנְדָּע (4) חָכְמָה (5) טַעַם (6) שֵׂכֶל *a.* hi. *b.* שֵׂכֶל, שָׂכַל *c.* שָׂכְלְתָנוּ *d.* מַשְׂכִּיל (7) διδόναι σύνεσιν בִּין hi.

Ex. 31. 3. ἐνέπλησα αὐτὸν πνεῦμα θεῖον . . . συνέσεως (1 *d*)
— 6. καὶ παντὶ συνετῷ καρδίᾳ δέδωκα σύνεσιν (4)
35. 31. ἐνέπλησεν αὐτὸν πνεῦμα . . . συνέσεως (1 *d*)
Ex. 35. 35. ἐνέπλησεν αὐτοὺς . . . συνέσεως [A *om.*] (4)
De. 4. 6. αὕτη ἡ σοφία ὑμῶν καὶ ἡ σ. (1 *c*)
34. 9. ἐνεπλήσθη πνεύματος συνέσεως (4)
I Ki. 25. 3. καὶ ἡ γυνὴ αὐ. ἀγαθὴ συνέσει [A τῇ σ.] (6 *b*)
III Ki. 7. 14. πεπληρωμένος τῆς τέχνης καὶ συνέσεως (1 *d*)
I Ch. 12. 32. γινώσκοντες σύνεσιν εἰς τοὺς καιρούς (1 *c*)
22. 12. δῴη σοι σοφίαν καὶ σύνεσιν κύριος (1 *c*)
28. 19. κατὰ τὴν περιγενηθεῖσαν αὐτῷ σ. (6 *a*)
II Ch. 1. 10. σοφίαν καὶ σύνεσιν δός μοι (3 *b*)
— 11. ἤτησας σεαυτῷ σοφίαν καὶ σύνεσιν (3 *b*)
— 11 (12). τὴν σοφίαν καὶ τὴν σ. δίδωμί σοι (3 *b*)
2. 12 (11). B υἱὸν . . . ἐπιστάμενον σύνεσιν καὶ ἐπιστήμην [A R ἐ. κ. σ.] (6 *b* [1 *c*])
— 13 (12). ἄνδρα σοφὸν καὶ εἰδότα σύνεσιν (1 *c*)
30. 22. καὶ τῶν συνιόντων σ. ἀγαθὴν τῷ κ. (6 *b*)
I Es. 1. 33. τὸ καθ' ἓν πραχθὲν . . . τῆς σ. αὐ.
Ju. 8. 29. ἔγνω πᾶς ὁ λαὸς τὴν σ. σου
11. 21. A B ἐν καλῷ προσώπῳ καὶ συνέσει λόγων
Jb. 6. 30. ἢ ὁ λάρυγξ μου οὐχὶ σύνεσιν μελετᾷ †
8. 10. A καὶ ἀναγγελοῦσίν σοι σύνεσιν σοφίας [B S *om.* σοι σ. σ.] –
12. 13. αὐτῷ [A παρ' αὐτῷ] βουλὴ καὶ σύνεσις (1 *d*)
— 16. αὐτῷ [A παρ' αὐτῷ] ἐπιστήμη καὶ σύνεσις †
— 20. σύνεσιν δὲ πρεσβυτέρων ἔγνω (5)
15. 2. πότερον [A τίνα ἄρα] σοφὸς ἀπόκρισιν δώσει συνέσεως πνεῦμα [A B¹ S² -ατος] (3 *a*)
20. 3. πνεῦμα ἐκ τῆς σ. [A σ. σου] ἀποκρίνεταί μοι (1 *c*)
21. 22. πότερον οὐχὶ ὁ κύριός ἐστιν ὁ διδάσκων σύνεσιν (3 *a*)
22. 2. πότερον οὐχὶ ὁ κύριός ἐστιν ὁ διδάσκων σύνεσιν †
28. 20. ποῦος δὲ τόπος ἐστὶ τῆς [A *om.*] σ. (1 *c*)
32. 11. A ἐνωτισάμην μέχρι συνέσεως ὑμῶν (1 *d*)
33. 3. σύνεσις δὲ χειλέων μου καθαρὰ νοήσει (3 *a*)
34. 35. Ἰὼβ δὲ οὐκ ἐν συνέσει ἐλάλησε [A -σας] (3 *a*)
38. 4. εἰ ἐπίστῃ σύνεσιν (1 *c*)
39. 17. οὐκ [S¹ *om.*] ἐμέρισεν αὐτῇ ἐν τῇ σ. (1 *c*)
Ps. 31 (32). *tit.* συνέσεως [A ψαλμὸς] τῷ Δ. (6 *d*)
— 9. ὡς ἵππος καὶ ἡμίονος οἷς οὐκ ἔστι σύνεσις (1 *b*)
41 (42). *tit.* εἰς τὸ τέλος εἰς σύνεσιν (6 *d*)
42 (43) *tit.* A εἰς τὸ τέλος συνέσεως τοῖς υἱοῖς Κορέ –
43 (44). *tit.* εἰς σύνεσιν [A *om.* εἰς σ.] ψαλμός [S *om.*] (6 *d*)
44 (45). *tit.* B S τοῖς υἱοῖς Κορὲ εἰς σύνεσιν ᾠδή (6 *d*)
48 (49). 3. καὶ ἡ μελέτη τῆς καρδίας μου σύνεσιν [B² -σεις] (1 *d*)
51 (52). *tit.* εἰς τὸ τέλος συνέσεως τῷ Δαυίδ (6 *d*)
52 (53). *tit.* εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ μαελὲθ συνέσεως τῷ Δαυίδ (6 *d*)
53 (54). *tit.*: 54 (55). *tit.* εἰς τὸ τέλος ἐν ὕμνοις συνέσεως τῷ Δαυίδ (6 *d*)
73 (74). *tit.*: 77 (78). *tit.* συνέσεως τῷ Ἀσάφ (6 *d*)
77 (78). 72. B S¹ ἐν τῇ σ. [S² ταῖς σ.] τῶν χειρῶν αὐτοῦ ὡδήγησεν αὐτούς (1 *d*)
87 (88). *tit.* συνέσεως Αἰμὰν τῷ Ἰσραηλίτῃ (6 *d*)
88 (89). *tit.* συνέσεως Αἰθὰν τῷ Ἰσραηλίτῃ (6 *d*)
110 (111). 10. σύνεσις δὲ ἀγαθὴ πᾶσι τοῖς ποιοῦσιν αὐτήν (6 *b*)
135 (136). 5. τῷ ποιήσαντι τοὺς οὐρανοὺς ἐν συνέσει (1 *d*)
141 (142). *tit.* συνέσεως τῷ Δαυίδ (6 *d*)
146 (147). 5. τῆς σ. αὐτοῦ οὐκ ἔστιν ἀριθμός (1 *d*)
Pr. 1. 7. σ. δὲ ἀγαθὴ πᾶσι τοῖς ποιοῦσιν αὐτήν –
2. 2. παραβαλεῖς καρδίαν σου εἰς σύνεσιν (1 *d*)
— 3. καὶ τῇ σ. δῷς φωνήν σου (1 *d*)
— 6. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ γνῶσις καὶ σύνεσις [A -σεις] (1 *d*)
4. 5. S² κτῆσαι σοφίαν καὶ σύνεσιν (1 *c*)
— 5. A κτῆσαι σοφίαν κτῆσαι σύνεσιν (1 *c*)
9. 6. κατορθώσατε ἐν γνώσει σύνεσιν (1 *c*)
— 10. βουλὴ ἁγίων σύνεσις (1 *c*)
13. 15. σύνεσις ἀγαθὴ δίδωσι χάριν (6 *b*)
24. 3. μετὰ συνέσεως ἀνορθοῦται (1 *d*)
Wi. 4. 11. ἡρπάγη μὴ κακία ἀλλάξῃ σύνεσιν αὐ.
9. 5. ἐλάσσων ἐν συνέσει κρίσεως καὶ νόμων
13. 13. S² R ἐμπειρίᾳ συνέσεως [A B S¹ ἀνέσει] ἐτύπωσεν αὐτό
Si. 1. 4. σύνεσις φρονήσεως ἐξ αἰῶνος
— 19. ἐπιστήμην καὶ γνῶσιν συνέσεως ἐξώμβρησε
Si. 1. 23. χείλη πιστῶν [A S πολλῶν] ἐκδιηγήσεται σύνεσιν αὐτοῦ
3. 13. κἂν ἀπολείπῃ σύνεσιν συγγνώμην ἔχε
— 23. πλείονα γὰρ συνέσεως ἀνθρώπων ὑπεδείχθησοι
5. 10. ἴσθι ἐστηριγμένος ἐν συνέσει σου
— 12. εἰ ἔστι σοι σύνεσις
6. 35. παροιμίαι συνέσεως μὴ ἐκφευγέτωσάν σε
8. 9. παρ' αὐτῶν μαθήσῃ σύνεσιν
10. 3. πόλις οἰκισθήσεται ἐν συνέσει δυναστῶν
13. 22. ἐφθέγξατο σύνεσιν
14. 20. ὃς ἐν συνέσει αὐτοῦ διαλεχθήσεται [A διαδεχθ.]
15. 3. ψωμεῖ αὐτὸν ἄρτον συνέσεως
17. 7. ἐπιστήμην συνέσεως ἐνέπλησεν αὐτούς
19. 24. A κρείττων ἡττώμενος ἐν συνέσει ἔμφοβος ἢ περισσεύων ἐν συνέσει [B S φρονήσει]
22. 11. A B¹ S ἐξέλιπε γὰρ σύνεσιν [B² R -ις]
— 17. καρδία ἠδρασμένη ἐπὶ διανοίας [A S² -α] συνέσεως
24. 26. ὁ ἀναπληρῶν ὡς Εὐφράτης σύνεσιν
25. 2. γέροντα μοιχὸν ἐλαττούμενον συνέσει
31 (34). 9. ὁ πολύπειρος ἐκδιηγήσεται σύνεσιν
— 11. πλείονα τῶν λόγων μου σύνεσίς μου
37. 22. οἱ καρποὶ τῆς σ. αὐ. ἐπὶ στόματος πιστοί
— 23. οἱ καρποὶ τῆς σ. αὐτοῦ πιστοί
39. 6. πνεύματι συνέσεως ἐμπλησθήσεται [A S² -πλήσει αὐτόν]
— 9. αἰνέσουσι τὴν σ. αὐτοῦ πολλοί
44. 3. βουλεύσονται ἐν συνέσει αὐτῶν
— 4. ἐν διαβουλίοις καὶ συνέσει γραμματείας λαοῦ
47. 14. ἐνεπλήσθης ὡς ποταμὸς συνέσεως
— 23. ἐλασσούμενον συνέσει Ῥοβοάμ
50. 27. παιδείαν συνέσεως . . . ἐχάραξα
Ho. 2. 15 (17). διανοίξαι σύνεσιν αὐ. †
Ob. 1. 7. οὐκ ἔστι σύνεσις αὐτοῖς (1 *d*)
— 8. ἀπολῶ . . . σύνεσιν ἐξ ὄρους Ἠσαῦ (1 *d*)
Is. 3. 20. A καὶ τὴν σ. [B S σύνθ.] τοῦ κόσμου τῆς δόξης †
10. 13. ἐν τῇ σοφίᾳ τῆς σ. [A τῇ συνέσεως τῆς σοφίας] ἀφελῶ ὅρια ἐθνῶν (1 *a* [4])
11. 2. πνεῦμα σοφίας καὶ συνέσεως (1 *c*)
27. 11. οὐ γὰρ λαός ἐστιν ἔχων σύνεσιν (1 *c*)
29. 14. τὴν σ. τῶν συνετῶν κρύψω (1 *c*)
— 24. γνώσονται οἱ πλανώμενοι τῷ πνεύματι σύνεσιν (1 *c*)
33. 19. οὐκ ἔστι τῷ ἀκούοντι σ. (1 *c*)
40. 14. ὁδὸν συνέσεως τίς ἔδειξεν αὐτῷ (1 *d*)
47. 10. ἡ σ. τούτων ἔσται (4+3 *a*)
53. 11. πλάσαι τῇ σ. (3 *a*)
56. 11. εἰσὶ πονηροὶ οὐκ εἰδότες σύνεσιν (1 *b*)
Je. 28 (51). 15. ἐν τῇ σ. αὐτοῦ ἐξέτεινε τὸν οὐρανόν (1 *d*)
Ba. 3. 14. μάθε . . . ποῦ ἐστιν σ.
— 23. οἵ τε [A οὔτε] υἱοὶ Ἄγαρ οἱ ἐκζητοῦντες τὴν σ. . . . καὶ οἱ ἐκζητηταὶ τῆς σ.
— 32. ἐξεῦρεν αὐτὴν τῇ σ. αὐτοῦ
Da. LXX. Su. 42. ἔδωκεν . . . πνεῦμα συνέσεως νεωτέρῳ ὄντι Δαν.
— 64. ἔσται ἐν αὐτοῖς πνεῦμα . . . συνέσεως
1. 17. τοῖς νεανίσκοις ἔδωκεν ὁ κύριος . . . σύνεσιν (6 *a*)
— 17. τῷ Δαν. ἔδωκε σύνεσιν (7)
— 20. ἐν παντὶ λόγῳ καὶ συνέσει (4)
2. 21. διδοὺς . . . σύνεσιν τοῖς ἐν ἐπιστήμῃ οὖσιν (3 *c*)
Da. TH. 1. 17. ἔδωκεν αὐτοῖς ὁ θ. σύνεσιν (6 *a*)
2. 20. ἡ σοφία καὶ ἡ σ. αὐτοῦ ἐστι (2)
— 21. διδοὺς . . . φρόνησιν τοῖς εἰδόσι σύνεσιν (1 *c*)
5. 11. σύνεσις εὑρέθη ἐν αὐτῷ (6 *c*+4)
— 12. πνεῦμα περισσὸν ἐν αὐτῷ . . . καὶ σύνεσις (6 *c*)
— 14. A B² σύνεσις [B¹ *om.*] . . . εὑρέθη ἐν σοί (6 *c*)
8. 15. ἐζήτουν σύνεσιν (1 *c*)
9. 22. ἐξῆλθον συμβιβάσαι σε σύνεσιν (1 *c*)
10. 1. σύνεσις ἐδόθη αὐτῷ ἐν τῇ ὀπτασίᾳ (1 *c*)
[Aq. Jb. 22. 2 : Pr. 1. 2 : 2. 3 : 4. 1, 7 : 7. 4 : 9. 6 : 23. 4 : Je. 10. 12 : 49. 7 (29. 8) : Da. 10. 1.]
[Sm. Jb. 39. 17 : Ps. 43 (44). 1 : 44 (45). 1 : 48 (49). 4 : 52 (53). 1 : 53 (54). 1 : 54 (55). 1 : Pr. 1. 2 : 4. 7 : 9. 6 : 28. 16 : Is. 28. 19 : 29. 24 : Je. 30 (37). 24.]
[Th. Jb. 20. 3 : 22. 2 : 28. 13 : 39. 17 : Ps. 48 (49). 4 : 52 (53). 1 : 77 (78). 72 : Pr. 1. 2 : 4. 7 : 7. 4 : 8. 1 : 23. 4, 23 : Da. 2. 20 : 10. 1.]
[Al. Ps. 48 (49). 4 : Pr. 8. 14.]

συνεταιρίζεσθαι.

[Aq. Ps. 107 (108). 10.]

συνεταιρίς. (1) *a.* רֵעָה *b.* רְעוּת

Jd. 11. 37. ἐγὼ εἰμι καὶ αἱ σ. μου (1 *a*, 1 *b**)
— 38. ἐπορεύθη αὐτὴ καὶ αἱ σ. αὐ. (1 *a*)

συνέταιρος. (1) חֶבֶר (2) מֵרֵעַ

Jd. 15. 2. A ἔδωκα αὐτὴν τῷ σ. σου [B *al.*] (2)
— 6. A ἔδωκεν αὐτὴν τῷ σ. αὐ. [B *al.*] (2)
I Es. 6. 3. καὶ Σαθρ. καὶ οἱ σ. [A σ. αὐτοῦ]
— 7. καὶ Σαθρ. καὶ οἱ σ. οἱ ἐν Συρίᾳ
— 27. καὶ Σαθραβουζάνῃ καὶ τοῖς σ.
7. 1. καὶ Σαθρ. καὶ οἱ σ.
Da. LXX. 2. 17. τοῖς σ. ὑπέδειξε πάντα (1)
3. (25). ἐξωμολογεῖτο τῷ κ. ἅμα τοῖς σ. αὐ.
5. 6. οἱ σ. κύκλῳ αὐτοῦ ἐκαυχῶντο †
[Sm. Ge. 26. 26.]
[Th. Jd. 15. 6.]

συνετίζειν. (1) בִּין hi. (2) יָעַץ (3) שָׂכַל hi.

Ne. 8. 7. ἦσαν συνετίζοντες τὸν λαόν (1)
— 9. B συνέτιζον [A S R καὶ οἱ συνετίζοντες] τὸν λαόν (1)
9. 20. τὸ πνεῦμά σου τὸ ἀγαθὸν ἔδωκας συνετίσαι αὐτούς (3)
Ps. 15 (16). 7. εὐλογήσω τὸν κύριον τὸν συνετίσαντά με (2)
31 (32). 8. συνετιῶ σε (3)
118 (119). 27. ὁδὸν δικαιωμάτων σου συνέτισόν με (1)
— 34, 73, 125. συνέτισόν με (1)
— 130. συνετιεῖ νηπίους (1)
— 144. συνέτισόν με (1)
— 169. κατὰ τὸ λόγιόν σου συνέτισόν με (1)
Je. 9. 12 (11). S² συνετιῶ [B S¹ συνέτω, A συνιεῖται] τοῦτο (1)
Da. LXX. 8. 16. συνέτισον ἐκεῖνον τὴν ὅρασιν (1)
Da. Th. 8. 16. συνέτισον ἐκεῖνον τὴν ὅρασιν (1)
9. 22. καὶ συνέτισέ με (1)
10. 14. ἦλθον συνετίσαι σε (1)
[Aq. Dt. 32. 29.]
[Sm. Ge. 3. 6 (5): Ps. 31 (32). 8: 72 (73). 17: Is. 40. 14.]
[Th. I Ki. 3. 8: Da. 8. 16.]

συνετός. (1) בִּין *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. (2) חָכָם (3) חֲכַם־לֵב (4) יָדַע (5) נְדִיבָה (6) עָרוּם (7) שָׂכַל *a.* hi. *b.* שֵׂכֶל (8) συνετὸς καρδίας (-ᾳ) אִישׁ לֵבָב

Ge. 41. 33. σκέψαι ἄνθρωπον φρόνιμον καὶ σ. (2)
— 39. ἄνθρωπος φρονιμώτερός σου καὶ συνετώτερος (2)
Ex. 31. 6. καὶ παντὶ σ. καρδίᾳ δέδωκα σύνεσιν (2)
De. 1. 13. δότε ἑαυτοῖς ἄνδρας . . . συνετούς (4)
— 15. ἔλαβον ἐξ ὑμῶν ἄνδρας . . . συνετούς (4)
I Ki. 16. 18. A καὶ ὁ ἀνὴρ συνετὸς . . . καὶ συνετὸς [B σοφὸς] λόγῳ (†, 1 *b*)
IV Ki. 11. 9. ὅσα ἐνετείλατο Ἰ. ὁ σ. †
I Ch. 15. 22. ὅτι συνετὸς ἦν (1 *c*)
27. 32. καὶ Ἰων. . . . ἄνθρωπος σ. (1 *c*)
Jb. 34. 10. συνετοὶ καρδίας [A -ᾳ] ἀκούσατέ μου (8)
— 34. συνετοὶ καρδίας [A S² -ᾳ] ἐροῦσι ταῦτα (8)
Pr. 12. 8. στόμα συνετοῦ ἐγκωμιάζεται ὑπὸ ἀνδρός (7 *b*)
— 23. ἀνὴρ συνετὸς θρόνος αἰσθήσεως (6)
15. 24. ὁδοὶ ζωῆς διανοήματα συνετοῦ (7 *a*)
16. 20. συνετὸς ἐν πράγμασιν εὑρετὴς ἀγαθῶν (7 *a*)
— 21. τοὺς σοφοὺς καὶ σ. φαύλους καλοῦσιν (3)
17. 24. πρόσωπον συνετὸν ἀνδρὸς σοφοῦ (1 *c*)
23. 9. μή ποτε μυκτηρίσῃ τοὺς σ. λόγους σου (7 *b*)
28. 7. φυλάσσει νόμον υἱὸς συνετός (1 *c*)
31. 30. γυνὴ γὰρ συνετὴ εὐλογεῖται –
Ec. 9. 11. οὐ τοῖς σ. πλοῦτος (1 *b*)
Si. 3. 29. καρδία συνετοῦ διανοηθήσεται παραβολήν
6. 36. ἐὰν ἴδῃς συνετὸν ὄρθριζε πρὸς αὐτόν
7. 21. A S R οἰκέτην συνετὸν [B ἀγαθὸν] ἀγαπάτω σου ἡ ψυχή
— 25. ἀνδρὶ συνετῷ δώρησαι αὐτήν
9. 15. μετὰ συνετῶν ἔστω ὁ διαλογισμός σου
10. 1. ἡγεμονία συνετοῦ τεταγμένη ἔσται
— 23. οὐ δίκαιον ἀτιμάσαι πτωχὸν συνετόν
— 25. S¹ οἰκέτῃ συνετῷ [A B S² σοφῷ] ἐλεύθεροι λειτουργήσουσι
16. 4. ἀπὸ γὰρ ἑνὸς συνετοῦ συνοικισθήσεται πόλις
18. 28. πᾶς συνετὸς ἔγνω σοφίαν
— 29. συνετοὶ ἐν λόγοις καὶ αὐτοὶ ἐσοφίσαντο
Si. 19. 2. οἶνος καὶ γυναῖκες ἀποστήσουσι συνετούς
21. 16. ἐπὶ δὲ χείλους συνετοῦ εὑρεθήσεται χάρις [A *om.*, S² παραβολή]
— 18. S¹ γνῶσις συνετοῦ [A B S² ἀσυν.] ἀδιεξέταστοι λόγοι
25. 8. μακάριος ὁ συνοικῶν γυναικὶ συνετῇ
26. 28. ἄνδρες συνετοὶ ἐὰν σκυβαλισθῶσιν
36 (33). 3. ἄνθρωπος συνετὸς ἐμπιστεύσει νόμῳ
36. 24 (21). οὕτως καρδία συνετὴ λόγους ψευδεῖς
Ho. 14. 10. ἢ συνετὸς καὶ ἐπιγνώσεται αὐτά (1 *b*)
Is. 3. 3. ἀφελεῖ . . . συνετὸν ἀκροατήν (1 *b*)
5. 21. οὐαὶ οἱ σ. ἐν ἑαυτοῖς (2)
19. 11. υἱοὶ συνετῶν, ἡμεῖς υἱοὶ βασιλέων (2)
29. 14. τὴν σύνεσιν τῶν σ. κρύψω (1 *b*)
32. 8. οἱ δὲ εὐσεβεῖς συνετὰ ἐβουλεύσαντο (5 ?)
Je. 4. 22. υἱοὶ ἄφρονές εἰσι καὶ οὐ συνετοί (1 *b*)
9. 12 (11). τίς ὁ ἄνθρωπος ὁ σ. [A *al.*] (2)
18. 18. οὐκ ἀπολεῖται . . . βουλὴ ἀπὸ συνετοῦ [S¹ -ῶν] (2)
27 (50). 9. ὡς βολὶς μαχητοῦ συνετοῦ (7 *a*)
— 35. ἐπὶ τοὺς μεγιστᾶνας αὐτῆς καὶ ἐπὶ τοὺς σ. αὐτῆς (2)
29 (49). 7. ἀπώλετο βουλὴ ἐκ συνετῶν (1 *a*)
Da. LXX. 1. 4. νεανίσκους . . . σ. καὶ σοφούς (1 *c*)
6. 3 (4). ἦν ἔνδοξος καὶ ἐπιστήμων καὶ σ. –
Da. Th. 11. 33. οἱ σ. τοῦ λαοῦ συνήσουσιν εἰς πολλά (7 *a*)
[Aq. Dt. 4. 6: Pr. 10. 13: 14. 33: Is. 3. 3: Je. 10. 7.]
[Sm. I Ki. 18. 14: Ps. 118 (119). 100: Pr. 1. 2: 10. 13: 17. 24: 19. 14: Is. 3. 3: Je. 50 (27). 9.]
[Th. Pr. 10. 13: 14. 33: 17. 10: Is. 3. 3.]
[Quint. Pr. 17. 28.]

συνετῶς. (1) חָכָם (2) מַשְׂכִּיל (3) συνετῶς ποιεῖν בִּין hi.

Ps. 46 (47). 7. ψάλατε σ. (2)
Is. 29. 16. οὐ σ. με ἐποίησας (3)
Je. 9. 12 (11). A τίς ὁ ἄνθρωπος σ. [B S *al.*] (1)

συνευδοκεῖν.

I Ma. 1. 57. εἴ τις συνευδόκει τῷ νόμῳ
4. 28. S¹ συνευδόκησεν [A S² R -ελόχησεν] . . . ἑξήκοντα χιλιάδας
II Ma. 11. 24. τοὺς Ἰουδ. μὴ συνευδοκοῦντας τῇ . . . μεταθέσει
— 35. καὶ ἡμεῖς συνευδοκοῦμεν

συνευφραίνεσθαι. (1) שָׂמַח

Pr. 5. 18. συνευφραίνου μετὰ γυναικὸς τῆς ἐκ νεότητός σου (1)

συνέχειν. (1) אָחַז (2) אָטַר (3) אָלַם ni. (4) בִּין (5) חָבַק pi. (6) חָבַר (7) δύνασθαι σ. כּוּל hi. (8) כָּלָא ni. (9) לָבַד *a.* ni. *b.* hithpa. (10) מָנַע (11) עָבַר (12) עָצַר *a.* qal. *b.* ni. *c.* מַעְצוֹר (13) צוּר (14) צָרַר (15) קָפַץ (16) συνεχόμενος ἐκ בִּפְתִיל (17) חָזַק hi.

Ge. 8. 2. συνεσχέθη ὁ ὑετὸς ἀπὸ τοῦ οὐρ. (8)
Ex. 26. 3. A πέντε δὲ αὐλαῖαι ἔσονται συνεχόμεναι [A ἐξ ἀλλήλων ἐχόμ.] (6)
— 3. καὶ πέντε αὐλαῖαι ἔσονται συνεχόμεναι (6)
28. 7. δύο ἐπωμίδες συνέχουσαι ἔσονται [A *al.*] (6)
36. 11 (39. 4). ἐπωμίδας συνεχούσας ἐξ ἀμφοτέρων τῶν μερῶν (6)
— 29 (39. 21). συνεχομένους ἐκ τῆς ὑακίνθου (16)
De. 11. 17. καὶ συσχῇ τὸν οὐρανόν (12 *a*)
I Ki. 14. 6. B οὐκ ἔστι τῷ κ. συνέχομενον (12 *c*)
21. 7 (8). ἐκεῖ ἦν ἐν τῶν παιδαρίων τοῦ Σ. . . . συνεχόμενος νεεσσαράν (12 *b*)
23. 8. συνέχειν τὸν Δ. καὶ τοὺς ἄνδρας αὐ. (13)
II Ki. 20. 3. καὶ ἦσαν συνεχόμεναι . . . χῆραι ζῶσαι (14)
24. 21. B συνεσχέθη [A -έσθη, R συσχεθῇ] ἡ θραῦσις (12 *b*)
— 25. συνεσχέθη [A -έσθη] ἡ θραῦσις (12 *b*)
III Ki. 6. 10. συνέσχε τὸν σύνδεσμον (1)
6. 15. B¹ ἐκοιλοστάθμησε συνεχόμενος [A B³ R -α] ξύλοις –
8. 35. ἐν τῷ συσχεθῆναι τὸν οὐρ. (12 *b*)
III Ki. 20 (21). 21. ἐξολεθρεύσω . . . συνεχόμενον . . . ἐν Ἰσρ. (12 *a*)
IV Ki. 9. 8. ἐξολεθρεύσεις . . . συνεχόμενον . . . ἐν Ἰσρ. (12 *a*)
14. 26. εἶδε κ. . . . ὀλίγους τοὺς συνεχομένους [A *al.*] (12 *a*)
I Ch. 12. 1. ἔτι συνεχομένου ἀπὸ προσώπου Σ. υἱοῦ Κ. (12 *a*)
II Ch. 6. 26. ἐν τῷ συσχεθῆναι τὸν οὐρανόν (12 *b*)
7. 13. ἐὰν συσχῶ τὸν οὐρανόν (12 *a*)
I Es. 9. 17. A τὰ κατὰ τοὺς ἄνδρας τοὺς συνέχοντας [R ἐπισ., B ἐπισυναχθέντας] γυναῖκας ἀλλογενεῖς
Ne. 6. 10. αὐτὸς συνεχόμενος (12 *a*)
Jb. 2. 9. αἵ με νῦν συνέχουσιν –
3. 24. δακρύω δὲ ἐγὼ συνεχόμενος φόβῳ †
7. 11. ἀνοίξω πικρίαν ψυχῆς μου συνεχόμενος [A S² *al.*] –
10. 1. πικρίᾳ ψυχῆς μου συνεχόμενος –
31. 23. φόβος γὰρ κυρίου συνέσχε [A -εῖχέν] με †
34. 14. εἰ γὰρ βούλοιτο συνέχειν [S² συσχεῖν] –
36. 8. οἱ πεπεδημένοι ἐν χειροπέδαις συσχεθήσονται (9 *a*)
38. 2. συνέχων δὲ ῥήματα ἐν καρδίᾳ –
41. 8 (9). συνέχονται [A -ωνται] καὶ οὐ μὴ ἀποσπασθῶσιν [S¹ πάθωσιν] (9 *b*)
Ps. 68 (69). 15. μηδὲ συσχέτω ἐπ' ἐμὲ φρέαρ τὸ στόμα αὐτοῦ (2)
76 (77). 9. ἢ συνέξει ἐν τῇ ὀργῇ αὐτοῦ τοὺς οἰκτιρμοὺς αὐτοῦ (15)
Pr. 5. 20. A S R μηδὲ συνέχου [B -έρχου] ἀγκάλαις τῆς μὴ ἰδίας [A ταῖς μὴ ἰδίαις] (5)
11. 26. ὁ συνέχων σῖτον (10)
Wi. 1. 7. τὸ συνέχον τὰ πάντα γνῶσιν ἔχει φωνῆς
17. 11. προσείληφε [S² προείληφεν] τὰ χαλεπὰ συνεχομένη τῇ συνειδήσει
— 20. ἀνεμποδίστοις συνείχετο ἔργοις
Mi. 7. 18. οὐ συνέσχεν εἰς μαρτύριον ὀργὴν αὐ. (17)
Is. 52. 15. συνέξουσι [A -άξ.] βασιλεῖς τὸ στόμα αὐτῶν (15)
Je. 2. 13. οὐ δυνήσονται ὕδωρ σ. (7)
23. 9. ὡς ἄνθρωπος συνεχόμενος ἀπὸ οἴνου (11)
Ez. 33. 22. τὸ στόμα οὐ συνεσχέθη [A -εκλείσθη] ἔτι (3)
43. 8. ἔδωκαν τὸν τοῖχόν μου ὡς συνεχόμενον ἐμοῦ καὶ αὐτῶν (4)
I Ma. 13. 15. A R συνέχομεν [S -είχ.] αὐτόν
II Ma. 9. 2. ἐπεχείρησεν . . . τὴν πόλιν συνέχειν
10. 10. A συντέμνοντες τὰ συνέχοντα τῶν πόλεων κακά [R *al.*]
IV Ma. 15. 32. ταῖς τῶν υἱῶν βασάνοις συνεχομένη
[Aq. I Ki. 21. 5 (6), 7 (8): 22. 2: Je. 20. 9: 32 (39). 2: 39 (46). 15.]
[Sm. Ge. 16. 2: I Ki. 16. 14: Is. 37. 25: 66. 9: Je. 20. 9.]
[Th. I Ki. 21. 5 (6): 22. 2: Je. 39 (46). 15.]
[Al. Jb. 20. 13.]

συνήθεια (-θία).

IV Ma. 2. 12. τῆς φίλων σ. δεσπόζει
6. 13. τὰ δὲ ἐν συμπαθείᾳ τῆς σ. [S¹ τὴν σ.] ὄντες
13. 22. αὔξονται σφοδρότερον διὰ . . . τῆς καθ' ἡμέραν σ.
— 27. τῆς φύσεως καὶ τῆς σ. καὶ τῶν τῆς ἀρετῆς ἠθῶν
[Sm. Pr. 17. 9.]

συνήθης.

[Sm. Ps. 54 (55). 14: Pr. 17. 9: Je. 13. 21.]

συνηθίζειν.

Si. 9. 4. B² μετὰ λυριζούσης μὴ συνήθιζε [A B¹ S R *al.*]

σύνηθος.

II Ma. 3. 31. ταχὺ δέ τινες τῶν τοῦ Ἡλ. σ.

συνήθως.

[Aq., Th. Ps. 44 (45). 18 (P.).]

συνήλικος. (1) בֶּגֶל

Da. Th. 1. 10. παρὰ τὰ παιδάρια τὰ σ. ὑμῶν [A *al.*] (1)
[Th. Da. 1. 10.]

συνηχεῖν.

III Ma. 6. 17. τοὺς παρακειμ. αὐλῶνας συνηχήσαντας
[Sm. Ps. 58 (59). 7: 82 (83). 3.]

συνθέλειν. (1) אָבָה

De. 13. 8 (9). οὐ συνθελήσεις αὐτῷ (1)

σύνθεμα. (1) אֲסֻפָּה

Ec. 12. 11. οἱ παρὰ τῶν σ. [A S¹ συναγμάτων, S² συνταγμάτων] ἐδόθησαν (1)

σύνθεσις. (1) בִּשֻּׂם (2) מַחְכֹּנֶת (3) סַם (4) קְטֹרֶת

Ex. 30. 32. κατὰ τὴν σ. ταύτην οὐ ποιηθήσεται (2)
— 35. A² ἔργον μυρεψοῦ μεμιγμένον συνθέσεως [B om.] –
— 37. κατὰ τὴν σ. ταύτην οὐ ποιήσετε (2)
31. 11. καὶ τὸ θυμίαμα τῆς σ. τοῦ ἁγίου (3)
35. 19 (15). καὶ τὸ θυμίαμα τῆς σ. (3)
— 28. καὶ τὸ λογεῖον καὶ τὰς σ. [A λ. τῆς σ.] (1)
— 28. ἤνεγκαν . . . τὴν σ. τοῦ θυμιάματος (4)
38. 25 (37. 29). ἐποίησε . . . τὴν σ. τοῦ θυμιάματος (4)
39. 16 (38). καὶ τὸ θυμίαμα τῆς σ. (3)
40. 27. ἐθυμίασεν ἐπ' αὐτοῦ τὸ θυμίαμα τῆς σ. (3)
Le. 4. 7. ἐπὶ τὰ κέρατα τοῦ θυσ. τοῦ θυμιάματος τῆς σ. (3)
— 18. ἐπὶ τὰ κέρατα τοῦ θυσ. τῶν θυμιαμάτων τῆς σ. –
16. 12. πλήσει τὰς χεῖρας θυμιάματος σ. λεπτῆς (3)
Nu. 4. 16. καὶ τὸ θυμίαμα τῆς σ. (3)
II Ch. 13. 11. θυμῶσι . . . θυμίαμα συνθέσεως (3)
Si. 49. 1. μνημόσυνον Ἰ. εἰς σύνθεσιν θυμάματος
Is. 3. 20. ἀφελεῖ . . . τὴν σ. [A σύνεσιν] τοῦ κόσμου τῆς δόξης †
[Aq. Is. 57. 9.]
[Th. Ex. 35. 8.]
[Al. Ex. 27. 5: Le. 24. 7.]

σύνθετος. (1) סַם

Ex. 30. 7. θυμιάσει . . . θυμίαμα σ. λεπτόν (1)

συνθήκη. (1) בְּרִית (2) חֹזֶה (3) *a.* יְשָׁר *b.* מֵישָׁרִים (4) מַסֵּכָה

IV Ki. 17. 15. A ἀπέρριψαν . . . τὴν σ. αὐ. (1)
Wi. 1. 16. συνθήκην ἔθεντο πρὸς αὐτόν
12. 21. ὧν τοῖς πατράσιν . . . συνθήκας ἔδωκας ἀγαθῶν ὑποσχέσεων
Is. 28. 15. ἐποιήσαμεν . . . μετὰ τοῦ θανάτου συνθήκας (2)
30. 1. ἐποιήσατε . . . συνθήκας οὐ διὰ τοῦ πνεύματός μου (4)
Da. LXX. 11. 6. εἰσελεύσεται . . . ποιήσασθαι συνθήκας (3 *b*)
— 17. συνθήκας μετ' αὐτοῦ ποιήσεται (3 *a*)
Da. TH. 11. 6. τοῦ ποιῆσαι συνθήκας μετ' αὐτοῦ (3 *b*)
I Ma. 10. 26. ἐπεὶ συνετηρήσατε τὰς [S¹ τὰ] πρὸς ἡμᾶς σ.
II Ma. 12. 1. γενομένων δὲ τῶν σ. τούτων
13. 25. ἐδυσφόρουν περὶ τῶν σ. οἱ Πτ.
14. 20. ἐπένευσαν ταῖς σ.
— 26. συνιδὼν . . . τὰς γενομένας σ.
— 27. ἔγραψε Νικάνορι ὑπὲρ μὲν τῶν σ.
[Aq. Ge. 6. 19 (18): Dt. 9. 15: III Ki. 6. 19: IV Ki. 17. 15: Ps. 24 (25). 10, 14: Is. 42. 6: 55. 3: 59. 21: 61. 8: Je. 11. 2, 6: Da. 9. 27: Ho. 12. 1 (2).]
[Sm. Ge. 6. 19 (18): Le. 24. 8: Ps. 24 (25). 10, 14: 43 (44). 18: 54 (55). 21: 88 (89). 40: 110 (111). 5: Is. 28. 15, 18: 42. 6: 59. 21: 61. 8: Je. 11. 2, 6: Ez. 20. 37: Da. 9. 27: Ho. 12. 1 (2).]
[Th. III Ki. 6. 19: Ps. 24 (25). 14: Is. 42. 6: 59. 21: Da. 11. 6.]
[Al. Ge. 17. 2: Le. 5. 1: Dt. 4. 23.]

σύνθημα (-εμα).

Jd. 12. 6. A εἶπατε δὴ σύνθημα [B *al.*] †
II Ma. 8. 23. δοὺς σύνθημα θεοῦ βοηθείας
13. 15. ἀναδοὺς δὲ τοῖς περὶ αὐτὸν σύνθημα θεοῦ νίκην
[Sm. Jd. 20. 38.]

συνθλᾶν. (1) נָדַע pi. (2) מָחַץ (3) נָקַר pi. (4) נָתַץ (5) פָּצַח pi. (6) רָצַץ *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi.

Jd. 5. 26. A καὶ συνέθλασεν [B *al.*] (2)
9. 53. A συνέθλασεν [B ἔκλασε] τὸ κρανίον αὐ. (6 *c*)
Jb. 30. 17. A νύκτες δέ μου τὰ ὀστᾶ συνέθλασαν [B S *al.*] (3)
Ps. 57 (58). 6. τὰς μύλας τῶν λεόντων συνέθλασεν κύριος (4)
67 (68). 21. συνθλάσει κεφαλὰς ἐχθρῶν αὐ. (2)
73 (74). 14. S σὺ συνέθλασας τὴν κεφαλὴν τοῦ δράκοντος [B² R *al.*] (6 *b*)
74 (75). 10. B² πάντα τὰ κέρατα τῶν ἁμαρτωλῶν συνθλάσω [B¹SR συγκλάσω] (1)
106 (107). 16. A R μοχλοὺς σιδηροῦς συνέθλασεν [S -έκλασεν] (1)
109 (110). 5. συνέθλασεν ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς αὐτοῦ βασιλεῖς (2)
— 6. συνθλάσει κεφαλὰς ἐπὶ γῆς πολλῶν (2)
Mi. 3. 3. τὰ ὀστέα αὐ. συνέθλασαν [A -έκλεισαν] (5)
Is. 42. 3. A κάλαμον συντεθλασμένον [B τεθλ.] οὐ συντρίψει (6 *a*)
[Aq. Ge. 25. 22: Ps. 73 (74). 14.]
[Sm. Ps. 43 (44). 20: 50 (51). 19 *bis.*]
[Th. Ps. 41 (42). 11.]

συνθλίβειν. (1) רָצַץ

Ec. 12. 6. A S καὶ συνθλιβῇ [B -τριβῇ] τὸ ἀνθέμιον (1)
Si. 34 (31). 14. μὴ συνθλίβου αὐτῷ ἐν τρυβλίῳ
I Ma. 15. 14. A συνέθλιβε [R ἔθλ.] τὴν πόλιν
[Al. I Ki. 12. 3.]

συνθραύειν.

[Sm. Ec. 12. 6.]

συνιδεῖν.

Da. LXX. 3. 14. οὓς καὶ συνιδὼν Ναβ. †
I Ma. 4. 21. S οἱ δὲ ταῦτα συνιδόντες [A R -ειδότες]
— 21. συνιδόντες δὲ καὶ τὴν Ἰούδα παρεμβολήν
II Ma. 4. 41. R συνιδόντες [A -ειδότες] δὲ καὶ τὴν ἐπίθεσιν τοῦ Λ.
14. 26. συνιδὼν τὴν πρὸς ἀλλήλους εὔνοιαν
— 30. διεξαγαγόντα συνιδὼν τὸν Ν. τὰ πρὸς αὐτόν
15. 21. συνιδὼν ὁ Μακκ. τὴν τῶν πληθῶν παρουσίαν
III Ma. 2. 8. οἱ καὶ συνιδόντες ἔργα σῆς χειρός
5. 50. τὰς . . . ἀντιλήψεις ἐξ οὐρανοῦ συνιδόντες
6. 23. συνιδὼν πρηνεῖς ἅπαντας εἰς τὴν ἀπώλειαν

συνίειν, συνιέναι. (1) בִּין *a.* qal. *b.* hi. *c.* hithpal. (2) חוּשׁ (3) יָדַע (4) כּוּן (5) רָאָה (6) שָׂכַל *a.* qal. *b.* hi. (7) שָׁמַר

Ex. 35. 35. πάντα συνιέναι ποιῆσαι τὰ ἔργα τοῦ ἁγίου –
36. 1. συνιέναι ποιεῖν πάντα τὰ ἔργα (3)
De. 29. 9 (8). ἵνα συνῆτε πάντα ὅσα ποιήσετε (6 *b*)
32. 7. A² B σύνετε ἔτη γενεῶν γενεαῖς (1 *a*)
— 29. οὐκ ἐφρόνησαν συνιέναι (6 *b*)
Jo. 1. 7. ἵνα συνῆς ἐν πᾶσιν (6 *b*)
— 8. A ἵνα συνῇς [B εἰδῇς] ποιεῖν (7)
— 8. καὶ τότε συνήσεις (6 *b*)
I Ki. 2. 10. συνίειν καὶ γινώσκειν τὸν κύριον –
18. 5. A ἐν πᾶσιν οἷς ἀπέστειλεν αὐτὸν Σ. συνῆκεν (6 *b*)
— 14. ἦν Δ. ἐν πάσαις ταῖς ὁδοῖς αὐ. συνίων (6 *b*)
— 15. αὐτὸς συνίει σφόδρα (6 *b*)
— 30. A συνῆκεν Δ. παρὰ πάντας τοὺς δούλους Σ. (6 *a*)
II Ki. 12. 19. καὶ συνῆκε Δ. (5)
III Ki. 2. 3. B¹ ἵνα συνήσεις [B²R -ῃς, A -ίῃς] ἃ ποιήσεις (6 *b*)
3. 9. τοῦ συνίειν [A -ιέναι] ἀνὰ μέσον ἀγαθοῦ καὶ κακοῦ (1 *b*)
— 11. τοῦ συνίειν τοῦ εἰσακούειν κρίμα (1 *b*)
IV Ki. 18. 7. ἐν πᾶσιν οἷς ἐποίει συνῆκε (6 *b*)
I Ch. 25. 7. δεδιδαγμένοι ᾄδειν κυρίῳ πᾶς συνίων (1 *b*)
II Ch. 20. 17. ταῦτα σύνετε †
26. 5. ἐν ταῖς ἡμ. Ζαχ. τοῦ συνίοντος ἐν φόβῳ κυρίου (1 *b*)
30. 22. καὶ τῶν συνιόντων σύνεσιν ἀγαθὴν τῷ κ. (6 *b*)
34. 12. πᾶς Λευίτης πᾶς συνίων ἐν ὀργάνοις ᾠδῶν (1 *b*)
II Es. 8. 15. συνῆκα ἐν τῷ λαῷ (1 *a*)
— 16. B ἀπέστειλα . . . τῷ Ἐ. συνίοντας [A R -έντας] (1 *b*)
Ne. 8. 2. καὶ πᾶς ὁ συνίων ἀκούειν (1 *b*)
— 3. καὶ αὐτοὶ συνιέντες (1 *b*)
— 8. συνῆκεν ὁ λαὸς ἐν τῇ ἀναγνώσει (1 *b*)
— 12. συνῆκαν ἐν τοῖς λόγοις (1 *b*)
Ne. 10. 28 (29). πᾶς ὁ εἰδὼς καὶ συνίων (1 *b*)
13. 7. A B² S συνῆκα ἐν τῇ πονηρίᾳ (1 *a*)
To. 3. 8. οὐ συνίεις ἀποπνίγουσά σου τοὺς ἄνδρας [S *al.*]
Jb. 15. 9. τί συνίεις σὺ ὃ οὐ καὶ ἡμεῖς [A *al.*] (1 *a*)
20. 2. οὐχὶ συνίετε [A S² -ιέναι] μᾶλλον ἢ καὶ ἐγώ (2 ?)
31. 1. οὐ συνήσω ἐπὶ παρθένον [A -ων] (1 *c*)
32. 12. μέχρι [A ἕως] ὑμῶν συνήσω (1 *c*)
36. 4. ἀδίκως συνίεις †
— 29. A S² ἐὰν συνῇς ἐπέκτασιν νεφέλης [B S¹ *al.*] (1 *a*)
38. 31. συνῆκας δὲ δεσμὸν Πλειάδος [A *al.*] †
Ps. 2. 10. καὶ νῦν, βασιλεῖς, σύνετε (6 *b*)
5. 1. σύνες τῆς κραυγῆς [A τῇ κρ.] μου (1 *a*)
13 (14). 2. A² B S εἰ ἔστι συνίων ἢ ἐκζητῶν τὸν θεόν (6 *b*)
18 (19). 12. παραπτώματα τίς συνήσει (1 *a*)
27 (28). 5. οὐ συνῆκαν [A -κα] εἰς τὰ ἔργα κυρίου (1 *a*)
32 (33). 15. ὁ συνιεὶς [S² σ. εἰς, B² -ίων] πάντα τὰ ἔργα αὐ. (1 *b*)
35 (36). 3. οὐκ ἐβουλήθη συνιέναι [S¹ -εῖναι] τοῦ ἀγαθύναι (6 *b*)
40 (41). 1. μακάριος ὁ [S om.] συνίων ἐπὶ πτωχόν (6 *b*)
48 (49). 12. ἄνθρωπος ἐν τιμῇ ὢν οὐ συνῆκε †
— 20. ἄνθρωπος ἐν τιμῇ ὢν οὐ συνῆκε (1 *a*)
49 (50). 22. σύνετε δὴ ταῦτα (1 *a*)
52 (53). 2. τοῦ ἰδεῖν εἰ ἔστι συνίων ἢ ἐκζητῶν τὸν θεόν (6 *b*)
57 (58). 9. B² R πρὸ τοῦ συνιέναι [B¹ S -εῖναι] τὰς ἀκάνθας ὑμῶν τὴν ῥάμνον [S² τῇ ῥ.] (1 *a*)
63 (64). 9. τὰ ποιήματα αὐτοῦ συνῆκαν (6 *b*)
72 (73). 17. B S¹ συνῶ εἰς τὰ ἔσχατα [S² ἔ. αὐτῶν] (1 *a*)
81 (82). 5. οὐκ ἔγνωσαν οὐδὲ συνῆκαν (1 *a*)
91 (92). 6. ἀσύνετος οὐ συνήσει ταῦτα (1 *a*)
93 (94). 7. οὐδὲ συνήσει ὁ θεὸς τοῦ Ἰακώβ (1 *a*)
— 8. σύνετε δὴ, ἄφρονες ἐν τῷ λαῷ (1 *a*)
100 (101). 2. A S R συνήσω ἐν ὁδῷ [B ᾧδῇ] ἀμώμῳ (6 *b*)
105 (106). 7. οὐ συνῆκαν τὰ θαυμάσιά σου (6 *b*)
106 (107). 43. συνήσουσιν τὰ ἐλέη τοῦ κ. (1 *c*)
118 (119). 95. τὰ μαρτύριά σου συνῆκα (1 *c*)
— 99. ὑπὲρ πάντας τοὺς διδάσκοντάς με συνῆκα (6 *b*)
— 100. ὑπὲρ πρεσβυτέρους συνῆκα (1 *c*)
— 104. ἀπὸ τῶν ἐντολῶν σου συνῆκα (1 *c*)
138 (139). 2. σὺ συνῆκας τοὺς διαλογισμούς μου ἀπὸ μακρόθεν (1 *a*)
Pr. 2. 5. τότε συνήσεις φόβον κυρίου (1 *a*)
— 9. τότε συνήσεις δικαιοσύνην καὶ κρίμα (1 *a*)
8. 9. πάντα ἐνώπια τοῖς συνίουσι (1 *b*)
21. 11. συνίων δὲ σοφὸς δέξεται γνῶσιν (6 *b*)
— 12. συνίει δίκαιος καρδίας ἀσεβῶν (6 *b*)
— 29. ὁ δὲ εὐθὴς αὐτὸς συνίει τὰς ὁδοὺς αὐτοῦ (1 *a*, 4*)
28. 5. ἄνδρες κακοὶ οὐ συνήσουσι [B² S νοήσουσιν] κρίμα οἱ δὲ ζητοῦντες τὸν κύριον συνήσουσιν ἐν παντί (1 *a*, 1 *a*)
29. 7. A S² ὁ δὲ ἀσεβὴς οὐ συνήσει [B S¹ νοεῖ] γνῶσιν (1 *a*)
Wi. 3. 9. οἱ πεποιθότες ἐπ' αὐτῷ συνήσουσιν ἀλήθειαν (1)
6. 1. ἀκούσατε οὖν, βασιλεῖς, καὶ σύνετε
9. 11. οἶδε γὰρ ἐκείνη πάντα καὶ συνίει
Ho. 4. 14. ὁ λαὸς ὁ συνίων συνεπλέκετο μετὰ πόρνης (1 *a*)
14. 10. τίς σοφὸς καὶ συνήσει (1 *a*)
Am. 5. 13. ὁ συνίων ἐν τῷ καιρῷ ἐκ. σιωπήσεται (6 *b*)
Mi. 4. 12. οὐ συνῆκαν τὴν βουλὴν αὐ. (1 *b*)
Is. 1. 3. ὁ λαός με οὐ συνῆκεν (1 *c*)
6. 9. ἀκοῇ ἀκούσετε καὶ οὐ μὴ συνῆτε (1 *a*)
— 10. καὶ τῇ καρδίᾳ συνῶσι (1 *a*)
7. 9. ἐὰν μὴ πιστεύσητε οὐδὲ μὴ συνῆτε †
43. 10. ἵνα γνῶτε . . . καὶ συνῆτε [S³ om. κ. σ.] (1 *a*)
52. 13. συνήσει ὁ παῖς μου (6 *b*)
— 15. οἱ οὐκ ἀκηκόασι συνήσουσι (1 *c*)
59. 15. μετέστησαν τὴν διάνοιαν τοῦ σ. [A S¹ -εῖναι] †
Je. 9. 12 (11). συνέτω [A συνιεῖται, S² συνετιῶ] τοῦτο (1 *a*)
— 24 (23). A² B S συνίειν καὶ γινώσκειν ὅτι ἐγώ εἰμι κύριος (6 *b*)

Je. 20. 12. κύριε δοκιμάζων δίκαια συνίων νεφρούς (5)
23. 5. βασιλεύσει βασιλεὺς καὶ συνήσει (6 b)
29 (49). 20. S ἐὰν μὴ συνῶσιν [B συμψηθῶσι, A συμψηφισθῶσι] τὰ ἐλάχιστα τῶν προβάτων †
Ba. 3. 21. οὐδὲ συνῆκαν τρίβους αὐτῆς
Da. LXX. 11. 33. συνήσουσιν εἰς πολλούς (1 a)
— 35. ἐκ τῶν συνιέντων διανοηθήσονται (6 b)
12. 3. οἱ συνιέντες φανοῦσιν (6 b)
Da. TH. 1. 4. καὶ συνιέντας ἐν πάσῃ σοφίᾳ (6 b)
— 17. συνῆκεν ἐν πάσῃ ὁράσει (1 b)
8. 5. ἐγὼ ἤμην συνίων (1 b)
— 17. A B² σύνες [B¹ om.], υἱὲ ἀνθρώπου (1 b)
— 23. ἀναστήσεται βασιλεὺς . . . συνίων προβλήματα (1 b)
— 27. οὐκ ἦν ὁ συνίων (1 b)
9. 2. συνῆκα . . . τὸν ἀριθμὸν τῶν ἐτῶν (1 a)
— 13. τοῦ συνιέναι ἐν πάσῃ ἀληθείᾳ σου (6 b)
— 23. σύνες ἐν τῇ ὀπτασίᾳ (1 b)
— 25. γνώσῃ καὶ συνήσεις (6 b)
10. 11. σύνες ἐν τοῖς λόγοις (1 b)
— 12. ἔδωκας τὴν καρδίαν σου τοῦ συνεῖναι (1 b)
11. 30. συνήσει ἐπὶ τοὺς καταλιπόντας διαθήκην ἁγίαν (1 b)
— 33. οἱ συνετοὶ τοῦ λαοῦ συνήσουσιν εἰς πολλά (1 a)
— 35. ἀπὸ τῶν συνιέντων ἀσθενήσουσι (6 b)
— 37. B¹ ἐπὶ παντὸς θεοῦ [A B² R -ας θ.] . . . οὐ συνήσει (1 a)
— 37. ἐπὶ πᾶν θεὸν οὐ συνήσει (1 a)
12. 3. οἱ συνιέντες λάμψουσιν (6 b)
— 8. καὶ οὐ συνῆκα (1 a)
— 10. οὐ συνήσουσιν [A νοήσ.] πάντες ἄνομοι (1 a)
— 10. οἱ νοήμονες συνήσουσι (1 a)
[Aq. Jb. 23. 8: 34. 16: 36. 29: Ps. 27 (28). 5: 31 (32). 9: 32 (33). 15: 91 (92). 7: Pr. 14. 15: 17. 10: 24. 12: Is. 57. 1: Je. 9. 17 (16): 30 (37). 24: Da. 10. 1: 11. 37 *bis*.]
[Sm. I Ki. 3. 8: Jb. 28. 23: 34. 16: Ps. 27 (28). 5: 91 (92). 7: Is. 6. 10: Je. 30 (37). 24: Da. 12. 10: Ze. 2. 1.]
[Th. Jb. 31. 1: 32. 12: 36. 29: 37. 14: 38. 18: Ps. 93 (94). 8: 118 (119). 100: Is. 28. 19: Da. 9. 23: 11. 30, 37 *bis*: 12. 3, 10.]

συνισοῦν.
[Quint. Ps. 93 (94). 20.]

συνιστάναι (-ιστᾶν). (1) אָסַר (2) חָתַם hi. (3) יָקַשׁ (4) כּוּן pil. (5) מִקְוֶה (6) עָבַד (7) עָמַד (8) פָּקַד (9) צִוָּה pi. (10) קָהַל ni. (11) שָׁלַח pi.
Ge. 40. 4. συνέστησεν ὁ ἀρχιδεσμώτης τῷ Ἰ. αὐτούς (8)
Ex. 7. 19. καὶ ἐπὶ πᾶν συνεστηκὸς ὕδωρ αὐ. (5)
32. 1. συνέστη ὁ λαὸς ἐπὶ Ἀ. (10)
Le. 15. 3. ἧς συνέστηκε τὸ σῶμα αὐ. (2)
— 3. ᾗ συνέστηκε τὸ σῶμα αὐ. διὰ τῆς ῥύσεως (2 ?)
Nu. 16. 3. B¹ συνέστησαν ὀπίσω [A B² R ἐπὶ] Μ. καὶ Ἀ. (10)
27. 23. καὶ συνέστησεν αὐτόν (9)
32. 28. συνέστησεν αὐτοῖς Μ. (9)
I Ki. 17. 26. A εἶπε Δ. πρὸς τοὺς ἄνδρας τοὺς συνεστηκότας μετ' αὐ. (7)
I Es. 1. 29. συνεστήσατο πρὸς αὐτὸν πόλεμον
2. 23. B καὶ οἱ Ἰ. . . . πολιορκίας συνεσταμένοι [A R -ιστάμενοι]
Jb. 28. 23. ὁ θεὸς εὖ συνέστησεν αὐτῆς τὴν ὁδόν †
Ps. 38 (39). 1. ἐν τῷ συστῆναι τὸν ἁμαρτωλὸν ἐναντίον μου †
106 (107). 36. συνεστήσαντο πόλεις κατοικεσίας (4)
117 (118). 27. συστήσασθε ἑορτὴν ἐν τοῖς πυκάζουσιν (1)
140 (141). 9. φύλαξόν με ἀπὸ παγίδος ἧς συνεστήσαντό μοι (3)
Pr. 6. 14. ὁ τοιοῦτος ταραχὰς συνίστησι πόλει (11)
26. 26. ὁ κρύπτων ἔχθραν συνίστησι δόλον –
Wi. 7. 14. διὰ τὰς ἐκ παιδείας δωρεὰς συσταθέντες
Je. 5. 27. S ὡς παγὶς συνεσταμένη [A B ἐφεστ.] πλήρης πετεινῶν –
Da. LXX. 7. 21. τὸ κέρας ἐκ. πόλεμον συνιστάμενον πρὸς τοὺς ἁγίους (6)
Da. TH. Su. 61. συνέστησεν αὐτοὺς Δ. ἐκ. τοῦ στόματος αὐ.
3. (24). συστὰς Ἀζ. προσηύξατο οὕτως

I Ma. 1. 2. συνεστήσατο πολέμους πολλούς
— 18. συνεστήσατο πόλεμον πρὸς Πτ.
2. 32. S R συνεστήσαντο [A -εστείλαντο] πρὸς αὐτοὺς πόλεμον
— 44. συνεστήσαντο δύναμιν
3. 3. συνεστήσατο πολέμους
10. 54. A συστήσωμεν [S R νῦν στήσομεν] πρὸς αὐτὸν φιλίαν
12. 43. συνέστησεν [S¹ -έταξεν] αὐτὸν πᾶσι τοῖς φίλοις αὐ.
II Ma. 4. 9. καὶ ἐφηβίαν αὐτῷ συστήσασθαι
— 24. ὁ δὲ συσταθεὶς τῷ βασιλεῖ
— 30. τοιούτων δὲ συνεστηκότων
8. 9. συνέστησαν δὲ αὐτῷ καὶ Γοργίαν
9. 25. ὃν . . . τοῖς πλείστοις ὑμῶν . . . συνίστων
— 27. A ἐπιεικῶς καὶ φιλανθρώπως συσταθέντα τῇ ἐμῇ προαιρέσει [R *al.*]
14. 15. τὸν ἄχρι αἰῶνος συστήσαντα τὸν αὐτοῦ λαόν
15. 6. διεγνώκει κοινὸν . . . συστήσασθαι τρόπον
III Ma. 1. 19. δρόμον ἄτακτον συνίσταντο
2. 26. ὥστε δυσφημίας ἐν τοῖς τόποις συνίστασθαι
4. 1. δημοτελὴς συνίστατο . . . εὐωχία
— 16. συμπόσια ἐπὶ πάντων τῶν εἰδώλων συνιστάμενος
— 18. τῶν μὲν κατὰ τὰς οἰκίας ἔτι συνεστηκότων
5. 36. συστησάμενος πᾶν τὸ συμπόσιον
6. 31. κώθωνα σωτήριον συστησάμενοι
— 32. χοροὺς συνίσταντο
— 35. συστησάμενοι τὸν προειρημένον χρόνον
— 38. συνίστανται δὲ αὐτῶν τὴν ἀπώλειαν
[Aq. Ge. 1. 9.]
[Sm. Ge. 1. 9: Ps. 2. 2: 8. 3: 74 (75). 4: 137 (138). 3.]
[Al. I Ki. 14. 48.]
[Sext. Ps. 8. 3.]

συνίστωρ. (1) שָׁהֵד
Jb. 16. 20 (19). A B S² ὁ δὲ σ. μου ἐν ὑψίστοις (1)

συννέφεια.
[Th. Jb. 3. 5.]

συννεφεῖν. (1) עָנַן pi.
Ge. 9. 14. ἐν τῷ συννεφεῖν με νεφέλας ἐπὶ τὴν γῆν (1)
[Sm. Jb. 37. 21.]

συννεφής. (1) עָרָף
De. 33. 28. ὁ οὐρανός σοι συννεφὴς δρόσῳ [A *al.*] (1)

συννοεῖν.
II Ma. 5. 6. οὐ συννοῶν τὴν εἰς τοὺς συγγενεῖς εὐημερίαν δυσημερίαν εἶναι τὴν μεγίστην
11. 13. συννοήσας ἀνικήτους εἶναι τοὺς Ἑβρ.
14. 3. συννοήσας ὅτι . . . οὐκ ἔστιν αὐτῷ σωτηρία

σύννους.
I Es. 8. 71. καὶ ἐκάθισα σύννους
[Sm. Da. 4. 16.]

σύνυμφος. (1) יְבֵמָה
Ru. 1. 15. ἀνέστρεψε σύνυμφός [A ἡ σ.] σου (1)
— 15. ἐπιστράφητι δὴ καὶ σὺ ὀπίσω τῆς σ. σου (1)

συνοδεύειν. (1) הָלַךְ
To. 5. 16. S ὁ ἄγγελος αὐ. συνοδεύσαι ὑμῖν [A B *al.*]
Wi. 6. 23. οὔτε μὴν φθόνῳ τετηκότι συνοδεύσω
Za. 8. 21. S¹ συνοδεύσονται [A B S³ -ελεύσ.] κατοικοῦντες πόλεις πολλάς (1)
[Sm. Ge. 33. 12.]

συνοδία (-εία). (1) יָחַשׁ *a.* hithpa. *b.* יֵחָשׂ
Ne. 7. 5. συνῆξα . . . τὸν λαὸν εἰς συνοδίας (1 a)
— 5. εὗρον βιβλίον τῆς σ. (1 b)
— 64. ἐζήτησαν γραφὴν αὐ. τῆς σ. (1 a)

σύνοδος. (1) עֲצֶרֶת
De. 33. 14. καὶ ἀπὸ συνόδων μηνῶν †
III Ki. 15. 13. καθὼς ἐποίησε σύνοδον †
I Es. 1. 8. B² καὶ ἡ σ. [A B¹ Ἡσυῆλος] οἱ ἐπιστάται τοῦ ἱεροῦ
Je. 9. 2 (1). πάντες μοιχῶνται σ. ἀθετούντων (1)
[Sm. Ps. 67 (68). 31: 81 (82). 1.]
[Al. I Ki. 10. 5.]

συνοδυνᾶσθαι.
Si. 30. 10. μὴ συγγελάσῃς αὐτῷ ἵνα μὴ συνοδυνηθῇς

συνοικεῖν. (1) בוֹא אֶל (2) בָּעַל (3) הָיָה לְ (4) יָבַם pi.
Ge. 20. 3. αὕτη δέ ἐστι συνῳκηκυῖα ἀνδρί (2)
De. 22. 13. καὶ συνοικήσῃ αὐτῇ (1)
24. 1. B καὶ συνοικήσῃ [A² -σει] αὐτῇ (2)
25. 5. καὶ συνοικήσει αὐτῇ (4)
Jd. 14. 20. A συνῴκησεν ἡ γυνὴ Σ. τῷ νυμφαγωγῷ αὐ. [B *al.*] (3)
I Es. 8. 70. A R συνῴκησαν [*cod.* -ήκ., B -κισαν] γὰρ μετὰ τῶν θυγ. αὐ.
— 84. R τὰς θυγ. ὑμῶν μὴ συνοικήσητε [A B -κίσ.] τοῖς υἱοῖς αὐ.
9. 7. B συνοικήσατε [A R -ῳκίσ.] γυναιξὶν ἀλλογενέσι [A *al.*]
— 36. B συνῴκησαν γυναιξὶν ἀλλογενέσιν [A R *al.*]
Pr. 19. 14. B² παρὰ δὲ θεοῦ συνοικεῖ [A B¹ S ἁρμόζεται] γυνὴ ἀνδρί †
Wi. 7. 28. οὐθὲν γὰρ ἀγαπᾷ ὁ θεὸς εἰ μὴ τὸν σοφίᾳ συνοικοῦντα
Si. 25. 8. μακάριος ὁ συνοικῶν γυναικὶ συνετῇ
— 16. A S² συνοικῆσαι λέοντι καὶ δράκοντι εὐδοκῆσαι [B S¹ -ήσω] ἢ συνοικῆσαι [B S¹ ἐνοικ.] μετὰ γυναικὸς πονηρᾶς
42. 9. συνῳκηκυῖα [S² σ. ἀνδρὶ] μή ποτε μισηθῇ
— 10. συνῳκηκυῖα μή ποτε στειρώσῃ [A S -ωθῇ]
Is. 62. 5. ὡς συνοικῶν νεανίσκος παρθένῳ (2)
II Ma. 1. 14. ὡς γὰρ συνοικῶν αὐτῇ παρεγένετο
[Aq. Ge. 30. 20.]
[Sm. Pr. 30. 23.]
[Al. Le. 16. 16.]

συνοίκησις.
To. 7. 14. S ἔγραψε συγγραφὴν βιβλίου συνοικήσεως [A B *om.* β. σ.]

συνοικίζειν. (1) בָּעַל *a.* qal. *b.* ni.
De. 21. 13. καὶ συνοικισθήσῃ αὐτῇ (1 a)
22. 22. κοιμώμενος μετὰ γυναικὸς συνῳκισμένης ἀνδρί (1 a)
I Es. 8. 70. B συνῴκισαν [A R -ησαν] τὰς [? τινας, A μετὰ] τῶν θυγ. αὐ.
— 84. A B τὰς θυγ. ὑμῶν μὴ συνοικίσητε [R -κίσ.] τοῖς υἱοῖς αὐ.
— 93. A R συνῳκίσαμεν γυναῖκας ἀλλογενεῖς [B *al.*]
9. 7. A R συνῳκίσατε [B -οικήσ.] γυναιξὶν ἀλλογενέσι [A *al.*]
— 36. A R συνῴκισαν γυναῖκας ἀλλογενεῖς [B *al.*]
Si. 16. 4. ἀπὸ γὰρ ἑνὸς συνετοῦ συνοικισθήσεται πόλις
Is. 62. 4. B ἡ γῆ σου συνοικισθήσεται (1 b)
[Sm. Ge. 3. 13 (12): Is. 62. 4 *bis*.]
[Th. Is. 62. 4 *bis*.]

συνοικοδομεῖν.
I Es. 5. 68. συνοικοδομήσομεν ὑμῖν

συνολκή.
Wi. 15. 15. οὔτε ῥῖνες εἰς συνολκὴν ἀέρος

σύνολος.
Es. 8. 13. πᾶσα δὲ πόλις ἢ χώρα τὸ σ.
Si. 9. 9. μετὰ ὑπάνδρου γυναικὸς μὴ κάθου τὸ σ.
III Ma. 3. 29. οὗ ἐὰν φωραθῇ τὸ σ. σκεπαζόμενος Ἰουδαῖος
4. 3. τίς τὸ σύνολον οἰκτιστος τόπος
— 11. τὸ σ. καταξιῶσαι περιβόλῳ
7. 8. μηθὲν αὐτοὺς τὸ σ. καταβλάπτοντος
— 9. ἐὰν . . . ἐπιλυπήσωμεν αὐτοὺς τὸ σ.
— 21. τὸ σ. ὑπὸ μηδενὸς διασεισθέντες τῶν ὑπαρχόντων
[Sm. Dt. 32. 5.]

συνόμιλος.
[Sm. Jb. 19. 19.]

συνομολογεῖν.
IV Ma. 13. 1. συνομολογεῖται πανταχόθεν

συνοραῦν.
II Ma. 2. 24. συνορῶντες γὰρ τὸ χύμα τῶν ἀριθμῶν
4. 4. συνορῶν Ὀ. τὸ χαλεπὸν τῆς φιλονεικίας
5. 17. οὐ συνορῶν ὅτι . . . ἀπώργισται
7. 4. τῶν λοιπῶν ἀδ. καὶ τῆς μητρὸς συνορώντων
— 20. ἀπολλυμένους υἱοὺς ἑπτὰ συνορῶσα
8. 8. συνορῶν δὲ ὁ Φ. . . . εἰς προκοπὴν ἐρχόμενον τὸν ἄνδρα

συνούλωσις. (1) אֲרֻכָּה

Je. 40 (33). 6. ἀνάγω αὐτῇ [A ἐπάγω ἐπ' αὐτοὺς] συνούλωσιν (1)
[Aq. Je. 30 (37). 17.]
[Sm. Je. 30 (37). 13, 17.]
[Th. Is. 58. 8.]

συνουσιασμός.

Si. 23. 6. κοιλίας ὄρεξις καὶ συνουσιασμὸς μὴ καταλαβέτωσάν με
IV Ma. 2. 3. ἀκμάζων πρὸς συνουσιασμόν

συνοχή. (1) מָצוֹר (2) שׁוֹאָה

Jd. 2. 3. ἔσονται ὑμῖν εἰς συνοχάς. †
Jb. 30. 3. οἱ φεύγοντες ἄνυδρον ἐχθὲς συνοχήν (2)
38. 28. A τίς δέ ἐστιν ὁ τετοκὼς συνοχὰς καὶ [B S om. σ. καὶ] βώλους δρόσου –
Mi. 5. 1 (4. 14). συνοχὴν ἔταξεν ἐφ' ὑμᾶς (1)
Je. 52. 5. ἦλθεν ἡ πόλις εἰς συνοχήν (1)
[Aq. Ps. 24 (25). 17 : 118 (119). 143 : Je. 37 (44). 15 : Ez. 7. 25.]
[Sm. Jb. 38. 16 : Ps. 106 (107). 39 : Pr. 30. 16.]
[Th. Ez. 7. 25.]

συνρ. *vid. sub* συρρ.

συνταγή. (1) זְמַן pu. (2) מוֹעֵד

Jd. 20. 38. A ἡ σ. ἦν ἀνδρὶ Ἰσρ. [B *al.*] (2)
II Es. 10. 14. A S² R ἐλθέτωσαν εἰς καιροὺς ἀπὸ συνταγῶν [B S¹ συναγωγῶν] (1)
[Aq. Nu. 3. 7 : 4. 25 : I Ki. 9. 24 : 13. 8 : 20. 35 : Ps. 73 (74). 4 : 74 (75). 3 : Is. 33. 20 : Ez. 16. 58 : 22. 9 : 23. 27, 29, 44, 48 : 24. 13 (Sw.).]
[Sm. Nu. 3. 7 : 4. 25 : I Ki. 13. 8 : Pr. 1. 26 : Ez. 24. 13 (Sw.).]
[Th. I Ki. 20. 35 : Ez. 24. 13 (P.).]

σύνταγμα. (1) אֲסֻפָּה (2) סוֹד

Jb. 15. 8. ἢ σύνταγμα κυρίου ἀκήκοας (2)
Ec. 12. 11. S² οἱ παρὰ τῶν σ. [A S¹ συναγμάτων, B συνθεμάτων] ἐδόθησαν (1)
II Ma. 2. 23. πειρασόμεθα δι' ἑνὸς σ. ἐπιτεμεῖν
[Aq. Ec. 12. 11.]
[Sm. I Ki. 20. 35.]
[Th. Jb. 38. 33.]

σύνταξις. (1) אֲרֻחָה (2) חֹק (3) מִשְׁפָּט (4) עֲבֹדָה (5) פֶּקֶד (6) *a.* תֹּכֶן *b.* מַתְכֹּנֶת

Ex. 5. 8. τὴν σ. τῆς πλινθείας . . . ἐπιβαλεῖς αὐτοῖς (6 *b*)
— 11. οὐ γὰρ ἀφαιρεῖται ἀπὸ τῆς σ. ὑμῶν οὐθέν (4)
— 14. διὰ τί οὐ συνετελέσατε τὰς σ. ὑμῶν τῆς πλινθείας (2)
— 18. τὴν σ. τῆς πλινθείας ἀποδώσετε (6 *a*)
37. 19 (38. 21). αὕτη ἡ σ. τῆς σκηνῆς τοῦ μαρτ. (5)
Nu. 9. 14. κατὰ τὴν σ. αὐ. ποιήσει αὐτό (3)
15. 24. καὶ σπονδὴν αὐ. κατὰ τὴν σ. [A σ. αὐ.] (3)
III Ki. 4. 28 (5. 8). ἕκαστος κατὰ τὴν σ. αὐ. (3)
I Es. 6. 29. ἀπὸ τῆς φορολογίας . . . σύνταξιν δίδοσθαι
Je. 52. 34. ἡ σ. αὐτῷ ἐδίδοτο διὰ παντός (1)
I Ma. 4. 35. τὴν γενομ. τροπὴν τῆς αὐτοῦ συντάξεως
II Ma. 9. 16. τὰς δὲ ἐπιβαλλούσας πρὸς τὰς θυσίας σ.
15. 38. εὐθίκτως τῇ σ.
— 39. τέρπει τὰς ἀκοὰς τῶν ἐντυγχανόντων τῇ σ.
[Sm. Ge. 47. 22 : Le. 24. 9 : Ps. 41 (42). 4 : Je. 52. 34 *bis*.]
[Th. Pr. 31. 15 : Je. 52. 34 *bis*.]

συνταράσσειν. (1) בָּהַל pa. (2) בָּלַע pi. (3) הָמָה (4) הָמַם (5) חָבַט (6) כָּמַר ni. (7) סָעַף pi. (8) פָּצַם pi. (9) רָגַז (10) שָׁבַשׁ ithpa.

Ex. 14. 24. συνετάραξε τὴν παρεμβολὴν τῶν Αἰγ. (4)
II Ki. 22. 8. τὰ θεμέλια τοῦ οὐρ. συνεταράχθησαν [A ἐτ.] (9)
Ps. 17 (18). 14. συνετάραξεν αὐτούς (4)
20 (21). 9. ἐν ὀργῇ αὐτοῦ [A σου] συνταράξει [A -εις] αὐτούς (2)
41 (42). 5, 11 : 42 (43). 5. ἵνα τί συνταράσσεις με (3)
59 (60). 2. καὶ συνετάραξας αὐτήν (8)
64 (65). 7. S R ὁ συνταράσσων τὸ κύτος [B ὕδωρ] τῆς θαλάσσης †
Ps. 143 (144). 6. συνταράξεις αὐτούς (4)
Ho. 11. 8. συνεταράχθη ἡ μεταμέλειά μου (6)
Is. 10. 33. συνταράσσει [S -άξει] τοὺς ἐνδόξους (7)
27. 12. S συνταράξει [A B συμφρ.] ὁ θεὸς ἀπὸ τῆς διώρυγος τοῦ ποταμοῦ (5)
Da. TH. 4. 2. αἱ ὁράσεις τῆς κεφ. μου συνετάραξάν με (1)
— 16 : 5. 6. οἱ διαλογισμοὶ αὐ. συνετάρασσον αὐτόν (1)
5. 9. οἱ μεγιστᾶνες αὐ. συνεταράσσοντο [A -ον αὐτόν] (10)
7. 28. οἱ διαλογισμοί μου ἐπὶ πολὺ συνετάρασσόν με (1)
I Ma. 3. 6. πάντες οἱ ἐργάται τῆς ἀνομίας συνεταράχθησαν
[Th. Da. 7. 15.]

συντάσσειν. (1) אָמַר (2) *a.* דָּבַר pi. *b.* דָּבָר (3) חָבַר hithpa. (4) טָרַף hi. (5) יָעַד ni. (6) יָצַר (7) פָּקַד pu. (8) צָוָה *a.* pi. *b.* pu.

Ge. 18. 19. συντάξει τοῖς υἱοῖς αὐ. (8 *a*)
26. 11. συνέταξε δὲ Ἀβ. παντὶ τῷ λαῷ αὐ. (8 *a*)
Ex. 1. 17. καθότι συνέταξεν αὐταῖς ὁ βασ. Αἰγ. (2 *a*)
— 22. συνέταξε δὲ Φ. παντὶ τῷ λαῷ αὐ. (8 *a*)
5. 6. συνέταξε δὲ Φ. τοῖς ἐργοδιώκταις (8 *a*)
6. 13. συνέταξεν αὐτοῖς πρὸς Φ. (8 *a*)
9. 12. A² B καθὰ συνέταξεν κύριος (2 *a*)
12. 35. καθὰ συνέταξεν αὐτοῖς M. (2 *b*)
16. 16. ὃ συνέταξε κύριος (8 *a*)
— 24. καθὼς συνέταξεν αὐτοῖς M. (8 *a*)
— 32. ὃ συνέταξε κύριος (8 *a*)
— 34. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ M. (8 *a*)
19. 7. οὓς συνέταξεν αὐτοῖς ὁ θ. (8 *a*)
27. 20. σύνταξον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (8 *a*)
31. 6. ὅσα συνέταξά σοι (8 *a*)
— 13. σύνταξον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 *a*)
34. 4. καθότι συνέταξεν αὐτῷ κύριος (8 *a*)
35. 4. ὃ συνέταξε κύριος (8 *a*)
— 10. ὅσα συνέταξε κύριος (8 *a*)
— 29. ὅσα συνέταξε κύριος ποιῆσαι αὐτά (8 *a*)
36. 1. ὅσα συνέταξε κύριος (8 *a*)
— 5. ὅσα συνέταξε κύριος ποιῆσαι (8 *a*)
— 8 (39. 1), 12 (39. 5), 14 (39. 7), 29 (39. 21), 34 (39. 26). καθὰ συνέταξε κύριος τῷ M. (8 *a*)
— 37 (39. 29), 40 (39. 31). ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ M. (8 *a*)
37. 19 (38. 21). καθὰ συνετάγη Μωυσῇ (7)
— 20 (38. 22). καθὰ συνέταξε κύριος τῷ M. (8 *a*)
38. 27 (40. 32). καθάπερ συνέταξε κύριος τῷ M. (8 *a*)
39. 11 (32). καθὰ συνέταξε κύριος τῷ M. (8 *a*)
— 22 (42). ὅσα συνέταξε κύριος τῷ M. (8 *a*)
— 23 (43). ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ M. (8 *a*)
40. 16. A ὅσα συνέταξεν κύριος [B *al.*] (8 *a*)
— 19. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ M. (8 *a*)
— 21, 23, 25. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ M. (8 *a*)
— 27. καθάπερ [A ὃν τρόπον] συνέταξε κ. τῷ M. (8 *a*)
Le. 8. 4. ὃν τρόπον συνέταξεν αὐτῷ κύριος (8 *a*)
— 9. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ M. (8 *a*)
— 13. καθάπερ συνέταξε κύριος τῷ M. (8 *a*)
— 17. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ M. (8 *a*)
— 31. ὃν τρόπον συντέτακταί μοι (8 *a*)
— 36. οὓς συνέταξε κύριος τῷ M. (8 *a*)
9. 21 : 10. 15. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ M. (8 *a*)
10. 18. ὃν τρόπον μοι συνέταξε κύριος (8 *a*)
13. 54. καὶ συντάξει ὁ ἱερεύς (8 *a*)
16. 34 : 24. 23. καθὰ συνέταξε κ. τῷ M. (8 *a*)
Nu. 1. 19. ὃν τρόπον συνέταξε κ. τῷ M. (8 *a*)
2. 34. ὅσα συνέταξε κ. τῷ M. [A *al.*] (8 *a*)
3. 16. ὃν τρόπον [A καθὰ] συνέταξεν αὐτοῖς κύριος (8 *b*)
— 51 : 4. 49. ὃν τρόπον συνέταξε κ. τῷ M. (8 *a*)
8. 3 (A B² R), 22 : 9. 5. καθὰ συνέταξε κ. τῷ M. (8 *a*)
15. 23. καθὰ συνέταξε κ. πρὸς ὑμᾶς [A κ. ὑμῖν] (8 *a*)
— 23. ἧς συνέταξε κύριος πρὸς ὑμᾶς (8 *a*)
— 36. καθὰ συνέταξε κ. τῷ M. [A *al.*] (8 *a*)
17. 11 (26). καθὰ [A ὅσα] συνέταξε κ. τῷ M. (8 *a*)
19. 2. ὅσα συνέταξε κύριος (8 *a*)
20. 9, 27. καθὰ συνέταξε κύριος (8 *a*)
26. 4. ὃν τρόπον συνέταξε κ. τῷ M. (8 *a*)
27. 11. καθὰ συνέταξε κ. τῷ M. (8 *a*)
— 23. καθάπερ συνέταξε κ. τῷ M. (2 *a*)
Nu. 30. 2. τοῦτο τὸ ῥῆμα ὃ συνέταξε κύριος (8 *a*)
31. 21. ὃ συνέταξε κ. τῷ M. (8 *a*)
— 31, 41. καθὰ συνέταξε κ. τῷ M. (8 *a*)
— 47. ὃν τρόπον συνέταξε κ. τῷ M. (8 *a*)
34. 13. B¹ ὃν τρόπον συνέταξε κ. τῷ M. [A B²R *om.* τ. M.] (8 *a*)
35. 2. σύνταξον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8 *a*)
36. 2. τῷ κυρίῳ συνέταξε κύριος (8 *b*)
— 6. ὃ συνέταξε κ. ταῖς θυγατράσι Σαλπ. (8 *a*)
— 10. ὃν τρόπον συνέταξε κ. Μωυσῇ [A πρὸς Μωυσῆν] (8 *a*)
De. 4. 23. AB¹ ὧν συνέταξε [B²R *add.* σοι] κ. ὁ θεός σου (8 *a*)
5. 15. συνέταξέ σοι [A σε] κ. ὁ θεός σου (8 *a*)
Jo. 4. 3. σύνταξον αὐτοῖς (8 *a*)
— 8. καθάπερ συνέταξε κ. τῷ Ἰ. (2 *a*)
8. 27. ὃν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Ἰ. (8 *a*)
— 29. συνέταξεν Ἰ. (8 *a*)
9. 24. ὅσα συνέταξε κ. ὁ θεός σου Μωυσῇ (8 *a*)
11. 12. ὃν τρόπον συνέταξε M. (8 *a*)
— 15. ὃν τρόπον συνέταξε κ. τῷ M. (8 *a*)
— 15. ὧν συνέταξεν αὐτῷ M. (8 *a*)
24. 30. καθὰ συνέταξεν αὐτοῖς κύριος –
III Ki. 8. 5. A οἱ συντεταγμένοι ἐπ' αὐτὸν σὺν αὐτῷ (5)
I Es. 2. 16. καὶ οἱ λοιποὶ οἱ τούτοις συντασσόμενοι
— 25. ἀντέγραψε . . . τοῖς λοιποῖς τοῖς συντασσομ.
— 30. οἱ τούτοις συντασσόμενοι . . . ἤρξαντο κωλύειν
6. 4. τίνος ὑμῖν συντάξαντος
Ju. 2. 16. ὃν τρόπον πολέμου πλῆθος συντάσσεται
4. 8. καθὰ συνέταξεν αὐτοῖς Ἰ. ὁ ἱερεύς
7. 16. συνέταξε ποιεῖν καθὰ ἐλάλησαν
10. 9. συνέταξαν τοῖς νεανίσκοις ἀνοῖξαι αὐτῇ
12. 1. συνέταξε καταστρῶσαι αὐτῇ
Jb. 25. 5. εἰ σελήνη [A σελήνην δὲ] συντάσσει –
37. 6. ἐποίησε γὰρ μεγάλα . . . συντάσσων χιόνι (1)
— 13. ταῦτα συντέτακται παρ' αὐτοῦ ἐπὶ τῆς γῆς –
38. 12. ἢ ἐπὶ σοῦ συντέταχα φέγγος πρωϊνόν (8 *a*)
42. 9. καθὼς συνέταξεν αὐτοῖς ὁ κύριος (2 *a*)
Pr. 24. 31 (30. 8). σύνταξον δέ μοι τὰ δέοντα (4)
Is. 10. 6. τῷ ἐμῷ λαῷ συντάξω ποιῆσαι σκῦλα (8 *a*)
13. 3. ἐγὼ συντάσσω (8 *a*)
27. 4. ἐποίησε κύριος πάντα ὅσα συνέταξε †
37. 26. ἐξ ἡμερῶν ἀρχαίων συνέταξα (6?)
Je. 33 (26). 2. οὓς συνέταξά σοι (8 *a*)
— 8. ἃ συνέταξεν αὐτῷ κύριος λαλῆσαι (8 *a*)
34 (27). 4. συντάξεις [S προστ.] αὐτοῖς πρὸς τοὺς κυρίους αὐτῶν εἰπεῖν (8 *a*)
36 (29). 23. ὃν οὐ συνέταξα αὐτοῖς (8 *a*)
39 (32). 13. συνέταξα τῷ Βαρούχ (8 *a*)
— 35. ἃ οὐ συνέταξα αὐτοῖς (8 *a*)
41 (34). 22. ἰδοὺ ἐγὼ συντάσσω (8 *a*)
44 (37). 21. συνέταξεν ὁ βασιλεύς (8 *a*)
Ba. 1. 20. ἡ ἀρὰ ἣν συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ
5. 7. συνέταξε γὰρ ὁ θεὸς ταπεινοῦσθαι πᾶν ὄρος
Ep. Je. 63. τό τε πῦρ . . . ποιεῖ τὸ συνταχθέν
Da. LXX. 11. 23. μετὰ τῆς διαθήκης καὶ δήμου συνταγέντος μετ' αὐτοῦ (3)
Da. TH. Su. 14. κοινῇ συνετάξαντο καιρόν
I Ma. 11. 40. S ὅσα συνέτασσεν [A R -ετέλεσε] ὁ Δ.
12. 43. S¹ συνέταξεν [A S²R -έστησεν] αὐτὸν πᾶσι τοῖς φίλοις αὐ.
15. 41. καθὰ συνέταξεν αὐτῷ ὁ βασ.
II Ma. 9. 4. συνέταξε τὸν ἁρματηλάτην
[Aq. Ex. 25. 21 (22) : Jb. 37. 6 : Am. 3. 3.]
[Sm. Ex. 25. 21 (22) : I Ki. 20. 20 : 21. 2 (3) : Jb. 2. 11 : Ps. 47 (48). 5.]
[Th. Ex. 25. 21 (22).]
[Al. Ex. 12. 28 : 29. 43 : Nu. 30. 3 : Je. 47 (29). 7.]

συντέλεια. (1) אַחֲרִית (2) אָסִיף (3) בֵּצַע (4) חָדַל ni. (5) כָּלָה *a.* pi. *b.* subst. *c.* תְּכִלָּה *d.* תַּכְלִית (6) *a.* כֹּל *b.* כָּלִיל *c.* כּוּל hi. (7) מִסְפָּר (8) סוּפָה (9) קֵץ (10) קָצֶב (11) תֻּמָּם (12) תְּקוּפָה

Ex. 23. 16. καὶ ἑορτὴν συντελείας ἐπ' ἐξόδου τοῦ ἐνιαυτοῦ (2)
De. 11. 12. ἕως συντελείας [A τῆς σ.] τοῦ ἐνιαυτοῦ (1)

Jo. 4. 8. ἐν τῇ σ. τῆς διαβάσεως τῶν υἱῶν Ἰσρ. (7)
Jd. 20. 40. B ἀνέβη ἡ [A R om.] σ. τῆς πόλεως (6 b)
I Ki. 8. 3. ἐξέκλιναν ὀπίσω τῆς σ. (3)
20. 41. ἔκλαυσεν . . . ἕως σ. μεγάλης †
III Ki. 6. 21 (22). ἕως συντελείας παντὸς τοῦ οἴκου (11)
— 25. ἐν μέτρῳ ἑνὶ σ. μία (10)
— 25. B ἀμφοτέροις σ. μία [A R om. σ. μ.] –
IV Ki. 13. 17. πατάξει τὴν Σ. . . . ἕως συντελείας (5 a)
— 19. τότε ἂν ἐπάταξας τὴν Σ. ἕως συντελείας (5 a)
II Ch. 24. 23. μετὰ τὴν σ. τοῦ ἐνιαυτοῦ (12)
I Es. 2. 1. εἰς συντέλειαν ῥήματος κυρίου
6. 20. οὐκ ἔλαβε συντέλειαν
II Es. 9. 14. μὴ παροξυνθῇς ἐν ἡμῖν ἕως συντελείας (5 a)
Ne. 9. 31. οὐκ ἐποίησας αὐτοὺς συντέλειαν (5 b)
Es. 4. 17. εἰς συντέλειαν αὐτοῦ
Jb. 26. 10. μέχρι συντελείας φωτὸς μετὰ σκότους (5 d)
30. 2. ἐπ' αὐτοὺς ἀπώλετο συντέλεια †
Ps. 58 (59). 13. B S¹ διαγγελήσονται συντέλειαι [S² ἐν συντελείᾳ] ἐν ὀργῇ συντελείας (5 a, 5 a)
118 (119). 96. πάσης συντελείας εἶδον πέρας (5 c)
Si. 11. 27. ἐν συντελείᾳ ἀνθρώπου ἀποκάλυψις ἔργων αὐτοῦ
16. 3. S² ἐξαίφνης αὐτῶν συντέλειαν γνώσεται
21. 9. ἡ σ. αὐτῶν φλὸξ πυρός
— 11. συντέλεια τοῦ φόβου κυρίου σοφία
22. 8. ἐπὶ συντελείᾳ ἐρεῖ, Τί ἐστιν
30. 32 (33. 23). ἐν ἡμέρᾳ συντελείας ἡμερῶν ζωῆς σου
37. 11. μετὰ μισθίου ἐφεστίου περὶ συντελείας
38. 28. καρδίαν αὐτοῦ δώσει εἰς συντέλειαν ἔργων καὶ ἡ ἀγρυπνία αὐτοῦ κοσμήσει ἐπὶ συντελείας
39. 28. ἐν καιρῷ συντελείας ἰσχὺν ἐκχέουσι
40. 14. οἱ παραβαίνοντες εἰς συντέλειαν ἐκλείψουσιν [A -θλίψουσιν]
43. 7. φωστὴρ μειούμενος ἐπὶ συντελείας [A S¹ -q]
— 27. συντέλεια λόγων τὸ πᾶν ἐστιν αὐτός
45. 8. ἐνέδυσεν αὐτὸν συντέλειαν καυχήματος
47. 10. ἐκόσμησε καιροὺς μέχρι συντελείας
50. 11. ἐν τῷ . . . ἐνδιδύσκεσθαι αὐτὸν συντέλειαν καυχήματος [A καύματος]
— 14. συντέλειαν λειτουργῶν ἐπὶ βωμῶν
Am. 1. 14. σεισθήσεται ἐν ἡμέραις συντελείας αὐ. (8)
8. 8. ἀναβήσεται ὡς ποταμὸς συντέλεια (6 a)
9. 5. ἀναβήσεται ὡς ποταμὸς συντέλεια αὐ. (6 a)
Na. 1. 3. ἐν συντελείᾳ . . . ἡ ὁδὸς αὐ. (8)
— 8. συντέλειαν ποιήσεται (5 b)
— 9. συντέλειαν αὐτὸς ποιήσεται (5 b)
Hb. 1. 9. συντέλεια [S³ -αν] εἰς ἀσεβεῖς ἥξει (6 a)
— 15. συντέλειαν ἐν ἀγκίστρῳ ἀνέσπασε (6 a)
3. 19. τάξει τοὺς πόδας μου εἰς συντέλειαν †
Ze. 1. 18. συντέλειαν καὶ σπουδὴν ποιήσει (5 b)
Je. 1. 3. S ἕως συντελείας [A B om.] ἑνδεκάτου ἔτους τοῦ Σεδ. (11)
4. 27. συντέλειαν δὲ οὐ μὴ ποιήσω (5 b)
5. 10. συντέλειαν δὲ μὴ ποιήσητε (5 b)
— 18. οὐ μὴ ποιήσω ὑμᾶς εἰς συντέλειαν (5 b)
26 (46). 28. ποιήσω συντέλειαν ἐν παντὶ ἔθνει (5 b)
Ez. 11. 13. εἰς συντέλειαν σὺ ποιεῖς τοὺς καταλοίπους (5 b)
13. 13. ἐν θυμῷ ἐπάξω εἰς συντέλειαν (5 b)
20. 17. οὐκ ἐποίησα αὐτοὺς εἰς συντέλειαν (5 b)
21. 28 (33). ῥομφαία . . . ἐσπασμένη εἰς συντέλειαν (6 c)
22. 12. συνετελέσω συντέλειαν κακίας σου †
Da. LXX. 4. 25. ἐπὶ συντελείᾳ τῶν λόγων –
— 28. ἐπὶ συντελείας τοῦ λόγου αὐ. –
— 32. ἐπὶ συντελείᾳ τῶν ἑπτὰ ἐτῶν –
8. 19. εἰς ὥρας καιροῦ συντελείας μενεῖ (9)
9. 26. ἥξει ἡ σ. αὐ. μετ' ὀργῆς καὶ καιροῦ συντελείας [R al.] (9, 9)
— 27. καὶ κατὰ συντέλειαν καιρῶν –
— 27. ἕως καιροῦ συντελείας πολέμου –
— 27. ἔσται ἕως συντελείας (5 b)
— 27. συντέλεια δοθήσεται ἐπὶ τὴν ἐρήμωσιν (4)
11. 6. εἰς συντέλειαν ἐνιαυτῶν ἄξει αὐτούς (9)
— 13. κατὰ συντέλειαν καιροῦ ἐνιαυτοῦ (9)
— 27. ἔτι γὰρ συντέλεια εἰς καιρόν (9)
— 35. ἕως καιροῦ συντελείας (9)
— 36. εἰς αὐτὸν γὰρ συντέλεια γίνεται (4)
— 40. καθ' ὥραν συντελείας (9)
Da. LXX. 11. 45. ἥξει ὥρα τῆς σ. αὐ. (9)
12. 4. ἕως καιροῦ συντελείας (9)
— 6. πότε οὖν συντέλεια ὧν εἴρηκάς μοι (9)
— 7. ἕως καιροῦ συντελείας –
— 7. ἡ σ. χειρῶν ἀφέσεως λαοῦ ἁγίου (5 a)
— 13. εἰς ἀναπλήρωσιν συντελείας (9)
— 13. εἰς συντέλειαν ἡμερῶν (9)
Da. TH. 9. 27. A B² ἕως συντελείας καὶ σπουδῆς (5 b)
— 27. ἕως τῆς [A om.] σ. καιροῦ συντέλεια δοθήσεται (5 b, 4)
11. 36. εἰς γὰρ συντέλειαν γίνεται (4)
12. 4. ἕως καιροῦ συντελείας (9)
— 13. εἰς ἀναπλήρωσιν συντελείας (9)
— 13. εἰς συντέλειαν ἡμερῶν (9)
I Ma. 3. 42. εἰς ἀπώλειαν καὶ συντέλειαν
[Aq. Is. 28. 22: Ez. 23. 12: Da. 9. 27.]
[Sm. Je. 30 (37). 11: Da. 9. 27.]
[Th. Jb. 30. 2: Da. 9. 27 bis: 11. 36: 12. 13 bis.]
[Al. II Ch. 36. 22: Da. 9. 27.]
[Quint. Ps. 29 (30). 6: 34 (35). 20.]

συντελεῖν. (1) אָסַף (2) בָּלָה pi. (3) בָּצַע a. qal. b. pi. c. בָּצַע (4) גָּמַר (5) גָּרַע (6) חָתַם (7) כָּלָה a. qal. b. pi. c. pu. d. כָּלָה subst. e. כִּלָּיוֹן (8) a. כָּלַל b. כָּלִיל (9) כָּרַת (10) מוּת (11) מָלֵא a. qal. b. pi. (12) נָקַף hi. (13) סוּף (14) עָשָׂה a. qal. b. ni. (15) שָׁלֵם a. qal. b. pi. (16) תָּמַם a. qal. b. hi. c. hithpa. (17) συντέλειαν συντελεῖν בָּצַע pi. (18) πονηρὰ συντελεῖν רָעַע hi.

Ge. 2. 1. συνετελέσθησαν ὁ οὐρανὸς καὶ ἡ γῆ (7 c)
— 2. συνετέλεσεν ὁ θ. . . . τὰ ἔργα αὐ. (7 b)
6. 16. εἰς πῆχυν συντελέσεις αὐτὴν ἄνωθεν (7 b)
17. 22. συνετέλεσε δὲ λαλῶν πρὸς αὐτόν (7 b)
18. 21. εἰ κατὰ τὴν κραυγὴν αὐ. . . . συντελοῦνται (14 a + 7 d)
24. 15. πρὸ τοῦ συντελέσαι αὐτὸν λαλοῦντα (7 b)
— 45. πρὸ τοῦ συντελέσαι με λαλοῦντα (7 b)
29. 27. συνέλεσον οὖν τὰ ἑβδομα ταύτης (11 b)
43. 2. ἡνίκα συνετέλεσαν καταφαγεῖν (7 b)
44. 5. A πονηρὰ συντετέλεσθε [R -τετελέκατε] (18)
49. 5. συνετέλεσαν ἀδικίαν †
Ex. 5. 13. συντελεῖτε τὰ ἔργα τὰ καθήκοντα (7 b)
— 14. διὰ τί οὐ συνετελέσατε τὰς συντάξεις ὑμῶν (7 b)
36. 2. ὥστε συντελεῖν αὐτά (14 a)
40. 33. συνετέλεσε Μ. πάντα τὰ ἔργα (7 b)
Le. 16. 20. συντελέσει ἐξιλασκόμενος τὸ ἅγιον (7 b)
19. 9. B² R οὐ συντελέσετε τὸν θερισμὸν ὑμῶν (7 b)
23. 22. οὐ συντελέσετε τὸ λοιπὸν τοῦ θερισμοῦ (7 b)
— 39. ὅταν συντελέσητε τὰ γεννήματα τῆς γῆς (1)
Nu. 4. 15. συντελέσουσιν Ἀ. καὶ οἱ υἱοὶ αὐ. καλύπτοντες (7 b)
7. 1. ᾗ ἡμέρᾳ συνετέλεσε Μ. (7 b)
De. 26. 12. ἐὰν δὲ συντελέσῃς ἀποδεκατῶσαι (7 b)
31. 1. συνετέλεσε Μ. λαλῶν πάντας τοὺς λόγους τ. †
— 24. ἡνίκα δὲ συνετέλεσε Μ. γράφων (7 b)
32. 23. A τὰ βέλη μου συντελέσω [B συμπολεμήσω] εἰς αὐτούς (7 b)
— 45. A συνετέλεσεν [B ἔξετ.] Μ. λαλῶν παντὶ Ἰσρ. (7 b)
34. 8. συνετελέσθησαν αἱ ἡμέραι πένθους (16 a)
Jo. 3. 17. ἕως συνετέλεσε πᾶς ὁ λαὸς διαβαίνων τὸν Ἰ. (16 a)
4. 1. ἐπεὶ συνετέλεσε πᾶς ὁ λαὸς διαβαίνων τὸν Ἰ. (16 a)
— 10. ἕως οὗ συνετέλεσεν Ἰ. πάντα (16 a)
— 11. ὡς συνετέλεσε πᾶς ὁ λαὸς διαβῆναι (16 a)
21. 40. συνετέλεσεν Ἰ. διαμερίσας τὴν γῆν –
Jd. 3. 18. ἡνίκα συνετέλεσεν Ἀ. προσφέρων (7 b)
15. 17. A ἡνίκα συνετέλεσεν λαλῶν [B al.] (7 b)
Ru. 2. 23. ἕως οὗ συνετέλεσε τὸν θερισμὸν τῶν κριθῶν (7 a)
3. 3. ἕως οὗ συντελέσαι αὐτὸν φαγεῖν (7 b)
I Ki. 10. 13. καὶ συνετέλεσε προφητεύων (7 b)
13. 10. B ὡς συνετέλεσεν ἀναφέρων τὴν ὁλοκαύτωσιν (7 b)
15. 18. ἕως συντελέσῃς [A -σεις] αὐτούς (7 b)
18. 1. A ὡς συνετέλεσεν λαλῶν πρὸς Σ. (7 b)
I Ki. 20. 7. συντετέλεσται ἡ κακία παρ' αὐτοῦ (7 a)
— 9. συντετέλεσται ἡ κακία παρὰ τοῦ πατρός μου (7 a)
— 33. συντετέλεσται ἡ κακία αὕτη παρὰ τοῦ πατρὸς αὐ. (7 d)
— 34. συνετέλεσεν ἐπ' αὐτὸν ὁ πατὴρ αὐ. †
24. 17. ὡς συνετέλεσε Δ. τὰ ῥήματα ταῦτα λαλῶν (7 b)
25. 17. συντετέλεσται ἡ κακία εἰς τὸν κύριον ἡμῶν (7 a)
II Ki. 6. 18. συνετέλεσε Δ. συναναφέρων (7 b)
11. 19. ἐν τῷ συντελέσαι πάντας τοὺς λόγους (7 b)
13. 36. ἡνίκα συνετέλεσε λαλῶν (7 b)
21. 5. ὁ ἀνὴρ συνετέλεσεν ἐφ' ἡμᾶς (7 b)
22. 38. ἕως συντελέσω αὐτούς (7 b)
III Ki. 1. 41. καὶ αὐτοὶ συνετέλεσαν φαγεῖν (7 b)
3. 1. ἕως συντελέσαι αὐτὸν τὸν οἶκον κυρίου (7 b)
— 1 (5. 15). ἐποίησε καὶ συνετέλεσε –
— 1 (9. 25). συνετέλεσε τὸν οἶκον (15 b)
— 1. A ἕως οὗ συνετέλεσεν οἰκοδομῶν (7 b)
4. 34 (3. 1). B ἕως συντελέσαι αὐτὸν τὸν οἶκον κυρίου (7 b)
6. 1 (38). συνετελέσθη ὁ οἶκος (7 a)
— 3. καὶ συνετέλεσεν αὐτόν –
— 9, 14 (A). καὶ συνετέλεσεν αὐτόν (7 b)
7. 40. συνετέλεσε Χ. ποιῶν πάντα τὰ ἔργα (7 b)
— 1. A συνετέλεσεν ὅλον τὸν οἶκον αὐ. (7 b)
8. 1. B¹ ὡς συνετέλεσε [B² ἐν τῷ συντελέσαι] Σαλ. –
— 53. ὡς συνετέλεσε τοῦ οἰκοδομῆσαι αὐτόν –
— 54. ὡς συνετέλεσε Σ. προσευχόμενος (7 b)
9. 1. B¹ ὡς συνετέλεσε Σ. οἰκοδομεῖν [A B² -ῶν] (7 b)
22. 11. κερατιεῖς τὴν Σ. ἕως συντελεσθῇ (7 b)
IV Ki. 10. 25. ὡς συνετέλεσε ποιῶν τὴν ὁλοκαύτωσιν (7 b)
I Ch. 16. 2. συνετέλεσε Δ. ἀναφέρων ὁλοκαυτώματα (7 b)
27. 24. καὶ οὐ συνετέλεσε (7 b)
28. 20. ἕως τοῦ συντελέσαι σε πᾶσαν ἐργασίαν (7 a)
II Ch. 4. 11. συνετέλεσε Χ. ποιῆσαι πᾶσαν τὴν ἐργασίαν (7 b)
— 22 (5. 1). συνετελέσθη πᾶσα ἡ ἐργασία (15 a)
7. 1. ὡς συνετέλεσε Σ. προσευχόμενος (7 b)
— 11. συνετέλεσε Σ. τὸν οἶκον κυρίου (7 b)
18. 10. ἕως ἂν συντελεσθῇ (7 b)
20. 23. ὡς συνετέλεσαν τοὺς κατοικοῦντας Σ. (7 b)
24. 14. ὡς συνετέλεσαν (7 b)
29. 17. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρισκαιδεκάτῃ . . . συνετέλεσαν (7 b)
— 28. ἕως οὗ συνετελέσθη [A¹ -λεσεν] ἡ ὁλοκαύτωσις (7 a)
— 29. ὡς συνετέλεσαν ἀναφέροντες (7 b)
— 34. ἕως οὗ συνετελέσθη τὸ ἔργον (7 a)
30. 22. συνετέλεσαν τὴν ἑορτὴν τῶν ἀζύμων †
31. 1. ὡς συνετελέσθη πάντα ταῦτα (7 b)
— 7. ἐν τῷ ἑβδόμῳ μηνὶ συνετελέσθησαν (7 b)
34. 8. A ὅτε συνετέλεσεν [B om. ὅτε σ.] τοῦ καθαρίσαι –
I Es. 1. 17. συνετελέσθη τὰ τῆς θυσίας τοῦ κυρίου
— 56. συνετέλεσαν πάντα τὰ ἔνδοξα αὐ. ἀχρειῶσαι
2. 19. ἐὰν οὖν . . . τὰ τείχη συντελεσθῇ
— 27. καὶ οἱ ἄνθρωποι . . . πολέμους ἐν αὐτῇ συντελοῦντες
6. 10. καὶ ἐν πάσῃ δόξῃ . . . συντελούμενα
7. 4. καὶ συνετέλεσαν ταῦτα
— 5. συνετελέσθη ὁ οἶκος
To. 8. 1. ὅτε δὲ συνετέλεσαν δειπνοῦντες [S al.]
— 11. S ὅτε συνετέλεσαν ὀρύσσοντες τὸν τάφον
— 17. συντέλεσον τὴν ζωὴν αὐτῶν
— 19. S εἶπε συντελεῖν αὐτούς
— 20. A B πρὶν ἢ συντελεσθῆναι τὰς ἡμέρας τοῦ γάμου
10. 1. S ὅτε συνετελέσθησαν αἱ ἡμέραι [A B al.]
— 7. συνετελέσθησαν αἱ δέκα τέσσαρες ἡμέραι τοῦ γάμου
12. 20. γράψατε πάντα τὰ συντελεσθέντα [S al.]
14. 1. S συνετελέσθησαν οἱ λόγοι τῆς ἐξομολογήσεως Τ. [A B al.]
— 4. S πάντα ἃ εἶπεν ὁ θ. συντελεσθήσεται
— 10. S δόλος πολὺς συντελεῖται ἐν αὐτῇ
Ju. 2. 2. συνετέλεσε πᾶσαν τὴν κακίαν τῆς γῆς
— 4. ὡς συνετέλεσε τὴν βουλὴν αὐ.
10. 1. ὡς . . . συνετέλεσε πάντα τὰ ῥήματα ταῦτα
15. 4. τοὺς ἀπαγγέλλοντας ὑπὲρ τῶν συντετελεσμένων

Es. 3. 13. τὰ χείριστα συντελοῦν κακά
4. 1. ἐπιγνοὺς τὸ συντελούμενον (14 *b*)
8. 13. ὅσα ἐστὶ . . . ἀνοσίως συντετελεσμένα
Jb. 1. 5. ὡς ἂν συνετελέσθησαν αἱ ἡμέραι τοῦ πότου (12)
14. 14. ζήσεται συντελέσας ἡμέρας τοῦ βίου αὐτοῦ (8 *a*)
15. 4. συνετελέσω δὲ ῥήματα τοιαῦτα ἔναντι τοῦ κυρίου (5)
19. 27. παρὰ γὰρ κυρίου ταῦτά μοι συνετελέσθη †
— 27. πάντα δέ μοι συντετέλεσται ἐν κόλπῳ [S¹ κόπῳ] (7 *a*)
21. 13. συνετέλεσαν δὲ ἐν ἀγαθοῖς τὸν βίον αὐτῶν (2*, 7 *b*)
33. 27. οἷα συνετέλουν [A -ούμην] †
35. 14. ὁρατής ἐστι τῶν συντελούντων τὰ ἄνομα †
36. 11. συντελέσουσι τὰς ἡμέρας αὐτῶν ἐν ἀγαθοῖς (7 *b*)
Ps. 7. 9. συντελεσθήτω δὴ πονηρία ἁμαρτωλῶν (4)
76 (77). 8. S² συνετέλεσεν ῥῆμα (4)
118 (119). 87. παρὰ βραχὺ συνετέλεσάν με ἐν τῇ γῇ (7 *b*)
Pr. 1. 19. αὗται αἱ ὁδοί εἰσι πάντων τῶν συντελούντων τὰ ἄνομα (3 *a*)
8. 31. ὅτε ἐνευφραίνετο τὴν οἰκουμένην συντελέσας †
22. 8. πληγὴν δὲ ἔργων αὐτοῦ συντελεῖ (7 *a*)
— 8. ματαιότητα δὲ ἔργων αὐτοῦ συντελέσει (7 *a*?)
Si. 18. 7. A R ὅταν συντελέσει [B -σηται, S -ση] ἄνθρωπος
23. 20. οὕτως καὶ μετὰ τὸ συντελεσθῆναι [A τελ.]
24. 28. οὐ συνετέλεσεν ὁ πρῶτος γνῶναι αὐτήν
31 (34). 8. ἄνευ ψεύδους συντελεσθήσεται νόμος
38. 8. οὐ μὴ συντελέσῃ [A S -εσθῇ] ἔργα αὐτοῦ
— 27. S² καὶ ἡ ἀγρυπνία αὐ. συντελέσαι [A B S¹ τελ.] ἔργον
— 30. καρδίαν ἐπιδώσει [S αὐτοῦ δώσει] συντελέσαι τὸ χρῖσμα [B¹ χάρισμα]
45. 19. συνετελέσθησαν ἐν θυμῷ ὀργῆς
50. 19. ἕως συντελεσθῇ [S² συνετελ.] κόσμος κυρίου
Ho. 13. 2. ἔργα τεκτόνων συντετελεσμένα αὐτοῖς (8 *a*)
Am. 7. 2. ἐὰν συντελέσῃ τοῦ καταφαγεῖν (7 *b*)
Mi. 2. 1. ἅμα τῇ ἡμέρᾳ συνετέλουν αὐτά (14 *a*)
Jl. 2. 8. καὶ οὐ μὴ συντελεσθῶσι [S² -σωσιν, A -σουσιν] (3 *a*)
Na. 2. 1. συντετέλεσται ἐξῆρται (8 *a*)
Za. 5. 4. καὶ συντελέσει αὐτόν (7 *b*)
Ma. 3. 9. τὸ ἔτος συνετελέσθη (8 *a*)
Is. 1. 28. οἱ ἐγκαταλιπόντες τὸν κύριον συντελεσθήσονται (7 *a*)
8. 8. ἢ δυνατὸν συντελέσασθαί [A -λέσαι] τι †
10. 12. ὅταν συντελέσῃ κύριος πάντα ποιῶν (3 *b*)
— 23 (22). λόγον συντελῶν καὶ συντέμνων ἐν δικαιοσύνῃ (7 *e*)
16. 4. A συνετελέσθη ταλαιπωρία (7 *a*)
18. 5. ὅταν συντελεσθῇ ἄνθος (16 *a*)
28. 22. συντετελεσμένα καὶ συντετμημένα πράγματα ἤκουσα (7 *d*)
32. 6. τοῦ σ. ἄνομα (14 *a*)
44. 24. ἐγὼ κύριος ὁ συντελῶν πάντα [A ταῦτα] (14 *a*)
46. 10. ἅμα συνετελέσθη (14 *b*)
55. 11. A S ἕως ἂν συντελεσθῇ [B τελ.] (14 *a*)
Je. 5. 3. A B S² συνετέλεσας αὐτούς (7 *b*)
6. 11. οὐ συνετέλεσα αὐτούς †
— 13. πάντες συνετέλεσαντο [A -σαν] ἄνομα (3 *a*)
13. 19. συνετέλεσαν [A S -εν] ἀποικίαν τελείαν (8 *a*)
14. 12. ἐν θανάτῳ ἐγὼ συντελέσω [S -λῶ] αὐτούς (7 *b*)
— 15. ἐν λιμῷ συντελεσθήσονται οἱ προφῆται (16 *c*)
15. 16. συντέλεσον αὐτούς †
16. 4. ἐν λιμῷ συντελεσθήσονται (7 *a*)
41 (34). 8. μετὰ τὸ συντέλεσαι τὸν βασιλέα Σεδεκίαν διαθήκην (9)
— 15. συνετέλεσαν διαθήκην κατὰ πρόσωπόν μου (9)
La. 2. 17. συνετέλεσε ῥήματα αὐτοῦ (3 *b*)
3. 22. R οὐ συνετελέσθησαν οἱ οἰκτιρμοὶ αὐτοῦ . . . οὐ συνετελέσθημεν ὅτι οὐ συνετελέσθησαν οἱ οἰκτιρμοὶ αὐτοῦ (7 *a*, 16 *a*?, 7 *a*?)
4. 11. συνετέλεσε κύριος θυμὸν αὐτοῦ (7 *b*)
Ep. Je. 62. συντελοῦσι τὸ ταχθέν
Ez. 4. 6. συντελέσεις ταῦτα [A αὐτὰ πάντα] (7 *b*)
— 8. ἕως οὗ συντελεσθῶσιν ἡμέραι τοῦ συγκλεισμοῦ σου (7 *b*)
Ez. 5. 12. τὸ τέταρτόν σου ἐν λιμῷ συντελεσθήσεται (7 *a*)
— 13. συντελεσθήσεται ὁ θυμός μου . . . ἐν τῷ συντελέσαι με τὴν ὀργήν μου (7 *a*, 7 *b*)
6. 12. ἐν λιμῷ συντελεσθήσεται καὶ συντελέσω τὴν ὀργήν μου ἐπ' αὐτούς (10, 7 *b*)
7. 8. συντελέσω τὸν θυμόν μου ἐν σοί (7 *b*)
— 15. τοὺς δ' ἐν τῇ πόλει λιμὸς καὶ θάνατος συντελέσει †
11. 15. πᾶς ὁ οἶκος τοῦ Ἰσραὴλ συντετέλεσται (8 *a*)
13. 14. συντελεσθήσεσθε [A -σεται] μετ' ἐλέγχων (7 *a*)
— 15. συντελέσω τὸν θυμόν μου ἐπὶ τὸν τοῖχον (7 *b*)
16. 14. συντετελεσμένον ἦν ἐν εὐπρεπείᾳ (8 *b*)
20. 8. τοῦ συντελέσαι ὀργήν μου ἐν αὐτοῖς (7 *b*)
— 21. B τοῦ συντελέσαι τὴν ὀργήν μου (7 *b*)
22. 12. συνετελέσω συντέλειαν κακίας σου (17)
— 13. ἐφ' οἷς συντετέλεσαι οἷς ἐποίησας (3 *c*)
— 31. τοῦ συντελέσαι [A *add.* αὐτοὺς] τὰς ὁδοὺς αὐ. (7 *b*)
23. 32. τοῦ συντελέσαι μέθην †
42. 15. συντελέσθη ἡ διαμέτρησις τοῦ οἴκου ἔσωθεν (7 *b*)
43. 23. μετὰ τὸ συντελέσαι σε τὸν ἐξιλασμόν (7 *b*)
Da. LXX. 5. 27. συντέτμηται καὶ συντετέλεσται †
9. 24. συντελεσθῆναι τὴν ἁμαρτίαν (7 *b*)
— 24. συντελεσθῆναι τὰ ὁράματα (6)
10. 3. ἕως τοῦ συντελέσαι με τὰς τρεῖς ἑβδομάδας (11 *a*)
11. 36. ἕως ἂν συντελεσθῇ ἡ ὀργή (7 *a*)
12. 7. συντελεσθήσεται πάντα ταῦτα (7 *a*)
Da. TH. 4. 30. ὁ λόγος συντελέσθη ἐπὶ Ναβ. (13)
9. 24. τοῦ συντελεσθῆναι [A -λέσαι] ἁμαρτίαν (7 *b*)
11. 16. A συντελεσθήσεται [B τελ.] ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (7 *a*)
— 36. μέχρις οὗ συντελεσθῇ ἡ ὀργή (7 *a*)
12. 7. ἐν τῷ συντελεσθῆναι [A -λέσαι] διασκορπισμόν (7 *b*)
I Ma. 8. 31. ὧν ὁ βασ. Δημ. συντελεῖται εἰς αὐτούς
10. 5. ὧν συνετελέσαμεν πρὸς αὐτόν
11. 40. A R ὅσα συνετέλεσε [S -έτασσεν δ] Δ.
16. 1. ἃ συνετέλει [S -λεσεν] Κ.
II Ma. 3. 32. κακουργίαν τινὰ . . . ὑπὸ τῶν Ἰουδ. συντετελέσθαι
4. 3. ὥστε καὶ διά τινος . . . φόνους συντελεῖσθαι
5. 5. αἰφνιδίως ἐπὶ τὴν πόλιν συνετέλεσατο ἐπίθεσιν
8. 17. τὴν ἀνόμως εἰς τὸν ἅγιον τόπον συντετελεσμένην . . . ὕβριν
12. 3. τηλικοῦτο συνετέλεσαν τὸ δυσσέβημα
13. 8. ἐπεὶ γὰρ συνετέλεσατο πολλὰ . . . ἁμαρτήματα
III Ma. 5. 4. τὸ προσταγὲν ἀραρότως Ἕρμων συνετέλει
— 43. τῶν συντελούντων ἐκεῖ θυσίαν
7. 4. μέχρι ἂν συντελεσθῇ τοῦτο
[Aq. Ps. 77 (78). 33 : Is. 52. 15 : Je. 10. 25 : 26 (33). 8 : 51 (28). 63 : Ez. 24. 10 : Da. 9. 24.]
[Sm. Ps. 58 (59). 14 : 76 (77). 9 : Is. 24. 13 : 33. 1 : 61. 8 : Je. 10. 25 : 26 (33). 8 : 51 (28). 63 : Ez. 17. 13 : 27. 4 : Da. 2. 46 (Sw.).]
[Th. II Ki. 21. 2 : Jb. 36. 11 : Je. 10. 25 : Da. 9. 24 : 11. 16†: 12. 7, 7†.]
[Al. Le. 26. 16 : II Ch. 18. 10 : Ps. 137 (138). 8 : Is. 16. 4.]

συντελμᾶν (?).
Is. 28. 22. A συντετελμημένα [B S -τετμημ.] πράγματα ἤκουσα †

συντέμνειν. (1) חָרַץ *a.* qal. *b.* ni. (2) חָתַךְ ni. (3) כָּלָה
Is. 10. 23 (22). λόγον συντελῶν καὶ συντέμνων ἐν δικαιοσύνῃ (1 *a*)
— 23. λόγον συντετμημένον ποιήσει κύριος (3 + 1 *b*)
28. 22. συντετμημένα [A -τετελμημ.] πράγματα κυρίου παρὰ κυρίου σαβαώθ (1 *b*)
Da. LXX. 5. 27. συντέτμηται καὶ συντέτελεσται †
Da. TH. 9. 24. ἑβδομήκοντα ἑβδομάδες συνετμήθησαν (2)
— 26. ἕως τέλους πολέμου συντετμημένου τάξει (1 *b*)
II Ma. 10. 10. συντέμνοντες τὰ συνέχοντα τῶν πόλεων κακά
[Aq. II Ki. 5. 24 : Pr. 12. 24 : Is. 28. 27.]
[Sm. II Ki. 5. 24.]
[Th. Pr. 21. 5 : Da. 9. 24, 26.]

συντηρεῖν. (1) נָטַר (2) קִיַּם (3) שָׁמַר
To. 1. 11. συνετήρησα τὴν ψυχήν μου μὴ φαγεῖν
3. 15. ἵνα συντηρήσω ἐμαυτὴν αὐτῷ γυναῖκα
Pr. 15. 4. ὁ δὲ συντηρῶν αὐτὴν πλησθήσεται πνεύματος †
Si. 2. 15. οἱ ἀγαπῶντες αὐτὸν συντηρήσουσι τὰς ὁδοὺς [S² ἐντολὰς] αὐτοῦ
4. 20. συντήρησον καιρὸν καὶ φύλαξαι ἀπὸ πονηροῦ
6. 26. συντήρησον [A S τήρ.] τὰς ὁδοὺς αὐτῆς
13. 12. ἀνελεήμων ὁ μὴ συντηρῶν λόγους
— 13. συντήρησον καὶ πρόσεχε σφοδρῶς
15. 15. ἐὰν θέλῃς συντηρήσεις [S¹ -ῃς] ἐντολάς
17. 22. χάριν ἀνθρώπου ὡς κόρην συντηρήσει
27. 12. εἰς μέσον ἀσυνέτων συντήρησον καιρόν
28. 3. ἄνθρωπος ἀνθρώπῳ συντηρεῖ ὀργήν
32 (35). 1. ὁ συντηρῶν νόμον πλεονάζει προσφοράς
37. 12. ὃν ἂν ἐπιγνῶς συντηροῦντα ἐντολάς
39. 2. διηγήσεις ἀνδρῶν ὀνομαστῶν συντηρήσει
41. 14. παιδείαν ἐν εἰρήνῃ συντηρήσατε
44. 20. ὃς συνετήρησε νόμον ὑψίστου
Ez. 18. 19. πάντα τὰ νόμιμά μου συνετήρησε (3)
Da. LXX. 3. 23. αὐτοὶ δὲ συνετηρήθησαν –
— (30). οὐδὲ συνετηρήσαμεν –
4. 23. ὁ τόπος τοῦ θρόνου σού σοι συντηρηθήσεται (2)
— 25. τοὺς λόγους ἐν τῇ καρδίᾳ συνετήρησε –
Da. TH. 3. (30). οὐδὲ συνετηρήσαμεν –
7. 28. A τὸ ῥῆμα ἐν τῇ καρδίᾳ μου συνετήρησα [B διετ.] (1)
I Ma. 8. 12. S R συνετήρησαν [A σ. αὐτοῖς] φιλίαν
10. 20. καὶ συντηρεῖν φιλίαν πρὸς ἡμᾶς
— 26. R ἐπεὶ συνετηρήσατε [A S ἐπισυν.] τὰς πρὸς ἡμᾶς συνθήκας
— 27. A R τοῦ συντηρῆσαι [S σ. τι] πρὸς ἡμᾶς πίστιν
11. 33. φίλοις ἡμῶν καὶ συντηροῦσι τὰ πρὸς ἡμᾶς δίκαια
14. 35. ἣν συνετήρησε τῷ ἔθνει αὐ.
II Ma. 3. 1. τῶν νόμων ὅτι κάλλιστα συντηρουμένων
9. 26. ἕκαστον συντηρεῖν τὴν οὖσαν εὔνοιαν
10. 12. τὸ δίκαιον συντηρεῖν προηγούμενος
11. 19. ἐὰν μὲν οὖν συντηρήσητε τὴν εἰς τὰ πράγματα εὔνοιαν
12. 42. συντηρεῖν αὐτοὺς ἀναμαρτήτους εἶναι
[Aq. Ps. 18 (19). 14.]
[Sm. Jb. 21. 30 : 27. 18.]

συντιθέναι. (1) זָמַם *a.* aph. *b.* ithpa. (2) קָשַׁר (3) שָׁלַם hi.
I Ki. 22. 13. ἵνα τί συνέθου κατ' ἐμοῦ (2)
III Ki. 16. 28 (22. 44 [45]). B ἃ συνέθεντο Ἰωσ. (3)
To. 9. 5. S καὶ συνέθηκαν αὐτά [A B *al.*]
Da. LXX. Su. 19. συνθέμενοι προσήλθοσαν αὐτῇ
Da. TH. 2. 9. ῥῆμα ψευδὲς . . . συνέθεσθε εἰπεῖν (1 *a**, 1 *b*)
I Ma. 9. 70. τοῦ συνθέσθαι πρὸς αὐτὸν εἰρήνην
11. 9. συνθώμεθα πρὸς ἑαυτοὺς διαθήκην
15. 27. A ὅσα ἐσυνέθετο [S R συνέθ.] αὐτῷ τὸ πρότερον
II Ma. 8. 31. πάντα συνέθηκαν εἰς τοὺς ἐπικαίρους τόπους
13. 15. τὸν πρωτεύοντα τῶν ἐλεφάντων . . . συνέθηκε
IV Ma. 4. 16. συνθέμενον [S¹ -ος] δώσειν
[Sm. I Ki. 22. 8 *bis* : II Ki. 3. 21 : Jb. 38. 37 : Is. 54. 11 : Ez. 24. 5.]
[Th. Jb. 38. 37 (P.).]
[Al. Le. 24. 4.]

συντίμησις. (1) עֶרֶךְ
Le. 27. 4. τῆς δὲ θηλείας ἔσται ἡ σ. τριάκοντα δίδραχμα (1)
— 18. ἀνθυφαιρεθήσεται ἀπὸ τῆς σ. αὐ. (1)
Nu. 18. 16. ἡ σ. πέντε σίκλων (1)
IV Ki. 12. 4 (5). ἀργύριον συντιμήσεως ἀνὴρ ἀργύριον λαβὼν συντιμήσεως [A *al.*] (†, 1)
23. 35. ἀνὴρ κατὰ τὴν σ. αὐ. ἔδωκαν τὸ ἀργύριον (1)

συντομή.
[Aq. Is. 28. 22.]

σύντομος.
Wi. 14. 14. σύντομον αὐτῶν τέλος ἐπενοήθη
II Ma. 2. 31. τὸ δὲ σ. τῆς λέξεως μεταδιώκειν
IV Ma. 14. 10. σύντομος ἡ τοῦ πυρὸς οὖσα δύναμις
[Aq. Pr. 19. 13.]

συντόμως. (1) בְּלֹא מִשְׁפָּט

Pr. 13. 23. ἄδικοι δὲ ἀπολοῦνται σ. (1)
23. 28. οὗτος γὰρ σ. ἀπολεῖται †
III Ma. 5. 25. αὐτοῖς βοηθῆσαι σ.

συντρέφεσθαι. (1) כְּנִיל

Da. LXX. 1. 10. παρὰ τοὺς συντρεφομ. ὑμῖν νεανίας (1)
IV Ma. 13. 21. ἀφ' ὧν συντρέφονται [S συστρ.] . . . φιλάδελφοι ψυχαί
— 24. τῷ δικαίῳ συντραφέντες [S¹ συστρ.] βίῳ

συντρέχειν. (1) רָצָה עִם

Ju. 6. 16. συνέδραμον . . . εἰς τὴν ἐκκλησίαν
13. 13. καὶ συνέδραμον πάντες
14. 3. συνδραμοῦνται ἐπὶ τὴν σκηνὴν Ὀλ.
15. 12. συνέδραμε πᾶσα γυνὴ Ἰσρ. τοῦ ἰδεῖν αὐτήν
Ps. 49 (50). 18. συνέτρεχες αὐτῷ (1)
II Ma. 3. 19. αἱ μὲν συνέτρεχον ἐπὶ τοὺς πυλῶνας
6. 11. ἕτεροι δὲ πλησίον συνδραμόντες εἰς τὰ σπήλαια

συντρίβειν. (1) גָּדַע *a.* qal. *b.* ni. (2) דָּכָא ni. (3) הָרַס (4) זוֹרֶה (5) חִיל (6) חָתַת *a.* qal. *b.* ni. (7) טָרַף (8) כָּשַׁל *a.* qal. *b.* ni. (9) כָּתַת (10) נָגַף ni. (11) נָכָה hi. (12) נָפַץ pi. (13) פָּצַע (14) צָלַע (15) קָרַס (16) רָטַשׁ pi. (17) רָמַס (18) רָצַץ *a.* qal. *b.* pi. (19) שָׁבַר *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* שִׁבֵּר (20) שָׁבַת ni. (21) שָׁטַף *a.* qal. *b.* ni. *c.* שִׁטֵּף (22) שָׁמַד ni. (23) שָׁמַם ni. (24) שָׁסַע pi. (25) תִּבֵּר

Ge. 19. 9. ἤγγισαν συντρίψαι τὴν θύραν (19 *a*)
49. 24. συνετρίβη μετὰ κράτους τὰ τόξα αὐ. †
Ex. 9. 25. πάντα τὰ ξύλα . . . συνέτριψεν ἡ χάλαζα (19 *c*)
12. 10. ὀστοῦν οὐ συντρίψεται ἀπ' αὐτοῦ –
— 46. ὀστοῦν οὐ συντρίψετε [A -αι] ἀπ' αὐτοῦ (19 *a*)
15. 3. κύριος συντρίβων πολέμους †
— 7. συνέτριψας τοὺς ὑπεναντίους (3)
22 10 (9). καὶ συντριβῇ ἢ τελευτήσῃ (19 *b*)
— 14 (13). καὶ συντριβῇ ἢ ἀποθάνῃ (19 *b*)
23. 24. συντρίβων συντρίψεις τὰς στήλας αὐ. (19 *c*, 19 *c*)
32. 19. συνέτριψεν αὐτὰς ὑπὸ τὸ ὄρος (19 *c*)
34. 1. αἷς [A ἃς] συνέτριψας (19 *c*)
— 13. τὰς στήλας αὐ. συντρίψετε (19 *c*)
Le. 6. 28 (21). σκεῦος ὀστράκινον . . . συντριβήσεται (19 *b*)
11. 33. καὶ αὐτὸ συντριβήσεται (19 *a*)
15. 12. σκεῦος ὀστράκινον . . . συντριβήσεται (19 *b*)
22. 22. A² B τυφλὸν ἢ συντετριμμένον . . . οὐ προσάξουσι (19 *a*)
26. 13. συνέτριψα τὸν δεσμὸν τοῦ ζυγοῦ ὑ. (19 *a*)
— 19. συντρίψω τὴν ὕβριν τῆς ὑπερηφανίας ὑμῶν (19 *a*)
Nu. 9. 12. ὀστοῦν οὐ συντρίψουσιν [A -τρίψεται] ἀπ' αὐτοῦ (19 *a*)
De. 1. 42. οὐ μὴ συντριβῆτε ἐνώπιον τῶν ἐχθρῶν ὑ. (10)
7. 5. τὰς στήλας αὐ. συντρίψετε (19 *c*)
9. 17. καὶ συνέτριψα [A σ. αὐτὰς] ἐναντίον ὑμῶν (19 *c*)
— 21. A καὶ συνέτριψα [B -έκοψα] αὐτόν (9)
10. 2. ἃς [A αἷς] συνέτριψας (19 *c*)
12. 3. συντρίψετε τὰς στ. αὐ. (19 *c*)
28. 7. παραδῷ κ. ὁ θ. σου τοὺς ἐχθρούς σου . . . συντετριμμένους (10)
33. 20. συντρίψας βραχίονα καὶ ἄρχοντα (7)
Jo. 7. 5. συνέτριψαν αὐτοὺς ἀπὸ τοῦ καταφεροῦς (11)
10. 10. συνέτριψεν αὐτοὺς κ. συντρίψει μεγάλῃ [A *al.*] (11)
— 12. ἡνίκα συνέτριψεν αὐτοὺς ἐν Γ. –
— 12. συνετρίβησαν ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰσρ. –
Jd. 2. 2. τὰ γλυπτὰ αὐ. συντρίψετε –
7. 20. συνέτριψαν τὰς ὑδρίας (19 *a*)
14. 6. συνέτριψεν αὐτὸν ὡσεὶ συντρίψει ἔριφον [A *al.*] (24, 24)
I Ki. 4. 18. συνετρίβη ὁ νῶτος αὐ. (19 *b*)
III Ki. 13. 26. A καὶ συνέτριψεν αὐτόν (19 *a*)
— 28. B καὶ οὐ συνέτριψε τὸν ὄνον (19 *a*)
16. 28 (22. 48 [49]). B συνετρίβη ἡ ναῦς ἐν Γ. (19 *b*)
19. 11. πνεῦμα μέγα . . . συντρῖβον πέτρας (19 *c*)
21 (20). 37. καὶ συνέτριψε (13)
22. 49. A συνετρίβησαν νῆες ἐν Ἀ. (19 *b*)
IV Ki. 1. 18 (3. 2). καὶ συνέτριψεν αὐτάς –
11. 18. τὰς εἰκόνας αὐ. συνέτριψαν ἀγαθῶς (19 *c*)
18. 4 : 23. 14. συνέτριψε τὰς στήλας (19 *c*)
23. 15. συνέτριψε τοὺς λίθους αὐ. †
25. 13. τὴν θάλασσαν τὴν χαλκῆν . . . συνέτριψαν (19 *c*)
II Ch. 14. 3 (2). συνέτριψε τὰς στήλας (19 *c*)
— 13 (12). συνετρίβησαν ἐνώπιον κυρίου (19 *b*)
20. 37. συνετρίβη τὰ πλοῖά σου (19 *b*)
31. 1. συνέτριψαν τὰς στήλας (19 *c*)
34. 4. τὰ χωνευτὰ συνέτριψε (19 *c*)
Ne. 2. 13. ἤμην συντρίβων ἐν τῷ τείχει Ἱερ. (19 *a*)
— 15. ἤμην συντρίβων ἐν τῷ τείχει (19 *a*)
4. 10 (4). συνετρίβη ἡ ἰσχὺς τῶν ἐχθρῶν (8 *a*)
Ju. 9. 7. σὺ εἶ κύριος συντρίβων πολέμους
16. 3. θεὸς συντρίβων πολέμους κύριος
Jb. 24. 20. συντριβείη δὲ πᾶς ἄδικος (19 *b*)
29. 17. συνέτριψα δὲ μύλας ἀδίκων (19 *c*)
31. 22. ὁ δὲ βραχίων μου ἀπὸ τοῦ ἀγκῶνος συντριβείη (19 *b*)
38. 11. ἐν σεαυτῇ συντριβήσεταί σου τὰ κύματα †
— 15. βραχίονα δὲ ὑπερηφάνων συνέτριψας (19 *b*)
Ps. 2. 9. ὡς σκεῦος κεραμέως συντρίψεις αὐτούς (12)
3. 7. ὀδόντας ἁμαρτωλῶν συνέτριψας (19 *c*)
9. 36 (10. 15). σύντριψον τὸν βραχίονα τοῦ ἁμαρτωλοῦ (19 *a*)
28 (29). 5. φωνὴ κυρίου συντρίβοντος κέδρους (19 *a*)
— 5. συντρίψει κύριος τὰς κέδρους τοῦ Λιβ. (19 *c*)
33 (34). 18. ἐγγὺς κύριος τοῖς συντετριμμένοις τὴν καρδίαν (19 *b*)
— 20. ἓν ἐξ αὐτῶν οὐ συντριβήσεται (19 *b*)
36 (37). 15. A S² R τὰ τόξα αὐτῶν συντριβείη [B S¹ -ησαν] (19 *b*)
— 17. βραχίονες ἁμαρτωλῶν συντριβήσονται (19 *b*)
45 (46). 9. τόξον συντρίψει (19 *c*)
47 (48). 7. ἐν πνεύματι βιαίῳ συντρίψεις [A -ει] πλοῖα Θαρσίς (19 *c*)
50 (51). 17. θυσία τῷ θ. πνεῦμα συντετριμμ. καρδίαν συντετριμμ. καὶ τεταπεινωμ. ὁ θ. οὐκ ἐξουδενώσει (19 *b*, 19 *b*)
57 (58). 6. B¹ S¹ R ὁ θεὸς συνέτριψε [B² S² -τρίψει] τοὺς ὀδόντας αὐτῶν (3)
73 (74). 13. σὺ συνέτριψας τὰς κεφαλὰς τῶν δρακόντων (19 *c*)
— 14. B² R σὺ συνέτριψας τὰς κεφαλὰς τοῦ δράκοντος [S *al.*] (18 *b*)
75 (76). 3. συνέτριψε τὰ κράτη τῶν τόξων (19 *c*)
104 (105). 16. πᾶν στήριγμα ἄρτου συνέτριψεν (19 *a*)
— 33. συνέτριψε πᾶν ξύλον ὁρίου αὐτῶν (19 *c*)
106 (107). 16. συνέτριψε πύλας χαλκᾶς (19 *c*)
123 (124). 7. ἡ παγὶς συνετρίβη (19 *b*)
146 (147). 3. ὁ ἰώμενος τοὺς συντετριμμένους τὴν καρδίαν [S² τῇ κ.] (19 *a*)
Pr. 6. 16. συντρίβεται [S¹ -βῇ] δὲ δι' ἀκαθαρσίαν ψυχῆς †
17. 10. συντρίβει ἀπειλὴ καρδίαν φρονίμου (6 *b*)
24. 23 (29. 27). ὃς δ' ἂν παραδοθῇ συντριβήσεται –
25. 15. γλῶσσα δὲ μαλακὴ συντρίβει ὀστᾶ (19 *a*)
26. 10. συντρίβεται γὰρ ἡ ἔκστασις αὐτῶν †
Ec. 12. 6. καὶ συντριβῇ [A S -θλιβῇ] τὸ ἀνθέμιον τοῦ χρυσίου καὶ συντριβῇ ὑδρία (18 *a*, 19 *b*)
Si. 13. 2. καὶ αὕτη συντριβήσεται
21. 14. ἔγκατα μωροῦ ὡς ἀγγεῖον συντετριμμένον
27. 2. ἀνὰ μέσον πράσεως καὶ ἀγορασμοῦ συντριβήσεται ἁμαρτία
32 (35). 18. A S R ἕως ἂν συντρίψῃ [B -ει] ὀσφὺν ἀνελεημόνων
— 18. ἕως . . . σκῆπτρα ἀδίκων [A δικαίων] συντρίψῃ
33 (36). 10. σύντριψον κεφαλὰς ἀρχόντων ἐχθρῶν
47. 7. ἕως σήμερον συνέτριψεν αὐτῶν κέρας
Ho. 1. 5. συντρίψω τὸ τόξον τοῦ Ἰσρ. (19 *a*)
2. 18 (20). πόλεμον συντρίψω ἀπὸ τῆς γῆς (19 *a*)
Am. 1. 5. συντρίψω μοχλοὺς Δαμασκοῦ (19 *a*)
Mi. 4. 6. συνάξω τὴν συντετριμμένην (14)
— 7. θήσομαι τὴν συντετριμμένην εἰς ὑπόλειμμα (14)
Jl. 2. 6. ἀπὸ προσώπου αὐ. συντριβήσονται λαοί (5)
Jn. 1. 4. τὸ πλοῖον ἐκινδύνευε συντριβῆναι [A S³ *al.*] (19 *b*)
Na. 1. 13. συντρίψω τὴν ῥάβδον αὐ. ἀπὸ σοῦ (19 *a*)
Ze. 3. 18. B S συνάξω τοὺς συντετριμμένους [A R σ. σου] –
Za. 11. 16. τὸ συντετριμμένον οὐ μὴ ἰάσηται (19 *b*)
Is. 1. 28. συντριβήσονται οἱ ἄνομοι (19 *d*)
8. 15. πεσοῦνται καὶ συντριβήσονται (19 *b*)
10. 33. οἱ ὑψηλοὶ τῇ ὕβρει συντριβήσονται (1 *a*)
13. 18. τοξεύματα νεανίσκων συντρίψουσι (16)
14. 5. συνέτριψε κύριος τὸν ζυγὸν τῶν ἁμαρτωλῶν (19 *a*)
— 12. συνετρίβη εἰς τὴν γῆν ὁ ἀποστέλλων πρὸς πάντα τὰ ἔθνη (1 *b*)
— 29. συνετρίβη γὰρ ὁ ζυγὸς τοῦ παίοντος ὑμᾶς (19 *b*)
21. 9. A S R τὰ χειροποίητα αὐτῆς συνετρίβησαν [B -η] εἰς τὴν γῆν (19 *c*)
28. 13. συντριβήσονται καὶ κινδυνεύσουσι (19 *b*)
38. 13. συνέτριψε πάντα τὰ ὀστᾶ μου (19 *c*)
42. 3. κάλαμον τεθλασμένον οὐ συντρίψει (19 *a*)
— 13. συντρίψει πόλεμον †
45. 2. θύρας χαλκᾶς συντρίψω (19 *c*)
46. 1. συντρίβη Ναβώ [A S Δαγών] (15)
57. 15. διδοὺς ζωὴν τοῖς συντετριμμένοις τὴν καρδίαν (2)
59. 5. συντρίψας οὔριον εὗρε (4)
61. 1. ἰάσασθαι τοὺς συντετριμμένους τὴν καρδίαν [A S τῇ κ.] (19 *b*)
Je. 2. 13. ὤρυξαν ἑαυτοῖς λάκκους συντετριμμ. (19 *b*)
— 20. ἀπ' αἰῶνος συνέτριψας τὸν ζυγόν σου (19 *a*)
5. 5. ὁμοθυμαδὸν συνέτριψαν ζυγόν (19 *a*)
13. 17. συνετρίβη τὸ ποίμνιον κυρίου †
14. 17. συντρίμματι συνετρίβη θυγάτηρ λαοῦ μου (19 *b*)
17. 18. δισσὸν σύντριμμα σύντριψον αὐτούς (19 *a*)
19. 10. συντρίψεις τὸν βικόν (19 *a*)
— 11. οὕτως συντρίψω τὸν λαὸν τοῦτον . . . καθὼς συντρίβεται ἄγγος ὀστράκινον (19 *a*, 19 *a*)
22. 20. συνετρίβησαν πάντες οἱ ἐρασταί σου (19 *b*)
23. 9. συντετρίβη ἡ καρδία μου ἐν ἐμοὶ . . . ἐγενήθην ὡς ἀνὴρ συντετριμμένος (19 *b*, †)
25. 14 (49. 35). συνετρίβη [A S συντριβήτω] τὸ τόξον Αἰλάμ (19 *a*)
27 (50). 23. συνετρίβη ἡ σφῦρα πάσης τῆς γῆς (19 *b*)
28 (51). 8. ἄφνω ἔπεσε Β. καὶ συνετρίβη (19 *b*)
— 30. συνετρίβησαν οἱ μοχλοὶ αὐτῆς (19 *b*)
31 (48). 4. συνετρίβη Μωάβ (19 *b*)
— 17. πῶς συνετρίβη βακτηρία εὐκλεής (19 *b*)
— 20. κατῃσχύνθη Μωὰβ ὅτι συνετρίβη (6 *a*)
— 25. τὸ ἐπίχειρον αὐτοῦ συνετρίβη (19 *b*)
— 38. συνέτριψα [A S³ *add.* τὸν Μωὰβ, S¹ -έστρεψα] . . . ὡς ἀγγεῖον (19 *a*)
35 (28). 2. συνέτριψα τὸν ζυγὸν τοῦ βασ. Β. (19 *a*)
— 4. συντρίψω [A -έτριψα] τὸν ζυγὸν βασιλέως Βαβυλῶνος (19 *a*)
— 10. συνέτριψεν αὐτούς (19 *a*)
— 11. συντρίψω τὸν ζυγὸν βασιλέως Βαβ. (19 *a*)
— 12. μετὰ τὸ συντρῖψαι Ἀν. τοὺς κλοιούς (19 *a*)
— 13. κλοιοὺς ξυλίνους συνέτριψας (19 *a*)
37 (30). 8. συντρίψω τὸν ζυγὸν ἀπὸ τοῦ τραχήλου αὐτῶν (19 *a*)
50 (43). 13. συντρίψει τοὺς στύλους Ἡλίου πόλεως (19 *c*)
52. 17. τοὺς στύλους τοὺς χαλκοῦς . . . συνέτριψαν οἱ Χαλδαῖοι (19 *c*)
La. 1. 15. τοῦ συντρῖψαι ἐκλεκτούς μου (19 *a*)
2. 7. συνέτριψεν ἐν χειρὶ ἐχθροῦ τεῖχος †
— 9. συνέτριψε μοχλοὺς αὐτῆς (19 *c*)
3. 4. ὀστέα μου συνέτριψεν (19 *c*)
Ep. Je. 17. ὥσπερ γὰρ σκεῦος ἀνθρώπου συντριβέν
Ez. 4. 16. συντρίβω στήριγμα ἄρτου ἐν Ἱερ. (19 *a*)
5. 16. συντρίψω στήριγμα ἄρτου σου (19 *a*)
6. 4. συντριβήσονται τὰ θυσιαστήρια ὑμῶν (23 + 19 *b*)
— 6. συντριβήσονται τὰ εἴδωλα ὑμῶν (19 *b* + 20)
7. 11. συντρίψει στήριγμα ἀνόμου –
14. 13. συντρίψω [A *add.* ἀπ'] αὐτῆς στήριγμα ἄρτου (19 *a*)
26. 2. εὖγε συνετρίβη (19 *b*)
27. 26. τὸ πνεῦμα τοῦ νότου συνέτριψέ σε (19 *a*)
— 34. συνετρίβης ἐν θαλάσσῃ (19 *b*)
29. 7. ὅτε ἐπανεπαύσαντο ἐπὶ σὲ συνετρίβης (19 *b*)
30. 8. σὺν τριβῶσι [A -βήσονται] πάντες οἱ βοηθοῦντες αὐτῇ (19 *b*)

Ez. 30. 18. ἐν τῷ συντρῖψαί με ἐκεῖ τὰ σκῆπτρα Αἰγύπτου (19 *a*)
— 21. τοὺς βραχίονας Φαραὼ βασιλέως Αἰγύπτου συνέτριψα (19 *a*)
— 22. A συντρίψω τοὺς βραχίονας αὐτοῦ τοὺς ἰσχυροὺς καὶ τοὺς τεταμ. καὶ τοὺς συντριβομ. [B *om.* κ. τ. σ.] (19 *a*, 19 *b*)
31. 12. συνετρίβη τὰ στελέχη αὐτοῦ (19 *b*)
32. 12. συντριβήσεται πᾶσα ἡ ἰσχὺς αὐτῆς (22)
— 28. A ἐν μέσῳ ἀπεριτμήτων συντριβήσῃ [B *om.*] (19 *b*)
34. 4. τὸ συντετριμμένον οὐ κατεδήσατε (19 *b*)
— 16. τὸ συντετριμμένον καταδήσω (19 *b*)
— 27. ἐν τῷ συντρῖψαί με τὸν ζυγὸν [A *add.* τοῦ κλοιοῦ] αὐτῶν (19 *a*)
Da. LXX. 2. 42. μέρος τι ἔσται συντετριμμένον (25)
3. (39). ἐν ψυχῇ συντετριμμένῃ . . . προσδεχθείημεν
— (44). καὶ ἡ ἰσχὺς αὐ. συντριβείη
8. 7. συνέτριψε τὰ δύο κέρατα αὐ. (19 *c*)
— 7. καὶ συνέτριψεν αὐτόν (17)
— 8. συνετρίβη αὐτοῦ τὸ κέρας τὸ μέγα (19 *b*)
— 22. *cod.* τὰ συντριβέντα [R τοῦ συντριβέντος] . . . τέσσαρα κέρατα (19 *b*)
11. 4. συντριβήσεται ἡ βασιλεία αὐ. (19 *b*)
— 20. ἐν ἡμέραις ἐσχάταις συντριβήσεται (19 *b*)
— 22. τοὺς βραχίονας τοὺς συντριβέντας συντρίψει (21 *c*, 21 *b*+19 *b*)
— 34. ὅταν συντρίβωνται (8 *b*)
Da. TH. 2. 42. καὶ ἀπ' αὐτῆς ἔσται συντριβόμενον (25)
3. (39). ἐν ψυχῇ συντετριμμένῃ . . . προσδεχθείημεν
— (44). καὶ ἡ ἰσχὺς αὐ. συντριβείη
8. 7. συνέτριψεν ἀμφότερα τὰ κέρατα αὐ. (19 *c*)
— 8. συνετρίβη τὸ κέρας αὐ. τὸ μέγα (19 *b*)
— 22. καὶ τοῦ συντριβέντος οὗ ἔστησαν (19 *b*)
— 25. ὡς ᾧ χειρὶ συντρίψει (19 *b*)
11. 4. συντριβήσεται καὶ διαιρεθήσεται (19 *b*)
— 20. ἐν ταῖς ἡμέραις ἐκ. συντριβήσεται (19 *b*)
— 22. καὶ συντριβήσονται (19 *b*)
— 26. καὶ συντρίψουσιν αὐτόν (19 *a*)
— 40. καὶ συντρίψει καὶ παρελεύσεται (21 *a*)
I Ma. 3. 22. συντρίψει αὐτοὺς πρὸ προσώπου ἡμῶν
— 23. καὶ συνετρίβη Σ.
4. 10. καὶ συντρίψει τὴν παρεμβολὴν ταύτην
— 14. καὶ συνετρίβησαν τὰ ἔθνη
— 30. ὁ συντρίψας τὸ ὅρμημα τοῦ δυνατοῦ
— 36. συνετρίβησαν οἱ ἐχθροὶ ἡμῶν
5. 7. συνετρίβησαν πρὸ προσώπου αὐ.
— 21. συνετρίβη τὰ ἔθνη ἀπὸ προσώπου αὐ.
— 43. συνετρίβησαν πρὸ προσώπου αὐ. πάντα τὰ ἔθνη
7. 42. A συνέτριψεν [SR σύντριψον] τὴν παρεμβολὴν ταύτην
— 43. συνετρίβη ἡ παρεμβολὴ Νικάνορος
8. 4. ἕως συνέτριψαν αὐτούς
— 5. συνέτριψαν αὐτοὺς ἐν πολέμῳ
— 6. καὶ συνετρίβη ἀπ' αὐτῶν
9. 7. συνετρίβη τῇ καρδίᾳ
— 15. συνετρίβη τὸ δεξιὸν κέρας ἀπ' αὐτῶν
— 16. συνετρίβη τὸ δεξιὸν κέρας
— 68. συνετρίβη ὑπ' αὐτῶν
10. 52. καὶ συνέτριψα τὸν Δημ.
— 53. καὶ συνετρίβη αὐτός
— 82. A συνετρίβησαν ἀπ' [S R ὑπ'] αὐτοῦ
13. 51. συνετρίβη ἐχθρὸς μέγας ἐξ Ἰσρ.
14. 13. οἱ βασ. συνετρίβησαν
II Ma. 12. 28. τὸν μετὰ κράτους συντρίβοντα τὰς τῶν πολεμίων ὁλκάς
III Ma. 2. 20. τῶν . . . συντετριμμένων τὰς ψυχάς
[Aq. I Ki. 2. 5 : III Ki. 13. 26 : 22. 49 : Jb. 38. 15 : Ps. 47 (48). 8 : 68 (69). 21 : 73 (74). 13 : Pr. 29. 1 : Is. 53. 5 : Je. 50 (27). 23 : Ez. 6. 4, 9 : 33. 12.]
[Sm. Jb. 38. 15 : Is. 27. 11 : Je. 50 (27). 23.]
[Th. Jd. 4. 23 : III Ki. 13. 26 : Pr. 29. 1 : Is. 66. 2 : Ez. 6. 4, 9 : 30. 24 : Da. 8. 22 : 11. 40.]
[Al. Le. 26. 26 : Jo. 7. 5 : III Ki. 22. 49 : Ps. 10 (11). 3 : Je. 13. 19.]

συντριβή. (1) מְחִתָּה (2) *a.* שָׁבַר ni. *b.* שֶׁבֶר, שֶׁבֶר *c.* שִׁבָּרוֹן *d.* מִשְׁבָּר (3) שֹׁד
Pr. 6. 15. διακοπὴ καὶ συντριβὴ ἀνίατος (2 *a*)
— 16. S[1] συντριβὴ [A B S[2] -βεται] δὲ δι' ἀκαθαρσίαν ψυχῆς †
10. 14. στόμα δὲ προπετοῦς ἐγγίζει συντριβῇ (1)
Pr. 10. 15. συντριβὴ δὲ ἀσεβῶν πενία (1)
— 29. συντριβὴ δὲ τοῖς ἐργαζομένοις κακά (1)
14. 28. ἐν δὲ ἐκλείψει λαοῦ συντριβὴ δυνάστου (1)
16. 18. πρὸ συντριβῆς ἡγεῖται ὕβρις (2 *b*)
17. 16 (19). ζητεῖ συντριβήν (2 *b*)
18. 7. στόμα ἄφρονος συντριβὴ αὐτῷ (1)
— 12. πρὸ συντριβῆς ὑψοῦται καρδία ἀνδρός (2 *b*)
Ho. 13. 13. οὐ μὴ ὑποστῇ ἐν συντριβῇ τέκνων (2 *d*)
Am. 6. 6. οὐκ ἔπασχον οὐδὲν ἐπὶ τῇ σ. Ἰ. (2 *b*)
Na. 3. 19. οὐκ ἔστιν ἴασις τῇ σ. σου (2 *b*)
Is. 13. 6. σ. παρὰ τοῦ θεοῦ ἥξει (3)
65. 14. ἀπὸ συντριβῆς πνεύματος ὑμῶν ὀλολύξετε (2 *b*)
Je. 4. 6. κακὰ ἐγὼ ἐπάγω ἀπὸ βορρᾶ καὶ συντριβὴν μεγάλην (2 *b*)
6. 1. σ. μεγάλη γίνεται (2 *b*)
27 (50). 22. σ. μεγάλη ἐν γῇ Χαλδαίων (2 *b*)
28 (51). 54. σ. μεγάλη ἐν γῇ [A ἐκ γῆς] Χαλδ. (2 *b*)
La. 2. 13. ἐμεγαλύνθη ποτήριον συντριβῆς σου (2 *b*)
3. 47. ἔπαρσις καὶ σ. (2 *b*)
Ez. 21. 6 (11). καταστέναξον ἐν συντριβῇ ὀσφύος σου (2 *c*)
I Ma. 4. 32. σαλευθήτωσαν τῇ σ. αὐ.
[Aq. Pr. 16. 18.]
[Sm. Pr. 17. 19 : Is. 51. 19 : Ez. 32. 9.]
[Th. Pr. 17. 19.]

σύντριμμα. (1) עֲצֶבֶת (2) *a.* פֶּצַע (3) *a.* שֶׁבֶר, שֶׁבֶר *b.* שִׁבָּרוֹן (4) שֹׁד
Le. 21. 19. ᾧ ἐστὶν ἐν αὐτῷ σύντριμμα χειρὸς ἢ σύντριμμα ποδός (3 *a*, 3 *a*)
24. 20. σύντριμμα ἀντὶ συντρίμματος (3 *a*, 3 *a*)
Nu. 32. 14. B[2] R σύντριμμα [A B[1] σύστρεμμα] ἀνθρώπων ἁμαρτωλῶν †
II Ki. 15. 12. ἐγένετο σ. [A σύστρεμμα] ἰσχυρόν †
Jb. 9. 17. πολλὰ δέ μου τὰ σ. πεποίηκε διὰ κενῆς (2)
Ps. 13 (14). 3. BS[1] σύντριμμα καὶ ταλαιπωρία ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν –
59 (60). 2. ἴασαι τὰ σ. αὐτῆς (3 *a*)
146 (147). 3. δεσμεύων τὰ σ. αὐτῶν (1)
Pr. 20. 30. συντρίμματα συναντᾷ κακοῖς (2)
23. 29. τίνι συντρίμματα διὰ κενῆς (2)
Wi. 3. 3. ἡ ἀφ' ἡμῶν πορεία σύντριμμα
Si. 40. 9. A B[2] S R λιμὸς καὶ σύντριμμα καὶ μάστιξ
Am. 9. 9. οὐ μὴ πέσῃ σύντριμμα ἐπὶ τὴν γῆν †
Is. 15. 5. βοᾷ σ. καὶ σεισμός (3 *a*)
22. 4. παρακαλεῖν με ἐπὶ τὸ σ. τῆς θυγατρὸς τοῦ γένους μου (4)
28. 12. τοῦτο τὸ ἀνάπαυμα τῷ πεινῶντι καὶ τοῦτο τὸ σ. †
30. 14. τὸ πτῶμα αὐτῆς ἔσται ὡς σ. ἀγγείου ὀστρακίνου (3 *a*)
— 26. ὅταν ἰάσηται κύριος τὸ σ. τοῦ λαοῦ αὐ. (3 *a*)
51. 19. πτῶμα καὶ σ. (3 *a*)
59. 7. σ. καὶ ταλαιπωρία ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν (4)
60. 18. οὐδὲ σ. οὐδὲ ταλαιπωρία ἐν τοῖς ὁρίοις σου (4)
Je. 3. 22. ἰάσομαι τὰ σ. ὑμῶν [A *i.* αὐτούς] †
6. 14. ἰῶντο τὸ σ. τοῦ λαοῦ μου ἐξουθενοῦντες (3 *a*)
8. 21. ἐπὶ συντρίμματι θυγατρὸς λαοῦ μου ἐσκοτώθην (3 *a*)
10. 19. οὐαὶ ἐπὶ συντρίμματί σου (3 *a*)
14. 17. συντρίμματι συνετρίβη θυγάτηρ λαοῦ μου (3 *a*)
17. 18. δισσὸν σ. σύντριψον αὐτούς (3 *b*)
31 (48). 3. ὄλεθρον καὶ σ. μέγα (3 *a*)
— 5. κραυγὴν συντρίμματος ἠκούσατε [S -σα] (3 *a*)
37 (30). 12. ἀνέστησα σ. (3 *a*)
La. 2. 11. ἐπὶ τὸ σ. τῆς θυγατρὸς λαοῦ μου (3 *a*)
3. 48. ἐπὶ τὸ σ. τῆς θυγατρὸς τοῦ λαοῦ μου (3 *a*)
4. 10. ἐν τῷ σ. τῆς θυγατρὸς τοῦ λαοῦ μου (3 *a*)
I Ma. 2. 7. A ἰδεῖν τὰ σ. [S R τὸ σ.] τοῦ λαοῦ μου καὶ τὸ σ. τῆς πόλεως τῆς ἁγίας
[Aq. Je. 14. 17 : 30 (37). 12, 15.]
[Sm. Je. 14. 17 : 30 (37). 12.]
[Th. Je. 8. 11 : 30 (37). 15.]

συντριμμός. (1) *a.* שֶׁבֶר *b.* מִשְׁבָּר (2) שֹׁד
II Ki. 22. 5. περιέσχον με συντριμμοὶ θανάτου (1 *b*)
Am. 5. 9. ὁ διαιρῶν συντριμμὸν ἐπὶ ἰσχύν (2)
Mi. 2. 8. τοῦ ἀφελέσθαι ἐλπίδα συντριμμὸν πολέμου †
Ze. 1. 10. καὶ σ. μέγας ἀπὸ τῶν βουνῶν (1 *a*)
Je. 4. 20. ταλαιπωρίαν [A *add.* καὶ] συντριμμὸν ἐπικαλεῖται (1 *a*)
[Aq. Ps. 41 (42). 8 : Is. 15. 5.]
[Al. Je. 4. 20 *bis.*]

σύντριψις. (1) מַכָּה
Jo. 10. 10. συνέτριψεν αὐτοὺς κ. σ. μεγάλῃ [A σ. μεγάλην] (1)

συντροφία.
III Ma. 5. 32. R διὰ τὴν τῆς σ. [A συστρ.] στοργήν
IV Ma. 13. 22. A R αὔξονται σφοδρότερον διὰ συντροφίας [S -αν]

σύντροφος.
III Ki. 12. 24. B εἰσήγαγε τοὺς σ. αὐ. –
— 24. B εἶπαν οἱ σ. αὐ. –
— 24. B καθὼς συνεβούλευσαν αὐτῷ οἱ σ. αὐ. –
I Ma. 1. 6. R ἐκάλεσε τοὺς παῖδας αὐ. . . . τοὺς σ. [A S συνεκτρ.]
II Ma. 9. 29. παρεκομίζετο δὲ τὸ σῶμα Φ. ὁ σ. αὐ.

συντροχάζειν. (1) רָצַץ ni.
Ec. 12. 6. καὶ συντροχάσῃ ὁ τροχὸς ἐπὶ τὸν λάκκον (1)

συντυγχάνειν.
II Ma. 8. 14. τοὺς . . . πρὶν συντυχεῖν πεπραμένους

συνυφαίνειν. (1) מָלָא pi. (2) עָשָׂה
Ex. 28. 28 (32). τὴν συμβολὴν συνυφασμένην ἐξ αὐτοῦ †
36. 10 (39. 3). ὥστε συνυφᾶναι σὺν τῇ ὑακίνθῳ (2)
— 17 (39. 10). συνυφάνθη ἐν αὐτῷ ὕφασμα (1)

συνυφή. (1) חֵשֶׁב
Ex. 36. 28 (39. 20). κατὰ τὴν συμβολὴν ἄνωθεν τῆς σ. τῆς ἐπωμίδος (1)

συνωμοσία.
[Sm. Ez. 22. 25.]

συνωμότης. (1) בַּעַל בְּרִית
Ge. 14. 13. οἱ ἦσαν συνωμόται τοῦ Ἀβ. (1)

συνωρίς, *vid.* ξυνωρίς.

σύρειν. (1) זָחַל (2) סָחַב (3) שָׁטַף
De. 32. 24. μετὰ θυμοῦ συρόντων ἐπὶ γῆν (1)
II Ki. 17. 13. συροῦμεν αὐτὴν ἕως εἰς τὸν χειμάρρουν (2)
Mi. 7. 17. λείξουσι χοῦν ὡς ὄφις σύροντες γῆν (1)
Is. 3. 16. ἅμα σύρουσαι τοὺς χιτῶνας †
28. 2. ὡς ὕδατος πολὺ πλῆθος σῦρον χώραν (3)
30. 28. ὡς ὕδωρ ἐν φάραγγι σῦρον (3)
IV Ma. 6. 1. ἔσυραν ἐπὶ τὰ βασανιστήρια τὸν Ἑλ.
[Sm. Mi. 7. 17.]
[Al. Ge. 49. 17 : Nu. 23. 3.]

σύριγμα. (1) *a.* שְׂרִיקוֹת *b.* שְׂרִיקוֹת
Je. 18. 16. τοῦ τάξαι τὴν γῆν αὐτῶν εἰς ἀφανισμὸν καὶ σ. [A εἰς σύρρηγμα] αἰώνιον (1 *a**, 1 *b*)

συριγμός, *vid. sub* συρισμός.

σύριγξ. (1) מַשְׂרוֹקִיתָא
Da. LXX. 3. 5. ὅταν ἀκούσητε τῆς φωνῆς . . . σύριγγος (1)
— 7. ὅτε ἤκουσαν . . . τῆς φωνῆς . . . σύριγγος (1)
— 10. ὃς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς . . . σύριγγος (1)
— 15. ἅμα τῷ ἀκοῦσαι . . . σύριγγος (1)
Da. TH. 3. 5. ᾗ ἂν ὥρᾳ ἀκούσητε φωνῆς . . . σύριγγος (1)
— 7. ὅταν ἤκουον οἱ λαοὶ τῆς φωνῆς . . . σύριγγος (1)
— 10. ὃς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς . . . σύριγγος (1)
— 15. ὡς ἂν ἀκούσητε τῆς φωνῆς . . . σύριγγος (1)
[Al. Jd. 5. 16.]

συρίζειν. (1) שָׁרַק
III Ki. 9. 8. ἐκστήσεται καὶ συριεῖ (1)
Jb. 27. 23. συριεῖ αὐτὸν ἐκ τοῦ τόπου αὐτοῦ (1)
Wi. 17. 18. εἴ τε πνεῦμα συρίζον [S[1] διασ.]
Ze. 3. 1 (2. 15). πᾶς ὁ διαπορευόμ. δι' αὐτῆς συριεῖ (1)
Is. 5. 26. συριεῖ αὐτοὺς [A S -οῖς] ἀπ' ἄκρου τῆς γῆς (1)
7. 18. συριεῖ κύριος μυίαις (1)
Je. 19. 8. συριεῖ ὑπὲρ πάσης τῆς πληγῆς αὐτῆς (1)
26 (46). 22. φωνὴ ὡς ὄφεως συρίζοντος [A[1] -ες] †
27 (50). 13. συριοῦσιν ἐπὶ πᾶσαν τὴν πληγὴν αὐτῆς (1)
29 (49). 17. πᾶς ὁ παραπορευόμενος ἐπ' αὐτὴν συριεῖ (1)
La. 2. 15. ἐσύρισαν καὶ ἐκίνησαν τὴν κεφαλὴν αὐτῶν (1)

La. 2. 16. ἐσύρισαν καὶ ἔβρυξαν ὀδόντας (1)
Ez. 27. 36. ἔμποροι ἀπὸ ἐθνῶν ἐσύρισάν σε (1)
[Aq. Is. 5. 26: 7. 18: Je. 50 (27). 13.]
[Sm. Is. 5. 26: Je. 50 (27). 13: Ez. 27. 36.]

συρισμός (-ιγμός). (1) *a.* שְׁרֵקָה *b.* שְׁרִיקוֹת

Jd. 5. 16. B τοῦ ἀκοῦσαι συρισμοῦ ἀγγέλων [R ἀγελῶν, A *al.*] (1 *b*)
II Ch. 29. 8. ἔδωκεν αὐτοὺς . . . εἰς συρισμόν [A -ιγμόν] (1 *a*)
Wi. 17. 9. ἑρπετῶν συριγμοῖς [A S¹ -ισμοῖς] ἐκσεσοβημένοι [A ἐκπεφοβ.]
Mi. 6. 16. ὅπως παραδῶ . . . τοὺς κατοικοῦντας αὐτὴν εἰς συρισμόν (1 *a*)
Je. 19. 8. ABS³ κατάξω τὴν πόλιν τ. . . . εἰς συριγμόν [S¹ -ισμόν] (1 *a*)
25. 9. δώσω αὐτοὺς . . . εἰς συριγμόν [S¹ -ισμόν] (1 *a*)
32 (25). 18. τοῦ θεῖναι αὐτὰς . . . εἰς συριγμόν [S¹ -ισμόν] (1 *a*)
[Aq., Sm. Je. 18. 16.]
[Th. Je. 29 (36). 18.]
[Al. Jd. 5. 16.]

συρράπτειν. (1) תָּפַר pi.

Jb. 14. 12. ἕως ἂν ὁ οὐρανὸς οὐ μὴ συρραφῇ [A οὐρ. παλαιωθῇ] †
Ez. 13. 18. οὐαὶ ταῖς συρραπτούσαις προσκεφάλαια (1)
[Sm. Ez. 13. 18.]
[Al. Je. 10. 11.]

συρράσσειν (συνρ.).

Ju. 9. 8. S σύνραξον [A B σὺ ῥάξον] αὐτῶν τὴν ἰσχύν

συρρεῖν.

[Sm. Je. 51 (28). 44.]

συρρέμβεσθαι (συνρ.). (1) רָעָה

Pr. 13. 20. A ὁ δὲ συνρεμβόμενος [B S συμπορευόμενος] ἄφροσι γνωσθήσεται (1)
[Al. Pr. 13. 20.]

σύρρηγμα.

Je. 18. 16. A εἰς ἀφανισμὸν καὶ εἰς σ. [B S κ. σύριγμα] αἰώνιον †

σῦς. (1) חֲזִיר

Ps. 79 (80). 13. ἐλυμήνατο αὐτὴν σῦς [A S² ὗς] ἐκ δρυμοῦ (1)

συσκέπτεσθαι.

[Sm. Ps. 2. 2: 30 (31). 14.]

συσκευάζειν. (1) נָצַל pi.

Ex. 3. 22. A συσκευάσετε [B σκυλεύσατε] τοὺς Αἰγ. (1)

σύσκεψις.

[Sm. Ps. 63 (64). 3.]

συσκήνιος. (1) אֲשֶׁר בְּאֹהֶל

Ex. 16. 16. ἕκαστος σὺν τοῖς σ. ὑμῶν συλλέξατε [A *al.*] (1)

σύσκηνος. (1) בַּר בַּיִת (2) אֲשֶׁר בְּאֹהֶל

Ex. 3. 22. αἰτήσει γυνὴ παρὰ γείτονος καὶ συσκήνου αὐ. (1)
16. 16. A ἕκαστος ἐν τοῖς σ. ὑμῶν συλλέξατε [B *al.*] (2)

συσκιάζειν. (1) *a.* סָכַךְ *b.* מָסָךְ (2) δένδρον

συσκιάζον אֵלָה

Ex. 25. 19 (20). συσκιάζοντες ἐν [A *om.*] ταῖς πτέρυξιν αὐ. (1 *a*)
Nu. 4. 5. καθελοῦσι τὸ καταπέτασμα τὸ συσκιάζον (1 *b*)
Ho. 4. 13. ἔθυον ὑποκάτω . . . δένδρου συσκιάζοντος (2)
[Aq. Ez. 28. 16.]
[Th. Ex. 39. 34 (21): Ez. 28. 16: Ho. 4. 13.]

συσκιασμός.

[Aq. Ps. 26 (27). 5: 30 (31). 21: 59 (60). 8: Am. 5. 26.]
[Al. Ex. 13. 20.]

σύσκιος. (1) רַעֲנָן

III Ki. 14. 23. καὶ ὑποκάτω παντὸς ξύλου σ. (1)
Ca. 1. 16. πρὸς κλίνῃ ἡμῶν σύσκιος (1)
Ez. 6. 13. ὑποκάτω δένδρου συσκίου (1)
[Aq. Ps. 41 (42). 5.]
[Sm. Za. 14. 20.]
[Th. Ez. 6. 13 (Sw.).]

συσκοτάζειν. (1) חָשַׁךְ *a.* qal. *b.* hi.
(2) קָדַר *a.* qal. *b.* hi. *c.* hithpa.

III Ki. 18. 45. ὁ οὐρανὸς συνεσκότασε νεφέλαις (2 *c*)
Am. 5. 8. ἡμέραν εἰς νύκτα συσκοτάζων (1 *b*)
8. 9. συσκοτάσει ἐπὶ τῆς γῆς ἐν ἡμέρᾳ τὸ φῶς (1 *b*)
Mi. 3. 6. συσκοτάσει ἐπ' αὐτοὺς ἡ ἡμέρα (2 *a*)
6. 14. R συσκοτάσει [A B σκοτ.] ἐν σοί †
Jl. 2. 10: 3 (4). 15. ὁ ἥλιος καὶ ἡ σελήνη συσκοτάσουσι (2 *a*)
Je. 4. 28. συσκοτασάτω ὁ οὐρανὸς ἄνωθεν (2 *a*)
13. 16. δότε τῷ κυρίῳ θεῷ ὑμῶν δόξαν πρὸ τοῦ συσκοτάσαι (1 *b*)
Ez. 30. 18. ἐν Τάφναις συσκοτάσει ἡ ἡμέρα (1 *a*)
32. 7. συσκοτάσω τὰ ἄστρα αὐτοῦ (2 *b*)
— 8. πάντα τὰ φαίνοντα φῶς . . . συσκοτάσουσιν ἐπὶ σέ (2 *b*)
[Sm. I Ki. 30. 17.]
[Th. Mi. 6. 14.]

συσπᾶν.

La. 5. 10. συνεσπάσθησαν ἀπὸ προσώπου καταιγίδων λιμοῦ –
[Aq., Sm. Is. 38. 12.]
[Al. IV Ki. 14. 7.]

συσσείειν. (1) חוּל hi. (2) פָּחַד hi.
(3) רָעַשׁ hi.

Jb. 4. 14. A² S μεγάλως μου τὰ ὀστᾶ συνέσεισεν [A¹ -έπεσεν, B διέσεισε]; (2)
Ps. 28 (29). 8. φωνὴ κυρίου συσσείοντος ἔρημον συσσείσει κύριος τὴν ἔρημον Κ. (1, 1)
59 (60). 2. συνέσεισας τὴν γῆν (3)
Si. 16. 19. ἅμα τὰ ὄρη καὶ τὰ θεμέλια τῆς γῆς . . . τρόμῳ συσσείονται
Hg. 2. 8 (7). συσσείσω πάντα τὰ ἔθνη (3)

συσσεισμός. (1) *a.* סַעַר *b.* סְעָרָה (2) צְעָדָה
(3) רַעַשׁ (4) שַׁעֲרָה

III Ki. 19. 11. μετὰ τὸ πνεῦμα συσσεισμός (3)
— 12 (11). οὐκ ἐν τῷ σ. κύριος (3)
— 12. μετὰ τὸν σ. πῦρ (3)
IV Ki. 2. 1. ἐν τῷ ἀνάγειν κύριον ἐν συσσεισμῷ τὸν Ἠ. (1 *b*)
— 11. ἀνελήφθη Ἠ. ἐν συσσεισμῷ (1 *b*)
I Ch. 14. 15. ἐν τῷ ἀκοῦσαί σε τὴν φωνὴν τοῦ σ. (2)
Si. 22. 16. ἱμάντωσις ξυλίνη . . . ἐν συσσεισμῷ οὐ διαλυθήσεται
Na. 1. 3. ἐν συσσεισμῷ ἡ ὁδὸς αὐ. (4)
Za. 14. 5. R ἐν ταῖς ἡμέραις τοῦ σ. [A B S σεισμοῦ] (3)
Je. 23. 19. ὀργὴ ἐκπορεύεται [A² -πορευομένη] εἰς συσσεισμόν (1 *a*)
[Aq. Je. 21. 18: 37. 9: Pr. 1. 27: Is. 5. 28.]

σύσσημον. (1) מַשְׂאֵת (2) נֵס

Jd. 20. 38. ἀνενέγκαι αὐτοὺς σύσσημον καπνοῦ [A *al.*] (1)
— 40. τὸ σ. ἀνέβη ἐπὶ πλεῖον [A *al.*] (1)
Is. 5. 26. ἀρεῖ σύσσημον ἐν τοῖς ἔθνεσι τοῖς μακράν (2)
49. 22. εἰς τὰς νήσους ἀρῶ σύσσημόν μου (2)
62. 10. ἐξάρατε σύσσημον εἰς τὰ ἔθνη (2)
[Aq. Ps. 59 (60). 6: Is. 11. 10: 33. 23: 59. 19.]
[Sm. Is. 11. 10: 33. 23: Je. 6. 1.]
[Th. Is. 33. 23.]

συσσύρειν.

II Ma. 5. 16. ταῖς βεβήλοις χερσὶ συσσύρων
[Aq. I Ki. 12. 25: 15. 6.]
[Sm. I Ki. 26. 10.]

συστάς.

[Aq. Je. 38. 28.]

σύστασις. (1) קָהָל

Ge. 49. 6. ἐπὶ τῇ σ. αὐ. μὴ ἐρίσαι τὰ ἥπατά μου (1)
I Es. 5. 73. καὶ συστάσεις [A ἐπισ.] ποιούμενοι
Wi. 7. 17. εἰδέναι σύστασιν κόσμου
III Ma. 2. 9. σύστασιν ποιησάμενος αὐτοῦ

συστέλλειν. (1) כָּנַע ni.

Jd. 8. 28. συνεστάλη [A ἐνετράπη] Μ. ἐνώπιον υἱῶν Ἰσρ. (1)
11. 33. συνεστάλησαν [A ἐνετράπησαν] οἱ υἱοὶ Ἀ. (1)
Si. 4. 31. μὴ ἔστω ἡ χείρ σου . . . ἐν τῷ ἀποδιδόναι συνεσταλμένη
I Ma. 2. 32. A συνεστείλαντο [S R -εστήσαντο] πρὸς αὐτοὺς πόλεμον
3. 6. συνεστάλησαν οἱ ἄνομοι ἀπὸ τοῦ φόβου αὐ.
5. 3. καὶ συνέστειλεν αὐτούς
II Ma. 6. 12. μὴ συστέλλεσθαι διὰ τὰς συμφοράς
III Ma. 5. 33. τῷ προσώπῳ συνεστάλη
[Sm. Ps. 72 (73). 21.]

σύστεμα (σύστημα). (1) אֵגֶם (2) מִקְוֶה
(3) *a.* נְצִיב *b.* מַצָּב (4) תְּעָלָה

Ge. 1. 10. τὰ σ. τῶν ὑδάτων ἐκάλεσε θαλάσσας (2)
II Ki. 23. 14. τὸ δὲ σ. τῶν ἀλλοφύλων τότε ἐν B. (3 *b*)
I Ch. 11. 16. καὶ τὸ σ. [A ὑπόστ.] τῶν ἀλλοφ. τότε ἐν B. (3 *a*)
Je. 28 (51). 32. τὰ σ. αὐτῶν ἐνέπρησαν ἐν πυρί (1)
Ez. 31. 4. τὰ σ. αὐτῆς ἐξαπέστειλεν (4)
II Ma. 8. 5. γενόμενος δὲ ὁ Μακκ. ἐν συστέματι
15. 12. κατεύχεσθαι τῷ παντὶ τῶν Ἰουδ. συστήματι
III Ma. 3. 9. μὴ γὰρ οὕτω παροραθήσεσθαι τηλικοῦτο σ.
7. 3. τοὺς ὑπὸ τὴν βασ. Ἰουδ. συναθροίσαντας τὰ σ.
[Aq. Ge. 1. 10: 49. 10.]
[Sm. Ge. 1. 10: I Ki. 14. 1.]
[Th. Ge. 1. 10: I Ki. 19. 20.]
[Al. IV Ki. 3. 16 *bis.*]

συστολή.

[Aq. Ez. 7. 7.]

συστράτευμα. (1) קֶשֶׁר

IV Ki. 14. 19. A συνεστράφησαν ἐπ' αὐτὸν συστράτευμα [B σύστρεμμα] (1)

σύστρεμμα. (1) גְּדוּד (2) קֶשֶׁר (3) תַּרְבּוּת

Nu. 32. 14. A B¹ σύστρεμμα [B² R σύντριμμα] ἀνθρώπων ἁμαρτωλῶν (3)
II Ki. 4. 2. δύο ἄνδρες ἡγούμενοι συστρεμμάτων (1)
15. 12. A ἐγένετο σ. [B σύντριμμα] ἰσχυρόν (2)
III Ki. 11. 14 (24). ἦν ἄρχων συστρέμματος (1)
IV Ki. 14. 19. συνεστράφησαν ἐπ' αὐτὸν σύστρεμμα [A συστράτευμα] (2)
15. 30. A R συνέστρεψε σύστρεμμα [B στρέμμα] Ὠ. (2)
II Es. 8. 3. καὶ μετ' αὐτοῦ τὸ σ. †
[Aq. Je. 6. 11: Ez. 22. 25.]
[Th. I Ki. 30. 8.]

συστρέφειν. (1) חָלַף hithpa. (2) חוּל hithpa.
(3) כָּמַר ni. (4) לָקַם hithpa. (5) צָרַר
(6) קָבַץ (7) קָשַׁר *a.* qal. *b.* hithpa.

Ge. 43. 30. συνεστρέφετο γὰρ τὰ ἔντερα αὐ. (3)
Jd. 11. 3. συνεστράφησαν [A -ελέγοντο] πρὸς Ἰ. ἄνδρες κενοί (4)
12. 4. συνέστρεψεν Ἰ. πάντας τοὺς ἄνδρας Τ. [A *al.*] (6)
II Ki. 15. 31. καὶ Ἀχ. ἐν τοῖς συστρεφομ. μετὰ Ἀβ. (7 *a*)
III Ki. 16. 9. συνέστρεψεν ἐπ' αὐτὸν Ζ. (7 *a*)
— 16. συνεστράφη Ζ. (7 *a*)
IV Ki. 9. 14. συνεστράφη Ἰ. . . . πρὸς Ἰ. (7 *b*)
10. 9. συνεστράφην ἐπὶ τὸν κύριόν μου (7 *a*)
14. 19. συνεστράφησαν ἐπ' αὐτὸν σύστρεμμα (7 *a*)
15. 10. συνεστράφησαν ἐπ' αὐτόν (7 *a*)
— 15. ἡ συστροφὴ αὐ. ἦ [A ἦν] συνεστράφη (7 *a*)
— 25. συνεστράφη ἐπ' αὐτὸν Φ. (7 *a*)
— 30. συνέστρεψε σύστρεμμα Ὠ. (7 *a*)
21. 23. συνεστράφησαν οἱ παῖδες Ἀ. πρὸς αὐτόν (7 *a*)
— 24. ἐπάταξεν ὁ λαὸς τῆς γῆς πάντας τοὺς συστραφέντας ἐπὶ τὸν βασ. Ἀ. (7 *a*)
Pr. 24. 27 (30. 4). τίς συνέστρεψεν ὕδωρ ἐν ἱματίῳ (5)
Si. 38. 29. κεραμεὺς . . . συστρέφων ἐν ποσὶν αὐτοῦ τροχόν [S² πηλόν]
Mi. 1. 7. ἐκ μισθωμάτων πορνείας συνέστρεψεν †
Is. 33. 18. A S ποῦ ἐστιν ὁ ἀριθμῶν τοὺς συστρεφομένους [B τρ.] †
Je. 23. 19. συστρεφομένη ἐπὶ τοὺς ἀσεβεῖς ἥξει (2)
31 (48). 38. S¹ συνέστρεψα . . . ὡς ἀγγεῖον [A B S² *al.*] †
Ez. 1. 13. ὡς ὄψις λαμπάδων συστρεφομένων (1)
13. 20. ἐφ' ἃ ὑμεῖς συστρέφετε ἐκεῖ ψυχάς †
Da. TH. Bel 28. συνεστράφησαν ἐπὶ τὸν βασ.
I Ma. 12. 50. S R καὶ ἐπορεύοντο συνεστραμμένοι [A -εμμ.]
II Ma. 14. 30. συστρέψας οὐκ ὀλίγους τῶν περὶ αὐτόν

IV Ma. 13. 21. S ἀφ' οὗ συστρέφονται [A R συντρ.] . . . φιλάδελφοι ψυχαί
— 24. S¹ τῷ δικαίῳ συστραφέντες [A S² R συντρ.] βίῳ
[Aq. Pr. 6. 8.]
[Sm. Is. 59. 5 : Je. 47 (29). 5.]
[Th. I Ki. 22. 13.]
[Al. I Ki. 22. 8.]

συστροφή. (1) סוֹד (2) עֵדָה (3) צָרַר (4) קֶשֶׁר (5) συστροφὰς ποιεῖσθαι קָשַׁר
Jd. 14. 8. A συστροφὴ [B συναγωγὴ] μελισσῶν ἐν τῷ στόματι τοῦ λέοντος (2)
IV Ki. 15. 15. καὶ ἡ σ. αὐ. ἣ συνεστράφη (4)
Ps. 63 (64). 2. B² S R ἐσκέπασάς με ἀπὸ συστροφῆς πονηρευομένων (1)
Si. 43. 17. καταιγὶς βορέου καὶ συστροφὴ πνεύματος
Ho. 4. 19. συστροφὴ πνεύματος σὺ εἶ (3)
13. 12. συστροφὴν ἀδικίας Ἐφρ. (3)
Am. 7. 10. συστροφὰς ποιεῖται κατὰ σοῦ Ἀ. (5)
Je. 4. 16. συστροφαὶ ἔρχονται ἐκ γῆς μακρόθεν †
Ez. 13. 21. οὐκέτι ἔσονται ἐν χερσὶν ὑμῶν εἰς συστροφήν †
I Ma. 14. 44. ἐπισυστρέψαι συστροφὴν ἐν τῇ χώρᾳ
III Ma. 5. 41. καὶ πληθύουσα συστροφαῖς ἤδη
[Aq. Ps. 30 (31). 14 : 33 (34). 5 : 54 (55). 16 : Is. 66. 4.]
[Sm. I Ki. 19. 20 : II Ki. 2. 25 : Jb. 38. 28 : Ps. 54 (55). 16 : 67 (68). 31.]
[Th. Is. 60. 6 : Ez. 22. 25.]
[Al. I Ki. 10. 10.]

συστροφία.
III Ma. 5. 32. διὰ τὴν τῆς σ. στοργήν

συσφίγγειν. (1) אָפַד (2) קָפַץ (3) רָכַס (4) שָׁנַס pi.
Ex. 36. 29 (39. 21). συνέσφιγξε τὸ λογεῖον (3)
Le. 8. 8 (7). καὶ συνέσφιγξεν αὐτὸν ἐν αὐτῇ (1)
De. 15. 7. B οὐδ' οὐ μὴ συσφίγξῃς [A R -εις] τὴν χεῖρά σου (2)
III Ki. 18. 46. συνέσφιγξε τὴν ὀσφὺν αὐ. (4)
[Aq., Sm. Ex. 28. 39 : 39. 6 (36. 13).]
[Th. Ex. 28. 11, 28, 39 : 39. 6 (36. 13).]

συσφιγκτήρ.
[Sm. Ps. 44 (45). 14.]

σύσφιγκτος.
[Aq., Sm. Ex. 28. 4, 14.]
[Th. Ex. 28. 25.]

συχνεών.
[Aq. Ge. 22. 13.]

συχνός.
II Ma. 5. 9. ὁ συχνοὺς τῆς πατρίδος ἀποξενώσας

σφαγή. (1) *a.* הָרֵג *b.* הֲרֵגָה (2) חֶרֶב (3) *a.* טָבַח *b.* טֶבַח *c.* טִבְחָה (4) כִּיד (5) קָטֶל
Jb. 10. 16. ἀγρεύομαι γὰρ ὥσπερ λέων εἰς σφαγήν †
21. 20. ἴδοισαν οἱ ὀφθαλμοὶ αὐ. τὴν ἑαυτοῦ σφ. (4)
27. 14. εἰς σφαγὴν ἔσονται (2)
Ps. 43 (44). 22. ἐλογίσθημεν ὡς πρόβατα σφαγῆς (3 *c*)
Pr. 7. 22. ὥσπερ δὲ βοῦς ἐπὶ σφαγὴν ἄγεται (3 *b*)
Ob. 1. 10 (9). διὰ τὴν σφ. . . . ἀδελφοῦ σου Ἰ. (5)
Za. 11. 4. ποιμαίνετε τὰ πρόβατα τῆς σφ. (1 *b*)
— 7. ποιμανῶ τὰ πρόβατα [S² τὸ πρ.] τῆς σφ. (1 *b*)
Is. 34. 2. τοῦ . . . παραδοῦναι αὐτοὺς εἰς σφαγήν (3 *b*)
— 6. σφ. μεγάλη ἐν τῇ Ἰδουμαίᾳ (3 *b*)
53. 7. ὡς πρόβατον ἐπὶ σφαγὴν ἤχθη (3 *b*)
65. 12. πάντες ἐν [S *om.*] σφαγῇ πεσεῖσθε (3 *b*)
Je. 12. 3. ἅγνισον αὐτοὺς εἰς ἡμέραν σφαγῆς αὐτῶν (1 *b*)
15. 3. τὴν μάχαιραν εἰς σφαγήν (1 *a*)
19. 6. πολυάνδριον τῆς σφ. (1 *b*)
27 (50). 27. καταβήτωσαν εἰς σφαγήν (3 *b*)
28 (51). 40. καταβίβασον [S¹ -σω] αὐτοὺς ὡς ἄρνας εἰς σφαγήν (3 *a*)
31 (48). 15. κατέβησαν εἰς σφαγήν (3 *b*)
32 (25). 34. ἐπληρώθησαν αἱ ἡμέραι ὑμῶν εἰς σφαγήν (3 *a*)
Ez. 21. 15 (20). εἰ γέγονεν εἰς σφαγήν (3 *b*)
II Ma. 5. 6. ἐποιεῖτο σφαγὰς τῆς πόλεως
— 13. παρθένων τε καὶ νηπίων σφαγαί
12. 16. ἀμυθήτους ἐποιήσαντο σφαγάς
[Aq. Je. 7. 32 : 11. 19.]
[Sm. Ps. 41 (42). 11 : Is. 30. 25 : Je. 7. 32 : 11. 19.]
[Th. Je. 12. 3.]

σφαγιάζειν.
IV Ma. 13. 12. σφαγιασθῆναι . . . ὑπέμεινεν ὁ Ἰσ.
16. 20. τὸν ἐθνοπάτορα υἱὸν σφαγιάσαι Ἰσ.

σφάγιον. (1) זֶבַח (2) טֶבַח (3) נְדָבָה
Le. 22. 23. A² B σφάγια ποιήσεις αὐτὰ σεαυτῷ (3)
Am. 5. 25. μὴ σφάγια . . . προσηνέγκατέ μοι (1)
Ez. 21. 10 (15). ὅπως σφάξῃς σφάγια (2)
— 15 (20). παραδέδονται [A παραδοθήσονται] εἰς σφάγια ῥομφαίας †
— 28 (33). ῥομφαία [A *add.* ἑτοιμάζου] ἐσπασμένη εἰς [A *om.*] σφάγια (2)
[Al. Ge. 43. 16.]

σφάζειν. (1) הָרַג (2) זָבַח (3) *a.* טָבַח *b.* מִטְבָּח (4) שָׁחַט *a.* qal. *b.* ni. (5) שָׁסַף pi.
Ge. 22. 10. σφάξαι τὸν υἱὸν αὐ. (4 *a*)
37. 31. ἔσφαξαν ἔριφον αἰγῶν (4 *a*)
43. 16. σφάξον θύματα καὶ ἑτοίμασον (3 *a*)
Ex. 12. 6. σφάξουσιν αὐτὸ πᾶν τὸ πλῆθος (4 *a*)
22. 1 (21. 37). ἐὰν δέ τις . . . σφάξῃ [A *add.* αὐτό] (3 *a*)
29. 11. B σφάξεις τὸν μόσχον (4 *a*)
— 16, 20. καὶ σφάξεις αὐτόν (4 *a*)
34. 25. οὐ σφάξεις ἐπὶ ζύμῃ αἷμα θυμιαμάτων μου (4 *a*)
Le. 1. 5. σφάξουσι τὸν μόσχον ἔναντι κυρίου (4 *a*)
— 11. σφάξουσιν αὐτὸ ἐκ πλαγίων τοῦ θυσιαστ. (4 *a*)
3. 2. σφάξει αὐτὸ ἐναντίον κυρίου (4 *a*)
— 8. σφάξει αὐτὸ παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς (4 *a*)
— 13. σφάξουσιν αὐτὸ ἔναντι κυρίου (4 *a*)
4. 4. σφάξει τὸν μόσχον ἐνώπιον κυρίου (4 *a*)
— 15. A B² R σφάξουσι τὸν μόσχον ἔναντι κυρίου (4 *a*)
— 24. σφάξουσιν αὐτὸ ἐν τόπῳ οὗ σφάζουσι τὰ ὁλοκαυτώματα (4 *a*, 4 *a*)
— 29. σφάξουσι τὴν χίμαιραν τὴν τῆς ἁμαρτίας (4 *a*)
— 29. ἐν τῷ τόπῳ οὗ σφάζουσι τὰ ὁλοκαυτώμ. –
— 33. σφάξουσιν αὐτὸ ἐν τόπῳ οὗ σφάζουσι τὰ ὁλοκαυτώματα (4 *a*, 4 *a*)
6. 25 (18). ἐν τόπῳ οὗ σφάζουσι τὸ ὁλοκάυτωμα σφάξουσι τὰ περὶ τῆς ἁμαρτίας (4 *b*, 4 *b*)
— 32 (7. 2). οὗ σφάζουσι τὸ ὁλοκαύτωμα (4 *a*)
— 32 (7. 2). σφάξουσι τὸν κριὸν τῆς πλημμελείας (4 *a*)
8. 15. καὶ ἔσφαξεν αὐτόν (4 *a*)
— 18 (19). ἔσφαξε Μ. τὸν κριόν (4 *a*)
— 22 (23). καὶ ἔσφαξεν αὐτόν (4 *a*)
9. 8. ἔσφαξε τὸ μοσχάριον (4 *a*)
— 12. ἔσφαξε τὸ ὁλοκαύτωμα (4 *a*)
— 15. καὶ ἔσφαξεν αὐτό (4 *a*)
— 18. ἔσφαξε τὸν μόσχον (4 *a*)
14. 5. σφάξουσι τὸ ὀρνίθιον τὸ ἕν (4 *a*)
— 6. εἰς τὸ αἷμα τοῦ ὀρνιθίου τοῦ σφαγέντος (4 *a*)
— 13. σφάξουσι τὸν ἀμνὸν ἐν τόπῳ οὗ σφάζουσι τὰ ὁλοκαυτώματα (4 *a*, 4 *a*)
— 19. σφάξει ὁ ἱ. τὸ ὁλοκαύτωμα (4 *a*)
— 25. σφάξει τὸν ἀμνὸν τῆς πλημμελείας (4 *a*)
— 50. σφάξει τὸ ὀρνίθιον τὸ ἕν (4 *a*)
— 51. βάψει αὐτὸ εἰς τὸ αἷμα τοῦ ὀρνιθίου τοῦ ἐσφαγμ. (4 *a*)
16. 11. σφάξει τὸν μόσχον τὸν περὶ τῆς ἁμαρτίας (4 *a*)
— 15. σφάξει τὸν χίμαρον τὸν περὶ τῆς ἁμαρτίας (4 *a*)
17. 3. ὃς ἐὰν σφάξῃ μόσχον (4 *a*)
— 3. ὃς ἂν σφάξῃ ἔξω τῆς παρεμβολῆς (4 *a*)
— 4. ὃς ἂν σφάξῃ ἔξω –
— 5. ὅσας ἂν αὐτοὶ σφάξουσιν [A -ωσιν] ἐν τοῖς πεδίοις (2)
22. 28. αὐτὴν καὶ τὰ παιδία αὐ. οὐ σφάξεις (4 *a*)
Nu. 11. 22. A² B μὴ πρόβατα καὶ βόες σφαγήσονται αὐτοῖς (4 *b*)
Nu. 11. 32. B ἔσφαξαν [A R ἔψυξαν] ἑαυτοῖς ψυγμούς †
19. 3. σφάξουσιν αὐτὴν ἐνώπιον αὐτοῦ (4 *a*)
De. 28. 31. ὁ μόσχος σου ἐσφαγμένος ἐναντίον σου (3 *a*)
Jd. 12. 6. A σφάζουσιν αὐτοὺς ἐπὶ τὰς διαβάσεις τοῦ Ἰ. [B *al.*] (4 *a*)
I Ki. 1. 25. ἔσφαξεν ὁ πατὴρ αὐ. τὴν θυσίαν –
— 25. ἔσφαξε τὸν μόσχον (4 *a*)
14. 32. καὶ ἔσφαξεν ἐπὶ τὴν γῆν (4 *a*)
— 34. καὶ σφαξέτω [A σφαξάτω] ἐπὶ τούτου (4 *a*)
— 34. καὶ ἔσφαζον [A ἔσφαξεν] ἐκεῖ (4 *a*)
15. 33. ἔσφαξε Σαμ. τὸν Ἀ. ἐνώπιον κυρίου (5)
III Ki. 18. 40. καὶ ἔσφαξεν αὐτοὺς ἐκεῖ (4 *a*)
IV Ki. 10. 7. καὶ ἔσφαξαν αὐτούς (4 *a*)
— 14. καὶ ἔσφαξαν αὐτοὺς εἰς Β. (4 *a*)
25. 7. τοὺς υἱοὺς Σεδ. ἔσφαξε (4 *a*)
II Es. 6. 20. ἔσφαξαν τὸ πάσχα τοῖς πᾶσιν υἱοῖς τῆς ἀποικεσίας (4 *a*)
Ps. 36 (37). 14. τοῦ σφάξαι τοὺς εὐθεῖς τῇ καρδίᾳ (3 *a*)
Pr. 9. 2. ἔσφαξε τὰ ἑαυτῆς θύματα (3 *a*)
Is. 14. 21. ἑτοίμασον τὰ τέκνα σου σφαγῆναι (3 *b*)
22. 13. ἐποιήσαντο εὐφροσύνην καὶ ἀγαλλίαμα σφάζοντες μόσχους (1)
57. 5. σφάζοντες τὰ τέκνα αὐτῶν (4 *a*)
Je. 19. 7. σφάξω τὴν βουλὴν Ἰούδα †
48 (41). 7. ἔσφαξεν αὐτοὺς εἰς τὸ φρέαρ (4 *a*)
52. 10. ἔσφαξε βασιλεὺς Βαβ. τοὺς υἱοὺς Σεδ. (4 *a*)
— 10. πάντας τοὺς ἄρχοντας Ἰ. ἔσφαξεν (4 *a*)
Ez. 16. 21. ἔσφαξας τὰ τέκνα σου (4 *a*)
21. 10 (15). ὅπως σφάξῃς σφάγια . . . σφάζε (3 *a*, †)
23. 39. ἐν τῷ σφ. αὐτοῦς τὰ τέκνα αὐτῶν (4 *a*)
34. 3. τὸ παχὺ σφάζετε [A ἐσφ.] (2)
40. 39. ὅπως σφάζωσιν ἐν αὐτῇ [A σφ. τὴν ὁλοκαύτωσιν καὶ] τὰ ὑπὲρ ἁμαρτίας (4 *a*)
— 41. ἐπ' αὐτὰ σφάξουσι τὰ θύματα (4 *a*)
— 42. ἐν οἷς σφάζουσιν ἐκεῖ τὰ ὁλοκαυτώμ. (4 *a*)
44. 11. οὗτοι σφάξουσι τὰ ὁλοκαυτώμ. (4 *a*)
I Ma. 1. 2. καὶ ἔσφαξε βασιλεῖς
2. 24. ἔσφαξεν αὐτὸν ἐπὶ τὸν βωμόν
II Ma. 5. 14. οὐχ ἧττον δὲ τῶν ἐσφαγμ. ἐπράθησαν
[Aq., Sm. Is. 66. 3.]
[Th. Is. 66. 3 : Je. 39 (46). 6 *bis.*]
[Al. II Ch. 29. 22.]

σφαῖρα.
[Aq., Th. Is. 29. 3.]

σφαιρωτήρ (σφυρ.). (1) כַּפְתּוֹר (2) שְׁרוֹךְ
Ge. 14. 23. ἀπὸ σπαρτίου ἕως σφαιρωτῆρος ὑποδήματος (2)
Ex. 25. 30 (31). οἱ κρατῆρες καὶ οἱ σφ. (1)
— 32 (33). ἐν τῷ ἑνὶ καλαμίσκῳ σφαιρωτήρ (1)
— 33 (34). ἐν τῷ ἑνὶ καλαμίσκῳ σφαιρωτῆρες [A -ήρ] (1)
— 34. A οἱ σφ. καὶ τὰ κρίνα αὐ. (1)
— 34 (35). ὁ σφ. ὑπὸ τοὺς δύο καλαμίσκους (1)
— 34 (35). A¹ B σφαιρωτὴρ ὑπὸ τοὺς τέσσαρας καλαμίσκους (1)
— 35 (36). οἱ σφ. καὶ οἱ καλαμίσκοι ἐξ αὐτῆς ἔστωσαν (1)

σφακελίζειν. (1) כָּלָה *a.* pi. *b.* כָּלָה
Le. 26. 16. σφακελίζοντας τοὺς ὀφθ. ὑ. (1 *a*)
De. 28. 32. οἱ ὀφθ. σου βλέψονται σφακελίζοντες εἰς αὐτά (1 *b*)

σφακτής.
[Aq. Da. 2. 14 (Sw.).]

σφαλερός. (1) נוּעַ
Pr. 5. 6. σφαλεραὶ δὲ αἱ τροχιαὶ αὐτῆς (1)

σφάλλειν. (1) מוּט (2) נָטַשׁ ni. (3) שָׁכַל pi. (4) שָׁלַךְ hi.
De. 32. 35. ὅταν σφαλῇ ὁ ποὺς αὐ. (1)
II Ki. 22. 46. σφαλοῦσιν ἐκ τῶν συγκλεισμῶν αὐ. †
I Es. 4. 27. πολλοὶ ἀπώλοντο καὶ ἐσφάλησαν
Jb. 18. 7. σφάλαι δὲ [A καὶ σφαλείη] αὐτοῦ ἡ βουλή (4)
21. 10. καὶ οὐκ ἔσφαλε (3)
Wi. 10. 8. ἵνα ἐν οἷς ἐσφάλησαν μηδὲ λαθεῖν δυνηθῶσι
Si. 13. 22. πλουσίου σφαλέντος πολλοὶ ἀντιλήπτορες
— 22. ταπεινὸς ἔσφαλε [A -λη]
36. 31 (28). εὐζώνῳ λῃστῇ σφαλλομένῳ [A S ἁφαλλ.] ἐκ πόλεως εἰς πόλιν

Am. 5. 2. παρθένος τοῦ Ἰσρ. ἔσφαλεν ἐπὶ τῆς γῆς αὐ. (2)
[Aq. Ps. 14 (15). 5 : 29 (30). 7 : 45 (46). 3, 7 : 61 (62). 3, 7 : Pr. 10. 30 : Is. 54. 10.]
[Sm. Ex. 10. 16 : Jb. 4. 4 : Ps. 14 (15). 5 : 26 (27). 2 : 61 (62). 7 : 65 (66). 9.]

σφάλμα. (1) מוֹקֵשׁ
Pr. 29. 25. ἀσέβεια ἀνδρὶ δίδωσι σφάλμα (1)

σφαλμός.
[Aq. Ps. 120 (121). 3 : Is. 58. 6 *bis*, 9 : Ez. 9. 9.]

σφενδονᾶν. (1) קָלַע pi.
I Ki. 17. 49. καὶ ἐσφενδόνησε (1)
25. 29. ψυχὴν ἐχθρῶν σου σφενδονήσεις (1)
[Aq., Sm. Je. 10. 18.]

σφενδόνη. (1) מַרְגֵּמָה (2) קֶלַע
I Ki. 17. 40. ἔθετο . . . σφενδόνην αὐ. ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (2)
— 50. A ἐκραταίωσεν Δ. ὑπὲρ τὸν ἀλλόφυλον ἐν τῇ σφ. (2)
25. 29. σφενδονήσεις ἐν μέσῳ τῆς σφ. (2)
II Ch. 26. 14. καὶ τόξα καὶ σφενδόνας εἰς λίθους (2)
Ju. 9. 7. ἤλπισαν . . . ἐν . . . σφενδόνῃ
Pr. 26. 8. ὃς ἀποδεσμεύει λίθον ἐν σφενδόνῃ (1)
Si. 47. 4. ἐν τῷ ἐπᾶραι χεῖρα ἐν λίθῳ σφενδόνης
Za. 9. 15. καταχώσουσιν αὐτοὺς ἐν λίθοις σφενδόνης (2)
I Ma. 6. 51. εἰς τὸ βάλλεσθαι . . . σφενδόνας
[Aq., Sm., Th. I Ki. 17. 50 : Jb. 41. 20.]

σφενδονήτης (-ηστής). (1) *a.* קָלַע *b.* קַלָּע
Jd. 20. 16. πάντες οὗτοι σφενδονῆται (1 *a*)
IV Ki. 3. 25. ἐκύκλωσαν οἱ σφ. (1 *b*)
I Ch. 12. 2. καὶ σφενδονῆται ἐν λίθοις καὶ τόξοις –
Ju. 6. 12. πᾶς ἀνὴρ σφ. διεκράτησαν τὴν ἀνάβασιν αὐ.
I Ma. 9. 11. οἱ σφ. . . . προεπορεύοντο τῆς δυνάμεως

σφηκία. (1) צִרְעָה
Ex. 23. 28. ἀποστελῶ τὰς σφ. προτέρας σου (1)
De. 7. 20. A B² R τὰς σφ. ἀποστελεῖ κ. ὁ θεός σου εἰς αὐτούς (1)
Jo. 24. 12. ἐξαπέστειλε προτέραν ἡμῶν τὴν σφ. (1)

σφήν.
IV Ma. 8. 13. ὡς δὲ . . . σφῆνας . . . προέθεσαν
11. 10. A τὴν ὀσφὺν αὐ. ἐπὶ τὸν τροχιαῖον σφ. κατέκαμψαν [S R *al.*]

σφηνοῦν. (1) אָחַז (2) נָעַל
Jd. 3. 23. καὶ ἐσφήνωσε (2)
— 24. αἱ θύραι τοῦ ὑπερῴου ἐσφηνωμέναι [A ἀποκεκλεισμέναι] (2)
Ne. 7. 3. καὶ σφηνούσθωσαν [S² -νοίσθ., S¹ -νοίσθω] (1)

σφήξ.
Wi. 12. 8. ἀπέστειλάς τε προδρόμους τοῦ στρατοπέδου [B S τοὺς στρ.] σου σφῆκας
[Heb. Is. 7. 18.]

σφίγγειν. (1) צוּר (2) תָּמַךְ ni.
IV Ki. 12. 10 (11). ἔσφιγξαν καὶ ἠρίθμησαν τὸ ἀργύριον (1)
Pr. 5. 22. σειραῖς δὲ τῶν ἑαυτοῦ ἁμαρτιῶν ἕκαστος σφίγγεται (2)
[Aq. Ex. 28. 11.]
[Sm. Pr. 6. 21 : Is. 1. 6.]

σφιγγία.
Si. 11. 18. ἔστι πλουτῶν ἀπὸ προσοχῆς καὶ σφιγγίας αὐτοῦ

σφιγκτήρ.
[Aq. Ex. 28. 13 : 39. 16 (36. 23) : II Ki. 1. 9.]
[Sm. Ex. 28. 13.]

σφόδρα. (1) הֵיטֵב (2) *a.* מְאֹד *b.* מְאֹד מְאֹד *c.* בְּמְאֹד מְאֹד *d.* עַד־מְאֹד *e.* עַד־לְמְאֹד (3) מְלֵא ni. (4) שַׁנִּיא (5) ἕως σφόδρα *a.* עַד לְמַעְלָה *b.* עַד לְמְאֹד (6) σφόδρα σφόδρα בְּמְאֹד מְאֹד (7) σφόδρα λίαν עַד־מְאֹד

Ge. 7. 18. ἐπληθύνετο σφ. ἐπὶ τῆς γῆς (2 *a*)
— 19. R τὸ δὲ ὕδωρ ἐπεκράτει σφ. σφ. [A σφοδρῶς] (2 *a*, 2 *a*)
Ge. 12. 14. καλὴ ἦν σφ. (2 *a*)
13. 2. Ἀβραὰμ δὲ ἦν πλούσιος σφ. κτήνεσι (2 *a*)
— 13. ἁμαρτωλοὶ ἐναντίον τοῦ θεοῦ σφ. (2 *a*)
15. 1. R ὁ μισθός σου πολὺς ἔσται σφ. [A *al.*] (2 *a*)
17. 2. πληθυνῶ σε σφ. (2 *c*)
— 6. R αὐξανῶ σε σφ. σφ. [A *om.*] (6 [2 *c*])
— 20. πληθυνῶ αὐτὸν σφ. (2 *c*)
18. 20. καὶ αἱ ἁμαρτίαι αὐ. μεγάλαι σφ. (2 *a*)
19. 9. παρεβιάζοντο τὸν ἄνδρα τὸν Λὼτ σφ. (2 *a*)
20. 8. ἐφοβήθησαν δὲ πάντες οἱ ἄνθρωποι σφ. (2 *a*)
21. 11. σκληρὸν δὲ ἐφάνη τὸ ῥῆμα σφ. (2 *a*)
24. 16. ἦν καλὴ τῇ ὄψει σφ. (2 *a*)
— 35. εὐλόγησε τὸν κύριόν μου σφ. (2 *a*)
26. 13. μέγας ἐγίνετο σφ. (2 *a*)
— 16. δυνατώτερος ἡμῶν ἐγένου σφ. (2 *a*)
27. 33. ἐξέστη δὲ Ἰ. ἔκστασιν μεγάλην σφ. (2 *d*)
— 34. φωνὴν μεγάλην καὶ πικρὰν σφ. (2 *d*)
29. 17. R καὶ ὡραία τῇ ὄψει σφ. [A *om.*] –
30. 43. ἐπλούτησεν ὁ ἄνθρωπος σφ. σφ. (2 *a*, 2 *a*)
32. 7 (8). ἐφοβεῖτο δὲ Ἰ. σφ. (2 *a*)
34. 7. λυπηρὸν ἦν αὐτοῖς σφ. (2 *a*)
— 12. πληθύνατε τὴν φερνὴν σφ. (2 *a*)
39. 6. ἦν Ἰ. . . . ὡραῖος τῇ ὄψει σφ. –
41. 31. ἰσχυρὸς γὰρ ἔσται σφ. (2 *a*)
— 49. σῖτον ὡσεὶ τὴν ἄμμον τῆς θαλ. πολὺν σφ. (2 *a*)
47. 13. ἐνίσχυσε γὰρ ὁ λιμὸς σφ. (2 *a*)
— 27. ἐπληθύνθησαν σφ. (2 *a*)
50. 9. ἐγένετο ἡ παρεμβολὴ μεγάλη σφ. (2 *a*)
— 10. κοπετὸν μέγαν καὶ ἰσχυρὸν σφ. (2 *a*)
Ex. 1. 7. κατίσχυον σφ. σφ. (6)
— 12. καὶ ἴσχυον σφ. [A¹ *om.*] σφ. –
— 20. καὶ ἴσχυε σφ. (2 *a*)
9. 3. θάνατος μέγας σφ. (2 *a*)
— 18. ὕω . . . χάλαζαν πολλὴν σφ. (2 *a*)
— 24. ἡ δὲ χάλαζα πολλὴ σφ. [A *add.* σφ.] (2 *a*, [–])
10. 14. καὶ κατέπαυσεν . . . πολλὴ σφ. (2 *a*)
11. 3. ὁ ἄνθρ. Μ. μέγας ἐγενήθη σφ. (2 *a*)
12. 38. καὶ κτήνη πολλὰ σφ. (2 *a*)
14. 10. καὶ ἐφοβήθησαν σφ. (2 *a*)
19. 18. ἐξέστη πᾶς ὁ λαὸς σφ. (2 *a*)
— 19. ἐγίνοντο δὲ αἱ φωναὶ . . . προβαίνουσαι ἰσχυρότεραι σφ. (2 *a*)
Nu. 11. 10. ἐθυμώθη ὀργῇ κύριος σφ. (2 *a*)
— 33. ἐπάταξε κ. τὸν λαὸν πληγὴν μεγάλην σφ. (2 *a*)
12. 3. ὁ ἄνθρωπος Μ. πραὺς σφ. (2 *a*)
13. 29 (28). πόλεις ὀχυραὶ τετειχισμέναι μεγάλαι σφ. (2 *a*)
14. 7. ἡ γῆ . . . ἀγαθή ἐστι σφ. σφ. (2 *a*, 2 *a*)
— 39. ἐπένθησεν ὁ λαὸς σφ. (2 *a*)
16. 15. ἐβαρυθύμησε Μ. σφ. (2 *a*)
22. 3. ἐφοβήθη Μ. τὸν λαὸν σφ. (2 *a*)
32. 1. κτήνη πλῆθος ἦν . . . πλῆθος [A *add.* πολὺ] σφ. (2 *a*)
De. 2. 4. εὐλαβηθήσονται ὑμᾶς σφ. (2 *a*)
3. 5. πλὴν τῶν πόλεων τῶν Φ. τῶν πολλῶν σφ. (2 *a*)
4. 9. φύλαξον τὴν ψυχήν σου σφ. (2 *a*)
— 15. φυλάξεσθε σφ. τὰς ψυχὰς ὑμῶν (2 *a*)
6. 3. ἵνα πληθυνθῆτε σφ. (2 *a*)
9. 20. A ἐθυμώθη κύριος σφ. [B *al.*] (2 *a*)
— 21. συνέκοψα αὐτὸν καταλέσας σφ. [A *al.*] (1)
13. 14 (15). καὶ ἐρευνήσεις σφ. (1)
17. 4. καὶ ἐκζητήσεις σφ. (1)
— 17. χρυσίον οὐ πληθυνεῖ ἑαυτῷ σφ. [B¹ *al.*] (2 *a*)
20. 15. οὕτω ποιήσεις πάσας τὰς πόλεις τὰς μάκραν οὔσας σου σφ. (2 *a*)
24. 8. φυλάξῃ σφ. ποιεῖν (2 *a*)
27. 8. γράψεις . . . πάντα τὸν νόμον τ. σαφῶς σφ. (1)
28. 54. ὁ τρυφερὸς σφ. βασκανεῖ τῷ ὀφθ. αὐ. τὸν ἀδ. (2 *a*)
— 56. A ἡ ἁπαλὴ ἐν ὑμῖν καὶ ἡ τρυφερὰ σφ. [B *om.*] –
29. 28 (27). ἐν . . . παροξυσμῷ μεγάλῳ σφ. –
30. 14. ἔστι σου ἐγγὺς τὸ ῥῆμα σφ. (2 *a*)
Jo. 3. 16. ἔστη πῆγμα ἓν ἀφεστηκὸς μακρὰν σφ. σφοδρῶς [A² *om.*, A¹ *al.*] (2 *a*)
6. 17 (18). φυλάξασθε σφ. ἀπὸ τοῦ ἀναθέματος [A *al.*] –
9. 9. ἐκ γῆς μακρόθεν σφ. ἥκασιν (2 *a*)
— 13. πεπαλαίωται ἀπὸ τῆς πολλῆς ὁδοῦ σφ. (2 *a*)
— 22. μακρὰν ἀπὸ σοῦ ἐσμεν σφ. (2 *a*)
— 24. ἐφοβήθημεν σφ. περὶ τῶν ψυχῶν ἡμῶν (2 *a*)
Jo. 10. 2. ἐφοβήθησαν ἀπ' αὐτῶν σφ. (2 *a*)
— 20. κόπτοντες αὐτοὺς κοπὴν μεγάλην σφ. (2 *a*)
11. 4. ἵπποι καὶ ἅρματα πολλὰ σφ. (2 *a*)
22. 5. φυλάξασθε σφ. ποιεῖν τὰς ἐντολάς (2 *a*)
— 8. καὶ κτήνη πολλὰ σφ. καὶ ἀργύριον (2 *a*)
— 8. A καὶ ἱματισμὸν πολὺν σφ. [B *om.*] (2 *a*)
23. 6. κατισχύσατε οὖν σφ. φυλάσσειν (2 *a*)
— 11. φυλάξασθε σφ. τοῦ ἀγαπᾶν (2 *a*)
Jd. 2. 15. ἐξέθλιψεν αὐτοὺς σφ. (2 *a*)
3. 17. καὶ Ἐ. ἀνὴρ ἀστεῖος σφ. (2 *a*)
6. 6. ἐπτώχευσεν Ἰσρ. σφ. (2 *a*)
10. 9. B ἐθλίβη Ἰσρ. σφ. [A R *al.*] (2 *a*)
11. 33. ἐπάταξεν αὐτοὺς . . . πληγὴν μεγάλην σφ. (2 *a*)
12. 2. ὁ λαός μου καὶ οἱ υἱοὶ Ἀ. σφ. [A *al.*] (2 *a*)
13. 6. καὶ εἶδος αὐτοῦ . . . φοβερὸν σφ. [A *al.*] (2 *a*)
15. 18. ἐδίψησε σφ. (2 *a*)
18. 9. καὶ ἰδοὺ ἀγαθὴ σφ. (2 *a*)
19. 11. ἡ ἡμέρα προβεβήκει σφ. (2 *a*)
Ru. 1. 13. A ἐπικράνθη μοι σφ. [B *om.*] ὑπὲρ ὑμᾶς (2 *a*)
— 20. ἐπικράνθη ἐν ἐμοὶ ὁ ἱκανὸς σφ. (2 *a*)
I Ki. 2. 17. ἦν ἡ ἁμαρτία . . . τῶν παιδαρίων μεγάλη σφ. (2 *a*)
— 22. καὶ Ἠ. πρεσβύτης σφ. (2 *a*)
3. 21. καὶ Ἠ. πρεσβύτης σφ. –
4. 10. ἐγένετο πληγὴ μεγάλη σφ. (2 *a*)
5. 9. τάραχος μέγας σφ. (2 *a*)
— 12 (11). σύγχυσις ἐν ὅλῃ τῇ πόλει βαρεῖα σφ. (2 *a*)
6. 19. ἐπάταξε κ. ἐν τῷ λαῷ πληγὴν μεγάλην σφ. –
11. 6. ἐθυμώθη ἐπ' αὐτοὺς ὀργὴ αὐ. σφ. (2 *a*)
12. 18. B ἐφοβήθησαν πᾶς ὁ λαὸς τὸν κ. σφ. (2 *a*)
14. 20. σύγχυσις μεγάλη σφ. (2 *a*)
— 31. ἐκοπίασεν ὁ λαὸς σφ. (2 *a*)
16. 21. ἠγάπησεν αὐτὸν σφ. (2 *a*)
17. 11, 24 (A). καὶ ἐφοβήθησαν σφ. (2 *a*)
18. 15. αὐτὸς συνίει σφ. (2 *a*)
— 30. A ἐτιμήθη τὸ ὄνομα αὐ. σφ. (2 *a*)
19. 2 (1). Ἰ. ὁ υἱὸς Σ. ῥηξίτο τὸν Δ. σφ. (2 *a*)
— 4. καὶ τὰ ποιήματα αὐ. ἀγαθὰ σφ. (2 *a*)
— 8. ἐπάταξεν ἐν αὐτοῖς πληγὴν μεγάλην σφ. –
20. 30. ἐθυμώθη ὀργῇ Σ. ἐπὶ Ἰων. σφ. –
21. 12 (13). ἐφοβήθη σφ. ἀπὸ προσώπου Ἀ. (2 *a*)
25. 2. καὶ ὁ ἄνθρωπος μέγας σφ. (2 *a*)
— 3. καὶ ἡ γυνὴ . . . ἀγαθὴ τῷ εἴδει σφ. –
— 15. καὶ οἱ ἄνδρες ἀγαθοὶ ἡμῖν σφ. (2 *a*)
— 36. καὶ αὐτὸς μεθύων ἕως σφ. (2 *a*)
26. 21. ἠγνόηκα πολλὰ σφ. (2 *a*)
27. 12. ἐπιστεύθη Δ. ἐν τῷ Ἀ. σφ. –
28. 5. ἐξέστη ἡ καρδία αὐ. σφ. (2 *a*)
— 15. θλίβομαι σφ. (2 *a*)
— 20. ἐφοβήθη σφ. ἀπὸ τῶν λόγων Σαμ. (2 *a*)
— 21. ἔσπευσε σφ. (2 *a*)
30. 6. ἐθλίβη Δ. σφ. (2 *a*)
31. 4. ἐφοβήθη σφ. (2 *a*)
II Ki. 1. 26. ὡραιώθης μοι σφ. (2 *a*)
3. 8. A² B ἐθυμώθη σφ. Ἀβ. περὶ τοῦ λόγου Μ. (2 *a*)
8. 8. ἔλαβεν . . . χαλκὸν πολὺν σφ. (2 *a*)
10. 5. ἦσαν οἱ ἄνδρες ἠτιμασμένοι σφ. (2 *a*)
11. 2. καὶ ἡ γυνὴ καλὴ τῷ εἴδει σφ. (2 *a*)
12. 2. τῷ πλουσίῳ ἦν . . . βουκόλια πολλὰ σφ. (2 *a*)
— 5. ἐθυμώθη ὀργῇ Δ. σφ. [A *add.* σφ.] τῷ ἀνδρί (2 *a*, [–])
— 30. σκῦλα τῆς πόλεως ἐξήνεγκε πολλὰ σφ. (2 *a*)
13. 1. ἀδελφὴ καλὴ τῷ εἴδει σφ. –
— 3. καὶ Ἰων. ἀνὴρ σοφὸς σφ. (2 *a*)
— 15. ἐμίσησεν αὐτὴν Ἀ. μῖσος μέγα σφ. (2 *a*)
— 21. ἐθυμώθη σφ. (2 *a*)
— 36. A R ἔκλαυσαν κλαυθμὸν μέγαν σφ. [B *om.*] (2 *a*)
14. 25. ὡς Ἀβ. οὐκ ἦν ἀνὴρ ἐν παντὶ Ἰσρ. αἰνετὸς σφ. (2 *a*)
— 27. αὕτη ἦν γυνὴ καλὴ σφ. –
17. 8. δυνατοί εἰσι σφ. –
18. 17. ἐστήλωσεν ἐπ' αὐτὸν σωρὸν λίθων μέγαν σφ. (2 *a*)
19. 32 (33). καὶ Β. ἀνὴρ πρεσβύτερος σφ. (2 *a*)
— 32 (33). ἀνὴρ μέγας ἐστὶ σφ. (2 *a*)
24. 10. ἥμαρτον σφ. ὃ ἐποίησα (2 *a*)
— 10. ἐμωράνθην σφ. (2 *a*)
— 14. στενά μοι πάντοθεν σφ. ἐστίν (2 *a*)
— 14. πολλοὶ οἱ οἰκτιρμοὶ αὐ. σφ. –
III Ki. 1. 4. ἡ νεᾶνις καλὴ ἕως σφ. (2 *a*)
— 6. καί γε αὐτὸς ὡραῖος τῇ ὄψει σφ. (2 *a*)

III Ki. 1. 15. ὁ βασ. πρεσβύτης σφ. (2 a)
2. 12. ἡτοιμάσθη ἡ βασ. αὐ. σφ. (2 a)
3. 1 (*cf.* 4. 29 [5. 9]). ἔδωκε κύριος . . . σοφίαν πολλὴν σφ. (2 a)
— 1 (4. 29 [5. 9]). R ἐπληθύνθη ἡ φρόνησις Σ. σφ. [A B *om.*] –
— 1 (4. 20). B ἦν ὁ βασ. Σ. φρόνιμος σφ. –
— 1 (B), 4. 20 (A). Ἰ. καὶ Ἰσρ. πολλοὶ σφ. [A *om.*] –
4. 29 (5. 9). ἔδωκε κ. . . . σοφίαν πολλὴν σφ. (2 a)
— 30 (5. 10). ἐπληθύνθη Σαλ. σφ. –
5. 7 (21). ἐχάρη σφ. (2 a)
7. 47. οὗ ἐποίησε πάντα τὰ ἔργα τ. ἐκ πλήθους σφ. (2 b)
— 48 (47). A ἀπὸ τοῦ πλήθους σφ. σφ. (2 a, 2 a)
10. 2. ἐν δυνάμει βαρείᾳ σφ. (2 a)
— 2. κάμηλοι αἴρουσαι . . . χρυσὸν πολὺν σφ. (2 a)
— 10. ἔδωκε τῷ Σ. . . . ἡδύσματα πολλὰ σφ. (2 a)
— 11. ἤνεγκε ξύλα πελεκητὰ πολλὰ σφ. (2 a)
11. 19. εὗρεν Ἀ. χάριν ἐναντίον Φ. σφ. (2 a)
12. 24. B ἠρρώστησε τὸ παιδάριον αὐ. ἀρρωστίᾳ κραταιᾷ σφ. (2 a)
17. 17. ἦν ἡ ἀρρωστία αὐ. κραταιὰ σφ. (2 a)
18. 3. Ἀβδ. ἦν φοβούμενος τὸν κύριον σφ. (2 a)
20 (21). 26. καὶ ἐβδελύχθη σφ. (2 a)
IV Ki. 10. 4. A ἐφοβήθησαν σφ. σφ. [B *om.*] (2 a, 2 a)
14. 26. εἶδε κ. τὴν ταπείνωσιν Ἰσρ. πικρὰν σφ. (2 a)
17. 18. ἐθυμώθη κύριος σφ. ἐν τῷ Ἰσρ. (2 a)
21. 16. αἷμα ἀθῷον ἐξέχεε Μαν. πολὺ σφ. (2 a)
I Ch. 10. 4. ἐφοβεῖτο σφ. (2 a)
16. 25. μέγας κύριος καὶ αἰνετὸς σφ. (2 a)
18. 8. ἔλαβε Δ. χαλκὸν πολὺν σφ. (2 a)
19. 5. ἦσαν ἠτιμωμένοι σφ. (2 a)
20. 2. σκῦλα τῆς πόλεως ἐξήνεγκε πολλὰ σφ. (2 a)
21. 8. ἡμάρτηκα σφ. (2 a)
— 8. ἐματαιώθην σφ. (2 a)
— 13. στενά μοι καὶ τὰ τρία σφ. (2 a)
— 13. πολλοὶ οἱ οἰκτιρμοὶ αὐ. σφ. (2 a)
II Ch. 4. 18. ἐποίησε Σ. πάντα τὰ σκεύη ταῦτα εἰς πλῆθος σφ. (2 a)
7. 8. ἐκκλησία μεγάλη σφ. (2 a)
9. 1. ἐν δυνάμει βαρείᾳ σφ. (2 a)
11. 12. κατίσχυσεν αὐτὰς εἰς πλῆθος σφ. (2 a)
16. 8. εἰς ἱππεῖς εἰς πλῆθος σφ. (2 a)
— 12. ἕως σφ. ἐμαλακίσθη (5 b)
— 14. B ἐποίησαν αὐτῷ ἐκφορὰν μεγάλην σφ. [A R ἕως σφ.] (2 e [5 a])
24. 24. παρέδωκεν εἰς τὰς χεῖρας αὐ. δύναμιν πολλὴν σφ. (2 a)
25. 10. ἐθυμώθησαν σφ. ἐπὶ Ἰούδαν (2 a)
30. 13. συνήχθησαν . . . ἐκκλησία πολλὴ σφ. (2 a)
32. 27. ἐγένετο τῷ Ἐζ. . . . δόξα πολλὴ σφ. (2 a)
— 29. ἔδωκεν αὐτῷ κ. ἀποσκευὴν πολλὴν σφ. (2 a)
33. 12. καὶ ἐταπεινώθη σφ. (2 a)
— 14. καὶ ὕψωσε σφ. (2 a)
35. 23. ἐπόνεσα σφ. (2 a)
I Es. 8. 91. ἐπισυνήχθησαν . . . ὄχλος πολὺς σφ.
II Es. 10. 1. συνήχθησαν . . . ἐκκλησία πολλὴ σφ. (2 a)
Ne. 2. 2. ἐφοβήθην πολὺ σφ. (2 a)
4. 7 (1). πονηρὸν αὐτοῖς ἐφάνη σφ. (2 a)
5. 6. ἐλυπήθην σφ. (2 a)
6. 16. ἐπέπεσε φόβος [S φ. μέγας] σφ. (2 a)
13. 8. πονηρόν μοι ἐφάνη σφ. (2 a)
To. 3. 10. ταῦτα ἀκούσασα ἐλυπήθη σφ. [S *al.*]
6. 17. ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐκολλήθη σφ. αὐτῇ [S *al.*]
Ju. 1. 6. R συνῆλθον ἔθνη πολλὰ σφ. [A B S *om.*]
— 12. ἐθυμώθη Ναβ. ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν τ. σφ.
— 16. A S R πλῆθος ἀνδρῶν πολεμιστῶν πολὺ σφ.
2. 17. ἔλαβε . . . πλῆθος πολὺ σφ.
— 18. καὶ ἀργύριον ἐξ οἴκου βασιλέως [A S^2 *add.* πολὺ] σφ. [S^1 *om.* ἐξ . . . σφ.]
— 28. ἐφοβήθησαν αὐτὸν σφ.
4. 2. ἐφοβήθησαν σφ. σφ. [A S *om.*]
5. 2. ὠργίσθη θυμῷ σφ.
— 9. ἐπληθύνθησαν . . . ἐν κτήνεσι πολλοῖς σφ.
— 18. ἐξωλεθρεύθησαν . . . ἐπὶ πολὺ σφ.
6. 20. ἐπήνεσαν αὐτὸν σφ.
7. 2. καὶ ἡ δύναμις αὐ. . . . πλῆθος πολὺ σφ.
— 4. ἐταράχθησαν σφ.
— 18. ἦσαν εἰς πλῆθος πολὺ σφ.
8. 7. ἦν . . . ὡραία τῇ ὄψει σφ.
— 8. ἐφοβεῖτο τὸν θεὸν σφ.
— 30. ὁ λαὸς ἐδίψησε σφ.
Ju. 10. 4. ἐκαλλωπίσατο σφ.
— 7. ἐθαύμασαν ἐπὶ τῷ κάλλει αὐ. ἐπὶ πολὺ σφ.
— 14. ἦν ἐναντίον αὐτῶν θαυμάσιον τῷ κάλλει σφ.
12. 16. A B ἦν κατεπίθυμος σφ. τοῦ συγγενέσθαι μετ' αὐτῆς
— 20. A B ἔπιεν οἶνον πολὺν σφ.
13. 17. ἐξέστη πᾶς ὁ λαὸς σφ.
14. 10. ἐπίστευσε τῷ θεῷ σφ.
— 19. ἐταράχθη ἡ ψυχὴ αὐτῶν σφ.
— 19. ἐγένετο αὐτῶν . . . βοὴ μεγάλη σφ.
15. 6. καὶ ἐπλούτησαν σφ.
— 7. ἦν γὰρ πλῆθος πολὺ σφ.
16. 23. ἦν προβαίνουσα μεγάλη σφ.
Es. 2. 7. S^2 καὶ ὡραῖον τῇ ὄψει σφ. –
3. 5. ἐθυμώθη σφ. (3)
4. 17. τὸ σῶμα αὐ. ἐταπείνωσε σφ.
5. 1. καὶ ἦν φοβερὸς σφ.
— 9. ἐθυμώθη σφ. (3)
Jb. 1. 3. ὑπηρεσία πολλὴ σφ. (2 a)
2. 13. ἑώρων γὰρ τὴν πληγὴν δεινὴν οὖσαν καὶ μεγάλην σφ. (2 a)
32. 2. ὠργίσθη δὲ τῷ Ἰὼβ σφ. –
— 3. καὶ κατὰ τῶν τριῶν δὲ φίλων ὠργίσθη σφ. –
35. 15. οὐκ ἔγνω παράπτωμά τι σφ. (2 a)
Ps. 6. 3. ἡ ψυχή μου ἐταράχθη σφ. (2 a)
— 10. ταραχθείησαν σφ. [B^3 S^2 *om.*] πάντες οἱ ἐχθροί μου (2 a)
— 10. αἰσχυνθείησαν [A S^2 καταισχ.] σφ. διὰ τάχους –
20 (21). 1. ἐπὶ τῷ σωτηρίῳ σου ἀγαλλιάσεται σφ. (2 a)
30 (31). 11. καὶ τοῖς γείτοσί μου σφ. (2 a)
36 (37). 23. A τὴν ὁδὸν αὐτοῦ θελήσει σφ. [B S *om.*] –
37 (38). 8. ἐταπεινώθην ἕως σφ. (2 a)
45 (46). 1. βοηθὸς ἐν θλίψεσι ταῖς εὑρούσαις ἡμᾶς σφ. (2 a)
46 (47). 9. τοῦ θεοῦ οἱ κραταιοὶ τῆς γῆς σφ. ἐπήρθησαν (2 a)
47 (48). 1. μέγας κύριος καὶ αἰνετὸς σφ. (2 a)
49 (50). 3. κύκλῳ αὐτοῦ καταιγὶς σφ. (2 a)
77 (78). 29. ἐνεπλήσθησαν σφ. (2 a)
— 59. ἐξουδένωσε σφ. τὸν Ἰσραήλ (2 a)
78 (79). 8. ἐπτωχεύσαμεν σφ. (2 a)
91 (92). 5. σφ. ἐβαθύνθησαν [A B^1 S^1 ἐβαρύνθ.] οἱ διαλογισμοί σου (2 a)
92 (93). 5. τὰ μαρτύριά σου ἐπιστώθησαν σφ. (2 a)
95 (96). 4. μέγας κύριος καὶ αἰνετὸς σφ. (2 a)
96 (97). 9. σφ. ὑπερυψώθης ὑπὲρ [S ἐπὶ] πάντας τοὺς θεούς (2 a)
103 (104). 1. ἐμεγαλύνθης σφ. (2 a)
104 (105). 24. ηὔξησε τὸν λαὸν αὐτοῦ σφ. (2 a)
106 (107). 38. ἐπληθύνθησαν σφ. (2 a)
108 (109). 30. ἐξομολογήσομαι τῷ κυρίῳ σφ. (2 a)
111 (112). 1. A^2 S R ἐν ταῖς ἐντολαῖς αὐτοῦ θελήσει σφ. [A^1 *om.*] (2 a)
115. 1 (116. 10). ἐγὼ δὲ ἐταπεινώθην σφ. (2 a)
118 (119). 4. σὺ ἐνετείλω τὰς ἐντολάς σου φυλάξασθαι σφ. (2 a)
— 8. μή με ἐγκαταλίπῃς ἕως σφ. (2 a)
— 43. μὴ περιέλῃς ἐκ τοῦ στόματός μου λόγον ἀληθείας ἕως σφ. (2 a)
— 47. A αἷς ἠγάπησα [S -σας] σφ. [S^2 *om.*] –
— 48. A S^1 ἃς ἠγάπησα σφ. [S^2 R *om.*] –
— 51. A R ὑπερήφανοι παρηνόμουν ἕως σφ. (2 a)
— 96. πλατεῖα ἡ ἐντολή σου σφ. (2 a)
— 107. ἐταπεινώθην ἕως σφ. (2 a)
— 138. ἐνετείλω δικαιοσύνην τὰ μαρτύριά σου καὶ ἀλήθειαν σφ. (2 a)
— 140. πεπυρωμένον τὸ λόγιόν σου σφ. (2 a)
— 156. S^1 οἱ οἰκτιρμοί σου πολλοί, κύριε, σφ. [A S^2 R *om.*] –
— 167. ἠγάπησεν αὐτὰ σφ. (2 a)
138 (139). 14. ἡ ψυχή μου γινώσκει σφ. (2 a)
141 (142). 6. ἐταπεινώθην σφ. (2 a)
144 (145). 3. μέγας ὁ κύριος καὶ αἰνετὸς σφ. (2 a)
Si. 1. 8. εἷς ἐστι σοφὸς φοβερὸς σφ.
6. 20. ὡς τραχεῖα [B^1 ταχ.] ἐστὶ σφ. τοῖς ἀπαιδεύτοις
7. 17. ταπείνωσον σφ. τὴν ψυχήν σου
11. 6. πολλοὶ δυνάσται ἠτιμάσθησαν σφ.
17. 26. σφ. μίσησον βδέλυγμα
25. 2. προσώχθισα σφ. τῇ ζωῇ αὐτῶν
39. 16. τὰ ἔργα κυρίου πάντα ὅτι καλὰ σφ.
43. 11. σφ. ὡραῖον ἐν τῷ αὐγάσματι αὐτοῦ
— 29. φοβερὸς κύριος καὶ σφ. μέγας
Si. 47. 24. ἐπληθύνθησαν αἱ ἁμαρτίαι αὐτῶν σφ.
51. 24. αἱ ψυχαὶ ὑμῶν διψῶσι σφ.
Jl. 2. 11. πολλὴ ἐστι σφ. ἡ παρεμβολὴ αὐ. (2 a)
— 11. μεγάλη ἡμέρα τοῦ κ. μεγάλη καὶ ἐπιφανὴς σφ. (2 a)
Ob. 1. 2. ἠτιμωμένος σὺ εἶ σφ. (2 a)
Jn. 4. 4, 9. εἰ σφόδρα λελύπησαι σύ (1)
— 9. σφ. λελύπημαι ἐγὼ ἕως θανάτου (1)
Na. 2. 1 (2). ἄνδρισαι τῇ ἰσχύϊ σφ. (2 a)
Ze. 1. 14. ἐγγὺς ἡμέρα κ. ἡ μεγ. ἐγγὺς καὶ ταχεῖα σφ. (2 a)
Za. 9. 2. ἐφρόνησαν σφ. (2 a)
— 5. καὶ ὀδυνηθήσεται σφ. (2 a)
— 9. χαῖρε σφ. (2 a)
14. 4. σχισθήσεται . . . χάος μέγα σφ. [A *al.*] (2 a)
— 14. συνάξει . . . ἱματισμὸν εἰς πλῆθος σφ. (2 a)
Is. 16. 6. ὕβριστὴς σφ. τὴν ὑπερηφανίαν ἐξῆρα [A B^2 S^3 -ας] (2 a)
31. 1. ἐφ' ἵπποις πλῆθος σφ. (2 a)
47. 6. τοῦ πρεσβυτέρου ἐβάρυνας τὸν ζυγὸν σφ. (2 a)
— 9. ἐν τῇ ἰσχύϊ τῶν ἐπαοιδῶν σου σφ. (2 a)
52. 13. δοξασθήσεται σφ. (2 a)
64. 9 (8). μὴ ὀργίζου ἡμῖν σφ. (2 d)
— 12 (11). ἐταπείνωσας ἡμᾶς σφ. (2 d)
Je. 2. 10. νοήσατε σφ. (2 a)
— 12. ἔφριξεν ἐπὶ πλεῖον σφ. (2 a)
— 36. κατεφρόνησας σφ. τοῦ δευτερῶσαι τὰς ὁδούς σου (2 a)
9. 19 (18). κατησχύνθημεν σφ. (2 a)
14. 17. πληγὴ ὀδυνηρὰ σφ. (2 a)
18. 13. ἃ ἐποίησε σφ. παρθένος Ἰ. (2 a)
20. 11. ᾐσχύνθησαν σφ. (2 a)
24. 2. ὁ κάλαθος ὁ εἷς σύκων χρηστῶν σφ. (2 a)
— 2. ὁ κάλαθος ὁ ἕτερος σύκων πονηρῶν σφ. (2 a)
27 (50). 12. ᾐσχύνθη ἡ μήτηρ ὑμῶν σφ. (2 a)
31 (48). 16. πονηρία αὐτοῦ ταχεῖα σφ. (2 a)
— 29. A ὕβρισε σφ. [B S λίαν] (2 a)
47 (40). 12. συνήγαγον οἶνον καὶ ὀπώραν πολλὴν σφ. (2 a)
La. 5. 22. ὠργίσθης ἐφ' ἡμᾶς ἕως σφ. (2 a)
Ez. 9. 9. ἀδικία . . . μεμεγάλυνται σφ. σφ. (6)
16. 13. A ἐγένου καλὴ σφ. σφ. [B *om.*] (6 [2 c])
20. 13. τὰ σάββατά μου ἐβεβήλωσαν σφ. (2 a)
26. 7. μετὰ . . . συναγωγῆς ἐθνῶν πολλῶν [A πολλῆς ἐ.] σφ. –
27. 25. ἐβαρύνθης σφ. (2 a)
37. 2. πολλὰ σφ. ἐπὶ προσώπου τοῦ πεδίου [A *add.* καὶ ἰδοὺ] ξηρὰ σφ. (2 a, 2 a)
— 10. συναγωγὴ πολλὴ [A μεγάλη] σφ. (2 b)
40. 2. ἔθηκέ με ἐπ' ὄρος ὑψηλὸν σφ. (2 a)
47. 7. δένδρα πολλὰ σφ. [A *om.*] ἔνθεν καὶ ἔνθεν (2 a)
— 9. ἔσται ἐκεῖ ἰχθὺς πολὺς σφ. (2 a)
— 10. πλῆθος πολὺ σφ. (2 a)
Da. LXX. Su. 2. ᾗ ὄνομα Σ. θυγ. Χ. καλὴ σφ.
— 4. ἦν Ἰ. πλούσιος σφ.
— 31. ἦν δὲ ἡ γυνὴ τρυφερὰ σφ.
2. 31. ἦν ἡ εἰκὼν ἐκείνη μεγάλη σφ. –
3. (25). ὑποκαιομένης τῆς καμίνου ὑπὸ τῶν Χ. σφ. –
4. 15. σφ. ἐθαύμασα ἐπὶ τούτοις –
6. 14 (15). τότε ὁ βασ. σφ. ἐλυπήθη (4)
7. 28. σφ. ἐκστάσει περιειχόμην (4)
8. 8. ὁ τράγος τῶν αἰγῶν κατίσχυσε σφ. (2 d)
11. 25. ἐν ὄχλῳ ἰσχυρῷ σφ. λίαν (7)
Bel 18. ἐγέλασε Δαν. σφ.
Da. TH. Su. 2. ᾗ ὄνομα Σουσ. θυγ. Χελκ. καλὴ σφ.
— 4. ἦν Ἰ. πλούσιος σφ.
— 27. κατησχύνθησαν οἱ δοῦλοι σφ.
— 31. ἡ δὲ Σουσ. ἦν τρυφερὰ σφ.
8. 8. ὁ τράγος τῶν αἰγῶν ἐμεγαλύνθη ἕως σφ. (2 a)
11. 25. ἐν δυνάμει μεγάλῃ καὶ ἰσχυρᾷ σφ. (2 d)
Bel 30. ἐπείγουσιν αὐτὸν σφ.
I Ma. 1. 4. συνῆξε δύναμιν ἰσχυρὰν σφ.
— 64. ἐγένετο ὀργὴ μεγάλη ἐπὶ Ἰσρ. σφ.
2. 14. καὶ ἐπένθησαν σφ.
— 39. A R ἐπένθησαν ἐπ' αὐτοὺς ἕως σφ. [S *al.*]
3. 27. A S^2 R παρεμβολὴν ἰσχυρὰν σφ.
— 31. ἠπορεῖτο τῇ ψυχῇ αὐ. σφ.
— 41. ἔλαβον . . . χρυσίον πολὺ σφ.
4. 21. ἐδειλώθησαν σφ.
— 58. ἐγενήθη εὐφροσύνη μεγάλη ἐν τῷ λαῷ σφ.
5. 1. A ὠργίσθη [S R -ησαν] σφ.
— 38. ἐπισυνηγμένοι εἰσὶ . . . δύναμις πολλὴ σφ.
— 45. συνήγαγεν . . . παρεμβολὴν μεγάλην σφ.
— 46. αὕτη ἡ πόλις μεγάλη . . . ὀχυρὰ σφ.

I Ma. 5. 63. ἐδοξάσθησαν σφ. ἐναντίον παντὸς Ἰσρ.
6. 2. καὶ τὸ ἱερὸν τὸ ἐν αὐτῇ πλούσιον σφ.
— 8. καὶ ἐσαλεύθη σφ.
— 41. ἦν γὰρ ἡ παρεμβολὴ μεγάλη σφ.
7. 48. ηὐφράνθη ὁ λαὸς σφ.
8. 4. καὶ ὁ τόπος ἦν μακρὰν ἀπέχων ἀπ' αὐτῶν σφ.
— 6. ἔχοντα . . . δύναμιν πολλὴν σφ.
— 13. καὶ ὑψώθησαν σφ.
— 19. καὶ ἡ ὁδὸς πολλὴ σφ.
9. 6. καὶ ἐφοβήθησαν σφ.
— 22. πολλὰ γὰρ ἦν σφόδρα
— 24. ἐγενήθη λιμὸς μεγάλη σφ.
— 68. ἔθλιβον αὐτὸν σφ.
10. 2. συνήγαγε δυνάμεις πολλὰς σφ.
— 46. ἔθλιψεν αὐτοὺς σφ.
— 50. ἐστερέωσε τὸν πόλεμον σφ.
— 68. καὶ ἐλυπήθη σφ.
11. 53. ἔθλιβεν αὐτὸν σφ.
12. 52. καὶ ἐφοβήθησαν σφ.
13. 22. ἦν χιὼν πολλὴ σφ.
— 49. καὶ ἐπείνασαν σφ.
14. 16. ἐλυπήθησαν σφ.
16. 7. ἡ δὲ ἵππος τῶν ὑπεναντίων πολλὴ σφ.
— 22. ἐξέστη σφ.
II Ma. 3. 11. σφ. ἀνδρὸς ἐν ὑπεροχῇ κειμένου
14. 37. καὶ σφόδρα καλῶς ἀκούων
III Ma. 5. 51. ἀνεβόησαν φωνῇ μεγάλῃ σφ.
IV Ma. 3. 8. ἱδρῶν καὶ σφ. κεκμηκώς
8. 2. σφ. περιπαθῶς ἐκέλευσεν ἄλλους . . . ἀγαγεῖν
[Aq. Ge. 1. 31 : 4. 5 : Nu. 12. 3 : Jo. 1. 7 : I Ki. 31. 3 : II Ki. 2. 17 : IV Ki. 10. 4 : Jb. 1. 3 : Ps. 6. 11 : 45 (46). 2 : 46 (47). 10 : 49 (50). 3 : Is. 56. 12 : Je. 49. 30 (30. 8) : 50 (27). 12 (Sw.) : Ez. 37. 10 (Sw.), 10 (P.).]
[Sm. Ge. 1. 31 : Nu. 12. 3 : Jo. 1. 7 : I Ki. 31. 3 : II Ki. 2. 17 : Jb. 1. 3 : 35. 15 : Ps. 6. 11 : 45 (46). 2 : 77 (78). 29, 59 : 78 (79). 8 : 91 (92). 6 : 103 (104). 1 : 115. 1 (116. 10) : 118 (119). 96 : 141 (142). 7 : Is. 16. 6 : Je. 48 (31). 29 : 49. 30 (30. 8) : 50 (27). 12 (Sw.) : Ez. 37. 10 (Sw.), 10 (P).]
[Th. Nu. 12. 3 : Jo. 1. 7 : I Ki. 31. 3 : IV Ki. 10. 4 : Jb. 35. 15 : Ps. 6. 11 : 49 (50). 3 : Is. 56. 12 : Je. 50 (27). 12 (Sw.) : Ez. 37. 10 (Sw.), 10 (P.).]
Al. I Ki. 18. 8.]
[Sept. Ps. 49 (50). 3.]
[Hebr. Ge. 13. 2.]

σφοδρός. (1) אַדִּיר (2) חָזָק מְאֹד (3) עַז

Ex. 10. 19. μετέβαλε κύριος ἄνεμον ἀπὸ θαλάσσης σφοδρόν (2)
15. 10. ἔδυσαν ὡσεὶ μόλιβος ἐν ὕδατι σφ. (1)
Ne. 9. 11. ὡσεὶ λίθον ἐν ὕδατι σφ. (3)
Wi. 18. 5. ἀπώλεσας ἐν ὕδατι σφ.
[Al. Ge. 41. 31.]

σφοδρῶς (σφοδρότερον). (1) מְאֹד

Ge. 7. 19. A τὸ δὲ ὕδωρ ἐπεκράτει σφόδρα σφ. [R -ρα] (1)
Jo. 3. 16. ἔστη πῆγμα ἐν ἀφεστηκὸς μακρὰν σφόδρα [A[1] om.] σφ. [A[2] om.] (1)
Si. 13. 13. συντήρησον καὶ πρόσεχε σφ.
IV Ma. 5. 32. τὸ πῦρ ἐκφύσα σφοδρότερον
6. 11. καὶ ἐπασθμαίνων σφ.
13. 22. αὔξονται σφοδρότερον διὰ συντροφίας

σφόνδυλος. (1) עֹרֶף

Le. 5. 8. ἀποκνίσει ὁ ἱ. τὴν κεφ. αὐ. ἀπὸ τοῦ σφ. (1)
IV Ma. 10. 8. A R ἐκ σφονδύλων [S σπονδ.] ἐκμελιζόμενος

σφραγίζειν. (1) חָתַם *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* חֲתַם (2) סָתַם (3) תָּמַם hi.

De. 32. 34. καὶ ἐσφράγισται ἐν τοῖς θησαυροῖς μου (1 *a*)
III Ki. 20 (21). 8. ἐσφραγίσατο τῇ σφραγῖδι αὐ. (1 *a*)
IV Ki. 22. 4. σφράγισον τὸ ἀργύριον †
I Es. 3. 8. γράψαντες ἕκαστος τὸν ἑαυτοῦ λόγον ἐσφραγίσαντο
Ne. 10. 1 (2). ἐπὶ τῶν σφραγιζόντων [S[2] ἐσφραγισμένων] Νεεμ. (1 *a*)
To. 7. 14. A R καὶ ἐσφραγίσατο [B -αντο]
Es. 3. 10. σφραγίσαι κατὰ τῶν γεγραμμένων –
8. 8. καὶ σφραγίσατε τῷ δακτυλίῳ μου (1 *a*)
— 8. καὶ σφραγισθῇ τῷ δακτυλίῳ μου (1 *b*)
— 10. ἐσφραγίσθη τῷ δακτυλίῳ αὐ. (1 *a*)
Jb. 14. 17. ἐσφράγισας δέ μου τὰς ἀνομίας [A τὰ ἁμαρτήματα, S τὰς ἁμαρτίας] ἐν βαλαντίῳ (1 *a*)
24. 16. ἡμέρας ἐσφράγισαν ἑαυτούς (1 *c*)
Ca. 4. 12. κῆπος κεκλεισμένος πηγὴ ἐσφραγισμ. (1 *a*)
Is. 8. 16. φανεροὶ ἔσονται οἱ σφραγιζόμενοι [S ἐσφραγισμ.] τὸν νόμον (1 *a*)
29. 11. ὡς οἱ λόγοι τοῦ βιβλίου τοῦ ἐσφραγισμένου τούτου (1 *a*)
— 11. οὐ δύναμαι ἀναγνῶναι ἐσφράγισται γάρ (1 *a*)
Je. 39 (32). 10. ἐσφραγισάμην [A S διεσφρ.] καὶ διεμαρτυράμην μάρτυρας (1 *a*)
— 11. ἔλαβον τὸ βιβλίον τῆς κτήσεως τὸ ἐσφραγισμένον (1 *a*)
— 25. ἐσφραγισάμην καὶ ἐπεμαρτυράμην μάρτυρας –
— 44. γράψεις βιβλίον καὶ σφραγῖῃ (1 *a*)
Da. LXX. 6. 17 (18). καὶ ἐσφραγίσατο ὁ βασ. (1 *d*)
12. 4. σφράγισαι τὸ βιβλίον (1 *a*)
— 9. ἐσφραγισμένα τὰ προστάγματα (1 *a*)
Bel 13. καὶ τότε σφραγισάμενος τὸν ναὸν ἐκέλευσε σφραγίσαι τῷ τοῦ βασ. δακτυλίῳ
Da. TH. 6. 17 (18). καὶ ἐσφραγίσατο ὁ βασ. (1 *d*)
8. 26. σφράγισον τὴν ὅρασιν (2)
9. 24. τοῦ σφραγίσαι ἁμαρτίας [A ὅρασιν ἁ.] (1 *a**, 3)
— 24. τοῦ σφραγίσαι ὅρασιν (1 *a*)
12. 4. σφράγισον τὸ βιβλίον [A τοὺς λόγους] (1 *a*)
— 9. ἐσφραγισμένοι οἱ λόγοι (1 *a*)
Bel 11. καὶ σφράγισον τῷ δακτυλίῳ σου
— 14. καὶ ἐσφραγίσαντο ἐν [A -σαν] τῷ δακτυλίῳ τοῦ βασ.
[Aq. Le. 15. 3 : Is. 8. 16 : Je. 32 (39) 44.]
[Sm. Is. 8. 16 : Je. 32 (39). 44.]
[Th. Le. 15. 3 : Jb. 24. 16 : Da. 9. 24 *bis*.]
[Heb. Ex. 4. 26.]
[Al. Da. 8. 23.]

σφραγίς. (1) חֹתָם, חוֹתָם (2) חָם

Ex. 28. 11. γλύμμα σφραγῖδος διαγλύψεις τοὺς δύο λίθους (1)
— 21. γλυφαὶ σφραγίδων . . . ἔστωσαν εἰς δέκα δύο φυλάς (1)
— 32 (36). ἐκτυπώσεις ἐν αὐτῷ ἐκτύπωμα σφραγῖδος (1)
35. 22. ἤνεγκαν σφραγῖδας (2)
36. 13 (39. 6). ἐκκεκολαμμένους ἐκκόλαμμα σφραγῖδος (1)
— 21 (39. 14). ἐγγεγραμμένα εἰς σφραγῖδας [A *al.*] (1)
— 39 (39. 30). γράμματα ἐκτετυπωμένα σφραγῖδος [A *al.*] (1)
III Ki. 20 (21). 8. ἐσφραγίσατο τῇ σφρ. αὐ. (1)
To. 9. 5. προήνεγκε τὰ θυλάκια ἐν ταῖς σφρ. [S *al.*]
Ca. 8. 6. θές με ὡς σφραγῖδα ἐπὶ τὴν καρδίαν σου ὡς σφραγῖδα ἐπὶ τὸν βραχίονά σου (1, 1)
Si. 17. 22. ἐλεημοσύνη ἀνδρὸς ὡς σφραγὶς μετ' αὐτοῦ
22. 27. ἐπὶ τῶν χειλέων μου σφραγῖδα πανοῦργον [A S -ων]
35 (32). 5. σφραγὶς ἄνθρακος ἐπὶ κόσμῳ χρυσῷ
— 6. ἐν κατασκευάσματι χρυσῷ σφραγὶς σμαράγδου
38. 27. οἱ γλύφοντες γλύμματα [S[1] γράμματα] σφραγίδων
42. 6. ἐπὶ γυναικὶ πονηρᾷ καλὸν σφραγίς
45. 11. λίθοις πολυτελέσι γλύμματος σφραγῖδος
— 12. ἐκτύπωμα σφραγῖδος ἁγιάσματος
49. 11. αὐτὸς ὡς σφραγὶς ἐπὶ δεξιᾶς χειρός
Hg. 2. 24 (23). θήσομαί σε ὡς [A εἰς] σφραγῖδα (1)
Da. LXX. Bel 15. ἐπίδετε τὰς σφρ. ὑμῶν
— 16. εὗρον ὡς ἦν ἡ σφρ.
— 16. ἀπέβαλον τὴν σφρ.
Da. TH. Bel 17. σῷοι [A -αι] αἱ σφρ., Δαν.
IV Ma. 7. 15. ὃν πιστὴ θανάτου σφρ. ἐτελείωσεν
[Aq. Ge. 38. 18 : Jb. 41. 7 : Je. 22. 24 : Ez. 28. 12.]
[Sm. Jb. 24. 16 : Ca. 8. 6 : Je. 22. 24.]
[Th. Je. 22. 24.]

σφῦρα. (1) הַלְמוּת (2) *a.* מַקָּבָה *b.* מַקֶּבֶת (3) פַּטִּישׁ

Jd. 4. 21. ἔθηκε τὴν σφ. ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (2 *b*)
5. 26. καὶ δεξιὰν αὐ. εἰς σφῦραν κοπιώντων [A *al.*] (1)
III Ki. 6. 7. σφῦρα . . . οὐκ ἠκούσθη ἐν τῷ οἴκῳ (2 *a*)
Si. 38. 28. φωνὴ σφύρης καινιεῖ [A κενιεῖ] τὸ οὖς αὐτοῦ
Is. 41. 7. χαλκεὺς τύπτων σφύρῃ [S[1] -ᾳ] (3)
Je. 10. 4. ἀργυρίῳ καὶ χρυσίῳ κεκαλλωπισμένα ἐν σφύραις (2 *a*)
27 (50). 23. συνετρίβη ἡ σφ. πάσης τῆς γῆς (3)
[Aq. Jd. 5. 26 : Jb. 41. 21 : Is. 41. 7 : 44. 12.]
[Sm. Is. 41. 7.]
[Th. Jb. 41. 21.]

σφυρεύς.
[Al. III Ki. 7. 14 (2).]

σφυροκοπεῖν. (1) הָלַם

Jd. 5. 26. καὶ ἐσφυροκόπησε [A ἀπέτεμε] Σισ. (1)
[Aq. Jd. 5. 26.]

σφυροκοπία.
[Sm. Pr. 19. 29.]

σφυροκόπος. (1) לָטַשׁ

Ge. 4. 22. ἦν σφυροκόπος χαλκεὺς χαλκοῦ (1)
[Th. Is. 41. 7.]

σφυρόν. (1) תּוֹתָח

Jb. 41. 20 (21). ὡς καλάμη ἐλογίσθησαν σφυρά [S[2] -άν, S[4] -αί] (1)

σφυρωτήρ, *vid.* σφαιρωτήρ.

σχάζειν. (1) עָלָה

Am. 3. 5. εἰ σχασθήσεται [A[1] χασθ.] παγὶς ἐπὶ τῆς γῆς (1)

σχεδία. (1) דֹּבְרוֹת (2) רַפְסֹדוֹת

III Ki. 5. 9 (23). θήσομαι αὐτὰ σχεδίας (1)
II Ch. 2. 16 (15). ἄξομεν αὐτὰ σχεδίαις (2)
I Es. 5. 55. διαφέρειν σχεδίας εἰς τὸν Ἰόππης λιμένα
Wi. 14. 5. διελθόντες κλύδωνα σχεδίᾳ διεσώθησαν
— 6. ἡ ἐλπὶς τοῦ κόσμου ἐπὶ σχεδίας καταφυγοῦσα
III Ma. 4. 11. τούτων δὲ ἐπὶ τὴν λεγομένην σχ. ἀχθέντων

σχεδιάζειν.
Ba. 1. 19. ἐσχεδιάζομεν [A -άσαμεν] πρὸς τὸ μὴ ἀκούειν τῆς φωνῆς αὐτοῦ

σχεδόν.
II Ma. 5. 2. σχ. ἐφ' ἡμέρας τεσσαράκοντα
III Ma. 5. 14. μεσούσης δὲ ἤδη δεκάτης ὥρας σχ.
— 45. τὰ θηρία σχ. . . . εἰς κατάστεμα μανιῶδες ἀγηοχώς

σχετλιάζειν.
IV Ma. 3. 12. ἐπὶ τῇ τοῦ βασ. ἐπιθυμίᾳ σχετλιαζόντων
4. 7. A R τοῦ ἔθνους πρὸς τὸν λόγον σχετλιάσαντος [S -ζοντος]
[Sm. Ez. 6. 11.]

σχέτλιος.
II Ma. 15. 5. ἐπιτελέσαι τὸ σχ. αὐτοῦ βούλημα

σχῆμα. (1) פֵּאָה

Is. 3. 17. κύριος ἀνακαλύψει [A ἀποκ.] τὸ σχ. αὐτῶν (1)

σχίδαξ. (1) עֵץ

III Ki. 18. 33. ἐστοίβασε τὰς σχ. (1)
— 33. B ἐπέθηκε τὰς [A R ἐπὶ τὰς] σχ. (1)
— 33 (34). ἐπιχέετε . . . ἐπὶ τὰς σχ. (1)
— 38. κατέφαγε . . . τὰς σχ. (1)

σχίζα. (1) חֵץ (2) חֵצִי

I Ki. 20. 20. τρισσεύσω ταῖς σχ. ἀκοντίζων (1)
— 21. A R εὗρέ μοι τὴν σχ. [B γοῦζαν] (1)
— 22 (21). ὧδε ἡ σχ. ἀπὸ σοῦ καὶ ὧδε (1)
— 22. ὧδε ἡ σχ. ἀπὸ σοῦ καὶ ἐπέκεινα (1)
— 36. εὗρέ μοι τὰς σχ. (1)
— 36. ἠκόντιζε τῇ σχ. [A -ει] (2)
— 37. ἦλθε τὸ παιδάριον ἕως τοῦ τόπου τῆς σχ. (2)
— 37. ἐκεῖ ἡ σχ. ἀπὸ σοῦ καὶ ἐπέκεινα (2)
— 38. ἀνέλεξε τὸ παιδάριον τὰς σχ. (2*, 1)
— 38. A B[2] R καὶ ἤνεγκε τὰς σχ. –
I Ma. 10. 80. ἐξετίναξαν τὰς σχ. εἰς τὸν λαόν

σχίζειν. (1) בָּקַע *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. (2) קָרַע

Ge. 22. 3. σχίσας ξύλα (1 *c*)
Ex. 14. 21. ἐσχίσθη [A διεσχ.] τὸ ὕδωρ (1 *b*)
I Ki. 6. 14. σχίζουσι τὰ ξύλα τῆς ἁμάξης (1 *c*)

Ec. 10. 9. σχίζων ξύλα κινδυνεύσει [S -εύει] ἐν αὐτοῖς (1 a)
Wi. 5. 11. πνεῦμα . . . σχιζόμενον βίᾳ ῥοίζου κινουμένων πτερύγων
Za. 14. 4. B S σχισθήσεται τὸ ὄρος τῶν ἐλαιῶν (1 b)
Is. 36. 22. εἰσῆλθεν Ἐλιακεὶμ . . . καὶ Σομνᾶς . . . ἐσχισμένοι τοὺς χιτῶνας (2)
37. 1. ἔσχισε τὰ ἱμάτια (2)
48. 21. σχισθήσεται πέτρα (1 a)
Da. LXX. Su. 55. σχίσει σου τὴν ψυχὴν σήμερον
Da. TH. Su. 55. σχίσει σε μέσον
I Ma. 6. 45. ἐσχίζοντο ἀπ' αὐτοῦ ἔνθα καὶ ἔνθα
[Aq. Ps. 77 (78). 15: Is. 59. 5 bis: 63. 12: Ez. 13. 13.]
[Sm. Ez. 13. 13.]
[Th. Is. 19. 3.]
[Al. Ex. 14. 16.]

σχῖνος.
Da. LXX. Su. 54. εἶπεν ὁ ἀσεβής, Ὑπὸ σχῖνον
Da. TH. Su. 54. ὁ δὲ εἶπεν, Ὑπὸ σχῖνον
[Th. Da. 13. 54.]

σχισμή. (1) מְעָרָה (2) סָעִיף (3) קֶצֶף
Jn. 2. 7. ἔδυ ἡ κεφαλή μου εἰς σχισμὰς ὀρέων (3)
Is. 2. 19. εἰς τὰ σπήλαια καὶ εἰς τὰς σχ. τῶν πετρῶν (1)
— 21. τοῦ εἰσελθεῖν . . . εἰς τὰς σχ. τῶν πετρῶν (2)

σχιστός. (1) שָׂרִיק
Is. 19. 9. αἰσχύνη λήψεται τοὺς ἐργαζομένους τὸ λίνον τὸ σχ. (1)

σχοινίον. (1) חֶבֶל (2) נִקְפָּה (3) παλαιὰ σχοινία חֲבָלִים
II Ki. 8. 2. διεμέτρησεν αὐτοὺς ἐν σχοινίοις (1)
17. 13. λήψεται πᾶς Ἰσρ. . . . σχοινία (1)
III Ki. 21 (20). 31. ἐπιθώμεθα δὴ . . . σχοινία ἐπὶ τὰς κεφ. ἡμῶν (1)
— 32. ἔθεσαν σχοινία ἐπὶ τὰς κεφ. αὐ. (1)
Es. 1. 6. τεταμένοις [S¹ τεταγμ.] ἐπὶ σχ. βυσσίνοις (1)
Jb. 18. 10. κέκρυπται ἐν τῇ γῇ σχοινίον [S² τὸ σχ.] αὐτοῦ (1)
36. 8. συσχεθήσονται ἐν σχοινίοις [S² -ῳ] πενίας (1)
40. 12 (17). A τὰ δὲ νεῦρα αὐτοῦ ὥσπερ σχοινία [B S om. ὥσπερ σχ.] συμπέπλεκται †
Ps. 15 (16). 6. σχοινία ἐπέπεσάν μοι ἐν τοῖς κρατίστοις (1)
77 (78). 55. ἐκληροδότησεν αὐτοὺς ἐν σχοινίῳ κληροδοσίας (1)
118 (119). 61. σχοινία ἁμαρτωλῶν περιεπλάκησάν μοι (1)
139 (140). 5. σχοινία διέτειναν παγίδας τοῖς ποσί μου (1)
Ec. 12. 6. ἕως ὅτου μὴ [S om.] ἀνατραπῇ τὸ [A S om.] σχ. τοῦ ἀργυρίου (1)
Am. 2. 8. τὰ ἱμάτια αὐ. δεσμεύοντες σχοινίοις †
7. 17. ἡ γῆ σου ἐν σχοινίῳ καταμετρηθήσεται (1)
Mi. 2. 4. μερὶς λαοῦ μου κατεμετρήθη ἐν σχοινίῳ †
— 5. οὐκ ἔσται σοι βάλλων σχοινίον (1)
Za. 2. 1 (5). ἐν τῇ χειρὶ αὐ. σχ. γεωμετρικόν (1)
Is. 3. 24. ἀντὶ ζωνῆς σχοινίῳ [S -ίον] ζώσῃ (2)
5. 18. οὐαὶ οἱ ἐπισπώμενοι τὰς ἁμαρτίας ὡς σχοινίῳ μακρῷ (1)
33. 20. οὐδὲ τὰ σχ. αὐτῆς οὐ μὴ διαρραγῶσιν (1)
— 23. ἐρράγησαν τὰ σχ. σου (1)
Je. 45 (38). 11. ἔλαβεν ἐκεῖθεν παλαιὰ ῥάκη καὶ παλαιὰ σχοινία (3 ?)
— 12. ταῦτα θὲς ὑποκάτω τῶν σχ. (1)
— 13. εἵλκυσαν αὐτὸν [A add. ἐν] τοῖς σχ. (1)
Ep. Je. 43. αἱ δὲ γυναῖκες περιθέμεναι σχοινία . . . οὗτε τὸ σχ. αὐτῆς διερράγη
Ez. 27. 24. θησαυροὺς ἐκλεκτοὺς δεδεμένους σχοινίοις (1)
[Aq. Jo. 2. 15: Pr. 5. 22: Je. 10. 20: 38 (45). 6.]
[Sm. Jo. 2. 15: II Ki. 8. 2 bis: Jb. 12. 18: 38. 5: Ec. 12. 6: Is. 5. 18: 33. 23: Je. 38 (45). 6, 12.]
[Th. Jo. 2. 15: Je. 38 (45). 6 (Sw.), 11.]

σχοίνισμα. (1) a. חֶבֶל b. חֶבֶל (2) מֵיתָר
De. 32. 9. σχοίνισμα κληρονομίας αὐ. Ἰσρ. (1 a)
Jo. 17. 14. διὰ τί ἐκληρονόμησας ἡμᾶς . . . σχ. ἕν (1 a)
19. 29. A ἔσται ἡ διέξοδος αὐ. ἡ θάλασσα καὶ ἀπὸ τοῦ σχ. [B al.] (1 a)
II Ki. 8. 2. B τὰ δύο σχοινίσματα τοῦ θανατῶσαι (1 a)
— 2. τὰ δύο σχοινίσματα ἐζώγρησεν (1 a)
III Ki. 4. 13. τούτῳ σχοίνισμα Ἐρ. (1 a)
I Ch. 16. 18. σχοίνισμα κληρονομίας ὑμῶν (1 a)
Ps. 104 (105). 11. σχοίνισμα κληρονομίας ὑμῶν (1 a)
Ze. 2. 5. οὐαὶ οἱ κατοικοῦντες τὸ σχ. τῆς θαλ. (1 a)
— 7. ἔσται τὸ σχ. τῆς θαλ. τοῖς καταλοίποις οἴκου Ἰ. (1 a)
Za. 11. 7. τὴν ἑτέραν ἐκάλεσα Σχοίνισμα (1 b)
— 14. ἀπέρριψα τὴν ῥάβδον τὴν δευτ. τὸ σχ. (1 b)
Is. 54. 2. μάκρυνον τὰ σχ. σου (2)
Ez. 47. 13. ταῖς δώδεκα φυλαῖς . . . πρόσθεσις σχοινίσματος (1 a)
[Aq. Dt. 3. 4: Ze. 2. 6: Za. 11. 7.]
[Sm. I Ki. 10. 5: Za. 11. 7.]
[Th. Dt. 3. 4: Jo. 2. 15.]
[Al. I Ki. 10. 10.]

σχοινισμός. (1) חֶבֶל
Jo. 17. 5. ἔπεσεν ὁ σχ. αὐ. ἀπὸ Ἀ. (1)

σχοῖνος. (1) עֵט (2) a. שְׁבוּל b. שְׁבִיל
Ps. 138 (139). 3. τὴν σχ. μου ἐξιχνίασας †
Mi. 6. 5. τί ἀπεκρίθη αὐτῷ Βαλ. . . . ἀπὸ τῶν σχ. †
Jl. 3 (4). 18. ποτιεῖ τὸν χειμάρρουν τῶν σχ. †
Je. 8. 8. εἰς μάτην ἐγενήθη σχ. ψευδὴς γραμματεῦσιν (1)
18. 15. ἀσθενήσουσιν ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν σχοίνους αἰωνίους (2 a*, 2 b)
II Ma. 11. 5. Ἱεροσολύμων δὲ ἀπέχοντι ὡσεὶ σχοίνους πέντε
[Aq. Ps. 44 (45). 2.]

σχολάζειν. (1) רָפָה a. ni. b. hi.
Ex. 5. 8. σχολάζουσι γάρ (1 a)
— 17. σχολάζετε σχολασταί ἐστε (1 a)
Ps. 45 (46). 10. σχολάσατε καὶ γνῶτε (1 b)
[Aq. Pr. 19. 27: Ma. 3. 1.]
[Sm. II Ki. 8. 18: II Ch. 31. 11: Pr. 19. 27: Is. 57. 14: Ma. 3. 1.]
[Th. Jb. 6. 28: Pr. 19. 27.]

σχολαστής. (1) רָפָה ni.
Ex. 5. 17. σχολάζετε σχολασταί ἐστε (1)

σχολή. (1) κατὰ σχολὴν לְאִטִּי
Ge. 33. 14. ἐνισχύσω ἐν τῇ ὁδῷ κατὰ σχολὴν τῆς πορεύσεως (1)
Pr. 28. 19. ὁ δὲ διώκων σχολὴν πλησθήσεται πενίας †
Si. 38. 24. σοφία γραμματέως ἐν εὐκαιρίᾳ σχολῆς

σώζειν. (1) בָּרַח (2) חָיָה a. qal. b. pi. c. hi. (3) חָסָה (4) יָדַע (5) יָשַׁע a. ni. b. hi. c. יָשַׁע d. יְשׁוּעָה e. מוֹשִׁיעַ f. יֵשׁ מוֹשִׁיעַ (6) מָלַט a. ni. b. pi. c. hi. (7) נָצַל a. ni. b. pi. c. hi. (8) עָזַר (9) פָּדָה a. qal. b. ni. (10) פָּלַט a. pi. b. פָּלִיט c. פְּלֵיטָה d. מִפְלָט e. פְּלִיט (11) רָאָה (12) שָׁגַב pu. (13) שָׂרִיד (14) שׁוּב (15) שֵׁיזָב (16) שָׁלַם pu.
Ge. 19. 17. σώζων σῶζε τὴν σεαυτοῦ ψυχήν (–, 6 a)
— 17. εἰς τὸ ὄρος σώζου (6 a)
— 20. A ἐκεῖ σωθήσομαι [B διισ.] (6 a)
— 22. σπεῦσον οὖν τοῦ σωθῆναι ἐκεῖ (6 a)
32. 8 (9). ἔσται ἡ παρεμβολὴ ἡ δευτέρα εἰς τὸ σώζεσθαι (10 c)
— 30 (31). ἐσώθη μου ἡ ψυχή (7 a)
47. 25. σέσωκας ἡμᾶς (2 c)
Nu. 24. 19. ἀπολεῖ σωζόμενον ἐκ πόλεως (13)
De. 33. 29. λαὸς σωζόμενος ὑπὸ κυρίου (5 a)
Jo. 8. 22: 10. 33. ἕως τοῦ μὴ καταλειφθῆναι αὐτῶν σεσωσμένον (13)
10. 40. οὐ κατέλιπον αὐτῶν σεσωσμένον [A al.] (13)
Jd. 2. 16. ἔσωσεν αὐτοὺς κύριος (5 b)
— 18. ἔσωσεν αὐτοὺς ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν αὐ. [A al.] (5 b)
3. 9. καὶ ἔσωσεν αὐτούς (5 b)
— 31. ἔσωσε καί γε αὐτὸς τὸν Ἰσρ. (5 b)
6. 14. σώσεις τὸν Ἰσρ. ἐκ χειρὸς Μ. (5 b)
— 15. ἐν τίνι σώσω τὸν Ἰσρ. (5 b)
— 31. ἢ ὑμεῖς σώσετε [A σώζετε] αὐτόν (5 b)
Jd. 6. 36. εἰ σὺ σώζεις ἐν χειρί μου τὸν Ἰσρ. (5 f)
— 37. σώσεις [A σώζεις] ἐν χειρί μου τὸν Ἰσρ. (5 b)
7. 2. ἡ χείρ μου ἔσωσέ με (5 b)
— 7. σώσω ὑμᾶς (5 b)
8. 22. ἔσωσας [A σέσωκας] ἡμᾶς ἐκ χειρὸς Μ. (5 b)
10. 1. ἀνέστη μετὰ Ἀβ. τοῦ σῶσαι τὸν Ἰσρ. Θ. (5 b)
— 12. ἔσωσα ὑμᾶς ἐκ χειρὸς αὐτῶν (5 b)
— 13. οὐ προσθήσω τοῦ σῶσαι ὑμᾶς (5 b)
— 14. σωσάτωσαν ὑμᾶς ἐν καιρῷ θλίψεως ὑμῶν (5 b)
12. 2. οὐκ ἐσώσατέ με ἐκ χειρὸς αὐτῶν (5 b)
— 3. A οὐκ ἦν ὁ σώζων [B al.] (5 b)
13. 5. ἄρξεται σῶσαι [A σώζειν] τὸν Ἰσρ. (5 b)
I Ki. 4. 3. σώσει ἡμᾶς ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν ἡμῶν (5 b)
7. 8. καὶ σώσει ἡμᾶς ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων (5 b)
9. 16. σώσει τὸν λαόν μου (5 b)
10. 1. σώσεις αὐτὸν ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν αὐ. –
— 27. τίς σώσει ἡμᾶς οὗτος (5 b)
11. 3. ἐὰν μὴ ᾖ ὁ σώζων ἡμᾶς (5 b)
14. 6. B σώζειν ἐν πολλοῖς ἢ ἐν ὀλίγοις (5 b)
— 22 (23). ἔσωσε κ. ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκ. τὸν Ἰσρ. (5 b)
— 39. ζῇ κύριος ὁ σώσας τὸν Ἰσρ. (5 b)
— 47. οὗ ἂν ἐστράφη ἐσώζετο †
17. 47. οὐκ ἐν ῥομφαίᾳ . . . σώζει κύριος (5 b)
19. 11. ἐὰν μὴ σὺ σώσῃς [A -εις] τὴν ψυχὴν σαυτοῦ (6 b)
— 12. ἔφυγε καὶ σώζεται (6 a)
— 18. A ἔφυγε καὶ ἐσώθη [B διεσ.] (6 a)
23. 2. A R σώσεις [B πατάξεις] τὴν Κ. (5 b)
— 5. ἔσωσε Δ. τοὺς κατοικοῦντας Κ. (5 b)
25. 26. καὶ σώζειν τὴν χεῖρά σού σοι (5 b)
— 31. καὶ σῶσαι χεῖρα κυρίου μου αὐτῷ (5 b)
— 33. καὶ σῶσαι χεῖρά μου ἐμοί (5 b)
27. 1. ἐὰν μὴ σωθῶ εἰς γῆν ἀλλοφύλων (6 a)
— 1. σωθήσομαι ἐκ χειρὸς αὐ. (6 a)
30. 17. οὐκ ἐσώθη [A οὐ περιεσ.] ἐξ αὐτῶν ἀνήρ (6 a)
II Ki. 3. 18. σώσω τὸν Ἰσρ. ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων (5 b)
8. 6, 14. ἔσωσε κύριος τὸν Δ. ἐν πᾶσιν (5 b)
10. 11. ἐσόμεθα τοῦ σῶσαί σε (5 b)
— 19. τοῦ σῶσαι ἔτι τοὺς υἱοὺς Ἀ. (5 b)
14. 4. σῶσον, βασιλεῦ, σῶσον (5 b, –)
22. 3. ἐξ ἀδίκου σώσεις με (5 b)
— 4. ἐκ τῶν ἐχθρῶν μου σωθήσομαι (5 a)
— 28. τὸν λαὸν τὸν πτωχὸν σώσεις (5 b)
III Ki. 13. 31. ἵνα σωθῶσι τὰ ὀστᾶ μου –
18. 40. μηθεὶς σωθήτω ἐξ αὐτῶν (6 a)
19. 17. τὸν σωζόμ. ἐκ ῥομφαίας Ἀζ. (6 a)
— 17. B τὸν σωζόμ. ἐκ ῥομφαίας Ἰ. (6 a)
21 (20). 20. σώζεται υἱὸς Ἀ. (6 a)
IV Ki. 6. 26. σῶσον, κύριε βασιλεῦ (5 b)
— 27. μή σε σώσαι [A -σῃ] κύριος (5 b)
— 27. πόθεν σώσω σε (5 b)
14. 27. ἔσωσεν αὐτοὺς ἐκ χειρὸς Ἱερ. (5 b)
16. 7. σῶσόν με ἐκ χειρὸς βασιλέως Συρίας (5 b)
19. 19. σῶσον ἡμᾶς ἐκ χειρὸς αὐ. (5 b)
— 34. A τοῦ σῶσαι αὐτήν (5 b)
— 37. ἐσώθησαν [A διεσ.] εἰς γῆν Ἀρ. (6 a)
20. 6. ἐκ χειρὸς βασιλέων Ἀσσ. σώσω σε (7 c)
I Ch. 11. 14. καὶ ἔσωσεν αὐτήν (7 c)
16. 35. B S ἔσωσεν [A R σῶσον] ἡμᾶς, ὁ θ. τῆς σωτηρίας ἡμῶν (5 b)
18. 6. A B ἔσωζεν [S R ἔσωσεν] κύριος Δαυίδ (5 b)
— 13. B S ἔσωζε [A ἔσωσεν] κ. [A R add. τὸν Δ.] ἐν πᾶσιν (5 b)
19. 12. σώσω σε (5 b)
II Ch. 14. 11 (10). σώζειν ἐν πολλοῖς καὶ ἐν ὀλίγοις (8)
16. 7. ἐσώθη δύναμις Σ. ἀπὸ τῆς χειρός σου (6 a)
18. 31. κύριος ἔσωσεν αὐτόν (8)
20. 9. ἀκούσῃ καὶ σώσεις (5 b)
— 24. οὐκ ἦν σωζόμενος (10 c)
32. 8. τοῦ σώζειν καὶ τοῦ πολεμεῖν τὸν πόλεμον ἡμῶν (8)
— 11. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν σώσει ὑμᾶς (7 c)
— 13, 14. σῶσαι τὸν λαὸν αὐ. ἐκ χειρός μου (7 c)
— 14. σῶσαι ὑμᾶς ἐκ χειρός μου (7 c)
— 15. τοῦ σῶσαι τὸν λαὸν αὐ. ἐκ χειρός μου (7 c)
— 15. οὐ μὴ σώσει ὑμᾶς ἐκ χειρός μου (7 c)
— 22. ἔσωσε κύριος Ἐζεκίαν (5 b)
33. 7. A σωθήτω [B θήσω] τὸ ὄνομά μου εἰς τὸν αἰῶνα †
II Es. 8. 22. σῶσαι ἡμᾶς ἀπὸ ἐχθροῦ (8)
Ne. 1. 2. ἠρώτησα αὐτοὺς περὶ τῶν σωθέντων (10 c)
9. 27. ἔσωσας αὐτοὺς ἐκ χειρὸς θλιβόντων αὐτούς (5 b)

To. 5. 13. S ὑγιαίνων ἔλθοις καὶ σωζόμενος [A B om. κ. σ.]
6. 17. σώσει ὑμᾶς καὶ ἐλεήσει [S al.]
— 17. σὺ αὐτὴν σώσεις
14. 7. S πάντες οἱ υἱοὶ τοῦ Ἰσρ. οἱ σωζόμενοι
— 10. B Ἀχιάχαρον μὲν ἔσωσεν [A Ἀχιάχαρος μὲν ἐσώθη]
— 10. ἐσώθη ἐκ παγίδος θανάτου [S al.]
Ju. 10. 15. σέσωκας τὴν ψυχήν σου
Es. 4. 11. οὕτος σωθήσεται (2 a)
— 13. σωθήσῃ [A S^2 -σομαι] μόνη ἐν τῇ βασ. (6 a)
— 17. ἐν τῷ θέλειν σε σῶσαι τὸν Ἰσρ.
8. 6. πῶς δυνήσομαι σωθῆναι (11)
10. 3. οἱ βοήσαντες πρὸς τὸν θεὸν καὶ σωθέντες
— 3. ἔσωσε κύριος τὸν λαὸν αὐ.
Jb. 1. 15, 16. σωθεὶς δὲ ἐγὼ μόνος [A καὶ ἐσώθην ἐγὼ μόνος] (6 a)
— 17, 19. ἐσώθην δὲ ἐγὼ μόνος (6 a)
6. 23. ὥστε σῶσαί με ἐξ ἐχθρῶν [A ἐκ χειρὸς κακῶν] (6 b)
18. 19. οὐδὲ σεσωσμένος [S^1 -ον] ἐν τῇ ὑπ' οὐρανὸν οἶκος αὐτοῦ (13)
20. 20. ἐν ἐπιθυμίᾳ αὐτοῦ οὐ σωθήσεται (6 b)
— 24. οὐ μὴ σωθῇ ἐκ χειρὸς σιδήρου (1)
22. 29. κύφοντα ὀφθαλμοῖς σώσει (5 b)
27. 8. πεποιθὼς [A μὴ π.] ἐπὶ κύριον ἄρα [A εἰ ἄρα] σωθήσεται †
33. 28. σῶσον ψυχήν μου (9 a)
35. 14. καὶ [A ὅς] σώσει με †
40. 9 (14). δύναται ἡ δεξιά σου σῶσαι (5 b)
Ps. 3. 7. σῶσόν με, ὁ θεός μου (5 b)
6. 4. σῶσόν με ἕνεκεν τοῦ ἐλέους σου (5 b)
7. 1. σῶσόν με ἐκ πάντων τῶν διωκόντων με (5 b)
— 2. μὴ ὄντος λυτρουμένου μηδὲ σώζοντος (7 c)
— 10. τοῦ θεοῦ τοῦ σώζοντος τοὺς εὐθεῖς τῇ καρδίᾳ (5 b)
11 (12). 1. σῶσόν με, κύριε (5 b)
16 (17). 7. ὁ σώζων τοὺς ἐλπίζοντας ἐπὶ σέ (5 b)
17 (18). 3. ἐκ τῶν ἐχθρῶν μου σωθήσομαι (5 a)
— 27. σὺ λαὸν ταπεινὸν σώσεις (5 b)
— 41. οὐκ ἦν ὁ σώζων (5 b)
19 (20). 6. ἔσωσε κύριος τὸν χριστὸν αὐτοῦ (5 b)
— 9. σῶσον τὸν βασιλέα (5 b)
21 (22). 5. πρὸς σὲ ἐκέκραξαν καὶ ἐσώθησαν (6 a)
— 8. σωσάτω αὐτὸν ὅτι θέλει αὐτόν (7 c)
— 21. σῶσόν με ἐκ στόματος λέοντος (5 b)
27 (28). 9. σῶσον τὸν λαόν σου (5 b)
29 (30). 3. ἔσωσάς με ἀπὸ [S^1 ἐκ] τῶν καταβαινόντων εἰς λάκκον (2 b)
30 (31). 2. καὶ εἰς οἶκον καταφυγῆς τοῦ σῶσαί με (5 b)
— 7. ἔσωσας ἐκ τῶν ἀναγκῶν τὴν ψυχήν μου (4)
— 16. σῶσόν με ἐν τῷ ἐλέει σου (5 b)
32 (33). 16. οὐ σώζεται βασιλεὺς διὰ πολλὴν δύναμιν καὶ γίγας οὐ σωθήσεται ἐν πλήθει ἰσχύος αὐτοῦ (5 a, 7 a)
— 17. ἐν δὲ πλήθει δυνάμεως αὐτοῦ οὐ σωθήσεται (6 b)
33 (34). 6. ἐκ πασῶν τῶν θλίψεων αὐτοῦ ἔσωσεν αὐτόν (5 b)
— 18. τοὺς ταπεινοὺς τῷ πνεύματι σώσει (5 b)
35 (36). 6. ἀνθρώπους καὶ κτήνη σώσεις (5 b)
36 (37). 40. καὶ σώσει αὐτούς (5 b)
43 (44). 3. ὁ βραχίων αὐτῶν οὐκ ἔσωσεν αὐτούς (5 b)
— 6. ἡ ῥομφαία μου οὐ σώσει με (5 b)
— 7. A B^3 S ἔσωσας γὰρ ἡμᾶς ἐκ τῶν θλιβόντων ἡμᾶς (5 b)
53 (54). 1. ἐν τῷ ὀνόματί σου σῶσόν με (5 b)
54 (55). 8. προσεδεχόμην τὸν σώζοντά με ἀπὸ ὀλιγοψυχίας (10 d)
55 (56). 7. ὑπὲρ τοῦ μηθενὸς σώσεις αὐτούς (10 a)
56 (57). 3. καὶ ἔσωσέ με (5 b)
58 (59). 2. ἐξ ἀνδρῶν αἱμάτων σῶσόν με (5 b)
59 (60). 5. σῶσον τῇ δεξιᾷ σου (5 b)
67 (68). 20. ὁ θεὸς ἡμῶν ὁ θεὸς τοῦ σώζειν (5 e)
68 (69). 1. σῶσόν με, ὁ θεός (5 b)
— 14. σῶσόν με ἀπὸ πηλοῦ (7 c)
— 35. ὁ θεὸς σώσει τὴν Σιών (5 b)
69 (70). tit. (1). εἰς τὸ σῶσαί με κύριον (7 c)
70 (71). 2. καὶ σῶσόν με (5 b)
— 3. καὶ εἰς τόπον ὀχυρὸν τοῦ σῶσαί με (5 b)
71 (72). 4. σώσει [B^1 -εις] τοὺς υἱοὺς τῶν πενήτων (5 b)
— 13. ψυχὰς πενήτων σώσει (5 b)
75 (76). 9. B^1 S^1 R τοῦ σῶσαι πάντας τοὺς πραεῖς τῇ καρδίᾳ [B^2 S^2 τῆς γῆς] (5 b)
Ps. 79 (80). 2. ἐλθὲ εἰς τὸ σῶσαι ἡμᾶς (5 d)
— 3, 7, 19. καὶ σωθησόμεθα (5 a)
85 (86). 2. σῶσον τὸν δοῦλόν σου (5 b)
— 16. σῶσον τὸν υἱὸν τῆς παιδίσκης σου (5 b)
97 (98). 1. ἔσωσεν αὐτῷ ἡ δεξιὰ αὐτοῦ (5 b)
105 (106). 8. ἔσωσεν αὐτοὺς ἕνεκεν τοῦ ὀνόματος αὐτοῦ (5 b)
— 10. ἔσωσεν αὐτοὺς ἐκ χειρὸς μισούντων (5 b)
— 21. ἐπελάθοντο τοῦ θεοῦ τοῦ σώζοντος αὐτούς (5 b)
— 47. σῶσον ἡμᾶς, κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (5 b)
106 (107). 13, 19. ἐκ τῶν ἀναγκῶν αὐτῶν ἔσωσεν αὐτούς (5 b)
107 (108). 6. σῶσον τῇ δεξιᾷ σου (5 b)
108 (109). 26. σῶσόν με κατὰ τὸ ἔλεός σου (5 b)
— 31. τοῦ σῶσαι ἐκ τῶν καταδιωκόντων τὴν ψυχήν μου (5 b)
114 (116). 6. ἐταπεινώθην καὶ ἔσωσέ με (5 b)
117 (118). 25. ὦ κύριε, σῶσον δή (5 b)
118 (119). 94. σῶσόν με (5 b)
— 117. καὶ σωθήσομαι (5 a)
— 146. σῶσόν με (5 b)
— 173. γενέσθω ἡ χείρ σου τοῦ σῶσαί με (8)
137 (138). 7. ἔσωσέ με ἡ δεξιά σου (5 b)
144 (145). 19. καὶ σώσει αὐτούς (5 b)
Pr. 6. 3. ποίει . . . καὶ σώζου (7 a)
— 5. ἵνα σώζῃ ὥσπερ δορκὰς ἐκ βρόχων (7 a)
10. 25. δίκαιος δὲ ἐκκλίνας σώζεται εἰς τὸν αἰῶνα †
11. 31. εἰ ὁ μὲν δίκαιος μόλις σώζεται (16)
15. 24. ἵνα ἐκκλίνας ἐκ τοῦ ᾅδου σωθῇ †
— 27. ὁ δὲ μισῶν δώρων λήψεις σώζεται (2 a)
19. 7. ὃς δὲ ἐρεθίζει λόγους οὐ σωθήσεται †
28. 26. ὃς δὲ πορεύεται σοφίᾳ σωθήσεται (6 a)
29. 25. ὃς δὲ πέποιθεν ἐπὶ τῷ δεσπότῃ [S σωτῆρι] σωθήσεται (12)
Wi. 9. 18. τῇ σοφίᾳ [S σ. σου] ἐσώθησαν
10. 4. A S κατακλυζομένην γῆν πάλιν ἔσωσεν [B διέσωσε] σοφία
14. 4. δύνασαι ἐκ παντὸς σώζειν
16. 7. ὁ γὰρ ἐπιστραφεὶς οὐ διὰ τὸ θεωρούμενον ἐσώζετο
18. 5. ἑνὸς ἐκτεθέντος τέκνου καὶ σωθέντος
Si. 2. 11. σώζει ἐν καιρῷ θλίψεως
3. 1. οὕτως ποιήσατε ἵνα σωθῆτε
31 (34). 13. ἡ γὰρ ἐλπὶς αὐτῶν ἐπὶ τὸν σώζοντα αὐτούς
33 (36). 9. ἐν ὀργῇ πυρὸς καταβρωθήτω ὁ σωζόμενος [S^1 ὁ μὴ σ., S^2 ὁ ἀσεβὴς ὁ σ.]
51. 8. σώζεις αὐτοὺς ἐκ χειρὸς ἐθνῶν [A S ἐχθρῶν]
— 12. ἔσωσας γάρ με ἐξ ἀπωλείας
Ho. 1. 7. σώσω αὐτοὺς ἐν κυρίῳ θεῷ αὐ. (5 b)
— 7. οὐ σώσω αὐτοὺς ἐν τόξῳ (5 b)
13. 4. σώζων οὐκ ἔστι παρὲξ ἐμοῦ (5 b)
14. 4. Ἀσσοὺρ οὐ μὴ σώσῃ [A -σει] ἡμᾶς (5 b)
Am. 2. 14. B οὐ μὴ σώσει τὴν ψυχὴν αὐ. (6 b)
— 15. B οὐ μὴ σώσει [A R -σῃ] τὴν ψυχὴν αὐ. (6 b)
Mi. 6. 9. σώσει φοβουμένους τὸ ὄνομα αὐ. †
Jl. 2. 32 (3. 5). πᾶς ὃς ἂν ἐπικαλέσηται . . . σωθήσεται (6 a)
Ob. 1. 21. A ἀναβήσονται ἄνδρες σεσωσμένοι [B S al.] (5 b)
Hb. 1. 2. καὶ οὐ σώσεις (5 b)
3. 13. τοῦ σῶσαι τὸν χριστόν σου (5 c)
Ze. 3. 17. ὁ δυνατὸς σώσει σε (5 b)
— 19. σώσω τὴν ἐκπεπεισμένην (5 b)
Za. 8. 7. σώζω [A ἀνασ.] τὸν λαόν μου (5 b)
9. 9. ἔρχεταί σοι δίκαιος καὶ σώζων (5 a)
— 16. σώσει αὐτοὺς κ. ὁ θεὸς αὐ. (5 b)
10. 6. τὸν οἶκον Ἰ. σώσω (5 b)
12. 7. σώσει [A δώσει] κύριος τὰ σκηνώματα Ἰ. (5 b)
Ma. 3. 15. καὶ ἐσώθησαν (6 a)
Is. 1. 27. σωθήσεται ἡ αἰχμαλωσία αὐτῆς (9 b)
10. 20. οἱ σωθέντες τοῦ Ἰακώβ (10 c)
— 22. τὸ κατάλειμμα αὐτῶν σωθήσεται (14)
12. 2. B^2 S^1 σωθήσομαι ἐν αὐτῷ †
14. 32. σωθήσονται οἱ ταπεινοὶ τοῦ λαοῦ (3)
15. 7. μὴ καὶ οὕτως μέλλει σωθῆναι †
19. 20. ὃς σώσει αὐτοὺς κρίνων σώσει αὐτούς (5 b, 7 c)
20. 6. οὐκ ἠδύναντο σωθῆναι ἀπὸ βασιλέως Ἀσσυρίων καὶ πῶς ἡμεῖς σωθησόμεθα (7 a, 6 a)
25. 9. B σώσει ἡμᾶς (5 b)
30. 15. τότε σωθήσῃ (5 a)
31. 5. περιποιήσεται καὶ σώσει (6 c)
Is. 33. 22. κύριος οὗτος ἡμᾶς σώσει (5 b)
34. 15. ἔσωσεν ἡ γῆ τὰ παιδία αὐτῆς μετὰ ἀσφαλείας (6 b)
35. 4. αὐτὸς ἥξει καὶ σώσει ἡμᾶς (5 b)
37. 20. σῶσον ἡμᾶς ἐκ χειρὸς αὐ. (5 b)
— 32. οἱ σωζόμενοι ἐξ [A ἐπ'] ὄρους Σιών (10 c)
— 35. τοῦ σῶσαι αὐτὴν δι' ἐμέ (5 b)
38. 6. A S σώσω [B ῥύσομαί] σε (7 c)
43. 3. ἐγὼ κύριος . . . ὁ σώζων σε (5 b)
— 11. οὐκ ἔστι πάρεξ ἐμοῦ σώζων (5 b)
— 12. ἀνήγγειλα καὶ ἔσωσα (5 b)
45. 17. σώζεται ὑπὸ κ. σωτηρίαν αἰώνιον (5 a)
— 20. βουλεύσασθε ἅμα, οἱ σωζόμενοι ἀπὸ τῶν ἐθνῶν . . . πρὸς θεοὺς οἳ οὐ σώζουσιν [A S -ωσιν] (10 b, 5 b)
— 22. A^2 B S σωθήσεσθε οἱ ἀπ' ἐσχάτου τῆς γῆς (5 a)
46. 2. οὐ δυνήσονται σωθῆναι ἀπὸ πολέμου (6 b)
— 4. ἀναλήψομαι καὶ σώσω ὑμᾶς (6 b)
— 7. ἀπὸ κακῶν οὐ μὴ σώσῃ [A -ει] αὐτόν (5 b)
47. 13. σωσάτωσάν σε οἱ ἀστρολόγοι (5 b)
49. 24. ἐὰν αἰχμαλωτεύσῃ τις ἀδίκως σωθήσεται (6 a)
— 25. λαμβάνων δὲ παρὰ ἰσχύοντος σωθήσεται (6 a)
51. 14. ἐν γὰρ τῷ σώζεσθαί σε οὐ στήσεται †
59. 1. μὴ οὐκ ἰσχύει ἡ χεὶρ κυρίου τοῦ σῶσαι (5 b)
60. 16. ἐγὼ κύριος ὁ σώζων σε (5 b)
63. 9. αὐτὸς [A S^1 add. κύριος] ἔσωσεν αὐτούς (5 b)
66. 19. ἐξαποστελῶ ἐξ αὐτῶν σεσωσμένους εἰς τὰ ἔθνη (10 b)
Je. 2. 27. ἀνάστα καὶ σῶσον ἡμᾶς (5 b)
— 28. σώσουσιν ἐν καιρῷ τῆς κακώσεώς σου (5 b)
4. 14. ἵνα σωθῇς (5 a)
11. 12. S^2 οἳ [A B om.] μὴ σώσουσιν αὐτούς (5 b)
14. 8. σώζεις [S -σεις] ἐν καιρῷ κακῶν (5 b)
— 9. ὡς ἀνὴρ οὐ δυνάμενος σ. (5 b)
15. 20. μετὰ σοῦ εἰμι τοῦ σ. σε (5 b)
17. 14. A^2 B S σῶσόν με καὶ σωθήσομαι (5 b, 5 a)
23. 6. ἐν ταῖς ἡμέραις αὐτοῦ [A ἐκείναις] καὶ σωθήσεται Ἰούδας (5 a)
26 (46). 27. ἐγὼ ἰδοὺ σώζων [A S ἐ. σώζω] σε μακρόθεν (5 b)
31 (48). 6. σώσατε τὰς ψυχὰς ὑμῶν (6 b)
— 8. οὐ μὴ σωθῇ (6 a)
— 19. ἐρώτησον φεύγοντα καὶ σωζόμενον (6 a)
37 (30). 7. ἀπὸ τούτου σωθήσεται (5 a)
38 (31). 7. ἔσωσε κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (5 b)
39 (32). 4. A B S^2 Σεδεκίας οὐ μὴ σωθῇ ἐκ χειρὸς τῶν Χαλδαίων (6 a)
41 (34). 3. σὺ οὐ μὴ σωθῇς ἐκ χειρὸς αὐ. (6 a)
— 11. S ἔσωσαν [A B ἐῶσαν] αὐτοὺς εἰς παῖδας †
45 (38). 18, 23. σὺ οὐ μὴ σωθῇς (6 a)
46 (39). 17. σώσω σε ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ (7 c)
— 18. σώζων σώσω σε (6 b, 6 b)
48 (41). 15. ἐσώθη σὺν [S ἐν] ὀκτὼ ἀνθρώποις (6 a)
49 (42). 11. σ. ὑμᾶς ἐκ χειρὸς αὐτῶν (7 c)
— 17. οὐκ ἔσται αὐτῶν οὐθεὶς σωζόμενος ἀπὸ τῶν κακῶν (13 + 10 e)
51 (44). 14. οὐκ ἔσται σεσωσμένος οὐδεὶς τῶν ἐπιλοίπων Ἰούδα (10 e + 13)
— 28. οἱ σεσωσμένοι ἀπὸ ῥομφαίας (10 e)
La. 2. 13. τίς σώσει [A S add. σε] †
4. 18 (17). ἀπεσκοπεύσαμεν εἰς ἔθνος οὐ σῶζον (5 b)
Ep. Je. 49. οὔτε σώζουσιν ἑαυτοὺς ἐκ πολέμου
Ez. 14. 14. ἐν τῇ δικαιοσύνῃ αὐτῶν σωθήσονται (7 b)
— 16. εἰ υἱοὶ ἢ θυγατέρες σωθήσονται ἀλλ' ἢ αὐτοὶ μόνοι σωθήσονται (7 c, 7 a)
— 18. αὐτοὶ μόνοι σωθήσονται (7 a)
17. 15. A παραβαίνων διαθήκην εἰ σωθήσεται [B διασ.] (6 a)
— 18. πάντα ταῦτα ἐποίησεν αὐτῷ μὴ σωθήσεται (6 a)
33. 12. δίκαιος οὐ μὴ δύνηται σωθῆναι (2 a)
34. 22. σώσω τὰ πρόβατά μου (5 b)
36. 29. σώσω ὑμᾶς ἐκ πασῶν τῶν ἀκαθαρσιῶν ὑμῶν (5 b)
Da. LXX. Su. 62. ἐσώθη αἷμα ἀναίτιον
3. (88). ἔσωσεν ἡμᾶς ἐκ χειρὸς θανάτου
— 28 (95). καὶ ἔσωσε τοὺς παῖδας αὐ. (15)
6. 20 (21). σέσωκέ σε ἀπὸ τῶν λεόντων (15)
— 22 (23). σέσωκέ με ὁ θ. ἀπὸ τῶν λεόντων –
— 27 (28). τὰ γὰρ εἴδωλα τὰ χειροποίητα οὐ δύνανται σῶσαι –
11. 41. σωθήσονται ἀπὸ χειρὸς αὐ. (6 a)
Da. TH. Su. 60. εὐλόγησαν τῷ θ. τῷ σώζοντι τοὺς ἐλπίζοντας ἐπ' αὐτόν

Da. TH. Su. 62. καὶ ἐσώθη αἷμα ἀναίτιον
3. (88). ἐκ χειρὸς θανάτου ἔσωσεν ἡμᾶς
12. 1. σωθήσεται ὁ λαός σου (6 a)
I Ma. 2. 44. ἔφυγον εἰς τὰ ἔθνη σωθῆναι
— 59. ἐσώθησαν ἐκ φλογός
3. 18. οὐκ ἔστι διαφορὰ . . . σώζειν ἐν πολλοῖς
4. 9. ἐσώθησαν οἱ πατέρες ἡμῶν
— 11. ἔστιν ὁ λυτρούμενος καὶ σώζων [S¹ om. κ. σ.] τὸν Ἰσρ.
6. 44. τοῦ σῶσαι τὸν λαὸν αὐ.
9. 9. A R σώζωμεν [S¹ -ομεν, S² σώσομεν] τὰς ἑαυτῶν ψυχάς
— 21. πῶς ἔπεσε δυνατὸς σώζων τὸν Ἰσρ.
10. 83. εἰσῆλθον εἰς B. . . . τοῦ σωθῆναι
11. 48. ἔσωσαν τὸν βασ.
II Ma. 1. 11. ἐκ μεγάλων κινδύνων ὑπὸ τοῦ θεοῦ σεσωσμένοι
2. 17. ὁ δὲ θεὸς ὁ σώσας τὸν πάντα λαὸν αὐ.
11. 12. A τραυματίαι γυμνοὶ δὲ ἐσώθησαν [R γ. διεσ.]
IV Ma. 4. 12. πᾶσί τε ἀνθρώποις ὑμνήσειν σωθείς
5. 6. ὅπως ἀπογευσάμενος τῶν ὑείων σώζοιο
6. 15. A R σὺ δὲ . . . σώθητι [S σώζοιο]
— 27. παρόν μοι σώζεσθαι
10. 1. ὅπως ἀπογευσάμενος σώζοιτο
— 13. σῶζε σεαυτόν
15. 3. A R τὴν εὐσέβειαν . . . τὴν σώζουσαν [S ζῶσαν] εἰς αἰώνιον ζωήν
— 27. A S² R οὐκ ἐπέγνω τὴν σώζουσαν ἑπτὰ υἱοὺς . . . σωτηρίαν

[Aq. Jd. 5. 13: Ps. 30 (31). 3: 32 (33). 16: 54 (55). 17: 117 (118). 25: Is. 45. 15: Ez. 3. 18.]
[Sm. Jb. 34. 9: Ps. 30 (31). 3: 54 (55). 17: 114 (116). 6: 117 (118). 25: 137 (138). 7; Pr. 24. 11: Is. 25. 9: 30. 15: 38. 20: 45. 15: 47. 15: 63. 1: 64. 5 (4): Je. 31 (38). 2: 51 (28). 50: Ob. 21.]
[Th. Jb. 20. 20: 33. 28: Ps. 54 (55). 17: 97 (98). 1: 117 (118). 25: Is. 25. 9: 38. 6, 14: 45. 15: 63. 9: Je. 30 (37). 10, 11: 33 (40). 16.]
[Al. Ex. 14. 30: Jo. 10. 37: Ps. 43 (44). 8: 145 (146). 3: Is. 59. 16.]
[Heb. Jb. 1. 15.]
[Quint. Ps. 32 (33). 16: 54 (55). 17: 117 (118). 25.]
[Sext. Ps. 54 (55). 17: Hb. 3. 13.]

σωλήν.

[Sm. Jb. 40. 13 (18).]

σῶμα. (1) בָּשָׂר (2) a. גֵּו b. גֵּו c. גְּוִיָּה (3) גּוּפָה (4) גֶּשֶׁם (5) חַיִל (6) טַף (7) נְבֵלָה (8) נֶפֶשׁ (9) עוֹר (10) פֶּגֶר (11) שְׁאֵר (12) οἱ περὶ τὸ σ. כְּשַׁרְתִּים
Ge. 15. 11. κατέβη δὲ ὄρνεα ἐπὶ τὰ σ. (10)
34. 29. πάντα τὰ σ. αὐ. . . . ἠχμαλώτευσαν (5)
36. 6. ἔλαβε δὲ Ἠ. . . . πάντα τὰ σ. τοῦ οἴκου αὐ. (8)
47. 12. ἐσιτομέτρει . . . σῖτον κατὰ σῶμα (6)
— 18. οὐχ ὑπολείπεται . . . ἀλλ' ἢ τὸ ἴδιον σ. (2 c)
Le. 6. 10 (3). περισκελὲς λινοῦν ἐνδύσεται περὶ [A om.] τὸ σ. αὐ. (1)
14. 9. λούσεται τὸ σ. αὐ. ὕδατι (1)
15. 2. ᾧ ἐὰν γένηται ῥύσις ἐκ τοῦ σ. αὐ. (1)
— 3. ῥέων γόνον ἐκ σώματος αὐ. (1)
— 3. ἧς συνέστηκε τὸ σ. αὐ. διὰ τῆς ῥύσεως (1)
— 3. πᾶσαι αἱ ἡμέραι ῥύσεως σώματος αὐ. –
— 3. ᾗ συνέστηκε τὸ σ. αὐ. διὰ τῆς ῥύσεως (1)
— 11. λούσεται τὸ σ. ὕδατι –
— 13. λούσεται τὸ σ. ὕδατι (1)
— 16. λούσεται ὕδατι πᾶν τὸ σ. αὐ. (1)
— 19. ἔσται ἡ ῥύσις αὐ. ἐν τῷ σ. αὐ. (1)
— 21. λούσεται τὸ σ. αὐ. ὕδατι –
— 27. λούσεται τὸ σ. ὕδατι –
16. 4. λούσεται ὕδατι πᾶν τὸ σ. αὐ. (1)
— 24, 26, 28. λούσεται τὸ σ. αὐ. ὕδατι (1)
17. 16. καὶ τὸ σ. μὴ λούσηται ὕδατι (1)
19. 28. ἐντομίδας οὐ ποιήσετε . . . ἐν τῷ σ. ὑμῶν (1)
22. 6. ἐὰν μὴ λούσηται τὸ σ. αὐ. ὕδατι (1)
Nu. 8. 7. ἐπελεύσεται ξυρὸν ἐπὶ πᾶν τὸ σ. αὐ. (1)
19. 7. λούσεται τὸ σ. αὐ. ὕδατι (1)
— 8. λούσεται τὸ σ. αὐ. (1)
De. 21. 23. οὐ κοιμηθήσεται τὸ σ. αὐ. ἐπὶ τοῦ ξύλου (7)
De. 23. 11 (12). λούσεται τὸ σ. αὐ. ὕδατι –
Jo. 8. 29. καθείλοσαν τὸ σ. αὐτοῦ (7)
I Ki. 31. 10. τὸ σ. αὐ. κατέπηξαν ἐν τῷ τείχει B. (2 c)
— 12. ἔλαβον τὸ σ. Σ. καὶ τὸ σ. Ἰ. τοῦ υἱοῦ αὐ. (2 c, 2 c)
III Ki. 13. 22. οὐ μὴ εἰσέλθῃ τὸ σ. σου εἰς τὸν τάφον (7)
— 24. ἦν τὸ σ. αὐ. ἐρριμμένον ἐν τῇ ὁδῷ (7)
— 24. ὁ λέων εἱστήκει παρὰ τὸ σ. [A al.] (7)
— 28. εὗρε τὸ σ. αὐ. ἐρριμμένον ἐν τῇ ὁδῷ (7)
— 28. εἱστήκεισαν παρὰ τὸ σ. (7)
— 28. οὐκ ἔφαγεν ὁ λέων τὸ σ. (7)
— 29. B ἦρεν ὁ προφήτης τὸ σ. (7)
14. 9. A ἐμὲ ἔρριψας ὀπίσω σώματός σου (2 a)
20 (21). 27. ἐζώσατο σάκκον ἐπὶ τὸ σ. αὐ. [A om. ἐ. τὸ σ. αὐ.] (1)
IV Ki. 19. 35. ἰδοὺ πάντες σώματα νεκρά (10)
I Ch. 10. 12. ἔλαβον τὸ [S om.] σ. Σ. καὶ τὸ σ. [A τὰ σ.] τῶν υἱῶν αὐ. (3, 3)
28. 1. τοὺς ἄρχοντας τῶν ἐφημεριῶν τῶν περὶ τὸ σ. τοῦ βασ. (12)
I Es. 3. 4. οἱ φυλάσσοντες τὸ σ. τοῦ βασ.
Ne. 9. 26. ἔρριψαν τὸν νόμον σου ὀπίσω σώματος αὐ. (2 a)
— 37. A B S² ἐπὶ τὰ σ. ἡμῶν ἐξουσιάζουσι (2 c)
To. 1. 18. ἐζητήθη ὑπὸ τοῦ βασιλέως τὰ σ. [S ἔκλεπτον τὰ σ. αὐ.]
10. 11. ἔδωκεν αὐτῷ . . . σώματα [S al.]
11. 15. S εὐλογῶν τὸν θεὸν ἐν ὅλῳ τῷ σ. αὐ.
13. 6. B ἐξομολογεῖσθε αὐτῷ ἐν ὅλῳ τῷ σ. [A S R στόματι] ὑμῶν
Ju. 10. 3. περιεκλύσατο τὸ σ. ὕδατι
13. 9. ἀπεκύλισε τὸ σ. αὐ.
Es. 4. 17. B τὸ σ. [A S R add. αὐτῆς] ἐταπείνωσε σφόδρα
9. 14. τὰ σ. [S¹ om. τὰ σ.] τῶν υἱῶν Ἀ. κρεμάσαι –
Jb. 3. 17. ἐκεῖ ἀνεπαύσαντο κατάκοποι τῷ [A om.] σ. †
6. 4. βέλη γὰρ κυρίου ἐν τῷ σ. [S στόματί] μού ἐστιν †
7. 5. φύρεται δέ μου τὸ σ. ἐν σαπρίᾳ σκωλήκων (1)
— 15. A τὴν δὲ ψυχήν μου ἀπὸ τοῦ σ. μου [B S al.] †
13. 12. τὸ δὲ σ. πήλινον †
18. 15. A κατασκηνώσει . . . ἐν σώματι [B S νυκτὶ] αὐτοῦ †
19. 26. A S² ἀναστήσει δέ μου τὸ σ. [B S¹ al.] (9)
20. 25. διεξέλθοι δὲ διὰ σώματος αὐτοῦ βέλος (2 b)
33. 17. τὸ δὲ σ. αὐτοῦ ἀπὸ πτώματος [A ἀδικίας πτ.] ἐρρύσατο (2 b)
— 24. ἀνανεώσει δὲ αὐτοῦ τὸ σ. –
36. 28. οὐδὲ διαλλάσσεταί σου ἡ καρδία ἀπὸ σώματος [A τοῦ σ.] –
40. 27 (32). μνησθεὶς πόλεμον τὸν γινόμενον ἐν σώματι [A τῷ σ.] αὐτοῦ –
41. 14 (15). σάρκες δὲ σώματος [S om.] αὐτοῦ κεκόλληνται (1)
Ps. 39 (40). 6. σῶμα δὲ κατηρτίσω μοι †
Pr. 3. 8. τότε ἴασις ἔσται τῷ σ. σου †
5. 11. ἡνίκα ἂν κατατριβῶσι σάρκες σώματός σου (11)
11. 17. ἐξολλύει δὲ αὐτοῦ σῶμα ὁ ἀνελέημων (11)
25. 20. A S οὕτως προσπεσὸν πάθος σώματι [B ἐν σ.] καρδίαν λυπεῖ †
Wi. 1. 4. οὐδὲ κατοικήσει ἐν σώματι κατάχρεῳ ἁμαρτίας
2. 3. οὗ σβεσθέντος τέφρα ἀποβήσεται τὸ σῶμα
8. 20. ἀγαθὸς ὢν ἦλθον εἰς σῶμα ἀμίαντον
9. 15. φθαρτὸν γὰρ σῶμα βαρύνει ψυχήν
18. 22. ἐνίκησε δὲ τὸν ὄχλον οὐκ ἰσχυῖ τοῦ σ.
Si. 7. 24. πρόσεχε τῷ σ. αὐτῶν
23. 16. ἄνθρωπος πόρνος ἐν σώματι σαρκὸς αὐτοῦ
30. 14. πλούσιος μεμαστιγωμένος εἰς σῶμα αὐτοῦ
— 15. σῶμα εὔρωστον ἢ ὄλβος ἀμέτρητος
— 16. οὐκ ἔστι πλοῦτος βελτίων ὑγιείας σώματος
38. 16. κατὰ δὲ τὴν κρίσιν αὐτοῦ περίστειλον τὸ σ. αὐτοῦ
41. 11. πένθος ἀνθρώπων ἐν σώμασιν [S¹ -ατι] αὐτῶν
44. 14. τὸ σ. [A S τὰ σ.] αὐτῶν ἐν εἰρήνῃ ἐτάφη
47. 19. ἐνεξουσιάσθης ἐν τῷ σ. σου
48. 13. ἐν κοιμήσει ἐπροφήτευσε τὸ σ. αὐτοῦ
51. 2. ἐλυτρώσω τὸ σ. μου ἐξ ἀπωλείας
Na. 3. 3. ἀσθενήσουσιν ἐν τοῖς σ. αὐ. (2 c)
Is. 37. 36. εὗρον πάντα τὰ σ. νεκρά (10)
Ep. Je. 22. ἐπὶ τὸ σ. αὐτῶν . . . ἐφίπτονται
Ez. 1. 11. δύο ἐπεκάλυπτον ἐπάνω τοῦ σ. αὐτῶν (2 c)
Ez. 1. 23. ἐπικαλύπτουσαι τὰ σ. [A τῷ σ. τὰ πρόσωπα] αὐτῶν (2 c)
23. 35. ἀπέρριψάς με ὀπίσω τοῦ σώματός σου (2 a)
Da. LXX. 1. 15. ἐφάνη . . . ἡ ἕξις τοῦ σ. κρείσσων (1)
3. 27 (94). οὐχ ἥψατο τὸ πῦρ τοῦ σ. αὐ. (4)
— 28 (95). παρέδωκαν τὰ σ. αὐ. εἰς ἐμπυρισμόν (4)
4. 13. καὶ . . . τὸ σ. αὐ. ἀλλοιωθῇ –
7. 11. ἀπώλετο τὸ σ. αὐτοῦ (4)
Bel 31. ἐχορηγεῖτο αὐτοῖς . . . σώματα δύο
Da. TH. 3. 27 (94). οὐκ ἐκυρίευσε τὸ πῦρ τοῦ σ. αὐ. (4)
— 28 (95). παρέδωκαν τὰ σ. αὐ. εἰς πῦρ (4)
4. 30: 5. 21. ἀπὸ τῆς δρόσου τοῦ οὐρ. τὸ σ. αὐ. ἐβάφη (4)
7. 11. τὸ σ. αὐ. ἐδόθη εἰς καῦσιν πυρός (4)
10. 6. καὶ τὸ σ. αὐ. ὡσεὶ θαρσεῖς (2 c)
Bel 32. ἐδίδοτο αὐτοῖς τὴν ἡμέραν δύο σώματα
I Ma. 11. 4. A R καὶ τὰ [S om.] σ. ἐρριμμένα
II Ma. 3. 17. περιεκέχυτο γὰρ . . . φρικασμὸς σώματος
6. 30. σκληρὰς ὑποφέρω κατὰ σῶμα ἀλγηδόνας
7. 7. πρὸ τοῦ τιμωρηθῆναι κατὰ μέλος τὸ σ.
— 37. σῶμα καὶ τύχην προδίδωμι
8. 11. ἐπ' ἀγορασμὸν Ἰουδαίων σ.
— 11. ἐνενήκοντα σώματα ταλάντου παραχωρήσειν
9. 7. πάντα τὰ μέλη τοῦ σ. ἀποστρεβλοῦσθαι
— 9. ὥστε καὶ ἐκ τοῦ σ. τοῦ δυσσεβοῦς σκώληκας ἀναζεῖν
— 29. παρεκομίζετο δὲ τὸ σ. Φίλιππος
12. 26. κατέσφαξε μυριάδας σωμάτων δύο πεντακισχιλίους
— 39. τὰ σ. τῶν προπεπτωκότων ἀνακομίσασθαι
14. 38. σῶμα . . . ὑπὲρ τοῦ Ἰουδαϊσμοῦ παραβεβλημένος
15. 30. ὁ καθ' ἅπαν σώματι καὶ ψυχῇ πρωταγωνιστής
III Ma. 2. 29. καὶ διὰ πυρὸς εἰς τὸ σ. παρασήμῳ Διονύσῳ κισσοφύλλῳ
6. 20. ὑπόφρικον καὶ τὸ τοῦ βασ. σ. ἐγενήθη
IV Ma. 1. 20. R περὶ τὸ σ. καὶ [A S om. π. τὸ σ. κ.] περὶ τὴν ψυχὴν πέφυκε
— 27. κατὰ δὲ τὸ σ. παντοφαγία
— 28. δυοῖν τοῦ σ. καὶ τῆς ψυχῆς φυτῶν ὄντων
— 35. πάντα τὰ τοῦ σ. κινήματα
3. 18. τὰς τῶν σ. ἀλγηδόνας . . . καταπαλαῖσαι
6. 7. ἀπὸ τοῦ μὴ φέρειν τὸ σ. τὰς ἀλγηδόνας
7. 13. A λελυμένων ἤδη τῶν τοῦ σ. πόνων [SR τόνων]
10. 4. A R προσαγάγετε τῷ σ. μου
— 20. τὰ τοῦ σ. μέλη ἀκρωτηριαζόμεθα
11. 11. καὶ τὸ σ. ἀγχόμενος
13. 13. χρήσωμεν τῇ περὶ τὸν νόμον φυλακῇ τὰ σ.
14. 10. ταχέως διέλυσε τὰ σ.
17. 1. ἵνα μὴ ψαύσειέ τι τοῦ σώματος ἑαυτῆς
18. 3. προϊέμενοι τὰ σ. τοῖς πόνοις

[Aq. III Ki. 14. 9: Jb. 41. 7: Is. 51. 23.]
[Sm. Nu. 14. 33: I Ki. 17. 46: Je. 33 (40). 5: Da. 10. 6.]
[Th. Jb. 18. 15†: Pr. 26. 3: Da. 3. 28 (95): 4. 22†: 10. 6.]
[Al. Le. 1. 8: 26. 30.]

σωματικός.

IV Ma. 1. 32. τῶν δὲ ἐπιθυμιῶν αἱ μέν εἰσι ψυχικαὶ αἱ δὲ σ.
3. 1. οὐ γὰρ τῶν ἑαυ. παθῶν ὁ λογισμὸς ἐπικρατεῖν φαίνεται ἀλλὰ τῶν σ. [S¹ al.]

σωματοποιεῖν. (1) רָפָא pi.
Ez. 34. 4. τὸ κακῶς ἔχον οὐκ ἐσωματοποιήσατε (1)

σωματοφύλαξ.

I Es. 3. 4. οἱ τρεῖς νεανίσκοι οἱ σ. οἱ φυλάσσοντες τὸ σῶμα τοῦ βασ.
Ju. 12. 7. A B προσέταξεν Ὀλ. τοῖς σ.
III Ma. 2. 23. οἵ τε φίλοι καὶ σ.

σωμήρ.

[Heb. Is. 26. 2.]

σῷος.

Da. TH. Bel 17. σῷοι [A -αι] αἱ σφραγῖδες, Δαν.
— 17. ὁ δὲ εἶπε, Σῷοι, βασιλεῦ
II Ma. 3. 15. ταῦτα σῷα διαφυλάξαι
— 22. τὰ πεπιστευμένα . . . σῷα διαφυλάσσειν
12. 24. ἐξαφεῖναι ὡς σῷον αὐτόν
III Ma. 2. 7. τοὺς δὲ ἐμπιστεύσαντας . . . σῴους διεκόμισας

σώρ.

[Heb. Is. 26. 4.]

σωρεύειν. (1) חָתָה

Ju. 15. 11. ἐσώρευσεν αὐτὰ ἐπ' αὐτῶν

Pr. 25. 22. ἄνθρακας πυρὸς [A om.] σωρεύσεις ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ (1)

[Aq., Sm., Th. Ex. 15. 8.]

σώρευμα.

[Al. Ge. 31. 47.]

σωρηδόν.

Wi. 18. 23. σ. γὰρ ἤδη πεπτωκότων ἐπ' ἀλλήλων νεκρῶν

σωρήκ (-ηχ). (1) שֹׂרֵק

Is. 5. 2. ἐφύτευσα ἄμπελον σ. (1)

[Aq. Ez. 17. 6.]

σωρός. (1) גֶּדִישׁ (2) גַּל (3) עֲרֵמָה

Jo. 7. 26. ἐπέστησαν αὐτῷ σωρὸν λίθων μέγαν (2)

8. 29. ἐπέστησαν αὐτῷ σωρὸν λίθων (2)

II Ki. 18. 17. ἐστήλωσεν ἐπ' αὐτὸν σωρὸν λίθων μέγαν σφόδρα (2)

II Ch. 31. 6. A R καὶ ἔθηκαν σωροὺς σωρούς [B om.] (3, 3)

— 7. B ἤρξαντο οἱ θεμέλιοι σωροὶ θεμελιοῦσθαι [A R al.] (3)

— 8. εἶδον τοὺς σ. (3)

— 9. ἐπυνθάνετο . . . ὑπὲρ τῶν σ. (3)

Jb. 21. 32. αὐτὸς ἐπὶ σωρῶν [A S -ῷ] ἠγρύπνησεν (1)

IV Ma. 9. 20. ὁ σ. τῆς ἀνθρακιᾶς τοῖς τῶν ἰχώρων ἐσβέννυτο σταλαγμοῖς

[Aq. Ge. 31. 52: Ex. 8. 14 (10) bis: Jo. 3. 13: Ho. 12. 11 (12).]

[Sm. Ca. 7. 2 (3): Je. 50 (27). 26.]

[Th. Jo. 3. 13: Jb. 21. 32.]

[Al. Ge. 31. 47, 51, 52: Le. 1. 16: Jb. 5. 26.]

[Quint. Ps. 32 (33). 7.]

σωσανείμ.

[Heb. Ps. 44 (45). 1.]

σωτήρ. (1) a. יָשַׁע hi. b. יְשׁוּעָה c. יֵשַׁע

De. 32. 15. ἀπέστη ἀπὸ θεοῦ σωτῆρος αὐ. (1 b)

Jd. 3. 9. ἤγειρε κ. σωτῆρα τῷ Ἰσρ. (1 a)

— 15. ἤγειρεν αὐτοῖς σωτῆρα τὸν Ἀ. (1 a)

12. 3. οὐκ εἶ σωτήρ [A al.] (1 a)

I Ki. 10. 19. ὃς αὐτός ἐστιν ὑμῶν σωτήρ (1 a)

I Ch. 16. 35. S¹ ὁ θεὸς ὁ σ. [A B S² τῆς σωτηρίας] ἡμῶν (1 c)

Ne. 9. 27. ἔδωκας αὐτοῖς σωτῆρας [A -ρίας] (1 a)

Ju. 9. 11. ἀπηλπισμένων σωτήρ

Es. 5. 1. ἐπικαλεσαμένη τὸν πάντων ἐπόπτην θεὸν καὶ σ.

8. 13. τόν τε ἡμέτερον σ. . . . αἰτησάμενος

Ps. 23 (24). 5. καὶ ἐλεημοσύνην παρὰ θεοῦ σωτῆρος αὐτοῦ (1 c)

24 (25). 5. σὺ εἶ ὁ θεὸς ὁ σ. μου (1 c)

26 (27). 1. κύριος φωτισμός μου καὶ σωτήρ μου (1 c)

— 9. μὴ ὑπερίδῃς [S² ἐγκαταλίπῃς] με, ὁ θεὸς ὁ σ. μου (1 c)

61 (62). 2, 6. αὐτὸς θεός μου καὶ σωτήρ μου (1 b)

64 (65). 5. ἐπάκουσον ἡμῶν, ὁ θεὸς ὁ σ. ἡμῶν (1 c)

78 (79). 9. βοήθησον ἡμῖν, ὁ θεὸς ὁ σ. ἡμῶν (1 c)

94 (95). 1. ἀλαλάξωμεν τῷ θεῷ τῷ σ. ἡμῶν (1 c)

Pr. 29. 25. S ὃς δὲ πέποιθεν ἐπὶ τῷ σ. [A B δεσπότῃ] σωθήσεται †

Wi. 16. 7. διὰ σὲ τὸν πάντων σ.

Si. 51. 1. αἰνέσω σε [A om.] θεὸν τὸν σ. μου

Mi. 7. 7. ὑπομενῶ ἐπὶ τῷ θεῷ τῷ σ. μου (1 c)

Hb. 3. 18. χαρήσομαι ἐπὶ τῷ θεῷ τῷ σ. μου (1 c)

Is. 12. 2. ὁ θεός μου σ. μου (1 b)

17. 10. κατέλιπες τὸν θεὸν τὸν σ. σου (1 c)

25. 9. S¹ εὐφρανθησόμεθα ἐπὶ τῷ σ. [A B S² τῇ σωτηρίᾳ] ἡμῶν (1 b)

45. 15. A S R ὁ θεὸς τοῦ Ἰσραὴλ σ. [B om.] (1 a)

— 21. A² B S δίκαιος καὶ σ. οὐκ ἔστι [A² ἔστιν ἄλλος] πάρεξ ἐμοῦ (1 a)

— 22. A² δίκαιος καὶ σ. οὐκ ἔστιν πάρεξ ἐμοῦ –

62. 11. ὁ σ. σοι παραγέγονεν [A S -γίνεται] (1 c)

Ba. 4. 22. ἥξει ὑμῖν ἐν τάχει παρὰ τοῦ αἰωνίου σ. ὑμῶν

I Ma. 4. 30. εὐλογητὸς εἶ, ὁ σ. Ἰσρ.

III Ma. 6. 29. τὸν ἅγιον σ. θεὸν αὐ. ηὐλόγουν

III Ma. 6. 32. τὸν Ἰσρ. σωτῆρα . . . αἰνοῦντες θεόν

7. 16. τῷ θεῷ τῶν πατέρων αὐ. ἁγίῳ σ. τοῦ Ἰσρ.

[Aq. Ps. 26 (27). 9: Is. 19. 20: 47. 15.]

[Sm. Ps. 24 (25). 5: Is. 19. 20: 32. 5: 47. 15.]

[Th. Is. 12. 2: 19. 20: 47. 15.]

[Sext. Ps. 17 (18). 36.]

σωτηρία. (1) a. יֵשַׁע, יֶשַׁע b. יְשׁוּעָה c. יֵשַׁע hi. (2) פְּלֵיטָה (3) שְׁלֵו (4) a. שָׁלוֹם b. שֶׁלֶם (5) תְּשׁוּעָה (6) תְּשִׁיעָה, תּוּשִׁיָּה

Ge. 26. 31. ἀπῴχοντο ἀπ' αὐτοῦ μετὰ σωτηρίας (4 a)

28. 21. καὶ ἀποστρέψῃ με μετὰ σωτηρίας (4 a)

44. 17. ἀνάβητε μετὰ σωτηρίας πρὸς τὸν πατέρα ὑ. (4 a)

49. 18. τὴν σ. περιμένων κυρίου (1 b)

Ex. 14. 13. ὁρᾶτε τὴν σ. τὴν παρὰ τοῦ θεοῦ (1 b)

15. 2. σκεπαστὴς ἐγένετό μοι εἰς σωτηρίαν (1 b)

Nu. 6. 14. B¹ καὶ κριὸν ἕνα ἄμωμον εἰς σωτηρίαν [A B² R -ον] (4 b)

Jd. 15. 18. εὐδόκησας . . . τὴν σ. τὴν μεγάλην τ. (5)

I Ki. 2. 1. εὐφράνθην ἐν σωτηρίᾳ σου (1 b)

11. 9. αὔριον ὑμῖν ἡ σ. (5)

— 13. σήμερον ἐποίησε κύριος σωτηρίαν ἐν Ἰσρ. (5)

14. 45. ὁ ποιήσας τὴν σ. τὴν μεγάλην ταύτην (1 b)

19. 5. ἐποίησε κύριος σ. μεγάλην (5)

II Ki. 10. 11. ἔσεσθέ μοι εἰς σωτηρίαν (1 b)

15. 14. οὐκ ἔστιν ἡμῖν σ. ἀπὸ προσώπου Ἀβ. (2)

19. 2 (3). ἐγένετο ἡ σ. . . . εἰς πένθος (5)

22. 3. καὶ κέρας σωτηρίας μου (1 a)

— 3. καὶ καταφυγή μου σωτηρίας [A¹ -α] μου (1 c)

— 36. ἔδωκάς μοι ὑπερασπισμὸν σωτηρίας μου (1 a)

— 47. ὁ φύλαξ τῆς σ. μου (1 a)

— 51. μεγαλύνων σωτηρίας βασιλέως αὐ. (1 b)

23. 5. πᾶσα σ. μου καὶ πᾶν θέλημα (1 a)

— 10, 12. ἐποίησε κύριος σ. μεγάλην (5)

IV Ki. 13. 5. ἔδωκε κύριος σωτηρίαν τῷ Ἰσρ. (1 c)

— 17. βέλος σωτηρίας τῷ κυρίῳ (5)

— 17. βέλος σωτηρίας ἐν Συρίᾳ (5)

I Ch. 11. 14. ἐποίησε κ. σ. μεγάλην (5)

16. 23. ἀναγγείλατε . . . σωτηρίαν [A S τὸ σωτήριον] αὐ. (1 b)

— 35. ἔσωσεν [A σῶσον] ἡμᾶς ὁ θεὸς τῆς σ. [S¹ ὁ σωτὴρ] ἡμῶν (1 a)

19. 12. ἔσῃ μοι εἰς σωτηρίαν (5)

II Ch. 6. 41. ἱερεῖς σου . . . ἐνδύσαιντο σωτηρίαν (5)

12. 7. δώσω αὐτοὺς ὡς μικρὸν εἰς σωτηρίαν (2)

20. 17. ἴδετε τὴν σ. κυρίου μεθ' ὑμῶν (1 b)

II Es. 9. 8. τοῦ καταλιπεῖν ἡμῖν εἰς σωτηρίαν (2)

— 13. ἔδωκας ἡμῖν σωτηρίαν (2)

Ne. 9. 27. A ἔδωκας αὐτοῖς σωτηρίας [B S -ρας] (1 c)

To. 5. 16. S συνοδεύσαι ὑμῖν μετὰ σωτηρίας [A B al.]

6. 17. S ἵνα ἔλεος γένηται καὶ σωτηρία ἐφ' ὑμᾶς [A B al.]

8. 4. S ὅπως ποιήσῃ ἐφ' ἡμᾶς ἔλεος καὶ σωτηρίαν [A B al.]

— 5. S ὅπως γένηται αὐτοῖς σωτηρία

— 17. S ποίησον αὐτοῖς . . . ἔλεος καὶ σωτηρίαν [A B om. κ. σ.]

14. 4. S ἐν τῇ M. ἔσται σωτηρία [A B εἰρήνη]

Ju. 8. 17. ἀναμένοντες τὴν παρ' αὐτοῦ σ.

11. 3. ἤκεις γὰρ εἰς σωτηρίαν

Es. 4. 11. οὐκ ἔστιν αὐτῷ σωτηρία –

— 17. ηὐδόκουν φιλεῖν πέλματα ποδῶν αὐ. πρὸς σωτηρίαν Ἰσρ.

8. 13. ὅπως . . . σωτηρία ἡμῖν

Jb. 2. 9. προσδεχόμενος τὴν ἐλπίδα τῆς σ. μου –

5. 4. πόρρω γένοιντο [A ἐγένοντο] οἱ υἱοὶ αὐτῶν ἀπὸ σωτηρίας (1 a)

11. 20. σωτηρία δὲ αὐτοὺς ἀπολείψει †

13. 16. τοῦτό μοι ἀποβήσεται εἰς σωτηρίαν (1 b)

20. 20. οὐκ ἔστιν αὐτοῦ σωτηρία τοῖς ὑπάρχουσιν [A al.] (3)

30. 15. ὥσπερ νέφος ἡ σ. μου [A μου παρῆλθεν] (1 b)

— 22. ἀπέρριψάς με ἀπὸ σωτηρίας (†*, 6)

Ps. 3. 2. οὐκ ἔστι σωτηρία αὐτῷ ἐν τῷ θεῷ αὐτοῦ (1 b)

— 8. τοῦ κυρίου ἡ σ. (1 b)

11 (12). 5. B S¹ θήσομαι ἐν σωτηρίᾳ [A S² R -ίῳ] (1 a)

17 (18). 2. A S R ὑπερασπιστής μου καὶ κέρας σωτηρίας μου [B om.] (1 a)

— 35. ἔδωκάς μοι ὑπερασπισμὸν σωτηρίας μου (1 a)

— 46. ὑψωθήτω ὁ θεὸς τῆς σ. μου (1 a)

— 50. μεγαλύνων τὰς σ. τοῦ βασ. αὐ. [S² om.] (1 b)

19 (20). 6. ἐν δυναστείαις ἡ σ. τῆς δεξιᾶς αὐτοῦ (1 a)

21 (22). 1. μακρὰν ἀπὸ τῆς σ. μου οἱ λόγοι τῶν παραπτωμάτων μου (1 b)

32 (33). 17. ψευδὴς ἵππος εἰς σωτηρίαν (5)

Ps. 34 (35). 3. σωτηρία σου ἐγώ εἰμι (1 b)

36 (37). 39. σωτηρία δὲ τῶν δικαίων παρὰ κυρίου (5)

37 (38). 22. κύριε τῆς σ. μου (5)

41 (42). 11. ἡ σ. [A S² σωτήριον] τοῦ προσώπου μου (1 b)

43 (44). 4. ὁ ἐντελλόμενος τὰς σ. Ἰακώβ (1 b)

50 (51). 14. ὁ θεὸς ὁ θεὸς τῆς σ. μου (5)

59 (60). 11. ματαία σωτηρία ἀνθρώπου (5)

68 (69). 13. ἐν ἀληθείᾳ τῆς σ. σου (1 a)

— 29. B S¹ ἡ σ. τοῦ προσώπου [S² om. τοῦ πρ.] σου ἀντελάβετό μου (1 b)

70 (71). 15. ὅλην τὴν ἡμέραν τὴν σ. σου (5)

73 (74). 12. εἰργάσατο σωτηρίαν ἐν μέσῳ τῆς γῆς (1 b)

87 (88). 1. κύριε ὁ θ. τῆς σωτηρίας μου (1 b)

88 (89). 26. θεός μου καὶ ἀντιλήπτωρ τῆς σ. μου (1 b)

107 (108). 12. ματαία σωτηρία ἀνθρώπου (5)

117 (118). 14. ἐγένετό μοι εἰς σωτηρίαν (1 b)

— 15. φωνὴ ἀγαλλιάσεως καὶ σωτηρίας ἐν σκηναῖς δικαίων (1 b)

— 21. ἐγένου μοι εἰς σωτηρίαν (1 b)

— 28. ἐγένου μοι εἰς σωτηρίαν –

118 (119). 155. μακρὰν ἀπὸ ἁμαρτωλῶν σωτηρία [S¹ ἡ σ.] (1 b)

131 (132). 16. τοὺς ἱερεῖς αὐτῆς ἐνδύσω σωτηρίαν (1 a)

139 (140). 7. κύριε κύριε, δύναμις τῆς σ. μου (1 b)

143 (144). 10. τῷ διδόντι τὴν [A om.] σ. τοῖς βασιλεῦσι (5)

145 (146). 3. οἷς οὐκ ἔστι σωτηρία (5)

149. 4. ὑψώσει πραεῖς ἐν σωτηρίᾳ (1 b)

Pr. 2. 7. θησαυρίζει τοῖς κατορθοῦσι σωτηρίαν (6)

11. 14. σωτηρία δὲ ὑπάρχει ἐν πολλῇ βουλῇ (5)

Wi. 5. 2. ἐκστήσονται ἐπὶ τῷ παραδόξῳ τῆς σ.

6. 24. πλῆθος δὲ σοφῶν σωτηρία κόσμου

16. 6. A S R σύμβουλον [B -βολον] ἔχοντες σωτηρίας

18. 7. προσεδέχθη [A προσδεχθῇ] ὑπὸ λαοῦ σου σωτηρία μὲν δικαίων

Si. 4. 23. μὴ κωλύσῃς λόγον ἐν καιρῷ σωτηρίας

40. 7. ἐν καιρῷ σωτηρίας αὐτοῦ ἐξηγέρθη

46. 1. ὃς ἐγένετο . . . μέγας ἐπὶ σωτηρίᾳ ἐκλεκτῶν αὐτοῦ

Ob. 1. 17. ἐν δὲ τῷ ὄρει Σιὼν ἔσται σωτηρία [A S² ἡ σ.] (2)

Hb. 3. 8. καὶ ἡ ἱππασία σου σωτηρία (1 b)

— 13. ἐξῆλθες εἰς σωτηρίαν λαοῦ σου (1 a)

Is. 12. 1. S¹ ὠργίσθης μοι εἰς σωτηρίαν [A B S² om. εἰς σ.] –

— 2. ἐγένετό μοι εἰς σωτηρίαν (1 b)

25. 9. εὐφρανθησόμεθα ἐπὶ τῇ σ. [S¹ τῷ σωτῆρι] ἡμῶν (1 b)

26. 18. πνεῦμα σωτηρίας σου ἐποιήσαμεν ἐπὶ τῆς γῆς (1 b)

33. 2. ἡ δὲ σ. ἡμῶν ἐν καιρῷ θλίψεως (1 b)

— 6. ἐν θησαυροῖς ἡ σ. ἡμῶν (1 b)

38. 20. θεέ [A S κύριε] τῆς σ. μου (1 c)

45. 17. σώζεται ὑπὸ κ. σωτηρίαν αἰώνιον (5)

46. 13. τὴν σ. τὴν παρ' ἐμοῦ οὐ βραδυνῶ (5)

— 13. δέδωκα ἐν Σιὼν σωτηρίαν τῷ Ἰσραήλ (5)

47. 15. σοὶ δὲ οὐκ ἔσται σ. (1 c)

49. 6. τοῦ εἶναί σε εἰς σωτηρίαν (1 b)

— 8. ἐν ἡμέρᾳ σωτηρίας ἐβοήθησά σοι (1 b)

52. 7. ἀκουστὴν ποιήσω τὴν σ. σου (1 b)

— 10. ὄψονται πάντα ἄκρα τῆς γῆς τὴν σ. τὴν παρὰ τοῦ θεοῦ ἡμῶν (1 b)

59. 11. ἀνεμείναμεν κρίσιν καὶ οὐκ ἔστι σ. (1 b)

63. 1. S¹ διαλέγομαι δικαιοσύνην καὶ κρίσιν σωτηρίας [A B S² -ίου] (1 c)

— 8. ἐγένετο αὐτοῖς εἰς σωτηρίαν (1 c)

Je. 3. 23. διὰ κυρίου θεοῦ ἡμῶν ἡ σ. τοῦ [A τῷ] Ἰσραήλ (5)

32 (25). 35. ἀπολεῖται . . . σ. ἀπὸ τῶν κριῶν τῶν προβάτων (2)

37 (30). 6. ἐν ᾧ καθέξουσιν ὀσφὺν καὶ σωτηρίαν –

38 (31). 22. ἔκτισε κύριος σωτηρίαν εἰς καταφύτευσιν καινὴν ἐν σωτηρίᾳ [S εἰς σωτηρίαν] περιελεύσονται ἄνθρωποι –, †

Ba. 4. 22. ἤλπισα ἐπὶ τῷ αἰωνίῳ τὴν σ. ὑμῶν

— 24. ὄψονται ἐν τάχει τὴν παρὰ τοῦ θεοῦ ὑμῶν σ.

— 29. ἐπάξει ὑμῖν τὴν αἰώνιον εὐφροσύνην μετὰ τῆς σ. ὑμῶν

Da. TH. 11. 42. γῆ Αἰγ. οὐκ ἔσται εἰς σωτηρίαν (2)

I Ma. 3. 6. εὐοδώθη σωτηρία ἐν χειρὶ αὐ.

4. 25. ἐγενήθη σ. μεγάλη τῷ Ἰσρ.

5. 62. οἷς ἐδόθη σωτηρία Ἰσρ. διὰ χειρὸς αὐ.

II Ma. 3. 29. πάσης ἐστερημένος ἐλπίδος καὶ σωτηρίας

— 32. προσήγαγε θυσίαν ὑπὲρ τῆς τοῦ ἀνδρὸς σ.

II Ma. 7. 25. τοῦ μειρακίου σύμβουλον ἐπὶ σωτηρίᾳ
11. 6. ἀγαθὸν ἄγγελον ἀποστεῖλαι πρὸς σωτηρίαν τῷ Ἰσρ.
12. 25. ἕνεκα τῆς τῶν ἀδελφῶν σ.
13. 3. οὐκ ἐπὶ σωτηρίας τῆς πατρίδος
14. 3. οὐκ ἔστιν αὐτῷ σωτηρία
III Ma. 6. 13. δυνάμεις ἔχων ἐπὶ σωτηρίαν Ἰ. γένους
— 33. ἐπὶ τῇ παραδόξῳ γενηθείσῃ αὐτῶν σωτηρίᾳ
— 36. οὐ πότου χάριν . . . σωτηρίας δέ
7. 16. παντελῆ σ. ἀπόλυσιν ἐσχηκότες
— 22. ποιήσαντος τελέως ἐπὶ σωτηρίᾳ αὐτῶν
IV Ma. 9. 4. τὸν ἐπὶ τῇ παρανόμῳ σ. ἡμῶν ἔλεον
12. 6. A R ὅπως αὐτὴν . . . παρορμήσειεν ἐπὶ τὴν σ. [S *al.*]
15. 2. τῆς ἑπτὰ υἱῶν σ. προκαίρου
— 8. ὑπερείδε τὴν τῶν τέκνων πρόσκαιρον σ.
— 27. A S² R τὴν σώζουσαν ἑπτὰ υἱοὺς . . . σ.
[Aq. Ps. 17 (18). 36 : 21 (22). 2 : 41 (42). 6 : Is. 46. 13 : 52. 7 : 60. 18 : Je. 11. 12 : 14. 8 : 31 (38). 22 : Ez. 16. 4 : Hb. 3. 13 *bis*.]
[Sm. Ge. 45. 5 : II Ki. 11. 7 : Jb. 5. 11 : Ps. 17 (18). 36 : 21 (22). 2 : 26 (27). 9 : 32 (33). 17 : 41 (42). 6 : 42 (43). 2, 5 : 43 (44). 5 : 59 (60). 13 : 67 (68). 21 : 70 (71). 15 : 105 (106). 4 : Pr. 24. 6 : Is. 28. 29 : 33. 6 : 46. 13 : 52. 7 : 56. 1 : 60. 18.]
[Th. Jb. 12. 16 : 30. 22 : Ps. 17 (18). 17, 36 : 21 (22). 2 : 41 (42). 12† : 105 (106). 4 : Pr. 24. 6 : Is. 37. 32 : Je. 11. 12 : 31 (38). 22 *bis* : Ez. 16. 4.]
[Al. Ge. 49. 18 : I Ki. 10. 8 : Ps. 11 (12). 6 : 145 (146). 3 : Hb. 3. 8, 13.]
[Quint. Ps. 21 (22). 2 : 42 (43). 5 (P.) : Hb. 3. 13 *bis*.]
[Sext. Ps. 21 (22). 2.]

σωτηρίαγμα (?). (1) יֶתֶר
II Es. 9. 8. B³ δοῦναι ἡμῖν σωτηρίαγμα [A B¹ *al.*] (1)

σωτήριον. (1) *a.* יֵשַׁע, יֶשַׁע *b.* יְשׁוּעָה *c.* יֵשַׁע hi. (2) *a.* שְׁלוֹם *b.* שָׁלֵם (3) תְּשׁוּעָה (4) (ἡ) θυσία (τοῦ) σωτηρίου שָׁלֵם (5) τὸ τοῦ σ. שָׁלֵם
Ge. 41. 16. οὐκ ἀποκριθήσεται τὸ σ. Φ. (2 *a*)
Ex. 20. 24. θύσετε ἐπ' αὐτοῦ . . . τὰ σ. ὑμῶν (2 *b*)
24. 5. ἔθυσαν θυσίαν σωτηρίου τῷ θεῷ μοσχάρια (2 *b*)
29. 28. ἀπὸ τῶν θυμάτων τῶν σ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (2 *b*)
32. 6. προσήνεγκε θυσίαν σωτηρίου (4)
Le. 3. 1. AB¹ ἐὰν δὲ θυσίαν [B²R -α] σωτηρίου τὸ δῶρον αὐ. (2 *b*)
— 3. προσάξουσιν ἀπὸ τῆς θυσίας τοῦ σ. (2 *b*)
— 6. θυσίαν σωτηρίου τῷ κυρίῳ (2 *b*)
— 9. προσοίσει ἀπὸ τῆς θυσίας τοῦ σ. (2 *b*)
4. 10. ἀπὸ τοῦ μόσχου τοῦ τῆς θυσίας τοῦ σ. (2 *b*)
— 26. ὥσπερ τὸ στέαρ θυσίας σωτηρίου (2 *b*)
— 31. περιαιρεῖται στέαρ ἀπὸ θυσίας σωτηρίου (2 *b*)
— 35. ὃν τρόπον περιαιρεῖται . . . ἐκ τῆς θυσίας τοῦ σ. (2 *b*)
6. 12 (5). ἐπιθήσει ἐπ' αὐτὸ τὸ στέαρ τοῦ σ. (2 *b*)
7. 1 (11). οὗτος ὁ νόμος θυσίας σωτηρίου (2 *b*)
— 3 (13). ἐπὶ θυσίᾳ αἰνέσεως σωτηρίου (2 *b*)
— 4 (14). τῷ ἱερεῖ τῷ προσχέοντι τὸ αἷμα τοῦ σ. (2 *b*)
— 5 (15). τὰ κρέα θυσίας αἰνέσεως σωτηρίου (2 *b*)
— 10 (20). ἥτις ἐὰν φάγῃ ἀπὸ τῶν κρεῶν τῆς θυσίας τοῦ σ. (2 *b*)
— 11 (21). ἀπὸ τῶν κρεῶν τῆς θυσίας τοῦ σ. (2 *b*)
— 19 (29). ὁ προσφέρων θυσίαν σωτηρίου (2 *b*)
— 19 (29). καὶ ἀπὸ τῆς θυσίας τοῦ σ. (2 *b*)
— 22 (32). ἀπὸ τῶν θυσιῶν τοῦ σ. ὑμῶν (2 *b*)
— 23 (33). ὁ προσφέρων τὸ αἷμα τοῦ σ. (2 *b*)
— 24 (34). εἴληφα . . . ἀπὸ τῶν θυσιῶν τοῦ σ. ὑμῶν (2 *b*)
— 27 (37). οὗτος ὁ νόμος . . . τῆς θυσίας τοῦ σ. (2 *b*)
9. 4. καὶ κριὸν εἰς θυσίαν σωτηρίου (4)
— 18. τὸν κριὸν τῆς θυσίας τοῦ σ. τῆς τοῦ λαοῦ (2 *b*)
— 22. ποιήσας . . . τὰ [A *om.*] τοῦ σ. [5 [2 *b*]]
10. 14. ἀπὸ τῶν θυσιῶν τοῦ σ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (2 *b*)
17. 4. ὥστε ποιῆσαι αὐτὸ εἰς ὁλοκαύτωμα ἢ σωτήριον –
— 5. θύσουσι θυσίαν σωτηρίου (2 *b*)
19. 5. ἐὰν θύσητε θυσίαν σωτηρίου τῷ κ. (2 *b*)
22. 21. ὃς ἂν προσενέγκῃ θυσίαν σωτηρίου τῷ κ. (2 *b*)
23. 19. καὶ δύο ἀμνοὺς ἐνιαυσίους εἰς θυσίαν σωτηρίου (2 *b*)
Nu. 6. 14. καὶ κριὸν ἕνα ἄμωμον εἰς σωτήριον [B¹ -αν] (2 *b*)
Nu. 6. 17. τὸν κριὸν ποιήσει θυσίαν σωτηρίου κυρίῳ (2 *b*)
— 18. ὅ ἐστιν ὑπὸ τὴν θυσίαν τοῦ σ. (2 *b*)
7. 17, 23, 29, 35, 41, 47, 53, 59, 65, 71, 77, 83. εἰς θυσίαν σωτηρίου δαμάλεις δύο (2 *b*)
— 88. πᾶσαι αἱ βόες εἰς θυσίαν σωτηρίου (2 *b*)
10. 10. καὶ ἐπὶ ταῖς θυσίαις τῶν σ. ὑμῶν (2 *b*)
15. 8. εἰς σωτήριον κυρίῳ (2 *b*)
29. 39. τὰς σπονδὰς ὑμῶν καὶ τὰ σ. ὑμῶν (2 *b*)
De. 27. 7. θύσεις ἐκεῖ θυσίαν σωτηρίου [A *al.*] (4)
Jo. 9. 2 (8. 31). ἀνεβίβασεν ἐκεῖ . . . θυσίαν σωτηρίου (4)
22. 23. ὥστε ποιῆσαι ἐπ' αὐτοῦ θυσίαν σωτηρίου (2 *b*)
— 27. καὶ ἐν ταῖς θυσίαις τῶν σ. (2 *b*)
— 29. θυσιαστήριον . . . τῇ θυσίᾳ τοῦ σ. [A τῶν σ.] –
Jd. 20. 26 : 21. 4. A ἀνήνεγκαν ὁλοκαυτώματα σωτηρίου [B *al.*] (2 *b*)
I Ch. 16. 1. προσήνεγκαν ὁλοκαυτώματα καὶ σωτηρίου (2 *b*)
— 2. ἀναφέρων ὁλοκαυτώματα καὶ σωτηρίου (2 *b*)
— 23. A S ἀναγγείλατε . . . τὸ σ. [B σωτηρίαν] αὐ. (1 *b*)
21. 26. ἀνήνεγκεν ὁλοκαυτώματα καὶ σωτηρίου (2 *b*)
II Ch. 7. 7. ἐποίησεν ἐκεῖ . . . τὰ στέατα τῶν σ. (2 *b*)
29. 35. ἐν τοῖς στέασι τῆς τελειώσεως τοῦ σ. (2 *b*)
30. 22. θύοντες θυσίας σωτηρίου (2 *b*)
31. 2. καὶ εἰς τὴν θυσίαν τοῦ σ. (4)
33. 16. ἐθυσίασεν ἐπ' αὐτὸ θυσίαν σωτηρίου (2 *b*)
I Es. 8. 65. τράγους ὑπὲρ σωτηρίου δώδεκα
Ps. 9. 14. ἀγαλλιάσομαι [S² -σόμεθα] ἐπὶ [A ἐν] τῷ σ. σου (1 *b*)
11 (12). 5. A S² R θήσομαι ἐν σωτηρίῳ [B S¹ -ίᾳ] (1 *a*)
12 (13). 5. ἀγαλλιάσεται ἡ καρδία μου ἐν [A S ἐπὶ] τῷ σ. σου (1 *b*)
13 (14). 7. τίς δώσει ἐκ Σιὼν τὸ σ. τοῦ Ἰσραήλ (1 *b*)
19 (20). 5. ἀγαλλιασόμεθα [B¹ -σώμεθα] ἐν [A ἐπὶ] τῷ σ. σου (1 *b*)
20 (21). 1. ἐπὶ τῷ σ. σου ἀγαλλιάσεται σφόδρα (1 *b*)
— 5. μεγάλη ἡ δόξα αὐτοῦ ἐν τῷ σ. σου (1 *b*)
27 (28). 8. καὶ ὑπερασπιστὴς τῶν σ. τοῦ χριστοῦ αὐτοῦ ἐστι (1 *b*)
34 (35). 9. τερφθήσεται ἐπὶ τῷ σ. αὐτοῦ (1 *b*)
39 (40). 10. τὸ σ. σου εἶπα (3)
— 16. οἱ ἀγαπῶντες τὸ σ. σου (3)
41 (42). 5. σωτήριον τοῦ προσώπου μου [S¹ σου] (1 *b*)
— 11. A S² σωτήριον [B S¹ ἡ σωτηρία] τοῦ προσώπου μου (1 *b*)
42 (43). 5. σωτήριον τοῦ προσώπου μου (1 *b*)
49 (50). 23. ᾗ δείξω αὐτῷ τὸ σ. τοῦ θεοῦ (1 *a*)
50 (51). 12. ἀπόδος μοι τὴν ἀγαλλίασιν τοῦ σ. σου (1 *a*)
52 (53). 6. τίς δώσει ἐκ Σιὼν τὸ σ. τοῦ Ἰσραήλ (1 *b*)
61 (62). 1. παρ' αὐτοῦ γὰρ τὸ σ. μου (1 *b*)
— 7. ἐπὶ τῷ θεῷ τὸ σ. μου (1 *a*)
66 (67). 2. ἐν πᾶσιν ἔθνεσι τὸ σ. σου (1 *b*)
67 (68). 19. κατευοδώσει ἡμῖν ὁ θεὸς τῶν σ. ἡμῶν (1 *b*)
69 (70). 4. οἱ ἀγαπῶντες τὸ σ. σου (1 *b*)
77 (78). 22. οὐδὲ ἤλπισαν ἐπὶ τὸ σ. αὐτοῦ (1 *b*)
84 (85). 4. ἐπίστρεψον ἡμᾶς, ὁ θεὸς τῶν σ. ἡμῶν (1 *a*)
— 7. τὸ σ. σου δῷης ἡμῖν (1 *a*)
— 9. ἐγγὺς τῶν φοβουμένων αὐτὸν τὸ σ. αὐτοῦ (1 *a*)
90 (91). 16. δείξω αὐτῷ τὸ σ. μου (1 *b*)
95 (96). 2. εὐαγγελίζεσθε ἡμέραν ἐξ ἡμέρας τὸ σ. αὐτοῦ (1 *b*)
97 (98). 2. ἐγνώρισε κύριος τὸ σ. αὐτοῦ (1 *b*)
— 3. εἶδοσαν πάντα τὰ πέρατα τῆς γῆς τὸ σ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (1 *b*)
105 (106). 4. ἐπισκέψαι ἡμᾶς ἐν τῷ σ. σου (1 *b*)
115. 4 (116. 13). ποτήριον σωτηρίου λήψομαι (1 *b*)
118 (119). 41. S² R τὸ σ. σου κατὰ τὸν λόγον [A κατὰ λόγιον, S¹ κατὰ τὸ ἔλεός] σου (3)
— 81. ἐκλείπει εἰς τὸ σ. σου ἡ ψυχή μου (3)
— 123. οἱ ὀφθαλμοί μου ἐξέλιπον εἰς τὸ σ. σου (1 *b*)
— 166. προσεδόκων τὸ σ. σου (1 *b*)
— 174. ἐπεπόθησα τὸ σ. σου (1 *b*)
Si. 32 (35). 1. θυσιάζων [A² -ία] σωτηρίου ὁ προσέχων ἐντολαῖς
39. 18. οὐκ ἔστιν ὃς ἐλαττώσει τὸ σ. αὐτοῦ
47. 2. ὥσπερ στέαρ ἀφωρισμένον ἀπὸ σωτηρίου
50. 15. S² ἐξέχεεν εἰς θεμελία θυσιαστηρίου σωτηρίου [A B S¹ *om.*] ὀσμὴν εὐωδίας
Am. 5. 22. A σωτηρίου [B -ους] ἐπιφανείας ὑμῶν οὐκ ἐπιβλέψομαι (2 *b*)
Jn. 2. 10. ἀποδώσω σοι σωτηρίου [A S² ἀ. εἰς σωτήριόν μου] (1 *b*)
Is. 12. 3. ἐκ τῶν πηγῶν τοῦ σ. (1 *b*)
26. 1. σωτήριον [A S *add.* ἡμῖν] θήσει τὸ τεῖχος (1 *b*)
33. 20. ἰδοὺ Σιὼν ἡ πόλις τὸ σ. ἡμῶν †
38. 11. οὐ μὴ ἴδω τὸ σ. τοῦ θεοῦ –
— 11. B οὐκέτι μὴ ἴδω τὸ σ. τοῦ Ἰσρ. ἐπὶ γῆς –
40. 5. ὄψεται πᾶσα σὰρξ τὸ σ. τοῦ θεοῦ †
51. 5. ἐξελεύσεται ὡς φῶς τὸ σ. μου (1 *a*)
— 6. τὸ δὲ σ. μου εἰς τὸν αἰῶνα ἔσται (1 *b*)
— 8. τὸ δὲ σ. μου εἰς γενεὰς γενεῶν (1 *b*)
56. 1. ἤγγικε γὰρ τὸ σ. μου παραγίνεσθαι (1 *b*)
59. 17. περιέθετο περικεφαλαίαν [S *add.* ὡς] σωτηρίου (1 *b*)
60. 6. τὸ σ. κυρίου εὐαγγελιοῦνται [S *add.* σοι] †
— 18. κληθήσεται Σωτήριον τὰ τείχη σου (1 *b*)
61. 10. ἐνέδυσε γάρ με ἱμάτιον σωτηρίου (1 *a*)
62. 1. τὸ δὲ σ. μου ὡς λαμπὰς καυθήσεται (1 *b*)
63. 1. διαλέγομαι . . . κρίσιν σωτηρίου [S¹ -ίας] (1 *c*)
La. 3. 26. ἡσυχάσει εἰς τὸ σ. κυρίου (3)
Ez. 43. 27. ποιήσουσιν οἱ ἱερεῖς . . . τὰ τοῦ σ. ὑμῶν (5)
45. 15. εἰς σωτήριον [A -ον] τοῦ ἐξιλάσκεσθαι (2 *b*)
— 17. ποιήσει . . . τὰ ὁλοκαυτώματα καὶ τὰ τοῦ σ. (5)
46. 2. ποιήσουσιν οἱ ἱερεῖς . . . τὰ τοῦ σ. αὐ. (2 *b*)
— 12. ὁλοκαύτωμα σωτηρίου τῷ κυρίῳ . . . τὰ τοῦ σ. αὐτοῦ (2 *b*, 5)
I Ma. 4. 56. ἔθυσαν θυσίαν σωτηρίου
III Ma. 6. 30. ἐν εὐφροσύνῃ πάσῃ σωτήρια ἀγαγεῖν
7. 18. ἐποίησαν πότον σωτηρίου
IV Ma. 11. 7. A R ἐλπίδα εἶχες παρὰ θεῷ σωτηρίου [Aq. Ps. 26 (27). 1 : 61 (62). 8 : Is. 26. 1.] [Sm. Ps. 11 (12). 6 : 26 (27). 1 : 49 (50). 23 : Is. 46. 13.] [Th. Is. 46. 13.]

σωτήριος. (1) שָׁלֵם
Wi. 1. 14. σωτήριοι αἱ γενέσεις τοῦ κόσμου
Am. 5. 22. σ. [A -ου] ἐπιφανείας ὑμῶν οὐκ ἐπιβλέψομαι (1)
III Ma. 6. 31. κώθωνα σωτήριον συστησάμενοι
7. 18. R ἐποίησαν πότον σ. [A -ίου]
IV Ma. 12. 6. S ἐπὶ τὴν σ. εὐπείθειαν [A R *al.*]
15. 26. δύο ψήφους . . . θανατηφόρον τε καὶ σ.

σωτήρισμα (?). (1) יֶתֶר
II Es. 9. 8. B¹ δοῦναι ἡμῖν σωτήρισμα [A B² *al.*] (1)

σωφείρ, σωφέρ. (1) שׁוֹפָר
I Ch. 15. 28. ἀνάγοντες τὴν κιβ. . . . ἐν φωνῇ σ. (1)

σωφρονίζειν.
[Aq. Is. 38. 16.]

σωφρόνως.
Wi. 9. 11. ὁδηγήσει με ἐν ταῖς πράξεσί μου σ.

σωφροσύνη.
Es. 3. 13. σωφροσύνῃ παρ' ἡμῖν [A -ης ὁ παρ' ὑμῖν] διενέγκας
Wi. 8. 7. σωφροσύνην [A -ης] γὰρ καὶ φρόνησιν ἐκδιδάσκει
II Ma. 4. 37. διὰ τὴν τοῦ μεταλλαχότος σ.
IV Ma. 1. 3. τῶν σωφροσύνης κωλυτικῶν παθῶν
— 6. τῶν τῆς δικαιοσύνης . . . καὶ σ. . . . ἐναντίων
— 18. εἰδέαι καθεστῶσι φρόνησις . . . καὶ σωφροσύνη
— 30. διὰ τῶν κωλυτικῶν τῆς σ. ἔργων
— 31. σωφροσύνη δὴ τοίνυν ἐστὶν ἐπικράτεια τῶν ἐπιθυμιῶν
5. 23. σωφροσύνην τε γὰρ ἡμᾶς ἐκδιδάσκει [Sm. Ec. 10. 4.]

σώφρων.
IV Ma. 1. 35. ὑπὸ τοῦ σ. νοὸς ἀνακαμπτόμενα
2. 2. ταύτῃ γοῦν ὁ σ. Ἰ. ἐπαινεῖται
— 16. πάντα γὰρ ταῦτα τὰ κακοήθη πάθη ὁ σ. νοῦς ἀπωθεῖται
— 18. δυνατὸς γὰρ ὁ σ. νοῦς . . . κατὰ τῶν παθῶν ἀριστεῦσαι
— 23. βασιλεύσει βασιλείαν σώφρονα
3. 17. δυνατὸς γὰρ ὁ σ. νοῦς νικῆσαι
— 19. ἐπὶ τὴν ἀπόδειξιν τῆς ἱστορίας τοῦ σ. λογισμοῦ
7. 23. A R μόνος γὰρ ὁ . . . σ. καὶ ἀνδρεῖός ἐστι τῶν παθῶν κύριος [S *al.*]
15. 10. δίκαιοί τε γὰρ ἦσαν καὶ σ.

T

ταβείν.

IV Ki. 25. 12. ὑπέλιπεν . . . εἰς τ. [A γηβείν] †

τάγμα. (1) דֶּגֶל (2) חַיָּה (3) רַגְלִי

Nu. 2. 2. ἄνθρωπος ἐχόμενος αὐτοῦ κατὰ τάγμα (1)
— 3. τάγμα παρεμβολῆς Ἰ. (1)
— 10. τάγμα παρεμβολῆς Ῥ. (1)
— 17. A κατὰ τάγμα αὐ. [B καθ' ἡγεμονίαν] (1)
— 18. τάγμα παρεμβολῆς Ἐφρ. (1)
— 25. τάγμα παρεμβολῆς Δάν (1)
— 31. ἐξαροῦσι κατὰ τάγμα αὐ. (1)
— 34. παρενέβαλον κατὰ τάγμα αὐ. (1)
10. 14. ἐξῆραν τάγμα παρεμβολῆς υἱῶν Ἰ. (1)
— 18. ἐξῆραν τάγμα παρεμβολῆς Ῥ. (1)
— 22. ἐξαροῦσι τάγμα παρεμβολῆς Ἐφρ. (1)
— 25. ἐξαροῦσι τάγμα παρεμβολῆς υἱῶν Δάν (1)
I Ki. 4. 10. τριάκοντα χιλιάδες ταγμάτων (3)
15. 4. τετρακοσίας χιλιάδας ταγμάτων (3)
— 4. τριάκοντα χιλιάδας ταγμάτων –
II Ki. 23. 13. καὶ τάγμα τῶν ἀλλοφύλων (2)
Es. 3. 13. B¹ τοῦ τεταγμένου ἐπὶ τῶν τ. [A B² S πραγμάτων]
[Aq., Th. Ex. 28. 17 : Nu. 2. 17.]
[Sm. Ex. 28. 17 : Nu. 2. 17 : Ca. 6. 3 (4).]
[Al. Nu. 29. 39 : 30. 3 : Jb. 1. 17.]

ταινία.

Ez. 27. 5. ταινίαι σανίδων κυπαρίσσου [A -ιστίνων] . . . ἐλήφθησαν †

τακτικός. (1) נֶבֶר (2) סָרַךְ

Da. TH. 6. 2 (3). κατέστησεν . . . ἐπάνω αὐτῶν τακτικοὺς τρεῖς (2)
— 4 (5). οἱ τ. . . . ἐζήτουν πρόφασιν εὑρεῖν (2)
— 5 (6). καὶ εἶπον οἱ τ. (1)
— 6 (7). τότε οἱ τ. . . . παρέστησαν τῷ βασ. (2)
[Th. Da. 6. 2, 3†.]

τακτός. (1) שְׁאֵנָן

Jb. 12. 5. εἰς χρόνον γὰρ τακτὸν ἡτοίμαστο πεσεῖν (1)

ταλαιπωρεῖν. (1) עָנָה ni. (2) שָׁדַד a. qal. b. ni. c. pu. d. po.

Ps. 16 (17). 9. ἀπὸ προσώπου ἀσεβῶν [A -οῦς] τῶν ταλαιπωρησάντων [S¹ -ρισ.] με (2 a)
37 (38). 6. ἐταλαιπώρησα καὶ κατεκάμφθην (1)
Ho. 10. 2. ταλαιπωρήσουσιν αἱ στῆλαι αὐ. (2 d)
Mi. 2. 4. ταλαιπωρίᾳ ἐταλαιπωρήσαμεν (2 b)
Jl. 1. 10. τεταλαιπώρηκε τὰ πεδία (2 c)
— 10. τεταλαιπώρηκε σῖτος (2 c)
Za. 11. 2. μεγάλως μεγιστᾶνες ἐταλαιπώρησαν (2 c)
— 3. τεταλαιπώρηκεν ἡ μεγαλωσύνη αὐ. (2 c)
— 3. τεταλαιπώρηκε τὸ φρύαγμα τοῦ Ἰορδ. (2 c)
Is. 33. 1. οὐαὶ τοῖς ταλαιπωροῦσιν ὑμᾶς (2 a)
Je. 4. 13. οὐαὶ ἡμῖν ὅτι ταλαιπωροῦμεν (2 c)
— 20. τεταλαιπώρηκε πᾶσα ἡ γῆ (2 c)
— 20. ἄφνω τεταλαιπώρηκεν ἡ σκηνή (2 c)
9. 19 (18). πῶς ἐταλαιπωρήσαμεν (2 c)
10. 20. ἡ σκηνή σου ἐταλαιπώρησεν (2 c)
12. 12. ἐν τῇ ἐρήμῳ ἦλθον ταλαιπωροῦντες (2 a)
III Ma. 5. 5. τὰς τῶν ταλαιπωρούντων ἐδέσμευον χεῖρας
[Aq. Je. 4. 20 : 49. 10 (29. 11), 28 (30. 6) : 51 (28). 56.]
[Sm. Is. 21. 2 : 33. 1 *bis*.]
[Th. Je. 49. 10 (29. 11).]

ταλαιπωρία. (1) מַהֲמוֹרוֹת (2) מַחְשָׁךְ (3) נוּשׁ (4) שָׁאוֹן (5) שֶׁבֶר (6) a. שֹׁד b. שָׁדַד (7) a. שׁוֹאָה b. מְשׁוֹאָה

Jb. 5. 21. A οὐ φοβηθήσῃ ἀπὸ ταλαιπωρίας (6 a)
— 21 (22). A ἐλεύσεται ταλαιπωρία (6 a)
30. 3. οἱ φεύγοντες . . . ταλαιπωρίαν (7 b)
Ps. 11 (12). 5. ἀπὸ [S² ἕνεκεν] τῆς τ. τῶν πτωχῶν . . . νῦν ἀναστήσομαι (6 a)
13 (14). 3. B S¹ σύντριμμα καὶ ταλαιπωρία ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν –
31 (32). 4. ἐστράφην εἰς ταλαιπωρίαν †
39 (40). 2. ἀνήγαγέ με ἐκ λάκκου ταλαιπωρίας (4)
68 (69). 20. ὀνειδισμὸν προσεδόκησεν ἡ ψυχή μου καὶ ταλαιπωρίαν (3)
87 (88). 18. καὶ τοὺς γνωστούς μου ἀπὸ ταλαιπωρίας (2)
139 (140). 10. ἐν ταλαιπωρίαις οὐ μὴ ὑποστῶσιν (1)
Ho. 9. 6. πορεύονται ἐκ ταλαιπωρίας Αἰγύπτου (6 a)
Am. 3. 10. οἱ θησαυρίζοντες . . . ταλαιπωρίαν ἐν ταῖς χώραις αὐ. (6 a)
5. 9. ταλαιπωρίαν ἐπὶ ὀχύρωμα ἐπάγων (6 a)
Mi. 2. 4. ταλαιπωρίᾳ ἐταλαιπωρήσαμεν (6 b)
Jl. 1. 15. ὡς ταλαιπωρία ἐκ ταλαιπωρίας ἥξει (6 a, †)
Hb. 1. 3. ἵνα τί ἔδειξάς μοι . . . ταλαιπωρίαν [A al.] (6 a)
2. 17. ταλαιπωρία θηρίων πτοήσει σε (6 a)
Ze. 1. 15. S³ ἡμέρα ταλαιπωρίας [ABS¹ ἀωρίας] καὶ ἀφανισμοῦ (7 a)
Is. 16. 4. A συνετελέσθη τ. (6 a)
47. 11. ἥξει ἐπὶ σὲ τ. –
59. 7. σύντριμμα καὶ τ. ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν (5)
60. 18. οὐδὲ τ. ἐν τοῖς ὁρίοις σου (5)
Je. 4. 20. ταλαιπωρίαν [A *add.* καὶ] συντριμμὸν ἐπικαλεῖται (5)
6. 7. ἀσέβεια καὶ τ. ἀκουσθήσεται ἐν αὐτῇ (6 a)
— 26. ἥξει τ. ἐφ' ὑμᾶς (6 b)
15. 8. ἐπήγαγον . . . ταλαιπωρίαν ἐν μεσημβρίᾳ (6 b)
20. 8. ἀθεσίαν καὶ ταλαιπωρίαν ἐπικαλέσομαι (6 a)
28 (51). 35. ἔξωσάν με . . . αἱ τ. μου †
— 56. ἦλθεν ἐπὶ Βαβυλῶνα τ. (6 b)
Ez. 45. 9. ἀδικίαν καὶ ταλαιπωρίαν ἀφέλεσθε (6 a)
II Ma. 6. 9. παρῆν οὖν ὁρᾶν τὴν ἐνεστῶσαν τ.
III Ma. 4. 12. ἀποδύρεσθαι τὴν ἀκλεῆ τῶν ἀδ. τ.
[Aq. Dt. 7. 15 : 28. 60 : Jb. 13. 21 (P.) : Ze. 1. 15.]
[Sm. Ps. 17 (18). 19 : 54 (55). 11 : 72 (73). 5 : 93 (94). 20 : 106 (107). 39 : Is. 51. 19 : Je. 20. 8.]
[Th. Jb. 13. 27 : Ps. 31 (32). 4.]
[Quint. Ps. 31 (32). 4.]
[Al. Is. 16. 4.]

ταλαιπωρίζειν. (1) שָׁדַד

Ps. 16 (17). 9. S¹ ἀπὸ προσώπου ἀσεβῶν τῶν ταλαιπωρισάντων [A B S² -ρησ.] με (1)
[Sm. Is. 21. 2 : 33. 1 *bis*.]
[Th. Is. 33. 1.]

ταλαίπωρος. (1) שָׁדַד (2) ποιεῖν ταλαίπωρον שָׁדַד

Jd. 5. 27. A ἐκεῖ ἔπεσεν ταλαίπωρος [B ἐξοδευθείς] (1)
To. 7. 7. S ὦ ταλαιπώρων κακῶν ὅτι ἐτυφλώθη [A B al.]
13. 10. ἀγαπήσαι ἐν σοὶ τοὺς [S πάντας τ.] τ.
Ps. 136 (137). 8. θυγάτηρ Βαβυλῶνος ἡ τ. (1)
Wi. 3. 11. σοφίαν γὰρ καὶ παιδείαν ὁ ἐξουθενῶν ταλαίπωρος
13. 10. ταλαίπωροι δὲ καὶ ἐν νεκροῖς αἱ ἐλπίδες αὐτῶν
Is. 33. 1. ὑμᾶς δὲ οὐδεὶς ποιεῖ ταλαιπώρους (2)
II Ma. 4. 47. τοῖς δὲ τ. . . . τούτοις θάνατον ἀπέκρινε
III Ma. 5. 5. A τὰς τῶν τ. [A -ρούντων] ἐδέσμευον χεῖρας
— 22. εἰς τὸ παντοίους μηχανᾶσθαι τοῖς τ. δοκοῦσιν ἐμπαιγμούς
— 47. θεάσασθαι τὴν . . . ταλαίπωρον τῶν προσεσημαμμένων καταστροφήν
IV Ma. 16. 7. ὦ . . . τ. γαλακτοτροφίαι
[Aq. Is. 30. 22 : Je. 4. 30.]
[Sm. Je. 4. 30.]
[Th. Jd. 5. 27 : Je. 4. 30 (Sw.).]

ταλαμών, *vid. sub* τελαμών.

τάλαντον. (1) אֵיפָה (2) a. כִּכָּר b. כִּכַּר

Ex. 25. 38 (39). πάντα τὰ σκεύη ταῦτα τάλαντον χρυσίου καθαροῦ [A al.] (2 a)
39. 1 (38. 24). πᾶν τὸ χρυσίον . . . ἐννέα καὶ εἴκοσι τάλαντα (2 a)
— 2 (38. 25). ἀργυρίου ἀφαίρεμα . . . ἑκατὸν τάλαντα (2 a)
— 4 (38. 27). ἐγενήθη τὰ ἑκατὸν τ. τοῦ ἀργυρίου (2 a)
— 5 (38. 27). ἑκατὸν κεφαλίδες εἰς τὰ ἑκατὸν τ. (2 a)
— 5 (38. 27). τάλαντον [A τ. ἓν] τῇ κεφαλίδι (2 a)
— 7 (38. 29). καὶ ὁ χαλκὸς . . . ἑβδομήκοντα τάλαντα (2 a)
II Ki. 12. 30. ὁ σταθμὸς αὐ. τάλαντον χρυσίου (2 a)
III Ki. 9. 14. ἤνεγκε Χ. τῷ Σ. ἑκατὸν καὶ εἴκοσι τάλαντα χρυσίου (2 a)
— 28. ἔλαβον ἐκεῖθεν χρυσίου ἑκατὸν εἴκοσι τάλαντα (2 a)
10. 10. ἔδωκε τῷ Σαλ. ἑκατὸν εἴκοσι τάλαντα χρυσίου (2 a)
— 14. ἑξακόσια καὶ ἑξήκοντα ἓξ τάλαντα χρυσίου (2 a)
16. 24. ἐν δύο ταλάντων ἀργυρίου (2 a)
21 (20). 39. ἢ τάλαντον ἀργυρίου στήσεις (2 a)
IV Ki. 5. 5. ἔλαβεν ἐν τῇ χειρὶ αὐ. δέκα τάλαντα ἀργυρίου (2 a)
— 22. δὸς δὴ αὐτοῖς τάλαντον ἀργυρίου (2 a)
15. 19. Μ. ἔδωκε τῷ Φ. χίλια τ. ἀργυρίου (2 a)
18. 14. τριακόσια τ. ἀργυρίου καὶ τριάκοντα τάλαντα χρυσίου (2 a, 2 a)
23. 33. B ἔδωκεν ἑκατὸν τάλαντα ἀργυρίου καὶ ἑκατὸν τάλαντα χρυσίου [A R al.] (2 a, 2 a)
I Ch. 19. 6. ἀπέστειλεν . . . χίλια τ. ἀργυρίου (2 a)
20. 2. εὑρέθη ὁ σταθμὸς αὐ. τάλαντον χρυσίου (2 a)
22. 14. ἡτοίμασα . . . χρυσίου ταλάντων ἑκατὸν χιλιάδας καὶ ἀργυρίου ταλάντων χιλίας χιλιάδας (2 a, 2 a)
29. 4. τρισχίλια τ. χρυσίου . . . καὶ ἑπτακισχίλια τ. ἀργυρίου (2 a, 2 a)
— 7. ἔδωκαν . . . χρυσίου τ. πεντακισχίλια . . . καὶ ἀργυρίου ταλάντων δέκα χιλιάδας καὶ χαλκοῦ τ. μύρια ὀκτακισχίλια καὶ σιδήρου ταλάντων χιλιάδας ἑκατόν (2 a quater)
II Ch. 3. 8. ἐχρύσωσεν αὐτὸν . . . εἰς τ. ἑξακόσια (2 a)
8. 18. ἔλαβον ἐκεῖθεν τὰ [A *om.*] τετρακόσια καὶ πεντήκοντα τάλαντα χρυσίου (2 a)
9. 9. ἔδωκε τῷ βασ. ἑκατὸν εἴκοσι τάλαντα χρυσίου (2 a)
— 13. ἦν ὁ σταθμὸς . . . ἑξακόσια ἑξήκοντα ἓξ τάλαντα χρυσίου (2 a)
25. 6. ἐμισθώσατο . . . ἑκατὸν ταλάντων ἀργυρίου (2 a)
— 9. τί ποιήσω τὰ ἑκατὸν τ. (2 a)
27. 5. ἐδίδουν αὐτῷ . . . ἑκατὸν τάλαντα ἀργυρίου (2 a)
36. 3. ἑκατὸν τάλαντα ἀργυρίου καὶ τάλαντον χρυσίου (2 a, 2 a)
I Es. 1. 36. ἀργυρίου ταλάντοις ἑκατὸν καὶ χρυσίου ταλάντῳ ἑνί
3. 21. πάντα διὰ ταλάντων ποιεῖ λαλεῖν
4. 51. δοθῆναι κατ' ἐνιαυτὸν τάλαντα εἴκοσι
— 52. ἄλλα τ. δέκα κατ' ἐνιαυτόν
8. 20. ἕως ἀργυρίου ταλάντων ἑκατόν
— 56. στήσας . . . ἀργυρίου τάλαντα ἑξακόσια
— 56. καὶ σκεύη ἀργυρᾶ ταλάντων ἑκατόν
— 56. A R χρυσίου ταλάντων ἑκατόν
II Es. 7. 22. ἕως ἀργυρίου ταλάντων ἑκατόν [B¹ *om.*] (2 b)
8. 26. ἔστησα . . . ἀργυρίου τ. ἑξακόσια καὶ πεντήκοντα . . . καὶ τάλαντα χρυσίου ἑκατόν (2 a, 2 a)

To. 1. 14. παρεθέμην Γαβαήλῳ . . . ἀργυρίου τάλαντα δέκα [S al.]
4. 20. B ἐπιδεικνύω σοι τὰ δέκα τ. τοῦ ἀργυρίου [A S R al.]
Es. 1. 7. κυλίκιον . . . ἀπὸ τ. τρισμυρίων –
3. 9. διαγράψω . . . τ. μύρια (2 a)
4. 7. εἰς τὴν γάζαν μυρίων τ. –
Za. 5. 7. ἰδοὺ τάλαντον μολίβου ἐξαιρόμενον (2 a)
— 7. A μία γυνὴ ἐκάθητο ἐν μέσῳ τοῦ τ. [B S μέτρου] (1)
I Ma. 11. 28. ἐπηγγείλατο αὐτῷ τ. τριακόσια
13. 16. ἀπόστειλον ἀργυρίου ἑκατὸν τάλαντα
— 19. A R ἀπέστειλε . . . τὰ ἑκατὸν τ. [S al.]
15. 31. δότε ἀντ' αὐτῶν πεντακόσιά τ. ἀργυρίου
— 31. καὶ τῶν φόρων τῶν πόλεων ἄλλα τ. πεντακόσια
— 35. τούτων δώσομεν τάλαντα ἑκατόν
II Ma. 3. 11. τὰ δὲ πάντα ἀργυρίου τετρακόσια τ.
4. 8. ἐπαγγειλάμενος . . . τάλαντα ἑξήκοντα
— 8. καὶ προσόδου τινὸς ἄλλης τάλαντα ὀγδοήκοντα
— 24. ὑπερβάλλων τὸν Ἰ. τάλαντα ἀργυρίου τριακόσια
5. 21. ἀπενεγκάμενος ἐκ τοῦ ἱεροῦ τάλαντα
8. 10. τὸν φόρον . . . ὄντα τ. δισχιλίων
— 11. ἐνενήκοντα σώματα ταλάντου παραχωρήσειν
IV Ma. 4. 17. δώσειν . . . τρισχίλια ἑξακόσια ἑξήκοντα τάλαντα

τάλας.
Wi. 15. 14. τάλανες ὑπὲρ ψυχὴν νηπίου [A ψυχὸς νηπίων]
Is. 6. 5. ὦ τ. ἐγώ –
IV Ma. 8. 17. ὦ τάλανες ἡμεῖς
12. 4. σὺ . . . τάλας βασανισθεὶς καὶ αὐτὸς τεθνήξῃ

ταμίας. (1) ὁ τ. אֲשֶׁר עַל־הַבַּיִת
Is. 22. 15. πορεύου . . . πρὸς Σομνᾶν τὸν τ. [A γραμματέα] (1)

ταμιεῖον (ταμεῖον, ταμίον). (1) אֶסֶם (2) חֶדֶר (3) מָזֶה (4) תֹּךְ
Ge. 43. 30. εἰσελθὼν δὲ εἰς τὸ τ. (2)
Ex. 8. 3 (7. 28). εἰσελεύσονται . . . εἰς τὰ τ. τῶν κοιτώνων σου (2)
De. 28. 8. ἀποστείλαι κ. . . . τὴν εὐλογίαν ἐν τοῖς τ. σου (1)
32. 25. καὶ ἐκ τῶν τ. φόβος (2)
Jd. 3. 24. μή ποτε ἀποκενοῖ τοὺς πόδας αὐ. ἐν τῷ τ. τῷ θερινῷ [A al.] (2)
15. 1. εἰσελεύσομαι πρὸς τὴν γυν. μου εἰς τὸ τ. [A τὸν κοιτῶνα] (2)
16. 9. τὸ ἔνεδρον αὐτῇ ἐκάθητο ἐν τῷ τ. (2)
— 12. B τὰ ἔνεδρα ἐξῆλθεν ἐκ τοῦ τ. –
— 12. A τὸ ἔνεδρον ἐκάθητο ἐν τῷ τ. (2)
II Ki. 13. 10. εἰσένεγκε τὸ βρῶμα εἰς τὸ τ. (2)
III Ki. 1. 15. εἰσῆλθε B. πρὸς τὸν βασ. εἰς τὸ τ. (2)
21 (20). 30. εἰσῆλθεν . . . εἰς τὸ τ. (2)
22. 25. B¹ ὅταν εἰσέλθῃς ταμεῖον τοῦ τ. τοῦ κρυφίου [A B² R κρυβῆναι] (2, 2)
IV Ki. 6. 12. οὗς ἐὰν λαλήσῃς ἐν τῷ τ. τοῦ κοιτῶνός σου (2)
9. 2. εἰσάξεις αὐτὸν εἰς τὸ τ. ἐν ταμείῳ [A τῷ τ.] (2, 2)
11. 2. ἐν τῷ τ. τῶν κλινῶν (2)
II Ch. 18. 24. εἰσελείσῃ ταμεῖον ἐκ ταμείου (2, 2)
22. 11. ἔδωκεν αὐτὸν . . . εἰς ταμεῖον [A τὸ τ.] κλινῶν (2)
To. 7. 16. ἑτοίμασον τὸ ἕτερον τ. [S τ. τὸ ἕ.]
— 17. S ἔστρωσεν εἰς τὸ τ. [A B al.]
8. 1. S εἰσήγαγον αὐτὸν εἰς τὸ τ. [A B al.]
— 4. S ἀπέκλεισαν τὴν θύραν τοῦ τ. [A B al.]
Jb. 9. 9. ὁ ποιῶν . . . ταμεία νότου (2)
37. 9. ἐκ ταμιείων ἐπέρχονται [A ἐξέρχ.] ὀδύναι (2)
Ps. 104 (105). 30. A S¹ R ἐν τοῖς τ. τῶν βασιλέων [B S² -ειῶν] αὐ. (2)
143 (144). 13. τὰ τ. αὐτῶν πλήρη (3)
Pr. 3. 10. ἵνα πίμπληται τὰ τ. σου πλησμονῆς σίτῳ [A S² -ου] (1)
7. 27. κατάγουσαι εἰς τὰ [A S² om.] τ. τοῦ θανάτου (2)
20. 27. ὃς ἐρευνᾷ ταμεῖα κοιλίας (2)
— 30. πληγαὶ δὲ εἰς ταμεῖα [S¹ τὰ τ.] κοιλίας (2)
24. 4. μετὰ αἰσθήσεως ἐμπίμπλανται ταμεῖα (2)
26. 22. οὗτοι δὲ τύπτουσιν εἰς ταμεῖα σπλάγχνων [S² κοιλίας] (2)
Ec. 10. 20. ἐν ταμιείοις κοιτώνων σου μὴ καταράσῃ πλούσιον (2)
Ca. 1. 4. εἰσήνεγκέ με ὁ βασ. εἰς τὸ τ. αὐ. (2)
3. 4. εἰσήγαγον αὐτὸν . . . εἰς ταμεῖον τῆς συλλαβούσης με (2)
8. 2. εἰσάξω σε [S¹ om. εἰσ. σε] . . . εἰς ταμεῖον τῆς συλλαβούσης με –
Si. 29. 12. σύγκλεισον ἐλεημοσύνην ἐν τοῖς τ. σου
Is. 26. 20. εἴσελθε εἰς τὰ τ. σου (2)
42. 22. ἡ γὰρ παγὶς ἐν τοῖς τ. πανταχοῦ †
Ez. 28. 16. ἔπλησας [A ἐπλήθυνας] τὰ τ. σου ἀνομίας (4)
[Th. Jd. 16. 12.]

ταμιεύεσθαι. (1) שָׁבַח pi.
Pr. 29. 11. σοφὸς δὲ ταμιεύεται κατὰ μέρος (1)
IV Ma. 12. 12. ταμιεύεταί [S -εύσ.] σε ἡ θεία δίκη

τανύειν. (1) נָטָה
Jb. 9. 8. ὁ τανύσας τὸν οὐρανὸν μόνος (1)
Si. 43. 12. χεῖρες ὑψίστου ἐτάνυσαν αὐτό

τάξις. (1) דִּבְרָה (2) זְבֶל (3) מוּצָק (4) מַחֲנֶה (5) מִסְלָה (6) מָקוֹם (7) פֹּעַל (8) קֵץ (9) תּוֹרָה
Nu. 1. 52. ἀνὴρ ἐν τῇ ἑαυτοῦ τάξει (4)
Jd. 5. 20. A ἐκ τῆς τ. αὐ. ἐπολέμησαν [B al.] (5)
III Ki. 7. 37. τάξιν μίαν [A -ις μία] καὶ μέτρον ἓν πάσαις (3)
I Es. 1. 5. στάντες ἐν τῷ ἁγίῳ . . . ἐν τάξει (1)
— 15. ἦσαν ἐπὶ τῆς τ. αὐ.
Jb. 16. 3. τί γὰρ μὴ τάξις ἐστὶ ῥήμασι πνεύματος (8)
24. 5. ὑπὲρ ἐμοῦ ἐξελθόντες τὴν ἑαυτῶν τάξιν [S πρᾶξιν, A τῇ ἑ. πράξει] (7)
28. 3. τάξιν ἔθετο σκότει (8)
36. 28. οἶδασι δὲ κοίτης τάξιν –
38. 12. ἑωσφόρος δὲ εἶδε τὴν ἑαυτοῦ τ. (6)
Ps. 109 (110). 4. σὺ ἱερεὺς εἰς τὸν αἰῶνα κατὰ τὴν τ. Μελχισεδέκ (1)
Pr. 31. 24 (26). τάξιν ἐστείλατο τῇ γλώσσῃ αὐτῆς (9)
Hb. 3. 11. ἡ σελήνη ἔστη ἐν τῇ [S¹ om.] τ. αὐ. (2)
Da. TH 9. 26. ἕως τέλους πολέμου συντετμημένου τάξει –
II Ma. 1. 19. τάξιν ἔχοντες ἄνυδρον
8. 22. τάξας ἀδελφοὺς αὐ. προηγουμένους ἑκατέρας τάξεως
9. 18. ἔχουσαν ἱκετηρίας τάξιν
10. 36. εὖ δεξάμενοι δὲ τὴν λοιπὴν τ.
13. 21. Ῥόδοκος ἐκ τῆς Ἰουδαϊκῆς τ.
[Aq. Jb. 28. 13: 41. 4.]
[Sm. Pr. 7. 10: Je. 30 (37). 18.]
[Al. Is. 22. 19.]

ταπεινός. (1) אֶבְיוֹן (2) דַּךְ (3) דַּכָּא (4) דַּל (5) τ. εἶναι מוּךְ (6) עָמֹק (7) a. עָנִי b. עָנָו (8) עַרְעָר (9) צָנַע (10) רוּשׁ (11) a. שָׁפֵל b. שְׁפֵלָה c. שָׁפֵל qal. d. hi. e. שֵׁפֶל (12) תַּחְתִּי
Le. 13. 3. καὶ ἡ ὄψις τῆς ἀφῆς ταπεινὴ ἀπὸ τοῦ δέρματος (6)
— 4. καὶ ταπεινὴ μὴ ᾖ ἡ ὄψις αὐ. ἀπὸ τοῦ δέρμ. αὐ. (6)
— 20. ἡ ὄψις ταπεινοτέρα τοῦ δέρματος (11 a)
— 21. καὶ ταπεινὸν μὴ ᾖ ἀπὸ τοῦ δέρματος τοῦ χρωτός (11 a)
— 25. καὶ ἡ ὄψις αὐ. ταπεινὴ ἀπὸ τοῦ δέρματος (6)
— 26. καὶ ταπεινὸν μὴ ᾖ ἀπὸ τοῦ δέρματος (11 a)
14. 37. καὶ ἡ ὄψις αὐ. ταπεινοτέρα τῶν τοίχων (11 a)
27. 8. ἐὰν δὲ ταπεινὸς ᾖ τῇ τιμῇ (5)
Jo. 11. 16. ἔλαβεν Ἰ. . . . τὰ τ. [A πεδινά] (11 b)
Jd. 1. 15. ἔδωκεν αὐτῇ . . . λύτρωσιν ταπεινῶν (12)
6. 15. A ἡ χιλιάς μου ταπεινοτέρα ἐν Μαν. [B al.] (4)
I Ki. 18. 23. κἀγὼ ἀνὴρ τ. (10)
Ju. 9. 11. ταπεινῶν εἶ θεός
16. 11. τότε ἠλάλαξαν οἱ τ. μου
Es. 1. 1. οἱ τ. ὑψώθησαν
Jb. 5. 11. τὸν ποιοῦντα ταπεινοὺς εἰς ὕψος (11 a)
12. 21. ταπεινοὺς δὲ ἰάσατο †
Ps. 9. 39 (10. 18). κρῖναι ὀρφανῷ καὶ ταπεινῷ (2)
17 (18). 27. σὺ λαὸν ταπεινὸν σώσεις (7 a)
Ps. 33 (34). 18. τοὺς τ. τῷ πνεύματι σώσει (3)
81 (82). 3. ταπεινὸν καὶ πένητα δικαιώσατε (7 a)
101 (102). 17. ἐπέβλεψεν ἐπὶ τὴν προσευχὴν τῶν τ. [S¹ πτωχῶν] (8)
112 (113). 6. καὶ τὰ τ. ἐφορῶν (11 d)
137 (138). 6. τὰ τ. ἐφορᾷ (11 a)
Pr. 3. 34. ταπεινοῖς δὲ δίδωσι χάριν (7 a*, 7 b)
11. 2. στόμα δὲ ταπεινῶν μελετᾷ σοφίαν (9)
16. 1 (15. 33). S² προσπορεύεται δὲ ταπεινοῖς δόξα [A al.] –
— 4 (2). πάντα τὰ ἔργα τοῦ τ. φανερὰ παρὰ τῷ θεῷ –
24. 37 (30. 14). ὥστε ἀναλίσκειν καὶ κατεσθίειν τοὺς τ. ἀπὸ τῆς γῆς (7 a)
Ec. 10. 6. πλούσιοι [S πλ. μεγάλοι] ἐν ταπεινῷ καθήσονται (11 e)
Si. 3. 20. ὑπὸ τῶν τ. δοξάζεται
10. 15. ἐφύτευσε ταπεινοὺς ἀντ' αὐτῶν
11. 1. σοφία ταπεινοῦ ἀνύψωσε κεφαλήν
12. 5. εὖ ποίησον τῷ [A S om.] τ.
13. 21. ταπεινὸς [S¹ πτωχὸς] δὲ πεσὼν προσαπωθεῖται ὑπὸ φίλων
— 22. ταπεινὸς ἔσφαλε [A -άλη]
25. 23. καρδία ταπεινὴ καὶ πρόσωπον σκυθρωπόν
29. 8. πλὴν ἐπὶ ταπεινῷ μακροθύμησον
32 (35). 17. προσευχὴ ταπεινοῦ νεφέλας διῆλθε
Am. 2. 7. ὁδὸν ταπεινῶν ἐξέκλιναν (7 b)
8. 6. τοῦ κτᾶσθαι . . . ταπεινὸν ἀντὶ ὑποδημάτων (1)
Hb. 1. 6. S¹ τὸ ἔθνος τὸ πικρὸν [A ταχινὸν] καὶ τὸ τ. [A πικρόν, B S² ταχινόν] †
Ze. 2. 3. ζητήσατε τὸν κ., πάντες ταπεινοὶ γῆς (7 b)
3. 12. ὑπολείψομαι ἐν σοὶ λαὸν πραῦν καὶ τ. (4)
Is. 2. 11. ὁ δὲ ἄνθρωπος τ. (11 c)
11. 4. κρινεῖ ταπεινῷ κρίσιν καὶ ἐλέγξει τοὺς τ. [S ἐνδόξους] τῆς γῆς (4, 7 b)
14. 32. δι' αὐτοῦ σωθήσονται οἱ τ. τοῦ λαοῦ (7 a)
18. 7. S δῶρα κυρίῳ σαβαὼθ ἐκ λαοῦ . . . ταπεινοῦ [A B al.] –
25. 4. ἐγένου γὰρ πάσῃ πόλει ταπεινῇ βοηθός (4)
26. 6. πατήσουσιν αὐτοὺς [A -ὰς] πόδες πραέων καὶ ταπεινῶν (4)
32. 7. καταφθεῖραι ταπεινοὺς . . . διασκεδάσαι λόγους [A -γισμοὺς] ταπεινῶν ἐν κρίσει (7 b*, 7 a, 1)
49. 13. τοὺς τ. τοῦ λαοῦ αὐτοῦ παρεκάλεσεν (7 a)
54. 11. ταπεινὴ καὶ ἀκατάστατος οὐ παρεκλήθης [S al.] (7 a)
58. 4. τύπτετε πυγμαῖς ταπεινόν †
61. 1. S¹ εὐαγγελίσασθαι ταπεινοῖς [A B S² πτωχοῖς] (7 b)
66. 2. ἐπὶ τίνα ἐπιβλέψω ἀλλ' ἢ ἐπὶ τὸν τ. (7 a)
Je. 22. 16. οὐκ ἔκριναν κρίσιν ταπεινῷ [A -ῶν] (7 a)
Ez. 17. 24. ἐγὼ κύριος ὁ . . . ὑψῶν ξύλον τ. (11 a)
21. 26 (31). ὕψωσας τὸ τ. (11 a)
29. 14. ἔσται ἀρχὴ τ. παρὰ πάσας τὰς ἀρχάς (11 a)
Da. LXX. 3. (37). ἐσμὲν ταπεινοὶ ἐν πάσῃ τῇ γῇ σήμερον
— (87). εὐλογεῖτε, ὅσιοι καὶ ταπεινοὶ καρδίᾳ, τὸν κ.
Da. TH. 3. (37). ἐσμὲν ταπεινοὶ ἐν πάσῃ τῇ γῇ σήμερον
— (87). εὐλογεῖτε, ὅσιοι καὶ ταπεινοὶ τῇ καρδίᾳ, τὸν κ.
I Ma. 6. 40. καί τινες ἐπὶ τὰ τ.
14. 14. ἐστήρισε πάντας τοὺς τ. τοῦ λαοῦ αὐ.
[Aq. II Ki. 6. 22: Ps. 55 (56). 1: 56 (57). 1: 59 (60). 1: Is. 35. 4: Ez. 29. 15.]
[Sm. II Ki. 6. 22: Ec. 10. 6: Ez. 29. 15.]
[Th. Jd. 6. 15: Is. 11. 4: 19. 10: Ez. 29. 15.]
[Al. Pr. 15. 33: Is. 61. 1.]

ταπεινότης.
Si. 13. 20. βδέλυγμα ὑπερηφάνῳ ταπεινότης [A -νωσις]

ταπεινοῦν. (1) a. אָנָה b. אֲנִיָּה c. תַּאֲנִיָּה (2) פָּלָה pi. (3) דַּךְ (4) דָּכָא a. pi. b. hithp. (5) דָּכָה a. qal. b. ni. c. pi. (6) דָּלַל (7) זָלַל (8) יָנָה a. pi. b. hi. (9) כָּאָה ni. (10) כָּנַע a. ni. b. hi. (11) כָּרַע (12) a. מוּךְ b. מָכַךְ qal. c. ni. (13) נָפַל (14) עָנָה a. qal. b. ni. c. pi. d. pu.

e. hi. *f.* hithp. *g.* עֲנָוָה *h.* עָנִי (15) עָצַב (16) רוּשׁ hithpal. (17) שׁוּחַ (18) שָׁחַח *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. (19) שָׁחַת hi. (20) שָׁפֵל *a.* qal. *b.* hi. *c.* שִׁפֵּל aph.

Ge. 15. 13. καὶ ταπεινώσουσιν αὐτούς (14 *c*)
16. 9. R ταπεινώθητι ὑπὸ τὰς χεῖρας αὐ. (14 *f*)
31. 50. εἰ ταπεινώσεις τὰς θυγατέρας μου (14 *c*)
34. 2. καὶ ἐταπείνωσεν αὐτήν (14 *c*)
Ex. 1. 12. καθότι δὲ αὐτοὺς ἐταπείνουν (14 *c*)
Le. 16. 29. ταπεινώσατε τὰς ψυχὰς ὑμῶν (14 *c*)
— 31 : 23. 27. ταπεινώσετε τὰς ψυχὰς ὑμῶν (14 *c*)
23. 29. πᾶσα ψυχὴ ἥτις μὴ ταπεινωθήσεται (14 *d*)
— 32. ταπεινώσετε τὰς ψυχὰς ὑμῶν (14 *c*)
25. 39. ἐὰν δὲ ταπεινωθῇ ὁ ἀδελφός σου (12 *a*)
De. 21. 14. ἐταπείνωσας αὐτήν (14 *c*)
22. 24. ἐταπείνωσε τὴν γυναῖκα τοῦ πλησίον (14 *c*)
— 29. ἀνθ' ὧν ἐταπείνωσεν αὐτήν (14 *c*)
26. 6. καὶ ἐταπείνωσαν ἡμᾶς (14 *c*)
Jd. 4. 23. A ἐταπείνωσε κ. ὁ θεὸς τὸν Ἰ. [B *al.*] (10 *b*)
5. 13. A ταπείνωσόν μοι τοὺς ἰσχυροτέρους μου [B *al.*] †
12. 2. A ἐταπείνουν με σφόδρα [B *al.*] –
16. 5. τοῦ [A ὥστε] ταπεινῶσαι αὐτόν (14 *c*)
— 6. τοῦ ταπεινωθῆναί σε (14 *c*)
— 19. ἤρξατο ταπεινῶσαι αὐτόν [A -νοῦσθαι] (14 *c*)
19. 24. καὶ ταπεινώσατε αὐτάς (14 *c*)
20. 5. τὴν παλλακήν μου ἐταπείνωσαν (14 *c*)
Ru. 1. 21. καὶ κύριος ἐταπείνωσέ με (14 *a*)
I Ki. 2. 7. κύριος . . . ταπεινοῖ καὶ ἀνυψοῖ (20 *b*)
7. 13. ἐταπείνωσε κ. τοὺς ἀλλοφύλους (10 *a*)
12. 8. ἐταπείνωσεν αὐτοὺς Αἴγυπτος –
26. 9. μὴ ταπεινώσῃς [A διαφθείρῃς] αὐτόν (19)
II Ki. 7. 10. τοῦ ταπεινῶσαι αὐτόν (14 *c*)
13. 12. μὴ ταπεινώσῃς με (14 *c*)
— 14. καὶ ἐταπείνωσεν αὐτήν (14 *c*)
— 22. οὗ ἐταπείνωσε Θ. τὴν ἀδ. αὐ. (14 *c*)
— 32. ἧς ἐταπείνωσε Θ, τὴν ἀδ. αὐ. (14 *c*)
22. 28. ὀφθαλμοὺς ἐπὶ μετεώρων ταπεινώσεις (20 *b*)
III Ki. 8. 35. ὅταν ταπεινώσῃς αὐτούς (14 *e*)
I Ch. 4. 10. τοῦ μὴ ταπεινῶσαί με (15)
17. 9. οὐ προσθήσει ἀδικία τοῦ ταπεινῶσαι αὐτόν (2)
— 10. ἐταπείνωσα ἅπαντας τοὺς ἐχθρούς σου (10 *b*)
20. 4. καὶ ἐταπείνωσεν αὐτόν (10 *a*)
II Ch. 6. 26. ταπεινώσεις αὐτούς (14 *e*)
13. 18. ἐταπεινώθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (10 *a*)
28. 19. ἐταπείνωσε κύριος τὸν Ἰούδαν (10 *b*)
32. 26. ἐταπεινώθη Ἐζ. ἀπὸ τοῦ ὕψους τῆς καρδίας αὐ. (10 *a*)
33. 12. καὶ ἐταπεινώθη σφόδρα (10 *a*)
— 23. οὐκ ἐταπεινώθη ἐναντίον κυρίου ὡς ἐταπεινώθη Μαν. (10 *a*, 10 *a*)
34. 27. ἐταπεινώθης ἀπὸ προσώπου μου (10 *a*)
— 27. καὶ ἐταπεινώθης ἐναντίον μου (10 *a*)
II Es. 8. 21. τοῦ ταπεινωθῆναι ἐνώπιον θεοῦ ἡμῶν (14 *f*)
To. 4. 19. B ὃ [A S R ὃν] ἐὰν θέλῃ ταπεινοῖ
Ju. 4. 9. ἐταπεινοῦσαν [S -ωσαν] τὰς ψυχὰς αὐ.
5. 11. ἐταπείνωσαν [A S -εν] αὐτούς
Es. 4. 17. τὸ σῶμα αὐ. ἐταπείνωσε σφόδρα
6. 13. ἤρξαι ταπεινοῦσθαι ἐνώπιον αὐτοῦ (13)
Jb. 22. 12. τοὺς δὲ ὕβρει φερομένους ἐταπείνωσε †
— 23. ἐὰν δὲ . . . ταπεινώσῃς σεαυτὸν ἔναντι κυρίου –
— 29. ὅτι ἐταπείνωσας σεαυτόν (20 *b*)
24. 9. ἐκπεπτωκότα δὲ ἐταπείνωσαν †
31. 10. τὰ δὲ νήπιά μου ταπεινωθείη (11)
34. 25. AR καὶ ταπεινωθήσονται [B S -σεται] (4 *b*)
40. 6 (11). πάντα δὲ ὑβριστὴν ταπείνωσον (20 *b*)
Ps. 9. 31 (10. 10). ἐν τῇ παγίδι αὐτοῦ ταπεινώσει αὐτόν (5 *a*)
17 (18). 27. ὀφθαλμοὺς ὑπερηφάνων ταπεινώσεις (20 *b*)
34 (35). 13. ἐταπείνουν ἐν νηστείᾳ τὴν ψυχήν μου (14 *c*)
— 14. ὡς πενθῶν καὶ σκυθρωπάζων οὕτως ἐταπεινούμην (18 *a*)
37 (38). 8. ἐταπεινώθην ἕως σφόδρα (5 *b*)
38 (39). 2. ἐκωφώθην καὶ ἐταπεινώθην †
43 (44). 19. ἐταπείνωσας ἡμᾶς ἐν τόπῳ κακώσεως (5 *c*)
— 25. ἐταπεινώθη εἰς χοῦν ἡ ψυχὴ ἡμῶν (17)
50 (51). 8. ἀγαλλιάσονται ὀστᾶ τεταπεινωμένα (5 *c*)
— 17. καρδίαν . . . τεταπεινωμένην ὁ θεὸς οὐκ ἐξουδενώσει (5 *b*)
Ps. 54 (55). 19. ταπεινώσει αὐτοὺς ὁ ὑπάρχων πρὸ τῶν αἰώνων (14 *e*)
71 (72). 4. ταπεινώσει συκοφάντην (4 *a*)
73 (74). 21. μὴ ἀποστραφήτω τεταπεινωμένος (3)
74 (75). 7. τοῦτον ταπεινοῖ (20 *b*)
80 (81). 14. ἐν τῷ μηδενὶ ἂν τοὺς ἐχθροὺς αὐτῶν ἐταπείνωσα (10 *b*)
87 (88). 15. ὑψωθεὶς δὲ ἐταπεινώθην †
88 (89). 10. σὺ ἐταπείνωσας ὡς τραυματίαν ὑπερήφανον (4 *a*)
89 (90). 15. ἀνθ' ὧν ἡμερῶν ἐταπείνωσας ἡμᾶς (14 *c*)
93 (94). 5. τὸν λαόν σου, κύριε, ἐταπείνωσαν (4 *a*)
104 (105). 18. ἐταπείνωσαν ἐν πέδαις τοὺς πόδας αὐτοῦ (14 *c*)
105 (106). 42. ἐταπεινώθησαν ὑπὸ τὰς χεῖρας αὐτῶν (10 *a*)
— 43. ἐταπεινώθησαν ἐν ταῖς ἀνομίαις αὐτῶν (12 *b*)
106 (107). 12. ἐταπεινώθη ἐν κόποις ἡ καρδία αὐτῶν (10 *b*)
— 17. διὰ γὰρ τὰς ἀνομίας αὐτῶν ἐταπεινώθησαν (14 *f*)
114 (116). 6. ἐταπεινώθην καὶ ἔσωσέ με (6)
115. 1 (116. 10). ἐγὼ δὲ ἐταπεινώθην σφόδρα (14 *a*)
118 (119). 67. πρὸ τοῦ με ταπεινωθῆναι (14 *a*)
— 71. ἀγαθόν μοι ὅτι ἐταπείνωσάς με (14 *d*)
— 75. ἀληθείᾳ ἐταπείνωσάς με (14 *c*)
— 107. ἐταπεινώθην ἕως σφόδρα (14 *b*)
141 (142). 6. ἐταπεινώθην σφόδρα (6)
142 (143). 3. ἐταπείνωσεν εἰς τὴν γῆν τὴν ζωήν μου (4 *a*)
146 (147). 6. ταπεινῶν δὲ ἁμαρτωλοὺς ἕως τῆς γῆς (20 *b*)
Pr. 10. 4. πενία ἄνδρα ταπεινοῖ †
13. 7. εἰσὶν οἱ ταπεινοῦντες ἑαυτοὺς ἐν πολλῷ πλούτῳ (16)
18. 12. καὶ πρὸ δόξης ταπεινοῦται (14 *g*)
25. 7. ἢ ταπεινῶσαί [S -ωθῆναί] σε ἐν προσώπῳ δυνάστου (20 *b*)
29. 23. ὕβρις ἄνδρα ταπεινοῖ (20 *b*)
Ec. 10. 18. ἐν ὀκνηρίαις ταπεινωθήσεται ἡ δόκωσις (12 *c*)
12. 4. ταπεινωθήσονται πᾶσαι αἱ θυγατέρες τοῦ ᾄσματος (18 *b*)
Si. 2. 17. ἐνώπιον αὐτοῦ ταπεινώσουσι τὰς ψυχὰς αὐτῶν
3. 18. τοσούτῳ ταπεινοῦ σεαυτόν
4. 7. μεγιστᾶνι [S² πρεσβυτέρῳ] ταπεινοῦ τὴν κεφαλήν σου
6. 12. ἐὰν ταπεινωθῇς ἔσται κατὰ σοῦ
7. 11. ἔστι γὰρ ὁ ταπεινῶν καὶ ἀνυψῶν
— 17. ταπείνωσον σφόδρα τὴν ψυχήν σου
12. 11. ἐὰν ταπεινωθῇ καὶ πορεύηται συγκεκυφώς
13. 8. μὴ ταπεινωθῇς ἐν εὐφροσύνῃ σου
18. 21. πρὶν ἀρρωστῆσαί σε ταπεινώθητι
29. 5. ἐπὶ τῶν χρημάτων τοῦ πλησίον ταπεινώσει φωνήν
31 (34). 26. τί ὠφέλησεν ἐν τῷ ταπεινωθῆναι αὐτόν
36 (33). 12. ἀπ' αὐτῶν ἠγίασε καὶ ἐταπείνωσε [A καὶ πρὸς αὐτὸν ἤγγισεν]
40. 3. καὶ ἕως τεταπεινωμένου ἐν γῇ καὶ σποδῷ
Ho. 2. 15 (17). καὶ ταπεινωθήσεται ἐκεῖ (14 *a*)
5. 5. ταπεινώθησεται ἡ ὕβρις τοῦ Ἰσρ. (14 *a*)
7. 10. ταπεινωθήσεται ἡ ὕβρις Ἰσρ. (14 *a*)
14. 9. ἐγὼ ἐταπείνωσα αὐτόν (14 *a*)
Ma. 2. 12. ἕως καὶ ταπεινωθῇ ἐκ σκηνωμάτων Ἰ. (14 *a*)
Is. 1. 25. A S² πάντας ὑπερηφάνους ταπεινώσω [S¹ *om.*] –
2. 9. ἐταπεινώθη ἀνήρ (20 *a*)
— 11. ταπεινωθήσεται τὸ ὕψος τῶν ἀνθρώπων (18 *a*)
— 12. καὶ ταπεινωθήσονται (20 *a*)
— 17. ταπεινωθήσεται πᾶς ἄνθρωπος (18 *a*)
3. 9 (8). ἐταπεινώθη ἡ δόξα αὐτῶν †
— 17. ταπείνωσει ὁ θεὸς ἀρχούσας θυγατέρας Σιών †
— 25 (26). πεσοῦνται καὶ ταπεινωθήσονται (1 *a*)
5. 15. ταπεινωθήσεται ἄνθρωπος . . . οἱ ὀφθαλμοὶ οἱ μετέωροι ταπεινωθήσονται (18 *b*, 20 *a*)
10. 33. οἱ ὑψηλοὶ ταπεινωθήσονται (20 *a*)
13. 11. ὕβριν ὑπερηφάνων ταπεινώσω (20 *b*)
25. 11. ἐταπείνωσε τοῦ ἀπολέσαι καὶ ταπεινώσει τὴν ὕβριν αὐτοῦ (†, 20 *b*)
— 12. τὸ ὕψος τῆς καταφυγῆς τοῦ τοίχου σου ταπεινώσει (18 *c* + 20 *b*)
26. 5. ταπεινώσας κατήγαγες τοὺς ἐνοικοῦντας (18 *c*)
29. 4. ταπεινωθήσονται εἰς τὴν γῆν οἱ λόγοι σου (20 *a*)
Is. 40. 4. πᾶν ὄρος καὶ βουνὸς ταπεινωθήσεται (20 *a*)
51. 21. ἄκουε, τεταπεινωμένη (14 *h*)
— 23. εἰς τὰς χεῖρας . . . τῶν ταπεινωσάντων σε (8 *b*)
57. 9. ἐταπείνωθης [S¹ -η] ἕως ᾅδου (20 *b*)
58. 3. ἐταπεινώσαμεν τὰς ψυχὰς ἡμῶν (14 *c*)
— 5. τ. ἄνθρωπον τὴν ψυχὴν αὐτοῦ (14 *c*)
— 10. ψυχὴν τεταπεινωμένην ἐμπλήσῃς (14 *b*)
60. 14. πορεύσονται πρὸς σὲ . . . υἱοὶ ταπεινωσάντων σε (14 *c*)
64. 12 (11). ἐταπείνωσας ἡμᾶς σφόδρα (14 *c*)
Je. 13. 18. ταπεινώθητε καὶ καθίσατε [A *om.* κ. κ.] (20 *b*)
38 (31). 37. ἐὰν ταπεινωθῇ τὸ ἔδαφος τῆς γῆς κάτω †
Ba. 5. 7. συνέταξε . . . ταπεινοῦσθαι πᾶν ὄρος
La. 1. 5. κύριος ἐταπείνωσεν αὐτήν (8 *b*)
— 8. πάντες οἱ δοξάζοντες αὐτὴν ἐταπείνωσαν αὐτήν (7)
— 12. φθεγξάμενος ἐν ἐμοὶ ἐταπείνωσέ με κύριος (8 *b*)
2. 5. ἐπλήθυνε τῇ θυγατρὶ Ἰούδα ταπεινουμένην [A S -ον] καὶ τεταπεινωμένην (1 *c*, 1 *b*)
3. 32. ὁ ταπεινώσας οἰκτειρήσει (8 *b*)
— 33. ἐταπείνωσεν υἱοὺς ἀνδρός (8 *a*)
— 34. τοῦ ταπεινῶσαι ὑπὸ τοὺς πόδας αὐτοῦ πάντας δεσμίους (4 *a*)
5. 11. γυναῖκας ἐν Σιὼν ἐταπείνωσαν (14 *c*)
Ez. 17. 24. ἐγὼ κύριος ὁ ταπεινῶν ξύλον ὑψηλόν (20 *b*)
21. 26 (31). ἐταπείνωσας τὸ ὑψηλόν (20 *b*)
22. 10. ἐν ἀκαθαρσίαις ἀποκαθημένην [A -ης] ἐταπείνουν (14 *c*)
— 11. ἕκαστος τὴν ἀδελφὴν αὐτοῦ . . . ἐταπείνουν ἐν σοί (14 *c*)
Da. LXX. 3. (39). ἐν . . . πνεύματι τεταπεινωμένῳ προσδεχθείημεν
7. 24. τρεῖς βασιλεῖς ταπεινώσει (20 *c*)
10. 12. καὶ ταπεινωθῆναι ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (14 *f*)
Da. TH. 4. 34. πάντας τοὺς πορευομ. ἐν ὑπερηφανίᾳ δύναται ταπεινῶσαι (20 *c*)
5. 19. οὓς ἠβούλετο αὐτὸς ἐταπείνου (20 *c*)
— 22. οὐκ ἐταπείνωσας τὴν καρδίαν σου (20 *c*)
7. 24. τρεῖς βασιλεῖς ταπεινώσει (20 *c*)
11. 30. καὶ ταπεινωθήσεται (9)
I Ma. 12. 15. ἐταπεινώθησαν οἱ ἐχθροὶ ἡμῶν
II Ma. 8. 35. ταπεινωθεὶς ὑπὸ τῶν καθ' αὐτὸν νομιζομ. ἐλαχίστων εἶναι

[Aq. Pr. 29. 23 : Is. 2. 12 : 10. 33 : 19. 10 : 32. 19 : 57. 9 : Ez. 24. 12 (Sw.).]
[Sm. Le. 25. 25, 35 : Ps. 74 (75). 8 : 88 (89). 11 (P.) : Pr. 17. 22 : 29. 23 : Is. 2. 12 : 10. 33 : 29. 4 : 32. 19 : 37. 13 : 53. 4 : 57. 9 : Ez. 24. 12 (P.).]
[Th. Jb. 5. 4 : 22. 29 : 34. 25 : Pr. 29. 23 : Is. 2. 12 : 10. 33 : 19. 10 : 25. 5 : 53. 4 : 57. 9 : Je. 17. 4 (Sw.) : 44 (51). 10 : Ez. 24. 12 (Sw.) : Da. 7. 25† : 11. 30.]
[Al. Ex. 22. 21 (20) : Jd. 3. 30 : Ps. 38 (39). 12 : Hb. 3. 6.]
[Quint. Ps. 42 (43). 5.]

ταπεινοφορεῖν. (1) שִׁוָּה pi.
Ps. 130 (131). 2. A εἰ μὴ ἐταπεινοφόρουν [S R -φρόνουν] (1)

ταπεινοφρονεῖν. (1) שִׁוָּה pi.
Ps. 130 (131). 2. S R εἰ μὴ ἐταπεινοφρόνουν [A -φόρουν] (1)
[Sm. Jb. 22. 29.]

ταπεινόφρων. (1) שְׁפַל־רוּחַ
Pr. 29. 23. A S¹ R τοὺς δὲ τ. ἐρείδει [B ἐρίζει, S² ἐγείρει] δόξῃ κύριος (1)
[Aq. Ps. 15 (16). 1.]
[Sm. Ps. 15 (16). 1 : 55 (56). 1 : 56 (57). 1 : 59 (60). 1.]
[Al. Pr. 29. 23.]

ταπείνωσις. (1) דַּכָּא (2) *a.* עָנִי *b.* תַּעֲנִית *c.* עָנָו *d.* עָנִי (3) עֹנֶר (4) שֵׁפֶל
Ge. 16. 11. ἐπήκουσε κύριος τῇ τ. σου (2 *a*)
29. 32. εἰδέ μου κύριος τὴν τ. (2 *a*)
31. 42. τὴν τ. μου . . . εἶδεν ὁ θ. (2 *a*)
41. 52. ἐν γῇ ταπεινώσεώς μου (2 *a*)
De. 26. 7. εἶδε τὴν τ. ἡμῶν (2 *a*)
I Ki. 1. 11. B ἐὰν . . . ἐπιβλέψῃς τὴν [A R ἐπὶ τὴν] τ. τῆς δούλης σου (2 *a*)
9. 16. ἐπέβλεψα ἐπὶ τὴν τ. τοῦ λαοῦ μου –
II Ki. 16. 12. εἴ πως ἴδοι κ. ἐν τῇ τ. μου †

IV Ki. 14. 26. εἶδε κ. τὴν τ. Ἰσρ. πικρὰν σφόδρα (2 a)
II Es. 9. 5. ἀνέστην ἀπὸ ταπεινώσεώς [A τῆς τ.] μου (2 b)
Ne. 9. 9. εἶδες τὴν τ. [S² κακίαν] τῶν πατέρων ἡμῶν (2 a)
Ju. 6. 19. ἐλέησον τὴν τ. τοῦ γένους ἡμῶν
7. 32. ἦσαν ἐν τ. πολλῇ
13. 20. διὰ τὴν τ. τοῦ γένους ἡμῶν
Es. 4. 8. μνησθεῖσα ἡμερῶν ταπεινώσεώς σου –
Ps. 9. 13. ἴδε τὴν τ. μου ἐκ τῶν ἐχθρῶν μου (2 a)
21 (22). 21. καὶ ἀπὸ κεράτων μονοκερώτων τὴν τ. μου †
24 (25). 18. ἴδε τὴν τ. μου (2 a)
30 (31). 7. ἐπείδες τὴν τ. μου (2 a)
89 (90). 3. μὴ ἀποστρέψῃς ἄνθρωπον εἰς ταπείνωσιν (1)
118 (119). 50. αὕτη με παρεκάλεσεν ἐν τῇ τ. μου (2 a)
— 92. τότε ἂν ἀπωλόμην ἐν τῇ τ. μου (2 a)
— 153. ἴδε τὴν τ. μου (2 a)
135 (136). 23. A S² R ἐν τῇ τ. ἡμῶν ἐμνήσθη ἡμῶν ὁ κύριος (4)
Pr. 16. 19. κρείσσων πραΰθυμος [A πρόθ.] μετὰ ταπεινώσεως (2 d*, 2 c)
Ec. 10. 19. τοῦ ἀργυρίου ταπεινώσει [A S² om.] ἐπακούσεται τὰ πάντα –
Si. 2. 4. ἐν ἀλλάγμασι ταπεινώσεώς σου μακροθύμησον
— 5. ἄνθρωποι δεκτοὶ ἐν καμίνῳ ταπεινώσεως
11. 12. ἀνώρθωσεν αὐτὸν ἐκ ταπεινώσεως αὐτοῦ
13. 20. A βδέλυγμα ὑπερηφάνῳ ταπείνωσις [B S -νότης]
20. 11. ἔστιν ὃς ἀπὸ ταπεινώσεως ἦρε κεφαλήν
Is. 40. 2. ἐπλήσθη ἡ τ. αὐτῆς †
53. 8. ἐν τῇ τ. ἡ κρίσις αὐτοῦ ἤρθη [S¹ ἤχθη] (3)
Je. 2. 24. ἐν τῇ τ. αὐτῆς εὑρήσουσιν αὐτήν †
La. 1. 3. μετῳκίσθη Ἰ. ἀπὸ ταπεινώσεως αὐ. (2 a)
— 7. ἐμνήσθη Ἱερ. ἡμερῶν ταπεινώσεως αὐ. (2 a)
— 9. ἴδε, κύριε, τὴν τ. μου (2 a)
Da. TH. 3. (39). ἐν . . . πνεύματι ταπεινώσεως προσδεχθείημεν
I Ma. 3. 51. καὶ οἱ ἱερεῖς σου ἐν πένθει καὶ ταπεινώσει
III Ma. 2. 12. ἐβοήθησας αὐτοῖς ἐν τῇ τ.
[Aq., Sm. Is. 32. 19.]
[Th. Je. 2. 24: Da. 3. (39).]
[Quint. Ps. 92 (93). 3: 131 (132). 1.]
[Sext. Ps. 92 (93). 3.]

ταράσσειν. (1) בָּהַל a. ni. b. pi. c. בְּהַל pa. d. ithpa. (2) בּוּךְ ni. (3) בָּלַע pi. (4) בָּעַת ni. (5) בָּקַק ni. (6) נָגַשׁ a. qal. b. hithp. (7) דָּלַח (8) הוּם hi. (9) הָמָה a. הָמָה b. הָמוֹן (10) a. זָעַף b. זָעַף (11) חָגַג (12) חִיל, הוּל a. qal. b. hithpalp. (13) חָלַל (14) חָמַר a. qal. b. poalal. c. חֹמֶר (15) חָרַד (16) כָּמַר ni. (17) כָּרַע hi. (18) לָהַט (19) לָפַת ni. (20) מָהַה hithp. (21) מָהַר pi. (22) מוּג ni. (23) מוּר hi. (24) נָדַד hithpo. (25) נָפַל hi. (26) סָחַר pilp. (27) סַר (28) עָוָה pi. (29) עָוַת pi. (30) עָרַץ hi. (31) עָשֵׁשׁ (32) פָּעַם a. ni. b. hithp. (33) פָּרַד hithpo. (34) צָהַל (35) צָמַת pilp. (36) קָלַל a. pilp. b. hithpalp. (37) רָגַז (38) רָגַע (39) רָעַע hithp. (40) רָעַשׁ (41) רָפַשׁ (42) שָׁחָה hi. (43) שָׁחַח hithpo. (44) שָׁלַל hithpo. (45) שָׁמַם hithpo. (46) τὸ τεταραγμένον ὕδωρ מְרֻפָּשׁ

Ge. 19. 16. καὶ ἐταράχθησαν (20)
40. 6. καὶ ἦσαν τεταραγμένοι (10 a)
41. 8. ἐταράχθη ἡ ψυχὴ αὐ. (32 a)
42. 28. ἐταράχθησαν πρὸς ἀλλήλους (15)
43. 30. ἐταράχθη δὲ Ἰ. (21)
45. 3. ἐταράχθησαν γάρ (1 a)
De. 2. 25. οἵτινες ἀκούσαντες τὸ ὄνομά σου ταραχθήσονται (37)
Jd. 11. 35. ταραχῇ ἐτάραξάς με [A al.] (17)
Ru. 3. 8. ἐξέστη ὁ ἀνὴρ καὶ ἐταράχθη (19)
I Ki. 14. 16. ἡ παρεμβολὴ τεταραγμένη ἔνθεν καὶ ἔνθεν (22)
II Ki. 18. 33 (19. 1). ἐταράχθη ὁ βασ. (37)
22. 8. ἐταράχθη καὶ ἐσείσθη ἡ γῆ (6 a*, 6 b)
— 8. A τὰ θεμέλια τοῦ οὐρ. ἐταράχθησαν [B συνετ.] (37)
— 8. A καὶ ἐταράχθησαν [B ἐσπαρ.] (6 b)
III Ki. 3. 26. ἐταράχθη ἡ μήτρα αὐ. ἐπὶ τῷ υἱῷ αὐ. (16)
20 (21). 4. ἐγένετο τὸ πνεῦμα Ἀχ. τεταραγμένον [A al.] (27 + 10 b)
— 5. τί τὸ πνεῦμά σου τεταραγμένον (27)
I Ch. 29. 11. ἀπὸ προσώπου σου τάρασσεται πᾶς βασιλεύς †
To. 12. 16. ἐταράχθησαν οἱ δύο
Ju. 4. 2. περὶ Ἱερ. . . . ἐταράχθησαν
7. 4. οἱ δὲ υἱοὶ Ἰσρ. . . . ἐταράχθησαν σφόδρα
14. 7. ἀκούσαντες τὸ ὄνομά σου ταραχθήσονται
— 19. ἐταράχθη ἡ ψυχὴ αὐτῶν σφόδρα
16. 10. A S² Μῆδοι τὸ θράσος αὐ. ἐταράχθησαν [B S¹ ἐρραχθ.]
Es. 1. 1. ἐταράχθη πᾶν ἔθνος δίκαιον
3. 15. ἐταράσσετο δὲ ἡ πόλις (2)
4. 4. ἐταράχθη ἀκούσασα τὸ γεγονός (12 b)
5. 2. ἐταράχθη ἡ καρδία μου
— 2. ὁ βασ. ἐταράσσετο
7. 6. Ἀ. δὲ ἐταράχθη ἀπὸ τοῦ βασ. (4)
Jb. 8. 3. ἢ ὁ τὰ πάντα ποιήσας ταράξει τὸ δίκαιον (29)
19. 6. κύριός ἐστιν ὁ τάραξας [A S² add. με] (29)
34. 10. ἔναντι παντοκράτορος ταράξαι τὸ δίκαιον †
— 12. ἢ ὁ παντοκράτωρ ταράξει κρίσιν [A τὸ δίκαιον] (29)
37. 1. ἐταράχθη ἡ καρδία μου (15)
Ps. 2. 5. ἐν τῷ θυμῷ αὐτοῦ ταράξει αὐτούς (1 b)
6. 2. ἐταράχθη τὰ ὀστᾶ μου (1 a)
— 3. ἡ ψυχή μου ἐταράχθη σφόδρα (1 a)
— 7. ἐταράχθη ἀπὸ θυμοῦ ὁ ὀφθαλμός μου (31)
— 10. ταραχθείησαν σφόδρα πάντες οἱ ἐχθροί μου (1 a)
17 (18). 7. τὰ θεμέλια τῶν ὀρέων ἐταράχθησαν (37)
29 (30). 7. ἐγενήθην σεταραγμένος (1 a)
30 (31). 9. ἐταράχθη ἐν θυμῷ ὁ ὀφθαλμός μου (31)
— 10. τὰ ὀστᾶ μου ἐταράχθησαν (31)
37 (38). 10. ἡ καρδία μου ἐταράχθη (26)
38 (39). 6. B³ S² R πλὴν μάτην ταράσσεται [A B¹ S¹ -ονται] (9 a)
— 11. πλὴν μάτην ταράσσεται [A S om.] πᾶς ἄνθρωπος –
41 (42). 6. πρὸς ἐμαυτὸν ἡ ψυχή μου ἐταράχθη (43)
45 (46). 2. ἐν τῷ ταράσσεσθαι τὴν γῆν (23)
— 3. ἐταράχθησαν τὰ ὕδατα αὐ. [S¹ τὰ κύματα] ἐταράχθησαν [A -θη] τὰ ὄρη ἐν τῇ κραταιότητι αὐ. (14 a, 40)
— 6. ἐταράχθησαν ἔθνη (9 a)
47 (48). 5. ἐταράχθησαν ἐσαλεύθησαν (1 a)
54 (55). 2. ἐταράχθην ἀπὸ φωνῆς ἐχθροῦ (8)
— 4. ἡ καρδία μου ἐταράχθη ἐν ἐμοί (12 a)
56 (57). 4. ἐκοιμήθην τεταραγμένος (18)
63 (64). 8. ἐταράχθησαν πάντες οἱ θεωροῦντες αὐτούς (24)
64 (65). 7. ταραχθήσονται τὰ ἔθνη (9 b)
67 (68). 4. B ταραχθήσονται [S -ήτωσαν] ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ †
75 (76). 5. ἐταράχθησαν πάντες οἱ ἀσύνετοι τῇ καρδίᾳ (44)
76 (77). 4. ἐταράχθην καὶ οὐκ ἐλάλησα (32 a)
— 16. ἐταράχθησαν ἄβυσσοι (37)
82 (83). 15. ἐν τῇ ὀργῇ σου ταράξεις αὐτούς (1 b)
— 17. ταραχθήτωσαν εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος (1 a)
87 (88). 16. B οἱ φοβερισμοί σου ἐτάραξάν [A S R ἐξετ.] με (35)
89 (90). 7. ἐν τῷ θυμῷ σου ἐταράχθημεν (1 a)
103 (104). 29. ἀποστρέψαντος δέ σου τὸ πρόσωπον ταραχθήσονται (1 a)
106 (107). 27. ἐταράχθησαν ἐσαλεύθησαν ὡς ὁ μεθύων (11)
108 (109). 22. ἡ καρδία μου τετάρακται ἐντός μου (13)
118 (119). 60. ἡτοιμάσθην καὶ οὐκ ἐταράχθην (20)
142 (143). 4. ἐν ἐμοὶ ἐταράχθη ἡ καρδία μου (45)
Pr. 12. 25. φοβερὸς λόγος καρδίαν ταράσσει ἀνδρὸς δικαίου (42)
Ec. 10. 10. καὶ αὐτὸς πρόσωπον ἐτάραξε (36 a)
Wi. 5. 2. ἰδόντες ταραχθήσονται φόβῳ δεινῷ
11. 6. ἀντὶ μὲν πηγῆς ἀενάου ποταμοὺ αἵματι λυθρώδει ταραχθέντες [A S -ος]
16. 6. εἰς νουθεσίαν δὲ πρὸς ὀλίγον ἐταράχθησαν [S¹ -η]
Wi. 17. 4. S ἦχοι δὲ ταράσσοντες [B¹ ἐκτ., A B² R καταράσσοντες] αὐτοὺς περιεκόμπουν
Si. 28. 9. ἀνὴρ ἁμαρτωλὸς ταράξει φίλους
30. 7. ἐπὶ πάσῃ βοῇ ταραχθήσεται σπλάγχνα αὐτοῦ
51. 21. ἡ κοιλία μου ἐταράχθη ἐκζητῆσαι αὐτήν
Ho. 6. 9 (8). πόλις . . . ταράσσουσα ὕδωρ †
Am. 8. 8. ἐπὶ τούτοις οὐ ταραχθήσεται ἡ γῆ (37)
Hb. 3. 2. ἐν τῷ ταραχθῆναι τὴν ψυχήν μου –
— 15. τοὺς ἵππους σου ταράσσοντας ὕδωρ πολύ (14 c)
— 16. ὑποκάτωθέν μου ἐταράχθη ἡ ἕξις μου (37)
Is. 3. 12. τὸν τρίβον τῶν ποδῶν ὑ. ταράσσουσιν (3)
8. 12. οὐδὲ μὴ ταραχθῆτε (30)
13. 8. ταραχθήσονται οἱ πρέσβεις (1 a)
14. 31. κεκραγέτωσαν πόλεις τεταραγμέναι (22)
17. 12. οὕτως ταραχθήσεσθε (9 a)
19. 3. ταραχθήσεται τὸ πνεῦμα τῶν Αἰγυπτίων (5)
24. 14. ταραχθήσεται τὸ ὕδωρ τῆς θαλάσσης (34)
— 19. ταραχῇ ταραχθήσεται ἡ γῆ (39 + 33)
30. 28. τοῦ ταράξαι ἔθνη †
51. 15. ὁ θεός σου ὁ τάρασσων τὴν θάλασσαν (38)
64. 2 (1). ἀπὸ προσώπου σου ἔθνη ταραχθήσονται (37)
Je. 4. 24. εἶδον . . . πάντας τοὺς βουνοὺς ταρασσομένους (36 b)
5. 22. ταραχθήσεται καὶ οὐ δυνήσεται [A -ηθήσ.] (6 b)
La. 1. 20. ἡ κοιλία μου ἐταράχθη (14 b)
2. 11. ἐταράχθη ἡ καρδία μου (14 b)
3. 9. ἐτάραξεν ἄρκος ἐνεδρεύουσα (28)
Ez. 26. 18. A ταραχθήσονται νῆσοι ἐν τῇ θαλ. (1 a)
30. 16. ταραχῇ ταραχθήσεται Συήνη [A al.] (12 a)
32. 2. ἐτάρασσες ὕδωρ τοῖς ποσί σου (7)
— 13. οὐ μὴ ταράξῃ αὐτὸ ποὺς ἀνθρώπου (7)
34. 18. τὸ λοιπὸν τοῖς ποσὶν ὑμῶν ἐτάρασσετε [B² -ο] (41)
— 19. τὸ τεταραγμένον ὕδωρ ὑπὸ τῶν ποδῶν ὑμῶν ἔπινον (46)
Da. LXX. 2. 1. καὶ ταραχθῆναι ἐν τῷ ἐνυπνίῳ αὐ. (32 b)
7. 15. ἐτάρασσόν με οἱ διαλογισμοί μου (1 c)
11. 12. καὶ ταράξει πολλούς (25)
— 44. ἀκοὴ ταράξει αὐτόν (1 b)
Da. TH. 4. 2. ἐταράχθην ἐπὶ τῆς κοίτης μου †
— 2. R αἱ ὁράσεις τῆς κεφ. μου ἐτάραξάν [A B συνετ.] με (1 c)
5. 9. ὁ βασ. B. ἐταράχθη [A πολὺ ἐτ.] (1 d)
— 10. μὴ ταρασσέτωσάν σε οἱ διαλογισμοί σου (1 c)
7. 15. αἱ ὁράσεις τῆς κεφ. μου ἐτάρασσόν με (1 c)
8. 11. A R θυσία ἐταράχθη [B al.] †
11. 44. σπουδαὶ ταράξουσιν αὐτόν (1 b)
I Ma. 3. 5. τοὺς ταράσσοντας τὸν λαὸν αὐτοῦ ἐφλόγισε
7. 22. πάντες οἱ ταράσσοντες τὸν λαὸν αὐ.
11. 24. A ἐτάραξεν τὰ πλείονα [S R al.]
II Ma. 15. 19. ταρασσόμενοις τῆς ἐν ὑπαίθρῳ προσβολῆς
III Ma. 1. 17. οἱ κατὰ τὴν πόλιν ἀπολειπόμενοι ταραχθέντες ἐξεπήδησαν
[Aq. Jo. 7. 25: I Ki. 14. 29: Pr. 11. 29: 15. 27: Je. 5. 22: 33 (40). 9: 50 (27). 34: 51 (28). 29, 32: Ez. 32. 10.]
[Sm. Ex. 15. 14: Dt. 7. 23: Jo. 7. 25: I Ki. 14. 29: 28. 15: Jb. 5. 13: 22. 10: 23. 15: 38. 11 (P.): Ps. 47 (48). 6: Pr. 11. 17, 29: 15. 27: 27. 6: Ca. 5. 4: Is. 5. 25: 13. 13: 14. 16: 28. 7, 28: 32. 11: 54. 10: Je. 5. 22: 31 (38). 20: 50 (27). 34: 51 (28). 32: Ez. 32. 13.]
[Th. Jo. 7. 25: I Ki. 14. 29: Jb. 37. 1: Pr. 11. 29: 15. 27: 27. 6: Is. 5. 25: 13. 8: 28. 17, 28: 32. 11: Ez. 26. 18: Da. 7. 15.]
[Heb. Jb. 13. 11.]
[Al. Pr. 15. 27: Je. 5. 22: Hb. 3. 7, 10, 15, 16.]

ταραχή. (1) בַּלְהָה (2) בְּעָתָה (3) זַעֲוָה (4) a. חוּל b. חַלְחָלָה (5) חִפָּזוֹן (6) חָרַר pil. (7) כָּרַע hi. (8) מְדָיָן (9) מָדָן (10) מְהוּמָה (11) עַתָּה רֹעָה (12) רֹכֶס (13) רֹעָה

Jd. 11. 35. ταραχῇ ἐτάραξάς με [A al.] (7)
Jb. 24. 17. A S² ἐπιγνώσεται ταραχὰς [B S¹ -χος] σκιᾶς [A S¹ -ὰ] θανάτου (1)
Ps. 30 (31). 20. κατακρύψεις αὐτοὺς . . . ἀπὸ ταραχῆς ἀνθρώπων (12)
Pr. 6. 14. ὁ τοιούτος ταραχὰς συνίστησι πόλει (9*, 8)
26. 21. ἀνὴρ δὲ λοίδορος εἰς ταραχὴν μάχης (6)

Wi. 14. 25. R φθορὰ ἀπιστία ταραχή [A B S -χος]
17. 8. οἱ γὰρ ὑπισχνούμενοι . . . ταραχὰς ἀπελαύνειν ψυχῆς νοσούσης [S¹ al.]
Si. 11. 34. διαστρέψει σε ἐν ταραχαῖς [S -ῇ]
40. 5. θυμὸς καὶ ζῆλος καὶ ταραχὴ καὶ σάλος
Ho. 5. 12. ἐγὼ ὡς ταραχὴ τῷ Ἐφρ. †
Is. 22. 5. ἡμέρα ταραχῆς [S¹ -χους] (10)
24. 19. ταραχῇ ταραχθήσεται ἡ γῆ (13)
52. 12. οὐ μετὰ ταραχῆς ἐξελεύσεσθε (5)
Je. 14. 19. ἰδοὺ τ. (2)
La. 3. 59. ἴδες, κύριε, τὰς τ. μου (11)
Ez. 23. 46. δὸς ἐν αὐταῖς [A ἐπ' αὐτὰς] ταραχήν (3)
30. 4. ἔσται τ. ἐν γῇ [A τῇ] Αἰθιοπίᾳ (4 b)
— 9. ἔσται τ. ἐν αὐτοῖς [A Αἰγύπτῳ] (4 b)
— 16. S R τ. [B -ὴν] ταραχθήσεται Συήνη [A al.] (4 a)
Da. LXX. 11. 7. καὶ ποιήσει ταραχήν †
II Ma. 3. 30. τὸ μικρῷ πρότερον . . . ταραχῆς γέμον ἱερόν
10. 30. διεκόπτοντο ταραχῆς πεπληρωμένοι
11. 25. τοῦτο τὸ ἔθνος ἐκτὸς ταραχῆς εἶναι
13. 16. τὴν παρεμβολὴν δέους καὶ ταραχῆς ἐπλήρωσαν
15. 29. γενομένης δὲ κραυγῆς καὶ ταραχῆς
III Ma. 3. 8. τ. ἀπροσδόκητον περὶ τοὺς ἄνδρας θεωροῦντες
— 24. αἰφνιδίου μετέπειτα ταραχῆς ἐνστάσης ἡμῖν
6. 19. τὴν δύναμιν τῶν ὑπεναντίων ἐπλήρωσαν ταραχῆς
[Aq. Ez. 32. 10.]
[Sm. Dt. 7. 23: I Ki. 5. 11: Ps. 29 (30). 8: Is. 30. 7.]
[Th. Jb. 24. 17†.]
[Al. Ps. 54 (55). 23.]

τάραχος. (1) בַּלָּהָה (2) מְהוּמָה (3) עָכָר

Jd. 11. 35. καὶ σὺ ἦς ἐν τῷ τ. μου [A al.] (3)
I Ki. 5. 9. γίνεται χεὶρ κ. τῇ πόλει τ. μέγας σφόδρα (2)
Es. 1. 1. ἰδοὺ . . . τάραχος ἐπὶ τῆς γῆς
— 1. ἰδοὺ . . . τ. μέγας ἐπὶ τῆς γῆς
Jb. 24. 17. ἐπιγνώσεται τάραχος [A S² -ὰς] σκιᾶς [A S¹ -ὰ] θανάτου (1)
Wi. 14. 26. φθορὰ ἀπιστία τάραχος
Is. 22. 5. S¹ ἡμέρα ταράχους [A B S² -χῆς] (2)
[Sm. Is. 30. 7.]
[Th. Jb. 24. 17†.]

ταραχώδης. (1) הַוָּה

Ps. 90 (91). 3. καὶ ἀπὸ λόγου ταραχώδους (1)
Wi. 17. 9. εἰ μηδὲν αὐτοὺς ταραχῶδες [S² τερατῶδες] ἐφόβει

ταριχεύειν.

Ep. Je. 28. αἱ γυναῖκες ἀπ' αὐτῶν ταριχεύουσαι

ταρσός. (1) כַּף

Wi. 5. 11. πληγῇ δὲ ταρσῶν μαστιζόμενον πνεῦμα κοῦφον
Da. TH. 10. 10. A καὶ ταρσοὺς χειρῶν μου (1)
[Aq. Nu. 6. 19: Dt. 28. 56: I Ki. 25. 29: Ps. 9. 17: 77 (78). 72: 90 (91). 12: 118 (119). 109: 127 (128). 2: Is. 49. 16: 55. 12: Da. 10. 10.]
[Sm. Da. 10. 10.]
[Th. Da. 10. 10†.]
[Al. Dt. 2. 5.]

τάρταρος.

Jb. 40. 15 (20). ἐποίησε χαρμονὴν τετράποσιν ἐν τῷ τ. †
41. 23 (24). τὸν δὲ τ. τῆς ἀβύσσου ὥσπερ αἰχμάλωτον †
Pr. 24. 51 (30. 16). καὶ τάρταρος καὶ γῆ οὐκ ἐμπιπλαμένη ὕδατος –

τάσσειν. (1) אָחַז (2) דָּגַל ni. (3) הָלַךְ hi.
(4) יָעַר a. qal. b. ni. c. מוּעָד (5) נָשָׂא
(6) נָתַן (7) עָמַד hi. (8) פָּאַר hithp.
(9) צָוָה pi. (10) רָשַׁם (11) שִׂים, שׂוּם
(12) שׁוּב hi. (13) שִׁית

Ge. 3. 24. ἔταξε τὰ χερουβίν –
Ex. 8. 9 (5). τάξαι πρὸς μέ (8)
— 12 (8). ὡς ἐτάξατο Φ. (11)
29. 43. τάξομαι ἐκεῖ τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (4 b)
Jd. 18. 31. A ἔταξαν [B ἔθηκαν] αὐτοῖς τὸ γλυπτόν (11)
20. 30. A ἔταξεν Ἰσρ. πρὸς τὸν Βεν. [B al.] †
— 36. A ὃ ἔταξαν πρὸς τὴν Γ. [B al.] (11)
— 36. A ὃ ἔταξαν πρὸς τὴν Γ. (11 ?)
I Ki. 20. 35. καθὼς ἐτάξατο εἰς τὸ μαρτύριον Δ. (4 c ?)
22. 7. εἰ . . . πάντας ὑμᾶς τάξει ἑκατοντάρχους (11)
II Ki. 7. 11. ὧν ἔταξα κριτὰς ἐπὶ τὸν λαόν μου (9)
20. 5. οὗ ἐτάξατο αὐτῷ (4 a)
23. 23. ἔταξεν αὐτὸν Δ. πρὸς [B¹ εἰς] τὰς ἀκοὰς αὐ. (11)
III Ki. 2. 5. ἔταξε τὰ αἵματα πολέμου ἐν εἰρήνῃ (11)
IV Ki. 10. 24. ἔταξεν ἑαυτῷ ἔξω ὀγδοήκοντα ἄνδρας (11)
— 27. A R ἔταξαν [B ἐπάταξεν] αὐτὸν εἰς λυτρῶνας (11)
12. 17 (18). ἔταξεν Ἀζ. τὸ πρόσωπον αὐ. (11)
I Ch. 16. 4. ἔταξε . . . ἐκ τῶν Λ. λειτουργοῦντας (6)
— 7. ἔταξε Δ. ἐν ἀρχῇ τοῦ αἰνεῖν τὸν κ. (6)
17. 10. ὧν ἔταξα κριτὰς ἐπὶ τὸν λαόν μου Ἰσρ. (9)
II Ch. 31. 2. ἔταξεν Ἐζ. τὰς ἐφημερίας τῶν ἱ. (7)
I Es. 1. 15. κατὰ τὰ ὑπὸ Δ. τεταγμένα
To. 1. 21. ἔταξεν Ἀχιάχαρον . . . ἐπὶ πᾶσαν τὴν ἐκλογιστίαν τῆς βασιλείας
5. 6. S ἀπέχει ὁδὸν ἡμερῶν δύο τεταγμένων
Es. 1. 6. S¹ καρπασίνοις τεταγμένοις [A B S² τεταμ.] ἐπὶ σχοινίοις βυσσίνοις (1)
3. 13. ὑπὸ Ἀ. τοῦ τεταγμένου ἐπὶ τῶν πραγμάτων
8. 13. πολλοὺς τῶν ἐπ' ἐξουσίαις τεταγμένων
Jb. 14. 13. ἕως ἂν . . . τάξῃ μοι χρόνον (13)
30. 22. ἔταξας δέ με ἐν ὀδύναις (5)
31. 24. εἰ ἔταξα χρυσίον εἰς χοῦν μου (11)
36. 13. ὑποκριταὶ καρδίᾳ τάξουσι θυμόν (11)
Ca. 2. 4. τάξατε ἐπ' ἐμὲ ἀγάπην †
6. 3 (4). θάμβος ὡς τεταγμέναι (2)
— 9 (10). θάμβος ὡς τεταγμέναι [B² -η] (2)
Si. 10. 1. ἡγεμονία συνετοῦ τεταγμένη ἔσται
Ho. 2. 3 (5). τάξω αὐτὴν ὡς γῆν ἄνυδρον (13)
— 14 (16). τάξω αὐτὴν ὡς ἔρημον (3)
Mi. 5. 1 (4. 14). συνοχὴν ἔταξεν ἐφ' ὑμᾶς (11)
Hb. 1. 12. εἰς κρίμα τέταχας αὐτό (11)
2. 9. τοῦ τάξαι εἰς ὕψος νοσσιὰν αὐ. (11)
3. 19. τάξει τοὺς πόδας μου εἰς συντέλειαν (11)
Ze. 1. 14. φωνὴ ἡμέρας κυρίου . . . σκληρὰ τέτακται †
Hg. 1. 5. τάξατε δὴ τὰς καρδίας ὑμῶν εἰς τὰς ὁδοὺς ὑμῶν (11)
2. 19 (18). A S² τάξατε [B S¹ ὑποτ.] δὴ τὰς καρδίας ὑμῶν (11)
Za. 7. 12. τὴν καρδίαν αὐ. ἔταξαν ἀπειθῆ (11)
— 14. ἔταξαν γῆν ἐκλεκτὴν εἰς ἀφανισμόν (11)
10. 3. τάξει αὐτοὺς ὡς ἵππον εὐπρεπῆ αὐ. (11)
— 4. καὶ ἀπ' αὐτοῦ ἔταξε †
Ma. 1. 3. ἔταξα τὰ ὅρια αὐ. εἰς ἀφανισμόν (11)
Is. 38. 1. τάξαι περὶ τοῦ οἴκου σου (9)
Je. 2. 15. ἔταξαν τὴν γῆν αὐτοῦ εἰς ἔρημον (13)
3. 19. A S R τάξω σε εἰς τέκνα [B ἔθνη] (13)
5. 22. τὸν τάξαντα ἄμμον ὅριον τῇ θαλάσσῃ (11)
7. 30. ἔταξαν τὰ βδελύγματα αὐτῶν ἐν τῷ οἴκῳ (11)
10. 22. τοῦ τάξαι τὰς πόλεις Ἰ. εἰς ἀφανισμόν (11)
11. 13. ἐτάξατε [A S -ξαν] βωμοὺς θυμιᾶν τῇ Βάαλ (11)
18. 16. τοῦ τάξαι τὴν γῆν αὐτῶν εἰς ἀφανισμόν (11)
19. 8. A τάξω [B S κατάξω] τὴν πόλιν ταύτην εἰς ἀφανισμόν (11)
La. 3. 21. ταύτην τάξω εἰς τὴν καρδίαν μου (12)
Ep. Je. 62. συντελοῦσι τὸ ταχθέν
Ez. 4. 2. τάξεις τὰς βελοστάσεις κύκλῳ (11)
14. 4, 7. τὴν κόλασιν τῆς ἀδικίας αὐτοῦ τάξῃ πρὸ προσώπου αὐτοῦ (11)
16. 14. ἐν τῇ ὡραιότητι ᾗ ἔταξα ἐπὶ σέ (11)
17. 5. ἐπιβλεπόμενον ἔταξεν αὐτό (11)
19. 5. λέοντα ἔταξεν αὐτόν (11)
20. 28. ἔταξαν ἐκεῖ ὀσμὴν εὐωδίας (11)
24. 7. ἐπὶ λεωπετρίαν τέταχα αὐτό (11)
40. 4. τάξον εἰς τὴν καρδίαν σου πάντα (11)
44. 5. τάξον εἰς τὴν καρδίαν σου (11)
— 5. τάξεις τὴν καρδίαν σου εἰς τὴν εἴσοδον (11)
— 14. A καὶ τάξουσιν [B κατάξ.] αὐτοῦ φυλάσσειν (6)
Da. TH. 6. 12 (13). οὐχ ὁρισμὸν ἔταξας (10)
— 13 (14). A περὶ τοῦ ὁρισμοῦ οὗ ἔταξας (10)
9. 27. A B² τάξει ἐπὶ ἀφανισμῷ –
11. 17. τάξει τὸ πρόσωπον αὐ. εἰσελθεῖν (11)
I Ma. 5. 27. εἰς αὔριον τάσσονται
12. 26. οὕτως τάσσονται ἐπιπεσεῖν ἐπ' αὐτούς
I Ma. 14. 10. A R ἔταξεν αὐτὰς ἐν σκεύεσιν ὀχυρώσεως [S al.]
15. 41. A R ἔταξεν [S ἀπέτ.] ἐκεῖ ἱππεῖς
II Ma. 3. 14. ταξάμενος δὲ ἡμέραν
6. 21. οἱ δὲ πρὸς τῷ παρανόμῳ σπλαγχνισμῷ τεταγμένοι
— 21. ἐσθίοντα τὰ ὑπὸ τοῦ βασ. τεταγμένα
8. 22. τάξας ἀδελφοὺς αὐ. προηγουμένους ἑκατέρας τάξεως
— 27. ἀρχὴν ἐλέους τάξαντος αὐτοῖς
10. 28. οἱ δὲ καθηγεμόνα τῶν ἀγώνων ταττόμενοι τὸν θυμόν
14. 21. ἐτάξαντο δὲ ἡμέραν
15. 20. τῆς δὲ ἵππου κατὰ κέρας τεταγμένης
III Ma. 5. 14. ὁ πρὸς ταῖς κλήσεσι τεταγμένος
7. 1. καὶ πᾶσι τοῖς τεταγμένοις ἐπὶ πραγμάτων
[Aq. Ca. 2. 4: Is. 30. 33: 40. 18.]
[Sm. II Ki. 7. 23: 8. 14: Jb. 14. 5: 24. 25: 32. 14: 37. 15: 38. 11: Ps. 8. 2: 9. 21: 11 (12). 6: 16 (17). 11: 18 (19). 5: 20 (21). 13: 38 (39). 9: 43 (44). 11: 47 (48). 14: 48 (49). 15: 61 (62). 11: 65 (66). 2, 9: 68 (69). 12: 72 (73). 9, 18: 80 (81). 6: 83 (84). 7: 87 (88). 7, 9: 106 (107). 41: Pr. 27. 23: 30. 26: Ec. 8. 16, 17 (9. 1): Je. 12. 10: 52. 32: Ez. 3. 17: 7. 20: 13. 17: 21. 2 (7): 25. 2: 29. 2.]
[Th. Jd. 18. 21, 31: Jb. 31. 24: 36. 13: Je. 33 (40). 25: Ez. 6. 2: Da. 6. 13†: 9. 26.]
[Al. Le. 27. 2: Nu. 30. 3: Ps. 12 (13). 3: 140 (141). 2: Da. 9. 27: Hb. 3. 16.]

ταυρηδόν.

IV Ma. 15. 19. τοὺς ὀφθ. ἑνὸς ἑκάστου θεωροῦσα τ. ἐπὶ τῶν βασάνων ὁρῶντας

ταῦρος. (1) אַבִּיר (2) אֵלָּה (3) מְרִיא
(4) פַּר (5) שׁוֹר

Ge. 32. 15 (16). ἔλαβεν . . . ταύρους δέκα (4)
49. 6. ἐνευροκόπησαν ταῦρον (5)
Ex. 21. 28. ἐὰν δὲ κερατίσῃ ταῦρος ἄνδρα (5)
— 28. λίθοις λιθοβοληθήσεται ὁ τ. (5)
— 28. ὁ δὲ κύριος τοῦ τ. ἀθῷος ἔσται (5)
— 29. ἐὰν δὲ ὁ τ. κερατιστὴς ᾖ (5)
— 29. ὁ τ. λιθοβοληθήσεται (5)
— 32. ἐὰν δὲ παῖδα κερατίσῃ ὁ τ. (5)
— 32. ὁ τ. λιθοβοληθήσεται (5)
— 35. ἐὰν δὲ κερατίσῃ τινος ταῦρος τὸν ταῦρον τοῦ πλησίον (5, 5)
— 35. ἀποδώσουσι τὸν τ. τὸν ζῶντα (5)
— 35. τὸν τ. τὸν τεθνηκότα διελοῦνται –
— 36. ἐὰν δὲ γνωρίζηται ὁ τ. (5)
— 36. ἀποτίσει ταῦρον ἀντὶ ταύρου (5, 5)
De. 32. 14. υἱῶν ταύρων καὶ τράγων †
33. 17. πρωτότοκος ταύρου τὸ κάλλος αὐ. (5)
Jd. 6. 4. οὐδὲ ἐν τοῖς ποιμνίοις ταῦρον [A al.] (5)
— 25. λάβε τὸν μόσχον τὸν τ. [A σιτευτόν] (5)
I Es. 6. 29. εἰς ταύρους καὶ κριοὺς καὶ ἄρνας
7. 7. προσήνεγκαν . . . ταύρους ἑκατόν
8. 14. A² εἰς ταύρους καὶ κριοὺς καὶ ἄρνας
— 65. A R ταύρους δώδεκα ὑπὲρ παντὸς Ἰσρ.
Ps. 21 (22). 12. ταῦροι πίονες περιέσχον με †
49 (50). 13. μὴ φάγομαι κρέα ταύρων (1)
67 (68). 30. ἡ συναγωγὴ τῶν τ. ἐν ταῖς δαμάλεσι τῶν λαῶν (1)
Si. 6. 2. ἵνα μὴ διαρπαγῇ [S ἁρπ.] ὡς ταῦρος ἡ ψυχή σου
38. 25. ἡ διήγησις αὐ. ἐν υἱοῖς ταύρων
Is. 1. 11. αἷμα ταύρων καὶ τράγων (4)
5. 17. βοσκηθήσονται οἱ διηρπασμένοι ὡς ταῦροι †
11. 6. τ. καὶ λέων ἅμα βοσκηθήσονται (3)
30. 24. οἱ τ. ὑμῶν . . . φάγονται ἄχυρα (2)
34. 7. συμπεσοῦνται . . . οἱ κριοὶ καὶ οἱ τ. (1)
Je. 27 (50). 11. ἐκερατίζετε ὡς ταῦροι (1)
Da. LXX. 3. (40). ἐν ὁλοκαυτώμασι κριῶν καὶ ταύρων
Da. TH. 3. (40). ἐν ὁλοκαυτώσει κριῶν καὶ ταύρων
[Sm. I Ki. 1. 24: Ps. 21 (22). 13: 68 (69). 32.]
[Th. Pr. 14. 4: Is. 34. 7.]

ταφέθ (-έτ). (1) תֹּפֶת

IV Ki. 23. 10. ἐμίανε τὸν τ. [A θοφθά] (1)
Je. 7. 31. ᾠκοδόμησαν τὸν βωμὸν τοῦ τ. (1)
— 32. βωμὸς τοῦ τ. (1)
— 32. θάψουσιν ἐν τῷ [A add. τάφῳ] τ. (1)
19. 14. A ἀπὸ τῆς διαπτώσεως τοῦ τόπου τ. [B S om. τ. τ. τ.] (1)

ταφή. (1) חֲנִטִים (2) *a.* קָבַר *b.* קְבוּרָה *c.* קָבֶר

Ge. 50. 3. οὕτω γὰρ καταριθμοῦνται αἱ ἡμέραι τῆς τ. (1)
De. 21. 23. ταφῇ θάψετε αὐτό (2 *a*)
34. 6. οὐκ οἶδεν οὐδεὶς τὴν τ. [A τελευτὴν] αὐ. (2 *b*)
II Ch. 26. 23. ἐν τῷ πεδίῳ τῆς [A μετὰ τῆς] τ. τῶν βασ. (2 *b*)
Jb. 17. 1. A B S² δέομαι δὲ ταφῆς (2 *c*)
Ec. 6. 3. καί γε ταφὴ [S ἀφὴ] οὐκ ἐγένετο αὐτῷ (2 *b*)
Si. 38. 16. μὴ ὑπερίδῃς τὴν τ. αὐτοῦ
40. 1. ἕως ἡμέρας ἐπὶ ταφῇ [A ἡ. ἐπιταφῆς, S² ἡ. ἐπιστραφῇ] εἰς μητέρα πάντων
Na. 1. 14. χωνευτὰ θήσομαι ταφήν σου (2 *c*)
Is. 53. 9. δώσω τοὺς πονηροὺς ἀντὶ τῆς τ. αὐτοῦ (2 *c*)
57. 2. ἔσται ἐν εἰρήνῃ ἡ τ. αὐτοῦ †
Je. 22. 19. ταφὴν ὄνου [S οὐ] ταφήσεται (2 *b*)
Ez. 32. 23. A R ἡ τ. αὐτῶν ἐν βάθει βόθρου (2 *c*)
— 23. A οἱ ἔδωκαν τὰς τ. αὐτῆς ἐν μηροῖς λάκκου (2 *c*)
— 23. A ὑπερκύκλῳ τῆς τ. αὐτοῦ (2 *b*)
Da. LXX. Bel 30. καὶ μηδὲ ταφῆς τύχῃ
II Ma. 9. 15. ὡς διεγνώκει μηδὲ ταφῆς ἀξιῶσαι
[Aq. Ez. 32. 23.]
[Th. Ez. 32. 23 *bis*.]
[Al. Ez. 32. 25.]

ταφνοῦν (?). (1) סָפַן

III Ki. 7. 3. A ἐτάφνωσεν [B ἐφάτνωσε] τὸν οἶκον (1)

τάφος. (1) *a.* קֶבֶר *b.* קְבוּרָה *c.* קָבַר

Ge. 23. 4. δότε οὖν μοι κτῆσιν τάφου (1 *a*)
— 20. εἰς κτῆσιν τάφου παρὰ τῶν υἱῶν Χέτ (1 *a*)
47. 30. θάψεις με ἐν τῷ τ. αὐ. (1 *b*)
Jd. 8. 32. ἐτάφη ἐν τῷ τ. Ἰ. (1 *a*)
16. 31. ἔθαψαν αὐτὸν . . . ἐν τῷ τ. Μαν. (1 *a*)
I Ki. 10. 2. εὑρήσεις δύο ἄνδρας πρὸς τοῖς τ. Ῥ. (1 *b*)
Ki. 2. 32. θάπτουσιν αὐτὸν ἐν τῷ τ. τοῦ πατρὸς αὐ. (1 *a*)
3. 32. ἔκλαυσεν ἐπὶ τοῦ τ. αὐ. (1 *a*)
4. 12. τὴν κεφ. Ἰ. ἔθαψαν ἐν τῷ τ. Ἀβ. (1 *a*)
17. 23. ἐτάφη ἐν τῷ τ. [A οἴκῳ] τοῦ πατρὸς αὐ. (1 *a*)
19. 37 (38). ἀποθανοῦμαι . . . παρὰ τῷ τ. τοῦ πατρός μου (1 *a*)
21. 14. ἔθαψαν τὰ ὀστᾶ Σ. . . . ἐν τῷ τ. Κ. (1 *a*)
III Ki. 13. 22. οὐ μὴ εἰσέλθῃ τὸ σῶμά σου εἰς τὸν τ. τῶν πατ. σου (1 *a*)
— 30. τοῦ θάψαι αὐτὸν ἐν τῷ τ. ἑαυ. (1 *a*)
— 31. θάψατέ με ἐν τῷ τ. τούτῳ (1 *a*)
14. 13. A οὗτος μόνος εἰσελεύσεται τῷ Ἱερ. πρὸς τάφον (1 *a*)
IV Ki. 9. 28. ἔθαψαν αὐτὸν ἐν τῷ τ. αὐ. (1 *b*)
13. 21. ἔρριψαν τὸν ἄνδρα ἐν τῷ τ. Ἐλ. (1 *a*)
21. 26. ἔθαψαν αὐτὸν ἐν τῷ τ. αὐ. (1 *b*)
22. 20. συναχθήσῃ εἰς τὸν τ. [A τόπον] σου (1 *a*)
23. 6. ἔρριψε τὸν χοῦν αὐ. εἰς τὸν τ. τῶν υἱῶν τοῦ λαοῦ (1 *a*)
— 16. εἶδε τοὺς τ. ἐκεῖ (1 *a*)
— 16. ἔλαβε τὰ ὀστᾶ ἐκ τῶν τ. (1 *a*)
— 16. ἦρε τοὺς ὀφθ. αὐ. ἐπὶ τὸν τ. τοῦ ἀνθρ. τοῦ θεοῦ –
— 30. ἔθαψαν αὐτὸν ἐν τῷ τ. αὐ. (1 *b*)
II Ch. 21. 20. καὶ οὐκ ἐν τάφοις τῶν βασ. (1 *a*)
24. 25. οὐκ ἔθαψαν αὐτὸν ἐν τῷ τ. τῶν βασ. (1 *a*)
28. 27. οὐκ εἰσήνεγκαν αὐτὸν εἰς τοὺς τ. τῶν βασ. Ἰσρ. (1 *a*)
32. 33. ἐν ἀναβάσει τάφων υἱῶν Δ. (1 *a*)
I Es. 1. 31. ἐτάφη ἐν τῷ πατρικῷ τ.
Ne. 3. 16. ἕως κήπου τάφου Δαυίδ (1 *a*)
To. 4. 4. θάψον αὐτὴν παρ' ἐμοὶ ἐν ἑνὶ τ.
— 17. A B ἔκχεον τοὺς ἄρτους σου ἐπὶ τὸν τ. τῶν δικαίων
6. 14. κατάξω τὴν ζωὴν τοῦ πατρός μου καὶ τῆς μητρός μου . . . εἰς τὸν τ. αὐ.
8. 9. ὤρυξε τάφον
— 11. S ὅτε συνετέλεσαν ὀρύσσοντες τὸν τ.
— 18. χώσαι τὸν τ.
Jb. 5. 26. ἐλεύσῃ δὲ ἐν τάφῳ (1 *a*)
6. 10. εἴη δέ μου πόλις [A μοι ἡ πόλις μου] τάφος †
21. 32. αὐτὸς εἰς τάφους ἀπηνέχθη (1 *a*)
Ps. 5. 9. τάφος ἀνεῳγμένος ὁ λάρυγξ αὐτῶν (1 *a*)
13 (14). 3. B S¹ τάφος ἀνεῳγμένος ὁ λάρυγξ αὐτῶν –
Ps. 48 (49). 11. οἱ τ. αὐτῶν οἰκίαι αὐτῶν εἰς τὸν αἰῶνα (1 *a*)
67 (68). 6. τοὺς κατοικοῦντας ἐν τάφοις †
87 (88). 5. καθεύδοντες ἐν τάφῳ (1 *a*)
— 11. μὴ διηγήσεταί τις ἐν τάφῳ τὸ ἔλεός σου (1 *a*)
Ec. 8. 10. εἶδον ἀσεβεῖς εἰς τάφους εἰσαχθέντας (1 *c*)
Wi. 19. 3. προσοδυρόμενοι τάφοις νεκρῶν
Si. 30. 18. θέματα βρωμάτων παρακείμενα ἐπὶ τάφῳ
Je. 7. 32. A θάψουσιν ἐν τῷ τ. [B S *om.*] ταφέθ –
8. 1. ἐξοίσουσι τὰ ὀστᾶ . . . ἐκ τῶν τ. αὐτῶν (1 *a*)
20. 17. ἐγένετό μοι ἡ μήτηρ μου τ. μου (1 *a*)
Ez. 37. 13. ἐν τῷ ἀνοῖξαί με τοὺς τ. ὑμῶν τοῦ ἀναγαγεῖν με ἐκ τῶν τ. τὸν λαόν μου (1 *a*, 1 *a*)
I Ma. 2. 70. ἔθαψαν αὐτὸν οἱ υἱοὶ αὐ. ἐν τάφοις πατέρων αὐ.
9. 19. ἔθαψαν αὐτὸν ἐν τῷ τ. τῶν πατέρων αὐ.
13. 27. ᾠκοδόμησε Σ. ἐπὶ τὸν τ. τοῦ πατρὸς αὐ.
— 30. οὗτος ὁ τ. ὃν ἐποίησεν
II Ma. 5. 10. R οὔτε πατρῴου τάφου [A νόμου] μετέσχε
12. 39. ἀποκαταστῆσαι εἰς τοὺς πατρῴους τ.
III Ma. 6. 31. τὸν εἰς . . . τάφον ἡτοιμασμένον τόπον
[Aq. III Ki. 14. 13: Is. 65. 4: Je. 5. 16 (Sw.): Ez. 32. 22, 25.]
[Sm. Ps. 87 (88). 6: Is. 65. 4: Je. 31 (38). 40: Ez. 32. 25.]
[Th. Je. 5. 16 (Sw.): Ez. 32. 25.]

τάφρος. (1) פֶּתַח

Mi. 5. 6 (5). ποιμανοῦσι . . . τὴν γῆν τοῦ N. ἐν τῇ τ. αὐ. (1 ?)
[Sm. Ez. 17. 17: 21. 22 (27): 26. 8.]
[Quint. IV Ki. 20. 20.]

τάχα.

Wi. 13. 6. αὐτοὶ τάχα πλανῶνται
14. 19. ὁ μὲν γὰρ τάχα κρατοῦντι βουλόμενος ἀρέσαι

ταχέως. (1) *a.* מָהַר pi. *b.* מְהֵרָה *c.* בְּמְהֵרָה (2) רָנַע hi.

Jd. 9. 48. τ. ποιήσατε ὡς ἐγώ (1 *a*)
II Ki. 17. 18. ἐπορεύθησαν οἱ δύο τ. (1 *b*)
— 21. διάβητε τ. τὸ ὕδωρ (1 *b*)
IV Ki. 1. 11. τ. κατάβηθι (1 *b*)
Es. 6. 10. S² τ. λάβε σὺν τὸ ἔνδυμα (1 *a*)
Pr. 25. 8. μὴ πρόσπιπτε εἰς μάχην τ. (1 *a*)
Ec. 4. 12. A S R τὸ σπαρτίον τὸ ἔντριτον οὐ τ. [B ταχὺ] ἀπορραγήσεται (1 *c*)
Wi. 4. 16. νεότης [A -ητος] τελεσθεῖσα τ. [S¹ *om.*] πολυετὲς γῆρας ἀδίκου
6. 5. φρικτῶς καὶ τ. ἐπιστήσεται ὑμῖν
— 15. ὁ ἀγρυπνήσας δι' αὐτὴν τ. ἀμέριμνος ἔσται
14. 15. τοῦ ταχέως ἀφαιρεθέντος τέκνου
— 28. ἢ ἐπιορκοῦσι ταχέως
Jl. 3 (4). 4. τ. ἀνταποδώσω τὸ ἀνταπόδομα ὑμῶν (1 *b*)
Is. 8. 3. τ. σκύλευσον (1 *a*)
Je. 27 (50). 44. τ. ἐκδιώξω αὐτούς (2)
Da. LXX. 2. 16. εἰσῆλθε τ. πρὸς τὸν βασ. –
II Ma. 2. 18. τ. ἡμᾶς ἐλεήσει
4. 48. τ. οὖν τὴν ἄδικον ζημίαν ὑπέσχον
6. 23. τ. λέγων προπέμπειν εἰς τὸν ᾅδην
7. 10. τὴν γλῶσσαν αἰτηθεὶς τ. προέβαλλεν
8. 9. ὁ δὲ τ. προχειρισάμενος Νικάνορα
14. 27. τὸν Μακκ. δέσμιον ἐξαποστέλλειν εἰς Ἀντ. τ.
— 44. τῶν δὲ τ. ἀναποδισάντων
III Ma. 2. 23. τ. αὐτὸν ἐξείλκυσαν
IV Ma. 4. 22. τ. ἐπ' αὐτοὺς ἀνέζευξεν
10. 21. σὲ δὲ τ. μετελεύσεται ὁ θεός
12. 9. τ. ἔλυσαν αὐτόν
14. 10. τ. διέλυσε τὰ σώματα
[Aq. Jo. 2. 5: Ps. 30 (31). 3.]
[Sm. Jo. 2. 5: Ps. 15 (16). 4.]
[Th. Jo. 2. 5.]

ταχίζειν.

[Al. Hb. 3. 19.]

ταχινός. (1) מָהַר *a.* ni. *b.* pi. (2) τ. εἶναι מָהַר pi.

Pr. 1. 16. A καὶ ταχινοὶ [S² τ. εἰσι] τοῦ ἐκχέαι αἷμα (1 *b* [2])
Wi. 13. 2. ἢ πῦρ ἢ πνεῦμα ἢ ταχινὸν ἀέρα
Si. 11. 22. ἐν ὥρᾳ ταχινῇ ἀναθάλλει εὐλογίαν αὐτοῦ
18. 26. πάντα ἐστὶ ταχινὰ ἔναντι κυρίου
Hb. 1. 6. τὸ ἔθνος τὸ πικρὸν [A ταχινὸν] καὶ τὸ τ. [A πικρὸν, S¹ ταπεινόν] ([†], 1 *a*)
Is. 59. 7. οἱ πόδες . . . ταχινοὶ ἐκχέαι αἷμα (1 *b*)
[Aq., Sm. Ps. 44 (45). 2.]

τάχος. (1) יָעַף (2) *a.* מָהַר pi. *b.* מְהֵרָה (3) τὸ τ. *a.* מָהַר pi. *b.* מְהֵרָה (4) ἐν τάχει *a.* מָהַר pi. *b.* מְהֵרָה *c.* בְּמְעַט (5) διὰ τάχους רָנַע

Ex. 32. 7. B βάδιζε τὸ τ. ἐντεῦθεν [A R *al.*] –
Nu. 16. 46 (17. 11). ἀπένεγκε τὸ τ. εἰς τὴν παρεμβολήν (3 *a*)
De. 7. 4. ἐξολεθρεύσει σε τὸ τ. (3 *b*)
— 22. οὐ δυνήσῃ ἐξαναλῶσαι αὐτοὺς τὸ τ. (3 *b*)
9. 3. A R ἀπολεῖ αὐτοὺς ἐν τάχει [B *om.* ἐν τ.] (4 *a*)
— 12. κατάβηθι τὸ τ. ἐντεῦθεν (3 *b*)
11. 17. καὶ ἀπολεῖσθε ἐν τάχει (4 *b*)
28. 20. ἕως ἂν ἀπολέσῃ σε ἐν τάχει (4 *a*)
— 24. ἕως ἂν ἀπολέσῃ σε ἐν τάχει [A *om.* ἐν τ.] –
— 63. ἐξαρθήσεσθε ἐν τάχει [A *om.* ἐν τ.] –
Jo. 8. 18. τὰ ἔνεδρα ἐξαναστήσονται ἐν τάχει –
— 19. τὰ ἔνεδρα ἐξανέστησαν ἐν τάχει (4 *b*)
10. 6. ἀνάβηθι πρὸς ἡμᾶς τὸ τ. (3 *a*)
Jd. 2. 23. τοῦ μὴ ἐξᾶραι αὐτὰ τὸ τ. (3 *b*)
7. 9. A κατάβηθι τὸ τ. [B *om.* τὸ τ.] –
9. 54. A ἐβόησε τὸ τ. [B ἐβ. ταχὺ] πρὸς τὸ παιδάριον (3 *a*)
I Ki. 23. 22. οὗ ἔσται ὁ ποὺς αὐ. ἐν τάχει –
III Ki. 22. 9. B τάχος [A R τὸ τ.] Μιχαίαν υἱὸν Ἰ. (2 *a* [3 *b*])
I Ch. 12. 8. ὡς δορκάδες ἐπὶ τῶν ὀρέων τῷ τ. [A ἐν τ.] (2 *a*)
II Ch. 18. 8. τάχος Μιχαίαν υἱὸν Ἰ. (2 *a*)
Es. 8. 13. τοῦ . . . θεοῦ διὰ τάχους ἀποδόντος αὐτῷ κρίσιν
Ps. 2. 12. ὅταν ἐκκαυθῇ ἐν τάχει ὁ θυμὸς αὐτοῦ (4 *c*)
6. 10. αἰσχυνθείησαν [A S² καταισχ.] σφόδρα διὰ τάχους (5)
147. 4 (15). ἕως τάχους [S¹ ὡς ταχὺς] δραμεῖται ὁ λόγος αὐτοῦ (2 *b*)
Wi. 18. 14. νυκτὸς ἐν ἰδίῳ τάχει μεσαζούσης
Si. 11. 21. διὰ τάχους ἐξάπινα πλουτίσαι πένητα
27. 3. ἐν τάχει καταστραφήσεται αὐτοῦ ὁ οἶκος
Is. 5. 19. τὸ τ. ἐγγισάτω ἃ ποιήσει (3 *b*)
Ba. 4. 22. ἢ ἥξει ὑμῖν ἐν τάχει
— 24. ὄψονται ἐν τάχει τὴν παρὰ τοῦ θεοῦ ὑμῶν σωτηρίαν
— 25. ὄψει αὐτοῦ τὴν ἀπώλειαν ἐν τάχει
Ez. 29. 5. καταβαλῶ σε ἐν τάχει †
Da. LXX. 9. 21. τάχει φερόμενος προσήγγισέ μοι (1)
I Ma. 6. 27. ἐὰν μὴ προκαταλάβῃ αὐτοὺς διὰ τάχους
III Ma. 3. 23. διὰ τάχους ἡμᾶς κατασστρέψαι τὰ πράγματα
5. 43. ἰσόπεδον πυρὶ καὶ δόρατι στήσεσθαι διὰ τάχους
— 43. καὶ τὸν ἅβατον ἡμῖν αὐτῶν ναὸν πυρὶ πρήσαντα ἐν τάχει
6. 9. τάχος ἐπιφάνηθι τοῖς ἁγίοις Ἰσρ. γένους

ταχυκάρδιος.

[Th. Is. 35. 4.]

ταχύνειν. (1) מָהַר *a.* qal. *b.* pi. *c.* מְהֵרָה

Ge. 18. 7. ἐτάχυνε τοῦ ποιῆσαι αὐτό (1 *b*)
41. 32. ταχυνεῖ ὁ θ. τοῦ ποιῆσαι αὐτό (1 *b*)
45. 13. ταχύναντες καταγάγετε τὸν πατέρα μου (1 *b*)
Ex. 2. 18. διὰ τί ἐταχύνατε τοῦ παραγενέσθαι (1 *b*)
Jd. 13. 10. ἐτάχυνεν ἡ γυνή (1 *b*)
I Ki. 9. 12. A τάχυνον [B *om.*] νῦν (1 *b*)
17. 48. A καὶ ἐτάχυνε Δ. (1 *b*)
20. 38. ταχύνας σπεῦσον καὶ μὴ στῇς (1 *c*)
25. 42. A καὶ ἐτάχυνε (1 *b*)
II Ki. 15. 14. ταχύνατε τοῦ πορευθῆναι ἵνα μὴ ταχύνῃ (1 *b*, 1 *b*)
19. 16 (17). ἐτάχυνε Σ. υἱὸς Γ. (1 *b*)
Ps. 15 (16). 4. μετὰ ταῦτα ἐτάχυναν (1 *a*)
30 (31). 2. τάχυνον τοῦ ἐξελέσθαι με (1 *c*)
105 (106). 13. ἐτάχυναν ἐπελάθοντο τῶν ἔργων αὐτοῦ (1 *b*)
Ec. 5. 1. καρδία σου μὴ ταχυνάτω [A S -έτω] τοῦ ἐξενέγκαι λόγον (1 *b*)
Si. 43. 13. ταχύνει ἀστραπὰς κρίματος αὐτοῦ

I Ma. 2. 35. A R ἐτάχυναν [S -εν] ἐπ' αὐτοὺς πόλεμον
13. 10. ἐτάχυνε τοῦ τελέσαι τὰ τείχη Ἱερ.
[Aq. I Ki. 25. 42 : Pr. 6. 18 : Is. 9. 1 (8. 23) : 32. 4 : 51. 13, 14 : 59. 7 : Je. 9. 18 (17) : 47 (29). 6 : 49. 30 (30. 8).]
[Sm. IV Ki. 9. 13 : Ps. 78 (79). 8 : Pr. 6. 18 : Is. 9. 1 (8. 23) : 59. 7.]
[Th. Ps. 15 (16). 4 : Pr. 6. 18 : Is. 9. 1 (8. 23) : 32. 4 : Je. 9. 18 (17).]
[Al. Ge. 43. 30 : I Ki. 25. 18 : 28. 19 : IV Ki. 9. 13.]

ταχύς (*incl.* ταχύ *adv.*, τάχιον, θᾶττον, τάχιστα). (1) אוּץ (2) *a.* מָהַר pi. *b.* מְהֵרָה *c.* מָהִיר *d.* בִּמְהֵרָה (3) קָרוֹב (4) רָנַע hi.

Ge. 27. 20. τί τοῦτο ὁ ταχὺ εὗρες (2 *a*)
Ex. 32. 8 : De. 9. 12. παρέβησαν ταχὺ ἐκ τῆς ὁδοῦ (2 *a*)
De. 9. 16. A παρέβητε ταχὺ [B *om.*] ἀπὸ τῆς ὁδοῦ (2 *a*)
Jd. 2. 17. ἐξέκλιναν ταχὺ ἐκ τῆς ὁδοῦ (2 *a*)
9. 54. ἐβόησε ταχὺ [A τὸ τάχος] πρὸς τὸ παιδάριον (2 *b*)
II Ki. 17. 16. ἀποστείλατε ταχύ (2 *b*)
I Es. 4. 34. καὶ ταχὺς τῷ δρόμῳ ὁ ἥλιος
II Es. 7. 6. καὶ αὐτὸς γραμματεὺς τ. ἐν νόμῳ M. (2 *c*)
Ps. 36 (37). 2. ὡσεὶ χόρτος ταχὺ ἀποξηρανθήσονται καὶ ὡσεὶ λάχανα χλόης ταχὺ ἀποπεσοῦνται (2 *b*, –)
68 (69). 17. ταχὺ ἐπάκουσόν μου (2 *a*)
78 (79). 8. ταχὺ προκαταλαβέτωσαν ἡμᾶς οἱ οἰκτιρμοί σου (2 *a*)
101 (102). 2. ταχὺ εἰσάκουσόν [S ἐπάκ.] μου (2 *a*)
137 (138). 3. ταχὺ ἐπάκουσόν μου –
142 (143). 7. ταχὺ εἰσάκουσόν μου (2 *a*)
147. 4 (15). S[1] ὡς ταχὺς [A B S[2] ἕως τάχους] δραμεῖται ὁ λόγος αὐ. (2 *b*)
Pr. 12. 19. μάρτυς δὲ ταχὺς γλῶσσαν ἔχει ἄδικον (4)
20. 25. παγὶς ἀνδρὶ ταχύ τι τῶν ἰδίων ἁγιάσαι †
29. 20. ἐὰν ἴδῃς ἄνδρα ταχὺν [B[2] τραχὺν] ἐν λόγοις (1)
Ec. 4. 12. B τὸ σπαρτίον τὸ ἔντριτον οὐ ταχὺ [A S R ταχέως] ἀπορραγήσεται (2 *d*)
8. 11. τῶν ποιούντων τὸ [A *om.*] πονηρὸν ταχύ (2 *b*)
Wi. 13. 9. τὸν τούτων δεσπότην πῶς τάχιον οὐχ εὗρον
Si. 4. 29. A S[1] μὴ γίνου ταχὺς [B τραχὺς, S[2] θρασὺς] ἐν γλώσσῃ σου
5. 11. γίνου ταχὺς ἐν ἀκροάσει σου
6. 7. μὴ ταχὺ ἐμπιστεύσῃς αὐτῷ
— 19. ταχὺ φάγεσαι τῶν γενημάτων αὐτῆς
— 20. B[1] ὡς ταχεῖα [A B[3] S R τραχ.] ἐστι σφόδρα τοῖς ἀπαιδεύτοις
19. 4. ὁ ταχὺ ἐμπιστεύων κοῦφος καρδίᾳ
21. 22. ποὺς μωροῦ ταχὺς εἰς οἰκίαν
48. 20. ὁ ἅγιος ἐξ οὐρανοῦ ταχὺ ἐπήκουσεν αὐτῶν
Na. 1. 14. ὅτι ταχεῖς †
Ze. 1. 14. ἐγγὺς ἡμέρα κυρίου . . . ἐγγὺς καὶ ταχεῖα σφόδρα (2 *a*)
Ma. 3. 5. ἔσομαι μάρτυς τ. ἐπὶ τὰς φαρμακούς (2 *a*)
Is. 5. 26. ταχὺ κούφως ἔρχονται (2 *b*)
9. 1 (8. 23). ταχὺ ποίει χώρα Ζαβουλών †
14. 1 (13. 22). ταχὺ ἔρχεται καὶ οὐ χρονιεῖ (3)
32. 4. ταχὺ [A[1] *om.*] μαθήσονται λαλεῖν εἰρήνην (2 *a*)
49. 17. ταχὺ οἰκοδομηθήσῃ (2 *a*)
51. 5. ἐγγίζει ταχὺ ἡ δικαιοσύνη μου –
58. 8. τὰ ἰάματά σου ταχὺ ἀνατελεῖ (2 *b*)
Je. 29 (49). 19. ταχὺ ἐκδιώξω αὐτοὺς ἀπ' αὐτῆς (4)
31 (48). 16. πονηρία αὐτοῦ ταχεῖα σφόδρα (2 *a*)
I Ma. 2. 40. νῦν τάχιον ἡμᾶς ὀλεθρεύσουσιν
11. 22. συμμίσγειν εἰς Πτολεμαΐδα τὴν ταχίστην
II Ma. 3. 31. ταχὺ δέ τινες τῶν τοῦ Ἡλ. συνήθων ἠξίουν
4. 31. θᾶττον οὖν ὁ βασ. ἧκε
5. 21. θᾶττον εἰς τὴν Ἀντ. ἐχωρίσθη
7. 37. ἵλεως ταχὺ τῷ ἔθνει γενέσθαι
14. 11. θᾶττον οἱ λοιποὶ φίλοι δυσμενῶς ἔχοντες
III Ma. 1. 8. ὡς τάχιστα πρὸς αὐτοὺς παραγενέσθαι
2. 20. ταχὺ προκαταλαβέτωσαν οἱ οἰκτιρμοί σου
— 23. R ταχεῖαν καὶ [A *om.* τ. κ.] ὀξεῖαν ἰδόντες τὴν καταλαβοῦσαν αὐτὸν εὔθυναν
IV Ma. 4. 5. ταχὺ εἰς τὴν πατρίδα ἡμῶν . . . προσελθών
[Aq. Ps. 68 (69). 18 : Je. 27 (34). 16.]
[Sm. I Ki. 28. 20 : Jb. 7. 6 : Ps. 30 (31). 3 : Pr. 25. 8 : Je. 27 (34). 16.]
[Th. Je. 27 (34). 16.]
[Quint. Ps. 30 (31). 3.]

ταών. (1) תַּכִּיִּים
III Ki. 10. 22. A ναῦς ἐκ Θ. . . . πιθήκων καὶ ταώνων [B *al.*] (1)
[Al. Le. 11. 18.]

τε. * ἐάν τε ** ἐάν τε γάρ.

Ge. 2. 20†, 25 : 3. 8 : 13. 17 : 20. 11 : 24. 27† : 27. 3, 36 : 31. 44†, 52** : 34. 26, 28, 29, 30 : 37. 10 : 41. 10, 13 : 43. 11† : 48. 13.
Ex. 1. 11 : 6. 20, 23 : 7. 19 : 8. 16 (12), 17 (13)† *bis*, 18 (14)† : 9. 3†, 9, 10†, 22 : 10. 8 : 12. 19 : 14. 26 : 19. 13* *bis* : 20. 11† : 22. 4 (3)†, 9 (8) : 28. 1 : 31. 17† : 33. 16, 16† : 35. 34 : 38. 12 (37. 16)†.
Le. 1. 10 : 3. 1* *bis* : 7. 16 (26) : 9. 24 : 24. 16* *bis* : 26. 16 : 27. 26* *bis*.
Nu. 15. 27† : 20. 19† : 25. 8 : 26. 60.
De. 4. 26 : 5. 14† : 8. 19† : 18. 3* *bis* : 22. 22† : 30. 19 : 31. 28.
Jo. 22. 13.
III Ki. 12. 28†.
IV Ki. 13. 6† : 19. 12.
I Ch. 28. 14.
II Ch. 2. 12 (11)†.
I Es. 1. 1†, 33 : 2. 18 : 3. 19 *ter* : 4. 53 : 5. 46 : 6. 16, 26† : 8. 11, 13, 14†, 24* *bis*, 50, 51† : 9. 41†.
II Es. 7. 26*† *quater*.
To. 8. 21† : 10. 7†.
Es. 1. 1† : 3. 12, 13 *bis* : 7. 4 : 8. 11†, 13 *bis*, 13†, 13, 13† : 9. 6, 11†, 21†, 25†, 29† : 10. 1†, 2.
Jb. 1. 5† : 2. 9† : 4. 4† *bis* : 5. 9 : 6. 18† : 9. 4, 10, 15**†, 16†, 20, 27** : 10. 14**, 15**, 15**† : 11. 18 : 12. 5, 7† : 14. 21*† : 19. 15† : 21. 6** : 26. 13† : 28. 25† : 30. 4† : 34. 24 : 37. 13*† *ter* : 39. 11†.
Ps. 17 (18). 43† : 48 (49). 2 : 57 (58). 5†.
Pr. 1. 2 *bis*, 3, 4, 5†, 6 *bis* : 3. 3† : 6. 8 *bis*, 33 : 7. 21 : 8. 13 : 15. 3 : 23. 20†.
Ec. 12. 14*† *bis*.
Wi. 1. 3† : 3. 17**, 18*† : 4. 2 : 6. 7 : 7. 6, 13†, 13, 16, 21 : 8. 19 : 10. 2, 14, 20 : 12. 5, 8 : 13. 13† : 15. 5, 6, 7 *bis*, 9, 10 : 16. 5 : 17. 6†, 17 (εἴ τε γάρ), 18 (εἴ τε).
Si. *prol.* 7 : 13. 25*†, 25* : 40. 3† : 41. 4 (εἴ τε) *ter* : 45. 21†.
Is. 16. 3 : 30. 21 (εἴ τε) *bis* : 37. 12.
Je. 29 (49). 10†.
Ba. 3. 23†.
Ep. Je. 7, 8, 11†, 18, 20, 27†, 46, 46†, 51†, 54, 56†, 63†, 67, 72 *bis*.
Ez. 40. 20 : 41. 18†.
Da. LXX. 3. 7 *bis*, 10, 15 *bis*.
Da. TH. Su. 22* *bis* : 2. 38 : 3. 5, 5†, 7, 7†, 10, 10†, 15, 15†.
I Ma. 6. 1† : 8. 7 : 11. 34† : 12. 11†, 21 : 14. 25†.
II Ma. 1. 14, 18, 19†, 21, 22†, 23, 23† : 2. 20 : 3. 1, 10, 12†, 21 : 4. 1, 32 : 5. 13 *bis* : 10. 8†, 17, 17† : 11. 20, 25, 26 : 12. 14, 16, 18†, 22, 23†, 29†, 43, 45 (εἴ τε ?)† : 15. 20†, 21.
III Ma. 1. 1†, 4, 12, 13†, 16, 18, 18†, 20, 22, 23†, 23, 28 : 2. 23, 25†, 29, 32, 33† : 3. 10, 15†, 21, 23 : 4. 8† : 5. 5 *bis*, 13†, 35, 48 : 6. 8, 30, 32†, 34, 35, 41† : 7. 7, 14†, 20.
IV Ma. 1. 3, 4, 8, 20, 28, 29† : 2. 23 : 4. 2, 7, 7 (οἷός τε ἦν), 10 *bis*, 12, 22 : 5. 23 : 7. 4† : 8. 3, 13 *ter* : 9. 29 : 15. 4, 10, 22†, 25†, 26 : 17. 24 : 18. 11†, 12†.
[Aq. Le. 27. 26* *bis*.]
[Sm. Ge. 1. 30 *bis* : Le. 27. 26* *bis* : Ps. 48 (49). 3 : 86 (87). 5 : Ec. 9. 1 (πρός τε δέ) : 12. 14* *bis* : Mi. 2. 6.]
[Th. Jb. 37. 13*.]
[Al. II Ch. 13. 19 : Ps. 54 (55). 23 : Je. 12. 5.]
[Heb. Jb. 10. 16**.]

τέ.
Ez. 39. 12. κληθήσεται τὸ τέ [A γαὶ] Τὸ πολυάνδριον τοῦ Γώγ †
Ez. 39. 15. B[1] ἕως ὅτου θάψωσιν . . . εἰς τὸ τέ [A B[2] γαί] †

τέγος.
Ep. Je. 11. A δώσουσι δὲ ἀπ' αὐτῶν καὶ ταῖς ἐπὶ τοῦ τ. [B στ.] πόρναις
[Aq. Nu. 25. 8.]

τεθνήκειν (?). (1) מוּת
Ex. 21. 35. B τὸν ταῦρον τὸν τεθνήκοντα [A R -κότα] διελοῦνται (1)

τείνειν. (1) אָחַז (2) דָּרַךְ (3) מָשַׁךְ (4) רָבַב
I Ch. 5. 18. ἄνδρες . . . τείνοντες [A ἐντ.] τόξον (2)
8. 40. ἦσαν υἱοὶ Αἰ. . . . τείνοντες τόξον (2)
II Ch. 18. 33. ἀνὴρ ἔτεινε [A ἐνέτ.] τόξον εὐστόχως (3)
Es. 1. 6. καρπασίνοις τεταμένοις [S[1] τεταγμένοις] ἐπὶ σχοινίοις βυσσίνοις (1)
Pr. 7. 16. κειρίαις τέτακα τὴν κλίνην μου (4)
Je. 27 (50). 14. πάντες τείνοντες τόξον (2)
28 (51). 3. τεινέτω ὁ τείνων τὸ τόξον αὐτοῦ (2, 2)
Ez. 30. 22. συντρίψω τοὺς βραχίονας αὐτοῦ . . . τοὺς τεταμένους †
III Ma. 5. 25. τείνοντες τὰς χεῖρας εἰς τὸν οὐρανόν
[Sm. Ps. 57 (58). 8.]

τειχήρης. (1) *a.* בָּצַר *b.* מִבְצָר (2) חוֹמָה (3) *a.* מָצוֹר *b.* מְצוּרָה
Nu. 13. 20 (19). εἰ ἐν τειχήρεσιν ἢ ἐν ἀτειχίστοις (1 *b*)
De. 9. 1. κληρονομῆσαι . . . πόλεις μεγάλας καὶ τ. (1 *a*)
Jo. 19. 35. καὶ αἱ πόλεις τ. τῶν Τυρίων (1 *b*)
III Ki. 4. 13. ἑξήκοντα πόλεις μεγάλαι τ. (2)
II Ch. 11. 5. ᾠκοδόμησε πόλεις τ. ἐν τῇ Ἰ. (3 *a*)
— 10. καὶ ᾠκοδόμησε . . . πόλεις τ. (3 *b*)
— 11. ὠχύρωσεν αὐτὰς τειχήρεις [A τείχεσιν] (3 *b*)
14. 6 (5). πόλεις τ. ἐν γῇ Ἰ. (3 *b*)
32. 1. παρενέβαλεν ἐπὶ τὰς πόλεις τὰς τ. (1 *a*)
33. 14. ἐν πάσαις ταῖς πόλεσι ταῖς τ. (1 *a*)
Je. 4. 5. εἰσέλθωμεν [A -θατε] εἰς τὰς πόλεις τὰς τ. [A ὀχυράς] (1 *b*)

τειχίζειν. (1) *a.* בָּצַר *b.* מִבְצָר (2) חוֹמָה (3) מָצַד (4) מְצוּרָה
Le. 25. 29. οἰκίαν οἰκητὴν ἐν πόλει τετειχισμένῃ (2)
Nu. 13. 29 (28). καὶ πόλεις ὀχυραὶ τετειχισμ. (1 *a*)
32. 17. κατοικήσει . . . ἐν πόλεσι τετειχισμ. (1 *b*)
De. 1. 28. πόλεις μεγάλαι καὶ τετειχισμ. ἕως τοῦ οὐρ. (1 *a*)
I Ki. 27. 8. ἡ ἀπὸ Γ. τετειχισμένων †
II Ch. 21. 3. μετὰ πόλεων τετειχισμένων ἐν Ἰ. (4)
Ju. 4. 5. ἐτειχίσαντο [A S -αν] τὰς ἐν αὐτοῖς κώμας
5. 1. ἐτείχισαν πᾶσαν κορυφὴν ὄρους ὑψηλοῦ
Ho. 8. 14. Ἰ. ἐπλήθυνε πόλεις τετειχισμένας (1 *a*)
Ez. 17. 4. εἰς πόλιν τετειχισμένην ἔθετο αὐτά †
33. 27. τοὺς ἐν ταῖς τετειχισμέναις . . . ἀποκτενῶ (3)
[Sm. I Ki. 6. 18 : Is. 58. 12.]

τειχιστής. (1) גֵּדֵר
IV Ki. 12. 12 (13). ἐξέδοσαν . . . τοῖς τ. (1)
22. 6. ἔδωκεν αὐτὸ . . . τοῖς τ. (1)

τεῖχος. (1) חוֹמָה (2) חָרוּץ (3) מְצוּרָה (4) קִיר (5) שׂוּר (6) תֵּל
Ex. 14. 22. τὸ ὕδωρ αὐτοῖς τεῖχος ἐκ δεξιῶν καὶ τεῖχος ἐξ εὐωνύμων (1, –)
— 29. τὸ δὲ ὕδωρ αὐτοῖς τεῖχος ἐκ δεξιῶν καὶ τεῖχος ἐξ εὐωνύμων (1, –)
15. 8. ἐπάγη ὡσεὶ τεῖχος τὰ ὕδατα †
Le. 25. 30. ἐν πόλει τῇ ἐχούσῃ τεῖχος (1)
— 31. αἷς οὐκ ἔστιν ἐν αὐταῖς τεῖχος κύκλῳ (1)
Nu. 35. 4. ἀπὸ τείχους τῆς πόλεως καὶ ἔξω (4)
De. 3. 5. πᾶσαι πόλεις ὀχυραὶ τ. ὑψηλά (1)
28. 52. ἕως ἂν καθαιρεθῶσι τὰ τ. [A τ. σου] τὰ ὑψηλά (1)
Jo. 6. 5. πεσεῖται αὐτόματα τὰ τ. τῆς πόλεως (1)
— 19 (20). ἔπεσεν ἅπαν τὸ τ. κύκλῳ (1)
I Ki. 25. 16. ὡς τεῖχος ἦσαν περὶ ἡμᾶς (1)
31. 10. τὸ σῶμα αὐ. κατέπηξαν ἐν τῷ τ. B. (1)
— 12. ἔλαβον τὸ σῶμα Σ. . . . ἀπὸ τείχους B. (1)

II Ki. 11. 20. τοξεύσουσιν ἀπάνωθεν τοῦ τ. (1)
— 21. οὐχὶ γυνὴ ἔρριψε κλάσμα . . . ἐπάνωθεν τοῦ τ. (1)
— 21. ἵνα τί προσηγάγετε πρὸς τὸ τ. (1)
— 22. πληγήσεσθε ἀπὸ τοῦ τ. –
— 22. οὐχὶ γυνὴ ἔρριψεν . . . ἀπὸ τοῦ τ. –
— 22. ἵνα τί προσηγάγετε πρὸς τὸ τ. –
— 24. ἐτόξευσαν . . . ἀπάνωθεν τοῦ τ. (1)
18. 24. ἐπορεύθη ὁ σκοπὸς . . . πρὸς τὸ τ. (1)
20. 15. ἐνοοῦσαν καταβαλεῖν τὸ τ. (1)
— 16. ἐβόησε γυνὴ σοφὴ ἐκ τοῦ τ. †
— 21. ἡ κεφ. αὐ. ῥιφήσεται πρὸς σὲ διὰ τοῦ τ. (1)
22. 30. ἐν τῷ θεῷ μου ὑπερβήσομαι τεῖχος (5)
III Ki. 3. 1. ἕως συντελέσαι αὐτὸν . . . τὸ τ. Ἱερ. (1)
— 1. μετὰ τὸ οἰκοδομῆσαι αὐτὸν . . . τὸ τ. Ἱερ. –
— 1. A οἰκοδομῶν . . . τὸ τ. Ἱερ. κύκλῳ (1)
4. 34 (3. 1). B ἕως συντελέσαι αὐτὸν . . . τὸ τ. Ἱερ. (1)
7. 23. B[1] ἀπὸ τοῦ τ. [A B[2] R χείλους] αὐ. ἕως τοῦ χείλους αὐ. †
10. 22 (9. 15). οἰκοδομῆσαι [A τοῦ περιφράξαι] . . . τὸ τ. Ἱερ. (1)
21 (20). 30. ἔπεσε τὸ τ. (1)
IV Ki. 3. 27. ἀνήνεγκεν αὐτὸν ὁλοκαύτωμα ἐπὶ τοῦ τ. (1)
6. 26. ἦν ὁ βασ. Ἰσρ. διαπορευόμενος ἐπὶ τοῦ τ. (1)
— 30. διεπορεύετο ἐπὶ τοῦ τ. (1)
14. 13. καθεῖλεν ἐν τῷ [A om.] τ. Ἱερ. (1)
18. 26. ἐν τοῖς ὠσὶ τοῦ λαοῦ τοῦ ἐπὶ τοῦ τ. (1)
— 27. οὐχὶ ἐπὶ τοὺς ἄνδρας τοὺς καθημ. ἐπὶ τοῦ τ. (1)
25. 4. ὁδὸν πύλης τῆς ἀνὰ μέσον τῶν τ. (1)
— 10. A τὸ τ. Ἱερ. κύκλῳ κατέλυσαν (1)
II Ch. 8. 5. τείχη πύλαι καὶ μοχλοί (1)
11. 11. A ὠχύρωσεν αὐτὰς τείχεσιν [B -χήρεις] (3)
14. 7 (6). ποιήσωμεν τείχη (1)
25. 23. κατέσπασεν ἀπὸ τοῦ τ. Ἱερ. . . . τετρακοσίους πήχεις (1)
26. 6. κατέσπασε τὰ τ. Γ. καὶ τὰ τ. Ἰ. καὶ τὰ τ. Ἀζ. (1 *ter*)
27. 3. καὶ ἐν τείχει αὐ. Ὀ. ᾠκοδόμησε πολλά (1)
32. 5. ᾠκοδόμησε πᾶν τὸ τ. τὸ κατεσκαμμένον (1)
— 18. ἐπὶ λαὸν Ἱερ. τὸν ἐπὶ τοῦ τ. (1)
33. 14. μετὰ ταῦτα ᾠκοδόμησε τεῖχος (1)
36. 19. κατέσκαψε τὸ τ. Ἱερ. (1)
I Es. 1. 55. ἔλυσαν τὰ τ. Ἱερ.
2. 18. τὰ τ. θεραπεύουσι
— 19. ἐὰν οὖν . . . τὰ τ. συντελεσθῇ
— 24. ἐὰν . . . τὰ ταύτης τείχη ἀνασταθῇ
4. 4. κατεργάζονται . . . τὰ τ.
II Es. 4. 12. τὰ τ. αὐ. κατηρτισμένοι εἰσί (5)
— 13. ἐὰν . . . τὰ τ. αὐ. καταρτισθῶσι (5)
— 16. ἐὰν . . . τὰ τ. αὐ. καταρτισθῇ (5)
Ne. 1. 3. καὶ τείχη [S[2] τὰ τ.] Ἱερ. καθῃρημένα (1)
2. 8. καὶ εἰς τὸ τ. τῆς πόλεως (1)
— 13. ἤμην συντρίβων ἐν τῷ τ. Ἱερ. (1)
— 15. ἤμην ἀναβαίνων ἐν τῷ τ. –
— 15. ἤμην συντρίβων ἐν τῷ τ. (1)
— 17. διοικοδομήσωμεν τὸ τ. Ἱερ. (1)
3. 8. B ἕως τείχους [A S R τοῦ τ.] τοῦ πλατέως (1)
— 13. καὶ χιλίους πήχεις ἐν τῷ τ. (1)
— 15. καὶ τὸ τ. κολυμβήθρας τῶν κωδίων (1)
— 27. καὶ ἕως τοῦ τ. τοῦ Ὀ. (1)
4. 1 (3. 33). οἰκοδομοῦμεν τὸ τ. (1)
— 3 (3. 35). οὐχὶ . . . καθελεῖ τὸ τ. λίθων αὐ. (1)
— 7 (1). ἀνέβη ἡ φυὴ τοῖς τ. Ἱερ. (1)
— 10 (4). οὐ δυνησόμεθα οἰκοδομεῖν ἐν τῷ τ. (1)
— 13 (7). εἰς τὰ κατώτατα τοῦ τόπου κατόπισθεν τοῦ τ. (1)
— 15 (9). ἐπεστρέψαμεν πάντες ἡμεῖς εἰς τὸ τ. (1)
— 17 (11). τῶν οἰκοδομούντων ἐν τῷ τ. (1)
— 19 (13). σκορπιζόμεθα ἐπὶ τοῦ τ. (1)
5. 16. ἐν ἔργῳ τοῦ τ. τούτων οὐκ ἐκράτησα (1)
6. 1. ᾠκοδομήθη τὸ τ. (1)
— 6. διὰ τοῦτο σὺ οἰκοδομεῖς τὸ τ. (1)
— 15. ἐτελέσθη τὸ τ. (1)
7. 1. ἡνίκα ᾠκοδομήθη τὸ τ. (1)
12. 27. ἐν ἐγκαινίοις τείχους Ἱερ. (1)
— 30. ἐκαθάρισαν . . . τὸ τ. (1)
— 31. ἀνήνεγκαν τοὺς ἄρχοντας Ἰ. ἐπάνω τοῦ τ. (1)
— 31. S[2] R διῆλθον ἐκ δεξιῶν ἐπάνω τοῦ τ. (1)
— 37. ἐν ἀναβάσει τοῦ τ. (1)
— 38. S[2] τὸ ἥμισυ τοῦ λαοῦ ἐπάνω τοῦ τ. (1)
— 38. S[2] καὶ ἕως τοῦ τ. τοῦ πλατέος (1)
13. 21. διὰ τί ὑμεῖς αὐλίζεσθε ἀπέναντι τοῦ τ. (1)
To. 1. 17. ἐρριμμένον ὀπίσω [A ἐπὶ] τοῦ τ. Νινευῆ
13. 12. S καὶ κατασπῶντες τὰ τ. σου
— 16. οἰκοδομηθήσεται . . . τὰ τ. σου [S *al.*]
Ju. 1. 2. ᾠκοδόμησεν . . . τείχη ἐκ λίθων λελαξευμένων
— 2. ἐποίησε τὸ ὕψος [A μῆκος] τοῦ τ.
7. 32. ἐπὶ τὰ τ. . . . τῆς πόλεως αὐ. ἀπῆλθον
14. 1. κρεμάσατε αὐτὴν ἐπὶ τῆς ἐπάλξεως τοῦ τ. ὑμῶν
— 11. ἐκρέμασαν τὴν κεφ. Ὀλ. ἐκ τοῦ τ.
Jb. 6. 10. ἐφ' ἧς ἐπὶ τειχέων ἡλλόμην †
Ps. 17 (18). 29. ἐν τῷ θεῷ μου ὑπερβήσομαι τεῖχος (5)
50 (51). 18. οἰκοδομηθήτω τὰ τ. Ἱερουσαλήμ (1)
54 (55). 10. κυκλώσει αὐτὴν ἐπὶ τὰ τ. αὐτῆς (1)
Pr. 1. 21. ἐπ' ἄκρων δὲ τειχέων κηρύσσεται †
25. 28. ὥσπερ πόλις τὰ τ. καταβεβλημένη –
28. 4. περιβάλλουσιν ἑαυτοῖς τεῖχος †
Ca. 5. 7. ἦραν τὸ θέριστρόν μου ἀπ' ἐμοῦ φύλακες τῶν τ. (1)
— 9. S οἱ φύλακες τῶν τ. πυνθάνονται τῆς νύμφης –
8. 9. εἰ τεῖχός ἐστιν (1)
— 10. ἐγὼ τεῖχος καὶ μαστοί μου ὡς πύργοι (1)
Si. 49. 13. τοῦ ἐγείραντος ἡμῖν τείχη [S[1] χείλη] πεπτωκότα
Am. 1. 7. ἐξαποστελῶ πῦρ ἐπὶ τὰ τ. Γάζης (1)
— 10. ἐξαποστελῶ πῦρ ἐπὶ τὰ τ. Τύρου (1)
— 12. καταφάγεται θεμέλια τειχέων αὐ. †
— 14. ἀνάψω πῦρ ἐπὶ τὰ τ. Ῥ. (1)
7. 7. ἑστηκὼς ἐπὶ τ. ἀδαμαντίνου (1)
Jl. 2. 7. ἀναβήσονται ἐπὶ τὰ τ. (1)
— 9. ἐπὶ τῶν τ. δραμοῦνται (1)
Na. 2. 5 (6). σπεύσουσιν ἐπὶ τὰ τ. αὐ. (1)
— 8 (9). A ἦν κολυμβήθρα ὕδατος τείχη ὕδατα αὐ. [B S *al.*] †
3. 8. καὶ ὕδωρ τὰ τ. αὐ. (1)
Za. 2. 5 (9). ἔσομαι αὐτῇ . . . τεῖχος πυρὸς κυκλόθεν (1)
Is. 2. 15. ἐπὶ πᾶν τ. ὑψηλόν (1)
8. 7. περιπατήσει ἐπὶ πᾶν τ. ὑμῶν †
15. 1. νυκτὸς γὰρ ἀπολεῖται τὸ τ. τῆς Μ. (4)
16. 11. τὰ ἐντός μου ὡς τ. [A S *add.* δ] ἐνεκαίνισας (4)
22. 10. εἰς ὀχυρώματα τείχους [A S τοῦ τ.] τῇ πόλει (1)
— 11. ἐποιήσατε ἑαυτοῖς ὕδωρ ἀνὰ μέσον τῶν [S[1] *om.*] δύο τ. (1)
24. 23. πεσεῖται τὸ τ. †
26. 1. σωτήριον [A S *add.* ἡμῖν] θήσει τὸ [A S *om.*] τ. (1)
27. 3 (4). ἡμέρας δὲ πεσεῖται τ. [A S τὸ τ.] †
30. 13. ὡς τ. πίπτον παραχρῆμα πόλεως (1)
36. 11. εἰς τὰ ὦτα τῶν ἀνθρώπων ἐπὶ τῷ τ. (1)
— 12. οὐχὶ πρὸς τοὺς ἀνθρώπους [A ἄνδρας] τοὺς καθημένους ἐπὶ τῷ τ. (1)
49. 16. ἐζωγράφηκά σου τὰ τ. (1)
56. 5. δώσω . . . ἐν τῷ τ. μου τόπον (1)
60. 10. οἰκοδομήσουσιν ἀλλογενεῖς τὰ τ. σου (1)
— 18. κληθήσεται Σωτήριον τὰ τ. σου (1)
62. 6. ἐπὶ τῶν τ. σου . . . κατέστησα φύλακας (1)
Je. 1. 15. ἐπὶ πάντα τὰ τ. τὰ κύκλῳ αὐτῆς (1)
— 18. τέθεικά σε . . . ὡς τ. χαλκοῦν (1)
15. 20. δώσω σε τῷ λαῷ τούτῳ ὡς τ. ὀχυρόν (1)
21. 4. πρὸς τοὺς Χαλδαίους τοὺς συγκεκλεικότας ὑμᾶς ἔξωθεν τοῦ τ. (1)
27 (50). 15. κατεσκάφη τὸ τ. αὐτῆς (1)
28 (51). 12. ἐπὶ τειχέων Βαβ. ἄρατε σημεῖον (1)
— 53. ἐὰν ὀχυρώσῃ τὰ τ. [B[2] ὕψη, A S[2] ὁ. ὕψος] ἰσχύϊ [A S -ύος] αὐτῆς †
— 58. τ. Βαβυλῶνος ἐπλατύνθη (1)
30 (49). 27. καύσω πῦρ ἐν τείχει Δαμασκοῦ (1)
37 (30). 18. A οἰκοδομηθήσεται πόλις ἐπὶ τ. [B S τὸ ὕψος] αὐτῆς (6)
52. 7. ἀνὰ μέσον τοῦ τ. [A τῆς πύλης] καὶ τοῦ προτειχίσματος (1)
— 14. πᾶν τ. [A *add.* ἐν] Ἱερ. κύκλῳ καθεῖλεν (1)
La. 2. 7. συνέτριψεν ἐν χειρὶ ἐχθροῦ τ. βάρεων αὐτῆς (1)
— 8. διαφθεῖραι τ. θυγατρὸς Σιών (1)
— 8. τ. ὁμοθυμαδὸν ἠσθένησε (1)
— 18. τείχη [S[1] *add.* θυγατρὸς] Σιών (1)
Ez. 26. 4. καταβαλοῦσι τὰ τ. Σόρ (1)
— 9. τὰ τ. σου καὶ τοὺς πύργους σου καταβαλεῖ (1)
— 10. σεισθήσεται τὰ τ. σου (1)
— 12. καταβαλεῖ τὰ τ. σου (1)
Ez. 27. 11. ἡ δύναμίς σου ἐπὶ τῶν τ. σου (1)
33. 30. οἱ λαλοῦντες περὶ σοῦ παρὰ τὰ τ. (4)
38. 11. ἐν ᾗ [A αἷς] οὐχ ὑπάρχει τ. οὐδὲ μοχλοί (1)
— 20. πᾶν τ. ἐπὶ τὴν γῆν πεσεῖται (1)
40. 13. A διεμέτρησε τὴν πύλην ἀπὸ τοῦ τ. [B τοίχου] τοῦ θεέ †
Da. LXX. 4. 26. ἐπὶ τῶν τ. τῆς πόλεως . . . περιεπάτει –
Da. TH. 9. 25. οἰκοδομηθήσεται πλατεῖα καὶ τεῖχος [A περίτ.] (2)
I Ma. 1. 31. καθεῖλε . . . τὰ τ. αὐ. κύκλῳ
— 33. ᾠκοδόμησαν τὴν πόλιν Δ. τ. μεγάλῳ
4. 60. ᾠκοδόμησαν . . . κυκλόθεν τ. ὑψηλά
6. 7. τὸ ἁγίασμα . . . ἐκύκλωσαν τ. ὑψηλοῖς
— 62. καθελεῖν τὸ τ. κυκλόθεν
9. 50. ἐν τ. ὑψηλοῖς καὶ πύλαις [S[1] *al.*]
— 54. καθαιρεῖν τὸ τ. τῆς αὐλῆς τῶν ἁγίων
10. 11. οἰκοδομεῖν τὰ τ.
— 45. τοῦ οἰκοδομηθῆναι τὰ τ. Ἱερ.
— 45. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὰ τ. ἐν τῇ Ἰουδ.
12. 36. προσυψῶσαι τὰ τ. Ἱερ.
— 37. A ἔπεσεν τοῦ τ. τοῦ χειμάρρου [S R *al.*]
13. 10. ἐτάχυνε τοῦ τελέσαι τὰ τ. Ἱερ.
— 33. καὶ περιετείχισε . . . τ. μεγάλοις
— 45. ἀνέβησαν . . . ἐπὶ τὸ τ.
14. 37. ὕψωσε τὰ τ. Ἱερ.
16. 23. καὶ τῆς οἰκοδομῆς τῶν τ.
II Ma. 3. 19. αἱ δὲ ἐπὶ τὰ τ.
5. 5. τῶν δὲ ἐπὶ τῷ τ. συνελασθέντων
6. 10. κατὰ τοῦ τ. ἐκρήμνισαν
10. 17. πάντας τε τοὺς ἐπὶ τῷ τ. μαχομένους ἠμύναντο
— 35. προσβαλόντες τῷ τ.
11. 9. σιδηρᾶ τ. τιτρώσκειν ὄντες ἕτοιμοι
12. 13. ὀχυρὰν καὶ τείχεσι περιπεφραγμένην
— 14. πεποιθότες τῇ τῶν τ. ἐρυμνότητι
— 15. ἐνέσεισαν θηριωδῶς τῷ τ.
— 27. πρὸ τῶν τ. καθεστῶτες
14. 43. ἀναδραμὼν γενναίως ἐπὶ τὸ τ.
III Ma. 1. 29. τὰ τ. καὶ τὸ πᾶν ἔδαφος ᾐχεῖν
[Aq. Ge. 49. 6 : Jo. 2. 15 *bis* : Is. 60. 18 : Je. 39 (46). 4 : 52. 4, 7 : Ez. 21. 22 (27) : 26. 4, 8 : 27. 11 : 42. 20.]
[Sm. Ge. 49. 6 : Jo. 2. 15 *bis* : Ps. 54 (55). 11 : Is. 16. 7, 11 : 25. 12 : 60. 18 : Je. 39 (46). 4 : 52. 7 : La. 2. 7 : Ez. 26. 4 : 27. 11.]
[Th. Jo. 2. 15 *bis* : Je. 39 (46). 4, 8 : Ez. 4. 3 : 26. 4, 9 : 27. 11.]
[Heb. Ge. 49. 6.]

τεκμήριον.

Wi. 5. 11. οὐθὲν εὑρίσκεται τεκμήριον πορείας
19. 13. οὐκ ἄνευ τῶν γεγονότων [A S προγεγ.] τ. τῇ βίᾳ τῶν κεραυνῶν
III Ma. 3. 24. τεκμηρίοις καλῶς πεπεισμένοι

τέκνον. (1) אַחֲרִית (2) בַּיִת (3) בֵּן (4) בַּר (5) דּוֹר (6) טַף (7) יֶלֶד (8) עוֹלָל (9) פְּרִי־בֶטֶן (10) צֶאֱצָאִים (11) יָלַד τέκνα ποιεῖν

Ge. 3. 16. ἐν λύπαις τέξῃ τέκνα (3)
17. 16. δώσω σοι ἐξ αὐτῆς τέκνον (3)
22. 7. τί ἐστι, τέκνον (3)
— 8. ὁ θ. ὄψεται ἑαυτῷ πρόβατον εἰς ὁλοκάρπωσιν, τέκνον (3)
27. 13. ἐπ' ἐμὲ ἡ κατάρα σου, τέκνον (3)
— 18. τίς εἶ σύ, τέκνον (3)
— 20. τί τοῦτο ὃ ταχὺ εὗρες, ὦ τέκνον (3)
— 21. ψηλαφήσω σε, τέκνον (3)
— 25. φάγομαι ἀπὸ τῆς θήρας σου, τέκνον (3)
— 26. φίλησόν με, τέκνον (3)
— 37. σοὶ δὲ τί ποιήσω, τέκνον (3)
— 43. νῦν οὖν, τέκνον, ἄκουσον (3)
30. 1. δός μοι τέκνα (3)
31. 16. ἡμῖν ἔσται καὶ τοῖς τ. ἡμῶν (3)
— 43. τί ποιήσω . . . τοῖς τ. αὐ. (3)
32. 11 (12). καὶ μητέρα ἐπὶ τέκνοις (3)
33. 6. R προσήγγισαν . . . τὰ τ. [A παιδία] αὐ. (7)
— 7. προσήγγισε Λ. καὶ τὰ τ. αὐ. (7)
43. 29. ὁ θεὸς ἐλεήσαι σε, τέκνον (3)
48. 19. οἶδα, τέκνον, οἶδα (3)
49. 3. ἰσχύς μου καὶ ἀρχὴ τέκνων μου †
Ex. 10. 2. εἰς τὰ ὦτα τῶν τ. ὑμῶν καὶ τοῖς τ. τῶν τ. ὑμῶν (3 *ter*)
17. 3. ἀποκτεῖναι ἡμᾶς καὶ τὰ τ. ἡμῶν (3)

Ex. 20. 5. ἀποδιδοὺς ἁμαρτίας πατέρων ἐπὶ τέκνα (3)
34. 7. ἐπάγων ἀνομίας πατέρων ἐπὶ τέκνα καὶ ἐπὶ τέκνα τέκνων (3 *ter*)
Le. 25. 41. καὶ τὰ τ. αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (3)
— 46. καταμεριεῖτε αὐτοὺς τοῖς τ. ὑμῶν (3)
Nu. 14. 18. ἀποδιδοὺς ἁμαρτίας πατέρων ἐπὶ τέκνα (3)
— 23. τὰ τ. αὐ. ἃ ἐστι μετ' ἐμοῦ ὧδε –
16. 27. αἱ γυναῖκες αὐ. καὶ τὰ τ. αὐ. (3)
De. 2. 34. ἐξωλεθρεύσαμεν . . . τὰ τ. αὐ. (6)
3. 19. αἱ γυναῖκες ὑμῶν καὶ τὰ τ. ὑμῶν (6)
5. 9. ἀποδιδοὺς ἁμαρτίας πατέρων ἐπὶ τέκνα (3)
11. 19. διδάξετε αὐτὰ τὰ τ. ὑμῶν (3)
21. 17. οὗτός ἐστιν ἀρχὴ τέκνων αὐ. †
22. 6. οὐ λήψῃ τὴν μητέρα μετὰ τῶν τ. (3)
24. 16. οὐκ ἀποθανοῦνται πατέρες ὑπὲρ τέκνων (3)
28. 54. καὶ τὰ καταλελειμμένα τ. [A τὰ τ.] ἃ ἂν καταλειφθῇ (3)
— 55. ἀπὸ τῶν σαρκῶν τῶν τ. αὐ. (3)
— 57. καὶ τὸ τ. [A τ. αὐτῆς] ὃ ἂν τέκῃ (3)
29. 11 (10). A αἱ γυναῖκες ὑμῶν καὶ τὰ τ. [B ἔκγονα] ὑμῶν (6)
— 29 (28). τὰ δὲ φανερὰ ἡμῖν καὶ τοῖς τ. ἡμῶν (3)
32. 5. ἡμάρτοσαν οὐκ αὐτῷ τέκνα μωμητά (3)
33. 24. εὐλογημένος ἀπὸ τέκνων 'Α. (3)
Jo. 14. 9. σοὶ ἔσται ἐν κλήρῳ καὶ τοῖς τ. σου (3)
22. 24. ἵνα μὴ εἴπωσιν αὔριον τὰ τ. ὑμῶν τοῖς τ. ἡμῶν (3, 3)
— 27. A καὶ ἀνὰ μέσον τῶν τ. [B γενεῶν] ἡμῶν μεθ' ἡμῶν (5)
— 27. καὶ οὐκ ἐροῦσι τὰ τ. ὑμῶν τοῖς τ. ἡμῶν (3, 3)
— 28. A μαρτύριόν ἐστιν . . . ἀνὰ μέσον τῶν τ. [B υἱῶν] ἡμῶν †
Jd. 18. 21. ἔθηκαν τὰ τ. . . . ἔμπροσθεν αὐτῶν [A *al.*] (6)
I Ki. 1. 8. οὐκ ἀγαθὸς ἐγώ σοι ὑπὲρ δέκα τέκνα (3)
2. 5. ἡ πολλὴ ἐν τέκνοις ἠσθένησε (3)
— 24. μή, τέκνα, ὅτι οὐκ ἀγαθὴ ἡ ἀκοή (3)
3. 9. κάθευδε, τέκνον –
— 16. εἶπεν 'Η. πρὸς Σαμ., Σαμ. τέκνον (3)
4. 16. τί τὸ γεγονὸς ῥῆμα, τέκνον (3)
6. 7. δύο βόας πρωτοτοκούσας ἄνευ τῶν τ. †
— 7. ἀπαγάγετε τὰ τ. ἀπὸ ὄπισθεν αὐτῶν (3)
— 10. τὰ τ. αὐ. ἀπεκώλυσαν εἰς οἶκον (3)
14. 32. ἔλαβεν ὁ λαὸς . . . τέκνα βοῶν (3)
24. 17 : 26. 17. ἡ φωνή σου αὕτη, τέκνον Δ. (3)
26. 21. ἐπίστρεφε, τέκνον Δ. (3)
— 25. εὐλογημένος σύ, τέκνον [A *add.* Δ.] (3)
30. 22. τὰ τ. αὐ. ἀπαγέσθωσαν (3)
III Ki. 8. 25. πλὴν ἐὰν φυλάξωνται τὰ τ. σου τὰς ὁδοὺς αὐ. (3)
9. 6. ἐὰν δὲ . . . ἀποστραφῆτε ὑμεῖς καὶ τὰ τ. ὑ. ἀπ' ἐμοῦ (3)
10. 22 (9. 21). τὰ τ. αὐ. τὰ ὑπολελειμμ. μετ' αὐτούς (3)
12. 24 (*cf.* A 14. 3). B λάβε . . . κολλύριαι τοῖς τ. αὐ. –
14. 3. A λάβε . . . κολλυρίδα τοῖς τ. αὐ. –
15. 4. B ἵνα στήσῃ τέκνα [A R τὰ τ.] αὐ. μετ' αὐτόν (3)
17. 12. ποιήσω αὐτὸ ἐμαυτῇ καὶ τοῖς τ. μου (3)
— 13. σαυτῇ δὲ καὶ τοῖς τ. σου ποιήσεις (3)
— 15. ἤσθιεν αὐτὴ καὶ αὐτὸς καὶ τὰ τ. αὐ. (2)
21 (20). 3. τὰ τ. σου ἐμά ἐστι (3)
— 5. A R τὰ τ. σου [B *om.* τὰ τ. σ.] δώσεις ἐμοί (3)
IV Ki. 2. 24. A καὶ εἶπε, Τέκνα παραβάσεως –
I Ch. 2. 30. ἀπέθανε Σ. οὐκ ἔχων τέκνα (3)
— 32. ἀπέθανεν 'Ι. οὐκ ἔχων τέκνα (3)
22. 7. τέκνον, ἐμοὶ ἐγένετο ἐπὶ ψυχῇ (3)
II Ch. 25. 4. οὐκ ἀποθανοῦνται πατέρες ὑπὲρ τέκνων (3)
28. 3. διῆγε τὰ τ. αὐ. διὰ πυρός (3)
30. 9. τὰ τ. ὑμῶν ἔσονται ἐν οἰκτιρμοῖς (3)
33. 6. διήγαγε τὰ τ. αὐ. ἐν πυρί (3)
35. 7. ἐρίφους ἀπὸ τῶν τ. τῶν αἰγῶν (3)
I Es. 4. 53. ὑπάρχειν τὴν ἐλευθερίαν . . . τοῖς τ. αὐ.
8. 50. B ἡμῖν τε καὶ τοῖς [A R *add.* συνοῦσιν ἡμῖν] τ. ἡμῶν
— 84. A τὰς θυγ. αὐ. μὴ συνοικίσητε τοῖς τ. ὑμῶν [B *al.*]
— 84. A τὰς θυγ. ἡμῶν μὴ δῶτε τοῖς τ. αὐ. [B *al.*]
— 85. R καὶ κατακληρονομήσητε τοῖς τ. [A B υἱοῖς] ὑμῶν
— 93. ἐκβαλεῖν πάσας τὰς γυν. ἡμῶν . . . σὺν τοῖς τ. αὐ.
I Es. 9. 36. ἀπέλυσαν αὐτὰς σὺν τέκνοις
II Es. 8. 21. ζητῆσαι . . . ὁδὸν εὐθεῖαν . . . τοῖς τ. ἡμῶν (6)
Ne. 12. 43. καὶ τὰ τ. αὐ. ηὐφράνθησαν (7)
To. 3. 15. S οὐχ ὑπάρχει αὐτῷ ἕτερον τ. [A B αὐ. παιδίον]
4. 12. A B εὐλογήθησαν ἐν τοῖς τ. αὐτῶν
7. 18. θάρσει, τέκνον [S θύγατερ]
10. 5. οὐ μέλει μοι, τέκνον [S *al.*]
— 12. B εὐοδώσει ὑμᾶς, τέκνα [A S *al.*]
— 13. S τέκνον καὶ ἀδελφὲ ἠγαπημένε [A B *al.*]
— 13. S ἴδοιμί σον τέκνα [A B *al.*]
11. 14. S εἶδόν σε, τέκνον
12. 1. ὅρα, τέκνον [S *al.*]
14. 3. τέκνον, λάβε τοὺς υἱούς σου [S *al.*]
— 4. ἄπελθε εἰς τὴν Μηδίαν, τέκνον [S *al.*]
— 8. τέκνον, ἄπελθε ἀπὸ Νινευῆ [S *al.*]
— 10. τέκνον, ἴδε τί ἐποίησεν [S *al.*]
Ju. 7. 14. καὶ αἱ γυναῖκες αὐ. καὶ τὰ τ. αὐ.
— 27. καὶ τὰς γυναῖκας καὶ τὰ τ. ἡμῶν ἐκλειπούσας τὰς ψυχὰς αὐ.
— 32. τὰ τ. εἰς τοὺς οἴκους αὐ. ἀπέστειλε
Es. 3. 13. πάντας σὺν γυναιξὶ καὶ τέκνοις ἀπολέσαι –
7. 4. ἡμεῖς καὶ τὰ τ. ἡμῶν εἰς παῖδας –
9. 25. ἐκρεμάσθη αὐτὸς καὶ τὰ τ. αὐ. (3)
Jb. 5. 25. τὰ δὲ τ. σου ἔσται ὥσπερ τὸ παμβότανον τοῦ ἀγροῦ (10)
21. 8. τὰ δὲ τ. αὐτῶν ἐν ὀφθαλμοῖς (10)
39. 4. ἀπορρήξουσι τὰ τ. αὐτῶν (3)
— 16. ἀπεσκλήρυνε τὰ τ. ἑαυτῆς ὥστε μὴ ἑαυτήν (3)
Ps. 33 (34). 11. δεῦτε, τέκνα, ἀκούσατέ μου (3)
65 (66). 5. B[1] δεῦτε, τέκνα [B[2] S R *om.*] –
77 (78). 4. οὐκ ἐκρύβη ἀπὸ τῶν τ. αὐτῶν (3)
108 (109). 13. γενηθήτω τὰ τ. αὐτοῦ εἰς ἐξολέθρευσιν (1)
112 (113). 9. A S[2] R μητέρα ἐπὶ τέκνοις [S[1] μ. τέκνων] εὐφραινομένην [S[1] -ων, S[2] -η] (3)
Pr. 7. 7. ὃν ἂν ἴδῃ τῶν ἀφρόνων τ. νεανίαν ἐνδεῆ φρενῶν (3)
14. 26. τοῖς δὲ τ. αὐτοῦ καταλείπει ἔρεισμα (3)
17. 6. στέφανος γερόντων τέκνα τέκνων καύχημα δὲ τέκνων πατέρες αὐτῶν (3 *ter*)
24. 27 (30. 4). τὸ ὄνομα τοῖς τ. αὐτοῦ (3)
— 70 (31. 2). τί, τέκνον, τηρήσεις (4)
— 70 (31. 2). τί, τέκνον ἐμῆς κοιλίας; τί, τέκνον ἐμῶν εὐχῶν (4, 4)
31. 28. ἡ δὲ ἐλεημοσύνη αὐ. ἀνέστησε τὰ τ. αὐ. (3)
Wi. 3. 12. πονηρὰ τὰ τ. αὐτῶν
— 16. τέκνα δὲ μοιχῶν ἀτέλεστα ἔσται
4. 6. ἐκ γὰρ ἀνόμων ὕπνων τέκνα γεννώμενα
10. 5. ἐπὶ τέκνου σπλάγχνοις ἰσχυρὸν ἐφύλαξεν
12. 5. τέκνων τε φονέας ἀνελεήμονας
13. 17. περὶ δὲ . . . τέκνων προσευχόμενος [S εὐχ.]
14. 15. ἀώρῳ γὰρ πένθει τρυχόμενος πατὴρ τοῦ ταχέως ἀφαιρεθέντος τέκνου
16. 21. τὴν σὴν γλυκύτητα πρὸς τέκνα ἐνεφάνισε
18. 5. ἑνὸς ἐκτεθέντος τέκνου καὶ σωθέντος
— 5. τὸ αὐτῶν ἀφείλω πλῆθος τέκνων
Si. 2. 1. τέκνον, εἰ προσέρχῃ δουλεύειν κυρίῳ θεῷ
3. 1. ἐμοῦ τοῦ πατρὸς ἀκούσατε, τέκνα
— 2. ὁ γὰρ κύριος ἐδόξασε πατέρα ἐπὶ τέκνοις
— 5. ὁ τιμῶν πατέρα εὐφρανθήσεται ὑπὸ τέκνων [A ἐπὶ τέκνοις]
— 9. εὐλογία γὰρ πατρὸς στηρίζει οἴκους τέκνων
— 11. ὄνειδος τέκνοις μήτηρ ἐν ἀδοξίᾳ
— 12. τέκνον, ἀντιλαβοῦ ἐν γήρᾳ πατρός σου
— 17. τέκνον, ἐν πραΰτητι τὰ ἔργα σου διέξαγε
4. 1. τέκνον, τὴν ζωὴν τοῦ πτωχοῦ μὴ ἀποστερήσῃς
6. 18. τέκνον, ἐκ νεότητός σου ἐπίλεξαι παιδείαν
— 23. ἄκουσον, τέκνον, καὶ δέξαι γνώμην μου
— 32. ἐὰν θέλῃς, τέκνον, παιδευθήσῃ
7. 23. τέκνα σοί ἐστι παίδευσον αὐτά
10. 28. τέκνον, ἐν πραΰτητι δόξασον τὴν ψυχήν σου
11. 10. τέκνον, μὴ περὶ πολλὰ ἔστωσαν αἱ πράξεις σου
— 28. ἐν τέκνοις αὐτοῦ γνωσθήσεται ἀνήρ [A *om.*]
14. 11. τέκνον, καθὼς ἐὰν ἔχῃς εὖ ποίει σεαυτόν
— 26. θήσει τὰ τ. αὐ. ἐν τῇ σκέπῃ αὐ.
16. 1. μὴ ἐπιθύμει τέκνων [S[2] -ον] πλῆθος ἀχρήστων [A -ον]
— 3. ἀποθανεῖν ἄτεκνον ἢ ἔχειν τέκνα ἀσεβῆ
— 24. ἄκουσόν μου, τέκνον
18. 15. τέκνον, ἐν ἀγαθοῖς μὴ δῷς μῶμον
21. 1. τέκνον, ἥμαρτες μὴ προσθῇς μηκέτι
23. 7. παιδείαν στόματος ἀκούσατε, τέκνα
Si. 23. 23. ἐξ ἀλλοτρίου ἀνδρὸς τέκνα παρέστησεν
— 24. ἐπὶ τὰ τ. αὐτῆς ἐπισκοπὴ ἔσται
— 25. οὐ διαδώσουσι τὰ τ. αὐτῆς εἰς ῥίζαν
25. 7. ἄνθρωπος εὐφραινόμενος ἐπὶ τέκνοις
30. 1. περὶ τέκνων
— 9. τιθήνησον τέκνον καὶ ἐκθαμβήσει σε
— 30 (33. 21). κρεῖσσον γάρ ἐστι τὰ τ. δεηθῆναί σου
34 (31). 22. ἄκουσόνμου, τέκνον
35 (32). 22. ἀπὸ τῶν τ. σου φύλαξαι
37. 27. τέκνον, ἐν τῇ ζωῇ σου πείρασον τὴν ψυχήν σου
38. 9. τέκνον, ἐν ἀρρωστήματί σου μὴ παράβλεπε
— 16. τέκνον, ἐπὶ νεκρῷ κατάγαγε δάκρυα
40. 19. τέκνα καὶ οἰκοδομὴ πόλεως στηρίζουσιν ὄνομα
— 28. τέκνον, ζωὴν ἐπαιτήσεως μὴ βιώσῃς
41. 5. τέκνα βδελυκτὰ γίνεται τέκνα ἁμαρτωλῶν
— 6. τέκνων ἁμαρτωλῶν ἀπολεῖται κληρονομία
— 7. πατρὶ ἀσεβεῖ μέμψεται τέκνα
— 14. παιδείαν ἐν εἰρήνῃ συντηρήσατε, τέκνα
42. 5. περὶ παιδείας τέκνων πόλλῆς
44. 9. τὰ τ. αὐτῶν μετ' αὐτούς
— 12. ἔστη . . . τὰ τ. αὐτῶν δι' [S[2] μετ'] αὐτούς
47. 20. ἐπαγαγεῖν ὀργὴν ἐπὶ τὰ τ. σου
Ho. 1. 2. λάβε σεαυτῷ . . . τέκνα πορνείας (7)
2. 4 (6). τὰ τ. αὐ. οὐ μὴ ἐλεήσω (3)
— 4 (6). τέκνα πορνείας ἐστίν (3)
4. 6. ἐπιλήσομαι τέκνων σου (3)
5. 7. τ. ἀλλότρια ἐγεννήθησαν αὐτοῖς (3)
9. 12. ἐὰν ἐκθρέψωσι τὰ τ. αὐ. (3)
— 13. εἰς θήραν παρέστησαν τὰ τ. αὐ. †
— 13. τοῦ ἐξαγαγεῖν εἰς ἀποκέντησιν τὰ τ. αὐ. (3)
10. 9. πόλεμος ἐπὶ τὰ [A *om.*] τ. ἀδικίας (3)
— 14. μητέρα ἐπὶ τέκνοις ἠδάφισαν (3)
11. 1. ἐξ Αἰγύπτου μετεκάλεσα τὰ τ. αὐ. (3)
— 10. ἐκστήσονται τέκνα ὑδάτων (3)
13. 13. οὐ μὴ ὑποστῇ ἐν συντριβῇ τέκνων (3)
Mi. 1. 16. κείραι ἐπὶ τὰ τ. τὰ τρυφερά σου (3)
Jl. 1. 3. τοῖς τ. ὑμῶν διηγήσασθε (3)
— 3. καὶ τὰ τ. ὑμῶν τοῖς τ. αὐ. (3, 3)
— 3. καὶ τὰ τ. αὐ. εἰς γενεὰν ἑτέραν (3)
2. 23. τὰ τ. Σιὼν, χαίρετε (3)
Za. 9. 13. ἐξεγερῶ τὰ τ. σου, Σ., ἐπὶ τὰ τ. τῶν Ἑλλήνων (3, 3)
10. 7. τὰ τ. αὐ. ὄψονται (3)
— 9. ἐκθρέψουσι τὰ τ. αὐ. (3)
Is. 2. 6. τέκνα πολλὰ ἀλλόφυλα ἐγενήθη αὐτοῖς (7)
13. 16. τὰ τ. αὐτῶν ῥάξουσιν (8)
— 18. τὰ τ. ὑμῶν οὐ μὴ ἐλεήσωσιν οὐδὲ ἐπὶ τοῖς τ. σου φείσονται οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτῶν (9, 3)
14. 21. ἑτοίμασον τὰ τ. σου σφαγῆναι (3)
27. 6. οἱ ἐρχόμενοι τέκνα Ἰακώβ †
29. 23. ὅταν ἴδωσι τὰ τ. αὐτῶν τὰ ἔργα μου (7)
30. 1. οὐαὶ, τέκνα ἀποστάται (3)
39. 7. ἀπὸ τῶν τ. σου . . . λήψονται (3)
44. 3. ἐπιθήσω . . . τὰς εὐλογίας μου ἐπὶ τὰ τ. σου (10)
51. 18. οὐκ ἦν ὁ παρακαλῶν σε ἀπὸ πάντων τῶν τ. σου (3)
54. 1. πολλὰ τὰ τ. τῆς ἐρήμου (3)
— 13. ἐν πολλῇ εἰρήνῃ τὰ τ. σου (3)
57. 4. οὐχ ὑμεῖς ἐστε τέκνα ἀπωλείας (7)
— 5. σφάζοντες τὰ τ. αὐτῶν ἐν ταῖς φάραγξιν (7)
60. 4. ἴδε συνηγμένα τὰ τ. σου †
— 9. ἀγαγεῖν τὰ τ. σου μακρόθεν (3)
63. 8. τέκνα οὐ μὴ ἀθετήσωσι (3)
65. 23. A οὐδὲ τέκνα ποιήσουσιν [BS οὐ τεκνοπ.] (11)
Je. 2. 30. μάτην ἐπάταξα τὰ τ. ὑμῶν (3)
3. 19. A S R τάξω σε εἰς τέκνα [B ἔθνη] (3)
19. 2. εἰς τὸ πολυάνδριον υἱῶν τῶν τ. αὐτῶν †
38 (31). 17. μόνιμον τοῖς σοῖς τ. (1)
— 29. οἱ ὀδόντες τῶν τ. ἠμωδίασαν (3)
39 (32). 18. ἀποδιδοὺς ἁμαρτίας πατέρων εἰς κόλπους τέκνων αὐτῶν (3)
— 39. εἰς ἀγαθὸν αὐτοῖς καὶ τοῖς τ. αὐτῶν (3)
42 (35). 14. ὃ ἐνετείλατο τοῖς τ. αὐτοῦ (3)
45 (38). 23. τὰ τ. σου ἐξάξουσι πρὸς τοὺς Χαλδ. (3)
Ba. 4. 12. ἠρημώθην διὰ τὰς ἁμαρτίας τῶν τ. μου
— 19. βαδίζετε, τέκνα
— 21. θαρρεῖτε, τέκνα
— 25. τέκνα, μακροθυμήσατε
— 27. θαρσήσατε, τέκνα
— 32. αἷς ἐδούλευσαν τὰ τ. σου
5. 5. ἴδε σου συνηγμένα τὰ τ.
Ez. 5. 10. πατέρες φάγονται τέκνα . . . καὶ τέκνα φάγονται πατέρας (3, 3)

Ez. 16. 21. ἔσφαξας τὰ τ. σου (3)
— 36. ἐν τοῖς αἵμασι τῶν τ. σου (3)
— 45. ἡ ἀπωσαμ. τὸν ἄνδρα αὐ. καὶ τὰ τ. αὐ. (3)
— 45. αἱ ἀπωσάμ. τοὺς ἄνδρας αὐ. καὶ τὰ τ. αὐ. (3)
18. 2. οἱ ὀδόντες τῶν τ. ἐγομβίασαν (3)
20. 18. εἶπα πρὸς τὰ τ. αὐτῶν ἐν τῇ ἐρήμῳ (3)
— 21. τὰ τ. αὐτῶν ἐν τοῖς προστάγμασί μου οὐκ ἐπορεύθησαν (3)
23. 37. τὰ τ. αὐτῶν . . . διήγαγον αὐτοῖς δι' ἐμπύρων (3)
— 39. ἐν τῷ σφάζειν αὐτοὺς τὰ τ. αὐτῶν τοῖς εἰδώλοις αὐτῶν (3)
Da. LXX. 6. 24 (25). αὐτοὶ καὶ αἱ γυναῖκες αὐ. καὶ τὰ τ. αὐ. (3)
Bel 9. ἱερεῖς ἑβδομήκοντα χωρὶς γυναικῶν καὶ τέκνων
Da. TH. Su. 30. ἦλθεν αὐτὴ . . . καὶ τὰ τ. αὐ.
Bel 10. ἐκτὸς γυναικῶν καὶ τέκνων [A *al.*]
— 15. οἱ δὲ ἱερεῖς ἦλθον . . . καὶ τὰ τ. αὐ.
— 21. συνέλαβε τοὺς ἱερεῖς . . . καὶ τὰ τ. αὐ.
I Ma. 1. 32. ᾐχμαλώτευσαν . . . τὰ τ.
— 38. τὰ τ. αὐ. ἐγκατέλιπον αὐτήν
— 40. S[1] κατὰ τὰ τ. αὐ. ἐπλήσθη ἡ γῆ ἀτιμίᾳ [A S[2] R *al.*]
— 60. τὰς γυναῖκας τὰς περιτετμηκυίας τὰ τ. αὐ.
2. 38. ἀπέθανον αὐτοὶ . . . καὶ τὰ τ. αὐ.
— 50. καὶ νῦν, τέκνα, ζηλώσατε τῷ νόμῳ
— 64. καὶ ὑμεῖς, τέκνα, ἰσχύσατε
3. 20. τοῦ ἐξᾶραι ἡμᾶς . . . καὶ τὰ τ. ἡμῶν
5. 13. ᾐχμαλωτίκασι . . . τὰ τ. αὐ.
— 23. σὺν ταῖς γυναιξὶ καὶ τοῖς τ.
— 45. καὶ τὰς γυναῖκας αὐ. καὶ τὰ τ. αὐ.
8. 10. ᾐχμαλώτισαν . . . τὰ τ. αὐ.
13. 6. A R περὶ τῶν γυναικῶν καὶ τῶν τ. ἡμῶν [S κ. τέκνων ὑμῶν]
— 45. σὺν ταῖς γυναιξὶ καὶ τοῖς τ.
II Ma. 5. 13. γυναικῶν καὶ τέκνων ἀφανισμός
6. 10. περιτετμηκυῖαι τὰ τ.
7. 28. ἀξιῶ σε, τέκνον
9. 20. τὰ τ. . . . κατὰ γνώμην ἔσται ὑμῖν
12. 3. ἐμβῆναι . . . σὺν γυναιξὶ καὶ τέκνοις
— 21. R προεξαπέστειλε . . . τὰ τ. [A *om.* τὰ τ.]
15. 18. ἦν γὰρ ὁ περὶ γυναικῶν καὶ τέκνων
III Ma. 1. 4. βοηθεῖν ἑαυτοῖς τε καὶ τοῖς τ.
— 20. τὰ δὲ νεογνὰ τῶν τ.
3. 25. σὺν ταῖς γυναιξὶ καὶ τέκνοις
6. 3. ἔπιδε . . . ἐφ' ἡγιασμένου τέκνα Ἰ.
7. 2. ἐρρώμεθα δὲ καὶ αὐτοὶ καὶ τὰ τ. ἡμῶν
IV Ma. 2. 11. τῆς τέκνων φιλίας κυριεύει
14. 12. τὰς ἐφ' ἑνὶ ἑκάστῳ τῶν τ. στρέβλας
— 13. S πρὸς τὴν τῶν τ. [A R *om.*] σπλάγχνων συμπάθειαν
— 17. καθ' ὃν δύναται τρόπον βοηθεῖ τοῖς τ.
— 18. ἐπιδεικνύναι τὴν πρὸς τὰ τ. συμπάθειαν
— 20. οὐχὶ τὴν Ἀβρ. . . . μητέρα μετεκίνησε συμπάθεια τέκνων
15. 1. ὦ λογισμὲ τέκνων
— 1. εὐσέβεια μητρὶ τέκνων ποθεινοτέρα
— 8. ὑπερεῖδε τὴν τῶν τ. πρόσκαιρον σωτηρίαν
— 15. τὰς σάρκας τῶν τ. ἑώρα περὶ τὸ πῦρ τηκομένας
— 20. ἐπὶ σαρξὶ τέκνων ὁρῶσα σάρκας τέκνων ἀποκεκομμένας
— 20. πολυάνδριον ὁρῶσα τῶν τέκνων χωρίον
— 21. τέκνων φωναὶ μετὰ βασάνων μητέρα φωνούντων
— 24. ἑπτὰ τέκνων ὁρῶσα ἀπώλειαν
— 24. S[1] καὶ τὴν τῶν τ. [A S[2] R στρεβλῶν] πολύπλοκον ποικιλίαν
— 25. καὶ φιλοτεκνίαν καὶ τέκνων στρέβλας
— 26. θανατηφόρον τε καὶ σωτήριον ὑπὲρ τέκνων [S[1] *al.*]
16. 1. τὰς μέχρι θανάτου βασάνους ὁρῶσα τῶν τ.
— 9. οὐκ ὄψομαι ὑμῶν τέκνα
17. 7. A[2] S R οἱ θεωροῦντες μητέρα ἑπτὰ τέκνων
18. 6. ἔλεγε δὲ . . . ταῦτα ἡ δικαία τοῖς τ.
[Aq. III Ki. 14. 3: Ps. 2. 7: Pr. 31. 28.]
[Sm. Jb. 5. 7: 17. 5: 28. 8: 39. 4: Ps. 89 (90). 16: Pr. 31. 28: Is. 29. 23: Ze. 3. 10.]
[Th. Ge. 49. 3: III Ki. 15. 4: IV Ki. 2. 24: Jb. 17. 5: 39. 4, 16: Pr. 31. 28.]
[Al. Nu. 20. 4: Dt. 11. 21: Ez. 20. 31.]

τεκνοποιεῖν. (1) בָּנָה ni. (2) יָלַד *a.* qal. *b.* hi. (3) οὐκ ἐτεκνοποίει אֵין לָהּ וָלָד
Ge. 11. 30. καὶ οὐκ ἐτεκνοποίει (3)
16. 2. ἵνα τεκνοποιήσεις ἐξ αὐτῆς (1)
Ge. 30. 3. ἵνα τεκνοποιήσωμαι κἀγὼ ἐξ αὐτῆς (1)
Is. 65. 23. οὐδὲ τεκνοποιήσουσιν [A τέκνα π.] εἰς κατάραν (2 *a*)
Je. 12. 2. ἐτεκνοποίησαντο [A -αν] καὶ ἐποίησαν [S *om.* κ. ἐ.] καρπόν †
36 (29). 6. τεκνοποιήσατε [S -σασθε] υἱούς (2 *b*)
38 (31). 8. S R τεκνοποιήσει [A B -σῃ] ὄχλον πολύν (2 *a*)

τεκνοῦν.
[Sm. Ge. 16. 2.]

τεκνοφόνος.
Wi. 14. 23. ἡ γὰρ τεκνοφόνους τελετὰς . . . ἄγοντες

τεκταίνειν. (1) *a.* חָרַשׁ *b.* חָרַשׁ (2) שִׁית
Ps. 128 (129). 3. ἐπὶ τοῦ νώτου μου ἐτέκταινον οἱ ἁμαρτωλοί (1 *a*)
Pr. 3. 29. μὴ τεκτήνῃ [A S[2] -αινε] ἐπὶ σὸν φίλον κακά (1 *a*)
6. 14. διεστραμμένῃ καρδίᾳ τεκταίνεται [B[2] κατασκευάζει] κακά (1 *a*)
— 18. καρδία τεκταινομένη λογισμοὺς κακούς (1 *a*)
11. 27. τεκταινόμενος ἀγαθὰ ζητεῖ χάριν ἀγαθήν †
12. 20. δόλος ἐν καρδίᾳ τεκταινομένου κακά (1 *a*)
14. 22. πλανώμενοι τεκταίνουσι κακὰ ἔλεον δὲ καὶ ἀλήθειαν τεκταίνουσιν ἀγαθοί (1*a*,1*a*)
26. 24. ἐν δὲ τῇ καρδίᾳ τεκταίνεται δόλους (2)
Si. 11. 33. πονηρὰ γὰρ τεκταίνει [S[1] -νεται]
27. 22. διανεύων ὀφθαλμῷ τεκταίνει [S[2] -νεται] κακά
Ba. 3. 18. οἱ τὸ ἀργύριον τεκταίνοντες . . . ἠφανίσθησαν
Ez. 21. 31 (36). εἰς χεῖρας ἀνδρῶν βαρβάρων τεκταινόντων διαφθοράς (1 *b*)
[Aq., Sm., Th. Pr. 12. 20.]

τεκτονικός. (1) τὰ ἔργα τὰ τ. חֲרָשֶׁת
Ex. 31. 5. καὶ εἰς τὰ ἔργα τὰ τ. τῶν ξύλων (1)

τέκτων. (1) *a.* חָרָשׁ *b.* חָרַשׁ (2) ἀνὴρ τ. חָרָשׁ
I Ki. 13. 19. B τέκτων σιδήρου οὐχ εὑρίσκετο (1 *a*)
II Ki. 5. 11. ἀπέστειλε . . . τέκτονας ξύλων καὶ τέκτονας λίθων (1 *a*, 1 *a*)
III Ki. 7. 14. καὶ ὁ πατὴρ αὐ. . . . τέκτων χαλκοῦ (1 *b*)
IV Ki. 12. 11 (12). ἐξέδοσαν τοῖς τ. τῶν ξύλων (1 *a*)
22. 6. ἔδωκεν αὐτὸ . . . τοῖς τ. (1 *a*)
24. 14. ἀπῴκισε . . . πᾶν τέκτονα (1 *a*)
— 16. καὶ τὸν τ. καὶ τὸν συγκλείοντα (1 *a*)
I Ch. 4. 14. τέκτονες ἦσαν (1 *a*)
14. 1. ἀπέστειλε Χ. . . . τέκτονας ξύλων (1 *a*)
22. 15. οἰκοδόμοι λίθων καὶ τέκτονες ξύλων (1 *a*)
II Ch. 24. 12. ἐμισθοῦντο λατόμους καὶ τέκτονας (1 *a*)
34. 11. καὶ ἔδωκαν τοῖς τ. (1 *a*)
I Es. 5. 54. ἔδωκαν ἀργύριον τοῖς λατόμοις καὶ τ.
II Es. 3. 7. ἔδωκαν ἀργύριον . . . τοῖς τ. (1 *a*)
Pr. 14. 22. οὐκ ἐπίστανται ἔλεον καὶ πίστιν τέκτονες κακῶν (1 *b*)
— 22. ἐλεημοσύναι δὲ καὶ πίστεις παρὰ τέκτοσιν ἀγαθοῖς (1 *b*)
Wi. 13. 11. εἰ δὲ καί τις ὑλοτόμος τέκτων . . . ἐκπρίσας περιέξυσεν . . . πάντα τὸν φλοιὸν αὐτοῦ
Si. 38. 27. οὕτως πᾶς τέκτων καὶ ἀρχιτέκτων
Ho. 8. 6. καὶ αὐτὸ τέκτων ἐποίησε (1 *a*)
13. 2. ἔργα τεκτόνων συντετελεσμένα αὐτοῖς (1 *a*)
Za. 1. 20 (2. 3). ἔδειξέ μοι κύριος τέσσαρας τέκτονας (1 *a*)
Is. 40. 19. μὴ εἰκόνα ἐποίησε τ. (1 *a*)
— 20. ξύλον γὰρ ἄσηπτον ἐκλέγεται τ. (1 *a*)
41. 7. ἴσχυσεν ἀνὴρ τ. (2)
44. 12. ὤξυνε τ. σίδηρον –
— 13. ἐκλεξάμενος τ. ξύλον ἔστησεν αὐτό (1 *b*)
Je. 10. 3. ἔργον τέκτονος καὶ χώνευμα (1 *a*)
Ep. Je. 8. γλῶσσα γὰρ αὐτῶν ἐστι κατεξυσμένη ὑπὸ τέκτονος
— 45. ὑπὸ τεκτόνων καὶ χρυσοχόων κατεσκευασμένα εἰσίν
[Aq. Is. 41. 7: 54. 16: Je. 10. 9.]
[Sm. Jb. 41. 22: Is. 41. 7: 54. 16.]
[Th. Jb. 41. 22: Is. 41. 7: 54. 16: Je. 10. 9.]
[Al. I Ch. 4. 14: Is. 44. 11.]
[Quint. Ho. 8. 6.]

τελαμών (ταλ.). (1) אֶפֹד
III Ki. 21 (20). 38. κατεδήσατο τελαμῶνι τοὺς ὀφθ. αὐ. (1)
— 41. ἀφεῖλε τὸν τ. ἀπὸ τῶν ὀφθ. αὐ. (1)
[Aq. Is. 3. 18.]

τελεῖν. (1) גָּמַר (2) יָצָא schaph. (3) כָּלָה *a.* qal. *b.* pi. (4) עָשָׂה (5) סוּף (6) צָמַד ni. (7) קָדַשׁ (8) *a.* שָׁלַם *b.* שָׁלֵם
Nu. 25. 3. ἐτελέσθη [A -ησαν] Ἰσρ. τῷ Βεελφ. (6)
— 5. τὸν οἰκεῖον αὐ. τὸν τετελεσμένον τῷ Β. (6)
Ru. 2. 21. ἕως ἂν τελέσωσιν ὅλον τὸν ἀμητόν (3 *b*)
3. 18. ἕως ἂν τελέσῃ τὸ ῥῆμα (3 *b*)
II Ki. 22. 39. A καὶ τελέσω αὐτούς (3 *b*)
I Es. 6. 4. B[1] τίνες εἰσὶν οἱ οἰκοδόμοι οἱ ταῦτα τελοῦντες [A B[2] R ἐπιτ.]
8. 68. καὶ τούτων τελεσθέντων
II Es. 1. 1. B[1] τοῦ τελεσθῆναι [B[2] τ. λόγον, A R τ. λόγον κυρίου] ἀπὸ στόματος Ἱερ. (3 *a*)
5. 16. καὶ οὐκ ἐτελέσθη (8 *b*)
6. 15. ἐτέλεσαν τὸν οἶκον τοῦτον (2)
7. 12. B τετέλεστο [A -αι, R -θω] λόγος (1)
9. 1. ὡς ἐτελέσθη ταῦτα (3 *b*)
10. 17. ἐτέλεσαν ἐν πᾶσιν ἀνδράσιν (3 *b*)
Ne. 6. 15. ἐτελέσθη τὸ τεῖχος (8 *a*)
To. 7. 8. B τελεσθήτω [A στήτω] τὸ πρᾶγμα
Ju. 8. 34. ἕως τοῦ τελεσθῆναι ἃ ἐγὼ ποιῶ
Ps. 105 (106). 28. ἐτελέσθησαν τῷ Βεελφεγώρ (6)
Wi. 4. 16. νεότης [A -ητος] τελεσθεῖσα ταχέως [S[1] *om.*] πολυετὲς γῆρας ἀδίκου
Si. 7. 25. ἔσῃ τετελεκὼς [S[1] -λειωκὼς] ἔργον μέγα
23. 20. A οὕτως καὶ μετὰ τὸ τελεσθῆναι [B S συντελ.]
38. 27. ἡ ἀγρυπνία αὐτοῦ τελέσαι [S[2] συντ.] ἔργον
Ho. 4. 14. μετὰ τῶν τετελεσμένων ἔθνων (7)
Is. 55. 11. ἕως ἂν τελεσθῇ [A S συντ.] (4)
Da. LXX. 4. 30. πάντα τελεσθήσεται ἐπὶ σέ (5)
Da. TH. 11. 16. τελεσθήσεται [A συντ.] ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (3 *a*)
I Ma. 4. 51. ἐτέλεσαν πάντα τὰ ἔργα
13. 10. ἐτάχυνε τοῦ τελέσαι τὰ τείχη Ἱερ.
II Ma. 4. 23. περὶ πραγμάτων ἀναγκαίων ὑπομνηματισμοὺς τελέσοντας
III Ma. 5. 27. τὸ διασαφοῦμ. ἔτι αὐτῷ μετὰ σπουδῆς τετέλεσται
[Aq. Dt. 28. 32, 65: Ps. 30 (31). 11: 49 (50). 2: 58 (59). 14 *bis*: 68 (69). 4: 71 (72). 20: Pr. 30. 1: Ez. 27. 11: Da. 9. 24 *bis*.]
[Th. Da. 11. 16†.]

τέλειος. (1) *a.* שָׁלֵם *b.* שָׁלֵם *c.* שָׁלוֹם (2) תַּכְלִית (3) *a.* תָּמִים *b.* תֹּם *c.* תָּם
Ge. 6. 9. τέλειος ἦν ἐν τῇ γενέσει αὐ. (3 *a*)
Ex. 12. 5. πρόβατον τ. ἄρσεν ἐνιαύσιον ἔσται ὑμῖν (3 *a*)
De. 18. 13. τέλειος ἔσῃ ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (3 *a*)
Jd. 20. 26: 21. 4. ἀνήνεγκαν ὁλοκαυτώσεις καὶ τελείας [A *al.*] (1 *a*)
I Ki. 17. 40. B ἐξελέξατο ἑαυτῷ πέντε λίθους τ. [A *om.*, R λείους] †
II Ki. 22. 26. μετὰ ἀνδρὸς τ. τελειωθήσῃ (3 *a*)
III Ki. 8. 61. ἔστωσαν αἱ καρδίαι ἡμῶν τ. (1 *b*)
11. 4. οὐκ ἦν ἡ καρδία αὐ. τ. μετὰ κ. θεοῦ αὐ. (1 *b*)
— 10. B οὐδ' ἦν ἡ καρδία αὐ. τ. μετὰ κυρίου –
15. 3. οὐκ ἦν ἡ καρδία αὐ. τ. μετὰ κ. θεοῦ αὐ. (1 *b*)
— 14. ἡ καρδία Ἀ. ἦν τ. μετὰ κυρίου (1 *b*)
I Ch. 25. 8. κλήρους ἐφημεριῶν . . . τελείων καὶ μανθανόντων †
28. 9. δούλευε αὐτῷ ἐν καρδίᾳ τ. (1 *b*)
II Es. 2. 63. ἕως ἀναστῇ ἱερεὺς . . . τοῖς τ. (3 *b*)
Ps. 138 (139). 22. τέλειον μῖσος ἐμίσουν αὐτούς (2)
Ca. 5. 2. ἀδελφή μου περιστερά μου τελεία μου (3 *c*)
6. 8 (9). μία ἐστὶ περιστερά μου τελεία μου (3 *c*)
Wi. 9. 6. κἂν γάρ τις ᾖ τέλειος ἐν υἱοῖς ἀνθρώπων
Si. 44. 17. Νῶε εὑρέθη τέλειος δίκαιος
Je. 13. 19. συνετέλεσαν ἀποικίαν τελείαν (1 *c*)
[Aq. Ge. 17. 1: Le. 3. 9: III Ki. 15. 14: Ps. 17 (18). 33: 18 (19). 8: 55 (56). 1: 56 (57). 1: 59 (60). 1: Pr. 11. 1: 28. 18: Ez. 28. 15.]
[Sm. III Ki. 15. 14: Ps. 118 (119). 20: Pr. 10. 29: Is. 42. 19: Ez. 27. 3: Am. 1. 6.]
[Th. III Ki. 15. 14: Pr. 10. 29: 28. 18: Am. 1. 6: Ma. 2. 13.]
[Al. Le. 9. 3: 23. 18.]
[Quint., Sext. Ps. 1. 1.]

τελειότης. (1) *a.* תָּמִים *b.* תֻּמָּה
Jd. 9. 16, 19. εἰ ἐν ἀληθείᾳ καὶ τελειότητι ἐποιήσατε (1 *a*)

Pr. 11. 3. A τελειότης εὐθείων ὁδηγήσει αὐτούς (1 b)
Wi. 6. 15. τὸ γὰρ ἐνθυμηθῆναι περὶ αὐτῆς φρονήσεως τελειότης
12. 17. ἀπιστούμενος ἐπὶ δυνάμεως τελειότητι
Je. 2. 2. S ἐμνήσθην . . . ἀγάπης τελειότητός [A B -ώσεώς] σου †
[Aq. Ex. 28. 30.]
[Sm. Ex. 28. 30: Dt. 33. 8: Jb. 12. 2: Ps. 25 (26). 11: 83 (84). 12.]
[Th. Ex. 28. 30: Pr. 11. 3.]
[Al. Le. 3. 3: 4. 10, 26: I Ki. 14. 41.]
[Heb. Jb. 2. 3.]
[Quint. Ps. 25 (26). 1, 11.]

τελειοῦν. (1) כָּלָה (2) כָּלַל (3) מָלֵא pi. (4) מִלֵּא אֶת־יָדוֹ (5) עָשָׂה ni. (6) שָׁלֵם (7) תָּמַם a. qal. b. hithpa.

Ex. 29. 9. τελειώσεις Ἀ. τὰς χεῖρας αὐ. (3)
— 29. καὶ τελειῶσαι τὰς χεῖρας αὐτῶν (3)
— 33. τελειῶσαι τὰς χεῖρας αὐ. (3)
— 35. τελειώσεις αὐτῶν τὰς χεῖρας (3)
Le. 4. 5. ὁ ἱερεὺς ὁ χριστὸς ὁ τετελειωμένος τὰς χεῖρας –
8. 33. τελειώσει τὰς χεῖρας ὑμῶν (3)
16. 32. A B¹ ὃν ἂν τελειώσουσι [B² R -σωσι] τὰς χεῖρας αὐ. (3)
21. 10. τοῦ ἐλαίου τοῦ χριστοῦ καὶ τετελειωμένου (4)
Nu. 3. 3. οὓς ἐτελείωσαν τὰς χεῖρας αὐ. (3)
II Ki. 22. 26. μετὰ ἀνδρὸς τελείου τελειωθήσῃ (7 b)
III Ki. 7. 22. A ἐτελειώθη τὸ ἔργον τῶν στ. (7 a)
14. 10. A ὡς τελειωθῆναι αὐτόν (7 a)
II Ch. 8. 16. A ἀφ' ἧς ἡμέρας ἐτελειώθη [B ἐθεμελιώθη] †
— 16. ἕως οὗ ἐτελείωσε Σ. τὸν οἶκον κυρίου (1+6)
Ne. 6. 3. ὡς ἂν τελειώσω αὐτό †
— 16. τελειωθῆναι τὸ ἔργον τοῦτο (5)
Ju. 10. 8. τελειῶσαι τὰ ἐπιτηδεύματά σου
Wi. 4. 13. τελειωθεὶς ἐν ὀλίγῳ ἐπλήρωσε χρόνους μακρούς
Si. 7. 25. S¹ ἔσῃ τετελειωκὼς [A B S² -λεκὼς] ἔργον μέγα
— 32. ἵνα τελειωθῇ ἡ εὐλογία σου
34 (31). 10. τίς ἐδοκιμάσθη ἐν αὐτῷ καὶ ἐτελειώθη
50. 19. τὴν λειτουργίαν αὐτοῦ ἐτελείωσαν [S¹ ἐλειτούργησαν]
Ez. 27. 11. οὗτοι ἐτελείωσάν σου τὸ κάλλος (2)
Da. LXX. 3. (40). καὶ τελειῶσαι ὄπισθέν σου
IV Ma. 7. 15. ὃν πιστὴ θανάτου σφραγὶς ἐτελείωσεν
[Aq. Nu. 14. 33: Dt. 2. 14: I Ki. 16. 11: III Ki. 14. 10: Ps. 39 (40). 7 (P.): Da. 9. 24.]
[Sm. Jd. 17. 5: Ps. 39 (40). 7 (P.): 101 (102). 28.]
[Th. Ps. 16 (17). 5: 39 (40). 7 (P.).]
[Al. Ge. 47. 18.]
[Quint., Sext. Ps. 39 (40). 7 (P.).]

τελείωμα.
[Aq. Jb. 12. 2.]

τελείως.
Ju. 11. 6. τ. πρᾶγμα ποιήσει μετὰ σοῦ ὁ θεός
II Ma. 12. 42. ἀξιώσαντες τὸ γεγονὸς ἁμάρτημα τ. ἐξαλειφθῆναι
III Ma. 3. 26. τ. ἡμῖν τὰ πράγματα . . . κατασταθήσεσθαι
7. 22. R τὰ μεγαλεῖα τοῦ μεγίστου θεοῦ ποιήσαντος τ. [A al.]

τελείωσις. (1) מְלֻאִים (2) ἡ θυσία τῆς τ. מְלֻאִים (3) ἡ τ. τοῦ σωτηρίου שְׁלֶם

Ex. 29. 22. ἔστι γὰρ τελείωσις αὕτη (1)
— 26. λήψῃ τὸ στηθύνιον ἀπὸ τοῦ κριοῦ τῆς τ. (1)
— 27. ὃς ἀφῄρηται ἀπὸ τοῦ κριοῦ τῆς τ. (1)
— 31. τὸν κριὸν τῆς τ. λήψῃ (1)
— 34. ἀπὸ τῶν κρεῶν τῆς θυσίας τῆς τ. (2)
Le. 7. 27 (37). οὗτος ὁ νόμος . . . τῆς τ. (1)
8. 21 (22). προσήγαγε . . . κριὸν [A add. τῆς] τελειώσεως (1)
— 25 (26). ἀπὸ τοῦ κανοῦ τῆς τ. †
— 27 (28). ἐπὶ τὸ ὁλοκαύτωμα τῆς τ. (1)
— 28 (29). ἀπὸ τοῦ κριοῦ τῆς τ. (1)
— 31. ἐν τῷ κανῷ τῆς τ. (1)
— 33. A B¹ ἕως ἡμέρα πληρωθῇ [B² R add. ἡμέρα] τελειώσεως ὑμῶν (1)
II Ch. 29. 35. ἐν τοῖς στέασι τῆς τ. τοῦ σωτηρίου (3)
Ju. 10. 9. ἐξελεύσομαι εἰς τελείωσιν τῶν λόγων
Si. 31 (34). 8. σοφία στόματι πιστῷ τελείωσις
Je. 2. 2. ἐμνήσθην . . . ἀγάπης τελειώσεώς [S -ότητός] σου †
II Ma. 2. 9. ἀνήνεγκε θυσίαν . . . τῆς τ. τοῦ ἱεροῦ
[Aq. Le. 8. 8: Dt. 31. 24.]
[Th. Le. 8. 8.]
[Al. Le. 4. 35: 6. 12 (5): 7. 29: 8. 33.]
[Sam. Nu. 29. 35.]

τέλεος.
III Ma. 1. 22. οὐκ ἠνείχοντο τέλεον αὐτοῦ ἐπικειμένου
[Aq. Ps. 12 (13). 2.]

τελεσιουργεῖν.
Pr. 19. 7. ὁ πολλὰ κακοποιῶν τελεσιουργεῖ κακίαν –

τέλεσις.
[Aq. Ps. 118 (119). 96.]

τέλεσμα.
[Al. Ps. 134 (135). 7.]

τελεσφορεῖν.
IV Ma. 13. 20. διὰ τῆς αὐτῆς ψυχῆς τελεσφορηθέντες
[Sm. Ps. 64 (65). 10: Is. 37. 27.]

τελεσφόρος. (1) קָדֵשׁ
De. 23. 18. οὐκ ἔσται τελεσφόρος ἀπὸ θυγ. Ἰσρ. (1)

τελετή. (1) a. קָדֵשׁ b. מְקֻדָּשׁ
III Ki. 15. 12. ἀφεῖλε τὰς τ. ἀπὸ τῆς γῆς (1 a)
Wi. 12. 4. ἐπὶ τῷ ἔχθιστα πράσσειν . . . τελετὰς ἀνοσίους
14. 15. παρέδωκε τοῖς ὑποχειρίοις μυστήρια καὶ τελετάς
— 23. ἢ γὰρ τεκνοφόνους τελετὰς . . . ἄγοντες
Am. 7. 9. αἱ τ. τοῦ Ἰσρ. ἐρημωθήσονται (1 b)
III Ma. 2. 30. ἐν τοῖς κατὰ τελετὰς μεμυημένοις ἀναστρέφεσθαι
[Sm. III Ki. 14. 24: IV Ki. 23. 7.]

τελευταῖος. (1) אַחֲרִית
Pr. 14. 12. τὰ δὲ τ. αὐ. ἔρχεται εἰς πυθμένα ᾅδου (1)
— 13. τελευταία δὲ χαρὰ [A -ᾶς] εἰς πένθος ἔρχεται (1)
16. 25. τὰ μέντοι τ. αὐτῶν βλέπει εἰς πυθμένα ᾅδου (1)
20. 21. ἐν τοῖς τ. οὐκ εὐλογηθήσεται (1)
III Ma. 5. 49. βρέφη τελευταῖον ἕλκοντα γάλα
[Aq. Jo. 15. 21: Ps. 60 (61). 3: Is. 37. 24: 41. 5, 9: 56. 11.]
[Sm. I Ki. 9. 27: Ec. 9. 3.]
[Th. I Ki. 9. 27.]

τελευτᾶν. (1) גָּוַע (2) מוּת a. qal. b. hoph. (3) נָפַל

Ge. 6. 17. ὅσα ἐὰν ᾖ ἐπὶ τῆς γῆς τελευτήσει (1)
25. 32. πορεύομαι τελευτᾶν (2 a)
30. 1. τελευτήσω ἐγώ (2 a)
44. 31. καὶ ἔσται . . . τελευτήσει (2 a)
50. 5. A ὤρκισέ με πρὸ τοῦ τελευτῆσαι [B al.] –
— 16. ὤρκισε πρὸ τοῦ τελευτῆσαι αὐτόν (2 a)
— 26. ἐτελεύτησεν Ἰ. ἐτῶν ἑκατὸν δέκα (2 a)
Ex. 1. 6. ἐτελεύτησε δὲ Ἰ. (2 a)
2. 23. ἐτελεύτησεν ὁ βασ. Αἰγ. (2 a)
4. 18. ἐτελεύτησεν ὁ βασ. Αἰγ. –
7. 18. οἱ ἰχθύες οἱ ἐν τῷ ποταμῷ τελευτήσουσι (2 a)
— 21. οἱ ἰχθύες οἱ ἐν τῷ ποταμῷ ἐτελεύτησαν (2 a)
8. 13 (9). ἐτελεύτησαν οἱ βάτραχοι (2 a)
9. 4. οὐ τελευτήσει ἀπὸ πάντων τῶν τοῦ Ἰ. υἱῶν ῥητόν (2 a)
— 6. A² B ἐτελεύτησε πάντα τὰ κτήνη τῶν Αἰγ. (2 a)
— 6. A² B ἀπὸ δὲ τῶν κτηνῶν . . . οὐκ ἐτελεύτησεν οὐδέν (2 a)
— 7. A² B οὐκ ἐτελεύτησεν ἀπὸ πάντων τῶν κτηνῶν . . . οὐδέν (2 a)
— 19. καὶ τὰ κτήνη . . . τελευτήσει (2 a)
11. 5. τελευτήσει πᾶν πρωτότοκον (2 a)
19. 12. πᾶς ὁ ἁψάμ. τοῦ ὄρους θανάτῳ τελευτήσει (2 b)
21. 16 (17). τελευτήσει θανάτῳ [A θ. τελευτάτω] (2 b)
— 17 (16). θανάτῳ τελευτάτω [A θανατούσθω] (2 b)
— 34. τὸ δὲ τετελευτηκὸς [A τεθνηκὸς] αὐτῷ ἔσται (2 a)
— 35. καὶ τελευτήσῃ [A -σει] (2 a)
— 36. ὁ δὲ τετελευτηκὼς αὐτῷ ἔσται (2 a)
Ex. 22. 10 (9). καὶ συντριβῇ ἢ τελευτήσῃ [A τελευτήσει ἢ σ.] (2 a)
35. 2. πᾶς ὁ ποιῶν ἔργον ἐν αὐτῇ τελευτάτω (2 b)
Le. 16. 1. μετὰ τὸ τελευτῆσαι τοὺς δύο υἱοὺς Ἀ. (2 a)
— 1. καὶ ἐτελεύτησαν (2 a)
21. 11. ἐπὶ πάσῃ ψυχῇ τετελευτηκυίᾳ (2 a)
24. 16. ἐν τῷ ὀνομάσαι αὐτὸν τὸ ὄν. κυρίου τελευτάτω (2 b)
Nu. 3. 4. ἐτελεύτησε Ν. καὶ Ἀβ. (2 a)
6. 6. ἐπὶ πάσῃ ψυχῇ τετελευτηκυίᾳ (2 a)
20. 1. ἐτελεύτησεν ἐκεῖ Μ. (2 a)
35. 16. ἐὰν δὲ . . . πατάξῃ αὐτὸν καὶ τελευτήσῃ (2 a)
De. 17. 5. καὶ τελευτήσουσιν (2 a)
25. 5. A οὐκ ἔσται ἡ γυνὴ τοῦ τετελευτηκότος [B τεθνηκότος] ἔξω (2 a)
— 6. ἔσται τὸ παιδίον . . . ἐκ τοῦ ὀνόματος τοῦ τετελευτηκότος (2 a)
32. 50. τελεύτα ἐν τῷ ὄρει (2 a)
34. 5. ἐτελεύτησε Μ. οἰκέτης κυρίου (2 a)
— 7. ἐν τῷ τελευτᾶν [A -τῆσαι] αὐτόν (2 a)
Jo. 1. 2. Μ. ὁ θεράπων μου τετελεύτηκε (2 a)
24. 33. Ἐλ. υἱὸς Ἀ. ὁ ἀρχιερεὺς ἐτελεύτησε (2 a)
Jd. 2. 8. ἐτελεύτησεν Ἰ. υἱὸς Ναυή (2 a)
I Ch. 29. 28. ἐτελεύτησεν ἐν γήρει καλῷ (2 a)
II Ch. 13. 20. καὶ ἐτελεύτησε (2 a)
16. 13. ἐτελεύτησεν ἐν τῷ τριακοστῷ ἔτει τῆς βασ. αὐ. (2 a)
24. 15. καὶ ἐτελεύτησεν ὢν ἑκατὸν καὶ τριάκοντα ἐτῶν ἐν τῷ τελευτᾶν αὐτόν (2 a, 2 a)
Ju. 8. 3. ἐτελεύτησεν ἐν Βαιτ.
Jb. 1. 19. καὶ ἐτελεύτησαν [S¹ -εν] (2 a)
2. 9. καὶ τελεύτα (2 a)
3. 11. διὰ τί γὰρ ἐν κοιλίᾳ οὐκ ἐτελεύτησα (2 a)
4. 21. A καὶ ἐτελεύτησαν [B S ἐξηράνθησαν] (2 a)
12. 2. ἢ μεθ' ὑμῶν τελευτήσει σοφία (2 a)
14. 8. ἐν δὲ πέτρᾳ [A ἐὰν δὲ πέτραις] τελευτήσῃ [A -σει] (2 a)
— 10. ἀνὴρ δὲ τελευτήσας ᾤχετο (2 a)
21. 25. ὁ δὲ τελευτᾷ ὑπὸ πικρίας ψυχῆς (2 a)
27. 15. B² S R θανάτῳ τελευτήσουσι [A -σωσιν] †
34. 15. τελευτήσει πᾶσα σὰρξ ὁμοθυμαδόν (1)
42. 17. ἐτελεύτησεν Ἰὼβ πρεσβύτερος [S -ύτης] (2 a)
Pr. 5. 23. οὗτος τελευτᾷ μετὰ ἀπαιδεύτων (2 a)
10. 21. ἐν ἐνδείᾳ τελευτῶσιν [S¹ -τήσωσιν] (2 a)
11. 7. τελευτήσαντος ἀνδρὸς δικαίου (2 a)
15. 10. οἱ δὲ μισοῦντες ἐλέγχους τελευτῶσιν αἰσχρῶς (2 a)
Wi. 3. 18. ἐάν τε ὀξέως τελευτήσωσιν [S¹ -σουσιν]
4. 7. δίκαιος δὲ ἐὰν φθάσῃ τελευτῆσαι
Si. 8. 7. μνήσθητι ὅτι πάντες τελευτῶμεν
10. 10. βασιλεὺς σήμερον καὶ αὔριον τελευτήσει
14. 13. πρίν σε τελευτῆσαι εὖ ποίει φίλῳ
— 18. ἡ μὲν τελευτᾷ ἑτέρα δὲ γεννᾶται
— 20. μάκαριος ἀνὴρ ὃς ἐν σοφίᾳ τελευτήσει [S² μελετήσει]
23. 17. οὐ μὴ κοπάσῃ ἕως ἂν τελευτήσῃ [A -σει]
30. 4. ἐτελεύτησεν αὐτοῦ ὁ πατήρ
37. 31. δι' ἀπληστίαν πολλοὶ ἐτελεύτησαν
Am. 7. 11. ἐν ῥομφαίᾳ τελευτήσει Ἰερ. (2 a)
— 17. ἐν γῇ ἀκαθάρτῳ τελευτήσεις (2 a)
9. 10. ἐν ῥομφαίᾳ τελευτήσουσι πάντες ἁμαρτωλοὶ λαοῦ μου (2 a)
Is. 66. 24. ὁ γὰρ σκώληξ αὐτῶν οὐ τελευτήσει [A -τᾷ] (2 a)
Je. 11. 22. τελευτήσουσιν ἐν λιμῷ (2 a)
Ez. 6. 12. A ὁ ἐγγὺς ἐν ῥομφαίᾳ τελευτήσει [B πεσεῖται] ὁ δὲ μακρὰν ἐν θανάτῳ τελευτήσει (3, 2 a)
7. 15. ὁ [A οἱ] ἐν τῷ πεδίῳ ἐν ῥομφαίᾳ τελευτήσει [A -σουσι] (2 a)
12. 13. ἐκεῖ τελευτήσει (2 a)
17. 16. μετ' αὐτοῦ ἐν μέσῳ Βαβ. τελευτήσει (2 a)
18. 17. οὐ τελευτήσει ἐν ἀδικίαις πατρὸς αὐτοῦ (2 a)
I Ma. 9. 29. ἀφ' οὗ ὁ ἀδ. σου Ἰούδας τετελεύτηκε
II Ma. 6. 30. μέλλων δὲ ταῖς πληγαῖς τελευτᾶν
7. 5. ἀλλήλους παρεκάλουν . . . γενναίως τελευτᾶν
— 14. γενόμενος πρὸς τῷ τελευτᾶν
— 41. ἐσχάτη δὲ πῶν υἱῶν ἡ μήτηρ ἐτελεύτησε
III Ma. 1. 23. καὶ θαρραλέως ὑπὸ τοῦ πατρῴου νόμου τελευτᾶν
IV Ma. 4. 15. τελευτήσαντος δὲ Σελεύκου τοῦ βασ.
6. 22. εὐγενῶς ὑπὲρ τῆς εὐσεβείας τελευτᾶτε
11. 13. τελευτήσαντος δὲ καὶ τούτου
18. 9. ἐτελεύτησεν ὁ πατήρ
[Aq., Th. Je. 14. 15: Ez. 18. 17.]
[Sm. Ez. 18. 17.]

τελευτή. (1) אַחֲרִית (2) *a.* מָוֶת *b.* מוּת

Ge. 27. 2. οὐ γινώσκω τὴν ἡμέραν τῆς τ. μου (2 *a*)
De. 31. 29. ἔσχατον τῆς τ. μου (2 *a*)
33. 1. ἣν εὐλόγησε . . . πρὸ τῆς [A *om.*] τ. αὐ. (2 *a*)
34. 6. A οὐκ οἶδεν οὐδεὶς τὴν τ. [B ταφὴν] αὐ. †
Jo. 1. 1. μετὰ τὴν τ. Μωυσῆ (2 *b*)
Jd. 1. 1. μετὰ τὴν τ. Ἰησοῦ (2 *b*)
I Ch. 22. 5. ἡτοίμασε Δ. . . . ἔμπροσθεν τῆς τ. αὐ. (2 *a*)
II Ch. 24. 17. μετὰ τὴν τ. Ἰ. (2 *b*)
26. 21. ἕως ἡμέρας τῆς τ. αὐ. (2 *a*)
Pr. 24. 14. ἔσται καλὴ ἡ τ. σου (1)
Wi. 2. 1. οὐκ ἔστιν ἴασις ἐν τελευτῇ ἀνθρώπου
— 5. οὐκ ἔστιν ἀναποδισμὸς [S ἀνταπ.] τῆς τ. ἡμῶν
4. 17. ὄψονται γὰρ τελευτὴν σοφοῦ
5. 4. ἐλογισάμεθα . . . τὴν τ. αὐτοῦ ἄτιμον [S¹ -μίαν]
Si. 1. 13. ἐν ἡμέρᾳ τελευτῆς αὐτοῦ
11. 26. ἐν ἡμέρᾳ τελευτῆς ἀποδοῦναι ἀνθρώπῳ
— 28. πρὸ τελευτῆς μὴ μακάριζε μηδένα
18. 24. μνήσθητι θυμοῦ ἐν ἡμέραις τελευτῆς [S *al.*]
30. 5. ἐν τῇ τ. αὐτοῦ οὐκ ἐλυπήθη
— 32 (33. 23). ἐν καιρῷ τελευτῆς διάδος κληρονομίαν
40. 2. ἐπίνοια προσδοκίας ἡμέρα τελευτῆς
46. 20. ὑπέδειξε βασιλεῖ τὴν τ. αὐτοῦ
48. 14. ἐν τελευτῇ θαυμάσια τὰ ἔργα αὐτοῦ
Ba. 3. 25. οὐκ ἔχει τελευτήν
I Ma. 9. 23. μετὰ τὴν τ. Ἰ.
II Ma. 10. 9. τὰ μὲν τῆς Ἀντιόχου . . . τ. οὕτως εἶχε
15. 39. ἐνταῦθα δὲ ἔσται ἡ τ.

τελέως.

III Ma. 7. 22. τὰ μεγαλεῖα τοῦ μεγ. θεοῦ ποιήσαντος τ.

τελίσκεσθαι. (1) קָדַשׁ

De. 23. 18. καὶ οὐκ ἔσται τελισκόμενος (1)

τέλμα.

[Aq., Sm. Je. 38 (45). 22.]
[Al. Ps. 134 (135). 7.]

τέλος. (1) *a.* מָכֶס *b.* מִכְסָה (2) מַס (3) סוֹף (4) *a.* קֵץ *b.* קָצֶה *c.* קְצָת (5) διὰ τέλους תָּמִיד (6) εἰς (τὸ) τέλος *a.* כְּלֹה *b.* כִּלֶּה *c.* לְכָלָה *d.* נֶצַח *e.* לַמְנַצֵּחַ *f.* לָנֶצַח *g.* לָעַד *h.* עַד־הַתָּמִם (7) εἰς τέλος ἡμέρας μιᾶς בְּיוֹם תָּמִים (8) ἕως εἰς (τὸ) τέλος *a.* עַד־לְכָלָה *b.* תְּמַם *c.* עַד־תֻּמָּם

Ge. 46. 4. ἀναβιβάσω σε εἰς τέλος †
Ex. *subscr.* B τέλος τῆς ἐξόδου [A B *al.*]
Le. 27. 23. λογιεῖται πρὸς αὐτὸν ὁ ἱ. τὸ τ. τῆς τιμῆς (1 *b*)
Nu. 17. 13 (28). ἕως εἰς τέλος ἀποθάνωμεν (8 *b*)
31. 28 ἀφελεῖτε τέλος [A τὸ τ.] κυρίῳ (1 *a*)
— 37. ἐγένετο τὸ τ. κυρίῳ (1 *a*)
— 38, 39. καὶ τὸ τ. κυρίῳ (1 *a*)
— 40. καὶ τὸ τ. αὐ. κυρίῳ (1 *a*)
— 41. ἔδωκε M. τὸ τ. κυρίῳ (1 *a*)
subscr. B τέλος τῶν ἀριθμῶν
De. 31. 24, 30. ἕως εἰς τέλος (8 *c*)
subscr. B τέλος τοῦ δευτερονομίου
Jo. 3. 16. ἕως εἰς τὸ τ. ἐξέλιπε (8 *b*)
8. 24. οὗ κατεδίωξαν αὐτοὺς ἀπ' αὐτῆς εἰς [A ἕως εἰς] τέλος (6 *h* [8 *c*])
10. 13. οὐ προεπορεύετο . . . εἰς τέλος ἡμέρας μιᾶς (7)
— 20. κόπτοντες αὐτοὺς κοπὴν μεγάλην σφόδρα ἕως εἰς τέλος (8 *c*)
Jd. 11. 39. ἐν τέλει τῶν [A μετὰ τέλος] δύο μηνῶν (4 *a*)
subscr. B τέλος τῶν κριτῶν [A B *al.*]
Ru. *subscr.* A B τέλος τῆς Ῥοὺθ [B *al.*]
II Ki. 15. 7. ἀπὸ τέλους τεσσαράκοντα ἐτῶν (4 *a*)
24. 8. ἀπὸ τέλους ἐννέα μηνῶν καὶ εἴκοσι ἡμερῶν (4 *b*)
IV Ki. 8. 3. μετὰ τὸ τ. τῶν ἑπτὰ ἐτῶν (4 *b*)
18. 10. ἀπὸ τέλους τριῶν ἐτῶν (4 *b*)
19. 23. A εἰς μέρος τέλους αὐ. δρυμοῦ [B *al.*] (4 *b**, 4 *a*)
I Ch. 28. 9. καταλείψει σε εἰς τέλος (6 *g*)
29. 19. τοῦ ἐπὶ τέλος ἀγαγεῖν τὴν κατασκευὴν τοῦ οἴκου σου †
II Ch. 12. 12. καὶ οὐκ εἰς καταφθορὰν εἰς τέλος (6 *c*)
18. 2. κατέβη διὰ τέλους ἐτῶν (4 *a*)
31. 1. κατέσπασαν τὰ ὑψηλὰ . . . ἕως εἰς τέλος (8 *a*)
subscr. B τέλος τῶν παραλειπομένων [A B *al.*]
Ne. 13. 6. B² S μετὰ τέλος [A B τὸ τ. τῶν] ἡμερῶν (4 *a*)
Ju. 7. 30. οὐ γὰρ ἐγκαταλείψει ἡμᾶς εἰς τέλος
14. 13. ἵνα ἐξολεθρευθῶσιν εἰς τέλος
subscr. B τέλος τῆς Ἰ. [A B S *al.*]
Es. 3. 13. ὅπως . . . ἀτάραχα παρέχωσιν ἡμῖν διὰ τέλους τὰ πράγματα
10. 1. A S ἔγραψε δὲ ὁ βασ. τέλη [B *al.*] (2)
subscr. B τέλος τῆς Ἐσθήρ [A B S *al.*]
Jb. 6. 9. εἰς τέλος δὲ μή με ἀνελέτω †
14. 20. ὦσας αὐτὸν εἰς τέλος (6 *f*)
20. 7. τότε εἰς τέλος ἀπολεῖται (6 *f*)
— 28. ἑλκύσαι τὸν οἶκον αὐ. ἀπώλεια εἰς τέλος †
23. 3. καὶ ἕλθοιμι εἰς τέλος †
— 7. ἐξαγάγοι δὲ εἰς τέλος τὸ κρίμα μου (6 *f*)
Ps. 4. *tit.* εἰς τὸ τ. ἐν ψαλμοῖς ᾠδὴ [A τ. ψαλμὸς] τῷ Δαυίδ (6 *e*)
5. *tit.* εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῆς κληρονομούσης (6 *e*)
6. *tit.* εἰς τὸ τ. ἐν ὕμνοις ὑπὲρ τῆς ὀγδόης (6 *e*)
8. *tit.* εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῶν ληνῶν (6 *e*)
9. *tit.* εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῶν κρυφίων τοῦ υἱοῦ (6 *e*)
— 6. τοῦ ἐχθροῦ ἐξέλιπον αἱ ῥομφαῖαι εἰς τέλος (6 *f*)
— 18. A S² οὐκ εἰς τέλος ἐπιλησθήσεται ὁ πτωχὸς ἡ ὑπομονὴ τῶν πενήτων οὐκ ἀπολεῖται εἰς τέλος [B S¹ τὸν αἰῶνα] (6 *f*, 6 *g*)
— 32 (10. 11). τοῦ μὴ βλέπειν εἰς τέλος (6 *f*)
10 (11). *tit.* εἰς τὸ τ. ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (6 *e*)
11 (12). *tit.* εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῆς ὀγδόης (6 *e*)
12 (13). *tit.* εἰς τὸ τ. ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (6 *e*)
— 1. ἕως πότε, κύριε, ἐπιλήσῃ μου εἰς τέλος (6 *d*)
13 (14). *tit.* εἰς τὸ τ. ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (6 *e*)
15 (16). 11. τερπνότητες [A -ότης] ἐν τῇ δεξιᾷ σου εἰς τέλος (6 *d*)
17 (18). *tit.* εἰς τὸ τ. τῷ παιδὶ κυρίου τῷ Δαυίδ (6 *e*)
— 35. ἡ παιδεία σου ἀνώρθωσέ με εἰς τέλος [S¹ *om.* εἰς τ.] –
18 (19). *tit.*: 19 (20). *tit.*: 20 (21). *tit.* εἰς τὸ τ. ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (6 *e*)
21 (22). *tit.* εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῆς ἀναλήψεως τῆς ἑωθινῆς (6 *e*)
29 (30). *tit.* εἰς τὸ τ. [A S *om.* εἰς τὸ τ.] ψαλμὸς ᾠδῆς –
30 (31). *tit.* εἰς τὸ τ. ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (6 *e*)
35 (36). *tit.* εἰς τὸ τ. τῷ δούλῳ κυρίου τῷ Δαυίδ [A *al.*] (6 *e*)
36 (37). *tit.* A εἰς τὸ τ. ψαλμὸς τῷ Δ. [B S *al.*] –
37 (38). 6. κατεκάμφθην ἕως τέλους †
38 (39). *tit.* εἰς τὸ τ. τῷ Ἰδιθούν (6 *e*)
39 (40). *tit.* εἰς τὸ τ. τῷ Δαυὶδ ψαλμός (6 *e*)
40 (41). *tit.* εἰς τὸ τ. ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (6 *e*)
41 (42). *tit.* εἰς τὸ τ. εἰς σύνεσιν (6 *e*)
42 (43). *tit.* A εἰς τὸ τ. συνέσεως τοῖς υἱοῖς Κορέ –
43 (44). *tit.* εἰς τὸ τ. τοῖς υἱοῖς Κορέ (6 *e*)
— 23. μὴ ἀπώσῃ εἰς τέλος (6 *f*)
44 (45). *tit.* εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῶν ἀλλοιωθησομένων τοῖς υἱοῖς Κορέ [A *al.*] (6 *e*)
45 (46). *tit.* εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῶν υἱῶν Κορέ [A S *al.*] (6 *e*)
46 (47). *tit.* εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῶν υἱῶν Κορὲ ψαλμός [A *al.*] (6 *e*)
47 (48). *tit.* A εἰς τὸ τ. ψαλμὸς τῷ Δαυίδ [B S *al.*] †
48 (49). *tit.* εἰς τὸ τ. τοῖς υἱοῖς Κορὲ ψαλμός [A *al.*] (6 *e*)
— 9. ζήσεται εἰς τέλος (6 *f*)
49 (50). *tit.* A εἰς τὸ τ. ψαλμὸς τῷ Δ. [B S *al.*] –
50 (51). *tit.* εἰς τὸ τ. ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (6 *e*)
51 (52). *tit.* εἰς τὸ τ. συνέσεως τῷ Δαυίδ (6 *e*)
— 5. ὁ θεὸς καθελεῖ σε εἰς τέλος (6 *f*)
52 (53). *tit.* εἰς τὸ τ. ὑπὲρ μαελέθ (6 *e*)
53 (54). *tit.*: 54 (55). *tit.* εἰς τὸ τ. ἐν ὕμνοις (6 *e*)
55 (56). *tit.* εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τοῦ λαοῦ τοῦ ἀπὸ τῶν ἁγίων μεμακρυμμένου (6 *e*)
56 (57). *tit.*, 57 (58). *tit.*, 58 (59). *tit.* εἰς τὸ τ. μὴ διαφθείρῃς (6 *e*)
59 (60). *tit.* εἰς τὸ τ. τοῖς ἀλλοιωθησομένοις ἔτι (6 *e*)
Ps. 60 (61). *tit.* εἰς τὸ τ. ἐν ὕμνοις (6 *e*)
61 (62). *tit.* εἰς τὸ τ. ὑπὲρ Ἰδιθούν (6 *e*)
63 (64). *tit.* εἰς τὸ τ. ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (6 *e*)
64 (65). *tit.* εἰς τὸ τ. ψαλμὸς τῷ Δαυὶδ ᾠδή (6 *e*)
65 (66). *tit.* εἰς τὸ τ. ᾠδὴ ψαλμοῦ ἀναστάσεως [S *om.*] (6 *e*)
66 (67). *tit.* εἰς τὸ τ. ἐν ὕμνοις (6 *e*)
67 (68). *tit.* εἰς τὸ τ. τῷ Δαυὶδ ψαλμὸς ᾠδῆς (6 *e*)
— 16. καὶ γὰρ ὁ κ. κατασκηνώσει εἰς τέλος (6 *f*)
68 (69). *tit.* εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῶν ἀλλοιωθησομ. (6 *e*)
69 (70). *tit.* εἰς τὸ τ. τῷ Δαυὶδ εἰς ἀνάμνησιν (6 *e*)
72 (73). 6. S² ἐκράτησεν αὐτοὺς ἡ ὑπερηφανία εἰς τέλος [B S¹ *om.* εἰς τ.] –
73 (74). 1. ἵνα τί ἀπώσω ὁ θεὸς εἰς τέλος (6 *f*)
— 3. ἔπαρον τὰς χεῖράς σου ἐπὶ τὰς ὑπερηφανίας αὐτῶν εἰς τέλος (6 *d*)
— 10. παροξυνεῖ ὁ ὑπεναντίος τὸ ὄνομά σου εἰς τέλος (6 *f*)
— 11. καὶ τὴν δεξιάν σου ἐκ μέσου τοῦ κόλπου σου εἰς τέλος (6 *b*)
— 19. τῶν ψυχῶν τῶν πενήτων σου μὴ ἐπιλάθου εἰς τέλος (6 *f*)
74 (75). *tit.* εἰς τὸ τ. μὴ διαφθείρῃς (6 *e*)
75 (76). *tit.* εἰς τὸ τ. ἐν ὕμνοις (6 *e*)
76 (77). *tit.* εἰς τὸ τ. ὑπὲρ Ἰδιθούν (6 *e*)
— 8. ἢ εἰς τέλος ἀποκόψει τὸ ἔλεος (6 *f*)
78 (79). 5. ἕως πότε, κύριε, ὀργισθήσῃ εἰς τέλος (6 *f*)
79 (80). *tit.* εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῶν ἀλλοιωθησομ. (6 *e*)
80 (81). *tit.* εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῶν ληνῶν [A ἀλλοιωθησομένων] (6 *e*)
83 (84). *tit.* εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῶν ληνῶν (6 *e*)
84 (85). *tit.* εἰς τὸ τ. τοῖς υἱοῖς Κορὲ ψαλμός (6 *e*)
87 (88). *tit.* εἰς τὸ τ. [S *om.* εἰς τὸ τ.] ὑπὲρ μαελὲθ τοῦ ἀποκριθῆναι (6 *e*)
88 (89). 46. ἕως πότε, κύριε, ἀποστρέφεις [R -η, B -ψεις] εἰς τέλος (6 *f*)
102 (103). 9. οὐκ εἰς τέλος ὀργισθήσεται (6 *f*)
108 (109). *tit.* εἰς τὸ τ. ψαλμὸς τῷ Δ. (6 *e*)
138 (139). *tit.* B S εἰς τὸ τ. ψαλμὸς τῷ Δαυίδ [A *al.*] (6 *e*)
139 (140). *tit.* εἰς τὸ τ. τῷ Δαυὶδ ψαλμός (6 *e*)
Ec. 3. 11. ἀπ' ἀρχῆς καὶ μέχρι τέλους (3)
7. 3 (2). τοῦτο τέλος [A τὸ τ.] παντὸς ἀνθρώπου (3)
12. 13. τέλος λόγου τὸ πᾶν ἄκουε (3)
Wi. 3. 19. γενεᾶς γὰρ ἀδίκου χαλεπὰ τὰ τ.
7. 18. ἀρχὴν καὶ τέλος καὶ μεσότητα χρόνων
11. 14. ἐπὶ τέλει τῶν ἐκβάσεων ἐθαύμασαν
14. 14. σύντομον αὐτῶν τέλος [A τὸ τ.] ἐπενοήθη
16. 5. οὐ μέχρι τέλους ἔμεινεν ἡ ὀργή σου
19. 1. τοῖς δὲ ἀσεβέσι μέχρι τέλους ἀνελέημων θυμὸς ἐπέστη
Si. 10. 13. κατέστρεψεν εἰς τέλος αὐτούς
12. 11. οὐκ εἰς τέλος κατίσχε
43. 26. δι' αὐτὸν εὐοδία [A -δοκία] τέλος [S² -ους] αὐτοῦ
Am. 9. 8. οὐκ εἰς τέλος ἐξαρῶ τὸν οἶκον Ἰ. †
Hb. 1. 4. οὐ διεξάγεται εἰς τέλος κρίμα (6 *f*)
3. 13. S² εἰς τέλος [A B S¹ *om.* εἰς τ.] διάψαλμα –
Is. 19. 15. ὃ ποιήσει . . . ἀρχὴν καὶ τ. †
62. 6. οἱ διὰ τέλους οὐ σιωπήσονται (5)
Ba. 3. 17. οὐκ ἔστι τ. τῆς κτήσεως αὐτῶν
Ez. 15. 4. ἐκλείπει εἰς τ. †
— 5. πῦρ αὐτὸ ἀναλώσῃ εἰς τ. †
20. 40. δουλεύσουσί μοι πᾶς οἶκος Ἰσραὴλ εἰς τ. (6 *a*)
22. 30. τοῦ μὴ εἰς τ. ἐξαλεῖψαι αὐτήν –
36. 10. πᾶν οἶκον Ἰσραὴλ εἰς τ. (6 *a*)
Da. LXX. 3. (34). μὴ παραδῷς ἡμᾶς εἰς τέλος
7. 26. καὶ ἀπολέσαι ἕως τέλους (3)
9. 27. ἐν τῷ τ. τῆς ἑβδομάδος ἀρθήσεται ἡ θυσία –
Da. TH. 1. 15. μετὰ τὸ τ. τῶν δέκα ἡμερῶν (4 *c*)
— 18. μετὰ τὸ τ. τῶν ἡμερῶν (4 *c*)
2. 34. καὶ ἐλέπτυνεν αὐτοὺς εἰς τέλος –
3. 19. ἕως οὗ εἰς τέλος ἐκκαῇ –
— (34). μὴ δὴ παραδῷς ἡμᾶς εἰς τέλος
4. 31. μετὰ τὸ τ. τῶν ἡμερῶν (4 *c*)
6. 26 (27). καὶ ἡ κυρεία αὐ. ἕως τέλους (3)
7. 26. τοῦ ἀπολέσαι ἕως τέλους (3)
9. 26. ἕως τέλους πολέμου συντετμημένου (4 *a*)
11. 13. εἰς τὸ τέλος τῶν καιρῶν ἐνιαυτῶν (4 *a*)
Bel *subscr.* A R τέλος Δαν. προφήτου [B Δαν.]
I Ma. 10. 31. αἱ δεκάται καὶ τὰ τ.
11. 35. τὰ ἄλλα . . . τῶν τ. τῶν ἀνηκόντων ἡμῖν
II Ma. 5. 5. καὶ τέλος ἤδη καταλαμβανομένης τῆς πόλεως
— 7. τὸ δὲ τ. τῆς ἐπιβουλῆς αἰσχύνην λαβών

II Ma. 6. 15. πρὸς τέλος ἀφικομένων ἡμῶν τῶν ἁμαρτιῶν
8. 29. εἰς τέλος καταλλαγῆναι τοῖς αὐτοῦ δούλοις
13. 16. τὸ τ. τὴν παρεμβολὴν δέους . . . ἐπλήρωσαν
III Ma. 1. 26. τέλος ἐπιθήσειν δοκῶν τῷ προειρημένῳ
3. 14. ἐπιστρατείας . . . κατὰ λόγον ἐπὶ τέλος ἀχθείσης
4. 14. στρεβλωθέντας δὲ . . . τὸ τ. ἀφανίσαι
— 15. ἀνήνυτον λαμβάνουσα τὸ τ.
5. 19. τὸ προσταγὲν ἐπὶ τέλος ἀγιοχέναι
— 49. εἶναι τὸ τ. τῆς ἀθλιωτάτης προσδοκίας
IV Ma. 12. 4. τῆς μὲν τῶν ἀδ. σου ἀπονοίας τὸ [S¹ om.] τ. ὁρᾶς
[Aq. Ge. 6. 14 (13): Jb. 6. 11: 16. 3: 28. 3: Ec. 4. 8, 16: Is. 9. 7 (6): Je. 42 (49). 7.]
[Sm. Ps. 12 (13). 2: 43 (44). 24: 67 (68). 17: 88 (89). 47: Ec. 4. 16: 7. 9 (8): Is. 19. 15: 25. 8: 33. 20: 57. 16: Am. 1. 11.]
[Th. Jo. 15. 21: Jd. 11. 39: Ps. 11 (12). 1: 73 (74). 1: Is. 28. 28: Da. 1. 15: 9. 26: 11. 13: Am. 1. 11: Mi. 7. 18.]
[Sam. Nu. 31. 26.]
[Al. Jo. 3. 2: Jd. 5. 26: Ps. 9. 19: 47 (48). 11: 48 (49). 20: 66 (67). 8: 97 (98). 3: Da. 11. 13.]
[Sext. Ps. 3. 3: 9. 1: 19 (20). 4: 38 (39). 6: 75 (76). 4, 10: Am. 1. 11.]
[Heb. Ez. 47. 11 (Sw.).]

τελωνεῖσθαι.
I Ma. 13. 39. εἴ τι ἄλλο ἐτελωνεῖτο ἐν Ἱερ. μηκέτι τελωνείσθω

τέμαχος.
[Al. I Ki. 17. 18.]

τέμενος. (1) אוֹב (2) הֵיכָל (3) חֵמֶן
IV Ki. 21. 6. B³ R ἐποίησε τεμένη [A B¹ al.] (1)
Ho. 8. 14. ᾠκοδόμησαν τεμένη (2)
Ez. 6. 4. συντριβήσονται . . . τὰ τ. ὑμῶν (3)
— 6. καὶ ἐξαρθῇ τὰ τ. ὑμῶν (3)
I Ma. 1. 47. οἰκοδομῆσαι . . . τεμένη
5. 43. ἔφυγον εἰς τὸ τ.
— 44. τὸ τ. ἐνεπύρισαν ἐν πυρί
II Ma. 1. 15. R εἰς τὸν περίβολον τοῦ τ. [A -ου]
10. 2. ἔτι δὲ τεμένη καθείλαν
11. 3. καθὼς τὰ λοιπὰ τῶν ἐθνῶν τ.
III Ma. 1. 7. καὶ τοῖς τ. δωρεὰς ἀπονείμας
— 13. αὐτὸν εἰσερχόμενον εἰς πᾶν τ.
[Aq., Th. Is. 27. 9: Ez. 6. 4.]
[Sm. Is. 27. 9.]

τέμνειν. (1) *a.* גָּזַר *b.* גָּזַר ithpe. (2) זָמַר *a.* qal. *b.* ni. (3) רָקַע pi.
Ex. 36. 10 (39. 3). ἐτμήθη τὰ πέταλα τοῦ χρυσίου τρίχες (3)
Le. 25. 3. ἓξ ἔτη τεμεῖς τὴν ἄμπελόν σου (2 *a*)
— 4. τὴν ἄμπελόν σου οὐ τεμεῖς (2 *a*)
IV Ki. 6. 4. ἔτεμνον τὰ ξύλα (1 *a*)
Wi. 5. 12. τμηθεὶς ὁ ἀὴρ εὐθέως εἰς ἑαυτὸν ἀνελύθη
Is. 5. 6. οὐ μὴ τμηθῇ οὐδὲ μὴ σκαφῇ (2 *b*)
Da. LXX. 2. 34. ἐτμήθη λίθος ἐξ ὄρους (1 *b*)
— 45. ἐξ ὄρους τμηθῆναι λίθον (1 *b*)
Da. TH. 2. 34. A ἕως οὗ ἐτμήθη λίθος . . . ἄνευ χειρῶν [B al.] (1 *b*)
— 45. ἀπὸ ὄρους ἐτμήθη λίθος (1 *b*)
IV Ma. 9. 17. τέμνετέ μου τὰ μέλη
10. 19. προκεχάλασται ἡ γλῶσσα τέμνε
[Aq. Da. 9. 26.]
[Sm. Ps. 89 (90). 10: Is. 10. 18: Da. 9. 26.]
[Th. Da. 2. 34†.]
[Al. Ez. 16. 4.]

τενοντοκοπεῖν.
[Aq. Ex. 34. 20.]

τενοντοῦν.
[Aq. Ex. 13. 13: Dt. 21. 4: Is. 66. 3.]

τένων.
IV Ma. 9. 27. ἀπὸ τῶν τ. . . . ἐπισπασάμενοι
[Aq. Dt. 9. 6 (?): I Ki. 4. 18.]
[Sm. Je. 7. 26.]
[Al. Le. 5. 8.]
[Heb. Jb. 16. 12.]

τέρας. (1) מוֹפֵת (2) *a.* פֶּלֶא *b.* פֶּלֶא hi. (3) שַׁמָּה (4) תְּמַהּ
Ex. 4. 21. ὅρα πάντα τὰ τ. (1)
7. 3. πληθυνῶ . . . τὰ τ. [A add. μου] (1)
Ex. 7. 9. ὅτε ἡμῖν . . . τέρας (1)
11. 9. ἵνα πληθύνω πληθύνω μου . . . τὰ τ. (1)
— 10. ἐποίησαν . . . τὰ τ. ταῦτα (1)
15. 11. ποιῶν τέρατα (2 *a*)
De. 4. 34. λαβεῖν ἑαυτῷ ἔθνος . . . ἐν τέρασι (1)
6. 22. ἔδωκε κύριος . . . τ. μεγάλα καὶ πονηρά (1)
7. 19. μνησθήσῃ . . . τὰ τ. (1)
11. 3. οὐδὲ ἴδοσαν . . . τὰ τ. αὐ. †
13. 1 (2). καὶ δῷ σοι σημεῖον ἢ τέρας (1)
— 2 (3). καὶ ἔλθῃ τὸ σημεῖον ἢ τὸ τ. (1)
26. 8. ἐξήγαγεν ἡμᾶς . . . ἐν τέρασι (1)
28. 46. ἔσται ἐν σοὶ σημεῖα καὶ τέρατα (1)
29. 3 (2). τὰ σημεῖα καὶ τὰ τ. τὰ μεγάλα ἐκεῖνα (1)
34. 11. ἐν πᾶσι τοῖς σημείοις καὶ τέρασιν (1)
III Ki. 13. 3. δώσει ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκ. τέρας (1)
— 3. A τοῦτο τ. [B τὸ ῥῆμα] ὃ ἐλάλησε κύριος (1)
— 5. κατὰ τὸ τ. ὃ ἔδωκεν ὁ ἄνθρωπος τοῦ θ. (1)
I Ch. 16. 12. τέρατα καὶ κρίματα τοῦ στόματος αὐ. (1)
II Ch. 32. 31. πυθέσθαι παρ' αὐτοῦ τὸ τ. (1)
Ne. 9. 10. ἔδωκας σημεῖα καὶ τέρατα [A S om. κ. τ.] ἐν Αἰγ. (1)
Es. 10. 3. ἐποίησεν ὁ θεὸς . . . τὰ τ. τὰ μέγαλα
Ps. 45 (46). 8. ἃ ἔθετο τέρατα ἐπὶ τῆς γῆς (3)
70 (71). 7. ὡσεὶ τέρας ἐγενήθην τοῖς πολλοῖς (1)
77 (78). 43. καὶ τὰ τ. αὐτοῦ ἐν πεδίῳ Τάνεως (1)
104 (105). 5. τὰ τ. αὐτοῦ καὶ τὰ κρίματα τοῦ στόματος αὐτοῦ (1)
— 27. καὶ τῶν τ. ἐν γῇ Χάμ (1)
134 (135). 9. ἐξαπέστειλε σημεῖα καὶ τέρατα (1)
Wi. 8. 8. σημεῖα καὶ τέρατα προγινώσκει
10. 16, 19 (S¹). φοβεροῖς ἐν τέρασι καὶ σημείοις
17. 15. τὰ μὲν τέρασιν ἠλαύνοντο φαντασμάτων
19. 8. θεωρήσαντες θαυμαστὰ τέρατα
Si. 45. 19. ἐποίησεν αὐτοῖς [S ἐν αὐ.] τέρατα
48. 14. ἐν ζωῇ αὐτοῦ ἐποίησε τέρατα
Jl. 2. 30 (3. 3). δώσω τέρατα ἐν οὐρανῷ (1)
Is. 8. 18. ἔσται [A S add. εἰς] σημεῖα καὶ τέρατα (1)
20. 3. ἔσται εἰς [A S om.] σημεῖα καὶ τέρατα τοῖς Αἰγυπτίοις (1)
24. 16. τέρατα ἠκούσαμεν †
28. 29. παρὰ κυρίου σαβαὼθ ἐξῆλθε τὰ τ. (2 *b*)
Je. 39 (32). 20. ἐποίησας σημεῖα καὶ τέρατα (1)
— 21. ἐν σημείοις καὶ ἐν τέρασιν (1)
Ba. 2. 11. ἐξήγαγες τὸν λαόν σου . . . ἐν τέρασι
Ez. 12. 6. τ. δέδωκά σε τῷ οἴκῳ Ἰσραήλ (1)
— 11. ἐγὼ τέρατα ποιῶ (1)
24. 24. ἔσται Ἰεζεκιὴλ ὑμῖν εἰς τ. (1)
— 27. ἔσῃ αὐτοῖς εἰς τ. (1)
Da. LXX. 3. 32 (99). τὰ τ. . . . ἤρεσεν ἐναντίον μου ἀναγγεῖλαι ὑμῖν (4)
4. 34. ποιεῖ σημεῖα καὶ τέρατα –
Da. TH. 3. 32 (99). τὰ τ. . . . ἤρεσεν ἐναντίον ἐμοῦ ἀναγγεῖλαι ὑμῖν (4)
6. 27 (28). ποιεῖ σημεῖα καὶ τέρατα (4)
[Aq. Is. 8. 18: Ez. 11. 1 (P.): Za. 3. 8.]
[Sm. Ps. 70 (71). 7: 77 (78). 43: Is. 8. 18: Ez. 11. 1 (P.).]
[Th. Is. 8. 18.]

τεράστιος.
[Sm. Nu. 13. 34 (33): Ps. 25 (26). 7: 39 (40). 6: 76 (77). 12: 87 (88). 11: 97 (98). 1: 106 (107). 8: 118 (119). 18.]

τερατεύεσθαι.
III Ma. 1. 14. κακῶς αὐτὸ τοῦτο τερατεύεσθαι

τερατοποιός.
II Ma. 15. 21. ἐπεκαλέσατο τὸν τ. κύριον
III Ma. 6. 32. τὸν . . . τ. αἰνοῦντες θεόν

τερατοσκόπος. (1) יִדְּעֹנִי (2) מוֹפֵת
De. 18. 11. ἐγγαστρίμυθος καὶ τερατοσκόπος (1)
Za. 3. 9 (8). ἄνδρες τ. εἰσί (2)

τερατώδης.
Wi. 17. 9. S¹ εἰ μηδὲν αὐτοὺς τερατῶδες [A B S² ταραχῶδες] ἐφόβει

τεραφείν.
[Aq. Ez. 21. 21 (26) (P.).]

τερέβινθος, τερέμινθος, τέρμινθος. (1) *a.* אַיִל *b.* אֵלָה *c.* אֵלָה (2) בָּטְנָה
Ge. 14. 6. ἕως τῆς τ. τῆς Φ. (1 *a*)
43. 11. καταγάγετε . . . τερέμινθον καὶ κάρυα (2)
Jo. 17. 9. τερέμινθος [A ἡ τερέβ.] τῷ Ἐφρ. †
Jo. 24. 26. ἔστησεν αὐτὸν Ἰ. ὑπὸ τὴν τ. (1 *b*)
Jd. 6. 11. ἐκάθισεν ὑπὸ τὴν τ. [A al.] (1 *c*)
— 19. ἐξήνεγκεν αὐτὰ . . . ὑπὸ τὴν τ. [A δρῦν] (1 *c*)
Si. 24. 16. A S ὡς τερέβινθος [B -μινθος] ἐξέτεινα κλάδους μου
Is. 1. 30. ὡς τ. ἀποβεβληκυῖα τὰ φύλλα (1 *c*)
6. 13. πάλιν ἔσται εἰς προνομὴν ὡς τ. (1 *c*)
[Aq. I Ki. 21. 9 (10): Ez. 6. 13: Ho. 4. 13.]

τέρετρον. (1) מַקְדֵּחַ
Is. 44. 12. ἐν τερέτρῳ ἔστησεν [A ἔτρησεν] αὐτό (1)
[Sm. Is. 44. 12.]

τέρμα. (1) εἶναι τ. חָקַר ni. (2) קֶצֶב
III Ki. 7. 37. A μέτρον ἓν τέρμα ἓν [B om. τ. ἓν] πάσαις (2)
— 47. οὐκ ἦν τέρμα τῶν σταθμῶν (1)
Wi. 12. 27. τὸ τ. τῆς καταδίκης ἐπ' αὐτοὺς ἐπῆλθε

τέρπειν. (1) עָלַז (2) רָנַן *a.* qal. *b.* hi. *c.* רִנָּנָה (3) שִׂישׂ (4) שָׂמַח pi.
Jb. 39. 13. πτέρυξ τερπομένων νεέλασσα (2 *c*)
Ps. 34 (35). 9. τερφθήσεται ἐπὶ τῷ σωτηρίῳ αὐτοῦ (3)
64 (65). 8. ἐξόδους πρωΐας καὶ ἑσπέρας τέρψεις (2 *b*)
67 (68). 3. τερφθήτωσαν ἐν εὐφροσύνῃ (3)
118 (119). 14. ἐν τῇ ὁδῷ τῶν μαρτυρίων σου ἐτέρφθην (3)
Pr. 27. 9. θυμιάμασι τέρπεται καρδία (4)
Wi. 1. 13. οὐδὲ τέρπεται ἐπ' ἀπωλείᾳ ζώντων
13. 3. ὧν εἰ μὲν τῇ καλλονῇ τερπόμενοι θεοὺς ὑπελάμβανον
Si. 1. 12. φόβος κυρίου τέρψει καρδίαν
26. 13. χάρις γυναικὸς τέρψει τὸν ἄνδρα αὐτῆς
Ze. 3. 14. S¹ τέρπου [A B S² κατατ.] ἐξ ὅλης τῆς καρδίας σου (1)
Za. 2. 10 (14). τέρπου καὶ εὐφραίνου (2 *a*)
II Ma. 15. 39. τὸ τῆς κατασκευῆς τοῦ λόγου τέρπει τὰς ἀκοάς
[Sm. Ge. 4. 4: Ps. 118 (119). 143.]
[Th. Is. 54. 1.]

τερπνός. (1) נָעִים
Ps. 80 (81). 2. ψαλτήριον τερπνὸν μετὰ κιθάρας (1)
132 (133). 1. ἰδοὺ δὴ τί καλὸν ἢ τί τερπνόν (1)
[Sext. Ca. 1. 16.]

τερπνότης. (1) *a.* נָעִים *b.* נֹעַם
Ps. 15 (16). 11. τερπνότητες [A S⁴ -ότης] ἐν τῇ δεξιᾷ σου εἰς τέλος (1 *a*)
26 (27). 4. τοῦ θεωρεῖν με τὴν τ. κυρίου (1 *b*)
[Th. Ps. 118 (119). 143.]
[Al. Ps. 140 (141). 4.]

τέρψις. (1) רִנָּה
III Ki. 8. 28. A B ἀκούειν τῆς τ. [R al.] (1)
Wi. 8. 18. ἐν φιλίᾳ αὐτῆς τέρψις ἀγαθή
— 18. S¹ ἐν πόνοις χειρῶν αὐτῆς τέρψις [A B S² πλοῦτος] ἀνεκλιπής
Ze. 3. 17. εὐφρανθήσεται ἐπὶ σὲ ἐν τέρψει (1)
I Ma. 3. 45. ἐξήρθη τέρψις ἐξ Ἰ.
III Ma. 4. 6. ἀντὶ τέρψεως μεταλαβοῦσαι γόους

τεσσαράκοντα (-ερ.)
Ge. 5. 13: 7. 4 *bis*, 12 *bis*, 17 *bis*: 8. 6: 18. 28 *bis*, 29 *bis*: 25. 20: 26. 34: 32. 15 (16): 47. 28: 50. 3.
Ex. 16. 35: 24. 18 *bis*: 26. 19, 21: 34. 28 *bis*.
Le. 25. 8.
Nu. 1. 21, 33, 25, 41: 2. 11, 15, 19, 28: 13. 26 (25): 14. 33, 34 *bis*: 26. 7, 18, 47, 50†: 32. 13: 35. 6, 7.
De. 2. 7: 8. 4: 9. 9 *bis*, 11 *bis*, 18 *bis*, 25 *bis*: 10. 10 *bis*: 25. 3: 29. 5 (4).
Jo. 5. 5: 14. 7: 21. 39.
Jd. 3. 11†: 5. 8, 32 (31): 8. 28: 12. 6, 13 (14): 13. 1.
I Ki. 17. 16†.
II Ki. 2. 10: 5. 4: 10. 18: 15. 7.
III Ki. 2. 11: 3. 1 (B), 4, 26 [5. 6] (A): 6. 2†, 17: 7. 38, 45, 3: 10. 26†: 11. 42: 14. 21: 15. 10: 19. 8 *bis*.
IV Ki. 2. 24: 8. 9, 17†: 10. 14: 12. 1 (2): 14. 23.
I Ch. 5. 18: 12. 36: 19. 18: 29. 27.
II Ch. 9. 30: 12. 13: 24. 1.
I Es. 5. 12†, 12, 14†, 18†, 19†, 22, 25, 27†, 42, 43.
II Es. 2. 8, 10, 24†, 25, 34, 38, 41†, 66.

Ne. 5. 15 : 7. 13, 15, 28, 29†, 36, 41, 44, 62, 67, 68† : 9. 21 : 11. 13.
To. 1. 21†.
Ju. 1. 4.
Jb. 42. 16.
Ps. 94 (95). 10.
Am. 2. 10 : 5. 25.
Ez. 4. 6 : 29. 11, 12†, 13 : 41. 2, 4 : 46. 22.
Da. LXX. 3. (47).
Da. TH. 3. (47) : 12. 11† : Bel 3.
I Ma. 3. 39 : 12. 41.
II Ma. 5. 2 : 10. 33† : 12. 9.
III Ma. 4. 15 : 6. 38.
[Aq., Sm. I Ki. 4. 18 : III Ki. 6. 17 : 7. 38 (24) : Ps. 94 (95). 10 : Jn. 3. 4.]
[Th. I Ki. 4. 18 : III Ki. 6. 17 : Je. 52. 30 : Da. 14. 2 : Jn. 3. 4.]
[Al. Jd. 5. 8.]

τεσσαρακονταδύο, *vid. sub* τεσσαράκοντα *et* δύο.

τεσσαρακονταεννέα, *vid. sub* τεσσαράκοντα *et* ἐννέα.

τεσσαρακονταεπτά, *vid. sub* τεσσαράκοντα *et* ἑπτά.

τεσσαρακονταοκτώ, *vid. sub* τεσσαράκοντα *et* ὀκτώ.

τεσσαρακονταπέντε, *vid. sub* τεσσαράκοντα *et* πέντε.

τεσσαρακοντατρεῖς, *vid. sub* τεσσαράκοντα *et* τρεῖς.

τεσσαρακοστός. (1) אַרְבָּעִים
Nu. 33. 38. ἐν τῷ τ. ἔτει τῆς ἐξόδου τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1)
De. 1. 3. ἐν τῷ τ. ἔτει (1)
Jo. 14. 10. τοῦτο τ. καὶ πέμπτον ἔτος (1)
III Ki. 6. 1. ἐν τῷ τ. καὶ τετρακοσιοστῷ ἔτει †
I Ch. 26. 31. ἐν τῷ τ. ἔτει τῆς βασ. αὐ. (1)
II Ch. 16. 13. A ἐν τῷ τ. καὶ ἑνὶ ἔτει τῆς βασ. αὐ. [B *al.*] (1)
I Ma. 1. 20. ἐν τῷ ἑκατοστῷ καὶ τ. καὶ τρίτῳ ἔτει
— 54. τῷ πέμπτῳ καὶ τ. . . . ἔτει
2. 70. ἐν τῷ ἕκτῳ καὶ τ. καὶ ἑκατοστῷ ἔτει
3. 37. ἔτους ἑβδόμου καὶ τ. καὶ ἑκατοστοῦ
4. 52. ὁ μὴν Χ. τοῦ ὀγδόου καὶ τ. καὶ ἑκατοστοῦ ἔτους
6. 16. ἔτους ἐνάτου καὶ τ. καὶ ἑκατοστοῦ
II Ma. 11. 21, 33, 38. ἔτους ἑκατοστοῦ τ. ὀγδόου
13. 1. τῷ δὲ ἐνάτῳ καὶ τ. καὶ ἑκατοστῷ ἔτει

τέσσαρες (-ερ.). * ἐπὶ τέσσαρα.
Ge. 2. 10 : 11. 16 : 14. 9 : 31. 41 : 47. 24.
Ex. 22. 1 (21. 37) : 25. 11 (12) *bis*, 25 (26), 25 (26)†, 25 (26), 33 (34), 34 (35)†, 34 (35) : 26. 2†, 8, 32 *bis* : 27. 2, 4 *bis*, 16 *bis* : 37. 2 (36. 9), 4 (36. 36) *bis*, 17 (38. 19) *bis* : 38 (37). 3, 3† : 38. 10 (37. 13), 24 (5) *bis*.
Le. 11. 20*, 21*, 23, 27*, 42*† : 27. 5†.
Nu. 1. 27, 29 : 2. 4, 6 : 7. 7, 8, 88 : 16. 49 (17. 14) : 25. 9 : 26. 25, 18†, 43 : 29. 13, 15, 17, 20, 23, 26, 29, 32.
De. 3. 11 : 22. 12.
Jo. 15. 36 : 19. 7 : 21. 18, 22, 24, 29, 31, 35†, 36, 37.
Jd. 9. 34 (τέτρασιν†) : 11. 40 : 20. 47†.
I Ki. 4. 2 : 17. 4† : 27. 7.
II Ki. 21. 20, 22.
III Ki. 7. 15 *bis*, 19, 27, 30 *bis*, 32†, 34 *bis*, 35†, 38† : 8. 65† : 10. 26† : 15. 33 : 18. 33 (34).
IV Ki. 6. 25† : 7. 3.
I Ch. 3. 5 : 5. 18 : 7. 1, 7 : 9. 24, 26 : 20. 6, 8 : 21. 20 : 23. 4, 5, 5†, 10, 12 : 25. 5 : 26. 17, 17†, 18 *ter* : 27. 1, 2, 4, 5, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15.
II Ch. 9. 25 : 13. 21.
I Es. 5. 12†, 14, 26, 41.
II Es. 2. 7, 15, 31, 40, 64, 65†.
Ne. 7. 12, 20†, 23, 34†, 43, 66 : 11. 18.
To. 2. 10† : 8. 19† *bis*, 20† *bis* : 9. 2†, 5† : 10. 7.
Ju. 7. 20 : 8. 4.
Jb. 1. 19.
Pr. 24. 59 (30. 24).
Si. 37. 18.
Am. 1. 3, 6, 9, 11, 13 : 2. 1, 4, 6.
Za. 1. 18 (2. 1), 20 (2. 3), 21 (2. 4) : 2. 6 (10) : 6. 1, 5.
Is. 11. 12 : 17. 6.
Je. 15. 3 : 25. 15 (49. 36) *bis* : 43 (36). 23 : 52. 21.
Ez. 1. 5, 6 *bis*, 8, 9, 10 *ter*, 11, 15, 16†, 17, 18 : 7. 2 : 10. 9, 10, 11, 12, 14†, 21 : 14. 21 : 37. 9 : 40. 41 *bis*, 42, 47, 48 : 41. 5 : 42. 20 : 43. 14, 15, 16, 17 *ter*, 20 *bis* : 45. 19 : 46. 21, 22 *bis*, 23 : 48. 16 *bis*.
Da. LXX. Su. 30 : 3. 25 (92) : 7. 2, 3, 6 *bis*, 17 : 8. 8 *bis*, 22 *bis* : 11. 4 : Bel 2.
Da. TH. 1. 17 : 3. 25 (92) : 7. 2, 3, 6 *bis*, 17 *bis* : 8. 8 *bis*, 22 *bis* : 11. 4.
I Ma. 11. 57 : 13. 28†.
II Ma. 5. 14 : 10. 33†.
IV Ma. 1. 18†.
[Aq. Ex. 28. 17 : III Ki. 8. 65 : Je. 15. 3 : Ez. 10. 21 *bis* : 37. 9 : 42. 20.]
[Sm. Ex. 28. 17 : Pr. 30. 21.]
[Th. Ex. 25. 25 (26) : 28. 17 : 37. 13 (38. 11) *ter* : Jd. 9. 34 : Ez. 10. 14, 21 *bis*.]

τεσσαρεσκαίδεκα, *vid. sub* τέσσαρες *et* δέκα.

τεσσαρεσκαιδέκατος (-ισκ.). (1) אַרְבַּע עֶשְׂרֵה, אַרְבָּעָה עָשָׂר
Ge. 14. 5. ἐν δὲ τῷ τ. ἔτει (1)
Ex. 12. 6. ἕως τῆς τ. τοῦ μηνὸς τούτου (1)
— 18. τῇ τ. ἡμέρᾳ τοῦ μηνὸς τοῦ πρώτου (1)
Le. 23. 5. ἐν τῇ τ. ἡμέρᾳ τοῦ μηνός (1)
Nu. 9. 3. τῇ τ. ἡμέρᾳ τοῦ μηνὸς τοῦ πρώτου (1)
— 5. τῇ τ. ἡμέρᾳ τοῦ μηνός (1)
— 11. ἐν τῇ τ. ἡμέρᾳ (1)
28. 16. τ. ἡμέρᾳ τοῦ μηνός (1)
Jo. 5. 9 (10). τῇ [A *om.*] τ. ἡμέρᾳ τοῦ μηνός (1)
IV Ki. 18. 13. τῷ τ. ἔτει τοῦ βασ. Ἐζ. (1)
25. 1. A τεσσαρεσκαιδεκάτῃ τοῦ μηνός †
I Ch. 24. 13. τῷ Ἰ. ὁ τ. (1)
25. 21. ὁ τ. Ματταθίας (1)
II Ch. 30. 15. τῇ τ. τοῦ μηνὸς τοῦ δευτέρου (1)
35. 1. τῇ τ. τοῦ μηνὸς τοῦ πρώτου (1)
I Es. 1. 1. τῇ τ. ἡμέρᾳ τοῦ μηνὸς τοῦ πρώτου
7. 10. ἐν τῇ τ. τοῦ πρώτου μηνός
II Es. 6. 19. τῇ τ. τοῦ μηνὸς τοῦ πρώτου (1)
Es. 3. 7. ἔπεσεν ὁ κλῆρος εἰς τὴν τ. τοῦ μηνός –
— 13. τῇ τ. τοῦ δωδεκάτου μηνὸς Ἀ.
9. 1. S[1] τεσσαρεσκαιδεκάτῃ [A B S[2] τρισκαιδ.] τοῦ μηνός †
— 15. τῇ τ. [S[2] τρισκαιδ.] τοῦ Ἀ. (1)
— 16. A τῇ τ. [B S τρισκαιδ.] τοῦ Ἀ. –
— 16. S[1] καὶ τεσσαρεσκαιδεκάτῃ –
— 17. τῇ τ. τοῦ αὐτοῦ μηνός †
— 17. A τῇ τ. τοῦ αὐτοῦ μηνός (1)
— 18. καὶ τῇ τ. (1)
— 19. ἄγουσι τὴν τ. τοῦ Ἀ. (1)
— 21. ἄγειν τε τὴν τ. [S[1] τῇ τ.] . . . τοῦ Ἀ. (1)
10. 3. τῇ τ. . . . τοῦ αὐτοῦ μηνός
Is. 36. 1. τοῦ τ. ἔτους βασιλεύοντος Ἐζεκίου (1)
Ez. 40. 1. ἐν τῷ τ. ἔτει (1)
45. 21. τεσσαρεσκαιδεκάτῃ τοῦ μηνός (1)
III Ma. 6. 40. μέχρι τῆς τ.

τεταγμένως.
I Ma. 6. 40. ἤρχοντο ἀσφαλῶς καὶ τ.

τεταρταῖος. (1) רְבִיעִי
II Ki. 3. 4. A καὶ ὁ τ. [B -τος] Ὁ. υἱὸς Φ. (1)

τέταρτος. (1) אַרְבַּע, אַרְבָּעָה (2) *a.* רְבִיעִי *b.* רֶבַע *c.* רְבַע *d.* רֹבַע (3) τ. γενεά רְבַע
Ge. 1. 19. καὶ ἐγένετο . . . ἡμέρα τετάρτη (2 *a*)
2. 14. ὁ δὲ ποταμὸς ὁ τ. οὗτος Εὐφράτης (2 *a*)
15. 16. R τ. δὲ γενεᾷ ἀποστραφήσονται ὧδε (2 *a*)
Ex. 20. 5. ἕως τρίτης καὶ τ. γενεᾶς [A *al.*] (3)
28. 20. καὶ ὁ στίχος ὁ τ. (2 *a*)
29. 40. τῷ τ. [A τοῦ τ.] τοῦ εἵν (2 *b*)
— 40. καὶ σπονδὴν τὸ τ. τοῦ εἵν (2 *a*)
34. 7. ἐπὶ τρίτην καὶ τ. γενεάν (3)
36. 20 (39. 13). ὁ στίχος ὁ τ. (2 *a*)
Le. 19. 24. τῷ ἔτει τῷ τ. ἔσται πᾶς ὁ καρπὸς αὐ. (2 *a*)
23. 13. σπονδὴν αὐ. τὸ τ. τοῦ ἵν οἴνου (2 *a*)
Nu. 7. 30. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τ. (2 *a*)
10. 6. σαλπιεῖτε σημασίαν τ. –
Nu. 14. 18. B ἕως τρίτης καὶ τετάρτης [A R *add.* γενεᾶς] (2 *c* [3])
15. 4. ἐν ἐλαίῳ ἐν τετάρτῳ τοῦ ἵν [A *al.*] (2 *a*)
— 5. τὸ τ. τοῦ ἵν ποιήσετε (2 *a*)
28. 5. ἐν ἐλαίῳ ἐν τετάρτῳ τοῦ ἵν (2 *a*)
— 7. καὶ σπονδὴν αὐ. τὸ τ. τοῦ ἵν (2 *a*)
— 14. καὶ τὸ τ. τοῦ ἵν ἔσται τῷ ἀμνῷ τῷ ἑνί (2 *a*)
29. 23. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τ. (2 *a*)
De. 5. 9. ἐπὶ τρίτην καὶ τ. γενεάν (3)
Jo. 15. 7. ἐπὶ τὸ τ. τῆς φάραγγος Ἀ. †
19. 17. τῷ Ἰσσ. ἐξῆλθεν ὁ κλῆρος ὁ τ. (2 *a*)
Jd. 14. 15. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ τ. †
19. 5. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τ. (2 *a*)
I Ki. 9. 8. εὕρηται . . . τέταρτον σίκλου ἀργυρίου (2 *b*)
II Ki. 3. 4. καὶ ὁ τ. [A -ταῖος] Ὁ. υἱὸς Φ. (2 *a*)
III Ki. 6. 1. τῷ ἔτει τῷ τ. (2 *a*)
— 1 (37). ἐν τῷ ἔτει τῷ τ. (2 *a*)
15. 8. B ἐν τῷ εἰκοστῷ καὶ τ. ἔτει τοῦ Ἱερ. –
— 9. B ἐν τῷ ἐνιαυτῷ τῷ τ. καὶ εἰκοστῷ [AR. *al.*] †
22. 41. ἔτει τ. τῷ Ἀχ. ἐβασίλευσεν (1)
IV Ki. 6. 25. τέταρτον τοῦ κάβου κόπρου περιστερῶν [A *al.*] (2 *d*)
10. 30 : 15. 12. υἱοὶ τ. καθήσονταί σοι (2 *a*)
18. 9. ἐν τῷ ἔτει τῷ τ. βασιλεῖ Ἐζ. (2 *a*)
I Ch. 2. 14. Ναθ. ὁ τ. (2 *a*)
3. 2. ὁ τ. Ἀδ. υἱὸς Ἀ. (2 *a*)
— 15. ὁ τ. Σαλούμ (2 *a*)
8. 2. Βεν. ἐγέννησε . . . Νωὰ τὸν τ. (2 *a*)
12. 10. Μασ. ὁ τ. (2 *a*)
23. 19. Ἰ. ὁ τ. (2 *a*)
24. 8. τῷ Σ. ὁ τ. (2 *a*)
— 18. A R τῷ Μ. ὁ τ. καὶ εἰκοστός (1)
— 23. Ἰ. ὁ τ. (2 *a*)
25. 11. ὁ τ. Ἰεσδρεί (2 *a*)
— 31. ὁ εἰκοστὸς τ. Ῥομ. (1)
26. 2. A R Ἰ. ὁ τ. [B *al.*] (2 *a*)
— 4. A R Σ. ὁ τ. [B *al.*] (2 *a*)
— 11. A R Ζαχ. ὁ τ. [B *al.*] (2 *a*)
27. 7. ὁ τ. εἰς τὸν μῆνα τὸν τ. (2 *a*, 2 *a*)
II Ch. 3. 2. ἐν τῷ ἔτει τῷ τ. τῆς βασ. αὐ. (1)
20. 26. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τ. (2 *a*)
I Es. 8. 62. A R τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ τ.
II Es. 8. 33. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τ. (2 *a*)
Ne. 9. 1. ἐν ἡμέρᾳ εἰκοστῇ καὶ τ. [S τ. κ. εἰκάδι] τοῦ μηνός (1)
Ju. 12. 10. A B ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ τ.
Es. 10. 3. ἔτους τ. βασιλεύοντος Πτολεμαίου
Jb. 42. 16. εἶδεν Ἰὼβ . . . τετάρτην γενεάν (1)
Pr. 24. 50 (30. 15). ἡ τ. οὐκ ἠρκέσθη εἰπεῖν (1)
— 53 (30. 18). τὸ τ. οὐκ ἐπιγινώσκω (1)
— 56 (30. 21). τὸ δὲ τ. οὐ δύναται φέρειν (1)
— 64 (30. 29). τέταρτον [A S τὸ τ.] ὃ καλῶς διαβαίνει (1)
Si. 26. 5. ἐπὶ τῷ τ. προσώπῳ ἐδεήθην [S[1] ἐδόθην, A S[2] ἐφοβήθην]
Za. 6. 3. ἐν τῷ ἅρματι τῷ τ. ἵπποι ποικίλοι ψαροί (2 *a*)
7. 1. ἐν τῷ τ. ἔτει (1)
Je. 25. 1. A B S[2] ἐν τῷ ἔτει τῷ τ. τοῦ Ἰωακείμ (2 *a*)
26 (46). 2. ἐν τῷ ἔτει τῷ τ. Ἰωακείμ (2 *a*)
28 (51). 59. ἐν τῷ ἔτει τῷ τ. [A τῷ τ. ἔ.] τῆς βασιλείας αὐτοῦ (2 *a*)
35 (28). 1. ἐν τῷ τ. ἔτει [A *add.* βασιλεύοντος] Σεδεκία (2 *a*)
43 (36). 1. ἐν τῷ ἐνιαυτῷ τῷ τ. Ἰωακείμ (2 *a*)
46 (39). 2. ἐν τῷ μηνὶ τῷ τ. (2 *a*)
51. 31 (45. 1). ἐν τῷ ἐνιαυτῷ τῷ τ. Ἰωακείμ (2 *a*)
Ez. 1. 1. ἐν τῷ [B[1] *om.* ἐν τῷ] τ. μηνί (2 *a*)
5. 2. τὸ τ. ἐν πυρὶ ἀνακαύσεις †
— 2. λήψῃ τὸ τ. . . . τὸ τ. κατακόψεις . . . τὸ τ. διασκορπιεῖς τῷ πνεύματι †, –, †
— 12. τὸ τ. σου ἐν θανάτῳ ἀναλωθήσεται καὶ τὸ τ. σου ἐν λιμῷ συντελεσθήσεται . . . καὶ τὸ τ. σου εἰς πάντα ἄνεμον σκορπιῶ αὐτοὺς καὶ τὸ τ. σου ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται †, –, †, †
10. 14. A τὸ τ. πρόσωπον ἀετοῦ (2 *a*)
Da. LXX. 2. 40. καὶ βασιλεία τ. ἰσχυρὰ ὡς ὁ σίδηρος (2 *a*)
3. 25 (92). ἡ ὅρασις τοῦ τ. ὁμοίωμα ἀγγέλου θεοῦ (2 *a*)
7. 7. ἐθεώρουν . . . θηρίον τ. φοβερόν (2 *a*)
— 19. ἐξακριβάσασθαι περὶ τοῦ θηρίου τοῦ τ. (2 *a*)
— 23. ἐρρέθη μοι περὶ τοῦ θηρίου τοῦ τ. (2 *a*)
— 23. βασιλεία τ. ἔσται ἐπὶ τῆς γῆς (2 *a*)

Da. LXX. 10. 4. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τ. καὶ εἰκάδι (1)
11. 2. ὁ τ. πλουτήσει πλοῦτον μέγαν (2 a)
Da. TH. 2. 40. βασιλεία τ. ἔσται ἰσχυρά (2 a)
3. 25 (92). ἡ ὅρασις τοῦ τ. ὁμοία υἱῷ θεοῦ (2 a)
7. 7. ἰδοὺ θηρίον τ. φοβερόν (2 a)
— 19. ἐζήτουν ἀκριβῶς περὶ τοῦ θηρίου τοῦ τ. (2 a)
— 23. τὸ θηρίον τὸ τ. βασιλεία τ. ἔσται (2 a, 2 a)
10. 4. ἐν ἡμέρᾳ εἰκοστῇ καὶ τ. τοῦ μηνὸς τοῦ πρώτου (1)
11. 2. ὁ τ. πλουτήσει πλοῦτον μέγαν (2 a)
I Ma. 15. 10. ἔτους τ. καὶ ἑβδομηκοστοῦ καὶ ἑκατοστοῦ
II Ma. 7. 13. τὸν τ. ὡσαύτως ἐβασάνιζον
11. 21. B Διὸς Κορινθίου εἰκοστῇ τετάρτῃ [A al.]
III Ma. 6. 38. ἕως τῆς τ. τοῦ Ἐπιφί
IV Ma. tit. Μακκαβαίων τέταρτος
10. 12. τὸν τ. ἐπεσπῶντο
[Aq. Ez. 5. 12 (P.): Za. 8. 19.]
[Sm. Za. 8. 19.]
[Th. Ez. 5. 12: 10. 14: Da. 3. 25 (92): Za. 8. 19.]

τετράγωνος. (1) רָבַע a. qal. b. pu. c. רְבִיעִי
Ge. 6. 14. κιβωτὸν ἐκ ξύλων τ. †
Ex. 27. 1. τ. ἔσται τὸ θυσιαστήριον (1 a)
28. 16. ποιήσεις αὐτὸ τ. (1 a)
30. 2. τετράγωνον ἔσται (1 a)
36. 16 (39. 9). τετράγωνον διπλοῦν ἐποίησαν τὸ λογεῖον (1 a)
III Ki. 7. 31. καὶ διάπηγα αὐ. τετράγωνα (1 b)
— 5. καὶ αἱ χῶραι τετράγωνοι μεμελαθρωμέναι (1 a)
Ez. 41. 21. τὸ ἅγιον καὶ ὁ ναὸς ἀναπτυσσόμενος [A -ενα] τετράγωνα (1 a)
43. 16. τὸ ἀριὴλ . . . τετράγωνον ἐπὶ τὰ τέσσαρα μέρη αὐτοῦ (1 a)
— 17. A τὸ εὖρος τετράγωνον [B om.] –
45. 2. πεντακόσιοι ἐπὶ πεντακοσίους τετράγωνον (1 b)
48. 20. τετράγωνον ἀφοριεῖτε αὐτοῦ τὴν ἀπαρχήν (1 c)
I Ma. 10. 11. οἰκοδομεῖν τὰ τείχη . . . ἐκ λίθων τ. [S¹ -πόδων, S³ -πέδων]

τετράδραχμον.
Jb. 42. 11. τετράδραχμον χρυσοῦ καὶ ἀσήμου [A S χρυσοῦν ἄσημον] †

τετραίνειν. (1) נָקַב (2) רָנַן
IV Ki. 12. 9 (10). ἔτρησε τρώγλην ἐν τῇ τρώγλῃ αὐ. (1)
18. 21. καὶ τρήσει [A τρυγήσει] αὐτήν (1)
Jb. 40. 19 (24). ἐνσκολιευόμενος τρήσει ῥῖνα (1)
Pr. 23. 27. πίθος γὰρ τετρημένος ἐστὶν ἀλλότριος οἶκος †
Is. 35. 6. S¹ τρανήσεται γλῶσσα μογιλάλων [A B S² al.] (2)
36. 6. R τρήσει αὐτήν (1)
44. 12. A S³ ἐν τερέτρῳ ἔτρησεν [BS¹ ἔστησεν] αὐτό †
[Th. Jb. 40. 19 (24), 21 (26): Is. 36. 6.]

τετρακισμύριοι.
Jo. 4. 13.

τετρακισχίλιοι.
Nu. 26. 18†.
I Ch. 12. 26.
Jb. 42. 12.
Ez. 48. 16 bis, 30, 32, 33, 34.
II Ma. 8. 20: 13. 15†.
[Th. Je. 52. 30.]
[Al. Jo. 4. 13.]

τετρακόσιοι.
Ge. 11. 13: 15. 13: 23. 15, 16: 32. 6 (7): 33. 1.
Ex. 12. 40, 41: 39. 7 (38. 29)† bis.
Nu. 1. 29, 31†, 37, 43: 2. 6, 8, 9, 16, 21†, 23, 30†: 7. 85: 26. 25†, 47†, 43†.
Jd. 20. 2, 17: 21. 12.
I Ki. 15. 4†: 22. 2: 23. 13: 25. 13: 27. 2†: 30. 9†, 10, 17.
III Ki. 7. 42: 9. 28†: 18. 19†, 19 bis, 22, 22†: 22. 6.
IV Ki. 14. 13: 15. 25.
I Ch. 21. 5†.
II Ch. 1. 14: 4. 13: 8. 18: 13. 3: 18. 5: 25. 23†.
I Es. 2. 13, 14: 5. 9†, 14, 15, 20, 28†, 43: 7. 7.
II Es. 1. 10†, 11: 2. 4†, 15, 28†, 67: 6. 17.
Ne. 7. 69†: 11. 6.
Da. TH. 8. 14†.
II Ma. 3. 11: 12. 33.
[Aq. III Ki. 18. 19.]
[Th. II Ki. 24. 9: Da. 8. 14†.]
[Al. Nu. 26. 50.]

τετρακοσιοστός. (1) אַרְבַּע מֵאוֹת
III Ki. 6. 1. ἐν τῷ τεσσερακοστῷ καὶ τ. ἔτει (1)

τετραμερής.
II Ma. 8. 21. τετραμερές τι ἐποίησε τὸ στράτευμα

τετραμερῶς.
[Sm. Ez. 1. 8.]

τετράμηνον. (1) אַרְבָּעָה חֳדָשִׁים
Jd. 19. 2. A ἐγένετο ἐκεῖ ἡμέρας τετράμηνον [B al.] (1)
20. 47. A ἐκάθισαν ἐν τῇ πέτρᾳ Ῥ. τετράμηνον [B al.] (1)

τετράπεδος. (1) מַחְצֵב
II Ch. 34. 11. ἀγόρασαι λίθους τ. [A -πόδους] (1)
Je. 52. 4. B² S R περιωκοδόμησαν αὐτὴν τετραπέδοις [A B¹ -πόδοις] †
I Ma. 10. 11. S³ οἰκοδομεῖν τὰ τείχη . . . ἐκ λίθων τ. [S¹ -πόδων, A R -γώνων]

τετραπλάσιος.
[Aq., Th. II Ki. 12. 6.]

τετραπλασίως.
[Sm. II Ki. 12. 6.]

τετραπλῶς.
III Ki. 6. 31 (33). στοαὶ τ. †

τετράποδος, *vid. sub* τετράπεδος.

τετράπους. (1) בְּהֵמָה (2) חַיָּה
Ge. 1. 24. ἐξαγαγέτω ἡ γῆ . . . τετράποδα (1)
34. 23. τὰ τ. αὐ. οὐχ ἡμῶν ἔσται (1)
Ex. 8. 16 (12). ἔσονται σκνῖφες . . . ἐν τοῖς τ. –
— 17 (13). ἐν τοῖς ἀνθρώποις καὶ ἐν τοῖς τ. (1)
— 18 (14). ἐγένοντο οἱ σκνῖφες . . . ἐν τοῖς τ. (1)
9. 9. ἔσται . . . ἐπὶ τὰ τ. ἕλκη (1)
— 9. ἕν τε τοῖς ἀνθρώποις καὶ ἐν τοῖς τ. –
— 10. A² B ἐν τοῖς ἀνθρώποις καὶ ἐν τοῖς τ. (1)
Le. 7. 11 (21). ἢ ἀπὸ ἀκαθαρσίας ἀνθρώπου ἢ τῶν τ. τῶν ἀκαθάρτων (1)
18. 23. πρὸς πᾶν τ. οὐ δώσεις τὴν κοίτην σου (1)
— 23. γυνὴ οὐ στήσεται πρὸς πᾶν τ. (1)
20. 15. ὃς ἂν δῷ κοιτασίαν αὐ. ἐν τετράποδι (1)
— 15. τὸ τ. ἀποκτενεῖτε (1)
27. 27. ἐὰν δὲ τῶν τ. τῶν ἀκαθάρτων (1)
Nu. 35. 3. B καὶ πᾶσι τοῖς τ. αὐ. (2)
Jb. 12. 7. ἐρώτησον τετράποδα ἐάν σοι εἴπωσι (1)
18. 3. διὰ τί δὲ ὥσπερ τετράποδα σεσιωπήκαμεν (1)
35. 11. ὁ διορίζων με ἀπὸ τετραπόδων γῆς (1)
40. 15 (20). ἐποίησε χαρμονὴν τετράποσιν ἐν τῷ ταρτάρῳ (2)
41. 16 (17). φόβος θηρίοις τετράποσιν ἐπὶ γῆς ἀλλομένοις †
Is. 30. 6. ἡ ὅρασις τῶν τ. τῶν ἐν τῇ ἐρήμῳ (1)
40. 16. πάντα τὰ τ. οὐχ ἱκανὰ εἰς ὁλοκάρπωσιν (2)
Ba. 3. 32. ἐνέπλησεν αὐτὴν κτηνῶν τετραπόδων
Da. LXX. 3. (81). εὐλογεῖτε, τετράποδα . . . τὸν κ.
IV Ma. 1. 34. ἐνύδρων ἐπιθυμοῦντες . . . καὶ τετραπόδων

τετραπρόσωπος.
[Sm. Ez. 1. 15.]
[Al. Ez. 1. 17.]

τετράς. (1) אַרְבָּעָה (2) רְבִיעִי
Ps. 93 (94). tit. ψαλμὸς [A ψ. ᾠδῆς] τῷ Δαυὶδ τετράδι σαββάτου –
Hg. 2. 1 (1. 15). τῇ τ. καὶ εἰκάδι τοῦ μηνὸς τοῦ ἕκτου (1)
— 11 (10). τετράδι καὶ εἰκάδι τοῦ ἐνάτου μηνός (1)
— 19 (18). ἀπὸ τῆς τ. καὶ εἰκάδος τοῦ ἐνάτου μηνός (1)
— 21 (20). τετράδι καὶ εἰκάδι τοῦ μηνός (1)
Za. 1. 7. τῇ τ. καὶ εἰκάδι τῷ ἑνδεκάτῳ μηνί (1)
7. 1. τετράδι [A τῇ τ. καὶ εἰκάδι] τοῦ μηνὸς τοῦ ἐνάτου (1)
8. 19. νηστεία ἡ τ. καὶ νηστεία ἡ πέμπτη (2)
Je. 52. 31. ἐν τῇ τ. καὶ εἰκάδι τοῦ μηνός †
II Ma. 11. 21. Διὸς Κορινθίου τετράδι καὶ εἰκάδι

τετράστιχος. (1) אַרְבָּעָה טוּרִים
Ex. 28. 17: 36. 17 (39. 10). ὕφασμα κατάλιθον τ. (1)
Wi. 18. 24. πατέρων δόξαι ἐπὶ τετραστίχου λίθου [A -ων] γλυφῆς [S¹ -ῇ]

τέττιξ.
[Sm. Je. 8. 7.]

τεῦχος.
[Sm. Ps. 39 (40). 8: Is. 8. 1: Ez. 2. 9.]

τέφρα.
To. 6. 16. A B λήψῃ τέφραν θυμιαμάτων
— 16. S ἐπίθες ἐπὶ τὴν τ. τῶν θυμιαμάτων
8. 2. A B ἔλαβε τὴν τ. τῶν θυμιαμάτων
— 2. S καὶ ἐπέθηκεν ἐπὶ τὴν τ. τοῦ θυμιάματος
Wi. 2. 3. οὗ σβεσθέντος τέφρα ἀποβήσεται τὸ σῶμα
Da. TH. Bel 14. ἤνεγκαν τέφραν
[Th. Da. 14. 13.]

τεχνάζεσθαι. (1) מָשַׁל hi.
Is. 46. 5. τεχνάσασθε οἱ πλανώμενοι (1)

τεχνᾶσθαι.
Wi. 13. 11. τεχνησάμενος εὐπρεπῶς [S εὐτρ.] κατεσκεύασε χρήσιμον σκεῦος

τέχνη. (1) חָכְמָה (2) מַעֲשֶׂה (3) עֲבוֹדָה
Ex. 28. 11. ἔργον λιθουργικῆς τ. †
30. 25. μύρον μυρεψικὸν τέχνῃ μυρεψοῦ (2)
III Ki. 7. 14. καὶ πεπληρωμένος τῆς τ. (1)
I Ch. 28. 21. πᾶς πρόθυμος ἐν σοφίᾳ κατὰ πᾶσαν τ. (3)
Wi. 13. 10. χρυσὸν καὶ ἄργυρον τέχνης ἐμμελέτημα [S² -ματα]
14. 4. ἵνα κἂν ἄνευ τέχνης τις ἐπιβῇ
— 19. ἐξεβιάσατο τῇ τ. τὴν ὁμοιότητα ἐπὶ τὸ κάλλιον
17. 7. μαγικῆς δὲ ἐμπαίγματα κατέκειτο τέχνης
Si. 38. 34. ἡ δέησις αὐτῶν ἐν ἐργασίᾳ τέχνης
Da. LXX. 1. 17. φρόνησιν ἐν πάσῃ γραμματικῇ τ. (1)
[Sm. Ec. 9. 11.]
[Al. Ex. 32. 4.]

τέχνημα.
[Al. Le. 8. 7.]

τεχνίτης. (1) אָמָן (2) חֹצֵב (3) חָרָשׁ
De. 27. 15. ἔργον χειρῶν τεχνιτῶν [A -ου] (3)
IV Ki. 12. 12 (13). A ἐξέδοσαν . . . τοῖς τ. [B om. τ. τ.] (2 ?)
I Ch. 22. 15. τεχνῖται καὶ οἰκοδόμοι λίθων (2)
29. 5. διὰ χειρὸς τεχνιτῶν (3)
Ca. 7. 1 (2). ἔργον [A ἔργῳ χειρῶν] τεχνίτου (1)
Wi. 8. 6. A R τίς αὐτῆς τῶν ὄντων μᾶλλόν ἐστι τεχνίτης [B S -ῖτις]
13. 1. οὔτε . . . ἐπέγνωσαν τὸν τ.
14. 2. R τεχνίτης [A B S -ῖτις] δὲ σοφίᾳ κατεσκεύασεν
— 18. ἡ τοῦ τ. προετρέψατο φιλοτιμία
Si. 9. 17. ἐν χειρὶ τεχνιτῶν ἔργον ἐπαινεσθήσεται
45. 11. κεκλωσμένῃ κόκκῳ ἔργῳ τεχνίτου
Je. 10. 9. ἔργα τεχνιτῶν πάντα (3)
24. 1. μετὰ τὸ ἀποικίσαι Ναβ. . . . τοὺς τ. (3)
36 (29). 2. ἐξελθόντος . . . δεσμώτου καὶ τεχνίτου (3)
Ep. Je. 45. ὃ βούλονται οἱ τ. αὐτὰ γενέσθαι [A om. οἱ τ. αὐ. γ.]
[Aq. Ho. 8. 6.]

τεχνῖτις.
Wi. 7. 22. ἡ γὰρ πάντων τ ἐδίδαξέ με σοφία
8. 6. B S τίς αὐτῆς τῶν ὄντων μᾶλλόν ἐστι τεχνῖτις [A R -ίτης]
14. 2. τεχνῖτις δὲ σοφία κατεσκεύασεν

τηγανίζειν.
II Ma. 7. 5. αὐτὸν . . . ἐκέλευσε . . . τηγανίζειν

τήγανον. (1) a. מַחֲבַת b. מַחֲבַתַּיִם (2) מַשְׂרֵת (3) λάγανον ἀπὸ τηγάνου אֲשִׁישָׁה
Le. 2. 5. ἐὰν δὲ θυσία ἀπὸ τηγάνου τὸ δῶρόν σου (1 b)
6. 21 (14). B ἐπὶ τηγάνου ἐν ἐλαίῳ ποιηθήσεται (1 b)
— 39 (7. 9). ἥτις ποιηθήσεται . . . ἐπὶ τηγάνου (1 b)
II Ki. 6. 19. διεμέρισε . . . ἑκάστῳ . . . λάγανον ἀπὸ τηγάνου (3)

II Ki. 13. 9. ἔλαβε τὸ τ. (2)
I Ch. 9. 31. ἐπὶ τὰ ἔργα τῆς θυσίας τοῦ τ. τοῦ μεγάλου ἱερέως (1 a)
23. 29. εἰς τήγανον καὶ εἰς τὴν πεφυραμένην (1 b)
Ez. 4. 3. λάβε σεαυτῷ τ. σιδηροῦν (1 b)
II Ma. 7. 3. προσέταξε τήγανα καὶ λέβητας ἐκπυροῦν
— 5. τῆς δὲ ἀτμίδος ἐφ' ἱκανὸν διδούσης τοῦ τ.
IV Ma. 8. 13. ὡς δὲ . . . τήγανα . . . προέθεσαν
12. 10. δραμὼν ἐπὶ πλησίον τῶν τ.
— 20. ἑαυτὸν ἔρριψε κατὰ τῶν τ.

τήκειν. (1) בָּקַע hithp. (2) דָּאַבוֹן (3) זָרַב pu. (4) כָּלָה a. qal. b. pi. (5) מוּג a. ni. b. hithp. (6) מָזֶה (7) מָסָה hi. (8) a. מָסַס ni. b. תָּמֵס (9) מָקַק a. ni. b. hi. (10) נָזַל (11) נָתַךְ ni. (12) שָׁחַח (13) תָּמַס hi.

Ex. 15. 15. ἐτάκησαν πάντες οἱ κατοικοῦντες Χ. (5 a)
16. 21. ἡνίκα δὲ διεθέρμαινεν ὁ ἥλιος ἐτήκετο (8 a)
Le. 26. 39. ἐν τῇ γῇ τῶν ἐχθρῶν αὐ. τακήσονται (9 a)
De. 28. 65. δώσει σοι κύριος . . . τηκομένην ψυχήν (2)
32. 24. τηκόμενοι λιμῷ (6)
Jo. 5. 1. ἐτάκησαν [A κατετ.] αὐτῶν αἱ διάνοιαι (8 a)
Jd. 15. 14. ἐτάκησαν δεσμοὶ αὐ. ἀπὸ χειρῶν αὐ. [A al.] (8 a)
II Ki. 17. 10. οὗ ἡ καρδία . . . τηκομένη τακήσεται (8 a, 8 a)
Ju. 7. 14. τακήσονται ἐν τῷ λιμῷ
16. 15. ὡς κηρὸς τακήσονται [A -σεται]
Jb. 6. 17. καθὼς τακεῖσα [A τακεὶς] θέρμης γενομένης (3)
7. 5. τήκω δὲ βώλακας γῆς ἀπὸ ἰχῶρος ξύων [A ξέων] †
11. 20. ὀφθαλμοὶ δὲ ἀσεβῶν τακήσονται (4 a)
17. 5. A B S² ὀφθαλμοὶ δὲ ἐφ' υἱοῖς ἐτάκησαν (4 a)
31. 16. A χήρας δὲ τὸν ὀφθαλμὸν οὐκ ἔτηξα [B S ἐξέτ.] (4 b)
38. 30. A S πρόσωπον δὲ ἀσεβοῦς τίς ἔτηξεν [B ἔπτηξε] †
42. 6. ἐφαύλισα ἐμαυτὸν καὶ ἐτάκην –
Ps. 21 (22). 14. ἐγενήθη ἡ καρδία μου ὡσεὶ κηρὸς τηκόμενος (8 a)
57 (58). 8. ὡσεὶ κηρὸς ὁ [S² om.] τακείς (8 b)
67 (68). 2. ὡς τήκεται κηρὸς ἀπὸ προσώπου πυρός (8 a)
74 (75). 3. ἐτάκη ἡ γῆ (5 a)
96 (97). 5. τὰ ὄρη ὡσεὶ κηρὸς ἐτάκησαν (8 a)
106 (107). 26. ἡ ψυχὴ αὐτῶν ἐν κακοῖς ἐτήκετο (5 b)
111 (112). 10. τοὺς ὀδόντας αὐτοῦ βρύξει καὶ τακήσεται (8 a)
147. 7 (18). καὶ τήξει αὐτά (7)
Wi. 1. 16. φίλον ἡγησάμενοι αὐτὸν ἐτάκησαν
6. 23. οὔτε μὴν φθόνῳ τετηκότι συνοδεύσω
16. 22. χιὼν δὲ καὶ κρύσταλλος . . . οὐκ ἐτήκετο
— 27. ὑπὸ βραχείας ἀκτῖνος ἡλίου θερμαινόμενον ἐτήκετο
— 29. ἀχαρίστου γὰρ ἐλπὶς ὡς χειμέριος [A S -ρινὴ] πάχνη τακήσεται
Si. 38. 28. A S ἀτμὶς πυρὸς τήξει [B πήξει] σάρκας αὐτοῦ
Mi. 1. 4. αἱ κοιλάδες τακήσονται (1)
Na. 1. 6. ὁ θυμὸς αὐ. τήκει ἀρχάς (11)
Hb. 3. 6. S¹ ἐτάκη [A B S³ διετ.] ἔθνη †
— 6. ἐτάκησαν βουνοὶ αἰώνιοι πορείας αἰωνίας αὐ. (12)
Za. 14. 12. τακήσονται αἱ σάρκες αὐ. (9 b)
— 12. ἡ γλῶσσα αὐ. τακήσεται ἐν τῷ στόματι αὐ. (9 a)
Is. 24. 23. τακήσεται ἡ πλίνθος †
34. 4. B τακήσονται πᾶσαι αἱ δυνάμεις τῶν οὐρ. (9 a)
64. 1 (63. 19). καὶ τακήσονται (10)
— 1. ὡς κηρὸς ἀπὸ προσώπου [B S² om.] πυρὸς τήκεται †
Je. 6. 29. πονηρία αὐτῶν οὐκ ἐτάκη †
Ez. 4. 17. A B¹ τακήσονται [B² B ἐντ.] ἐν ταῖς ἀδικίαις αὐτῶν (9 a)
24. 10. ὅπως τακῇ [A ἐκτ.] τὰ κρέα (13)
— 11. καὶ τακῇ ἐν μέσῳ ἀκαθαρσίας αὐτῆς [A al.] (11)
33. 10. ἐν αὐταῖς ἡμεῖς τηκόμεθα (9 a)
Ma. 4. 32. τῆξον θράσος ἰσχύος αὐ.
III Ma. 6. 8. τόν τε . . . ἐν γαστρὶ κήτους Ἰ. τηκόμενον ἀφιδῶν
IV Ma. 5. 30. A S¹ καὶ τὰ σπλάγχνα μου τήξεις [R -ῃς, S² -ειας]
15. 15. τὰς σάρκας τῶν τέκνων ἑώρα περὶ τὸ πῦρ τηκομένας
[Aq. Le. 26. 39 bis: Jo. 2. 9: I Ki. 15. 9: Ps. 57 (58). 9: Is. 19. 1: 34. 3, 4: Ez. 21. 7 (12).]
[Sm. Le. 26. 39 bis: Jo. 2. 9: Is. 19. 1: 34. 4: 64. 2 (1): Ez. 24. 11 (P.).]
[Th. Le. 26. 39 bis: Jo. 2. 9: Ps. 57 (58). 9: Is. 19. 1: 34. 3, 4: 64. 2 (1): Ez. 24. 11 (P.): Am. 7. 7 bis.]

τηκτός.
Wi. 19. 21. οὐδὲ τηκτὸν εὔτηκτον κρυσταλλοειδὲς γένος ἀμβροσίας τροφῆς

τηλαύγημα. (1) בַּהֲרֶת
Le. 13. 23. ἐὰν δὲ κατὰ χώραν μείνῃ τὸ τ. (1)
[Sm. Le. 13. 28.]

τηλαυγής. (1) a. בָּהִיר b. בַּהֶרֶת (2) בַּר
Le. 13. 2. οὐλὴ σημασίας [A -α] τηλαυγής (1 b)
— 4. ἐὰν δὲ τηλαυγὴς λευκὴ ᾖ (1 b)
— 19. καὶ γένηται . . . τηλαυγὴς λευκαίνουσα (1 b)
— 24. τὸ ὑγιασθὲν τοῦ κατακαύματος αὐγάζον τ. λευκόν (1 b)
Jb. 37. 21. τηλαυγές ἐστιν ἐν τοῖς παλαιώμασιν (1 a)
Ps. 18 (19). 8. ἡ ἐντολὴ κυρίου τηλαυγὴς φωτίζουσα ὀφθαλμούς (2)
[Aq. Le. 13. 4: Jb. 37. 21.]

τηλαύγησις. (1) נְגַהּ
Ps. 17 (18). 12. ἀπὸ τῆς τ. ἐνώπιον αὐτοῦ αἱ νεφέλαι διῆλθον (1)

τηλικοῦτος.
II Ma. 12. 3. τηλικοῦτο συνετελέσαν τὸ δυσσέβημα
III Ma. 3. 9. μὴ γὰρ οὕτω παροραθήσεσθαι τ. σύστεμα
IV Ma. 16. 4. κατέσβεσε τοσαῦτα καὶ τηλικαῦτα πάθη

τημελεῖν.
[Sm. Ps. 30 (31). 4: Is. 40. 11.]

τηνικαῦτα.
IV Ma. 2. 22†.

τηρεῖν. (1) נָטַר (2) נָצַר (3) צָפַן (4) קוּם hi. (5) שָׁכַח aph. (6) שָׁמַע (7) שָׁמַר

Ge. 3. 15. αὐτός σου τηρήσει κεφαλήν †
— 15. σὺ τηρήσεις αὐτοῦ πτέρναν †
I Ki. 15. 11. τοὺς λόγους μου οὐκ ἐτήρησε [A ἔστησεν] (4)
I Es. 4. 11. τηροῦσι κύκλῳ περὶ αὐτόν
II Es. 8. 29. ἀγρυπνεῖτε καὶ τηρεῖτε (7)
To. 14. 9. τήρησον τὸν νόμον [S al.]
Ju. 12. 16. A B ἐτήρει καιρὸν τοῦ ἀπατῆσαι αὐτήν
Pr. 2. 11. ἔννοια δὲ ὁσία τηρήσει σε (2)
3. 1. τὰ δὲ ῥήματά μου τηρείτω σὴ καρδία (2)
— 21. τήρησον δὲ ἐμὴν βουλὴν καὶ ἔννοιαν (2)
4. 6. ἐράσθητι αὐτῆς καὶ τηρήσει σε (2)
— 23. πάσῃ φυλακῇ τήρει σὴν καρδίαν (2)
7. 5. ἵνα σε τηρήσῃ ἀπὸ γυναικὸς ἀλλοτρίας (7)
8. 34. τηρῶν σταθμοὺς ἐμῶν εἰσόδων (7)
13. 3. ὃς φυλάσσει τὸ ἑαυτοῦ στόμα τηρεῖ τὴν ἑαυτοῦ ψυχήν (7)
16. 3 (15. 32). ὁ δὲ τηρῶν ἐλέγχους ἀγαπᾷ ψυχὴν αὐτοῦ (6)
— 17. ὃς φυλάσσει τὰς ἑαυτοῦ ὁδοὺς τηρεῖ τὴν ἑαυτοῦ ψυχήν (7)
19. 16. ὃς φυλάσσει ἐντολὴν τηρεῖ τὴν ἑαυτοῦ ψυχήν (7)
23. 18. ἐὰν γὰρ τηρήσῃς αὐτά –
— 26. οἱ δὲ σοὶ ὀφθ. ἐμὰς ὁδοὺς τηρείτωσαν (†*, 2)
24. 70 (31. 2). τί, τέκνον, τηρήσεις [S² om.] –
25. 10. ἃς τήρησον σεαυτῷ –
Ec. 11. 4. τηρῶν ἄνεμον οὐ σπείρει (7)
Ca. 3. 3. εὕροσάν με οἱ τηροῦντες (7)
7. 13 (14). πάντα ἀκρόδρυα . . . ἀδελφιδέ μου, ἐτήρησά σοι (3)
8. 11. ἔδωκε τὸν ἀμπελῶνα αὐτοῦ τοῖς τηροῦσιν (1)
— 12. οἱ διακόσιοι [S δισχίλιοι] τοῖς τηροῦσι τὸν καρπὸν αὐτοῦ (1)
Wi. 10. 5. ἐτήρησεν αὐτὸν ἄμεμπτον θεῷ
Si. 6. 26. A S ἐν ὅλῃ δυνάμει σου τήρησον [B συντήρ.] τὰς ὁδοὺς αὐτῆς
29. 1. ὁ ἐπισχύων τῇ χειρὶ αὐτοῦ τηρεῖ [A ποιεῖ] ἐντολάς
38. 34. B κτίσμα αἰῶνος τηρήσουσιν [A S R al.]
Je. 20. 10. τηρήσατε τὴν ἐπίνοιαν αὐτοῦ (7)
Da. LXX. 6. 11 (12). ἐτήρησαν τὸν Δαν. (5)
9. 4. τηρῶν τὴν διαθήκην . . . τοῖς ἀγαπῶσί σε (7)
I Ma. 4. 61. ἀπέταξαν ἐκεῖ δύναμιν τηρεῖν αὐτό
— 61. ἀχύρωσαν αὐτὸ τηρεῖν τὴν B.
6. 50. ἐπέταξεν ἐκεῖ φρουρὰν τηρεῖν αὐτήν
II Ma. 14. 29. εὔκαιρον ἐτήρει στρατηγήματι
[Sm. Le. 13. 26: I Ki. 9. 24.]
[Th. Pr. 16. 17.]
[Al. Le. 19. 18: Nu. 23. 9: Pr. 3. 26.]

τηρεύς.
[Al. Le. 11. 17.]

τήρησις.
Wi. 6. 18. ἀγάπη δὲ τήρησις [S -εις] νόμων αὐτῆς
Si. 35 (32). 23. τοῦτό ἐστι τήρησις ἐντολῶν [A -ῆς]
I Ma. 5. 18. κατέλιπεν Ἰώσ. . . . εἰς τήρησιν
II Ma. 3. 40. τὰ μὲν κατὰ Ἡλ. καὶ τὴν τοῦ γαζοφυλακίου τ.
III Ma. 5. 44. διέτασσον τὰς δυνάμεις . . . πρὸς τὴν τ.

τιάρα. (1) כַּרְבְּלָא (2) סָרַח
Ez. 23. 15. A τιάραι βαπταὶ [B παραβαπτὰ καὶ] ἐπὶ τῶν κεφαλῶν αὐτῶν (2)
Da. LXX. 3. 21. ἔχοντες . . . τὰς τ. αὐ. ἐπὶ τῶν κεφαλῶν αὐ. (1)
Da. TH. 3. 21. σὺν τοῖς σαραβάροις αὐ. καὶ τιάραις (1)
[Sm. II Ki. 6. 14.]

τίειν. (1) שׁוּב hi. (2) שָׁלַם pi. (3) ζημίαν τίειν עָנַשׁ ni.

Pr. 20. 22. τίσομαι τὸν ἐχθρόν (2)
24. 22. ἐξαίφνης γὰρ τίσονται τοὺς ἀσεβεῖς †
— 44 (29). τίσομαι δὲ αὐτὸν ἅ με ἠδίκησεν (1)
27. 12. ἄφρονες δὲ ἐπελθόντες ζημίαν τίσουσιν (3)
[Sm. I Ki. 18. 25.]

τιθασός.
[Sm. Je. 11. 19.]

τιθέναι. (1) אָסַף (2) בּוֹא hi. (3) יָצַג hi. (4) יָצַק hi. (5) יָשַׁם (6) יָשַׁב hi. (7) כּוּן hi. (8) כָּרַת (9) מוּר hi. (10) נָגַע hi. (11) נוּחַ a. hi. b. hoph. (12) נָחַה hi. (13) a. נָחַת pi. b. נָחַת aph. (14) נָפַל hi. (15) נָשָׂא (16) נָתַן (17) סָבַב hi. (18) עָלָה hi. (19) עָשָׂה (20) פָּקַד hi. (21) צִוָּה pi. (22) קוּם a. qal. b. hi. (23) רוּם hi. (24) רָמָה peil. (25) שִׂים, שׁוּם a. qal. b. pe. (26) שָׁוָה pi. (27) שִׁית (28) שָׁמַר (29) שָׁתַת (30) תָּקַע (31) ἀσεβῆ τ. רָשַׁע hi. (32) ἀσφαλῆ τ. עָזַן (33) τ. γέφυραν קוּר (34) ζήτημα τ. דָּרַשׁ ni. (35) καθαρὸν τ. כּוּן hi. (36) πρόσκομμα τ. קוֹשׁ (37) סָבַל poal.

Ge. 1. 17. ἔθετο αὐτοὺς ὁ θ. ἐν τῷ στερεώματι (16)
2. 8. ἔθετο ἐκεῖ τὸν ἄνθρωπον (25 a)
— 15. ἔθετο αὐτὸν ἐν τῷ παραδείσῳ (11 a)
3. 15. ἔχθραν θήσω ἀνὰ μέσον σοῦ (27)
4. 15. ἔθετο κ. ὁ θεὸς σημεῖον τῷ Κ. (25 a)
9. 13. τὸ τόξον μου τίθημι ἐν τῇ νεφέλῃ (16)
15. 10. ἔθηκεν αὐτὰ ἀντιπρόσωπα ἀλλήλοις (16)
17. 2. θήσομαι τὴν διαθήκην μου ἀνὰ μέσον ἐμοῦ (16)
— 5. πατέρα πολλῶν ἐθνῶν τέθεικά σε (16)
— 6. θήσω σε εἰς ἔθνη (16)
24. 2. θὲς τὴν χεῖρά σου ὑπὸ τὸν μηρόν σου (25 a)
— 9. ἔθηκεν ὁ παῖς τὴν χεῖρα αὐ. (25 a)
28. 11. R καὶ ἔθηκε [A ἐπέθ.] πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (25 a)

Ge. 28. 18. A ὃν ἔθηκεν [R ὑπέθ.] ἐκεῖ πρὸς κεφαλῆς αὐ. (25 a)
30. 41. ἔθηκεν Ἰ. τὰς ῥάβδους ἐναντίον τῶν προβάτων (25 a)
— 42. οὐκ ἐτίθει (25 a)
31. 37. θὲς ὧδε ἐναντίον τῶν ἀδελφῶν σου (25 a)
32. 12 (13). θήσω τὸ σπέρμα σου ὡς τὴν ἄμμον (25 a)
33. 2. R ἔθετο [A ἐποίησεν] τὰς δύο παιδίσκας . . . ἐν πρώτοις (25 a)
40. 3. ἔθετο αὐτοὺς ἐν φυλακῇ (16)
41. 10. ἔθετο ἡμᾶς ἐν φυλακῇ (16)
— 48. ἔθηκε τὰ βρώματα ἐν ταῖς πόλεσι (16)
— 48. βρώματα τῶν πεδίων . . . ἔθηκεν ἐν αὐτῇ (16)
42. 17. ἔθετο αὐτοὺς ἐν φυλακῇ (1)
— 30. ἔθετο ἡμᾶς ἐν φυλακῇ (16)
47. 26. ἔθετο αὐτοῖς Ἰ. εἰς πρόσταγμα (25 a)
48. 20. ἔθηκε τὸν Ἐφρ. ἔμπροσθεν τοῦ Μ. (25 a)
50. 26. καὶ ἔθηκαν [A add. αὐτὸν] ἐν τῇ σορῷ (5)
Ex. 2. 3. ἔθηκεν αὐτὴν εἰς τὸ ἕλος (25 a)
12. 7. καὶ θήσουσιν ἐπὶ τῶν δύο σταθμῶν (16)
15. 25. ἐκεῖ ἔθετο αὐτῷ δικαιώματα (25 a)
23. 18. A² οὐ θήσεις [A¹ θυμιάσεις, B θύσεις] ἐπὶ ζύμῃ †
— 31. θήσω τὰ ὅριά σου (27)
26. 33. θήσεις τὸ καταπέτασμα ἐπὶ τῶν στύλων (16)
— 35. θήσεις τὴν τράπεζαν ἔξωθεν τοῦ καταπετάσματος (25 a)
— 35. A B² R τὴν τράπεζαν θήσεις [B¹ ἐπιθ.] ἐπὶ μέρους τῆς σκηνῆς (16)
28. 12. A R θήσεις τοὺς δύο λίθους (25 a)
— 24. θήσεις ἐπὶ τὸ λογεῖον τῆς κρίσεως (16)
29. 6. θήσεις [A B² ἐπιθ.] τὴν μίτραν ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ. (25 a)
— 12. A² B καὶ θήσεις ἐπὶ τῶν κεράτων (16)
30. 6. θήσεις αὐτὸ ἀπέναντι τοῦ καταπετάσματος (16)
— 18. θήσεις αὐτὸν ἀνὰ μέσον τῆς σκ. (16)
— 36. θήσεις ἀπέναντι τῶν μαρτυρίων (16)
32. 27. θέσθε ἕκαστος τὴν ἑαυ. ῥομφαίαν (25 a)
33. 22. θήσω σε εἰς ὀπὴν τῆς πέτρας (25 a)
34. 10. τίθημί σοι διαθήκην (8)
— 12, 15. μή ποτε θῇς [A διαθῇ] διαθήκην (8)
— 26. τὰ πρωτογεννήμ. τῆς γῆς σου θήσεις [A εἰσοίσεις] εἰς τὸν οἶκον (2)
— 27. τέθειμαί [B² τίθεμαί] σοι διαθήκην (8)
40. 3. A R θήσεις τὴν κιβωτὸν τοῦ μαρτυρίου (25 a)
— 5. θήσεις τὸ θυσιαστήριον τὸ χρυσοῦν (16)
— 5. A θήσεις τὸ κάλυμμα τοῦ καταπετάσματος [B al.] (25 a)
— 6. τὸ θυσιαστ. τῶν καρπωμάτων θήσεις (16)
— 21. A¹ ἔθηκε [A² B ἐπέθ.] τὸ κατακάλυμμα (25 a)
— 22. A B² ἔθηκε [B¹ R ἐπέθ.] τὴν τράπεζαν (16)
— 24. ἔθηκε τὴν λυχνίαν εἰς τὴν σκηνήν (25 a)
— 26. ἔθηκε τὸ θυσιαστ. τὸ χρυσοῦν (25 a)
— 29. τὸ θυσιαστ. τῶν καρπωμάτων ἔθηκε (25 a)
Le. 10. 1. A ἔθηκαν [B ἐπέθ.] ἐπ' αὐτὸ πῦρ (16)
17. 5. A θύουσι [B θύσ.] θυσίαν σωτηρίου †
26. 11. θήσω τὴν διαθήκην μου ἐν ὑμῖν (16)
— 19. θήσω τὸν οὐρανὸν ὑμῖν σιδηροῦν (16)
— 30. θήσω τὰ κῶλα ὑ. ἐπὶ τὰ κῶλα τῶν εἰδώλων ὑ. (16)
— 31. θήσω τὰς πόλεις ὑμῶν ἐρήμους (16)
Nu. 17. 4 (19). θήσεις αὐτὰς ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μαρτυρίου (11 a)
24. 21. ἐὰν θῇς ἐν πέτρᾳ τὴν νοσσιάν σου (25 a)
— 23. ὅταν θῇ [B¹ ἔλθῃ] ταῦτα ὁ θ. (25 a)
De. 14. 28. θήσεις αὐτὸ ἐν ταῖς πόλεσί σου (11 a)
26. 4. θήσει αὐτὸν ἀπέναντι τοῦ θυσιαστηρίου (11 a)
27. 15. θήσει αὐτὸ ἐν ἀποκρύφῳ (25 a)
31. 26. θήσετε αὐτὸ ἐκ πλαγίων τῆς κιβωτοῦ (25 a)
Jo. 2. 18. θήσουσι τὸ σημεῖον –
4. 3. θέτε [A θήσετε] αὐτοὺς ἐν τῇ στρατοπεδείᾳ ὑμῶν (11 a)
— 18. ἔθηκαν τοὺς πόδας ἐπὶ τῆς γῆς †
7. 23. ἔθηκαν αὐτὰ ἔναντι κυρίου (4)
8. 28. χῶμα ἀοίκητον εἰς τὸν αἰῶνα ἔθηκεν αὐτήν (25 a)
21. 40. ἔθηκεν [A -αν] αὐτὰς ἐν Θ. –
22. 25. ὅρια ἔθηκε κύριος (16)
24. 30. ἐκεῖ ἔθηκαν μετ' αὐτοῦ εἰς τὸ μνῆμα –
Jd. 1. 28. A ἔθετο [B ἐποίησε] τὸν Χαν. εἰς φόρον (25 a)
4. 21. ἔθηκε τὴν σφῦραν ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (25 a)
— 21. A ἔθηκεν τὸν πάσσαλον ἐν τῇ γνάθῳ αὐ. [B al.] (30)
Jd. 6. 18. καὶ θήσω ἐνώπιόν σου (11 a)
— 19. τὰ κρέα ἔθηκεν ἐν τῷ κοφίνῳ [A al.] (25 a)
— 20. θὲς πρὸς τὴν πέτραν ἐκείνην (11 a)
— 37. τίθημι τὸν πόκον τοῦ ἐρίου ἐν τῇ ἅλωνι [A al.] (3)
7. 22. ἔθηκε [A ἔθετο] κ. τὴν ῥομφαίαν ἀνδρὸς ἐν τῷ πλησίον αὐτοῦ (25 a)
8. 31. ἔθηκε τὸ ὄνομα αὐ. Ἀβ. [A al.] (25 a)
— 33. ἔθηκαν ἑαυτοῖς τῷ B. διαθήκην [A al.] (25 a)
9. 24. τοῦ θεῖναι ἐπὶ Ἀβ. τὸν ἀδ. αὐ. [A al.] (25 a)
— 25. ἔθηκαν αὐτῷ οἱ ἄνδρες Σικ. ἐνεδρεύοντας [A al.] (25 a)
— 48. καὶ ἔθηκεν ἐπ' ὤμων αὐ. [A al.] (25 a)
11. 11. ἔθηκαν αὐτὸν ὁ λαὸς ἐπ' αὐτοὺς εἰς κεφαλήν (25 a)
12. 3. ἔθηκα [A ἐθέμην] τὴν ψυχήν μου ἐν χειρί μου (25 a, 5*)
15. 4. ἔθηκε λαμπάδα μίαν ἀνὰ μέσον τῶν δύο κέρκων (25 a)
16. 3. καὶ ἔθηκεν ἐπὶ ὤμων αὐ. [A al.] (25 a)
— 3. καὶ ἔθηκεν αὐτὰ ἐκεῖ –
18. 21. ἔθηκαν τὰ τέκνα . . . ἔμπροσθεν αὐτῶν [A al.] (25 a)
— 31. ἔθηκαν [A ἔταξαν] ἑαυτοῖς τὸ γλυπτόν (25 a)
19. 30. B θέσθε ὑμῖν αὐτοί [A R al.] (25 a)
20. 29. ἔθηκαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἔνεδρα τῇ Γ. (25 a)
— 36. B ὃ ἔθηκεν ἐπὶ τὴν Γ. [A R al.] (25 a)
Ru. 4. 16. καὶ ἔθηκεν [A add. αὐτὸ] εἰς τὸν κόλπον αὐ. (27)
I Ki. 6. 8. θήσετε αὐτὴν ἐπὶ τὴν ἅμαξαν (16)
— 8. καὶ οὐ θήσετε ἐν θέματι βερσεχθάν (25 a)
— 11. ἔθεντο τὴν κιβωτὸν κ. ἐπὶ τὴν ἅμαξαν (25 a)
— 15. καὶ ἔθεντο ἐπὶ τοῦ λίθου τοῦ μεγάλου (25 a)
8. 11. καὶ θήσεται αὐτοὺς ἐν ἅρμασιν αὐ. (25 a)
— 12. καὶ θέσθαι αὐτοὺς ἑαυτῷ χιλιάρχους (25 a)
9. 20. μὴ θῇς τὴν καρδίαν σου αὐταῖς (25 a)
— 22. ἔθετο αὐτοῖς ἐκεῖ τόπον (16)
— 23. ἣν εἶπά σοι θεῖναι αὐτὴν παρὰ σοί (25 a)
— 24. εἰς μαρτύριον τέθειται [A -θεσταί] σοι (28)
10. 25. καὶ ἔθηκεν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
11. 2. καὶ θήσομαι ὄνειδος ἐπὶ Ἰσρ. (25 a)
— 11. ἔθετο Σ. τὸν λαὸν εἰς τρεῖς ἀρχάς (25 a)
12. 2. A¹ γεγήρακα καὶ θήσομαι [A² B καθήσ.] †
15. 19. τοῦ θέσθαι ἐπὶ τὰ σκῦλα –
17. 40. ἔθετο αὐτοὺς ἐν τῷ καδίῳ (25 a)
— 54. τὰ σκεύη αὐ. ἔθηκεν ἐν τῷ σκηνώματι αὐ. (25 a)
19. 5. ἔθετο τὴν ψυχὴν αὐ. ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (25 a)
— 13. καὶ ἔθετο [A ἔθηκεν] ἐπὶ τὴν κλίνην (25 a)
— 13. ἧπαρ τῶν αἰγῶν ἔθετο πρὸς κεφαλῆς αὐ. (25 a)
21. 12 (13). ἔθετο [A ἔθηκε] Δ. τὰ ῥήματα ἐν τῇ καρδίᾳ αὐ. (25 a)
22. 13. θέσθαι αὐτὸν ἐπ' ἐμὲ εἰς ἐχθρόν (22 a)
25. 18. καὶ ἔθετο ἐπὶ τοὺς ὄνους (25 a)
— 25. μὴ δὴ θέσθω ὁ κ. μου καρδίαν αὐ. (25 a)
28. 2. ἀρχισωματοφύλακα θήσομαί σε (25 a)
— 21. ἐθέμην τὴν ψυχήν μου ἐν τῇ χειρί μου (25 a)
29. 10. λόγον λοιμὸν μὴ θῇς ἐν καρδίᾳ σου –
II Ki. 7. 10. θήσομαι τόπον τῷ λαῷ μου (25 a)
8. 6. ἔθετο Δ. φρουράν (25 a)
— 14. ἔθετο ἐν τῇ Ἰδουμαίᾳ φρουράν (25 a)
— 14. A ἔθηκεν ἐστηλωμένους (25 a)
10. 19. B² καὶ ἔθεντο διαθήκην –
11. 16. ἔθηκε τὸν Οὐρ. εἰς τὸν τόπον (16)
12. 31. καὶ ἔθηκεν ἐν τῷ πρίονι (25 a)
13. 20. μὴ θῇς τὴν καρδίαν σου (27)
— 33. μὴ θέσθω ὁ κ. μου ὁ βασ. ἐπὶ τὴν καρδίαν αὐ. ῥῆμα (25 a)
14. 3. ἔθηκεν Ἰ. τοὺς λόγους ἐν τῷ στόματι [A εἰς τὸ στ.] αὐ. (25 a)
— 7. ὥστε μὴ θέσθαι τῷ ἀνδρί μου κατάλειμμα (25 a)
— 19. ἔθετο ἐν τῷ στόματι τῆς δούλης σου π. τοὺς λόγους τ. (25 a)
18. 3 bis. οὐ θήσουσιν ἐφ' ἡμᾶς καρδίαν (25 a)
19. 19 (20). τοῦ θέσθαι τὸν βασ. εἰς τὴν καρδίαν αὐ. (25 a)
— 28 (29). ἔθηκας τὸν δοῦλόν σου ἐν τοῖς ἐσθίουσι (27)
20. 18. ἃ ἔθεντο οἱ πιστοὶ τοῦ Ἰσρ. –
22. 12. ἔθετο σκότος ἀποκρυφὴν αὐ. (27)
— 34. τιθεὶς τοὺς πόδας μου ὡς ἐλάφων (26)
23. 5. διαθήκην γὰρ αἰώνιον ἔθετό μοι (25 a)
— 7. B θήσονται αἰσχύνην αὐ. [A R al.] †
III Ki. 2. 15. ἐπ' ἐμὲ ἔθετο πᾶς Ἰσρ. τὸ πρόσωπον αὐ. (25 a)
III Ki. 2. 19. ἐτέθη θρόνος τῇ μητρὶ τοῦ βασ. (25 a)
— 24. ὃς . . . ἔθετό με ἐπὶ τὸν θρόνον Δ. (6)
5. 9 (23). θήσομαι αὐτὰ σχεδίας (25 a)
6. 27. A ἔθηκεν ἀμφότερα τὰ χερ. [B al.] (16)
7. 39. ἔθετο τὰς πέντε μεχ. (16)
8. 9. ἃς ἔθηκε Μ. ἐν Χ. (11 a)
— 21. ἐθέμην ἐκεῖ τόπον τῇ κιβωτῷ (25 a)
9. 3. τοῦ θέσθαι τὸ ὄνομά μου ἐκεῖ (25 a)
10. 9. ἔθετό σε βασιλέα ἐπ' αὐτούς (25 a)
— 26. ἔθετο αὐτὰς ἐν ταῖς πόλεσι τῶν ἁρμάτων (12)
11. 36. τοῦ θέσθαι τὸ ὄνομά μου ἐκεῖ (25 a)
12. 29. B ἔθετο τὴν μίαν εἰς [A R ἐν] B. (25 a)
13. 31. παρὰ τὰ ὀστᾶ αὐ. θέτε με (11 a)
14. 21. θέσθαι τὸ ὄνομα αὐ. ἐκεῖ (25 a)
18. 42. ἔθηκε τὸ πρόσωπον αὐ. ἀνὰ μέσον τῶν γονάτων αὐ. (25 a)
19. 2. θήσομαι τὴν ψυχήν σου καθὼς ψυχὴν ἑνός (25 a)
21 (20). 12. ἔθεντο χάρακα ἐπὶ τὴν πόλιν (25 a)
— 24. θοῦ ἀντ' αὐτῶν σατράπας (25 a)
— 32. ἔθεσαν [A ἔθηκαν] σχοινία ἐπὶ τὰς κεφ. αὐ. –
— 34. ἐξόδους θήσεις σαυτῷ ἐν Δαμ. (25 a)
— 34. καθὼς ἔθετο ὁ πατήρ μου ἐν Σαμ. (25 a)
22. 27. θέσθαι τοῦτον ἐν φυλακῇ (25 a)
IV Ki. 2. 20. θέτε ἐκεῖ ἅλα (25 a)
4. 10. θῶμεν αὐτῷ ἐκεῖ κλίνην (25 a)
— 34. ἔθηκε τὸ στόμα αὐ. ἐπὶ τὸ στόμα αὐ. (25 a)
5. 1. A ἐν αὐτῷ ἔθηκεν [B ἔδωκε] κ. σωτηρίαν Συρίας (16)
8. 11. καὶ ἔθηκεν ἕως αἰσχύνης (25 a)
9. 13. καὶ ἔθηκαν ὑποκάτω αὐτοῦ (25 a)
10. 7. ἔθηκαν τὰς κεφ. αὐ. ἐν καρτάλλοις (25 a)
— 8. θέτε αὐτὰς βουνοὺς δύο (25 a)
11. 18. ἔθηκεν ὁ ἱ. ἐπισκόπους (25 a)
13. 7. ἔθεντο αὐτοὺς ὡς χοῦν (25 a)
17. 29. καὶ ἔθηκαν ἐν οἴκῳ τῶν ὑψηλῶν (11 a)
— 34. οὗ ἔθηκε τὸ ὄνομα αὐ. Ἰσρ. (25 a)
18. 11. ἔθηκεν αὐτοὺς ἐν Ἀ. (12)
19. 28. θήσω τὰ ἄγκιστρά μου ἐν τοῖς μυκτῆρσί σου (25 a)
21. 4. ἐν Ἱερ. θήσω τὸ ὄνομά μου [A al.] (25 a)
— 7. ἔθηκε τὸ γλυπτὸν τοῦ ἄλσους ἐν τῷ οἴκῳ [A al.] (25 a)
— 7. θήσω τὸ ὄνομά μου εἰς τὸν αἰῶνα (25 a)
24. 17. A ἔθηκεν [B ἐπέθ.] τὸ ὄνομα αὐ. Σ. (17)
I Ch. 10. 10. ἔθηκαν τὰ σκεύη αὐ. ἐν οἴκῳ θεοῦ αὐ. (25 a)
— 10. τὴν κεφ. αὐ. ἔθηκαν ἐν οἴκῳ Δ. (30)
14. 3. S¹ ἐτέθησαν [A B S² ἐτέχθ.] Δ. ἔτι υἱοί †
17. 9. θήσομαι τόπον τῷ λαῷ μου Ἰσρ. (25 a)
— 21. τοῦ θέσθαι αὐτῷ ὄνομα μέγα (25 a)
18. 6. ἔθετο Δ. φρουράν (25 a)
— 13. ἔθετο ἐν τῇ κοιλάδι φρουράς (25 a)
II Ch. 1. 15. ἔθηκεν ὁ βασ. τὸ χρυσίον . . . ἐν Ἱερ. ὡς λίθους (16)
3. 16. A καὶ ἔθηκεν [B ἔδωκεν] ἐπὶ τῶν κεφ. τῶν στύλων (16)
— 16. A R καὶ ἔθηκεν [B ἐπέθ.] ἐπὶ τῶν χαλαστῶν (16)
4. 6. ἔθηκε [A ἐπέθ.] τοὺς πέντε ἐκ δεξιῶν (16)
— 7. καὶ ἔθηκεν ἐν τῷ ναῷ (16)
— 8. καὶ ἔθηκεν ἐν τῷ ναῷ (11 a)
— 10. τὴν θάλ. ἔθηκεν ἀπὸ γωνίας τοῦ οἴκου (16)
5. 10. ἃς ἔθηκε Μ. ἐν Χ. (16)
6. 11. ἔθηκα ἐκεῖ τὴν κιβωτόν (25 a)
— 13. ἔθηκεν αὐτὴν ἐν μέσῳ τῆς αὐλῆς τοῦ ἱεροῦ (16)
9. 25. ἔθετο αὐτοὺς ἐν πόλεσι τῶν ἁρμάτων (11 a)
24. 8. τεθήτω ἐν πύλῃ οἴκου κυρίου ἔξω (16)
31. 6. καὶ ἔθηκαν σωροὺς (16)
32. 6. ἔθετο ἄρχοντας τοῦ πολέμου ἐπὶ τὸ λαόν (16)
33. 7. ἔθηκε τὸ γλυπτὸν τὸ χωνευτόν (25 a)
— 7. θήσω [A σωθήτω] τὸ ὄνομά μου εἰς τὸν αἰῶνα (25 a)
35. 3. ἔθηκαν τὴν κιβωτὸν τὴν ἁγ. εἰς τὸν οἶκον (16)
36. 7. ἔθηκεν αὐτὰ ἐν τῷ ναῷ αὐ. (16)
I Es. 3. 8. καὶ ἔθηκαν ὑπὸ τὸ προσκεφάλαιον Δαρ.
6. 9. ξύλων τιθεμένων ἐν τοῖς τοίχοις
— 26. ὅπως τεθῇ ἐκεῖ
II Es. 4. 19. παρ' ἐμοῦ ἐτέθη γνώμη (25 b)
— 21. θέτε γνώμην καταργῆσαι τοὺς ἄνδρας ἐκ. (25 b)
5. 3, 9. τίς ἔθηκεν ὑμῖν γνώμην (25 b)
— 13. B Κῦρος βασιλεὺς ἔθηκεν [A R ἔθετο] γνώμην (25 b)

II Es. 5. 15. θὲς αὐτὰ ἐν οἴκῳ τῷ ἐν Ἰερ. (13 b)
— 17. A R ἀπὸ βασιλέως Κύρου ἐτέθη [B ἐγένετο] γνώμη (25 b)
6. 1. τότε Δαρ. ὁ βασ. ἔθηκε γνώμην (25 b)
— 3. Κῦρος ὁ βασιλεὺς ἔθηκε γνώμην (25 b)
— 3. ἔθηκεν ἔπαρμα ὕψος πήχεις ἑξήκοντα (37)
— 5. ἐπὶ τόπου ἐτέθη [A τεθῇ] ἐν οἴκῳ τοῦ θεοῦ (13 b)
— 8, 11. ἀπ' ἐμοῦ ἐτέθη γνώμη (25 b)
— 12. ἐγὼ Δαρ. ἔθηκα γνώμην (25 b)
7. 13. ἀπ' ἐμοῦ ἐτέθη γνώμη (25 b)
— 21. ἔθηκα γνώμην πάσαις ταῖς γάζαις (25 b)
8. 17. ἔθηκα ἐν στόματι αὐ. λόγους (25 a)
Ne. 5. 10. ἐθήκαμεν ἑαυτοῖς ἀργύριον †
7. 71. B S² ἔθηκαν [S¹ ἔδωκα, A R ἔδωκαν] εἰς θησαυρὸν τοῦ ἔτους (16)
To. 2. 4. S καὶ εἰς ἓν τῶν οἰκιδίων ἔθηκα [A B al.]
5. 3. S καὶ ἔθηκα μετὰ τοῦ ἀργυρίου
6. 4. A B λαβὼν . . . τὴν χολὴν θὲς ἀσφαλῶς [S al.]
14. 11. S ἔθηκαν αὐτὸν ἐπὶ τὴν κλίνην [A B al.]
Ju. 1. 14. τὸν κόσμον αὐ. ἔθηκεν εἰς ὄνειδος αὐτῆς
2. 2. ἔθετο μετ' αὐτῶν τὸ μυστήριον τῆς βουλῆς αὐ.
5. 1. ἔθηκαν [A¹ -α] ἐν τοῖς πεδίοις σκάνδαλα
— 11. ἔθεντο [A ἔθετο] αὐτοὺς εἰς δούλους
6. 7. θήσουσί σε ἐν μιᾷ τῶν πόλεων
8. 23. εἰς ἀτιμίαν θήσει αὐτήν
9. 1. S² ἔθετο [A B S¹ ἐπέθ.] σποδὸν ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ.
11. 19. θήσω τὸν δίφρον σου ἐν μέσῳ αὐτῆς
12. 1. A B οὗ ἐτίθετο τὰ ἀργυρώματα αὐ.
15. 11. S ἔθηκεν [A B ἐπέθ.] ἐπὶ τὴν ἡμίονον αὐ.
16. 5. τὰ θηλάζοντά μου θήσειν εἰς ἔδαφος
Es. 4. 4. A ὁ δὲ οὐκ ἐτίθη [S² -ει, B S¹ ἐπείσθη] †
— 17. ἵνα μὴ θῶ δόξαν ἀνθρώπου ὑπεράνω δόξης θεοῦ
— 17. ἔθηκαν τὰς χεῖρας αὐ.
9. 24. καθὼς ἔθετο ψήφισμα (14)
Jb. 7. 20. διὰ τί ἔθου με κατεντευκτήν σου (25 a)
10. 12. ζωὴν δὲ καὶ ἔλεος ἔθου παρ' ἐμοί (19)
11. 13. εἰ γὰρ σὺ καθαρὰν ἔθου τὴν καρδίαν σου (35)
13. 14. ψυχὴν δέ μου θήσω ἐν χειρί (25 a)
— 27. ἔθου δέ μου τὸν πόδα ἐν κωλύματι [A κυκλώματι] (25 a)
14. 5. εἰς χρόνον ἔθου καὶ οὐ μὴ ὑπερβῇ (19)
17. 6. A B S² ἔθου δέ με θρύλημα ἐν ἔθνεσι (3)
— 12. A B S² νύκτα εἰς ἡμέραν ἔθηκα [A -αν] (25 a)
19. 8. ἐπὶ πρόσωπόν [A δὲ ἀτραποῦς] μου σκότος ἔθετο (25 a)
— 23. τεθῆναι δὲ αὐτὰ ἐν βιβλίῳ εἰς τὸν αἰῶνα (16)
20. 4. ἀφ' οὗ ἐτέθη ἄνθρωπος ἐπὶ τῆς γῆς (25 a)
21. 5. χεῖρα θέντες ἐπὶ σιαγόνι [A στόμα] (25 a)
22. 24. θήσῃ [A -εις] ἐπὶ χώματι ἐν πέτρᾳ (27)
24. 15. ἀποκρυβὴν προσώπου ἔθετο (25 a)
— 25. τίς . . . θήσει [S¹ -εις] εἰς οὐδὲν τὰ ῥήματά μου (25 a)
28. 3. τάξιν ἔθετο σκότει (25 a)
29. 2. τίς ἄν με θείη κατὰ μῆνα ἔμπροσθεν ἡμερῶν [A al.] (16)
— 7. ἐν δὲ πλατείαις ἐτίθετό μου ὁ δίφρος (7)
31. 1. διαθήκην ἐθέμην τοῖς ὀφθαλμοῖς [S¹ ἀδελφοῖς] μου (8)
— 25. εἰ δὲ καὶ ἐπ' ἀναριθμήτοις ἐθέμην χεῖρά μου †
32. 3. ἔθεντο αὐτὸν εἶναι ἀσεβῆ (31)
33. 3. A σύνεσις δὲ χειλέων μου καθαρὰν θήσει [B S om.] †
— 11. ἔθετο δὲ ἐν ξύλῳ [A κυκλώματι] τὸν πόδα μου (25 a)
34. 19. οὐδὲ οἶδε τιμὴν θέσθαι ἀδροῖς θαυμασθῆναι πρόσωπα αὐτῶν [A al.] †
— 23. οὐκ ἐπ' ἄνδρα θήσει ἔτι (25 a)
36. 28. ὥραν ἔθετο κτήνεσιν –
37. 12. A ἐν τοῖς κατωτάτω θεὶς ἔργα αὐτῶν [B S al.] †
— 15. ὁ θεὸς ἔθετο ἔργα αὐτοῦ (25 a)
38. 5. τίς ἔθετο τὰ μέτρα αὐτῆς (25 a)
— 9. ἐθέμην δὲ αὐτῇ νέφος ἀμφίασιν (25 a)
— 10. ἐθέμην δὲ αὐτῇ ὅρια †
— 14. καὶ ἀλητὸν αὐτὸν ἔθου ἐπὶ γῆς †
39. 6. ἐθέμην δὲ τὴν δίαιταν αὐτοῦ ἔρημον (25 a)
— 34 (40. 4). χεῖρα θήσω ἐπὶ στόματί μου (25 a)
40. 23 (28). θήσεται δὲ μετὰ σοῦ διαθήκην (8)
Ps. 11 (12). 5. θήσομαι ἐν σωτηρίῳ [B S¹ -ίᾳ] (27)
12 (13). 2. ἕως τίνος θήσομαι βουλὰς ἐν ψυχῇ μου (27)
Ps. 16 (17). 11. τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτῶν ἔθεντο ἐκκλῖναι ἐν τῇ γῇ (27)
17 (18). 11. ἔθετο σκότος ἀποκρυφὴν αὐτοῦ (27)
— 32. ἔθετο ἄμωμον τὴν ὁδόν μου (16)
— 34. ἔθου τόξον χαλκοῖν τοὺς βραχίονάς μου (13 a)
18 (19). 4. ἐν τῷ ἡλίῳ ἔθετο τὸ σκήνωμα αὐτοῦ (25 a)
20 (21). 3. ἔθηκας ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ στέφανον ἐκ λίθου τιμίου (27)
— 9. θήσεις αὐτοὺς ὡς κλίβανον πυρὸς εἰς καιρὸν τοῦ προσώπου σου (27)
— 12. θήσεις αὐτοὺς νῶτον (27)
32 (33). 7. τιθεὶς ἐν θησαυροῖς ἀβύσσους [S² -οις] (16)
38 (39). 1. ἐθέμην τῷ στόματί μου φυλακήν (28)
— 5. παλαιὰς [A B² S² παλαιστὰς] ἔθου τὰς ἡμέρας μου (16)
43 (44). 13. ἔθου ἡμᾶς ὄνειδος [A εἰς ὄ.] τοῖς γείτοσιν ἡμῶν (25 a)
— 14. A B S² ἔθου ἡμᾶς εἰς παραβολὴν ἐν τοῖς ἔθνεσι (25 a)
45 (46). 8. ἃ ἔθετο τέρατα ἐπὶ τῆς γῆς (25 a)
47 (48). 13. θέσθε τὰς καρδίας ὑμῶν εἰς τὴν δύναμιν αὐτῆς (27)
48 (49). 14. ὡς πρόβατα ἐν ᾅδῃ ἔθεντο [S ἔθετο] (29)
49 (50). 18. μετὰ μοιχῶν τὴν μερίδα σου ἐτίθεις –
— 20. κατὰ τοῦ υἱοῦ τῆς μητρός σου ἐτίθεις σκάνδαλον (16)
51 (52). 7. ὃς οὐκ ἔθετο τὸν θεὸν βοηθὸν αὐτοῦ (25 a)
55 (56). 8. ἔθου τὰ δάκρυά μου ἐνώπιόν σου (25 a)
65 (66). 9. τοῦ θεμένου τὴν ψυχήν μου εἰς ζωήν (25 a)
— 11. B S¹ ἔθου θλίψεις ἐνώπιον [S² R ἐπὶ τὸν νῶτον] ἡμῶν (25 a)
68 (69). 11. ἐθέμην τὸ ἔνδυμά μου σάκκον (16)
72 (73). 9. ἔθεντο εἰς οὐρανὸν τὸ στόμα αὐτῶν (29)
— 18. διὰ τὰς δολιότητας ἔθου αὐτοῖς (27)
— 28. τίθεσθαι ἐν τῷ κυρίῳ τὴν ἐλπίδα μου (29)
73 (74). 4. B² S R ἔθεντο τὰ σημεῖα αὐτῶν σημεῖα (25 a)
77 (78). 5. S¹ νόμον ἔθετο ἐν Ἰσραὴλ ὃν ἔθετο [BS² ἐνετείλατο] τοῖς πατράσιν ἡμῶν (25 a, 21)
— 7. ἵνα θῶνται ἐπὶ τὸν θεὸν τὴν ἐλπίδα αὐ. (25 a)
— 43. ὡς ἔθετο ἐν Αἰγύπτῳ τὰ σημεῖα αὐ. (25 a)
78 (79). 1. ἔθεντο Ἱερ. εἰς ὀπωροφυλάκιον (25 a)
— 2. ἔθεντο τὰ θνησιμαῖα τῶν δούλων σου βρώματα τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐρανοῦ (16)
79 (80). 6. ἔθου ἡμᾶς εἰς ἀντιλογίαν (25 a)
80 (81). 5. μαρτύριον ἐν τῷ Ἰ. ἔθετο αὐτόν (25 a)
82 (83). 11. θοῦ τοὺς ἄρχοντας αὐτῶν ὡς τὸν Ὠρὴβ καὶ Ζήβ (27)
— 13. θοῦ αὐτοὺς ὡς τροχόν (27)
83 (84). 3. οὗ θήσει τὰ νοσσία ἑαυτῆς (27)
— 6. εἰς τόπον ὃν ἔθετο (27)
84 (85). 13. θήσει εἰς ὁδὸν τὰ διαβήματα αὐ. (25 a)
87 (88). 6. ἔθεντό [S¹ -ετό] με ἐν λάκκῳ κατωτάτῳ (29)
— 8. ἔθεντό με βδέλυγμα ἑαυτοῖς (29)
88 (89). 19. ἐθέμην βοήθειαν ἐπὶ δυνατόν (26)
— 25. θήσομαι ἐν θαλάσσῃ χεῖρα αὐτοῦ (25 a)
— 27. κἀγὼ πρωτότοκον θήσομαι αὐτόν (16)
— 29. θήσομαι εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος τὸ σπέρμα αὐτοῦ (25 a)
— 40. ἔθου τὰ ὀχυρώματα αὐτοῦ δειλίαν (25 a)
89 (90). 8. ἔθου τὰς ἀνομίας ἡμῶν ἐνώπιόν σου (29)
90 (91). 9. τὸν ὕψιστον ἔθου καταφυγήν σου (25 a)
103 (104). 3. ὁ τιθεὶς νέφη τὴν ἐπίβασιν αὐ. (25 a)
— 9. ὅριον ἔθου ὃ οὐ παρελεύσονται (25 a)
— 20. ἔθου σκότος καὶ ἐγένετο νύξ (27)
104 (105). 27. ἔθετο ἐν [B¹ S¹ om.] αὐτοῖς τοὺς λόγους τῶν σημείων αὐτοῦ (25 a)
— 32. ἔθετο τὰς βροχὰς αὐτῶν χάλαζαν (16)
106 (107). 33. ἔθετο ποταμοὺς εἰς ἔρημον (25 a)
— 35. ἔθετο ἔρημον εἰς λίμνας [S λιμένας] ὑδάτων (25 a)
— 41. ἔθετο ὡς πρόβατα πατριάς (25 a)
108 (109). 5. ἔθεντο κατ' ἐμοῦ κακὰ ἀντὶ ἀγαθῶν (25 a)
109 (110). 1. ἕως ἂν θῶ τοὺς ἐχθρούς σου ὑποπόδιον τῶν ποδῶν σου (27)
118 (119). 110. ἔθεντο ἁμαρτωλοί παγίδα μοι (16)
131 (132). 11. ἐκ καρποῦ τῆς κοιλίας σου θήσομαι ἐπὶ τὸν θρ. σου (27)
138 (139). 5. ἔθηκας ἐπ' ἐμὲ τὴν χεῖρά σου (27)
139 (140). 5. σκάνδαλον ἔθεντό μοι (27)
140 (141). 3. θοῦ [S¹ ἔθου], κύριε, φυλακὴν τῷ στόματί μου (27)
Ps. 147. 3 (14). ὁ τιθεὶς τὰ ὅριά σου εἰρήνην (25 a)
148. 6. πρόσταγμα ἔθετο (16)
Pr. 2. 18. ἔθετο γὰρ παρὰ τῷ θανάτῳ τὸν οἶκον αὐτῆς †
8. 28. ὡς ἀσφαλεῖς ἐτίθει πηγὰς τῆς ὑπ' οὐρανόν (32)
— 29. A S² ἐν τῷ τιθέναι αὐτὸν τῇ θαλάσσῃ ἀκριβασμὸν αὐτοῦ (25 a)
22. 28. ἃ ἔθεντο οἱ πατέρες σου (19)
23. 10. A ἃ ἔθεντο οἱ πατέρες σου –
Ec. 7. 22 (21). εἰς πάντας λόγους . . . μὴ θῇς [S δῷς] καρδίαν σου (16)
Ca. 1. 6. ἔθεντό με φυλάκισσαν ἐν ἀμπελῶσιν (25 a)
6. 11 (12). ἔθετό με ἅρματα Ἀμιναδάβ (25 a)
8. 6. θές με ὡς σφραγῖδα ἐπὶ τὴν καρδίαν σου (25 a)
Wi. 1. 16. συνθήκην ἔθεντο πρὸς αὐτόν
4. 15. μηδὲ θέντες ἐπὶ διανοίᾳ τὸ τοιοῦτο
6. 22. θήσω εἰς τὸ ἐμφανὲς τὴν γνῶσιν αὐτῆς
10. 21. γλώσσας νηπίων ἔθηκε τρανάς
13. 15. ἐν τοίχῳ ἔθηκεν αὐτό
Si. *prol.* 22. ἀναγκαιότατον ἐθέμην [S¹ προεθ.] αὐτός
7. 6. θήσεις σκάνδαλον ἐν εὐθύτητί σου
14. 26. θήσει [A S¹ καὶ στήσει] τὰ τέκνα αὐτοῦ ἐν τῇ σκέπῃ [S¹ σκηνῇ] αὐτῆς
17. 4. ἔθηκε τὸν φόβον αὐτοῦ ἐπὶ πάσης σαρκός
— 8. ἔθηκε τὸν ὀφθαλμὸν αὐ. ἐπὶ τὰς καρδίας αὐτῶν
29. 11. θὲς τὸν θησαυρόν σου κατ' ἐντολὰς ὑψίστου
36 (33). 9. ἐξ αὐτῶν ἔθηκεν εἰς ἀριθμὸν ἡμερῶν
44. 18. διαθῆκαι αἰῶνος ἐτέθησαν πρὸς αὐτόν
50. 28. A B S² θεὶς [S¹ R ὁ θ.] αὐτὰ ἐπὶ καρδίαν αὐτοῦ σοφισθήσεται
Ho. 1. 11 (2. 2). θήσονται ἑαυτοῖς ἀρχὴν μίαν (25 a)
2. 3 (5). θήσω [A -σομαι] αὐτὴν ἔρημον (25 a)
— 12 (14). θήσομαι αὐτὰ εἰς μαρτύριον (25 a)
4. 7. τὴν δόξαν αὐ. εἰς ἀτιμίαν θήσομαι [A -σω] (9)
— 17. ἔθηκεν ἑαυτῷ σκάνδαλα (11 a)
11. 8. ὡς Ἀδαμὰ θήσομαί σε (25 a)
13. 1. ἔθετο αὐτὰ τῇ Βάαλ †
Am. 5. 7. δικαιοσύνην εἰς γῆν ἔθηκεν (11 a)
8. 10. θήσομαι αὐτὸν ὡς πένθος ἀγαπητοῦ (25 a)
Mi. 1. 6. θήσομαι Σαμ. εἰς ὀπωροφυλάκιον (25 a)
— 7. πάντα τὰ εἴδωλα αὐ. θήσομαι εἰς ἀφανισμόν (25 a)
2. 12. ἐπὶ τὸ αὐτὸ θήσομαι τὴν ἀποστροφὴν αὐ. (25 a)
4. 7. θήσομαι τὴν συντετριμμένην εἰς ὑπόλειμμα (25 a)
— 13. τὰ κέρατά σου θήσομαι σιδηρᾶ (25 a)
— 13. τὰς ὁπλάς σου θήσομαι χαλκᾶς (25 a)
Jl. 1. 7. ἔθετο τὴν ἄμπελόν μου εἰς ἀφανισμόν (25 a)
Ob. 1. 4. ἐὰν ἀνὰ μέσον τῶν ἄστρων θῇς νοσσιάν σου (25 a)
— 7. ἔθηκαν ἔνεδρα ὑποκάτω σου (25 a)
Na. 1. 14. θήσομαι ταφήν σου (25 a)
3. 6. θήσομαί σε εἰς παράδειγμα (25 a)
Hb. 3. 4. ἔθετο ἀγάπησιν κραταιὰν ἰσχύος αὐ. †
Ze. 2. 13. θήσει [S³ -σω] τὴν Νιν. εἰς ἀφανισμὸν ἄνυδρον (25 a)
3. 19. A S² καὶ θήσομαι αὐτοὺς εἰς καύχημα [B S¹ al.] (25 a)
Hg. 1. 7. θέσθε τὰς καρδίας ὑμῶν εἰς τὰς ὁδοὺς ὑμῶν (25 a)
2. 16 (15). θέσθε δὴ εἰς [A S³ ἐπὶ] τὰς καρδίας ὑμῶν (25 a)
— 16 (15). πρὸ τοῦ θεῖναι λίθον ἐπὶ λίθον (25 a)
— 19 (18). θέσθε ἐν ταῖς καρδίαις ὑμῶν (25 a)
— 24 (23). θήσομαί σε ὡς [A εἰς] σφραγῖδα (25 a)
Za. 5. 11. θήσουσιν αὐτὸ ἐκεῖ ἐπὶ τὴν ἑτοιμασίαν αὐ. (11 b)
9. 12. A καὶ θήσονται [B S² καθήσεσθε, S¹ καθήσεται] ἐν ὀχυρώματι †
12. 2. τίθημι τὴν Ἱερ. ὡς πρόθυρα σαλευόμενα (25 a)
— 3. θήσομαι τὴν Ἱερ. λίθον καταπατούμενον (25 a)
— 6. θήσομαι τοὺς χιλιάρχους Ἰ. ὡς δαλὸν πυρός (25 a)
Ma. 1. 1. θέσθε δὴ ἐπὶ τὰς καρδίας ὑμῶν –
2. 2. ἐὰν μὴ θῆσθε [S² θέσθε] εἰς τὴν καρδίαν ὑμῶν (25 a)
— 2. οὐ τίθεσθε εἰς [S³ ἐπὶ] τὴν καρδίαν ὑμῶν (25 a)
Is. 5. 20. οὐαὶ . . . οἱ τιθέντες τὸ σκότος φῶς . . . οἱ τιθέντες τὸ πικρὸν γλυκύ (25 a, 25 a)
10. 6. θεῖναι αὐτὰς εἰς κονιορτόν (25 a)
— 28. ἐν Μαχμὰς θήσει τὰ σκεύη αὐτοῦ (20)
13. 9. θεῖναι τὴν οἰκουμένην ἔρημον (25 a)
14. 13. θήσω τὸν θρόνον μου (23)
— 17. ὁ θεὶς τὴν οἰκουμένην ὅλην ἔρημον (25 a)

Is. 14. 23. θήσω τὴν Βαβυλωνίαν ἔρημον . . . θήσω αὐτὴν πηλοῦ βάραθρον (25 a, –)
22. 18. θήσει τὸ ἅρμα σου τὸ καλὸν εἰς ἀτιμίαν †
25. 2. ἔθηκας πόλεις εἰς χῶμα (25 a)
26. 1. σωτήριον θήσει τὸ τεῖχος (27)
27. 4. τίς με θήσει φυλάσσειν καλάμην (16)
— 9. ὅταν θῶσι [A θῶ] πάντας τοὺς λίθους τῶν βωμῶν κατακεκομμένους (25 a)
28. 15. ἐθήκαμεν ψεῦδος τὴν ἐλπίδα ἡμῶν (25 a)
— 17. θήσω κρίσιν εἰς ἐλπίδα (25 a)
29. 3. θήσω περὶ [A ἐπὶ] σὲ πύργους (22 b)
— 21. τοὺς ἐλέγχοντας ἐν πύλαις πρόσκομμα θήσουσιν (36)
37. 25. ἔθηκα γέφυραν (33)
41. 7. θήσουσιν αὐτὰ καὶ οὐ κινηθήσονται –
— 15. ὡς χνοῦν [A χοῦν] θήσεις (25 a)
— 19. θήσω εἰς τὴν ἄνυδρον γῆν κέδρον (16)
42. 4. ἕως ἂν θῇ ἐπὶ τῆς γῆς κρίσιν (25 a)
— 15. θήσω ποταμοὺς εἰς νήσους (25 a)
— 25. οὐδὲ ἔθεντο ἐπὶ ψυχήν (25 a)
46. 7. ἐὰν δὲ θῶσιν αὐτὸ ἐπὶ τοῦ τόπου αὐ. (11 a)
49. 2. ἔθηκε τὸ στόμα μου ὡς μάχαιραν (25 a)
— 2. ἔθηκέ με ὡς βέλος ἐκλεκτόν (25 a)
— 6. A S τέθεικά [B δέδωκά] σε εἰς φῶς ἐθνῶν (16)
— 11. θήσω πᾶν ὄρος εἰς ὁδόν (25 a)
50. 2. θήσω ποταμοὺς ἐρήμους (25 a)
— 3. ὡς σάκκον θήσω [S¹ om.] τὸ περιβόλαιον αὐτοῦ (25 a)
— 4. ἔθηκέ μοι πρωΐ †
— 7. ἔθηκα τὸ πρόσωπόν μου ὡς στερεὰν πέτραν (25 a)
51. 3. B S θήσω τὰ ἔρημα αὐτῆς ὡς παράδεισον (25 a)
— 10. ἡ θεῖσα τὰ βάθη τῆς θαλάσσης ὁδόν (25 a)
— 16. θήσω τοὺς λόγους μου εἰς τὸ στόμα σου (25 a)
— 23. ἔθηκας ἴσα τῇ γῇ τὰ μέσα [A S μετάφρενά] σου (25 a)
54. 12. θήσω τὰς ἐπάλξεις σου ἴασπιν (25 a)
57. 8. ὀπίσω τῶν σταθμῶν τῆς θύρας σου ἔθηκας μνημόσυνά σου (25 a)
60. 15. θήσω σε ἀγαλλίαμα αἰώνιον (25 a)
63. 11. ποῦ ἐστιν ὁ θεὶς ἐν αὐτοῖς τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον (25 a)
Je. 1. 5. προφήτην εἰς ἔθνη τέθεικά σε (16)
— 15. θήσουσιν ἕκαστος τὸν θρόνον αὐτοῦ (16)
— 18. τέθεικά σε . . . ὡς πόλιν ὀχυράν (16)
2. 7. τὴν κληρονομίαν μου [A καὶ] ἔθεσθε εἰς βδέλυγμα (25 a)
4. 7. τοῦ θεῖναι τὴν γῆν εἰς ἐρήμωσιν [S¹ al.] (25 a)
9. 11 (10). τὰς πόλεις Ἰούδα εἰς ἀφανισμὸν θήσομαι (16)
10. 4. B θήσουσιν αὐτά †
12. 11. ἐτέθη [A ἐγενήθη] εἰς ἀφανισμὸν ἀπωλείας (25 a)
— 11. οὐκ ἔστιν ἀνὴρ τιθέμενος ἐν καρδίᾳ (25 a)
13. 16. τεθήσονται εἰς σκότος (27)
22. 6. ἐὰν μὴ θῶ σε εἰς ἔρημον (27)
25. 12. θήσομαι αὐτοὺς εἰς ἀφανισμὸν αἰώνιον (25 a)
— 17 (49. 38). θήσω τὸν θρόνον μου ἐν Αἰλάμ (25 a)
27 (50). 3. θήσει τὴν γῆν αὐτῆς εἰς ἀφανισμόν (27)
28 (51). 16. εἰς φωνὴν ἔθετο ἦχος ὕδατος (16)
— 29. τοῦ θεῖναι τὴν γῆν Βαβ. εἰς ἀφανισμόν (25 a)
31 (48). 6. B S¹ θέσθε [A S² R ἔσεσθε] ὥσπερ ὄνος ἄγριος †
32 (25). 18. τοῦ θεῖναι αὐτὰς εἰς ἐρήμωσιν (16)
35 (28). 14. ζυγὸν σιδηροῦν ἔθηκα ἐπὶ τὸν τράχηλον (16)
39 (32). 14. θήσεις [S¹ καθήσεις, S³ καταθ.] αὐτὸ [A S om.] εἰς ἀγγεῖον (16)
— 34. ἔθηκαν τὰ μιάσματα αὐτῶν ἐν τῷ οἴκῳ (25 a)
41 (34). 13. B S ἐθέμην [A R διεθ.] διαθήκην (8)
45 (38). 12. ταῦτα θὲς ὑποκάτω τῶν σχοινίων (25 a)
47 (40). 4. θήσω τοὺς ὀφθαλμούς μου ἐπὶ σέ (25 a)
49 (42). 17. οἱ θέντες τὸ πρόσωπον αὐτῶν εἰς γῆν Αἰγύπτου (25 a)
50 (43). 10. θήσει αὐτοῦ τὸν θρόνον ἐπάνω τῶν λίθων τούτων (25 a)
Ba. 2. 26. ἔθηκας τὸν οἶκον . . . ὡς ἡ ἡμέρα αὕτη
La. 3. 11. ἔθετό με ἠφανισμένην (25 a)
— 45. ἔθηκας ἡμᾶς ἐν μέσῳ τῶν λαῶν (25 a)
Ez. 4. 1. θήσεις αὐτὴν πρὸ προσώπου σου (16)
— 3. θήσεις αὐτὸ τοῖχον σιδηροῦν (16)
— 4. θήσεις τὰς ἀδικίας τοῦ οἴκου Ἰσραὴλ ἐπ' αὐτοῦ (25 a)
— 6. ἡμέραν εἰς ἐνιαυτὸν τέθεικά σοι (16)
5. 5. ἐν μέσῳ τῶν ἐθνῶν τέθεικα αὐτήν (25 a)
Ez. 5. 14. θήσομαί σε εἰς ἔρημον (16)
6. 14. θήσομαι τὴν γῆν εἰς ἀφανισμόν (16)
7. 20. ἐκλεκτὰ κόσμου εἰς ὑπερηφανίαν ἔθεντο αὐτά (25 a)
13. 14. θήσω αὐτὸν ἐπὶ τὴν γῆν (10)
14. 3. ἔθεντο τὰ διανοήματα αὐ. ἐπὶ τὰς καρδίας αὐ. καὶ τὴν κόλασιν τῶν ἀδικιῶν αὐ. ἔθηκαν πρὸ προσώπου αὐ. (18, 16)
— 4. ὃς ἂν θῇ τὰ διανοήματα αὐτοῦ ἐπὶ τὴν καρδίαν αὐτοῦ (18)
— 7. θῆται [A θῇ] τὰ ἐνθυμήματα αὐτοῦ ἐπὶ τὴν καρδίαν αὐτοῦ (18)
— 8. θήσομαι [A -σω] αὐτὸν εἰς ἔρημον †
16. 18. τὸ θυμίαμά μου ἔθηκας πρὸ προσώπου αὐτῶν (16)
— 19. ἔθηκας αὐτὰ πρὸ προσώπου αὐτῶν (16)
— 38. θήσω [A -σομαί] σε ἐν αἵματι θυμοῦ [A τῷ αἵ. σου] (16)
17. 4. εἰς πόλιν τετειχισμένην ἔθετο αὐτά (25 a)
18. 12. εἰς τὰ εἴδωλα ἔθετο τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ (15)
— 15. τοὺς ὀφθ. αὐ. οὐκ ἔθετο εἰς τὰ ἐνθυμήμ. (15)
19. 9. ἔθεντο αὐτὸν ἐν κημῷ (16)
21. 27 (32). ἀδικίαν ἀδικίαν ἀδικίαν [A B³ om.] θήσομαι αὐτήν (25 a)
25. 13. θήσομαι αὐτὴν ἔρημον (16)
28. 14. ἔθηκά σε ἐν ὄρει ἁγίῳ θεοῦ (16)
30. 24. A θήσω [B δώσω] τὴν ῥομφαίαν μου εἰς τὴν χεῖρα αὐτοῦ (16)
32. 27. ἔθηκαν τὰς μαχαίρας αὐ. ὑπὸ τὰς κεφ. (16)
35. 9. ἐρημίαν αἰώνιον θήσομαί σε (16)
36. 37. A ἔτι τοῦτο ζήτημα θήσομαι [B τ. ζητηθήσομαι] (34)
37. 1. ἔθηκέ με ἐν μέσῳ τοῦ πεδίου (11 a)
— 14. θήσομαι ὑμᾶς ἐπὶ τὴν γῆν ὑμῶν (11 a)
— 26. θήσω τὰ ἅγιά μου ἐν μέσῳ αὐτῶν (16)
40. 2. ἔθηκέ με ἐπ' ὄρος ὑψηλόν (11 a)
42. 13. B ἐκεῖ θήσουσι τὰ ἅγια τῶν ἁγίων (11 a)
43. 8. ἐν τῷ τ. αὐτοὺς τὸ πρόθυρόν μου (16)
44. 19. θήσουσιν αὐτὰς ἐν ταῖς ἐξέδραις τῶν ἁγίων (11 a)
— 30. τοῦ θεῖναι εὐλογίας ὑμῶν ἐπὶ τοὺς οἴκους ὑμῶν (11 a)
Da. LXX. 6. 17 (18). καὶ ἐτέθη εἰς τὸ στόμα τοῦ λάκκου (25 b)
7. 9. ἕως ὅτε θρόνοι ἐτέθησαν (24)
8. 11. ἔθηκεν αὐτὴν ἕως χαμαὶ ἐπὶ τὴν γῆν –
Bel 35. ἔθηκεν αὐτὸν ἐπάνω τοῦ λάκκου
Da. TH. Su. 34. ἔθηκαν τὰς χεῖρας ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ.
1. 8. ἔθετο Δ. ἐπὶ τὴν καρδίαν αὐ. (25 a)
3. 10. σὺ, βασιλεῦ, ἔθηκας δόγμα (25 b)
4. 3. δι' ἐμοῦ ἐτέθη δόγμα (25 b)
6. 26 (27). ἐκ προσώπου μου ἐτέθη δόγμα τοῦτο (25 b)
7. 9. θρόνοι ἐτέθησαν (24)
Bel 11. καὶ τὸν οἶνον κεράσας θές
— 36. ἔθηκεν αὐτὸν εἰς Βαβυλῶνα
I Ma. 1. 34. ἔθηκαν ἐκεῖ ἔθνος ἁμαρτωλόν
— 53. ἔθετο τὸν Ἰσρ. ἐν κρυφίοις
9. 51. A ἔθεντο [S R ἔθετο] φρουρὰν ἐν αὐτοῖς
— 52. A ἔθεντο [S R ἔθετο] ἐν αὐταῖς δυνάμεις
— 53. A ἔθεντο [S R ἔθετο] αὐτοὺς ἐν τῇ ἄκρᾳ
10. 4. τοῦ εἰρήνην θεῖναι μετ' αὐτῶν πρὶν ἢ θεῖναι αὐτὸν μετὰ Ἀλ.
— 65. ἔθετο αὐτὸν στρατηγόν
11. 37. καὶ τεθήτω ἐν τῷ ὄρει τῷ ἁγίῳ
— 66. ἔθετο ἐπ' αὐτὴν φρουράν
12. 34. ἔθετο ἐκεῖ φρουράν
13. 33. ἔθετο βρώματα ἐν τοῖς ὀχυρώμασι
— 53. ἔθετο αὐτὸν ἡγούμενον τῶν δυνάμεων πασῶν
14. 3. A S² R ἔθετο αὐτὸν ἐν φυλακῇ
— 23. τοῦ θέσθαι τὸ ἀντίγραφον τῶν λόγων αὐ. ἐν τοῖς ἀποδεδειγμ. . . . βιβλίοις
— 27. A καὶ ἔθεντο ἐν στήλῃ [S R -αις]
— 33. ἔθετο ἐκεῖ φρουρὰν ἄνδρας Ἰουδ.
— 34. ὅσα ἐπιτήδεια . . . ἔθετο ἐν αὐτοῖς
— 35. A R ἔθεντο [S ἔθετο] αὐτὸν ἡγούμενον αὐτῶν
— 46. θέσθαι Σίμωνι ποιῆσαι
— 48. τὴν γραφὴν τ. εἶπον θέσθαι ἐν δέλτοις χαλκαῖς
— 48. A καὶ θῆσαι [S R στῆσαι] αὐτὰς ἐν περιβόλῳ
— 49. τὰ δὲ ἀντίγραφα αὐ. θέσθαι ἐν τῷ γαζοφυλακίῳ
II Ma. 4. 15. τὰς μὲν πατρῴας τιμὰς ἐν οὐδενὶ τεθειμένοι
— 34. A δεξιὰς θεὶς [? δεξιασθεὶς] μεθ' ὅρκων [R al.]
5. 21. τὸ πέλαγος πορευτὸν θέσθαι
7. 12. ὡς ἐν οὐδενὶ τὰς ἀληθδόνας ἐτίθετο
II Ma. 14. 21. ἔθεσαν δίφρους
III Ma. 1. 17. ἄδηλον τιθέμενοι τὸ γινόμενον
2. 24. μετὰ ἀπειλῆς δὲ πικρᾶς θέμενος ἀνέλυσε
5. 43. R ἰσόπεδον πυρὶ καὶ δόρατι θήσεσθαι [A στήσ.]
6. 34. εἰς ὄλεθρον καὶ οἰωνοβρώτους αὐτοὺς ἔσεσθαι τιθέμενοι
IV Ma. 4. 23. δόγμα ἔθετο
8. 12. S ἐκέλευσεν εἰς τὸ ἔμπροσθεν τιθέναι [A R προτεθῆναι] τὰ βασανιστήρια
[Aq. Ex. 24. 6: 40. 3, 30: Dt. 7. 15: I Ki. 6. 8: 9. 24: 22. 4: IV Ki. 9. 13: Jb. 1. 17: 13. 27: 17. 12: Ps. 9. 21: 18 (19). 5: 20 (21). 13: 38 (39). 9: 45 (46). 9: 48 (49). 15: 51 (52). 9: 65 (66). 2, 11: 73 (74). 4: 83 (84). 4, 7: 87 (88). 7: 90 (91). 9: 106 (107). 41: Pr. 23. 2: 27. 23: Is. 41. 19: 49. 6: 51. 23: 57. 1, 7: 62. 7: Je. 9. 8 (7): 40 (47). 10: 42 (49). 15 bis: 51 (28). 25: Ez. 6. 2: 13. 17: 19. 5: 21. 2 (7), 19 (24), 27 (32): 25. 2: 29. 2: 36. 37: Da. 3. 12 (Sw.).]
[Sm. Ge. 19. 16: 30. 41, 42: Ex. 40. 3, 30: I Ki. 6. 8: 22. 4: III Ki. 6. 19, 27: IV Ki. 9. 13: 12. 17 (18): 16. 14: 21. 7: Ps. 9. 35 (10. 14): 55 (56). 9: 65 (66). 11: 73 (74). 4: 84 (85). 14: 90 (91). 9: Is. 49. 6: 50. 4: 51. 23: 57. 1, 7: 62. 7: Je. 9. 8 (7): 42 (49). 15 bis: Ez. 6. 2: 7. 4: 21. 27 (32): 23. 24: 36. 37.]
[Th. Ex. 28. 26†: 40. 3, 28, 30: Jd. 1. 28: 9. 25: I Ki. 22. 4: Jb. 17. 12: 22. 24: 24. 15, 25: 34. 23: 37. 12†: Ps. 18 (19). 5: 73 (74). 4: Pr. 8. 29: 23. 2: 27. 23: Ca. 1. 6: Is. 26. 12 (Sw.): 38. 13: 41. 19: 49. 6: 51. 23: 57. 1, 7: 62. 7: Je. 12. 11: 38 (45). 12: 39 (46). 12: 44 (51). 12: Ez. 13. 17: 20. 28: 21. 2 (7), 27 (32): 23. 24: 25. 2: 29. 2: 36. 37.]
[Al. Ge. 44. 21: Dt. 11. 18: I Ki. 22. 15: II Ki. 20. 19: Jb. 26. 9: Is. 26. 12.]
[Heb. IV Ki. 16. 14.]
[Quint. IV Ki. 16. 14: Ps. 18 (19). 5: 90 (91). 9: Ca. 6. 11 (12).]

τιθηνεῖν. (1) אָמַן

Si. 30. 9. τιθήνησον τέκνον καὶ ἐκθαμβήσει σε
La. 4. 5. R οἱ τιθηνούμενοι ἐπὶ κόκκων [B -ῳ, A κόλπων] περιεβάλλοντο [A -έλαβον] κοπρίας (1)
III Ma. 3. 15. τιθηνήσασθαι τὰ κατοικοῦντα Κοίλην Συρίαν . . . ἔθνη
[Aq. Is. 60. 4.]

τιθηνία (S -ιος).

IV Ma. 16. 7. ὦ . . . ἄκαρποι τ.

τιθηνίζεσθαι.

[Aq. Is. 53. 2.]

τιθηνός. (1) אָמֹן

Nu. 11. 12. ὡσεὶ ἄραι τιθηνὸς τὸν θηλάζοντα (1)
Ru. 4. 16. ἐγενήθη αὐτῷ εἰς τιθηνόν (1)
II Ki. 4. 4. B¹ ἤρεν αὐτὸν ὁ [A B² R ἡ] τ. αὐ. (1)
IV Ki. 10. 1. ἀπέστειλεν . . . πρὸς τοὺς τ. Ἀχ. (1)
— 5. ἀπέστειλαν . . . οἱ τ. πρὸς Ἰ. (1)
Is. 49. 23. ἔσονται βασιλεῖς τιθηνοί σου (1)
III Ma. 1. 20. αἵ τε πρὸς τούτοις μητέρες καὶ τιθηνοί
[Aq. Ge. 24. 59.]

τιθηνοῦσθαι.

[Aq. Pr. 8. 30.]

τιθίζεσθαι.

[Aq. Is. 53. 2.]

τίκτειν. (1) הָרָה (2) יָלַד *a.* qal. *b.* ni. *c.* pu. *d.* hi. *e.* hoph. *f.* יְלוּד *g.* לֵדָה (3) מָלַט hi.

Ge. 3. 16. ἐν λύπαις τέξῃ τέκνα (2 a)
4. 1. ἔτεκε τὸν Κ. (2 a)
— 2. προσέθηκε τεκεῖν τὸν ἀδ. αὐ. τὸν Ἄ. (2 a)
— 17. συλλαβοῦσα ἔτεκε τὸν Ἐ. (2 a)
— 20. ἔτεκεν Ἀ. τὸν Ἰ. (2 a)
— 22. Σ. δὲ ἔτεκε καὶ αὐτὴ τὸν Θ. (2 a)
— 25. συλλαβοῦσα ἔτεκεν υἱόν (2 a)
16. 1. Σάρα δὲ . . . οὐκ ἔτικτεν αὐτῷ (2 a)
— 2. συνέκλεισέ με κύριος τοῦ μὴ τίκτειν (2 a)
— 11. καὶ τέξῃ υἱόν (2 a)

Ge. 16. 15. ἔτεκεν Α. τῷ Αβ. υἱόν (2 a)
— 15. ὃν ἔτεκεν αὐτῷ Α. (2 a)
— 16. ἡνίκα ἔτεκεν Α. τὸν Ἰσμ. τῷ Αβ. (2 a)
17. 17. R εἰ ἡ Σ. ἐνενήκοντα ἐτῶν τέξεται [A al.] (2 a)
— 19. Σάρρα ἡ γυνή σου τέξεταί σοι υἱόν (2 a)
— 21. ὃν τέξεταί σοι Σάρρα (2 a)
18. 13. ἆρά γε ἀληθῶς τέξομαι (2 a)
19. 37. ἔτεκεν ἡ πρεσβυτέρα υἱόν (2 a)
— 39 (38). ἔτεκε δὲ καὶ ἡ νεωτέρα υἱόν (2 a)
20. 17. καὶ ἔτεκον (2 a)
21. 2. ἔτεκε Σ. τῷ Αβ. υἱὸν εἰς τὸ γῆρας (2 a)
— 3. ὃν ἔτεκεν αὐτῷ Σ. (2 a)
— 7. ἔτεκον υἱὸν ἐν τῷ γήρει μου (2 a)
22. 20. τέτοκε Μ. καὶ αὐτὴ υἱοὺς Ν. (2 a)
— 23. οὓς ἔτεκε Μ. τῷ Ν. (2 a)
— 24. ἔτεκε καὶ αὐτὴ τὸν Τ. (2 a)
24. 15. Ῥεβ. ἐξεπορεύετο ἡ τεχθεῖσα Βαθ. (2 c)
— 24. ὃν ἔτεκεν αὐτῷ Ν. (2 a)
— 36. ἔτεκε Σάρρα . . . υἱὸν ἕνα (2 a)
— 47. ὃν ἔτεκεν αὐτῷ Μ. (2 a)
25. 2. ἔτεκε δὲ αὐτῷ τὸν Ζ. (2 a)
— 12. ὃν ἔτεκεν Α. (2 a)
— 24. ἐπληρώθησαν αἱ ἡμέραι τοῦ τεκεῖν αὐτήν (2 a)
— 26. R ὅτε ἔτεκεν [A ἐγέννησεν] αὐτοὺς Ῥεβ. (2 a)
29. 32. ἔτεκεν υἱὸν τῷ Ἰ. (2 a)
— 33. ἔτεκεν υἱὸν δεύτερον τῷ Ἰ. (2 a)
— 34. καὶ ἔτεκεν υἱόν (2 a)
— 34. τέτοκα γὰρ αὐτῷ τρεῖς υἱούς (2 a)
— 35. συλλαβοῦσα ἔτι ἔτεκεν υἱόν (2 a)
— 35. ἔστη τοῦ τίκτειν (2 a)
30. 1. οὐ τέτοκε τῷ Ἰ. (2 a)
— 3. τέξεται ἐπὶ τῶν γονάτων μου (2 a)
— 5. ἔτεκε τῷ Ἰ. υἱόν (2 a)
— 7. ἔτεκεν υἱὸν δεύτερον τῷ Ἰ. (2 a)
— 9. ἔστη τοῦ τίκτειν (2 a)
— 10. ἔτεκε τῷ Ἰ. υἱόν (2 a)
— 12. ἔτεκεν ἔτι τῷ Ἰ. υἱὸν δεύτερον (2 a)
— 17. συλλαβοῦσα ἔτεκε τῷ Ἰ. υἱὸν πέμπτον (2 a)
— 19. ἔτεκεν υἱὸν ἕκτον τῷ Ἰ. (2 a)
— 20. τέτοκα γὰρ αὐτῷ υἱοὺς ἕξ (2 a)
— 21. ἔτεκε θυγατέρα (2 a)
— 21. A ἔστη τοῦ τίκτειν –
— 23. ἔτεκε τῷ Ἰ. υἱόν (2 a)
— 25. ὡς ἔτεκε Ῥ. τὸν Ἰ. (2 a)
— 39. ἔτικτον τὰ πρόβατα διάλευκα (2 a)
— 42. A ἡνίκα γὰρ ἔτεκον τὰ πρόβατα [R al.] †
31. 8. τέξεται πάντα τὰ πρόβατα ποικίλα (2 a)
— 8. τέξεται πάντα τὰ πρόβατα λευκά (2 a)
— 43. τί ποιήσω . . . τοῖς τέκνοις αὐ. οἷς ἔτεκον (2 a)
34. 1. ἣν ἔτεκε τῷ Ἰ. (2 a)
35. 16. ἔτεκε Ῥαχήλ (2 a)
— 17. ἐν τῷ σκληρῶς αὐτὴν τίκτειν (2 a)
36. 4. ἔτεκε δὲ Ἀδὰ τῷ Ἠ. τὸν Ἐλ. (2 a)
— 4. Βασ. ἔτεκε τὸν Ῥαγ. (2 a)
— 5. Ὀλ. ἔτεκε τὸν Ἰ. (2 a)
— 12. ἔτεκε τῷ Ἐλ. τὸν Ἀμαλήκ (2 a)
— 14. ἔτεκε δὲ τῷ Ἠ. τὸν Ἰ. (2 a)
38. 3. συλλαβοῦσα ἔτεκεν υἱόν (2 a)
— 4. συλλαβοῦσα ἔτι ἔτεκεν υἱόν (2 a)
— 5. προσθεῖσα ἔτι ἔτεκεν υἱόν (2 a)
— 5. ἡνίκα ἔτεκεν αὐτούς (2 a)
— 27. A ἡνίκα ἔτεκεν [R ἔτικτε] (2 a)
— 28. ἐν τῷ τίκτειν αὐτήν (2 a)
41. 50. οὓς ἔτεκεν αὐτῷ Ἀσ. (2 a)
44. 27. δύο ἔτεκέ μοι ἡ γυνή (2 a)
46. 15. οὓς ἔτεκε τῷ Ἰ. (2 a)
— 18. ἃ ἔτεκε τούτους τῷ Ἰ. (2 a)
— 20. οὓς ἔτεκεν αὐτῷ Ἀσ. (2 a)
— 20. οὓς ἔτεκεν αὐτῷ ἡ παλλακὴ ἡ Σύρα –
— 22. R οὓς ἔτεκε τῷ Ἰ. [A al.] (2 c)
— 25. ἃ ἔτεκε τούτους τῷ Ἰ. (2 a)
50. 23. ἐτέχθησαν ἐπὶ μηρῶν Ἰ. (2 c)
Ex. 1. 16. ὅταν . . . ὦσι πρὸς τῷ τίκτειν †
— 19. τίκτουσι γὰρ πρὶν ἢ εἰσελθεῖν . . . τὰς μαίας †
— 19. καὶ ἔτικτον (2 a)
— 22. ὃ ἐὰν τεχθῇ τοῖς Ἑβρ. (2 f)
2. 2. καὶ ἔτεκεν ἄρσεν (2 a)
— 22. ἔτεκεν υἱόν (2 a)
6. 23. ἔτεκεν αὐτῷ τόν τε Ν. (2 a)
— 25. ἔτεκεν αὐτῷ τὸν Φ. (2 a)
21. 4. ἐὰν δὲ . . . τέκῃ αὐτῷ υἱούς (2 a)
Le. 12. 2. καὶ τέκῃ ἄρσεν (2 a)
— 5. ἐὰν δὲ θῆλυ τέκῃ (2 a)
— 7. οὗτος ὁ νόμος τῆς τικτούσης ἄρσεν (2 a)
Le. 22. 27. ὡς ἂν τεχθῇ (2 b)
Nu. 11. 12. ἢ ἐγὼ ἔτεκον [A τέτοκα] αὐτούς (2 a)
26. 59. ἃ ἔτεκε τούτους τῷ Λ. (2 a)
— 59. καὶ ἔτεκε τῷ Ἀμρὰμ τὸν Ἀ. (2 a)
— 60. A ἐτέχθησαν [B ἐγεννήθησαν] τῷ Ἀ. ὅ τε Ν. (2 b)
De. 15. 19. ὃ ἐὰν τεχθῇ ἐν ταῖς βουσί σου (2 b)
21. 15. καὶ τέκωσιν αὐτῷ ἡ ἠγαπημ. καὶ ἡ μισουμ. (2 a)
25. 6. τὸ παιδίον ὃ ἐὰν τέκῃ [A ἂν τεχθῇ] (2 a)
28. 57. καὶ τὸ τέκνον ὃ ἂν τέκῃ (2 a)
Jd. 8. 31. ἔτεκεν αὐτῷ καί γε αὐτὴ υἱόν (2 a)
11. 1. A καὶ ἔτεκε τῷ Γ. τὸν Ἰ. [B al.] (2 d)
— 2. ἔτεκεν ἡ γυνὴ Γ. αὐτῷ υἱούς (2 a)
13. 2. καὶ οὐκ ἔτεκε [A ἔτικτεν] (2 a)
— 3. καὶ οὐ τέτοκας (2 a)
— 3. A καὶ τέξῃ [B συλλήψῃ] υἱόν (2 a)
— 5, 7. καὶ τέξῃ υἱόν (2 a)
— 8. τί ποιήσωμεν τῷ παιδίῳ τῷ τικτομ. (2 c)
— 24. ἔτεκεν ἡ γυνὴ υἱόν [A om.] (2 a)
18. 29. ὃς ἐτέχθη [A ἐγενήθη] τῷ Ἰσρ. (2 c)
Ru. 1. 12. καὶ τέξομαι υἱούς (2 a)
4. 12. ὃν ἔτεκε Θ. τῷ Ἰ. (2 a)
— 13. καὶ ἔτεκεν [A ἐγέννησεν] υἱόν (2 a)
— 15. ἡ νύμφη ἡ ἀγαπήσασά σε ἔτεκεν αὐτόν (2 a)
— 17. ἐτέχθη υἱὸς τῇ Ν. (2 c)
I Ki. 1. 20. καὶ ἔτεκεν υἱόν (2 a)
2. 5. στεῖρα ἔτεκεν ἑπτά (2 a)
— 21. ἔτεκεν ἔτι τρεῖς υἱούς (2 a)
4. 19. συνειληφυῖα τοῦ τεκεῖν (2 a)
— 19. ἔκλαυσε καὶ ἔτεκεν (2 a)
— 20. υἱὸν τέτοκας (2 a)
II Ki. 3. 2. ἐτέχθησαν τῷ Δ. υἱοί (2 b, 2 c*)
— 5. οὗτοι ἐτέχθησαν τῷ Δ. (2 c)
11. 27. ἔτεκεν αὐτῷ υἱόν (2 a)
12. 14. ὁ υἱός σου ὁ τεχθείς σοι θανάτῳ ἀποθανεῖται (2 f)
— 15. ὃ ἔτεκεν ἡ γυνὴ Οὐρ. τῷ Δ. (2 a)
— 24. καὶ ἔτεκεν υἱόν (2 a)
14. 27. ἐτέχθησαν τῷ Ἀβ. τρεῖς υἱοί (2 b)
— 27. τίκτει αὐτῷ τὸν Ἀβ. –
21. 8. οὓς ἔτεκε τῷ Σαούλ (2 a)
— 8. οὓς ἔτεκε τῷ Ἐ. (2 a)
— 20. αὐτὸς ἐτέχθη τῷ Ῥ. (2 c)
— 22. οἱ τέσσαρες οὗτοι ἐτέχθησαν [A om.] ἀπόγονοι (2 c)
III Ki. 1. 6. καὶ αὐτὸν ἔτεκεν ὀπίσω Ἀβ. (2 a)
3. 17. καὶ ἐτέκομεν ἐν τῷ οἴκῳ (2 a)
— 18. τεκούσης μου καὶ ἔτεκε καὶ ἡ γυνὴ αὕτη (2 a, 2 a)
— 21. οὐκ ἦν ὁ υἱός μου ὃν ἔτεκον (2 a)
11. 20. ἔτεκεν αὐτῷ ἡ ἀδ. Θ. τῷ Ἀ. τὸν Γ. (2 a)
12. 24. B ἔτεκε τῷ Ἱερ. τὸν Ἀ. υἱὸν αὐ. –
13. 2. υἱὸς τίκτεται τῷ οἴκῳ Δ. (2 b)
IV Ki. 4. 17. καὶ ἔτεκεν υἱόν (2 a)
19. 3. ἰσχὺς οὐκ ἔστι τῇ τικτούσῃ (2 a)
I Ch. 1. 32. καὶ ἔτεκεν [A add. υἱὸν] αὐτῷ τὸν Ζ. (2 a)
— 36. A ἔτεκεν αὖτη τὸν Ἀμ. [B al.] –
2. 4. ἔτεκεν αὐτῷ τὸν Φ. (2 a)
— 9. οἱ ἐτέχθησαν αὐτῷ (2 b)
— 19. καὶ ἔτεκεν αὐτῷ τὸν Ὠρ (2 a)
— 21. ἔτεκεν αὐτῷ τὸν Σ. (2 a)
— 24. ἔτεκεν αὐτῷ τὸν Α. (2 a)
— 29. ἔτεκεν αὐτῷ τὸν Ἀχ. (2 a)
— 35. ἔτεκεν αὐτῷ τὸν Ἐθθεί (2 a)
3. 1. υἱοὶ Δ. οἱ τεχθέντες αὐτῷ ἐν Χ. (2 b)
— 5. οὗτοι ἐτέχθησαν αὐτῷ ἐν Ἱερ. (2 b)
4. 6. ἔτεκεν αὐτῷ Α. τὸν Ὠ. (2 a)
— 9. ἔτεκον ὡς γάβης (2 a)
— 18. ἔτεκε τὸν Ἰ. (2 a)
7. 14. ὃν ἔτεκεν ἡ παλλακὴ αὐ. ἡ Σύρα (2 a)
— 14. ἔτεκε τὸν Μ. πατέρα Γαλ. (2 a)
— 16. ἔτεκε Μ. γυνὴ Μ. υἱόν (2 a)
— 18. ἔτεκε τὸν Ἰσ. (2 a)
— 21. ἄνδρες Γὲθ οἱ τεχθέντες ἐν γῇ (2 b)
— 23. καὶ ἔτεκεν υἱόν (2 a)
14. 3. ἐτέχθησαν [S¹ ἐτέθ.] Δ. ἔτι υἱοί (2 d)
— 4. ταῦτα τὰ ὀνόματα αὐτῶν τῶν τεχθέντων (2 a)
22. 9. υἱὸς τίκτεταί σοι (2 b)
26. 6. τῷ Σαμ. υἱῷ αὐ. ἐτέχθησαν υἱοί (2 b)
II Ch. 11. 19. ἔτεκεν [A -ον] αὐτῷ υἱούς (2 a)
— 20. ἔτεκεν αὐτῷ τὸν Α. (2 a)
Jb. 38. 28. τίς δέ ἐστιν ὁ τετοκὼς βώλους δρόσου (2 d)
— 29. πάχνην δὲ ἐν οὐρανῷ τίς τέτοκεν (2 a)
Ps. 7. 14. A S R ἔτεκεν ἀνομίαν [B ἀδικίαν] (2 a)
21 (22). 31. ἀναγγελοῦσι τὴν δικαιοσύνην αὐτοῦ λαῷ τῷ τεχθησομένῳ (2 b)
Ps. 47 (48). 6. ἐκεῖ ὠδῖνες ὡς τικτούσης (2 a)
77 (78). 6. ὅπως ἂν γνῷ γενεὰ ἑτέρα υἱοὶ οἱ τεχθησόμενοι (2 b)
Pr. 3. 28. οὐ γὰρ οἶδας τί τέξεται ἡ ἐπιοῦσα –
10. 23. ἡ δὲ σοφία ἀνδρὶ τίκτει φρόνησιν –
17. 25. B² S² R καὶ ὀδύνη τῇ τεκούσῃ αὐτόν [A B¹ S¹ -οῦ] (2 a)
19. 13. A καὶ ὀδύνη τῇ τεκούσῃ αὐτοῦ –
23. 25. χαιρέτω ἡ τεκοῦσά σε (2 a)
27. 1. οὐ γὰρ γινώσκεις τί τέξεται ἡ ἐπιοῦσα (2 a)
Ec. 3. 2. καιρὸς τοῦ τεκεῖν (2 a)
Ca. 6. 8 (9). S² R ἐκλεκτή ἐστι τῇ τεκούσῃ αὐτήν [A B S¹ -ῆς] (2 a)
8. 5. B³ S² R ἐκεῖ ὠδίνησέ σε ἡ τεκοῦσά σε [A B¹ S¹ σου] (2 a)
Si. 8. 18. οὐ γὰρ γινώσκεις τί τέξεται
19. 11. ὡς ἀπὸ προσώπου βρέφους ἡ τίκτουσα
48. 19. ὠδίνησαν ὡς αἱ τίκτουσαι
Ho. 1. 3. ἔτεκεν αὐτῷ υἱόν (2 a)
— 6. ἔτεκε θυγατέρα (2 a)
— 8. ἔτεκεν υἱόν (2 a)
2. 5 (7). κατῄσχυνεν ἡ τεκοῦσα αὐτά (1)
13. 13. ὠδῖνες ὡς τικτούσης ἥξουσιν αὐτῷ (2 a)
Mi. 4. 9. κατεκράτησάν σου ὠδῖνες ὡς τικτούσης (2 a)
— 10. ἔγγιζε, θυγάτηρ Σιών, ὡς τίκτουσα (2 a)
5. 3 (2). δώσει αὐτοὺς ἕως καιροῦ τικτούσης τέξεται (2 a, 2 a)
Is. 7. 14. τέξεται υἱόν (2 a)
8. 3. ἔτεκεν υἱόν (2 a)
13. 8. ὠδῖνες αὐτοὺς ἕξουσιν ὡς γυναικὸς τικτούσης (2 a)
21. 3. ὠδῖνες ἔλαβόν με ὡς τὴν τίκτουσαν (2 a)
23. 4. οὐκ ὤδινον οὐδὲ ἔτεκον (2 a)
26. 17. ἡ ὠδίνουσα ἐγγίζει [A S² add. τοῦ] τεκεῖν (2 a)
— 18. ὠδινήσαμεν καὶ ἐτέκομεν (2 a)
37. 3. ἥκει ἡ ὠδὶν τῇ τικτούσῃ ἰσχὺν δὲ οὐκ ἔχει τοῦ τεκεῖν (†, 2 g)
42. 14. ὡς ἡ τίκτουσα ἐκαρτέρησα (2 a)
51. 18. ἀπὸ πάντων τῶν τέκνων σου ὧν ἔτεκες (2 a)
54. 1. εὐφράνθητι στεῖρα ἡ οὐ τίκτουσα (2 a)
59. 4. τίκτουσιν ἀνομίαν (2 d)
66. 7. πρὶν τὴν ὠδίνουσαν τεκεῖν (2 a)
— 7. ἔτεκεν ἄρσεν (3)
— 8. ἐτέχθη ἔθνος εἰσάπαξ ὅτι ὤδινε καὶ ἔτεκε Σιὼν τὰ παιδία αὐτῆς (2 b, 2 a)
Je. 6. 24. ὠδῖνες ὡς τικτούσης (2 a)
8. 21. κατίσχυσάν με ὠδῖνες ὡς τικτούσης –
13. 21. καθέξουσί σε καθὼς γυναῖκα τίκτουσαν (2 g)
14. 5. ἔλαφοι ἐν ἀγρῷ ἔτεκον [A -οσαν] (2 a)
15. 9. ἐκενώθη ἡ τίκτουσα ἑπτά (2 a)
— 10. ὡς τινά με ἔτεκες ἄνδρα δικαζόμενον (2 a)
16. 3. περὶ τῶν μητέρων αὐτῶν τῶν τετοκυιῶν αὐτούς (2 a)
17. 11. συνήγαγεν ἃ οὐκ ἔτεκε (2 a)
20. 14. ἐν ᾗ ἐτέχθην [A ἐγενήθην] ἐν αὐτῇ ἡ ἡμέρα ἐν ᾗ [S ἡ. ᾗ] ἔτεκέν με ἡ μήτηρ μου (2 c, 2 a)
— 15. ἐτέχθη σοι ἄρσην [B S -σεν] (2 c)
22. 23. ἐν τῷ ἐλθεῖν σοι ὀδύνας [A ὠδῖνας] ὡς τικτούσης (2 a)
— 26. ἀπορρίψω [A παραδώσω] σε καὶ τὴν μητέρα σου τὴν τεκοῦσάν σε εἰς γῆν οὗ οὐκ ἐτέχθης ἐκεῖ (2 a, 2 c)
27 (50). 12. A R ἐνετράπη ἡ τεκοῦσα ὑμᾶς (2 a)
— 43. ὠδῖνες ὡς τικτούσης (2 a)
37 (30). 6. ἴδετε εἰ ἔτεκεν ἄρσεν (2 a)
Ez. 16. 4, 5. ἐν ᾗ ἡμέρᾳ ἐτέχθης (2 e)
23. 4. ἔτεκον υἱοὺς καὶ θυγατέρας (2 a)
III Ma. 1. 18. σὺν ταῖς τεκούσαις ἐξώρμησαν
IV Ma. 16. 6. ἥτις ἑπτὰ παῖδας τεκοῦσα

[Aq. Ge. 33. 13: Dt. 25. 6: Jb. 15. 35: Ps. 2. 7: 7. 15: 86 (87). 4, 5, 6: 89 (90). 2: Is. 7. 14: Je. 15. 10: 30 (37). 6: 49. 24 (30. 13).]
[Sm. Ge. 4. 2: Ex. 1. 19: Jb. 25. 4: Ps. 47 (48). 7: 86 (87). 4, 5, 6: 89 (90). 2: Ca. 8. 5: Is. 7. 14: 66. 7, 9: Je. 15. 10: 30 (37). 6: 50 (27). 12.]
[Th. Ex. 1. 19: Jb. 13. 3: Is. 33. 11: 54. 1: Je. 14. 5: 30 (37). 6: 49. 24 (30. 13): 50 (27). 12.]
[Al. Ex. 6. 20: Ps. 86 (87). 4.]

τίλλειν. (1) מָרַט *a.* qal. *b.* pu. *c.* מְרַט
II Es. 9. 3. ἔτιλλον ἀπὸ τῶν τριχῶν τῆς κεφαλῆς μου (1 a)
Is. 18. 7. ἐκ λαοῦ τεθλιμμένου καὶ τετιλμένου (1 b)
Da. LXX. 7. 4. ἐτίλη τὰ πτερὰ αὐ. (1 c)

τιμᾶν. (1) הָדַר (2) יָקַר (3) כָּבַד *a.* pi. *b.* pu. (4) נָשָׂא pi. (5) *a.* עָרַךְ hi. *b.* עֶרֶךְ (6) שָׁקַל

Ex. 20. 12. τίμα τὸν πατέρα σου (3 *a*)
Le. 19. 32. τιμήσεις πρόσωπον πρεσβυτέρου (1)
27. 8 *bis.* τιμήσεται αὐτὸν ὁ ἱερεύς (5 *a*)
— 12. τιμήσεται [A -σει] αὐτὸ ὁ ἱερεύς (5 *a*)
— 12. καθότι ἂν τιμηθήσεται [A -μήσεται, R -μήσηται] ὁ ἱ. (5 *b*)
— 14. τιμήσεται αὐτὴν ὁ ἱερεύς (5 *a*)
— 14. ὡς ἂν τιμήσεται αὐτὴν ὁ ἱερεύς (5 *a*)
Nu. 22. 17. ἐντίμως γὰρ τιμήσω σε (3 *a*)
— 37. ὄντως οὐ δυνήσομαι τιμῆσαί σε (3 *a*)
24. 11. τιμήσω σε (3 *a*)
De. 5. 16. τίμα τὸν πατέρα σου (3 *a*)
I Ki. 18. 30. A ἐτιμήθη τὸ ὄνομα αὐ. σφόδρα (2)
I Es. 8. 26. καὶ ἐμὲ ἐτίμησεν
To. 4. 3. τίμα αὐτὴν πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου [S *al.*]
10. 13. τίμα τοὺς πενθερούς σου [S *al.*]
11. 1. S εὐοδωθῇ σοι τιμᾶν αὐτούς
Es. 8. 12. πολλοὶ τῇ πλείστῃ . . . χρηστότητι πυκνότερον τιμώμενοι
9. 3. οἱ βασιλικοὶ γραμματεῖς ἐτίμων [S¹ τιμῶνται] τοὺς Ἰουδ. (4)
Ps. 138 (139). 17. ἐμοὶ δὲ λίαν ἐτιμήθησαν οἱ φίλοι σου (2)
Pr. 3. 9. τίμα τὸν κύριον ἀπὸ σῶν δικαίων πόνων (3 *a*)
4. 8. τίμησον αὐτὴν ἵνα σε περιλάβῃ (3 *a*)
6. 8. τὴν σοφίαν τιμήσασα προήχθη –
7. 2. τίμα τὸν κύριον καὶ ἰσχύσεις –
14. 31. ὁ δὲ τιμῶν αὐτὸν ἐλεᾷ πτωχόν (3 *a*)
15. 22. ὑπερτίθενται λογισμοὺς οἱ μὴ τιμῶντες συνέδρια –
25. 2. δόξα δὲ βασιλέως τιμᾷ πράγματα [A B³ προστάγματα] †
— 27. τιμᾶν δὲ χρὴ λόγους ἐνδόξους †
27. 18. ὃς δὲ φυλάσσει τὸν ἑαυτοῦ κύριον τιμηθήσεται (3 *b*)
— 26. τίμα πεδίον ἵνα ὦσί σοι ἄρνες †
Wi. 4. 2. A παροῦσάν τε τιμῶσιν [B S μιμοῦνται] αὐτήν
6. 21. τιμήσατε σοφίαν
14. 15. A S R τὸν τότε νεκρὸν ἄνθρωπον νῦν ὡς θεὸν ἐτίμησε [B -σαν]
— 17. οὓς ἐν ὕψει μὴ δυνάμενοι τιμᾶν ἄνθρωποι
— 17. ἐμφανῆ εἰκόνα τοῦ τιμωμένου βασιλέως ἐποίησαν
— 20. τὸν πρὸ ὀλίγου τιμηθέντα ἄνθρωπον
Si. 3. 3. ὁ τιμῶν πατέρα ἐξιλάσεται ἁμαρτίας
— 5. ὁ τιμῶν πατέρα εὐφρανθήσεται ὑπὸ τέκνων [A ἐπὶ τέκνοις]
— 8. ἐν ἔργῳ καὶ λόγῳ τίμα τὸν πατέρα σου
38. 1. τίμα ἰατρὸν πρὸς τὰς χρείας [A S χρ. αὐτοῦ] τιμαῖς αὐτοῦ [S² *om.* τ. αὐτοῦ]
Is. 29. 13. ἐν τοῖς χείλεσιν αὐτῶν τιμῶσί με (3 *a*)
55. 2. ἵνα τί τιμᾶσθε ἀργυρίου (6)
Da. LXX. 11. 38. θεὸν . . . τιμήσει ἐν χρυσίῳ (3 *a*)
II Ma. 3. 2. συνέβαινε καὶ αὐτοὺς τοὺς βασ. τιμᾶν τὸν τόπον
— 12. τῇ τοῦ τετιμημ. . . . ἱεροῦ σεμνότητι
13. 23. ἐτίμησε τὸν νεώ
III Ma. 3. 16. τιμῆσαι τὸ ἱερὸν τῶν ἀλιτηρίων
— 17. καὶ τοῖς ἐκπρεπέσιν . . . ἀνθήμασι τιμῆσαι
IV Ma. 17. 20. τετίμηνται οὐ μόνον οὖν ταύτῃ τῇ τ.
[Aq. Ps. 71 (72). 14: Za. 11. 13.]
[Sm. Ex. 23. 3: I Ki. 15. 30: 25. 35: II Ki. 10. 3: Ps. 44 (45). 10.]
[Th. Ps. 44 (45). 13.]
[Al. Ps. 138 (139). 17.]

τιμή. (1) הָדָר (2) הוֹד (3) הוֹן (4) *a.* יָקָר *b.* יָקָר *c.* יָקָר (5) כָּבוֹד (6) כֶּסֶף (7) מְחִיר (8) מָכָר (9) עֹז (10) עֶרֶךְ (11) שְׁאֵת (12) τιμὴν ἑαυτῷ περιτιθέναι כָּבַד hithp.

Ge. 20. 16. ταῦτα ἔσται σοι εἰς τιμὴν τοῦ προσώπου σου †
44. 2. καὶ τὴν τ. τοῦ σίτου αὐ. (6)
Ex. 28. 2. στολὴν ἁγίαν . . . εἰς τιμὴν καὶ δόξαν (5)
— 36 (40). κιδάρεις ποιήσεις αὐτοῖς εἰς τιμήν (5)
34. 20. τιμὴν δώσεις †
Le. 5. 15. τιμῆς ἀργυρίου σίκλων (10)
— 18. κριὸν ἄμωμον . . . τιμῆς ἀργυρίου (10)
6. 5 (5. 25). οἴσει τῷ κυρίῳ κριὸν . . . τιμῆς (10)
27. 2. ὥστε τιμὴν τῆς ψυχῆς αὐ. τῷ κυρίῳ (10)
— 3. ἔσται ἡ τ. τοῦ ἄρσενος . . . ἔσται αὐτοῦ ἡ τ. πεντήκοντα δίδραχμα (10, 10)
— 5. ἔσται ἡ τ. τοῦ ἄρσενος εἴκοσι δίδραχμα (10)
— 6. ἔσται ἡ τ. τοῦ ἄρσενος πέντε δίδραχμα (10)
— 7. ἔσται ἡ τ. πέντε καὶ δέκα δίδραχμα (10)
— 8. B¹ ἐὰν δὲ ταπεινὸς ᾖ [AB²R *add.* τῇ] τιμῇ (10)
— 13. προσθήσεται τὸ ἐπίπεμπτον πρὸς τὴν τ. αὐ. (10)
— 15. τὸ ἐπίπεμπτον τοῦ ἀργυρίου τῆς τ. [A *om.* τ. τ.] (10)
— 16. ἔσται ἡ τ. κατὰ τὸν σπόρον αὐ. (10)
— 17. κατὰ τὴν τ. αὐτοῦ στήσεται (10)
— 19. προσθήσει τὸ ἐπίπεμπτον τοῦ ἀργ. πρὸς τὴν τ. αὐ. (10)
— 23. λογιεῖται πρὸς αὐτὸν ὁ ἱ. τὸ τέλος τῆς τ. (10)
— 23. καὶ ἀποδώσει τὴν τ. (10)
— 25. πᾶσα τ. ἔσται σταθμίοις ἁγίοις (10)
— 27. ἀλλάξει κατὰ τὴν τ. αὐ. (10)
Nu. 20. 19. δώσω τιμήν σοι (8)
II Ch. 1. 16. καὶ ἡ τ. τῶν ἐμπόρων τοῦ βασ. †
32. 33. τιμὴν ἔδωκαν αὐτῷ (5)
Es. 1. 20. περιθήσουσι τιμὴν τοῖς ἀνδράσιν ἑαυτῶν (4 *a*)
8. 16. S² τοῖς δὲ Ἰουδ. ἐγένετο . . . τιμή [A B S¹ *om.*] (4 *a*)
Jb. 31. 39. εἰ δὲ καὶ τὴν ἰσχὺν αὐτῆς ἔφαγον μόνος ἄνευ τιμῆς (6)
34. 19. οὐδὲ οἶδε τιμὴν θέσθαι ἀδροῖς [A *al.*] †
37. 22. ἐπὶ τούτοις μεγάλη ἡ δόξα καὶ τιμὴ παντοκράτορος (2 ?)
40. 5 (10). δόξαν δὲ καὶ τιμὴν ἀμφίασαι (1)
Ps. 8. 5. δόξῃ καὶ τιμῇ [A -ὴν] ἐστεφάνωσας αὐτόν (1)
28 (29). 1. ἐνέγκατε τῷ κυρίῳ δόξαν καὶ τιμήν (9)
43 (44). 12. ἀπέδου τὸν λαόν σου ἄνευ τιμῆς (3)
44 (45). 9. ἐξ ὧν ηὔφρανάν σε θυγατέρες βασιλέων ἐν τῇ τ. σου (4 *b*)
48 (49). 8. καὶ τὴν τ. τῆς λυτρώσεως τῆς ψυχῆς αὐτοῦ (4 *c*)
— 12, 20. ἄνθρωπος ἐν τιμῇ ὢν οὐ συνῆκε (4 *a*)
61 (62). 4. τὴν τ. μου ἐβουλεύσαντο ἀπώσασθαι (11)
95 (96). 7. ἐνέγκατε τῷ κυρίῳ δόξαν καὶ τιμήν (9)
98 (99). 4. A B S² τιμὴ βασιλέως κρίσιν ἀγαπᾷ (9)
Pr. 6. 26. τιμὴ γὰρ πόρνης ὅση καὶ ἑνὸς ἄρτου †
12. 9. τιμὴν ἑαυτῷ περιτιθείς (12)
22. 9. νίκην καὶ τιμὴν περιποιεῖται ὁ δῶρα δοὺς –
26. 1. οὐκ ἔστιν ἄφρονι τιμή (5)
Ec. 7. 9 (8). B S¹ ἀγαθὸν μακρόθυμος ὑπὲρ ὑψηλὸν πνεῦμα τιμῆς [A S² R πνεύματι] †
Wi. 8. 10. καὶ τιμὴν παρὰ πρεσβυτέροις ὁ νέος
Si. 3. 11. ἡ γὰρ δόξα ἀνθρώπου ἐκ τιμῆς πατρὸς αὐτοῦ
10. 28. δὸς αὐτῇ τιμὴν [S¹ -ῆ] κατὰ τὴν ἀξίαν αὐτῆς
38. 1. τίμα ἰατρὸν πρὸς τὰς χρείας τιμαῖς αὐτοῦ [S² *om.* τ. αὐ.]
45. 12. καύχημα τιμῆς ἔργον ἰσχύος
Is. 10. 16. ἀποστελεῖ . . . εἰς τὴν σὴν τ. ἀτιμίαν (5)
11. 10. ἔσται ἡ ἀνάπαυσις αὐτοῦ τ. (5)
14. 18. ἐκοιμήθησαν ἐν τιμῇ (5)
35. 2. καὶ ἡ τ. τοῦ Καρμήλου (1)
55. 1. φάγετε [A S πίετε] ἄνευ ἀργυρίου καὶ τιμῆς οἶνον (7)
Ep. Je. 25. ἐκ πάσης τιμῆς ἠγορασμένα ἐστίν
Ez. 22. 25. οἱ ἀφηγούμενοι . . . τιμᾶς λαμβάνοντες [A δῶρα ἐλάμβανον] (4 *a*)
Da. LXX. 1. 9. ἔδωκε κ. τῷ Δ. τιμήν †
2. 37. τὴν τ. καὶ τὴν δόξαν ἔδωκεν (4 *a*)
4. 27. εἰς τιμὴν τῆς δόξης μου (4 *a*)
7. 14. ἐδόθη αὐτῷ . . . τ. βασιλική (4 *a*)
Da. TH. 2. 6. τ. πολλὴν λήψεσθε παρ' ἐμοῦ (4 *a*)
4. 27. εἰς τιμὴν τῆς δόξης μου (4 *a*)
— 33. εἰς τὴν τ. τῆς βασιλείας μου ἦλθον (4 *a*)
5. 18. τὴν τ. . . . ἔδωκε Ναβ. τῷ πατρί σου (4 *a*)
— 20. ἡ τ. ἀφῃρέθη ἀπ' αὐτοῦ (4 *a*)
7. 14. αὐτῷ ἐδόθη . . . ἡ τ. (4 *a*)
I Ma. 1. 39. S² R ἡ [A *om.*] τιμὴ αὐτῆς [S¹ *om.* τ. αὐ.] εἰς ἐξουδένωσιν
10. 29. ἀφίημι πάντας τοὺς Ἰ. ἀπὸ . . . τῆς τ. τοῦ ἁλός
14. 21. ἀπήγγειλαν ἡμῖν περὶ τῆς δόξης ὑμῶν καὶ τ.
II Ma. 4. 15. τὰς μὲν πατρῴας τιμὰς ἐν οὐδενὶ τεθειμένοι
II Ma. 5. 16. πρὸς αὔξησιν καὶ δόξαν τοῦ τόπου καὶ τιμήν
9. 21. ὑμῶν τὴν τ. . . . ἐμνημόνευον φιλοστόργως
III Ma. 1. 12. καὶ εἰ ἐκεῖνοι ἐστέρηνται ταύτης τῆς τ.
IV Ma. 1. 10. τῶν δὲ τ. μακαρίσαιμ' ἂν
11. 6. ταῦτα τιμῶν οὐ βασάνων ἐστὶν ἄξια
17. 20. τετίμηνται οὐ μόνον οὖν ταύτῃ τῇ τ.
[Aq. Je. 20. 5: Za. 11. 13.]
[Sm. Ps. 43 (44). 13: 65 (66). 2: 72 (73). 24: Pr. 25. 27.]
[Th. Da. 7. 14.]
[Al. Ge. 49. 3: Nu. 18. 8: I Ki. 6. 5.]

τίμημα. (1) עֶרֶךְ
Le. 27. 27. πραθήσεται κατὰ τὸ τ. αὐ. (1)
[Sm. Je. 28. 13.]

τίμησις.
[Al. Ps. 43 (44). 13.]

τίμιος. (1) חֵפֶץ (2) *a.* יָקָר *b.* יַקִּיר *c.* יָקָר (3) רָחוּק (4) λίθος τ. פַּז
I Ki. 3. 1. ῥῆμα κυρίου ἦν τίμιον (2 *a*)
II Ki. 12. 30. ὁ σταθμὸς αὐ. τάλαντον χρυσίου καὶ λίθου τ. (2 *a*)
III Ki. 6. 1 (5. 17 [31]). B¹ αἴρουσι λίθους μεγάλους τ. [A B² R *al.*] (2 *a*)
7. 14. A καὶ ὁ πατὴρ αὐ. ἀνὴρ τ. [B Τύριος] †
— 9. πάντα ταῦτα ἐκ λίθων τ. (2 *a*)
— 10. τὴν τεθεμελιωμένην ἐν τιμίοις λίθοις μεγάλοις (2 *a*)
— 11. καὶ ἐπάνωθεν τιμίοις [A λίθοις τ.] (2 *a*)
10. 2. κάμηλοι αἴρουσαι . . . λίθον τ. (2 *a*)
— 10. ἔδωκε τῷ Σ. . . . λίθον τ. (2 *a*)
— 11. ἤνεγκε . . . λίθον τ. (2 *a*)
I Ch. 20. 2. καὶ ἐν αὐτῷ λίθος τ. (2 *a*)
29. 2. ἡτοίμακα . . . πάντα λίθον τ. (2 *a*)
II Ch. 3. 6. ἐκόσμησε τὸν οἶκον λίθοις τ. (2 *a*)
9. 1. κάμηλοι αἴρουσαι . . . λίθον τ. (2 *a*)
— 9. ἔδωκε τῷ βασ. . . . λίθον τ. (2 *a*)
— 10. ἔφερον . . . λίθον τ. (2 *a*)
32. 27. θησαυροὺς ἐποίησεν . . . τοῦ λίθου τοῦ τ. (2 *a*)
II Es. 4. 10. ὧν ἀπῴκισεν Ἀσ. ὁ μέγας καὶ ὁ τ. (2 *b*)
To. 13. 16. S καὶ λίθῳ τ. πάντα τὰ τείχη σου [AB *al.*]
Jb. 28. 10. A πᾶν δὲ τίμιον ἴδεν αὐτοῦ ὁ ὀφθαλμός [B S *al.*] (2 *c*)
— 16. οὐ συμβασταχθήσεται . . . ἐν ὄνυχι τιμίῳ (2 *a*)
Ps. 18 (19). 10. ἐπιθυμητὰ ὑπὲρ χρυσίον καὶ λίθον τίμιον πολύν (4)
20 (21). 3. στέφανον ἐκ λίθου τιμίου (4)
115. 6 (116. 15). τίμιος ἐναντίον κυρίου ὁ θάνατος τῶν ὁσίων (2 *a*)
Pr. 3. 15. τιμιωτέρα δέ ἐστι λίθων πολυτελῶν (2 *a*)
— 15. πᾶν δὲ τίμιον οὐκ ἄξιον αὐτῆς ἐστι (1)
6. 26. γυνὴ δὲ ἀνδρῶν τιμίας ψυχὰς ἀγρεύει (2 *a*)
8. 11. πᾶν δὲ τίμιον οὐκ ἄξιον αὐτῆς ἐστιν (1)
— 19. βέλτιον ἐμὲ καρπίζεσθαι ὑπὲρ χρυσίον καὶ λίθον τίμιον [A τ. πολύν] (4)
12. 27. κτῆμα δὲ τίμιον ἀνὴρ καθαρός (2 *a*)
20. 6. μέγα ἄνθρωπος καὶ τίμιον ἀνὴρ ἐλέημων †
24. 4. ἐμπίμπλανται ταμιεῖα ἐκ παντὸς πλούτου τιμίου καὶ καλοῦ (2 *a*)
31. 10. τιμιωτέρα δέ ἐστι λίθων πολυτελῶν ἡ τοιαύτη (3)
Ec. 10. 1. τίμιον ὀλίγον [B¹ ὁ λόγος] σοφίας (2 *a*)
Wi. 4. 8. γῆρας γὰρ τίμιον οὐ τὸ πολυχρόνιον
8. 5. S τί σοφίας τιμιώτερον [A B πλουσιώτ.] τῆς τὰ πάντα ἐργαζομένης [S¹ περιεργ.]
12. 7. ἡ [S¹ *om.*] παρὰ σοὶ πασῶν [S² πάντων] τιμιωτάτη γῆ
Ho. 11. 7. ὁ θ. ἐπὶ τὰ τ. αὐ. θυμωθήσεται †
Is. 60. 6. A S¹ φέροντες . . . λίθον τίμιον [B S² *om.* λ. τ.] –
Je. 15. 19. S² R ἐὰν ἐξαγάγῃς τίμιον ἀπὸ ἀναξίου [A B S¹ ἀξ.] (2 *a*)
La. 4. 2. υἱοὶ Σιὼν οἱ τίμιοι οἱ ἐπηρμένοι ἐν χρυσίῳ (2 *a*)
Da. TH. 11. 38. θεὸν . . . δοξάσει ἐν . . . λίθῳ τ. (2 *a*)
I Ma. 11. 27. ὅσα ἄλλα εἶχε τίμια τὸ πρότερον
IV Ma. 5. 35. οὐδὲ ἐξαρνήσομαί σε, ἱερωσύνη τιμία
[Aq. Ps. 35 (36). 8: Pr. 1. 13: Ez. 27. 22.]
[Sm. Ps. 35 (36). 8: 71 (72). 14: Pr. 1. 13: Ca. 5. 11: Ez. 27. 22: 28. 13.]
[Th. Jb. 28. 16: Pr. 1. 13: 20. 15: Ez. 27. 22.]
[Quint. Ps. 35 (36). 8.]
[Al. Ps. 138 (139). 17.]

τιμιοῦν.

[Aq. Ps. 71 (72). 14.]

τιμογραφεῖν. (1) עָרַךְ hi.

IV Ki. 23. 35. ἐτιμογράφησαν τὴν γῆν

τιμωρεῖν. (1) שָׁכַל pi.

Jd. 5. 14. A λαὸς Ἐφρ. ἐτιμωρήσατο αὐτούς [B *al.*] †

Pr. 22. 3. πανοῦργος ἰδὼν πονηρὸν τιμωρούμενον κραταιῶς –

Wi. 12. 20. εἰ γὰρ ἐχθροὺς παίδων σου . . . μετὰ τοσαύτης ἐτιμώρησας [A -σω] προσοχῆς

18. 8. ὡς γὰρ ἐτιμώρησω τοὺς ὑπεναντίους

Ez. 5. 17. τιμωρήσομαί σε (1)

14. 15. τιμωρήσομαι αὐτήν (1)

II Ma. 7. 7. πρὸ τοῦ τιμωρηθῆναι κατὰ μέλος τὸ σῶμα

IV Ma. 9. 24. τιμωρήσειε τὸν ἀλάστορα τύραννον

12. 19. σὲ δὲ . . . καὶ θανόντα τιμωρήσεται

17. 21. καὶ τὸν τύραννον τιμωρηθῆναι

18. 5. ὁ τύραννος Ἀντ. καὶ ἐπὶ γῆς τετιμώρηται

[Sm. I Ki. 14. 24: Ps. 8. 3: 43 (44). 17: Je. 5. 29.]

[Th. Jd. 5. 14.]

τιμωρητής.

II Ma. 4. 16. πολεμίους καὶ τιμωρητὰς ἔσχον

τιμωρία. (1) מַהֲלֻמוֹת (2) בִּיד (3) תַּחְמִרִים

I Es. 8. 24. ἐάν τε καὶ θανάτῳ ἐάν τε καὶ τιμωρίᾳ

Pr. 19. 29. καὶ τιμωρίαι ὁμοίως ἄφροσιν (1)

24. 22. τὰς δὲ τ. ἀμφοτέρων τίς γνώσεται (2)

Wi. 19. 13. αἱ τ. τοῖς ἁμαρτωλοῖς ἐπῆλθον

Je. 38 (31). 21. ποίησον τιμωρίαν (3 ?)

Da. LXX. 2. 18. παρήγγειλε δέησιν καὶ τιμωρίαν –

II Ma. 6. 12. λογίζεσθαι δὲ τὰς τ. μὴ πρὸς ὄλεθρον

— 26. εἰ γὰρ . . . ἐξελοῦμαι τὴν ἐξ ἀνθρώπων τ.

III Ma. 2. 6. ποικίλαις καὶ πολλαῖς ἐδοκίμασας τιμωρίαις

4. 4. ἐπὶ ταῖς ἐξάλλοις τ.

— 13. μὴ λειπομένοις . . . τῆς ἐκείνων τ.

7. 3. κολάζεσθαι ξενιζούσαις ἀποστάντων τιμωρίαις

IV Ma. 4. 24. πάσας τὰς ἑαυτοῦ ἀπειλὰς καὶ τ. ἑώρα καταλυομένας

5. 10. ἔτι κἀμοῦ καταφρονήσεις ἐπὶ τῇ ἰδίᾳ τ.

11. 3. A R ὅπως . . . ὀφειλήσῃς τῇ οὐρανίῳ δίκῃ τιμωρίαν [S *al.*]

[Sm. Ps. 17 (18). 48: 68 (69). 23: Je. 20. 10: 50 (27). 34.]

[Al. II Ki. 4. 8.]

τίναγμα. (1) חָזִיז

Jb. 28. 26. καὶ ὁδὸν ἐν τινάγματι φωνάς [A[1] -ῆς] (1)

τινάσσειν. (1) חָבַט ni.

Is. 28. 27. ῥάβδῳ τινάσσεται [A S ἑκτ.] τὸ μελάνθιον (1)

τις. (1) אַחַד (2) אִישׁ (3) אֲשֶׁר (4) בְּ (5) כָּל־דָּבָר (6) מְאוּמָה (7) מִי (8) נָא (9) רַב (10) τι αὐτοῦ (11) ἐάν τις, εἴ τις *a.* אֲשֶׁר *b.* מַה־ *c.* מָה דִי *d.* מִי *e.* אִישׁ אִישׁ *f.* מַה־שֶּׁ (12) μή τι מָה (13) ὁτιοῦν τι מְאוּמָה

Ge. 6. 5. πᾶς τις διανοεῖται ἐν τῇ καρδίᾳ αὐ. –

13. 16. εἰ δύναταί τις ἐξαριθμῆσαι τὴν ἄμμον (2)

14. 13. παραγενόμενος δὲ τῶν ἀνασωθέντων τις –

18. 30. μή τι, κύριε, ἐὰν λαλήσω (8)

— 32. μή τι, κύριε, ἐὰν λαλήσω ἔτι ἅπαξ (8)

19. 12. A ἔστιν τίς σοι ὧδε [R *al.*] (7)

— 12. ἢ εἴ τίς σοι ἄλλος ἐστὶν ἐν τῇ πόλει †

20. 9. μή τι ἡμάρτομεν εἰς σέ (12)

26. 10. μικροῦ ἐκοιμήθη τις τοῦ γένους μου (1)

27. 44. οἴκησον μετ' αὐτοῦ ἡμέρας τινάς (1)

33. 10. ὡς ἂν τις ἴδοι πρόσωπον θεοῦ –

37. 34. A ἐπένθει τὸν υἱὸν αὐ. ἡμέρας τινάς [R πολλάς] (9)

38. 1. ἕως πρὸς ἄνθρωπόν τινα Ὀδολλαμίτην –

39. 11. ἐγένετο δὲ τοιαύτη τις ἡμέρα †

Ex. 2. 1. ἦν δέ τις ἐκ τῆς φυλῆς Λ. (2)

— 11. ὁρᾷ ἄνθρωπον Αἰγ. τύπτοντά τινα Ἑβρ. (2)

12. 44. A πάντα οἰκέτην τινός [B *om.*] (2)

— 48. ἐὰν δέ τις προσέλθῃ πρὸς ὑμᾶς –

16. 20. κατέλιπόν τινες ἀπ' αὐτοῦ (2)

Ex. 16. 27. ἐξῆλθοσάν τινες ἐκ τοῦ λαοῦ –

19. 12. καὶ θιγεῖν τι αὐτοῦ (10)

21. 7. ἐὰν δέ τις ἀποδῶται τὴν ἑαυ. θυγ. οἰκέτιν (2)

— 12. ἐὰν δὲ πατάξῃ τίς τινα (–, 2)

— 14. ἐὰν δέ τις ἐπιθῆται τῷ πλησίον (2)

— 17 (16). ὃς ἐὰν κλέψῃ τίς τινα τῶν υἱῶν Ἰσρ. (–, 2)

— 18. A καὶ πατάξῃ τις τὸν πλησίον [B *al.*] (2)

— 20. ἐὰν δέ τις πατάξῃ τὸν παῖδα αὐ. (2)

— 26. ἐὰν δέ τις πατάξῃ τὸν ὀφθ. τοῦ οἰκέτου αὐ. (2)

— 33. ἐὰν δέ τις ἀνοίξῃ λάκκον (2)

— 35. B[1] ἐὰν δὲ κερατίσῃ τίς [A B[2] R *om.*] τινος ταῦρος ταῦρον τοῦ πλησίον (–, 2)

22. 1 (21. 37). ἐὰν δέ τις κλέψῃ μόσχον (2)

— 5 (4). ἐὰν δὲ καταβοσκήσῃ τις ἀγρόν (2)

— 7 (6). ἐὰν δέ τις δῷ τῷ πλησίον ἀργύριον (2)

— 10 (9). ἐὰν δέ τις δῷ τῷ πλησίον ὑποζύγιον (2)

— 14 (13). ἐὰν δὲ αἰτήσῃ τις παρὰ τοῦ πλησίον (2)

— 16 (15). ἐὰν δὲ ἀπατήσῃ τις παρθένον ἀμνήστευτον (2)

24. 14. ἐάν τινι συμβῇ κρίσις (11 *d*)

32. 24. εἴ [A *om.*] τινι ὑπάρχει χρυσία (11 *d*, [7])

— 33. εἴ τις ἡμάρτηκεν ἐνώπιόν μου (11 *d* + 11 *a*)

33. 11. B ὡς εἴ τις λαλήσει [A R -σαι] (11 *a*)

Le. 4. 2. καὶ ποιήσῃ ἕν τι ἀπ' αὐτῶν –

5. 4. καὶ ἁμάρτῃ ἕν τι τούτων –

6. 2 (5. 21). ἢ ἠδίκησέ τι τὸν πλησίον –

13. 2. ἀνθρώπῳ ἐάν τινι [A τ. ἐ.] γένηται . . . οὐλή –

— 40. ἐὰν δέ τινι μαθήσῃ ἡ κεφ. αὐ. (2)

15. 24. ἐὰν δὲ κοίτῃ κοιμηθῇ τις μετ' αὐτῆς (2)

— 32. ἐάν τινι ἐξέλθῃ ἐξ αὐτοῦ κοίτη σπέρματος (11 *a*)

19. 20. ἐάν τις κοιμηθῇ μετὰ γυναικός (2)

— 33. ἐὰν δέ τις προσέλθῃ ὑμῖν προσήλυτος –

20. 2. ἐάν τις ἀπὸ τῶν υἱῶν Ἰσρ. (11 *e*)

— 11. ἐάν τις κοιμηθῇ μετὰ γυναικὸς τοῦ πατρὸς αὐ. (2)

— 12. ἐάν τις κοιμηθῇ μετὰ νύμφης αὐ. (2)

24. 19. ἐάν τις δῷ μῶμον τῷ πλησίον (2)

25. 26. ἐὰν δὲ μὴ ᾖ τινι ὁ ἀγχιστεύων (2)

— 29. ἐὰν δέ τις ἀποδῶται οἰκίαν (2)

— 51. ἐὰν δέ τινι πλείων τῶν ἐτῶν ᾖ –

Nu. 5. 13. καὶ κοιμηθῇ τις μετ' αὐτῆς κοίτην σπέρματος (2)

— 19. εἰ μὴ κεκοίμηταί τις μετὰ σοῦ (2)

— 20. καὶ ἔδωκέ τις τὴν κοίτην αὐ. ἐν σοί (2)

6. 9. ἐὰν δέ τις ἀποθάνῃ ἐπ' αὐτῷ ἐξάπινα –

11. 1. κατέφαγε μέρος τι τῆς παρεμβολῆς –

22. 38. δυνατὸς ἔσομαι λαλῆσαί τι (6)

— 41. ἔδειξεν αὐτῷ ἐκεῖθεν μέρος τι τοῦ λαοῦ –

23. 13. μέρος τι αὐτοῦ ὄψῃ –

33. 6. ὅ ἐστι μέρος τι [B[1] *om.*] τῆς ἐρήμου –

De. 1. 31. ὡς εἴ τις [A *om.*] τροφοφορήσαι ἄνθρωπος τὸν υἱὸν αὐ. (11 *a*)

— 35. εἰ ὄψεται τις . . . τὴν ἀγαθὴν ταύτην γῆν (2)

8. 5. ὡς εἴ τις ἄνθρωπος παιδεύσαι τὸν υἱὸν αὐ. (11 *a*)

21. 3. A εἴ τις [B ἥτις] οὐχ εἵλκυσε ζυγόν (11 *a*)

— 18. ἐὰν δέ τινι ἡ υἱὸς ἀπειθής (2)

— 22. ἐὰν δὲ γένηται ἔν τινι ἁμαρτία (2)

22. 13. ἐὰν δέ τις λάβῃ γυναῖκα (2)

— 26. ὡς εἴ τις ἐπαναστῇ ἄνθρωπος ἐπὶ τὸν πλησίον (11 *a*)

— 28. ἐὰν δέ τις εὕρῃ τὴν παῖδα (2)

24. 1 (A[2] B), 5. ἐὰν δέ τις λάβῃ γυναῖκα (2)

— 10. A ἐὰν ὀφείλημα ᾖ . . . ὀφείλημα ὁτιοῦν τι [B *om.*] (13)

28. 29. ὡς εἴ τις [A *om.*] ψηλαφήσαι τυφλός (11 *a*)

29. 18 (17). μή τίς ἐστιν ἐν ὑμῖν ἀνήρ –

— 18 (17). μή τίς ἐστιν ἐν ὑμῖν ῥίζα –

Jo. 2. 20. ἐὰν δέ τις ἡμᾶς ἀδικήσῃ –

Jd. 4. 20. A ἐάν τις [B ἀνὴρ] ἔλθῃ πρὸς σέ (2)

16. 9. ὡς εἴ τις ἀποσπάσοι στρέμμα στυππίου [A *al.*] (11 *a*)

I Ki. 10. 12. καὶ ἀπεκρίθη τις αὐτῶν (2)

14. 6. B εἴ τι ποιήσαι κύριος ἡμῖν –

— 29. R ἐγευσάμην βραχύ τι [A B *om.*] τοῦ μέλιτος τ. –

24. 20. εἰ εὕροιτό τις τὸν ἐχθρὸν αὐ. [A *al.*] (2)

II Ki. 3. 35. οὐ μὴ γεύσωμαι ἄρτου ἢ ἀπὸ παντός τινα (6)

13. 2. τοῦ ποιῆσαί τι αὐτῇ (6)

16. 1. Δ. παρῆλθε βραχύ τι ἀπὸ τῆς Ῥ. –

— 23. R ὃν τρόπον ἐπερωτήσῃ τις [A B *om.*] (–*, 2)

19. 22 (23). οὐ θανατωθήσεταί τις ἀνήρ (2)

III Ki. 3. 5. αἴτησαί τι αἴτημα σεαυτῷ †

III Ki. 12. 24. B αἴτησαί τι αἴτημα –

— 31. ἐποίησεν ἱερεῖς μέρος τι ἐκ τοῦ λαοῦ –

19. 5. ἰδού τις ἥψατο αὐτοῦ †

21 (20). 20. A σώζεται υἱὸς Ἀ. . . . σὺν ἱππεῦσίν τισιν –

IV Ki. 5. 20. λήψομαι παρ' αὐτοῦ τι (6)

6. 8. εἰς τὸν τόπον τόνδε τινὰ ἐλ. παρεμβαλῶ †

9. 35. οὐχ εὗρον ἐν αὐτῇ ἄλλο τι –

23. 10. A μιανεῖ τις τὸν Τ. [B *al.*] –

I Es. 2. 5. εἴ τίς ἐστιν οὖν ὑμῶν ἐκ τοῦ ἔθνους αὐ.

6. 32. ὅσοι ἐὰν παραβῶσί τι τῶν γεγραμμένων

8. 22. A R ἐπιβαλεῖν τι τούτοις [B *al.*]

— 70. B συνῴκισάν τινας [*cod.* τὰς] τῶν θυγ. αὐ. [A *al.*]

— 78. κατὰ πόσον τι ἐγενήθη ἡμῖν ἔλεος

II Es. 6. 8. μή ποτέ τι ποιήσητε †

7. 18. A R καὶ εἴ τι [B ἔτι] ἐπὶ σὲ . . . ἠγαθύνθη (11 *c*)

— 23. B[1] προσέχετε ἐπιχειρῆσαι μήτι [A B[2] R *al.*] †

Ne. 5. 2. ἦσάν τινες λέγοντες (3)

— 3, 4. εἰσί τινες λέγοντες (3)

To. 1. 17. εἴ τινα . . . ἐθεώρουν τεθνηκότα

— 18. εἴ τινα ἀπέκτεινε Σενν.

— 19. S εἰς τις τῶν ἐκ τῆς Νιν. [A B *al.*]

2. 3. S ζητῆσαί τινα πτωχὸν τῶν ἀδ. ἡμῶν

— 4. ἀνειλόμην αὐτὸν εἴς τι οἴκημα [S *al.*]

6. 7. ἐάν τινα ὀχλῇ δαιμόνιον [S *al.*]

Ju. 2. 13. οὐ παραβήσῃ ἕν τι τῶν ῥημάτων τοῦ κ. σου

Es. 3. 13. ἀναμεμίχθαι δυσμενῆ λαόν τ.

Jb. 1. 1. ἄνθρωπός τις [A] ἦν ἐν χώρᾳ τῇ Αὐσ. –

2. 9. εἰπόν τι ῥῆμα –

4. 12. εἰ δέ τι ῥῆμα ἀληθινὸν ἐγεγόνει –

— 18. κατὰ δὲ ἀγγέλων αὐτοῦ σκολιόν τι ἐπενόησε –

5. 1. εἴ τις σοι ὑπακούσεται –

— 1. εἴ τινα ἀγγέλων ὄψῃ (11 *d*)

— 27. εἴ τι ἔπραξας [A B[2] S[1] *al.*] –

6. 2. εἰ γάρ τις ἱστῶν στήσαι μου τὴν ὀργήν [A *al.*] –

— 22. μή τι ὑμᾶς ᾔτησα –

— 24. εἴ τι πεπλάνημαι (11 *b*)

9. 7. B S κατὰ δὲ ἀγγέλων αὐτοῦ σκολιόν τι ἐπενόησεν –

11. 14. εἰ ἄνομόν τί ἐστιν ἐν χερσί σου –

14. 17. εἴ τι ἄκων παρέβην –

22. 8. ἐθαύμασας δέ τινων πρόσωπον –

25. 3. μὴ γάρ τις ὑπολάβοι –

27. 10. μὴ ἔχει τινὰ [S[1] τι, A *om.*] παρρησίαν –

31. 35. ἦν εὗρον κατά τινος (2)

35. 15. οὐκ ἔγνω παράπτωμά τι σφόδρα –

Ps. 8. 5. ἠλάττωσας αὐτὸν βραχύ τι παρ' ἀγγέλους –

28 (29). 9. ἐν τῷ ναῷ αὐ. πᾶς τις λέγει δόξαν –

87 (88). 11. μὴ διηγήσεταί τις ἐν τάφῳ τὸ ἔλεός σου –

Pr. 6. 27. ἀποδήσει τις πῦρ ἐν κόλπῳ (2)

— 28. ἢ περιπατήσει τις ἐπ' ἀνθράκων πυρός (2)

— 30. ἐὰν ἁλῷ τις κλέπτων –

7. 12. χρόνον γάρ τινα ἔξω ῥέμβεται –

15. 23. οὐδὲ μὴ εἴπῃ καίριόν τι –

17. 28. ἐνεὸν δέ τις ἑαυτὸν ποιήσας –

20. 25. παγὶς ἀνδρὶ ταχύ τι τῶν ἰδίων ἁγιάσαι –

21. 25. αὐ γὰρ προαιροῦνται αἱ χεῖρες αὐ. ποιεῖν τι –

23. 7. εἴ τις καταπίοι τρίχα –

25. 26. εἴ τις πηγὴν φράσσοι –

— 28. ὃς οὐ μετὰ βουλῆς τι πράσσει –

Ec. 6. 10. εἴ τι [A ἤ] τι ἐγένετο ἤδη (11 *f*)

Wi. 8. 7. εἰ δικαιοσύνην ἀγαπᾷ τις

— 8. εἰ δὲ καὶ πολυπειρίαν ποθεῖ τις

9. 6. κἂν γάρ τις ᾖ τέλειος

11. 16. δι' ὧν τις ἁμαρτάνει

— 24. οὐδὲ γὰρ ἂν μισῶν τι κατεσκεύασας

— 25. πῶς δὲ ἔμεινεν ἄν τι [S *al.*]

12. 11. οὐδὲ εὐλαβούμενός τινα . . . ἄδειαν ἐδίδους

13. 11. εἰ δὲ καί τις ὑλοτόμος τέκτων

— 14. ἢ ζῴῳ τινὶ εὐτελεῖ ὡμοίωσεν αὐτό

14. 1. πλοῦν τις πάλιν στελλόμενος

— 4. ἵνα κἂν ἄνευ τέχνης τις ἐπιβῇ

16. 21. πρὸς ὅ τις ἐβούλετο μετεκιρνᾶτο

17. 17. εἴ τε γὰρ γεωργὸς ἦν τις

19. 15. ἀλλ' ἤ τις [? ἥτις] ἐπισκοπὴ ἔσται αὐτῶν

Si. *prol.* 10. συγγράψαι τι [S περὶ] τῶν εἰς παιδείαν

— 15. τισὶ τῶν λέξεων ἀδυναμεῖν

— 22. προσενέγκασθαί τινα [S *om.*] σπουδήν

10. 24. οὐκ ἔστιν αὐτῶν τις μείζων

16. 17. μὴ ἐξ ὕψους τίς μου μνησθήσεται [S[1] *al.*]

19. 13. εἴ τι ἐποίησε [A S[2] *al.*]

23. 16. S[2] ἕως ἂν καταπίῃ τι [A B S[1] -ποθῇ]

29. 26. εἴ τι ἐν τῇ χειρί σου

Si. 48. 16. τινὲς μὲν αὐτῶν ἐποίησαν τὸ ἀρεστόν
— 16. τινὲς δὲ ἐπλήθυναν ἁμαρτίας
Am. 3. 4. ἐὰν μὴ ἁρπάσῃ τι –
— 5. ἄνευ τοῦ συλλαβεῖν τι –
Mi. 7. 5. φύλαξαι τοῦ ἀναθέσθαι τι αὐτῇ –
Hb. 1. 5. ἐάν τις ἐκδιηγῆται –
Za. 9. 17. εἴ τι ἀγαθὸν αὐτοῦ καὶ εἴ τι καλὸν αὐτοῦ (11 *b*, 11 *b*)
Ma. 3. 8. μή τι [A S³ εἰ] πτερνιεῖ ἄνθρωπος θεόν –
Is. 5. 8. ἵνα τοῦ πλησίον ἀφέλωνταί τι †
8. 8. ἢ δυνατὸν συντελέσασθαί τι †
10. 15. ὡς ἂν τις ἄρῃ ῥάβδον –
17. 5. ὃν τρόπον ἐάν τις συναγάγῃ ἀμητόν –
— 5. ὃν τρόπον ἐάν τις συναγάγῃ στάχυν –
24. 13. ὃν τρόπον ἐάν τις καλαμήσηται ἐλαίαν –
33. 4. ὃν τρόπον ἐάν τις συναγάγῃ ἀκρίδας –
49. 24. μὴ λήψεταί τις παρὰ γίγαντος σκῦλα –
— 24. ἐὰν αἰχμαλωτεύσῃ τις ἀδίκως –
— 25. ἐάν τις αἰχμαλωτεύσῃ γίγαντα –
57. 8. πλεῖόν τι ἔξεις –
— 17. βραχύ τι ἐλύπησα αὐτόν –
63. 18. S¹ ἵνα μικρόν τι [A B S² *om.*] κληρονομήσωμεν –
66. 13. ὡς εἴ τινα μήτηρ παρακαλέσει (2)
Je. 13. 13. B S πληρῶ . . . τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἱερ. μεθ' ὑμᾶς τι [A R μεθύσματι] †
23. 24. εἰ κρυβήσεταί τις [A ἄνθρωπος] ἐν κρυφαίοις (2)
— 40. A εἴ τις οὐκ ἐπιλησθήσεται [B S *al.*] (11 *a*)
39 (32). 27. μὴ ἀπ' ἐμοῦ κρυβήσεταί τι [A ἔτι] (5)
43 (36). 32. S¹ ἐπί τι [A B S² ἔτι] προσετέθησαν αὐτῷ λόγοι †
44 (37). 10. ἐὰν . . . καταλειφθῶσί τινες ἐκκεκεντημένοι (4+2)
Ep. Je. 18. ὥσπερ τινὶ ἡδικηκότι βασιλέα
— 24. ἐὰν μή τις ἐκμάξῃ τὸν ἰόν
— 27. ἐάν τις αὐτὸ ὀρθὸν στήσῃ
— 32. ὥσπερ τινὲς ἐν περιδείπνῳ νεκροῦ
— 34. ἐὰν κακὸν πάθωσιν ὑπό τινος
— 35. ἐάν τις αὐτοῖς εὐχὴν εὐξάμενος μὴ ἀποδῷ
— 43. ὅταν δέ τις αὐτῶν ἐφελκυσθεῖσα ὑπό τινος τῶν παραπορευομ. κοιμηθῇ
Ez. 16. 5. τοῦ παθεῖν τι ἐπὶ σοί –
27. 33. πόσον τινὰ [A καὶ τίνα] εὗρες μισθόν †
Da. LXX. 1. 2. καὶ μέρος τι τῶν ἱερῶν σκευῶν τοῦ κ. –
2. 11. εἰ μή τις [*cod.* τι] ἄγγελος –
— 33. μέρος μέν τι σιδήρου μέρος δέ τι ὀστράκινον –, –
— 41. μέρος μέν τι ὀστράκου κεραμικοῦ –
— 41. μέρος δέ τι σιδήρου –
— 42. μέρος μέν τι σιδηροῦν –
— 42. μέρος δέ τι ὀστράκινον –
— 42. μέρος δέ τι τῆς βασ. ἔσται ἰσχυρόν –
— 42. μέρος τι ἔσται συντετριμμένον –
3. 12. εἰσὶ δέ τινες ἄνδρες Ἰουδαῖοι –
4. 34. ὅσοι ἂν καταληφθῶσι λαλοῦντές τι –
6. 7 (8). ἢ ἀξιώσῃ ἀξίωμά τι παρὰ παντὸς θεοῦ –
— 12 (13). ἵνα μὴ ἐλαττώσῃς τι τῶν εἰρημένων –
Bel 1. ἄνθρωπός τις ἦν ἱερεύς
— 13. καὶ τοῖς δακτυλίοις τινῶν ἐνδόξων ἱερέων
— 15. σκέψαι μή τί σοι ἀσύμφωνον γεγένηται
Da. TH. 2. 33. A R οἱ πόδες μέρος μέν τι σιδηροῦν μέρος δέ τι [B *om.* δέ τι] ὀστράκινον –, –
— 41. μέρος μέν τι ὀστράκινον μέρος δέ τι σιδηροῦν –, –
— 42. μέρος μέν τι σιδηροῦν μέρος δέ τι ὀστράκινον –, –
— 42. μέρος τι τῆς βασιλείας ἔσται ἰσχυρόν –
I Ma. 1. 13. A R προεθυμήθησάν τινες ἀπὸ [S *om.*] τοῦ λαοῦ
— 57. ὅπου εὑρίσκετο παρά τινι βιβλίον διαθήκης
— 57. εἴ τις συνευδόκει τῷ νόμῳ
4. 19. ὤφθη μέρος τι ἐκκύπτον ἐκ τοῦ ὄρους
6. 5. ἦλθεν ἀπαγγέλλων τις αὐτῷ
— 21. ἐκολλήθησαν αὐτοῖς τινες τῶν ἀσεβῶν
— 40. ἐξετάθη μέρος τι τῆς παρεμβολῆς [S¹ *al.*]
— 40. καί τινες ἐπὶ τὰ ταπεινά
7. 19. συνέλαβε . . . τινας τοῦ λαοῦ
10. 14. ὑπελείφθησάν τινες τῶν καταλιπόντων τὸν νόμον
— 27. S συντηρῆσαί τι [A R τοῦ *σ.*] πρὸς ἡμᾶς πίστιν
— 35. S καὶ παρενοχλεῖν τινα αὐτῶν περί τινος [A R παντὸς] πράγματος
I Ma. 11. 21. ἐπορεύθησάν τινες μισοῦντες τὸ ἔθνος αὐ.
— 25. ἐνετύγχανον κατ' αὐτοῦ τινες ἄνομοι
13. 39. εἴ τι ἄλλο ἐτελωνεῖτο
— 40. εἴ τινες ἐπιτήδειοι ὑμῶν γραφῆναι
14. 44. ἀθετῆσαί τι τούτων
— 45. ἢ ἀθετήσῃ τι τούτων
15. 3. ἐπειδή τινες λοιμοὶ κατεκράτησαν τῆς βασ.
— 21. εἴ τινες οὖν λοιμοὶ διαπεφεύγασιν
— 33. ἔν τινι καιρῷ κατεκρατήθη
16. 16. ἀπέκτεινάν . . . τινας [S¹ τινα] τῶν παιδαρίων
— 21. S R προδραμών τις [A *om.*] ἀπήγγειλεν Ἰωάννῃ
II Ma. 2. 6. προσελθόντες τινὲς τῶν συνακολουθούντων
3. 4. Σίμων δέ τις ἐκ τῆς Βεν. φυλῆς
— 11. τινὰ δὲ καὶ Ὑρκανοῦ
— 17. περιεκέχυτο γὰρ ἐπὶ τὸν ἄνδρα δέος τι
— 19. τινὲς δὲ διὰ τῶν θυρίδων διέκυπτον
— 25. R ὤφθη γάρ τις ἵππος αὐτοῖς [A *al.*]
— 31. ταχὺ δέ τινες τῶν τοῦ Ἡλ. συνήθων
— 32. κακουργίαν τινὰ περὶ τὸν Ἡλ.
— 37. ποῖός τις εἴη ἐπιτήδειος
— 38. εἴ τινα ἔχεις πολέμιον
— 38. διὰ τὸ περὶ τὸν τόπον ἀληθῶς εἶναί τινα θεοῦ δύναμιν
4. 3. διά τινος τῶν ὑπὸ τοῦ Σ. δεδοκιμασμένων
— 8. καὶ προσόδου τινὸς ἄλλης τάλαντα ὀγδοήκοντα
— 13. R ἦν δ' οὕτως ἀκμή τις [A τοῦ] Ἑλληνισμοῦ
— 32. χρυσώματά τινα τῶν τοῦ ἱεροῦ νοσφισάμενος
— 40. προηγησαμένου τινὸς Αὐρανοῦ
— 41. τινὲς δὲ ἐκ τῆς παρακειμ. σποδοῦ δρασσόμενοι
— 42. τινὰς δὲ κατέβαλον
— 46. ἀπολαβὼν ὁ Πτ. εἴς τι περίστυλον
6. 18. Ἐλ. τις τῶν πρωτευόντων γραμματέων
8. 7. R λαλιά τις τῆς εὐανδρίας αὐ. διεχεῖτο [A *al.*]
— 21. τετραμερές τι ἐποίησε τὸ στράτευμα
— 33. R καί τινας ἄλλους ὑφῆψαν [A *al.*]
9. 24. ἐάν τι παράδοξον ἀποβαίη καὶ προσαπέλθῃ τι δυσχερές
10. 11. ἀνέδειξεν ἐπὶ τῶν πραγμάτων Λυσίαν τινά
— 20. ὑπό τινων τῶν ἐν τοῖς πύργοις ἐπείσθησαν
— 20. εἷασάν τινας διαρρυῆναι
— 37. καὶ τὸν Τιμ. ἀποκεκρυμμένον ἔν τινι λάκκῳ
11. 36. πέμψατέ τινα παραχρῆμα
— 37. πέμψατέ τινας
12. 13. ἐπέβαλε δὲ καὶ ἐπί τινα πόλιν
— 18. καταλελοιπότα δὲ φρουρὰν ἔν τινι τόπῳ
— 35. Δωσίθεος δέ τις τῶν τοῦ Βακ.
— 35. τῶν ἱππέων τινὸς Θρᾳκῶν ἐπενεχθέντος αὐτῷ
13. 6. ἢ καί τινων ἄλλων κακῶν ὑπεροχὴν πεποιημένον
14. 3. Ἄλκιμος δέ τις προγεγονὼς ἀρχιερεύς
— 37. Ῥαζεὶς δέ τις τῶν ἀπὸ Ἱερ. πρεσβυτέρων
— 45. στὰς ἐπί τινος πέτρας ἀπορρῶγος
15. 11. ὑπέρ τι πάντας ηὔφρανεν
— 13. θαυμαστὴν δέ τινα . . . εἶναι τὴν περὶ αὐτὸν ὑπεροχήν
III Ma. 1. 2. Θεόδ. δέ τις ἐκπληρῶσαι τὴν ἐπιβουλὴν διανοηθείς
— 3. ἄσημόν τινα κατέκλινεν ἐν τῇ σκηνῇ
— 9. καὶ τῶν ἑξῆς τι τῷ τόπῳ ποιήσας
— 14. καί τις ἀπρονοήτως ἔφη
— 15. γενομένου δέ φησι τούτου διά τινα [? τίνα] αἰτίαν
— 28. ἀνείκαστός τις ἦν βοή
2. 3. τοὺς ὕβρει καὶ ἀγερωχίᾳ τι πράσσοντας
— 30. ἐὰν δέ τινες ἐξ αὐτῶν προαιρῶνται
— 31. ὡς μεγάλης τινὸς κοινωνήσοντες εὐκλείας
3. 4. R χωρισμὸν ἐποίουν ἐπί τινων [A *al.*]
— 7. καὶ μέγα τι τοῖς πράγμασιν ἐναντιουμένους
— 10. ἤδη δὲ καί τινες γείτονές τε καὶ φίλοι . . . μυστικῶς τινας ἐπισπώμενοι
— 27. ὃς δ' ἂν σκεπάσῃ τινὰ τῶν Ἰουδ.
4. 4. καί τινας τῶν ἐχθρῶν λαμβάνοντας . . . τὸν κοινὸν ἔλεον
6. 1. Ἐλ. δέ τις ἀνὴρ ἐπίσημος
— 13. A ἔν τινι μὲ δυνάμει ἔχων [R *al.*]
7. 3. τῶν φίλων τινὲς . . . πυκνότερον ἡμῖν παρακείμενοι
— 9. ἐάν τι κακοτεχνήσωμεν πονηρόν
— 22. τοὺς ἔχοντάς τι
IV Ma. 1. 5. ἵσως εἴποιεν ἄν τινες [S² εἴποι ἄν τις]
— 24. ἐὰν ἐννοηθῇ τις
2. 7. τίνα τρόπον μονοφάγος τις ὢν . . . μεταπαιδεύεται
— 8. κἂν φιλάργυρός τις ᾖ
IV Ma. 2. 9. κἂν φειδωλός τις ᾖ
— 17. οὐ θυμῷ τι κατ' αὐτῶν ἐποίησεν
— 24. εἴποι τις ἄν [S¹ *al.*]
3. 2. ἐπιθυμίαν τις ὑμῶν οὐ δύναται ἐκκόψαι
— 3. θυμόν τις οὐ δύναται ἐκκόψαι
— 4. κακοήθειάν τις ὑμῶν οὐ δύναται ἐκκόψαι
— 11. ἀλλά τις . . . ἀλόγιστος ἐπιθυμία τοῦ . . . ὕδατος
— 21. τότε δή τινες πρὸς τὴν κοινὴν νεωτερίσαντες ὁμόνοιαν
4. 1. Σίμων γάρ τις πρὸς Ὀνίαν ἀντιπολιτευόμενος
— 23. A R εἴ τινες [S τις] αὐτῶν φάνοιεν
5. 1. προκαθίσας . . . ἐπί τινος ὑψηλοῦ τόπου
— 3. εἰ δέ τινες [S¹ τις] μὴ θέλοιεν μιαροφαγῆσαι
— 13. εἰ καί τίς ἐστι τῆσδε τῆς θρησκείας ἐποπτικὴ δύναμις
6. 8. λάξ γέ τοι τῶν πικρῶν τις δορυφόρων
— 14. προσιόντες αὐτῷ τινες τῶν τοῦ βασ.
7. 17. ἴσως δ' ἂν εἴποιέν τινες
— 20. τὸ φαίνεσθαί τινας παθοκρατεῖσθαι
8. 16. εἰ δειλόψυχοί τινες ἦσαν
10. 4. A R εἴ τι ἔχετε κολαστήριον
12. 8. R εἴπω τι [A S *om.*] τῷ βασ.
16. 10. οὐδ' ἂν ἀποθάνω θάπτοντα τῶν υἱῶν ἔξω τινά
— 12. οὐδ' ἵνα μὴ ἀποθάνωσιν ἀπέτρεπεν αὐτῶν τινα
17. 1. ἔλεγον δέ καὶ τῶν δορυφόρων τινές
— 1. A ἵνα μὴ ψαύσειέν τι [S R τις] τοῦ σώματος ἑαυτῆς
— 7. A εἰ δὲ ἑξὸν ἡμῖν ἦν ὥσπερ τινος [S R ἐπί τ.] ζωγραφῆσαι τὴν . . . εὐσέβειαν

[Aq. Ex. 2. 14: 21. 18, 33: Jd. 4. 14: I Ki. 21. 2 (3): 29. 3: IV Ki. 6. 8: Jb. 4. 1: 7. 1: 10. 3: 11. 7: 14. 14: 15. 2, 8: 23. 6: 26. 5: 38. 28: 40. 26 (31): Pr. 24. 12: Is. 7. 13: 66. 8, 9: Je. 15. 10: 23. 39 (Sw.): Ez. 13. 7, 12: Am. 9. 7 *bis*: Mi. 2. 7: Za. 3. 2.]
[Sm. Ex. 2. 14: 15. 11 *bis*: 21. 18: Ru. 4. 1: IV Ki. 6. 8: Jb. 4. 16: 6. 6: 21. 22: 22. 29: 39. 32 (40. 2): 40. 3 (8): Ec. 1. 10 *bis*: 4. 12: 7. 7 (6): 10. 5: Je. 15. 10: 20. 7: 23. 39 (Sw.): 26 (33). 20: 44 (51). 14: Da. 2. 10. (Sw.): 8. 13: Am. 9. 7.]
[Th. Ex. 21. 18, 33: I Ki. 21. 2 (3): Jb. 14. 14: 35. 15: Is. 1. 23: Je. 8. 10 *bis*: 15. 10: Da. 2. 42.]
[Al. I Ki. 22. 7: Jb. 10. 3: 13. 9.]
[Heb. Ez. 47. 3.]

τίς. (1) אֵיךְ (2) אָנָה (3) אַף (4) אֲשֶׁר (5) הִנֵּה c. suff. (6) זֶה (7) מַדּוּעַ (8) *a.* מָה, מָה־, מַה־, מַה־, מֶה־, מֶה־, מַה־, מָה־ *b.* מַה־זֶּה *c.* לָמָּה, לָמָה *d.* מִי־, מִי־ *e.* מַן־, מָן (9) διὰ τί *a.* אֲשֶׁר *b.* מַדּוּעַ *c.* מַה־, מָה *d.* לָמָה *e.* לָמָּה, לָמָה *f.* לָמָּה־זֶּה (10) εἰς τί לָמָה, לָמָה (11) ἕως τίνος *a.* כַּמָּה *b.* מָתַי *c.* עַד־אָנָה *d.* עַד־מָתַי (12) ἵνα τί *a.* מַדּוּעַ *b.* מַה־ *c.* לָמָה *d.* לָמָה, לָמָה *e.* לָמָה זֶּה (13) ἵνα τί τοῦτο *a.* מַדּוּעַ *b.* לָמָה (14) κατὰ τί *a.* בַּמָּה *b.* לָמָה (15) μέχρι τίνος *a.* עַד־אָן *b.* עַד אָנָה (16) τί ὅτι *a.* אֵיךְ *b.* מַדּוּעַ *c.* מַה־ *d.* מַה־זֶּה *e.* לָמָה *f.* לָמָה *g.* לָמָה זֶּה (17) τί τοῦτο *a.* מָה־, מָה (18) τί οὗτοι מָהֵם (19) τί ὑμεῖς מַלְכֶם (20) ὡς τί מַדּוּעַ

Ge. 2. 19. ἰδεῖν τί καλέσει αὐτά (8 *a*)
3. 1. τί ὅτι εἶπεν ὁ θ. (3)
— 11. τίς ἀνήγγειλέ σοι ὅτι γυμνὸς εἶ (8 *d*)
— 13. τί τοῦτο ἐποίησας (8 *a*)
4. 6. ἵνα τί περίλυπος ἐγένου (12 *d*)
— 6. ἵνα τί συνέπεσε τὸ πρόσωπόν σου (12 *d*)
— 10. τί πεποίηκας (8 *a*)
12. 18. τί τοῦτο ἐποίησάς μοι (8 *a*)
— 19. ἵνα τί εἶπας ὅτι ἀδελφή μού ἐστι (12 *d*)
15. 2. R τί μοι δώσεις (8 *a*)
— 8. κατὰ τί γνώσομαι (14 *a*)
18. 13. R τί [A *om.*] ὅτι ἐγέλασε Σάρρα (16 *g*)
20. 9. τί τοῦτο ἐποίησας ἡμῖν (17 *a*)
— 10. τί ἐνιδὼν ἐποίησας τοῦτο (8 *a*)

Ge. 21. 7. τίς ἀναγγελεῖ τῷ Ἀβ. (8 d)
— 17. τί ἐστιν, Ἄ. (8 a)
— 26. τίς ἐποίησε τὸ πρᾶγμα τοῦτο (8 d)
— 29. τί εἰσιν αἱ ἑπτὰ ἀμνάδες (8 a)
22. 7. τί ἐστι, τέκνον (5)
23. 15. ἀνὰ μέσον ἐμοῦ καὶ σοῦ τί ἂν εἴη τοῦτο (8 a)
24. 23. θυγάτηρ τίνος εἶ (8 d)
— 31. ἵνα τί ἕστηκας ἔξω (12 d)
— 47. τίνος θυγάτηρ εἶ (8 d)
— 65. τίς ἐστιν ὁ ἄνθρωπος ἐκεῖνος (8 d)
25. 22. ἵνα τί μοι τοῦτο (12 d)
— 32. ἵνα τί μοι ταῦτα τὰ πρωτοτοκεῖα (12 d)
26. 9. τί ὅτι εἶπας (16 a)
— 10. τί τοῦτο ἐποίησας ἡμῖν (8 a)
— 27. ἵνα τί ἤλθατε πρὸς μέ (12 a)
27. 18. τίς εἶ σύ, τέκνον (8 d)
— 20. τί τοῦτο ὃ ταχὺ εὗρες (8 a)
— 32. τίς εἶ σύ (8 d)
— 33. τίς οὖν ὁ θηρεύσας μοι θήραν (8 d)
— 37. σοὶ δὲ τί ποιήσω (8 a)
— 46. ἵνα τί μοι ζῆν (12 d)
29. 15. τίς ὁ μισθός σού ἐστι (8 a)
— 25. τί τοῦτο ἐποίησάς μοι (8 a)
— 25. ἵνα τί παρελογίσω με (12 d)
30. 31. τί σοι δώσω (8 a)
31. 11. τί ἐστι (5)
— 26. τί ἐποίησας (8 a)
— 26. ἵνα τί κρυβῇ ἀπέδρας –
— 30. ἵνα τί ἔκλεψας τοὺς θεούς μου (12 d)
— 32. ἐπίγνωθι τί ἐστι τῶν σῶν παρ' ἐμοί (8 a)
— 36. τί τὸ ἀδίκημά μου καὶ τί τὸ ἁμάρτημά μου (8 a, 8 a)
— 37. τί εὗρες ἀπὸ πάντων τῶν σκευῶν τοῦ οἴκου σου (8 a)
— 43. τί ποιήσω ταύταις σήμερον (8 a)
32. 17 (18). τίνος εἶ (8 d)
— 17 (18). τίνος ταῦτα τὰ προπορευόμενά σου (8 d)
— 27 (28). τί τὸ ὄνομά σου ἐστιν (8 a)
— 29 (30). ἵνα τί σὺ ἐρωτᾷς τὸ ὄνομά μου (12 e)
33. 5, 8. τί ταῦτά σοί ἐστιν (8 d)
— 15. ἵνα τί τοῦτο (12 d)
37. 10. τί τὸ ἐνύπνιον τοῦτο (8 a)
— 15. τί ζητεῖς (8 a)
— 20. ὀψόμεθα τί ἐστι τὰ ἐνύπνια αὐ. (8 a)
— 26. τί χρήσιμον ἐὰν ἀποκτείνωμεν (8 a)
38. 16. τί μοι δώσεις (8 a)
— 18. τίνα τὸν ἀρραβῶνά σοι δώσω (8 a)
— 25. A ἐκ τοῦ ἀνθρώπου τίνος ταῦτά ἐστιν [R al.] (4)
— 25. ἐπίγνωθι τίνος ὁ δακτύλιος (8 d)
— 29. τί διεκόπη διὰ σὲ φραγμός (8 a)
40. 7. τί ὅτι τὰ πρόσωπα ὑμῶν σκυθρωπά (16 b)
42. 1. ἵνα τί ῥαθυμεῖτε (12 d)
— 28. τί τοῦτο ἐποίησεν ὁ θεὸς ἡμῖν (8 a)
43. 6. τί ἐκακοποιήσατέ μοι (8 c)
— 22. οὐκ οἶδαμεν τίς ἐνέβαλε τὸ ἀργύριον (8 d)
44. 4. τί ὅτι ἀνταπεδώκατέ μοι πονηρά (16 f)
— 5. ἵνα τί ἐκλέψατέ μου τὸ κόνδυ –
— 7. ἵνα τί λαλεῖ ὁ κύριος (12 d)
— 15. τί τὸ πρᾶγμα τοῦτο ἐποιήσατε (8 a)
— 16. τί ἀντεροῦμεν τῷ κυρίῳ (8 a)
— 16. τί λαλήσωμεν ἢ τί δικαιωθῶμεν (8 a, 8 a)
46. 2. τί ἐστιν (5)
— 33. τί τὸ ἔργον ὑμῶν ἐστιν (8 a)
47. 3. τί τὸ ἔργον ὑμῶν (8 a)
— 15. ἵνα τί ἀποθνήσκομεν ἐναντίον σου (12 d)
48. 8. τίνες σοι οὗτοι (8 d)
49. 1. τί ἀπαντήσει ὑμῖν ἐπ' ἐσχάτων τῶν ἡμερῶν (4)
— 9. τίς ἐγερεῖ αὐτόν (8 d)
Ex. 1. 18. τί ὅτι ἐποιήσατε τὸ πρᾶγμα τοῦτο (16 b)
2. 4. μαθεῖν τί [A om.] τὸ ἀποβησόμενον αὐτῷ (8 a)
— 13. διὰ τί σὺ τύπτεις τὸν πλησίον (9 e)
— 14. τίς σε κατέστησεν ἄρχοντα (8 d)
— 18. διὰ τί [A τί ὅτι] ἐταχύνατε τοῦ παραγενέσθαι (9 b [16 b])
— 20. ἵνα τί καταλελοίπατε τὸν ἄνθρ. (12 e)
3. 3. A τί [B om.] ὅτι οὐ κατακαίεται ὁ βάτος (16 b)
— 4. τί ἐστιν (5)
— 11. τίς εἰμι ἐγὼ ὅτι πορεύσομαι (8 d)
— 13. τί ὄνομα αὐτῷ (8 a)
— 13. τί ἐρῶ πρὸς αὐτούς (8 a)
4. 1. τί ἐρῶ πρὸς αὐτούς –
— 2. τί τοῦτό ἐστι τὸ ἐν τῇ χειρί σου (17 b*, 8 a)
— 11. τίς ἔδωκε στόμα ἀνθρώπῳ (8 d)
— 11. τίς ἐποίησε δύσκωφον καὶ κωφόν (8 d)
5. 2. τίς ἐστιν οὗ εἰσακούσομαι τῆς φωνῆς αὐ. (8 d)
Ex. 5. 4. ἵνα τί . . . διαστρέφετε τὸν λαόν μου (12 d)
— 14. διὰ τί οὐ συνετελέσατε τὰς συντάξεις ὑμῶν (9 b)
— 15. ἵνα τί οὕτως ποιεῖς τοῖς σοῖς οἰκέταις (12 d)
— 22. τί [A διὰ τί] ἐκάκωσας τὸν λαὸν τοῦτον (8 c [9 e])
— 22. ἵνα τί ἀπέσταλκάς με (12 e)
10. 3. ἕως τίνος οὐ βούλει ἐντραπῆναί με (11 d)
— 7. ἕως τίνος ἔσται τοῦτο ἡμῖν σκῶλον (11 d)
— 8. τίνες δὲ καὶ τίνες εἰσὶν οἱ πορευόμενοι (8 d, 8 d)
— 26. οὐκ οἴδαμεν τί λατρεύσωμεν κ. τῷ θεῷ ἡ. (8 a)
12. 26. τίς ἡ λατρεία αὕτη (8 a)
13. 14. τί τοῦτο (8 a)
14. 5. τί τοῦτο ἐποιήσαμεν (8 a)
— 11. τί τοῦτο ἐποίησας ἡμῖν (8 a)
— 15. τί βοᾷς πρὸς μέ (8 a)
15. 11. τίς ὅμοιός σοι ἐν θεοῖς (8 d)
— 11. τίς ὅμοιός σοι (8 d)
— 24. τί πιόμεθα (8 a)
16. 7, 8. ἡμεῖς δὲ τί ἐσμεν (8 a)
— 15. τί ἐστι τοῦτο (8 e)
— 15. οὐ γὰρ ᾔδεισαν τί ἦν (8 a)
— 28. ἕως τίνος οὐ βούλεσθε εἰσακούειν (11 c)
17. 2. τί λοιδορεῖσθέ μοι (8 a)
— 2. τί πειράζετε κύριον (8 a)
— 3. ἵνα τί τοῦτο ἀνεβίβασας ἡμᾶς (12 d)
— 4. τί ποιήσω τῷ λαῷ τούτῳ (8 a)
18. 14. τί τοῦτο ὃ σὺ ποιεῖς τῷ λαῷ (8 a)
— 14. διὰ τί σὺ κάθησαι μόνος (9 b)
22. 27 (26). ἐν τίνι κοιμηθήσεται (8 a)
32. 1. οὐκ οἴδαμεν τί γέγονεν αὐτῷ (8 a)
— 11. ἵνα τί, κύριε, θυμοῖ ὀργῇ (12 d)
— 21. τί ἐποίησέ σοι ὁ λαὸς οὗτος (8 a)
— 23. οὐκ οἴδαμεν τί γέγονεν αὐτῷ (8 a)
— 24. A τίνι [B εἴ τινι] ὑπάρχει χρυσία (8 d)
— 26. τίς πρὸς κύριον (8 d)
Le. 6. 4 (5. 24). τίνος ἐστὶν αὐτῷ ἀποδώσει (4)
10. 17. διὰ τί οὐκ ἐφάγετε τὸ περὶ τῆς ἁμαρτίας (9 b)
14. 35. ἥξει τίνος αὐτοῦ ἡ οἰκία (4)
21. 17. τίνι ἐὰν ᾖ ἐν αὐτῷ μῶμος (4)
25. 20. τί φαγόμεθα ἐν τῷ ἔτει τῷ ἕβδ. τ. (8 a)
Nu. 5. 7. ἀποδώσει τίνι ἐπλημμέλησεν αὐτῷ (4)
9. 8. ἀκούσομαι τί ἐντελεῖται κύριος (8 a)
11. 4. τίς ἡμᾶς ψωμιεῖ κρέα (8 d)
— 11. ἵνα τί ἐκάκωσας τὸν θεράποντά σου (12 d)
— 11. διὰ τί οὐχ εὕρηκα χάριν ἐναντίον σου (9 e)
— 18. τίς ἡμᾶς ψωμιεῖ κρέα (8 d)
— 20. ἵνα τί ἡμῖν ἐξελθεῖν ἐξ Αἰγ. (12 e)
— 29. τίς δῴη πάντα τὸν λαὸν κυρίου προφήτας (8 d)
12. 8. διὰ τί οὐκ ἐφοβήθητε (9 b)
13. 19 (18). ὄψεσθε τὴν γῆν τίς ἐστι (8 a)
— 20 (19). καὶ τίς ἡ γῆ εἰς ἣν οὗτοι ἐγκάθηνται (8 a)
— 20 (19). καὶ τίνες αἱ πόλεις εἰς ἃς οὗτοι κατοικοῦσιν (8 a)
— 21 (20). καὶ τίς ἡ γῆ ἢ πίων ἢ παρειμένη (8 a)
14. 3. ἵνα τί κύριος εἰσάγει ἡμᾶς (12 d)
— 11. ἕως τίνος παροξύνει με ὁ λαὸς οὗτος (11 c)
— 11. ἕως τίνος οὐ πιστεύουσί μοι (11 c)
— 27. ἕως τίνος τὴν συναγωγὴν τὴν πονηρὰν τ. (11 d)
— 41. ἵνα τί ὑμεῖς παραβαίνετε τὸ ῥῆμα κυρίου (12 e)
15. 34. οὐ γὰρ συνέκριναν τί ποιήσωσιν αὐτόν (8 a)
16. 3. διὰ τί κατανίστασθε ἐπὶ τὴν συναγωγὴν κ. (9 b)
— 11. καὶ Ἄ. τίς [A τί] ἐστιν (8 a)
20. 4. ἵνα τί ἀνηγάγετε τὴν συναγωγὴν κυρίου (12 d)
— 5. ἵνα τί τοῦτο ἀνήγαγες ἡμᾶς ἐξ Αἰγ. (13 b)
21. 5. ἵνα τί τοῦτο ἐξήγαγες ἡμᾶς ἐξ Αἰγ. (13 b)
22. 9. τί οἱ ἄνθρωποι οὗτοι παρὰ σοί (8 d)
— 19. γνώσομαι τί προσθήσει κύριος λαλῆσαι (8 a)
— 28. τί ἐποίησά σοι (8 a)
— 32. διὰ τί ἐπάταξας τὴν ὄνον σου τοῦτο τρίτον (8 a)
— 37. διὰ τί οὐκ ἦρχου πρὸς μέ (9 e)
23. 8. τί ἀράσωμαι ὃν μὴ ἀρᾶται κύριος (8 a)
— 8. τί καταράσωμαι ὃν μὴ καταρᾶται ὁ θ. (8 a)
— 10. τίς ἐξηκριβάσατο τὸ σπέρμα Ἰ. (8 d)
— 10. τίς ἐξαριθμήσεται δήμους Ἰσρ. –
— 11. τί πεποίηκάς μοι (8 a)
— 17. τί ἐλάλησε κύριος (8 a)
— 23. τί ἐπιτελέσει ὁ θεός (8 a)
24. 9. τίς ἀναστήσει αὐτόν (8 d)
— 14. συμβουλεύσω σοι τί ποιήσει ὁ λαὸς οὗτος (4)
— 23. τίς ζήσεται ὅταν θῇ ταῦτα ὁ θεός (8 d)
31. 15. ἵνα τι ἐζωγρήσατε πᾶν θῆλυ †
32. 7. ἵνα τί διαστρέφετε τὰς διανοίας τῶν υἱῶν Ἰσρ. (12 d)
De. 3. 24. τίς γάρ ἐστι θεὸς ἐν τῷ οὐρ. (8 d)
De. 5. 26 (23). τίς γὰρ σὰρξ ἥτις ἤκουσε φωνήν (8 d)
— 29 (26). τίς δώσει εἶναι οὕτως τὴν καρδίαν αὐτῶν (8 d)
6. 20. τί [A τίνα] ἐστὶ τὰ μαρτύρια (8 a)
9. 2. τίς ἀντιστήσεται κατὰ πρόσωπον υἱῶν Ἐ. (8 d)
10. 12. τί κύριος ὁ θεός σου αἰτεῖται παρὰ σοῦ (8 a)
20. 5. τίς ὁ ἄνθρωπος ὁ οἰκοδομήσας οἰκίαν καινήν (8 d)
— 6. τίς ὁ ἄνθρωπος ὅστις ἐφύτευσεν ἀμπελῶνα (8 d)
— 7. τίς ὁ ἄνθρωπος ὅστις μεμνήστευται γυναῖκα (8 d)
— 8. τίς ὁ ἄνθρωπος ὁ φοβούμενος (8 d)
29. 18 (17). τίνος ἡ διάνοια ἐξέκλινεν ἀπὸ κ. τοῦ θ. ὑμῶν (4)
— 24 (23). διὰ τί ἐποίησε κ. οὕτως τῇ γῇ ταύτῃ (8 a)
— 24 (23). τίς ὁ θυμὸς τῆς ὀργῆς ὁ μέγας οὗτος (8 a)
30. 12. τίς ἀναβήσεται ἡμῖν εἰς τὸν οὐρ. (8 d)
— 13. A B² τίς διαπεράσει ἡμῖν (8 d)
32. 20. δείξω τί ἔσται αὐτοῖς (8 a)
33. 29. τίς ὅμοιός σοι (8 d)
Jo. 4. 6. A B τί εἰσιν οἱ λίθοι οὗτοι ἡμῖν (8 a)
—21. τί εἰσιν οἱ λίθοι οὗτοι (8 a)
5. 14. τί προστάσσεις τῷ σῷ οἰκέτῃ (8 a)
7. 7. ἵνα [A διὰ] τί διεβίβασεν ὁ παῖς σου τὸν λαὸν τ. (12 d [9 e])
— 8. καὶ τί ἐρῶ (8 a)
— 9. τί ποιήσεις τὸ ὄνομά σου τὸ μέγα (8 a)
— 10. ἵνα τί τοῦτο σὺ πέπτωκας (12 d)
— 19. ἀνάγγειλόν μοι τί ἐποίησας (8 a)
— 25. τί ὠλέθρευσας ἡμᾶς (8 a)
9. 22. διὰ τί παρελογίσασθέ με (9 e)
15. 18. τί ἐστί σοι (8 a)
17. 14. διὰ τί ἐκληρονόμησας ἡμᾶς κλῆρον ἕνα (9 b)
18. 3. ἕως τίνος ἐκλυθήσεσθε (11 c)
22. 16. τίς ἡ πλημμέλεια αὕτη (8 a)
— 24. τί ὑμῖν κ. τῷ θεῷ Ἰσρ. (8 a)
24. 15. ἐκλέξασθε ὑμῖν αὐτοῖς σήμερον τίνι λατρεύσητε (8 d)
Jd. 1. 1. τίς ἀναβήσεται ἡμῖν πρὸς τοὺς Χαν. (8 d)
— 14. τί ἐστί σοι (8 a)
5. 16. εἰς τί ἐκάθισαν [A ἵνα τί μοι κάθησαι] (10 [12 d])
— 17. Δὰν εἰς [A ἵνα] τί παροικεῖ πλοίοις (10 [12 d])
— 28. A διὰ τί ἠσχάτισεν τὸ ἅρμα αὐ. [B al.] (9 b)
— 28. A διὰ τί ἐχρόνισαν ἴχνη ἁρμάτων αὐ. [B al.] (9 b)
6. 13. εἰς [A ἵνα] τί εὗρεν ἡμᾶς τὰ κακὰ ταῦτα (10 [12 d])
— 15. ἐν τίνι σώσω τὸν Ἰσρ. (8 a)
— 29. τίς ἐποίησε τὸ ῥῆμα τοῦτο (8 d)
7. 3. τίς ὁ φοβούμενος καὶ δειλός (8 d)
— 10 (11). ἀκούσῃ τί λαλήσουσι (8 a)
8. 1. τί τὸ ῥῆμα τοῦτο ἐποίησας ἡμῖν (8 a)
— 2. τί ἐποίησα νῦν (8 a)
— 3. τί ἠδυνήθην ποιῆσαι ὡς ὑμεῖς (8 a)
9. 2. τί τὸ ἀγαθὸν ὑμῖν [A al.] (8 a)
— 28. τίς [A τί] ἐστιν Ἀβ. καὶ τίς ἐστιν υἱὸς Σ. (8 d, 8 d)
— 28. τί ὅτι δουλεύσομεν αὐτῷ ἡμεῖς [A al.] (16 b)
— 29. τίς δῴη τὸν λαὸν τ. ἐν χειρί μου (8 d)
— 38. τίς [A ποῦ] ἐστιν Ἀβ. (8 d)
— 48. A τί [B ὁ] εἴδετέ με ποιοῦντα (8 a)
10. 18. τίς ὁ ἀνήρ (8 d)
11. 7. διὰ τί [A τί ὅτι] ἤλθατε πρὸς μέ (9 b [16 b])
— 12. τί ἐμοὶ καὶ σοί (8 a)
— 26. διὰ τί [A διότι] οὐκ ἐρρύσω αὐτούς (9 b)
12. 1. διὰ τί παρῆλθες [A τί ὅτι ἐπορεύθης] (9 b [16 b])
— 3. εἰς [A ἵνα] τί ἀνέβητε (10 [12 d])
13. 8. συμβιβασάτω ἡμᾶς τί ποιήσωμεν (8 a)
— 12. τίς ἔσται κρίσις [A τί ἔσται τὸ κρίμα] τοῦ παιδίου (8 a)
— 17. τί τὸ ὄνομά σοι (8 d)
— 18. εἰς [A ἵνα] τί τοῦτο ἐρωτᾷς τὸ ὄνομά μου (10 [12 d])
14. 14. τί βρωτὸν ἐξῆλθεν ἐκ βιβρώσκοντος [A al.] –
— 18. τί γλυκύτερον μέλιτος (8 a)
— 18. τί ἰσχυρότερον λέοντος (8 a)
15. 6. τίς ἐποίησε ταῦτα (8 d)
— 10. εἰς [A ἵνα] τί ἀνέβητε ἐφ' ἡμᾶς (10 [12 d])
— 11. τί τοῦτο [A ἵνα τί ταῦτα] ἐποίησας ἡμῖν (8 a [12 b])
16. 5. ἴδε ἐν τίνι ἡ ἰσχὺς αὐ. ἡ μεγάλη καὶ ἐν τίνι δυνησόμεθα αὐτῷ (8 a, 8 a)
— 6. ἐν τίνι ἡ ἰσχύς σου ἡ μεγάλη (8 a)
— 6, 10, 13. ἐν τίνι δεθήσῃ (8 a)
— 15. ἐν τίνι ἡ ἰσχύς σου ἡ μεγάλη (8 a)

Jd. 18. 3. τίς ἤνεγκέ σε ὧδε (8 d)
— 3. σὺ τί ποιεῖς ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ (8 a)
— 3. καὶ τί σοι ὧδε (8 a)
— 8. τί ὑμεῖς κάθησθε (8 a)
— 14. A γνῶτε τί [B ὅ τι] ποιήσετε (8 a)
— 18. τί ὑμεῖς ποιεῖτε (8 a)
— 23. τί ἐστί σοι ὅτι ἐβόησας (8 a)
— 24. καὶ τί μοι ἔτι (8 a)
— 24. καὶ τί τοῦτο λέγετε πρὸς μέ, Τί κράζεις [A al.] (8 a, 8 a)
20. 12. τίς ἡ πονηρία αὕτη (8 a)
— 18. τίς ἀναβήσεται ἡμῖν (8 d)
21. 3. εἰς [A ἵνα] τί . . . ἐγενήθη αὕτη (10 [12 d])
— 5. τίς οὐκ ἀνέβη ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ (8 d+4)
— 7. τί ποιήσωμεν αὐτοῖς τοῖς περισσοῖς (8 a)
— 8. τίς εἰς ἀπὸ φυλῶν Ἰσρ. (8 d)
— 16. τί ποιήσωμεν τοῖς περισσοῖς εἰς γυναῖκας (8 a)
Ru. 1. 11. ἵνα τί πορεύεσθε μετ' ἐμοῦ (12 d)
— 19. A αὕτη τί [B om.] ἐστι N. –
— 21. ἵνα τί καλεῖτέ με N. (12 d)
2. 5. τίνος ἡ νεᾶνις αὕτη (8 d)
— 10. τί ὅτι εὗρον χάριν (16 b)
3. 9. τίς [B¹ τί] εἶ σύ (8 d)
— 16. A τίς εἶ, θυγάτηρ [B al.] (8 d)
I Ki. 1. 8. τί ἔστι σοι ὅτι κλαίεις (16 e)
— 8. ἵνα [A διὰ] τί οὐκ ἐσθίεις (12 c [9 d])
— 8. ἵνα τί τύπτει σε ἡ καρδία σου (12 c)
2. 16. A τί [B ὅτι] νῦν δώσεις †
— 23. ἵνα τί ποιεῖτε κατὰ τὸ ῥῆμα τοῦτο (12 d)
— 25. τίς προσεύξεται ὑπὲρ αὐτοῦ (8 d)
— 29. ἵνα τί ἐπέβλεψας ἐπὶ τὸ θυμίαμά μου (12 d)
3. 17. τί τὸ ῥῆμα τὸ λαληθὲν πρὸς σέ (8 a)
4. 3. κατὰ τί ἔπταισεν ἡμᾶς κ. σήμερον (14 b)
— 6. τίς ἡ κραυγὴ ἡ μεγάλη αὕτη (8 a)
— 8. τίς ἐξελεῖται ἡμᾶς ἐκ χειρὸς τῶν θεῶν (8 d)
— 14. τίς ἡ βοὴ τῆς φωνῆς ταύτης (8 a)
— 16 (15). τίς ἡ φωνὴ τοῦ ἤχου τούτου –
— 16. τί τὸ γεγονὸς ῥῆμα, τέκνον (8 a)
5. 8. τί ποιήσωμεν κιβωτῷ θεοῦ Ἰσρ. (8 a)
— 10. τί ἀπεστρέψατε πρὸς ἡμᾶς τὴν κιβωτόν –
6. 2. τί ποιήσωμεν τῇ κιβωτῷ κυρίου (8 a)
— 2. ἐν τίνι ἀποστελοῦμεν αὐτήν (8 a)
— 4. τί τὸ τῆς βασάνου ἀποδώσομεν αὐτῇ (8 a)
— 6. ἵνα τί βαρύνετε τὰς καρδίας ὑμῶν (12 d)
— 20. τίς δυνήσεται διελθεῖν (8 d)
— 20. πρὸς τίνα ἀναβήσεται κιβωτὸς κυρίου (8 d)
9. 7. τί οἴσομεν τῷ ἀνθρώπῳ τοῦ θεοῦ (8 a)
— 20. τίνι τὰ ὡραῖα τοῦ Ἰσρ. (8 d)
— 21. ἵνα τί ἐλάλησας πρὸς ἐμέ (12 d)
10. 2. τί ποιήσω ὑπὲρ τοῦ υἱοῦ μου (8 a)
— 11. τί τοῦτο τὸ γεγονὸς τῷ υἱῷ Κ. (8 a)
— 12. καὶ τίς πατὴρ αὐτοῦ (8 d)
— 15. ἀπάγγειλον δή μοι τί εἶπέ σοι Σαμ. (8 a)
— 27. τίς σώσει ἡμᾶς οὗτος (8 a)
11. 5. τί ὅτι κλαίει ὁ λαός (8 a)
— 12. τίς ὁ εἴπας ὅτι Σαμ. οὐ βασιλεύσει ἡμῶν (8 d)
12. 3. μόσχον τίνος εἴληφα ἢ ὄνον τίνος εἴληφα ἢ τίνα κατεδυνάστευσα ὑμῶν ἢ τίνα ἐξεπίεσα ἢ ἐκ χειρὸς τίνος εἴληφα ἐξίλασμα (8 d quinquiens)
13. 11. B τί πεποίηκας (8 a)
14. 17. ἴδετε τίς [A τί ὁ] πεπόρευται ἐξ ἡμῶν (8 d)
— 38. ἐν τίνι γέγονεν ἡ ἁμαρτία αὕτη σήμερον (8 a)
— 41. τί [A om.] ὅτι οὐκ ἀπεκρίθης –
— 43. ἀπάγγειλόν μοι τί πεποίηκας (8 a)
15. 14. καὶ τίς ἡ φωνὴ τοῦ προβάτου τούτου (8 a)
— 19. ἵνα τί οὐκ ἤκουσας φωνῆς κυρίου (12 d)
17. 8. τί ἐκπορεύεσθε παρατάξασθαι (8 c)
— 26. A τίς ἀλλόφυλος ὁ ἀπερίτμητος αὐτός (8 d)
— 28. A ἵνα τί τοῦτο κατέβης (12 d)
— 28. A ἐπὶ τίνα ἀφῆκας τὰ μικρὰ πρόβατα ἐκεῖνα (8 d)
— 29. A τί ἐποίησα νῦν (8 a)
— 36. τίς ὁ ἀπερίτμητος οὗτος –
— 55, 56. A υἱὸς τίνος ὁ νεανίσκος οὗτος (8 d)
— 58. A υἱὸς τίνος εἶ (8 d)
18. 8. A τί αὐτῷ πλὴν ἡ βασιλεία †
— 18. A τίς ἐγώ εἰμι (8 d)
— 18. A τίς ἡ ζωὴ τῆς συγγενείας σου (8 d)
19. 5. ἵνα τί ἁμαρτάνεις εἰς αἷμα ἀθῷον (12 d)
— 17. ἵνα τί οὕτως παρελογίσω με (12 d)
20. 1. τί πεποίηκα (8 a)
— 1. τί τὸ ἀδίκημά μου (8 a)
— 1. τί ἡμάρτηκα ἐνώπιον τοῦ πατρός σου (8 a)
— 2. τί ὅτι κρύψει ὁ πατήρ μου τὸ ῥῆμα τοῦτο (16 b)
I Ki. 20. 4. τί ἐπιθυμεῖ ἡ ψυχή σου (8 a)
— 4. τί [A om.] ποιήσω σοι –
— 8. ἵνα τί οὕτως εἰσάγεις με (12 d)
— 10. τίς ἀπαγγείλῃ μοι (8 d)
— 27. τί ὅτι οὐ παραγέγονεν ὁ υἱὸς Ἰ. (16 b)
— 32. ἵνα τί ἀποθνήσκει (12 d)
— 32. τί πεποίηκε (8 a)
21. 1 (2). τί ὅτι σὺ μόνος (16 b)
— 14 (15). ἵνα τί εἰσηγάγετε αὐτὸν πρὸς μέ (12 d)
22. 3. ἕως ὅτου γνῶ τί [A ὅ τι] ποιήσει μοι ὁ θ. (8 a)
— 13. ἵνα τί συνέθου κατ' ἐμοῦ (12 d)
— 14. καὶ τίς ἐν πᾶσι τοῖς δούλοις σου ὡς Δ. πιστός (8 d)
24. 10. ἵνα τί ἀκούεις τῶν λόγων τοῦ λαοῦ (12 d)
— 15. ὀπίσω τίνος σὺ ἐκπορεύῃ (8 d)
— 15. ὀπίσω τίνος καταδιώκεις σύ (8 d)
25. 10. τίς ὁ Δ. καὶ τίς ὁ υἱὸς Ἰ. (8 d, 8 d)
— 17. ἴδε σὺ τί ποιήσεις (8 a)
26. 6. τίς εἰσελεύσεται μετ' ἐμοῦ πρὸς Σ. (8 d)
— 9. τίς ἐποίσει χεῖρα αὐ. ἐπὶ χριστὸν κυρίου (8 d)
— 14. τίς εἶ σὺ ὁ καλῶν (8 d)
— 15. τίς ὡς σὺ ἐν Ἰσρ. (8 d)
— 15. διὰ τί οὐ φυλάσσεις τὸν κ. σου τὸν βασ. (9 e)
— 18. ἵνα τί τοῦτο καταδιώκει ὁ κύριος (12 d)
— 18. τί [A om.] ἡμάρτηκα (8 a)
— 18. τί εὑρέθη ἐν ἐμοὶ ἀδίκημα (8 a)
27. 5. ἵνα τί κάθηται ὁ δοῦλός σου ἐν πόλει (12 d)
— 10. ἐπὶ τίνα ἐπέθεσθε σήμερον –
28. 9. ἵνα τί σὺ παγιδεύεις τὴν ψυχήν μου (12 d)
— 11. τίνα ἀναγάγω σοι (8 d)
— 12. ἵνα τί παρελογίσω με (12 d)
— 13. εἰπὸν τίνα ἑώρακας (8 a)
— 14. τί ἔγνως (8 a)
— 15. ἵνα τί παρηνώχλησάς μοι (12 d)
— 15. γνωρίσαι μοι τί ποιήσω (8 a)
— 16. ἵνα τί ἐπερωτᾷς με (12 d)
29. 3. τίνες οἱ διαπορευόμενοι οὗτοι (8 a)
— 4. ἐν τίνι διαλλαγήσεται οὗτος τῷ κυρίῳ αὐ. (8 a)
— 8. τί πεποίηκά σοι (8 a)
— 8. τί εὗρες ἐν τῷ δούλῳ σου (8 a)
30. 13. τίνος σὺ εἶ (8 d)
— 24. τίς ἐπακούσεται ὑμῶν τῶν λόγων τ. (8 d)
II Ki. 1. 4. τίς ὁ λόγος οὗτος (8 a)
— 8. τίς εἶ σύ (8 d)
3. 7. τί ὅτι εἰσῆλθες πρὸς τὴν παλλακήν (16 b)
— 24. τί τοῦτο ἐποίησας (17 a)
— 24. ἵνα τί ἐξαπέσταλκας αὐτόν (12 e)
6. 20. τί δεδόξασται σήμερον ὁ βασ. Ἰσρ. (8 a)
7. 7. A τί [B ὅτι, R ἵνα τί] οὐκ ᾠκοδομήκατέ μοι οἶκον κέδρινον (8 c [12 d])
— 18. τίς εἰμι ἐγώ . . . καὶ τίς ὁ οἶκός μου (8 d, 8 d)
— 20. τί προσθήσει Δ. ἔτι τοῦ λαλῆσαι (8 a)
— 23. τίς ὡς λαός σου Ἰσρ. ἔθνος ἄλλο (8 d)
9. 8. τίς εἰμι ὁ δοῦλός σου (8 a)
11. 10. τί ὅτι οὐ κατέβης εἰς τὸν οἶκόν σου (16 b)
— 20. τί ὅτι [A om.] ἠγγίσατε πρὸς τὴν πόλιν (16 b [7])
— 21. τίς ἐπάταξε τὸν Ἀβ. (8 d)
— 21. ἵνα τί προσηγάγετε πρὸς τὸ τεῖχος (12 d)
— 22. ἵνα τί προσηγάγετε πρὸς τὴν πόλιν –
— 22. τίς ἐπάταξε τὸν Ἀβ. –
— 22. ἵνα τί προσηγάγετε πρὸς τὸ τεῖχος –
12. 9. A τί [B ὅτι, R τί ὅτι] ἐφαύλισας τὸν λόγον κυρίου (7 [16 b])
— 21. τί τὸ ῥῆμα τοῦτο ὃ ἐποίησας (8 a)
— 22. τίς οἶδεν εἰ ἐλεήσει με κύριος (8 d)
— 23. ἵνα τί τοῦτο ἐγὼ νηστεύω (12 d)
13. 4. τί σοι ὅτι σὺ οὕτως ἀσθενῆς (16 b)
— 26. ἵνα τί πορευθῇ μετὰ σοῦ (12 d)
14. 5. τί ἔστι σοι (8 a)
— 10. τίς ὁ λαλῶν πρὸς σέ –
— 13. ἵνα τί ἐλογίσω τοιοῦτο (12 d)
— 31. ἵνα τί ἐνεπύρισαν οἱ παῖδές σου (12 d)
— 32. ἵνα τί ἦλθον ἐκ Γ. (12 d)
15. 4. τίς με καταστήσει κριτὴν ἐν τῇ γῇ (8 d)
— 19. ἵνα τί πορεύῃ καὶ σὺ μεθ' ἡμῶν (12 d)
16. 2. τί ταῦτά σοι (8 a)
— 9. ἵνα τί καταρᾶται ὁ κύων ὁ τεθνηκὼς οὗτος (12 d)
— 10. τί ἐμοὶ καὶ ὑμῖν (8 a)
— 10. τίς ἐρεῖ, Ὡς τί ἐποίησας οὕτως (8 d, 20)
— 17. ἵνα τί οὐκ ἀπῆλθες μετὰ τοῦ ἑταίρου (12 d)
— 19. τίνι ἐγὼ δουλεύσω (8 d)
— 20. φέρετε ἑαυτοῖς βουλὴν τί ποιήσωμεν (8 a)
17. 5. ἀκούσωμεν τί ἐν τῷ στόματι αὐ. (8 a)
18. 11. τί ὅτι οὐκ ἐπάταξας αὐτόν (16 b)
II Ki. 18. 22. ἵνα τί σὺ τοῦτο τρέχεις (12 d)
— 23. τί γὰρ ἐὰν δραμοῦμαι (8 a)
— 29. οὐκ ἔγνων τί ἐκεῖ (8 a)
— 33 (19. 1). τίς δῴη τὸν θάνατόν μου ἀντὶ σοῦ (8 d)
19. 10 (11). ἵνα τί ὑμεῖς κωφεύετε (12 d)
— 11 (12), 12 (13). ἵνα τί γίνεσθε ἔσχατοι (12 d)
— 22 (23). τί ἐμοὶ καὶ ὑμῖν (8 a)
— 25 (26). τί ὅτι οὐκ ἐπορεύθης μετ' ἐμοῦ (16 f)
— 28 (29). τί ἐστί μοι ἔτι δικαίωμα (8 a)
— 29 (30). ἵνα τί λαλεῖς ἔτι τοὺς λόγους σου (12 d)
— 35 (36). ἵνα τί ἔσται ἔτι ὁ δοῦλός σου εἰς φορτίον (12 d)
— 36 (37). ἵνα τί ἀνταποδίδωσί μοι ὁ βασ. (12 d)
— 41 (42). τί ὅτι ἔκλεψάν σε οἱ ἀδ. ἡμῶν (16 b)
— 42 (43). ἵνα τί οὕτως ἐθυμώθης (12 d)
— 43 (44). ἵνα τί τοῦτο ὕβρισάς με (13 a)
20. 11. τίς ὁ βουλόμενος Ἰ. (8 d)
— 11. τίς τοῦ Δ. ὀπίσω Ἰ. (8 d+4)
— 19. ἵνα τί καταποντίζεις κληρονομίαν κυρίου (12 d)
21. 3. τί ποιήσω ὑμῖν (8 a)
— 3. ἐν τίνι ἐξιλάσωμαι (8 a)
— 4. τί ὑμεῖς λέγετε (8 a)
22. 32. τίς ἰσχυρὸς πλὴν κυρίου (8 d)
— 32. τίς κτίστης ἔσται πλὴν τοῦ θεοῦ ἡμῶν (8 d)
23. 15. τίς ποτεῖ με ὕδωρ (8 d)
24. 3. ἵνα τί βούλεται ἐν τῷ λόγῳ τ. (12 d)
— 13. ἴδε τί ἀποκριθῶ (8 a)
— 17. οὗτοι τὰ πρόβατα τί ἐποίησαν (8 a)
— 21. τί ὅτι ἦλθεν ὁ κύριός μου (16 b)
III Ki. 1. 6. διὰ τί σὺ ἐποίησας (9 b)
— 13. τί ὅτι ἐβασίλευσεν Ἀδ. (16 b)
— 16. τί ἔστι σοι (8 a)
— 20. ἀπάγγειλαι αὐτοῖς τίς καθήσεται ἐπὶ τοῦ θρόνου (8 d)
— 27. οὐκ ἐγνώρισας τῷ δούλῳ σου τίς καθήσεται (8 d)
— 41. τίς ἡ φωνὴ τῆς πόλεως ἠχούσης (7)
2. 22. ἵνα τί [A om.] σὺ ᾔτησαι τὴν Ἀβ. τῷ Ἀδ. (12 d)
— 29. τί γέγονέ σοι –
3. 1 (2. 43). τί ὅτι οὐκ ἐφύλαξας τὸν ὅρκον κυρίου (16 b)
— 9. τίς δυνήσεται κρίνειν τὸν λαόν σου (8 d)
9. 8. ἕνεκα τίνος ἐποίησε κύριος οὕτως (8 a)
— 13. τί αἱ πόλεις αὗται (8 a)
11. 22. τίνι σὺ ἐλαττοῦῃ μετ' ἐμοῦ (8 a)
12. 9. τί ὑμεῖς συμβουλεύετε (8 a)
— 9. τί ἀποκριθῶ τῷ λαῷ τούτῳ –
— 16. τίς ἡμῖν μερὶς ἐν Δ. (8 a)
— 24. B ἵνα τί μοι ἐνήνοχας ἄρτους –
— 24. B τί ἀποκριθῶ τῷ λαῷ ῥῆμα –
14. 3. A αὐτὸς ἀναγγείλῃ σοι τί ἔσται τῷ παιδί (8 a)
— 6. A ἵνα τί σὺ τοῦτο ἀπεξενοῦσαι (12 d)
— 14. A καὶ τί καὶ νῦν (8 a)
17. 18. τί ἐμοὶ καὶ σοί (8 a)
18. 9. τί ἡμάρτηκα (8 a)
19. 9, 13. τί σὺ ἐνταῦθα (8 a)
20 (21). 5. τί τὸ πνεῦμά σου τεταραγμένον (8 b)
21 (20). 14. εἶπεν Ἀχ., Ἐν τίνι (8 d)
— 14. τίς συνάψει τὸν πόλεμον (8 d)
— 22. ἴδε τί ποιήσεις (4)
22. 20. τίς ἀπατήσει τὸν Ἀχ. (8 d)
— 22 (21). εἶπε πρὸς αὐτὸν κύριος, Ἐν τίνι (8 a)
IV Ki. 1. 5. τί ὅτι ἐπεστρέψατε (16 d)
— 7. τίς ἡ κρίσις τοῦ ἀνδρός (8 a)
— 16. τί ὅτι ἀπέστειλας ζητῆσαι [A al.] †
2. 9. τί ποιήσω σοι (8 a)
3. 13. τί ἐμοὶ καὶ σοί (8 a)
4. 2. τί ποιήσω σοι (8 a)
— 2. τί ἔστι σοι ἐν τῷ οἴκῳ (8 a)
— 13. τί δεῖ ποιῆσαί σοι (8 a)
— 14. τί δεῖ ποιῆσαι αὐτῇ (8 a)
— 23. τί ὅτι σὺ πορεύῃ πρὸς αὐτόν (16 b)
— 43. τί [A τίνι] δῶ τοῦτο (8 a)
5. 8. ἵνα τί διέρρηξας τὰ ἱμάτιά σου (12 d)
6. 11. τίς προδίδωσί με βασιλεῖ Ἰσρ. (8 d)
— 28. τί ἔστι σοι (8 a)
— 33. τί ὑπομείνω τῷ κ. ἔτι (8 a)
7. 3. τί ἡμεῖς καθήμεθα ὧδε (8 a)
8. 12. τί [A om.] ὅτι ὁ κύριός μου κλαίει (16 b)
— 13. τίς ἐστιν ὁ δοῦλός σου (8 a)
— 14. R τί εἶπε σοι Ἑλ. [A B al.] (8 a)
9. 5. πρὸς τίνα ἐκ πάντων ἡμῶν (8 d)
— 11. τί ὅτι εἰσῆλθεν ὁ ἐπίληπτος οὗτος (16 b)
— 18, 19. τί σοι καὶ εἰρήνη (8 a)

IV Ki. 9. 22. τί εἰρήνη (8 a)
— 32. τίς εἶ σύ (8 d)
10. 9. τίς ἐπάταξε πάντας τούτους (8 d)
— 13. τίνες ὑμεῖς (8 d)
12. 7 (8). τί ὅτι οὐκ ἐκραταιοῦτε (16 b)
14. 10. ἵνα τί ἐρίζεις ἐν κακίᾳ σου (12 d)
18. 19. τί [A τίς] ἡ πεποίθησις αὕτη (8 a)
— 20. τίνι πεποιθὼς ἠθέτησας ἐν ἐμοί (8 d)
— 26. B ἵνα τι λαλεῖς †
— 35. τίς ἐν πᾶσι τοῖς θεοῖς τῶν γαιῶν (8 d)
19. 22. R τίνα ὠνείδισας καὶ τίνα [A B om.] ἐβλασφήμησας (8 d, –)
— 22. ἐπὶ τίνα ὕψωσας φωνήν (8 d)
20. 8. τί τὸ σημεῖον (8 a)
— 14. τί ἐλάλησαν οἱ ἄνδρες οὗτοι (8 a)
— 15. τί εἶδον ἐν τῷ οἴκῳ σου (8 a)
23. 17. τί τὸ σκόπελον ἐκεῖνο (8 a)
I Ch. 11. 17. τίς ποτιεῖ με ὕδωρ (8 d)
12. 32. γινώσκοντες τί [A ὅ τι] ποιήσαι Ἰσρ. (8 a)
17. 16. τίς εἰμι ἐγώ (8 d)
— 16. τίς ὁ οἶκός μου (8 d)
— 18. τί προσθήσει ἔτι Δ. πρὸς σέ (8 a)
21. 3. ἵνα τί [B[1] om.] ζητεῖ κύριός μου τοῦτο (12 d)
— 12. ἴδε τί ἀποκριθῶ (8 a)
— 17. ταῦτα τὰ πρόβατα τί ἐποίησαν (8 a)
29. 5. τίς ὁ προθυμούμ. πληρῶσαι τὰς χεῖρας αὐ. (8 d)
— 14. τίς εἰμι ἐγὼ καὶ τίς ὁ λαός σου (8 d, 8 d)
II Ch. 1. 7. αἴτησαι τί σοι δῶ (8 a)
— 10. τίς κρινεῖ τὸν λαόν σου τὸν μέγαν τοῦτον (8 d)
2. 6 (5). τίς ἰσχύσει οἰκοδομῆσαι αὐτῷ οἶκον (8 d)
— 6 (5). τίς ἐγὼ οἰκοδομῶν αὐτῷ οἶκον (8 d)
6. 18. τίς ὁ οἶκος οὗτος ὃν ᾠκοδόμησα †
7. 21. χάριν τίνος ἐποίησε κ. τῇ γῇ ταύτῃ (8 a)
10. 9. τί ὑμεῖς βούλεσθε (8 a)
— 16. τίς ἡμῶν μερὶς ἐν Δ. (8 a)
18. 19. τίς ἀπατήσει τὸν Ἀχ. (8 d)
— 20. καὶ εἶπε κύριος, Ἐν τίνι (8 a)
19. 6. ἴδετε τί ὑμεῖς ποιεῖτε (8 a)
20. 12. οὐκ οἴδαμεν τί ποιήσωμεν αὐτοῖς (8 a)
24. 6. διὰ τί οὐκ ἐπεσκέψω περὶ τῶν Λ. (9 b)
— 20. τί παραπορεύεσθε τὰς ἐντολὰς κυρίου (8 c)
25. 9. τί ποιήσω τὰ ἑκατὸν τάλαντα (8 a)
— 15. τί ἐζήτησας τοὺς θεοὺς τοῦ λαοῦ (8 c)
— 19. ἵνα τί συμβάλλειε ἐν κακίᾳ (12 d)
32. 10. ἐπὶ τί [A τίνι] ὑμεῖς πεποίθατε (8 a)
— 13. A οὐ γνώσεσθε τί [B ὅ τι] ἐποίησα ἐγώ (8 a)
— 14. τίς ἐν πᾶσι τοῖς θεοῖς τῶν ἐθνῶν τούτων (8 d)
35. 21. τί ἐμοὶ καὶ σοί (8 a)
36. 23. τίς ἐξ ὑμῶν ἐκ παντὸς τοῦ λαοῦ αὐ. (8 d)
I Es. 1. 26. τί ἐμοὶ καὶ σοί ἐστι
4. 14. τίς οὖν ὁ δεσπόζων αὐτῶν
— 14. τίς ὁ κυριεύων αὐτῶν
— 54. ἐν τίνι λατρεύουσιν ἐν αὐτῇ
5. 66. ἐπιγνῶναι τίς ἡ φωνὴ τῶν σαλπίγγων
6. 4. τίνος ὑμῖν συντάξαντος
— 4. τίνες εἰσὶν οἱ οἰκοδόμοι
— 11. τίνος ὑμῖν προστάξαντος
8. 82. καὶ νῦν τί ἐροῦμεν
II Es. 1. 3. τίς ἐν ὑμῖν ἀπὸ παντὸς τοῦ λαοῦ αὐ. (8 d)
5. 3. τίς ἔθηκεν ὑμῖν γνώμην (8 e)
— 4. τίνα ἐστὶ τὰ ὀνόματα τῶν ἀνδρῶν (8 e)
— 9. τίς ἔθηκεν ὑμῖν γνώμην (8 e)
9. 10. τί εἴπωμεν (8 a)
Ne. 2. 2. διὰ τί τὸ πρόσωπόν σου πονηρόν (9 b)
— 3. διὰ τί οὐ μὴ γένηται πονηρὸν τὸ πρόσωπόν μου (9 b)
— 3. A διὰ τί [B S διότι] ἡ πόλις ... ἠρημώθη [S[1] al.] (9 a)
— 4. περὶ τίνος τοῦτο συζητεῖς (8 a)
— 6. S[2] ἵνα τί κάθησαι παρ' ἐμοί –
— 12. τί ὁ θεὸς δίδωσιν εἰς καρδίαν μου (8 a)
— 16. οὐκ ἔγνωσαν τί [S ὅτι] ἐπορεύθην καὶ τί ἐγὼ ποιῶ (2, 8 a)
— 19. τί τὸ ῥῆμα τοῦτο ὃ ὑμεῖς ποιεῖτε (8 a)
6. 6. A διὰ τί [B S τοῦτο] σὺ οἰκοδομεῖς τὸ τεῖχος †
— 11. τίς ἐστιν ὁ ἀνήρ –
— 11. A ἢ τίς οἷος ὁ ἀνήρ [S[2] οἷος ἐγώ] (8 d)
13. 11. διὰ τί ἐγκατελείφθη ὁ οἶκος τοῦ θεοῦ (9 b)
— 17. τίς ὁ λόγος οὗτος ὁ πονηρός (8 a)
— 21. διὰ τί ὑμεῖς αὐλίζεσθε ἀπέναντι τοῦ τείχους (9 b)
To. 3. 9. τί ἡμᾶς μαστιγοῖς
— 15. ἵνα τί μοι [S add. ἐστιν ἔτι] ζῆν
4. 2. τί οὐ καλῶ Τωβίαν τὸν υἱόν μου
To. 5. 2. S τί σημεῖον δῶ αὐτῷ
— 8. S τί τὸ γένος αὐ.
— 9. S τί μοι ἔτι ὑπάρχει χαίρειν
— 11. S τί χρείαν ἔχεις φυλῆς
— 11. S τίνος εἶ, ἀδελφέ, καὶ τί τὸ ὄνομά σου [A B al.]
— 14. τίνα σοι ἔσομαι μισθὸν διδόναι [S al.]
— 17. τί ἐξαπέστειλας τὸ παιδίον ἡμῶν [S al.]
6. 6. τί ἔστι τὸ ἧπαρ [S al.]
9. 3. S τί ὤμοσε Ῥαγ. [A B al.]
13. 6. A B τίς γινώσκει εἰ θελήσει ὑμᾶς
14. 10. A B ἴδε τί ἐποίησεν Ἀ. [S al.]
— 11. ἴδετε τί ἐλεημοσύνη ποιεῖ
— 11. A καὶ τί [B om.] δικαιοσύνη ῥύεται [S al.]
— 11. S καὶ τί ποιεῖ ἀδικία
Ju. 5. 3. τίς ὁ λαὸς οὗτος ὁ καθήμενος ἐν τῇ ὀρεινῇ
— 3. τίνες δὲ κατοικοῦσι πόλεις
— 3. ἐν τίνι τὸ κράτος αὐ.
— 3. τίς ἀνέστηκεν ἐπ' αὐτῶν βασιλεύς
— 4. διὰ τί κατενωτίσαντο τοῦ μὴ ἐλθεῖν
6. 2. τίς εἶ σύ, Ἀχιώρ
— 2. τίς ὁ θεὸς εἰ μὴ Ναβ.
8. 12. τίνες ἐστὲ ὑμεῖς
10. 12. τίνων εἶ καὶ πόθεν ἔρχῃ
— 19. τίς καταφρονήσει τοῦ λαοῦ τούτου
11. 3. τίνος ἕνεκεν ἀπέδρας ἀπ' αὐτῶν
12. 14. A B καὶ τίς εἰμι ἐγὼ ἀντεροῦσα τῷ κ. μου
Es. 1. 11 καὶ τί ὁ θεὸς βεβούλευται ποιῆσαι
2. 11. τί Ἐσθὴρ συμβήσεται (8 a)
3. 3. τί παρακούει τὰ ὑπὸ τοῦ βασ. λεγόμενα (7)
4. 8. A διὰ τί [B S διότι] Ἀ. ... ἐλάλησε καθ' ἡμῶν –
— 14. τίς οἶδεν εἰ ... ἐβασίλευσας (8 d)
5. 1. τί ἐστιν, Ἐ. –
— 3. τί θέλεις, Ἐ. (8 a)
— 3. τί σοί ἐστι τὸ ἀξίωμα (8 a)
— 6. τί ἐστι, βασίλισσα Ἐ. –
— 6. S[2] τί τὸ αἴτημά σου (8 a)
— 6. S[2] τί τὸ ἀξίωμά σου (8 a)
6. 3. τίνα δόξαν ἢ χάριν ἐποιήσαμεν τῷ Μαρδ. (8 a)
— 4. A B S[1] τίς ἐν τῇ αὐλῇ (8 d)
— 6. τί ποιήσω τῷ ἀνθρώπῳ (8 a)
— 6. τίνα θέλει ὁ βασ. δοξάσαι (8 d)
7. 2. τί ἐστιν, Ἐ. βασίλισσα –
— 2. τί τὸ αἴτημά σου (8 a)
— 2. καὶ τί τὸ ἀξίωμά σου (8 a)
— 5. τίς οὗτος ὅστις ἐτόλμησε (8 d)
8. 7. τί ἔτι ἐπιζητεῖς –
9. 12. τί οὖν ἀξιοῖς ἔτι (8 a)
Jb. 2. 9. μέχρι τίνος καρτερήσεις –
3. 11. διὰ τί γὰρ ἐν κοιλίᾳ οὐκ ἐτελεύτησα (9 e)
— 12. ἵνα τί δὲ συνήντησάν μοι τὰ γόνατα (12 a)
— 12. ἵνα τί δὲ μαστοὺς ἐθήλασα (12 b)
— 20. ἵνα τί γὰρ δέδοται τοῖς ἐν πικρίᾳ φῶς (12 d)
4. 2. ἰσχὺν δὲ ῥημάτων σου τίς ὑποίσει (8 d)
— 7. τίς καθαρὸς ὢν ἀπώλετο [A al.] (8 d)
— 17. τί γάρ; μὴ καθαρὸς ἔσται –
5. 27. A τί ἐποίησας [B S al.] –
6. 2. A τί [B S εἰ] γάρ τις ἱστῶν στήσαι μου τὴν ὀργήν †
— 5. τί γὰρ; μὴ διὰ κενῆς κεκράξεται ὄνος ἄγριος –
— 11. τίς γάρ μου ἡ ἰσχύς (8 a)
— 11. τίς μου ὁ χρόνος (8 a)
— 22. τί γάρ; μή τι ὑμᾶς ᾔτησα †
7. 14. A διὰ τί [B S om. διὰ τί] ἐκφοβεῖς με ἐνυπνίοις –
— 17. τί γάρ ἐστιν ἄνθρωπος (8 a)
— 19. ἕως τίνος οὐκ ἐᾷς με (11 a)
— 20. τί δυνήσομαι πρᾶξαι (8 a)
— 20. διὰ τί ἔθου με κατεντευκτήν σου (9 e)
— 21. διὰ τί οὐκ ἐποιήσω τῆς ἀνομίας μου λήθην (9 c)
8. 2. μέχρι τίνος λαλήσεις ταῦτα (15 a)
9. 4. τίς σκληρὸς γενόμενος ἐναντίον αὐτοῦ ὑπέμεινεν (8 d)
— 12. τίς ἀποστρέψει (8 d)
— 12. τίς ἐρεῖ αὐτῷ, Τί ἐποίησας (8 d, 8 d)
— 19. τίς οὖν κρίματι αὐ. ἀντιστήσεται (8 d)
— 24. B S[1] τίς ἐστιν (8 d)
— 29. διὰ τί οὐκ ἀπέθανον (9 f)
10. 2. διὰ τί με οὕτως ἔκρινας (8 a)
— 7. τίς ἐστιν ὁ ἐκ τῶν χειρῶν σου ἐξαιρούμενος †
— 18. ἵνα τί οὖν ἐκ κοιλίας με ἐξήγαγες (12 d)
— 19. διὰ τί γὰρ ἐκ γαστρὸς εἰς μνῆμα οὐκ ἀπηλλάγην (9 e)
Jb. 11. 8. καὶ τί ποιήσεις (8 a)
— 8. τί οἶδας (8 a)
— 10. τίς ἐρεῖ αὐτῷ, Τί ἐποίησας (8 d, –)
12. 9. τίς οὖν οὐκ ἔγνω (8 d)
— 14. τίς οἰκοδομήσει †
— 14. τίς ἀνοίξει †
13. 19. τίς γάρ ἐστιν ὁ κριθησόμενός μοι (8 d)
— 23. δίδαξόν με τίνες εἰσί –
— 24. διὰ τί ἀπ' ἐμοῦ κρύπτῃ (9 e)
14. 4. τίς γὰρ καθαρὸς ἔσται ἀπὸ ῥύπου (8 d)
15. 2. A τίνα ἄρα σοφὸς ἀπόκρισιν δώσει [B S al.] †
— 7. τί γάρ; μὴ πρῶτος ἀνθρώπων ἐγεννήθης –
— 9. τί γὰρ οἶδας ὃ οὐκ οἴδαμεν (8 a)
— 9. τί συνίεις σύ –
— 12. τί [A τί ὅτι] ἐτόλμησεν ἡ καρδία σου (8 a [16 c])
— 12. τί ἐπήνεγκαν οἱ ὀφθαλμοί σου (8 a)
— 14. τίς γὰρ ὢν βροτός (8 a)
16. 3. τί γάρ; μὴ τάξις ἐστὶ ῥήμασι πνεύματος –
— 3. τί παρενοχλήσει σοι (8 a)
— 7. τί ἔλαττον τρωθήσομαι –
17. 2. A B S[2] λίσσομαι κάμνων καὶ τί ποιήσας –
— 3. A B S[2] τίς ἐστιν οὗτος (8 d)
18. 2. μέχρι τίνος οὐ παύσῃ (15 b)
— 3. διὰ [A ἵνα] τί ... σεσιωπήκαμεν ἐναντίον σου (9 b [12 a])
— 4. τί γὰρ ἐὰν σὺ ἀποθάνῃς †
19. 2. ἕως τίνος [A πότε] ἔγκοπον ποιήσητε ψυχήν μου (11 c)
— 22. διὰ τί με διώκετε (9 e)
— 23. τίς γὰρ ἂν δῴη γραφῆναι τὰ ῥήματά μου (8 d)
— 28. τί ἐροῦμεν ἔναντι αὐτοῦ (8 a)
21. 4. τί γάρ; μὴ ἀνθρώπου μου ἡ ἔλεγξις –
— 4. διὰ τί οὐ θυμωθήσομαι (9 b)
— 7. διὰ τί ἀσεβεῖς ζῶσι (9 b)
— 15. τί ἱκανὸς ὅτι δουλεύσομεν αὐτῷ (8 a)
— 15. τίς ὠφέλεια ὅτι ἀπαντήσομεν αὐτῷ (8 a)
— 31. τίς ἀπαγγελεῖ ... τὴν ὁδὸν αὐ. (8 d)
— 31. τίς ἀνταποδώσει αὐτῷ (8 d)
22. 3. τί γὰρ μέλει τῷ κυρίῳ †
— 13. τί ἔγνω ὁ ἰσχυρός (8 a)
— 17. κύριος τί ποιήσει ἡμῖν –
— 17. τί ἐπάξεται ἡμῖν ὁ παντοκράτωρ (8 a)
23. 3. τίς δ' ἄρα γνοίη (8 d)
— 5. τίνα [S[1] ἅ τινα] μοι ἀπαγγελεῖ (8 a)
— 8. τὰ δὲ ἐπ' ἐσχάτοις τί οἶδα †
— 13. τίς ἐστιν ὁ ἀντειπὼν αὐτῷ (8 d)
24. 1. διὰ τί δὲ κύριον ἔλαθον ὧραι [A al.] (9 b)
— 13. διὰ τί τούτων ἐπισκοπὴν οὐ πεποίηται –
— 25. τίς ἐστιν ὁ φάμενος ψευδῆ με λέγειν (8 d)
25. 2. τί γὰρ προοίμιον ... παρ' αὐτοῦ [A al.] –
— 3. ἐπὶ τίνας δὲ οὐκ ἀπελεύσεται ἔνεδρα (8 d)
— 4. τίς ἂν ἀποκαθαρίσαι αὐτόν (8 a)
26. 2. τίνι πρόσκεισαι –
— 2. τίνι μέλλεις βοηθεῖν (8 a)
— 3. τίνι συμβεβούλευσαι (8 a)
— 3. τίνι ἐπακολουθήσεις –
— 4. τίνι ἀνήγγειλας ῥήματα (8 d)
— 4. πνοὴ δὲ τίνος ἐστὶν ἡ ἐξελθοῦσα ἐκ σου (8 d)
— 14. σθένος δὲ βροντῆς αὐ. τίς οἶδεν ὁπότε ποιήσει (8 d)
27. 8. καὶ τίς γάρ ἐστιν ἐλπὶς ἀσεβεῖ (8 a)
— 11. τί ἐστιν ἐν χειρὶ κυρίου –
— 12. A διὰ τί δὲ [B S ὅτι] κενὰ κενοῖς ἐπιβάλλεσθε (9 f)
29. 2. τίς ἂν με θείη κατὰ μῆνα ἔμπροσθεν ἡμερῶν (8 d)
31. 2. R τί ἐμέρισεν ὁ θεὸς ἄνωθεν [A B S al.] (8 a)
— 14. τί γὰρ ποιήσω (8 a)
— 14. τίνα ἀπόκρισιν ποιήσομαι (8 a)
— 31. τίς ἂν δῴη ἡμῖν τῶν σαρκῶν αὐ. πλησθῆναι (8 d)
— 35. τίς δῴη ἀκούοντά μου (8 d)
33. 13. διὰ τί τῆς δίκης μου οὐκ ἐπακήκοέ μου πᾶν ῥῆμα (9 b)
34. 4. A γνῶμεν ἀνὰ μέσον αὐτῶν τί καλόν [B S al.] (8 a)
— 7. τίς ἀνὴρ ὥσπερ Ἰώβ (8 d)
— 13. τίς δέ ἐστιν ὁ ποιῶν τὴν ὑπ' οὐρανόν (8 d)
— 29. καὶ τίς καταδικάσεται (8 d)
— 29. τίς ὄψεται αὐτόν (8 d)
— 33. τί ἔγνως λάλησον (8 a)
35. 2. τί τοῦτο ἡγήσω ἐν κρίσει †
— 2. σὺ τίς εἶ –
— 3. A S[2] τί ποιήσω ἁμαρτών (8 a)

Jb. 35. 5 (6). τί πράξεις (8 a)
— 5 (6). τί δύνασαι ποιῆσαι [S¹ al.] (8 a)
— 7. τί δώσεις αὐτῷ (8 a)
— 7. τί ἐκ χειρός σου λήψεται (8 a)
36. 22. τίς γάρ ἐστι κατ' αὐτὸν δυνάστης (8 d)
— 23. τίς δέ ἐστιν ὁ ἐτάζων αὐτοῦ τὰ ἔργα (8 d)
— 23. τίς ὁ εἴπας (8 d)
37. 19. διὰ τί δίδαξόν με, τί ἐροῦμεν αὐτῷ (–, 8 a)
38. 2. τίς οὗτος ὁ κρύπτων με βουλήν (8 d)
— 5. τίς ἔθετο τὰ μέτρα αὐ. (8 d)
— 5. τίς ὁ ἐπαγαγὼν σπαρτίον ἐπ' αὐτῆς (8 d)
— 6. ἐπὶ τίνος οἱ κρίκοι αὐ. πεπήγασι (8 a)
— 6. τίς δέ ἐστιν ὁ βαλὼν λίθον γωνιαῖον (8 d)
— 18. πόση τίς [A ἥτις] ἐστι †
— 25. τίς δὲ ἡτοίμασεν ὑετῷ λάβρῳ ῥύσιν (8 d)
— 28. τίς ἐστιν ὑετοῦ πατήρ †
— 28. τίς δέ ἐστιν ὁ τετοκὼς βώλους δρόσου (8 d)
— 29. ἐκ γαστρὸς δὲ τίνος ἐκπορεύεται ὁ κρύσταλλος (8 d)
— 29. πάχνην δὲ ἐν οὐρανῷ τίς τέτοκεν (8 d)
— 30. πρόσωπον δὲ ἀσεβοῦς τίς ἔπτηξε –
— 35. ἐροῦσι δέ σοι, Τί ἐστι (5)
— 36. τίς δὲ ἔδωκε γυναιξὶν ὑφάσματος σοφίαν (8 d)
— 37. τίς δὲ ὁ ἀριθμῶν νέφη σοφίᾳ (8 d)
— 41. τίς δὲ ἡτοίμασε κόρακι βορὰν (8 d)
39. 5. τίς δέ ἐστιν ὁ ἀφεὶς ὄνον ἄγριον ἐλεύθερον (8 d)
— 5. δεσμοὺς δὲ αὐτοῦ τίς ἔλυσεν (8 d)
— 34 (40. 4). τί ἔτι ἐγὼ κρίνομαι –
— 34 (40. 4). τίνα ἀπόκρισιν δῶ πρὸς ταῦτα (8 a)
41. 1 (2). τίς γάρ ἐστιν ὁ ἐμοὶ ἀντιστάς (8 d)
— 2 (3). τίς ἀντιστήσεταί μοι [A al.] (8 d)
— 4 (5). τίς ἀποκαλύψει πρόσωπον ἐνδύσεως αὐ. (8 d)
— 4 (5). εἰς δὲ πτύξιν θώρακος αὐ. τίς ἂν εἰσέλθοι (8 d)
— 5 (6). πύλας προσώπου αὐ. τίς ἀνοίξει (8 d)
42. 3. A B S² τίς γάρ ἐστιν ὁ κρύπτων σε βουλήν (8 d)
— 3. τίς δὲ ἀναγγελεῖ μοι [A al.] –
Ps. 2. 1. ἵνα τί ἐφρύαξαν ἔθνη (12 d)
3. 1. τί ἐπληθύνθησαν οἱ θλίβοντές με (8 a)
4. 2. ἵνα τί ἀγαπᾶτε ματαιότητα –
— 6. τίς δείξει ἡμῖν τὰ ἀγαθά (8 d)
6. 5. ἐν δὲ τῷ ἅδῃ τίς ἐξομολογήσεταί σοι (8 d)
8. 4. τί [A τίς] ἐστιν ἄνθρωπος (8 a)
9. 22 (10. 1). ἵνα τί, κύριε, ἀφέστηκας μακρόθεν (12 d)
— 34 (10. 13). ἕνεκεν τίνος παρώξυνεν ὁ ἀσεβὴς τὸν θ. (8 a)
10 (11). 4. ὁ δὲ δίκαιος τί ἐποίησε (8 a)
11 (12). 4. τίς ἡμῶν κύριός ἐστιν (8 d)
12 (13). 2. ἕως τίνος θήσομαι βουλὰς ἐν ψυχῇ μου (11 c)
13 (14). 7. τίς δώσει ἐκ Σιὼν τὸ σωτήριον τοῦ Ἰσρ. (8 d)
14 (15). 1. τίς παροικήσει ἐν τῷ σκηνώματί σου (8 d)
— 1. τίς κατασκηνώσει ἐν τῷ ὄρει τῷ ἁγίῳ σου (8 d)
17 (18). 31. τίς θεὸς πλὴν τοῦ κυρίου (8 d)
— 31. τίς θεὸς πλὴν τοῦ θεοῦ ἡμῶν (8 d)
18 (19). 12. παραπτώματα τίς συνήσει (8 d)
21 (22). 1. ἵνα τί ἐγκατέλιπές με (12 d)
23 (24). 3. τίς ἀναβήσεται εἰς τὸ ὄρος τοῦ κυρίου (8 d)
— 3. τίς στήσεται ἐν τόπῳ ἁγίῳ αὐ. (8 d)
— 8, 10. A² B S τίς ἐστιν οὗτος ὁ βασ. τῆς δόξης (8 d)
24 (25). 12. τίς ἐστιν ἄνθρωπος ὁ φοβούμ. τὸν κύριον (8 d)
26 (27). 1. τίνα φοβηθήσομαι (8 d)
— 1. ἀπὸ τίνος δειλιάσω (8 d)
29 (30). 9. τίς ὠφέλεια ἐν τῷ αἵματί μου (8 a)
33 (34). 12. τίς ἐστιν ἄνθρωπος ὁ θέλων ζωήν (8 d)
34 (35). 10. τίς ὅμοιός σοι (8 d)
38 (39). 4. καὶ τὸν ἀριθμὸν τῶν ἡμερῶν μου τίς ἐστιν (8 a)
— 4. ἵνα γνῶ τί ὑστερῶ ἐγώ (8 a)
— 6. οὐ γινώσκει τίνι συνάξει αὐτά (8 d)
— 7. τίς ἡ ὑπομονή μου (8 a)
39 (40). 5. οὐκ ἔστι τίς ὁμοιωθήσεταί σοι –
41 (42). 5. ἵνα τί περίλυπος εἶ (12 b)
— 5. ἵνα τί συνταράσσεις με –
— 9. διὰ τί μου ἐπελάθου (9 e)
— 9. ἵνα τί σκυθρωπάζων πορεύομαι (12 d)
— 11. ἵνα τί περίλυπος εἶ (12 b)
— 11. ἵνα τί συνταράσσεις με (12 b)
42 (43). 2. ἵνα τί ἀπώσω με (12 d)
Ps. 42 (43). 2. ἵνα τί σκυθρωπάζων πορεύομαι (12 d)
— 5. ἵνα τί περίλυπος εἶ (12 b)
— 5. ἵνα τί συνταράσσεις με (12 b)
43 (44). 23. ἵνα τί ὑπνοῖς (12 d)
— 24. ἵνα τί τὸ πρόσωπόν σου ἀποστρέφεις (12 d)
48 (49). 5. ἵνα τί φοβοῦμαι ἐν ἡμέρᾳ πονηρᾷ (12 d)
49 (50). 16. ἵνα τί σὺ διηγῇ τὰ δικαιώματά μου (12 b)
51 (52). 1. τί ἐγκαυχᾷ ἐν κακίᾳ ὁ δυνατὸς ἀνομίαν (8 a)
52 (53). 6. τίς δώσει ἐκ Σιὼν τὸ σωτήριον τοῦ Ἰσρ. (8 d)
54 (55). 6. τίς δώσει μοι πτέρυγας (8 d)
55 (56). 4. τί ποιήσει μου σάρξ (8 a)
— 11. τί ποιήσει μοι ἄνθρωπος (8 a)
58 (59). 7. τίς ἤκουσε (8 d)
59 (60). 9. τίς ἀπάξει με εἰς πόλιν περιοχῆς (8 d)
— 9. τίς ὁδηγήσει με ἕως τῆς Ἰδουμ. (8 d)
60 (61). 7. ἀλήθειαν αὐτοῦ τίς ἐκζητήσει αὐτῶν (8 e)
63 (64). 5. τίς ὄψεται αὐτούς (8 d)
64 (65). 7. S² ἤχους κυμάτων αὐ. τίς ὑποστήσεται [B S¹ om. τ. ὑ.] –
67 (68). 16. ἵνα τί ὑπολαμβάνετε ὄρη τετυρωμένα (12 d)
70 (71). 19. τίς ὅμοιός σοι (8 d)
72 (73). 25. τί γάρ μοι ὑπάρχει ἐν τῷ οὐρανῷ (8 d)
— 25. παρὰ σοῦ τί ἠθέλησα ἐπὶ τῆς γῆς †
73 (74). 1. ἵνα τί ἀπώσω, ὁ θεός, εἰς τέλος (12 d)
— 11. ἵνα τί ἀποστρέφεις τὴν χεῖρά σου (12 d)
75 (76). 7. τίς ἀντιστήσεταί σοι (8 d)
76 (77). 13. τίς θεὸς μέγας ὡς ὁ θεὸς ἡμῶν (8 d)
79 (80). 12. ἵνα τί καθεῖλες τὸν φραγμὸν αὐ. (12 d)
82 (83). 1. τίς ὁμοιωθήσεταί σοι †
84 (85). 8. ἀκούσομαι τί λαλήσει ἐν ἐμοί (8 a)
87 (88). 14. ἵνα τί, κύριε, ἀπωθεῖς τὴν προσευχήν μου (12 d)
88 (89). 6. τίς ἐν νεφέλαις ἰσωθήσεται τῷ κ. (8 d)
— 6. τίς [A S² om.] ὁμοιωθήσεται τῷ κυρίῳ –
— 8. τίς ὅμοιός σοι (8 d)
— 47. μνήσθητι τίς μου ἡ ὑπόστασις (8 a)
— 48. τίς ἐστιν ἄνθρωπος ὃς ζήσεται (8 d)
89 (90). 11. τίς γινώσκει τὸ κράτος τῆς ὀργῆς σου (8 d)
93 (94). 16. τίς ἀναστήσεταί μοι (8 d)
— 16. τίς συμπαραστήσεταί μοι (8 d)
105 (106). 2. τίς λαλήσει τὰς δυναστείας τοῦ κυρίου (8 d)
106 (107). 43. τίς σοφὸς καὶ φυλάξει ταῦτα (8 d)
107 (108). 10. τίς ἀπάξει με εἰς πόλιν περιοχῆς (8 d)
— 10. τίς ὁδηγήσει με ἕως τῆς Ἰδουμ. (8 d)
112 (113). 5. τίς ὡς κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν (8 d)
113 (114). 5. τί σοί ἐστι, θάλασσα (8 a)
115. 3 (116. 12). τί ἀνταποδώσω τῷ κυρίῳ (8 a)
117 (118). 6. οὐ φοβηθήσομαι τί ποιήσει μοι ἄνθρωπος (8 a)
118 (119). 9. ἐν τίνι κατορθώσει νεώτερος τὴν ὁδὸν αὐ. (8 a)
119 (120). 3. τί δοθείη σοι (8 a)
— 3. τί προστεθείη σοι (8 a)
129 (130). 3. τίς ὑποστήσεται (8 d)
132 (133). 1. τί καλὸν ἢ τί τερπνόν (8 a, 8 a)
143 (144). 3. τί [A τίς] ἐστιν ἄνθρωπος (8 a)
147. 6 (17). κατὰ πρόσωπον ψύχους αὐ. τίς ὑποστήσεται (8 d)
151. 3. τίς ἀναγγελεῖ τῷ κυρίῳ μου
Pr. 3. 28. οὐ γὰρ οἶδας τί τέξεται ἡ ἐπιοῦσα –
6. 9. ἕως τίνος, ὀκνηρὲ, κατάκεισαι (11 d)
17. 16. ἵνα τί ὑπῆρξε χρήματα ἄφρονι (12 e)
18. 14. ὀλιγόψυχον δὲ ἄνδρα τίς ὑποίσει (8 d)
20. 9. τίς καυχήσεται ἁγνὴν ἔχειν τὴν καρδίαν (8 d)
— 9. τίς παρρησιάσεται καθαρὸς εἶναι ἀπὸ ἁμαρτιῶν –
23. 29. τίνι οὐαί; τίνι θόρυβος; τίνι κρίσεις (8 d ter)
— 29. τίνι δὲ ἀηδίαι καὶ λέσχαι (8 d)
— 29. τίνι συντρίμματα διὰ κενῆς (8 d)
— 29. τίνος πελιδνοὶ οἱ ὀφθαλμοί (8 d)
24. 22. τὰς δὲ τιμωρίας ἀμφοτέρων τίς γνώσεται (8 d)
— 24 (30. 1). S¹ τί δὲ [A B S² τάδε] λέγει ὁ ἀνήρ †
— 27 (30. 4). τίς ἀνέβη εἰς τὸν οὐρανόν (8 d)
— 27 (30. 4). τίς συνήγαγεν ἀνέμους ἐν κόλπῳ (8 d)
— 27 (30. 4). τίς συνέστρεψεν ὕδωρ ἐν ἱματίῳ (8 d)
— 27 (30. 4). τίς ἐκράτησε πάντων τῶν ἄκρων τῆς γῆς (8 d)
— 27 (30. 4). τί ὄνομα αὐτῷ (8 a)
— 27 (30. 4). τί ὄνομα τοῖς τέκνοις αὐ. [A al.] (8 a)
Pr. 24. 32 (30. 9). τίς με ὁρᾷ (8 d)
— 70 (31. 2). τί [S¹ om.], τέκνον, τηρήσεις; τί; ῥήσεις θεοῦ (8 a, –)
— 70 (31. 2). τί τέκνον ἐμῆς κοιλίας (8 a)
— 70 (31. 2). τί τέκνον ἐμῶν εὐχῶν (8 a)
27. 1. οὐ γὰρ γινώσκεις τί τέξεται ἡ ἐπιοῦσα (8 a)
31. 10. γυναῖκα ἀνδρείαν τίς εὑρήσει (8 d)
Ec. 1. 3. τίς περισσεία τῷ ἀνθρώπῳ (8 a)
— 9. τί τὸ γεγονός [A γένος] (8 a)
— 9. τί τὸ πεποιημένον (8 a)
2. 2. τί τοῦτο ποιεῖς (8 a)
— 12. τίς ἄνθρωπος ὃς [A om.] ἐπελεύσεται (8 a)
— 15. ἵνα τί ἐσοφισάμην ἐγώ (12 d)
— 19. τίς οἶδεν εἰ σοφὸς ἔσται (8 d)
— 25. τίς φάγεται καὶ τίς πίεται πάρεξ αὐτοῦ (8 d, 8 d)
3. 9. τίς περισσεία τοῦ ποιοῦντος (8 a)
— 19. τί ἐπερίσσευσεν ὁ ἄνθρ. [S² τίς περισσεία τῷ ἀνθρ.] †
— 21. τίς οἶδε πνεῦμα (8 d)
— 22. τίς ἄξει αὐτὸν τοῦ ἰδεῖν (8 d)
4. 8. τίνι ἐγὼ μοχθῶ (8 d)
5. 9. τίς ἠγάπησεν ἐν πλήθει αὐ. γέννημα (8 d)
— 10. τί [S² τίς] ἀνδρεία [S¹ -ρὶ] τῷ παρ' αὐτῆς (8 a)
— 15. A S R τίς [B om.] ἡ περισσεία αὐ. (8 a)
6. 8. A S² τίς [B S¹ al.] περισσεία τῷ σοφῷ (8 a)
7. 1 (6. 11). τί [S¹ ὅτι] περισσὸν τῷ ἀνθρώπῳ (8 a)
— 1 (6. 12). A S² τίς οἶδεν τί [S¹ τίς, B om.] ἀγαθὸν τῷ ἀνθρ. (8 d, 8 a)
— 1 (6. 12). τίς ἀπαγγελεῖ τῷ ἀνθρ. τί ἔσται (8 d, 8 a)
— 2 (1). A τίς ἀπαγγελεῖ αὐτῷ –
— 11 (10). τί ἐγένετο (8 a)
— 14 (13). τίς δυνήσεται κοσμῆσαι (8 d)
— 25 (24). τίς εὑρήσει αὐτό (8 d)
— 30 (8. 1). τίς οἶδε σοφούς (8 d)
— 30 (8. 1). τίς οἶδε λύσιν ῥήματος (8 d)
8. 5 (4). τίς ἐρεῖ αὐτῷ, Τί ποιεῖς (8 d, 8 a)
— 7. οὐκ ἔστι γινώσκων τί τὸ ἐσόμενον (8 a)
— 7. τίς ἀναγγελεῖ αὐτῷ (8 d)
9. 4. τίς ὃς κοινωνεῖ πρὸς πάντας τοὺς ζῶντας (8 d)
10. 14. οὐκ ἔγνω ἄνθρωπος τί τὸ γενόμενον καὶ τί τὸ ἐσόμ. [S¹ γενησόμ.] (–, 8 a)
— 14. B τί [A S R ὅτι] ὀπίσω αὐτοῦ τίς ἀναγγελεῖ αὐτῷ (4, 8 d)
11. 2. τί ἔσται πονηρὸν ἐπὶ τὴν γῆν (8 a)
— 5. οὐκ ἔστι γινώσκων τίς ἡ ὁδὸς τοῦ πνεύματος (8 a)
Ca. 1. 10. τί ὡραιώθησαν σιαγόνες σου –
3. 6. τίς αὕτη ἡ ἀναβαίνουσα (8 d)
4. 10, 10 (A B² S R). τί ἐκαλλιώθησαν μαστοί σου (8 a)
5. 8. τί ἀπαγγείλητε αὐτῷ [S al.] (8 a)
— 9 bis. τί ἀδελφιδός σου ἀπὸ ἀδελφιδοῦ (8 a)
6. 9 (10). τίς αὕτη ἡ ἐκκύπτουσα (8 d)
7. 1. τί ὄψεσθε ἐν τῇ Σουναμίτιδι (8 a)
— 1 (2). A τί [B S om.] ὡραιώθησαν διαβήματά σου (8 a)
— 6 (7). τί ὡραιώθης καὶ τί ἡδύνθης, ἀγάπη (8 a, 8 a)
8. 1. τίς δῴη σε, ἀδελφιδέ μου (8 d)
— 4. A τί [B S ἐὰν] ἐγείρητε (8 a)
— 4. A S² καὶ τί [B¹ S¹ om., B² R ἐὰν] ἐξεγείρητε τὴν ἀγάπην (8 a)
— 5. τίς αὕτη ἡ ἀναβαίνουσα (8 d)
— 8. τί ποιήσωμεν τῇ ἀδελφῇ ἡμῶν (8 a)
Wi. 4. 17. οὐ νοήσουσι τί ἐβουλεύσατο . . . καὶ εἰς τί ἠσφαλίσατο
5. 8. τί ὠφέλησεν ἡμᾶς ἡ ὑπερηφανία
— 8. τί πλοῦτος μετὰ ἀλαζονείας συμβέβληται ἡμῖν
6. 22. τί [S¹ τίς] δέ ἐστι σοφία
8. 5. τί σοφίας πλουσιώτερον
— 6. τίς αὐτῆς τῶν ὄντων μᾶλλόν ἐστι τεχνίτης
— 20. τὸ εἰδέναι τίνος ἡ χάρις
9. 9. ἐπισταμένη τί ἀρεστὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου καὶ τί εὐθὲς ἐν ἐντολαῖς σου
— 10. καὶ γνῶ τί εὐάρεστόν ἐστι παρὰ σοί
— 13. τίς γὰρ ἄνθρωπος γνώσεται βουλὴν θεοῦ
— 13. τίς ἐνθυμηθήσεται τί θέλει ὁ κύριος
— 16. τὰ δὲ ἐν οὐρανοῖς τίς ἐξιχνίασε
— 17. βουλὴν δέ σου τίς ἔγνω
11. 21. κράτει βραχίονός σου τίς ἀντιστήσεται
12. 12. τίς γὰρ ἐρεῖ, Τί ἐποίησας
— 12. τίς ἀντιστήσεται τῷ κρίματί σου
— 12. τίς δὲ ἐγκαλέσει σοι κατὰ ἐθνῶν ἀπολωλότων
— 12. τίς εἰς κατάστασίν σοι ἐλεύσεται
15. 7. τούτων δὲ ἑκατέρου τίς ἑκάστου ἐστὶν ἡ χρῆσις

Si. 1. 2. ἡμέρας αἰῶνος τίς ἐξαριθμήσει
— 3. σοφίαν τίς ἐξιχνιάσει
— 6. ῥίζα σοφίας τίνι ἀπεκαλύφθη
— 6. τὰ πανουργεύματα αὐ. τίς ἔγνω
2. 5. S^1 τί [A B S^2 ὅτι] ἐν πυρὶ δοκιμάζεται χρυσός
— 10. τίς ἐνεπίστευσε κυρίῳ
— 10. τίς ἐνέμεινε τῷ φόβῳ αὐ.
— 10. τίς ἐπεκαλέσατο αὐτόν
— 14. τί ποιήσετε ὅταν ἐπισκέπτηται ὁ κύριος
5. 3. A B S^4 τίς με δυναστεύσει
— 4. τί μοι ἐγένετο
6. 34. τίς σοφὸς αὐτῷ προσκολλήθητι
7. 28. τί ἀνταποδώσεις αὐτοῖς
8. 18. οὐ γὰρ γινώσκεις τί τέξεται
9. 11. οὐ γὰρ οἶδας τί [A S^1 τίς] ἔσται ἡ καταστροφὴ αὐ.
10. 9. τί ὑπερηφανεύεται γῆ καὶ σποδός
— 29. τὸν ἁμαρτάνοντα εἰς τὴν ψυχὴν αὐ. τίς δικαιώσει
— 29. τίς δοξάσει τὸν ἀτιμάζοντα τὴν ζωὴν αὐ.
11. 19. οὐκ οἶδε τίς καιρὸς παρελεύσεται
— 23. τίς ἔστι μου χρεία
— 23. τίνα ἀπὸ τοῦ νῦν ἔσται μου τὰ ἀγαθά
— 24. τί ἀπὸ τοῦ νῦν κακωθήσομαι
12. 1. γνῶθι τίνι ποιεῖς
— 13. τίς ἐλεήσει ἐπαοιδὸν ὀφιόδηκτον
13. 2. τί κοινωνήσει χύτρα πρὸς λέβητα
— 6. τίς ἡ χρεία σου
— 17. τί κοινωνήσει λύκος ἀμνῷ
— 18. τίς εἰρήνη ὑαίνῃ πρὸς κύνα
— 18. τίς εἰρήνη πλουσίῳ πρὸς πένητα
— 23. καὶ εἶπαν, Τίς οὗτος
14. 3. ἀνθρώπῳ βασκάνῳ ἵνα τί χρήματα
— 5. ὁ πονηρὸς ἑαυτῷ τίνι ἀγαθὸς ἔσται
16. 17. τίς γὰρ ἡ ψυχή μου ἐν ἀμετρήτῳ κτίσει
— 20. τὰς ὁδοὺς αὐ. τίς ἐνθυμηθήσεται
— 22. ἔργα δικαιοσύνης τίς ἀναγγελεῖ ἢ τίς ὑπομενεῖ
17. 27. ὑψίστῳ τίς αἰνέσει ἐν ᾅδου
— 31. τί [S^1 τὸ] φωτεινότερον ἡλίου
— 31. S^2 τί πονηρότερον ἐνθυμηθήσεται [A B S^1 *al.*]
18. 4. τίς ἐξιχνιάσει τὰ μεγαλεῖα αὐ.
— 5. κράτος μεγαλωσύνης αὐ. τίς ἐξαριθμήσεται
— 5. τίς προσθήσει ἐκδιηγήσασθαι τὰ ἐλέη αὐ.
— 8. τί [S^1 τίς] ἄνθρωπος καὶ τί ἡ χρῆσις αὐ.
— 8. τί τὸ ἀγαθὸν αὐ. καὶ τί τὸ κακὸν αὐ.
19. 16. τίς οὐχ ἡμάρτησεν ἐν τῇ γλώσσῃ αὐ.
20. 30. τίς ὠφέλεια ἐν ἀμφοτέροις
22. 8. ἐρεῖ, Τί ἐστιν
— 14. ὑπὲρ μόλιβον τί βαρυνθήσεται
— 14. τί αὐτῷ ὄνομα ἀλλ' ἢ μωρός
— 27. τίς δώσει μοι ἐπὶ στόμα μου φυλακήν
23. 2. τίς ἐπιστήσει ἐπὶ τοῦ διανοήματός μου μάστιγας
— 18. τίς με ὁρᾷ
— 18. τί [A τίνα] εὐλαβοῦμαι
24. 7. ἐν κληρονομίᾳ τίνος αὐλισθήσομαι
25. 11. ὁ κρατῶν αὐτοῦ τίνι ὁμοιωθήσεται
28. 5. τίς ἐξιλάσεται τὰς ἁμαρτίας αὐ.
30. 19. τί συμφέρει κάρπωσις εἰδώλῳ
31 (34). 4. ἀπὸ ἀκαθάρτου τί καθαρισθήσεται
— 4. ἀπὸ ψευδοῦς τί ἀληθεύσει
— 15. τίνι ἐπέχει καὶ τίς ἀντιστήριγμα αὐ.
— 23. τί ὠφέλησαν πλεῖον
— 24. τίνος φωνῆς εἰσακούσεται ὁ δεσπότης
— 25. τί ὠφέλησε τῷ λουτρῷ αὐ.
— 26. τῆς προσευχῆς αὐ. τίς εἰσακούσεται
— 26. τί ὠφέλησεν ἐν τῷ ταπεινωθῆναι αὐτόν
34 (31). 9. τίς ἐστι καὶ μακαριοῦμεν αὐτόν
— 10. τίς ἐδοκιμάσθη ἐν αὐτῷ
— 10. τίς ἐδύνατο παραβῆναι
— 13. πονηρότερον ὀφθαλμοῦ τί ἔκτισται
— 27. τίς ζωὴ ἐλασσουμένῳ οἴνῳ
36 (33). 7. διὰ τί ἡμέρα ἡμέρας ὑπερέχει
36. 31 (28). τίς γὰρ πιστεύσει εὐζώνῳ λῃστῇ
37. 8. γνῶθι πρότερον τίς αὐτοῦ χρεία
— 27. ἴδε τί πονηρὸν αὐτῇ
38. 25. τί σοφισθήσεται [A S τίς ὀφθήσ.] ὁ κρατῶν ἀρότρου
39. 17, 21. τί τοῦτο; εἰς τί τοῦτο
41. 4. τί ἀπαναίνῃ ἐν εὐδοκίᾳ ὑψίστου
— 14. τίς ὠφέλεια ἐν ἀμφοτέροις
42. 25. τίς πλησθήσεται ὁρῶν δόξαν αὐτοῦ
43. 3. ἐναντίον καύματος αὐ. τίς ὑποστήσεται
— 31. τίς ἑώρακεν αὐτόν
— 31. τίς μεγαλύνει αὐτόν
46. 3. τίς πρότερον [A S -ος] αὐτοῦ οὕτως ἔσται
48. 4. τίς ὅμοιός σοι καυχᾶσθαι

Si. 51. 24. A S τί ὅτι [B καὶ ὅτι, R διότι] ὑστερεῖτε
Ho. 6. 5 (4). τί σοι ποιήσω, Ἐφρ. (8 *a*)
— 5 (4). τί σοι ποιήσω, Ἰούδα (8 *a*)
8. 5. ἕως τίνος οὐ μὴ δύνωνται καθαρισθῆναι (11 *d*)
9. 5. τί ποιήσετε ἐν ἡμέραις πανηγύρεως (8 *a*)
— 14. τί δώσεις αὐτοῖς (8 *a*)
10. 3. ὁ δὲ βασ. τί ποιήσει ἡμῖν (8 *a*)
— 13. ἵνα τί παρεσιωπήσατε ἀσέβειαν –
11. 8. τί σε διαθῶμαι (1)
— 8. τί σε διαθῶ (1)
13. 9. τῇ διαφθορᾷ σου, Ἰσρ., τίς βοηθήσει †
14. 9. τί αὐτῷ ἔτι καὶ εἰδώλοις (8 *a*)
— 10. τίς σοφὸς καὶ συνήσει ταῦτα (8 *d*)
Am. 3. 8. τίς οὐ φοβηθήσεται (8 *d*)
— 8. τίς οὐ προφητεύσει (8 *d*)
5. 18. ἵνα τί αὕτη ὑμῖν ἡ ἡμέρα τοῦ κυρίου (12 *d*)
7. 2, 5. τίς ἀναστήσει τὸν Ἰ. (8 *d*)
— 8. τί σὺ ὁρᾷς, Ἀμώς (8 *a*)
8. 2. τί σὺ βλέπεις, Ἀμώς (8 *a*)
Mi. 1. 5. τίς ἡ ἀσέβεια τοῦ Ἰακώβ (8 *d*)
— 5. τίς ἡ ἁμαρτία οἴκου Ἰούδα (8 *d*)
— 12. τίς ἤρξατο εἰς ἀγαθὰ κατοικούσῃ ὀδύνας †
4. 9. ἵνα τί ἔγνως κακά (12 *d*)
6. 3. τί ἐποίησά σοι ἢ τί ἐλύπησά σε ἢ τί παρηνώχλησά σοι (8 *a*, 8 *a*, –)
— 5. μνήσθητι δὴ τί ἐβουλεύσατο κατὰ σοῦ B. (8 *a*)
— 5. τί ἀπεκρίθη αὐτῷ Βαλ. (8 *a*)
— 6. ἐν τίνι κατιλάβω τὸν κύριον (8 *a*)
— 8. εἰ ἀνηγγέλη σοι, ἄνθρωπε, τί καλόν (8 *a*)
— 8. τί κύριος ἐκζητεῖ παρὰ σοῦ (8 *a*)
— 9. τίς [A τί] κοσμήσει πόλιν (8 *d*)
7. 18. τίς θεὸς ὥσπερ σύ (8 *d*)
Jl. 1. 18. τί ἀποθήσομεν ἑαυτοῖς (8 *a*)
2. 11. τίς ἔσται ἱκανὸς αὐτῇ (8 *d*)
— 14. τίς οἶδεν εἰ ἐπιστρέψει (8 *d*)
3 (4). 4. καὶ τί [A *add.* καὶ] ὑμεῖς ἐμοί (8 *a*)
Ob. 1. 3. τίς με κατάξει ἐπὶ τὴν γῆν (8 *d*)
Jn. 1. 6. τί σὺ ῥέγχεις (8 *a*)
— 7, 8 (A). τίνος ἕνεκεν ἡ κακία αὕτη ἐστίν (8 *d*)
— 8. τίς σου ἡ ἐργασία ἐστί (8 *a*)
— 10. τί τοῦτο ἐποίησας (8 *a*)
— 11. τί σοι ποιήσομεν [A S -ωμεν] (8 *a*)
3. 9. τίς οἶδεν εἰ μετανοήσει ὁ θεός (8 *d*)
4. 5. τί ἔσται τῇ [S ἐν τῇ] πόλει (8 *a*)
Na. 1. 6. ἀπὸ προσώπου ὀργῆς αὐ. τίς ὑποστήσεται (8 *d*)
— 6. τίς ἀντιστήσεται ἐν ὀργῇ θυμοῦ αὐ. (8 *d*)
— 9. τί λογίζεσθε ἐπὶ τὸν κύριον (8 *a*)
3. 7. τίς στενάξει αὐτήν (8 *d*)
— 19. ἐπὶ τίνα οὐκ ἐπῆλθεν ἡ κακία σου (8 *d*)
Hb. 1. 2. ἕως τίνος, κύριε, κεκράξομαι (11 *c*)
— 3. ἵνα τί ἔδειξάς μοι κόπους . . . ἐπιβλέπειν (12 *d*)
— 13. ἵνα [A εἰς] τί ἐπιβλέπεις ἐπὶ καταφρονοῦντας (12 *d* [10])
2. 1. τοῦ ἰδεῖν τί λαλήσει ἐν ἐμοὶ καὶ τί ἀποκριθῶ (8 *a*, 8 *a*)
— 6. ὁ πληθύων . . . ἕως τίνος (11 *d*)
— 18. R τί ὠφελεῖ γλυπτὸν τί [A B S ὅτι] ἔγλυψαν αὐτό (8 *a*, †)
Ze. 3. 18. τίς ἔλαβεν ἐπ' αὐτὴν ὀνειδισμόν –
Hg. 2. 4 (3). τίς ἐξ ὑμῶν [S^2 *add.* περιλειφθεὶς] ὃς εἶδε (8 *d*)
— 17 (16). τίνες ἦτε †
Za. 1. 9. τί οὗτοι, κύριε (8 *a*)
— 9. δείξω σοι τί ἐστι ταῦτα (8 *a*)
— 12. ἕως τίνος οὐ μὴ ἐλεήσῃς τὴν Ἰερ. (11 *d*)
— 19 (2. 2). τί ἐστι ταῦτα, κύριε (8 *a*)
— 21 (2. 4). τί οὗτοι ἔρχονται ποιῆσαι (8 *a*)
4. 2. τί σὺ βλέπεις (8 *a*)
— 4. τί ἐστι ταῦτα, κύριε (8 *a*)
— 5. A B S^2 οὐ γινώσκεις τί ἐστι ταῦτα (8 *a*)
— 7. τίς εἶ σύ (8 *d*)
— 10. τίς ἐξουδένωσεν εἰς ἡμέρας μικράς (8 *d*)
— 11. τί αἱ δύο ἐλαῖαι αὗται (8 *a*)
— 12. τί οἱ δύο κλάδοι οὗτοι (8 *a*)
— 13. οὐκ οἶδας τί ἐστι ταῦτα (8 *a*)
5. 2. τί σὺ βλέπεις (8 *a*)
— 5. S^2 ἴδε τί [A B S^1 *om.*] τὸ ἐκπορευόμενον τοῦτο (8 *a*)
— 6. τί ἐστι (8 *a*)
6. 4. τί ἐστι ταῦτα, κύριε (8 *a*)
8. 20. S^1 τί [A B S^2 ἔτι] ἥξουσι λαοὶ πολλοί †
13. 6. τί αἱ πληγαὶ αὗται ἀνὰ μέσον τῶν χειρῶν σου (8 *a*)
Ma. 1. 2. ἐν τίνι ἠγάπησας ἡμᾶς (8 *a*)
— 6. ἐν τίνι ἐφαυλίσαμεν τὸ ὄνομά σου (8 *a*)

Ma. 1. 7. ἐν τίνι ἠλισγήσαμεν αὐτούς (8 *a*)
2. 10. τί ὅτι ἐγκατελίπετε ἕκαστος τὸν ἀδ. αὐ. (16 *b*)
— 14. εἴπατε, Ἕνεκεν τίνος (8 *a*)
— 15. τί ἄλλο ἢ σπέρμα ζητεῖ ὁ θεός (8 *a*)
— 17. ἐν τίνι παρωξύναμεν αὐτόν (8 *a*)
3. 2. τίς ὑπομενεῖ ἡμέραν εἰσόδου αὐ. (8 *d*)
— 2. τίς ὑποστήσεται ἐν τῇ ὀπτασίᾳ αὐ. (8 *d*)
— 7. ἐν τίνι ἐπιστρέψωμεν (8 *a*)
— 8. ἐν τίνι ἐπτερνίσαμέν σε (8 *a*)
— 13. ἐν τίνι κατελαλήσαμεν κατὰ σοῦ (8 *a*)
— 14. τί πλέον ὅτι ἐφυλάξαμεν τὰ φυλάγματα αὐ. (8 *a*)
Is. 1. 5. τί ἔτι πληγῆτε προστιθέντες ἀνομίαν (8 *a*)
— 11. τί μοι πλῆθος τῶν θυσιῶν ὑμῶν (8 *c*)
— 12. τίς γὰρ ἐξεζήτησε ταῦτα (8 *d*)
3. 14. τί ἐνεπυρίσατε τὸν ἀμπελῶνά μου –
— 15. τί ὑμεῖς ἀδικεῖτε τὸν λαόν μου (19*, 8 *a*)
5. 4. τί ποιήσω ἔτι τῷ ἀμπελῶνί μου (8 *a*)
— 5. ἀναγγελῶ ὑμῖν τί ποιήσω (4)
6. 8. τίνα ἀποστείλω καὶ τίς [S^3 *om.*] πορεύσεται (8 *d*, 8 *d*)
8. 19. τί ἐκζητοῦσι περὶ τῶν ζώντων τοὺς νεκρούς –
10. 3. τί ποιήσουσι τῇ ἡμέρᾳ τῆς ἐπισκοπῆς (8 *a*)
— 3. πρὸς τίνα καταφεύξεσθε (8 *d*)
14. 27. τίς διασκεδάσει (8 *d*)
— 27. τὴν χεῖρα αὐ. τὴν ὑψηλὴν τίς ἀποστρέψει (8 *d*)
— 32. τί ἀποκριθήσονται βασιλεῖς ἐθνῶν (8 *a*)
18. 2. τίς [A τί] αὐτοῦ ἐπέκεινα †
19. 12. τί βεβούλευται κύριος σαβ. (8 *a*)
22. 1. τί ἐγένετό σοι (8 *a*)
— 16. τί [S^5 τίς] σὺ ὧδε καὶ τί σοί ἐστιν ὧδε (8 *a*, 8 *d*)
23. 2 (1). τίνι ὅμοιοι γεγόνασιν †
— 8. τίς ταῦτα ἐβούλευσεν ἐπὶ Τύρον (8 *d*)
27. 4. τίς με θήσει φυλάσσειν καλάμην (8 *d*)
28. 9. τίνι ἀνηγγείλαμεν κακά (8 *d*)
— 9. τίνι ἀνηγγείλαμεν ἀγγελίαν (8 *d*)
29. 15. τίς ἑώρακεν ἡμᾶς (8 *d*)
— 15. τίς ἡμᾶς γνώσεται (8 *d*)
33. 14. τίς ἀναγγελεῖ ὑμῖν ὅτι πῦρ καίεται (8 *d*)
— 14. τίς ἀναγγελεῖ ὑμῖν τὸν τόπον τὸν αἰώνιον (8 *d*)
36. 4. τί [S^3 τίνι] πεποιθὼς εἶ (8 *a*)
— 5. ἐπὶ τίνα [A S τίνι] πέποιθας (8 *d*)
— 11. ἵνα τί λαλεῖς εἰς τὰ ὦτα τῶν ἀνθρ. †
— 20. τίς τῶν θεῶν πάντων τῶν ἐθνῶν τούτων (8 *d*)
37. 23. τίνα ὠνείδισας (8 *d*)
— 23. πρὸς τίνα ὕψωσας τὴν φωνήν σου (8 *d*)
39. 3. τί λέγουσιν οἱ ἄνθρωποι οὗτοι (8 *a*)
— 4. τί εἶδοσαν ἐν τῷ οἴκῳ σου (8 *a*)
40. 6. τί βοήσω (8 *a*)
— 12. τίς [S^1 τί] ἐμέτρησε τῇ χειρὶ τὸ ὕδωρ (8 *d*)
— 12. τίς ἔστησε τὰ ὄρη σταθμῷ –
— 13. τίς ἔγνω νοῦν κυρίου (8 *d*)
— 13. τίς αὐτοῦ σύμβουλος ἐγένετο –
— 14. πρὸς τίνα συνεβουλεύσατο (8 *d*)
— 14. τίς ἔδειξεν αὐτῷ κρίσιν –
— 14. ὁδὸν συνέσεως τίς ἔδειξεν αὐτῷ –
— 14. A S^1 τίς προέδωκεν αὐτῷ –
— 18. τίνι ὡμοιώσατε κύριον (8 *d*)
— 18. τίνι ὁμοιώματι ὡμοιώσατε αὐτόν (8 *a*)
— 25. τίνι με ὡμοιώσατε (8 *d*)
— 26. τίς κατέδειξε ταῦτα πάντα (8 *d*)
— 27. καὶ τί ἐλάλησας –
41. 2. τίς ἐξήγειρεν ἀπὸ ἀνατολῶν δικαιοσύνην (8 *d*)
— 4. τίς ἐνήργησε καὶ ἐποίησε ταῦτα (8 *d*)
— 22. τὰ πρότερον τίνα ἦν εἴπατε (8 *a*)
— 22. γνωσόμεθα τί τὰ ἔσχατα –
— 26. τίς γὰρ ἀναγγελεῖ τὰ ἐξ ἀρχῆς (8 *d*)
42. 19. τίς τυφλὸς ἀλλ' ἢ οἱ παῖδές μου (8 *d*)
— 23. τίς ἐν ὑμῖν ὃς ἐνωτιεῖται ταῦτα (8 *d*)
— 24. A S τίς [B οἷς] ἔδωκεν εἰς διαρπαγὴν Ἰ. (8 *d*)
43. 9. τίς ἀναγγελεῖ ταῦτα (8 *d*)
— 9. τὰ ἐξ ἀρχῆς τίς ἀναγγελεῖ ὑμῖν –
— 13. τίς ἀποστρέψει αὐτό (8 *d*)
44. 7. τίς ὥσπερ ἐγώ (8 *d*)
— 25 (24). τίς ἕτερος διασκεδάσει σημεῖα †
45. 9. τί ποιεῖς (8 *a*)
— 10. τί γεννήσεις (8 *a*)
— 10. τί ὠδίνεις (8 *a*)
— 21. τίς ἀκουστὰ ἐποίησε ταῦτα (8 *d*)
46. 5. τίνι με ὡμοιώσατε (8 *d*)
47. 13. τί μέλλει ἐπὶ σὲ ἔρχεσθαι (4)
48. 14. τίς αὐτοῖς ἀνήγγειλε ταῦτα (8 *d*)
49. 21. τίς ἐγέννησέ μοι τούτους (8 *d*)
— 21. τούτους δὲ τίς ἐξέθρεψέ μοι (8 *d*)

Is. 50. 1. τίνι [A[1] τίνων] ὑπόχρεῳ πέπρακα ὑμᾶς (8 d)
— 2. τί ὅτι [S διότι] ἦλθον (16 b)
— 8 bis. τίς ὁ κρινόμενός μοι (8 d)
— 9. τίς κακώσει με (8 d)
— 10. τίς ἐν ὑμῖν ὁ φοβούμ. τὸν κύριον (8 d)
51. 12. γνῶθι τίς οὖσα [A S τίνα] ἐφοβήθης (8 d)
— 19. τίς σοι συλλυπηθήσεται (8 d)
— 19. τίς παρακαλέσει σε (8 d)
52. 5. τί ὧδέ ἐστε (8 a)
53. 1. τίς ἐπίστευσε τῇ ἀκοῇ ἡμῶν (8 d)
— 1. ὁ βραχίων κυρίου τίνι ἀπεκαλύφθη (8 d)
— 8. τὴν γενεὰν αὐ. τίς διηγήσεται (8 d)
55. 2. ἵνα τί τιμᾶσθε ἀργυρίου (12 d)
57. 4. ἐν τίνι ἐνετρυφήσατε (8 d)
— 4. ἐπὶ τίνα [S τίνι] ἠνοίξατε τὸ στόμα ὑμῶν (8 d)
— 4. ἐπὶ τίνα ἐχαλάσατε τὴν γλῶσσαν ὑμῶν –
— 11. τίνα εὐλαβηθεῖσα ἐφοβήθης (8 d)
58. 3. τί ὅτι ἐνηστεύσαμεν (16 f)
— 4. ἵνα τί μοι νηστεύετε †
60. 8. τίνες οἵδε ὡς νεφέλαι πέτονται (8 d)
63. 1. τίς οὗτος ὁ παραγινόμενος ἐξ Ἐδώμ (8 d)
— 2. διὰ τί σου ἐρυθρὰ τὰ ἱμάτια (9 b)
— 17. τί ἐπλάνησας ἡμᾶς (8 c)
65. 24. ἐρῶ, Τί ἐστι –
66. 2. ἐπὶ τίνα ἐπιβλέψω (6)
— 8. τίς ἤκουσε τοιοῦτο καὶ τίς ἑώρακεν οὕτως (8 d, 8 d)

Je. 1. 11, 13 (A B S[2]). τί σὺ ὁρᾷς (8 a)
2. 5. τί εὗρόσαν οἱ πατέρες ὑμῶν (8 a)
— 14. διὰ τί [S[2] διότι] εἰς προνομὴν ἐγένετο (9 b)
— 18. τί σοι καὶ τῇ ὁδῷ Αἰγύπτου (8 a)
— 18. τί σοι καὶ τῇ ὁδῷ Ἀσσυρίων (8 a)
— 23. γνῶθι τί ἐποίησας (8 a)
— 24. τίς ἐπιστρέψει αὐτήν (8 d)
— 29. ἵνα τί λαλεῖτε πρὸς μέ (12 d)
— 31. διὰ τί εἶπεν ὁ λαός μου (9 b)
— 33. τί ἔτι καλὸν ἐπιτηδεύσεις (8 a)
4. 30. καὶ σὺ τί ποιήσεις (8 a)
5. 19. τίνος ἕνεκεν ἐποίησε . . . πάντα ταῦτα (8 a)
— 31. τί ποιήσετε εἰς τὰ μετὰ ταῦτα (8 a)
6. 10. πρὸς τίνα λαλήσω (8 d)
— 20. ἵνα τί μοι λίβανον ἐκ Σ. φέρετε (12 e)
7. 17. ἢ οὐχ ὁρᾷς τί αὐτοὶ ποιοῦσιν (8 a)
8. 5. διὰ τί [A[1] S διότι] ἀπέστρεψεν ὁ λαός μου (9 b)
— 6. τί ἐποίησα (8 a)
— 9. σοφία τίς ἐστιν ἐν αὐτοῖς (8 a)
— 14. ἐπὶ τί ἡμεῖς καθήμεθα (8 a)
— 19. BS[1] διὰ τί [AS[2]R διότι] παρώργισάν με (9 b)
— 22. διὰ τί οὐκ ἀνέβη ἴασις (9 b)
9. 1 (8. 23). τίς δώσει κεφαλῇ μου ὕδωρ (8 d)
— 2 (1). τίς δῴη μοι ἐν τῇ ἐρήμῳ σταθμὸν ἔσχατον (8 d)
— 12 (11). τίς ὁ ἄνθρωπος ὁ συνετός (8 d)
— 12 (11). ἕνεκεν τίνος ἀπώλετο ἡ γῆ (8 a)
11. 15. τί ἡ ἠγαπημένη . . . ἐποίησε βδέλυγμα (8 a)
12. 1. τί ὅτι ὁδὸς ἀσεβῶν εὐοδοῦται (16 b)
13. 21. τί ἐρεῖς ὅταν ἐπισκέπτωνταί σε (8 a)
— 22. διὰ [A om.] τί ἀπήντησέ μοι ταῦτα (9 b [7])
— 27. ἕως τίνος ἔτι (11 b)
14. 8. ἵνα τί ἐγενήθης ὡσεὶ πάροικος (12 d)
— 19. ἵνα τί ἔπαισας ἡμᾶς (12 a)
15. 5. A[2] B S τίς φείσεται ἐπὶ σοί (8 d)
— 5. A[2] B S τίς δειλιάσει ἐπὶ σοί (8 d)
— 5. A[2] B S τίς ἀνακάμψει εἰς εἰρήνην σοι (8 d)
— 10. ὡς τίνα με ἔτεκες †
— 18. ἵνα τί οἱ λυποῦντές με κατισχύουσί μου (12 d)
16. 10. διὰ τί ἐλάλησε . . . πάντα τὰ κακὰ ταῦτα (8 a)
— 10. τίς ἡ ἀδικία ἡμῶν (8 a)
— 10. τίς ἡ ἁμαρτία ἡμῶν (8 a)
17. 9. τίς γνώσεται αὐτόν (8 d)
18. 13. τίς ἤκουσε τοιαῦτα φρικτά (8 d)
20. 18. ἵνα τί τοῦτο ἐξῆλθον (12 d)
21. 13. τίς πτοήσει ἡμᾶς (8 d)
— 13. τίς εἰσελεύσεται πρὸς τὸ κατοικητήριον (8 d)
22. 8. διὰ τί ἐποίησε κύριος οὕτως (8 a)
23. 18. τίς [A om.] ἔστη ἐν ὑποστήματι κυρίου (8 d)
— 18. τίς ἐνωτίσατο (8 d)
— 28. τί τὸ ἄχυρον πρὸς τὸν σῖτον (8 a)
— 33. τί τὸ λῆμμα κυρίου (8 a)
— 35. τί ἀπεκρίθη κύριος (8 a)
— 35. B S τί ἐλάλησε κύριος (8 a)
— 37. διὰ τί [S[1] τί ὅτι] ἐλάλησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (9 c [16 c])
24. 3. τί σὺ ὁρᾷς (8 a)
26 (46). 5. τί ὅτι αὐτοὶ πτοοῦνται (16 b)

Je. 26 (46). 7. τίς οὗτος ὡς ποταμὸς ἀναβήσεται (8 d)
— 15. διὰ τί ἔφυγεν ἀπὸ σοῦ ὁ Ἄπις (9 b)
27 (50). 44. τίς ὥσπερ ἐγώ (8 d)
— 44. τίς ἀντιστήσεταί μοι (8 d)
— 44. τίς οὗτος ποιμήν (8 d)
28 (51). 5. A διὰ τί [B S διότι] οὐκ ἐχήρευσεν Ἰσρ. †
29 (47). 6 (5). ἕως τίνος κόψεις (11 d)
— 6. ἕως τίνος οὐχ ἡσυχάσεις (11 c)
29 (49). 19. τίς ὥσπερ ἐγώ (8 d)
— 19. τίς ἀντιστήσεταί μοι (8 d)
— 19. τίς οὗτος ποιμήν (8 d)
30 (49). 1. διὰ τί [S διότι] παρέλαβε Μ. τὴν Γ. (9 b)
— 4. τί [A S[2] ὅτι] ἀγαλλιᾶσθε ἐν τοῖς πεδίοις Ἐν. (8 a)
— 4. τίς [S[1] οὐδεὶς] εἰσελεύσεται ἐπ' ἐμέ (8 d)
31 (48). 19. τί ἐγένετο (8 a)
36 (29). 27. διὰ τί συνελοιδορήσατε Ἱερεμίαν (9 e)
37 (30). 21. τίς ἐστιν οὗτος (8 d)
39 (32). 3. A B S[2] διὰ τί σὺ προφητεύεις (9 b)
43 (36). 29. διὰ τί ἔγραψας ἐπ' αὐτῷ (9 b)
44 (37). 18. τί ἠδίκησά σε (8 a)
— 20. τί ἀποστρέφεις με εἰς οἶκον Ἰ. †
45 (38). 25. τί ἐλάλησέ σοι ὁ βασ. (8 a)
— 25. τί ἐλάλησε πρὸς σὲ ὁ βασ. (8 a)
51 (44). 7. ἵνα τί ὑμεῖς ποιεῖτε κακὰ μεγάλα (12 d)
— 28. λόγος τίνος ἐμμενεῖ (8 d)

Ba. 3. 10. τί ἐστιν Ἰσρ.
— 10. τί [A om.] ὅτι ἐν γῇ τῶν ἐχθρῶν εἶ
— 15. τίς εὗρε τὸν τόπον αὐ.
— 15. τίς εἰσῆλθεν εἰς τοὺς θησαυροὺς αὐ.
— 29. τίς ἀνέβη εἰς τὸν οὐρανόν
— 30. τίς διέβη πέραν τῆς θαλάσσης
4. 17. ἐγὼ δὲ τί δυνατὴ βοηθῆσαι ὑμῖν

La. 2. 13. τί μαρτυρήσω σοι ἢ τί ὁμοιώσω σοι (8 a, 8 a)
— 13. B[2] τίς σώσει καὶ τίς [A B[1] S om.] παρακαλέσει σε (8 a, –)
— 13. τίς ἰάσεταί σε (8 d)
— 20. τίνι ἐπεφύλλισας οὕτως (8 d)
3. 37. τίς [A κύριος] οὕτως εἶπε (8 d)
— 39. τί γογγύσει ἄνθρωπος (8 a)
5. 20. ἵνα τί εἰς νῖκος ἐπιλήσῃ ἡμῶν (12 d)

Ep. Je. 52. τίνι οὖν γνωστέον ἐστίν

Ez. 8. 6. ἑώρακας τί οὗτοι ποιοῦσιν (18*, 8 a)
12. 9. τί σὺ ποιεῖς (8 a)
— 22. τίς ἡ παραβολὴ ὑμῖν (8 a)
15. 2. τί ἂν γένοιτο τὸ ξύλον τῆς ἀμπέλου (8 a)
16. 30. τί διαθῶ τὴν θυγατέρα σου (8 a)
17. 12. οὐκ ἐπίστασθε τί ἦν ταῦτα (8 a)
18. 2. τί ὑμῖν ἡ παραβολὴ αὕτη (8 a)
— 19. τί [A om.] ὅτι οὐκ ἔλαβε τὴν ἀδικίαν (16 b)
— 31. ἵνα τί ἀποθνήσκετε (12 d)
19. 2. τί ἡ μήτηρ σου (8 a)
20. 29. B τίς [A R τί] ἐστιν ἀβανά (8 a)
21. 7 (12). ἕνεκα τίνος σὺ στενάζεις (8 a)
— 13 (18). R τί εἰ καὶ φυλὴ ἀπωσθῇ [A B al.] (8 a)
24. 13. τί ἐὰν μὴ καθαρισθῇς [A al.] †
— 19. τί ἐστι ταῦτα ἃ σὺ ποιεῖς (8 a)
27. 32. A τίς ὥσπερ Τύρος (8 d)
— 33. A πόσον καὶ τίνα [B π. τινὰ] εὗρες μισθόν –
31. 2. τίνι ὡμοίωσας σεαυτόν (8 d)
— 18. τίνι ὡμοιώθης (8 d)
32. 19. τίνος κρείττων εἶ (8 d)
33. 11. ἵνα τί ἀποθνήσκετε (12 d)
37. 18. τί ἐστι ταῦτά σοι (8 a)

Da. LXX. Su. 12. τίς φανήσεται αὐτῇ πρότερος
— 13. τί σὺ οὕτως ὄρθρου ἐξῆλθες
— 38. μάθωμεν τίνες εἰσὶν οὗτοι
— 40. τίς ὁ ἄνθρωπος
— 40. οὐκ ἀπήγγειλεν ἡμῖν τίς ἦν
— 54. ὑπὸ τί δένδρον . . . ἑώρακας αὐτούς
— 56. διὰ τί διεστραμμένον τὸ σπέρμα σου
— 58. ὑπὸ τί δένδρον . . . κατέλαβες αὐτούς
2. 15. περὶ τίνος δογματίζεται πικρῶς (8 a)
3. 14. διὰ τί . . . τοῖς θεοῖς μου οὐ λατρεύετε †
8. 13. ἕως τίνος τὸ ὅραμα στήσεται (11 d)
10. 14. ὑποδείξαί σοι τί ὑπαντήσεται τῷ λαῷ σου (4)
— 20. γινώσκεις τί ἦλθον πρὸς σέ (8 c)
12. 8. τίς ἡ λύσις τοῦ λόγου τούτου (8 a)
— 8. τίνος αἱ παραβολαὶ αὗται –
Bel 3. διὰ τί οὐ προσκυνεῖς τῷ Βήλ
— 18. ταῦτα τὰ ἴχνη τίνος ἐστί

Da. TH. Su. 26. A ἰδεῖν τί [B om.] τὸ συμβεβηκὸς αὐτῇ

Da. TH. Su. 40. ἐπηρωτῶμεν τίς ἦν ὁ νεανίσκος
— 47. τίς ὁ λόγος οὗτος ὃν σὺ λελάληκας
— 54. ὑπὸ τί δένδρον εἶδες αὐτούς
— 58. ὑπὸ τί δένδρον κατέλαβες αὐτούς
2. 15. περὶ τίνος ἐξῆλθεν ἡ γνώμη (8 a)
— 29. τί δεῖ γενέσθαι μετὰ ταῦτα (8 a)
3. 15. τίς ἐστι θεὸς ὃς ἐξελεῖται ὑμᾶς (8 e)
4. 32. τί ἐποίησας (8 a)
10. 20. εἰ οἶδας ἵνα τί ἦλθον πρὸς σέ (12 d)
12. 8. τί τὰ ἔσχατα τούτων (8 a)
Bel 4. διὰ τί οὐ προσκυνεῖς τῷ Βήλ
— 8. τίς ὁ κατέσθων τὴν δαπάνην ταύτην
— 19. γνῶθι τίνος τὰ ἴχνη ταῦτα

I Ma. 2. 7. ἵνα τί τοῦτο ἐγεννήθην ἰδεῖν
— 13. ἵνα τί ἡμῖν ἔτι ζῆν
3. 17. τί δυνησόμεθα ὀλιγοστοὶ ὄντες
— 50. τί ποιήσωμεν αὐτοῖς
4. 44. τί αὐτῷ ποιήσωσι
5. 16. τί ποιήσωσι τοῖς ἀδελφοῖς αὐ.
6. 11. ἕως τίνος θλίψεως ἦλθον
8. 31. διὰ τί ἐβάρυνας τὸν ζυγόν σου
10. 23. τί τοῦτο ἐποιήσαμεν
— 70. διὰ τί σὺ ἐξουσιάζῃ ἐφ' ἡμᾶς
— 72. μάθε τίς εἰμι
12. 44. ἵνα τί ἔκοψας πάντα τὸν λαὸν τοῦτον
14. 25. τίνα χάριν ἀποδώσομεν Σίμωνι

II Ma. 3. 9. καὶ τίνος ἕνεκεν πάρεστι διεσάφησεν
7. 2. R τί [A om.] μέλλεις ἐρωτᾶν
— 30. τίνα μένετε
14. 5. ἐν τίνι διαθέσει . . . καθεστήκασιν οἱ Ἰουδαῖοι

III Ma. 1. 13. διὰ τίνα αἰτίαν αὐτὸν εἰσερχόμενον . . . οὐθεὶς ἐκώλυσε
— 15. διὰ τίνα [? τινα] αἰτίαν οὐχὶ πάντων εἰσελεύσεσθαι
4. 3. τίς νομὸς ἢ πόλις ἢ τίς τὸ σύνολον οἴκτιστος τόπος ἢ τίνες ἀγυιαὶ κοπετοῦ . . . οὐκ ἐμπιπλῶντο
5. 18. ἐπυνθάνετο τίνος ἕνεκεν αἰτίας ἰάσθησαν
— 27. R τί τὸ πρᾶγμα ἐφ' οὗ τοῦτο . . . τετέλεσται [A al.]
— 40. μέχρι τίνος ὡς ἡμᾶς διαπειράζεις
6. 25. τίς τοὺς κρατήσαντας ἡμῶν . . . ἀποστήσας
— 26. τίς τοὺς . . . διαφέροντας . . . περιέβαλεν αἰκίαις

IV Ma. 1. 14. A R τί ποτέ ἐστι λογισμὸς καὶ τί [S om.] πάθος
2. 1. καὶ τί θαυμαστόν
— 7. τίνα τρόπον μονοφάγος τις ὢν τὸ ἦθος . . . μεταπαιδεύεται
— 19. διὰ τί ὁ πάνσοφος ἡμῶν πατὴρ Ἰ. τοὺς περὶ Σ. καὶ Λ. αἰτιᾶται
5. 7. διὰ τί γὰρ . . . τὴν . . . σαρκοφαγίαν βδελύττῃ
6. 14. τί [S[1] om.] τοῖς κακοῖς τούτοις σεαυτὸν ἀλογίστως ἀπόλλεις
— 23. τί μέλλετε
7. 21. τίς . . . εὐσεβῶς φιλοσοφῶν
8. 18. τί βουλήμασι κενοῖς ἑαυτοὺς εὐφραίνομεν
— 23. τί ἐξάγομεν ἑαυτοὺς τοῦ ἡδίστου βίου
9. 1. τί μέλλεις, ὦ τύραννε
11. 4. τί δράσαντας ἡμᾶς τοῦτον πορθεῖς τὸν τρόπον
13. 12. τίνος πατρὸς χειρὶ σφαγιασθῆναι . . . ὑπέμεινεν
14. 10. ὃν τί γένοιτο ἐπαλγέστερον
— 18. τί δεῖ . . . ἐπιδεικνύναι
15. 4. τίνα τρόπον ἠθολογήσαιμι
17. 16. τίνες οὐκ ἐθαύμασαν τοὺς . . . ἀθλητάς
— 16. τίνες οὐκ ἐξεπλάγησαν

[Aq. Ge. 4. 6: 12. 18: 20. 10: 31. 27: 37. 26: 38. 29: Ex. 18. 14: Jo. 7. 25: III Ki. 14. 3, 6, 14: IV Ki. 9. 32: Jb. 6. 11, 25: 9. 29: 11. 8: 14. 4: 15. 14 (P.): 21. 4: 29. 2: 31. 1: 33. 13: 36. 23: 38. 25: Ps. 2. 1: 10 (11). 3: 11 (12). 5: 21 (22). 2: 24 (25). 12: 26 (27). 1 bis: 30 (31). 20: 35 (36). 8: 38 (39). 7: 41 (42). 6, 12: 48 (49). 6: 61 (62). 4: 67 (68). 17: 72 (73). 25: 73 (74). 1: 78 (79). 10: 84 (85). 9: 87 (88). 15: 93 (94). 16: 119 (120). 3 bis: 143 (144). 3: 147. 6 (17): Pr. 17. 16: 20. 6: 30. 4 quater, 9: Ec. 1. 3: 6. 8: 7. 11 (10), 30 (8. 1): Ca. 7. 1 (2): 8. 1: Is. 2. 22: 5. 4: 6. 8: 29. 17: 38. 15: 40. 13, 18: 48. 14: 51. 12: 52. 5, 7: 55. 2: 58. 3: Je. 9. 2 (1), 12 (11): 10. 7: 11. 15: 15. 5 bis, 18: 27 (34). 17: 30 (37). 6, 15: 37 (44). 18: 49. 19 (29. 20) ter: Ez. 32. 19: Am. 4. 13: Na. 1. 6: Ma. 3. 8.]

[Sm. Ge. 3. 2 (1): 4. 6: 20. 10: 27. 37: 37. 26: Ex. 18. 14: Jo. 7. 25: 9. 8 (14): Jd. 5. 16: I Ki. 14. 38: II Ki. 14. 13: Jb. 9. 24: 15. 12, 14 (P.): 16. 6: 19. 28: 21. 4, 21: 25. 3 (P.), 4: 26. 14: 29. 2: 31. 14: 33. 13: 34. 29: 35. 6: 38. 36, 37: 41. 5: Ps. 2. 1: 10 (11). 3: 24 (25). 12: 26 (27). 1: 29 (30). 10: 30 (31). 20: 35 (36). 8: 38 (39). 8: 41 (42). 6 *bis*, 10, 12: 42 (43). 5 *bis*: 43 (44). 24, 25: 54 (55). 7: 55 (56). 12: 61 (62). 4: 67 (68). 17: 72 (73). 25: 73 (74). 1: 78 (79). 10: 84 (85). 9: 87 (88). 15: 88 (89). 7, 47: 89 (90). 11: 93 (94). 16 *bis*: 118 (119). 9: 119 (120). 3 *bis*: 138 (139). 17: 143 (144). 3: 147. 6 (17): Pr. 4. 19: 17. 16: 20. 6, 9: 30. 4 *bis*, 9: Ec. 1. 3: 2. 2, 12, 15: 3. 19, 22: 5. 10, 15: 6. 8: 7. 1 (6. 12), 30 (8. 1): 8. 7: 9. 4: Is. 2. 22: 5. 4: 6. 8: 38. 22: 40. 14, 18, 27: 42. 19 *bis*: 45. 10: 48. 14: 51. 12: 52. 5, 7: 55. 2: 58. 3: Je. 11. 15: 13. 21: 14. 19: 15. 18: 17. 9: 23. 18: 27 (34). 17: 30 (37). 6: 37 (44). 18: 46 (26). 15: 49. 19 (29. 20) *bis*: Ez. 16. 30: 20. 29: 32. 19: Am. 7. 2: Ma. 3. 8.]
[Th. Ge. 20. 10: 37. 26: Jo. 7. 25: Jn. 12. 1: 13. 12: II Ki. 12. 9: 14. 13: IV Ki. 9. 32: Jb. 9. 24: 12. 9: 15. 12, 14: 16. 3: 17. 3, 15: 21. 15: 22. 17: 31. 31, 35: 34. 29: 35. 7: 38. 25, 37: Ps. 38 (39). 7: 67 (68). 17: 73 (74). 1: 78 (79). 10: 84 (85). 9: 87 (88). 15: 93 (94). 16: Pr. 18. 14: 20. 6: 30. 4 *ter*: Ec. 3. 19: 6. 8: Is. 2. 22: 5. 4: 6. 8: 29. 17: 40. 18: 42. 19: 44. 10: 50. 2: 52. 5: 58. 3: Je. 10. 7: 23. 37 *bis*: 27 (34). 17: 30 (37). 15: 33 (40). 24: Ez. 18. 2: 27. 32: Da. 2. 29: 13. 40: Ma. 3. 8.]
[Heb. Ge. 38. 29: Jb. 7. 20.]
[Al. Nu. 20. 4: Jd. 5. 16: I Ki. 9. 7: 28. 14, 15, 16: II Ki. 6. 20: Jb. 15. 12: 18. 3: Ps. 8. 2: 11 (12). 5: 70 (71). 19: 132 (133). 1 *bis*: 138 (139). 17: Pr. 27. 4: Ec. 5. 9.]
[Quint. IV Ki. 9. 32: Ps. 8. 5: 35 (36). 8: 42 (43). 5.]

τίτθη.

[Aq. Ge. 24. 59.]

τιτθίζεσθαι.

[Aq. Is. 53. 2.]

τιτθός.

[Aq. Pr. 5. 19: 7. 18.]
[Sm. Pr. 7. 18: Ez. 23. 3, 21.]
[Th. Pr. 7. 18: Ez. 23. 17.]

τίτλος.

[Aq., Sm., Th. Je. 21. 4.]

τιτρώσκειν. (1) דָּכָא pi. (2) חָלָה *a.* qal. *b.* hoph. (3) חָלַל (4) חָלַף (5) מַדְקְרוֹת (6) נָכָה hi. (7) עָרַץ (8) שָׁחַט

Nu. 31. 19. *ὁ ἁπτόμ. τοῦ τετρωμ. ἁγνισθήσεται* (3)
De. 1. 44. *ἐτίτρωσκον ὑμᾶς ἀπὸ Σ.* (6)
7. 21. A B² R *οὐ τρωθήσῃ ἀπὸ προσώπου αὐτῶν* (7)
III Ki. 22. 34. *ἐξάγαγέ με ἐκ τοῦ πολέμου ὅτι τέτρωμαι* (2 *b*)
Ju. 16. 12. A B *ὡς παῖδας αὐτομολούντων ἐτίτρωσκον* [S R *add.* *αὐτούς*]
Jb. 6. 9. *ἀρξάμενος ὁ κύριος τρωσάτω με* (1)
16. 7 (6). *τί ἔλαττον τρωθήσομαι* †
20. 24. *τρώσαι αὐτὸν τόξον χάλκειον* (4)
33. 23. *εἰς αὐτῶν οὐ μὴ τρώσῃ αὐτόν* †
36. 14. *ἡ δὲ ζωὴ αὐτῶν τιτρωσκομένη ὑπὸ* [A *εἴη ὑπὸ*] *ἀγγέλων* –
— 25. *ὅσοι τιτρωσκόμενοί εἰσι βροτοί* †
41. 19 (20). *οὐ μὴ τρώσῃ αὐτὸν τόξον χάλκεον* [A *om. τ. χ.*] †
Pr. 7. 26. *πολλοὺς γὰρ τρώσασα καταβέβληκε* (3)
12. 18. *εἰσὶν οἱ λέγοντες τιτρώσκουσι μάχαιραι* [A *-αν*] (5)
Ca. 2. 5. *τετρωμένη ἀγάπης ἐγώ* (2 *a*)
5. 8. *τετρωμένη ἀγάπης* [S¹ *ἀγάπης τετρωμένης*] *ἐγώ εἰμι* (2 *a*)
Je. 9. 8 (7). *βολὶς τιτρώσκουσα ἡ γλῶσσα* [A *καρδία*] *αὐτῶν* (8)
II Ma. 3. 16. *τιτρώσκεσθαι τὴν διάνοιαν*
11. 9. *σιδηρᾶ τείχη τιτρώσκειν ὄντες ἕτοιμοι*
[Aq. Je. 9. 8 (7): Ez. 19. 5.]
[Sm. Jb. 39. 30: Ps. 87 (88). 6: Ca. 2. 5: Is. 57. 10: Je. 9. 8 (7): 14. 18: 25. 33 (32. 19): 51 (28). 52: La. 4. 6: Ez. 31. 17.]
[Al. Jd. 5. 30.]

τμῆμα.

[Al. Ps. 135 (136). 13.]

τμητός. (1) גְּזִית

Ex. 20. 25. *οὐκ οἰκοδομήσεις αὐτοὺς τμητούς* (1)

τοι, *cf.* **καίτοι.**

IV Ma. 2. 17: 4. 11, 21†: 5. 1: 6. 8, 11: 7. 24: 17. 17.

τοιγαροῦν.

Jb. 7. 11†: 22. 10: 24. 22.
Pr. 1. 26, 31.
Si. 41. 16.
Is. 5. 26.
II Ma. 7. 23.
IV Ma. 1. 34: 9. 7†: 13. 16: 17. 4.
[Aq., Th. Jb. 7. 11.]

τοίνυν.

I Ch. 28. 10†.
II Ch. 28. 23.
Jb. 8. 13: 36. 14.
Wi. 1. 11: 8. 9.
Is. 3. 10: 5. 13: 27. 4: 33. 23.
Je. 7. 14†.
II Ma. 3. 1†.
IV Ma. 1. 13, 15, 16, 17, 30†, 31: 7. 16: 13. 1, 23: 16. 1.

τοῖος. (1) כֵּן

II Es. 5. 3. A B *τοῖα* [R *τοιάδε*] *εἶπαν αὐτοῖς* (1)

τοιόσδε. (1) כֵּן

II Es. 5. 3. R *τοιάδε* [A B *τοῖα*] *εἶπαν αὐτοῖς* (1)
II Ma. 11. 27. *ἡ τοῦ βασ. ἐπιστολὴ τοιάδε ἦν* (1)
15. 12. *ἡν δὲ ἡ τούτου θεωρία τοιάδε*

τοιοῦτος. (1) כֹּה (2) *a.* אֵלֶּה *b.* כָּאֵלֶּה *c.* כְּאֵלֶּה (3) *a.* הוּא *b.* כֹּ׳ הַהוּא (4) *a.* זֶה *b.* זֹאת *c.* כָּזֶה *d.* כְּזֹאת *e.* אֲשֶׁר־כָּזֶה (5) כְּדֻגָּה (6) *a.* כָּהֵם *b.* כָּהֵנָּה (7) כְּמֹהוּ (8) כֵּן (9) כְּנֻמָא

Ge. 39. 11. *ἐγένετο δὲ τοιαύτη τις ἡμέρα* (1)
41. 19. *οἷας οὐκ εἶδον τοιαύτας* (6 *b*)
— 38. *μὴ εὑρήσομεν ἄνθρωπον τ.* (4 *c*)
Ex. 9. 18, 24. *ἥτις τοιαύτη οὐ γέγονεν ἐν Αἰγ.* (7)
10. 14. *προτέρα αὐτῆς οὐ γέγονε τοιαύτη ἀκρίς* (8)
11. 6. *ἥτις τοιαύτη οὐ γέγονε καὶ τοιαύτη οὐκέτι προστεθήσεται* (7, 7)
Le. 10. 19. B² R *καὶ συμβέβηκέ μοι τοιαῦτα* [A¹ *om.*, A² B¹ *ταῦτα*] (2 *b*)
Nu. 15. 13. *ποιήσει οὕτως τοιαῦτα* (2 *a*)
De. 4. 32. B *εἰ ἤκουσται τοιοῦτο* (7)
Jo. 10. 14. *οὐκ ἐγένετο ἡμέρα τ.* (3 *b*)
I Ki. 4. 8 (7). *οὐ γέγονε τοιαύτη ἐχθὲς καὶ τρίτην* (4 *d*)
II Ki. 14. 13. *ἵνα τί ἐλογίσω τοιοῦτο* [A *-ον*] (4 *d*)
III Ki. 10. 12. *οὐκ ἐληλύθει τοιαῦτα ξύλα* (8)
II Ch. 9. 11. *οὐκ ὤφθησαν τοιαῦτα ἔμπροσθεν* (6 *a*)
30. 26. *οὐκ ἐγένετο τ. ἑορτὴ ἐν Ἰερ.* (4 *d*)
I Es. 1. 20. *οὐκ ἤχθη τὸ πάσχα τοιοῦτο*
— 21. *οὐκ ἠγάγοσαν πάσχα τοιοῦτον* [A *-ο*]
2. 20. *μὴ ὑπεριδεῖν τὸ* [A *om.*] *τοιοῦτο*
4. 37. *ἄδικα πάντα τὰ ἔργα αὐ. πάντα τὰ τ.*
8. 87. *ἔδωκας ἡμῖν τοιαύτην ῥίζαν*
II Es. 5. 11. A R *τοιοῦτο* [B *τοῦτο τὸ*] *ῥῆμα ἀπεκρίθησαν ἡμῖν* (9)
Ju. 10. 19. *ὃς ἔχει ἐν ἑαυτῷ γυναῖκας τ.*
11. 21. A B *οὐκ ἔστι τοιαύτη γυνή*
12. 12. A B *εἰ γυναῖκα τοιαύτην παρήσομεν*
Jb. 3. 8. A *κατήρασε τοιαύτην* [B S *al.*] †
8. 18. *οὐχ ἑώρακας τοιαῦτα* †
— 19. *ὅτι καταστροφὴ ἀσεβοῦς τοιαύτη* (3 *a*)
15. 4. *συνετελέσω δὲ ῥήματα τοιαῦτα ἔναντι τοῦ κυρίου* –
— 13. *ἐξήγαγες δὲ ἐκ στόματος ῥήματα τοιαῦτα* –
Jb. 16. 2. *ἀκήκοε τοιαῦτα πολλά* (2 *c*)
32. 14. *ἀνθρώπῳ δὲ ἐπετρέψατε λαλῆσαι τοιαῦτα ῥήματα* –
33. 16. *ἐν εἴδεσι φόβου τοιούτοις αὐτοὺς ἐξεφόβησεν* –
39. 34 (40. 4). *ἐλέγχων κύριον ἀκούων τοιαῦτα οὐθὲν ὤν* [A *al.*] –
Pr. 6. 14. *ὁ τ. ταραχὰς συνίστησι πόλει* –
20. 1. *πᾶς δὲ ἄφρων τοιούτοις* [S¹ *-ος*] *συμπλέκεται* †
— 3. *πᾶς δὲ ἄφρων τοιούτοις συμπλέκεται* –
23. 2. *τοιαῦτά σε δεῖ παρασκευάσαι* †
24. 55 (30. 20). *τοιαύτη ὁδὸς γυναικὸς μοιχαλίδος* (8)
28. 21. *ὁ τ. ψωμοῦ ἄρτου ἀποδώσεται ἄνδρα* –
— 26. *ὃς πέποιθε θρασείᾳ καρδίᾳ ὁ τ. ἄφρων* (3 *a*)
31. 10. *τιμιωτέρα δέ ἐστι λίθων πολυτελῶν ἡ τ.* [S *om.* *ἡ τ.*] †
— 11. *ἡ τ. καλῶν σκύλων οὐκ ἀπορήσει* –
Wi. 4. 15. *μηδὲ θέντες ἐπὶ διανοίᾳ τὸ τ.*
12. 19. *ἐδίδαξας δέ σου τὸν λαὸν διὰ τῶν τ. ἔργων*
15. 6. *ἄξιοί τε τοιούτων ἐλπίδων καὶ οἱ δρῶντες*
16. 9. *ἄξιοι ἦσαν ὑπὸ τοιούτων* [S¹ *τούτων*] *κολασθῆναι*
Si. 7. 35. *ἐκ γὰρ τῶν τ. ἀγαπηθήσῃ*
16. 5. *πολλὰ τοιαῦτα ἑώρακα ἐν ὀφθαλμοῖς* [S *ἑώρακεν ὁ ὀφθαλμός*] *μου*
20. 15. *μισητὸς ἄνθρωπος ὁ τ.*
45. 13. *πρὸ αὐτοῦ οὐ γέγονε τοιαῦτα ἕως αἰῶνος*
49. 14. *οὐδὲ εἷς ἐκτίσθη οἷος Ἐνὼχ τοιοῦτος ἐπὶ τῆς γῆς*
Jl. 1. 2. *εἰ γέγονε τοιαῦτα ἐν ταῖς ἡμέραις ἡμῶν* (4 *b*)
Is. 58. 6. *οὐχὶ τ. νηστείαν ἐγὼ ἐξελεξάμην* (4 *a*)
66. 8. *τίς ἤκουσεν τοιοῦτο* [S *τοιαῦτα*] (4 *d*)
Je. 2. 10. *ἴδετε εἰ γέγονε τοιαῦτα* (4 *d*)
5. 9. *ἢ ἐν ἔθνει τ. οὐκ ἐκδικήσει ἡ ψυχή μου* (4 *e*)
— 29. *ἢ ἐν ἔθνει τῷ* [A S *om.*] *τ. οὐκ ἐκδικήσει ἡ ψυχή μου* (4 *e*)
9. 9 (8). B S *ἢ ἐν λαῷ τῷ* [A R *om.*] *τ. οὐκ ἐκδικήσει ἡ ψυχή μου* (4 *e*)
10. 16. *οὐκ ἔστι τ. μερὶς τῷ Ἰ.* (2 *c*)
18. 13. *τίς ἤκουσε τ. φρικτά* (2 *b*)
28 (51). 19. *οὐ τ. μερὶς τῷ Ἰ.* [A *al.*] (2 *c*)
37 (30). 7. *μεγάλη ἡ ἡμέρα ἐκ. καὶ οὐκ ἔστι τ.* (7)
Ep. Je. 17. *τοιοῦτοι ὑπάρχουσιν οἱ θεοὶ αὐ.*
Ez. 3. 6. *εἰ πρὸς τοιούτους ἐξαπέστειλά σε* †
21. 26 (31). *οὐ τοιαύτη ἔσται* (4 *b*)
— 27 (32). *τοιαύτη ἔσται* (4 *b*)
31. 8. *κυπάρισσοι τοιαῦται ἐν τῷ παραδείσῳ* †
Da. LXX. 2. 10. *τ. πρᾶγμα οὐκ ἐπερωτᾷ πάντα σοφόν* (5)
Da. Th. Su. 27. *οὐκ ἐρρέθη λόγος τ. περὶ Σουσάννης* (5)
2. 10. *ῥῆμα τ. οὐκ ἐπερωτᾷ ἐπαοιδόν* (5)
I Ma. 4. 27. *οὐχ οἷα ἤθελε τοιαῦτα γέγονε τῷ Ἰσρ.*
— 27. R *οὐχ οἷα ἐνετείλατο αὐτῷ ὁ βασ. τοιαῦτα ἐξέβη* [A S *al.*]
10. 16. *μὴ εὑρήσομεν ἄνδρα τοιοῦτον ἕνα*
— 73. *οὐ δυνήσῃ ὑποστῆναι . . . δύναμιν τ.*
13. 35. *ἔγραψεν αὐτῷ ἐπιστολὴν τ.*
II Ma. 2. 3. A² R *ἕτερα τοιαῦτα λέγων*
4. 30. *τοιούτων δὲ συνεστηκότων*
8. 7. *τὰς νύκτας πρὸς τὰς τ. ἐπιβολὰς συνεργούς*
10. 4. *μηκέτι παραπεσεῖν τ. κακοῖς*
11. 27. R *ἡ τοῦ βασ. ἐπιστολὴ τ.* [A *τοιάδε*] *ἦν*
13. 7. *τοιοῦτῳ μόρῳ τὸν παράνομον συνέβη θανεῖν*
14. 11. *τοιούτων δὲ ῥηθέντων ὑπὸ τούτου*
III Ma. 2. 1. R *εὐτάκτως ἐποιήσατο τὴν δέησιν τ.*
IV Ma. 1. 6. S *καὶ τῶν τ.* [A R *καὶ τούτων*] *οὐχ ὥστε αὐτὰ καταλῦσαι*
7. 8. *τοιούτους δὴ δεῖ εἶναι τοὺς δημιουργοῦντας τὸν νόμον*
11. 9. *τοιαῦτα λέγοντα*
[Aq. Ez. 21. 27 (32).]
[Sm. II Ki. 14. 13: Jb. 33. 6: Ez. 21. 27 (32): Da. 2. 10 (Sw.).]
[Th. Is. 56. 12: Ez. 21. 27 (32): Da. 2. 10.]
[Al. Jd. 3. 2.]

τοῖχος. (1) גֶּדֶר (2) חוֹמָה (3) חַיִץ (4) *a.* כֹּתֶל *b.* כְּתֶל (5) קִיר

Ex. 30. 3. *τὴν ἐσχάραν αὐ. καὶ τοὺς τ. αὐ. κύκλῳ* (5)
Le. 5. 9. *ῥανεῖ . . . ἐπὶ τὸν τ. τοῦ θυσιαστηρίου* (5)
14. 37. *ὄψεται τὴν ἁφὴν ἐν τοῖς τ. τῆς οἰκίας* (5)
— 37. *καὶ ἡ ὄψις αὐ. ταπεινοτέρα τῶν τ.* (5)
— 39. *οὐ διεχύθη ἡ ἁφὴ ἐν τοῖς τ. τῆς οἰκίας* (5)

Nu. 22. 25. προσέθλιψεν ἑαυτὴν πρὸς τὸν τ. (5)
— 25. A R ἀπέθλιψε τὸν πόδα B. πρὸς τὸν τ. [B om. πρὸς τ. τ.] (5)
Jd. 16. 13. ἐὰν . . . ἐγκρούσῃς τῷ πασσάλῳ εἰς τὸν τ. –
— 14. ἔπηξε τῷ πασσάλῳ εἰς τὸν τ. [A al.] –
— 14. ἐξῆρε τὸν πάσσαλον . . . ἐκ τοῦ τ. –
I Ki. 18. 11. A πατάξω ἐν Δ. καὶ ἐν τῷ τ. (5)
19. 10. A πατάξαι τὸ δόρυ εἰς Δ. καὶ ἐν τῷ τ. [B al.] (5)
— 10. ἐπάταξε τὸ δόρυ εἰς τὸν τ. (5)
20. 25. ἐκάθισεν . . . ἐπὶ τῆς καθέδρας παρὰ τοῖχον (5)
25. 22. εἰ ὑπολείψομαι . . . οὐροῦντα πρὸς τοῖχον (5)
— 34. εἰ ὑπολειφθήσεται τῷ N. . . . οὐρῶν πρὸς τοῖχον (5)
II Ki. 5. 11. A ἀπέστειλε . . . τέκτονας λίθων τοίχου [B om.] (5)
III Ki. 4. 33 (5. 13). ἕως τῆς ὑσσώπου τῆς ἐκπορευομ. διὰ τοῦ τ. (5)
6. 5. B ἔδωκεν ἐπ' αὐτὸν [A R ἐπὶ τὸν] τοῖχον (5)
— 5. A σὺν τοίχοις τοῦ οἴκου (5)
— 6. ὅπως μὴ ἐπιλαμβάνωνται τῶν τ. τοῦ οἴκου (5)
— 15. ᾠκοδόμησε τοὺς τ. τοῦ οἴκου (5)
— 15. ἕως τῶν τ. καὶ ἕως τῶν δοκῶν (5)
— 16. ἀπ' ἄκρου τοῦ τ. †
— 27. ἥπτετο πτέρυξ μία τοῦ τ. (5)
— 27. ἥπτετο τοῦ τ. τοῦ δευτέρου (5)
— 29. πάντας τοὺς τ. τοῦ οἴκου . . . ἔγραψε (5)
12. 24 (cf. A 14. 10). B ἐξολεθρεύσω τοῦ Ἱερ. οὐροῦντα πρὸς τοῖχον –
14. 10. A ἐξολεθρεύσω τοῦ Ἱερ. οὐροῦντα πρὸς τοῖχον (5)
16. 11. A οὐχ ὑπέλειπεν αὐτῷ οὐροῦντα πρὸς τοῖχον (5)
20 (21). 21. ἐξολεθρεύσω τοῦ Ἀχ. οὐροῦντα πρὸς τοῖχον (5)
IV Ki. 3. 25. ἕως τοῦ καταλιπεῖν τοὺς λίθους τοῦ τ. καθῃρημένους (5)
9. 8. ἐξολεθρεύσεις τῷ οἴκῳ Ἀχ. οὐροῦντα πρὸς τοῖχον (5)
— 33. ἐρραντίσθη τοῦ αἵματος αὐ. πρὸς τὸν τ. (5)
20. 2. ἐπέστρεψεν Ἐζ. πρὸς τὸν τ. (5)
I Ch. 14. 1. A ἀπέστειλε Χ. . . . οἰκοδόμους τοίχων [B S om.] (5)
29. 4. ἐξαλιφῆναι ἐν αὐτοῖς τοὺς τ. τοῦ ἱεροῦ (5)
II Ch. 3. 7. ἐχρύσωσε . . . τοὺς τ. (5)
— 7. ἔγλυψε χερουβεὶν ἐπὶ τῶν τ. (5)
— 11. ἀπτομένη τοῦ τ. τοῦ οἴκου (5)
— 12. A ἀπτομένη τοῦ τ. τοῦ οἴκου (5)
— 15. ἐποίησεν ἔμπροσθεν τοῦ τ. στύλους δύο †
I Es. 6. 9. A R ξύλων τιθεμένων ἐν τοῖς τ. [B οἴκοις]
II Es. 5. 8. ξύλα ἐντίθεται ἐν τοῖς τ. (4 b)
To. 2. 9. παρὰ τὸν τ. τῆς αὐλῆς
— 10. στρουθία ἐν τῷ τ. ἐστί [S al.]
Jb. 33. 24. ὥσπερ ἀλοιφὴν ἐπὶ τοίχου –
Ps. 61 (62). 3. ὡς τοίχῳ κεκλιμένῳ καὶ φραγμῷ ὡσμένῳ (5)
Ca. 2. 9. οὗτος ὀπίσω [A ἕστηκεν ὀπ.] τοῦ τ. ἡμῶν (4 a)
Wi. 13. 15. ἐν τοίχῳ ἔθηκεν αὐτό
Si. 14. 24. πήξει πάσσαλον ἐν τοῖς τ. [S¹ οἴκοις] αὐτῆς
22. 17. ὡς κόσμος ψαμμωτὸς τοίχου ξυστοῦ [S² ξεστοῦ]
23. 18. οἱ [S¹ om.] τ. με καλύπτουσι
Am. 5. 19. καὶ ἀπερείσηται τὰς χεῖρας αὐ. ἐπὶ τὸν τ. (5)
Hb. 2. 11. λίθος ἐκ τοίχου βοήσεται (5)
Is. 5. 5. καθελῶ τὸν τ. [A¹ οἶκον] αὐτοῦ (1)
23. 13. ὁ τ. αὐτῆς πέπτωκεν †
25. 12. τὸ ὕψος τῆς καταφυγῆς τοῦ τ. ταπεινώσει (2)
29. 5. B ὡς κονιορτὸς ἀπὸ τοίχου [A S R τροχοῦ] †
38. 2. ἀπέστρεψεν Ἐζεκίας τὸ πρόσωπον αὐτοῦ πρὸς τὸν τ. (5)
59. 10. ψηλαφήσουσιν ὡς τυφλοὶ τοῖχον (5)
Ez. 4. 3. θήσεις αὐτὸ τοῖχον σιδηροῦν (5)
8. 7. A ὀπὴ μία ἐν τῷ τ. (5)
— 8. A ὄρυξον δὴ ἐν τῷ τ. [B om. δὴ ἐν τ. τ.] (5)
12. 5. διόρυξον σεαυτῷ εἰς τὸν τ. (5)
— 7. διώρυξα [A ὤρ.] ἐμαυτῷ τὸν τ. (5)
— 12. κεκρυμμένος ἐξελεύσεται διὰ τοῦ τ. (5)
13. 10. οὗτος οἰκοδομεῖ τοῖχον [A τὸν τ.] (3)
— 12. πέπτωκεν ὁ τ. (5)
— 14. κατασκάψω τὸν τ. (5)
— 15. συντελέσω τὸν θυμόν μου ἐπὶ τὸν τ. (5)
Ez. 13. 15. οὐκ ἔστιν ὁ τ. (5)
23. 14. εἶδεν ἄνδρας ἐζωγραφημένους ἐπὶ τοῦ τ. (5)
40. 13. ἀπὸ τοῦ τ. [A τείχους] τοῦ θεὲ ἐπὶ τὸν τ. τοῦ θεέ †, †
41. 5. διεμέτρησε τὸν τ. τοῦ οἴκου (5)
— 6. διάστημα ἐν τῷ τ. τοῦ οἴκου (5)
— 6. μὴ ἅπτωνται τῶν τ. τοῦ οἴκου (5)
— 7. κατὰ τὸ πρόσθεμα ἐκ τοῦ τ. [A οἴκου] †
— 9. εὖρος τοῦ τ. τῆς πλευρᾶς ἔξωθεν πηχῶν πέντε (5)
— 12. πλάτος τοῦ τ. τοῦ διορίζοντος πηχῶν πέντε (5)
— 13. οἱ τ. αὐτῶν μῆκος πηχῶν ἑκατόν (5)
— 15. A διεμέτρησε τὸν τ. [B δ. μῆκος] τοῦ διορίζοντος †
— 17. ἐφ' ὅλον τὸν τ. [A οἶκον] κύκλῳ (5)
— 22. οἱ τ. αὐτοῦ ξύλινοι (5)
43. 8. ἔδωκαν τὸν τ. μου ὡς συνεχόμενον ἐμοῦ καὶ αὐτῶν (5)
Da. LXX. 5. 1. ἐπέγραψαν ἐπὶ τοῦ τ. οἴκου αὐ. –
— 5. ἔγραψαν ἐπὶ τοῦ τ. τοῦ οἴκου αὐ. (4 b)
Da. TH. 5. 5. ἔγραφον . . . ἐπὶ τὸ κονίαμα τοῦ τ. (4 b)
[Aq. III Ki. 14. 10: Is. 16. 7: Je. 48 (31). 31: Ez. 8. 8.]
[Sm. Je. 48 (31). 31: Ez. 8. 10.]
[Th. III Ki. 6. 5: Je. 48 (31). 36: Ez. 8. 7, 10.]
[Al. Le. 1. 15: Ez. 12. 5.]

τοκάς.
III Ki. 3. 1 (B): 4. 26 [5. 6] (A). τεσσαράκοντα χιλιάδες τ. ἵπποι [A -ων] †

τοκετός. (1) יָלַד
Ge. 35. 16. ἐδυστόκησεν ἐν τῷ τ. (1)
Jb. 39. 1. εἰ ἔγνως καιρὸν τοκετοῦ τραγελάφων πέτρας (1)
— 2. ἠρίθμησας δὲ μῆνας αὐτῶν πλήρεις τοκετοῦ (1)
Si. 23. 14. καὶ τὴν ἡμέραν τοῦ τ. σου καταράσῃ
[Aq., Sm., Quint. Ho. 9. 11.]
[Th. Jb. 39. 1: Ho. 9. 11.]

τόκος. (1) לֶדֶה (2) נֶשִׁי (3) נֶשֶׁךְ (4) תּוֹךְ
Ex. 22. 25 (24). οὐκ ἐπιθήσεις αὐτῷ τόκον (3)
Le. 25. 36. οὐ λήψῃ παρ' αὐτοῦ τόκον [A τὸ κακόν] (3)
— 37. τὸ ἀργ. σου οὐ δώσεις αὐτῷ ἐπὶ τόκῳ (3)
De. 23. 19 (20). οὐκ ἐκτοκιεῖς τῷ ἀδ. σου τόκον ἀργυρίου καὶ τόκον βρωμάτων καὶ τόκον παντὸς πράγματος (3 ter)
IV Ki. 4. 7. ἀποτίσεις τοὺς τ. σου (2)
Ps. 14 (15). 5. τὸ ἀργύριον αὐτοῦ οὐκ ἔδωκεν ἐπὶ τόκῳ (3)
54 (55). 11. A S² R οὐκ ἐξέλιπεν ἐκ τῶν πλατειῶν αὐτῆς τόκος [B S¹ κόπος] (4)
71 (72). 14. ἐκ τόκου καὶ ἐξ ἀδικίας λυτρώσεται τὰς ψυχὰς αὐτῶν (4)
Pr. 28. 8. ὁ πληθύνων τὸν πλοῦτον αὐτοῦ μετὰ τόκων (3)
Ho. 9. 11. αἱ δόξαι αὐ. ἐκ τόκων (1)
Je. 9. 6 (5). τ. ἐπὶ τόκῳ (†, 4)
Ez. 18. 8. τὸ ἀργύριον αὐτοῦ ἐπὶ τόκῳ οὐ δώσει (3)
— 13. μετὰ τόκου ἔδωκε (3)
— 17. τόκον οὐδὲ πλεονασμὸν οὐκ ἔλαβε (3)
22. 12. τόκον καὶ πλεονασμὸν ἐλαμβάνοσαν (3)
IV Ma. 2. 8. τοῖς δεομένοις δανείζων χωρὶς τόκων

τολμᾶν. (1) לָקַח (2) מָלֵא לֵב
Ju. 14. 13. ἐτόλμησαν οἱ δοῦλοι καταβαίνειν
Es. 1. 18. τολμήσουσιν [A -ωσιν] ὁμοίως ἀτιμάσαι τοὺς ἄνδρας αὐ. †
7. 5. ὅστις ἐτόλμησε ποιῆσαι τὸ πρᾶγμα τοῦτο (2)
Jb. 15. 12. τί ἐτόλμησεν ἡ καρδία σου (1)
II Ma. 4. 2. ἐπίβουλον τῶν πραγμάτων ἐτόλμα λέγειν
III Ma. 3. 21. R μύρια πράγματα τολμήσαντες [A om.] ἐξαλλοιῶσαι
IV Ma. 8. 18. τί . . . θανατηφόρον ἀπείθειαν τολμῶμεν
[Aq. Ec. 8. 11.]
[Sm. Jb. 39. 35 (40. 5): Pr. 7. 13.]

τόλμη (-α?).
Ju. 16. 10. ἔφριξαν Πέρσαι τὴν τόλμαν [A -ην] αὐ.
Jb. 21. 27. τόλμῃ ἐπίκεισθέ μοι †
39. 20. δόξαν δὲ [A καὶ δόξῃ] στήθεων αὐτοῦ τόλμῃ [A -ην] †
II Ma. 8. 18. ὅπλοις πεποίθασιν ἅμα καὶ τόλμαις
III Ma. 6. 34. καὶ πυρόπνουν τόλμαν ἀκμαίως ἐσβεσμένοι

τολμηρός.
Si. 8. 15. μετὰ τολμηροῦ μὴ πορεύου ἐν ὁδῷ
19. 2. ὁ κολλώμενος πόρναις τολμηρότερος [S -ρὸς] ἔσται
— 3. ψυχὴ τολμηρὰ [S¹ -ᾶς] ἐξαρθήσεται

τολύπη. (1) פַּקִּיעָה
IV Ki. 4. 39. συνέλεξεν ἀπ' αὐτῆς τ. ἀγρίαν (1)

τομή. (1) זְמִיר
Jb. 15. 32 (31). ἡ τ. αὐτοῦ πρὸ ὥρας φθαρήσεται †
Ca. 2. 12. καιρὸς τῆς τ. ἔφθακε (1)
[Aq. Da. 9. 27.]
[Sm. Ps. 135 (136). 13: Da. 9. 27.]

τομίς. (1) מִתְקְלָעוֹת
Pr. 24. 37 (30. 14). καὶ τὰς μύλας τομίδας [A S στομίδας] (1)

τόμος. (1) גְּלִיוֹן
I Es. 6. 23. A εὑρέθη . . . τόμος εἷς [B al.]
Is. 8. 1. λάβε σεαυτῷ τόμον [A add. χάρτου] καινοῦ (1)
[Sm. Je. 36 (43). 2, 4.]

τονθρυστής.
[Aq. Pr. 16. 28: 26. 20, 22.]

τόνος.
IV Ma. 7. 13. S R λελυμένων μὲν ἤδη τῶν τοῦ σώματος τ. [A πόνων]

τοξεύειν. (1) יָרָה (2) יָרָה a. qal. b. hi.
II Ki. 11. 20. B¹ τοξεύσουσιν [A -εύουσιν, B² πληγήσεσθε] ἀπάνωθεν τοῦ τείχους (2 b)
— 24. ἐτόξευσαν οἱ τοξεύοντες πρὸς τοὺς παῖδάς σου (2 b, 2 b)
IV Ki. 13. 17. R τόξευσον καὶ ἐτόξευσε [A al.] (2 a, 2 b)
19. 32. οὐ τοξεύσει ἐκεῖ βέλος (2 b)
II Ch. 35. 23. ἐτόξευσαν οἱ τοξόται ἐπὶ βασιλέα Ἰ. (2 b)
Je. 27 (50). 14. τοξεύσατε ἐπ' αὐτήν (1)
[Sm. Is. 37. 33.]
[Th. Ex. 19. 13: Is. 37. 33.]

τόξευμα. (1) חֵץ (2) קֶשֶׁת
Ge. 49. 23. ἐνεῖχον αὐτῷ κύριοι τοξευμάτων (1)
IV Ki. 9. 16. ἐθεραπεύετο ἐν τῷ Ἰ. ἀπὸ τῶν τ. –
Pr. 7. 23. ὡς ἔλαφος τοξεύματι πεπληγὼς εἰς τὸ ἧπαρ (1)
25. 18. ῥόπαλον καὶ μάχαιρα καὶ τόξευμα ἀκιδωτόν [A S² ἀκηλιδ.] (1)
Is. 7. 24. μετὰ βέλους καὶ τοξεύματος εἰσελεύσονται (2)
13. 18. τοξεύματα νεανίσκων συντρίψουσι (2)
21. 15. διὰ τὸ πλῆθος τῶν τ. τῶν διατεταμένων (2)
— 17. τὸ κατάλοιπον [S λ.] τῶν τ. τῶν ἰσχυρῶν υἱῶν Κηδὰρ ἔσται ὀλίγον (2)
Je. 27 (50). 14. μὴ φείσησθε ἐπὶ τοῖς τ. ὑμῶν (1)
28 (51). 11. παρασκευάζετε τὰ τ. (1)
Ez. 39. 3. ἀπολῶ . . . τὰ τ. σου ἀπὸ τῆς χειρὸς σου τῆς δεξιᾶς (1)
— 9. καύσουσιν ἐν τοῖς . . . τόξοις καὶ τοξεύμασι (1)
II Ma. 10. 30. τοξεύματα καὶ κεραυνοὺς ἐξερρίπτουν
[Sm. Ps. 59 (60). 6.]
[Sam. Ge. 49. 24.]

τοξικόν. (1) אֶשְׁנָב
Jd. 5. 28. παρέκυψε μήτηρ Σ. ἐκτὸς τοῦ τ. [A al.] (1?)
[Sm. Ez. 40. 16.]

τόξον. (1) אַשְׁפָּה (2) חֵץ (3) קֶשֶׁת
Ge. 9. 13. τὸ τ. μου τίθημι ἐν τῇ νεφέλῃ (3)
— 14. ὀφθήσεται τὸ τ. μου ἐν τῇ νεφέλῃ (3)
— 16. ἔσται τὸ τ. μου ἐν τῇ νεφέλῃ (3)
21. 16. ὡσεὶ τόξου βολήν (3)
27. 3. λάβε τὸ σκεῦος τήν τε φαρέτραν καὶ τὸ τ. (3)
48. 22. ἣν ἔλαβον . . . ἐν μαχαίρᾳ μου καὶ τόξῳ (3)
49. 24. συνετρίβη μετὰ κράτους τὰ τ. αὐ. (3)
Jo. 24. 12. οὐκ ἐν τῇ ῥομφαίᾳ σου οὐδὲ ἐν τῷ τ. σου (3)
I Ki. 2. 4. τόξον δυνατῶν ἠσθένησε (3)

I Ki. 18. 4. A καὶ ἕως τοῦ τ. αὐ. (3)
II Ki. 1. 18. A τοῦ διδάξαι τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. τόξον [B al.] (3)
— 22. τόξον [A¹ -ων] Ἰων. οὐκ ἀπεστράφη κενόν (3)
22. 35. κατάξας τ. χαλκοῦν ἐν βραχίονί μου (3)
III Ki. 22. 34. ἐπέτεινεν εἰς τὸ [A om.] τ. (3)
IV Ki. 6. 22. οὓς ᾐχμαλώτευσας ἐν . . . τόξῳ σου (3)
9. 24. ἔπλησεν Ἰ. τὴν χεῖρα αὐ. ἐν τῷ τ. (3)
13. 15. λάβε τόξον καὶ βέλη (3)
— 15. ἔλαβε πρὸς αὐτὸν τόξον καὶ βέλη (3)
— 16. ἐπιβίβασον τὴν χεῖρά σου ἐπὶ τὸ [A om.] τ. (3)
— 16. A ἐπεβίβασεν Ἰ. τὴν χεῖρα αὐ. ἐπὶ τὸ τ. [B om. ἐ. τὸ τ.] –
— 18. λάβε τόξα (2)
I Ch. 5. 18. ἄνδρες . . . τείνοντες τόξον (3)
8. 40. ἦσαν υἱοὶ Αἰ. . . . τείνοντες τόξον (3)
10. 3. εὗρον αὐτοὺς οἱ τοξόται ἐν τόξοις [A S τοῖς τ.] (3)
— 3. καὶ ἐπόνεσαν ἀπὸ τῶν τ. †
12. 2. καὶ τόξῳ [S ἐν τ.] ἐκ δεξιῶν (3)
— 2. καὶ σφενδονῆται ἐν λίθοις καὶ τόξοις (2+3)
II Ch. 18. 33. ἀνὴρ ἔτεινε τόξον εὐστόχως (3)
26. 14. καὶ τόξα καὶ σφενδόνας εἰς λίθους (3)
Ne. 4. 13 (7). λόγχας αὐ. καὶ τόξα [S² τὰ τ.] αὐ. (3)
— 16 (10). καὶ τὰ τ. καὶ οἱ θώρακες (3)
Ju. 9. 7. ἤλπισαν . . . ἐν . . . τόξῳ
Jb. 20. 24. τρώσαι αὐτὸν τόξον χάλκειον (3)
29. 20. τὸ τ. μου ἐν χειρὶ αὐτοῦ πορεύεται (3)
36. 30. A ἐκτενεῖ ἐπ' αὐτὴν τὸ τ. [B S¹ ἡ ᾠδή, S² R ἠδῶ] †
39. 23. ἐπ' αὐτῷ γαυριᾷ τόξον (1)
41. 19 (20). οὐ μὴ τρώσῃ αὐτὸν τόξον χάλκεον [A om. τ. χ.] (3)
Ps. 7. 12. τὸ τ. αὐτοῦ ἐνέτεινε (3)
10 (11). 3. οἱ ἁμαρτωλοὶ ἐνέτειναν τόξον (3)
17 (18). 34. ἔθου τόξον χαλκοῦν τοὺς βραχίονάς μου (3)
36 (37). 14. ἐνέτειναν τόξον αὐτῶν (3)
— 15. τὰ τ. αὐτῶν συντριβείη [B S¹ -ησαν] (3)
43 (44). 6. οὐ γὰρ ἐπὶ τῷ τ. μου ἐλπιῶ (3)
45 (46). 9. τόξον συντρίψει (3)
57 (58). 7. ἐντενεῖ τὸ τ. αὐτοῦ (2)
59 (60). 4. τοῦ φυγεῖν ἀπὸ προσώπου τόξου †
63 (64). 3. ἐνέτειναν τόξον πρᾶγμα πικρόν (2)
75 (76). 3. ἐκεῖ συνέτριψε τὰ κράτη τῶν τ. (3)
77 (78). 9. B² S R υἱοὶ Ἐφραὶμ ἐντείνοντες καὶ βάλλοντες τόξοις [B¹ R -ον] (3)
— 57. μετεστράφησαν εἰς τόξον στρεβλόν (3)
Wi. 5. 21. ὡς ἀπὸ εὐκύκλου τ. τῶν νεφῶν
Si. 43. 11. ἴδε τόξον
50. 7. AR ὡς τόξον φωτίζον [BS -ων] ἐν νεφέλαις δόξης
Ho. 1. 5. συντρίψω τὸ τ. τοῦ Ἰσρ. (3)
— 7. οὐ σώσω αὐτοὺς ἐν τόξῳ (3)
2. 18 (20). τόξον . . . συντρίψω ἀπὸ τῆς γῆς (3)
7. 16. ἐγένοντο ὡς τ. ἐντεταμένον (3)
Hb. 3. 9. ἐνέτεινας τόξον [A S² τὸ τ.] σου (3)
Za. 9. 10. S¹ ἐξολεθρευθήσεται τόξον [A B S² -θρεύσει ἅρματα] ἐξ Ἐφρ. †
— 10. ἐξολεθρεύσεται τ. πολεμικόν (3)
— 13. ἐνέτεινά σε, Ἰούδα, ἐμαυτῷ τόξον [A εἰς τ.] (3)
10. 4. καὶ ἀπ' αὐτοῦ τόξον [A τὸ τ.] ἐν θυμῷ (3)
Is. 5. 28. τὰ τ. αὐ. ἐντεταμένα (3)
41. 2. ὡς φρύγανα ἐξωσμένα τὰ τ. αὐτῶν (3)
Je. 4. 29. ἀπὸ φωνῆς ἱππέως καὶ ἐντεταμένου τόξου (3)
6. 23. τ. καὶ ζιβύνην κρατήσουσιν (3)
9. 3 (2). ἐνέτειναν τὴν γλῶσσαν αὐτῶν ὡς τ. [A -ος] (3)
25. 14 (49. 35). συνετρίβη τὸ [S om.] τ. Αἰλάμ (3)
26 (46). 9. ἐντείνατε τ. (3)
27 (50). 14. πάντες τείνοντες τόξον (3)
— 29. παντὶ ἐντείνοντι τόξον (3)
— 42. τ. καὶ ἐγχειρίδιον ἔχοντες (3)
28 (51). 3. τεινέτω ὁ τείνων τὸ τ. αὐτοῦ (3)
— 56. ἐπτόηται τὸ τ. αὐ. (3)
La. 2. 4. ἐνέτεινε τ. αὐτοῦ ὡς ἐχθρός (3)
3. 12. ἐνέτεινε τ. αὐτοῦ (3)
Ez. 1. 28. A²B τὸ φέγγος αὐτοῦ κύκλῳ ὡς ὅρασις τόξου (3)
Ez. 39. 3. ἀπολῶ τὸ τ. σου ἀπὸ [A ἐκ] τῆς χειρός σου (3)
— 9. καύσουσιν ἐν τοῖς . . . τ. καὶ τοξεύμασι (3)
[Aq. II Ki. 1. 18: Is. 7. 24: Je. 50 (27). 42: 51 (28). 56.]
[Sm. II Ki. 1. 18: Ps. 57 (58). 8: 63 (64). 4: Je. 50 (27). 42.]
[Th. I Ki. 31. 3: II Ki. 1. 18: Ps. 56 (57). 5.]
[Al. Hb. 3. 9.]

τοξότης. (1) יָרֶה *a.* qal. *b.* hi. (2) *a.* רֹבֶה קֶשֶׁת *b.* בַּעֲלֵי קֶשֶׁת *c.* דֹּרְכֵי קֶשֶׁת *d.* נֹשְׁקֵי קֶשֶׁת *e.* תֹּפְשֵׂי הַקֶּשֶׁת

Ge. 21. 20. ἐγένετο δὲ τοξότης (2 *a*)
I Ki. 31. 3. εὑρίσκουσιν αὐτὸν οἱ ἀκοντισταὶ ἄνδρες τ. (2 *b*)
I Ch. 10. 3. εὗρον αὐτοὺς οἱ τ. (1 *b*)
II Ch. 14. 8 (7). ἐν γῇ Βεν. . . . τοξόται (2 *c*)
17. 17. καὶ μετ' αὐτοῦ τοξόται (2 *d*)
22. 5. ἐπάταξαν οἱ τ. τὸν Ἰ. †
35. 23. ἐτόξευσαν οἱ τ. ἐπὶ βασιλέα Ἰωσ. (1 *a*)
Ju. 2. 15. ἠρίθμησεν . . . ἱππεῖς τ. μυρίους δισχιλίους
Am. 2. 15. A²B ὁ τ. οὐ μὴ ὑποστῇ (2 *e*)
I Ma. 9. 11. οἱ τ. προεπορεύοντο τῆς δυνάμεως
[Sm. Je. 41. 20.]
[Th. I Ki. 31. 3.]

τοπάζιον. (1) פָּז (2) פִּטְדָה

Ex. 28. 17. σάρδιον τοπάζιον καὶ σμάραγδος (2)
36. 17 (39. 10). σάρδιον καὶ τοπάζιον καὶ σμάραγδος (2)
Jb. 28. 19. οὐκ ἰσωθήσεται αὐτῇ τοπάζιον Αἰθ. (2)
Ps. 118 (119). 127. ἠγάπησα τὰς ἐντολάς σου ὑπὲρ τὸ χρυσίον καὶ τοπάζιον (1)
Ez. 28. 13. ἐνδέδεσαι σάρδιον καὶ τ. (2)

τοπάρχης. (1) אֲחַשְׁדַּרְפְּנִים (2) סָגָן (3) פֶּחָה (4) פָּקִיד

Ge. 41. 34. καταστησάτω τοπάρχας ἐπὶ τῆς γῆς (4)
IV Ki. 18. 24. πῶς ἀποστρέψεις τὸ πρόσωπον τ. ἑνός (3)
I Es. 3. 2. πᾶσι τοῖς σατράπαις καὶ στρατηγοῖς καὶ τ.
— 14. ἐκάλεσε πάντας τοὺς . . . τ.
4. 47. πρὸς πάντας τοὺς οἰκονόμους καὶ τ.
— 48. καὶ πᾶσι τοῖς τ. ἐν κοίλῃ Συρίᾳ
— 49. πάντα δυνατὸν . . . καὶ τ. . . . μὴ ἐπελεύσεσθαι
Es. 3. 13. τοῖς . . . τ. ὑποτεταγμένοις τάδε γράφει
Is. 36. 9. ἀποστρέψαι εἰς πρόσωπον τῶν τ. [A S³ τοπάρχου ἑνός] (3)
Da. LXX. 3. 2. ἐπισυναγαγεῖν . . . τοπάρχας καὶ ὑπάτους (3)
— 3. τότε συνήχθησαν . . . τοπάρχαι (3)
— 27 (94). καὶ συνήχθησαν . . . τοπάρχαι (2)
Da. TH. 3. 2. ἀπέστειλε συναγαγεῖν . . . τοὺς τ. (3)
— 3. καὶ συνήχθησαν οἱ τ. (1)
— 3. A καὶ συνήχθησαν οἱ τ. –
— 27 (94). συνάγονται . . . οἱ τ. (3)
6. 7 (8). συνεβουλεύσαντο πάντες . . . τοπάρχαι (3)
[Th. Da. 3. 2.]

τοπαρχία.

I Ma. 11. 28. καὶ τὰς τρεῖς τ. [S¹ al.]
[Al. II Ch. 13. 19.]

τόπος. (1) אֲתַר (2) בַּיִת (3) יָד (4) כֵּן (5) כַּר (6) מָכוֹן (7) מָעוֹן (8) מָקוֹם (9) נָאָה (10) נָוֶה (11) נַחֲלָה (12) *a.* סָדָר *b.* סוֹד (13) עֹמֶד (14) אֶל (τοῦ) τ. תַּחַת (15) ὁ τ. τοῦ θρόνου מַלְכוּ (16) τ. ὅθεν γίνεται מוֹצָא (17) ἔρημος τ. מִדְבָּר (18) ποιεῖν τόπον נָגַשׁ

Ge. 12. 6. διώδευσεν . . . ἕως τοῦ τ. Σ. (8)
13. 3. ἐπορεύθη . . . ἕως τοῦ τ. (8)
— 4. εἰς τὸν τ. τοῦ θυσιαστηρίου (8)
— 14. ἴδε ἀπὸ τοῦ τ. οὗ νῦν σὺ εἶ (8)
18. 24. οὐκ ἀνήσεις τὸν τ. (8)
— 26. ἀφήσω πάντα τὸν τ. δι' αὐτούς (8)
— 33. Ἀβ. ἀπέστρεψεν εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
19. 12. ἐξάγαγε ἐκ τοῦ τ. τούτου (8)
— 13. ἀπόλλυμεν ἡμεῖς τὸν τ. τοῦτον (8)
Ge. 19. 14. ἐξέλθατε ἐκ τοῦ τ. τούτου (8)
— 27. ὤρθρισε δὲ Ἀβ. τὸ πρωὶ εἰς τὸν τ. (8)
20. 11. οὐκ ἔστι θεοσέβεια ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
— 13. εἰς πάντα τ. οὗ ἐὰν εἰσέλθωμεν ἐκεῖ (8)
21. 17. ἐκ τοῦ τ. οὗ ἦν –
— 17. ἐκ τοῦ τ. οὗ ἐστίν –
— 31. ἐπωνόμασε τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκείνου (8)
22. 3. ἦλθεν ἐπὶ τὸν τ. (8)
— 4. ἴδε τὸν τ. μακρόθεν (8)
— 9. ἦλθον ἐπὶ τὸν τ. (8)
— 14. ἐκάλεσεν Ἀβ. τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκείνου (8)
24. 23. εἰ ἔστι . . . τόπος ἡμῖν καταλῦσαι (8)
— 25. καὶ τόπος τοῦ καταλῦσαι (8)
— 31. ἡτοίμασα . . . τόπον ταῖς καμήλοις (8)
26. 7. ἐπηρώτησαν δὲ οἱ ἄνδρες τοῦ τ. (8)
— 7. μή ποτε ἀποκτείνωσιν αὐτὸν οἱ ἄνδρες τοῦ τ. (8)
28. 11. ἀπήντησε τόπῳ (8)
— 11. ἔλαβεν ἀπὸ τῶν λίθων τοῦ τ. (8)
— 11. ἐκοιμήθη ἐν τῷ τ. ἐκείνῳ (8)
— 16. ἔστι κύριος ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
— 17. ὡς φοβερὸς ὁ τ. οὗτος (8)
— 19. ἐκάλεσεν Ἰ. τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκείνου (8)
29. 3. ἀπεκαθίστων τὸν λίθον . . . εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
— 22. συνήγαγε δὲ Λ. πάντας τοὺς ἄνδρας τοῦ τ. (8)
— 26. οὐκ ἔστιν οὕτως ἐν τῷ τ. ἡμῶν (8)
30. 25. ἵνα ἀπέλθω εἰς τὸν τ. μου (8)
31. 13. ὁ ὀφθείς σοι ἐν τῷ τ. †
— 55 (32. 1). ἀπῆλθεν εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
32. 2 (3). ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκείνου (8)
— 30 (31). ἐκάλεσεν Ἰ. τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκείνου (8)
33. 17. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκείνου (8)
35. 1. ἀνάβηθι εἰς τὸν τ. B. –
— 7. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τ. B. (8)
— 13. ἀνέβη δὲ ὁ θ. ἀπ' αὐτοῦ ἐκ τοῦ τ. (8)
— 14. ἐν τῷ τ. ᾧ ἐλάλησε μετ' αὐτοῦ (8)
— 15. ἐκάλεσεν Ἰ. τὸ ὄνομα τοῦ τ. (8)
36. 40. ἐν ταῖς φυλαῖς αὐ. κατὰ τόπον αὐτῶν (8)
38. 21. ἐπηρώτησε δὲ τοὺς ἄνδρας τοὺς ἐπὶ τοῦ τ. (8)
— 22. οἱ ἄνθρωποι οἱ ἐκ τοῦ τ. λέγουσι (8)
39. 20. εἰς τὸν τ. ἐν ᾧ οἱ δεσμῶται τοῦ βασ. κατέχονται (8)
40. 3. εἰς τὸν τ. οὗ Ἰ. ἀπῆκτο ἐκεῖ (8)
50. 11. A ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκείνου [B al.] †
Ex. 3. 5. ὁ γὰρ τ. ἐν ᾧ σὺ ἕστηκας (8)
— 8. εἰς τὸν τ. τῶν Χαναναίων (8)
15. 23. ἐπωνόμασε τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκείνου †
16. 29. μηδεὶς ἐκπορευέσθω ἐκ τοῦ τ. [A οἴκου] αὐ. (8)
17. 7. ἐπωνόμασε τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκείνου (8)
— 15. A ἐπωνόμασε τὸ ὄνομα τοῦ τ. [B ὄν. αὐ.] †
18. 23. εἰς τὸν ἑαυτοῦ τ. μετ' εἰρήνης ἥξει (8)
20. 24. ἐν παντὶ τ. οὗ ἐὰν ἐπονομάσω (8)
21. 13. δώσω σοι τόπον (8)
24. 10. εἶδον τὸν τ. οὗ εἱστήκει ὁ θ. τοῦ Ἰσρ. –
— 11. ὤφθησαν ἐν τῷ τ. τοῦ θεοῦ –
29. 31. ἑψήσεις τὰ κρέα ἐν τ. ἁγίῳ (8)
32. 34. εἰς τὸν τ. ὃν εἶπά σοι –
33. 21. ἰδοὺ τόπος παρ' ἐμοί (8)
Le. 1. 16. ἐκβαλεῖ αὐτὸ . . . εἰς τὸν τ. τῆς σποδοῦ (8)
4. 12. ἐξοίσουσιν . . . εἰς τ. καθαρόν (8)
— 24. σφάξουσιν αὐτὸ ἐν τόπῳ (8)
— 29, 33. ἐν τόπῳ οὗ σφάζουσι τὰ ὁλοκαυτώματα (8)
6. 11 (4). ἐξοίσει τὴν κατακάρπωσιν . . . εἰς τ. καθαρόν (8)
— 16 (9). ἄζυμα βρωθήσεται ἐν τ. ἁγίῳ (8)
— 25 (18). ἐν τόπῳ οὗ σφάζουσι τὸ ὁλοκαύτωμα (8)
— 26 (19). ἐν τ. ἁγίῳ βρωθήσεται (8)
— 27 (20). πλυθήσεται ἐν τ. ἁγίῳ (8)
— 30 (23). A ἐξιλάσασθαι ἐν τ. [B ἐν τῷ] ἁγίῳ –
— 32 (7. 2). ἐν τόπῳ οὗ σφάζουσι τὸ ὁλοκαύτωμα (8)
— 36 (7. 6). ἐν τ. ἁγίῳ ἔδονται αὐτά (8)
8. 31. ἑψήσατε τὰ κρέα . . . ἐν τ. ἁγίῳ –
10. 13. φάγεσθε αὐτὴν ἐν τ. ἁγίῳ (8)
— 14. τὸ στηθύνιον . . . φάγεσθε ἐν τ. ἁγίῳ (8)
— 17. διὰ τί οὐκ ἐφάγετε τὸ περὶ τῆς ἁμαρτίας ἐν τ. ἁγίῳ (8)
— 18. φάγεσθε αὐτὸ ἐν τ. ἁγίῳ –
13. 19. καὶ γένηται ἐν τῷ τ. τοῦ ἕλκους οὐλὴ λευκή (8)
14. 13. ἐν τόπῳ οὗ σφάζουσι τὰ ὁλοκαυτώματα . . . ἐν τ. ἁγίῳ (8, 8)

Le. 14. 17. ἐπὶ τὸν τ. τοῦ αἵματος τοῦ τῆς πλημμελείας –
— 28. ἐπὶ τὸν τ. τοῦ αἵματος τοῦ τῆς πλημμελείας (8)
— 40. ἐκβαλοῦσιν αὐτοὺς . . . εἰς τ. ἀκάθαρτον (8)
— 41. ἐκχεοῦσι τὸν χοῦν . . . εἰς τ. ἀκάθαρτον (8)
— 45. πάντα τὸν χοῦν ἐξοίσουσιν . . . εἰς τ. ἀκάθαρτον (8)
16. 24. λούσεται τὸ σῶμα αὐ. ὕδατι ἐν τ. ἁγίῳ (8)
24. 9. φάγονται αὐτὰ ἐν τ. ἁγίῳ (8)
Nu. 9. 17. ἐν τῷ τ. οὗ ἂν ἔστη ἡ νεφέλη (8)
10. 29. ἐξαίρομεν ἡμεῖς εἰς τὸν τ. (8)
11. 3, 34. ἐκλήθη τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκείνου (8)
13. 25 (24). τὸν τ. ἐκεῖνον ἐπωνόμασαν (8)
14. 40. ἀναβησόμεθα εἰς τὸν τ. (8)
18. 31. ἔδεσθε αὐτὸ ἐν παντὶ τ. (8)
19. 3. ἐξάξουσιν αὐτὴν . . . εἰς τ. καθαρόν –
— 9. ἀποθήσει ἔξω . . . εἰς τ. καθαρόν (8)
20. 5. B[1] παραγενέσθαι εἰς τὸν τ. [A B[2] R *add.* τὸν πον.] τ. (8)
— 5. τόπος οὗ οὐ σπείρεται (8)
21. 3. ἐπεκάλεσαν τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκ. (8)
22. 26. ὑπέστη ἐν τ. στενῷ (8)
23. 13. δεῦρο ἔτι μετ' ἐμοῦ εἰς τ. ἄλλον (8)
— 27. παραλάβω σε εἰς τ. ἄλλον (8)
24. 11. φεῦγε εἰς τὸν τ. σου (8)
— 14. ἀποτρέχω εἰς τὸν τ. μου †
— 25. ἀποστραφεὶς εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
32. 1. ἦν ὁ τ. τόπος κτήνεσι (8, 8)
— 17. ἕως ἂν ἀγάγωμεν αὐτοὺς εἰς τὸν ἑαυτῶν τ. (8)
De. 1. 31. ἕως ἤλθετε εἰς τὸν τ. τοῦτον (8)
— 33. ἐκλέγεσθαι ὑμῖν τόπον (8)
7. 24. ἀπολεῖται τὸ ὄνομα αὐ. ἐκ τοῦ τ. ἐκ. †
9. 7. ἤλθετε εἰς τὸν τ. τοῦτον (8)
11. 5. ἕως ἤλθετε εἰς τὸν τ. τοῦτον (8)
— 24. πάντα τὸν τ. οὗ ἐὰν πατήσῃ τὸ ἴχνος (8)
12. 2. ἀπολεῖτε πάντας τοὺς τ. [A π. τὰ ἔθνη] (8)
— 3. ἀπολεῖται τὸ ὄνομα αὐ. ἐκ τοῦ τ. ἐκ. (8)
— 5. εἰς τὸν τ. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (8)
— 11. ὁ τ. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (8)
— 13. μὴ ἀνενέγκῃς τὰ ὁλοκαυτώματά σου ἐν παντὶ τ. (8)
— 14. εἰς τὸν τ. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (8)
— 18. φάγῃ αὐτὸ ἐν τῷ τ. (8)
— 21. ἐὰν δὲ μακρὰν ἀπέχῃ σου ὁ τ. (8)
— 26. ἥξεις εἰς τὸν τ. (8)
14. 23. καὶ φάγῃ αὐτὸ ἐν τῷ [A *om.*] τ. (8)
— 24. ὅτι μακρὰν ἀπὸ σοῦ ὁ τ. (8)
— 25. πορεύσῃ εἰς τὸν τ. (8)
15. 20 : 16. 2. ἐν τῷ τ. ᾧ ἐὰν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (8)
16. 6. εἰς τὸν τ. ὃν ἐὰν ἐκλέξηται κ. ὁ θ. σου (8)
— 7. καὶ φάγῃ ἐν τῷ τ. (8)
— 11, 15. ἐν τῷ τ. ᾧ ἐὰν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (8)
— 16. ἐν τῷ τ. ᾧ ἐὰν ἐκλέξηται αὐτὸν κύριος (8)
17. 8. ἀναβήσῃ εἰς τὸν τ. (8)
— 10. ἐκ τοῦ τ. οὗ ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (8)
18. 6. εἰς τὸν τ. ὃν ἂν ἐκλέξηται (8)
21. 19. καὶ ἐπὶ τὴν πύλην τοῦ τ. [A τῆς πόλεως αὐ.] (8)
23. 12 (13). A B[2] R τόπος ἔσται σοι ἔξω τῆς παρεμβολῆς (3)
— 16 (17). A κατοικήσει ἐν παντὶ τ. [B *al.*] (8)
26. 2. πορεύσῃ εἰς τὸν τ. (8)
— 9. εἰσήγαγεν ἡμᾶς εἰς τὸν τ. τοῦτον (8)
29. 7 (6). ἤλθετε ἕως τοῦ τ. τούτου (8)
31. 11. ἐν τῷ τ. ᾧ ἂν ἐκλέξηται κύριος (8)
Jo. 1. 3. πᾶς ὁ τ. ἐφ' ὃν ἂν ἐπιβῆτε (8)
— 16. εἰς πάντα τ. . . . πορευσόμεθα –
3. 3. ἀπαρεῖτε ἀπὸ τῶν τ. ὑμῶν (8)
4. 9. ἔστησε δὲ Ἰ. καὶ ἄλλους δώδεκα λίθους . . . ἐν τῷ γενομ. τ. –
5. 3. ἐπὶ τοῦ καλουμ. τ. Βουνὸς τῶν ἀκροβυστιῶν –
— 8 (9). ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκ. Γάλγαλα (8)
— 15. ὁ γὰρ τ. ἐφ' ᾧ νῦν ἕστηκας . . . ἁγιός ἐστι (8)
8. 18. τὰ ἔνεδρα ἐξαναστήσονται . . . ἐκ τοῦ τ. αὐ. –
— 19. τὰ ἔνεδρα ἐξανέστησαν . . . ἐκ τοῦ τ. αὐ. (8)
9. 27. εἰς τὸν τ. ὃν ἂν ἐκλέξηται κύριος (8)
20. 4. A δώσουσιν αὐτῷ τόπον (8)
24. 28. ἐπορεύθησαν ἕκαστος εἰς τὸν τ. αὐ. (11)
— 33. ἀπήλθοσαν ἕκαστος εἰς τὸν τ. αὐ. –
Jd. 2. 5. ἐπωνόμασαν τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκείνου (8)
7. 7. πορεύσονται ἀνὴρ εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
Jd. 9. 55. ἐπορεύθησαν ἀνὴρ εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
11. 19. παρέλθωμεν δὴ . . . ἕως τοῦ τ. ἡμῶν (8)
15. 17. ἐκάλεσε τὸν τ. ἐκεῖνον (8)
17. 8. ἐν ᾧ ἐὰν εὕρῃ τόπῳ [A *al.*] –
— 9. ἐν ᾧ ἐὰν εὕρω τόπῳ [A *al.*] –
18. 3. τί ποιεῖς ἐν τῷ τ. τούτῳ [A π. ἐνταῦθα] –
— 10. τόπος ὅπου οὐκ ἔστιν ἐκεῖ ὑστέρημα (8)
— 12. ἐκλήθη ἐν [A *om.*] ἐκείνῳ τῷ τ. (8)
19. 13. ἐγγίσωμεν ἑνὶ τῶν τ. (8)
— 16. καὶ οἱ ἄνδρες τοῦ τ. υἱοὶ Βεν. (8)
— 21. τόπον ἐποίησε τοῖς ὄνοις [A *al.*] †
— 28. ἐπορεύθη εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
20. 22. προσέθηκαν συνάψαι παράταξιν ἐν τῷ τ. [A *al.*] (8)
— 33. πᾶς ἀνὴρ ἀνέστη ἐκ τοῦ τ. αὐ. (8)
— 33. τὸ ἔνεδρον Ἰσρ. ἐπήρχετο ἐκ τοῦ τ. αὐ. (8)
— 36. ἔδωκεν ἀνὴρ Ἰσρ. τόπον τῷ Βεν. (8)
Ru. 1. 7. ἐξῆλθεν ἐκ τοῦ τ. (8)
3. 4. γνώσῃ τὸν τ. (8)
I Ki. 2. 20. ἀπῆλθεν ὁ ἄνθρωπος εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
3. 2. Ἦ. ἐκάθευδεν ἐν τῷ τ. αὐ. (8)
— 9. ἐκοιμήθη ἐν τῷ τ. αὐ. (8)
5. 3. κατέστησαν εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
— 11. καθισάτω εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
6. 2. ἐν τίνι ἀποστελοῦμεν αὐτὴν εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
9. 22. ἔθετο αὐτοῖς ἐκεῖ τόπον ἐν πρώτοις (8)
10. 25. ἀπῆλθεν ἕκαστος εἰς τὸν τ. αὐ. (2)
12. 8. κατῴκισεν αὐτοὺς ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
14. 46. ἀπῆλθον εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
20. 19. ἥξεις εἰς τὸν τ. σου (8)
— 25. ἐπεσκέπη ὁ τ. Δ. (8)
— 27. ἐπεσκέπη ὁ τ. τοῦ Δ. (8)
— 37. ἦλθε τὸ παιδάριον ἕως τοῦ τ. τῆς σχίζης (8)
21. 2 (3). ἐν τῷ τ. τῷ λεγομ. Θεοῦ πίστις (8)
22. 23. οὗ ἐὰν ζητῶ τῇ ψυχῇ μου τόπον –
23. 22. γνῶτε τὸν τ. αὐ. (8)
— 23. A ἐκ πάντων τῶν τ. ὅπου κρύβεται †
— 28. ἐπεκλήθη ὁ τ. ἐκεῖνος (8)
24. 23. ἀπῆλθε Σ. εἰς τὸν τ. αὐ. (2)
26. 5. εἰσπορεύεται εἰς τὸν τ. (8)
— 25. B ἀπῆλθε Δ. εἰς τὸν τ. [A R τὴν ὁδὸν] αὐ. †
— 25. A R Σ. ἀνέστρεψεν εἰς τὸν τ. [B τὴν ὁδὸν] αὐ. (8)
27. 5. δότωσαν δή μοι τόπον (8)
29. 4. B ἀπόστρεψον τὸν ἄνδρα εἰς τὸν τ. αὐ. [A R *al.*] (8)
— 10. πορεύεσθε εἰς τὸν τ. –
30. 31. καὶ πάντας τοὺς τ. οὓς διῆλθε Δ. ἐκεῖ (8)
II Ki. 2. 16. ἐκλήθη τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκείνου (8)
— 23. πᾶς ὁ ἐρχόμενος ἕως τοῦ τ. (8)
5. 20. ἐκλήθη τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκείνου (8)
6. 8. ἐκλήθη ὁ τ. ἐκεῖνος Διακοπὴ Ὀ. (8)
— 17. ἀνέθηκαν αὐτὴν εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
7. 10. θήσομαι τόπον τῷ λαῷ μου (8)
11. 16. ἔθηκε τὸν Οὐρ. εἰς τὸν τ. (8)
15. 19. μετῴκηκας σὺ ἐκ τοῦ τ. σου (8)
— 20. B μεταναστήσεις τὸν τ. σου –
— 21. εἰς τὸν τ. οὗ ἐὰν ᾖ ὁ κύριός μου (8)
— 25. A καθισάτω εἰς τὸν τ. αὐ. –
17. 9. κέκρυπται . . . ἐν ἑνὶ τῶν τ. (8)
— 12. ἥξομεν πρὸς αὐτὸν εἰς ἕνα τῶν τ. (8)
19. 39 (40). ἐπέστρεψεν εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
III Ki. 4. 28 (5. 8). ἦρον [A ἤγον] εἰς τὸν τ. (8)
5. 9 (23). ἕως τοῦ τ. οὗ ἐὰν ἀποστείλῃς πρὸς μέ (8)
8. 6. εἰσφέρουσιν οἱ ἱ. τὴν κιβωτὸν εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
— 7. τὰ χερ. διαπεπετασμένα . . . ἐπὶ τὸν τ. τῆς κιβ. (8)
— 21, ἐθέμην ἐκεῖ τόπον τῇ κιβωτῷ (8)
— 29. εἰς τὸν τ. ὃν εἶπας (8)
— 29. ἧς προσεύχεται ὁ δοῦλός σου εἰς τὸν τ. τοῦτον (8)
— 30. ἃ ἂν προσεύξωνται εἰς τὸν τ. τοῦτον (8)
— 30. εἰσακούσῃ ἐν τῷ τ. τῆς κατοικήσεώς σου (8)
— 35. προσεύξονται εἰς τὸν τ. τοῦτον (8)
— 42. προσεύξονται εἰς τὸν τ. τοῦτον (2)
— 43. B[1] τὸ ὄνομά σου ἐπικέκληται ἐπὶ τὸν τ. [A B[2] R οἶκον] τ. (2)
10. 19. ἐπὶ τοῦ τ. [A θρόνου] τῆς καθέδρας (8)
13. 8. οὐδὲ μὴ πίω ὕδωρ ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
— 16. οὐδὲ πίομαι ὕδωρ ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
— 22. καὶ ἔπιες ὕδωρ ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
20 (21). 19. ἐν παντὶ τ. ᾧ ἔλειξαν αἱ ὕες (8)
21 (20). 24. ἀπόστησον τοὺς βασ. ἕκαστον εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
IV Ki. 4. 10. ποιήσωμεν δὴ αὐτῷ ὑπερῷον τ. μικρόν †
5. 11. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα αὐ. ἐπὶ τὸν τ. (8)
6. 1. ὁ τ. . . . στενὸς ἀφ' ἡμῶν (8)
— 6. ἔδειξεν αὐτῷ τὸν τ. (8)
— 8. εἰς τὸν τ. τόνδε τινὰ ἐλ. παρεμβαλῶ (8)
— 9. φύλαξαι μὴ παρελθεῖν ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
— 10. ἀπέστειλεν ὁ βασ. Ἰσρ. εἰς τὸν τ. (8)
18. 25. μὴ ἄνευ κυρίου ἀνέβημεν ἐπὶ τὸν τ. τοῦτον (8)
20. 13. A οὐκ ἦν τόπος [B λόγος] ὃν οὐκ ἔδειξεν αὐτοῖς Ἐζ. †
22. 16. ἐπάγω κακὰ ἐπὶ τὸν τ. τοῦτον (8)
— 17. ἐκκαυθήσεται ὁ θυμός μου ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
— 19. ὅσα ἐλάλησα ἐπὶ τὸν τ. τοῦτον (8)
— 20. A συναχθήσῃ εἰς τὸν τ. [B τάφον] σου †
— 20. οἷς ἐγὼ εἰμι ἐπάγω ἐπὶ τὸν τ. τοῦτον (8)
23. 14. ἔπλησε τοὺς τ. αὐ. ὀστέων ἀνθρώπων (8)
I Ch. 13. 11. ἐκάλεσε τὸν τ. ἐκεῖνον (8)
14. 11. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκείνου (8)
15. 1. ἡτοίμασε τὸν τ. τῇ κιβωτῷ τοῦ θεοῦ (8)
— 3. A[2] B S εἰς τὸν τ. [S[1] *om.* εἰς τ. τ.] ὃν ἡτοίμασεν αὐτῇ (8)
16. 27. καὶ καύχημα ἐν τόπῳ [A τῷ τ.] αὐ. (8)
17. 9. θήσομαι τόπον τῷ λαῷ μου Ἰσρ. (8)
21. 22. δός μοι τὸν τ. σου τῆς ἅλω (8)
— 25. ἔδωκε Δ. τῷ Ὀ. ἐν τῷ τ. [A περὶ τοῦ τ.] αὐ. σίκλους (8)
II Ch. 3. 1. ἐν τῷ τόπῳ ᾧ ἡτοίμασε Δ. (8)
5. 7. εἰσήνεγκαν οἱ ἱ. τὴν κιβωτὸν . . . εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
— 8. διαπεπετακότα τὰς πτέρυγας αὐ. ἐπὶ τὸν τ. τῆς κιβ. (8)
6. 20. εἰς τὸν τ. τοῦτον ὃν εἶπας (8)
— 20. ἧς ὁ παῖς σου προσεύχεται εἰς τὸν τ. τοῦτον (8)
— 21. ἃ ἂν προσεύξωνται εἰς τὸν τ. τοῦτον (8)
— 21. εἰσακούσῃ ἐν τῷ τ. τῆς κατοικήσεώς σου (8)
— 26. προσεύξονται εἰς τὸν τ. τοῦτον (8)
— 32. καὶ προσεύξωνται εἰς τὸν τ. τοῦτον (2)
— 40. εἰς τὴν δέησιν τοῦ τ. τούτου (8)
7. 12. ἐξελεξάμην ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
— 15. καὶ τὰ ὦτά μου ἐπήκοα τῆς προσευχῆς τοῦ τ. τούτου (8)
20. 26. ἐκάλεσαν τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκείνου (8)
24. 11. καὶ κατέστησαν εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
25. 10. ἀπελθεῖν εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
— 10. ἐπέστρεψαν εἰς τὸν τ. αὐ. (8)
33. 19. καὶ οἱ τ. ἐφ' οἷς ᾠκοδόμησεν (8)
34. 6. καὶ ἐν . . . τοῖς τ. αὐ. κύκλῳ †
— 24. ἐπάγω κακὰ ἐπὶ τὸν τ. τοῦτον (8)
— 25. ἐξεκαύθη ὁ θυμός μου ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
— 27. ἐν τῷ ἀκοῦσαί σε τοὺς λόγους μου ἐπὶ τὸν τ. τοῦτον (8)
— 28. οἷς ἐγὼ ἐπάγω ἐπὶ τὸν τ. τοῦτον (8)
I Es. 2. 6. ὅσοι οὖν κατὰ τοὺς [A *om.*] τ. οἰκοῦσι
— 6. βοηθείτωσαν αὐτῷ οἱ ἐν τῷ τ. αὐ.
— 16. οἰκοῦντες δὲ ἐν Σαμ. καὶ τοῖς ἄλλοις τ.
4. 34. ἀποτρέχει εἰς τὸν ἑαυτοῦ τ.
5. 44. ἐγείραι τὸν οἶκον ἐπὶ τοῦ τόπου αὐτοῦ
— 50. B κατωρθώθησαν ἐπὶ τὸ θυσιαστ. ἐπὶ τοῦ τ. αὐ. [A R *al.*]
6. 19. καὶ τὸν ναὸν τοῦ κ. οἰκοδομηθῆναι ἐπὶ τοῦ τ.
— 23. εὑρέθη . . . τόπος [A τόμος]
— 27. ἀπέχεσθαι τοῦ τ.
— 27. τὸν οἶκον τοῦ κ. ἐκ. οἰκοδομεῖν ἐπὶ τοῦ τ.
8. 45. πρὸς Δ. τὸν ἡγούμ. τὸν ἐν τῷ τ. τοῦ γαζοφυλακίου
— 46. καὶ τοῖς ἐν τῷ τ. γαζοφύλαξιν
— 46. A τοὺς ἱερατεύσαντας ἐν τόπῳ [B τῷ οἴκῳ] τοῦ κ. ἡμῶν
— 60. B ἀναζεύξαντες ἀπὸ τοῦ τ. [A R ποταμοῦ] Θ.
— 78. καταλειφθῆναι ἡμῖν ῥίζαν . . . ἐν τῷ τ. ἁγιάσματός σου
9. 13. ἑκάστου δὲ τ. τοὺς πρεσβυτέρους
II Es. 1. 4. πᾶς ὁ καταλειπόμ. ἀπὸ πάντων τῶν τ. (8)
— 4. λήψονται αὐτὸν ἄνδρες τοῦ τ. αὐ. (8)
5. 15. θὲς αὐτὰ . . . εἰς τὸν τ. αὐ. (1)
6. 3. B ἔθηκε γνώμην περὶ . . . τόπου [A R -ος] οὗ θυσιάζουσι (1)
— 5. ἐπὶ τόπου ἐτέθη [A τεθῇ] ἐν οἴκῳ τοῦ θεοῦ (1)
— 7. οἶκον . . . οἰκοδομείτωσαν ἐπὶ τοῦ τ. αὐ. (1)
8. 17. ἐξήνεγκα αὐτοὺς . . . ἐν ἀργυρίῳ τοῦ τ. (8)
— 17. λαλῆσαι . . . ἐν ἀργυρίῳ τόπου (8)
9. 8. ἐν τόπῳ ἁγιάσματος αὐ. (8)
10. 13. B καὶ ὁ τ. [A S R καιρὸς] χειμερινός †

Ne. 1. 9. εἰσάξω αὐτοὺς εἰς τὸν τ. (8)
2. 14. οὐκ ἦν τόπος τῷ κτήνει παρελθεῖν ὑποκάτω μου (8)
4. 3 (3. 35). μὴ θυσιάσουσιν . . . ἐπὶ τοῦ τ. αὐ. †
— 12 (6). ἀναβαίνουσιν ἐκ πάντων τῶν τ. (8)
— 13 (7). εἰς τὰ κατώτατα τοῦ τ. (8)
— 20 (14). ἐν τόπῳ οὗ ἐὰν ἀκούσητε τὴν φωνήν (8)
12. 27. ἐζήτησαν τοὺς Λ. ἐν τοῖς τ. αὐ. (8)
To. 3. 6. ἐπίταξον ἀπολυθῆναί με . . . εἰς τὸν αἰῶνιον τ. [S *al.*]
5. 5. εἰ ἔμπειρος εἶ τῶν τ. [S *al.*]
Ju. 3. 3. A καὶ πᾶς τ. ἡμῶν
Es. 4. 3. S^2 ἐν πάσῃ χώρᾳ καὶ τόπῳ [A B S^1 *om.* κ. τ.] (8)
— 17. πάντα τ. κόσμου ἀγαλλιάματος αὐ.
8. 13. τὸ δὲ ἀντίγραφον . . . ἐκθέντες ἐν παντὶ τ.
Jb. 2. 9. κἀγὼ πλανωμένη [A S^2 πλανῆτις] καὶ λάτρις τόπον ἐκ τόπου [A τ. περιερχομένη] –, –
7. 10. οὐδ' οὐ μὴ ἐπιγνῷ αὐτὸν ἔτι ὁ τ. αὐτοῦ (8)
8. 18. ὁ τ. ψεύσεται αὐτόν (8)
14. 18. πέτρα παλαιωθήσεται ἐκ τοῦ τ. αὐτῆς (8)
16. 19 (18). μηδὲ εἴη τόπος τῇ κραυγῇ [A τῆς κρ.] μου (8)
18. 21. οὗτος δὲ ὁ [A *om.*] τ. τῶν μὴ εἰδότων τὸν κύριον (8)
20. 9. οὐκέτι προσνοήσει αὐτὸν ὁ τ. αὐτοῦ (8)
27. 21. λικμήσει αὐτὸν ἐκ τοῦ τ. αὐτοῦ (8)
— 23. συριεῖ αὐτὸν ἐκ τοῦ τ. αὐτοῦ (8)
28. 1. ἔστι γὰρ ἀργυρίῳ τόπος ὅθεν γίνεται τόπος δὲ χρυσίου ὅθεν διηθεῖται (16, 8)
— 6. τόπος σαπφείρου οἱ λίθοι αὐτῆς (8)
— 12. ποῖος δὲ τόπος ἐστὶ τῆς ἐπιστήμης (8)
— 20. ποῖος δὲ τόπος ἐστὶ τῆς συνέσεως (8)
— 23. αὐτὸς δὲ οἶδε τὸν τ. αὐτῆς (8)
34. 22. οὐδὲ ἔσται τόπος τοῦ κρυβῆναι τοὺς ποιοῦντας τὰ ἄνομα †
37. 1. ἀπερρύη ἐκ τοῦ τ. αὐτῆς (8)
38. 19. σκότους δὲ ποῖος ὁ [A ἐστιν] τ. (8)
Ps. 22 (23). 2. εἰς τόπον χλόης ἐκεῖ με κατεσκήνωσεν (9)
23 (24). 3. τίς στήσεται ἐν τόπῳ ἁγίῳ αὐτοῦ (8)
25 (26). 8. καὶ τόπον σκηνώματος δόξης σου (8)
36 (37). 10. ζητήσεις τὸν τ. αὐτοῦ (8)
— 36. οὐχ εὑρέθη ὁ τ. αὐτοῦ –
41 (42). 4. διελεύσομαι ἐν τόπῳ σκηνῆς θαυμαστῆς (12 *a*)
43 (44). 19. ἐταπείνωσας ἡμᾶς ἐν τόπῳ κακώσεως (8)
67 (68). 5. ὁ θεὸς ἐν τόπῳ ἁγίῳ αὐτοῦ (7)
70 (71). 3. καὶ εἰς τόπον ὀχυρὸν τοῦ σῶσαί με (7)
75 (76). 2. ἐγενήθη ἐν εἰρήνῃ ὁ τ. αὐτοῦ (12 *b*)
78 (79). 7. τὸν τ. αὐτοῦ ἠρήμωσαν (10)
83 (84). 6. εἰς τόπον ὃν ἔθετο †
102 (103). 16. οὐκ ἐπιγνώσεται ἔτι τὸν τ. αὐτοῦ (8)
— 22. ἐν παντὶ τόπῳ τῆς δυναστείας [A S^2 δεσποτίας] αὐτοῦ (8)
103 (104). 8. καταβαίνουσι πεδία εἰς τόπον [S τὸν τ.] (8)
118 (119). 54. ἐν τόπῳ παροικίας μου (2)
131 (132). 5. ἕως οὗ εὕρω τόπον τῷ κυρίῳ (8)
— 7. προσκυνήσωμεν εἰς τὸν [A *om.*] τ. †
Pr. 4. 15. ἐν ᾧ ἂν τόπῳ [S^1 *om.*] στρατοπεδεύσωσι †
9. 18. μὴ χρονίσῃς ἐν τῷ τ. [S^2 τ. αὐ.] –
15. 3. ἐν παντὶ τόπῳ ὀφθαλμοὶ κυρίου (8)
19. 23. ὁ δὲ ἄφοβος αὐλισθήσεται ἐν τόποις –
25. 6. μηδὲ ἐν τόποις δυναστῶν ὑφίστασο (8)
27. 8. ὅταν ἀποξενωθῇ ἐκ τῶν ἰδίων τ. (8)
28. 12. ἐν δὲ τόποις ἀσεβῶν ἁλίσκονται ἄνθρωποι †
— 28. ἐν τόποις ἀσεβῶν στένουσι δίκαιοι †
Ec. 1. 5. εἰς τὸν τ. αὐτοῦ ἕλκει (8)
— 7. S R εἰς τὸν [A B *om.*] τ. οὗ [B *om.*] οἱ χείμαρροι πορεύονται (8)
3. 16. εἶδον ὑπὸ τὸν ἥλιον τόπον τῆς κρίσεως ἐκεῖ ὁ ἀσεβὴς καὶ τόπον τοῦ δικαίου ἐκεῖ ὁ εὐσεβής (8, 8)
— 20. τὰ πάντα εἰς [A S^2 πορεύεται εἰς] τόπον ἕνα (8)
6. 6. μὴ οὐκ εἰς τόπον ἕνα πορεύεται τὰ πάντα (8)
10. 4. τόπον σου μὴ ἀφῇς (8)
11. 3. τόπῳ οὗ πεσεῖται τὸ ξύλον ἐκεῖ ἔσται (8)
Wi. 12. 10. ἐδίδους τόπον μετανοίας
— 20. δοὺς χρόνους καὶ τόπον
19. 22. οὐχ ὑπερείδες ἐν παντὶ καιρῷ καὶ τόπῳ [S^1 τὸ πρωΐ] παριστάμενος

Si. 4. 5. μὴ δῷς τόπον ἀνθρώπῳ καταράσασθαί σε
12. 12. μὴ . . . στῇ ἐπὶ τὸν τ. [S^2 τοῦ τ.] σου
13. 22. οὐκ ἐδόθη αὐτῷ τόπος
16. 3. μὴ ἔπεχε ἐπὶ τὸν τ. [A S τὸ πλῆθος] αὐτῶν
— 14. πάσῃ ἐλεημοσύνῃ ποιήσει τόπον
19. 17. δὸς τόπον νόμῳ ὑψίστου
36. 18 (15). A S οἰκτείρησον . . . τόπον [B πόλιν] καταπαύματός σου
38. 12. ἰατρῷ δὸς τόπον
41. 19. ἀπὸ τόπου οὗ παροικεῖς περὶ κλοπῆς [S πλοκῆς]
46. 12. τὰ ὀστᾶ αὐτῶν ἀναθάλοι ἐκ τοῦ τ. αὐτῶν
49. 10. τῶν δώδεκα προφητῶν τὰ ὀστᾶ ἀναθάλοι ἐκ τοῦ τ. αὐτῶν
Ho. 1. 10 (2. 1). ἔσται ἐν τῷ τ. (8)
5. 15. ἐπιστρέψω εἰς τὸν τ. μου (8)
Am. 4. 6. δώσω . . . ἔνδειαν ἄρτων ἐν πᾶσι τοῖς τ. ὑμῶν [A *al.*] (8)
8. 3. πολὺς ὁ πεπτωκὼς ἐν παντὶ τ. (8)
Mi. 1. 3. κύριος ἐκπορεύεται ἐκ τοῦ τ. αὐ. (8)
Jl. 3 (4). 7. ἐξεγείρω αὐτοὺς ἐκ τοῦ τ. (8)
Na. 3. 17. οὐκ ἔγνω τὸν τ. αὐ. (8)
Ze. 1. 4. ἐξαρῶ ἐκ τοῦ τ. τούτου τὰ ὀνόματα τῆς B. (8)
2. 11. προσκυνήσουσιν αὐτῷ ἕκαστος ἐκ τοῦ τ. αὐ. (8)
Hg. 2. 10 (9). ἐν τῷ τ. τούτῳ δώσω εἰρήνην (8)
Za. 13. 1. ἔσται πᾶς τ. διανοιγόμενος τῷ [A ἐν τῷ] οἴκῳ Δ. (8)
14. 10. Ῥαμᾶ δὲ ἐπὶ τόπου μενεῖ (14)
— 10. ἕως τοῦ τ. [A *om.* τοῦ τ.] τῆς πύλης τῆς πρώτης (8)
Ma. 1. 11. ἐν παντὶ τ. θυμίαμα προσάγεται (8)
Is. 4. 5. ἔσται πᾶς τ. τοῦ ὄρους Σιών (6)
5. 1. ἀμπελὼν ἐγενήθη . . . ἐν τόπῳ πίονι †
7. 23. πᾶς τ. οὗ ἐὰν ὦσι χίλιαι ἄμπελοι (8)
10. 26. ἐν τόπῳ θλίψεως †
14. 2. εἰσάξουσιν εἰς τὸν τ. αὐτῶν (8)
18. 7. εἰς τὸν τ. οὗ τὸ ὄνομα κυρίου (8)
22. 23. στήσω αὐτὸν ἄρχοντα ἐν τόπῳ πιστῷ (8)
— 25. κινηθήσεται . . . ὁ ἐστηριγμένος ἐν τόπῳ [S τῷ] πιστῷ (8)
30. 23. βοσκηθήσεται . . . τόπον πίονα (5)
33. 14. τίς ἀναγγελεῖ ὑμῖν τὸν τ. τὸν αἰώνιον †
— 21. τ. ὑμῖν ἔσται (8)
45. 19. οὐδὲ ἐν τόπῳ γῆς σκοτεινῷ (8)
46. 7. ἐπὶ τοῦ τ. αὐτοῦ μένει (14 + 8)
48. 16. A S^1 οὐδὲ ἐν τόπῳ γῆς σκοτεινῷ –
49. 20. στενός μοι ὁ τ. ποίησόν μοι τόπον (8, 18)
54. 2. πλάτυνον τὸν τ. τῆς σκηνῆς σου (8)
56. 5. δώσω αὐτοῖς . . . τόπον ὀνομαστόν (3)
60. 13. δοξάσαι τὸν τ. τὸν ἅγιόν μου (8)
66. 1. ποῖος τ. τῆς καταπαύσεώς μου (8)
Je. 4. 7. ἐξῆλθεν ἐκ τοῦ τ. αὐτοῦ (8)
7. 3. κατοικιῶ [A οὐ κ.] ὑμᾶς ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
— 6. αἷμα ἀθῷον μὴ ἐκχέητε ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
— 7. κατοικιῶ ὑμᾶς ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
— 12. πορεύθητε εἰς τὸν τ. μου τὸν ἐν Σηλώ (8)
— 14. A ποιήσω τῷ τ. τούτῳ [B S τῷ οἴκῳ] (2)
— 14. ποιήσω . . . τῷ τ. ᾧ ἔδωκα [A ἐλάλησα] ὑμῖν (8)
— 20. θυμός μου χεῖται ἐπὶ τὸν τ. τοῦτον (8)
— 32. διὰ τὸ μὴ ὑπάρχειν τόπον (8)
8. 3. ἐν παντὶ τόπῳ οὗ [A ᾧ] ἐὰν ἐξώσω αὐτοὺς ἐκεῖ (8)
10. 20. οὐκ ἔστιν ἔτι τ. τῆς σκηνῆς σου τ. τῶν δέρρεών μου †, †
13. 7. ἔλαβον τὸ περίζωμα ἐκ τοῦ τ. (8)
— 24. A φρύγανα φερόμενα ὑπὸ ἀνέμου εἰς ἔρημον τόπον [B S *om.*] (17)
14. 13. εἰρήνην δώσω . . . ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
16. 2. οὐ γεννηθήσεταί σοι υἱὸς . . . ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
— 3. περὶ τῶν υἱῶν . . . τῶν γεννωμένων ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
— 9. καταλύω ἐκ τοῦ τ. τούτου . . . φωνὴν χαρᾶς (8)
19. 3. ἐπάγω ἐπὶ τὸν τ. τοῦτον κακά (8)
— 4. ἀπηλλοτρίωσαν τὸν τ. τοῦτον (8)
— 4. ἔπλησαν τὸν τ. τοῦτον αἱμάτων ἀθώων (8)
— 6. οὐ κληθήσεται τῷ [A ἐπὶ τῷ] τ. τούτῳ ἔτι [A B^1 *om.*] Διάπτωσις (8)
— 7. σφάξω τὴν βουλὴν Ἰ. . . . ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
— 12. οὕτως ποιήσω . . . τῷ τ. τούτῳ (8)
— 13. ἔσονται καθὼς ὁ τ. ὁ διαπίπτων (8)
— 14. A ἀπὸ τῆς διαπτώσεως τοῦ τ. Ταφέθ [B S *om.* τ. τ. T.] –

Je. 22. 3. αἷμα ἀθῷον μὴ ἐκχέητε ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
— 11. ὃς ἐξῆλθεν ἐκ τοῦ τ. τούτου (8)
— 12. ἐν τῷ τ. οὗ μετῴκισα αὐτόν (8)
24. 5. οὓς ἐξαπέσταλκα [A -ας] ἐκ τοῦ τ. τούτου (8)
— 9. εἰς κατάραν ἐν παντὶ τόπῳ (8)
27 (50). 16. A ἕκαστος εἰς τὸν τ. [B S λαὸν] αὐτοῦ ἀποστρέψουσι †
— 44. A ἀναβήσεται ἀπὸ τοῦ Ἰορδάνου εἰς τόπον [B S *om.*] Αἰθάμ (10)
28 (51). 62. ἐλάλησας ἐπὶ τὸν τ. τοῦτον (8)
29 (49). 8. ἠπατήθη ὁ [S *om.*] τ. αὐτῶν [S^1 *al.*] †
— 19. ὥσπερ λέων ἀναβήσεται . . . εἰς τόπον [A τὸν τ.] Αἰθάμ (10)
31 (48). 37. πᾶσαν κεφαλὴν ἐν παντὶ τόπῳ ξυρηθήσονται –
32 (25). 30. λόγον χρηματιεῖ ἐπὶ [A ἀπὸ] τοῦ τ. αὐτοῦ (10)
35 (28). 3. ἀποστρέψω εἰς τὸν τ. τοῦτον τὰ σκεύη (8)
— 6. τοῦ ἐπιστρέψαι τὰ σκεύη . . . εἰς τὸν τ. τοῦτον (8)
36 (29). 10. τοῦ τὸν λαὸν ὑμῶν ἀποστρέψαι εἰς τὸν τ. τοῦτον (8)
39 (32). 37. ἐπιστρέψω αὐτοὺς εἰς τὸν τ. τοῦτον (8)
40 (33). 10. ἔτι ἀκουσθήσεται ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
— 12. ἔτι ἔσται ἐν τῷ τ. τούτῳ τῷ ἐρήμῳ [A τ. τῷ ἠρημωμένῳ τούτῳ] (8)
43 (36). 7. A ἣν ἐλάλησεν ἐπὶ τὸν τ. [B S λαὸν] τούτον †
44 (37). 10. ἕκαστος ἐν τῷ [A *om.*] τ. αὐτοῦ †
47 (40). 2. ἐλάλησε τὰ κακὰ ταῦτα ἐπὶ τὸν τ. τοῦτον (8)
49 (42). 18. οὐ μὴ ἴδητε οὐκέτι τὸν τ. τοῦτον (8)
— 22. ἐκλείψετε ἐν τῷ τ. (8)
51. 35 (45. 5). εἰς [S *om.*] εὕρεμα ἐν παντὶ τόπῳ (8)
Ba. 2. 24. τοῦ ἐξενεχθῆναι τὰ ὀστᾶ . . . ἐκ τοῦ τ. αὐτῶν
3. 15. τίς εὗρε τὸν τ. αὐτῆς
— 24. ἐπιμήκης ὁ τ. τῆς κτήσεως αὐτοῦ
Ez. 3. 12. εὐλογημένη ἡ δόξα κυρίου ἐκ τοῦ τ. αὐτοῦ (8)
10. 11. εἰς ὃν ἂν τόπον ἐπέβλεψεν ἡ ἀρχὴ ἡ μία (8)
12. 3. αἰχμαλωτευθήσῃ ἐκ τοῦ τ. [A οἴκου] σου εἰς ἕτερον τόπον (8, 8)
17. 16. ἐν τόπῳ [A τῷ τ.] ὁ βασιλεὺς ὁ βασιλεύσας αὐτὸν . . . τελευτήσει (8)
21. 30 (35). μὴ καταλύσῃς ἐν τῷ τ. τούτῳ (8)
34. 12. ἀπελάσω [A συνάξω] αὐτὰ ἀπὸ παντὸς τόπου (8)
38. 15. ἥξεις ἐκ τοῦ τ. σου (8)
39. 11. δώσω τῷ Γὼγ τόπον ὀνομαστόν (8)
42. 13. ὁ τ. ἅγιος [A *add.* ἐστιν] (8)
43. 7. ἑώρακας . . . τὸν [B^1 *om.*] τ. τοῦ θρόνου μου καὶ τὸν τ. τοῦ ἴχνους τῶν ποδῶν μου (8, 8)
45. 4. ἔσται αὐτοῖς τ. εἰς οἴκους ἀφωρισμένους (8)
46. 19. καὶ ἰδοὺ ἐκεῖ τ. κεχωρισμένος (8)
— 20. οὗτος ὁ τ. ἐστὶν οὗ ἑψήσουσιν (8)
Da. LXX. Su. 54. ποταπῷ τοῦ παραδείσου τόπῳ ἑώρακας αὐτούς
— 58. ἐν ποίῳ τοῦ κήπου τ. κατέλαβες αὐτούς
3. (38). οὐδὲ τόπος τοῦ καρπῶσαι
4. 22. εἰς τ. ἔρημον ἀποστελοῦσί σε –
— 23. ὁ τ. τοῦ θρόνου σού σοι συντηρηθήσεται (15)
— 34. πᾶσι τοῖς κατὰ τόπον ἔθνεσι καὶ χώραις –
5. 1. ἐπῄνεσε πάντας τοὺς θεοὺς . . . ἐν τῷ τ. αὐτοῦ –
8. 11. ἐξήρθη ὁ τ. αὐτῶν (6 ?)
— 18. ἤγειρέ με ἐπὶ τοῦ τ. (13)
10. 11. στῆθι ἐπὶ τοῦ τ. σου (13)
11. 21. ἀναστήσεται ἐπὶ τὸν τ. αὐ. εὐκαταφρόνητος (4)
— 38. ἐπὶ τὸν τ. αὐ. κινήσει (4)
— 43. κρατήσει τοῦ τ. τοῦ χρυσίου καὶ τοῦ τ. τοῦ ἀργυρίου †, –
Bel 14. παρεγένοντο ἐπὶ τὸν τ.
— 22. ἦν δράκων ἐν τῷ αὐτῷ τ.
Da. TH. 2. 35. καὶ τόπος οὐχ εὑρέθη αὐτοῖς (1)
— 38. ἐν παντὶ τ. ὅπου κατοικοῦσιν οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρ. –
3. (38). οὐ τόπος τοῦ καρπῶσαι ἐναντίον σου
11. 38. θεὸν μαωζεὶν ἐπὶ τόπου αὐ. δοξάσει (4)
Bel 23. A ἦν δράκων μέγας ἐν τῷ τ. [B *om.* ἐν τῷ τ.]
— 39. ἀπεκατέστησε τὸν Ἀ. . . . εἰς [A ἐπὶ] τὸν τ. αὐ.
1 Ma. 1. 8. ἐπεκράτησαν . . . ἕκαστος ἐν τῷ τ. αὐ.
— 25. ἐγένετο πένθος μέγα . . . ἐν παντὶ τ. αὐ.
3. 35. ὅραι τὸ μνημόσυνον αὐ. ἀπὸ τοῦ τ.
— 46. τόπος προσευχῆς εἰς Μ. τὸ πρότερον τῷ Ἰσρ.

I Ma. 4. 43. ἦραν τοὺς λίθους τοῦ μιασμοῦ εἰς τ. ἀκάθαρτον
— 46. ἀπέθεντο τοὺς λίθους . . . ἐν τ. ἐπιτηδείῳ
5. 49. τοῦ παρεμβαλεῖν ἕκαστον ἐν ᾧ ἐστι τ. [S¹ τρόπῳ]
6. 54. ἐσκορπίσθησαν ἕκαστος εἰς τὸν τ. αὐ.
— 57. καὶ ὁ τ. . . . ἐστιν ὀχυρός
— 62. εἶδε τὸ ὀχύρωμα τοῦ τ.
8. 4. κατεκράτησαν τοῦ τ. παντός
— 4. ὁ τ. ἦν μακρὰν ἀπέχων ἀπ' αὐτῶν σφόδρα
9. 45. οὐκ ἔστι τόπος τοῦ ἐκκλίναι
10. 13. κατέλειπεν ἕκαστος τὸν τ. αὐ.
— 40. δίδωμι . . . ἀπὸ τῶν τ. τῶν ἀνηκόντων
— 73. οὐδὲ τόπος τοῦ φυγεῖν
11. 14. ἀπεστάτουν οἱ ἀπὸ τῶν τ. ἐκείνων
— 37. τεθήτω . . . ἐν τ. [S¹ τῷ τ.] ἐπιτηδείῳ ἐπισήμῳ
— 38. S R ἀπέλυσε . . . ἕκαστον εἰς τὸν [A om. εἰς τὸν] ἴδιον τ.
— 69. ἐξανέστησαν ἐκ τῶν τ. αὐτῶν
12. 2. A R πρὸς Σπ. καὶ τ. [S εἰς τ.] ἑτέρους ἀπέστειλεν
— 4. ἔδωκαν ἐπιστολὰς αὐτοῖς πρὸς αὐτοὺς κατὰ τόπον
13. 20. εἰς πάντα τ. οὗ ἂν ἐπορεύετο
14. 48. A καὶ σῆσαι αὐτὰς . . . ἐν τ. πιστῷ [S R ἐπισήμῳ]
15. 2. A¹ ἦσαν περιέχουσαι τὸν τ. [A² S R τρόπον] τοῦτον
— 29. A R ἐκυριεύσατε τ. [S om.] πολλῶν
— 30. παράδοτε . . . τοὺς φόρους τῶν τ.
II Ma. 1. 14. παρεγένετο εἰς τὸν τ.
— 19. ὥστε πᾶσιν ἄγνωστον εἶναι τὸν τ.
— 29. καταφύτευσον τὸν λαόν σου εἰς τὸν τ. τὸν ἅγιόν σου
— 33. εἰς τὸν τ. . . . τὸ ὕδωρ ἐφάνη
2. 7. ἄγνωστος ὁ τ. ἔσται
— 8. ἵνα ὁ τ. καθαγιασθῇ μεγάλως
— 18. καὶ ἐπισυνάξει . . . εἰς τὸν ἅγιον τ.
— 18. τὸν τ. ἐκαθάρισε
3. 2. συνέβαινε καὶ αὐτοὺς τοὺς βασ. τιμᾶν τὸν τ.
— 12. τοὺς πεπιστευκότας τῇ τοῦ τ. ἁγιωσύνῃ
— 18. διὰ τὸ μὴ μέλλειν εἰς καταφρόνησιν ἔρχεσθαι τὸν τ.
— 30. τὸν παραδοξάζοντα τὸν ἑαυτοῦ τόπον
— 38. διὰ τὸ περὶ τὸν τ. ἀληθῶς εἶναί τινα θεοῦ δύναμιν
— 39. καὶ βοηθὸς ἐκείνου τοῦ τ.
4. 33. ἀποκεχωρηκὼς εἰς ἄσυλον τ.
— 36. τοῦ δὲ βασ. ἐπανελθόντος ἀπὸ τῶν κατὰ Κιλικίαν τ.
— 38. περιαγαγὼν . . . ἐπ' αὐτὸν τὸν τ.
5. 16. πρὸς αὔξησιν καὶ δόξαν τοῦ τ.
— 17. γέγονε περὶ τὸν τ. παρόρασις
— 19. οὐ διὰ τὸν τ. τὸ ἔθνος ἀλλὰ διὰ τὸ ἔθνος τὸν τ. ὁ κύριος ἐξελέξατο
— 20. αὐτὸς ὁ τ. συμμετασχὼν τοῦ ἔθνους
6. 2. καθὼς ἐτύγχανον οἱ τὸν τ. οἰκοῦντες
8. 6. τοὺς ἐπικαίρους τ. ἀπολαμβάνων
— 17. τὴν ἀνόμως εἰς τὸν ἅγιον τ. συντετελεσμένην . . . ὕβριν
— 31. πάντα συνέθηκαν εἰς τοὺς ἐπικαίρους τ.
— 35. A δραπέτου τόπον [R τρόπον] ἔρημον ἑαυτὸν ποιήσας
9. 1. ἀναλελυκὼς ἀκόσμως ἐκ τῶν περὶ τὴν Περσίδα τ.
— 17. καὶ πάντα τ. οἰκητὸν ἐπελεύσεσθαι
— 21. ἐπαναγαγὼν ἐκ τῶν κατὰ τὴν Περσίδα τ.
— 23. καθ' οὓς καιροὺς εἰς τοὺς ἄνω τ. ἐστρατοπέδευσεν
10. 7. καθαρίσαι τὸν ἑαυτοῦ τόπον
— 14. R Γ. δὲ γενόμενος στρατηγὸς τῶν τ. [A τρόπων]
— 17. ἐγκρατεῖς ἐγένοντο τῶν τ.
— 19. εἰς ἐπείγοντας τόπους ἀπολείπων Σίμωνα
— 34. τῇ ἐρυμνότητι τοῦ τ. πεποιθότες
12. 2. τῶν δὲ κατὰ τόπον στρατηγῶν Τιμ. καὶ Ἀπ.
— 18. Τιμόθεον μὲν ἐπὶ τῶν τ. οὐ κατέλαβον
— 18. ἄπρακτον τότε ἐκ τῶν τ. ἐκλελυκότα
— 18. καταλελοιπότα δὲ φρουρὰν ἔν τινι τ.
— 21. διὰ τὴν πάντων τῶν τ. στενότητα
13. 4. ὡς ἔθος ἐστὶν ἐν τῷ τ.
— 5. ἔστι δὲ ἐν τῷ τ. πύργος
— 18. κατεπείρασε διὰ μεθόδων τοὺς τ.
— 23. τὸν τ. ἐφιλανθρώπησε
14. 22. διέταξεν Ἰ. ἐνόπλους ἑτοίμους ἐν τοῖς ἐπικαίροις τ.
15. 1. τοὺς . . . ὄντας ἐν τοῖς κατὰ Σαμ. τ.
— 34. ὁ διατηρήσας τὸν ἑαυτοῦ τ. ἀμίαντον
III Ma. 1. 1. τὴν γενομ. τῶν ἐπ' αὐτοῦ κρατουμένων τ. ἀφαίρεσιν
— 1. ἐξώρμησε μέχρι τῶν κατὰ Ῥαφίαν τ.
— 2. A¹ τῶν προϋποτεταγμ. αὐτῷ τόπων [A² R ὅπλων] Πτ. τὰ κράτιστα
— 9. καὶ τῶν ἑξῆς τι τῷ τ. ποιήσας
— 9. παραγενόμενος εἰς τὸν τ.
— 23. ἱκανὴν ἐποίησαν ἐν τῷ τ. τραχύτητα
— 29. ἀντὶ τῆς τοῦ τ. βεβηλώσεως
2. 9. ἡγίασας τὸν τ. τοῦτον
— 10. καὶ ἐλθόντες εἰς τὸν τ. ἡμῶν δεηθῶμεν
— 14. καθυβρίσαι τὸν . . . ἅγιον τ.
— 16. ἡγίασας τὸν τ. τοῦτον
— 26. ὥστε δυσφημίας ἐν τοῖς τ. συνίστασθαι
3. 12. τοῖς . . . κατὰ τόπον στρατηγοῖς
— 29. πᾶς δὲ τ. . . . ἄβατος καὶ πυριφλεγὴς γίνεσθω
4. 3. τίς τὸ σύνολον οἴκτιστος τ.
— 18. τῶν δὲ καὶ κατὰ τὸν τ.
5. 44. ἐπὶ τοὺς εὐκαιροτάτους τ. τῆς πόλεως
6. 30. ἐν ᾧ τ. ἔδοξαν τὸν ὅλεθρον ἀναλαμβάνειν
— 31. τὸν εἰς . . . τάφον ἡτοιμασμένον τ. . . . κατεμερίσαντο
7. 8. R ἐν παντὶ τ. [A τρόπῳ] μηθενὸς αὐτοὺς τὸ σύνολον καταβλάπτοντος
— 12. κατὰ πάντα τὸν ὑπὸ τῆς βασ. αὐ. τ.
— 17. διὰ τὴν τοῦ τ. ἰδιότητα
— 20. κατὰ τὸν τῆς συμποσίας τ.
IV Ma. 4. 9. A ὑπερασπίσαι τοῦ [S R *add.* ἱεροῦ] καταφρονουμένου τ. [S τοῦ τ.]
— 12. τὴν τοῦ ἱεροῦ τ. μακαριότητα
5. 1. προκαθίσας . . . ἐπί τινος ὑψηλοῦ τόπου

[Aq. Ge. 1. 9 : Le. 24. 9 : Ru. 4. 10 : I Ki. 21. 2 (3) : IV Ki. 6. 8 : Jb. 38. 12 : Ps. 23 (24). 3 : 43 (44). 20 : 118 (119). 54 : Ec. 3. 20 : 8. 10 : Is. 5. 8 : 26. 21 : 28. 8 : 60. 13 : Je. 14. 13 : 17. 12 : 19. 11 : 44 (51). 29 : 45. 5 (51. 35) : Ez. 6. 13.]

[Sm. Ge. 1. 9 : Le. 24. 9 : Jd. 2. 5 : Ru. 4. 10 : I Ki. 10. 5 : 21. 2 (3) : II Ki. 7. 10 : III Ki. 14. 28 : IV Ki. 6. 8 : Jb. 36. 20 : Ps. 25 (26). 8 : 30 (31). 3 : 43 (44). 20 : 118 (119). 54 : Ec. 1. 7 : 8. 10 : 10. 4 : Is. 5. 8 : 26. 21 : 28. 8 : 33. 21 : 60. 13 : Je. 17. 12 : Ez. 41. 11.]

[Th. Ge. 1. 9 : Le. 24. 9 : I Ki. 21. 2 (3) : Jb. 27. 23 : 38. 12 : Ps. 118 (119). 54 : Is. 5. 8 : 26. 21 : 28. 8 : 60. 13 : Je. 19. 11 : 27 (34). 22 : 29 (36). 14 *bis* : 44 (51). 29 : Ez. 12. 3 *bis* (Sw.) : Da. 2. 35.]

[Al. Le. 6. 30 (23) : 13. 23, 28 : 16. 32 : II Ki. 2. 23.]

τορευτός. (1) גָּלִיל (2) מִקְשָׁה (3) סַהַר

Ex. 25. 17 (18). A B² ποιήσεις δύο χερ. χρυσᾶ τορευτά [B¹ R χρυσοτ.] (2)
— 30 (31). τορευτὴν ποιήσεις τὴν λυχνίαν (2)
— 35 (36). ὅλη τορευτὴ ἐξ ἑνὸς χρυσίου καθαροῦ (2)
III Ki. 10. 22. ναῦς ἐκ Θ. . . . λίθων τ. [A *al.*] †
Ca. 5. 14. χεῖρες αὐτοῦ τορευταὶ χρυσαῖ (1)
7. 2 (3). ὀμφαλός σου κρατὴρ τορευτός (3)
Je. 10. 5. ἀργύριον τορευτόν ἐστι (2?)

[Sm. Je. 10. 5.]

τόσος.

Si. 11. 11. τόσῳ [A πόσῳ, B² S¹ τοσούτῳ] μᾶλλον ὑστερεῖται
13. 9. τόσῳ μᾶλλον προσκαλέσεταί σε

τοσοῦτος. (1) כֵּן

Ex. 1. 12. τοσούτῳ πλείους ἐγίνοντο (1)
Nu. 15. 5. τῷ ἀμνῷ τῷ ἑνὶ ποιήσεις τοσοῦτο –
To. 2. 10. S τοσούτῳ μᾶλλον ἐξετυφλοῦντο οἱ ὀφθ. μου
Es. 8. 13. οὐ τοσοῦτον ἐκ τῶν παλαιοτέρων . . . ἱστορῶν
— 13. ἔτυχεν . . . ἐπὶ τοσοῦτον ὥστε ἀναγορεύεσθαι
Wi. 12. 20. εἰ γὰρ ἐχθροὺς παίδων σου . . . μετὰ τοσαύτης ἐτιμώρησας προσοχῆς
13. 9. εἰ γὰρ τοσοῦτον ἴσχυσαν εἰδέναι
14. 22. τὰ τοσαῦτα κακὰ εἰρήνην προσαγορεύουσιν
Si. 3. 18. ὅσῳ μέγας εἶ τοσούτῳ ταπεινοῦ σεαυτόν
11. 11. B² S¹ τοσούτῳ [B¹ S³ R τόσῳ, A πόσῳ] μᾶλλον ὑστερεῖται
I Ma. 3. 17. πολεμῆσαι πρὸς πλῆθος τοσοῦτο
II Ma. 2. 32. τοῖς προειρημένοις τοσοῦτον ἐπιζεύξαντες
4. 3. τῆς δὲ ἔχθρας ἐπὶ τοσοῦτον προβαινούσης
6. 28. τοσαῦτα δὲ εἰπών
7. 42. ἐπὶ τοσοῦτον δεδηλώσθω
II Ma. 14. 34. τοσαῦτα δὲ εἰπὼν ἀπῆλθεν
III Ma. 2. 26. ἐπὶ τοσοῦτον θράσους προῆλθεν
3. 1. ἐπὶ τοσοῦτον ἐξεχόλησεν
IV Ma. 5. 6. μετὰ τοσοῦτον ἔχων χρόνον
8. 5. τὸ πλῆθος τοσούτων ἀδελφῶν ὑπερτιμῶν
— 26. πόθεν ἡμῖν ἡ τοσαύτη ἐντέτηκε φιλονεικία
11. 20. ἐφ' ὃν . . . ἀδελφοὶ τ. κληθέντες οὐκ ἐνικήθημεν
12. 6. τοσούτων υἱῶν στερηθεῖσαν
15. 5. τοσούτῳ μᾶλλόν εἰσι φιλοτεκνώτεραι
— 11. τοσούτων ὄντων τῶν . . . ἐλκόντων τὴν μητέρα
16. 4. A R κατέσβεσε τοσαῦτα [S τὰ τοσ.] καὶ τηλικαῦτα πάθη

τότε. (1) *a.* אֲדַיִן *b.* בֵּאדַיִן (2) *a.* אָז *b.* מִאָז (3) אַחַר (4) אַף (5) בְּזֶה (6) בָּעֵת הַהִיא (7) וְ (8) כָּל־קְבֵל דְּנָה (9) *a.* כֵּן *b.* בְּכֵן (10) לְמַעַן (11) רַק

Ge. 12. 6. οἱ δὲ Χαν. τότε κατῴκουν τὴν γῆν (2 *a*)
13. 7. οἱ Φ. τότε κατῴκουν τὴν γῆν (2 *a*)
24. 41. τότε ἀθῷος ἔσῃ ἐκ τῆς ἀρᾶς μου (2 *a*)
49. 4. τότε ἐμίανας τὴν στρωμνήν (2 *a*)
Ex. 12. 44. καὶ τότε φάγεται ἀπ' αὐτοῦ (2 *a*)
— 48. καὶ τότε προσελεύσεται ποιῆσαι αὐτό (2 *a*)
15. 1. τότε ᾖσε Μ. (2 *a*)
— 15. τότε ἔσπευσαν ἡγεμόνες Ἐδώμ (2 *a*)
21. 6. καὶ τότε προσάξει αὐτόν –
33. 23. καὶ τότε ὄψῃ τὰ ὀπίσω μου –
Le. 22. 7. καὶ τότε φάγεται τῶν ἁγίων (3)
26. 34. τότε εὐδοκήσει ἡ γῆ (2 *a*)
— 35 (34). τότε σαββατεῖ ἡ γῆ (2 *a*)
— 41. τότε ἐντραπήσεται ἡ καρδία αὐ. (2 *a*)
— 41. τότε εὐδοκήσουσι τὰς ἁμαρτίας αὐ. (2 *a*)
— 43. τότε προσδέξεται ἡ γῆ τὰ σάββατα αὐ. (7)
Nu. 21. 17. τότε ᾖσεν Ἰσρ. τὸ ᾆσμα τοῦτο (2 *a*)
De. 4. 41. τότε ἀφώρισε Μ. τρεῖς πόλεις (2 *a*)
28. 13. ἔσῃ τότε ἐπάνω (11?)
— 29. ἔσῃ τότε ἀδικούμενος (4)
29. 20 (19). τότε ἐκκαυθήσεται ὀργὴ κυρίου (2 *a*)
Jo. 1. 8. τότε εὐοδωθήσῃ (2 *a*)
— 8. καὶ τότε συνήσεις (2 *a*)
6. 9 (10). καὶ τότε ἀναβοήσετε –
9. 2 (8. 30). τότε ᾠκοδόμησεν Ἰ. θυσιαστήριον (2 *a*)
10. 12. τότε ἐλάλησεν Ἰ. πρὸς κύριον (2 *a*)
— 33. τότε ἀνέβη Αἰ. (2 *a*)
20. 6. A τότε ἐπιστρέψει ὁ φονεύσας (2 *a*)
22. 1. τότε συνεκάλεσεν Ἰ. τοὺς υἱ. Ῥ. (2 *a*)
Jd. 5. 8. R τότε [B ὅτε] ἐπολέμησαν πόλεις ἀρχόντων [A *al.*] (2 *a*)
— 11. τότε κατέβη εἰς τὰς πόλεις λαὸς κυρίου (2 *a*)
— 13. τότε κατέβη κατάλημμα [A *al.*] (2 *a*)
— 19. τότε ἐπολέμησαν βασιλεῖς Χ. (2 *a*)
— 22. τότε ἐνεποδίσθησαν πτέρναι ἵππου (2 *a*)
8. 3. τότε ἀνέβη τὸ πνεῦμα αὐ. (2 *a*)
13. 21. τότε ἔγνω Μαν. (2 *a*)
I Ki. 6. 3. καὶ τότε ἰαθήσεσθε (2 *a*)
25. 34. τότε εἶπα –
II Ki. 2. 27. τότε ἐκ πρωΐθεν ἀνέβη ὁ λαός (2 *a*)
5. 24. τότε καταβήσῃ πρὸς αὐτούς (2 *a*)
— 24. τότε ἐξελεύσεται κύριος (2 *a*)
15. 34. παῖς τοῦ πατρός σου ἤμην τότε καὶ ἀρτίως (2 *b*)
19. 6 (7). τότε τὸ εὐθὲς ἦν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2 *a*)
21. 17. τότε ὤμοσαν οἱ ἄνδρες Δ. (2 *a*)
— 18. τότε ἐπάταξε Σ. . . . τὸν Σέφ (2 *a*)
23. 14. καὶ Δ. τότε ἐν τῇ περιοχῇ (2 *a*)
— 14. καὶ τὸ ὑπόστημα τῶν ἀλλοφ. τότε ἐν Β. (2 *a*)
— 15. τὸ δὲ σύστεμα τῶν ἀλλοφ. τότε ἐν Β. –
III Ki. 3. 1 (9. 24). τότε ᾠκοδόμησε τὴν ἄκραν (2 *a*)
— 16. τότε ὤφθησαν δύο γυναῖκες (2 *a*)
4. 34 (9. 16). R τότε [B ὅτε] ἀνέβη Φ. –
8. 1. τότε ἐξεκκλησίασεν . . . π. τοὺς πρεσβυτ. Ἰσρ. (2 *a*)
— 12. A τότε εἶπεν Σαλ. (2 *a*)
— 53. τότε ἐλάλησε Σαλ. –
9. 9. τότε ἀνήγαγε Σ. τὴν θυγατέρα Φ. –
— 11. τότε ἔδωκεν ὁ βασ. τῷ Χ. εἴκοσι πόλεις (2 *a*)
11. 7. τότε ᾠκοδόμησε Σ. ὑψηλὸν τῷ Χ. (2 *a*)
16. 21. τότε μερίζεται ὁ λαὸς Ἰσρ. (2 *a*)
— 28 (22. 49 [50]). B τότε εἶπεν βασιλεὺς Ἰσρ. πρὸς Ἰ. (2 *a*)
22. 50. A τότε εἶπεν Ὀχ. υἱὸς Ἀχ. (2 *a*)
IV Ki. 5. 3. τότε ἀποσυνάξει αὐτὸν ἀπὸ τῆς λέπρας αὐ. (2 *a*)

IV Ki. 8. 22. τότε ἠθέτησε Λ. (2 a)
12. 17 (18). τότε ἀνέβη Ἀζ. βασιλεὺς Συρίας (2 a)
13. 19. τότε ἂν ἐπάταξας τὴν Σ. (2 a)
14. 8. τότε ἀπέστειλεν Ἀμ. ἀγγέλους (2 a)
15. 16. τότε ἐπάταξε Μ. καὶ τὴν Θ. (2 a)
16. 5. τότε ἀνέβη Ῥ. βασιλεὺς Σ. (2 a)
I Ch. 11. 16. καὶ Δ. τότε ἐν τῇ περιοχῇ (2 a)
— 16. καὶ τὸ σύστεμα τῶν ἀλλοφύλων τότε ἐν Β. (2 a)
14. 15. τότε ἐξελεύσῃ εἰς τὸν πόλεμον (2 a)
15. 2. τότε εἶπε Δ. (2 a)
16. 7. τότε ἔταξε Δ. ἐν ἀρχῇ τοῦ αἰνεῖν τὸν κ. (2 a)
— 33. τότε εὐφρανθήσεται τὰ ξύλα (2 a)
20. 4. τότε ἐπάταξε Σ. Σ. τὸν Σ. (2 a)
22. 13. τότε εὐοδώσει (2 a)
II Ch. 5. 2. τότε ἐξεκκλησίασε Σαλ. τοὺς πρεσβυτέρους (2 a)
6. 1. A² B τότε εἶπε Σαλ. (2 a)
8. 12. τότε ἀνήνεγκε Σ. ὁλοκαυτώματα τῷ κ. (2 a)
— 17. τότε ᾤχετο Σ. εἰς Γ. (2 a)
21. 10. τότε ἀπέστη Λ. (2 a)
24. 17. τότε ἐπήκουσεν αὐτοῖς ὁ βασ. (2 a)
36. 4. B τότε ἤρξατο ἡ γῆ φορολογεῖσθαι –
I Es. 2. 25. τότε ἀντέγραψεν ὁ βασ. Ῥ.
— 30. τότε ἀναγνωσθέντων τῶν . . . γραφέντων
3. 3. A τότε [B ὁ δὲ] Δαρ. ὁ βασ. ἀνέλυσεν
— 4. τότε οἱ τρεῖς νεανίσκοι
— 8. καὶ τότε γράψαντες ἕκαστος τὸν ἑαυτοῦ λόγον
4. 33. καὶ τότε ὁ βασ. καὶ οἱ μεγιστᾶνες ἔβλεπον
— 41. πᾶς ὁ λαὸς τότε ἐφώνησε καὶ τότε εἶπον
— 42. τότε ὁ βασ. εἶπεν αὐτῷ
— 43. τότε εἶπε τῷ βασ.
— 47. τότε ἀναστὰς Δαρ. ὁ βασ.
6. 2. τότε στὰς Ζορ.
— 11. τότε ἐπυνθανόμεθα τῶν πρεσβυτέρων τούτων
— 20. τότε ὁ Σαν. παραγενόμενος
— 23. τότε ὁ βασ. Δαρ. προσέταξεν
7. 1. τότε Σ. ἔπαρχος κοίλης Συρίας
II Es. 4. 23. τότε ὁ φορολόγος . . . ἀνέγνω (1 a)
— 24. τότε ἤργησε τὸ ἔργον οἴκου τοῦ θεοῦ (1 b)
5. 2. τότε ἀνέστησαν Ζ. . . . καὶ Ἰ. (1 b)
— 4. τότε ταῦτα εἶποσαν αὐτοῖς (1 a)
— 5. καὶ τότε ἀπεστάλη τῷ φορολόγῳ (1 a)
— 9. τότε ἠρωτήσαμεν τοὺς πρεσβυτέρους ἐκ. (1 a)
— 16. τότε Σ. ἐκεῖνος ἦλθε (1 a)
— 16. ἀπὸ τότε ἕως τοῦ νῦν ᾠκοδομήθη (1 a)
6. 1. τότε Δ. ὁ βασ. ἔθηκε γνώμην (1 b)
— 13. τότε Θ. ἔπαρχος . . . οὕτως ἐπιμελῶς ἐποίησαν (1 a)
Ne. 2. 16. τοῖς Ἰουδαίοις . . . ἕως τότε οὐκ ἀπήγγειλα (9 a)
To. 1. 22. S. τότε [A B καὶ] ἠξίωσεν Ἀχ. περὶ ἐμοῦ
5. 1. S τότε [A B καὶ] ἀποκριθεὶς Τωβείας
— 3. S τότε ἀποκριθεὶς Τωβ. εἶπεν
6. 6. S καὶ τότε ἠρώτησεν τὸ παιδάριον τὸν ἄγγελον [S al.]
— 13. τότε εἶπε τὸ παιδάριον [S al.]
8. 18. S τότε εἶπεν τοῖς οἰκέταις αὐ. [A B al.]
— 21. A B καὶ τότε λαβόντα τὸ ἥμισυ [S al.]
9. 1. S τότε ἐκάλεσεν Τωβ. Ῥαφ. [A B al.]
12. 6. A S R τότε [B καὶ] καλέσας τοὺς δύο
— 14. S τότε ἀπέσταλμαι ἐπὶ σέ [A B al.]
13. 6. τότε ἐπιστρέψει πρὸς ὑμᾶς
— 13. S τότε πορεύθητι [A B al.]
Ju. 6. 6. τότε διελεύσεται ὁ σίδηρος τῆς στρατιᾶς μου
15. 3. καὶ τότε οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . . ἐξεχύθησαν
16. 11. τότε ἠλάλαξαν οἱ ταπεινοί μου
Es. 2. 13. καὶ τότε εἰσπορεύεται πρὸς τὸν βασ. (5)
4. 16. καὶ τότε εἰσελεύσομαι πρὸς τὸν βασ. (9 b)
7. 10. καὶ τότε ὁ βασ. ἐκόπασε τοῦ θυμοῦ –
9. 31. καὶ τότε στήσαντες κατὰ τῆς ὑγιείας αὐ. –
Jb. 1. 12. τότε [A καὶ] εἶπεν ὁ κ. τῷ διαβόλῳ (7)
2. 2. τότε εἶπεν ὁ διάβολος ἐνώπιον τοῦ κυρίου (7)
11. 6. τότε γνώσῃ –
13. 20. τότε ἀπὸ τοῦ προσώπου σου οὐ [S om.] κρυβήσομαι (2 a)
15. 21. A τότε [B S om.] ἥξει αὐτοῦ ἡ καταστροφή –
19. 29. τότε γνώσονται (10)
20. 7. τότε εἰς τέλος ἀπολεῖται –
28. 27. τότε εἶδεν αὐτήν (2 a)
33. 16. τότε ἀνακαλύπτει νοῦν ἀνθρώπων (2 a)
— 27. εἶτα τότε ἀπομέμψεται ἄνθρωπος –
38. 21. οἶδα ἄρα ὅτι τότε [A εἰς τοῦτο] γεγένησαι (2 a)
Ps. 2. 5. τότε λαλήσει πρὸς αὐτούς (2 a)
18 (19). 13. τότε ἄμωμος ἔσομαι (2 a)
39 (40). 7. τότε εἶπον, Ἰδοὺ ἥκω (2 a)
50 (51). 19. τότε εὐδοκήσεις θυσίαν δικαιοσύνης (2 a)
— 19. τότε ἀνοίσουσιν ἐπὶ τὸ θυσιαστήριόν σου μόσχους (2 a)
55 (56). 9. S² τότε [B S¹ om.] ἐπιστρέψουσιν οἱ ἐχθροί μου εἰς τὰ ὀπίσω (2 a)
68 (69). 4. ἃ οὐχ ἥρπασα τότε ἀπετίνυυον (2 a)
75 (76). 7. S τίς ἀντιστήσεταί σοι ἀπὸ τότε ἡ ὀργή [B ἀπὸ τῆς ὀ.] σου (2 a)
77 (78). 34. S τότε [B om.] ἐξεζήτουν αὐτόν (7)
88 (89). 19. τότε ἐλάλησας ἐν ὁράσει τοῖς υἱοῖς σου (2 a)
91 (92). 14. τότε [A S² ἔτι, S¹ om.] πληθυνθήσονται ἐν γήρει πίονι †
92 (93). 2. ἕτοιμος ὁ θρόνος σου ἀπὸ τότε (2 a)
95 (96). 12. τότε ἀγαλλιάσονται πάντα τὰ ξύλα τοῦ δρυμοῦ (2 a)
118 (119). 6. τότε οὐ μὴ ἐπαισχυνθῶ (2 a)
— 92. τότε ἂν ἀπωλόμην ἐν τῇ ταπεινώσει μου (2 a)
125 (126). 2. τότε ἐπλήσθη χαρᾶς τὸ στόμα ἡμῶν (2 a)
— 2. τότε ἐροῦσιν ἐν τοῖς ἔθνεσιν (2 a)
Pr. 2. 5. τότε συνήσεις φόβον κυρίου (2 a)
— 9. τότε συνήσεις δικαιοσύνην καὶ κρίμα (2 a)
3. 8. τότε ἴασις ἔσται τῷ σώματί σου –
23. 33. τὸ στόμα σου τότε λαλήσει σκολιά (7)
Ec. 2. 15. A S² τότε [B S¹ om.] περισσὸν ἐλάλησα ἐν καρδίᾳ μου (2 a)
8. 10. τότε εἶδον ἀσεβεῖς εἰς τάφους εἰσαχθέντας (9 b)
— 12. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἀπὸ τότε †
Wi. 5. 1. τότε στήσεται ἐν παρρησίᾳ πολλῇ ὁ δίκαιος
11. 8. δείξας διὰ τοῦ τότε δίψους
14. 15. τὸν τότε [A ποτὲ] νεκρὸν ἄνθρωπον νῦν ὡς θεὸν ἐτίμησε
16. 25. διὰ τοῦτο καὶ τότε εἰς πάντα [S om. εἰς π.] μεταλλευομένη
18. 17. τότε παραχρῆμα φαντασίαι μὲν . . . ἐξετάραξαν αὐτούς
— 20. S¹ ἤψατο δὲ καὶ δικαίων τότε [S² ποτέ, A B om.] πεῖρα θανάτου
Si. 11. 7. νόησον πρῶτον καὶ τότε ἐπιτίμα
18. 7. ὅταν συντελέσει ἄνθρωπος τότε ἄρχεται [A ἔρχ.] καὶ ὅταν παύσηται τότε ἀπορηθήσεται
24. 8. τότε ἐνετείλατό μοι ὁ κτίστης ἁπάντων
28. 2. καὶ τότε δεηθέντος σου αἱ ἁμαρτίαι σου λυθήσονται
48. 19. τότε ἐσαλεύθησαν καρδίαι
50. 16. τότε ἀνέκραγον υἱοὶ Ἀαρών
— 17. τότε πᾶς ὁ λαὸς κοινῇ κατέσπευσε
— 20. τότε καταβὰς ἐπῆρε χεῖρας αὐτοῦ
Ho. 2. 7 (9). καλῶς μοι ἦν τότε ἢ νῦν (2 a)
Hb. 1. 11. τότε μεταβαλεῖ τὸ πνεῦμα (2 a)
Ze. 3. 9. τότε μεταστρέψω ἐπὶ λαοὺς γλῶσσαν (2 a)
— 11. τότε περιελῶ ἀπὸ σοῦ τὰ φαυλίσματα (2 a)
Is. 8. 16. τότε φανεροὶ ἔσονται †
20. 2. τότε ἐλάλησε κύριος (6)
28. 25. τότε [A πρῶτον] σπείρει μικρὸν μελάνθιον (7)
30. 15. τότε σωθήσῃ –
— 23. τότε ἔσται ὁ ὑετός (7)
35. 5. τότε ἀνοιχθήσονται ὀφθαλμοὶ τυφλῶν (2 a)
— 6. τότε ἁλεῖται ὡς ἔλαφος χωλός (2 a)
41. 1. τότε κρίσιν ἀναγγειλάτωσαν –
— 7. A τότε [B S ποτὲ] μὲν ἐρεῖ –
44. 8. καὶ οὐκ ἤκουσαν τότε –
45. 21. τότε [S ποτὲ] ἀνηγγέλη ὑμῖν (2 b)
58. 8. τότε ῥαγήσεται πρῴμον τὸ φῶς σου (2 a)
— 9. τότε βοήσῃ (2 a)
— 10. τότε ἀνατελεῖ ἐν τῷ σκότει τὸ φῶς σου (7)
60. 5. τότε ὄψῃ (2 a)
65. 25. τότε λύκοι καὶ ἄρνες βοσκηθήσονται ἅμα –
Je. 11. 18. τότε εἶδον τὰ ἐπιτηδεύματα αὐ. (2 a)
19. 1. τότε εἶπε κύριος πρὸς μέ †
22. 22. τότε αἰσχυνθήσῃ (2 a)
38 (31). 13. τότε χαρήσονται παρθένοι (2 a)
Ep. Je. 41. A τὸν Βὴλ ἀξιοῦσι τότε λαλῆσαι [B al.]
Ez. 32. 14. οὕτως τότε ἡσυχάσει τὰ ὕδατα αὐ. (2 a)
39. 11. κληθήσεται τότε [? τὸ τέ, A τὸ γαὶ] τὸ πολυάνδριον τοῦ Γώγ †
Da. LXX. Su. 38. τότε συνεπάμεθα ἀλλήλοις
— 62. τότε ὁ ἄγγελος κυρίου ἔρριψε πῦρ
2. 12. τότε ὁ βασ. στυγνὸς γενόμενος (8)
Da. LXX. 2. 14. τότε Δαν. εἶπε βουλήν (1 b)
— 15. τότε τὸ πρόσταγμα ἐσήμανεν (1 a)
— 17. τότε ἀπελθὼν Δαν. εἰς τὸν οἶκον αὐ. (1 a)
— 19. τότε τῷ Δαν. . . . ἐξεφάνθη (1 a)
— 19. τότε Δαν. εὐλόγησεν τὸν κ. (1 a)
— 25. τότε Ἀ. κατὰ σπουδὴν εἰσήγαγε τὸν Δ. (1 a)
— 35. τότε λεπτὰ ἐγένετο ἅμα (1 b)
— 46. τότε Ναβ. ὁ βασ. πεσὼν (1 b)
— 48. τότε ὁ βασ. Ναβ. Δαν. μεγαλύνας (1 a)
3. 3. τότε συνήχθησαν ὕπατοι (1 b)
— 13. τότε Ναβ. θυμωθεὶς ὀργῇ (1 b)
— 13. τότε οἱ ἄνθρωποι ἤχθησαν (1 b)
— 18. καὶ τότε φανερόν σοι ἔσται †
— 19. τότε Ναβ. ἐπλήσθη θυμοῦ (1 b)
— 21. τότε οἱ ἄνδρες ἐκεῖνοι συνεποδίσθησαν (1 b)
— 24 (91). τότε Ναβ. ὁ βασ. ἐθαύμασε (1 a)
5. 7. τότε ὁ βασ. ἐξέθηκε πρόσταγμα –
— 10. τότε ὁ βασ. ἐκάλεσε τὴν βασίλισσαν –
— 11. τότε ἡ βασίλισσα ἐμνήσθη πρὸς αὐτόν –
— 13. τότε Δαν. εἰσήχθη πρὸς τὸν βασ. (1 b)
— 17. τότε Δαν. ἔστη κατέναντι τῆς γραφῆς (1 b)
— 29. τότε Β. ὁ βασ. ἐνέδυσε τὸν Δαν. πορφύραν (1 b)
6. 3 (4). τότε ὁ βασ. ἐβουλεύσατο (1 a)
— 4 (5). τότε βουλὴν καὶ γνώμην ἐβουλεύσαντο (1 a)
— 6 (7). τότε προσήλθοσαν οἱ ἄνθρωποι ἐκεῖνοι (1 a)
— 12 (13). τότε οὗτοι οἱ ἄνθρωποι ἐνέτυχον τῷ βασ. (1 b)
— 14 (15). τότε ὁ βασ. σφόδρα ἐλυπήθη (1 a)
— 17 (18). τότε Δαν. ἐρρίφη εἰς τὸν λάκκον τῶν λεόντων –
— 18 (19). τότε ὑπέστρεψεν ὁ βασ. (1 a)
— 18 (19). τότε ὁ θεὸς τοῦ Δαν. πρόνοιαν ποιούμενος αὐτοῦ –
— 20 (21). τότε ὁ βασ. ἐκάλεσε τὸν Δαν. –
— 21 (22). τότε Δαν. ἐπήκουσε (1 a)
— 23 (24). τότε συνήχθησαν πᾶσαι αἱ δυνάμεις (1 b)
— 24 (25). τότε οἱ δύο ἄνθρωποι ἐκ. οἱ καταμαρτυρήσαντες –
— 25 (26). τότε Δαρ. ἔγραψε πᾶσι τοῖς ἔθνεσι (1 b)
7. 1. τότε Δαν. τὸ ὅραμα . . . ἔγραψεν (1 b)
— 11. ἐθεώρουν τότε τὴν φωνὴν τῶν λόγων (1 b)
— 19. τότε ἤθελον ἐξακριβάσασθαι (1 a)
11. 45. στήσει αὐτοῦ τὴν σκηνὴν τότε †
Bel 13. καὶ τότε σφραγισάμενος τὸν ναόν
Da. TH. Su. 14. καὶ τότε κοινῇ συνετάξαντο καιρόν
2. 12. τότε ὁ βασ. ἐν θυμῷ καὶ ὀργῇ εἶπεν (8)
— 14. τότε Δαν. ἀπεκρίθη βουλήν (1 b)
— 19. τότε τῷ Δ. . . . ἀπεκαλύφθη [A al.] (1 a)
— 25. τότε Ἀ. ἐν σπουδῇ εἰσήγαγε τὸν Δ. (1 a)
— 35. τότε ἐλεπτύνθησαν εἰσάπαξ (1 b)
— 46. τότε ὁ βασ. Ναβ. ἔπεσεν (1 b)
3. 8. τότε προσήλθοσαν ἄνδρες Χαλδαῖοι (8)
— 13. τότε Ναβ. ἐν θυμῷ καὶ ὀργῇ εἶπεν (1 b)
— 19. τότε Ναβ. ἐπλήσθη θυμοῦ (1 b)
— 21. τότε [A ὅτε] οἱ ἄνδρες ἐκεῖνοι ἐπεδήθησαν (1 b)
— (51). τότε οἱ τρεῖς ὡς ἐξ ἑνὸς στόματος ὕμνουν
— 26 (93). τότε προσῆλθε Ναβ. (1 b)
— 30 (97). τότε ὁ βασ. κατεύθυνε τὸν Σ. (1 b)
4. 16. τότε Δαν. . . . ἀπηνεώθη (1 a)
5. 6. τότε τοῦ βασ. ἡ μορφὴ ἠλλοιώθη (1 a)
— 13. τότε Δαν. εἰσήχθη (1 b)
— 17. A τότε ἀπεκρίθη Δαν. [B al.] (1 b)
6. 6 (7). τότε οἱ τακτικοὶ . . . παρέστησαν τῷ βασ. (1 a)
— 9 (10). τότε ὁ βασ. Δ. ἐπέταξε γραφῆναι (8)
— 11 (12). τότε οἱ ἄνδρες ἐκ. παρετήρησαν (1 a)
— 13 (14). τότε ἀπεκρίθησαν (1 b)
— 14 (15). τότε ὁ βασ. . . . πολὺ ἐλυπήθη (1 a)
— 15 (16). τότε οἱ ἄνδρες ἐκ. λέγουσι τῷ βασ. (1 b)
— 16 (17). τότε ὁ βασ. εἶπε (1 b)
— 19 (20). τότε ὁ βασ. ἀνέστη (1 b)
— 23 (24). τότε ὁ βασ. πολὺ ἠγαθύνθη ἐπ' αὐτῷ (1 b)
— 25 (26). τότε Δαρ. ὁ βασ. ἔγραψε (1 b)
7. 11. ἐθεώρουν τότε (1 b)
Bel 21. ὀργισθεὶς ὁ βασ. τότε συνέλαβε τοὺς ἱερεῖς
— 32. τότε δὲ οὐκ ἐδόθη αὐτοῖς
I Ma. 2. 29. τότε κατέβησαν πολλοί
— 42. τότε συνήχθησαν πρὸς αὐτούς
4. 41. τότε ἐπέταξεν Ἰ. ἀνδράσιν
14. 32. τότε ἀνέστη Σίμων
16. 9. τότε ἐτραυματίσθη Ἰ.

II Ma. 1. 18. A ὁ οἰκοδομήσας τότε τὸ [R τό τε] ἱερόν
— 19. R οἱ τότε [A τε] εὐσεβεῖς ἱερεῖς
2. 8. καὶ τότε ὁ κ. ἀναδείξει ταῦτα
12. 18. ἄπρακτον τότε ἐκ τῶν τόπων ἐκλελυκότα
III Ma. 1. 29. τῶν πάντων τότε θάνατον ἀλλασσομένων
5. 1. τότε προσκαλεσάμενος Ἑρμωνα
— 44. τότε περιχαρεῖς ἀναλύσαντες οἱ φίλοι
6. 18. τότε ὁ μεγαλόδοξος . . . θεός
— 31. τότε οἱ τὸ πρὶν ἐπονείδιστοι
7. 13. τότε κατευφημήσαντες αὐτόν
— 14. R τότε τὸν ἐμπεσόντα . . . ἐκολάζοντο [A *al.*]
IV Ma. 3. 8. τότε δὴ γενομένης ἑσπέρας
— 21. τότε δή τινες . . . ἐχρήσαντο συμφοραῖς
8. 2. S R τότε [A τόδε] δὴ σφόδρα περιπαθῶς ἐκέλευσεν
15. 22. πηλίκαις καὶ πόσαις τότε ἡ μήτηρ . . . ἐβασανίζετο βασάνοις
17. 12. ἠθλοθέτει γὰρ τότε ἀρετή
18. 6. τότε δὴ ἀπάρας ἀπὸ τῶν Ἱερ.
— 20. ὦ πικρᾶς τῆς τότε ἡμέρας
[Aq. Ge. 4. 26 : Ex. 4. 10 (ἀπὸ τότε) : Jo. 10. 33 : III Ki. 8. 12 : 9. 24 : 22. 50 : Jb. 9. 31 : Ps. 55 (56). 10 : 68 (69). 5 : 95 (96). 12 : Ca. 8. 10 : Is. 33. 23 : 58. 14 : Je. 11. 15, 18 : 22. 15, 16 (Sw.) : Da. 3. 24 (91) : Ze. 3. 9.]
[Sm. Ge. 4. 26 : Jo. 10. 33 : I Ki. 9. 9 : Ps. 50 (51). 21 : 55 (56). 10 : 92 (93). 2 (ἀπὸ τότε) : Pr. 8. 22 (ἀπὸ τότε) : Is. 16. 13 (ἐκ τότε) : 33. 23 : 58. 14 : Je. 11. 18 : 22. 15 (Sw.) : Ze. 3. 9.]
[Th. Ps. 55 (56). 10 : Pr. 8. 22 (ἀπὸ τότε) : 20. 14 : Is. 16. 13 (ἀπὸ τότε : 58. 14 : Je. 22. 15, 16 (Sw.) : 37 (44). 16 : Da. 3. (51), 30 (97) : 5. 6 : 6. 15 : Ze. 3. 9.]
[Al. III Ki. 22. 50 : Ps. 123 (124). 4, 5 : Pr. 1. 28.]
[Quint. Ps. 55 (56). 10.]

τοὐναντίον, *vid. sub* ἐναντίος.

τραγάκανθα.
[Aq. Jd. 8. 7.]

τραγέλαφος. (1) אַקּוֹ (2) יָעֵל
De. 14. 5. A καὶ βούβαλον καὶ τραγέλαφον (1)
Jb. 39. 1. εἰ [A ἢ] ἔγνως καιρὸν τοκετοῦ τραγελάφων πέτρας (2)
[Th. Jb. 39. 1.]

τράγημα.
[Aq. Dt. 33. 13, 14, 15.]

τράγος. (1) עַתּוּד (2) צָפִיר (3) תַּיִּשׁ
Ge. 30. 35. διέστειλεν . . . τοὺς τρ. τοὺς ῥαντούς (3)
31. 10. οἱ τρ. καὶ οἱ κριοὶ ἀναβαίνοντες ἦσαν (1)
— 12. ἴδε τοὺς τρ. . . . ἀναβαίνοντας (1)
32. 14 (15). ἐξαπέστειλεν . . . τράγους εἴκοσι (3)
Nu. 7. 17, 23. εἰς θυσίαν σωτηρίου . . . τράγους πέντε (1)
— 29. εἰς θυσίαν σωτηρίου . . . τράγους πέντε [B¹ *om.* τρ. π.] (1)
— 35. εἰς θυσίαν σωτηρίου . . . τράγους πέντε (1)
— 41. εἰς θυσίαν σωτηρίου . . . τράγους πέντε [B¹ *om.* τρ. π.] (1)
— 47, 53, 59, 65, 71, 77, 83. εἰς θυσίαν σωτηρίου . . . τράγους πέντε (1)
— 88. τράγοι ἑξήκοντα (1)
De. 32. 14. υἱῶν ταύρων καὶ τράγων (1)
II Ch. 17. 11. A ἔφερον . . . τράγους [B *om.*] (3)
I Es. 8. 66. τράγους ὑπὲρ σωτηρίου δώδεκα
Ps. 49 (50). 13. ἢ αἷμα τράγων πίομαι (1)
Pr. 24. 66 (30. 31). τράγος ἡγούμενος αἰπολίου (3)
Is. 1. 11. αἷμα ταύρων καὶ τράγων (1)
34. 6. B ἀπὸ αἵματος τράγων καὶ ἀμνῶν (1)
— 6. ἀπὸ στέατος τράγων καὶ κριῶν †
Ez. 34. 17. διακρινῶ ἀνὰ μέσον . . . κριῶν καὶ τράγων [A -ου] (1)
39. 18. κριοὺς καὶ μόσχους καὶ τράγους (1)
Da. LXX. 8. 5. τράγος αἰγῶν ἤρχετο ἀπὸ δυσμῶν (2)
— 5. ἦν τοῦ τρ. κέρας ἓν θεωρητόν (2)
— 7. στῆναι κατέναντι τοῦ τρ. †
— 7. οὐκ ἦν ὁ ῥυόμενος τὸν κριὸν ἀπὸ τοῦ τρ. †
— 8. ὁ τρ. τῶν αἰγῶν κατίσχυσε σφόδρα (2)
— 21. ὁ τρ. τῶν αἰγῶν βασιλεὺς τῶν Ἑλλ. ἐστί (2)
Da. TH. 8. 5. τράγος αἰγῶν ἤρχετο ἀπὸ λιβός (2)
Da. TH. 8. 5. καὶ τῷ τρ. κέρας μέσον τῶν ὀφθ. αὐτοῦ (2)
— 8. ὁ τρ. τῶν αἰγῶν ἐμεγαλύνθη (2)
— 21. καὶ ὁ τρ. τῶν αἰγῶν βασιλεὺς Ἑλλήνων (2)
[Aq. Le. 16. 8 : Ps. 65 (66). 15.]
[Sm. Le. 16. 8, 10 : Ps. 65 (66). 15 : Is. 34. 6.]
[Th. Ps. 65 (66). 15.]
[Al. Le. 16. 5, 7, 15.]

τραγῳδός.
[Al. Ge. 31. 27.]

τρανός. (1) τρανὸς εἶναι רָנַן
Wi. 7. 22. ἔστι γὰρ ἐν [A *om.*] αὐτῇ πνεῦμα . . . τρανόν
10. 21. γλώσσας νηπίων ἔθηκε τρανάς
Is. 35. 6. τρανὴ δὲ ἔσται [S¹ καὶ τρανήσεται] γλῶσσα μογιλάλων (1)
[Sm. Is. 32. 4.]

τρανῶς.
[Sm. Is. 32. 4.]

τράπεζα. (1) לֶחֶם (2) פַּת־בַּג (3) שֻׁלְחָן (4) שֻׁלְחָן
Ex. 25. 22 (23). ποιήσεις τρ. χρυσῆν [A *om.*] (4)
— 26 (27). ὥστε αἴρειν ἐν αὐτοῖς τὴν τρ. (4)
— 27 (28). ἀρθήσεται ἐν αὐτοῖς ἡ τρ. (4)
— 29 (30). ἐπιθήσεις ἐπὶ τὴν τρ. (4)
26. 35. θήσεις τὴν τρ. ἔξωθεν τοῦ καταπετάσματος (4)
— 35. καὶ τὴν λυχνίαν ἀπέναντι τῆς τρ. (4)
— 35. τὴν τρ. ἐπιθήσεις ἐπὶ μέρους τῆς σκηνῆς (4)
30. 28. καὶ τὴν τρ. καὶ πάντα τὰ σκεύη αὐ. –
31. 8. ποιήσουσι . . . τὴν τρ. (4)
35. 15 (13). ἐργαζέσθω . . . τὴν τρ. (4)
38. 9 (37. 10). ἐποίησε τὴν τρ. τὴν προκειμένην (4)
— 11 (37. 15). τοὺς διωστῆρας . . . τῆς τρ. ἐποίησε (4 ?)
— 12 (37. 16). ἐποίησε τὰ σκεύη τῆς τρ. (4)
39. 18 (36). καὶ τὴν τρ. τῆς προθέσεως (4)
40. 4. εἰσοίσεις τὴν τρ. (4)
— 22. ἐπέθηκε τὴν τρ. εἰς τὴν σκηνήν (4)
Le. 24. 6. ἐπιθήσετε αὐτοὺς . . . ἐπὶ τὴν τρ. τὴν καθαράν (4)
Nu. 3. 31. καὶ ἡ φυλακὴ αὐ. . . . ἡ τρ. (4)
4. 7. ἐπὶ τὴν τρ. τὴν προκειμ. ἐπιβαλοῦσιν (4)
Jd. 1. 7. ἦσαν συλλέγοντες τὰ ὑποκάτω τῆς τρ. μου (4)
I Ki. 20. 24. ἔρχεται ὁ βασ. ἐπὶ τὴν τρ. (1)
— 27. οὐ παραγέγονεν ὁ υἱὸς Ἰ. . . . ἐπὶ τὴν τρ. (1)
— 29. οὐ παραγέγονεν ἐπὶ τὴν τρ. τοῦ βασ. (4)
— 34. ἀνεπήδησεν Ἰ. ἀπὸ τῆς τρ. (4)
II Ki. 9. 7. σὺ φάγῃ ἄρτον ἐπὶ τῆς τρ. μου (4)
— 10. φάγεται . . . ἄρτον ἐπὶ τῆς τρ. μου (4)
— 11. Μ. ἤσθιεν ἐπὶ τῆς τρ. Δ. (4)
— 13. ἐπὶ τῆς τρ. τοῦ βασ. διὰ παντὸς ἤσθιε (4)
19. 28 (29). ἐν τοῖς ἐσθίουσι τὴν τρ. σου (4)
III Ki. 2. 7. ἔσονται ἐν τοῖς ἐσθίουσι τὴν τρ. σου (4)
4. 27 (5. 7). πάντα τὰ διαγγέλματα ἐπὶ τὴν τρ. τοῦ βασ. (4)
7. 48. τὸ θυσιαστήριον τὸ χρυσοῦν καὶ τὴν τρ. (4)
12. 24. B ἐβάρυνε τὰ βρώματα τῆς τρ. αὐ. –
13. 20. A B² R αὐτῶν καθημένων ἐπὶ τῆς τρ. [B¹ *om.* ἐπὶ τ. τρ.] (4)
18. 19. τοὺς προφήτας . . . ἐσθίοντας τράπεζαν Ἰεζ. (4)
IV Ki. 4. 10. θῶμεν αὐτῷ ἐκεῖ . . . τράπεζαν (4)
I Ch. 28. 16. τὸν σταθμὸν τῶν τρ. τῆς προθέσεως ἑκάστης τρ. χρυσῆς (4, 4)
II Ch. 4. 8. ἐποίησε τραπέζας δέκα (4)
— 19. ἐποίησε Σαλ. . . . τὰς τρ. (4)
9. 4. εἶδε . . . τὰ βρώματα τῶν τρ. (4)
13. 11. προθέσεις ἄρτων ἐπὶ τῆς τρ. τῆς καθαρᾶς (4)
29. 18. ἡγνίσαμεν . . . τὴν τρ. τῆς προθέσεως (4)
Ne. 5. 17. καὶ ἐρχόμενοι . . . ἐπὶ τράπεζάν μου (4)
To. 2. 2. S παρετέθη μοι ἡ τρ.
Es. 4. 17. οὐκ ἔφαγεν ἡ δούλη σου τράπεζαν Ἀ.
Jb. 36. 16. κατέβη τράπεζά σου πλήρης πιότητος (4)
Ps. 22 (23). 5. ἡτοίμασας ἐνώπιόν μου τράπεζαν (4)
68 (69). 22. γενηθήτω ἡ τρ. αὐτῶν ἐνώπιον αὐτῶν εἰς παγίδα (4)
77 (78). 19. ἑτοιμάσαι τράπεζαν ἐν ἐρήμῳ (4)
— 20. ἢ ἑτοιμάσαι τράπεζαν τῷ λαῷ αὐτοῦ (3)
127 (128). 3. οἱ υἱοί σου ὡς νεόφυτα ἐλαιῶν κύκλῳ τῆς τρ. σου (4)
Pr. 9. 2. ἡτοιμάσατο τὴν ἑαυτῆς τρ. (4)
Pr. 23. 1. ἐὰν καθίσῃς δειπνεῖν ἐπὶ τραπέζης δυνάστου –
Si. 6. 10. A B ἔστι φίλος κοινωνὸς τραπεζῶν
14. 10. ἐλλιπὴς ἐπὶ τῆς τρ. αὐτοῦ
29. 26. πάρελθε, πάροικε, κόσμησον τράπεζαν
34 (31). 12. ἐπὶ τραπέζης μεγάλης ἐκάθισας
40. 29. ἀνὴρ βλέπων εἰς τράπεζαν ἀλλοτρίαν
Ma. 1. 7, 12. τράπεζα κυρίου ἠλισγημένη ἐστί (4)
Is. 21. 5. ἑτοίμασον τὴν τρ. (4)
65. 11. ἑτοιμάζοντες τῷ δαιμονίῳ τράπεζαν (4)
Ez. 23. 41. τρ. κεκοσμημένη πρὸ προσώπου αὐτῆς (4)
39. 20. ἐμπλησθήσεσθε ἐπὶ τῆς τρ. μου (4)
40. 39. A δύο τράπεζαι ἔνθεν καὶ δύο τράπεζαι ἔνθεν (4, 4)
— 40. A δύο τράπεζαι πρὸς ἀνατολὰς . . . δύο τράπεζαι καὶ ὀκτὼ τράπεζαι [B *om.* κ. ὁ. τρ.] κατὰ ἀνατολάς (4, 4, –)
— 41. κατέναντι τῶν ὀκτὼ τρ. τῶν θυμάτων (4)
— 42. τέσσαρες τράπεζαι τῶν ὁλοκαυτωμάτων (4)
— 43. ἐπὶ τὰς τρ. ἐπάνωθεν στέγας (4)
41. 22. αὕτη ἡ τρ. ἡ πρὸ προσώπου [A τρ. κατὰ πρόσωπον] κυρίου [B¹ *om.*] (4)
44. 16. προσελεύσονται πρὸς τὴν τρ. μου (4)
Da. LXX. 1. 5. δίδοσθαι αὐτοῖς ἔκθεσιν . . . ἀπὸ τῆς βασιλικῆς τρ. (2)
11. 27. ἐπὶ μιᾶς τρ. φάγονται (4)
Bel 17. εἴδοσαν . . . τὰς τρ. κενάς
Da. TH. 1. 5. διέταξεν αὐτοῖς . . . ἀπὸ τῆς τρ. τοῦ βασ. (2)
— 8. οὐ μὴ ἀλισγηθῇ ἐν τῇ τρ. τοῦ βασ. (2)
— 13. τῶν παιδαρίων τῶν ἐσθόντων τὴν τρ. τοῦ βασ. (2)
— 15. ὑπὲρ τὰ παιδάρια τὰ ἔσθοντα τὴν τρ. τοῦ βασ. (2)
11. 27. ἐπὶ τρ. μιᾷ ψευδῆ λαλήσουσι (4)
Bel 18. ἐπιβλέψας ὁ βασ. ἐπὶ τὴν τρ.
— 21. ἐδαπάνων τὰ ἐπὶ τῇ τρ.
I Ma. 1. 22. ἔλαβε . . . τὴν τρ. τῆς προθέσεως
4. 49. εἰσήνεγκαν . . . τὴν τρ. εἰς τὸν ναόν
— 51. ἐπέθηκαν ἐπὶ τὴν τρ. ἄρτους
[Aq. Is. 28. 8.]
[Sm. Ex. 40. 24 (22) : Jb. 36. 16 : Ps. 68 (69). 23 : Is. 28. 8.]
[Th. Ex. 37. 14 (38. 11), 15 (38. 11) : 40. 24 (22) : Jb. 36. 16 : Is. 28. 8 : Da. 1. 8.]
[Heb. Ex. 30. 27.]

τραῦμα. (1) חָלִי (2) חָלָל (3) נֶתֶק (4) פֶּצַע
Ge. 4. 23. ἄνδρα ἀπέκτεινα εἰς τραῦμα ἐμοί (4)
Ex. 21. 25. δώσει . . . τραῦμα ἀντὶ τραύματος (4, 4)
Le. 13. 31. ἐὰν ἴδῃ ὁ ἱερεὺς τὴν ἁφὴν τοῦ τρ. (3)
— 31. A ἀφοριεῖ ὁ ἱ. τὴν ἁφὴν τοῦ τρ. [B θραύσματος] (3)
Nu. 19. 18. A ἐπὶ τὸν ἡμμένον . . . τοῦ τρ. [B τραυματίου] (2)
Jd. 15. 19. A ἤνοιξεν ὁ θ. τὸ τρ. τῆς σιαγόνος [B *al.*] †
Ju. 9. 13. εἰς τραῦμα καὶ μώλωπα αὐ.
13. 18. εἰς τραῦμα κεφαλῆς ἄρχοντος ἐχθρῶν ἡμῶν
Jb. 6. 21. ὥστε ἰδόντες τὸ ἐμὸν τραῦμα φοβήθητε †
16. 7 (6). οὐκ ἀλγήσω τὸ τρ. †
Ps. 68 (69). 26. ἐπὶ τὸ ἄλγος τῶν τρ. μου προσέθηκαν (2)
Pr. 27. 6. ἀξιοπιστότερά ἐστι τραύματα φίλου (4)
Si. 27. 21. τραῦμά ἐστι καταδῆσαι
— 25. πληγὴ δολία διελεῖ [A¹ ἐλεῖ] τραύματα
30. 7. περιψύχων υἱὸν καταδεσμεύσει τραύματα αὐ.
34 (31). 30. ἐλαττῶν ἰσχὺν καὶ προσποιῶν τραύματα
Is. 1. 6. οὔτε τραῦμα οὔτε μώλωψ (4)
Je. 10. 19. τοῦτο τὸ τρ. σου [A *al.*] (1)
Ez. 32. 29. οἱ δόντες τὴν ἰσχὺν αὐ. εἰς τρ. μαχαίρας (2)
II Ma. 14. 45. καὶ δυσχερῶν τῶν τρ. ὄντων
[Aq., Th. Pr. 20. 30.]
[Sm. Is. 1. 6.]

τραυματίας. (1) *a.* חָלָל *b.* חָלָל חָרֶב *c.* חָלָל pu.
Ge. 34. 27. εἰσῆλθον ἐπὶ τοὺς τρ. (1 *a*)
Nu. 19. 16. ὃς ἂν ἅψηται . . . τραυματίου (1 *b*)
— 18. ἐπὶ τὸν ἡμμένον . . . τοῦ τρ. [A τραύματος] (1 *a*)
23. 24. αἷμα τραυματιῶν πίεται (1 *a*)
31. 8. ἅμα τοῖς τρ. αὐ. (1 *a*)

Nu. 31. 8. σὺν τοῖς [A ταῖς] τρ. αὐ. –
De. 21. 1. ἐὰν δὲ εὑρεθῇ τραυματίας ἐν τῇ γῇ (1 a)
— 2. ἐπὶ τὰς πόλεις τὰς κύκλῳ τοῦ τρ. (1 a)
— 3. ἡ πόλις ἡ ἐγγίζουσα τῷ τρ. (1 a)
— 6. οἱ ἐγγίζοντες τῷ τρ. (1 a)
32. 42. ἀφ' αἵματος τραυματιῶν (1 a)
Jd. 9. 40. ἔπεσον τραυματίαι πολλοί [A -αί] (1 a)
16. 24. ἐπλήθυνε τοὺς τρ. ἡμῶν (1 a)
20. 31. ἤρξαντο πατάσσειν ἀπὸ τοῦ λαοῦ τραυματίας (1 a)
— 39. ἤρξατο πατάσσειν τραυματίας (1 a)
I Ki. 17. 52. ἔπεσον τραυματίαι τῶν ἀλλοφ. (1 a)
31. 1. πίπτουσι τραυματίαι ἐν τῷ ὄρει τῷ Γ. (1 a)
II Ki. 1. 19. ὑπὲρ τῶν τεθνηκότων ἐπὶ τὰ ὕψη σου τραυματιῶν [A al.] (1 a)
— 22. ἀφ' αἵματος τραυματιῶν (1 a)
— 25. ἐπὶ τὰ ὕψη σου τραυματίαι [A -ας] (1 a)
23. 8. A B² ἐσπάσατο τὴν ῥομφ. αὐ. ἐπὶ ὀκτακοσίους [B² τριακ.] τρ. [B¹ R στρατιώτας] (1 a)
— 18. ἐξήγειρε τὸ δόρυ αὐ. ἐπὶ τριακοσίους τρ. (1 a)
III Ki. 11. 15. θάπτειν τοὺς τρ. (1 a)
I Ch. 5. 22. τρ. πολλοὶ [A -αί] ἔπεσον (1 a)
10. 1. ἔπεσον τραυματίαι ἐν ὄρει Γ. (1 a)
— 8. τοῦ σκυλεύειν τοὺς [B³ ὁ, S¹ τὰς] τρ. (1 a)
11. 11. ἐσπάσατο τὴν ῥομφ. αὐ. ἅπαξ ἐπὶ τριακοσίους τρ. (1 a)
— 20. ἐσπάσατο τὴν ῥομφ. αὐ. ἐπὶ τριακοσίους τρ. (1 a)
II Ch. 13. 17. ἔπεσον τραυματίαι ἀπὸ Ἰσρ. (1 a)
Ju. 2. 8. οἱ τρ. αὐ. πληρώσουσι τὰς φάραγγας αὐ.
6. 6. πεσῇ ἐν τοῖς [S² ταῖς] τρ. αὐ.
Ps. 87 (88). 5. ὡσεὶ τραυματίαι ἐρριμμένοι [AS² om.] καθεύδοντες ἐν τάφῳ (1 a)
88 (89). 10. σὺ ἐταπείνωσας ὡς τραυματίαν ὑπερήφανον (1 a)
Na. 3. 3. φωνὴ . . . πλήθους τραυματιῶν (1 a)
Ze. 2. 12. τραυματίαι ῥομφαίας μού ἐστε (1 a)
Is. 22. 2. οἱ [S¹ αἱ] τρ. σου οὐ τραυματίαι ἐν μαχαίραις [A S τρ. μαχαίρας] (1 a, 1 a)
34. 3. οἱ δὲ τρ. αὐτῶν ῥιφήσονται (1 a)
66. 16. πολλοὶ τραυματίαι ἔσονται ὑπὸ κυρίου (1 a)
Je. 14. 18. ἰδοὺ τραυματίαι μαχαίρας [A ῥομφαίας] (1 a)
28 (51). 4. πεσοῦνται τραυματίαι ἐν γῇ Χ. (1 a)
— 49. πεσοῦνται τραυματίαι πάσης τῆς γῆς [S al.] (1 a)
— 52. ἐν πάσῃ τῇ γῇ αὐτῆς πεσοῦνται τραυματίαι (1 a)
32 (25). 33. ἔσονται τραυματίαι ὑπὸ κυρίου (1 a)
48 (41). 9. τοῦτο ἐνέπλησεν Ἰσμαὴλ τραυματιῶν (1 a)
La. 2. 12. ἐν τῷ ἐκλυέσθαι αὐτοὺς ὡς τραυματίας (1 a)
4. 9. καλοὶ ἦσαν οἱ τρ. ῥομφαίας ἢ οἱ τρ. λιμοῦ (1 a, 1 a)
Ez. 6. 4. καταβαλῶ τραυματίας ὑμῶν (1 a)
— 7. πεσοῦνται τραυματίαι ἐν μέσῳ ὑμῶν (1 a)
— 13. ἐν τῷ εἶναι τοὺς τρ. ὑμῶν ἐν μέσῳ τῶν εἰδώλων ὑμῶν (1 a)
11. 6. ἐνεπλήσατε τὰς ὁδοὺς αὐ. τραυματιῶν (1 a)
21. 14 (19). ἡ τρίτη ῥομφαία τραυματιῶν ἐστι ῥομφαία τραυματιῶν ἡ μεγάλη (1 a, 1 a)
— 29 (34). τοῦ παραδοῦναί σε ἐπὶ τραχήλους τραυματιῶν ἀνόμων (1 a)
26. 15. ἐν τῷ στενάξαι τραυματίας (1 a)
28. 8. ἀποθανῇ θανάτῳ τραυματιῶν (1 a)
30. 11. πληνσθήσεται ἡ γῆ τραυματιῶν (1 a)
31. 17. κατέβησαν . . . εἰς ᾅδου ἐν τοῖς τρ. ἀπὸ μαχαίρας [A μετὰ τραυματιῶν μ.] (1 a)
— 18. κοιμηθήσῃ μετὰ τραυματιῶν μαχαίρας (1 a)
32. 19 (20). ἐν μέσῳ μαχαίρας τραυματιῶν [A μ. τρ. μαχαίρᾳ] πεσοῦνται (1 a)
— 21. κοιμήθητι . . . ἐν μέσῳ τραυματιῶν μαχαίρας (1 a)
— 22. πάντες τραυματίαι ἐκεῖ ἐδόθησαν (1 a)
— 23. πάντες οἱ τρ. οἱ πεπτωκότες μαχαίρᾳ (1 a)
— 23. A πάντες αὐτοὶ τραυματίαι (1 a)
— 24. πάντες οἱ τρ. οἱ πεπτωκότες μαχαίρᾳ (1 a)
— 25. ἐν μέσῳ τραυματιῶν (1 a)
— 26. πάντες τραυματίαι αὐτοῦ πάντες ἀπερίτμητοι τραυματίαι ἀπὸ [A om. τρ. ἀ.] μαχαίρας (–, 1 c)
— 29. μετὰ τραυματιῶν [A add. μαχαίρας] ἐκοιμήθησαν (1 b [1 a])
— 30. ἐκεῖ . . . οἱ καταβαίνοντες τραυματίαι (1 a)
Ez. 32. 30. ἐκοιμήθησαν ἀπερίτμητοι μετὰ τραυματιῶν [A τετραυματισμένων] μαχαίρας (1 a)
— 31. A τραυματίαι μαχαίρᾳ Φαραώ (1 a)
— 32. κοιμηθήσεται . . . μετὰ τραυματιῶν [A -ας] μαχαίρας Φαραώ (1 a)
35. 8. ἐμπλήσω τῶν τρ. βουνούς σου (1 a)
Da. LXX., TH. 11. 26. πεσοῦνται τρ. πολλοί (1 a)
I Ma. 1. 18. καὶ ἔπεσαν τρ. πολλοί
3. 11. καὶ ἔπεσον τρ. πολλοί
8. 10. ἔπεσον ἐξ αὐτῶν τρ. πολλοί
9. 17, 40. ἔπεσον τρ. πολλοί
16. 8. ἔπεσον ἐξ αὐτῶν τρ. πολλοί
II Ma. 4. 42. πολλοὺς μὲν αὐτῶν τραυματίας ἐποίησαν
8. 24. τραυματίας δὲ καὶ τοῖς μέλεσιν ἀναπήρους
11. 12. οἱ πλείονες δὲ αὐτῶν τρ. γυμνοὶ διεσώθησαν

[Aq. Dt. 23. 1 (2): Ez. 21. 25 (30).]
[Sm. Ps. 88 (89). 11 (P.).]
[Th. Ez. 30. 24: 32. 23, 31.]
[Al. Jo. 13. 22: Ez. 32. 25.]

τραυματίζειν. (1) חוּל (2) חָלַל a. pi. b. po. c. חָלָל (3) פָּצַע

I Ki. 31. 3. ἐτραυματίσθη εἰς τὰ ὑποχόνδρια (1)
Ca. 5. 7. ἐπάταξάν με ἐτραυμάτισάν με (3)
Is. 53. 5. ἐτραυματίσθη διὰ τὰς ἁμαρτίας ἡμῶν (2 b)
Je. 9. 1 (8. 23). κλαύσομαι . . . τοὺς [A καὶ] τετραυματισμ. θυγατρὸς λαοῦ μου (2 c)
Ez. 28. 10 (9). A ἐν πλήθει τραυματιζόντων σε [B al.] (2 a)
— 16. ἐτραυματίσθης ἀπὸ ὄρους τοῦ θεοῦ (2 a)
— 23. πεσοῦνται τετραυματισμένοι [A add. ἐν] μαχαίραις (2 c)
30. 4. συμπεσοῦνται τετραυματισμένοι ἐν Αἰγύπτῳ (2 c)
32. 28. κοιμηθήσῃ μετὰ τετραυματισμένων μαχαίρᾳ (2 c)
— 30. A μετὰ τετραυματισμένων [B τραυματιῶν] μαχαίρας (2 c)
35. 8. τετραυματισμένοι μαχαίρᾳ πεσοῦνται ἐν σοί (2 c)
I Ma. 16. 9. τότε ἐτραυματίσθη Ἰ.

[Sm. III Ki. 20 (21). 37: Is. 51. 10.]
[Th. II Ki. 1. 25: Ez. 28. 10 (9) (Sw.).]

τραυματισμός.

[Sm. Is. 53. 10.]

τραχηλιᾶν. (1) נָבַר hithpa.

Jb. 15. 25. ἔναντι δὲ κυρίου παντοκράτορος ἐτραχηλίασεν (1)

τραχηλοκοπεῖν.

[Sm. Ex. 34. 20: Is. 66. 3.]

τράχηλος. (1) גַּרְגְּרוֹת (2) גָּרוֹן (3) עֹרֶף (4) a. צַוָּאר b. צַוָּאר c. צַוָּרוֹנִים

Ge. 27. 16. καὶ ἐπὶ τὰ γυμνὰ τοῦ τρ. αὐ. (4 a)
— 40. ἐκλύσεις τὸν ζυγὸν αὐ. ἀπὸ τοῦ τρ. σου (4 a)
33. 4. προσέπεσεν ἐπὶ τὸν τρ. αὐ. (4 a)
41. 42. περιέθηκε κλοιὸν χρυσοῦν περὶ τὸν τρ. αὐ. (4 a)
45. 14. ἐπιπεσὼν ἐπὶ τὸν τρ. Βεν. (4 a)
— 14. Βεν. ἔκλαυσεν ἐπὶ τῷ τρ. αὐ. (4 a)
46. 29. ἐπέπεσεν ἐπὶ τὸν τρ. αὐ. (4 a)
50. 1. A ἐπιπεσὼν Ἰ. ἐπὶ τὸν τρ. [B τὸ πρόσωπον] τοῦ πατρὸς αὐ. †
Le. 16. 4. A καὶ κιδάρεις περὶ τὸν τρ. αὐ. [B al.] –
De. 10. 16. τὸν τρ. ὑμῶν οὐ σκληρυνεῖτε (3)
28. 48. ἐπιθήσει κλοιὸν σιδηροῦν ἐπὶ τὸν τρ. σου (4 a)
31. 27. ἐπίσταμαι . . . τὸν τρ. σου τὸν σκληρόν (3)
33. 29. ἐπὶ τὸν τρ. αὐ. ἐπιβήσῃ †
Jo. 10. 24. ἐπίθετε τοὺς πόδας ὑμῶν ἐπὶ τοὺς τρ. αὐ. (4 a)
— 24. ἐπέθηκαν τοὺς πόδας αὐ. ἐπὶ τοὺς τρ. αὐ. (4 a)
Jd. 5. 30. τῷ τρ. αὐ. σκῦλα [A al.] (4 a)
8. 21. τοὺς μηνίσκους τοὺς ἐν τοῖς τρ. τῶν καμήλων αὐ. (4 a)
— 26. ἃ ἦν ἐν τοῖς τρ. τῶν καμήλων αὐ. [A al.] (4 a)
II Ch. 30. 8. A μὴ σκληρύνητε τοὺς τρ. [B τὰς καρδίας] ὑμῶν (3)
36. 13. ἐσκλήρυνε τὸν τρ. αὐ. (3)
I Es. 1. 48. σκληρύνας αὐτοῦ τὸν τρ.
3. 6. καὶ μανιάκην περὶ τὸν τρ. [A τρ. αὐτοῦ]
Ne. 3. 5. οὐκ εἰσήνεγκαν τράχηλον αὐ. εἰς δουλείαν αὐ. (4 a)
9. 16, 17. ἐσκλήρυναν τὸν τρ. αὐ. (3)
— 29. τράχηλον [S τὸν τρ.] αὐ. ἐσκλήρυναν (3)
To. 7. 7. S ἐπιπεσὼν ἐπὶ τὸν τρ. Τωβεία
11. 9. ἐπέπεσεν ἐπὶ τὸν τρ. τοῦ υἱοῦ αὐ.
— 13. ἐπέπεσεν ἐπὶ τὸν τρ. αὐ.
Ju. 13. 8. A B ἐπάταξεν εἰς τὸν τρ. αὐ.
16. 9. διῆλθεν ὁ ἀκινάκης τὸν τρ. αὐ.
Es. 5. 2. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸν τρ. αὐ.
Jb. 39. 19. ἐνέδυσας δὲ τραχήλῳ αὐτοῦ φόβον (4 a)
41. 13 (14). ἐν δὲ τραχήλῳ αὐτοῦ αὐλίζεται δύναμις (4 a)
Pr. 1. 9. καὶ κλοιὸν χρύσεον περὶ σῷ τρ. (1)
3. 3. ἅψαι δὲ αὐτὰς ἐπὶ σῷ τρ. (1)
— 22. καὶ χάρις ᾖ περὶ σῷ τρ. (1)
6. 21. A S² R ἐγκλοίωσαι περὶ [B S¹ ἐπὶ] σῷ τρ. (1)
Ca. 1. 10. τράχηλός σου ὡς ὁρμίσκοι [A -ος] (4 a)
4. 4. ὡς πύργος Δαυὶδ τράχηλός σου (4 a)
— 9. ἐν μιᾷ [S² ἑνὶ] ἐνθέματι τραχήλων [A S -ου] σου (4 c)
7. 4 (5). ὁ [A S om.] τρ. σου ὡς πύργος ἐλεφάντινος (4 a)
Si. 6. 24. εἰσένεγκον [A -και] . . . εἰς τὸν κλοιὸν αὐτῆς τὸν τρ. σου
7. 23. κάμψον ἐκ νεότητος τὸν [A¹ om.] τρ. αὐ.
30. 12. R κάμψον τὸν τρ. αὐτοῦ ἐν νεότητι
— 35 (33. 26). ζυγὸς καὶ ἱμὰς κάμψουσι τράχηλον
51. 26. τὸν τρ. ὑμῶν ὑπόθετε ὑπὸ ζυγόν
Ho. 10. 11. ἐπελεύσομαι ἐπὶ τὸ κάλλιστον τοῦ τρ. αὐ. (4 a)
Mi. 2. 3. ἐξ ὧν οὐ μὴ ἄρητε τοὺς τρ. ὑμῶν (4 a)
Hb. 3. 13. ἐξήγειρας δεσμοὺς ἕως τραχήλου (4 a)
Is. 3. 16. ἐπορεύθησαν ὑψηλῷ τραχήλῳ (2)
9. 4 (3). ἡ ῥάβδος ἡ ἐπὶ τοῦ τρ. αὐτῶν †
30. 28. ἥξει ἕως τοῦ τρ. (4 a)
48. 4. νεῦρον σιδηροῦν ὁ τρ. σου (3)
52. 2. A S R ἔκδυσαι [B ἔκλ.] τὸν δεσμὸν τοῦ τρ. σου (4 a)
58. 5. οὐδ' ἂν κάμψῃς ὡς κρίκον τὸν τρ. σου †
Je. 7. 26. ἐσκλήρυναν τὸν τρ. αὐτῶν (3)
11. 19. A ἐμβάλωμεν ξύλον εἰς τὸν ἄρτον [A¹ om.] τράχηλον [B S om.] αὐτοῦ –
17. 23. ἐσκλήρυναν τὸν τρ. αὐτῶν (3)
19. 15. ἐσκλήρυναν τὸν τρ. [S αὐχένα] αὐτῶν (3)
34 (27). 2. περίθου περὶ τὸν τρ. σου (4 a)
— 8. ὅσοι ἐὰν μὴ ἐμβάλωσι τὸν τρ. αὐτῶν (4 a)
— 11. εἰσαγάγῃ τὸν τρ. αὐ. ὑπὸ τὸν ζυγόν (4 a)
— 12. εἰσαγάγετε τὸν τρ. ὑμῶν (4 a)
35 (28). 10. ἔλαβεν . . . τοὺς κλοιοὺς ἀπὸ τοῦ τρ. Ἱερεμία (4 a)
— 11. συντρίψω . . . ἀπὸ τραχήλων [S -ου] πάντων τῶν ἐθνῶν (4 a)
— 12. μετὰ τὸ συντρῖψαι Ἀν. τοὺς κλοιοὺς ἀπὸ τοῦ τρ. αὐτοῦ (4 a)
— 14. ζυγὸν σιδηροῦν ἔθηκα ἐπὶ τὸν τρ. πάντων τῶν ἐθνῶν (4 a)
37 (30). 8. συντρίψω τὸν ζυγὸν ἀπὸ τοῦ [A S om.] τρ. αὐτῶν (4 a)
Ba. 4. 25. ἐπὶ τραχήλους [A τοὺς τρ.] αὐ. ἐπιβήσῃ
La. 1. 14. ἀνέβησαν ἐπὶ τὸν τρ. μου (4 a)
5. 5. ξύλα ἡμῶν . . . ἦλθεν ἐπὶ τὸν τρ. ἡμῶν (4 a)
Ez. 16. 11. περιέθηκα . . . κάθεμα περὶ τὸν τρ. σου (2)
21. 29 (34). τοῦ παραδοῦναί σε ἐπὶ τραχήλους τραυματιῶν ἀνόμων (4 a)
Da. LXX. 1. 10. κινδυνεύσω τῷ ἰδίῳ τρ. †
Da. TH. 5. 7. καὶ ὁ μανιάκης ὁ χρυσοῦς ἐπὶ [A ἔσται περὶ] τὸν τρ. αὐ. (4 b)
— 16. ἔσται ἐπὶ τῷ τρ. [A περὶ τὸν τρ.] σου (4 b)
— 29. τὸν μανιάκην . . . περιέθηκαν περὶ τὸν τρ. αὐ. (4 b)
I Ma. 1. 61. ἐκρέμασαν τὰ βρέφη ἐκ τῶν τρ. αὐ.
III Ma. 4. 9. τοῖς ζυγοῖς τῶν πλοίων προσηλωμένοι τοὺς τρ.
5. 49. ἐπὶ τοὺς τρ. ἐπιπίπτοντες
IV Ma. 11. 10. S περὶ τὸν τρ. [A R ἐπὶ τὸν τροχὸν] . . . ἀνακλώμενος

[Aq. Ca. 4. 9: Je. 30 (37). 8.]
[Sm. Ps. 74 (75). 6: Ca. 4. 9: Je. 30 (37). 8: La. 5. 5.]
[Th. Je. 30 (37). 8.]
[Al. Jd. 5. 30: Hb. 3. 19.]
[Quint. Ca. 4. 9.]

τραχύς. (1) אֵיתָן (2) רָכֵס

De. 21. 4. καταβιβάσουσιν . . . δάμαλιν εἰς φάραγγα τρ. (1?)
II Ki. 17. 8. B ὡς ὗς τραχεῖα ἐν τῷ πεδίῳ –
Pr. 29. 20. B² ἐὰν ἴδῃς ἄνδρα τραχὺν [A B¹ S ταχὺν] ἐν λόγοις †
Si. 4. 29. μὴ γίνου τραχὺς [A S¹ ταχὺς, S² θρασὺς] ἐν γλώσσῃ σου
6. 20. ὡς τραχεῖα [B¹ ταχ.] ἐστι σφόδρα τοῖς ἀπαιδεύτοις
Is. 40. 4. ἡ τρ. εἰς πεδία [A S² ὁδοὺς λείας] (2)
Je. 2. 25. ἀπόστρεψον τὸν πόδα σου ἀπὸ ὁδοῦ τραχείας †
Ba. 4. 26. οἱ τρυφεροί μου ἐπορεύθησαν ὁδοὺς τραχείας

τραχύτης.

III Ma. 1. 23. ἱκανὴν ἐποίησαν ἐν τῷ τόπῳ τρ.
[Aq. Ps. 30 (31). 21.]

τρεῖς.

Ge. 5. 31, 32 : 6. 10 : 7. 13 : 9. 19 : 17. 25 : 18. 2, 6 : 29. 2, 34 : 30. 36 : 40. 10, 12 *bis*, 13, 16, 18 *bis*, 19 : 42. 17 : 46. 15.
Ex. 2. 2 : 3. 18 : 5. 3 : 6. 18† : 7. 7 : 8. 27 (23) : 10. 22, 23† , 23 : 15. 22 : 16. 36 : 19. 15 : 21. 11 : 23. 14, 17 : 25. 31 (32) *bis*, 32 (33) : 27. 1, 14 *bis*, 15 *bis* : 34. 23, 24 : 37. 12 (38. 14) *bis*, 13 (38. 15) *bis* : 38. 15 (37. 18) *bis*.
Le. 12. 4† : 14. 10 : 19. 23 : 25. 21 : 27. 6.
Nu. 1. 43 : 2. 30 : 3. 43, 46 : 10. 33 *bis* : 12. 4, 5 (4) : 15. 9 : 26. 7, 47, 62 : 28. 12, 20, 28 : 29. 3, 9, 13† , 14, 14† : 33. 8, 39 : 35. 14 *bis*.
De. 4. 41 : 14. 28 : 16. 16 : 17. 6 : 19. 2, 7, 9 *bis*, 15.
Jo. 1. 11 : 2. 16, 22 : 3. 2 : 9. 16 : 15. 14 : 18. 4, 28 : 19. 6 : 21. 4, 6, 19, 32, 33, 35†.
Jd. 1. 20, 20† : 7. 16, 20 : 9. 22, 43 : 10. 2 : 14. 14 : 15. 11† : 19. 4 : 20. 15†.
I Ki. 2. 21 : 10. 3 *ter* : 11. 11 : 13. 2†, 17†, 21† : 17. 13†, 14† : 24. 3 : 26. 2 : 30. 12 *bis* : 31. 6, 8†.
II Ki. 2. 18 : 5. 5 : 6. 11 : 13. 38 : 14. 27 : 18. 14 : 20. 4 : 21. 1 : 23. 9, 13, 16, 17, 18 *bis*, 19 *bis*, 22, 23 *bis* : 24. 12, 13 *ter*.
III Ki. 2. 11 : 3. 1 (9. 25), 1 (5. 16 [30]), 1 (2. 38), 1 (2. 39) : 5. 16 (30), 17 (32) : 6. 36 : 7. 23, 25 *quater*, 49† , 2, 4, 12 : 9. 25† : 10. 17, 22 : 12. 5, 24† : 15. 2† : 22. 1.
IV Ki. 2. 17 : 3. 10, 13, 21† : 9. 32† : 17. 5 : 18. 10 : 23. 31, 31† : 24. 1 : 25. 17, 18.
I Ch. 2. 3, 16, 22 : 3. 4, 23 : 4. 27† : 6. 62 (47)† : 7. 6 : 10. 6 : 11. 12, 15, 18† , 19, 20† , 20, 21 *bis*, 24, 25 : 12. 27, 29, 39 : 13. 14 : 21. 10, 12 *ter*, 13 : 23. 8† , 9† , 23 : 25. 5 : 26. 11† , 18 : 29. 27.
II Ch. 4. 4 *quater* : 6. 13 : 8. 13 : 9. 21 : 10. 5 : 11. 17 *bis* : 13. 2 : 20. 25 : 25. 13 : 35. 7 : 36. 2, 5.
I Es. 1. 34, 35, 44 : 3. 4, 9 : 5. 13, 16, 17, 19† : 6. 25 : 8. 41 : 9. 4, 5.
II Es. 2. 11, 17, 19, 21, 24† , 25, 28, 36 : 6. 4 : 8. 15, 32 : 10. 8, 9.
Ne. 2. 11 : 7. 24† , 26† , 29† , 32, 39.
Ju. 1. 2 : 2. 21 : 8. 4 : 12. 7† : 16. 20.
Es. 4. 16.
Jb. 1. 2, 4, 17 : 2. 11 : 32. 1, 3, 5 : 33. 29, 31† : 35. 3 : 42. 13.
Pr. 24. 50 (30. 15) *bis*, 53 (30. 18), 56 (30. 21), 64 (30. 29).
Si. 25. 1, 2 : 26. 5.
Am. 1. 3, 6, 9, 11, 13 : 2. 1, 4, 6 : 4. 7, 8.
Jn. 2. 1 *bis* : 3. 3, 4.
Za. 11. 8.
Is. 5. 10 : 16. 14 : 17. 6 : 20. 3, 3† .
Je. 25. 3 : 43 (36). 23 : 52. 24.
Ez. 14. 14, 16, 18 : 40. 10 *ter*, 11, 21 *bis*, 48 *bis* : 41. 16, 22 : 48. 31, 32, 33, 34.
Da. LXX. 1. 5 : 3. (46), (51), 24 (91) : 6. 2 (3) *bis* : 7. 5, 8, 20, 24 : 10. 2, 3 : 11. 2.
Da. TH. 1. 5 : 3. 23, (51), 24 (91) : 6. 2 (3), 10 (11), 13 (14) : 7. 5, 8, 20† , 24 : 10. 2, 3 : 11. 2.
I Ma. 5. 24, 33 : 10. 30, 34 *bis*, 38 : 11. 28, 34.
II Ma. 4. 44 : 5. 14 : 7. 27 : 12. 23 : 13. 12 : 15. 27.
III Ma. 6. 6, 38.
IV Ma. 13. 9.
[Aq. Ge. 40. 16 : II Ki. 23. 18, 19 *bis* : III Ki. 9. 25 : IV Ki. 9. 32 : Jb. 1. 17 : Pr. 30. 15 : Is. 16. 14 : Da. 3. 23.]
[Sm. Ge. 40. 16 : Ex. 14. 7 : I Ki. 1. 24 : 10. 3 : II Ki. 23. 18, 19 *bis* : IV Ki. 9. 32 : 18. 10 : Pr. 30. 15 : Is. 16. 14.]
[Th. II Ki. 23. 8 : Jb. 33. 29 : Pr. 30. 15 : Is. 16. 14 : Je. 52. 28 : Da. 3. 23, (51) : 6. 2 : 7. 20† .]
[Al. Jo. 3. 2 : Jb. 1. 17.]

τρέμειν. (1) זוּעַ (2) חָרַד (3) נוּד (4) רָעַד hi. (5) רָעַשׁ (6) ποιεῖν τρ. רָעַד

Ge. 4. 12. στένων καὶ τρέμων ἔσῃ ἐπὶ τῆς γῆς (3)
— 14. ἔσομαι στένων καὶ τρέμων ἐπὶ τῆς γῆς (3)
I Ki. 15. 32. προσῆλθε πρὸς αὐτὸν Ἀ. τρέμων †
I Es. 4. 36. πάντα τὰ ἔργα σείεται καὶ τρέμει
9. 6. τρέμοντες τὸν ἐνεστῶτα χειμῶνα
II Es. 10. 3. S² ἐν βουλῇ . . . τῶν τρεμόντων ἐν ἐντολαῖς αὐ. [A B S¹ *al.*] (2)
Ps. 103 (104). 32. καὶ ποιῶν αὐτὴν τρέμειν (6)
Is. 66. 2. ἐπὶ τίνα ἐπιβλέψω ἀλλ' ἢ ἐπὶ τὸν . . . τρέμοντα τοὺς λόγους μου (2)
— 5. οἱ τρέμοντες τὸν λόγον αὐτοῦ (2)
Je. 4. 24. εἶδον τὰ ὄρη καὶ ἦν τρέμοντα (5)
Da. LXX. 10. 11. ἔστην τρέμων (4)
Da. TH. 5. 19. ἦσαν τρέμοντες καὶ φοβούμενοι (1)
6. 26 (27). εἶναι τρέμοντας . . . ἀπὸ προσώπου τοῦ θεοῦ Δαν. (1)
[Al. Dt. 28. 65.]

τρέπειν. (1) חָלַשׁ (2) כָּנַע ni. (3) נָכָה hi.

Ex. 17. 13. ἐτρέψατο Ἰ. τὸν Ἀμ. (1)
Nu. 14. 45. καὶ ἐτρέψαντο [A -ατο] αὐτούς (3)
II Ch. 30. 11. B ἄνθρωποι Ἀ. . . . ἐτράπησαν [A R ἐνετρ.] (2)
Ju. 15. 3. ἐτράπησαν εἰς φυγήν
Si. 37. 2. φίλος τρεπόμενος εἰς ἔχθραν [A -όν]
39. 27. οὕτως τοῖς ἁμαρτωλοῖς τραπήσεται εἰς κακά
I Ma. 11. 39. S¹ ὃς ἔτρεψεν [S² ἔθρ., A R ἔτρεφε] τὸν Ἀντ.
II Ma. 3. 24. εἰς ἔκλυσιν καὶ δειλίαν τραπῆναι
4. 37. καὶ τραπεὶς ἐπὶ ἔλεος
8. 5. τῆς ὀργῆς τοῦ κ. εἰς ἔλεον τραπείσης
9. 2. ἐπὶ τὴν τῶν ὅπλων βοήθειαν ἐτράπησαν
10. 25. R πρὸς ἱκετείαν τοῦ θ. ἐτράπησαν [A *al.*]
12. 42. εἰς ἱκεσίαν ἐτράπησαν
III Ma. 1. 27. ἐτράπησαν εἰς τὸ . . . ἐπικαλεῖσθαι τὸν πᾶν κράτος ἔχοντα
5. 3. ἐτρέπετο πρὸς τὴν εὐωχίαν
— 16. καὶ τραπεὶς εἰς τὸν πότον
— 36. εἰς εὐφροσύνην τραπῆναι παρεκάλει
— 49. εἰς οἶκτον καὶ γόους τραπέντες
IV Ma. 1. 12. εἰς τὸν περὶ αὐτῶν τρέψομαι λόγον
7. 3. S ἔτρεψε [A R μετέτρ.] τοὺς τῆς εὐσεβείας οἴακας
[Aq. Ez. 17. 6.]
[Sm. I Ki. 14. 32 : Is. 53. 6 : Ez. 10. 11.]

τρέφειν. (1) אָכַל hi. (2) גָּדַל pi. (3) זוּן ithp. (4) חוּל pil. (5) חָיָה *a.* pi. *b.* hi. (6) כּוּל pilp. (7) מַרְבֵּק (8) רָעָה

Ge. 6. 19. ἵνα τρέφῃς μετὰ σεαυτοῦ (5 *b*)
— 20. εἰσελεύσονται πρὸς σὲ τρέφεσθαι μετὰ σοῦ (5 *b*)
15. 15. τραφεὶς ἐν γήρει καλῷ †
48. 15. ὁ τρέφων με ἐκ νεότητος (8)
50. 20. ἵνα τραφῇ [A διατρ.] λαὸς πολύς (5 *b*)
Nu. 6. 5. ἅγιος ἔσται τρέφων κόμην τρίχα κεφαλῆς (2)
De. 32. 18. ἐπελάθου θεοῦ τοῦ τρέφοντός σε (4)
III Ki. 18. 13. καὶ ἔθρεψα [A *add.* αὐτοὺς] ἐν ἄρτοις (6)
To. 2. 10. Ἀχ. δὲ ἔτρεφέ με
14. 10. τί ἐποίησεν Ἀ. Ἀχ. τῷ θρέψαντι αὐτόν [S *al.*]
Es. 4. 8. ὡς ἐτράφης [A ἐστρ.] ἐν χειρί μου –
Pr. 25. 21. A S ἐὰν πεινᾷ ὁ ἐχθρός σου τρέφε [B ψώμιζε] αὐτόν (1)
Wi. 16. 23. τοῦτο πάλιν δ' ἵνα τραφῶσι δίκαιοι
— 26. οὐχ αἱ γενέσεις τῶν καρπῶν [A ἀνθρώπων] τρέφουσιν ἄνθρωπον
Is. 7. 21. θρέψει ἄνθρωπος δάμαλιν βοῶν (5 *a*)
33. 18. ποῦ ἐστιν ὁ ἀριθμῶν τοὺς τρεφομένους [A S συστρ.] †
58. 6. S ἀπόστελλε τεθραμμένους [A B τεθραυσμ.] ἐν ἀφέσει †
Je. 26 (46). 21. ὥσπερ μόσχοι σιτευτοὶ τρεφόμενοι ἐν αὐτῇ (7)
Ba. 4. 11. ἔθρεψα γὰρ αὐτοὺς μετ' εὐφροσύνης
Da. LXX. Bel 31. ἐν ᾧ ἐτρέφοντο λέοντες ἑπτά
Da. TH. 1. 5. καὶ θρέψαι αὐτοὺς ἔτη τρία (2)
4. 9. ἐξ αὐτοῦ ἐτρέφετο πᾶσα σάρξ (3)
I Ma. 3. 33. καὶ τρέφειν Ἀντίοχον τὸν υἱὸν αὐ.
11. 39. ὃς ἔτρεφε [S¹ ἔτρεψεν, S² ἔθρεψεν] τὸν Ἀντ.
IV Ma. 11. 15. A R γενηθέντες καὶ τραφέντες [S ἀνατρ.]
[Sm. IV Ki. 3. 4.]
[Heb. Ez. 44. 20.]

τρέχειν. (1) רוּץ (2) רוּץ *a.* qal. *b.* hi. *c.* רָצָא

Ge. 18. 7. εἰς τὰς βόας ἔδραμεν Ἀβ. (2 *a*)
24. 20. ἔδραμεν ἐπὶ τὸ φρέαρ (2 *a*)
— 28. δραμοῦσα ἡ παῖς ἀπήγγειλεν (2 *a*)
— 29. ἔδραμε Λ. πρὸς τὸν ἄνθρωπον (2 *a*)
29. 12. δραμοῦσα ἀπήγγειλε τῷ πατρὶ αὐ. (2 *a*)
— 13. ἔδραμεν εἰς συνάντησιν αὐτοῦ (2 *a*)
Nu. 16. 47 (17. 12). ἔδραμεν εἰς τὴν συναγωγήν (2 *a*)
Jo. 7. 22. ἔδραμον εἰς τὴν σκηνήν (2 *a*)
Jd. 7. 21. ἔδραμε πᾶσα ἡ παρεμβολή (2 *a*)
13. 10. καὶ ἔδραμε [A ἐξέδρ.] (2 *a*)
15. 14. καὶ ἔδραμον [A *om.* κ. ἔδρ.] εἰς συνάντησιν αὐτοῦ –
I Ki. 3. 5. B ἔδραμε πρὸς Ἠ. (2 *a*)
4. 12. ἔδραμεν ἀνὴρ Ἰεμ. ἐκ τῆς παρατάξεως (2 *a*)
10. 23. ἔδραμε καὶ λαμβάνει αὐτὸν ἐκεῖθεν (2 *a*)
17. 22. A καὶ ἔδραμεν εἰς τὴν παράταξιν (2 *a*)
— 48. A καὶ ἔδραμεν εἰς τὴν παράταξιν τοῦ ἀλλοφ. (2 *a*)
— 51. καὶ ἔδραμε Δ. (2 *a*)
20. 6. παρῃτήσατο ἀπ' ἐμοῦ Δ. δραμεῖν ἕως εἰς Β. (2 *a*)
— 36. δράμε εὗρέ μοι τὰς σχίζας (2 *a*)
— 36. τὸ παιδάριον ἔδραμε (2 *a*)
II Ki. 18. 19. δράμω δὴ καὶ εὐαγγελιῶ τῷ βασ. (2 *a*)
— 22. ἔστω ὅτι δράμω καί γε ἐγὼ ὀπίσω τοῦ Χ. (2 *a*)
— 22. ἵνα τί σὺ τοῦτο τρέχεις (2 *a*)
— 23. τί γὰρ ἐὰν δραμοῦμαι (2 *a*)
— 23. καὶ εἶπεν αὐτῷ Ἰ., Δράμε (2 *a*)
— 23. καὶ ἔδραμεν Ἀχ. ὁδὸν τὴν τοῦ Κ. (2 *a*)
— 24. ἰδοὺ ἀνὴρ τρέχων μόνος ἐνώπιον αὐτοῦ (2 *a*)
— 26. εἶδεν ὁ σκοπὸς ἄνδρα ἕτερον τρέχοντα (2 *a*)
— 26. ἰδοὺ ἀνὴρ ἕτερος τρέχων μόνος (2 *a*)
22. 30. ἐν σοὶ δραμοῦμαι μονόζωνος (2 *a*)
III Ki. 3. 1. B ἔδραμεν ἐπὶ τὸν οἶ. αὐ. –
18. 46. ἔτρεχεν ἔμπροσθεν Ἀχ. εἰς Ἰ. (2 *a*)
IV Ki. 4. 22. δραμοῦμαι ἕως τοῦ ἀνθρώπου τοῦ θεοῦ (2 *a*)
— 26. δράμε εἰς ἀπαντὴν αὐτῆς (2 *a*)
5. 20. δραμοῦμαι ὀπίσω αὐτοῦ (2 *a*)
— 21. εἶδεν αὐτὸν Ν. τρέχοντα ὀπίσω αὐτοῦ (2 *a*)
11. 13. τὴν φωνὴν τῶν τρεχόντων τοῦ λαοῦ (2 *a*)
II Ch. 23. 12. τὴν φωνὴν τοῦ λαοῦ τρεχόντων [A τῶν τρ.] (2 *a*)
30. 6. ἐπορεύθησαν οἱ τρέχοντες (2 *a*)
— 10. ἦσαν οἱ τρέχοντες διαπορευόμενοι (2 *a*)
35. 13. ἔδραμον πρὸς πάντας τοὺς υἱοὺς τοῦ λαοῦ (2 *b*)
Jb. 15. 26. ἔδραμε δὲ ἐναντίον αὐτοῦ ὕβρει (2 *a*)
16. 15 (14). ἔδραμον πρὸς μὲ δυνάμενοι (2 *a*)
41. 13 (14). ἔμπροσθεν αὐτοῦ τρέχει [A προτρ.] ἀπώλεια (1)
Ps. 58 (59). 4. ἄνευ ἀνομίας ἔδραμον (2 *a*)
61 (62). 4. ἔδραμον ἐν δίψει †
118 (119). 32. ὁδὸν ἐντολῶν σου ἔδραμον (2 *a*)
147. 4 (15). ἕως τάχους δραμεῖται ὁ λόγος αὐ. (2 *a*)
Pr. 1. 16. A S² οἱ γὰρ πόδες αὐτῶν εἰς κακίαν τρέχουσιν (2 *a*)
4. 12. ἐὰν δὲ τρέχῃς οὐ κοπιάσεις (2 *a*)
7. 23. οὐκ εἰδὼς ὅτι περὶ ψυχῆς τρέχει –
Ca. 1. 4. ὀπίσω σου εἰς ὀσμὴν μύρων σου δραμοῦμεν (2 *a*)
Jl. 2. 7. ὡς μαχηταὶ δραμοῦνται (2 *a*)
— 9. ἐπὶ τῶν τειχέων δραμοῦνται (2 *a*)
Za. 2. 4 (8). δράμε καὶ λάλησον (2 *a*)
Is. 40. 31. δραμοῦνται καὶ οὐ κοπιάσουσι (2 *a*)

Is. 59. 7. οἱ δὲ πόδες αὐ. ἐπὶ πονηρίαν τρέχουσι (2 *a*)
Je. 8. 6. διέλιπεν ὁ τρέχων ἀπὸ τοῦ δρόμου αὐτοῦ †
12. 5. σοῦ οἱ πόδες τρέχουσι (2 *a*)
23. 21. αὐτοὶ ἔτρεχον (2 *a*)
Ez. 1. 14. A τὰ ζῷα ἔτρεχον (2 *c*)
Da. LXX. 8. 6. ἔδραμε πρὸς αὐτὸν ἐν θυμῷ ὀργῆς (2 *a*)
Da. TH. Su. 25. δραμὼν ὁ εἷς ἤνοιξε τὰς θύρας
— 38. ἐδράμομεν ἐπ' αὐτούς
8. 6. καὶ ἔδραμε πρὸς αὐτόν (2 *a*)
I Ma. 2. 24. δραμὼν ἔσφαξεν αὐτὸν ἐπὶ τὸν βωμόν
— 32. ἔδραμον ὀπίσω αὐτῶν πολλοί
II Ma. 5. 2. φαίνεσθαι διὰ τῶν ἀέρων τρέχοντας ἱππεῖς
IV Ma. 12. 10. δραμὼν ἐπὶ πλησίον τῶν τηγάνων
14. 5. ὥσπερ ἐπ' ἀθανασίας ὁδὸν τρέχοντες
[Aq. III Ki. 14. 28 : IV Ki. 11. 4 : Ps. 18 (19). 6 : Pr. 6. 18 : 18. 10 : Ec. 12. 6 : Je. 12. 5 : Hb. 2. 2.]
[Sm. Ps. 18 (19). 6 : Pr. 6. 18 : 18. 10 : Je. 12. 5 : Hb. 2. 2.]
[Th. Ps. 18 (19). 6 : Pr. 6. 18 : 18. 10 : Ez. 1. 14.]
[Al. Je. 12. 5.]

τρῆσις.

[Aq. Ez. 28. 13.]

τριακάς.

II Ma. 11. 30. *μέχρι τριακάδος Ξιανθικοῦ*

τριάκοντα.

Ge. 5. 3, 5, 16 : 6. 15 : 11. 12, 13†, 13 *bis*, 14, 15, 16, 18, 20, 22 : 18. 30 *bis* : 25. 17 : 32. 15 (16) : 41. 46 : 46. 15 : 47. 9.
Ex. 6. 16, 18, 20 : 12. 40, 41 : 21. 32 : 26. 8 : 39. 1 (38. 24)†.
Le. 12. 4 : 27. 4.
Nu. 1. 35, 37 : 2. 21, 23 : 4. 40 : 7. 13, 19, 25, 31, 37, 43, 49, 55, 61, 67, 73, 79, 85 : 20. 29 : 26. 7†, 37, 41, 50†, 51 : 31. 35, 36, 38, 39, 40, 43, 44, 45.
De. 2. 14 : 34. 8.
Jo. 7. 5 : 8. 3.
Jd. 10. 4 *ter* : 12. 9 *ter*, 13 (14) : 14. 11, 12 *bis*, 13 *bis*, 19 : 20. 31, 39.
I Ki. 4. 10 : 13. 5† : 15. 4†.
II Ki. 5. 4, 5 : 23. 13, 24, 39.
III Ki. 2. 11 : 3. 1 (4. 22 [5. 2]) : 5. 13 (27) : 6. 2† : 7. 23, 2†, 6† : 16. 28 (22. 42)† : 21 (20). 1, 15, 16 : 22. 31, 42.
IV Ki. 8. 17 : 18. 14 : 22. 1.
I Ch. 3. 4 : 7. 4, 7 : 11. 11, 15, 25, 42 : 12. 4 *bis*, 18, 34 : 15. 7† : 19. 7 : 23. 3 : 27. 6, 6† : 29. 27.
II Ch. 3. 15 : 4. 2 : 11. 21† : 20. 31 : 21. 5, 20 : 24. 15 : 34. 1 : 35. 7.
I Es. 1. 7 : 2. 13 : 5. 13†, 14†, 15, 23†, 28, 42, 43 *bis*.
II Es. 1. 9, 10 : 2. 35, 42, 58†, 65, 66, 67.
Ne. 7. 38, 45, 67, 68†, 69†, 70.
Ju. 7. 20 : 15. 11.
Es. 4. 11.
Za. 11. 12, 13.
Je. 45 (38). 10 : 52. 21, 31†.
Ez. 40. 17 : 41. 6 : 46. 22.
Da. LXX. 4. 9 : 6. 5 (6), 7 (8), 12 (13) : 12. 12 : Bel 26.
Da. TH. 6. 7 (8), 12 (13).
I Ma. 6. 30, 37 : 10. 36.
[Aq. Ge. 5. 5 : Ez. 40. 17 (P.) : Za. 11. 12.]
[Sm. Za. 11. 12.]
[Th. Je. 52. 29 : Ez. 40. 17 (P.).]

τριακονταδύο, *vid. sub* τριάκοντα *et* δύο.

τριακονταεννέα, *vid. sub* τριάκοντα *et* ἐννέα.

τριακονταέξ, *vid. sub* τριάκοντα *et* ἕξ.

τριακονταεπτά, *vid. sub* τριάκοντα *et* ἑπτά.

τριακονταετής. (1) בֶּן שְׁלֹשִׁים שָׁנָה
I Ch. 23. 3. *ἀπὸ τριακονταετοῦς καὶ ἐπάνω* (1)

τριακονταοκτώ, *vid. sub* τριάκοντα *et* ὀκτώ.

τριακονταπέντε, *vid. sub* τριάκοντα *et* πέντε.

τριακοντατέσσαρες, *vid. sub* τριάκοντα *et* τέσσαρες.

τριακοντατρεῖς, *vid. sub* τριάκοντα *et* τρεῖς.

τριακόσιοι.

Ge. 5. 23 : 6. 15 : 9. 28 : 11. 13, 15, 17† : 14. 14 : 45. 22.
Nu. 1. 23, 35† : 2. 13, 21† : 3. 50 : 4. 36† : 26. 25†, 50 : 31. 36, 43.
Jd. 7. 6, 7, 8, 16, 22† : 8. 4† : 11. 26 : 15. 4.
I Ki. 22. 18.
II Ki. 2. 31 : 21. 16 : 23. 8†, 18.
III Ki. 10. 16 *bis*, 17 : 11. 1 (3) : 12. 24† : 21 (20). 15†.
IV Ki. 18. 14.
I Ch. 11. 11, 20†.
II Ch. 9. 16, 16† : 14. 8 (7), 9 (8) : 17. 14 : 25. 5, 23† : 26. 13 : 28. 8 : 35. 8.
I Es. 1. 8 : 5. 13†, 16, 22†, 23, 35, 41, 42† : 8. 32†.
II Es. 2. 4†, 17, 32, 34, 58†, 64, 65 : 8. 5†.
Ne. 7. 9, 17, 22, 23, 35, 36, 60, 66, 67, 71†.
Es. 9. 15.
Da. LXX. 8. 14 : 12. 12.
Da. TH. 8. 14†.
I Ma. 8. 15 : 11. 28.
II Ma. 4. 8, 19, 24 : 13. 2 *bis*.
III Ma. 7. 15.
[Aq., Sm. Jd. 7. 22 : Ez. 4. 5.]
[Th. Jd. 7. 22 : Ez. 4. 5 : Da. 8. 14†.]

τριακοστός. (1) שְׁלִשִׁים
III Ki. 16. 23. *ἐν τῷ ἔτει τῷ τρ. καὶ πρώτῳ τοῦ βασ. 'Α.* (1)
— 29. A *ἐν ἔτει τρ. καὶ ὀγδόῳ τοῦ 'Α.* [B *al.*] (1)
IV Ki. 13. 10. *ἐν ἔτει τρ. καὶ ἑβδόμῳ ἔτει τῷ 'Ι.* (1)
15. 8. *ἐν ἔτει τρ. καὶ ὀγδόῳ τῷ 'Αζ.* (1)
— 13, 17. *ἐν ἔτει τρ. καὶ ἑνάτῳ 'Αζαρίᾳ* (1)
25. 27. *ἐν τῷ τρ. καὶ ἑβδόμῳ ἔτει* (1)
II Ch. 15. 19. *ἕως τοῦ πέμπτου καὶ τρ. ἔτους τῆς βασ. 'Α.* (1)
16. 1. *ἐν τῷ ὀγδόῳ καὶ τρ. ἔτει τῆς βασ. 'Α.* (1)
— 12. *ἐν τῷ ἑνάτῳ καὶ τρ. ἔτει τῆς βασ. αὐ.* (1)
— 13. B[1] *ἐν τῷ τρ. ἔτει τῆς βασ. αὐ.* [A B[2] *al.*] †
Ne. 5. 14. *ἕως ἔτους τρ. καὶ δευτέρου τῷ 'Αρθ.* (1)
13. 6. A B[2] S *ἐν ἔτει τρ. καὶ δευτέρῳ τοῦ 'Αρθ.* (1)
Si. *prol.* 19. *ἐν γὰρ τῷ ὀγδόῳ καὶ τρ. ἔτει ἐπὶ τοῦ Εὐεργέτου βασιλέως*
Je. 52. 31. *ἐγένετο ἐν τῷ τρ. καὶ ἑβδόμῳ ἔτει* [A *al.*] (1)
Ez. 1. 1. *ἐγένετο ἐν τῷ τρ. ἔτει* (1)
I Ma. 1. 10. *ἐν ἔτει ἑκατοστῷ καὶ τρ. καὶ ἑβδόμῳ*

τριβανοῦν.

[Sm. Ps. 6. 8.]

τρίβειν. (1) דוּךְ (2) לוּשׁ (3) סָלַל
Nu. 11. 8. *καὶ ἔτριβον ἐν τῇ θυΐᾳ* (1)
Pr. 15. 19. *αἱ δὲ τῶν ἀνδρείων τετριμμέναι* (3)
Is. 38. 21. *τρῖψον καὶ κατάπλασαι* –
Je. 7. 18. *αἱ γυναῖκες αὐτῶν τρίβουσι σταῖς* (2)
[Aq. Pr. 6. 13.]

τρίβολος. (1) דַּרְדַּר (2) חָרִיץ (3) צִנָּה
Ge. 3. 18. *ἀκάνθας καὶ τριβόλους ἀνατελεῖ σοι* (1)
II Ki. 12. 31. B *καὶ ἔθηκεν . . . ἐν τρ.* [A R *τοῖς τρ.*] *τοῖς σιδηροῖς* (2)
Pr. 22. 5. *τρίβολοι καὶ παγίδες ἐν ὁδοῖς σκολιαῖς* (3)
Ho. 10. 8. *ἄκανθαι καὶ τρίβολοι ἀναβήσονται* (1)
[Sm. Jd. 8. 7.]
[Th. Is. 28. 27.]

τρίβος. (1) אֹרַח (2) דֶּרֶךְ (3) מְסִלָּה (4) מַעְגָּל (5) נָתִיב, נְתִיבָה (6) שְׁבִיל
Ge. 49. 17. *ἐγκαθήμενος ἐπὶ τρίβου* (1)
Jd. 5. 6. A *καὶ ἐπορεύθησαν τρίβους* [B *ἀτραπούς*] (5)
— 20. *ἐκ τρίβων αὐτῶν παρετάξαντο* [A *al.*] (3)
I Ki. 6. 12. *ἐν τρίβῳ ἑνὶ ἐπορεύοντο* (3)
II Ki. 20. 12. *ἐν μέσῳ τῆς τρ.* (3)
— 12. *ἀπέστρεψαν τὸν 'Αμ. ἐκ τῆς τρ.* (3)
— 13. *ἡνίκα δὲ ἔφθασεν ἐκ τῆς τρ.* (3)
I Ch. 26. 18. *καὶ εἰς τὸν τρ. δύο διαδεχομένους* (3)
To. 4. 19. A B *ὅπως . . . πᾶσαι αἱ τρ. . . . εὐοδωθῶσι*
Jb. 18. 10. *ἡ σύλληψις αὐτοῦ ἐπὶ τρίβων* (5)
22. 15. *μὴ τρίβον αἰώνιον φυλάξεις* (1)
28. 7. *τρίβος οὐκ ἔγνω αὐτὴν πετεινόν* (5)
30. 12. *ὡδοποίησαν ἐπ' ἐμὲ τρίβους ἀπωλείας αὐτῶν* (1)
Jb. 30. 13. *ἐξετρίβησαν τρίβοι μου* (5)
34. 11. *ἐν τρίβῳ ἀνδρὸς εὑρήσει αὐτόν* (1)
38. 20. *εἰ δὲ καὶ ἐπίστασαι τρίβους αὐτῶν* (5)
Ps. 8. 8. *τὰ διαπορευόμενα τρίβους θαλασσῶν* (1)
16 (17). 5. *κατάρτισαι τὰ διαβήματά μου ἐν ταῖς τρ. σου* (4)
17 (18). 45. *ἐχώλαναν ἀπὸ τῶν τρ. αὐτῶν* †
22 (23). 3. *ὡδήγησέν με ἐπὶ τρίβους δικαιοσύνης* (4)
24 (25). 4. *τὰς τρ. σου δίδαξόν με* (1)
26 (27). 11. *ὁδήγησόν με ἐν τρίβῳ εὐθείᾳ* (1)
43 (44). 18. B[5] R *ἐξέκλινας τὰς* [A B[1] R *τοὺς*] *τρ. ἡμῶν ἀπὸ τῆς ὁδοῦ σου* †
76 (77). 19. *αἱ τρ. σου ἐν ὕδασι πολλοῖς* (6)
77 (78). 50. *ὡδοποίησε τρίβον τῇ ὀργῇ αὐτοῦ* (5)
118 (119). 35. A S[1] *ὁδήγησόν με ἐν τρίβῳ* [S[2] R *τῇ τρ.*] *τῶν ἐντολῶν σου* (5)
— 105. *καὶ φῶς ταῖς τρ. μου* (5)
138 (139). 3. *τὴν τρ. μου καὶ τὴν σχοῖνόν μου ἐξιχνίασας* (1)
— 23. S[1] *γνῶθι τὰς τρ. σου* –
— 23. *γνῶθι τὰς τρ. μου* †
139 (140). 5. *ἐχόμενα τρίβου σκάνδαλον ἔθεντό μοι* (4)
141 (142). 3. *σὺ ἔγνως τὰς τρ. μου* (5)
Pr. 1. 15. *ἔκκλινον δὲ τὸν πόδα σου ἐκ τῶν τρ. αὐτῶν* (5)
2. 15. *ὧν αἱ τρ. σκολιαί* (1)
— 19. *οὐδὲ μὴ καταλάβωσι τρίβους εὐθείας* (1)
— 20. *εἰ γὰρ ἐπορεύοντο τρίβους ἀγαθάς εὕροσαν ἂν τρίβους δικαιοσύνης λείους* (2, 1)
3. 17. *πάντες οἱ* [B[2] *αἱ*] *τρ. αὐ. ἐν εἰρήνῃ* (5)
8. 2. *ἀνὰ μέσον δὲ τῶν τρ. ἕστηκε* (5)
— 20. *ἀνὰ μέσον τρίβων* [S[1] *ὁδῶν*] *δικαιώματος* [A S[2] *δικαιοσύνης*] *ἀναστρέφομαι* (5)
15. 21. *ἀνόητου τρίβοι ἐνδεεῖς φρενῶν* †
16. 17. *τρίβοι ζωῆς ἐκκλίνουσιν* [S *-κινοῦσιν*] *ἀπὸ κακῶν* (3)
24. 54 (30. 19). *καὶ τρίβους νηὸς ποντοπορούσης* (2)
Wi. 2. 15. *ἐξηλλαγμέναι αἱ τρ. αὐτοῦ*
5. 7. *ἀνομίας ἐνεπλήσθημεν τρίβοις*
— 10. B[2] *οὐδὲ ἀτραπὸν τρίβων* [S[1] *τροπιᾶς*, A S[2] *τρόπεως*, B[1] R *τρόπιος*] *αὐτῆς ἐν κύμασιν*
6. 16. *ἐν ταῖς τρ. φαντάζεται αὐτοῖς εὐμενῶς*
9. 18. *οὕτως διωρθώθησαν αἱ τρ. τῶν ἐπὶ γῆς*
10. 10. *αὕτη . . . δίκαιον ὡδήγησεν ἐν τρίβοις εὐθείαις*
14. 3. *ἔδωκας . . . ἐν κύμασι τρίβον ἀσφαλῆ*
Si. 2. 12. *οὐαὶ . . . ἁμαρτωλῷ ἐπιβαίνοντι ἐπὶ δύο τρίβους*
6. 36. B[2] *βαθμοὺς τρίβων* [A B[1] S R *θυρῶν*] *αὐτοῦ ἐκτριβέτω ὁ πούς σου*
Ho. 2. 6 (8). *τὴν τρ. αὐ. οὐ μὴ εὕρῃ* (5)
Mi. 4. 2. *πορευσόμεθα ἐν ταῖς τρ. αὐ.* (1)
Jl. 2. 7. *οὐ μὴ ἐκκλίνωσι τὰς* [A *τοὺς*] *τρ. αὐ.* (1)
Is. 3. 12. *τὸν* [A S *τὴν*] *τρ. τῶν ποδῶν ὑμῶν ταράσσουσιν* (2)
30. 11. *ἀφέλετε ἀφ' ἡμῶν τὸν* [A *τὴν*] *τρ. τοῦτον* (1)
40. 3. *εὐθείας ποιεῖτε τὰς τρ. τοῦ θ. ἡμῶν* (3)
42. 16. *τρίβους ἃς* [A S *οὓς*] *οὐκ ᾔδεισαν πατῆσαι* (5)
43. 16. *ὁ διδοὺς . . . ἐν ὕδατι ἰσχυρῷ τρίβον* (5)
49. 9. *ἐν πάσαις ταῖς* [B[1] *om.*, B[2] *τοῖς*] *τρ. ἡ νομὴ αὐτῶν* †
— 11. *θήσω . . . πᾶσαν* [S[1] *πάντα*] *τρίβον εἰς βόσκημα αὐτοῖς* (3)
58. 12. A B[1] S *τοὺς* [B[2] R *τὰς*] *τρ. σου ἀνὰ μέσον παύσεις* (5)
59. 8. *αἱ γὰρ τρ. αὐτῶν διεστραμμέναι* (5)
Je. 6. 16. *ἐρωτήσατε τρίβους κυρίου αἰωνίους* (5)
9. 10 (9). *λάβετε . . . ἐπὶ τὰς τρ. τῆς ἐρήμου θρῆνον* †
18. 15. *τοῦ ἐπιβῆναι τρίβους οὐκ ἔχοντας ὁδόν* (5 + 2)
Ba. 3. 21. *οὐδὲ συνῆκαν τρίβους αὐτῆς*
— 23. *οὐδὲ ἐμνήσθησαν τὰς τρ. αὐτῆς*
— 31. *οὐδὲ ὁ ἐνθυμούμενος τὴν τρ. αὐτῆς*
4. 13. *οὐδὲ τρίβους παιδείας ἐν δικαιοσύνῃ αὐτοῦ ἐπέβησαν*
La. 3. 9. *ἐνέφραξε τρίβους μου* (5)
Da. TH. 4. 34. *καὶ αἱ τρ. αὐ. κρίσεις* (1)
[Aq. Jb. 30. 12 : Ps. 141 (142). 4 : Je. 18. 15 : 31 (38). 21.]
[Sm. Ps. 24 (25). 10 : 141 (142). 4 : Pr. 4. 11 : 10. 17 : Is. 30. 11 : 58. 12 : Je. 6. 16 : 31 (38). 21.]
[Th. Jd. 5. 6 : Jb. 22. 15 : 30. 12, 13 : Ps. 138 (139). 3 *bis*.]

τριγχός.
[Sm. Je. 49 (30). 3.]
[Al. I Ki. 25. 22.]

τριετής. (1) שְׁלִישִׁי (2) בֶּן שָׁלֹשׁ שָׁנִים
II Ch. 31. 16. ἀπὸ τριετοῦς καὶ ἐπάνω (2)
Is. 15. 5. δάμαλις γάρ ἐστι τρ. (1)
II Ma. 4. 23 : 14. 1. μετὰ δὲ τρ. χρόνον
[Aq., Sm. Je. 48 (31). 34.]

τριετίζειν. (1) *a.* שָׁלַשׁ pu. *b.* שְׁלִשָׁה
Ge. 15. 9. λάβε μοι δάμαλιν τριετίζουσαν καὶ αἶγα τριετίζουσαν καὶ κριὸν τριετίζοντα (1 *a ter*)
I Ki. 1. 24. ἀνέβη . . . ἐν μόσχῳ τριετίζοντι (1 *b*)

τρίζειν.
[Aq. Am. 2. 13 *bis.*]
[Sm. Is. 38. 14.]

τριημερία. (1) שְׁלִשֶׁת יָמִים
Am. 4. 4. ἠνέγκατε . . . εἰς τὴν τρ. τὰ ἐπιδέκατα ὑμῶν (1)

τριήμερος.
[Sm. I Ki. 9. 20.]

τριηραρχία.
I Ma. 11. 28. S¹ καὶ τρεῖς τριηραρχίας [A S² R *al.*]

τριήρης.
II Ma. 4. 20. εἰς τὰς τῶν τρ. κατασκευάς
[Aq. Is. 33. 21.]

τρικυμία.
IV Ma. 7. 2. καταντλούμενος ταῖς τῶν βασάνων τρ.

τριμερίζειν. (1) שָׁלַשׁ pi.
De. 19. 3. τριμερεῖς τὰ ὅρια τῆς γῆς σου (1)

τρίμηνον. (1) *a.* שְׁלֹשׁ חֳדָשִׁים *b.* שְׁלִשָׁה חֳדָשִׁים
Ge. 38. 24. ἐγένετο δὲ μετὰ τρίμηνον (1 *a*)
IV Ki. 23. 31. τρίμηνον [A τρεῖς μῆνας] ἐβασίλευσεν ἐν Ἱερ. (1 *b*)
24. 8 : II Ch. 36. 2. τρίμηνον ἐβασίλευσεν ἐν Ἱερ. (1 *b*)
II Ch. 36. 9. τρίμηνον καὶ δέκα ἡμέρας ἐβασίλευσεν (1 *b*)

τριόδους. (1) שְׁלֹשׁ הַשְּׁבִלִים
I Ki. 2. 13. καὶ κρεάγρα τρ. ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (1)

τριπλασίων, τριπλασίως.
Si. 43. 4. A τριπλασίων [B S -ίως] ἥλιος ἐκκαίων ὄρη

τριπλοῦν.
[Sm. Ec. 4. 12.]

τριπλοῦς. (1) שָׁלַשׁ pu.
Ez. 42. 6. τριπλαῖ ἦσαν (1)
[Sm. Ec. 4. 12.]

τρίς. (1) זְמִנִּין תְּלָתָה (2) שָׁלֹשׁ פְּעָמִים
I Ki. 20. 41. προσεκύνησεν αὐτῷ τρίς (2)
III Ki. 17. 21. ἐνεφύσησε τῷ παιδαρίῳ τρίς (2)
IV Ki. 13. 18. ἐπάταξεν ὁ βασ. τρίς (2)
— 19. τρὶς πατάξεις τὴν Σ. (2)
— 25. τρὶς ἐπάταξεν αὐτὸν Ἰ. (2)
Si. 13. 7. ἕως οὗ ἀποκενώσῃ σε δὶς ἢ τρίς
48. 3. κατήγαγεν οὕτως [S² *om.*] τρὶς πῦρ
Ez. 41. 6. διεμέτρησε . . . πλευρὰ . . . τριάκοντα [A *add.* καὶ] τρ. δίς (2)
Da. LXX. 6. 5 (6). δεῖται κ. τοῦ θεοῦ αὐ. τρὶς τῆς ἡμέρας –
— 10 (11). ἔπιπτεν ἐπὶ πρόσωπον αὐ. τρὶς τῆς ἡμέρας (1)
— 11 (12). κατελάβοσαν αὐτὸν εὐχόμενον τρὶς τῆς ἡμέρας –
— 13 (14). εὕρομεν Δαν. τὸν φίλον σου εὐχόμενον . . . τρὶς τῆς ἡμέρας (1)
— 16 (17). ᾧ σὺ λατρεύεις ἐνδελεχῶς τρὶς τῆς ἡμέρας –
[Aq. I Ki. 30. 13.]
[Sm. Jb. 33. 29.]

τρισάθλιος.
III Ma. 4. 4. R δακρύειν αὐτῶν τρισάθλιον [A τὴν δυσάθλιον] ἐξαποστολήν
IV Ma. 16. 6. ὦ μελέα ἔγωγε καὶ πολλάκις τρισαθλία

τρισαλιτήριος.
Es. 8. 13. τοὺς ὑπὸ τοῦ τρ. παραδεδομένους εἰς ἀφανισμὸν Ἰουδαίους
II Ma. 8. 34. ὁ δὲ τρ. Νικάνωρ
15. 3. ὁ δὲ τρ. ἐπηρώτησεν

τρισκαίδεκα.
Nu. 29. 13†, 14†.
Jo. 18. 28†.
Jd. 6. 27†.
III Ki. 7. 1.
I Ch. 6. 60 (45), 62 (47)† : 26. 11†.

τρισκαιδέκατος. (1) *a.* שְׁלֹשׁ־עֶשְׂרֵה, שְׁלֹשׁ־עֶשְׂרֵה *b.* שְׁלִשָׁה עָשָׂר
Ge. 14. 4. τῷ δὲ τρ. ἔτει ἀπέστησαν (1 *a*)
I Ch. 24. 13. τῷ Ὀ. ὁ τρ. (1 *b*)
25. 20. ὁ τρ. Σουβαήλ (1 *b*)
II Ch. 29. 17. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. [A ἑκκαιδ.] †
Es. 3. 12. μηνὶ πρώτῳ τῇ τρ. [S² *add.* ἡμέρᾳ αὐ.] (1 *b*)
8. 12. τῇ τρ. τοῦ δωδεκάτου μηνός (1 *b*)
— 13. τῇ τρ. τοῦ δωδεκάτου μηνός
9. 1. τρισκαιδεκάτῃ [S¹ τεσσαρεσκαιδ.] τοῦ μηνός (1 *b*)
— 15. S² τῇ τρ. [A B S¹ τεσσαρεσκαιδ.] τοῦ Ἀ. †
— 16. τῇ τρ. [A τεσσαρεσκαιδ.] τοῦ Ἀ. [S *al.*] –
— 18. S² τῇ τρ. τοῦ αὐτοῦ (1 *b*)
Je. 1. 2. ἔτους τρισκαιδεκάτου ἐν τῇ βασ. αὐ. (1 *a*)
25. 3. ἐν τρισκαιδεκάτῳ ἔτει [A *add.* τοῦ βασιλέως] Ἰωσία (1 *a*)
I Ma. 7. 43. τῇ τρ. τοῦ μηνὸς Ἄδαρ
— 49. τῇ τρ. τοῦ Ἄδαρ
II Ma. 15. 36. ἔχειν δὲ ἐπίσημον τὴν τρ. τοῦ δωδεκάτου μηνός
[Aq., Sm. Je. 25. 3.]

τρισκελίς.
[Aq. I Ki. 13. 21.]

τρισμός.
[Aq. Ps. 65 (66). 11.]

τρισμύριοι.
Es. 1. 7.

τρισσεύειν. (1) *a.* שָׁלַשׁ pi. *b.* שְׁלִשָׁה
I Ki. 20. 19. καὶ τρισσεύσεις (1 *a*)
— 20. τρισσεύσω ταῖς σχίζαις ἀκοντίζων (1 *b*)
III Ki. 18. 34. καὶ ἐτρίσσευσαν [A -ωσαν] (1 *a*)
[Aq. I Ki. 20. 19.]

τρισσός. (1) שָׁלִישׁ
III Ki. 10. 22 (9. 22). A R ἄρχοντες αὐ. καὶ τρισσοὶ αὐ. (1)
IV Ki. 11. 10. ἔδωκεν ὁ ἱ. τοῖς ἑκατοντάρχαις . . . τοὺς τρ. τοῦ βασ. –
Ez. 23. 15. ὄψις τρισσὴ πάντων (1)
— 23. ἐπάξω . . . πάντας τρισσοὺς καὶ ὀνομαστούς (1)
42. 3. ἀντιπρόσωποι στοαὶ τρισσαί (1)
[Aq. III Ki. 9. 22 : Is. 40. 12.]
[Th. Ez. 23. 15.]
[Al. Ez. 42. 3.]

τρισσοῦν. (1) שָׁלַשׁ pi.
III Ki. 18. 34. καὶ εἶπε, Τρισσώσατε (1)
— 34. A καὶ ἐτρίσσωσαν [B -ευσαν] (1)

τρισσῶς. (1) *a.* הַשְּׁלִשִׁית *b.* שְׁלֹשׁ פְּעָמִים *c.* שְׁלָשִׁים *d.* לִשְׁלֹשְׁתָם
I Ki. 20. 12. ἀνακρινῶ τὸν πατέρα μου ὡς ἂν ὁ καιρὸς τρ. (1 *a*)
III Ki. 7. 4. καὶ χώρα ἐπὶ χώραν τρ. [A¹ *om.*] (1 *b*)
— 5. καὶ ἀπὸ τοῦ θυρώματος ἐπὶ θύραν τρ. (1 *b*)
Pr. 22. 20. καὶ σὺ δὲ ἀπόγραψαι αὐτὰ σεαυτῷ τρ. (†*, 1 *c*)
Ez. 16. 30. ἐξεπόρνευσας τρ. ἐν [A ἐπὶ] ταῖς θυγατράσι σου †
41. 16. αἱ θυρίδες ἀναπτυσσόμεναι τρ. (1 *d*)

τριστάτης. (1) שָׁלִשׁ, שָׁלִישׁ
Ex. 14. 7. λαβὼν . . . τριστάτας ἐπὶ πάντων (1)
15. 4. ἐπιλέκτους ἀναβάτας τριστάτας (1)
IV Ki. 7. 2. ἀπεκρίθη ὁ τρ. (1)
— 17. ὁ βασ. κατέστησε τὸν τρ. (1)
IV Ki. 7. 19. ἀπεκρίθη ὁ τρ. τῷ Ἐλ. (1)
9. 25. εἶπε πρὸς Β. τὸν τρ. αὐ. (1)
10. 25. εἶπεν Ἰ. . . . τοῖς τρ. (1)
— 25. καὶ ἔρριψαν . . . οἱ τρ. (1)
15. 25. συνεστράφη ἐπ' αὐτὸν Φ. υἱὸς Ρ. ὁ τρ. αὐ. (1)
[Sm. Ez. 23. 15, 23.]

τρίστεγον.
[Sm. Ge. 6. 17 (16) : Ez. 42. 6.]

τρισχίλιοι.
Ex. 32. 28 : 39. 3 (38. 26).
Nu. 1. 46 : 2. 32 : 4. 44.
Jo. 7. 3, 4.
Jd. 15. 11† : 16. 27†.
I Ki. 25. 2.
III Ki. 4. 32 (5. 12).
I Ch. 29. 4.
II Ch. 2. 2 (1), 17 (16), 18 (17) : 4. 5 : 29. 33.
I Es. 1. 7 : 5. 13†, 17, 23.
II Es. 2. 12†, 35.
Ne. 7. 38†.
Jb. 1. 3.
I Ma. 4. 6, 15 : 5. 20, 22, 34† : 7. 40 : 9. 5, 49† : 11. 44, 74 : 12. 47.
II Ma. 4. 40 : 8. 34 : 12. 20†, 33.
IV Ma. 4. 17†.
[Th. Je. 52. 28.]

τρισχίλιος.
I Ma. 10. 77. παρενέβαλε τρισχιλίαν ἵππον

τριταῖος. (1) *a.* שְׁלִשָׁה *b.* שְׁלִשֶׁת הַיָּמִים
I Ki. 9. 20. περὶ τῶν ὄνων σου τῶν ἀπολωλυιῶν σήμερον τριταίων (1 *b*)
30. 13. ἠνωχλήθην ἐγὼ σήμερον τριταῖος (1 *a*)

τρίτος. (1) *a.* שְׁלִישִׁי *b.* שְׁלוּשׁ, שָׁלֹשׁ, שְׁלוּשָׁה, שְׁלִשָׁה *c.* תְּלִיתִי *d.* תְּלֵת *e.* תְּלַת *f.* תַּלְתִּי (2) τρ. ἡμέραν, τρίτην, (τῆς) τρ. ἡμέρας, (τῆς) τρ. שְׁלִשׁוֹם, שְׁלִשְׁתָּם (3) τρ. (γενεά) שְׁלִשִׁים (4) ἕως τρ. γενεᾶς שְׁלִשִׁים (5) *a.* שָׁלֹשׁ פְּעָמִים *b.* שָׁלֹשׁ רְגָלִים
Ge. 1. 13. καὶ ἐγένετο . . . ἡμέρα τρίτη (1 *a*)
2. 14. καὶ ὁ ποταμὸς ὁ τρ. Τίγρις (1 *a*)
22. 3 (4). τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
31. 2, 5. ὡς ἐχθὲς καὶ τρίτην ἡμέραν (2)
— 22. τῇ τρ. ἡμέρᾳ (1 *a*)
32. 19 (20). ἐνετείλατο . . . τῷ τρ. (1 *a*)
34. 25 : 40. 20. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
42. 18. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
50. 23. ἕως τρ. γενεᾶς (4)
Ex. 4. 10. οὐδὲ πρὸ τῆς τρ. ἡμέρας (2)
5. 7, 14. καθάπερ ἐχθὲς καὶ τρ. ἡμέραν (2)
19. 1. τοῦ δὲ μηνὸς τοῦ τρ. τῆς ἐξόδου (1 *a*)
— 11. ἕστωσαν ἕτοιμοι εἰς τὴν ἡμέραν τὴν τρ. (1 *a*)
— 11. τῇ γὰρ ἡμέρᾳ τῇ τρ. καταβήσεται κύριος (1 *a*)
— 16. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
20. 5. ἕως τρ. καὶ τετάρτης γενεᾶς [A *al.*] (3)
21. 29. πρὸ τῆς ἐχθὲς καὶ πρὸ τῆς τρ. (2)
— 36. πρὸ τῆς ἐχθὲς καὶ πρὸ τῆς τρ. ἡμέρας [A *om.*] (2)
28. 19. καὶ ὁ στίχος ὁ τρ. (1 *a*)
34. 7. ἐπὶ τρίτην καὶ τετάρτην γενεάν (3)
36. 19 (39. 12). ὁ στίχος ὁ τρ. (1 *a*)
Le. 7. 7 (17). τὸ καταλειφθὲν ἀπὸ τῶν κρεῶν . . . ἕως ἡμέρας τρ. (1 *a*)
— 8 (18). τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
19. 6. ἐὰν καταλειφθῇ ἕως ἡμέρας τρ. (1 *a*)
— 7. ἐὰν δὲ βρώσει βρωθῇ τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
Nu. 2. 24. τρίτοι ἐξαροῦσι (1 *a*)
7. 24. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
10. 6. σαλπιεῖτε σημασίαν τρ. –
14. 18. B ἕως τρίτης καὶ τετάρτης [A R *add.* γενεᾶς] (3)
15. 6. ποιήσεις . . . τὸ τρ. τοῦ ἵν (1 *a*)
— 7. τὸ τρ. τοῦ ἵν προσοίσετε (1 *a*)
19. 12 *bis.* τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
— 19. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
20. 1. B¹ ἐν τῷ μηνὶ τῷ τρ. [A B² R πρώτῳ] †
22. 28. πέπαικάς με τοῦτο τρ. (5 *b*)
— 32. διὰ τί ἐπάταξας τὴν ὄνον σου τοῦτο τρ. (5 *b*)
— 32 (33). ἐξέκλινεν ἀπ' ἐμοῦ τρ. τοῦτο (5 *b*)
24. 10. εὐλογῶν εὐλόγησας τρ. τοῦτο (5 *a*)

Nu. 28. 14. τὸ τρ. τοῦ ἓν ἔσται τῷ κριῷ τῷ ἑνί [B¹ *al.*] (1 *a*)
29. 20: 31. 19. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
De. 4. 42. πρὸ τῆς ἐχθὲς οὐδὲ πρὸ τῆς τρ. [A B² *al.*] (2)
5. 9. ἐπὶ τρίτην καὶ τετάρτην γενεάν (3)
19. 4. πρὸ τῆς ἐχθὲς καὶ τρίτης [A *al.*] (2)
— 6. πρὸ τῆς ἐχθὲς οὐδὲ πρὸ τῆς τρ. [A *al.*] (2)
23. 8 (9). γενεᾷ τρ. εἰσελεύσονται (1 *a*)
26. 12. ἐν τῷ ἔτει τῷ τρ. (1 *a*)
Jo. 3. 4. ἀπ' ἐχθὲς καὶ τρίτης ἡμέρας (2)
4. 18. ἐπορεύετο καθὰ ἐχθὲς καὶ τρ. ἡμέραν (2)
17. 11. καὶ τὸ τρ. τῆς M. (1 *b*)
19. 10. ἐξῆλθεν ὁ κλῆρος ὁ τρ. τῷ Z. (1 *a*)
20. 5. ἀπ' ἐχθὲς καὶ τρίτην (2)
Jd. 16. 15. τοῦτο τρ. ἐπλάνησάς με [A *al.*] (5 *a*)
19. 8. A τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. [B πέμπτῃ] †
20. 30. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
Ru. 2. 11. ὃν οὐκ ᾔδεις ἐχθὲς καὶ τρίτης (2)
I Ki. 3. 8. καλέσαι Σαμ. ἐν τρίτῳ (1 *a*)
4. 8 (7). οὐ γέγονε τοιαύτη ἐχθὲς καὶ τρίτην [A -ης] (2)
10. 11. B πάντες οἱ εἰδότες αὐτὸν ἐχθὲς καὶ τρίτην [A R -ης] (2)
14. 21. οἱ ὄντες ἐχθὲς καὶ τρ. ἡμέραν μετὰ τῶν ἀλλοφ. (2)
17. 13. A καὶ ὁ τρ. αὐ. Σ. (1 *a*)
19. 7. ὡσεὶ ἐχθὲς καὶ τρ. ἡμέραν (2)
— 21. προσέθετο Σ. ἀποστεῖλαι ἀγγέλους τρ. (1 *a*)
20. 5. A κρυβήσομαι . . . ἕως δείλης τῆς τρ. [B *om.* τ. τρ.] (1 *a*)
21. 5 (6). ἀπεσχήμεθα ἐχθὲς καὶ τρ. ἡμέραν (2)
30. 1: II Ki. 1. 2. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
II Ki. 3. 3. καὶ ὁ τρ. Ἀβ. (1 *a*)
— 17. ἐχθὲς καὶ τρίτην ἐζητεῖτε τὸν Δ. (2)
5. 2. ἐχθὲς καὶ τρίτην ὄντος Σ. βασιλέως (2)
18. 2. ἀπέστειλε Δ. τὸν λαὸν τὸ [A τὸν] τρ. ἐν χειρὶ Ἰ. καὶ τὸ τρ. ἐν χειρὶ Ἀβ. . . . καὶ τὸ τρ. ἐν χειρὶ Ἐ. (1 *a ter*)
23. 8. ἄρχων τοῦ τρ. ἐστίν †
III Ki. *tit.* βασιλειῶν τρίτη
3. 18. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
6. 6. καὶ ἡ τρ. ἑπτὰ ἐν πήχει (1 *a*)
12. 12. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
— 12. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
— 24. B ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. –
15. 28. ἐν ἔτει τρ. βασιλέως τοῦ Ἀ. (1 *b*)
— 33. ἐν τῷ ἔτει τῷ τρ. τοῦ Ἀ. βασιλέως Ἰ. (1 *b*)
18. 1: 22. 2. ἐν τῷ ἐνιαυτῷ τῷ τρ. (1 *a*)
IV Ki. 1. 13. A ἀποστεῖλαι ἡγούμενον πεντηκόνταρχον τρ. [B *om.* π. τρ.] (1 *a*)
— 13. ἦλθεν ὁ πεντηκόνταρχος ὁ τρ. (1 *a*)
11. 6 (5). τὸ τρ. ἐξ ὑμῶν εἰσελθέτω (1 *a*)
— 6. καὶ τὸ τρ. ἐν τῇ πύλῃ τῶν ὁδῶν (1 *a*)
— 6. καὶ τὸ τρ. τῆς πύλης ὀπίσω τῶν παρατρεχόντων (1 *a*)
12. 6 (7). ἐν τῷ εἰκοστῷ καὶ τρ. ἔτει (1 *b*)
13. 1. ἐν ἔτει εἰκοστῷ καὶ τρ. ἔτει τῷ Ἰ. (1 *b*)
— 5. καθὼς ἐχθὲς καὶ τρίτης (2)
18. 1. ἐν ἔτει τρ. τῷ Ὠ. (1 *b*)
19. 29. ἔτει [A τῷ ἔτει τῷ] τρ. σπορά (1 *a*)
20. 5. τῇ [A ἐν τῇ] ἡμέρᾳ τῇ τρ. ἀναβήσῃ (1 *a*)
— 8. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
I Ch. 2. 13. Σαμαὰ ὁ τρ. (1 *a*)
3. 2. ὁ τρ. Ἀβ. υἱὸς M. (1 *a*)
— 15. ὁ τρ. Σεδ. (1 *a*)
8. 1. Βεν. ἐγέννησε B. . . . Ἀ. τὸν τρ. (1 *a*)
— 39. Ἐλιφ. ὁ τρ. (1 *a*)
11. 2. ἐχθὲς καὶ τρίτην ὄντος Σ. βασιλέως (2)
12. 9. Ἐλ. ὁ τρ. (1 *a*)
23. 19. Ἰεζ. ὁ τρ. (1 *a*)
24. 8. τῷ Χ. ὁ τρ. (1 *a*)
— 18. τῷ Ἀ. ὁ τρ. καὶ εἰκοστός (1 *b*)
— 23. Ἰ. ὁ τρ. (1 *a*)
25. 10. ὁ τρ. Z. (1 *a*)
— 30. ὁ τρ. καὶ εἰκοστὸς M. (1 *b*)
26. 2. A R Ζαβ. ὁ τρ. [B *al.*] (1 *a*)
— 4. A R Ἰ. ὁ τρ. [B *al.*] (1 *a*)
— 11. Ταβ. ὁ τρ. (1 *a*)
27. 5. ὁ τρ. τὸν μῆνα τὸν τρ. (1 *a*, 1 *a*)
II Ch. 7. 10. ἐν τῇ τρ. καὶ εἰκοστῇ τοῦ μηνὸς τοῦ ἑβδ. (1 *b*)
10. 12 *bis.* τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
15. 10. ἐν τῷ μηνὶ τῷ τρ. (1 *a*)
17. 7. ἐν τῷ τρ. ἔτει τῆς βασ. αὐ. (1 *b*)
II Ch. 23. 4. τὸ τρ. ἐξ ὑμῶν εἰσπορευέσθωσαν τὸ σάββατον (1 *a*)
— 5. B καὶ τρίτον [A² R τὸ τρ.] ἐν οἴκῳ τοῦ βασ. (1 *a*)
— 5. καὶ τὸ τρ. ἐν τῇ πύλῃ τῇ μέσῃ (1 *a*)
27. 5. ἐν τῷ πρώτῳ ἔτει καὶ τῷ δευτ. καὶ τῷ τρ. (1 *a*)
29. 17. B¹ τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. [A B² R πρώτῃ] †
31. 7. ἐν τῷ μηνὶ τῷ τρ. (1 *a*)
I Es. 3. 12. B² R ὁ τρ. [B¹ ὅτι τρ., A ὁ ἄλλος] ἔγραψεν
4. 13. ὁ δὲ τρ. εἶπας περὶ τῶν γυναικῶν
7. 5. ἕως τρίτης καὶ εἰκάδος μηνὸς Ἀ.
8. 62. γενομένης αὐτόθι ἡμέρας τρίτης
II Es. 6. 15. ἕως ἡμέρας τρ. μηνὸς Ἀδάρ (1 *d*)
Ne. 10. 32 (33). δοῦναι ἐφ' ἡμᾶς τρίτον τοῦ διδράχμου (1 *a*)
To. 1. 8. τὴν τρ. ἐδίδουν οἷς καθήκει [S *al.*]
— 8. S ἐν τῷ τρ. ἔτει
Es. 1. 3. ἐν τῷ τρ. ἔτει βασιλεύοντος αὐτοῦ (1 *b*)
5. 1. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
8. 9. S² ἐν τῷ τρ. [A B S¹ πρώτῳ] μηνί (1 *a*)
— 9. τρίτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ αὐτοῦ ἔτους (1 *b*)
Jb. 42. 14. τὴν δὲ τρ. Ἀμαλθαίας κέρας (1 *a*)
Si. 23. 16. τὸ τρ. ἐπάξει ὀργήν
— 23. τὸ τρ. ἐν πορνείᾳ ἐμοιχεύθη
26. 28. ἐπὶ τῷ τρ. θυμός μοι ἐπῆλθεν
28. 14. γλῶσσα τρίτη πολλοὺς ἐσάλευσε
— 15. γλῶσσα τρίτη γυναῖκας ἀνδρείας ἐξέβαλε
45. 23. Φινεὲς υἱὸς Ἐλεάζαρ τρίτος εἰς δόξαν
50. 25. τὸ τρ. οὐκ ἔστιν ἔθνος
Ho. 6. 3 (2). ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 *a*)
Za. 6. 3. ἐν τῷ ἅρματι τῷ τρ. ἵπποι λευκοί (1 *a*)
13. 8. τὸ δὲ τρ. ὑπολειφθήσεται ἐν αὐτῇ (1 *a*)
— 9. διάξω τὸ τρ. διὰ πυρός (1 *a*)
Is. 19. 24. ἔσται Ἰσραὴλ τρίτος ἐν τοῖς Αἰγ. (1 *a*)
37. 30. τῷ δὲ τρ. σπείραντες ἀμήσατε (1 *a*)
Ez. 10. 14. A τὸ πρόσωπον τοῦ τρ. πρόσωπον λέοντος (1 *a*)
21. 14 (19). ἡ τρ. ῥομφαία τραυματιῶν ἐστι (1 *a*)
31. 1. ἐγένετο . . . ἐν τῷ τρ. μηνί (1 *a*)
40. 8. τὸ θεὲ τὸ τρ. ἴσον τῷ καλάμῳ μῆκος –
46. 14. καὶ ἐλαίου τρίτον τοῦ [A τὸ τρ. τῷ] εἶν (1 *a*)
Da. LXX. 1. 1. ἐπὶ βασιλέως Ἰ. τῆς Ἰουδ. ἔτους τρ. (1 *b*)
2. 39. καὶ τρ. βασιλεία ἄλλη χαλκῆ (1 *c*)
5. 7. δοθήσεται αὐτῷ ἐξουσία τοῦ τρ. μέρους τῆς βασ. (1 *f*)
— 16. ἕξεις ἐξουσίαν τοῦ τρ. μέρους τῆς βασ. μου (1 *e*)
— 29. ἔδωκεν ἐξουσίαν αὐτῷ τοῦ τρ. μέρους τῆς βασ. αὐ. (1 *e*)
8. 1. ἔτους τρ. βασιλεύοντος Βαλτ. (1 *b*)
Da. TH. Su. 15. καθὼς ἐχθὲς καὶ τρ. ἡμέρας
1. 1. ἐν ἔτει τρ. τῆς βασ. Ἰ. (1 *b*)
2. 39. ἀναστήσεται . . . βασιλεία τρ. (1 *c*)
5. 7. καὶ τρίτος ἐν τῇ βασιλείᾳ μου ἄρξει (1 *f*)
— 16. καὶ τρίτος ἐν τῇ βασιλείᾳ μου ἄρξεις (1 *e*)
— 29. εἶναι αὐτὸν ἄρχοντα τρ. ἐν τῇ βασιλείᾳ (1 *e*)
7. 1. B¹ ἐν ἔτει τρ. [A B² R πρώτῳ] Βαλτ. †
8. 1. ἐν ἔτει τρ. τῆς βασιλείας Βαλτ. (1 *b*)
10. 1. ἐν ἔτει τρ. Κύρου βασιλέως Περσῶν (1 *b*)
I Ma. 1. 20. ἐν τῷ ἑκατοστῷ καὶ τεσσαρακοστῷ καὶ τρ. ἔτει
9. 44. ὡς ἐχθὲς καὶ τρ. ἡμέραν
— 54. ἐν ἔτει τρ. καὶ πεντηκοστῷ
10. 30. ἀντὶ τοῦ τρ. τῆς σπορᾶς
11. 18. A R ἐν [S *om.*] τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ.
13. 51. τῇ τρ. καὶ εἰκάδι τοῦ δευτέρου μηνός
14. 27. A R καὶ τοῦτο [S τὸ] τρ. ἔτος ἐπὶ Σίμωνος
II Ma. 7. 10. μετὰ δὲ τοῦτον ὁ τρ. ἐνεπαίζετο
III Ma. *tit.* R Μακκαβαίων [A *add.* λόγος] τρίτος
5. 40. προστάσσων ἤδη τρίτον αὐτοὺς ἀφανίσαι
IV Ma. 10. 1. ὁ τρ. ἤγετο
15. 18. οὐδὲ τρίτος ἀποψύχων

[Aq. Ex. 5. 7: I Ki. 20. 19: Is. 40. 12: Je. 38 (45). 14: Ez. 5. 2 *ter.*]
[Sm. I Ki. 20. 19: Is. 40. 12: Je. 38 (45). 14: Ez. 5. 2 *ter*: Am. 4. 4.]
[Th. Ex. 5. 7: I Ki. 20. 19: Is. 40. 12: Je. 38 (45). 14 (Sw.): 52. 30: Ez. 5. 2 *ter*: 10. 14: Da. 5. 7.]
[Al. I Ki. 20. 12.]

τριχαπτός. (1) מֶשִׁי
Ez. 16. 10. περιέβαλόν σε τριχαπτῷ (1)
— 13. τὰ περιβόλαιά σου βύσσινα καὶ τριχαπτά (1)

τριχιᾶν.
[Aq. Le. 17. 7: Dt. 32. 2, 17: Is. 13. 21: 34. 14.]
[Sm., Th. Is. 34. 14.]

τρίχινος. (1) שְׂעָר
Ex. 26. 7. ποιήσεις δέρρεις τριχίνας σκέπην †
Za. 13. 4. ἐνδύσονται δέρριν τρ. (1)
[Aq., Sm. Ex. 26. 7.]

τριχώτης.
[Aq. Is. 13. 21 (Sw.).]

τριχοῦσθαι.
[Sm. Ge. 25. 25.]

τρίχωμα. (1) פֵּאָר (2) *a.* שַׂעַר *b.* שְׂעָר
I Es. 8. 71. B τὴν ἱερὰν ἐσθῆτα κατέτεινον τοῦ τρ. τῆς κεφ. [A R *al.*]
Ca. 4. 1: 6. 4 (5). τρίχωμά σου ὡς ἀγέλαι τῶν αἰγῶν (2 *a*)
Ez. 24. 17. οὐκ ἔσται τὸ τρ. σου συμπεπλεγμένον ἐπὶ σέ (1)
Da. LXX. 7. 9. καὶ τὸ τρ. τῆς κεφαλῆς αὐ. ὡσεὶ ἔριον (2 *b*)
[Aq. Le. 13. 36: Je. 7. 29.]

τριώροφος. (1) שְׁלִישִׁי
Ge. 6. 16. κατάγαια διώροφα καὶ τρ. ποιήσεις αὐτήν (1)
III Ki. 6. 8. καὶ ἐκ τῆς μέσης ἐπὶ τὰ τρ. (1)
Ez. 41. 7. ἐκ τῶν γεισῶν [A μέσων] ἐπὶ τὰ τρ. †

τρομάζειν (?).
I Ma. 2. 24. S² ἐτρόμασαν [A S¹ R -ησαν] οἱ νεφροὶ αὐ.

τρομεῖν. (1) זוּעַ
Es. 5. 9. S² οὐδὲ ἐτρόμησεν ἀπ' αὐτοῦ (1)
I Ma. 2. 24. ἐτρόμησαν [S² -ασαν] οἱ νεφροὶ αὐ.
[Aq. Ec. 12. 5.]

τρόμος. (1) אֵימָה (2) מוֹרָא (3) מְחִתָּה (4) עִיר (5) פַּחַד (6) רֶטֶט (7) *a.* רַעַד *b.* רְעָדָה
Ge. 9. 2. ὁ τρ. . . . ἔσται ἐπὶ πᾶσι τοῖς θηρίοις (2)
Ex. 15. 15. ἔλαβεν αὐτοὺς τρόμος (7 *a*)
— 16. ἐπιπέσοι ἐπ' αὐτοὺς τρόμος καὶ φόβος [A φ. κ. τρ.] (1)
De. 2. 25. δοῦναι τὸν τρ. σου καὶ τὸν φόβον σου (5)
11. 25. B τὸν τρ. ὑμῶν καὶ τὸν φόβον [A R φ. ὑ. κ. τ. τρ.] ὑμῶν (5 [2])
Ju. 2. 28. B S ἐπέπεσε φόβος καὶ τρόμος [A R ὁ τρ.] αὐ.
15. 2. ἐπέπεσεν ἐπ' αὐτοὺς τρόμος καὶ φόβος [A S φ. κ. τρ.]
Jb. 4. 14. φρίκη μοι συνήντησε καὶ τρόμος (7 *b*)
38. 34. B S τρόμῳ [A δρόμῳ] ὕδατος λάβρῳ ὑπακούσεταί σου †
Ps. 2. 11. ἀγαλλιᾶσθε αὐτῷ ἐν τρόμῳ (7 *b*)
47 (48). 6. τρόμος ἐπελάβετο [A ὑπελ.] αὐτῶν (7 *b*)
54 (55). 5. B² S R φόβος καὶ τρόμος ἦλθεν ἐπ' ἐμέ (7 *a*)
Si. 16. 19. ἐν τῷ ἐπιβλέψαι εἰς αὐτὰ τρόμῳ συσσείονται
Hb. 3. 16. εἰσῆλθε τρόμος εἰς τὰ ὀστᾶ μου †
Is. 19. 16. ἔσονται οἱ Αἰγ. ὡς γυναῖκες ἐν φόβῳ καὶ ἐν τρόμῳ (5)
33. 14. λήψεται τρ. τοὺς ἀσεβεῖς (7 *b*)
54. 14. τρ. οὐκ ἐγγιεῖ σοι (3)
64. 1 (63. 19), 3 (2). τρ. λήψεται ἀπὸ σοῦ ὄρη †
Je. 15. 8. ἐπέρριψα ἐπ' αὐτὴν ἐξαίφνης τρόμον (4)
30 (49). 24. τρ. ἐπελάβετο αὐτῆς (6)
Ba. 3. 33. ὑπήκουσεν αὐτῷ τρόμῳ
Da. LXX. 4. 16. τρόμου λαβόντος αὐτόν †
— 34. ἀπὸ τοῦ φόβου αὐ. τρόμος εἴληφέ με –
I Ma. 7. 18. ἐπέπεσεν αὐτῶν . . . ὁ τρ. εἰς πάντα τὸν λαόν
II Ma. 15. 23. R εἰς δέος καὶ τρόμον [A τρόπον]
IV Ma. 4. 10. καὶ πολὺν αὐτοῖς φόβον τε καὶ τρόμον ἐνίοντες
[Aq. Ec. 12. 5.]
[Al. Hb. 3. 16.]

τρόπαιον.

II Ma. 5. 6. δοκῶν δὲ πολεμίων . . . τρόπαια καταβάλλεσθαι
15. 6. R κοινὸν τῶν περὶ τὸν Ἰ. συστήσασθαι τρ. [A τρόπον]
[Sm. II Ki. 8. 3.]
[Th. Is. 63. 3.]

τροπή. (1) אֵיד (2) חֲלוּפָה (3) מַכָּה

Ex. 32. 18. οὐδὲ φωνὴ ἐξαρχόντων τροπῆς (2)
De. 33. 14. καθ' ὥραν γεννημάτων ἡλίου τροπῶν –
III Ki. 22. 35. ἐξεπορεύετο τὸ αἷμα τῆς [A ἐκ τῆς] τρ. (3)
Jb. 38. 33. ἐπίστασαι δὲ τροπὰς οὐρανοῦ †
Wi. 7. 18. τροπῶν ἀλλαγὰς καὶ μεταβολὰς καιρῶν
Si. 45. 23. ἐν τῷ . . . στῆσαι [A στῆναι] αὐτὸν ἐν τροπῇ λαοῦ
Je. 30. 10 (49. 32). οἴσω τὴν τρ. αὐτῶν (1)
I Ma. 4. 35. ἰδὼν δὲ Λ. τὴν γενομ. τρ. τῆς αὐτοῦ συντάξεως
5. 61. ἐγενήθη τρ. μεγάλη ἐν τῷ λαῷ
II Ma. 12. 27. μετὰ δὲ τὴν τούτων τρ.
— 37. τροπὴν ἐποιήσατο αὐτῶν
[Aq. Jb. 37. 18.]

τροπιά, τρόπις.

Wi. 5. 10. B¹R οὐδὲ ἀτραπὸν τρόπιος [B² τρίβων, S¹ τροπιᾶς, A S² τρόπεως] αὐτῆς ἐν κύμασιν

τρόπος. (1) דֶּבֶר (2) טַעַם (3) לִפְנֵי τρόπον

(4) ὃν τρόπον *a.* אֲשֶׁר *b.* כַּאֲשֶׁר *c.* זֶה הַדָּבָר אֲשֶׁר *d.* כְּכֹל אֲשֶׁר *e.* כְּ *f.* כְּמוֹ, כָּמוֹ *g.* לְעֻפַּת *h.* כָּל־קֶבֶל דִּי

Ge. 26. 29. ὃν τρόπον ἐχρήμεθά σοι καλῶς (4 *b*)
Ex. 2. 14. ὃν τρόπον ἀνεῖλες ἐχθὲς τὸν Αἰγ. (4 *b*)
13. 11. ὃν τρόπον ὤμοσέ τοῖς πατράσι σου (4 *b*)
14. 13. ὃν τρόπον γὰρ ἑωράκατε τοὺς Αἰγ. σήμερον (4 *a*)
16. 34 : 36. 37 (39. 29), 40 (39. 31) : 39. 23 (43). ὃν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 *b*)
40. 15. ὃν τρόπον ἤλειψας τὸν πατέρα αὐ. (4 *b*)
— 21, 23, 25. ὃν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 *b*)
— 27. A ὃν τρόπον [B καθάπερ] συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 *b*)
Le. 4. 10. ὃν τρόπον ἀφαιρεῖτε αὐτὸ ἀπὸ τοῦ μόσχου (4 *b*)
— 20. ὃν τρόπον ἐποίησε τὸν μόσχον (4 *b*)
— 21. ὃν τρόπον κατέκαυσαν τὸν μόσχον τὸν πρότ. (4 *b*)
— 31. ὃν τρόπον περιαιρεῖται στέαρ (4 *b*)
— 35. ὃν τρόπον περιαιρεῖται στέαρ προβάτου (4 *b*)
7. 28 (38). ὃν τρόπον ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (4 *a*)
8. 4. ὃν τρόπον συνέταξεν αὐτῷ κύριος (4 *b*)
— 9, 17. ὃν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 *b*)
— 31. ὃν τρόπον συντέτακταί μοι (4 *b*)
9. 10. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (4 *b*)
— 21. ὃν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 *b*)
10. 5. A B² R ὃν τρόπον εἶπε Μ. (4 *b*)
— 15. ὃν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 *b*)
— 18. ὃν τρόπον μοι συνέταξε κύριος (4 *b*)
16. 15. ὃν τρόπον ἐποίησε τὸ αἷμα τοῦ μόσχου (4 *b*)
18. 28. ὃν τρόπον προσώχθισε τοῖς ἔθνεσι (4 *b*)
Nu. 1. 19. ὃν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 *b*)
3. 16. ὃν τρόπον [A καθὰ] συνέταξεν αὐτοῖς κύριος (4 *b*)
— 42. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κύριος (4 *b*)
— 51. ὃν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 *b*)
4. 49. ὃν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 *a*)
14. 17. ὃν τρόπον εἶπας (4 *b*)
— 28. ὃν τρόπον λελαλήκατε εἰς τὰ ὦτά μου (4 *b*)
15. 14. ὃν τρόπον ποιεῖτε ὑμεῖς (4 *b*)
18. 7. κατὰ πάντα τρ. τοῦ θυσιαστηρίου (1)
23. 2. ὃν τρόπον εἶπεν αὐτῷ B. (4 *b*)
26. 4 : 31. 47. ὃν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 *b*)
32. 27. ὃν τρόπον ὁ κύριος λέγει (4 *b*)
34. 13. ὃν τρόπον συνέταξε κ. (4 *a*)
36. 10. ὃν τρόπον συνετάξε κ. Μ. (4 *b*)
De. 1. 21. ὃν τρόπον εἶπε κ. ὁ θεός (4 *b*)
2. 1. ὃν τρόπον ἐλάλησε κ. πρὸς μέ (4 *b*)
— 12. ὃν τρόπον ἐποίησεν Ἰσρ. τὴν γῆν (4 *b*)
— 22. ὃν τρόπον ἐξέτριψαν τὸν Χ. (4 *a*)
De. 4. 33. ὃν τρόπον ἀκήκοας σύ (4 *b*)
5. 12, 16, 32 (29). ὃν τρόπον ἐνετείλατό σοι κ. ὁ θεός σου (4 *b*)
6. 16. ὃν τρόπον ἐξεπειράσατε ἐν τῷ Πειρασμῷ (4 *b*)
11. 25. ὃν τρόπον ἐλάλησε πρὸς ὑμᾶς (4 *b*)
12. 21. ὃν τρόπον ἐνετειλάμην σοι (4 *b*)
13. 17 (18). ὃν τρόπον ὤμοσε τοῖς πατράσι σου (4 *b*)
15. 6. ὃν τρόπον ἐλάλησέ σοι (4 *b*)
19. 8. ὃν τρόπον ὤμοσε τοῖς πατράσι σου (4 *b*)
— 19. ὃν τρόπον ἐπονηρεύσατο ποιῆσαι (4 *b*)
20. 17. ὃν τρόπον ἐνετείλατό σοι κ. ὁ θ. σου (4 *b*)
23. 23 (24). ὃν τρόπον εὔξω κ. τῷ θεῷ (4 *b*)
24. 8. ὃν τρόπον ἐνετειλάμην ὑμῖν (4 *b*)
27. 3. ὃν τρόπον εἶπε κ. ὁ θ. τῶν πατέρων σού σοι (4 *b*)
28. 9. ὃν τρόπον ὤμοσε τοῖς πατράσι σου (4 *b*)
— 63. ὃν τρόπον εὐφράνθη κ. ἐφ' ὑμῖν (4 *b*)
29. 13 (12). ὃν τρόπον εἶπέ σοι (4 *b*)
— 13 (12). ὃν τρόπον ὤμοσε τοῖς πατράσι σου (4 *b*)
32. 50. ὃν τρόπον ἀπέθανεν Ἀ. (4 *b*)
Jo. 1. 3. ὃν τρόπον εἴρηκα τῷ Μ. (4 *b*)
— 17. ὃν τρόπον ἦν μετὰ Μωυσῆ (4 *b*)
5. 4. ὃν δὲ τρόπον περιεκάθαρεν Ἰ. τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (4 *c*)
8. 2. ὃν τρόπον ἐποίησας τὴν Ἱερ. (4 *b*)
— 6. ὃν τρόπον καὶ ἔμπροσθεν (4 *b*)
— 27. ὃν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Ἰησοῦ (4 *a*)
10. 1. ὃν τρόπον ἐποίησαν τὸν Ἱερ. (4 *b*)
— 28, 30. ὃν τρόπον ἐποίησαν τῷ βασ. Ἱερ. (4 *b*)
— 32. ὃν τρόπον ἐποίησαν τὴν Δ. (4 *d*)
— 35. ὃν τρόπον ἐποίησαν τῇ Δ. (4 *d*)
— 37. ὃν τρόπον ἐποίησαν τὴν Ὀδ. (4 *d*)
— 39. ὃν τρόπον ἐποίησαν τὴν Χ. (4 *b*)
— 40. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κ. ὁ θ. Ἰσρ. (4 *b*)
11. 9. ὃν τρόπον [A καθότι] ἐνετείλατο αὐτῷ κ. (4 *b*)
— 12. ὃν τρόπον συνέταξε Μ. (4 *b*)
— 15. ὃν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 *b*)
— 20. ὃν τρόπον εἶπε κ. πρὸς Μ. (4 *b*)
13. 6. ὃν τρόπον σοι ἐνετειλάμην (4 *b*)
14. 2. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κ. (4 *b*)
— 5. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κ. τῷ Μ. (4 *b*)
— 10. ὃν τρόπον εἶπε (4 *b*)
— 12. ὃν τρόπον εἶπέ μοι κύριος (4 *b*)
21. 8. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κ. τῷ Μ. (4 *b*)
22. 4. ὃν τρόπον εἶπεν αὐτοῖς (4 *b*)
23. 15. ὃν τρόπον ἥκει πρὸς ἡμᾶς πάντα τὰ ῥήματα τὰ καλά (4 *b*)
Jd. 2. 22. ὃν τρόπον ἐφύλαξαν οἱ πατέρες αὐ. (4 *b*)
6. 27. ὃν τρόπον [A καθὰ] ἐλάλησε πρὸς αὐτὸν κύριος (4 *b*)
— 36, 37. A ὃν τρόπον [B καθὼς] ἐλάλησας (4 *b*)
8. 8. ὃν τρόπον ἀπεκρίθησαν ἄνδρες Σ. (4 *b*)
11. 36. ὃν τρόπον ἐξῆλθεν ἐκ στόματός σου (4 *b*)
15. 10. ὃν τρόπον ἐποίησεν ἡμῖν (4 *b*)
— 11. ὃν τρόπον ἐποίησάν μοι (4 *b*)
16. 9. A ὃν τρόπον διασπᾶται κλῶσμα τοῦ ἀποτινάγματος [B *al.*] (4 *b*)
I Ki. 21. 13 (14). A ἠλλοίωσε τὸν τρ. [B τὸ πρόσωπον] αὐ. (2)
25. 33. εὐλογητὸς ὁ τρ. σου (2)
II Ki. 10. 2. ὃν τρόπον ἐποίησεν ὁ πατὴρ αὐ. μετ' ἐμοῦ ἔλεος (4 *b*)
16. 23. ὃν τρόπον ἐπερωτήσῃ ἐν λόγῳ τοῦ θεοῦ (4 *b*)
17. 3. ὃν τρόπον ἐπιστρέφει ἡ νύμφη πρὸς τὸν ἄνδρα αὐ. (4 *e*)
24. 19. καθ' ὃν τρόπον ἐνετείλατο αὐτῷ κύριος (4 *b*)
I Es. 4. 42. ὃν τρόπον [A ἀνθ' ὧν] εὑρέθης σοφώτερος
Ju. 2. 16. ὃν τρόπον πολέμου πλῆθος συντάσσεται
4. 1. ὃν τρόπον ἐσκύλευσε πάντα τὰ ἱερὰ αὐ.
Es. 8. 13. S² τῷ τῆς κακοηθείας τρ. [A B S¹ *al.*]
— 13. διὰ γὰρ τῶν τρ. τούτων ᾠήθη
Jb. 4. 8. καθ' ὃν τρόπον εἶδον τοὺς ἀροτριῶντας τὰ ἄτοπα (4 *a*)
— 19. ἔπαισεν αὐτοὺς σητὸς τρόπον (3)
29. 25. ὃν τρόπον παθεινοὺς παρακαλῶν (4 *b*)
Ps. 41 (42). 1. ὃν τρόπον ἐπιποθεῖ ἡ ἔλαφος (4 *e*)
Pr. 9. 11. τούτῳ γὰρ τῷ τρ. πολὺν ζήσεις χρόνον †
23. 7. ὃν τρόπον γὰρ εἴ τις καταπίοι τρίχα (4 *f*)
24. 44 (29). ὃν τρόπον ἐχρήσατό μοι (4 *b*)
Ho. 9. 13. ὃν τρόπον [A *add.* εἶδον] εἰς θήραν παρέστησαν (4 *b*)
Am. 2. 13. ὃν τρόπον κυλίεται ἡ ἅμαξα (4 *b*)
3. 12. ὃν τρόπον ὅταν ἐκσπάσῃ ὁ ποιμὴν (4 *b*)
Am. 5. 14. ὃν τρόπον εἴπατε (4 *b*)
— 19. ὃν τρόπον ἐὰν φύγῃ ἄνθρωπος (4 *b*)
9. 9. ὃν τρόπον λικμᾶται ἐν τῷ λικμῷ (4 *b*)
Mi. 3. 3. ὃν τρόπον κατέφαγον τὰς σάρκας τοῦ λαοῦ μου (4 *a*)
5. 8 (7). ὃν τρόπον ὅταν διέλθῃ (4 *a*)
Ob. 1. 15. ὃν τρόπον ἐποίησας (4 *b*)
— 16. ὃν τρόπον ἔπιες ἐπὶ τὸ ὄρος (4 *b*)
Jn. 1. 14. ὃν τρόπον ἐβούλου πεποίηκας (4 *b*)
Za. 4. 1. ὃν τρόπον ὅταν ἐξεγερθῇ ἄνθρωπος (4 *e*)
7. 13. ὃν τρόπον εἶπε (4 *b*)
8. 13. ὃν τρόπον ἦτε ἐν κατάρᾳ (4 *b*)
— 14. ὃν τρόπον διενοήθην τοῦ κακῶσαι ὑμᾶς (4 *b*)
10. 6. ἔσονται ὃν τρόπον οὐκ ἀπεστρεψάμην αὐτούς (4 *b*)
11. 13. ὃν τρόπον ἐδοκιμάσθην ὑπὲρ αὐτῶν (4 *a*)
14. 5. S³ ὃν τρόπον [A B S¹ καθὼς] ἐνεφράγη (4 *b*)
Ma. 3. 17. ὃν τρόπον αἱρετίζει ἄνθρωπος τὸν υἱὸν αὐ. (4 *b*)
Is. 5. 24. ὃν τρόπον καυθήσεται καλάμη (4 *e*)
7. 2. ὃν τρόπον ἐν δρυμῷ ξύλον . . . σαλευθῇ (4 *e*)
9. 3 (2). ὃν τρόπον [A S *add.* εὐφραίνονται] οἱ διαιρούμενοι σκῦλα (4 *b*)
10. 10. ὃν τρόπον ταύτας ἔλαβον (4 *b*)
— 11. ὃν τρόπον γὰρ ἐποίησα Σαμαρείᾳ (4 *b*)
13. 19. ὃν τρόπον κατέστρεψεν ὁ θεὸς Σόδομα (4 *e*)
14. 20 (19). ὃν τρόπον ἱμάτιον . . . οὐκ ἔσται καθαρόν (4 *e*?)
— 24. ὃν τρόπον εἴρηκα . . . ὃν τρόπον βεβούλευμαι (4 *b*, 4 *b*)
17. 5. ὃν τρόπον ἐάν τις συναγάγῃ ἀμητὸν . . . ὃν τρόπον ἐάν τις συναγάγῃ στάχυν (4 *e*, 4 *e*)
— 9. ὃν τρόπον κατέλιπον οἱ Ἀμ. (4 *e*)
20. 3. ὃν τρόπον πεπόρευται (4 *b*)
24. 13. ὃν τρόπον ἐάν τις καλαμήσηται (4 *e*)
25. 10. ὃν τρόπον πατοῦσιν ἅλωνα (4 *e*)
— 11. ὃν τρόπον . . . ἐταπείνωσε τοῦ ἀπολέσαι (4 *b*)
29. 8. ὃν τρόπον ἐνυπνιάζεται ὁ διψῶν (4 *b*)
31. 4. ὃν τρόπον βοήσῃ ὁ λέων (4 *b*)
33. 4. ὃν τρόπον ἐάν τις συναγάγῃ ἀκρίδας (4 *e*)
38. 19. ὃν τρόπον κἀγώ (4 *f*)
51. 13. ὃν τρόπον γὰρ ἐβουλεύσατο (4 *b*)
52. 14. ὃν τρόπον ἐκστήσονται ἐπὶ σὲ πολλοί (4 *b*)
62. 5. ὃν τρόπον εὐφρανθήσεται νυμφίος –
65. 8. ὃν τρόπον εὑρεθήσεται ὁ ῥώξ (4 *b*)
66. 22. ὃν τρόπον γὰρ ὁ οὐρανὸς καινὸς . . . μένει (4 *b*)
La. 1. 22. ὃν τρόπον ἐποίησαν ἐπιφυλλίδα (4 *b*)
Ep. Je. 69. κατ' οὐδένα οὖν τρ. ἐστὶν ἡμῖν φανερόν
— 71. τὸν αὐτὸν τρ. καὶ τῇ ἐν κήπῳ ῥάμνῳ
Ez. 10. 10. ὃν τρόπον ὅταν ᾖ τροχὸς ἐν μέσῳ τροχοῦ (4 *b*)
12. 11. ὃν τρόπον πεποίηκα (4 *b*)
15. 6. ὃν τρόπον τὸ ξύλον τῆς ἀμπέλου ἐν τοῖς ξύλοις (4 *b*)
16. 48. ὃν τρόπον ἐποίησας σύ (4 *b*)
— 57. ὃν τρόπον νῦν ὄνειδος εἶ θυγατέρων Συρίας (4 *f*)
18. 4. ὃν τρόπον ἡ ψυχὴ τοῦ πατρὸς οὕτως ἡ ψυχὴ τοῦ υἱοῦ (4 *e*)
20. 32. οὐκ ἔσται ὃν τρόπον ὑμεῖς λέγετε (4 *a*)
— 36. ὃν τρόπον διεκρίθην πρὸς τοὺς πατέρας ὑμῶν (4 *b*)
22. 22. ὃν τρόπον χωνεύεται ἀργύριον (4 *e*)
23. 18. ὃν τρόπον ἀπέστη ἡ ψυχή μου (4 *b*)
— 44. ὃν τρόπον εἰσπορεύονται πρὸς γυναῖκα πόρνην (4 *e*)
24. 18. ὃν τρόπον ἐνετείλατό μοι –
— 18. ὃν τρόπον [A καθὼς] ἐπετάγη μοι (4 *b*)
— 22. ὃν τρόπον πεποίηκα (4 *b*)
25. 8. ὃν τρόπον πάντα τὰ ἔθνη οἶκος Ἰσραήλ (4 *e*)
40. 23. ὃν τρόπον τῆς πύλης τῆς βλεπούσης κατὰ ἀνατολάς –
42. 3. ὃν τρόπον αἱ πύλαι τῆς αὐλῆς τῆς ἐσωτέρας καὶ ὃν τρόπον τὰ περίστυλα (4 *a*, 4 *a*)
— 7. ὃν τρόπον αἱ ἐξέδραι τῆς αὐλῆς τῆς ἐξωτ. (4 *g*)
45. 6. ὃν τρόπον ἡ ἀπαρχὴ τῶν ἁγίων (4 *g*)
46. 12. ὃν τρόπον ποιεῖ ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῶν σαββ. (4 *b*)
48. 11. ὃν τρόπον ἐπλανήθησαν οἱ Λευῖται (4 *b*)
Da. LXX. 1. 14. ἐχρήσατο αὐτοῖς τὸν τρ. τοῦτον (1)
Da. TH. Su. 62. ὃν τρόπον ἐπονηρεύσαντο τῷ πλησίον
2. 40. ὃν τρόπον ὁ σίδηρος λεπτύνει . . . πάντα (4 *h*)
— 41. ὃν τρόπον εἶδες τὸν σίδηρον (4 *h*)
— 45. ὃν τρόπον εἶδες (4 *h*)

I Ma. 5. 49. S[1] τοῦ παρεμβαλεῖν ἕκαστον ἐν ᾧ ἐστι τρ. [A S[3] R τόπῳ]
11. 29. ἐπιστολὰς . . . ἐχούσας τὸν τρ. τοῦτον
14. 35. ἐξεζήτησε παντὶ τρ. ὑψῶσαι τὸν λαὸν αὐ.
15. 2. ἦσαν περιέχουσαι τὸν τρ. [A[1] τόπον] τοῦτον
II Ma. 1. 24. ἦν δὲ ἡ προσευχὴ τὸν τρ. ἔχουσα τοῦτον
5. 22. τὸν δὲ τρ. βαρβαρώτερον ἔχοντα
— 27. θηρίων τρόπον διέζη
6. 20. καθ' ὃν ἔδει τρόπον προσέρχεσθαι
— 31. οὕτος οὖν τοῦτον τὸν τρ. μετήλλαξεν
7. 7. μεταλλάξαντος δὲ τοῦ πρώτου τὸν τρ. τοῦτον
8. 35. R δραπέτου τρόπον [A τόπον] ἔρημον ἑαυτὸν ποιήσας
— 36. διὰ τὸν τρ. τοῦτον ἀτρώτους εἶναι τοὺς Ἰουδ.
10. 6. ἦγον ἡμέρας ὀκτὼ σκηνωμάτων τρόπον
— 6. τὴν τῶν σκηνῶν ἑορτὴν . . . θηρίων τρόπον ἦσαν νεμόμενοι
— 14. A γενόμενος στρατηγὸς τῶν τρ. [R τόπων]
11. 16. περιέχουσαι τὸν τρ. τοῦτον
— 31. οὐδεὶς αὐτῶν κατὰ οὐδένα τρ. παρενοχληθήσεται
12. 8. τὸν αὐτὸν ἐπιτελεῖν βουλομένους τρ.
— 39. R καθ' ὃν τρόπον [A χρόνον] τὸ τῆς χρείας ἐγεγόνει
14. 3. καθ' ὀντιναοῦν τρόπον οὐκ ἔστιν αὐτῷ σωτηρία
— 46. τόνδε τὸν τρ. μετήλλαξεν
15. 6. A διεγνώκει κοινὸν . . . συστήσασθαι τρόπον [R τρόπαιον]
— 12. πρᾶον δὲ τὸν τρ.
— 22. ἔλεγε δὲ ἐπικαλούμενος τόνδε τὸν τρ.
— 23. A εἰς δέος καὶ τρόπον [R τρόμον]
— 39. ὃν δὲ τρόπον οἶνος ὕδατι συγκεραθείς
III Ma. 3. 24. τούτους κατὰ πάντα δυσνοεῖν ἡμῖν τρόπον
4. 9. θηρίων τρόπον ἀγόμενοι
— 13. τὸν αὐτὸν τρ. ἐπιμελῶς ὡς ἐκείνοις ποιῆσαι μὴ λειπομένοις κατὰ μηδένα τρ. τῆς ἐκείνων τιμωρίας
— 14. προδεδηλωμένην τῶν ἔργων κατὰ τρόπον λατρείαν
6. 12. ἐν ἐπιβούλῳ τρόπῳ
7. 7. ἀπολελύκαμεν πάσης καθ' ὀντινοῦν αἰτίας τρόπον
— 8. ἐν παντὶ τρ. μηθὲν αὐτοὺς τὸ σύνολον καταβλάπτοντος
IV Ma. 1. 29. ὁ λογισμὸς . . . πάντα τρ. μεταχέων
2. 7. τίνα τρ. μονοφάγος τις ὢν τὸ ἦθος . . . μεταπαιδεύεται
— 8. βιάζεται τὸν ἑαυτοῦ τρ.
4. 1. πάντα τρ. διαβάλλων ὑπὲρ τοῦ ἔθνους
— 24. κατὰ μηδένα τρ. ἴσχυε καταλῦσαι
5. 14. τοῦτον τὸν τρ. . . . ἐποτρύνοντος τοῦ τυράννου
— 17. κατ' οὐδένα τρ. παρανομεῖν ἀξιοῦμεν
6. 1. τοῦτον τὸν τρ. ἀντιρρητορεύσαντα
— 5. κατ' οὐδένα τρ. μετετρέπετο
7. 3. κατ' οὐδένα τρ. μετέτρεψε τοὺς . . . οἴακας
9. 15. οὐκ ἀνδροφονήσαντά με τοῦτον καταικίζεις τὸν τρ. [S al.]
— 17. A οὐχ οὕτως ἰσχυρὸς ὑμῶν ἐστιν ὁ τρ. [S R τροχός]
— 29. ὡς ἡδὺς πᾶς τρ. θανάτου
10. 7. κατὰ μηδένα τρ. ἰσχύοντες αὐτὸν ἄγξαι
11. 4. τί δράσαντας ἡμᾶς τοῦτον πορθεῖς τὸν τρ.
— 10. A R ἐπὶ τὸν τροχὸν σκορπίου τρόπον ἀνακλώμενος [S al.]
— 11. κατὰ τοῦτον τὸν τρ. καὶ τὸ πνεῦμα στενοχωρούμενος
12. 13. A R τοῦτον καταικίσας [S κατακαύσας] τὸν τρ.
14. 17. καθ' ὃν δύναται τρόπον [S al.]
15. 4. τίνα τρόπον ἠθολογήσαιμι φιλότεκνα γόνεων πάθη
18. 1. καὶ πάντα τρ. εὐσεβεῖτε
[Sm. Ex. 2. 14: Jb. 31. 15: Ps. 32 (33). 22: 33 (34). 1: Ec. 8. 6.]
[Th. Ex. 2. 14: Jd. 6. 36: 16. 9: Jb. 29. 25: Is. 52. 14.]
[Al. I Ki. 28. 17.]
[Quint. Ps. 41 (42). 2.]

τροποῦν. (1) חָלַל (2) יָבֵל (3) כָּנַע hi. (4) כָּשַׁל hi. (5) נָגַף *a.* qal. *b.* ni. (6) עָלָה

Jo. 11. 6. παραδίδωμι τετροπωμένους αὐτούς (1)
Jd. 4. 23. ἐτρόπωσεν ὁ θ. . . . τὸν Ἰ. [A al.] (3)
20. 35. A ἐτρόπωσεν [B ἐπάταξε] κ. τὸν Βεν. (5 *a*)
— 36. A εἶδεν Βεν. ὅτι τετρόπωται [B al.] (5 *b*)
Jd. 20. 39. A τροπούμενος τροποῦται ἐναντίον ἡμῶν [B al.] (5 *b*, 5 *b*)
II Ki. 8. 1. καὶ ἐτροπώσατο αὐτούς (3)
III Ki. 22. 35. ἐτροπώθη ὁ πόλεμος (6)
I Ch. 18. 1. καὶ ἐτροπώσατο αὐτούς (3)
19. 16. ἐτροπώσατο αὐτὸν Ἰσρ. (5 *b*)
II Ch. 18. 34. ἐτροπώθη ὁ πόλεμος (6)
20. 22. A[2] B καὶ ἐτροπώθησαν (5 *b*)
25. 8. τροπώσεταί σε κύριος (4)
— 8. ἐστὶ παρὰ κυρίου . . . τροπώσασθαι [A -σεσθαι] (4)
— 22. ἐτροπώθη Ἰ. κατὰ πρόσωπον Ἰσρ. (5 *b*)
Ps. 88 (89). 23. τοὺς μισοῦντας αὐτὸν τροπώσομαι (5 *a*)
Da. LXX. 7. 21. τὸ κέρας ἐκεῖνο . . . τροπούμενον αὐτούς (2)
I Ma. 4. 20. A R ἴδεν ὅτι τετρόπωται [S -ωνται]
5. 44. καὶ ἐτροπώθη ἡ Κ.
— 60. καὶ ἐτροπώθη Ἰώσ.
6. 5. τετρόπωνται αἱ παρεμβολαί
10. 72. A R δὶς ἐτροπώθησαν [S διετρ.] οἱ πατέρες σου
11. 15. καὶ ἐτροπώσατο αὐτόν
— 55. A R καὶ ἐτροπώθη [S -ησαν]
— 72. καὶ ἐτροπώσατο αὐτούς
16. 8. ἐτροπώθη [S[1] -ησαν] Κ. καὶ ἡ παρεμβ. αὐ.
II Ma. 8. 6. οὐκ ὀλίγους τῶν πολεμίων τροπούμενος
9. 2. συνέβη τροπωθέντα τὸν Ἀντ.
13. 19. ἐτροποῦτο προσενέκρουσεν
[Sm. Dt. 28. 25: II Ki. 2. 17.]
[Th. Dt. 28. 25.]
[Al. I Ki. 4. 2.]

τροποφορεῖν. (1) נָשָׂא

De. 1. 31. B[1] ὡς εἴ τις τροποφορήσει ἄνθρωπος τὸν υἱὸν αὐ. [A B[2] R *al.*] (1)

τροφεῖα.

IV Ma. 15. 13. ὦ φύσις ἱερὰ . . . καὶ τροφεῖα

τροφεύειν. (1) יָנַק hi.

Ex. 2. 7. θέλεις καλέσω σοι γυναῖκα τροφεύουσαν (1)
Ba. 4. 8. ἐπελάθεσθε τὸν τροφεύσαντα ὑμᾶς θεόν

τροφή. (1) אֹכֶל (2) דָּגָן (3) טֶרֶף (4) לֶחֶם (5) מָזוֹן

Ge. 49. 20. A διαδώσει τροφὴν [B τρυφὴν] ἄρχουσι †
— 27. εἰς τὸ ἑσπέρας δίδωσι τροφήν †
Jd. 8. 5. δότε δὴ ἄρτους εἰς τροφὴν [A *om.* εἰς τρ.] (4?)
II Ch. 11. 23. ἔδωκεν αὐταῖς τροφάς (5)
I Es. 8. 79, 80. δοῦναι ἡμῖν τροφήν
Ju. 12. 9. B προσηνέγκατο τὴν τρ. [A τρυφὴν] αὐ.
Jb. 36. 32 (31). A S R δώσει τροφὴν τῷ ἰσχύοντι [B ἀκούοντι] (1)
Ps. 64 (65). 9. ἡτοίμασας τὴν τρ. αὐτῶν (2)
103 (104). 27. δοῦναι τὴν τρ. αὐτοῖς εὔκαιρον (1)
110 (111). 5. τροφὴν ἔδωκε τοῖς φοβουμένοις αὐτόν (3)
135 (136). 25. ὁ διδοὺς τροφὴν πάσῃ σαρκί (4)
144 (145). 15. σὺ δίδως τὴν τρ. αὐτῶν ἐν εὐκαιρίᾳ (1)
145 (146). 7. διδόντα τροφὴν τοῖς πεινῶσι (4)
146 (147). 9. καὶ διδόντι τοῖς κτήνεσι τροφὴν αὐτῶν (4)
Pr. 6. 8. ἑτοιμάζεται θέρους τὴν τρ. (4)
24. 60 (30. 25). ἑτοιμάζονται θέρους τὴν τρ. (4)
Wi. 13. 12. εἰς ἑτοιμασίαν [A ὑπηρεσίαν] τροφῆς ἀναλώσας [S -ώσεως]
16. 2. τροφὴν ἡτοίμασας ὀρτυγομήτραν
— 3. ἐκεῖνοι μὲν ἐπιθυμοῦντες τροφήν [S -ῆς]
— 20. ἀγγέλων τροφὴν ἐψώμισας τὸν λαόν σου
19. 21. κρυσταλλοειδὲς γένος ἀμβροσίας τροφῆς [S[1] τρυφῆς]
Si. 37. 20. πάσης τροφῆς [S[1] σοφίας] καθυστερήσει
41. 1. ἀνδρὶ . . . ἔτι ἰσχύοντι ἐπιδέξασθαι τροφήν
La. 4. 5. A B οἱ ἔσθοντες τὰς τρ. [R τρυφάς] †
Da. TH. 4. 9. καὶ τροφὴ πάντων ἐν αὐτῷ (5)
— 18. καὶ τροφὴ πᾶσιν ἐν αὐτῷ (5)
I Ma. 1. 35. παρέθεντο ὅπλα καὶ τροφήν
6. 57. καὶ ἡ τρ. ἡμῖν ὀλίγη
13. 21. καὶ ἀποστεῖλαι αὐτοῖς τροφάς
II Ma. 5. 27. τὴν χορτώδη τρ. σιτούμενοι διετέλουν
III Ma. 3. 4. χωρισμὸν ἐποίουν ἐπὶ τῷ κατὰ τὰς τρ. [*cod.* καταστροφάς]
III Ma. 3. 7. τὴν δὲ περὶ τῶν . . . τρ. διάστασιν ἐθρύλουν
IV Ma. 1. 33. κινούμενοι πρὸς τὰς ἀπειρημ. τρ.
4. 26. μιαρῶν ἀπογευομένους τροφῶν
[Aq. Le. 22. 11.]
[Sm. Ge. 47. 12: Le. 22. 7, 11: III Ki. 5. 11 (25): Jb. 20. 21: 36. 31: Ps. 64 (65). 14: 68 (69). 22: 103 (104). 14: Ec. 9. 11: Da. 1. 8 (Sw.).]
[Th. Jb. 36. 31.]
[Al. Ge. 42. 25: 45. 23: Ex. 12. 39.]

τροφός. (1) יָנַק hi.

Ge. 35. 8. ἀπέθανε δὲ Δ. ἡ τρ. Ῥεβ. (1)
IV Ki. 11. 2. ἔκλεψεν . . . αὐτὸν καὶ τὴν τρ. αὐ. (1)
II Ch. 22. 11. ἔδωκεν . . . τὴν τρ. αὐ. εἰς ταμεῖον κλινῶν (1)
Is. 49. 23. αἱ δὲ ἄρχουσαι αὐ. [A *om.*] τροφοί σου (1)
[Sm. Ge. 24. 59.]
[Al. Nu. 11. 12.]

τροφοφορεῖν. (1) נָשָׂא

De. 1. 31. ὡς ἐτροφοφόρησέ σε κ. ὁ θεός (1)
— 31. B[2] R ὡς εἴ τις τροφοφορήσει [A -σαι, B[1] τροποφ.] ἄνθρωπος τὸν υἱὸν αὐ. (1)
II Ma. 7. 27. ἐλέησόν με τὴν . . . τροφοφορήσασαν

τροχάζειν.

[Aq. Je. 49. 19 (29. 20).]

τροχαῖος.

IV Ma. 11. 10. R περὶ τροχαῖον σφῆνα κατέκαμψαν [A S *al.*]

τροχαντήρ.

IV Ma. 8. 13. ὡς δὲ . . . τροχαντῆρας [S[1] -ρια] . . . προέθεσαν

τροχαντήριον.

IV Ma. 8. 13. S[1] ὡς δὲ . . . τροχαντήρια [A S[2] R -ρας] . . . προέθεσαν

τροχιά (-εία). (1) מַעְגָּל

Pr. 2. 15. καὶ καμπύλαι αἱ τρ. αὐτῶν (1)
4. 11. ἐμβιβάζω δέ σε τροχιαῖς ὀρθαῖς (1)
— 26. ὀρθὰς τροχιὰς ποίει σοῖς ποσί (1)
— 27. αὐτὸς δὲ ὀρθὰς ποιήσει τὰς τρ. σου –
5. 6. σφαλεραὶ δὲ αἱ τρ. αὐτῆς (1)
— 21. εἰς δὲ πάσας τὰς τρ. αὐτοῦ [A -οὺς] σκοπεύει (1)
Ez. 27. 19. A καὶ τροχιὰς ἔδωκαν [B *al.*] †
[Al. Pr. 2. 18.]

τροχιαῖος.

IV Ma. 11. 10. A τὴν ὀσφὺν αὐ. ἐπὶ τὸν τρ. σφῆνα κατέκαμψαν [S R *al.*]

τροχίας (-είας), *cf.* τροχιά.

Ez. 27. 19. τροχίας [A *add.* ἔδωκαν] ἐν τῷ συμμίκτῳ σοῦ ἐστι †

τροχίζειν.

IV Ma. 5. 3. τούτους τροχισθέντας ἀναιρεθῆναι

τροχίσκος. (1) עָנִיל

Ez. 16. 12. ἔδωκα . . . τροχίσκους ἐπὶ τὰ ὦτά σου (1)

τροχός. (1) אוֹפַן (2) גַּלְגַּל (3) מוֹרָג

II Ki. 24. 22. καὶ οἱ τρ. καὶ τὰ σκεύη τῶν βοῶν εἰς ξύλα (3)
III Ki. 7. 30. τέσσαρες τρ. χαλκοῖ τῇ μεχ. τῇ μιᾷ (1)
— 32. A καὶ τέσσαρες τρ. (1)
— 32. καὶ χεῖρες ἐν τοῖς τρ. (1)
— 32. καὶ τὸ ὕψος τοῦ τρ. τοῦ ἑνός (1)
— 33. καὶ τὸ ἔργον τῶν τρ. ἔργον τροχῶν ἁρματος (1, 1)
Ps. 76 (77). 18. φωνὴ τῆς βροντῆς σου ἐν τῷ τρ. (2)
82 (83). 13. θοῦ αὐτοὺς ὡς τροχόν (2)
Pr. 20. 26. ἐπιβαλεῖ αὐτοῖς τροχόν (1)
Ec. 12. 6. καὶ συντροχάσῃ ὁ τρ. ἐπὶ τὸν λάκκον (2)
Si. 36 (33). 5. τροχὸς ἁμάξης σπλάγχνα μωροῦ
38. 29. συστρέφων ἐν ποσὶν αὐτοῦ τροχόν [S[2] πηλόν]
Na. 3. 2. φωνὴ σεισμοῦ τροχῶν (1)
Is. 5. 28. οἱ τρ. τῶν ἁρμάτων αὐτῶν ὡς καταιγίς (2)
17. 13. ὡς κονιορτὸν τροχοῦ καταιγὶς φέρουσα (2)
28. 27. οὐδὲ τρ. ἁμάξης περιάξει (1)
29. 5. A S R ὡς κονιορτὸς ἀπὸ τροχοῦ [B τοίχ.] †
41. 15. ἐποίησά σε ὡς τροχοὺς ἁμάξης (3)

Je. 29 (47). 3. ἀπὸ . . . ἦχον τροχῶν [S¹ -οῦ, A τῶν τρ.] αὐτοῦ (2)
Ez. 1. 15. τρ. εἷς ἐπὶ τῆς γῆς ἐχόμενος τῶν ζῴων (1)
— 16. τὸ εἶδος τῶν τρ. ὡς εἶδος θαρσείς (1)
— 16. καθὼς ἂν εἴη τρ. ἐν [A ἐπὶ] τροχῷ (1, 1)
— 19. ἐπορεύοντο οἱ τρ. ἐχόμενοι αὐτῶν (1)
— 19. ἐξῄροντο οἱ τρ. (1)
— 20. ἐπορεύοντο οἱ τρ. καὶ ἐξῄροντο σὺν αὐτοῖς διότι πνεῦμα ζωῆς ἐν τοῖς τρ. (1, 1)
— 21. πνεῦμα ζωῆς ἦν ἐν τοῖς τρ. (1)
3. 13. φωνὴ τῶν τρ. ἐχομένη αὐτῶν (1)
10. 2. εἴσελθε εἰς τὸ μέσον τῶν τρ. (2)
— 6. λάβε πῦρ ἐκ μέσου τῶν τρ. (2)
— 6. ἔστη ἐχόμενος τῶν τρ. (1)
— 9. τροχοὶ τέσσαρες εἱστήκεισαν ἐχόμενοι τῶν χερ. (1)
— 9. A τρ. εἷς ἐχόμενος τοῦ χ. τοῦ ἑνὸς καὶ τρ. εἷς ἐχόμενος τοῦ χεροὺβ καὶ ἡ ὄψις τῶν τρ. ὡς ὄψις λίθου ἄνθρακος [B al.] (1 ter)
— 10. ὅταν ᾖ τρ. ἐν μέσῳ τροχοῦ (1, 1)
— 12. οἱ τρ. πλήρεις ὀφθαλμῶν κυκλόθεν [A om.] τοῖς τέσσαρσι τροχοῖς (1, 1)
— 13. τοῖς δὲ τρ. τούτοις [A -το] ἐπεκλήθη Γελγέλ (1)
— 16. ἐπορεύοντο οἱ τρ. (1)
— 16. οὐκ ἐπέστρεφον οἱ τρ. αὐτῶν (1)
— 19 : 11. 22. οἱ τρ. ἐχόμενοι αὐτῶν (1)
23. 24. ἅρματα καὶ τροχοὶ [A add. ἵπποι] μετ' ὄχλου λαῶν (2)
26. 10. ἀπὸ τῆς φωνῆς . . . τῶν τρ. τῶν ἁρμάτων αὐτοῦ (2)
Da. LXX. 7. 9. τροχοὶ αὐ. πῦρ καιόμενον (2)
Da. TH. 7. 9. οἱ τρ. αὐ. πῦρ φλέγον (2)
IV Ma. 5. 32. πρὸς ταῦτα τροχοὺς εὐτρέπιζε
8. 13. ὡς δὲ τροχοὺς . . . προέθεσαν
9. 12. ἀνέβαλον αὐτὸν ἐπὶ τὸν τρ.
— 17. S R οὐχ οὕτως ἰσχυρὸς ὑμῶν ἐστιν ὁ τρ. [A al.]
— 19. τὸν τρ. προσεπικατέτεινον [S al.]
— 20. ἐμολύνετο δὲ πάντοθεν αἵματι ὁ τρ.
10. 7. καὶ εὐθέως ἦγον ἐπὶ τὸν τρ.
11. 10. ὅλος ἐπὶ τὸν τρ. [S περὶ τὸν τράχηλον] . . . ἀνακλώμενος
— 17. παρῆγον ἐπὶ τὸν τρ.
15. 22. τῶν υἱῶν βασανιζομένων τροχοῖς
[Aq. Ps. 76 (77). 19 : Je. 47 (29). 3 : Ez. 1. 16, 19, 21 (Sw.) : 10. 13.]
[Sm. Ps. 76 (77). 19 : Is. 28. 28 : Je. 47 (29). 3 : Ez. 1. 16 : 10. 6, 16 : Am. 1. 3.]
[Th. Ps. 76 (77). 19 : Is. 28. 28 : Ez. 1. 16, 19, 21 (Sw.) : 10. 6, 9 (Sw.) : Da. 7. 9.]

τρυβλίον. (1) כַּף (2) קְעָרָה

Ex. 25. 28 (29). ποιήσεις τὰ τρ. αὐ. (2)
38. 12 (37. 16). τά τε τρ. καὶ τὰς θυΐσκας (2)
Nu. 4. 7. ἐπιβαλοῦσιν ἐπ' αὐτὴν . . . τὰ τρ. (2)
7. 13, 19. προσήνεγκε . . . τρ. ἀργυροῦν ἕν (2)
— 25, 31, 37, 43, 49, 55, 61, 67, 73, 79. τὸ δῶρον αὐ. τρ. ἀργυροῦν ἕν (2)
— 84. τρ. ἀργυρᾶ δώδεκα (2)
— 85. τριάκοντα καὶ ἑκατὸν σίκλων τὸ τρ. τὸ ἕν (2)
III Ki. 7. 50. αἱ φιάλαι καὶ τὰ τρ. (1)
Si. 34 (31). 14. μὴ συνθλίβου αὐτῷ ἐν τρυβλίῳ [S τῷ τρ.]

τρυγᾶν. (1) אָרָה (2) בָּצַר (3) דָּרַךְ (4) חָלַל pi. (5) חָמַס (6) *a.* קָצַר *b.* קָצִיר

Le. 25. 11. οὐ τρυγήσετε [A -αι] τὰ ἡγιασμένα αὐτῆς (2)
De. 24. 21. ἐὰν δὲ τρυγήσῃς τὸν ἀμπελῶνά σου (2)
28. 30. καὶ οὐ μὴ τρυγήσεις αὐτόν (4)
Jd. 9. 27. ἐτρύγησαν τοὺς ἀμπελῶνας αὐ. (2)
I Ki. 8. 12. καὶ τρυγᾶν τρυγητὸν αὐτοῦ (6 *a*)
IV Ki. 18. 21. A καὶ τρυγήσει [B τρήσει] αὐτήν †
Jb. 15. 33. τρυγηθείη δὲ ὡς ὄμφαξ πρὸ ὥρας (5)
Ps. 79 (80). 12. καὶ τρυγῶσιν αὐτὴν πάντες οἱ παραπορευόμενοι τὴν ὁδόν (1)
Ca. 5. 1. ἐτρύγησα σμύρναν [S σταφυλήν] μου (1)
Si. 30. 25 (33. 16). ὡς τρυγῶν ἐπλήρωσα ληνόν
Ho. 6. 12 (11). ἄρχου τρυγᾶν σεαυτῷ (6 *b*)
10. 12. τρυγήσατε [A add. ἑαυτοῖς] εἰς καρπὸν ζωῆς (6 *a*)
Ho. 10. 13. ἵνα τί . . . τὰς ἀδικίας αὐ. ἐτρυγήσατε (6 *a*)
Je. 6. 9. ὡς ὁ τρυγῶν ἐπὶ τὸν κάρταλλον αὐτοῦ (2)
32 (25). 30. ὥσπερ τρυγῶντες ἀποκριθήσονται (3)
[Al. Dt. 24. 22 (20).]

τρυγητής. (1) *a.* בָּצָר *b.* בָּצִיר

Si. 30. 25 (33. 16). ὡς καλαμώμενος ὀπίσω τρυγητῶν
Ob. 1. 5. εἰ τρυγηταὶ εἰσῆλθον πρὸς σέ (1 *a*)
Je. 29 (49). 9. τρυγηταὶ ἦλθον (1 *a*)
31 (48). 32. ἐπὶ τρυγηταῖς [S¹ τρυπηταῖς] σου ὄλεθρος ἐπέπεσε (1 *b*)
[Sm. Je. 49. 9 (29. 10).]

τρύγητος, τρυγητός. (1) בָּצִיר (2) *a.* קָצִיר *b.* קָצַר

Le. 26. 5. AB¹ καταλήψεται ὑμῖν ὁ ἄμητος [B²R ἀλοητὸς] τὸν τρ. (1)
— 5. ὁ τρ. καταλήψεται τὸν σπόρον (1)
Jd. 8. 2. ἢ οὐχὶ κρείττων ἐπιφυλλὶς Ἐφρ. ἢ τρυγητὸς Ἀβ. (1)
I Ki. 8. 12. καὶ τρυγᾶν τρυγητὸν αὐ. (2 *a*)
13. 21. B ἦν ὁ τρ. ἕτοιμος τοῦ θερίζειν †
Si. 24. 27. ὡς Γηὼν ἐν ἡμέραις τρυγητοῦ
Am. 4. 7. πρὸ τριῶν μηνῶν τοῦ τρ. (2 *a*)
9. 13. καταλήψεται ὁ ἀμητὸς τὸν τρ. (2 *b*)
Mi. 7. 1. καὶ ὡς ἐπιφυλλίδα ἐν τρυγητῷ (1)
Jl. 1. 11. ἀπόλωλε τρυγητὸς ἐξ ἀγροῦ (2 *a*)
3 (4). 13. B S παρέστηκε τρυγητός [A R ὁ τρ.] (2 *a*)
Is. 16. 9. ἐπὶ τῷ τρ. σου καταπατήσω (2 *a*)
24. 13. ἐὰν παύσηται ὁ τρ. (1)
32. 10. ἀνήλωται ὁ τρ. (1)
[Sm. Is. 24. 13.]

τρυγίας. (1) שֶׁמֶר

Ps. 74 (75). 8. ὁ τρ. αὐτοῦ οὐκ ἐξεκενώθη (1)
[Sm. Ps. 74 (75). 9 : Je. 48 (31). 11.]
[Th. Is. 25. 6 *bis*.]

τρυγών. (1) תּוֹר, תֹּר

Ge. 15. 9. λάβε μοι . . . τρυγόνα (1)
Le. 1. 14. προσοίσει ἀπὸ τῶν τρ. (1)
5. 7. οἴσει . . . δύο τρυγόνας (1)
— 11. ἐὰν δὲ μὴ εὑρίσκῃ αὐ. ἡ χεὶρ ζεῦγος τρυγόνων (1)
12. 6. προσοίσει . . . τρυγόνα [A δύο τρυγόνας] περὶ ἁμαρτίας (1)
— 8. λήψεται δύο τρυγόνας (1)
14. 22. λήψεται . . . δύο τρυγόνας (1)
— 30. ποιήσει μίαν τῶν τρ. (1)
15. 14. λήψεται ἑαυτῷ δύο τρυγόνας (1)
— 29. λήψεται αὐτῇ δύο τρυγόνας (1)
Nu. 6. 10. οἴσει δύο τρυγόνας (1)
Ps. 83 (84). 3. καὶ τρυγὼν νοσσιὰν ἑαυτῇ †
Ca. 1. 10. R τί ὡραιώθησαν σιαγόνες σου ὡς τρυγόνος [A B S -ες] (1)
2. 12. S² R φωνὴ τῆς [A B S¹ τοῦ] τρ. ἠκούσθη ἐν τῇ γῇ ἡμῶν (1)
Je. 8. 7. τρ. καὶ χελιδὼν ἀγροῦ (1)
[Aq., Sm. Je. 8. 7.]

τρυμαλιά. (1) חָגוֹ (2) מְנֻהָרָה (3) נְקִיק (4) סְעִיף

Jd. 6. 2. ἐποίησαν ἑαυτοῖς . . . τὰς τρ. [A al.] (2)
15. 8. ἐκάθισεν ἐν τρυμαλιᾷ τῆς πέτρας Ἠ. [A al.] (4)
— 11. κατέβησαν . . . εἰς τρυμαλιὰν πέτρας [A al.] (4)
Je. 13. 4. κατάκρυψον αὐτὸ ἐκεῖ ἐν τῇ τρ. τῆς πέτρας (3)
16. 16. θηρεύσουσιν αὐτοὺς . . . ἐκ τῶν τρ. τῶν πετρῶν (3)
29 (49). 16. ἰταμία καρδίας σου κατέλυσε τρυμαλιὰς πετρῶν (1)
[Sm. Is. 51. 1.]

τρύξ.
[Aq. Je. 48 (31). 11.]

τρυπᾶν. (1) נָקַב (2) נָתַן (3) רָצַע

Ex. 21. 6. τρυπήσει ὁ κύριος αὐ. τὸ οὖς (3)
De. 15. 17. τρυπήσεις τὸ ὠτίον αὐ. (2)
Jb. 40. 21 (26). ψελίῳ δὲ τρυπήσεις τὸ χεῖλος αὐτοῦ (1)
Hg. 1. 6. συνήγαγεν εἰς δεσμὸν τετρυπημένον (1)
[Sm. Je. 40. 19 (24).]

τρυπανισμός.
[Aq. Is. 54. 12.]

τρυπητής (?).
Je. 31 (48). 32. S¹ ἐπὶ τρυπηταῖς [A B S² τρυγ.] σου ὄλεθρος ἐνέπεσε †

τρυφᾶν. (1) עָדַן hithp. (2) עָנַג hithpa.

Ne. 9. 25. ἐτρύφησαν [A ἐνετρ.] ἐν ἀγαθωσύνῃ σου τῇ μεγ. (1)
Si. 14. 4. ἐν τοῖς ἀγαθοῖς αὐτοῦ τρυφήσουσιν [S² ἐντρ.] ἕτεροι
Is. 66. 11. ἵνα ἐκθηλάσαντες τρυφήσητε (2)

τρυφερεύεσθαι.
Es. 5. 1. ἐπηρείδετο ὡς τρυφερευομένη

τρυφερία.
[Aq. Ge. 18. 12 : I Ki. 15. 32.]

τρυφερός. (1) עָדִין (2) *a.* עָנֹג *b.* עֹנֶג *c.* תַּעֲנוּג

De. 28. 54. ὁ ἁπαλὸς ὁ ἐν σοὶ καὶ ὁ τρ. (2 *a*)
— 56. ἡ ἁπαλὴ ἐν ὑμῖν καὶ ἡ τρ. (2 *a*)
Mi. 1. 16. κεῖραι ἐπὶ τὰ τέκνα τὰ τρ. σου (2 *c*)
Is. 47. 1. οὐκέτι προστεθήσῃ κληθῆναι ἁπαλὴ καὶ τρυφερά (2 *a*)
— 8. ἄκουε ταῦτα [A S *add.* ἡ] τρυφερά (1)
58. 13. καλέσεις τὰ σάββατα τρυφερά (2 *b*)
Je. 26 (46). 28. ἡ ἀπτόητος καὶ τρ. παρεδόθη –
27 (50). 2. ἡ τρ. παρεδόθη Μαιρωδάχ [A S Μεω.] †
Ba. 4. 26. οἱ τρ. μου ἐπορεύθησαν ὁδοὺς τραχείας
Da. LXX. Su. 31. ἦν δὲ ἡ γυνὴ τρ. σφόδρα
Da. TH. Su. 31. ἡ δὲ Σουσ. ἦν τρ. σφόδρα
[Aq. Is. 51. 3 : Je. 6. 2.]
[Sm., Th. Je. 6. 2.]

τρυφερότης. (1) עָנַג hithpa. (2) רֹךְ

De. 28. 56. B ἧς οὐχὶ πεῖραν ἔλαβεν ὁ ποὺς αὐ. . . . διὰ τὴν τρ. [A R *add.* καὶ διὰ τὴν ἁπαλότητα] (1 + 2 [1])

τρυφερῶς.
[Th. Pr. 15. 1.]

τρυφή. (1) *a.* עֶדֶן *b.* מַעֲדַנִּים (2) תַּעֲנוּג (3) תִּפְאָרֶת

Ge. 2. 15. R ἐν τῷ παραδείσῳ τῆς τρ. [A om. τῆς τρ.] (1 *a*)
3. 23. ἐκ τοῦ παραδείσου τῆς τρ. (1 *a*)
— 24. ἀπέναντι τοῦ παραδείσου τῆς τρ. (1 *a*)
49. 20. δώσει τρυφὴν [A τροφὴν] ἄρχουσι (1 *b*)
Ju. 12. 9. A προσηνέγκατο τὴν τρ. [B τροφὴν] αὐ.
Ps. 35 (36). 8. τὸν χειμάρρουν τῆς τρ. σου ποτιεῖς αὐτούς (1 *a*)
138 (139). 11. νὺξ φωτισμὸς ἐν τῇ τρ. μου (1 *a*)
Pr. 4. 9. στεφάνῳ δὲ τρυφῆς ὑπερασπίσῃ σου (3)
19. 10. οὐ συμφέρει ἄφρονι τρυφή (2)
Ec. 2. 8. B¹ S¹ ἐν τρυφῇ μετὰ υἱῶν ἀνθρώπων [A B² S² R al.] (2)
Ca. 7. 6 (7). τί ἡδύνθης ἀγάπη ἐν τρυφαῖς σου (2)
Wi. 19. 11. ᾐτήσαντο ἐδέσματα τρυφῆς
— 21. S¹ κρυσταλλοειδὲς γένος ἀμβροσίας τρ. [A B S² τροφῆς]
Si. 11. 27. κάκωσις ὥρας ἐπιλησμονὴν ποιεῖ τρυφῆς
14. 16. οὐκ ἔστιν ἐν ᾅδου ζητῆσαι τρυφήν [A -ῆς]
18. 32. μὴ εὐφραίνου ἐπὶ πολλῇ τρυφῇ
37. 29. μὴ ἀπληστεύου ἐν πάσῃ τρυφῇ
Mi. 2. 9. ἀπορριφήσονται ἐκ τῶν οἰκιῶν τρυφῆς αὐ. (2)
Jl. 2. 3. ὡς παράδεισος τρυφῆς [S¹ θύπης] ἡ γῆ πρὸ προσώπου αὐ. (1 *a*)
Je. 28 (51). 34. ἔπλησε τὴν κοιλίαν αὐτοῦ ἀπὸ τῆς τρ. μου (1 *a*)
La. 4. 5. R οἱ ἔσθοντες τὰς τρ. [A B τροφ.] (1 *b*)
Ez. 28. 13. ἐν τῇ τρ. τοῦ παραδείσου τοῦ θ. (1 *a*)
31. 9. τὰ ξύλα τοῦ παραδείσου τῆς τρ. τοῦ θ. (1 *a*)
— 16. παρεκάλουν αὐτὸν . . . πάντα τὰ ξύλα τῆς τρ. (1 *a*)
— 18. κατοβιβάσθητι μετὰ τῶν ξύλων τῆς τρ. (1 *a*)
34. 14. ἐκεῖ ἀναπαύσονται ἐν τρυφῇ ἀγαθῇ †

Ez. 36. 35. ἐγενήθη ὡς κῆπος τρυφῆς (1 a)
Da. LXX. 4. 28. τὴν τρ. σου παραλήψεται –
— 29. τὸν οἶκον τῆς τρ. σου . . . ἕτερος ἕξει –
[Aq. Ge. 49. 20: Dt. 28. 56: II Ki. 1. 24: Ec. 2. 8: Ca. 7. 6 (7).]
[Sm. II Ki. 1. 24: Pr. 29. 17.]
[Th. Pr. 29. 17: Is. 51. 3: 58. 13: Ez. 31. 18.]
[Quint. Ho. 7. 14.]

τρύφημα.
Si. 34 (31). 3. ἐν τῇ ἀναπαύσει ἐμπίπλαται τῶν τρ. αὐτοῦ

τρυφητής.
[Aq. Dt. 28. 54.]
[Sm. Am. 6. 7.]

τρύχεσθαι.
Wi. 11. 11. καὶ ἀπόντες δὲ καὶ παρόντες ὁμοίως ἐτρύχοντο
14. 15. ἀώρῳ γὰρ πένθει τρυχόμενος πατήρ

τρώγλη. (1) דֶּלֶת (2) a. חֹר b. חֹר (3) מְחִלָּה (4) נְקִיק (5) נְקָרָה
I Ki. 14. 11. ἐκπορεύονται ἐκ τῶν τρ. αὐ. (2 a)
IV Ki. 12. 9 (10). ἔτρησε τρώγλην ἐν τῇ τρ. αὐ. (2 a, 1)
Jb. 30. 6. οἱ οἶκοι αὐτῶν ἦσαν τρῶγλαι [S² ὡς τρ.] πετρῶν [A τῶν π.] (2 a)
Is. 2. 19. εἰσενέγκαντες . . . εἰς τὰς τρ. τῆς γῆς (3)
— 21. τοῦ εἰσελθεῖν εἰς τὰς τρ. τῆς στερεᾶς πέτρας (5)
7. 19. ἐν ταῖς τρ. τῶν πετρῶν (4)
11. 8. παιδίον νήπιον ἐπὶ τρωγλῶν [A S -λην] ἀσπίδων (2 b)

τρῶσις.
[Sm. Ps. 76 (77). 11: Ca. 7. 1 (2): Ez. 30. 11.]

τυγχάνειν. (1) מָצָא
De. 19. 5. καὶ ἐκπεσὼν τὸ σιδήριον . . . τύχῃ τοῦ πλησίον (1)
I Es. 8. 53. ἐτύχομεν εὐιλάτου [A al.]
To. 5. 13. σὺ τυγχάνεις ἀδελφός μου [S ὤν]
6. 1. S ἔτυχεν αὐτοῖς νὺξ μία
Es. 3. 13. πρὸς τὸ μὴ τὴν βασ. εὐσταθείας τυγχάνειν
8. 13. ἔτυχεν ἧς ἔχομεν . . . φιλανθρωπίας
Jb. 3. 21. οὐ τυγχάνουσιν ἀνορύσσοντες ὥσπερ θησαυρούς –
7. 2. ἢ ὥσπερ θεράπων . . . τετευχὼς [A τετυχηκὼς] σκιᾶς †
17. 1. A B S² δέομαι δὲ ταφῆς καὶ οὐ τυγχάνω –
Pr. 24. 58 (30. 23). μισητὴ γυνὴ ἐὰν τύχῃ ἀνδρὸς ἀγαθοῦ †
Wi. 15. 19. ὡς ἐν ζῴων ὄψει καλὰ τυγχάνει
Da. LXX. Bel 30. καὶ μηδὲ ταφῆς τύχῃ
I Ma. 11. 42. ἐὰν εὐκαιρίας τύχω
II Ma. 3. 9. εἰ ταῖς ἀληθείαις ταῦτα οὕτως ἔχοντα τυγχάνει
4. 6. ἀδύνατον εἶναι τυχεῖν εἰρήνης
— 32. ἕτερα ἐτύγχανε πεπρακώς
5. 8. πέρας οὖν κακῆς καταστροφῆς ἔτυχεν
— 9. ὡς διὰ τὴν συγγένειαν τευξόμενος σκέπης
6. 2. καθὼς ἐτύγχανον οἱ τὸν τόπον οἰκοῦντες
— 18. R καὶ τὴν πρόσοψιν τοῦ προσώπου κάλλιστος τυγχάνων [A om.]
— 22. ἵνα . . . τυχοι φιλανθρωπίας
9. 1. ἐτύγχανεν Ἀντ. ἀναλελυκὼς ἀκόσμως
13. 7. μηδὲ τῆς γῆς τυγχάνοντα Μενέλαον
14. 6. οὐκ ἐῶντες τὴν βασιλείαν εὐσταθείας τυχεῖν
— 10. ἀδύνατον εἰρήνης τυχεῖν τὰ πράγματα
15. 7. ἀντιλήψεως τεύξασθαι παρὰ τοῦ κ.
III Ma. 2. 33. εὐέλπιδές τε καθειστήκεισαν ἀντιλήψεως τεύξασθαι
3. 7. οὐ τῷ τυχόντι περιήψαντο φόβῳ
— 28. R τῆς ἐλευθερίας τεύξεται [A al.]
5. 35. καὶ τῆσδε τῆς βοηθείας αὐ. τετευχότες
7. 10. τυχεῖν δι' αὐτῶν τῆς ὀφειλομένης κολάσεως
[Quint. Ho. 7. 9.]

τυλοῦσθαι. (1) בָּצַק
De. 8. 4. οἱ πόδες σου οὐκ ἐτυλώθησαν (1)

τυμπανίζειν. (1) תָּוָה pi.
I Ki. 21. 13 (14). ἐτυμπάνιζεν ἐπὶ ταῖς θύραις τῆς πόλεως (1?)

τυμπανίστρια. (1) תֹּף
Ps. 67 (68). 25. ἐν μέσῳ νεανίδων τυμπανιστριῶν (1)

τύμπανον. (1) תֹּף
Ge. 31. 27. μετὰ μουσικῶν τυμπάνων καὶ κιθάρας (1)
Ex. 15. 20. λαβοῦσα δὲ Μ. . . . τὸ τ. ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (1)
— 20. ἐξῆλθοσαν . . . μετὰ τυμπάνων (1)
Jd. 11. 34. ἐξεπορεύετο . . . ἐν τυμπάνοις (1)
I Ki. 10. 5. καὶ ἔμπροσθεν αὐτῶν . . . τύμπανον [A -α] (1)
18. 6. ἐξῆλθον αἱ χορεύουσαι . . . ἐν τυμπάνοις (1)
II Ki. 6. 5: I Ch. 13. 8. παίζοντες . . . ἐν τυμπάνοις καὶ ἐν κυμβάλοις (1)
I Es. 5. 2. καὶ μετὰ μουσικῶν τυμπάνων καὶ αὐλῶν
Ju. 3. 7. ἐδέξαντο αὐτὸν . . . μετὰ στεφάνων . . . καὶ τυμπάνων
16. 2. ἐξάρχετε τῷ θεῷ μου ἐν τυμπάνοις .
Ps. 80 (81). 2. δότε τύμπανον (1)
149. 3. ἐν τυμπάνῳ καὶ ψαλτηρίῳ (1)
150. 4. αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν τυμπάνῳ καὶ χορῷ (1)
Is. 5. 12. μετὰ γὰρ κιθάρας καὶ ψαλτηρίου καὶ τυμπάνων (1)
24. 8. πέπαυται εὐφροσύνη τυμπάνων (1)
30. 32. μετὰ τυμπάνων [A S αὐλῶν] καὶ κιθάρας (1)
Je. 38 (31). 4. ἔτι λήψῃ τύμπανόν σου (1)
I Ma. 9. 39. ἐξῆλθε . . . μετὰ τυμπάνων
II Ma. 6. 19. ἐπὶ τὸ τ. προσῆγε
— 28. ἐπὶ τὸ τ. εὐθέως ἦλθε
[Aq. Ps. 80 (81). 3: Is. 5. 12 (Sw.): Je. 31 (38). 4.]
[Sm. Ps. 80 (81). 3: Je. 31 (38). 4: Ez. 28. 13.]
[Al. Is. 5. 12.]

τύπος. (1) צֶלֶם (2) תַּבְנִית
Ex. 25. 39 (40). κατὰ τὸν τ. τὸν δεδειγμένον σοι (2)
Am. 5. 26. ἀνελάβετε . . . τοὺς τ. αὐ. (1)
III Ma. 3. 30. ὁ μὲν τῆς ἐπιστολῆς τ. οὕτως ἐγέγραπτο
IV Ma. 6. 19. γενοίμεθα τοῖς νέοις ἀσεβείας τύπος
[Al. Ge. 47. 26: Ex. 12. 43.]

τυποῦν.
Wi. 13. 13. S² R ἐμπειρίᾳ συνέσεως [A B S¹ ἀνέσ.] ἐτύπωσεν αὐτό
Si. 38. 30. ἐν βραχίονι αὐτοῦ τυπώσει πηλόν

τύπτειν. (1) חָלַל hi. (2) כָּרַת hi. (3) נָגַף (4) נָכָה hi.
Ex. 2. 11. ὁρᾷ ἄνθρωπον Αἰγ. τύπτοντά τινα Ἑβρ. (4)
— 13. διὰ τί σὺ τύπτεις τὸν πλησίον (4)
7. 17. τύπτω τῇ ῥάβδῳ τῇ ἐν τῇ χειρί μου (4)
8. 2 (7. 27). τύπτω πάντα τὰ ὅριά σου τοῖς βατράχοις (3)
21. 15. ὃς τύπτει πατέρα αὐ. (4)
Nu. 22. 27. ἔτυπτε τὴν ὄνον τῇ ῥάβδῳ (4)
De. 25. 11. ἐκ χειρὸς τοῦ τύπτοντος αὐτόν (4)
27. 24. ἐπικατάρατος ὁ τύπτων τὸν πλησίον (4)
Jd. 20. 31. A ἤρξαντο τύπτειν ἐκ τοῦ λαοῦ [B al.] (4)
— 39. A ἤρκται τοῦ τύπτειν τραυματίας [B al.] (4)
I Ki. 1. 8. ἵνα τί τύπτει σε ἡ καρδία [A τύπτεις ἐν καρδίᾳ] σου †
11. 11. ἔτυπτον [A ἔπληξεν] τοὺς υἱοὺς Ἀ. (4)
17. 36. τὴν ἄρκον ἔτυπτεν ὁ δοῦλός σου (4)
27. 9. ἔτυπτε τὴν γῆν (4)
31. 2. τύπτουσιν ἀλλόφυλοι τὸν Ἰων. (4)
II Ki. 1. 1. Δ. ἀνέστρεψε τύπτων τὸν Ἀμ. (4)
2. 23. τύπτει αὐτὸν Ἀβ. (4)
4. 7. καὶ τύπτουσιν αὐτόν (4)
5. 8. πᾶς τύπτων Ἰεβουσαῖον (4)
24. 17. B ἐν τῷ ἰδεῖν αὐτὸν τὸν ἄγγελον τύπτοντα [A R τὸν τ.] ἐν τῷ λαῷ (4)
III Ki. 18. 4. ἐν τῷ τύπτειν τὴν Ἰ. τοὺς προφήτας κυρίου (2)
IV Ki. 3. 24. εἰσῆλθον . . . τύπτοντες τὴν Μ. (4)
6. 22. οὓς ᾐχμαλώτευσας . . . σὺ τύπτεις (4)
14. 10. τύπτων ἐπάταξας τὴν Ἰδ. (4)
I Ch. 11. 6. πᾶς τύπτων Ἰεβουσαῖον ἐν πρώτοις (4)
II Ch. 28. 23. ἐκζητήσω τοὺς θεοὺς Δαμ. τοὺς τύπτοντάς με (4)
I Es. 4. 8. εἶπε πατάξαι τύπτουσιν
Pr. 10. 13. ῥάβδῳ τύπτει ἄνδρα ἀκάρδιον †
23. 35. τύπτουσί με καὶ οὐκ ἐπόνεσα (4)
25. 4. τύπτε [A κρύπτε] ἀδόκιμον ἀργύριον †
26. 22. οὗτοι δὲ τύπτουσιν εἰς ταμεῖα σπλάγχνων [S² κοιλίας] †
Is. 41. 7. χαλκεὺς τύπτων σφύρῃ (1)
58. 4. τύπτετε πυγμαῖς ταπεινόν (4)
Ez. 7. 9. ἐγώ εἰμι κύριος ὁ τύπτων (4)
Da. LXX. 11. 20. ἀνὴρ τύπτων δόξαν βασιλέως †
Da. TH. 5. 19. οὓς ἠβούλετο αὐτὸς ἔτυπτε †
I Ma. 9. 66. ἐξήρξατο τύπτειν . . . ἐν ταῖς δυνάμεσι
II Ma. 3. 39. τοὺς παραγινομ. ἐπὶ κακώσει τύπτων ἀπολύει
IV Ma. 6. 8. εἰς τοὺς κενεῶνας ἐναλλόμενος ἔτυπτεν
— 10. καθάπερ γενναῖος ἀθλητὴς τυπτόμενος
9. 12. ὡς δὲ τύπτοντες ταῖς μάστιξιν ἐκοπίασαν
[Sm. II Ki. 5. 8: Is. 66. 3: Je. 37 (44). 15: Mi. 5. 1 (4. 14).]
[Th. Is. 66. 2, 3.]
[Al. Le. 24. 18.]

τυραννεῖν. (1) מָשַׁל
Pr. 28. 15. ὃς τυραννεῖ πτωχὸς ὢν ἔθνους πενιχροῦ (1)
Wi. 10. 14. ἐξουσίαν τυραννούντων αὐτοῦ [S² -όν]
16. 4. ἔδει γὰρ ἐκείνοις μὲν ἀπαραίτητον ἔνδειαν ἐπελθεῖν τυραννοῦσι
IV Ma. 5. 38. ἀσεβῶν μὲν γὰρ τυραννήσεις

τυραννία.
I Ma. 1. 4. A καὶ ἦρξε . . . τυραννιῶν [S R τυράννων]

τυραννικός.
III Ma. 3. 8. τυραννικὴ γὰρ ἦν ἡ διάθεσις
IV Ma. 5. 27. A τυραννικὸν δὲ οὐ μόνον ἀναγκάζεις ἡμᾶς παρανομεῖν [S R al.]

τυραννίς. (1) שָׂרָה
Es. 1. 18. σήμερον αἱ τ. αἱ λοιπαὶ τῶν ἀρχόντων Περσῶν (1)
Wi. 14. 21. ἢ συμφορᾷ ἢ τυραννίδι δουλεύσαντες
Si. 47. 21. γενέσθαι δίχα τυραννίδα [S² -δος]
IV Ma. 1. 11. τοῦ καταλυθῆναι τὴν κατὰ τοῦ ἔθνους τ.
8. 15. τὴν τ. αὐ. κατέλυσαν
9. 30. τὸν [S¹ om.] τῆς τ. ὑπερήφανον λογισμόν
11. 24. κατελύσαμέν σου τὴν τ.

τύραννος. (1) אֲחַשְׁדַּרְפְּנִים (2) גְּדֻבָּרִין (3) הַדָּבָרִין (4) נָדִיב (5) רָזֹן
Es. 9. 3. οἱ τ. . . . ἐτίμων τοὺς Ἰουδ. (1)
Jb. 2. 11. Βαλδὰδ ὁ Σαυχέων τύραννος –
42. 18. Βαλδὰδ ὁ Σαυχαίων τύραννος [A al.]
Pr. 8. 16. τύραννοι δι' ἐμοῦ κρατοῦσι γῆς (4)
Wi. 6. 9. πρὸς ὑμᾶς οὖν, ὦ τύραννοι, οἱ λόγοι μου
— 21. τύραννοι λαῶν, τιμήσατε σοφίαν
8. 15. φοβηθήσονταί με ἀκούσαντες τύραννοι φρικτοί
12. 14. οὔτε βασιλεὺς ἢ τύραννος ἀντοφθαλμῆσαι δυνήσεταί σοι
14. 16. τυράννων ἐπιταγαῖς ἐθρησκεύετο τὰ γλυπτά
Si. 11. 5. πολλοὶ τύραννοι ἐκάθισαν ἐπὶ ἐδάφους
Hb. 1. 10. καὶ τύραννοι παίγνια αὐ. (5)
Da. LXX. 3. 3. τότε συνήχθησαν . . . τ. μεγάλοι (2)
Da. TH. 3. 2. ἀπέστειλε συναγαγεῖν . . . τυράννους (2)
— 3. συνήχθησαν . . . τ. μεγάλοι (2)
4. 33. οἱ τ. μου . . . ἐζήτουν με (3)
I Ma. 1. 4. S R καὶ ἦρξε . . . τυράννων [A -ιῶν]
II Ma. 4. 25. θυμοὺς δὲ ὠμοῦ τ. . . . ἔχων
5. 8. ἐγκλεισθεὶς πρὸς Ἀρέταν τὸν τῶν Ἀράβων τ.
7. 27. χλευάσασα τὸν ὠμὸν τ.
III Ma. 6. 24. τυράννους ὑπερβεβηκότες ὠμότητι
IV Ma. 1. 11. νικήσαντες τὸν τ. τῇ ὑπομονῇ
5. 1. προκαθίσας . . . ὁ τ. Ἀντ. ἐπί τινος ὑψηλοῦ τόπου
— 4. καὶ πολλοῖς τῶν περὶ τὸν τ. . . . γνώριμος
— 14. ἐπὶ τὴν ἔκθεσμον σαρκοφαγίαν ἐποτρύνοντος τοῦ τ.
6. 1. ἀντιρρητορεύσαντα ταῖς τοῦ τ. παρηγορίαις
— 21. καὶ ὑπὸ μὲν τοῦ τ. καταφρονηθῶμεν
— 23. οἱ δὲ τοῦ τ. δορυφόροι
7. 2. καταικιζόμενος ταῖς τοῦ [S om. τ. τ.] τ. ἀπειλαῖς
8. 1. ἐπειδὴ γὰρ . . . ἐνικήθη περιφανῶς ὁ τ.
— 3. ταῦτα διαταξαμένου τοῦ τ.
— 4. οὓς ἰδὼν ὁ τ.
— 13. ὑπολαβὼν δὲ ὁ τύραννος ἔφη
— 15. ἀντεφιλοσόφησαν τῷ τ.
— 29. ἅμα τῷ παύσασθαι τὸν τ.
9. 1. τί μέλλεις, ὦ τύραννε
— 1. S¹ ἕτοιμοι γάρ ἐσμεν, ὦ τύραννε [A S² R om. ὦ τ.]
— 3. σύμβουλε τύραννε παρανομίας

IV Ma. 9. 7. πείραζε γὰρ οὖν, τύραννε
— 10. οὐ μόνον . . . ἐχαλέπαινεν ὁ τ.
— 15. τύραννε μιαρώτατε
— 24. τιμωρήσειε τὸν ἀλάστορα τ.
— 29. ἔφη τε πρὸς τὸν τ.
— 30. πάντων ὠμότατε τύραννε
— 32. μιαρώτατε τύραννε
10. 10. ὦ μιαρώτατε τύραννε
— 15. μὰ . . . τὸν αἰώνιον τοῦ τ. ὄλεθρον
— 16. ἐπινόει, τύραννε, βασάνους
11. 2. οὐ μέλλω, τύραννε, . . . παραιτεῖσθαι
— 12. A ἔλεγεν . . . ὁ τ. [S R *al.*]
— 13. πυνθανομένου τοῦ τ.
— 21. A R ἀνίκητος γάρ ἐστιν, ὦ [S *om.*] τύραννε, ἡ εὐσεβὴς ἐπιστήμη
— 27. οὐ γὰρ τυράννου . . . προεστήκασιν ἡμῶν οἱ δορυφόροι
12. 2. ὃν κατοικτειρήσας ὁ τ.
— 11. A R πάντων τῶν πονηρῶν ἀσεβέστατε τ. [S *om.*]
15. 1. ὦ λογισμὲ τέκνων παθῶν τύραννε
— 2. κατὰ τὴν τοῦ τ. ὑπόσχεσιν
16. 14. διὰ καρτερίαν καὶ τύραννον ἐνίκησας
17. 2. καταλύσασα τὴν τοῦ τ. βίαν
— 9. διὰ τυράννου βίαν [S[1] διὰ τύραννον]
— 14. ὁ τ. ἀντηγωνίζετο
— 17. αὐτός γέ τοι ὁ τ. καὶ ὅλον τὸ συνέδριον αὐ.
— 21. καὶ τὸν τ. τιμωρηθῆναι
— 23. πρὸς γὰρ τὴν ἀνδρείαν . . . ὁ τ. ἀφιδών
18. 5. ὁ τ. Ἀντ. καὶ ἐπὶ γῆς τετιμώρηται
— 20. ὅτε ὁ πικρὸς Ἑλλήνων τ. πῦρ φλέξας [S[1] *al.*]
— 22. S μετελεύσεται τὸν ἀλάστορα τ. [A R *om.*]
[Aq. Ez. 23. 23.]
[Th. Da. 3. 2.]

τυρός. (1) גְּבִינָה
Jb. 10. 10. ἐτύρωσας [A ἔπηξας] δέ με ἴσα τυρῷ (1)
[Al. I Ki. 17. 18.]

τυροῦν. (1) גָּבַן (2) טָפַשׁ (3) קָפָא hi.
Jb. 10. 10. ἐτύρωσας [A ἔπηξας] δέ με ἴσα τυρῷ (3)
Ps. 67 (68). 15. ὄρος τετυρωμένον ὄρος πῖον (1)
— 16. ἵνα τί ὑπολαμβάνετε ὄρη τετυρωμένα (1)
118 (119). 70. ἐτυρώθη ὡς γάλα ἡ καρδία αὐτῶν (2)
La. 4. 7. A ἐτυρώθησαν [B ἐπυρ.] ὑπὲρ λίθους σαπφείρου τὸ ἀπόσπασμα αὐτῶν †

τύρσις.
[Sm. Ez. 4. 2: 21. 22 (27).]

τυρώθ.
[Th. Ez. 46. 23.]

τυφλός. (1) *a.* עִוֵּר *b.* עִוֶּרֶת
Ex. 4. 11. τίς ἐποίησε . . . βλέποντα καὶ τυφλόν (1 *a*)
Le. 19. 14. ἀπέναντι τυφλοῦ οὐ προσθήσεις σκάνδαλον (1 *a*)
21. 18. ἄνθρωπος τ. ἢ χωλός (1 *a*)
22. 22. A[2] B τυφλὸν ἢ συντετριμμένον . . . οὐ προσάξουσι (1 *b*)
De. 15. 21. χωλὸν ἢ τυφλὸν . . . οὐ θύσεις αὐτό (1 *a*)
27. 18. ἐπικατάρατος ὁ πλανῶν τυφλὸν ἐν ὁδῷ (1 *a*)
28. 29. ὡς εἴ τις ψηλαφήσαι τυφλὸς [A ὁ τ.] (1 *a*)
II Ki. 5. 6. ἀντέστησαν οἱ τ. (1 *a*)
— 8. ἀπτέσθω . . . τοὺς τ. (1 *a*)
— 9 (8). τυφλοὶ . . . οὐκ εἰσελεύσονται εἰς οἶκον κ. (1 *a*)
Jb. 29. 15. ὀφθαλμὸς ἤμην τυφλῶν (1 *a*)
Ps. 145 (146). 8. κύριος σοφοὶ τυφλούς (1 *a*)
Ze. 1. 17. πορεύσονται ὡς τυφλοί (1 *a*)
Ma. 1. 8. ἐὰν προσαγάγητε τυφλὸν εἰς θυσίαν (1 *a*)
Is. 29. 18. ὀφθαλμοὶ τυφλῶν ὄψονται (1 *a*)
35. 5. ἀνοιχθήσονται ὀφθαλμοὶ τυφλῶν (1 *a*)
42. 7. ἀνοῖξαι ὀφθαλμοὺς τυφλῶν (1 *a*)
— 16. ἄξω τυφλοὺς ἐν ὁδῷ (1 *a*)
— 18. οἱ τ., ἀναβλέψατε ἰδεῖν (1 *a*)
— 19. τίς τ. ἀλλ' ἢ οἱ παῖδές μου (1 *a*)
43. 8. ἐξήγαγον λαὸν τυφλὸν καὶ ὀφθαλμοὶ εἰσιν ὡσαύτως τυφλοί (1 *a*, –)
59. 10. ψηλαφήσουσιν ὡς τυφλοὶ [S[3] -ὸς] τοῖχον (1 *a*)
61. 1. κηρῦξαι . . . τυφλοῖς ἀνάβλεψιν †
Ep. Je. 37. ἄνθρωπον τυφλὸν εἰς ὅρασιν οὐ μὴ περιστήσωσιν [A παραστ.]
[Aq. Is. 56. 10.]
[Sm. II Ki. 5. 6: Is. 42. 19 *bis*: 56. 10: La. 4. 14.]
[Th. Is. 42. 19: 56. 10.]

τυφλοῦν. (1) עִוֵּר
To. 7. 7. S ἐτυφλώθη ἀνὴρ δίκαιος [A B *al.*]
Wi. 2. 21. S ἐτύφλωσεν [A B ἀπετύφλωσε] γὰρ αὐτοὺς ἡ κακία αὐτῶν
Is. 42. 19. ἐτυφλώθησαν οἱ δοῦλοι τοῦ θεοῦ (1)

τύφος.
III Ma. 3. 18. τύφοις φερόμενοι παλαιοτέροις

τυφῶν.
[Al. Ps. 148. 8.]

τύχη. (1) גַּד (2) מְנִי
Ge. 30. 11. καὶ εἶπε Λεία, Ἐν τύχῃ (1)
Is. 65. 11. πληροῦντες τῇ τ. κέρασμα (2)
II Ma. 7. 37. σῶμα καὶ τύχην προδίδωμι

Υ

ὕαινα. (1) צָבוּעַ
Si. 13. 18. τίς εἰρήνη ὑαίνῃ πρὸς κύνα
Je. 12. 9. μὴ σπήλαιον ὑαίνης [A λῃστῶν] ἡ κληρονομία μου ἐμοί (1)
[Aq. I Ki. 13. 18.]

ὑακίνθινος. (1) תַּחַשׁ (2) תְּכֵלֶת
Ex. 25. 5. καὶ δέρματα ὑ. καὶ ξύλα ἄσηπτα (1)
26. 4. ποιήσεις αὐταῖς ἀγκύλας ὑ. (2)
— 14. καὶ ἐπικαλύμματα δέρματα ὑ. ἐπάνωθεν (1)
28. 27 (31). ποιήσεις ὑποδύτην ποδήρη ὅλον ὑ. (2)
35. 7. οἰσουσι . . . δέρματα ὑ. (1)
— 23. παρ' ᾧ εὑρέθη . . . δέρματα ὑ. (1)
36. 30 (39. 22). ἔργον ὑφαντὸν ὅλον ὑ. (2)
— 40 (39. 31). ἐπέθηκαν ἐπὶ τὸ λῶμα ὑ. (2)
39. 21 (34). καὶ τὰ καλύμματα δέρματα ὑ. (1)
Nu. 4. 6. ἐπιθήσουσιν ἐπ' αὐτὸ κατακάλυμμα δέρμα ὑ. (1)
— 6. ἐπιβαλοῦσιν ἐπ' αὐτὴν ἱμάτιον ὅλον ὑ. ἄνωθεν (2)
— 8. καλύψουσιν αὐτὴν καλύμματι δερματίνῳ ὑ. (1)
— 9. λήψονται ἱμάτιον ὑ. (2)
— 10. ἐμβαλοῦσιν αὐτὴν . . . εἰς κάλυμμα δερμάτινον ὑ. (1)
— 11. ἐπικαλύψουσιν ἱμάτιον ὑ. (2)
— 11. καλύψουσιν αὐτὸ καλύμματι δερματίνῳ ὑ. (1)
— 12. καὶ ἐμβαλοῦσιν εἰς ἱμάτιον ὑ. (2)
— 12. καλύψουσιν αὐτὰ καλύμματι δερματίνῳ ὑ. (1)
— 14. ἐπιβαλοῦσιν ἐπ' αὐτὸ κάλυμμα δερμάτινον ὑ. (1)
— 14. ἐμβαλοῦσιν αὐτὸ εἰς κάλυμμα δερμάτινον ὑ. (1 ?)
— 25. ἀρεῖ . . . τὸ κατακάλυμμα τὸ ὑ. (1)
15. 38. καὶ ἐπιθήσετε . . . κλῶσμα ὑ. (2)
Es. 8. 15. S[2] ἐστολισμένος τὴν βασιλικὴν στολὴν ὑακινθίνην [A B S[1] *om.*] (2)
Si. 6. 30. οἱ δεσμοὶ αὐτῆς κλῶσμα ὑακίνθινον
40. 4. A S ἀπὸ φοροῦντος ὑακίνθινον [B -θον] καὶ στέφανον
Is. 3. 23. ἀφελεῖ . . . τὰ ὑ. καὶ κόκκινα –
Ez. 23. 6. ἐπὶ τοὺς Ἀσσυρίους . . . ἐνδεδυκότας ὑακίνθινα (2)
[Th. Ex. 28. 28: Ez. 16. 10.]

ὑάκινθος. (1) תַּחַשׁ (2) תְּכֵלֶת
Ex. 25. 4. καὶ ὑάκινθον καὶ πορφύραν (2)
26. 1. ἐκ βύσσου κεκλωσμένης καὶ ὑακίνθου (2)
— 31. ποιήσεις καταπέτασμα ἐξ ὑακίνθου (2)
— 36. ποιήσεις ἐπίσπαστρον ἐξ ὑακίνθου (2)
27. 16. ἐξ ὑακίνθου καὶ πορφύρας (2)
28. 5. λήψονται . . . τὸν [A τὴν] ὑ. (2)
— 8. ἔσται ἐκ χρυσίου καὶ ὑακίνθου (2)
— 15. ἐκ χρυσίου καὶ ὑακίνθου (2)
— 29 (33). ἐξ ὑακίνθου καὶ πορφύρας (2)
— 33 (37). ἐπιθήσεις αὐτὸ ἐπὶ ὑακίνθου κεκλωσμένης (2)
31. 4. ἐργάζεσθαι . . . τὴν ὑ. –
35. 6. οἴσουσι . . . ὑάκινθον (2)
— 23. A ὑάκινθος καὶ πορφύρα καὶ κόκκινον (2)
— 25. ἤνεγκαν . . . τὴν ὑ. (2)
36. 9 (39. 2). ἐκ χρυσίου καὶ ὑακίνθου (2)
— 10 (39. 3). ὥστε συνυφᾶναι σὺν τῇ ὑ. (2)
— 12 (39. 5), 15 (39. 8). ἐκ χρυσίου καὶ ὑακίνθου (2)
— 29 (39. 21). συνεχομένους ἐκ τῆς ὑ. (2)
— 32 (39. 24). ἐξ ὑακίνθου καὶ πορφύρας (2)
— 37 (39. 29). ἐκ βύσσου καὶ ὑακίνθου καὶ πορφύρας (2)
37. 3 (36. 35), 5 (36. 37), 16 (38. 18). ἐξ ὑακίνθου καὶ πορφύρας (2)
39. 13 (1). καὶ τὴν καταλειφθεῖσαν ὑ. (2)
II Ch. 2. 7 (6). A R καὶ ἐν τῇ ὑ. (2)
— 14 (13). εἰδότα . . . ὑφαίνειν . . . ἐν τῇ ὑ. (2)
II Ch. 3. 14. ἐποίησε τὸ καταπέτασμα ὑακίνθου [A ἐξ ὑ.] (2)
Si. 40. 4. ἀπὸ φοροῦντος ὑάκινθον [A S -θινον] καὶ στέφανον
45. 10. στολῇ [S στήλῃ] ἁγίᾳ χρυσῷ καὶ ὑακίνθῳ
Is. 3. 23. σὺν χρυσῷ καὶ ὑακίνθῳ συγκαθυφασμένα †
Je. 10. 9. ὑάκινθον καὶ πορφύραν ἐνδύσουσιν αὐτά (2)
Ez. 16. 10. ὑπέδυσά [A B -δησά] σε ὑάκινθον (1)
27. 7. τοῦ . . . περιβαλεῖν σε ὑάκινθον (2)
— 24. ἔμποροί σου φέροντες ἐμπορίαν ὑάκινθον (2)
I Ma. 4. 23. καὶ ἔλαβον . . . ὑάκινθον
[Aq. Ex. 35. 23, 35: 38. 23 (37. 21): Je. 10. 9: Ez. 27. 24.]
[Sm. Ex. 28. 20: 35. 23, 35: 39. 1 (13): Ca. 5. 14: Ez. 1. 16: 10. 9: 27. 24 (P.).]
[Th. Ex. 35. 23, 35: 38. 23 (37. 21): 39. 1 (13): Je. 10. 9: Ez. 27. 24 (P.).]

ὕαλος. (1) זְכוּכִית
Jb. 28. 17. οὐκ ἰσωθήσεται αὐτῇ χρυσίον καὶ ὕαλος (1)
[Th. Jb. 28. 17.]

ὑβρίζειν. (1) *a.* נָאָה *b.* נָאוָה (2) עָלַז (3) קָלַל hi.
II Ki. 19. 43 (44). ἵνα τί τοῦτο ὕβρισάς με (3)
Is. 13. 3. ἔρχονται . . . χαίροντες ἅμα καὶ ὑβρίζοντες (1 *b*)
23. 12. οὐκέτι μὴ προστεθῆτε τοῦ ὑ. (2)
Je. 31 (48). 29. ὕβρισε λίαν ὕβριν αὐτοῦ (1 *a*)
II Ma. 14. 42. καὶ τῆς ἰδίας εὐγενείας ἀναξίως ὑβρισθῆναι
III Ma. 6. 9. ὑπὸ δὲ ἐβδελυγμένων ἀνόμων ἐθνῶν ὑβριζομένοις
[Aq. Ez. 22. 7.]
[Al. I Ki. 17. 10.]
[Quint. Na. 1. 14.]

ὕβρις. (1) *a.* גֵּאָה *b.* גֵּאוּה *c.* גָּאוֹן *d.* גֵּאוּת *e.* גַּאֲוָה (2) גֵּוֶה (3) זָדוֹן (4) לָצוֹן (5) עֵלִיָּה (6) רוּם

Le. 26. 19. συντρίψω τὴν ὕ. τῆς ὑπερηφανίας ὑμῶν (1 *c*)
Es. 4. 17. οὐκ ἐν ὕβρει . . . ἐποίησα τοῦτο
Jb. 15. 26. ἔδραμε δὲ ἐναντίον αὐτοῦ ὕβρει †
— 27. A αἶνος δὲ αὐτοῦ ὕβρις –
22. 12. τοὺς δὲ ὕβρει φερομένους ἐταπείνωσε †
35. 12. οὐ μὴ εἰσακούσῃ καὶ [A *om.*] ἀπὸ ὕβρεως πονηρῶν (1 *c*)
37. 4. βροντήσει ἐν φωνῇ ὕβρεως αὐτοῦ (1 *c*)
Pr. 1. 22. οἱ δὲ ἄφρονες τῆς ὕ. ὄντες ἐπιθυμηταί (4)
8. 13. ὕβριν τε καὶ ὑπερηφανίαν καὶ ὁδοὺς πονηρῶν [S¹ *al.*] (1 *a*)
11. 2. οὗ ἐὰν εἰσέλθῃ ὕβρις ἐκεῖ καὶ ἀτιμία (3)
13. 10. κακὸς μεθ' ὕβρεως πράσσει κακά (3)
14. 3. ἐκ στόματος ἀφρόνων βακτηρία ὕβρεως (1 *b*)
— 10. οὐκ ἐπιμίγνυται ὕβρει [A ὕβριν] †
16. 18. πρὸ συντριβῆς ἡγεῖται ὕβρις (1 *c*)
— 19. A ὃς διαιρεῖται σκῦλα μετὰ ὕβρεως [B S ὑβριστῶν] (1 *e*)
19. 10. ἐὰν οἰκέτης ἄρξηται μεθ' ὕβρεως δυναστεύειν †
— 18. εἰς δὲ ὕβριν μὴ ἐπαίρου τῇ ψυχῇ σου †
21. 4. μεγαλόφρων ἐφ' ὕβρει θρασυκάρδιος –
29. 23. ὕβρις ἄνδρα ταπεινοῖ (1 *b*)
Wi. 2. 19. ὕβρει καὶ βασάνῳ ἐτάσωμεν αὐτόν
4. 18. ἔσονται . . . εἰς ὕβριν ἐν νεκροῖς
Si. 10. 6. μὴ πρᾶσσε μηδὲν ἐν ἔργοις ὕβρεως
— 8. βασιλεία ἀπὸ ἔθνους εἰς ἔθνος μετάγεται διὰ . . . ὕβρεις
21. 4. καταπληγμὸς καὶ ὕβρις ἐρημώσουσι πλοῦτον
Ho. 5. 5. ταπεινωθήσεται ἡ ὕ. τοῦ Ἰσρ. (1 *c*)
7. 10. ταπεινωθήσεται ἡ ὕ. Ἰσρ. (1 *c*)
Am. 6. 8. βδελύσσομαι ἐγὼ πᾶσαν τὴν ὕ. Ἰ. (1 *c*)
Mi. 6. 10. καὶ μετὰ ὕβρεως ἀδικία †
Na. 2. 2 (3). ἀπέστρεψε κύριος τὴν ὕ. Ἰ. καθὼς ὕβριν τοῦ Ἰσρ. (1 *c*, 1 *c*)
Ze. 2. 10. αὕτη αὐτοῖς ἀντὶ τῆς ὕ. αὐ. (1 *c*)
3. 11. περιελῶ ἀπὸ σοῦ τὰ φαυλίσματα τῆς ὕ. σου (1 *b*)
Za. 9. 6. καθελῶ ὕβριν ἀλλοφύλων (1 *c*)
10. 11. ἀφαιρεθήσεται πᾶσα ὕ. Ἀσσυρίων (1 *c*)
Is. 2. 17. πεσεῖται ὕ. [A S ὕψος] ἀνθρώπων (6)
9. 9 (8). ἐφ' [S ἐν] ὕβρει καὶ ὑψηλῇ καρδίᾳ (1 *b*)
10. 33. οἱ ὑψηλοὶ τῇ ὕ. συντριβήσονται †
13. 11. ἀπολῶ ὕβριν ἀνόμων καὶ ὕβριν ὑπερηφάνων ταπεινώσω (1 *c*, 1 *b*)
16. 6. ἠκούσαμεν τὴν ὕ. Μωάβ (1 *c*)
23. 7. οὐχ αὕτη ἦν ὑμῶν ἡ ὕ. ἀπ' ἀρχῆς (5)
— 9. παραλῦσαι πᾶσαν [A *om.*] τὴν ὕ. τῶν ἐνδόξων (1 *c*)
25. 11. ταπεινώσει τὴν ὕ. αὐτοῦ (1 *b*)
28. 1. οὐαὶ τῷ στεφάνῳ τῆς ὕ. (1 *d*)
— 3. καταπατηθήσεται ὁ στέφανος τῆς ὕ. (1 *d*)
Je. 13. 9. φθερῶ τὴν ὕ. Ἰούδα καὶ τὴν ὕ. Ἱερουσαλὴμ τὴν πολλὴν ταύτην ὕ. (1 *c*, 1 *c*, –)
— 17. κλαύσεται ἡ ψυχὴ ὑμῶν ἀπὸ προσώπου ὕβρεως (2)
27 (50). 32. ἀσθενήσει ἡ ὕ. σου (3)
31 (48). 29. ἤκουσα ὕβριν Μωὰβ ὕβρισε λίαν ὕβριν αὐτοῦ (1 *c*, 1 *c*)
Ez. 7. 10. ἡ ὕ. ἐξανέστηκε (3)
30. 6. καταβήσεται ἡ ὕ. τῆς ἰσχύος αὐτῆς (1 *c*)
— 18. ἀπολεῖται ἐκεῖ ἡ ὕ. ἰσχύος αὐτῆς (1 *c*)
32. 12. ἀπολοῦσι τὴν ὕ. Αἰγύπτου (1 *c*)
33. 28. ἀπολεῖται ἡ ὕ. τῆς ἰσχύος αὐτοῦ (1 *c*)
I Ma. 3. 20. πλήθει ὕβρεως καὶ ἀνομίας
II Ma. 8. 17. τὴν ἀνόμως . . . συντετελεσμένην ὑπ' αὐτῶν ὕβριν
III Ma. 2. 3. τοὺς ὕβρει . . . τι πράσσοντας
— 21. τὸν ὕβρει καὶ θράσει μεγάλως ἐπηρμένον
3. 25. μετὰ ὕβρεως καὶ σκυλμῶν
6. 12. καθ' ὕβριν ἀνόμων ἀλόγιστον
[Aq. Je. 8. 18.]
[Sm. Pr. 6. 33 : Is. 13. 3 : Ho. 5. 5.]
[Th. Jb. 37. 4 : Pr. 12. 16 : Is. 13. 11 : 16. 6.]
[Heb. Ge. 49. 5.]
[Al. Dt. 21. 23.]

ὑβριστής. (1) *a.* גֵּא *b.* גֵּאֶה (2) רוּם
Jb. 40. 6 (11). πάντα δὲ ὑβριστὴν ταπείνωσον (1 *b*)
Pr. 6. 17. ὀφθαλμὸς ὑβριστοῦ γλῶσσα ἄδικος (2)
15. 25. οἴκους ὑβριστῶν κατασπᾷ κύριος (1 *b*)
Pr. 16. 19. ὃς διαιρεῖται σκῦλα μετὰ ὑβριστῶν [A ὕβρεως] (1 *b*)
27. 13. ὑβριστὴς ὅστις τὰ ἀλλότρια λυμαίνεται †
Si. 8. 11. μὴ ἐξαναστῇς ἀπὸ προσώπου ὑβριστοῦ
32 (35). 18. ἕως ἐξάρῃ πλῆθος ὑβριστῶν
Is. 2. 12. ἡμέρα γὰρ κ. σαβαὼθ ἐπὶ πάντα ὑ. (1 *b*)
16. 6. ὑ. σφόδρα (1 *a*)
Je. 28 (51). 2. ἐξαποστελῶ εἰς Βαβυλῶνα ὑβριστάς †

ὑβρίστια. (1) זָדוֹן
Je. 27 (50). 31. A S¹ ἐγὼ πρὸς [B S ἐπὶ] σὲ τὴν ὑ. [B S² -τριαν] (1)

ὑβριστικός. (1) חֲמָה
Pr. 20. 1. ἀκόλαστον οἶνος καὶ ὑβριστικὸν μέθη (1)

ὑβρίστρια. (1) זָדוֹן
Je. 27 (50). 31. B S² ἐγὼ ἐπὶ [A πρὸς] σὲ τὴν ὑ. [A S¹ -τιαν] (1)

ὑγεία, ὑγία, ὑγίεια. (1) νὴ τὴν ὑ. חַי (2) נֶפֶשׁ (3) תְּרוּפָה
Ge. 42. 15, 16. νὴ τὴν ὑ. Φαραώ (1)
To. 8. 17. συντέλεσον τὴν ζωὴν αὐτῶν ἐν ὑγιείᾳ [S *om.* ἐν ὑ.]
— 21. πορεύεσθαι μετὰ ὑγείας πρὸς τὸν πατέρα [S *al.*]
Es. 9. 31. στήσαντες κατὰ τῆς ὑ. ἑαυ. (2)
Pr. 6. 8. ἰδιῶται πρὸς ὑγίειαν προσφέρονται [A φέρ.] –
Wi. 7. 10. ὑπὲρ ὑγίειαν καὶ εὐμορφίαν ἠγάπησα αὐτήν
13. 18. καὶ περὶ μὲν ὑγιείας τὸ ἀσθενὲς ἐπικαλεῖται
Si. 1. 18. ἀναθάλλων εἰρήνην καὶ ὑγίειαν ἰάσεως [S² αἰῶνος]
30. 14. R περὶ ὑγιείας
— 15. ὑγίεια καὶ εὐεξία βέλτιον παντὸς χρυσίου
— 16. A² περὶ ὑγιείας [A¹ B² R *om.*, B¹ S περὶ βρωμάτων]
— 16. οὐκ ἔστι πλοῦτος βελτίων ὑγιείας σώματος
34 (31). 20. ὕπνος ὑγιείας ἐπὶ ἐντέρῳ μετρίῳ
Is. 9. 6 (5). ἄξω γὰρ εἰρήνην . . . καὶ ὑγίειαν αὐτῷ –
Ez. 47. 12. ἀνάβασις αὐτῶν εἰς ὑγίειαν (3)

ὑγιάζειν. (1) חָיָה *a.* qal. *b.* pi. (2) רָפָא ni.
Le. 13. 18. καὶ ὑγιασθῇ (2)
— 24. B² R καὶ γένηται ἐν τῷ δερμ. αὐ. τὸ [A B¹ *om.*] ὑγιασθέν †
— 37. ὑγίακε τὸ θραῦσμα (2)
Jo. 5. 8. ἕως ὑγιάσθησαν (1 *a*)
IV Ki. 20. 7. καὶ ὑγιάσει (1 *a*)
Jb. 24. 23. μαλακισθεὶς μὴ ἐλπιζέτω ὑγιασθῆναι [A -ιᾶναι] †
Ho. 6. 3 (2). ὑγιάσει ἡμᾶς μετὰ δύο ἡμέρας (1 *b*)
Ez. 47. 8. ὑγιάσει τὰ ὕδατα (2)
— 9. ὑγιάσει καὶ ζήσεται πᾶν (2)
— 11. ἐν τῇ ὑπεράρσει αὐτοῦ οὐ μὴ ὑγιάσωσιν [A ἀγ.] (2)
[Aq. Is. 38. 1.]

ὑγιαίνειν. (1) *a.* שָׁלַם pu. *b.* שָׁלוֹם
Ge. 29. 6. εἶπε δὲ αὐτοῖς, Ὑγιαίνει (1 *b*)
— 6. οἱ δὲ εἶπαν, Ὑγιαίνει (1 *b*)
37. 14. ἴδε εἰ ὑγιαίνουσιν οἱ ἀδελφοί σου (1 *b*)
43. 27. εἰ ὑγιαίνει ὁ πατὴρ ὑμῶν (1 *b*)
— 28. ὑγιαίνει ὁ παῖς σου ὁ πατὴρ ἡμῶν (1 *b*)
Ex. 4. 18. βάδιζε ὑγιαίνων (1 *b*)
I Ki. 25. 6. εἰς ὥρας καὶ σὺ ὑγιαίνων (1 *b*)
— 6. καὶ πάντα τὰ σὰ ὑγιαίνοντα (1 *b*)
II Ki. 14. 8. ὑγιαίνουσα βάδιζε εἰς τὸν οἶκόν σου –
20. 9. εἰ ὑγιαίνεις, ἀδελφέ (1 *b*)
To. 5. 13. ὑγιαίνων ἔλθοις
— 15. A B ἐὰν ὑγιαίνοντες ἐπιστρέψητε
— 15. S ὑγιαίνοντες ἀπελευσόμεθα καὶ ὑγιαίνοντες ἐπιστρέψομεν
— 16. S ἀποκαταστήσαι ὑμᾶς πρὸς ἐμὲ ὑγιαίνοντας
— 16. S πορεύου ὑγιαίνων
— 20. S ὑγιαίνων πορεύσεται τὸ παιδίον ἡμῶν
— 20. ὑγιαίνων ἐλεύσεται
— 20. S ἢ ἂν ἔλθῃ πρὸς σὲ ὑγιαίνων
— 21. ὑποστρέψει ὑγιαίνων
6. 8. S καὶ ὑγιαίνουσιν [A B ἰαθήσεται]
7. 1. S καλῶς ἤλθατε ὑγιαίνοντες
— 4. A S R εἶπεν αὐτοῖς, Ὑγιαίνει
— 5. ζῇ καὶ ὑγιαίνει [S ὑ. κ. ζῇ]
To. 7. 13. S ἀπάγαγε πρὸς τὸν πατέρα σου ὑγιαίνων [A B *om.*]
8. 21. S ὕπαγε ὑγιαίνων πρὸς τὸν πατέρα σου [A B *al.*]
10. 6. μὴ λόγον ἔχε ὑγιαίνει
— 12. S ἐξαπέστειλεν αὐτοὺς ὑγιαίνοντας [A B *om.*]
— 12. S ὑγίαινε, παιδίον, ὑγιαίνων ὕπαγε
— 13. S καὶ ἀπέστειλεν ὑγιαίνοντας
11. 1. S ἀπῆλθεν Τωβ. ἀπὸ Ῥαγ. ὑγιαίνων
— 17. ἔλθοις ὑγιαίνουσα, θύγατερ
— 17. S εἴσελθε εἰς τὴν οἰκίαν σου ὑγιαίνουσα
12. 3. S ἐμὲ ἀγήοχεν ὑγιαίνοντα [A B *al.*]
— 5. S R ὕπαγε ὑγιαίνων
Jb. 24. 23. A μαλακισθεὶς μὴ ἐλπιζέτω ὑγιᾶναι [B S -ιασθῆναι] †
Pr. 13. 13. ὁ δὲ φοβούμενος ἐντολὴν οὗτος ὑγιαίνει (1 *a*)
Da. LXX. 10. 19. μὴ φοβοῦ ὑγίαινε (1 *b*)
II Ma. 1. 10. Ἰ. Ἀριστοβούλῳ . . . χαίρειν καὶ ὑγιαίνειν
9. 19. τοῖς χρηστοῖς Ἰουδ. . . . πολλὰ χαίρειν καὶ ὑγιαίνειν
11. 28. καὶ αὐτοὶ δὲ ὑγιαίνομεν
— 38. ὑγιαίνετε
[Aq. Dt. 28. 35.]
[Sm. Is. 38. 9.]
[Th. II Ki. 11. 7.]
[Al. Ex. 1. 19.]

ὑγίεια, *vid. sub* **ὑγεία.**

ὑγιής. (1) חַי (2) בְּשָׁלוֹם (3) ὑ. εἶναι חָיָה
Le. 13. 10. ἀπὸ τοῦ ὑ. [A ἡδιους ?] τῆς σαρκὸς τῆς ζώσης †
— 15. ὄψεται ὁ ἱερεὺς τὸν χρῶτα τὸν [A *om.*] ὑ. (1)
— 15. μανεῖ αὐτὸν ὁ χρὼς ὁ ὑ. (1)
— 16. ἐὰν δὲ ἀποκαταστῇ ὁ χρὼς ὁ ὑ. (1)
Jo. 10. 21. ἀπεστράφη πᾶς ὁ λαὸς . . . ὑγιεῖς [B² -ής] (2)
To. 12. 3. ὅτι με ἀγήοχέ σοι ὑγιῆ [S *al.*]
Si. 17. 28. ζῶν καὶ ὑγιὴς αἰνέσει τὸν κύριον
30. 14. κρείσσων πτωχὸς ὑγιής
Is. 38. 21. καὶ ὑγιὴς ἔσῃ (3)
[Sm. Is. 1. 6.]
[Quint. Ho. 6. 2.]

ὑγιῶς.
Pr. 24. 76 (31. 8). κρῖνε πάντας ὑ. †

ὑγραίνειν. (1) רָטַב
Jb. 24. 8. ἀπὸ ψεκάδων ὀρέων ὑγραίνονται (1)
[Th. Jb. 24. 8.]

ὑγρασία. (1) מַיִם
Je. 31 (48). 18. κάθισον ἐν ὑγρασίᾳ καθημένη †
Ez. 7. 17. A R πάντες μηροὶ μολυνθήσονται ὑγρασίᾳ [B -ας] (1)
21. 7 (12). πάντες μηροὶ μολυνθήσονται ὑγρασίᾳ (1)
[Heb. Ez. 16. 6.]

ὑγρός. (1) לַח (2) רָטֹב
Jd. 16. 7. ἐὰν δήσωσί με ἐν ἑπτὰ νευραῖς ὑ. (1)
— 8. ἀνήνεγκαν αὐτῇ . . . ἑπτὰ νευρὰς ὑ. (1)
Jb. 8. 16. ὑγρὸς γάρ ἐστιν ὑπὸ ἡλίου (2)
Si. 39. 13. A S ὡς ῥόδον φυόμενον ἐπὶ ῥεύματος ὑγροῦ [B ἀγροῦ]

ὑδραγώγιον.
[Aq. II Ki. 8. 1.]

ὑδραγωγός. (1) מוֹצָאֵי מַיִם (2) תְּעָלָה
IV Ki. 18. 17. ἔστησαν ἐν τῷ ὑ. τῆς κολυμβήθρας (2)
20. 20. τὴν κρήνην καὶ τὸν ὑδρ. (2)
Si. 24. 30. ὡς ὑδραγωγὸς ἐξῆλθον εἰς παράδεισον
Is. 36. 2. ἔστη ἐν τῷ ὑ. τῆς κολυμβήθρας (2)
41. 18. ποιήσω . . . τὴν διψῶσαν γῆν ἐν ὑδραγωγοῖς (1)
[Aq. II Ki. 8. 1 : Jb. 38. 25.]
[Th. II Ki. 2. 24 : Jb. 38. 25 : Ez. 31. 4.]

ὑδρεύεσθαι. (1) *a.* שָׁאַב *b.* מַשְׁאָב
Ge. 24. 11. ἡνίκα ἐκπορεύονται αἱ ὑδρευόμεναι (1 *a*)
— 19. καὶ ταῖς καμήλοις σου ὑδρεύσομαι (1 *a*)
— 20. ὑδρεύσατο πάσαις ταῖς καμήλοις (1 *a*)
— 43. A S ἐξελεύσονται ὑδρεύσασθαι ὕδωρ [R *al.*] (1 *a*)
— 44. καὶ ταῖς καμήλοις σου ὑδρεύσομαι (1 *a*)

Ge. 24. 45. καὶ ὑδρεύσατο (1 a)
Jd. 5. 11. ἀνὰ μέσον ὑδρευομένων [A εὐφραι-νομ.] (1 b)
Ru. 2. 9. ὅθεν ἂν ὑδρεύωνται [A -ονται] τὰ παιδάρια (1 a)
I Ki. 7. 6. καὶ ὑδρεύονται [A -ας] ὕδωρ (1 a)
9. 11. τὰ κοράσια ἐξεληλυθότα ὑδρεύεσθαι [A -σασθαι] ὕδωρ (1 a)
II Ki. 23. 16. ὑδρεύσαντο ὕδωρ ἐκ τοῦ λάκκου (1 a)
I Ch. 11. 18. A B S² καὶ ὑδρεύσαντο ὕδωρ (1 a)
Ju. 7. 13. ἐκεῖθεν ὑδρεύονται πάντες οἱ κατοικοῦντες Βαιτ.

ὕδρευμα.

[Th. Je. 39 (46). 10.]

ὑδρία (-εία). (1) כַּד

Ge. 24. 14. ἐπίκλινον τὴν ὑ. σου (1)
— 15. ἔχουσα τὴν ὑ. ἐπὶ τῶν ὤμων αὐ. (1)
— 16. ἔπλησε τὴν ὑ. αὐ. (1)
— 17. πότισόν με μικρὸν ὕδωρ ἐκ τῆς ὑ. σου (1)
— 18. καθεῖλε τὴν ὑ. (1)
— 20. ἐξεκένωσε τὴν ὑ. (1)
— 43. πότισόν με ἐκ τῆς ὑ. σου μικρὸν ὕδωρ (1)
— 45. ἔχουσα τὴν ὑ. ἐπὶ τῶν ὤμων (1)
— 46. σπεύσασα καθεῖλε τὴν ὑ. (1)
Jd. 7. 16. ἔδωκε . . . ὑ. κενὰς καὶ λαμπάδας ἐν ταῖς ὑ. [A ἐν μέσῳ τῶν ὑ.] (1, 1)
— 19. ἐξετίναξαν τὰς ὑ. (1)
— 20. συνέτριψαν τὰς ὑ. (1)
III Ki. 17. 12. δρὰξ ἀλεύρου ἐν τῇ ὑ. (1)
— 14. ἡ ὑ. ἀλεύρου οὐκ ἐκλείψει (1)
— 16. ἡ ὑ. τοῦ ἀλεύρου οὐκ ἐξέλιπε (1)
18. 33 (34). λάβετέ μοι τέσσαρας ὑ. ὕδατος (1)
Ec. 12. 6. καὶ συντριβῇ ὑδρία [A S ἡ ὑ.] (1)
[Aq. Jd. 7. 16: III Ki. 7. 50 (36): Je. 52. 19.]
[Sm. Jd. 7. 16: III Ki. 7. 50 (36).]
[Th. Jd. 7. 16.]

ὑδρίσκη. (1) צְלֹחִית

IV Ki. 2. 20. λάβετέ μοι ὑ. καινήν (1)

ὑδροκελία.

[Sm. Ho. 5. 10.]

ὑδροποτεῖν. (1) מַיִם שָׁתָה

Da. LXX. 1. 12. ὥστε κάπτειν καὶ ὑδροποτεῖν (1)

ὑδροφόρος. (1) שֹׁאֵב מַיִם

De. 29. 11 (10). καὶ ἕως ὑδροφόρου ὑμῶν (1)
Jo. 9. 21. ἔσονται . . . ὑδροφόροι πάσῃ τῇ συναγωγῇ (1)
— 23. B οὐ μὴ ἐκλείπῃ . . . ὑδροφόρος ἐμοί [A B al.] (1)
— 27. κατέστησεν αὐτοὺς . . . ὑδροφόρους (1)
— 27. B ἐγένοντο . . . ξυλοκόποι καὶ ὑδροφόροι –

ὕδωρ. (1) מַיִם (2) נָזַל (3) ὕδατος ἔξοδος מָקוֹר

Ge. 1. 2. πνεῦμα θεοῦ ἐπεφέρετο ἐπάνω τοῦ ὕ. (1)
— 6. γενηθήτω στερέωμα ἐν μέσῳ τοῦ ὕ. (1)
— 6. ἔστω διαχωρίζον ἀνὰ μέσον ὕδατος καὶ ὕδατος (1, 1)
— 7. διεχώρισεν ὁ θ. ἀνὰ μέσον τοῦ ὕ. . . . καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ ὕ. (1, 1)
— 9. συναχθήτω τὸ ὕ. . . . εἰς συναγωγὴν μίαν (1)
— 9. συνήχθη τὸ ὕ. . . . εἰς τὰς συναγωγὰς αὐ. –
— 10. τὰ συστήματα τῶν ὑ. ἐκάλεσε θαλάσσας (1)
— 20. ἐξαγαγέτω τὰ ὕ. ἑρπετὰ ψυχῶν ζωσῶν (1)
— 21. ἃ ἐξήγαγε τὰ ὕ. κατὰ γένη αὐτῶν (1)
— 22. πληρώσατε τὰ ὕ. ἐν ταῖς θαλάσσαις (1)
6. 17. ἐπάγω τὸν κατακλυσμὸν ὕδωρ ἐπὶ τὴν γῆν (1)
7. 6. B ὁ κατακλυσμὸς τοῦ ὕ. ἐγένετο [A al.] (1)
— 7. διὰ τὸ ὕ. τοῦ κατακλυσμοῦ (1)
— 10. τὸ ὕ. τοῦ κατακλυσμοῦ ἐγένετο ἐπὶ τῆς γῆς (1)
— 17. ἐπληθύνθη τὸ ὕ. (1)
— 18. ἐπεκράτει τὸ ὕ. (1)
— 18. ἐπεφέρετο ἡ κιβωτὸς ἐπάνω τοῦ ὕ. (1)
— 19. τὸ δὲ ὕ. ἐπεκράτει σφόδρα σφοδρῶς (1)
— 20. ὑψώθη τὸ ὕ. (1)
— 24. ὑψώθη τὸ ὕ. ἐπὶ τῆς γῆς (1)
8. 1. ἐκόπασε τὸ ὕ. (1)
— 3. ἐνεδίδου τὸ ὕ. πορευόμενον ἀπὸ τῆς γῆς (1)
— 3. A ἐνεδίδου τὸ ὕ. [B al.] (1)
Ge. 8. 4 (5). τὸ δὲ ὕ. πορευόμενον ἠλαττονοῦτο (1)
— 7. A εἰ κεκόπακεν τὸ ὕ. –
— 7. ἕως τοῦ ξηρανθῆναι τὸ ὕ. (1)
— 8. εἰ κεκόπακε τὸ ὕ. ἀπὸ τῆς γῆς (1)
— 9. ὕδωρ ἦν ἐπὶ παντὶ προσώπῳ πάσης τῆς γῆς (1)
— 11. κεκόπακε τὸ ὕ. ἀπὸ τῆς γῆς (1)
— 13. ἐξέλειπε τὸ ὕ. ἀπὸ τῆς γῆς (1)
— 13. ἐξέλειπε τὸ ὕ. ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς –
9. 11. οὐκ ἀποθανεῖται . . . ἀπὸ τοῦ ὕ. τοῦ κατακλυσμοῦ (1)
— 11. οὐκ ἔσται ἔτι κατακλυσμὸς ὕδατος –
— 15. οὐκ ἔσται ἔτι τὸ ὕ. εἰς κατακλυσμόν (1)
16. 7. B ἐπὶ τῆς πηγῆς τοῦ ὕ. ἐν τῇ ἐρήμῳ (1)
18. 4. ληφθήτω δὴ ὕδωρ (1)
21. 14. ἔλαβεν ἄρτους καὶ ἀσκὸν ὕδατος (1)
— 15. ἐξέλειπε δὲ τὸ ὕ. ἐκ τοῦ ἀσκοῦ (1)
— 19. εἶδε φρέαρ ὕδατος ζῶντος (1)
— 19. ἔπλησε τὸν ἀσκὸν ὕδατος (1)
— 25. ἤλεγξεν Ἀβ. τὸν Ἀβ. περὶ τῶν φρεάτων τοῦ ὕ. (1)
24. 11. παρὰ τὸ φρέαρ τοῦ ὕ. (1)
— 13. ἕστηκα ἐπὶ τῆς πηγῆς τοῦ ὕ. (1)
— 13. ἐκπορεύονται ἀντλῆσαι ὕδωρ (1)
— 17. πότισόν με μικρὸν ὕ. (1)
— 20. A ἔδραμεν ἐπὶ τὸ φρέαρ ἀντλῆσαι ὕδωρ [R al.] –
— 32. ἔδωκεν . . . ὕδωρ τοῖς ποσὶν αὐ. (1)
— 43. ἕστηκα ἐπὶ τὴν πηγὴν τοῦ ὕ. (1)
— 43. ἐξελεύσονται ὑδρεύσασθαι ὕδωρ –
— 43. πότισόν με . . . μικρὸν ὕ. (1)
26. 18. ὤρυξε τὰ φρέατα τοῦ ὕ. (1)
— 19. εὗρον ἐκεῖ φρέαρ ὕδατος ζῶντος (1)
— 20. φάσκοντες αὐτῶν εἶναι τὸ ὕ. (1)
— 32. οὐχ εὕρομεν ὕδωρ (1)
30. 38. ἐν ταῖς ληνοῖς τῶν ποτιστηρίων τοῦ ὕ. (1)
37. 24. A ὁ δὲ λάκκος ἐκ. ὕδωρ οὐκ εἶχεν [R al.] (1)
43. 24. ἤνεγκεν ὕδωρ νίψαι τοὺς πόδας αὐ. (1)
49. 4. ἐξύβρισας ὡς ὕδωρ (1)
Ex. 2. 10. ἐκ τοῦ ὕ. αὐτὸν ἀνειλόμην (1)
4. 9. λήψῃ ἀπὸ τοῦ ὕ. τοῦ ποταμοῦ (1)
— 9. ἔσται τὸ ὕ. . . . αἷμα ἐπὶ τοῦ ξηροῦ (1)
7. 15. ἐκπορεύεται ἐπὶ τὸ ὕ. (1)
— 17. τύπτω . . . ἐπὶ τὸ ὕ. τὸ ἐν τῷ ποταμῷ (1)
— 18. πιεῖν ὕδωρ ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ (1)
— 19. ἔκτεινον τὴν χεῖρά σου ἐπὶ τὰ ὕ. Αἰγ. (1)
— 19. καὶ ἐπὶ πᾶν συνεστηκὸς ὕ. αὐ. (1)
— 20. ἐπάταξε τὸ ὕ. τὸ ἐν τῷ ποταμῷ (1)
— 20. μετέβαλε πᾶν τὸ ὕ. τὸ ἐν τῷ ποταμῷ (1)
— 21. πιεῖν ὕδωρ ἐκ τοῦ ποταμοῦ (1)
— 24. ὥστε πιεῖν ὕδωρ (1)
— 24. οὐκ ἠδύναντο πιεῖν ὕδωρ ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ (1)
8. 6 (2). ἐξέτεινεν Ἀ. τὴν χεῖρα ἐπὶ τὰ ὕ. Αἰγ. (1)
— 20 (16). ἐξελεύσεται ἐπὶ τὸ ὕ. [A² al.] (1)
12. 9. οὐδὲ ἡψημένον ἐν ὕδατι (1)
14. 21. ἐσχίσθη [A διεσχ.] τὸ ὕ. (1)
— 22. τὸ ὕ. αὐτοῖς τεῖχος ἐκ δεξιῶν (1)
— 26. ἀποκαταστήτω τὸ ὕ. (1)
— 27. ἀπεκατέστη τὸ ὕ. †
— 27. ἔφυγον ὑπὸ τὸ ὕ. †
— 28. ἐπαναστραφὲν τὸ ὕ. ἐκάλυψε τὰ ἅρματα (1)
— 29. τὸ δὲ ὕ. αὐτοῖς τεῖχος ἐκ δεξιῶν (1)
15. 8. διέστη τὸ ὕ. (1)
— 8. ἐπάγη ὡσεὶ τεῖχος τὰ ὕ. (2)
— 10. ἔδυσαν ὡσεὶ μόλιβος ἐν ὕ. σφοδρῷ (1)
— 19. ἐπήγαγεν ἐπ' αὐτοὺς κ. τὸ ὕ. τῆς θαλ. (1)
— 22. οὐχ ὑπρισκον ὕδωρ ὥστε πιεῖν (1)
— 23. A οὐκ ἐδύναντο πιεῖν ὕδωρ [B om.] (1)
— 25. ἐνέβαλεν αὐτὸ εἰς τὸ ὕ. (1)
— 25. ἐγλυκάνθη τὸ ὕ. (1)
— 27. ἦσαν ἐκεῖ δώδεκα πηγαὶ ὑδάτων (1)
— 27. παρενέβαλον δὲ ἐκεῖ παρὰ [A ἐπὶ] τὰ ὕ. (1)
17. 1. οὐκ ἦν δὲ ὕδωρ τῷ λαῷ πιεῖν (1)
— 2. δὸς ἡμῖν ὕδωρ (1)
— 3. ἐδίψησε δὲ ἐκεῖ ὁ λαὸς ὕδατι (1)
— 6. ἐξελεύσεται ἐξ αὐτῆς ὕδωρ (1)
20. 4. ὅσα ἐν τοῖς ὕ. ὑποκάτω τῆς γῆς (1)
23. 25. εὐλογήσω . . . τὸ ὕ. σου (1)
29. 4. καὶ λούσεις αὐτοὺς ἐν ὕδατι (1)
— 17. καὶ πλυνεῖς . . . τοὺς πόδας ὕδατι [A¹ om.] –
30. 18. ἐκχεεῖς εἰς αὐτὸν ὕδωρ (1)
— 19. νίψεται . . . τοὺς πόδας ὕδατι [A¹ om.] –
— 20. νίψονται ὕδατι (1)
— 21. νίψονται . . . τοὺς πόδας ὕδατι –
— 21. νίψονται ὕδατι –
Ex. 32. 20. ἔσπειρεν αὐτὸν ὑπὸ [A B² ἐπὶ] τὸ ὕ. (1)
34. 28. καὶ ὕδωρ οὐκ ἔπιε (1)
40. 12. λούσεις αὐτοὺς ὕδατι (1)
Le. 1. 9, 13. καὶ τοὺς πόδας πλυνοῦσιν ὕδατι (1)
6. 28 (21). καὶ ἐκκλύσει ὕδατι (1)
8. 6. καὶ ἔλουσεν αὐτοὺς ὕδατι (1)
— 19 (21). τοὺς πόδας ἔπλυνεν ὕδατι (1)
9. 14. ἔπλυνε . . . τοὺς πόδας ὕδατι –
11. 9. ἀπὸ πάντων τῶν ἐν τοῖς ὕ. (1)
— 9. B πάντα ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς πτερύγια . . . ἐν τοῖς ὕ. (1)
— 10. ὅσα οὐκ ἔστιν αὐτοῖς πτερύγια . . . ἐν τῷ ὕ. –
— 10. ὧν ἐρεύγεται τὰ ὕ. (1)
— 10. ἀπὸ πάσης ψυχῆς ζώσης ἐν τῷ ὕ. (1)
— 12. A B ὅσα οὐκ ἔστιν αὐτοῖς πτερύγια . . . τῶν [A om.] ἐν τῷ ὕ. [R τοῖς ὕ.] (1)
— 32. πᾶν σκεῦος . . . εἰς ὕδωρ βαφήσεται (1)
— 34. εἰς ὃ ἐὰν ἐπέλθῃ ἐπ' αὐτὸ ὕδωρ (1)
— 36. πλὴν πηγῶν ὑδάτων . . . καὶ συναγωγῆς ὕδατος (–, 1)
— 38. ἐὰν δὲ ἐπιχυθῇ ὕδωρ ἐπὶ πᾶν σπέρμα (1)
— 40. A καὶ λούσεται ὕδατι –
— 40. A² B καὶ λούσεται ὕδατι –
— 46. περὶ . . . πάσης ψυχῆς τῆς κινουμ. ἐν τῷ ὕ. (1)
14. 5. σφάξουσι τὸ ὀρνίθιον τὸ ἓν . . . ἐφ' ὕ. ζῶντι (1)
— 6. εἰς τὸ αἷμα τοῦ ὀρνιθίου τοῦ σφαγέντος ἐφ' ὕ. ζῶντι (1)
— 8. καὶ λούσεται ἐν ὕδατι (1)
— 9. λούσεται τὸ σῶμα αὐ. ὕδατι (1)
— 50. σφάξει τὸ ὀρνίθιον τὸ ἓν . . . ἐφ' ὕ. ζῶντι (1)
— 51. τοῦ ὀρνιθίου τοῦ ἐσφαγμένου ἐφ' ὕ. ζῶντι (1)
— 52. B¹ ἐν τῷ αἵματι τοῦ ὀρνιθίου τοῦ [AB²R om.] καὶ ἐν τῷ ὕ. τῷ ζῶντι (1)
15. 5, 6, 7, 8, 10. καὶ λούσεται ὕδατι (1)
— 11. B² R καὶ τὰς χεῖρας οὐ νένιπται ὕδατι [A B¹ om.] (1)
— 11. λούσεται τὸ σῶμα ὕδατι (1)
— 12. σκεῦος ξύλινον νιφήσεται ὕδατι (1)
— 13. λούσεται τὸ σῶμα ὕδατι (1)
— 16. λούσεται ὕδατι πᾶν τὸ σῶμα αὐ. (1)
— 17. καὶ πλυθήσεται ὕδατι (1)
— 18. καὶ λούσονται ὕδατι (1)
— 21. λούσεται τὸ σῶμα αὐ. ὕδατι (1)
— 22. καὶ λούσεται ὕδατι (1)
— 27. λούσεται τὸ σῶμα ὕδατι (1)
16. 4. λούσεται ὕδατι πᾶν τὸ σῶμα αὐ. (1)
— 24, 26, 28. λούσεται τὸ σῶμα αὐτοῦ ὕδατι (1)
17. 15. καὶ λούσεται ὕδατι (1)
— 16. καὶ τὸ σῶμα μὴ λούσηται ὕδατι –
22. 6. ἐὰν μὴ λούσηται τὸ σῶμα αὐ. ὕδατι (1)
Nu. 5. 17. λήψεται ὁ ἱ. ὕδωρ καθαρὸν ζῶν (1)
— 17. ἐμβαλεῖ εἰς τὸ ὕ. (1)
— 18. ἐν δὲ τῇ χειρὶ τοῦ ἱ. ἔσται τὸ ὕ. τοῦ ἐλεγμοῦ (1)
— 19. ἀθῷα ἴσθι ἀπὸ τοῦ ὕ. τοῦ ἐλεγμοῦ (1)
— 22. εἰσελεύσεται τὸ ὕ. . . . εἰς τὴν κοιλίαν σου (1)
— 23. ἐξαλείψει εἰς τὸ ὕ. τοῦ ἐλεγμοῦ (1)
— 24. ποτιεῖ τὴν γυναῖκα τὸ ὕ. τοῦ ἐλεγμοῦ (1)
— 24. εἰσελεύσεται εἰς αὐτὴν τὸ ὕ. . . . τοῦ ἐλεγμοῦ (1)
— 26. ποτιεῖ τὴν γυναῖκα τὸ ὕ. (1)
— 27. εἰσελεύσεται εἰς αὐτὴν τὸ ὕ. τοῦ ἐλεγμοῦ (1)
8. 7. περιρανεῖς αὐτοὺς ὕδωρ ἁγνισμοῦ (1)
19. 7. λούσεται τὸ σῶμα αὐ. ὕδατι (1)
— 8. A λούσεται τὸ σῶμα αὐτοῦ ὕδατι [B om.] (1)
— 9. ὕδωρ ῥαντισμοῦ ἁγνισμά ἐστι (1)
— 13. ὕδωρ ῥαντισμοῦ οὐ περιεραντίσθη (1)
— 17. ἐκχεοῦσιν ἐπ' αὐτὴν ὕδωρ ζῶν (1)
— 18. βάψει εἰς τὸ ὕ. ἀνὴρ καθαρός (1)
— 19. καὶ λούσεται ὕδατι (1)
— 20. ὕδωρ ῥαντισμοῦ οὐ περιεραντίσθη (1)
— 21. ὁ περιραίνων ὕδωρ ῥαντισμοῦ (1)
— 21. ὁ ἁπτόμενος τοῦ ὕ. τοῦ ῥαντισμοῦ (1)
20. 2. οὐκ ἦν ὕδωρ τῇ συναγωγῇ (1)
— 5. οὔτε ὕδωρ ἐστὶ πιεῖν (1)
— 8. καὶ δώσει τὰ ὕ. αὐ. (1)
— 8. ἐξοίσετε αὐτοῖς ὕδωρ (1)
— 10. μὴ ἐκ τῆς πέτρας τ. ἐξάξομεν ὑμῖν ὕδωρ (1)
— 11. ἐξῆλθεν ὕ. πολύ (1)
— 13. τοῦτο ὕ. ἀντιλογίας (1)
— 17. οὐδὲ πιόμεθα ὕδωρ ἐκ λάκκου σου (1)
— 19. ἐὰν δὲ τοῦ ὕ. σου πίωμεν (1)

Nu. 20. 24. παρωξύνατέ με ἐπὶ τοῦ ὕ. τῆς λοιδορίας (1)
21. 5. οὐκ ἔστιν ἄρτος οὐδὲ ὕδωρ (1)
— 16. δώσω αὐτοῖς ὕδωρ πιεῖν (1)
— 22. οὐ πιόμεθα ὕδωρ ἐκ φρέατός σου (1)
24. 6. ὡσεὶ κέδροι παρ' ὕδατα (1)
27. 14. οὐχ ἡγιάσατέ με ἐπὶ τῷ ὕ. (1)
— 14. B τοῦτο ἔστιν ὕ. [A R τὸ ὕ.] ἀντιλογίας (1)
31. 23. τῷ ὕ. τοῦ ἁγνισμοῦ ἁγνισθήσεται (1)
— 23. πάντα . . . διελεύσεται δι' ὕδατος (1)
33. 9. A ἐν Αἰ. δώδεκα πηγαὶ ὑδάτων ὑδάτων [B om.] (1, –)
— 9. παρενέβαλον ἐκεῖ παρὰ τὸ ὕ. –
— 14. οὐκ ἦν ἐκεῖ ὕδωρ τῷ λαῷ πιεῖν (1)
De. 2. 6. καὶ ὕδωρ μέτρῳ λήψεσθε (1)
— 28. ὕδωρ ἀργυρίου ἀποδώσῃ μοι (1)
4. 18. ὅσα ἐστὶν ἐν τοῖς ὕ. ὑποκάτω τῆς γῆς (1)
5. 8. ὅσα ἐν τοῖς ὕ. [A τῷ ὕ.] ὑποκάτω τῆς γῆς (1)
8. 7. οὗ χείμαρροι ὑδάτων (1)
— 15. οὗ οὐκ ἦν ὕδωρ (1)
— 15. τοῦ ἐξαγαγόντος σοι . . . πηγὴν ὕδατος (1)
9. 9, 18. ὕδωρ οὐκ ἔπιον (1)
10. 7. γῆ χείμαρροι [A -ου] ὑδάτων (1)
11. 4. ὡς ἐπέκλυσε τὸ ὕ. τῆς θαλ. (1)
— 11. ἐκ τοῦ ὑετοῦ τοῦ οὐρ. πίεται ὕδωρ (1)
12. 16, 24. ἐπὶ τὴν γῆν ἐκχεεῖτε αὐτὸ ὡς ὕδωρ (1)
14. 9. ἀπὸ πάντων τῶν ἐν τῷ ὕ. [A τοῖς ὕ.] (1)
15. 23. ἐπὶ τὴν γῆν ἐκχεεῖς αὐτὸ ὡς ὕδωρ (1)
23. 4 (5). παρὰ τὸ μὴ συναντῆσαι αὐτοὺς ὑμῖν μετὰ . . . ὕδατος (1)
— 11 (12). λούσεται τὸ σῶμα αὐ. ὕδατι (1)
32. 51. ἠπειθήσατε . . . ἐπὶ τοῦ ὕ. ἀντιλογίας (1)
33. 8. ἐλοιδόρησαν αὐτὸν ἐφ' ὕδατος ἀντιλογίας (1)
Jo. 3. 8. ὡς ἂν εἰσέλθητε ἐπὶ μέρους τοῦ ὕ. τοῦ Ἰ. (1)
— 13. ὡς ἂν καταπαύσωσιν οἱ πόδες . . . ἐν τῷ ὕ. τοῦ Ἰ. (1)
— 13. τὸ ὕ. τοῦ Ἰ. ἐκλείψει (1)
— 13. τὸ δὲ ὕ. τὸ καταβαῖνον στήσεται (1)
— 15. ἐβάφησαν εἰς μέρος τοῦ ὕ. τοῦ Ἰ. (1)
— 16. ἔστη τὰ ὕ. τὰ καταβαίνοντα ἄνωθεν (1)
4. 18. ὥρμησε τὸ ὕ. τοῦ Ἰ. κατὰ χώραν (1)
— 23. ἀποξηράναντος κ. τοῦ θ. ἡμῶν τὸ ὕ. τοῦ Ἰ. (1)
7. 5. ἐγένετο ὥσπερ ὕδωρ (1)
11. 5. παρενέβαλον ἐπὶ τοῦ ὕ. M. (1)
— 7. ἦλθεν Ἰ. . . . ἐπὶ τὸ ὕ. M. (1)
15. 7. διεκβάλλει ἐπὶ τὸ ὕ. τῆς πηγῆς ἡλίου (1)
— 9. ἐπὶ πηγὴν ὕδατος [A τοῦ ὕ.] M. (1)
18. 15. ἐπὶ πηγὴν ὕδατος N. (1)
Jd. 1. 15. δώσεις μοι λύτρωσιν ὕδατος (1)
4. 19. ποτισόν με δὴ μικρὸν ὕ. (1)
5. 4. αἱ νεφέλαι ἔσταξαν ὕδωρ (1)
— 19. ἐπολέμησαν . . . ἐπὶ ὕδατι [A -ος] Μεγ. (1)
— 25. ὕδωρ ᾔτησε (1)
6. 38. πλήρης λεκάνη ὕδατος (1)
7. 4. κατένεγκον αὐτοὺς πρὸς τὸ ὕ. (1)
— 5. κατήνεγκε τὸν λαὸν πρὸς τὸ ὕ. (1)
— 5. ὃς ἂν λάψῃ τῇ γλώσσῃ αὐ. ἀπὸ τοῦ ὕ. (1)
— 6. ἔκλιναν ἐπὶ τὰ γόνατα αὐ. πιεῖν ὕδωρ (1)
— 24. καταλάβετε ἑαυτοῖς τὸ ὕ. (1)
— 24. προκατελάβοντο τὸ ὕ. (1)
15. 19. ἐξῆλθεν ἐξ αὐτοῦ ὕδωρ [A ὕδατα] (1)
I Ki. 7. 6. καὶ ὑδρεύονται ὕδωρ (1)
9. 11. ἐξεληλυθότα ὑδρεύεσθαι ὕδωρ (1)
26. 11. λάβε . . . τὸν φακὸν τοῦ ὕ. (1)
— 12. ἔλαβε . . . τὸν φακὸν τοῦ ὕ. [A om. τ. ὕ.] (1)
— 16. τὸ δόρυ τοῦ βασ. καὶ ὁ φακὸς τοῦ ὕ. (1)
30. 11. ἐπότισαν αὐτὸν ὕδωρ (1)
— 12. οὐ πεπώκει ὕδωρ (1)
II Ki. 5. 20. ὡς διακόπτεται ὕδατα (1)
12. 27. κατελαβόμην τὴν πόλιν τῶν ὑ. (1)
14. 14. ὥσπερ τὸ ὕ. τὸ καταφθειρόμ. ἐπὶ τῆς γῆς (1)
17. 20. παρῆλθαν μικρὸν τοῦ ὕ. (1)
— 21. διάβητε ταχέως τὸ ὕ. (1)
21. 10. ἕως ἔσταξεν ἐπ' αὐτοὺς ὕδωρ (1)
22. 12. ἡ σκηνὴ αὐ. σκότος ὑδάτων (1)
— 17. εἵλκυσέ με ἐξ ὑ. πολλῶν (1)
23. 15. τίς ποτεῖ με ὕδωρ ἐκ τοῦ λάκκου (1)
— 16. ὑδρεύσαντο ὕδωρ ἐκ τοῦ λάκκου (1)
III Ki. 12. 24. B ἱμάτιον καινὸν τὸ οὐκ εἰσεληλυθὸς εἰς ὕδωρ –
13. 8. οὐδὲ μὴ πίω ὕδωρ ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ (1)
— 9. μὴ πίῃς ὕδωρ (1)
— 16. οὐδὲ πίομαι ὕδωρ ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ (1)
— 17. μὴ πίῃς ὕδωρ (1)
— 18. καὶ πιέτω ὕδωρ (1)
— 19. καὶ ἔπιεν ὕδωρ (1)
III Ki. 13. 22. καὶ ἔπιες ὕδωρ ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ (1)
— 22. μὴ πίῃς ὕδωρ (1)
— 23. μετὰ τὸ . . . πιεῖν ὕδωρ †
14. 15. A καθὰ κινεῖται ὁ ἄνεμος ἐν τῷ ὕ. (1)
17. 4. ἐκ τοῦ χειμάρρου πίεσαι ὕδωρ –
— 6. ἐκ τοῦ χειμάρρου ἔπινεν ὕδωρ –
— 10. λάβε δή μοι ὀλίγον ὕ. εἰς ἄγγος (1)
18. 4. διέτρεφεν αὐτοὺς ἐν ἄρτῳ καὶ ὕδατι (1)
— 5. διέλθωμεν . . . ἐπὶ πηγὰς τῶν ὑ. (1)
— 13. καὶ ἔθρεψα ἐν ἄρτοις καὶ ὕδατι (1)
— 33 (34). λάβετέ μοι τέσσαρας ὑδρίας ὕδατος (1)
— 35. διεπορεύετο τὸ ὕ. κύκλῳ τοῦ θυσιαστ. (1)
— 35. τὴν θάλασσαν ἔπλησαν ὕδατος (1)
— 36. A καὶ ἐγένετο κατὰ ἀνάβασιν τὸ ὕ. †
— 38. κατέφαγε . . . τὸ ὕ. τὸ ἐν τῇ θαλάσσῃ (1)
— 44. νεφέλη μικρὰ . . . ἀνάγουσα ὕδωρ †
19. 6. πρὸς κεφαλῆς αὐ. . . . καψάκης ὕδατος (1)
22. 27. καὶ ἐσθίειν αὐτὸν . . . ὕδωρ θλίψεως (1)
IV Ki. 2. 8. ἐπάταξε τὸ ὕ. (1)
— 8. διῃρέθη τὸ ὕ. ἔνθα καὶ ἔνθα –
— 14. ἐπάταξε τὸ ὕ. (1)
— 14. ἐπάταξε τὰ ὕ. [A¹ τὸ ὕ.] (1)
— 19. καὶ τὰ ὕ. πονηρά (1)
— 21. ἐξῆλθεν Ἐλ. εἰς τὴν διέξοδον τῶν ὑ. (1)
— 21. ἴαμαι τὰ ὕ. ταῦτα (1)
— 22. ἰάθησαν τὰ ὕ. (1)
3. 9. οὐκ ἦν ὕδωρ τῇ παρεμβολῇ (1)
— 11. ὃς ἐπέχεεν ὕδωρ ἐπὶ χεῖρας Ἠ. (1)
— 17. ὁ χειμάρρους οὐτος πλησθήσεται ὕδατος (1)
— 19. πάσας πηγὰς ὕδατος ἐμφράξατε (1)
— 20. ὕδατα ἤρχοντο ἐξ ὁδοῦ Ἐδώμ (1)
— 20. ἐπλήσθη ἡ γῆ ὕδατος (1)
— 22. ὁ ἥλιος ἀνέτειλεν ἐπὶ τὰ ὕ. (1)
— 22. εἶδε Μ. ἐξ ἐναντίας τὰ ὕ. πυρρά (1)
— 25. A πᾶσαν πηγὴν ὕδατος [B om.] ἐνέφραξαν (1)
5. 12. οὐχὶ ἀγαθὸς Ἀβ. . . . ὑπὲρ πάντα τὰ ὕ. Ἰσρ. (1)
6. 5. τὸ σιδήριον ἐξέπεσεν εἰς τὸ ὕ. (1)
— 22. παράθες . . . ὕδωρ ἐνώπιον αὐτῶν (1)
8. 15. καὶ ἔβαψε τῷ ὕ. (1)
18. 31. πίεται ὕδωρ τοῦ λάκκου αὐ. (1)
19. 24. ἔπιον ὕ. ἀλλότρια (1)
20. 20. εἰσήνεγκε τὸ ὕ. εἰς τὴν πόλιν (1)
I Ch. 11. 17. τίς ποτεῖ με ὕδωρ ἐκ τοῦ λάκκου B. (1)
— 18. A B S² καὶ ὑδρεύσαντο ὕδωρ (1)
14. 11. διέκοψεν . . . ὡς διακοπὴν ὕδατος (1)
II Ch. 18. 26. ἐσθιέτω . . . ὕδωρ θλίψεως (1)
32. 3. ἐμφράξαι τὰ ὕ. τῶν πηγῶν (1)
— 4. ἐνέφραξε τὰ ὕ. τῶν πηγῶν –
— 4. μὴ . . . εὕρῃ ὕ. πολύ (1)
— 30. ἐνέφραξε τὴν ἔξοδον τοῦ ὕ. Σ. τὸ ἄνω (1)
I Es. 9. 2. οὐδὲ ὕδωρ ἔπιε
II Es. 10. 6. ὕδωρ οὐκ ἔπιεν (1)
Ne. 3. 26. ἕως κήπου πύλης τοῦ ὕ. (1)
8. 1. εἰς τὸ πλάτος τὸ ἔμπροσθεν πύλης τοῦ ὕ. (1)
9. 11. ὡσεὶ λίθον ἐν ὕ. σφοδρῷ (1)
— 15. ὕδωρ ἐκ πέτρας ἐξήνεγκας αὐτοῖς (1)
— 20. ὕδωρ ἔδωκας αὐτοῖς τῷ δίψει αὐ. (1)
12. 37. ἕως πύλης τοῦ ὕ. (1)
13. 2. οὐ συνήντησαν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. . . . ἐν ὕδατι (1)
To. 6. 2. S ἀναπηδήσας ἰχθὺς μέγας ἐκ τοῦ ὕ. [A B al.]
Ju. 2. 7. ἑτοιμάζειν γῆν καὶ ὕδωρ
7. 7. B S τὰς πηγὰς τῶν ὑ. [A R add. αὐ.] ἐφώδευσε
— 12. ἐπικρατησάτωσαν . . . τῆς πηγῆς τοῦ ὕ.
— 17. προκατελάβοντο τὰ ὕ. καὶ τὰς πηγὰς τῶν ὑ.
— 20. πάντα τὰ ἀγγεῖα αὐτῶν τῶν ὑ.
— 21. οὐκ εἶχον πιεῖν εἰς πλησμονὴν ὕδωρ
8. 9. ὠλιγοψύχησαν ἐπὶ τῇ σπάνει τῶν ὑ.
9. 12. κτίστα τῶν ὑ.
10. 3. περιεκλύσατο τὸ σῶμα ὕδατι
11. 12. καὶ ἐσπανίσθη πᾶν ὕ.
12. 7. A B ἐβαπτίζετο . . . ἐπὶ τῆς πηγῆς τοῦ ὕ.
16. 15. ὄρη γὰρ . . . σὺν ὕδασι σαλευθήσεται
Es. 1. 1. ἐγένετο . . . ὕ. πολύ
10. 3. ἦν φῶς καὶ ἥλιος καὶ ὕ. πολύ
Jb. 5. 10. ἀποστέλλοντα ὕδωρ ἐπὶ τὴν ὑπ' οὐρανόν (1)
8. 11. μὴ θάλλει πάπυρος ἄνευ ὕδατος †
11. 15. ἀναλάμψει σου τὸ πρόσωπον ὥσπερ ὕδωρ καθαρόν †
12. 15. ἐὰν κωλύσῃ τὸ ὕ. ξηρανεῖ τὴν γῆν (1)
14. 9. ἀπὸ ὀσμῆς ὕδατος ἀνθήσει (1)
— 19. λίθους ἐλέαναν [A -εν] ὕδατα καὶ κατέκλυσεν ὕδατα ὕπτια τοῦ χώματος τῆς γῆς (1, †)
22. 7. οὐδὲ ὕδωρ διψῶντας ἐπότισας (1)
Jb. 22. 11. κοιμηθέντα δὲ ὕδωρ σε ἐκάλυψε (1)
24. 18. ἐλαφρός ἐστιν ἐπὶ πρόσωπον [A -ου] ὕδατος (1)
26. 5. μὴ γίγαντες [S¹ γείτονες] μαιωθήσονται ὑποκάτωθεν ὕδατος (1)
— 8. δεσμεύων ὕδωρ ἐν νεφέλαις αὐτοῦ (1)
— 10. πρόσταγμα ἐγύρωσεν ἐπὶ πρόσωπον ὕδατος (1)
27. 20. συνήντησαν αὐτῷ ὥσπερ ὕδωρ [S¹ σῆτες] αἱ ὀδύναι (1)
28. 25. ὕδατος [A -ων] μέτρα ὅτε ἐποίησεν (1)
29. 19. ἡ ῥίζα διήνοικται ἐπὶ ὕδατος (1)
34. 7. πίνων μυκτηρισμὸν ὥσπερ ὕδωρ (1)
37. 10. οἰακίζει δὲ τὸ [A om.] ὕ. ὡς ἐὰν βούληται (1)
38. 30. ἢ καταβαίνει ὥσπερ ὕδωρ ῥέον (1)
— 34. A R καὶ τρύμῳ [A δρόμῳ] ὕδατος λάβρου [B S -ῳ] ὑπακούσεταί [S ἐπακ.] σου (1)
41. 25 (26). αὐτὸς δὲ βασιλεὺς πάντων τῶν ἐν τοῖς ὕ. †
Ps. 1. 3. παρὰ τὰς διεξόδους τῶν ὑ. (1)
17 (18). 11. σκοτεινὸν ὕδωρ ἐν νεφέλαις ἀέρων (1)
— 15. ὤφθησαν αἱ πηγαὶ τῶν ὑ. (1)
— 16. προσελάβετό με ἐξ ὑδάτων πολλῶν (1)
21 (22). 14. ὡσεὶ ὕδωρ ἐξεχύθην [S² -θη] (1)
22 (23). 2. ἐπὶ ὕδατος ἀναπαύσεως ἐξέθρεψέ με (1)
28 (29). 3. φωνὴ κυρίου ἐπὶ τῶν ὑ. (1)
— 3. κύριος ἐπὶ ὑδάτων πολλῶν (1)
31 (32). 6. ἐν κατακλυσμῷ ὑδάτων πολλῶν (1)
32 (33). 7. συνάγων ὡσεὶ ἀσκὸν ὕδατα θαλάσσης (1)
41 (42). 1. ὃν τρόπον ἐπιποθεῖ ἡ ἔλαφος ἐπὶ τὰς πηγὰς τῶν ὑ. (1)
45 (46). 3. ἐταράχθησαν τὰ ὕ. αὐτῶν [S¹ τὰ κύματα] (1)
57 (58). 7. ἐξουδενωθήσονται ὡς ὕδωρ διαπορευόμενον (1)
64 (65). 7. B ὁ συνταράσσων τὸ ὕ. [S R κύτος] τῆς θαλάσσης †
— 9. ὁ ποταμὸς τοῦ θεοῦ ἐπληρώθη ὑδάτων (1)
65 (66). 12. διήλθομεν διὰ πυρὸς καὶ ὕδατος (1)
68 (69). 1. εἰσήλθοσαν ὕδατα ἕως ψυχῆς μου (1)
— 14. ῥυσθείην . . . ἐκ τοῦ βάθους τῶν ὑ. (1)
— 15. μή με καταποντισάτω καταιγὶς ὕδατος (1)
73 (74). 13. σὺ συνέτριψας τὰς κεφαλὰς τῶν δρακόντων ἐπὶ τοῦ ὕ. (1)
76 (77). 16. εἶδοσάν σε ὕδατα, ὁ θεός, εἶδοσάν σε ὕδατα (1, 1)
— 17. B S¹ πλῆθος ἤχους ὕδατος [S² R ὑδάτων] (1)
— 19. αἱ τρίβοι σου ἐν ὕδασι πολλοῖς (1)
77 (78). 13. ἔστησεν ὕδατα ὡσεὶ ἀσκόν (1)
— 16. ἐξήγαγεν ὕδωρ ἐκ πέτρας καὶ κατήγαγεν ὡς ποταμοὺς ὕδατα (2, 1)
— 20. ἐρρύησαν ὕδατα (1)
78 (79). 3. ἐξέχεαν τὸ αἷμα αὐτῶν ὡς ὕδωρ (1)
80 (81). 7. ἐδοκίμασά σε ἐπὶ ὕδατος ἀντιλογίας (1)
87 (88). 17. ἐκύκλωσάν με ὡς ὕδωρ (1)
92 (93). 4. ἀπὸ φωνῶν ὑδάτων πολλῶν (1)
103 (104). 3. ὁ στεγάζων ἐν ὕδασι τὰ ὑπερῷα αὐτοῦ (1)
— 6. ἐπὶ τῶν ὀρέων στήσονται ὕδατα (1)
— 10. ἀνὰ μέσον τῶν ὀρέων διελεύσονται ὕδατα –
104 (105). 29. μετέστρεψε τὰ ὕ. αὐ. εἰς αἷμα (1)
— 41. ἐρρύησαν ὕδατα (1)
105 (106). 11. ἐκάλυψεν ὕδωρ τοὺς θλίβοντας αὐτούς (1)
— 32. παρώργισαν αὐτὸν ἐπὶ ὕδατος ἀντιλογίας (1)
106 (107). 23. ποιοῦντες ἐργασίαν ἐν ὕδασι πολλοῖς (1)
— 33. καὶ διεξόδους ὑδάτων εἰς δίψαν (1)
— 35. ἔθετο ἔρημον εἰς λίμνας ὑδάτων καὶ γῆν ἄνυδρον εἰς διεξόδους ὑδάτων [S¹ om. καὶ . . . ὑ.] (1, 1)
108 (109). 18. εἰσῆλθεν ὡσεὶ ὕδωρ εἰς τὰ ἔγκατα αὐτοῦ (1)
109 (110). 7. A ἐκ χειμάρρου ἐν ὁδῷ πίεται ὕδωρ [S R om.] –
113 (114). 8. τοῦ στρέψαντος τὴν πέτραν εἰς λίμνας ὑδάτων καὶ τὴν ἀκρότομον εἰς πηγὰς ὑδάτων (1, 1)
118 (119). 136. S R διεξόδους ὑδάτων κατέβησαν [A διέβ.] οἱ ὀφθαλμοί μου (1)
123 (124). 4. ἄρα τὸ ὕ. ἂν κατεπόντισεν ἡμᾶς (1)
— 5. ἄρα διῆλθεν ἡ ψυχὴ ἡμῶν τὸ ὕ. τὸ ἀνυπόστατον (1)
135 (136). 6. A S² R τῷ στερεώσαντι τὴν γῆν ἐπὶ τῶν ὑ. [S¹ τὸ ὕ.] (1)
143 (144). 7. ῥῦσαί με ἐξ ὑδάτων πολλῶν (1)

Ps. 147. 7 (18). ῥυήσεται ὕδατα (1)
148. 4. καὶ τὸ ὕ. τὸ ὑπεράνω τῶν οὐρανῶν (1)
Pr. 5. 15. πίνε ὕδατα ἀπὸ σῶν ἀγγείων (1)
— 16. μὴ [A S² om.] ὑπερεκχείσθω σοι ὕδατα [A τὰ ὕ.] ἐκ τῆς σῆς πηγῆς †
— 16. εἰς δὲ σὰς πλατείας διαπορευέσθω τὰ σὰ ὕ. (1)
— 18. ἡ πηγή σου τοῦ ὕ. ἔστω σοι ἰδία –
8. 24. πρὸ τοῦ προελθεῖν τὰς πηγὰς τῶν ὑ. (1)
— 29. A S² ὕδατα οὐ παρελεύσονται στόματος αὐτοῦ (1)
9. 17. καὶ ὕδατος κλοπῆς γλυκεροῦ (1)
— 18. οὕτως γὰρ διαβήσῃ ὕδωρ ἀλλότριον –
— 18. ἀπὸ δὲ ὕδατος ἀλλοτρίου ἀπόσχου –
18. 4. ὕδωρ βαθὺ λόγος ἐν καρδίᾳ ἀνδρός (1)
20. 5. ὕδωρ βαθὺ βουλὴ ἐν καρδίᾳ ἀνδρός (1)
21. 1. ὥσπερ ὁρμὴ ὕδατος (1)
24. 27 (30. 4). τίς συνέστρεψεν ὕδωρ ἐν ἱματίῳ (1)
— 51 (30. 16). καὶ γῆ οὐκ ἐμπιπλαμένη ὕδατος καὶ ὕδωρ καὶ πῦρ οὐ μὴ εἴπωσιν, Ἀρκεῖ (1, –)
25. 25. ὥσπερ ὕδωρ ψυχρὸν ψυχῇ διψώσῃ προσηνές (1)
— 26. καὶ ὕδατος ἔξοδον λυμαίνοιτο (3)
Ec. 2. 6. ἐποίησά μοι κολυμβήθρας ὑδάτων (1)
11. 1. A B² S R ἀπόστειλον τὸν ἄρτον σου ἐπὶ πρόσωπον τοῦ ὕδ. (1)
Ca. 4. 15. φρέαρ ὕδατος ζώντος καὶ ῥοιζοῦντος (1)
5. 12. A S ὡς περιστεραὶ ἐπὶ πληρώματα ὑδάτων . . . καθήμεναι ἐπὶ πληρώματα ὑδάτων [B om.] (1, –)
8. 7. ὕδωρ πολὺ οὐ δυνήσεται σβέσαι τὴν ἀγάπην (1)
Wi. 5. 10. ὡς ναῦς διερχομένη κυμαινόμενον ὕδωρ
— 22. ἀγανακτήσει κατ' αὐτῶν ὕδωρ θαλάσσης
10. 18. διήγαγεν αὐτοὺς δι' ὕδατος πολλοῦ
11. 4. ἐδόθη αὐτοῖς ἐκ πέτρας ἀκροτόμου ὕδωρ
— 7. ἔδωκας αὐτοῖς δαψιλὲς ὕ. ἀνελπίστως
13. 2. ἢ κύκλον ἄστρων ἢ βίαιον ὕδωρ
16. 17. ἐν τῷ πάντα σβεννύντι ὕ.
— 19. μεταξὺ ὕδατος ὑπὲρ τὴν πυρὸς δύναμιν φλέγει
— 29. ῥυήσεται ὡς ὕδωρ ἄχρηστον
17. 19. ῥυθμὸς ὕδατος πορευομένου βίᾳ
18. 5. ἀπώλεσας ἐν ὕδατι σφοδρῷ
19. 7. ἐκ δὲ προϋφεστῶτος ὕδατος ξηρᾶς ἀνάδυσις γῆς ἐθεωρήθη
— 20. πῦρ ἴσχυσεν ἐν ὕδατι τῆς ἰδίας δυνάμεως [A δ. ἐπιλελησμένου] καὶ ὕδωρ τῆς σβεστικῆς δυνάμεως [A S φύσεως] ἐπελανθάνετο
Si. 3. 30. πῦρ φλογιζόμενον ἀποσβέσει ὕδωρ
15. 3. ὕδωρ σοφίας ποτίσει αὐτόν
— 16. παρέθηκέ σοι πῦρ καὶ ὕδωρ
18. 10. ὡς σταγὼν ὕδατος ἀπὸ θαλάσσης
25. 25. μὴ δῷς ὕδατι διέξοδον
26. 12. ἀπὸ παντὸς ὕδατος τοῦ σύνεγγυς πίεται
29. 21. ἀρχὴ ζωῆς [A² ζ. ἀνθρώπου] ὕδωρ καὶ ἄρτος
38. 5. οὐκ ἀπὸ ξύλου ἐγλυκάνθη ὕδωρ
39. 17. ἔστη ὡς θημωνία ὕδωρ καὶ ἐν ῥήματι στόματος αὐτοῦ ἀποδοχεῖα ὑδάτων
— 23. ὡς μετέστρεψεν ὕδατα εἰς ἅλμην
— 26. ὕδωρ πῦρ καὶ σίδηρος
40. 11. ἀπὸ ὑδάτων εἰς θάλασσαν ἀνακάμπτει
— 16. ἄχει ἐπὶ παντὸς ὕδατος . . . ἐκτιλήσεται
43. 20. παγήσεται κρύσταλλος ἀφ' [A S ἐφ'] ὕδατος
— 20. ἐπὶ πᾶσαν συναγωγὴν ὕδατος καταλύσει καὶ ὡς θώρακα ἐνδύσεται [S ἐκδ.] τὸ ὕ.
48. 17. A εἰσήγαγεν εἰς μέσον αὐτῆς ὕδωρ [B S al.]
— 17. ᾠκοδόμησε κρήνας εἰς ὕδατα
50. 3. ἠλατώθη ἀποδοχεῖον [A S -εῖα] ὑδάτων
— 8. ὡς κρίνα ἐπ' ἐξόδων [A S -ῳ] ὕδατος
Ho. 2. 5 (7). τῶν διδόντων μοι . . . τὸ ὕ. μου (1)
5. 10. ἐκχεῶ ὡς ὕδωρ τὸ ὁρμημά μου (1)
6. 9 (8). πόλις . . . ταράσσουσα ὕδωρ †
10. 7. ὡς φρύγανον ἐπὶ προσώπου ὕδατος (1)
11. 10. ἐκστήσονται τέκνα ὑδάτων †
Am. 4. 8. συναθροισθήσονται . . . τοῦ πιεῖν ὕδωρ (1)
5. 8. ὁ προσκαλούμενος τὸ ὕ. τῆς θαλάσσης (1)
— 24. κυλισθήσεται ὡς ὕδωρ κρίμα (1)
8. 11. οὐ λιμὸν ἄρτων οὐδὲ δίψαν ὕδατος (1)
— 12. σαλευθήσονται ὕδατα τῆς θαλάσσης †
9. 6. ὁ προσκαλούμενος τὸ ὕ. τῆς θαλάσσης (1)
Mi. 1. 4. ὡς ὕδωρ καταφερόμενον ἐν καταβάσει (1)
7. 12. A ἡμέρα ὕδατος καὶ θορύβου –
Jl. 1. 20. ἐξηράνθησαν ἀφέσεις ὑδάτων (1)
3 (4). 18. πᾶσαι αἱ ἀφέσεις Ἰ. ῥυήσονται ὕδατα (1)
Jn. 2. 6. περιεχύθη ὕδωρ μοι ἕως ψυχῆς (1)
Jn. 3. 7. μηδὲ ὕδωρ πιέτωσαν (1)
Na. 1. 12. κύριος κατάρχων ὑδάτων πολλῶν †
2. 8 (9). ὡς κολυμβήθρα ὕδατος τὰ ὕ. αὐ. [A al.] (1, 1)
3. 8. ὕδωρ κύκλῳ αὐτῆς (1)
— 8. καὶ ὕδωρ τὰ τείχη αὐ. †
— 14. ὕδωρ περιοχῆς ἐπίσπασαι σεαυτῇ [S¹ al.] (1)
Hb. 2. 14. ὡς ὕδωρ [A ὕ. πολὺ] κατακαλύψει αὐτούς (1)
3. 10. σκορπίζων ὕδατα πορείας (1)
— 15. τοὺς ἵππους σου ταράσσοντας ὕ. πολύ [S³ ὕ. πολλά] (1)
Za. 9. 10. καὶ κατάρξει ὑδάτων †
— 11. ἐκ λάκκου οὐκ ἔχοντος ὕδωρ (1)
14. 8. ἐξελεύσεται ὕδωρ ζῶν ἐξ Ἱερ. (1)
Is. 1. 22. μίσγουσι τὸν οἶνον ὕδατι (1)
— 30. ὡς παράδεισος ὕ. μὴ ἔχων (1)
3. 1. ἀφελεῖ . . . ἰσχὺν ὕδατος (1)
5. 13. διὰ λιμὸν καὶ δίψος ὕδατος –
8. 6. διὰ τὸ μὴ βούλεσθαι τὸν λαὸν τ. τὸ ὕ. τοῦ Σ. (1)
— 7. κύριος ἀνάγει ἐφ' ὑμᾶς τὸ ὕ. τοῦ ποταμοῦ (1)
11. 9. ὡς ὕ. πολὺ κατακαλύψαι θαλάσσας (1)
12. 3. ἀντλήσετε ὕ. μετ' εὐφροσύνης (1)
15. 6. τὸ ὕ. τῆς Νεμηρεὶμ ἔρημον ἔσται [S¹ al.] (1)
— 9. τὸ δὲ ὕ. τὸ Δειμὼν πλησθήσεται αἵματος (1)
17. 12. νῶτος ἐθνῶν πολλῶν ὡς ὕ. ἠχήσει (1)
— 13. ὡς ὕ. πολὺ ἔθνη πολλὰ ὡς ὕδατος πολλοῦ βίᾳ φερομένου [A καταφ.] (–, 1)
18. 2. ὁ ἀποστέλλων . . . ἐπιστολὰς βιβλίνας ἐπάνω τοῦ ὕ. (1)
19. 5. πίονται οἱ Αἰγύπτιοι ὕ. τὸ παρὰ θάλασσαν (1)
— 6. ξηρανθήσεται πᾶσα συναγωγὴ ὕδατος †
21. 14. διψῶντι ὕ. φέρετε (1)
22. 9. ἀπέστρεψε τὸ ὕ. τῆς ἀρχαίας κολυμβήθρας (1)
— 11. ἐποιήσατε ἑαυτοῖς ὕ. †
23. 3. διατερῶντες τὴν θάλασσαν ἐν ὕδατι πολλῷ (1)
24. 14. ταραχθήσεται τὸ ὕ. τῆς θαλάσσης †
28. 2. ὡς ὕδατος πολὺ πλῆθος σῦρον χώραν (1)
30. 14. A B S² ἐν ᾧ ἀποσυρεῖς ὕ. (1)
— 20. δώσει . . . ἄρτον θλίψεως καὶ ὕ. στενόν (1)
— 22. λικμήσεις ὡς ὕ. ἀποκαθημένης †
— 25. ἔσται . . . ὕ. διαπορευόμενον (1)
— 28. ὡς ὕ. ἐν φάραγγι σῦρον ἥξει –
— 30. ὡς ὕ. καὶ χάλαζα –
32. 2. κρυβήσεται ὡς ἀφ' ὕδατος φερομένου (1)
— 20. μακάριοι οἱ σπείροντες ἐπὶ πᾶν ὕ. (1)
33. 16. τὸ ὕ. αὐτοῦ πιστόν (1)
35. 6. ἐρράγη ἐν τῇ ἐρήμῳ ὕ. (1)
— 7. εἰς τὴν διψῶσαν γῆν πηγὴ ὕδατος ἔσται (1)
36. 16. πίεσθε ὕ. τοῦ λάκκου ὑμῶν (1)
37. 25. ἠρήμωσα ὕδατα καὶ πᾶσαν συναγωγὴν ὕδατος (1, †)
40. 12. τίς ἐμέτρησε τῇ χειρὶ τὸ ὕ. (1)
41. 17. ζητήσουσι γὰρ ὕδωρ καὶ οὐκ ἔσται (1)
— 18. ποιήσω τὴν ἔρημον εἰς ἕλη ὑδάτων [A S³ om.] (1)
43. 2. ἐὰν διαβαίνῃς δι' ὕδατος (1)
— 16. ὁ διδοὺς . . . ἐν ὕδατι ἰσχυρῷ τρίβον (1)
— 20. ἔδωκα ἐν τῇ ἐρήμῳ ὕ. (1)
44. 3. δώσω ὕ. ἐν δίψει τοῖς πορευομένοις (1)
— 4. ἀνατελοῦσιν ὡς ἀνὰ μέσον ὕδατος χόρτος καὶ ὡς ἰτέα ἐπὶ παραρρέον ὕ. (–, 1)
— 12. οὐ μὴ πίῃ ὕ. (1)
48. 21. ὕ. ἐκ πέτρας ἐξάξει αὐτοῖς (1)
— 21. ῥυήσεται ὕ. (1)
49. 10. διὰ πηγῶν ὑδάτων ἄξει αὐτούς (1)
50. 2. ἀπὸ τοῦ μὴ εἶναι ὕ. (1)
51. 10. ὕ. ἀβύσσου πλῆθος (1)
54. 9. ἀπὸ τοῦ ὕ. τοῦ ἐπὶ Νῶε τοῦτό μοί ἐστι (1)
55. 1. οἱ διψῶντες πορεύεσθε ἐφ' ὕ. (1)
58. 11. ἢν μὴ ἐξέλιπεν ὕ. (1)
63. 12. κατίσχυσεν ὕ. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (1)
Je. 2. 13. ἐμὲ ἐγκατέλιπον πηγὴν ὕδατος ζωῆς [A S² ζῶντος] (1)
— 13. οἱ οὐ δυνήσονται ὕ. συνέχειν (1)
— 18. τοῦ πιεῖν ὕ. Γηὼν . . . τοῦ πιεῖν ὕ. ποταμῶν (1, 1)
— 24. τὰς ὁδοὺς αὐτῆς ἐπλάτυνεν ἐφ' ὕδατα ἐρήμου †
6. 7. ὡς ψύχει λάκκος ὕ. (1)
8. 14. ἐπότισεν ἡμᾶς ὕ. χολῆς (1)
9. 1 (8. 23). τίς δώσει κεφαλῇ μου ὕ. (1)
— 15 (14). ποτιῶ αὐτοὺς ὕ. χολῆς (1)
— 18 (17). τὰ βλέφαρα ὑμῶν ῥείτω ὕ. (1)
10. 13. πλῆθος ὕδατος ἐν οὐρανῷ (1)
Je. 13. 1. ἐν ὕδατι οὐ διελεύσεται (1)
14. 3. ἀπέστειλαν [S¹ -τησαν] τοὺς νεωτέρους αὐ. ἐφ' ὕ. (1)
— 3. οὐχ εὗροσαν ὕ. (1)
15. 18. ἐγενήθη μοι ὡς ὕ. ψευδές [A S -δος] (1)
17. 8. ἔσται ὡς ξύλον εὐθηνοῦν παρ' ὕδατα (1)
18. 14. μὴ ἐκκλίνῃ ὕ. βιαίως ἀνέμῳ φερόμενον (1)
23. 15. ποτιῶ αὐτοὺς ὕ. πικρόν (1)
26 (46). 7. ὡς ποταμοὶ κυμαίνουσιν ὕ. [S¹ om.] (1)
— 8. ὕδατα Αἰγύπτου ὡς ποταμὸς ἀναβήσεται –
27 (50). 38. ἐπὶ [S ἐν] τῷ ὕ. αὐτῆς [A add. ἐπεποίθει] (1)
28 (51). 13. ἐπὶ . . . κατασκηνοῦντας ἐφ' ὕδασι πολλοῖς (1)
— 16. εἰς φωνὴν ἔθετο ἦχος ὕδατος (1)
— 55. φωνὴν μεγάλην ἠχοῦσαν ὡς ὕδατα πολλά (1)
29 (47). 2. ὕδατα ἀναβαίνει ἀπὸ βορρᾶ (1)
29 (49). 19. S¹ ἀναβήσεται ἐκ τοῦ ὕ. [A B S² ἐκ μέσου τοῦ Ἰορδάνου] †
31 (48). 34. τὸ ὕ. Νεβρὲὶν εἰς κατάκαυμα ἔσται (1)
38 (31). 9. αὐλίζων ἐπὶ διώρυγας ὑδάτων (1)
45 (38). 6. ἐν τῷ λάκκῳ οὐκ ἦν ὕ. (1)
48 (41). 12. εὗρον αὐτὸν ἐπὶ ὕδατος πολλοῦ (1)
La. 1. 16. ὁ ὀφθαλμός μου κατήγαγεν ὕ. (1)
2. 19. ἔκχεον ὡς ὕ. καρδίαν σου (1)
3. 48. ἀφέσεις ὑδάτων κατάξει ὁ ὀφθαλμός μου (1)
— 54. ὑπερεχύθη ὕ. ἐπὶ τὴν κεφαλήν μου (1)
5. 4. R ὕ. ἡμῶν ἐν ἀργυρίῳ ἐπίομεν [A B al.] (1)
Ez. 1. 24. ἤκουον . . . ὡς φωνὴν ὕδατος πολλοῦ (1)
4. 11. ὕ. ἐν μέτρῳ πίεσαι (1)
— 16. ὕ. ἐν μέτρῳ καὶ ἐν ἀφανισμῷ πίονται (1)
— 17. ὅπως ἐνδεεῖς γένωνται ἄρτου καὶ ὕδατος (1)
12. 18. τὸ ὕ. μετὰ βασάνου καὶ θλίψεως [A ἐκθ.] πίεσαι (1)
— 19. τὸ ὕ. αὐτῶν μετὰ ἀφανισμοῦ πίονται (1)
16. 4. ἐν ὕδατι οὐκ ἐλούσθης [A add. τοῦ χριστοῦ μου] (1)
— 9. ἔλουσά σε ἐν ὕδατι (1)
17. 5. ἔδωκεν αὐτὸ εἰς τὸ πεδίον φυτὸν ἐφ' ὕδατι πολλῷ (1)
— 8. ἐφ' ὕδατι πολλῷ αὕτη πιαίνεται (1)
19. 10. ὡς ἄμπελος . . . ἐν ὕδατι πεφυτευμένη ὁ καρπὸς αὐτῆς καὶ ὁ βλαστὸς αὐτῆς ἐγένετο ἐξ ὕδατος πολλοῦ (1, 1)
24. 3. ἔγχεον [A ἔκχ.] εἰς αὐτὸν ὕ. (1)
26. 19. κατακαλύψει σε ὕ. πολύ (1)
27. 26. ἐβαρύνθης σφόδρα . . . ἐν ὕδατι πολλῷ (1)
— 34. ἐν βάθει ὕδατος ὁ σύμμικτός σου (1)
30. 16. διαχυθήσεται ὕδατα †
31. 4. ὕ. ἐξέθρεψεν αὐτόν (1)
— 5. ἐπλατύνθησαν οἱ κλάδοι αὐτοῦ ἀφ' ὕδατος πολλοῦ [A al.] (1)
— 7. ἐγενήθησαν αἱ ῥίζαι αὐτοῦ εἰς ὕ. πολύ (1)
— 14. μὴ ὑψωθῶσιν . . . πάντα τὰ ξύλα τὰ ἐν τῷ ὕ. (1)
— 14. πάντες οἱ πίνοντες ὕ. (1)
— 15. ἐκώλυσα πλῆθος ὕδατος (1)
— 16. τὰ ἐκλεκτὰ τοῦ Λιβάνου πάντα τὰ πίνοντα ὕ. (1)
32. 2. ἐτάρασσες ὕ. [A τὸ ὕ.] τοῖς ποσί σου (1)
— 13. ἀπολῶ πάντα τὰ κτήνη αὐτῆς ἀφ' ὕδατος πολλοῦ (1)
— 14. ἡσυχάσει τὰ ὕ. αὐτῶν (1)
— 19. A ἐξ ὑδάτων εὐπρεποῦς κατάβηθι †
34. 18. τὸ καθεστηκὸς ὕ. ἐπίνετε (1)
— 19. τὸ τεταραγμένον ὕ. ὑπὸ τῶν ποδῶν ὑμῶν ἔπινον –
36. 25. ῥανῶ ἐφ' ὑμᾶς καθαρὸν ὕ. (1)
47. 1. ὕ. ἐξεπορεύετο ὑποκάτωθεν τοῦ αἰθρίου (1)
— 1. τὸ ὕ. κατέβαινεν ἀπὸ τοῦ κλίτους τοῦ δεξιοῦ (1)
— 2. τὸ ὕ. κατεφέρετο ἀπὸ τοῦ κλίτους τοῦ δεξιοῦ (1)
— 4 (3). διῆλθεν ἐν τῷ ὕ. ὕ. ἀφέσεως (1, 1)
— 4. διῆλθεν ἐν τῷ ὕδατι ὕδωρ ἕως τῶν μηρῶν . . . καὶ διῆλθεν ὕ. ἕως ὀσφύος (1 ter)
— 5. A ἐξύβριζεν τὸ ὕ. ὕ. ἕως ῥοῖζος χειμάρρου [B al.] (1, 1)
— 8. τὸ ὕ. τοῦτο τὸ ἐκπορευόμενον . . . ἤρχετο ἕως ἐπὶ τὴν θάλ. ἐπὶ τὸ ὕ. τῆς διεκβολῆς [A ἐκ.] καὶ ὑγιάσει τὰ ὕ. (1, †, 1)
— 9. ἥκει ἐκεῖ τὸ ὕ. τοῦτο (1)
— 12. τὰ ὕ. αὐτῶν ἐκ τῶν ἁγίων ταῦτα ἐκπορεύεται (1)
— 19. ἕως ὕδατος μαριμὼθ Καδήμ (1)
48. 28. ἀπὸ θαιμὰν καὶ ὕδατος βαριμὼθ Καδής (1)

Da. LXX. 3. (60). εὐλογεῖτε, ὕδατα . . . τὸν κύριον
— (79). καὶ πάντα τὰ κινούμενα ἐν τοῖς ὕ.
12. 6. B εἶπα τῷ ἑνὶ . . . τῷ ἐπάνω τοῦ ὕ. τοῦ ποταμοῦ [cod. om. τ. ὕ. τ. π.] (1)
— 7. ὃς ἦν ἐπάνω τοῦ ὕ. τοῦ ποταμοῦ (1)
Da. TH. 1. 12. καὶ ὕδωρ πιόμεθα (1)
3. (60). εὐλογεῖτε, ὕδατα . . . τὸν κύριον
— (79). B καὶ πάντα τὰ κινούμενα ἐν ὕδασι [A R τοῖς ὕ.]
12. 6, 7. ὃς ἦν ἐπάνω τοῦ ὕ. τοῦ ποταμοῦ (1)
I Ma. 5. 40. ἐν τῷ ἐγγίζειν . . . ἐπὶ τὸν χειμάρρουν τοῦ ὕ.
— 42. ὡς δὲ ἤγγισεν Ἰ. ἐπὶ τὸν χειμάρρουν τοῦ ὕ.
9. 33. παρενέβαλον ἐπὶ τὸ ὕ. λάκκου Ἀσφάλ
— 45. τὸ δὲ ὕ. τοῦ Ἰορδ. ἔνθεν καὶ ἔνθεν
11. 67. παρενέβαλον ἐπὶ τὸ ὕ. τοῦ Γ.
II Ma. 1. 20. μὴ εὑρηκέναι πῦρ ἀλλὰ ὕ. παχύ
— 21. ἐπιρρᾶναι τῷ ὕ. τά τε ξύλα
— 31. καθὼς δὲ ἀνηλώθη . . . τὸ περιλειπόμ. ὕ.
— 33. εἰς τὸν τόπον . . . τὸ ὕ. ἐφάνη
15. 39. ὡσαύτως δὲ καὶ ὕδωρ πάλιν πολέμιον
— 39. οἶνος ὕδατι συγκερασθείς
III Ma. 2. 4. ἐπαγαγὼν αὐτοῖς ἀμέτρητον ὕ.
IV Ma. 3. 11. ἐπιθυμία τοῦ παρὰ τοῖς πολεμίοις ὕ.
[Aq. Ge. 1. 2, 6 *ter*, 10, 20: 8. 1: 49. 4: Ex. 7. 24 *bis*: Jo. 11. 8: III Ki. 14. 15: Jb. 3. 24: 22. 11: 26. 5: 28. 25: 38. 34: Ps. 31 (32). 6: 32 (33). 7: 64 (65). 10: 73 (74). 13: Is. 19. 5: 30. 14, 20: 36. 12: 41. 17, 18 *bis*: 54. 9: 57. 20: 58. 11: Je. 15. 18: Ez. 31. 4: 45. 15.]
[Sm. Ge. 1. 2, 6 *ter*, 10, 20: 8. 1: 49. 4: Ex. 7. 24 *bis*: Dt. 33. 8: Jo. 13. 6: Jd. 1. 15: II Ki. 14. 14: Jb. 14. 11: 24. 18: 28. 25: 38. 34: Ps. 1. 3: 31 (32). 6: 32 (33). 7: 45 (46). 4: 57 (58). 8: 62 (63). 2: 64 (65). 10: 68 (69). 2, 3: 80 (81). 8: 87 (88). 18: 118 (119). 136: Pr. 8. 29: Is. 30. 20, 25: 36. 12: 37. 25: 41. 17, 18 *bis*: 48. 1: 54. 9: 57. 20: 58. 11: 63. 12: 64. 2 (1): Je. 10. 13: 15. 18: Ez. 7. 17: 21. 7 (12): 45. 15.]
[Th. Ge. 1. 2, 6 *ter*, 10, 20: 49. 4: Ex. 7. 24 *bis*: 40. 30: II Ki. 14. 14: Jb. 14. 19: 22. 11: 24. 18: 26. 5: 34. 7: 38. 34: Ps. 28 (29). 3: Pr. 8. 29: 17. 14: Is. 24. 14: 28. 17: 30. 20: 37. 25: 41. 17, 18: 48. 1: 54. 9: 57. 20: 58. 11: 63. 12: 64. 2 (1): Je. 46 (26). 8 *bis*: Ez. 32. 19: Da. 12. 6: Ho. 5. 10.]
[Al. Ex. 15. 19: 17. 1: Nu. 5. 18: 20. 24: Ps. 123 (124). 4, 5: 135 (136). 6: Mi. 7. 12: Hb. 3. 15.]
[Heb. Ez. 7. 17: 43. 2.]

ὕειν. (1) מָטַר hi.
Ex. 9. 18. ὕω [A ὕων] . . . χάλαζαν πολλὴν σφόδρα (1)
16. 4. ὕω ὑμῖν ἄρτους ἐκ τοῦ οὐρ. (1)
[Sm. Ps. 10 (11). 6.]

ὕειος (ὗϊος). (1) חֲזִיר
Ps. 16 (17). 14. ἐχορτάσθησαν ὑείων [A υἱῶν] †
Is. 65. 4. οἱ ἔσθοντες κρέας ὕειον [A S κρέα ὑ.] (1)
66. 3. ὁ δὲ ἀναφέρων σεμίδαλιν ὡς αἷμα ὕειον (1)
— 17. ἔσθοντες κρέας [A S² -έα] ὕειον [S¹ -ια, S³ -ων] (1)
I Ma. 1. 47. καὶ θύειν ὕεια
II Ma. 6. 18. ἠναγκάζετο φαγεῖν ὕ. κρέας
7. 1. ἀπὸ τῶν ἀθεμίτων ὑ. κρεῶν ἐφάπτεσθαι
IV Ma. 5. 2. καὶ κρεῶν ὑ. . . . ἀναγκάζειν ἀπογεύεσθαι
— 6. ἀπογευσάμενος τῶν ὑ.
6. 15. ὑποκρινόμενος τῶν ὑ. ἀπογεύσασθαι

ὑετίζειν. (1) גָּשַׁם hi. (2) מָטַר hi.
Jb. 38. 26. τοῦ ὑετίσαι ἐπὶ γῆν [A γῆς] (2)
Je. 14. 22. μὴ ἔστιν ἐν εἰδώλοις τῶν ἐθνῶν ὑετίζων (1)
[Aq. Jb. 20. 23: Je. 14. 22.]
[Sm. Je. 14. 22.]
[Th. Jb. 38. 26.]

ὑετός. (1) גֶּשֶׁם (2) מָטָר (3) מַיִם
(4) שׁוֹאָה (5) ἐπάγειν ὑετόν מָטָר hi.
(6) ὑ. λάβρος שֶׁטֶף (7) ὑ. γίνεται גָּשַׁם pu.
Ge. 7. 4. ἐπάγω ὑετὸν ἐπὶ τὴν γῆν (5)
— 12. ἐγένετο ὁ ὑ. ἐπὶ τῆς γῆς (1)
8. 2. συνεσχέθη ὁ ὑ. ἀπὸ τοῦ οὐρ. (1)
Ex. 9. 29. ἡ χάλαζα καὶ ὁ ὑ. οὐκ ἔσται ἔτι –
Ex. 9. 33. ὁ ὑ. οὐκ ἔσταξεν ἔτι (2)
— 34. πέπαυται ὁ ὑ. (2)
Le. 26. 4. δώσω τὸν ὑ. ὑμῖν ἐν καιρῷ αὐτοῦ (1)
De. 11. 11. ἐκ τοῦ ὑ. τοῦ οὐρ. πίεται ὕδωρ (2)
— 14. δώσει τὸν ὑ. τῇ γῇ σου (2)
— 17. B καὶ οὐκ ἔσται ὁ [A R om.] ὑ. (2)
28. 12. δοῦναι τὸν ὑ. τῇ γῇ σου ἐπὶ καιροῦ (2)
— 24. δῴη κ. ὁ θ. σου τὸν ὑ. τῇ γῇ σου κονιορτόν (2)
32. 2. προσδοκάσθω ὡς ὑετὸς τὸ ἀπόφθεγμά μου (2)
I Ki. 12. 17. δώσει φωνὰς καὶ ὑετόν (2)
— 18. B ἔδωκε κύριος φωνὰς καὶ ὑετόν (2)
II Ki. 1. 21. καὶ μὴ ὑετὸς [A ὑ. πέσοι] ἐφ' ὑμᾶς (2)
23. 4. ὡς ἐξ ὑετοῦ χλόης ἀπὸ γῆς (2)
III Ki. 8. 35. ἐν τῷ . . . μὴ γενέσθαι ὑετόν (2)
— 36. δώσεις ὑετὸν ἐπὶ τὴν γῆν (2)
17. 1. εἰ ἔσται τὰ ἔτη ταῦτα δρόσος καὶ ὑετός (2)
— 7. οὐκ ἐγένετο ὑετὸς ἐπὶ τῆς γῆς (1)
— 14. τοῦ δοῦναι κύριον τὸν [A om.] ὑ. ἐπὶ τῆς γῆς (1)
18. 1. δώσω ὑετὸν ἐπὶ πρόσωπον τῆς γῆς (2)
— 41. φωνὴ τῶν ποδῶν τοῦ ὑ. (1)
— 44. μὴ καταλάβῃ σε ὁ ὑ. (1)
— 45. καὶ ἐγένετο ὁ ὑ. μέγας (1)
IV Ki. 3. 17. οὐκ ὄψεσθε ὑετόν (1)
II Ch. 6. 26. ἐν τῷ . . . μὴ γενέσθαι ὑετόν (2)
— 27. δώσεις ὑετὸν ἐπὶ τὴν γῆν σου (2)
7. 13. ἐὰν . . . μὴ γένηται ὑετός (2)
Ju. 8. 31. ἀποστελεῖ κύριος τὸν ὑ.
Jb. 5. 10. τὸν διδόντα ὑετὸν ἐπὶ τὴν γῆν (2)
29. 23. ὥσπερ γῆ διψῶσα προσδεχομένη τὸν [A om.] ὑ. (2)
36. 27. ἀριθμηταὶ δὲ αὐτῷ σταγόνες ὑετοῦ καὶ ἐπιχυθήσονται ὑετῷ εἰς νεφέλην (3, 2)
37. 6. καὶ χειμὼν ὑετὸς [A χειμῶνι ἵνα ᾖ ὑ.] καὶ χειμὼν ὑετῶν δυναστείας [A -αις] αὐτοῦ (2, 2)
38. 25. τίς δὲ ἡτοίμασεν ὑετῷ λάβρῳ ῥύσιν (6)
— 28. τίς ἐστιν ὑετοῦ πατήρ (2)
Ps. 71 (72). 6. καταβήσεται ὡς ὑετὸς ἐπὶ πόκον (2)
134 (135). 7. ἀστραπὰς εἰς ὑετὸν ἐποίησεν (2)
146 (147). 8. τῷ ἑτοιμάζοντι τῇ γῇ ὑετόν (2)
Pr. 25. 14. ὥσπερ ἄνεμοι καὶ νέφη καὶ ὑετοὶ ἐπιφανέστατα [AS² -οι] (1)
26. 1. ὥσπερ ὑετὸς ἐν θέρει (2)
28. 4 (3). ὥσπερ ὑετὸς λάβρος καὶ ἀνωφελής (2)
Ec. 11. 3. ἐὰν πλησθῶσι [A S πληρωθῶσιν] τὰ νέφη ὑετοῦ (1)
12. 2. ἐπιστρέψουσι τὰ νέφη ὀπίσω τοῦ [A om.] ὑ. (1)
Ca. 2. 11. ὁ ὑ. ἀπῆλθεν (1)
Wi. 16. 16. ξένοις ὑετοῖς καὶ χαλάζαις . . . διωκόμενοι
— 22. πῦρ . . . ἐν [S² om.] τοῖς [S² ξένοις] ὑ. διαστράπτον
Si. 1. 2. σταγόνας ὑετοῦ . . . τίς ἐξαριθμήσει
32 (35). 20. ὡς νεφέλαι ὑετοῦ ἐν καιρῷ ἀβροχίας
40. 13. ὡς βροντὴ μεγάλη ἐν ὑετῷ ἐξηχήσει
43. 18. ἐπὶ τοῦ ὑ. αὐτῆς ἐκστήσεται καρδία
Ho. 6. 4 (3). ἥξει ὡς ὑ. ἡμῖν πρώϊμος (1)
Am. 4. 7. ἀνέσχον ἐξ ὑμῶν τὸν ὑ. (1)
Jl. 2. 23. βρέξει ὑμῖν ὑ. πρώιμον (1)
Za. 10. 1. αἰτεῖσθε παρὰ κυρίου ὑετόν (2)
— 1. ὑ. χειμερινὸν δώσει αὐτοῖς (2)
Is. 4. 6. ἐν ἀποκρύφῳ ἀπὸ σκληρότητος καὶ ὑετοῦ (2)
5. 6. τοῦ μὴ βρέξαι εἰς αὐτὸν ὑετόν (2)
30. 23. ἔσται ὁ ὑ. τῷ σπέρματι τῆς γῆς σου (2)
44. 14. ὑ. ἐμήκυνεν (1)
55. 10. ὡς γὰρ ἂν καταβῇ ὁ [A S om.] ὑ. ἢ χιών (1)
Je. 5. 24. τὸν διδόντα ἡμῖν ὑ. πρῴϊμον (1)
10. 13. ἀστραπὰς εἰς ὑετὸν ἐποίησε (2)
14. 4. οὐκ ἦν ὑ. (1)
28 (51). 16. ἀστραπὰς εἰς ὑετὸν ἐποίησε (2)
Ep. Je. 53. οὔτε ὑετὸν ἀνθρώποις οὐ μὴ δῶσι
Ez. 1. 28. A² B ἐν τῇ νεφέλῃ ἐν ἡμέραις ὑετοῦ (1)
13. 11. ἔσται ὑ. κατακλύζων (1)
— 13. ὑ. κατακλύζων ἐν ὀργῇ μου ἔσται (1)
22. 24. οὐδὲ ὑ. ἐγένετο ἐπὶ σέ [A ὑ. καταβήσεταί σοι] (7)
34. 26. δώσω τὸν ὑ. ὑμῖν ὑετὸν εὐλογίας [A ἀποστελῶ ὑ. εὐ. αὐτοῖς] (1, 1)
38. 9. ἀναβήσῃ ὡς ὑ. (4)
Ez. 38. 22. κρινῶ αὐτὸν . . . ὑετῷ κατακλύζοντι (1)
40. 43. τοῦ καλύπτεσθαι ἀπὸ τοῦ ὑ. –
[Aq. Jb. 38. 28: Ps. 71 (72). 6: Za. 14. 17.]
[Sm. Jb. 37. 6: 38. 28: Ps. 67 (68). 10: Ec. 12. 2: Za. 14. 17.]
[Th. II Ki. 1. 21: Jb. 36. 27: 37. 6: 38. 28 (P.): Za. 14. 17.]

ὕϊος, *vid. sub* ὕειος.

υἱός. (1) אִישׁ (2) בַּיִת (3) בֵּן (4) בַּר
(5) זֶרַע (6) *a.* יָלַד *b.* יָלִיד (7) מִשְׁפָּחָה
(8) υἱοὶ Ἀμμών עַמּוֹנִים (9) υἱοὶ Γάδ גָּדִי
(10) υἱοὶ Γηρσών (Γεδσών, Γεδσωνί) גֵּרְשֹׁנִי
(11) υἱοὶ Ἐσθ. אֶשְׁתָּאֹלִי (12) υἱὸς Καάθ קְהָתִי (13) υἱοὶ Κορέ קָרְחִים
(14) υἱοὶ Ῥουβήν רְאוּבֵנִי
Ge. 4. 17. ἐπὶ τῷ ὀνόματι τοῦ υἱ. αὐ. Ἐ. (3)
— 25. συλλαβοῦσα ἔτεκεν υἱόν (3)
— 26. τῷ Σ. ἐγένετο υἱός (3)
5. 4, 7, 10, 13, 16, 19, 22, 26. ἐγέννησεν υἱοὺς καὶ θυγατέρας (3)
— 28. ἐγέννησεν υἱόν (3)
— 30. ἐγέννησεν υἱοὺς καὶ θυγατέρας (3)
— 32. ἐγέννησε Νῶε τρεῖς υἱούς –
6. 2. R ἰδόντες δὲ υἱοὶ τοῦ θ. τὰς θυγ. τῶν ἀνθρ. [A *al.*] (3)
— 4. ὡς ἂν εἰσεπορεύοντο οἱ υἱοὶ τοῦ θεοῦ (3)
— 10. ἐγέννησε δὲ Ν. τρεῖς υἱούς (3)
— 18. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου . . . καὶ αἱ γυναῖκες τῶν υἱ. σου (3, 3)
7. 7. Νῶε καὶ οἱ υἱ. αὐ. . . . καὶ αἱ γυναῖκες τῶν υἱ. αὐ. (3, 3)
— 13. Σὴμ Χὰμ Ἰ. υἱοὶ Νῶε . . . καὶ αἱ τρεῖς γυναῖκες τῶν υἱ. αὐ. (3, 3)
8. 16. οἱ υἱ. σου καὶ αἱ γυναῖκες τῶν υἱ. σου (3, 3)
— 18. οἱ υἱ. αὐ. [A¹ om. οἱ υἱ. αὐ.] καὶ αἱ γυναῖκες τῶν υἱ. αὐ. (3, 3)
9. 1. ηὐλόγησεν ὁ θ. τὸν Ν. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. (3)
— 8. εἶπεν ὁ θ. τῷ Νῶε καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 18. οἱ υἱ. Νῶε οἱ ἐξελθόντες ἐκ τῆς κιβωτοῦ (3)
— 19. τρεῖς οὗτοί εἰσιν οἱ υἱ. Νῶε (3)
— 24. ὅσα ἐποίησεν αὐτῷ ὁ. υἱ. αὐ. ὁ νεώτερος (3)
10. 1. αὗται δὲ αἱ γενέσεις τῶν υἱ. Νῶε (3)
— 1. ἐγεννήθησαν αὐτοῖς υἱοί (3)
— 2. υἱοὶ Ἰαφέθ (3)
— 3. καὶ υἱοὶ Γαμέρ (3)
— 4. καὶ υἱοὶ Ἰωυάν (3)
— 6. υἱοὶ δὲ Χάμ (3)
— 7. υἱοὶ δὲ Χούς (3)
— 7. υἱοὶ δὲ Ῥεγχμά (3)
— 20. οὗτοι υἱοὶ Χὰμ ἐν ταῖς φυλαῖς αὐ. (3)
— 21. πατρὶ πάντων τῶν υἱ. Ἔβερ (3)
— 22. υἱοὶ Σήμ (3)
— 23. καὶ υἱοὶ Ἀράμ (3)
— 25. τῷ Ἔ. ἐγεννήθησαν δύο υἱοί (3)
— 29. πάντες οὗτοι υἱοὶ Ἰεκτάν (3)
— 31. οὗτοι οἱ υἱ. Σήμ (3)
— 32. αὗται αἱ φυλαὶ υἱῶν Νῶε (3)
11. 5. ὃν ᾠκοδόμησαν οἱ υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)
— 10. Σὴμ υἱὸς ἐτῶν ἑκατόν (3)
— 11. ἐγέννησεν υἱοὺς καὶ θυγατέρας (3)
— 13. ἐγέννησεν υἱοὺς καὶ θυγατέρας –
— 13, 15, 17, 19, 21, 23, 25. ἐγέννησεν υἱοὺς καὶ θυγατέρας (3)
— 31. ἔλαβε Θ. τὸν Ἄβ. τὸν υἱ. αὐ. καὶ τὸν Λὼτ υἱὸν Ἀρρὰν υἱὸν τοῦ υἱ. αὐ. (3 *quater*)
— 31. καὶ τὴν Σάραν . . . γυναῖκα τοῦ υἱοῦ αὐ. (3)
12. 5. καὶ τὸν Λὼτ υἱὸν τοῦ ἀδ. αὐτοῦ (3)
14. 12. τὸν Λὼτ υἱὸν τοῦ ἀδελφοῦ Ἀβ. (3)
15. 2. R ὁ δὲ υἱ. Μ. τῆς οἰκογενοῦς μου (3)
16. 11. καὶ τέξῃ υἱόν (3)
— 15. ἔτεκεν Ἄ. τῷ Ἄβ. υἱόν (3)
— 15. ἐκάλεσεν Ἄβ. τὸ ὄνομα τοῦ υἱ. αὐ. (3)
17. 12. ὁ ἀργυρώνητος ἀπὸ παντὸς υἱ. ἀλλοτρίου (3)
— 17. εἰ τῷ ἑκατονταετεῖ γενήσεται υἱός –
— 19. Σάρρα ἡ γυνή σου τέξεταί σοι υἱόν (3)
— 23. ἔλαβεν Ἄβ. Ἰσμ. τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 25. Ἰσμ. δὲ ὁ υἱ. αὐ. ἐτῶν δέκα τριῶν ἦν (3)
— 26. περιετμήθη Ἄβ. καὶ Ἰσμ. ὁ υἱ. αὐ. (3)
18. 10. ἕξει υἱὸν Σάρρα ἡ γυνή σου (3)
— 14. ἔσται τῇ Σάρρᾳ υἱός (3)
— 19. συντάξει τοῖς υἱ. αὐ. (3)

Ge. 19. 12. γαμβροὶ ἢ υἱοὶ ἢ θυγατέρες (3)
— 37. ἔτεκεν ἡ πρεσβυτέρα υἱόν (3)
— 39 (38). ἔτεκε δὲ καὶ ἡ νεωτέρα υἱόν (3)
— 39 (38). ὁ υἱ. τοῦ γένους μου (3)
21. 2. ἔτεκε Σ. τῷ Ἀβ. υἱὸν εἰς τὸ γῆρας (3)
— 3. καὶ ἐκάλεσεν Ἀβ. τὸ ὄνομα τοῦ υἱ. αὐ. (3)
— 5. ἡνίκα ἐγένετο αὐτῷ Ἰ. ὁ υἱ. αὐ. (3)
— 7. ἔτεκον υἱὸν ἐν τῷ γήρει μου (3)
— 8. ᾗ ἡμέρᾳ ἀπεγαλακτίσθη Ἰ. ὁ υἱ. αὐ. –
— 9. ἰδοῦσα δὲ Σ. τὸν υἱ. Ἄ. . . . παίζοντα μετὰ Ἰ. τοῦ υἱ. ἑαυτῆς (3, –)
— 10. ἔκβαλε . . . τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 10. οὐ γὰρ μὴ κληρονομήσει ὁ υἱ. τῆς παιδίσκης μετὰ τοῦ υἱ. μου Ἰ. (3, 3)
— 11. σκληρὸν δὲ ἐφάνη τὸ ῥῆμα . . . περὶ τοῦ υἱ. αὐ. Ἰσμ. (3)
— 13. καὶ τὸν υἱ. δὲ τῆς παιδίσκης ταύτης (3)
22. 2. λάβε τὸν υἱ. σου τὸν ἀγαπητόν (3)
— 3. παρέλαβε δὲ . . . Ἰ. τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 6. ἐπέθηκεν Ἰ. τῷ υἱ. αὐ. (3)
— 9. συμποδίσας Ἰ. τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 10. σφάξαι τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 12. οὐκ ἐφείσω τοῦ υἱ. σου τοῦ ἀγαπητοῦ (3)
— 13. ἀνήνεγκεν αὐτὸν . . . ἀντὶ Ἰ. τοῦ υἱ. αὐ. (3)
— 16. οὐκ ἐφείσω τοῦ υἱ. σου τοῦ ἀγαπητοῦ (3)
— 20. τέτοκε Μ. καὶ αὐτὴ υἱούς (3)
— 23. ὀκτὼ οὗτοι υἱοί –
23. 3. εἶπεν Ἀβ. τοῖς υἱ. Χέτ (3)
— 4 (5). ἀπεκρίθησαν δὲ οἱ υἱ. Χέτ (3)
— 7. προσεκύνησε τῷ λαῷ τῆς γῆς τοῖς υἱ. Χέτ (3)
— 10. ἐκάθητο ἐν μέσῳ τῶν υἱ. Χέτ (3)
— 10. ἀκουόντων τῶν υἱ. Χέτ (3)
— 16. ὃ ἐλάλησεν εἰς τὰ ὦτα τῶν υἱ. Χέτ (3)
— 18. εἰς κτῆσιν ἐναντίον τῶν υἱ. Χέτ (3)
— 20. εἰς κτῆσιν τάφου παρὰ τῶν υἱ. Χέτ (3)
24. 3. ἵνα μὴ λάβῃς γυναῖκα τῷ υἱ. μου Ἰ. (3)
— 4. λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱ. μου Ἰ. (3)
— 5. ἀποστρέψω τὸν υἱ. σου (3)
— 6. μὴ ἀποστρέψῃς τὸν υἱ. μου ἐκεῖ (3)
— 7. λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱ. μου Ἰ. (3)
— 8. τὸν υἱ. μου μὴ ἀποστρέψῃς ἐκεῖ (3)
— 15. ἡ τεχθεῖσα Βαθ. υἱῷ Μέλχας (3)
— 36. ἔτεκε Σάρρα . . . υἱὸν ἕνα (3)
— 37. οὐ λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱ. μου (3)
— 38. λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱ. μου ἐκεῖθεν (3)
— 40. λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱ. μου (3)
— 47. θυγάτηρ Βαθ. εἰμι ἐγὼ τοῦ υἱ. Ν. (3)
— 48. λαβεῖν τὴν θυγατέρα . . . τῷ υἱ. αὐ. (3)
— 51. ἔστω γυνὴ τῷ υἱ. τοῦ κυρίου σου (3)
25. 3. υἱοὶ δὲ Δ. ἐγένοντο (3)
— 4. υἱοὶ δὲ Μ. (3)
— 4. οὗτοι πάντες ἦσαν υἱοὶ Χετ. (3)
— 5. ἔδωκε δὲ Ἀβ. πάντα . . . Ἰ. τῷ υἱ. αὐ. –
— 6. καὶ τοῖς υἱ. τῶν παλλακῶν αὐ. (3)
— 6. ἐξαπέστειλεν αὐτοὺς ἀπὸ Ἰ. τοῦ υἱ. αὐ. (3)
— 9. Ἰ. καὶ Ἰσμ. οἱ δύο υἱ. αὐ. (3)
— 10. ὃ ἐκτήσατο Ἀβ. παρὰ τῶν υἱ. Χέτ (3)
— 11. εὐλόγησεν ὁ θ. τὸν Ἰ. τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 12. αὗται δὲ αἱ γενέσεις Ἰσμ. τοῦ υἱ. Ἀβ. (3)
— 13. ταῦτα τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. Ἰσμ. (3)
— 16. οὗτοί εἰσιν οἱ υἱ. Ἰσμ. (3)
— 19. αὗται αἱ γενέσεις Ἰ. τοῦ υἱ. Ἀβ. (3)
— 25. ἐξῆλθε δὲ ὁ υἱ. ὁ πρωτότοκος –
27. 1. ἐκάλεσεν Ἡ. τὸν υἱ. αὐ. τὸν πρεσβύτερον (3)
— 1. εἶπεν αὐτῷ, Υἱέ μου (3)
— 5. λαλοῦντος Ἰ. πρὸς Ἡ. τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 6. εἶπε πρὸς Ἰ. τὸν υἱ. αὐ. τὸν ἐλάσσω (3)
— 8. νῦν οὖν, υἱέ, ἄκουσόν μου (3)
— 15. τὴν στολὴν Ἡ. τοῦ υἱ. αὐ. τοῦ πρεσβυτέρου (3)
— 15. ἐνέδυσεν Ἰ. τὸν υἱ. αὐ. τὸν νεώτερον (3)
— 17. εἰς τὰς χεῖρας Ἰ. τοῦ υἱ. αὐ. (3)
— 19. Α εἶπεν Ἰ. ὁ υἱ. αὐ. τῷ πατρὶ αὐ. [R *al.*] –
— 20. εἶπε δὲ Ἰ. τῷ υἱ. αὐ. (3)
— 21. εἰ σὺ εἶ ὁ υἱ. μου Ἡ. (3)
— 24. σὺ εἶ ὁ υἱ. μου Ἡ. (3)
— 27. ὀσμὴ τοῦ υἱ. μου (3)
— 29. προσκυνήσουσί σε οἱ υἱ. τοῦ πατρός σου (3)
— 30. εὐλογοῦντα τὸν Ἰ. τὸν υἱ. αὐ. –
— 31. φαγέτω τῆς θήρας τοῦ υἱ. αὐ. (3)
— 32. ἐγώ εἰμι ὁ υἱ. σου ὁ πρωτότοκος Ἡ. (3)
— 42. τὰ ῥήματα Ἡ. τοῦ υἱ. αὐ. τοῦ πρεσβυτ. (3)
— 42. ἐκάλεσεν Ἰ. τὸν υἱ. αὐ. τὸν νεώτερον (3)
— 46. διὰ τὰς θυγατέρας τῶν υἱ. Χέτ –
28. 5. πρὸς Λ. τὸν υἱ. Βαθ. τοῦ Σύρου (3)
— 9. τὴν Μ. θυγατέρα Ἰσμ. τοῦ υἱ. Ἀβ. (3)

Ge. 29. 1. πρὸς Λ. τὸν υἱ. Βαθ. τοῦ Σύρου –
— 5. γινώσκετε Λ. τὸν υἱ. Ναχώρ (3)
— 12. υἱὸς Ῥεβέκκας ἐστί (3)
— 13. τὸ ὄνομα Ἰ. τοῦ υἱ. τῆς ἀδελφῆς αὐ. (3)
— 32. ἔτεκεν υἱὸν τῷ Ἰ. (3)
— 32. R καὶ ἔδωκέ μοι υἱόν –
— 33. ἔτεκεν υἱ. δεύτερον τῷ Ἰ. (3)
— 34. καὶ ἔτεκεν υἱόν (3)
— 34. τέτοκα γὰρ αὐτῷ τρεῖς υἱούς (3)
— 35. συλλαβοῦσα ἔτι ἔτεκεν υἱόν (3)
30. 5. ἔτεκε τῷ Ἰ. υἱόν (3)
— 6. ἔδωκέ μοι υἱόν (3)
— 7. ἔτεκεν υἱ. δεύτερον τῷ Ἰ. (3)
— 10. ἔτεκε τῷ Ἰ. υἱόν (3)
— 12. ἔτεκεν ἔτι τῷ Ἰ. υἱ. δεύτερον (3)
— 14. δός μοι τῶν μανδραγορῶν τοῦ υἱ. σου (3)
— 15. μὴ καὶ τοὺς μανδραγόρους τοῦ υἱ. μου λήψῃ (3)
— 15. ἀντὶ τῶν μανδραγορῶν τοῦ υἱ. σου (3)
— 16. ἀντὶ τῶν μανδραγορῶν τοῦ υἱ. μου (3)
— 17. ἔτεκε τῷ Ἰ. υἱ. πέμπτον (3)
— 19. ἔτεκεν υἱ. ἕκτον τῷ Ἰ. (3)
— 20. τέτοκα γὰρ αὐτῷ υἱοὺς ἕξ (3)
— 23. ἔτεκε τῷ Ἰ. υἱόν (3)
— 24. προσθέτω ὁ θεός μοι υἱ. ἕτερον (3)
— 35. ἔδωκε διὰ χειρὸς τῶν υἱ. αὐ. (3)
31. 1. ἤκουσε δὲ Ἰ. τὰ ῥήματα τῶν υἱ. Λ. (3)
— 43. καὶ οἱ υἱ. σου υἱοί μου (3, 3)
— 55 (32. 1). κατεφίλησε τοὺς υἱ. αὐ. (3)
32. 32 (33). οὐ μὴ φάγωσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸ νεῦρον (3)
33. 2. ἐποίησε . . . τοὺς υἱ. αὐ. ἐν πρώτοις (6 *a*)
34. 2. Συχὲμ ὁ υἱ. Ἐμμὼρ ὁ Χορραῖος (3)
— 5. ἐμίανεν ὁ υἱ. Ἐ. Δείναν –
— 5. οἱ δὲ υἱ. αὐ. ἦσαν μετὰ τῶν κτηνῶν αὐ. (3)
— 7. οἱ δὲ υἱ. Ἰ. ἦλθον ἐκ τοῦ πεδίου (3)
— 8. Συχὲμ ὁ υἱ. μου προείλατο . . . τὴν θυγ. ὑμῶν (3)
— 9. τὰς θυγ. ἡμῶν λάβετε τοῖς υἱ. ὑμῶν –
— 13. ἀπεκρίθησαν δὲ οἱ υἱ. Ἰ. τῷ Σ. (3)
— 14. Α οἱ ἀδελφοὶ Δείνας υἱοὶ δὲ Λείας [R *al.*] –
— 18. ἐναντίον Συχὲμ τοῦ υἱ. Ἐμμώρ (3)
— 20. Ἐμμὼρ καὶ Συχὲμ ὁ υἱ. αὐ. (3)
— 24. εἰσήκουσαν Ἐμμὼρ καὶ Σ. τοῦ υἱ. αὐ. (3)
— 25. ἔλαβον οἱ δύο υἱ. Ἰ. Συμ. καὶ Λ. (3)
— 26. τὸν Σ. τὸν υἱ. αὐ. ἀπέκτειναν (3)
— 27. οἱ δὲ υἱ. Ἰ. εἰσῆλθον ἐπὶ τοὺς τραυματίας (3)
35. 5. οὐ κατεδίωξαν ὀπίσω τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 17. οὗτός ἐστιν υἱός (3)
— 18. υἱὸς ὀδύνης μου (3)
— 22. ἦσαν δὲ οἱ υἱ. Ἰ. δώδεκα (3)
— 23. υἱοὶ Λείας (3)
— 24. υἱοὶ δὲ Ῥαχήλ (3)
— 25. υἱοὶ δὲ Βαλλᾶς (3)
— 26. υἱοὶ δὲ Ζελφᾶς (3)
— 26. οὗτοι οἱ υἱ. Ἰ. (3)
— 29. ἔθαψαν αὐτὸν Ἡ. καὶ Ἰ. οἱ υἱ. αὐ. (3)
36. 2. θυγατέρα Ἀνὰ τοῦ υἱ. Σεβ. †
— 5. οὗτοι υἱ. Ἡσαῦ (3)
— 6. ἔλαβε δὲ Ἡ. . . . τοὺς υἱ. (3)
— 10. ταῦτα τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. Ἡ. (3)
— 10. Ἐλ. υἱὸς Ἀδᾶς γυναικὸς Ἡ. (3)
— 10. Ῥαγ. υἱὸς Βασ. γυναικὸς Ἡ. (3)
— 11. ἐγένοντο δὲ οἱ υἱ. Ἐλ. (3)
— 12. Θ. δὲ ἦν παλλακὴ Ἐλ. τοῦ υἱ. Ἡ. (3)
— 12. οὗτοι οἱ υἱ. Ἀδᾶς (3)
— 13. οὗτοι δὲ υἱ. Ῥαγ. (3)
— 13. οὗτοι ἦσαν υἱ. Μασ. (3)
— 14. οὗτοι δὲ υἱ. Ἐλ. θυγατρὸς Ἀνὰ τοῦ υἱ. Σεβ. (3, †)
— 15. Α οὗτοι οἱ ἡγεμόνες υἱοῦ Ἡ. [R *al.*] (3)
— 15. υἱοὶ Ἐλ. πρωτοτόκου Ἡ. (3)
— 16. οὗτοι υἱ. Ἀδᾶς (3)
— 17. οὗτοι υἱ. Ῥαγ. υἱοῦ Ἡ. (3, 3)
— 17. οὗτοι υἱ. Μασ. (3)
— 18. οὗτοι δὲ υἱ. Ὀλ. (3)
— 19. οὗτοι δὲ υἱ. Ἡ. (3)
— 19. οὗτοί εἰσιν οἱ ἡγεμόνες αὐ. υἱοὶ Ἐδώμ †
— 20. οὗτοι δὲ υἱ. Σηείρ (3)
— 21. οὗτοι οἱ ἡγεμόνες τοῦ Χορραίου τοῦ υἱ. Σ. (3)
— 22. ἐγένοντο δὲ υἱοὶ Λωτάν (3)
— 23. οὗτοι δὲ υἱ. Σ. (3)
— 24. καὶ οὗτοι υἱ. Σεβ. (3)
— 25. οὗτοι δὲ υἱ. Ἀνά (3)
— 26. οὗτοι δὲ υἱ. Δησών (3)
— 27. οὗτοι δὲ υἱ. Σαάρ (3)
— 28. οὗτοι δὲ υἱ. Ῥεισών (3)

Ge. 36. 32. ἐβασίλευσεν ἐν Ἐδὼμ Βαλὰκ υἱὸς τοῦ Β. (3)
— 33. ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ Ἰ. υἱὸς Ζαρά (3)
— 35. ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ Ἀ. υἱὸς Β. (3)
— 38. ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ Βαλ. υἱὸς Ἀχ. (3)
— 39. ἀπέθανε δὲ Βαλ. υἱὸς Ἀχ. (3)
— 39. ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ Ἀ. υἱὸς Β. –
— 39. Μετ. θυγάτηρ Ματρ. υἱοῦ Μεζ. †
37. 2. ἦν ποιμαίνων . . . μετὰ τῶν υἱ. Β. καὶ μετὰ τῶν υἱ. Ζ. (3, 3)
— 3. ἠγάπα τὸν Ἰ. παρὰ πάντας τοὺς υἱ. αὐ. (3)
— 3. υἱὸς γήρους ἦν αὐτῷ (3)
— 4. αὐτὸν ἐφίλει ὁ πατὴρ αὐ. ἐκ πάντων τῶν υἱ. αὐ. †
— 32. ἐπίγνωθι εἰ χιτὼν τοῦ υἱ. σού ἐστιν (3)
— 33. χιτὼν τοῦ υἱ. μού ἐστι (3)
— 34. ἐπένθει τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 35. συνήχθησαν δὲ πάντες οἱ υἱ. αὐ. (3)
— 35. καταβήσομαι πρὸς τὸν υἱ. μου (3)
38. 3. συλλαβοῦσα ἔτεκεν υἱόν (3)
— 4. συλλαβοῦσα ἔτι ἔτεκεν υἱόν (3)
— 5. προσθεῖσα ἔτι ἔτεκεν υἱόν (3)
— 11. ἕως μέγας γένηται Σ. ὁ υἱ. μου (3)
— 14. Α μέγας γέγονε Σ. ὁ υἱ. αὐ. [R *om.* ὁ υἱ. αὐ.] –
— 26. οὐκ ἔδωκα αὐτὴν Σ. τῷ υἱ. μου (3)
41. 50. τῷ δὲ Ἰ. ἐγένοντο υἱοὶ δύο (3)
42. 1. εἶπε τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 5. ἦλθον δὲ οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 11. πάντες ἐσμὲν υἱοὶ ἑνὸς ἀνθρώπου (3)
— 32. υἱοὶ τοῦ πατρὸς ἡμῶν (3)
— 37. τοὺς δύο υἱ. μου ἀπόκτεινον (3)
— 38. οὐ καταβήσεται ὁ υἱ. μου μεθ' ὑμῶν (3)
45. 9. τάδε λέγει ὁ υἱ. σου Ἰ. (3)
— 10. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου καὶ οἱ υἱ. τῶν υἱ. σου (3 *ter*)
— 11. ἵνα μὴ ἐκτριβῇς σὺ καὶ οἱ υἱ. σου (2)
— 21. ἐποίησαν δὲ οὕτως οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 26. ὁ υἱ. σου Ἰ. ζῇ –
— 28. εἰ ἔτι ὁ υἱ. μου Ἰ. ζῇ (3)
46. 5. ἀνέλαβον οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸν πατέρα αὐ. (3)
— 7. υἱοὶ καὶ οἱ υἱ. τῶν υἱ. αὐ. (3 *ter*)
— 7. Α θυγατέρες καὶ θυγατέρες τῶν υἱ. αὐ. [R *al.*] (3)
— 8. ταῦτα δὲ τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 8. Ἰ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)
— 9. υἱοὶ δὲ Ῥουβήν (3)
— 10. υἱοὶ δὲ Συμεών (3)
— 10. Σαμ. υἱὸς τῆς Χαναανίτιδος (3)
— 11. υἱοὶ δὲ Λευί (3)
— 12. υἱοὶ δὲ Ἰούδα (3)
— 12. ἐγένοντο δὲ υἱοὶ Φαρές (3)
— 13. υἱοὶ δὲ Ἰσσάχαρ (3)
— 14. υἱοὶ δὲ Ζαβουλών (3)
— 15. οὗτοι υἱ. Λείας (3)
— 15. πᾶσαι αἱ ψυχαὶ υἱοὶ καὶ αἱ θυγατέρες (3)
— 16. υἱοὶ δὲ Γάδ (3)
— 17. υἱοὶ δὲ Ἀσήρ (3)
— 17. υἱοὶ δὲ Βαριά (3)
— 18. οὗτοι υἱ. Ζελφᾶς (3)
— 19. υἱοὶ δὲ Ῥαχήλ (3)
— 20. ἐγένοντο δὲ υἱοὶ Ἰ. –
— 20. ἐγένοντο δὲ υἱοὶ Μαν. –
— 20. υἱοὶ δὲ Ἐφρ. ἀδελφοῦ Μαν. –
— 20. υἱοὶ δὲ Σουτ. –
— 21. υἱοὶ δὲ Βεν. (3)
— 21. ἐγένοντο δὲ υἱοὶ Βαλά –
— 22. οὗτοι υἱ. Ῥαχήλ (3)
— 23. υἱοὶ δὲ Δάν (3)
— 24. καὶ υἱοὶ Νεφθαλί (3)
— 25. οὗτοι υἱ. Βαλλᾶς (3)
— 26. χωρὶς τῶν γυναικῶν υἱῶν Ἰ. (3)
— 27. υἱοὶ δὲ Ἰ. οἱ γενόμενοι αὐτῷ (3)
47. 4. ἦλθον δὲ . . . Ἰ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. –
— 29. ἐκάλεσε τὸν υἱ. αὐ. Ἰ. (3)
48. 1. ἀναλαβὼν τοὺς δύο υἱ. αὐ. (3)
— 2. ὁ υἱ. σου Ἰ. ἔρχεται πρὸς σέ (3)
— 5. οἱ δύο υἱ. σου οἱ γενόμενοί σοι (3)
— 8. ἰδὼν δὲ Ἰσρ. τοὺς υἱ. Ἰ. (3)
— 9. υἱοί μού εἰσιν (3)
— 13. λαβὼν δὲ Ἰ. τοὺς δύο υἱ. αὐ. –
49. 1. ἐκάλεσε δὲ Ἰ. τοὺς υἱ. αὐ. (3)
— 2. ἀκούσατέ μου, υἱοὶ Ἰ. (3)
— 8. προσκυνήσουσί σοι οἱ υἱ. τοῦ πατρός σου (3)
— 9. ἐκ βλαστοῦ, υἱέ μου, ἀνέβης (3)
— 22. υἱὸς ηὐξημένος Ἰ. (3)
— 22. υἱὸς ηὐξημένος μου ζηλωτός (3)
— 22. υἱός μου νεώτατος †

Ge. 49. 28. πάντες οὗτοι [A οἱ] υἱοὶ Ἰ. δώδεκα †
— 32. ἐν κτήσει τοῦ ἀγροῦ . . . παρὰ τῶν υἱ. Χέτ (3)
— 33. κατέπαυσεν Ἰ. ἐπιτάσσων τοῖς υἱ. αὐ. (3)
50. 12. ἐποίησαν αὐτῷ οὕτως οἱ υἱ. αὐ. (3)
— 13. ἀνέλαβον αὐτὸν οἱ υἱ. αὐ. (3)
— 23. υἱοὶ Μ. τοῦ υἱ. Μ. ἐτέχθησαν (3, 3)
— 25. ὥρκισεν Ἰ. τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
Ex. 1. 1. ταῦτα τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 7. οἱ δὲ υἱ. Ἰσρ. ηὐξήθησαν (3)
— 9. τὸ γένος τῶν υἱ. Ἰσρ. μέγα πλῆθος (3)
— 12. ἐβδελύσσοντο οἱ Αἰγ. ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 13. κατεδυνάστευον οἱ Αἰγ. τοὺς υἱ. Ἰσρ. βίᾳ (3)
2. 10. ἐγενήθη αὐτῇ εἰς υἱόν (3)
— 11. ἐξῆλθε πρὸς τοὺς ἀδ. αὐ. τοὺς υἱ. Ἰσρ. –
— 11. τινὰ Ἑβρ. τῶν ἑαυ. ἀδελφῶν τῶν υἱ. Ἰσρ. –
— 22. ἔτεκεν υἱόν (3)
— 23. κατεστέναξαν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἀπὸ τῶν ἔργων (3)
— 25. ἐπείδεν ὁ θ. τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
3. 9. κραυγὴ τῶν υἱ. Ἰσρ. ἥκει πρὸς μέ (3)
— 10. ἐξάξεις τὸν λαόν μου τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 11. τίς εἰμι ἐγὼ . . . ὅτι ἐξάξω τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 13. ἐξελεύσομαι πρὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 14, 15. οὕτως ἐρεῖς τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 16. συνάγαγε τὴν γερουσίαν τῶν υἱ. Ἰσρ. –
— 22. καὶ ἐπιθήσετε ἐπὶ τοὺς υἱ. ὑμῶν (3)
4. 22. υἱ. πρωτότοκός μου Ἰσρ. (3)
— 23. ἀποκτενῶ τὸν υἱ. σου τὸν πρωτότοκον (3)
— 25. περιέτεμε τὴν ἀκροβυστίαν τοῦ υἱ. αὐ. (3)
— 29. συνήγαγον τὴν γερουσίαν τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 31. ἐπεσκέψατο ὁ θ. τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
5. 2. ὥστε ἐξαποστεῖλαι τοὺς υἱ. Ἰσρ. –
— 14. οἱ γραμματεῖς τοῦ γένους τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 15. εἰσελθόντες δὲ οἱ γραμματεῖς τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 19. ἑώρων δὲ οἱ γραμματεῖς τῶν υἱ. Ἰσρ. ἑαυτούς (3)
6. 5. εἰσήκουσα τὸν στεναγμὸν τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 6. εἰπὸν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 9. ἐλάλησε δὲ Μ. οὕτως τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 11. ἵνα ἐξαποστείλῃ τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 12. οἱ υἱ. Ἰσρ. οὐκ εἰσήκουσάν μου (3)
— 13. ὥστε ἐξαποστεῖλαι τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 14. υἱοὶ Ῥ. πρωτοτόκου Ἰσρ. (3)
— 15. καὶ υἱοὶ Συμ. (3)
— 15. αὗται αἱ πατριαὶ τῶν υἱ. Συμ. –
— 16. ταῦτα τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. Λ. (3)
— 17. οὗτοι υἱ. Γεδ. (3)
— 18. καὶ υἱοὶ Καάθ (3)
— 19. καὶ υἱοὶ [A οἱ υἱ.] Μεραρεί (3)
— 21. καὶ υἱοὶ Ἰσσαάρ (3)
— 22. καὶ υἱοὶ [A οἱ υἱ.] Ὀζ. (3)
— 24. υἱοὶ δὲ Κορέ (3)
— 26. ἐξαγαγεῖν τοὺς υἱ. Ἰσρ. ἐκ γῆς Αἰγ. (3)
— 27. ἐξήγαγον τοὺς υἱ. Ἰσρ. ἐκ γῆς Αἰγ. (3)
7. 2. ὥστε ἐξαποστεῖλαι τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 4. ἐξάξω . . . τὸν λαόν μου τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 5. ἐξάξω τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
9. 4. ἀνὰ μέσον τῶν κτηνῶν τῶν υἱ. [A κτ. τοῦ] Ἰσρ. –
— 4. οὐ τελευτήσει ἀπὸ πάντων τῶν τοῦ Ἰσρ. υἱ. ῥητόν [A *al.*] (3)
— 6. ἀπὸ δὲ τῶν κτηνῶν τῶν υἱ. [A² κτ. τοῦ] Ἰσρ. (3)
— 7. A² B ἀπὸ πάντων τῶν κτηνῶν τῶν υἱ. Ἰσρ. –
— 26. οὗ ἦσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 35. οὐκ ἐξαπέστειλε τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
10. 9. σὺν τοῖς υἱ. καὶ θυγατράσι (3)
— 20. οὐκ ἐξαπέστειλε τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 23. πᾶσι δὲ τοῖς υἱ. Ἰσρ. φῶς ἦν (3)
11. 7. ἐν πᾶσι τοῖς υἱ. Ἰσρ. οὐ γρύξει κύων (3)
— 10. ἐξαποστεῖλαι τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
12. 3. λάλησον πρὸς πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. –
— 6. πᾶν τὸ πλῆθος συναγωγῆς υἱῶν [A τῶν υἱ.] Ἰσρ. –
— 21. πᾶσαν γερουσίαν υἱῶν [A *om.*] Ἰσρ. –
— 24. νόμιμον σεαυτῷ καὶ τοῖς υἱ. σου (3)
— 26. B ἐὰν λέγωσι πρὸς ὑμᾶς υἱοὶ [A R οἱ υἱ.] ὑμῶν (3)
— 27. ὃς ἐσκέπασε τοὺς οἴκους τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 28. ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 31. καὶ ὑμεῖς καὶ οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 35. οἱ δὲ υἱ. Ἰσρ. ἐποίησαν (3)
— 37. ἀπάραντες δὲ οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)

Ex. 12. 40. ἡ δὲ κατοίκησις τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 42. ὥστε πᾶσι τοῖς υἱ. Ἰσρ. εἶναι (3)
— 47. πᾶσα συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ. ποιήσει αὐτό –
— 50. ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 51. ἐξήγαγε κύριος τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
13. 2. ἁγίασόν μοι πᾶν πρωτότοκον . . . ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 8. ἀναγγελεῖς τῷ υἱ. σου (3)
— 13. πᾶν πρωτότοκον ἀνθρώπου τῶν υἱ. σου (3)
— 14. ἐὰν δὲ ἐρωτήσῃ σε ὁ υἱ. σου (3)
— 15. πᾶν πρωτότοκον τῶν υἱ. μου λυτρώσομαι (3)
— 18. ἀνέβησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 19. ὅρκῳ γὰρ ὥρκισε τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 20. ἐξάραντες δὲ οἱ υἱ. Ἰσρ. –
14. 2. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 3. οἱ υἱ. Ἰσρ. πλανῶνται οὗτοι [A *al.*] (3)
— 5. τοῦ ἐξαποστεῖλαι τοὺς υἱ. Ἰσρ. –
— 8. κατεδίωξεν ὀπίσω τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 8. οἱ δὲ υἱ. Ἰσρ. ἐξεπορεύοντο (3)
— 10. ἀναβλέψαντες οἱ υἱ. Ἰσρ. τοῖς ὀφθαλμοῖς (3)
— 10. ἀνεβόησαν δὲ οἱ υἱ. Ἰσρ. πρὸς κύριον (3)
— 15. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 16. εἰσελθάτωσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 19. ὁ προπορευόμ. τῆς παρεμβολῆς τῶν υἱ. Ἰσρ. –
— 22. εἰσῆλθον οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 29. οἱ δὲ υἱ. Ἰσρ. ἐπορεύθησαν διὰ ξηρᾶς (3)
15. 1. A² B ᾖσε Μ. καὶ οἱ υἱ. Ἰσρ. [A¹ *al.*] (3)
— 19. οἱ δὲ υἱ. Ἰσρ. ἐπορεύθησαν διὰ ξηρᾶς (3)
— 22. ἐξῆρε δὲ Μ. τοὺς υἱ. Ἰσρ. –
16. 1. ἦλθοσαν πᾶσα συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 2. διεγόγγυζε πᾶσα συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 3. εἶπαν πρὸς αὐτοὺς οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 6. πρὸς πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 9. εἰπὸν πάσῃ συναγωγῇ υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 10. πάσῃ συναγωγῇ υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 12. εἰσακήκοα τὸν γογγυσμὸν τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 15. ἰδόντες δὲ αὐτὸ οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 17. ἐποίησαν δὲ οὕτως οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 31. ἐπωνόμασαν αὐτὸ οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸ ὄνομα αὐ. (2)
— 35. οἱ δὲ υἱ. Ἰσρ. ἔφαγον τὸ μάν (3)
17. 1. ἀπῆρε πᾶσα συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 6. ἐποίησε δὲ Μ. οὕτως ἐναντίον τῶν υἱ. Ἰσρ. †
— 7. διὰ τὴν λοιδορίαν τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
18. 3. ἔλαβε δὲ Ἰ. . . . τοὺς δύο υἱ. αὐ. (3)
— 5. ἐξῆλθεν Ἰ. . . . καὶ οἱ υἱ. καὶ ἡ γυνή (3)
— 6. καὶ ἡ γυνὴ καὶ οἱ δύο υἱ. σου μετ' αὐτοῦ (3)
19. 1. τοῦ δὲ μηνὸς τοῦ τρίτου τῆς ἐξόδου τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 3. τάδε . . . ἀναγγελεῖς τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 6. ταῦτα τὰ ῥήματα ἐρεῖς τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
20. 10. σὺ καὶ ὁ υἱ. [A¹ οἱ υἱ.] σου καὶ ἡ θυγάτηρ σου (3)
— 22. τάδε . . . ἀναγγελεῖς τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
21. 4. ἐὰν δὲ . . . τέκῃ αὐτῷ υἱούς (3)
— 9. ἐὰν δὲ τῷ υἱ. καθομολογήσηται αὐτήν (3)
— 17 (16). ὃς ἐὰν κλέψῃ τίς τινα τῶν υἱ. Ἰσρ. –
— 31. ἐὰν δὲ υἱὸν . . . κερατίσῃ (3)
22. 29 (28). τὰ πρωτότοκα τῶν υἱ. σου δώσεις ἐμοί (3)
23. 12. B¹ ἵνα ἀναπαύσηται [A B² R -ψύξῃ] ὁ υἱ. τῆς παιδίσκης σου (3)
— 22. ταῦτα τὰ ῥήματα ἐρεῖς τοῖς υἱ. Ἰσρ. –
24. 5. ἐξαπέστειλε τοὺς νεανίσκους τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 17. ὡσεὶ πῦρ φλέγον . . . ἐναντίον τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
25. 2. εἰπὸν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 21 (22). ὅσα ἂν ἐντείλωμαί σοι πρὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
27. 20. σύνταξον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 21. καύσει αὐτὸ Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)
— 21. νόμιμον αἰώνιον . . . παρὰ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
28. 1. τόν τε Ἀ. τὸν ἀδ. σου καὶ τοὺς υἱ. αὐ. ἐκ τῶν υἱ. Ἰσρ. . . . καὶ Ἐλ. καὶ Ἰθ. υἱοὺς [A τοὺς υἱ.] Ἀ. (3 *ter*)
— 4. ποιήσουσι στολὰς ἁγίας Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 9. γλύψεις ἐν αὐτοῖς τὰ ὀνόμ. τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 11. A R ἐπὶ τοῖς ὀνόμασι τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 12. λίθοι μνημοσύνου εἰσὶ τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 12. ἀναλήψεται Ἀ. τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. Ἰσρ. †
— 21. ἐκ τῶν ὀνομάτων τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 23 (29). λήψεται Ἀ. τὰ ὀνόμ. τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)

Ex. 28. 26 (30). οἴσει Ἀ. τὰς κρίσεις τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 34 (38). ὅσα ἂν ἁγιάσωσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 36 (40). καὶ τοῖς υἱ. Ἀ. ποιήσεις χιτῶνας (3)
— 37 (41). ἐνδύσεις αὐτὰ . . . τοὺς υἱ. αὐ. (3)
— 39 (43). ἕξει Ἀ. αὐτὰ καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)
29. 4. Ἀ. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. προσάξεις ἐπὶ τὰς θύρας (3)
— 8. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. προσάξεις (3)
— 9. καὶ τὰς χεῖρας τῶν υἱ. αὐ. (3)
— 10, 15. ἐπιθήσουσιν Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. τὰς χεῖρας (3)
— 19. ἐπιθήσει Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. τὰς χεῖρας αὐ. (3)
— 20. ἐπὶ τοὺς λοβοὺς τῶν ὤτων τῶν υἱ. αὐ. τῶν δεξιῶν (3)
— 21. ῥανεῖς . . . ἐπὶ τοὺς υἱ. αὐ. καὶ ἐπὶ τὰς στολὰς τῶν υἱ. αὐ. (3, 3)
— 21. B καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)
— 21. καὶ αἱ στολαὶ τῶν υἱ. αὐ. (3)
— 24. καὶ ἐπὶ τὰς χεῖρας τῶν υἱ. αὐ. (3)
— 27. ὑπὸ τοῦ Ἀ. καὶ ἀπὸ τῶν υἱ. αὐ. (3)
— 28. ἔσται Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. νόμιμον αἰώνιον παρὰ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3, 3)
— 28. ἀφαίρεμα ἔσται ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰσρ. [A¹ *al.*] (3)
— 28. ἀπὸ τῶν θυμάτων τῶν σ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. –
— 29. ἔσται τοῖς υἱ. αὐ. μετ' αὐτόν (3)
— 30. B ἐνδύσεται αὐτὰ ὁ ἱερεὺς ὁ ἀντ' αὐτοῦ [A R *add.* ἐκ] τῶν υἱ. αὐ. (3)
— 32. ἔδεται Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. τὰ κρέα (3)
— 35. ποιήσεις Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 43. τάξομαι ἐκεῖ τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 44. Ἀ. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. ἁγιάσω (3)
— 45. ἐπικληθήσομαι ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
30. 12. ἐὰν λάβῃς τὸν συλλογισμὸν τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 16. λήψῃ τὸ ἀργ. τῆς εἰσφορᾶς παρὰ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 16. ἔσται τοῖς υἱ. Ἰσρ. μνημόσυνον (3)
— 19. νίψεται Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)
— 30. Ἀ. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. χρίσεις (3)
— 31. τοῖς υἱ. Ἰσρ. λαλήσεις (3)
31. 2. A τὸν Βεσ. τὸν τοῦ Οὐρ. υἱοῦ [B τὸν] Ὤρ (3)
— 10. καὶ τὰς στολὰς τῶν υἱ. αὐ. (3)
— 13. σύνταξον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 16. φυλάξουσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. τὰ σάββατα (3)
— 17. ἐν ἐμοὶ καὶ τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
32. 20. ἐπότισεν αὐτὸ τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 26. συνῆλθον οὖν . . . πάντες οἱ υἱ. Λ. (3)
— 28. ἐποίησαν οἱ υἱ. Λ. (3)
— 29. ἕκαστος ἐν τῷ υἱ. ἢ ἐν τῷ ἀδελφῷ (3)
33. 5. εἶπε κύριος τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 6. περιείλαντο οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸν κόσμον αὐ. (3)
— 11. ὁ δὲ θεράπων Ἰ. υἱὸς Ναυή (3)
34. 16. καὶ λάβῃς τῶν θυγ. αὐ. τοῖς υἱ. σου (3)
— 16. καὶ τῶν θυγ. σου δῷς τοῖς υἱ. αὐ. –
— 16. B καὶ ἐκπορνεύσωσιν οἱ υἱ. σου ὀπίσω τῶν θεῶν αὐ. (3)
— 20. πᾶν πρωτότοκον τῶν υἱ. σου λυτρώσῃ (3)
— 30. A Ἀ. καὶ πάντες οἱ υἱ. [B πρεσβύτεροι] Ἰσρ. (3)
— 32. προσῆλθον πρὸς αὐτὸν πάντες οἱ υἱ. [A¹ πρεσβύτεροι] Ἰσρ. (3)
— 34. ἐλάλει πᾶσι τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 35. εἶδον οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸ πρόσωπον Μ. (3)
35. 1. πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 4. εἶπε Μ. πρὸς πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 19. καὶ τοὺς χιτῶνας τοῖς υἱ. Ἀ. (3)
— 20. ἐξῆλθε πᾶσα συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 29. ἤνεγκαν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἀφαίρεμα κυρίῳ (3)
— 30. εἶπε Μ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 30. A τὸν Βεσ. τὸν τοῦ Οὐρὶ υἱοῦ Ὤρ [B *al.*] (3)
36. 3. ἃ ἤνεγκαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 13 (39. 6). ἐκ τῶν ὀνομάτων τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 14 (39. 7). λίθους μνημοσύνου τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 21 (39. 14). ἐκ τῶν ὀνομάτων τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 35 (39. 27). ἐποίησαν χιτῶνας . . . Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
37. 19 (38. 21). διὰ Ἰθ. τοῦ υἱ. Ἀ. (3)
38. 27 (40. 31). ἵνα νίπτωνται . . . Μ. καὶ Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)
39. 11 (32). ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 19 (41). A² B καὶ τὰς στολὰς τῶν υἱ. αὐ. (3)
— 22 (42). οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πᾶσαν τὴν ἀποσκευήν (3)
40. 12. προσάξεις Ἀ. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. (3)
— 14. τοὺς υἱ. αὐ. προσάξεις (3)

Ex. 40. 36. ἀνεζεύγνυσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
subscr. A ἔξοδος τῶν υἱ. Ἰσρ. ἐξ Αἰγ. [B *al.*] –
Le. 1. 2. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 5. προσοίσουσιν οἱ υἱ. Ἀ. οἱ ἱερεῖς (3)
— 7. ἐπιθήσουσιν οἱ υἱ. Ἀ. οἱ ἱερεῖς πῦρ (3)
— 8. ἐπιστοιβάσουσιν οἱ υἱ. Ἀ. οἱ ἱερεῖς (3)
— 11. προσχεοῦσιν οἱ υἱ. Ἀ. οἱ ἱερεῖς τὸ αἷμα αὐ. (3)
2. 2. οἴσει πρὸς τοὺς υἱ. Ἀ. τοὺς ἱερεῖς (3)
— 3. τὸ λοιπὸν . . . Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. [B[1] τοὺς υἱ.] αὐ. (3)
— 10. τὸ δὲ καταλειφθὲν . . . Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
3. 2. προσχεοῦσιν οἱ υἱ. Ἀ. οἱ ἱερεῖς τὸ αἷμα (3)
— 5. ἀνοίσουσιν αὐτὰ οἱ υἱ. Ἀ. οἱ ἱερεῖς (3)
— 8, 13. προσχεοῦσιν οἱ υἱ. Ἀ. οἱ ἱερεῖς τὸ αἷμα (3)
4. 2. λάλησον πρὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
6. 8 (2). ἔντειλαι Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 14 (7). ἣν προσάξουσιν αὐτὴν οἱ υἱ. Ἀ. (3)
— 16 (9). ἔδεται Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)
— 20 (13). B τοῦτο τὸ δῶρον Ἀ. καὶ τῶν υἱ. αὐ. (3)
— 22 (15). B ὁ ἱερεὺς ὁ χριστὸς ἀντ' αὐτοῦ ἐκ τῶν υἱ. αὐ. (3)
— 25 (18). λάλησον Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 40 (7. 10). πᾶσα θυσία . . . πᾶσι τοῖς υἱ. Ἀ. ἔσται (3)
7. 13 (23). λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 19 (29). τοῖς υἱ. Ἰσρ. λαλήσεις (3)
— 21 (31). καὶ ἔσται . . . τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 23 (33). καὶ τὸ στέαρ τὸ ἀπὸ τῶν υἱ. Ἀ. (3)
— 24 (34). εἴληφα παρὰ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 24 (34). ἔδωκα αὐτὰ Ἀ. τῷ ἱερεῖ καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 24 (34). νόμιμον αἰώνιον παρὰ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 25 (35). αὕτη . . . ἡ χρίσις τῶν υἱ. αὐ. (3)
— 26 (36). ᾗ ἡμέρᾳ ἔχρισεν αὐτοὺς παρὰ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 28 (38). ᾗ ἡμέρᾳ ἐνετείλατο τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
8. 2. λάβε Ἀ. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. (3)
— 6. προσήνεγκε . . . τοὺς υἱ. αὐτοῦ (3)
— 13. προσήγαγε Μ. τοὺς υἱ. Ἀ. (3)
— 14. ἐπέθηκεν Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. [A καὶ υἱ. Ἀ.] (3)
— 18, 21 (22). ἐπέθηκεν Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. τὰς χεῖρας αὐ. (3)
— 23 (24). προσήγαγε Μ. τοὺς υἱ. Ἀ. (3)
— 26 (27). καὶ ἐπὶ τὰς χεῖρας τῶν υἱ. αὐ. (3)
— 29 (30). προσέρρανεν ἐπὶ Ἀ. . . . καὶ τοὺς υἱ. αὐ. καὶ τὰς στολὰς τῶν υἱ. αὐ. (3, 3)
— 30. B[2] R ἡγίασεν . . . τοὺς υἱ. αὐ. καὶ τὰς στολὰς τῶν υἱ. αὐ. (3, 3)
— 31. εἶπε Μ. πρὸς Ἀ. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. (3)
— 31. Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. φάγονται ταῦτα (3)
— 36. ἐποίησεν Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. πάντας τοὺς λόγους (3)
9. 1. ἐκάλεσε Μ. Ἀ. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. (3)
— 9. προσήνεγκαν οἱ υἱ. Ἀ. τὸ αἷμα πρὸς αὐτόν (3)
— 12, 18. προσήνεγκαν οἱ υἱ. Ἀ. τὸ αἷμα (3)
10. 1. λαβόντες οἱ δύο υἱ. Ἀ. N. καὶ Ἀβ. (3)
— 4. ἐκάλεσε Μ. τὸν Μ. καὶ τὸν Ἐλ. υἱοὺς Ὀζ. υἱοὺς τοῦ ἀδ. τοῦ πατρὸς Ἀ. (3, –)
— 6. πρὸς Ἀ. καὶ Ἐλ. καὶ Ἰθ. τοὺς υἱ. αὐ. (3)
— 9. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου μετὰ σοῦ (3)
— 11. συμβιβάσεις τοὺς υἱ. Ἰσρ. πάντα τὰ νόμιμα (3)
— 12. καὶ πρὸς Ἐλ. καὶ Ἰθ. τοὺς υἱ. Ἀ. (3)
— 13. καὶ νόμιμον τοῖς υἱ. σου τοῦτο (3)
— 14. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου (3)
— 14. καὶ νόμιμον τοῖς υἱ. σου ἐδόθη ἀπὸ τῶν θυσιῶν τοῦ σωτηρίου τῶν υἱ. Ἰσρ. [A[1] *om.* τ. υἱ. Ἰσρ.] (3, 3)
— 15. ἔσται σοὶ καὶ τοῖς υἱ. σου (3)
— 16. ἐπὶ Ἐλ. καὶ Ἰθ. τοὺς υἱ. Ἀ. (3)
11. 2. λαλήσατε τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
12. 2. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 6. ἐφ' υἱῷ ἢ ἐπὶ θυγατρί (3)
13. 2. ἀχθήσεται πρὸς . . . ἕνα τῶν υἱ. αὐ. τῶν ἱερέων (3)
15. 2. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 31. εὐλαβεῖς ποιήσετε τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
16. 1. μετὰ τὸ τελευτῆσαι τοὺς δύο υἱ. Ἀ. (3)
— 5. παρὰ τῆς συναγ. τῶν υἱ. Ἰσρ. λήψεται (3)
— 16. ἀπὸ τῶν ἀκαθαρσιῶν τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 17. καὶ περὶ πάσης συναγωγῆς υἱῶν Ἰσρ. –
— 19. ἀπὸ τῶν ἀκαθαρσιῶν τῶν [A *om.*] υἱ. Ἰσρ. (3)
Le. 16. 21. πάσας τὰς ἀνομίας τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 34. ἐξιλάσκεσθαι περὶ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
17. 2. λάλησον . . . πρὸς τοὺς υἱ. αὐ. καὶ πρὸς πάντας [A *add.* τοὺς] υἱ. Ἰσρ. (3, 3)
— 3. ἄνθρωπος ἄνθρωπος τῶν υἱ. Ἰσρ. (2)
— 5. ὅπως ἀναφέρωσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. τὰς θυσίας αὐ. (3)
— 8. ἄνθρωπος ἄνθρωπος τῶν υἱ. Ἰσρ. ἢ ἀπὸ τῶν υἱ. τῶν προσηλύτων (2, –)
— 10. ἄνθρωπος ἄνθρωπος τῶν υἱ. Ἰσρ. (2)
— 12. εἴρηκα τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 13. ἄνθρωπος ἄνθρωπος τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 14. εἶπα τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
18. 2. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 10. ἀσχημοσύνην θυγατρὸς υἱοῦ σου (3)
— 15. γυνὴ γὰρ υἱοῦ σού ἐστιν (3)
— 17. τὴν θυγατέρα τοῦ υἱ. αὐ. . . . οὐ λήψῃ (3)
19. 2. λάλησον τῇ συναγωγῇ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 18. οὐ μνησθεῖς τοῖς υἱ. τοῦ λαοῦ σου (3)
20. 2. τοῖς υἱ. Ἰσρ. λαλήσεις (3)
— 2. ἐάν τις ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 17. ἐξολεθρευθήσονται ἐνώπιον υἱῶν γένους αὐ. (3)
21. 1. εἰπὸν τοῖς ἱερεῦσι τοῖς υἱ. Ἀ. (3)
— 2. ἐπὶ . . . υἱοῖς καὶ θυγατράσιν (3)
— 24. ἐλάλησε Μ. πρὸς Ἀ. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. καὶ πρὸς πάντας υἱ. Ἰσρ. (3, 3)
22. 2. εἰπὸν Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 2. προσεχέτωσαν ἀπὸ τῶν ἁγίων τῶν [A *om.*] υἱ. Ἰσρ. (3)
— 3. ὅσα ἂν ἁγιάζωσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. τῷ κ. (3)
— 15. οὐ βεβηλώσουσι τὰ ἅγια τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 18. λάλησον Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 18. ἄνθρωπος ἄνθρωπος ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰσρ. ἢ τῶν υἱ. τῶν προσηλύτων (3, –)
— 32. ἁγιασθήσομαι ἐν μέσῳ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
23. 2. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 10. εἰπὸν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 24, 34. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 43. ἐν σκηναῖς κατῴκισα τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 44. ἐλάλησε Μ. τὰς ἑορτὰς κυρίου τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
24. 2. ἔντειλαι τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 3. καύσουσιν αὐτὸ Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. –
— 8. προθήσεται . . . ἐνώπιον τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 9. ἔσται Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 10. ἐξῆλθεν υἱὸς γυναικὸς Ἰσραηλίτιδος (3)
— 10. οὗτος ἦν υἱὸς Αἰγυπτίου ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3, 3)
— 11. ἐπονομάσας ὁ [A *om.*] υἱ. τῆς γυναικὸς τῆς Ἰσρ. (3)
— 15. τοῖς υἱ. Ἰσρ. λάλησόν (3)
— 23. ἐλάλησε Μ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 23. οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐποίησαν (3)
25. 2. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 33. ἐν μέσῳ υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 45. ἀπὸ τῶν υἱ. τῶν παροίκων τῶν ὄντων ἐν ὑμῖν (3)
— 46. τῶν δὲ ἀδελφῶν ὑμῶν τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 49. υἱὸς ἀδελφοῦ πατρὸς λυτρώσεται αὐτόν (3)
— 55. ἐμοὶ οἱ υἱ. Ἰσρ. οἰκέται εἰσί (3)
26. 29. φάγεσθε τὰς σάρκας τῶν υἱ. ὑμῶν (3)
— 46. καὶ ἀνὰ μέσον τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
27. 1 (2). λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 34. ἃς ἐνετείλατο κ. τῷ Μ. πρὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
Nu. 1. 2. A λάβετε ἀρχὴν πάσης συναγωγῆς υἱῶν [B *om.*] Ἰσρ. (3)
— 5. B[1] τῶν υἱ. [A B[2] R *om.*] Ῥ. Ἐλ. υἱὸς Σ. (–, 3)
— 6. Σαλ. υἱὸς Σουρ. (3)
— 7. Ναασσὼν υἱὸς Ἀμιν. (3)
— 8. Ναθ. υἱὸς Σωγάρ (3)
— 9. Ἐλ. υἱὸς Χ. (3)
— 10. τῶν υἱ. Ἰ. τῶν Ἐφρ. Ἐλ. υἱὸς Ἐμ. (3, 3)
— 10. Γαμ. υἱὸς Φαδ. (3)
— 11. Ἀβ. υἱὸς Γαδ. (3)
— 12. Ἀχ. υἱὸς Ἀμισ. (3)
— 13. Φαγ. υἱὸς Ἐχράν (3)
— 14. Ἐλ. υἱὸς Ῥαγ. (3)
— 15. Ἀχ. υἱὸς Αἰνάν (3)
— 20. ἐγένοντο οἱ υἱ. Ῥ. (3)
— 22. τοῖς υἱ. Σ. κατὰ συγγενείας αὐ. (3)
— 26. τοῖς υἱ. Ἰ. κατὰ συγγενείας αὐ. (3)
— 28. τοῖς υἱ. Ἰσσ. κατὰ συγγενείας αὐ. (3)
— 30. τοῖς υἱ. Ζ. κατὰ συγγενείας αὐ. (3)
— 32. τοῖς υἱ. Ἰ. υἱοῖς [A[1] -ὸς] Ἐφρ. (3, 3)
— 34. τοῖς υἱ. Μαν. κατὰ συγγενείας αὐ. (3)
— 36. τοῖς υἱ. Βεν. κατὰ συγγενείας αὐ. (3)
— 24. τοῖς υἱ. Γὰδ κατὰ συγγενείας αὐ. (3)
Nu. 1. 38. τοῖς υἱ. Δὰν κατὰ συγγενείας αὐ. (3)
— 40. τοῖς υἱ. Ἀ. κατὰ συγγενείας αὐ. (3)
— 42. τοῖς υἱ. N. κατὰ συγγενείας αὐ. (3)
— 45. πᾶσα ἡ ἐπίσκεψις [A *add.* τῶν] υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 47. οὐκ ἐπεσκέπησαν ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. †
— 49. ἐν μέσῳ υἱῶν Ἰσρ. [A *al.*] (3)
— 52. παρεμβαλοῦσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 53. οὐκ ἔσται ἁμάρτημα ἐν υἱοῖς Ἰσρ. (3)
— 54. ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. κατὰ πάντα (3)
2. 2. παρεμβαλέτωσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 2. παρεμβαλοῦσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. –
— 3. καὶ ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Ἰ. N. υἱὸς Ἀμ. (3, 3)
— 5. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Ἰσσ. Ναθ. υἱὸς Σ. (3, 3)
— 7. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Ζαβ. Ἐλ. υἱὸς Χ. (3, 3)
— 10. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Ῥ. Ἐλ. υἱὸς Σεδ. (3, 3)
— 12. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Συμ. Σαλ. υἱὸς Σουρ. (3, 3)
— 14. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Γὰδ Ἐλ. υἱὸς Ῥαγ. (3, 3)
— 18. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Ἐφρ. Ἐλ. υἱὸς [B[1] *om.*] Ἐμ. (3, 3)
— 20. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Μαν. Γαμ. υἱὸς Φαδ. (3, 3)
— 22. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Βεν. Ἀβ. υἱὸς Γαδ. (3, 3)
— 25. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Δὰν Ἀχ. υἱὸς Ἀμ. (3, 3)
— 27. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Ἀσὴρ Φαγ. υἱὸς Ἐχράν (3, 3)
— 29. A B[2] R ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Νεφθ. Ἀχ. υἱὸς Αἰνάν (3, 3)
— 32. αὕτη ἡ ἐπίσκεψις τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 34. ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πάντα (3)
3. 2, 3. ταῦτα τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. Ἀ. (3)
— 7. καὶ τὰς φυλακὰς τῶν υἱ. Ἰσρ. –
— 8. φυλάξουσι . . . τὰς φυλακὰς τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 9. δώσεις τοὺς Λ. Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 9. δεδομένοι δόμα οὗτοί μοί εἰσιν ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 10. Ἀ. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. καταστήσεις (3)
— 12. εἴληφα τοὺς Λ. ἐκ μέσου τῶν υἱ. Ἰσρ. ἀντὶ παντὸς πρωτοτόκου . . . παρὰ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3, 3)
— 15. ἐπίσκεψαι τοὺς υἱ. Λ. (3)
— 17. ἦσαν οὗτοι οἱ [A *om.*] υἱ. Λευί (3)
— 18. ταῦτα τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. Γ. (3)
— 19. A B[2] R υἱοὶ K. κατὰ δῆμους αὐ. (3)
— 20. καὶ [A *add.* οὗτοι] υἱοὶ Μερ. κατὰ δῆμους αὐ. (3)
— 23. B[1] καὶ υἱοὶ [B[2] οὗτοι, A R οἱ υἱ.] Γεδσών (7)
— 24. καὶ ὁ ἄρχων . . . Ἐλ. υἱὸς Δαήλ (3)
— 25. καὶ ἡ φυλακὴ υἱῶν Γ. (3)
— 29. οἱ δῆμοι τῶν υἱ. K. (3)
— 30. καὶ ὁ ἄρχων . . . Ἐλ. υἱὸς Ὀζ. (3)
— 32. καὶ ὁ ἄρχων . . . Ἐλ. ὁ [A *om.*] υἱ. Ἀ. τοῦ ἱερέως (3)
— 35. καὶ ὁ ἄρχων . . . Σουρ. υἱὸς Ἀβ. (3)
— 36. B ἡ ἐπίσκεψις ἡ φυλακὴ [A R τῆς φ.] υἱῶν Μερ. (3)
— 38. M. καὶ Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐτοῦ (3)
— 38. εἰς τὰς φυλακὰς τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 40. ἐπίσκεψαι πᾶν πρωτότοκον ἄρσεν τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 41 *bis.* ἐν τοῖς κτήνεσι τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 42. πᾶν πρωτότοκον ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 45. ἀντὶ πάντων τῶν πρωτοτόκων τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 46. ἀπὸ τῶν πρωτοτόκων τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 48. δώσεις τὸ ἀργ. Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 50. παρὰ τῶν πρωτοτόκων τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 51. ἔδωκε Μ. τὰ λύτρα . . . Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
4. 2. λάβε τὸ κεφάλαιον τῶν υἱ. K. ἐκ μέσου υἱῶν Λ. (3, 3)
— 4. A ταῦτα τὰ ἔργα τῶν υἱ. K. ἐκ μέσου υἱῶν Λ. [B *al.*] (3, –)
— 5. εἰσελεύσεται Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)
— 15. συντελέσουσιν Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. καλύπτοντες (3)
— 15. εἰσελεύσονται υἱοὶ [A οἱ υἱ.] K. αἴρειν (3)
— 15. ταῦτα ἀροῦσιν οἱ υἱ. K. (3)
— 16. ἐπίσκοπος Ἐλ. υἱὸς Ἀ. τοῦ ἱερέως (3)
— 19. Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. προσπορευέσθωσαν (3)
— 22. λάβε τὴν ἀρχὴν τῶν υἱ. Γ. (3)
— 27. κατὰ στόμα Ἀ. καὶ τῶν υἱ. αὐ. ἔσται ἡ λειτουργία τῶν υἱ. Γ. (3, 3)
— 28. αὕτη ἡ λειτουργία τῶν υἱ. Γ. (7 + 3)
— 28. ἐν χειρὶ Ἰθ. τοῦ υἱ. Ἀ. τοῦ ἱερέως (3)
— 29. B υἱοὶ [A R οἱ υἱ.] Μερ. κατὰ δῆμους αὐ. (3)
— 33. αὕτη ἡ λειτουργία δήμου υἱῶν Μερ. (3)
— 33. B ἐν χειρὶ Ἰθ. υἱοῦ [A R τοῦ υἱ.] Ἀ. τοῦ ἱερέως (3)
— 34. ἐπεσκέψατο . . . τοὺς υἱ. K. (3)

Nu. 4. 38. ἐπεσκέπησαν υἱοὶ [A οἱ υἱ.] Γ. (3)
— 41. αὕτη ἡ ἐπίσκεψις δήμου υἱῶν Γ. (3)
— 42. ἐπεσκέπησαν δὲ καὶ δῆμος υἱῶν Μερ. (3)
— 45. αὕτη ἡ ἐπίσκεψις δήμου υἱῶν Μερ. (3)
— 46. A καὶ οἱ ἄρχοντες υἱῶν [B om.] Ἰσρ. –
5. 2. πρόσταξον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 4. ἐποίησαν οὕτως οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 4. οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 6. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 9. κατὰ πάντα τὰ ἁγιαζόμενα ἐν υἱοῖς Ἰσρ. (3)
— 12 : 6. 2 (A² B). λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
6. 23. A B S² λάλησον Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 23. οὕτως εὐλογήσετε τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 27. ἐπιθήσουσι τὸ ὄνομά μου ἐπὶ τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
7. 7. τοὺς τέσσαρας βόας ἔδωκε τοῖς υἱ. Γ. (3)
— 8. τοὺς ὀκτὼ βόας ἔδωκε τοῖς υἱ. Μερ. . . . διὰ Ἰθ. υἱοῦ [A τοῦ υἱ.] Ἀ. τοῦ ἰ. (3, 3)
— 9. τοῖς υἱ. Κ. οὐκ ἔδωκεν (3)
— 12. ἦν ὁ προσφέρων . . . N. υἱὸς Ἀμιν. (3)
— 17. τοῦτο τὸ δῶρον N. υἱοῦ Ἀμιν. (3)
— 18. προσήνεγκε Ναθ. υἱὸς Σ. (3)
— 23. τοῦτο τὸ δῶρον Ναθ. υἱοῦ Σ. (3)
— 24. ἄρχων τῶν υἱ. Ζαβ. Ἐλ. υἱὸς Χ. (3, 3)
— 29. τοῦτο τὸ δῶρον Ἐλ. υἱοῦ Χ. (3)
— 30. ἄρχων τῶν υἱ. Ῥ. Ἐλ. υἱὸς Σ. (3, 3)
— 35. τοῦτο τὸ δῶρον Ἐλ. υἱοῦ Σεδ. (3)
— 36. ἄρχων τῶν υἱ. Συμ. Σαλ. υἱὸς Σουρ. (3, 3)
— 41. τοῦτο τὸ δῶρον Σαλ. υἱοῦ Σουρ. (3)
— 42. ἄρχων τῶν υἱ. Γὰδ Ἐλ. υἱὸς Ῥαγ. (3, 3)
— 47. τοῦτο τὸ δῶρον Ἐλ. υἱοῦ Ῥαγ. (3)
— 48. ἄρχων τῶν υἱ. Ἐφρ. Ἐλ. υἱὸς Ἐμ. (3, 3)
— 53. τοῦτο τὸ δῶρον Ἐλ. υἱοῦ Ἐμ. (3)
— 54. ἄρχων τῶν υἱ. Μαν. Γαμ. υἱὸς Φαδ. (3, 3)
— 59. τοῦτο τὸ δῶρον Γαμ. υἱοῦ Φαδ. (3)
— 60. ἄρχων τῶν υἱ. Βεν. Ἀβ. υἱὸς Γαδ. (3, 3)
— 65. τοῦτο τὸ δῶρον Ἀβ. υἱοῦ Γαδ. (3)
— 66. ἄρχων τῶν υἱ. Δὰν Ἀχ. υἱὸς Ἀμισ. (3, 3)
— 71. τοῦτο τὸ δῶρον Ἀχ. υἱοῦ Ἀμισ. (3)
— 72. ἄρχων τῶν υἱ. Ἀ. Φαγ. υἱὸς Ἐχράν (3, 3)
— 77. τοῦτο τὸ δῶρον Φαγ. υἱοῦ Ἐχράν (3)
— 78. ἄρχων τῶν υἱ. Νεφθ. Ἀχ. υἱὸς Αἰ. (3, 3)
— 83. τοῦτο τὸ δῶρον Ἀχ. υἱοῦ Αἰ. (3)
— 84. B¹ ἡ ἡμ. ἔχρισεν αὐτὸ παρὰ τῶν υἱ. Ἰσρ. [A B² R *al.*] –
8. 6. λάβε τοὺς Λ. ἐκ μέσου υἱῶν [A τῶν υἱ.] Ἰσρ. (3)
— 9. συνάξεις πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 10. ἐπιθήσουσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. τὰς χεῖρας αὐ. (3)
— 11. ἀπόδομα ἔναντι κυρίου παρὰ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 13. ἔναντι Ἀ. καὶ ἔναντι τῶν υἱ. αὐ. (3)
— 14. διαστελεῖς τοὺς Λ. ἐκ μέσου υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 16. ἀποδεδομένοι οὗτοί μοί εἰσιν ἐκ μέσου υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 16. B¹ πρωτοτόκων πάντων τῶν [A B² R *om.*] ἐκ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 17. ἐμοὶ πᾶν πρωτότοκον ἐν υἱοῖς [A ἐξ υἱῶν] Ἰσρ. (3)
— 18. ἀντὶ παντὸς πρωτοτόκου ἐν υἱοῖς Ἰσρ. (3)
— 19. ἀπόδομα δεδομένους Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. ἐκ μέσου υἱῶν Ἰσρ. ἐργάζεσθαι τὰ ἔργα τῶν υἱ. Ἰσρ. (3 *ter*)
— 19. ἐξιλάσκεσθαι περὶ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 19. A οὐκ ἔσται ἐν [B *om.*] τοῖς υἱ. Ἰσρ. προσεγγίζων τῶν υἱ. Ἰσρ. [B *om.* τ. υἱ. Ἰ.] πρὸς τὰ ἅγια (3, 3)
— 20. M. καὶ Ἀ. καὶ πᾶσα συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 20. οὕτως ἐποίησαν αὐτοῖς οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 22. ἔναντι Ἀ. καὶ ἔναντι τῶν υἱ. αὐ. (3)
9. 2. ποιείτωσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸ πάσχα (3)
— 4. ἐλάλησε M. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 5. οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 7. ἐν μέσῳ υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 10. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 17. ἀπῆραν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 17. ἐκεῖ παρενέβαλον οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 18. παρεμβαλοῦσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 18. παρεμβαλοῦσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. –
— 19. φυλάξονται οἱ υἱ. Ἰσρ. τὴν φυλακὴν τοῦ θεοῦ (3)
— 22. παρεμβαλοῦσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
10. 8. οἱ υἱ. Ἀ. οἱ ἱερεῖς σαλπιοῦσι (3)
— 12. ἐξῆραν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 14. ἐξῆραν τάγμα παρεμβολῆς υἱῶν [A τῶν υἱ.] Ἰ. (3)
— 14. ἐπὶ τῆς δυνάμεως αὐ. N. υἱὸς Ἀμιν. (3)
— 15. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Ἰσσ. Ναθ. υἱὸς Σ. (3, 3)

Nu. 10. 16. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Ζαβ. Ἐλ. υἱὸς Χ. (3, 3)
— 17. ἐξαροῦσιν οἱ υἱ. Γ. καὶ οἱ υἱ. Μερ. (3, 3)
— 18. καὶ ἐπὶ τῆς δυνάμεως αὐ. Ἐλ. υἱὸς Σεδ. (3)
— 19. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Συμ. Σαλ. υἱὸς Σουρ. (3, 3)
— 20. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Γάδ (3)
— 21. ἐξαροῦσιν οἱ υἱ. Κ. (12)
— 22. ἐπὶ τῆς δυνάμεως αὐ. Ἐλ. υἱὸς Ἐμ. (3)
— 23. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Μαν. (3)
— 24. A ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Βεν. Ἀβ. υἱὸς [B ὁ τοῦ] Γαδ. (3, 3)
— 25. ἐξαροῦσι τάγμα παρεμβολῆς υἱῶν Δάν (3)
— 26. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Ἀ. Φαγ. υἱὸς Ἐχράν (3, 3)
— 27. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Νεφθ. Ἀχ. υἱὸς Αἰ. (3, 3)
— 28. αὗται αἱ στρατιαὶ υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 29. εἶπε M. τῷ Ὀ. υἱῷ Ῥαγ. τῷ Μαδ. (3)
11. 4. ἔκλαιον καὶ οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
13. 3 (2). ἣν ἐγὼ δίδωμι τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 4 (3). πάντες ἄνδρες ἀρχηγοὶ υἱῶν Ἰσρ. οὗτοι (3)
— 5 (4). Σαμ. υἱὸς [A -οῦ] Ζ. (3)
— 6 (5). Σαφ. υἱὸς Σουρεί (3)
— 7 (6). Χάλεβ υἱὸς Ἰεφ. (3)
— 8 (7). Ἰλ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 9 (8). Αὐσὴ υἱὸς Ναυή (3)
— 10 (9). Φαλτεὶ υἱὸς Ῥ. (3)
— 11 (10). Γ. υἱὸς Σουδεί (3)
— 12 (11). τῆς φυλῆς Ἰ. τῶν υἱ. Μαν. Γ. υἱὸς Σουσεί (†, 3)
— 13 (12). Ἀμ. υἱὸς Γ. (3)
— 14 (13). Σαθοὺρ υἱὸς Μ. (3)
— 15 (14). Ναβὶ υἱὸς Ἰ. (3)
— 16 (15). Γουδ. υἱὸς Μ. (3)
— 17 (16). ἐπωνόμασε M. τὸν Αὐ. υἱὸν [A -ὸς] N. Ἰησοῦν (3)
— 25 (24). ὃν ἔκοψαν ἐκεῖθεν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 27 (26). πρὸς πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 33 (32). ἐξήνεγκαν ἔκστασιν . . . πρὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
14. 2. διεγόγγυζον . . . πάντες οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 5. ἐναντίον πάσης συναγωγῆς υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 7. εἶπαν πρὸς πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 10. ἡ δόξα κ. ὤφθη . . . πᾶσι [A ἐν π.] τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 27. τὴν γόγγυσιν τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 30. ἀλλ' ἢ Χαλὲβ υἱὸς Ἰεφ. (3)
— 33. οἱ δὲ υἱ. ὑμῶν ἔσονται νεμόμενοι (3)
— 38. Ἰ. υἱὸς Ναυὴ καὶ Χ. υἱὸς Ἰεφ. (3, 3)
— 39. ἐλάλησε M. τὰ ῥήμ. ταῦτα πρὸς πάντας υἱ. Ἰσρ. (3)
15. 2, 18. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 25. περὶ πάσης συναγωγῆς υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 26. κατὰ πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. [A *al.*] (3)
— 29. τῷ ἐγχωρίῳ ἐν υἱοῖς Ἰσρ. (3)
— 32. ἦσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐν τῇ ἐρήμῳ (3)
— 33. πρὸς πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. –
— 38. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
16. 1. ἐλάλησε K. υἱὸς Ἰσσ. υἱοῦ K. υἱοῦ Λ. (3 *ter*)
— 1. Δ. καὶ Ἀβ. υἱοὶ Ἐλ. (3)
— 1. Αὖν υἱὸς Φ. υἱοῦ Ῥ. (3, 3)
— 2. ἄνδρες τῶν υἱ. Ἰσρ. πεντήκοντα καὶ διακόσιοι (3)
— 7. ἱκανούσθω ὑμῖν, υἱοὶ Λευί (3)
— 8. εἰσακούσατέ μου, υἱοὶ Λευί (3)
— 10. καὶ πάντας τοὺς ἀδ. σου υἱοὺς Λευί (3)
— 12. καλέσαι Δ. καὶ Ἀβ. υἱοὺς Ἐλ. (3)
— 37 (17. 2). καὶ πρὸς Ἐλ. τὸν υἱ. Ἀ. (3)
— 38 (17. 3). ἐγένοντο εἰς σημεῖον [A *add.* ἐν] τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 39 (17. 4). ἔλαβεν Ἐλ. υἱὸς Ἀ. τοῦ ἰ. –
— 40 (17. 5). μνημόσυνον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 41 (17. 6). ἐγόγγυσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
17. 2 (17). λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 5 (20). B¹ περιελῶ ἀπ' ἐμοῦ τὸν γογγυσμὸν τῶν [A B² R *om.*] υἱ. Ἰσρ. (3)
— 6 (21). ἐλάλησε M. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 9 (24). ἐξήνεγκε M. . . . πρὸς πάντας υἱ. Ἰσρ. (3)
— 10 (25). σημεῖον τοῖς υἱ. τῶν ἀνηκόων (3)
— 12 (27). εἶπαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πρὸς M. (3)
18. 1. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου . . . λήψεσθε τὰς ἁμαρτίας (3)
— 1. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου λήψεσθε τὰς ἁμαρτίας (3)
— 2. καὶ σὺ καὶ οἱ υἱ. σου μετὰ σοῦ (3)
— 5. οὐκ ἔσται θυμὸς ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)

Nu. 18. 6. B¹ εἴληφα τοὺς ἀδ. ὑμῶν τοὺς Λ. ἐκ μέσου υἱῶν [A B² R τῶν υἱ.] Ἰσρ. (3)
— 7. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου μετὰ σοῦ (3)
— 8. ἀπὸ πάντων τῶν ἡγιασμ. μοι παρὰ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 8. σοὶ δέδωκα αὐτὰ . . . καὶ τοῖς υἱ. σου μετὰ σέ (3)
— 9. σοὶ ἔσται καὶ τοῖς υἱ. σου (3)
— 10. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου –
— 11. ἀπὸ πάντων τῶν ἐπιθεμάτων τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 11. σοὶ δέδωκα αὐτὰ καὶ τοῖς υἱ. σου (3)
— 14. πᾶν ἀνατεθεματισμ. ἐν υἱοῖς [A τοῖς υἱ.] Ἰσρ. –
— 19. ὅσα ἐὰν ἀφέλωσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. κυρίῳ (3)
— 19. δέδωκά σοι καὶ τοῖς υἱ. σου (3)
— 20. κληρονομία σὸν ἐν μέσῳ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 21. τοῖς υἱ. Λ. ἰδοὺ δέδωκα (3)
— 22. οὐ προσελεύσονται ἔτι οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 23. ἐν μέσῳ υἱῶν [A τῶν υἱ.] Ἰσρ. οὐ κληρονομήσουσι (3)
— 24. τὰ ἐπιδέκατα τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 24. ἐν μέσῳ υἱῶν [A τῶν υἱ.] Ἰσρ. οὐ κληρονομήσουσι (3)
— 26. ἐὰν λάβητε παρὰ τῶν υἱ. Ἰσρ. τὸ ἐπιδέκατον (3)
— 28. ὅσα ἐὰν λάβητε παρὰ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 31. A καὶ οἱ υἱ. ὑμῶν (2?)
— 32. τὰ ἅγια τῶν υἱ. Ἰσρ. οὐ βεβηλώσετε (3)
19. 2. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 9. ἔσται τῇ συναγωγῇ υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 10. καὶ ἔσται τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
20. 1. ἦλθον οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 12. B ἁγιάσαι με ἐναντίον υἱῶν [A R τῶν υἱ.] Ἰσρ. (3)
— 13. ἐλοιδορήθησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 19. λέγουσιν αὐτῷ οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 22. παρεγένοντο οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 24. ἣν δέδωκα τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 25. λάβε τὸν Ἀ. καὶ Ἐλ. τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 26. ἔνδυσον Ἐλ. τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 28. ἐνέδυσεν αὐτὰ Ἐλ. τὸν υἱ. αὐ. (3)
21. 6. ἀπέθανε λαὸς πολὺς τῶν υἱ. Ἰσρ. –
— 10. ἀπῆραν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 24. ἕως Ἰαβὸκ ἕως υἱῶν Ἀμμάν (3)
— 24. Ἰαζὴρ ὅρια υἱῶν Ἀμμών ἐστι (3)
— 29. ἀπεδόθησαν οἱ υἱ. αὐ. διασώζεσθαι (3)
— 35. ἐπάταξεν αὐτὸν καὶ τοὺς υἱ. αὐ. (3)
22. 1. ἀπάραντες οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 2. ἰδὼν B. υἱὸς Σεπφὼρ πάντα (3)
— 3. ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 4. B. υἱὸς Σεπφὼρ βασιλεὺς M. ἦν (3)
— 5. πρὸς Βαλ. υἱὸν B. (3)
— 5. ὅ ἐστιν ἐπὶ τοῦ ποταμοῦ γῆς υἱῶν λαοῦ αὐ. (3)
— 10. B. υἱὸς Σεπφὼρ βασιλεὺς M. ἀπέστειλεν (3)
23. 18. ἐνώτισαι μάρτυς, υἱὸς Σεπφώρ (3)
— 19. οὐδ' ὡς υἱὸς ἀνθρώπου ἀπειληθῆναι (3)
24. 3, 15. φησὶ B. υἱὸς Βεώρ (3)
— 17. προνομεύσει πάντας υἱ. [A τοὺς υἱ.] Σήθ (3)
25. 6. ἄνθρωπος τῶν υἱ. Ἰσρ. ἐλθών (3)
— 6. ἐναντίον πάσης συναγωγῆς υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 7. B ἰδὼν Φ. υἱὸς Ἐλ. υἱὸς [A R -οῦ] Ἀ. τοῦ ἰ. (3, 3)
— 8. ἐπαύσατο ἡ πληγὴ ἀπὸ υἱῶν [A τῶν υἱ.] Ἰσρ. (3)
— 11. B¹ Φ. υἱὸς Ἐλ. υἱὸς [A B² R υἱοῦ] Ἀ. τοῦ ἰ. κατέπαυσε τὸν θυμόν μου ἀπὸ υἱῶν Ἰσρ. (3 *ter*)
— 11. οὐκ ἐξανήλωσα τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 13. ἐξιλάσατο περὶ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 14. Ζαμβρεὶ υἱὸς Σ. (3)
— 16. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. –
26. 2. λάβε τὴν ἀρχὴν πάσης συναγωγῆς υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 4. οἱ υἱ. Ἰσρ. οἱ ἐξελθόντες ἐξ Αἰγ. (3)
— 5. υἱοὶ δὲ Ῥ. (3)
— 8. καὶ υἱοὶ Φ. (3)
— 9. καὶ υἱοὶ Ἐλ. (3)
— 11. οἱ δὲ υἱ. Κ. οὐκ ἀπέθανον (3)
— 12. καὶ οἱ υἱ. Συμ. (3)
— 12. ὁ δῆμος τῶν υἱ. Συμ. –
— 19. υἱοὶ δὲ Ἰ. (3)
— 20. ἐγένοντο δὲ οἱ [A B² *om.*] υἱ. Ἰ. (3)
— 21. B¹ ἐγένετο [A B² R -ο ντο] υἱοὶ Φ. (3)
— 23. καὶ υἱοὶ Ἰσσ. κατὰ δήμους αὐ. (3)
— 26. υἱοὶ Ζαβ. κατὰ δήμους αὐ. (3)
— 15. υἱοὶ Γὰδ κατὰ δήμους αὐ. (3)
— 18. οὗτοι δῆμοι υἱῶν [A *om.*] Γάδ (3)

Nu. 26. 44. υἱοὶ Ἀσὴρ κατὰ δήμους αὐ. (3)
— 28. υἱοὶ Ἰ. κατὰ δήμους αὐ. (3)
— 29. υἱοὶ Μαν. (3)
— 30. καὶ οὗτοι υἱ. Γαλ. (3)
— 33. καὶ τῷ Σαλπ. υἱῷ Ὀ. οὐκ ἐγένοντο υἱοί (3, 3)
— 35. καὶ οὗτοι υἱ. Ἐφρ. (3)
— 36. οὗτοι υἱ. Σουτ. (3)
— 37. οὗτοι δῆμοι υἱῶν Ἰ. (3)
— 38. υἱοὶ Βεν. κατὰ δήμους αὐ. (3)
— 40. ἐγένοντο οἱ [A *om.*] υἱ. Β. (3)
— 41. οὗτοι υἱοὶ Βεν. (3)
— 42. καὶ υἱοὶ Δὰν κατὰ δήμους αὐ. (3)
— 48. υἱοὶ Νεφθ. κατὰ δήμους αὐ. (3)
— 51. αὕτη ἡ ἐπίσκεψις υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 57. καὶ υἱοὶ Λ. κατὰ δήμους αὐ. †
— 58. οὗτοι δῆμοι υἱῶν Λ. –
— 62. ἐν μέσῳ υἱῶν [A ἐν τοῖς υἱ.] Ἰσρ. (3)
— 62. οὐ δίδοται αὐτοῖς κλῆρος ἐν μέσῳ υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 63. οἳ ἐπεσκέψαντο τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 64. οὓς ἐπεσκέψαντο τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 65. A πλὴν Χ. υἱὸς Ἰεφ. καὶ Ἰ. υἱὸς [B ὁ τοῦ] Ναυή (3, 3)
27. 1. αἱ θυγατέρες Σαλπ. υἱοῦ Ὀ. υἱοῦ Γαλ. υἱοῦ Μ. (3 *ter*)
— 1. τοῦ δήμου Μαν. τῶν υἱ. Ἰ. (3)
— 3. υἱοὶ οὐκ ἐγένοντο αὐτῷ (3)
— 3 (4). οὐκ ἔστιν αὐτῷ υἱός (3)
— 7 (8). καὶ τοῖς υἱ. Ἰσρ. λαλήσεις (3)
— 8. καὶ υἱὸς μὴ ᾖ αὐτῷ (3)
— 11. ἔσται τοῦτο τοῖς υἱ. Ἰσρ. δικαίωμα κρίσεως (3)
— 12. ἣν ἐγὼ δίδωμι τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 18. λάβε πρὸς σεαυτὸν τὸν Ἰ. υἱὸν Ναυή (3)
— 20. ὅπως ἂν εἰσακούσωσιν αὐτοῦ οἱ [A *om.*] υἱ. Ἰσρ. (3)
— 21. αὐτὸς καὶ οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
28. 2. ἔντειλαι τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
30. 1. ἐλάλησε Μ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 2. A R πρὸς τοὺς ἄρχοντας τῶν φυλῶν υἱῶν [B *om.*] Ἰσρ. (3)
31. 2. ἐκδίκει τὴν ἐκδίκησιν υἱῶν [A τῶν υἱ.] Ἰσρ. (3)
— 4. R ἐκ πασῶν φυλῶν υἱῶν [A B *om.*] Ἰσρ. –
— 6. καὶ Φ. υἱὸν [A -ος] Ἐλ. υἱοῦ Ἀ. τοῦ ἱ. (3, –)
— 8. τὸν Βαλ. υἱὸν Β. ἀπέκτειναν (3)
— 12. καὶ ἤγαγον . . . πρὸς πάντας υἱ. [A τοὺς υἱ.] Ἰσρ. (3)
— 16. αὗται γὰρ ἦσαν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 30. ἀπὸ τοῦ ἡμίσους τοῦ [B¹ τούτων] τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 42, 47. ἀπὸ τοῦ ἡμισεύματος τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 54. μνημόσυνον τῶν υἱ. Ἰσρ. ἔναντι κυρίου (3)
32. 1. κτήνη πλῆθος ἦν τοῖς υἱ. Ῥ. καὶ τοῖς υἱ. Γάδ (3, 3)
— 2. προσελθόντες οἱ υἱ. Ῥ. καὶ οἱ υἱ. Γάδ (3, 3)
— 4. ἣν παραδέδωκε κ. ἐνώπιον τῶν [A *om.*] υἱ. Ἰσρ. †
— 6. εἶπε Μ. τοῖς υἱ. Γὰδ καὶ τοῖς υἱ. Ῥ. (3, 3)
— 7. ἵνα τί διαστρέφετε τὰς διανοίας τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 9. ἀπέστησαν τὴν καρδίαν τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 12. πλὴν Χ. υἱὸς Ἰεφ. ὁ διακεχωρισμένος (3)
— 17. πρότεροι τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 18. ἕως ἂν καταμερισθῶσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 25. εἶπαν οἱ υἱ. Ῥ. καὶ οἱ υἱ. Γὰδ πρὸς Μ. (3, 3)
— 28. Ἐλ. τὸν ἱερέα καὶ Ἰ. υἱὸν Ναυή (3)
— 29. ἐὰν διαβῶσιν οἱ υἱ. Ῥ. καὶ οἱ [A *om.*] υἱ. Γάδ (3, 3)
— 31. B ἀπεκρίθησαν οἱ υἱ. Ῥ. καὶ υἱοὶ [A R υἱ.] Γάδ (3, 3)
— 33. ἔδωκεν αὐτοῖς Μ. τοῖς υἱ. Γ. καὶ τοῖς υἱ. Ῥ. (3, 3)
— 33. καὶ τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. υἱῶν Ἰ. (3)
— 34. ᾠκοδόμησαν οἱ υἱ. Γὰδ τὴν Δ. (3)
— 37. οἱ υἱ. Ῥ. ᾠκοδόμησαν τὴν Ἐσ. (3)
— 39. ἐπορεύθη υἱὸς Μ. υἱοῦ Μαν. Γαλ. (3, 3)
— 40. ἔδωκε Μ. τὴν Γ. τῷ Μ. υἱῷ Μαν. (3)
33. 1. οὗτοι οἱ σταθμοὶ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 3. ἐξῆλθον οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐν χειρὶ ὑψηλῇ (3)
— 5. ἀπάραντες οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐκ Ῥαμ. (3)
— 38. ἐν τῷ τεσσαρακοστῷ ἔτει τῆς ἐξόδου τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 40. ὅτε εἰσεπορεύοντο οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 51. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)

Nu. 34. 2. ἔντειλαι τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 13. ἐνετείλατο Μ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 14. ἔλαβε φυλὴ υἱῶν Ῥ. καὶ φυλὴ υἱῶν Γάδ (3, 3)
— 17. A καὶ Ἰησοῦς υἱὸς [B ὁ τοῦ] Ναυή (3)
— 19. Χάλεβ υἱὸς Ἰεφ. (3)
— 20. Σαλ. υἱὸς Σεμ. (3)
— 21. Ἐλδὰδ υἱὸς Χασλών (3)
— 22. ἄρχων Β. υἱὸς Ἐγλί (3)
— 23. τῶν υἱ. Ἰ. φυλῆς υἱῶν Μαν. ἄρχων Ἀν. υἱὸς Σ. (3 *ter*)
— 24. τῆς φυλῆς υἱῶν Ἐφρ. ἄρχων Κ. υἱὸς Σαβ. (3, 3)
— 25. ἄρχων Ἐλ. υἱὸς Φ. (3)
— 26. τῆς φυλῆς υἱῶν Ἰσσ. ἄρχων Φ. υἱὸς Ὀζά (3, 3)
— 27. τῆς φυλῆς υἱῶν Ἀ. ἄρχων Ἀχ. υἱὸς Σελ. (3, 3)
— 28. ἄρχων Φ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 29. καταμερίσαι τοῖς υἱ. Ἰσρ. [A *al.*] (3)
35. 2. σύνταξον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 8. ἀπὸ τῆς κατασχέσεως υἱῶν [A τῶν υἱ.] Ἰσρ. (3)
— 10. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 15. φυγαδεῖον ἔσται τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 34. κατασκηνῶν ἐν μέσῳ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
36. 1. οἱ ἄρχοντες φυλῆς υἱῶν Γ. υἱοῦ Μ. υἱοῦ Μαν. ἐκ τῆς φυλῆς υἱῶν Ἰ. (3 *quater*)
— 1. B¹ καὶ ἔναντι τῶν ἀρχόντων οἴκων πατριῶν υἱῶν [A B² R τῶν υἱ.] Ἰσρ. (3)
— 2. ἀποδοῦναι τὴν γῆν . . . ἐν κλήρῳ τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 3. ἔσονται ἑνὶ τῶν φυλῶν υἱῶν Ἰσρ. γυναῖκες (3)
— 4. ἐὰν δὲ γένηται ἡ ἄφεσις τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 5. ἐνετείλατο Μ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 5. οὕτως φυλὴ υἱῶν Ἰ. λέγουσι (3)
— 7. οὐχὶ περιστραφήσεται κληρονομία τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 7. B¹ προσκολληθήσονται υἱοὶ [A B² R οἱ υἱ.] Ἰσρ. (3)
— 8. πᾶσα θυγάτηρ . . . ἐκ τῶν φυλῶν υἱῶν Ἰσρ. [A *al.*] (3)
— 8. ἵνα ἀγχεστεύσωσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 9. προσκολληθήσονται οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 12. ἐκ τοῦ δήμου τοῦ Μαν. υἱῶν Ἰ. (3)
De. 1. 3. ἐλάλησε Μ. πρὸς πάντας υἱ. Ἰσρ. (3)
— 28. υἱοὺς γιγάντων ἑωράκαμεν ἐκεῖ (3)
— 31. ὡς εἴ τις τροφοφορήσει ἄνθρωπος τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 36. πλὴν Χάλεβ υἱὸς Ἰεφ. (3)
— 36. ταύτῳ δώσω . . . καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 38. Ἰ. υἱὸς Ναυὴ ὁ παρεστηκώς σοι (3)
2. 4. διὰ τῶν ὁρίων τῶν ἀδελφῶν ὑμῶν υἱῶν Ἡ. (3)
— 5. B¹ ἐν κλήρῳ δέδωκα υἱοῖς [A B² R τοῖς υἱ.] Ἡ. –
— 8. παρήλθομεν τοὺς ἀδ. ὑμῶν υἱοὺς Ἡσαῦ (3)
— 9. τοῖς γὰρ υἱ. Λὼτ δέδωκα τὴν Σ. (3)
— 12. υἱοὶ [A οἱ υἱ.] Ἡσαῦ ἀπώλεσαν αὐτούς (3)
— 19. προσάξετε ἐγγὺς υἱῶν Ἀμμάν (3)
— 19. οὐ γὰρ μὴ δῶ ἀπὸ τῆς γῆς υἱῶν Ἀμμάν σοι (3)
— 19. τοῖς υἱ. Λὼτ δέδωκα αὐτὴν ἐν κλήρῳ (3)
— 22. ὥσπερ ἐποίησαν τοῖς υἱ. Ἡσαῦ (3)
— 29. καθὼς ἐποίησάν μοι οἱ υἱ. Ἡσαῦ (3)
— 33. ἐπάταξεν αὐτὸν καὶ τοὺς υἱ. αὐ. (3)
— 37. ἐγγὺς [A εἰς γῆν] υἱῶν Ἀμμὼν οὐ προσήλθομεν (3)
3. 11. ἐν τῇ ἄκρᾳ τῶν υἱ. Ἀμμών (3)
— 14. Ἰ. υἱὸς Μαν. ἔλαβε πᾶσαν τὴν περίχωρον Ἀ. (3)
— 16. ὁ χειμάρρους ὅριον τοῖς υἱ. Ἀμμάν (3)
— 18. πρὸ προσώπου τῶν ἀδ. ὑμῶν υἱῶν Ἰσρ. (3)
4. 9. συμβιβάσεις τοὺς υἱ. σου καὶ τοὺς υἱ. τῶν υἱ. σου (3 *ter*)
— 10. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. διδάξουσι (3)
— 25. ἐὰν δὲ γεννήσῃς υἱοὺς καὶ υἱοὺς τῶν υἱ. σου (3 *ter*)
— 40. ἵνα εὖ σοι γένηται καὶ τοῖς υἱ. σου μετὰ σέ (3)
— 44. ὃν παρέθετο Μ. ἐνώπιον υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 45. ὅσα ἐλάλησε Μ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 46. ὃν ἐπάταξε Μ. καὶ οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
5. 14. B¹ σὺ καὶ οἱ υἱ. [A B² R ὁ υἱ.] σου (3)
— 29 (26). ἵνα εὖ ᾖ αὐτοῖς καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
6. 2. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου καὶ οἱ υἱ. τῶν υἱ. σου (3 *ter*)
— 3 (4). ὅσα ἐνετείλατο κ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. –
— 7. προβιβάσεις αὐτὰ τοὺς υἱ. σου (3)
— 20. ὅταν ἐρωτήσῃ σε ὁ υἱ. σου αὔριον (3)
— 21. ἐρεῖς τῷ υἱ. σου (3)
7. 3. τὴν θυγατέρα σου οὐ δώσεις τῷ υἱ. αὐ. (3)
— 3. τὴν θυγατέρα αὐ. οὐ λήψῃ τῷ υἱ. σου (3)
— 4. ἀποστήσει γὰρ τὸν υἱ. σου ἀπ' ἐμοῦ (3)

De. 8. 5. ὡς εἴ τις ἄνθρωπος παιδεύσῃ τὸν υἱ. αὐ. (3)
9. 2. λαὸν μέγαν . . . καὶ εὐμήκη [A -εις] υἱοὺς Ἐ. (3)
— 2. τίς ἀντιστήσεται κατὰ πρόσωπον υἱῶν Ἐ. (3)
10. 6. οἱ υἱ. Ἰσρ. ἀπῆραν ἐκ Β. υἱῶν Ἰ. (3, 3)
— 6. ἱεράτευσεν Ἐλ. υἱὸς αὐτοῦ ἀντ' αὐτοῦ (3)
11. 6. τῷ Δ. καὶ Ἀβ. υἱοῖς Ἐλ. υἱοῦ Ῥ. (3, 3)
— 21. καὶ αἱ ἡμέραι τῶν υἱ. ὑμῶν (3)
12. 12. ὑμεῖς καὶ οἱ υἱ. ὑμῶν καὶ αἱ θυγ. ὑμῶν (3)
— 18. σὺ καὶ ὁ υἱ. σου καὶ ἡ θυγ. σου (3)
— 25, 28. ἵνα εὖ σοι γένηται καὶ τοῖς υἱ. σου (3)
— 31. τοὺς υἱ. αὐ. καὶ τὰς θυγ. αὐ. κατακαίουσιν (3)
13. 6 (7). ἐὰν δὲ παρακαλέσῃ σε . . . ὁ υἱ. σου (3)
14. 1. υἱοί ἐστε κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (3)
— 26. B σὺ καὶ ὁ υἱ. [A R οἰκός] σου (2)
16. 11, 14. ὁ υἱ. σου καὶ ἡ θυγάτηρ σου (3)
17. 20. αὐτὸς καὶ οἱ υἱ. αὐ. ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3, –)
18. 5. αὐτὸς καὶ οἱ υἱ. αὐ. ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. [A *al.*] (3, –)
— 6. ἐκ μιᾶς τῶν πόλεων ἐκ πάντων τῶν υἱ. Ἰσρ. –
— 10. περικαθαίρων τὸν υἱ. αὐ. (3)
21. 15. καὶ γένηται υἱὸς πρωτότοκος τῆς μισουμ. (3)
— 16. ᾗ ἂν ἡμέρᾳ κατακληρονομῇ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 16. οὐ δυνήσεται πρωτοτοκεῦσαι τῷ υἱ. [A τὸν υἱ.] τῆς ἠγαπημ. (3)
— 16. ὑπεριδὼν τὸν υἱ. τῆς μισουμ. τὸν πρωτότοκον (3)
— 17. τὸν πρωτότοκον υἱ. τῆς μισουμ. (3)
— 18. ἐὰν δέ τινι ᾖ υἱ. ἀπειθὴς καὶ ἐρεθιστής (3)
— 20. ὁ υἱ. ἡμῶν οὗτος ἀπειθεῖ (3)
22. 21. ἐποίησεν ἀφροσύνην ἐν υἱοῖς Ἰσρ. –
23. 4 (5). ἐμισθώσαντο ἐπὶ σὲ τὸν Β. υἱὸν Β. (3)
— 8 (9). υἱοὶ ἐὰν γεννηθῶσιν αὐτοῖς (3)
— 17 (18). οὐκ ἔσται πορνεύων ἀπὸ υἱῶν Ἰσρ. (3 ?)
— 18. οὐκ ἔσται τελισκόμενος ἀπὸ υἱῶν Ἰσρ. (3)
24. 7. κλέπτων ψυχὴν ἐκ τῶν ἀδ. αὐ. τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 16. υἱοὶ οὐκ ἀποθανοῦνται ὑπὲρ πατέρων (3)
28. 32. A B² R οἱ υἱ. σου καὶ αἱ θυγ. σου (3)
— 41. υἱοὺς καὶ θυγατέρας γεννήσεις (3)
— 53. κρέα υἱῶν σου καὶ θυγατέρων σου (3)
— 56. βασκανεῖ . . . τὸν υἱ. καὶ τὴν θυγ. αὐ. (3)
29. 1 (28. 69). στῆσαι τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 2 (1). ἐκάλεσε Μ. πάντας τοὺς [A *om.*] υἱ. Ἰσρ. –
— 21 (20). διαστελεῖ αὐτὸν . . . ἐκ πάντων υἱ. [A τῶν υἱ.] Ἰσρ. †
— 22 (21). οἱ υἱ. ὑμῶν οἱ ἀναστήσονται μεθ' ὑμᾶς (3)
31. 1. λαλῶν πάντας τοὺς λόγους τ. πρὸς πάντας υἱ. Ἰσρ. –
— 9. A R ἔδωκε τοῖς ἱερεῦσι τοῖς υἱ. Λ. [B *om.* τ. υἱ. Λ.] . . . καὶ τοῖς πρεσβυτέροις τῶν υἱ. Ἰσρ. (3, –)
— 13. οἱ υἱ. αὐ. οἱ οὐκ οἴδασιν ἀκούσονται (3)
— 19. διδάξατε αὐτὴν τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 19. μαρτυροῦσα ἐν υἱοῖς Ἰσρ. (3)
— 22. ἐδίδαξεν αὐτὴν τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 23. A ἐνετείλατο Μ. Ἰησοῦ υἱῷ Ναυή [B *al.*] (3)
— 23. εἰσάξεις τοὺς υἱ. Ἰσρ. εἰς τὴν γῆν (3)
32. 8. A² B ὡς διέσπειρεν υἱοὺς Ἀ. (3)
— 14. μετὰ στέατος ἀρνῶν καὶ κριῶν υἱῶν ταύρων (3)
— 19. διὰ ὀργὴν υἱῶν αὐ. καὶ θυγατέρων (3)
— 20. υἱοὶ οἷς οὐκ ἔστι πίστις ἐν αὐτοῖς (3)
— 43. προσκυνησάτωσαν αὐτῷ υἱοὶ θεοῦ –
— 43. R ἐνισχυσάτωσαν αὐτῷ πάντες υἱ. θεοῦ [A B *al.*] –
— 43. τὸ αἷμα τῶν υἱ. αὐ. ἐκδικᾶται †
— 44. ἐδίδαξεν αὐτὴν τοὺς υἱ. Ἰσρ. –
— 46. ἃ ἐντελεῖσθε τοῖς υἱ. ὑμῶν (3)
— 49. ἣν ἐγὼ δίδωμι τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 51. ἠπειθήσατε τῷ ῥήματί μου ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 51. ἡγιάσατέ με ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
33. 1. ἣν εὐλόγησε Μ. . . . τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 9. B τοὺς υἱ. αὐ. ἀπέγνω (3)
34. 8. ἔκλαυσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. Μωυσῆν (3)
— 9. Ἰ. υἱὸς Ναυὴ ἐνεπλήσθη πνεύματος συνέσεως (3)
— 9. εἰσήκουσαν αὐτοῦ οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
Jo. *tit.* A Ἰ. υἱὸς Ναυὴ [B *om.* υἱ. N.] –
1. 1. εἶπε κ. τῷ Ἰησοῖ υἱῷ N. (3)
2. 1. ἀπέστειλεν Ἰ. υἱὸς N. . . . δύο νεανίσκους (3)
— 2. εἰσπεπόρευνται ὧδε ἄνδρες τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 23. διέβησαν πρὸς Ἰ. υἱὸν N. (3)

Jo. 3. 7. κατενώπιον πάντων υἱ. [A τῶν υἱ.] Ἰσρ. –
— 9. εἶπεν Ἰ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 12. δώδεκα ἄνδρας ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰσρ. †
— 17. πάντες οἱ υἱ. Ἰσρ. διέβαινον διὰ ξηρᾶς –
4. 4. δώδεκα ἄνδρας τῶν ἐνδόξων ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 6. ὅταν ἐρωτᾷ σε ὁ υἱ. σου αὔριον (3)
— 7. A² B καὶ σὺ δηλώσεις τῷ υἱ. σου –
— 7. μνημόσυνον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 8. ἐποίησαν οὕτως οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 8. ἐν τῇ συντελείᾳ τῆς διαβάσεως τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 12. διέβησαν οἱ υἱ. Ῥ. καὶ οἱ υἱ. Γὰδ . . . ἔμπροσθεν τῶν υἱ. Ἰσρ. (3 ter)
— 19. κατεστρατοπέδευσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. –
— 21. ὅταν ἐρωτῶσιν ὑμᾶς οἱ υἱ. ὑμῶν (3)
— 22. ἀναγγείλατε τοῖς υἱ. ὑμῶν (3)
5. 1. ἐκ τῶν ἔμπροσθεν τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 1. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 2. περίτεμε τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 3. περιέτεμε τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 4. ὃν δὲ τρόπον περιεκάθαρεν Ἰ. τοὺς υἱ. [A¹ τοῖς υἱ.] Ἰσρ. †
— 7. ἀντικατέστησε τοὺς υἱ. αὐ. (3)
— 8 (9). εἶπε κ. τῷ Ἰ. υἱῷ Ναυή [A om. υἱ. N.] –
— 9 (10). ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸ πάσχα –
— 11 (12). οὐκέτι ὑπῆρχε τοῖς υἱ. Ἰσρ. μάννα (3)
6. 6. A εἰσῆλθεν Ἰ. υἱὸς [B ὁ τοῦ] N. (3)
— 15 (16). εἶπεν Ἰ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. †
— 17 (18). καὶ ποιήσητε τὴν παρεμβ. τῶν υἱ. Ἰσρ. ἀνάθεμα –
7. 1. ἐπλημμέλησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πλημμέλειαν μεγάλην (3)
— 1. ἔλαβεν Ἄ. υἱὸς Χ. υἱοῦ Ζ. υἱοῦ Ζ. (3 ter)
— 1. ἐθυμώθη κύριος ὀργῇ τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 12. οὐ μὴ δύνωνται οἱ υἱ. Ἰσρ. ὑποστῆναι (3)
— 18. ἐνεδείχθη Ἄ. υἱὸς Ζ. υἱοῦ Ζ. (3, 3)
— 24. ἔλαβεν Ἰ. τὸν Ἄ. υἱὸν Ζ. (3)
— 24. ἀνήγαγεν αὐτὸν . . . καὶ τοὺς υἱ. αὐ. (3)
8. 16. κατεδίωξαν ὀπίσω τῶν υἱ. Ἰσρ. †
— 24. ὡς ἐπαύσαντο οἱ υἱ. Ἰσρ. ἀποκτέννοντες –
— 27. ἃ ἐπρονόμευσαν ἑαυτοῖς οἱ υἱ. Ἰσρ. –
9. 2 (8. 31). καθότι ἐνετείλατο Μ. . . . τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 2 (8. 32). ἔγραψεν Ἰ. . . . ἐνώπιον τῶν υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 2 (8. 35). εἰς τὰ ὦτα πάσης ἐκκλησίας υἱῶν [A om.] Ἰσρ. –
— 7. εἶπαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πρὸς τὸν Χ. (1)
— 17. ἀπῆραν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 18. οὐκ ἐμαχέσαντο αὐτοῖς οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 26. ἐξείλατο αὐτοὺς . . . ἐκ χειρῶν υἱῶν Ἰσρ. (3)
10. 4. ηὐτομόλησαν γὰρ . . . πρὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 10. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱ. [A om. τ. υἱ.] Ἰσρ. –
— 11. ἀπὸ προσώπου τῶν [A om.] υἱ. Ἰσρ. –
— 11. οὓς ἀπέκτειναν οἱ υἱ. Ἰσρ. μαχαίρᾳ (3)
— 12. συνετρίβησαν ἀπὸ προσώπου υἱῶν [A om.] Ἰσρ. (3)
— 20. Ἰ. καὶ πᾶς υἱ. [A πάντες οἱ υἱ.] Ἰσρ. (3)
— 21. οὐκ ἔγρυξεν οὐθεὶς τῶν υἱ. Ἰσρ. τῇ γλώσσῃ αὐ. (3)
11. 6. A ἐναντίον υἱῶν [B τοῦ] Ἰσρ. –
— 14. ἐπρονόμευσαν ἑαυτοῖς οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 19. A ἥτις οὐ παρέδωκεν τοῖς υἱ. Ἰσρ. [B al.] (3)
— 22. οὐ κατελείφθη τῶν Ἐν. ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
12. 1. οὓς ἀνεῖλον οἱ [A M. καὶ] υἱ. Ἰσρ. (3)
— 2. ὅρια υἱῶν Ἀμμών (3)
— 6. οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐπάταξαν αὐτούς (3)
— 7. οὓς ἀνεῖλεν Ἰ. καὶ οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
13. 10. ἕως τῶν ὁρίων υἱῶν Ἀ. (3)
— 13. οὐκ ἐξωλέθρευσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸν Γ. (3)
— 13. κατῴκει . . . ὁ Μ. ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. –
— 14. ὃν κατεμέρισε Μ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. –
— 23. αὕτη ἡ κληρονομία υἱῶν Ῥ. (3)
— 24. ἔδωκε δὲ Μ. τοῖς υἱ. Γάδ †
— 25. καὶ τὸ ἥμισυ γῆς υἱῶν Ἀμμών (3)
— 28. αὕτη ἡ κληρονομία υἱῶν Γάδ (3)
— 31. τοῖς υἱ. Μ. υἱοῖς [A -οῦ] Μαν. καὶ τοῖς ἡμίσεσιν υἱοῖς Μ. υἱοῖς [A² ἡ. τῆς φυλῆς] Μαν. (3 ter, –)
14. 1. οἱ κατακληρονομήσαντες υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 1. καὶ οἱ ἄρχοντες πατριῶν φυλῶν τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 4. ἦσαν οἱ υἱ. Ἰ. δύο φυλαί (3)
— 5. οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱ. [A τοῖς υἱ.] Ἰσρ. (3)
— 6. προσήλθοσαν οἱ υἱ. Ἰ. πρὸς Ἰ. (3)
— 13. ἔδωκε Χ. τῷ Χ. υἱῷ [A Χ. υἱῷ Χ. τῷ] Ἰεφ. υἱῷ Κ. (3, – [†, †])

Jo. 15. 6. ἐπὶ λίθον Βαιὼν υἱοῦ Ῥ. (3)
— 12. ταῦτα τὰ ὅρια υἱῶν Ἰ. κύκλῳ (3)
— 13. τῷ Χ. υἱ. Ἰεφ. ἔδωκε μερίδα ἐν μέσῳ υἱῶν Ἰ. (3, 3)
— 14. ἐξωλέθρευσεν ἐκεῖθεν Χ. υἱὸς Ἰεφ. τοὺς τρεῖς υἱ. Ἐ. (–, 3)
— 17. ἔλαβεν αὐτὴν Γ. υἱὸς Κ. (3)
— 20. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Ἰ. (3)
— 21. πόλεις πρὸς τῇ φυλῇ υἱῶν Ἰ. [A al.] (3)
— 63. οὐκ ἠδυνήθησαν οἱ υἱ. Ἰ. ἀπολέσαι αὐτούς (3)
16. 1. ἐγένετο τὰ ὅρια υἱῶν Ἰ. (3)
— 4. ἐκληρονόμησαν οἱ υἱ. Ἰ. (3)
— 5. ἐγενήθη ὅρια υἱῶν Ἐφρ. (3)
— 8. A αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν [B om.] Ἐφρ. (3)
— 9. αἱ πόλεις αἱ ἀφορισθεῖσαι τοῖς υἱ. Ἐφρ. ἀνὰ μέσον τῆς κληρονομίας υἱῶν Μαν. (3, 3)
17. 1. ἐγένετο τὰ ὅρια φυλῆς υἱῶν Μαν. –
— 2. ἐγενήθη τοῖς υἱ. Μαν. . . . τοῖς υἱ. Ἰ. καὶ τοῖς υἱ. Κ. καὶ τοῖς υἱ. Ἰ. καὶ τοῖς υἱ. Σ. καὶ τοῖς υἱ. Συμ. καὶ τοῖς υἱ. Ὀ. (3 septiens)
— 3. τῷ Σ. υἱ. Ὀ. οὐκ ἦσαν αὐτῷ υἱοί (3, 3)
— 4. A ἔστησαν . . . ἐναντίον Ἰ. υἱοῦ Ν. [B om. υἱ. N.] (3)
— 6. θυγατέρες υἱῶν Μαν. ἐκληρονόμησαν κλῆρον –
— 6. ἡ δὲ γῆ Γαλ. ἐγενήθη τοῖς υἱ. Μαν. (3)
— 7. ἐγενήθη ὅρια υἱῶν Μαν. Δ. –
— 7. ἥ ἐστι κατὰ πρόσωπον υἱῶν Ἀ. [A al.] †
— 8. ἐπὶ τῶν ὁρίων Μαν. τοῖς υἱ. Ἐφρ. [A om. τ. υἱ. Ἐ.] (3)
— 12. οὐκ ἠδυνάσθησαν οἱ υἱ. Μαν. ἐξολεθρεῦσαι (3)
— 13. ἐπεὶ κατίσχυσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 14. ἀντεῖπαν δὲ οἱ υἱ. Ἰ. τῷ Ἰησοῦ (3)
— 16. A εἶπαν οἱ υἱ. Ἰ. [B om. οἱ υἱ. Ἰ.] (3)
— 17. εἶπεν Ἰ. τοῖς υἱ. Ἰ. (2)
18. 1. ἐξεκκλησιάσθη πᾶσα συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 2. κατελείφθησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 3. εἶπεν Ἰ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. [A al.] (3)
— 5. οἱ υἱ. Ἰ. στήσονται αὐτοῖς ἀπὸ βορρᾶ (2)
— 7. οὐ γάρ ἐστι μερὶς τοῖς υἱ. Λ. ἐν ὑμῖν –
— 7. A² καὶ τὸ ἥμισυ φυλῆς υἱῶν [A¹ B om.] Μαν. –
— 11. R ἀνὰ μέσον υἱῶν [A B om.] Ἰ. (3)
— 11. καὶ ἀνὰ μέσον τῶν [A om.] υἱ. Ἰ. (3)
— 14. Κ. πόλις υἱῶν Ἰ. (3)
— 16. A κατὰ πρόσωπον νάπης υἱοῦ Ἐ. [B v. Σ.] (3)
— 18 (17). ἐπὶ λίθον Β. υἱῶν [A -οῦ] Ῥ. (3)
— 20. αὕτη ἡ κληρονομία υἱῶν Βεν. (3)
— 21. ἐγενήθησαν αἱ πόλεις τῶν υἱ. Βεν. (3)
— 28. αὕτη ἡ κληρονομία υἱῶν Βεν. (3)
19. 1. ἐξῆλθεν ὁ δεύτερος κλῆρος τῶν υἱ. Σ. [A al.] (3)
— 1. ἀνὰ μέσον κλήρων υἱῶν Ἰ. (3)
— 8. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Σ. (3)
— 9. A ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰ. ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Σ. [B al.] (3, 3)
— 9. ἐγενήθη ἡ μερὶς υἱῶν Ἰ. μείζων τῆς αὐτῶν (3)
— 9. ἐκληρονόμησαν οἱ [A om.] υἱ. Σ. (3)
— 16. αὕτη ἡ κληρονομία τῆς φυλῆς υἱῶν Ζαβ. (3)
— 23. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Ἰσσ. (3)
— 31. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Ἀ. (3)
— 39. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Ν. (3)
— 48. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Δάν (3)
— 48. οὐκ ἐξέθλιψαν οἱ υἱ. Δὰν τὸν Ἀμ. –
— 47. ἐπορεύθησαν οἱ υἱ. Ἰ. (3)
— 49. ἔδωκαν οἱ υἱ. Ἰσρ. κλῆρον Ἰησοῦ τῷ [A om.] υἱ. Ν. (3, 3)
20. 2. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 9. αἱ πόλεις αἱ ἐπίκλητοι τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
21. 1. προσήλθοσαν οἱ ἀρχιπατρῶται τῶν υἱ. Λ. –
— 1. A ἐκ τῶν φυλῶν τῶν υἱ. [B om. τ. υἱ.] Ἰσρ. (3)
— 3. ἔδωκαν οἱ υἱ. Ἰσρ. . . . τὰς πόλεις (3)
— 4. ἐγένετο τοῖς υἱ. Ἀ. (3)
— 5. καὶ τοῖς υἱ. Κ. τοῖς καταλελειμμένοις (3)
— 6. καὶ τοῖς υἱ. Γ. ἀπὸ τῆς φυλῆς Ἰσσ. (3)
— 7. B¹ καὶ ἐν [A B² R om.] τοῖς υἱ. Μερ. κατὰ δήμους αὐ. (3)
— 8. ἔδωκαν οἱ υἱ. Ἰσρ. τοῖς Λ. τὰς πόλεις (3)
— 9. ἡ φυλὴ υἱῶν Ἰ. καὶ ἡ φυλὴ υἱῶν Συμ. καὶ ἀπὸ τῆς φυλῆς υἱῶν Βεν. (3, 3, –)
— 10. ἐπεκλήθησαν τοῖς υἱ. Ἀ. ἀπὸ τοῦ δήμου τοῦ Κ. τῶν υἱ. Δ. (3, 3)

Jo. 21. 12. τὰς κώμας αὐ. ἔδωκεν Ἰ. τοῖς υἱ. Χ. υἱοῦ [A τῷ Χ. υἱῷ] Ἰεφ. (–, 3)
— 13. καὶ τοῖς υἱ. Ἀ. ἔδωκε τὴν πόλιν (3)
— 19. πᾶσαι αἱ πόλεις υἱῶν Ἀ. (3)
— 20. καὶ τοῖς δήμοις υἱοῖς [A -ῶν] Κ. τοῖς Λ. τοῖς καταλελειμμένοις ἀπὸ τῶν υἱ. Κ. (3, 3)
— 26. τοῖς δήμοις υἱῶν Κ. τοῖς ὑπολελειμμένοις (3)
— 27. καὶ τοῖς υἱ. Γ. τοῖς Λευίταις (3)
— 34. καὶ τῷ δήμῳ υἱῶν Μερ. (3)
— 34. A ἐκ τῆς φυλῆς υἱῶν [B om.] Ζαβ. –
— 38. πᾶσαι πόλεις τοῖς υἱ. Μερ. (3)
— 39. ἐν μέσῳ κατασχέσεως υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 40. ἔδωκαν οἱ υἱ. Ἰσρ. μερίδα τῷ Ἰ. –
— 40. ἐν αἷς περιέτεμε τοὺς υἱ. Ἰσρ. –
— 43. ὧν ἐλάλησε κ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (2)
22. 1. συνεκάλεσεν Ἰ. τοὺς υἱ. Ῥ. [A τ. Ῥουβηνίτας] καὶ τοὺς υἱ. Γάδ (14, 9)
— 9. B ἐπορεύθησαν οἱ υἱ. Ῥ. καὶ οἱ υἱ. Γὰδ καὶ τὸ ἥμισυ φυλῆς υἱῶν [A R om.] Μαν. ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3, 3, –, 3)
— 10. ᾠκοδόμησαν οἱ υἱ. Ῥ. καὶ οἱ υἱ. Γάδ (3, 3)
— 11. ἤκουσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 11. ᾠκοδόμησαν οἱ υἱ. Ῥ. καὶ οἱ υἱ. Γάδ (3, 3)
— 11. ἐν τῷ πέραν υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 12. συνηθροίσθησαν πάντες οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 13. ἀπέστειλαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πρὸς τοὺς υἱ. Ῥ. καὶ πρὸς τοὺς υἱ. Γὰδ καὶ πρὸς τοὺς υἱ. [A om. τ. υἱ.] ἥμισυ φυλῆς Μαν. (3 ter, –)
— 13. τόν τε Φ. υἱὸν Ἐλ. υἱοῦ Ἀ. (3, –)
— 15. παρεγένοντο πρὸς τοὺς υἱ. Ῥ. καὶ πρὸς τοὺς υἱ. Γάδ (3, 3)
— 21. ἀπεκρίθησαν οἱ υἱ. Ῥ. καὶ οἱ υἱ. Γάδ (3, 3)
— 25. ἀπαλλοτριώσουσιν οἱ υἱ. ὑμῶν τοὺς υἱ. ἡμῶν (3, 3)
— 28. μαρτύριόν ἐστιν . . . ἀνὰ μέσον τῶν υἱ. [A τέκνων] ἡμῶν –
— 30. οὓς ἐλάλησαν οἱ υἱ. Ῥ. καὶ οἱ υἱ. Γάδ (3, 3)
— 31. εἶπε Φ. ὁ ἱ. τοῖς υἱ. Ῥ. καὶ τοῖς υἱ. Γάδ (3, 3)
— 31. ἐρρύσασθε τοὺς υἱ. Ἰσρ. ἐκ χειρὸς κυρίου (3)
— 32. οἱ ἄρχοντες ἀπὸ τῶν υἱ. Ῥ. καὶ ἀπὸ τῶν υἱ. Γάδ (3, 3)
— 32. ἀπέστρεψε Φ. . . . πρὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 33. ἤρεσε τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 33. ἐλάλησαν πρὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ. –
— 33. εὐλόγησαν τὸν θεὸν υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 33. ἐξολεθρεῦσαι τὴν γῆν τῶν υἱ. Ῥ. καὶ τῶν υἱ. Γάδ (3, 3)
23. 2. συνεκάλεσεν Ἰ. πάντας τοὺς υἱ. Ἰσρ. –
24. 4. Ἰ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. κατέβησαν εἰς Αἴγ. (3)
— 29. ἀπέθανεν Ἰ. υἱὸς Ν. (3)
— 30. ἐν αἷς περιέτεμε τοὺς υἱ. Ἰσρ. –
— 32. τὰ ὀστᾶ Ἰ. ἀνήγαγον οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐξ Αἰγ. (3)
— 33. Ἐλ. υἱὸς [A ὁ υἱ.] Ἀ. ὁ ἀρχιερεὺς ἐτελεύτησε (3)
— 33. ἐτάφη ἐν Γ. Φ. τοῦ υἱ. αὐ. (3)
— 33. λαβόντες οἱ υἱ. Ἰσρ. τὴν κιβωτὸν τοῦ θεοῦ –
— 33. οἱ δὲ υἱ. Ἰσρ. ἀπῆλθοσαν –
— 33. ἐσέβοντο οἱ υἱ. Ἰσρ. τὴν Ἀστάρτην –
subscr. Ἰ. υἱὸς Ναυή –
Jd. 1. 1. ἐπηρώτων οἱ υἱ. Ἰσρ. διὰ τοῦ κ. (3)
— 8. ἐπολέμουν οἱ υἱ. Ἰ. τὴν Ἰερ. (3)
— 9. κατέβησαν οἱ υἱ. Ἰ. (3)
— 13. προκατελάβετο αὐτὴν Γ. υἱὸς Κ. (3)
— 16. οἱ υἱ. Ἰ. . . . ἀνέβησαν . . . μετὰ τῶν υἱ. [A πρὸς τοὺς υἱ.] Ἰ. (3, 3)
— 20. ἐκληρονόμησεν ἐκεῖθεν τὰς τρεῖς πόλεις τῶν υἱ. Ἐ. [A al.] (3)
— 21. τὸν Ἰεβ. . . . οὐκ ἐκληρονόμησαν οἱ υἱ. Βεν. (3)
— 21. κατῴκησεν ὁ Ἰεβ. μετὰ τῶν υἱ. Βεν. (3)
— 22. ἀνέβησαν οἱ υἱ. Ἰ. καί γε αὐτοί (2)
— 34. ἐξέθλιψεν ὁ Ἀμ. τοὺς υἱ. Δάν (3)
2. 4. ὡς ἐλάλησεν . . . πρὸς πάντας υἱ. [A πάντα] Ἰσρ. (3)
— 6. A ἀπῆλθαν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἕκαστος εἰς τὸν οἶκον αὐ. [B al.] (3)
— 8. ἐτελεύτησεν Ἰ. υἱὸς Ν. . . . υἱὸς [A om.] ἑκατὸν δέκα ἐτῶν (3, 3)
— 11. ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸ πονηρόν (3)
— 21. ὃν κατέλιπεν Ἰ. υἱὸς Ν. [A om. υἱ. N.] –
— 22. A ὃν τρόπον ἐφυλάξαντο υἱοὶ Ἰσρ. [B al.] †
3. 2. πλὴν διὰ τὰς γενεὰς υἱῶν [A τῶν υἱ.] Ἰσρ. (3)
— 5. οἱ υἱ. Ἰσρ. κατῴκησαν ἐν μέσῳ τοῦ Χαν. (3)
— 6. τὰς θυγ. αὐ. ἔδωκαν τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 7. ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸ πονηρόν (3)
— 8. ἐδούλευσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. τῷ Χ. (3)

Jd. 3. 9. ἐκέκραξαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πρὸς κύριον (3)
— 9. ἤγειρε κ. . . . τὸν Γοθ. υἱὸν Κ. (3)
— 11. ἀπέθανε Γοθ. υἱὸς Κ. (3)
— 12. προσέθεντο οἱ υἱ. Ἰσρ. ποιῆσαι τὸ πονηρόν (3)
— 13. συνήγαγε πρὸς ἑαυτὸν πάντας τοὺς υἱ. Ἀ. (3)
— 14. ἐδούλευσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. τῷ Ἐ. (3)
— 15. ἐκέκραξαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πρὸς κύριον (3)
— 15. ἤγειρεν . . . τὸν Ἀ. υἱ. Γ. υἱὸν [A -οῦ] τοῦ Ἰεμ. (3, 3)
— 15. ἐξαπέστειλαν οἱ υἱ. Ἰσρ. δῶρα (3)
— 27. κατέβησαν σὺν αὐτῷ οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 31. ἀνέστη Σαμ. υἱὸς Δ. (3)
4. 1. προσέθεντο οἱ υἱ. Ἰσρ. ποιῆσαι τὸ πονηρόν (3)
— 2. ἀπέδοτο τοὺς υἱ. Ἰσρ. [A ἀπ. αὐτούς] †
— 3. ἐκέκραξαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πρὸς κύριον (3)
— 5. ἀνέβαινον πρὸς αὐτὴν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 6. ἐκάλεσε τὸν Β. υἱὸν Ἀβ. (3)
— 6. δέκα χιλιάδας ἀνδρῶν ἐκ τῶν υἱ. Νεφθ. καὶ ἐκ τῶν υἱ. Ζαβ. (3, 3)
— 11. ἐχωρίσθη ἀπὸ Κ. ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰ. (3)
— 12. ἀνέβη Β. υἱὸς Ἀβ. εἰς ὄρος Θ. (3)
— 23. ἐτρόπωσεν ὁ θ. τὸν Ἰ. . . . ἔμπροσθεν τῶν υἱ. Ἰσρ. [A al.] (3)
— 24. ἐπορεύετο χεὶρ τῶν υἱ. Ἰσρ. [A al.] (3)
5. 1. ἦσαν Δ. καὶ Β. υἱὸς Ἀβ. (3)
— 6. ἐν ἡμέραις Σαμ. υἱοῦ Ἀ. (3)
— 12. αἰχμαλώτισον αἰχμαλωσίαν σου, υἱὸς Ἀβ. (3)
6. 1. ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸ πονηρόν (3)
— 2. ἐποίησαν ἑαυτοῖς οἱ υἱ. Ἰσρ. . . . τὰς τρυμαλιάς [A al.] (3)
— 3. ἐὰν ἔσπειραν οἱ υἱ. Ἰσρ. [A al.] –
— 3. οἱ υἱ. ἀνατολῶν συνανέβαινον αὐτοῖς (3)
— 7. A ἐκέκραξαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πρὸς κύριον (3)
— 6. ἐβόησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πρὸς κύριον [A al.] (3)
— 8. ἐξαπέστειλε κ. ἄνδρα προφήτην πρὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 11. καὶ Γ. υἱὸς αὐ. ῥαβδίζων σῖτον [A R al.] (3)
— 29. Γ. υἱὸς [A ὁ υἱ.] Ἰ. ἐποίησε τὸ ῥῆμα τοῦτο (3)
— 30. ἐξένεγκε τὸν υἱ. σου (3)
— 31. εἶπε Γ. υἱὸς [A om. Γ. υἱ.] Ἰ. –
— 33. υἱοὶ ἀνατολῶν συνήχθησαν ἐπὶ τὸ αὐτό (3)
7. 12. καὶ πάντες υἱ. ἀνατολῶν βεβλημένοι (3)
— 14. ῥομφαία Γ. υἱοῦ Ἰ. ἀνδρὸς Ἰσρ. (3)
8. 10. A πάντες καταλειφθέντες υἱοὶ ἀνατολῶν [B al.] (3)
— 13. ἐπέστρεψε Γ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 18. εἰς ὁμοίωμα υἱοῦ βασιλέως [A al.] (3)
— 19. υἱοὶ τῆς μητρός μου ἦσαν (3)
— 22. R καὶ σὺ καὶ ὁ υἱ. σου καὶ ὁ υἱ. τοῦ υἱοῦ σου [A B al.] (3 ter)
— 23. οὐκ ἄρξει ὁ υἱ. μου ἐν ὑμῖν (3)
— 28. συνεστάλη Μ. ἐνώπιον υἱῶν Ἰσρ. [A al.] (3)
— 29. ἐπορεύθη Ἰ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 30. τῷ Γ. ἦσαν υἱοὶ ἑβδομήκοντα (3)
— 31. ἔτεκεν αὐτῷ καί γε αὐτὴ υἱόν (3)
— 32. ἀπέθανε Γ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 33. ἐπέστρεψαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 34. οὐκ ἐμνήσθησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
9. 1. ἐπορεύθη Ἀβ. υἱὸς Ἱερ. (3)
— 2. κυριεῦσαι ὑμῶν . . . πάντας υἱ. Ἱερ. (3)
— 5. ἀπέκτεινε τοὺς ἀδ. αὐ. υἱοὺς Ἱερ. (3)
— 5. κατελείφθη Ἰ. υἱὸς Ἱερ. ὁ νεώτερος (3)
— 18. καὶ ἀπεκτείνατε τοὺς υἱ. αὐ. (3)
— 18. ἐβασιλεύσατε τὸν Ἀβ. υἱὸν παιδίσκης αὐ. (3)
— 24. τὴν ἀδικίαν τῶν ἑβδομήκοντα υἱῶν Ἱερ. (3)
— 26. ἦλθε Γ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 28. εἶπε Γ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 28. τίς ἐστιν υἱὸς [A ὁ υἱ.] Σ. –
— 28. οὐχ υἱὸς Ἱερ. (3)
— 30. ἤκουσε . . . τοὺς λόγους Γ. υἱοῦ Ἰ. (3)
— 31. ἰδοὺ Γ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 35. ἐξῆλθε Γ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 36. εἶδε Γ. υἱὸς Ἰ. τὸν λαόν –
— 57. ἐπῆλθεν ἐπ' αὐτοὺς ἡ κατάρα Ἰ. υἱοῦ Ἱερ. [A τοῦ υἱ. αὐ.] (3)
10. 1. Θ. υἱὸς Φ. υἱὸς πατραδέλφου αὐ. (3, 3)
— 4. ἦσαν αὐτῷ τριάκοντα καὶ δύο υἱοί (3)
— 6. προσέθεντο οἱ υἱ. Ἰσρ. ποιῆσαι τὸ πονηρόν (3)
— 6. ἐδούλευσαν . . . τοῖς θεοῖς υἱῶν Ἀμμών (3)
— 7. ἀπέδοτο αὐτοὺς . . . ἐν χειρὶ υἱῶν Ἀμμών (3)
— 8. ἔθλασαν τοὺς υἱ. Ἰσρ. . . . τοὺς πάντας [A π. τοὺς] υἱ. Ἰσρ. (3, 3)
— 9. διέβησαν οἱ υἱ. Ἀ. τὸν Ἰορδ. (3)
— 9. A ἐθλίβησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. σφόδρα [B al.] –
— 10. ἐβόησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πρὸς κύριον (3)
— 11. εἶπε κύριος πρὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)

Jd. 10. 11. μὴ οὐχὶ . . . ἀπὸ υἱῶν [A οἱ υἱ.] Ἀμμών (3)
— 15. εἶπαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πρὸς κύριον (3)
— 17. ἀνέβησαν οἱ υἱ. Ἀμμών (3)
— 17. συνήχθησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 18. παρατάξασθαι πρὸς υἱοὺς Ἀ. [A al.] (3)
11. 1. καὶ αὐτὸς υἱὸς γυναικὸς πόρνης (3)
— 2. ἔτεκεν ἡ γυνὴ Γ. αὐτῷ υἱούς (3)
— 2. ἠδρύνθησαν οἱ υἱ. τῆς γυναικός (3)
— 2. υἱὸς γυναικὸς ἑταίρας σύ [A al.] (3)
— 4. ἡνίκα παρετάξαντο οἱ υἱ. Ἀ. μετὰ Ἰσρ. [A al.] (3)
— 5. A ἡνίκα ἐπολεμοῦσαν οἱ υἱ. Ἀ. μετὰ Ἰσρ. (3)
— 6. παραταξώμεθα πρὸς υἱοὺς Ἀ. [A al.] (3)
— 8. παρατάξῃ πρὸς υἱοὺς Ἀμμών [A al.] (3)
— 9. παρατάξασθαι ἐν υἱοῖς Ἀμμών [A al.] (3)
— 12. ἀπέστειλεν Ἰ. ἀγγέλους πρὸς βασιλέα υἱῶν Ἀ. (3)
— 13. εἶπε βασιλεὺς υἱῶν Ἀμμών (3)
— 14. ἀπέστειλεν ἀγγέλους πρὸς βασιλέα υἱῶν Ἀ. (3)
— 15. οὐκ ἔλαβεν Ἰσρ. . . . τὴν γῆν υἱῶν Ἀ. (3)
— 25. μὴ ἐν ἀγαθῷ ἀγαθώτερος σὺ ὑπὲρ Β. υἱὸν Σ. [A al.] (3)
— 27. ἀνὰ μέσον υἱῶν [A τῶν υἱ.] Ἰσρ. καὶ ἀνὰ μέσον υἱῶν [A τῶν υἱ.] Ἀ. (3, 3)
— 28. οὐκ ἤκουσε βασιλεὺς υἱῶν Ἀ. (3)
— 29. εἰς τὸ πέραν υἱῶν Ἀ. (3)
— 30. ἐὰν διδοὺς δῷς μοι τοὺς υἱ. Ἀ. ἐν τῇ χειρί μου (3)
— 31. ἐν τῷ ἐπιστρέφειν με . . . ἀπὸ υἱῶν Ἀ. [A al.] (3)
— 32. παρῆλθεν Ἰ. πρὸς υἱοὺς Ἀ. [A al.] (3)
— 33. συνεστάλησαν οἱ υἱ. Ἀ. ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (3, 3)
— 34. οὐκ ἦν αὐτῷ ἕτερος υἱ. [A al.] (3)
— 36. B ἀπὸ τῶν ἐχθρῶν σου ἀπὸ υἱῶν Ἀ. [A R al.] (3)
12. 1. A συνήχθησαν οἱ υἱ. Ἐφρ. [B al.] (1)
— 1. παρατάξασθαι ἐν υἱοῖς Ἀ. [A al.] (3)
— 2. ὁ λαός μου καὶ οἱ υἱ. Ἀ. [A al.] (3)
— 3. παρῆλθον πρὸς υἱοὺς Ἀ. [A al.] (3)
— 9. ἦσαν αὐτῷ τριάκοντα υἱοί (3)
— 9. τριάκοντα θυγατέρας εἰσήνεγκε τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 13. καὶ ἔκρινε . . . Ἀ. υἱὸς Ἐ. (3)
— 13 (14). ἦσαν αὐτῷ τεσσαράκοντα υἱοὶ καὶ τριάκοντα υἱῶν υἱοί [A υἱοὶ τῶν υἱ. αὐ.] (3 ter)
— 14 (15). ἀπέθανεν Ἀ. υἱὸς Ἐ. (3)
13. 1. προσέθηκαν οἱ υἱ. Ἰσρ. ποιῆσαι (3)
— 3. καὶ συλλήψῃ [A τέξῃ] υἱόν (3)
— 5, 7. καὶ τέξῃ υἱόν (3)
— 24. ἔτεκεν ἡ γυνὴ υἱόν [A om.] (3)
14. 4. A οἱ ἀλλόφυλοι ἐκυρίευον τῶν υἱ. Ἰσρ. [B al.] –
— 16. ὃ προεβάλου τοῖς υἱ. τοῦ λαοῦ μου (3)
— 17. ἀπήγγειλε τοῖς υἱ. τοῦ λαοῦ αὐ. (3)
17. 2. εὐλογητὸς ὁ υἱ. μου τῷ κυρίῳ (3)
— 3. ἡγίασα τὸ ἀργύριον . . . τῷ υἱ. μου [A al.] (3)
— 5. ἐπλήρωσε τὴν χεῖρα ἀπὸ ἑνὸς υἱῶν [A τῶν υἱ.] αὐ. (3)
— 11. ὡς εἷς ἀπὸ [A εἷς τῶν] υἱῶν αὐ. (3)
18. 1. R ἐν μέσῳ φυλῶν υἱῶν [A B om.] Ἰσρ. –
— 2. ἀπέστειλαν οἱ υἱ. Δὰν . . . υἱοὺς δυνάμεως ἀπὸ Σ. (3, 3)
— 16. οἱ ἐκ τῶν υἱ. Δάν (3)
— 22. κατελάβοντο [A ἐβόησαν πρὸς] τοὺς υἱ. Δάν (3)
— 23. B ἐπέστρεψαν τὸ πρόσωπον αὐ. υἱοὶ Δάν [A R al.] (3 ?)
— 25. εἶπον πρὸς αὐτὸν οἱ υἱ. Δάν (3)
— 26. ἐπορεύθησαν οἱ υἱ. Δάν (3)
— 27. οἱ υἱ. Δὰν ἔλαβον ὃ ἐποίησε Μ. [A al.] †
— 30. ἔστησαν ἑαυτοῖς οἱ υἱ. Δὰν τὸ γλυπτόν (3)
— 30. Ἰων. υἱὸς Γ. υἱὸς [A -οῦ] Μαν. αὐτὸς καὶ οἱ υἱ. αὐ. ἦσαν ἱερεῖς (3 ter)
19. 12. ἐν ᾗ οὐκ ἔστιν ἀπὸ υἱῶν Ἰσρ. ὧδε [A al.] (3)
— 16. καὶ οἱ ἄνδρες τοῦ τόπου υἱοὶ Βεν. (3)
— 22. ἄνδρες τῆς πόλεως υἱοὶ παρανόμων (3)
— 30. ἀπὸ ἡμέρας ἀναβάσεως υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 30. A ἀπὸ τῆς ἡμέρας ἀναβάσεως υἱῶν Ἰσρ. (3 ?)
20. 1. ἐξῆλθον πάντες οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 3. ἤκουσαν οἱ υἱ. Βεν. (3)
— 3. ἀνέβησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 3. εἶπαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 6. ἐν παντὶ ὁρίῳ κληρονομίας υἱῶν [A om.] Ἰσρ. –
— 7. πάντες ὑμεῖς υἱ. [A οἱ υἱ.] Ἰσρ. (3)

Jd. 20. 13. δότε τοὺς ἄνδρας υἱοὺς παρανόμων [A ἅ. τοὺς ἀσεβεῖς] τοὺς ἐν Γ. [A add. τοὺς υἱ. Βελιάμ] (3, [–])
— 13. οὐκ εὐδόκησαν οἱ υἱ. Βεν. ἀκοῦσαι τῆς φωνῆς τῶν ἀδ. αὐ. υἱῶν Ἰσρ. [A al.] (– *, 3, 3)
— 14. συνήχθησαν οἱ υἱ. Βεν. (3)
— 14. ἐξελθεῖν εἰς παράταξιν πρὸς υἱοὺς Ἰσρ. [A al.] (3)
— 15. ἐπεσκέπησαν οἱ υἱ. Βεν. (3)
— 17. A ἐπεσκέπησαν χωρὶς τῶν υἱ. Βεν. [B al.] –
— 18. εἶπαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 18. εἰς παράταξιν πρὸς υἱοὺς Βεν. [A al.] (3)
— 19. ἀνέστησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸ πρωΐ (3)
— 21. ἐξῆλθον οἱ υἱ. Βεν. (3)
— 23. ἀνέβησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 23. ἐγγίσαι εἰς παράταξιν πρὸς υἱοὺς Βεν. [A al.] (3)
— 24. προσῆλθον οἱ υἱ. Ἰσρ. πρὸς υἱοὺς [A om.] Βεν. (3, 3)
— 25. ἐξῆλθον οἱ υἱ. Βεν. εἰς συνάντησιν αὐτοῖς [A al.] –
— 25. διέφθειραν ἀπὸ υἱῶν Ἰσρ. ἔτι ὀκτὼ καὶ δέκα χιλιάδας [A al.] (3)
— 26. ἀνέβησαν πάντες οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 27. A καὶ ἐπηρώτησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐν κυρίῳ (3)
— 28. Φ. υἱὸς Ἐλ. υἱοῦ Ἀ. παρεστηκὼς ἐνώπιον αὐτῆς (3, 3)
— 28. B ἐπηρώτησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐν κυρίῳ –
— 28. ἐξελθεῖν εἰς παράταξιν πρὸς υἱοὺς Βεν. [A al.] (3)
— 29. ἔθηκαν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἔνεδρα τῇ Γ. –
— 30. ἀνέβησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πρὸς υἱοὺς Βεν. [A al.] (3, 3)
— 31. ἐξῆλθον οἱ υἱ. Βεν. (3)
— 32. εἶπαν οἱ υἱ. Βεν. (3)
— 32. καὶ οἱ υἱ. Ἰσρ. εἶπον (3)
— 35. ἐπάταξε κ. τὸν Βεν. ἐνώπιον υἱῶν Ἰσρ. [A al.] –
— 35. διέφθειραν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐκ τοῦ Βεν. (3)
— 36. εἶδον οἱ υἱ. Βεν. [A al.] (3)
— 38. σημεῖον ἦν τοῖς υἱ. Ἰσρ. [A al.] (1)
— 39. καὶ εἶδον οἱ υἱ. Ἰσρ. [A al.] (1)
— 42. ἐπέβλεψαν ἐνώπιον υἱῶν Ἰσρ. [A al.] (1)
— 45. ἐκαλαμήσαντο ἐξ αὐτῶν οἱ υἱ. Ἰσρ. [A al.] –
— 45. κατέβησαν ὀπίσω αὐτῶν οἱ υἱ. Ἰσρ. [A al.] –
— 48. οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐπέστρεψαν πρὸς υἱοὺς Βεν. [A al.] (1, 3)
21. 1. οἱ υἱ. Ἰσρ. ὤμοσαν [A al.] (1)
— 5. εἶπαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 6. παρεκλήθησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 10. δώδεκα χιλιάδας ἀνδρῶν ἀπὸ υἱῶν [A τῶν υἱ.] τῆς δυνάμεως (3)
— 13. ἐλάλησαν πρὸς τοὺς υἱ. Βεν. [A al.] (3)
— 14. ἐπέστρεψε Βεν. πρὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ. –
— 14. ἔδωκαν αὐτοῖς οἱ υἱ. Ἰσρ. [A om. οἱ υἱ. Ἰσρ.] τὰς γυναῖκας –
— 18. ὠμόσαμεν ἐν υἱοῖς [A οἱ υἱ.] Ἰσρ. (3)
— 20. ἐνετείλαντο τοῖς υἱ. Βεν. (3)
— 23. ἐποίησαν οὕτως οἱ υἱ. Βεν. (3)
— 24. περιεπάτησαν ἐκεῖθεν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
Ru. 1. 1. B αὐτὸς καὶ ἡ γυνὴ αὐ. καὶ οἱ υἱ. [A R δύο υἱ.] αὐ. (3)
— 2. καὶ ὄνομα τοῖς δυσὶν υἱ. αὐ. Μ. καὶ Χ. (3)
— 3. κατελείφθη αὕτη καὶ οἱ δύο υἱ. αὐ. (3)
— 5. κατελείφθη ἡ γυνὴ . . . ἀπὸ τῶν δύο υἱ. αὐ. (6 a)
— 11. μὴ ἔτι μοι υἱοὶ ἐν τῇ κοιλίᾳ μου (3)
— 12. καὶ τέξομαι υἱούς (3)
4. 13. καὶ ἔτεκεν υἱόν (3)
— 15. ἥ ἐστιν ἀγαθή σοι ὑπὲρ ἑπτὰ υἱούς (3)
— 17. ἐτέχθη υἱὸς τῇ Ν. (3)
I Ki. 1. 1. A καὶ ὄνομα αὐτῷ Ἐλ. υἱὸς Ἱερ. υἱοῦ Ἠλ. υἱοῦ [B¹ om.] Θ. υἱοῦ Σ. [B ἐν νασείβ] (3 quater)
— 3. καὶ ἐκεῖ Ἡ. καὶ οἱ [A om.] δύο υἱ. αὐ. (3)
— 4. ἔδωκε . . . τοῖς [A πᾶσι τοῖς] υἱ. αὐ. μερίδας (3)
— 20. καὶ ἔτεκεν υἱόν (3)
— 23. ἐθήλασε τὸν υἱ. αὐ. (3)
2. 12. υἱοὶ Ἠ. τοῦ ἱερέως υἱ. λοιμοί (3, 3)
— 21. ἔτεκεν ἔτι τρεῖς υἱούς (3)
— 22. ἃ ἐποίουν οἱ υἱ. αὐ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3, †)
— 28. τὰ πάντα τοῦ πυρὸς υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 29. ἐδόξασας τοὺς υἱ. σου ὑπὲρ ἐμέ (3)
— 34. ὃ ἥξει ἐπὶ τοὺς δύο υἱ. σου τούτους (3)

I Ki. 3. 6. A οὐ κέκληκά σε, υἱέ μου [B om. υἱέ μου] (3)
— 13. ἐν ἀδικίαις υἱῶν αὐτοῦ –
— 13. κακολογοῦντες θεὸν υἱοὶ αὐτοῦ (3)
— 21. καὶ οἱ υἱ. αὐ. πορευόμενοι ἐπορεύοντο –
4. 4. καὶ ἀμφότεροι οἱ [A om.] υἱ. Ἡ. μετὰ τῆς κιβωτοῦ (3)
— 11. B ἀμφότεροι υἱοὶ [AR οἱ υἱ.] Ἡ. ἀπέθανον (3)
— 15. καὶ Ἡ. υἱὸς [A υἱ. ὢν] ἐνενήκοντα ἐτῶν (3)
— 17. ἀμφότεροι οἱ υἱ. σου τεθνήκασι (3)
— 20. υἱὸν τέτοκας (3)
6. 19. οὐκ ἠσμένισαν οἱ [A om.] υἱ. Ἰεχ. –
7. 1. τὸν Ἐλ. υἱὸν αὐ. ἡγίασαν (3)
— 4. περιεῖλον οἱ υἱ. Ἰσρ. τὰς B. (3)
— 6. ἐδίκαζε Σαμ. τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 7. συνηθροίσθησαν πάντες οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 7. ἀκούουσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 8. εἶπαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πρὸς Σαμ. (3)
— 14. ἃς ἔλαβον οἱ ἀλλόφυλοι παρὰ τῶν υἱ. Ἰσρ. –
8. 1. κατέστησε τοὺς υἱ. αὐ. δικαστὰς τῷ Ἰσρ. (3)
— 2. ταῦτα τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. αὐ. (3)
— 3. οὐκ ἐπορεύθησαν οἱ υἱ. αὐ. ἐν ὁδῷ αὐ. (3)
— 5. οἱ υἱ. σου οὐ πορεύονται ἐν τῇ ὁδῷ σου (3)
— 11. τοὺς υἱ. ὑμῶν λήψεται (3)
9. 1. ἀνὴρ ἐξ υἱῶν Βεν. (3* ? [–])
— 1. ὄνομα αὐτῷ Κεὶς υἱὸς Ἀβ. υἱοῦ Ἀ. υἱοῦ B. υἱοῦ Ἀ. υἱοῦ ἀνδρὸς Ἰεμ. (3 quinquiens)
— 2. καὶ τούτῳ υἱός (3)
— 2. οὐκ ἦν ἐν υἱοῖς Ἰσρ. ἀγαθὸς ὑπὲρ αὐτόν (3)
— 3. εἶπε K. πρὸς Σ. τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 21. οὐχὶ ἀνδρὸς υἱὸς Ἰεμ. ἐγώ εἰμι (3)
10. 2. τί ποιήσω ὑπὲρ τοῦ υἱ. μου (3)
— 11. τί τοῦτο τὸ γεγονὸς τῷ υἱ. K. (3)
— 18. εἶπε πρὸς υἱοὺς Ἰσρ. (3)
— 18. ἀνήγαγον τοὺς υἱ. [A τὸν] Ἰσρ. ἐξ Αἰγ. –
— 21. κατακληροῦται Σ. υἱὸς K. (3)
— 26. καὶ ἐπορεύθησαν υἱοὶ δυνάμεων [A -μενοι] –
— 27. καὶ υἱοὶ [A οἱ υἱ.] λοιμοὶ εἶπαν (3)
11. 5. B διηγοῦνται αὐτῷ τὰ ῥήματα τῶν υἱ. [R ἀνδρῶν] Ἰ. [A om. τ. υἱ. Ἰ.] (1)
— 11. ἔτυπτον τοὺς υἱ. Ἀ. –
12. 2. καὶ οἱ υἱ. μου ἰδοὺ ἐν ὑμῖν (3)
— 8. ὡς εἰσῆλθεν Ἰ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. εἰς Αἴγ. –
— 12. N. βασιλεὺς υἱῶν Ἀ. ἦλθεν ἐφ' ὑμᾶς (3)
13. 4. B ἀνέβησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. ὀπίσω Σ. †
— 16. B Σ. καὶ Ἰων. υἱὸς αὐ. . . . ἐκάθισαν ἐν Γ. (3)
— 22. B εὑρέθη τῷ Σ. καὶ τῷ Ἰων. υἱῷ αὐ. (3)
14. 1. B εἶπεν Ἰων. υἱὸς Σ. τῷ παιδαρίῳ (3)
— 3. B Ἀ. υἱὸς Ἀχ. ἀδελφοῦ Ἰωχ. υἱοῦ Φ. υἱοῦ Λ. (3 ter)
— 39. ἐὰν ἀποκριθῇ κατὰ Ἰων. τοῦ υἱ. μου (3)
— 40. ἐγὼ καὶ Ἰων. ὁ υἱ. μου ἐσόμεθα εἰς δουλείαν (3)
— 41. ἢ ἐν Ἰων. τῷ υἱ. μου ἡ ἀδικία –
— 42. βάλλετε . . . ἀνὰ μέσον Ἰων. τοῦ υἱ. μου (3)
— 42. βάλλουσιν . . . ἀνὰ μέσον Ἰων. τοῦ υἱ. αὐ. –
— 47. εἰς τοὺς υἱ. Ἀ. καὶ εἰς τοὺς υἱ. Ἐ. (3, –)
— 49. B ἦσαν υἱοὶ [A R οἱ υἱ.] Σ. Ἰων. καὶ Ἰ. καὶ M. (3)
— 50. Ἀβ. υἱὸς N. υἱοῦ οἰκείου Σ. (3, †)
— 51. Νὴρ πατὴρ Ἀβ. υἱὸς Ἰ. υἱοῦ Ἀ. (–, 3)
— 52. ἰδὼν Σ. . . . πάντα ἄνδρα υἱὸν δυνάμεως (3)
15. 6. ἐποίησας ἔλεος μετὰ τῶν [A πάντων τ.] υἱ. Ἰσρ. (3)
16. 1. ἔωρακα ἐν τοῖς υἱ. αὐ. ἐμοὶ βασιλεύειν (3)
— 5. ἡγίασε τὸν Ἰ. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. (3)
— 10. παρήγαγεν Ἰ. τοὺς ἑπτὰ υἱ. αὐ. ἐνώπιον Σαμ. (3)
— 18. ἑώρακα υἱὸν τῷ Ἰ. Βηθλ. (3)
— 19. ἀπόστειλον πρὸς μὲ τὸν υἱ. σου Δ. (3)
— 20. ἐξαπέστειλεν ἐν χειρὶ Δ. τοῦ υἱ. αὐ. (3)
17. 12. A εἶπεν Δ. υἱὸς Ἐφραθαίου (3)
— 12. A καὶ αὐτῷ ὀκτὼ υἱοί (3)
— 13. A ἐπορεύθησαν οἱ τρεῖς υἱ. Ἰ. (3)
— 13. A καὶ ὄνομα τῶν υἱ. αὐ. τῶν πορευθέντων (3)
— 55, 56. A υἱὸς τίνος ὁ νεανίσκος οὗτος (3)
— 58. A υἱὸς τίνος εἶ (3)
— 58. A υἱὸς δούλου σου Ἰ. τοῦ Βηθλ. (3)
18. 17. A γίνου μοι εἰς υἱὸν δυνάμεως (3)
19. 1. ἐλάλησε Σ. πρὸς Ἰ. τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 2 (1). B Ἰ. υἱὸς [A R ὁ υἱ.] Σ. ᾐρεῖτο τὸν Δ. σφόδρα (3)
20. 27. εἶπε Σ. πρὸς Ἰων. τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 27. τί ὅτι οὐ παραγέγονεν ὁ [A om.] υἱ. Ἰ. (3)
— 30. υἱὲ κορασίων αὐτομολούντων (3)
— 30. μέτοχος εἶ σὺ τῷ υἱ. Ἰ. (3)
— 31. ἃς ὁ υἱ. Ἰ. ζῇ ἐπὶ τῆς γῆς (3)

I Ki. 20. 31. υἱὸς θανάτου οὗτος (3)
22. 7. ἀκούσατε δὴ, υἱοὶ Βεν. (3)
— 7. εἰ ἀληθῶς πᾶσιν ὑμῖν δώσει ὁ υἱ. Ἰ. ἀγρούς (3)
— 8. ἐν τῷ διαθέσθαι τὸν υἱ. μου διαθήκην μετὰ τοῦ [A μετ' αὐτοῦ] υἱ. Ἰ. (3, 3)
— 8. ἐπήγειρεν ὁ [A om.] υἱ. μου τὸν δοῦλόν μου (3)
— 9. ἑώρακα τὸν υἱ. Ἰ. παραγινόμενον εἰς N. πρὸς Ἀβ. υἱὸν Ἀχ. (3, 3)
— 11. καλέσαι τὸν Ἀβ. υἱὸν Ἀχ. καὶ πάντας τοὺς υἱ. τοῦ πατρὸς αὐ. (3, 2)
— 12. ἄκουε δὴ, υἱὲ Ἀχ. (3)
— 13. ἵνα τί συνέθου κατ' ἐμοῦ σὺ καὶ ὁ υἱ. Ἰ. (3)
— 20. διασώζεται υἱὸς εἰς τῷ Ἀβ. υἱῷ Ἀχ. (3, 3)
23. 6. ἐν τῷ φυγεῖν Ἀβ. υἱὸν Ἀχ. πρὸς Δ. (3)
— 16. ἀνέστη Ἰων. υἱὸς Σ. (3)
25. 8. δὸς δὴ ὃ ἐὰν εὕρῃ ἡ χεὶρ σου τῷ υἱ. σου (3)
— 10. καὶ τίς ὁ [A om.] υἱ. Ἰ. (3)
— 17. καὶ οὗτος υἱ. λοιμός (3)
— 44. ἔδωκε M. τὴν θυγ. αὐ. . . . τῷ Φ. υἱῷ Ἀ. (3)
26. 5. καὶ ἐκεῖ Ἀβ. υἱὸς Νήρ (3)
— 6. εἶπε . . . πρὸς Ἀβ. υἱὸν Σαρ. (3)
— 16. υἱοὶ θανατώσεως ὑμεῖς (3)
— 19. καὶ εἰ υἱοὶ ἀνθρώπων (3)
27. 2. ἀνέστη Δ. . . . πρὸς Ἀ. υἱὸν Ἀ. (3)
28. 19. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου μετὰ σοῦ πεσοῦνται (3)
30. 3. οἱ υἱ. αὐ. καὶ αἱ θυγ. αὐ. ᾐχμαλωτευμένοι (3)
— 6. κατώδυνος ψυχὴ παντὸς τοῦ λαοῦ ἑκάστου ἐπὶ τοὺς υἱ. αὐ. (3)
— 7. εἶπε Δ. πρὸς Ἀβ. τὸν ἱ. υἱὸν Ἀχ. (3)
— 19. καὶ ἕως υἱῶν καὶ θυγατέρων (3)
31. 2. συνάπτουσιν ἀλλόφυλοι τῷ Σ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 2. τύπτουσιν ἀλλόφυλοι . . . τὸν M. υἱὸν [A υἱοὺς] Σ. (3)
— 6. ἀπέθανε Σ. καὶ οἱ τρεῖς υἱ. αὐ. (3)
— 7. τέθνηκε Σ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)
— 8. B εὑρίσκουσι Σ. καὶ τοὺς τρεῖς υἱ. (3)
— 12. ἔλαβον . . . τὸ σῶμα Ἰων. τοῦ υἱ. αὐ. (3)
II Ki. 1. 4. Ἰων. ὁ υἱ. αὐ. ἀπέθανεν (3)
— 5. τέθνηκε Σ. καὶ Ἰων. ὁ υἱ. αὐ. (3)
— 12. ἐνήστευσαν . . . ἐπὶ Ἰων. τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 13. υἱὸς ἀνδρὸς παροίκου Ἀμ. ἐγώ εἰμι (3)
— 17. ἐπὶ Σ. καὶ ἐπὶ Ἰων. τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 18. τοῦ διδάξαι τοὺς υἱ. Ἰ. [A Ἰσρ. τόξον] (3)
2. 5. R καὶ Ἰων. τὸν υἱ. αὐ. –
— 7. A R γίνεσθε εἰς υἱ. δυνατούς (3)
— 8. Ἀβ. υἱὸς Νὴρ . . . ἔλαβε τὸν Ἰ. υἱὸν Σ. (3, 3)
— 10. τεσσαράκοντα ἐτῶν Ἰ. υἱὸς Σ. (3)
— 12. A ἐξῆλθεν Ἀβ. υἱὸς Νὴρ καὶ οἱ παῖδες Ἰ. υἱοῦ Σ. (3, 3)
— 13. A Ἰ. υἱὸς Σ. καὶ οἱ παῖδες Δ. ἐξῆλθον (3)
— 15. δώδεκα τῶν Ἰεβοσθὲ υἱοῦ Σ. (3)
— 18. ἐγένοντο ἐκεῖ τρεῖς υἱ. Σαρ. (3)
— 25. συναθροίζονται υἱοὶ Βεν. (3)
— 31. ἐπάταξαν τῶν υἱ. Βεν. . . . τριακοσίους ἑξήκοντα ἄνδρας –
3. 2. ἐτέχθησαν τῷ Δ. υἱοί (3)
— 3. ὁ τρίτος Ἀβ. υἱὸς M. θυγατρὸς Θ. (3)
— 4. καὶ ὁ τέταρτος Ὀ. υἱὸς Φ. (3)
— 7. εἶπε M. υἱὸς Σ. πρὸς Ἀβ. –
— 14. ἐξαπέστειλε Δ. πρὸς M. υἱὸν Σ. ἀγγέλους (3)
— 15. παρὰ τοῦ ἀνδρὸς αὐ. παρὰ Φ. υἱοῦ Σ. (3)
— 23. ἥκει Ἀβ. υἱὸς Νὴρ πρὸς Δ. (3)
— 25. ἢ οὐκ οἶδας τὴν κακίαν Ἀβ. υἱοῦ Νήρ (3)
— 28. ἀπὸ τῶν αἱμάτων Ἀβ. υἱοῦ Νήρ (3)
— 34. ἐνώπιον υἱῶν ἀδικίας ἔπεσας (3)
— 37. θανατῶσαι τὸν Ἀβ. υἱὸν Νήρ (3)
— 39. οἱ δὲ ἄνδρες οὗτοι υἱ. Σ. (3)
4. 1. ἤκουσε M. υἱὸς Σ. (3)
— 1. R τέθνηκεν Ἀβ. υἱὸς Νήρ [A B om. υἱ. N.] –
— 2. ἡγούμενοι συστρεμμάτων τῷ M. υἱῷ Σ. (3)
— 2. υἱοὶ Ῥ. τοῦ B. ἐκ τῶν υἱ. Βεν. (3, 3)
— 2. B B. ἐλογίζετο τοῖς υἱ. Βεν. –
— 4. τῷ Ἰων. υἱῷ Σ. υἱὸς πεπληγὼς τοὺς πόδας υἱὸς ἐτῶν πέντε (3 ter)
— 4. ἐν τῷ ἐλθεῖν τὴν ἀγγελίαν Σ. καὶ Ἰ. τοῦ υἱ. αὐ. –
— 5. ἐπορεύθησαν υἱοὶ [A οἱ υἱ.] Ῥ. (3)
— 8. ἰδοὺ ἡ κεφαλὴ M. υἱοῦ Σ. (3)
— 9. ἀπεκρίθη Δ. τῷ Ῥ. καὶ τῷ B. ἀδ. αὐ. υἱοῖς Ῥ. (3)
— 12. ἐν τῷ τάφῳ Ἀβ. υἱοῦ Νήρ –
5. 4. υἱὸς τριάκοντα ἐτῶν Δ. (3)
— 13. ἐγένοντο τῷ Δ. ἔτι υἱοί (3)
6. 3. καὶ οἱ ἀδ. αὐ. υἱοὶ Ἀμ. (3)

II Ki. 6. 5. Δ. καὶ οἱ υἱ. Ἰσρ. παίζοντες (2)
7. 6. ἀνήγαγον τοὺς υἱ. Ἰσρ. ἐξ Αἰγ. (3)
— 10. οὐ προσθήσει υἱὸς ἀδικίας (3)
— 14. αὐτὸς ἔσται μοι εἰς υἱόν (3)
— 14. ἐλέγξω αὐτὸν . . . ἐν ἁφαῖς υἱῶν ἀνθρώπων (3)
8. 3. ἐπάταξε Δ. τὸν Ἀδρ. υἱὸν Ῥ. (3)
— 7. ἐν ἡμέραις Ἱερ. υἱοῦ Σολ. –
— 10. ἀπέστειλε Θ. Ἰεδδ. τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 12. ἐκ γῆς M. καὶ ἐκ τῶν υἱ. Ἀ. (3)
— 12. καὶ ἐκ τῶν σκύλων Ἀδρ. υἱοῦ Ῥ. (3)
— 16. Ἰ. υἱὸς Σαρ. ἐπὶ τῆς στρατιᾶς (3)
— 16. Ἰωσ. υἱὸς Ἀχ. ἐπὶ τῶν ὑπομνημάτων (3)
— 16 (17). καὶ Σ. υἱὸς Ἀχ. καὶ Ἀχ. υἱὸς Ἀβ. ἱερεῖς (3, 3)
— 18. καὶ B. υἱὸς Ἰ. σύμβουλος (3)
— 18. υἱοὶ Δ. αὐλάρχαι ἦσαν (3)
9. 3. ἔτι ἔστιν υἱὸς τῷ Ἰων. (3)
— 4. ἐν οἴκῳ M. υἱοῦ Ἀμ. (3)
— 5. ἐκ τοῦ οἴκου M. υἱοῦ Ἀμ. (3)
— 6. παραγίνεται M. υἱὸς Ἰων. υἱοῦ Σ. (3, 3)
— 9. πάντα . . . δέδωκα τῷ υἱ. τοῦ κυρίου σου [A al.] (3)
— 10. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου καὶ οἱ δοῦλοί σου (3)
— 10. εἰσοίσεις τῷ υἱ. τοῦ κυρίου σου ἄρτους (3)
— 10. M. υἱὸς τοῦ κυρίου σου φάγεται . . . ἄρτον (3)
— 10. τῷ Σ. ἦσαν πέντε καὶ δέκα υἱοί (3)
— 11. καθὼς εἷς τῶν υἱ. αὐ. τοῦ βασ. (3)
— 12. τῷ M. υἱὸς μικρός (3)
10. 1. ἀπέθανε βασιλεὺς υἱῶν Ἀ. (3)
— 1. ἐβασίλευσεν Ἀ. υἱὸς αὐ. (3)
— 2. ποιήσω ἔλεος μετὰ Ἀ. υἱοῦ N. (3)
— 2. εἰς τὴν γῆν υἱῶν Ἀ. (3)
— 3. εἶπον οἱ ἄρχοντες υἱῶν Ἀ. (3)
— 6. εἶδαν οἱ υἱ. Ἀ. (3)
— 6. ἀπέστειλαν οἱ υἱ. Ἀ. (3)
— 8. ἐξῆλθον οἱ υἱ. Ἀ. (3)
— 10. παρετάξαντο ἐξ ἐναντίας υἱῶν Ἀ. (3)
— 11. ἐὰν κραταιωθῶσιν υἱοὶ [A οἱ υἱ.] Ἀ. ὑπὲρ σέ (3)
— 14. οἱ υἱ. Ἀ. εἶδαν (3)
— 14. ἀνέστρεψαν Ἰ. ἀπὸ τῶν υἱ. Ἀ. (3)
— 19. τοῦ σῶσαι ἔτι τοὺς υἱ. Ἀ. (3)
11. 1. διέφθειραν τοὺς υἱ. Ἀ. (3)
— 21. τίς ἐπάταξε τὸν Ἀβ. υἱὸν Ἱερ. υἱοῦ Νήρ (3, –)
— 22. τίς ἐπάταξε τὸν Ἀβ. υἱὸν Ἱερ. –
— 27. ἔτεκεν αὐτῷ υἱόν (3)
12. 3. ἠδρύνθη . . . μετὰ τῶν υἱ. αὐ. (3)
— 5. υἱὸς θανάτου ὁ ἀνὴρ ὁ ποιήσας τοῦτο (3)
— 9. ἐν ῥομφαίᾳ υἱῶν Ἀ. (3)
— 14. ὁ υἱ. σου ὁ τεχθείς σοι θανάτῳ ἀποθανεῖται (3)
— 24. καὶ ἔτεκεν υἱόν (3)
— 26. ἐπολέμησεν Ἰ. ἐν Ῥ. υἱῶν Ἀ. (3)
— 31. οὕτως ἐποίησε πάσαις ταῖς πόλεσιν υἱῶν Ἀ. (3)
13. 1. ἐγενήθη . . . τῷ Ἀβ. υἱῷ Δ. ἀδελφή (3)
— 1. ἠγάπησεν αὐτὴν Ἀ. υἱὸς Δ. (3)
— 3. Ἰων. υἱὸς Σ. τοῦ ἀδελφοῦ Δ. (3)
— 4. σὺ οὕτως ἀσθενὴς, υἱὲ τοῦ βασ. (3)
— 21. οὐκ ἐλύπησε τὸ πνεῦμα Ἀ. τοῦ υἱ. αὐ. –
— 23. ἐκάλεσεν Ἀβ. πάντας τοὺς υἱ. τοῦ βασ. (3)
— 25. μὴ δὴ, υἱέ μου (3)
— 27. ἀπέστειλε μετ' αὐτοῦ . . . πάντας τοὺς υἱ. τοῦ βασ. (3)
— 28. γίνεσθε εἰς υἱοὺς δυνάμεως (3)
— 29. ἀνέστησαν πάντες οἱ υἱ. τοῦ βασ. (3)
— 30. ἐπάταξεν Ἀβ. πάντας τοὺς υἱ. τοῦ βασ. (3)
— 32. ἀπεκρίθη Ἰων. υἱὸς Σ. (3)
— 32. πάντα τὰ παιδάρια τοὺς υἱ. τοῦ βασ. ἐθανάτωσεν (3)
— 33. πάντες οἱ υἱ. τοῦ βασ. ἀπέθανον (3)
— 35. οἱ υἱ. τοῦ βασ. πάρεισι (3)
— 36. οἱ υἱ. τοῦ βασ. ἦλθαν (3)
— 37. ἐπορεύθη πρὸς Θ. υἱὸν Ἐ. (3)
— 37. ἐπένθησεν ὁ βασ. Δ. ἐπὶ τὸν υἱ. αὐ. (3)
14. 1. ἔγνω Ἰ. υἱὸς Σαρ. (3)
— 6. τῇ δούλῃ σου δύο υἱοί (3)
— 11. οὐ μὴ ἐξάρωσι τὸν υἱ. μου (3)
— 11. εἰ πεσεῖται ἀπὸ τῆς τριχὸς τοῦ υἱ. σου (3)
— 16. τοῦ ζητοῦντος ἐξᾶραί με καὶ τὸν υἱ. μου (3)
— 27. ἐτέχθησαν τῷ Ἀβ. τρεῖς υἱοί (3)
— 27. γίνεται γυνὴ τῷ Ῥ. υἱῷ Σαλ. –
15. 27. Ἀχ. ὁ υἱ. σου καὶ Ἰων. ὁ υἱ. Ἀβ. οἱ δύο υἱ. ὑμῶν μεθ' ὑμῶν (3 ter)

II Ki. 15. 36. ἐκεῖ μετ' αὐτῶν δύο υἱοὶ αὐ. Ἀχ. υἱὸς τῷ Σ. καὶ Ἰων. υἱὸς τῷ Ἀβ. (3, –, –)
16. 3. καὶ ποῦ ὁ υἱ. τοῦ κυρίου σου (3)
— 5. καὶ ὄνομα αὐτῷ Σ. υἱὸς Γ. (3)
— 8. ἐν χειρὶ Ἀβ. τοῦ υἱ. σου (3)
— 9. εἶπεν Ἀβ. υἱὸς Σαρ. (3)
— 10. τί ἐμοὶ καὶ ὑμῖν, υἱοὶ Σαρ. (3)
— 11. ὁ υἱ. μου . . . ζητεῖ τὴν ψυχήν μου καὶ προσέτι νῦν ὁ υἱ. τοῦ Ἰεμ. (3, 3)
— 19. οὐχὶ ἐνώπιον τοῦ υἱ. αὐ. (3)
17. 10. καί γε αὐτὸς υἱὸς δυνάμεως (3)
— 10. καὶ υἱοὶ [A οἱ υἱ.] δυνάμεως οἱ μετ' αὐτοῦ (3)
— 25. καὶ Ἀμ. υἱὸς ἀνδρός (3)
— 27. Οὐ. υἱὸς N. ἐκ Ῥ. υἱῶν [A -ὸς] Ἀ. καὶ M. υἱὸς Ἀμ. ἐκ Λ. (3 ter)
18. 2. ἐν χειρὶ Ἀβ. υἱοῦ Σαρ. (3)
— 12. οὐ μὴ ἐπιβάλω τὴν χεῖρά μου ἐπὶ τὸν υἱ. τοῦ βασ. (3)
— 18. οὐκ ἔστιν αὐτῷ υἱός (3)
— 19. Ἀχ. υἱὸς Σ. εἶπεν (3)
— 20. ὁ υἱ. τοῦ βασ. ἀπέθανε (3)
— 22. προσέθετο ἔτι Ἀχ. υἱὸς Σ. (3)
— 22. ἵνα τί τοῦτο τρέχεις, υἱέ μου (3)
— 27. ὡς δρόμον Ἀχ. υἱοῦ Σ. (3)
— 33 (19. 1). R υἱέ μου Ἀβ. υἱέ μου υἱέ μου Ἀβ. [A B al.] (3 ter)
— 33 (19. 1). Ἀβ. υἱέ μου υἱέ μου (3, 3)
19. 2 (3). λυπεῖται ὁ βασ. ἐπὶ τῷ υἱ. αὐ. (3)
— 4 (5). A υἱέ μου Ἀβ. υἱέ μου υἱέ μου [B om. υἱ. μ.] (3 ter)
— 5 (6). τῶν ἐξαιρουμένων . . . τὴν ψυχὴν τῶν υἱ. σου (3)
— 16 (17). ἐτάχυνε Σ. υἱὸς Γ. υἱοῦ τοῦ Ἰεμ. (3, 3)
— 17 (18). καὶ δέκα πέντε υἱοὶ αὐ. μετ' αὐτοῦ (3)
— 18 (19). Σ. υἱὸς Γ. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (3)
— 21 (22). ἀπεκρίθη Ἀβ. υἱὸς Σαρ. (3)
— 22 (23). τί ἐμοὶ καὶ ὑμῖν, υἱοὶ Σαρ. (3)
— 24 (25). M. υἱὸς υἱοῦ [A om.] Σαοὺλ κατέβη (3, –)
— 32 (33). υἱὸς ὀγδοήκοντα ἐτῶν (3)
— 35 (36). υἱὸς ὀγδοήκοντα ἐτῶν ἐγώ εἰμι σήμερον (3)
20. 1. ἐκεῖ ἐπικαλούμενος υἱὸς παράνομος καὶ ὄνομα αὐτῷ Σ. υἱὸς B. (1, 3)
— 1. οὐκ ἔστιν . . . κληρονομία ἡμῖν ἐν τῷ υἱ. Ἰ. (3)
— 2. ἀνέβη . . . ὀπίσω Σ. υἱοῦ B. (3)
— 6. νῦν κακοποιήσει ἡμᾶς Σ. υἱὸς B. (3)
— 7. διῶξαι ὀπίσω Σ. υἱοῦ B. (3)
— 10. ἐδίωξεν ὀπίσω Σ. υἱοῦ B. (3)
— 13. τοῦ διῶξαι ὀπίσω Σ. υἱοῦ B. (3)
— 21. Σ. υἱὸς B. ὄνομα αὐτοῦ (3)
— 22. ἀφεῖλε τὴν κεφαλὴν Σ. υἱοῦ B. (3)
— 23. Βαν. υἱὸς Ἀχ. ἐπὶ τοῦ X. (3)
— 24. καὶ Ἰωσ. υἱὸς Ἀχ. ἀναμιμνήσκων (3)
21. 2. οἱ Γαβ. οὐχ υἱοὶ Ἰσρ. εἰσιν (3)
— 2. οἱ υἱ. Ἰσρ. ὤμοσαν αὐτοῖς (3)
— 2. ἐν τῷ ζηλῶσαι αὐτὸν τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 6. ἑπτὰ ἄνδρας ἐκ τῶν υἱ. αὐ. (3)
— 7. ἐπὶ Μεμφ. υἱὸν Ἰων. υἱοῦ [A -ὸν] Σ. (3, 3)
— 7. καὶ ἀνὰ μέσον Ἰων. υἱοῦ Σ. (3)
— 8. ἔλαβεν ὁ βασ. τοὺς δύο υἱ. Ῥ. . . . καὶ τοὺς πέντε υἱ. M. (3, 3)
— 8. οὓς ἔτεκε τῷ Ἐ. υἱῷ B. (3)
— 11. κατέλαβεν αὐτοὺς Δὰν υἱὸς Ἰ. –
— 12. καὶ τὰ ὀστᾶ Ἰων. τοῦ υἱ. αὐ. (3)
— 12. παρὰ τῶν ἀνδρῶν υἱῶν Ἰ. Γ. –
— 13, 14. καὶ τὰ ὀστᾶ Ἰων. τοῦ υἱ. αὐ. (3)
— 17. ἐβοήθησεν αὐτῷ Ἀβ. υἱὸς Σαρ. (3)
— 19. ἐπάταξεν Ἐλ. υἱὸς Ἀρ. . . . τὸν Γοδ. (3)
— 21. ἐπάταξεν αὐτὸν Ἰων. υἱὸς Σ. (3)
22. 45. υἱ. ἀλλότριοι ἐψεύσαντό μοι (3)
— 46. υἱ. ἀλλότριοι ἀπορριφήσονται (3)
23. 1. πιστὸς Δ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 9. Ἐλ. υἱὸς πατραδέλφου αὐ. υἱὸς Σ. (3, 3)
— 11. μετ' αὐτὸν Σ. υἱὸς Ἄ. (3)
— 18. Ἀβ. ἀδελφὸς Ἰ. υἱὸς Σαρ. (3)
— 20. καὶ Βαν. υἱὸς Ἰ. (3)
— 20. B ἐπάταξε τοὺς δύο υἱ. Ἀρ. –
— 22. ταῦτα ἐποίησε Βαν. υἱὸς Ἰ. (3)
— 24. Ἐλ. υἱὸς Δ. (3)
— 26. Ἴρας υἱὸς Ἴσκα (3)
— 27. Ἀβ. . . . ἐκ τῶν υἱ. τοῦ Ἀνωθ. †
— 29. Ἐσθ. υἱὸς Ῥ. ἐκ Γ. υἱὸς Βεν. [A al.] (3, 3)
— 32. υἱοὶ Ἀ. Ἰων. (3)

II Ki. 23. 33. Ἀμνὰν υἱὸς Ἀ. (3)
— 34. Ἀλ. υἱὸς τοῦ Ἀσβ. υἱὸς τοῦ Μαχ. (3, 3)
— 34. Ἐλ. υἱὸς Ἀχ. (3)
— 36 (35). Γ. υἱὸς Ναθὰν . . . υἱὸς Γαλ. (3, †)
— 31. B Γ. υἱὸς τοῦ Ἀραβωθαίου [A al.] –
— 37 (36). Γ. ὁ Βηθ. αἴρων τὰ σκ. Ἰ. υἱὸς [A -οῦ] Σαρ. (3)
III Ki. 1. 5. Ἀδ. υἱὸς Ἀ. ἐπῄρετο (3)
— 7. ἐγένοντο οἱ λόγοι αὐ. μετὰ Ἰ. τοῦ υἱ. Σαρ. (3)
— 8. B. υἱὸς Ἰ. . . . καὶ υἱ. δυνατοὶ τοῦ Δ. (3, –)
— 9. A ἐκάλεσε πάντας τοὺς ἀδ. αὐ. τοὺς υἱ. τοῦ βασ. [B al.] (3)
— 11. ἐβασίλευσεν Ἀδ. υἱὸς Ἀ. (3)
— 12. καὶ τὴν ψυχὴν τοῦ υἱοῦ σου Σαλ. (3)
— 13, 17. ὁ υἱ. σου Σαλ. βασιλεύσει μετ' ἐμέ (3)
— 19. ἐκάλεσε πάντας τοὺς υἱ. τοῦ βασ. (3)
— 21. ἔσομαι ἐγὼ καὶ Σαλ. ὁ υἱ. μου ἁμαρτωλοί (3)
— 25. ἐκάλεσε πάντας τοὺς υἱ. τοῦ βασ. (3)
— 26. Βαν. υἱὸν Ἰ. . . . οὐκ ἐκάλεσεν (3)
— 30. Σαλ. ὁ υἱ. σου βασιλεύσει μετ' ἐμέ (3)
— 32. καλέσατέ μοι . . . Βαν. υἱὸν Ἰ. (3)
— 33. ἐπιβιβάσατε τὸν υἱ. μου Σαλ. ἐπὶ τὴν ἡμίονον (3)
— 36. ἀπεκρίθη Βαν. υἱὸς Ἰ. τῷ βασ. (3)
— 38. κατέβη . . . Βαν. υἱὸς Ἰ. (3)
— 42. Ἰων. υἱὸς Ἀβ. τοῦ ἱερέως εἰσῆλθε (3)
— 44. ἀπέστειλε . . . Βαν. υἱὸν Ἰ. (3)
— 47. A ἀγαθύναι ὁ θ. τὸ ὄν. Σαλ. τοῦ υἱ. σου [B om. τ. υἱ. σου] –
— 52. ἐὰν γένηται εἰς υἱὸν δυνάμεως (3)
2. 1. ἀπεκρίνατο Σαλ. υἱῷ αὐ. (3)
— 4. ἐὰν φυλάξωσιν οἱ υἱ. σου τὴν ὁδὸν αὐ. (3)
— 5. ὅσα ἐποίησέ μοι Ἰ. υἱὸς Σαρ. (3)
— 5. ὅσα ἐποίησε . . . τῷ Ἀβ. υἱῷ Νὴρ καὶ τῷ Ἀμ. υἱῷ Ἰ. (3, 3)
— 7. τοῖς υἱ. B. τοῦ Γ. ποιήσεις ἔλεος (3)
— 8. μετὰ σοῦ Σ. υἱὸς Γ. υἱὸς τοῦ Ἰεμ. (3, 3)
— 13. A R εἰσῆλθεν Ἀδ. υἱὸς Ἀ. [B om. υἱ. Ἀ.] (3)
— 22. καὶ αὐτῷ Ἰ. ὁ υἱ. Σαρ. . . . ἑταῖρος (3)
— 25. ἐν χειρὶ Βαν. υἱοῦ Ἰ. (3)
— 28. ἡ ἀκοὴ ἦλθεν ἕως Ἰ. τοῦ υἱ. Σαρ. [A om. τ. υἱ. Σ.] –
— 29. ἀπέστειλε Σαλ. τὸν Βαν. υἱὸν Ἰ. (3)
— 30. ἦλθε Βαν. υἱὸς Ἰ. . . . εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ κ. –
— 30. ἀπέστρεψε Βαν. υἱὸς Ἰ. –
— 32. τὸν Ἀβ. υἱὸν Νήρ. (3)
— 32. R καὶ τὸν Ἀμ. υἱὸν [B τὸν] Ἰ. (3)
— 34. R καὶ ἀνέβη B. υἱὸς [A καὶ] Ἰ. (3)
— 35. ἔδωκεν ὁ βασ. τὸν Βαν. υἱὸν Ἰ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
3. 1. R Σαλ. υἱὸς Δ. ἐβασίλευσεν ἐπὶ Ἰσρ. –
— 1 (4. 30 [5. 10]). ἐπληθύνθη ἡ φρόνησις Σαλ. πάντων ἀρχαίων υἱ. (3)
— 1 (2. 8). μετὰ σοῦ Σ. υἱὸς Γ. υἱὸς τοῦ σπέρματος τοῦ Ἰεμ. (3, 3)
— 1 (2. 39). ἀπέδρασαν δύο δοῦλοι τοῦ Σ. πρὸς Ἀ. υἱὸν M. (3)
— 1 (2. 46). ἐνετείλατο ὁ βασ. Σ. τῷ B. υἱῷ [A τῷ] Ἰ. (3)
— 1. B Ἀζ. υἱὸς Σ. τοῦ ἱερέως καὶ Ὀρν. υἱὸς N. –
— 1. B καὶ B. υἱὸς Ἀχ. ἀναμιμνήσκων –
— 1. B καὶ Ἀ. υἱὸς Ἰ. ἀρχιστράτηγος –
— 1. B καὶ Ἀχ. υἱὸς Ἐδρ. ἐπὶ τὰς ἄρσεις –
— 1. B καὶ Βαν. υἱὸς Ἰ. ἐπὶ τῆς αὐλαρχίας –
— 1. B καὶ K. υἱὸς N. ὁ σύμβουλος –
— 1. B Σ. υἱὸς Δ. ἐβασίλευσεν ἐπὶ Ἰσρ. –
— 6. δοῦναι τὸν υἱ. αὐ. ἐπὶ τοῦ θρόνου αὐ. (3)
— 19. ἀπέθανεν ὁ υἱ. τῆς γυν. [A om. τ. γ.] ταύτης (3)
— 20. ἔλαβε τὸν υἱ. μου (3)
— 20. τὸν υἱ. αὐ. τὸν τεθνηκότα ἐκοίμισεν (3)
— 21. θηλάσαι τὸν υἱ. μου (3)
— 21. οὐκ ἦν ὁ υἱ. μου (3)
— 22. A ὁ υἱ. σού ἐστιν ὁ νεκρὸς υἱὸς δὲ ἐμὸς ὁ ζῶν (3, 3)
— 22. ὁ υἱ. μου ὁ ζῶν ὁ δὲ υἱ. σου ὁ τεθνηκώς (3, 3)
— 23. οὗτος ὁ υἱός μου ὁ ζῶν καὶ ὁ υἱ. ταύτης ὁ τεθνηκώς (3, 3)
— 23. ὁ υἱός μου ὁ ζῶν καὶ ὁ υἱ. σου ὁ τεθνηκώς [A al.] (3, 3)
— 26. ἧς ἦν ὁ υἱ. ὁ ζῶν (3)
— 26. ἐταράχθη ἡ μήτρα αὐ. ἐπὶ τῷ υἱ. αὐ. (3)
4. 2. Ἀζ. υἱὸς Σαδώκ (3)
— 3. Ἀχ. υἱὸς Σ. (3)

III Ki. 4. 3. Ἰωσ. υἱὸς Ἀχ. ἀναμιμνήσκων (3)
— 4. A Βαν. υἱὸς Ἰ. ἐπὶ τῆς στρατιᾶς [R δυνάμεως] (3)
— 5. Ὀρν. υἱὸς N. ἐπὶ τῶν καθεσταμ. (3)
— 5. Z. υἱὸς N. ἑταῖρος τοῦ βασ. (3)
— 6. Ἐλ. υἱὸς Σὰφ ἐπὶ τῆς πατριᾶς –
— 6. Ἀδ. υἱὸς Ἀ. ἐπὶ τῶν φόρων (3)
— 8. A R B. υἱὸς *Ὠρ ἐν ὄρει Ἐφρ. [B al.] (3)
— 9. υἱὸς Δ. ἐν Μαχ. (3)
— 10. υἱὸς Ἐσ. (3)
— 10. A πᾶσα ἡ γῆ υἱοῦ Ἀβ. [B al.] –
— 12. B. υἱὸς Ἀχ. (3)
— 13. υἱὸς Γ. ἐν Ῥ. (3)
— 13. A ὁ Αὐ. Ἰαρ. υἱοῦ Μαν. [B al.] (3)
— 14. Ἀχ. υἱὸς Ἀ. (3)
— 16. B. υἱὸς X. ἐν Ἀ. (3)
— 18. B υἱὸς [A R Σ. υἱ.] Ἠ. ἐν τῷ Βεν. (3)
— 19. B υἱὸς [A R Γ. υἱ.] Ἀ. ἐν τῇ γῇ Γ. (3)
— 17. Ἰωσ. υἱὸς Φ. ἐν Ἰσσ. (3)
— 31 (5. 11). B καὶ Δ. υἱὸς [A R -οὺς] M. (3)
5. 5 (19). ὁ υἱ. σου ὃν δώσω ἀντὶ σοῦ (3)
— 7 (21). ὃς ἔδωκε τῷ Δ. υἱ. φρόνιμον (3)
6. 1. ἐν τῷ τεσσαρακοστῷ . . . ἔτει τῆς ἐξόδου υἱῶν [A τῶν υἱ.] Ἰσρ. (3)
— 1 (5. 18 [32]). ἐπελέκησαν οἱ υἱ. Σαλ. καὶ οἱ υἱ. X. (3, 3)
— 13. A κατασκηνώσω ἐν μέσῳ υἱῶν Ἰσρ. (3)
7. 14. ἔλαβε τὸν X. . . . υἱὸν [A -οῦ] γυναικὸς χήρας (3)
8. 1. A τῶν πατέρων τῶν υἱ. Ἰσρ. [B al.] (3)
— 9. ἃ διέθετο κ. μετὰ τῶν [A om.] υἱ. Ἰσρ. (3)
— 19. ὁ υἱ. σου ὁ ἐξελθὼν ἐκ τῶν πλευρῶν σου (3)
— 39. οἶδας τὴν καρδίαν πάντων υἱ. ἀνθρώπων (3)
— 62. πάντες οἱ υἱ. Ἰσρ. ἔθυσαν θυσίαν –
— 63. ὁ βασ. καὶ πάντες οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
10. 22 (9. 20). τῶν μὴ ἐκ τῶν υἱ. Ἰσρ. ὄντων (3)
— 22 (9. 21). οὓς οὐκ ἐδύναντο οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐξολεθρεῦσαι αὐτούς (3)
— 22 (9. 22). ἐκ τῶν υἱ. Ἰσρ. οὐκ ἔδωκε Σ. (3)
11. 2. ὧν ἀπεῖπε κύριος τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 5. A ὀπίσω τῶν βασ. αὐ. εἰδώλου υἱῶν Ἀ. (8)
— 7. καὶ τῷ βασ. αὐ. [A τῷ Μελχὸ] εἰδώλῳ υἱῶν Ἀ. (3)
— 12. ἐκ χειρὸς υἱοῦ σου λήψομαι αὐτήν (3)
— 13. σκῆπτρον ἓν δώσω τῷ υἱ. σου (3)
— 14 (23). καὶ τὸν Ἐ. υἱὸν Ἐλ. [A al.] (3)
— 20. ἔτεκεν αὐτῷ . . . τὸν Γ. υἱὸν αὐ. (3)
— 20. ἐν μέσῳ υἱῶν Φ. (2)
— 20. B ἦν Γ. ἐν μέσῳ υἱῶν Φ. (3)
— 26. Ἱερ. υἱὸς N. . . . υἱὸς γυναικὸς χήρας [A al.] (3, †)
— 33. καὶ τῷ βασ. αὐ. προσοχθίσματι υἱῶν [A -ῷ] Ἀ. (3)
— 35. λήψομαι τὴν βασ. ἐκ χειρὸς τοῦ υἱ. αὐ. (3)
— 36. τῷ δὲ υἱ. αὐ. δώσω τὰ δύο σκ. (3)
— 43 (12. 2). B ὡς ἤκουσεν Ἱερ. υἱὸς N. (3)
— 44 (43). ἐβασίλευσε Ῥ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
12. 2. A ὡς ἤκουσεν Ἱερ. υἱὸς N. (3)
— 15. ὃ ἐλάλησεν . . . περὶ Ἱερ. υἱοῦ N. (3)
— 16. οὐκ ἔστιν ἡμῖν κληρονομία ἐν υἱῷ Ἰ. (3)
— 17. A καὶ υἱῶν Ἰσρ. τῶν καθημ. ἐν πόλεσιν Ἰ. –
— 21. ἐπιστρέψαι τὴν βασ. Ῥοβ. υἱῷ Σαλ. (3)
— 23. εἰπὸν τῷ Ῥ. υἱῷ Σαλ. (3)
— 24. οὐδὲ πολεμήσετε μετὰ τῶν ἀδ. ὑ. υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 24. B ἐβασίλευσε Ῥ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ ἐν Ἱερ. υἱὸς ὢν ἐκκαίδεκα ἐτῶν –, –
— 24. R θυγάτηρ Ἀνὰ υἱοῦ N. βασιλέως υἱῶν [B om.] Ἀ. –, –
— 24. B ἔτεκε τῷ Ἱερ. τὸν Ἀ. υἱὸν αὐ. –
— 24. B οὗτος ἦν υἱὸς ἐξήκοντα ἐτῶν –
— 24. B ἀνέβη ἐκεῖ Ῥ. υἱὸς Σαλ. –
— 24. B εἶπεν ὁ λαὸς πρὸς Ῥ. υἱὸν Σαλ. –
— 24. B οὐδὲ κληρονομία ἐν υἱῷ Ἰ. –
— 24. B οὐδὲ πολεμήσετε πρὸς τοὺς ἀδ. ὑ. υἱοὺς Ἰσρ. –
— 31. οἳ οὐκ ἦσαν ἐκ τῶν υἱ. Λ. (3)
— 33. ἐποίησεν ἑορτὴν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
13. 2. υἱὸς τίκτεται τῷ οἴκῳ Δ. (3)
— 11. ἔρχονται οἱ υἱ. αὐ. (3)
— 12. δεικνύουσιν αὐτῷ οἱ υἱ. αὐ. τὴν ὁδόν (3)
— 13. εἶπε τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 27. A ἐλάλησεν πρὸς τοὺς υἱ. αὐ. (3)
— 31. εἶπε τοῖς υἱ. αὐ. (3)
14. 1. A ἠρρώστησεν Ἀ. υἱὸς Ἱερ. (3)
— 5. R παρὰ σοῦ ὑπὲρ [A om.] υἱοῦ αὐ. ὅτι ἄρρωστός ἐστι (3)

III Ki. 14. 20. A ἐβασίλευσε N. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
— 21. Ῥ. υἱὸς Σαλ. ἐβασίλευσεν ἐπὶ Ἰ. (3)
— 21. υἱὸς τεσσαράκοντα καὶ ἑνὸς ἐνιαυτῶν Ῥ. (3)
— 24. ὧν ἐξῆρε κ. ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 31. ἐβασίλευσεν Ἀβ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
15. 1. βασιλεύοντος Ἱερ. υἱοῦ N. βασιλεύει Ἀβ. υἱὸς Ἱερ. (3, –)
— 8. βασιλεύει Ἀ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
— 18. ἐξαπέστειλεν αὐτοὺς ὁ βασ. Ἀ. πρὸς υἱὸν Ἀ. υἱὸν Ταβ. υἱοῦ Ἀ. (3 ter)
— 20. ἤκουσεν υἱὸς Ἀ. τοῦ βασ. Ἀ. (3)
— 24. βασιλεύει Ἰωσ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
— 25. N. υἱὸς Ἱερ. βασιλεύει ἐπὶ Ἰσρ. (3)
— 27. περιεκάθισεν αὐτὸν Β. υἱὸς Ἀ. ἐπὶ τὸν οἶκον Β. (3)
— 27. B ὁ υἱ. Ἀ. [A R *al.*] –
— 28. ἐν ἔτει τρίτῳ τοῦ Ἀ. υἱοῦ Ἀ. [A *al.*] –
— 33. βασιλεύει Β. υἱὸς Ἀχ. ἐπὶ Ἰσρ. (3)
— 34. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ Ἱερ. υἱοῦ [A -ὸς] N. –
16. 1. ἐν χειρὶ Ἰ. υἱοῦ Ἀν. (3)
— 3. δώσω τὸν οἶκόν σου ὡς τὸν οἶκον Ἱερ. υἱοῦ N. (3)
— 6. βασιλεύει Ἠ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
— 7. A R ἐν χειρὶ Ἰ. υἱοῦ Ἀν. [B *al.*] (3)
— 8. Ἠ. υἱὸς Β. ἐβασίλευσεν ἐπὶ Ἰσρ. (3)
— 13. περὶ πασῶν τῶν ἁμαρτιῶν Β. καὶ Ἠ. τοῦ υἱ. αὐ. (3)
— 19. πορευθῆναι ἐν ὁδῷ Ἱερ. υἱοῦ N. –
— 21. ὀπίσω Θ. υἱοῦ Γ. (3)
— 22. ὁ λαὸς ὁ ὢν ὀπίσω Θ. υἱοῦ Γ. [A *om.* υἱ. Γ., R *al.*] (3)
— 26. ἐν πάσῃ ὁδῷ Ἱερ. υἱοῦ N. (3)
— 28. βασιλεύει Ἀχ. ὁ [B[1] *om.*] υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
— 28 (22. 42). B βασιλεύει Ἰωσ. υἱὸς Ἀ. –
— 28 (22. 50 [51]). B ἐβασίλευσεν Ἰ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
— 29. B βασιλεύει Ἀχ. υἱὸς Ζ. [A R *al.*] (3)
— 29. A βασιλεύσας δὲ Ἀχ. υἱὸς Ζ. ἐπὶ Ἰσρ. (3)
— 30. A ἐποίησεν Ἀχ. υἱὸς Ζ. [B *om.* υἱ. Ζ.] τὸ πονηρόν (3)
— 31. ἐν ταῖς ἁμαρτίαις Ἱερ. υἱοῦ N. (3)
— 34. ὃ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ Ἰ. υἱοῦ N. (3)
17. 17. ἠρρώστησεν ὁ υἱ. τῆς γυναικός (3)
— 18. τοῦ . . . θανατῶσαι τὸν υἱ. μου (3)
— 19. δός μοι τὸν υἱ. σου (3)
— 20. τοῦ θανατῶσαι τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 23. ζῇ ὁ υἱ. σου (3)
19. 10. ἐγκατέλιπόν σε οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 14. B[1] ἐγκατέλιπόν σε οἱ υἱ. Ἰσρ. [AB[2]R *al.*] (3)
— 16. B τὸν υἱ. Ἰ. υἱοῦ Ναμ. χρίσεις [A R *al.*] (–, 3)
— 16. B τὸν Ἑλ. υἱὸν Σ. χρίσεις [A R *al.*] (3)
— 19. εὑρίσκει τὸν Ἑλ. υἱὸν Σ. (3)
20 (21). 10. ἐγκαθίσατε δύο ἄνδρας υἱοὺς παρανόμων (3)
— 13. A ἦλθον δύο ἄνδρες οἱ υἱ. παρανόμων [R *al.*] (3)
— 22. ὡς τὸν οἶκον Ἱερ. υἱοῦ N. καὶ ὡς τὸν οἶκον B. υἱοῦ Ἀχ. (3, 3)
— 26. ὃν ἐξωλέθρευσε κ. ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 29. B ἐν ταῖς ἡμέραις υἱοῦ [A R τοῦ υἱ.] αὐ. ἐπάξω τὴν κακίαν (3)
21 (20). 1. συνήθροισεν υἱὸς Ἄ. πᾶσαν τὴν δύναμιν αὐ. (3)
— 3. τάδε λέγει υἱὸς [A ὁ υἱ.] Ἄ. (3)
— 5. B τάδε λέγει υἱὸς [A R ὁ υἱ.] Ἄ. (3)
— 7. ἀπέσταλκε . . . περὶ τῶν υἱ. μου (3)
— 9. εἶπε τοῖς ἀγγέλοις υἱοῦ Ἄ. (3)
— 10. ἀπέστειλε πρὸς αὐτὸν υἱὸς Ἄ. (3)
— 15. ἐπεσκέψατο . . . πάντα υἱὸν δυνάμεως (3)
— 16. υἱὸς Ἄ. πίνων μεθύων ἐν Σ. (3)
— 17. A ἀπέστειλεν υἱὸς Ἄ. [B *al.*] (3)
— 20. σώζεται υἱὸς Ἄ. (3)
— 22. υἱὸς Ἄ. . . . ἀναβαίνει ἐπὶ σέ –
— 26. ἐπεσκέψατο υἱὸς Ἄ. τὴν Σ. (3)
— 27. οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐπεσκέπησαν (3)
— 27. A παρενέβαλον οἱ υἱ. Ἰσρ. [B *al.*] (3)
— 30. υἱὸς Ἄ. ἔφυγε (3)
— 32. δοῦλός σου υἱὸς Ἄ. λέγει (3)
— 33. ἀδελφός σου υἱὸς Ἄ. (3)
— 33. ἐξῆλθε πρὸς αὐτὸν υἱὸς Ἄ. (3)
— 35. ἄνθρωπος εἷς ἐκ τῶν υἱ. τῶν προφητῶν (3)
22. 8. εἷς ἐστὶν ἀνὴρ . . . M. υἱὸς Ἰ. (3)
— 9. τὸ τάχος Μειχαίαν υἱὸν Ἰ. (3)
— 11. ἐποίησεν ἑαυτῷ Σ. υἱὸς Χ. κέρατα σιδηρᾶ (3)
III Ki. 22. 24. προσῆλθε Σεδ. υἱὸς Χ. (3)
— 26. τῷ Ἰ. υἱῷ τοῦ βασ. εἰπόν [A *al.*] (3)
— 40. ἐβασίλευσεν Ὀχ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
— 41. Ἰωσ. υἱὸς Ἀ. ἐβασίλευσεν ἐπὶ Ἰ. (3)
— 42. Ἰωσ. υἱὸς τριάκοντα καὶ πέντε ἐτῶν (3)
— 50. A τότε εἶπεν Ὀχ. υἱὸς Ἀχ. πρὸς Ἰωσ. (3)
— 51. ἐβασίλευσεν Ἰ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
— 52. Ὀχ. υἱὸς Ἀχ. ἐβασίλευσεν (3)
— 52. R Ὀχ. υἱὸς Ἀχ. –
— 53. ἐν ταῖς ἁμαρτίαις οἴκου Ἱερ. υἱοῦ N. (3)
IV Ki. 1. 18 (3. 1). Ἰ. υἱὸς Ἀχ. βασιλεύει (3)
— 18. A ἐν ἔτει δευτέρῳ Ἰ. υἱῷ Ἰωσ. –
— 18. A οὐκ ἦν αὐτῷ υἱός –
2. 3. ἦλθον οἱ υἱ. τῶν προφητῶν (3)
— 3. A εἶπον πρὸς αὐτὸν οἱ υἱ. τῶν προφ. [B *om.* οἱ υἱ. τ. προ.] –
— 5. ἤγγισαν οἱ υἱ. τῶν προφητῶν (3)
— 7. πεντήκοντα ἄνδρες υἱοὶ τῶν προφητῶν (3)
— 15. εἶδον αὐτὸν οἱ υἱ. τῶν προφητῶν (3)
— 16. πεντήκοντα ἄνδρες υἱοὶ δυνάμεως [A *al.*] (3)
3. 1. Ἰ. υἱὸς Ἀχ. ἐβασίλευσεν (3)
— 3. ἐν τῇ ἁμαρτίᾳ Ἱερ. υἱοῦ N. (3)
— 11. ὧδε Ἐλ. υἱὸς Σ. (3)
— 27. ἔλαβε τὸν υἱ. αὐ. τὸν πρωτότοκον (3)
4. 1. γυνὴ μία ἀπὸ τῶν υἱ. τῶν προφητῶν (3)
— 1. λαβεῖν τοὺς δύο υἱ. μοῦ ἑαυτῷ (6 *a*)
— 4. ἀποκλείσεις τὴν θύραν . . . κατὰ τῶν υἱ. σου (3)
— 5. ἀπέκλεισε τὴν θύραν . . . κατὰ τῶν υἱ. αὐ. (3)
— 6. εἶπε πρὸς τοὺς υἱ. αὐ. (3)
— 7. σὺ καὶ οἱ [A *om.*] υἱ. σου ζήσεσθε (3)
— 14. καὶ μάλα υἱὸς οὐκ ἔστιν αὐτῇ (3)
— 16. εἰς τὸν καιρὸν τοῦτον . . . σὺ περιειληφυῖα υἱόν (3)
— 17. καὶ ἔτεκεν υἱόν (3)
— 28. μὴ ἠτησάμην υἱὸν παρὰ τοῦ κυρίου μου (3)
— 36. λάβε τὸν υἱ. σου (3)
— 37. ἔλαβε τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 38. οἱ υἱ. τῶν προφητῶν ἐκάθηντο ἐνώπιον αὐτοῦ (3)
— 38. ἕψε ἕψεμα τοῖς υἱ. τῶν προφητῶν (3)
5. 22. δύο παιδάρια . . . ἀπὸ τῶν υἱ. τῶν προφητῶν (3)
6. 1. εἶπον οἱ υἱ. τῶν προφητῶν πρὸς Ἐλ. (3)
— 24. ἤθροισεν υἱὸς Ἄ. . . . πᾶσαν τὴν παρεμβ. αὐ. (3)
— 28. δὸς τὸν υἱ. σου . . . καὶ τὸν υἱ. μου φαγόμεθα (3)
— 29. ἠψήσαμεν τὸν υἱ. μου (3)
— 29. δὸς τὸν υἱ. σου (3)
— 29. ἔκρυψε τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 31. A εἰ στήσεται ἡ κεφ. Ἐλ. υἱοῦ Σ. [B υἱ. Σ.] ἐπ' αὐτῷ σήμερον (3)
— 32. ἀπέστειλεν ὁ υἱ. τοῦ φονευτοῦ (3)
8. 1. ἧς ἐζωπύρησε τὸν υἱ. (3)
— 5. ὡς ἐζωπύρησεν υἱὸν τεθνηκότα –
— 5. ἧς ἐζωπύρησε τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 5. οὗτος ὁ [A *om.*] υἱ. αὐ. ὃν ἐζωπύρησεν Ἐλ. (3)
— 7. υἱὸς Ἄ. βασιλεὺς Συρίας ἠρρώστησε (3)
— 9. υἱός [A ὁ υἱ.] σου υἱὸς Ἄ. . . . ἀπέστειλέ με (3, 3)
— 12. ὅσα ποιήσεις τοῖς υἱ. Ἰσρ. κακά (3)
— 16. ἐν ἔτει πέμπτῳ τῷ Ἰ. υἱῷ [A τοῦ Ἰ. υἱοῦ] Ἀχ. (3)
— 16. ἐβασίλευσεν Ἰ. υἱὸς Ἰωσ. (3)
— 17. υἱὸς τριάκοντα καὶ δύο ἐτῶν (3)
— 19. A R δοῦναι αὐτῷ λύχνον καὶ τοῖς υἱ. αὐ. [B *om.* κ. τ. υἱ. αὐ.] (3)
— 24. ἐβασίλευσεν Ὀχ. υἱὸς αὐ. (3)
— 25. ἐν ἔτει δωδεκάτῳ τῷ Ἰ. υἱῷ Ἀχ. (3)
— 25. ἐβασίλευσεν Ὀχ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 26. υἱὸς [A *om.*] εἴκοσι καὶ δύο ἐτῶν Ὀχ. (3)
— 28. ἐπορεύθη μετὰ Ἰ. υἱοῦ Ἀχ. (3)
— 29. Ὀχ. υἱὸς Ἰ. κατέβη τοῦ ἰδεῖν τὸν Ἰ. υἱὸν Ἀχ. ἐν Ἰ. (3, 3)
9. 1. ἐκάλεσεν ἕνα τῶν υἱ. τῶν προφητῶν (3)
— 2. B ὄψῃ ἐκεῖ υἱὸν Ἰωσ. Ἰ. υἱοῦ Ναμ. [A R *al.*] (3, 3)
— 9. ὡς τὸν οἶκον Ἱερ. υἱοῦ N. (3)
— 9. ὡς τὸν οἶκον B. υἱοῦ Ἀχ. (3)
— 14. συνεστράφη Ἰ. υἱὸς Ἰωσ. υἱοῦ N. πρὸς Ἰ. (3, 3)
— 20. ἦγε τὸν Ἰ. υἱὸν [A -οῦ] N. (3)
— 26. τὰ αἵματα τῶν υἱ. αὐ. εἶδον ἐχθές (3)
— 29. A ἐν ἔτει ἑνδεκάτῳ υἱοῦ Ἰ. βασιλέως Ἰσρ. [B *al.*] (3 ?)
IV Ki. 10. 1. τῷ Ἀχ. ἑβδομήκοντα υἱοὶ ἐν Σαμ. (3)
— 2. καὶ μεθ' ὑμῶν οἱ υἱ. τοῦ κυρίου ὑμῶν (3)
— 3. ὄψεσθε τὸν ἀγαθὸν . . . ἐν τοῖς υἱ. τοῦ κ. ὑμῶν (3)
— 6. λάβετε τὴν κεφ. ἀνδρῶν τῶν υἱ. [A *om.* τ. υἱ.] τοῦ κ. ὑμῶν (3)
— 6. οἱ υἱ. τοῦ βασ. ἦσαν ἑβδομήκοντα ἄνδρες (3)
— 7. ἔλαβον τοὺς υἱ. τοῦ βασ. (3)
— 8. ἤνεγκαν τὰς κεφ. τῶν υἱ. τοῦ βασ. (3)
— 13. κατέβημεν εἰς εἰρήνην τῶν υἱ. τοῦ βασ. καὶ τῶν υἱ. τῆς δυναστευούσης (3, 3)
— 15. ἔλαβε τὸν Ἰων. υἱὸν Ῥ. (3)
— 23. εἰσῆλθεν Ἰ. καὶ Ἰων. υἱὸς Ῥ. εἰς οἶκον τοῦ B. (3)
— 29. πλὴν ἁμαρτιῶν Ἱερ. υἱοῦ N. (3)
— 30. υἱ. τέταρτοι καθήσονταί σοι (3)
— 35. ἐβασίλευσεν Ἰ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
11. 1. ἀπέθανεν ὁ υἱ. [A -αν οἱ υἱ.] αὐ. (3)
— 2. A ἔλαβεν Ἰ. θυγάτηρ τοῦ βασ. Ἰ. υἱὸν Ὀχ. τὸν Ἰ. υἱὸν Ἀζ. [B R *al.*] (†, 3)
— 2. ἔκλεψεν αὐτὸν ἐκ μέσου τῶν υἱ. τοῦ βασ. (3)
— 4. ἔδειξεν αὐτοῖς Ἰ. τὸν υἱ. τοῦ βασ. (3)
— 12. ἐξαπέστειλε τὸν υἱ. τοῦ βασ. (3)
— 21 (12. 1). υἱὸς ἑπτὰ ἐτῶν Ἰ. ἐν τῷ βασιλεύειν (3)
12. 21 (22). Ἰεζ. υἱὸς Ἰ. καὶ Ἰεζ. ὁ [A *om.*] υἱ. αὐ. Σ. (3, 3)
— 21 (22). ἐβασίλευσεν Ἀμ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
13. 1. ἐν ἔτει εἰκοστῷ . . . τῷ Ἰ. υἱῷ Ὀχ. [A *al.*] (3)
— 1. ἐβασίλευσεν Ἰωαχ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 2. ἐπορεύθη ὀπίσω ἁμαρτιῶν Ἱερ. υἱοῦ N. (3)
— 3. ἐν χειρὶ υἱοῦ Ἄ. υἱοῦ Ἀζ. (3, 3)
— 5. ἐκάθισαν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐν τοῖς σκηνώμασιν αὐ. (3)
— 6. A οὐκ ἀπέστησαν ἀπὸ ἁμαρτίας οἴκου Ἱερ. υἱοῦ N. [B *al.*] –
— 9. ἐβασίλευσεν Ἰ. υἱὸς αὐ. (3)
— 10. ἐβασίλευσεν Ἰ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 11. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ πάσης Ἱερ. υἱοῦ N. ἁμαρτίας (3)
— 24. ἐβασίλευσεν υἱὸς Ἄ. υἱὸς αὐ. (3, 3)
— 25. ἐπέστρεψεν Ἰ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 25. ἔλαβε τὰς πόλεις ἐκ χειρὸς υἱοῦ Ἄ. υἱοῦ Ἀζ. (3, 3)
14. 1. ἐν ἔτει δευτέρῳ τῷ Ἰ. υἱῷ Ἰ. (3)
— 1. ἐβασίλευσεν Ἀμ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 2. υἱὸς εἴκοσι καὶ πέντε ἐτῶν ἦν (3)
— 6. τοὺς υἱ. τῶν παταξάντων οὐκ ἐθανάτωσε (3)
— 6. οὐκ ἀποθανοῦνται πατέρες ὑπὲρ υἱῶν (3)
— 6. υἱοὶ οὐκ ἀποθανοῦνται ὑπὲρ πατέρων (3)
— 8. ἀπέστειλεν Ἀμ. ἀγγέλους πρὸς Ἰ. υἱὸν Ἰ. υἱοῦ Ἰ. (3, 3)
— 9. δὸς τὴν θυγ. σου τῷ υἱ. μου εἰς γυναῖκα (3)
— 13. A τὸν Ἀμ. . . . υἱὸν Ἰ. υἱοῦ Ἀ. ἔλαβεν Ἰ. υἱὸς Ἰ. [B *om.* υἱ. Ἰ.] (3, 3, –)
— 14. ἔλαβε . . . τοὺς υἱ. τῶν συμμίξεων (3)
— 16. ἐβασίλευσεν Ἱερ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
— 17. ἔζησεν Ἀμ. υἱὸς Ἰ. . . . μετὰ τὸ ἀποθανεῖν Ἰ. υἱὸν Ἰ. (3, 3)
— 21. καὶ αὐτὸς υἱ. ἑκκαίδεκα ἐτῶν (3)
— 23. ἐν ἔτει πεντεκαιδεκάτῳ τοῦ Ἀμ. υἱῷ [A -οῦ] Ἰ. (3)
— 23. ἐβασίλευσεν Ἱερ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 24. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ πασῶν ἁμαρτιῶν Ἱερ. υἱοῦ N. (3)
— 25. ἐν χειρὶ δούλου αὐ. Ἰ. υἱοῦ Ἀμ. (3)
— 27. ἔσωσεν αὐτοὺς ἐκ χειρὸς Ἱερ. υἱοῦ Ἰ. (3)
— 29 : 15. 1. ἐβασίλευσεν Ἀζ. υἱὸς Ἀμ. (3)
15. 2. υἱὸς ἑκκαίδεκα ἐτῶν ἦν (3)
— 5. καὶ Ἰων. υἱὸς τοῦ βασ. ἐπὶ τῷ οἴκῳ (3)
— 7. ἐβασίλευσεν Ἰ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
— 8. ἐβασίλευσε Ζαχ. υἱὸς Ἱερ. (3)
— 9. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ ἁμαρτιῶν Ἱερ. υἱοῦ N. (3)
— 10. συνεστράφησαν ἐπ' αὐτὸν Σ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 12. υἱ. τέταρτοι καθήσονταί σοι (3)
— 13. Σ. υἱὸς Ἰ. ἐβασίλευσεν (3)
— 14. ἀνέβη M. υἱὸς Γ. (3)
— 14. ἐπάταξε τὸν Σ. υἱὸν Ἰ. (3)
— 17. ἐβασίλευσε M. υἱὸς Γ. (3)
— 18. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ πασῶν ἁμαρτιῶν Ἱερ. υἱοῦ N. (3)
— 22. ἐβασίλευσε Φ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
— 23. ἐβασίλευσε Φ. υἱὸς M. (3)
— 24. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ ἁμαρτιῶν Ἱερ. υἱοῦ N. (3)
— 25. συνεστράφη ἐπ' αὐτὸν Φ. υἱὸς Ῥ. (3)
— 27. ἐβασίλευσε Φ. υἱὸς Ῥ. (3)

IV Ki. 15. 28. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ πασῶν ἁμαρτιῶν Ἱερ. υἱοῦ N. (3)
— 30. συνέστρεψε σύστρεμμα Ὠ. υἱὸς Ἠ. ἐπὶ Φ. υἱὸν Ῥ. (3, 3)
— 30. ἐν ἔτει εἰκοστῷ Ἰ. υἱῷ [A -οῦ] Ἄ. (3)
— 32. ἐν ἔτει δευτέρῳ Φ. υἱοῦ Ῥομ. (3)
— 32. ἐβασίλευσεν Ἰ. υἱὸς Ἀζ. (3)
— 33. υἱὸς εἴκοσι καὶ πέντε ἐτῶν ἦν (3)
— 37. ἤρξατο κ. ἐξαποστέλλειν . . . τὸν Φ. υἱὸν Ῥ. (3)
— 38. ἐβασίλευσεν Ἄ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
16. 1. ἐν ἔτει ἑπτακαιδεκάτῳ Φ. υἱοῦ Ῥ. (3)
— 1. ἐβασίλευσεν Ἄ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 2. υἱὸς εἴκοσι ἐτῶν ἦν Ἄ. (3)
— 3. A ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ Ἱερ. υἱοῦ N. [B *al.*] †
— 3. τὸν υἱ. αὐ. διῆγεν ἐν πυρί (3)
— 3. ὃν ἐξῆρε κ. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 5. ἀνέβη . . . Φ. υἱὸς Ῥ. (3)
— 7. δοῦλός σου καὶ υἱός σου ἐγώ (3)
— 20. ἐβασίλευσεν Ἐζ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
17. 1. ἐβασίλευσεν Ὠ. υἱὸς Ἠ. (3)
— 7. ἥμαρτον οἱ υἱ. Ἰσρ. τῷ κυρίῳ θεῷ αὐτῶν (3)
— 8. ὧν ἐξῆρε κ. ἐκ προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 9. ὅσοι ἠμφιέσαντο οἱ υἱ. Ἰσρ. λόγους (3)
— 17. διῆγον τοὺς υἱ. αὐ. . . . ἐν πυρί (3)
— 21. ἐβασίλευσαν τὸν Ἱερ. υἱὸν N. (3)
— 22. ἐπορεύθησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐν πάσῃ ἁμαρτίᾳ Ἱερ. (3)
— 24. κατῳκίσθησαν . . . ἀντὶ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 31. ἡνίκα κατέκαιον τοὺς υἱ. αὐ. (3)
— 34. ἣν ἐνετείλατο κ. τοῖς [A *om.*] υἱ. Ἰ. (3)
— 41. οἱ υἱ. καὶ οἱ υἱ. [A *om.* κ. οἱ υἱ.] τῶν υἱ. αὐ. (3 *ter*)
18. 1. ἐν ἔτει τρίτῳ τῷ Ὠ. υἱῷ Ἠ. (3)
— 1. ἐβασίλευσεν Ἐζ. υἱὸς Ἄ. (3)
— 2. υἱὸς εἴκοσι καὶ πέντε ἐτῶν (3)
— 4. ἦσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. θυμιῶντες αὐτῷ (3)
— 9. αὐτὸς ἐνιαυτὸς ὁ ἕβδ. τῷ Ὠ. υἱῷ Ἠ. (3)
— 18. ἦλθον πρὸς αὐτὸν Ἐλ. υἱὸς [A ὁ υἱ.] Χ. (3)
— 18. B καὶ Ἰ. ὁ υἱ. Σ. [A B *om.* ὁ υἱ. Σ.] ὁ ἀναμιμνήσκων (3)
— 26. εἶπεν Ἐλ. υἱὸς Χελκ. (3)
— 37. A εἰσῆλθεν Ἐλ. υἱὸς [A ὁ τοῦ] Χελκ. ὁ οἰκονόμος ὁ υἱ. Χελκ. [B *om.* ὁ υἱ. Χ.] . . . καὶ Ἰ. υἱὸς Σ. (3, –, 3)
19. 2. ἀπέστειλεν . . . πρὸς Ἠ. τὸν προφ. υἱὸν [A -ὸς] Ἀ. (3)
— 3. ἦλθον υἱοὶ ἕως ὠδίνων (3)
— 12. οὓς διέφθειραν . . . υἱοὺς [A -ὸς] Ἐ. (3)
— 20. ἀπέστειλεν Ἡσ. υἱὸς Ἀ. πρὸς Ἐζ. (3)
— 37. Ἀδρ. καὶ Σαρ. οἱ [A *om.*] υἱ. αὐ. ἐπάταξαν αὐτόν (– *, 3)
— 37. ἐβασίλευσεν Ἀσ. ὁ [A *om.*] υἱ. αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
20. 1. εἰσῆλθε πρὸς αὐτὸν Ἡσ. υἱὸς Ἀ. (3)
— 12. ἀπέστειλε M. B. υἱὸς B. . . . βιβλία (3)
— 18. οἱ υἱ. σου οἳ ἐξελεύσονται ἐκ σοῦ (3)
— 21. ἐβασίλευσε M. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
21. 1. υἱὸς δώδεκα ἐτῶν Μαν. (3)
— 2. ὧν ἐξῆρε κ. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 6. διῆγε τοὺς υἱ. αὐ. ἐν πυρί (3)
— 7. ᾧ εἶπε κύριος . . . πρὸς Σ. τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 9. ἃ ἠφάνισε κ. ἐκ προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 18. ἐβασίλευσεν Ἀ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
— 19. υἱὸς εἴκοσι καὶ δύο ἐτῶν Ἀ. (3)
— 24. ἐβασίλευσεν ὁ λαὸς τῆς γῆς τὸν Ἰ. υἱ. αὐ. (3)
— 26. ἐβασίλευσεν Ἰ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐ. (3)
22. 1. υἱὸς ὀκτὼ ἐτῶν Ἰ. (3)
— 3. ἀπέστειλεν ὁ βασ. τὸν Σ. υἱὸν Ἐ. υἱοῦ [A -ὸν] M. (3, 3)
— 12. ἐνετείλατο ὁ βασ. . . . τῷ Ἀχ. υἱῷ Σ. καὶ τῷ Ἀχ. υἱῷ M. (3, 3)
— 14. πρὸς Ὀ. τὴν προφῆτιν μητέρα Σ. υἱοῦ Θ. υἱοῦ Ἀ. (3, 3)
23. 6. εἰς τὸν τάφον τῶν υἱ. τοῦ λαοῦ (3)
— 10. τὸν ταφὲθ τὸν ἐν φάραγγι υἱοῦ Ἐ. (3)
— 10. τοῦ διαγαγεῖν ἄνδρα τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 13. καὶ τῷ M. βδελύγματι υἱῶν Ἀ. (3)
— 15. ὃ ἐποίησεν Ἱερ. υἱὸς N. (3)
— 30. ἔλαβεν ὁ λαὸς τῆς γῆς τὸν Ἰ. υἱὸν Ἰωσ. (3)
— 31. υἱὸς εἴκοσι καὶ τριῶν ἐτῶν ἦν Ἰ. (3)
— 34. ἐβασίλευσε . . . τὸν Ἐλ. υἱὸν Ἰ. (3)
— 36. υἱὸς εἴκοσι καὶ πέντε ἐτῶν Ἰ. (3)
24. 2. καὶ τοὺς μονοζώνους υἱῶν Ἀ. (3)
— 6. ἐβασίλευσεν Ἰ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
— 8. υἱὸς ὀκτὼ καὶ δέκα ἐτῶν Ἰ. (3)

IV Ki. 24. 17. ἐβασίλευσε . . . τὸν M. υἱὸν αὐ. ἀντ' αὐτοῦ †
— 18. B υἱὸς εἴκοσι καὶ ἑνὸς ἐνιαυτοῦ Σ. [A R *al.*] (3)
25. 7. τοὺς υἱ. Σεδ. ἔσφαξε (3)
— 18. ἔλαβεν . . . τὸν Σ. υἱὸν τῆς δευτερώσεως †
— 22. κατέστησεν ἐπ' αὐτῶν τὸν Γοδ. υἱὸν Ἀχ. υἱὸν [A -οῦ] Σ. (3, 3)
— 23. Ἰσμ. υἱὸς N. καὶ Ἰ. υἱὸς K. καὶ Σαρ. υἱὸς Θ. ὁ N. καὶ Ἰεζ. υἱὸς τοῦ Μαχ. (3 *quater*)
— 25. B ἦλθεν Ἰ. υἱὸς N. υἱὸς [A R -οῦ] Ἐλ. (3, 3)
I Ch. 1. 4. υἱοὶ Νῶε Σὴμ Χὰμ Ἰαφέθ –
— 5. υἱοὶ Ἰαφέθ (3)
— 6. καὶ υἱοὶ Γαμέρ (3)
— 7. καὶ υἱοὶ Ἰωύαν (3)
— 8. καὶ υἱοὶ Χάμ (3)
— 9. καὶ υἱοὶ Χούς (3)
— 9. καὶ υἱοὶ Ῥεγμά (3)
— 17. υἱοὶ Σήμ (3)
— 17. A καὶ υἱοὶ Ἀράμ –
— 19. A τῷ Ἔ. ἐγεννήθησαν δύο υἱοί (3)
— 23. A πάντες οὗτοι υἱ. Ἰ. (3)
— 28. υἱοὶ δὲ Ἀβραάμ (3)
— 31. οὗτοι υἱοὶ [A εἰσιν οἱ υἱ.] Ἰσμαήλ (3)
— 32. καὶ υἱοὶ Χεττούρας (3)
— 32. A ἔτεκεν υἱὸν [B *om.*] αὐτῷ τὸν Ζ. –
— 32. καὶ υἱοὶ Ἰεξάν (3)
— 32. A καὶ υἱοὶ Δαιδάν –
— 33. καὶ υἱοὶ Μαδιάμ (3)
— 33. πάντες οὗτοι υἱ. Χεττούρας (3)
— 34. καὶ υἱοὶ Ἰσαάκ (3)
— 35. υἱοὶ Ἡσαῦ (3)
— 36. υἱοὶ Ἐλιφάζ (3)
— 37. καὶ υἱοὶ Ῥαγ. (3)
— 38. υἱοὶ Σηείρ (3)
— 39. καὶ υἱοὶ Λ. (3)
— 40. υἱοὶ Σωβάλ (3)
— 40. υἱοὶ δὲ Σεβ. (3)
— 41. υἱοὶ Σων. [A *al.*] (3)
— 41. υἱοὶ δὲ Δαισών (3)
— 42. καὶ υἱοὶ Ὠσάρ (3)
— 42. υἱοὶ Δ. (3)
— 43. A πρὸ τοῦ βασιλεῦσαι βασιλέα τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 43. Βαλὰκ υἱὸς Βεώρ (3)
— 44. ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ Ἰ. υἱὸς Ζ. (3)
— 46. ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ Ἀδὰδ υἱὸς B. (3)
— 49. ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ B. υἱὸς Ἀχ. (3)
— 50. ἀπέθανε B. υἱὸς Ἀχ. –
— 50. ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ Ἀ. υἱὸς B. [A *om.* υἱ. B.] –
2. 1. ταῦτα τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 3. υἱοὶ Ἰούδα (3)
— 4. πάντες υἱοὶ Ἰ. πέντε (3)
— 5. υἱοὶ Φαρές (3)
— 6. καὶ υἱοὶ Ζαρά (3)
— 7. καὶ υἱοὶ Χ. (3)
— 8. καὶ υἱοὶ Αἰθάμ (3)
— 9. καὶ υἱοὶ Ἐσ. (3)
— 16. καὶ υἱοὶ Σαρ. (3)
— 18. Χ. υἱὸς Ἐσ. ἐγέννησε τὴν Γ. (3)
— 18. καὶ οὗτοι υἱ. αὐτῆς (3)
— 23. πᾶσαι αὗται υἱῶν M. πατρὸς Γαλ. (3)
— 25. ἦσαν υἱοὶ Ἱερ. (3)
— 27. ἦσαν υἱοὶ Ῥάμ (3)
— 28. ἦσαν υἱοὶ Ὀ. . . . καὶ υἱοὶ Σ. (3, 3)
— 30. υἱοὶ Ναδάβ (3)
— 31. καὶ υἱοὶ Ἀ. Ἰσ. καὶ υἱοὶ Ἰσ. Σ. καὶ υἱοὶ Σ. Ἀ. (3 *ter*)
— 32. καὶ υἱοὶ Ἰ. (3)
— 33. καὶ υἱοὶ Ἰων. (3)
— 33. οὗτοι ἦσαν υἱ. Ἰ. (3)
— 34. οὐκ ἦσαν τῷ Σ. υἱοί (3)
— 42. καὶ υἱοὶ Χ. ἀδελφοῦ Ἱερ. (3)
— 42. καὶ υἱοὶ Μαρ. (3)
— 43. καὶ υἱοὶ Χεβρών (3)
— 45. καὶ υἱὸς αὐ. Μ. (3)
— 47. καὶ υἱοὶ Ἰ. (3)
— 50. οὗτοι ἦσαν υἱ. Χ. (3)
— 50. υἱοὶ Ὠρ πρωτοτόκου Ἐφρ. (3)
— 52. ἦσαν υἱοὶ τῷ Σ. (3)
— 53. ἐκ τούτων ἐξήλθοσαν . . . υἱοὶ Ἐσθ. [A *al.*] (11)
— 54. υἱοὶ Σαλωμών (3)
3. 1. οὗτοι ἦσαν υἱ. Δ. (3)
— 2. ὁ τρίτος Ἀβεσσ. υἱὸς M. (3)

I Ch. 3. 2. ὁ τέταρτος Ἀδ. υἱὸς Ἀ. (3)
— 9. πάντες υἱ. Δ. πλὴν τῶν υἱ. τῶν παλλακῶν (3, 3)
— 10. υἱοὶ Σαλ. (3)
— 10. Ἀβ. υἱὸς αὐ. Ἀσὰ υἱὸς αὐ. Ἰωσ. υἱὸς αὐ. (3 *ter*)
— 11. Ἰ. υἱὸς αὐ. Ὀζ. υἱὸς αὐ. Ἰω. υἱὸς αὐ. (3 *ter*)
— 12. Ἀμ. υἱὸς αὐ. Ἀζ. υἱὸς αὐ. Ἰω. υἱὸς αὐ. (3 *ter*)
— 13. A² B Ἄ. υἱὸς αὐ. Ἐζ. υἱὸς αὐ. Μαν. υἱὸς αὐ. (3 *ter*)
— 14. Ἀ. υἱὸς αὐ. Ἰωσ. υἱὸς αὐ. (3, 3)
— 15. καὶ υἱοὶ Ἰωσ. (3)
— 16. καὶ υἱοὶ Ἰωακείμ (3)
— 16. Ἰεχ. υἱὸς αὐ. Σεδ. υἱὸς αὐ. (3, 3)
— 17. καὶ υἱοὶ Ἰεχ. (3)
— 17. Σαλ. υἱὸς αὐ. (3)
— 19. A B καὶ υἱοὶ Σαλ. [R Φαδ.] (3)
— 19. A R καὶ υἱοὶ Ζορ. (3)
— 21. καὶ υἱοὶ Ἀν. (3)
— 21. Ἰεσ. υἱὸς αὐ. Ῥ. υἱὸς αὐ. Ὀ. υἱὸς αὐ. [A¹ *om.* Ὀ. υἱ. αὐ.] Ἀβδ. υἱὸς αὐ. Σεχ. υἱὸς αὐ. (3 *quater*, –)
— 22. καὶ υἱὸς Σεχ. (3)
— 22. B καὶ υἱὸς [A R -οὶ] Σαμ. (3)
— 23. καὶ υἱοὶ N. (3)
— 24. καὶ υἱοὶ Ἐλ. (3)
4. 1. καὶ υἱοὶ Ἰούδα (3)
— 2. καὶ Ῥ. υἱὸς αὐ. (3)
— 3. καὶ οὗτοι υἱ. Αἰ. †
— 4. οὗτοι υἱ. Ὠρ (3)
— 6. πάντες οὗτοι υἱ. Ἰ. (3)
— 7. καὶ υἱοὶ N. (3)
— 8. γεννήσεις ἀδελφοῦ Ῥ. υἱοῦ Ἰ. (3)
— 13. καὶ υἱοὶ K. (3)
— 13. καὶ υἱοὶ Γοθ. (3)
— 15. A R καὶ υἱοὶ [B -οῦ] Χ. υἱοῦ Ἰεφ. (3, 3)
— 15. καὶ υἱοὶ Ἀ. (3)
— 16. καὶ υἱὸς αὐ. [A R -οὶ] Γ. (3)
— 17. καὶ υἱοὶ Ἐ. (3)
— 18. οὗτοι υἱ. B. (3)
— 19. καὶ υἱοὶ γυναικὸς τῆς Ἰδ. (3)
— 19. A καὶ υἱοὶ Ναήμ [B *al.*] –
— 20. καὶ υἱοὶ Σεμ. (3)
— 20. καὶ Ἀ. υἱὸς Φ. (3)
— 20. καὶ υἱοὶ Σ. (3)
— 20. καὶ υἱοὶ Ζ. (3)
— 21. υἱοὶ Σηλὼμ υἱοῦ Ἰούδα (3, 3)
— 24. υἱοὶ Συμεών (3)
— 25. Σαλὲμ υἱὸς αὐ. Μαβ. υἱὸς αὐ. Μασμὰ υἱὸς αὐ. (3 *ter*)
— 26. A R Ἀμ. υἱὸς αὐ. Σαβ. υἱὸς αὐ. Ζ. υἱὸς αὐ. (3, –, 3)
— 26. Σεμεεὶ υἱὸς αὐ. (3)
— 27. τῷ Σ. υἱοὶ ἑκκαίδεκα (3)
— 27. τοῖς ἀδ. αὐ. οὐκ ἦσαν υἱ. πολλοί (3)
— 27. οὐκ ἐπλεόνασαν ὡς υἱοὶ Ἰούδα (3)
— 34. καὶ Ἰωσ. υἱὸς Ἀμ. (3)
— 35. B¹ οὗτος [A B³ R Ἰ.] υἱ. Ἰσ. υἱὸς Σαρ. υἱὸς Ἀσ. (3 *ter*)
— 37. B υἱοὶ Ἀωσὰλ υἱοῦ Σαφ. [A R *al.*] (–, 3)
— 37. υἱοῦ Ἀ. υἱοῦ Ἰ. υἱοῦ Σ. υἱοῦ Συμεών [A *al.*] (3 *quater*)
— 40. ἐκ τῶν υἱ. Χαμ. τῶν κατοικούντων ἐκεῖ –
— 42. ἀπὸ τῶν υἱ. Συμ. (3)
— 42. υἱοὶ Ἰ. οἱ ἄρχοντες αὐ. (3)
5. 1. καὶ υἱοὶ Ῥ. πρωτοτόκου Ἰσρ. (3)
— 1. ἔδωκεν εὐλογίαν αὐ. τῷ υἱ. αὐ. Ἰ. υἱῷ Ἰσρ. (3, 3)
— 3. A R υἱοὶ [B -οῦ] Ῥ. πρωτοτόκου Ἰσρ. (3)
— 4. υἱοὶ Ἰωήλ (3)
— 4. καὶ Βαν. υἱὸς αὐ. (3)
— 4. καὶ υἱοὶ Γ. υἱοῦ Σεμεεί (–, 3)
— 5. υἱὸς αὐ. Μ. υἱὸς αὐ. Ῥ. υἱὸς αὐ. Ἰωήλ (3 *ter*)
— 6. υἱὸς αὐ. B. (3)
— 7 (8). καὶ B. υἱὸς Ὀζ. υἱὸς Σαμὰ υἱὸς Ἰωήλ (3 *ter*)
— 11. υἱοὶ Γὰδ κατέναντι αὐτῶν (3)
— 14. B οὗτοι υἱ. Ἀβ. υἱοὶ [A R -οῦ] Οὐρ. υἱοῦ Ἰ. υἱοῦ Γαλ. υἱοῦ Μιχ. υἱοῦ Ἰ. υἱοῦ Ἰ. υἱοῦ Ζαβ. (3 *octiens*)
— 15. υἱοῦ Ἀβδ. υἱοῦ Γ. (3, 3)
— 18. A R υἱοὶ [B -οῦ] Ῥ. . . . ἐξ υἱῶν δυνάμεως (3, 3)
6. 1 (5. 27). υἱοὶ Λ. Γ. K. καὶ Μερ. (3)
— 2 (5. 28). καὶ υἱοὶ Καάθ (3)
— 3 (5. 29). καὶ υἱοὶ Ἀμβ. (3)
— 3 (5. 29). καὶ υἱοὶ Ἀαρών (3)
— 16 (1). υἱοὶ Λ. Γ. K. καὶ Μερ. (3)
— 17 (2). ταῦτα τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. Γ. (3)

1 Ch. 6. 18 (3). υἱοὶ Καάθ (3)
— 19 (4). υἱοὶ Μαρ. (3)
— 20 (5). τῷ Λοβ. υἱῷ αὐ. (3)
— 20 (5). Ἰ. υἱὸς αὐ. Ζ. υἱὸς αὐ. (3, 3)
— 21 (6). Ἰ. υἱὸς αὐ. Ἀ. υἱὸς αὐ. Ἰ. υἱὸς αὐ. Ἰεθρεὶ υἱὸς αὐ. (3 *quater*)
— 22 (7). υἱοὶ Καάθ (3)
— 22 (7). Ἀμ. υἱὸς αὐ. Κορὲ υἱὸς αὐ. Ἀσ. υἱὸς αὐ. (3 *ter*)
— 23 (8). A Ἐλκ. υἱὸς αὐ. [B *om.* υἱ. αὐ.] καὶ Ἀβ. υἱὸς αὐ. Ἀσ. υἱὸς αὐ. (3 *ter*)
— 24 (9). Θ. υἱὸς αὐ. Οὐρ. υἱὸς αὐ. Ὀζ. υἱὸς αὐ. Σαοὺλ υἱὸς αὐ. (3 *quater*)
— 25 (10). καὶ υἱοὶ Ἑλ. (3)
— 26 (11). Ἑλ. υἱὸς αὐ. Σ. υἱὸς αὐ. Κ. υἱὸς [A *om.*] αὐ. (3 *ter*)
— 27 (12). Ἐλ. υἱὸς αὐ. Ἰ. υἱὸς αὐ. Ἑλ. υἱὸς αὐ. (3 *ter*)
— 28 (13). υἱοὶ Σαμ. (3)
— 29 (14). υἱοὶ Μερ. [B[1] *om.*] Λοβ. υἱὸς αὐ. Σ. υἱὸς αὐ. Ὀζὰ υἱὸς αὐ. (3 *quater*)
— 30 (15). Σ. υἱὸς αὐ. Ἀ. υἱὸς αὐ. Ἀσ. υἱὸς αὐ. (3 *ter*)
— 33 (18). καὶ οἱ υἱ. αὐ. ἐκ τῶν υἱ. τοῦ Κ. (3, 3)
— 33 (18). A R Αἰμὰν ὁ ψαλτῳδὸς υἱὸς [B -οῦ] Ἰ. υἱοῦ Σαμ. (3, 3)
— 34 (19). υἱοῦ Ἑλκ. υἱοῦ Ἰ. υἱοῦ Ἐλ. υἱοῦ Θ. (3 *quater*)
— 35 (20). υἱοῦ Σ. υἱοῦ Ἑλ. υἱοῦ Μ. υἱοῦ Ἀμ. (3 *quater*)
— 36 (21). υἱοῦ Ἑλ. υἱοῦ Ἰ. υἱοῦ Ἀζ. υἱοῦ Σαφ. (3 *quater*)
— 37 (22). υἱοῦ Θ. υἱοῦ Ἀσ. υἱοῦ Ἀβ. υἱοῦ Κορέ (3 *quater*)
— 38 (23). υἱοῦ Ἰ. υἱοῦ Κ. υἱοῦ Λ. υἱοῦ Ἰσρ. (3 *quater*)
— 39 (24). Ἀσὰφ υἱὸς Βαρ. υἱοῦ Σαμ. (3, 3)
— 40 (25). υἱοῦ Μιχ. υἱοῦ Β. υἱοῦ Μελχ. (3 *ter*)
— 41 (26). υἱοῦ Ἀθ. υἱοῦ Σ. υἱοῦ Ἀ. (3 *ter*)
— 42 (27). υἱοῦ Αἰ. υἱοῦ Ζ. υἱοῦ Σεμ. (3 *ter*)
— 43 (28). υἱοῦ Ἰ. υἱοῦ Γ. υἱοῦ Λ. (3 *ter*)
— 44 (29). καὶ υἱοὶ Μερ. οἱ ἀδ. αὐ. (3)
— 44 (29). Αἰ. υἱὸς Κ. υἱοῦ Ἀβ. υἱοῦ Μ. (3 *ter*)
— 45 (30). υἱοῦ Ἀσ. (3)
— 46 (31). υἱοῦ Ἀ. (3)
— 46 (31). A υἱοῦ Χελχ. υἱοῦ Ἀμ. (3, 3)
— 46 (31). υἱοῦ Β. υἱοῦ Σεμ. (3, 3)
— 47 (32). A R υἱοῦ Μ. υἱοῦ Ὁμ. υἱοῦ Μερ. υἱοῦ Λευί [B *al.*] (3 *quater*)
— 49 (34). καὶ Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. θυμιῶντες (3)
— 50 (35). καὶ οὗτοι υἱ. Ἀ. (3)
— 50 (35). Ἐλ. υἱὸς αὐ. Φ. υἱὸς αὐ. Ἀβ. υἱὸς αὐ. (3 *ter*)
— 51 (36). Β. υἱὸς αὐ. Ὀζὶ υἱὸς αὐ. Ζαρ. υἱὸς αὐ. (3 *ter*)
— 52 (37). Μαρ. υἱὸς αὐ. Ἀμ. υἱὸς αὐ. Ἀχ. υἱὸς αὐ. (3 *ter*)
— 53 (38). Σ. υἱὸς αὐ. Ἀχ. υἱὸς αὐ. (3, 3)
— 54 (39). αὗται αἱ κατοικίαι αὐ. . . . τοῖς υἱ. Ἀ. (3)
— 56 (41). τὰς κώμας αὐ. ἔδωκαν τῷ Χ. υἱῷ Ἰεφ. (3)
— 57 (42). τοῖς υἱ. Ἀ. ἔδωκαν τὰς πόλεις (3)
— 61 (46). καὶ τοῖς υἱ. Κ. τοῖς καταλοίποις (3)
— 62 (47). καὶ τοῖς υἱ. Γ. κατὰ πατριὰς αὐ. (3)
— 63 (48). καὶ τοῖς υἱ. Μερ. κατὰ πατριὰς αὐ. (3)
— 64 (49). ἔδωκαν οἱ υἱ. Ἰσρ. τοῖς Λ. τὰς πόλεις (3)
— 65 (50). ἐκ φυλῆς υἱῶν Ἰ. καὶ ἐκ φυλῆς υἱῶν Συμ. (3, 3)
— 65 (50). R καὶ ἐκ φυλῆς υἱῶν Βεν. (3)
— 66 (51). ἀπὸ τῶν πατριῶν υἱῶν Κ. (3)
— 70 (55). κατὰ πατριὰν τοῖς υἱ. Κ. τοῖς καταλοίποις (3)
— 71 (56). τοῖς υἱ. Γ. . . . τὴν Γωλάν (3)
— 77 (62). τοῖς υἱ. Μερ. τοῖς καταλοίποις (3)
7. 1. καὶ τοῖς υἱ. [A οὗτοι υἱ.] Ἰσσ. (3)
— 2. καὶ υἱοὶ Θ. (3)
— 3. καὶ υἱοὶ Ὀ. (3 ?)
— 3. καὶ υἱοὶ Ἰ. (3)
— 4. ἐπλήθυναν γυναῖκας καὶ υἱούς (3)
— 6. R υἱοὶ [A B *om.*] Βενιαμείν –
— 7. καὶ υἱοὶ Βαλέ (3)
— 8. καὶ υἱοὶ Β. (3)
— 8. πάντες οὗτοι υἱ. Β. (3)
— 10. καὶ υἱοὶ Ἀρ. (3)
— 10. καὶ υἱοὶ Βαλ. (3)

1 Ch. 7. 11. πάντες οὗτοι υἱ. Ἀρ. (3)
— 12. καὶ υἱοὶ Ὠρ Ἀ. υἱὸς αὐ. Ἀ. (3)
— 13. A B υἱοὶ Νεφθ. . . . υἱοὶ [R *add.* αὐ.] Βαλάμ [R *add.* υἱὸς αὐ.] (3, 3, [–])
— 14. υἱοὶ Μανασσῆ (3)
— 16. ἔτεκε Μ. γυνὴ Μ. υἱόν (3)
— 16. υἱὸς αὐ. Οὐ. (3)
— 17. A R καὶ υἱοὶ Οὐ. (3)
— 17. οὗτοι υἱ. Γ. υἱοῦ [A[1] -οὶ] Μ. υἱοῦ Μαν. (3 *ter*)
— 19. καὶ ἦσαν υἱοὶ Σεμ. (3)
— 20. B καὶ υἱοὶ Ἐφρ. Σωθ. υἱοὶ Λ. [A R Σωθ. κ. Β. υἱοὶ αὐ. καὶ Θ. υἱὸς αὐ. Ἐλ.] υἱὸς αὐ. Ν. (3 *quater*)
— 21. B[1] υἱὸς αὐ. Ζ. [A B[2] R *add.* υἱὸς αὐ. Σωθ.] υἱὸς αὐ. Ὀζ. [A *add.* υἱὸς αὐ.] (3 *ter*, [–])
— 23. καὶ ἔτεκεν υἱόν (3)
— 25 (24). καὶ υἱοὶ Ὀζ. –
— 25. B[2] καὶ Ῥ. υἱοὶ [B[1] -οῦ, A R -ὸς] αὐ. (3)
— 25. Σ. καὶ Θαλ. υἱοὶ αὐ. Θ. υἱὸς αὐ. [A *om.* υἱ. αὐ.] (3, 3)
— 26. B τῷ Λ. υἱῷ αὐ. υἱοὶ Ἀμ. υἱοὶ Ἐλ. [A R *al.*] (3, –, 3)
— 27. B υἱοὶ Ν. υἱοὶ Ἰησ. υἱοὶ αὐ. [A R *al.*] (3 *ter*)
— 29. καὶ ἕως ὁρίων υἱῶν Μαν. (3)
— 29. ἐν ταύτῃ κατῴκησαν οἱ υἱ. Ἰ. υἱοῦ [A[1] -οὶ] Ἰσρ. (3, 3)
— 30. υἱοὶ Ἀσήρ (3)
— 31. υἱοὶ Βερ. (3)
— 33. καὶ υἱοὶ Ἰ. (3)
— 33. οὗτοι υἱ. Ἰαφ. (3)
— 34. καὶ υἱοὶ Σεμμήρ (3)
— 35. A καὶ υἱὸς Ἐλάμ [B *al.*] (3)
— 36. υἱοὶ Σωφάς (3)
— 38. καὶ υἱοὶ Ἰεθ. (3)
— 39. καὶ υἱοὶ Ὠλά (3)
— 40. πάντες οὗτοι υἱ. Ἀσήρ (3)
8. 3. καὶ ἦσαν υἱοὶ τῷ Β. (3)
— 6. οὗτοι υἱ. Ἀώδ (3)
— 12. καὶ υἱοὶ Ἀλφ. (3)
— 16. υἱοὶ Β. (3)
— 18. υἱοὶ Ἐλ. (3)
— 21. υἱοὶ Σαμ. (3)
— 25. υἱοὶ Σωσήκ (3)
— 27. υἱοὶ Ἰρ. (3)
— 30. καὶ υἱὸς αὐ. ὁ πρωτότοκος Ἀβ. (3)
— 34. B καὶ υἱὸν [A R -ὸς] Ἰων. Μερ. (3)
— 35. καὶ υἱοὶ Μιχ. (3)
— 37. Ῥ. υἱὸς αὐ. Ἐλ. υἱὸς αὐ. Ἐσ. υἱὸς αὐ. (3 *ter*)
— 38. καὶ τῷ Ἐσ. ἓξ υἱοί (3)
— 38. πάντες οὗτοι υἱ. Ἐσ. (3)
— 39. καὶ υἱοὶ Ἀ. ἀδελφοῦ αὐ. (3)
— 40. καὶ ἦσαν υἱοὶ Αἰ. . . . πληθύνοντες υἱοὺς καὶ υἱοὺς τῶν υἱ. (3 *quater*)
— 40. πάντες οὗτοι ἐξ υἱῶν Βεν. (3)
9. 2. B καὶ οἱ κατοικοῦντες πρότερον . . . υἱοὶ Λευῖται [A R *al.*] †
— 3. κατῴκησαν ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰ. καὶ ἀπὸ τῶν υἱ. Βεν. καὶ ἀπὸ τῶν υἱ. Ἐφρ. (3 *ter*)
— 4. B Γ. καὶ υἱὸς Σ. υἱοῦ Ἀμρεὶ [R *add.* υἱοῦ Ἀ. υἱοῦ Β.] υἱοὶ υἱῶν Φ. καὶ υἱοῦ Ἰ. [A R *al.*] (3, 3, [3, –], 3 †*, 3, 3)
— 5. A R καὶ υἱοὶ αὐ. (3)
— 6. ἐκ τῶν υἱ. Ζ. Ἰ. (3)
— 7. ἐκ τῶν υἱ. Βεν. Σαλ. υἱὸς Μ. υἱὸς [A R -οῦ] Ὠδ. υἱὸς [A -οῦ] Ἀ. (3 *quater*)
— 8. καὶ Ἰ. υἱὸς Ἰερ. (3)
— 8. οὗτοι υἱοὶ [A υἱὸς] Ὀζ. υἱοῦ Μ. (3, 3)
— 8. καὶ Μασ. υἱὸς Σαφ. υἱοῦ Ῥαγ. υἱοῦ Ἰ. (3 *ter*)
— 11. καὶ Ἀζ. υἱοὶ Χελκ. υἱοῦ Μοσ. υἱοῦ Σ. υἱοῦ Μαρ. υἱοῦ Ἀχ. (3 *quinquiens*)
— 12. Ἀδ. υἱὸς Ἰρ. υἱοῦ Φ. υἱοῦ Μ. (3 *ter*)
— 12. Μαασ. υἱὸς Ἀ. υἱοῦ Ἰεδ. υἱοῦ Μοσ. υἱοῦ Μασ. υἱοῦ Ἐ. (3 *quinquiens*)
— 14. A Σαμ. υἱὸς Ἀσ. υἱοῦ Ἐζρ. υἱοῦ Ἀσ. υἱοῦ [B ἐκ τῶν] υἱῶν Μερ. (3 *ter*, †, 3)
— 15. Ματθ. υἱὸς Μιχὰ υἱοῦ Ζ. υἱοῦ Ἀσάφ (3 *ter*)
— 16. Ἀβδ. υἱὸς Σαμ. υἱοῦ Γαλ. υἱοῦ Ἰ. καὶ Βαρ. υἱὸς Ὀ. υἱοῦ Ἐλκ. (3 *quinquiens*)
— 18. αὗται αἱ πύλαι τῶν παρεμβολῶν υἱῶν Λευεί –
— 19. καὶ Σ. υἱὸς Κ. υἱοῦ Ἀβ. υἱοῦ Κορέ (3 *ter*)
— 20. καὶ Φ. υἱὸς Ἐλ. ἡγούμενος ἦν (3)
— 21. Ζαχ. υἱὸς Μοσ. πυλωρὸς τῆς θύρας (3)
— 23. καὶ οὗτοι καὶ οἱ [A *om.*] υἱ. αὐ. ἐπὶ τῶν πυλῶν (3)
— 30. καὶ ἀπὸ τῶν υἱ. τῶν ἱερέων ἦσαν μυρεψοί (3)

1 Ch. 9. 36. καὶ υἱὸς [A S[1] ὁ υἱ.] αὐ. ὁ πρωτότοκος Ἀβ. (3)
— 40. καὶ υἱὸς [S -οὺς] Ἰων. Μαρ. (3)
— 41. καὶ υἱοὶ Μ. (3)
— 43. A[2] B Ῥαφ. υἱὸς αὐ. (3)
— 43. A R Ἐλεασὰ υἱὸς αὐ. (3)
— 43. Ἐσ. υἱὸς αὐ. (3)
— 44. καὶ τῷ Ἐσ. ἓξ υἱοί (3)
— 44. οὗτοι υἱ. Ἐσ. (3)
10. 2. κατεδίωξαν . . . ὀπίσω υἱῶν αὐτοῦ (3)
— 2. ἐπάταξαν . . . τὸν Ἰ. καὶ τὸν Ἀμ. καὶ τὸν Μ. υἱοὺς Σ. (3)
— 6. ἀπέθανε Σ. καὶ τρεῖς υἱ. αὐ. (3)
— 7. ἀπέθανε Σ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)
— 8. εὗρον τὸν Σ. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. πεπτωκότας (3)
— 12. ἔλαβον . . . τὸ σῶμα τῶν υἱ. αὐ. (3)
— 14. ἐπέστρεψε τὴν βασ. τῷ Δ. υἱῷ Ἰ. (3)
11. 6. ἀνέβη . . . Ἰ. υἱὸς Σαρ. (3)
— 11. Ἰεσ. υἱὸς Ἀχ. πρῶτος τῶν τριάκοντα (3)
— 12. μετ' αὐτὸν Ἐλ. υἱὸς Δ. ὁ Ἀ. (3)
— 22. Βαν. υἱὸς Ἰ. υἱὸς ἀνδρὸς δυνατοῦ (3, 3)
— 24. ταῦτα ἐποίησε Βαν. υἱὸς Ἰ. (3)
— 26. Ἐλ. υἱὸς Δ. (3)
— 28. Ὠ. υἱὸς ἐκ τῆς Ὀθ. (3)
— 30. Χθ. υἱὸς Ν. (3)
— 31. Αἰ. υἱὸς Ῥεβιέ (3)
— 34. A υἱοὶ Ἀ. ὁ Γωυνί [B S *al.*] (3)
— 34. Ἰων. υἱὸς Σ. ὁ Ἀρ. (3)
— 35. Ἀχ. υἱὸς Ἀχὰρ ὁ Ἀρ. (3)
— 35. Ἐλ. υἱὸς Θ. (3)
— 37. Ν. υἱὸς Ἀζ. (3)
— 38. Ἰ. υἱὸς [A ἀδελφὸς] Ν. †
— 38. Μ. υἱὸς Ἀγ. (3)
— 39. αἴρων σκεύη υἱῷ Σαρ. [A *al.*] (3)
— 41. Ζ. υἱὸς [S -ῷ ὸς] Ἀχ. (3)
— 42. Ἀδ. υἱὸς Σ. (3)
— 43. Ἀ. υἱὸς Μ. (3)
— 44. Σ. καὶ Ἰ. υἱοὶ Κ. (3)
— 45. Ἐλθ. υἱὸς Σαμ. (3)
— 46. καὶ Ἰωσ. υἱὸς αὐ. (3)
12. 1. ἀπὸ προσώπου Σ. υἱοῦ Κ. (3)
— 3. B Ἰ. ὁ [A S R *om.*] υἱ. Ἀ. τοῦ Γεβ. (3)
— 3. Ἰ. καὶ Ἰωφ. υἱοὶ Ἀσμώθ (3)
— 7. A S Ἰελ. καὶ Ζαβ. υἱοὶ Ῥ. υἱοὶ [B καὶ οἱ] τοῦ Γ. (3, †)
— 14. οὗτοι ἐκ τῶν υἱ. Γὰδ ἄρχοντες (3)
— 16. ἦλθον ἀπὸ τῶν υἱ. Βεν. (3)
— 18. πορεύου καὶ ὁ λαός σου, Δ. υἱὸς Ἰ. (3)
— 24. υἱοὶ [S -οῦ] Ἰ. θυρεοφόροι (3)
— 25. τῶν υἱ. Συμ. δυνατοὶ ἰσχύος (3)
— 26. τῶν [A καὶ] υἱ. Λευεί τετρακισχίλιοι (3)
— 29. καὶ τῶν [A ἐκ τῶν] υἱ. Βεν. τῶν ἀδ. Σαούλ (3)
— 30. καὶ ἀπὸ υἱῶν Ἐφρ. (3)
— 32. καὶ ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰσσ. (3)
14. 3. ἐτέχθησαν Δ. ἔτι υἱοί (3)
15. 4. A[2] B S συνήγαγε Δ. τοὺς υἱ. Ἀ. (3)
— 5. A[2] B S τῶν υἱ. Κ. Οὐρ. (3)
— 6. A[2] B S τῶν υἱ. Μερ. (3)
— 7. A[2] B S τῶν υἱ. Γ. (3)
— 8. τῶν υἱ. Ἐλ. (3)
— 9. τῶν υἱ. Χεβρών (3)
— 10. τῶν υἱ. Ὀζ. (3)
— 15. ἔλαβον οἱ υἱ. τῶν Λ. τὴν κιβωτὸν τοῦ θεοῦ (3)
— 17. ἔστησαν οἱ Λ. τὸν Αἰ. υἱὸν Ἰ. (3)
— 17. ἐκ τῶν ἀδ. αὐ. Ἀ. υἱὸς Βαρ. (3)
— 17. ἐκ τῶν υἱ. Μερ. ἀδελφῶν αὐ. Αἰ. υἱὸς Κ. (3, 3)
16. 13. υἱοὶ Ἰ. ἐκλεκτοὶ αὐ. (3)
— 38. καὶ Ἀβδ. υἱὸς Ἰδ. (3)
— 40. ὅσα ἐνετείλατο ἐφ' υἱοῖς [A -οὺς] Ἰσρ. –
— 42. υἱοὶ [A καὶ οἱ υἱ.] Ἰδ. εἰς τὴν πύλην (3)
17. 9. R οὐ προσθήσει υἱὸς ἀδικίας τοῦ ταπεινῶσαι αὐτόν [A B S *al.*] (3)
— 13. ἔσται μοι εἰς υἱόν [S[1] λαόν] (3)
18. 10. ἀπέστειλε τὸν Ἰδ. υἱὸν αὐ. (3)
— 11. ἐξ υἱῶν Ἀ. καὶ ἐκ τῶν ἀλλοφύλων (3)
— 12. Ἀβ. υἱὸς Σαρ. ἐπάταξε τὴν Ἰδουμ. (3)
— 15. καὶ Ἰ. υἱὸς Σαρ. ἐπὶ τῆς στρατιᾶς (3)
— 15. καὶ Ἰωσ. υἱὸς Ἀχ. ὑπομνηματογράφος (3)
— 16. καὶ Σαδ. υἱὸς Ἀχ. καὶ Ἀχ. υἱὸς Ἀβ. ἱερεῖς (3, 3)
— 17. B S καὶ Βαν. υἱὸς Ἰ. ἐπὶ τῶν ἱερέων [A R *al.*] (3)
— 17. καὶ υἱοὶ Δ. οἱ πρῶτοι (3)
19. 1. ἀπέθανε βασιλεὺς υἱῶν Ἀ. (3)
— 1. ἐβασίλευσεν Ἀ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)

I Ch. 19. 2. ποιήσω ἔλεος μετὰ 'Α. υἱοῦ N. (3)
— 2. ἦλθον παῖδες Δ. εἰς γῆν υἱῶν 'Α. (3)
— 3. R εἶπον ἄρχοντες υἱῶν [A B S om.] 'Α. (3)
— 6. εἶδον οἱ [A S om.] υἱ. 'Α. (3)
— 6. ἀπέστειλεν 'Α. καὶ οἱ υἱ. 'Α. (3)
— 7. οἱ [A om.] υἱ. 'Α. συνήχθησαν (3)
— 9. ἐξῆλθον οἱ [A om.] υἱ. 'Α. (3)
— 11. παρετάξαντο ἐξ ἐναντίας υἱῶν 'Α. (3)
— 12. A B ἐὰν υἱοὶ [S R οἱ υἱ.] 'Α. κρατήσωσιν (3)
— 15. οἱ υἱ. 'Α. εἶδον (3)
— 19. R τοῦ βοηθῆσαι τοῖς υἱ. [A B om. τ. υἱ.] 'Α. ἔτι (3)
20. 1. ἔφθειραν τὴν χώραν υἱῶν 'Α. (3)
— 3. οὕτως ἐποίησε Δ. τοῖς παισὶν υἱοῖς 'Α. [A al.] (3)
— 4. ἐπάταξε . . . τὸν Σ. ἀπὸ τῶν υἱ. τῶν γιγάντων (6 b)
— 5. ἐπάταξεν 'Ελ. υἱὸς 'Ι. τὸν Δ. (3)
— 7. ἐπάταξεν αὐτὸν 'Ιων. υἱὸς Σαμ. υἱὸς ἀδ. Δ. (3, –)
21. 5. R καὶ υἱοὶ 'Ι. τετρακόσιαι καὶ ἑβδομήκοντα χιλιάδες [A al.] –
— 20. εἶδε τὸν βασ. καὶ τέσσαρας υἱ. [A -ες υἱ.] αὐ. μετ' αὐτοῦ (3)
22. 5. Σαλ. ὁ υἱ. μου παιδάριον ἁπαλόν (3)
— 6. ἐκάλεσε Σαλ. τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 9. υἱὸς τίκτεταί σοι (3)
— 10. οὗτος ἔσται μοι εἰς υἱόν (3)
— 11. B καὶ νῦν, υἱέ [A R add. μου] (3)
— 17. ἀντιλαβέσθαι τῷ Σαλ. υἱῷ αὐ. (3)
23. 1. ἐβασίλευσε Σαλ. τὸν υἱ. αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
— 6. διείλεν αὐτοὺς Δ. ἐφημερίας τοῖς υἱ. Λ. (3)
— 8. υἱοὶ τῷ 'Ε. (3)
— 9. υἱοὶ [B¹ -οῦ] Σεμ. (3)
— 10. καὶ τοῖς υἱ. Σεμ. (3)
— 10. οὗτοι υἱ. Σεμ. (3)
— 11. οὐκ ἐπλήθυναν υἱούς (3)
— 12. υἱοὶ Καάθ (3)
— 13. υἱοὶ 'Αμβράμ (3)
— 13. αὐτὸς καὶ οἱ υἱ. αὐ. ἕως αἰῶνος (3)
— 14. υἱοὶ αὐτοῦ ἐκλήθησαν εἰς φυλὴν τοῦ Λ. (3)
— 15. υἱοὶ Μωυσῆ (3)
— 16. υἱοὶ Γηρσάμ (3)
— 17. ἦσαν υἱοὶ τῷ 'Ελ. (3)
— 17. οὐκ ἦσαν τῷ 'Ελ. υἱ. ἕτεροι [A¹ om. υἱ. ἕτ.] (3)
— 17. υἱοὶ 'Ρ. ηὐξήθησαν εἰς ὕψος (3)
— 18. υἱοὶ 'Ισσ. (3)
— 19. υἱῶν Χεβρών (3)
— 20. υἱοὶ 'Οζ. (3)
— 21. υἱοὶ Μερ. (3)
— 21. υἱοὶ Μ. (3)
— 22. οὐκ ἦσαν αὐτῷ υἱοί (3)
— 22. ἔλαβον αὐτὰς υἱοὶ Κ. ἀδελφοὶ αὐ. (3)
— 23. υἱοὶ Μ. (3)
— 24. οὗτοι υἱ. Λ. (3)
— 27. ὁ ἀριθμὸς υἱῶν [A ἀ. τῶν Λ.] Λ. (3)
— 32. φυλάξουσι . . . τὰς φυλακὰς υἱῶν 'Α. (3)
24. 1. καὶ τοὺς υἱ. [A τοῖς υἱ.] 'Α. (3)
— 1. A² υἱοὶ 'Α. (3)
— 2. καὶ υἱοὶ οὐκ ἦσαν αὐτοῖς (3)
— 2. 'Ελ. καὶ 'Ιθ. υἱοὶ 'Α. –
— 3. καὶ Σαδ. ἐκ τῶν υἱ. 'Ελ. (3)
— 3. καὶ 'Αχ. ἐκ τῶν υἱ. 'Ιθ. (3)
— 4. εὑρέθησαν οἱ [A om.] υἱ. 'Ελ. πλείους . . . παρὰ τοὺς υἱ. 'Ιθ. (3, 3)
— 4. τοῖς υἱ. 'Ελ. ἄρχοντας (3)
— 4. τοῖς υἱ. 'Α. 'Ιθ. κατ' οἴκους πατριῶν (3)
— 5. ἐν τοῖς υἱ. 'Ελ. καὶ ἐν τοῖς υἱ. 'Ιθ. (3, 3)
— 6. ἔγραψεν αὐτοὺς Σαμ. υἱὸς Ναθ. (3)
— 6. καὶ 'Αχ. υἱὸς [A¹ -οὶ, A² -οῦ] 'Αβ. (3)
— 20. καὶ τοῖς υἱ. Λ. τοῖς καταλοίποις (3)
— 20. τοῖς υἱ. 'Α. Σ. (3)
— 20. R τοῖς υἱ. Σ. (3)
— 22. τοῖς υἱ. Σαλ. 'Ι. (3)
— 23. υἱοὶ 'Ι. (3)
— 24. A υἱοὶ [B om.] 'Οζ. Μ. (3)
— 24. υἱοὶ Μ. Σαμήρ (3)
— 25. υἱὸς [A -οὶ] 'Ι. Ζαχ. (3)
— 26. υἱοὶ Μερ. Μ. καὶ 'Ο. υἱοὶ 'Οζ. (3)
— 26. A υἱοὶ Βοννί (3)
— 27. A υἱοὶ [B τοῦ] Μερ. (3)
— 27. υἱοὶ αὐ. 'Ισ. καὶ Ζ. καὶ 'Αβ. (3)
— 28. B οὐκ ἦσαν αὐτῷ υἱοί (3)
— 29. υἱοὶ τοῦ Κ. 'Ιρ. (3)
— 30. καὶ υἱοὶ τοῦ Μ. (3)
— 30. οὗτοι υἱ. τῶν Λευιτῶν (3)

I Ch. 24. 31. καθὼς οἱ ἀδ. αὐ. υἱοὶ 'Α. (3)
25. 1. ἔστησε . . . τοὺς υἱ. 'Α. (3)
— 2. υἱοὶ 'Α. (3)
— 2. υἱοὶ 'Α. ἐχόμενοι τοῦ βασ. (3)
— 3. A² B υἱοὶ 'Ιδ. (3)
— 4. τῷ Αἰμ. υἱοὶ Αἰ. (3)
— 4. B υἱοὶ *Ωδ καὶ 'Ι. [A R al.] †
— 5. πάντες οὗτοι υἱ. τῷ Αἰ. (3)
— 5. ἔδωκεν ὁ θεὸς τῷ Αἰ. υἱοὺς δέκα τέσσαρας (3)
— 9. ἐξῆλθεν ὁ κλῆρος ὁ πρῶτος υἱῶν αὐ. –
— 9. ἀδελφοὶ αὐ. καὶ υἱοὶ αὐτοῦ (3)
— 10. B υἱὸς [A R -οὶ] αὐτοῦ καὶ ἀδελφοὶ αὐτοῦ (3)
— 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31. υἱοὶ αὐ. καὶ ἀδελφοὶ αὐ. (3)
26. 1. υἱοὶ [A -οῖς] Κ. Μ. υἱὸς Κωρή (13, 3)
— 1. ἐκ τῶν υἱ. 'Α. (3)
— 2. B τὴν Μοσ. υἱοῦ Ζαχ. [A R al.] (3)
— 4. καὶ τῷ 'Αβδ. υἱοί (3)
— 6. τῷ Σαμ. υἱῷ αὐ. ἐτέχθησαν υἱοί (3, 3)
— 7. υἱοὶ Σαμ. . . . υἱ. δυνατοί (3, 3)
— 8. πάντες ἀπὸ τῶν υἱ. 'Αβδ. (3)
— 8. αὐτοὶ καὶ οἱ ἀδ. αὐ. καὶ υἱοὶ αὐτῶν (3)
— 9. καὶ τῷ Μοσ. υἱοί (3)
— 10. τῷ 'Ο. τῶν [A ἀπὸ τῶν] υἱ. Μερ. υἱοί (3, 3)
— 11. πάντες οὗτοι υἱ. καὶ ἀδελφοὶ τῷ 'Ι. (3)
— 14. υἱοὶ Σ. (3)
— 19. A αὗται αἱ διαιρέσεις τῶν πυλωρῶν τοῖς υἱ. Κ. καὶ τοῖς υἱ. [B om.] Μερ. (3, 3)
— 21. A υἱοὶ Λ. υἱοὶ [B οὗτοι] τῷ Γηρσωνί (3, 3)
— 21. B υἱοὶ 'Ι. –
— 22. υἱοὶ 'Ι. (3)
— 25. 'Ρ. υἱὸς [A add. αὐ.] καὶ 'Ωσ. (3)
— 29. Χ. καὶ υἱοὶ [A υἱ. αὐ.] τῆς ἐργασίας τῆς ἔξω (3)
— 30. A R τῷ Χ. 'Ασ. καὶ οἱ ἀδ. αὐ. υἱοὶ [B οἱ] δυνατοί (3)
— 32. καὶ οἱ ἀδ. αὐ. υἱοὶ δυνατοί (3)
27. 1. B καὶ οἱ [A R om.] υἱ. 'Ισρ. κατ' ἀριθμὸν αὐ. (3)
— 3. ἀπὸ τῶν υἱ. Φ. (3)
— 6. καὶ ἐπὶ τῆς διαιρέσεως αὐ. Λ. υἱὸς αὐ. (3)
— 7. καὶ Ζ. ὁ υἱ. αὐ. (3)
— 9. A 'Οδ. υἱὸς [B ὁ τοῦ] 'Εκκῆς (3)
— 10. Χ. ὁ ἐκ Φ. ἀπὸ τῶν υἱ. 'Εφρ. (3)
— 14. ὁ ἐκ Φ. τῶν υἱ. 'Εφρ. (3)
— 20. R τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. 'Ι. υἱὸς Φ. [A B al.] (3)
— 21. τοῖς υἱ. Βεν. 'Ασ. –
— 32. καὶ 'Ι. ὁ τοῦ 'Αχ. μετὰ τῶν υἱ. τοῦ βασ. (3)
28. 1. R καὶ τῶν υἱ. αὐ. (3)
— 4. A R καὶ ἐν τοῖς υἱ. τοῦ πατρός μου (3)
— 5. καὶ ἀπὸ πάντων τῶν [A om.] υἱ. μου (3)
— 5. πολλοὺς υἱ. ἔδωκέ μοι κύριος (3)
— 5. ἐξελέξατο ἐν Σαλ. τῷ υἱ. μου (3)
— 6. Σαλ. ὁ υἱ. σου κληρονομήσει τὸν οἶκόν μου (3)
— 6. ἠρέτικα ἐν αὐτῷ εἶναί μου υἱόν (3)
— 8. ἵνα κληρονομήσητε τὴν γῆν τὴν ἀγ. τοῖς υἱ. ὑμῶν (3)
— 9. A R καὶ νῦν, Σαλ. υἱέ μου [B om. υἱ. μ.] (3)
— 11. ἔδωκε Δ. Σαλ. τῷ υἱ. αὐ. τὸ παράδειγμα (3)
— 20. εἶπε Δ. Σαλ. τῷ υἱ. αὐ. (3)
29. 1. Σαλ. ὁ υἱ. μου . . . νέος καὶ ἁπαλός (3)
— 6. καὶ οἱ ἄρχοντες τῶν υἱ. 'Ισρ. †
— 19. Σαλ. τῷ υἱ. μου δὸς καρδίαν ἀγαθήν (3)
— 22. ἐβασίλευσαν . . . τὸν Σαλ. υἱὸν Δ. (3)
— 24. B οἱ [A R πάντες] υἱ. Δ. τοῦ βασ. . . . ὑπετάγησαν αὐτῷ (3)
— 26. Δ. υἱὸς 'Ι. ἐβασίλευσεν ἐπὶ 'Ισρ. (3)
— 28. ἐβασίλευσε Σαλ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
II Ch. 1. 1. ἐνίσχυσε Σαλ. υἱὸς Δ. (3)
— 5. ὃ ἐποίησε Βεσ. υἱὸς Οὐρ. υἱοῦ *Ωρ (3, 3)
2. 4 (3). ἐγὼ ὁ [A om.] υἱ. αὐ. οἰκοδομῶ οἶκον –
— 12 (11). ὃς ἔδωκε τῷ Δ. τῷ βασ. υἱὸν σοφόν (3)
5. 2. τοὺς ἡγουμένους πατριῶν υἱῶν 'Ισρ. (3)
— 10. ἃ διέθετο κύριος μετὰ τῶν υἱ. 'Ισρ. (3)
— 12. οἱ Λ. οἱ ψαλτῳδοὶ πάντες τοῖς υἱ. 'Α. τῷ Αἰ. τῷ 'Ιδ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (–, 3)
6. 9. ὁ υἱ. σου ὃς ἐξελεύσεται ἐκ τῆς ὀσφύος σου (3)
— 16. πλὴν ἐὰν φυλάξωσιν οἱ υἱ. σου τὴν ὁδὸν αὐ. (3)
— 30. μόνος γινώσκεις τὴν καρδίαν υἱῶν ἀνθρώπων (3)
— 41. οἱ υἱ. σου εὐφρανθήτωσαν ἐν ἀγαθοῖς †
7. 3. πάντες οἱ [A om.] υἱ. 'Ισρ. ἑώρων (3)
8. 2. κατῴκισεν ἐκεῖ τοὺς υἱ. 'Ισρ. (3)

II Ch. 8. 8. ἦσαν ἐκ τῶν υἱ. αὐ. τῶν καταλειφθέντων (3)
— 8. οὓς ἐξωλέθρευσαν οἱ υἱ. 'Ισρ. (3)
— 9. ἐκ τῶν υἱ. 'Ισρ. οὐκ ἔδωκε Σ. (3)
9. 29. περὶ 'Ιερ. υἱοῦ N. (3)
— 31. ἐβασίλευσε 'Ρ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
10. 2. ὡς ἤκουσεν 'Ιερ. υἱὸς N. (3)
— 15. ὃν ἐλάλησεν . . . περὶ 'Ιερ. υἱοῦ Ναβάτ (3)
— 16. τίς ἡμῶν . . . κληρονομία ἐν υἱῷ 'Ι. (3)
— 18. ἐλιθοβόλησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. αὐτὸν λίθοις (3)
11. 14. ἐξέβαλεν αὐτοὺς 'Ιερ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)
— 18. τὴν Μ. θυγατέρα 'Ιερ. υἱοῦ Δ. (3*, †)
— 19. ἔτεκεν αὐτῷ υἱούς (3)
— 21. ἐγέννησεν υἱοὺς εἴκοσι ὀκτώ (3)
— 23. ηὐξήθη παρὰ πάντας τοὺς υἱ. αὐ. (3)
12. 13. ἐκ πασῶν φυλῶν υἱῶν [A om. 'Ισρ. –
— 16. ἐβασίλευσεν 'Α. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
13. 5. ἔδωκε βασιλέα . . . τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 7. συνήχθησαν . . . ἄνδρες λοιμοὶ υἱ. παράνομοι (3)
— 7. A ἀντέστη πρὸς 'Ρ. υἱὸν [B τὸν τοῦ] Σ. (3)
— 8. διὰ χειρὸς υἱῶν Δ. (3)
— 9. ἢ οὐκ ἐξεβάλετε τοὺς ἱ. κυρίου τοὺς υἱ. 'Α. (3)
— 10. οἱ ἱ. λειτουργοῦσι τῷ κ. οἱ [A om.] υἱ. 'Α. (3)
— 12. οἱ υἱ. τοῦ 'Ισρ., πολεμήσετε (3)
— 16. ἔφυγον οἱ υἱ. 'Ισρ. ἀπὸ προσώπου 'Ι. (3)
— 18. ἐταπεινώθησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. (3)
— 18. κατίσχυσαν οἱ υἱ. 'Ι. (3)
— 21. ἐγέννησεν υἱοὺς εἴκοσι δύο (3)
14. 1 (13. 23). ἐβασίλευσεν 'Α. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
15. 1. καὶ 'Αζαρίας υἱὸς 'Ω. (3)
16. 2. ἀπέστειλε πρὸς τὸν υἱ. τοῦ *Α. (3)
— 4. ἤκουσεν υἱὸς 'Α. τοῦ βασ. *Α. (3)
17. 1. ἐβασίλευσεν 'Ιωσ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
— 7. ἀπέστειλε . . . τοὺς υἱ. τῶν δυνατῶν (3)
— 14. καὶ μετ' αὐτοῦ υἱ. δυνατοὶ δυνάμεως –
18. 7. οὗτος Μ. υἱὸς 'Ιεμ. (3)
— 8. τάχος Μιχαίαν υἱὸν 'Ιεμ. (3)
— 10. ἐποίησεν ἑαυτῷ Σεδ. υἱὸς Χ. κέρατα σιδηρᾶ (3)
— 23. ἤγγισε Σεδ. υἱὸς Χ. (3)
— 25. καὶ πρὸς 'Ι. ἄρχοντα υἱὸν τοῦ βασ. (3)
19. 11. A R καὶ Ζ. υἱὸς 'Ισμ. [B om. υἱ. 'Ισμ.] (3)
20. 1. ἦλθον οἱ υἱ. Μ. καὶ οἱ υἱ. 'Α. (3, 3)
— 10. καὶ νῦν ἰδοὺ υἱοὶ 'Α. (3)
— 14. A R τῷ 'Οζ. τῷ τοῦ Ζαχ. τῶν υἱ. Βαν. τῶν υἱ. [B om. Β. τ. υἱ.] 'Ελ. . . . ἀπὸ τῶν υἱ. 'Ασάφ (3 ter)
— 19. ἀνέστησαν οἱ Λ. ἀπὸ τῶν υἱ. Κ. καὶ ἀπὸ τῶν υἱ. Κ. (3, 3)
— 22. ἔδωκε κύριος πολεμεῖν τοὺς υἱ. 'Α. ἐπὶ Μ. (3)
— 23. A² B ἀπέστησαν οἱ υἱ. 'Α. καὶ Μ. (3)
21. 1. ἐβασίλευσεν 'Ι. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
— 2. καὶ αὐτῷ ἀδελφοὶ υἱοὶ 'Ι. ἕξ (3)
— 2. πάντες οὗτοι υἱοὶ 'Ιωσ. βασιλέως 'Ι. (3)
— 7. δοῦναι αὐτῷ λύχνον καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 13. τοὺς ἀδ. σου υἱοὺς τοῦ πατρός σου . . . ἀπέκτειναν (2)
— 14. πατάξει σε . . . ἐν τοῖς υἱ. σου (3)
— 17. ἀπέστρεψαν . . . τοὺς υἱ. αὐ. (3)
— 17. οὐ κατελείφθη αὐτῷ υἱὸς ἀλλ' ἢ 'Οχ. ὁ μικρότατος τῶν υἱ. αὐ. (3, 3)
22. 1. ἐβασίλευσαν . . . τὸν 'Οχ. τὸν υἱ. αὐ. τὸν μικρόν (3)
— 1. ἐβασίλευσεν 'Οχ. υἱὸς 'Ι. βασιλέως 'Ι. (3)
— 5. ἐπορεύθη μετὰ 'Ι. υἱοῦ 'Αχ. εἰς πόλεμον (3)
— 6. 'Οχ. υἱὸς 'Ι. βασιλεὺς 'Ι. κατέβη θεάσασθαι τὸν 'Ι. υἱὸν 'Αχ. εἰς 'Ι. (3, 3)
— 7. B ἐξῆλθε μετ' αὐτοῦ 'Ι. πρὸς υἱὸν [A R 'Ι. υἱ.] Ναμ. (3)
— 9. υἱὸς 'Ιωσ. ἐστιν (3)
— 10. τέθνηκεν αὐτῆς ὁ υἱ. (3)
— 11. ἔλαβεν 'Ιωσ. . . . τὸν 'Ι. υἱὸν 'Οχ. (3)
— 11. ἔκλεψεν αὐτὸν ἐκ μέσου υἱῶν [A τῶν υἱ.] τοῦ βασ. (3)
23. 1. ἔλαβε . . . τὸν 'Αζ. υἱὸν 'Ι. καὶ τὸν 'Ισμ. υἱὸν 'Ι. καὶ τὸν 'Αζ. υἱὸν 'Ω. καὶ τὸν Μ. υἱὸν 'Α. καὶ τὸν 'Ελ. υἱὸν Ζαχ. (3 quinquiens)
— 3. A² B ἔδειξεν αὐτοῖς τὸν υἱ. –
— 3. ὁ υἱ. τοῦ βασ. βασιλευσάτω (3)
— 11. ἐξήγαγε τὸν υἱ. τοῦ βασ. (3)
— 11. ἔχρισαν αὐτὸν 'Ι. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)
24. 3. ἐγέννησαν υἱούς (3)
— 7. οἱ υἱ. αὐ. κατέσπασαν τὸν οἶκον τοῦ θεοῦ (3)
— 22. ἐθανάτωσε τὸν υἱ. αὐ. (3)
— 25. ἐν αἵμασιν υἱοῦ 'Ι. τοῦ ἱερέως (3)

II Ch. 24. 27. καὶ οἱ υἱ. αὐ. πάντες (3)
— 27. ἐβασίλευσεν Ἀμ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
25. 4. τοὺς υἱ. αὐ. οὐκ ἀπέκτεινε (3)
— 4. υἱοὶ οὐκ ἀποθανοῦνται ὑπὲρ πατέρων (3)
— 7. οὐκ ἔστι κ. μετὰ Ἰσρ. πάντων τῶν υἱ. Ἐφρ. (3)
— 11. ἐπάταξεν ἐκεῖ τοὺς υἱ. Σ. (3)
— 12. δέκα χιλιάδας ἐζώγρησαν οἱ υἱ. Ἰ. (3)
— 13. υἱοὶ [A οἱ υἱ.] τῆς δυνάμεως οὓς ἀπέστρεψεν Ἀμ. (3)
— 14. ἤνεγκε πρὸς αὐτοὺς τοὺς θεοὺς υἱῶν Σ. (3)
— 17. A R ἀπέστειλε πρὸς Ἰ. υἱὸν Ἰ. υἱοῦ Ἰηού (3, 3)
— 18. δὸς τὴν θυγατέρα σου τῷ υἱ. μου (3)
— 23. R τὸν Ἀμ. βασ. Ἰ. τὸν τρῦ Ἰ. υἱοῦ Ἰ. [A B *al.*] (3)
— 24. καὶ τοὺς υἱ. τῶν συμμίξεων (3)
26. 1. R καὶ αὐτὸς υἱὸς [A B *om.*] ἐκκαίδεκα ἐτῶν (3)
— 3. υἱὸς δέκα ἓξ ἐτῶν Ὀζ. (3)
— 17. ἱερεῖς τοῦ κυρίου ὀγδοήκοντα υἱ. δυνατοί (3)
— 18. τοῖς ἱερεῦσιν υἱοῖς [A τοῖς υἱ.] Ἀ. τοῖς ἡγιασμ. (3)
— 21. καὶ Ἰ. ὁ υἱ. αὐ. ἐπὶ τῆς βασ. αὐ. (3)
— 23. ἐβασίλευσεν Ἰ. υἱὸς [A ὁ υἱ.] αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
27. 1. R υἱὸς [A B *om.*] εἴκοσι καὶ πέντε ἐτῶν Ἰ. (3)
— 5. ἐμαχέσατο πρὸς βασιλέα υἱῶν Ἀ. (3)
— 5. A R ἐδίδουν αὐτῷ οἱ υἱ. Ἀ. [B *om.* οἱ υἱ. Ἀ.] (3)
— 5. A² R ταῦτα ἔφερεν αὐτῷ βασιλεὺς υἱῶν [A¹ B *om.*] Ἀ. (3)
— 9. ἐβασίλευσεν Ἄ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
28. 1. A R υἱὸς [B *om.*] εἴκοσι ἐτῶν Ἄ. (3)
— 3. ὃν ἐξωλέθρευσε κ. ἀπὸ προσώπου υἱῶν [A τῶν υἱ.] Ἰσρ. (3)
— 7. ἀπέκτεινε . . . τὸν Μ. τὸν υἱ. τοῦ βασ. (3)
— 8. ᾐχμαλώτισαν οἱ υἱ. Ἰσρ. . . . τριακοσίας χιλιάδας γυναῖκας υἱοὺς θυγατέρας (3, 3)
— 10. υἱοὺς Ἰ. καὶ Ἱερ. ὑμεῖς λέγετε κατακτήσεσθαι (3)
— 12. ἀνέστησαν ἄρχοντες ἀπὸ τῶν υἱ. Ἐφρ. (3)
— 27. ἐβασίλευσεν Ἐζ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
29. 9. καὶ οἱ υἱ. ὑμῶν καὶ αἱ θυγατέρες ὑμῶν (3)
— 12. Μ. ὁ τοῦ Ἀ. καὶ Ἰ. ὁ τοῦ Ζ. ἐκ τῶν υἱ. Κ. (3)
— 12. καὶ ἐκ τῶν υἱ. Μερ. Κ. ὁ τοῦ Ἀ. καὶ Ζ. ὁ τοῦ Ε. (3)
— 12. καὶ ἀπὸ τῶν υἱ. Γ. (10)
— 12. οὗτοι υἱοὶ [A ὁ τοῦ] Ἰ. (3)
— 13. καὶ τῶν υἱ. Ἐλ. . . . καὶ τῶν υἱ. Ἀ. (3, 3)
— 14. καὶ τῶν υἱ. Αἰ. Ἰ. (3)
— 14. καὶ τῶν υἱ. Ἰδ. (3)
— 21. εἶπε τοῖς υἱ. Ἀ. τοῖς ἱ. ἀναβαίνειν (3)
30. 6. οἱ [A *om.*] υἱ. Ἰσρ., ἐπιστρέψατε (3)
— 21. ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. . . . τὴν ἑορτὴν τῶν ἀζύμων (3)
— 26. ἀπὸ ἡμερῶν Σαλ. υἱοῦ Δ. (3)
31. 5. A ἐπλεόνασαν οἱ υἱ. Ἰσρ. [B *al.*] (3)
— 5 (6). ἐπιδέκατα πάντα . . . ἤνεγκαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 13. Βαν. καὶ οἱ υἱ. αὐ. –
— 18. ἐν πάσῃ ἐπιγονῇ υἱῶν αὐ. (3)
— 19. τοῖς υἱ. Ἀ. τοῖς ἱερατεύουσι (3)
32. 20. προσηύξατο . . . Ἡσ. υἱὸς Ἀ. (3)
— 32. ἐν τῇ προφητείᾳ Ἡσ. υἱοῦ Ἀ. (3)
— 33. ἐν ἀναβάσει ταφῶν υἱῶν Δ. (3)
— 33. ἐβασίλευσε Μαν. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
33. 2. οὓς ἐξωλέθρευσε κ. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 7. B οὗ εἶπεν ὁ θ. πρὸς Δ. καὶ Σ. τὸν [A R *om.*] υἱ. αὐ. (3)
— 9. ἃ ἐξῆρε κ. ἀπὸ προσώπου υἱῶν [A τῶν υἱ.] Ἰσρ. (3)
— 20. ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ Ἀ. υἱὸς αὐ. (3)
— 23. B υἱὸς [A R υἱ. αὐ.] Ἀ. ἐπλήθυνε πλημμέλειαν †
— 25. ἐβασίλευσεν . . . τὸν Ἰωσ. υἱὸν αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
34. 8. A ἀπέστειλε τὸν Σ. υἱὸν Σ. . . . καὶ τὸν Ἰ. υἱὸν Ἰ. [B *al.*] (3, 3)
— 9. ὁ συνήγαγον . . . ἀπὸ . . . υἱῶν Ἰούδα –
— 12. Ἰ. καὶ Ἀ. οἱ Λ. ἐξ υἱῶν Μερ. (3)
— 12. Ζαχ. καὶ Μοσ. ἐκ τῶν υἱ. Κ. (3)
— 20. ἐνετείλατο . . . τῷ Ἀχ. υἱῷ Σ. καὶ τῷ Ἀ. υἱῷ Μ. (3, 3)
— 22. πρὸς Ὀ. τὴν προφῆτιν γυναῖκα Σ. υἱοῦ Θ. υἱοῦ Χ. (3, 3)

II Ch. 34. 33. ἢ ἦν υἱῶν Ἰσρ. (3)
35. 3. ὃν ᾠκοδόμησε Σαλ. υἱὸς Δ. (3)
— 4. διὰ χειρὸς βασιλέως Σαλ. υἱοῦ αὐ. (3)
— 5. τοῖς ἀδελφοῖς ὑμῶν υἱοῖς [A τοῖς υἱ.] τοῦ λαοῦ (3)
— 7. ἀπήρξατο Ἰωσ. τοῖς υἱ. τοῦ λαοῦ (3)
— 12. κατ' οἴκους πατριῶν τοῖς υἱ. τοῦ λαοῦ (3)
— 13. ἔδραμον πρὸς πάντας τοὺς υἱ. τοῦ λαοῦ (3)
— 14. καὶ τοῖς ἀδελφοῖς αὐ. υἱοῖς Ἀ. (3)
— 15. καὶ οἱ ψαλτῳδοὶ υἱοὶ Ἀ. (3)
— 17. ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. οἱ εὑρεθέντες τὸ φασέκ (3)
36. 1. ἔλαβεν ὁ λαὸς τῆς γῆς τὸν Ἰ. υἱὸν Ἰωσ. (3)
— 2. A R υἱὸς [B *om.*] εἴκοσι καὶ τριῶν ἐτῶν (3)
— 4. κατέστησε Φ. Ν. τὸν Ἐλ. υἱὸν Ἰωσ. †
— 5. καὶ ληστήρια Μωαβιτῶν καὶ υἱῶν Ἀ. –
— 8. ἐβασίλευσεν Ἰεχ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)
— 9. A υἱὸς [B *om.*] ὀκτὼ καὶ δέκα ἐτῶν Ἰεχ. (3)
— 11. R ἐτῶν εἴκοσιν υἱὸς καὶ ἑνὸς ἔτους Σεδ. [A B *al.*] (3)
— 20. ἦσαν αὐτῷ καὶ τοῖς υἱ. αὐ. εἰς δούλους (3)
I Es. 1. 1. A ἔθυσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. [B *om.* οἱ υἱ. Ἰσρ.] τὸ πάσχα
— 3. A ᾧ ᾠκοδόμησε Σ. ὁ υἱ. [B *om.*] τοῦ Δ.
— 5. κατὰ τὴν μεγαλειότητα Σ. τοῦ υἱ. αὐ.
— 5. τῶν ἔμπροσθεν τῶν ἀδελφῶν ὐ. υἱῶν Ἰσρ.
— 13, 14. καὶ τοῖς ἱερεῦσιν ἀδελφοῖς αὐ. υἱοῖς Ἀ.
— 15. καὶ οἱ ἱεροψάλται υἱοὶ Ἀ. ἦσαν ἐπὶ τῆς τάξεως αὐ.
— 19. ἠγάγοσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. . . . τὸ πάσχα
— 34. ἀναλαβόντες . . . τὸν Ἰεχ. υἱὸν Ἰωσ.
— 43. ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ Ἰ. ὁ [A *om.*] υἱ. αὐ.
— 57. ἦσαν παῖδες αὐτῷ καὶ τοῖς υἱ. αὐ.
4. 37. ἄδικοι πάντες οἱ υἱ. τῶν ἀνθρώπων
5. 1. καὶ οἱ υἱ. καὶ αἱ θυγατέρες
— 5. οἱ ἱερεῖς υἱοὶ [A οἱ υἱ.] Φ. υἱοὶ Ἀαρών
— 9. υἱοὶ Φορός
— 9. A R υἱοὶ Σαφάτ [B² Ἀσάφ]
— 10. υἱοὶ Ἀρές
— 11. υἱοὶ Φ. Μ. εἰς τοὺς υἱ. Ἰησοῦ
— 12. υἱοὶ Ἠωλ. . . . υἱοὶ Ζ. . . . υἱοὶ Χ. . . . υἱοὶ Βανεί
— 13. υἱοὶ Βηβαὶ . . . υἱοὶ Ἀ.
— 14. υἱοὶ Ἀδ. . . . υἱοὶ Β. . . . υἱοὶ Ἀδ.
— 15. υἱοὶ Ἀ. . . . υἱοὶ Κ. . . . υἱοὶ Ἀζ.
— 16. υἱοὶ Ἀαν. . . . υἱοὶ Ἀ. . . . υἱοὶ Β. . . . υἱοὶ Ἀρσ.
— 17. υἱοὶ Βαιτ. . . . υἱοὶ ἐκ Ῥ.
— 21. A υἱοὶ Φ. [B² Ν.]
— 22. υἱοὶ Καλ. . . . υἱοὶ Ἱερ.
— 23. υἱοὶ Σ.
— 24. B οἱ ἱερεῖς οἱ [A *om.*] υἱ. Ἰ. τοῦ υἱ. [A R *om.*] Ἰ. εἰς τοὺς υἱ. Σ. . . . υἱοὶ Ἐ.
— 25. υἱοὶ Φ. . . . υἱοὶ Χαρμή
— 26. οἱ Λ. υἱοὶ Ἰησ.
— 27. υἱοὶ ἱεροψάλται υἱοὶ Ἀσάφ
— 28. B υἱοὶ Δακ. . . . υἱοὶ Τ. [A R υἱοὶ Σ. υἱοὶ Ἀ. υἱοὶ Τ. υἱοὶ Δακ. υἱοὶ Ἀτ. υἱοὶ Σ.]
— 29. A B² R οἱ ἱερόδουλοι υἱοὶ Ἡ. υἱοὶ Ἀσ. υἱοὶ Ταβ. υἱοὶ Κ. υἱοὶ Σ. υἱοὶ Φαλ. υἱοὶ Λαβ. υἱοὶ Ἀ. [B¹ *om.* υἱ. Ἀ.]
— 30. υἱοὶ Ἀ. υἱοὶ Οὐ. υἱοὶ Κ. υἱοὶ Ἀ. υἱοὶ Σ. υἱοὶ Ἀ. υἱοὶ Κ. υἱοὶ Κ.
— 31. υἱοὶ Ἰ. υἱοὶ Δ. υἱοὶ Ν. υἱοὶ Χασ. υἱοὶ Κ. υἱοὶ Ὀζ. υἱοὶ Φ. υἱοὶ Ἀσ. υἱοὶ Β. υἱοὶ Ἀσσ. υἱοὶ Μ. υἱοὶ Ναφ. υἱοὶ Ἀκ. υἱοὶ Ἀχ. υἱοὶ Ἀσ. υἱοὶ Φαρ. υἱοὶ Β.
— 32. υἱοὶ Μ.
— 32. A R υἱοὶ Κ. υἱοὶ Χ.
— 32. υἱοὶ Β. υἱοὶ Σερ. υἱοὶ Θ. υἱοὶ Νασ. υἱοὶ Ἀτ.
— 33. υἱοὶ παίδων Σαλ. υἱοὶ Ἀ. υἱοὶ Φαρ. υἱοὶ Ἰ. υἱοὶ Λ. υἱοὶ Ἰσδ. υἱοὶ Σαφ.
— 34. A R υἱοὶ Ἀγ. υἱοὶ Φακ. υἱοὶ [B *om.*] Σαβ. υἱοὶ Σαρ. υἱοὶ Μ. υἱοὶ Γ. υἱοὶ Ἀ. υἱοὶ Σ. υἱοὶ Ἀφ. υἱοὶ Βαρ. υἱοὶ Σαφ. υἱοὶ Ἀ.
— 35. καὶ οἱ υἱ. τῶν παίδων Σαλ.
— 37. υἱοὶ Δ. τοῦ υἱ. τοῦ Β. υἱοὶ Νεκ.
— 38. υἱοὶ Ὀ. υἱοὶ Ἀ. υἱοὶ Ἰ.
— 47. ὄντων τῶν υἱ. Ἰσρ. ἑκάστου ἐν τοῖς ἰδίοις
— 58. ἔστη Ἰ. καὶ οἱ υἱ. . . . καὶ οἱ υἱ. Ἰησ. Ἡμ. καὶ οἱ υἱ. Ἰ. τοῦ Ἠλ. σὺν τοῖς υἱ.
— 59. καὶ οἱ Λ. υἱοὶ [A οἱ υἱ.] Ἀ.
7. 6. A ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . . καὶ οἱ λοιποὶ υἱ. Ἰσρ. [B *om.* υἱ. Ἰσρ.]
— 10. ἠγάγοσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. . . . τὸ πάσχα
— 11. ὅτε ἡγνίσθησαν . . . πάντες οἱ υἱ. τῆς αἰχμαλωσίας

I Es. 7. 12. ἔθυσαν τὸ πάσχα πᾶσι τοῖς υἱ. τῆς αἰχμαλωσίας
— 13. καὶ ἐφάγοσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. οἱ ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας
8. 5. συνανέβησαν ἐκ τῶν υἱ. Ἰσρ.
— 21. B εἰς τὴν βασιλείαν τοῦ βασ. καὶ τῶν υἱ. [A R υἱ. αὐ.]
— 29. B ἐκ τῶν υἱ. Φ. Γ. ἐκ τῶν υἱ. Ἰ. Γαμ. τῶν [A R ἐκ τῶν] υἱ. Δ.
— 30. A R τῶν υἱ. [B *om.* τ. υἱ.] Φ.
— 31. A R ἐκ τῶν υἱ. [B *om.*] Φ.
— 32. B ἐκ τῶν υἱ. Ζ. . . . τῶν [A R ἐκ τῶν] υἱ. Ἀδ.
— 33. ἐκ τῶν υἱ. Ἠλάμ
— 34. B ἐκ τῶν υἱ. Σοφ.
— 35. ἐκ τῶν υἱ. Ἰ.
— 36. ἐκ τῶν υἱ. Βαν.
— 37. A R ἐκ τῶν υἱ. [B *om.*] Β.
— 38. B υἱοὶ [A R ἐκ τῶν υἱ.] Ἀστάθ
— 39. ἐκ τῶν υἱ. Ἀδ.
— 40. ἐκ τῶν υἱ. Β.
— 42. A ἐκ τῶν υἱ. τῶν [B *om.* υἱ. τ.] ἱερέων
— 47. B τῶν υἱ. Μ. τοῦ Λευί . . . καὶ τοὺς υἱ. [A R υἱ. αὐ.]
— 48. οἱ ἐκ τῶν υἱ. Χαν. καὶ οἱ υἱ. αὐ. [A *al.*]
— 70. καὶ αὐτοὶ καὶ οἱ υἱ. αὐ.
— 84. τὰς θυγ. ὑμῶν μὴ συνοικίσητε τοῖς υἱ. [A τέκνοις] αὐ.
— 84. τὰς θυγ. αὐ. μὴ λάβητε τοῖς υἱ. [A τέκνοις] ὑμῶν
— 85. ἵνα . . . κατακληρονομήσητε τοῖς υἱ. ὑμῶν
— 92. Ἰεχ. Ἰ. τῶν [A ὁ τῶν] υἱ. Ἰσρ.
9. 19. ἐκ τῶν υἱ. Ἰ. τοῦ Ἰωσ.
— 21. ἐκ τῶν υἱ. Ἐ.
— 22. ἐκ τῶν υἱ. Φ.
— 26. ἐκ τῶν υἱ. [A *add.* υἱῶν] Φ.
— 27. ἐκ τῶν υἱ. Ἠλά
— 28. ἐκ τῶν υἱ. Ζαμ.
— 29. ἐκ τῶν υἱ. Βηβαί
— 30. ἐκ τῶν υἱ. Μανί
— 31. ἐκ τῶν υἱ. Ἀ.
— 32. ἐκ τῶν υἱ. Ἀνν.
— 33. ἐκ τῶν υἱ. Ἀσόμ
— 34. ἐκ τῶν υἱ. Β. . . . ἐκ τῶν υἱ. Ἐζ.
— 35. A R ἐκ τῶν υἱ. Ν. [B *al.*]
— 37. καὶ οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐν ταῖς κατοικίαις αὐ.
II Es. 2. 1. B οὗτοι υἱοὶ [A R οἱ υἱ.] τῆς χώρας (3)
— 3. υἱοὶ Φ. (3)
— 4. υἱοὶ Σ. (3)
— 5. υἱοὶ Ἄ. (3)
— 6. υἱοὶ Φ. Μ. τοῖς υἱ. Ἰησ. (3, 3)
— 7. υἱοὶ Αἰ. (3)
— 8. υἱοὶ Ζ. (3)
— 9. υἱοὶ Ζακχ. (3)
— 10. υἱοὶ Βαν. (3)
— 11. υἱοὶ Βαβ. (3)
— 12. υἱοὶ Ἀ. (3)
— 13. υἱοὶ Ἀδων. (3)
— 14. υἱοὶ Β. (3)
— 15. υἱοὶ Ἀδ. (3)
— 16. υἱοὶ Ἀτὴρ τῷ Ἐζ. (3)
— 17. υἱοὶ Βασ. (3)
— 18. υἱοὶ Ἰ. (3)
— 19. υἱοὶ Ἀσ. (3)
— 20. υἱοὶ Γ. (3)
— 21. υἱοὶ Β. (3)
— 22. υἱοὶ Ν. (1)
— 23. υἱοὶ Ἀναθώθ (1)
— 24. υἱοὶ Ἀ. (3)
— 25. υἱοὶ Καρ. (3)
— 26. υἱοὶ τῆς Ῥ. (3)
— 29. υἱοὶ Ναβ. (3)
— 30. υἱοὶ Μαγ. (3)
— 31. υἱοὶ Ἠλαμάρ (3)
— 32. υἱοὶ Ἠράμ (3)
— 33. υἱοὶ Λ. (3)
— 34. υἱοὶ Ἱερ. (3)
— 35. υἱοὶ Σ. (3)
— 36. καὶ οἱ ἱερεῖς υἱοὶ Ἰ. (3)
— 37. υἱοὶ Ἐμμήρ (3)
— 38. υἱοὶ Φ. (3)
— 39. A R υἱοὶ Ἠρέμ (3)
— 40. υἱοὶ Ἰησ. καὶ Κ. τοῖς υἱ. Ὠ. (3, 3)
— 41. οἱ ᾄδοντες υἱοὶ Ἀσάφ (3)
— 42. υἱοὶ τῶν πυλωρῶν υἱοὶ Σ. υἱοὶ Ἀτ. υἱοὶ Τελμὼν υἱοὶ Ἀκοὺμ υἱοὶ Ἀτ. υἱοὶ Σ. (3 *septiens*)

II Es. 2. 43. υἱοὶ Σου. υἱοὶ [A -οῦ] Ἀσ. υἱοὶ Ταβ. (3 ter)
— 44. υἱοὶ Κ. υἱοὶ Σ. υἱοὶ Φαδών (3 ter)
— 45. υἱοὶ Λαβ. υἱοὶ Ἀγ. υἱοὶ Ἀκ. (3 ter)
— 46. υἱοὶ Ἀγὰβ υἱοὶ Σ. υἱοὶ Ἀνάν (3 ter)
— 47. υἱοὶ Γ. υἱοὶ Γ. υἱοὶ Ῥ. (3 ter)
— 48. υἱοὶ Ῥ. υἱοὶ Ν. υἱοὶ Γ. (3 ter)
— 49. υἱοὶ Οὐ. υἱοὶ Φ. υἱοὶ Βασ. (3 ter)
— 50. υἱοὶ Ἀσ. υἱοὶ Μ. υἱοὶ Ν. (3 ter)
— 51. υἱοὶ Βακ. υἱοὶ Ἀ. υἱοὶ Ἀρούρ (3 ter)
— 52. υἱοὶ Βασ. υἱοὶ Μ. υἱοὶ Ἀρ. (3 ter)
— 53. A R υἱοὶ Βαρκ. υἱοὶ Σισ. [B om. υἱ. Σισ.] υἱοὶ Θ. . (3 ter)
— 54. υἱοὶ Ν. υἱοὶ Ἀτ. (3, 3)
— 55. υἱοὶ δούλων Σ. υἱοὶ Σ. υἱοὶ Ἀσ. υἱοὶ Φαδ. [A al.] (3 quater)
— 56. υἱοὶ Ἰ. υἱοὶ Δ. υἱοὶ Γεδ. (3 ter)
— 57. υἱοὶ Σαφ. υἱοὶ Ἀτ. υἱοὶ Φ. υἱοὶ [A om.] Ἀσ. υἱοὶ Ἡ. (3 ter, –, 3)
— 58. καὶ υἱοὶ [A οἱ υἱ.] Ἀ. (3)
— 60. υἱοὶ Δ. υἱοὶ Β. [A om. υἱ. Β.] υἱοὶ Τωβ. υἱοὶ Νεκ. (3, –, 3, 3)
— 61. ἀπὸ τῶν υἱ. τῶν ἱερέων υἱοὶ Α. υἱοὶ Ἀκ. υἱοὶ Β. (3 quater)
3. 1. R καὶ οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐν πόλεσιν αὐ. [A B al.] (3)
— 9. ἔστη Ἰ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. . . . Κ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. υἱοὶ [A οἱ υἱ.] Ἰ. . . . υἱοὶ Ἡν. υἱοὶ αὐ. (3 quinquiens)
— 10. ἔστησαν . . . οἱ Α. υἱοὶ Ἀσάφ (3)
4. 1. B οἱ [A R om.] υἱ. τῆς ἀποικίας οἰκοδομοῦσιν οἶκον (3)
5. 2. Ζορ. ὁ τοῦ Σαλ. καὶ Ἰ. ὁ υἱ. Ἰωσ. (4)
6. 9. καὶ υἱοὺς βοῶν καὶ κριῶν (3)
— 10. εἰς ζωὴν τοῦ βασ. καὶ υἱῶν [A τῶν υἱ.] αὐ. (3)
— 14. ἐν προφητείᾳ . . . Ζαχ. υἱοῦ Ἀδ. (4)
— 16. ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. . . . καὶ οἱ κατάλοιποι υἱῶν ἀποικεσίας ἐγκαίνια (3, 3)
— 19. ἐποίησαν οἱ υἱ. τῆς ἀποικεσίας τὸ πάσχα (3)
— 20. ἔσφαξαν τὸ πάσχα τοῖς πᾶσιν υἱ. τῆς ἀποικεσίας (3)
— 21. ἔφαγον οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸ πάσχα (3)
7. 1. ἀνέβη Ἔ. υἱὸς Σαρ. υἱοῦ Ἀζ. υἱοῦ Χ. (3 ter)
— 2. υἱοῦ Σ. υἱοῦ Σαδδ. υἱοῦ Ἀχ. (3 ter)
— 3. υἱοῦ Σαμ. υἱοῦ Ἔ. υἱοῦ Μαρ. (3 ter)
— 4. υἱοῦ Ζαρ. υἱοῦ Ὁ. υἱοῦ Βοκκί (3 ter)
— 5. υἱοῦ Ἀβ. υἱοῦ Φιν. υἱοῦ Ἐλ. υἱοῦ Ἀαρών (3 quater)
— 7. ἀνέβησαν ἀπὸ υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 23. ἐπὶ τὴν βασιλείαν τοῦ βασ. καὶ τῶν υἱ. αὐ. (3)
8. 2. ἀπὸ υἱῶν Φ. Γ. ἀπὸ υἱῶν Ἰθ. Δαν. ἀπὸ υἱῶν Δ. Ἀ. (3 ter)
— 3. ἀπὸ υἱῶν Σ. ἀπὸ υἱῶν Φόρος (3, 3)
— 4. ἀπὸ υἱῶν Φ. Μ. Ἐλ. υἱὸς Ζαρ. (3, 3)
— 5. A R ἀπὸ υἱῶν Ζαθ. Σεχ. υἱὸς Ἀζ. (3, 3)
— 6. ἀπὸ υἱῶν Ἀδ. Ὠβ. υἱὸς Ἰωκ. (3, 3)
— 7. ἀπὸ υἱῶν Ἠλ. Ἰ. υἱὸς Ἀθ. (3, 3)
— 8. ἀπὸ υἱῶν Σαφ. Ζ. υἱὸς Μ. (3, 3)
— 9. ἀπὸ υἱῶν Ἰ. Ἀ. υἱὸς Ἰ. (3, 3)
— 10. ἀπὸ υἱῶν Β. Σ. υἱὸς Ἰωσ. (3, 3)
— 11. B ἀπὸ υἱῶν Βαβὶ καὶ [A R om.] Ἀζ. υἱὸς Βαβί (3, 3)
— 12. ἀπὸ υἱῶν Ἀ. Ἰ. υἱὸς Ἀκ. (3, 3)
— 13. ἀπὸ υἱῶν Ἀδ. ἔσχατοι (3)
— 14. ἀπὸ υἱῶν Β. (3)
— 15. ἀπὸ υἱῶν Λ. οὐχ εὗρον ἐκεῖ (3)
— 18. ἀπὸ υἱῶν Μ. υἱοῦ Λευὶ υἱοῦ Ἰσρ. (3 ter)
— 18. B ἦλθοσαν υἱοὶ [A R οἱ υἱ.] αὐ. (3)
— 19. καὶ τὸν Ἰσ. ἀπὸ υἱῶν Μερ. (3)
— 19. ἀδελφοὶ αὐ. καὶ υἱοὶ [A οἱ υἱ.] αὐ. εἴκοσι (3)
— 33. ἐπὶ χεῖρα Μ. υἱοῦ Οὐρ. (3)
— 33. καὶ μετ' αὐτοῦ Ἐλ. υἱὸς Φ. (3)
— 33. A R καὶ μετ' αὐτῶν Ἰ. υἱὸς Ἰ. καὶ Ν. υἱὸς Β. [B al.] (3, 3)
— 35. υἱοὶ τῆς παροικίας προσήνεγκαν ὁλοκαυτώσεις (3)
9. 2. ἐλάβοσαν ἀπὸ θυγατέρων αὐ. . . . τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 7. παρεδόθημεν ἡμεῖς . . . καὶ οἱ υἱ. ἡμῶν –
— 12. τὰς θυγ. ὑμῶν μὴ δῶτε τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 12. ἀπὸ τῶν θυγατέρων αὐ. μὴ λάβητε τοῖς υἱ. ὑμῶν (3)
— 12. ὅπως . . . κληροδοτήσητε τοῖς υἱ. ὑμῶν (3)
10. 2. ἀπεκρίθη Σεχ. υἱὸς Ἰ. ἀπὸ υἱῶν Ἡ. (3, 3)
— 6. εἰς γαζοφυλάκιον Ἰ. υἱοῦ Ἐλ. (3)
— 7. S R πᾶσι τοῖς υἱ. τῆς ἀποικίας (3)
— 15. πλὴν Ἰων. υἱὸς Ἀ. καὶ Λ. υἱὸς Ἔ. μετ' ἐμοῦ (3, 3)

II Es. 10. 16. ἐποίησαν οὕτως υἱοὶ [A οἱ υἱ.] τῆς ἀποικίας (3)
— 18. A B εὑρέθη ἀπὸ υἱῶν [S² τῶν υἱ.] τῶν ἱερέων (3)
— 18. ἀπὸ υἱῶν Ἰ. υἱοῦ Ἰωσ. (3, 3)
— 20. ἀπὸ υἱῶν Ἔ. (3)
— 21. ἀπὸ υἱῶν Ἡ. (3)
— 22. ἀπὸ υἱῶν Φασούρ (3)
— 23. S² ἀπὸ τῶν υἱ. τῶν [A B S¹ om. υἱ. τῶν] Λευιτῶν –
— 25. ἀπὸ υἱῶν Φ. (3)
— 26. ἀπὸ υἱῶν Ἠλάμ (3)
— 27. ἀπὸ υἱῶν Ζαθ. (3)
— 28. ἀπὸ υἱῶν Βαβεί (3)
— 29. ἀπὸ υἱῶν Βαν. (3)
— 30. ἀπὸ υἱῶν Φ. Μ. (3)
— 31. ἀπὸ υἱῶν Ἠράμ (3)
— 33. ἀπὸ υἱῶν Ἀσ. (3)
— 34. ἀπὸ υἱῶν Β. (3)
— 38. B S οἱ υἱ. Β. καὶ υἱοὶ [A R οἱ υἱ.] Σεμ. †, †
— 43. ἀπὸ υἱῶν Ναβού (3)
— 44. ἐγέννησαν ἐξ αὐτῶν υἱούς (3)
Ne. 1. 1. λόγοι Νεεμία υἱοῦ Χ. (3)
— 6. ἣν ἐγὼ προσεύχομαι . . . περὶ υἱῶν Ἰσρ. (3)
— 6. ἐξαγορεύω ἐπὶ ἁμαρτίαις υἱῶν Ἰσρ. (3)
2. 10. ζητῆσαι ἀγαθὸν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)
3. 2. ἐπὶ χεῖρας ἀνδρῶν υἱῶν [A υἱ. ἀ.] Ἱερ. †
— 2. ἐπὶ χεῖρας υἱῶν Ζ. υἱοῦ Ἀ. (†, 3)
— 3. τὴν πύλην τὴν ἰχθ. ᾠκοδόμησαν υἱοὶ Ἀσ. (3)
— 4. ἐπὶ [A S ἀπὸ] Ῥ. υἱοῦ Οὐρ. υἱοῦ Ἀκ. (3, 3)
— 4. A S R κατέσχεν Μοσ. υἱὸς Βαρ. υἱοῦ Μαζ. (3, 3)
— 4. B S κατέσχε Σαδ. υἱὸς Βαανά (3)
— 6. S ἐκράτησαν υἱοὶ Ἐδὰ υἱὸς Φ. καὶ Μεσ. υἱὸς Β. [A B al.] (†, 3, 3)
— 8. R παρησφαλίσατο Ὀζ. υἱὸς Ἀρ. (3)
— 8. Ἀν. υἱὸς τοῦ Ἰ. (3)
— 9. R ἐκράτησε Ῥ. υἱὸς Σούρ [ABS om. υἱ. Σ.] (3)
— 10. ἐκράτησεν Ἰεδ. υἱὸς Ἔ. (3)
— 10. ἐκράτησεν Ἀ. υἱὸς Ἀσ. (3)
— 11. ἐκράτησε Μελχ. υἱὸς [S ὁ υἱ.] Ἡ. καὶ Ἀσ. υἱὸς Φ. Μ. (3, 3)
— 12. ἐκράτησε Σ. υἱὸς Ἡ. (3)
— 14. ἐκράτησε Μελχ. υἱὸς Ῥηχὰβ . . . αὐτὸς καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3, †)
— 15. R ἠσφαλίσατο Σαλ. υἱὸς Χ. (3)
— 16. ἐκράτησε Νεεμ. υἱὸς Ἀζ. (3)
— 17. ἐκράτησαν οἱ Λ. Β. υἱὸς Β. (3)
— 18. ἐκράτησαν ἀδελφοὶ αὐ. Β. υἱὸς Ἡν. (3)
— 19. ἐκράτησεν ἐπὶ χεῖρα αὐ. Ἀζ. υἱὸς Ἰησοῦ (3)
— 20. ἐκράτησε Βαρουχ υἱὸς Ζαβ. (3)
— 21. ἐκράτησε Μερ. υἱὸς Οὐρ. υἱοῦ Ἀκ. (3, 3)
— 23. B S² ἐκράτησεν Ἀζ. υἱὸς Μ. υἱὸς [A S¹ R -οῦ] Ἀν. (3, 3)
— 24. ἐκράτησε Βανὶ υἱὸς Ἡν. (3)
— 25. Φαλ. υἱοῦ Εὐ. ἐξ ἐναντίας τῆς γωνίας (3)
— 25. μετ' αὐτὸν Φαδ. υἱὸς Φόρος (3)
— 29. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Σαδ. υἱὸς Ἔ. (3)
— 29. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Σ. υἱὸς Σ. (3)
— 30. S μετ' αὐτὸν ἐκράτησεν Ἀν. υἱὸς Τ. καὶ Ἀν. υἱὸς Τ. καὶ Τ. υἱὸς Ἔ. [A B al.] (3, –, 3)
— 30. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Μεσ. υἱὸς Βαρ. (3)
— 31. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Μελχ. υἱὸς τοῦ Σ. (3)
4. 14 (8). παρατάξασθε περὶ . . . υἱῶν ὑμῶν (3)
5. 2. ἐν υἱοῖς ἡμῶν . . . ἡμεῖς πολλοί (3)
— 3. S¹ ἐν υἱοῖς [A B S² ἀγροὶ] ἡμῶν καὶ ἀμπελῶνες ἡ. †
— 5. B S ὡς υἱοὶ ἡμῶν υἱοὶ αὐτῶν [A R al.] (3, 3)
— 5. καταδυναστεύομεν τοὺς υἱ. [A τοῖς υἱ.] ἡμῶν (3)
6. 10. ABS¹ εἰς οἶκον Σεμ. υἱοῦ Δαλ. υἱὸν [S²R -οῦ] Μ. (3, 3)
— 18. γαμβρὸς ἦν τοῦ Σεχ. υἱοῦ Ἠρ. (3)
— 18. Ἰ. υἱὸς αὐ. ἔλαβε τὴν θυγ. Μεσ. υἱοῦ Βαρ. εἰς γυναῖκα (3, 3)
7. 6. οὗτοι υἱ. [A οἱ υἱ.] τῆς χώρας οἱ ἀναβάντες (3)
— 7. B¹ ἄνδρες υἱοῦ [B² τοῦ, A S R λαοῦ] Ἰσρ. †
— 8. υἱοὶ Φόρος (3)
— 9. υἱοὶ Σαφατία (3)
— 10. υἱοὶ Ἠρ. (3)
— 11. υἱοὶ Φαὰθ Μ. τοῖς υἱ. Ἰησοῦ (3, 3)
— 12. υἱοὶ Αἰλάμ (3)
— 13. υἱοὶ Ζαθ. (3)
— 14. υἱοὶ Ζ. (3)
— 15. υἱοὶ Βανουί (3)

Ne. 7. 16. υἱοὶ Βηβί (3)
— 17. υἱοὶ Ἀσ. (3)
— 18. υἱοὶ Ἀδ. (3)
— 19. υἱοὶ Β. (3)
— 20. υἱοὶ Ἠδ. (3)
— 21. υἱοὶ Ἀτὴρ τῷ Ἐζ. (3)
— 22. υἱοὶ Ἠσ. (3)
— 23. υἱοὶ Β. (3)
— 24. υἱοὶ Ἀρ. (3)
— 24. S R υἱοὶ Ἀσέν –
— 25. υἱοὶ Γαβ. (3)
— 26. A S R υἱοὶ Β. . . . υἱοὶ Νετ. (1, –)
— 27. A S R υἱοὶ Ἀν. (1)
— 33. A S υἱοὶ Μαγ. –
— 35. υἱοὶ Ἠράμ (3)
— 36. υἱοὶ Ἱερ. (3)
— 37. υἱοὶ Λόδ (3)
— 38. υἱοὶ Σαν. (3)
— 39. οἱ ἱερεῖς υἱοὶ [S οἱ υἱ.] Ἰ. (3)
— 40. B υἱοὶ [S add. X., A R add. Ἔ.] χίλιοι (3)
— 41. υἱοὶ Φασ. (3)
— 42. υἱοὶ Ἠρ. (3)
— 43. οἱ Λ. υἱοὶ [S οἱ υἱ.] Ἰ. τῷ Κ. τοῖς υἱ. τοῦ Οὐ. (3, 3)
— 44. οἱ ᾄδοντες υἱοὶ [S οἱ υἱ.] Ἀσ. (3)
— 45. B οἱ πυλωροὶ υἱοὶ Σ. υἱοὶ Ἀτὴρ υἱοῦ Ἀ. [A S R om. υἱ. Ἀ.] υἱοὶ Τ. υἱοὶ Ἀκ. υἱοὶ Ἀτ. υἱοὶ Σαβ. (3, 3, –, 3 quater)
— 46. οἱ Ναθ. υἱοὶ Σ. υἱοὶ Ἀσ. υἱοὶ Ταβ. (3 ter)
— 47. υἱοὶ Κιρ. υἱοὶ Ἀσ. υἱοὶ Φ. (3 ter)
— 48. υἱοὶ Λαβ. υἱοὶ Ἀγ. (3, 3)
— 48. A S υἱοὶ Ἀκ. υἱοὶ Οὐ. υἱοὶ Κητ. υἱοὶ Γ. (– quater)
— 48. υἱοὶ Σ. (3)
— 49. A υἱοὶ Ἀ. υἱοὶ Γ. υἱοὶ Γ. [BS om. υἱ. Γ.] (3 ter)
— 50. υἱοὶ Ῥ. υἱοὶ Ῥασ. υἱοὶ Νεκ. (3 ter)
— 51. υἱοὶ Γηζ. υἱοὶ Ὀζὶ υἱοὶ Φ. (3 ter)
— 52. υἱοὶ Β. υἱοὶ Μ. υἱοὶ Νεφ. (3 ter)
— 53. υἱοὶ Β. υἱοὶ Ἀχ. υἱοὶ Ἀρ. (3 ter)
— 54. υἱοὶ Βασ. υἱοὶ Μ. υἱοὶ Ἀδ. (3 ter)
— 55. υἱοὶ Βαρκ. υἱοὶ Σ. υἱοὶ Ἡ. (3 ter)
— 56. υἱοὶ Ἀσ. υἱοὶ Ἀτ. (3, 3)
— 57. υἱοὶ δούλων Σαλ. [S¹ om.] υἱοὶ Σουτ. υἱοὶ Σαφ. υἱοὶ Φ. (3 quater)
— 58. υἱοὶ Ἰ. υἱοὶ Δ. υἱοὶ Γαδ. (3 ter)
— 59. υἱοὶ Σαφ. υἱοὶ Ἔ. υἱοὶ Φ. υἱοὶ Σαβ. υἱοὶ Ἡμ. (3 ter, –, 3)
— 60. καὶ υἱοὶ δούλων [S om.] Σαλ. (3)
— 62. A S υἱοὶ Δαλ. υἱοὶ Β. [B om. υἱ. Β.] υἱοὶ Τ. υἱοὶ Νεκ. (3, –, 3, 3)
— 63. ἀπὸ τῶν ἱερέων υἱοὶ Ἔ. υἱοὶ Ἀκ. υἱοὶ Βερζ. (3 ter)
8. 1 (7. 73). καὶ οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐν πόλεσιν αὐ. (3)
— 14. ὅπως κατοικήσωσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐν σκηναῖς (3)
— 17. οὐκ ἐποίησαν ἀπὸ ἡμερῶν Ἰ. υἱοῦ Ν. οὕτως οἱ υἱ. Ἰσρ. (3, 3)
9. 1. συνήχθησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐν νηστείᾳ (3)
— 1. S¹ ἐχωρίσθησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐν νηστείᾳ –
— 2. ἐχωρίσθησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἀπὸ παντὸς υἱ. ἀλλοτρίου (5, 3)
— 4. A S² R ἔστη . . . Ἰ. καὶ υἱοὶ Καδμ. Σ. υἱὸς Σαρ. υἱοὶ Χαν. [B S¹ om. υἱ. Χαν.] († ter)
— 5. S¹ εἶπεν οἱ υἱ. [A B S² om.] Λ. –
— 23. τοὺς υἱ. αὐ. ἐπλήθυνας (3)
10. 1 (2). Νεεμ. υἱὸς Ἀχ. (3)
— 2 (3). καὶ Σεδ. υἱὸς Σαρ. –
— 9 (10). καὶ οἱ Λ. Ἰ. υἱὸς Ἀζ. Βαν. ἀπὸ υἱῶν Ἡν. (3, 3)
— 13 (14). υἱοὶ Βεν. †
— 14 (15). υἱοὶ Βαν. †
— 28 (29). γυναῖκες αὐ. υἱοὶ αὐτῶν (3)
— 30 (31). τὰς θυγατέρας αὐ. οὐ ληψόμεθα τοῖς υἱ. ἡμῶν (3)
— 35 (37). καὶ τὰ πρωτότοκα υἱῶν [S τῶν υἱ.] ἡμῶν (3)
— 38 (39). A S² R ἔσται ὁ ἱερεὺς υἱὸς [B S¹ om.] Ἀ. μετὰ τοῦ Λ. (3)
— 39 (40). A S εἰς τοὺς θησαυροὺς εἰσοίσουσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. καὶ οἱ υἱ. τοῦ Λ. [B al.] (3, 3)
11. 3. καὶ οἱ υἱ. δούλων Σαλ. (3)
— 4. ἐκάθισαν ἀπὸ υἱῶν Ἰ. καὶ ἀπὸ υἱῶν Βεν. (3, 3)
— 4. ἀπὸ υἱῶν Ἰ. Ἀθ. υἱὸς Ἀ. υἱὸς Ζαχ. υἱὸς Σαμ. υἱὸς Σαφ. υἱὸς Μαλ. καὶ ἀπὸ υἱῶν Φ. (3 septiens)
— 5. Μ. υἱὸς Βαρουχ υἱὸς Χαλ. υἱὸς Ὀζ. υἱὸς Ἀ. υἱὸς Ἰ. υἱὸς Θ. υἱὸς τοῦ Δ. (3 septiens)

Ne. 11. 6. πάντες υἱοὶ Φ. (3)
— 7. A S καὶ οὗτοι υἱ. Βεν. Σηλ. υἱὸς M. υἱὸς Ἰ. υἱὸς [B om. Ἰ. υἱ.] Ἰ. υἱὸς Φ. υἱὸς K. υἱὸς M. υἱὸς Αἰ. υἱὸς Ἰ. (3 ter, –, 3 quinquiens)
— 9. Ἰ. υἱὸς Ζεχρὶ . . . καὶ Ἰ. υἱὸς [A om.] Ἀσ. (3, 3)
— 10. Δ. υἱὸς Ἰω. (3)
— 11. Σαρ. υἱὸς Ἐλ. υἱὸς Μεσ. υἱὸς Σαδ. υἱὸς Μαρ. υἱὸς Ἀ. (3 quinquiens)
— 12. S² R Ἀδ. υἱὸς Ἰ. υἱοῦ Φ. υἱοῦ [A om.] Ἀμ. [B al.] (3 ter)
— 12. υἱὸς [S² -οῦ] Ζαχ. υἱὸς Φασ. υἱὸς [A om.] Μελχ. (3 ter)
— 13. καὶ Ἀμ. υἱὸς Ἐ. (3)
— 13. S² υἱοῦ Ἀζ. υἱοῦ Μασ. υἱοῦ Ἐ. [R al.] (3 ter)
— 14. S² R υἱὸς τῶν μεγάλων (3)
— 15. ἀπὸ τῶν Δ. Σαμ. υἱὸς Ἀσ. υἱὸς Ἐ. (3, 3)
— 16 (15). S² υἱὸς Ἀσ. υἱοῦ Β. (3, 3)
— 17. καὶ Μαθ. υἱὸς Μ. (3)
— 17. S² υἱοῦ [cod. υοι] Ζ. υἱοῦ Ἀ. (3, 3)
— 17. S² καὶ Ἀβδὰς υἱὸς Σαμμ. υἱοῦ Γ. υἱοῦ Ἰδ. (3 ter)
— 17. A B S¹ καὶ Ἰ. υἱὸς Σαμ. –
— 22. καὶ ἐπίσκοπος Δ. υἱὸς [S² -οῦ] Β. [R add. υἱὸς] Ὀζὲ υἱὸς [S² υἱοῦ] Ἀσ. [S² add. υἱοῦ Μαθθ.] υἱὸς [S² -οῦ] Μ. (3, –, 3, [3], 3)
— 22. ἀπὸ υἱῶν [S τῶν υἱ.] Ἀσ. τῶν ᾠδόντων (3)
— 24. καὶ Π. υἱὸς Βασ. (3)
— 24. S² ἀπὸ τῶν Ζ. υἱοῦ Ἰ. (3)
— 25. ἀπὸ υἱῶν Ἰ. ἐκάθισαν ἐν Κ. (3)
— 31. καὶ οἱ [A om.] υἱ. Βεν. ἀπὸ Γ. (3)
12. 1. οἱ ἀναβάντες μετὰ Ζορ. υἱοῦ Σαλ. (3)
— 23. υἱοὶ Λευί (3)
— 23. ἕως ἡμερῶν Ἰ. υἱοῦ [S¹ -ὸς] Ἐλ. (3)
— 24. καὶ υἱοὶ Καδμ. καὶ οἱ ἀδ. αὐ. (3)
— 26. S R ἐν ἡμέραις Ἰωακεὶμ υἱοῦ Ἰησ. υἱοῦ [A B om.] Ἰ. (3, 3)
— 28. συνήχθησαν οἱ υἱ. τῶν ᾠδόντων (3)
— 35. καὶ ἀπὸ υἱῶν τῶν ἱ. ἐν σάλπιγξι Ζ. υἱὸς Ἰ. υἱὸς Σαμ. υἱὸς M. υἱὸς [A ὁ υἱ.] Μιχ. υἱὸς Ζ. υἱὸς Ἀ. (3 septiens)
— 45. ὡς ἐντολαὶ Δ. καὶ Σαλ. υἱοῦ αὐ. (3)
— 47. καὶ οἱ Λ. ἁγιάζοντες τοῖς υἱ. Ἀ. (3)
13. 2. οὐ συνήντησαν τοῖς υἱ. Ἰσρ. ἐν ἅρτῳ (3)
— 13. ἐπὶ χείρα αὐ. Ἀ. υἱὸς Ζακχ. υἱὸς M. (3, 3)
— 16. πᾶσαν πρᾶσιν πωλοῦντες . . . τοῖς υἱ. Ἰ. (3)
— 17. ἐμαχεσάμην τοῖς υἱ. Ἰ. τοῖς ἐλευθέροις †
— 24. καὶ οἱ υἱ. αὐ. ἥμισυ λαλοῦντες Ἀζ. (3)
— 25. ἐὰν δῶτε τὰς θυγατέρας ὑμῶν τοῖς υἱ. αὐ. (3)
— 25. ἐὰν λάβητε ἀπὸ τῶν θυγ. αὐ. τοῖς υἱ. ὑμῶν (3)
— 28. ἀπὸ υἱῶν Ἰ. τοῦ Ἐλ. (3)
To. 1. 6. ἐδίδουν αὐτὰς τοῖς ἱερεῦσι τοῖς υἱ. Ἀ.
— 7. τὴν δεκάτην ἐδίδουν τοῖς υἱ. Λευί [S al.]
— 8. S¹ τοῖς προσκειμένοις τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. [S² al.]
— 9. S ἐγέννησα ἐξ αὐτῆς υἱόν [A B al.]
— 15. ἐβασίλευσε Σενν. ὁ [S om.] υἱ. αὐτοῦ ἀντ' αὐτοῦ
— 18. S πολλοὺς γὰρ ἀπέκτεινεν . . . ἐκ τῶν υἱ. Ἰσρ. [A B al.]
— 20. οὐ κατελείφθη μοι οὐδὲν πλὴν . . . Τ. τοῦ υἱ. μου
— 21. ἕως οὗ ἀπέκτειναν αὐτὸν οἱ δύο υἱ. αὐ.
— 21. A B ἐβασίλευσε Σαχερδονὸς ὁ [S R om.] υἱ. αὐ. ἀντ' αὐτοῦ
— 21. B Ἀχ. τὸν Ἀναὴλ υἱὸν [A τὸν υἱ.] τοῦ ἀδελφοῦ μου [S τὸν τοῦ ἀδ. μου υἱ.]
— 22. κατέστησεν αὐτὸν ὁ Σαχ. υἱὸς [S om.] ἐκ δευτέρας
2. 1. ἀπεδόθη μοι . . . Τ. ὁ υἱ. μου
— 2. εἶπα τῷ [S add. Τωβείᾳ τῷ] υἱ. μου
3. 9. μὴ ἴδοιμέν σου [S¹ om.] υἱόν
— 15. A B οὐδὲ ὑπάρχων αὐτῷ υἱός
— 17. Σάρραν . . . δοῦναι Τωβίᾳ τῷ υἱ. Τωβὶτ γυναῖκα [S al.]
4. 2. τί οὐ καλῶ Τωβίαν τὸν υἱ. μου
— 3. S ἐκάλεσε Τωβείαν τὸν υἱ. αὐ. [A B al.]
— 12. A B υἱοὶ προφητῶν ἐσμεν
— 13. A B μὴ ὑπερηφανεύου τῇ καρδίᾳ σου ἀπὸ . . . τῶν υἱ. . . . τοῦ λαοῦ σου
5. 3. S εἶπεν Τωβείᾳ τῷ υἱ. αὐ.
— 5. S ἐκ τῶν υἱ. Ἰσρ. τῶν ἀδ. σου
— 8. S ἄνθρωπον εὗρον τῶν ἀδ. ἡμῶν τῶν υἱ. Ἰσρ. [A B al.]
— 9. S Τωβείας ὁ υἱ. μου θέλει πορευθῆναι
To. 5. 11. A B ὃς συμπορεύσεται μετὰ τοῦ υἱ. σου
— 13. ἐπιγίνωσκον . . . Ἀν. καὶ Ἰ. τοὺς υἱ. Σεμ. [S al.]
— 14. τὰ δέοντά σοι ὡς καὶ τῷ υἱ. μου [S al.]
— 14. S πορεύθητι μετὰ τοῦ υἱ. μου
— 16. S ἐκάλεσε τὸν υἱ. αὐ.
— 16. A B ἡτοίμασεν ὁ υἱ. αὐ. τὰ πρὸς τὴν ὁδόν
6. 10. S υἱὸς ἄρσην οὐδὲ θυγάτηρ ὑπάρχει αὐτῷ [A B al.]
— 14. υἱ. ἕτερος οὐχ ὑπάρχει αὐτοῖς
7. 3. ἐκ τῶν υἱ. Νεφθ.
— 7. R ὁ τοῦ καλοῦ καὶ ἀγαθοῦ ἀνθρώπου υἱός [A B om., S al.]
9. 5. S ὑπέδειξεν αὐτῷ περὶ Τωβ. τοῦ υἱ. Τωβ.
10. 1. S καὶ ὁ υἱ. αὐ. οὐ παρῆν [A B al.]
— 4. S καὶ θρηνεῖν περὶ τοῦ υἱ. αὐ. [A B al.]
— 7. S ᾗ ᾤχετο ὁ υἱ. αὐ.
— 7. A B οὐ διελίμπανε θρηνοῦσα Τωβ. τὸν υἱ. αὐ. [S al.]
11. 4. S ἐκ τῶν ὀπίσω αὐτοῦ καὶ τοῦ υἱ. αὐ. [A B al.]
— 5. S περιβλεπομένη τὴν ὁδὸν τοῦ υἱ. αὐ. [A B al.]
— 6. ἰδοὺ ὁ υἱ. μου [A S σου] ἔρχεται
— 9. ἐπέπεσεν ἐπὶ τὸν τράχηλον τοῦ υἱ. αὐ.
— 10. ὁ δὲ υἱ. προσέδραμεν αὐτῷ [S al.]
— 13. A B ἰδὼν τὸν υἱ. αὐτοῦ
— 15. βλέπω Τωβίαν τὸν υἱ. μου
— 15. εἰσῆλθεν ὁ υἱ. αὐτοῦ χαίρων [S al.]
— 17. S Σάρρα τῇ γυναικὶ Τωβ. τοῦ υἱ. αὐ. [A B al.]
— 17. S καὶ εὐλογημένος Τωβ. ὁ υἱ. μου
12. 1. ἐκάλεσε Τωβὶτ Τωβίαν τὸν υἱ. αὐ.
13. 3. ἐξομολογεῖσθε αὐτῷ, οἱ υἱ. Ἰσραήλ
— 9. A B μαστιγώσει ἐπὶ τὰ ἔργα τῶν υἱ. σου
— 9. A B ἐλεήσει τοὺς υἱ. τῶν δικαίων
— 13. ἀγαλλίασαι ἐπὶ τοῖς υἱ. [S πρὸς τοὺς υἱ.] τῶν δικαίων
14. 3. ἐκάλεσε τὸν υἱ. αὐτοῦ καὶ τοὺς υἱ. αὐ. [S al.]
— 3. λάβε τοὺς υἱ. σου [S al.]
— 7. S πάντες οἱ υἱ. τοῦ Ἰσρ. οἱ σωζόμενοι
— 12. A B ἀπῆλθε δὲ Τωβ. μετὰ . . . τῶν υἱ. αὐ. [S al.]
— 15. S οἷς ἐποίησεν ἐπὶ τοὺς υἱ. Νιν.
Ju. 1. 6. εἰς παράταξιν υἱῶν Χ.
— 12. ἀνελεῖν . . . τοὺς υἱ. [A³ -ῶν] Ἀ.
2. 23. ἐπρονόμευσαν υἱ. πάντας [S αὐτοὺς π. καὶ τοὺς υἱ.] Ἐ. καὶ υἱοὺς Ἰσμ.
— 26. ἐκύκλωσε πάντας τοὺς υἱ. Μαδ.
4. 1. ἤκουσαν οἱ υἱ. Ἰσρ.
— 8. ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. καθὰ συνέταξεν
5. 1. οἱ [A om.] υἱ. Ἰσρ. παρεσκευάσαντο εἰς πόλεμον
— 2. A² ἐκάλεσε . . . τοὺς στρατηγοὺς υἱοὺς [A¹ B S om.] Ἀ.
— 3. ἀναγγείλατε δή μοι, υἱοὶ [S οἱ υἱ.] Χαν.
— 5. ὁ ἡγούμενος πάντων υἱ. Ἀ.
— 23. οὐ γὰρ φοβηθησόμεθα ἀπὸ υἱῶν Ἰσρ.
6. 1 (A R), 2 (B S). καὶ πρὸς πάντας υἱ. [A τοὺς υἱ.] M.
— 10. παραδοῦναι εἰς χεῖρας υἱῶν Ἰσρ.
— 14. καταβάντες δὲ οἱ υἱ. Ἰσρ.
— 15. καὶ Χ. υἱὸς Μελχ. [S¹ al.]
— 17. ἐν μέσῳ τῶν ἀρχόντων υἱῶν Ἀ.
7. 1. ποιεῖν πόλεμον πρὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ.
— 4. οἱ δὲ υἱ. Ἰσρ. . . . ἐταράχθησαν σφόδρα
— 6. κατὰ πρόσωπον τῶν [S om.] υἱ. Ἰσρ.
— 8. πάντες ἄρχοντες υἱῶν Ἡσ.
— 10. ὁ γὰρ λαὸς οὗτος τῶν υἱ. Ἰσρ.
— 17. ἀπῆρε παρεμβολὴ υἱῶν Ἀ. [A al.]
— 17. μετ' αὐτῶν χιλιάδες πέντε υἱῶν Ἀ.
— 17. καὶ τὰς πηγὰς τῶν ὑδάτων τῶν υἱ. Ἰσρ.
— 18. ἀνέβησαν οἱ υἱ. Ἡ. καὶ οἱ υἱ. Ἀ.
— 19. οἱ υἱ. Ἰσρ. ἀνεβόησαν πρὸς κ. θεὸν αὐ.
— 24. οὐ λαλήσαντες εἰρηνικὰ μετὰ υἱῶν Ἀ.
8. 1. Ἰ. θυγάτηρ Μερ. υἱοῦ *Ωξ υἱοῦ Ἰ. υἱοῦ Ὀζ. υἱοῦ Ἐλκ.
— 1. A S υἱοῦ Ἀν. υἱοῦ Γεδ. υἱοῦ Ῥαφ. υἱοῦ Ἀ.
— 1. υἱοῦ Ἠλ. υἱοῦ Χελκ. [A om. υἱ. Χ.] υἱοῦ Ἐλ. υἱοῦ Ναθ. υἱοῦ Σαλ. υἱοῦ Σαρ. υἱοῦ Ἰσρ.
— 12. ἐν μέσῳ υἱῶν ἀνθρώπων
— 16. οὐδὲ ὡς υἱὸς ἀνθρώπου διαιτηθῆναι
— 32. ὃ ἀφίξεται εἰς γενεὰς γενεῶν υἱοῖς [S τοῖς υἱ.] τοῦ γένους ἡμῶν
9. 4. εἰς διαίρεσιν υἱῶν [S add. Ἰσρ. τῶν] ἠγαπημένων ὑπὸ σοῦ
— 13. καὶ οἶκου κατασχέσεως υἱῶν σου
10. 8. εἰς γαυρίαμα υἱῶν Ἰσρ.
— 19. ἐθαύμαζον τοὺς υἱ. Ἰσρ. ἀπ' αὐτῆς
12. 8. A B εἰς ἀνάστημα τῶν υἱ. τοῦ λαοῦ αὐ.
Ju. 12. 13. A B ὡς θυγάτηρ μία τῶν υἱ. Ἀσσ.
14. 2. εἰς τὴν προφυλακὴν υἱῶν Ἀσσ.
— 12. οἱ δὲ υἱ. Ἀσσ. ὡς εἶδον αὐτούς
15. 3. οἱ υἱ. Ἰσρ. . . . ἐξεχύθησαν
— 5. ὡς δὲ ἤκουσαν οἱ υἱ. Ἰσρ.
— 7. οἱ δὲ υἱ. Ἰσρ. ἀναστρέψαντες
— 8. καὶ ἡ γερουσία τῶν υἱ. Ἰσρ.
16. 7. οὐδὲ υἱοὶ Τιτάνων ἐπάταξαν αὐτόν
— 12. υἱοὶ κορασίων κατεκέντησαν αὐτούς
— 25. οὐκ ἦν ἔτι ὁ ἐκφοβῶν τοὺς υἱ. Ἰσρ.
Es. 5. 11. S² καὶ τὸ πλῆθος τῶν υἱ. αὐ. (3)
8. 5. S² ὑπὸ Ἀ. υἱοῦ Ἀμ. [A B S¹ om. υἱ. Ἀ.] (3)
— 12. ὄντας δὲ υἱοὺς [S¹ -οῖς] τοῦ ὑψίστου . . . θεοῦ
9. 10. ἀπέκτειναν . . . τοὺς δέκα υἱ. Ἀ. (3)
— 12. S² καὶ τοὺς δέκα υἱοὺς Ἀ. (3)
— 13. ὥστε τοὺς δέκα υἱ. Ἀ. κρεμάσαι (3)
— 14. τὰ σώματα τῶν υἱ. Ἀ. κρεμάσαι [S¹ al.] (3)
10. 3. εἰσήνεγκε Δ. . . . καὶ Πτ. ὁ [A om.] υἱ. αὐ.
Jb. 1. 2. ἐγένοντο δὲ αὐτῷ υἱοὶ ἑπτά (3)
— 4. συμπορευόμενοι δὲ οἱ υἱοὶ αὐτοῦ πρὸς ἀλλήλους (3)
— 5. μή ποτε οἱ υἱοί μου . . . κακὰ ἐνενόησαν (3)
— 13. οἱ υἱοὶ Ἰὼβ . . . ἔπινον οἶνον (3)
— 18. A τῶν υἱῶν σου . . . ἐσθιόντων καὶ πινόντων παρὰ τῷ υἱῷ σου [B S ἀδελφῷ αὐτῶν] τῷ πρεσβυτέρῳ (3, †)
2. 9. υἱοὶ [A υἱοί σου] καὶ θυγατέρες ἐμῆς κοιλίας ὠδῖνες καὶ πόνοι –
5. 4. πόρρω γένοιντο [A ἐγένοντο] οἱ υἱοὶ αὐτῶν ἀπὸ σωτηρίας (3)
8. 4. εἰ οἱ [A S om.] υἱοί σου ἥμαρτον (3)
14. 21. πολλῶν δὲ γενομένων τῶν υἱῶν αὐ. (3)
16. 22 (21). B καὶ υἱῷ [A -ὸς] ἀνθρώπου τῷ πλησίον αὐτοῦ (3)
17. 5. A B S² ὀφθαλμοὶ δὲ ἐφ' υἱοῖς ἐτάκησαν (3)
19. 17. προσεκαλούμην δὲ κολακεύων υἱοὺς παλλακίδων μου (3)
20. 10. τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ ὀλέσαισαν [A θλάσειαν] ἥττονες (3)
21. 19. ἐκλείποι υἱοὺς [A -οῖς] τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ (3)
— 26. A S² οἱ υἱοὶ αὐτοῦ [B S¹ om. οἱ υἱοὶ αὐ.] ἐπὶ γῆς κοιμηθήσονται –
25. 6. καὶ υἱὸς ἀνθρώπου σκώληξ (3)
27. 14. ἐὰν δὲ πολλοὶ γένωνται οἱ υἱοὶ αὐ. (3)
28. 8. οὐκ ἐπάτησαν αὐτὸν [A S -ὴν] υἱοὶ ἀλαζόνων (3)
30. 8. ἀφρόνων υἱοὶ καὶ ἀτίμων (3)
35. 8. καὶ υἱῷ ἀνθρώπου ἡ δικαιοσύνη σου (3)
42. 13. γεννῶνται δὲ αὐτῷ υἱοὶ ἑπτά (3)
— 15. A οὐχ εὑρέθησαν κατὰ τὰς Ἰὼβ θυγατέρας καὶ τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ [B S om. καὶ τ. υἱ. αὐ.] –
— 16. εἶδεν Ἰὼβ τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ καὶ τοὺς υἱοὺς τῶν υἱῶν αὐτοῦ (3 ter)
— 18. γεννᾷ υἱὸν ᾧ ὄνομα Ἐννών –
— 18. ἦν δὲ αὐτὸς πατρὸς μὲν Ζαρὲ ἐκ [A S om.] τῶν Ἡσαῦ υἱῶν υἱός –, –
— 18. μετὰ δὲ τοῦτον Ἀδὰδ υἱὸς Βαράδ –
— 18. A Ἐλιφὰζ υἱὸς Σ. [B S om. υἱ. Σ.] τῶν Ἡσαῦ υἱῶν –, –
— 18. A B. υἱὸς Ἀ. τοῦ Χ. [B S om. υἱ. Ἀ. τ. Χ.] –
— 18. A Θαιμὰν υἱὸς Ἐλιφάζ –
Ps. 2. 7. υἱός μου εἶ σύ (3)
3. tit. ὁπότε ἀπεδίδρασκεν ἀπὸ προσώπου Ἀβ. τοῦ υἱ. αὐτοῦ (3)
4. 2. υἱοὶ ἀνθρώπων, ἕως πότε βαρυκάρδιοι (3)
7. tit. ὃν ᾖσε τῷ κυρίῳ ὑπὲρ τῶν λόγων Χουσὶ υἱοῦ Ἰεμ. (3)
8. 4. ἢ υἱὸς ἀνθρώπου ὅτι ἐπισκέπτῃ αὐτόν (3)
9. tit. εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῶν κρυφίων τοῦ υἱ. (3)
10 (11). 5 (4). τὰ βλέφαρα αὐτοῦ ἐξετάζει τοὺς υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)
11 (12). 1. ὠλιγώθησαν αἱ ἀλήθειαι ἀπὸ τῶν υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)
— 8. ἐπολυώρησας τοὺς [A πάντας τοὺς] υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)
13 (14). 2. A² B S κύριος ἐκ τοῦ οὐρανοῦ διέκυψεν ἐπὶ τοὺς υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)
16 (17). 14. A ἐχορτάσθησαν υἱῶν [B S ὑείων] (3)
17 (18). 44. υἱοὶ [A οἱ υἱ.] ἀλλότριοι ἐψεύσαντό μοι (3)
— 45. υἱοὶ ἀλλότριοι ἐπαλαιώθησαν (3)
20 (21). 10. καὶ τὸ σπέρμα αὐτῶν ἀπὸ υἱῶν ἀνθρώπων (3)

Ps. 28 (29). 1. ἐνέγκατε τῷ κυρίῳ, υἱοὶ θεοῦ, ἐνέγκατε τῷ κυρίῳ υἱοὺς κριῶν (3, 3 ?)
— 6. ὁ ἠγαπημένος ὡς υἱὸς μονοκερώτων (3)
30 (31). 19. ἐξειργάσω . . . ἐναντίον τῶν υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)
32 (33). 13. εἶδε πάντας τοὺς υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)
35 (36). 7. οἱ δὲ υἱ. [A οἱ υἱ.] τῶν ἀνθρώπων ἐν σκέπῃ [S¹ εἰς σκέπην] τῶν πτερύγων σου ἐλπιοῦσι (3)
41 (42). *tit.* εἰς τὸ τέλος εἰς σύνεσιν τοῖς υἱ. Κορέ (3)
42 (43). *tit.* A εἰς τὸ τέλος συνέσεως τοῖς υἱ. Κορέ –
43 (44). *tit.* εἰς τὸ τέλος τοῖς υἱ. Κορέ (3)
44 (45). *tit.* B S τοῖς υἱ. Κορὲ εἰς σύνεσιν (3)
— 2. ὡραῖος κάλλει παρὰ τοὺς υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)
— 16. ἀντὶ τῶν πατέρων σου ἐγενήθησάν σοι υἱοί [S² υἱ. σου] (3)
45 (46). *tit.* B εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῶν υἱ. [S τ. τοῖς υἱ.] Κορέ (3)
46 (47). *tit.* B S εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῶν υἱ. Κορὲ ψαλμός [A εἰς τὸ τ. ψ. τῷ Δαυίδ] (3)
47 (48). *tit.* B ψαλμὸς ᾠδῆς τοῖς υἱ. Κορὲ δευτέρᾳ σαββάτου [A S *al.*] (3)
48 (49). *tit.* B S εἰς τὸ τέλος τοῖς υἱ. Κορὲ ψαλμός [A ψ. τῷ Δαυίδ] (3)
— 2. οἵ τε γηγενεῖς καὶ οἱ υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)
49 (50). 20. κατὰ τοῦ υἱ. τῆς μητρός σου ἐτίθεις σκάνδαλον (3)
52 (53). 2. διέκυψεν ἐπὶ τοὺς υἱ. τῶν ἀνθρ. (3)
56 (57). 4. υἱοὶ ἀνθρώπων οἱ ὀδόντες αὐτῶν ὅπλον καὶ βέλη (3)
57 (58). 1. εὐθεῖα κρίνετε, οἱ υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)
61 (62). 9. πλὴν μάταιοι οἱ υἱ. τῶν ἀνθρώπων ψευδεῖς οἱ υἱ. τῶν ἀνθρώπων ἐν ζυγοῖς τοῦ ἀδικῆσαι (3, 3)
65 (66). 5. φοβερὸς ἐν βουλαῖς ὑπὲρ τοὺς υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)
68 (69). 8. καὶ ξένος τοῖς υἱ. τῆς μητρός σου (3)
70 (71). *tit.* τῷ Δαυὶδ υἱῶν Ἰωναδάβ –
71 (72). 1. καὶ τὴν δικαιοσύνην σου τῷ υἱ. τοῦ βασιλέως (3)
— 4. σώσει τοὺς υἱ. τῶν πενήτων (3)
— 20. ἐξέλιπον οἱ ὕμνοι Δαυὶδ τοῦ υἱ. Ἰεσσαί (3)
72 (73). 15. τῇ γενεᾷ τῶν υἱ. σου ἠσυνθέτηκα (3)
76 (77). 15. ἐλυτρώσω . . . τοὺς υἱ. Ἰακὼβ καὶ Ἰωσήφ (3)
77 (78). 5. γνωρίσαι αὐτὸν τοῖς υἱ. αὐτῶν (3)
— 6. ὅπως ἂν γνῷ γενεὰ ἑτέρα υἱοὶ οἱ τεχθησόμενοι (3)
— 6. ἀπαγγελοῦσιν αὐτὰ τοῖς υἱ. αὐτῶν (3)
— 9. B² S υἱοὶ Ἐφραὶμ ἐντείνοντες καὶ βάλλοντες τόξοις [B¹ R -ον] (3)
78 (79). 11. περιποίησαι τοὺς υἱ. τῶν τεθανατωμένων (3)
79 (80). 15, 17. καὶ ἐπὶ υἱὸν ἀνθρώπου ὃν ἐκραταίωσας σεαυτῷ (3)
81 (82). 6. καὶ υἱοὶ ὑψίστου πάντες (3)
82 (83). 8. ἐγενήθησαν εἰς ἀντίληψιν τοῖς υἱ. Λώτ (3)
83 (84). *tit.* τοῖς υἱ. Κορὲ ψαλμός (3)
84 (85). *tit.* εἰς τὸ τέλος τοῖς υἱ. Κορὲ ψαλμός (3)
85 (86). 16. σῶσον τὸν υἱ. τῆς παιδίσκης σου (3)
86 (87). *tit.* τοῖς υἱ. Κορὲ ψαλμὸς ᾠδῆς (3)
87 (88). *tit.* ᾠδὴ ψαλμοῦ τοῖς υἱ. Κορέ (3)
88 (89). 6. τίς ὁμοιωθήσεται τῷ κυρίῳ ἐν υἱοῖς θεοῦ (3)
— 19. τότε ἐλάλησας ἐν ὁράσει τοῖς υἱ. σου †
— 22. υἱὸς ἀνομίας οὐ προσθήσει τοῦ κακῶσαι [A¹ S¹ οὐ κακώσει] αὐτόν (3)
— 30. ἐὰν ἐγκαταλίπωσιν οἱ υἱ. αὐτοῦ τὸν νόμον μου (3)
— 47. μὴ γὰρ ματαίως ἔκτισας πάντας τοὺς υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)
89 (90). 3. ἐπιστρέψατε, υἱοὶ ἀνθρώπων [A οἱ υἱ. τῶν ἀ.] (3)
— 16. ὁδήγησον τοὺς υἱ. αὐτῶν (3)
101 (102). 20. τοῦ λῦσαι τοὺς υἱ. τῶν τεθανατωμένων (3)
— 28. οἱ [A *om.*] υἱ. τῶν δούλων σου κατασκηνώσουσι (3)
102 (103). 7. τοῖς υἱ. Ἰσραὴλ τὰ θελήματα αὐτοῦ (3)
— 13. καθὼς οἰκτείρει πατὴρ υἱοὺς αὐτοῦ (3)
— 17. ἡ δικαιοσύνη αὐτοῦ ἐπὶ υἱοὺς [B³ -ὸν] υἱῶν (3, 3)
104 (105). 6. υἱοὶ Ἰακὼβ ἐκλεκτοὶ αὐτοῦ (3)
105 (106). 37. ἔθυσαν τοὺς υἱ. αὐτῶν . . . τοῖς δαιμονίοις (3)
Ps. 105 (106). 38. αἷμα υἱῶν αὐτῶν καὶ θυγατέρων (3)
106 (107). 8, 15, 21, 31. καὶ τὰ θαυμάσια αὐ. τοῖς υἱ. τῶν ἀνθρ. (3)
108 (109). 9. γενηθήτωσαν οἱ υἱ. αὐτοῦ ὀρφανοὶ αὐτοῦ (3)
— 10. σαλευόμενοι μεταναστήτωσαν οἱ υἱ. αὐτοῦ (3)
113. 22 (115. 14). ἐφ' ὑμᾶς καὶ ἐπὶ τοὺς υἱ. ὑμῶν (3)
— 24 (115. 16). τὴν δὲ γῆν ἔδωκε τοῖς υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)
115. 7 (116. 16). ἐγὼ δοῦλος σὸς καὶ υἱὸς τῆς παιδίσκης σου (3)
126 (127). 3. ἰδοὺ ἡ κληρονομία κυρίου υἱοί (3)
— 4. οὕτως οἱ υἱ. τῶν ἐκτετιναγμένων (3)
127 (128). 3. οἱ υἱ. σου ὡς νεόφυτα ἐλαιῶν (3)
— 6. ἴδοις υἱοὺς τῶν υἱ. σου (3, 3)
131 (132). 12. ἐὰν φυλάξωνται οἱ [A *om.*] υἱ. σου τὴν διαθήκην μου (3)
— 12. οἱ υἱ. αὐτῶν ἕως τοῦ αἰῶνος καθιοῦνται ἐπὶ τοῦ θρόνου [A¹ S¹ τὸν θρ.] σου (3)
136 (137). 7. μνήσθητι, κύριε, τῶν υἱ. Ἐδώμ (3)
142 (143). *tit.* ὅτε αὐτὸν ὁ υἱ. καταδιώκει –
143 (144). 3. ἢ υἱὸς ἀνθρώπου ὅτι λογίζῃ αὐτόν (3)
— 7. ῥῦσαί με . . . ἐκ χειρὸς υἱῶν ἀλλοτρίων (3)
— 11. ἐξελοῦ με ἐκ χειρὸς υἱῶν ἀλλοτρίων (3)
— 12. ὧν οἱ [S *om.*] υἱ. [AS² υἱ. αὐ.] ὡς νεόφυτα (3)
144 (145). 12. τοῦ γνωρίσαι τοῖς υἱ. τῶν ἀνθρώπων τὴν δυναστείαν [A δύναμίν] σου (3)
145 (146). 3. μὴ πεποίθατε ἐπ' ἄρχοντας καὶ ἐφ' υἱοὺς ἀνθρώπων (3)
147. 2 (13). εὐλόγησε τοὺς υἱ. σου ἐν σοί (3)
148. 14. ὕμνος πᾶσι τοῖς ὁσίοις αὐτοῦ τοῖς υἱ. Ἰσραήλ [B¹ *al.*] (3)
149. 2. υἱοὶ Σιὼν ἀγαλλιάσθωσαν ἐπὶ τῷ βασιλεῖ αὐτῶν (3)
151. 7. ἦρα ὄνειδος ἐξ υἱῶν Ἰσραήλ
Pr. 1. 1. παροιμίαι Σαλωμῶντος υἱοῦ Δαυίδ (3)
— 8. ἄκουε, υἱέ, παιδείαν [A S νόμους] πατρός σου (3)
— 10. υἱέ, μή σε πλανήσωσιν ἄνδρες ἀσεβεῖς (3)
— 15. S² υἱέ [A B S¹ *om.*], μὴ πορευθῇς ἐν ὁδῷ μετ' αὐτῶν (3)
2. 1. υἱέ, ἐὰν δεξάμενος ῥῆσιν ἐμῆς ἐντολῆς κρύψῃς παρὰ σεαυτῷ (3)
— 2. παραβαλεῖς δὲ αὐτὴν ἐπὶ νουθέτησιν τῷ υἱ. σου –
— 16. υἱέ, μή σε καταλάβῃ κακὴ βουλή –
3. 1. υἱέ, ἐμῶν νομίμων μὴ ἐπιλανθάνου (3)
— 11. υἱέ, μὴ ὀλιγώρει παιδείας κυρίου (3)
— 12. μαστιγοῖ δὲ πάντα υἱὸν ὃν παραδέχεται (3)
— 21. υἱέ, μὴ παραρρυῇς (3)
4. 3. υἱὸς γὰρ ἐγενόμην κἀγὼ πατρὶ ὑπήκοος (3)
— 10. ἄκουε, υἱέ, καὶ δέξαι ἐμοὺς λόγους (3)
— 20. υἱέ, ἐμῇ ῥήσει πρόσεχε (3)
5. 1. υἱέ, ἐμῇ σοφίᾳ πρόσεχε (3)
— 7. νῦν οὖν, υἱέ, ἄκουέ μου (3)
6. 1. υἱέ, ἐὰν ἐγγυήσῃ σὸν φίλον (3)
— 3. ποίει, υἱέ, ἃ ἐγώ σοι ἐντέλλομαι (3)
— 20. υἱέ, φύλασσε νόμους πατρός σου (3)
7. 1. υἱέ, φύλασσε ἐμοὺς λόγους (3)
— 2. υἱέ, τίμα τὸν κύριον –
— 24. νῦν οὖν, υἱέ, ἄκουέ μου (3)
8. 4. προΐεμαι ἐμὴν φωνὴν υἱοῖς ἀνθρώπων (3)
— 31. εὐφραίνετο ἐν υἱοῖς ἀνθρώπων (3)
— 32. νῦν οὖν, υἱέ, ἄκουέ μου (3)
9. 12. υἱέ, ἐὰν σοφὸς γένῃ σεαυτῷ –
10. 1. υἱὸς σοφὸς εὐφραίνει πατέρα υἱὸς δὲ ἄφρων λύπη τῇ μητρί (3, 3)
— 4. υἱὸς πεπαιδευμένος σοφὸς ἔσται –
— 5. διεσώθη ἀπὸ καύματος υἱὸς νοήμων ἀνεμόφθορος δὲ γίνεται ἐν ἀμητῷ υἱὸς παράνομος (3, 3)
11. 19. υἱὸς δίκαιος γεννᾶται εἰς ζωήν †
13. 1. υἱὸς πανοῦργος ὑπήκοος πατρὶ [S¹ μητρὶ] υἱὸς δὲ ἀνήκοος ἐν ἀπωλείᾳ (3, –)
— 13. υἱῷ δολίῳ οὐδὲν ἔσται ἀγαθόν –
— 22. ἀγαθὸς ἀνὴρ κληρονομήσει υἱοὺς υἱῶν (3, 3)
— 24. ὃς φείδεται τῆς βακτηρίας μισεῖ τὸν υἱ. αὐτοῦ (3)
15. 20. υἱὸς σοφὸς εὐφραίνει πατέρα υἱὸς δὲ ἄφρων μυκτηρίζει μητέρα αὐτοῦ (3, †)
16. 15. ἐν φωτὶ ζωῆς υἱὸς βασιλέως –
17. 21. οὐκ εὐφραίνεται πατὴρ ἐπὶ υἱῷ ἀπαιδεύτῳ υἱὸς δὲ φρόνιμος εὐφραίνει μητέρα †, –
— 25. ὀργὴ πατρὶ ἐστιν υἱὸς ἄφρων (3)
19. 13. αἰσχύνη πατρὶ υἱὸς ἄφρων (3)
Pr. 19. 18. παίδευε υἱόν σου (3)
— 20. ἄκουε, υἱέ, παιδείαν πατρός σου –
— 27. υἱὸς ἀπολειπόμενος φυλάξαι παιδείαν πατρός (3)
23. 15. υἱέ, ἐὰν σοφὴ γένηταί σου ἡ καρδία (3)
— 19. ἄκουε, υἱέ, καὶ σοφὸς γίνου (3)
— 22. ἄκουε, υἱέ, πατρὸς τοῦ γεννήσαντός σε –
— 24. ἐπὶ δὲ υἱῷ σοφῷ εὐφραίνεται ἡ ψυχὴ αὐτοῦ †
— 26. δός μοι, υἱέ, σὴν καρδίαν (3)
24. 1. υἱέ, μὴ ζηλώσῃς κακοὺς ἄνδρας –
— 13. φάγε μέλι, υἱέ (3)
— 21. φοβοῦ τὸν θεόν, υἱέ (3)
— 23 (29. 27). λόγον φυλασσόμενος υἱὸς ἀπωλείας ἐκτὸς ἔσται –
— 23 (29. 27). τοὺς ἐμοὺς λόγους, υἱέ, φοβήθητι –
— 27 (30. 4). A³ ἢ τῷ υἱ. αὐ. [A¹ B S *al.*] (3)
— 70 (31. 2). πρωτογενὲς σοὶ λέγω, υἱέ (4)
27. 11. σοφὸς γίνου, υἱέ (3)
— 27. υἱέ, παρ' ἐμοῦ ἔχεις ῥήσεις ἰσχυράς –
28. 7. φυλάσσει νόμον υἱὸς συνετός (3)
— 17. παίδευε υἱὸν καὶ ἀγαπήσει σε –
29. 17. παίδευε υἱόν σου καὶ ἀναπαύσει σε (3)
Ec. 1. 1. ῥήματα ἐκκλησιαστοῦ υἱοῦ Δαυίδ (3)
— 13. ἔδωκεν ὁ θεὸς τοῖς υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)
2. 3. ποῖον τὸ ἀγαθὸν τοῖς υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)
— 8. καὶ ἐντρυφήματα υἱῶν ἀνθρώπων (3)
3. 10. ἔδωκεν ὁ θεὸς τοῖς υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)
— 18. περὶ λαλιᾶς υἱῶν τοῦ ἀνθρώπου (3)
— 19. A R αὐτοῖς συνάντημα [B οὐ σ., S ὡς σ.] υἱῶν τοῦ ἀνθρώπου (3)
— 21. τίς οἶδε πνεῦμα υἱῶν τοῦ ἀνθρώπου (3)
4. 8. καί γε υἱὸς [S¹ *om.* καί γε υἱ.] καί γε ἀδελφὸς οὐκ ἔστιν αὐτῷ (3)
5. 13. ἐγέννησεν υἱόν (3)
8. 11. ἐπληροφορήθη καρδία υἱῶν τοῦ ἀνθρώπου (3)
9. 3. καρδία υἱῶν τοῦ ἀνθρώπου ἐπληρώθη πονηροῦ (3)
— 12. ὡς αὐτὰ παγιδεύονται οἱ υἱ. τοῦ ἀνθρώπου (3)
10. 17. μακαρία σὺ γῆ ἧς ὁ βασιλεύς σου υἱὸς ἐλευθέρων (3)
12. 12. περισσὸν ἐξ αὐτῶν, υἱέ μου, φύλαξαι (3)
Ca. 1. 6. υἱοὶ μητρός μου ἐμαχέσαντο ἐν ἐμοί (3)
2. 3. οὕτως ἀδελφιδός μου ἀνὰ μέσον τῶν υἱ. (3)
Wi. 2. 18. εἰ γάρ ἐστιν ὁ δίκαιος υἱὸς θεοῦ
5. 5. πῶς κατελογίσθη ἐν υἱοῖς θεοῦ
9. 5. ἐγὼ δοῦλος σὸς καὶ υἱὸς τῆς παιδίσκης σου
— 6. κἂν γάρ τις ᾖ τέλειος ἐν υἱοῖς ἀνθρώπων
— 7. σύ με προείλω . . . δικαστὴν υἱῶν σου
12. 19. εὐέλπιδας ἐποίησας τοὺς υἱ. σου
— 21. μετὰ πόσης [S² πάσης] ἀκριβείας ἔκρινας τοὺς υἱ. σου
16. 10. τοὺς δὲ υἱ. σου οὐδὲ ἰοβόλων δρακόντων ἐνίκησαν ὀδόντες
— 26. ἵνα μάθωσιν οἱ υἱ. σου
18. 4. οἱ κατακλείστους φυλάξαντες τοὺς υἱ. σου
— 13. ὡμολόγησαν θεοῦ υἱὸν λαὸν εἶναι
Si. 1. 1. A S σοφία Ἰησοῦ Σιράχ [B σοφία Σειράχ]
3. 2. κρίσιν μητρὸς ἐστερέωσεν ἐφ' υἱοῖς
4. 10. ἔσῃ ὡς υἱὸς ὑψίστου
— 11. ἡ σοφία υἱοὺς ἑαυτῇ ἀνύψωσε
7. 3. υἱέ, μὴ σπεῖρε ἐπ' αὔλακας ἀδικίας
16. 1. μηδὲ εὐφραίνου ἐπὶ υἱοῖς ἀσεβέσιν
17. 30. οὐκ ἀθάνατος υἱὸς [A ὁ υἱὸς] ἀνθρώπου
30. 1. ὁ ἀγαπῶν τὸν υἱὸν αὐτοῦ
— 2. ὁ παιδεύων τὸν υἱὸν αὐτοῦ
— 3. ὁ διδάσκων τὸν υἱὸν αὐτοῦ
— 7. A S² R περιψύχων υἱὸν [B S¹ -ων]
— 8. υἱὸς ἀνειμένος ἐκβαίνει προαλής
— 13. παίδευσον τὸν υἱόν σου
— 28 (33. 19). υἱῷ καὶ γυναικὶ . . . μὴ δῷς ἐξουσίαν ἐπὶ σέ
— 30 (33. 21). ἢ σὲ ἐμβλέπειν εἰς χείρας υἱῶν σου
31 (34). 20. θύων υἱὸν ἔναντι τοῦ πατρὸς αὐτοῦ
36. 22 (19). S¹ κατὰ τὴν εὐλογίαν Ἀαρὼν περὶ τοῦ υἱοῦ [A B S² λαοῦ] σου
— 28 (25). οὐκ ἔστιν ὁ ἀνὴρ αὐτῆς καθ' υἱοὺς ἀνθρώπων
38. 25. ἡ διήγησις αὐ. ἐν υἱοῖς ταύρων
39. 13. εἰσακούσατέ μου, υἱοὶ ὅσιοι
40. 1. ζυγὸς βαρὺς ἐπὶ υἱοὺς [S -οῖς] Ἀδάμ
45. 9. εἰς μνημόσυνον υἱοῖς λαοῦ αὐτοῦ
— 13. πλὴν τῶν υἱῶν αὐτοῦ μόνον
— 23. Φινεὲς υἱὸς Ἐλεάζαρ τρίτος εἰς δόξαν
— 25. διαθήκην τῷ Δαυὶδ υἱῷ [S¹ -ῶν, A S² υἱῷ Ἰεσσαὶ] ἐκ φυλῆς Ἰ.

Si. 45. 25. κληρονομία βασιλέως υἱοῦ ἐξ υἱοῦ [S² Ἰούδα] μόνου
46. 1. A κραταιὸς ἐν πολέμῳ Ἰησοῦς υἱὸς [S¹ ὁ, S² ὁ τοῦ, B om.] Ναυή
— 7. αὐτὸς καὶ Χαλὲβ υἱὸς Ἰεφοννῆ
— 10. ὅπως ἴδωσι πάντες οἱ υἱοὶ Ἰσραήλ
— 12. τὸ ὄνομα αὐτῶν ἀντικαταλλασσόμενον ἐφ' υἱοῖς δεδοξασμένων αὐτῶν
47. 2. οὕτως Δαυὶδ ἀπὸ τῶν [A S om.] υἱῶν Ἰσραήλ
— 12. μετὰ τοῦτον ἀνέστη υἱὸς ἐπιστήμων
— 23. Ἱεροβοὰμ υἱὸν [S -ὸς] Ναβάτ
48. 10. ἐπιστρέψαι καρδίαν πατρὸς πρὸς υἱόν
49. 12. οὕτως [S οὗτος] Ἰησοῦς υἱὸς Ἰωσεδέκ
50. 1. Σίμων Ὀνίου υἱὸς ἱερεὺς ὁ μέγας
— 13. πάντες οἱ [S om.] υἱοὶ Ἀαρὼν ἐν δόξῃ αὐτῶν
— 16. τότε ἀνέκραγον υἱοὶ [A οἱ υἱοὶ] Ἀαρὼν
— 20. ἐπὶ πᾶσαν ἐκκλησίαν υἱῶν [A -ῷ] Ἰσρ.
— 27. Ἰησοῦς υἱὸς Σειράχ
51. 1. προσευχὴ Ἰησοῦ υἱοῦ Σειράχ
subscr. σοφία Ἰησοῦ υἱοῦ Σειράχ
Ho. 1. 1. ἐν ἡμεραῖς Ἱερ. υἱοῦ [A τοῦ υἱ.] Ἰ. (3)
— 3. ἔτεκεν αὐτῷ υἱόν (3)
— 7. B τοὺς δὲ υἱ. [A R add. Ἰούδα] ἐλεήσω (2)
— 8. ἔτεκεν υἱόν (3)
— 10 (2. 1). ἦν ὁ ἀριθμὸς τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)
— 10 (2. 1). κληθήσονται καὶ αὐτοὶ υἱοὶ θεοῦ ζῶντος (3)
— 11 (2. 2). συναχθήσονται οἱ υἱ. Ἰ. καὶ οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐπὶ τὸ αὐτό (3, 3)
3. 1. καθὼς ἀγαπᾷ ὁ θεὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 4. καθήσονται οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
— 5. ἐπιστρέψουσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
4. 1. ἀκούσατε λόγον κυρίου, υἱοὶ Ἰσρ. (3)
13. 13. οὗτος ὁ υἱ. σου ὁ φρόνιμος (3)
Am. 1. 4. καταφάγεται θεμέλια υἱοῦ Ἅδερ (3)
— 13. ἐπὶ ταῖς τρισὶν ἀσεβείαις υἱῶν Ἀ. (3)
2. 4. ἐπὶ ταῖς τρισὶν ἀσεβείαις υἱῶν Ἰ. –
— 7. υἱὸς καὶ πατὴρ αὐ. εἰσεπορεύοντο πρὸς τὴν αὐτὴν παιδίσκην (1)
— 11. ἔλαβον ἐκ τῶν υἱ. ὑμῶν εἰς προφήτας (3)
— 11. μὴ οὐκ ἔστι ταῦτα, υἱοὶ Ἰσρ. (3)
3. 12. ἐκσπασθήσονται οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
4. 5. ταῦτα ἠγάπησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)
7. 14. οὐκ ἤμην προφήτης ἐγὼ οὐδὲ υἱὸς προφήτου (3)
— 17. οἱ υἱ. σου . . . ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται (3)
9. 7. οὐχ ὡς υἱοὶ Αἰθιόπων ὑμεῖς ἐστε ἐμοὶ, υἱοὶ Ἰσρ. (3, 3)
Mi. 5. 3 (2). ἐπιστρέψουσιν ἐπὶ τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 7 (6). μηδὲ ὑποστῇ ἐν υἱοῖς ἀνθρώπων (3)
6. 5. τί ἀπεκρίθη αὐτῷ Βαλ. υἱὸς τοῦ Β. (3)
7. 6. υἱὸς ἀτιμάζει πατέρα (3)
Jl. 1. 12. ἠσχύναν χαρὰν οἱ υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)
2. 28 (3. 1). προφητεύσουσιν οἱ υἱ. ὑμῶν (3)
3 (4). 6. τοὺς υἱ. Ἰ. καὶ τοὺς υἱ. Ἱερ. ἀπέδοσθε τοῖς υἱ. τῶν Ἑλλήνων (3 ter)
— 8. ἀποδώσομαι τοὺς υἱ. ὑμῶν . . . εἰς χεῖρας τῶν [A om.] υἱ. Ἰ. (3, 3)
— 16. ἐνισχύσει τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
— 19. ἐξ ἀδικιῶν υἱῶν Ἰ. (3)
Ob. 1. 12. μὴ ἐπιχαρῇς ἐπὶ τοὺς υἱ. Ἰ. (3)
— 20. τοῖς υἱ. Ἰσρ. γῆ τῶν Χαναναίων (3)
Ze. 1. 1. ὃς ἐγενήθη πρὸς Σοφ. τὸν τοῦ Χ. υἱὸν Γοδ. (3)
— 1. ἐν ἡμέραις Ἰωσ. υἱοῦ Ἀ. (3)
2. 7. δεῖλης καταλύσουσιν ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰ. –
— 8. ἤκουσα . . . κονδυλισμοὺς υἱῶν Ἀ. (3)
— 9. καὶ υἱοὶ [A S οἱ υἱ.] Ἀ. ὡς Γόμορρα (3)
Za. 1. 1, 7. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ζ. τὸν τοῦ Β. υἱὸν Ἀ. (3)
4. 14. οὗτοι οἱ δύο υἱ. τῆς πιότητος παρεστήκασι (3)
6. 14. καὶ εἰς χάριτα υἱοῦ [A τοῖς υἱ.] Σοφ. (3)
Ma. 1. 6. υἱὸς δοξάζει πατέρα (3)
3. 3. καθαρίσει τοὺς υἱ. Λ. (3)
— 6. ὑμεῖς, υἱοὶ Ἰ., οὐκ ἀπέχεσθε (3)
— 17. ὃν τρόπον αἱρετίζει ἄνθρωπος τὸν υἱ. αὐ. (3)
4. 6 (3. 24). ὃς ἀποκαταστήσει καρδίαν πατρὸς πρὸς υἱόν (3)
Is. 1. 1. Ἡσαΐας υἱὸς Ἀμώς (3)
— 2. υἱοὺς ἐγέννησα (3)
— 4. υἱοὶ ἄνομοι (3)
2. 1. πρὸς Ἡσαΐαν υἱὸν Ἀμώς (3)
3. 25. ὁ υἱ. σου ὁ κάλλιστος . . . μαχαίρᾳ πεσεῖται †
4. 4. ἐκπλυνεῖ κύριος τὸν ῥύπον τῶν υἱ. –
Is. 7. 1. ἐν ταῖς ἡμέραις Ἄχ. τοῦ Ἰ. τοῦ υἱ. Ὀ. . . . ἀνέβη . . . Φ. υἱ. Ῥομ. (3, 3)
— 3. ὁ καταλειφθεὶς Ἰ. ὁ υἱ. [A ἀδελφὰς] σου (3)
— 5. ὁ υἱ. τοῦ Ἀράμ καὶ ὁ υἱ. τοῦ Ῥομ. (–, 3)
— 6. βασιλεύσομεν αὐτῆς τὸν υἱ. Τ. (3)
— 9. ἡ κεφαλὴ Σομ. υἱ. [S ὁ υἱ.] τοῦ Ῥομ. (3)
— 14. τέξεται υἱόν (3)
8. 2. Ζαχαρίαν υἱὸν Βαραχίου (3)
— 3. ἔτεκεν υἱόν (3)
— 6. ἔχειν τὸν Ῥ. καὶ τὸν υἱ. Ῥομ. βασιλέα (3)
9. 6 (5). υἱὸς καὶ ἐδόθη ἡμῖν [A S¹ ἡμῖν] (3)
11. 14. οἱ δὲ υἱ. Ἀμμὼν πρῶτοι ὑπακούσονται (3)
13. 1. ἣν εἶδεν Ἡσαΐας υἱ. Ἀμώς (3)
17. 3. οὐ γὰρ σὺ βελτίων εἶ τῶν υἱ. Ἰσραήλ (3)
— 9. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱ. Ἰσραήλ (3)
— 11. ὡς πατὴρ ἀνθρώπου κληρώσῃ τοῖς υἱ. σου –
19. 11. υἱοὶ συνετῶν, ἡμεῖς υἱοὶ βασιλέων (3, 3)
20. 2. πρὸς Ἡσαΐαν υἱὸν Ἀ. [A S om. υἱ. Ἀ.] (3)
21. 16. ἐκλείψει ἡ δόξα τῶν υἱ. Κηδάρ –
— 17. τὸ κατάλοιπον τῶν τοξευμάτων τῶν ἰσχυρῶν υἱῶν Κηδὰρ ἔσται ὀλίγον (3)
27. 12. συναγάγετε κατὰ ἕνα τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)
30. 9. υἱοὶ ψευδεῖς (3)
31. 6. ἐπιστράφητε . . . υἱοὶ Ἰσρ. [A S om. υἱ. Ἰ.] (3)
37. 2. πρὸς Ἡσαΐαν υἱὸν Ἀμώς (3)
— 6. S¹ εἶπεν αὐτοῖς Ἡσ. υἱὸς Ἀ. [A B S³ om. υἱ. Ἀ.] –
— 21. ἀπεστάλη Ἡσαΐας υἱ. Ἀμώς (3)
— 38. οἱ [A om.] υἱ. αὐ. ἐπάταξαν αὐτὸν μαχαίραις . . . ἐβασίλευσεν Ἀσ. ὁ υἱ. αὐ. (3, 3)
38. 1. ἦλθε πρὸς αὐτὸν Ἡσαΐας υἱ. [S ὁ υἱ.] Ἀμώς (3)
39. 1. Μαρωδὰχ Βαλαδὰν ὁ υἱ. τοῦ Βαλαδάν (3)
43. 6. ἄγε τοὺς υἱ. μου ἀπὸ τῆς [A S γῆς] πόρρωθεν (3)
45. 11. ἐρωτήσατέ με περὶ τῶν υἱ. μου (3)
— 26 (25). ἐνδοξασθήσεται πᾶν τὸ σπέρμα τῶν υἱ. Ἰσραήλ –
49. 20. ἐροῦσι γὰρ εἰς τὰ ὦτά σου οἱ υἱ. σου (3)
— 22. ἄξουσι τοὺς υἱ. σου ἐν κόλπῳ (3)
— 25. ἐγὼ τοὺς υἱ. σου ῥύσομαι (3)
51. 12. ἐφοβήθης . . . ἀπὸ υἱοῦ ἀνθρώπου (3)
— 18. ἀπὸ πάντων τῶν υἱ. σου ὧν ὕψωσας (3)
— 20. οἱ υἱ. σου οἱ ἀπορούμενοι (3)
52. 14. R ἡ δόξα σου ἀπὸ υἱῶν [A B S τῶν] ἀνθρώπων (3)
53. 3. τὸ εἶδος . . . ἐκλεῖπον παρὰ τοὺς υἱ. τῶν ἀνθρώπων [A π. πάντας ἀνθρώπους] –
54. 13. καὶ πάντας τοὺς υἱ. σου διδακτοὺς θεοῦ (3)
56. 5. δώσω . . . τόπον ὀνομαστὸν κρείττω υἱῶν (3)
57. 3. προσαγάγετε ὧδε, υἱοὶ ἄνομοι (3)
60. 4. ἥκασι πάντες οἱ υἱ. σου μακρόθεν (3)
— 14. πορεύσονται . . . υἱοὶ ταπεινωσάντων σε (3)
62. 5. οὕτω κατοικήσουσιν οἱ υἱ. σου (3)
— 8. εἰ ἔτι πίονται υἱοὶ ἀλλότριοι τὸν οἶνόν σου (3)
66. 20. ὡς ἀνενέγκαισαν οἱ υἱ. Ἰσραὴλ τὰς θυσίας αὐτῶν (3)
Je. 1. 2. ἐν ταῖς ἡμέραις Ἰωσία υἱοῦ Ἀμώς (3)
— 3. ἐν ταῖς ἡμέραις Ἰωακεὶμ υἱοῦ Ἰωσία . . . ἕως [S add. συντελείας] ἑνδεκάτου ἔτους τοῦ Σεδ. υἱοῦ Ἰωσία (3, 3)
2. 6. S οὐ κατῴκησεν υἱ. ἀνθρώπου [A B κ. ἄνθρωπος] ἐκεῖ –
— 9. A B S² πρὸς τοὺς υἱ. τῶν υἱ. ὑμῶν κριθήσομαι (3, 3)
— 16. υἱοὶ Μέμφεως καὶ Τάφνας ἔγνωσάν σε (3)
— 26. οὕτως αἰσχυνθήσονται οἱ υἱ. Ἰσραήλ (2)
3. 14. υἱοὶ ἀφεστηκότες (3)
— 21. φωνὴ . . . δεήσεως υἱῶν Ἰσραήλ (3)
— 22. υἱοὶ ἐπιστρέφοντες (3)
— 24. κατηνάλωσε . . . τοὺς υἱ. αὐτῶν (3)
4. 22. υἱοὶ ἄφρονές εἰσι (3)
5. 7. οἱ υἱ. σου ἐγκατέλιπόν με (3)
— 17. κατέδονται τοὺς υἱ. ὑμῶν (3)
6. 1. ἐνισχύσατε, υἱοὶ Βενιαμίν (3)
— 21. ἀσθενήσουσι πατέρες καὶ υἱοὶ ἅμα (3)
7. 18. οἱ υἱ. αὐτῶν συλλέγουσι ξύλα (3)
— 30. ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰούδα τὸ πονηρόν (3)
— 31. ἐν φάραγγι υἱοῦ Ἐννὸμ τοῦ κατακαίειν τοὺς υἱ. αὐτῶν (3, 3)
— 32. φάραγξ υἱοῦ Ἐννόμ [S¹ al.] (3)
9. 26 (25). ἐπὶ [A add. πάντας τοὺς] υἱοὺς Ἀ. καὶ ἐπὶ υἱοὺς [A τοὺς υἱ.] Μ. (3, –)
10. 20. οἱ υἱ. μου καὶ τὰ πρόβατά μου οὐκ εἰσίν (3)
Je. 11. 22. οἱ υἱ. αὐτῶν . . . τελευτήσουσιν (3)
13. 13. πληρῶ . . . τοὺς καθημένους υἱ. [S -οῦ] τοῦ Δαυίδ –
— 14. διασκορπιῶ . . . τοὺς υἱ. αὐτῶν ἐν τῷ αὐτῷ (3)
14. 16. αἱ γυναῖκες αὐτῶν καὶ οἱ υἱ. αὐτῶν (3)
15. 4. διὰ Μανασσῆ υἱὸν Ἐζ. (3)
16. 2. οὐ γεννηθήσεταί σοι υἱ. οὐδὲ θυγάτηρ (3)
— 3. τάδε λέγει κύριος περὶ τῶν υἱ. (3)
— 14. ὁ ἀναγαγὼν τοὺς υἱ. Ἰσρ. ἐκ γῆς Αἰγ. (3)
17. 19. στῆθι ἐν ταῖς πύλαις υἱῶν λαοῦ σου (3)
18. 21. δὸς τοὺς υἱ. αὐτῶν εἰς λιμόν (3)
19. 2. εἰς τὸ πολυάνδριον υἱῶν τῶν τέκνων αὐτῶν (3)
— 5. τοῦ κατακαίειν τοὺς υἱ. αὐτῶν ἐν πυρί (3)
— 6. οὐ κληθήσεται . . . Πολυάνδριον υἱοῦ Ἐννόμ (3)
— 9. ἔδονται τὰς σάρκας τῶν υἱ. αὐτῶν (3)
20. 1. ἤκουσε Πασχὼρ υἱ. Ἐμμήρ ὁ ἱερεύς (3)
21. 1. ἀπέστειλε πρὸς αὐτὸν . . . τὸν Πασχὼρ υἱὸν Μ. καὶ Σοφ. υἱὸν Βασ. (3, 3)
22. 11. τάδε λέγει κύριος ἐπὶ Σελλὴμ υἱὸν Ἰωσία (3)
— 18. τάδε λέγει κύριος ἐπὶ Ἰ. υἱὸν Ἰ. [S al.] (3)
— 24. Ἰεχονίας υἱ. Ἰωακείμ [A Ἰω. υἱ. Ἰεχονία] (3)
24. 1. μετὰ τὸ ἀποικίσαι . . . τὸν Ἰεχ. υἱὸν Ἰ. (3)
25. 1. A B S² ἐν τῷ ἔτει τῷ τετάρτῳ τοῦ Ἰ. υἱοῦ Ἰ. (3)
— 3. ἐν τρισκαιδεκάτῳ ἔτει Ἰωσία υἱοῦ Ἀ. (3)
26 (46). 25. ἐκδικῶ τὸν Ἀμμὼν τὸν υἱ. αὐτῆς †
27 (50). 4. ἥξουσιν οἱ υἱ. Ἰσραὴλ αὐτοὶ [A υἱ. Ἰακὼβ] καὶ οἱ υἱ. Ἰούδα (3, 3)
— 33. καταδεδυνάστευνται οἱ [S om.] υἱ. Ἰσραὴλ καὶ οἱ [S om.] υἱ. Ἰούδα (3, 3)
— 40. οὐ μὴ παροικήσει ἐκεῖ υἱ. ἀνθρώπου (3)
28 (51). 43. οὐδὲ μὴ καταλύσει ἐν αὐτῇ υἱ. ἀνθρώπου (3)
— 59. B S εἰπεῖν τῷ Σαρ. υἱῷ [A -οῦ] N. [S¹ om. υἱ. N.] υἱῷ [A R -οῦ] M. (3, 3)
29 (47). 3. οὐκ ἐπέστρεψαν πατέρες ἐφ' υἱοὺς αὐτῶν (3)
29 (49). 18. οὐ μὴ κατοικήσει ἐκεῖ υἱ. ἀνθρώπου (3)
30 (49). 1. τοῖς υἱ. Ἀμμὼν οὕτως εἶπε κύριος (3)
— 1. μὴ υἱοὶ οὐκ εἰσὶν ἐν Ἰσραήλ (3)
30. 6 (49. 28). πλήσατε τοὺς υἱ. κεδέμ (3)
— 11 (49. 33). οὐ μὴ κατοικήσει ἐκεῖ υἱ. ἀνθρώπου (3)
— 16 (49. 27). καταφάγεται ἄμφοδα υἱοῦ Ἅδερ (3)
32 (25). 21. τοὺς υἱ. Ἀμμὼν (3)
33 (26). 1. ἐν ἀρχῇ βασιλέως Ἰ. υἱοῦ Ἰ. (3)
— 20. Οὐρίας υἱ. Σαμαίου (3)
— 23. εἰς τὸ μνῆμα υἱῶν λαοῦ αὐτοῦ (3)
— 24. χεὶρ Ἀχ. υἱοῦ Σαφὰν ἦν μετὰ Ἱερ. (3)
34 (27). 3. πρὸς βασιλέα υἱῶν Ἀμμὼν (3)
35 (28). 1. εἶπέ μοι Ἀνανίας υἱ. Ἀζὼρ (3)
36 (29). 3. ἐν χειρὶ Ἐλ. υἱοῦ Σ. καὶ Γαμ. υἱοῦ Χ. (3, 3)
— 6. τεκνοποιήσατε [S -ασθε] υἱούς (3)
— 6. A B S² λάβετε τοῖς υἱ. ὑμῶν γυναῖκας (3)
— 25. πρὸς Σοφ. υἱὸν Μ. τὸν ἱερέα (3)
37 (30). 20. εἰσελεύσονται οἱ υἱ. αὐτῶν (3)
38 (31). 14. μεθύσω τὴν ψυχὴν τῶν ἱερέων υἱῶν [S τῶν υἱ.] Λευί –
— 15. οὐκ ἤθελε παύσασθαι [A B² παρακληθῆναι] ἐπὶ τοῖς υἱ. [A τῶν υἱ.] αὐτῆς (3)
— 20. υἱ. ἀγαπητὸς Ἐφραίμ (3)
39 (32). 7. Ἀναμεὴλ υἱ. Σαλώμ (3)
— 8. ἦλθε πρὸς μὲ Ἀναμεὴλ υἱ. Σαλώμ (3)
— 9. ἐκτησάμην τὸν ἀγρὸν Ἀναμεὴλ υἱοῦ ἀδελφοῦ πατρός μου (3)
— 12. ἔδωκα αὐτὸ τῷ Β. υἱῷ N. υἱῷ M. κατ' ὀφθαλμοὺς Ἀν. υἱοῦ ἀδελφοῦ πατρός μου (3, 3, –)
— 16. πρὸς Βαροὺχ υἱὸν Νηρίου (3)
— 19. οἱ ὀφθαλμοί σου εἰς τὰς ὁδοὺς τῶν υἱ. [A S om. τ. υἱ.] τῶν ἀνθρώπων (3)
— 30. ἦσαν οἱ [S om.] υἱ. Ἰσραὴλ καὶ οἱ [S om.] υἱ. Ἰούδα μόνοι ποιοῦντες τὸ πονηρόν (3, 3)
— 32. διὰ πάσας τὰς πονηρίας τῶν [A S om.] υἱ. Ἰσραήλ (3)
— 35. ᾠκοδόμησαν τοὺς βωμοὺς . . . τοὺς ἐν φάραγγι υἱοῦ Ἐννὸμ τοῦ ἀναφέρειν τοὺς υἱ. αὐτῶν (3, 3)
42 (35). 1. A ἐν ἡμεραῖς Ἰωακεὶμ υἱοῦ Ἰωσία [B S om. υἱ. Ἰ.] (3)
— 3. ἐξήγαγον τὸν Ἰεχ. υἱὸν Ἱερ. υἱοῦ Χ. . . . καὶ τοὺς υἱ. αὐ. (3 ter)

Je. 42 (35). 4. εἰς τὸ παστοφόριον υἱῶν Ἰ. υἱοῦ [A *om.* υἱ. Ἰ. υἱ.] Ἀν. υἱοῦ Γοδ. [S *om.* υἱ. Γ.] . . . ἐπάνω τοῦ οἴκου Μ. υἱοῦ Σ. (3, –, 3, 3)
— 6. Ἰων. υἱ. Ῥηχάβ [S¹ *om.* υἱ. Ῥ.] (3)
— 6. οὐ μὴ πίητε οἶνον ὑμεῖς καὶ οἱ υἱ. ὑμῶν (3)
— 8. οἱ υἱ. ἡμῶν καὶ αἱ θυγατέρες ἡμῶν (3)
— 14. ἔστησαν δῆμα υἱοὶ Ἰων. υἱοῦ [S -οὶ] Ῥ. (–, 3)
— 16. ἔστησαν υἱοὶ [A S οἱ υἱ.] Ἰωναδὰβ υἱοῦ [S οἱ υἱ.] Ῥηχὰβ τὴν ἐντολήν (3, 3)
— 18. ἤκουσαν υἱοὶ [A S οἱ υἱ.] Ἰωναδὰβ υἱοῦ Ῥηχὰβ τὴν ἐντολήν [S *om.* υἱ. Ῥ. τ. ἐ.] –, –
— 19. οὐ μὴ ἐκλίπῃ ἀνὴρ τῶν υἱ. Ἰωναδὰβ υἱοῦ Ῥηχάβ (–, 3)
43 (36). 1. ἐν τῷ ἐνιαυτῷ τῷ τετάρτῳ Ἰωακεὶμ υἱοῦ Ἰωσία (3)
— 4. ἐκάλεσεν Ἱερεμίας τὸν Βαροὺχ υἱὸν Νηρίου (3)
— 10. ἐν οἴκῳ Γαμαρίου υἱοῦ Σαφάν (3)
— 11. ἤκουσε Μιχαίας υἱ. Γαμαρίου υἱοῦ Σαφάν (3, 3)
— 12. Δαλ. υἱ. Σελ. καὶ Ἰων. υἱ. Ἀκχ. καὶ Γαμ. υἱ. Σ. καὶ Σεδ. υἱ. Ἀν. (3 *quater*)
— 14. AR ἀπέστειλαν . . . πρὸς Β. υἱὸν Ν. τὸν Ἰ. [B S *om.* τ. Ἰ.] υἱὸν [S -οῦ] Ναθ. υἱοῦ Σελ. υἱοῦ Χ. (–, 3 *ter*)
— 14. A ἔλαβε Β. υἱὸς Ν. [B S *om.* υἱ. Ν.] τὸ χαρτίον (3)
— 26. ἐνετείλατο ὁ βασ. τῷ Ἱερ. υἱῷ τοῦ βασ. καὶ τῷ Σ. υἱῷ Ἐσρ. (3, 3)
44 (37). 1. A ἐβασίλευσε Σεδ. υἱ. Ἰ. ἀντὶ Ἰεχ. υἱοῦ [B S *om.* Ἰ. υἱ.] Ἰ. (3, 3)
— 3. ἀπέστειλεν . . . τὸν Ἰ. υἱὸν Σελ. καὶ τὸν Σοφ. υἱὸν Μ. (3, 3)
— 13. παρ' ᾧ κατέλυε Σαρ. υἱ. Σελ. υἱοῦ [S υἱὸς] Ἀν. (3, 3)
45 (38). 1. ἤκουσε Σαφ. υἱ. Ν. καὶ Γοδ. υἱ. Π. καὶ Ἰ. υἱ. Σελ. τοὺς λόγους (3 *ter*)
— 6. εἰς λάκκον Μελχίου υἱοῦ τοῦ βασιλέως (3)
46 (39). 14. πρὸς τὸν Γοδ. υἱὸν Ἀχ. υἱοῦ [A -ὸν] Σ. (3, 3)
47 (40). 5. πρὸς τὸν Γοδ. υἱὸν Ἀχ. υἱοῦ [A S -ὸν] Σ. (3, 3)
— 8. ἦλθε . . . Ἰσμ. υἱ. Ναθ. καὶ Ἰ. υἱ. Κ. καὶ Σαρ. υἱ. Θ. καὶ υἱοὶ Ἰ. . . . καὶ Ἰεζ. υἱ. τοῦ Μ. (3 *quinquiens*)
— 11. οἱ Ἰουδαῖοι οἱ ἐν [A *add.* γῇ] Μωὰβ καὶ ἐν υἱοῖς Αμμὼν (3)
— 11. κατέστησεν ἐπ' αὐτοὺς Γοδ. υἱὸν Ἀχ. (3)
— 13. Ἰ. υἱὸς Κ. καὶ πάντες . . . ἦλθον (3)
— 14. Βελ. βασιλεὺς υἱῶν Ἀμμὼν ἀπέστειλε (3)
48 (41). 1. ἦλθεν Ἰσμ. υἱ. Ναθ. υἱοῦ [S¹ -ὸς] Ἐλ. (3, 3)
— 10. ἃς παρεκατέθετο . . . τῷ Γοδ. υἱῷ Ἀχ. καὶ ᾤχετο εἰς τὸ πέραν υἱῶν Ἀ. (3, 3)
— 11. ἤκουσεν Ἰωανὰν υἱ. Κάρηε (3)
— 15. ᾤχετο πρὸς τοὺς υἱ. Ἀμμών (3)
49 (42). 1. προσῆλθον . . . Ἰ. καὶ Ἀζ. υἱὸς Μ. (3)
50 (43). 2. εἶπεν Ἀζ. υἱ. Μ. καὶ Ἰ. υἱ. Κ. (3, 3)
— 3. Β. υἱ. Ν. συμβάλλει σε πρὸς ἡμᾶς (3)
— 6. μετὰ Γοδολίου υἱοῦ Ἀχεικάμ (3)
— 6. ἔλαβε . . . Βαροὺχ υἱὸν Νηρίου (3)
51. 31 (45. 1). πρὸς Β. υἱὸν Ν. . . . ἐν τῷ ἐνιαυτῷ τῷ τετάρτῳ Ἰ. υἱῷ Ἰ. (3, 3)
52. 10. ἔσφαξε βασιλεὺς Βαβ. τοὺς υἱ. Σεδ. (3)
Ba. 1. 1. Β. υἱ. Ν. υἱοῦ [A -ὸς] Μ. υἱοῦ [A -ὸς] Σεδ. υἱοῦ Ἀσ. υἱοῦ Χ.
— 3. ἐν ὡσὶν Ἰεχονίου υἱοῦ Ἰωακείμ
— 4. ἐν ὡσὶ τῶν δυνατῶν καὶ υἱῶν τῶν βασιλέων
— 7. πρὸς Ἰωακεὶμ υἱὸν Χελκίου υἱοῦ Σαλώμ
— 8. ἃ ἐποίησε Σεδεκίας υἱ. Ἰωσία
— 11. εἰς ζωὴν Βαλτάσαρ υἱοῦ αὐτοῦ
— 12. ὑπὸ τὴν σκιὰν Βαλτάσαρ υἱοῦ αὐτοῦ
2. 3. τοῦ φαγεῖν ἡμᾶς ἄνθρωπον σάρκας υἱοῦ [A -ὼν] αὐτοῦ
— 28. γράψαι τὸν νόμον σου ἐναντίον υἱῶν Ἰσραήλ
3. 4. ἄκουσον δὴ τῆς προσευχῆς . . . υἱῶν τῶν ἁμαρτανόντων
— 21. οἱ υἱ. αὐτῶν ἀπὸ τῆς ὁδοῦ αὐτῶν πόρρω ἐγενήθησαν
— 23. οἵ τε [A οὔτε] υἱ. Ἄγαρ οἱ ἐκζητοῦντες τὴν σύνεσιν
4. 10. εἶδον γὰρ τὴν αἰχμαλωσίαν [A *add.* τοῦ λαοῦ] τῶν υἱ. μου
— 14. μνήσθητε τὴν αἰχμαλωσίαν τῶν υἱ. μου
— 32. δειλαία ἡ δεξαμένη τοὺς υἱ. σου
— 37. ἔρχονται οἱ υἱ. σου
Ba. 5. 6. A εἰσάγει . . . μετὰ δόξης υἱοὺς [B ὡς θρόνον] βασιλείας
La. 1. 16. ἐγένοντο οἱ υἱ. μου ἠφανισμένοι (3)
3. 33. ἐταπείνωσεν υἱοὺς ἀνδρός (3)
4. 2. υἱοὶ Σιὼν οἱ τίμιοι οἱ ἐπηρμένοι ἐν χρυσίῳ (3)
Ez. 1. 3. πρὸς Ἰεζεκιὴλ υἱὸν Βουζεί (3)
2. 1. A² B υἱὲ ἀνθρώπου, στῆθι (3)
— 3. υἱὲ ἀνθρώπου, ἐξαποστέλλω ἐγώ σε (3)
— 4. A υἱοὶ σκληροπρόσωποι καὶ στερεοκάρδιοι (3)
— 6. σὺ, υἱὲ ἀνθρώπου, μὴ φοβηθῇς αὐτούς (3)
— 8. σὺ, υἱὲ ἀνθρώπου, ἄκουε (3)
3. 1. εἶπε πρὸς μὲ, Υἱὲ ἀνθρώπου (3)
— 1. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσραήλ (2)
— 3. υἱὲ ἀνθρώπου, τὸ στόμα σου φάγεται (3)
— 4. υἱὲ ἀνθρώπου, βάδιζε (3)
— 10. υἱὲ ἀνθρώπου, πάντας τοὺς λόγους . . . λάβε (3)
— 11. εἴσελθε . . . πρὸς τοὺς υἱ. τοῦ λαοῦ σου (3)
— 17. υἱὲ ἀνθρώπου, σκοπὸν δέδωκά σε (3)
— 25. υἱὲ ἀνθρώπου, ἰδοὺ δέδονται (3)
4. 1. υἱὲ ἀνθρώπου, λάβε σεαυτῷ πλίνθον (3)
— 3. σημεῖόν ἐστι τοῦτο τοῖς υἱ. Ἰσραήλ (2)
— 13. οὕτως φάγονται οἱ υἱ. τοῦ Ἰσραὴλ ἀκάθαρτα (3)
— 16. εἶπε πρὸς μὲ, Υἱὲ ἀνθρώπου (3)
5. 1. υἱὲ ἀνθρώπου, λάβε σεαυτῷ ῥομφαίαν (3)
6. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, στήρισον (3)
— 5. A δώσω τὰ πτώματα τῶν υἱ. Ἰσραὴλ κατὰ πρόσωπον τῶν εἰδώλων αὐτῶν (3)
7. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, εἰπόν (3)
8. 5. υἱὲ ἀνθρώπου, ἀνάβλεψον (3)
— 6. υἱὲ ἀνθρώπου, ἑώρακας (3)
— 8. υἱὲ ἀνθρώπου, ὄρυξον (3)
— 12. ἑώρακάς, υἱὲ ἀνθρώπου (3)
— 15. υἱὲ ἀνθρώπου, ἑώρακας (3)
— 17. ἑώρακας, υἱὲ ἀνθρώπου (3)
11. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, οὗτοι οἱ ἄνδρες (3)
— 4. προφήτευσον, υἱὲ ἀνθρώπου (3)
— 15. υἱὲ ἀνθρώπου, οἱ ἀδελφοί σου (3)
12. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, . . . σὺ κατοικεῖς (3)
— 3. υἱὲ ἀνθρώπου, ποίησον σεαυτῷ σκεύη (3)
— 9. υἱὲ ἀνθρώπου, οὐκ εἶπαν πρὸς σέ (3)
— 18. υἱὲ ἀνθρώπου, τὸν ἄρτον σου . . . φάγεσαι (3)
— 22. υἱὲ ἀνθρώπου, τίς ἡ παραβολή (3)
— 24. μαντευόμενος τὰ πρὸς χάριν ἐν μέσῳ τῶν υἱ. Ἰσραήλ (2)
— 27. υἱὲ ἀνθρώπου, ἰδοὺ ὁ οἶκος Ἰσραήλ (3)
13. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, προφήτευσον (3)
— 17. υἱὲ ἀνθρώπου, στήρισον (3)
14. 3. υἱὲ ἀνθρώπου, οἱ ἄνδρες οὗτοι ἔθεντο (3)
— 13. υἱὲ ἀνθρώπου, γῆ ἡ [A *om.*] ἐὰν ἁμάρτῃ μοι (3)
— 16. εἰ υἱοὶ ἢ θυγατέρες [A καὶ θ. αὐτῶν] σωθήσονται (3)
— 18. οὐ μὴ ῥύσωνται υἱοὺς οὐδὲ θυγατέρας (3)
— 20. ἐὰν υἱοὶ ἢ θυγατέρες ὑπολειφθῶσιν (3)
— 22. ἐξάγουσιν ἐξ αὐτῆς υἱοὺς καὶ θυγατέρας (3)
15. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, τί ἂν γένοιτο τὸ ξύλον (3)
16. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, διαμάρτυραι (3)
— 20. ἔλαβες τοὺς υἱ. σου καὶ τὰς θυγατέρας σου (3)
— 26. ἐξεπόρνευσας ἐπὶ τοὺς υἱ. Αἰγύπτου (3)
17. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, διήγησαι διήγημα (3)
— 12. υἱὲ ἀνθρώπου, εἰπόν –
18. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, τί ὑμῖν ἡ παραβολὴ αὕτη ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. –, –
— 4. ὃν τρόπον ἡ ψυχὴ τοῦ πατρὸς οὕτως ἡ ψυχὴ τοῦ υἱ. (3)
— 10. ἐὰν γεννήσῃ υἱὸν λοιμόν (3)
— 14. ἐὰν δὲ γεννήσῃ [A -σῃς] υἱόν (3)
— 19. οὐκ ἔλαβε τὴν ἀδικίαν ὁ υἱ. τοῦ πατρός; [A ἔ. υἱ. ἀ. π. αὐτοῦ] ὅτι ὁ υἱ. δικαιοσύνην καὶ ἔλεος πεποίηκε (3, 3)
— 20. ὁ δὲ [A *om.* ὁ δὲ] υἱ. οὐ λήψεται τὴν ἀδικίαν τοῦ πατρὸς οὐδὲ ὁ πατὴρ λήψεται τὴν ἀδικίαν τοῦ υἱ. (3, 3)
19. 1. A υἱὲ ἀνθρώπου [B *om.* υἱ. ἀ.], λάβε θρῆνον –
20. 3. υἱὲ ἀνθρώπου, λάλησον (3)
— 4. υἱὲ ἀνθρώπου, τὰς ἀνομίας . . . διαμάρτυραι αὐτοῖς (3)
— 27. λάλησον . . . υἱὲ ἀνθρώπου (3)
— 31. A ἐν τοῖς ἀφορισμοῖς υἱῶν ὑμῶν ἐν πυρὶ μαίνεσθε [B *al.*] (3)
Ez. 20. 46 (21. 2). υἱὲ ἀνθρώπου, στήρισον τὸ πρόσωπόν σου (3)
21. 2 (7). προφήτευσον, υἱὲ ἀνθρώπου (3)
— 6 (11). υἱὲ ἀνθρώπου, καταστέναξον (3)
— 9 (14). υἱὲ ἀνθρώπου, προφήτευσον (3)
— 12 (17). ὀλόλυξον, υἱὲ ἀνθρώπου (3)
— 14 (19). υἱὲ ἀνθρώπου, προφήτευσον (3)
— 19 (24). υἱὲ ἀνθρώπου, διάταξον σεαυτῷ δύο ὁδούς (3)
— 20 (25). τοῦ εἰσελθεῖν ῥομφαίαν ἐπὶ Ῥαββαθ [A *add.* καὶ ἐπὶ] υἱῶν Ἀμμών (3)
— 28 (33). υἱὲ ἀνθρώπου, προφήτευσον (3)
— 28 (33). τάδε λέγει κ. πρὸς τοὺς υἱ. Ἀ. (3)
22. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, εἰ [A οὐ] κρινεῖς (3)
— 18. υἱὲ ἀνθρώπου, ἰδοὺ γεγόνασί μοι (3)
— 24. υἱὲ ἀνθρώπου [A¹ *om.* υἱὲ ἀ.], εἰπὸν αὐτῇ (3)
23. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, δύο γυναῖκες ἦσαν (3)
— 4. ἔτεκον υἱοὺς καὶ θυγατέρας (3)
— 7. ἐπίλεκτοι υἱοὶ Ἀσσυρίων πάντες (3)
— 9. παρέδωκα . . . εἰς χεῖρας υἱῶν Ἀσσυρίων (3)
— 10. υἱοὺς καὶ θυγατέρας αὐτῆς ἔλαβον (3)
— 12. ἐπὶ τοὺς υἱ. τῶν Ἀσσυρίων ἐπέθετο ἡγουμένους (3)
— 15. ὁμοίωμα υἱῶν Χαλδαίων (3)
— 17. ἦλθοσαν πρὸς αὐτὴν υἱοὶ Βαβυλῶνος (3)
— 23. ἐπάξω αὐτοὺς ἐπὶ σὲ κυκλόθεν υἱοὺς Βαβυλῶνος . . . καὶ πάντας υἱοὺς Ἀσσυρίων (3, 3)
— 25. αὐτοὶ υἱοὺς [A τοὺς υἱ.] σου καὶ θυγατέρας σου λήψονται (3)
— 36. υἱὲ ἀνθρώπου, οὐ κρινεῖς τὴν Ὀολάν (3)
— 47. υἱοὺς αὐτῶν καὶ θυγατέρας αὐτῶν ἀποκτενοῦσι (3)
24. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, γράψον σεαυτῷ (3)
— 16. υἱὲ ἀνθρώπου, ἰδοὺ ἐγὼ λαμβάνω (3)
— 21. οἱ υἱ. ὑμῶν . . . πεσοῦνται (3)
— 25. υἱὲ ἀνθρώπου, οὐχὶ ἐν τῇ ἡμέρᾳ (3)
— 25. λαμβάνω . . . υἱοὺς αὐτῶν (3)
25. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, στήρισον τὸ πρόσωπόν σου ἐπὶ τοὺς υἱ. Ἀμμών (3, 3)
— 3. ἐρεῖς τοῖς υἱ. Ἀμμών (3)
— 4. παραδίδωμι ὑμᾶς τοῖς υἱ. κεδέμ (3)
— 5. δώσω . . . τοὺς υἱ. Ἀμμὼν εἰς νομὴν [A προν.] προβάτων (3)
— 10. τοὺς υἱ. κεδὲμ ἐπὶ τοὺς υἱ. Ἀμμὼν δέδωκα αὐτῷ εἰς κληρονομίαν ὅπως μὴ μνεία γένηται τῶν υἱ. Ἀμμών (3 *ter*)
26. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, ἀνθ' οὗ εἶπε Σόρ (3)
27. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, λάβε ἐπὶ Σὸρ θρῆνον (3)
— 4. υἱοί σου περιέθηκάν σοι κάλλος †
— 11. υἱοὶ Ἀραδίων . . . ἐπὶ τῶν τειχέων σου (3)
— 15. υἱοὶ Ῥοδίων ἔμποροί σου (3)
— 17. Ἰούδας καὶ οἱ υἱ. τοῦ Ἰσραὴλ οὗτοι ἔμποροί σου †
— 32. λήψονται οἱ υἱ. αὐτῶν ἐπὶ σὲ θρῆνον †
28. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, εἰπόν (3)
— 12. υἱὲ ἀνθρώπου, λάβε θρῆνον (3)
— 21 : 29. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, στήρισον (3)
29. 18. υἱὲ ἀνθρώπου, Ναβουχοδονόσορ (3)
30. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, προφήτευσον (3)
— 5. οἱ ἐπίμικτοι καὶ [A ἀπὸ] τῶν υἱ. τῆς διαθήκης μου μαχαίρᾳ πεσοῦνται ἐν αὐτῇ [A δ. μ. ἐν αὐ. μαχ. π.] (3)
— 21. υἱὲ ἀνθρώπου, τοὺς βραχίονας Φαραὼ . . . συνέτριψα (3)
31. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, εἰπόν (3)
— 14. ἐν μέσῳ υἱῶν ἀνθρώπων πρὸς καταβαίνοντας (3)
32. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, λάβε θρῆνον (3)
— 18. υἱὲ ἀνθρώπου, θρήνησον (3)
33. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, λάλησον τοῖς υἱ. τοῦ λαοῦ σου (3, 3)
— 7. υἱὲ ἀνθρώπου, σκοπὸν δέδωκά σε (3)
— 10. υἱὲ ἀνθρώπου, εἰπόν (3)
— 12. A υἱὲ ἀνθρώπου [B *om.* υἱὲ ἀ.], εἰπὸν πρὸς τοὺς υἱ. τοῦ λαοῦ σου (3, 3)
— 17. ἐροῦσιν οἱ υἱ. τοῦ λαοῦ σου (3)
— 24. υἱὲ ἀνθρώπου, οἱ κατοικοῦντες (3)
— 30. υἱὲ ἀνθρώπου, οἱ υἱ. τοῦ λαοῦ σου (3, 3)
34. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, προφήτευσον (3)
35. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, ἐπίστρεψον (3)
36. 1. υἱὲ ἀνθρώπου, προφήτευσον (3)
— 17. υἱὲ ἀνθρώπου, οἶκος Ἰσραὴλ κατῴκησεν (3)
37. 3. υἱὲ ἀνθρώπου, εἰ ζήσεται (3)
— 9. προφήτευσον, υἱὲ ἀνθρώπου (3)
— 11. υἱὲ ἀνθρώπου, τὰ ὀστᾶ ταῦτα (3)

Ez. 37. 16. *υἱὲ ἀνθρώπου, λάβε σεαυτῷ ῥάβδον καὶ γράψον . . . τοὺς υἱ. Ἰσρ.* [A αὐτῆς] (3, 3)
— 16. *γράψον . . . πάντας τοὺς υἱ. Ἰσραήλ* (2)
— 18. *ὅταν λέγωσι πρὸς σὲ οἱ υἱ. τοῦ λαοῦ σου* (3)
— 25. A *καὶ οἱ υἱ. αὐτῶν καὶ οἱ υἱ. τῶν υἱ. αὐτῶν* (3 *ter*)
38. 2. *υἱὲ ἀνθρώπου, στήρισον* (3)
— 14. *προφήτευσον, υἱὲ ἀνθρώπου* (3)
39. 1. *υἱὲ ἀνθρώπου, προφήτευσον* (3)
— 17. *υἱὲ ἀνθρώπου, εἰπόν* (3)
40. 4. *υἱὲ ἀνθρώπου, ἐν τοῖς ὀφθαλμοῖς σου ἴδε* (3)
— 46. *ἐκεῖνοί εἰσιν οἱ υἱ. Σαδδούκ* (3)
42. 13. *φάγονται ἐκεῖ οἱ ἱερεῖς υἱοὶ* [A *οἱ υἱ.*] *Σαδδούκ* –
43. 7. *ἑώρακας, υἱὲ ἀνθρώπου* (3)
— 10. *υἱὲ ἀνθρώπου, δεῖξον* (3)
— 18. *υἱὲ ἀνθρώπου, τάδε λέγει κύριος* (3)
44. 5. *υἱὲ ἀνθρώπου, τάξον εἰς τὴν καρδίαν σου* (3)
— 7. *τοῦ εἰσαγαγεῖν ὑμᾶς υἱοὺς ἀλλογενεῖς* (3)
— 9. *πᾶς υἱ. ἀλλογενής . . . οὐκ εἰσελεύσεται εἰς τὰ ἅγιά μου ἐν πᾶσιν υἱοῖς ἀλλογενῶν* (3, 3)
— 13. *τοῦ προσάγειν πρὸς τὰ ἅγια υἱῶν τοῦ Ἰσραήλ* –
— 15. *οἱ ἱερεῖς οἱ Λευῖται οἱ υἱ. τοῦ Σαδδούκ* (3)
— 25. *ἐπὶ υἱῷ καὶ ἐπὶ θυγατρὶ . . . μιανθήσεται* (3)
— 28. *κατάσχεσις αὐτοῖς οὐ δοθήσεται ἐν τοῖς υἱ. Ἰσραήλ* –
46. 6. A *μόσχου υἱὸν βουκολίου* [B *om. υἱ. β.*] *ἄμωμον* (3)
— 16. *ἐὰν δῷ ὁ ἀφηγούμενος δόμα ἑνὶ ἐκ τῶν υἱ. αὐτοῦ . . . τοῦτο τοῖς υἱ. αὐτοῦ ἔσται κατάσχεσις* (3, 3)
— 17. *πλὴν τῆς κληρονομίας τῶν υἱ. αὐτοῦ αὐτοῖς ἔσται* (3)
— 18. *κατακληρονομήσει τοῖς υἱ. αὐτοῦ* (3)
47. 6. *ἑώρακας, υἱὲ ἀνθρώπου* (3)
— 13. *ταῖς δώδεκα φυλαῖς τῶν υἱ. Ἰσραήλ* –
— 22. *ἐγέννησαν υἱοὺς ἐν μέσῳ ὑμῶν* (3)
— 22. *ὡς αὐτόχθονες ἐν τοῖς υἱ. τοῦ Ἰσρ.* (3)
— 22. A *μεθ' ὑμῶν φάγονται . . . ἐν μέσῳ τῶν υἱ.* [B *φυλῶν*] *τοῦ Ἰσραήλ* †
48. 11. *τὸ ὅρος τῶν ἁγίων ἔσται . . . τοῖς ἡγιασμένοις υἱ. Σαδδοὺκ . . . οἵτινες οὐκ ἐπλανήθησαν ἐν τῇ πλανήσει υἱῶν* [A *τῶν υἱ.*] *Ἰσραήλ* (3, 3)
Da. LXX. Su. 7. *γυναῖκα ἀδελφοῦ αὐ. ἐκ τῶν υἱ. Ἰσρ.*
— 28. *συνήδρευσαν οἱ ὄντες ἐκεῖ πάντες οἱ υἱ. Ἰσρ.*
— 48. *οὕτως μωροὶ, υἱοὶ Ἰσρ.*
— 64. *φυλασσώμεθα εἰς υἱ. δυνατοὺς νεωτέρους*
1. 3. *ἀγαγεῖν αὐτῷ ἐκ τῶν υἱ. τῶν μεγιστάνων τοῦ Ἰσρ.* (3)
— 6. *ἐκ τοῦ γένους τῶν υἱ. Ἰσρ.* (3)
2. 25. *ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας τῶν υἱ. τῆς Ἰουδ.* (3)
3. (82). *εὐλογεῖτε, οἱ υἱ. τῶν ἀνθρ., τὸν κ.*
7. 13. *ὡς υἱὸς ἀνθρώπου ἤρχετο* (4)
8. 17. *διανοήθητι, υἱὲ ἀνθρώπου* (3)
— 19. *ἃ ἔσται . . . τοῖς υἱ. τοῦ λαοῦ σου* –
11. 10. *ἐπιστρέψει . . . καὶ ὁ υἱ. αὐ.* (3)
— 41. *καὶ κεφάλαιον υἱῶν Ἀ.* (3)
12. 1. *ὁ ἑστηκὼς ἐπὶ τοὺς υἱ. τοῦ λαοῦ σου* (3)
Bel *tit. ἐκ προφητείας Ἀμβ. υἱοῦ Ἰ.*
— 1. *ᾧ ὄνομα Δαν. υἱὸς Ἀ.*
Da. TH. Su. 48. *οὕτως μωροὶ, οἱ υἱ. Ἰσρ.*
1. 3. *εἰσαγαγεῖν ἀπὸ τῶν υἱ. τῆς αἰχμαλωσίας Ἰσρ.* (3)
— 6. *ἐγένετο ἐν αὐτοῖς ἐκ τῶν υἱ. Ἰούδα* (3)
2. 25. *εὕρηκα ἄνδρα ἐκ τῶν υἱ. τῆς αἰχμαλωσίας* (3)
— 38. *ὅπου κατοικοῦσιν οἱ υἱ. τῶν ἀνθρώπων* (3)
3. (82). B *εὐλογεῖτε, οἱ* [A R *om.*] *υἱ. τῶν ἀνθρώπων, τὸν κ.* (3)
— 25 (92). *ἡ ὅρασις τοῦ τετάρτου ὁμοία υἱῷ θεοῦ* (4)
5. 13. *ὁ ἀπὸ τῶν υἱ. τῆς αἰχμαλωσίας Ἰουδαίας* (3)
— 22. *καὶ σὺ οὖν ὁ υἱ. αὐ. Βαλτ.* (4)
6. 13 (14). *Δαν. ἀπὸ τῶν υἱ. τῆς αἰχμαλωσίας τῆς Ἰουδαίας* (3)
— 24 (25). *αὐτοὶ καὶ οἱ υἱ. αὐ. καὶ αἱ γυναῖκες αὐ.* (3)
7. 13. *ὡς υἱὸς ἀνθρώπου ἐρχόμενος* (4)
8. 17. *σύνες, υἱὲ ἀνθρώπου* (3)
9. 1. *ἐν τῷ πρώτῳ ἔτει Δαρ. τοῦ υἱ. Ἀσσ.* (3)
10. 16. *ὡς ὁμοίωσις υἱοῦ ἀνθρώπου* (3)
11. 10. *οἱ υἱ. αὐ. συνάξουσιν ὄχλον* (3)
— 14. *οἱ υἱ. τῶν λοιμῶν τοῦ λαοῦ σου* (3)
— 41. *καὶ ἀρχὴ υἱῶν Ἀ.* (3)
Da. TH. 12. 1. *ὁ ἑστηκὼς ἐπὶ τοὺς υἱ. τοῦ λαοῦ σου* (3)
I Ma. 1. 9. A R *καὶ οἱ* [S *om.*] *υἱ. αὐ. ὀπίσω αὐτῶν*
— 10. *Ἀντίοχος Ἐπιφ. υἱὸς Ἀντιόχου τοῦ βασ.*
— 11. A *ἐξῆλθεν* [A S^2 *-ον*] *ἐξ Ἰσρ. υἱ. παράνομος* [S R *υἱοὶ παράνομοι*]
— 48. *ἀφιέναι τοὺς υἱ. αὐ. ἀπεριτμήτους*
2. 1. S *ἀνέστη Ματτ. υἱὸς* [A R *om.*] *Ἰωάννου τοῦ Σ. ἱερεὺς τῶν υἱ. Ἰ.*
— 2. *καὶ αὐτῷ υἱοὶ πέντε*
— 14. *διέρρηξε Ματτ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. τὰ ἱμάτια αὐ.*
— 16. *Ματτ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. συνήχθησαν*
— 17. A R *καὶ ἐστηριγμένος ἐν* [S *om.*] *υἱοῖς*
— 18. S^2 *ἔσῃ σὺ καὶ οἱ υἱ. σου τῶν φίλων τοῦ βασ.* [A S^1 R *al.*]
— 18. *καὶ σὺ καὶ οἱ υἱ. σου δοξασθήσεσθε*
— 20. *κἀγὼ καὶ οἱ υἱ. μου . . . πορευσόμεθα*
— 26. *καθὼς ἐποίησε Φ. τῷ Ζ. υἱῷ Σ.*
— 28. *ἔφυγον αὐτὸς καὶ οἱ υἱ. αὐ.*
— 30. *κατέβησαν . . . αὐτοὶ καὶ οἱ υἱ. αὐ.*
— 45. A *ἐκύκλωσε Ματτ. καὶ οἱ υἱ.* [S R *φίλοι*] *αὐ.*
— 46. S *ὅσα εὗρον ἐν υἱοῖς Ἰσρ.* [A R *al.*]
— 47. *ἐδίωξαν τοὺς υἱοὺς τῆς ὑπερηφανίας*
— 49. *εἶπε τοῖς υἱ. αὐ.*
— 70. A R *ἔθαψαν αὐτὸν οἱ υἱ. αὐ.* [S *al.*]
3. 1. *ἀνέστη Ἰ. ὁ καλούμ. Μακκ. υἱὸς αὐ.*
— 14. S^1 *πολεμήσω τὸν υἱ.* [A S^2 R *om.*] *Ἰούδαν*
— 15. *ποιῆσαι τὴν ἐκδίκησιν ἐν υἱοῖς Ἰσρ.*
— 33. *καὶ τρέφειν Ἀντίοχον τὸν υἱ. αὐ.*
— 36. A *καὶ κατοικῆσαι υἱοὺς ἀλλοτρίους* [S R *al.*]
— 41. *τοῦ λαβεῖν τοὺς υἱ. Ἰσρ. εἰς παῖδας*
— 45. *καὶ υἱοὶ ἀλλογενῶν ἐν τῇ ἄκρᾳ*
— 58. *γίνεσθε εἰς υἱ. δυνατούς*
4. 2. A R *οἱ* [S *om.*] *υἱ. τῆς ἄκρας ἦσαν αὐτῷ ὁδηγοί*
— 30. *εἰς χεῖρας Ἰων. υἱοῦ Σ.*
5. 3. *ἐπολέμει Ἰ. πρὸς τοὺς υἱ. Ἠ.*
— 4. *ἐμνήσθη τῆς κακίας υἱῶν Β.*
— 6. *διεπέρασεν ἐπὶ τοὺς υἱ. Ἀ.*
— 65. *ἐπολέμουν τοὺς υἱ. Ἠ.*
6. 15. *τοῦ ἀγαγεῖν Ἀντίοχον τὸν υἱ. αὐ.*
— 17. *κατέστησε βασιλεύειν Ἀντίοχον τὸν υἱ. αὐ.*
— 24. S *περιεκάθηντο ἐπ' αὐτὸν οἱ υἱ. τοῦ λαοῦ ἡμῶν* [A R *al.*]
— 55. *ἐκθρέψαι Ἀντίοχον τὸν υἱ. αὐ.*
7. 9. *ποιῆσαι τὴν ἐκδίκησιν ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ.*
— 13. *πρῶτοι οἱ Ἀσ. ἦσαν ἐν υἱοῖς Ἰσρ.*
— 23. *ἣν ἐποίησεν . . . ἐν υἱοῖς Ἰσρ.*
8. 17. *ἐπέλεξεν Ἰ. τὸν Εὐπ. υἱὸν Ἰ. . . . καὶ Ἰάσονα υἱὸν Ἐλεαζάρου*
9. 36. *ἐξῆλθον οἱ υἱ. Ἰ. ἐκ Μηδ.*
— 37. *υἱοὶ Ἰ. ποιοῦσι γάμον μέγαν*
— 53. *ἔλαβε τοὺς υἱ. τῶν ἡγουμένων τῆς χώρας*
— 66. *ἐπάταξεν . . . τοὺς υἱ. Φ.*
10. 67. A *ἦλθε Δημ. ὁ* [S R *om.*] *υἱ. Δημ.*
11. 62. *ἔλαβε τοὺς υἱ. τῶν ἀρχόντων αὐ. εἰς ὅμηρα*
13. 16. *ἀπόστειλον . . . δύο τῶν υἱ. αὐ. ὅμηρα*
— 53. A *εἶδε Σ. τὸν Ἰ. τὸν* [S R *om.*] *υἱ. αὐ.*
14. 25. *τίνα χάριν ἀποδώσομεν Σ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ.*
— 29. A R *Σίμων δὲ ὁ υἱ. Ματτ. ὁ υἱ. τῶν υἱ.* [S M. *υἱὸς υἱῶν ἱερεὺς τῶν υἱ.*] *Ἰ.*
— 49. *ὅπως ἔχῃ Σίμων καὶ οἱ υἱ. αὐ.*
15. 1. *ἀπέστειλεν Ἀντ. υἱὸς* [S^2 *ὁ υἱ.*] *Δημ.*
16. 2. *ἐκάλεσε Σ. τοὺς δύο υἱ. αὐ.*
— 13. *ἐβουλεύετο δόλῳ κατὰ . . . τῶν υἱ. αὐ.*
— 14. *κατέβη εἰς Ἱερ. αὐτὸς . . . καὶ οἱ* [S^2 *om.*] *υἱ.* [S^1 *κ. ἀδελφὸς*] *αὐ.*
— 16. *ὅτε ἐμεθύσθη Σ. καὶ οἱ υἱ. αὐ.*
— 16. A *ἀπέκτειναν αὐτὸν καὶ τοὺς υἱ.* [S R *δύο υἱ.*] *αὐ.*
II Ma. 2. 20. *τοὺς πρὸς . . . τὸν τούτου υἱ. Εὐπ. πολέμους*
7. 20. *ἀπολλυμένους υἱ. ἑπτὰ συνορῶσα*
— 26. *ἐπεδέξατο πείσειν τὸν υἱ.*
— 27. *υἱὲ, ἐλέησόν με*
— 41. *ἐσχάτη δὲ τῶν υἱ. ἡ μήτηρ ἐτελεύτησε*
9. 25. *ἀναδέδειχα τὸν υἱ. μου Ἀντίοχον βασιλέα*
— 26. *ἕκαστον συντηρεῖν τὴν οὖσαν εὔνοιαν εἰς ἐμὲ καὶ τὸν υἱ. μου*
— 29. *εὐλαβηθεὶς τὸν υἱ. Ἀντιόχου*
10. 10. *τὰ κατὰ τὸν ὕπατον Ἀντίοχον υἱὸν δὲ τοῦ ἀσεβοῦς γενόμενον*
III Ma. 6. 28. *ἀπολύσατε τοὺς υἱ. τοῦ παντοκρ. ἐπουρανίου θεοῦ ζῶντος*
7. 6. *ὡς πατέρα ὑπὲρ υἱῶν διὰ παντὸς συμμαχοῦντα*
IV Ma. 4. 15. *διαδέχεται τὴν ἀρχὴν ὁ* [S^1 *om.*] *υἱ. αὐ.*
9. 21. S^1 *ὁ μεγαλόφρων καὶ Ἀβραὰμ υἱ. νεανίας* [A S^2 R *al.*]
IV Ma. 12. 6. *αὐτὴν ἐλέησας τοσούτων υἱ. στερηθεῖσαν*
15. 2. *τῆς ἑπτὰ υἱῶν σωτηρίας προκαίρου*
— 9. *διὰ τὴν καλοκἀγαθίαν τῶν υἱ.*
— 22. *τῶν υἱ. βασανιζομένων*
— 27. A S^2 R *τὴν σώζουσαν ἑπτὰ υἱοὺς . . . σωτηρίαν*
— 32. *ταῖς τῶν υἱ. βασάνοις συνεχομένη*
16. 3. *ὁρῶσαν αὐτῆς τοὺς ἑπτὰ υἱ. βασανιζομένους*
— 10. *οὐδ' ἂν ἀποθάνω θάπτοντα τῶν υἱ. ἔξω τινά*
— 13. *ἀνατίκτουσα τὸν τῶν υἱ. ἀριθμόν*
— 20. *τὸν ἐθνοπάτορα υἱ. σφαγιάσαι Ἰσ.*
— 24. *ἕνα ἕκαστον τῶν υἱ. παρακαλοῦσα*
[Aq. Ge. 6. 3 (2): 12. 5 (P.): 15. 2: 25. 22: 49. 9: Ex. 4. 23: 7. 7: Le. 15. 2: Nu. 1. 45: Dt. 1. 3: 21. 16: 32. 5, 8 *bis*: Jo. 1. 1: 4. 21: 6. 1: 22. 33: Jd. 8. 22 *ter*: I Ki. 2. 12: 14. 18: II Ki. 3. 15: 8. 18: 12. 5: 16. 11: 21. 2: III Ki. 4. 17: 8. 1: 12. 17: 13. 27: 14. 1, 5, 20: 15. 4: 22. 50: IV Ki. 6. 28: 9. 20: 11. 2: 13. 24, 25: 14. 13, 29: Jb. 1. 5: 5. 7: 28. 8: 32. 2: 38. 7: 41. 26: Ps. 9. 1: 11 (12). 2, 9: 16 (17). 14: 28 (29). 6: 41 (42). 1: 43 (44). 1: 44 (45). 1, 3, 17: 45 (46). 1: 46 (47). 1: 48 (49). 1: 71 (72). 20: 82 (83). 9: 86 (87). 1: 89 (90). 3: Pr. 10. 5: 19. 27: 30. 4: 31. 5: Ec. 8. 11: Is. 1. 4: 7. 14: 9. 6 (5): 30. 1: 31. 6: 56. 3, 5: 60. 10: 65. 20 *bis* (Sw.): Je. 1. 1: 16. 2: 19. 2: 20. 15: 26 (33). 18: 27 (34). 1: 29 (36). 21: 31 (38). 12, 15, 17, 20, 29: 32 (39). 30: 35 (42). 4: 36 (43). 8: 38 (45). 1: 41 (48). 18 (Sw.): 49 (30). 6: 49. 7 (29. 8): 51 (28). 59 *bis*: 52. 1: Ez. 2. 2 (P.), 4 (Sw.): 11. 1: 20. 31: 21. 2 (7) (Sw.): 25. 4: 27. 2 (Sw.), 15: 33. 2, 12 (Sw.): 35. 5: 37. 25 *ter*: Da. 3. 25 (92): Ho. 11. 1: Am. 9. 7: Jn. 1. 1: Mi. 5. 7 (6): Za. 9. 9: Ma. 3. 17.]
[Sm. Ge. 6. 3 (2): 27. 37: 49. 9: Ex. 4. 23: 6. 13: Le. 15. 2: Nu. 1. 45: Dt. 1. 3: 32. 5, 8: Jo. 1. 1: 4. 21: 6. 1: 22. 33: Jd. 8. 22: 10. 11: I Ki. 2. 12: 13. 1: 14. 18: 20. 30: 22. 8: II Ki. 8. 18: 16. 11: 21. 2 *bis*: III Ki. 1. 9: 15. 4: 17. 20: 20 (21). 27: IV Ki. 6. 28: 13. 6, 24: 14. 29: 16. 3: 23. 10 *bis*: Jb. 19. 17: 32. 2: Ps. 4. 3: 9. 1: 11 (12). 2, 9: 16 (17). 14: 28 (29). 6: 35 (36). 8: 41 (42). 1: 43 (44). 1: 44 (45). 1, 3, 17: 45 (46). 1: 48 (49). 1, 3: 65 (66). 5: 71 (72). 20: 82 (83). 9: 86 (87). 1: 88 (89). 7, 23: 106 (107). 8: 126 (127). 4 (P.): Pr. 10. 5: 17. 2, 6: 19. 27: 30. 4: 31. 8: Ec. 8. 11: Is. 1. 4: 7. 14: 9. 6 (5): 31. 6: 37. 12: 38. 19: 51. 20: 52. 14: 54. 1 *bis*: 56. 3, 5: 57. 3: 60. 10: 61. 5: 63. 8: Je. 1. 1: 10. 20: 16. 2: 19. 2: 20. 15: 31 (38). 15: 32 (39). 30: 33 (40). 4 *bis*: 35 (42). 5: 36 (43). 8: 41 (48). 18 (Sw.): 49. 7 (29. 8): Ez. 11. 1: 13. 5: 21. 2 (7) (Sw.), 10 (15): 25. 4: 27. 2 (Sw.), 15: 33. 2: 35. 5: Da. 11. 14: Ho. 11. 1: Am. 9. 7: Jn. 1. 1: Za. 9. 9.]
[Th. Ge. 6. 3 (2): 15. 2: Ex. 4. 23: 6. 13: 29. 20: 32. 2: Le. 15. 2: Nu. 1. 45: Dt. 1. 3: 32. 8: Jo. 4. 21: 6. 1: 22. 33: Jd. 4. 6: 8. 18: 11. 25, 36: 13. 3: 19. 12: II Ki. 14. 14: 21. 2: III Ki. 1. 9: 2. 34: 4. 4: 13. 27: IV Ki. 1. 17 *bis*: 6. 28: 8. 29: 13. 6, 24, 25: 14. 29: 23. 10: Jb. 16. 21: 21. 19: 25. 6: 28. 8: 32. 2: 38. 7: 41. 26: 42. 18 *bis*: Ps. 4. 3: 9. 1: 61 (62). 10 *bis*: 65 (66). 5: 71 (72). 20: 126 (127). 4: Pr. 17. 2: 19. 27: 30. 4: 31. 5: Ca. 1 6: Is. 1. 4: 7. 5: 31. 6: 37. 12: 45. 11 (Sw.): 54. 1 *bis*: 56. 5: 57. 3: 60. 10: 65. 20 *bis* (Sw.): Je. 1. 1: 17. 2 (Sw.): 20. 15: 26 (33). 22: 27 (34). 20: 29 (36). 21 *bis*: 31 (38). 15, 17: 33 (40). 21: 38 (45). 1: 39 (46). 6: 41 (48). 16 (Sw.) *bis*, 18 (Sw.): 48 (31). 45, 46: 49 (30). 6: Ez. 2. 2 (P.), 4: 6. 5: 11. 1: 20. 31 (Sw.): 21. 2 (7) (Sw.), 10 (15): 25. 4: 27. 2 (Sw.), 15, 32: 33. 2, 12 (Sw.): 35. 5: 37. 25 *ter*: 46. 6: Da. 3. 25 (92): Il. 14, 41: Ho. 9. 13: 11. 1: Jn. 1. 1: Mi. 5. 7 (6): Za. 9. 9.]
[Al. Ge. 43. 29: Le. 1. 5, 14: 12. 6: 16. 17: 22. 25: Nu. 10. 20, 22, 24, 25: 14. 6: 18. 5: 22. 16: 27. 8: 33. 31: Dt. 32. 8: Jd. 1. 23: I Ki. 28. 19: IV Ki. 4. 1: Jb. 1. 6: 2. 1: 19. 17: Ps. 126 (127). 4: 127 (128). 6 *bis*: 136 (137). 7: Pr. 1. 15: 16. 15: Is. 14. 2.]
[Sam. Dt. 32. 8.]
[Heb. II Ki. 8. 18: Je. 1. 1.]
[Quint. IV Ki. 8. 29: 13. 6, 25: 14. 29: Ps. 9. 1: 28 (29). 1, 6: 44 (45). 3: 71 (72). 20: Pr. 31. 5: Za. 9. 9.]
[Sext. Jb. 5. 7: Ps. 9. 1: 28 (29). 1, 6.]

ὑλακτεῖν. (1) נָבַח

Is. 56. 10. *κύνες ἐνεοὶ οὐ δυνήσονται ὑ.* (1)

ὕλη. (1) יָעַר (2) סֹבֶךְ (3) שְׁמִיר

Jb. 19. 29. *γνώσονται ποῦ ἐστιν αὐτῶν ἡ ὕ.* [A *al.*] †
38. 40. *κάθηνται δὲ ἐν ὕλαις ἐνεδρεύοντες* (2)
Ps. 68 (69). 2. B[1] S *ἐνεπάγην εἰς ὕλην* [B[3] R *ἰλὺν*] *βυθοῦ* (1)
Wi. 11. 17. *κτίσασα τὸν κόσμον ἐξ ἀμόρφου ὕλης*
15. 13. *ὕλης γεώδους εὔθραυστα σκεύη . . . δημιουργῶν*
Si. 28. 10. *κατὰ τὴν ὕ. πυρὸς οὕτως ἐκκανθήσεται*
Is. 10. 17. *φάγεται ὡσεὶ χόρτον τὴν ὕ.* (3)
II Ma. 2. 24. *διὰ τὸ πλῆθος τῆς ὕ.*
IV Ma. 1. 29. *ἐξημεροῖ τὰς τῶν ἠθῶν καὶ παθῶν ὕ.*
[Aq. I Ki. 23. 15, 16, 19.]

ὕλις (?). (1) יַעַר

Ps. 39 (40). 2. A B[1] S *ἀνήγαγέ με . . . ἀπὸ πηλοῦ ὕλεως* [B[4] R *ἰλύος*] (1)

ὑλομανεῖν.

[Sm. Ho. 10. 1.]

ὑλοτόμος.

Wi. 13. 11. *εἰ δὲ καί τις ὑ. τέκτων . . . περιέξυσεν . . . παντὰ τὸν φλοιὸν αὐτοῦ*

ὑλώδης.

Jb. 29. 5. *ὅτε ἤμην ὑλώδης λίαν* †

ὑμέναιος.

III Ma. 4. 6. *θρῆνον ἀνθ' ὑμεναίων ὁμοθυμαδὸν ἐξῆρχον*

ὑμέτερος.

Ge. 9. 5.
To. 8. 21†.
Pr. 1. 26.
Am. 6. 2.
Ba. 4. 24.

ὑμνεῖν. (1) הָלַל pi. (2) זָמַר pi. (3) יָדָה hi. (4) יָדַע hi. (5) רָנַן (6) שִׁיר

Jd. 16. 24. B[2] *ὕμνησαν* [A *ἤνεσαν*] *τὸν θεὸν αὐ.* (1)
I Ch. 16. 9. *ὑμνήσατε αὐτῷ* [S *-όν*] (2)
II Ch. 23. 13. *καὶ ὑμνοῦντες αἶνον* (4)
29. 30. *ὑμνεῖν τὸν κύριον* (1)
— 30. *ὕμνουν ἐν εὐφροσύνῃ* (1)
I Es. 5. 60, 62. *ὑμνοῦντες τῷ κυρίῳ*
Ne. 12. 24. B *οἱ ἀδ. αὐ. . . . εἰς ὑμνεῖν αἰνεῖν* [S *ὑ. κ. αἰ.*, A *αἰ. κ. ὑ.*, R *ὕμνον αἰ.*] (1 [3])
To. 12. 6. S *ὑμνεῖν* [A B *ὑψοῦν*] *τὸ ὄνομα αὐ.*
— 18. S *αὐτῷ ὑμνεῖτε*
— 22. S *ὕμνουν τὸν θεόν*
Ju. 15. 13. S *ὕμνουν ἐν τῷ στόματι αὐ.* [A B *al.*]
16. 13. *ὑμνήσω τῷ θεῷ μου ὕμνον καινόν*
Es. 4. 17. *ἵνα ζῶντες ὑμνῶμέν σου τὸ ὄνομα*
— 17. A *ἐμφράξῃ στόμα ὑμνούντων σοι* [B S *al.*]
Jb. 38. 7. A *καὶ ὕμνησαν* –
Ps. 21 (22). 22. *ἐν μέσῳ ἐκκλησίας ὑμνήσω σε* (1)
64 (65). 13. *κεκράξονται καὶ γὰρ ὑμνήσουσιν* (6)
70 (71). 8. B S[2] *ὅπως ὑμνήσω τὴν δόξαν σου* –
136 (137). 3. S[1] *ὑμνήσατε* [S[2] R *ὕμνον ᾄσατε*, A *ᾄσατε*] *ἡμῖν ἐκ τῶν ᾠδῶν Σιών* (6)
Pr. 1. 20. *σοφία ἐν ἐξόδοις ὑμνεῖται* (5)
8. 3. *ἐν δὲ εἰσόδοις ὑμνεῖται* (5)
Wi. 10. 20. *ὕμνησαν, κύριε, τὸ ὄνομα τὸ ἅγιόν σου*
Si. 39. 35. *ἐν πάσῃ καρδίᾳ καὶ στόματι ὑμνήσατε* [B[1] *-αμεν*]
47. 8. *ῥήματι δόξης ἐν πάσῃ καρδίᾳ αὐτοῦ ὕμνησε* [S *-σιν*]
51. 11. *ὑμνήσω ἐν ἐξομολογήσει*
Is. 12. 4. *ὑμνεῖτε κύριον* (3)
— 5. *ὑμνήσατε τὸ ὄνομα κυρίου* (2)
25. 1. *ὑμνήσω τὸ ὄνομά σου* (3)
42. 10. *ὑμνήσατε τῷ κυρίῳ ὕμνον καινόν* (6)
Da. LXX. 3. (24). *ὕμνησαν τῷ κυρίῳ*
— (51). *ὕμνουν καὶ ἐδόξαζον . . . τὸν θεόν*
— (57), (58), (59), (60), (61), (62), (63), (64), (65), (66), (67), (68), (69), (70), (71), (72), (73). *ὑμνεῖτε . . . αὐτὸν εἰς τοὺς αἰῶνας*
— (74). *ὑμνεῖτω . . . αὐτὸν εἰς τοὺς αἰῶνας*
— (75), (76), (77), (78), (79), (80), (81), (82), (83), (84), (85), (86), (87), (88). *ὑμνεῖτε . . . αὐτὸν εἰς τοὺς αἰῶνας*
Da. LXX. 3. (90). *ὑμνεῖτε καὶ ἐξομολογεῖσθε*
— 24 (91). *ἐν τῷ ἀκοῦσαι τὸν βασ. ὑμνούντων αὐτῶν* –
Da. TH. 3. 23. *περιεπάτουν . . . ὑμνοῦντες* –
— (51). *ὕμνουν καὶ ἐδόξαζον . . . τὸν θεόν*
— (57), (59), (58), (60), (61), (62), (63), (64), (65), (66), (67) (A), (68) (A), (71), (72), (69), (70), (73). *ὑμνεῖτε καὶ ὑπερυψοῦτε αὐτόν*
— (74). *ὑμνείτω καὶ ὑπερυψούτω αὐτόν*
— (75), (76), (78), (77), (79), (80), (81), (82), (83), (84), (85), (86), (87), (88). *ὑμνεῖτε καὶ ὑπερυψοῦτε αὐτόν*
— (90). *ὑμνεῖτε καὶ ἐξομολογεῖσθε*
— 24 (91). Ναβ. *ἤκουσεν ὑμνούντων αὐτῶν* –
I Ma. 4. 24. *καὶ ἐπιστραφέντες ὕμνουν*
13. 47. *εἰσῆλθεν εἰς αὐτὴν ὑμνῶν*
IV Ma. 4. 12. *πᾶσί τε ἀνθρώποις ὑμνήσειν . . . τὴν . . . μακαριότητα*
[Aq. Ps. 9. 24 (10. 3): 34 (35). 28: 44 (45). 18: 55 (56). 5, 11: 77 (78). 63: 112 (113). 1 *bis*: 118 (119). 164: 147. 1 (12): Pr. 31. 30, 31.]
[Sm. Ps. 27 (28). 7: 43 (44). 9: 44 (45). 18: 55 (56). 5: 58 (59). 17: 62 (63). 6: 89 (90). 14: 112 (113). 1 *bis*: 118 (119). 164: 148. 3: 150. 1.]
[Th. Ps. 44 (45). 18: 147. 1 (12): Da. 3. 24 (91).]
[Al. Is. 24. 14.]

ὕμνησις. (1) זִמְרָת (2) תְּהִלָּה

Ps. 70 (71). 7. B *ἐν σοὶ ἡ ὕ.* [S *ὑπόμνησίς*] *μου διὰ παντός* (2)
117 (118). 14. *ἰσχύς μου καὶ ὕμνησίς μου ὁ κύριος* (1)
Si. 47. 8. S *ἐν πάσῃ καρδίᾳ αὐ. ὕμνησιν* [A B *-σε*]
[Aq. Dt. 10. 21: Ps. 32 (33). 1: 65 (66). 2: 70 (71). 14: 108 (109). 1: 144 (145). 1: Is. 42. 8: 60. 18: 61. 3: 62. 7.]
[Sm. Ps. 9. 15: 32 (33). 1: 108 (109). 1: Is. 61. 3.]

ὑμνητός.

Da. LXX. 3. (54), (56). *καὶ ὑμνητὸς . . . εἰς τοὺς αἰῶνας*
Da. TH. 3. (56). *καὶ ὑμνητὸς* [A *ὑπερυμν.*] . . . *εἰς τοὺς αἰῶνας*
[Aq., Th. Ps. 47 (48). 2.]
[Sm. Ps. 47 (48). 2: 108 (109). 1 (P.).]

ὑμνογράφος.

IV Ma. 18. 15. *τὸν ὑμν. ἐμελῴδει ὑμῖν Δαυίδ*

ὑμνολογεῖν.

[Sm. Ps. 55 (56). 11: 64 (65). 9.]

ὑμνολογία.

[Sm. Jb. 33. 26: Ps. 149. 6.]

ὑμνοποιεῖσθαι.

[Sm. Ps. 55 (56). 11.]

ὕμνος. (1) הָלַל pi. (2) נְגִינָה (3) שִׁיר (4) תְּהִלָּה (5) תְּפִלָּה

II Ch. 7. 6. *τοῦ ἐξομολογεῖσθαι . . . ἐν ὕμνοις Δ.* (1)
I Es. 5. 61. *ἐφώνησαν δι' ὕμνων* [B[1] *-ον*]
Ne. 12. 24. R *εἰς ὕμνον αἰνεῖν* [A B S *al.*] (1)
— 46. *πρῶτος τῶν ᾀδόντων καὶ ὕμνον καὶ αἴνεσιν* (3+4)
— 47. S[1] *διδόντες . . . καὶ ὕμνον καὶ αἴνεσιν τῷ θεῷ* –
Ju. 15. 13. *μετὰ στεφάνων καὶ ὕμνων ἐν τῷ στόματι αὐ.* [S *al.*]
16. 13. *ὑμνήσω τῷ θεῷ μου ὕμνον καινόν*
Ps. 6. *tit. εἰς τὸ τέλος ἐν ὕμνοις* [A *om. ἐν ὕ.*] (2)
39 (40). 3. *ἐνέβαλεν εἰς τὸ στόμα μου ᾆσμα καινὸν ὕμνον τῷ θεῷ ἡμῶν* (4)
53 (54). *tit.*: 54 (55). *tit.*: 60 (61). *tit. εἰς τὸ τέλος ἐν ὕμνοις* (2)
64 (65). 1. *σοὶ πρέπει ὕμνος, ὁ θεὸς, ἐν Σιών* (4)
66 (67). *tit. εἰς τὸ τέλος ἐν ὕμνοις* (2)
71 (72). 20. *ἐξέλιπον οἱ ὕ. Δαυίδ* (5)
75 (76). *tit. εἰς τὸ τέλος ἐν ὕμνοις* (2)
99 (100). 4. A S *εἰς* [B *om.*] *τὰς αὐλὰς αὐτοῦ ἐν ὕμνοις* (4)
118 (119). 171. *ἐξερεύξαιντο τὰ χείλη μου ὕμνον* (4)
136 (137). 3. S[2] R *ὕμνον ᾄσατε* [A S[1] *ὑμνήσατε*] *ἡμῖν ἐκ τῶν ᾠδῶν Σιών* †
Ps. 148. 14. AB[2]SR *ὕμνος πᾶσι τοῖς ὁσίοις αὐτοῦ* (4)
Si. 44. 1. *πατέρων ὕμνος*
Is. 42. 10. *ὑμνήσατε τῷ κυρίῳ ὕμνον καινόν* (3)
I Ma. 4. 33. *αἰνεσάτωσάν σε . . . ἐν ὕμνοις*
13. 51. *εἰσῆλθεν . . . ἐν ὕμνοις*
II Ma. 1. 30. *ἐπέψαλλον τοὺς ὕ.*
10. 7. R *ὕμνους ἀνέφερον τῷ εὐοδώσαντι* [A *al.*]
— 38. *μεθ' ὕμνων . . . εὐλόγουν τῷ κ.*
12. 37. *καταρξάμενος . . . τὴν μεθ' ὕμνων κραυγήν*
III Ma. 7. 16. *ἐν . . . παμμελέσιν ὕ. εὐχαριστοῦντες τῷ θ.*
IV Ma. 10. 21. *τὴν γὰρ τῶν θείων ὕ. μελῳδὸν γλῶτταν ἐκτέμνεις*
[Aq. Ps. 21 (22). 4.]
[Sm. Ps. 21 (22). 4: 65 (66). 2, 8: 70 (71). 14: 103 (104). 1: 144 (145). 1: Is. 43. 21.]
[Th. Ps. 4. 1: 6. 1: 21 (22). 4.]
[Al. Ps. 148. 13.]

ὑμνῳδεῖν. (1) בַּשִּׁיר

I Ch. 25. 6. *πάντες οὗτοι . . . ὑμνῳδοῦντες* (1)

ὕνις.

[Sm. I Ki. 13. 20.]

ὑπάγειν. (1) הָלַךְ hi.

Ex. 14. 21. *ὑπήγαγεν κύριος τὴν θάλ.* (1)
To. 8. 21. S *ὕπαγε ὑγιαίνων πρὸς τὸν πατέρα σου* [A B *al.*]
10. 12. S *ὑγιαίνων ὕπαγε*
— 13. S *ὕπαγε πρὸς τὸν πενθερόν σου* [A B *al.*]
12. 5. S R *ὕπαγε ὑγιαίνων*
Je. 43 (36). 19. S[1] *μὴ γνώτω ποῦ ὑπάγεις* [A B S[2] *ὑμεῖς*] †
IV Ma. 4. 13. S *τούτοις ὑπαχθεὶς* [A R *ἐπ.*] *τοῖς λόγοις*

ὑπαγκώνιον.

[Sm. Ez. 13. 18.]

ὑπαγορεύειν.

I Es. 6. 30. *καθὼς ἂν οἱ ἱερεῖς οἱ ἐν Ἱερ. ὑπαγορεύσωσιν*

ὕπαιθρος. (1) גָּג

Pr. 21. 9. *κρεῖσσον οἰκεῖν ἐπὶ γωνίας ὑπαίθρου* (1)
II Ma. 15. 19. *ταρασσομένοις τῆς ἐν ὑπαίθρῳ προσβολῆς*

ὑπαίρειν. (1) נָשָׂא ni.

II Ch. 32. 23. A *ὑπήρθη* [B *ὑπερήρθη*] *κατ' ὀφθαλμοὺς πάντων τῶν ἐθνῶν* (1)

ὑπακοή. (1) עֲנָוָה

II Ki. 22. 36. *ἡ* [A *om.*] *ὑ. σου ἐπλήθυνέ με* (1)
[Aq. II Ki. 23. 23.]

ὑπακούειν. (1) אָזַן hi. (2) נָשַׁק (3) עָנָה
a. qal. *b.* hi. *c.* יֵשׁ עוֹנֶה (4) קָשַׁב hi.
(5) שִׂים טַעַם (6) שָׁלֵם hi. (7) שָׁמַע
a. qal. *b.* ni. *c.* מִשְׁמַעַת *d.* שָׁמַע ithp.
(8) c. neg. מָאֵן pi.

Ge. 16. 2. *ὑπήκουσε δὲ Ἀβ. τῆς φωνῆς αὐ.* (7 *a*)
22. 18. *ὑπήκουσας τῆς ἐμῆς φωνῆς* (7 *a*)
26. 5. *ὑπήκουσεν Ἀβ. . . . τῆς ἐμῆς φωνῆς* (7 *a*)
27. 13. A *ὑπάκουσόν* [R *ἐπ.*] *μου τῆς φωνῆς* (7 *a*)
39. 10. *οὐχ ὑπήκουεν αὐτῇ* (7 *a*)
41. 40. *ἐπὶ τῷ στόματί σου ὑπακούσεται* (2)
Le. 26. 14. *ἐὰν δὲ μὴ ὑπακούσητέ μου* (7 *a*)
— 18. *ἐὰν ἕως τούτου μὴ ὑπακούσητέ μου* (7 *a*)
— 21. *ἐὰν . . . μὴ βούλησθε ὑπακούειν μου* (7 *a*)
— 27. *ἐὰν δὲ ἐπὶ τούτοις μὴ ὑπακούσητέ μου* (7 *a*)
De. 17. 12. *ὥστε μὴ ὑπακοῦσαι τοῦ ἱερέως* (7 *a*)
20. 12. *ἐὰν δὲ μὴ ὑπακούσωσί σοι* (6)
21. 18. *υἱὸς . . . οὐχ ὑπακούων φωνὴν πατρός* (7 *a*)
— 20. *οὐχ ὑπακούει* [A *οὐκ ἀκ.*] *τῆς φωνῆς ἡμῶν* (7 *a*)
26. 14. A R *ὑπήκουσα* [B *ἐπ.*] *τῆς φωνῆς κ. τοῦ θ. ἡμῶν* (7 *a*)
— 17. *καὶ ὑπακούειν τῆς φωνῆς αὐ.* (7 *a*)
30. 2. A *καὶ ὑπακούσῃ* [B *εἰσακ.*] *τῆς φωνῆς αὐ.* (7 *a*)
Jo. 22. 2. R *ὑπηκούσατε τῆς φωνῆς μου* [A B *al.*] (7 *a*)
Jd. 2. 16 (17). *τῶν κριτῶν οὐχ ὑπήκουσαν* [A *οὐκ ἐπ.*] (7 *a*)
— 20. A *οὐχ ὑπήκουσαν τῆς φωνῆς μου* [A *al.*] (7 *a*)

I Ki. 30. 24. B τίς ὑπακούσεται [A R ἐπ.] ὑμῶν τῶν λόγων τ. (7 a)
II Ki. 22. 42. καὶ οὐχ ὑπήκουσεν αὐτῶν (3 a)
— 45. A εἰς ἀκοὴν ὠτίου ὑπήκουσάν [B ἤκ.] μου (7 b)
I Ch. 29. 23. A ὑπήκουσεν [R -αν, B ἐπήκουσαν] αὐτοῦ πᾶς Ἰσρ. (7 a)
II Ch. 11. 4. A ὑπήκουσαν [B ἐπ.] τοῦ λόγου κυρίου (7 a)
24. 19. καὶ οὐχ ὑπήκουσαν [A οὐκ ἤκ.] (1)
Ju. 14. 15. A ὡς δὲ οὐθεὶς ὑπήκουσεν [B S ἐπ.]
Es. 3. 4. οὐχ ὑπήκουεν [A S² -σεν] αὐτῶν (7 a)
— 4. A μὴ ὑπακούοντα τοῖς τοῦ βασ. λόγοις [B S al.] –
Jb. 5. 1. ἐπικάλεσαι δὲ εἴ τις σοι ὑπακούσεται [A σου εἰσακ.] (3 c)
9. 3. οὐ μὴ ὑπακούσῃ αὐτῷ (3 a)
— 14. ἐὰν δέ μου ὑπακούσεται [S -σηται, A εἰσακούσῃ] (3 a)
— 16. ἐάν τε καλέσω καὶ μὴ [A S om.] ὑπακούσῃ [A εἰσακ.] (3 a)
13. 22. ἐγὼ δέ σοι ὑπακούσομαι [A -κούω] (3 a)
14. 15. ἐγὼ δέ σοι ὑπακούσομαι (3 a)
19. 16. καὶ οὐχ ὑπήκουσε [A -αν] (3 a)
38. 34. A B καὶ τρόμῳ [A δρόμῳ] ὕδατος λάβρου [B -ῳ] ὑπακούσεταί [S ἐπακ.] σου †
Ps. 17 (18). 44. εἰς ἀκοὴν ὠτίου ὑπήκουσέ [S¹ -άν, A ἐπήκουσάς] μου (7 b)
Pr. 1. 24. A S καὶ οὐχ ὑπηκούετε [B -κούσατε] (8)
2. 2. ὑπακούσεται σοφίας τὸ οὖς σου (4)
8. 1. ἵνα φρόνησίς σοι ὑπακούσῃ †
15. 23. οὐ μὴ ὑπακούσῃ ὁ κακὸς [S² ἄκακος] αὐτῇ †
— 29. S εὐχαῖς δὲ δικαίων ὑπακούει [A B ἐπακ.] (7 a)
17. 4. κακὸς ὑπακούει γλώσσης [S² -ῃ] παρανόμων (4)
21. 13. A ὃς φράσσει τὰ ὦτα αὐτοῦ τοῦ μὴ ὑπακοῦσαι [B S ἐπακ.] ἀσθενοῦς †
22. 21. διδάσκω οὖν σε ἀληθῆ λόγον καὶ γνῶσιν ἀγαθὴν [A ἀληθῆ] ὑπακούειν †
28. 17. S² R οὐ μὴ ὑπακούσει [A -σῃ, B -σῃς, S¹ -σεις] ἔθνει παρανόμῳ –
29. 12. A R βασιλέως ὑπακούοντος [B S ἐπακ.] λόγον ἄδικον (4)
— 19. ἐὰν γὰρ καὶ νοήσῃ ἀλλ' [A om.] οὐχ ὑπακούσεται (3 b)
Ca. 3. 1, 2 (A). καὶ οὐχ ὑπήκουσέ μου –
5. 6. καὶ οὐχ ὑπήκουσέ [A οὐκ ἐπήκουσέν] μου (3 a)
Si. 4. 15. ὁ ὑπακούων [S εἰσακ.] αὐτῆς κρινεῖ ἔθνη
24. 22. ὁ ὑπακούων μου οὐκ αἰσχυνθήσεται [S¹ οὐ καταισχ.]
42. 23. καὶ πάντα ὑπακούει
Ma. 2. 2. A ἐὰν μὴ ὑπακούσητε [B S ἀκ.] (7 a)
Is. 11. 14. οἱ δὲ υἱοὶ Ἀ. πρῶτοι ὑπακούσονται (7 c)
29. 24. οἱ δὲ γογγύζοντες μαθήσονται ὑ. [S add. κυρίῳ] †
50. 2. οὐκ ἦν ὁ ὑπακούων [A οὐχ ὑπήκουσεν S¹ οὐκ ἦν ὁ ἐπακ.] (3 a)
— 10. ὑπακουσάτω [A ἀκ., S ἐπακ.] τῆς φωνῆς τοῦ παιδὸς αὐτοῦ (7 a)
65. 12. ἐκάλεσα ὑμᾶς καὶ οὐχ ὑπηκούσατε (3 a)
— 24. πρὶν ἢ κεκράξαι αὐτοὺς ἐγὼ ὑπακούσομαι [A S ἐπ.] αὐτῶν (3 a)
66. 4. ἐκάλεσα αὐτοὺς καὶ οὐχ ὑπήκουσάν μου [S¹ μοι] (3 a)
Je. 3. 13. τῆς δὲ φωνῆς μου οὐχ ὑπήκουσας [A οὐκ ἤκ.] (7 a)
— 25. οὐχ ὑπηκούσαμεν [A οὐκ ἠκ.] τῆς φωνῆς κυρίου (7 a)
11. 10. S οὐκ ἤθελον ὑπακοῦσαι τῶν λόγων [A B al.] (7 a)
13. 10. φθερῶ . . . τοὺς μὴ βουλομένους ὑ. τῶν λόγων μου (7 a)
16. 12. τοῦ μὴ ὑ. μου (7 a)
Ba. 3. 33. ὑπήκουσεν αὐτῷ τρόμῳ
Da. LXX. 3. (30). τῶν ἐντολῶν τοῦ νόμου σου οὐχ ὑπηκούσαμεν
Da. TH. 3. 12. οἱ οὐχ ὑπήκουσαν, βασιλεῦ, τῷ δόγματί σου (5)
7. 27. πᾶσαι αἱ ἀρχαὶ αὐτῷ . . . ὑπακούσονται (7 d)
I Ma. 10. 38. A S² R τοῦ μὴ ὑπακοῦσαι [S¹ ἐπ.] ἄλλης ἐξουσίας [S ἄλλῃ ἐξ.]
12. 43. ὑπακούειν αὐτῷ ὡσαύτως

II Ma. 1. 5. καὶ ὑπακούσαι ὑμῶν τῶν δεήσεων
7. 30. οὐχ ὑπακούω τοῦ προστάγματος τοῦ βασ.
[Aq. Ps. 17 (18). 45: Ho. 2. 15 (17).]
[Sm. Jb. 9. 3: Ps. 17 (18). 36, 45: 80 (81). 12: Is. 53. 7: Je. 13. 17.]
[Th. I Ki. 22. 14: Jb. 9. 3: Ps. 17 (18). 45: Da. 3. 12.]
[Al. Ge. 34. 17.]
[Quint., Sext. Ps. 17 (18). 45.]

ὑπαναχωρεῖν.
[Aq. Ge. 16. 6.]

ὕπανδρος. (1) תַּחַת אִישׁ

Nu. 5. 20. εἰ δὲ σὺ παραβέβηκας ὕπανδρος οὖσα (1)
— 29. ᾧ ἐὰν παραβῇ ἡ γυνὴ ὕπανδρος οὖσα (1)
Pr. 6. 24. τοῦ διαφυλάσσειν σε ἀπὸ γυναικὸς ὑ. †
— 29. ὁ εἰσελθὼν πρὸς γυναῖκα ὕπανδρον. †
Si. 9. 9. μετὰ ὑπάνδρου γυναικὸς μὴ κάθου τὸ σύνολον
41. 21. ἀπὸ κατανοήσεως γυναικὸς ὑπάνδρου
[Sm., Th. Is. 54. 1.]

ὑπανθεῖν (?).
Si. 12. 17. R κακὰ ἂν ὑπανθήσῃ [A B S -τήσῃ] σοι

ὑπαντᾶν. (1) קָרָה

To. 7. 1. A B καὶ Σάρρα δὲ ὑπήντησεν αὐτῷ
Ju. 7. 15. A οὐχ ὑπήντησαν [B S οὐκ ἀπ.] τῷ προσώπῳ σου
Wi. 6. 16. ἐν πάσῃ ἐπινοίᾳ ὑπαντᾷ [A S ἀπ.] αὐτοῖς
Si. 9. 3. μὴ ὑπάντα γυναικὶ ἑταιριζομένῃ
12. 17. κακὰ ἂν ὑπαντήσῃ σοι
15. 2. ὑπαντήσεται [A S -σει] αὐτῷ ὡς μήτηρ
Da. LXX. 10. 14. τί ὑπαντήσεται τῷ λαῷ σου (1)

ὑπάντησις. (1) פְּנִים (2) קָרָא

Jd. 11. 34. ἐξεπορεύετο εἰς ὑπάντησιν [A ἀπάντ. αὐτοῦ] (2)
I Ch. 14. 8. A ἐξῆλθεν εἰς ὑπάντησιν [B S ἀπ.] αὐτοῖς (1)
Ju. 2. 6. S ἐξελεύσῃ εἰς ὑπάντησιν πάσης τῆς γῆς [A B al.]
Pr. 7. 15. B¹ ἐξῆλθον εἰς ὑπάντησίν [A B² S R συνάντ.] σοι (2)
I Ma. 9. 39. S ἐξῆλθε . . . εἰς ὑπάντησιν [A R συνάντ.] αὐτῶν

ὕπαρ.
II Ma. 15. 11. R ὕπαρ [A ὑπέρ] τι πάντας εὔφρανεν

ὕπαρξις. (1) הוֹן (2) יֵשׁ (3) מְקֻנָה (4) רְכוּשׁ

II Ch. 35. 7. ταῦτα ἀπὸ τῆς ὑ. τοῦ βασ. (4)
II Es. 10. 8. ἀναθεματισθήσεται πᾶσα ἡ ὕ. αὐ. (4)
Ju. 16. 21. κατέμεινεν ἐπὶ τῆς ὑ. αὐ.
Ps. 77 (78). 48. καὶ τὴν ὕ. αὐτῶν τῷ πυρί (3)
Pr. 8. 21. ἵνα μερίσω τοῖς ἐμὲ ἀγαπῶσιν ὕπαρξιν (2)
13. 11. ὕπαρξις ἐπισπουδαζομένη μετὰ ἀνομίας ἐλάσσων γίνεται (1)
18. 11. ὕπαρξις [A -εις] πλουσίου ἀνδρὸς πόλις ὀχυρά (1)
19. 14. οἶκον καὶ ὕπαρξιν μερίζουσι πατέρες παισί (1)
Je. 9. 10 (9). οὐκ ἤκουσαν φωνὴν ὑπάρξεως (3)
Da. TH. 11. 13. ἐπελεύσεται εἰσόδια . . . ἐν ὑ. πολλῇ (4)
— 24. σκῦλα καὶ ὕπαρξιν αὐτοῖς διασκορπιεῖ (4)
— 28. ἐπιστρέψει . . . ἐν ὑ. πολλῇ (4)
I Ma. 12. 23. ἡ ὕ. ὑμῶν ἡμῖν ἐστι
[Aq. Pr. 1. 13: 8. 18: Ca. 8. 7.]
[Sm. Ge. 14. 21: Ps. 43 (44). 13: Ez. 27. 27: 38. 12 (Sw.).]
[Th. Pr. 1. 13: 8. 18.]
[Al. Ps. 43 (44). 13.]

ὑπάρχειν. (1) הָיָה (2) יֵשׁ (3) לִין (4) τὸ ὑπάρχον, (τὰ) ὑπάρχοντα a. אוֹן b. אֲשֶׁר יִהְיֶה c. אֲשֶׁר יֶשׁ־לְ d. אֲשֶׁר לְ e. הוֹן f. חֵיל g. מָה h. מִקְנָה i. נְכָסִים j. נִכְסִין k. קִנְיָן l. רְכוּשׁ, רְכֶשׁ m. רְכֻלָּה (5) οὐχ ὑπάρχων אֵינֶנּוּ

Ge. 12. 5. ἔλαβεν . . . πάντα τὰ ὑπάρχοντα αὐτῶν (4 l)
13. 6. ἦν τὰ ὑπάρχοντα αὐ. πολλά (4 l)
14. 16. R καὶ πάντα τὰ ὑπάρχοντα αὐ. καὶ τὰς γυναῖκας (4 l)

Ge. 24. 59. ἐξέπεμψαν . . . τὰ ὑπάρχοντα αὐ. †
25. 5. ἔδωκε δὲ Ἀβ. πάντα τὰ ὑπάρχοντα αὐ. Ἰ. (4 d)
31. 18. ἀπήγαγε πάντα τὰ ὑπάρχοντα αὐ. (4 h)
34. 23. A¹ τὰ ὑπάρχοντα καὶ τὰ τετράποδα αὐ. καὶ τὰ ὑπάρχοντα αὐ. [A² R om. κ. τὰ ὑ. αὐ.] οὐχ ἡμῶν ἔσται (4 k, –)
36. 6. ἔλαβε δὲ Ἠ. . . . πάντα τὰ ὑπάρχοντα (4 h)
— 7. ἦν γὰρ αὐτῶν τὰ ὑπάρχοντα πολλά (4 l)
— 7. ἀπὸ τοῦ πλήθους τῶν ὑπαρχόντων αὐτῶν (4 h)
39. 5. ἐγενήθη εὐλογία κυρίου ἐπὶ πᾶσι τοῖς ὑπάρχουσιν αὐτῷ (4 c)
42. 13. ὁ δὲ ἕτερος οὐχ ὑπάρχει –
— 32. ὁ εἷς οὐχ ὑπάρχει –
45. 11. οἱ υἱοί σου καὶ πάντα τὰ ὑπάρχοντά σου (4 d)
— 18. παραλαβόντες . . . τὰ ὑπάρχοντα ὑμῶν †
46. 6. ἀναλαβόντες τὰ ὑπάρχοντα αὐ. (4 h)
47. 18. εἰ γὰρ ἐκλέλοιπε . . . τὰ ὑπάρχοντα (4 h)
Ex. 14. 11. παρὰ τὸ μὴ ὑπάρχειν μνήματα –
22. 3 (2). ἐὰν δὲ μὴ ὑπάρχῃ αὐτῷ –
32. 24. εἴ [A om.] τινι ὑπάρχει χρυσία –
Nu. 32. 4. τοῖς παισί σου κτήνη ὑπάρχει –
De. 20. 14. ὅσα ἂν ὑπάρχῃ ἐν τῇ πόλει (1)
21. 16. ᾗ ἂν ἡμέρᾳ κατακληρονομῇ . . . τὰ ὑπάρχοντα αὐ. (4 b)
Jo. 4. 6. ἵνα ὑπάρχωσιν ὑμῖν οὗτοι εἰς σημεῖον (1)
5. 11 (12). οὐκέτι ὑπῆρχε τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. μάννα (1)
7. 24. ἀνήγαγεν αὐτὸν . . . καὶ πάντα τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ (4 d)
Jd. 19. 19. A χορτάσματα ὑπάρχει [B ἐστι] τοῖς ὄνοις ἡμῶν (2)
— 19. A οἶνος ὑπάρχει [B ἐστίν] μοι (2)
Ru. 2. 21. ὃς ὑπάρχει μοι –
4. 9. καὶ πάντα ὅσα ὑπάρχει τῷ Χ. –
I Ki. 9. 7. εἰσενεγκεῖν τῷ ἀνθρώπῳ τοῦ θ. τὸ ὑπάρχον ἡμῖν (4 g)
I Ch. 27. 31. πάντες οὗτοι προστάται ὑπαρχόντων Δ. (4 l)
28. 1. καὶ τοὺς ἐπὶ τῶν ὑπαρχόντων αὐ. (4 h)
II Ch. 15. 17. ἔτι ὑπῆρχεν ἐν τῷ Ἰσρ. –
20. 33. τὰ ὕψηλὰ ἔτι ὑπῆρχε †
26. 10. κτήνη πολλὰ ὑπῆρχεν [A -ον] αὐτῷ (1)
31. 3. μερὶς τοῦ βασ. ἐκ τῶν ὑπαρχόντων αὐ. (4 l)
I Es. 4. 50. πᾶσαν τὴν χώραν . . . ἀφορολόγητον αὐτοῖς ὑπάρχειν
— 53. ὑπάρχειν τὴν ἐλευθερίαν αὐτοῖς
6. 32. καὶ τὰ ὑπάρχοντα αὐ. εἶναι βασιλικά
II Es. 6. 8. ἀπὸ ὑπαρχόντων βασιλέως . . . δαπάνη ἔστω (4 j)
To. 1. 20. πάντα τὰ ὑπάρχοντά μου [S π. ὅσα ὑπῆρχέν μοι]
3. 5. S πολλαί σου αἱ κρίσεις ὑπάρχουσιν [A B εἰσὶν] ἀληθιναί
— 10. S μία σοὶ ὑπῆρχεν θυγάτηρ ἀγαπητή [A B al.]
— 15. οὐχ ὑπάρχει αὐτῷ παιδίον [S ἕτερον τέκνον]
— 15. A B οὐδὲ ὑπάρχων αὐτῷ υἱός
— 15. S οὔτε συγγενὴς αὐτῷ ὑπάρχει
4. 7. B ἐκ τῶν ὑπαρχόντων σοι [A σου] ποίει ἐλεημοσύνην
— 8. A B ὡς σοὶ ὑπάρχει κατὰ τὸ πλῆθος
— 8. A B ἐὰν ὀλίγον σοι ὑπάρχῃ
— 21. ὑπάρχει σοι πολλά [S add. ἀγαθά]
5. 9. S τί μοι ἔτι ὑπάρχει χαίρειν
— 19. τοῦτο ἱκανὸν ἡμῖν ὑπάρχει [S om.]
6. 10. S υἱὸς ἄρσην οὐδὲ θυγάτηρ ὑπάρχει αὐτῷ
— 14. υἱὸς ἕτερος οὐχ ὑπάρχει αὐτοῖς
8. 21. S ὅσα μοι ὑπάρχει
— 21. A B λαβόντα τὸ ἥμισυ τῶν ὑπαρχόντων αὐ. [S al.]
10. 4. S οὐκέτι ὑπάρχει ἐν τοῖς ζῶσιν
— 11. ἔδωκεν αὐτῷ . . . τὰ ἥμισυ τῶν ὑπαρχόντων [S al.]
12. 2. S διδοὺς αὐτῷ τὸ ἥμισυ τῶν ὑπαρχόντων [A B om. τ. ὑ.]
Ju. 8. 10. τὴν ἐφεστῶσαν πᾶσι τοῖς ὑπάρχουσιν αὐ.
16. 24. διείλε τὰ ὑπάρχοντα αὐ.
Es. 3. 8. ὑπάρχει ἔθνος διεσπαρμένον (2)
— 13. διαρπάσαι τὰ [S² καὶ τὰ] ὑπάρχοντα αὐ.
8. 1. ὅσα ὑπῆρχεν Ἀ. τῷ διαβόλῳ †
— 7. εἰ πάντα τὰ ὑπάρχοντα Ἀ. ἔδωκα †
Jb. 2. 3. σὺ δὲ εἶπας τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ διὰ κενῆς ἀπολέσαι –
— 4. ὅσα ὑπάρχει ἀνθρώπῳ –
15. 29. οὔτε μὴ μείνῃ αὐτοῦ τὰ ὑπάρχοντα (4 f)
17. 2. A B S² ἔκλεψαν δέ μου τὰ ὑπάρχοντα ἀλλότριοι –

Jb. 18. 7. θηρεύσαισαν ἐλάχιστοι τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ (4 a)
— 17. ὑπάρχει ὄνομα αὐτῷ ἐπὶ πρόσωπον ἐξωτέρω –
20. 20. οὐκ ἔστιν αὐτοῦ [A ἔστη αὐτῷ] σωτηρία τοῖς ὑπάρχουσιν [A ἐν τοῖς ὑ. αὐτοῦ] †
— 29. κτῆμα ὑπαρχόντων αὐτῷ [A -οῦ] παρὰ τοῦ ἐπισκόπου †
21. 19. ἐκλείποι υἱοὺς [A -οῖς] τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ (4 a)
29. 12. A ὀρφανῷ ᾧ οὐχ ὑπῆρχεν [B S οὐκ ἦν] βοηθὸς ἐβοήθησα –
38. 26. ἔρημον οὗ οὐχ ὑπάρχει ἄνθρωπος ἐν αὐτῇ –
42. 18. Ἀσὼμ ὁ ὑπάρχων ἡγεμὼν ἐκ τῆς Θαιμανίτιδος χώρας –
Ps. 36 (37). 10. οὐ μὴ ὑπάρξῃ [A -ει ὁ] ἁμαρτωλός –
38 (39). 13. οὐκέτι μὴ ὑπάρξω –
54 (55). 19. ταπεινώσει αὐτοὺς ὁ ὑπάρχων πρὸ τῶν αἰώνων †
58 (59). 13. οὐ μὴ ὑπάρξουσι [S -ωσιν] –
68 (69). 20. ὑπέμεινα συλλυπούμενον καὶ οὐχ ὑπῆρξε [S¹ -χεν] –
71 (72). 12. πένητα ᾧ οὐχ ὑπῆρχε βοηθός –
72 (73). 25. τί γάρ μοι ὑπάρχει ἐν τῷ οὐρανῷ –
102 (103). 16. καὶ οὐχ ὑπάρξει –
103 (104). 33. A² B S ψαλῶ τῷ θεῷ μου ἕως ὑπάρχω –
— 35. καὶ ἄνομοι ὥστε μὴ ὑπάρξειν αὐτούς –
108 (109). 11. ὅσα ὑπάρχει αὐτῷ –
— 12. μὴ ὑπαρξάτω αὐτῷ ἀντιλήπτωρ (1)
145 (146). 2. ψαλῶ τῷ θεῷ μου ἕως ὑπάρχω –
Pr. 5. 17. A S R ἔστω σοι μόνῳ [B μόνα] ὑπάρχοντα –
6. 7. ἐκείνῳ [A S² -ου] γὰρ γεωργίου μὴ ὑπάρχοντος –
— 31. πάντα τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ δούς (4 e)
8. 18. πλοῦτος καὶ δόξα ἐμοὶ ὑπάρχει –
11. 4. A οὐκ ὠφελήσει ὑπάρχοντα ἐν ἡμέρᾳ θυμοῦ (4 e)
— 14. οἷς μὴ ὑπάρχει κυβέρνησις –
— 14. σωτηρία δὲ ὑπάρχει ἐν πολλῇ βουλῇ –
17. 16. ἵνα τί ὑπῆρξε χρήματα ἄφρονι –
— 17. εἰς πάντα καιρὸν φίλος ὑπαρχέτω σοι –
19. 1 (4). ὁ δὲ πτωχὸς καὶ ἀπὸ τοῦ ὑπάρχοντος φίλου λείπεται –
29. 7. πτωχῷ οὐχ ὑπάρχει νοῦς ἐπιγνώμων –
— 18. οὐ μὴ ὑπάρξῃ [A -ει] ἐξηγητὴς ἔθνει παρανόμῳ –
Ec. 5. 18. ἔδωκεν αὐτῷ ὁ θεὸς πλοῦτον καὶ ὑπάρχοντα (4 i)
6. 2. δώσει αὐτῷ ὁ θεὸς πλοῦτον καὶ ὑπάρχοντα (4 i)
Wi. 2. 2. ἐσόμεθα ὡς οὐχ ὑπάρξαντες [S² -χοντες]
Si. 20. 16. οὐχ ὑπάρχει μοι [A am.] φίλος
38. 11. λίπαναν προσφορὰν ὡς μὴ ὑπάρχων
41. 1. ἀνθρώπῳ εἰρηνεύοντι ἐν τοῖς ὑπάρχουσιν αὐτοῦ [S -ῷ]
44. 9. ἀπώλοντο ὡς οὐχ ὑπάρξαντες [S¹ -οντες]
Am. 5. 5. Βαιθὴλ ἔσται ὡς οὐχ ὑπάρχουσα (5)
6. 10. εἰ ἔτι ὑπάρχει παρὰ σοί –
Mi. 5. 4 (3). ἐν τῇ δόξῃ ὀνόματος κ. θεοῦ αὐ. ὑπάρξουσι †
7. 1. οὐχ ὑπάρχοντος βότρυας –
— 2. κατορθῶν ἐν ἀνθρώποις οὐχ ὑπάρχει –
Jl. 1. 18. οὐχ ὑπῆρχε νομὴ αὐτοῖς –
Ob. 1. 16. ἔσονται καθὼς οὐχ ὑπάρχοντες (1)
Hb. 3. 17. οὐχ ὑπάρχουσι βόες ἐπὶ φάτναις –
Ze. 3. 6. παρὰ τὸ μηδένα ὑπάρχειν μηδὲ κατοικεῖν –
Hg. 2. 4 (3). καθὼς οὐχ ὑπάρχοντα ἐνώπιον ὑμῶν –
Za. 8. 10. ὁ μισθὸς τῶν κτηνῶν οὐχ ὑπάρξει –
Ma. 1. 14. καὶ ὑπῆρχεν [A add. αὐτῷ] ἐν τῷ ποιμνίῳ αὐ. ἄρσεν (2)
Is. 59. 10. ὡς οὐχ ὑπαρχόντων ὀφθαλμῶν ψηλαφήσουσι –
Je. 4. 14. ἕως πότε ὑπάρχουσιν [A -άρξ.] ἐν σοὶ διαλογισμοί [B² S λ.] (3)
5. 13. λόγος κυρίου οὐχ ὑπῆρχεν ἐν αὐτοῖς –
7. 32. διὰ τὸ μὴ ὑ. τόπον –
26 (46). 19. διὰ τὸ μὴ ὑ. κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ –
27 (50). 20. οὐχ ὑπάρξει –
Ba. 4. 1. ὁ νόμος ὁ ὑπάρχων εἰς τὸν αἰῶνα
La. 1. 2. οὐχ ὑπάρχει ὁ παρακαλῶν αὐτήν –
5. 3. οὐχ ὑπάρχει πατήρ –
— 7. οὐχ ὑπάρχουσιν –
Ep. Je. 17. τοιοῦτοι ὑπάρχουσιν οἱ θεοὶ αὐτῶν
— 40. πῶς νομιστέον . . . αὐτοὺς ὑ. θεούς
— 44. πῶς . . . κλητέον ὡς [A ὥστε] θεοὺς αὐτοὺς ὑ.
— 50. ὑπάρχοντα γὰρ ξύλινα . . . γνωσθήσεται
Ep. Je. 64. οὔτε κλητέον [A ἐκδεκτ.] ὑ. αὐτοὺς θεούς
Ez. 16. 49. τοῦτο ὑπῆρχεν αὐτῇ (1)
26. 12. σκυλεύσει τὰ ὑπάρχοντά [A τὸν πλοῦτόν] σου (4 m)
— 21. οὐχ ὑπάρξεις ἔτι –
28. 19. οὐχ ὑπάρξεις ἔτι εἰς τὸν αἰῶνα –
38. 11. ἐν ᾗ [A αἷς] οὐχ ὑπάρχει τεῖχος –
Da. LXX. 2. 5. ἀναληφθήσεται ὑμῶν τὰ ὑπάρχοντα εἰς τὸ βασιλικόν †
I Ma. 13. 38. τὰ ὀχυρώματα . . . ὑπαρχέτω ὑμῖν
II Ma. 11. 13. οὐκ ἄνους δὲ ὑπάρχων
— 30. ὑπάρξει δεξιὰ μετὰ τῆς ἀδείας
12. 27. βελῶν πολλαὶ παραθέσεις ὑπῆρχον
14. 35. τῶν ὅλων ἀπροσδεὴς ὑπάρχων
— 45. ἔτι δὲ ἔμπνους ὑπάρχων
III Ma. 7. 21. ὑπὸ μηδενὸς διασεισθέντες τῶν ὑπαρχόντων
IV Ma. 4. 12. ὥστε καὶ ἀποθανεῖν ἄξιος ὑπάρχειν
15. 5. ὅσῳ γὰρ . . . πολυγονώτεραι ὑπάρχουσιν αἱ μητέρες
[Aq. Ge. 12. 5 (P.): Jb. 7. 8: 23. 8: Ps. 58 (59). 14: Is. 28. 8: Je. 19. 11: 44 (51). 22: 50 (27). 20.]
[Sm. Jb. 7. 21: 40. 4 (9): Ps. 38 (39). 14: 62 (63). 2: 68 (69). 21: 72 (73). 19: 102 (103). 16: 108 (109). 11: Is. 28. 8: 45. 14: 57. 1: La. 1. 2: Da. 9. 26.]
[Th. Jb. 18. 17: Is. 5. 8: 28. 8: 57. 1: Je. 19. 11: 39 (46). 10: 44 (51). 22: 50 (27). 20: Ez. 27. 36.]
[Al. Hb. 3. 4, 17.]

ὕπαρχος.
I Es. 6. 27. B ἐᾶσαι δὲ τὸν παῖδα κυρίου Ζορ. ὕπαρχον [A R ἔπ.] δὲ τῆς Ἰ.
[Sm. Ps. 2. 2: Da. 2. 48 (Sw.).]
[Al. Jd. 5. 3.]

ὑπασπιστής.
IV Ma. 3. 12. S τῶν ὑ. [A R ὑπερασπ.] . . . σχετλιαζόντων
9. 11. S R τὸν πρεσβύτατον αὐτῶν . . . παρήγαγον οἱ ὑ. [A μαστισταί]

ὕπατος. (1) אֲרַרְנִוְרִין (2) אֲחַשְׁדַּרְפְּנִין (3) הַדְּבָרִין (4) סְגַן
I Es. 3. 14. ἐκάλεσε . . . τοὺς . . . ὑ.
Da. LXX. 3. 2. ἐπισυναγαγεῖν . . . τοπάρχας καὶ ὑπάτους (1)
— 3. τότε συνήχθησαν ὕπατοι (2)
— 27 (94). συνήχθησαν οἱ ὕ. (2)
Da. TH. 3. 2. ἀπέστειλε συναγαγεῖν τοὺς ὑ. (2)
— 3. συνήχθησαν οἱ τοπάρχαι ὕπατοι (4)
6. 7 (8). συνεβουλεύσαντο πάντες . . . ὕπατοι (3)
I Ma. 15. 16. Λεύκιος ὕπατος Ῥωμαίων Πτολεμαίῳ
II Ma. 10. 10. τὰ κατὰ τὸν ὕ. Ἀντίοχον

ὑπαυχένιον.
[Sm. Ez. 13. 18.]

ὑπείκειν.
IV Ma. 6. 35. μηδὲ αὐταῖς ὑπείκειν

ὑπεκρεῖν.
III Ma. 5. 34. ὁ καθ' εἷς δὲ τῶν φίλων σκυθρωπῶς ὑπεκρέων

ὑπεναντίος. (1) אֹיֵב (2) צַר (3) קוּם (4) שָׂנֵא
Ge. 22. 17. κληρονομήσει . . . τὰς πόλεις τῶν ὑ. (1)
24. 60. κληρονομησάτω . . . τὰς πόλεις τῶν ὑ. (4)
Ex. 1. 10. προστεθήσονται καὶ οὗτοι πρὸς τοὺς ὑ. (4)
15. 7. συνέτριψας τοὺς ὑ. (3)
23. 27. δώσω πάντας τοὺς ὑ. σου φυγάδας (1)
32. 25. ἐπίχαρμα τοῖς ὑ. αὐ. (3)
Le. 26. 16. καὶ ἔδονται οἱ ὑ. ὑμῶν (1)
Nu. 10. 9. ἐὰν δὲ ἐξέλθητε εἰς πόλεμον . . . πρὸς τοὺς ὑ. (2)
De. 32. 27. ἵνα μὴ συνεπιθῶνται οἱ ὑ. (2)
Jo. 5. 12 (13). ἡμέτερος εἶ ἢ τῶν ὑ. (2)
II Ch. 1. 11. οὐκ ᾐτήσω . . . τὴν ψυχὴν τῶν ὑ. (4)
20. 29. ἐπολέμησε κύριος πρὸς τοὺς ὑ. Ἰσρ. (1)
26. 13. βοηθῆσαι τῷ βασ. ἐπὶ τοὺς ὑ. (1)
Ju. 5. 18. ἐκρατήθησαν ὑπὸ τῶν ὑ.
Es. 8. 13. πολεμῆσαι αὐτῶν τοὺς ὑ. (1)
Jb. 13. 24. ἥγησαι δέ με ὑπεναντίον [A ὥσπερ ὑ.] σοι [A S¹ σου] (1)
Jb. 33. 10. ἥγηται δέ με ὥσπερ ὑπεναντίον (1)
Ps. 73 (74). 10. παροξυνεῖ ὁ ὑ. τὸ ὄνομά σου (1)
Wi. 11. 8. A S R δείξας . . . πῶς τοὺς ὑ. [B τοῦ ὑ.] ἐκόλασας
18. 8. ὡς γὰρ ἐτιμωρήσω τοὺς ὑ.
Si. 23. 3. πεσοῦμαι ἔναντι τῶν ὑ.
47. 7. ἐξουδένωσε Φυλιστιείμ τοὺς ὑ.
Na. 1. 2. ἐκδικῶν κύριος τοὺς ὑ. αὐ. (2)
Is. 1. 24. παύσεται γάρ μου ὁ θυμὸς ἐν τοῖς ὑ. (2)
26. 11. πῦρ τοὺς ὑ. ἔδεται (2)
59. 18. ὡς ἀνταποδώσων ἀνταπόδοσιν ὄνειδος τοῖς ὑ. (2+1)
63. 18. A οἱ ὑ. ἡμῶν κατεπάτησαν τὸ ἁγίασμά σου (2)
64. 2 (1). κατακαύσει πῦρ τοὺς ὑ. καὶ φανερὸν ἔσται τὸ ὄνομά σου [A S κυρίου] ἐν τοῖς ὑ. (–, 2)
Ba. 4. 6. παρεδόθητε τοῖς ὑ.
La. 2. 4. ἐνέτεινε τόξον αὐτοῦ ὡς ἐχθρὸς ὑ. [S om.] ἐστερέωσεν δεξιὰν αὐτοῦ ὡς ὑ. (1, 2)
I Ma. 9. 8. A ἀναβῶμεν ἐπὶ τοὺς ὑ. ἡμῖν [S R -ῶν]
12. 28. ἤκουσαν οἱ ὑ.
14. 29. ἀντέστησαν τοῖς ὑ. τοῦ ἔθνους αὐ.
16. 7. ἡ δὲ ἵππος τῶν ὑ. πολλὴ σφόδρα
II Ma. 10. 29. ἐφάνησαν τοῖς ὑ. . . . πέντε ἄνδρες διαπρεπεῖς
— 30. R εἰς δὲ τοὺς ὑ. . . . ἐξερρίπτουν [A al.]
15. 16. δι' ἧς θραύσεις τοὺς ὑ.
III Ma. 6. 6. φλόγα πᾶσιν ἐπιπέμψας τοῖς ὑ.
— 19. τὴν δύναμιν τῶν ὑ. ἐπλήρωσαν ταραχῆς [Al. Is. 63. 18.]

ὑπενδιδόναι.
[Sm. Ez. 3. 9.]

ὑπεξαιρεῖσθαι. (1) חָשַׂךְ
Ge. 39. 9. R οὐδὲ ὑπεξῄρηται [A -είρ.] ἀπ' ἐμοῦ οὐδέν (1)
[Aq. Jb. 21. 30.]

ὑπεξερεῖσθαι (?). (1) חָשַׂךְ
Ge. 39. 9. A οὐδὲ ὑπεξείρηται [R -ήρ.] ἀπ' ἐμοῦ οὐδέν (1)

ὑπέρ. I. *c. gen.* * ὁ ὑπέρ ** ὑπὲρ οὗ.
De. 24. 16 *bis*: 28. 23*.
Jd. 6. 31†: 9. 17.
I Ki. 1. 27: 2. 25, 25†: 4. 21 *ter*: 10. 2: 12. 19†: 21. 2 (3)**.
II Ki. 1. 19†: 3. 8: 6. 8**†: 7. 19, 28: 8. 10**: 10. 5, 12: 18. 5†.
III Ki. 4. 33 (5. 13)†: 8. 53: 9. 26**: 11. 10: 12. 24† *bis*: 14. 5†: 16. 7, 19: 20 (21). 27.
IV Ki. 10. 3: 14. 6 *bis*: 19. 34: 20. 6: 22. 13**.
I Ch. 16. 21†: 18. 10**: 29. 9.
II Ch. 25. 4 *bis*: 30. 19: 31. 9.
I Es. 1. 32: 4. 49: 6. 31: 7. 8: 8. 65†, 66: 9. 2†, 20.
II Es. 5. 5: 6. 17†, 17: 9. 6.
To. 1. 2†: 6. 15†: 7. 8†.
Ju. 5. 21†: 8. 12: 15. 4.
Es. 1. 1: 2. 23: 4. 8.
Jb. 1. 5†: 2. 4†, 4: 24. 5, 22†: 29. 3: 37. 1†: 42. 8†.
Ps. 5. *tit.*: 6. *tit.*: 7. *tit.*, 7: 8. *tit.*: 9. *tit.*: 11 (12). *tit.*: 21 (22). *tit.*: 31 (32). 6: 37 (38). 18: 38 (39). 11: 44 (45). *tit.*†, *tit.*: 45 (46). *tit.*† *bis*: 46 (47). *tit.*†: 52 (53). *tit.*: 55 (56). *tit.*, 7: 61 (62). *tit.*: 68 (69). *tit.*: 76 (77). *tit.*: 79 (80). *tit.*, *tit.*†: 80 (81). *tit.*: 83 (84). 1: 87 (88). *tit.*: 104 (105). 14: 137 (138). 8.
Ec. 1. 13†.
Wi. 16. 24.
Si. *prol.* 3: 4. 28: 24. 20: 29. 13, 15: 51. 9†.
Am. 1. 1.
Mi. 1. 1: 6. 7†, 7.
Jl. 1. 3, 11: 3 (4). 2.
Jn. 4. 6, 10 *bis*, 11.
Na. 1. 14†.
Za. 11. 13: 12. 8.
Is. 31. 5: 35. 10: 37. 35: 38. 6: 43. 3, 4 *bis*: 61. 7.
Je. 6. 1: 7. 16†: 11. 14†: 18. 20: 19. 8: 47 (40). 16†: 49 (42). 4†.
La. 4. 7†.

Ez. 1. 22, 25, 26* †: 10. 1: 24. 21: 40. 39*, 39* †: 43. 21* †, 22, 25: 44. 29* *bis*: 45. 17*, 17, 22, 22†, 22 *bis*, 23, 25*: 46. 20* *bis*.
Da. LXX. 7. 16: 9. 20: 10. 21.
Da. TH. 2. 18: 10. 21†.
I Ma. 2. 40, 50: 3. 26: 5. 32: 7. 33: 8. 32†: 9. 44†: 16. 3.
II Ma. 1. 26: 2. 21: 3. 32: 4. 11, 36, 48†: 6. 28: 7. 9: 8. 21: 9. 8* †: 11. 20, 35: 12. 43, 44: 13. 25†: 14. 8, 18†, 27, 38: 15. 30.
III Ma. 1. 23†: 6. 22: 7. 6.
IV Ma. 1. 8†, 10: 4. 1: 5. 38†: 6. 22, 28†: 9. 18: 10. 20: 11. 2*, 15: 14. 6*: 15. 11†, 12†, 26†, 32*†: 16. 13, 16 *bis*: 18. 22.
[**Aq.** III Ki. 14. 5: Jb. 36. 33: Ps. 8. 1: 11 (12). 1: 21 (22). 1: 38 (39). 1: 49 (50). 23: 55 (56). 1: 79 (80). 1: 137 (138). 8: Je. 8. 3 (Sw.): Za. 11. 13.]
[**Sm.** II Ki. 14. 20: 21. 2: III Ki. 11. 36: Jb. 2. 4 *bis*: 13. 7: 19. 29: 24. 25: Ps. 8. 1: 21 (22). 1: 27 (28). 7: 29 (30). 1: 38 (39). 1: 39 (40). 6*: 44 (45). 1: 45 (46). 1: 49 (50). 23: 55 (56). 1: 58 (59). 5: 59 (60). 1: 65 (66). 5: 68 (69). 1: 79 (80). 1: 89 (90). 13, 17: 93 (94). 16 *bis*: 118 (119). 71: 137 (138). 8: Ec. 3. 15: Ca. 8. 7, 11: Is. 2. 1 *bis*: 55. 2 *bis*: Je. 7. 16: 15. 11, 13: 17. 26: 42 (49). 2: La. 1. 11: Ez. 13. 5: 17. 14: 29. 18: Da. 2. 18 (Sw.).]
[**Th.** Ps. 8. 1: 9. 1: 11 (12). 1: 38 (39). 1: 44 (45). 1: 52 (53). 1: 55 (56). 1: Je. 6. 1: Ez. 1. 26*: 42. 6: Da. 6. 12†: Hb. 3. 1.]
[**Al.** Dt. 8. 10: IV Ki. 10. 16: Jb. 42. 8: Ps. 138 (139). 6.]
[**Quint.** Ps. 9. 1: 52 (53). 1: 55 (56). 1, 8.]

II. *c. acc.*

Ge. 48. 22: 49. 12†, 26†.
Ex. 1. 9.
De. 10. 1†: 25. 3: 30. 5.
Jd. 1. 13†: 2. 19: 3. 9†: 11. 25†: 15. 2*: 16. 30†: 18. 26†.
Ru. 1. 13: 3. 10, 12: 4. 15.
I Ki. 1. 5, 8: 2. 29: 9. 2 *bis*: 10. 23: 15. 22 *bis*, 28: 17. 50†: 24. 18.
II Ki. 1. 23 *bis*, 26: 6. 21 *bis*: 10. 11 *bis*: 13. 14, 15, 16: 17. 14: 18. 8: 19. 7 (8), 43 (44) *bis*: 20. 6: 22. 18.
III Ki. 1. 37, 47 *bis*: 2. 22, 32: 3. 1 (4. 30)†, 1 (4. 30): 4. 30 (5. 10) *bis*, 31 (5. 11) *bis*: 10. 23: 12. 10†, 24†: 16. 25, 30, 33: 19. 4: 20 (21). 2: 21 (20). 23 *bis*, 25.
IV Ki. 3. 26: 5. 12: 6. 16: 17. 14: 21. 9.
I Ch. 4. 9: 11. 21, 22, 25: 19. 12 *bis*.
II Ch. 9. 22: 11. 21: 21. 13: 33. 9.
I Es. 1. 49: 3. 12: 8. 75.
Es. 4. 13†.
Jb. 28. 18.
Ps. 17 (18). 17: 18 (19). 10 *bis*: 36 (37). 16: 37 (38). 19: 39 (40). 5, 12: 50 (51). 7: 51 (52). 3 *bis*: 54 (55). 21: 62 (63). 3: 65 (66). 5: 68 (69). 4, 31: 71 (72). 16: 83 (84). 10: 86 (87). 2: 96 (97). 9†: 104 (105). 24: 118 (119). 72, 98, 99, 100, 103, 127: 130 (131). 1: 138 (139). 18: 141 (142). 6.
Pr. 8. 10: 16. 16: 22. 1.
Ec. 2. 7 (εἰς ὑπέρτ), 13 *bis*: 4. 2, 3†, 6, 9, 13, 17: 6. 3, 5, 8, 9, 10: 7. 2 (1) *bis*, 4 (3), 6 (5), 9 (8) *bis*, 11 (10), 20 (19), 25 (24), 27 (26): 9. 4, 16, 17, 18: 10. 1.
Ca. 1. 2, 3, 4: 4. 10.
Wi. 7. 10, 29: 15. 14: 16. 19.
Si. 7. 19: 8. 13: 13. 2: 18. 17: 22. 11, 14: 24. 20: 25. 10, 11, 15 *bis*: 26. 5: 29. 13 *bis*: 30. 16, 17: 36. 27 (24): 40. 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27: 49. 16.
Jl. 1. 8.
Na. 2. 9 (10)†: 3. 14, 16†.
Hb. 1. 8 *bis*.
Hg. 2. 10 (9).
Is. 57. 9.
Je. 5. 3: 7. 26: 15. 8: 16. 12: 17. 23: 26 (46). 23.
La. 4. 6, 7 *bis*, 7†, 8, 19.
Ez. 5. 1: 16. 51, 52 *bis*: 23. 11†, 11.
Da. LXX. 1. 20: 2. 30: 3. 22: 4. 19, 19†: 6. 3 (4): 7. 24.
Da. TH. Su. 39: 1. 15: 6. 3 (4): 11. 8, 13: Bel 2.
I Ma. 3. 30†: 7. 23: 12. 24.
II Ma. 8. 24, 30, 35†: 9. 8†: 14. 39: 15. 11†.
III Ma. 7. 15.
IV Ma. 1. 8†: 9. 3.
[**Aq.** Nu. 24. 7: Dt. 9. 1: I Ki. 17. 50: II Ki. 6. 22: Jb. 35. 11: Pr. 15. 17: Je. 8. 3: Ez. 16. 47: 32. 19.]
[**Sm.** Nu. 24. 7: Dt. 1. 17: I Ki. 17. 50: Jb. 28. 18: 35. 11: 36. 26: 42. 12: Ps. 130 (131). 1: 137 (138). 2: 138 (139). 12: Pr. 5. 3: 26. 16: Ec. 7. 2 (1): Ca. 4. 10: Is. 54. 1: La. 4. 7 *bis*: Ez. 16. 47.]
[**Th.** I Ki. 17. 50: Jb. 28. 18: 35. 11: 42. 12: Ps. 65 (66). 5: 118 (119). 100: 130 (131). 1: Pr. 5. 3: 8. 19: 15. 17: 17. 10: Is. 54. 1: Je. 8. 3: Ez. 16. 47: Da. 1. 15: 6. 3.]
[**Al.** I Ki. 9. 2: Ps. 123 (124). 5: Pr. 24. 5.]
[**Heb.** Jb. 10. 22.]
[**Quint.** Ps. 64 (65). 4.]

ὑπεράγαν.
II Ma. 8. 35. **R** ὑ. δυσημερήσας ἐπὶ τῇ ... διαφθορᾷ [**A** *al.*]
10. 34. ὑ. ἐβλασφήμουν
13. 25. **A** ἐδειλίαζον γὰρ ὑ. [**R** *al.*]

ὑπεράγειν.
Si. 30. 31 (33. 22). ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου γίνου ὑπεράγων
36. 27 (24). ὑπὲρ πᾶσαν ἐπιθυμίαν ἀνθρώπου ὑπεράγει
I Ma. 6. 43 (24). **A R** ἦν ὑπεράγον [**S** -ων] πάντα τὰ θηρία

ὑπεραγόντως.
II Ma. 7. 20. ὑ. δὲ ἡ μήτηρ ἀγαθή

ὑπεραινετός.
Da. LXX. 3. (52). καὶ ὑπεραινετὸν . . . εἰς πάντας τοὺς αἰῶνας
Da. TH. 3. (52). καὶ ὑπεραινετὸν . . . εἰς πάντας τοὺς αἰῶνας
— (55). **A** καὶ ὑπεραινετὸς [**B** αἰν.] . . . εἰς τοὺς αἰῶνας

ὑπεραίρειν. (1) נָשָׂא ni. (2) עָבַר (3) עָלָה עַל
II Ch. 32. 23. ὑπερήρθη [**A** ὑπήρθη] κατ' ὀφθαλμοὺς πάντων τῶν ἐθνῶν (1)
Ps. 37 (38). 4. αἱ ἀνομίαί μου ὑπερῆραν τὴν κεφαλήν μου (2)
71 (72). 16. ὑπεραρθήσεται ὑπὲρ τὸν Λίβανον ὁ καρπὸς αὐτοῦ †
Pr. 31. 29. σὺ δὲ ὑπέρκεισαι καὶ ὑπερῆρας [**S** -ες] πάσας (3)
Si. 48. 13. πᾶς λόγος οὐχ [**S** κυρίου] ὑπερῆρεν αὐτόν
II Ma. 5. 23. χείριστα τῶν ἄλλων ὑπερήρετο τοῖς πολίταις
[**Aq.**, **Th.** Pr. 18. 10.]
[**Sm.** Jb. 28. 18: Pr. 18. 10.]
[**Sext.** Ps. 28 (29). 2.]

ὑπεράλλεσθαι.
Si. 38. 33. ἐν ἐκκλησίᾳ οὐχ ὑπεραλοῦνται

ὑπεράνω. (1) מִ׳ (2) *a.* עַל *b.* מִלְּמַעְלָה *c.* מֵעַל *d.* מֵעַל לְ׳ *e.* מִמַּעְלָה *f.* לְמַעְלָה *g.* מִמַּעַל לְ׳ (3) *a.* עֶלְיוֹן *b.* עֶלְיוֹן עַל
Ge. 7. 20. **R** πέντε καὶ δέκα πήχεις ὑ. [**A** ἐπάνω] ὑψώθη τὸ ὕδωρ (2 *b*)
De. 26. 19. εἶναί σε ὑ. πάντων τῶν ἐθνῶν (3 *b*)
28. 1. δώσει σε κ. ὁ θεός σου ὑ. (3 *a*)
Ne. 12. 38. **S**[2] τὸ ἥμισυ τοῦ λαοῦ . . . ὑ. τοῦ πύργου τῶν θ. (2 *d*)
— 38 (39). **S**[2] καὶ ὑ. τῆς πύλης (2 *d*)
To. 1. 2. ἐν τῇ Γαλιλαίᾳ ὑ. [**S**[2] ὑπὲρ] Ἀσήρ
Es. 4. 17. ἵνα μὴ θῶ δόξαν ἀνθρώπου ὑ. δόξης θεοῦ
Ps. 8. 1. ἐπήρθη ἡ μεγαλοπρέπειά σου ὑ. τῶν οὐρανῶν (2 *a*)
73 (74). 5. **B** ὡς εἰς τὴν εἴσοδον [**S**[1] ὁδὸν, **S**[2] ἔξοδον] ὑ. (2 *f*)
148. 4. καὶ τὸ ὕδωρ τὸ ὑ. τῶν οὐρανῶν (2 *c*)
Mi. 4. 1. μετεωρισθήσεται ὑ. τῶν βουνῶν (1)
Jn. 4. 6. τοῦ εἶναι σκιὰν ὑ. τῆς κεφαλῆς αὐ. (2 *a*)
Hg. 2. 16 (15). ἀπὸ τῆς ἡμέρας ταύτης καὶ ὑ. [**A** *al.*] (2 *e*)
Ma. 1. 5. ἐμεγαλύνθη κ. ὑ. τῶν ὁρίων τοῦ Ἰσρ. (2 *d*)
Is. 2. 2. ὑψωθήσεται ὑ. τῶν βουνῶν (1)
Ez. 1. 25. **A** φωνὴ ὑ. τοῦ στερεώματος [**B** *al.*] (2 *d*)
— 26. **A** ὑ. τοῦ στερεώματος τοῦ ὑπὲρ κεφαλῆς αὐτῶν (2 *g*)
8. 2. ἀπὸ τῆς ὀσφύος αὐτοῦ [**A**[1] *add.* τὰ] ὑ. αὐτοῦ ὡς ὅρασις ἠλέκτρου [**A** αὔρας] (2 *f*)
10. 19. δόξα θεοῦ Ἰσρ. ἦν ἐπ' αὐτῶν ὑ. (2 *b*)
11. 22. ἡ δόξα θεοῦ Ἰσρ. ἐπ' αὐτὰ [**A** -οῖς] ὑ. αὐτῶν (2 *b*)
43. 15. ὑ. τῶν κεράτων πῆχυς (2 *f*)
Da. LXX. 3. (46). οἱ μὲν ἐμβάλλοντες αὐτοὺς ἦσαν ὑ. αὐτῶν
Da. TH. 3. (60). **R** καὶ πάντα τὰ ὑ. [**A B** ἐπάνω] τοῦ οὐρανοῦ
7. 6. πτερὰ τέσσαρα πετεινοῦ ὑ. αὐτῆς †
[**Aq.** I Ch. 29. 25.]
[**Th.** Ps. 73 (74). 5: Ez. 1. 26: 41. 20.]
[**Al.** Ge. 9. 14.]

ὑπεράνωθεν. (1) *a.* מִמַּעַל *b.* מֵעַל לְ׳
Ps. 77 (78). 23. ἐνετείλατο νεφέλαις ὑ. (1 *a*)
Ez. 1. 25. φωνὴ ὑ. [**A** -νω] τοῦ στερεώματος (1 *b*)

ὑπέραρσις.
Ez. 47. 11. ἐν τῇ ὑ. αὐτοῦ οὐ μὴ ὑγιάσωσιν [**A** ἀγ.] †

ὑπερασπίζειν. (1) גָּנַן *a.* qal. *b.* hi. *c.* מָגַן pi. *d.* מָגֵן (2) שָׂגַב pi.
Ge. 15. 1. ἐγὼ ὑπερασπίζω σου (1 *d*)
De. 33. 29. ὑπερασπιεῖ ὁ βοηθός σου (1 *d*)
IV Ki. 19. 34: 20. 6. ὑπερασπιῶ ὑπὲρ τῆς πόλεως ταύτης (1 *a*)
Ju. 5. 21. μή ποτε ὑπερασπίσῃ ὁ κύριος αὐ.
6. 2. ὁ θεὸς αὐτῶν ὑπερασπιεῖ αὐτῶν
9. 14. οὐκ ἔστιν ἄλλος ὑπερασπίζων τοῦ γένους Ἰσρ.
Ps. 19 (20). 1. ὑπερασπίσαι σου τὸ ὄνομα τοῦ θεοῦ Ἰακώβ (2)
Pr. 2. 7. ὑπερασπιεῖ τὴν πορείαν αὐτῶν (1 *d*)
4. 9. στεφάνῳ δὲ τρυφῆς ὑπερασπίσῃ σου (1 *c*)
24. 28 (30. 5). ὑπερασπίζει [**A** -σει] δὲ αὐτὸς τῶν εὐλαβουμένων αὐτόν (1 *d*)
Wi. 5. 16. τῷ βραχίονι αὐτοῦ ὑπερασπιεῖ αὐτῶν [**S**[1] -ίσει αὐτοῦ]
Ho. 11. 8. ὑπερασπιῶ σου, Ἰσρ. (1 *c*)
Za. 9. 15. κύριος παντοκράτωρ ὑπερασπιεῖ αὐτούς (1 *b*)
12. 8. ὑπερασπιεῖ κ. ὑπὲρ τῶν κατοικούντων Ἰερ. (1 *b*)
Is. 31. 5. ὑπερασπιεῖ κύριος σαβαὼθ [**A** *om.*] ὑπὲρ Ἰερουσαλὴμ ὑπερασπιεῖ [**A S**[3] *om.*] (1 *b*, 1 *a*
37. 35: 38. 6. ὑπερασπιῶ ὑπὲρ τῆς πόλεως ταύτης (1 *a*)
III Ma. 7. 6. τὸν ἐπουρ. θεὸν ἐγνωκότες ἀσφαλῶς ὑπερησπικότα τῶν Ἰουδαίων
IV Ma. 4. 9. ὑπερασπίσαι τοῦ ἱεροῦ καταφρονουμένου τόπου
7. 4. διὰ τὸν ὑπερασπίζοντα τῆς εὐσεβείας λογισμόν
— 8. τοῖς μέχρι θανάτου πάθεσιν ὑπερασπίζοντας
[**Sm.**, **Th.** Is. 31. 5.]
[**Al.** Pr. 30. 5.]

ὑπερασπισμός. (1) *a.* מָגֵן *b.* מְגִנָּה
II Ki. 22. 36: Ps. 17 (18). 35. ἔδωκάς μοι ὑπερασπισμὸν σωτηρίας μου (1 *a*)
Si. 31 (34). 16. ὑπερασπισμὸς δυναστείας καὶ στήριγμα ἰσχύος
La. 3. 65. ἀποδώσεις αὐτοῖς ὑπερασπισμόν (1 *b*)
[**Aq.** Ps. 17 (18). 36.]
[**Sm.** Ps. 17 (18). 36: 46 (47). 10: 83 (84). 12.]
[**Th.** Ps. 17 (18). 36: 46 (47). 10.]
[**Quint.** Ps. 46 (47). 10.]

ὑπερασπίστεια.
IV Ma. 15. 29. **A** ὦ . . . ὑπερασπίστεια [**S R** -τρια] τῆς εὐσεβείας

ὑπερασπιστήρ.
[**Sext.** Ps. 17 (18). 36.]

ὑπερασπιστής. (1) מָגֵן (2) מָעוֹז (3) פָּלַט pi.
II Ki. 22. 3. ὑπερασπιστής μου καὶ κέρας σωτηρίας μου (1)
— 31. ὑ. ἐστι πᾶσι τοῖς πεποιθόσιν ἐπ' αὐτῷ (1)
Ps. 17 (18). 2. **A S R** ὑπερασπιστής μου καὶ κέρας σωτηρίας μου [**B** *om.*] (1)
— 30. ὑ. ἐστι πάντων τῶν ἐλπιζόντων ἐπ' αὐτόν (1)
26 (27). 1. κύριος ὑπερασπιστὴς τῆς ζωῆς μου (2)
27 (28). 7. κύριος βοηθός μου καὶ ὑ. μου (1)

Ps. 27 (28). 8. ὑπερασπιστὴς τῶν σωτηρίων τοῦ χριστοῦ αὐτοῦ ἐστι (2)
30 (31). 2. γενοῦ μοι εἰς θεὸν ὑπερασπιστήν (2)
— 4. σὺ εἶ ὁ ὑπερασπιστής μου (2)
32 (33). 20. βοηθὸς καὶ ὑ. ἡμῶν ἐστιν (1)
36 (37). 39. ὑπερασπιστὴς αὐτῶν ἐστιν [S¹ *om.*] (2)
39 (40). 17. βοηθός μου καὶ ὑ. μου εἶ σύ (3)
58 (59). 11. κατάγαγε αὐτούς, ὁ ὑ. μου κύριε (1)
70 (71). 3. γενοῦ μοι εἰς θεὸν ὑπερασπιστήν †
83 (84). 9. ὑπερασπιστὰ ἡμῶν ἴδε ὁ θεός (1)
113. 17 (115. 9), 18 (115. 10), 19 (115. 11). ὑπερασπιστὴς αὐτῶν ἐστιν (1)
143 (144). 2. ὑπερασπιστής μου καὶ ἐπ' αὐτῷ ἤλπισα (1)
IV Ma. 3. 12. A R τῶν ὑ. [S ὑπασπ.] ἐπὶ τῇ τοῦ βασ. ἐπιθυμίᾳ σχετλιαζόντων
[Aq., Sext. Ps. 32 (33). 20.]
[Sm. Ps. 32 (33). 20; 58 (59). 12: 83 (84). 10.]
[Th. Ps. 7. 11.]

ὑπερασπίστρια.
IV Ma. 15. 29. S R ὦ . . . ὑπερασπίστρια [A -τεια] τῆς εὐσεβείας

ὑπερβαίνειν. (1) דָּלַג pi. (2) יָסַף hi. (3) סוּג hi. (4) עָבַר
I Ki. 5. 5. ὑπερβαίνοντες ὑπερβαίνουσι –, –
II Ki. 18. 23. ὑπερέβη τὸν Χ. (4)
22. 30. ἐν τῷ θεῷ μου ὑπερβήσομαι τεῖχος (1)
Jb. 9. 11. ἐὰν ὑπερβῇ με οὐ μὴ ἴδω (4)
14. 5. εἰς χρόνον ἔθου καὶ οὐ μὴ ὑπερβῇ (4)
24. 2. ἀσεβεῖς δὲ ὅριον ὑπερέβησαν [A *al.*] (3)
38. 11. μέχρι τούτου ἐλεύσῃ καὶ οὐχ ὑπερβήσῃ (2)
Ps. 17 (18). 29. ἐν τῷ θεῷ μου ὑπερβήσομαι τεῖχος (1)
Pr. 9. 18. A S² ὑπερβήσῃ ποταμὸν ἀλλότριον –
Si. 20. 7. ὁ δὲ λαπιστὴς καὶ ἄφρων [A ἀφίων] ὑπερβήσεται καιρόν [S¹ -ῷ]
Mi. 7. 18. ὑπερβαίνων ἀσεβείας τοῖς καταλοίποις (4)
Je. 5. 22 *bis*. οὐχ ὑπερβήσεται αὐτό (4)
III Ma. 6. 24. A τυράννους ὑπερβεβηκότες ὠμότητι [R *al.*]
IV Ma. 3. 12. ὑπερέβησαν τοὺς τῶν πολεμίων χάρακας
18. 7. οὐχ ὑπερέβην πατρικὸν οἶκον
[Aq. Pr. 20. 2: Is. 31. 5.]
[Sm. Le. 13. 8: Pr. 19. 11: 20. 2: Is. 31. 5: Ez. 18. 10.]
[Th. I Ki. 20. 36: Pr. 20. 2: Is. 31. 5: Da. 6. 8†.]

ὑπερβάλλειν.
Jb. 15. 11. A μεγάλως ὑπερβάλλον οὕτως [B S ὑπερβαλλόντως] λελάληκας †
Si. 5. 7. μὴ ὑπερβάλλου ἡμέραν ἐξ ἡμέρας
25. 11. φόβος κυρίου ὑπὲρ πᾶν ὑπερέβαλεν
II Ma. 4. 13. διὰ τὴν τοῦ ἀσεβοῦς . . . Ἰ. ὑπερβάλλουσαν ἀγνείαν
— 24. ὑπερβάλλων τὸν Ἰ. τάλαντα ἀργυρίου τριακόσια
7. 42. τὰ μὲν οὖν περὶ . . . τὰς ὑπερβαλλούσας αἰκίας . . . δεδηλώσθω
III Ma. 2. 23. ὑπερβάλλοντι καταπεπληγμένοι φόβῳ
[Sm. I Ki. 20. 41: Ps. 130 (131). 1: 138 (139). 6: Ec. 1. 16: 2. 9: 12. 9: Ez. 16. 52: 24. 14.]
[Th. Ps. 130 (131). 1.]

ὑπερβαλλόντως.
Jb. 15. 11. μεγάλως ὑ. [A ὑπερβάλλον οὕτως] λελάληκας †

ὑπέρβασις.
[Aq. Ex. 12. 11.]

ὑπερβολή.
IV Ma. 3. 18. τὰς τῶν σωμάτων ἀλγηδόνας καθ' ὑπερβολὴν οὔσας
[Sm. I Ki. 2. 3: Je. 14. 14.]

ὑπερδικάζειν.
[Al. Ps. 9. 5.]

ὑπερδικεῖν.
[Sm. Ps. 42 (43). 1: 67 (68). 6: 118 (119). 154.]

ὑπερδυναμοῦν. (1) גָּבַר
Ps. 64 (65). 3. λόγοι ἀνόμων ὑπερεδυνάμωσαν ἡμᾶς (1)

ὑπερείδειν. (1) חָצַב (2) שָׁעַן ni.
Jb. 8. 15. ἐὰν ὑπερείσῃ [A -σει] τὴν οἰκίαν αὐτοῦ (2)
Pr. 9. 1. ὑπήρειτε στύλους ἑπτά (1)
Si. 23. 11. A κἂν ὑπερείδῃ [?, B S ὑπερίδῃ] ἥμαρτε δισσῶς

ὑπερειδέναι.
Es. 4. 17. A μὴ ὑπερειδῇς [B S ὑπερίδῃς] τὴν μερίδα σου
IV Ma. 9. 6. S¹ τὰς βασάνους τῶν σῶν ἀναγκῶν ὑπερειδότες [A S² R -ιδόντες]

ὑπέρεισμα.
[Sm. Ps. 53 (54). 6.]

ὑπερεκβλύζειν.
[Al. Pr. 3. 10.]

ὑπερεκχεῖν. (1) פּוּץ (2) שׁוּף hi.
Pr. 5. 16. μὴ [AS² *om.*] ὑπερεκχείσθω σοι ὕδατα ἐκ τῆς σῆς πηγῆς (1)
Jl. 2. 24. A ὑπερεκχυθήσονται [B S ὑπερχ.] αἱ ληνοὶ οἴνου (2)
3 (4). 13. ὑπερεκχεῖτε [A S ὑπερχ.] τὰ ὑπολήνια (2)
[Aq. Pr. 12. 2: Is. 58. 10.]
[Sm., Th. Is. 58. 10.]

ὑπερέκχυσις.
[Aq. Jb. 41. 7.]

ὑπερένδοξος.
Da. LXX., TH. 3. (53). καὶ ὑπερένδοξος εἰς τοὺς αἰῶνας

ὑπερεπαίρειν.
[Aq. Ps. 106 (107). 41: 138 (139). 6.]

ὑπερέπαρσις.
[Aq. Ps. 47 (48). 4.]

ὑπερεπιθυμεῖν.
[Sm. Ps. 118 (119). 174.]

ὑπερέχειν. (1) אַדִּיר (2) אָמֵץ (3) אָרַךְ hi. (4) *a.* גָּדַל מִ *b.* גָּדוֹל (5) עָרַף (6) שָׁנָא מִן
Ge. 25. 23. λαὸς λαοῦ ὑπερέξει (2)
39. 9. οὐχ ὑπερέχει ἐν τῇ οἰκίᾳ αὐ. οὐθὲν ἐμοῦ (4 *b*)
41. 40. πλὴν τὸν θρόνον ὑπερέξω σου ἐγώ (4 *a*)
Ex. 26. 13. ἐκ τοῦ ὑπερέχοντος τῶν δέρρεων (5)
Le. 25. 27. B² R ἀποδώσει ὃ ὑπερέχει [A B¹ *al.*] (5)
Jd. 5. 25. ὑπερεχόντων προσήνεγκε βούτυρον [A *al.*] (1)
III Ki. 8. 8. καὶ ὑπερεῖχον τὰ ἡγιασμένα (3)
II Ch. 5. 9. ὑπερεῖχον [A περιεῖχον] οἱ ἀναφορεῖς (3)
Wi. 6. 5. κρίσις ἀπότομος ἐν τοῖς ὑπερέχουσιν γίνεται
Si. 36 (33). 7. διὰ τί ἡμέρα ἡμέρας ὑπερέχει
43. 30. ὑπερέξει γὰρ καὶ ἔτι
Da. LXX. 5. 12. καὶ ὑπερέχων πάντας τοὺς σοφοὺς Βαβυλῶνος –
Da. TH. 7. 23. ἥτις ὑπερέξει πάσας τὰς βασιλείας (6)
[Th. Ez. 28. 3: Da. 7. 23.]
[Al. Ps. 148. 13.]

ὑπερζεῖν.
[Sm. Ge. 49. 4.]

ὑπερηφανεῖν. (1) זוּד hi.
Ne. 9. 10. ὑπερηφάνησαν ἐπ' αὐτούς (1)
IV Ma. 5. 21. δι' ἑκατέρου γὰρ ὡς ὁμοίως ὁ νόμος ὑπερηφανεῖται
[Al. Dt. 1. 43.]

ὑπερηφανεύεσθαι. (1) גֵּאָוָה (2) גָּוָה (3) זוּד *a.* hi. *b.* aph.
Ne. 9. 16. A S² R οἱ πατέρες ἡμῶν ὑπερηφανεύσαντο (3 *a*)
To. 4. 13. A B μὴ ὑπερηφανεύου τῇ καρδίᾳ σου ἀπὸ τῶν ἀδ. σου
Jb. 22. 29. ἐρεῖς, Ὑπερηφανεύσατο [A S² *al.*] (2)
Ps. 9. 23 (10. 2). ἐν τῷ ὑπερηφανεύεσθαι τὸν ἀσεβῆ (1)
Si. 10. 9. τί ὑπερηφανεύεται γῆ καὶ σποδός
Da. TH. 5. 20. ἐκραταιώθη τοῦ ὑπερηφανεύσασθαι [A -εύεσθαι] (3 *b*)
[Aq. Ex. 18. 11: Dt. 17. 13: 18. 20: Je. 50 (27). 29.]
[Sm. Ex. 18. 11: Je. 50 (27). 29.]
[Th. Jb. 22. 29.]
[Heb. Nu. 16. 1.]

ὑπερηφανία (-εία). (1) בֶּצַע (2) *a.* גַּאֲוָה *b.* גָּאוֹן *c.* גֵּאוּת *d.* גָּוָה (3) זָדוֹן (4) רוּם (5) שָׁאוֹן
Ex. 18. 21. ἄνδρας δικαίους μισοῦντας ὑπερηφανίαν (1)
Le. 26. 19. συντρίψω τὴν ὕβριν τῆς ὑ. ὑμῶν †
Nu. 15. 30. ἥτις ποιήσει ἐν χειρὶ ὑπερηφανίας (4)
De. 17. 12. ὃς ἐὰν ποιήσῃ ἐν ὑπερηφανίᾳ (3)
I Ki. 17. 28. A ἐγὼ οἶδα τὴν ὑ. σου (3)
To. 4. 13. A B ἐν τῇ ὑ. ἀπώλεια
Ju. 6. 19. κάτιδε ἐπὶ τὰς ὑ. αὐ.
9. 9. βλέψον εἰς ὑπερηφανίαν [S τὴν ὑ.] αὐτῶν
Es. 4. 17. οὐδὲ ἐν ὑπερηφανίᾳ . . . ἐποίησα τοῦτο
— 17. οὐ ποιήσω αὐτὰ ἐν ὑπερηφανίᾳ
— 17. βδελύσσομαι τὸ σημεῖον τῆς ὑ. μου
8. 13. οὐκ ἐνέγκας δὲ τὴν ὑ.
Ps. 16 (17). 10. τὸ στόμα αὐτῶν ἐλάλησεν ὑπερηφανίαν (2 *c*)
30 (31). 18. τὰ λαλοῦντα κατὰ τοῦ δικαίου ἀνομίαν ἐν ὑπερηφανίᾳ (2 *a*)
— 23. ἀνταποδίδωσι τοῖς περισσῶς ποιοῦσιν ὑπερηφανίαν (2 *a*)
35 (36). 11. μὴ ἐλθέτω μοι ποὺς ὑπερηφανίας (2 *a*)
58 (59). 12. συλληφθήτωσαν ἐν τῇ ὑ. αὐτῶν (2 *b*)
72 (73). 6. ἐκράτησεν αὐτοὺς ἡ ὑ. (2 *a*)
73 (74). 3. ἔπαρον τὰς χεῖράς σου ἐπὶ τὰς ὑ. αὐτῶν εἰς τέλος †
— 23. ἡ ὑ. τῶν μισούντων σε ἀναβαίη διὰ παντὸς πρὸς σέ [S² *al.*] (5)
100 (101). 7. οὐ κατῴκει ἐν μέσῳ τῆς οἰκίας μου ποιῶν ὑπερηφανίαν †
Pr. 8. 13. ὕβριν τε καὶ ὑπερηφανίαν καὶ ὁδοὺς πονηρῶν [S¹ *al.*] (2 *b*)
Wi. 5. 8. τί ὠφέλησεν ἡμᾶς ἡ ὑ.
Si. 10. 7. μισητὴ ἔναντι κυρίου καὶ ἀνθρώπων ὑπερηφανία [S² ἡ ὑ.]
— 12. ἀρχὴ ὑπερηφανίας ἀνθρώπου ἀφισταμένου ἀπὸ κυρίου
— 13. ἀρχὴ ὑπερηφανίας [A¹ -α] ἁμαρτία
— 18. οὐκ ἔκτισται ἀνθρώποις ὑπερηφανία
15. 8. μακράν ἐστιν ὑπερηφανίας
16. 8. οὓς ἐβδελύξατο διὰ τὴν ὑ. αὐτῶν
22. 22. πλὴν ὀνειδισμοῦ καὶ ὑπερηφανίας
48. 18. ἐμεγαλαύχησεν ὑπερηφανίᾳ [S -ίαν] αὐτοῦ
51. 10. B ἐν καιρῷ ὑπερηφανιῶν [A S R -άνων] ἀβοηθησίας
Am. 8. 7. ὀμνύει κύριος κατὰ τῆς [A *om.*] ὑ. Ἰ. (2 *b*)
Ob. 1. 3. ὑπερηφανία [S² ἡ ὑ.] τῆς καρδίας σου ἐπῆρέ σε (3)
Is. 16. 6. τὴν ὑ. ἐξῆρα [A B² S³ -ας] (2 *a*+2 *b*)
Je. 31 (48). 29. ὕβρισε . . . ὑπερηφανίαν αὐτοῦ (2 *b*+2 *a*)
Ez. 7. 20. ἐκλεκτὰ κόσμου εἰς ὑπερηφανίαν ἔθεντο αὐτά (2 *b*)
16. 49. τὸ ἀνόμημα Σοδόμων τῆς ἀδελφῆς σου ὑ. (2 *b*)
— 56. ἐν ταῖς ἡμέραις ὑπερηφανίας σου (2 *b*)
Da. LXX. 4. 19. ὑψώθη σου ἡ καρδία ὑπερηφανίᾳ –
Da. TH. 4. 34. πάντας τοὺς πορευομ. ἐν ὑπερηφανίᾳ (2 *d*)
I Ma. 1. 21. εἰσῆλθεν εἰς τὸ ἁγίασμα ἐν ὑπερηφανίᾳ
— 24. ἐλάλησεν ὑ. μεγάλην
2. 47. ἐδίωξαν τοὺς υἱοὺς τῆς ὑ.
— 49. νῦν ἐστηρίχθη ὑπερηφανία
II Ma. 1. 28. βασάνισον τοὺς . . . ἐξυβρίζοντας ἐν ὑπερηφανίᾳ
5. 21. οἰόμενος ἀπὸ τῆς ὑ.
7. 36. δίκαια τὰ πρόστιμα τῆς ὑ. ἀποίσῃ
9. 7. τῆς ὑ. ἐπεπλήρωτο
— 8. διὰ τὴν ὑπὲρ ἄνθρωπον ὑ.
— 11. ἤρξατο τὸ πολὺ τῆς ὑ. λήγειν τεθραυσμένος
III Ma. 2. 5. τοὺς ὑπερηφανίαν ἐργαζομένους Σοδομίτας
— 17. μηδὲ ἀγαλλιάσωνται ἐν ὑπερηφανίᾳ γλώσσης αὐ.
[Aq. Ps. 45 (46). 4: Pr. 13. 10: 29. 23: Is. 13. 3: 28. 1, 3: 60. 15: Je. 13. 9: 49. 16 (29. 17): Ez. 7. 10, 24 (Sw.): 30. 6: 33. 18.]

[Sm. Ps. 58 (59). 13: 72 (73). 6: 86 (87). 4: Pr. 13. 10: 29. 23: Is. 16. 6: 28. 1, 3: Je. 13. 9, 17: 48 (31). 29: 49. 16 (29. 17): 50 (27). 32: Ez. 7. 20, 24: 30. 6.]
[Th. Pr. 13. 10: 14. 3: 29. 23: Is. 28. 1: Ez. 7. 10: Ho. 7. 10.]
[Quint., Sext. Ps. 45 (46). 4.]

ὑπερήφανος. (1) *a.* גֵּאֶה *b.* גַּאֲיוֹן (2) גָּבֹהַּ (3) זֵד (4) לוּץ (5) עָרִיץ (6) רָהַב (7) רוּם

Es. 4. 17. τὸ μὴ προσκυνεῖν τὸν ὑ. 'Α.
— 17. ἀντὶ τῶν ὑ. ἡδυσμάτων σποδοῦ
Jb. 38. 15. βραχίονα δὲ ὑπερηφάνων συνέτριψας (7)
40. 7 (12). ὑπερήφανον δὲ σβέσον (1 *a*)
Ps. 17 (18). 27. ὀφθαλμοὺς ὑπερηφάνων ταπεινώσεις (7)
88 (89). 10. σὺ ἐταπείνωσας ὡς τραυματίαν ὑπερήφανον (6)
93 (94). 2. ἀπόδος ἀνταπόδοσιν τοῖς ὑ. (1 *a*)
100 (101). 5. ὑπερηφάνῳ ὀφθαλμῷ καὶ ἀπλήστῳ καρδίᾳ (2)
118 (119). 21. ἐπετίμησας ὑπερηφάνοις (3)
— 51. A R ὑπερήφανοι παρηνόμουν ἕως σφόδρα (3)
— 69. ἐπληθύνθη ἐπ' ἐμὲ ἀδικία ὑπερηφάνων (3)
— 78. αἰσχυνθήτωσαν ὑπερήφανοι (3)
— 122. μὴ συκοφαντησάτωσάν με ὑπερήφανοι (3)
122 (123). 4. καὶ ἡ ἐξουδένωσις τοῖς ὑ. (1 *b**, 1 *a*)
139 (140). 5. ἔκρυψαν ὑπερήφανοι παγίδα μοι (1 *a*)
Pr. 3. 34. κύριος ὑπερηφάνοις ἀντιτάσσεται (4)
Wi. 14. 6. καὶ ἀρχῆς γὰρ ἀπολλυμένων ὑπερηφάνων γιγάντων
Si. 3. 28. ἐπαγωγὴ ὑπερηφάνου οὐκ ἔστιν ἴασις
11. 30. οὕτως καρδία ὑπερηφάνου
13. 1. ὁ κοινωνῶν ὑπερηφάνῳ ὁμοιωθήσεται αὐτῷ
— 20. βδέλυγμα ὑπερηφάνῳ ταπεινότης [A -νωσις]
21. 4. οὕτως οἶκος ὑπερηφάνου [A S² -ων] ἐρημωθήσεται
23. 8. λοίδορος καὶ ὑπερήφανος σκανδαλισθήσονται ἐν αὐτοῖς
25. 2. πτωχὸν ὑπερήφανον καὶ πλούσιον ψεύστην
27. 15. ἔκχυσις αἵματος μάχη ὑπερηφάνων
— 28. ἐμπαιγμὸς καὶ ὀνειδισμὸς ὑπερηφάνων
34 (31). 26. οὕτως οἶνος καρδίας ἐν μάχῃ ὑπερηφάνων
35 (32). 12. μὴ ἁμάρτῃς λόγῳ ὑπερηφάνῳ
— 18. ὑπερήφανος οὐ καταπτήξει φόβον
51. 10. A S R ἐν καιρῷ ὑπερηφάνων [B -ιῶν] ἀβοηθησίας
Ze. 3. 6. ἐν διαφθορᾷ κατέσπασα ὑπερηφάνους †
Is. 1. 25. A S πάντας ὑπερηφάνους ταπεινώσω –
2. 12. ἐπὶ πάντα ὕβριστὴν καὶ ὑπερήφανον (7)
13. 11. ὕβριν ὑπερηφάνων ταπεινώσω (5)
29. 20. ἀπώλετο ὑ. (4)
II Ma. 9. 12. καὶ μὴ θνητὸν ὄντα ὑπερήφανα φρονεῖν
III Ma. 1. 27. μὴ περιϊδόντα τὴν ἄνομον καὶ ὑ. πρᾶξιν
5. 13. δεῖξαι . . . κράτος ἔθνεσιν ὑπερηφάνοις
6. 4. σὺν τῇ ὑ. στρατιᾷ ποντοβρόχους ἀπώλεσας
IV Ma. 4. 15. 'Αντίοχος 'Επιφανὴς ἀνὴρ ὑ.
9. 30. τὸν τῆς τυραννίδος ὑπερήφανον λογισμόν
[Aq. Ps. 18 (19). 14: 85 (86). 14: 118 (119). 85: 122 (123). 4: Ma. 4. 1 (3. 19).]
[Sm. Ps. 75 (76). 6: 85 (86). 14: 88 (99). 11 (P.): 118 (119). 85: 122 (123). 4: Pr. 21. 24: Is. 16. 6: Je. 48 (31). 29.]
[Th. Jb. 41. 26: Ps. 85 (86). 14.]
[Quint. Ps. 118 (119). 85.]
[Al. Ps. 123 (124). 5: Pr. 16. 19: Hb. 3. 13.]

ὑπερηφάνως.
I Ma. 7. 34. καὶ ἐλάλησεν ὑ.
— 47. ἣν ἐξέτεινεν ὑ.
II Ma. 9. 4. οὕτως γὰρ ὑ. εἶπε
— 12. R καὶ μὴ θνητὸν ὄντα ἰσόθεα φρονεῖν ὑ. [A *al.*]
[Sm. Ps. 16 (17). 10: 30 (31). 23.]

ὑπέρθυρον. (1) τὸ ὑ. אַמּוֹת הַסִּפִּים
Is. 6. 4. ἐπήρθη τὸ ὑ. ἀπὸ τῆς φωνῆς (1)
[Aq. Ex. 12. 7: Ez. 40. 18 (P.), 21.]
[Sm., Th., Al. Ez. 40. 18 (P.), 21.]

ὑπεριδεῖν, *cf.* ὑπερορᾶν. (1) זָעַם (2) מָאַס (3) *a.* מָעַל *b.* מַעַל (4) עָבַר hithp. (5) עָזַב (6) עָלַם *a.* hi. *b.* hithp. (7) רָאָה
Ge. 42. 21. ὑπερείδομεν τὴν θλίψιν τῆς ψυχῆς αὐ. (7)
Le. 20. 4. ἐὰν δὲ ὑπερόψει ὑπερίδωσιν (6 *a*)
26. 40. ὑπερείδόν με (3 *a*)
— 43. τὰ κρίματά μου ὑπερεῖδον (2)
— 44. οὐχ ὑπερείδον αὐτούς (2)
Nu. 5. 12. καὶ παρίδῃ αὐτὸν ὑπεριδοῦσα (3 *b*)
22. 30. μὴ ὑπεροράσει ὑπεριδοῦσα ἐποίησά σοι οὕτως †
31. 16. τοῦ ἀποστῆσαι καὶ ὑπεριδεῖν τὸ ῥῆμα κυρίου (3 *b*)
De. 3. 26. ὑπερεῖδε κύριος ἐμέ (4)
21. 16. ὑπεριδὼν τὸν υἱὸν τῆς μισουμένης †
22. 1. B μὴ ὑπερίδῃς αὐτά [A R *al.*] (6 *b*)
— 3. οὐ δυνήσῃ ὑπεριδεῖν [A² *add.* αὐτά] (6 *b*)
— 4. μὴ ὑπερίδῃς αὐτούς (6 *b*)
I Es. 2. 20. μὴ ὑπεριδεῖν τὸ τοιοῦτο
To. 4. 3. μὴ ὑπερίδῃς τὴν μητέρα σου [S *al.*]
Es. 4. 17. μὴ ὑπερίδῃς [A -ειδῇς] τὴν μερίδα σου
Jb. 6. 14. ἐπισκοπῇ δὲ κυρίου ὑπερεῖδέ με (5)
31. 19. εἰ δὲ καὶ ὑπερεῖδον γυμνὸν ἀπολλύμενον (7)
Ps. 26 (27). 9. μὴ ὑπερίδῃς [S² ἐνκαταλίπῃς] με, ὁ θεὸς ὁ σωτήρ μου (5)
54 (55). 1. μὴ ὑπερίδῃς τὴν δέησίν μου (6 *b*)
77 (78). 59. ἤκουσεν ὁ θεὸς καὶ ὑπερεῖδε (4)
— 62. τὴν κληρονομίαν αὐτοῦ ὑπερεῖδε (4)
Wi. 19. 22. οὐχ ὑπερείδες ἐν παντὶ καιρῷ καὶ τόπῳ [S¹ τὸ πρωῖ] παριστάμενος
Si. 2. 10. τίς ἐπεκαλέσατο αὐτὸν καὶ ὑπερείδεν αὐτόν
23. 11. κἂν ὑπερίδῃ [A -είδῃ] ἥμαρτε δισσῶς
32 (35). 14. οὐ μὴ ὑπερίδῃ [A παρίδῃ] ἱκετείαν ὀρφανοῦ
38. 16. μὴ ὑπερίδῃς τὴν ταφὴν αὐτοῦ
Za. 1. 12. ἃς ὑπερείδες τοῦτο ἑβδομηκοστὸν ἔτος (1)
III Ma. 6. 15. οὐδὲ . . . ὑπερείδον αὐτούς
IV Ma. 1. 9. A R τῶν ἕως θανάτου πόνων [S τοὺς . . . π.] ὑπεριδόντες
9. 6. τὰς βασάνους τῶν σῶν ἀναγκῶν ὑπεριδόντες [S¹ -ειδότες]
15. 8. ὑπερεῖδε τὴν τῶν τέκνων πρόσκαιρον σωτηρίαν [Aq. Ez. 22. 26.]

ὑπερισχύειν. (1) גָּבַר (2) *a.* חָזַק *b.* חָזָק (3) חָצַף aph. (4) עָצַם
Ge. 49. 26. ὑπερίσχυσεν ἐπ' εὐλογίαις ὀρέων μονίμων (1)
Jo. 17. 18. σὺ γὰρ ὑπερισχύεις [A -ύσεις] αὐτοῦ (2 *b*)
II Ki. 24. 4. ὑπερίσχυσεν ὁ λόγος τοῦ βασ. (2 *a*)
III Ki. 16. 22. A ὑπερίσχυσεν ὁ λαὸς ὁ ἀκολουθῶν τῷ Ζ. (2 *a*)
I Es. 3. 5. ὃς ὑπερισχύσει
— 10. ὑπερισχύει ὁ οἶνος
— 11. ὑπερισχύει ὁ βασ.
— 12. ὑπερισχύουσιν αἱ γυναῖκες
— 18. πῶς ὑπερισχύει ὁ οἶνος
— 24. οὐχ ὑπερισχύει ὁ οἶνος
4. 2. οὐχ ὑπερισχύουσιν οἱ ἄνθρωποι
— 3. ὁ δὲ βασ. ὑπερισχύει καὶ κυριεύει αὐτῶν
— 12. πῶς οὐχ ὑπερισχύει ὁ βασ.
— 41. μεγάλη ἡ ἀλήθεια καὶ ὑπερισχύει
Da. TH. 3. 22. ἐπεὶ τὸ ῥῆμα τοῦ βασ. ὑπερίσχυε [A -υσεν] (3)
11. 23. ὑπερισχύσει αὐτοὺς [A -οῦ] ἐν ὀλίγῳ ἔθνει (4)
[Sm. Ge. 25. 23: Dt. 2. 36: Ps. 37 (38). 20: Ec. 4. 12.]
[Th. Da. 3. 22.]
[Al. Ps. 128 (129). 2.]

ὑπερκεῖσθαι. (1) עָלָה עַל
Pr. 31. 29. σὺ δὲ ὑπέρκεισαι καὶ ὑπερῆρας πάσας (1)
Ez. 16. 47. ὑπέρκεισαι αὐτάς †
[Sm. I Ki. 13. 18.]

ὑπερκερᾶν.
Ju. 15. 5. ὑπερεκέρασαν αὐτοὺς πληγῇ μεγάλῃ [S *al.*]
I Ma. 7. 46. καὶ ὑπερεκέρων αὐτούς

ὑπερκρατεῖν. (1) חָזַק
III Ki. 16. 22. R ὑπερεκράτησε τὸν λαόν (1)

ὑπερκρίνεσθαι.
[Aq. Ps. 50 (51). 6.]

ὑπέρκυκλῳ. (1) סְבִיבוֹת
Ez. 32. 23. A ὑπερκύκλῳ τῆς ταφῆς αὐτοῦ (1)

ὑπερμαχεῖν.
I Ma. 16. 3. ὑπερμαχεῖτε [S¹ *om.*] ὑπὲρ τοῦ ἔθνους ἡμῶν
III Ma. 7. 6. R ὡς πατέρα ὑπὲρ υἱῶν διὰ παντὸς ὑπερμαχοῦντα [A συμμαχ.]
[Sm. Dt. 33. 7: I Ki. 11. 3: Ps. 77 (78). 35: Is. 51. 22: 63. 1: Ho. 10. 6.]

ὑπερμάχεσθαι.
[Sm. Ge. 15. 1.]

ὑπερμάχησις.
[Sm. Ex. 12. 11.]

ὑπέρμαχος.
Wi. 10. 20. τήν τε ὑπέρμαχόν σου χεῖρα ἔγνεσαν ὁμοθυμαδόν
16. 17. ὑπέρμαχος γὰρ ὁ κόσμος ἐστὶ δικαίων [A -οις]
II Ma. 8. 36. κατηγγελλεν ὑπέρμαχον ἔχειν τοὺς Ἰουδ.
14. 34. ἐπεκαλοῦντο τὸν διὰ παντὸς ὑπέρμαχον τοῦ ἔθνους ἡμῶν

ὑπερμεγέθης. (1) מְדֵה
I Ch. 20. 6. ἦν ἀνὴρ ὑ. (1)
Da. LXX. 4. 34. ἀλλοιῶσαι ὑ. πράγματα –
[Aq. Ps. 8. 2: 15 (16). 3: 75 (76). 5: 92 (93). 4: Is. 33. 21: Za. 11. 13.]
[Sm. II Ki. 7. 23: Jb. 9. 10: Ps. 75 (76). 5.]
[Th. Jb. 9. 10.]

ὑπερμήκης. (1) מְדוֹת
Nu. 13. 33 (32). B ἄνδρες ὑ. ἐκεῖ [A R *om.*] (1)

ὑπερνικᾶν.
[Sm. Ps. 42 (43). 1 (P.).]
[Th. Da. 6. 3†.]

ὑπέρογκος. (1) גָּדֹל (2) *a.* פֶּלֶא *b.* פָּלָא ni. (3) קָשֶׁה
Ex. 18. 22. τὸ δὲ ῥῆμα τὸ ὑ. ἀνοίσουσιν ἐπὶ σέ (1)
— 26. πᾶν δὲ ῥῆμα ὑ. ἀνεφέροσαν ἐπὶ Μ. [A *al.*] (3)
De. 30. 11. ἡ ἐντολὴ αὕτη . . . οὐχ ὑπέρογκός ἐστιν (2 *b*)
II Ki. 13. 2. ὑπέρογκον ἐν ὀφθαλμοῖς 'Α. (2 *b*)
La. 1. 9. κατεβίβασεν ὑπέρογκα (2 *a*)
Da. LXX. 5. 12. συγκρίματα ὑπέρογκα ὑπέδειξε –
Da. TH. 11. 36. καὶ λαλήσει ὑπέρογκα (2 *b*)
[Th. Da. 11. 36.]

ὑπερόγκως.
[Th. Is. 28. 7.]

ὕπερον.
Pr. 23. 31. ὕστερον περιπατήσεις γυμνότερος ὑπέρου [S¹ *al.*] †
[Aq., Th. Pr. 27. 22.]

ὑπερορᾶν. (1) עָזַב (2) עָלַם *a.* ni. *b.* hi. *c.* hithp. (3) רָאָה
Le. 26. 37. ὑπερόψεται ὁ ἀδελφὸς τὸν ἀδ. †
De. 22. 4. A² οὐχ ὑπερόψῃ [A¹ B οὐκ ὄψῃ] τὸν ὄνον (3)
Jo. 1. 5. οὐδὲ ὑπερόψομαί σε (1)
Ju. 8. 20. οὐχ ὑπερόψεται ἡμᾶς
Ps. 9. 22 (10. 1). ὑπερορᾷς ἐν εὐκαιρίαις (2 *b*)
Si. 14. 8. ἀποστρέφων πρόσωπον καὶ ὑπεροῶν ψυχάς
Na. 3. 11. ἔσῃ ὑπερεωραμένη [S³ παρεωρ.] (2 *a*)
Is. 58. 7. ἀπὸ τῶν οἰκείων τοῦ σπέρματός σου οὐχ ὑπερόψῃ (2 *c*)
Ez. 7. 19. τὸ χρυσίον αὐτῶν ὑπεροφθήσεται †
II Ma. 7. 11. διὰ τοὺς αὐτοῦ νόμους ὑπεροῶ ταῦτα
— 23. ὡς νῦν ὑπεροῶτε ἑαυτούς
[Sm. Jb. 28. 11.]
[Th. Is. 59. 15.]

ὑπερόρασις.
Nu. 22. 30. μὴ ὑπεροράσει ὑπεριδοῦσα ἐποίησά σοι οὕτως †

ὑπεροχή. (1) קוֹמָה (2) ὑψηλὸς εἰς ὑπεροχήν גְּבֹהַּ גָּבֹהַּ

I Ki. 2. 3. A μὴ λαλεῖτε ὑψηλὰ εἰς ὑπεροχήν [B *om.* εἰς ὑ.] (2)
Je. 52. 22. ὑ. τοῦ γείσους τοῦ ἑνός (1)
II Ma. 3. 11. σφόδρα ἀνδρὸς ἐν ὑπεροχῇ κειμένου
6. 23. ἄξιον . . . τῆς τοῦ γήρους ὑ.
13. 6. ἢ καί τινων ἄλλων κακῶν ὑπεροχὴν πεποιημένον
15. 13. θαυμαστὴν δέ τινα . . . εἶναι τὴν περὶ αὐτὸν ὑ.
[Sm. Is. 60. 15.]

ὑπέροψις. (1) עָלַם hi.

Le. 20. 4. ἐὰν δὲ ὑπερόψει ὑπερίδωσιν (1)

ὑπερτήκειν.

IV Ma. 7. 12. Ἐλ. διὰ τοῦ πυρὸς ὑπερτηκόμενος

ὑπερτιθέναι. (1) פּוּר hi.

Pr. 15. 22. ὑπερτίθενται [S¹ -θονται] λογισμούς (1)
[Aq., Th. Dt. 3. 26.]
[Sm. Le. 13. 11.]

ὑπερτιμᾶν.

IV Ma. 8. 5. τὸ πλῆθος τοσούτων ἀδελφῶν ὑπερτιμῶν

ὑπερυμνεῖν.

Da. Th. 3. (54). B καὶ ὑπερυμνούμενος [A B² -υψούμ., B¹ -υψωμ.] εἰς τοὺς αἰῶνας

ὑπερυμνητός.

Da. Lxx. 3. (53). καὶ ὑπερυμνητὸς . . . εἰς τοὺς αἰῶνας
Da. Th. 3. (53), (54). καὶ ὑπερυμνητὸς . . . εἰς τοὺς αἰῶνας
— (56). A καὶ ὑπερυμνητὸς [B ὑμν.] . . . εἰς τοὺς αἰῶνας
[Th. Da. 3. (54).]

ὑπερυψοῦν. (1) עָלָה ni. (2) עָרִיץ (3) רוּם
a. qal. *b.* pal.

Ps. 36 (37). 35. εἶδον τὸν ἀσεβῆ ὑπερυψούμενον (2)
96 (97). 9. σφόδρα ὑπερυψώθης ὑπὲρ [S ἐπὶ] πάντας τοὺς θεούς (1)
Da. Lxx. 3. (52). καὶ ὑπερυψούμενος εἰς τοὺς αἰῶνας
— (52). καὶ ὑπερυψωμένον εἰς πάντας τοὺς αἰῶνας
— (54). καὶ ὑπερυψωμένος εἰς τοὺς αἰῶνας
— (57), (58), (59), (60), (61), (62), (63), (64), (65), (66), (67), (68), (69), (70), (71), (72), (73). ὑπερυψοῦτε αὐτὸν εἰς τοὺς αἰῶνας
— (74). ὑπερυψούτω αὐτὸν εἰς τοὺς αἰῶνας
— (75), (76), (77), (78), (79), (80), (81), (82), (83), (84), (85), (86), (87), (88). ὑπερυψοῦτε αὐτὸν εἰς τοὺς αἰῶνας
Da. Th. 3. (52). καὶ ὑπερυψούμενος [B² -ωμ.] εἰς τοὺς αἰῶνας
— (52). καὶ ὑπερυψούμενον [B² -ωμ.] εἰς πάντας τοὺς αἰῶνας
— (55) (B¹), (54). καὶ ὑπερυψωμένος [A B² -ούμ.] εἰς τοὺς αἰῶνας
— (57), (59), (58), (60), (61), (62), (63), (64), (65), (66), (67) (A), (68) (A), (71), (72), (69), (70), (73). ὑπερυψοῦτε αὐτὸν εἰς τοὺς αἰῶνας
— (74). ὑπερυψούτω αὐτὸν εἰς τοὺς αἰῶνας
— (75), (76), (78), (77), (79), (80), (81), (82), (83), (84), (85), (86), (87), (88). ὑπερυψοῦτε αὐτὸν εἰς τοὺς αἰῶνας
4. 34. ὑπερυψῶ καὶ δοξάζω τὸν βασ. τοῦ οὐρ. (3 *b*)
11. 12. A ὑπερυψωθήσεται [B ὑψ.] ἡ καρδία αὐ. (3 *a*)
[Th. Da. 3. (52), (55).]

ὑπερφέρεια.

[Aq. Jb. 37. 4: 40. 5 (10): Pr. 16. 18: Ez. 7. 24.]

ὑπερφέρειν. (1) יַתִּיר (2) רַב (3) שְׁנָא

I Es. 8. 75. καὶ αἱ ἅγνοιαι ἡμῶν ὑπερήνεγκαν ἕως τοῦ οὐρ.
Da. Lxx. 7. 7. καὶ ὁ φόβος αὐ. ὑπερφέρων ἰσχύϊ (1)
— 20. ἡ πρόσοψις αὐ. ὑπερέφερε τὰ ἄλλα (2)
Da. Th. 7. 24. ὃς ὑπεροίσει κακοῖς πάντας τοὺς ἔμπροσθεν (3)

ὑπερφερής. (1) יַתִּיר

Da. Lxx., Th. 2. 31. καὶ ἡ πρόσοψις αὐ. ὑπερφερής (1)
[Aq. Ps. 46 (47). 5: 122 (123). 4.]
[Al. Le. 26. 19.]

ὑπέρφοβος. (1) דְּחִיל יַתִּיר

Da. Lxx. 7. 19. περὶ τοῦ θηρίου τοῦ τετάρτου τοῦ . . . ὑ. (1)

ὑπερφρονεῖν.

IV Ma. 13. 1. εἰ δὲ τοίνυν τῶν μέχρι θανάτου πόνων ὑπερεφρόνησαν
14. 11. πολυτροπωτέρων ὑπερεφρόνησεν ἀλγηδόνων
16. 2. γυνὴ τῶν μεγίστων βασάνων ὑπερεφρόνησε
[Sm. Jb. 31. 13: 41. 7.]

ὑπερφωνεῖν.

Ju. 15. 14. ὑπερεφώνει πᾶς ὁ λαὸς τὴν αἴνεσιν τ.

ὑπερχαρής. (1) שָׂמֵחַ

Es. 5. 9. ἐξῆλθεν ὁ Ἀ. . . . ὑ. εὐφραινόμενος (1)
III Ma. 7. 20. ἀνέλυσαν . . . ἐλεύθεροι ὑπερχαρεῖς

ὑπερχεῖν. (1) צָפָה (2) שׁוּף hi.

Jl. 2. 24. ὑπερχυθήσονται [A ὑπερεκχ.] αἱ ληνοὶ οἴνου (2)
3 (4). 13. A S ὑπερχεῖτε [B ὑπερεκχ.] τὰ ὑπολήνια (2)
La. 3. 54. ὑπερεχύθη ὕδωρ ἐπὶ τὴν κεφαλήν μου (1)

ὑπέρχεσθαι.

III Ma. 4. 6. αἱ δὲ ἄρτι . . . ὑπεληλυθυῖαι παστὸν νεάνιδες

ὑπερχώρησις.

[Sm. Ez. 40. 18 (P.).]

ὑπερωμίαν. (1) מִשְׁכְּמוֹ

I Ki. 9. 2. ὑπερωμίαν καὶ ἐπάνω ὑψηλός (1)
10. 23. ὑψώθη ὑπὲρ πάντα τὸν λαὸν ὑ. καὶ ἐπάνω (1)

ὑπερῷον. (1) *a.* עֲלִיָּה *b.* עֶלְיוֹן *c.* עֲלִיּוֹת

Jd. 3. 20. ἐκάθητο ἐν τῷ ὑ. τῷ θερινῷ τῷ ἑαυτοῦ (1 *a*)
— 23. ἀπέκλεισε τὰς θύρας τοῦ ὑ. (1 *a*)
— 24. ἰδοὺ αἱ θύραι τοῦ ὑ. ἐσφηνωμέναι [A *al.*] (1 *a*)
— 25. οὐκ ἔστιν ὁ ἀνοίγων τὰς θύρας τοῦ ὑ. (1 *a*)
II Ki. 18. 33 (19. 1). ἀνέβη εἰς τὸ ὑ. τῆς πύλης (1 *a*)
III Ki. 17. 19. ἀνήνεγκεν αὐτὸν εἰς τὸ ὑ. (1 *a*)
— 23. κατήγαγεν αὐτὸν ἀπὸ τοῦ ὑ. (1 *a*)
IV Ki. 1. 2. διὰ τοῦ δικτυωτοῦ τοῦ ἐν τῷ ὑ. αὐ. (1 *a*)
4. 10. ποιήσωμεν δὴ αὐτῷ ὑπερῷον (1 *a*)
— 11. ἐξέκλινεν εἰς τὸ ὑ. (1 *a*)
23. 12. τὰ ἐπὶ τοῦ δώματος τοῦ ὑ. Ἄ. (1 *a*)
I Ch. 28. 11. τὸ παράδειγμα . . . τῶν ὑ. (1 *a*)
— 20. καὶ τὰ ὑ. καὶ τὰς ἀποθήκας —
II Ch. 3. 9. τὸ ὑ. ἐχρύσωσε χρυσίῳ (1 *a*)
To. 3. 10. S ἀναβᾶσα εἰς τὸ ὑ. τοῦ πατρὸς αὐ.
— 17. κατέβη ἐκ τοῦ ὑ. αὐ.
Ps. 103 (104). 3. ὁ στεγάζων ἐν ὕδασι τὰ ὑ. αὐτοῦ (1 *a*)
— 13. ποτίζων ὄρη ἐκ τῶν ὑ. αὐτοῦ (1 *a*)
Je. 20. 2. ἦν ἐν πύλῃ οἴκου ἀποτεταγμένου τοῦ ὑ. (1 *b*)
22. 13. τὰ ὑ. αὐτοῦ οὐκ ἐν κρίματι (1 *a*)
— 14. ὑπερῷα ῥιπιστὰ διεσταλμένα θυρίσι (1 *a*)
Ez. 41. 7. ἐκ τῶν κάτωθεν ἀναβαίνωσιν ἐπὶ τὰ ὑ. (1 *b*)
Da. Lxx. 6. 10 (11). θυρίδας ἤνοιξεν ἐν τῷ ὑ. αὐ. (1 *c*)
Da. Th. 6. 10 (11). αἱ θυρίδες ἀνεῳγμέναι αὐτῷ ἐν τοῖς ὑ. αὐ. (1 *c*)
[Aq., Sm. IV Ki. 1. 2.]

ὑπερῷος. (1) עֶלְיוֹן

Ez. 42. 5. καὶ οἱ περίπατοι οἱ ὑ. ὡσαύτως (1)

ὑπευθύνειν. (1) שׁוּב

Pr. 1. 23. S¹ ὑπευθύνοντο [A B S² ὑπεύθυνοι ἐγένοντο] ἐλέγχοις (1)

ὑπεύθυνος. (1) ὑ. γίνεσθαι שׁוּב

Pr. 1. 23. ὑπεύθυνοι ἐγένοντο [S¹ ὑπευθύνοντο] ἐλέγχοις (1)

ὑπευλαβεῖσθαι.

II Ma. 14. 18. ὑπευλαβεῖτο τὴν κρίσιν δι' αἱμάτων ποιήσασθαι

ὑπέχειν. (1) נָשָׂא (2) סָבַל

Ps. 88 (89). 50. B S οὗ ὑπέσχου [A R -ον] ἐν τῷ κόλπῳ μου πολλῶν ἐθνῶν (1)
Wi. 12. 21. S¹ καὶ σύνθηκας ἔδωκας ἀγαθῶν ὑποσχῆς [A B S² -σχέσεων]
La. 5. 7. τὰ ἀνομήματα αὐτῶν ὑπέσχομεν (2)
II Ma. 4. 48. ταχέως οὖν τὴν ἄδικον ζημίαν ὑπέσχον

ὑπήκοος. (1) לָמַס (2) עָבַד (3) שָׁמַע

De. 20. 11. ἔσονταί σοι φορολόγητοι καὶ ὑπήκοοί σου (2)
Jo. 17. 13. ἐποίησαν τοὺς Χαν. ὑπηκόους (1)
Pr. 4. 3. υἱὸς γὰρ ἐγενόμην κἀγὼ πατρὶ ὑπήκοος †
13. 1. υἱὸς πανοῦργος ὑπήκοος πατρί [S¹ μητρί] —
21. 28. ἀνὴρ δὲ ὑπήκοος φυλασσόμενος λαλήσει (3)
[Sm. II Ki. 23. 23.]

ὑπηρεσία. (1) עֲבֹדָה

Jb. 1. 3. καὶ ὑπηρεσία πολλὴ σφόδρα (1)
Wi. 13. 11. κατεσκεύασε χρήσιμον σκεῦος εἰς ὑπηρεσίαν ζωῆς
— 12. A εἰς ὑπηρεσίαν [B S ἑτοιμασίαν] τροφῆς ἀναλώσας [S -ώσεως]
15. 7. πλάσσει πρὸς ὑπηρεσίαν ἡμῶν ἕκαστον
[Al. Nu. 4. 23.]

ὑπηρετεῖν.

Wi. 16. 21. τῇ δὲ τοῦ προσφερομένου ἐπιθυμίᾳ ὑπηρετῶν
— 24. ἡ γὰρ κτίσις σοι τῷ ποιήσαντι ὑπηρετοῦσα
— 25. τῇ παντοτρόφῳ σου δωρεᾷ ὑπηρετεῖ
19. 6. ἡ κτίσις . . . ὑπηρετοῦσα ταῖς ἰδίαις [A S σαῖς] ἐπιταγαῖς
Si. 39. 4. ἀνὰ μέσον μεγιστάνων ὑπηρετήσει
[Sam. Ge. 49. 15.]
[Al. Nu. 4. 23.]

ὑπηρέτης. (1) כִּילִי (2) עֶבֶד

Pr. 14. 35. δεκτὸς βασιλεῖ ὑπηρέτης νοήμων (2)
Wi. 6. 4. ὑπηρέται ὄντες τῆς αὐτοῦ βασιλείας
Is. 32. 5. οὐκέτι μὴ εἴπωσιν οἱ ὑ. σου, Σίγα (1 ?)
Da. Lxx., Th. 3. (46). οὐ διέλιπον οἱ ἐμβάλλοντες αὐτοὺς ὑπηρέται τοῦ βασ.
[Th. Da. 3. (46).]

ὑπισχνεῖσθαι.

Wi. 17. 8. οἱ γὰρ ὑπισχνούμενοι δείματα . . . ἀπελαύνειν ψυχῆς νοσούσης
II Ma. 4. 9. R ὑπισχνεῖτο [A -οῖτο] καὶ ἕτερα διαγράψαι πεντήκοντα
8. 11. ὑπισχνούμενος ἐνενήκοντα σώματα ταλάντου παραχωρήσειν
12. 11. ὑπισχνούμενοι καὶ βοσκήματα δώσειν

ὕπνος. (1) *a.* חָזוֹן *b.* חֶזוּ (2) *a.* חֲלוֹם *b.* חָלַם (3) יָשֵׁן (4) *a.* שֵׁנָא *b.* שֵׁנָה *c.* שְׁנָת *d.* שְׁנָה

Ge. 20. 3. εἰσῆλθεν ὁ θ. πρὸς Ἀβ. ἐν ὕπνῳ (2 *a*)
— 6. εἶπε δὲ αὐτῷ ὁ θ. καθ' ὕπνον (2 *a*)
28. 16. ἐξηγέρθη Ἰ. ἀπὸ τοῦ ὕ. αὐ. (4 *b*)
31. 10. ἴδον ἐν τοῖς ὀφθαλμοῖς ἐν τῷ ὕ. (2 *a*)
— 11. εἶπέ μοι ὁ ἄγγελος τοῦ θ. καθ' ὕπνον (2 *a*)
— 24. ἦλθε δὲ ὁ θ. πρὸς Λ. τὸν Σύρον καθ' ὕπνον (2 *a*)
— 40. ἀφίσταται ὁ ὕ. μου ἀπὸ τῶν ὀφθ. μου (4 *b*)
40. 9. ἐν τῷ ὕ. μου ἦν ἄμπελος (2 *a*)
41. 17. ἐν τῷ ὕ. μου ὥμην (2 *a*)
— 22. εἶδον πάλιν ἐν τῷ ὕ. μου (2 *a*)
Nu. 12. 6. ἐν ὕπνῳ λαλήσω αὐτῷ (2 *a*)
24. 4. ὅρασιν θεοῦ εἶδεν ἐν ὕπνῳ †
— 16. ὅρασιν θεοῦ ἰδὼν ἐν ὕπνῳ †
Jd. 16. 14, 20. ἐξυπνίσθη ἐκ τοῦ ὕ. αὐ. [A *al.*] (4 *b*)
I Ki. 20. 41. A ἀνέστη ἀπὸ τοῦ ὕ. [B ἀργάβ] †
26. 7. ἰδοὺ Σ. καθεύδων ὕπνῳ [A *om.*] (3)
III Ki. 3. 5. ὤφθη κύριος τῷ Σαλ. ἐν ὕπνῳ (2 *a*)
To. 10. 7. S καὶ οὐκ εἶχεν ὕπνον [A B *al.*]
Es. 6. 1. ἀπέστησε τὸν ὕ. ἀπὸ τοῦ βασ. (4 *b*)
Jb. 14. 12. οὐκ ἐξυπνισθήσονται ἐξ ὕπνου αὐτῶν (4 *b*)
Ps. 75 (76). 5. ὕπνωσαν ὕπνον αὐτῶν (4 *b*)
126 (127). 2. ὅταν δῷ τοῖς ἀγαπητοῖς αὐτοῦ ὕπνον (4 *a*)
131 (132). 4. εἰ δώσω ὕπνον τοῖς ὀφθ. μου (4 *c*)
Pr. 4. 16. ἀφῄρηται ὁ ὕ. αὐτῶν [A S² ἀπ' αὐτῶν] (4 *b*)
6. 4. μὴ δῷς ὕπνον σοῖς ὄμμασι (4 *b*)
— 9. πότε δὲ ἐξ ὕπνου ἐγερθήσῃ (4 *b*)

Ec. 5. 11. γλυκὺς ὕ. τοῦ δούλου (4 b)
8. 16. ὕπνον ὀφθαλμοῖς [A S ἐν ὀφθ.] αὐτοῦ οὐκ ἔστι βλέπων [A -ειν] (4 b)
Wi. 4. 6. ἐκ γὰρ ἀνόμων ὕπνων τέκνα γεννώμενα
7. 2. ἐκ σπέρματος ἀνδρὸς καὶ ἡδονῆς ὕπνῳ [S -ου] συνελθούσης
17. 14. τὸν αὐτὸν ὕπνον κοιμώμενοι
Si. 22. 7. ἐξεγείρων καθεύδοντα ἐκ βαθέως ὕπνου
34 (31). 1. ἡ μέριμνα αὐτοῦ ἀφιστᾷ [A -ίσατο] ὕπνον
— 2. ἀρρώστημα βαρὺ ἐκνήψει ὕπνος [B¹ -ον]
— 20. ὕπνος ὑγιείας ἐπὶ ἐντέρῳ μετρίῳ
40. 5. ὕπνος νυκτὸς [S¹ καὶ νύξ] ἀλλοιοῖ γνῶσιν αὐτοῦ
— 6. ἀπ' ἐκείνου ἐν ὕπνοις ὡς ἐν ἡμέρᾳ σκοπιᾶς
42. 9. ἡ μέριμνα αὐ. ἀφιστᾷ ὕπνον
Ho. 7. 6. ὕπνου Ἐφρ. ἐνεπλήσθη (3)
Za. 4. 1. ὃν τρόπον ὅταν ἐξεγερθῇ ἄνθρωπος ἐξ ὕπνου αὐ. (4 b)
Is. 29. 7. ὡς ἐνυπνιαζόμενος καθ' ὕπνους [A é. ἐνύπνιον, S é. ἐν ὕπνῳ] (1 a?)
— 8. ὡς οἱ ἐν τῷ [A S³ om.] ὕ. πίνοντες (2 b)
Je. 28 (51). 39. ὅπως . . . ὑπνώσωσιν ὕπνον αἰώνιον [S¹ al.] (4 b)
38 (31). 26. ὁ ὕ. μου ἡδύς μοι ἐγενήθη (4 b)
Da. LXX. 2. 1. ὁ ὕ. αὐ. ἐγένετο ἀπ' αὐτοῦ (4 b)
4. 10. ἐθεώρουν ἐν τῷ ὕ. μου (1 b)
— 15. ὁ ὕ. μου ἀπέστη ἀπὸ τῶν ὀφθαλμῶν μου –
— 32. ὕπνος με ἔλαβε πολύς –
7. 2. ἐθεώρουν καθ' ὕπνους νυκτός (1 b)
9. 21. ὃν εἶδον ἐν τῷ ὕ. μου τὴν ἀρχήν (1 a)
Da. TH. 2. 1. ὁ ὕ. αὐ. ἐγένετο ἀπ' αὐτοῦ (4 b)
6. 18 (19). ὁ ὕ. ἀπέστη ἀπ' αὐτοῦ [A al.] (4 d)
I Ma. 6. 10. ἀφίσταται ὁ ὕ. ἀπὸ τῶν ὀφθ. μου
III Ma. 5. 11. ὕπνου μέρος ἀπέστειλεν εἰς τὸν βασ.
— 20. A τὸ [R τῷ] τῆς σήμερον ὕπνῳ χάριν ἔχειν αὐτούς
— 22. οὐχ οὕτως εἰς ὕπνον κατεχρήσαντο τὸν χρόνον τῆς νυκτός
[Aq. Pr. 4. 16: Je. 51 (28). 57.]
[Sm. Pr. 4. 16: 20. 13: Da. 2. 1 (Sw.).]
[Th. Jb. 14. 12: Pr. 4. 16: Je. 51 (28). 57: Da. 2. 1.]
[Al. Ge. 2. 21.]

ὑπνοῦν. (1) *a.* יָשֵׁן *b.* יָשֵׁן (2) לִין (3) נוּם (4) שָׁאַן pil. (5) שֵׁנָה

Ge. 2. 21. καὶ ὕπνωσε (1 a)
Jd. 19. 4. A καὶ ὕπνωσαν [B ηὐλίσθησαν] ἐκεῖ (2)
I Ki. 26. 12. πάντες ὑπνοῦντες (1 b)
III Ki. 3. 20. A καὶ ἡ δούλη σου ὕπνου (1 b)
19. 5. ὕπνωσεν ἐκεῖ ὑπὸ φυτόν (1 a)
To. 8. 13. S εὗρεν αὐτοὺς . . . ὑπνοῦντας κοινῶς [A B al.]
Ju. 12. 5. ὕπνωσε μέχρι μεσούσης τῆς νυκτός
Jb. 3. 13. ὑπνώσας δὲ ἀνεπαυσάμην (1 a)
Ps. 3. 5. ἐγὼ ἐκοιμήθην καὶ ὕπνωσα (1 a)
4. 8. κοιμηθήσομαι καὶ ὑπνώσω (1 a)
12 (13). 3. μή ποτε ὑπνώσω εἰς θάνατον (1 a)
43 (44). 23. ἐξεγέρθητι ἵνα τί ὑπνοῖς, κύριε (1 a)
75 (76). 5. ὕπνωσαν ὕπνον αὐτῶν (3)
77 (78). 65. ἐξηγέρθη ὡς ὁ ὑπνῶν κύριος (1 b)
120 (121). 4. A R οὐδὲ ὑπνώσει [S ἐξυπν.] ὁ φυλάσσων τὸν Ἰσραήλ (1 a)
Pr. 3. 24. ἐὰν δὲ καθεύδῃς ἡδέως ὑπνώσεις (5)
4. 16. οὐ γὰρ μὴ ὑπνώσωσιν (1 a)
6. 10. ὀλίγον μὲν ὑπνοῖς (5)
Ec. 5. 11. οὐκ ἔστιν ἀφίων αὐτὸν τοῦ ὑπνῶσαι (1 a)
Si. 46. 20. μετὰ τὸ ὑπνῶσαι αὐτὸν προεφήτευσε
Jl. 1. 13. ὑπνώσατε ἐν σάκκοις (2)
Je. 14. 9. μὴ [S ἢ] ἔσῃ ὥσπερ ἄνθρωπος ὑπνῶν †
26 (46). 27. A B S² καὶ ὑπνώσει (4)
28 (51). 39. ὑπνώσωσιν [A -σουσιν] ὕπνον αἰώνιον [S¹ al.] (1 a)
Ez. 34. 25. ὑπνώσουσιν ἐν τοῖς δρυμοῖς (1 a)
[Aq. Je. 51 (28). 57: Ho. 7. 6.]
[Sm. Ps. 43 (44). 24.]
[Th. Jd. 19. 4: Je. 51 (28). 57.]

ὑπνώδης. (1) נוּמָה

Pr. 23. 21. ἐνδύσεται διερρηγμένα καὶ ῥακώδη πᾶς ὑπνώδης (1)

ὑπό. I. *c. gen.* * ὁ ὑπό.

Ge. 16. 10†: 26. 29: 32. 12 (13)†: 45. 21, 27.
Ex. 5. 14: 16. 3: 28. 29 (33)†, 30 (34)†: 29. 22†.
Le. 10. 6: 20. 16†: 26. 43†.
Nu. 4. 27, 31, 32: 26. 64.
De. 3. 11†, 16†: 4. 21: 21. 23: 33. 12, 29.
Jo. 11. 22†: 18. 1: 20. 3†: 24. 27.
II Ki. 3. 39.
III Ki. 9. 20†: 10. 3†, 21*†, 22 (9. 20)†.
II Ch. 19. 2: 24. 6: 26. 22.
I Es. 1. 15*, 27, 33, 47: 2. 15: 4. 45: 7. 1: 8. 3, 14†, 80†: 9. 39.
To. 1. 8†, 18†: 3. 7†: 11. 16†.
Ju. 5. 18: 9. 4: 16. 7.
Es. 1. 15, 18, 20*†: 3. 3, 13: 8. 1, 5, 13 *ter*, 14: 9. 1: 10. 3.
Jb. 2. 4†: 6. 18: 8. 16: 9. 13: 12. 5†, 5: 13. 25 *bis*: 17. 7†: 21. 18†, 20†, 25: 30. 4†: 31. 30: 36. 14: 37. 8†: 39. 34 (40. 4)†: 40. 14 (19): 41. 24 (25).
Ps. 2. 6: 39 (40). 2†: 73 (74). 22*: 106 (107). 2.
Pr. 2. 19: 3. 11: 8. 26†: 12. 8: 13. 13, 14: 15. 10: 16. 1 (9): 18. 19: 19. 9: 21. 10: 22. 14: 23. 32 *bis*: 24. 69 (31. 1): 27. 9.
Wi. 2. 4 *bis*: 4. 4 *bis*: 5. 14 *ter*: 6. 12, 12†: 9. 2: 11. 20 *bis*, 25: 16. 9, 27 *bis*: 18. 7.
Si. 3. 5†, 16†, 17, 20: 7. 15: 13. 21 *bis*: 14. 27†: 19. 28: 22. 5: 30. 19: 45. 1†: 46. 13: 48. 12: 50. 2.
Ho. 9. 7.
Is. 1. 7: 5. 24 *bis*: 7. 2: 9. 18 (17), 19 (18): 11. 11†: 13. 19†: 20. 1: 24. 18: 30. 2 *bis*, 33: 45. 17: 49. 7, 17: 51. 8 *bis*, 11: 61. 9: 62. 12†: 64. 2 (1)†: 65. 23: 66. 16.
Je. 13. 24†: 15. 16: 32 (25). 33.
Ba. 3. 36†: 4. 12, 26†, 27, 35: 5. 6.
Ep. Je. 1 *bis*, 2, 8, 18, 34, 43, 45, 46, 62.
Ez. 34. 19: 36. 3†, 13.
Da. LXX. 2. 6, 24: 3. (25), (35)†: 4. 15: 7. 27*†: Bel 8.
Da. TH. 3. (35): Bel 12.
I Ma. 1. 11†: 5. 5, 16: 6. 23, 37†, 39†: 8. 6†: 9. 68: 10. 53, 82†: 11. 18: 13. 29: 14. 22, 40, 43, 44: 15. 33.
II Ma. 1. 11, 20†: 2. 23: 3. 9†, 32, 34†: 4. 3, 22, 26, 28, 39, 44: 5. 8, 16, 18, 20†: 6. 4, 21: 7. 1, 14†, 14 *bis*, 16: 8. 2 *bis*, 14, 17, 25†, 35, 36†: 9. 2, 9: 10. 2, 4, 5, 13 *bis*, 13†, 20, 24: 12. 3, 19, 22: 14. 5, 11, 31: 15. 2, 37.
III Ma. 1. 1 *bis*, 21, 23†, 23: 2. 2, 22: 4. 4: 5. 11: 6. 4†, 9, 40: 7. 12†, 21.
IV Ma. 1. 11 *bis*, 35 *bis*: 2. 9: 4. 26: 6. 11, 20†, 21: 9. 9, 30: 10. 1†: 12. 2: 14. 6: 18. 3, 11.
[Aq. Ps. 36 (37). 22: Is. 53. 4: Je. 11. 20: 20. 12.]
[Sm. Je. 15. 27: 25. 4: 39. 24, 35 (40. 5) *bis*: 41. 17: Ps. 36 (37). 22 *bis*: 54 (55). 4 *bis*: 87 (88). 6: 108 (109). 24: 118 (119). 120: Is. 24. 5: 28. 1: 53. 4: Je. 51 (28). 49: Ze. 3. 10.]
[Th. Je. 41. 25: Is. 53. 4.]
[Heb. Ge. 24. 31: Je. 9. 13.]
[Al. IV Ki. 1. 14*: Je. 29. 5.]
[Quint. Ho. 7. 4, 14: 8. 6.]

II. *c. dat.*

Jb. 12. 5†.

III. *c. acc.* * ὁ ὑπό.

Ge. 9. 2: 16. 9†: 18. 4, 8: 19. 8: 24. 2, 9: 35. 4, 8: 41. 35: 47. 29.
Ex. 3. 1: 14. 27: 17. 12†, 14*: 19. 17: 21. 20: 22. 30 (29): 23. 5: 24. 4, 10*: 25. 25 (27), 34 (35), 34 (35)†: 27. 4†, 5: 28. 29 (33)†: 30. 4: 32. 19, 20†: 36. 30 (39. 22): 38. 24 (4)†: 40. 20.
Le. 22. 27: 27. 32.
Nu. 5. 19†: 6. 18†.
De. 3. 17: 4. 11, 17, 49†: 25. 19*: 29. 20 (19)*: 33. 3 *bis*, 27.
Jo. 4. 9: 5. 2: 11. 3*, 17: 12. 3†, 3*†: 13. 5: 24. 26.
Jd. 3. 16, 30: 4. 5: 6. 11†, 19.
Ru. 2. 12.
I Ki. 14. 2†: 21. 3 (4), 4 (5), 8 (9): 22. 6: 31. 13.
II Ki. 18. 9: 22. 39.
III Ki. 3. 1 (B), 4. 25 (A) [5. 5] *bis*: 5. 3 (17): 6. 8: 8. 6: 13. 14†: 19. 5, 13.
I Ch. 10. 12.
I Es. 3. 1*, 2*†, 8.
To. 7. 11†.
Ju. 6. 13.
Es. 2. 8, 18*: 3. 6*: 4. 17*: 8. 13.
Jb. 1. 6*†, 7*: 2. 2*: 5. 10*: 9. 6*, 13*: 12. 5†: 18. 4*, 19*: 20. 12: 28. 24*: 30. 7: 34. 13*: 37. 8†: 38. 18*, 24*, 33: 40. 16 (21): 41. 2 (3)*, 21 (22): 42. 15†, 15*.
Ps. 9. 28 (10. 7): 17 (18). 9, 38, 47: 46 (47). 3: 65 (66). 17: 90 (91). 4: 105 (106). 42: 139 (140). 3: 143 (144). 2.
Pr. 6. 7: 8. 26*†, 28*: 22. 27*: 29. 12*.
Ec. 1. 3, 9, 13, 14: 2. 3, 11, 17, 18, 19, 20, 22: 3. 1*†, 16: 4. 1, 3†, 7, 15: 5. 12, 17: 6. 1, 1†: 7. 1 (6. 12), 7 (6): 8. 9, 15 *bis*, 17: 9. 3, 6, 9 *bis*, 11, 13: 10. 5.
Ca. 2. 6: 4. 11: 8. 3, 5.
Wi. 12. 9.
Si. 14. 26: 29. 10, 22: 51. 26.
Ho. 14. 8.
Jn. 4. 10 *bis*.
Ze. 3. 9.
Is. 3. 6: 49. 2: 51. 16: 57. 5.
Je. 34 (27). 8, 11: 47 (40). 4*†.
Ba. 1. 12 *bis*: 5. 3*.
La. 3. 34.
Ez. 13. 18†: 17. 23: 20. 37: 31. 6†, 17: 32. 27.
Da. LXX. Su. 54 *bis*, 58 *bis*: 2. 38: 4. 34: 7. 27*†: 9. 12.
Da. TH. Su. 54 *bis*, 58 *bis*: Bel 13.
I Ma. 5. 5†: 6. 46: 8. 2: 9. 38: 10. 38: 14. 12.
II Ma. 2. 18*: 3. 6, 19, 36: 4. 12 *bis*: 5. 25*: 7. 20, 36: 12. 40, 42.
III Ma. 3. 28: 4. 14: 5. 2: 7. 3*, 12†.
IV Ma. 17. 19.
[Aq. Je. 52. 20.]
[Sm. Dt. 4. 19: Jo. 24. 26: II Ki. 8. 2: IV Ki. 9. 13: Jb. 13. 27: Ps. 17 (18). 48: 35 (36). 8: 88 (89). 11 (P.): 90 (91). 1 *bis*: Ca. 2. 3: 8. 5: Is. 29. 4: Je. 13. 4: 29 (36). 26: 38 (45). 12: Ez. 13. 18: Ho. 4. 13.]
[Th. Ex. 37. 14 (38. 11): Is. 10. 4: Je. 38 (45). 12: Da. 13. 54.]
[Al. Le. 15. 10: Nu. 21. 2: I Ki. 10. 2.]
[Hebr. Ge. 24. 2.]

ὑποβάλλειν. (1) עָנָה

I Es. 2. 18. καὶ ναὸν ὑποβάλλονται
Da. TH. 3. 9. A καὶ ὑποβαλόντες εἶπον Ναβ. τῷ βασ. [B al.] (1)
[Sm. Le. 19. 19: Jo. 23. 4.]

ὑποβλέπεσθαι. (1) *a.* עָנָן *b.* עָיִן

I Ki. 18. 9. ἣν Σ. ὑποβλεπόμενος τὸν Δ. (1 a*, 1 b)
Si. 37. 10. μὴ βουλεύου μετὰ τοῦ ὑποβλεπομένου σε

ὑπόγαιος (-γειος, -γεος).

Je. 45 (38). 11. εἰσῆλθεν εἰς τὴν οἰκίαν τοῦ βασιλέως τὴν ὑ. †
[Sm. Ps. 118 (119). 85.]

ὑπογραμμός.

II Ma. 2. 28. τὸ δὲ ἐπιπορεύεσθαι τοῖς ὑ. τῆς ἐπιτομῆς ἀτονοῦντες

ὑπογράφειν.

I Es. 2. 16. κατέγραψεν . . . τὴν ὑπογεγραμμένην ἐπιστολήν
— 25. ἀντέγραψεν . . . τὰ ὑπογεγραμμένα
Es. 8. 13. ὧν ἐστιν ἀντίγραφον . . . τὰ ὑπογεγραμμένα
Si. 50. 1. S² ἐν ζωῇ αὐτοῦ ὑπέγραψεν [A B S¹ -έρραψεν] οἶκον
I Ma. 8. 25. ὡς ἂν ὁ καιρὸς ὑπογραφῇ αὐτοῖς
— 27. ὡς ἂν αὐτοῖς ὁ καιρὸς ὑπογραφῇ
II Ma. 9. 18. ἔγραψε . . . τὴν ὑπογραμμ. ἐπιστολήν
— 25. γέγραφα δὲ πρὸς αὐτὸν τὰ ὑπογεγραμμένα
11. 17. ἐπιδόντες τὸν ὑπογεγραμμένον χρηματισμόν
III Ma. 2. 30. ἵνα δὲ μὴ . . . φαίνηται ὑπέγραψεν
6. 41. ἔγραψεν αὐτοῖς τὴν ὑπογεγραμμένην ἐπιστολήν

ὑπόγυος.

II Ma. 12. 31. τῆς τῶν ἑβδομάδων ἑορτῆς οὔσης ὑπογύου

ὑπόδειγμα.

Si. 44. 16. Ἐνὼχ . . . μετετέθη ὑπόδειγμα μετανοίας ταῖς γενεαῖς
Ez. 42. 15. διεμέτρησε τὸ ὑ. τοῦ οἴκου –

II Ma. 6. 28. τοῖς δὲ νέοις ὑ. γενναῖον καταλελοιπώς
— 31. τὸν ἑαυτοῦ θάνατον ὑπόδειγμα γενναιότητος . . . καταλείπων
IV Ma. 17. 23. ἀνεκήρυξε . . . εἰς ὑπόδειγμα τὴν ἐκείνων ὑπομονήν
[Aq. Dt. 4. 17: Ez. 8. 10.]

ὑποδεικνύειν, ὑποδεικνύναι. (1) בִּין hi. (2) חָוָה pa. (3) יָדַע aph. (4) יָרָה hi. (5) נָגַד hi. (6) סָפַר pi. (7) רָאָה (8) שָׂכַל hi.

III Ki. 10. 22 (9. 20). B πάντα τὸν λαὸν τὸν ὑποδεδειγμ. ὑπὸ τοῦ Χ. [A R al.] †
I Ch. 28. 18. τὸν τοῦ θυσιαστηρίου . . . σταθμὸν ὑπέδειξεν αὐτῷ –
II Ch. 15. 3. A R καὶ οὐχ ἱερέως ὑποδεικνύοντος (4)
20. 2. ὑπέδειξαν τῷ Ἰωσ. (5)
I Es. 2. 24. ὑποδεικνύομέν [A -δείκνυμέν] σοι
To. 1. 19. ὑπέδειξε τῷ βασιλεῖ περὶ ἐμοῦ
4. 2. ἵνα αὐτῷ ὑποδείξω πρὶν ἀποθανεῖν με [S al.]
— 20. A S R ὑποδεικνύω [B ἐπιδ.] σοι
5. 7. S μέχρι ὅτου εἰσελθὼν ὑποδείξω τῷ πατρί μου [A B al.]
— 8. S ὑπέδειξεν Τωβεὶθ τῷ πατρὶ αὐ.
— 10. ὑπόδειξόν μοι
7. 10. A S R πλὴν ὑποδείξω σοι [B om.] τὴν ἀλήθειαν
8. 14. S ὑπέδειξεν αὐτοῖς ὅτι ζῇ [A B al.]
9. 5. S ὑπέδειξεν αὐτῷ περὶ Τωβείου
10. 8. S ἤδη ὑπέδειξά σοι
— 9. S ὑποδείξουσιν αὐτῷ περὶ σοῦ [A B al.]
12. 6. τοὺς λόγους τῶν ἔργων τοῦ θ. ἐντίμως ὑποδεικνύοντες [S al.]
— 11. S πᾶσαν τὴν ἀλήθειαν ὑμῖν ὑποδείξω
— 11. S ἤδη ὑμῖν ὑπέδειξα
13. 4. ἐκεῖ ὑποδείξατε τὴν μεγαλωσύνην αὐ. [S al.]
Es. 1. 1. ὑπέδειξε τῷ βασ. περὶ αὐτῶν
2. 9. R τὰ ἑπτὰ κοράσια τὰ ὑποδεδειγμένα [A B S ἀποδ.] αὐτῇ (7)
— 10. οὐχ ὑπέδειξεν Ἐ. τὸ γένος αὐ. (5)
— 20. οὐχ ὑπέδειξε τὴν πατρίδα αὐ. (5)
3. 4. ὑπέδειξαν [S¹ -εν] τῷ Ἀ. Μαρδοχαῖον (5)
— 4. ὑπέδειξεν αὐτοῖς ὁ Μαρδ. ὅτι Ἰουδαῖός ἐστι (5)
— 13. A S² ὑπέδειξεν [B S¹ ἐπέδ.] ἡμῖν
4. 7. ὑπέδειξεν αὐτῷ τὸ γεγονός (5)
5. 11. ὑπέδειξεν αὐτοῖς τὸν πλοῦτον αὐ. (6)
8. 1. ὑπέδειξε γὰρ Ἐ. (5)
Si. 3. 23. πλείονα γὰρ συνέσεως ἀνθρώπων ὑπεδείχθη σοι
14. 12. διαθήκη ᾅδου οὐχ ὑπεδείχθη [S² ὑποδειχθήσεταί] σοι
17. 7. ἀγαθὰ καὶ κακὰ ὑπέδειξεν αὐτοῖς
— 12. τὰ κρίματα αὐτοῦ ὑπέδειξεν αὐτοῖς
46. 20. ὑπέδειξε βασιλεῖ τὴν τελευτὴν αὐτοῦ
48. 25. ἕως τοῦ αἰῶνος ὑπέδειξε τὰ ἐσόμενα
49. 8. ἣν ὑπέδειξεν αὐτῷ ἐπὶ ἅρματος Χερουβίμ
Je. 38 (31). 19. ὑπέδειξά σοι ὅτι ἔλαβον ὀνειδισμόν †
Da. LXX. 2. 17. τοῖς συνεταίροις ὑπέδειξε πάντα (3)
4. 15. ὑπέδειξέ μοι πᾶσαν τὴν σύγκρισιν αὐ. –
— 34. ὑποδείξω ὑμῖν τὰς πράξεις –
5. 7. ὃς ἂν ὑποδείξῃ τὸ σύγκριμα τῆς γραφῆς (2)
— 10. ὑπέδειξεν αὐτῇ ὡς μέγα ἐστί –
— 12. συγκρίματα ὑπέρογκα ὑπέδειξε Ναβ. τῷ πατρί σου –
— 16. δύνῃ μοι ὑποδεῖξαι τὸ σύγκριμα τῆς γραφῆς (3)
9. 22. ἐξῆλθον ὑποδεῖξαί σου διάνοιαν (8)
— 23. ἦλθον ὑποδεῖξαί σοι (5)
10. 14. ἦλθον ὑποδεῖξαί σοι (1)
— 21. ὑποδείξω σοι τὰ πρῶτα (5)
11. 2. τὴν ἀλήθειαν ὑποδεῖξαί σοι (5)
II Ma. 3. 10. τοῦ δὲ ἀρχιερέως ὑποδείξαντος
13. 4. Λυσίου ὑποδείξαντος τοῦτον αἴτιον τῶν κακῶν εἶναι πάντων
III Ma. 5. 15. ὑπέδειξε τὸν τῆς συμποσίας καιρὸν ἤδη παρατρέχοντα
— 19. τοῦ δὲ ὑποδείξαντος
— 26. ὑποδεικνὺς τὸ πρόθυμον τοῦ βασ. ἐν ἑτοίμῳ κεῖσθαι
— 29. ὑπεδείκνυεν ὁ Ἕρμων
[Sm. Ex. 4. 12: 24. 12: 35. 34: II Ch. 15. 3: Ps. 24 (25). 8, 12: 26 (27). 11: 31 (32). 8: 44 (45). 5: 85 (86). 11: 118 (119). 33: Is. 30. 20: Jl. 2. 23.]

ὑποδείκτης.
[Sm. Ps. 83 (84). 7.]

ὑποδεῖν. (1) נָעַל a. qal. b. hi.
II Ch. 28. 15. ὑπέδησαν αὐτούς (1 b)
Ez. 16. 10. A B ὑπέδησά [R -δυσά] σε ὑάκινθον (1 a)

ὑποδέχεσθαι.
To. 7. 8 (A B), 9 (S). ὑπεδέξαντο [S -ατο] αὐτοὺς προθύμως
Ju. 13. 13. A ὑπεδέξαντο [B¹ ἀπ., B² ἐπ., S εἰσεδ.] αὐτάς
I Ma. 16. 15. ὑπεδέξατο αὐτοὺς ὁ τοῦ Ἀβ.
IV Ma. 13. 17. οὕτω γὰρ παθόντας ἡμᾶς . . . ὑποδέξονται

ὑπόδημα. (1) a. מְנַעַל b. נַעַל
Ge. 14. 23. ἕως σφαιρωτῆρος ὑποδήματος (1 b)
Ex. 3. 5. λῦσαι τὸ ὑ. ἐκ τῶν ποδῶν σου (1 b)
12. 11. καὶ τὰ ὑ. [A add. ὑμῶν] ἐν τοῖς ποσὶν ὑμῶν (1 b)
De. 8. 4. τὰ ὑ. σου οὐ κατετρίβη ἀπὸ σοῦ [A al.] –
25. 9. ὑπολύσει τὸ ὑ. αὐ. (1 b)
— 10. οἶκος τοῦ ὑπολυθέντος τὸ ὑ. (1 b)
29. 5 (4). τὰ ὑ. ὑμῶν οὐ κατετρίβη (1 b)
33. 25. σίδηρος καὶ χαλκὸς τὸ ὑ. αὐ. ἔσται (1 a)
Jo. 5. 15. λῦσαι τὸ ὑ. ἐκ τῶν ποδῶν σου (1 b)
9. 5. καὶ τὰ κοῖλα τῶν ὑ. αὐ. (1 b)
— 13. τὰ ὑ. ἡμῶν πεπαλαίωται (1 b)
Ru. 4. 7. ὑπελύετο ὁ ἀνὴρ τὸ ὑ. αὐ. (1 b)
— 8. ὑπελύσατο τὸ ὑ. αὐ. (1 b)
I Ki. 12. 3. ἢ ἐκ χειρὸς τίνος εἴληφα . . . ὑπόδημα †
III Ki. 2. 5. καὶ ἐν τῷ ὑ. αὐ. τῷ ἐν τῷ ποδὶ αὐ. (1 b)
Ne. 9. 21. A ὑποδήματα [S τὰ ὑ., B πόδες] αὐ. οὐ διερράγησαν †
Ps. 59 (60). 8. ἐπὶ τὴν Ἰδουμ. ἐκτενῶ τὸ ὑ. μου (1 b)
107 (108). 9. ἐπὶ τὴν Ἰδουμαίαν ἐπιβαλῶ [S¹ ἐκτενῶ] τὸ ὑ. μου (1 b)
Ca. 7. 1 (2). ὡραιώθησαν [A τί ὡρ.] διαβήματά σου ἐν ὑποδήμασι (1 b)
Si. 46. 19. ἕως ὑποδημάτων ἀπὸ πάσης σαρκὸς οὐκ εἴληφα
Am. 2. 6. ἀπέδοντο . . . πένητα ἕνεκεν ὑποδημάτων (1 b)
8. 6. τοῦ κτᾶσθαι . . . ταπεινὸν ἀντὶ ὑποδημάτων (1 b)
Is. 5. 27. οὐδὲ μὴ ῥαγῶσιν οἱ ἱμάντες τῶν ὑ. αὐτῶν (1 b)
11. 15. ὥστε διαπορεύεσθαι αὐτὸν ἐν ὑποδήμασι (1 b)
Ez. 24. 17. τὰ ὑ. σου ἐν τοῖς ποσί σου (1 b)
— 23. τὰ ὑ. ὑμῶν ἐν τοῖς ποσὶν ὑμῶν (1 b)
Da. LXX. 3. 21. ἔχοντες τὰ ὑ. αὐ. †
[Aq. Is. 5. 27: 20. 2.]
[Sm. Ps. 59 (60). 10: Is. 5. 27: 20. 2: Da. 3. 21 (Sw.), 27 (94) (Sw.).]
[Th. Is. 5. 27: 20. 2 (Sw.): Da. 3. 27 (94) (Sw.).]

ὑποδίπλωσις.
[Sm. Jb. 41. 5.]

ὑποδύειν. (1) נָעַל
Ju. 6. 13. ὑποδύσαντες ὑπόκατω τοῦ ὄρους
Ez. 16. 10. R ὑπέδυσά [A B -δησά] σε ὑάκινθον (1)
[Sm. Jb. 41. 5.]

ὑποδύτης. (1) מְעִיל
Ex. 28. 27 (31). ποιήσεις ὑποδύτην ποδήρη ὅλον ὑακίνθινον (1)
— 29 (33). B¹ R ὑπὸ [A B² ἐπὶ] τὸ λῶμα τοῦ ὑ. –
— 29 (33). ἐπὶ τοῦ λώματος τοῦ ὑ. –
— 30 (34). A B² R ἐπὶ [B¹ ὑπὸ] τοῦ λώματος τοῦ ὑ. κύκλῳ (1)
36. 30 (39. 22). ἐποίησαν τὸν ὑ. ὑπὸ τὴν ἐπωμίδα (1)
— 31 (39. 23). τὸ δὲ περιστόμιον τοῦ ὑ. (1)
— 32 (39. 24). ἐπὶ τοῦ λώματος τοῦ ὑ. (1)
— 33 (39. 25). ἐπὶ τὸ λῶμα τοῦ ὑ. (1)
— 34 (39. 26). ἐπὶ τοῦ λώματος τοῦ ὑ. κύκλῳ (1)
Le. 8. 7. ἐνέδυσεν αὐτὸν τὸν ὑ. [A αὐ. ἐπενδ.] (1)
[Aq., Th. Le. 8. 13.]
[Sm. Le. 8. 13: II Ki. 6. 14.]

ὑποζύγιον. (1) אָתוֹן (2) חֲמוֹר, חֲמֹר
Ge. 36. 24. ἔνεμε τὰ ὑ. Σεβ. (2)
Ex. 4. 20. ἀνεβίβασεν αὐτὰ ἐπὶ τὰ ὑ. (2)
9. 3. χεὶρ κυρίου ἐπέσται . . . ἐν τοῖς ὑ. (2)
20. 10. ὁ βοῦς σου καὶ τὸ ὑ. σου –
Ex. 20. 17. οὔτε τοῦ βοὸς αὐ. οὔτε τοῦ ὑ. αὐ. (2)
22. 9 (8). περί τε μόσχου καὶ ὑποζυγίου (2)
— 10 (9). ἐὰν δέ τις δῷ τῷ πλησίον ὑποζύγιον (2)
— 30 (29). οὕτως ποιήσεις . . . τὸ ὑ. σου –
23. 4. ἐὰν δὲ συναντήσῃς . . . τῷ ὑ. αὐ. (2)
— 5. ἐὰν δὲ ἴδῃς τὸ ὑ. τοῦ ἐχθροῦ σου πεπτωκός (2)
— 12. ἵνα ἀναπαύσηται . . . τὸ ὑ. σου (2)
34. 20. πρωτότοκον ὑποζυγίου λυτρώσῃ προβάτῳ (2)
De. 5. 14. καὶ τὸ ὑ. σου καὶ πᾶν κτῆνός σου (2)
— 14. B² καὶ τὸ ὑ. σου –
— 21 (18). οὐκ ἐπιθυμήσεις . . . τοῦ ὑ. αὐ. (2)
Jo. 6. 20 (21). ἕως μόσχου καὶ ὑποζυγίου (2)
7. 24. ἀνήγαγεν αὐτὸν . . . καὶ τὰ ὑ. αὐ. (2)
Jd. 1. 14. A ἐγόγγυζεν ἐπάνω τοῦ ὑ. [B om. ἐ. τ. ὑ.] –
— 14. ἔκραξεν ἀπὸ τοῦ ὑ. (2)
5. 10. A ἐπιβεβηκότες ἐπὶ ὑποζυγίων [B al.] (1)
19. 3. A καὶ ζεῦγος ὑποζυγίων [B ὄνων] (2)
— 10. A καὶ μετ' αὐτοῦ ζεῦγος ὑποζυγίων [B ὄνων] ἐπισεσαγμένων (2)
— 21. A παρενέβαλεν τοῖς ὑ. αὐ. [B al.] (2)
— 28. A ἀνέλαβεν αὐτὴν ἐπὶ τὸ ὑ. [B τὸν ὄνον] (2)
II Ki. 16. 2. τὰ ὑ. τῇ οἰκίᾳ τοῦ βασ. (2)
II Ch. 28. 15. ἀνετλάβοντο καὶ ἐν ὑποζυγίοις παντὸς ἀσθενοῦντος (2)
I Es. 5. 43. ὑ. πεντακισχίλια πεντακόσια εἴκοσι πέντε
Jb. 24. 3. ὑποζύγιον ὀρφανῶν ἀπήγαγον (2)
Za. 9. 9. καὶ ἐπιβεβηκὼς ἐπὶ ὑποζύγιον (2)
[Th. Jd. 5. 10: 19. 10.]
[Al. Ge. 45, 17.]
[Quint. Za. 9. 9.]

ὑποζωννύναι.
II Ma. 3. 19. ὑπεζωσμέναι δὲ ὑπὸ τοὺς μαστοὺς

ὑπόθεμα. (1) מַחֲתָה
Ex. 25. 37 (38). τὰ ὑ. αὐτῆς ἐκ χρυσίου καθαροῦ ποιήσεις (1 ?)
[Aq. III Ki. 7. 27 (13).]

ὑπόθεσις.
IV Ma. 1. 12. A ἀρξαμένων [S R -ῳ] τῆς ὑ.

ὑποθραύεσθαι.
II Ma. 9. 11. R ἤρξατο . . . λήγειν ὑποτεθρανσμένος [A τεθρ.]

ὑποκαίειν. (1) נָפַח
Am. 4. 2. τοὺς μεθ' ὑμῶν εἰς λέβητας ὑποκαιομένους ἐμβαλοῦσιν [A al.] †
Je. 1. 13. A B S² εἶπα, Λέβητα ὑποκαιόμενον (1)
Ez. 24. 5. ὑπόκαιε τὰ ὀστᾶ ὑποκάτω αὐτῶν †
Da. LXX. 3. (25). ὑποκαιομένης τῆς καμίνου
— (46). οἱ δὲ ὑπέκαιον ὑποκάτωθεν αὐτῶν νάφθαν
IV Ma. 11. 18. ἐφ' οὗ . . . ὑπεκαίετο

ὑποκαλύπτειν.
Ex. 26. 12. A R τὸ ὑπολελειμμένον ὑποκαλύψεις †
— 12. ὑποκαλύψεις [A ἐπικ.] ὀπίσω τῆς σκηνῆς †

ὑποκάτω. (1) לְמַטָּה (2) a. תַּחַת b. תַּחַת לְ c. מִתַּחַת d. מִתַּחַת לְ e. אֶל־תַּחַת f. תַּחְתּוֹן g. תְּחוֹת h. אֶל־תַּחַת לְ (3) τὰ ὑ. תַּחַת
Ge. 1. 7. ὃ ἦν ὑπόκατω τοῦ στερεώματος (2 d)
— 9. συναχθήτω τὸ ὕδωρ τὸ ὑ. τοῦ οὐρανοῦ (2 c)
— 9. συνήχθη τὸ ὕδωρ τὸ. ὑ. τοῦ οὐρανοῦ –
6. 17. καταφθεῖραι πᾶσαν σάρκα . . . ὑ. τοῦ οὐρ. (2 c)
7. 19. ἃ ἦν ὑ. τοῦ οὐρανοῦ (2 a)
21. 15. ἔρριψε τὸ παιδίον ὑ. μιᾶς ἐλάτης (2 a)
Ex. 20. 4. ὅσα ἐν τοῖς ὕδασιν ὑ. τῆς γῆς (2 d)
Le. 15. 10. ὅσα ἐὰν ᾖ ὑ. αὐτοῦ (2 a)
Nu. 16. 31. ἐρράγη ἡ γῆ ὑ. [A add. τῶν ποδῶν] αὐτῶν (2 a)
22. 27. συνεκάθισεν ὑ. Βαλαάμ (2 a)
De. 2. 25. ἐπὶ πρόσωπον πάντων τῶν ἐθνῶν τῶν ὑ. τοῦ οὐρ. (2 a)
4. 18. ὅσα ἐστὶν ἐν τοῖς ὕδασιν ὑ. τῆς γῆς (2 d)
— 19. πᾶσι τοῖς ἔθνεσι τοῖς ὑ. τοῦ οὐρ. (2 a)
5. 8. ὅσα ἐν τοῖς ὕδασιν ὑ. τῆς γῆς (2 d)
12. 2. καὶ ὑ. δένδρου δασέος (2 a)
28. 13. καὶ οὐκ ἔσῃ ὑ. (1)
— 23. ἔσται . . . ἡ γῆ ἡ ὑ. σου σιδηρᾶ (2 a)
Jo. 7. 21. τὸ ἀργύριον κέκρυπται ὑ. αὐτῶν (2 a)
— 22. καὶ τὸ ἀργύριον ὑ. αὐτῶν (2 a)

Jd. 1. 7. ἦσαν συλλέγοντες τὰ ὑ. τῆς τραπέζης μου (3)
7. 8. ἡ παρεμβολὴ Μ. ἦσαν αὐτοῦ ὑ. [A *al.*] (2 *c*)
I Ki. 7. 11. ἐπάταξαν αὐτοὺς ἕως ὑ. τοῦ Β. (2 *d*)
II Ki. 2. 23. ἀποθνήσκει ὑ. αὐτοῦ (2 *a*)
18. 9. ὁ ἡμίονος ὑ. [A ὁ ὑ.] αὐτοῦ παρῆλθε (2 *a*)
22. 10. καὶ γνόφος ὑ. τῶν ποδῶν αὐ. (2 *a*)
— 37. εἰς τὰ διαβήματά μου ὑ. μου (2 *a*)
— 40. κάμψεις τοὺς ἐπανιστανομ. μοι ὑ. μου (2 *a*)
— 48. παιδεύων λαοὺς ὑ. μου (2 *a*)
III Ki. 4. 12. ὁ παρὰ Σ. ὑ. τοῦ Ἐ. (2 *d*)
6. 6. ἡ πλευρὰ ἡ ὑ. πέντε πήχεων (2 *f*)
7. 25. δώδεκα βόες ὑ. τῆς θαλάσσης –
— 30. ὠμίαι ὑ. τῶν λουτήρων (2 *d*)
— 44. καὶ τοὺς βόας δώδεκα ὑ. τῆς θαλ. (2 *a*)
14. 23. καὶ ὑ. παντὸς ξύλου συσκίου (2 *a*)
19. 4. ἐκάθισεν ὑ. ῥαθμέν (2 *a*)
IV Ki. 8. 22. ἠθέτησεν Ἐ. ὑ. [A -ωθεν] τῆς χειρὸς Ἰ. (2 *c*)
9. 13. καὶ ἔθηκαν ὑ. αὐτοῦ (2 *a*)
16. 4. ἐθυμία . . . ὑ. παντὸς ξύλου ἀλσώδους (2 *a*)
— 17. τὴν θάλ. καθεῖλεν ἀπὸ τῶν βοῶν τῶν χαλκῶν τῶν ὑ. αὐτῆς (2 *a*)
17. 10. καὶ ὑ. παντὸς ξύλου ἀλσώδους (2 *a*)
I Ch. 17. 1. καὶ ἡ κιβ. διαθήκης κυρίου ὑ. δέρρεων (2 *a*)
II Ch. 4. 3. ὁμοίωμα μόσχων ὑ. [A -ωθεν] αὐτῆς (2 *b*)
— 15. καὶ τοὺς μόσχους τοὺς δώδεκα ὑ. αὐτῆς (2 *a*)
5. 7. ὑ. τῶν πτερύγων τῶν χερ. (2 *e*)
28. 4. ἐθυμία . . . ὑ. παντὸς ξύλου ἀλσώδους (2 *a*)
Ne. 2. 14. οὐκ ἦν τόπος τῷ κτήνει παρελθεῖν ὑ. μου (2 *a*)
Ju. 6. 11. αἱ ἦσαν ὑ. Βετ.
— 13. ὑποδύσαντες ὑ. τοῦ ὄρους
Jb. 26. 8. οὐκ ἐρράγη νέφος ὑ. [A -ωθεν] αὐτοῦ (2 *a*)
28. 5. ὑ. αὐτῆς ἐστράφη ὡσεὶ πῦρ (2 *a*)
36. 16. ἄβυσσος κατάχυσις ὑ. αὐτῆς (2 *a*)
37. 3. B S ὑ. παντὸς τοῦ οὐρανοῦ ἀρχὴ αὐτοῦ (2 *a*)
Ps. 8. 7. πάντα ὑπέταξας ὑ. τῶν ποδῶν αὐτοῦ (2 *a*)
17 (18). 36. ἐπλάτυνας τὰ διαβήματά μου ὑ. μου (2 *a*)
— 39. συνεπόδισας πάντας τοὺς ἐπανιστανομένους ἐπ' ἐμὲ ὑ. μου (2 *a*)
44 (45). 5. λαοὶ ὑ. σου πεσοῦνται (2 *a*)
Si. 36 (33). 6. ὑ. παντὸς ἐπικαθημένου χρεμετίζει
Ho. 4. 13. ἔθυον ὑ. δρυός (2 *a*)
Am. 2. 13. κυλίω ὑ. ὑμῶν (2 *a*)
Mi. 4. 4. ἀναπαύσεται ἕκαστος ὑ. ἀμπέλου αὐ. καὶ ἕκαστος ὑ. συκῆς αὐ. (2 *a*, 2 *a*)
Ob. 1. 7. ἔθηκαν ἔνεδρα ὑ. σου (2 *a*)
Jn. 4. 5. ἐκάθητο ὑ. αὐτῆς ἐν σκιᾷ (2 *a*)
Za. 3. 11 (10). ὑ. ἀμπέλου καὶ ὑ. συκῆς (2 *e*, 2 *e*)
Ma. 4. 3 (3. 21). ἔσονται σποδὸς ὑ. τῶν ποδῶν ὑμῶν (2 *a*)
Is. 10. 4. A S ὑ. ἀνῃρημένων πεσοῦνται (2 *a*)
14. 11. ὑ. σου στρώσουσι σῆψιν (2 *a*)
Je. 2. 20. ὑ. παντὸς ξύλου κατασκίου (2 *a*)
3. 6. ὑ. παντὸς ξύλου ἀλσώδους (2 *e*)
— 13. ὑ. παντὸς ξύλου ἀλσώδους (2 *a*)
45 (38). 12. ταῦτα θὲς ὑ. τῶν σχοινίων (2 *d*)
52. 20. οἱ μόσχοι δώδεκα χαλκοῖ ὑ. τῆς θαλάσσης (2 *a*)
Ba. 2. 2. οὐκ ἐποίηθη ὑ. παντὸς τοῦ οὐρανοῦ
— 5. ἐγενήθησαν ὑ. καὶ οὐκ ἐπάνω
La. 3. 66. ἐξαναλώσεις αὐτοὺς ὑ. τοῦ οὐρανοῦ (2 *c*)
Ez. 1. 23. A B^1 ὑ. [B^2R -ωθεν] τοῦ στερεώματος αἱ πτέρυγες αὐτῶν (2 *a*)
6. 13. ὑ. δένδρου συσκίου (2 *a*)
— 13. A ὑ. πάσης δρυὸς δασείας (2 *a*)
10. 2. εἰς τὸ μέσον τῶν τροχῶν τῶν ὑ. τῶν χερουβίμ (2 *h*)
— 20. ὃ ἴδον ὑ. θεοῦ Ἰσραήλ (2 *a*)
— 22. ἃ ἴδον ὑ. τῆς δόξης θεοῦ Ἰσραήλ –
17. 6. ῥίζαι αὐτῆς ὑ. αὐτῆς ἦσαν (2 *a*)
— 23. ἀναπαύσεται ὑ. αὐτοῦ πᾶν ὄρνεον [A θηρίον] (2 *a*)
24. 5. ὑπόκαιε τὰ ὀστᾶ ὑ. αὐτῶν (2 *a*)
31. 6. ὑ. τῶν κλάδων αὐτοῦ ἐγεννῶσαν (2 *a*)
40. 18. κατὰ τὸ μῆκος τῶν πυλῶν τὸ περίστυλον τὸ [A τῷ] ὑ. (2 *f*)
46. 23. μαγειρεῖα γεγονότα ὑ. τῶν ἐξεδρῶν κύκλῳ (2 *c*)
47. 1. A ὕδωρ ἐξεπορεύετο ὑ. [B -ωθεν] τοῦ αἰθρίου (2 *c*)
Da. LXX. 4. 9. ὑ. αὐτοῦ ἐσκίαζον πάντα τὰ θηρία τῆς γῆς (2 *g*)
— 9. πληροῦν τὰ ὑ. τοῦ οὐρανοῦ –
Da. TH. 4. 9. ὑ. αὐτοῦ κατεσκήνουν τὰ θηρία τὰ ἄγρια (2 *g*)
— 18. ὑ. αὐτοῦ κατῴκουν τὰ θηρία τὰ ἄγρια (2 *g*)
7. 27. ἡ μεγαλωσύνη τῶν βασ. τῶν ὑ. παντὸς τοῦ οὐρ. (2 *g*)
8. 8. ἀνέβη ἕτερα κέρατα τέσσαρα ὑ. αὐτοῦ (2 *a*)
— 22. οὗ ἔστησαν τέσσαρα ὑ. κέρατα (2 *a*)
9. 12. οἷα οὐ γέγονεν ὑ. παντὸς τοῦ οὐρ. (2 *a*)
[Aq. Dt. 4. 19: Jo. 6. 5: 24. 26: IV Ki. 9. 13: Ca. 8. 5: Is. 57. 5: Ez. 6. 13: Ho. 4. 13: Am. 2. 13: Mi. 4. 4.]
[Sm. Dt. 7. 24: Jo. 6. 5: Jb. 9. 13: Is. 25. 10: 57. 5: Je. 52. 20: Ez. 6. 13.]
[Th. Dt. 4. 19: 7. 24: Jo. 6. 5: 24. 26: Is. 57. 5: Je. 38 (45). 9: Ez. 6. 13 (Sw.), 13: Mi. 4. 4.]
[Al. Ge. 49. 25: Ex. 26. 21.]

ὑποκάτωθεν. (1) *a.* תַּחַת *b.* תַּחַת לְ *c.* מִתַּחַת *d.* מִתַּחַת לְ *e.* תַּחְתּוֹן *f.* מִן־תַּחוֹת
De. 9. 14. ἐξαλείψω τὸ ὄνομα αὐ. ὑ. τοῦ οὐρ. (1 *c*)
Jd. 7. 8. A ἡ δὲ παρεμβολὴ Μ. ἦν ὑ. αὐτοῦ [B *al.*] (1 *c*)
III Ki. 6. 8. ὁ πυλὼν τῆς πλευρᾶς τῆς ὑ. ὑπὸ τὴν ὠμίαν †
7. 24. καὶ ὑποστηρίγματα ὑ. τοῦ χείλους αὐ. (1 *d*)
— 29. καὶ ὑ. τῶν λεόντων . . . χῶραι (1 *d*)
— 32. A εἰς ὑ. τῶν διαπήγων (1 *d*)
IV Ki. 8. 20. ἠθέτησεν Ἐ. ὑ. χειρὸς Ἰ. (1 *c*)
— 22. A ἠθέτησεν Ἐ. ὑ. [B -τω] τῆς χειρὸς Ἰ. (1 *c*)
13. 5. ἐξῆλθεν ὑ. χειρὸς Συρίας (1 *c*)
14. 27. ἐξαλεῖψαι τὸ σπέρμα Ἰσρ. ὑ. τοῦ οὐρ. (1 *c*)
17. 7. τῷ ἀναγαγόντι αὐτοὺς ἐκ γῆς Αἰγ. ὑ. χειρὸς Φ. (1 *c*)
II Ch. 4. 3. A ὁμοίωμα μόσχων ὑ. [B -τω] αὐτῆς (1 *b*)
Jb. 18. 16. ὑ. αἱ ῥίζαι αὐτοῦ ξηρανθήσονται (1 *c*)
26. 5. μὴ γίγαντες μαιωθήσονται ὑ. ὕδατος [S^1 *al.*] (1 *c*)
— 8. A οὐκ ἐρράγη νέφος ὑ. [B S -τω] αὐτοῦ (1 *a*)
Am. 2. 9. ἐξήρανα . . . τὰς ῥίζας αὐ. ὑ. (1 *c*)
Mi. 1. 4. σαλευθήσεται τὰ ὄρη ὑ. αὐτοῦ (1 *a*)
Hb. 3. 16. ὑ. μου ἐταράχθη ἡ ἕξις μου (1 *a*)
Za. 6. 12. ὑ. αὐτοῦ ἀνατελεῖ (1 *c*)
Je. 10. 11. ὑ. τοῦ οὐρανοῦ τούτου (1 *f*)
La. 3. 66. R ἐξαναλώσεις αὐτοὺς ὑ. [A B -ω] τοῦ οὐρ. (1 *c*)
Ez. 1. 8. χεὶρ ἀνθρώπου ὑ. τῶν πτερύγων αὐτῶν (1 *c*)
— 23. B^2R ὑ. [A B^1 -τω] τοῦ στερεώματος αἱ πτέρυγες αὐτῶν (1 *a*)
10. 8. ὁμοίωμα χειρῶν ἀνθρώπων ὑ. τῶν πτερύγων αὐτῶν (1 *a*)
— 21. ὁμοίωμα χειρῶν ἀνθρώπου ὑ. τῶν πτερύγων αὐτῶν (1 *a*)
42. 5. ἐξείλετο . . . ἐκ τοῦ ὑ. περιστύλου (1 *e*)
— 6. ἐξείχοντο τῶν ὑ. καὶ τῶν μέσων (1 *e*)
43. 14. ὑ. πηχῶν δύο (1 *e*)
47. 1. ὕδωρ ἐξεπορεύετο ὑ. [A -τω] τοῦ αἰθρίου (1 *c*)
Da. LXX. 3. (46). οἱ δὲ ὑπέκαιον ὑ. αὐτῶν νάφθαν
Da. TH. 4. 11. σαλευθήτωσαν τὰ θηρία ὑ. αὐτοῦ (1 *a*)
[Sm. Dt. 33. 27.]
[Th. Jb. 18. 16: 26. 5.]
[Al. Ex. 26. 33.]

ὑπόκεισθαι. (1) יֵשׁ
I Es. 8. 8. οὗ ἐστιν ἀντίγραφον τὸ ὑποκείμενον
Jb. 16. 4. εἰ ὑπέκειτό γε ἡ ψυχὴ ὑμῶν ἀντὶ τῆς ἐμῆς [A ἐ. ψυχῆς] (1)
I Ma. 12. 7. ὡς τὸ ἀντίγραφον ὑπόκειται
[Sm. Jb. 16. 4.]

ὑποκρίνεσθαι. (1) עָנָה
Jb. 39. 32 (40. 2). S^1 ἐλέγχων δὲ θεὸν ὑποκριθήσεται [A B S^2 ἀποκρ.] αὐτήν (1)
Si. 1. 29. μὴ ὑποκριθῇς ἐν στόμασιν ἀνθρώπων
35 (32). 15. ὁ ὑποκρινόμενος σκανδαλισθήσεται ἐν αὐτῷ
36 (33). 2. ὁ δὲ ὑποκρινόμενος [S ἐνυπ.] ἐν αὐτῷ ὡς ἐν καταιγίδι πλοῖον
II Ma. 5. 25. καὶ τὸν εἰρηνικὸν ὑποκριθείς
6. 21. ὑποκρίναι δὲ ὡς ἐσθίοντα
— 24. οὐ γὰρ τῆς ἡμετ. ἡλικίας ἄξιόν ἐστιν ὑποκριθῆναι
IV Ma. 6. 15. ὑποκρινόμενος τῶν ὑείων ἀπογεύσασθαι
— 17. ὥστε . . . ἀπρεπὲς ἡμῖν δρᾶμα ὑποκρίνασθαι [Sm. Pr. 16. 28.]

ὑπόκρισις.
II Ma. 6. 25. καὶ αὐτοὶ διὰ τὴν ἐμὴν ὑ. . . . πλανηθῶσι
[Aq., Th. Is. 32. 6.]
[Sm. Ps. 34 (35). 16: Is. 32. 6.]

ὑποκριτής. (1) חָנֵף
Jb. 34. 30. βασιλεύων ἄνθρωπον ὑποκριτὴν ἀπὸ δυσκολίας λαοῦ (1)
36. 13. ὑποκριταὶ καρδίᾳ τάξουσι θυμόν (1)
[Aq. Jb. 15. 34: 20. 5: Pr. 11. 9: Is. 33. 14.]
[Sm. Pr. 11. 9: Is. 33. 14: Ho. 6. 9.]
[Th. Jb. 15. 34: 36. 13: Pr. 11. 9: Is. 33. 14.]

ὑπολαμβάνειν. (1) אָחַז (2) בּוֹא (3) דָּלָה pi. (4) דָּמָה pi. (5) חָשַׁב pi. (6) יָתַר ni. (7) *a.* עָנָה *b.* עֲנָה (8) ἃ ὑπέλαβες רַעְיוֹן
IV Ki. 20. 17. A οὐχ ὑποληφθήσεται [B -λειφθ.] ῥῆμα (6)
II Ch. 25. 8. ἐὰν ὑπολάβῃς κατισχῦσαι ἐν τούτοις (2)
I Es. 2. 20. καλῶς ἔχειν ὑπολαμβάνομεν
To. 6. 17. ὑπολαμβάνω ὅτι σοὶ ἔσται ἐξ αὐτῆς παιδία
Es. 8. 13. ὑπολαμβάνουσιν [A S^1 διαλ.] ἐκφεύξεσθαι δίκην
Jb. 2. 4. ὑπολαβὼν δὲ ὁ διάβολος εἶπε τῷ κυρίῳ (7 *a*)
4. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἐλιφὰζ ὁ Θαιμανίτης λέγει (7 *a*)
6. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει (7 *a*)
8. 1. ὑπολαβὼν δὲ Βαλδὰδ ὁ Σαυχίτης λέγει (7 *a*)
9. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει (7 *a*)
11. 1. ὑπολαβὼν δὲ Σωφὰρ ὁ Μιναῖος λέγει (7 *a*)
12. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει (7 *a*)
15. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἐλιφὰζ ὁ Θαιμανίτης λέγει (7 *a*)
16. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει (7 *a*)
18. 1. ὑπολαβὼν δὲ Βαλδὰδ ὁ Σαυχίτης λέγει (7 *a*)
19. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει (7 *a*)
20. 1. ὑπολαβὼν δὲ Σωφὰρ ὁ Μιναῖος λέγει (7 *a*)
— 2. οὐχ οὕτως ὑπελάμβανον ἀντερεῖν [A σε εἶναι καὶ ἀντ.] σε ταῦτα †
21. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει (7 *a*)
22. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἐλιφὰζ ὁ Θαιμανίτης λέγει (7 *a*)
23. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει (7 *a*)
25. 1. ὑπολαβὼν δὲ Βαλδὰδ ὁ Σαυχίτης λέγει (7 *a*)
— 3. μὴ γάρ τις ὑπολάβοι ὅτι ἐστὶ παρέλκυσις πειραταῖς –
26. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει (7 *a*)
32. 6. ὑπολαβὼν δὲ Ἐλιοὺς ὁ τοῦ Βαρ. ὁ Β. εἶπε (7 *a*)
— 17: 33. 31 (A). ὑπολαβὼν δὲ Ἐλιοὺς λέγει –
34. 1: 35. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἐλιοὺς λέγει (7 *a*)
39. 33 (40. 3). ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει [A εἶπεν] τῷ κυρίῳ (7 *a*)
40. 1 (6). ἔτι δὲ ὑπολαβὼν ὁ κύριος εἶπε τῷ Ἰώβ (7 *a*)
42. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει τῷ κυρίῳ (7 *a*)
Ps. 16 (17). 12. ὑπέλαβόν με ὡσεὶ λέων ἕτοιμος εἰς θήραν †
29 (30). 1. ὑπέλαβές με (3)
47 (48). 6. A τρόμος ὑπελάβετο [B S ἐπελ.] αὐτῶν (1)
— 9. ὑπελάβομεν, ὁ θεὸς, τὸ ἔλεός σου (4)
49 (50). 21. B ὑπέλαβες ἀνομίαν [S^1 ἄνομε] ὅτι ἔσομαί σοι ὅμοιος (4)
67 (68). 16. ἵνα τί ὑπολαμβάνετε [B^1 S -αι] ὄρη τετυρωμένα †
72 (73). 16. ὑπέλαβον τοῦ γνῶναι (5)
Wi. 12. 24. θεοὺς ὑπολαμβάνοντες τὰ καὶ ἐν ζῴοις τῶν ἐχθρῶν ἄτιμα
13. 3. ὧν εἰ μὲν τῇ καλλονῇ τερπόμενοι θεοὺς ὑπελάμβανον [A S *al.*]
17. 2. ὑπειληφότες γὰρ καταδυναστεύειν ἔθνος ἅγιον ἄνομοι
Je. 44 (37). 9. μὴ ὑπολάβητε ταῖς ψυχαῖς ὑμῶν †
Da. LXX. 2. 30. ἃ ὑπέλαβες τῇ καρδίᾳ σου (8)
3. 9. ὑπολαβόντες εἶπον Ναβ. τῷ βασ. (7 *b*)
— 28 (95). ὑπολαβὼν δὲ Ναβ. ὁ βασ. εἶπεν (7 *b*)
I Ma. 1. 16. ὑπέλαβε βασιλεῦσαι γῆς Αἰγύπτου
II Ma. 6. 24. πολλοὶ τῶν νέων ὑπολαβόντες Ἐλεάζαρον
— 29. ὡς αὐτοὶ ὑπελάμβανον
12. 12. Ἰ. δὲ ὑπολαβών
III Ma. 3. 8. καὶ μεταπεσεῖσθαι ταῦτα ὑπελάμβανον
— 11. ὑπολαμβάνων δὲ διηνεκῶς ἐν τῇ αὐτῇ διαμένειν βουλῇ

IV Ma. 5. 18. ὡς σὺ ὑπολαμβάνεις
8. 13. ὑπολαβὼν δὲ ὁ τύραννος ἔφη
[Aq. Ps. 49 (50). 21.]
[Sm. I Ki. 22. 15 : Ec. 7. 24 (23) : 10. 3.]
[Th. Da. 3. 9†.]

ὑπόλειμμα (-λιμμα). (1) שָׁרִיד (2) *a.* שְׁאָר ni. *b.* שְׁאָר *c.* שְׁאֵרִית

I Ki. 9. 24. ἰδοὺ ὑπόλειμμα (2 *a*)
IV Ki. 21. 14. ἀπεώσομαι τὸ ὑ. τῆς κληρονομίας μου (2 *c*)
Jb. 20. 21. οὐκ ἔστιν ὑπόλειμμα τοῖς βρώμασιν αὐτοῦ (1)
Wi. 13. 12. A τὰ δὲ ὑ. [B S ἀποβλήματα] τῆς ἐργασίας
Mi. 4. 7. θήσομαι τὴν συντετριμμένην εἰς ὑπόλειμμα (2 *c*)
5. 7 (6). ἔσται τὸ ὑ. τοῦ Ἰ. ἐν τοῖς ἔθνεσιν (2 *c*)
— 8 (7). ἔσται τὸ ὑ. Ἰ. ἐν τοῖς ἔθνεσιν (2 *c*)
Ma. 2. 15. καὶ ὑπόλειμμα πνεύματος αὐ. (2 *b*)
I Ma. 6. 53. κατέφαγον τὸ ὑ. τῆς παραθέσεως
[Aq. Is. 11. 11 : Je. 15. 11.]
[Sm. Is. 11. 11.]
[Th. Jb. 4. 21 : 20. 21 : Is. 11. 11.]
[Al. Jb. 4. 21.]

ὑπολείπειν. (1) אָצַל (2) גָּרַם (3) יָצַג hoph. (4) יָתַר *a.* ni. *b.* hi. *c.* יֶתֶר (5) עָדַף (6) עָזַב (7) עָמַד (8) שׂוּם (9) שָׁאַר *a.* ni. *b.* hi. (10) שָׁבַק ithpe.

Ge. 27. 36. R οὐχ ὑπέλιπου [A -λείπω] μοι εὐλογίαν (1)
30. 36. ἐποίμαινε τὰ πρόβατα Λ. τὰ ὑπολειφθέντα (4 *a*)
32. 24 (25). ὑπελείφθη δὲ Ἰ. μόνος (4 *a*)
44. 20. αὐτὸς δὲ μόνος ὑπελείφθη τῷ πατρὶ αὐ. (4 *a*)
45. 7. ὑπολείπεσθαι ὑμῶν κατάλειμμα ἐπὶ τῆς γῆς (8)
47. 18. οὐχ ὑπολείπεται ἡμῖν ἐναντίον τοῦ κ. (9 *a*)
50. 8. τοὺς βόας ὑπελίποντο [A -λείπ.] ἐν γῇ Γ. (6)
Ex. 8. 9 (5), 11 (7). πλὴν ἐν τῷ ποταμῷ ὑπολειφθήσονται (9 *a*)
10. 12. ὃν ὑπελίπετο [A ἃ ὑπελείπ.] ἡ χάλαζα (9 *b*)
— 15. ὃς ὑπελείφθη ἀπὸ τῆς χαλάζης (4 *b*)
— 15. οὐχ ὑπελείφθη [A οὐ κατελ.] χλωρὸν οὐδέν (4 *a*)
— 19. οὐχ ὑπελείφθη ἀκρὶς μία (9 *a*)
— 24. B πλὴν τῶν προβάτων . . . ὑπολίπεσθε [A R -λείπ.] (3)
— 26. B οὐχ ὑπολειφθησόμεθα [A R -λειψόμεθα] ὁπλήν (9 *a*)
23. 11. A B² R τὰ δὲ ὑπολειπόμ. [B¹ -λιπ.] ἔδεται τὰ ἄγρια θηρία (4 *c*)
26. 12. A R τὸ ὑπολελειμμένον ὑποκαλύψεις (5)
Le. 23. 22. τῷ προσηλύτῳ ὑπολείψῃ αὐτό (6)
Jo. 10. 8. οὐχ ὑπολειφθήσεται [A -στήσεται] ἐξ αὐτῶν οὐθείς (7)
12. 4. *Ωγ . . . ὑπελείφθη ἐκ τῶν γιγάντων (4 *c*)
13. 1. ἡ γῆ ὑπολέλειπται πολλὴ εἰς κληρονομίαν (9 *a*)
21. 26. τοῖς δήμοις υἱῶν Κ. τοῖς ὑπολελειμμ. (4 *a*)
23. 12. A ἐὰν γὰρ . . . ὑπολειφθῆτε [B προσθῆσθε] τοῖς ὑπολειφθεῖσιν ἔθνεσι τούτοις (†, 4 *c* + 9 *a*)
Jd. 6. 4. A οὐχ ὑπελείποντο ὑπόστασιν ζωῆς [B *al.*] (9 *b*)
7. 3. δέκα χιλιάδες ὑπελείφθησαν (9 *a*)
21. 7. τί ποιήσωμεν . . . τοῖς ὑπολειφθεῖσιν εἰς γυναῖκας (4 *a*)
I Ki. 5. 4. ἡ ῥάχις Δαγὼν ὑπελείφθη (9 *a*)
11. 11. οἱ ὑπολελειμμένοι διεσπάρησαν (9 *a*)
— 11. οὐχ ὑπελείφθησαν ἐν αὐτοῖς δύο (9 *a*)
14. 36. B¹ μὴ ὑπολίπωμεν [A B² R -λείπ.] ἐν αὐτοῖς ἄνδρα (9 *b*)
25. 22. εἰ ὑπολείψομαι . . . οὐροῦντα πρὸς τοῖχον (9 *b*)
— 34. εἰ ὑπολειφθήσεται τῷ N. . . . οὐρῶν πρὸς τοῖχον (4 *a*)
30. 21. R τοὺς διακοσίους ἄνδρας τοὺς ὑπολειφθέντας [A B *al.*] †
II Ki. 8. 4. B ὑπελίπετο [A R -λείπ.] ἑαυτῷ ἑκατὸν ἅρματα (4 *b*)
9. 1. εἰ ἔστιν ἔτι ὑπολελειμμένος τῷ οἴκῳ Σ. (4 *a*)
— 3. εἰ ὑπολέλειπται ἐκ τοῦ οἴκου Σ. ἔτι ἀνήρ †
17. 12. οὐχ ὑπολειψόμεθα ἐν αὐτῷ . . . καί γε ἕνα (4 *b*)
III Ki. 9. 20. A πάντα τὸν λαὸν τὸν ὑπολελειμμ. ὑπὸ τοῦ Ἀμ. (4 *a*)
10. 22 (9. 20). R πάντα τὸν λαὸν τὸν ὑπολελειμμένον [B -δεδειγμ.] ὑπὸ τοῦ Χ. (4 *a*)
— 22 (9. 21). τὰ τέκνα αὐ. τὰ ὑπολελειμμ. μετ' αὐτούς (4 *a*)
15. 29. B οὐχ ὑπελίπετο [A R -λείπ.] πᾶσαν πνοὴν τοῦ Ἱερ. (9 *b*)
16. 12 (11). A οὐχ ὑπέλειπεν αὐτῷ οὐροῦντα πρὸς τοῖχον (9 *b*)
17. 17. οὐχ ὑπελείφθη ἐν αὐτῷ πνεῦμα (4 *a*)
18. 22. ὑπολέλειμμαι προφήτης τοῦ κ. μονώτατος (4 *a*)
19. 10, 14. ὑπολέλειμμαι ἐγὼ μονώτατος (4 *a*)
22. 47. A περισσὸν . . . οὐχ ὑπελείφθη ἐν ἡμέραις Ἀ. (9 *a*)
IV Ki. 7. 13. λαβέτωσαν δὴ πέντε τῶν ἵππων τῶν ὑπολελειμμ. (9 *a*)
13. 7. οὐχ ὑπελείφθη τῷ Ἰ. λαός (9 *b*)
17. 18. οὐχ ὑπελείφθη πλὴν φυλὴ Ἰ. μονωτάτη (9 *a*)
19. 30. προσθήσει . . . τὸ ὑπολειφθὲν ῥίζαν κάτω (9 *a*)
20. 17. οὐχ ὑπολειφθήσεται [A -ληφθ.] ῥῆμα (4 *a*)
24. 14. οὐχ ὑπελείφθη πλὴν οἱ πτωχοί (9 *a*)
25. 12. ἀπὸ τῶν πτωχῶν τῆς γῆς ὑπέλιπεν [A -λειπεν] (9 *b*)
I Ch. 13. 2. ἀποστείλωμεν πρὸς τοὺς ἀδ. ἡμῶν τοὺς ὑπολελειμμ. (9 *a*)
18. 4. B S ὑπελίπετο [A R -λείπ.] ἐξ αὐτῶν ἑκατὸν ἅρματα (4 *b*)
Ju. 8. 7. ὑπελείπετο [S -λίπ.] αὐτῇ Μαν. . . . χρυσίον
10. 19. ὑπολείπεσθαι [S -λιπ.] ἐξ αὐτῶν ἄνδρα ἕνα
13. 2. A B ὑπελείφθη δὲ Ἰ. μόνη
Ps. 105 (106). 11. εἷς ἐξ αὐτῶν οὐχ ὑπελείφθη (4 *a*)
Pr. 2. 20. A S² ἄκακοι [S¹ ὅσιοι] δὲ ὑπολειφθήσονται ἐν αὐτῇ –
— 21. A B S² ὅσιοι ὑπολειφθήσονται ἐν αὐτῇ (4 *a*)
11. 26. A S R ὁ συνέχων σῖτον ὑπολείποιτο [B -λίπ.] αὐτὸν τοῖς ἔθνεσιν †
Wi. 14. 6. S¹ ὑπέλιπεν [A B S² ἀπέλ.] τῷ αἰῶνι σπέρμα γενέσεως
Am. 5. 3. ὑπολειφθήσονται ἑκατόν (9 *b*)
— 3. ὑπολειφθήσονται δέκα (9 *b*)
6. 9. ἐὰν ὑπολειφθῶσι δέκα ἄνδρες ἐν οἰκίᾳ μιᾷ (4 *a*)
— 9. ὑπολειφθήσονται οἱ κατάλοιποι –
Jl. 2. 14. καὶ ὑπολείψεται ὀπίσω αὐτοῦ εὐλογίαν (9 *b*)
Ob. 1. 5. B S οὐκ ἂν ὑπελίποντο [A -λείπ.] ἐπιφυλλίδας (9 *b*)
Hb. 2. 8. σκυλεύσουσι πάντες οἱ ὑπολελειμμένοι λαοί (4 *c*)
Ze. 3. 3. οὐχ ὑπελίποντο [A -λείπ., S¹ -λείφθησαν] εἰς τὸ πρωΐ (2)
— 12. ὑπολείψομαι [S¹ -ωμαι] ἐν σοὶ λαὸν πραῦν (9 *b*)
Za. 9. 7. ὑπολειφθήσονται καὶ οὗτοι τῷ θεῷ ἡμῶν (9 *a*)
10. 10. οὐ μὴ ὑπολειφθῇ ἐξ αὐτῶν οὐδὲ εἷς †
12. 14. πᾶσαι αἱ ὑπολελειμμέναι φυλαί [A φ. αἱ ὑ.] (9 *a*)
13. 8. τὸ δὲ τρίτον ὑπολειφθήσεται ἐν αὐτῇ (4 *a*)
Ma. 4. 1 (3. 19). οὐ μὴ ὑπολειφθῇ ἐξ αὐτῶν ῥίζα (6)
Is. 4. 3. ἔσται τὸ ὑπολειφθὲν ἐν Σιών (9 *a*)
Je. 5. 10. ὑπολίπεσθε [A -λείπ.] τὰ ὑποστηρίγματα αὐτῆς †
24. 8. παραδώσω . . . τοὺς ὑπολελειμμένους ἐν τῇ γῇ [A πόλει] ταύτῃ (9 *a*)
27 (50). 20. ἵλεως ἔσομαι τοῖς ὑπολελειμμένοις ἐπὶ τῆς γῆς (9 *b*)
29 (49). 11. B² S³ R οὐκ ἔστιν ὑπολείπεσθαι [A B¹ S¹ -λιπ.] ὀρφανόν σου (6)
Ez. 6. 8. A ὑπολείψομαι [B *om.*] ἐν τῷ γενέσθαι ἐξ ὑμῶν (4 *b*)
— 12. A ὁ ὑπολειφθεὶς [B *om.* ὁ ὑ.] . . . ἐν λιμῷ συντελεσθήσεται (9 *a*)
12. 16. ὑπολείψομαι ἐξ αὐτῶν ἄνδρας (4 *b*)
14. 20. ἐὰν υἱοὶ ἢ θυγατέρες ὑπολειφθῶσιν †
— 22. ὑπολελειμμένοι ἐν αὐτῇ οἱ ἀνασεσωσμένοι (4 *a*)
Da. TH. 2. 44. ἡ βασιλεία αὐ. λαῷ ἑτέρῳ οὐχ ὑπολειφθήσεται (10)
10. 8. ἐγὼ ὑπελείφθην μόνος (9 *a*)
— 8. οὐχ ὑπελείφθη ἐν ἐμοὶ ἰσχύς (9 *a*)
— 17. πνεῦμα οὐχ ὑπελείφθη ἐν ἐμοί (9 *a*)
I Ma. 6. 54. ὑπελείφθησαν ἐν τοῖς ἁγίοις ἄνδρες ὀλίγοι
10. 14. A ὑπελείφθησάν τινες τῶν καταλειπόντων [S R -λιπ.] τὸν νόμον
IV Ma. 13. 27. A R ἀνέσχοντο . . . οἱ ὑπολελειμμένοι [S -λειπόμενοι]
[Aq. I Ki. 9. 24 : III Ki. 22. 47 : Is. 11. 11 : 24. 6 : Je. 41 (48). 10.]
[Sm. I Ki. 9. 24 : 25. 34 : Je. 15. 11.]
[Th. Je. 27 (34). 18, 19 : 39 (46). 9 : Ez. 6. 8, 12 : 9. 8.]
[Al. Le. 27. 18 : Jo. 23. 12.]

ὑπολήνιον. (1) יֶקֶב

Jl. 3 (4). 13. ὑπερεκχεῖτε τὰ ὑ. (1)
Hg. 2. 17 (16). εἰσεπορεύεσθε εἰς τὸ ὑ. (1)
Za. 14. 10. ἕως τῶν ὑ. τοῦ βασ. (1)
Is. 16. 10. οὐ μὴ πατήσουσιν οἶνον εἰς τὰ ὑ. (1)
[Aq., Sm. Je. 48 (31). 33.]

ὑπόληψις.

Si. 3. 24. πολλοὺς γὰρ ἐπλάνησεν ἡ ὑ. αὐτῶν

ὑπόλιμμα, *vid. sub* **ὑπόλειμμα.**

ὑπόλοιπος. (1) *a.* יָתַר ni. *b.* יֶתֶר (2) שְׁאָר

IV Ki. 4. 7. A ζήσεσθε ἐν τῷ ὑ. [B ἐπιλ.] ἐλαίῳ (1 *a*)
Is. 11. 11. τοῦ ζηλῶσαι τὸ καταλειφθὲν ὑ. τοῦ λαοῦ (2)
Je. 34 (27). 19. S τῶν ὑ. [A B ἐπιλ.] σκευῶν (1 *b* + 1 *a*)

ὑπολύειν. (1) חָלַץ (2) שָׁלַף

De. 25. 9. ὑπολύσει τὸ ὑπόδημα αὐ. (1)
— 10. οἶκος τοῦ ὑπολυθέντος τὸ ὑπόδημα (1)
Ru. 4. 7. ὑπελύετο ὁ ἀνὴρ τὸ ὑπόδημα αὐ. (2)
— 8. ὑπελύσατο τὸ ὑπόδημα αὐ. (2)
Is. 20. 2. τὰ σανδάλιά σου ὑπόλυσαι ἀπὸ τῶν ποδῶν σου (1)
[Sm. Ex. 3. 5.]

ὑπολυπεῖσθαι.

II Ma. 4. 37. ψυχικῶς οὖν ὁ Ἀντ. ὑπολυπηθείς

ὑπόλυσις. (1) פֵּיק

Na. 2. 10 (11). ὑπόλυσις γονάτων καὶ ὠδῖνες (1)

ὑπομάσθιος (R), **ὑπομαστιαῖος** (A).

III Ma. 3. 27. μέχρι νηπίου καὶ μέχρι τῶν ὑ.

ὑπομένειν. (1) חוּל hi. (2) חָכָה pi. (3) טָמַן (4) יָחַל *a.* pi. *b.* hi. (5) יָשַׁב (6) כּוּל pilp. (7) מָהַה hithp. (8) קָוָה *a.* qal. *b.* pi. (9) קוּם

Ex. 12. 39. A οὐ γὰρ ἐδυνάσθησαν ὑπομεῖναι [B *al.*] (7)
Nu. 22. 19. ὑπομείνατε αὐτοῦ καὶ ὑμεῖς (5)
Jo. 19. 47. ὑπέμεινε τοῦ κατοικεῖν ἐν Ἐ. –
Jd. 3. 25. ὑπέμειναν ἕως ᾐσχύνοντο [A *al.*] (1)
IV Ki. 6. 33. τί ὑπομείνω [A -μένω] τῷ κυρίῳ ἔτι (4 *b*)
I Es. 2. 19. φορολογίαν οὐ μὴ ὑπομείνωσι δοῦναι
To. 5. 7. ὑπόμεινόν [S μεῖνόν] με
Jb. 3. 9. ὑπομείναι καὶ εἰς [A *om.*] φωτισμὸν [A *om.*, S¹ φῶς] μὴ ἔλθοι (8 *b*)
6. 11. τίς γάρ μου ἡ ἰσχὺς ὅτι ὑπομένω (4 *a*)
7. 3. οὕτως κἀγὼ ὑπέμεινα μῆνας κενούς †
8. 15. ἐπιλαβομένου δὲ αὐτοῦ [A -ῆς] οὐ μὴ ὑπομείνῃ (9)
9. 4. τίς σκληρὸς γενόμενος ἐναντίον αὐτοῦ ὑπέμεινεν †
14. 14. ὑπομενῶ ἕως πάλιν γένωμαι (4 *a*)
15. 31. μὴ πιστευέτω ὅτι ὑπομενεῖ †
17. 13. ἐὰν γὰρ ὑπομείνω [S¹ -η] (8 *b*)
20. 26. πᾶν δὲ σκότος αὐτῷ [A -ὸν] ὑπομείναι (3)
22. 21. γενοῦ δὴ σκληρὸς ἐὰν ὑπομείνῃς †
32. 4. Ἐλ. δὲ ὑπέμεινε δοῦναι ἀπόκρισιν Ἰώβ (2)
— 16. ὑπέμεινα οὐ γὰρ ἐλάλησα (4 *b*)
33. 5. ὑπόμεινον στῆθι κατ' ἐμέ –
41. 2 (3). ἢ τίς [A τίς ἐστιν ὃς] ἀντιστήσεταί μοι καὶ ὑπομενεῖ †
Ps. 24 (25). 3. πάντες οἱ ὑπομένοντές σε οὐ μὴ καταισχυνθῶσιν (8 *a*)
— 5. σὲ ὑπέμεινα ὅλην τὴν ἡμέραν (8 *b*)
— 21. ὑπέμεινά σε, κύριε [S *om.*] (8 *b*)
26 (27). 14 *bis*. ὑπόμεινον τὸν κύριον (8 *b*)
32 (33). 20. ἡ ψυχὴ ἡμῶν ὑπομένει τῷ κυρίῳ (2)
36 (37). 9. οἱ δὲ ὑπομένοντες τὸν κύριον (8 *a*)
— 34. ὑπόμεινον τὸν κύριον (8 *b*)
39 (40). 1. ὑπομένων ὑπέμεινα τὸν κύριον (8 *b*, 8 *b*)
51 (52). 9. ὑπομενῶ τὸ ὄνομά σου (8 *b*)

Ps. 55 (56). 6. B S[1] καθάπερ ὑπέμεινα [S[2] -αν] τῇ ψυχῇ [S[2] τὴν ψ.] μου (8 b)
68 (69). 6. μὴ αἰσχυνθείησαν ἐπ' ἐμοὶ οἱ ὑπομένοντές σε (8 a)
— 20. ὑπέμεινα συλλυπούμενον (8 b)
105 (106). 13. οὐχ ὑπέμειναν τὴν βουλὴν αὐτοῦ (2)
118 (119). 95. A S[2] R ἐμὲ ὑπέμειναν ἁμαρτωλοὶ τοῦ ἀπολέσαι με (8 b)
129 (130). 5. ὑπέμεινά σε, κύριε (8 b)
— 5. ὑπέμεινεν ἡ ψυχή μου εἰς τὸν λόγον [S[1] νόμον] σου (8 b)
141 (142). 7. ἐμὲ ὑπομενοῦσι δίκαιοι †
144 (145). 9. χρηστὸς κύριος τοῖς ὑπομένουσι [A -σιν αὐτόν, S[2] σύμπασιν] –
Pr. 20. 22. ὑπόμεινον τὸν κύριον (8 b)
Wi. 16. 22. χιὼν δὲ καὶ κρύσταλλος ὑπέμεινε [A -μενε] πῦρ
17. 5. καταυγάζειν ὑπέμενον τὴν στυγνὴν ἐκείνην νύκτα
Si. 16. 22. ἔργα δικαιοσύνης . . . τίς ὑπομενεῖ
22. 18. χάρακες [A χάλικες] . . . κατέναντι ἀνέμου οὐ μὴ ὑπομείνωσιν [A -μενοῦσιν, S[1] μείν.], οὕτως καρδία δειλὴ . . . κατέναντι παντὸς φόβου οὐ μὴ ὑπομείνῃ
36. 21 (18). δὸς μισθὸν τοῖς ὑπομένουσί σε
51. 8. ἐξελῇ [A S -αιρῇ] τοὺς ὑπομένοντάς σε
Mi. 7. 7. ὑπομενῶ ἐπὶ τῷ θεῷ τῷ σωτῆρί μου (4 b)
Na. 1. 7. χρηστὸς κύριος τοῖς ὑπομένουσιν αὐτόν †
Hb. 2. 3. ὑπόμεινον αὐτόν (2)
Ze. 3. 8. ὑπόμεινόν με (2)
Za. 6. 14. ὁ δὲ στέφανος ἔσται τοῖς ὑπομένουσι †
Ma. 3. 2. τίς ὑπομενεῖ ἡμέραν εἰσόδου αὐ. (6)
Is. 25. 9. B ὑπεμείναμεν αὐτῷ (8 b)
40. 31. οἱ δὲ ὑπομένοντες τὸν θεὸν ἀλλάξουσιν ἰσχύν (8 a)
49. 23. οὐκ αἰσχυνθήσονται οἱ ὑπομένοντές με [A S al.] (8 a)
51. 5. ἐμὲ νῆσοι ὑπομενοῦσι (8 b)
59. 9. ὑπομεινάντων αὐτῶν [A[1] B[1] om.] φῶς (8 b)
60. 9. ἐμὲ [A S[1] om.] αἱ νῆσοι ὑπέμειναν (8 b)
64. 4 (3). ἃ ποιήσεις τοῖς ὑπομένουσιν ἔλεον (2)
— 5 (4). S συναντήσεται γὰρ τοῖς ὑπομένουσιν [A B ποιοῦσι] τὸ δίκαιον †
Je. 14. 19. ὑπεμείναμεν εἰς εἰρήνην (8 b)
— 22. ὑπομενοῦμέν σε (8 b)
La. 3. 21. διὰ τοῦτο ὑπομενῶ (4 b)
— 24. R διὰ τοῦτο ὑπομενῶ αὐτῷ (4 b)
— 25. ἀγαθὸς κύριος τοῖς ὑπομένουσιν αὐτόν (8 a)
— 26. ὑπομενεῖ καὶ ἡσυχάσει (1)
Da. LXX. Su. 57. ὑπέμεινε τὴν νόσον ὑμῶν . . . ὑπενεγκεῖν
Da. TH. Su. 57. ὑπέμεινε τὴν ἀνομίαν ὑμῶν
12. 12. μακάριος ὁ ὑπομένων [A -μείνας] (2)
II Ma. 6. 20. προσέρχεσθαι τοὺς ὑπομένοντας ἀμύνασθαι
IV Ma. 5. 23. ὥστε πάντα πόνον ἑκουσίως ὑπομένειν
6. 9. A ὁ δὲ ὑπέμεινε [S R -έμενε] τοὺς πόνους
7. 22. πάντα πόνον ὑπομένειν μακάριόν ἐστιν
9. 6. A εἰ . . . βασανισμοὺς ὑπομείναντες ἀπέθανον [S R al.]
— 22. ὑπέμεινεν εὐγενῶς τὰς στρέβλας
13. 12. σφαγιασθῆναι . . . ὑπέμεινεν ὁ Ἰσ.
15. 31. S καρτεροὺς ὑπέμεινε τοὺς κλυδῶνας [A R al.]
— 32. ὑπέμειναν τοὺς ὑπὲρ τῆς εὐσεβείας χειμῶνας
16. 1. εἰ δὲ . . . ὑπέμεινε τὰς . . . βασάνους ὁρῶσα
— 8. πολλὰς ὑπέμεινα ὠδῖνας
— 17. τὸν μὲν γέροντα τοῦτον ὑπομένειν [S -μεῖναι] τὰς . . . ἀλγηδόνας
— 19. A R πάντα πόνον ὑπομένειν [S -μεῖναι] διὰ τὸν θεόν
— 21. καὶ ὑπέμειναν διὰ τὸν θεόν
17. 7. μητέρα . . . ποικίλας βασάνους μέχρι θανάτου ὑπομείνασαν
— 10. μέχρι θανάτου τὰς βασάνους ὑπομείναντες
[Aq. I Ki. 10. 8 : Ps. 24 (25). 3 : 26 (27). 14 : 129 (130). 5 *bis* : Is. 8. 17 : 18. 7 : 53. 4 : 59. 11 : Mi. 5. 7 (6).]
[Sm. Is. 25. 9 : 30. 18 : 53. 4 : Da. 11. 6 (Sw.).]
[Th. Jb. 32. 16 : 36. 2 : Is. 8. 17 (Sw.) : 25. 9 : 59. 11.]
[Al. Ge. 49. 18.]
[Quint. Ps. 24 (25). 3.]
[Sext. Ps. 26 (27). 14.]

ὑπομιμνήσκειν. (1) זָכַר hi.
III Ki. 4. 3. B Ἰωσ. υἱὸς Ἀχ. ὑπομμνήσκων [A R ἀναμ.] (1)
Wi. 12. 1. ἐν οἷς ἁμαρτάνουσιν ὑπομιμνήσκων νουθετεῖς
18. 22. ὅρκους πατέρων καὶ διαθήκας ὑπομνήσας
IV Ma. 18. 14. ὑπεμίμνησκε δὲ ὑμᾶς τὴν Ἑσ. γραφήν

ὑπόμνημα. (1) דִּכָּרוֹן (2) ἐπὶ τῶν ὑ. זָכַר hi.
II Ki. 8. 16. Ἰωσ. υἱὸς Ἀχ. ἐπὶ τῶν ὑ. (2)
I Es. 2. 22. A εὑρήσεις ἐν τοῖς ὑ. [B ὑπομνηματισμοῖς]
II Es. 6. 2. καὶ τοῦτο γεγραμμένον ἐν αὐτῇ ὑπόμνημα (1)

ὑπομνηματίζεσθαι.
I Es. 6. 23. ἐν ᾧ ὑπομνημάτιστο [A -εμν.] τάδε

ὑπομνηματισμός. (1) דִּכָּרוֹן
I Es. 2. 22. εὑρήσεις ἐν τοῖς ὑ. [A -μνήμασιν]
II Es. 4. 15. ἐν βιβλίῳ ὑπομνηματισμοῦ τῶν πατέρων σου (1)
II Ma. 2. 13. ἐξηγοῦντο δὲ καὶ . . . ἐν τοῖς ὑ. . . . τὰ αὐτά
4. 23. περὶ πραγμάτων ἀναγκαίων ὑπομνηματισμοὺς τελέσοντας

ὑπομνηματογράφος. (1) זָכַר hi.
I Ch. 18. 15. B S καὶ Ἰωσ. υἱὸς Ἀχ. ὑπομνηματογράφος [A R ὁ ὑ.] (1)
II Ch. 34. 8. καὶ τὸν Ἰ. υἱὸν Ἰ. τὸν ὑ. αὐ. (1)
Is. 36. 3. ἐξῆλθε . . . Ἰωὰχ ὁ τοῦ Ἀσὰφ ὁ ὑ. (1)
— 22. Ἰωὰχ ὁ τοῦ Ἀσὰφ ὁ ὑ. (1)

ὑπόμνησις. (1) תְּהִלָּה
Ps. 70 (71). 6. S ἐν σοὶ ἡ ὑ. [B ὕμνησίς] μου διὰ παντός (1)
Wi. 16. 11. εἰς γὰρ ὑπόμνησιν τῶν λογίων σου ἐνεκεντρίζοντο
II Ma. 6. 17. ἕως ὑπομνήσεως ταῦθ' ἡμῖν εἰρήσθω

ὑπομονή. (1) *a.* מִקְוֶה *b.* תִּקְוָה *c.* קָוָה pi.
I Ch. 29. 15. οὐκ ἔστιν ὑπομονή (1 a)
II Es. 10. 2. ἐστὶν ὑπομονὴ τῷ Ἰσρ. ἐπὶ τούτῳ (1 a)
Jb. 14. 19. ὑπομονὴν ἀνθρώπου ἀπώλεσας (1 b)
Ps. 9. 18. ἡ ὑ. τῶν πενήτων οὐκ ἀπολεῖται εἰς τὸν αἰῶνα [A S[2] τέλος] (1 b)
38 (39). 7. τίς ἡ ὑ. μου (1 c)
61 (62). 5. παρ' αὐτοῦ ἡ ὑ. μου (1 b)
70 (71). 5. σὺ εἶ ἡ ὑ. μου (1 b)
Si. 2. 14. οὐαὶ ὑμῖν τοῖς ἀπολωλεκόσι τὴν ὑ.
16. 13. οὐ μὴ καθυστερήσει ὑπομονὴν [A S -ὴ] εὐσεβοῦς
17. 24. παρεκάλεσεν ἐκλείποντας ὑπομονήν
38. 27. ἡ ὑ. [A S ἐπιμ.] αὐτοῦ ἀλλοιῶσαι ποικιλίαν
41. 2. ἀνθρώπῳ . . . ἀπολωλεκότι ὑπομονήν
Je. 14. 8. ὑ. Ἰσραήλ (1 a)
17. 13 ὑπομονὴ [S[1] -ῆς] Ἰσρ. (1 a)
IV Ma. 1. 11. θαυμασθέντες γὰρ . . . ἐπὶ τῇ ἀνδρείᾳ καὶ τῇ [S[2] om.] ὑ. [S[1] om. κ. τῇ ὑ.]
— 11. νικήσαντες τὸν τύραννον τῇ ὑ.
7. 9. τὴν εὐνομίαν ἡμῶν διὰ τῶν ὑ. εἰς δόξαν ἐκύρωσας
9. 8. διὰ τῆσδε τῆς κακοπαθείας καὶ ὑ.
— 30. ὑπὸ τῆς διὰ τὴν εὐσέβειαν ἡμῶν ὑ.
15. 30. ὦ . . . ἀνδρῶν πρὸς ὑπομονὴν ἀνδρειοτέρα
17. 4. τὴν ἐλπίδα τῆς ὑ. γενναίως ἔχουσα πρὸς θεόν
— 12. ἀρετὴ δι' ὑπομονῆς δοκιμάζουσα
— 17. ἐξεθαύμασαν αὐτῶν τὴν ὑ.
— 23. πρὸς γὰρ . . . τὴν ἐπὶ ταῖς βασάνοις αὐ. ὑ. ὁ τύραννος ἀφιδών
— 23. ἀνεκήρυξε . . . εἰς ὑπόδειγμα τὴν ἐκείνων ὑ.
[Aq. Jb. 4. 6 : 6. 8 : 17. 15 : Ho. 2. 15 (17).]
[Sm. Jb. 17. 15 : Pr. 10. 28.]
[Th. Jb. 14. 19 : 17. 15 : Ho. 2. 15 (17).]

ὑπονοεῖν. (1) סָבַר
To. 8. 16. οὐκ ἐγένετό μοι καθὼς ὑπενόουν
Ju. 14. 14. ὑπενοεῖτο [A S -νόει] γὰρ καθεύδειν αὐτόν
Si. 23. 21. οὗ οὐχ ὑπενόησε πιασθήσεται [A ὃς οὐχ ὑπενόησεν κολασθήσεται]
Da. TH. 7. 25. ὑπονοήσει τοῦ ἀλλοιῶσαι καιρούς (1)
[Th. Da. 7. 25.]

ὑπονόημα.
Si. 25. 7. ἐννέα ὑπονοήματα ἐμακάρισα ἐν καρδίᾳ

ὑπονοθεύειν.
II Ma. 4. 7. ὑπενόθευσεν Ἰ. . . . τὴν ἀρχιερωσύνην
— 26. ὁ μὲν Ἰ. ὁ τὸν ἴδιον ἀδελφὸν ὑπονοθεύσας
— 26. R ὑπονοθευθεὶς [A -νομευθεὶς] ὑφ' ἑτέρου

ὑπόνοια. (1) רַעְיוֹן
Si. 3. 24. ὑπόνοια πονηρὰ ὠλίσθησε διανοίας αὐ.
Da. LXX. 4. 16. ὑπόνοια κατέσπευδεν αὐτόν (1)
— 32. ὑπόνοιαί με εἰλήφασι –
5. 6. ὑπόνοιαι αὐτὸν κατέσπευδον (1)

ὑπονομεύειν.
II Ma. 4. 26. ὑπονομευθεὶς ὑφ' ἑτέρου φυγάς

ὑπονύσσειν. (1) נָגַשׁ
Is. 58. 3. τοὺς ὑποχειρίους ὑμῶν ὑπονύσσετε (1)

ὑποπίπτειν. (1) רָדָה
I Es. 8. 17. ὅσα ἂν ὑποπίπτῃ σοι
Ju. 16. 7. οὐ γὰρ ὑπέπεσεν [S ἔπ.] ὁ δυνατὸς αὐ.
Pr. 15. 1. ἀπόκρισις δὲ ὑποπίπτουσα ἀποστρέφει θυμόν (1)
Da. LXX. Su. 51. ἀνακρινῶ αὐτοὺς κατὰ τὰ ὑποπίπτοντά μοι

ὑποπόδιον. (1) הֲדֹם
Ps. 98 (99). 5. προσκυνεῖτε τῷ ὑ. τῶν ποδῶν αὐτοῦ (1)
109 (110). 1. ἕως ἂν θῶ τοὺς ἐχθρούς σου ὑποπόδιον τῶν ποδῶν σου (1)
Is. 66. 1. ἡ γῆ ὑ. τῶν ποδῶν μου (1)
La. 2. 1. οὐκ ἐμνήσθη ὑποποδίου ποδῶν αὐτοῦ (1)

ὑποπτεύειν. (1) יָגֹר
Ps. 118 (119). 39. ὃν ὑπώπτευσα (1)
Si. 9. 13. οὐ μὴ ὑποπτεύσῃς φόβον [S[1] -ῳ] θανάτου [Sm. Is. 57. 11.]

ὕποπτος.
II Ma. 3. 32. ὕποπτος δὲ γενόμενος ὁ ἀρχιερεύς
12. 4. καὶ μηδὲν ὕποπτον ἐχόντων

ὑποπυρρίζειν. (1) אֲדַמְדָּם
Le. 13. 24. ὑποπυρρίζον ἢ ἔκλευκον (1)

ὑπορθοῦν.
[Sm. Ps. 43 (44). 19 : 72 (73). 2.]

ὑπορράπτειν.
Si. 50. 1. ἐν ζωῇ αὐτοῦ ὑπέρραψεν [S[2] -έγραψεν] οἶκον

ὑπορρίπτειν.
IV Ma. 6. 25. S[1] R καταφλέγοντες αὐτὸν ὑπερρίπτοσαν [S[2] -ον, A ὑπερέπτοσαν]

ὑπορύσσειν.
[Sm. Ps. 34 (35). 7 : 118 (119). 85.]

ὑποσημαίνειν.
I Es. 6. 6. A μέχρι τοῦ ὑποσημανθῆναι [B ἀποσ.] Δαρείῳ

ὑποσκελίζειν. (1) דָּחָה *a.* qal. *b.* ni.
(2) פָּרַע hi. (3) לָבַט ni. (4) מָעַד
(5) נָתַן מוֹקֵשׁ
Ps. 16 (17). 13. ὑποσκέλισον αὐτούς (2)
36 (37). 31. οὐχ ὑποσκελισθήσεται τὰ διαβήματα αὐτοῦ (4)
139 (140). 4. ἐλογίσαντο ὑποσκελίσαι τὰ διαβήματά μου (1 a)
Pr. 10. 8. ὁ δὲ ἄστεγος χείλεσι σκολιάζων ὑποσκελισθήσεται (3)
26. 18. ὁ δὲ ἀπαντήσας τῷ λόγῳ πρῶτος ὑποσκελισθήσεται †
29. 25. φοβηθέντες καὶ αἰσχυνθέντες ἀνθρώπους ὑποσκελίσθησαν [S ὑποσκελισθήσονται] (5)
Je. 23. 12. ὑποσκελισθήσονται καὶ πεσοῦνται (1 b)
[Sm. Pr. 21. 12.]
[Quint. Ho. 6. 8.]

ὑποσκέλισμα. (1) כְּשֵׁל ni.
Pr. 24. 17. ἐν δὲ τῷ ὑ. αὐτοῦ μὴ ἐπαίρου (1)

ὑποσκελισμός. (1) מֶלֶף
Pr. 11. 3. A ὑποσκελισμὸς ἀθετούντων προνομεύσει αὐτούς (1)
[Th. Pr. 11. 3.]

ὑποσπᾶσθαι.
[Aq. Ps. 140 (141). 6.]

ὑποσπασμός.
[Aq. Dt. 15. 1.]

ὑπόστασις. (1) חֵלֶד (2) יְקוּם (3) כִּנְעָה (4) מָעֲמָד (5) מַשָּׂא (6) *a.* נָצַב hi. *b.* hoph. *c.* מַצָּב *d.* מַצֻּבָה (7) סוֹד (8) רָקַם pu. (9) תּוֹחֶלֶת (10) תְּכוּנָה (11) תִּקְוָה (12) ὑ. ζωῆς מִחְיָה
De. 1. 12. φέρειν τὸν κόπον ὑμῶν καὶ τὴν ὑ. ὑμῶν (5)
11. 6. κατέπιεν . . . πᾶσαν αὐτῶν τὴν ὑ. (2)
Jd. 6. 4. οὐ κατέλιπον ὑπόστασιν ζωῆς (12)
Ru. 1. 12. ἔστι μοι ὑπόστασις τοῦ γενηθῆναί με ἀνδρί (11)
I Ki. 13. 21. B τῷ δρεπάνῳ ὑπόστασις ἦν ἡ αὐτή (6 *a*?)
— 23. B ἐξῆλθεν ἐξ ὑποστάσεως τῶν ἀλλοφύλων (6 *c*)
14. 4. B ὑπόστασιν τῶν ἀλλοφύλων (6 *c*)
Jb. 22. 20. εἰ μὴ ἠφανίσθη ἡ [A *om.*] ὑ. αὐτῶν †
Ps. 38 (39). 5. ἡ ὑ. μου ὡσεὶ οὐθὲν ἐνώπιόν σου (1)
— 7. ἡ ὑ. μου παρὰ σοῦ ἐστι (9)
68 (69). 2. οὐκ ἔστιν ὑπόστασις (4)
88 (89). 47. μνήσθητι τίς μου ἡ ὑ. (1)
138 (139). 15. καὶ ἡ ὑ. μου ἐν τοῖς κατωτάτω τῆς γῆς (8)
Wi. 16. 21. ἡ μὲν γὰρ ὑ. σου τὴν σὴν γλυκύτητα . . . ἐνεφάνισε
Na. 2. 7 (8). ἡ ὑ. ἀπεκαλύφθη (6 *b*)
Je. 10. 17. συνήγαγεν ἔξωθεν τὴν ὑ. σου (3)
23. 22. εἰ ἔστησαν ἐν τῇ ὑ. μου (7)
Ez. 19. 5. ἀπώλετο ἡ ὑ. αὐτῆς (11)
26. 11. τὴν ὑ. τῆς ἰσχύος σου ἐπὶ τὴν γῆν κατάξει (6 *d*?)
43. 11. διαγράψεις . . . τὴν ὑ. αὐτοῦ (10)
[Aq. I Ki. 14. 1.]
[Sm. Jb. 20. 5.]
[Th. Jb. 22. 20.]
[Al. I Ki. 9. 7.]

ὑποστέλλειν. (1) גּוּר (2) כָּלָא (3) עָפַל pu. (4) פָּנִים נָשָׂא
Ex. 23. 21. οὐ γὰρ μὴ ὑποστείληταί σε †
De. 1. 17. οὐ μὴ ὑποστείλῃ πρόσωπον ἀνθρώπου (1)
Jb. 13. 8. ἢ ὑποστελεῖσθε (4)
Wi. 6. 7. οὐ γὰρ ὑποστελεῖται πρόσωπον ὁ πάντων δεσπότης
Hb. 2. 4. ἐὰν ὑποστείληται (3)
Hg. 1. 10. ἡ γῆ ὑποστελεῖται τὰ ἐκφόρια αὐ. (2)
III Ma. 5. 20. εἰς τὴν ὑποστέλλουσαν ἡμέραν . . . ἑτοίμασον τοὺς ἐλέφαντας
[Aq. I Ki. 18. 15 : Jb. 41. 17 : Ps. 32 (33). 8 : 118 (119). 39 : Je. 42 (49). 4.]
[Sm. I Ki. 18. 15 : Jb. 13. 8 : Pr. 25. 17.]
[Th. Ps. 118 (119). 39.]
[Al. Jd. 1. 14.]

ὑπόστημα (-εμα). (1) *a.* מַצָּב *b.* נְצִיב (2) סוֹד
II Ki. 23. 14. καὶ τὸ ὑ. τῶν ἀλλοφύλων τότε ἐν B. (1 *a*)
I Ch. 11. 16. A καὶ τὸ ὑ. [B S σύστ.] τῶν ἀλλοφ. τότε ἐν B. (1 *b*)
Je. 23. 18. τίς [A *om.*] ἔστη ἐν ὑποστήματι κυρίου (2)
[Aq. I Ki. 13. 3.]

ὑποστήριγμα. (1) מִסְעָד (2) מָעוֹז (3) נְטִישׁוֹת (4) פְּקָעִים
III Ki. 3. 1. ἐποίησε Σαλ. . . . τὰ ὑ. –
7. 24. καὶ ὑποστηρίγματα ὑποκάτωθεν τοῦ χείλους αὐ. (4)
— 24. A δύο στίχοι τῶν ὑ. κεχυμένοι (4)
10. 12. ἐποίησεν ὁ βασ. τὰ ξύλα . . . ὑποστηρίγματα τοῦ οἴκου (1)
Je. 5. 10. ὑπολίπεσθε τὰ ὑ. αὐτῆς (3)
Da. TH. 11. 7. εἰσελεύσεται εἰς τὰ ὑ. τοῦ βασ. τοῦ βορρᾶ (2)
[Aq. Je. 52. 15.]
[Th. Je. 52. 15 : Ez. 12. 14 : 38. 6.]

ὑποστηρίζειν. (1) סָמַךְ
Ps. 36 (37). 17. ὑποστηρίζει δὲ τοὺς δικαίους (1)
144 (145). 14. ὑποστηρίζει κύριος πάντας τοὺς καταπίπτοντας (1)
[Aq. Is. 50. 4 : 63. 5 : Ez. 30. 6.]
[Sm. Is. 63. 5 : Ez. 30. 6.]

ὑποστρέφειν. (1) אָזַל (2) דָּחַף ni. (3) פָּנָה (4) שׁוּב *a.* qal. *b.* hi.
Ge. 8. 7. A ἐξελθὼν οὐχ ὑπέστρεψεν [R ἀνέστρ.] (4 *a*)
14. 17. R μετὰ τὸ ὑποστρέψαι αὐτόν (4 *a*)
43. 10. ἤδη ἂν ὑπεστρέψαμεν δίς (4 *a*)
50. 14. R ὑπέστρεψεν [A ἐπ., B ἀπ.] Ἰ. εἰς Αἴγ. (4 *a*)
Ex. 32. 31. ὑπέστρεψε [A ἐπ.] δὲ Μ. πρὸς κύριον (4 *a*)
Jo. 2. 23. ὑπέστρεψαν οἱ δύο νεανίσκοι (4 *a*)
7. 12. B[1] αὐχένα ὑποστρέψουσιν [A[2] B[2] ἐπιστρ.] (3)
Jd. 3. 19. ὑπέστρεψεν [A ἀνέστρ.] ἀπὸ τῶν γλυπτῶν (4 *a*)
7. 15. ὑπέστρεψεν [A ἐπ.] εἰς τὴν παρεμβολήν (4 *a*)
14. 8. ὑπέστρεψεν [A ἐπ.] μεθ' ἡμέρας λαβεῖν αὐτήν (4 *a*)
21. 23. ὑπέστρεψαν εἰς τὴν κληρονομίαν αὐ. [A *al.*] (4 *a*)
IV Ki. 2. 25. A ὑπέστρεψεν [B ἐπ.] εἰς Σαμ. (4 *a*)
3. 27. A ὑπέστρεψαν [B ἐπ.] εἰς τὴν γῆν (4 *a*)
II Ch. 25. 10. A ὑπέστρεψεν [B ἐπέστρεψαν] εἰς τὸν τόπον αὐ. (4 *a*)
28. 15. A ὑπέστρεψαν [B ἐπ.] εἰς Σαμ. (4 *a*)
To. 5. 21. ὑποστρέψει ὑγιαίνων
6. 12. ὅταν ὑποστρέψωμεν [S ἐπιστρ.] ἐκ Ῥαγ.
Es. 6. 12. ὑπέστρεψεν εἰς τὰ ἴδια (2)
Pr. 23. 5. ὑποστρέφει εἰς τὸν οἶκον τοῦ προεστηκότος αὐτοῦ †
24. 18. S[1] ὑποστρέψει [A B S[2] ἀποστρ.] τὸν θυμὸν αὐ. ἀπ' αὐτοῦ (4 *b*)
Ec. 9. 11. S ὑπέστρεψα [A B ἐπ.] καὶ εἶδον (4 *a*)
Da. LXX. 6. 18 (19). ὑπέστρεψεν ὁ βασ. εἰς τὰ βασίλεια αὐ. (1)
I Ma. 10. 68. S[1] ὑπέστρεψεν [A S[2] R ἀπ.] εἰς Ἀντιόχειαν
11. 72. S[1] ὑπέστρεφον [S[2] R -έστρεψεν, A ἐπέστρεψεν] πρὸς αὐτοὺς πολέμῳ
[Aq., Th. Ps. 7. 8.]
[Sm. Jb. 39. 4 : Ps. 34 (35). 13 : Is. 37. 7 : 38. 8 : 55. 10, 11 : Je. 31 (38). 22 : 50 (27). 19.]
[Hebr. Ge. 8. 7.]

ὑπόστρωμα.
[Sm. II Ki. 17. 28 : Ez. 13. 18.]
[Th. Is. 28. 20.]

ὑποστρωννύναι. (1) יָצַע *a.* hiph. *b.* hoph. (2) פָּלַשׁ hithp.
Es. 4. 3. S[2] σάκκον καὶ σποδὸν ὑπέστρωσαν [A B S[1] ἔστρ.] ἑαυτοῖς (1 *b*)
Si. 4. 27. μὴ ὑποστρώσῃς σεαυτὸν ἀνθρώπῳ μωρῷ
Is. 58. 5. σάκκον καὶ σποδὸν ὑποστρώσῃ [S[2] -ῃς] (1 *a*)
Ez. 27. 30. A σποδὸν ὑποστρώσονται [B στρ.] (2)
IV Ma. 9. 19. S R πῦρ ὑπέστρωσαν [A ἐπ.]

ὑποσχάζειν.
Si. 12. 17. ὡς βοηθῶν ὑποσχάσει πτέρναν σου

ὑπόσχεσις.
Wi. 12. 21. ὧν τοῖς πατράσιν . . . συνθήκας ἔδωκας ἀγαθῶν ἀποσχέσεων [S[1] -σχῆς]
IV Ma. 15. 2. κατὰ τὴν τοῦ τυράννου ὑ. [S[2] πρόσχ.]

ὑποσχίζειν.
[Sm. Is. 28. 24.]

ὑποταγή.
Wi. 18. 16. A ξίφος ὀξὺ τὴν ἀνυπόκριτον ὑ. [B S ἐπιτ.] σου φέρων

ὑποτάσσειν. (1) דָּבַר hi. (2) דּוּמִיָּה (3) דָּמַם (4) כָּבַשׁ ni. (5) מָשַׁל hi. (6) נָתַן יָד תַּחַת (7) פִּלַּח (8) רָדַד (9) שִׂים *a.* qal. *b.* pe. (10) שִׁית
III Ki. 10. 15. χωρὶς τῶν φόρων τῶν ὑποτεταγμ. †
I Ch. 22. 18. ὑπετάγη ἡ γῆ ἐναντίον κυρίου (4)
I Ch. 29. 24. ὑπετάγησαν αὐτῷ (6)
II Ch. 9. 14. πλὴν τῶν ἀνδρῶν τῶν ὑποτεταγμένων †
Es. 3. 13. τοῖς . . . τοπάρχαις ὑποτεταγμένοις τάδε γράφει
— 13. τοὺς τῶν ὑποτεταγμ. ἀκυμάτους . . . βίους
8. 12. οὐ μόνον τοὺς ὑποτεταγμ. ἡμῖν ζητοῦσι κακοποιεῖν
Ps. 8. 6. πάντα ὑπέταξας ὑποκάτω τῶν ποδῶν αὐτοῦ (10)
17 (18). 47. καὶ ὑποτάξας λαοὺς ὑπ' ἐμέ (1)
36 (37). 7. ὑποτάγηθι τῷ κυρίῳ (3)
46 (47). 3. ὑπέταξε [A[2] ἐπάταξε] λαοὺς ἡμῖν (1)
59 (60). 8. ἐμοὶ ἀλλόφυλοι ὑπετάγησαν †
61 (62). 1. οὐχὶ τῷ θεῷ ὑποταγήσεται ἡ ψυχή μου (2)
— 5. πλὴν τῷ θεῷ ὑποτάγηθι, ἡ ψυχή μου (3)
107 (108). 9. ἐμοὶ ἀλλόφυλοι ὑπετάγησαν †
143 (144). 2. ὁ ὑποτάσσων τὸν λαόν μου [A αὐτοῦ] ὑπ' ἐμέ (8)
Wi. 8. 14. ἔθνη ὑποταγήσεταί [S[2] -σονταί] μοι
18. 22. λόγῳ τὸν κολάζοντα ὑπέταξεν
Hg. 2. 19 (18). ὑποτάξατε [A S[2] τάξ.] δὴ τὰς καρδίας ὑμῶν (9 *a*)
Ep. Je. 1. A καθότι ὑπετάγη αὐτοῖς [B ἐπ. αὐτῷ] ὑπὸ τοῦ θεοῦ
Da. LXX. 7. 27. πᾶσαι ἐξουσίαι αὐτῷ ὑποταγήσονται (7)
11. 37. ὑποταγήσεται αὐτῷ ἔθνη ἰσχυρά –
Da. TH. 6. 13 (14). οὐχ ὑπετάγη τῷ δόγματί σου (9 *b*)
11. 39. ὑποτάξει αὐτοῖς πολλούς (5)
II Ma. 4. 12. τοὺς κρατίστους τῶν ἐφ' ἡμῶν ὑποτάσσων
8. 9. ὑποτάξας παμφύλων ἔθνη
— 22. ὑποτάξας ἑκάστῳ χιλίους
9. 12. δίκαιον ὑποτάσσεσθαι τῷ θεῷ
13. 23. ὑπετάγη καὶ ὤμοσεν
III Ma. 1. 7. εὐθαρσεῖς τοὺς ὑποτεταγμ. κατέστησε
2. 13. ὑπετάγημεν τοῖς ἐχθροῖς ἡμῶν
[Aq. Ge. 1. 28 : Jo. 18. 1 : II Ki. 8. 11 : Je. 34 (41). 11, 16.]
[Sm. Ge. 1. 28 : Jo. 18. 1 : II Ki. 8. 11 : Ps. 17 (18). 48 : 48 (49). 15 : Is. 31. 4 : Je. 34 (41). 11.]
[Th. Ge. 1. 28 : Jo. 18. 1 : Is. 31. 4 : Je. 34 (41). 11, 16.]

ὑποτιθέναι. (1) נָטָה (2) נָתַן (3) פָּנָה hi. (4) שִׂים, שׁוּם
Ge. 28. 18. R ὃν ὑπέθηκεν [A ἔθ.] ἐκεῖ πρὸς κεφαλῆς αὐ. (4)
47. 29. ὑπόθες τὴν χεῖρά σου ὑπὸ τὸν μηρόν μου (4)
49. 15. ὑπέθηκε τὸν ὦμον αὐ. εἰς τὸ πονεῖν (1)
Ex. 17. 12. λαβόντες λίθον ὑπέθηκαν ἐπ' αὐτόν (4)
26. 12. ὑποθήσεις τὸ πλεονάζον ἐν ταῖς δέρρεσι –
27. 5. ὑποθήσεις αὐτοὺς ὑπὸ τὴν ἐσχάραν (2)
40. 20. ὑπέθηκε [A ἐπ.] τοὺς διωστῆρας (4)
Si. 6. 25. ὑπόθες τὸν ὦμόν σου
51. 26. τὸν τράχηλον ὑμῶν ὑπόθετε ὑπὸ ζυγόν
Je. 43 (36). 25. ὑπέθεντο τῷ βασιλεῖ (3)
I Ma. 6. 46. καὶ ὑπέθηκεν αὐτῷ
II Ma. 6. 8. Πτολεμαίου ὑποθεμένου
14. 41. ὑπέθηκεν ἑαυτῷ τὸ ξίφος

ὑποτίτθιον (-τιθθ.). (1) עוֹלָל
Ho. 14. 1. τὰ ὑ. αὐ. ἐδαφισθήσονται (1)

ὑποτομεύς. (1) מַגְזֵרָה
II Ki. 12. 31. A R καὶ ὑποτομεῦσι σιδηροῖς (1)

ὑποτύφειν.
[Aq., Sm., Th. Pr. 6. 27.]

ὑπούλως.
[Al. Le. 19. 16.]

ὑπουργεῖν.
[Aq. II Ki. 9. 10.]
[Al. Ex. 35. 19 : Nu. 18. 2.]

ὑπουργία.
[Sm. Nu. 7. 3.]
[Al. Ex. 35. 19.]

ὑπουργός. (1) שָׁרַת pi.
Jo. 1. 1. εἶπε κ. τῷ Ἰ. υἱῷ N. τῷ ὑ. [A λειτουργῷ] M. (1)
[Al. Ex. 33. 11.]

ὑποφαίνειν.
II Ma. 10. 35. ὑποφανούσης δὲ τῆς πέμπτης ἡμ. καὶ εἰκοστῆς
13. 17. ὑποφαινούσης δὲ ἤδη τῆς ἡμέρας

ὑπόφαυσις.
Ez. 41. 16. αἱ θυρίδες δικτυωταὶ ὑποφαύσεις κύκλῳ †

ὑποφέρειν. (1) יָכֹל hoph. (2) כּוּל hi. (3) כּוּן hi. (4) מָצָא (5) נָשָׂא (6) קָבַל pi.
III Ki. 8. 64. τοῦ μὴ δύνασθαι τὴν ὁλοκαύτωσιν . . . ὑπενεγκεῖν [A *al.*] –
Jb. 2. 10. τὰ κακὰ οὐχ ὑποίσομεν (6)
4. 2. ἰσχὺν δὲ ῥημάτων σου τίς ὑποίσει (1)
15. 35. ἡ δὲ κοιλία αὐτοῦ ὑποίσει [S¹ οὐκ οἴσει] δόλον [A πόνον] (3)
31. 23. ἀπὸ τοῦ λήμματος αὐτοῦ οὐχ ὑποίσω [S¹ *add.* δόλον] (1)
Ps. 54 (55). 12. εἰ ἐχθρὸς ὠνείδισέ με ὑπήνεγκα ἄν (5)
68 (69). 7. ἕνεκά σου ὑπήνεγκα ὀνειδισμόν (5)
Pr. 6. 33. ὀδύνας τε καὶ ἀτιμίας ὑποφέρει (4)
14. 17. ἀνὴρ δὲ φρόνιμος πολλὰ ὑποφέρει †
18. 14. ὀλιγόψυχον δὲ ἄνδρα τίς ὑποίσει (5)
Si. 22. 15. βῶλον σιδήρου εὔκοπον ὑπενεγκεῖν
Am. 7. 10. οὐ μὴ δύνηται ἡ γῆ ὑπενεγκεῖν πάντας τοὺς λόγους αὐ. (2)
Mi. 7. 9. ὀργὴν κυρίου ὑποίσω (5)
Da. LXX. Su. 57. ὑπέμεινε τὴν νόσον ὑμῶν . . . ὑπενεγκεῖν
II Ma. 2. 27. ἡδέως τὴν κακοπάθειαν ὑποίσομεν
6. 30. σκληρὰς ὑποφέρω κατὰ σῶμα ἀλγηδόνας
7. 36. R βραχὺν ὑπενέγκαντες [A ἐπ.] πόνον
III Ma. 5. 33. ἀπροσδόκητον ἐπικίνδυνον ὑπήνεγκεν ἀπειλήν
IV Ma. 14. 12. ὑπήνεγκε τὰς ἐφ' ἑνὶ ἑκάστῳ τῶν τέκνων στρέβλας
15. 31. A R καρτεροὺς ὑπήνεγκε [S -έμεινε] τοὺς κλύδωνας
17. 3. ἀκλινὴς ὑπήνεγκας τὸν διὰ τῶν βασάνων σεισμόν
[Aq. III Ki. 7. 38 (24): Jb. 15. 35: Je. 10. 10, 19: 20. 9.]
[Sm. Is. 53. 11: Je. 20. 9.]
[Th. Jb. 21. 3: 31. 23: Is. 53. 11: Je. 10. 10.]
[Al. Je. 10. 10.]

ὑπόφρικος.
III Ma. 6. 20. ὑπόφρικον καὶ τὸ τοῦ βασ. σῶμα ἐγενήθη

ὑποφυλλίς. (1) עֹלְלוֹת
Ob. 1. 5. A S² οὐκ ἂν ὑπελείποντο ὑποφυλλίδα [S¹ -ας, B ἐπιφυλλίδας] (1)

ὑποφωνεῖν.
Ju. 15. 14. R ὑπεφώνει [A B S ὑπερεφ.] πᾶς ὁ λαὸς τὴν αἴνεσιν ταύτην

ὑποχείριος. (1) בַּיִד (2) לִפְנֵי (3) עָצֵב
Ge. 14. 20. ὃς παρέδωκε τοὺς ἐχθρούς σου ὑποχείρίους σοι (1)
Nu. 21. 2. ἐάν μοι παραδῷς τὸν λαὸν τ. ὑποχείριον (1)
— 3. παρέδωκε τὸν Χαν. ὑποχείριον αὐτοῦ –
Jo. 6. 2. B παραδίδωμι ὑποχειρίαν [A R -όν σου] τὴν Ἱερ. (1)
9. 25. ἰδοὺ ἡμεῖς ὑποχείριοι ὑμῖν (1)
10. 12. ᾗ ἡμ. παρέδωκεν ὁ θ. τὸν Ἀμ. ὑποχείριον Ἰσρ. (2)
11. 8. παρέδωκεν αὐτοὺς κ. ὑποχειρίους Ἰσρ. (1)
Wi. 12. 9. οὐκ ἀδυνατῶν . . . ἀσεβεῖς δικαίοις ὑποχειρίους δοῦναι
14. 15. παρέδωκε τοῖς ὑ. μυστήρια καὶ τελετάς
Is. 58. 3. πάντας τοὺς ὑ. ὑμῶν ὑπονύσσετε (3?)
Je. 49 (42). 18. ἔσεσθε εἰς ἄβατον καὶ [S¹ εἰς Αἴγυπτον] ὑποχείριοι †
Ba. 2. 4. ἔδωκεν αὐτοὺς ὑποχείριους πάσαις ταῖς βασιλείαις
II Ma. 12. 28. ἔλαβον τὴν πόλιν ὑποχείριον
13. 11. μὴ ἐᾶσαι τοῖς δυσφήμοις ἔθνεσιν ὑποχείριους γενέσθαι
14. 42. ἤπερ τοῖς ἀλιτηρίοις ὑποχείριος γενέσθαι
III Ma. 6. 5. τὴν πᾶσαν ὑποχείριον ἤδη λαβόντα γῆν [Al. Ps. 17 (18). 41.]

ὑποχόνδριον.
I Ki. 31. 3. ἐτραυματίσθη εἰς τὰ ὑ. †

ὑπόχρεως. (1) אֲשֶׁר־לוֹ נֹשֶׁא (2) נָשָׂה
I Ki. 22. 2. B καὶ πᾶς ὑ. (1)
Is. 50. 1. τίνι ὑπόχρεῳ πέπρακα ὑμᾶς (2)

ὑπόχυμα.
[Aq. Le. 21. 20.]

ὑποχύτηρ. (1) סִיר
Je. 52. 19. τοὺς ὑ. [S *om.* τ. ὑ.] . . . ἔλαβεν (1)

ὑποχωρεῖν.
Jd. 20. 37. B ἐν τῷ αὐτοὺς ὑποχωρῆσαι –
Si. 13. 9. προσκαλεσαμένου σε δυνάστου ὑποχωρῶν γίνου
II Ma. 12. 12. ὑπεχώρησεν εἰρήνην ἄξειν
[Sm. Ps. 103 (104). 22.]

ὑποχώρημα.
[Sm. Ez. 40. 21.]

ὑποχώρησις.
[Sm., Al. Ez. 40. 21.]

ὕποψ. (1) דּוּכִיפַת (2) חֲסִידָה
De. 14. 17. B¹ καὶ ὕποπα [A¹ -ωπα, B² ἔποπα] καὶ νυκτικόρακα (1)

ὑποψία.
II Ma. 4. 34. καίπερ ἐν ὑποψίᾳ κείμενος

ὑπτιάζειν. (1) פָּרַשׂ
Jb. 11. 13. ὑπτιάζεις δὲ [A ὑπτίασας δὲ τὰς] χεῖρας [A χ. σου] πρὸς αὐτόν (1)

ὕπτιος.
Jb. 14. 19. κατέκλυσεν ὕδατα ὕπτια τοῦ χώματος τῆς γῆς †
[Th. Dt. 3. 10: Jb. 14. 19.]

ὑπώπιον. (1) חַבּוּרָה
Pr. 20. 30. ὑπώπια καὶ συντρίμματα συναντᾷ κακοῖς (1)

ὑπωρεία.
[Al. Jo. 15. 33.]

ὗς. (1) חֲזִיר
Le. 11. 7: De. 14. 8. καὶ τὸν ὗν ὅτι διχηλεῖ ὁπλήν (1)
II Ki. 17. 8. B ὡς ὗς τραχεῖα ἐν τῷ πεδίῳ –
III Ki. 20 (21). 19. ᾧ ἔλειξαν αἱ ὗ. καὶ οἱ κύνες τὸ αἷμα N. –
22. 38. ἐξέλειξαν αἱ ὗ. –
Ps. 79 (80). 13. A S² ἐλυμήνατο αὐτὴν ὗς [B S¹ σῦς] ἐκ δρυμοῦ (1)
Pr. 11. 22. ὥσπερ ἐνώτιον [S² ἐν. χρυσοῦν] ἐν ῥινὶ ὑός (1)
[Sm. Ps. 79 (80). 14.]

ὑσσωπίον. (1) אֵזוֹב
Nu. 19. 18. B¹ λήψεται ὑσσωπίον [A B² R -πον] (1)

ὕσσωπος (ὕσωπος). (1) אֵזוֹב
Ex. 12. 22. λήψεσθε δὲ δέσμην ὑσσώπου (1)
Le. 14. 4. καὶ λήψονται . . . ὕσσωπον (1)
— 6. λήψεται . . . τὸν ὕσσ. (1)
— 49. καὶ λήψεται . . . ὕσσωπον (1)
— 51. λήψεται . . . τὸν [B² τὴν] ὕσσ. (1)
— 52. ἀφαγνιεῖ τὴν οἰκίαν . . . ἐν τῷ [B² τῇ] ὕσσ. (1)
Nu. 19. 6. λήψεται ὁ ἱ. . . . ὕσσωπον (1)
— 18. A B² R λήψεται ὕσσωπον [B¹ -πίον] (1)
III Ki. 4. 33 (5. 13). ἕως τῆς ὑσσ. τῆς ἐκπορευομ. διὰ τοῦ τοίχου (1)
Ps. 50 (51). 7. ῥαντιεῖς με ὑσσώπῳ (1)

ὑστερεῖν. (1) גָּרַע ni. (2) *a.* חָדַל *b.* חֲדַל (3) חָסֵר *a.* verb. *b.* adj. *c.* חַסִּיר (4) מָהַה hithp. (5) מָנַע
Nu. 9. 7. μὴ οὖν ὑστερήσωμεν [A *add.* ὥστε] προσενέγκαι (1)
— 13. καὶ ὑστερήσῃ ποιῆσαι τὸ πάσχα (2 *a*)
De. 15. 8. A καὶ καθ' ὅσον ὑστερεῖται (3 *a*)
Ne. 9. 21. B¹ R οὐχ ὑστέρησας [A B² S -αν] αὐτοῖς οὐδέν (3 *a*)
Jb. 36. 17. οὐχ ὑστερήσει δὲ ἀπὸ δικαίων κρίμα †
Ps. 22 (23). 1. οὐδέν με ὑστερήσει [S οὐ μὴ ὑστερήσῃ] (3 *a*)
38 (39). 4. ἵνα γνῶ τί ὑστερῶ ἐγώ (2 *b*)
83 (84). 11. οὐχ ὑστερήσει [S² οὐ στερ.] τὰ ἀγαθὰ τοὺς πορευομένους ἐν ἀκακίᾳ (5)
Ec. 6. 2. οὐκ ἔστιν ὑστερῶν τῇ ψυχῇ αὐτοῦ ἀπὸ πάντων (3 *b*)
9. 8. ἔλαιον ἐπὶ κεφαλῆς σου μὴ ὑστερησάτω (3 *a*)
10. 3. καρδία αὐτοῦ ὑστερήσει (3 *a*)
Ca. 7. 2 (3). κρατὴρ τορευτὸς μὴ ὑστερούμενος κρᾶμα [A S -ματος] (3 *a*)
Si. 7. 34. μὴ ὑστέρει ἀπὸ κλαιόντων
10. 27. A δοξαζόμενος καὶ ὑστερῶν [B S ἀπορῶν] ἄρτων
11. 11. τόσῳ [A πόσῳ, B² S¹ τοσούτῳ] μᾶλλον ὑστερεῖται
— 12. ὑστερῶν ἰσχύϊ [S² ἐν ἰ.] καὶ πτωχείᾳ περισσεύει [S -εύων]
13. 4. ἐὰν ὑστερήσῃς καταλείψει σε
26. 28. ἀνὴρ πολεμιστὴς ὑστερῶν δι' ἔνδειαν
51. 24. A S R διότι [B καὶ ὅτι, A S τί ὅτι] ὑστερεῖτε [B -εῖσθαι] λέγετε [S² ἢ λ.] ἐν τούτοις
Hb. 2. 3. ἐὰν ὑστερήσῃ [A S -σει] (4)
Da. LXX. 4. 30. οὐχ ὑστερήσει ἀπὸ πάντων τούτων οὐθέν –
Da. TH. 5. 27. καὶ εὑρέθη ὑστεροῦσα (3 *c*)
[Aq. Is. 32. 6.]
[Sm. I Ki. 20. 25.]
[Th. Pr. 10. 13: Is. 51. 14.]
[Al. Le. 21. 20.]

ὑστέρημα. (1) *a.* חֶסְרוֹן *b.* מַחְסוֹר (2) εἶναι ὑ. חֲשַׂח
Jd. 18. 10. ὅπου οὐκ ἔστιν ἐκεῖ ὑστέρημα παντὸς ῥήματος (1 *b*)
19. 19. οὐκ ἔστιν ὑστέρημα παντὸς πράγματος (1 *b*)
— 20. B πᾶν ὑστ. [A R τὸ ὑστ.] σου ἐπ' ἐμέ (1 *b*)
II Es. 6. 9. καὶ ὁ ἂν ὑστέρημα . . . ἔστω διδόμενον (2)
Ps. 33 (34). 9. οὐκ ἔστιν ὑστέρημα τοῖς φοβουμένοις αὐτόν (1 *b*)
Ec. 1. 15. ὑστέρημα οὐ δυνήσεται ἀριθμηθῆναι (1 *a*)
[Sm. Pr. 22. 16: Ec. 1. 15.]
[Th. Pr. 11. 24: 21. 5.]

ὑστέρησις.
[Aq. Jb. 30. 3.]

ὑστεροβουλία.
Pr. 24. 71 (31. 3). καὶ τὸν σὸν νοῦν καὶ βίον εἰς ὑστεροβουλίαν †

ὕστερον. (1) *a.* אַחַר *b.* אַחֲרֵי *c.* הָאַחֲרוֹן *d.* אַחֲרִיתָה
Pr. 5. 4. ὕστερον μέντοι πικρότερον χολῆς εὑρήσεις (1 *d*)
23. 31. ὕστερον περιπατήσεις γυμνότερος ὑπέρου –
24. 47 (32). ὕστερον ἐγὼ μετενόησα –
Si. 1. 22. ὕστερον αὐτῷ ἀναδώσει εὐφροσύνη [A S¹ -ην]
27. 23. ὕστερον δὲ διαστρέψει τὸ στόμα αὐτοῦ
Je. 27 (50). 17. ὕ. τὰ ὀστᾶ αὐτοῦ βασιλεὺς Βαβυλῶνος (1 *c*)
36 (29). 2. ὕ. ἐξελθόντος Ἰεχονίου (1 *b*)
38 (31). 19. ὕ. αἰχμαλωσίας μου μετενόησα καὶ ὕ. τοῦ γνῶναί με (1 *b*, 1 *b*)
47 (40). 1. A ὕ. [B S *om.*] μετὰ τὸ ἀποστεῖλαι αὐτόν (1 *a*?)
II Ma. 5. 20. ὕστερον εὐεργετημάτων ἐκοινώνησε
6. 15. ἵνα μὴ . . . ὕστερον ἡμᾶς ἐκδικᾷ
III Ma. 1. 3. ὕστερον δὲ μεταβαλὼν τὰ νόμιμα
2. 24. ἐν χρόνῳ δὲ ὕστερον ἀναλεξάμενος αὐτόν
IV Ma. 12. 7. ὡς ἐροῦμεν μετὰ μικρὸν ὕστερον
[Aq. Am. 4. 12.]
[Sm. Ps. 72 (73). 24: Pr. 22. 4.]
[Al. Ge. 49. 19: Nu. 31. 2.]

ὕστερος, ὕστατος. (1) אַחֲרוֹן
I Ch. 29. 29. οἱ δὲ λοιποὶ λόγοι . . . οἱ πρότεροι καὶ οἱ ὕ. (1)
Wi. 19. 11. ἐφ' ὑστέρῳ δὲ εἶδον καὶ νέαν γένεσιν ὀρνέων
Ep. Je. 72. αὐτά τε ἐξ ὑστέρου βρωθήσονται
III Ma. 5. 49. ὑστάτην βίου ῥοπὴν αὐτοῖς ἐκείνην [Aq. Jb. 18. 20.]

ὑφαίνειν. (1) אָרַג (2) עָלָה hi. (3) ἐκ δύο

ὑφασμένος כִּלְאַיִם

Ex. 35. 35. τὰ ὑφαντὰ καὶ ποικιλτὰ ὑφᾶναι –
37. 21 (38. 23). ὑφᾶναι τῷ κοκκίνῳ –
Le. 19. 19. ἱμάτιον ἐκ δύο ὑφασμένον κίβδηλον (3)
Jd. 16. 13. ἐὰν ὑφάνῃς τὰς ἑπτὰ σειρὰς τῆς κεφ. μου (1)
— 14. καὶ ὕφανεν ἐν τῷ διάσματι [A *al.*] –
I Ki. 17. 7. ὡσεὶ μέσακλον ὑφαινόντων [A -ος] (1)
II Ki. 21. 19. ὡς ἀντίον ὑφαινόντων (1)
IV Ki. 23. 7. οὗ αἱ γυναῖκες ὕφαινον ἐκεῖ χεττιείμ (1)
I Ch. 11. 23. ὡς ἀντίον ὑφαινόντων [S τῶν ὑ.] (1)
20. 5. ὡς ἀντίον ὑφαινόντων (1)
II Ch. 2. 14 (13). εἰδότα . . . ὑφαίνειν ἐν τῇ πορφύρᾳ –
3. 14. ὕφανεν ἐν αὐτῷ χερουβείν (2)
Is. 59. 5. ἱστὸν ἀράχνης ὑφαίνουσι (1)
[Aq. IV Ki. 23. 7 : Is. 38. 12.]
[Sm. IV Ki. 23. 7.]
[Th. Is. 38. 12.]

ὑφαιρεῖν. (1) אָצַל (2) גָּנַב

Jb. 21. 18. ὥσπερ κονιορτὸς ὃν ὑφείλατο λαῖλαψ (2)
27. 20. νυκτὶ δὲ ὑφείλατο αὐτὸν γνόφος [S λαῖλαψ] (2)
Ec. 2. 10. A πᾶν . . . οὐχ ὑφεῖλον [B S οὐκ ἀφ.] ἀπ' αὐτῶν (1)
Ep. Je. 10. ὑφαιρούμενοι οἱ ἱερεῖς ἀπὸ τῶν θεῶν αὐτῶν
[Aq. Ex. 5. 19.]
[Th. Jb. 27. 20.]

ὑφάντης. (1) אָרַג (2) חָשַׁב (3) רָקַם

Ex. 26. 1. ἐργασίᾳ ὑφάντου ποιήσεις αὐτάς (2)
— 31. B² ἔργον ὑφάντου [A B¹ R -ὸν] ποιήσεις αὐτὸ χερ. (2)
28. 6. B ἔργον ὑφάντου [A R -ὸν] ποικιλτοῦ (2)
— 28 (32). ἔργον ὑφάντου (1)
37. 3 (36. 35). B ἔργον ὑφάντου [A R -ὸν] χερ. (2)
— 5 (36. 37). A ἔργον ὑφάντου [B -ὸν] τοῦ χερ. (3)
[Sm. Is. 38. 12.]

ὑφαντός. (1) אָרַג (2) חָשַׁב (3) רָקַם

Ex. 26. 31. ἔργον ὑ. [B² -ου] ποιήσεις αὐτὸ χερ. (2)
28. 6. A R ἔργον ὑφαντὸν [B -οῦ] ποικιλτοῦ (2)
35. 35. τὰ ὑ. καὶ ποικιλτὰ ὑφᾶναι (2)
36. 10 (39. 3). ἔργον ὑ. ἐποίησαν αὐτό (2)
— 11 (39. 4). ἔργον ὑ. –
— 15 (39. 8). ἐποίησαν λογεῖον ἔργον ὑφαντὸν ποικιλίᾳ (2)
— 30 (39. 22). ἔργον ὑ. ὅλον ὑακίνθινον (1)
— 35 (39. 27). ἐποίησαν χιτῶνας βυσσίνους ἔργον ὑ. (1)
37. 3 (36. 35). A R ἔργον ὑ. [B -ου] χερ. (2)
— 5 (36. 37). ἔργον ὑ. [A -ου] τοῦ χερ. (3)
— 21 (38. 23). ὃς ἠρχιτεκτόνησε τὰ ὑ. (2?)

ὑφάπτειν.

II Ma. 8. 33. Καλλισθένην ὑφῆψαν
12. 9. ὑφῆψε τὸν λιμένα
14. 41. καὶ τὰς θύρας ὑφάπτειν

ὕφασμα. (1) אָרַג (2) חֹשֶׁב (3) מְלָאכָה

Ex. 28. 8. καὶ τὸ ὕ. τῶν ἐπωμίδων (2)
— 17. καθυφανεῖς ἐν αὐτῷ ὕφασμα (3)
36. 17 (39. 10). συνυφάνθη ἐν αὐτῷ ὕφασμα –
— 29 (39. 21). συμπεπλεγμένους εἰς τὸ ὕ. τῆς ἐπωμίδος (2)
Jd. 16. 14. ἐξῆρε τὸν πάσσαλον τοῦ ὑ. [A *al.*] (1)
Jb. 38. 36. τίς δὲ ἔδωκε γυναιξὶν ὑφάσματος σοφίαν –
[Sm. Jb. 7. 6.]

ὑφή.

[Aq. I Ki. 6. 8.]
[Al. Le. 8. 7.]

ὑφιστάναι. (1) יָחַל pi. (2) עָמַד (3) קוּם

Nu. 22. 26. ὑπέστη ἐν τόπῳ στενῷ (2)
Jo. 7. 12. ὑποστῆναι κατὰ πρόσωπον τῶν ἐχθρῶν αὐ. (3)
10. 8. A οὐχ ὑποστήσεται [B -λειφθήσ.] ἐξ αὐτῶν οὐθείς (2)
Jd. 9. 15. ὑπόστητε ἐν τῇ σκιᾷ μου [A *al.*] †
I Ki. 30. 10. ὑπέστησαν δὲ διακόσιοι ἄνδρες (2)
II Ki. 2. 23. καὶ ὑφίστατο (2)
Ju. 6. 3. οὐχ ὑποστήσονται τὸ κράτος τῶν ἵππων ἡμῶν
Ju. 7. 4. οὔτε οἱ βουνοὶ ὑποστήσονται τὸ βάρος αὐ.
Ps. 64 (65). 7. S² ἤχους κυμάτων αὐτῆς τίς ὑποστήσεται [B S¹ *om.* τίς ὑ.] –
129 (130). 3. τίς ὑποστήσεται (2)
139 (140). 10. ἐν ταλαιπωρίαις οὐ μὴ ὑποστῶσιν (3)
147. 6 (17). κατὰ πρόσωπον ψύχους αὐτοῦ τίς ὑποστήσεται (2)
Pr. 13. 8. πτωχὸς δὲ οὐχ ὑφίσταται ἀπειλήν †
21. 29. ἀσεβὴς ἀνὴρ ἀναιδῶς ὑφίσταται προσώπῳ †
25. 6. μηδὲ ἐν τόποις δυναστῶν ὑφίστασο (2)
27. 4. B S οὐδένα [A R οὐδέν] ὑφίσταται ζῆλος (2)
Si. 43. 3. ἐναντίον καύματος αὐτοῦ τίς ὑποστήσεται
Ho. 13. 13. οὐ μὴ ὑποστῇ ἐν συντριβῇ τέκνων (2)
Am. 2. 15. A² B ὁ τοξότης οὐ μὴ ὑποστῇ (2)
Mi. 5. 7 (6). μηδὲ ὑποστῇ ἐν υἱοῖς ἀνθρώπων (1)
Na. 1. 6. ἀπὸ προσώπου ὀργῆς αὐ. τίς ὑποστήσεται (2)
Za. 9. 8. ὑποστήσομαι τῷ οἴκῳ μου ἀνάστημα †
Ma. 3. 2. τίς ὑποστήσεται ἐν τῇ ὀπτασίᾳ αὐ. (2)
Ez. 22. 14. εἰ ὑποστήσεται ἡ καρδία σου (2)
I Ma. 3. 53. πῶς δυνησόμεθα ὑποστῆναι κατὰ πρόσωπον αὐτῶν
5. 40. οὐ δυνησόμεθα ὑποστῆναι αὐτόν
— 44. οὐκ ἐδύναντο ἔτι ὑποστῆναι
7. 25. δύναται ὑποστῆναι αὐτούς
10. 73. οὐ δυνήσῃ ὑποστῆναι τὴν ἵππον
[Aq. Dt. 28. 56 : I Ki. 6. 20 : Je. 49. 19 (29. 20).]
[Sm. I Ki. 6. 20 : Jb. 41. 18 : Ps. 147. 6 (17) : Is. 36. 9 : Je. 49. 19 (29. 20) : La. 1. 14 (Sw.) : Da. 11. 6 (Sw.) : Am. 7. 2.]
[Th. I Ki. 6. 20.]
[Al. Pr. 27. 4.]

ὑφορᾶσθαι.

II Ma. 7. 24. τὴν ὀνειδίζουσαν ὑφορώμενος φωνήν
III Ma. 3. 23. παρ' ἕκαστα ὑφορώμενοι

ὕφος.

[Aq. I Ki. 6. 8.]

ὑψαυχενεῖν.

II Ma. 15. 6. ὁ μὲν N. μετὰ πάσης ἀσφαλείας ὑψαυχενῶν
III Ma. 3. 19. καὶ τοῖς ἑαυτῶν εὐεργέταις ὑψαυχενοῦντες

ὑψηλοκάρδιος. (1) גְּבַהּ־לֵב

Pr. 16. 5. ἀκάθαρτος παρὰ θεῷ πᾶς ὑψηλοκάρδιος (1)
[Sm. Ec. 7. 9 (8).]

ὑψηλός. (1) גָּבֹהַּ (2) *a.* גֵּאֶה *b.* גֵּאוּת (3) *a.* גָּבַהּ *b.* גָּבַהּ qal. *c.* hi. *d.* גֹּבַהּ *e.* גָּבְהוּת (4) גָּדֵל (5) חָזָק (6) מְרָה (7) *a.* מוֹרָה *b.* מְרִיָּה (8) נָטָה (9) נָשָׂא ni. (10) עֹז (11) עֶלְיוֹן (12) *a.* רוּם *b.* מָרוֹם *c.* רוּם subst. (13) ὑψηλὸν ἔχειν רוּם (14) ὑψηλὸν ποιεῖν גָּבַהּ hi. (15) ὑψηλότερος גָּבֹהַּ (16) ὑψηλότατος גָּבֹהַּ

Ge. 7. 19. ἐπεκάλυψε πάντα τὰ ὄρη τὰ ὑ. (3 *a*)
— 20. ἐπεκάλυψε πάντα τὰ ὄρη τὰ ὑ. –
12. 6. διώδευσεν . . . ἐπὶ τὴν δρῦν τὴν ὑ. (7 *a*)
22. 2. πορεύθητι εἰς τὴν γῆν τὴν ὑ. (7 *b*)
Ex. 6. 1. ἐν βραχίονι ὑ. ἐκβαλεῖ αὐτούς (5)
— 6. λυτρώσομαι ὑμᾶς ἐν βραχίονι ὑ. (8)
14. 8. ἐξεπορεύοντο ἐν χειρὶ ὑ. (12 *a*)
32. 11. καὶ ἐν τῷ βραχίονί σου τῷ ὑ. [A ἐν βρ. ὑ.] (5)
Nu. 33. 3. ἐξῆλθον οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν χειρὶ ὑ. (12 *a*)
De. 3. 5. πᾶσαι πόλεις ὀχυραὶ τείχη ὑ. (3 *a*)
— 24. δεῖξαι . . . τὸν βραχίονα τὸν ὑ. (5)
4. 34. λαβεῖν ἑαυτῷ ἔθνος . . . ἐν βραχίονι ὑ. (8)
5. 15. ἐξήγαγέ σε κ. ὁ θεός σου . . . ἐν βραχίονι ὑ. (8)
6. 21. ἐξήγαγεν ἡμᾶς . . . ἐν βραχίονι ὑ. –
7. 8. καὶ ἐν βραχίονι ὑ. –
— 19. μνησθήσῃ . . . τὸν βραχίονα τὸν ὑ. (8)
9. 26. οὓς ἐξήγαγες . . . ἐν τῷ βραχίονί σου τῷ ὑ. [A μεγάλῳ] –
— 29. οὓς ἐξήγαγες . . . ἐν τῷ βραχίονί σου τῷ ὑ. (8)
11. 2. οὐδὲ ἴδοσαν . . . τὸν βραχίονα τὸν ὑ. (8)
— 30. πλησίον τῆς δρυὸς τῆς ὑ. (7 *a*)
12. 2. ἐπὶ τῶν ὀρέων τῶν ὑ. (12 *a*)
26. 8. ἐν χειρὶ κραταιᾷ καὶ βραχίονι ὑ. [A *al.*] (8)
28. 52. ἕως ἂν καθαιρεθῶσι τὰ τείχη τὰ ὑ. (3 *a*)
De. 29. 3 (2). A B² τὴν χεῖρα τὴν κραταιὰν καὶ τὸν βραχίονα τὸν ὑ. –
32. 27. ἡ χεὶρ ἡμῶν ἡ [A *om.*] ὑ. . . . ἐποίησε ταῦτα πάντα (12 *a*)
Jd. 9. 51. A πύργος ἦν ὑ. [B *al.*] (10)
I Ki. 2. 3. μὴ λαλεῖτε ὑψηλά (3 *a*)
9. 2. ὑπερωμίαν καὶ ἐπάνω ὑψηλὸς ὑπὲρ πᾶσαν τὴν γῆν (3 *a*)
II Ki. 22. 48. A ὑψηλὸς [B ἰσχυρὸς] κύριος –
III Ki. 3. 2. θυμιῶντες ἐπὶ τοῖς ὑ. (1)
— 3. ἐν τοῖς ὑ. ἔθυε (1)
— 4. αὕτη ὑψηλοτάτη καὶ μεγάλη (16)
9. 8. ὁ οἶκος οὗτος ἔσται ὁ [A *om.*] ὑ. (11)
11. 7. ᾠκοδόμησε Σαλ. ὑψηλὸν τῷ Χ. (1)
12. 31. ἐποίησεν οἴκους ἐφ' ὑψηλῶν (1)
— 32. παρέστησεν ἐν Β. τοὺς ἱερεῖς τῶν ὑ. (1)
13. 2. θύσει ἐπὶ σὲ τοὺς ἱερεῖς τῶν ὑ. (1)
— 32. ὃ ἐλάλησεν . . . ἐπὶ τοὺς οἴκους τοὺς ὑ. τοὺς ἐν Σαμ. (1)
— 33. ἐποίησεν ἐκ μέρους τοῦ λαοῦ ἱερεῖς ὑψηλῶν (1)
— 33. ἐγένετο ἱερεὺς εἰς τὰ ὑ. (1)
14. 23. ᾠκοδόμησαν ἑαυτοῖς ὑψηλὰ . . . ἐπὶ πάντα βουνὸν ὑ. [A -οῦ] (1, 3 *a*)
15. 14. τὰ δὲ ὑ. οὐκ ἐξῆρε (1)
16. 28 (22. 43 [44]). B πλὴν τῶν ὑ. οὐκ ἐξῆραν (1)
— 28 (22. 43 [44]). B ἔθυον ἐν τοῖς ὑ. (1)
22. 44. πλὴν τῶν ὑ. οὐκ ἐξῆρεν (1)
— 44. ἐθυμίων ἐν τοῖς ὑ. (1)
IV Ki. 12. 3 (4). πλὴν τῶν ὑ. οὐ μετεστάθησαν (1)
— 3 (4). ἐθυμίων ἐν τοῖς ὑ. (1)
14. 4. πλὴν τὰ ὑ. οὐκ ἐξῆρεν (1)
— 4. ἐθυμίων ἐν τοῖς ὑ. (1)
15. 4. πλὴν τῶν ὑ. οὐκ ἐξῆρεν (1)
— 4. ἐθυμίων ἐν τοῖς ὑ. (1)
— 35. πλὴν τὰ ὑ. οὐκ ἐξῆρεν (1)
— 35 : 16. 4. ἐθυμία ἐν τοῖς ὑ. (1)
17. 9. ὧν ᾠκοδόμησαν ἑαυτοῖς ὑψηλά [A -ῶν] (1)
— 10. ἐπὶ παντὶ βουνῷ ὑ. (3 *a*)
— 11. ἐθυμίασαν ἐκεῖ ἐν πᾶσιν ὑ. (1)
— 29. καὶ ἔθηκαν ἐν οἴκῳ τῶν ὑ. (1)
— 32. ἐν τοῖς οἴκοις τῶν ὑ. –
— 32. ἐποίησαν ἱερεῖς τῶν ὑ. (1)
— 32. ἐποίησαν ἑαυτοῖς ἐν οἴκῳ τῶν ὑ. (1)
— 36. ἐν ἰσχύϊ μεγάλῃ καὶ ἐν βραχίονι ὑ. (8)
18. 4. ἐξῆρε τὰ ὑ. (1)
— 22. ἀπέστησεν Ἐζ. τὰ ὑ. αὐ. (1)
21. 3. ᾠκοδόμησε τὰ ὑ. (1)
23. 5. ἐθυμίων ἐν τοῖς ὑ. (1)
— 8. ἐμίανε τὰ ὑ. (1)
— 9. οὐκ ἀνέβησαν οἱ ἱερεῖς τῶν ὑ. (1)
— 15. τὸ θυσιαστήριον τὸ ἐν Β. τὸ ὑ. (1)
— 15. τὸ θυσιαστ. ἐκεῖνο τὸ [A καὶ τὸ] ὑ. κατέσπασεν (1)
— 19. πάντας τοὺς οἴκους τῶν ὑ. . . . ἀπέστησεν Ἰ. (1)
— 20. ἐθυσίασε πάντας τοὺς ἱερεῖς τῶν ὑ. (1)
II Ch. 1. 3. ἐπορεύθη Σαλ. . . . εἰς τὴν ὑ. τὴν ἐν Γ. (1)
6. 32. διὰ . . . τὸν βραχίονά σου τὸν ὑ. (8)
7. 21. καὶ ὁ οἶκος οὗτος ὁ ὑ. (11)
11. 15. κατέστησεν αὐτῷ ἱερεῖς τῶν ὑ. (1)
14. 3 (2). ἀπέστησε . . . τὰ ὑ. (1)
15. 17. πλὴν τὰ ὑ. οὐκ ἀπέστησαν (1)
17. 6. ἐξῆρε τὰ ὑ. (1)
20. 33. τὰ ὑ. ἔτι ὑπῆρχε (1)
21. 11. ἐποίησεν ὑψηλὰ ἐν πόλεσιν Ἰ. (1)
27. 3. ᾠκοδόμησε τὴν πύλην οἴκου κ. τὴν [A καὶ τὴν] ὑ. (11)
28. 4. ἐθυμία ἐπὶ τῶν ὑ. (1)
— 25. ἐποίησεν ὑψηλά (1)
31. 1. κατέσπασαν τὰ ὑ. (1)
32. 12. ὃς περιεῖλε . . . τὰ ὑ. αὐ. (1)
33. 3. ᾠκοδόμησε τὰ ὑ. (1)
— 17. πλὴν ὁ λαὸς ἔτι ἐπὶ τῶν ὑ. (1)
— 19. ἐφ' οἷς ᾠκοδόμησε τὰ ὑ. (1)
34. 3. τοῦ καθαρίσαι τὸν Ἰ. . . . ἀπὸ τῶν ὑ. (1)
— 4. κατέσπασε . . . τὰ ὑ. τὰ ἐπ' αὐτῶν †
— 7. πάντα τὰ ὑ. ἔκοψεν †
I Es. 4. 34. μεγάλη ἡ γῆ καὶ ὑ. ὁ οὐρανός
Ne. 9. 25. κατελάβοσαν πόλεις ὑ. †
Ju. 2. 24. διέσκαψε πάσας τὰς πόλεις τὰς ὑ.
3. 6. ἐφρούρησε τὰς πόλεις τὰς ὑ.
4. 5. πάσας τὰς κορυφὰς τῶν ὀρέων τῶν ὑ.
5. 1. ἐτείχισαν πᾶσαν κορυφὴν ὄρους ὑ.
7. 4. οὔτε τὰ ὄρη τὰ ὑ. οὔτε αἱ φάραγγες
16. 7. οὐδὲ ὑ. γίγαντες ἐπέθεντο αὐτῷ
Es. 5. 14. S² κοπήτω σοι ξύλον ὑ. [A B S¹ *om.*] (3 *a*)

Es. 7. 9. S² ὀρθωται ἐν τοῖς 'Α. ὑ. [A B S¹ om.] ξύλον [A om.] (3 a)
Jb. 5. 7. νεοσσοὶ δὲ γυπὸς τὰ ὑ. πέτονται (3 c)
11. 8. ὑψηλὸς ὁ οὐρανὸς καὶ τί ποιήσεις (3 d)
22. 12. μὴ οὐχὶ ὁ τὰ ὑ. ναίων ἐφορᾷ (3 d)
35. 4 (5). κατάμαθε δὲ νέφη [A κ. τὰ ν. καὶ ἴδε] ὡς ὑψηλὰ ἀπὸ σοῦ (3 b)
41. 25 (26). πᾶν ὑψηλὸν ὁρᾷ (3 a)
Ps. 17 (18). 33. ἐπὶ τὰ ὑ. ἱστῶν με (1)
88 (89). 27. ὑψηλὸν παρὰ τοῖς βασ. τῆς γῆς (11)
92 (93). 4. θαυμαστὸς ἐν ὑψηλοῖς ὁ κύριος (12 b)
98 (99). 2. ὑψηλός ἐστιν ἐπὶ πάντας τοὺς λαούς (12 a)
103 (104). 18. ὄρη τὰ ὑ. τοῖς ἐλάφοις (3 a)
112 (113). 4. ὑψηλὸς ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη ὁ κ. (12 a)
— 5. ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν (3 c)
135 (136). 12. ἐν χειρὶ κραταιᾷ καὶ ἐν βραχίονι ὑψηλῷ (8)
137 (138). 6. ὅτι ὑψηλὸς κύριος (12 a)
— 6. καὶ τὰ ὑ. ἀπὸ μακρόθεν γινώσκει (3 a)
Pr. 8. 2. ἐπὶ γὰρ τῶν ὑ. ἄκρων ἐστίν (12 b)
9. 3. συγκαλοῦσα μετὰ ὑψηλοῦ κηρύγματος ἐπὶ κρατῆρα (12 b)
10. 21. χείλη δικαίων ἐπίσταται ὑψηλά †
17. 16 (19). ὃς ὑψηλὸν ποιεῖ τὸν ἑαυτοῦ οἶκον (14)
18. 19. ἀδελφὸς ὑπὸ ἀδελφοῦ βοηθούμενος ὡς πόλις ὀχυρὰ καὶ ὑ. †
24. 36 (30. 13). ἔκγονον κακὸν ὑψηλοὺς ὀφθαλμοὺς ἔχει (13)
25. 3. οὐρανὸς ὑψηλὸς γῆ δὲ βαθεῖα (12 c)
Ec. 5. 7. ὑψηλὸς ἐπάνω ὑψηλοῦ φυλάξαι [A -άσσει, S² -άξει] καὶ ὑψηλοὶ ἐπ' αὐτοῖς [A S -ῆς, B -ούς] (3 a ter)
7. 9 (8). ἀγαθὸν μακρόθυμος ὑπὲρ ὑψηλὸν πνεύματι [B S¹ πνεῦμα τιμῆς] (3 a)
Wi. 9. 17. S¹ εἰ μὴ . . . ἔπεμψας τὸ ἅγιόν σου πνεῦμα ἀπὸ ὑψηλῶν [A B S² -ίστων]
Si. 3. 18. S² πολλοὶ εἰσιν ὑψηλοὶ καὶ ἐπίδοξοι
24. 4. ἐγὼ ἐν ὑψηλοῖς κατεσκήνωσα
50. 2. S¹ ἀνάλημμα ὑψηλὸν περιβόλου ὑψηλοῦ [A B S² om.] ἱεροῦ
Ho. 5. 8. ἠχήσατε ἐπὶ τῶν ὑ. (12 a)
Am. 4. 13. R ἐπιβαίνων ἐπὶ τὰ ὑ. [A B ὕψη] τῆς γῆς (1)
Hb. 3. 19. ἐπὶ τὰ ὑ. ἐπιβιβᾷ με (1)
Ze. 1. 16. ἡμέρα σάλπιγγος . . . ἐπὶ τὰς γωνίας τὰς ὑ. (3 a)
Is. 2. 11. οἱ γὰρ ὀφθαλμοὶ κυρίου ὑψηλοί (3 e)
— 12. ἐπὶ πάντα ὑψηλὸν καὶ μετέωρον (2 a)
— 13. ἐπὶ πᾶσαν κέδρον τοῦ Λιβάνου τῶν ὑ. (12 a)
— 14. S R ἐπὶ πᾶν ὑψηλὸν [A B om.] ὄρος καὶ ἐπὶ πάντα βουνὸν ὑψηλόν (12 a, 9)
— 15. ἐπὶ πάντα πύργον ὑψηλὸν καὶ ἐπὶ πᾶν τεῖχος ὑψηλόν (3 a, †)
3. 16. ἐπορεύθησαν ὑψηλῷ τραχήλῳ (8)
5. 25. ἔτι ἡ χεὶρ ὑψηλή (8)
6. 1. ἐπὶ θρόνου ὑψηλοῦ καὶ ἐπηρμένου (12 a)
9. 9 (8). ἐφ' ὕβρει καὶ ὑψηλῇ καρδίᾳ (4)
— 12 (11), 17 (16), 21 (20): 10. 4. ἔτι ἡ χεὶρ ὑψηλή (8)
10. 33. οἱ ὑ. τῇ ὕβρει συντριβήσονται καὶ οἱ ὑ. [S om. οἱ ὑ.] ταπεινωθήσονται (12 a, 3 a)
— 34. πεσοῦνται ὑψηλοὶ [S οἱ ὑ., A om. π. ὑ.] μαχαίρᾳ ὁ δὲ Λίβανος σὺν τοῖς ὑ. πεσεῖται (–, †)
12. 5. ὑψηλὰ ἐποίησεν (2 b)
14. 13. καθιῶ ἐν ὄρει ὑψηλῷ ἐπὶ τὰ ὄρη τὰ ὑ. (†, –)
— 26. αὕτη ἡ χεὶρ ἡ ὑ. [S¹ ἡ ὑψώθη] ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη (8)
— 27. τὴν χεῖρα αὐτοῦ τὴν ὑ. τίς ἀποστρέψει (8)
22. 16. ἐποίησας σεαυτῷ ἐν ὑψηλῷ μνημεῖον [S¹ om. σ. . . . μν.] (12 b)
24. 4. ἐπένθησαν οἱ ὑ. τῆς γῆς (12 b)
26. 5. κατήγαγες τοὺς ἐνοικοῦντας ἐν ὑψηλοῖς (12 b)
— 11. ὑ. σου ὁ βραχίων (12 a)
28. 4. ἐπ' ἄκρου τοῦ ὄρους τοῦ ὑ. †
30. 25. ἔσται ἐπὶ παντὸς ὄρους ὑψηλοῦ . . . ὕδωρ (3 a)
32. 15. ἕως ἂν ἔλθῃ [A S ἐπέλθῃ] ἐφ' ὑμᾶς πνεῦμα ἀφ' ὑψηλοῦ (12 b)
33. 5. ἅγιος ὁ θεὸς ὁ κατοικῶν ἐν ὑψηλῷ [A S -οῖς] (12 b)
— 16. οὗτος οἰκήσει ἐν ὑψηλῷ σπηλαίῳ (12 b)
40. 9. ἐπ' ὄρος ὑψηλὸν ἀνάβηθι (3 a)
45. 14. οἱ Σαβ. ἄνδρες ὑ. ἐπὶ σὲ διαβήσονται (6)
57. 7. ἐπ' ὄρος ὑψηλὸν . . . ἡ κοίτη (3 a)
— 15. ὁ ὕψιστος ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν τὸν αἰῶνα (9)
Je. 2. 20. ἐπὶ πάντα βουνὸν ὑψηλόν (3 a)
3. 6. ἐπὶ πᾶν ὄρος ὑψηλόν (3 a)
16. 16. A ἐπάνω παντὸς βουνοῦ ὑψηλοῦ [B S om.] –
19. 5. ᾠκοδόμησαν ὑψηλὰ τῇ Βάαλ (1)
21. 5. S ἐν βραχίονι ὑψηλῷ [A B om.] κραταιῷ (5)
28 (51). 58. αἱ πύλαι αὐτῆς αἱ ὑ. ἐμπυρισθήσονται (3 a)
29 (49). 16. συνέλαβεν ἰσχὺν βουνοῦ ὑψηλοῦ (12 b?)
32 (25). 30. κύριος ἀφ' [S ἐφ'] ὑψηλοῦ χρηματιεῖ (12 b)
34 (27). 5. ἐν τῷ ἐπιχείρῳ μου τῷ ὑ. (8)
38 (31). 15. A S¹ φωνὴ ἐν τῇ ὑ. [B S² ἐν Ῥαμᾷ] ἠκούσθη θρήνου (12 a)
39 (32). 17. τῷ βραχίονί σου τῷ ὑ. (8)
— 21. ἐξήγαγες τὸν λαόν σου . . . ἐν βραχίονι ὑψηλῷ (8)
Ba. 2. 11. ἐξήγαγες τὸν λαόν σου . . . ἐν βραχίονι ὑψηλῷ
3. 25. ὑ. καὶ ἀμέτρητος
5. 5. στῆθι ἐπὶ τοῦ ὑ.
— 7. ταπεινοῦσθαι πᾶν ὄρος ὑψηλόν
La. 3. 41. ἀναλάβωμεν καρδίας ἡμῶν ἐπὶ χειρῶν πρὸς ὑψηλόν †
Ez. 6. 3. ἐξολεθρευθήσεται τὰ ὑ. ὑμῶν (1)
— 6. τὰ ὑ. ἀφανισθήσεται (1)
— 13. ἐπὶ πάντα βουνὸν ὑψηλόν (12 a)
9. 2. ἀπὸ τῆς ὁδοῦ τῆς πύλης τῆς ὑ. (11)
17. 22. καταφυτεύσω ἐγὼ ἐπ' ὄρος ὑψηλόν (3 a)
— 24. ἐγὼ κύριος ὁ ταπεινῶν ξύλον ὑψηλόν (3 a)
20. 28. ἴδον πάντα βουνὸν ὑψηλόν (12 a)
— 33. ἐν βραχίονι ὑψηλῷ . . . βασιλεύσω ἐφ' ὑμᾶς (8)
— 34. ἐν βραχίονι ὑψηλῷ καὶ ἐν θυμῷ κεχυμένῳ (8)
— 40. ἐπ' ὄρους ὑψηλοῦ ἐκεῖ δουλεύσουσί μοι (12 b)
21. 26 (31). ἐταπείνωσας τὸ ὑ. (3 a)
31. 3. Ἀσσοὺρ κυπάρισσος . . . ὑ. τῷ μεγέθει (3 a)
34. 6. διεσπάρη . . . ἐπὶ πᾶν βουνὸν ὑψηλόν (12 a)
— 14. ἐν τῷ ὄρει τῷ ὑ. [A add. ἐν τῷ ὄρει] Ἰσραήλ (12 b)
40. 2. ἔθηκέ με ἐπ' ὄρος ὑψηλὸν [A ὄρους ὑψηλοῦ] σφόδρα (3 a)
Da. LXX. 4. 7. δένδρον ὑ. φυόμενον ἐπὶ τῆς γῆς (12 c)
8. 3. καὶ τὰ κέρατα ὑ. (3 a)
— 3. καὶ τὸ ἓν ὑψηλότερον τοῦ ἑτέρου (3 a)
— 3. καὶ τὸ ὑψηλότερον ἀνέβη (15)
9. 15. ὁ ἐξαγαγὼν . . . τῷ βραχίονί σου τῷ ὑ. (5)
Da. TH. 8. 3. καὶ αὐτῷ κέρατα ὑ. (3 a)
— 3. καὶ τὸ ἓν ὑψηλότερον τοῦ ἑτέρου (3 a)
— 3. καὶ τὸ ὑ. [A -ότερον] ἀνέβαινεν ἐπ' ἐσχάτῳ (3 a [15])
I Ma. 4. 60. S¹ ᾠκοδόμησαν . . . τείχη ὑ. καὶ πύργους ὑ. [S² R ὀχυρούς, A ἰσχυρούς]
6. 7. τὸ ἁγίασμα . . . ἐκύκλωσαν τείχεσιν ὑ.
— 40. ἐξετάθη μέρος τι . . . ἐπὶ τὰ ὑ. [S¹ om.] ὄρη
9. 50. ἐν τείχεσιν ὑ. καὶ πύλαις [S¹ al.]
13. 33. καὶ περιετείχισε πύργοις ὑ.
II Ma. 8. 30. ὀχυρωμάτων ὑ. εὖ μάλα ἐγκρατεῖς ἐγένοντο
IV Ma. 5. 1. προκαθίσας . . . ἐπί τινος ὑ. τόπου
6. 6. ὑψηλοὺς ἀνατείνας εἰς τὸν οὐρανὸν τοὺς ὀφθ.
[Aq. DT. 2. 21: JD. 7. 1: JB. 21. 22: PS. 77 (78). 58, 69: PR. 6. 17: IS. 2. 14: 36. 2, 7: 40. 9: 58. 14: JE. 7. 31: 31 (38). 15: EZ. 16. 16 (SW.): 17. 22: 30. 22.]
[Sm. NU. 33. 44: JD. 1. 15: 5. 18: I KI. 2. 3: 10. 5: II KI. 1. 19: III KI. 15. 14: IV KI. 23. 5: JB. 21. 22: 28. 18: PS. 17 (18). 34: 55 (56). 3: 60 (61). 4: 67 (68). 16, 17: 77 (78). 69: 88 (89). 14: PR. 6. 17: 19. 15: EC. 5. 7: IS. 2. 14: 6. 1: 33. 16: 36. 2, 7: 58. 14: JE. 7. 31: EZ 17. 22: AM. 7. 9.]
[Th. II KI. 1. 19: JB. 21. 22: IS. 2. 14: 36. 7: 58. 14: JE. 17. 3 (SW.): EZ. 17. 22: 28. 7: DA. 8. 3: AM. 4. 3.]
[Al. NU. 22. 41: IS. 37. 26.]
[Quint. IV KI. 23. 5.]

ὕψιστος. (1) מְמֵעַל (2) a. מָרוֹם b. רוּם (3) a. עֶלְיוֹן b. עֲלִי

Ge. 14. 18. ἦν δὲ ἱερεὺς τοῦ θεοῦ τοῦ ὑ. (3 a)
— 19. εὐλογημένος Ἀβ. τῷ θεῷ τῷ ὑ. (3 a)
— 20. εὐλογητὸς ὁ θεὸς ὁ ὕ. (3 a)
— 22. ἐκτενῶ τὴν χεῖρά μου πρὸς τὸν θεὸν τὸν ὕ. (3 a)
Nu. 24. 16. ἐπιστάμενος ἐπιστήμην παρὰ [A om.] ὑψίστου (3 a)
De. 32. 8. A² B ὅτε διεμέριζεν ὁ ὕ. ἔθνη (3 a)
II Ki. 22. 14. ὁ ὕ. ἔδωκε φωνὴν αὐ. (3 a)
I Es. 2. 3. ὁ κύριος τοῦ Ἰσρ. κύριος ὁ ὕ.
6. 31. ὅπως προσφέρωνται σπονδαὶ τῷ θεῷ τῷ ὑ.
8. 19. ἀναγνώστης τοῦ νόμου τοῦ θεοῦ τοῦ ὑ.
— 21. ἐπιτελεσθήτω τῷ θεῷ τῷ ὑ.
9. 46. εὐλόγησεν Ἀζ. τῷ κ. θεῷ ὑ. [A τῷ ὑ.] θεῷ
To. 1. 4. ἡγιάσθη ὁ ναὸς τῆς κατασκηνώσεως τοῦ ὑ. [S θεοῦ]
— 13. ἔδωκεν ὁ ὕ. χάριν καὶ μορφήν
4. 11. A B πᾶσι τοῦς ποιοῦσιν αὐτὴν ἐνώπιον τοῦ ὑ.
Ju. 13. 18. εὐλογητὴ σὺ . . . τῷ θεῷ τῷ ὑ.
Es. 8. 13. ὄντας δὲ υἱοὺς τοῦ [A om.] ὑ. μεγίστου ζῶντος θεοῦ
Jb. 16. 20 (19). A B S² ὁ δὲ συνίστωρ μου ἐν ὑψίστοις (2 a)
25. 2. ὁ ποιῶν τὴν σύμπασαν ἐν ὑψίστῳ (2 a)
31. 2. καὶ κληρονομία ἱκανοῦ ἐξ ὑψίστων [A -ου, S¹ ἐν ὑψίστῳ] (2 a)
— 28. ἐψευσάμην ἐναντίον κυρίου τοῦ ὑ. (1)
Ps. 7. 17. ψαλῶ τῷ ὀνόματι κυρίου τοῦ ὑ. (3 a)
9. 2. ψαλῶ τῷ ὀνόματί σου, ὕψιστε (3 a)
12 (13). 6. ψαλῶ τῷ ὀνόματι κυρίου τοῦ ὑ. –
17 (18). 13. ὁ ὕ. ἔδωκε φωνὴν αὐτοῦ (3 a)
20 (21). 7. ἐν τῷ ἐλέει τοῦ ὑ. οὐ μὴ σαλευθῇ [S¹ -θῶ] (3 a)
45 (46). 4. ἡγίασε τὸ σκήνωμα αὐτοῦ ὁ ὕ. (3 a)
— 6. A S² ἔδωκε φωνὴν αὐτοῦ ὁ ὕ. [B S¹ om.] –
46 (47). 2. κύριος ὕψιστος φοβερός (3 a)
49 (50). 14. ἀπόδος τῷ ὑ. τὰς εὐχάς σου (3 a)
56 (57). 2. κεκράξομαι πρὸς τὸν θεὸν τὸν ὕ. (3 a)
65 (66). 4. S² ψαλάτωσαν τῷ ὀνόματί σου, ὕψιστε [B S¹ om.] –
70 (71). 19. καὶ τὴν δικαιοσύνην σου, ὁ θεός, ἕως ὑψίστων (2 a)
72 (73). 11. εἰ ἔστι γνῶσις ἐν τῷ ὑ. (3 a)
76 (77). 10. αὕτη ἡ ἀλλοίωσις τῆς δεξιᾶς τοῦ ὑ. (3 a)
77 (78). 17. παρεπίκραναν τὸν ὕ. ἐν ἀνύδρῳ (3 a)
— 35. ὁ θεὸς [S¹ om. ὁ θ.] ὁ ὕ. λυτρωτὴς αὐτῶν ἐστι (3 a)
— 56. παρεπίκραναν τὸν θεὸν τὸν ὕ. (3 a)
81 (82). 6. καὶ υἱοὶ ὑψίστου πάντες (3 a)
82 (83). 18. σὺ μόνος ὕψιστος ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν (3 a)
86 (87). 5. αὐτὸς ἐθεμελίωσεν αὐτὴν ὁ ὕ. (3 a)
90 (91). 1. ὁ κατοικῶν ἐν βοηθείᾳ τοῦ ὑ. (3 a)
— 9. τὸν ὕ. ἔθου καταφυγήν σου (3 a)
91 (92). 1. καὶ ψάλλειν τῷ ὀνόματί σου, ὕψιστε (3 a)
— 8. σὺ δὲ ὕψιστος εἰς τὸν αἰῶνα, κύριε (2 a)
96 (97). 9. A S σὺ εἶ [A S² om.] κύριος ὕψιστος [B ὁ ὕ.] ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν (3 a)
106 (107). 11. τὴν βουλὴν τοῦ ὑ. παρώξυναν (3 a)
148. 1. αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν τοῖς ὑ. (2 a)
Wi. 5. 15. ἡ φροντὶς αὐτῶν παρὰ ὑψίστῳ
6. 3. ἡ δυναστεία παρὰ ὑψίστου
9. 17. εἰ μὴ . . . ἔπεμψας τὸ ἅγιόν σου πνεῦμα ἀπὸ ὑψίστων [S¹ -ηλῶν]
Si. 4. 10. ἔσῃ ὡς υἱὸς ὑψίστου
7. 9. ἐν τῷ προσευέγκαι με θεῷ ὑψίστῳ προσδέξεται
— 15. μὴ μισήσῃς . . . γεωργίαν ὑπὸ ὑψίστου ἐκτισμένην
9. 15. πᾶσα διήγησίς σου ἐν νόμῳ ὑψίστου
12. 2. εἰ μὴ παρ' αὐτοῦ ἀλλὰ παρὰ [A S παρὰ τοῦ] ὑψίστου
— 6. ὅτι καὶ ὁ ὕ. ἐμίσησεν ἁμαρτωλούς
16. 17. S¹ μὴ ἐξ ὑψίστου [A B S² ὕψους τίς μου] μνησθήσεται
17. 26. ἐπάναγε ἐπὶ ὕψιστον
— 27. ὑψίστῳ τίς αἰνέσει ἐν ᾅδου
19. 17. ὁδὸς τόπον νόμῳ ὑψίστου
23. 9. A S² ὀνομασίᾳ τοῦ ὑ. [B S¹ ἁγίου] μὴ συνεθισθῆς
— 18. τῶν ἁμαρτιῶν μου οὐ μὴ μνησθήσεται ὁ ὕ.
— 23. ἐν νόμῳ ὑψίστου [A -ῳ] ἠπείθησε
24. 2. ἐν ἐκκλησίᾳ ὑψίστου στόμα αὐτῆς ἀνοίξει
— 3. ἐγὼ ἀπὸ στόματος ὑψίστου ἐξῆλθον
— 23. ταῦτα πάντα βίβλος διαθήκης θεοῦ ὑψίστου
26. 16. ἥλιος ἀνατέλλων ἐν ὑψίστοις κυρίου
28. 7. μνήσθητι . . . διαθήκην ὑψίστου
29. 11. θὲς τὸν θησαυρόν σου κατ' ἐντολὰς ὑψίστου
31 (34). 6. ἐὰν μὴ παρὰ [A ἀπὸ] ὑψίστου ἀποσταλῇ ἐν ἐπισκοπῇ
— 19. οὐκ εὐδοκεῖ ὁ ὕ. ἐν προσφοραῖς ἀσεβῶν
32 (35). 6. ἡ εὐωδία αὐτῆς ἔναντι ὑψίστου
— 10. δὸς ὑψίστῳ κατὰ τὴν δόσιν αὐτοῦ [A σου]
— 17. ἕως ἐπισκέψηται ὁ ὕ. [A ἐπ. κύριος]

Si. 36 (33). 15. οὕτως ἔμβλεψον εἰς πάντα τὰ ἔργα τοῦ ὑ.
37. 15. ἐπὶ πᾶσι τούτοις δεήθητι ὑψίστου
38. 2. παρὰ γὰρ ὑψίστου ἐστὶν ἴασις
— 34. καὶ διανοουμένου ἐν νόμῳ ὑψίστου
39. 5. ἔναντι ὑψίστου δεηθήσεται
41. 4. τί ἀπαναίνῃ ἐν εὐδοκίᾳ ὑψίστου
— 8. οἵτινες ἐγκατελίπετε νόμον θεοῦ [S om.] ὑψίστου
42. 2. περὶ νόμου ὑψίστου καὶ διαθήκης
— 18. A S ἔγνω γὰρ ὁ ὕ. [B κύριος] πᾶσαν εἴδησιν [S συνείδ.]
43. 2. σκεῦος θαυμαστὸν ἔργον ὑψίστου
— 9. κόσμος φωτίζων ἐν ὑψίστοις κύριος [AS² -ίου]
— 12. χεῖρες ὑψίστου ἐτάνυσαν αὐτό
44. 19. ὃς συνετήρησε νόμον ὑψίστου
— 26. S¹ ἐπέγνω αὐτὸν ἐν εὐλογίαις ὑψίστου [ABS² om.] αὐτοῦ
46. 5. ἐπεκαλέσατο τὸν [S τὸν κύριον] ὕ. δυνάστην
47. 5. ἐπεκαλέσατο γὰρ κύριον τὸν ὕ.
— 8. ἔδωκεν ἐξομολόγησιν ἁγίῳ ὑψίστῳ [S -ου] ῥήματι
48. 5. ὁ ἐγείρας νεκρὸν . . . ἐξ ᾅδου ἐν λόγῳ ὑψίστου
49. 4. κατέλιπον γὰρ τὸν νόμον τοῦ ὑ.
50. 7. ὡς ἥλιος ἐκλάμπων ἐπὶ ναὸν ὑψίστου
— 14. κοσμῆσαι προσφορὰν ὑψίστου παντοκράτορος
— 15. ὀσμὴν εὐωδίας ὑψίστῳ παμβασιλεῖ
— 16. εἰς μνημόσυνον ἔναντι ὑψίστου
— 17. προσκυνῆσαι τῷ κυρίῳ αὐτῶν . . . τῷ [A S² om.] ὕ.
— 19. ἐδέηθη ὁ λαὸς κυρίου ὑψίστου
— 21. ἐπιδείξασθαι τὴν εὐλογίαν παρὰ ὑψίστου
Mi. 6. 6. ἐν τίνι . . . ἀντιλήψομαι θεοῦ μου ὑ. (2 a)
Is. 14. 14. ἔσομαι ὅμοιος τῷ ὑ. (3 a)
57. 15. τάδε λέγει [A S³ add. κύριος] ὁ ὕ. . . . ὕ. [S ὁ ὕ. εἰς τὸν αἰῶνα ὁ] ἐν τοῖς ἁγίοις ἀναπαυόμενος (2 b, 2 a)
Ba. 4. 20. A κεκράξομαι πρὸς τὸν αἰώνιον ὕ. [B om.]
La. 3. 35. τοῦ ἐκκλῖναι κρίσιν ἀνδρὸς κατέναντι προσώπου ὑψίστου (3 a)
— 38. ἐκ στόματος ὑψίστου οὐκ ἐξελεύσεται τὰ κακά (3 a)
Da. LXX. 2. 18. ζητῆσαι παρὰ τοῦ κυρίου τοῦ ὑ. †
— 19. εὐλόγησε τὸν κύριον τὸν ὕ. †
3. 26 (93). οἱ παῖδες τοῦ θεοῦ τῶν θεῶν τοῦ ὑ. (3 b)
— 32 (99). ἃ ἐποίησε μετ' ἐμοῦ ὁ θεὸς ὁ ὕ. (3 b)
4. 11. προστέτακται γὰρ ἀπὸ τοῦ ὑ. –
— 21. ὁ ὕ. καὶ οἱ ἄγγελοι αὐ. ἐπὶ σὲ κατατρέχουσιν †
— 32. δὸς δόξαν τῷ ὕ. –
— 34. τῷ ὕ. ἀνθομολογοῦμαι –
— 34. τῷ ὑ. θυσίας προσοίσω –
5. 1. τῷ θεῷ τῷ ὑ. οὐκ ἔδωκεν αἶνεσιν –
7. 18. παραλήψονται τὴν βασιλείαν ἅγιοι ὑψίστου (3 a)
— 22. τὴν κρίσιν ἔδωκε τοῖς ἁγίοις τοῦ ὑ. (3 a)
— 25. ῥήματα εἰς τὸν ὕ. λαλήσει (3 b)
— 25. τοὺς ἁγίους τοῦ ὑ. κατατρίψει (3 a)
— 27. ἔδωκε λαῷ ἁγίῳ ὑψίστῳ βασιλεῦσαι (3 a)
Da. TH. 3. 26 (93). οἱ δοῦλοι τοῦ θεοῦ τοῦ ὑ. [A om. τοῦ ὑ.] (3 b)
— 32 (99). ἃ ἐποίησε μετ' ἐμοῦ ὁ θεὸς ὁ ὕ. (3 b)
4. 14. κύριός ἐστιν ὁ ὕ. τῆς βασιλείας τῶν ἀνθρ. (3 b)
— 21. καὶ σύγκριμα ὑψίστου ἐστὶν (3 b)
— 22, 29. κυριεύει ὁ ὕ. τῆς βασιλείας τῶν ἀνθρ. (3 b)
— 31. τῷ ὕ. ηὐλόγησα (3 b)
5. 18. ὁ θεὸς ὁ ὕ. τὴν βασιλείαν . . . ἔδωκε Ναβ. (3 b)
— 21. κυριεύει ὁ θεὸς ὁ ὕ. τῆς βασιλείας τῶν ἀνθρ. (3 b)
7. 18. παραλήψονται τὴν βασιλείαν ἅγιοι ὑψίστου (3 a)
— 22. τὸ κρίμα ἔδωκεν ἁγίοις ὑψίστου (3 a)
— 25. λόγους πρὸς τὸν ὕ. λαλήσει (3 b)
— 25. τοὺς ἁγίους ὑψίστου λαλήσει (3 a)
— 27. ἐδόθη ἁγίοις ὑψίστου (3 a)
II Ma. 3. 31. ἠξίουν τὸν Ὁ. ἐπικαλέσασθαι τὸν ὕ.
III Ma. 6. 2. βασιλεῦ μεγαλοκράτωρ ὕψιστε
7. 9. τὸν πάσης δεσπόζοντα δυνάμεως θεὸν ὕ.

[Aq. Ps. 55 (56). 3: 76 (77). 11: 77 (78). 17: 88 (89). 28: 90 (91). 1, 9.]
[Sm. Ps. 9. 3: 17 (18). 14: 45 (46). 5: 72 (73). 11: 76 (77). 11: 77 (78). 17, 35: 86 (87). 5: 90 (91). 1, 9.]
[Th. Ps. 76 (77). 11: 86 (87). 5: Da. 7. 25.]
[Quint. Ps. 76 (77). 11: 90 (91). 1, 9.]

ὕψος. (1) בָּמָה (2) גָּאוֹן (3) a. גֹּבַהּ b. גָּבֹהַּ hi. c. גָּבַהּ (4) גֹּדֶל (5) מַעֲלָה (6) a. מָרוֹם b. רוּם subst. c. רוֹם d. רוּם hi. (7) קוֹמָה (8) תּוֹעֲפוֹת

Ge. 6. 15. καὶ τριάκοντα πήχεων τὸ ὕ. αὐ. (7)
Ex. 25. 9 (10). A B² R καὶ πήχεος καὶ ἡμίσους τὸ ὕ. (7)
— 22 (23). καὶ πήχεος καὶ ἡμίσους τὸ ὕ. (7)
27. 1. καὶ τριῶν πήχεων τὸ ὕ. αὐ. (7)
— 14. πέντε καὶ δέκα πήχεων τὸ ὕ. τῶν ἱστίων –
— 15. δέκα πέντε πηχῶν τῶν ἱστίων τὸ ὕ. –
— 16. εἴκοσι πήχεων τὸ ὕ. –
— 18. καὶ ὕψος πέντε πήχεων (7)
30. 2. καὶ δύο πήχεων τὸ ὕ. (7)
37. 16 (38. 18). καὶ τὸ ὕ. καὶ τὸ εὖρος πέντε πήχεων (7)
38 (37). 1. A καὶ πήχεως καὶ ἡμίσους τὸ ὕ. αὐ. (7)
Jd. 5. 18. καὶ Νεφθ. ἐπὶ ὕψη ἀγροῦ (6 a)
I Ki. 17. 4. ὕψος αὐ. τεσσάρων πήχεων καὶ σπιθαμῆς (3 a)
II Ki. 1. 19. ὑπὲρ τῶν τεθνηκότων ἐπὶ τὰ ὕ. σου [A al.] (1)
— 25. ἐπὶ τὰ ὕ. σου τραυματίαι (1)
22. 17. ἀπέστειλεν ἐξ ὕψους (6 a)
— 34. καὶ ἐπὶ τὰ ὕ. ἱστῶν με (1)
III Ki. 6. 2. πέντε καὶ εἴκοσι ἐν πήχει τὸ [A om.] ὕ. αὐ. (7)
— 3. A εἰς τὸ ὕ. τοῦ οἴκου [B al.] †
— 10. πέντε ἐν πήχει τὸ ὕ. αὐ. (7)
— 20. εἴκοσι πήχεις τὸ ὕ. αὐ. (7)
— 26. B καὶ τὸ ὕ. τοῦ χερ. ἐν πήχει [A R al.] (7)
7. 15. ὀκτὼ καὶ δέκα πήχεις ὕψος τοῦ στύλου (7)
— 16. πέντε πήχεις τὸ ὕ. τοῦ ἐπιθέματος τοῦ ἑνός (7)
— 16. A R καὶ πέντε πήχεις τὸ ὕ. τοῦ ἐπιθέματος τοῦ δευτ. (7)
— 23. πέντε ἐν πήχει τὸ [A om.] ὕ. αὐ. (7)
— 27. καὶ ἓξ ἐν πήχει ὕψος αὐ. (7)
— 32. καὶ τὸ ὕ. τοῦ τροχοῦ τοῦ ἑνός (7)
— 2. A R καὶ τριάκοντα πηχῶν ὕψος αὐ. (7)
IV Ki. 19. 22. ἐπὶ τίνα . . . ἦρας εἰς ὕψος τοὺς ὀφθ. σου (6 a)
— 23. ἀναβήσομαι εἰς ὕψος ὀρέων (6 a)
25. 17. ὀκτὼ καὶ δέκα πήχεων ὕψος τοῦ στύλου τοῦ ἑνός (7)
— 17. καὶ τὸ ὕ. τοῦ χωθὰρ τριῶν πήχεων (7)
I Ch. 14. 2. ηὐξήθη εἰς ὕψος ἡ βασ. αὐ. (5)
15. 16. τοῦ φωνῆσαι εἰς ὕψος (6 d)
23. 17. υἱοὶ Ῥ. ηὐξήθησαν εἰς ὕψος (5)
29. 3. δέδωκα εἰς οἶκον θεοῦ μου εἰς ὕψος (5)
II Ch. 1. 1. ἐμεγάλυνεν αὐτὸν εἰς ὕψος (5)
3. 4. A² B καὶ ὕψος πήχεων ἑκατὸν εἴκοσι (3 a)
— 15. πήχεων τριάκοντα πέντε τὸ ὕ. †
4. 1. B ὕψος πήχεων δέκα [A R al.] (7)
— 2. πέντε πήχεων τὸ ὕ. (7)
6. 13. καὶ τριῶν πήχεων τὸ ὕ. αὐ. (7)
17. 12. ἦν Ἰωσ. πορευόμενος μείζων ἕως εἰς ὕψος (5)
20. 19. αἰνεῖν κ. θεῷ Ἰσρ. ἐν φωνῇ μεγάλῃ εἰς ὕψος (5)
32. 26. ἐταπεινώθη Ἐζ. ἀπὸ τοῦ ὕ. τῆς καρδίας αὐ. (3 a)
I Es. 6. 25. οὗ τὸ ὕ. πήχεων ἑξήκοντα
II Es. 6. 3. ἔθηκεν ἔπαρμα ὕψος πήχεις ἑξήκοντα (6 b)
Ne. 9. 5. S² ὄνομα δόξης σου καὶ ὕψους σου [A B S¹ al.] †
Ju. 1. 2. ἐποίησε τὸ ὕ. [A μῆκος] τοῦ τείχους
— 4. εἰς ὕψος πηχῶν ἑβδομήκοντα
7. 10. ἀλλ' ἐπὶ τοῖς ὕ. [A ὄψεσι] τῶν ὀρέων αὐ.
13. 20. ποιήσαι σοι αὐτὰ ὁ θ. εἰς ὕψος αἰώνιον
16. 8. A B S² εἰς ὕψος τῶν πονούντων ἐν Ἰσρ.
Jb. 5. 11. τὸν ποιοῦντα ταπεινοῦς εἰς ὕψος (6 a)
39. 18. κατὰ καιρὸν [A -ῶν] ἐν [S¹ om.] ὕψει ὑψώσει (6 a)
40. 5 (10). ἀνάλαβε δὴ ὕψος [A εἰς ὕ.] (2)
Ps. 7. 7. ὑπὲρ ταύτης εἰς ὕψος ἐπίστρεψον (6 a)
11 (12). 8. κατὰ τὸ ὕ. σου ἐπολυώρησας τοὺς [A πάντας τοὺς] υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων (6 b)
17 (18). 16. ἐξαπέστειλεν ἐξ ὕψους (6 a)
55 (56). 2. ὅλην τὴν ἡμέραν ἀπὸ ὕψους ἡμέρας (6 a)
67 (68). 18. ἀναβὰς εἰς ὕψος (6 a)
72 (73). 8. ἀδικίαν εἰς τὸ ὕ. ἐλάλησαν (6 a)
74 (75). 5. μὴ ἐπαίρετε εἰς ὕψος τὸ κέρας ὑμῶν (6 a)
94 (95). 4. τὰ ὕ. τῶν ὀρέων αὐτοῦ ἐστιν (8)
101 (102). 19. ἐξέκυψεν ἐξ ὕψους ἁγίου αὐτοῦ (6 a)
Ps. 102 (103). 11. κατὰ τὸ ὕ. τοῦ οὐρ. ἀπὸ τῆς γῆς (3 a)
143 (144). 7. ἐξαπόστειλον τὴν χεῖρά σου ἐξ ὕψους (6 a)
Ec. 10. 6. ἐδόθη ὁ ἄφρων ἐν ὕψεσι μεγάλοις (6 a)
12. 5. καὶ εἰς τὸ ὕ. [A S καί γε ἀπὸ ὕψους] ὕψονται (3 a)
Ca. 7. 8 (9). κρατήσω τῶν ὕ. αὐτοῦ †
Si. 1. 3. ὕψος οὐρανοῦ . . . τίς ἐξιχνιάσει
16. 17. μὴ ἐξ ὕψους τίς μου [S¹ ἐξ ὑψίστου] μνησθήσεται
17. 32. δύναμιν ὕψους οὐρανοῦ αὐτὸς ἐπισκέπτεται
27. 25. ὁ βάλλων λίθον εἰς ὕψος ἐπὶ κεφαλὴν αὐτοῦ βάλλει
43. 1. γαυρίαμα ὕψους στερέωμα καθαριότητος [S καὶ καθαριότης]
— 8. σκεῦος παρεμβολῶν ἐν ὕψει
46. 9. ἐπιβῆναι αὐτὸν ἐπὶ ὕψος [A S τὸ ὕ.] τῆς γῆς
50. 2. ὑπ' αὐτοῦ ἐθεμελιώθη ὕψος διπλῆς
51. 19. τὰς χεῖράς μου ἐξεπέτασα πρὸς ὕψος
Am. 2. 9. οὗ ἦν καθὼς ὕψος κέδρου τὸ ὕ. αὐ. (3 a, 3 a)
4. 13. ἐπιβαίνων ἐπὶ τὰ ὕ. τῆς γῆς (1)
5. 7. ὁ ποιῶν εἰς ὕψος κρίμα †
Mi. 1. 3. ἐπιβήσεται ἐπὶ τὰ ὕ. τῆς γῆς (1)
Hb. 2. 9. τοῦ τάξαι εἰς ὕψος [S¹ οἴκον] νοσσιὰν αὐ. (6 a)
3. 10. ὕψος φαντασίας αὐ. (6 c)
Is. 2. 11. ταπεινωθήσεται τὸ ὕ. τῶν ἀνθρώπων (6 b)
— 17. A S πεσεῖται ὕ. [B ὕβρις] ἀνθρώπων (6 b)
7. 11. αἴτησαι σεαυτῷ σημεῖον . . . εἰς βάθος ἢ εἰς ὕ. (3 b + 5)
10. 12. ἐπὶ τὸ ὕ. τῆς δόξης τῶν ὀφθαλμῶν αὐτοῦ (6 b)
25. 12. τὸ ὕ. τῆς καταφυγῆς τοῦ τοίχου σου ταπεινώσει †
35. 2. ὄψεται τὴν δόξαν κυρίου καὶ τὸ ὕ. τοῦ θεοῦ †
37. 23. οὐκ ἦρας εἰς ὕ. τοὺς ὀφθαλμούς σου (6 a)
— 24. ἀνέβην εἰς ὕ. ὀρέων . . . ἔκοψα τὸ ὕ. τῆς κέδρου αὐτοῦ . . . εἰσῆλθον εἰς ὕ. μέρους τοῦ δρυμοῦ (6 a, 7, 6 a)
38. 10. εἶπα ἐν τῷ ὕ. τῶν ἡμερῶν μου †
— 14. τοῦ βλέπειν εἰς τὸ ὕ. τοῦ οὐρανοῦ (6 a)
40. 26. ἀναβλέψατε εἰς ὕ. [A τὸ ὕ.] τοὺς ὀφθαλμοὺς ὑμῶν (6 a)
Je. 6. 2. ἀφαιρεθήσεται τὸ ὕ. σου †
28 (51). 53. A S³ ἐὰν ὀχυρώσῃ ὕ. ἰσχύος αὐτῆς [B S¹ al.] (6 a)
37 (30). 18. οἰκοδομηθήσεται πόλις ἐπὶ τὸ ὕ. [A ἐ. τεῖχος] αὐτῆς †
52. 21. τριάκοντα πέντε πηχῶν ὕ. τοῦ στύλου τοῦ ἑνός (7)
La. 1. 13. ἐξ ὕψους αὐτοῦ ἀπέστειλε πῦρ (6 a)
Ez. 1. 18. ὕ. ἦν αὐτοῖς (3 a)
31. 2. τίνι ὡμοίωσας σεαυτὸν ἐν τῷ ὕ. σου (4)
— 7. ἐγένετο καλὸς ἐν τῷ ὕ. αὐτοῦ (4)
— 14. οὐκ ἔστησαν ἐν τῷ ὕ. αὐτῶν πρὸς αὐτά (3 a)
40. 5. τὸ ὕ. αὐτοῦ ἴσον τῷ καλάμῳ (7)
— 42. ἐπὶ πῆχυν τὸ ὕ. (3 a)
41. 8. τὸ θραὲλ τοῦ οἴκου ὕ. κύκλῳ (3 a)
— 22. πηχῶν τριῶν τὸ ὕ. αὐτοῦ (3 c)
43. 13. τοῦτο τὸ ὕ. τοῦ θυσιαστηρίου †
Da. LXX. 3. 1. τὸ ὕ. αὐ. πηχῶν ἑξήκοντα (6 b)
Da. TH. 3. 1. ὕψος αὐτῆς πήχεων ἑξήκοντα (6 b)
4. 7. καὶ τὸ ὕ. αὐ. πολύ (6 b)
— 8. τὸ ὕ. αὐ. ἔφθασεν ἕως τοῦ οὐρανοῦ (6 b)
— 17. οὗ τὸ ὕ. ἔφθανεν εἰς τὸν οὐρανόν (6 b)
I Ma. 1. 40. τὸ ὕ. αὐ. ἐστράφη εἰς πένθος
10. 24. γράψω . . . λόγους παρακλήσεως καὶ ὕψους
12. 36. ὑψῶσαι ὕψος μέγα
II Ma. 9. 8. πλάστιγγι τῶν ὀρέων οἰόμενος ὕψη στήσειν

[Aq. I Ki. 16. 7: Ps. 7. 8: 11 (12). 9: 70 (71). 19: 92 (93). 4: Pr. 9. 3: Is. 7. 11: 38. 14: 58. 14: Je. 49. 16 (29. 17): Ez. 17. 23: 27. 32.]
[Sm. Nu. 21. 8: Jo. 11. 13: III Ki. 6. 20: Jb. 37. 17: Ps. 70 (71). 19: 72 (73). 8: 74 (75). 6: Ec. 10. 6: Ca. 4. 4: Is. 25. 12: 32. 15: 33. 16: 58. 14: Je. 31 (38). 12: 48 (31). 29: 49. 16 (29. 17): 52. 21, 22.]
[Th. Ex. 37 (38). 1, 10 (11): I Ki. 16. 7: II Ki. 1. 21: Jb. 39. 18: 40. 5 (10): Ps. 7. 8: Is. 58. 14: Je. 31 (38). 12: 52. 22: Da. 4. 7.]
[Al. Le. 14. 14: Is. 2. 17: Ez. 41. 8.]
[Sext. Ps. 70 (71). 19.]

ὑψοῦν. (1) אָרַךְ (2) גָּאוֹן (3) גָּבַהּ *a.* qal. *b.* hi. *c.* גֹּבַהּ (4) גָּבַר (5) גָּדַל *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. *d.* hithp. *e.* גָּדוֹל (6) מָרָא hi. (7) נָטָה (8) נָשָׂא *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* hithp. (9) עָלָה (10) פָּאַר pi. (11) פְּרָה hi. (12) רָבָה hi. (13) רוּם *a.* qal. *b.* pil. *c.* hi. *d.* hithpal. *e.* pe. *f.* aph. *g.* ithpal. *h.* רוֹמֵם *i.* מְרוֹם *j.* רוּם subst. *k.* רָמַם (14) רָנַן pi. (15) שָׁנָא (שָׂנָה) (16) שָׁנַב ni.

Ge. 7. 17. ὑψώθη ἀπὸ τῆς γῆς (13 *a*)
— 20, 24. ὑψώθη τὸ ὕδωρ (4)
19. 13. ὑψώθη ἡ κραυγὴ αὐ. ἐναντίον κυρίου (5 *a*)
24. 35. καὶ ὑψώθη (5 *a*)
26. 13. ὑψώθη ὁ ἄνθρωπος (5 *a*)
39. 15, 18. ὕψωσα τὴν φωνήν μου (13 *c*)
41. 52. A ὕψωσέν [R ηὔξησέ] με ὁ θ. (11)
48. 19. καὶ οὗτος ὑψωθήσεται (5 *a*)
Ex. 15. 2. καὶ ὑψώσω αὐτόν (13 *b*)
Nu. 14. 17. ὑψωθήτω ἡ ἰσχύς [A χείρ] σου (5 *a*)
24. 7. ὑψωθήσεται ἡ Γὼγ βασιλεία (13 *a*)
32. 35. καὶ ὕψωσαν αὐτάς †
De. 8. 14. μὴ . . . ὑψωθῇς τῇ καρδίᾳ (13 *a*)
17. 20. ἵνα μὴ ὑψωθῇ ἡ καρδία αὐ. (13 *a*)
Jo. 3. 7. ἄρχομαι ὑψῶσαί σε (5 *b*)
I Ki. 2. 1. ὑψώθη κέρας μου ἐν θεῷ μου (13 *a*)
— 10. ὑψώσει κέρας χριστοῦ αὐτοῦ (13 *c*)
10. 23. ὑψώθη ὑπὲρ πάντα τὸν λαόν (3 *a*)
II Ki. 22. 47. ὑψωθήσεται [A -ήτω] ὁ θεός μου (13 *a*)
— 49. ἐκ τῶν ἐπεγειρομ. μοι ὑψώσεις με (13 *b*)
III Ki. 11. 26. A ὕψωσεν χεῖρα ἐν τῷ βασ. (13 *c*)
14. 7. A ἀνθ' οὗ ὅσον ὕψωσά σε ἀπὸ μέσου λαοῦ (13 *c*)
16. 2. ἀνθ' ὧν ὕψωσά σε ἀπὸ τῆς γῆς (13 *c*)
IV Ki. 2. 13. ὕψωσε τὴν μηλωτὴν Ἠ. (13 *c*)
6. 7. ὕψωσον σεαυτῷ (13 *c*)
19. 22. ἐπὶ τίνα ὕψωσας φωνήν (13 *c*)
25. 27. ὕψωσεν Εὐ. . . . τὴν κεφ. Ἰ. (8 *a*)
I Ch. 17. 17. καὶ ὕψωσάς με †
25. 5. ὑψῶσαι κέρας (13 *c*)
II Ch. 5. 13. ὕψωσαν φωνήν (13 *c*)
17. 6. ὑψώθη καρδία αὐ. ἐν ὁδῷ κυρίου (3 *a*)
26. 16. ὑψώθη ἡ καρδία αὐ. τοῦ καταφθεῖραι (3 *a*)
32. 25. ὑψώθη ἡ καρδία αὐ. (3 *a*)
33. 14. καὶ ὕψωσε σφόδρα (3 *b*)
II Es. 3. 12. τοῦ ὑψῶσαι ᾠδήν (13 *c*)
8. 25. ἃ ὕψωσεν ὁ βασ. (13 *c*)
9. 6. τοῦ ὑψῶσαι . . . τὸ πρόσωπόν μου πρὸς σέ (13 *c*)
— 9. τοῦ ὑψῶσαι αὐτοὺς τὸν οἶκον (13 *b*)
10. 1. καὶ ὕψωσε κλαίων (12)
Ne. 9. 5. καὶ ὑψώσουσιν ἐπὶ πάσῃ εὐλογίᾳ [S² *al.*] (13 *b*)
To. 12. 6. A R ὑψοῦν [B ὑποῖν, S ὑμνεῖν] τὸ ὄνομα αὐτοῦ
13. 4. ὑψοῦτε αὐτὸν ἐνώπιον παντὸς ζῶντος
— 6. ὑψώσατε τὸν βασιλέα τῶν αἰώνων
— 7. A B τὸν θεόν μου ὑψῶ
— 18. ὃς ὕψωσε πάντας [A εἰς π.] τὰς αἰῶνας [S *al.*]
14. 7. A B ὑψώσει κύριος τὸν λαὸν αὐ.
Ju. 9. 7. ὑψώθησαν ἐφ' ἵππῳ
16. 2. ὑψοῦτε καὶ ἐπικαλεῖσθε τὸ ὄνομα αὐ.
— 11. ὕψωσαν τὴν φωνὴν αὐ.
Es. 1. 1. οἱ ταπεινοὶ ὑψώθησαν
2. 18. ὕψωσε τοὺς γάμους Ἐ. –
3. 1. καὶ ὕψωσεν αὐτόν (8 *c*)
Jb. 8. 11. ἢ ὑψωθήσεται βούτομον ἄνευ πότου (15)
17. 4. A B S³ διὰ τοῦτο οὐ μὴ ὑψώσῃς αὐτούς (13 *b*)
19. 6. ὀχύρωμα δὲ αὐτοῦ ἐπ' ἐμὲ ὕψωσεν †
36. 7. καθιεῖ αὐτοὺς εἰς νῖκος καὶ [A καὶ εἰς ν.] ὑψωθήσονται [A -σεται] (3 *a*)
39. 18. κατὰ καιρὸν [A -ῶν] ἐν ὕψει ὑψώσει [S¹ *al.*] (6)
— 27. ἐπὶ δὲ σῷ προστάγματι ὑψοῦται ἀετός (3 *b*)
Ps. 3. 3. δόξα μου καὶ ὑψῶν τὴν κεφαλήν μου (13 *c*)
7. 6. ὑψώθητι ἐν τοῖς πέρασι τῶν ἐχθρῶν μου (8 *b*)
9. 13. ὁ ὑψῶν με ἐκ τῶν πυλῶν τοῦ θανάτου (13 *b*)
— 33 (10. 12). ὑψωθήτω ἡ χείρ σου (8 *a*)
12 (13). 2. ἕως πότε ὑψωθήσεται ὁ ἐχθρός μου ἐπ' ἐμέ (13 *a*)
17 (18). 46. ὑψωθήτω ὁ θεὸς τῆς σωτηρίας μου (13 *a*)
— 48. ἀπὸ τῶν ἐπανιστανομένων ἐπ' ἐμὲ ὑψώσεις με (13 *b*)
20 (21). 13. ὑψώθητι, κύριε, ἐν τῇ δυνάμει σου (13 *a*)
Ps. 26 (27). 5. ἐν πέτρᾳ ὕψωσέ με (13 *b*)
— 6. ὕψωσε τὴν κεφ. μου ἐπ' ἐχθρούς μου (13 *a*)
29 (30). 1. ὑψώσω σε, κύριε (13 *b*)
33 (34). 3. ὑψώσωμεν [A -σομεν] τὸ ὄν. αὐ. (13 *b*)
36 (37). 20. ἅμα τῷ δοξασθῆναι αὐτοὺς καὶ ὑψωθῆναι †
— 34. ὑψώσει σε τοῦ κατακληρονομῆσαι γῆν (13 *b*)
45 (46). 10. ὑψωθήσομαι ἐν τοῖς ἔθνεσιν ὑψωθήσομαι ἐν τῇ γῇ (13 *a*, 13 *a*)
56 (57). 5, 11. ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐρανούς, ὁ θεός (13 *a*)
60 (61). 2. ἐν πέτρᾳ ὕψωσάς με (13 *a*)
63 (64). 7. ὑψωθήσεται ὁ θεός †
65 (66). 7. μὴ ὑψούσθωσαν ἐν ἑαυτοῖς (13 *a*, 13 *c**)
— 17. ὕψωσα ὑπὸ τὴν γλῶσσάν μου (13 *h*)
74 (75). 4. μὴ ὑψοῦτε κέρας (13 *c*)
— 7. τοῦτον ὑψοῖ (13 *c*)
— 10. ὑψωθήσεται τὰ κέρατα τοῦ δικαίου (13 *b*)
87 (88). 15. ὑψωθεὶς δὲ ἐταπεινώθην (8 *a*)
88 (89). 3. S¹ ὕψωσα ἐκλεκτὸν ἐκ τοῦ λαοῦ μου –
— 13. ὑψωθήτω ἡ δεξιά σου (13 *a*)
— 16. ἐν τῇ δικαιοσύνῃ σου ὑψωθήσονται (13 *a*)
— 17. ὑψωθήσεται τὸ κέρας ἡμῶν (13 *a*, 13 *c**)
— 19. ὕψωσα ἐκλεκτὸν ἐκ τοῦ λαοῦ μου (13 *c*)
— 24. ὑψωθήσεται τὸ κέρας αὐτοῦ (13 *a*)
— 42. ὕψωσας τὴν δεξιὰν τῶν ἐχθρῶν αὐ. (13 *c*)
91 (92). 10. ὑψωθήσεται ὡς μονοκέρωτος τὸ κέρας μου (13 *c*)
93 (94). 2. ὑψώθητι ὁ κρίνων τὴν γῆν (8 *b*)
98 (99). 5, 9. ὑψοῦτε κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν (13 *b*)
106 (107). 25. ὑψώθη τὰ κύματα αὐτῆς (13 *b*)
— 32. ὑψωσάτωσαν αὐτὸν ἐν ἐκκλησίᾳ λαοῦ (13 *b*)
107 (108). 5. ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐρανούς, ὁ θεός (13 *a*)
— 7. ὑψωθήσομαι καὶ διαμεριῶ Σίκιμα (9)
109 (110). 7. διὰ τοῦτο ὑψώσει κεφαλήν (13 *c*)
111 (112). 9. τὸ κέρας αὐτοῦ ὑψωθήσεται ἐν δόξῃ (13 *a*)
117 (118). 16. δεξιὰ κυρίου ὕψωσέ με (13 *k*)
— 28. θεός μου εἶ σὺ καὶ ὑψώσω σε (13 *b*)
130 (131). 1. οὐχ ὑψώθη ἡ καρδία μου (3 *a*)
— 2. S R ὕψωσα τὴν ψυχήν [A καρδίαν] μου (13 *b*)
139 (140). 8. μή ποτε ὑψωθῶσι (13 *a*)
144 (145). 1. ὑψώσω σε ὁ θεός μου ὁ βασ. μου (13 *b*)
— 7. A² τῇ δικαιοσύνῃ σου ὑψωθήσονται [B S ἀγαλλιάσονται] (14)
148. 13. ὑψώθη τὸ ὄνομα αὐτοῦ μόνου (16)
— 14. ὑψώσει κέρας λαοῦ αὐτοῦ (13 *c*)
149. 4. ὑψώσει πραεῖς ἐν σωτηρίᾳ (10)
Pr. 3. 35. οἱ δὲ ἀσεβεῖς ὕψωσαν ἀτιμίαν (13 *c*)
4. 8. περιχαράκωσον αὐτὴν καὶ ὑψώσει σε (13 *b*)
11. 11. A B² S² ἐν εὐλογίᾳ εὐθείων ὑψωθήσεται πόλις (13 *a*)
14. 34. δικαιοσύνη ὑψοῖ ἔθνος (13 *b*)
18. 10. αὐτῷ δὲ προσδραμόντες δίκαιοι ὑψοῦνται (16)
— 12. πρὸ συντριβῆς ὑψοῦται καρδία ἀνδρός (3 *a*)
Si. 15. 5. ὑψώσει αὐτὸν παρὰ τοὺς πλησίον αὐτοῦ
43. 30. δοξάζοντες κύριον ὑψώσατε καθ' ὅσον ἂν δύνησθε
— 30. ὑψοῦντες αὐτὸν πληθύνατε ἐν ἰσχύϊ
45. 6. Ἀαρὼν ὕψωσεν [S ἀνύψ.] ἅγιον ὅμοιον αὐτῷ
50. 10. ὡς κυπάρισσος ὑψουμένη ἐν νεφέλαις
— 22. τὸν [A *om.*] ὑψοῦντα ἡμέρας ἡμῶν ἐκ μήτρας
Ho. 11. 7. καὶ οὐ μὴ ὑψώσῃ αὐτόν (13 *b*)
13. 6. ὑψώθησαν αἱ καρδίαι αὐ. (13 *a*)
Mi. 5. 9 (8). ὑψωθήσεται ἡ χείρ σου (13 *a*)
6. 12. B ὑψώθητι [A R -θη] ἐν τῷ στόματι αὐ. †
Ob. 1. 3. ὑψῶν κατοικίαν αὐ. (13 *i*)
Hb. 2. 19. ὁ λέγων . . . τῷ λίθῳ, Ὑψώθητι †
Is. 1. 2. υἱοὺς ἐγέννησα καὶ ὕψωσα (13 *b*)
2. 2. ὑψωθήσεται ὑπεράνω τῶν βουνῶν (8 *b*)
— 11, 17. ὑψωθήσεται κύριος μόνος (16)
3. 16. ὑψώθησαν αἱ θυγατέρες Σιών (3 *a*)
4. 2. τοῦ ὑψῶσαι καὶ δοξάσαι τὸ καταλειφθέν (2)
5. 16. ὑψωθήσεται κύριος σαβαώθ (3 *a*)
10. 15. ὑψωθήσεται πρίων ἄνευ τοῦ ἕλκοντος αὐτόν (5 *d*)
12. 4. ὑψώθη τὸ ὄνομα αὐτοῦ (16)
— 6. ὑψώθη ὁ ἅγιος τοῦ Ἰσραήλ (5 *e*)
13. 2. ὑψώσατε τὴν φωνὴν αὐτοῖς (13 *c*)
14. 26. S¹ αὕτη ἡ χεὶρ ἣ ὑψώθη [ABS² ἡ ὑψηλή] (7)
19. 13. ὑψώθησαν οἱ ἄρχοντες Μέμφεως †
23. 4. οὐδὲ ὕψωσα παρθένους (13 *b*)
28. 29. ὑψώσατε ματαίαν παράκλησιν (5 *c*)
30. 18. ὑψωθήσεται τοῦ ἐλεῆσαι ὑμᾶς (13 *a*)
33. 10. νῦν ὑψωθήσομαι (8 *b*)
37. 23. πρὸς τίνα ὕψωσας τὴν φωνήν σου (13 *c*)
40. 9. ὕψωσον τῇ ἰσχύϊ τὴν φωνήν σου . . . ὑψώσατε (13 *c*, 13 *c*)
Is. 40. 25. τίνι με ὡμοιώσατε καὶ ὑψωθήσομαι
51. 18. ἀπὸ πάντων τῶν υἱῶν σου ὧν ὕψωσας (5 *b*)
52. 8. φωνὴ τῶν φυλασσόντων σε ὑψώθη (8 *a*)
— 13. ὑψωθήσεται καὶ δοξασθήσεται σφόδρα (13 *a* + 8 *b*)
58. 1. ὕψωσον τὴν φωνήν σου (13 *c*)
63. 9. ὕψωσεν αὐτοὺς πάσας τὰς ἡμέρας τοῦ αἰῶνος (8 *c*)
Je. 17. 12. θρόνος δόξης ὑψωμένος [A -ούμ.] (13 *i*)
29 (49). 16. ὕψωσεν [A ἐὰν ὑψώσεις] ὥσπερ ἀετὸς νοσσιὰν αὐτοῦ (3 *b*)
31 (48). 29. ὑψώθη ἡ καρδία αὐτοῦ (13 *j*)
38 (31). 37. ἐὰν ὑψωθῇ ὁ οὐρανὸς εἰς τὸ μετέωρον †
La. 2. 17. ὕψωσε κέρας [A κεφαλὰς] θλίβοντός σε (13 *c*)
Ez. 17. 24. ἐγὼ κύριος ὁ . . . ὑψῶν ξύλον ταπεινόν (3 *b*)
19. 11. ὑψώθη [A *add.* ἐν] τῷ μεγέθει αὐτῆς (3 *a*)
21. 22 (27). ὑψῶσαι φωνὴν μετὰ κραυγῆς (13 *c*)
— 26 (31). ὕψωσας τὸ ταπεινόν (3 *b*)
28. 2. ἀνθ' οὗ ὑψώθη σου ἡ καρδία (3 *a*)
— 5. ὑψώθη ἡ καρδία σου (3 *a*)
— 17. ὑψώθη ἡ καρδία σου ἐπὶ τῷ κάλλει σου (3 *a*)
29. 15. οὐ μὴ ὑψωθῇ ἔτι ἐπὶ τὰ ἔθνη (8 *d*)
31. 4. ἡ ἄβυσσος ὕψωσεν αὐτόν (13 *b*)
— 5. ἕνεκεν τούτου ὑψώθη τὸ μέγεθος αὐτοῦ (3 *a*)
— 5. A ὑψώθησαν αἱ παραφυάδες αὐτοῦ (1)
— 10. εἶδον ἐν τῷ ὑψωθῆναι αὐτόν (3 *c*)
— 14. ὅπως μὴ ὑψωθῶσιν ἐν τῷ μεγέθει αὐτῶν πάντα τὰ ξύλα (3 *a*)
Da. LXX. 4. 19. ὑψώθης ὑπὲρ πάντας τοὺς ἀνθρώπους –
— 19. ὑψώθη σου ἡ καρδία ὑπερηφανίᾳ –
8. 4. ἐποίει ὡς ἤθελε καὶ ὑψώθη (5 *c*)
— 10. ὑψώθη ἕως τῶν ἀστέρων τοῦ οὐρανοῦ (5 *a*)
— 25. ἡ καρδία αὐ. ὑψωθήσεται (5 *c*)
11. 12. ὑψωθήσεται ἡ καρδία αὐ. (13 *a*)
— 36. ὑψωθήσεται ἐπὶ πάντα θεόν (5 *d*)
— 37. ἐν παντὶ ὑψωθήσεται (5 *d*)
12. 1. ὑψωθήσεται πᾶς ὁ λαός †
— 7. ὕψωσε τὴν δεξιὰν . . . εἰς τὸν οὐρανόν (13 *c*)
Da. TH. 5. 19. A B¹ οὓς ἠβούλετο αὐτὸς ὑψοῖ [B³ R ὕψου] (13 *f*)
— 20. ὅτε ὑψώθη ἡ καρδία αὐ. (13 *e*)
— 23. ἐπὶ τὸν κύριον θεὸν τοῦ οὐρ. ὑψώθης (13 *g*)
11. 12. ὑψωθήσεται [A ὑπερυψ.] ἡ καρδία αὐ. (13 *a*)
— 36. ὑψωθήσεται ὁ βασ. (13 *d*)
12. 7. ὕψωσε τὴν δεξιὰν αὐ. (13 *c*)
I Ma. 1. 3. A R καὶ ὑψώθη
— 4. S καὶ ὑψώθη
8. 13. καὶ ὑψώθησαν σφόδρα
11. 16. ὁ δὲ βασ. Πτ. ὑψώθη
— 26. ὕψωσεν αὐτὸν ἐναντίον πάντων τῶν φίλων αὐ.
12. 36. ὑψῶσαι ὕψος μέγα
13. 27. καὶ ὕψωσεν αὐτὸν τῇ ὁράσει
14. 35. ὑψῶσαι τὸν λαὸν αὐ.
— 37. ὕψωσε τὰ τείχη Ἱερ.
16. 13. ὑψώθη ἡ καρδία αὐ.
[Aq. Ge. 41. 44 : Dt. 8. 14 : III Ki. 14. 7 : Ps. 7. 7 : 26 (27). 5, 6 : 60 (61). 3 : Ez. 10. 4 : 21. 26 (31) : 31. 10 : Za. 14. 10.]
[Sm. Nu. 24. 7 : Jb. 5. 7 : 17. 4 : Ps. 9. 25 (10. 4) : 11 (12). 9 : 23 (24). 7 : 27 (28). 9 : 65 (66). 7, 17 : 74 (75). 8 : 88 (89). 20 : Pr. 2. 3 : 17. 19 : Is. 7. 11 : 33. 3 : 40. 4 : 55. 9 : Ez. 10. 16 : Za. 14. 10.]
[Th. Dt. 8. 14 : Jb. 17. 4 : 39. 18 : Pr. 11. 11 : 17. 19 : Is. 7. 11 : 55. 9 : 61. 6 : Ez. 31. 5, 10 : Za. 14. 10.]
[Al. Ex. 14. 16 : Le. 4. 8, 10 : Nu. 6. 26 : Ps. 130 (131). 1 : 139 (140). 9.]
[Quint. Ps. 26 (27). 6.]

ὕψωμα.
Ju. 10. 8. εἰς γαυρίαμα υἱῶν Ἰσρ. καὶ ὕψωμα Ἱερ.
13. 4. ἐπίβλεψον . . . εἰς ὕψωμα Ἱερ.
15. 9. σὺ ὕψωμα Ἱερ.
Jb. 24. 24. πολλοὺς γὰρ ἐκάκωσε τὸ ὕ. αὐτοῦ †
[Aq. Dt. 32. 13 : I Ki. 9. 12 : Ps. 17 (18). 34 : Ec. 10. 6 : Ez. 6. 6 : 20. 29.]
[Sm. Ps. 73 (74). 3 : Is. 33. 16.]
[Th. Ex. 28. 39 : Is. 33. 16.]
[Al. Le. 23. 30.]

ὕψωσις. (1) רוֹמֵם
Ps. 149. 6. αἱ [S *om.*] ὑ. τοῦ θεοῦ ἐν λάρυγγι αὐτῶν (1)
[Aq. Jd. 15. 17 : Is. 33. 3.]
[Th. Is. 33. 3.]

Φ

φαάθ.
[Th. Le. 19. 27 *bis.*]
[Al. Le. 19. 9 : 21. 5 : 23. 22.]

φαγαδείμ.
[Th. Je. 31 (38). 40.]

φαγαλσείμ.
[Th. Je. 31 (38). 40 (Sw.).]

φαγαρείμ.
[Aq. Je. 31 (38). 40.]

φαγέδαινα.
[Aq. Dt. 7. 23: 28. 20: 1 Ki. 5. 11, 12: 14. 20: Ez. 7. 7.]

φαγεδαινίζειν.
[Aq. 1 Ki. 5. 6: 7. 10.]

φαγεδαινοῦν.
[Aq. Dt. 7. 23.]

φαγεῖν, *vid. sub* **ἐσθίειν.**

φάζ. (1) פָּז
Ca. 5. 11. A B κεφαλὴ αὐτοῦ χρυσίον καὶ φάζ [S R κεφάζ] (1)

φαιδρός.
IV Ma. 13. 13. ἀλλήλους ὁμοῦ πάντες ἐφορῶντες φαιδροί

φαιδρύνειν.
[Al. Ps. 19 (20). 4.]

φαίνειν. (1) *a.* אוֹר hi. *b.* מָאוֹר (2) בָּחַן ni. (3) בְּעִיגִי (4) נִבְלָה ni. (5) הָיָה (6) זָהַר hi. (7) זָרַח (8) נָבַל (9) קָרָה (10) רָאָה ni. (11) πονηρὸν φαίνεσθαι *a.* חָרָה *b.* רָעַע hi. (12) σκληρὸν φαίνεσθαι *a.* חָרָה בְּעֵינֵי *b.* רָעַע hi. (13) πονηρὸν εἶναι חָרָה

Ge. 1. 15, 17. ὥστε φαίνειν ἐπὶ τῆς γῆς (1 *a*)
21. 11. σκληρὸν δὲ ἐφάνη τὸ ῥῆμα σφόδρα (12 *b*)
30. 37. ἐφαίνετο δὲ ἐπὶ ταῖς ῥάβδοις τὸ λευκόν –
35. 7. R ἐκεῖ γὰρ ἐφάνη [A ἐπεφ.] αὐτῷ ὁ θ. (4)
— 21 (22). πονηρὸν ἐφάνη ἐναντίον αὐτοῦ –
38. 10. πονηρὸν δὲ ἐφάνη τὸ ῥῆμα ἐναντίον τοῦ θ. (11 *b*)
42. 15. ἐν τούτῳ φανεῖσθε (2)
45. 5. μηδὲ σκληρὸν ὑμῖν φανήτω (12 *a*)
Ex. 25. 36 (37). φανοῦσιν ἐκ τοῦ ἑνὸς προσώπου (1 *a*)
Nu. 23. 3. εἰ μοι φανεῖται ὁ θ. ἐν συναντήσει (9)
— 4. ἐφάνη ὁ θ. τῷ B. (9)
I Ki. 18. 8. πονηρὸν ἐφάνη τὸ ῥῆμα ἐν ὀφθ. Σ. (11 *a* + 11 *b*)
20. 26. σύμπτωμα φαίνεται μὴ καθαρὸς εἶναι –
II Ki. 11. 27. πονηρὸν ἐφάνη τὸ ῥῆμα (11 *b*)
III Ki. 6. 18. A οὐκ ἐφαίνετο λίθος (10)
22. 32. φαίνεται βασιλεὺς Ἰσρ. οὗτος –
I Ch. 21. 7. A πονηρὸν ἐφάνη [B *om.*] ἐναντίον τοῦ θεοῦ (11 *b*)
I Es. 2. 21. ὅπως ἂν [A ἐὰν] φαίνηταί σοι
3. 5. οὗ ἂν φανῇ τὸ ῥῆμα αὐ. σοφώτερον τοῦ ἑτέρου
II Es. 7. 20. ὃ ἂν φανῇ σοι δοῦναι (8)
Ne. 4. 1 (3. 33). πονηρὸν αὐτῷ ἐφάνη [A S ἦν αὐ.] (11 *a* [13])
— 7 (1). πονηρὸν αὐτοῖς ἐφάνη σφόδρα (11 *a*)
13. 8. πονηρόν μοι ἐφάνη σφόδρα (11 *b*)
To. 6. 17. S οὐκέτι μὴ φανῇ περὶ αὐτήν [A B *al.*]
Ps. 76 (77). 18. B² S R ἔφαναν αἱ ἀστραπαί σου τῇ οἰκουμένῃ (1 *a*)
96 (97). 4. ἔφαναν αἱ ἀστραπαὶ αὐ. τῇ οἰκουμ. (1 *a*)
Pr. 11. 31. ὁ ἀσεβὴς καὶ ἁμαρτωλὸς ποῦ φανεῖται –
21. 2. πᾶς ἀνὴρ φαίνεται ἑαυτῷ δίκαιος (3)
23. 5. A S² R οὐδαμοῦ φανεῖται [B S¹ πεσεῖται] –
Pr. 24. 40 (25). οἱ δὲ ἐλέγχοντες βελτίους φανοῦνται †
26. 5. ἵνα μὴ φαίνηται σοφὸς παρ' ἑαυτῷ (5)
— 16. σοφώτερος ἑαυτῷ ὀκνηρὸς φαίνεται (3)
27. 7. ψυχῇ δὲ ἐνδεεῖ καὶ τὰ πικρὰ γλυκέα φαίνεται [S¹ φέρει] –
Wi. 8. 15. ἐν πλήθει φανοῦμαι ἀγαθός
Is. 32. 2. φανήσεται ἐν Σιὼν ὡς ποταμός –
47. 3. φανήσονται οἱ ὀνειδισμοί σου (10)
60. 2. ἐπὶ δὲ σὲ φανήσεται κύριος (7)
Ez. 32. 7. σελήνη οὐ μὴ φάνῃ τὸ φῶς αὐ. [A *al.*] (1 *a*)
— 8. πάντα τὰ φαίνοντα φῶς ἐν τῷ οὐρανῷ συσκοτάσουσιν (1 *b*)
Da. LXX. Su. 12. τίς φανήσεται αὐτῇ πρότερος
1. 13. ἐὰν φανῇ ἡ ὄψις ἡμῶν διατετραμμένη (10)
— 15. ἐφάνη ἡ ὄψις αὐ. καλή (10)
12. 3. οἱ συνιέντες φανοῦσιν (6)
I Ma. 4. 50. A R ἐφαίνοσαν [S -νον] ἐν τῷ ναῷ
11. 12. ἐφάνη ἡ ἔχθρα αὐτῶν
II Ma. 1. 33. εἰς τὸν τόπον . . . τὸ ὕδωρ ἐφάνη
3. 25. ἐφαίνετο χρυσῆν πανοπλίαν ἔχων
— 26. ἕτεροι δὲ δύο ἐφάνησαν αὐτῷ νεανίαι
— 33. οἱ αὐτοὶ νεανίαι πάλιν ἐφάνησαν τῷ Ἡλ.
5. 2. συνέβη δὲ . . . φαίνεσθαι . . . τρέχοντας ἱππεῖς
6. 27. τοῦ μὲν γήρως ἄξιος φανήσομαι
7. 22. οὐκ οἶδ' ὅπως εἰς τὴν ἐμὴν ἐφάνητε κοιλίαν
10. 29. ἐφάνησαν τοῖς ὑπεναντίοις . . . πέντε ἄνδρες
11. 8. ἐφάνη προηγούμενος αὐτῶν ἔφιππος
12. 9. R ὥστε φαίνεσθαι [A ἐπιφ.] τὰς αὐγάς
— 16. καταρρεῖν τὸ αἷμα πεπληρωμένην φαίνεσθαι
— 36. ἐπικαλεσάμενος Ἰ. τὸν κύριον σύμμαχον φανῆναι καὶ προοδηγὸν φανῆναι τοῦ πολέμου
14. 20. φανείσης ὁμοιοψήφου συγγνώμης
III Ma. 2. 30. ἵνα δὲ μὴ τοῖς πᾶσιν ἀπεχθόμενος φαίνηται
3. 4. ἔνιοι ἀπεχθεῖς ἐφαίνοντο
— 29. ἄχρηστος φανήσεται εἰς τὸν ἀεὶ χρόνον
IV Ma. 1. 3. εἰ ἄρα τῶν . . . παθῶν ὁ λογισμὸς φαίνεται ἐπικρατεῖν
— 32. καὶ τούτων ἀμφοτέρων ὁ λογισμὸς ἐπικρατεῖν φαίνεται
2. 4. τὴν . . . οἰστρηλασίαν ἐπικρατεῖν ὁ λογισμὸς φαίνεται
— 15. κρατεῖν ὁ λογισμὸς φαίνεται
3. 1. οὐ γὰρ τῶν ἑαυτοῦ παθῶν ὁ λογισμὸς ἐπικρατεῖν φαίνεται [S¹ *al.*]
4. 23. S εἴ τινες αὐτῶν φάνοιεν [A φάνιεν, R φανεῖεν]
7. 20. οὐδὲν οὖν ἐναντιοῦται τὸ φαίνεσθαί τινας παθοκρατεῖσθαι
[Aq. Ge. 1. 15, 17: Ps. 30 (31). 17: 72 (73). 16.]
[Sm. Ge. 33. 1: Ex. 4. 6: 13. 21: 14. 20: Jo. 5. 13: Jd. 4. 21, 22: 1 Ki. 1. 23: 22. 6: III Ki. 6. 18: Jb. 32. 1: Ps. 72 (73). 7, 16: 89 (90). 8, 16: 117 (118). 23: 138 (139). 12: Ec. 2. 17: 5. 17: Je. 10. 8: 26 (33). 14: 32 (39). 21: Ez. 20. 43: Am. 7. 7.]
[Th. Ex. 13. 21: Ps. 72 (73). 16.]
[Sam. Ex. 14. 20.]

φαιός. (1) חוּם (2) נָקֹד
Ge. 30. 32. διαχώρισον ἐκεῖθεν πᾶν πρόβατον φ. (2 + 1)
— 33. ὃ ἐὰν μὴ ᾖ . . . φαιὸν ἐν τοῖς ἄρνασι (1)
— 35. R πᾶν ὃ ἦν φ. ἐν τοῖς ἄρνασι [A *al.*] †
— 35. A ὃ ἦν φ. ἐν τοῖς ἄρνασιν [R *al.*] (1)

φακός. (1) עֲדָשָׁה (2) פַּךְ (3) צִפַּחַת
Ge. 25. 34. καὶ ἔψεμα φακοῦ (1)
I Ki. 10. 1. ἔλαβε Σαμ. τὸν φ. τοῦ ἐλαίου (2)
26. 11. λάβε . . . τὸν φ. τοῦ ὕδατος (3)
— 12. ἔλαβε . . . τὸν φ. τοῦ ὕδατος (3)
— 16. τὸ δόρυ τοῦ βασ. καὶ ὁ φ. τοῦ ὕδατος (3)
II Ki. 17. 28. ἤνεγκαν . . . κύαμον καὶ φακόν (1)
23. 11. ἦν ἐκεῖ μερὶς τοῦ ἀγροῦ πλήρης φακοῦ (1)
IV Ki. 9. 1. λάβε τὸν φ. τοῦ ἐλαίου τούτου (2)
— 3. λήψῃ τὸν φ. τοῦ ἐλαίου (2)
Ez. 4. 9. λάβε σεαυτῷ πυροὺς . . . καὶ φακόν (1)

φαλαγαῦ.
[Heb. Ps. 45 (46). 5.]

φάλαγξ.
I Ma. 6. 35. S R διεῖλον τὰ θηρία εἰς τὰς φ. [A φάρ.]
— 38. καταφρασσόμενοι ἐν ταῖς φ.
— 45. S R ἐπέδραμεν . . . εἰς μέσον τῆς φ. [A φάρ.]
9. 12. ἤγγισεν ἡ φ. ἐκ τῶν δύο μερῶν
10. 82. A S² συνῆψε πρὸς τὴν φ. [S¹ R φάρ.]

φαλακρός. (1) קָרַח hoph. (2) קֵרַח
Le. 13. 40. φαλακρός ἐστι (2)
IV Ki. 2. 23. A ἀνάβαινε, φαλακρὲ, ἀνάβαινε, φαλακρέ [B *om.*] (2, 2)
Ez. 29. 18. πᾶσα κεφαλὴ φαλακρά [A -ρωμα] (1)
[Th. Ez. 29. 18†.]

φαλακροῦν. (1) קָרַח hi.
Ez. 27. 31. A φαλακρώσουσιν ἐπὶ σὲ φαλακρώματα (1)
[Aq. Je. 16. 6.]
[Th. Ez. 27. 31.]

φαλάκρωμα. (1) *a.* קָרְחָא *b.* קָרְחָה *c.* קָרַחַת *d.* קָרַח hoph.
Le. 13. 42. ἐὰν δὲ γένηται ἐν τῷ φ. αὐ. . . . ἀφὴ λευκή (1 *c*)
— 42. λέπρα ἐστὶν ἐν τῷ φ. αὐ. (1 *c*)
— 43. ἡ ὄψις τῆς ἀφῆς λευκὴ ἢ πυρρίζουσα ἐν τῷ φ. αὐ. (1 *c*)
21. 5. φαλάκρωμα οὐ ξυρηθήσεσθε τὴν κεφ. (1 *b*)
De. 14. 1. οὐκ ἐπιθήσετε φαλάκρωμα (1 *b*)
Am. 8. 10. ἀναβιβῶ . . . ἐπὶ πᾶσαν κεφαλὴν φαλάκρωμα (1 *b*)
Is. 3. 24. φ. ἕξεις διὰ τὰ ἔργα σου (1 *b*)
15. 2. ἐπὶ πάσης κεφαλῆς φ. (1 *b*)
Jer. 29 (47). 5. ἦκει φ. ἐπὶ Γάζαν (1 *b*)
Ez. 7. 18. ἐπὶ πᾶσαν κεφαλὴν φ. (1 *b*)
27. 31. A φαλακρώσουσιν ἐπὶ σὲ φαλακρώματα (1 *a*)
29. 18. A πᾶσα κεφαλὴ φ. [B -κρά] (1 *d*)
[Th. Ez. 27. 31: 29. 18†.]

φαλάκρωσις.
[Aq., Sm. Mi. 1. 16.]

φαλάντωμα. (1) גַּבַּחַת
Le. 13. 43. R ἡ ἐν τῷ φ. [A B ἀναφ.] αὐτοῦ (1)

φαλέ.
[Th. Le. 19. 27.]

φανάγ.
[Sm. Ez. 27. 17.]

φάναι. (1) אָמַר (2) נְאֻם (3) φάναι ψευδῆ με λέγειν כָּזַב hi.
Ge. 24. 47. ἡ δὲ ἔφη (1)
Ex. 2. 6. καὶ ἔφη (1)
Nu. 24. 3. φησὶ B. υἱὸς Βεώρ (2)
— 3. φησὶν ὁ ἄνθρωπος ὁ ἀληθινῶς ὁρῶν (2)
— 4. φησὶν ἀκούων λόγια θεοῦ (2)
— 15. φησὶ B. υἱὸς Βεώρ (2)
— 15. φησὶν ὁ ἄνθρωπος ὁ ἀληθινῶς ὁρῶν (2)
I Ki. 2. 30. καὶ νῦν φησὶ κύριος (2)
IV Ki. 9. 26 *bis*: II Ch. 34. 27. φησὶ κύριος (2)
I Es. 3. 18. καὶ ἔφη οὕτως
II Es. 4. 17. R καὶ φησίν [A B φάσιν] †
Ju. 13. 3. ἐξελεύσεσθαι γὰρ ἔφη
Es. 10. 3. ὃς ἔφη εἶναι ἱερεύς
— 3. ἦν ἔφασαν εἶναι
Jb. 24. 25. τίς ἐστιν ὁ φάμενος [B² λέγων] ψευδῆ με λέγειν (3)
Ps. 35 (36). 1. φησὶν ὁ παράνομος τοῦ ἁμαρτάνειν ἐν ἑαυτῷ (2)
Pr. 24. 55 (30. 20). οὐδέν φησι πεπραχέναι ἄτοπον (1)

Ca. 2. 4. S ταῖς νεάνισιν ἡ νύμφη φησίν –
Wi. 15. 12. δεῖν γάρ φησιν [A φασιν] ὅθεν δὴ [S om. ὅ. δὴ] κἂν [A καὶ] ἐκ κακοῦ πορίζειν
Za. 2. 5 (9). A φησὶν [B S λέγει] κύριος (2)
Je. 2. 3 : 9. 3 (2) (R), 6 (5) (R) : 23. 12 (A) : 25. 12 (A) : 27 (50). 20 (A) : 30 (49). 2, 26 : 31 (48). 12, 35, 38 : 34 (27). 14 (15) : 36 (29). 23 : 37 (30). 3, 17, 21 : 38 (31). 20, 27, 28. φησὶ κύριος (2)
38 (31). 31. φησὶ [A S λέγει] κύριος (2)
— 32, 33. φησὶ κύριος (2)
— 37. φησὶ κύριος –
— 37, 36. φησὶ κύριος (2)
— 36. A φησὶν κύριος –
— 38 : 41 (34). 22 : 46 (39). 18 : 49 (42). 11. φησὶ κύριος (2)
Ep. Je. 20. τὰς δὲ καρδίας αὐτῶν φασιν ἐκλείχεσθαι
Ez. 13. 7. A φησὶν κύριος (2)
35. 13. A φησὶν κύριος –
II Ma. 3. 37. τοῦ δὲ βασ. ἐπερωτήσαντος . . . ἔφησεν
7. 2. R εἰς δὲ αὐτῶν . . . οὕτως ἔφη [A al.]
— 14. οὕτως ἔφη
— 18. μέλλων ἀποθνήσκειν ἔφη
— 27. οὕτως ἔφησε τῇ πατρίᾳ φωνῇ
8. 18. R ἔφησεν [A -αν]
9. 12. ταῦτ' ἔφη
14. 5. πρὸς ταῦτα ἔφη
15. 5. κἀγώ, φησὶ, δυνάστης ἐπὶ τῆς γῆς
— 33. ἔφη μετὰ μέρος τοῖς ὀρνέοις
III Ma. 1. 14. καί τις ἀπρονοήτως ἔφη
— 15. γινομένου δὲ, φησὶ, τούτου
5. 20. τὴν ὠμότητα χείρονα Φαλ. ἐσχηκὼς ἔφη
IV Ma. 2. 18 : 3. 17 (R). ὡς ἔφην
5. 5. αὐτὸν ἰδὼν ὁ Ἀντ. ἔφη
8. 4. καὶ πλησίον καλέσας ἔφη
— 13. ὑπολαβὼν δὲ ὁ τύραννος ἔφη
9. 29. ἔφη τε πρὸς τὸν τύραννον
10. 2. ὁ δὲ ἀναβοήσας ἔφη
— 9. μέλλων δὲ ἀποθνήσκειν ἔφη
— 14. ὁ δὲ αὐτοῖς ἔφη
— 18 : 11. 13. ὁ δὲ ἔφη
12. 8. ἀπολύσατέ με, φησίν
— 10. A R δραμὼν ἐπὶ πλησίον τῶν τηγάνων ἔφη [S om.]
— 11. ἀνόσιε, φησὶ, . . . τύραννε
— 16. ἀποθνήσκειν μέλλων ἔφη [S² om.]
17. 19. καὶ γάρ φησιν ὁ Μ.
[Aq. Is. 3. 15 : 30. 1 : 52. 5 : Je. 3. 10 : 5. 11 : 7. 13 : 8. 17 : 12. 17 : 13. 11 : 15. 6, 20 : 18. 6 : 21. 10, 13 (Sw.), 14 : 23. 2, 11 (Sw.), 24 (Sw.), 28, 32 (Sw.) *bis* : 25. 7 (Sw.), 9 (Sw.) : 27 (34). 11, 22 : 29 (36). 11 : 31 (38). 16, 17, 34 : 32 (39). 30 : 39 (46). 17 : 46 (26). 18 : 48 (31). 43 : 49 (30). 6.]
[Sm. Ps. 35 (36). 2 : Is. 31. 9 : Je. 3. 10 : 5. 11 : 7. 13 : 8. 17 (Sw.) : 12. 17 : 13. 11 : 15. 20 : 18. 6 : 21. 10, 13 (Sw.) : 23. 2 (Sw.), 11 (Sw.), 24 (Sw.), 28, 32 (Sw.) *bis* : 25. 9 (Sw.) : 27 (34). 22 : 29 (36). 11 : 30 (37). 21 : 31 (38). 16, 17, 34 : 32 (39). 30 : 39 (46). 17 : 46 (26). 18 : 48 (31). 43 : 49. 13 (29. 14).]
[Th. II Ki. 15. 21 : Je. 3. 10 : 5. 11 : 7. 13 : 8. 17 : 12. 17 : 13. 11 : 15. 20 : 18. 6 : 21. 10, 13 (Sw.), 14 : 23. 2, 11 (Sw.), 24 (Sw.), 28, 32 (Sw.) : 25. 7 (Sw.), 9 (Sw.) : 27 (34). 11 : 29 (36). 11, 14 *bis*, 19 *bis* : 30 (37). 11, 21 : 31 (38). 16, 17, 34 : 32 (39). 5 : 33 (40). 14 : 46 (26). 18 : 48 (31). 44, 47 : 49 (30). 6.]

φανδανώ. (1) אַפַּדְנוֹ

Da. TH. 11. 45. A πήξει τὴν σκηνὴν αὐ. ἐν φ. [B αὐ. ἐφ.] (1)

φανερός. (1) גָּלָה ni. (2) φ. γίνεσθαι בָּחַן ni. (3) φ. εἶναι *a.* יָדַע hi. *b.* יְדִיעַ לַהֲוֵא

Ge. 42. 16. ἕως τοῦ φανερὰ γενέσθαι τὰ ῥήματα ὑμῶν (2)
De. 29. 29 (28). τὰ δὲ φ. ἡμῖν καὶ τοῖς τέκνοις ἡμῶν (1)
Pr. 14. 4. οὗ δὲ πολλὰ γενήματα φανερὰ βοὸς ἰσχύς –
15. 11. ἅδης καὶ ἀπώλεια φανερὰ παρὰ τῷ κυρίῳ –
16. 4 (2). πάντα τὰ ἔργα τοῦ ταπεινοῦ φανερὰ παρὰ τῷ θεῷ –
Si. 6. 22. σοφία . . . οὐ πολλοῖς ἐστι φανερά
Is. 8. 16. τότε φανεροὶ ἔσονται οἱ σφραγιζόμενοι τὸν νόμον †
Is. 33. 9. φανερὰ ἔσται ἡ Γαλιλαία †
64. 2 (1). φανερὸν ἔσται τὸ ὄνομά σου [A S κυρίου] ἐν τοῖς ὑπεναντίοις (3 *a*)
Ep. Je. 51. φανερὸν ἔσται ὅτι οὐκ εἰσὶ θεοί
— 69. κατ' οὐδένα οὖν τρόπον ἐστὶν ἡμῖν φανερὸν ὅτι εἰσὶ θεοί
Da. LXX. 3. 18. καὶ τότε φανερόν σοι ἔσται (3 *b*)
I Ma. 15. 9. ὥστε φανερὰν γενέσθαι τὴν δόξαν ὑμῶν
II Ma. 1. 33. ὡς δὲ φανερὸν ἐγενήθη τὸ πρᾶγμα
6. 30. τῷ κυρίῳ τῷ τὴν ἁγίαν γνῶσιν ἔχοντι φανερόν ἐστιν
9. 8. φανερὰν τοῦ θεοῦ πᾶσι τὴν δύναμιν ἐνδεικνύμενος
12. 41. τοῦ τὰ κεκρυμμένα φανερὰ ποιοῦντος
15. 35. καὶ φ. τῆς τοῦ κ. βοηθείας σημεῖον
III Ma. 6. 18. κατέβησαν φανεροὶ πᾶσι πλὴν τοῖς Ἰουδ.
[Al. I Ki. 22. 8.]

φανεροῦν. (1) גָּלָה pi.

Je. 40 (33). 6. φανερώσω [A -ροῖ] αὐτοῖς [A S *add.* εἰσακούειν] (1)
[Aq. Je. 33 (40). 6.]
[Al. Ps. 50 (51). 8.]

φανερῶς.

II Ma. 3. 28. φ. τὴν τοῦ θ. δυναστείαν ἐπεγνωκότα

φαντάζεσθαι.

Wi. 6. 16. ἐν ταῖς τρίβοις φαντάζεται αὐτοῖς εὐμενῶς
Si. 31 (34). 5. ὡς ὠδινούσης φαντάζεται καρδία
[Aq. Is. 56. 10.]

φαντασία. (1) חֶזְיוֹן

Wi. 18. 17. φαντασίαι μὲν ὀνείρων δεινῶς [A S -ῶν] ἐξετάραξαν αὐτούς
Hb. 2. 18. ἔπλασεν αὐτὸ χώνευμα φ. ψευδῆ †
— 19. καὶ αὐτό ἐστι φαντασία †
3. 10. ὕψος φαντασίας αὐ. †
Za. 10. 1. κύριος ἐποίησε φαντασίας (1)

φαντασιοκοπεῖν.

Si. 4. 30. μὴ ἴσθι . . . φαντασιοκοπῶν ἐν τοῖς οἰκέταις σου

φάντασμα. (1) חִזָּיוֹן

Jb. 20. 8. A ἔπτη δὲ ὥσπερ φάντασμα [S¹ θαῦμα, B S² φάσμα] νυκτερινόν (1)
Wi. 17. 15. τὰ μὲν τέρασιν ἠλαύνοντο φαντασμάτων
Is. 28. 7. A τοῦτ' ἐστι φ. [B S φάσμα] †

φάραγξ. (1) אֲפִיק (2) גַּיְא, גַּי, גֵּיאָ (3) מַדְרֵגָה (4) נַחַל (5) עֵמֶק (6) מַעֲבָרָה

Ge. 14. 3. συνεφώνησαν ἐπὶ τὴν φ. τὴν ἁλυκήν (5)
26. 17. κατέλυσεν ἐν τῇ φ. Γεράρων (4)
— 19. ὤρυξαν δὲ . . . ἐν τῇ φ. Γεράρων (4)
— 25. R ἐν τῇ φ. Γεράρων –
Nu. 13. 24 (23). ἦλθον ἕως Φάραγγος βότρυος (4)
— 25 (24). τὸν τόπον ἐκ. ἐπωνόμασαν Φάραγξ βότρυος (4)
21. 12. παρενέβαλον εἰς φάραγγα Z. (4)
32. 9. ἀνέβησαν Φάραγγα βότρυος (4)
De. 1. 24. ἦλθοσαν ἕως Φάραγγος βότρυος (4)
2. 13. παραπορεύεσθε τὴν φ. Z. (4)
— 13. A² B παρῆλθομεν τὴν φ. Z. (4)
— 14. ἕως οὗ παρῆλθομεν τὴν φ. Z. (4)
— 24. παρέλθατε ὑμεῖς τὴν φ. Ἀρνῶν (4)
— 36. καὶ τὴν πόλιν τὴν οὖσαν ἐν τῇ φ. (4)
4. 46. ἐν φάραγγι ἐγγὺς οἴκου Φ. (2)
21. 4. καταβιβάσουσιν . . . δάμαλιν εἰς φ. τραχεῖαν (4)
— 4. νευροκοπήσουσι τὴν δάμαλιν ἐν τῇ φ. (4)
— 6. τῆς δαμάλεως τῆς νενευροκοπημ. ἐν τῇ φ. (4)
Jo. 7. 24. ἀνήγαγεν αὐτὸν εἰς φάραγγα Ἀ. –
10. 12. στήτω . . . ἡ σελήνη κατὰ φάραγγα Αἰ. (5)
12. 1. ἀπὸ φάραγγος Ἀρνῶν ἕως τοῦ ὄρους Ἀ. (4)
— 2. ἥ ἐστιν ἐν τῇ φ. κατὰ μέρος τῆς φ. (4, 4)
13. 9. καὶ τὴν πόλιν τὴν ἐν μέσῳ τῆς φ. (4)
— 16. ἥ ἐστι κατὰ πρόσωπον φάραγγος Ἀρνῶν (4)
— 16. καὶ ἡ πόλις ἡ ἐν τῇ φ. Ἀρνῶν (4)
15. 4. διεκβάλλει ἕως φάραγγος Αἰγ. (4)
— 7. ἐπὶ τὸ τέταρτον τῆς φ. Ἀ. (5?)
— 7. ἥ ἐστι κατὰ λίβα τῇ [A² om.] φ. (4)
— 8. ἀναβαίνει τὰ ὅρια εἰς φάραγγα Ἐ. (2)
— 8. ἥ ἐστι κατὰ πρόσωπον φάραγγος Ἐ. (2)
Jo. 17. 9. καταβήσεται τὰ ὅρια ἐπὶ φάραγγα Κ. ἐπὶ λίβα κατὰ φάραγγα [A τὴν φ.] Ἰ. (4, 4)
19. 11. συνάψει ἐπὶ Β. εἰς τὴν φ. (4)
II Ki. 24. 5. ἐκ δεξιῶν τῆς πόλεως τῆς ἐν μέσῳ τῆς φ. Γ. (4)
IV Ki. 23. 10. τὸν Τ. τὸν ἐν φάραγγι υἱοῦ Ἐ. –
II Ch. 14. 10 (9). παρετάξατο πόλεμον ἐν τῇ φ. (2)
26. 9. A B¹ καὶ ἐπὶ τὴν πύλην γωνίας τῆς φ. [B² R *al.*] (2)
32. 6. ἐπὶ τὴν πλατεῖαν τῆς πύλης τῆς φ. †
Ne. 2. 15. ἤμην ἐν [S *add.* τῇ] πύλῃ τῆς φ. (2)
3. 13. τὴν πύλην τῆς φ. ἐκράτησαν (2)
11. 30. S² ἕως φάραγγος Ἐννόμ (2)
Ju. 2. 8. πληρώσουσι τὰς φ. αὐ.
7. 4. οὕτε αἱ φ. . . . ὑποστήσονται τὸ βάρος αὐ.
11. 17. A B ἐξελεύσεται ἡ δούλη σου . . . εἰς τὴν φ.
12. 7. A B ἐξεπορεύετο . . . εἰς τὴν φ. Βαιτ.
13. 10. ἐκύκλωσαν τὴν φ. ἐκείνην
Ps. 59 (60). *tit.* ἐπάταξε τὴν φ. τῶν ἁλῶν (2)
103 (104). 10. ὁ ἐξαποστέλλων πηγὰς ἐν φάραγξιν (4)
Pr. 24. 52 (30. 17). ἐκκόψαισαν [A -κολάψαισαν] αὐτὸν κόρακες ἐκ τῶν φ. (4)
Mi. 6. 2. καὶ αἱ φ. θεμέλια τῆς γῆς †
Za. 14. 5. φραχθήσεται ἡ φ. ὀρέων μου (2)
— 5. ἐγκολληθήσεται φάραγξ ὀρέων ἕως Ἰ. (2)
Is. 7. 19. ἐν ταῖς φ. τῆς χώρας (4)
8. 7. ἀναβήσεται ἐπὶ πᾶσαν φάραγγα ὑμῶν (1)
10. 29. παρελεύσεται φάραγγα (6)
11. 15. πατάξει ἑπτὰ φάραγγας (4)
15. 7. ἐπάξω γὰρ ἐπὶ τὴν φ. Ἄραβας (4)
17. 5. ἐάν τις συναγάγῃ στάχυν ἐν φάραγγι στερεᾷ (5)
22. 1. τὸ ῥῆμα [A ὅραμα] τῆς φ. Σιών (2)
— 5. ἐν φάραγγι Σιὼν πλανῶνται (2)
— 7. ἔσονται αἱ [S om.] ἐκλεκταὶ φάραγγές σου (5)
28. 21. ἔσται ἐν τῇ φ. Γαβαών (5)
30. 28. ὡς ὕδωρ ἐν φάραγγι σῦρον (4)
— 33. φάραγγα βαθεῖαν . . . ὡς φ. ὑπὸ θείου καιομένη (–, 4)
34. 9. στραφήσονται αὐτῆς αἱ φ. εἰς πίσσαν (4)
35. 6. φ. ἐν γῇ διψώσῃ (4)
40. 4. πᾶσα φ. πληρωθήσεται (2)
57. 5. σφάζοντες τὰ τέκνα αὐτῶν ἐν ταῖς φ. (4)
65. 10. φ. Ἀχὼρ εἰς ἀνάπαυσιν βουκολίων (5)
Je. 7. 31. ὅς ἐστιν ἐν φάραγγι υἱοῦ Ἐννόμ (2)
— 32. βωμὸς τοῦ Ταφὲθ καὶ φ. υἱοῦ Ἐννὸμ ἀλλ' ἡ φ. [S¹ om. υἱοῦ . . . φ.] τῶν ἀνῃρημένων (2, 2)
39 (32). 35. ᾠκοδόμησαν τοὺς βωμοὺς . . . τοὺς ἐν φάραγγι υἱοῦ Ἐννόμ (2)
Ba. 5. 7. φάραγγας πληροῦσθαι εἰς ὁμαλισμόν
Ez. 6. 3. τάδε λέγει κύριος . . . ταῖς φ. καὶ ταῖς νάπαις [A² ν. κ. τ. φ.] (1 [2])
31. 12. ἐν πάσαις ταῖς φ. ἔπεσαν οἱ κλάδοι αὐ. (2)
32. 6. φάραγγας ἐμπλήσω ἀπὸ σοῦ (1)
34. 13. βοσκήσω αὐτοὺς . . . ἐν ταῖς φ. (1)
35. 8. ἐμπλήσω τῶν τραυματιῶν . . . τὰς φ. σου (2)
36. 4. A R λέγει κύριος . . . τοῖς χειμάρροις καὶ ταῖς φ. [B ταῖς φ. κ. τοῖς χ.] (2 [1])
— 6. εἰπὸν . . . ταῖς φ. καὶ ταῖς νάπαις (1)
38. 20. πεσοῦνται αἱ φ. (3)
39. 11. περιοικοδομήσουσι τὸ περιστόμιον τῆς φ. †
Da. LXX. Su. 62. ἔρριψαν εἰς φάραγγα
I Ma. 6. 35. A δεῖλον τὰ θηρία εἰς τὰς φ. [S R φάλ.]
— 38. R καταφρασσόμενοι ἐν ταῖς φ. [A S φάλ.]
— 45. A ἐπέδραμεν . . . εἰς μέσον τῆς φ. [S R φάλ.]
10. 82. S¹ R συνῆψαν πρὸς τὴν φ. [A S² *al.*]
IV Ma. 14. 16. κατὰ τὰς κορυφὰς ὀρέων καὶ φαράγγων ἀπορρῶγας
[Aq. Dt. 3. 29 : 1 Ki. 13. 18 : 15. 5 : 17. 3 : II Ki. 8. 13 : Is. 28. 1 : Je. 2. 23 : 19. 2, 6 : Ez. 7. 16 : 32. 5 *bis* (Sw.).]
[Sm. Dt. 3. 29 : Jd. 5. 21 : 1 Ki. 13. 18 : 17. 3, 40 : 30. 10 : II Ki. 2. 24 : 8. 13 : IV Ki. 23. 4, 10 : Jb. 28. 4 : Ps. 59 (60). 2 : Ca. 6. 10 (11) : Is. 22. 1 : 28. 1 : Je. 2. 23 : 19. 2 : Ez. 7. 16 : 32. 5 *bis* (Sw.) : Za. 14. 5 *bis*.]
[Th. 1 Ki. 17. 3, 40 : II Ki. 2 24 : IV Ki. 23. 4, 10 : Is. 22. 1 : 28. 1 : 57. 6 : Ez. 32. 5 *bis* (Sw.).]
[Al. Nu. 32. 9 : Ps. 123 (124). 4 : Je. 19. 6.]

φαρές. (1) פֶּרֶס

Da. LXX. 5. 1. φ. . . . φ. ἐξῆρται –, –
Da. TH. 5. 25. μανὴ θεκὲλ φαρές †
— 28. φ. διῄρηται ἡ βασιλεία σου (1)

φαρέτρα. (1) אַשְׁפָּה (2) יָתֵר (3) תְּלִי

Ge. 27. 3. λάβε τὸ σκεῦος τήν τε φ. (3)
Jb. 30. 11. ἀνοίξας γὰρ φαρέτραν αὐτοῦ ἐκάκωσέ με (2)
Ps. 10 (11). 3. ἡτοίμασαν βέλη εἰς φαρέτραν (2)
Si. 26. 12. ἔναντι βέλους ἀνοίξει φαρέτραν
Is. 22. 6. οἱ δὲ Ἐλαμῖται ἔλαβον φαρέτρας (1)
49. 2. ἐν τῇ φ. αὐ. ἔκρυψέ [A S³ ἐσκέπασέν] με (1)
Je. 28 (51). 11. πληροῦτε τὰς φ. †
— 12. ἐπιστήσατε φαρέτρας [S¹ -αν] †
La. 3. 13. εἰσήγαγεν τοῖς νεφροῖς μου ἰοὺς φαρέτρας αὐτοῦ (1)
Ez. 27. 11. τὰς φ. αὐτῶν ἐκρέμασαν ἐπὶ τῶν ὤμων σου †
[Aq., Th. Ps. 126 (127). 5: Je. 5. 16 (Sw.).]
[Sm. II Ki. 8. 7: Ps. 126 (127). 5.]
[Al. Hb. 3. 9.]

φαρμακία (-εία). (1) כֶּשֶׁף (2) a. לְהָטִים b. לַט

Ex. 7. 11. ἐποίησαν . . . ταῖς φ. αὐ. ὡσαύτως (2 a)
— 22. ἐποίησαν δὲ ὡσαύτως . . . ταῖς φ. αὐ. (2 b)
8. 7 (3). ἐποίησαν δὲ ὡσαύτως . . . ταῖς [A B² ἐν ταῖς] φ. [A ἐπαοιδαῖς] αὐ. (2 b)
— 18 (14). ἐποίησαν δὲ ὡσαύτως . . . ταῖς φ. αὐ. (2 b)
Wi. 12. 4. ἐπὶ τῷ ἔχθιστα πράσσειν ἔργα φαρμακειῶν
18. 13. πάντα γὰρ ἀπιστοῦντες διὰ τὰς φαρμακίας
Is. 47. 9. ἥξει ἐξαίφνης ἐπὶ σὲ ἐν τῇ φ. σου (1)
— 12. στῆθι . . . ἐν τῇ πολλῇ φ. σου (1)
[Th. Ex. 7. 11: 8. 7 (3).]

φαρμακεύειν. (1) חָבַר (2) כָּשַׁף pi. (3) נָחַשׁ pi.

II Ch. 33. 6. B ἐφαρμακεύετο καὶ οἰωνίζετο [A R οἰ. κ. ἐφ.] (3, [2])
Ps. 57 (58). 5. φαρμακοῦ τε φαρμακευομένου παρὰ σοφοῦ [B² S² al.] (1)
II Ma. 10. 13. φαρμακεύσας ἑαυτὸν ἐξέλειπε τὸν βίον
[Th., Quint. Ps. 57 (58). 6.]

φάρμακον. (1) כֶּשֶׁף

De. 18. 10. B φαρμάκοις [A R -ὸς] ἐπαείδων ἐπαοιδήν †
IV Ki. 9. 22. καὶ τὰ φ. αὐτῆς τὰ πολλά (1)
To. 2. 10. S ὅσῳ ἐνεχρίσαν με τὰ φ.
6. 4. S ἔστιν γὰρ εἰς φάρμακον χρήσιμον ἡ χολή
— 6. S τί τὸ φ. ἐν τῇ καρδίᾳ [A B al.]
11. 8. S ἀποστύψει τὸ φ.
— 11. S ἐπέβαλεν τὸ φ. ἐπ' αὐτόν
Wi. 1. 14. οὐκ ἔστιν ἐν αὐταῖς φάρμακον ὀλέθρου
Si. 6. 16. φίλος πιστὸς φάρμακον ζωῆς
38. 4. κύριος ἔκτισεν ἐκ γῆς φάρμακα
Mi. 5. 12 (11). ἐξολεθρεύσω τὰ φ. σου [A al.] (1)
Na. 3. 4. πόρνη . . . ἡγουμένη φαρμάκων (1)
— 4. ἡ πωλοῦσα . . . λαοὺς ἐν τοῖς φ. αὐ. (1)

φαρμακός. (1) חָבַר (2) a. חַרְטֻמִּים b. חַרְטֹם (3) a. כָּשַׁף pi. b. כַּשָּׁף

Ex. 7. 11. συνεκάλεσε δὲ Φ. . . . τοὺς φ. (3 a)
9. 11. A² B οὐκ ἠδύναντο οἱ φ. στῆναι ἐναντίον M. (2 a)
— 11. A² B ἐγένετο γὰρ τὰ ἕλκη ἐν τοῖς φ. (2 a)
22. 18 (17). φαρμακοὺς οὐ περιποιήσετε (3 a)
De. 18. 10. A R φαρμακὸς [B -οις] ἐπαείδων ἐπαοιδήν (3 a)
Ps. 57 (58). 5. φαρμακοῦ τε φαρμακευομένου παρὰ σοφοῦ [B² S² al.] (1)
Ma. 3. 5. ἔσομαι μάρτυς ταχὺς ἐπὶ τὰς φ. (3 a)
Je. 34 (27). 9. μὴ ἀκούετε . . . τῶν φ. ὑμῶν (3 b)
Da. LXX. 2. 2. εἰσενεχθῆναι . . . τοὺς φ. τῶν Χαλδ. (3 a)
— 27. οὐκ ἔστι . . . φαρμακῶν . . . ἡ δήλωσις (2 b ?)
5. 7. καλέσαι τοὺς ἐπαοιδοὺς καὶ φ. –
— 8. εἰσεπορεύοντο οἱ ἐπαοιδοὶ καὶ φ. †
Da. TH. 2. 2. καλέσαι . . . τοὺς μάγους καὶ τοὺς φ. (3 a)
[Th., Al., Quint. Ps. 57 (58). 6.]

φαρμακοῦν. (1) חָבַר

Ps. 57 (58). 5. B² φαρμακοῦται [A B¹ S R -κοῦ τε] φαρμακευομένου [S² -η] παρὰ σοφοῦ (1)

φᾶρος.

[Al. Le. 6. 11 (4) bis: 16. 23.]

φαρουρείμ. (1) פַּרְוָרִים

IV Ki. 23. 11. εἰς τὸ γαζοφυλάκιον N. βασιλέως τοῦ εὐνούχου ἐν [A ὃς ἐν] φ. (1)

φάρυγξ. (1) a. גּוּרוֹן b. גָּרוֹן (2) זָקָן (3) חֵךְ

I Ki. 17. 35. ἐκράτησα τοῦ [A τῆς] φ. αὐ. (2)
Pr. 5. 3. ἢ πρὸς καιρὸν λιπαίνει σὸν φ. (3)
8. 7. ἀλήθειαν μελετήσει ὁ φ. μου (3)
24. 13. ἵνα γλυκανθῇ σου ὁ φ. (3)
Ca. 5. 16. φάρυγξ αὐτοῦ γλυκασμοί (3)
Si. 34 (31). 12. μὴ ἀνοίξῃς ἐπ' αὐτῆς φάρυγγά [B' τὸν φ.] σου
36. 24 (21). φάρυγξ γεύεται βρώματα θήρας
Je. 2. 25. ἀπόστρεψον . . . τὸν φ. σου ἀπὸ δίψους (1 a*, 1 b)
La. 4. 4. ἐκολλήθη ἡ γλῶσσα θηλάζοντος πρὸς τὸν φ. αὐτοῦ (3)
[Sm. Pr. 5. 3: Ca. 2. 3: Ho. 8. 1.]
[Th. Pr. 5. 3.]

φαρφαρώθ.

[Th. Is. 2. 20.]

φασέκ, φασέχ. (1) פֶּסַח

II Ch. 30. 1. ποιῆσαι τὸ φ. τῷ κ. θεῷ Ἰσρ. (1)
— 2. ποιῆσαι τὸ φ. (1)
— 5. ποιῆσαι τὸ φ. κ. θεῷ Ἰσρ. (1)
— 15. ἔθυσαν τὸ φ. (1)
— 17. τοῦ θύειν τὸ φ. (1)
— 18. ἔφαγον τὸ φ. (1)
35. 1. ἐποίησεν Ἰωσ. τὸ φ. (1)
— 1. ἔθυσαν τὸ φ. (1)
— 6. θύσατε τὸ φ. (1)
— 7. ἀπήρξατο . . . πάντα τὰ εἰς τὸ φ. (1)
— 8. ἔδωκαν εἰς τὸ φ. πρόβατα (1)
— 9. ἀπήρξαντο τοῖς Λ. εἰς τὸ φ. (1)
— 11. ἔθυσαν τὸ φ. (1)
— 13. ὤπτησαν τὸ φ. (1)
— 16. τοῦ ποιῆσαι τὸ φ. (1)
— 17. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. οἱ εὑρεθέντες τὸ φ. (1)
— 18. οὐκ ἐγένετο φασὲκ ὅμοιον αὐτῷ (1)
— 18. ὡς τὸ φ. ὃ ἐποίησεν Ἰωσ. (1)
Je. 38 (31). 8. ἐν ἑορτῇ φ. †
[Aq. Jo. 5. 10.]
[Sm. Ex. 12. 11: Nu. 9. 2: Jo. 5. 10.]

φάσις.

II Es. 4. 17. ἀπέστειλεν ὁ βασ. . . . εἰρήνην καὶ φάσιν †
Da. TH. Su. 55. λαβὼν φάσιν παρὰ τοῦ θεοῦ
IV Ma. 15. 25. S¹ φάσιν [A S² R φύσιν] καὶ γένεσιν

φάσκειν. (1) אָמַר

Ge. 26. 20. φάσκοντες αὐτῶν εἶναι τὸ ὕδωρ (1)
Da. LXX. Bel 8. Δαν. ὁ φάσκων μὴ ἐσθίεσθαι αὐτὰ ὑπ' αὐτοῦ
II Ma. 14. 27. φάσκων βαρέως φέρειν
— 32. τῶν δὲ μεθ' ὅρκων φασκόντων
III Ma. 3. 7. φάσκοντες μήτε τῷ βασ. . . . ὁμοσπόνδους τοὺς ἀνθρ. γίνεσθαι

φάσμα. (1) חִזָּיוֹן

Nu. 16. 30. ἐν φάσματι δείξει κύριος †
Jb. 20. 8. ἕπτη δὲ ὥσπερ φ. νυκτερινόν [A S¹ al.] (1)
33. 15. A ἐνύπνιον ὡς φάσμα [B S ἐν. ἢ] ἐν μελέτῃ νυκτερινῇ (1 ?)
Wi. 17. 4. φάσματα ἀμειδήτοις κατηφῆ προσώποις ἐνεφανίζετο
Is. 28. 7. τοῦτ' ἐστι φ. [A φάντασμα] †

φατνεύεσθαι.

[Th. Pr. 14. 4.]

φάτνη (πάθνη). (1) אֵבוּס (2) אֲרֻבָּה (3) בְּלִיל (4) רֶפֶת

II Ch. 32. 28. καὶ φάτνας παντὸς κτήνους (2)
Jb. 6. 5. βοῦς ἐπὶ φάτνης ἔχων τὰ βρώματα (3)
39. 9. ἢ κοιμηθῆναι ἐπὶ φάτνης [S -η] σου (1)
Pr. 14. 4. οὗ μή εἰσι βόες φάτναι καθαραί (1)
Jl. 1. 17. ἐσκίρτησαν δαμάλεις ἐπὶ ταῖς φ. αὐ. †
Hb. 3. 17. οὐχ ὑπάρχουσι βόες ἐπὶ φάτναις (4)
Is. 1. 3. ἔγνω . . . ὄνος τὴν φ. τοῦ κυρίου αὐτοῦ (1)
[Sm. Pr. 14. 4.]
[Al. Hb. 3. 17.]

φατνιάζεσθαι.

[Aq. Pr. 14. 4.]

φατνοῦν. (1) סָפַן

III Ki. 7. 3. ἐφάτνωσε [A ἐτάφνωσε] τὸν οἶκον (1)
Ez. 41. 15 (16). ὁ ναὸς καὶ αἱ γωνίαι καὶ τὸ αἰλὰμ . . . πεφατνωμένα †

φάτνωμα (φάτμ.). (1) a. רָהִיט b. רָהִיט

Ca. 1. 17. φατνώματα ἡμῶν κυπάρισσοι (1 b*, 1 a)
Am. 8. 3. ὀλολύξει τὰ φ. τοῦ ναοῦ †
Ze. 2. 14. ἐχῖνοι ἐν τοῖς φ. αὐ. κοιτασθήσονται †
Ez. 41. 20. ἐκ τοῦ ἐδάφους ἕως τοῦ φ. τὰ χερουβίμ †
II Ma. 1. 16. ἀνοίξαντες τὴν τοῦ φ. κρυπτὴν θύραν

φάτνωσις. (1) גֵּב

III Ki. 6. 9. A ἐκοιλοστάθμησε τὸν οἶκον φατνώσεσιν [B om.] (1)
[Sm. Ca. 1. 17.]

φαυλίζειν. (1) a. בָּזָה b. בָּזֹה (2) מָאַס (3) סָלַף pi.

Ge. 25. 34. ἐφαύλισεν Ἠ. τὰ πρωτοτοκεῖα (1 a)
Nu. 15. 31. τὸ ῥῆμα κυρίου ἐφαύλισε (1 a)
II Ki. 12. 9. ἐφαύλισας τὸν λόγον κυρίου (1 a)
Ju. 1. 11. ἐφαύλισαν . . . τὸ ῥῆμα Ναβ.
11. 2. εἰ μὴ ἐφαυλισάν [A -έν] με
— 22. A B ἐν δὲ τοῖς φαυλίσασι τὸν κύριόν μου ἀπώλεια
Jb. 30. 4. ἄτιμοι δὲ καὶ πεφαυλισμένοι ἐνδεεῖς παντὸς ἀγαθοῦ –
31. 13. εἰ δὲ καὶ ἐφαύλισα κρίμα θεράποντός μου (2)
42. 6. ἐφαύλισα ἐμαυτὸν καὶ ἐτάκην (2)
Pr. 21. 12. φαυλίζει ἀσεβεῖς ἐν κακοῖς (3)
22. 12. φαυλίζει δὲ λόγους παράνομος (3)
Ma. 1. 6. ὑμεῖς οἱ ἱερεῖς οἱ φαυλίζοντες τὸ ὄνομά μου (1 a)
— 6. ἐν τίνι ἐφαυλίσαμεν τὸ ὄνομά σου (1 a)
Is. 33. 19. ὥστε μὴ ἀκοῦσαι λαὸς πεφαυλισμένος [S² ὁ π.] †
37. 22. ἐφαύλισέ σε (1 a)
49. 7. ἁγιάσατε τὸν φαυλίζοντα τὴν ψυχὴν αὐτοῦ (1 b)
[Sm. La. 1. 12.]

φαύλισμα. (1) עֲלִיז

Ze. 3. 11. περιελῶ ἀπὸ σοῦ τὰ φ. τῆς ὕβρεώς σου (1 ?)

φαυλισμός. (1) גֵּדוּף (2) a. לַעַג b. לָעַג

Ho. 7. 16. οὗτος ὁ φ. αὐ. ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (2 a)
Is. 28. 11. διὰ φαυλισμὸν χειλέων (2 b)
51. 7. τῷ φ. αὐτῶν μὴ ἡττᾶσθε (1)

φαυλίστρια. (1) עֲלִיז

Ze. 3. 1 (2. 15). αὕτη ἡ πόλις ἡ φ. (1)

φαῦλος. (1) אֱוִיל (2) עַוְלָה (3) εἶναι φ. לוּץ (4) φαῦλον ποιεῖν סָלַף pi.

Jb. 6. 3. ὡς ἔοικε τὰ ῥήματά μου ἐστὶ φαῦλα (3)
— 25. ὡς ἔοικε φαῦλα ἀληθινοῦ [A ἀνδρὸς ἀλ.] ῥήματα †
9. 23. φαῦλοι ἐν θανάτῳ ἐξαισίῳ [A ἐξ. ἀπολοῦνται] †
Pr. 5. 2. μὴ πρόσεχε φαύλῃ γυναικί –
13. 6. A τοὺς δὲ ἀσεβεῖς φαύλους ποιεῖ ἁμαρτία (4)
16. 21. τοὺς σοφοὺς καὶ συνετοὺς φαύλους καλοῦσιν †
22. 8. ὁ σπείρων φαῦλα θερίσει κακά (2)
29. 9. ἀνὴρ δὲ φαῦλος ὀργιζόμενος καταγελᾶται (1)
Si. 20. 16. οἱ ἔσθοντες τὸν ἄρτον μου φαῦλοι γλώσσῃ [S¹ -ης]
III Ma. 3. 22. διηνεκῶς δὲ εἰς τὸ φ. ἐκνεύοντες
[Sm. Ps. 74 (75). 9.]

φαυλότης.

Wi. 4. 12. βασκανία γὰρ φαυλότητος ἀμαυροῖ τὰ καλά

φαῦσις. (1) מָאוֹר

Ge. 1. 14. εἰς φαῦσιν τῆς γῆς –
— 15. ἔστωσαν εἰς φαῦσιν (1)
Ju. 13. 13. ἅψαντες πῦρ εἰς φαῦσιν
Ps. 73 (74). 16. S² σὺ κατηρτίσω φαῦσιν καὶ ἥλιον [B S¹ κατ. ἥ. καὶ σελήνην] (1)
[Sm. Ex. 35. 8.]
[Al. Le. 24. 2.]

φέγγος. (1) אוֹר (2) לֶהָבָה (3) נֹגַהּ (4) נְהָרָה (5) εἶναι φ. יָפַע hi. (6) φ. πρωϊνόν בֹּקֶר

II Ki. 22. 13. ἀπὸ τοῦ φ. ἐναντίον αὐτοῦ (3)
23. 4. A B¹ τὸ πρωὶ οὐ [B³ R οὗ] κύριος παρῆλθεν ἐκ φέγγους (3)
Jb. 3. 4. μηδὲ ἔλθοι εἰς αὐτὴν φέγγος (4)
10. 21. οὗ οὐκ ἔστι φέγγος (5)
22. 28. ἐπὶ δὲ ὁδοῖς σου [A σοι] ἔσται φέγγος (1)
38. 12. ἢ ἐπὶ σοῦ συντέταχα φέγγος πρωϊνόν (6)
41. 9 (10). ἐν πταρμῷ αὐτοῦ ἐπιφαύσκεται φέγγος (1)
Wi. 7. 10. ἀκοίμητον τὸ ἐκ ταύτης φέγγος
Ho. 7. 6. ἀνεκαύθη ὡς πυρὸς [A πῦρ] φέγγος (2)
Am. 5. 20. καὶ γνόφος οὐκ ἔχων φέγγος [A¹ φθέγγος] αὐτῆ (3)
Jl. 2. 10. τὰ ἄστρα δύσουσι τὸ φ. [A φθέγγος] αὐ. (3)
3 (4). 15. οἱ ἀστέρες δύσουσι φέγγος [A S² τὸ φ.] αὐ. (3)
Hb. 3. 4. φέγγος αὐ. ὡς φῶς ἔσται (3)
— 11. εἰς φέγγος ἀστραπῆς ὅπλων σου (3)
Ez. 1. 4. φ. κύκλῳ αὐτοῦ καὶ πῦρ ἐξαστράπτον (3)
— 4. φ. ἐν αὐτῷ –
— 13. ὡς . . . φ. τοῦ πυρός (3)
— 27. A² B τὸ φ. αὐτοῦ κύκλῳ ὡς ὅρασις τόξου (3)
— 28. A² B οὕτως ἡ στάσις τοῦ φ. κυκλόθεν (3)
10. 4. ἡ αὐλὴ ἐπλήσθη τοῦ φ. τῆς δόξης κυρίου (3)
43. 2. ἡ γῆ ἐξέλαμπεν ὡς φ. ἀπὸ τῆς δόξης –
II Ma. 12. 9. ὥστε ἐπιφαίνεσθαι τὰς αὐγὰς τοῦ φ.
III Ma. 4. 10. R τὸ φ. ἀποκλειόμενοι
6. 4. φέγγος ἐπιφάνας ἐλέους Ἰσρ. γένει
[Aq. Jb. 41. 10: Is. 4. 5: 60. 19: Ez. 8. 2.]
[Sm. Is. 4. 5: Ez. 8. 2.]
[Th. Pr. 4. 18: Is. 4. 5.]
[Al. Hb. 3. 11 *ter*.]

φεγγούλ.

[Th. Le. 7. 18: 19. 7: Ez. 4. 14.]

φείδεσθαι. (1) *a.* חוּס *b.* מַחֲמָה (2) *a.* חָמַל *b.* חֶמְלָה (3) חָשַׂךְ (4) לָאַט (5) εἶναι φειδόμενος חָמַל (6) ὑπὲρ ὧν φείδονται מִחְמָל

Ge. 19. 16. ἐν τῷ φείσασθαι κύριον αὐτοῦ (2 *b*)
20. 6. ἐφεισάμην ἐγώ σου (3)
22. 12, 16. οὐκ ἐφείσω τοῦ υἱοῦ σου (3)
45. 20. μὴ φείσησθε τοῖς ὀφθαλμοῖς ὑ. τῶν σκευῶν (1 *a*)
Ex. 2. 6. ἐφείσατο αὐτοῦ ἡ θυγάτηρ Φ. (2 *a*)
De. 7. 16. οὐ φείσεται ὁ ὀφθαλμός σου ἐπ' αὐτοῖς (1 *a*)
13. 8 (9): 19. 13, 21. οὐ φείσεται ὁ ὀφθαλμός σου ἐπ' αὐτῷ (1 *a*)
25. 12. οὐ φείσεται ὁ ὀφθαλμός σου ἐπ' αὐτῇ (1 *a*)
33. 3. ἐφείσατο τοῦ λαοῦ αὐ. †
I Ki. 15. 3. καὶ οὐ φείσῃ ἀπ' αὐτοῦ (2 *a*)
24. 11. ἐφεισάμην σου (1 *a*)
II Ki. 12. 4. ἐφείσατο λαβεῖν ἐκ τῶν ποιμνίων αὐ. (2 *a*)
— 6. οὐκ ἐφείσατο (2 *a*)
18. 5. φείσασθέ μου τοῦ παιδαρίου τοῦ Ἀβ. (4)
— 16. ἐφείδετο Ἰ. τοῦ λαοῦ (3)
21. 7. ἐφείσατο ὁ βασ. ἐπὶ Μεμφ. (2 *a*)
IV Ki. 5. 20. ἐφείσατο ὁ κύριός μου τοῦ N. (3)
II Ch. 36. 15. ἦν φειδόμενος τοῦ λαοῦ αὐ. (5)
— 17. οὐκ ἐφείσατο τοῦ Σεδ. (2 *a*)
I Es. 1. 50. καθὸ ἐφείδετο αὐτῶν
— 53. οὐκ ἐφείσαντο νεανίσκου
Ne. 13. 22. φείσαί μου κατὰ τὸ πλῆθος τοῦ ἐλέους σου (1 *a*)
Ju. 2. 11. ἐπὶ δὲ τοὺς ἀπειθοῦντας οὐ φείσεται ὁ ὀφθ. σου
13. 20. οὐκ ἐφείσω τῆς ψυχῆς σου
Es. 4. 17. φείσαι τοῦ λαοῦ σου
Jb. 6. 10. ἐπ' [S¹ ἀπ'] αὐτῆς οὐ φείσομαι [A S -ωμαι] (2 *a*)
7. 11. οὐδὲ ἐγὼ φείσομαι τῷ στόματί μου (3)
16. 6 (5). κίνησιν δὲ χειλέων οὐ φείσομαι (3)
— 14 (13). οὐ φειδόμενοι ἐξέχεαν εἰς τὴν γῆν τὴν χολήν [A S² ζωήν] μου (2 *a*)
20. 13. οὐ φείσεται αὐτῆς (2 *a*)
27. 22. καὶ οὐ φείσεται (2 *a*)
30. 10. A B S² ἀπὸ δὲ προσώπου μου οὐκ ἐφείσαντο πτύελον [A -ου] (3)
Jb. 33. 18. ἐφείσατο δὲ τῆς ψυχῆς αὐτοῦ ἀπὸ θανάτου (3)
42. 3. φειδόμενος δὲ ῥημάτων καὶ σὲ οἴεται κρύπτειν †
Ps. 18 (19). 13. ἀπὸ ἀλλοτρίων φείσαι τοῦ δούλου σου (3)
71 (72). 13. φείσεται πτωχοῦ καὶ πένητος (1 *a*)
77 (78). 50. οὐκ ἐφείσατο ἀπὸ θανάτου τῶν ψυχῶν αὐτῶν (3)
Pr. 6. 34. οὐ φείσεται ἐν ἡμέρᾳ κρίσεως (2 *a*)
10. 19. φειδόμενος δὲ χειλέων νοήμων ἔσῃ (3)
13. 24. ὃς φείδεται τῆς βακτηρίας μισεῖ τὸν υἱὸν αὐτοῦ (3)
16. 17. φείσεται στόματος αὐτοῦ –
17. 27. ὃς φείδεται ῥῆμα προέσθαι σκληρὸν ἐπιγνώμων (3)
21. 14. δώρων δὲ ὁ φειδόμενος θυμὸν ἐγείρει ἰσχυρόν †
24. 11. ῥῦσαι ἀγομένους εἰς θάνατον καὶ ἐκπρίου [A -ίω] κτεινομένους μὴ φείσῃ (3)
Wi. 1. 11. ἀπὸ καταλαλιᾶς φείσασθε γλώσσης
2. 10. μὴ φεισώμεθα χήρας
11. 26. φείδῃ δὲ πάντων
12. 8. τούτων ὡς ἀνθρώπων ἐφείσω
— 16. τὸ πάντων σε δεσπόζειν πάντων φείδεσθαι [A S² φ. σε] ποιεῖ
Si. 13. 12. οὐ μὴ φείσηται περὶ κακόσεως καὶ δεσμῶν
16. 8. οὐκ ἐφείσατο περὶ τῆς παροικίας Λώτ
23. 2. ἵνα ἐπὶ τοῖς ἀγνοήμασί μου μὴ φείσωνται
Jl. 2. 17. φεῖσαι, κύριε, τοῦ λαοῦ σου (1 *a*)
— 18. ἐφείσατο τοῦ λαοῦ αὐ. (2 *a*)
3 (4). 16. ὁ δὲ κ. φείσεται τοῦ λαοῦ αὐ. (1 *b*)
Jn. 4. 10. ἐφείσω ὑπὲρ τῆς κολοκύνθης (1 *a*)
— 11. ἐγὼ δὲ οὐ φείσομαι ὑπὲρ N. (1 *a*)
Hb. 1. 17. ἀποκτέννειν ἔθνη οὐ φείσεται (2 *a*)
Za. 11. 6. οὐ φείσομαι οὐκέτι ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας (2 *a*)
Is. 13. 18. οὐδὲ ἐπὶ τοῖς τέκνοις σου φείσονται οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτῶν (1 *a*)
14. 6. πληγὴν θυμοῦ ἣ οὐκ ἐφείσατο (3)
54. 2. πῆξον μὴ φείσῃ (3)
58. 1. μὴ φείσῃ (3)
63. 9. διὰ τὸ ἀγαπᾶν αὐτοὺς καὶ φ. αὐτῶν (2 *b*)
Je. 13. 14. οὐ φείσομαι (1 *a*)
14. 10. οὐκ ἐφείσαντο (3)
15. 5. τίς φείσεται ἐπὶ σοί (2 *a*)
17. 17. φειδομένός μου ἐν ἡμέρᾳ πονηρᾷ (1 *b*)
21. 7. οὐ φείσομαι ἐπ' αὐτοῖς [A -ούς] (1 *a* + 2 *a*)
27 (50). 14. μὴ φείσησθε ἐπὶ τοῖς τοξεύμασιν ὑμῶν (2 *a*)
28 (51). 3. μὴ φείσησθε ἐπὶ νεανίσκους αὐτῆς (2 *a*)
La. 2. 2. κατεπόντισε κύριος οὐ φεισάμενος (2 *a*)
— 17. καθεῖλε καὶ οὐκ ἐφείσατο (2 *a*)
— 21: 3. 43. οὐκ ἐφείσω (2 *a*)
Ez. 5. 11. οὐ φείσεταί μου ὁ ὀφθαλμός (1 *a*)
7. 9, 4: 8. 18. οὐ φείσεται ὁ ὀφθαλμός μου (1 *a*)
9. 5. μὴ φείδεσθε [A φείσησθε] τοῖς ὀφθαλμοῖς ὑμῶν (1 *a*)
— 10. οὐ φείσεταί μου ὁ ὀφθαλμός (1 *a*)
16. 5. οὐδὲ ἐφείσατο [A οὐ φείσεται] ὁ ὀφθαλμός μου ἐπὶ σοί (1 *a*)
20. 17. ἐφείσατο ὁ ὀφθαλμός μου ἐπ' αὐτούς (1 *a*)
24. 21. ὑπὲρ ὧν φείδονται αἱ ψυχαὶ ὑμῶν (6)
36. 21. ἐφεισάμην αὐτῶν διὰ τὸ ὄνομά μου (2 *a*)
I Ma. 13. 5. μή μοι γένοιτο φείσασθαί μου τῆς ψυχῆς
[Aq. I Ki. 23. 21: Pr. 11. 24: Ec. 2. 25: Ez. 9. 10: 24. 14: Ma. 3. 17 *bis*.]
[Sm. Pr. 11. 24: Ec. 2. 25: Ez. 24. 14: Ho. 6. 5.]
[Th. I Ki. 15. 15: 23. 21: Ez. 24. 14.]

φειδώ.

Es. 3. 13. ἄνευ παντὸς οἴκτου καὶ φειδοῦς [S¹ -ώ]
Wi. 12. 18. μετὰ πολλῆς φειδοῦς διοικεῖς ἡμᾶς

φειδωλός.

IV Ma. 2. 9. κἂν φειδωλός τις ᾖ

φεισές, φεισείς (? φεῖσις).

[Al. Le. 20. 17.]

φελλανεί, φελμουνί, φελμωνί. (1) *a.* פֵּלְמוֹנִי *b.* פְּלֹנִי

I Ki. 21. 2 (3). ἐν τῷ τόπῳ τῷ λεγομ. Θεοῦ πίστις φ. μαεμωνεί (1 *b*)
Da. LXX. 8. 13. εἶπεν ὁ ἕτερος ἅγιος τῷ φ. τῷ λαλοῦντι (1 *a*)
Da. TH. 8. 13. εἶπεν εἷς ἅγιος τῷ φ. τῷ λαλοῦντι (1 *a*)
[Aq., Th. Da. 8. 13.]

φεναεδδώρ, φεννεδδώρ, φενεδδώρ, φενναεδδώρ.

Jo. 11. 2. καὶ εἰς φ. [A *al.*] †
12. 23. βασιλέα Ὀ. τοῦ φ. [A *al.*] †

φενέγ.

[Aq., Th. Ez. 27. 17.]

φενέν.

[Th. Ez. 27. 17.]

φεννώθ.

[Heb. Ma. 2. 13.]

φέρειν. (1) *a.* אָתָה hi. *b.* אֲתָה aph. (2) בֹּ׳ (3) בּוֹא *a.* qal. *b.* hi. *c.* hoph. (4) יָבַל hi. (5) יָהַב (6) יָעַף hoph. (7) יָצָא hi. (8) יָרַד hi. (9) כּוּל pilp. (10) כּוּן hi. (11) לָקַח (12) נָגַשׁ hi. (13) נָדַב (14) נָדַף ni. (15) נוּף hi. (16) נָפַק aph. (17) נָשָׂא (18) נָתַן (19) סָעָרָה (20) עָבַר (21) עָלָה hi. (22) עָשָׂה (23) פָּנָה (24) שׁוּב hi. (25) שָׁטַף (26) שָׁלַח (27) ἃ ἔφερεν הַבָּא בָּיָדוֹ (28) βαρέως φ. חָרָה בְּעֵינֵי

Ge. 4. 3. ἤνεγκε K. . . . θυσίαν τῷ κ. (3 *b*)
— 4. ἤνεγκε καὶ αὐτὸς ἀπὸ τῶν πρωτοτόκων (3 *b*)
27. 4. ἔνεγκόν μοι ἵνα φάγω (3 *b*)
— 7. ἔνεγκόν μοι θήραν (3 *b*)
— 13. πορευθεὶς ἔνεγκαί μοι (11)
— 14. καὶ ἤνεγκε τῇ μητρί (3 *b*)
30. 14. ἤνεγκεν αὐτὰ πρὸς Λείαν (3 *b*)
31. 35. μὴ βαρέως φέρε (28)
— 39. R θηριάλωτον οὐκ ἐνήνοχά σοι [A *al.*] (3 *b*)
32. 13 (14). ἔλαβεν ὧν ἔφερεν δῶρα (27)
33. 11. ἃς ἤνεγκά σοι (3 *c*)
36. 7. οὐκ ἐδύνατο ἡ γῆ . . . φέρειν αὐτούς (17)
43. 2. ὃν ἤνεγκαν ἐξ Αἰγύπτου (3 *b*)
— 22. ἀργύριον ἕτερον ἠνέγκαμεν (8)
— 24. ἤνεγκεν ὕδωρ νίψαι τοὺς πόδας αὐ. (3 *b*)
— 24. A ἤνεγκεν [R ἔδωκε] χορτάσματα τοῖς ὄνοις αὐ. (18)
47. 16. φέρετε τὰ κτήνη ὑμῶν (5)
49. 3. σκληρὸς φέρεσθαι καὶ σκληρὸς αὐθάδης (17)
Ex. 28. 26 (30). οἴσει Ἀ. τὰς κρίσεις τῶν υἱῶν Ἰσρ. (17)
32. 2. καὶ ἐνέγκατε πρὸς μέ (3 *b*)
— 3. καὶ ἤνεγκαν πρὸς Ἀ. (3 *b*)
35. 5. οἴσουσι τὰς ἀπαρχὰς κυρίῳ (3 *b*)
— 21. A B² R ἤνεγκαν [B¹ ἀνήν.] ἕκαστος ὃν ἔφερεν ἡ καρδία αὐτῶν (3 *a*, 17)
— 21. ἤνεγκαν ἀφαίρεμα κυρίῳ (3 *b*)
— 22. ἤνεγκαν οἱ ἄνδρες παρὰ τῶν γυναικῶν (3 *a*)
— 22. ἤνεγκαν σφραγῖδας (3 *b*)
— 23 (22). ὅσοι ἤνεγκαν ἀφαιρέματα χρυσίου (15)
— 23. παρ' ᾧ εὑρέθη . . . ἤνεγκαν (3 *b*)
— 24. ἤνεγκαν ἀργύριον καὶ χαλκόν (3 *b*)
— 24. εἰς πάντα τὰ ἔργα τῆς κατασκευῆς ἤνεγκαν (3 *b*)
— 25. ἤνεγκαν νενησμένα (3 *b*)
— 27. ἤνεγκαν τοὺς λίθους τῆς σμαράγδου (3 *b*)
— 29. ὧν ἔφερεν ἡ διάνοια αὐ. (13)
— 29. ἤνεγκαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἀφαίρεμα κυρίῳ (3 *b*)
36. 3. ἃ ἤνεγκαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (3 *b*)
— 3. παρὰ τῶν φερόντων τὸ πρωΐ –
— 5. πλῆθος φέρει ὁ λαὸς κατὰ τὰ ἔργα (3 *b*)
39. 14 (33). ἤνεγκαν τὰς στολὰς πρὸς M. (3 *b*)
Le. 2. 2. οἴσει πρὸς τοὺς υἱοὺς Ἀ. τοὺς ἱερεῖς (3 *b*)
4. 5. A οἴσει [B εἰσοίσει] αὐτὸ ἐπὶ τὴν σκηνήν (3 *b*)
— 28. οἴσει χίμαιραν ἐξ αἰγῶν (3 *b*)
— 28. θήλειαν ἄμωμον οἴσει περὶ τῆς ἁμαρτίας –
5. 6. οἴσει περὶ ὧν ἐπλημμέλησε κυρίῳ (3 *b*)
— 7. οἴσει περὶ τῆς ἁμαρτίας αὐ. (3 *b*)
— 8. οἴσει αὐτὰ πρὸς τὸν ἱερέα (3 *b*)
— 11. οἴσει τὸ δῶρον αὐ. (3 *b*)
— 12. οἴσει αὐτὸ πρὸς τὸν ἱερέα (3 *b*)
— 15. οἴσει . . . κριὸν ἄμωμον (3 *b*)
— 18. οἴσει κριὸν ἄμωμον (3 *b*)
6. 5 (5. 25). οἴσει τῷ κυρίῳ κριόν (3 *b*)
— 21 (14). B πεφυραμένην οἴσει αὐτήν (3 *b*)
7. 19 (29). οἴσει τὸ δῶρον αὐ. (3 *b*)
14. 20. A² οἴσει [B ἀνοίσει] ὁ ἱ. τὸ ὁλοκαύτωμα (21)

Le. 15. 14. οἴσει αὐτὰ ἔναντι κυρίου (3 *a*)
— 29. οἴσει αὐτὰ πρὸς τὸν ἱερέα (3 *b*)
16. 15. A οἴσουσιν [B εἰσοίσει] ἀπὸ τοῦ αἵματος αὐ. (3 *b*)
17. 4. καὶ . . . μὴ ἐνέγκῃ αὐτό (3 *b* ?)
— 4. καὶ . . . μὴ ἐνέγκῃ αὐτό (3 *b*)
— 5. καὶ οἴσουσι τῷ κυρίῳ (3 *b*)
— 9. καὶ . . . μὴ ἐνέγκῃ ποιῆσαι αὐτὸ τῷ κ. (3 *b*)
23. 10. οἴσετε δράγμα ἀπαρχὴν τοῦ θερισμοῦ ὑ. (3 *b*)
— 12. ἐν ᾗ ἂν φέρητε τὸ δράγμα (15)
26. 36. διώξεται αὐτοὺς φωνὴ φύλλου φερομένου (14)
Nu. 5. 15. A οἴσει [B προσοίσει] τὸ δῶρον περὶ αὐτῆς (3 *b*)
6. 10. οἴσει δύο τρυγόνας (3 *b*)
11. 14. οὐ δυνήσομαι ἐγὼ μόνος φέρειν τὸν λαὸν τ. (17)
— 17. οὐκ οἴσεις αὐτοὺς σὺ μόνος (17)
18. 13. ὅσα ἂν ἐνέγκωσι κυρίῳ (3 *b*)
De. 1. 9. οὐ δυνήσομαι μόνος φέρειν ὑμᾶς (17)
— 12. πῶς δυνήσομαι μόνος φέρειν τὸν κόπον ὑμῶν (17)
12. 6. οἴσετε ἐκεῖ τὰ ὁλοκαυτώματα ὑμῶν (3 *b*)
— 11. οἴσετε πάντα (3 *b*)
14. 23. οἴσετε [A -εις] τὰ ἐπιδέκατα τοῦ σίτου σου –
26. 10. ἐνήνοχα τὴν ἀπαρχὴν τῶν γεννημάτων (3 *b*)
Jo. 6. 12 (13). οἱ ἑπτὰ ἱερεῖς οἱ φέροντες τὰς σάλπιγγας [A *al.*] (17)
7. 23. καὶ ἤνεγκαν πρὸς Ἰ. (3 *b*)
15. 2. ἀπὸ τῆς λοφιᾶς τῆς φερούσης ἐπὶ λίβα (23)
18. 6. καὶ ἐνέγκατε ὧδε πρὸς μέ (3 *b*)
— 9. καὶ ἤνεγκαν πρὸς Ἰ. (3 *a*)
Jd. 3. 18. ἐξαπέστειλε τοὺς φέροντας [A αἴρ.] τὰ δῶρα (17)
6. 18. A οἴσω [B ἐξοίσω] τὴν θυσίαν (7)
7. 25. τὴν κεφαλὴν Ὠ. καὶ Ζ. ἤνεγκαν πρὸς Γ. (3 *b*)
15. 1. A ἐπεσκέψατο Σ. . . . φέρων ἔριφον [B *al.*] (2)
16. 18. A ἤνεγκαν [B ἀνήν.] τὸ ἀργύριον (21)
18. 3. τίς ἤνεγκέ [A ἤγαγέν] σε ὧδε (3 *b*)
21. 12. ἤνεγκαν [A ἤγον] αὐτὰς εἰς τὴν παρεμβολήν (3 *b*)
Ru. 3. 15. φέρε τὸ περίζωμα τὸ ἐπάνω σου (5)
I Ki. 9. 7. τί οἴσομεν [A εἰσοίσ.] τῷ ἀνθρώπῳ τοῦ θεοῦ (3 *b*)
10. 27. οὐκ ἤνεγκαν αὐτῷ δῶρα (3 *b*)
15. 12. ὧν ἤνεγκεν ἐξ Ἀμ. –
— 15. ἐξ Ἀμ. ἤνεγκα αὐτά (3 *b*)
17. 54. ἤνεγκεν αὐτὴν εἰς Ἱερ. (3 *b*)
18. 27. A ἤνεγκεν ἀκροβυστίας αὐ. [B *al.*] (3 *b*)
20. 38. A B^2 R καὶ ἤνεγκε τὰς σχίζας (3 *a*)
25. 27. ἣν ἐνήνοχεν ἡ δούλη σου τῷ κ. μου (3 *b*)
— 35. πάντα ἃ ἔφερεν αὐτῷ (3 *b*)
31. 12. φέρουσιν αὐτοὺς εἰς [A *om.*] Ἰ. (3 *a*)
II Ki. 1. 10. ἐνήνοχα αὐτὰ τῷ κυρίῳ μου ὧδε (3 *b*)
3. 22. B σκῦλα πολλὰ ἔφεραν [AR -ον] μετ' αὐτῶν (3 *b*)
4. 8. ἤνεγκαν τὴν κεφαλὴν M. (3 *b*)
6. 17. φέρουσι τὴν κιβωτὸν τοῦ κυρίου (3 *b*)
8. 2, 6. εἰς δούλους φέροντας ξένια (17)
— 7. καὶ ἤνεγκεν αὐτὰ εἰς Ἱερ. (3 *b*)
16. 20. φέρετε ἑαυτοῖς βουλήν (5)
17. 28. ἤνεγκαν δέκα κοίτας (12 ?)
III Ki. 1. 3. ἤνεγκαν αὐτὴν πρὸς τὸν βασ. (3 *b*)
8. 1. τοῦ ἐνεγκεῖν [A ἀνεν.] τὴν κιβωτὸν διαθήκης κ. (21)
9. 14. ἤνεγκε Χ. τῷ Σ. ἑκατὸν καὶ εἴκοσι τάλαντα χρυσίου (26)
— 28. καὶ ἤνεγκαν τῷ βασ. Σαλ. (3 *b*)
10. 11. ἤνεγκε ξύλα πελεκητὰ πολλὰ σφόδρα (3 *b*)
— 25. ἔφερον ἕκαστος τὰ δῶρα αὐ. (3 *b*)
12. 24. B ἵνα τί μοι ἐνήνοχας ἄρτους –
17. 6. οἱ κόρακες ἔφερον αὐτῷ ἄρτους (3 *b*)
IV Ki. 2. 20. R καὶ ἤνεγκαν [A B *om.* κ. ἤ.] πρὸς αὐτόν (11 ?)
4. 21. A καὶ ἤνεγκεν [B ἀνήν.] αὐτόν (21)
— 42. ἤνεγκε πρὸς τὸν ἄνθρωπον τοῦ θ. . . . εἴκοσι ἄρτους (3 *b*)
5. 6. ἤνεγκε τὸ βιβλίον πρὸς τὸν βασ. Ἰσρ. (3 *b*)
— 20. τοῦ μὴ λαβεῖν ἐκ χειρὸς αὐ. ἃ ἐνήνοχε (3 *b*)
10. 6. ἐνέγκατε πρὸς μέ (3 *a*)
— 8. B ἤνεγκα [A R -αν] τὰς κεφ. τῶν υἱῶν τοῦ βασ. (3 *b*)
12. 4 (5). ὃ ἐὰν λάβῃ . . . ἐνεγκεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (3 *b*)
17. 4. οὐκ ἤνεγκε μαναὰ τῷ βασ. Ἀσσ. (21)
IV Ki. 21. 12. φέρω κακὰ ἐπὶ Ἱερ. (3 *b*)
I Ch. 10. 12. ἤνεγκαν αὐτὰ εἰς Ἰ. (3 *b*)
11. 19. ἐν ψυχαῖς αὐ. ἤνεγκαν [A *add.* αὐτόν] (3 *b*)
12. 40. ἔφερον αὐτοῖς . . . βρώματα (3 *b*)
16. 29. καὶ ἐνέγκατε κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (3 *a*)
18. 2. ἦσαν M. παῖδες τῷ Δ. φέροντες δῶρα (17)
— 6. ἦσαν τῷ Δ. εἰς παῖδας φέροντας δῶρα (17)
— 7. ἤνεγκεν αὐτοὺς εἰς Ἱερ. (3 *b*)
21. 2. καὶ ἐνέγκατε πρὸς μέ (3 *b*)
22. 4. ἐφέροσαν [A ἐφόρασαν] οἱ Σ. . . . ξύλα κέδρινα (3 *b*)
II Ch. 1. 6. ἤνεγκεν [A ἀνήν.] ἐκεῖ Σ. ἐπὶ τὸ θυσιαστ. (21)
— 6. ἤνεγκεν [A ἀνήν.] ἐπ' αὐτὸ ὁλοκαύτωσιν χιλίαν (21)
— 17. ἐν χερσὶν αὐτῶν ἔφερον (7)
2. 6 (5). οὐ φέρουσιν αὐτοῦ τὴν δόξαν [A^1 *al.*] (9)
9. 10. ἔφερον χρυσίον τῷ Σαλ. (3 *b*)
— 12. ὧν ἤνεγκε τῷ βασ. Σαλ. (3 *b*)
— 13. ἦν ὁ σταθμὸς τοῦ χρυσίου τοῦ ἐνεχθέντος τῷ Σ. (3 *a*)
— 14. B πλὴν . . . τῶν ἐμπορευομ. ἔφερον [A R ὧν ἔφ.] (3 *b*)
— 14. ἔφερον χρυσίον καὶ ἀργύριον τῷ βασ. Σαλ. (3 *b*)
— 24. αὐτοὶ ἔφερον [A -εν] ἕκαστος τὰ δῶρα αὐ. (3 *b*)
15. 11. B ὧν ἤνεγκεν [A R -αν] (3 *b*)
17. 11. ἔφερον πρὸς Ἰωσ. δῶρα (3 *b*)
— 11. οἱ Ἀ. ἔφερον αὐτῷ κριοὺς προβάτων (3 *b*)
24. 11. A ὡς ἔφερον [B εἰσέφ.] τὸ γλωσσόκομον (3 *b*)
— 14. ἤνεγκαν . . . τὸ κατάλοιπον τοῦ ἀργυρίου (3 *b*)
25. 12. ἔφερον αὐτοὺς ἐπὶ τὸ ἄκρον τοῦ κρημνοῦ (3 *b*)
— 14. ἤνεγκε πρὸς αὐτοὺς τοὺς θεοὺς υἱῶν Σ. (3 *b*)
27. 5. ταῦτα ἔφερεν αὐτῷ βασιλεὺς Ἀ. (24)
28. 8. ἤνεγκαν τὰ σκῦλα εἰς Σαμ. (3 *b*)
29. 31. φέρετε θυσίας (3 *b*)
31. 5. ἐπιδέκατα πάντα εἰς πλῆθος ἤνεγκαν (3 *b*)
— 6. ἤνεγκαν ἐπιδέκατα μόσχων –
— 10. ἐξ οὗ ἤρκται ἡ ἀπαρχὴ φέρεσθαι (3 *b*)
— 12. ἤνεγκαν [A εἰσήν.] ἐκεῖ τὰς ἀπαρχάς (3 *b*)
32. 23. πολλοὶ ἔφερον δῶρα τῷ κ. (3 *b*)
35. 16. τοῦ . . . ἐνεγκεῖν τὰ ὁλοκαυτώματα (21)
I Es. 4. 22. πάντα ταῖς γυναιξὶ δίδοτε καὶ φέρετε
8. 60. τὸ χρυσίον . . . ἤνεγκαν εἰς τὸ ἱερόν
II Es. 3. 7. ἐνέγκαι ξύλα κέδρινα ἀπὸ τοῦ Λιβ. (3 *b*)
4. 2. ἀπὸ ἡμερῶν Ἀσ. . . . τοῦ ἐνέγκαντος ἡμᾶς ὧδε (21)
8. 17. τοῦ ἐνέγκαι ἡμῖν ᾄδοντας (3 *b*)
— 30. ἐνεγκεῖν εἰς Ἱερ. (3 *b*)
Ne. 8. 1. ἐνέγκαι τὸ βιβλίον νόμου M. (3 *b*)
— 2. ἤνεγκεν [B^1 -αν] Ἔ. ὁ ἱερεὺς τὸν νόμον (3 *b*)
— 15. B^1 ἐνέγκετε [A B^2 S R -ατε] φύλλα ἐλαίας (3 *b*)
— 16. ἐξῆλθεν ὁ λαὸς καὶ ἤνεγκαν (3 *b*)
10. 31 (32). λαοὶ τῆς γῆς οἱ φέροντες τοὺς ἀγορασμούς (3 *b*)
— 34 (35). ἐνέγκαι εἰς οἶκον θεοῦ ἡμῶν (3 *b*)
— 35 (36). ἐνέγκαι τὰ πρωτογεννήματα τῆς γῆς ἡμῶν (3 *b*)
— 36 (37). ἐνέγκαι εἰς οἶκον θεοῦ ἡμῶν (3 *b*)
— 37 (38). τὴν ἀπαρχὴν . . . οἴσομεν τοῖς ἱερεῦσιν (3 *b*)
— 39 (40). B εἰς τοὺς θησαυροὺς οἴσουσιν [A S R εἰσοίσ.] οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (3 *b*)
11. 1. ἐνέγκαι ἕνα ἀπὸ τῶν δέκα (3 *b*)
12. 27. τοῦ ἐνέγκαι αὐτοὺς εἰς Ἱερ. (3 *b*)
13. 12. ἤνεγκαν δεκάτην τοῦ πυροῦ (3 *b*)
— 15. καὶ φέροντας [B^1 -ες] δράγματα (3 *b*)
— 15. A B^2 S^2 καὶ φέροντας [B^1 S^1 -ες] εἰς Ἱερ. (3 *b*)
— 16. ἐκάθισαν ἐν αὐτῇ φέροντες ἰχθύν (3 *b*)
— 18. ἤνεγκεν ἐπ' αὐτοὺς . . . πάντα τὰ κακὰ ταῦτα (3 *b*)
To. 7. 14. S εἶπεν ἐνεγκεῖν βιβλίον [A B *al.*]
11. 15. S ἐνήνοχεν ἀργύριον
12. 2. ὧν ἐνήνοχα [S -εν μετ' ἐμοῦ]
— 3. τὸ ἀργύριόν μου ἤνεγκε [S *al.*]
— 5. λάβε τὸ ἥμισυ πάντων ὧν ἐνηνόχατε [A -ας, S *al.*]
Es. 6. 8. ἐνεγκάτωσαν [A -τω] . . . στολὴν βυσσίνην (3 *b*)
8. 13. τόν τε κόρον οὐ δυνάμενοι φέρειν
Es. 8. 13. οὐκ ἐνέγκας δὲ τὴν ὑπερηφανίαν
Jb. 13. 25. ἢ ὡς χόρτῳ [A -ον] φερομένῳ [A -ον] ὑπὸ πνεύματος †
15. 35. S^1 ἡ δὲ κοιλία αὐτοῦ οὐκ οἴσει [A B S^2 αὐ. ὑποίσει] δόλον [A πόνον] (10 ?)
17. 1. A B S^2 ὀλέκομαι πνεύματι φερόμενος –
22. 12. τοὺς δὲ ὕβρει φερομένους ἐταπείνωσε †
40. 26 (31). οὐ μὴ ἐνέγκωσι [A -κῃ] βύρσαν μίαν οὐρᾶς αὐ. †
Ps. 28 (29). 1. ἐνέγκατε τῷ κ., υἱοὶ θεοῦ, ἐνέγκατε τῷ κ. υἱοὺς κριῶν (5, 5 ?)
— 1. ἐνέγκατε τῷ κυρίῳ δόξαν καὶ τιμήν (5)
— 2. ἐνέγκατε τῷ κ. δόξαν ὀνόματι αὐ. (5)
67 (68). 29. σοὶ οἴσουσι βασιλεῖς δῶρα (4)
75 (76). 11. πάντες οἱ κύκλῳ αὐτοῦ οἴσουσι δῶρα (4)
77 (78). 29. τὴν ἐπιθυμίαν αὐ. ἤνεγκεν [S^1 ἔδωκεν] αὐτοῖς (3 *b*)
95 (96). 7. ἐνέγκατε τῷ κ., αἱ πατριαὶ τῶν ἐθνῶν, ἐνέγκατε τῷ κ. δόξαν καὶ τιμήν (5, 5)
— 8. ἐνέγκατε τῷ κυρίῳ δόξαν ὀνόματι αὐτοῦ (5)
Pr. 6. 8. A ἧς τοὺς πόνους βασιλεῖς καὶ ἰδιῶται πρὸς ὑγίειαν φέρονται [B S προσφέρ.] –
24. 56 (30. 21). τὸ δὲ τέταρτον οὐ δύναται φέρειν (17)
27. 7. S^1 ψυχῇ δὲ ἐνδεεῖ καὶ τὰ πικρὰ γλυκέα φέρει [A B S^2 φαίνεται] –
Ca. 8. 11. B S ἀνὴρ οἴσει ἐν καρπῷ αὐτοῦ χιλίους ἀργυρίου (3 *b*)
Wi. 5. 14. ἐλπὶς ἀσεβοῦς ὡς φερόμενος χνοῦς ὑπὸ ἀνέμου
10. 14. ἤνεγκεν αὐτῷ σκῆπτρα βασιλείας
14. 1. τοῦ φέροντος αὐτὸν πλοίου [A ξύλου] σαθρότερον ξύλον ἐπιβοᾶται
18. 16. ξίφος ὀξὺ τὴν ἀνυπόκριτον ἐπιταγήν [A ὑποστ.] σου φέρων
Si. 23. 25. A S οὐκ οἴσουσιν [B οὐ δώσουσι] καρπόν
47. 6. ἐν τῷ φέρεσθαι αὐτῷ διάδημα δόξης
Ho. 9. 16. καρπὸν οὐκέτι μὴ ἐνέγκῃ (22)
Am. 4. 4. ἐνέγκατε εἰς τὸ πρωῒ θυσίας ὑμῶν (3 *b*)
5. 22. ἐὰν ἐνέγκητέ μοι ὁλοκαυτώματα (21)
Jl. 2. 22. ξύλον ἤνεγκε τὸν καρπὸν αὐ. (17)
Ze. 3. 10. οἴσουσι θυσίας μοι (4)
Hg. 2. 20 (19). τὰ ξύλα τῆς ἐλαίας τὰ οὐ φέροντα καρπόν (17)
Ma. 1. 13. ἐὰν φέρητε [S^2 προσφέρετε] τὴν θυσίαν (3 *b*)
Is. 1. 13. ἐὰν φέρητε σεμίδαλιν (3 *b*)
17. 13. ὡς ὕδατος πολλοῦ βίᾳ φερομένου [A καταφ.] . . . ὡς κονιορτὸν τροχοῦ καταιγὶς φέρουσα (17, –)
21. 14. διψῶντι ὕδωρ φέρετε (1 *a*)
28. 15. καταιγὶς φερομένη ἐὰν παρέλθῃ (25)
— 18. καταιγὶς φερομένη ἐὰν ἐπέλθῃ (25)
29. 5. ὡς χνοῦς φερόμενος (20)
— 6. καταιγὶς φερομένη καὶ φλόξ (19)
30. 6. ἔφερον ἐπὶ ὄνων καὶ καμήλων τὸν πλοῦτον (17)
— 17. ὡς σημαίαν φέρων ἐπὶ βουνοῦ –
32. 2. κρυβήσεται ὡς ἀφ' ὕδατος φερομένου καὶ φανήσεται ἐν Σ. ὡς ποταμὸς φερόμενος †, †
43. 23. R οὐκ ἤνεγκάς μοι [A B S οὐκ ἐμοὶ] πρόβατά σου (3 *b*)
52. 11. ἀφορίσθητε οἱ φέροντες τὰ σκεύη κυρίου (17)
53. 3. εἰδὼς φ. μαλακίαν –
— 4. οὗτος τὰς ἁμαρτίας ἡμῶν φέρει (17)
60. 6. ἥξουσι φέροντες χρυσίον καὶ λίβανον οἴσουσι (–, 17)
— 17. οἴσω σοι χρυσίον . . . οἴσω σοι ἀργύριον . . . οἴσω σοι χαλκόν (3 *b*, 3 *b*, –)
64. 6 (5). οὕτως ἄνεμος οἴσει ἡμᾶς (17)
Je. 6. 20. ἵνα τί μοι λίβανον ἐκ Σαβὰ φέρετε (3 *a*)
13. 24. ὡς φρύγανα φερόμενα ὑπὸ ἀνέμου (20)
17. 26. ἥξουσιν . . . φέροντες ὁλοκαυτώματα . . . φέροντες αἴνεσιν (3 *b*, 3 *b*)
18. 14. μὴ ἐκκλίνῃ ὕδωρ βιαίως ἀνέμῳ φερόμενον †
20. 9. οὐ δύναμαι φ. –
30 (49). 5. φέρω φόβον ἐπὶ σέ (3 *b*)
— 10 (49. 32). οἴσω τὴν τροπὴν αὐ. (3 *b*)
40 (33). 11. B^3 οἴσουσι δῶρα εἰς οἶκον κυρίου [A B^1 S R *al.*] (3 *b*)
42 (35). 17. B S φέρω ἐπὶ Ἰούδαν . . . πάντα τὰ κακά (3 *b*)
46 (39). 16. φέρω τοὺς λόγους μου ἐπὶ τὴν πόλιν [A εἰς τ. γῆν] (3 *b*)

Je. 51 (44). 22. οὐκ ἠδύνατο κύριος ἔτι φ. (17)
Ba. 3. 30. τίς . . . οἴσει αὐτὴν χρυσίου ἐκλεκτοῦ
Ep. Je. 26. ἐπ' ὤμοις φέρονται [A αἵρ.]
Ez. 17. 4. ἤνεγκεν αὐτὰ εἰς γῆν Χ. (3 b)
— 8. τοῦ ποιεῖν βλαστοὺς καὶ φ. καρπόν [A al.] (17)
19. 9. A ἤνεγκαν αὐτὸν ἐν γαλεάγρᾳ [B al.] (3 b)
27. 23. ἔμποροί σου φέροντες ἐμπορίαν –
34. 29. ὀνειδισμὸν ἐθνῶν οὐ μὴ ἐνέγκωσιν ἔτι (17)
36. 6. ἀντὶ τοῦ ὀνειδισμοὺς ἐθνῶν ἐνέγκαι ὑμᾶς (17)
— 15. A ὀνειδισμὸν ἐθνῶν οὐ μὴ ἐνέγκητε ἔτι [B al.] (17)
37. 5. φέρω εἰς ὑμᾶς πνεῦμα ζωῆς (3 b)
40. 44. μία . . . φέρουσα πρὸς νότον –
Da. LXX. 5. 2. εἶπεν ἐνέγκαι τὰ σκεύη . . . ἃ ἤνεγκε Ναβ. (1 b, 16)
— 3. καὶ ἠνέχθη (1 b)
— 23. τὰ σκεύη τοῦ οἴκου τοῦ θεοῦ τοῦ ζῶντος ἠνέχθη σοι (1 b)
6. 17 (18). καὶ ἠνέχθη λίθος (1 b)
9. 21. τάχει φερόμενος προσήγγισέ μοι (6)
Da. TH. Su. 17. ἐνέγκατε δή μοι ἔλαιον
— 18. ἐνέγκαι τὰ προστεταγμένα αὐταῖς
1. 2. ἤνεγκεν αὐτὰ εἰς γῆν Σ. (3 b)
5. 2. εἶπεν . . . ἐνεγκεῖν [A τοῦ ἐ.] τὰ σκεύη τὰ χρυσᾶ (1 b)
— 3. ἠνέχθησαν [A ἤχθ.] τὰ σκεύη τὰ χρυσᾶ (1 b)
— 23. A B¹ τὰ σκεύη τοῦ οἴκου αὐ. ἤνεγκας [B² R -αν] ἐνώπιόν σου (1 b)
6. 17 (18). καὶ ἤνεγκαν [A -εν] λίθον (1 b)
11. 6. παραδοθήσεται αὕτη καὶ οἱ φέροντες αὐτήν (3 b)
— 8. τοὺς θεοὺς αὐ. . . . οἴσει εἰς Αἴγυπτον (3 b)
Bel 14. ἤνεγκαν τέφραν
I Ma. 3. 49. ἤνεγκαν τὰ ἱμάτια τῆς ἱερωσύνης
7. 47. ἤνεγκαν καὶ ἐξέτειναν παρὰ τὴν Ἱερ.
15. 18. ἤνεγκαν δὲ ἀσπίδα χρυσῆν
II Ma. 1. 21. ἐκέλευσεν αὐτοὺς ἀποβάψαντας φέρειν
3. 25. φερόμενος δὲ ῥύδην ἔσεισε . . . τὰς . . . ὁπλάς
— 28. ἔφερον ἀβοήθητον αὐτόν
4. 25. τῆς μὲν ἀρχιερωσύνης οὐδὲν ἄξιον φέρων
6. 4. R ἔτι δὲ τὰ μὴ καθήκοντα ἔνδον φερόντων [A εἰσφ.]
— 21. ἐνεγκόντα κρέα
7. 20. ἥτις ἀπολλυμένους υἱοὺς ἑπτὰ συνορῶσα . . . εὐψύχως ἔφερε
— 39. πικρῶς φέρων ἐπὶ τῷ μυκτηρισμῷ
8. 31. τὰ δὲ λοιπὰ τῶν σκύλων ἤνεγκαν εἰς Ἱερ.
9. 7. ἀπὸ τοῦ ἅρματος φερομένου ῥοίζῳ
11. 1. λίαν βαρέως φέρων ἐπὶ τοῖς γεγονόσι
12. 22. εἰς φυγὴν ὥρμησαν ἄλλος ἀλλαχῇ φερόμενος
14. 27. φάσκων βαρέως φέρειν
— 28. καὶ δυσφόρως ἔφερεν
— 45. φερομένων κρουνηδὸν τῶν αἱμάτων
15. 30. R καὶ τὴν χεῖρα . . . φέρειν [A περιφ.] εἰς Ἱερ.
III Ma. 2. 28. τοὺς δὲ ἀντιλέγοντας βίᾳ φερομένους τοῦ ζῆν μεταστῆσαι
3. 18. τύφοις φερόμενοι παλαιοτέροις
— 19. οὐδὲν γνήσιον βούλονται φέρειν
IV Ma. 6. 7. ἀπὸ τοῦ μὴ φέρειν τὸ σῶμα τὰς ἀλγηδόνας
9. 8. A R τὰ τῆς ἀρετῆς ἆθλα οἴσομεν [S ἕξομεν]
10. 5. οἱ δὲ πικρῶς ἐνέγκαντες τὴν παρρησίαν τοῦ ἀνδρός

[Aq. Ge. 37. 2 : Ex. 35. 29 : Dt. 26. 2 : I Ki. 14. 3 : 22. 18 : III Ki. 17. 6 : Ps. 67 (68). 32 : Pr. 21. 27 : Is. 16. 3 : 43. 23 : Je. 10. 9 : 20. 9 : Ho. 8. 13 *bis*.]
[Sm. Ge. 37. 2 : III Ki. 17. 6 : Ps. 44 (45). 13 : 77 (78). 29 : 104 (105). 40 : Pr. 30. 15 *bis* : Ca. 8. 11 : Is. 43. 23 : Je. 20. 9 : 41 (48). 5 : Ze. 3. 10.]
[Th. Ge. 49. 3 : Dt. 26. 2 : III Ki. 17. 6 : Pr. 21. 6 : Is. 16. 3 : 28. 15 : 43. 23 : Je. 10. 9 : Da. 14. 13.]
[Al. I Ki. 14. 41 : Hg. 1. 8.]

φερνή. (1) *a.* מֹהַר *b.* מָהָר

Ge. 34. 12. πληθύνατε τὴν φ. σφόδρα (1 a)
Ex. 22. 16 (15). φερνῇ φερνιεῖ αὐτὴν αὐτῷ γυναῖκα (1 b)
— 17 (16). καθ' ὅσον ἐστὶν ἡ φ. τῶν παρθένων (1 a)
Jo. 16. 10. ἔδωκεν αὐτὴν Φ. ἐν φερνῇ τῇ θυγατρὶ αὐ. –
II Ma. 1. 14. εἰς φερνῆς λόγον

φερνίζειν. (1) מָהַר
Ex. 22. 16 (15). φερνῇ φερνιεῖ αὐτὴν αὐτῷ γυναῖκα (1)

φεσέ.
[Aq. Dt. 16. 1.]

φεύγειν. (1) *a.* בָּרַח *b.* בָּרִחַ, בְּרִיחַ (2) נָדַד (3) נָדַח *a.* ni. *b.* hoph. (4) נוּס *a.* qal. *b.* hi. *c.* מְנוּסָה *d.* נִיס (5) נָסַס *a.* qal. *b.* hithp. (6) נָפַל (7) עָרַק (8) שָׁרִיד

Ge. 14. 10. ἔφυγε δὲ βασιλεὺς Σοδ. (4 a)
— 10. οἱ δὲ καταλειφθέντες εἰς τὴν ὀρεινὴν ἔφυγον (4 a)
39. 12, 13, 15, 18. ἔφυγε καὶ ἐξῆλθεν ἔξω (4 a)
Ex. 4. 3. καὶ ἔφυγε Μ. ἀπ' αὐτοῦ (4 a)
14. 5. πέφευγεν ὁ λαός (1 a)
— 25. φύγωμεν ἀπὸ προσώπου Ἰσρ. (4 a)
— 27. οἱ δὲ Αἰγ. ἔφυγον ὑπὸ τὸ ὕδωρ (4 a)
21. 13. οὗ φεύξεται ἐκεῖ ὁ φονεύσας (4 a)
Le. 26. 17. A² B R φεύξεσθε οὐδενὸς διώκοντος ὑμᾶς (4 a)
— 36. φεύξονται ὡς φεύγοντες ἀπὸ πολέμου (4 a, 4 c)
Nu. 10. 35. φυγέτωσαν πάντες οἱ μισοῦντές σε (4 a)
16. 34. ἔφυγον ἀπὸ τῆς φωνῆς αὐ. (4 a)
24. 11. φεῦγε εἰς τὸν τόπον σου (1 a)
35. 6. A B¹ ἃς δώσετε φεύγειν [B² R φυγεῖν] ἐκεῖ τῷ φονεύσαντι (4 a)
— 11. φυγεῖν ἐκεῖ τὸν φονευτήν (4 a)
— 15. φυγεῖν [A φεύγειν] ἐκεῖ παντὶ πατάξαντι ψυχὴν ἀκουσίως (4 a)
— 32. τοῦ φυγεῖν εἰς πόλιν τῶν φυγαδευτηρίων (4 a)
De. 4. 42. A B¹ φεύγειν [B³ R φυγεῖν] ἐκεῖ τὸν φονευτήν (4 a)
— 42. B² ὃς ἂν φύγῃ ἐκεῖ –
19. 4. ὃς ἂν φύγῃ ἐκεῖ καὶ ζήσεται (4 a)
— 11. καὶ φύγῃ εἰς μίαν τῶν πόλεων τ. (4 a)
28. 7. ἐν ἑπτὰ ὁδοῖς φεύξονται ἀπὸ προσώπου σου (4 a)
— 25. ἐν ἑπτὰ ὁδοῖς φεύξῃ ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (4 a)
Jo. 7. 4. ἔφυγον ἀπὸ προσώπου τῶν ἀνδρῶν Γ. (4 a)
8. 5. φευξόμεθα ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (4 a)
— 6. φεύγουσιν οὗτοι ἀπὸ προσώπου ἡμῶν (4 a)
— 20. B οὐκέτι εἶχον ποῦ φύγωσιν (4 a)
10. 11. ἐν δὲ τῷ φεύγειν αὐτοὺς ἀπὸ προσώπου τῶν υἱῶν Ἰσρ. (4 a)
— 16. ἔφυγον οἱ πέντε βασιλεῖς οὗτοι (4 a)
20. 4. A φεύξεται εἰς μίαν τῶν πόλεων τούτων (4 a)
— 6. ὅθεν ἔφυγεν ἐκεῖθεν (4 a)
Jd. 1. 6. A B² R καὶ ἔφυγεν Ἀδ (4 a)
4. 15. καὶ ἔφυγε τοῖς ποσὶν αὐ. (4 a)
— 17. ἔφυγε [A ἀνεχώρησεν] τοῖς ποσὶν αὐ. (4 a)
7. 21. B καὶ ἔφυγαν [A R -ον] (4 b*, 4 a)
— 23 (22). ἔφυγεν ἡ παρεμβολή (4 a)
8. 12. ἔφυγον [A -εν] Ζ. καὶ Σ. (4 a)
9. 21. ἔφυγεν Ἰ. καὶ ἀπέδρα [A al.] (4 a)
— 21. A καὶ ἔφυγεν εἰς Ῥ. [B al.] (1 a)
— 40. καὶ ἔφυγεν [A om. κ. ἔ.] ἀπὸ προσώπου αὐ. (4 a)
— 51. ἔφυγον ἐκεῖ πάντες οἱ ἄνδρες (4 a)
11. 3. καὶ ἔφυγεν [A ἀπέδρα] Ἰ. (1 a)
20. 32. φύγωμεν καὶ ἐκκενώσωμεν αὐτούς (4 a)
— 42. B καὶ ἔφυγον –
— 45. ἔφευγον [A ἔφυγον] εἰς τὴν ἔρημον (4 a)
— 47. ἔφυγον εἰς τὴν ἔρημον (4 a)
I Ki. 4. 10. ἔφυγεν ἕκαστος εἰς σκήνωμα αὐ. (4 a)
— 16. πέφευγα ἐκ τῆς παρατάξεως σήμερον (4 a)
— 17. πέφευγεν ἀνὴρ Ἰσρ. ἐκ προσώπου ἀλλοφύλων (4 a)
14. 22. ἤκουσαν ὅτι πεφεύγασιν οἱ ἀλλόφυλοι (4 a)
17. 24. A καὶ ἔφυγον ἐκ προσώπου αὐ. (4 a)
— 51. καὶ ἔφυγον [A -αν] (4 a)
19. 8. ἔφυγον ἐκ προσώπου αὐ. (4 a)
— 12. καὶ ἔφυγε καὶ σώζεται (1 a)
— 18. καὶ Δ. ἔφυγε (1 a)
21. 10 (11). ἔφυγεν ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκ. ἐκ προσώπου Σ. (1 a)
22. 17. ἔγνωσαν ὅτι φεύγει αὐτός (1 a)
— 20. ἔφυγεν ὀπίσω Δ. (1 a)
23. 5. ἔφυγον ἐκ προσώπου αὐ. –
— 6. ἐν τῷ φυγεῖν Ἀβ. υἱὸν Ἀβ. πρὸς Δ. (1 a)
27. 4. πέφευγε Δ. εἰς Γέθ (1 a)
I Ki. 30. 17. καὶ ἔφυγον [A -αν] (4 a)
31. 1, 7. ἔφυγον οἱ ἄνδρες Ἰσρ. (4 a)
— 7. καὶ φεύγουσι (4 a)
II Ki. 1. 4. B ἔφυγεν ὁ λαὸς ἐκ τοῦ πολέμου (4 a)
4. 4. καὶ ἔφυγε (4 a)
10. 13. ἔφυγαν [A -ον] ἀπὸ προσώπου αὐ. (4 a)
— 14. ἔφυγε Συρία (4 a)
— 14. ἔφυγαν ἀπὸ προσώπου Ἀβ. (4 a)
— 18. ἔφυγε Σ. ἀπὸ προσώπου Ἰσρ. (4 a)
13. 29. B καὶ ἔφυγαν [A R -ον] (4 a)
— 37. καὶ Ἀβ. ἔφυγε (1 a)
15. 14. ἀνάστητε καὶ φύγωμεν (1 a)
17. 2. καὶ φεύξεται [A ἐκφ.] πᾶς ὁ λαός (4 a)
18. 3. ἐὰν φυγῇ φύγωμεν (4 a)
— 17. πᾶς Ἰσρ. ἔφυγεν (4 a)
19. 3 (4). ἐν τῷ αὐτοὺς φεύγειν [A φυγ. αὐ.] ἐν τῷ πολέμῳ (4 a)
— 8 (9). Ἰσρ. ἔφυγεν ἀνὴρ εἰς τὰ σκηνώματα αὐ. (4 a)
— 9 (10). πέφευγεν ἀπὸ τῆς γῆς (1 a)
23. 11. ὁ λαὸς ἔφυγεν ἐκ προσώπου ἀλλοφύλων (4 a)
24. 13. φεύγειν σε ἔμπροσθεν τῶν ἐχθρῶν σου (4 a)
III Ki. 2. 28. ἔφυγεν Ἰ. εἰς τὸ σκήνωμα τοῦ κ. (4 a)
— 29. ἔφυγεν Ἰ. εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ κ. (4 a)
— 29. πέφευγας [A πέφυγας] εἰς τὸ θυσιαστήριον –
— 29. ἔφυγον πρὸς κύριον –
11. 43. B ὡς ἔφυγεν ἐκ προσώπου Σαλ. –
12. 2. A ὡς ἔφυγεν ἐκ προσώπου τοῦ βασ. Σαλ. (1 a)
— 18. ἀναβῆναι τοῦ φυγεῖν εἰς Ἱερ. (4 a)
21 (20). 20. καὶ ἔφυγε Σ. (4 a)
— 30. ἔφυγον οἱ κατάλοιποι εἰς Ἀφ. (4 a)
— 30. υἱὸς Ἀ. ἔφυγε (4 a)
IV Ki. 3. 24. ἔφυγον ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (4 a)
7. 7. ἔφυγον πρὸς τὴν ψυχὴν ἑαυτῶν (4 a)
8. 21. ἔφυγεν ὁ λαὸς εἰς τὰ σκηνώματα αὐ. (4 a)
9. 3. φεύξῃ καὶ οὐ μενεῖς (4 a)
— 10, 23. καὶ ἔφυγε (4 a)
— 27. καὶ ἔφυγεν ὁδὸν Β. (4 a)
— 27. καὶ ἔφυγεν εἰς Μ. (4 a)
14. 12. ἔφυγεν ἀνὴρ εἰς τὸ σκήνωμα αὐ. (4 a)
— 19. καὶ ἔφυγεν εἰς Δ. (4 a)
I Ch. 10. 1. ἔφυγον ἀπὸ προσώπου ἀλλοφύλων (4 a)
— 7. ἔφυγεν Ἰσρ. (4 a)
— 7. καὶ ἔφυγον (4 a)
11. 13. ὁ λαὸς ἔφυγεν ἀπὸ προσώπου ἀλλοφύλων (4 a)
19. 14. ἔφυγον ἀπ' αὐτοῦ (4 a)
— 15. εἶδον ὅτι ἔφυγον Σύροι (4 a)
— 15. ἔφυγον καὶ αὐτοί (4 a)
— 18. ἔφυγε Σύρος ἀπὸ προσώπου Δ. (4 a)
21. 12. φεύγειν [A φυγ.] σε ἐκ προσώπου ἐχθρῶν σου †
II Ch. 10. 2. ὡς ἔφυγεν ἀπὸ προσώπου Σαλ. (1 a)
— 18. ἔσπευσε . . . τοῦ φυγεῖν εἰς Ἱερ. (4 a)
13. 16. ἔφυγον οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἀπὸ προσώπου Ἰ. (4 a)
14. 12 (11). καὶ ἔφυγον Αἰθίοπες (4 a)
21. 9. ἔφυγεν ὁ λαὸς εἰς τὰ σκηνώματα αὐ. –
25. 22. ἔφυγεν [A -ον] ἕκαστος εἰς τὸ σκήνωμα (4 a)
— 27. ἔφυγεν ἀπὸ Ἱερ. εἰς Δ. (4 a)
Ne. 6. 11. A S² τίς ἐστιν ὁ ἀνὴρ οἷος ἐγὼ φεύξεται [B S¹ om. οἷ. ἐ. φ.] (1 a)
13. 10. ἐφύγοσαν ἀνὴρ εἰς ἀγρὸν αὐ. (1 a)
To. 1. 18. φεύγων ἐκ τῆς Ἰουδαίας
— 21. ἔφυγον [S¹ -εν] εἰς τὰ ὄρη Ἀρ.
4. 21. S ἐὰν . . . φύγῃς [A B ἀποστῇς] ἀπὸ πάσης ἁμαρτίας
6. 7. S φεύξεται ἀπ' αὐτοῦ πᾶν ἀπάντημα
— 17. ὀσφρανθήσεται τὸ δαιμόνιον καὶ φεύξεται
8. 3. ἔφυγεν εἰς τὰ ἀνώτατα Αἰγύπτου [S al.]
Ju. 5. 8. ἔφυγον εἰς Μεσοποταμίαν
14. 3. φεύξονται ἀπὸ προσώπου ὑμῶν
15. 2. ἔφευγον ἐπὶ πᾶσαν ὁδὸν τοῦ πεδίου
Jb. 27. 22. ἐκ χειρὸς αὐτοῦ φυγῇ φεύξεται (1 a)
30. 3. οἱ φεύγοντες ἄνυδρον ἐχθὲς συνοχήν (7)
Ps. 30 (31). 11. ἔφυγον ἀπ' ἐμοῦ (2)
59 (60). 4. τοῦ φυγεῖν ἀπὸ προσώπου τόξου (5 b)
67 (68). 1. φυγέτωσαν οἱ μισοῦντες αὐτὸν ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (4 a)
103 (104). 7. ἀπὸ ἐπιτιμήσεώς σου φεύξονται (4 a)
113 (114). 3. ἡ θάλασσα εἶδε καὶ ἔφυγεν (4 a)
— 5. τί σοι ἐστὶ, θάλασσα, ὅτι ἔφυγες (4 a)
138 (139). 7. ἀπὸ τοῦ προσώπου σου ποῦ φύγω (1 a)
Pr. 28. 1. φεύγει ἀσεβὴς μηδενὸς διώκοντος (4 a)
Ca. 8. 14. φύγε [A φεῦγε], ἀδελφιδέ μου (1 a)
Wi. 1. 5. ἅγιον γὰρ πνεῦμα παιδείας [A σοφίας] φεύξεται δόλον

Wi. 10. 6. αὕτη δίκαιον . . . ἐρρύσατο φυγόντα [S¹ φεύγ.] πῦρ καταβάσιον πενταπόλεως
16. 15. τὴν δὲ σὴν χεῖρα φυγεῖν ἀδύνατόν ἐστιν
Si. 21. 2. ὡς ἀπὸ προσώπου ὄφεως φεῦγε ἀπὸ ἁμαρτίας
Am. 5. 19. ἐὰν φύγῃ [A ὅταν ἐκφ.] ἄνθρωπος (4 a)
6. 5. ὡς ἑστηκότα ἐλογίσαντο καὶ οὐχ ὡς φεύγοντα †
9. 1. οὐ μὴ διαφύγῃ ἐξ αὐτῶν φεύγων (4 a)
Ob. 1. 14. μηδὲ συγκλείσῃς τοὺς φεύγοντας αὐ. (8)
Jn. 1. 3. ἀνέστη Ἰ. τοῦ φυγεῖν εἰς Θ. (1 a)
— 10. ἐκ προσώπου κυρίου ἦν φεύγων (1 a)
4. 2. προέφθασα τοῦ φυγεῖν εἰς Θ. (1 a)
Na. 2. 5 (6). φεύξονται ἡμέρας –
— 8 (9). καὶ αὐτοὶ φεύγοντες οὐκ ἔστησαν (4 a)
Za. 2. 6 (10). φεύγετε ἀπὸ γῆς βορρᾶ (4 a)
Is. 10. 18. ἔσται ὁ φεύων ὡς ὁ φεύγων ἀπὸ φλογὸς καιομένης (†, 5 a ?)
— 30 (29). φεύξεται ἡ θυγάτηρ Γαλλείμ (4 a)
13. 14. ἔσονται . . . ὡς δορκάδιον φεῦγον [S¹ -οντα] (3 b)
16. 3. ἐν μεσημβρινῇ σκοτίᾳ φεύγουσιν (3 a)
20. 6. τοῦ φυγεῖν εἰς αὐτοὺς εἰς βοήθειαν (4 a)
21. 14. ἄρτοις συναντᾶτε τοῖς φεύγουσι (2)
— 15. A S διὰ τὸ πλῆθος τῶν φευγόντων [B πεφονευμένων] (2)
22. 3. πάντες οἱ ἄρχοντές σου πεφεύγασι . . . οἱ ἰσχύοντες ἐν σοὶ πόρρω πεφεύγασι (2, 1 a)
24. 18. ὁ φεύων τὸν φόβον ἐμπεσεῖται (4 a)
27. 1. ἐπὶ τὸν δράκοντα ὄφιν φεύγοντα (1 b)
30. 16. ἐφ' ἵππων φευξόμεθα διὰ τοῦτο φεύξεσθε (4 a, 4 a)
— 17. χίλιοι διὰ φωνὴν ἑνὸς φεύξονται καὶ διὰ φωνὴν πέντε φεύξονται πολλοί (–, 4 a)
31. 8. φεύξεται οὐκ ἀπὸ προσώπου μαχαίρας [A διώκοντος] (4 a)
— 9. ὁ δὲ φεύων ἁλώσεται †
43. 14. ἐπεγερῶ φεύγοντας πάντας (1 b)
48. 20. ἔξελθε . . . φεύγων ἀπὸ τῶν Χαλδαίων (1 a)
Je. 4. 6. φεύγετε εἰς Σιών †
— 21. ἕως πότε ὄψομαι φεύγοντας †
26 (46). 5. φυγῇ ἔφυγον (4 a)
— 6. μὴ φευγέτω ὁ κοῦφος (4 a)
— 15. διὰ τί ἔφυγεν ἀπὸ σοῦ ὁ Ἄπις †
— 21. ἔφυγον ὁμοθυμαδόν (4 a)
27 (50). 16. ἕκαστος εἰς τὴν γῆν [A τὸν οἶκον] αὐτοῦ φεύξεται (4 a)
— 28. φωνὴ φευγόντων (4 a)
28 (51). 6. φεύγετε ἐκ μέσου Βαβυλῶνος (4 a)
30. 8 (49. 30). φεύγετε (4 a)
31 (48). 6. φεύγετε καὶ σώσατε τὰς ψυχὰς ὑμῶν (4 a)
— 19. ἐρώτησον φεύγοντα (4 a)
— 44. ὁ φεύγων ἀπὸ προσώπου τοῦ φόβου ἐμπεσεῖται (4 a, 4 d*)
44 (37). 13. πρὸς τοὺς Χαλδαίους σὺ φεύγεις (6)
— 14. οὐκ εἰς [A S οὐχὶ πρὸς] τοὺς Χαλδαίους ἐγὼ φεύγω (6)
45 (38). 19. λόγον ἔχω τῶν Ἰουδαίων τῶν πεφευγότων (6)
Ep. Je. 55. οἱ μὲν ἱερεῖς αὐτῶν φεύξονται
Da. LXX. Su. 39. ἔφυγε συγκεκαλυμμένος
Da. TH. 10. 7. ἔφυγον ἐν φόβῳ (1 a)
I Ma. 1. 18. καὶ ἔφυγε
— 18. S¹ καὶ ἔφυγον [A S² R ἔπεσον] τραυματίαι πολλοί
— 38. ἔφυγον οἱ κάτοικοι Ἱερ. δι' αὐτούς
2. 28. ἔφυγον αὐτὸς καὶ οἱ υἱ. αὐ.
— 44. οἱ λοιποὶ ἔφυγον εἰς τὰ ἔθνη σωθῆναι
3. 11. καὶ οἱ ἐπίλοιποι ἔφυγον
— 24. οἱ δὲ λοιποὶ ἔφυγον εἰς γῆν Φυλ.
4. 5. φεύγουσιν οὗτοι ἀφ' ἡμῶν
— 14. καὶ ἔφυγον εἰς τὸ πεδίον
— 22. ἔφυγον πάντες εἰς γῆν ἀλλοφύλων
5. 9. καὶ ἔφυγον εἰς Δ.
— 34. ἔφυγον ἀπὸ προσώπου αὐ.
— 43. ἔφυγον εἰς τὸ τέμενος
6. 4. καὶ ἔφυγε
7. 32. ἔφυγον εἰς τὴν πόλιν Δ.
— 44. ῥίψαντες τὰ ὅπλα αὐ. ἔφυγον
9. 10. φυγεῖν ἀπ' αὐτῶν
— 18. καὶ οἱ λοιποὶ ἔφυγον
— 33. ἔφυγον εἰς τὴν ἔρημον Θ.
— 40. οἱ ἐπίλοιποι ἔφυγον εἰς τὸ ὄρος
10. 12. ἔφυγον οἱ ἀλλογενεῖς
— 43. ὅσοι ἐὰν φύγωσιν εἰς τὸ ἱερόν
— 49. ἔφυγεν ἡ παρεμβολὴ Δημητρίου
I Ma. 10. 64. καὶ ἔφυγον πάντες
— 73. S R οὐδὲ τόπος τοῦ [A ποῦ] φυγεῖν
— 82. καὶ ἔφυγαν
— 83. A R ἔφυγον [S -εν] εἰς Ἄζωτον
11. 16. ἔφυγεν Ἀλ. εἰς τὴν Ἀραβίαν
— 46. ἔφυγεν ὁ βασ. εἰς τὴν αὐλήν
— 55. καὶ ἔφυγε καὶ ἐτροπώθη
— 69 (A S² R), 72. καὶ ἔφυγον
— 73. A ἴδον οἱ φυγόντες [S R φεύγ.] παρ' αὐτοῦ
15. 11. φεύγων τὴν ἐπὶ τὴν θάλασσαν
— 37. ἔφυγεν εἰς Ὀρθωσίαν
16. 8. οἱ δὲ καταλειφθέντες ἔφυγον εἰς τὸ ὀχύρωμα
— 10. ἔφυγον εἰς τοὺς πύργους
II Ma. 5. 8. πόλιν ἐκ πόλεως φεύγων
8. 24. πάντας δὲ φεύγειν ἠνάγκασαν
— 33. Καλλισθένην ὑφῆψαν εἰς ἐν οἰκίον πεφευγότα
11. 11. τοὺς δὲ πάντας ἠνάγκασαν φεύγειν
— 12. αὐτὸς δὲ ὁ Λ. αἰσχρῶς φεύγων διεσώθη
12. 22. A εἰς φυγεῖν ὥρμησαν [R al.]
IV Ma. 5. 34. A R οὐδὲ φεύξομαί [S ἐξομοῦμαί] σε
8. 19. φευξόμεθα τὴν κενοδοξίαν ταύτην
[Aq. Is. 13. 14: 17. 13: 21. 11: 30. 17: 51. 11: Je. 26 (33). 21: 49. 8 (29. 9), 30 (30. 8): Am. 2. 16.]
[Sm. I Ki. 22. 20: II Ki. 4. 4: Is. 10. 18: 17. 13: 21. 11: 30. 17: 51. 11: Am. 2. 16.]
[Th. Is. 21. 11: 30. 17: Je. 26 (33). 21: 39 (46). 4: 48 (31). 45.]
[Al. I Ki. 4. 12.]

φευκτός.
Wi. 17. 10. τὸν μηδαμόθεν φ. [S¹ ἄφ.] ἀέρα προσιδεῖν ἀρνούμενοι

φήμη. (1) שְׁמוּעָה
Pr. 16. 2 (15. 30). φήμη δὲ ἀγαθὴ πιαίνει ὀστᾶ (1)
II Ma. 4. 39. διαδοθείσης ἔξω τῆς φ.
III Ma. 3. 2. φ. δυσμενὴς ἐξέκειτο
IV Ma. 4. 22. φήμης διαδοθείσης περὶ τοῦ τεθνάναι αὐτόν

φθάνειν (φθάννειν). (1) אָמַץ hithp. (2) דָּבַק hi. (3) יָנָה hi. (4) מְטָא, מָטָא (5) נָגַע *a.* qal. *b.* hi.
Jd. 20. 34. φθάνει ἐπ' αὐτοὺς ἡ κακία [A al.] (5 a)
— 42. ἡ παράταξις ἔφθασεν ἐπ' αὐτούς [A al.] (2)
II Ki. 20. 13. ἡνίκα δὲ ἔφθασεν ἐκ τῆς τρίβου (3)
III Ki. 12. 18. ἔφθασεν ἀναβῆναι τοῦ φυγεῖν (1)
II Ch. 28. 9. ἕως τῶν οὐρανῶν ἔφθακε (5 b)
II Es. 3. 1. ἔφθασεν ὁ μὴν ὁ ἕβδομος (5 a)
Ne. 8. 1 (7. 73). ἔφθασεν ὁ μὴν ὁ ἕβδομος (5 a)
— 1. S¹ ἔφθασεν ὁ μὴν ὁ ἕβδομος –
To. 5. 18. ἀργύριον τῷ ἀργυρίῳ μὴ φθάσαι
Ec. 8. 14. φθάνει ἐπ' [A S πρὸς] αὐτοὺς ὡς ποίημα τῶν ἀσεβῶν (5 b)
— 14. φθάνει πρὸς αὐτοὺς ὡς ποίημα τῶν δικαίων (5 b)
12. 1. καὶ φθάσουσιν [A S -ωσιν] ἔτη [S¹ om.] (5 b)
Ca. 2. 12. καιρὸς τῆς τομῆς ἔφθακε [S -ασεν] (5 b)
Wi. 4. 7. δίκαιος δὲ ἐὰν φθάσῃ τελευτῆσαι
6. 13. φθάνει τοὺς ἐπιθυμοῦντας [S ἐπ. αὐτὴν] προγνωσθῆναι
16. 28. δεῖ φθάνειν τὸν ἥλιον ἐπ' εὐχαριστίαν σου
Si. 30. 25 (33. 16). ἐν εὐλογίᾳ κυρίου ἔφθασα
Da. TH. 4. 8. τὸ ὕψος αὐ. ἔφθασεν ἕως τοῦ οὐρ. (4)
— 17. οὗ τὸ ὕψος ἔφθανεν [A -ασεν] εἰς τὸν οὐρανόν (4)
— 19. καὶ ἔφθασεν εἰς τὸν οὐρανόν (4)
— 21. ὃ ἔφθασεν ἐπὶ τὸν κύριόν μου τὸν βασ. (4)
— 25. ταῦτα πάντα ἔφθασεν ἐπὶ Ναβ. (4)
6. 24 (25). οὐκ ἔφθασαν εἰς τὸ ἔδαφος τοῦ λάκκου (4)
7. 13. ἕως τοῦ παλαιοῦ τῶν ἡμερῶν ἔφθασε (4)
— 22. καὶ ὁ καιρὸς ἔφθασε (4)
8. 7. ἴδον αὐτὸν φθάνοντα ἕως τοῦ κριοῦ (5 b)
12. 12. μακάριος ὁ . . . φθάσας εἰς ἡμέρας χιλίας (5 b)
[Sm. Ec. 9. 11: Is. 30. 28.]
[Th. Is. 30. 4: Ez. 7. 12: Da. 4. 25.]

φθάρμα. (1) מִשְׁחָת
Le. 22. 25. B²R φθάρματά [AB¹ φθαρτά] ἐστιν ἐν αὐτοῖς (1)

φθαρτός. (1) מִשְׁחָת
Le. 22. 25. AB¹ φθαρτά [B²R φθάρματά] ἐστιν ἐν αὐτοῖς (1)
Wi. 9. 15. φθαρτὸν γὰρ σῶμα βαρύνει ψυχήν
14. 8. τὸ δὲ φθ. θεὸς ὠνομάσθη
Is. 54. 17. A S³ πᾶν σκεῦος φθαρτόν [B S¹ al.] †
II Ma. 7. 16. ὃ θέλεις ποιεῖς φθαρτὸς ὤν

φθέγγεσθαι. (1) דָּבַר pi. (2) נָבַע hi. (3) עָנָה (4) שִׂיחַ (5) שָׂאַג (6) תָּפַף po.
Jd. 5. 10. A φθέγξασθε φωνὴν ἀνακρουομένων [B al.] (4)
Jb. 13. 7. ἔναντι δὲ αὐτοῦ φθέγγεσθε δόλον (1)
Ps. 77 (78). 2. φθέγξομαι προβλήματα ἀπ' ἀρχῆς (2)
93 (94). 4. φθέγξονται καὶ λαλήσουσιν ἀδικίαν (2)
118 (119). 172. φθέγξαιτο [A φθέγξεται, S² -οιτο] ἡ γλῶσσά μου τὸ λόγιόν σου (3)
Wi. 1. 8. φθεγγόμενος ἄδικα οὐδεὶς μὴ λάθῃ
8. 12. φθεγγομένῳ προσέξουσι
Si. 5. 11. ἐν μακροθυμίᾳ φθέγγου ἀπόκρισιν
13. 22. ἐφθέγξατο σύνεσιν καὶ οὐκ ἐδόθη αὐτῷ τόπος
Am. 1. 2. κύριος ἐκ Σιὼν ἐφθέγξατο (5)
Na. 2. 7 (8). καθὼς περιστεραὶ φθεγγόμεναι ἐν καρδίαις αὐ. (6)
Hb. 2. 11. κάνθαρος ἐκ ξύλου φθέγξεται αὐτά (3)
Je. 9. 18 (17). ἀποστείλατε καὶ φθεγξάσθωσαν [B² -θω] †
28 (51). 14. φθέγξονται ἐπὶ σὲ οἱ καταβαίνοντες (3)
La. 1. 12. φθεγξάμενος ἐν ἐμοὶ ἐταπείνωσέ με –
[Aq. Ps. 1. 2: 2. 1: 62 (63). 7: Is. 59. 11.]
[Sm. Jd. 5. 10: I Ki. 12. 3: Ps. 1. 2: Ca. 2. 10: Is. 16. 7: Ho. 7. 16.]
[Th. Ps. 51 (52). 4: Hb. 2. 11.]
[Quint. Ps. 1. 2: Hb. 2. 11.]
[Sext. Ps. 1. 2.]

φθέγγος (?). (1) נֹגַהּ
Am. 5. 20. A¹ καὶ γνόφος οὐκ ἔχων φθέγγος [A² B φέγγος] αὔτῃ (1)
Jl. 2. 10. A τὰ ἄστρα δύσουσι τὸ φθ. [B S φέγγος] αὐ. (1)

φθέγμα.
Jb. 6. 26. οὐδὲ γὰρ ὑμῶν φθέγμα [A -ματος] ῥήματος ἀνέξομαι †
Wi. 1. 11. φθέγμα λαθραῖον κενὸν οὐ πορεύσεται
[Sm. Ex. 6. 12, 30: Ps. 34 (35). 16.]

φθείρ.
[Al. Ex. 8. 16 (12).]

φθείρειν. (1) בָּקַק ni. (2) *a.* חָבַל pi. *b.* חָבַל ithp. (3) נָבַל (4) נוּם (5) שָׁחַת *a.* ni. *b.* pi. *c.* hi.
Ge. 6. 11. ἐφθάρη δὲ ἡ γῆ ἐναντίον τοῦ θεοῦ (5 a)
Ex. 10. 15. ἐφθάρη ἡ γῆ †
Le. 19. 27. οὐδὲ φθερεῖτε τὴν ὄψιν τοῦ πώγωνος ὑμῶν (5 c)
De. 34. 7. οὐδὲ ἐφθάρησαν [A al.] (4)
II Ki. 20. 20. καὶ εἰ φθερῶ [A διαφθείρω] (5 c)
I Ch. 20. 1. ἔφθειραν τὴν χώραν υἱῶν Ἀ. (5 c)
Jb. 15. 32. ἡ τομὴ αὐτοῦ πρὸ ὥρας φθαρήσεται †
Wi. 16. 5. S¹ δήγμασί τε σκολιῶν ἐφθείροντο [A B S² διεφθ.] ἄφεων
— 27. τὸ γὰρ ὑπὸ πυρὸς μὴ [S¹ om.] φθειρόμενον [S διαφθ.]
Ho. 9. 9. ἐφθάρησαν κατὰ τὰς ἡμέρας τοῦ βουνοῦ (5 b)
Ze. 3. 7. ἔφθαρται [A S² διέφθ.] πᾶσα ἡ ἐπιφυλλὶς αὐ. (5 c)
Is. 24. 3. φθορᾷ φθαρήσεται ἡ γῆ (1)
— 4. ἐφθάρη ἡ οἰκουμένη (3)
54. 16. οὐκ εἰς ἀπώλειαν φθεῖραι (2 a)
Je. 13. 9. φθερῶ τὴν ὕβριν Ἰούδα (5 c)
Ez. 16. 52. ἐν ᾗ ἔφθειρας [A διέφθ.] τὰς ἀδελφάς σου †
Da. LXX. 2. 44. καὶ οὐ φθαρήσεται (2 b)
7. 14. ἥτις οὐ μὴ φθαρῇ (2 b)
8. 24. καὶ θαυμαστῶς φθερεῖ (5 c)
— 24. καὶ φθερεῖ δυνάστας (5 c)
9. 26. βασιλεία ἐθνῶν φθερεῖ τὴν πόλιν (5 c)
11. 17. εἰς τὸ φθεῖραι αὐτήν (5 c)
IV Ma. 18. 8. S οὐδὲ ἔφθειρέ [A R οὐ διέφθειρέ] με λυμεὼν τῆς ἐρημίας φθορεύς
[Aq. Ge. 41. 6, 23.]
[Sm. Ex. 8. 24 (20).]
[Al. Dt. 34. 7.]

φθειρίζειν (φθερ.).
Je. 50 (43). 12. φθειριεῖ [S¹ -εῖς] γῆν Αἰγύπτου [A αὐτοῦ] ὥσπερ φθειρίζει ποιμὴν τὸ ἱμάτιον αὐτοῦ †, †

φθιγίλ.
[Th. Is. 3. 24.]

φθίνειν (φθινύθειν).
Jb. 31. 26. σελήνην δὲ φθίνουσαν [S¹ -νύθουσαν] †

φθογγή.
[Aq. Jb. 37. 2 : Is. 59. 11.]
[Th. Ps. 9. 17.]

φθόγγος. (1) קוֹ
Ps. 18 (19). 4. εἰς πᾶσαν τὴν γῆν ἐξῆλθεν ὁ φθ. αὐτῶν (1 ?)
Wi. 19. 18. ἐν ψαλτηρίῳ φθόγγοι τοῦ ῥυθμοῦ τὸ ὄνομα διαλλάσσουσι
[Aq. Ps. 91 (92). 4.]

φθονεῖν.
To. 4. 7, 16. A B μὴ φθονεσάτω σου ὁ ὀφθαλμός

φθονερός.
Si. 14. 10. ὀφθαλμὸς πονηρὸς φθονερὸς [S² ὁ φθ.] ἐπ' ἄρτῳ
[Al. Pr. 28. 22.]

φθόνος.
Wi. 2. 24. φθόνῳ δὲ διαβόλου θάνατος εἰσῆλθεν εἰς τὸν κόσμον
6. 23. οὔτε μὴν φθόνῳ τετηκότι συνοδεύσω
I Ma. 8. 16. οὐκ ἔστι φθόνος οὐδὲ ζῆλος ἐν αὐτοῖς
III Ma. 6. 7. τὸν διαβολαῖς φθόνου λέουσι . . . ῥιφέντα

φθοού.
[Heb. Is. 26. 2.]

φθορά. (1) בָּקַק ni. (2) a. חָבָל b. חֲבַל (3) נֶבֶל (4) a. שַׁחַת b. מַשְׁחִית
Ex. 18. 18. φθορᾷ καταφθαρήσῃ (3)
Ps. 102 (103). 4. τὸν λυτρούμενον ἐκ φθορᾶς τὴν ζωήν σου (4 a)
Wi. 14. 12. εὕρεσις δὲ αὐτῶν [S -ῷ] φθορὰ ζωῆς
— 25. κλοπὴ καὶ δόλος φθορὰ ἀπιστία
Mi. 2. 10. διεφθάρητε φθορᾷ (2 a)
Jn. 2. 7. ἀναβήτω φθορὰ ζωῆς [A ἐκ φθορᾶς ἡ ζ., S⁴ ἐκ φθορᾶς ζωῆς] μου (4 a)
Is. 24. 3. φθορᾷ φθαρήσεται ἡ γῆ (1)
Da. LXX. 3. 25 (92). φθ. οὐδεμία ἐγενήθη ἐν αὐτοῖς (2 b)
10. 8. πνεῦμα ἐπεστράφη ἐπ' ἐμὲ εἰς φθοράν (4 b)
[Aq., Sm., Th. Jn. 2. 7.]
[Al. Jb. 5. 22.]

φθορεύς.
IV Ma. 18. 8. οὐ διέφθειρέ με λυμεὼν τῆς ἐρημίας φθορεύς

φιάλη. (1) a. כּוֹס b. כִּיס (2) מִזְרָק (3) עֲרוּגָה (4) קְשָׂוָה
Ex. 27. 3. ποιήσεις . . . τὰς φ. αὐ. (2)
38. 23 (3). ἐποίησε . . . τὰς φ. (2)
Nu. 4. 14. ἐπιθήσουσιν ἐπ' αὐτὸ . . . τὰς φ. (2)
7. 13, 19, 25, 31, 37, 43, 49, 55, 61, 67, 73, 79. φιάλην μίαν ἀργυρᾶν (2)
— 84. φιάλαι ἀργυραῖ δώδεκα (2)
— 85. ἑβδομήκοντα σίκλων ἡ φιάλη ἡ μία (2)
— 86. A² φ. ἀργυραῖ δώδεκα –
III Ki. 7. 40. ἐποίησε Χ. . . . τὰς φ. (2)
— 45. καὶ τὰς θερμάστρεις καὶ τὰς φ. (2)
— 50. αἱ φ. καὶ τὰ τρυβλία (2)
IV Ki. 12. 13 (14). ἦλοι φιάλαι καὶ σάλπιγγες (2)
25. 14. τὰς φ. . . . ἔλαβε †
— 15. τὰς φ. τὰς χρυσᾶς καὶ τὰς ἀργυρᾶς ἔλαβεν (2)
I Ch. 28. 17. καὶ τῶν φ. τῶν χρυσῶν (4)
II Ch. 4. 8. ἐποίησε φ. χρυσᾶς ἑκατόν (2)
— 21 (22). καὶ τὰς φ. καὶ τὰς θυίσκας (2)
I Es. 2. 13. φιάλαι χρυσαῖ τριάκοντα
Ne. 7. 70. ἔδωκαν . . . φιάλας πεντήκοντα (2)
Pr. 23. 31. ἐὰν γὰρ εἰς τὰς φ. . . . δῷς τοὺς ὀφθαλμούς σου (1 a, 1 b*)
Ca. 5. 13. σιαγόνες αὐτοῦ ὡς φιάλαι [A -ες] τοῦ ἀρώματος (3)
6. 1 (2). κατέβη . . . εἰς φιάλας τοῦ ἀρώματος (3)
Za. 9. 15. πλήσουσι τὰς [A ὡς] φ. ὡς [A om.] θυσιαστήριον (2)
14. 20. ὡς φιάλαι πρὸ προσώπου τοῦ θυσιαστηρίου (2)
Je. 52. 18. τὴν στεφάνην καὶ τὰς φ. . . . ἔλαβεν (2)
I Ma. 1. 22. ἔλαβε . . . τὰς φ.
[Aq. Je. 52. 19.]
[Sm. Ge. 44. 2 : Ex. 25. 28 (29) : Je. 52. 19.]
[Th. Ex. 25. 28 (29) : Ez. 17. 7.]
[Al. Am. 6. 6.]

φιαλίζειν (?).
I Es. 3. 22. A οὐ μέμνηται . . . φιαλίζειν [B φιλιάζειν] φίλοις

φιανστής (?).
[Aq. Je. 52. 16.]

φιλάγαθος.
Wi. 7. 22. ἔστι γὰρ ἐν [A om.] αὐτῇ πνεῦμα . . . φιλάγαθον

φιλαδελφία.
IV Ma. 13. 23. καθεστηκυίας τῆς φ. συμπαθούσης
— 26. ποθεινοτέραν αὐτοῖς κατεσκεύαζε τὴν [S² om.] φ.
14. 1. τῆς τῶν ἀδελφῶν φ. παθῶν κρατῆσαι

φιλάδελφος.
II Ma. 15. 14. ὁ φ. οὗτός ἐστιν
IV Ma. 13. 21. ἀφ' ὧν συντρέφονται . . . φ. [S¹ -ων] ψυχαί
15. 10. δίκαιοί τε γὰρ ἦσαν . . . καὶ φ.

φιλαμαρτήμων. (1) אֹהֵב פֶּשַׁע
Pr. 17. 19. φιλαμαρτήμων χαίρει μάχαις (1)

φιλανθρωπεῖν.
II Ma. 13. 23. τὸν τόπον ἐφιλανθρώπησε

φιλανθρωπία.
Es. 8. 13. ἔτυχεν ἧς ἔχομεν πρὸς πᾶν ἔθνος φιλανθρωπίας
II Ma. 6. 22. ἵνα . . . τύχοι φιλανθρωπίας
14. 9. καθ' ἣν ἔχεις . . . εὐαπάντητον φιλανθρωπίαν
III Ma. 3. 15. πολλῇ φ. τιθηνήσασθαι τὰ κατοικοῦντα . . . Φοινίκην ἔθνη
— 18. δι' ἣν ἔχομεν πρὸς ἅπαντας ἀνθρώπους φ.

φιλάνθρωπος.
I Es. 8. 10. τὰ φ. ἐγὼ κρίνας
Wi. 1. 6. φιλάνθρωπον γὰρ πνεῦμα σοφία [A -ας]
7. 23. ἔστι γὰρ ἐν [A om.] αὐτῇ πνεῦμα . . . φιλάνθρωπον
12. 19. δεῖ τὸν δίκαιον εἶναι φιλάνθρωπον
II Ma. 4. 11. τὰ κείμενα τοῖς Ἰουδ. φιλάνθρωπα βασιλικά
IV Ma. 5. 12. προσκυνήσας μου τὴν φ. παρηγορίαν

φιλανθρώπως.
II Ma. 9. 27. ἐπιεικῶς καὶ φ. συσταθέντα τῇ ἐμῇ προαιρέσει
III Ma. 3. 20. τοῖς πᾶσιν ἔθνεσι φ. ἀπαντήσαντες

φιλαργυρεῖν.
II Ma. 10. 20. οἱ δὲ περὶ τὸν Σίμωνα φιλαργυρήσαντες

φιλαργυρία.
IV Ma. 1. 26. κατὰ μὲν ψυχῆς . . . φιλαργυρία
2. 15. S¹ διὰ τῶν βιαιοτέρων δὲ παθῶν . . . φιλαργυρίας [A S³ R -αρχίας]

φιλάργυρος.
IV Ma. 2. 8. κἂν φιλάργυρός τις ᾖ

φιλαρχία.
IV Ma. 2. 15. διὰ τῶν βιαιοτέρων δὲ παθῶν . . . φιλαρχίας [S¹ -αργυρίας]

φιλεῖν. (1) אָהֵב a. qal. b. pi. (2) נָשַׁק a. qal. b. pi. (3) רֵעַ
Ge. 27. 4. ὡς φιλῶ ἐγώ (1 a)
— 9. ὡς φιλεῖ (1 a)
— 14. καθὰ ἐφίλει ὁ πατὴρ αὐ. (1 a)
— 26. καὶ φίλησόν με (2 a)
Ge. 27. 27. ἐφίλησεν αὐτόν (2 a)
29. 11. ἐφίλησεν Ἰ. τὴν Ῥ. (2 a)
— 13. περιλαβὼν αὐτὸν ἐφίλησε (2 b)
33. 4. A περιλαβὼν αὐτὸν ἐφίλησεν [R al.] (2 a)
37. 4. αὐτὸν ἐφίλει ὁ πατὴρ αὐ. ἐκ π. τῶν υἱῶν αὐ. (1 a)
48. 10. καὶ ἐφίλησεν αὐτούς (2 a)
50. 1 : Ex. 18. 7 : I Ki. 10. 1. καὶ ἐφίλησεν αὐτόν (2 a)
To. 5. 16. S ἐφίλησεν τὸν πατέρα αὐ.
6. 14. A B δαιμόνιον φιλεῖ αὐτήν
— 17 : 10. 13. ἐφίλησεν αὐτήν [S al.]
Es. 4. 17. ἡδόκουν φιλεῖν πέλματα ποδῶν αὐτοῦ
10. 3. φιλούμενος διηγεῖτο τὴν ἀγωγήν
Jb. 31. 27. εἰ δὲ χεῖρά μου ἐπιθεὶς ἐπὶ στόματί μου ἐφίλησα (2 a)
Pr. 7. 13. εἶτα ἐπιλαβομένη ἐφίλησεν αὐτόν (2 a)
8. 17. ἐγὼ τοὺς ἐμὲ φιλοῦντας [S¹ ζητοῦντας] ἀγαπῶ (1 a)
21. 17. φιλῶν [S¹ -ον] οἶνον καὶ ἔλαιον (1 a)
24. 41 (26). χείλη δὲ φιλήσουσιν ἀποκρινόμενα λόγους ἀγαθούς [A S² σοφούς] (2 a)
29. 3. ἀνδρὸς φιλοῦντος σοφίαν εὐφραίνεται πατὴρ αὐτοῦ (1 a)
Ec. 3. 8. καιρὸς τοῦ φιλῆσαι (1 a)
Ca. 1. 2. φιλησάτω με ἀπὸ φιλημάτων στόματος αὐτοῦ (2 a)
8. 1. εὑροῦσά σε ἔξω φιλήσω σε (2 a)
Wi. 8. 2. ταύτην ἐφίλησα
Ho. 3. 1. φιλοῦσι πέμματα μετὰ σταφίδος (1 a)
Is. 56. 10. κύνες ἐνεοὶ . . . φιλοῦντες νυστάξαι (1 a)
Je. 22. 22. ἀτιμωθήσῃ ἀπὸ πάντων τῶν φιλούντων σε †
La. 1. 2. πάντες οἱ φιλοῦντες αὐτὴν ἠθέτησαν (3)
[Sm., Al. Ca. 8. 1.]

φιλελεήμων.
To. 14. 9. γενοῦ φιλελεήμων καὶ δίκαιος [S al.]

φιλεχθρεῖν. (1) a. רוּב b. רִיב
Pr. 3. 30. μὴ φιλεχθρήσῃς πρὸς ἄνθρωπον μάτην (1 a*, 1 b)

φιληκοΐα.
IV Ma. 15. 21. κύκνειοι πρὸς φιληκοΐαν φωναί

φίλημα. (1) נְשִׁיקָה
Pr. 27. 6. ἑκούσια φιλήματα ἐχθροῦ (1)
Ca. 1. 2. φιλησάτω με ἀπὸ φιλημάτων στόματος αὐτοῦ (1)

φιλία. (1) a. אַהַב b. אַהֲבָה (2) דּוֹד (3) רֵעַ
Pr. 5. 19. ἔλαφος φιλίας . . . ὁμιλείτω σοι (1 a)
— 19. S⁴ ἡ δὲ φ. ἰδία ἡγείσθω σου [A B S¹ al.] –
— 19. ἐν γὰρ τῇ ταύτης [A ταύτῃ τῇ] φ. συμπεριφερόμενος πολλοστὸς ἔσῃ (1 b)
7. 18. ἀπολαύσωμεν φιλίας ἕως ὄρθρου (2)
10. 12. πάντας δὲ τοὺς μὴ φιλονεικοῦντας καλύπτει φιλία (1 b)
15. 17. κρείσσων ξενισμὸς μετὰ [A om.] λαχάνων πρὸς φιλίαν (1 b)
17. 9. ὃς κρύπτει ἀδικήματα ζητεῖ φιλίαν (1 b)
19. 7. καὶ φιλίας μακρὰν ἔσται (3)
25. 10. χάρις καὶ φιλία ἐλευθεροῖ –
27. 5. κρείσσους ἔλεγχοι ἀποκεκαλυμμένοι κρυπτομένης φιλίας (1 b)
Wi. 7. 14. πρὸς θεὸν ἐστείλαντο φιλίαν
8. 18. ἐν φιλίᾳ αὐτῆς τέρψις ἀγαθή
Si. 6. 17. ὁ φοβούμενος κύριον εὐθύνει φιλίαν αὐτοῦ
9. 8. ἐκ τούτου φιλία ὡς πῦρ ἀνακαίεται
22. 20. ὁ ὀνειδίζων φίλον διαλύσει φιλίαν
25. 1. ὁμόνοια ἀδελφῶν καὶ φιλία τῶν πλησίον
27. 18. οὕτως ἀπώλεσας τὴν φ. τοῦ πλησίον
I Ma. 8. 1. ἰστῶσιν αὐτοῖς φιλίαν
— 12. S R συνετήρησαν αὐτοῖς φιλίαν [A -ιῶν]
— 17. στῆσαι αὐτοῖς φιλίαν
10. 20. A R καὶ συντηρεῖν φιλίαν [S -ας] πρὸς ἡμᾶς
— 23. τοῦ φιλίαν καταλαβέσθαι τοῖς Ἰουδ.
— 26. ἐπεὶ . . . ἐνεμείνατε τῇ φ. ἡμῶν
— 54. συστήσωμεν πρὸς αὐτὸν φιλίαν
12. 1. ἀνανεῶσαι τὴν πρὸς αὐτοὺς φ.
— 3. ἀνανεώσασθαι τὴν φ. αὐτοῖς
— 8. ἐν αἷς διεσαφεῖτο περὶ . . . φιλίας
— 10. καὶ φιλίαν ἀνανεώσασθαι

I Ma. 12. 16. ἀνανεώσασθαι τὴν πρὸς αὐτοὺς φ.
14. 18. τοῦ ἀνανεώσασθαι πρὸς αὐτὸν φιλίαν
— 22. ἀνανεούμενοι τὴν πρὸς ἡμᾶς φ.
— 23. S² ἐπιδέξασθαι τὰς φ. [A S¹ R *om.* τ. φ.]
15. 17. ἀνανεούμενοι τὴν ἐξ ἀρχῆς φ.
II Ma. 4. 11. τοῦ ποιησαμένου τὴν πρεσβείαν ὑπὲρ φιλίας
6. 22. διὰ τὴν ἀρχαίαν πρὸς αὐτοὺς φ.
IV Ma. 2. 11. τῆς πρὸς γαμετὴν φιλίας ἐπικρατεῖ
— 11. τῆς τέκνων φ. κυριεύει
8. 6. τῆς ἐμῆς ἀπολαῦσαι φ.
[Sm. Pr. 27. 5 : Ec. 9. 1.]

φιλιάζειν. (1) אָהַב (2) חָבַר hithp. (3) רָעָה pi.

Jd. 5. 30. A φιλιάζων φίλοις εἰς κεφαλήν [B *al.*] †
14. 20. ὧν ἐφιλίασε [A *al.*] (3)
II Ch. 19. 2. ἢ μισουμένῳ ὑπὸ κυρίου φιλιάζεις (1)
20. 37. ὡς ἐφιλίασας τῷ Ὀχ. (2)
I Es. 3. 22. οὐ μέμνηται . . . φιλιάζειν [A φιαλίζειν] φίλοις
Si. 37. 1. ἐφιλίασα αὐτῷ [A S *om.*] κἀγώ
[Sm. Pr. 22. 24.]
[Th. Ps. 59 (60). 10.]

φιλιππεῖον.
[Th. Pr. 8. 19.]

φιλογέωργος. (1) אֹהֵב אֲדָמָה
II Ch. 26. 10. A φιλογέωργος [B γεωργὸς] ἦν (1)

φιλογύναιος (-γύνης). (1) φ. εἶναι אָהֵב נָשִׁים
III Ki. 11. 1. A ὁ βασ. Σαλ. φ. [B -νης] ἦν (1)

φιλοδοξία.
Es. 4. 17. οὐδὲ ἐν φιλοδοξίᾳ ἐποίησα τοῦτο
IV Ma. 1. 26. κατὰ μὲν ψυχῆς . . . φιλοδοξία

φιλοκερδεῖν.
[Sm. Je. 6. 13.]

φιλόκοσμος.
Ep. Je. 9. ὥσπερ παρθένῳ φιλοκόσμῳ . . . κατασκευάζουσι στεφάνους

φιλομαθεῖν.
Si. *prol.* 6. τοῖς ἐκτὸς δύνασθαι τοὺς φιλομαθοῦντας χρησίμους εἶναι
— 26. τοῖς ἐν τῇ παροικίᾳ βουλομένοις φιλομαθεῖν

φιλομαθής.
Si. *prol.* 11. ὅπως οἱ φ. . . . πολλῷ μᾶλλον ἐπιπροσθῶσι [S ἔτι προσθήσουσιν]

φιλομήτωρ.
IV Ma. 15. 10. δίκαιοί τε γὰρ ἦσαν . . . καὶ φ. οὕτως

φιλονεικεῖν.
Pr. 10. 12. πάντας δὲ τοὺς μὴ φιλονεικοῦντας καλύπτει φιλία †
[Sm. Ps. 36 (37). 1 : 77 (78). 17.]

φιλονεικία.
II Ma. 4. 4. συνορῶν Ὀ. τὸ χαλεπὸν τῆς φ.
IV Ma. 1. 26. κατὰ μὲν ψυχῆς . . . φιλονεικία
8. 26. πόθεν ἡμῖν ἡ τοσαύτη ἐντέτηκε φ.

φιλόνεικος. (1) חֲזַק־מֵצַח
Ez. 3. 7. πᾶς ὁ οἶκος Ἰσρ. φιλόνεικοί εἰσι (1)
[Aq., Sm. Je. 8. 5 : Ez. 44. 6.]
[Th. Ez. 44. 6.]
[Sam. Le. 13. 51.]
[Al. Le. 14. 44 : Nu. 20. 10.]

φιλοπολίτης.
II Ma. 14. 37. ἀνὴρ φ. καὶ σφόδρα καλῶς ἀκούων

φιλοπονεῖν.
Si. *prol.* 15. ἐφ' οἷς ἂν δοκῶμεν τῶν κατὰ τὴν ἑρμηνείαν πεφιλοπονημένων τισὶ τῶν λέξεων ἀδυναμεῖν [B¹ S¹ *om.*]

φιλοπονία.
Si. *prol.* 23. προσενέγκασθαί τινα [S¹ προεν.] σπουδὴν καὶ φιλοπονίαν
[Sm. Ec. 2. 10.]

φίλος. (1) אָהֵב *a.* qal. *b.* pi. (2) אַלּוּף (3) חָבַר (4) יָדַע pu. (5) *a.* מֵרֵעַ *b.* רֵעַ *c.* רֵעַ (6) שָׁלוֹם (7) φ. γίνεσθαι שָׁלַם hi.

Ex. 33. 11. ὡς εἴ τις λαλήσαι πρὸς τὸν [A *om.*] ἑαυτοῦ φ. (5 *b*)
De. 13. 6 (7). ἢ φίλος [A ὁ φ. ὁ] ἴσος τῆς ψυχῆς σου (5 *b*)
Jd. 5. 30. A φιλιάζων φίλοις εἰς κεφαλήν [B *al.*] †
14. 20. ἐγένετο ἡ γυνὴ Σ. ἑνὶ τῶν φ. αὐ. [A *al.*] (5 *a*)
15. 2. ἔδωκα αὐτὴν ἑνὶ τῶν ἐκ τῶν φ. σου [A *al.*] (5 *a*)
— 6. ἔδωκεν αὐτὴν τῷ ἐκ τῶν φ. [A τῷ συνεταίρῳ] αὐ. (5 *a*)
I Ch. 27. 33. καὶ Χ. ὁ [A *om.*] πρῶτος φ. τοῦ βασ. (5 *b*)
I Es. 3. 22. οὐ μέμνηται . . . φιλιάζειν [A φιαλίζειν] φίλοις
8. 11. καθάπερ δέδοκται . . . τοῖς ἑπτὰ φ. συμβουλευταῖς
— 13. ἃ ηὐξάμην ἐγώ τε καὶ οἱ φ.
— 26. ἐμὲ ἐτίμησεν ἐναντίον . . . πάντων τῶν φ.
Es. 1. 3. δοχὴν ἐποίησε τοῖς φ. †
— 13. εἶπε τοῖς φ. αὐ. †
2. 18. ἐποίησεν ὁ βασ. πότον πᾶσι τοῖς φ. αὐ. †
3. 1. ἐπρωτοβάθρει πάντων τῶν φ. αὐ. †
5. 10. ἐκάλεσε τοὺς φ. (1 *a*)
— 14. εἶπε πρὸς αὐτὸν Ζ. . . . καὶ οἱ φ. [S² πάντες οἱ φ. αὐ.] (1 *a*)
6. 9. δότω ἑνὶ τῶν φ. τοῦ βασ. [S² *al.*] †
— 13. διηγήσατο Ἀ. τὰ συμβεβηκότα . . . τοῖς φ. (1 *a*)
— 13. εἶπαν πρὸς αὐτὸν οἱ φ. [S² *add.* αὐτοῦ] †
8. 13. τῶν πιστευθέντων χειρίζειν φίλων
9. 22. ἐξαποστέλλοντας μερίδας τοῖς φ. (5 *b*)
Jb. 2. 11. ἀκούσαντες δὲ οἱ τρεῖς φ. αὐτοῦ τὰ κακὰ πάντα (5 *b*)
6. 27. ἐνάλλεσθε δὲ ἐπὶ φίλῳ ὑμῶν (5 *c*)
19. 14. φίλοι [A οἱ φ.] δέ μου ἀνελεήμονες γεγόνασιν (4 ?)
— 21. ἐλεήσατέ με, ὦ φίλοι (5 *b*)
32. 1. ἡσύχασαν δὲ καὶ οἱ τρεῖς φ. αὐτοῦ †
— 3. καὶ κατὰ τῶν τριῶν δὲ φίλων ὠργίσθη σφόδρα (5 *b*)
35. 3 (4). ἐγώ σοι δώσω ἀπόκρισιν καὶ τοῖς τρισὶ φ. σου (5 *b*)
36. 33. ἀναγγελεῖ περὶ αὐτοῦ φίλον [A S² -ος] αὐτοῦ (5 *b*)
42. 7. A S R ἥμαρτες σὺ καὶ οἱ δύο [B *om.*] φ. σου (5 *b*)
— 10. A R εὐξαμένου δὲ αὐτοῦ καὶ περὶ τῶν φ. αὐτοῦ [B S *om.*] (5 *b*)
— 18. οἱ δὲ ἐλθόντες πρὸς αὐτὸν φίλοι –
Ps. 37 (38). 11. οἱ φ. μου καὶ οἱ πλησίον μου ἐξ ἐναντίας μου ἤγγισαν (1 *a*)
87 (88). 18. ἐμάκρυνας ἀπ' ἐμοῦ φίλον (1 *a*)
138 (139). 17. ἐμοὶ δὲ λίαν ἐτιμήθησαν οἱ φ. σου, ὁ θεός (5 *b*)
Pr. 3. 29. μὴ τεκτήνῃ ἐπὶ σὸν φίλον κακά (5 *b*)
5. 19. S² ἡ δὲ φ. [S⁴ φιλία] ἰδία ἡγείσθω σου [A B S¹ *al.*] –
6. 1. ἐὰν ἐγγυήσῃ σὸν φ. (5 *b*)
— 3. ἥκεις γὰρ εἰς χεῖρας κακῶν διὰ σὸν φ. (5 *b*)
— 3. παρόξυνε δὲ καὶ τὸν φ. σου [S σὸν φ.] (5 *b*)
12. 26. ἐπιγνώμων δίκαιος ἑαυτοῦ φίλος ἔσται (5 *a*)
14. 20. φίλοι μισήσουσι φίλους πτωχοὺς φίλοι δὲ πλουσίων πολλοί (5 *b*, –, 1 *a*)
15. 28 (16. 7). διὰ δὲ αὐτῶν καὶ οἱ ἐχθροὶ φίλοι γίνονται (7)
16. 28. καὶ διαχωρίζει φίλους (2)
— 29. ἀνὴρ παράνομος ἀποπειρᾶται φίλων (5 *b*)
17. 9. ὃς δὲ μισεῖ κρύπτειν διΐστησι φίλους (2)
— 17. εἰς πάντα καιρὸν φίλος [S² ὁ φ.] ὑπαρχέτω σοι (5 *b*)
— 18. ὡς καὶ ὁ ἐγγυώμενος ἐγγύῃ τῶν ἑαυτοῦ φ. [A S² τὸν ἑ. φ.] (5 *b*)
18. 1. βουλόμενος χωρίζεσθαι ἀπὸ φίλων –
19. 4. πλοῦτος προστίθησι φίλους πολλοὺς ὁ δὲ πτωχὸς καὶ ἀπὸ τοῦ ὑπάρχοντος φίλου λείπεται (5 *b*, 5 *b*)
22. 24. φίλῳ δὲ ὀργίλῳ μὴ συναυλίζου †
25. 1. ἃς ἐξεγράψαντο οἱ φ. Ἐζεκίου †
— 8. ἡνίκα ἂν σε ὀνειδίσῃ ὁ σὸς [A *om.*] φ. (5 *b*)
— 9. μή σε ὀνειδίσῃ μὲν ὁ φ. (5 *b* ?)
Pr. 25. 17. σπάνιον εἴσαγε σὸν πόδα πρὸς σεαυτοῦ [A S τὸν σ.] φίλον (5 *b*)
— 18. ὁ καταμαρτυρῶν τοῦ [A κατὰ τοῦ] φ. αὐ. μαρτυρίαν ψευδῆ (5 *b*)
26. 19. οὕτως πάντες οἱ ἐνεδρεύοντες τοὺς ἑαυτῶν φ. (5 *b*)
27. 6. ἀξιοπιστότερά ἐστι τραύματα φίλου (1 *a*)
— 10. φίλον σὸν ἢ φίλον πατρῷον μὴ ἐγκαταλίπῃς (5 *b*, 5 *b*)
— 10. κρείσσων φίλος ἐγγὺς ἢ ἀδελφὸς μακρὰν οἰκῶν †
— 14. ὃς ἂν εὐλογῇ φίλον τὸ πρωΐ (5 *b*)
29. 5. ὃς παρασκευάζεται ἐπὶ πρόσωπον τοῦ ἑαυτοῦ φ. (5 *b*)
Wi. 1. 16. φίλον ἡγησάμενοι αὐτὸν ἐτάκησαν
7. 27. φίλους θεοῦ καὶ προφήτας κατασκευάζει
Si. 6. 1. ἀντὶ φίλου μὴ γίνου ἐχθρός
— 5. λάρυγξ γλυκὺς πληθυνεῖ φίλους αὐτοῦ
— 7. εἰ κτᾶσαι φίλον ἐν πειρασμῷ κτῆσαι αὐτόν
— 8. ἔστι γὰρ φίλος ἐν καιρῷ αὐτοῦ
— 9. A B S² ἔστι φίλος μετατιθέμενος εἰς ἔχθραν [A -όν]
— 10. A B S² ἔστι φίλος κοινωνὸς τραπεζῶν
— 13. ἀπὸ τῶν φ. σου πρόσεχε
— 14. φίλος πιστὸς σκέπη κραταιά
— 15. φίλου πιστοῦ οὐκ ἔστιν ἀντάλλαγμα
— 16. φίλος πιστὸς φάρμακον ζωῆς
7. 12. μηδὲ φίλῳ [S² ἐπὶ φ.] τὸ ὅμοιον ποίει
— 18. μὴ ἀλλάξῃς φίλον ἕνεκεν [A S *om.*] ἀδιαφόρου
9. 10. μὴ ἐγκαταλίπῃς φίλον ἀρχαῖον
— 10. οἶνος νέος φίλος νέος ἐὰν παλαιωθῇ
12. 8. οὐκ ἐκδικηθήσεται [A οὐκ ἐμβληθήσ., S² οὐ γνωσθήσ.] ἐν ἀγαθοῖς ὁ φ.
— 9. ἐν τοῖς κακοῖς αὐτοῦ καὶ ὁ φ. διαχωρισθήσεται
13. 21. πλούσιος σαλευόμενος στηρίζεται ὑπὸ φίλων ταπεινὸς [S¹ πτωχὸς] δὲ πεσὼν προσαπωθεῖται ὑπὸ φίλων
14. 13. πρίν σε τελευτῆσαι εὖ ποίει φίλῳ
19. 8. ἐν φίλῳ καὶ ἐν [A S *om.*] ἐχθρῷ μὴ διηγοῦ
— 13. ἔλεγξον φίλον μή ποτε οὐκ ἐποίησε
— 14. B ἔλεγξον τὸν φ. [S πλησίον] μή ποτε οὐκ εἶπε
— 15. ἔλεγξον φίλον πολλάκις γὰρ γίνεται διαβολή
20. 16. οὐχ ὑπάρχει μοι [A *om.*] φίλος
— 23. ἔστι χάριν αἰσχύνης ἐπαγγελλόμενος φίλῳ
22. 20. ὁ ὀνειδίζων φίλον διαλύσει φιλίαν
— 21. ἐπὶ φίλον ἐὰν σπάσῃς ῥομφαίαν μὴ ἀπελπίσῃς
— 22. ἐπὶ φίλον ἐὰν ἀνοίξῃς στόμα μὴ εὐλαβηθῇς
— 22. ἐν τούτοις ἀποφεύξεται πᾶς φίλος [A ὁ φ.]
— 25. φίλον σκεπάσαι οὐκ αἰσχυνθήσομαι
27. 16. οὐ μὴ εὕρῃ φίλον πρὸς τὴν ψυχὴν αὐτοῦ
— 17. στέρξον φίλον καὶ πιστώθητι μετ' αὐτοῦ
28. 9. ἀνὴρ ἁμαρτωλὸς ταράξει φίλους
29. 10. ἀπόλεσον ἀργύριον δι' ἀδελφὸν καὶ φίλον
30. 3. ἔναντι φίλων ἐπ' αὐτῷ ἀγαλλιάσεται
— 6. κατέλιπεν . . . τοῖς φ. ἀνταποδιδόντα χάριν
— 28 (33. 19). ἀδελφῷ καὶ φίλῳ μὴ δῷς ἐξουσίαν ἐπὶ σέ
36 (33). 6. ἵππος εἰς ὀχείαν [A S¹ -εῖον] ὡς [S² *om.*] φίλος μῶκος [S² μωρός]
37. 1. πᾶς φίλος ἐρεῖ, Ἐφιλίασα αὐτῷ [A S *om.*] κἀγὼ ἀλλ' ἔστι φίλος ὀνόματι μόνον φίλος
— 2. ἑταῖρος καὶ φίλος τρεπόμενος εἰς ἔχθραν [A -όν]
— 4. ἑταῖρος φίλου ἐν εὐφροσύνῃ ἥδεται
— 5. ἑταῖρος φίλῳ συμπονεῖ χάριν γαστρός
— 6. μὴ ἐπιλάθῃ φίλου ἐν τῇ ψυχῇ σου
40. 23. φίλος καὶ ἑταῖρος εἰς καιρὸν ἀπαντῶντες
41. 18. B S ἀπὸ κοινωνοῦ καὶ φίλου περὶ ἀδικίας
— 22. ἀπὸ φίλων περὶ λόγων ὀνειδισμοῦ
Mi. 7. 5. μὴ καταπιστεύετε ἐν φίλοις (5 *b*)
Je. 9. 4 (3). πᾶς φ. δολίως πορεύσεται (5 *b*)
— 5 (4). ἕκαστος κατὰ [S *om.*] τοῦ φ. αὐτοῦ καταπαίξεται (5 *b*)
20. 4. δίδωμί σε εἰς μετοικίαν σὺν πᾶσι τοῖς φ. σου (1 *a*)
— 6. ταφήσῃ σὺ καὶ πάντες οἱ φ. σου (1 *a*)
— 10. πάντες ἄνδρες φίλοι αὐτοῦ (6)
37 (30). 14. πάντες οἱ φ. σου ἐπελάθοντό σου (1 *b*)
Da. LXX. 3. 24 (91). καὶ εἶπεν τοῖς φ. αὐ. †
— 27 (94). συνήχθησαν . . . οἱ φ. τοῦ βασ. †
5. 23. ἐποιήσω ἑστιατορίαν τοῖς φ. σου –
6. 13 (14). εὕρομεν Δαν. τὸν φ. σου εὐχόμενον –
Da. TH. 2. 13. ἐζήτησαν Δαν. καὶ τοὺς φ. αὐ. ἀνελεῖν (3)

Da. TH. 2. 17. τοῖς φ. αὐ. τὸ ῥῆμα ἐγνώρισε (3)
— 18. ὅπως ἂν μὴ ἀπόλωνται Δ. καὶ οἱ φ. αὐ. (3)
Bel 2. καὶ ἔνδοξος ὑπὲρ πάντας τοὺς φ. αὐ.
I Ma. 2. 18. ἔσῃ σὺ καὶ ὁ οἶκός σου τῶν φ. τοῦ βασ. [S *al.*]
— 39. ἔγνω Ματτ. καὶ οἱ φ. αὐ.
— 45. S R ἐκύκλωσε Ματτ. καὶ οἱ φ. [A υἱοὶ] αὐ.
8. 38. ἄνδρας δυνατοὺς τῶν φ. τοῦ βασ.
6. 10. ἐκάλεσε πάντας τοὺς φ. αὐ.
— 14. ἐκάλεσε Φ. ἕνα τῶν φ. αὐ.
— 28. συνήγαγε πάντας τοὺς φ. αὐ.
7. 6. ἀπόλεσεν Ἰ. . . . πάντας τοὺς φ. σου
— 8. S R ἐπέλεξεν ὁ βασ. τὸν Β. τῶν φ. [A φυλῶν] τοῦ βασ.
— 15. οὐκ ἐκζητήσομεν ὑμῖν κακὸν καὶ τοῖς φ. ὑμῶν
8. 12. μετὰ δὲ τῶν φ. αὐ. . . . συνετήρησαν αὐτοῖς φιλίαν
— 20. γραφῆναι ἡμᾶς συμμάχους καὶ φίλους ὑμῶν
— 31. διὰ τί ἐβάρυνας τὸν ζυγόν σου ἐπὶ τοὺς φ. ἡμῶν
9. 26. ἐξηρεύνων τοὺς φ. Ἰούδου
— 28. ἠθροίσθησαν πάντες οἱ φ. Ἰούδου
— 35. παρεκάλεσε τοὺς Ναβ. φίλους αὐ.
— 39. ὁ νυμφίος ἐξῆλθε καὶ οἱ φ. αὐ.
10. 16. ποιήσομεν αὐτὸν φίλον
— 19. ἐπιτήδειος εἶ τοῦ εἶναι ἡμῶν φίλος
— 20. καὶ φίλον βασιλέως καλεῖσθαι
— 60. ἔδωκεν αὐτοῖς ἀργύριον . . . καὶ τοῖς φ. αὐ.
— 65. ἔγραψεν αὐτὸν τῶν πρώτων φ.
11. 26. ὕψωσεν αὐτὸν ἐναντίον πάντων τῶν φ. αὐ.
— 27. ἐποίησεν αὐτὸν τῶν [S[1] *om.*] πρώτων φ. ἡγεῖσθαι
— 33. τῷ ἔθνει τῶν Ἰουδ. φίλοις
— 57. εἶναί σε τῶν φ. τοῦ βασ.
12. 14. παρενοχλεῖν ὑμῖν καὶ τοὺς λοιποὺς συμμάχους καὶ φ. ἡμῶν
— 43. συνέστησεν αὐτὸν πᾶσι τοῖς φ. αὐ.
— 43. A S[2] ἐπέταξε τοῖς φ. αὐ. [S[1] R *al.*]
13. 36. βασιλεὺς Δημ. Σίμωνι . . . φίλῳ βασιλέων . . . χαίρειν
14. 39. ἐποίησεν αὐτὸν τῶν φ. αὐ.
— 40. προσαγορεύονται οἱ Ἰουδ. ὑπὸ Ῥωμ. φίλοι
15. 17. ἦλθον πρὸς ἡμᾶς φίλοι ἡμῶν
— 28. ἀπέστειλε . . . Ἀθ. ἕνα τῶν φ. αὐ.
— 32. A R ἦλθεν Ἀθ. φίλος [S ὁ φ.] τοῦ βασ. εἰς Ἱερ.
II Ma. 1. 14. ὅ τε Ἀντ. καὶ οἱ σὺν αὐτῷ φ.
7. 24. δι' ὅρκων ἐπίστου . . . φίλον ἕξειν
8. 9. Νικάνορα τὸν τοῦ Πατρ. τῶν πρώτων φ.
10. 13. κατηγορούμενος ὑπὸ τῶν φ.
11. 14. τὸν βασ. πείσει φίλον αὐτοῖς ἀναγκάζειν γενέσθαι
14. 11. οἱ λοιποὶ φ. δυσμενῶς ἔχοντες τὰ πρὸς τὸν Ἰ.
III Ma. 2. 23. οἵ τε φ. καὶ σωματοφύλακες
— 26. πολλοὺς τῶν φ. ἀτενίζοντας εἰς τὴν τοῦ βασ. πρόθεσιν
3. 10. ἤδη δὲ καί τινες γείτονές τε καὶ φίλοι
5. 3. συναγαγὼν τοὺς μάλιστα τῶν φ.
— 19. καὶ τῶν φ. αὐ. προσμαρτυρησάντων
— 26. τοῦ βασ. τοὺς φ. ἐκδεχομένου
— 29. ὑπεδείκνυεν ὁ Ἑρμων καὶ πάντες οἱ φ.
— 34. ὁ καθ' εἷς δὲ τῶν φ. σκυθρωπῶς ὑπεκρέων
— 44. τότε περιχαρεῖς ἀναλύσαντες οἱ φ.
6. 23. τοῖς φ. διηπειλεῖτο
7. 3. τῶν φ. τινὲς . . . πυκνότερον ἡμῖν παρακείμενοι
— 7. τήν τε τοῦ φ. . . . εὔνοιαν ἀναλογισάμενοι
IV Ma. 2. 12. τῆς φίλων συνηθείας δεσπόζει
5. 34. οὐδὲ φεύξομαί σε, φίλη ἐγκράτεια
12. 5. πεισθεὶς δὲ φίλος ἔσῃ
— 8. εἴπω τῷ βασ. καὶ τοῖς σὺν αὐτῷ φ. πᾶσι
[Aq. Ec. 4. 10: Ca. 1. 15: 2. 2: Is. 41. 8.]
[Sm. III Ki. 5. 1 (15): Ps. 37 (38). 12: 87 (88). 19: Pr. 19. 6: Is. 41. 8.]
[Th. III Ki. 5. 1 (15): Jb. 36. 33: 42. 7: Is. 38. 12.]
[Quint. Ps. 44 (45). 15.]
[Al. Pr. 6. 24.]

φιλοσοφεῖν.
IV Ma. 5. 6. οὔ μοι δοκεῖς φιλοσοφεῖν
— 11. φιλοσοφήσεις τὴν τοῦ συμφέροντος ἀλήθειαν
7. 21. τίς πρὸς ὅλον τὸν τῆς φιλοσοφίας κανόνα εὐσεβῶς φιλοσοφῶν
— 24. τῷ τῆς εὐσεβείας λογισμῷ φιλοσοφοῦντες

φιλοσοφία.
IV Ma. 1. 1. ὅπως προθύμως προσέχητε τῇ φ.
5. 10. οὐκ ἐξυπνώσεις ἀπὸ τῆς φλυάρου φ. ὑμῶν
— 22. χλευάζεις δὲ ἡμῶν τὴν φ.
7. 9. A ἐπιστοποίησας τοὺς τῆς φ. [S R θείας φ., S *add.* σου] λόγους
— 21. τίς πρὸς ὅλον τὸν τῆς φ. κανόνα εὐσεβῶς φιλοσοφῶν

φιλόσοφος. (1) אַשָּׁף
Da. LXX. 1. 20. ὑπὲρ τοὺς σοφιστὰς καὶ τοὺς φ. (1)
IV Ma. 1. 1. φιλοσοφώτατον λόγον ἐπιδείκνυσθαι μέλλων
5. 35. οὐδὲ καταισχυνῶ σε, φιλόσοφε λόγε
7. 7. φιλόσοφε θείου βίου

φιλοστοργία (-εία).
II Ma. 6. 20. ἀμύνασθαι ὧν οὐ θέμις γεύσασθαι πρὸς τὸ ζῆν φιλοστοργίαν
IV Ma. 15. 6. A τὴν πρὸς αὐτοὺς ἐπιφυτευομένη φιλοστοργίαν [S R *al.*]
— 9. μείζω τὴν ἐν αὐτοῖς ἔσχε φ.

φιλόστοργος.
IV Ma. 15. 13. ὦ . . . γονεῦσι φιλόστοργε

φιλοστόργως.
II Ma. 9. 21. ὑμῶν τὴν τιμὴν . . . ἐμνημόνευον φ.

φιλοτεκνία.
IV Ma. 14. 13. πολύπλοκός ἐστιν ἡ τῆς φ. στοργή
15. 11. τῶν περὶ φιλοτεκνίαν [S τὴν φ.] . . . ἑλκόντων τὴν μητέρα
— 23. τὴν πρόσκαιρον φ. παριδεῖν
— 25. καὶ φιλοτεκνίαν καὶ τέκνων στρέβλαν
16. 3. τῆς φ. περιέκαιεν ἐκείνη φύσις

φιλότεκνος.
IV Ma. 15. 4. τίνα τρόπον ἠθολογήσαιμι φιλότεκνα γονέων πάθη
— 5. τοσούτῳ μᾶλλόν εἰσι φιλοτεκνώτεραι
— 6. A S[2] R ἐγένετο ἡ τῶν ἑπτὰ μήτηρ φιλοτεκνωτέρα

φιλοτιμεῖσθαι.
IV Ma. 1. 35. A φιλοτιμοῦνται [S R φιμοῦται] πάντα τὰ τοῦ σώματος κινήματα ὑπὸ τοῦ λογισμοῦ

φιλοτιμία.
Wi. 14. 18. καὶ τοὺς ἀγνοοῦντας ἡ τοῦ τεχνίτου προετρέψατο φ.
18. 3. S[1] ἥλιον δὲ ἀβλαβῆ φιλοτίμου φιλοτιμίας παρέσχεν [A B S[2] *al.*]

φιλότιμος.
Wi. 18. 3. ἥλιον δὲ ἀβλαβῆ φιλοτίμου ξενιτείας παρέσχες [A S[1] *al.*]
III Ma. 4. 15. μετὰ πικρᾶς σπουδῆς καὶ φ. προσεδρίας

φιλοτίμως.
Da. TH. Su. 12. παρετηροῦσαν φ. καθ' ἡμέραν
II Ma. 2. 21. τοῖς ὑπὲρ τοῦ Ἰουδαϊσμοῦ φ. ἀνδραγαθήσασιν

φιλοτροφεῖν.
[Sm. I Ki. 28. 24.]

φιλοφρονεῖν.
II Ma. 2. 25. τοῖς δὲ φιλοφρονοῦσιν εἰς τὸ διὰ μνήμης ἀναλαβεῖν εὐκοπίαν

φιλοφρόνως.
II Ma. 3. 9. φ. ὑπὸ τοῦ ἀρχιερέως τῆς πόλεως ἀποδεχθείς
IV Ma. 8. 5. φ. . . . θαυμάζω τὸ κάλλος

φιλόψυχος.
Wi. 11. 26. σά ἐστι [A *add.* πάντα], δέσποτα φιλόψυχε

φίλτρον.
IV Ma. 13. 19. οὐκ ἀγνοεῖτε δὲ τὰ τῆς ἀδελφότητος φ.
— 27. τῶν τῆς ἀρετῆς ἠθῶν τὰ τῆς ἀδελφότητος αὐτοῖς φ. συναυξόντων
15. 13. ὦ φύσις ἱερὰ καὶ φίλτρα γονέων
[Sm. Ca. 2. 5.]

φιμός. (1) חָם
Jb. 30. 28. στένων πεπόρευμαι ἄνευ φιμοῦ †
Si. 20. 29. ὡς φιμὸς ἐν στόματι ἀποτρέπει [A -έμει] ἐλεγμούς
Is. 37. 29. ἐμβαλῶ φιμὸν εἰς τὴν ῥῖνά σου (1)
[Aq. Ps. 38 (39). 2.]
[Sm. Ps. 38 (39). 2: Pr. 26. 3.]

φιμοῦν. (1) חָסַם
De. 25. 4. οὐ φιμώσεις βοῦν ἀλοῶντα (1)
Da. LXX. Su. 61. ἐφίμωσαν αὐτούς
IV Ma. 1. 35. S R φιμοῦται [A ἀποτιμοῦνται] πάντα τὰ τοῦ σώματος κινήματα ὑπὸ τοῦ λογισμοῦ
[Sm. Pr. 25. 17.]
[Th. Pr. 26. 10 *bis.*]
[Quint. Pr. 17. 28.]

φλέγειν. (1) אָכַל (2) דָּלַק (3) לָהַט
a. qal. *b.* pi.
Ex. 24. 17. ὡσεὶ πῦρ φλέγον ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ ὄρους (1)
De. 32. 22. φλέξει θεμέλια ὀρέων (3 *b*)
Ps. 103 (104). 4. καὶ τοὺς λειτουργοὺς αὐτοῦ πῦρ φλέγον [A[2] πυρὸς φλέγα] (3 *a*)
Pr. 29. 1. ἐξαπίνης γὰρ φλεγομένου αὐτοῦ οὐκ ἔστιν ἴασις †
Wi. 16. 19. ὑπὲρ τὴν πυρὸς δύναμιν φλέγει
— 22. πῦρ φλεγόμενον [S φλέγον] ἐν τῇ χαλάζῃ
Ma. 4. 1 (3. 19). καὶ φλέξει αὐτούς –
Je. 20. 9. ἐγένετο ὡς πῦρ καιόμενον φλέγον †
23. 29. A οἱ λόγοι μου ὥσπερ φλέγον [B S *om.*] πῦρ –
Da. TH. 7. 9. οἱ τροχοὶ αὐ. πῦρ φλέγον (2)
IV Ma. 15. 14. καθ' ἕνα . . . φλεγόμενον ὁρῶσα μήτηρ
18. 20. πῦρ φλέξας [S[1] σβέσας] λέβησιν ὠμοῖς
[Aq. Jb. 15. 30.]
[Sm. Ex. 3. 2: Jb. 41. 13: Ps. 9. 23 (10. 2): 56 (57). 5: 88 (89). 47: Pr. 26. 23: Is. 30. 27.]
[Th. Jb. 41. 13: Da. 7. 9.]

φλεγμαίνειν. (1) חָלָה ni. (2) טָרִי
Na. 3. 19. ἐφλέγμανεν ἡ πληγή σου (1)
Is. 1. 6. οὔτε πληγὴ φλεγμαίνουσα (2)
[Sm. Ps. 6. 8.]

φλεγμονή.
IV Ma. 3. 17. καὶ σβέσαι τὰς τῶν οἴστρων φλ.

φλέξ (?). (1) לַהַב (2) לָהַט
Jd. 3. 22. A ἐπεισήνεγκε καί γε τὴν λαβὴν ὀπίσω τῆς φλ. [B φλογός] (1)
Ps. 103 (104). 4. A[2] καὶ τοὺς λειτουργοὺς αὐτοῦ πυρὸς φλέγα [A[1] B S πῦρ φλέγον] (2)

φλέψ. (1) לַהַב (2) מָקוֹר
Jd. 3. 22. A ἀπέκλεισε τὸ στέαρ κατὰ τῆς φλ. [B φλογός] (1)
Ho. 13. 15. ἀναξηρανεῖ τὰς φλ. αὐ. [A[1] *al.*] (2)
[Aq. Pr. 18. 4: Za. 13. 1.]

φλιά. (1) מְזוּזָה (2) מַשְׁקוֹף
Ex. 12. 7. καὶ θήσουσιν . . . ἐπὶ τὴν φλ. (2)
— 22. καθίξετε [A *add.* ἀπὸ] τῆς φλ. (2)
— 23. ὄψεται τὸ αἷμα ἐπὶ τῆς φλ. (2)
De. 6. 9: 11. 20. γράψετε αὐτὰ ἐπὶ τὰς φλ. τῶν οἰκιῶν ὑ. (1)
I Ki. 1. 9. ἐπὶ τῶν φλ. ναοῦ κυρίου (1)
III Ki. 6. 31. A καὶ φλιὰς πενταπλᾶς (1)
— 33. A φλιαὶ ξύλων ἀρκεύθου (1)
Ez. 43. 8. ἐν τῷ τιθέναι . . . τὰς φλ. μου ἐχομένας τῶν φλ. αὐτῶν (1, 1)
45. 19. δώσει ἐπὶ τὰς φλ. τοῦ οἴκου . . . καὶ ἐπὶ τὰς φλ. τῆς πύλης τῆς αὐλῆς τῆς ἐσωτέρας (1, 1)
[Sm. Is. 57. 8.]
[Th. Pr. 8. 34.]

φλογίζειν. (1) חָרַד ithp. (2) לָהַט pi.
(3) לָקַח hithp.
Ex. 9. 24. καὶ τὸ πῦρ φλογίζον ἐν τῇ χαλάζῃ (3)
Nu. 21. 14. τὴν Ζ. ἐφλόγισε †
Ps. 96 (97). 3. καὶ φλογεῖ κύκλῳ τοὺς ἐχθροὺς αὐτοῦ (2)

Si. 3. 30. πῦρ φλογιζόμενον ἀποσβέσει ὕδωρ
Da. TH. 3. 27 (94). ἡ θρὶξ τῆς κεφ. αὐ. οὐκ ἐφλογίσθη (1)
I Ma. 3. 5. τοὺς ταράσσοντας τὸν λαὸν αὐτοῦ ἐφλόγισε

φλόγινος. (1) לַהַט

Ge. 3. 24. ἔταξε . . . τὴν φλ. ῥομφαίαν

φλοιός.

Wi. 13. 11. περιέξυσεν εὐμαθῶς πάντα τὸν φλ. αὐτοῦ [Sm. Jb. 30. 4.]

φλόξ. (1) אֵשׁ (2) זִיקוֹת (3) לַבָּה (4) a. לַהַב b. לְהָבָה c. לְהֶבֶת (5) קִיטוֹר (6) a. שְׁבִיב b. שְׁבִיב (7) שַׁלְהֶבֶתְיָה

Ge. 15. 17. φλὸξ ἐγένετο †
19. 28. ἀνέβαινεν φλὸξ τῆς γῆς (5)
Ex. 3. 2. ὤφθη δὲ αὐτῷ . . . ἐν πυρὶ φλογός [A φλογὶ πυρός] (1 [3])
Nu. 21. 28. φλὸξ ἐκ πόλεως Σηών (4 b)
Jd. 3. 22. ἐπεισήνεγκε καί γε τὴν λαβὴν ὀπίσω τῆς φλ. [A φλεγός] (4 a)
— 22. ἀπέκλεισε τὸ στέαρ κατὰ τῆς φλ. [A φλεβός] (4 a)
13. 20. ἐν τῷ ἀναβῆναι τὴν φλ. (4 a)
— 20. ἀνέβη ὁ ἄγγελος κυρίου ἐν τῇ φλ. (4 a)
Jb. 18. 5. οὐκ ἀποβήσεται [A ἀναβ.] αὐτῶν [A -οῦ] ἡ φλὸξ (6 a+1)
41. 11 (12). A καπνὸς καμίνου καιομένης φλογὶ [B S πυρὶ] ἀνθράκων †
— 12 (13). φλὸξ δὲ ἐκ στόματος αὐτοῦ ἐκπορεύεται (4 a)
Ps. 28 (29). 7. φωνὴ κυρίου διακόπτοντος φλόγα πυρός (4 b)
82 (83). 14. ὡσεὶ φλὸξ κατακαύσαι ὄρη (4 b)
105 (106). 18. φλὸξ κατέφλεξεν ἁμαρτωλούς (4 b)
Pr. 24. 23 (29. 27). συγκαίει [S ἐκκαίει] ὥσπερ φλὸξ –
Ca. 8. 6. περίπτερα πυρὸς φλόγες αὐτῆς (7)
Wi. 10. 17. ἐγένετο αὐτοῖς . . . εἰς φλόγα [S -ας] ἄστρων [A S² -έρων] τὴν νύκτα
16. 18. ποτὲ μὲν γὰρ ἡμεροῦτο φλὸξ
17. 5. οὔτε [S² οὔτε πυρογενεῖς] ἄστρων ἔκλαμπροι φλόγες καταυγάζειν ὑπέμενον τὴν στυγνὴν ἐκείνην νύκτα
19. 21. φλόγες . . . εὐφθάρτων ζῴων οὐκ ἐμάραναν σάρκας ἐμπεριπατούντων
Si. 8. 10. μὴ ἐμπυρισθῇς ἐν πυρὶ φλογὸς αὐτοῦ
21. 9. ἡ συντέλεια αὐτῶν φλὸξ πυρός
28. 22. ἐν τῇ φλ. αὐτῆς οὐ καήσονται
45. 19. καταναλῶσαι ἐν πυρὶ φλογὸς αὐτοῦ [A S -ούς]
Ho. 7. 4. εἰς πέψιν κατακαύματος ἀπὸ τῆς φλ. †
Jl. 1. 19. φλὸξ ἀνῆψε πάντα τὰ ξύλα τοῦ ἀγροῦ (4 b)
2. 3. τὰ ὀπίσω αὐτοῦ ἀναπτομένη φλὸξ (4 b)
— 5. ὡς φωνὴ φλογὸς πυρὸς κατεσθιούσης καλάμην (4 a)
Ob. 1. 18. ὁ δὲ οἶκος Ἰ. φλὸξ (4 b)
Is. 5. 24. συγκαυθήσεται ὑπὸ φλογὸς ἀνειμένης (4 b)
10. 18. ὡς ὁ φεύγων ἀπὸ φλογὸς καιομένης –
13. 8. τὸ πρόσωπον αὐ. ὡς φλὸξ μεταβαλοῦσιν (4 a)
29. 6. φλ. πυρὸς κατεσθίουσα (4 a)
30. 30. μετὰ . . . ὀργῆς καὶ φλογὸς κατεσθιούσης (4 a+1)
43. 2. φλ. οὐ κατακαύσει σε (4 b)
47. 14. οὐ μὴ ἐξέλωνται τὴν ψυχὴν αὐτῶν ἐκ φλογός (4 b)
50. 11. κατισχύετε φλόγα [S add. πυρός] (2)
— 11. πορεύεσθε . . . τῇ φλ. (2)
66. 15. ἀποδοῦναι . . . ἀποσκορακισμὸν αὐτοῦ [A S om.] ἐν φλογὶ πυρός (4 a)
La. 2. 3. ἀνῆψεν ἐν [A om.] Ἰακὼβ ὡς πῦρ φλόγα (4 b)
Ez. 20. 47 (21. 3). οὐ σβεσθήσεται ἡ φλ. ἡ ἐξαφθεῖσα (4 c)
Da. LXX. 3. 23. ἐξελθοῦσα ἡ φλὸξ ἐκ τῆς καμίνου –
— (47). διεχεῖτο ἡ φλὸξ ἐπάνω τῆς καμίνου
— (49). ἐξετίναξε τὴν φλ. τοῦ πυρὸς ἐκ τῆς καμίνου
— (88). ἐρρύσατο ἡμᾶς ἐκ μέσου καιομένης φλ.
7. 9. ὁ θρόνος ὡσεὶ φλὸξ πυρός (6 b)
Da. TH. 3. 23. A τοὺς ἄνδρας ἐκ. . . . ἀπέκτεινεν ἡ φλ. τοῦ πυρός –
— 23. περιεπάτουν ἐν μέσῳ τῆς φλ. –
— (47). διεχεῖτο ἡ φλ. ἐπάνω τῆς καμίνου
Da. TH. 3. (49). ἐξετίναξε τὴν φλ. τοῦ πυρὸς ἐκ τῆς καμίνου
— (88). ἐκ μέσου καμίνου καιομένης φλογός
7. 9. ὁ θρόνος αὐ. φλὸξ πυρός (6 b)
11. 33. ἀσθενήσουσιν . . . ἐν φλογί (4 b)
I Ma. 2. 59. ἐσώθησαν ἐκ φλογός
II Ma. 1. 32. φλὸξ ἀνήφθη
III Ma. 6. 6. φλόγα πᾶσιν ἐπιπέμψας τοῖς ὑπεναντίοις
IV Ma. 18. 14. φλὸξ οὐ κατακαύσει σε
[Aq. I Ki. 17. 7.]
[Sm. Jb. 15. 30: 18. 5: Ps. 103 (104). 4: Is. 10. 17: 33. 11.]
[Th. I Ki. 17. 7: Je. 48 (31). 45: Da. 3. 22†.]

φλυαρία.

Pr. 23. 29. S⁶ τίνος φλυαρίαι [A B S¹ al.] –

φλύαρος.

IV Ma. 5. 10. οὐκ ἐξυπνώσεις ἀπὸ τῆς φλ. φιλοσοφίας ὑμῶν
[Al. Pr. 16. 28.]

φλυκτίς. (1) אֲבַעְבֻּעוֹת

Ex. 9. 9. ἔσται . . . ἕλκη φλυκτίδες ἀναζέουσαι (1)
— 10. A² B ἐγένετο ἕλκη φλυκτίδες ἀναζέουσαι (1)

φοβεῖν. (1) גּוּר (2) דָּאַג (3) דְּחַל (4) חִיל (5) נוּעַ (6) חָרַד (7) חָתַת ni. (8) יָגֹר (9) יָרֵא a. verb. b. adj. c. יְרֵאָה d. הָיָה יָרֵא (10) עָרַץ hi. (11) פָּחַד a. qal. b. pi. (12) פָּלַח (13) רָגַז (14) רָעַשׁ (15) שׁוּם (16) εἶναι

φοβούμενος יָרֵא

Ge. 3. 10. ἐφοβήθην ὅτι γυμνός εἰμι (9 a)
15. 1. μὴ φοβοῦ, Ἄβ. (9 a)
18. 15. ἐφοβήθη γάρ (9 a)
19. 30. ἐφοβήθη γὰρ κατοικῆσαι ἐν Σ. (9 a)
20. 2. ἐφοβήθη γὰρ εἰπεῖν –
— 8. ἐφοβήθησαν δὲ πάντες οἱ ἄνθρωποι σφόδρα (9 a)
21. 17. μὴ φοβοῦ (9 a)
22. 12. φοβῇ τὸν θεὸν σύ (9 b)
26. 7. ἐφοβήθη γὰρ εἰπεῖν (9 a)
— 24. μὴ φοβοῦ (9 a)
28. 13. μὴ φοβοῦ –
— 17. καὶ ἐφοβήθη (9 a)
31. 31. R ὅτι ἐφοβήθην (9 a)
32. 7 (8). ἐφοβεῖτο δὲ Ἰ. σφόδρα (9 a)
— 11 (12). φοβοῦμαι ἐγὼ αὐτόν (9 b)
42. 18. τὸν θεὸν γὰρ ἐγὼ φοβοῦμαι (9 b)
— 35. καὶ ἐφοβήθησαν (9 a)
43. 23. μὴ φοβεῖσθε (9 a)
46. 3. μὴ φοβοῦ καταβῆναι εἰς Αἴγυπτον (9 a)
50. 19, 21. μὴ φοβεῖσθε (9 a)
Ex. 1. 17. ἐφοβήθησαν δὲ αἱ μαῖαι τὸν θ. (9 a)
— 21. ἐπειδὴ ἐφοβοῦντο αἱ μαῖαι τὸν θ. (9 a)
2. 14. ἐφοβήθη δὲ Μ. (9 a)
9. 20. ὁ φοβούμενος τὸ ῥῆμα κυρίου (9 b)
— 30. οὐδέπω πεφόβησθε τὸν θεόν (9 a)
14. 10. καὶ ἐφοβήθησαν σφόδρα (9 a)
— 31. ἐφοβήθη δὲ ὁ λαὸς τὸν κύριον (9 a)
15. 14. A καὶ ἐφοβήθησαν [B ὠργίσθησαν] (13)
20. 18. φοβηθέντες δὲ πᾶς ὁ λαός (5)
34. 30. ἐφοβήθησαν ἐγγίσαι αὐτῷ (9 a)
Le. 19. 3. ἕκαστος πατέρα αὐ. . . . φοβείσθω (9 a)
— 14. φοβηθήσῃ κ. τὸν θεόν σου (9 a)
— 30. ἀπὸ τῶν ἁγίων μου [B¹ add. μὴ] φοβηθήσεσθε (9 a)
— 32. φοβηθήσῃ τὸν θεόν σου (9 a)
25. 17. φοβηθήσῃ κ. τὸν θεόν σου (9 a)
— 36. φοβηθήσῃ τὸν θεόν σου (9 a)
— 43. φοβηθήσῃ κ. τὸν θεόν σου (9 a)
26. 2. ἀπὸ τῶν ἁγίων μου φοβηθήσεσθε (9 a)
Nu. 12. 8. διὰ τί οὐκ ἐφοβήθητε καταλαλῆσαι (9 a)
14. 9. μὴ φοβηθῆτε τὸν λαὸν τῆς γῆς (9 a)
— 9. μὴ φοβηθῆτε αὐτούς (9 a)
21. 34. μὴ φοβηθῇς αὐτόν (9 a)
22. 3. ἐφοβήθη Μ. τὸν λαὸν σφόδρα (1)
De. 1. 21. μὴ φοβεῖσθε μηδὲ δειλιάσητε (9 a)
— 29. μηδὲ φοβηθῆτε ἀπ' αὐτῶν (9 a)
2. 4. καὶ φοβηθήσονται ὑμᾶς (9 a)
3. 2. μὴ φοβηθῇς αὐτόν (9 a)
— 22. οὐ φοβηθήσεσθε [B¹ -σῃ] (9 a)
4. 10. ὅπως μάθωσι φοβεῖσθαί με (9 a)
De. 5. 5. ἐφοβήθητε ἀπὸ προσώπου τοῦ πυρός (9 a)
— 29 (26). ὥστε φοβεῖσθαί με (9 a)
6. 2. ἵνα φοβῆσθε κ. τὸν θεὸν ὑμῶν (9 a)
— 13. κ. τὸν θεόν σου φοβηθήσῃ [A al.] (9 a)
— 24. φοβεῖσθαι κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (9 a)
7. 18. A B² R οὐ φοβηθήσῃ αὐτούς (9 a)
— 19. οὗς σὺ φοβῇ ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (9 b)
8. 6. καὶ φοβεῖσθαι αὐτόν (9 a)
10. 12. φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν σου (9 a)
— 20. κ. τὸν θεόν σου φοβηθήσῃ [A al.] (9 a)
13. 4 (5). τοῦτον φοβηθήσεσθε (9 a)
— 11 (12). πᾶς Ἰσρ. ἀκούσας φοβηθήσεται (9 a)
14. 23. ἵνα μάθῃς φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν σου (9 a)
17. 13. πᾶς ὁ λαὸς ἀκούσας φοβηθήσεται (9 a)
— 19. ἵνα μάθῃ φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν σου (9 a)
19. 20. οἱ ἐπίλοιποι ἀκούσαντες φοβηθήσονται (9 a)
20. 1. οὐ φοβηθήσῃ ἀπ' αὐτῶν (9 a)
— 3. μὴ φοβεῖσθε μηδὲ θραύεσθε (9 a)
— 8. τίς ὁ ἄνθρωπος ὁ φοβούμενος (9 b)
21. 21. οἱ ἐπίλοιποι ἀκούσαντες φοβηθήσονται (9 a)
25. 18. καὶ οὐκ ἐφοβήθη [B² -ης] τὸν θεόν (9 b)
28. 10. καὶ φοβηθήσονταί σε (9 a)
— 58. φοβεῖσθαι τὸ ὄνομα τὸ ἔντιμον (9 a)
— 66. φοβηθήσῃ ἡμέρας καὶ νυκτός (11 a)
— 67. ἃ φοβηθήσῃ (11 a)
31. 6. μὴ φοβοῦ μηδὲ δειλιάσῃς (9 a)
— 8. μὴ φοβοῦ μηδὲ δειλία (9 a)
— 12. ἵνα μάθωσι φοβεῖσθαι κ. τὸν θεὸν ὑμῶν (9 a)
— 13. μαθήσονται φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν σου (9 a)
Jo. 1. 9. μὴ δειλιάσῃς μηδὲ φοβηθῇς (7)
4. 14. A ἐφοβοῦντο αὐτὸν ὥσπερ ἐφοβοῦντο [B om.] Μωυσῆν (9 a, 9 a)
8. 1. μὴ φοβηθῇς μηδὲ δειλιάσῃς (9 a)
9. 24. ἐφοβήθημεν σφόδρα περὶ τῶν ψυχῶν ἡμῶν (9 a)
10. 2. ἐφοβήθησαν ἀπ' αὐτῶν σφόδρα (9 a)
— 8. μὴ φοβηθῇς αὐτούς (9 a)
— 25. μὴ φοβηθῆτε αὐτούς (9 a)
11. 6. μὴ φοβηθῇς ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (9 a)
24. 14. φοβήθητε κύριον καὶ λατρεύσατε αὐτῷ (9 a)
Jd. 4. 18. μὴ φοβοῦ (9 a)
6. 10. οὐ φοβηθήσεσθε τοὺς θεοὺς τοῦ Ἀμ. (9 a)
— 23. μὴ φοβοῦ (9 a)
— 27. ὡς ἐφοβήθη τὸν οἶκον τοῦ πατρὸς αὐ. (9 a)
— 34. B ἐφοβήθη [A R ἐβόησεν] Ἀβ. ὀπίσω αὐτοῦ †
7. 3. τίς ὁ φοβούμενος καὶ δειλός [A δ. κ. φ.] (9 b [6])
— 9 (10). εἰ φοβῇ σὺ καταβῆναι (9 b)
8. 20. ὅτι ἐφοβήθη (9 a)
14. 11. A ἐν τῷ φοβεῖσθαι αὐτοὺς αὐτόν [B al.] †
Ru. 3. 11. καὶ νῦν, θύγατερ, μὴ φοβοῦ (9 a)
I Ki. 3. 15. Σαμ. ἐφοβήθη ἀπαγγεῖλαι τὴν ὅρασιν Ἠ. (9 a)
4. 7. ἐφοβήθησαν οἱ ἀλλόφυλοι (9 a)
— 20. μὴ φοβοῦ (9 a)
7. 7. ἐφοβήθησαν ἀπὸ προσώπου ἀλλοφύλων (9 a)
12. 14. ἐὰν φοβηθῆτε τὸν κύριον (9 a)
— 18. B ἐφοβήθησαν πᾶς ὁ λαὸς τὸν κύριον σφόδρα (9 a)
— 20. B μὴ φοβεῖσθε (9 a)
— 24. B φοβεῖσθε τὸν κύριον (9 a)
14. 26. ἐφοβήθη ὁ λαὸς τὸν ὅρκον κυρίου (9 a)
15. 24. ἐφοβήθην τὸν λαόν (9 a)
17. 11, 24 (A). καὶ ἐφοβήθησαν σφόδρα (9 a)
18. 12. ἐφοβήθη Σ. ἀπὸ προσώπου Δ. (9 a)
21. 12 (13). ἐφοβήθη σφόδρα ἀπὸ προσώπου Ἀ. (9 a)
22. 23. μὴ φοβοῦ (9 a)
23. 3. ἡμεῖς ἐνταῦθα ἐν τῇ Ἰ. φοβούμεθα (9 b)
— 17. μὴ φοβοῦ (9 a)
28. 5. καὶ ἐφοβήθη (9 a)
— 13. μὴ φοβοῦ (9 a)
— 20. ἐφοβήθη σφόδρα ἀπὸ τῶν λόγων Σαμ. (9 a)
31. 4. ἐφοβήθη σφόδρα (9 a)
II Ki. 1. 14. πῶς οὐκ ἐφοβήθης ἐπενεγκεῖν χεῖρά σου (9 a)
3. 11. οὐκ ἠδυνάσθη . . . ἀπὸ τοῦ φοβεῖσθαι αὐτόν (9 c)
6. 9. ἐφοβήθη Δ. τὸν κύριον (9 a)
9. 7. μὴ φοβοῦ (9 a)
10. 19. καὶ ἐφοβήθη Συρία (9 a)
12. 18. ἐφοβήθησαν οἱ δοῦλοι Δ. ἀναγγεῖλαι αὐτῷ (9 a)
13. 28. μὴ φοβηθῆτε (9 a)
III Ki. 1. 50. Ἀδ. ἐφοβήθη ἀπὸ προσώπου Σαλ. (9 a)
— 51. Ἀδ. ἐφοβήθη τὸν βασ. Σαλ. (9 a)

III Ki. 2. 29. ἐφοβήθην ἀπὸ προσώπου σου –
3. 28. ἐφοβήθησαν ἀπὸ προσώπου τοῦ βασ. (9 a)
8. 40. ὅπως φοβῶνταί σε (9 a)
— 43. ὅπως . . . φοβῶνταί σε (9 a)
12. 24. B ἐφοβήθη καὶ ἀπέδρα –
18. 3. Ἀβδ. ἦν φοβούμενος τὸν κύριον σφόδρα (9 b)
— 12. ὁ δοῦλός σού ἐστι φοβούμενος τὸν κύριον (16)
19. 3. καὶ ἐφοβήθη Ἠ. †
IV Ki. 1. 15. μὴ φοβηθῇς ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (9 a)
4. 1. δοῦλος ἦν φοβούμενος τὸν κύριον (9 b)
6. 16. μὴ φοβοῦ (9 a)
10. 4. καὶ ἐφοβήθησαν σφόδρα (9 a)
17. 7. ἐφοβήθησαν θεοὺς ἑτέρους (9 a)
— 25. οὐκ ἐφοβήθησαν τὸν κύριον (9 a)
— 28. ἦν φωτίζων αὐτοὺς πῶς φοβηθῶσι τὸν κ. (9 a)
— 32. ἦσαν φοβούμενοι τὸν κ. (9 b ?)
— 32. ἦσαν φοβούμενοι τὸν κ. (9 b)
— 33. τὸν κύριον ἐφοβοῦντο (9 d)
— 34. αὐτοὶ φοβοῦνται (9 b)
— 35. οὐ φοβηθήσεσθε θεοὺς ἑτέρους (9 a)
— 36. αὐτὸν φοβηθήσεσθε (9 a)
— 37, 38. οὐ φοβηθήσεσθε θεοὺς ἑτέρους (9 a)
— 39. τὸν κ. θεὸν ὑμῶν φοβηθήσεσθε (9 a)
— 41. ἦσαν τὰ ἔθνη ταῦτα φοβούμενοι τὸν κ. (9 b)
19. 6. μὴ φοβηθῇς [A φοβοῦ] ἀπὸ τῶν λόγων (9 a)
25. 24. μὴ φοβεῖσθε [A -θαι] πάροδον τῶν X. (9 a)
— 26. ἐφοβήθησαν ἀπὸ προσώπου τῶν X. (9 a)
I Ch. 10. 4. ἐφοβεῖτο σφόδρα (9 a)
13. 12. ἐφοβήθη Δ. τὸν θεόν (9 a)
16. 30. φοβηθήτω ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ πᾶσα ἡ γῆ (4)
22. 13 : 28. 20. μὴ φοβοῦ (9 a)
II Ch. 5. 6. καὶ οἱ φοβούμενοι καὶ οἱ ἐπισυνηγμένοι αὐ. –
6. 31. ὅπως φοβῶνται [A -οῦνται] πάσας ὁδούς σου (9 a)
— 33. καὶ τοῦ φοβεῖσθαί σε (9 a)
20. 3. καὶ ἐφοβήθη (9 a)
— 15. μὴ φοβεῖσθε μηδὲ πτοηθῆτε (9 a)
— 17. B μὴ πτοηθῆτε μηδὲ φοβηθῆτε [A R φοβεῖσθε μ. πτ.] (7 [9 a])
32. 7. R μὴ φοβηθῆτε (9 a)
Ne. 1. 11. τῶν θελόντων φοβεῖσθαι τὸ ὄνομά σου (9 a)
2. 2. ἐφοβήθην πολὺ σφόδρα (9 a)
4. 14 (8). μὴ [S¹ om.] φοβηθῆτε ἀπὸ προσώπου αὐ. (9 a)
6. 13. ὅπως φοβηθῶ (9 a)
— 16. ἐφοβήθησαν πάντα τὰ ἔθνη (9 a)
7. 2. καὶ φοβούμενος [S -οι] τὸν θεὸν παρὰ πολλούς (9 a)
To. 1. 19. φοβηθεὶς ἀνεχώρησα [S ἐφοβήθην καὶ ἀπέδρασα]
2. 8. οὐκέτι φοβεῖται φονευθῆναι περὶ τοῦ πράγματος τ. [S. al.]
4. 8. A B μὴ φοβοῦ ποιεῖν ἐλεημοσύνην
— 21. μὴ φοβοῦ, παιδίον
— 21. ἐὰν φοβηθῇς τὸν θεόν
5. 15. S μὴ φοβηθῇς
— 20. S μὴ φοβοῦ περὶ αὐτῶν
6. 14. S φοβοῦμαι ἐγώ [A B al.]
— 14. A B φοβοῦμαι μὴ εἰσελθὼν ἀποθάνω
— 14. φοβοῦμαι [S om.] μὴ ἀποθάνω
— 17. μὴ φοβοῦ
12. 16. ὅτι [S καὶ] ἐφοβήθησαν
— 17. μὴ φοβεῖσθε
13. 12. S εὐλογητοὶ ἔσονται πάντες εἰς τὸν αἰῶνα οἱ φοβούμ. σε
14. 2. προσέθετο φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν [S al.]
— 6. ἐπιστρέψουσιν ἀληθινῶς φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν [S al.]
Ju. 1. 11. οὐκ ἐφοβήθησαν αὐτόν
2. 28. ἐφοβήθησαν αὐτὸν σφόδρα
4. 2. ἐφοβήθησαν σφόδρα
5. 23. οὐ γὰρ φοβηθησόμεθα ἀπὸ υἱῶν Ἰσρ.
8. 8. ἐφοβεῖτο τὸν θεὸν σφόδρα
10. 16 : 11. 1. μὴ φοβηθῇς τῇ καρδίᾳ σου
16. 11. ἐφοβήθησαν οἱ ἀσθενοῦντές μου
— 15. ἔτι δὲ τοῖς φοβουμένοις σε
— 16. ὁ δὲ φοβούμενος τὸν κύριον μέγας
Es. 1. 1. φοβούμενοι τὰ ἑαυτῶν κακά
2. 20. φοβεῖσθαι τὸν θεόν –
9. 2. οὐδεὶς γὰρ ἀντέστη φοβούμενος [S¹ -ους, S² -οι] αὐτούς †
Jb. 3. 25. S² φόβος γὰρ ὃν ἐφοβούμην [A εὐλαβούμην, B S¹ ἐφρόντισα] ἦλθέ μοι (11 a)
Jb. 5. 21. οὐ μὴ φοβηθῇς ἀπὸ κακῶν ἐρχομένων [S ἐπερχ.] (9 a)
— 21. A οὐ φοβηθήσῃ ἀπὸ ταλαιπωρίας –
— 22. ἀπὸ δὲ θηρίων ἀγρίων οὐ μὴ φοβηθῇς [A al.] (9 a)
6. 21. ὥστε ἰδόντες τὸ ἐμὸν τραῦμα φοβήθητε (9 a)
9. 35. οὐ μὴ φοβηθῶ ἀλλὰ λαλήσω (9 a)
11. 15. ἐνδύσῃ δὲ ὕπνον καὶ οὐ μὴ φοβηθῇς (9 a)
32. 6. φοβηθεὶς τοῦ ὑμῖν ἀναγγεῖλαι τὴν ἐμαυτοῦ ἐπιστήμην (9 a)
37. 24. φοβηθήσονται αὐτὸν οἱ ἄνθρωποι φοβηθήσονται δὲ αὐτὸν καὶ οἱ σοφοὶ καρδίᾳ (9 a, †)
Ps. 3. 6. οὐ φοβηθήσομαι ἀπὸ μυριάδων λαοῦ (9 a)
14 (15). 4. τοὺς δὲ φοβουμένους κύριον δοξάζει (9 b)
21 (22). 23. οἱ φοβούμενοι κύριον, αἰνέσατε αὐτόν (9 b)
— 23. φοβηθήτωσαν αὐτὸν [S² -θήτω δὴ ἀπ' αὐτοῦ] ἅπαν τὸ σπέρμα Ἰσραήλ (1)
— 25. τὰς εὐχάς μου ἀποδώσω ἐνώπιον τῶν [A πάντων τῶν] φοβουμ. αὐτόν (9 b)
22 (23). 4. οὐ φοβηθήσομαι κακά (9 a)
24 (25). 12. τίς ἐστιν ἄνθρωπος ὁ φοβούμενος τὸν κύριον (9 b)
— 14. κραταίωμα κύριος τῶν φοβουμένων αὐτόν (9 b)
— 14. B¹ τὸ ὄνομα κυρίου τῶν φοβουμένων [A ἐπικαλουμένων] αὐτόν –
26 (27). 1. τίνα φοβηθήσομαι (9 a)
— 3. οὐ φοβηθήσεται ἡ καρδία μου (9 a)
30 (31). 19. ἧς ἔκρυψας τοῖς φοβουμένοις σε (9 b)
32 (33). 8. φοβηθήτω τὸν κύριον πᾶσα ἡ γῆ (9 a)
— 18. οἱ ὀφθαλμοὶ κυρίου ἐπὶ τοὺς φοβουμένους αὐτόν (9 b)
33 (34). 7. παρεμβαλεῖ ἄγγελος κυρίου κύκλῳ τῶν φοβουμένων αὐτόν (9 b)
— 9. φοβήθητε τὸν κύριον πάντες οἱ ἅγιοι αὐτοῦ ὅτι οὐκ ἔστιν ὑστέρημα τοῖς φοβουμένοις αὐτόν (9 a, 9 b)
39 (40). 3. ὄψονται πολλοὶ καὶ φοβηθήσονται (9 a)
45 (46). 2. οὐ φοβηθήσομεθα ἐν τῷ ταράσσεσθαι τὴν γῆν (9 a)
48 (49). 5. ἵνα τί φοβοῦμαι ἐν ἡμέρᾳ πονηρᾷ (9 a)
— 16. μὴ φοβοῦ ὅταν πλουτήσῃ ἄνθρωπος (9 a)
51 (52). 6. ὄψονται δίκαιοι καὶ φοβηθήσονται (9 a)
52 (53). 5. B S¹ φοβηθήσονται [S² R ἐφοβήθησαν] φόβον [S² -ῳ] (11 a)
54 (55). 19. οὐκ ἐφοβήθησαν τὸν θεόν (9 a)
55 (56). 3. πολλοὶ οἱ πολεμοῦντές με φοβηθήσονται [S² οὐ φ.] †
— 4. οὐ φοβηθήσομαι τί ποιήσει μοι σάρξ (9 a)
— 11. οὐ φοβηθήσομαι τί ποιήσει μοι ἄνθρωπος (9 a)
59 (60). 4. ἔδωκας τοῖς φοβουμένοις σε σημείωσιν (9 b)
60 (61). 5. ἔδωκας κληρονομίαν τοῖς φοβουμένοις τὸ ὄνομά σου (9 b)
63 (64). 4. καὶ οὐ φοβηθήσονται [S² -σεται] (9 a)
— 9. ἐφοβήθη πᾶς ἄνθρωπος (9 a)
64 (65). 8. φοβηθήσονται οἱ κατοικοῦντες τὰ πέρατα ἀπὸ τῶν σημείων σου (9 a)
65 (66). 16. πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν κύριον (9 b)
66 (67). 7. φοβηθήτωσαν αὐτὸν πάντα τὰ πέρατα τῆς γῆς (9 a)
75 (76). 8. γῆ ἐφοβήθη καὶ ἡσύχασεν (9 a)
76 (77). 16. εἶδοσάν σε ὕδατα καὶ ἐφοβήθησαν (4)
84 (85). 9. ἐγγὺς τῶν φοβουμένων αὐτὸν τὸ σωτήριον αὐτοῦ (9 b)
85 (86). 11. τοῦ φοβεῖσθαι τὸ ὄνομά σου (9 a)
90 (91). 5. οὐ φοβηθήσῃ ἀπὸ φόβου νυκτεινοῦ (9 a)
101 (102). 15. φοβηθήσονται τὰ ἔθνη τὸ ὄνομά σου, κύριε (9 a)
102 (103). 11. ἐκραταίωσε κύριος τὸ ἔλεος αὐτοῦ ἐπὶ τοὺς φοβουμένους αὐτόν (9 b)
— 13. ᾠκτείρησε κύριος τοὺς φοβουμένους αὐτόν (9 b)
— 17. τὸ δὲ ἔλεος τοῦ κυρίου . . . ἐπὶ τοὺς φοβουμένους αὐτόν (9 b)
110 (111). 5. τροφὴν ἔδωκε τοῖς φοβουμένοις αὐτόν (9 b)
111 (112). 1. μακάριος ἀνὴρ ὁ φοβούμενος τὸν κύριον (9 b)
— 7. ἀπὸ ἀκοῆς πονηρᾶς οὐ φοβηθήσεται (9 a)
— 8. οὐ φοβηθῇ [S¹ -θήσεται] (9 a)
113. 19 (115. 11). οἱ φοβούμενοι τὸν κύριον ἤλπισαν ἐπὶ κύριον (9 b)
— 21 (115. 13). εὐλόγησε τοὺς φοβουμένους τὸν κύριον (9 b)
Ps. 117 (118). 4. A R εἰπάτωσαν δὴ πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν κύριον (9 b)
— 6. οὐ φοβηθήσομαι τί ποιήσει μοι ἄνθρωπος (9 a)
118 (119). 63. μέτοχος ἐγώ εἰμι πάντων τῶν φοβουμένων σε (9 a)
— 74. οἱ φοβούμενοί σε ὄψονταί με (9 b)
— 79. ἐπιστρεψάτωσάν με οἱ φοβούμενοί σε (9 b)
— 120. ἀπὸ γὰρ τῶν κριμάτων σου ἐφοβήθην (9 a)
127 (128). 1. μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν κύριον (9 b)
— 4. οὕτως εὐλογηθήσεται ἄνθρωπος ὁ φοβούμενος τὸν κύριον (9 b)
134 (135). 20. οἱ φοβούμενοι τὸν κύριον, εὐλογήσατε τὸν κύριον (9 b)
144 (145). 19. θέλημα τῶν φοβουμένων αὐτὸν ποιήσει (9 b)
146 (147). 11. εὐδοκεῖ κύριος ἐν τοῖς φοβουμένοις αὐτόν (9 b)
Pr. 3. 7. φοβοῦ δὲ τὸν θεόν (9 a)
— 25. οὐ φοβηθήσῃ πτόησιν ἐπελθοῦσαν (9 a)
7. 2. πλὴν δὲ αὐτοῦ μὴ φοβοῦ ἄλλον –
13. 13. ὁ δὲ φοβούμενος ἐντολὴν οὗτος ὑγιαίνει (9 b)
14. 2. ὁ πορευόμενος ὀρθῶς φοβεῖται τὸν κύριον (9 b)
— 16. σοφὸς φοβηθεὶς ἐξέκλινεν ἀπὸ κακοῦ (9 b)
24. 21. φοβοῦ τὸν θεὸν, υἱέ, καὶ βασιλέα (9 a)
— 23 (29. 27). τοὺς ἐμοὺς λόγους, υἱέ, φοβήθητι –
29. 25. φοβηθέντες καὶ αἰσχυνθέντες ἀνθρώπους ὑπεσκελίσθησαν –
Ec. 3. 14. ἵνα φοβηθῶσιν ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (9 a)
5. 6. σὺ [A σὺν] τὸν θεὸν φοβοῦ (9 a)
7. 19 (18). φοβουμένοις [A ὁ φοβούμενος] τὸν θ. ἐξελεύσεται τὰ πάντα (9 b)
8. 12. ἐστὶν ἀγαθὸν τοῖς φοβουμ. τὸν θ. ὅπως φοβῶνται ἀπὸ προσώπου αὐ. (9 b, 9 a)
— 13. ὃς οὐκ ἔστι φοβούμενος ἀπὸ προσώπου τοῦ θεοῦ (9 b)
9. 2. ὡς ὁ ὀμνύων καθὼς ὁ τὸν ὅρκον φοβούμενος (9 b)
12. 13. τὸν θεὸν φοβοῦ (9 a)
Wi. 8. 15. φοβηθήσονταί με ἀκούσαντες τύραννοι φρικτοί
17. 9. εἰ μηδὲν αὐτοὺς ταραχῶδες [S¹ τερατῶδες] ἐφόβει
18. 25. ταῦτα δὲ ἐφοβήθησαν [A S² -θη]
Si. 1. 13. τῷ φοβουμένῳ τὸν κύριον εὖ ἔσται ἐπ' ἐσχάτων [S¹ -ῳ]
— 14. ἀρχὴ σοφίας φοβεῖσθαι τὸν θεόν
— 16. πλησμονὴ σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κύριον
— 20. ῥίζα σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κύριον
2. 7. οἱ φοβούμενοι τὸν κύριον, ἀναμείνατε τὸ ἔλεος αὐτοῦ
— 8. οἱ φοβούμενοι κύριον, πιστεύσατε αὐτῷ
— 9. οἱ φοβούμενοι κύριον, ἐλπίσατε εἰς ἀγαθά
— 15. οἱ φοβούμενοι κύριον οὐκ ἀπειθήσουσι ῥημάτων αὐτοῦ [A al.]
— 16. οἱ φοβούμενοι κύριον ζητήσουσιν εὐδοκίαν αὐτοῦ
— 17. οἱ φοβούμενοι κύριον ἑτοιμάσουσι καρδίας αὐτῶν
6. 16. οἱ φοβούμενοι κύριον εὑρήσουσιν αὐτόν
— 17. ὁ φοβούμενος κύριον εὐθύνει φιλίαν αὐτοῦ
7. 31. φοβοῦ τὸν κύριον καὶ δόξασον ἱερέα
10. 19. σπέρμα ἔντιμον ποῖον; οἱ φοβούμενοι τὸν κύριον
— 20. οἱ φοβούμενοι κύριον ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ
— 24. οὐκ ἔστιν αὐτῶν τις μείζων τοῦ φοβουμένου [A τῶν φοβουμένων] τὸν κύριον
15. 1. ὁ φοβούμενος κύριον ποιήσει αὐτό
— 13. οὐκ ἔστιν ἀγαπητὸν τοῖς φοβουμένοις αὐτόν
— 19. οἱ ὀφθ. αὐτοῦ ἐπὶ τοὺς φοβουμ. αὐτόν
21. 6. ὁ φοβούμενος κύριον ἐπιστρέψει ἐν καρδίᾳ
25. 10. οὐκ ἔστιν ὑπὲρ τὸν φοβούμενον τὸν κύριον
26. 3. ἐν μερίδι φοβουμένων κύριον δοθήσεται
— 5. A S² ἐπὶ τῷ τετάρτῳ προσώπῳ ἐφοβήθην [B ἐδεήθην, S¹ ἐδόθη]
31 (34). 13. πνεῦμα φοβουμένων κύριον ζήσεται
— 14. ὁ φοβούμενος κύριον οὐ μὴ [A κ. πολλὰ, S κ. οὐδὲν] εὐλαβηθήσεται
— 15. φοβουμένου [S¹ -ῳ] τὸν κύριον μακαρία ἡ ψυχή
35 (32). 14. ὁ φοβούμενος κύριον ἐκδέξεται [B² -λέξεται] παιδείαν
— 16. οἱ φοβούμενοι κύριον εὑρήσουσι κρίμα [S¹ χάριν]
36 (33). 1. τῷ φοβουμένῳ κύριον οὐκ ἀπαντήσει κακόν
Ho. 10. 3. οὐκ ἐφοβήθημεν τὸν κύριον (9 a)
Am. 3. 8. τίς οὐ φοβηθήσεται (9 a)

Mi. 6. 9. σώσει φοβουμένους [A τοὺς φ.] τὸ ὄνομα αὐ. †
7. 17. φοβηθήσονται ἀπὸ σοῦ (9 a)
Jn. 1. 5. ἐφοβήθησαν οἱ ναυτικοί (9 a)
— 9. S³ τὸν κ. θεὸν τοῦ οὐρ. ἐγὼ φοβοῦμαι [A B S¹ σέβομαι] (9 b)
— 10. ἐφοβήθησαν οἱ ἄνδρες φόβον μέγαν [S³ φόβῳ μ.] (9 a)
— 16. ἐφοβήθησαν οἱ ἄνδρες φόβῳ μεγάλῳ τὸν κύριον (9 a)
Hb. 3. 2. καὶ ἐφοβήθην (9 a)
Ze. 3. 7. φοβεῖσθέ με καὶ δέξασθε παιδείαν (9 a)
Hg. 1. 12. ἐφοβήθη ὁ λαὸς ἀπὸ προσώπου κυρίου (9 a)
Za. 9. 5. ὄψεται Ἀσκ. καὶ φοβηθήσεται (9 a)
Ma. 1. 6. S² δοῦλος τὸν κύριον αὐ. φοβηθήσεται [A B S¹ al.] –
2. 5. ἔδωκα αὐτῷ ἐν φόβῳ φοβεῖσθαί με [B¹ om.] (9 a)
3. 5. ἐπὶ . . . τοὺς μὴ φοβουμένους με (9 a)
— 16. ταῦτα κατελάλησαν οἱ φοβούμενοι τὸν κ. (9 b)
— 16. ἔγραψε βιβλίον . . . τοῖς φοβουμένοις τὸν κ. (9 b)
4. 2 (3. 20). ἀνατελεῖ ὑμῖν τοῖς φοβουμ. τὸ ὄνομά μου (9 b)
Is. 7. 4. μὴ φοβοῦ (9 a)
— 16. ἡ γῆ ἣν σὺ φοβῇ †
8. 12. τὸν δὲ φόβον αὐτοῦ οὐ μὴ φοβηθῆτε (9 a)
10. 24. μὴ φοβοῦ, ὁ λαός μου . . . ἀπὸ Ἀσσυρίων (9 a)
12. 2. οὐ φοβηθήσομαι (11 a)
13. 2. A S μὴ φοβεῖσθε –
19. 17. φοβηθήσονται διὰ τὴν βουλὴν [A add. κυρίου] (11 a)
29. 23. τὸν θεὸν τοῦ Ἰσραὴλ φοβηθήσονται (10)
33. 7. A S³ οὗτοι φοβηθήσονται οὓς ἐφοβεῖσθε φοβηθήσονται ἀφ' ὑμῶν [B S¹ al.] † ter
35. 4. μὴ φοβεῖσθε (9 a)
37. 6. μὴ φοβηθῇς ἀπὸ τῶν λόγων (9 a)
40. 9. ὑψώσατε μὴ φοβεῖσθε (9 a)
41. 5. εἶδοσαν ἔθνη καὶ ἐφοβήθησαν (9 a)
— 10, 14 : 43. 1, 5 : 44. 2. μὴ φοβοῦ (9 a)
50. 10. τίς ἐν ὑμῖν ὁ φοβούμενος τὸν κύριον (9 b)
51. 7. μὴ [S¹ καὶ] φοβεῖσθε ὀνειδισμὸν ἀνθρώπων (9 a)
— 12. τίς οὖσα [A S τίνα εὐλαβηθεῖσα] ἐφοβήθης (9 a)
— 13. ἐφόβου . . . τὸ πρόσωπον τοῦ θυμοῦ (11 b)
54. 4. μὴ φοβοῦ ὅτι κατῃσχύνθης (9 a)
— 14. οὐ φοβηθήσῃ (9 a)
57. 11. τίνα εὐλαβηθεῖσα ἐφοβήθης (9 a)
— 11. ἐμὲ οὐκ ἐφοβήθης (9 a)
59. 19. φοβηθήσονται οἱ ἀπὸ δυσμῶν τὸ ὄνομα (9 a)
60. 5. τότε ὄψῃ καὶ φοβηθήσῃ †
63. 17. ἐσκλήρυνας τὰς καρδίας ἡμῶν τοῦ μὴ φοβεῖσθαί σε (9 c)
66. 14. γνωσθήσεται ἡ χεὶρ κυρίου τοῖς φοβουμένοις [A S σεβομ.] αὐτόν †
Je. 1. 8. μὴ φοβηθῇς [A -βῇς] ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (9 a)
— 17. μὴ φοβηθῇς ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7)
2. 30. οὐκ ἐφοβήθητε –
3. 8. οὐκ ἐφοβήθη ἡ ἀσύνετος Ἰούδα (9 a)
5. 22. μὴ ἐμὲ οὐ φοβηθήσεσθε [S -βήσ.] (9 a)
— 24. φοβηθῶμεν δὴ κύριον (9 a)
10. 2. ἀπὸ τῶν σημείων τοῦ οὐρανοῦ μὴ φοβεῖσθε ὅτι φοβοῦνται αὐτά (7, 7)
— 5. μὴ φοβηθῆτε αὐτά (9 a)
17. 8. οὐ φοβηθήσεται ὅταν ἔλθῃ καῦμα (9 a, †*)
— 8. ἐν ἐνιαυτῷ ἀβροχίας οὐ φοβηθήσεται (2)
23. 4. οὐ φοβηθήσονται ἔτι (9 a)
26 (46). 27. σὺ δὲ μὴ φοβηθῇς (9 a)
— 28. μὴ φοβοῦ (9 a)
29 (49). 21. ἀπὸ φωνῆς πτώσεως αὐτῶν ἐφοβήθη [A ἐσείσθη] ἡ γῆ (14)
33 (26). 19. ἐφοβήθησαν τὸν κύριον (9 a)
39 (32). 39. φοβηθῆναί με πάσας τὰς ἡμέρας (9 a)
40 (33). 9. καὶ φοβηθήσονται (11 a)
46 (39). 17. ὃν σὺ φοβῇ ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (8)
47 (40). 9. μὴ φοβηθῆτε ἀπὸ προσώπου τῶν παίδων (9 a)
48 (41). 18. ἐφοβήθησαν ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (9 a)
49 (42). 11. μὴ φοβηθῆτε ἀπὸ προσώπου βασιλέως Βαβ. οὗ ὑμεῖς φοβεῖσθε ἀπὸ προσώπου αὐ. μὴ φοβηθῆτε (9 a, 9 b, 9 a)
— 16. ἣν ὑμεῖς φοβεῖσθε [S¹ ἐφ.] ἀπὸ προσώπου αὐτῆς (9 b)
La. 3. 57. B εἶπάς μοι, Μὴ φοβοῦ (9 a)
Ep. Je. 16. μὴ οὖν φοβηθῆτε αὐτούς
— 23. μὴ οὖν φοβεῖσθε [A -βηθῆτε] αὐτά
— 29, 65, 69. μὴ φοβηθῆτε αὐτούς
Ez. 2. 6. μὴ φοβηθῇς αὐτοὺς . . . τοὺς λόγους αὐτῶν μὴ φοβηθῇς (9 a, 9 a)
3. 9. μὴ φοβηθῇς ἀπ' αὐτῶν (9 a)
11. 8. ῥομφαίαν φοβεῖσθε (9 a)
18. 14. καὶ φοβηθῇ (9 a*, †)
26. 16. φοβηθήσονται τὴν ἀπώλειαν αὐτῶν (6)
— 18. φοβηθήσονται αἱ νῆσοι ἀπὸ ἡμέρας πτώσεώς σου (6)
27. 28. οἱ κυβερνῆταί σου φόβῳ [A om.] φοβηθήσονται (14)
Da. LXX. Su. 2. καλὴ σφόδρα καὶ φοβουμένη τὸν κ.
— 57. ἐκεῖναι φοβούμεναι ὡμιλοῦσαν ὑμῖν
3. 12. οὐκ ἐφοβήθησάν σου τὴν ἐντολήν (15)
— 17. ὃν φοβούμεθα (12)
— (41). φοβούμεθά σε
4. 16. φοβηθεὶς τρόμου λαβόντος αὐτόν †
10. 12. μὴ φοβοῦ, Δαν. (9 a)
— 19. μὴ φοβοῦ (9 a)
11. 12. καὶ οὐ μὴ φοβηθῇ †
Da. TH. Su. 2. ᾗ ὄνομα Σουσ. . . . φοβουμένη τὸν κ.
— 57. ἐκεῖναι φοβούμεναι ὡμίλουν ὑμῖν
1. 10. φοβοῦμαι ἐγὼ τὸν κύριόν μου τὸν βασ. (9 b)
3. (41). καὶ φοβούμεθά σε
5. 19. ἦσαν . . . φοβούμενοι ἀπὸ προσώπου αὐ. (3)
6. 26 (27). εἶναι . . . φοβουμένους ἀπὸ προσώπου τοῦ θεοῦ Δ. (3)
10. 12. μὴ φοβοῦ, Δαν. (9 a)
— 19. μὴ φοβοῦ (9 a)
I Ma. 2. 62. ἀπὸ λόγων ἀνδρὸς ἁμαρτωλοῦ μὴ φοβηθῆτε
3. 22. A R μὴ φοβηθῆτε [S φοβεῖσθε] ἀπ' αὐτῶν
4. 8. μὴ φοβεῖσθε τὸ πλῆθος αὐ.
8. 12. ἐφοβοῦντο ἀπ' αὐτῶν
9. 6. καὶ ἐφοβήθησαν σφόδρα
10. 8. ἐφοβήθησαν φόβον μέγαν
— 76. φοβηθέντες ἤνοιξαν οἱ ἐκ τῆς πόλεως
12. 28. καὶ ἐφοβήθησαν
— 40. R ἐφόβηθη [A S ηὐλαβήθη] μή ποτε οὐκ ἐάσῃ αὐτόν
— 52. καὶ ἐφοβήθησαν σφόδρα
II Ma. 7. 29. μὴ φοβηθῇς τὸν δήμιον τοῦτον
III Ma. 2. 23. φοβούμενοι μὴ καὶ τὸ ζῆν ἐκλείπῃ
IV Ma. 5. 37. μὴ φοβηθέντα σου τὰς μέχρι θανάτου ἀνάγκας
8. 14. μειράκια, φοβήθητε
— 15. οὐ μόνον οὐκ ἐφοβήθησαν
— 19, A R οὐ φοβησόμεθα [S -ηθησ.] . . . τὰ βασανιστήρια
— 22. ἡμῖν . . . δι' ἀνάγκην τὸν βασ. φοβηθεῖσιν
— 25. ἡμᾶς . . . φοβηθέντας τὰ βασανιστήρια [S¹ om. φ. τὰ β.]
13. 14. μὴ φοβηθῶμεν τὸν δοκοῦντα ἀποκτενεῖν
[Aq. Ex. 15. 14 (Sw.) : 18. 21 : Jb. 1. 8, 9 : Ps. 24 (25). 12, 14 : 26 (27). 1 : 30 (31). 20 : 32 (33). 8 : 48 (49). 6 : 55 (56). 4 : 59 (60). 6 : 85 (86). 11 : Pr. 3. 25 : 31. 30 : Ec. 7. 19 (18) : Is. 29. 13 : 41. 14 : Je. 10. 7 : 26 (33). 21 : 40 (47). 9.]
[Sm. Ex. 18. 21 : II Ki. 3. 11 : Ps. 24 (25). 12, 14 : 30 (31). 20 : 32 (33). 8, 18 : 52 (53). 6 : 54 (55). 20 : 55 (56). 4, 12 : 59 (60). 6 : 71 (72). 5 : 110 (111). 5 : 118 (119). 63, 79 : Pr. 3. 25 : Ec. 7. 19 (18) : Is. 29. 13 : 41. 14 : 66. 4 : Je. 40 (47). 9.]
[Th. Ex. 18. 21 : Ps. 24 (25). 14 : 55 (56). 4 : 118 (119). 79 : Pr. 3. 25 : Ec. 7. 19 (18) : Is. 29. 13 : 41. 14 : 66. 4 : Je. 10. 7 : 26 (33). 21 : 30 (37). 10 : 44 (51). 10 : Ho. 10. 5.]
[Al. Ge. 43. 18 : Ps. 111 (112). 7 : Pr. 30. 5.]
[Sam. Ge. 50. 19 bis.]
[Quint. Ps. 24 (25). 14 : 32 (33). 8.]
[Sext. Ps. 24 (25). 14.]

φοβερίζειν. (1) דָּחַל pa. (2) יָרֵא pi.
II Es. 10. 3. καὶ φοβέρισον αὐτούς †
Ne. 6. 9. πάντες φοβερίζουσιν [S¹ -ροῦσιν] ἡμᾶς (2)
— 14. οἱ ἦσαν φοβερίζοντές με (2)
— 19. ἐπιστολὰς ἀπέστειλε Τ. φοβερίσαι με (2)
Da. TH. 4. 2. καὶ ἐφοβέρισέ με (1)

φοβερισμός. (1) בְּעוּתִים
Ps. 87 (88). 16. οἱ φ. σου ἐξετάραξάν με (1)

φοβεροειδής.
III Ma. 6. 18. δεδοξασμένοι δύο φ. ἄγγελοι

φοβερός. (1) אֵיׁם (2) דָּחַל (3) a. יָרֵא ni. b. מוֹרָא
Ge. 28. 17. ὡς φ. ὁ τόπος οὗτος (3 a)
De. 1. 19. πᾶσαν τὴν ἔρημον τὴν μεγάλην καὶ τὴν φ. ἐκ. (3 a)
2. 7. τὴν ἔρημον τὴν μεγάλην καὶ τὴν φ. ἐκ. –
8. 15. διὰ τῆς ἐρήμου τῆς μεγάλης καὶ τῆς φ. ἐκ. (3 a)
10. 17. ὁ θεὸς ὁ μέγας καὶ ἰσχυρὸς καὶ ὁ φ. (3 a)
Jd. 13. 6. καὶ εἶδος αὐ. . . . φοβερὸν σφόδρα [A al.] (3 a)
I Ch. 16. 25. φοβερός ἐστιν ἐπὶ πάντας τοὺς θεούς (3 a)
Ne. 1. 5. ὁ ἰσχυρὸς ὁ μέγας καὶ φ. [A S ὁ φ.] (3 a)
4. 14 (8). μνήσθητε τοῦ θ. ἡμῶν τοῦ μεγάλου καὶ φ. (3 a)
9. 32. ὁ μέγας ὁ κραταιὸς καὶ ὁ [A om.] φ. (3 a)
Es. 5. 1. καὶ ἦν φοβερὸς σφόδρα
Ps. 46 (47). 2. κύριος ὕψιστος φοβερός (3 a)
65 (66). 3. ὡς φοβερὰ τὰ ἔργα σου (3 a)
— 5. φοβερὸς ἐν βουλαῖς ὑπὲρ τοὺς υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων (3 a)
75 (76). 7. σὺ φοβερὸς εἶ (3 a)
— 11. οἴσουσι δῶρα τῷ φ. (3 b)
— 12. φοβερῷ παρὰ τοῖς βασιλεῦσι τῆς γῆς (3 a)
88 (89). 7. καὶ φοβερὸς ἐπὶ πάντας τοὺς περικύκλῳ αὐτοῦ (3 a)
95 (96). 4. φοβερός ἐστιν ἐπὶ πάντας τοὺς θεούς (3 a)
98 (99). 3. ὅτι φοβερὸν καὶ ἅγιόν ἐστι (3 a)
105 (106). 22. καὶ φοβερὰ ἐπὶ θαλάσσης ἐρυθρᾶς (3 a)
110 (111). 9. ἅγιον καὶ φοβερὸν τὸ ὄνομα αὐτοῦ (3 a)
144 (145). 6. τὴν δύναμιν τῶν φ. σου ἐροῦσι (3 a)
Pr. 12. 25. φοβερὸς λόγος καρδίαν ταράσσει ἀνδρὸς δικαίου †
Wi. 10. 16. ἀντέστη [S¹ ἀνέστη] βασιλεῦσι [S -εὺς] φοβεροῖς ἐν τέρασι
Si. 1. 8. εἷς ἐστι σοφὸς φοβερὸς σφόδρα
9. 18. φοβερὸς ἐν πόλει αὐτοῦ ἀνὴρ γλωσσώδης
43. 29. φοβερὸς κύριος καὶ σφόδρα μέγας
Hb. 1. 7. φοβερὸς καὶ ἐπιφανής ἐστιν (1)
Is. 21. 1. φοβερὸν τὸ ὅραμα (3 a)
Da. LXX. 2. 31. καὶ ἡ πρόσοψις τῆς εἰκόνος φοβερά (2)
4. 34. ποιῆσαι . . . θαυμάσια μεγάλα καὶ φ. –
7. 7. ἐθεώρουν . . . θηρίον τέταρτον φ. (2)
9. 4. σὺ εἶ ὁ θεὸς . . . ὁ φ. (3 a)
Da. LXX. 2. 31. καὶ ἡ ὅρασις αὐ. φοβερά (2)
7. 7. ἰδοὺ θηρίον τέταρτον φ. (2)
— 19. ἦν διαφέρον . . . φοβερὸν περισσῶς (2)
I Ma. 1. 4. S ἐγένετο αὐτῷ εἰς φοβερόν [A R al.]
II Ma. 1. 24. κύριε ὁ θ. . . . ὁ φ. καὶ ὁ ἰσχυρός
3. 25. φοβερὸν ἔχων τὸν ἐπιβάτην
III Ma. 5. 45. R φοβεραῖς κατεσκευασμένα σκευαῖς [A al.]
[Aq. Dt. 7. 21 : Is. 18. 7 : 31. 9 : Ez. 1. 22.]
[Sm. Jb. 37. 22 : Ps. 44 (45). 5 : 65 (66). 5 : 67 (68). 36 : 75 (76). 13 : Is. 18. 7 : 31. 9 : 64. 3 (2) : Ez. 1. 22.]
[Th. Dt. 7. 21 : Ps. 65 (66). 5 : 75 (76). 5 : Is. 18. 7 : 31. 9 : 64. 3 (2) : Ez. 1. 22.]
[Al. Ez. 1. 18.]

φοβεροῦν (?). (1) יָרֵא pi.
Ne. 6. 9. S¹ πάντες φοβεροῦσιν [A B S² -ρίζουσιν] ἡμᾶς (1)

φοβερῶς. (1) נוֹרָאוֹת
Ps. 138 (139). 14. φ. ἐθαυμαστώθης [S¹ -ην] (1)
III Ma. 5. 45. φ. κεκοσμημένα κατασκευαῖς

φόβημα.
[Aq. Dt. 4. 34 : Ps. 9. 21.]

φόβητρον (-ηθρον). (1) חָנָא
Is. 19. 17. ἔσται ἡ χώρα τῶν Ἰουδαίων τοῖς Αἰγυπτίοις εἰς φ. (1)

φόβος. (1) a. אֵימָה, אֵמָה b. אֵימָתְנִי (2) a. חָרֵד חָרְדָה b. (3) a. חַת חִתָּה b. c. חִתִּית (4) a. יִרְאָה b. מוֹרָא (5) מַעֲרִיץ (6) פַּחַד (7) רַעְמָה (8) φόβος ἐπιπίπτει דָּחַל pa. (9) φόβος λαμβάνει חָרֵד
Ge. 9. 2. ὁ φ. ἔσται ἐπὶ πᾶσι τοῖς θηρίοις (3 a)
15. 12. φ. σκοτεινὸς μέγας ἐπιπίπτει αὐτῷ (1 a)

Ge. 31. 42. εἰ μὴ . . . ὁ φ. Ἰ. ἦν μοι (6)
— 53. ὤμοσεν Ἰ. κατὰ τοῦ φ. τοῦ πατρὸς αὐ. Ἰ. (6)
35. 5. ἐγένετο φόβος θεοῦ ἐπὶ τὰς πόλεις (3 b)
Ex. 15. 16. ἐπιπέσοι ἐπ' αὐτοὺς τρόμος καὶ φόβος [A φ. κ. τρ.] (6 [1 a])
20. 20. ὅπως ἂν γένηται ὁ φ. αὐ. ἐν ὑμῖν (4 a)
23. 27. τὸν φ. ἀποστελῶ ἡγούμενόν σου (1 a)
De. 2. 25. δοῦναι τὸν τρόμον σου καὶ τὸν φ. σου (4 a)
11. 25. τὸν τρόμον ὑμῶν καὶ τὸν φ. [A φ. ὑ. κ. τ. τρόμον] ὑμῶν (4 b [6])
28. 67. ἀπὸ τοῦ φ. τῆς καρδίας σου (6)
32. 25. καὶ ἐκ τῶν ταμιείων φόβος (1 a)
Jo. 2. 9. ἐπιπέπτωκε γὰρ ὁ φ. ὑμῶν ἐφ' ἡμᾶς (1 a)
II Ki. 23. 3. πῶς κραταιώσητε φόβον χριστοῦ (4 a)
I Ch. 14. 17. ἔδωκε τὸν φ. αὐ. ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη (6)
II Ch. 19. 7. γενέσθω φόβος κυρίου ἐφ' ὑμᾶς (6)
— 9. οὕτως ποιήσετε ἐν φόβῳ κυρίου (4 a)
26. 5. τοῦ συνιόντος ἐν φόβῳ κυρίου †
Ne. 5. 9. οὐχ οὕτως ἐν φόβῳ θεοῦ ἡμῶν ἀπελεύσεσθε (4 a)
— 15. ἀπὸ προσώπου φόβου θεοῦ (4 a)
6. 16. ἐπέπεσε φόβος [S φ. μέγας] σφόδρα –
To. 6. 2. S² καὶ ἀπὸ τοῦ φ. [S¹ om. ἀ. τ. φ.] ἔκραξεν
Ju. 2. 28. B ἐπέπεσε φόβος [A R ὁ φ., S φ. αὐ.] καὶ τρόμος αὐ.
14. 3. ἐπιπεσεῖται ἐπ' αὐτοὺς φόβος
15. 2. B S ἐπέπεσεν ἐπ' αὐτοὺς τρόμος καὶ φόβος [A R φ. καὶ τρ.]
Es. 1. 22. ὥστε εἶναι φόβον αὐτοῖς ἐν ταῖς οἰκίαις αὐ. †
4. 17. ῥῦσαί με ἐκ τοῦ φ. μου
5. 1. ἡ δὲ καρδία αὐ. ἀπεστενωμένη ἀπὸ τοῦ φ.
— 2. ἐταράχθη ἡ καρδία μου ἀπὸ φόβου [A om.] τῆς δόξης σου
8. 17. A² B S ἰουδαΐζον διὰ τὸν φ. τῶν Ἰουδ. (6)
9. 3. ὁ γὰρ φ. Μαρδοχαίου ἐνέκειτο αὐτοῖς (6)
Jb. 3. 24. δακρύω δὲ ἐγὼ συνεχόμενος φόβῳ †
— 25. φόβος γὰρ . . . ἦλθέ μοι (6)
4. 6. πότερον οὐχ ὁ φ. σού ἐστιν ἐν ἀφροσύνῃ (4 a)
— 13. φόβῳ [A -οι, S² -ος] δὲ καὶ ἤχῳ νυκτερινῇ [A ἠχὼ νυκτερινή] ἐπιπίπτων φόβος ἐπ' ἀνθρώπους †, †
7. 11. S¹ ἀνοίξω . . . συνεχόμενος φόβῳ [A B S² om.] –
9. 34. ὁ δὲ φ. αὐτοῦ μή με στροβείτω (1 a)
13. 11. ὁ [A S² om.] φ. δὲ παρ' αὐτοῦ [A δὲ κυρίου] ἐπιπεσεῖται ὑμῖν (6)
— 21. ὁ φ. σου μή με καταπλησσέτω (1 a)
15. 4. οὐ [A ὅτι] καὶ σὺ ἀπεποιήσω φόβον (4 a)
— 21. ὁ δὲ φ. αὐτοῦ ἐν ὠσὶν αὐτοῦ (6)
20. 25. περιπατήσαισαν [A μὴ περιπατήσαι] ἐπ' αὐτῷ φόβοι (1 a)
21. 9. φόβος δὲ οὐδαμοῦ (6)
25. 2. τί γὰρ προοίμιον ἢ φόβος παρ' αὐτοῦ [A al.] (6)
31. 23. φοβὸς γὰρ κυρίου συνέσχε με (6)
33. 7. οὐχ ὁ φ. μού σε στροβήσει (1 a)
— 15. ὅταν ἐπιπίπτῃ δεινὸς φόβος ἐπ' ἀνθρώπους †
— 16. ἐν εἴδεσι φόβου τοιούτοις †
38. 17. ἀνοίγονται δέ σοι φόβῳ πύλαι θανάτου –
39. 3. ἐξέθρεψας δὲ αὐτῶν τὰ παιδία ἔξω [A ἄνευ] φόβου –
— 16. εἰς κενὸν ἐκοπίασεν ἄνευ φόβου (6)
— 19. ἐνέδυσας δὲ τραχήλῳ αὐτοῦ φόβον (7)
41. 5 (6). κύκλῳ ὀδόντων αὐτοῦ φόβος (1 a)
— 16 (17). φόβος θηρίοις τετράποσιν ἐπὶ γῆς ἁλλομένοις †
Ps. 2. 11. δουλεύσατε τῷ κυρίῳ ἐν φόβῳ (4 a)
5. 7. προσκυνήσω πρὸς ναὸν ἅγιόν σου ἐν φόβῳ σου (4 a)
13 (14). 3. B S¹ οὐκ ἔστι φόβος θεοῦ ἀπέναντι τῶν ὀφθ. αὐ. –
— 5. ἐκεῖ ἐδειλίασαν φόβῳ [S¹ -ον] οὗ [A ᾧ] οὐκ ἦν φόβος (6, –)
18 (19). 9. ὁ φ. κυρίου ἁγνὸς διαμένων (4 a)
30 (31). 11. καὶ φόβος τοῖς γνωστοῖς μου (6)
33 (34). 11. φόβον κυρίου διδάξω ὑμᾶς (4 a)
35 (36). 1. οὐκ ἔστι φόβος θεοῦ ἀπέναντι τῶν ὀφθ. αὐ. (6)
43 (44). 16. S¹ ἀπὸ φόβου [A B S² προσώπου] ἐχθροῦ καὶ ἐκδιώκοντος †
52 (53). 5. B S¹ φοβηθήσονται [S² R ἐφοβήθησαν] φόβον [S² -ῳ] οὗ οὐκ ἦν φόβος (6, 6)
54 (55). 5. B² S R φόβος καὶ τρόμος ἦλθεν ἐπ' ἐμέ (4 a)
Ps. 63 (64). 1. ἀπὸ φόβου ἐχθροῦ ἐξελοῦ τὴν ψυχήν μου (6)
89 (90). 11. ἀπὸ τοῦ φ. τοῦ θυμοῦ [A S² τὸν θ.] σου ἐξαριθμήσασθαι (4 a)
90 (91). 5. οὐ φοβηθήσῃ ἀπὸ φόβου νυκτερινοῦ (6)
104 (105). 38. ἐπέπεσεν ὁ φ. αὐτῶν ἐπ' αὐτούς (6)
110 (111). 10. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (4 a)
118 (119). 38. στῆσον τῷ δούλῳ σου τὸ λόγιόν σου εἰς τὸν φ. σου (4 a)
— 120. καθήλωσον ἐκ τοῦ φ. σου τὰς σάρκας μου (6)
Pr. 1. 7. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (4 a)
— 29. S² τὸν δὲ φ. [A B S¹ λόγον] τοῦ κυρίου οὐ προείλαντο (4 a)
2. 5. τότε συνήσεις φόβον κυρίου (4 a)
8. 13. φόβος κυρίου μισεῖ ἀδικίαν (4 a)
9. 10. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (4 a)
10. 27. φόβος κυρίου προστίθησιν ἡμέρας (4 a)
— 29. ὀχύρωμα ὁσίου φόβος κυρίου †
14. 26. ἐν φόβῳ κυρίου ἐλπὶς ἰσχύος (4 a)
15. 16. κρείσσων μικρὰ μερὶς μετὰ φόβου κυρίου (4 a)
— 27 (16. 6). τῷ δὲ φ. κυρίου ἐκκλίνει πᾶς ἀπὸ κακοῦ (4 a)
16. 4 (15. 33). φόβος κυρίου παιδεία καὶ σοφία (4 a)
18. 8. ὀκνηροὺς καταβάλλει φόβος –
19. 23. φόβος κυρίου εἰς ζωὴν ἀνδρί (4 a)
22. 4. γενεὰ σοφίας φόβος κυρίου (4 a)
23. 17. ἐν φόβῳ κυρίου ἴσθι ὅλην τὴν ἡμέραν (4 a)
31. 30. φόβον δὲ κυρίου αὕτη αἰνείτω (4 a)
Wi. 5. 2. ἰδόντες ταραχθήσονται φόβῳ δεινῷ
17. 6. αὐτομάτη πυρὰ φόβου πλήρης
— 12. οὐδὲν γάρ ἐστι φόβος
— 15. αἰφνίδιος γὰρ αὐτοῖς . . . φόβος ἐπῆλθεν
18. 17. φόβοι δὲ ἐπέστησαν ἀδόκητοι
Si. 1. 11. φόβος κυρίου δόξα καὶ καύχημα
— 12. φόβος κυρίου τέρψει καρδίαν
— 18. στέφανος σοφίας φόβος κυρίου
— 26. σοφία γὰρ καὶ παιδεία φόβος κυρίου
— 27. μὴ ἀπειθήσῃς φόβῳ κυρίου
— 30. οὐ προσῆλθες φόβῳ κυρίου
2. 10. τίς ἐνέμεινε τῷ φ. αὐτοῦ
4. 17. φόβον δὲ καὶ δειλίαν ἐπάξει ἐπ' αὐτόν
9. 13. οὐ μὴ ὑποπτεύσῃς φόβον [S¹ -ῳ] θανάτου
— 16. ἐν φόβῳ κυρίου ἔστω τὸ καύχημά σου
10. 22. ἔνδοξος καὶ πτωχὸς τὸ καύχημα αὐτῶν φόβος κυρίου
16. 2. εἰ μὴ ἔστι φόβος κυρίου μετ' αὐτῶν
17. 4. ἔθηκε τὸν φ. αὐτοῦ ἐπὶ πάσης σαρκός
19. 20. πᾶσα σοφία φόβος κυρίου
21. 11. συντέλεια τοῦ φ. κυρίου σοφία
22. 18. κατέναντι παντὸς φόβου οὐ μὴ ὑπομείνῃ
23. 19. ὀφθαλμοὶ ἀνθρώπων ὁ φ. αὐτοῦ
— 27. οὐδὲν κρεῖττον φόβου κυρίου
25. 6. τὸ καύχημα αὐτῶν φόβος κυρίου
— 11. φόβος κυρίου ὑπὲρ πᾶν ὑπερέβαλεν
27. 3. ἐὰν μὴ ἐν φόβῳ κυρίου κρατήσῃ κατὰ σπουδήν
33 (36). 2. ἐπίβαλε τὸν φ. σου ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη
35 (32). 18. ὑπερήφανος οὐ καταπτήξει φόβον
40. 2. τοὺς διαλογισμοὺς αὐτῶν καὶ φόβον καρδίας
— 5. ταραχὴ καὶ σάλος καὶ φόβος θανάτου
— 7. ἀποθαυμάζων [S² -ζόντων] εἰς οὐδένα φόβον
— 26. ὑπὲρ ἀμφότερα φόβος κυρίου
— 26. οὐκ ἔστι φόβῳ [A S ἐν φ.] κυρίου ἐλάττωσις
— 27. φόβος κυρίου ὡς παράδεισος εὐλογίας
45. 2. ἐμεγάλυνεν αὐτὸν ἐν φόβοις ἐχθρῶν
— 23. ἐν τῷ ζηλῶσαι αὐτὸν ἐν φόβῳ κυρίου
Jn. 1. 10. ἐφοβήθησαν οἱ ἄνδρες φ. μέγαν [S³ φόβῳ μ.] (4 a)
— 16. ἐφοβήθησαν οἱ ἄνδρες φ. μεγάλῳ τὸν κύριον (4 a)
Ma. 1. 6. ποῦ ἐστιν ὁ φ. μου (4 b)
2. 5. ἔδωκα αὐτῷ ἐν [S³ om.] φόβῳ φοβεῖσθαί με (4 b)
Is. 2. 10, 19, 21. ἀπὸ προσώπου τοῦ φ. κυρίου (6)
7. 25. οὐ μὴ ἐπέλθῃ ἐκεῖ φ. (4 a)
8. 12. τὸν δὲ φ. αὐτοῦ οὐ μὴ φοβηθῆτε (4 b)
— 13. αὐτὸς ἔσται σου φ. [S βοηθός] (4 b + 5)
10. 27. ὁ φ. αὐτοῦ ἀπὸ σοῦ †
— 29. φ. λήψεται Ῥαμᾶ (9)
11. 3. ἐμπλήσει αὐτὸν πνεῦμα φόβου θεοῦ (4 a)
19. 16. ἔσονται οἱ Αἰγ. ὡς γυναῖκες ἐν φόβῳ (2 a)
21. 4. ἡ ψυχή μου ἐφέστηκεν εἰς φόβον (2 b)
24. 17. φ. καὶ βόθυνος καὶ παγὶς ἐφ' ὑμᾶς (6)
— 18. ὁ φεύγων τὸν φ. ἐμπεσεῖται εἰς τὸν βόθυνον (6)
26. 18 (17). διὰ τὸν φ. σου, κύριε †
Is. 33. 3. διὰ φωνὴν τοῦ φ. ἐξέστησαν λαοὶ ἀπὸ τοῦ φ. σου †, †
— 7. ἐν τῷ φ. ὑμῶν οὗτοι φοβηθήσονται †
— 8. πέπαυται ὁ φ. τῶν ἐθνῶν †
— 18. ἡ ψυχὴ ὑμῶν μελετήσει φόβον [A add. κυρίου] (1 a)
Je. 30 (49). 5. φέρω φόβον ἐπὶ σέ (6)
31 (48). 43. φ. καὶ βόθυνος ἐπὶ σοί (6)
— 44. ὁ φεύγων ἀπὸ προσώπου τοῦ [S¹ om.] φ. ἐμπεσεῖται (6)
37 (30). 5. φωνὴν φόβου ἀκούσεσθε (2 b)
— 5. φ. καὶ οὐκ ἔστιν εἰρήνη (6)
— 6. περὶ φόβου ἐν ᾧ καθέξουσιν ὀσφύν †
39 (32). 40. τὸν φ. μου δώσω εἰς τὴν καρδίαν αὐτῶν (4 a)
Ba. 3. 7. ἔδωκας τὸν φ. σου ἐπὶ καρδίαν ἡμῶν
La. 3. 47. φ. καὶ θυμὸς ἐγενήθη ἡμῖν (6)
Ep. Je. 4. ὄψεσθε . . . θεοὺς . . . δεικνύντας φόβον τοῖς ἔθνεσιν
— 5. καὶ φ. ὑμᾶς λάβῃ ἐπ' αὐτοῖς
Ez. 26. 17. ἡ δοῦσα τὸν φ. αὐτῆς πᾶσι τοῖς κατοικοῦσιν αὐτήν (3 c)
27. 28. οἱ κυβερνῆται σου φόβῳ [A om.] φοβηθήσονται –
30. 13. A δώσω φόβον ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (4 a)
32. 23. οἱ δόντες τὸν φ. αὐτῶν ἐπὶ γῆς ζωῆς (3 c)
— 24. οἱ δεδωκότες αὐτῶν φόβον ἐπὶ τῆς ζωῆς (3 c)
— 26. οἱ δεδώκοτες τὸν φόβον αὐτῶν ἐπὶ τῆς ζωῆς (3 c)
— 30. σὺν τῷ φ. αὐτῶν καὶ τῇ ἰσχύϊ αὐτῶν (3 c)
— 32. δέδωκα τὸν φ. αὐτοῦ ἐπὶ τῆς ζωῆς (3 c)
38. 21. καλέσω ἐπ' αὐτὸ καὶ πᾶν φόβον [A add. μαχαίρας] †
Da. LXX. 4. 2. φόβος μοι ἐπέπεσεν (8)
— 34. ἀπὸ τοῦ φ. αὐ. τρόμος εἴληφέ με –
5. 6. φόβοι καὶ ὑπόνοιαι αὐτὸν κατέσπευδον –
7. 7. καὶ ὁ φ. αὐ. ὑπερφέρων ἰσχύϊ (1 b)
10. 7. φ. ἰσχυρὸς ἐπέπεσεν ἐπ' αὐτούς (2 b)
11. 31. μιανοῦσι τὸ ἅγιον τοῦ φ. †
Da. TH. 10. 7. ἔφυγον ἐν φόβῳ †
I Ma. 3. 6. συνεστάλησαν οἱ ἄνομοι ἀπὸ τοῦ φ. αὐ.
— 25. ἤρξατο ὁ φ. Ἰούδα
7. 18. ἐπέπεσεν αὐτῶν ὁ φ. . . . εἰς πάντα τὸν λαόν
10. 8. ἐφοβήθησαν φ. μέγαν
II Ma. 6. 30. διὰ τὸν αὐτοῦ φ. ταῦτα πάσχω
12. 22. φόβου τε ἐκ τῆς . . . ἐπιφανείας γενομένης
15. 18. ὁ περὶ τοῦ καθηγιασμένου ναοῦ φόβος
III Ma. 2. 23. ὑπερβάλλοντι καταπεπληγμένοι φόβῳ
3. 7. οὐ τῷ τυχόντι περιήψαντο φόβῳ
7. 21. μετὰ δόξης καὶ φόβου
— 22. R μετὰ φ. [A φόρου] μεγίστου ἀποδοῦναι αὐτοῖς
IV Ma. 1. 4. θυμοῦ τε καὶ πόνου καὶ φόβου
— 23. πρὸ δὲ τοῦ πόνου ἐστὶ φόβος
4. 10. καὶ πολὺν αὐτοῖς φ. . . . ἐνιέντες
8. 12. ὅπως καὶ διὰ τοῦ φ. πείσειεν αὐτούς
14. 8. τὸν τῶν βασάνων φ. καταλύοντες
15. 8. διὰ τὸν πρὸς τὸν θεὸν φ.
[Aq. Jb. 13. 5 : I Ki. 1. 11 : Ps. 5. 8 : 32 (33). 18 : 129 (130). 4 : Pr. 14. 27 : Is. 33. 6.]
[Sm. Jb. 22. 10 : 39. 20 : Ps. 5. 8 : 35 (36). 2 : 85 (86). 11 : 87 (88). 16 : 89 (90). 11 : 118 (119). 120 : Pr. 14. 27 : 22. 4 : Ca. 3. 8 : Is. 8. 13 : 33. 6 : Ho. 8. 10.]
[Th. Jb. 15. 4 : 20. 25 : 22. 4 : 39. 20 : Ps. 9. 21 : Pr. 14. 27 : Is. 33. 6 : Ez. 30. 13 (Sw.) : Da. 10. 7.]
[Al. I Ki. 11. 7 : Jb. 4. 14 : Ez. 32. 27.]

φοιβᾶν. (1) פָּחַד hithpo.
De. 14. 1. A B² οὐ φοιβήσετε (1)

φοινικοῦς. (1) שְׁנִי
Is. 1. 18. ἐὰν ὦσιν αἱ ἁμαρτίαι ὑμῶν ὡς φοινικοῦν (1)

φοινικών. (1) תָּמָר
Ez. 47. 18. ἐπὶ τὴν θάλασσαν τὴν πρὸς ἀνατολὰς φοινικῶνος †
— 19. τὰ πρὸς νότον καὶ λίβα ἀπὸ θαιμὰν καὶ φοινικῶνος (1)

φοῖνιξ. (1) a. תָּמָר b. תֹּמֶר c. תְּמָרָה
Ex. 15. 27. ἑβδομήκοντα στελέχη φοινίκων (1 a)
Le. 23. 40. λήψεσθε . . . κάλλυνθρα φοινίκων (1 a)
Nu. 33. 9. ἑβδομήκοντα στελέχη φοινίκων (1 a)
De. 34. 3. τὰ περίχωρα Ἱερ. πόλιν φοινίκων (1 a)
Jd. 1. 16. ἀνέβησαν ἐκ πόλεως τῶν φ. (1 a)

Jd. 3. 13. ἐκληρονόμησε τὴν πόλιν τῶν φ. (1 a)
4. 5. ἐκάθητο ὑπὸ φοίνικα (1 b)
II Ki. 16. 1. καὶ ἐπ' αὐτοῖς . . . ἑκατὸν φοίνικες †
— 2. καὶ οἱ φ. εἰς βρῶσιν τοῖς παιδαρίοις †
III Ki. 6. 29. καὶ φοίνικες τῷ ἐσωτέρῳ καὶ τῷ ἐξωτέρῳ (1 c)
— 32. A καὶ φοίνικας καὶ πέταλα (1 c)
— 32. A κατέβαινεν . . . ἐπὶ τοὺς φ. τὸ χρυσίον (1 c)
— 35. ἐκκεκολαμμένα χερ. καὶ φοίνικες (1 c)
7. 36. τὰ συγκλείσμ. αὐ. χερ. . . . καὶ φοίνικες ἑστῶτα (1 c)
II Ch. 3. 5. ἔγλυψεν ἐπ' αὐτοῦ φοίνικας (1 c)
28. 15. εἰς Ἱερ. πόλιν φοινίκων (1 a)
Ne. 8. 15. A² B S καὶ φύλλα φοινίκων (1 a)
Jb. 29. 18. ὥσπερ στέλεχος φοίνικος †
Ps. 91 (92). 12. δίκαιος ὡς φοῖνιξ ἀνθήσει (1 a)
Ca. 7. 7 (8). ὡμοιώθης [A -θη, S ὁμοιώθητι] τῷ φ. (1 a)
— 8 (9). ἀναβήσομαι ἐπὶ [A ἐν] τῷ φ. (1 a)
Si. 24. 14. ὡς φοῖνιξ ἀνυψώθην
50. 12. ἐκύκλωσαν αὐτὸν ὡς στελέχη φοινίκων
Jl. 1. 12. ῥοὰ καὶ φοῖνιξ . . . ἐξηράνθησαν (1 a)
Ez. 40. 16. ἐπὶ τὸ αἰλὰμ φοίνικες ἔνθεν καὶ ἔνθεν (1 c)
— 21. διεμέτρησεν . . . τοὺς φ. αὐτῆς –
— 22. οἱ φ. αὐτῆς καθὼς ἡ πύλη ἡ βλέπουσα κατὰ ἀνατολάς (1 c)
— 26. φοίνικες αὐτῇ (1 c)
— 31. φοίνικες τῷ αἰλεῦ (1 c)
— 34. φοίνικες ἐπὶ τοῦ αἰλεῦ ἔνθεν καὶ ἔνθεν (1 c)
— 37. φοίνικες τῷ αἰλεῦ ἔνθεν καὶ ἔνθεν (1 c)
41. 18. A φοίνικες καὶ φ. ἀνὰ μέσον χερ. χερούβ [B *al.*] (1 c, 1 c)
— 19. πρόσωπον ἀνθρώπου πρὸς τὸν φ. ἔνθεν καὶ ἔνθεν καὶ πρόσωπον λέοντος πρὸς τὸν φ. (1 c, 1 c)
— 20. τὰ χερουβὶμ καὶ οἱ φ. διαγεγλυμμένοι (1 c)
— 25. φοίνικες κατὰ τὴν γλυφὴν τῶν ἁγίων (1 c)
II Ma. 10. 7. ἔτι δὲ καὶ φοίνικας ἔχοντες
14. 4. προσάγων αὐτῷ . . . φοίνικα
[Aq. Je. 10. 5.]
[Th. Je. 10. 5 : Ez. 41. 18.]
[Heb. Ex. 15. 27.]
[Al. Nu. 33. 9.]

φολιδωτός.

[Aq. I Ki. 17. 5.]

φολίς.

[Aq. Dt. 14. 9.]
[Sm. Jb. 41. 5.]
[Al. Le. 11. 9.]

φονεύειν. (1) הָרַג *a.* qal. *b.* ni. (2) חָרַם hi. (3) נָכָה hi. (4) רָצַח *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi.

Ex. 20. 15 (13). οὐ φονεύσεις (4 a)
21. 13. οὗ φεύξεται ἐκεῖ ὁ φονεύσας –
Nu. 35. 6. ἃς δώσετε φεύγειν ἐκεῖ τῷ φονεύσαντι (4 a)
— 12. οὐ μὴ ἀποθάνῃ ὁ φονεύων (4 a)
— 19. οὗτος ἀποκτενεῖ τὸν φονεύσαντα (4 a)
— 21. θανάτῳ θανατούσθω ὁ φονεύων –
— 21. ἀποκτενεῖ τὸν φονεύσαντα (4 a)
— 25. ἐξελεῖται ἡ συναγωγὴ τὸν φονεύσαντα [B¹ *om.* τ. φ.] (4 a)
— 26. ἐὰν δὲ ἐξόδῳ ἐξέλθῃ ὁ φονεύσας (4 a)
— 27. καὶ φονεύσῃ ὁ ἀγχιστεύων τὸ αἷμα τὸν φονεύσαντα (4 a, 4 a)
— 28. ἐπαναστραφήσεται ὁ φονεύσας εἰς τὴν γῆν (4 a)
— 30. διὰ μαρτύρων φονεύσεις [A -ει] τὸν φονεύσαντα (4 a, 4 a)
— 31. οὐ λήψεσθε λύτρα . . . παρὰ τοῦ φονεύσαντος (4 a)
De. 4. 42. ὃς ἂν φονεύσῃ τὸν πλησίον οὐκ εἰδώς (4 a)
5. 18 (17). οὐ φονεύσεις (4 a)
19. 6. ἵνα μὴ διώξας . . . ὀπίσω τοῦ φονεύσαντος (4 a)
22. 26. καὶ φονεύσῃ αὐτοῦ ψυχήν (4 a)
Jo. 10. 28. ἐφόνευσαν αὐτὴν ἐν στόματι ξίφους (3)
— 30. B¹ ἐφόνευσεν [A B² R -αν] αὐτὴν ἐν στόματι ξίφους (3)
— 32. ἐφόνευσαν [A -εν] αὐτὴν ἐν στόματι ξίφους (3)
— 35. ἐφόνευσεν αὐτὴν ἐν στόματι ξίφους (3)
Jo. 10. 35. πᾶν ἐμπνέον ἐν αὐτῇ ἐφόνευσαν (2
20. 5. A οὐ συγκλείσουσι τὸν φονεύσαντα ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (4 a)
— 6. A τότε ἐπιστρέψει ὁ φονεύσας (4 a)
21. 13. ἔδωκε τὴν πόλιν φυγαδευτήριον τῷ φονεύσαντι (4 a)
— 21. τὴν πόλιν τοῦ φυγαδευτηρίου τὴν τοῦ φονεύσαντος [A φονεύοντος] (4 a)
— 27. τὰς πόλεις τὰς ἀφωρισμ. τοῖς φονεύσασι (4 a)
— 32. τὴν πόλιν τὴν ἀφωρισμ. τῷ φονεύσαντι (4 a)
— 36. τὴν πόλιν τὸ φυγαδευτήριον τοῦ φονεύσαντος (4 a)
— 37. τὴν πόλιν τὸ φυγαδευτήριον τοῦ φονεύσαντος –
Jd. 16. 2. καὶ φονεύσωμεν [A ἀποκτείνωμεν] αὐτόν (1 a)
20. 4. ὁ ἀνὴρ τῆς γυναικὸς τῆς φονευθείσης [A πεφονευμένης] (4 b)
— 5. ἐμὲ ἠθέλησαν φονεῦσαι [A ἀποκτεῖναι] (1 a)
III Ki. 20 (21). 19. ὡς σὺ ἐφόνευσας (4 a)
21 (20). 40. τὰ ἔνεδρα παρ' ἐμοὶ ἐφόνευσας †
II Ch. 25. 3. τοὺς παῖδας αὐ. τοὺς φονεύσαντας τὸν βασ. (3)
I Es. 4. 5. φονεύουσι καὶ φονεύονται
Ne. 4. 11 (5). ἕως ὅτου . . . φονεύσωμεν αὐτούς (1 a)
6. 10. ἔρχονται νυκτὸς φονεῦσαί σε (1 a)
To. 2. 3. S εἷς ἐκ τοῦ ἔθνους ἡμῶν πεφόνευται [A B *al.*]
— 8. οὐκέτι φοβεῖται φονευθῆναι περὶ τοῦ πράγματος τ. [S *al.*]
Es. 9. 12. S² καὶ ἐφόνευσαν . . . ἄνδρας πεντακοσίους [A B S¹ *al.*] (1 a)
Ps. 61 (62). 3. φονεύετε πάντες ὡς τοίχῳ κεκλιμένῳ (4 c)
93 (94). 6. προσήλυτον ἐφόνευσαν (4 c)
Pr. 1. 32. ἀνθ' ὧν γὰρ ἠδίκουν νηπίους φονευθήσονται (1 a)
7. 26. ἀναρίθμητοί εἰσιν οὓς πεφόνευκεν (1 a)
Si. 9. 13. ὃς ἔχει ἐξουσίαν τοῦ φονεύειν [B¹ -εῦσαι]
31 (34). 22. φονεύων τὸν πλησίον ὁ ἀφαιρούμενος συμβίωσιν [A S ἐμβ.]
Ho. 6. 10 (9). ἐφόνευσαν Σίκιμα (4 c)
Is. 21. 15. διὰ τὸ πλῆθος τῶν πεφονευμένων [A S φευγόντων] †
Je. 7. 9. φονεύετε καὶ μοιχᾶσθε (4 a)
La. 2. 20. φονευθήσονται νήπια θηλάζοντα μαστούς (1 b ?)
Ez. 11. 7. A οὓς ἐφονεύσατε [B ἐπατάξατε] ἐν μέσῳ αὐτῆς †
I Ma. 15. 40. αἰχμαλωτίζειν τὸν λαὸν καὶ φονεύειν
[Aq. Ps. 41 (42). 11 : Pr. 22. 13 : Ez. 37. 9.]
[Sm. Pr. 22. 13.]
[Th. Ps. 93 (94). 6 : Pr. 22. 13.]
[Al. Nu. 22. 29 : 35. 30 *bis* : I Ki. 30. 19 : Jb. 17. 1.]

φονεύς.

Wi. 12. 5. τέκνων τε φονέας ἀνελεήμονας

φονευτής. (1) הָרַג (2) רָצַח *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi.

Nu. 35. 11. φυγεῖν ἐκεῖ τὸν φ. (2 a)
— 16. φονευτής ἐστι (2 a)
— 16. θανάτῳ θανατούσθω ὁ φ. (2 a)
— 17. φονευτής ἐστι (2 a)
— 17. θανάτῳ θανατούσθω ὁ φ. (2 a)
— 18. φονευτής ἐστι (2 a)
— 18. θανάτῳ θανατούσθω ὁ φ. (2 a)
— 21. φονευτής ἐστι (2 a)
De. 4. 42. φεύγειν ἐκεῖ τὸν φ. (2 a)
19. 3. ἔσται καταφυγὴ ἐκεῖ παντὶ [A π. τῷ] φ. (2 a)
— 4. τοῦτο δὲ ἔσται τὸ πρόσταγμα τοῦ φ. (2 a)
Jo. 20. 3. φυγαδευτήριον τῷ φ. (2 a)
— 3. οὐκ ἀποθανεῖται ὁ φ. –
IV Ki. 6. 32. ἀπέστειλεν ὁ υἱὸς τοῦ φ. (2 c)
9. 31. ὁ φ. τοῦ κυρίου αὐ. (1)
Pr. 22. 13. ἐν δὲ ταῖς πλατείαις φονευταί (2 b)
26. 13. A B² S R ἐν δὲ ταῖς πλατείαις φονευταί –
Is. 1. 21. νῦν δὲ φονευταί (2 c)
[Aq. Ez. 21. 11 (16).]

φονοκτονεῖν. (1) חָנַף *a.* qal. *b.* hi.

Nu. 35. 33. οὐ μὴ φονοκτονήσητε τὴν γῆν (1 b)
Nu. 35. 33. τὸ γὰρ αἷμα τοῦτο φονοκτονεῖ τὴν γῆν (1 b)
Ps. 105 (106). 38. ἐφονοκτονήθη ἡ γῆ ἐν τοῖς αἵμασι (1 a)
[Aq. Je. 3. 2, 9.]
[Sm. Is. 24. 5.]
[Th. Je. 3. 9.]

φονοκτονία.

I Ma. 1. 24. ἐποίησαν φονοκτονίαν

φόνος. (1) דָּם (2) חֶרֶב (3) פֶּגֶר (4) פֶּה (5) רָצַח

Ex. 5. 3. μή ποτε συναντήσῃ ἡμῖν . . . φόνος (2)
17. 13. ἐτρέψατο Ἰ. τὸν Ἀμ. . . . ἐν φόνῳ μαχαίρας (4)
22. 2 (1). οὐκ ἔστιν αὐτῷ φόνος (1)
Le. 26. 7. πεσοῦνται ἐναντίον ὑμῶν φόνῳ (2)
Nu. 21. 24. ἐπάταξεν αὐτὸν Ἰσρ. φόνῳ μαχαίρας (4)
De. 13. 15 (16). ἀνελεῖς πάντας . . . ἐν φόνῳ μαχαίρας (4)
20. 13. πατάξεις πᾶν ἀρσενικὸν αὐτῆς ἐν φόνῳ μαχαίρας (4)
22. 8. οὐ ποιήσεις φόνον ἐν τῇ οἰκίᾳ σου (1)
28. 22. A πατάξαι σε κ. ἐν . . . φόνῳ [B *om.*] (2)
Ju. 2. 11. δοῦναι αὐτοὺς εἰς φόνον
8. 22. A² B S τὸν φ. τῶν ἀδελφῶν ἡμῶν
9. 3. ἔδωκας ἄρχοντας αὐτῶν εἰς φόνον
Jb. 21. 22. αὐτὸς δὲ φόνους [A σοφοὺς] διακρίνει †
Pr. 1. 18. αὐτοὶ γὰρ οἱ φόνου μετέχοντες θησαυρίζουσιν ἑαυτοῖς κακά (1)
28. 17. ἄνδρα τὸν ἐν αἰτίᾳ φόνου ὁ ἐγγυώμενος φυγὰς ἔσται (1)
Wi. 14. 25. πάντα δὲ ἐπιμιξ [S¹ ἐπὶ μίξιν] ἔχει [S² *om.*] αἷμα καὶ φόνος
Ho. 4. 2. φόνος . . . κέχυται ἐπὶ τῆς γῆς (5)
Is. 59. 7. οἱ διαλογισμοὶ αὐτῶν διαλογισμοὶ ἀπὸ φόνων [A S¹ δ. ἀφρόνων] †
Je. 22. 17. εἰς ἀδικήματα καὶ εἰς φόνον †
Ez. 43. 7. οὐ βεβηλώσουσιν . . . ἐν τοῖς φ. τῶν ἡγουμένων (3)
— 8. ἐξέτριψα αὐτοὺς ἐν θυμῷ μου καὶ ἐν φόνῳ –
— 9. ἀπωσάσθωσαν . . . τοὺς φ. τῶν ἡγουμένων αὐτῶν (3)
II Ma. 4. 3. ὥστε καὶ διά τινος . . . φόνους συντελεῖσθαι
— 35. R ἐπὶ τῷ οὐ ἀνδρὸς ἀδίκῳ φόνῳ [A -ου]
III Ma. 3. 25. εἰς ἀνήκεστον . . . πρέποντα δυσμενέσι φόνον

φονώδης.

IV Ma. 10. 17. ταῦτα ἀκούσας ὁ . . . φ. καὶ παμμιαρώτατος Ἀντ.

φορά.

[Sm. Ps. 66 (67). 7.]
[Al. Hb. 3. 17.]

φοράζειν (?). (1) בּוּא hi.

I Ch. 22. 4. A ἐφόρασαν [B ἐφέροσαν] οἱ Σ. . . . ξύλα κέδρινα (1)

φορβαία (-βέα). (1) חֶבֶל

Jb. 40. 20 (25). περιθήσεις δὲ φορβαίαν περὶ ῥῖνα αὐτοῦ (1)

φορεῖν. (1) יָסַף hi.

Es. 4. 17. οὐ φορῶ αὐτὸ ἐν ἡμέραις ἡσυχίας μου
Pr. 3. 16. νόμον δὲ καὶ ἔλεον ἐπὶ γλώσσης φορεῖ –
16. 23. ἐπὶ δὲ χείλεσι φορέσει ἐπιγνωμοσύνην (1)
— 27 (26). ὁ μέντοι σκολιὸς ἐπὶ τῷ ἑαυτοῦ στόματι φορεῖ τὴν ἀπώλειαν †
Si. 11. 5. ὁ δὲ ἀνυπονόητος ἐφόρεσε διάδημα
40. 4. ἀπὸ φοροῦντος ὑάκινθον [A S -θινον] καὶ στέφανον

φορεῖον (**φόριον**). (1) אַפִּרְיוֹן (2) בְּעִיר

Ge. 45. 17. R γεμίσατε τὰ φ. ὑμῶν [A *al.*] (2)
Ca. 3. 9. φορεῖον ἐποίησεν ἑαυτῷ ὁ βασ. Σ. (1)
II Ma. 3. 27. εἰς φορεῖον ἐνθέντες
9. 8. ἐν φορείῳ παρεκομίζετο
[Sm. Is. 66. 20.]

φορεύς. (1) בַּד

Ex. 27. 6. A B¹ ποιήσεις τῷ θυσιαστηρίῳ φορεῖς [B² R ἀναφ.] (1)
— 7. A B¹ εἰσάξεις τοὺς φ. [B² R ἀναφ.] (1)
— 7. A B¹ ἔστωσαν οἱ φ. [B² R ἀναφ.] κατὰ πλευρὰ τοῦ θυσιαστ. (1)

φορθομμείν. (1) פַּרְתֻּמִּים

Da. TH. 1. 3. εἰσαγαγεῖν . . . ἀπὸ τῶν φ. [A πορθ.] (1)
[Th. DA. 1. 3.]

φορολογεῖν.

II Ch. 36. 4. B τότε ἤρξατο ἡ γῆ φορολογεῖσθαι –
I Es. 2. 27. βασιλεῖς . . . ἦσαν . . . φορολογοῦντες κοίλην Συρίαν

φορολόγητος (φωρ.). (1) מֵס

De. 20. 11. ἔσονταί σοι φορολόγητοι (1)

φορολογία (φωρ.) (-εία).

I Es. 2. 19. φορολογίαν οὐ μὴ ὑπόμείνωσι δοῦναι
6. 29. ἀπὸ τῆς φ. κοίλης Σύριας . . . σύνταξιν δίδοσθαι
8. 22. ὅπως . . . μηδεμία φ. . . . γίνηται
I Ma. 1. 29. ἀπέστειλεν ὁ βασ. ἄρχοντα φορολογίας

φορολόγος (φωρ.). (1) נָגַשׂ

II Es. 4. 7. πρὸς Ἀρθ. βασιλέα Περσῶν ἔγραψεν ὁ φ. γραφὴν Συρ. †
— 18. ὁ φ. . . . ἐκλήθη ἔμπροσθεν ἐμοῦ †
5. 5. καὶ τότε ἀπεστάλη τῷ φ. ὑπὲρ τούτου †
Jb. 3. 18. οὐκ ἤκουσαν φωνὴν φορολόγου (1)
39. 7. μέμψιν δὲ φορολόγου οὐκ ἀκούων (1)
I Ma. 3. 29. R καὶ οἱ φ. [A S φόροι] τῆς χώρας ὀλίγοι

φόρος. (1) בְּלוֹ (2) הֶלֶךְ (3) מִדָּה, מִנְדָּה (4) מַס (5) ἐπιβάλλειν φόρον ἐπί עָנַשׁ

Jo. 19. 47. ἐγένοντο αὐτοῖς εἰς φόρον –
Jd. 1. 28. ἐποίησε τὸν Χαν. εἰς φόρον (4)
— 29. ἐγένετο εἰς φόρον –
— 30. ἐγένετο αὐτῷ εἰς φόρον (4)
— 31. ἐγένετο αὐτῷ εἰς φόρον –
— 33. ἐγένοντο αὐτοῖς εἰς φόρον (4)
— 35. ἐγενήθη αὐτοῖς εἰς φόρον (4)
II Ki. 20. 24. καὶ Ἀδ. ἐπὶ τοῦ φ. (4)
III Ki. 4. 6. Ἀδ. υἱὸς Ἐ. ἐπὶ τῶν φ. (4)
5. 13 (27). ἀνήνεγκεν ὁ βασ. φόρον (4)
— 13 (27). ἦν ὁ φ. τριάκοντα χιλιάδες ἀνδρῶν (4)
— 14 (28). καὶ Ἀδ. ἐπὶ τοῦ φ. (4)
10. 15. χωρὶς τῶν φ. τῶν ὑποτεταγμένων †
— 22 (9. 21). ἀνήγαγεν αὐτοὺς Σ. εἰς φόρον (4)
12. 18. ἀπέστειλεν ὁ βασ. τὸν Ἀ. τὸν ἐπὶ τοῦ φ. (4)
II Ch. 8. 8. ἀνήγαγεν αὐτοὺς Σ. εἰς φόρον (4)
10. 18. ἀπέστειλεν . . . τὸν Ἀδ. τὸν ἐπὶ τοῦ φ. (4)
36. 3. ἐπέβαλε φόρον ἐπὶ τὴν γῆν (5)
I Es. 4. 6. ἀναφέρουσι τοὺς φ. τῷ βασ.
II Es. 4. 13. φόροι οὐκ ἔσονταί σοι (3+1+2)
— 20. καὶ φ. πλήρεις καὶ μέρος δίδοται αὐτοῖς (3)
6. 8. ἀπὸ ὑπαρχόντων βασιλέως τῶν φ. . . . δαπάνη ἔστω (3)
7. 24. φόρος μὴ ἔστω σοι (3+1+2)
Ne. 5. 4. ἐδανεισάμεθα ἀργύριον εἰς φόρους τοῦ βασ. (3)
Ju. 3. 8. S ἐξολεθρεῦσαι πάντας τοὺς φ. [A B θεοὺς] τῆς γῆς
La. 1. 1. ἄρχουσα ἐν χώραις ἐγενήθη εἰς φόρον (4)
I Ma. 1. 4. A R ἐγένοντο αὐτῷ εἰς φόρον [S al.]
3. 29. καὶ οἱ φ. τῆς χώρας ὀλίγοι
— 31. καὶ λαβεῖν τοὺς φ. τῶν χωρῶν
8. 2. ἤγαγον αὐτοὺς ὑπὸ φόρον
— 4. διδόασιν αὐτοῖς φόρον
— 7. ἔστησαν αὐτοῖς διδόναι . . . φ. μέγαν
10. 29. ἀφίημι πάντας τοὺς Ἰ. ἀπὸ τῶν φ.
— 33. ἀφιέτωσαν τοὺς φ. [S² φ. αὐ.]
15. 30. παράδοτε . . . τοὺς φ. τῶν τόπων
— 31. καὶ τῶν φ. τῶν πόλεων ἄλλα τάλαντα πεντακόσια
II Ma. 4. 28. R πρὸς τοῦτον γὰρ ἦν ἡ τῶν φ. [A διαφ.] πρᾶξις
8. 10. διεστήσατο δὲ ὁ N. τὸν φ. τῷ βασ. τοῖς Ῥωμ.
— 36. ὁ τοῖς Ῥωμ. ἀναδεξάμενος φόρον . . . κατορθώσασθαι
III Ma. 7. 22. μετὰ φ. μεγίστου ἀποδοῦναι αὐτοῖς
[Aq. GE. 49. 15: PR. 12. 24: IS. 31. 8.]
[Sm. II KI. 8. 1, 2: IV KI. 17. 3: PR. 12. 24: IS. 31. 8.]
[Th. IS. 31. 8.]

φορτίζειν. (1) שָׂחַד

Ez. 16. 33. ἐφόρτιζες αὐτοὺς τοῦ ἔρχεσθαι πρὸς σέ (1)

φορτίον. (1) מַשָּׂא (2) a. שׁוֹךְ b. שׁוֹכָה

Jd. 9. 48. A ἔκοψε φορτίον ξύλων [B al.] (2 b)
— 49. A ἔκοψαν καὶ αὐτοὶ ἕκαστος φορτίον [B al.] (2 a)
II Ki. 19. 35 (36). ἵνα τί ἔσται ἔτι ὁ δοῦλός σου εἰς φορτίον (1)
Jb. 7. 20. εἰμὶ δὲ ἐπὶ σοὶ φορτίον (1)
Ps. 37 (38). 4. ὡσεὶ φορτίον βαρὺ [A om.] ἐβαρύνθησαν ἐπ' ἐμέ (1)
Si. 21. 16. ἐξήγησις μωροῦ ὡς ἐν ὁδῷ φορτίον
30. 33 (33. 24). ῥάβδος καὶ φορτία ὄνῳ
Is. 46. 1. ὡς φ. κοπιῶντι ἐκλελυμένῳ (1)
[Aq. II KI. 15. 33.]

φοσσατεύειν.

[Al. GE. 49. 19 bis.]

φόσσατον.

[Al. GE. 49. 19.]

φούρ. (1) פּוּר

Es. 9. 24. S² καὶ ἔβαλεν φούρ [A B S¹ al.] (1)

φραγμός. (1) a. גָּדֵר b. גְּדֵרָה (2) מוֹשְׁכוֹת (3) מְשׁוּכָה (4) פֶּרֶץ (5) φραγμὸν περιτιθέναι עָזַק pi.

Ge. 38. 29. τί διεκόπη διὰ σὲ φραγμός (4)
Nu. 22. 24. φραγμὸς ἐντεῦθεν καὶ φραγμὸς ἐντεῦθεν (1 a, 1 a)
III Ki. 10. 22 (9. 15). τοῦ περιφράξαι τὸν φρ. τῆς πόλεως Δ. –
11. 27. συνέκλεισε τὸν φρ. τῆς πόλεως Δ. (4)
II Es. 9. 9. τοῦ δοῦναι ἡμῖν φραγμόν (1 a)
Jb. 38. 31. καὶ φραγμὸν [B² βραγμὸν] Ὠρίωνος ἤνοιξας (2)
Ps. 61 (62). 3. ὡς τοίχῳ κεκλιμένῳ καὶ φραγμῷ ὡσμένῳ (1 a)
79 (80). 12. ἵνα τί καθεῖλες τὸν φρ. αὐτῆς (1 a)
88 (89). 40. καθεῖλες πάντας τοὺς φρ. αὐτοῦ (1 b)
143 (144). 14. οὐκ ἔστι κατάπτωμα φραγμοῦ (4)
Pr. 24. 46 (31). οἱ δὲ φρ. τῶν λίθων αὐτοῦ κατασκάπτονται (1 a)
Ec. 10. 8. καθαιροῦντα φραγμὸν δήξεται αὐτὸν ὄφις (1 a)
Si. 36. 30 (27). οὗ οὐκ ἔστι φραγμός
Mi. 5. 1 (4. 14). A ἐμφραχθήσεται θυγάτηρ Ἐφρ. ἐν φραγμῷ [? ἐμφρ., B ἐμφρ.] †
Na. 3. 17. ὡς ἀκρὶς ἐπιβεβηκυῖα ἐπὶ φραγμόν (1 b)
Is. 5. 2. φραγμὸν περιέθηκα (5)
— 5. ἀφελῶ τὸν φρ. αὐτοῦ (3)
58. 12. κληθήσῃ οἰκοδόμος φραγμῶν (4)
[Aq. JE. 41 (48). 17: 49 (30). 3.]
[Sm. PR. 15. 19: EZ. 13. 5: 22. 30.]
[Th. EZ. 13. 5: 22. 30.]

φράζειν. (1) בִּין hi. (2) חָוָא pa. (3) יָרָה hi.

Jb. 6. 24. εἴ τι πεπλάνημαι φράσατέ μοι (1)
12. 8. ἐκδιήγησαι γῇ ἐάν σοι φράσῃ (3)
Da. LXX. 2. 4. φράσομεν τὴν σύγκρισιν αὐ. (2)

φραζών. (1) פִּרְזוֹן

Jd. 5. 7. A ἐξέλειπεν φραζὼν ἐν Ἰσρ. [B al.] (1)
[Aq. JD. 5. 11.]
[Al. JD. 5. 7.]

φράσσειν. (1) אָטַם (2) סוּג (3) סָכַךְ hi. (4) סָתַם (5) רָפַשׂ ni. (6) שׁוּף

Ju. 16. 4. S ἔφραξε [A B ἐνέφρ.] χειμάρρους
Jb. 38. 8. ἔφραξα δὲ θάλασσαν πύλαις (3)
Pr. 21. 13. ὃς φράσσει τὰ ὦτα αὐτοῦ (1)
25. 26. ὥσπερ εἴ τις πηγὴν φράσσοι (5)
Ca. 7. 2 (3). θημωνία σίτου πεφραγμένη ἐν κρίνοις (2)
Ho. 2. 6 (8). φράσσω τὴν ὁδὸν αὐ. (6)
Za. 14. 5. φραχθήσεται [A ἐμφρ.] ἡ φάραγξ ὀρέων μου †
Da. LXX. 8. 26. πεφραγμένον τὸ ὅραμα (4)
[Sm. PS. 59 (60). 11: PR. 26. 10.]

φρέαρ. (1) בְּאֵר (2) בּוֹר (3) גֵּב

Ge. 14. 10. ἡ δὲ κοιλὰς ἡ ἁλυκὴ φρέατα ἀσφάλτου (1)
16. 14. ἐκάλεσε τὸ φρ. Φρέαρ οὗ ἐνώπιον ἴδον (1, 1)
21. 14. κατὰ τὸ φρ. τοῦ ὅρκου (1)
— 19. ἴδε φρέαρ ὕδατος ζῶντος (1)
Ge. 21. 25. ἤλεγξεν Ἀβ. τὸν Ἀβ. περὶ τῶν φρ. (1)
— 30. ὤρυξα τὸ φρ. τοῦτο (1)
— 31. ἐπωνόμασε τὸ ὄνομα . . . Φρέαρ ὁρκισμοῦ (1)
— 32. διέθεντο διαθήκην ἐν τῷ φρ. τοῦ ὅρκου (1)
— 33. ἐφύτευσεν Ἀβ. ἄρουραν ἐπὶ τῷ φρ. τοῦ ὅρκου (1)
22. 19. ἐπορεύθησαν ἐπὶ τὸ φρ. τοῦ ὅρκου (1)
— 19. κατῴκησεν Ἀβ. ἐπὶ τῷ φρ. τοῦ ὅρκου (1)
24. 11. παρὰ τὸ φρ. τοῦ ὕδατος (1)
— 20. ἔδραμεν ἐπὶ τὸ φρ. (1)
— 62. ἐπορεύετο . . . κατὰ τὸ φρ. τῆς ὁράσεως (1)
25. 11. κατῴκησεν Ἰ. παρὰ τὸ φρ. τῆς ὁράσεως (1)
26. 15. πάντα τὰ φρ. . . . ἐνέφραξαν αὐτά (1)
— 18. ὤρυξε τὰ φρ. τοῦ ὕδατος (1)
— 19. εὗρον ἐκεῖ φρέαρ ὕδατος ζῶντος (1)
— 20. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ φρ. ἐκείνου (1)
— 21, 22. ὤρυξε φρέαρ ἕτερον (1)
— 23. ἀνέβη δὲ ἐκεῖθεν ἐπὶ τὸ φρ. τοῦ ὅρκου (1)
— 25. ὤρυξαν δὲ ἐκεῖ . . . φρέαρ (1)
— 32. ἀπήγγειλαν αὐτῷ περὶ τοῦ φρ. (1)
— 33. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τῇ πόλει Φρέαρ ὅρκου (1)
28. 10. ἐξῆλθεν Ἰ. ἀπὸ τοῦ φρ. τοῦ ὅρκου (1)
29. 2. φρέαρ ἐν τῷ πεδίῳ (1)
— 2. ἐκ γὰρ τοῦ φρ. ἐκείνου ἐπότιζον τὰ ποίμνια (1)
— 2. λίθος δὲ ἦν μέγας ἐπὶ τῷ στόματι τοῦ φρ. (1)
— 3. ἀπεκύλιον τὸν λίθον ἀπὸ τοῦ στόματος τοῦ φρ. (1)
— 3. ἀπεκαθίστων τὸν λίθον ἐπὶ τὸ στόμα τοῦ φρ. (1)
— 8. καὶ ἀποκυλίσωσι τὸν λίθον ἀπὸ τοῦ στόματος τοῦ φρ. (1)
— 10. ἀπεκύλισε τὸν λίθον ἀπὸ τοῦ στόματος τοῦ φρ. (1)
46. 1. ἦλθον ἐπὶ τὸ φρ. τοῦ ὅρκου (1)
— 5. ἀνέστη δὲ Ἰ. ἀπὸ τοῦ φρ. τοῦ ὅρκου (1)
Ex. 2. 15. ἐκάθισεν ἐπὶ τοῦ φρ. (1)
8. 3 (7. 28). A εἰσελεύσονται . . . ἐν τοῖς φρ. σου [B om. ἐν . . . σου] –
Nu. 21. 16. καὶ ἐκεῖθεν τὸ φρ. (1)
— 16. τοῦτο [A add. ἐστιν τὸ] φρ. ὃ εἶπε κύριος (1)
— 17. ᾖσεν Ἰσρ. τὸ ᾆσμα τοῦτο ἐπὶ τοῦ φρ. (1)
— 18. φρέαρ ὤρυξαν αὐτὸ ἄρχοντες (1)
— 18. καὶ ἀπὸ φρέατος εἰς Μανθ. †
— 22. οὐ πιόμεθα ὕδωρ ἐκ φρέατός σου (1)
I Ki. 19. 22. ἔρχεται ἕως τοῦ φρ. τοῦ ἅλω (2)
II Ki. 3. 26. ἐπιστρέφουσιν αὐτὸν ἀπὸ τοῦ φρ. τοῦ Σ. (2)
Ps. 54 (55). 23. σὺ δέ, ὁ θεός, κατάξεις αὐτοὺς εἰς φρέαρ διαφθορᾶς (1)
68 (69). 15. μηδὲ συσχέτω ἐπ' ἐμὲ φρέαρ τὸ στόμα αὐτοῦ (1)
Pr. 5. 15. καὶ ἀπὸ σῶν φρεάτων πηγῆς (1)
23. 27. καὶ φρέαρ στενὸν ἀλλότριον (1)
Ca. 4. 15. φρέαρ ὕδατος ζῶντος (1)
Am. 5. 5. ἐπὶ τὸ φρ. τοῦ ὅρκου μὴ διαβαίνετε (1)
Is. 15. 8. ὀλολυγμὸς αὐτῆς ἕως τοῦ φρ. τοῦ Αἰλείμ (1)
Je. 14. 3. ἦλθοσαν ἐπὶ τὰ φρ. (3)
48 (41). 7. ἔσφαξεν αὐτοὺς εἰς τὸ φρ. (2)
— 9. τὸ φρ. εἰς ὃ ἔρριψεν . . . φρ. μέγα τοῦτό ἐστιν (2, †)
I Ma. 7. 19. ἔθυσεν αὐτοὺς εἰς τὸ φρ. τὸ μέγα
II Ma. 1. 19. κατέκρυψαν ἐν κοιλώματι φρέατος
[Sm. PS. 68 (69). 16.]
[Al. EX. 8. 3 (7. 28).]

φρενοῦσθαι.

II Ma. 11. 4. πεφρενωμένος δὲ ταῖς μυριάσι τῶν πεζῶν

φρήν. (1) לֵב (2) מַנְדָּע (3) ἐνδεὴς φρενῶν כְּסִיל

Pr. 6. 32. ὁ δὲ μοιχὸς δι' ἔνδειαν φρενῶν ἀπώλειαν τῇ ψυχῇ αὐ. περιποιεῖται (1)
7. 7. ὃν ἂν ἴδῃ τῶν ἀφρόνων τέκνων νεανίαν ἐνδεῆ φρενῶν (1)
9. 4. τοῖς ἐνδεέσι φρενῶν εἶπεν (1)
11. 12. μυκτηρίζει πολίτας ἐνδεὴς [A -εῖς] φρενῶν (1)
12. 11. οἱ δὲ διώκοντες μάταια ἐνδεεῖς φρενῶν (1)
15. 21. ἀνοήτου τρίβοι ἐνδεεῖς φρενῶν (1)
18. 2. οὐ χρείαν ἔχει σοφίας ἐνδεὴς φρενῶν (3)
24. 45 (30). ὥσπερ ἀμπελὼν ἄνθρωπος ἐνδεὴς φρενῶν (1)
Da. TH. 4. 31. αἱ φρ. μου ἐπ' ἐμὲ ἐπεστράφησαν (2)
— 33. αἱ φρ. μου ἐπεστράφησαν ἐπ' ἐμέ (2)
III Ma. 4. 16. πεπληρωμένη πόρρω τῆς ἀληθείας φρενί
5. 47. ὀργῇ βαρείᾳ γεμίσας δυσσεβῆ φρ.

φρικασμός.
II Ma. 3. 17. περιεκέχυτο γὰρ . . . φρικασμὸς σώματος

φρίκη. (1) פַּחַד
Jb. 4. 14. φρίκη μοι συνήντησε καὶ τρόμος (1)
Am. 1. 11. ἥρπασεν εἰς μαρτύριον φρίκην αὐ. †
[Aq. Ho. 13. 1.]
[Sm. Ps. 47 (48). 7 : 54 (55). 6 : Ez. 27. 35.]

φρικτός. (1) *a.* שַׁעֲרוּר *b.* שַׁעֲרוּרִי
Wi. 8. 15. φοβηθήσονταί με ἀκούσαντες τύραννοι φρικτοί
Je. 5. 30. φρικτὰ ἐγενήθη ἐπὶ τῆς γῆς (1 *a*)
18. 13. τίς ἤκουσε τοιαῦτα φρικτά (1 *b*)
23. 14. ἑώρακα φρικτὰ [S τὰ φρ.] μοιχωμένους (1 *a*)
[Aq., Sm. Je. 51 (28). 27.]

φρικτῶς.
Wi. 6. 5. φρ. καὶ ταχέως ἐπιστήσεται ὑμῖν

φρικώδης. (1) *a.* שַׁעֲרִירִי *b.* שַׁעֲרוּרִי
Ho. 6. 11 (10). εἶδον φρικώδη ἐκεῖ (1 *a**, 1 *b*)

φρίττειν. (1) כָּרָא ithpe. (2) סָמַר pi. (3) שָׂעַר
Ju. 16. 10. ἔφριξαν Πέρσαι τὴν τόλμαν αὐτῆς
Jb. 4. 15. ἔφριξαν δέ μου τρίχες καὶ σάρκες (2)
Je. 2. 12. ἔφριξεν ἐπὶ πλεῖον σφόδρα (3)
Da. TH. 7. 15. ἔφριξε τὸ πνεῦμά μου (1)
IV Ma. 14. 9. νῦν ἡμεῖς . . . φρίττομεν
17. 7. A² S R οὐκ ἂν ἔφριττον οἱ θεωροῦντες
[Aq. Na. 1. 5.]
[Al. Dt. 2. 25.]
[Heb. Jb. 4. 15.]

φρονεῖν. (1) בִּין (2) חָכַם (3) שָׂכַל hi.
De. 32. 29. οὐκ ἐφρόνησαν συνιέναι (2)
Es. 8. 13. βασιλεὺς μέγας Ἀρτ. . . . τοῖς τὰ ἡμέτερα φρονοῦσι χαίρειν
— 13. πολλοὶ . . . μεῖζον ἐφρόνησαν
Ps. 93 (94). 8. μωροί, ποτὲ φρονήσατε (3)
Wi. 1. 1. φρονήσατε περὶ τοῦ κυρίου ἐν ἀγαθότητι
14. 30. κακῶς ἐφρόνησαν περὶ θεοῦ
Za. 9. 2. ἐφρόνησαν σφόδρα (2)
Is. 44. 18. οὐκ ἔγνωσαν φρονῆσαι (1)
— 28. ὁ λέγων Κύρῳ φρονεῖν †
56. 10. A S οὐκ ἔγνωσαν φρονῆσαι [B *om.*] –
I Ma. 10. 20. καὶ φρονεῖν τὰ ἡμῶν
II Ma. 9. 12. καὶ μὴ θνητὸν ὄντα ὑπερήφανα φρονεῖν
14. 8. ὑπὲρ τῶν ἀνηκόντων τῷ βασ. γνησίως φρονῶν
— 26. ἔλεγε τὸν N. ἀλλότρια φρονεῖν τῶν πραγμάτων
IV Ma. 6. 17. μὴ οὕτως κακῶς φρονήσαιμεν
[Sm. Jb. 32. 11.]

φρόνημα.
II Ma. 7. 21. γενναίῳ πεπληρωμένη φρονήματι
13. 9. τοῖς δὲ φρ. ὁ βασ. βεβαρημένος ἤρχετο

φρόνησις. (1) *a.* בִּינָה *b.* תְּבוּנָה (2) *a.* דַּעַת *b.* מַדָּע *c.* מַנְדָּע (3) חָכְמָה (4) לֵב (5) עָרְמָה (6) רוּחַ (7) *a.* שֶׂכֶל *b.* שָׂכַל hi.
Jo. 5. 1. οὐκ ἦν ἐν αὐτοῖς φρ. οὐδεμία (6)
I Ki. 2. 10. μὴ καυχάσθω ὁ φρόνιμος ἐν τῇ φρ. αὐ. –
III Ki. 3. 1 (4. 29 [5. 9]). ἔδωκε κ. φρόνησιν τῷ Σαλ. (3)
— 1 (4. 30 [5. 10]). R ἐπληθύνθη ἡ φρ. Σαλ. σφόδρα ὑπὲρ τὴν φρ. [A B *al.*] (3, 3)
— 28. φρόνησις θεοῦ ἐν αὐτῷ (3)
4. 29 (5. 9). ἔδωκε κ. φρόνησιν τῷ Σ. καὶ σοφίαν [A σ. τ. Σ. κ. φρ.] πολλὴν σφόδρα (3 [1 *b*])
— 30 (5. 10). ὑπὲρ τὴν φρ. πάντων ἀρχαίων ἀνθρώπων (3)
10. 4. εἶδε βασίλισσα Σ. πᾶσαν φρ. Σαλ. (3)
— 6. ὃν ἤκουσα . . . περὶ τῆς φρ. σου (3)
— 8. οἱ ἀκούοντες πᾶσαν τὴν φρ. σου (3)
— 23. ἐμεγαλύνθη Σαλ. . . . φρονήσει (3)
— 24. τοῦ ἀκοῦσαι τῆς φρ. αὐ. (3)
11. 41. καὶ πᾶσαν τὴν φρ. αὐ. (3)
Jb. 5. 13. ὁ καταλαμβάνων σοφοὺς ἐν τῇ φρ. (5)
17. 4. B S² καρδίαν αὐτῶν ἔκρυψας [A -αν] ἀπὸ φρονήσεως (7 *a*)
Pr. 1. 2. νοῆσαί τε λόγους φρονήσεως (1 *a*)
3. 13. καὶ θνητὸς ὃς εἶδε φρόνησιν (1 *b*)
— 19. ἡτοίμασε δὲ οὐρανοὺς φρονήσει [A S³ ἐν φρ.] (1 *b*)
7. 4. τὴν δὲ φρ. γνώριμον περιποίησαι σεαυτῷ (1 *a*)
8. 1. ἵνα φρόνησίς σοι ὑπακούσῃ (1 *b*)
— 14. ἐμὴ φρόνησις ἐμὴ δὲ ἰσχύς (1 *a*)
9. 6. ζητήσατε φρόνησιν (1 *a* ?)
— 16. ἐνδεέσι δὲ φρονήσεως παρακελεύομαι (4)
10. 23. ἡ δὲ σοφία ἀνδρὶ τίκτει φρόνησιν (1 *b*)
14. 29. μακρόθυμος ἀνὴρ πολὺς ἐν φρονήσει (1 *b*)
16. 16. νοσσιαὶ δὲ φρονήσεως αἱρετώτεραι ὑπὲρ ἀργύριον (1 *a*)
— 32. A S² καὶ ἀνὴρ φρόνησιν ἔχων γεωργίου μεγάλου –
19. 8. ὁ κτώμενος φρόνησιν ἀγαπᾷ ἑαυτὸν ὃς δὲ φυλάσσει φρόνησιν εὑρήσει ἀγαθά (4, 1 *b*)
24. 5. καὶ ἀνὴρ φρόνησιν ἔχων γεωργίου μεγάλου (2 *a*)
— 25 (30. 2). φρόνησις ἀνθρώπων οὐκ ἔστιν ἐν ἐμοί (1 *a*)
Wi. 3. 15. ἀδιάπτωτος ἡ ῥίζα τῆς φρ.
4. 9. πολιὰ δέ ἐστιν φρόνησις ἀνθρώποις [S² ἐν ἀ.]
6. 15. τὸ γὰρ ἐνθυμηθῆναι περὶ αὐτῆς φρονήσεως τελειότης
7. 7. φρόνησις ἐδάθη μοι
— 16. πᾶσά τε φρόνησις καὶ ἐργατειῶν ἐπιστήμη
8. 6. εἰ δὲ φρόνησις ἐργάζεται
— 7. σωφροσύνην γὰρ καὶ φρόνησιν ἐκδιδάσκει
— 18. ἐν συγγυμνασίᾳ ὁμιλίας αὐτῆς φρόνησις [A -σεις]
— 20. καὶ τοῦτο δ᾽ ἦν [S¹ δὴ] φρονήσεως
17. 7. τῆς ἐπὶ [S¹ ἐπιφερομένης] φρονήσει ἀλαζονείας ἔλεγχος
Si. 1. 4. σύνεσις φρονήσεως ἐξ αἰῶνος
19. 22. οὐκ ἔστιν ὅπου [A S¹ *om.*] βουλὴ ἁμαρτωλῶν φρόνησις
— 24. περισσεύων ἐν φρονήσει [A συνέσει]
25. 9. μακάριος ὃς εὗρε φρόνησιν
29. 28. βαρέα ταῦτα ἀνθρώπῳ ἔχοντι φρόνησιν
Is. 40. 28. οὐδὲ ἔστιν ἐξεύρεσις τῆς φρ. αὐτοῦ (1 *b*)
44. 19. οὐδὲ ἔγνω τῇ φρ. (1 *b*)
Je. 10. 12. τῇ φρ. αὐτοῦ ἐξέτεινε τὸν οὐρανόν (1 *b*)
Ba. 3. 9. ἐνωτίσασθε γνῶναι φρόνησιν
— 14. μάθε ποῦ ἐστι φρ.
— 28. ἀπώλοντο παρὰ τὸ μὴ ἔχειν φρόνησιν
Ez. 28. 4. μὴ ἐν . . . τῇ φρ. σου ἐποίησας σεαυτῷ δύναμιν (1 *b*)
Da. LXX. 1. 17. τοῖς νεανίσκοις ἔδωκεν ὁ κύριος . . . φρόνησιν (7 *b*)
2. 23. φρόνησιν ἔδωκάς μοι †
Da. TH. 1. 4. καὶ διανοουμένους φρόνησιν (2 *b*)
— 17. ἔδωκεν αὐτοῖς ὁ θεὸς . . . φρόνησιν (7 *b*)
2. 21. διδοὺς . . . φρόνησιν τοῖς εἰδόσι σύνεσιν (2 *c*)
5. 12. φρόνησις καὶ σύνεσις ἐν αὐτῷ (2 *c*)
IV Ma. 1. 2. τῆς μεγίστης ἀρετῆς λέγω δὴ φρονήσεως περιέχει ἔπαινον
— 6. A R τῶν τῆς δικαιοσύνης . . . καὶ φρ. [S *om.* κ. φρ.] ἐναντίων
— 18. ἰδέαι καθεστᾶσι φρόνησις καὶ δικαιοσύνη
— 19. κυριωτάτη δὲ πάντων ἡ φρ.
[Aq. Dt. 32. 28 : Ps. 48 (49). 4 : 77 (78). 72 : Pr. 2. 11 : 18. 2 : 19. 11 : Is. 40. 14.]
[Sm. Jb. 17. 4 : 33. 33 : Ps. 77 (78). 72 : Pr. 1. 3 : 2. 3, 11 : 4. 1 : 12. 8 : 16. 22 : Is. 40. 14.]
[Th. Jb. 17. 4 : Pr. 2. 11 : 5. 1 : 19. 11 : Is. 40. 14.]
[Al. Jd. 5. 29 : Pr. 15. 32.]

φρόνιμος. (1) *a.* בִּין ni. *b.* hi. *c.* תְּבוּנָה (2) *a.* חָכְמָה *b.* חָכָם *c.* חֲכַם־לֵב (3) מְזִמָּה (4) עָרוּם
Ge. 3. 1. ὁ δὲ ὄφις ἦν φρονιμώτατος πάντων τῶν θηρίων (4)
41. 33. σκέψαι ἄνθρωπον φρ. καὶ συνετόν (1 *a*)
— 39. οὐκ ἔστιν ἄνθρωπος φρονιμώτερός σου (1 *a*)
I Ki. 2. 10. μὴ καυχάσθω ὁ φρ. ἐν τῇ φρονήσει αὐ. –
III Ki. 3. 1 (4. 30 [5. 10]). B καὶ ὑπὲρ πάντας φρ. Αἰγύπτου (2 *a*)
— 1. ἀνὴρ φρ. σύ –
— 1 (4. 20). B ἦν ὁ βασ. Σ. φρ. σφόδρα καὶ σοφός –
— 12. δέδωκά σοι καρδίαν φρ. καὶ σοφήν [A σ. κ. φρ.] (2 *b* [1 *a*])
III Ki. 4. 30 (5. 10). καὶ ὑπὲρ πάντας φρ. Αἰγ. (2 *a*)
5. 7 (21). ὃς ἔδωκε τῷ Δ. υἱὸν φρ. (2 *b*)
To. 4. 18. A B συμβουλίαν παρὰ παντὸς φρ. ζήτησον
6. 12. τὸ κοράσιον καλὸν καὶ φρ. ἐστι [S *al.*]
Jb. 34. 34. A ἀνὴρ δὲ φρόνιμος [B S σοφὸς] ἀκήκοέ μου τὸ ῥῆμα (2 *b*)
Pr. 3. 7. μὴ ἴσθι φρόνιμος παρὰ σεαυτῷ (2 *b*)
10. 24. A δουλεύσει δὲ ἄφρων φρονίμῳ –
11. 12. ἀνὴρ δὲ [S¹ δὲ ὁ] φρόνιμος ἡσυχίαν ἄγει (1 *c*)
— 29. δουλεύσει δὲ ἄφρων φρονίμῳ (2 *c*)
14. 6. αἴσθησις δὲ παρὰ φρονίμοις εὐχερής (1 *a*)
— 17. ἀνὴρ δὲ φρόνιμος πολλὰ ὑποφέρει (3)
15. 1. ὀργὴ ἀπόλλυσι καὶ φρονίμους –
— 21. ἀνὴρ δὲ φρόνιμος [S ὁ δὲ φρ. ἀ.] κατευθύνων πορεύεται (1 *c*)
17. 10. συντρίβει ἀπειλὴ καρδίαν φρονίμου (1 *b*)
— 21. υἱὸς δὲ φρόνιμος εὐφραίνει μητέρα αὐτοῦ –
— 27. μακρόθυμος δὲ ἀνὴρ φρόνιμος (1 *c*)
— 28. ἐνεὸν δέ τις ἑαυτὸν ποιήσας δόξει φρόνιμος εἶναι (1 *a*)
18. 14. θυμὸν ἀνδρὸς πραΰνει θεράπων φρόνιμος †
— 15. καρδία φρονίμου κτᾶται αἴσθησιν (1 *a*)
19. 7. ἀνὴρ δὲ φρόνιμος εὑρήσει αὐτήν –
— 25. ἐὰν δὲ ἐλέγχῃς ἄνδρα φρόνιμον (1 *a*)
20. 5. ἀνὴρ δὲ φρόνιμος ἐξαντλήσει αὐτήν (1 *c*)
Wi. 6. 24. βασιλεὺς φρόνιμος εὐστάθεια δήμου
Si. 19. 31. ἔστι σιωπῶν καὶ αὐτὸς φρόνιμος
20. 27. ἄνθρωπος φρόνιμος ἀρέσει μεγιστᾶσιν
21. 17. στόμα φρονίμου ζητηθήσεται ἐν ἐκκλησίᾳ
— 21. ὡς κόσμος χρυσοῦς φρονίμῳ παιδεία
— 24. ὁ δὲ φρ. βαρυνθήσεται ἀτιμίᾳ [A S -αν]
— 25. λόγοι δὲ φρονίμων ἐν ζυγῷ σταθήσονται
— 26. A καρδία δὲ φρονίμων [B S σοφῶν] στόμα αὐτῶν
22. 4. θυγάτηρ φρονίμη κληρονομήσει ἄνδρα αὐτῆς
38. 4. ἀνὴρ φρόνιμος οὐ προσοχθεῖ αὐτοῖς
Ho. 13. 13. οὗτος ὁ υἱὸς σου ὁ φρ. (2 *b*)
Is. 44. 25. ἀποστρέφων φρονίμους εἰς τὰ ὀπίσω (2 *b*)
IV Ma. 7. 17. οὐδὲ πάντες φρόνιμον ἔχουσι τὸν λογισμόν
[Sm. Jb. 13. 5 : 34. 35 : Pr. 10. 5.]
[Al. Pr. 12. 2.]

φρονίμως.
[Sm. Ec. 7. 11 (10).]

φροντίζειν. (1) דָּאַג (2) חָשַׁב (3) יָרֵא (4) פָּחַד
I Ki. 9. 5. B μὴ ἀνεὶς ὁ πατήρ μου τὰς ὄνους φροντίζει [A R -η] περὶ ἡμῶν (1)
Jb. 3. 25. φόβος γὰρ ὃν ἐφρόντισα [A εὐλαβούμην, S² ἐφοβούμην] ἦλθέ μοι (4)
23. 14. νουθετούμενος δὲ ἐφρόντισα αὐτοῦ (4)
Ps. 39 (40). 17. κύριος φροντεῖ μου (2)
Pr. 31. 21. οὐ φροντίζει [A -η] τῶν ἐν οἴκῳ ὁ ἀνὴρ αὐτῆς (3)
Wi. 8. 17. ταῦτα . . . φροντίσας ἐν καρδίᾳ μου
Si. 8. 13. ἐὰν ἐγγυήσῃ ὡς ἀποτίσων φρόντιζε
35 (32). 1. φρόντισον αὐτῶν καὶ οὕτω κάθισον
41. 12. φρόντισον περὶ ὀνόματος [S² ὀ. καλοῦ]
50. 4. ὁ φροντίζων τοῦ λαοῦ [S¹ τὸ ἔλεον] αὐτοῦ ἀπὸ πτώσεως [S¹ πτοήσ.]
I Ma. 16. 14. A φροντίζων τὰς [S¹ τὰ τῆς, S² R τῆς] ἐπιμελείας αὐ.
II Ma. 2. 25. ἐφροντίσαμεν τοῖς μὲν βουλομ. ἀναγινώσκειν ψυχαγωγίαν
4. 21. τῆς καθ᾽ αὑτὸν ἀσφαλείας ἐφρόντιζεν
9. 21. φροντίσαι τῆς κοινῆς πάντων ὑμῶν ἀσφαλείας
11. 15. τοῦ συμφέροντος φροντίζων
[Sm. Ps. 55 (56). 6 : Pr. 24. 27.]
[Quint. Pr. 24. 27 : Mi. 6. 8.]

φροντίς.
Jb. 11. 18. ἐκ δὲ . . . φροντίδος ἀναφανεῖταί σοι εἰρήνη †
15. 20. πᾶς ὁ βίος ἀσεβοῦς ἐν φροντίδι †
40. 4 (9). S¹ ἡ φωνὴ κατ᾽ αὐτοῦ φροντίς [A B S² *al.*] †
Wi. 5. 15. ἡ φρ. αὐτῶν παρὰ ὑψίστῳ
6. 18. φροντὶς δὲ παιδείας ἀγάπη
7. 4. ἐν σπαργάνοις ἀνετράφην [A ἀνεστρ.] καὶ ἐν [A S *om.*] φροντίσιν
8. 9. παραίνεσις φροντίδων καὶ λύπης
15. 9. ἔστιν αὐτῷ φροντίς
IV Ma. 16. 8. ὑπέμεινα . . . χαλεπωτέρας φρ. ἀνατροφῆς

φροντιστέον.
II Ma. 2. 29. τῆς καινῆς οἰκίας ἀρχιτέκτονι τῆς ὅλης καταβολῆς φροντιστέον

φρουρά. (1) נְצִיב
II Ki. 8. 6. ἔθετο Δ. φρουρὰν ἐν Συρίᾳ (1)
— 14. ἔθετο ἐν τῇ Ἰδουμαίᾳ φρουράν (1)
I Ch. 18. 6. ἔθετο Δ. φρουρὰν ἐν Συρίᾳ –
— 13. ἔθετο ἐν τῇ κοιλάδι φρουράς (1)
I Ma. 6. 50. A ἐπάταξεν [S ἐπέτ., R ἀπέτ.] ἐκεῖ φρουράν
9. 51. ἔθεντο φρουρὰν ἐν αὐτοῖς
10. 75. A R φρουρὰ [S -ὰν] Ἀπ. ἐν Ἰόππῃ [S Ἰ. εὗρον]
11. 3. ἀπέτασσε τὰς δυνάμεις φρουράν [S³ -εῖν]
— 66. ἔθετο ἐπ' αὐτὴν φρουράν
12. 34. ἔθετο ἐκεῖ φρουράν
14. 33. ἔθετο ἐκεῖ φρουρὰν ἄνδρας Ἰουδ.
II Ma. 12. 18. καταλελοιπότα δὲ φρουρὰν ἔν τινι τόπῳ
[Sm. II Ki. 8. 14.]
[Al. II Ch. 17. 2.]

φρουρεῖν.
I Es. 4. 56. καὶ πᾶσι τοῖς φρουροῦσι τὴν πόλιν
Ju. 3. 6. A S R ἐφρούρησε [B -ωσε] τὰς πόλεις τὰς ὑψηλάς
Wi. 17. 16. ἐφρουρεῖτο εἰς τὴν ἀσίδηρον εἱρκτὴν κατακλεισθείς
I Ma. 11. 3. S³ ἀπέτασσε τὰς δυνάμεις φρουρεῖν [A S¹ R -άν]
[Sm. Ps. 87 (88). 9.]

φρούρημα.
[Aq. Jb. 38. 16.]

φρούρησις.
[Aq., Sm. II Ki. 5. 24.]
[Al. II Ki. 5. 23.]

φρούριον.
II Ma. 10. 32. εἰς Γ. λεγόμενον ὀχύρωμα εὖ μάλα φρούριον
— 33. περιεκάθισαν τὸ φρ.
13. 19. ἐπὶ Βαιθσ. φρ. ὀλίγον τῶν Ἰουδ. προσῆγεν
[Sm. Jd. 6. 2: IV Ki. 23. 11: I Ch. 11. 5.]

φρουρός.
[Sm. II Ki. 8. 6.]

φρουροῦν.
Ju. 3. 6. B ἐφρούρωσε [A S R -ησε] τὰς πόλεις τὰς ὑψηλάς

φρύαγμα. (1) גָּאוֹן
Ho. 4. 18. ἠγάπησαν ἀτιμίαν ἐκ φρυάγματος αὐ. †
Za. 11. 3. τεταλαιπώρηκε τὸ φρ. τοῦ Ἰορδ. (1)
Je. 12. 5. πῶς ποιήσεις [S¹ -σω] ἐν φρυάγματι τοῦ Ἰορδάνου (1)
Ez. 7. 24. ἀποστρέψω τὸ φρ. τῆς ἰσχύος αὐτῶν (1)
24. 21. βεβηλῶ . . . φρ. ἰσχύος ὑμῶν (1)
III Ma. 6. 16. σὺν . . . παντὶ τῷ τῆς δυνάμεως φρ.
[Aq. Je. 49. 19 (29. 20): 50 (27). 44.]
[Sm. Je. 8. 16.]
[Th. Je. 50 (27). 44: Ez. 7. 24 (P.).]

φρυάζειν (?), **φρυάττειν.** (1) רָגַשׁ
Ps. 2. 1. ἵνα τί ἐφρύαξαν ἔθνη (1)
II Ma. 7. 34. R φρυαττόμενος [A φρυττ.] ἀδήλοις ἐλπίσιν
III Ma. 2. 2. θράσει καὶ σθένει πεφρυασμένου

φρύγανον. (1) חָרוּל (2) קָצָף (3) קַשׁ
Jb. 30. 7. οἱ ὑπὸ φρύγανα ἄγρια διητῶντο (1)
Ho. 10. 7. ὡς φρύγανον ἐπὶ προσώπου ὕδατος (2)
Is. 40. 24. καταιγὶς ὡς φρύγανα [S¹ -ον] λήψεται [A ἀναλ.] αὐτούς (3)
41. 2. ὡς φρύγανα ἐξωσμένα τὰ τόξα αὐτῶν (3)
47. 14. ὡς φρύγανα ἐπὶ πυρὶ κατακαυθήσονται (3)
Je. 13. 24. διέσπειρα [A διέφθ.] αὐτοὺς ὡς φρύγανα (3)
[Th. Ho. 10. 7.]

φρύγειν, *cf.* **φρύττειν.** (1) *a.* קָלָה *b.* קָלִי
Le. 2. 14. νέα πεφρυγμένα χίδρα ἐρικτά (1 *a*)
23. 14. πεφρυγμένα χίδρα νέα οὐ φάγεσθε (1 *b*)
[Aq. Le. 2. 14: Je. 29 (36). 22.]
[Sm. Ge. 41. 6, 23: Le. 2. 14: Je. 29 (36). 22.]

φρύγιον. (1) מוֹקֵד
Ps. 101 (102). 3. τὰ ὀστᾶ μου ὡσεὶ φρύγιον συνεφρύγισαν (1)
[Th. Ps. 101 (102). 4.]

φρυκτός.
[Aq. Jo. 5. 11: I Ki. 25. 18: II Ki. 17. 28.]
[Sm. Jo. 5. 11: II Ki. 17. 28.]
[Al. Ru. 2. 14.]

φρύττειν, *cf.* **φρύγειν.**
II Ma. 7. 34. μὴ μάτην μετεωρίζου φρυττόμενος ἀδήλοις ἐλπίσιν

φυγαδεία (-δία). (1) מִבְרָח
II Es. 4. 15. R φυγαδεῖαι [A B -εῖα] δούλων γίνονται ἐν μέσῳ αὐτῆς †
— 19. A φυγαδίαι [B -δεῖα, R -δεῖαι] γίνονται ἐν αὐτῇ †
Ez. 17. 21. A πάσας φυγαδείας αὐτοῦ . . . πεσοῦνται [B *al.*] (1)
[Sm. Ez. 17. 21.]

φυγαδεῖον, *cf.* **φυγάδιον.**
II Es. 4. 15. A B καὶ φυγαδεῖα [R -εῖαι] δούλων ἐν μέσῳ αὐτῆς †
— 19. B φυγαδεῖα [A -δίαι, R -δεῖαι] γίνονται ἐν αὐτῇ †

φυγαδεύειν. (1) נָדַד
Ps. 54 (55). 7. ἰδοὺ ἐμάκρυνα φυγαδεύων (1)
I Ma. 2. 43. πάντες οἱ φυγαδεύοντες ἀπὸ τῶν κακῶν
II Ma. 5. 5. εἰς τὴν ἀκρόπολιν ἐφυγάδευσεν
9. 4. τῶν πεφυγαδευκότων αὐτὸν κακίαν
10. 15. τοὺς φυγαδεύσαντας ἀπὸ Ἱερ. προσλαβόμενοι
14. 14. πεφυγαδευκότες τὸν Ἰ.
[Aq. Dt. 32. 30.]
[Sm. Jb. 41. 20.]

φυγαδευτήριον. (1) *a.* מִקְלָט *b.* עָרֵי מִקְלָט (2) נוּם
Nu. 35. 6. τὰς ἓξ πόλεις τῶν φ. (1 *a*)
— 11. φυγαδευτήρια ἔσται ὑμῖν (1 *b*)
— 12. ἔσονται αἱ πόλεις ὑμῖν φυγαδευτήρια (1 *a*)
— 13. φυγαδευτήρια ἔσονται ὑμῖν (1 *a*)
— 15. ἔσονται αἱ πόλεις αὗται εἰς φυγαδευτήριον (1 *a*)
— 25. εἰς τὴν πόλιν τοῦ φ. (1 *a*)
— 32. τοῦ φυγεῖν εἰς πόλιν τῶν [B¹ *om.*] φ. (1 *a*)
Jo. 20. 2. δότε τὰς πόλεις τῶν φ. (1 *a*)
— 3. φυγαδευτήριον τῷ φονευτῇ (2)
— 3. ἔσονται ὑμῖν αἱ πόλεις φυγαδευτήριον (1 *a*)
21. 13. ἔδωκε τὴν πόλιν φυγαδευτήριον τῷ φονεύσαντι (1 *a*)
— 21. τὴν πόλιν τοῦ φ. τὴν τοῦ φονεύσαντος (1 *a*)
— 36. τὴν πόλιν τὸ φ. τοῦ φονεύσαντος –
— 37 (36). τὴν πόλιν τὸ φ. [A τοῦ φ.] τοῦ φονεύσαντος (1 *a*)
I Ch. 6. 57 (42). ἔδωκαν τὰς πόλεις τῶν φ. (1 *a*)
— 67 (52). ἔδωκαν αὐτῷ τὰς πόλεις τῶν φ. (1 *a*)
I Ma. 1. 53. ἔθεντο τὸν Ἰσρ. ἐν κρύφοις ἐν παντὶ φ. αὐ.
10. 14. A R ἦν γὰρ αὐτοῖς [S εἰς] φυγαδευτήριον

φυγάδιον (-εῖον), *cf.* **φυγαδεῖον.** (1) מִקְלָט
Nu. 35. 15 (14). φυγάδιον ἔσται τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (1)

φυγάς. (1) נָדַח ni. (2) עֹרֵף (3) φ. εἶναι נוּם
Ex. 23. 27. δώσω πάντας τοὺς ὑπεναντίους σου φυγάδας (2)
Pr. 28. 17. ἄνδρα τὸν ἐν αἰτίᾳ φόνου ὁ ἐγγυώμενος φυγὰς ἔσται (3)
Wi. 10. 10. αὕτη φυγάδα ὀργῆς ἀδελφοῦ δίκαιον ὡδήγησεν
17. 2. φυγάδες τῆς αἰωνίου προνοίας ἔκειντο
19. 3. τούτους ὡς φυγάδας ἐδίωκον
Is. 16. 4. παροικήσουσί σοι οἱ φ. Μωάβ (1)
II Ma. 4. 26. ὑπονομευθεὶς ὑφ' ἑτέρου φυγάς
5. 7. φυγὰς πάλιν εἰς τὴν Ἀμμανῖτιν παρῆλθε
IV Ma. 4. 1. φυγὰς ᾤχετο

φυγή. (1) בָּרַח (2) *a.* נוּם *b.* מָנוֹס *c.* מְנוּסָה
II Ki. 18. 3. ἐὰν φυγῇ φύγωμεν (2 *a*)
Ju. 15. 3. ἐτράπησαν εἰς φυγήν
Jb. 27. 22. ἐκ χειρὸς αὐτοῦ φυγῇ φεύξεται (1)
Ps. 141 (142). 4. ἀπώλετο φυγὴ ἀπ' ἐμοῦ (2 *b*)
Am. 2. 14. ἀπολεῖται φυγὴ ἐκ δρομέως (2 *b*)
Na. 3. 9. οὐκ ἔστι πέρας τῆς φ. [A S² φ. σου] †
Is. 52. 12. οὐδὲ φυγῇ πορεύσεσθε (2 *c*)
Je. 26 (46). 5. φυγῇ ἔφυγον (2 *b*)
27 (50). 24. S καὶ φυγῇ [A B οὐ γνώσῃ] †
30. 13 (49. 24). ἀπεστράφη εἰς φυγήν (2 *a*)
32 (25). 35. ἀπολεῖται φ. ἀπὸ τῶν ποιμένων (2 *b*)
II Ma. 4. 42. πάντας δὲ εἰς φυγὴν συνήλασαν
12. 22. R εἰς φυγὴν [A εἰς φυγεῖν] ὥρμησαν
[Aq. Ge. 16. 6.]
[Sm. Is. 31. 9.]

φύειν. (1) נָטַע (2) עָלָה (3) פָּרָה (4) צָמַח
Ex. 10. 5. κατέδεται πᾶν ξύλον τὸ φυόμενον ὑμῖν (4)
De. 29. 18 (17). μή τίς ἐστιν ἐν ὑμῖν ῥίζα ἄνω φύουσα (3)
Pr. 11. 30. ἐκ καρποῦ δικαιοσύνης φύεται δένδρον ζωῆς –
26. 9. ἄκανθαι φύονται ἐν χειρὶ μεθύσου (2)
Ca. 5. 13. ὡς φιάλαι τοῦ ἀρώματος φύουσαι μυρεψικά †
Si. 14. 18. τὰ μὲν καταβάλλει ἄλλα δὲ φύει
39. 13. βλαστήσατε ὡς ῥόδον φυόμενον ἐπὶ ῥεύματος ἀγροῦ [A S ὑγροῦ]
Is. 37. 31. φυήσουσι ῥίζαν κάτω –
Je. 38 (31). 5. A φύσαντες φυτεύσατε [B S *al.*] (1)
Ez. 37. 8. νεῦρα καὶ σάρκες ἐφύοντο [A ἀνεφ.] (2)
Da. LXX. 3. (76). εὐλογεῖτε, πάντα τὰ φυόμ. ἐπὶ τῆς γῆς, τὸν κ.
4. 7. δένδρον ὑψηλὸν φυόμενον ἐπὶ τῆς γῆς –
Da. TH. 3. (76). εὐλογεῖτε, πάντα τὰ φυόμ. ἐν τῇ γῇ, τὸν κ.
I Ma. 4. 38. ἴδον . . . ἐν ταῖς αὐλαῖς φυτὰ πεφυκότα
IV Ma. 1. 20. τούτων δὲ ἑκάτερον καὶ περὶ τὴν ψυχὴν πέφυκε
[Sm. Jb. 8. 17.]

φυή. (1) אֲרוּכָה (2) עֶקֶר
Ne. 4. 7 (1). ἀνέβη ἡ [S *om.*] φ. τοῖς τείχεσιν Ἱερ. (1)
Da. TH. 4. 12. τὴν φ. τῶν ῥιζῶν αὐ. ἐν τῇ γῇ ἐάσατε (2)
— 20. τὴν φ. τῶν ῥιζῶν αὐ. ἐάσατε ἐν τῇ γῇ (2)
— 23. ἐάσατε τὴν φ. τῶν ῥιζῶν τοῦ δένδρου (2)

φῦκος.
Wi. 13. 14. φύκει ἐρυθήνας [S¹ -θημα, A -θηνὸς] χρόαν [B² S¹ -ας] αὐτοῦ

φύλαγμα. (1) מִשְׁמֶרֶת
Le. 8. 35. φυλάξεσθε τὰ φ. κυρίου (1)
22. 9. φυλάξονται τὰ φ. μου (1)
Nu. 4. 31. ταῦτα τὰ φ. τῶν αἱρομένων ὑπ' αὐτῶν (1)
De. 11. 1. φυλάξῃ τὰ φ. αὐ. (1)
Ze. 1. 12. τοὺς καταφρονοῦντας ἐπὶ τὰ φ. αὐ. †
Ma. 3. 14. ἐφυλάξαμεν τὰ φ. αὐ. (1)
I Ma. 8. 26. φυλάξονται τὰ φ. αὐτῶν
— 28. φυλάξονται τὰ φ. ταῦτα
[Aq., Th. Pr. 4. 23.]
[Al. Le. 18. 30.]

φυλακή. (1) *a.* אָסִיר *b.* אֲסָר (2) *a.* אַשְׁמוּרָה, אַשְׁמֹרָה, אַשְׁמֹרֶת *b.* מִשְׁמָר *c.* מִשְׁמֶרֶת *d.* שְׁמָרָה *e.* שְׁמֹרָה *f.* שָׁמָר (3) *a.* כֶּלֶא *b.* כְּלוּא *c.* כְּלִיא (4) מַהְפֶּכֶת (5) מַטָּרָה (6) מַסְגֵּר (7) מְצוּדָה (8) נָצַר
Ge. 40. 3. ἔθετο αὐτοὺς ἐν φυλακῇ (2 *b*)
— 4. ἦσαν δὲ ἡμέρας ἐν τῇ φ. (2 *b*)
— 7. οἳ ἦσαν μετ' αὐτοῦ ἐν τῇ φ. (2 *b*)
41. 10. ἔθετο ἡμᾶς ἐν φυλακῇ (2 *b*)
42. 17. ἔθετο αὐτοὺς ἐν φυλακῇ (2 *b*)
— 19. κατασχεθήτω ἐν τῇ φ. (2 *b*)
— 30. ἔθετο ἡμᾶς ἐν φυλακῇ –
Ex. 14. 24. ἐν τῇ φ. τῇ ἑωθινῇ (2 *a*)
Le. 24. 12. ἀπέθεντο αὐτὸν εἰς φυλακήν [A ἐν φυλακῇ] (2 *b*)
Nu. 1. 53. φυλάξουσιν οἱ Λ. αὐτοὶ τὴν φ. τῆς σκηνῆς (2 *c*)
3. 7. φυλάξουσι τὰς φ. αὐ. καὶ τὰς φ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (2 *c*, 2 *c*)

Nu. 3. 8. φυλάξουσι . . . τὰς φ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (2 c)
— 25. καὶ ἡ φ. υἱῶν Γ. (2 c)
— 28. φυλάσσοντες τὰς φ. τῶν ἁγίων (2 c)
— 31. καὶ ἡ φ. αὐ. ἡ κιβωτὸς καὶ ἡ τράπεζα (2 c)
— 32. καθεσταμένος φυλάσσειν τὰς φ. τῶν ἁγίων (2 c)
— 36. B ἡ ἐπίσκεψις ἡ φ. [A R τῆς φ.] υἱῶν Μερ. (2 c)
— 38. φυλάσσοντες τὰς φ. τοῦ ἁγίου εἰς τὰς φ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (2 c, 2 c)
4. 28. καὶ ἡ φυλακὴ αὐ. ἐν χειρὶ Ἰθ. (2 c)
— 32. καὶ πάντα τὰ σκεύη τῆς φ. (2 c)
8. 26. λειτουργήσει . . . φυλάσσειν φυλακάς (2 c)
— 26. οὕτω ποιήσεις τοῖς Λ. ἐν ταῖς φ. αὐ. (2 c)
9. 19. φυλάξονται οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὴν φ. τοῦ θ. (2 c)
— 23. τὴν φ. κυρίου ἐφυλάξαντο (2 c)
15. 34. ἀπέθεντο αὐτὸν εἰς φυλακήν (2 b)
18. 3. φυλάξονται τὰς φ. σου καὶ τὰς φ. τῆς σκηνῆς (2 c, 2 c)
— 4. φυλάξονται τὰς φ. τῆς σκηνῆς (2 c)
— 5. φυλάξεσθε τὰς φ. τῶν ἁγίων καὶ τὰς φ. τοῦ θυσιαστηρίου (2 c, 2 c)
31. 30. τοῖς φυλάσσουσι τὰς φ. ἐν τῇ σκηνῇ κυρίου (2 c)
— 47. τοῖς φυλάσσουσι τὰς φ. τῆς σκηνῆς κυρίου (2 c)
Jd. 7. 19. ἐν ἀρχῇ τῆς φ. μέσης [A al.] (2 a)
16. 21. A ἦν ἀλήθων ἐν οἴκῳ τῆς φ. [B τοῦ δεσμωτηρίου] (1 a*, 1 b)
— 25. καλέσατε τὸν Σ. ἐξ οἴκου φυλακῆς –
— 25. A ἐκάλεσαν τὸν Σ. ἐξ οἴκου τῆς φ. [B al.] (1 a*, 1 b)
I Ki. 11. 11. εἰσπορεύονται . . . ἐν φ. τῇ ἑωθινῇ [A πρωϊνῇ] (2 a)
II Ki. 20. 3. ἔδωκεν αὐτὰς ἐν οἴκῳ φυλακῆς (2 c)
III Ki. 2. 3. φυλάξεις φυλακὴν [A τὴν φ.] κ. θεοῦ σου (2 c)
22. 27. θέσθαι τοῦτον ἐν φυλακῇ (3 a)
IV Ki. 11. 5. φυλάξατε φυλακὴν οἴκου τοῦ βασ. (2 c)
— 6. φυλάξατε τὴν φ. τοῦ οἴκου (2 c)
— 7. φυλάξουσι τὴν φ. οἴκου κυρίου (2 c)
17. 4. ἔδησεν αὐτὸν ἐν οἴκῳ φυλακῆς (3 a)
25. 27. ἐξήγαγεν αὐτὸν ἐξ οἴκου φυλακῆς αὐ. (3 a)
— 29. ἠλλοίωσε τὰ ἱμάτια τῆς φ. αὐ. (3 a)
I Ch. 9. 19. φυλάσσοντες τὰς φ. τῆς σκηνῆς †
— 27. B ὅτι ἐπ' αὐτοὺς φυλακή [A R ἡ φ.] (2 c)
12. 29. ἀπεσκόπει τὴν φ. [A φυλὴν] οἴκου Σαούλ (2 c)
23. 32. R φυλάξουσι τὰς φ. σκηνῆς τοῦ μαρτ. καὶ τὴν φ. τοῦ ἁγίου καὶ τὰς φ. υἱῶν Ἀ. [A B al.] (2 c ter)
26. 16. φυλακὴ κατέναντι [A om. φ. κ.] φυλακῆς (2 b, 2 b)
— 18. φυλακὴ κατέναντι φυλακῆς τῆς ἀναβάσεως –
II Ch. 7. 6. καὶ οἱ ἱ. ἐπὶ τὰς φ. αὐ. ἑστηκότες (2 c)
8. 14. καὶ οἱ Λ. ἐπὶ τὰς φ. αὐ. (2 c)
13. 11. φυλάσσομεν ἡμεῖς τὰς φ. κ. τοῦ θεοῦ (2 c)
16. 10. παρέθετο αὐτὸν εἰς φυλακήν (4)
18. 26. ἀποθέσθαι τοῦτον εἰς οἶκον φυλακῆς (3 a)
23. 6. φυλασσέτω φυλακὰς κυρίου (2 c)
35. 2. ἔστησε τοὺς ἱερεῖς ἐπὶ τὰς φ. αὐ. (2 c)
Ne. 3. 25. ὁ πύργος . . . ὁ τῆς αὐλῆς τῆς φ. (5)
12. 25. S² φύλακες πυλωροὶ φυλακῆς (2 b)
— 39. S² ἔστησαν ἐν πύλῃ τῆς φ. (5)
— 45. ἐφύλαξαν φυλακὰς θεοῦ αὐ. καὶ φυλακὰς τοῦ καθαρισμοῦ (2 c, 2 c)
13. 14. S² καὶ ἐν ταῖς φ. αὐ. (2 b)
Ju. 12. 5. ἀνέστη πρὸς τὴν ἑωθινὴν φ.
Jb. 7. 12. ὅτι κατέταξας ἐπ' ἐμὲ φυλακήν (2 b)
35. 10. ὁ κατατάσσων φυλακὰς νυκτερινάς †
Ps. 38 (39). 1. ἐθέμην τῷ στόματί μου φυλακήν †
76 (77). 4. προκατελάβοντο φυλακάς (2 e)
89 (90). 4. καὶ φυλακὴ ἐν νυκτί (2 a)
129 (130). 6. S² ἀπὸ φυλακῆς πρωΐας ἐλπισάτω Ἰσρ. (2 f)
— 6. ἀπὸ φ. πρωΐας μέχρι νυκτός (2 f)
— 7. A ἀπὸ φυλακῆς πρωΐας [S R om. ἀπὸ φ. πρ.] ἐλπισάτω [S¹ om.] –
140 (141). 3. θοῦ [S¹ ἔθου], κύριε, φυλακὴν τῷ στόματί μου (2 d)
141 (142). 7. ἐξάγαγε ἐκ φυλακῆς τὴν ψυχήν μου (6)
Pr. 4. 23. πάσῃ φυλακῇ τήρει σὴν καρδίαν (2 b)
20. 28. ἐλεημοσύνη καὶ ἀλήθεια φυλακὴ βασιλεῖ (8)
Si. 22. 27. τίς δώσει μοι ἐπὶ στόμα μου φυλακήν
26. 10. ἐπὶ θυγατρὶ ἀδιατρέπτῳ στερέωσον φυλακήν
Si. 31 (34). 16. φυλακὴ ἀπὸ προσκόμματος καὶ βοήθεια ἀπὸ πτώματος
42. 11. ἐπὶ θυγατρὶ ἀδιατρέπτῳ στερέωσον φυλακήν
43. 10. οὐ μὴ ἐκλυθῶσιν ἐν φυλακαῖς αὐτῶν
Hb. 2. 1. ἐπὶ τῆς φ. μου στήσομαι (2 c)
Is. 42. 7. ἐξ οἴκου φυλακῆς καθημένους ἐν σκότει (3 a)
Je. 17. 21. A φυλάσσεσθε [A¹ μὴ φ.] τὰς φ. [B S ψυχὰς] ὑμῶν †
28 (51). 12. ἐγείρατε φυλακάς (2 b)
39 (32). 2. A B S² ἐφυλάσσετο ἐν αὐλῇ τῆς φ. (5)
— 8. ἦλθε . . . εἰς τὴν αὐλὴν τῆς φ. (5)
— 12. ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φ. (5)
40 (33). 1. ἦν ἔτι δεδεμένος ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φ. (5)
44 (37). 4. οὐκ ἔδωκαν αὐτὸν εἰς οἶκον [S -ίαν] τῆς φ. (3 b, 3 c*)
— 15. ταύτην ἐποίησαν εἰς οἰκίαν [A -κον] φυλακῆς [S¹ τῆς φ.] (3 a)
— 18. δίδως με εἰς οἰκίαν φυλακῆς [A τῆς φ.] (3 a)
— 21. ἐνεβάλοσαν αὐτὸν εἰς οἰκίαν τῆς φ. (5)
— 21. ἐκάθισεν Ἱερεμίας ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φ. (5)
45 (38). 6. ὃς ἦν ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φ. (5)
— 13, 28. ἐκάθισεν Ἱερεμίας ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φ. (5)
46 (39). 14. ἔλαβον τὸν Ἱερεμίαν ἐξ αὐλῆς τῆς φ. (5)
— 15. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φ. (5)
52. 33. ἤλλαξε τὴν στολὴν τῆς φ. αὐτοῦ (3 a)
Ba. 3. 34. οἱ δὲ ἀστέρες ἔλαμψαν ἐν ταῖς φ. αὐ.
La. 2. 19. ἀγαλλίασαι ἐν [S om.] νυκτὶ εἰς ἀρχὰς φυλακῆς σου (2 a)
Ez. 19. 9. εἰσήγαγεν αὐτὸν εἰς φυλακήν (7)
23. 24. βαλεῖ φυλακὴν ἐπὶ σέ [A al.] †
40. 45. τοῖς φυλάσσουσι τὴν φ. τοῦ οἴκου (2 c)
— 46. τοῖς φυλάσσουσι τὴν φ. τοῦ θυσιαστ. (2 c)
44. 8. A οὐκ ἐφυλάξατε τὴν φ. τῶν ἁγίων μου (2 c)
— 8. διετάξατε τοῦ φυλάσσειν φυλακάς (2 c)
— 14. φυλάσσειν φυλακὰς τοῦ οἴκου (2 c)
— 15. ἐφυλάξαντο τὰς φ. τῶν ἁγίων μου (2 c)
— 16. φυλάξουσι τὰς φ. μου (2 c)
48. 11. τοῖς φυλάσσουσι τὰς φ. τοῦ οἴκου (2 c)
Da. LXX. 4. 15. εἰς φυλακὴν παρεδόθη –
— 22. εἰς φυλακὴν ἀπάξουσί σε –
I Ma. 9. 53. ἔθετο αὐτοὺς . . . ἐν φυλακῇ
13. 12. καὶ Ἰων. μετ' αὐτοῦ ἐν φυλακῇ
14. 3. A S² R ἔθετο αὐτὸν ἐν φυλακῇ
IV Ma. 13. 13. χρήσωμεν τῇ περὶ τὸν νόμον φ. τὰ σώματα
18. 11. καὶ τὸν ἐν φυλακῇ Ἰωσήφ

[Aq. Nu. 3. 7 : I Ki. 20. 20 : Ps. 62 (63). 7 : 76 (77). 5 : Je. 37 (44). 4, 15 : 52. 31.]
[Sm. Nu. 3. 7 : Ps. 62 (63). 7 : 89 (90). 4 : Ec. 4. 14 : Je. 52. 11, 31.]
[Th. Nu. 3. 7 : Jd. 16. 21 : Ps. 76 (77). 5 : Je. 37 (44). 15 : Ez. 44. 8 (Sw.).]
[Al. IV Ki. 11. 6.]

φυλακίζεσθαι.

Wi. 18. 4. ἄξιοι μὲν γὰρ ἐκεῖνοι [A -είνου] . . . φυλακισθῆναι ἐν [A B¹ S om.] σκότει [S¹ -ους]

φυλάκισσα. (1) נָטַר

Ca. 1. 6. ἔθεντό με φυλάκισσαν ἐν ἀμπελῶσιν (1)

φυλακτήριον.

[Heb. Ez. 13. 18.]

φύλαξ. (1) צוּר (2) שָׁמַר

Ge. 4. 9. μὴ φύλαξ τοῦ ἀδελφοῦ μού εἰμι ἐγώ (2)
I Ki. 17. 20. A ἀφῆκεν τὰ πρόβατα φύλακι (2)
— 22. A ἀφῆκεν Δ. τὰ σκεύη αὐ. . . . ἐπὶ χεῖρα φύλακος (2)
II Ki. 22. 3. ὁ θεός μου φύλαξ [B² φ. μου] ἔσται μου [B³ μοι] (1)
— 47. εὐλογητὸς ὁ φ. μου (1)
— 47. ὁ φ. τῆς σωτηρίας μου (1)
23. 3. ἐμοὶ ἐλάλησε φύλαξ ἐξ Ἰσρ. (1)
Ne. 2. 8. ἐπὶ Ἀ. φύλακα τοῦ παραδείσου [S² al.] (2)
3. 29. B Σ. υἱὸς Ἐ. ὁ φ. οἴκου [A S R Ἐ. φ. τῆς πύλης] τῆς ἀνατολῆς (2)
12. 25. S² φύλακες πυλωροὶ φυλακῆς (2)
Es. 2. 3. τῷ εὐνούχῳ τοῦ βασ. τῷ φ. τῶν γυναικῶν (2)
— 8. ἤχθη Ἐ. πρὸς Γαὶ τὸν φ. τῶν γυναικῶν (2)
— 14. Γαὶ ὁ εὐνοῦχος τοῦ βασ. ὁ φ. τῶν γυναικῶν (2)
— 15. ὁ εὐνοῦχος ὁ [S¹ om.] φ. [A om. ὁ φ.] τῶν γυν. (2)
Ec. 12. 3. σαλευθῶσι φύλακες τῆς οἰκίας (2)
Ca. 3. 3. S ἡ νύμφη τοῖς φ. εἶπεν –
Ca. 5. 7. εὗρόσάν με οἱ φ. οἱ κυκλοῦντες ἐν τῇ πόλει (2)
— 7. ἦραν τὸ θέριστρόν μου ἀπ' ἐμοῦ φύλακες τῶν τειχέων (2)
— 9. S οἱ φ. τῶν τειχέων πυνθάνονται τῆς νύμφης –
Is. 62. 6. κατέστησα φύλακας (2)
Ez. 27. 11. φύλακες ἐν τοῖς πύργοις σου ἦσαν †

[Aq. I Ki. 28. 2 : Je. 31 (38). 6.]
[Sm. Dt. 32. 31 bis : I Ki. 28. 2 : Ps. 27 (28). 1 : Ca. 1. 6 : 3. 3 : Je. 31 (38). 6.]
[Th. Dt. 32. 31 bis : I Ki. 28. 2 : Ps. 30 (31). 3 : Pr. 13. 17 : Is. 30. 29.]

φύλαξις.

[Aq. Is. 26. 3.]
[Sam. Ex. 12. 42.]

φυλάρχης.

II Ma. 8. 32. τὸν δὲ φ. τῶν περὶ Τιμ. ἀνεῖλον

φύλαρχος. (1) זְקַן שֵׁבֶט

De. 31. 28. ἐκκλησιάσατε πρὸς μὲ τοὺς φ. ὑμῶν (1)
I Es. 7. 8. πρὸς ἀριθμὸν ἐκ τῶν φ. τοῦ Ἰσρ. δώδεκα
8. 54. ἐχώρισα τῶν φ. τῶν ἱερέων ἄνδρας δέκα δύο
— 59. ἕως τοῦ παραδοῦναι αὐτὰ ὑμᾶς τοῖς φ. τῶν ἱερέων
— 96. ὥρκισε τοὺς φ. τῶν ἱερέων

φυλάσσειν, φυλάττειν. (1) *a.* זָהַר ni. *b.* hi. *c.* זָהַר (2) חָיָה pi. (3) הָיָה כָּלוּא (4) נָטַר (5) נָצַר (6) עָצַר (7) עָשָׂה (8) פִּקָּדוֹן (9) צָפָה (10) שָׁמַע (11) שָׁמַר *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* hithp. *e.* מִשְׁמֶרֶת *f.* הָיָה שֹׁמֵר

Ge. 2. 15. ἐργάζεσθαι αὐτὸν καὶ φυλάσσειν (11 a)
3. 24. φυλάσσειν τὴν ὁδὸν τοῦ ξύλου τῆς ζωῆς (11 a)
18. 19. φυλάξουσι τὰς ὁδοὺς κυρίου (11 a)
26. 5. ἐφύλαξε τὰ προστάγματά μου (11 a)
30. 31. καὶ φυλάξω (11 a)
31. 24, 29. φύλαξαι σεαυτόν (11 b)
41. 35. R βρώματα ἐν ταῖς πόλεσι φυλαχθήτω [A συναχθ.] (11 a)
— 36. ἔσται τὰ βρώματα πεφυλαγμένα τῇ γῇ (8)
Ex. 12. 17. φυλάξετε [A -ασθε] τὴν ἐντολὴν ταύτην (11 a)
— 24. B φυλάξεσθε [A R -ασθε] τὸ ῥῆμα τοῦτο (11 a)
— 25. B φυλάξεσθε [A R -ασθε] τὴν λατρείαν τ. (11 a)
13. 10. B φυλάξεσθε [A R -ασθε] τὸν νόμον τοῦτον (11 a)
15. 26. ἐὰν . . . φυλάξῃς πάντα τὰ δικαιώματα αὐ. (11 a)
19. 5. ἐὰν . . . φυλάξητε τὴν διαθήκην μου (11 a)
20. 6. καὶ τοῖς φυλάσσουσι τὰ προστάγματά μου (11 a)
22. 7 (6). ἐὰν δέ τις δῷ . . . σκεύη φυλάξαι (11 a)
— 10 (9). ἐὰν δέ τις δῷ . . . πᾶν κτῆνος φυλάξαι (11 a)
23. 13. πάντα . . . φυλάξασθε [A -εσθε] (11 b)
— 15. τὴν ἑορτὴν τῶν ἀζύμων φυλάξασθε [A -εσθε] ποιεῖν (11 a)
— 20. ἵνα φυλάξῃ σε ἐν τῇ ὁδῷ (11 a)
— 22. ἐὰν . . . φυλάξητε τὴν διαθήκην μου –
31. 13. τὰ σάββατά μου φυλάξεσθε (11 a)
— 14. φυλάξεσθε [A -ασθε] τὰ σάββατα (11 a)
— 16. φυλάξουσιν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὰ σάββατα (11 a)
34. 18. τὴν ἑορτὴν τῶν ἀζύμων φυλάξῃ (11 a)
Le. 8. 35. φυλάξεσθε [A -ασθε] τὰ φυλάγματα κυρίου (11 a)
18. 4. τὰ προστάγματά μου φυλάξεσθε (11 a)
— 5. φυλάξεσθε [A-ασθε] πάντα τὰ προστάγμ. μου (11 a)
— 26. φυλάξεσθε πάντα τὰ νόμιμά μου (11 a)
— 30. φυλάξετε τὰ προστάγματά μου (11 a)
19. 3. τὰ σάββατά μου φυλάξεσθε [A -ασθε] (11 a)
— 19. τὸν νόμον μου φυλάξεσθε [A -ασθε] (11 a)
— 30. τὰ σάββατά μου φυλάξεσθε (11 a)
— 37. φυλάξεσθε [A -ασθε] πάντα τὸν νόμον μου (11 a)
20. 8. φυλάξεσθε τὰ προστάγματά μου (11 a)
— 22. φυλάξασθε πάντα τὰ προστάγματά μου (11 a)
22. 9. φυλάξονται [A -ουσιν] τὰ φυλάγματά μου (11 a)
— 31. φυλάξετε τὰς ἐντολάς μου (11 a)

Le. 25. 18. φυλάξασθε καὶ ποιήσετε αὐτά (11 a)
26. 2. τὰ σάββατά μου φυλάξεσθε (11 a)
— 3. ἐὰν . . . τὰς ἐντολάς μου φυλάσσησθε (11 a)
Nu. 1. 53. φυλάξουσιν οἱ Δ. αὐτοὶ τὴν φυλακήν (11 a)
3. 7. φυλάξουσι τὰς φυλακὰς αὐ. (11 a)
— 8. φυλάξουσι πάντα τὰ σκεύη τῆς σκηνῆς (11 a)
— 10. φυλάξουσι τὴν ἱερατείαν αὐ. (11 a)
— 28. φυλάσσοντες τὰς φυλακὰς τῶν ἁγίων (11 a)
— 32. καθεσταμένος φυλάσσειν τὰς φυλακὰς τῶν ἁγίων (11 a)
— 38. φυλάσσοντες τὰς φυλακὰς τοῦ ἁγίου (11 a)
6. 24. B εὐλογήσαι σε κ. καὶ φυλάξαι [A R add. σε] (11 a)
8. 26. λειτουργήσει . . . φυλάσσειν φυλακάς (11 a)
9. 19. φυλάξονται οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὴν φυλακὴν τοῦ θ. (11 a)
— 23. τὴν φυλακὴν κυρίου ἐφυλάξαντο [A -αν] (11 a)
18. 3. φυλάξονται τὰς φυλακάς σου (11 a)
— 4. φυλάξονται τὰς φυλακὰς τῆς σκηνῆς (11 a)
— 5. φυλάξεσθε [A -ετε] τὰς φυλακὰς τῶν ἁγίων (11 a)
22. 35. τοῦτο φυλάξῃ λαλῆσαι –
— 38. A τοῦτο φυλάξω λαλῆσαι [B al.] –
23. 12. οὐχὶ . . . τοῦτο φυλάξω λαλῆσαι (11 a)
31. 30, 47. τοῖς Δ. τοῖς φυλάσσουσι τὰς φυλακάς (11 a)
De. 4. 2. φυλάσσεσθε τὰς ἐντολὰς κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 a)
— 6. φυλάξεσθε καὶ ποιήσετε (11 a)
— 9. φύλαξον [B² -αι] τὴν ψυχήν σου σφόδρα (11 a)
— 15. φυλάξεσθε σφόδρα τὰς ψυχὰς ὑμῶν (11 b)
— 40. φυλάξασθε [A -ξῃ] τὰ δικαιώματα αὐ. (11 a)
5. 1. φυλάξεσθε ποιεῖν αὐτά (11 a)
— 10. καὶ τοῖς φυλάσσουσι τὰ προστάγματά μου (11 a)
— 12. φύλαξαι τὴν ἡμέραν τῶν σαββάτων (11 a)
— 15. ὥστε φυλάσσεσθαι [A -ξεσθαι, A B² add. σε] τὴν ἡμέραν τῶν σαββάτων (7)
— 29 (26). ὥστε . . . φυλάσσεσθαι [A -ειν] τὰς ἐντολάς μου (11 a)
— 32 (29). καὶ φυλάξεσθε ποιεῖν (11 a)
6. 2. φυλάσσεσθε πάντα τὰ δικαιώματα αὐ. (11 a)
— 3. καὶ φύλαξαι ποιεῖν (11 a)
— 17. φυλάσσων φυλάξῃ τὰς ἐντολὰς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a, 11 a)
— 25. ἐὰν φυλασσώμεθα ποιεῖν (11 a)
7. 9. ὁ φυλάσσων διαθήκην . . . τοῖς φυλάσσουσι τὰς ἐντ. αὐ. (11 a, 11 a)
— 11. φυλάξῃ τὰς ἐντολάς (11 a)
— 12. ἡνίκα ἂν . . . φυλάξητε καὶ ποιήσητε αὐτά (11 a)
8. 1. πάσας τὰς ἐντολὰς . . . φυλάξεσθε ποιεῖν (11 a)
— 2. εἰ φυλάξῃ τὰς ἐντολὰς αὐ. (11 a)
— 6. φυλάξῃ τὰς ἐντολὰς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 11. τοῦ μὴ [A om.] φυλάξαι τὰς ἐντολὰς αὐ. (11 a)
10. 13. φυλάσσεσθαι τὰς ἐντολὰς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
11. 1. φυλάξῃ τὰ φυλάγματα αὐ. (11 a)
— 8. φυλάξεσθε πάσας τὰς ἐντολὰς αὐ. (11 a)
— 32. φυλάξεσθε τοῦ ποιεῖν πάντα τὰ προστάγμ. αὐ. (11 a)
12. 1. ἃς φυλάξετε [A -εσθε] τοῦ ποιεῖν (11 a)
— 28. φυλάσσου καὶ ἄκουε (11 a)
— 32 (13. 1). τοῦτο φυλάξῃ ποιεῖν (11 a)
13. 4 (5). A τὰς ἐντολὰς αὐ. φυλάξεσθε (11 a)
— 18 (19). φυλάσσειν τὰς ἐντολὰς αὐ. (11 a)
15. 5. φυλάσσειν καὶ ποιεῖν πάσας τὰς ἐντ. τ. (11 a)
16. 1. φύλαξαι τὸν μῆνα τῶν νέων (11 a)
— 12. φυλάξῃ [A -εις] καὶ ποιήσεις τὰς ἐντ. τ. (11 a)
— 20. A δικαίως τὸ δίκαιον φυλάξῃ [B διώξῃ] †
17. 10. καὶ φυλάξῃ ποιῆσαι πάντα (11 a)
— 19. ἵνα μάθῃ . . . φυλάσσεσθαι πάσας τὰς ἐντ. τ. (11 a)
23. 9 (10). καὶ φυλάξῃ ἀπὸ παντὸς ῥήματος πονηροῦ (11 b)
— 23 (24). τὰ ἐκπορευόμ. διὰ τῶν χειλέων σου φυλάξῃ (11 a)
24. 8. φυλάξῃ σφόδρα ποιεῖν (11 b)
— 8. φυλάξασθε [A -εσθε] ποιεῖν (11 a)
26. 16. φυλάξεσθε καὶ ποιήσετε αὐτά (11 a)
— 17. καὶ φυλάσσεσθαι τὰ δικαιώματα (11 a)
— 18. φυλάσσειν τὰς ἐντ. αὐ. (11 a)
27. 1. φυλάσσεσθε πάσας τὰς ἐντολὰς ταύτας (11 a)
28. 1. φυλάσσειν . . . πάσας τὰς ἐντολὰς ταύτας (11 a)
— 13. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαί σοι σήμερον φυλάσσειν (11 a)
De. 28. 15. φυλάσσεσθαι πάσας τὰς ἐντολὰς αὐ. [A al.] (11 a)
— 45. φυλάξαι τὰς ἐντολὰς αὐ. [A al.] (11 a)
29. 9 (8). φυλάξεσθε ποιεῖν πάντας τοὺς λόγους (11 a)
30. 10. φυλάσσεσθαι τὰς ἐντολὰς αὐ. (11 a)
— 16. φυλάσσεσθαι [A -ειν] τὰ δικαιώματα αὐ. (11 a)
32. 46. φυλάσσειν . . . πάντας τοὺς λόγους τοῦ νόμου τ. (11 a)
33. 9. ἐφύλαξε τὰ λόγιά σου (11 a)
Jo. 1. 7. ἀνδρίζου φυλάσσεσθαι καὶ ποιεῖν (11 a)
6. 17 (18). B φυλάξασθε σφόδρα ἀπὸ τοῦ ἀναθέματος [A R al.] (11 a)
10. 18. καταστήσατε ἄνδρας φυλάσσειν ἐπ' αὐτούς (11 a)
22. 3. ἐφυλάξασθε [A -ατε] τὴν ἐντολὴν κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 a)
— 5. φυλάξασθε σφόδρα ποιεῖν τὰς ἐντολάς (11 a)
— 5. φυλάξασθαι [A φυλάσσεσθαι] τὰς ἐντολὰς αὐ. (11 a)
23. 6. κατισχύσατε οὖν σφόδρα φυλάσσειν (11 a)
— 11. φυλάξασθε [B² -εσθε] σφόδρα τοῦ ἀγαπᾶν (11 b)
Jd. 1. 24. καὶ εἶδον οἱ φυλάσσοντες (11 a)
2. 22. εἰ φυλάσσονται τὴν ὁδὸν κυρίου (11 a)
— 22. ὃν τρόπον ἐφύλαξαν [A -αντο] οἱ πατέρες αὐ. (11 a)
7. 19. ἤγειραν τοὺς φυλάσσοντας (11 a)
13. 4. καὶ νῦν φύλαξαι δή (11 b)
— 13. ἀπὸ πάντων . . . φυλάξεται [A -άσθω] (11 b)
— 14. πάντα . . . φυλάξεται [A -άσθω] (11 a)
I Ki. 1. 12. ἐφύλαξε τὸ στόμα αὐ. (11 a)
7. 1. φυλάσσειν τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 a)
13. 13. B οὐκ ἐφύλαξας τὴν ἐντολήν μου (11 a)
— 14. B οὐκ ἐφύλαξας ὅσα ἐνετείλατό σοι (11 a)
19. 2. φύλαξαι οὖν αὔριον πρωΐ (11 b)
— 11. ἀπέστειλε Σ. ἀγγέλους . . . φυλάξαι αὐτόν (11 a)
21. 4 (5). εἰ πεφυλαγμένα τὰ παιδάριά ἐστιν ἀπὸ γυναικός (11 b)
22. 23. πεφύλαξαι σὺ παρ' ἐμοί (11 e)
25. 21. ἴσως εἰς ἄδικον πεφύλακα πάντα τὰ αὐτοῦ (11 a)
26. 15. διὰ τί οὐ φυλάσσεις τὸν κ. σου τὸν βασ. (11 a)
— 16. υἱοὶ θανατώσεως ὑμεῖς οἱ φυλάσσοντες τὸν βασ. (11 a)
29. 11. φυλάσσειν τὴν γῆν τῶν ἀλλοφύλων †
30. 23. μετὰ τὸ παραδοῦναι τὸν κ. ἡμῖν καὶ φυλάξαι ἡμᾶς (11 a)
II Ki. 11. 16. ἐν τῷ φυλάσσειν Ἰ. ἐπὶ τὴν πόλιν (11 a)
15. 16. φυλάσσειν τὸν οἶκον (11 a)
16. 21. ἃς κατέλειπε φυλάσσειν τὸν οἶκον (11 a)
18. 12. φυλάξατέ μοι τὸ παιδάριον τὸν Ἀβ. (11 a)
20. 3. ἃς ἀφῆκε φυλάσσειν τὸν οἶκον (11 a)
— 10. Ἀμ. οὐκ ἐφυλάξατο τὴν μάχαιραν (11 b)
22. 22. ἐφύλαξα ὁδοὺς κυρίου (11 a)
— 44. φυλάξεις με εἰς κεφαλὴν ἐθνῶν (11 a)
23. 5. διαθήκην γὰρ αἰώνιον ἔθετό μοι . . . πεφυλαγμένην [A -ον] (11 a)
III Ki. 2. 3. φυλάξεις φυλακὴν κ. θεοῦ σου (11 a)
— 3. φυλάσσειν τὰς ἐντολὰς αὐ. (11 a)
— 4. ἐὰν φυλάξωσιν οἱ υἱοί σου τὴν ὁδὸν αὐ. (11 a)
3. 1 (2. 43). τί ὅτι οὐκ ἐφύλαξας τὸν ὅρκον κυρίου (11 a)
— 6. ἐφύλαξας αὐτῷ τὸ ἔλεος τὸ μέγα τοῦτο (11 a)
— 14. φυλάσσειν τὰς ἐντολάς μου (11 a)
6. 12. A ἐὰν . . . φυλάσσῃς πάσας τὰς ἐντολάς μου (11 a)
8. 23. φυλάσσων διαθήκην καὶ ἔλεος τῷ δούλῳ σου (11 a)
— 24. ἃ ἐφύλαξας τῷ δούλῳ σου Δ. (11 a)
— 25. φύλαξον τῷ δούλῳ σου . . . ἃ ἐλάλησας (11 a)
— 25. πλὴν ἐὰν φυλάξωνται τὰ τέκνα σου τὰς ὁδοὺς αὐ. (11 a)
— 58. καὶ φυλάσσειν πάσας ἐντολὰς αὐ. (11 a)
— 61. καὶ φυλάσσειν ἐντολὰς αὐ. (11 a)
9. 4. ἐὰν . . . τὰς ἐντολάς μου φυλάξῃς (11 a)
— 6. ἐὰν δὲ . . . μὴ φυλάξητε τὰς ἐντολάς μου (11 a)
11. 10. φυλάξασθαι [A -ξαι καὶ] ποιῆσαι ἃ ἐνετείλατο (11 a)
— 11. καὶ οὐκ ἐφύλαξας τὰς ἐντολάς μου (11 a)
— 34. A ὃς ἐφύλαξεν ἐντολάς μου (11 a)
— 38. ἐὰν φυλάξῃς πάντα (10)
— 38. τοῦ [A om.] φυλάξασθαι τὰς ἐντολάς μου (11 a)
III Ki. 13. 21. καὶ οὐκ ἐφύλαξας τὴν ἐντολήν (11 a)
14. 8. A ὃς ἐφύλαξεν τὰς ἐντολάς μου (11 a)
— 27. οἱ φυλάσσοντες τὸν πυλῶνα οἴκου βασιλέως (11 a)
21 (20). 39. φύλαξον τοῦτον τὸν ἄνδρα (11 a)
IV Ki. 6. 9. φύλαξαι μὴ παρελθεῖν (11 b)
— 10. ἐφυλάξατο ἐκεῖθεν οὐ μίαν οὐδὲ δύο (11 b)
9. 14. ἐφύλασσεν ἐν Ῥ. . . . ἀπὸ προσώπου Ἀ. (11 f)
10. 31. Ἰ. οὐκ ἐφύλαξε πορεύεσθαι (11 a)
11. 5. B φυλάξετε [A R -ατε] φυλακὴν οἴκου τοῦ βασ. (11 a)
— 6. B φυλάξετε [A R -ατε] τὴν φυλακὴν τοῦ οἴκου (11 a)
— 7. φυλάξουσι τὴν φυλακὴν οἴκου κυρίου (11 a)
12. 9 (10). οἱ ἱερεῖς οἱ φυλάσσοντες τὸν σταθμόν (11 a)
17. 9. ἀπὸ πύργου φυλασσόντων (5)
— 13. φυλάξατε τὰς ἐντολάς μου (11 a)
— 15. A R τὰ μαρτύρια αὐ. . . . οὐκ ἐφύλαξαν [B al.] †
— 19. Ἰ. οὐκ ἐφύλαξε τὰς ἐντολὰς κ. τοῦ θ. (11 a)
— 37. τὰς ἐντολὰς . . . φυλάσσεσθε [A al.] (11 a)
18. 6. ἐφύλαξε τὰς ἐντολὰς αὐ. (11 a)
— 8. ἀπὸ πύργου φυλασσόντων (5)
19. 24. A ἐφύλαξα [B ἔψυξα] καὶ ἔπιον ὕδατα ἀλλότρια †
21. 8. οἵτινες φυλάξουσι πάντα [A τοῦ ποιεῖν π.] (11 a)
22. 4. ὁ συνήγαγον οἱ φυλάσσοντες τὸν σταθμόν (11 a)
23. 3. τοῦ φυλάσσειν τὰς ἐντολὰς αὐ. (11 a)
— 4. ἐνετείλατο . . . τοῖς φυλάσσουσι τὸν σταθμόν (11 a)
25. 18. ἔλαβεν . . . τοὺς τρεῖς τοὺς φυλάσσοντας τὸν σταθμόν (11 a)
I Ch. 9. 19. φυλάσσοντες τὰς φυλακὰς τῆς σκηνῆς (11 a)
— 19. καὶ πατέρες αὐ. . . . φυλάσσοντες τὴν εἴσοδον (11 a)
— 23. ἐν οἴκῳ τῆς σκηνῆς τοῦ φυλάσσειν (11 e)
10. 13. διότι οὐκ ἐφύλαξεν (11 a)
22. 12. τοῦ φυλάσσεσθαι καὶ τοῦ ποιεῖν τὸν νόμον (11 a)
— 13. ἐὰν φυλάξῃς τοῦ ποιεῖν τὰ προστάγματα (11 a)
23. 32. φυλάξουσι τὰς φυλακὰς σκηνῆς (11 a)
26. 10. υἱοὶ φυλάσσοντες τὴν ἀρχήν †
28. 7. τοῦ φυλάξασθαι τὰς ἐντολάς μου (7)
— 8. A καὶ ἐν ὠσὶν θεοῦ ἡμῶν φυλάσσεσθε [B -άξασθε] (11 a)
29. 18. φύλαξον ταῦτα ἐν διανοίᾳ καρδίας λαοῦ σου (11 a)
II Ch. 6. 14. φυλάσσων τὴν διαθήκην (11 a)
— 15. B ἐφύλαξας [A R ἃ ἐφ.] . . . ἃ ἐλάλησας (11 a)
— 16. φύλαξον . . . ἃ ἐλάλησας αὐτῷ (11 a)
— 16. πλὴν ἐὰν φυλάξωσιν οἱ υἱοί σου τὴν ὁδὸν αὐ. (11 a)
7. 17. ἐὰν . . . τὰ κρίματά μου φυλάξῃ [A -ῃς] (11 a)
12. 10. τοὺς φυλάσσοντας τὸν πυλῶνα τοῦ βασ. (11 a)
— 11. εἰσεπορεύοντο οἱ φυλάσσοντες –
13. 11. φυλάσσομεν ἡμεῖς τὰς φυλακὰς κ. τοῦ θεοῦ (11 a)
19. 7. φυλάσσετε καὶ ποιήσετε (11 a)
23. 6. πᾶς ὁ λαὸς φυλασσέτω [A -έσθω] φυλακὰς κυρίου (11 a)
33. 8. πλὴν ἐὰν φυλάσσωνται τοῦ ποιῆσαι (11 a)
34. 9. ὁ συνήγαγον οἱ Δ. φυλάσσοντες τὴν πύλην (11 a)
— 22. πρὸς Ὀ. τὴν προφῆτιν . . . φυλάσσουσαν τὰς ἐντ. (11 a)
— 31. τοῦ φυλάσσειν τὰς ἐντολὰς αὐ. (11 a)
I Es. 3. 4. οἱ φυλάσσοντες τὸ σῶμα τοῦ βασ.
8. 59. ἀγρυπνεῖτε καὶ φυλάσσετε
II Es. 4. 22. πεφυλαγμένοι ἦτε [A om.] ἄνεσιν ποιῆσαι (1 c)
Ne. 1. 5. φυλάσσων τὴν διαθήκην . . . τοῖς φυλάσσουσι τὰς ἐντολὰς αὐ. (11 a, 11 a)
— 7. οὐκ ἐφυλάξαμεν τὰς ἐντολάς (11 a)
— 9. ἐὰν . . . φυλάξητε τὰς ἐντολάς μου (11 a)
2. 8. S² ἐπὶ Ἀ. τὸν φυλάσσοντα τὰς ἡμιόνους τοῦ βασ. [A B S¹ al.] (11 a)
— 16. οἱ φυλάσσοντες οὐκ ἔγνωσαν †
9. 32. φυλάσσων [S ὁ φ.] τὴν διαθήκην σου (11 a)
10. 29 (30). καὶ φυλάσσεσθαι καὶ ποιεῖν πάσας τὰς ἐντ. ἡμῶν (11 a)
11. 19. S² οἱ φυλάσσοντες ἐν ταῖς πύλαις (11 a)

Ne. 12. 45. ἐφύλαξαν [S¹ -εν] φυλακὰς θεοῦ αὐ. (11 a)
13. 22. οἳ ἦσαν . . . ἐρχόμενοι φυλάσσοντες τὰς πύλας (11 a)
Ju. 7. 5. ἔμενον φυλάσσοντες ὅλην τὴν νύκτα ἐκ.
13. 11. εἶπεν Ἰ. . . . τοῖς φυλάσσουσιν ἐπὶ τῶν πυλῶν
Es. 1. 1. τῶν δύο εὐνούχων τοῦ βασ. τῶν φυλασσόντων τὴν αὐλήν
6. 2. ἐν τῷ φυλάσσειν αὐτούς (11 a)
Jb. 10. 12. ἡ δὲ ἐπισκοπή σου ἐφύλαξέ μου τὸ πνεῦμα (11 a)
— 14. ἐάν τε γὰρ ἁμάρτω φυλάσσεις [A S¹ -ξεις] με (11 a)
13. 27. ἐφύλαξας δέ μου πάντα τὰ ἔργα (11 a)
14. 13. εἰ γὰρ ὄφελον ἐν ᾅδῃ με ἐφύλαξας [A φυλάξεις] †
22. 15. μὴ τρίβον αἰώνιον φυλάξεις (11 a)
23. 11. ὁδοὺς γὰρ αὐτοῦ ἐφύλαξα (11 a)
24. 15. ὀφθαλμὸς μοιχοῦ ἐφύλαξε σκότος (11 a)
29. 2. ἡμερῶν ὧν με ὁ θεὸς ἐφύλαξεν [A -αττεν] (11 a)
33. 11. ἐφύλαξε δέ μου πάσας τὰς ὁδούς (11 a)
36. 21. S⁴ R φύλαξαι μὴ πράξῃς ἄτοπα [B S¹ ἄδικα] (11 b)
39. 1. ἐφύλαξας δὲ ὠδῖνας ἐλάφων (11 a)
Ps. 11 (12). 7. σύ, κύριε, φυλάξεις ἡμᾶς (11 a)
15 (16). 1. φύλαξόν με, κύριε (11 a)
16 (17). 4. ἐφύλαξα ὁδοὺς σκληράς (11 a)
— 8. φύλαξόν με ὡς κόρην ὀφθαλμοῦ (11 a)
17 (18). 21. ἐφύλαξα τὰς ὁδοὺς κυρίου (11 a)
— 23. φυλάξομαι ἀπὸ τῆς ἀνομίας μου (11 d)
18 (19). 11. ὁ δοῦλός σου φυλάσσει αὐτὰ ἐν τῷ φυλάσσειν αὐτὰ ἀνταπόδοσις πολλή (1 a, 11 a)
24 (25). 20. φύλαξον τὴν ψυχήν μου (11 a)
30 (31). 6. B S ἐμίσησας τοὺς φυλάσσοντας [A R διαφ.] ματαιότητας διὰ κενῆς (11 a)
33 (34). 20. φυλάσσει πάντα τὰ ὀστᾶ αὐτῶν (11 a)
36 (37). 28. εἰς τὸν αἰῶνα φυλαχθήσονται (11 b)
— 34. φύλαξον τὴν ὁδὸν αὐτοῦ (11 a)
— 37. φύλασσε ἀκακίαν (11 a)
38 (39). 1. φυλάξω τὰς ὁδούς μου (11 a)
40 (41). 2. κύριος φυλάξαι [A S διαφ.] αὐτόν (11 a)
55 (56). 6. τὴν πτέρναν μου φυλάξουσι (11 a)
58 (59). tit. ἐφύλαξε τὸν οἶκον αὐτοῦ (11 a)
— 9. τὸ κράτος μου πρὸς σὲ φυλάξω (11 a)
70 (71). 10. οἱ φυλάσσοντες τὴν ψυχήν μου (11 a)
77 (78). 10. οὐκ ἐφύλαξαν [B¹ -αντο] τὴν διαθήκην τοῦ θεοῦ (11 a)
— 56. τὰ μαρτύρια αὐτοῦ οὐκ ἐφυλάξαντο (11 a)
85 (86). 2. φύλαξον τὴν ψυχήν μου (11 a)
88 (89). 28. εἰς τὸν αἰῶνα φυλάξω αὐτῷ τὸ ἔλεός μου (11 a)
— 31. καὶ τὰς ἐντολάς μου μὴ φυλάξωσιν (11 a)
96 (97). 10. φυλάσσει κ. τὰς ψυχὰς τῶν ὁσίων αὐ. (11 a)
98 (99). 7. ἐφύλασσον τὰ μαρτύρια αὐτοῦ (11 a)
102 (103). 18. τοῖς φυλάσσουσι τὴν διαθήκην αὐτοῦ (11 a)
104 (105). 45. ὅπως ἂν φυλάξωσι τὰ δικαιώματα αὐτοῦ (11 a)
105 (106). 3. μακάριοι οἱ φυλάσσοντες κρίσιν (11 a)
106 (107). 43. τίς σοφὸς καὶ φυλάξει ταῦτα (11 a)
114 (116). 6. φυλάσσων τὰ νήπια ὁ κύριος (11 a)
118 (119). 4. σὺ ἐνετείλω τὰς ἐντολάς σου φυλάξασθαι [A φυλάσσεσθαι] σφόδρα (11 a)
— 5. τοῦ φυλάξασθαι τὰ δικαιώματά σου (11 a)
— 8. τὰ δικαιώματά σου φυλάξω (11 a)
— 9. ἐν τῷ φυλάσσεσθαι τοὺς λόγους σου (11 a)
— 17. φυλάξω τοὺς λόγους σου (11 a)
— 34. φυλάξω αὐτὸν ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου (11 a)
— 44. φυλάξω τὸν νόμον σου διὰ παντός (11 a)
— 55. ἐφύλαξα τὸν νόμον σου (11 a)
— 57. A S¹ εἶπα φυλάξασθαι [S² R τοῦ φ.] τὸν νόμον [S¹ τὰς ἐντολάς] σου (11 a)
— 60. τοῦ [S¹ om.] φυλάξασθαι τὰς ἐντολάς σου (11 a)
— 63. καὶ τῶν [S¹ om.] φυλασσόντων τὰς ἐντολάς σου (11 a)
— 67. τὸ λόγιόν σου ἐγὼ ἐφύλαξα (11 a)
— 88. φυλάξω τὰ μαρτύρια τοῦ στόματός σου (11 a)
— 101. ὅπως ἂν φυλάξω τοὺς λόγους σου (11 a)
— 106. τοῦ φυλάξασθαι τὰ κρίματα τῆς δικαιοσύνης σου (11 a)
— 134. φυλάξω [S¹ -αι] τὰς ἐντολάς σου (11 a)
— 136. οὐκ ἐφύλαξα [S¹ -αν] τὸν νόμον σου (11 a)
— 146. φυλάξω τὰ μαρτύριά σου (11 a)
— 158. τὰ λόγιά σου οὐκ ἐφυλάξαντο (11 a)
Ps. 118 (119). 167. ἐφύλαξεν ἡ ψυχή μου τὰ μαρτύριά σου (11 a)
— 168. ἐφύλαξα τὰς ἐντολάς σου (11 a)
120 (121). 3. μηδὲ νυστάξει ὁ φυλάσσων σε (11 a)
— 4. οὐδὲ ὑπνώσει ὁ φυλάσσων τὸν Ἰσρ. (11 a)
— 5. κύριος φυλάξει σε (11 a)
— 7. A R κύριος φυλάξει σε ἀπὸ παντὸς κακοῦ φυλάξει [S -αι] τὴν ψυχήν σου ὁ κύριος (11 a, 11 a)
— 8. κύριος φυλάξει [S¹ -εις] τὴν εἴσοδόν σου (11 a)
126 (127). 1. ἐὰν μὴ κύριος φυλάξῃ πόλιν εἰς μάτην ἠγρύπνησεν ὁ φυλάσσων (11 a, 11 a)
131 (132). 12. ἐὰν φυλάξωνται οἱ υἱοί σου τὴν διαθήκην μου (11 a)
139 (140). 4. φύλαξόν με, κύριε, ἐκ χειρὸς ἁμαρτωλοῦ (11 a)
140 (141). 9. φύλαξόν με ἀπὸ παγίδος (11 a)
144 (145). 20. φυλάσσει κύριος πάντας τοὺς ἀγαπῶντας αὐτόν (11 a)
145 (146). 6. τὸν φυλάσσοντα ἀλήθειαν εἰς τὸν αἰῶνα (11 a)
— 9. κύριος φυλάσσει τοὺς προσηλύτους (11 a)
Pr. 2. 8. τοῦ φυλάξαι ὁδοὺς δικαιωμάτων (5)
— 11. βουλὴ καλὴ φυλάξει σε (11 a)
4. 4. φύλασσε ἐντολάς (11 a)
— 13. φύλαξον αὐτὴν σεαυτῷ εἰς ζωήν σου (5)
— 21. φύλασσε αὐτὰς ἐν καρδίᾳ (11 a)
5. 2. ἵνα φυλάξῃς ἔννοιαν ἀγαθήν (11 a)
6. 20. φύλασσε νόμους πατρός σου (5)
— 22. ὡς δ' ἂν καθεύδῃς φυλασσέτω σε (11 a)
— 24. S¹ τοῦ φυλάσσειν [A B S² διαφ.] σε ἀπὸ γυναικὸς ὑπάνδρου (11 a)
7. 1. φύλασσε ἐμοὺς λόγους (11 a)
— 2. φύλαξον ἐμὰς ἐντολάς (11 a)
8. 32. A S² μακάριοι οἱ ὁδούς μου φυλάσσοντες (11 a)
— 33. ἄνθρωπος ὃς τὰς ἐμὰς ὁδοὺς φυλάξει –
10. 17. ὁδοὺς δικαίας [A S² om.] ζωῆς φυλάσσει παιδεία (11 a)
13. 3. ὃς φυλάσσει τὸ ἑαυτοῦ στόμα (5)
— 6. A δικαιοσύνη φυλάσσει ἀκάκους ὁδῷ (5)
— 18. ὁ δὲ φυλάσσων ἐλέγχους δοξασθήσεται (11 a)
14. 3. χείλη δὲ σοφῶν φυλάσσει [A -άξει] αὐτούς (11 a)
15. 5. ὁ δὲ φυλάσσων ἐντολὰς πανουργότερος (11 a)
16. 5 (4). φυλάσσεται δὲ ὁ ἀσεβὴς εἰς ἡμέραν κακήν –
— 17. ὁ δὲ φυλάσσων ἐλέγχους σοφισθήσεται ὃς φυλάσσει τὰς ἑαυτοῦ ὁδοὺς τηρεῖ τὴν ἑαυτοῦ ψυχήν (–, 5)
19. 8. ὃς δὲ φυλάσσει φρόνησιν εὑρήσει ἀγαθά (11 a)
— 16. ὃς φυλάσσει ἐντολὴν τηρεῖ τὴν ἑαυτοῦ ψυχήν (11 a)
— 27. υἱὸς ἀπολειπόμενος φυλάξαι παιδείαν πατρός (10)
21. 23. ὃς φυλάσσει τὸ στόμα αὐτοῦ (11 a)
— 28. ἀνὴρ δὲ ὑπήκοος φυλασσόμενος λαλήσει †
22. 5. ὁ δὲ φυλάσσων τὴν ἑαυτοῦ ψυχὴν ἀφέξεται αὐτῶν (11 a)
24. 23 (29. 27). λόγον φυλασσόμενος υἱὸς ἀπωλείας ἐκτὸς ἔσται –
25. 10. φύλαξον τὰς ὁδούς σου εὐσυναλλάκτως †
27. 18. ὃς δὲ φυλάσσει τὸν ἑαυτοῦ κύριον τιμηθήσεται (11 a)
28. 7. φυλάσσει νόμον υἱὸς συνετός (5)
29. 18. ὁ δὲ φυλάσσων τὸν νόμον μακαριστός (11 a)
Ec. 3. 6. καιρὸς τοῦ φυλάξαι (11 a)
4. 17. φύλαξον τὸν πόδα σου (11 a)
5. 7. ὑψηλὸς ἐπάνω ὑψηλοῦ φυλάξει [A -άσσει, S² -άξει] (11 a)
— 12. πλοῦτον φυλασσόμενον τῷ παρ' αὐτοῦ εἰς κακίαν αὐτῷ [A S -οῦ] (11 a)
8. 2. στόμα βασιλέως φύλαξον (11 a)
— 5. ὁ φυλάσσων ἐντολὴν οὐ γνώσεται ῥῆμα πονηρόν (11 a)
12. 12. περισσὸν ἐξ αὐτῶν, υἱέ μου, φύλαξαι [A S -άσσου] (1 a)
— 13. τὰς ἐντολὰς αὐτοῦ φύλασσε (11 a)
Ca. 1. 6. ἀμπελῶνα ἐμὸν οὐκ ἐφύλαξα (4)
Wi. 1. 11. φυλάξασθε τοίνυν γογγυσμὸν ἀνωφελῆ
6. 4. οὐδὲ ἐφυλάξατε νόμον
— 10. οἱ γὰρ φυλάξαντες ὁσίως τὰ ὅσια ὁσιωθήσονται
9. 11. φυλάξει με ἐν τῇ δόξῃ αὐτῆς
10. 5. ἐπὶ τέκνου σπλάγχνοις ἰσχυρὸν ἐφύλαξεν
— 12. S καὶ ἐφύλαξεν [A B διεφ.] αὐτὸν ἀπὸ ἐχθρῶν
Wi. 14. 16. τὸ ἀσεβὲς ἔθος [S¹ ἔθνος] ὡς νόμος [S¹ -ον] ἐφυλάχθη
— 24. οὔτε γάμους καθαροὺς ἔτι φυλάσσουσιν
18. 4. οἱ κατακλείστους φυλάξαντες [S φυλάσσοντες] τοὺς υἱούς σου
19. 6. ἵνα οἱ σοὶ παῖδες φυλαχθῶσιν ἀβλαβεῖς
Si. 4. 20. συντήρησον καιρὸν καὶ φύλαξαι ἀπὸ πονηροῦ
12. 11. καὶ φύλαξαι ἀπ' αὐτοῦ
19. 9. ἀκήκοε γάρ σου καὶ ἐφυλάξατό σε
21. 11. ὁ φυλάσσων νόμον κατακρατεῖ τοῦ ἐννοήματος αὐτοῦ
22. 13. φύλαξαι ἀπ' αὐτοῦ ἵνα μὴ κόπον ἔχῃς
— 26. πᾶς ὁ ἀκούων φυλάξεται ἀπ' αὐτοῦ
23. 7. ὁ φυλάσσων οὐ μὴ ἁλῷ
26. 11. ὀπίσω ἀναιδοῦς ὀφθαλμοῦ φύλαξαι
35 (32). 22. ἀπὸ τῶν τέκνων σου φύλαξαι
37. 8. ἀπὸ συμβούλου φύλαξον τὴν ψυχήν σου
40. 30. ἀνὴρ δὲ ἐπιστήμων καὶ πεπαιδευμένος φυλάξεται
43. 4. B S¹ κάμινον φυλάσσων [A S² R φυσῶν] ἐν ἔργοις καύματος
45. 11. S¹ κατ' ἀριθμὸν φυλάσσων [A B S² φυλῶν] Ἰσρ.
Ho. 4. 10. τοῦ φυλάξαι πορνείαν (11 a)
12. 6 (7). ἔλεον καὶ κρίμα φυλάσσου (11 a)
— 12 (13). ἐν γυναικὶ ἐφυλάξατο (11 a)
Am. 1. 11. τὸ ὅρμημα αὐ. ἐφύλαξεν εἰς νῖκος (11 a)
2. 4. τὰ προστάγματα αὐ. οὐκ ἐφυλάξαντο (11 a)
Mi. 6. 16. ἐφύλαξας τὰ δικαιώματα Ζ. (11 d)
7. 5. ἀπὸ τῆς συγκοίτου σου φύλαξαι (11 a)
Jn. 2. 9. φυλασσόμενοι μάταια καὶ ψευδῆ (11 c)
Hb. 3. 16. ἐφυλαξάμην καὶ ἐπτοήθη ἡ κοιλία μου (10)
Za. 3. 8 (7). ἐν τοῖς προστάγμασί μου φυλάξῃ [A S³ -άσσῃ] (11 a)
— 8 (7). A ἐὰν φυλάξῃς καί γε τὴν αὐλήν μου [B S al.] (11 a)
11. 11. γνώσονται οἱ Χαν. τὰ πρόβατα τὰ [S¹ om.] φυλασσόμ. μοι (11 a)
Ma. 2. 7. χείλη ἱερέως φυλάξεται γνῶσιν (11 a)
— 9. B S οὐ φυλάσσεσθε [A R οὐκ ἐφυλάξασθε] τὰς ὁδούς μου (11 a)
— 15. φυλαξάσθε [S¹ -εσθε] ἐν τῷ πνεύματι ὑμῶν (11 b)
— 16. φυλάξασθε ἐν τῷ πνεύματι ὑμῶν (11 b)
3. 7. ἐξεκλίνατε νόμιμά μου καὶ οὐκ ἐφυλάξασθε (11 a)
— 14. ἐφυλάξαμεν τὰ φυλάγματα αὐ. (11 a)
Is. 7. 4. φύλαξαι τοῦ ἡσυχάσαι (11 b)
21. 11. φυλάσσετε [A -άξεται, S³ -άσσεται] ἐπάλξεις (11 a)
— 12. φυλάσσω [S² -ου] τὸ πρωῒ καὶ τὴν νύκτα (11 a)
26. 2. λαὸς φυλάσσων δικαιοσύνην καὶ φυλάσσων ἀλήθειαν (–, 11 a)
— 3. φυλάσσων εἰρήνην (5)
27. 4. τίς με θήσει φ. καλάμην ἐν ἀγρῷ †
42. 20. εἴδετε πλεονάκις καὶ οὐκ ἐφυλάξασθε (11 a)
52. 8. φωνὴ τῶν φυλασσόντων σε ὑψώθη (9)
55. 11. S² καὶ τὰ ἐντάλματά μου φυλάξεις [A B S¹ om.] –
56. 1. φυλάσσεσθε κρίσιν (11 a)
— 2. φυλάσσων τὰ σάββατα (11 a)
— 4. ὅσοι ἂν φυλάξωνται τὰ σάββατά [S¹ προστάγματά] μου (11 a)
— 6. πάντας τοὺς φυλασσομένους τὰ σάββατά μου (11 a)
60. 21. φυλάσσων τὸ φύτευμα ἔργα χειρῶν αὐ. †
Je. 3. 5. φυλαχθήσεται [A S διαφ.] εἰς νῖκος (11 a)
4. 17. ὡς φυλάσσοντες ἀγρὸν ἐγένοντο ἐπ' αὐτὴν κύκλῳ (11 a)
5. 24. ἐφύλαξεν ἡμῖν (11 a)
8. 7. στρουθία ἐφύλαξαν καιρούς (11 a)
9. 4 (3). ἕκαστος ἀπὸ τοῦ πλησίον αὐτοῦ [A add. ἐξήλθοσαν] φυλάξασθε [S -εσθαι] (11 b)
16. 11. τὸν νόμον μου οὐκ ἐφυλάξαντο (11 a)
17. 21. φυλάσσεσθε [A¹ μὴ φ.] τὰς ψυχὰς ὑμῶν (11 b)
38 (31). 10. A B S² φυλάξει αὐτόν (11 a)
39 (32). 2. Ἱερεμίας ἐφυλάσσετο ἐν αὐλῇ (3)
42 (35). 4. ἐπάνω τοῦ οἴκου Μασσαίου . . . τοῦ φυλάσσοντος τὴν αὐλήν (11 a)
43 (36). 5. ἐγὼ φυλάσσομαι (6)
— 20. τὸ χαρτίον [A βιβλίον] ἔδωκαν φ. –
52. 24. ἔλαβεν . . . τοὺς τρεῖς τοὺς φυλάττοντας τὴν ὁδόν (11 a)
— 31. ἐξ οἰκίας ἧς ἐφυλάσσετο †

Ba. 4. 13. **A** δικαιώματα δὲ αὐτοῦ οὐκ ἐφύλαξαν [**B** ἔγνωσαν]
Ep. Je. 70. προβασκάνιον οὐδὲν φυλάσσον [**A** -ων]
Ez. 11. 20. τὰ δικαιώματά μου φυλάσσωνται (11 *a*)
17. 14. τοῦ φ. τὴν διαθήκην αὐτοῦ (11 *a*)
18. 9. τὰ δικαιώματά μου πεφύλακται (11 *a*)
— 21. φυλάξηται [**A** -ξῃ] πάσας τὰς ἐντολάς μου (11 *a*)
— 27. οὗτος τὴν ψυχὴν αὐτοῦ ἐφύλαξε (2)
20. 13. **A** τὰ δικαιώματά μου φυλάσσετε †
— 18. τὰ δικαιώματα αὐτῶν μὴ φυλάσσεσθε (11 *a*)
— 19. τὰ δικαιώματά μου φυλάσσεσθε (11 *a*)
— 21. τὰ δικαιώματά μου οὐκ ἐφύλαξαντο (11 *a*)
33. 4. ἀκούσῃ . . . καὶ μὴ φυλάξηται (1 *a*)
— 5. ἀκούσας οὐκ ἐφυλάξατο [**A** *add.* τὴν ψυχὴν αὐτοῦ] (1 *a*)
— 5. ὅτι ἐφυλάξατο τὴν ψυχὴν αὐτοῦ ἐξείλατο (1 *a*)
— 6. ὁ λαὸς μὴ φυλάξηται (1 *a*)
— 8. μὴ λαλήσῃς τοῦ φυλάξασθαι τὸν ἀσεβῆ [**A** *al.*] (1 *b*)
34. 16. τὸ ἰσχυρὸν φυλάξω †
36. 27. τὰ κρίματά μου φυλάξησθε [**A** -εσθε] (11 *a*)
37. 24. τὰ κρίματά μου φυλάξονται [**A** -ωνται] (11 *a*)
40. 45. τοῖς ἱερεῦσι τοῖς φυλάσσουσι τὴν φυλακὴν τοῦ οἴκου (11 *a*)
— 46. τοῖς ἱερεῦσι τοῖς φυλάσσουσι τὴν φυλακὴν τοῦ θυσιαστηρίου (11 *a*)
43. 11. φυλάξονται πάντα τὰ δικαιώματά μου (11 *a*)
44. 8. **A** οὐκ ἐφυλάξατε τὴν φυλακὴν τῶν ἁγίων μου (11 *a*)
— 8. διετάξατε τοῦ φ. φυλακάς (11 *a*)
— 14. κατάξουσιν αὐτοὺς φ. φυλακὰς τοῦ οἴκου (11 *a*)
— 15. ἐφυλάξαντο τὰς φυλακὰς τῶν ἁγίων μου (11 *a*)
— 16. φυλάξουσι τὰς φυλακάς μου (11 *a*)
— 24. τὰ προστάγματά μου ἐν πάσαις ταῖς ἑορταῖς μου φυλάξονται (11 *a*)
48. 11. τοῖς φυλάσσουσι τὰς φυλακὰς τοῦ οἴκου (11 *a*)
Da. LXX. Su. 64. φυλασσώμεθα εἰς υἱοὺς δυνατοὺς νεωτέρους
9. 4. καὶ τοῖς φυλάσσουσι τὰ προστάγματά σου (11 *a*)
Da. TH. 9. 4. ὁ φυλάσσων τὴν διαθήκην σου (11 *a*)
— 4. καὶ τοῖς φυλάσσουσι τὰς ἐντολάς σου (11 *a*)
I Ma. 2. 53. ἐφύλαξεν ἐντολήν
8. 26. φυλάξονται τὰ φυλάγματα αὐ.
— 28. **AR** φυλάξονται [S^2 -ωνται, S^1 -άσσουσιν] τὰ φυλάγματα ταῦτα
10. 32. τοῦ φυλάσσειν αὐτήν
12. 34. ὅπως φυλάσσωσιν αὐτήν
III Ma. 3. 3. τὴν μὲν πρὸς τοὺς βασ. εὔνοιαν . . . ἀδιάστροφον ἦσαν φυλάσσοντες
IV Ma. 5. 29. περὶ τοῦ φυλάξαι τὸν νόμον
6. 18. **AS**^{1} τὴν ἐπ' αὐτῷ δόξαν νομίμως φυλάσσοντες [S^2**R** φυλάξαντες]
15. 10. μέχρι θανάτου τὰ νόμιμα φυλάσσοντας [S^1 -ες]
18. 7. ἐφύλασσον δὲ τὴν ᾠκοδομημένην πλευράν

[**Aq.** Dt. 4. 23: 6. 12: 11. 22 *bis*: 27. 1: Jo. 1. 8: I Ki. 9. 24: III Ki. 11. 34: 14. 8: Jb. 29. 2: Ps. 11 (12). 8: 15 (16). 1: 30 (31). 7: 38 (39). 2: 40 (41). 3: 90 (91). 11: 120 (121). 8: 129 (130). 6: Pr. 4. 6: Ec. 4. 13: Ca. 3. 3: Is. 7. 4: 26. 2: 56. 2: Ez. 33. 7: Jn. 2. 9: Za. 11. 11.]
[**Sm.** Dt. 27. 1: 33. 16: Jo. 1. 8: I Ki. 25. 29: Jb. 29. 2: Ps. 15 (16). 1: 16 (17). 4: 30 (31). 24: 36 (37). 37: 38 (39). 2 *bis*: 40 (41). 3: 90 (91). 11: 118 (119). 136: 120 (121). 8: Pr. 4. 6: 10. 17: 13. 22: 15. 7: Ec. 4. 13: 8. 2: Is. 7. 4: 10. 17: 42. 20: 56. 2: Je. 35 (42). 18 (Sw.): Ez. 33. 5: Am. 1. 11.]
[**Th.** Dt. 11. 22 *bis*: 27. 1: Jo. 1. 8: Jb. 22. 15: Ps. 11 (12). 8: 15 (16). 1: 40 (41). 3: 118 (119). 100: Pr. 4. 6: 16. 17: 27. 18: Ec. 4. 13: Is. 56. 2: Je. 20. 10: Ez. 33. 4: 44. 8 (Sw.).]
[**Al.** Le. 22. 2: Nu. 22. 38: Dt. 28. 9: Ps. 11 (12). 8: 19 (20). 2: Pr. 10. 17: Ec. 12. 13: Hb. 3. 16.]
[**Quint.** Ps. 24 (25). 10: 30 (31). 7: 31 (32). 7: 60 (61). 8: 118 (119). 100.]
[**Sext.** Ps. 24 (25). 10: 60 (61). 8.]

φυλή. (1) אֻמָּה (2) בַּיִת (3) גּוֹי (4) לְאֹם (5) מוֹלֶדֶת (6) מַטֶּה (7) מִשְׁפָּחָה (8) *a.* שֵׁבֶט, שֶׁבֶט *b.* שִׁבְט

Ge. 10. 5. ἕκαστος κατὰ γλῶσσαν ἐν ταῖς φ. αὐ. (7)
— 18. διεσπάρησαν αἱ φ. τῶν Χαναναίων (7)
— 20. οὗτοι υἱοὶ Χὰμ ἐν ταῖς φ. αὐ. (7)
— 31. οὗτοι οἱ υἱοὶ Σὴμ ἐν ταῖς φ. αὐ. (7)
— 32. αὗται αἱ φ. υἱῶν Νῶε (7)
12. 3. εὐλογηθήσονται ἐν σοὶ πᾶσαι αἱ φ. τῆς γῆς (7)
24. 4. καὶ εἰς τὴν φ. μου (5)
— 38. καὶ εἰς τὴν φ. μου (7)
— 40. λήψῃ γυναῖκα . . . ἐκ τῆς φ. μου (7)
— 41. ἡνίκα γὰρ ἐὰν ἔλθῃς εἰς τὴν φ. μου (7)
28. 14. ἐνευλογηθήσονται ἐν σοὶ πᾶσαι αἱ φ. τῆς γῆς (7)
36. 40. ἐν ταῖς φ. αὐ. κατὰ τόπον αὐτῶν (7)
49. 16. ὡσεὶ καὶ μία φ. ἐν Ἰσρ. (8 *a*)
Ex. 2. 1. ἦν δέ τις ἐκ τῆς φ. Λ. (2)
24. 4. δώδεκα λίθους εἰς τὰς δώδεκα φ. τοῦ Ἰσρ. (8 *a*)
28. 21. ἔστωσαν εἰς δέκα δύο φυλάς (8 *a*)
31. 2. τὸν Βεσ. . . . τῆς φ. Ἰούδα (6)
— 6. καὶ τὸν Ἐλ. . . . ἐκ φυλῆς Δάν (6)
35. 30. **B** τὸν Βεσ. . . . ἐκ [**AR** *add.* τῆς] φυλῆς Ἰ. (6)
— 34. καὶ τῷ Ἐλ. τῷ τοῦ Ἀχ. ἐκ φυλῆς Δάν (6)
36. 21 (39. 14). εἰς τὰς δώδεκα φ. (8 *a*)
37. 20 (38. 22). Βεσ. ὁ τοῦ Οὐρ. ἐκ φυλῆς Ἰ. (6)
— 21 (38. 23). **B** Ἐλ. ὁ τοῦ Ἀχ. ἐκ τῆς [**AR** *om.*] φ. Δάν (6)
Le. 24. 11. Σαλ. θυγάτηρ Δ. ἐκ τῆς φ. Δάν (6)
25. 49. ἢ ἀπὸ τῶν οἰκείων τῶν σαρκῶν αὐ. ἐκ τῆς φ. αὐ. (7)
Nu. 1. 4. κατὰ φυλὴν ἑκάστου ἀρχόντων (6)
— 16. ἄρχοντες τῶν φ. κατὰ πατριάς (6)
— 21. A^2 **B** ἐκ τῆς φ. Ῥ. (6)
— 23. ἐκ τῆς φ. Συμ. (6)
— 27. ἐκ τῆς φ. Ἰ. (6)
— 29. ἐκ τῆς φ. Ἰσσ. (6)
— 31. A^2 **B** ἐκ τῆς φ. Ζ. (6)
— 33. ἐκ τῆς φ. Ἐφρ. (6)
— 35. ἐκ τῆς φ. Μαν. (6)
— 37. ἐκ τῆς φ. Βεν. (6)
— 25. ἐκ τῆς φ. Γάδ (6)
— 39. ἐκ τῆς φ. Δάν (6)
— 41. ἐκ τῆς φ. Ἀσήρ (6)
— 43. ἐκ τῆς φ. Ν. (6)
— 44. ἀνὴρ εἷς κατὰ φ. μίαν –
— 44. κατὰ φυλὴν οἴκων πατριᾶς ἦσαν –
— 47. ἐκ τῆς φ. [**A** *om.*] πατριᾶς αὐ. (6)
— 49. ὅρα τὴν φ. Λ. οὐ συνεπισκέψῃ (6)
2. 5. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι φυλῆς Ἰσσ. (6)
— 7. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι φυλῆς [A^1 -ῆ] Ζαβ. (6)
— 9. **A** πάντες οἱ ἐπεσκεμμ. ἐκ τῆς φ. [**B** παρεμβολῆς] Ἰ. †
— 12. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι αὐτοῦ φυλῆς [**A** -ῆ] Σ. (6)
— 14. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι αὐτοῦ φυλὴ Γάδ (6)
— 20. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι φυλῆς [A^1 -ῆ] Μαν. (6)
— 22. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι φυλῆς Βεν. (6)
— 27. **B** οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι αὐτοῦ φυλῆς [**AR** -ῆ] Ἀσήρ (6)
— 29. A^2 **B** οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι φυλῆς Νεφθ. (6)
3. 6. λάβε τὴν φ. Λευί (6)
4. 18. μὴ ὀλεθρεύσητε τῆς φ. τὸν δῆμον τὸν Κ. (8 *a*)
7. 2. οὗτοι ἄρχοντες φυλῶν (6)
— 12. ἄρχων τῆς φ. Ἰ. (6)
— 18. ἄρχων τῆς φ. Ἰσσ. –
10. 15. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Ἰσσ. (6)
— 16. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Ζαβ. (6)
— 19. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Συμ. (6)
— 20. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Γάδ (6)
— 23. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Μαν. (6)
— 24. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Βεν. (6)
— 26. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Ἀ. (6)
— 27. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Νεφθ. (6)
13. 3 (2). ἄνδρα ἕνα κατὰ φυλήν (6)
— 5 (4). τῆς φ. Ῥ. (6)
— 6 (5). τῆς φ. Συμ. (6)
Nu. 13. 7 (6). τῆς φ. Ἰ. (6)
— 8 (7). τῆς φ. Ἰσσ. (6)
— 9 (8). τῆς φ. Ἐφρ. (6)
— 10 (9). τῆς φ. Βεν. (6)
— 11 (10). τῆς φ. Ζαβ. (6)
— 12 (11). τῆς φ. Ἰ. τῶν υἱῶν Μαν. (6)
— 13 (12). τῆς φ. Δάν (6)
— 14 (13). τῆς φ. Ἀσήρ (6)
— 15 (14). τῆς φ. Νεφθ. (6)
— 16 (15). τῆς φ. Γάδ (6)
17. 3 (18). κατὰ φυλὴν οἴκου πατριῶν αὐ. †
18. 2. τοὺς ἀδελφούς σου φυλὴν Λευὶ . . . προσαγάγου (6)
24. 2. καθορᾷ τὸν Ἰσρ. ἑστρατοπεδευκότα κατὰ φυλάς (8 *a*)
25. 5. εἶπε Μ. ταῖς φ. Ἰσρ. †
26. 55. κατὰ φυλὰς πατριῶν αὐ. κληρονομήσουσιν (6)
27. 11. τῷ οἰκείῳ τῷ ἔγγιστα αὐτοῦ ἐκ τῆς φ. αὐ. (7)
30. 2. **AR** ἐλάλησε Μ. πρὸς τοὺς ἄρχοντας τῶν φ. υἱῶν [**B** *om.*] Ἰσρ. (6)
31. 4. χιλίους ἐκ φυλῆς χιλίους ἐκ φυλῆς ἐκ πασῶν φ. Ἰσρ. (6 *ter*)
— 5. χιλίους ἐκ φυλῆς (6)
— 6. χιλίους ἐκ φυλῆς χιλίους ἐκ φυλῆς [B^2 *om.* ἐκ φ.] (6, –)
32. 28. καὶ τοὺς ἄρχοντας πατριῶν τῶν φ. Ἰσρ. (6)
— 33. καὶ τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. (8 *a*)
33. 54. κατακληρονομήσετε τὴν γῆν αὐ. . . . κατὰ φυλὰς ὑ. (7)
— 54. κατὰ φυλὰς πατριῶν ὑμῶν κληρονομήσετε (6)
34. 13. δοῦναι αὐτὴν ταῖς ἐννέα φ. καὶ τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. (6, 6)
— 14. ἔλαβε φυλὴ υἱῶν Ῥ. καὶ φυλὴ υἱῶν Γάδ (6, 6)
— 14. τὸ ἥμισυ φυλῆς Μ. ἀπέλαβον τοὺς κλήρους αὐ. (6)
— 15. δύο φυλαὶ καὶ ἥμισυ φυλῆς ἀπέλαβον (6, 6)
— 18. ἄρχοντα ἕνα ἐκ φυλῆς λήψεσθε (6)
— 19. τῆς φ. Ἰ. Χαλέβ (6)
— 20. τῆς φ. Συμ. Σαλ. (6)
— 21. τῆς φ. Βεν. Ἐλδάδ (6)
— 22. τῆς φ. Δὰν ἄρχων Β. (6)
— 23. τῶν υἱῶν Ἰ. φυλῆς υἱῶν Μαν. ἄρχων Ἀν. (6)
— 24. τῆς φ. υἱῶν Ἐφρ. ἄρχων Κ. (6)
— 25. τῆς φ. Ζαβ. ἄρχων Ἐλ. (6)
— 26. τῆς φ. υἱῶν Ἰσσ. ἄρχων Φ. (6)
— 27. τῆς φ. υἱῶν Ἀ. ἄρχων Ἀχ. (6)
— 28. τῆς φ. Νεφθ. ἄρχων Φ. (6)
36. 1. οἱ ἄρχοντες φυλῆς υἱῶν Γ. . . . ἐκ τῆς φ. υἱῶν Ἰ. (7, 7)
— 3. ἔσονται ἑνὶ τῶν φ. υἱῶν Ἰσρ. γυναῖκες (8 *a*)
— 3. προστεθήσεται εἰς κληρονομίαν τῆς φ. (6)
— 4. προστεθήσεται . . . ἐπὶ τὴν κληρονομίαν τῆς φ. (6)
— 4. ἀπὸ τῆς κληρονομίας φυλῆς πατριᾶς ἡμῶν (6)
— 5. οὕτως φυλὴ υἱῶν Ἰ. λέγουσι (6)
— 7. οὐχὶ περιστραφήσεται . . . ἀπὸ φυλῆς ἐπὶ φυλήν (6, 6)
— 7. ἕκαστος ἐν τῇ κληρονομίᾳ τῆς φ. τῆς πατριᾶς αὐ. (6)
— 8. πᾶσα θυγάτηρ . . . ἐκ τῶν φ. [**A** *om.* ἐκ τ. φ.] υἱῶν Ἰσρ. (6)
— 9. οὐ περιστραφήσεται κλῆρος ἐκ φυλῆς ἐπὶ φ. ἑτέραν (6, 6)
— 12. ἐγενήθη ἡ κληρονομία αὐ. ἐπὶ τὴν φ. δήμου (6)
De. 1. 13. δότε ἑαυτοῖς ἄνδρας σοφοὺς . . . εἰς τὰς φ. ὑ. (8 *a*)
— 23. ἄνδρα ἕνα κατὰ φυλήν (8 *a*)
3. 13. ἔδωκα τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. (8 *a*)
5. 23 (20). πάντες οἱ ἡγούμενοι τῶν φ. ὑμῶν (8 *a*)
10. 8. διέστειλε κύριος τὴν φ. τὴν Λ. (8 *a*)
12. 5. **A** ἐν μιᾷ τῶν φ. [**B** πόλεων] ὑμῶν (8 *a*)
— 14. ἐν μιᾷ τῶν φ. [**A** πόλεών] σου (8 *a*)
16. 18. αἷς κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι κατὰ φυλάς (8 *a*)
18. 1. οὐκ ἔσται τοῖς ἱ. τοῖς Λ. ὅλῃ φ. Λ. (8 *a*)
— 5. αὐτὸν ἐξελέξατο κ. ἐκ πασῶν τῶν φ. σου (8 *a*)
29. 8 (7). ἔδωκα αὐτὴν . . . τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. (8 *a*)
— 18 (17). μή τίς ἐστιν ἐν ὑμῖν . . . φυλή (8 *a*)
33. 5. συναχθέντων ἀρχόντων λαῶν ἅμα φυλαῖς Ἰσρ. (8 *a*)
Jo. 1. 12. τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. εἶπεν Ἰ. (8 *a*)
3. 12 : 4. 2, 4. ἕνα ἀφ' ἑκάστης φ. (8 *a*)
4. 5. κατὰ τὸν ἀριθμὸν τῶν δώδεκα [**A** *om.*] φ. τοῦ Ἰσρ. (8 *a*)

Jo. 4. 12. διέβησαν . . . οἱ ἡμίσεις φυλῆς Μαν. (8 *a*)
7. 1. ἔλαβεν Ἄ. . . . ἐκ τῆς φ. Ἰ. ἀπὸ τοῦ ἀναθέματος (6)
— 14. συναχθήσεσθε πάντες τὸ πρωῒ κατὰ φυλάς (8 *a*)
— 14. ἡ φ. ἣν ἂν δείξῃ κύριος (8 *a*)
— 16. προσήγαγε τὸν λαὸν κατὰ φυλάς (8 *a*)
— 16. ἐνεδείχθη ἡ φ. Ἰ. (8 *a*)
11. 23. ἔδωκεν αὐτοὺς . . . ἐν μερισμῷ κατὰ φυλὰς αὐ. (8 *a*)
12. 6. ἔδωκεν αὐτὴν . . . τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. (8 *a*)
— 7. ἔδωκεν αὐτὴν Ἰ. ταῖς φ. Ἰσρ. (8 *a*)
13. 7. μέρισον τὴν γῆν τ. . . . ταῖς ἐννέα φ. καὶ τῷ ἡμίσει φυλῆς [A τῆς φ.] Μαν. (8 *a*, 8 *a*)
— 8. ταῖς φ. [A δὲ δύο φ.] καὶ τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. –, –
— 14. πλὴν τῆς φ. [A τῇ φ. τῇ] Λ. οὐκ ἐδόθη (8 *a*)
— 15. ἔδωκε M. τῇ φ. Ῥ. (6)
— 29. ἔδωκε M. τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. (8 *a*)
— 31. A² τοῖς ἡμίσεσιν τῆς φ. Μαν. [B *al.*] †
— 31. A² ἐγενήθησαν τὰ ὅρια κατὰ φυλὰς αὐ. (7 ?)
14. 1. καὶ οἱ ἄρχοντες πατριῶν φυλῶν τῶν υἱῶν Ἰσρ. (6)
— 2. ἐκληρονόμησαν . . . ταῖς ἐννεα φ. καὶ τῷ ἡμίσει φυλῆς (6, 6)
— 4. ἦσαν οἱ υἱοὶ Ἰ. δύο φυλαὶ Μαν. καὶ Ἐφρ. (6)
15. 1. ἐγένετο τὰ ὅρια φυλῆς Ἰ. (6)
— 20. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Ἰ. (6)
— 21. πόλεις πρὸς τῇ φ. [A πόλις πρώτη φυλῆς] υἱῶν Ἰ. (6)
16. 8. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς [A φ. υἱῶν] Ἐφρ. (6)
17. 1. ἐγένετο τὰ ὅρια φυλῆς υἱῶν Μαν. (6)
18. 2. κατελείφθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . . ἑπτὰ φυλαί (8 *a*)
— 4. δότε ἐξ ὑμῶν ἄνδρας τρεῖς ἐκ φυλῆς (8 *a*)
— 7. καὶ τὸ ἥμισυ φυλῆς [A² *add.* υἱῶν] Μαν. (8 *a*)
— 11. A B² R ἐξῆλθεν ὁ κλῆρος φυλῆς [B¹ *om.*] Βεν. (6)
19. 8. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Σ. (6)
— 9. ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Σ. –
— 16. B αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς [A R τῆς φ.] υἱῶν Ζ. –
— 23. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Ἰσσ. (6)
— 31. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Ἀ. (6)
— 39. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Ν. (6)
— 48. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Δάν (6)
— 51. ἃς κατεκληρονόμησεν . . . ἐν ταῖς φ. Ἰσρ. (6)
20. 8. ἀπὸ τῆς φ. Ῥ. (6)
— 8. B ἐκ τῆς φ. Γάδ (6)
— 8. ἐκ τῆς φ. Μαν. (6)
21. 1. ἐκ τῶν φ. [A φ. τῶν υἱῶν] Ἰσρ. (6)
— 4. ἀπὸ φυλῆς Ἰ. καὶ ἀπὸ φυλῆς Σ. καὶ ἀπὸ φυλῆς [A τῆς φ.] Βεν. (6 *ter*)
— 5. τοῖς καταλελειμμένοις ἐκ τῆς φ. Ἐφρ. καὶ ἐκ τῆς φ. Δὰν καὶ ἀπὸ τοῦ ἡμίσους φυλῆς Μαν. (7 + 6, 6, 6)
— 6. A B² ἀπὸ τῆς φ. Ἰσσ. καὶ ἀπὸ τῆς φ. Ἀ. (7 + 6, 6)
— 6. καὶ ἀπὸ τῆς φ. N. καὶ ἀπὸ τοῦ ἡμίσους φυλῆς Μαν. (6, 6)
— 7. ἀπὸ φυλῆς [A τῆς φ.] Ῥ. καὶ ἀπὸ φυλῆς [A τῆς φ.] Γὰδ καὶ ἀπὸ φυλῆς [A τῆς φ.] Ζαβ. (6 *ter*)
— 9. ἔδωκεν ἡ φ. υἱῶν Ἰ. καὶ ἡ φ. υἱῶν Συμ. καὶ ἀπὸ τῆς φ. υἱῶν Βεν. τὰς πόλεις ταύτας (6, 6, –)
— 16. πόλεις ἐννέα παρὰ τῶν δύο φ. τούτων (8 *a*)
— 17. καὶ παρὰ τῆς φ. Βεν. τὴν Γ. (6)
— 20. ἐγενήθη πόλις τῶν ἰ. αὐ. ἀπὸ φυλῆς Ἐφρ. (6)
— 23. καὶ ἐκ τῆς φ. Δὰν τὴν Ἐλκ. (6)
— 25. καὶ ἀπὸ τοῦ ἡμίσους φυλῆς [B² τῆς φ.] Μαν. (6)
— 27. καὶ τοῖς υἱοῖς Γ. . . . ἐκ τοῦ ἡμίσους φυλῆς Μαν. (6)
— 28. καὶ ἐκ τῆς φ. Ἰσσ. τὴν Κ. (6)
— 30. καὶ ἐκ τῆς φ. Ἀ. τὴν Β. (6)
— 32. καὶ ἐκ τῆς φ. Νεφ. (6)
— 34. ἐκ τῆς φ. [A φ. υἱῶν] Ζαβ. (6)
— 36. καὶ πέραν τοῦ Ἰορδάνου . . . ἐκ τῆς φ. Ῥ. –
— 37 (36). καὶ ἀπὸ τῆς φ. Γάδ (6)
— 38. τῶν καταλελειμμένων ἀπὸ τῆς φ. Λ. (7)
22. 1. καὶ τὸ ἥμισυ φυλῆς Μαν. (6)
— 7. τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. (8 *a*)
— 9. B καὶ τὸ ἥμισυ φυλῆς υἱῶν [A R *om.*] Μαν. (8 *a*)
Jo. 22. 10, 11. καὶ τὸ ἥμισυ φυλῆς Μαν. (8 *a*)
— 13. καὶ πρὸς τοὺς υἱοὺς ἥμισυ φυλῆς Μαν. (8 *a*)
— 14. ἀπὸ πασῶν φ. [A τῶν φ.] Ἰσρ. (6)
— 15. καὶ πρὸς τοὺς ἡμίσεις φυλῆς Μαν. (8 *a*)
— 21. καὶ τὸ ἥμισυ φυλῆς Μαν. (8 *a*)
— 30. καὶ τὸ ἥμισυ φυλῆς Μαν. †
— 31. καὶ τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. †
— 32. οἱ ἄρχοντες . . . ἀπὸ τοῦ ἡμίσους φυλῆς Μαν. –
— 33. ἐξολεθρεῦσαι τὴν γῆν . . . τοῦ ἡμίσους φυλῆς Μαν. –
— 34. ἐπωνόμασεν Ἰ. τὸν βωμὸν . . . τοῦ ἡμίσους φυλῆς Μαν. –
23. 4. τὰ ἔθνη τὰ καταλελειμμ. . . . εἰς τὰς φ. ὑμῶν (8 *a*)
24. 1. συνήγαγεν Ἰ. πάσας φ. [A τὰς φ.] Ἰσρ. (8 *a*)
Jd. 13. 2. A ἐκ τῆς φ. τοῦ Δάν [B *al.*] (7)
18. 1. ἡ φ. Δὰν ἐζήτει ἑαυτῇ κληρονομίαν (8 *a*)
— 1. οὐκ ἐνέπεσεν αὐτῇ . . . ἐν μέσῳ φυλῶν Ἰσρ. κληρονομία (8 *a*)
— 19. ἢ γενέσθαι σε ἱερέα φυλῆς (8 *a*)
— 30. ἦσαν ἱερεῖς τῇ φ. Δάν (8 *a*)
19. 29. A ἐξαπέστειλεν αὐτὰς εἰς πάσας τὰς φ. τοῦ Ἰσρ. [B *al.*] †
20. 2. ἐστάθησαν . . . πᾶσαι αἱ φ. τοῦ Ἰσρ. [A *al.*] (8 *a*)
— 10. ληψόμεθα δέκα ἄνδρας . . . εἰς πάσας φ. [A ταῖς π. φ.] Ἰσρ. (8 *a*)
— 12. ἀπέστειλαν αἱ φ. Ἰσρ. ἄνδρας ἐν πάσῃ φ. Βεν. (8 *a*, 8 *a*)
21. 3. τοῦ ἐπισκεπῆναι σήμερον ἀπὸ Ἰσρ. φ. μίαν (8 *a*)
— 5. τίς οὐκ ἀνέβη . . . ἀπὸ πασῶν φ. Ἰσρ. (8 *a*)
— 6. ἐξεκόπη σήμερον φ. μία ἀπὸ Ἰσρ. (8 *a*)
— 8. τίς εἷς ἀπὸ φυλῶν Ἰσρ. [A *al.*] (8 *a*)
— 15. ἐποίησε κ. διακοπὴν ἐν ταῖς φ. Ἰσρ. (8 *a*)
— 17. οὐκ ἐξαλειφθήσεται φυλὴ ἀπὸ Ἰσρ. (8 *a*)
— 24. περιεπάτησαν . . . ἀνὴρ εἰς φυλὴν [A τὴν φ.] αὐ. (8 *a*)
Ru. 3. 11. οἶδε γὰρ πᾶσα φ. λαοῦ μου †
4. 10. ἐκ τῶν ἀδ. αὐ. καὶ ἐκ τῆς φ. λαοῦ αὐ. †
I Ki. 9. 21. τοῦ μικροῦ σκήπτρου φυλῆς Ἰσρ. (8 *a*)
— 21. καὶ τῆς φ. τῆς ἐλαχίστης ἐξ ὅλου σκήπτρου B. (7)
10. 19. κατάστητε ἐνώπιον κυρίου . . . κατὰ τὰς φ. [A χιλιάδας] ὑμῶν †
— 21. προσάγει σκῆπτρον Βεν. εἰς φυλάς (7)
— 21. κατακληροῦται φυλὴ Ματτ. (7)
— 21. προσάγουσι τὴν φ. Ματτ. εἰς ἄνδρας –
15. 17. ἡγούμενος σκήπτρου φυλῆς Ἰσρ. (8 *a*)
20. 6. θυσία τῶν ἡμερῶν ἐκεῖ ὅλῃ τῇ φ. (7)
— 29. θυσία τῆς φ. ἡμῖν ἐν τῇ πόλει (7)
29. 3. A οὐχ οὗτος Δ. ὁ δοῦλος Σ. φυλῆς [B βασιλέως] Ἰσρ. †
II Ki. 5. 1. παραγίνονται πᾶσαι αἱ φ. Ἰσρ. (8 *a*)
7. 7. εἰ λαλῶν ἐλάλησα πρὸς μίαν φ. τοῦ Ἰσρ. (8 *a*)
15. 2. ἐκ μιᾶς φυλῶν Ἰσρ. ὁ δοῦλός σου (8 *a*)
— 10. ἀπέστειλεν Ἀβ. κατασκόπους ἐν πάσαις φ. Ἰσρ. (8 *a*)
19. 9 (10). ἦν πᾶς ὁ λαὸς κρινόμ. ἐν πάσαις φ. Ἰσρ. (8 *a*)
20. 14. διῆλθεν ἐν πάσαις φ. Ἰσρ. (8 *a*)
24. 2. διέλθε δὴ πάσας φ. Ἰσρ. (8 *a*)
III Ki. 7. 14. καὶ οὗτος ἀπὸ τῆς φ. N. (6)
11. 32. ἣν ἐξελεξάμην ἐν αὐτῇ ἐκ πασῶν φ. Ἰσρ. (8 *a*)
12. 24. B συνήθροισεν ἐκεῖ τὰς φ. τοῦ Ἰσρ. –
— 24. B τάδε λέγει κύριος ἐπὶ τὰς δέκα φ. τοῦ Ἰσρ. –
14. 21. ἣν ἐξελέξατο . . . ἐκ πασῶν φ. τοῦ Ἰσρ. (8 *a*)
18. 31. κατ' ἀριθμὸν φυλῶν τοῦ Ἰσρ. (8 *a*)
IV Ki. 17. 18. οὐχ ὑπελείφθη πλὴν φυλὴ Ἰ. μονωτάτη (8 *a*)
21. 7. ἐξελεξάμην ἐκ πασῶν φ. Ἰσρ. (8 *a*)
I Ch. 5. 18. καὶ ἥμισυ φυλῆς Μαν. (8 *a*)
— 23. οἱ ἡμίσεις φυλῆς Μαν. (8 *a*)
— 26. μετῴκισε . . . τὸ ἥμισυ φυλῆς Μαν. (8 *a*)
6. 60 (45). καὶ ἐκ φυλῆς Βεν. καὶ τὴν Γ. (6)
— 61 (46). ἐκ τῆς φ. ἐκ τοῦ ἡμίσους φυλῆς Μαν. (6, 6)
— 62 (47). ἐκ φυλῆς Ἰσσ. ἐκ φυλῆς Ἀ. ἐκ φυλῆς Νεφθ. ἐκ φυλῆς Μαν. (6 *quater*)
— 63 (48). ἐκ φυλῆς Ῥ. ἐκ φυλῆς Γὰδ ἐκ φυλῆς Ζαβ. (6 *ter*)
— 65 (50). ἐκ φυλῆς υἱῶν Ἰ. καὶ ἐκ φυλῆς υἱῶν Συμ. (6, 6)
— 65 (50). R καὶ ἐκ φυλῆς υἱῶν Βεν. (6)
I Ch. 6. 66 (51). ἐγένοντο πόλεις . . . ἐκ φυλῆς Ἐφρ. (6)
— 70 (55). ἀπὸ τοῦ ἡμίσους φυλῆς Μαν. (6)
— 71 (56). ἀπὸ πατριῶν ἡμίσους φυλῆς Μαν. (6)
— 72 (57). καὶ ἐκ φυλῆς Ἰσσ. τὴν Κ. (6)
— 74 (59). καὶ ἐκ φυλῆς Ἀ. τὴν Μ. (6)
— 76 (61). καὶ ἀπὸ φυλῆς Νεφθ. τὴν Κ. (6)
— 77 (62). ἐκ φυλῆς Ζαβ. τὴν Ῥ. (6)
— 78 (63). ἐκ φυλῆς Ῥ. τὴν Βοσόρ (6)
— 80 (65). ἐκ φυλῆς Γὰδ τὴν Ῥ. (6)
12. 29. A ἀπεσκόπει τὴν φ. [B S φυλακὴν] οἴκου Σ. †
— 31. ἀπὸ τοῦ ἡμίσους φυλῆς Μαν. (6)
— 37. ἀπὸ τοῦ ἡμίσους φυλῆς Μαν. (8 *a*)
17. 6. εἰ λαλῶν ἐλάλησα πρὸς μίαν φ. †
23. 14. υἱοὶ αὐ. ἐκλήθησαν εἰς φυλὴν τοῦ Λ. (8 *a*)
26. 1. B εἰς διαιρέσεις τῶν φ. [A R πυλῶν] †
— 32. καὶ ἡμίσους φυλῆς Μαν. (8 *a*)
27. 16. καὶ ἐπὶ τῶν φ. Ἰσρ. (8 *a*)
— 20. τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. (8 *a*)
— 21. τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. –
— 22. οὗτοι πατριάρχαι τῶν φ. Ἰσρ. (8 *a*)
II Ch. 5. 2. καὶ πάντας τοὺς ἄρχοντας τῶν φ. (6)
6. 5. οὐκ ἐξελεξάμην ἐν πόλει ἀπὸ πασῶν φ. Ἰσρ. (8 *a*)
11. 16. ἐξέβαλεν αὐτοὺς ἀπὸ φυλῶν Ἰσρ. (8 *a*)
12. 13. ἐκ πασῶν φ. υἱῶν [A *om.*] Ἰσρ. (8 *a*)
33. 7. ἣν ἐξελεξάμην ἐκ πασῶν φ. Ἰσρ. (8 *a*)
I Es. 1. 4. κατὰ τὰς πατριὰς καὶ τὰς [A *om.*] φ. ὑμῶν
— 10. ἔστησαν οἱ ἱερεῖς . . . κατὰ τὰς φ.
2. 8. οἱ ἀρχίφυλοι τῶν πατριῶν τῆς Ἰ. καὶ Βεν. φυλῆς
5. 1. ἀρχηγοὶ οἴκου πατριῶν κατὰ φυλὰς αὐ.
— 4. κατὰ πατριὰς αὐ. εἰς τὰς φ.
— 5. ἐκ τῆς γενεᾶς Φ. φυλῆς δὲ Ἰούδα
— 66. ἀκούσαντες οἱ ἐχθροὶ τῆς φ. Ἰ. καὶ Βεν.
7. 9. ἔστησαν οἱ ἱερεῖς . . . κατὰ φυλάς
9. 5. ἐπισυνήχθησαν οἱ ἐκ τῆς φ. Ἰ.
II Es. 6. 17. εἰς ἀριθμὸν φυλῶν Ἰσρ. (8 *b*)
To. 1. 1. Τωβεὶτ . . . ἐκ τῆς [S *om.*] φ. Νεφθ.
— 4. πᾶσα φ. τοῦ [S ἡ φ.] Νεφθ. . . . ἀπέστη ἀπὸ τοῦ οἴκου Ἰερ.
— 4. τῆς ἐκλεγείσης ἀπὸ πασῶν τῶν φ. Ἰσραήλ [S *al.*]
— 4. εἰς τὸ θυσιάζειν πάσας τὰς φ. [S πάσαις φ.] Ἰσρ.
— 5. πᾶσαι αἱ φ. αἱ συναποστᾶσαι ἔθυον τῇ Βάαλ [S¹ *al.*]
4. 12. A B ἡ οὐκ ἔστιν ἐκ τῆς φ. τοῦ πατρός σου
5. 8. ποίας [S ἐκ π.] φ. ἐστι
— 10. ἐκ ποίας φ. . . . εἶ σύ [S *al.*]
— 11. A B φυλὴν καὶ πατριὰν σὺ ζητεῖς
— 11. S τί χρείαν ἔχεις φυλῆς
— 13. ἐζήτησα τὴν φ. σου . . . ἐπιγνῶναι [S *al.*]
Ju. 3. 8. ὅπως . . . πᾶσαι αἱ φ. αὐ. ἐπικαλέσωνται αὐτόν [A S *al.*]
6. 15. Ὀζ. ὁ τοῦ Μ. ἐκ τῆς φ. Συμ.
8. 2. ὁ ἀνὴρ αὐ. Μαν. τῆς [S ἐκ τῆς] φ. αὐ.
— 18. οὐκ ἀνέστη . . . φυλή
9. 14. καὶ πάσης φ. ἐπίγνωσιν
Es. 1. 1. Μαρδοχαῖος ὁ τοῦ Ἰ. . . . ἐκ φυλῆς [A S² τῆς φ.] Βεν. †
2. 5. Μαρδ. ὁ τοῦ Ἰ. . . . ἐκ φυλῆς Βεν. †
3. 13. ἐν πάσαις ταῖς κατὰ τὴν οἰκουμένην φ.
4. 17. ἐν φυλῇ [S ἐκ φυλῆς] πατριᾶς μου [A *al.*]
Ps. 71 (72). 17. εὐλογηθήσονται ἐν αὐτῷ πᾶσαι αἱ φ. τῆς γῆς (3 ?)
77 (78). 55. κατεσκήνωσεν ἐν τοῖς σκηνώμασιν αὐ. τὰς φ. [B¹ ταῖς φ.] τοῦ Ἰσρ. (8 *a*)
— 67. τὴν φ. Ἐφραὶμ οὐκ ἐξελέξατο (8 *a*)
— 68. ἐξελέξατο τὴν φ. Ἰούδα (8 *a*)
104 (105). 37. οὐκ ἦν ἐν ταῖς φ. αὐτῶν ἀσθενῶν (8 *a*)
121 (122). 4. S² R ἐκεῖ γὰρ ἀνέβησαν αἱ φ. φυλαὶ [A αἱ φ., S¹ *om.*] κυρίου μαρτύριον τῷ Ἰσραήλ (8 *a*, 8 *a*)
Pr. 14. 34. ἐλασσονοῦσι δὲ φυλὰς ἁμαρτίαι (4)
Si. 16. 4. φυλὴ δὲ ἀνόμων ἐρημωθήσεται
33 (36). 11. σύναγε πάσας φυλὰς Ἰακώβ
44. 23. ἐν φυλαῖς ἐμέρισε δέκα δύο
45. 6. Ἀ. ὕψωσεν ἅγιον . . . ἐκ φυλῆς Λευΐ
— 11. κατ' ἀριθμὸν φυλῶν [S¹ φυλάσσων] Ἰσρ.
— 25. διαθήκην τῷ Δαυὶδ υἱῷ [A S² υἱῷ Ἰεσσαὶ] ἐκ φυλῆς Ἰούδα
48. 10. καταστῆσαι φυλὰς Ἰακώβ
Ho. 5. 9. ἐν ταῖς φ. τοῦ Ἰσρ. ἔδειξα πιστά (8 *a*)
Am. 1. 5. κατακόψω φυλὴν ἐξ ἀνδρῶν Χ. (8 *a*)
— 8. ἐξαρθήσεται φυλὴ ἐξ Ἀσκάλωνος (8 *a*)

Am. 3. 1. καὶ κατὰ πάσης φ. ἧς ἀνήγαγον (7)
— 2. B ὑμᾶς ἔγνων ἐκ πασῶν φ. [A R τῶν φ.] γῆς (7)
— 12. ἐκσπασθήσονται . . . κατέναντι τῆς [A om.] φ. †
Mi. 2. 3. λογίζομαι ἐπὶ τὴν φ. ταύτην κακά (7)
5. 1 (4. 14). A R πατάξουσιν ἐπὶ σιαγόνας τὰς φ. τοῦ Ἰσρ. [B al.] †
6. 9. ἄκουε, φυλή (6)
7. 14. A ποίμαινε . . . φυλήν [B om.] σου πρόβατα κληρονομίας σου (8 a?)
Na. 3. 4. A S² ἡ πωλοῦσα . . . φυλὰς [B S¹ λαοὺς] ἐν τοῖς φαρμάκοις αὐ. (7)
Hg. 1. 1. εἰπὸν πρὸς Ζορ. τὸν τοῦ Σαλ. ἐκ [A τὸν ἐκ] φυλῆς Ἰ. †
— 12. ἤκουσε Ζορ. ὁ τοῦ Σαλ. ἐκ [A ὁ ἐκ] φυλῆς Ἰ. –
— 14. ἐξήγειρε κ. τὸ πνεῦμα Ζορ. τοῦ Σ. ἐκ φυλῆς Ἰ. †
2. 3 (2). εἰπὸν δὴ πρὸς Ζορ. τὸν Σαλ. ἐκ φυλῆς Ἰ. †
— 22 (21). εἰπὸν πρὸς Ζορ. τὸν τοῦ Σ. ἐκ φυλῆς Ἰ. †
Za. 9. 1. κύριος ἐφορᾷ . . . πάσας φ. τοῦ Ἰσρ. (8 a)
12. 12. κόψεται ἡ γῆ κατὰ φυλὰς φυλάς [S om.] (7, 7)
— 12. A φυλὴ φυλὴ καθ' ἑαυτήν –, –
— 12. φυλὴ οἴκου Δ. καθ' ἑαυτήν (7)
— 12. φυλὴ οἴκου Ν. καθ' ἑαυτήν (7)
— 13. φυλὴ οἴκου Λ. καθ' ἑαυτήν (7)
— 13. φυλὴ τοῦ Σ. καθ' ἑαυτήν (7)
— 14. πᾶσαι αἱ ὑπολελειμμέναι φ. [A φ. αἱ ὑ.] (7)
— 14. S³ φυλὴ φυλὴ [ABS¹ om.] καθ' ἑαυτήν (7, 7)
14. 17. B ὅσοι ἐὰν μὴ ἀναβῶσιν ἐκ πασῶν φ. [A S R τῶν φ.] τῆς γῆς (7)
— 18. ἐὰν δὲ φυλὴ Αἰγύπτου μὴ ἀναβῇ (7)
Is. 19. 13. πλανήσουσιν Αἴγυπτον κατὰ φυλάς (8 a)
49. 6. τοῦ στῆσαι τὰς φ. Ἰακώβ (8 a)
63. 17. διὰ τὰς φ. τῆς κληρονομίας σου (8 a)
Ez. 19. 11. ἐγένετο αὕτη ῥάβδος ἐπὶ φυλὴν ἡγουμένων [A al.] (8 a)
— 14. φ. εἰς παραβολὴν θρήνου ἐστί (8 a)
20. 32. ἐσόμεθα ὡς τὰ ἔθνη καὶ ὡς αἱ φ. τῆς γῆς (7)
21. 13 (18). A ἔτι εἰ καὶ φ. ἀπωσθῇς [B al.] (8 a)
37. 19. λήψομαι τὴν φ. Ἰωσὴφ . . . καὶ τὰς φ. Ἰσραὴλ . . . δώσω αὐτοὺς ἐπὶ τὴν φ. Ἰούδα (†, 8 a, †)
45. 8. κατακληρονομήσουσιν οἶκος Ἰσραὴλ κατὰ φυλὰς αὐτῶν (8 a)
47. 13. ταῖς δώδεκα φ. τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ πρόσθεσις σχοινίσματος (8 a)
— 21. ταῖς φ. τοῦ Ἰσραὴλ βαλεῖτε αὐτήν (8 a)
— 22. ἐν μέσῳ τῶν φ. [A υἱῶν] τοῦ Ἰσρ. (8 a)
— 23. ἔσονται ἐν φυλῇ προσηλύτων (8 a)
48. 1. ταῦτα τὰ ὀνόματα τῶν φ. (8 a)
— 19. ἐργῶνται αὐτὴν ἐκ πασῶν τῶν φ. τοῦ Ἰσραήλ (8 a)
— 23. τὸ περισσὸν τῶν φ. (8 a)
— 29. ἣν βαλεῖτε ἐν κλήρῳ ταῖς φ. Ἰσρ. (8 a)
— 31. ἐπ' ὀνόμασι φυλῶν [A τῶν φ.] τοῦ Ἰσρ. (8 a)
Da. LXX. 3. 2. ἐπισυναγαγεῖν . . . φυλάς –
— 7. πίπτοντα πάντα τὰ ἔθνη φυλαὶ καὶ γλῶσσαι (1)
— 29 (96). πᾶν ἔθνος καὶ πᾶσαι φ. (1)
— 31 (98). Ναβ. ὁ βασ. πᾶσι τοῖς λαοῖς φυλαῖς (1)
Bel *tit.* ἐκ προφητείας Ἀμβ. υἱοῦ Ἰ. ἐκ τῆς φ. Λ.
Da. LXX. 3. 4. ὑμῖν λέγεται . . . φυλαὶ γλῶσσαι (1)
— 7. πίπτοντες οἱ λαοὶ φυλαί [A om.] (1)
— 29 (96). πᾶς λαὸς φυλὴ γλῶσσα (1)
— 31 (98). Ναβ. ὁ βασ. πᾶσι τοῖς λαοῖς φυλαῖς (1)
5. 19. πάντες οἱ λαοὶ φυλαὶ γλῶσσαι (1)
6. 25 (26). ἔγραψε πᾶσι τοῖς λαοῖς φυλαῖς (1)
7. 14. πάντες οἱ λαοὶ φυλαὶ . . . δουλεύουσιν αὐτῷ (1)
I Ma. 7. 8. A ἐπέλεξεν ὁ βασ. τὸν Β. τῶν φ. [S R φίλων] τοῦ βασ.
II Ma. 3. 4. Σίμων δέ τις ἐκ τῆς Βεν. φυλῆς
[Aq. Jo. 15. 21: Ps. 64 (65). 8: Is. 34. 1: Je. 51 (28). 58.]
[Sm. Nu. 1. 21, 47: Jo. 15. 21: Je. 37. 13: Ps. 43 (44). 15: Am. 3. 2 (P.).]
[Th. Nu. 1. 21, 47: Jo. 15. 21: Is. 34. 1: Je. 51 (28). 58.]
[Al. Ge. 49. 28: Le. 25. 47: Nu. 4. 18: Dt. 1. 15: 12. 5: I Ki. 9. 21: II Ch. 11. 16.]
[Quint. Ps. 73 (74). 2.]

φύλλον. (1) עָלֶה (2) עֲפִי

Ge. 3. 7. ἔρραψαν φύλλα συκῆς (1)
8. 11. εἶχε φύλλον ἐλαίας κάρφος (1)
Le. 26. 36. διώξεται αὐτοὺς φωνὴ φύλλου φερομένου (1)
Ne. 8. 15. ἐνέγκατε φύλλα ἐλαίας καὶ φύλλα ξύλων κυπαρισσίνων καὶ φύλλα μυρσίνης (1 ter)
— 15. A² B S καὶ φύλλα φοινίκων καὶ φύλλα ξύλου δασέος (1, 1)
Jb. 13. 25. ἢ ὡς φύλλον κινούμενον ὑπὸ ἀνέμου εὐλαβηθήσῃ (1)
Ps. 1. 3. τὸ φ. αὐτοῦ οὐκ ἀπορρυήσεται (1)
Pr. 11. 14. πίπτουσιν ὥσπερ φύλλα [S¹ -ον] †
Si. 6. 3. τὰ φ. σου καταφάγεσαι
— 3. A ἀφήσεις σεαυτὸν ὡς φύλλον [B S ξύλον] ξηρόν
14. 18. ὡς φύλλον θάλλον ἐπὶ δένδρου δασέος
Hg. 2. 20 (19). S¹ τὰ φ. [A B S² ξύλα] τῆς ἐλαίας τὰ οὐ φέροντα καρπόν †
Is. 1. 30. A S R ὡς τερέβινθος ἀποβεβληκυῖα τὰ [B om.] φ. (1)
34. 4. πεσεῖται ὡς φύλλα ἐξ ἀμπέλου καὶ ὡς πίπτει φύλλα ἀπὸ συκῆς (1, –)
64. 6 (5). ἐξερρύημεν ὡς φύλλα (1)
Je. 8. 13. τὰ φ. κατερρύηκεν (1)
Da. TH. 4. 9. τὰ φ. αὐ. ὡραῖα (2)
— 11. ἐκτινάξατε τὰ φ. αὐ. (2)
— 18. καὶ τὰ φ. αὐ. εὐθαλῆ (2)
[Aq. Ps. 1. 3: Is. 34. 4.]
[Sm. Jb. 13. 25: Is. 6. 13: 34. 4: Ez. 17. 9.]
[Al. Ez. 47. 12.]

φῦλον.

III Ma. 4. 14. ἀπογραφῆναι δὲ πᾶν τὸ φ. ἐξ ὀνόματος
5. 5. λήψεσθαι τὸ φ. πέρας τῆς ὀλεθρίας
[Aq. Ps. 2. 1: 43 (44). 3: 148. 11: Is. 51. 4.]
[Sm. Is. 51. 4.]

φύραμα. (1) מִשְׁאֶרֶת (2) עֲרִיסָה

Ex. 8. 3 (7. 28). εἰσελεύσονται . . . ἐν τοῖς φ. σου [A¹ al.] (1)
12. 34. τὰ φ. αὐ. ἐνδεδεμένα ἐν τοῖς ἱματίοις αὐ. (1)
Nu. 15. 20, 21. ἀπαρχὴν φυράματος ὑμῶν (2)
[Quint. Ho. 7. 4.]

φυρᾶν. (1) בָּלַל (2) לוּשׁ (3) רָבַךְ hoph.

Ge. 18. 6. φύρασον τρία μέτρα σεμιδάλεως (2)
Ex. 29. 2. ἄρτους ἀζύμους πεφυραμένους ἐν ἐλαίῳ (1)
— 40. δέκατον σεμιδάλεως πεφυραμένης (1)
Le. 2. 4. ἄρτους ἀζύμους πεφυραμένους ἐν ἐλαίῳ (1)
— 5. σεμίδαλις πεφυραμένη ἐν ἐλαίῳ (1)
6. 21 (14). B πεφυραμένην οἴσει αὐτήν (3)
7. 2 (12) (A² B): 9. 4. καὶ σεμίδαλιν πεφυραμένην ἐν ἐλαίῳ (1)
14. 10. τρία δέκατα σεμιδάλεως εἰς θυσίαν πεφυραμένης (1)
— 21. δέκατον σεμιδάλεως πεφυραμένης ἐν ἐλαίῳ (1)
Nu. 15. 4. A θυσίαν σεμιδάλεως . . . πεφυραμένης ἐν τετάρτῳ τοῦ ἵν ἐλαίῳ [B al.] (1)
I Ki. 28. 24. ἔλαβεν ἄλευρα καὶ ἐφύρασε (2)
II Ki. 13. 8. καὶ ἐφύρασε (2)
I Ch. 23. 29. εἰς τήγανον καὶ εἰς τὴν πεφυραμένην (3)
[Sm. Je. 7. 18.]

φύρασις. (1) לוּשׁ

Ho. 7. 4. ἀπὸ φυράσεως στέατος (1)

φύρδην.

II Ma. 4. 41. φ. ἐνετίνασσον εἰς τοὺς περὶ τὸν Λ.

φύρεσθαι. (1) בּוּם *a.* hoph. *b.* hithpal. (2) גָּלַל *a.* hithpo. *b.* hithpalp. (3) לָבַשׁ

II Ki. 20. 12. Ἀμ. πεφυρμένος ἐν τῷ αἵματι (2 a)
Jb. 7. 5. φύρεται δέ μου τὸ σῶμα ἐν σαπρίᾳ σκωλήκων (3)
30. 14. ἐν ὀδύναις πέφυρμαι (2 b)
39. 30. νεοσσοὶ δὲ αὐτοῦ φύρονται ἐν αἵματι †
Is. 14. 20 (19). ἱμάτιον ἐν αἵματι πεφυρμένον (1 a)
Ez. 16. 6. ἴδον σε πεφυρμένην ἐν τῷ αἵματί σου (1 b)
— 22. πεφυρμένη ἐν τῷ αἵματί σου ἔζησας (1 b)
III Ma. 4. 6. κόνει τὴν μυροβρεχῆ πεφυρμέναι κόμην
[Sm. Is. 9. 5 (4): La. 4. 14.]
[Th. Pr. 10. 8.]
[Heb. Je. 23. 14.]

φυρμός.

Ez. 7. 22 (23). ποιήσουσι φυρμόν †

φῦσα.

[Sm., Th. Le. 1. 16.]

φυσᾶν. (1) נָפַח

Wi. 11. 18. ἤτοι πυρπνόον [S -έον] φυσῶντας ἄσθμα
Si. 28. 12. ἐὰν φυσήσῃς σπινθῆρα [A εἰς σπ.]
43. 4. A S² R κάμινον φυσῶν [B S¹ φυλάσσων] ἐν ἔργοις καύματος
Is. 54. 16. οὐχ ὡς χαλκεὺς φυσῶν ἄνθρακας (1)
[Aq. Jb. 20. 26: Is. 40. 24: 54. 16.]
[Sm. Is. 54. 16.]
[Th. Jb. 20. 26: Is. 54. 16.]
[Al. Nu. 5. 21.]

φύσημα.

[Sm. Jb. 20. 26: Ps. 26 (27). 12.]
[Al. Dt. 8. 15.]

φυσητήρ. (1) מַפָּח

Jb. 32. 19. ὥσπερ φυσητὴρ [S¹ -ὴς] χαλκέως ἐρρηγώς [S¹ om., A δεδεμένος καὶ κατερρ.] †
Je. 6. 29. ἐξέλιπε φ. ἀπὸ πυρός [A τῆς γῆς] (1)

φυσητής.

Jb. 32. 19. S¹ ὥσπερ φυσητὴς χαλκέως [A B S² al.] †

φυσικός.

[Hebr. Ge. 6. 6 (5).]

φύσις.

Wi. 7. 20. φύσεις ζῴων καὶ θυμοὺς [S¹ νόμους καὶ] θηρίων
13. 1. μάταιοι μὲν γὰρ πάντες ἄνθρωποι φύσει
19. 20. A S ὕδωρ τῆς σβεστικῆς φύσεως [B δυνάμεως] ἐπελανθάνετο
III Ma. 3. 29. καὶ πάσῃ θνητῇ φ. . . . ἄχρηστος φανήσεται
IV Ma. 1. 20. παθῶν δὲ φύσεις εἰσὶν αἱ περιεκτικώταται δύο
5. 7. τῆς φ. κεχαρισμένης
— 8. ἀποστρέφεσθαι τὰς τῆς φ. χάριτας
— 25. κατὰ φύσιν ἡμῖν συμπαθεῖ
13. 27. τῆς φ. καὶ τῆς συνηθείας καὶ τῶν τῆς ἀρετῆς ἠθῶν
15. 13. ὦ φύσις ἱερά
— 25. φύσιν [S¹ φάσιν] καὶ γένεσιν
16. 3. A τῆς [S ἡ τῆς] φιλοτεκνίας περιέκαιεν ἐκείνη [S R -ην] φ.

φυτεία (-τία). (1) *a.* נָטַע *b.* מַטָּע

IV Ki. 19. 29. καὶ ἔτει τρίτῳ . . . φυτεία ἀμπελώνων (1 a)
Mi. 1. 6. θήσομαι Σαμάρειαν . . . εἰς φυτείαν ἀμπελῶνος (1 b)
Ez. 17. 7. τοῦ ποτίσαι αὐτὴν σὺν τῷ βώλῳ τῆς φ. αὐτῆς (1 b)
[Sm. Ge. 21. 33: Is. 60. 21: Ez. 17. 7.]
[Th. Is. 60. 21.]

φυτεύειν. (1) *a.* נָטַע qal. *b.* ni. *c.* נָטַע (2) נָצַר (3) עָשָׂה (4) שָׁתַל

Ge. 2. 8. ἐφύτευσεν κ. ὁ θ. παράδεισον (1 a)
9. 20. καὶ ἐφύτευσεν ἀμπελῶνα (1 a)
21. 33. ἐφύτευσεν Ἀβ. ἄρουραν (1 a)
De. 16. 21. οὐ φυτεύσεις σεαυτῷ ἄλσος (1 a)
20. 6. τίς ὁ ἄνθρωπος ὅστις ἐφύτευσεν ἀμπελῶνα (1 a)
28. 30, 39. ἀμπελῶνα φυτεύσεις (1 a)
Jo. 24. 13. οὗς οὐκ ἐφυτεύσατε [A οὐ κατεφ.] (1 a)
I Es. 4. 9. εἶπε φυτεῦσαι φυτεύουσι
— 16. ἐξέθρεψαν αὐτοὺς τοὺς φυτεύσαντας [A -εύοντας] τοὺς ἀμπελῶνας
Ps. 1. 3. ὡς τὸ ξύλον τὸ πεφυτευμένον παρὰ τὰς διεξόδους τῶν ὑδάτων (4)
79 (80). 15. ἣν ἐφύτευσεν ἡ δεξιά σου (1 a)
91 (92). 13. πεφυτευμένοι ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (4)
93 (94). 9. ὁ φυτεύσας τὸ οὖς οὐχὶ ἀκούει (1 a)
103 (104). 16. αἱ κέδροι τοῦ Λιβάνου ἃς ἐφύτευσεν [A S² -σας] (1 a)
106 (107). 37. ἐφύτευσαν ἀμπελῶνας (1 a)
Pr. 27. 18. ὃς φυτεύει συκῆν φάγεται τοὺς καρποὺς αὐτῆς (2)
Ec. 2. 4. ἐφύτευσά μοι ἀμπελῶνας (1 a)
— 5. ἐφύτευσα ἐν αὐτοῖς ξύλον πᾶν καρποῦ (1 a)
3. 2. S² R καιρὸς τοῦ φυτεῦσαι καὶ καιρὸς τοῦ ἐκτῖλαι τὸ [ABS¹ om.] πεφυτευμ. (1 a, 1 a)

Ec. 12. 11. ὡς ἧλοι πεφυτευμένοι [A S πεπυρωμένοι] (1 a)
Si. 10. 15. ἐφύτευσε ταπεινοὺς ἀντ' αὐτῶν
43. 23. ἐφύτευσεν αὐτὴν Ἰησοῦς
49. 7. S[1] ὡσαύτως οἰκοδομεῖν καὶ φυτεύειν [A B S[2] καταφ.]
Am. 5. 11. ἀμπελῶνας ἐπιθυμητοὺς ἐφυτεύσατε [A φυτεύσετε] (1 a)
9. 14. R φυτεύσουσιν [AB καταφ.] ἀμπελῶνας (1 a)
— 14. B φυτεύσουσι [A καταφ., R ποιήσουσι] κήπους (3)
Is. 5. 2. ἐφύτευσα ἄμπελον σωρήκ (1 a)
17. 10. φυτεύσεις φύτευμα ἄπιστον (1 a)
— 11. A τῇ δὲ ἡμέρᾳ ᾗ ἂν φυτεύσῃς πλανηθήσῃ τὸ δὲ πρωῒ ἐὰν φυτεύσῃς [B S σπείρῃς] (1 c, †)
37. 30. φυτεύσατε ἀμπελῶνας (1 a)
40. 24. οὐ γὰρ μὴ φυτεύσωσιν οὐδὲ μὴ σπείρωσιν [A S al.] (1 b)
44. 14. ὃ ἐφύτευσε κύριος (1 a)
65. 22. οὐ μὴ φυτεύσουσι [S -σωσιν] καὶ ἄλλοι φάγονται (1 a)
Je. 2. 21. ἐφύτευσά σε ἄμπελον καρποφόρον (1 a)
12. 2. ἐφύτευσας αὐτούς (1 a)
36 (29). 5. φυτεύσατε [S καταφ.] παραδείσους (1 a)
— 28. φυτεύσατε κήπους (1 a)
38 (31). 5. ἐφυτεύσατε ἀμπελῶνας ἐν ὄρεσι Σαμαρείας (1 a)
— 5. S φυτεύσαντες [A φύσαντες, B om.] φυτεύσατε καὶ αἰνέσατε (1 a, 1 a)
39 (32). 41. φυτεύσω αὐτοὺς ἐν τῇ γῇ ταύτῃ (1 a)
49 (42). 10. φυτεύσω ὑμᾶς (1 a)
51. 34 (45. 4). οὓς ἐγὼ ἐφύτευσα ἐγὼ ἐκτίλλω (1 a)
Ez. 19. 10. ὡς ἄμπελος . . . ἐν ὕδατι πεφυτευμένη (4)
— 13. νῦν πεφύτευκαν [A ἐφύτευσαν] αὐτὴν ἐν τῇ ἐρήμῳ (4)
28. 26. φυτεύσουσιν [A -σωσιν] ἀμπελῶνας (1 a)
Da. LXX. 4. 17. τὸ δένδρον τὸ ἐν τῇ γῇ πεφυτευμένον †
I Ma. 3. 56. εἶπε τοῖς . . . φυτεύουσιν ἀμπελῶνας
IV Ma. 13. 19. διὰ τῆς μητρῴας φυτεύσασα γαστρός
[Aq. Ge. 2. 8 : Ec. 12. 11 : Ho. 9. 13.]
[Sm. Ez. 17. 10 : Ho. 9. 13.]
[Th. Ec. 12. 11 : Ez. 17. 10 : Ho. 9. 13.]

φύτευμα. (1) a. נָטַע b. מַטָּע

Is. 17. 10. φυτεύσεις φ. ἄπιστον (1 a)
60. 21. φυλάσσων τὸ φ. ἔργα χειρῶν αὐτοῦ (1 b)
61. 3. κληθήσονται . . . φ. κυρίου εἰς δόξαν (1 b)

φυτόν. (1) מַטָּע (2) נֵצֶר (3) סְבַךְ (4) רִתָּם

Ge. 22. 13. κριὸς εἷς κατεχόμενος ἐν φυτῷ σαβέκ (3)
III Ki. 19. 5. ὕπνωσεν ἐκεῖ ὑπὸ φυτόν (4)
Jb. 24. 18. ἀναφανείη δὲ τὰ φ. αὐτῶν ἐπὶ γῆς ξηρά †
Wi. 7. 20. διαφορὰς φυτῶν καὶ δυνάμεις ῥιζῶν
10. 7. ἀτελέσιν ὥραις καρποφοροῦντα φυτά
13. 11. εἰ δὲ καί τις ὑλοτόμος τέκτων εὐκίνητον φυτὸν ἐκπρίσας
Si. 3. 28. φυτὸν γὰρ πονηρίας ἐρρίζωκεν ἐν αὐτῷ
24. 14. ὡς φυτὰ ῥόδου ἐν Ἱεριχώ
Ez. 17. 5. ἔδωκεν αὐτὸ εἰς τὸ πεδίον φ. †
31. 4. τοὺς ποταμοὺς αὐτῆς ἤγαγε κύκλῳ τῶν φ. αὐτοῦ (1)
34. 29. ἀναστήσω αὐτοῖς φ. εἰρήνης (1)
Da. LXX. 11. 7. ἀναστήσεται φυτὸν ἐκ τῆς ῥίζης αὐ. (2)
— 20. ἀναστήσεται ἐκ τῆς ῥίζης αὐ. φυτὸν βασιλείας †
Da. TH. 11. 20. ἀναστήσεται ἐκ τῆς ῥίζης αὐ. φυτὸν τῆς βασιλείας †
I Ma. 4. 38. ἴδον . . . ἐν ταῖς αὐλαῖς φυτὰ πεφυκότα
IV Ma. 1. 28. δυοῖν τοῦ σώματος καὶ τῆς ψυχῆς φυτῶν ὄντων
— 28. S πολλαὶ τούτων τῶν φ. [A R παθῶν] εἰσι παραφυάδες
2. 14. μηδὲ δενδροτομῶν τὰ ἥμερα τῶν πολεμίων φυτά
[Aq. Jb. 30. 4, 7 : Da. 2. 41 (Sw.).]
[Sm. I Ki. 22. 6 : 31. 13 : Jb. 30. 4, 7 : Da. 2. 41 (Sw.).]
[Th. Ge. 22. 13.]

φωλεύειν.
[Al. Jb. 38. 40.]

φωνεῖν. (1) הָגָה (2) נָשָׂא (3) צָפַף pilp. (4) a. קָרָא b. קָרָא (5) שִׁיר pil. (6) תָּקַע ni. (7) ἐκ τῆς κοιλίας φωνεῖν הָגָה hi.

I Ch. 15. 16. τοῦ φωνῆσαι εἰς ὕψος ἐν φωνῇ εὐφροσύνης †
I Es. 4. 41. καὶ πᾶς ὁ λαὸς τότε ἐφώνησε
5. 61. ἐφώνησαν δι' ὕμνων [B[1] -ον]
8. 92. καὶ φωνήσας Ἰεχ.
9. 10. ἐφώνησαν ἅπαν τὸ πλῆθος
— 47. B ἐφώνησε [A R ἐπεφ.] πᾶν τὸ πλῆθος
To. 5. 8. φώνησον αὐτὸν πρὸς μέ [S al.]
Ps. 113. 15 (115. 7). οὐ φωνήσουσιν ἐν τῷ λάρυγγι αὐτῶν (1)
134 (135). 17. A οὐ φωνήσουσιν ἐν τῷ λάρυγγι αὐτῶν –
Si. 45. 17. B S ἐν νόμῳ αὐτοῦ φωνῆσαι [A R φωτίσαι] Ἰσραήλ
Am. 3. 6. εἰ φωνήσει σάλπιγξ ἐν πόλει (6)
Ze. 2. 14. θηρία φωνήσει ἐν τοῖς διορύγμασιν αὐ. (5)
Is. 8. 19. ζητήσατε . . . τοὺς ἀπὸ τῆς γῆς φωνοῦντας . . . οἱ ἐκ [A ἀπὸ] τῆς κοιλίας φωνοῦσιν (†, 7)
19. 3. ἐπερωτήσουσι . . . τοὺς ἐκ τῆς γῆς φωνοῦντας †
24. 14. οὗτοι βοῇ φωνήσουσιν [A S al.] (2)
29. 4. ὡς οἱ φωνοῦντες ἐκ τῆς γῆς ἡ φωνή σου †
38. 14. ὡς χελιδὼν οὕτω φωνήσω (3)
Je. 17. 11. ἐφώνησε πέρδιξ (4 a)
Ep. Je. 41. τὸν Βῆλον ἀξιοῦσι φωνῆσαι [A al.]
Da. LXX. 4. 11. ἐφώνησε καὶ εἶπεν αὐτῷ (4 b)
5. 7. ὁ βασ. ἐφώνησε φωνῇ μεγάλῃ (4 b)
Da. TH. 4. 11. ἐφώνησεν ἐν ἰσχύϊ (4 b)
I Ma. 9. 12. ἐφώνουν ταῖς σάλπιγξι
III Ma. 1. 23. φωνήσαντες δὲ τὴν ὁρμὴν . . . ποιήσασθαι
2. 22. ὥστε . . . μηδὲ φωνῆσαι δύνασθαι
IV Ma. 8. 17. A R βασιλέως . . . ἐπὶ εὐεργεσίᾳ φωνοῦντος [S παρακαλοῦντος]
15. 21. A ὦ [S R ὡς] τέκνων φωναὶ μετὰ βασάνων μητέρα φωνούντων

φωνή. (1) אִמְרָה (2) דָּבָר (3) הֲמוֹן (4) זְעָקָה (5) לָשׁוֹן (6) מְצִלָּה (7) נְהָמָה (8) פֶּה (9) צְעָקָה (10) a. קוֹל b. קָל (11) שְׂפָה (12) תְּחִנָּה (13) תְּרוּעָה (14) ῥηγνύναι φωνήν נָעָה

Ge. 3. 8. ἤκουσαν τὴν φ. κυρίου τοῦ θεοῦ (10 a)
— 10. τὴν φ. σου ἤκουσα (10 a)
— 17. ὅτι ἤκουσας τῆς φ. τῆς γυναικός σου (10 a)
4. 10. φωνὴ αἵματος τοῦ ἀδ. σου βοᾷ πρὸς μέ (10 a)
— 23. ἀκούσατέ μου τῆς φ. (10 a)
11. 1. καὶ φωνὴ μία πᾶσιν (2)
— 7. ἵνα μὴ ἀκούσωσιν ἕκαστος τὴν φ. τοῦ πλησίον (11 a)
15. 4. R φωνὴ κυρίου ἐγένετο πρὸς αὐτόν (2)
16. 2. ὑπήκουσε δὲ Ἄβ. τῆς φ. αὐ. (10 a)
21. 12. ἄκουε τῆς φ. αὐ. (10 a)
— 17. εἰσήκουσε δὲ ὁ θ. τῆς φ. τοῦ παιδίου (10 a)
— 17. ἐπακήκοε γὰρ ὁ θ. τῆς φ. τοῦ παιδίου σου (10 a)
22. 18. ὑπήκουσας τῆς ἐμῆς φ. (10 a)
26. 5. ὑπήκουσεν Ἀβ. . . . τῆς ἐμῆς φ. (10 a)
27. 13. ὑπάκουσόν μου τῆς φ. (10 a)
— 22. ἡ φ. φωνὴ Ἰακώβ (10 a, 10 a)
— 34. ἀνεβόησεν Ἠ. φωνὴν μεγάλην (9)
— 38. R ἀνεβόησε φωνῇ Ἠ. (10 a)
— 43. ἄκουσόν μου τῆς φ. (10 a)
29. 11. βοήσας τῇ φ. αὐ. ἔκλαυσε (10 a)
30. 6. ἐπήκουσε τῆς φ. μου (10 a)
39. 14. ἐβόησα φ. μεγάλῃ (10 a)
— 15, 18. ὕψωσα τὴν φ. μου (10 a)
45. 2. ἀφῆκε φωνὴν μετὰ κλαυθμοῦ (10 a)
— 16. διεβοήθη ἡ φ. εἰς τὸν οἶκον Φ. (10 a)
Ex. 3. 18. εἰσακούσονταί σου τῆς φ. (10 a)
4. 1. μηδὲ εἰσακούσωσι τῆς φ. μου (10 a)
— 8. μηδὲ εἰσακούσωσι τῆς φ. τοῦ σημείου τοῦ πρώτου (10 a)
Ex. 4. 8. π στεύσουσί σοι τῆς φ. τοῦ σημείου τοῦ ἐσχάτου (10 a)
— 9. μηδὲ εἰσακούσωσι τῆς φ. σου (10 a)
5. 2. οὗ εἰσακούσομαι τῆς φ. αὐ. (10 a)
9. 23. κύριος ἔδωκε φωνάς (10 a)
— 28. παυσάσθω τοῦ γενηθῆναι φωνάς (10 a)
— 29. αἱ φ. παύσονται (10 a)
— 33. αἱ φ. ἐπαύσαντο (10 a)
— 34. πέπαυται . . . ἡ χάλαζα καὶ αἱ φ. (10 a)
15. 26. ἐὰν ἀκοῇ ἀκούσῃς τῆς φ. κ. τοῦ θ. σου (10 a)
18. 24. ἤκουσε δὲ Μ. τῆς φ. τοῦ γαμβροῦ (10 a)
19. 5. ἐὰν ἀκοῇ ἀκούσητε τῆς ἐμῆς φ. [A τῆς φ. μου] (10 a)
— 13. αἱ φ. καὶ αἱ σάλπιγγες καὶ ἡ νεφέλη –
— 16. καὶ ἐγίνοντο φωναί (10 a)
— 16. φωνὴ τῆς σάλπιγγος ἤχει μέγα (10 a)
— 19. ἐγίνοντο δὲ αἱ φ. τῆς σάλπιγγος προβαίνουσαι (10 a)
— 19. ὁ δὲ θ. ἀπεκρίνατο αὐτῷ φωνῇ (10 a)
20. 18. πᾶς ὁ λαὸς ἑώρα τὴν φ. . . . καὶ τὴν φ. τῆς σάλπιγγος (10 a, 10 a)
22. 23 (22). ἀκοῇ εἰσακούσομαι τῆς φ. αὐ. (9)
23. 22. ἐὰν ἀκοῇ ἀκούσητε τῆς ἐμῆς φ. (10 a ?)
— 22. ἐὰν ἀκοῇ ἀκούσητε τῆς φ. μου (10 a)
24. 3. ἀπεκρίθη δὲ πᾶς ὁ λαὸς φ. μιᾷ (10 a)
28. 31 (35). ἀκουστὴ ἡ φ. αὐτοῦ (10 a)
32. 17. B[1] R ἀκούσας Ἰ. τῆς φ. [A B[2] τὴν φ.] τοῦ λαοῦ (10 a)
— 17. φωνὴ πολέμου ἐν τῇ παρεμβολῇ (10 a)
— 18. οὐκ ἔστι φωνὴ ἐξαρχόντων κατ' ἰσχύν (10 a)
— 18. οὐδὲ φωνὴ ἐξαρχόντων τροπῆς (10 a)
— 18. φωνὴν ἐξαρχόντων οἴνου ἐγὼ ἀκούω (10 a)
Le. 5. 1. καὶ ἀκούσῃ φωνὴν ὁρκισμοῦ (10 a)
25. 9. διαγγελεῖτε σάλπιγγος φωνῇ (13)
26. 36. διώξεται αὐτοὺς φωνὴ φύλλου φερομένου (10 a)
Nu. 3. 16. ἐπεσκέψατο αὐτοὺς . . . διὰ φωνῆς κυρίου (8)
— 39. οὓς ἐπεσκέψατο . . . διὰ φωνῆς κυρίου (8)
— 51. ἔδωκε Μ. τὰ λύτρα . . . διὰ φωνῆς κυρίου (8)
4. 37, 41, 45. διὰ φωνῆς κυρίου ἐν χειρὶ Μ. (8)
— 49. διὰ φωνῆς κυρίου ἐπεσκέψατο αὐτούς (8)
7. 89. ἤκουσε τὴν φ. κυρίου (10 a)
9. 20. διὰ φωνῆς κυρίου παρεμβαλοῦσι (8)
10. 13. ἐξῆραν πρῶτοι διὰ φωνῆς κυρίου (8)
13. 4 (3). ἐξαπέστειλεν αὐτοὺς . . . διὰ φωνῆς κυρίου (8)
14. 1. B ἐνέδωκε φωνῇ [A R al.] (10 a)
— 22. καὶ οὐκ εἰσήκουσαν τῆς φ. μου (10 a)
16. 34. ἔφυγον ἀπὸ τῆς φ. αὐ. (10 a)
20. 16. εἰσήκουσε κύριος τῆς φ. ἡμῶν (10 a)
21. 3. εἰσήκουσε κύριος τῆς φ. Ἰσρ. (10 a)
De. 1. 34. ἤκουσε κύριος τὴν φ. τῶν λόγων ὑμῶν (10 a)
— 45. οὐκ εἰσήκουσε κύριος τῆς φ. ὑμῶν (10 a)
4. 11. B σκότος γνόφος θύελλα φ. [A R om.] μεγάλη [A B[1] R om.] –
— 12. ἐλάλησε κύριος . . . φωνὴν ῥημάτων (10 a)
— 12. ὁμοίωμα οὐκ εἴδετε ἀλλ' ἢ φωνήν (10 a)
— 30. εἰσακούσῃ τῆς φ. αὐ. (10 a)
— 33. εἰ ἀκήκοεν ἔθνος φωνὴν θεοῦ ζῶντος (10 a)
— 36. ἀκουστὴ ἐγένετο ἡ φ. αὐ. [A al.] (10 a)
5. 22 (19). σκότος γνόφος θύελλα φ. μεγάλη (10 a)
— 23 (20). ὡς ἠκούσατε τὴν φ. (10 a)
— 24 (21). τὴν φ. αὐ. ἠκούσαμεν (10 a)
— 25 (22). ἀκοῦσαι τὴν φ. κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν ἔτι (10 a)
— 26 (23). ἥτις ἤκουσε φωνὴν θεοῦ ζῶντος (10 a)
— 28 (25). ἤκουσε κ. τὴν φ. τῶν λόγων ὑμῶν (10 a)
— 28 (25). ἤκουσα τὴν φ. τῶν λόγων τοῦ λαοῦ τ. (10 a)
8. 20. οὐκ ἠκούσατε τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (10 a)
9. 23. οὐκ εἰσηκούσατε τῆς φ. αὐ. (10 a)
13. 4 (5). τῆς φ. αὐ. ἀκούεσθε (10 a)
— 18 (19). ἐὰν ἀκούσῃς τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ σου (10 a)
15. 5. ἐὰν δὲ ἀκοῇ εἰσακούσητε τῆς φ. κ. τοῦ θ. ὑμῶν (10 a)
18. 16. ἀκοῦσαι τὴν φ. κ. τοῦ θ. σου (10 a)
21. 18. οὐχ ὑπακούων φωνὴν πατρὸς καὶ φωνὴν μητρός (10 a, 10 a)
— 20. οὐχ ὑπακούει τῆς φ. ἡμῶν (10 a)
26. 7. εἰσήκουσε κ. τῆς φ. ἡμῶν (10 a)
— 14. ὑπήκουσα τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (10 a)
— 17. καὶ ὑπακούειν τῆς φ. αὐ. (10 a)
27. 10. εἰσακούσῃ τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ σου (10 a)

De. 27. 14. ἐροῦσι παντὶ Ἰσρ. φ. μεγάλῃ (10 *a*)
28. 1, 2. ἐὰν ἀκοῇ ἀκούσῃς τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ σου (10 *a*)
— 9. ἐὰν ἀκούσῃς τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ σου (6)
— 13. ἐὰν ἀκούσῃς τῆς φ. [A τῶν ἐντ.] κ. τοῦ θεοῦ σου (6)
— 15. ἐὰν μὴ εἰσακούσῃς τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ σου (10 *a*)
— 45. οὐκ εἰσήκουσας τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ σου (10 *a*)
— 49. ὃ οὐκ ἀκούσῃ τῆς φ. αὐ. (5)
— 62. οὐκ εἰσήκουσας τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ σου (10 *a*)
30. 2. καὶ εἰσακούσῃ τῆς φ. αὐ. (10 *a*)
— 8. εἰσακούσῃ τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ σου (10 *a*)
— 10. ἐὰν εἰσακούσῃς τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ σου (10 *a*)
— 20. εἰσακούειν τῆς φ. αὐ. (10 *a*)
33. 7. εἰσάκουσον, κύριε, φωνῆς [A τῆς φ.] Ἰ. (10 *a*)
Jo. 6. 9 (10). μηδὲ ἀκουσάτω μηθεὶς τὴν φ. ὑμῶν (10 *a*)
— 19 (20). A ὡς δὲ ἤκουσεν ὁ λαὸς τὴν φ. [B *om.* τ. φ.] τῶν σαλπ. (10 *a*)
22. 2. ἐπηκούσατε τῆς φ. μου (10 *a*)
24. 24. τῆς φ. αὐ. ἀκουσόμεθα (10 *a*)
Jd. 2. 2. οὐκ εἰσηκούσατε τῆς φ. μου (10 *a*)
— 4. ἐπῆραν ὁ λαὸς τὴν φ. αὐ. (10 *a*)
— 20. οὐκ εἰσήκουσαν τῆς φ. μου (10 *a*)
5. 11. διηγεῖσθε ἀπὸ φωνῆς ἀνακρουομένων [A *al.*] (10 *a*)
6. 10. οὐκ εἰσηκούσατε τῆς φ. μου (10 *a*)
9. 7. ἐπῆρε τὴν φ. αὐ. (10 *a*)
13. 9. εἰσήκουσεν ὁ θ. τῆς φ. Μαν. (10 *a*)
18, 3. ἐπέγνωσαν τὴν φ. τοῦ νεανίσκου (10 *a*)
— 25. μὴ ἀκουσθήτω δὴ φωνή [A ἡ φ.] σου (10 *a*)
20. 13. ἀκοῦσαι τῆς φ. τῶν ἀδ. αὐ. (10 *a*)
21. 2. ἦραν φωνὴν αὐ. [A *al.*] (10 *a*)
Ru. 1. 9, 14. ἐπῆραν τὴν φ. αὐ. (10 *a*)
I Ki. 1. 13. φωνὴ αὐ. οὐκ ἠκούετο (10 *a*)
2. 25. οὐκ ἤκουον τῆς φ. τοῦ πατρὸς αὐ. (10 *a*)
4. 5. ἀνέκραξε πᾶς Ἰσρ. φ. μεγάλῃ (13)
— 6. A ἤκουσαν οἱ ἀλλόφυλοι τὴν φ. [B *om.* τ. φ.] τῆς κραυγῆς (10 *a*)
— 14. ἤκουσεν Ἡ. τὴν φ. τῆς βοῆς (10 *a*)
— 14. B τίς ἡ βοὴ τῆς φ. [A R φωνὴ τῆς βοῆς] ταύτης (3 [10 *a*])
— 16 (15). τίς ἡ φωνὴ τοῦ ἤχους τούτου –
7. 10. ἐβρόντησε κ. ἐν φ. μεγάλῃ (10 *a*)
8. 7. ἄκουε τῆς φ. τοῦ λαοῦ (10 *a*)
— 9, 22. ἄκουε τῆς φ. αὐ. (10 *a*)
11. 4. ἦραν πᾶς ὁ λαὸς τὴν φ. αὐ. (10 *a*)
12. 1. ἤκουσα φωνῆς ὑμῶν εἰς πάντα (10 *a*)
— 14. ἐὰν . . . ἀκούσητε τῆς φ. αὐ. (10 *a*)
— 15. ἐὰν δὲ μὴ ἀκούσητε τῆς φ. κυρίου (10 *a*)
— 17. δώσει φωνὰς καὶ ὑετόν (10 *a*)
— 18. B ἔδωκε κύριος φωνάς (10 *a*)
15. 1. ἄκουε τῆς φ. [A φ. τῶν λόγων] κυρίου (10 *a* + 2 [10 *a*])
— 14. καὶ τίς ἡ φωνὴ τοῦ ποιμνίου τούτου . . . καὶ φωνὴ τῶν βοῶν (10 *a*, 10 *a*)
— 19. ἵνα τί οὐκ ἤκουσας φωνῆς [A τῆς φ.] κυρίου (10 *a*)
— 20. διὰ τὸ ἀκοῦσαί με τῆς φ. τοῦ λαοῦ (10 *a*)
— 22. ὡς τὸ ἀκοῦσαι φωνῆς κυρίου (10 *a*)
— 24. ἤκουσα τῆς φ. αὐ. (10 *a*)
19. 6. ἤκουσε Σ. τῆς φ. Ἰων. (10 *a*)
24. 17. ἡ φ. σου αὕτη, τέκνον Δ. (10 *a*)
— 17. ἦρε Σ. τὴν φ. αὐ. (10 *a*)
25. 35. ἤκουσα τῆς φ. σου (10 *a*)
26. 17. ἐπέγνω Σ. τὴν φ. τοῦ Δ. (10 *a*)
— 17. ἡ φ. σου, τέκνον, αὕτη (10 *a*)
28. 12. ἀνεβόησε φ. μεγάλῃ (10 *a*)
— 18. οὐκ ἤκουσας φωνῆς [A τῆς φ.] κυρίου (10 *a*)
— 21. ἤκουσεν ἡ δούλη σου τῆς φ. σου [A *al.*] (10 *a*)
— 22. ἄκουσον δὴ φωνῆς [A τῆς φ.] τῆς δούλης σου (10 *a*)
— 23. ἤκουσε τῆς φ. αὐ. (10 *a*)
30. 4. ἦρε Δ. καὶ οἱ ἄνδρες αὐ. τὴν φ. αὐ. (10 *a*)
II Ki. 3. 32. ἦρεν ὁ βασ. τὴν φ. αὐ. (10 *a*)
5. 24. ἐν τῷ ἀκοῦσαί σε τὴν φ. τοῦ συγκλεισμοῦ (10 *a*)
6. 15. ἀνήγαγον τὴν κιβωτὸν . . . μετὰ φωνῆς σάλπιγγος (10 *a*)
12. 18. οὐκ εἰσήκουσε τῆς φ. ἡμῶν (10 *a*)
13. 14. τοῦ ἀκοῦσαι τῆς φ. αὐ. (10 *a*)
— 16. ἀκοῦσαι τῆς φ. αὐ. –
— 36. ἐπῆραν τὴν φ. αὐ. (10 *a*)
15. 10. ἐν τῷ ἀκοῦσαι ὑμᾶς τὴν φ. τῆς κερατίνης (10 *a*)
II Ki. 15. 23. πᾶσα ἡ γῆ ἔκλαιε φ. μεγάλῃ (10 *a*)
19. 4 (5). ἔκραξεν ὁ βασ. φ. [A ἐν φ.] μεγάλῃ (10 *a*)
— 35 (36). ἢ ἀκούσομαι ἔτι φωνὴν ᾀδόντων (10 *a*)
22. 7. ἐπακούσεται ἐκ ναοῦ αὐ. φωνῆς μου (10 *a*)
— 14. ὁ ὕψιστος ἔδωκε φωνὴν αὐ. (10 *a*)
III Ki. 1. 40. ἐρράγη ἡ γῆ ἐν τῇ φ. αὐ. (10 *a*)
— 41. ἤκουσεν Ἰ. τὴν φ. τῆς κερατίνης (10 *a*)
— 41. τίς ἡ φ. τῆς πόλεως ἠχούσης (10 *a*)
— 45. αὕτη ἡ φ. ἣν ἠκούσατε (10 *a*)
8. 30. A εἰσακούσῃ τῆς φ. [B δεήσεως] τοῦ δούλου σου (12)
— 55. εὐλόγησε πᾶσαν ἐκκλησίαν Ἰσρ. φ. μεγάλῃ (10 *a*)
9. 3. ἤκουσα τῆς φ. τῆς προσευχῆς σου –
14. 6. A ὡς ἤκουσεν Ἀ. τὴν φ. ποδῶν αὐ. (10 *a*)
17. 22. A ἤκουσεν κύριος ἐν φωνῇ Ἠ. (10 *a*)
18. 26. καὶ οὐκ ἦν φωνή (10 *a*)
— 27. ἐπικαλεῖσθε ἐν φ. μεγάλῃ (10 *a*)
— 28. ἐπεκαλοῦντο ἐν φ. μεγάλῃ (10 *a*)
— 29. A καὶ οὐκ ἦν φωνή (10 *a*)
— 41. φωνὴ τῶν ποδῶν τοῦ ὑετοῦ (10 *a*)
19. 12. μετὰ τὸ πῦρ φωνὴ αὔρας λεπτῆς (10 *a*)
— 13. καὶ ἰδοὺ πρὸς αὐτὸν φωνή (10 *a*)
21 (20). 25. ἤκουσε τῆς φ. αὐ. (10 *a*)
— 36. ἀνθ' ὧν οὐκ ἤκουσας τῆς φ. κυρίου (10 *a*)
IV Ki. 4. 31. καὶ οὐκ ἦν φωνή (10 *a*)
6. 32. οὐχὶ φωνὴ τῶν ποδῶν τοῦ κυρίου αὐ. κατόπισθεν αὐτοῦ (10 *a*)
7. 6. ἀκουστὴν ἐποίησε . . . φωνὴν ἅρματος καὶ φωνὴν ἵππου [A *om.* φ. ἵ.] φωνὴν δυνάμεως μεγάλης (10 *a ter*)
— 10. οὐκ ἔστιν ἐκεῖ . . . φωνὴ ἀνθρώπου (10 *a*)
10. 6. εἰ . . . τῆς φ. μου ὑμεῖς εἰσακούετε (10 *a*)
11. 13. ἤκουσε Γ. τὴν φ. τῶν τρεχόντων τοῦ λαοῦ (10 *a*)
18. 12. οὐκ ἤκουσαν τῆς φ. κ. θεοῦ αὐτῶν (10 *a*)
— 28. A R ἐβόησε φ. [B *om.*] μεγάλῃ Ἰουδαϊστί (10 *a*)
19. 22. ἐπὶ τίνα ὕψωσας φωνήν (10 *a*)
I Ch. 14. 15. ἐν τῷ ἀκοῦσαί σε τὴν φ. τοῦ συσσεισμοῦ αὐ. (10 *a*)
15. 16. τοῦ φωνῆσαι εἰς ὕψος ἐν φωνῇ εὐφροσύνης (10 *a*)
— 28. ἀνάγοντες τὴν κιβ. . . . ἐν φωνῇ σωφέρ (10 *a*)
II Ch. 5. 13. καὶ ἐγένετο μία φ. –
— 13. καὶ ἐν τῷ ἀναφωνεῖν φ. μιᾷ (10 *a*)
— 13. ὕψωσαν φωνήν [A τὴν φ.] (10 *a*)
15. 14. ὤμοσαν ἐν κυρίῳ ἐν φ. μεγάλῃ (10 *a*)
20. 19. αἰνεῖν κ. θεῷ Ἰσρ. ἐν φ. μεγάλῃ (10 *a*)
23. 12. ἤκουσε Γ. τὴν φ. τοῦ λαοῦ (10 *a*)
30. 27. ἐπηκούσθη ἡ φ. αὐ. (10 *a*)
32. 18. ἐβόησε φ. μεγάλῃ (10 *a*)
I Es. 5. 62. καὶ ἐβόησαν φ. μεγάλῃ
— 64. B καὶ χαρὰ [A R -ᾶς] μεγάλῃ τῇ [A *om.*] φ.
— 66. ἐπιγνῶναι τίς ἡ φ. τῶν σαλπίγγων
9. 10. εἶπον μεγάλῃ τῇ φ.
II Es. 1. 1. παρήγγειλε φωνὴν ἐν πάσῃ βασιλείᾳ αὐ. (10 *a*)
3. 11. B ἐσήμαινον φ. μεγάλην [A R -εν φ. μεγάλῃ] (13)
— 12. ἔκλαιον φ. μεγάλῃ (10 *a*)
— 13. οὐκ ἦν ὁ λαὸς ἐπιγινώσκων φωνὴν [A τὴν φ.] σημασίας . . . ἀπὸ τῆς φ. [A εὐφροσύνης] τοῦ κλαυθμοῦ (10 *a*, 10 *a*)
— 13. ὁ λαὸς ἐκραύγασε φ. μεγάλῃ (13)
— 13. A R καὶ ἡ φ. [B *om.* ἡ φ.] ἠκούετο ἕως ἀπὸ μακρόθεν (10 *a*)
10. 7. παρήνεγκαν φωνὴν ἐν Ἰούδᾳ (10 *a*)
— 12. S² καὶ εἶπαν φωνῇ [A B S¹ *om.*] (10 *a*)
Ne. 4. 20 (14). οὗ ἐὰν ἀκούσητε τὴν φ. τῆς κερατίνης (10 *a*)
9. 4. ἐβόησαν φ. μεγάλῃ [A *om.*] (10 *a*)
To. 5. 9. S φωνὴν ἀνθρώπων ἀκούω
Ju. 4. 13. εἰσήκουσε κύριος τῆς φ. αὐ.
7. 23. ἀνεβόησαν φ. μεγάλῃ
— 29. ἐβόησαν πρὸς κ. τὸν θεὸν φ. μεγάλῃ
8. 17. εἰσακούσεται τῆς φ. ἡμῶν
9. 1. ἐβόησε φ. μεγάλῃ [A φ. μεγάλῃν]
13. 12. ὡς ἤκουσαν . . . τὴν φ. αὐ.
— 14. ἡ δὲ εἶπε πρὸς αὐτοὺς φ. μεγάλῃ
14. 9. ἠλάλαξεν ὁ λαὸς φ. μεγάλῃ
— 9. ἔδωκε φωνὴν εὐφρόσυνον
— 16. ἐβόησε φ. μεγάλῃ
16. 11. ὕψωσαν τὴν φ. αὐ.
— 14. ὃς ἀντιστήσεται τῇ φ. σου
Es. 1. 1. φωναὶ καὶ θόρυβος [A φ. θορύβου]
— 1. ἐγένετο αὐτῶν φ. μεγάλη [A -οντο αὐ. φ. μεγάλαι]
— 1. τῇ φ. αὐ. ἡτοιμάσθη πᾶν ἔθνος
4. 1. ἐβόα φ. μεγάλῃ (4)
— 17. εἰσάκουσον φωνὴν [A S² -ῆς] ἀπηλπισμένων
Jb. 2. 12. βοήσαντες φωνῇ μεγάλῃ ἔκλαυσαν (10 *a*)
3. 18. οὐκ ἤκουσαν φωνὴν φορολόγου (10 *a*)
4. 10. σθένος λέοντος φωνὴ δὲ λέαινης (10 *a*)
— 16. ἀλλ' ἢ αὔραν καὶ φωνὴν ἤκουον (10 *a*)
6. 5. εἰ δὲ καὶ ῥήξει φωνὴν βοῦς ἐπὶ φάτνης ἔχων τὰ βρώματα (14)
9. 16. R εἰσακήκοέ μου τῆς φ. [A B S *om.* τῆς φ.] (10 *a*)
21. 12. εὐφραίνονται φωνῇ ψαλμοῦ (10 *a*)
28. 26. καὶ ὁδὸν ἐν τινάγματι φωνάς [A¹ -ῆς] (10 *a*)
33. 8. φωνὴν ῥημάτων σου ἀκήκοα (10 *a*)
34. 16. ἐνωτίζου φωνὴν ῥημάτων (10 *a*)
37. 4. ὀπίσω αὐτοῦ βοήσεται φωνῇ βροντήσει ἐν φωνῇ ὕβρεως αὐτοῦ (10 *a*, 10 *a*)
— 4. ἀκούσῃ φωνὴν [S¹ -ῇ] αὐτοῦ (10 *a*)
— 5. βροντήσει ὁ ἰσχυρὸς ἐν φωνῇ αὐτοῦ θαυμάσια (10 *a*)
38. 7. ἤνεσάν με φωνῇ [A ἐν φ.] μεγάλῃ †
— 34. καλέσεις δὲ νέφος φωνῇ (10 *a*)
40. 4 (9). ἢ φωνῇ κατ' αὐτοῦ βροντᾷς [A S *al.*] (10 *a*)
Ps. 8. 4. φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα (10 *a*)
5. 2. B S πρόσχες τῆς φ. [A R τῇ φ.] τῆς δεήσεώς μου (10 *a*)
— 3. τὸ πρωὶ εἰσακούσῃ τῆς φ. μου (10 *a*)
6. 8. εἰσήκουσε κύριος τῆς φ. τοῦ κλαυθμοῦ μου [S¹ *om.* τ. φ. τοῦ κλ. μου] (10 *a*)
9. 12. A οὐκ ἐπελάθετο τῆς φ. [B δεήσεως, S κραυγῆς] τῶν πενήτων (9)
17 (18). 6. ἤκουσεν ἐκ ναοῦ ἁγίου αὐτοῦ φωνῆς μου (10 *a*)
— 13. ὁ ὕψιστος ἔδωκε φωνὴν αὐτοῦ (10 *a*)
18 (19). 3. ὧν οὐχὶ ἀκούονται αἱ φ. αὐτῶν (10 *a*)
25 (26). 7. τοῦ ἀκοῦσαι φωνὴν [S² τὴν φ.] αἰνέσεως (10 *a*)
26 (27). 7. εἰσάκουσον, κύριε, τῆς φ. μου (10 *a*)
27 (28). 2. εἰσάκουσον τῆς φ. τῆς δεήσεώς μου (10 *a*)
— 6. εἰσήκουσε τῆς φ. τῆς δεήσεώς μου (10 *a*)
28 (29). 3. φωνὴ κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων (10 *a*)
— 4. φωνὴ κυρίου ἐν ἰσχύϊ φωνὴ κυρίου ἐν μεγαλοπρεπείᾳ (10 *a*, 10 *a*)
— 5. φωνὴ κυρίου συντρίβοντος κέδρους (10 *a*)
— 7. φωνὴ κυρίου διακόπτοντος φλόγα πυρός (10 *a*)
— 8. φωνὴ κυρίου συσσείοντος ἔρημον (10 *a*)
— 9. φωνὴ κυρίου καταρτιζομένου [S² -νη] ἐλάφους (10 *a*)
30 (31). 22. εἰσήκουσας, κύριε, τῆς φ. τῆς δεήσεώς μου (10 *a*)
41 (42). 4. ἐν φωνῇ ἀγαλλιάσεως (10 *a*)
— 7. εἰς φωνὴν τῶν καταρρακτῶν σου (10 *a*)
43 (44). 16. ἀπὸ φωνῆς ὀνειδιζόντος (10 *a*)
45 (46). 6. ἔδωκε φωνὴν αὐτοῦ (10 *a*)
46 (47). 1. ἀλαλάξατε τῷ θεῷ ἐν φωνῇ ἀγαλλιάσεως (10 *a*)
— 5. κύριος ἐν φωνῇ σάλπιγγος (10 *a*)
54 (55). 3. ἐταράχθην ἀπὸ φωνῆς ἐχθροῦ (10 *a*)
— 17. εἰσακούσεται τῆς φ. μου (10 *a*)
57 (58). 5. ἥτις οὐκ εἰσακούσεται φωνὴν ἐπᾳδόντων (10 *a*)
63 (64). 1. S εἰσάκουσον, ὁ θεὸς, τῆς [S² *om.*] φ. [B προσευχῆς] μου (10 *a*)
65 (66). 8. ἀκουτίσατε τὴν φ. τῆς αἰνέσεως αὐτοῦ (10 *a*)
— 19. προσέσχε τῇ φ. τῆς προσευχῆς [S² δεήσεώς] μου (10 *a*)
67 (68). 33. B δώσει ἐν [S *om.*] τῇ φ. αὐτοῦ φωνὴν δυνάμεως (10 *a*, 10 *a*)
73 (74). 23. μὴ ἐπιλάθῃ τῆς φ. τῶν ἱκετῶν σου (10 *a*)
76 (77). 1. B¹ R φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα καὶ ἡ [B² S *om.* κ. ἡ] φ. μου πρὸς τὸν θεόν (10 *a*, 10 *a*)
— 17. φωνὴν ἔδωκαν αἱ νεφέλαι (10 *a*)
— 18. φωνὴ τῆς βροντῆς σου ἐν τῷ τροχῷ (10 *a*)
80 (81). 11. οὐκ ἤκουσεν ὁ λαός μου τῆς φ. μου (10 *a*)
85 (86). 6. πρόσχες τῇ φ. τῆς δεήσεώς μου (10 *a*)
92 (93). 3. ἐπῆραν οἱ ποταμοὶ φωνὰς αὐτῶν (10 *a*)
— 4. ἀπὸ φωνῶν ὑδάτων πολλῶν (10 *a*)
94 (95). 7. σήμερον ἐὰν τῆς φ. αὐτοῦ ἀκούσητε (10 *a*)

Ps. 97 (98). 5. ἐν κιθάρᾳ καὶ φωνῇ ψαλμοῦ (10 *a*)
— 6. ἐν σάλπιγξιν ἐλαταῖς καὶ φωνῇ [A S -ῆς] σάλπιγγος κερατίνης (10 *a*)
101 (102). 5. ἀπὸ φωνῆς τοῦ στεναγμοῦ μου (10 *a*)
102 (103). 20. τοῦ ἀκοῦσαι τῆς φ. τῶν λόγων αὐτοῦ (10 *a*)
103 (104). 7. ἀπὸ φωνῆς βροντῆς σου δειλιάσουσιν (10 *a*)
— 12. ἐκ μέσου τῶν πετρῶν δώσουσι φωνήν (10 *a*)
105 (106). 25. οὐκ εἰσήκουσαν τῆς φ. κυρίου (10 *a*)
114 (116). 1. εἰσακούσεται κύριος τῆς φ. τῆς δεήσεώς μου (10 *a*)
117 (118). 15. φωνὴ ἀγαλλιάσεως καὶ σωτηρίας ἐν σκηναῖς δικαίων (10 *a*)
118 (119). 149. τῆς φ. μου ἄκουσον, κύριε (10 *a*)
129 (130). 2. S B εἰσάκουσον τῆς φ. [A προσευχῆς] μου γενηθήτω τὰ ὦτά σου προσέχοντα εἰς τὴν φ. τῆς δεήσεώς μου (10 *a*, 10 *a*)
139 (140). 6. ἐνώτισαι, κύριε, τὴν φ. τῆς δεήσεώς μου (10 *a*)
140 (141). 1. πρόσχες τῇ φ. [S τῆς φ.] τῆς δεήσεώς μου (10 *a*)
141 (142). 1. φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα (10 *a*)
— 1. B S φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐδεήθην [A *al.*] (10 *a*)
Pr. 2. 3. καὶ τῇ συνέσει δῷς φωνήν σου (10 *a*)
— 3. A B² τὴν δὲ αἴσθησιν ζητήσῃς μεγάλῃ τῇ φ. –
5. 13. οὐκ ἤκουον φωνὴν παιδευόντός με (10 *a*)
8. 4. προΐεμαι ἐμὴν φ. υἱοῖς ἀνθρώπων (10 *a*)
26. 25. ἐάν σου δέηται ὁ ἐχθρὸς μεγάλῃ τῇ φ. (10 *a*)
27. 14. ὃς ἂν εὐλογῇ φίλον τὸ πρωῒ μεγάλῃ τῇ φ. (10 *a*)
Ec. 5. 2. φωνὴ ἄφρονος ἐν πλήθει λόγων (10 *a*)
— 5. ἵνα μὴ ὀργισθῇ ὁ θεὸς ἐπὶ φωνῇ σου (10 *a*)
7. 7 (6). ὡς φωνὴ ἀκανθῶν ὑπὸ τὸν λέβητα (10 *a*)
10. 20. πετεινὸν τοῦ οὐρανοῦ ἀποίσει τὴν φ. σου (10 *a*)
12. 4. ἐν ἀσθενείᾳ φωνῆς [A -ῆ] τῆς ἀληθούσης καὶ ἀναστήσεται εἰς φωνὴν τοῦ στρουθίου (10 *a*, 10 *a*)
Ca. 2. 8. φωνὴ ἀδελφιδοῦ μου (10 *a*)
— 12. φωνὴ τοῦ τρυγόνος ἠκούσθη (10 *a*)
— 14. ἀκούτισόν με τὴν φ. σου ὅτι ἡ φ. σου ἡδεῖα (10 *a*, 10 *a*)
5. 2. φωνὴ ἀδελφιδοῦ μου κρούει ἐπὶ τὴν θύραν (10 *a*)
8. 13. ἑταῖροι προσέχοντες τῇ φ. [S τὴν φ.] σου (10 *a*)
Wi. 1. 7. τὸ συνέχον τὰ πάντα γνῶσιν ἔχει φωνῆς
7. 3. πρώτην φωνὴν τὴν ὁμοίαν πᾶσιν ἴσα κλαίων
17. 19. ὠρυομένων ἀπηνεστάτων [A -ατος] θηρίων φωνή
18. 1. ὧν φωνὴν μὲν ἀκούοντες
— 10. A S οἰκτρὰ διεφέρετο φωνὴ [B *om.*] θρηνουμένων παίδων
Si. 17. 13. δόξαν φωνῆς αὐ. ἤκουσε τὸ οὖς αὐ.
21. 20. ἀνυψοῖ φωνὴν [A S τὴν φ.] αὐτοῦ
29. 5. ταπεινώσει φωνήν
31 (34). 24. τίνος φωνῆς εἰσακούσεται ὁ δεσπότης
38. 28. φωνὴ σφύρης καινιεῖ τὸ οὖς αὐτοῦ
43. 17. φωνὴ βροντῆς αὐτοῦ ὠδίνησε γῆν
45. 5. ἠκούτισεν αὐτὸν τῆς φ. αὐτοῦ
— 9. ἠχῆσαι φωνὴν ἐν βήμασιν αὐτοῦ
46. 17. ἀκουστὴν ἐποίησε τὴν φ. αὐτοῦ
— 20. ἀνύψωσεν ἐκ γῆς τὴν [A *om.*] φ. αὐτοῦ
47. 10. S² ἀπὸ πρωΐας φωνῇ [A B S¹ *om.*] ἠχεῖν τὸ ἁγίασμα
50. 16. ἀκουστὴν ἐποίησαν φωνὴν μεγάλην
— 18. ἦνεσαν οἱ ψαλμῳδοὶ ἐν φωναῖς αὐ.
Am. 1. 2. ἐξ Ἱερ. ἔδωκε φωνὴν αὐ. (10 *a*)
2. 2. ἀποθανεῖται . . . μετὰ φωνῆς σάλπιγγος (10 *a*)
3. 4. εἰ δώσει σκύμνος φωνὴν αὐ. (10 *a*)
6. 5. οἱ ἐπικροτοῦντες πρὸς τὴν φ. τῶν ὀργάνων (8)
Mi. 6. 1. ἀκουσάτωσαν οἱ βουνοὶ φωνήν σου (10 *a*)
— 9. φωνὴ κυρίου τῇ πόλει ἐπικληθήσεται (10 *a*)
Jl. 2. 5. ὡς φωνὴ ἁρμάτων . . . ἐξαλοῦνται (10 *a*)
— 5. ὡς φωνὴ φλογὸς πυρὸς κατεσθιούσης καλάμην (10 *a*)
— 11. κύριος δώσει φωνὴν αὐ. (10 *a*)
3 (4). 16. A B S³ ἐξ Ἱερ. δώσει φωνὴν αὐ. (10 *a*)
Jn. 2. 3. ἤκουσας φωνῆς μου (10 *a*)
— 10. μετὰ φωνῆς αἰνέσεως . . . θύσω σοι (10 *a*)
Na. 3. 2. φωνὴ μαστίγων καὶ φωνὴ σεισμοῦ τροχῶν (10 *a*, 10 *a*)
Hb. 3. 10. ἔδωκεν ἡ ἄβυσσος φωνὴν αὐ. (10 *a*)
Hb. 3. 16. ἀπὸ φωνῆς προσευχῆς χειλέων μου (10 *a*)
Ze. 1. 10. φωνὴ κραυγῆς ἀπὸ πύλης ἀποκεντούντων (10 *a*)
— 14. φωνὴ ἡμέρας κυρίου πικρὰ . . . τέτακται (10 *a*)
3. 2. οὐκ εἰσήκουσε φωνῆς (10 *a*)
Hg. 1. 12. ἤκουσε Ζορ. . . . τῆς φ. κυρίου τοῦ θεοῦ αὐ. (10 *a*)
Za. 6. 15. ἐὰν . . . εἰσακούσητε τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (10 *a*)
11. 3. φωνὴ θρηνούντων ποιμένων (10 *a*)
— 3. φωνὴ ὠρυομένων λεόντων (10 *a*)
Is. 5. 30. ὡς φ. θαλάσσης κυμαινούσης (7)
6. 4. ἐπήρθη τὸ ὑπέρθυρον ἀπὸ τῆς φ. (10 *a*)
— 8. ἤκουσα τῆς φ. κυρίου (10 *a*)
13. 2. ὑψώσατε τὴν φ. αὐτοῖς (10 *a*)
— 4. φ. ἐθνῶν πολλῶν . . . φ. βασιλέων (10 *a*, 10 *a*)
15. 4. ἕως Ἰασσὰ [A S² *om.*] ἠκούσθη ἡ φ. αὐτῶν (10 *a*)
18. 3. ὡς σάλπιγγος φ. ἀκουστὸν ἔσται †
24. 8. πέπαυται φ. κιθάρας †
— 14. A S οὗτοι φωνῇ βοήσονται [B βοῇ φωνήσουσιν] (10 *a*)
28. 23. ἀκούετε τῆς φ. μου (10 *a*)
— 28. οὐδὲ φ. τῆς πικρίας μου καταπατήσει ὑμᾶς †
29. 4. ὡς οἱ φωνοῦντες ἐκ τῆς γῆς ἡ φ. σου καὶ πρὸς τὸ ἔδαφος ἡ φ. σου ἀσθενήσει (10 *a*, 1)
— 6. A S R μετὰ . . . σεισμοῦ καὶ φωνῆς μεγάλης [B -ὴ μεγάλη] (10 *a*)
30. 17. χίλιοι διὰ φωνὴν ἑνὸς φεύξονται καὶ διὰ φωνὴν πέντε φεύξονται πολλοί †, †
— 19. τὴν φ. τῆς κραυγῆς σου ἡνίκα εἶδεν (10 *a*)
— 30. ἀκουστὴν ποιήσει κύριος τὴν δόξαν τῆς φ. αὐτοῦ (10 *a*)
— 31. διὰ γὰρ τῆς [S *om.*] φ. [A τὴν φ.] κυρίου ἡττηθήσονται (10 *a*)
31. 4. ἕως ἂν ἐμπλησθῇ τὰ ὄρη τῆς φ. αὐτοῦ (10 *a*)
32. 9. ἀκούσατε τῆς φ. μου (10 *a*)
33. 3. διὰ φωνὴν τοῦ φόβου ἐξέστησαν (10 *a*)
36. 13. ἀνεβόησε φωνῇ μεγάλῃ Ἰουδαϊστί (10 *a*)
37. 23. πρὸς τίνα ὕψωσας τὴν φ. σου (10 *a*)
38. 5. A S ἤκουσα τῆς φωνῆς [B *om.* τ. φ.] τῆς προσευχῆς σου –
40. 3. φ. βοῶντος ἐν τῇ ἐρήμῳ (10 *a*)
— 6. φ. λέγοντος, Βόησον (10 *a*)
— 9. ὕψωσον τῇ ἰσχύϊ τὴν φ. σου (10 *a*)
42. 2. οὐδὲ ἀκουσθήσεται ἔξω ἡ φ. αὐτοῦ (10 *a*)
— 23. S¹ εἰσακούσατε τῆς φ. τοῦ παιδὸς αὐ. [A B S³ *al.*] –
— 24. S¹ οὐδὲ ἀκούειν τῆς φ. τοῦ νόμου αὐ. [A B S³ *al.*] –
48. 20. φωνὴν εὐφροσύνης ἀναγγείλατε (10 *a*)
50. 10. ὑπακουσάτω [A ἀκ., S ἐπ.] τῆς φ. τοῦ παιδὸς αὐτοῦ (10 *a*)
51. 3. εὑρήσουσιν . . . φωνὴν αἰνέσεως (10 *a*)
52. 8. φ. τῶν φυλασσόντων σε ὑψώθη καὶ τῇ φ. ἅμα εὐφρανθήσονται (10 *a*, 10 *a*)
54. 17. πᾶσα φ. [A S² *add.* ἡ] ἀναστήσεται ἐπὶ σέ (5)
58. 1. ὕψωσον τὴν φ. σου (10 *a*)
— 4. ἀκουσθῆναι ἐν κραυγῇ τὴν φ. ὑμῶν (10 *a*)
65. 19. οὐκέτι μὴ ἀκουσθῇ ἐν αὐτῇ φ. κλαυθμοῦ καὶ φ. κραυγῆς (10 *a*, 10 *a*)
66. 6. A B S³ φ. κραυγῆς ἐκ πόλεως (10 *a*)
— 6. φ. ἐκ ναοῦ φ. κυρίου (10 *a*, 10 *a*)
Je. 2. 15. ἔδωκαν τὴν φ. αὐτῶν (10 *a*)
— 23. ὀψὲ φ. αὐτῆς ὠλόλυξε †
3. 13. τῆς δὲ φ. μου οὐχ ὑπήκουσας (10 *a*)
— 21. φ. ἐκ χειλέων ἠκούσθη (10 *a*)
— 25. οὐχ ὑπηκούσαμεν τῆς φ. κυρίου (10 *a*)
4. 15. φ. ἀγγέλλοντος ἐκ Δὰν ἥξει (10 *a*)
— 16. ἔδωκαν ἐπὶ τὰς πόλεις Ἰ. φωνὴν αὐ. (10 *a*)
— 19. φωνὴν σάλπιγγος ἤκουσεν ἡ ψυχή μου (10 *a*)
— 21. ὄψομαι φεύγοντας ἀκούων φωνὴν σαλπίγγων (10 *a*)
— 29. ἀπὸ φωνῆς ἱππέως (10 *a*)
— 31. φωνὴν ὡς ὠδινούσης ἤκουσα (10 *a*)
— 31. φ. [S² -ῆς] θυγατρὸς Σιὼν ἐκλυθήσεται (10 *a*)
5. 15. οὐκ ἀκούσει τῆς φ. τῆς γλώσσης [A *om.* τ. γλ.] αὐτοῦ –
6. 17. ἀκούσατε τῆς φ. τῆς σάλπιγγος (10 *a*)
— 23. φ. αὐτοῦ ὡς θάλασσα κυμαίνουσα (10 *a*)
7. 23. ἀκούσατε τῆς φ. μου [S κυρίου] (10 *a*)
— 28. οὐκ ἤκουσε τῆς φ. κυρίου (10 *a*)
Je. 7. 34. καταλύσω . . . φωνὴν εὐφραινομένων καὶ φωνὴν χαιρόντων φωνὴν νυμφίου καὶ φωνὴν νύμφης (10 *a quater*)
8. 16. ἀκουσόμεθα φωνὴν ὀξύτητος ἵππων αὐτοῦ ἀπὸ φωνῆς χρεμετισμοῦ ἱππασίας ἵππων αὐτοῦ ἐσείσθη (†, 10 *a*)
— 19. φ. κραυγῆς θυγατρὸς λαοῦ μου (10 *a*)
9. 10 (9). οὐκ ἤκουσαν φωνὴν ὑπάρξεως (10 *a*)
— 13 (12). οὐκ ἤκουσαν τῆς φ. μου (10 *a*)
— 19 (18). φ. οἰκτροῦ ἠκούσθη ἐν Σιών (10 *a*)
10. 22. φ. ἀκοῆς ἰδοὺ ἔρχεται (10 *a*)
11. 3. S οὐκ ἀκούσει τῆς φ. [A B ἀκούσεται τῶν λόγων] (2)
— 4. ἀκούσατε τῆς φ. μου (10 *a*)
— 16. εἰς φωνὴν περιτομῆς αὐτῆς (10 *a*)
12. 8. ἔδωκεν ἐπ' ἐμὲ τὴν φ. αὐτῆς (10 *a*)
16. 9. καταλύω . . . φωνὴν χαρᾶς καὶ φωνὴν εὐφροσύνης φωνὴν νυμφίου καὶ φωνὴν νύμφης (10 *a quater*)
18. 10. τοῦ μὴ ἀκούειν τῆς φ. [A τὴν φ.] μου (10 *a*)
— 19. εἰσάκουσον [A ἐπάκ.] τῆς φ. τοῦ δικαιώματός μου (10 *a*)
22. 20. εἰς τὴν Βασὰν δὸς τὴν φ. σου (10 *a*)
— 21. οὐκ ἤκουσας τῆς φ. μου (10 *a*)
25. 10. ἀπολῶ ἀπ' αὐτῶν φωνὴν χαρᾶς καὶ φωνὴν εὐφροσύνης φωνὴν νυμφίου καὶ φωνὴν νύμφης (10 *a quater*)
26 (46). 12. ἤκουσαν ἔθνη φωνήν σου †
— 22. φ. ὡς ὄφεως συρίζοντος (10 *a*)
27 (50). 22. φ. πολέμου καὶ συντριβὴ μεγάλη (10 *a*)
— 28. φ. φευγόντων (10 *a*)
— 42. φ. αὐ. ὡς θάλασσα ἠχήσει (10 *a*)
— 46. ἀπὸ φωνῆς ἁλώσεως Βαβυλῶνος (10 *a*)
28 (51). 16. εἰς φωνὴν ἔθετο ἦχος ὕδατος (10 *a*)
— 54. φ. κραυγῆς ἐν Βαβυλῶνι (10 *a*)
— 55. ἀπώλεσεν ἀπ' αὐτῆς φωνὴν μεγάλην (10 *a*)
— 55. ἔδωκεν εἰς ὄλεθρον φωνὴν αὐτῆς (10 *a*)
29 (47). 3. ἀπὸ φωνῆς ὁρμῆς αὐτοῦ (10 *a*)
29 (49). 21. ἀπὸ φωνῆς πτώσεως αὐτῶν (10 *a*)
31 (48). 3. A S² R φ. [B S¹ -ὴν] κεκραγότων ἐξ Ὠρωναΐμ (10 *a*)
— 34. ἔδωκαν φωνὴν αὐτῶν ἀπὸ Ζογόρ (10 *a*)
32 (25). 30. ἀπὸ τοῦ ἁγίου αὐ. δώσει φωνὴν αὐ. (10 *a*)
— 36. φ. κραυγῆς τῶν ποιμένων (10 *a*)
33 (26). 13. ἀκούσατε τῆς φ. κυρίου (10 *a*)
37 (30). 5. φωνὴν φόβου ἀκούσεσθε (10 *a*)
— 19. φ. παιζόντων (10 *a*)
38 (31). 15. φ. ἐν Ῥαμᾷ [A S¹ τῇ ὑψηλῇ] ἠκούσθη θρήνου (10 *a*)
— 16. διαλειπέτω ἡ φ. σου ἀπὸ κλαυθμοῦ (10 *a*)
39 (32). 23. οὐκ ἤκουσαν τῆς φ. σου (10 *a*)
40 (33). 11. φ. εὐφροσύνης καὶ φ. χαρμοσύνης φ. [A -ὴν] νυμφίου καὶ φ. [A -ὴν] νύμφης φ. λεγόντων (10 *a quinquiens*)
42 (35). 8. ἠκούσαμεν τῆς φ. Ἰωναδάβ (10 *a*)
47 (40). 3. οὐκ ἠκούσατε τῆς φ. αὐ. (10 *a*)
49 (42). 6. τὴν φ. κυρίου . . . ἀκουσόμεθα (10 *a*)
— 6. ἀκουσόμεθα τῆς φ. κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν (10 *a*)
— 13. πρὸς τὸ μὴ ἀκοῦσαι φωνῆς κυρίου (10 *a*)
— 14. φωνὴν σάλπιγγος οὐ μὴ ἀκούσωμεν (10 *a*)
— 21. οὐκ ἠκούσατε τῆς φ. κυρίου (10 *a*)
50 (43). 4. οὐκ ἤκουσεν . . . πᾶς ὁ λαὸς τῆς φ. κυρίου (10 *a*)
— 7. οὐκ ἤκουσαν τῆς φ. κυρίου (10 *a*)
51 (44). 23. οὐκ ἠκούσατε τῆς φ. κυρίου (10 *a*)
Ba. 1. 18. οὐκ ἠκούσαμεν τῆς φ. κυρίου
— 19. πρὸς τὸ μὴ ἀκούειν τῆς φ. αὐτοῦ
— 21. οὐκ ἠκούσαμεν τῆς φ. κυρίου
2. 5. πρὸς τὸ μὴ ἀκούειν τῆς φ. αὐτοῦ
— 10. οὐκ ἠκούσαμεν τῆς φ. αὐτοῦ
— 22. ἐὰν μὴ ἀκούσητε τῆς φ. κυρίου
— 23. ἐκλείψειν ποιήσω . . . φωνὴν εὐφροσύνης καὶ φωνὴν χαρμοσύνης φωνὴν νυμφίου καὶ φωνὴν νύμφης
— 24. οὐκ ἠκούσαμεν τῆς φ. σου
— 29. ἐὰν μὴ ἀκούσητε τῆς φ. μου
3. 4. οὐκ ἤκουσαν τῆς φ. σου [A *om.*] θεοῦ αὐτῶν
La. 2. 7. A R φωνὴν ἔδωκαν ἐν οἴκῳ κυρίου [B S *om.*] (10 *a*)
3. 56. B φωνήν μου ἤκουσας (10 *a*)
Ez. 1. 24. A ἤκουον τὴν φ. τῶν πτερύγων αὐτῶν . . . ὡς φωνὴν ὕδατος πολλοῦ ὡς φωνὴν ἱκανοῦ [B *om.* ὡς φ. ἱ.] (10 *a ter*)
— 24. A φ. τοῦ λόγου ὡς φ. παρεμβολῆς (10 *a*, 10 *a*)
— 25. φ. ὑπεράνωθεν τοῦ στερεώματος (10 *a*)

Ez. 2. 1 (1. 28). A²B ἤκουσα φωνὴν λαλοῦντος (10 a)
3. 12. ἤκουσα κατόπισθέν μου φωνὴν σεισμοῦ μεγάλου (10 a)
— 13. ἴδον φωνὴν πτερύγων τῶν ζῴων (10 a)
— 13. φ. τῶν τροχῶν ἐχομένη αὐτῶν καὶ φ. τοῦ σεισμοῦ (10 a, 10 a)
9. 1. ἀνέκραγεν εἰς τὰ ὦτά μου φωνῇ μεγάλῃ (10 a)
10. 5. φ. τῶν πτερύγων τῶν χερουβὶμ ἠκούετο . . . ὡς φ. θεοῦ (10 a, 10 a)
11. 13. ἀνεβόησα φωνῇ μεγάλῃ (10 a)
19. 7. ἀπὸ φωνῆς ὡρυώματος αὐτοῦ (10 a)
— 9. ὅπως μὴ ἀκουσθῇ ἡ φ. αὐτοῦ (10 a)
21. 22 (27). ὑψῶσαι φωνὴν μετὰ κραυγῆς (10 a)
23. 42. φωνὴν ἁρμονίας ἀνεκρούοντο (10 a)
26. 10. ἀπὸ τῆς [A om.] φ. τῶν ἱππέων αὐ. (10 a)
— 13. ἡ φ. τῶν ψαλτηρίων σου οὐ μὴ ἀκουσθῇ (10 a)
— 15. οὐκ ἀπὸ φωνῆς τῆς πτώσεώς σου . . . σεισθήσονται (10 a)
27. 28. πρὸς τὴν κραυγὴν τῆς φ. [A πρ. τὴν φ. τῆς κρ.] σου οἱ κυβερνῆταί σου . . . φοβηθήσονται (4 [10 a])
— 30. ἀλαλάξουσιν ἐπὶ σὲ τῇ φ. αὐ. [A al.] (10 a)
31. 16. ἀπὸ τῆς φ. τῆς πτώσεως αὐτοῦ (10 a)
33. 4. ὁ ἀκούσας τὴν φ. τῆς σάλπιγγος (10 a)
— 5. τὴν φ. τῆς σάλπιγγος ἀκούσας (10 a)
— 32. γίνῃ αὐτοῖς ὡς φ. ψαλτηρίου †
35. 12. ἤκουσα τῆς φ. τῶν βλασφημιῶν σου †
37. 7. A ἐγένετο φ. [B om.] ἐν τῷ ἐμὲ προφητεῦσαι (10 a)
43. 2. φ. τῆς παρεμβολῆς ὡς φ. διπλασιαζόντων (10 a, 10 a)
— 6. φ. ἐκ τοῦ οἴκου λαλοῦντος πρὸς μέ –
Da. LXX. 3. 5. ὅταν ἀκούσητε τῆς φ. τῆς σάλπιγγος (10 b)
— 7. ὅτε ἤκουσαν . . . τῆς φ. τῆς σάλπιγγος (10 b)
— 10. ὃς ἂν ἀκούσῃ τῆς φ. τῆς σάλπιγγος (10 b)
4. 16. ἀπεκρίθη μοι φ. πραείᾳ –
— 28. φωνὴν ἐκ τοῦ οὐρανοῦ ἤκουσε (10 b)
5. 7. ὁ βασ. ἐφώνησε φ. μεγάλῃ †
6. 20 (21). ἐκάλεσε τὸν Δαν. φ. μεγάλῃ (10 b)
— 21 (22). τότε Δαν. ἐπήκουσε φ. μεγάλῃ –
7. 11. ἐθεώρουν τότε τὴν φ. τῶν λόγων (10 b)
8. 16. ἤκουσα φωνὴν ἀνθρώπου (10 a)
9. 10. οὐκ ἠκούσαμεν τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (10 a)
— 11. τοῦ μὴ ἀκοῦσαι τῆς φ. σου (10 a)
— 14. οὐκ ἠκούσαμεν τῆς φ. αὐ. (10 a)
10. 6. καὶ φωνὴ λαλιᾶς αὐ. ὡσεὶ φωνὴ θορύβου (10 a, 10 a)
— 9. οὐκ ἤκουσα τὴν φ. λαλιᾶς αὐ. (10 a)
Da. TH. Su. 24. ἀνεβόησε φ. μεγάλῃ Σουσ.
— 42. ἀνεβόησε δὲ φ. μεγάλῃ Σουσ.
— 44. εἰσήκουσε κύριος τῆς φ. αὐ.
— 46. ἐβόησε φ. μεγάλῃ
— 60. ἀνεβόησε πᾶσα ἡ συναγωγὴ φ. μεγάλῃ
3. 5. ᾗ ἂν ὥρᾳ ἀκούσητε φωνῆς [A τῆς φ. τῆς] σάλπιγγος (10 b)
— 7. ὅταν ἤκουον οἱ λαοὶ τῆς φ. τῆς σάλπιγγος (10 b)
— 10. ὃς ἂν ἀκούσῃ τῆς φ. τῆς σάλπιγγος (10 b)
— 15. ὡς ἂν ἀκούσητε τῆς φ. τῆς σάλπιγγος (10 b)
4. 28. φωνὴ ἀπ' οὐρανοῦ ἐγένετο (10 b)
6. 20 (21). ἐβόησε φ. ἰσχυρᾷ [A μεγάλῃ] (10 b)
7. 11. ἀπὸ φωνῆς τῶν λόγων τῶν μεγάλων (10 b)
8. 16. ἤκουσα φωνὴν ἀνδρός (10 a)
9. 10. οὐκ εἰσηκούσαμεν τῆς φ. κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν (10 a)
— 11. τοῦ μὴ ἀκοῦσαι τῆς φ. σου (10 a)
— 14. οὐκ εἰσηκούσαμεν τῆς φ. αὐ. (10 a)
10. 6. καὶ ἡ φ. τῶν λόγων αὐ. ὡς φωνὴ ὄχλου (10 a, 10 a)
— 9. ἤκουσα τὴν φ. τῶν λόγων αὐ. (10 a)
— 9. A ἐν τῷ ἀκοῦσαί με φωνὴν ῥημάτων [B om. φ. ῥ.] αὐτοῦ (10 a)
Bel 18. ἐβόησε φ. μεγάλῃ
— 41. ἀναβοήσας φ. μεγάλῃ
I Ma. 2. 19. καὶ εἶπε φ. μεγάλῃ
— 27. ἀνέκραξε Ματτ. . . . φ. μεγάλῃ
3. 50. ἐβόησαν φωνῇ εἰς τὸν οὐρανόν
— 54. ἐβόησαν φ. μεγάλῃ
5. 31. R ἡ κραυγὴ τῆς πόλεως ἀνέβη . . . φ. [A S κραυγῇ] μεγάλῃ
6. 41. A R ἐσαλεύοντο πάντες οἱ ἀκούοντες φωνῆς [S τῆς φ.] πλήθους αὐ.
9. 13. S R ἐσαλεύθη ἡ γῆ ἀπὸ τῆς φ. τῶν παρεμβ. [A al.]
I Ma. 9. 41. μετεστράφη . . . φωνὴ μουσικῶν αὐ. εἰς θρῆνον
13. 8. ἀπεκρίθησαν φ. μεγάλῃ
— 45. ἐβόησαν φ. μεγάλῃ
II Ma. 7. 8. ὁ δὲ ἀποκριθεὶς τῇ πατρίῳ φ.
— 21. ἕκαστον δὲ τῶν ἀνθρ. παρεκάλει τῇ πατρίῳ φ.
— 24. τὴν ὀνειδίζουσαν ὑφορώμενος φωνήν
— 27. οὕτως ἔφησε τῇ πατρίῳ φ.
12. 37. καταρξάμενος τῇ πατρίῳ φ. τὴν . . . κραυγήν
15. 29. εὐλόγουν τὸν δυνάστην τῇ πατρίῳ φ.
— 36. Ἄδαρ λέγεται τῇ κυριακῇ φ.
III Ma. 5. 51. ἀνεβόησαν φ. μεγάλῃ σφόδρα
IV Ma. 8. 29. πάντες διὰ μιᾶς φ. ὁμοῦ . . . εἶπον
10. 18. κἂν ἀφέλῃς τὸ τῆς φ. ὄργανον
12. 7. τῆς μητρὸς τῇ Ἑβραΐδι φ. προτρεψαμένης αὐτόν
14. 17. ἀνακαλούμενα τῇ ἰδίᾳ φ.
15. 21. κύκνειοι πρὸς φιληκοΐαν φωναί
— 21. A ὦ [S R ὡς] τέκνων φωναὶ μετὰ βασάνων μητέρα φωνούντων
16. 15. ἔλεγες τοῖς παισὶν ἐν τῇ Ἑβραΐδι φ.
[Aq. I Ki. 26. 17 : III Ki. 14. 6 : 17. 22 : Jb. 28. 26 : 37. 2 : 38. 25 : Ps. 18 (19). 4 : 25. (26). 7 : 26 (27). 7 : 27 (28). 2, 6 : 41 (42). 5 : 76 (77). 19 : 92 (93). 3 : Pr. 1. 20 : Is. 13. 2, 21 : 29. 4 : 30. 31 : 33. 3 : 40. 9 : 52. 8 : Je. 7. 34 *bis* : 8. 16 : 9. 19 (18) : 30 (37). 5 : 38 (45). 20 : 46 (26). 12 : 48 (31). 4 : 51 (28). 16.]
[Sm. I Ki. 26. 17 : Jb. 4. 16 : 28. 26 : Ps. 18 (19). 4 : 25 (26). 7 : 26 (27). 7 : 27 (28). 2 : 41 (42). 5 : 43 (44). 17 : 45 (46). 7 : 46 (47). 2 : 54 (55). 4 : 57 (58). 6 : 63 (64). 2 : 65 (66). 8 : 73 (74). 23 : 76 (77). 2 : 80 (81). 12 : 92 (93). 3 : Pr. 1. 20 : Ec. 7. 7 (6) : 12. 4 *bis* : Is. 13. 2 : 24. 14 : 29. 4 : 30. 19, 31 : 31. 4 : 52. 8 *bis* : Je. 9. 19 (18) : 10. 13 : 30 (37). 5 : 31 (38). 16 : 38 (45). 20 : 51 (28). 16.]
[Th. I Ki. 26. 17 : Jb. 9. 16 : 37. 4 *bis* : Ps. 27 (28). 6 : 76 (77). 19 : 92 (93). 3 : Pr. 1. 20 : 8. 1 : Is. 13. 2 : 30. 31 : 31. 4 : 33. 3 : 52. 8 *bis* : Je. 10. 13 : 11. 7 : 46 (26). 12 : Ez. 1. 24 *ter* : 8. 18 : 23. 42 : Da. 10. 9†.]
[Al. Ex. 20. 18 : Dt. 11. 2 : I Ki. 28. 18 : Ez. 8. 18 : 21. 22 (27) : Hb. 3. 16.]
[Sam. Ex. 32. 18 *ter*.]
[Quint. Ps. 26 (27). 7 : 30 (31). 23.]
[Sext. Ps. 30 (31). 23.]
[Heb. Ez. 43. 2.]

φώνημα.

[Sm. Am. 4. 13.]

φωρᾶσθαι.

Pr. 26. 19. A S² ὅταν δὲ φωραθῶσιν [B S¹ ὁραθῶσι] –
III Ma. 3. 29. οὗ ἐὰν φωραθῇ τὸ σύνολον σκεπαζόμενος Ἰουδαῖος
[Sm. Jb. 24. 17.]

φωρολόγος, *vid. sub* **φορολόγος.**

φῶς. (1) *a.* אוֹר *b.* מְאוֹר *c.* אוֹרָה *d.* אוּר (2) נְבֻרַשְׁתָּא (3) נַהֲה (4) *a.* נְהוֹר *b.* נְהִיר (5) *a.* נִיר *b.* נֵר
Ge. 1. 3. γενηθήτω φῶς (1 a)
— 3. καὶ ἐγένετο φῶς (1 a)
— 4. ἴδεν ὁ θεὸς τὸ φ. ὅτι καλόν (1 a)
— 4. διεχώρισεν ὁ θ. ἀνὰ μέσον τοῦ φ. (1 a)
— 5. ἐκάλεσεν ὁ θ. τὸ φ. ἡμέραν (1 a)
— 18. διαχωρίζειν ἀνὰ μέσον τοῦ φ. (1 a)
Ex. 10. 23. πᾶσι δὲ τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. φῶς ἦν (1 a)
27. 20. ἔλαιον . . . εἰς φῶς καῦσαι (1 b)
35. 16 (14). ἐργαζέσθω . . . τὴν λυχνίαν τοῦ φ. (1 b)
39. 17 (37). καὶ τὸ ἔλαιον τοῦ φ. (1 b)
Le. 24. 2. λαβέτωσάν μοι ἔλαιον . . . εἰς φῶς (1 b)
Nu. 4. 16. τὸ ἔλαιον τοῦ φ. καὶ τὸ θυμίαμα τῆς συνθέσεως (1 b)
Jd. 16. 2. A ἕως φωτὸς πρωΐ [B al.] (1 a)
I Ki. 25. 34. εἰ ὑπολειφθήσεται τῷ N. ἕως φωτὸς τοῦ πρωΐ (1 a)
— 36. ἕως φωτὸς τοῦ πρωΐ (1 a)
II Ki. 17. 22. διέβησαν τὸν Ἰ. ἕως τοῦ φ. τοῦ πρωΐ (1 a)
23. 4. ἐν θεῷ φωτὶ πρωΐας ἀνατείλαι ἥλιος (1 a)
IV Ki. 7. 9. μένομεν ἕως φωτὸς τοῦ πρωΐ (1 a)
II Ch. 4. 20. ἐποίησε Σαλ. . . . τοὺς λύχνους τοῦ φ. †
To. 3. 17. S ἵνα ἴδῃ τοῖς ὀφθαλμοῖς τὸ φ. τοῦ θεοῦ
5. 9. S οὐ βλέπω τὸ φ. τοῦ οὐρανοῦ
— 9. S οἱ νεκροὶ οἱ μηκέτι θεωροῦντες τὸ φ.
10. 5. ἀφῆκά σε [S add. πορευθῆναι] τὸ φ. τῶν ὀφθαλμῶν μου
11. 8. S καὶ ὄψεται τὸ φῶς [A B ὅ. σε]
— 14. S εἶδόν σε, τέκνον, τὸ φ. τῶν ὀφθαλμῶν μου
13. 11. S φ. λαμπρὸν λάμψει
14. 10. A B ὡς ἐκ τοῦ φ. ἤγαγεν αὐτόν
— 10. S ἐξῆλθεν εἰς τὸ φ. Ἀχ.
Es. 1. 1. φῶς καὶ [S¹ φωτὸς] ὁ ἥλιος ἀνέτειλε
8. 16. τοῖς δὲ Ἰουδ. ἐγένετο φῶς (1 c)
10. 3. ἦν φῶς καὶ ἥλιος
Jb. 3. 9. S¹ καὶ εἰς φῶς [B S² φωτισμὸν] μὴ ἔλθοι [A al.] (1 a)
— 16. ὥσπερ νήπιοι οἱ οὐκ εἶδον φῶς (1 a)
— 20. ἵνα τί γὰρ δέδοται τοῖς ἐν πικρίᾳ [A π. ψυχῆς] φῶς (1 a)
12. 22. ἐξήγαγε δὲ εἰς φῶς σκιὰν θανάτου (1 a)
— 25. ψηλαφήσαισαν σκότος καὶ μὴ φῶς (1 a)
17. 12. A B S² φῶς ἐγγὺς ἀπὸ προσώπου σκότους (1 a)
18. 5. φῶς ἀσεβῶν σβεσθήσεται (1 a)
— 6. τὸ φ. αὐτοῦ σκότος ἐν διαίτῃ (1 a)
— 18. ἀπώσειεν αὐτὸν ἐκ φωτὸς εἰς σκότος (1 a)
22. 11. τὸ φ. σοι σκότος [A S εἰς σκ.] ἀπέβη †
24. 16. οὐκ ἐπέγνωσαν φῶς (1 a)
26. 10. μέχρι συντελείας φωτὸς μετὰ σκότους (1 a)
28. 11. ἔδειξε δὲ αὐτοῦ δύναμιν εἰς φῶς (1 a)
29. 3. ὅτε τῷ [A ἐν τῷ] φ. αὐτοῦ ἐπορευόμην ἐν σκότει (1 a)
— 24. φῶς τοῦ προσώπου μου οὐκ ἀπέπιπτεν (1 a)
33. 28. ἡ ζωή μου φῶς ὄψεται (1 a)
— 30. ἵνα ἡ ζωή [A S² ψυχή] μου ἐν φωτὶ αἰνῇ αὐτόν (1 a ?)
— 31 (30). A τοῦ φωτίσαι αὐτῷ ἐν φωτὶ ζώντων (1 a)
36. 32. ἐπὶ χειρῶν ἐκάλυψε φῶς (1 a)
37. 3. τὸ φ. αὐτοῦ ἐπὶ πτερύγων τῆς γῆς (1 a)
— 11. διασκορπιεῖ νέφος φῶς αὐτοῦ (1 a)
— 15. φῶς ποιήσας ἐκ σκότους (1 a)
— 21. πᾶσι δὲ οὐχ ὁρατὸν τὸ [A om.] φ. (1 a)
38. 15. ἀφεῖλας δὲ ἀπὸ ἀσεβῶν τὸ φ. (1 a)
— 19. ποίᾳ δὲ γῇ αὐλίζεται τὸ φ. [A al.] (1 a)
Ps. 4. 6. ἐσημειώθη ἐφ' ἡμᾶς τὸ φ. τοῦ προσώπου σου (1 a)
35 (36). 9. ἐν τῷ φ. σου ὀψόμεθα φῶς (1 a, 1 a)
36 (37). 6. ἐξοίσει ὡς φῶς τὴν δικαιοσύνην σου (1 a)
37 (38). 10. τὸ φ. τῶν ὀφθαλμῶν μου οὐκ ἔστι μετ' ἐμοῦ (1 a)
42 (43). 3. ἐξαπόστειλον τὸ φ. σου (1 a)
48 (49). 19. ἕως αἰῶνος οὐκ ὄψεται φῶς (1 a)
55 (56). 13. τοῦ εὐαρεστῆσαι ἐνώπιον τοῦ θεοῦ ἐν φωτὶ ζώντων (1 a)
77 (78). 14. S¹ καὶ ὅλην τὴν νύκτα ἐν φωτισμῷ φωτός [B S² πυρός] (1 a)
88 (89). 15. ἐν τῷ φ. τοῦ προσώπου σου πορεύσονται (1 a)
96 (97). 11. φῶς ἀνέτειλε τῷ δικαίῳ (1 a)
103 (104). 2. ἀναβαλλόμενος φῶς ὡς ἱμάτιον (1 a)
111 (112). 4. ἐξανέτειλεν ἐν σκότει φῶς τοῖς εὐθέσιν (1 a)
118 (119). 105. καὶ φῶς ταῖς τρίβοις μου (1 a)
135 (136). 7. τῷ ποιήσαντι φῶτα μεγάλα μόνῳ (1 a)
138 (139). 12. οὕτως καὶ τὸ φ. αὐτῆς (1 a)
148. 3. αἰνεῖτε αὐτὸν πάντα τὰ ἄστρα καὶ τὸ φ. (1 a)
Pr. 4. 18. αἱ δὲ ὁδοὶ τῶν δικαίων ὁμοίως φωτὶ λάμπουσι (1 a)
6. 23. λύχνος ἐντολὴ νόμου καὶ φῶς (1 a)
13. 9. φῶς δικαίοις διὰ παντὸς φῶς δὲ ἀσεβῶν σβέννυται (1 a, 5 b)
16. 15. ἐν φωτὶ ζωῆς υἱὸς βασιλέως (1 a)
20. 27. φῶς κυρίου πνοὴ ἀνθρώπων (5 b)
Ec. 2. 13. ὡς περισσεία τοῦ φ. ὑπὲρ τὸ σκότος (1 a)
11. 7. γλυκὺ τὸ φ. (1 a)
12. 2. ἕως οὗ μὴ σκοτισθῇ ὁ ἥλιος καὶ τὸ φ. (1 a)
Wi. 5. 6. τὸ τῆς δικαιοσύνης φ. οὐκ ἔλαμψεν ἡμῖν
7. 10. προειλόμην αὐτὴν ἀντὶ φωτὸς ἔχειν
— 26. ἀπαύγασμα γάρ ἐστι φωτὸς ἀϊδίου
— 29. φωτὶ συγκρινομένη εὑρίσκεται προτέρα
16. 28. πρὸς ἀνατολὴν [S² πρὸ ἀνατολῆς τοῦ] φωτὸς ἐντυγχάνειν σοι
17. 20. ὅλος γὰρ ὁ κόσμος λαμπρῷ κατελάμπετο φωτί

Wi. 18. 1. τοῖς δὲ ὁσίοις σου μέγιστον ἦν φῶς
— 4. ἄξιοι μὲν γὰρ ἐκεῖνοι [A -ου] στερηθῆναι φωτός
— 4. ἤμελλε τὸ ἄφθαρτον νόμου φ. [S¹ φωτὸς] τῷ αἰῶνι δίδοσθαι
Si. 22. 11. ἐπὶ νεκρῷ κλαῦσον ἐξέλιπε γὰρ φῶς
24. 27. ὁ ἐκφαίνων ὡς φῶς παιδείαν
35 (32). 16. δικαιώματα ὡς φῶς ἐξάψουσιν
36 (33). 7. πᾶν φῶς ἡμέρας ἐνιαυτοῦ ἀφ' ἡλίου
50. 29. φῶς κυρίου τὸ ἴχνος αὐτοῦ
Ho. 6. 6 (5). τὸ κρίμα μου ὡς φῶς ἐξελεύσεται (1 a)
10. 12. φωτίσατε ἑαυτοῖς φῶς γνώσεως (5 a)
Am. 5. 18. αὕτη ἐστὶ σκότος καὶ οὐ φῶς (1 a)
— 20. οὐχὶ σκότος ἡ ἡμέρα τοῦ κ. καὶ οὐ φῶς (1 a)
8. 9. συσκοτάσει ἐπὶ τῆς γῆς ἐν ἡμέρᾳ τὸ φ. (1 a)
Mi. 7. 9. ἐξάξει με εἰς τὸ φ. (1 a)
Hb. 3. 4. φέγγος αὐ. ὡς φῶς ἔσται (1 a)
— 11. εἰς φῶς βολίδες σου πορεύσονται (1 a)
Ze. 3. 5. δώσει κρίμα αὐ. εἰς φῶς [A om. εἰς φ.] (1 a)
Za. 14. 6. οὐκ ἔσται φῶς (1 a)
— 7. πρὸς ἑσπέραν ἔσται φῶς (1 a)
Is. 2. 5. πορευθῶμεν τῷ φ. κυρίου (1 a)
4. 5. ὡς καπνοῦ καὶ φωτὸς πυρός (3)
5. 20. οἱ τιθέντες τὸ σκότος φ. καὶ τὸ φ. σκότος (1 a, 1 a)
9. 2 (1). ἴδετε φ. μέγα . . . φ. λάμψει ἐφ' ὑμᾶς (1 a, 1 a)
10. 17. ἔσται τὸ φ. τοῦ Ἰσραὴλ εἰς πῦρ (1 a)
13. 10. τὸ φ. οὐ δώσουσι . . . ἡ σελήνη οὐ δώσει τὸ φ. αὐτῆς (1 a, 1 a)
18. 4. ὡς φ. καύματος μεσημβρίας (1 a ?)
26. 9. φ. τὰ προστάγματά σου ἐπὶ τῆς γῆς †
30. 26. ἔσται τὸ φ. τῆς σελήνης ὡς τὸ φ. τοῦ ἡλίου καὶ τὸ φ. τοῦ ἡλίου ἔσται ἑπταπλάσιον (1 a ter)
42. 6. A B² S¹ R ἔδωκά σε . . . εἰς φ. ἐθνῶν [B¹ om. εἰς φ. ἐ.] (1 a)
— 16. ποιήσω αὐτοῖς τὸ σκότος εἰς φ. (1 a)
45. 7. ἐγὼ ὁ κατασκευάσας φ. (1 a)
49. 6. δέδωκά [A S τέθεικά] σε . . . εἰς φ. ἐθνῶν (1 a)
— 8. S¹ ἔδωκά σε . . . εἰς φ. [A B S² om. εἰς φ.] –
50. 10. οὐκ ἔστιν αὐτοῖς φ. (3)
— 11. πορεύεσθε τῷ φ. τοῦ πυρὸς ὑμῶν (1 d)
51. 4. ἡ κρίσις μου εἰς φ. ἐθνῶν (1 a)
— 5. ἐξελεύσεται ὡς [S εἰς] φ. [A om. ὡς φ.] τὸ σωτήριόν μου –
53. 11. δείξαι αὐτῷ φ. †
58. 8. τότε ῥαγήσεται πρῴϊμον τὸ φ. σου (1 a)
— 10. ἀνατελεῖ ἐν τῷ σκότει τὸ φ. σου (1 a)
59. 9. ὑπομεινάντων αὐτῶν [A¹ B¹ om.] φ. (1 a)
60. 1. ἥκει γάρ σου τὸ φ. (1 a)
— 3. πορευσονται βασιλεῖς τῷ φ. σου (1 a ?)
— 19. οὐκ ἔσται σοι ἔτι ὁ ἥλιος εἰς φ. ἡμέρας (1 a)
— 19. ἔσται σοι κύριος [S¹ add. εἰς] φ. αἰώνιον (1 a)
— 20. ἔσται γάρ σοι κύριος φ. αἰώνιον (1 a)
62. 1. ἕως ἂν ἐξέλθῃ ὡς φ. ἡ δικαιοσύνη αὐτῆς [A S μου] (3)
Je. 4. 23. οὐκ ἦν τὰ φ. αὐτοῦ (1 a)
10. 13. ἐξήγαγε φ. ἐκ θησαυρῶν αὐτοῦ †
13. 16. ἀναμενεῖτε εἰς φ. (1 a)
25. 10. ἀπολῶ . . . ὀσμὴν μύρου καὶ φ. λύχνου (1 a)
28 (51). 16. ἐξήγαγε φ. ἐκ τῶν θησαυρῶν αὐτοῦ †
38 (31). 35. ὁ δοὺς τὸν ἥλιον εἰς φ. τῆς ἡμέρας σελήνην καὶ ἀστέρας εἰς φ. τῆς νυκτός [S¹ al.] (1 a, 1 a)
Ba. 3. 14. ποῦ ἐστι φ. ὀφθαλμῶν
— 20. νεώτεροι εἶδον φ.
— 33. ὁ ἀποστέλλων τὸ φ. καὶ πορεύεται
4. 2. διόδευσον . . . κατέναντι τοῦ φ. αὐτῆς
5. 9. ἡγήσεται γὰρ . . . τῷ φ. τῆς δόξης αὐτοῦ
La. 3. 2. ἀπήγαγέ με εἰς σκότος καὶ οὐ φ. (1 a)
Ez. 31. 4. A ἤγαγεν κύκλῳ τῶν φ. αὐ. –
32. 7. σελήνη οὐ μὴ φάνῃ τὸ φ. αὐ. [A al.] (1 a)
— 8. πάντα τὰ φαίνοντα φ. ἐν τῷ οὐρ. (1 a)
41. 11. τὸ εὖρος τοῦ φ. τοῦ ἀπολοίπου πηχῶν πέντε †
Ez. 42. 7. φ. ἔξωθεν †
— 10. κατὰ τὸ φ. τοῦ ἐν ἀρχῇ περιπάτου †
— 11. κατὰ τὰ μέτρα . . . κατὰ τὰ φ. αὐτῶν †
— 12. ὡς ἐπὶ φ. διαστήματος καλάμου †
Da. LXX. 2. 22. γινώσκων . . . τὰ ἐν τῷ φ. (4 a, 4 b*)
3. (72). εὐλογεῖτε, φῶς καὶ σκότος, τὸν κ.
5. 5. ἔγραψαν . . . κατέναντι τοῦ φ. (2)
10. 5. καὶ ἐκ μέσου αὐτοῦ φῶς –
Da. TH. 2. 22. τὸ φ. μετ' αὐτοῦ ἐστι (4 a, 4 b*)
3. (72). εὐλογεῖτε, φῶς καὶ σκότος, τὸν κ.
6. 19 (20). ὁ βασ. ἀνέστη τὸ πρωῒ ἐν τῷ φ. (3)
I Ma. 1. 21. ἔλαβε . . . τὴν λυχνίαν τοῦ φ.
12. 29. ἔβλεπον γὰρ τὰ φ. καιόμενα
II Ma. 1. 32. τοῦ δὲ ἀπὸ τοῦ θυσιαστ. ἀντιλάμψαντος φ. ἐδαπανήθη
III Ma. 6. 7. τὸν . . . Δαν. εἰς φῶς ἀνήγαγες ἀσινῆ

[Aq. Ge. 1. 3 bis, 4 bis, 5: Jb. 3. 9: 36. 30: 38. 24: 41. 12 (P.): Ps. 26 (27). 1: 42 (43). 3: 138 (139). 11: Pr. 6. 23: 16. 15: Is. 31. 9: 49. 6: 60. 1.]
[Sm. Ge. 1. 3 bis, 5: Jb. 3. 9: 17. 12: 18. 5 (P.): 24. 13: 28. 11: 36. 30: Ps. 26 (27). 1: 42 (43). 3: 55 (56). 14: 138 (139). 12: 148. 3: Pr. 6. 23: 16. 15: Is. 49. 6: 59. 9: Za. 14. 6, 7.]
[Th. Ge. 1. 3 bis, 5: Ex. 35. 8, 14, 28: Jb. 3. 16: 17. 12: 18. 5: 24. 16: 29. 24: 33. 30: 38. 24: Ps. 42 (43). 3: 73 (74). 16: Pr. 4. 18: 6. 23: 16. 15: Is. 31. 9: 49. 6: Mi. 7. 8 (P.).]
[Al. Jb. 18. 6: Ps. 43 (44). 4: Hb. 3. 4, 11.]
[Quint. Ps. 42 (43). 3: 73 (74). 16.]
[Sext. Ps. 10 (11). 2.]
[Heb. Ez. 1. 4.]

φωστήρ. (1) זֹהַר (2) מָאוֹר

Ge. 1. 14. γενηθήτωσαν φωστῆρες (2)
— 16. ἐποίησεν ὁ θ. τοὺς δύο φ. τοὺς μεγάλους τὸν φ. τὸν μέγαν . . . καὶ τὸν φ. τὸν ἐλάσσω (2 ter)
I Es. 8. 79. τοῦ ἀνακαλύψαι φωστῆρα ἡμῶν
Wi. 13. 2. ἢ φωστῆρας οὐρανοῦ πρυτάνεις κόσμου θεοὺς ἐνόμισαν
Si. 43. 7. φωστὴρ μειούμενος ἐπὶ συντελείας
Da. LXX. 12. 3. φανοῦσιν ὡς φωστῆρες τοῦ οὐρανοῦ (1)

[Aq. Ge. 1. 15, 16 bis: Ps. 73 (74). 16: Pr. 15. 30.]
[Sm. Ge. 1. 16 bis: Ps. 73 (74). 16.]
[Th. Ge. 1. 16 bis.]

φωταγωγεῖν.

IV Ma. 17. 5. τοὺς ἰσαστέρους ἑπτὰ παῖδας φωταγωγήσασα

φωτεινός.

Si. 17. 31. τί φωτεινότερον ἡλίου
23. 19. ὀφθαλμοὶ κυρίου μυριοπλασίως ἡλίου φωτεινότεροι

[Sm. Ps. 138 (139). 11.]

φωτίζειν. (1) אוֹר *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. *d.* מָאוֹר *e.* אוֹר (2) יָרָה hi. (3) נָגַהּ hi. (4) נָהַר (5) נִיר (6) רָאָה hi. (7) **φωτίζων, φωτίζοντες** אוֹרִים (8) **ἡ ὥρα τοῦ φωτίσαι** אוֹר

Ex. 38. 13 (37. 17). τὴν λυχνίαν ἢ φωτίζει –
Nu. 4. 9. καλύψουσι τὴν λυχνίαν τὴν φωτίζουσαν (1 d)
8. 2. φωτιοῦσιν οἱ ἑπτὰ λύχνοι (1 c)
Jd. 13. 8. A καὶ φωτισάτω [B συμβιβασάτω] ἡμᾶς (2)
— 23. A οὐκ ἂν ἐφώτισεν ἡμᾶς πάντα ταῦτα [B al.] (6)
I Ki. 29. 10. καὶ φωτισάτω ὑμῖν (1 a)
IV Ki. 12. 2 (3). ἃς ἐφώτισεν αὐτὸν Ἰ. (2)
17. 27. φωτιοῦσιν αὐτοὺς τὸ κρίμα τοῦ θ. τῆς γῆς (2)
— 28. καὶ ἦν φωτίζων αὐτούς (2)
II Es. 2. 63. ἕως ἀναστῇ ἱερεὺς τοῖς φωτίζουσι (7)
9. 8. τοῦ φωτίσαι ὀφθαλμοὺς ἡμῶν (1 c)
Ne. 7. 65. ἕως ἀναστῇ ὁ ἱερεὺς φωτίσων (7)
8. 3. S¹ ἀπὸ τῆς ὥρας τοῦ φωτίσαι [A B S² διαφ.] (8)
9. 12. τοῦ φωτίσαι αὐτοῖς τὴν ὁδόν (1 c)
— 19. φωτίζειν [S τοῦ φ.] αὐτοῖς τὴν ὁδόν (1 c)
Jb. 3. 9. A μὴ ἔλθοι καὶ μὴ φωτίσαι [B S al.] †
33. 31 (30). A τοῦ φωτίσαι αὐτῷ ἐν φωτὶ ζώντων (1 b)
Ps. 12 (13). 3. φώτισον τοὺς ὀφθαλμούς μου (1 c)
17 (18). 28. σὺ φωτιεῖς λύχνον μου, κύριε, ὁ θεός μου, φωτιεῖς τὸ σκότος μου (1 c, 3)
18 (19). 8. ἡ ἐντολὴ κυρίου τηλαυγὴς φωτίζουσα ὀφθαλμούς (1 c)
33 (34). 5. καὶ φωτίσθητε (4)
75 (76). 4. φωτίζεις σὺ θαυμαστῶς ἀπὸ ὀρέων αἰωνίων (1 b)
104 (105). 39. καὶ πῦρ τοῦ φωτίσαι αὐτοῖς τὴν νύκτα (1 c)
118 (119). 130. φωτιεῖ καὶ συνετιεῖ νηπίους (1 c)
138 (139). 12. B² S R νὺξ ὡς ἡμέρα φωτισθήσεται (1 c)
Pr. 4. 18. προπορεύονται καὶ φωτίζουσιν (1 a)
Ec. 8. 1. φωτιεῖ πρόσωπον αὐτοῦ (1 c)
Wi. 17. 5. πυρὸς μὲν οὐδεμία βία κατίσχυε φωτίζειν
Si. 24. 32. ἔτι παιδείαν ὡς ὄρθρον φωτιῶ
31 (34). 17. ἀνυψῶν ψυχὴν καὶ φωτίζων ὀφθαλμούς
42. 16. ἥλιος φωτίζων κατὰ πᾶν ἐπέβλεψε
43. 9. κόσμος φωτίζων ἐν ὑψίστοις κύριος [A S² -ίου]
45. 17. A R ἐν νόμῳ αὐτοῦ φωτίσαι [B S φωνῆσαι] τὸν Ἰ.
50. 7. A R ὡς τόξον φωτίζον [B S -ων] ἐν νεφέλαις δόξης
Ho. 10. 12. φωτίσατε ἑαυτοῖς φῶς γνώσεως (5 ?)
Mi. 7. 8. κύριος φωτιεῖ μοι (1 e)
Is. 60. 1. φωτίζου φωτίζου, Ἱερουσαλήμ (†, 1 a)
— 19. οὐδὲ ἀνατολὴ σελήνης φωτιεῖ σοι [S σε] τὴν νύκτα (1 c)
Ba. 1. 12. φωτίσει [A -σῃ] τοὺς ὀφθαλμοὺς ἡμῶν
Ep. Je. 67. A R οὕτε [A add. μὴ] φωτιοῦσιν [B -ίσουσιν] ὡς ἡ σελήνη
Da. LXX. 4. 9. ἐφώτιζον πᾶσαν τὴν γῆν –

[Aq. Ge. 46. 28: Ex. 4. 12: 14. 20: 15. 25: 24. 12: Dt. 17. 11: 33. 10: I Ki. 14. 27: Jb. 12. 7: Ps. 24 (25). 8, 12: 26 (27). 11: 31 (32). 8: 44 (45). 5: 85 (86). 11: 118 (119). 33: Pr. 4. 4: 5. 13: 29. 13: Is. 27. 11: 60. 1, 19.]
[Sm. Pr. 5. 13: 29. 13: Je. 31 (38). 12.]
[Th. Jd. 13. 8: Jb. 33. 30: Ps. 26 (27). 11: 118 (119). 33: Pr. 4. 18: 5. 13: 29. 13: Mi. 7. 8.]
[Al. Le. 10. 11: 14. 57: I Ki. 12. 23.]
[Quint. Ps. 26 (27). 11: 83 (84). 7: 145 (146). 8.]
[Sext. Ps. 26 (27). 11.]

φωτισμός. (1) *a.* אוֹר *b.* מָאוֹר

Jb. 3. 9. εἰς φωτισμὸν [S¹ φῶς] μὴ ἔλθοι [A al.] (1 a)
Ps. 26 (27). 1. κύριος φωτισμός μου (1 a)
43 (44). 3. καὶ ὁ φ. τοῦ προσώπου σου (1 a)
77 (78). 14. καὶ ὅλην τὴν νύκτα ἐν φωτισμῷ πυρός [S¹ φωτός] (1 a)
89 (90). 8. ὁ αἰὼν ἡμῶν εἰς φωτισμὸν τοῦ προσώπου σου (1 b)
138 (139). 11. νὺξ φωτισμὸς ἐν τῇ τρυφῇ μου (1 a)

[Aq. Ex. 28. 30: Le. 8. 8: Nu. 27. 21: I Ki. 28. 6: Ps. 75 (76). 5.]
[Sm. Ex. 28. 30: Nu. 27. 21: Pr. 15. 30.]
[Th. Ex. 28. 30: Le. 8. 8: Nu. 27. 21.]

X

χαββά.
IV Ki. 8. 15. B ἔλαβε τὸν χ. [A R *al.*] †

χαβραθά. (1) כִּבְרַת
Ge. 35. 16. A ἡνίκα ἤγγισε χ. εἰς γῆν [R *al.*] (1)
48. 7. ἐγγίζοντός μου κατὰ τὸν ἱππόδρ. χ. τῆς γῆς (1)
[Heb. IV Ki. 5. 19.]

χαβράνη (?).
Ex. 30. 34. A λάβε σεαυτῷ . . . χαβράνην [B χαλβάνην] ἡδυσμοῦ †

χαβώθ. (1) כָּבוֹד
I Ki. 4. 21. A ἐκάλεσε τὸ παιδάριον Οὐαὶ χ. [B βαρχ.] (1)

χαβών, *cf.* χαυών.
[Th. Je. 7. 18.]

χαεφήρ.
[Heb. Ps. 147. 5 (16).]

χάζεσθαι. (1) עָלָה
Am. 3. 5. A[1] εἰ χασθήσεται [A[2]B σχασθ.] παγὶς ἐπὶ τῆς γῆς (1)

χαίνειν, *cf.* χάσκειν. (1) פָּצָה
Ge. 4. 11. ἣ ἔχανε τὸ στόμα αὐ. (1)
I Es. 4. 19. B εἰς αὐτὴν κέχηναν [A ἐγκ., R ἐκκ.]
Ez. 2. 8. χάνε τὸ στόμα σου (1)

χαίρειν. (1) אָהַב (2) גִּיל (3) יָטַב בְּעֵינֵי
(4) *a.* עָלַז *b.* עַלִּיז (5) רָנַן (6) שִׂישׂ
(7) *a.* שָׂמַח *b.* שָׂמֵחַ *c.* שִׂמְחָה (8) שָׁלוֹם
Ge. 45. 16. ἐχάρη δὲ Φ. (3)
Ex. 4. 14. χαρήσεται ἐν ἑαυτῷ (7 *a*)
— 31. καὶ ἐχάρη †
I Ki. 19. 5. καὶ ἐχάρησαν (7 *a*)
III Ki. 3. 1 (B) : 4. 20 (A). πίνοντες καὶ χαίροντες [A εὐφραινόμενοι] (7 *b*)
5. 7 (21). ἐχάρη σφόδρα (7 *a*)
8. 66. ἀπῆλθεν ἕκαστος εἰς τὰ σκηνώματα αὐ. χαίροντες (7 *b*)
IV Ki. 11. 14. καὶ πᾶς ὁ λαὸς τῆς γῆς χαίρων (7 *b*)
— 20. ἐχάρη πᾶς ὁ λαὸς τῆς γῆς (7 *a*)
20. 13. ἐχάρη ἐπ' αὐτοῖς Ἐζ. †
I Es. 6. 7. βασιλεῖ Δαρείῳ χαίρειν [A -ει]
8. 9. βασιλεὺς Ἀρτ. Ἔσδρᾳ . . . χαίρειν
To. 5. 9. S χαίρειν σοι πολλὰ γένοιτο
— 9. S τί μοι ἔτι ὑπάρχει χαίρειν
— 13. S καὶ χαίρων ἔλθοις
7. 1. S χαίρετε πολλὰ, ἀδελφοί
11. 1. S ἀπῆλθε Τωβ. ἀπὸ Ῥαγ. . . . χαίρων
— 15. εἰσῆλθεν ὁ υἱὸς αὐ. χαίρων [S *al.*]
— 16. ἐξῆλθε Τωβ. . . . χαίρων
— 19. S[1] παρεγένοντο . . . χαίροντες [S[3] *om.*] πρὸς Τωβ.
13. 13. B[2]R χάρηθι [A B[1] -τι] καὶ ἀγαλλίασαι [S *al.*]
— 14. χαρήσονται ἐπὶ τῇ εἰρήνῃ σου
— 14. ἐπὶ [S ἐν] σοὶ χαρήσονται
14. 7. χαρήσονται πάντες οἱ ἀγαπῶντες κ. τὸν θεόν
— 15. ἐχάρη πρὸ τοῦ ἀποθανεῖν ἐπὶ Νινευή
Es. 8. 13. βασιλεὺς μέγας Ἀρτ. . . . τοῖς τὰ ἡμέτερα φρονοῦσι χαίρειν
— 15. ἰδόντες δὲ οἱ ἐν Σούσοις ἐχάρησαν (7 *a*)
Ps. 95 (96). 12. χαρήσεται τὰ πεδία (4 *a*)
Pr. 2. 14. χαίροντες ἐπὶ διαστροφῇ κακῇ (2)
6. 16. χαίρει πᾶσιν οἷς μισεῖ ὁ θεός †
17. 19. φιλαμαρτήμων χαίρει μάχαις (1)
23. 25. χαιρέτω ἡ τεκοῦσά σε (2)
24. 19. μὴ χαῖρε ἐπὶ κακοποιοῖς [S[1] κακότητι] †
Ho. 9. 1. μὴ χαῖρε, Ἰσρ. (7 *a*)
Jl. 2. 21. θάρσει, γῆ, χαῖρε καὶ εὐφραίνου (2)
Jl. 2. 23. τὰ τέκνα Σιὼν, χαίρετε καὶ εὐφραίνεσθε (2)
Jn. 4. 6. ἐχάρη Ἰ. . . . χαρὰν μεγάλην (7 *a*)
Hb. 1. 15. χαρήσεται ἡ καρδία αὐ. (2)
3. 18. χαρήσομαι ἐπὶ τῷ θεῷ τῷ σωτῆρί μου (2)
Ze. 3. 14. χαῖρε, θύγατερ Σιών (5)
Za. 4. 10. καὶ χαροῦνται [A S[3] χαρήσονται] (7 *a*)
9. 9. χαῖρε σφόδρα (2)
10. 7. χαρήσεται ἡ καρδία αὐ. ὡς ἐν οἴνῳ (7 *a*)
— 7. χαρεῖται [S[3] -ήσεται] ἡ καρδία αὐ. ἐπὶ τῷ κυρίῳ (2)
Is. 13. 3. ἔρχονται . . . χαίροντες ἅμα (4 *b*)
39. 2. ἐχάρη ἐπ' αὐτοῖς Ἐζεκίας [A S *add.* χαράν] (7 *a*)
48. 22. οὐκ ἔστι χ. (8)
57. 21. οὐκ ἔστι χ. τοῖς ἀσεβέσιν (8)
66. 10. χάρητε ἅμα αὐτῇ χαρᾷ [A S *al.*] (6)
— 14. χαρήσεται ἡ καρδία ὑμῶν (6)
Je. 7. 34. καταλύσω . . . φωνὴν χαιρόντων (7 *c*)
38 (31). 13. χαρήσονται παρθένοι (7 *a*)
— 13. καὶ πρεσβῦται χαρήσονται †
Ba. 4. 33. ὥσπερ γὰρ ἐχάρη ἐπὶ τῇ σῇ πτώσει
— 37. ἔρχονται . . . χαίροντες τῇ τοῦ θεοῦ δόξῃ
5. 5. ἴδε . . . χαίρονταις [A -ες] τῇ τοῦ θεοῦ μνείᾳ
La. 1. 21. ἐχάρησαν ὅτι σὺ ἐποίησας (6)
4. 21. χαῖρε καὶ εὐφραίνου (6)
Ez. 7. 12. ὁ κτώμενος μὴ χαιρέτω (7 *a*)
Da. LXX. Bel 17. καὶ ἐχάρη ὁ βασ.
I Ma. 10. 18. βασιλεὺς Ἀλ. τῷ ἀδ. Ἰων. χαίρειν
— 25. βασιλεὺς Δ. τῷ ἔθνει τῶν Ἰ. χαίρειν
— 26. ἠκούσαμεν καὶ ἐχάρημεν
11. 30. βασιλεὺς Δ. Ἰ. τῷ ἀδ. χαίρειν
— 32. βασιλεὺς Δ. Δ. τῷ πατρὶ χαίρειν
12. 6. Ἰωνάθαν . . . Σπαρτιάταις τοῖς ἀδελφοῖς χαίρειν
— 20. S R βασιλεὺς Σπ. Ὀνείᾳ . . . χαίρειν [A -ων]
13. 36. βασιλεὺς Δημ. Σίμωνι . . . χαίρειν
14. 20. Σπαρτιατῶν ἄρχοντες . . . Σίμωνι . . . χαίρειν
15. 2. βασιλεὺς Ἀντ. Σίμωνι . . . χαίρειν
— 16. Λεύκιος . . . Πτολεμαίῳ βασιλεῖ χαίρειν
II Ma. 1. 1. τοῖς ἀδελφοῖς . . . χαίρειν
— 10. Ἰούδας Ἀριστοβούλῳ . . . χαίρειν
9. 19. τοῖς χρηστοῖς Ἰουδ. . . . πολλὰ χαίρειν
11. 16. Λυσίας τῷ πλήθει τῶν Ἰουδ. χαίρειν
— 22. βασιλεὺς Ἀντ. τῷ ἀδ. Λυσίᾳ χαίρειν
— 27. βασιλεὺς Ἀντ. τῇ γερουσίᾳ . . . χαίρειν
— 34. πρεσβῦται Ῥωμαίων τῷ δήμῳ τῶν Ἰουδ. χαίρειν
III Ma. 1. 8. καὶ ἐπὶ τοῖς συμβεβηκόσι χαρησομένους
3. 12. βασιλεὺς Πτ. Φ. τοῖς . . . στρατιώταις χαίρειν
7. 1. βασιλεὺς Πτ. Φ. τοῖς . . . στρατηγοῖς . . . χαίρειν
IV Ma. 4. 22. ὡς ἔνι μάλιστα χαίροιεν οἱ Ἱεροσολυμῖται
12. 9. S οἱ δὲ χαρέντες [A R καὶ ἐπιχ.] μάλιστα ἐπὶ τῇ ἐπαγγελίᾳ τοῦ παιδός
[Aq. Is. 61. 10 *bis.*]
[Sm. Ps. 57 (58). 11 : Is. 13. 3 : Je. 15. 17.]
[Th. Is. 60. 5.]
[Al. I Ki. 6. 13 : III Ki. 1. 40 : Za. 2. 10 (14).]

χαιρετίζειν.
To. 5. 9. S ἐχαιρέτισεν αὐτὸν Τ. πρῶτος
7. 1. A B ἐχαιρέτισεν αὐτόν [S -αν αὐτὸν πρῶτοι]

χαίτη.
[Sm. Je. 18. 16 : Ps. 79 (80). 12.]
[Sext. Ps. 79 (80). 12.]

χαλαβώτης. (1) לְטָאָה
Le. 11. 30. R καὶ χαλαβώτης [A B καλ.] καὶ σαῦρα (1)

χάλαζα. (1) אֶלְגָּבִישׁ (2) *a.* בָּרָד *b.* בָּרָד
Ex. 9. 18. ὕω . . . χ. πολλὴν σφόδρα (2 *a*)
— 19. πέσῃ δὲ ἐπ' αὐτὰ ἡ χ. (2 *a*)
— 22. ἔσται χάλαζα ἐπὶ πᾶσαν γῆν Αἰγ. (2 *a*)
Ex. 9. 23. κύριος ἔδωκε φωνὰς καὶ χάλαζαν (2 *a*)
— 23. ἔβρεξε κύριος χάλαζαν (2 *a*)
— 24. ἦν δὲ ἡ χ. καὶ τὸ πῦρ φλογίζον ἐν τῇ χ. (2 *a*, 2 *a*)
— 24. ἡ δὲ χ. πολλὴ σφόδρα –
— 25. ἐπάταξε δὲ ἡ χ. (2 *a*)
— 25. πᾶσαν βοτάνην . . . ἐπάταξεν ἡ χ. (2 *a*)
— 25. πάντα τὰ ξύλα . . . συνέτριψεν ἡ χ. [A[1] *om.* ἡ χ.] –
— 26. ἐν γῇ Γ. . . . οὐκ ἐγένετο ἡ χ. (2 *a*)
— 28. παυσάσθω τοῦ γενηθῆναι . . . χάλαζαν (2 *a*)
— 29. ἡ χ. καὶ ὁ ὑετὸς οὐκ ἔσται ἔτι (2 *a*)
— 33. ἡ χ. καὶ ὁ ὑετὸς οὐκ ἔσταξεν ἔτι (2 *a*)
— 34. πέπαυται ὁ ὑετὸς καὶ ἡ χ. (2 *a*)
10. 5. ὃ κατέλιπεν ὑμῖν ἡ χ. (2 *a*)
— 12. ὃν ὑπελίπετο ἡ χ. (2 *a*)
— 15. ὃς ὑπελείφθη ἀπὸ τῆς χ. (2 *a*)
Jo. 10. 11. κ. ἐπέρριψεν αὐτοῖς λίθους χαλάζης †
— 11. οἱ ἀποθανόντες διὰ τοὺς λίθους τῆς χ. (2 *a*)
Jb. 38. 22. θησαυροὺς δὲ χαλάζης [S[1] θαλάσσης] ἑώρακας (2 *a*)
Ps. 17 (18). 12. χάλαζα καὶ ἄνθρακες πυρός (2 *a*)
77 (78). 47. ἀπέκτεινεν ἐν χαλάζῃ τὴν ἄμπελον αὐτῶν (2 *a*)
— 48. B R παρέδωκεν ἐν χαλάζῃ [S[1] εἰς αἰχμαλωσίαν, S[2] εἰς χάλαζαν] τὰ κτήνη αὐτῶν (2 *a*)
104 (105). 32. ἔθετο τὰς βροχὰς αὐτῶν χάλαζαν (2 *a*)
148. 8. πῦρ χάλαζα χιὼν κρύσταλλος (2 *a*)
Wi. 5. 22. ἐκ πετροβόλου θυμοῦ πλήρεις ῥιφήσονται χάλαζαι
16. 16. χαλάζαις καὶ ὄμβροις διωκόμενοι
— 22. πῦρ φλεγόμενον [S φλέγον] ἐν τῇ χ.
Si. 39. 29. πῦρ καὶ χάλαζα καὶ λιμὸς καὶ θάνατος
43. 15. διεθρύβησαν λίθοι χαλάζης
46. 6. ἐπήκουσεν αὐτῶν μέγας κύριος ἐν [A S *om.*] λίθοις χαλάζης δυνάμεως κραταιᾶς
Hg. 2. 18 (17). ἐπάταξα ὑμᾶς . . . ἐν χαλάζῃ (2 *a*)
Is. 28. 2. ὡς χ. καταφερομένη (2 *a*)
30. 30. ὡς ὕδωρ καὶ χ. συγκαταφερομένη βίᾳ (2 *a*)
32. 19. ἡ δὲ χ. ἐὰν καταβῇ (2 *b*)
Ez. 38. 22. κρινῶ αὐτὸν . . . λίθοις χαλάζης (1)
[Aq. Is. 28. 2 : 32. 19.]
[Sm. Ps. 17 (18). 14 : 77 (78). 47 : Is. 28. 2 : 32. 19 : Ez. 13. 11.]
[Th. Ps. 17 (18). 14 : Is. 28. 2, 17.]
[Al. Is. 28. 2.]

χαλᾶν. (1) אָרַג hi. (2) זָחַח ni.
(3) שָׁלַח pi.
Ex. 36. 29 (39. 21). A B[2] R ἵνα μὴ χαλᾶται τὸ λογεῖον ἀπὸ τῆς ἐπωμίδος (2)
Is. 33. 23. οὐ χαλάσει τὰ ἱστία †
57. 4. ἐπὶ τίνα ἐχαλάσατε τὴν γλῶσσαν ὑμῶν (1)
Je. 45 (38). 6. ἐχάλασαν αὐτὸν εἰς τὸν λάκκον (3)
IV Ma. 10. 19. A κεχάλασται [S R προκ.] ἡ γλῶσσα
[Aq., Sm. Je. 38 (45). 6.]

χάλασμα.
[Th. Ez. 23. 15.]

χαλαστόν. (1) שַׁרְשֵׁרָה
II Ch. 3. 5. ἔγλυψεν ἐπ' αὐτοῦ φοίνικας καὶ χαλαστά (1)
— 16. καὶ ἔθηκεν ἐπὶ τῶν χ. (1)
[Sm. Is. 3. 19.]
[Th. Ex. 28. 14, 22.]

χαλβάνη. (1) חֶלְבְּנָה
Ex. 30. 34. λάβε σεαυτῷ . . . χαλβάνην [A χαβράνην] ἡδυσμοῦ (1)
Si. 24. 15. ὡς χαλβάνη [A χαρβ.] καὶ ὄνυξ
[Aq. Ez. 27. 18.]

χαλεπαίνειν.
IV Ma. 9. 10. οὐ μόνον . . . ἐχαλέπαινεν ὁ τύραννος
16. 22. A μὴ χαλεπαίνητε [S R -ετε]

χαλεπός. (1) יָרֵא ni.
Wi. 3. 19. γενεᾶς γὰρ ἀδίκου χαλεπὰ τὰ τέλη
17. 11. προσείληφε [S² προείληφεν] τὰ χ.
19. 13. χαλεπωτέραν μισοξενίαν ἐπετήδευσαν
Si. 3. 21. χαλεπώτερά [S² βαθύτερά] σου μὴ ζήτει
Is. 18. 2. πρὸς . . . ξένον λαὸν καὶ χαλεπόν (1)
II Ma. 4. 4. συνορῶν Ὀ. τὸ χ. τῆς φιλονεικίας
— 16. περιέσχεν αὐτοὺς χ. περίστασις
6. 3. χαλεπὴ δὲ . . . ἡ ἐπίστασις τῆς κακίας
IV Ma. 7. 24. χαλεπωτέρων βασανιστηρίων ἐπεκράτησαν
9. 4. χαλεπώτερον γὰρ αὐτοῦ τοῦ θανάτου νομίζομεν εἶναι
16. 8. ὑπέμεινα . . . χαλεπωτέρας φροντίδας ἀνατροφῆς
[Al. Pr. 27. 4.]

χαλινός. (1) מֶתֶג (2) רֶסֶן
IV Ki. 19. 28. θήσω . . . χαλινὸν ἐν τοῖς χείλεσί σου (1)
Jb. 30. 11. χαλινὸν τοῦ προσώπου μου ἐξαπέστειλαν (2)
Ps. 31 (32). 9. ἐν χαλινῷ καὶ κημῷ τὰς σιαγόνας αὐτῶν ἄγξαι (1)
Hb. 3. 14. διανοίξουσι χαλινοὺς αὐ. †
Za. 14. 20. ἔσται τὸ ἐπὶ τὸν χ. τοῦ ἵππου ἅγιον †
Is. 37. 29. ἐμβαλῶ . . . χαλινὸν εἰς τὰ χείλη σου (1)
[Aq. II Ki. 8. 1 : Is. 30. 28.]
[Sm. Ps. 31 (32). 9 : Ez. 29. 4.]
[Th. Jb. 30. 11 : 40. 21 (26) : Is. 30. 28 : Ez. 29. 4 : 38. 4.]

χάλιξ. (1) אֶבֶן (2) רֶגֶב
Jb. 8. 17. ἐν δὲ μέσῳ χαλίκων ζήσεται (1)
21. 33. ἐγλυκάνθησαν αὐτῷ χάλικες χειμάρρου (2)
Si. 22. 18. A χάλικες [B S χάρακες] ἐπὶ μετεώρου κείμενοι

χάλκαιος, *vid. sub* χάλκειος.

χαλκεῖον (-κίον). (1) סִיר (2) קַלַּחַת
I Ki. 2. 14. ἐπάταξεν αὐτὴν . . . εἰς τὸ χ. [A τὸν χαλκόν] (2)
II Ch. 35. 13. τὰ ἅγια ἥψησαν ἐν τοῖς χ. (1)
I Es. 1. 12. τὰς θυσίας ἥψησαν ἐν τοῖς χ.
Jb. 41. 22 (23). ἀναζεῖ τὴν ἄβυσσον ὥσπερ χαλκεῖον (1)

χάλκειος (-καιος, -κιος). (1) *a.* נְחוּשָׁה *b.* נְחוּשָׁה (2) πέδη χ. נְחֻשָּׁת
Jd. 16. 21. ἐπέδησαν αὐτὸν ἐν πέδαις χ. [A -καῖς] (2)
I Es. 1. 40. ἔδησεν αὐτὸν ἐν χ. δεσμῷ
Jb. 6. 12. B S ἡ αἱ σάρκες μού εἰσι χ. [A R -καει] (1 *a*)
20. 24. τρώσαι αὐτὸν τόξον χάλκειον (1 *b*)
40. 13 (18). αἱ πλευραὶ αὐτοῦ πλευραὶ χ. [A *al.*] (1 *b*)
41. 6 (7). B τὰ ἔγκατα αὐ. ἀσπίδες χ. [A S -καῖ, R -καει] –
— 19 (20). B οὐ μὴ τρώσῃ αὐτὸν τόξον χ. [R -κεον, A *om.* τ. χ.] –
Si. 28. 20. B² οἱ δεσμοὶ αὐ. δεσμοὶ χ. [B¹ S² -κιοι, A R -κεοι].

χάλκεος, *vid. sub* χαλκοῦς.

χαλκεύειν. (1) לָטַשׁ
I Ki. 13. 20. B κατέβαινον . . . εἰς γῆν ἀλλοφύλων χαλκεύειν (1)

χαλκεύς. (1) *a.* חֹרֵשׁ *b.* חָרָשׁ (2) צֹרֵף
Ge. 4. 22. ἦν σφυροκόπος χαλκεὺς χαλκοῦ (1 *a*)
II Ch. 24. 12. ἐμισθοῦντο . . . χαλκεῖς σιδήρου [A *om.* χ. σ.] (1 *b*)
Ne. 3. 32. ἐκράτησαν οἱ χ. (2)
Jb. 32. 19. ὥσπερ φυσητὴρ χαλκέως ἐρρηγώς [A S¹ *al.*] †
Si. 38. 28. οὕτως χαλκεὺς καθήμενος ἐγγὺς ἄκμονος
Is. 41. 7. χ. τύπτων σφύρῃ (2)
54. 16. οὐχ ὡς χ. [S¹ -οῦς] φυσῶν ἄνθρακας (1 *b*)
[Th. Is. 41. 7.]

χάλκιος, *vid.* χάλκειος.

χαλκοπλάστης.
Wi. 15. 9. χαλκοπλάστας τε μιμεῖται

χαλκός. (1) *a.* נְחוּשָׁה *b.* נְחֹשֶׁת *c.* נְחֻשָׁה (2) קַלַּחַת
Ge. 4. 22. χαλκεὺς χαλκοῦ καὶ σιδήρου (1 *b*)
Ex. 25. 3. χρυσίον καὶ ἀργύριον καὶ χαλκόν (1 *b*)
27. 2. καλύψεις αὐτὰ χαλκῷ (1 *b*)
— 6. περιχαλκώσεις αὐτοὺς χαλκῷ (1 *b*)
31. 4. ἐργάζεσθαι . . . τὸν χ. (1 *b*)
35. 5. οἴσουσι . . . χαλκόν (1 *b*)
— 24. ἤνεγκαν ἀργύριον καὶ χαλκόν (1 *b*)
— 32. ποιεῖν . . . τὸν χ. (1 *b*)
39. 7 (38. 29). καὶ ὁ χ. τοῦ ἀφαιρέματος (1 *b*)
Nu. 31. 22. πλὴν τοῦ χρυσίου . . . καὶ χαλκοῦ (1 *b*)
De. 8. 9. ἐκ τῶν ὀρέων αὐ. μεταλλεύσεις χαλκόν (1 *b*)
33. 25. σίδηρος καὶ χαλκὸς τὸ ὑπόδημα αὐ. (1 *b*)
Jo. 6. 18 (19). χρυσίον ἢ χαλκὸς . . . ἅγιον ἔσται τῷ κ. [A *al.*] (1 *b*)
— 23 (24). πλὴν ἀργυρίου . . . καὶ χαλκοῦ (1 *b*)
I Ki. 2. 14. A ἐπάταξεν αὐτὴν . . . εἰς τὸν χ. [B *al.*] (2)
17. 5. πέντε χιλιάδες σίκλων χαλκοῦ (1 *b*)
II Ki. 8. 8. ἔλαβεν ὁ βασ. Δ. . . . χ. πολὺν σφόδρα (1 *b*)
21. 16. ὁ σταθμὸς τοῦ δόρατος αὐ. τριακοσίων σίκλων ὁλκῇ χαλκοῦ (1 *b*)
III Ki. 7. 14. καὶ οὗτος . . . τέκτων χαλκοῦ (1 *b*)
— 14. τοῦ ποιεῖν πᾶν ἔργον ἐν χαλκῷ (1 *b*)
— 47. οὐκ ἦν σταθμὸς τοῦ χ. –
— 47. οὐκ ἦν τέρμα τῶν σταθμῶν τοῦ χ. (1 *b*)
— 48. A οὐκ ἦν σταθμὸς τοῦ χ. –
IV Ki. 25. 13. ἦραν τὸν χ. αὐ. εἰς Βαβ. (1 *b*)
— 16. οὐκ ἦν σταθμὸς τοῦ χ. πάντων τῶν σκευῶν (1 *b*)
I Ch. 18. 8. ἔλαβε Δ. χ. πολὺν σφόδρα (1 *b*)
22. 3. καὶ χαλκὸν εἰς πλῆθος (1 *b*)
— 14. ἡτοίμασα . . . χαλκὸν καὶ σίδηρον (1 *b*)
— 16. ἐν χαλκῷ καὶ ἐν σιδήρῳ (1 *b*)
29. 2. ἡτοίμακα . . . χαλκόν (1 *b*)
— 7. χαλκοῦ τάλαντα μύρια ὀκτακισχίλια (1 *b*)
II Ch. 2. 7 (6). εἰδότα τοῦ ποιῆσαι . . . ἐν τῷ χ. (1 *b*)
— 14 (13). εἰδότα ποιῆσαι . . . ἐν χαλκῷ (1 *b*)
4. 9. καὶ θυρώματα αὐ. κατακεχαλκωμένα χαλκῷ (1 *b*)
— 16. καὶ πάντα τὰ σκεύη αὐ. . . . χ. καθαροῦ (1 *b*)
— 18. οὐκ ἐξέλιπεν ὁλκὴ τοῦ χ. (1 *b*)
24. 12. B χαλκεῖς σιδήρου καὶ χαλκοῦ (1 *b*)
I Es. 8. 57. καὶ σκεύη χαλκᾶ ἀπὸ χρηστοῦ χ.
II Es. 8. 27. ἔστησα . . . σκεύη χ. στίλβοντος ἀγαθοῦ διάφορα (1 *b*)
Jb. 28. 2. χαλκὸς δὲ ἴσα λίθῳ λατομεῖται (1 *a*)
41. 18 (19). χαλκὸν δὲ ὥσπερ ξύλον σαθρόν (1 *a*)
Si. 12. 10. ὡς γὰρ ὁ χ. ἰοῦται οὕτως ἡ πονηρία αὐ.
50. 3. χαλκὸς [A λάκκος] ὡσεὶ θαλάσσης τὸ περίμετρον
Is. 36. 16. B πίεσθε ὕδωρ τοῦ χ. [A S R λάκκου] ὑμῶν †
60. 17. ἀντὶ χαλκοῦ οἴσω σοι χρυσίον (1 *b*)
— 17. ἀντὶ δὲ ξύλων οἴσω σοι χαλκόν (1 *b*)
Je. 1. 18. A τέθεικά σε . . . ὡς τεῖχος χαλκοῦ [B S -οῦν] (1 *b*)
6. 28. χ. [S² ὡς χ.] καὶ σίδηρος πάντες διεφθαρμένοι εἰσίν (1 *b*)
52. 17. ἔλαβον τὸν χ. αὐ. (1 *b*)
— 20. οὐκ ἦν σταθμὸς τοῦ χ. αὐ. (1 *b*)
La. 3. 7. ἐβάρυνε χαλκόν μου (1 *b*)
Ep. Je. 35. οὔτε χαλκὸν οὐ μὴ δύνωνται διδόναι
Ez. 1. 7. σπινθῆρες ὡς [A ὡς ὁ] ἐξαστράπτων χ. (1 *b*)
16. 36. ἐξέχεας τὸν χ. σου (1 *b*)
22. 18. ἀναμεμιγμένοι πάντες χαλκῷ (1 *b*)
— 20. καθὼς εἰσδέχεται ἄργυρος καὶ χ. (1 *b*)
24. 11. θερμανθῇ [A συμφρυγῇ] ὁ χ. αὐτῆς (1 *b*)
27. 12. A χρυσίον καὶ χαλκὸν [B *om.* κ. χ.] . . . ἔδωκαν –
40. 3. ἡ ὅρασις αὐτοῦ ἦν ὡσεὶ ὅρασις χαλκοῦ στίλβοντος (1 *b*)
Da. LXX. 2. 35. λεπτὰ ἐγένετο ἅμα . . . ὁ χ. καὶ ὁ ἄργυρος (1 *c*)
— 45. συνηλόησε τὸ ὄστρακον . . . τὸν χ. (1 *c*)
10. 6. οἱ πόδες ὡσεὶ χ. ἐξαστράπτων (1 *b*)
Da. TH. 2. 35. ἐλεπτύνθησαν εἰσάπαξ ὁ σίδηρος ὁ χ. (1 *c*)
— 39. βασιλεία τρίτη ἥτις ἐστὶν ὁ χαλκός (1 *c*)
Da. TH. 2 45. ἐλέπτυνε τὸ ὄστρακον . . . τὸν χ. (1 *c*)
4. 20. ἐν χαλκῷ . . . αὐλισθήσεται (1 *c*)
10. 6. ὡς ὅρασις χαλκοῦ στίλβοντος (1 *b*)
Bel 7. ἔσωθεν μέν ἐστι πηλὸς ἔξωθεν δὲ χαλκός
[Aq., Sm. Je. 15. 12.]
[Heb. Je. 28. 2.]

χαλκοῦς (χάλκεος). (1) *a.* נְחוּשָׁה *b.* נְחוּשָׁה *c.* נְחֹשֶׁת *d.* נְחֻשָׁה (2) πέδη χ. נְחֻשָׁת
Ex. 26. 11. ποιήσεις κρίκους χ. πεντήκοντα (1 *c*)
— 37. χωνεύσεις αὐτοῖς πέντε βάσεις χ. (1 *c*)
27. 3. πάντα τὰ σκεύη αὐ. ποιήσεις χ. (1 *c*)
— 4. ποιήσεις αὐτῷ ἐσχάραν . . . χαλκῆν (1 *c*)
— 4. ποιήσεις . . . τέσσαρας δακτυλίους χ. (1 *c*)
— 10. καὶ αἱ βάσεις αὐ. εἴκοσι χ. (1 *c*)
— 11. καὶ αἱ βάσεις αὐ. εἴκοσι χ. [A¹ *al.*] (1 *c*)
— 17. καὶ αἱ βάσεις αὐ. χ. (1 *c*)
— 18. καὶ βάσεις αὐ. χ. (1 *c*)
— 19. καὶ οἱ πάσσαλοι τῆς αὐλῆς χ. (1 *c*)
30. 18. ποίησον λουτῆρα χ. καὶ βάσιν αὐτῷ χ. (1 *c*, 1 *c*)
37. 6 (36. 38). B² R καὶ αἱ βάσεις αἱ πέντε χ. [A B¹ *al.*] (1 *c*)
— 8 (38. 10). A καὶ αἱ βάσεις αὐ. εἴκοσι χ. [B *om.*] (1 *c*)
— 9 (38. 11). A² καὶ αἱ βάσεις αὐ. εἴκοσι χ. [B *om.*] (1 *c*)
— 15 (38. 17). καὶ αἱ βάσεις τῶν στύλων αὐ. χαλκαῖ (1 *c*)
— 17 (38. 19). καὶ αἱ βάσεις αὐ. τέσσαρες χ. (1 *c*)
— 18 (38. 20). καὶ πάντες οἱ πάσσαλοι τῆς αὐλῆς κύκλῳ χαλκοῖ (1 *c*)
38. 19 (36. 36). καὶ κρίκους εἰς τὸ ἐκτείνειν . . . χαλκοῦς –
— 20 (36. 36). ἐχώνευσε . . . τὰς κεφαλίδας τὰς χ. τῆς θύρας –
— 21 (20). καὶ τοὺς πασσάλους τῆς αὐλῆς χαλκοῦς (1 *c*)
— 22 (1). ἐποίησε τὸ θυσιαστήριον τὸ [A *om.*] χ. ἐκ τῶν πυρείων τῶν χ. –, –
— 23 (3). ἐποίησε . . . τὰς κρεάγρας χ. (1 *c*)
— 24 (6). ἐπέθηκεν αὐτῷ τέσσαρας δακτυλίους . . . χ. (1 *c*)
— 26 (8). B ἐποίησε τὸν λουτῆρα χ. [A R τὸν χ.] καὶ τὴν βάσιν αὐ. χ. (1 *c*, 1 *c*)
39 (38). 10. καὶ τὸ παράθεμα τὸ χ. τοῦ θυσιαστ. –
Le. 6. 28 (21). ἐὰν δὲ ἐν σκεύει χ. ἑψεθῇ (1 *c*)
26. 19. θήσω . . . τὴν γῆν ὑμῶν ὡσεὶ χαλκῆν (1 *b*)
Nu. 16. 37 (17. 2). ἀνέλεσθε τὰ πυρεῖα τὰ χ. –
— 39 (17. 4). ἔλαβεν Ἐλ. . . . τὰ πυρεῖα τὰ χ. (1 *c*)
21. 9. ἐποίησε Μ. ὄφιν χ. (1 *c*)
— 9. καὶ ἐπέβλεψεν ἐπὶ τὸν ὄφιν τὸν χ. (1 *c*)
De. 28. 23. ἔσται σοι ὁ οὐρανὸς . . . χαλκοῦς (1 *c*)
Jd. 16. 21. A ἔδησαν αὐτὸν ἐν πέδαις χ. [B -κείαις] (2)
I Ki. 17. 6. κνημῖδες χ. ἐπάνω τῶν σκελῶν αὐ. (1 *c*)
— 6. ἀσπὶς χ. ἀνὰ μέσον τῶν ὤμων αὐ. (1 *c*)
— 38. ἐνέδυσε Σ. τὸν Δ. . . . περικεφαλαίαν χ. (1 *c*)
II Ki. 8. 8. ἐν αὐτῷ ἐποίησε Σ. τὴν θάλασσαν τὴν χ. –
— 10. ἐν ταῖς χερσὶν αὐ. ἦσαν . . . σκεύη χ. (1 *c*)
22. 35. κατάξας τόξον χ. ἐν βραχίονί μου (1 *b*)
III Ki. 3. 1. ἐποίησε Σαλ. . . . τὴν θάλασσαν τὴν χ. –
4. 13. καὶ μοχλοὶ χ. (1 *c*)
7. 16. A δύο ἐπιθέματα ἐποίησε . . . χωνευτὰ χ. [B *om.*] (1 *c*)
— 18. δύο στίχοι ῥοῶν χ. δεδικτυωμένοι –
— 27. καὶ ἐποίησε δέκα μεχωνὼθ χαλκᾶς (1 *c*)
— 30. τέσσαρες τροχοὶ χ. τῇ μεχ. τῇ μιᾷ καὶ τὰ προσέχοντα χ. (1 *c*, 1 *c*)
— 38. ἐποίησε δέκα χυτροκαύλους χ. (1 *c*)
— 45. πάντα τὰ ἔργα τοῦ βασ. ἐποίησε Χ. χαλκᾶ ἄρδην (1 *c*)
8. 64. τὸ θυσιαστήριον τὸ χ. . . . μικρόν (1 *c*)
14. 27. ἐποίησε Ῥ. ὁ βασ. ὅπλα χ. ἀντ' αὐτῶν (1 *c*)
IV Ki. 16. 13 (14). ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τὸ χ. τὸ ἀπέναντι κυρίου (1 *c*)
— 15. B ἐπὶ [A R καὶ] τὸ θυσιαστήριον τὸ χ. ἔσται μοι (1 *c*)
— 17. τὴν θάλ. καθεῖλεν ἀπὸ τῶν βοῶν τῶν χ. (1 *c*)
18. 4. ἐξωλέθρευσε . . . τὸν ὄφιν τὸν χ. (1 *c*)
25. 13. τοὺς στύλους τοὺς χ. . . . καὶ τὴν θάλ. τὴν χ. . . . συνέτριψαν (1 *c*, 1 *c*)
— 14. πάντα τὰ σκεύη τὰ χ. . . . ἔλαβε (1 *c*)

IV Ki. 25. 17. καὶ τὸ χωθὰρ ἐπ' αὐτοῦ τὸ χ. (1 c)
— 17. τὰ πάντα χ. (1 c)
I Ch. 15. 19. ἐν κυμβάλοις χ. τοῦ ἀκουσθῆναι ποιῆσαι (1 c)
18. 8. ἐποίησε Σαλ. τὴν θάλασσαν τὴν χ. . . . καὶ τὰ σκεύη τὰ χ. (1 c, 1 c)
— 11 (10). R πάντα σκεύη . . . τὰ χ. [ABS om. τὰ χ.] (1 c)
II Ch. 1. 5. τὸ θυσιαστήριον τὸ χ. . . . ἐκεῖ ἦν (1 c)
— 6. ἤνεγκεν ἐκεῖ Σ. ἐπὶ τὸ θυσιαστ. τὸ χ. (1 c)
4. 1. ἐποίησε τὸ θυσιαστήριον χ. (1 c)
6. 13. ἐποίησε Σαλ. βάσιν χ. (1 c)
7. 7. τὸ θυσιαστήριον τὸ χ. . . . οὐκ ἐξεποίει (1 c)
12. 10. ἐποίησεν Ῥ. θυρεοὺς χ. (1 c)
36. 6. ἔδησεν αὐτὸν ἐν χ. πέδαις (2)
I Es. 8. 57. καὶ σκεύη χ. [A -καια] ἀπὸ χρηστοῦ χαλκοῦ
Jb. 6. 12. R ἡ αἱ σάρκες μού εἰσι χάλκεαι [A -αῖ, B S -ειαι] (1 a)
40. 13 (18). A αἱ πλευραὶ αὐτοῦ ὡς πέτραι χαλκαῖ [B S αὐ. πλευραὶ χάλκειαι] (1 b)
41. 6 (7). R τὰ ἔγκατα αὐτοῦ ἀσπίδες χάλκεαι [B -ειαι, A S -αῖ] –
— 19 (20). R οὐ μὴ τρώσῃ αὐτὸν τόξον χάλκεον [B S -ειον, A om. τ. χ.] –
Ps. 17 (18). 34. ἔθου τόξον χαλκοῦν τοὺς βραχίονάς μου (1 b)
106 (107). 16. συνέτριψε πύλας χαλκᾶς (1 c)
Si. 28. 20. A S[1] R οἱ δεσμοὶ αὐτῆς δεσμοὶ χάλκεοι [B[2] -ειοι, B[1] S -ιοι]
Mi. 4. 13. τὰς ὁπλάς σου θήσομαι χαλκᾶς (1 b)
Za. 6. 1. τὰ ὄρη ἦν ὄρη χ. (1 c)
Is. 45. 2. θύρας χαλκᾶς συντρίψω (1 b)
48. 4. τὸ μέτωπόν σου χαλκοῦν (1 b)
54. 16. S[1] οὐχ ὡς χαλκοῦς [A B S[3] -εὺς] φυσῶν ἄνθρακας †
Je. 1. 18. τέθεικά σε . . . ὡς τεῖχος χαλκοῦν [A -οῦ] (1 c)
15. 12. περιβόλαιον χαλκοῦν ἡ ἰσχύς σου (1 c)
— 20. δώσω σε . . . ὡς τεῖχος ὀχυρὸν χαλκοῦν (1 c)
52. 17. τοὺς στύλους τοὺς χ. . . . καὶ τὴν θάλασσαν τὴν χ. [A om. κ. τ. θ. τ. χ.] . . . συνέτριψαν (1 c, 1 c)
— 18. πάντα τὰ σκεύη τὰ χ. . . . ἔλαβεν (1 c)
— 20. οἱ μόσχοι δώδεκα χαλκοῖ (1 c)
— 22. γεῖσος ἐπ' αὐτοῖς χαλκοῦν . . . τὰ πάντα χαλκᾶ (1 c, 1 c)
Ez. 9. 2. ἔστησαν ἐχόμενοι [A -να] τοῦ θυσιαστηρίου τοῦ χ. (1 c)
27. 13. σκεύη χαλκᾶ ἔδωκαν τὴν ἐμπορίαν σου (1 c)
Da. LXX. 2. 32. ἡ κοιλία καὶ οἱ μηροὶ χ. (1 d)
— 39. καὶ τρίτη βασιλεία ἄλλη χ. (1 d)
4. 15. ἐν χειροπέδαις χ. ἐδέθη –
7. 19. καὶ οἱ ὄνυχες αὐ. χ. (1 d)
Bel 6. ἔσωθεν μὲν πήλινός ἐστιν ἔξωθεν δὲ χαλκοῦς
— 23. μὴ καὶ τοῦτον ἐρεῖς ὅτι χαλκοῦς ἐστιν
Da. TH. 2. 32. ἡ κοιλία καὶ οἱ μηροὶ χ. (1 d)
4. 12. ἐν δεσμῷ σιδήρῳ καὶ χ. . . . κοιτασθήσεται (1 d)
5. 4. ἤνεσαν τοὺς θεοὺς τοὺς . . . χ. (1 d)
— 23. τοὺς θεοὺς τοὺς . . . χ. . . . ἤνεσας (1 d)
7. 19. καὶ οἱ ὄνυχες αὐ. χ. (1 d)
Bel 24. A B[2] R μὴ καὶ τοῦτον ἐρεῖς ὅτι χαλκοῦς ἐστιν
I Ma. 6. 35. καὶ περικεφαλαῖαι χ. ἐπὶ τῶν κεφ. αὐ.
— 39. S[1] ἐπὶ τὰς χρυσᾶς χαλκᾶς καὶ [S[2] R καὶ χ., A om. χ. κ.] ἀσπίδας
8. 22. ἧς ἀντέγραψαν ἐπὶ δέλτοις χαλκαῖς
14. 18. ἔγραψαν πρὸς αὐτὸν δέλτοις χ.
— 27. καὶ κατέγραψαν ἐν δέλτοις χ. [S[1] -οῖς]
— 48. θέσθαι ἐν δέλτοις χ.
[Aq. Ex. 36. 38 (37. 6) : 38. 30 (39. 8) : I Ki. 17. 5 : III Ki. 7. 38 (24) : Je. 52. 22.]
[Sm. Ex. 35. 16 : 36. 38 (37. 6) : 38. 30 (39. 8) : I Ki. 17. 5 : III Ki. 7. 38 (24) : Jb. 40. 13 (18) : Je. 52. 11, 22.]
[Th. Ex. 35. 16 : 36. 38 (37. 6) : 38. 3 (23), 30 (39. 8) : I Ki. 17. 5 : Je. 39 (46). 7.]

χαμαί. (1) אַרְצָה
Ju. 12. 15. ἔστρωσεν αὐτῇ . . . χ. τὰ κώδια
14. 18. ἰδοὺ Ὀλ. χ.
Jb. 1. 20. πεσὼν χ. προσεκύνησε (1)
Da. LXX. 2. 46. πεσὼν ἐπὶ πρόσωπον χ. –
8. 11. ἔθηκεν αὐτὴν ἕως χ. ἐπὶ τὴν γῆν –
Da. LXX. 8. 12. ἐρρίφη χ. ἡ δικαιοσύνη (1)
— 18. ἐκοιμήθην ἐπὶ πρόσωπον χ. (1)
Da. TH. 8. 12. ἐρρίφη χ. ἡ δικαιοσύνη (1)

χαμαιλέων, *cf.* χαμηλέων.
Ze. 2. 14. χαμαιλέοντες . . . ἐν τοῖς φατνώμασιν αὐ. κοιτασθήσονται †

χαμαιπετής.
I Es. 8. 91. κλαίων χαμαιπετὴς ἔμπροσθεν τοῦ ἱεροῦ

χαμανείμ.
II Es. 8. 27. B καὶ καφ. χρυσοῖ . . . χ. χίλιοι [A R al.] †

χαμηλέων, *cf.* χαμαιλέων. (1) כֹּחַ
Le. 11. 30. μυγαλῆ καὶ χαμηλέων καὶ καλαβώτης (1)

χάος. (1) גַּיְא, גַּי
Mi. 1. 6. κατασπάσω εἰς χάος τοὺς λίθους αὐ. (1)
Za. 14. 4. σχισθήσεται . . . χ. μέγα σφόδρα [A al.] (1)

χάρα (?).
I Es. 5. 55. ἔδωκαν . . . χάρα [A κάρρα] τοῖς Σιδ.

χαρά. (1) גִּיל (2) מָחוֹל (3) רִנָּה (4) שָׂחוֹק (5) שִׂמְחָה (6) *a.* שָׂשׂוֹן *b.* מָשׂוֹשׂ (7) ἐν χαρᾷ εἶναι רָנַן
I Ch. 29. 22. ἔφαγον . . . μετὰ χαρᾶς (5)
I Es. 4. 63. ἐκωθωνίζοντο μετὰ μουσικῶν καὶ χαρᾶς
5. 64. πολλοὶ διὰ σαλπίγγων καὶ χαρὰ [A -ᾶς] μεγάλῃ τῇ φωνῇ
To. 7. 18. S δῴη σοι χαράν [A B χάριν]
11. 17. S εἴσελθε . . . ἐν εὐλογίᾳ καὶ χαρᾷ
— 17. ἐγένετο χαρὰ πᾶσι τοῖς ἐν Νιν. ἀδελφοῖς αὐ. [S al.]
13. 10. ἵνα πάλιν ἡ σκηνὴ αὐ. οἰκοδομηθῇ ἐν σοὶ μετὰ χαρᾶς [S al.]
— 14. S ὄψονται πᾶσαν τὴν χ. σου [A B al.]
Es. 8. 17. AB χαρὰ καὶ εὐφροσύνη [S[2] εὐ. κ. χ.] τοῖς Ἰουδ. (5 [6 a])
9. 17. ἦγον αὐτὴν . . . μετὰ χαρᾶς καὶ εὐφροσύνης †
— 18. ἦγον δὲ καὶ τὴν πεντεκαιδεκάτην μετὰ χαρᾶς †
— 22. B ἀπὸ πένθους [A ὀδύνης] εἰς χαράν (5)
10. 3. μετὰ συναγωγῆς καὶ χαρᾶς καὶ εὐφροσύνης
Ps. 20 (21). 6. εὐφρανεῖς αὐτὸν ἐν χαρᾷ (5)
29 (30). 11. ἔστρεψας τὸν κοπετόν μου εἰς χαρὰν ἐμοί (2)
125 (126). 2. S R ἐπλήσθη χαρᾶς [A -ᾷ] τὸ στόμα ἡμῶν (4)
Pr. 14. 13. τελευταία δὲ χαρὰ [A -ᾶς] εἰς πένθος ἔρχεται (5)
29. 6. δίκαιος δὲ ἐν χαρᾷ καὶ ἐν εὐφροσύνῃ ἔσται (7)
Wi. 8. 16. ἔχει . . . εὐφροσύνην καὶ χαράν
Si. 1. 12. φόβος κυρίου . . . δώσει . . . χαράν
2. 9. S[2] δόσις αἰωνία μετὰ χαρᾶς τὸ ἀνταπόδομα αὐτοῦ
30. 16. οὐκ ἔστιν εὐφροσύνη ὑπὲρ χαρὰν [A S[1] χάριν] καρδίας
Jl. 1. 5. ἐξῆρθη ἐκ στόματος ὑμῶν . . . χαρά –
— 12. ᾔσχυναν χαρὰν οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων (6 a)
— 16. ἐξ οἴκου θεοῦ ὑμῶν εὐφροσύνη καὶ χαρά (1)
Jn. 4. 6. ἐχάρη Ἰ. . . . χ. μεγάλην (5)
Za. 8. 19. ἔσονται . . . εἰς χαρὰν καὶ εὐφροσύνην (6 a)
Is. 39. 2. A S ἐχάρη ἐπ' αὐτοῖς Ἐζεκίας χαρὰν μεγάλην [B om. χ. μ.] –
55. 12. ἐν χαρᾷ διδαχθήσεσθε †
— 12. ἐξαλοῦνται προσδεχόμενοι ὑμᾶς ἐν χαρᾷ (3)
66. 10. χάρητε ἅμα αὐτῇ χαρᾷ [A -άν] (6 b)
Je. 15. 16. εἰς εὐφροσύνην καὶ χαρὰν καρδίας μου (5)
16. 9. καταλύω . . . φωνὴν χαρᾶς (6 a)
25. 10. ἀπολῶ ἀπ' αὐτῶν φωνὴν χαρᾶς καὶ φωνὴν εὐφροσύνης [A εὐ. κ. φ. χ.] (6 a [5])
Ba. 4. 22. ἦλθέ μοι χ. παρὰ τοῦ ἁγίου
La. 5. 15. κατέλυσε χαρὰ καρδίας ἡμῶν (6 b)
I Ma. 4. 59. ἵνα ἄγωνται . . . μετ' εὐφροσύνης καὶ χαρᾶς
5. 54. ἀνέβησαν . . . ἐν εὐφροσύνῃ καὶ χαρᾷ
II Ma. 3. 30. χαρᾶς καὶ εὐφροσύνης ἐπλήρωτο
15. 28. καὶ μετὰ χαρᾶς ἀναλύοντες
III Ma. 4. 1. μετὰ ἀλαλαγμῶν καὶ χαρᾶς
— 16. ὁ βασ. χαρᾷ πεπληρωμένος
5. 21. ἀσμένως πάντες μετὰ χαρᾶς . . . συναινέσαντες
6. 34. καὶ μετὰ χαρᾶς ἀπογραψάμενοι
III Ma. 7. 13. μετὰ χαρᾶς ἀνέλυσαν
— 15. ἣν καὶ ἤγαγον εὐφροσύνην μετὰ χαρᾶς
IV Ma. 1. 22. μετὰ δὲ τὴν ἡδονὴν χαρά
[Aq. Ps. 44 (45). 9 : Is. 35. 10 : 51. 11 : 60. 15 : 61. 3 : Je. 7. 34.]
[Sm. Ps. 96 (97). 11 : Pr. 15. 21.]
[Th. Is. 24. 11 : 51. 11.]
[Al. III Ki. 1. 40.]

χαραδριός. (1) אֲנַפָּה
Le. 11. 19. καὶ γλαῦκα καὶ ἀρωδιὸν καὶ χαραδριόν (1)
De. 14. 18. καὶ πελεκᾶνα καὶ χαραδριόν (1)

χαρακοβολία. (1) שְׁפֹךְ סֹלְלָה
Ez. 17. 17. ποιήσει πρὸς αὐτὸν Φαραὼ πόλεμον ἐν χαρακοβολίᾳ (1)

χαρακοῦν. (1) סָקַל pi. (2) צוּר
Is. 5. 2. φραγμὸν περιέθηκα καὶ ἐχαράκωσα (1)
Je. 39 (32). 2. B S[2] ἐχαράκωσεν ἐπὶ [A ἐν] Ἰερ. (2)
[Sm. Is. 29. 3.]
[Th. Je. 32 (39). 2.]

χαρακτήρ. (1) צָרֶבֶת
Le. 13. 28. ὁ γὰρ χ. τοῦ κατακαύματός ἐστι (1)
II Ma. 4. 10. πρὸς τὸν Ἑλληνικὸν χ. τοὺς ὁμοφύλους μετέστησε
IV Ma. 15. 4. S R εἰς μικρὸν παιδὸς χ. [A παιδοχ.]
[Aq. Ps. 48 (49). 15.]

χαράκωμα.
[Sm. Je. 52. 4.]

χαράκωσις. (1) מָצוֹר
De. 20. 20. καὶ οἰκοδομήσεις χαράκωσιν ἐπὶ τὴν πόλιν (1)
[Th. Ez. 21. 22 (27) : 26. 8.]

χάραξ. (1) כַּר (2) מֶצָב (3) מָצוֹר (4) מָצוֹר (5) סֹלְלָה
De. 20. 19. εἰσελθεῖν ἀπὸ προσώπου σου εἰς τὸν χ. (4)
III Ki. 12. 24. B ᾠκοδόμησεν Ἰερ. ἐκεῖ χάρακα –
21 (20). 12. οἰκοδομήσατε χάρακα –
— 12. ἔθεντο χάρακα ἐπὶ τὴν πόλιν –
Ec. 9. 14. καὶ οἰκοδομήσῃ ἐπ' αὐτὴν χάρακας μεγάλους (3 v. 4)
Si. 22. 18. χάρακες [A χάλικες] ἐπὶ μετεώρου κείμενοι
Is. 29. 3. βαλῶ περὶ σέ χάρακα (2)
31. 9. πέτρα γὰρ περιληφθήσονται ὡς χάρακι †
37. 33. οὐδὲ μὴ κυκλώσῃ ἐπ' αὐτὴν χάρακα (5)
Je. 40 (33). 4. περὶ οἴκων . . . τῶν καθῃρημένων [A -θημ.] εἰς χάρακας (5)
Ez. 4. 2. περιβαλεῖς ἐπ' αὐτὴν χάρακα (5)
21. 22 (27) *bis.* τοῦ βαλεῖν χάρακα (1)
26. 8. ποιήσει [A περιπ.] ἐπὶ σὲ κύκλῳ χάρακα (5)
IV Ma. 3. 12. ὑπερέβησαν τοὺς τῶν πολεμίων χ.

χαράσσειν. (1) נָכָה hi.
III Ki. 15. 27. ἐχάραξεν [A ἐπάταξεν] αὐτὸν ἐν Γ. (1)
IV Ki. 17. 11. καὶ ἐχάραξαν τοῦ παροργίσαι τὸν κ. †
Si. 50. 27. παιδείαν συνέσεως . . . ἐχάραξα ἐν τῷ βιβλίῳ τούτῳ
III Ma. 2. 29. τούς τε ἀπογραφομένους χαράσσεσθαι
[Sm. Ez. 4. 1.]
[Th. Am. 7. 14.]

χαρβάνη.
Si. 24. 15. A ὡς χαρβάνη [B S χαλβ.] καὶ ὄνυξ

χαρέθ.
Je. 44 (37). 16. S καὶ εἰς τὴν χ. [A B χερέθ] †

χαρίεις.
IV Ma. 8. 3. ἑπτὰ ἀδελφοὶ . . . ἐν παντὶ χαρίεντες

χαρίζεσθαι. (1) נָתַן
Es. 8. 7. εἰ πάντα τὰ ὑπάρχοντα Ἀ. . . . ἐχαρισάμην σοι (1)
Ca. 1. 4. S ἃ ἐχαρίσατο αὐτῇ –
Si. 12. 3. οὐκ ἔστιν ἀγαθὰ . . . τῷ ἐλεημοσύνην μὴ χαριζομένῳ
II Ma. 1. 35. R οἷς ἐχαρίζετο [A om.] ὁ βασ.
3. 31. τὸ ζῆν χαρίσασθαι τῷ παντελῶς ἐν ἐσχάτῃ πνοῇ κειμένῳ
— 33. διὰ γὰρ αὐτὸν σοὶ κεχάρισται τὸ ζῆν κύριος

II Ma. 4. 32. χρυσώματά τινα . . . ἐχαρίσατο τῷ Ἀνδρ.
7. 22. οὐδὲ ἐγὼ τὸ πνεῦμα . . . ὑμῖν ἐχαρισάμην
III Ma. 5. 11. ὑπὸ τοῦ χαριζομένου πᾶσιν
7. 6. μόγις τὸ ζῆν αὐτοῖς χαριζόμενοι
IV Ma. 5. 7. τῆς φύσεως κεχαρισμένης
11. 12. καλὰς . . . χάριτας ἡμῖν χαρίζῃ
[Aq. Ge. 33. 5.]

χάρις. (1) גְּדוּלָה (2) חֵן (3) חֶסֶד (4) טוֹב (5) רַחַם (6) רָצוֹן (7) χάριν a. ב׳ b. בְּגָלַל (8) τὰ πρὸς χάριν חֶלֶק

Ge. 6. 8. Νῶε δὲ εὗρε χάριν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ (2)
18. 3. εἰ ἄρα εὗρον χάριν ἐναντίον σου (2)
30. 27. εἰ εὗρον χάριν ἐναντίον σου (2)
32. 5 (6). ἵνα εὕρῃ ὁ παῖς σου χάριν ἐναντίον σου (2)
33. 8. ἵνα εὕρῃ ὁ παῖς σου χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
— 10. εἰ εὕρηκα χάριν ἐναντίον σου (2)
— 15. εὗρον χάριν ἐναντίον σου (2)
34. 11. εὕροιμι χάριν ἐναντίον ὑμῶν (2)
39. 4. εὗρεν Ἰ. χάριν ἐναντίον τοῦ κυρίου αὐ. (2)
— 21. ἔδωκεν αὐτῷ χάριν ἐναντίον τοῦ ἀρχιδεσμοφύλακος (2)
43. 14. δῴη ὑμῖν χάριν ἐναντίον τοῦ ἀνθρώπου (5)
47. 25. εὕρομεν χάριν ἐναντίον τοῦ κυρίου ἡμῶν (2)
— 29. εἰ εὕρηκα χάριν ἐναντίον σου (2)
50. 4. εἰ εὗρον χάριν ἐναντίον ὑμῶν (2)
Ex. 3. 21. δώσω χάριν τῷ λαῷ τούτῳ (2)
11. 3. ἔδωκε τὴν χ. τῷ λαῷ αὐ. (2)
12. 36. ἔδωκε κύριος τὴν χ. τῷ λαῷ αὐ. (2)
33. 12. χάριν ἔχεις παρ' ἐμοί (2)
— 13. εἰ οὖν εὕρηκα χάριν ἐναντίον σου (2)
— 13. ὅπως ἂν ὦ εὑρηκὼς χάριν ἐναντίον σου (2)
— 16. εὕρηκα χάριν παρὰ σοί (2)
— 17. εὕρηκας γὰρ χάριν ἐνώπιόν μου (2)
34. 9. εἰ εὕρηκα χάριν ἐνώπιόν σου (2)
Nu. 11. 11. διὰ τί οὐχ εὕρηκα χάριν ἐναντίον σου (2)
32. 5. εἰ εὕρομεν χάριν ἐνώπιόν σου (2)
De. 24. 1. A² B ἐὰν μὴ εὕρῃ χάριν (2)
Ru. 2. 2. κατόπισθεν οὗ ἐὰν εὕρω χάριν ἐν ὀφθ. αὐ. (2)
— 10. τί ὅτι εὗρον χάριν ἐν ὀφθ. σου (2)
— 13. εὕροιμι χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
I Ki. 1. 18. εὗρεν ἡ δούλη σου χάριν ἐν ὀφθ. σου (2)
16. 22. εὗρε χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς μου (2)
20. 3. εὕρηκα χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
— 29. εἰ εὕρηκα χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
25. 8. εὑρέτωσαν τὰ παιδάριά σου χάριν (2)
27. 5. εἰ δὴ εὕρηκεν ὁ δοῦλός σου χάριν (2)
II Ki. 14. 22. εὗρον χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
15. 25. ἐὰν εὕρω χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)
16. 4. εὕροιμι χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)
III Ki. 11. 19. εὗρεν Ἀ. χάριν ἐναντίον Φ. σφόδρα (2)
14. 16. A παραδώσει κ. τὸν Ἰσρ. χάριν ἁμαρτιῶν Ἱερ. (7 b)
II Ch. 7. 21. χάριν τίνος ἐποίησε κύριος τῇ γῇ ταύτῃ (7 a)
I Es. 6. 5. καὶ ἔσχοσαν χάριν
8. 4. εὑρόντος χάριν ἐνώπιον αὐτοῦ
— 80. ἐποίησεν ἡμᾶς ἐν χάριτι
To. 1. 13. ἔδωκεν ὁ ὕψιστος χάριν
2. 14. S προσηρυθρίων χάριν τούτου πρὸς αὐτήν [A B al.]
7. 18. δώῃ σοι χάριν [S χαράν]
12. 18. οὐ τῇ ἐμαυτοῦ χάριτι ἀλλὰ τῇ θελήσει τοῦ θ. [S al.]
Ju. 8. 19. ὧν χάριν ἐδόθησαν εἰς ῥομφαίαν
— 23. οὐ κατευθυνθήσεται ἡ δουλεία ἡμῶν εἰς χάριν
10. 8. δῴη σε εἰς χάριν
Es. 2. 9. εὗρε χάριν ἐνώπιον αὐτοῦ (3)
— 15. ἦν γὰρ Ἐ. εὑρίσκουσα χάριν (2)
— 17. εὗρε χάριν παρὰ πάσας τὰς παρθένους (2+3)
5. 2. τὸ πρόσωπόν σου χαρίτων μεστόν –
— 8. εἰ εὗρον χάριν ἐνώπιον τοῦ βασ. (2)
6. 3. τίνα δόξαν ἢ χάριν ἐποιήσαμεν τῷ Μαρδ. (1)
7. 3. εἰ εὗρον χάριν ἐνώπιον τοῦ βασ. (2)
8. 5. εἰ . . . εὗρον χάριν (2)
Ps. 44 (45). 2. A S² R ἐξεχύθη χάρις [B S¹ ἡ χ.] ἐν χείλεσί σου (2)
83 (84). 11. χάριν καὶ δόξαν δώσει (2)
Pr. 1. 9. στέφανον γὰρ χαρίτων δέξῃ [A ἕξῃ] σῇ κορυφῇ (2)
3. 4. εὑρήσεις χάριν (2)
— 22. καὶ χάρις ἢ περὶ σῷ τραχήλῳ (2)
— 34. ταπεινοῖς δὲ δίδωσι χάριν (2)
4. 9. ἵνα δῷ τῇ σῇ κεφαλῇ στέφανον χαρίτων (2)
Pr. 5. 19. πῶλος σῶν χ. ὁμιλείτω σοι (2)
7. 5. ἐάν σε λόγοις τοῖς πρὸς χάριν ἐμβάλῃται †
8. 17. A S² οἱ δὲ ἐμὲ ζητοῦντες εὑρήσουσιν χάριν [B S¹ om.] †
10. 32. χείλη ἀνδρῶν δικαίων ἀποστάζει χάριτας (6)
11. 27. τεκταινόμενος ἀγαθὰ ζητεῖ χάριν ἀγαθήν (6)
12. 2. κρείσσων ὁ εὐρὼν χάριν παρὰ κυρίῳ (6)
13. 15. σύνεσις ἀγαθὴ δίδωσι χάριν (2)
15. 17. κρείσσων ξενισμὸς μετὰ [A om.] λαχάνων πρὸς φιλίαν καὶ χάριν –
17. 8. μισθὸς χαρίτων παιδεία τοῖς χρωμένοις (2)
— 17. τούτου γὰρ χάριν γεννῶνται –
18. 22. ὃς εὗρε γυναῖκα ἀγαθὴν εὗρε χάριτας (4)
22. 1. ὑπὲρ δὲ ἀργύριον καὶ χρυσίον χάρις ἀγαθή (2)
24. 30 (30. 7). μὴ ἀφέλῃς μου χάριν –
25. 10. χάρις καὶ φιλία ἐλευθεροῖ –
26. 11. ἔστιν αἰσχύνη δόξα καὶ χάρις –
28. 23. χάριτας ἕξει μᾶλλον τοῦ γλωσσοχαριτοῦντος (2)
Ec. 9. 11. καί γε οὐ τοῖς γινώσκουσι χάρις (2)
10. 12. λόγοι [S² -οις] στόματος σοφοῦ χάρις (2)
Ca. 8. 10. S ἐγὼ ἤμην . . . ὡς [A om.] εὑρίσκουσα χάριν [A B εἰρήνην] †
Wi. 3. 9. χάρις καὶ ἔλεος τοῖς [A ἐν τοῖς] ἐκλεκτοῖς [S ὁσίοις] αὐτοῦ
— 14. δοθήσεται γὰρ αὐτῷ τῆς πίστεως χάρις ἐκλεκτή
4. 15. χάρις καὶ ἔλεος ἐν τοῖς ἐκλεκτοῖς αὐ.
8. 20. τὸ εἰδέναι τίνος ἡ [A om.] χ.
14. 26. θόρυβος ἀγαθῶν χάριτος ἀμνησία
18. 2. τοῦ διενεχθῆναι χάριν ἐδέοντο
Si. 1. 13. ἐν ἡμέρᾳ τελευτῆς αὐτοῦ εὑρήσει χάριν [A S εὐλογηθήσεται]
3. 18. ἔναντι κυρίου εὑρήσεις χάριν
— 31. ὁ ἀνταποδιδοὺς χάριτας μέμνηται εἰς τὰ μετὰ ταῦτα
4. 21. ἔστιν αἰσχύνη δόξα καὶ χάρις
6. 18. S ἕως πολιῶν εὑρήσεις χάριν [A B σοφίαν]
7. 19. καὶ [A S² ἡ] γὰρ χάρις αὐ. ὑπὲρ τὸ χρυσίον
— 33. χάρις [S χάρισμα] δόματος ἔναντι παντὸς ζῶντος καὶ ἐπὶ νεκρῷ μὴ ἀποκωλύσῃς χάριν
8. 19. μὴ ἀναφερέτω σοι χάριν
12. 1. ἔσται χάρις τοῖς ἀγαθοῖς σου
17. 22. χάριν ἀνθρώπου ὡς κόρην συντηρήσει
19. 25. ἔστι διαστρέφων χάριν τοῦ ἐκφᾶναι κρίμα
20. 13. χάριτες δὲ μωρῶν ἐκχυθήσονται
— 16. οὐκ ἔστι χάρις τοῖς ἀγαθοῖς μου
— 23. ἔστι χάριν αἰσχύνης ἐπαγγελλόμενος φίλῳ
21. 16. ἐπὶ δὲ χείλους συνετοῦ εὑρεθήσεται χάρις [A om., S² παραβολή]
24. 16. οἱ κλάδοι μου κλάδοι δόξης καὶ χάριτος
— 17. ἐγὼ ὡς ἄμπελος βλαστήσασα χάριν
26. 13. χάρις γυναικὸς τέρψει τὸν ἄνδρα αὐ.
— 15. χάρις ἐπὶ χάριτι γυνὴ αἰσχυντηρά
27. 1. χάριν ἀδιαφόρου [S¹ διαφ.] πολλοὶ ἥμαρτον
29. 7. πολλοὶ χάριν πονηρίας ἀπέστρεψαν
— 9. χάριν ἐντολῆς ἀντιλαβοῦ πένητος
— 15. χάριτας ἐγγύου μὴ ἐπιλάθῃ
30. 6. κατέλιπεν . . . τοῖς φίλοις ἀνταποδιδόντα χάριν
— 16. A S¹ οὐκ ἔστιν εὐφροσύνη ὑπὲρ χάριν [B S² χαρὰν] καρδίας
31 (34). 12. διεσώθην τούτων χάριν
32 (35). 2. ἀνταποδιδοὺς χάριν προσφέρων σεμίδαλιν
— 5. πάντα γὰρ ταῦτα χάριν ἐντολῆς
34 (31). 6. πολλοὶ ἐδόθησαν εἰς πτῶμα χάριν χρυσίου
— 17. παῦσαι πρῶτος χάριν παιδείας
35 (32). 2. ἵνα . . . εὐκοσμίας χάριν λάβῃς στέφανον
— 10. πρὸ αἰσχυντηροῦ προελεύσεται χάρις
— 16. S¹ οἱ φοβούμενοι κύριον εὑρήσουσι χάριν [A B S² κρίμα]
37. 5. ἑταῖρος φίλῳ συμπονεῖ χάριν γαστρός
— 21. οὐ γὰρ ἐδόθη αὐτῷ παρὰ κυρίου χάρις
38. 14. ἵνα εὐοδώσῃ αὐτοῖς . . . ἴασιν χάριν ἐμβιώσεως
— 17. ποίησον τὸ πένθος . . . χάριν διαβολῆς
40. 17. χάρις ὡς παράδεισος ἐν εὐλογίαις
— 22. χάριν καὶ κάλλος ἐπιθυμήσει ὁ ὀφθαλμός σου
42. 1. ἔσῃ . . . εὑρίσκων χάριν ἔναντι παντὸς ἀνθρώπου
44. 27. ἐξήγαγεν ἐξ αὐτοῦ ἄνδρα . . . εὑρίσκοντα χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς πάσης σαρκός
Za. 4. 7. ἰσότητα χάριτος χάριτα αὐ. (2, 2)
6. 14. καὶ εἰς χάριτα υἱοῦ Σοφ. (2)
12. 10. ἐκχεῶ . . . πνεῦμα χάριτος καὶ οἰκτιρμοῦ (2)
Ba. 1. 12. εὑρήσομεν χάριν ἐναντίον αὐτῶν
2. 14. δὸς ἡμῖν χάριν
Ez. 12. 24. μαντευόμενος τὰ πρὸς χάριν (8)
Da. LXX. 1. 9. ἔδωκε κ. τῷ Δαν. τιμὴν καὶ χάριν (5)
2. 13. χάριν τοῦ συναπολέσθαι –
I Ma. 3. 29. χάριν τῆς διχοστασίας καὶ πληγῆς
6. 13. χάριν τούτων εὗρόν με τὰ κακὰ ταῦτα
— 24. χάριν τούτου ἠλλοτριοῦντο ἀφ' ἡμῶν
— 59. χάριν γὰρ τῶν νομίμων αὐ. . . . ὠργίσθησαν
9. 10. ἀποθάνωμεν ἀνδρείᾳ χάριν τῶν ἀδ. ἡμῶν
10. 60. εὗρε χάριν ἐναντίον αὐτῶν
11. 11. χάριν τοῦ ἐπιθυμῆσαι αὐτὸν τῆς βασιλείας αὐ.
— 24. εὗρε χάριν ἐναντίον αὐτοῦ
— 33. χάριν τῆς ἐξ αὐτῶν εὐνοίας πρὸς ἡμᾶς
12. 45. τούτου γὰρ χάριν πάρειμι
13. 3. S ὅσα . . . ἐποιήσαμεν χάριν [A R περὶ] τῶν νόμων
— 4. A R τούτου [S ὧν καὶ] χάριν ἀπώλοντο οἱ ἀδ. μου πάντες χάριν τοῦ Ἰσρ.
— 6. ἐκτρίψαι ἡμᾶς ἔχθρας χάριν
14. 25. τίνα χάριν ἀποδώσομεν Σίμωνι
II Ma. 1. 14. χάριν τοῦ λαβεῖν τὰ χρήματα πλείονα
3. 33. πολλὰ Ὀνίᾳ τῷ ἀρχιερεῖ χάριτας ἔχε
4. 16. ὧν καὶ χάριν περιέσχεν αὐτοὺς χαλεπὴ περίστασις
7. 33. εἰ δὲ χάριν ἐπιπλήξεως . . . ἐπώργισται
9. 20. R εὔχομαι μὲν τῷ θεῷ τὴν μεγίστην χ.
15. 39. ἐπιτερπῆ τὴν χ. ἀποτελεῖ
III Ma. 1. 9. καὶ χάριτας ἀποδιδούς
5. 20. τὸ τῆς σήμερον ὕπνῳ χάριν ἔχειν αὐτούς
— 41. ὧν χάριν ἡ πόλις . . . ὀχλεῖ
6. 36. οὐ πότου χάριν
IV Ma. 5. 8. ἀποστρέφεσθαι τὰς τῆς φύσεως χ.
11. 12. καλὰς . . . χάριτας ἡμῖν χαρίζῃ
[Aq. III Ki. 14. 16: Pr. 1. 9: 11. 16: Je. 31 (38). 2: Mi. 3. 12: Za. 4. 7.]
[Sm. II Ki. 2. 6: 10. 2: Ps. 30 (31). 8: 39 (40). 11: 88 (89). 25: Pr. 5. 19: 11. 16: Je. 31 (38). 2: Za. 4. 7.]
[Th. Pr. 5. 19: 11. 16: 31. 26: Je. 31 (38). 2.]
[Quint. Ps. 32 (33). 5.]
[Sext. Ps. 30 (31). 17: 32 (33). 18.]
[Al. Ps. 44 (45). 3: Pr. 22. 11.]

χάρισμα.
Si. 7. 33. S χάρισμα [A B χάρις] δόματος ἔναντι παντὸς ζῶντος
38. 30. B¹ καρδίαν ἐπιδώσει συντελέσαι τὸ χ. [A B² S R χρῖσμα]
[Th. Ps. 30 (31). 22.]

χαριστήριον.
II Ma. 12. 45. R ἐμβλέπων . . . κάλλιστον ἀποκείμενον χ. [A εὐχ.]

χαριστικός.
[Sm. Ps. 111 (112). 5.]

χαριτοῦσθαι.
Si. 18. 17. ἀμφότερα παρὰ ἀνδρὶ κεχαριτωμένῳ
[Sm. Ps. 17 (18). 26 bis.]

χάρμ.
[Heb. Ps. 11 (12). 9.]

χάρμα.
[Aq. Ps. 47 (48). 3.]

χαρμείν (-μίμ). (1) כְּרָמִים
Jd. 11. 33. καὶ ἕως ἐβὲλ χ. (1)

χαρμονή. (1) רִנָּה (2) שִׂמְחָה (3) שָׂשׂוֹן
Jb. 3. 7. μὴ ἔλθοι ἐπ' αὐτὴν . . . χαρμονή (1)
20. 5. χαρμονὴ δὲ παρανόμων ἀπώλεια (2)
40. 15 (20). ἐποίησε χαρμονὴν τετράποσιν †
Je. 31 (48). 33. S² συνεψήσθη χαρμονή [A B S¹ al.] (2)
38 (31). 13. στρέψω τὸ πένθος αὐτῶν εἰς χαρμονήν [A εὐφροσύνην] (3)
40 (33). 11. A φωνὴ χαρμονῆς [B S -οσύν.] (2)
III Ma. 6. 31. κατεμερίσαντο πλήρεις χαρμονῆς
[Aq. Je. 48 (31). 33.]

χαρμοσύνη. (1) שִׂמְחָה (2) תּוֹרָה
Le. 22. 29. ἐὰν δὲ θύσῃς θυσίαν εὐχὴν χαρμοσύνης κυρίῳ (2)
I Ki. 18. 6. ἐξῆλθον αἱ χορεύουσαι . . . ἐν χαρμοσύνῃ (1)

Ju. 8. 6. χωρὶς . . . χαρμοσυνῶν οἴκου Ἰσρ.
Je. 31 (48). 33. συνεψήσθη χ. [S² -ονή] (1)
40 (33). 11. φωνὴ χαρμοσύνης [A -ονῆς] (1)
Ba. 2. 23. ἐκλείψειν ποιήσω . . . φωνὴν χαρμοσύνης
4. 23. ἀποδώσει δέ μοι ὁ θ. ὑμᾶς μετὰ χαρμοσύνης
[Heb. Jb. 20. 5.]

χαροποιεῖν.
[Sm. Ps. 20 (21). 7.]

χαροποιός. (1) חַכְלִיל

Ge. 49. 12. χαροποιοὶ οἱ ὀφθ. αὐ. ὑπὲρ οἶνον [A ἀπὸ οἴνου] (1)

χαροπός.
[Sm. Pr. 23. 29.]

χαρσείθ (-σίθ). (1) *a.* חַרְסוּת *b.* חַרְסִית

Je. 19. 2. A R ἐπὶ τῶν προθύρων πύλης τῆς χ. [B S *al.*] (1 *a**, 1 *b*)

χαρτηρία.
III Ma. 4. 20. τὴν χ. ἤδη . . . ἐκλελοιπέναι

χάρτης. (1) מְגִלָּה

Is. 8. 1. A λάβε σεαυτῷ τόμον χάρτου [B S *om.*] καινοῦ μεγάλου –
Je. 43 (36). 2. A λάβε σεαυτῷ χάρτην [B S -τίον] βιβλίου (1)
— 6. A S ἀναγνώσῃ ἐν τῷ χ. [B -τίῳ] τούτῳ (1)
— 23. ἕως ἐξέλιπε πᾶς ὁ χ. εἰς τὸ πῦρ (1)

χαρτίον. (1) מְגִלָּה

Je. 43 (36). 2. λάβε σεαυτῷ χ. [A -την] βιβλίου (1)
— 4. ἔγραψεν . . . εἰς χ. βιβλίου (1)
— 6. ἀναγνώσῃ ἐν τῷ χ. [A S -τῃ] τούτῳ (1)
— 14. τὸ χ. [A βιβλίον] . . . λάβε αὐτό (1)
— 14. ἔλαβε Βαρουχ τὸ χ. (1)
— 20. τὸ χ. [A βιβλίον] ἔδωκαν φυλάσσειν (1)
— 21. ἀπέστειλεν ὁ βασ. τὸν Ἰ. λαβεῖν τὸ χ. (1)
— 25. πρὸς τὸ κατακαῦσαι τὸ χ. [A S² *al.*] (1)
— 27. μετὰ τὸ κατακαῦσαι τὸν βασιλέα τὸ χ. (1)
— 28. πάλιν λάβε σὺ χ. ἕτερον (1)
— 28. γράψον πάντας τοὺς λόγους τοὺς ὄντας ἐπὶ τοῦ χ. (1)
— 29. κατέκαυσας τὸ χ. [A βιβλίον] τοῦτο (1)
— 32. ἔλαβε Βαρουχ χ. ἕτερον (1)

χάσκειν, *cf.* χαίνειν.
I Es. 4. 19. χάσκοντες τὸ στόμα θεωροῦσιν αὐτήν
— 31. ὁ βασ. χάσκων τὸ στόμα ἐθεώρει αὐτήν

χάσμα. (1) פַּחַת

II Ki. 18. 17. ἔρριψεν αὐτὸν εἰς χ. μέγα (1)
[Th. Jb. 14. 8 (P.).]

χαυβών, *cf.* χαυών. (1) כַּוָּן

Je. 51 (44). 19. S¹ ἐποιήσαμεν αὐτῇ χαυβῶνας [A B S² χανῶνας] (1)

χαῦνος.
Wi. 2. 3. τὸ πνεῦμα διαχυθήσεται ὡς χαῦνος ἀήρ

χαυνοῦν.
[Sm. Ps. 64 (65). 11.]

χαυών, *cf.* χαυβών. (1) כַּוָּן

Je. 7. 18. τοῦ ποιῆσαι χαυῶνας τῇ στρατιᾷ τοῦ οὐρανοῦ (1)
51 (44). 19. ἐποιήσαμεν αὐτῇ χαυῶνας [S¹ χαυβ.] (1)
[Aq., Sm. Je. 7. 18 : 44 (51). 19.]

χαφουρῆ. (1) כְּפוֹרִי

II Es. 8. 27. R καὶ χ. χρυσοῖ εἴκοσι [A B *al.*] (1)

χαωλεμίμ.
[Heb. Ps. 125 (126). 1.]

χεῖλος. (1) אֵמֶר (2) יָד (3) לְחִי (4) פֶּה (5) שָׂפָה

Ge. 11. 1. καὶ ἦν πᾶσα ἡ γῆ χεῖλος ἕν (5)
— 6. καὶ χεῖλος ἐν πάντων (5)
— 9. συνέχεε κύριος τὰ χ. πάσης τῆς γῆς (5)
22. 17. ὡς τὴν ἄμμον τὴν παρὰ τὸ χ. τῆς θαλ. (5)
41. 3. ἐνέμοντο αἱ βόες παρὰ τὸ χ. τοῦ ποταμοῦ (5)
— 17. ᾤμην ἑστάναι ἐπὶ τὸ χ. τοῦ ποταμοῦ (5)
Ex. 7. 15. ἔσῃ συναντῶν αὐτῷ ἐπὶ τὸ χ. τοῦ ποταμοῦ (5)
Ex. 14. 30. τοὺς Αἰγ. τεθνηκότας παρὰ τὸ χ. τῆς θαλ. (5)
26. 4. ἐπὶ τοῦ χ. τῆς αὐλαίας τῆς μιᾶς (5)
— 4. ἐπὶ τοῦ χ. τῆς αὐλαίας τῆς ἐξωτέρας (5)
— 10. ἐπὶ τοῦ χ. τῆς δέρρεως τῆς μιᾶς (5)
— 10. ἐπὶ τοῦ χ. τῆς δέρρεως (5)
Le. 5. 4. ἡ ψυχὴ ἡ ἄνομος ἡ διαστέλλουσα τοῖς χ. (5)
Nu. 30. 7. κατὰ τὴν διαστολὴν τῶν χ. αὐ. (5)
— 13. ὅσα ἐὰν ἐξέλθῃ ἐκ τῶν χ. αὐ. (5)
De. 2. 36. ἥ ἐστι παρὰ τὸ χ. χειμάρρου Ἀρνῶν (5)
3. 12. B¹ ἥ ἐστιν ἐπὶ τοῦ χ. [A B²R παρὰ τὸ χ.] χειμάρρου Ἀ. –
4. 48. B¹ ἥ ἐστιν ἐπὶ τὸ χ. [A B² R τοῦ χ.] χειμάρρου Ἀ. (5)
23. 23 (24). τὰ ἐκπορευόμ. διὰ τῶν χ. σου (5)
Jo. 11. 4. A ὥσπερ ἡ ἄμμος ἡ παρὰ τὸ χ. τῆς θαλ. [B *al.*] (5)
13. 9. ἥ ἐστιν ἐπὶ τοῦ χ. χειμάρρου Ἀ. (5)
Jd. 5. 15 (16). A ἵνα σοι κατοικῆς ἐν μέσῳ χειλέων †
7. 12. ἡ ἄμμος ἡ ἐπὶ χείλους [A τὸ χ.] τῆς θαλ. (5)
— 23 (22). B ἔφυγεν ἡ παρεμβολὴ . . . ἕως χείλους Ἀ. [A R *al.*] (5)
I Ki. 1. 13. τὰ χ. αὐ. ἐκινεῖτο (5)
III Ki. 7. 23. A B²R ἀπὸ τοῦ χ. [B¹ τείχους] αὐ. ἕως τοῦ χ. αὐ. (5, 5)
— 24. καὶ ὑποστηρίγματα ὑποκάτωθεν τοῦ χ. αὐ. (5)
— 24 (B), 26 (A). καὶ τὸ χ. αὐ. ὡς ἔργον χείλους ποτηρίου (5, 5)
9. 26. ἐπὶ τοῦ χ. τῆς ἐσχάτης θαλ. (5)
IV Ki. 2. 13. ἔστη ἐπὶ τοῦ χ. τοῦ Ἰορδ. (5)
10. 33. ἥ ἐστιν ἐπὶ τοῦ χ. χειμάρρου Ἀρνῶν –
18. 20. εἶπας πλὴν λόγοι χειλέων (5)
19. 28. θήσω . . . χαλινὸν ἐν [A *om.*] τοῖς χ. σου (5)
II Ch. 4. 5. καὶ τὸ χ. αὐ. ὡς χεῖλος ποτηρίου (5, 5)
Ju. 9. 10. πάταξον δοῦλον ἐκ χειλέων ἀπάτης μου
Jb. 1. 22. A οὐδὲ ἐν τοῖς χ. αὐτοῦ –
2. 10. οὐδὲν ἥμαρτεν Ἰὼβ τοῖς χ. [A *al.*] (5)
8. 21. τὰ δὲ χ. αὐτῶν ἐξομολογήσεως [A ἀγαλλιάσεως] (5)
9. 3. A ἵνα μὴ ἀνπείπῃ πρὸς ἕνα λόγον αὐ. ἐκ χειλέων [B S χιλίων] †
11. 5. ἀνοίξει χείλη αὐτοῦ μετὰ σοῦ (5)
12. 20. διαλλάσσων χείλη πιστῶν (5)
13. 6. κρίσιν δὲ χειλέων μου προσέχετε (5)
15. 6. τὰ δὲ χ. σου καταμαρτυρήσουσί σου (5)
16. 6 (5). κίνησιν δὲ χειλέων [S¹ χ. μου] οὐ φείσομαι (5)
27. 4. μὴ λαλήσειν τὰ χ. μου ἄνομα [A *al.*] (5)
32. 20. ἵνα ἀναπαύσωμαι ἀνοίξας τὰ [S¹ τὰ σὰ] χ. [A χ. μου] (5)
33. 3. σύνεσις δὲ χειλέων μου καθαρὰ νοήσει (5)
40. 21 (26). ψελίῳ δὲ τρυπήσεις τὸ χ. αὐτοῦ (3)
Ps. 11 (12). 2. χείλη δόλια ἐν καρδίᾳ (5)
— 3. ἐξολεθρεύσαι κ. πάντα τὰ χ. τὰ δόλια (5)
— 4. τὰ χ. ἡμῶν παρ' ἡμῶν ἐστι (5)
13 (14). 3. B S ἰὸς ἀσπίδων τὰ χ. αὐτῶν –
15 (16). 4. οὐδὲ μὴ μνησθῶ τῶν ὀνομάτων αὐτῶν διὰ χειλέων μου (5)
16 (17). 1. ἐνώτισαι τὴν προσευχήν μου οὐκ ἐν χείλεσι δολίοις (5)
— 4. διὰ τοὺς λόγους τῶν χ. σου (5)
20 (21). 2. τὴν δέησιν [S² θέλησιν] τῶν χ. αὐτοῦ (5)
21 (22). 7. ἐλάλησαν ἐν χείλεσιν (5)
30 (31). 18. ἄλαλα γενηθήτω τὰ χ. τὰ δόλια (5)
33 (34). 13. καὶ χείλη σου τοῦ μὴ λαλῆσαι δόλον (5)
39 (40). 9. τὰ χ. μου οὐ μὴ κωλύσω (5)
44 (45). 2. ἐξεχύθη χάρις ἐν χείλεσί σου (5)
50 (51). 15. τὰ χ. μου ἀνοίξεις (5)
58 (59). 7. καὶ ῥομφαία ἐν τοῖς χ. αὐτῶν (5)
— 12. λόγον [S² -ος] χειλέων αὐτῶν (5)
62 (63). 3. τὰ χ. μου ἐπαινέσουσί σε (5)
— 5. χείλη ἀγαλλιάσεως αἰνέσει τὸ ὄνομά σου [S² στόμα μου] (5)
65 (66). 14. ἃς διέστειλε τὰ χ. μου (5)
70 (71). 23. ἀγαλλιάσονται τὰ χ. μου (5)
88 (89). 34. τὰ ἐκπορευόμενα διὰ τῶν χ. μου (5)
105 (106). 33. διέστειλεν ἐν [S¹ *om.*] τοῖς χ. αὐ. (5)
118 (119). 13. ἐν τοῖς χ. μου ἐξήγγειλα πάντα τὰ κρίματα τοῦ στόματός σου (5)
— 171. ἐξερεύξαιντο τὰ χ. μου ὕμνον (5)
119 (120). 2. ῥῦσαι τὴν ψυχήν μου ἀπὸ χ. ἀδίκων (5)
139 (140). 3. ἰὸς ἀσπίδων ὑπὸ τὰ χ. αὐτῶν (5)
— 9. A² B S κόπος τῶν χ. αὐ. καλύψει αὐτούς (5)
140 (141). 3. καὶ θύραν περιοχῆς περὶ τὰ χ. μου (5)
Pr. 4. 24. ἄδικα χείλη μακρὰν ἀπὸ σοῦ ἄπωσαι (5)
5. 2. αἴσθησις δὲ ἐμῶν χ. ἐντέλλεταί σοι [A S² *al.*] (5)
— 3. μέλι γὰρ ἀποστάζει ἀπὸ χειλέων γυναικὸς πόρνης (5)
6. 2. παγὶς γὰρ ἰσχυρὰ ἀνδρὶ τὰ ἴδια χ. καὶ ἁλίσκεται χείλεσιν ἰδίου στόματος (4, 1)
7. 21. βρόχοις τε τοῖς ἀπὸ χειλέων ἐξώκειλεν αὐτόν (5)
8. 6. ἀνοίσω ἀπὸ χειλέων ὀρθά (5)
— 7. ἐβδελυγμένα δὲ ἐναντίον ἐμοῦ χείλη ψευδῆ (5)
10. 8. ὁ δὲ ἄστεγος χείλεσι σκολιάζων ὑποσκελισθήσεται (5)
— 13. A S R ὃς ἐκ χειλέων προφέρει σοφίαν (5)
— 18. καλύπτουσιν ἔχθραν χείλη δίκαια (5)
— 19. φειδόμενος δὲ χειλέων νοήμων ἔσῃ (5)
— 21. χείλη δικαίων ἐπίσταται ὑψηλά (5)
— 32. χείλη ἀνδρῶν δικαίων ἀποστάζει χάριτας (5)
12. 13. δι' ἁμαρτίαν χειλέων (5)
— 14. ἀνταπόδομα δὲ χειλέων αὐτοῦ (2 ?)
— 19. χείλη ἀληθινὰ κατορθοῖ μαρτυρίαν (5)
— 22. βδέλυγμα κυρίῳ χείλη ψευδῆ (5)
13. 3. ὁ δὲ προπετὴς χείλεσι πτοήσει ἑαυτόν (5)
14. 3. χείλη δὲ σοφῶν φυλάσσει αὐτούς (5)
— 7. ὅπλα δὲ αἰσθήσεως χείλη σοφά (5)
15. 7. χείλη σοφῶν δέδεται αἰσθήσει (5)
16. 10. μαντεῖον ἐπὶ χείλεσι βασιλέως (5)
— 13. δεκτὰ βασιλεῖ χείλη δίκαια (5)
— 23. ἐπὶ δὲ χείλεσι φορέσει ἐπιγνωμοσύνην (5)
— 27. ἐπὶ δὲ τῶν ἑαυτοῦ χ. θησαυρίζει [A ὀρύσσει] πῦρ (5)
— 30. ὀρίζει [A ὀργίζει] δὲ τοῖς χ. αὐτοῦ πάντα τὰ κακά (5)
17. 4. δίκαιος δὲ οὐ προσέχει χείλεσι ψευδέσιν (5 ?)
— 7. οὐχ ἁρμόσει ἄφρονι χείλη πιστὰ οὐδὲ δικαίῳ χείλη [S *om.* π. . . . χ.] ψευδῆ [S² πιστά] (5, 5)
18. 6. χείλη ἄφρονος ἄγουσιν αὐτὸν εἰς κακά (5)
— 7. τὰ δὲ χ. αὐτοῦ παγὶς τῇ ψυχῇ αὐτοῦ (5)
— 20. ἀπὸ δὲ καρπῶν χειλέων αὐτοῦ ἐμπλησθήσεται (5)
22. 11. χείλεσι ποιμαίνει βασιλεύς (5)
— 18. εὐφρανοῦσί σε ἅμα ἐπὶ σοῖς χείλεσιν (5)
23. 16. ἐνδιατρίψει λόγοις τὰ σὰ χ. πρὸς τὰ ἐμὰ χ. (5, –)
24. 2. πόνους τὰ χ. αὐτῶν λαλεῖ (5)
— 41 (26). χείλη δὲ φιλήσουσιν ἀποκρινόμενα λόγους ἀγαθούς (5)
— 43 (28). μηδὲ πλατύνου σοῖς χ. (5)
26. 23. χείλη λεῖα [S δόλια] καρδίαν καλύπτει λυπηράν (5)
— 24. χείλεσι πάντα ἐπινεύει ἀποκλαιόμενος ἐχθρός (5)
27. 2. ἀλλότριος καὶ μὴ τὰ σὰ χ. (5)
31. 31. δότε αὐτῇ ἀπὸ καρπῶν χειλέων αὐτῆς (2)
Ec. 10. 12. χείλη ἄφρονος καταποντιοῦσιν αὐτόν (5)
Ca. 4. 3. ὡς σπαρτίον τὸ κόκκινον χείλη σου (5)
— 11. κηρίον ἀποστάζουσι χείλη σου (5)
5. 13. χείλη αὐτοῦ κρίνα στάζοντα σμύρναν πλήρη (5)
6. 5 (6). ὡς σπαρτίον τὸ κόκκινον χείλη σου –
7. 9 (10). ἱκανούμενος χείλεσί [A ἐν χ.] μου καὶ ὀδοῦσιν (5)
Wi. 1. 6. οὐκ ἀθῳώσει βλάσφημον ἀπὸ χειλέων αὐτοῦ
Si. 1. 23. χείλη πιστῶν [A S πολλῶν] ἐκδιηγήσεται σύνεσιν αὐτοῦ
— 29. ἐν τοῖς χ. σου πρόσεχε
12. 16. ἐν τοῖς χ. αὐτοῦ γλυκανεῖ ὁ ἐχθρός
21. 16. ἐπὶ δὲ χείλους συνετοῦ εὑρεθήσεται χάρις [A *om.*, S² παραβολή]
— 25. χείλη ἀλλοτρίων ἐν τούτοις βαρυνθήσεται [S διηγήσονται]
22. 27. τίς δώσει . . . ἐπὶ τῶν χ. μου σφραγῖδα πανοῦργον [A S -ων]
23. 7. ἐν τοῖς χ. αὐτοῦ καταλειφθήσεται ἁμαρτωλός
34 (31). 23. λαμπρὸν ἐπ' ἄρτοις εὐλογήσει χείλη
39. 15. ἐν ᾠδαῖς χειλέων καὶ ἐν κινύραις
40. 16. ἄχει ἐπὶ παντὸς ὕδατος καὶ χείλους [A -ος] ποταμοῦ . . . ἐκτιλήσεται
49. 13. S¹ τοῦ ἐγείραντος ἡμῶν χείλη [A B S² τείχη] πεπτωκότα
50. 20. δοῦναι εὐλογίαν κυρίῳ ἐκ χειλέων αὐ.
51. 2. ἀπὸ χειλέων ἐργαζομένων ψεῦδος
Ho. 14. 3. ἀνταποδώσομεν καρπὸν χειλέων ἡμῶν (5)
Hb. 3. 16. ἀπὸ φωνῆς προσευχῆς χειλέων μου (5)
Ma. 2. 6. ἀδικία οὐχ εὑρέθη ἐν χείλεσιν αὐ. (5)
— 7. χείλη ἱερέως φυλάξεται γνῶσιν (5)

Is. 6. 5. ἀκάθαρτα χείλη ἔχων ἐν μέσῳ λαοῦ ἀκάθαρτα χείλη ἔχοντος ἐγὼ οἰκῶ (5, 5)
— 7. ἥψατο τοῦτο τῶν χ. σου (5)
11. 4. ἐν πνεύματι διὰ χειλέων ἀνελεῖ ἀσεβῆ (5)
28. 11. διὰ φαυλισμὸν χειλέων (5)
29. 13. ἐν τοῖς χ. αὐτῶν τιμῶσί με (5)
30. 27. μετὰ δόξης τὸ λόγιον τῶν χ. αὐτοῦ (5)
36. 5. μὴ ἐν... λόγοις χειλέων παράταξις γίνεται (5)
37. 29. ἐμβαλῶ ... χαλινὸν εἰς τὰ χ. σου (5)
59. 3. τὰ δὲ χ. ὑμῶν ἐλάλησεν ἀνομίαν (5)
Je. 3. 21. φωνὴ ἐκ χειλέων ἠκούσθη †
7. 29. ἀνάλαβε ἐπὶ χειλέων θρῆνον †
17. 16. τὰ ἐκπορευόμενα διὰ τῶν χ. μου (5)
La. 3. 62. ἤκουσας ... χείλη ἐπανισταμένων μοι (5)
Ez. 24. 17. οὐ μὴ παρακληθῇς ἐν χείλεσιν αὐτῶν (5)
43. 13. γείσος ἐπὶ τὸ χ. [A τοῦ χ.] αὐτοῦ (5)
47. 6. A R ἐπέστρεψέ με [B *om.* ἐ. με] ἐπὶ τὸ χ. τοῦ ποταμοῦ (5)
— 7. ἐπὶ τοῦ χ. τοῦ π. δένδρα πολλά (5)
— 12. ἐπὶ τοῦ χ. αὐτοῦ ἔνθεν καὶ ἔνθεν (5)
Da. LXX. 3. (36). ὡς τὴν ἄμμον τὴν παρὰ τὸ χ. τῆς θαλάσσης
10. 4. ἤμην ἐπὶ τοῦ χ. τοῦ ποταμοῦ τοῦ μεγ. (2)
— 16. ἥψατό μου τῶν χ. (5)
Da. TH. 3. (36). ὡς τὴν ἄμμον τὴν παρὰ τὸ χ. τῆς θαλ.
10. 16. ἥψατο τῶν χ. μου (5)
12. 5 *bis*. εἷς ἐντεῦθεν τοῦ χ. τοῦ ποταμοῦ (5)
I Ma. 11. 1. ὡς ἡ ἄμμος ἡ παρὰ τὸ χ. τῆς θαλάσσης
[Aq. Ex. 6. 12: Ps. 11 (12). 5: 30 (31). 19: 105 (106). 33: 119 (120). 2: 140 (141). 3: Pr. 10. 13, 18: 17. 7: 23. 16: 26. 24: Ca. 7. 9 (10): Is. 36. 5: Ze. 3. 9.]
[Sm. Jb. 12. 20: Ps. 11 (12). 3: 16 (17). 1: 30 (31). 19: 58 (59). 8, 13: 62 (63). 6: 65 (66). 14: 70 (71). 23: 105 (106). 33: 119 (120). 2: 139 (140). 10: 140 (141). 3: Pr. 10. 13, 18: 18. 20: 23. 16: 26. 24: Ca. 7. 9 (10): Is. 6. 5 *bis*: 33. 19: 36. 5: Ez. 24. 22: 40. 43: Ze. 3. 9.]
[Th. Ex. 6. 12: 28. 26: I Ki. 1. 13: Ps. 140 (141). 3: Pr. 10. 13, 18: 20. 15, 19: 24. 26: 26. 24: Is. 30. 27: 36. 5: 57. 19: Ze. 3. 9.]
[Al. Ge. 41. 2 (P.): Ex. 2. 5: Jd. 5. 16: Ps. 44 (45). 3: Pr. 17. 4: 22. 11.]
[Quint. Pr. 17. 28.]

χείλωμα.
[Aq. Ex. 37 (38). 2.]

χειμάζειν. (1) חגל pil.
Pr. 26. 10. πολλὰ χειμάζεται πᾶσα σὰρξ ἀφρόνων (1?)
[Aq. Ez. 13. 22.]
[Sm. Jb. 37. 6.]

χειμάρρουν (?). (1) נָחַל
IV Ki. 23. 6. A ἐξήνεγκε τὸ ἄλσος ... εἰς τὸ [B τὸν] χ. K. (1)

χειμάρρους, χείμαρρος. (1) אָפִיק (2) גֵּיא (3) נַחַל
Ge. 32. 23 (24). διέβη τὸν χ. (3)
Le. 11. 9. ἐν ταῖς θαλάσσαις καὶ ἐν τοῖς χ. (3)
— 10. ἢ ἐν ταῖς θαλάσσαις καὶ ἐν τοῖς [A *om.*] χ. (3)
23. 40. λήψεσθε ... ἄγνου κλάδους ἐκ χειμάρρου (3)
Nu. 21. 14. τὴν Ζ. ἐφλόγισε καὶ τοὺς χ. Ἀρνῶν (3)
— 15. τοὺς χ. κατέστησε κατοικίσαι Ἦρ (3)
34. 5. κυκλώσει τὰ ὅρια ἀπὸ Ἀσ. χειμάρρουν [A -ον] Αἰγ. (3)
De. 2. 36. ἥ ἐστι παρὰ τὸ χεῖλος χειμάρρου Ἀρνῶν (3)
— 37. πάντα τὰ συγκυροῦντα χειμάρρου [A -ω] Ἰ. (3)
3. 8. ἀπὸ τοῦ χ. Ἀρνῶν καὶ ἕως Ἀ. (3)
— 12. ἥ ἐστιν παρὰ τὸ χεῖλος χειμάρρου Ἀ. (3)
— 16. τῷ Γὰδ ἔδωκα ... ἕως χειμάρρου Ἀ. (3)
— 16. A B² R μέσον τοῦ χ. ὅριον (3)
— 16. ὁ χ. ὅριον τοῖς υἱοῖς Ἀ. (3)
4. 48. ὅ ἐστιν ἐπὶ τοῦ χείλους χειμάρρου Ἀ. (3)
8. 7. οὗ χείμαρροι ὑδάτων (3)
9. 21. ἔρριψα τὸν κονιορτὸν εἰς τὸν χ. (3)
10. 7. γῆ χείμαρροι [A -ου] ὑδάτων (3)
Jo. 13. 9. ἥ ἐστιν ἐπὶ τοῦ χείλους χειμάρρου Ἀρνῶν (3)
— 32. A² οὗς κατεκληρονόμησε Μ. πέραν τοῦ χ. [B Ἰορδάνου] †
15. 47. αἱ ἐπαύλεις αὐ. ἕως τοῦ χ. Αἰγ. (3)
Jo. 16. 8. A ἐπὶ θάλασσαν ἐπὶ χειμάρρουν K. [B *al.*] (3)
17. 9. ὅρια Μαν. ... εἰς τὸν χ. (3)
Jd. 4. 7. ἐπάξω πρὸς σὲ εἰς τὸν χ. K. [A *al.*] (3)
— 13. ἀπὸ Ἀρ. τῶν ἐθνῶν εἰς τὸν χ. K. (3)
5. 21. χειμάρρους K. ἐξέσυρεν αὐτοὺς χειμάρρους ἀρχαίων χειμάρρους K. [A *al.*] (3 *ter*)
15. 8. A κατέβη παρὰ τῷ χ. [B *al.*] †
16. 4. A ἠγάπησε γυναῖκα ἐπὶ τοῦ χ. Σ. [B *al.*] (3)
I Ki. 15. 5. ἐνήδρευσεν ἐν τῷ χ. (3)
17. 40. ἐξελέξατο ἑαυτῷ πέντε λίθους τελείους ἐκ τοῦ χ. (3)
30. 9. ἔρχονται ἕως τοῦ χ. B. (3)
— 10. ἐκάθισαν πέραν τοῦ χ. τοῦ B. (3)
— 21. ἐκάθισεν αὐτοὺς ἐν τῷ χ. τῷ B. (3)
II Ki. 15. 23. B ἐν τῷ χ. τῶν Κέδρων –
— 23. διέβη τὸν χ. K. [A *al.*] (3)
17. 13. συροῦμεν αὐτὴν ἕως εἰς τὸν χ. (3)
22. 5. χείμαρροι ἀνομίας ἐθάμβησάν με (3)
23. 30. B Ἀδ. ἀπὸ χειμάρρων (3)
III Ki. 3. 1 (2. 37). διαβήσῃ τὸν χ. K. (3)
15. 13. καὶ ἐνέπρησε πυρὶ ἐν τῷ χ. τῶν Κέδρων (3)
17. 3. κρύβηθι ἐν τῷ χ. X. (3)
— 4. ἐκ τοῦ χ. πίεσαι ὕδωρ (3)
— 5. ἐκάθισεν ἐν τῷ χ. X. (3)
— 6. ἐκ τοῦ χ. ἔπινεν ὕδωρ (3)
— 7. ἐξηράνθη ὁ χ. (3)
18. 5. διέλθωμεν ... ἐπὶ [A *add.* πάντας] χειμάρρους (3)
— 40. κατάγει αὐτοὺς Ἦ. εἰς τὸν χ. K. (3)
IV Ki. 3. 16. ποιήσατε τὸν χ. τ. βοθύνους βοθύνους (3)
— 17. ὁ χ. οὗτος πλησθήσεται ὕδατος (3)
10. 33. ἥ ἐστιν ἐπὶ τοῦ χείλους χειμάρρου [A τοῦ χ.] Ἀρν. (3)
23. 6. ἐξήνεγκε τὸ ἄλσος ... εἰς τὸν [A τὸ] χ. K. (3)
— 6. B κατέκαυσεν αὐτὸν ἐν τῷ χ. K. (3)
— 12. ἔρριψε τὸν χοῦν αὐ. εἰς τὸν χ. K. (3)
24. 7. ἀπὸ τοῦ χ. Αἰγ. ἕως τοῦ ποταμοῦ Εὐφρ. (3)
II Ch. 7. 8. καὶ ἕως χειμάρρου Αἰγ. (3)
15. 16. καὶ κατέκαυσεν ἐν χειμάρρῳ K. (3)
29. 16. ἐκβαλεῖν εἰς τὸν χ. K. ἔξω (3)
30. 14. ἔρριψαν εἰς τὸν χ. K. (3)
33. 14. ᾠκοδόμησε τεῖχος ... ἐν τῷ χ. (3)
Ne. 2. 15. B S ἤμην ἀναβαίνων ἐν τῷ τείχει χειμάρρους [A R -ου] (3)
Ju. 1. 9. S καὶ τοὺς χ. [A B τοῦ ποταμοῦ] Αἰγ.
2. 8. πληρώσουσι ... τοὺς χ. [S *al.*]
— 24. τὰς πόλεις τὰς ὑψηλὰς τὰς ἐπὶ τοῦ χ. Ἀβρ.
7. 18. ἥ ἐστιν ἐπὶ τοῦ χ. M.
16. 4. ἐνέφραξε χειμάρρους
Jb. 6. 15. ὥσπερ χειμάρρους ἐκλείπων (3)
21. 33. ἐγλυκάνθησαν αὐτῷ χάλικες χειμάρρου [S¹ -οι] (3)
22. 24. ὡς πέτρα χειμάρρου Σωφίρ [A S *al.*] (3)
28. 4. διακοπὴ χειμάρρου ἀπὸ κονίας (3)
Ps. 17 (18). 4. χείμαρροι ἀνομίας ἐξετάραξάν με (3)
35 (36). 8. τὸν χ. τῆς τρυφῆς σου ποτιεῖς αὐτούς (3)
73 (74). 15. σὺ διέρρηξας πηγὰς καὶ χειμάρρους (3)
77 (78). 20. χείμαρροι κατεκλύσθησαν (3)
82 (83). 9. ὡς ὁ Ἰαβεὶν ἐν τῷ χ. Κεισῶν (3)
109 (110). 7. ἐκ χειμάρρου ἐν ὁδῷ πίεται (3)
123 (124). 4. χείμαρρον διῆλθεν ἡ ψυχὴ ἡμῶν (3)
125 (126). 4. A S¹ ὡς ὁ [S² R *om.*] χ. ἐν τῷ νότῳ (1)
Ec. 1. 7. πάντες οἱ χ. πορεύονται εἰς τὴν θάλ. (3)
— 7. A S R οὗ [B *om.*] οἱ χ. πορεύονται (3)
Ca. 6. 10 (11). ἰδεῖν ἐν γενήμασι τοῦ χ. (3)
Am. 5. 24. κυλισθήσεται ... δικαιοσύνη ὡς χ. ἄβατος (3)
6. 15 (14). τοῦ μὴ εἰσελθεῖν ... ὡς [A ἕως] τοῦ χ. τῶν δυσμῶν (3)
Jl. 3 (4). 18. ποτιεῖ τὸν χ. τῶν σχοίνων (3)
Is. 66. 12. ὡς χ. ἐπικλύζων δόξαν ἐθνῶν (3)
Je. 29 (47). 2. ἔσται εἰς χείμαρρουν [S¹ -ον] κατακλύζοντα (3)
38 (31). 40. A ἕως χειμάρρου νάχαλ Κέδρων [B S *al.*] (3)
La. 2. 18. καταγάγετε [A -τωσαν] ὡς χ. δάκρυα (3)
Ez. 36. 4. A R λέγει κύριος ... τοῖς χ. καὶ ταῖς φάραγξι [B ταῖς φ. κ. τοῖς χ.] (1 [2])
47. 4 (5). A διεμέτρησε χιλίους χείμαρρους [B *om.*] –
— 5. ἐξύβριζεν ὡς [B¹ *om.*, A τὸ ὕδωρ ὕδωρ ἕως ῥοῖζος] χείμαρρου (3)
I Ma. 5. 37. παρενέβαλε ... ἐκ πέραν τοῦ χ.
— 39. A S² παρεμβάλλουσι πέραν τοῦ χ. [S¹ R *al.*]
I Ma. 5. 40. ἐν τῷ ἐγγίζειν ... ἐπὶ τὸν χ. τοῦ ὕδατος
— 42. ὡς δὲ ἤγγισεν Ἰ. ἐπὶ τὸν χ. τοῦ ὕδατος
— 42. ἔστησε τοὺς γραμματεῖς τοῦ λαοῦ ἐπὶ τοῦ χ.
12. 37. A ἔπεσε τοῦ τείχους τοῦ χ. [S R *al.*]
16. 5. χείμαρρους ἦν ἀνὰ μέσον αὐτῶν
— 6. δειλούμενον διαπερᾶσαι τὸν χ.
[Aq. Le. 23. 40: Dt. 1. 24: Jo. 15. 4: Jb. 40. 17 (22): Ps. 73 (74). 15: Pr. 30. 17: Is. 27. 12: 30. 28: 34. 9: Ez. 6. 3: 34. 13: 47. 5: Jl. 3 (4). 18 (P.).]
[Sm. Le. 23. 40: Jo. 12. 1: Ps. 73 (74). 15: Is. 27. 12: 30. 28.]
[Th. Le. 23. 40: Jb. 22. 24: 28. 4: Ps. 73 (74). 15: Pr. 30. 17: Is. 27. 12: 30. 28: Ez. 47. 5: Jl. 3 (4). 18 (P.).]
[Al. Dt. 2. 13: Ca. 6. 10 (11).]
[Quint. IV Ki. 23. 4.]
[Heb. Jb. 14. 11.]

χειμερινός. (1) גֶּשֶׁם (2) חֹרֶף (3) סַנְוֵר
I Es. 9. 11. καὶ ὥρα χ.
II Es. 10. 13. B καὶ ὁ τόπος [A S R καιρὸς] χ. (1)
Pr. 27. 15. σταγόνες ἐκβάλλουσιν ἄνθρωπον ἐν ἡμέρᾳ χ. (3)
Wi. 16. 29. A S ὡς χειμερινὴ [B -ιος] πάχνη τακήσεται
Za. 10. 1. ὑετὸν χ. δώσει αὐτοῖς (1)
Je. 43 (36). 22. ἐκάθητο ἐν οἴκῳ χειμερινῷ (2)
[Aq., Sm., Th. Am. 3. 15.]

χειμέριος.
Wi. 16. 29. ὡς χειμέριος [A S -ρινὴ] πάχνη τακήσεται

χειμών. (1) גֶּשֶׁם (2) *a.* סְתָו *b.* סְתָיו
I Es. 9. 6. τρέμοντες τὸν ἐνεστῶτα χ.
II Es. 10. 9. περὶ τοῦ ῥήματος καὶ ἀπὸ τοῦ χ. (1)
Jb. 37. 6. καὶ χειμὼν [A -ῶνι ἵνα ᾖ] ὑετὸς [S² *om.* κ. χ. ὑ.] καὶ χειμὼν ὑετῶν δυναστείας [A -αις] αὐτοῦ (1, 1)
Ca. 2. 11. ὁ χ. παρῆλθεν (2 *a**, 2 *b*)
Si. 21. 8. ὡς ὁ συνάγων αὐτοῦ τοὺς λίθους εἰς χειμῶνα
IV Ma. 15. 32. ὑπέμειναν τοὺς ὑπὲρ τῆς εὐσεβείας χ.
[Sm. Ge. 7. 12: Jb. 37. 6.]
[Th. Jb. 37. 6 *bis*.]
[Al. Le. 26. 4.]
[Heb. Za. 14. 8.]

χεῖν. (1) *a.* יָצַק qal. *b.* מוּצָק (2) נָתַךְ ni. (3) פָּרַץ (4) פָּרַשׂ (5) רָחַץ (6) שָׁפַךְ
III Ki. 7. 24. A δύο στίχοι ... κεχυμένοι ἐν τῇ χύσει αὐ. (1 *a*)
— 30. A αἱ ὠμίαι κεχυμέναι ἀπὸ πέραν ἀνδρὸς προσκείμεναι (1 *a*)
Jb. 29. 6. ὅτε ἐχέοντο αἱ ὁδοί μου βουτύρῳ τὰ δὲ ὄρη μου ἐχέοντο [A ἐχεῖτο] γάλακτι (5, 1 *a*)
38. 38. κέχυται δὲ ὥσπερ γῆ [A γῆς] κονία (1 *b*)
Si. 43. 19. πάχνην [S¹ -η] ὡς ἅλα ἐπὶ γῆς χέει
Ho. 4. 2. μοιχεία κέχυται ἐπὶ τῆς γῆς (3)
Jl. 2. 2. ὡς ὄρθρος χυθήσεται ἐπὶ τὰ ὄρη (4)
Ma. 3. 3. χεεῖ [S² ἔκχ., A χεῖ] αὐτοὺς ὥσπερ τὸ χρυσίον †
Je. 7. 20. ὀργὴ καὶ θυμός μου χεῖται [A ἔκχ.] (2)
Ez. 20. 33. ἐν θυμῷ κεχυμένῳ βασιλεύσω ἐφ' ὑμᾶς (6)
— 34. ἐν βραχίονι ὑψηλῷ καὶ ἐν θυμῷ κεχυμένῳ (6)
[Aq. Ex. 1. 7: Jb. 3. 24.]
[Th. Is. 54. 3: Je. 30 (37). 19.]
[Al. II Ch. 11. 23.]

χείρ. (1) חֹפֶן (2) *a.* יָד *b.* יַד (3) כַּח (4) כַּף (5) שְׁעַל (6) תָּו (7) ἡ χ. ἡ δεξιά, ἡ δεξιὰ χ. יָמִין
Ge. 3. 22. μή ποτε ἐκτείνῃ τὴν χ. (2 *a*)
4. 11. δέξασθαι τὸ αἷμα τοῦ ἀδ. σου ἐκ τῆς χ. σου (2 *a*)
5. 29. καὶ ἀπὸ τῶν λυπῶν τῶν χ. ἡμῶν (2 *a*)
8. 9. ἐκτείνας τὴν χ. αὐτοῦ (2 *a*)
9. 2. ὑπὸ χεῖρας ὑμῖν δέδωκα (2 *a*)
— 5. ἐκ χειρὸς πάντων τῶν θηρίων ἐκζητήσω αὐτό (2 *a*)
— 5. ἐκ χειρὸς ἀνθρώπου ἀδελφοῦ ἐκζητήσω τὴν ψυχήν (2 *a*)

Ge. 14. 22. ἐκτενῶ τὴν χ. μου πρὸς τὸν θ. τὸν ὕψιστον (2 a)
16. 6. ἰδοὺ ἡ παιδίσκη σου ἐν ταῖς χ. σου (2 a)
— 9. R ταπεινώθητι ὑπὸ τὰς χ. αὐ. (2 a)
— 12. αἱ χ. αὐ. ἐπὶ πάντας (2 a)
— 12. αἱ χ. πάντων ἐπ' αὐτόν (2 a)
19. 10. ἐκτείναντες δὲ οἱ ἄνδρες τὰς χ. (2 a)
— 16. ἐκράτησαν οἱ ἄγγελοι τῆς χ. αὐ. καὶ τῆς χ. τῆς γυναικὸς αὐ. καὶ τῶν χ. τῶν δύο θυγατέρων αὐ. (2 a ter)
20. 5. ἐν δικαιοσύνῃ χειρῶν ἐποίησα τοῦτο (4)
21. 18. κράτησον τῇ χ. σου αὐτό (2 a)
22. 6. ἔλαβε δὲ καὶ τὸ πῦρ μετὰ χεῖρα (2 a)
— 10. ἐξέτεινεν Ἀβ. τὴν χ. αὐ. (2 a)
— 12. μὴ ἐπιβάλῃς τὴν χ. σου (2 a)
24. 2. θὲς τὴν χεῖρά σου ὑπὸ τὸν μηρόν μου (2 a)
— 9. ἔθηκεν ὁ παῖς τὴν χ. αὐ. (2 a)
— 22. καὶ δύο ψέλια ἐπὶ τὰς χ. αὐ. (2 a)
— 30. καὶ τὰ ψέλια ἐπὶ τὰς χ. τῆς ἀδ. αὐ. (2 a)
— 47. καὶ τὰ ψέλια ἐπὶ τὰς χ. αὐ. (2 a)
25. 26. ἡ χ. αὐ. ἐπειλημμένη τῆς πτέρνης Ἡ. (2 a)
27. 17. ἔδωκε τὰ ἐδέσματα . . . εἰς τὰς χ. Ἰ. (2 a)
— 22. αἱ δὲ χ. χεῖρες Ἡσαῦ (2 a, 2 a)
— 23. ἦσαν γὰρ αἱ χ. αὐ. ὡς αἱ χ. Ἡσαῦ (2 a, 2 a)
30. 35. ἔδωκε διὰ χειρὸς τῶν υἱῶν αὐ. (2 a)
31. 29. ἰσχύει ἡ χ. μου κακοποιῆσαί σε (2 a)
— 42. τὸν κόπον τῶν χ. μου ἴδεν ὁ θ. (4)
32. 11 (12). R ἐξελοῦ με ἐκ χειρὸς τοῦ ἀδ. μου ἐκ χειρὸς [A om. ἐκ χ.] Ἡ. (2 a, 2 a)
— 16 (17). A ἔδωκεν διὰ χειρὸς τοῖς παισὶν αὐ. [R al.] (2 a)
33. 10. δέξαι τὰ δῶρα διὰ τῶν ἐμῶν χ. (2 a)
35. 4. οἱ ἦσαν ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)
37. 21. ἐξείλατο αὐτὸν ἐκ τῶν χ. αὐ. (2 a)
— 22. χεῖρα δὲ μὴ ἐπενέγκητε αὐτῷ (2 a)
— 22. ὅπως ἐξέληται αὐτὸν ἐκ τῶν χ. αὐ. (2 a)
— 27. αἱ δὲ χ. ἡμῶν μὴ ἔστωσαν ἐπ' αὐτόν (2 a)
38. 18. καὶ τὴν ῥάβδον τὴν ἐν τῇ χ. σου (2 a)
— 20. ἀπέστειλε δὲ . . . ἐν χειρὶ τοῦ ποιμένος αὐ. (2 a)
— 28. ὁ εἷς προεξήνεγκε τὴν χ. (2 a)
— 28. ἔδησεν ἐπὶ τὴν χ. αὐ. κόκκινον (2 a)
— 29. ὡς δὲ ἐπισυνήγαγε τὴν χ. (2 a)
— 30. ἐφ' ᾧ ἦν ἐπὶ τὴν χ. αὐ. τὸ κόκκινον (2 a)
39. 1. ἐκτήσατο αὐτὸν . . . ἐκ χειρῶν Ἰσμ. (2 a)
— 3. κύριος εὐοδοῖ ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)
— 4. πάντα . . . ἔδωκε διὰ χειρὸς Ἰ. (2 a)
— 6. ἐπέστρεψε πάντα . . . εἰς χεῖρας Ἰ. (2 a)
— 8. πάντα . . . ἔδωκεν εἰς τὰς χ. μου (2 a)
— 12. R καταλιπὼν τὰ ἱμάτια αὐ. ἐν ταῖς χ. αὐ. [A al.] (2 a)
— 13. κατέλειπε τὰ ἱμάτια αὐ. ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)
— 22. ἔδωκεν . . . τὸ δεσμωτήριον διὰ χειρὸς Ἰ. (2 a)
— 23. πάντα γὰρ ἦν διὰ χειρὸς Ἰ. (2 a)
— 23. κύριος εὐοδοῖ ἐν ταῖς χ. αὐ. —
40. 11. τὸ ποτήριον Φ. ἐν τῇ χ. μου (2 a)
— 11. ἔδωκα τὸ ποτήριον εἰς τὰς χ. Φ. (4)
— 13. δώσεις τὸ ποτήριον Φ. εἰς τὴν χ. αὐ. (2 a)
— 21. ἔδωκε τὸ ποτήριον εἰς τὴν χ. Φ. (4)
41. 35. συναχθήτω ὁ σῖτος ὑπὸ χεῖρα Φ. (2 a)
— 42. περιελόμενος Φ. τὸν δακτύλιον ἀπὸ τῆς χ. αὐ. (2 a)
— 42. περιέθηκεν αὐτὸν ἐπὶ τὴν χ. Ἰ. (2 a)
— 44. οὐκ ἐξαρεῖ οὐθεὶς τὴν χ. αὐ. (2 a)
42. 37. δὸς αὐτὸν εἰς τὴν χ. μου (2 a)
43. 9. ἐκ χειρός μου ζήτησον αὐτόν (2 a)
— 12. τὸ ἀργύριον διπλοῦν λάβετε ἐν ταῖς χ. ὑμῶν (2 a)
— 15. τὸ ἀργύριον διπλοῦν ἔλαβον ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)
— 21. R ἀπεστρέψαμεν νῦν ἐν ταῖς χ. ἡμῶν [A al.] (2 a)
— 26. ἃ εἶχον ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)
46. 4. Ἰ. ἐπιβαλεῖ τὰς χ. ἐπὶ τοὺς ὀφθ. σου (2 a)
47. 29. ὑπόθες τὴν χ. σου ὑπὸ τὸν μηρόν μου (2 a)
48. 14. ἐκτείνας δὲ Ἰσρ. τὴν χ. τὴν δεξιὰν . . . ἐναλλὰξ τὰς χ. (7, 2 a)
— 17. A R ἐπέβαλεν ὁ πατὴρ αὐ. τὴν χ. [B om. αὐ. τ. χ.] τὴν δεξιὰν αὐ. (2 a)
— 17. ἀντελάβετο Ἰ. τῆς χ. τοῦ πατρὸς αὐ. (2 a)
— 22. ἣν ἔλαβον ἐκ χειρὸς Ἀμορραίων (2 a)
49. 8. αἱ χ. σου ἐπὶ νώτου τῶν ἐχθρῶν σου (2 a)
— 24. ἐξελύθη τὰ νεῦρα βραχιόνων χειρὸς [A -ῶν] αὐ. διὰ χεῖρα δυνάστου Ἰ. (2 a, 2 a)
Ex. 3. 8. ἐξελέσθαι αὐτοὺς ἐκ χειρὸς Αἰγυπτίων (2 a)
— 19. ἐὰν μὴ μετὰ χ. κραταιᾶς (2 a)
Ex. 3. 20. ἐκτείνας τὴν χ. (2 a)
4. 2. τί τοῦτό ἐστι τὸ ἐν τῇ χ. σου (2 a)
— 4. ἔκτεινον τὴν χ. (2 a)
— 4. ἐκτείνας οὖν τὴν χ. (2 a)
— 4. ἐγένετο ῥάβδος ἐν τῇ χ. αὐ. (4)
— 6. εἰσένεγκον τὴν χ. σου εἰς τὸν κόλπον σου (2 a)
— 6. εἰσήνεγκε τὴν χ. αὐ. εἰς τὸν κόλπον αὐ. (2 a)
— 6. ἐξήνεγκε τὴν χ. αὐ. ἐκ τοῦ κόλπου αὐ. —
— 6. ἐγενήθη ἡ χ. αὐ. [A Μωυσέως] ὡσεὶ χιών (2 a)
— 7. εἰσένεγκον τὴν χ. σου εἰς τὸν κόλπον σου (2 a)
— 7. εἰσήνεγκε τὴν χ. [A add. αὐ.] εἰς τὸν κόλπον αὐ. (2 a)
— 17. τὴν ῥάβδον ταύτην . . . λήψῃ ἐν τῇ χ. σου (2 a)
— 20. ἔλαβε δὲ Μ. τὴν ῥάβδον . . . ἐν τῇ [A om.] χ. αὐ. (2 a)
— 21. ἃ ἔδωκα ἐν ταῖς χ. σου (2 a)
5. 21. δοῦναι ῥομφαίαν εἰς τὰς χ. αὐ. (2 a)
6. 1. ἐν γὰρ χ. κραταιᾷ ἐξαποστελεῖ αὐτούς (2 a)
— 8. εἰς ἣν ἐξέτεινα τὴν χ. μου (2 a)
7. 4. ἐπιβαλῶ τὴν χ. μου ἐπ' Αἴγ. (2 a)
— 5. ἐκτείνων τὴν χ. ἐπ' Αἴγ. (2 a)
— 15. τὴν ῥάβδον . . . λήψῃ ἐν τῇ χ. σου (2 a)
— 17. τύπτω τῇ ῥάβδῳ τῇ ἐν τῇ χ. μου (2 a)
— 19. λάβε τὴν ῥάβδον σου ἐν τῇ χ. σου [A om. ἐν . . . σου] —
— 19. ἔκτεινον τὴν χ. σου (2 a)
8. 5 (1). ἔκτεινον τῇ χ. τὴν ῥάβδον σου (2 a)
— 6 (2). ἐξέτεινεν Ἀ. τὴν χ. (2 a)
— 16 (12). ἔκτεινον τῇ χ. τὴν ῥάβδον σου —
— 17 (13). ἐξέτεινεν οὖν Ἀ. τῇ χ. τὴν ῥάβδον (2 a)
9. 3. χεὶρ κυρίου ἐπέσται ἐν τοῖς κτήνεσί σου (2 a)
— 8. λάβετε ὑμεῖς πλήρεις τὰς χ. αἰθάλης (1)
— 15. ἀποστείλας τὴν χ. [A add. μου] (2 a)
— 22. ἔκτεινον τὴν χ. σου εἰς τὸν οὐρανόν (2 a)
— 23. ἐξέτεινε δὲ Μ. τὴν χ. εἰς τὸν οὐρ. †
— 29. ἐκπετάσω τὰς χ. μου (4)
— 33. ἐξέτεινε τὰς χ. [A add. αὐ.] πρὸς κύριον (4)
10. 12. ἔκτεινον τὴν χ. [A add. σου] ἐπὶ γῆν Αἰγ. (2 a)
— 21. ἔκτεινον τὴν χ. σου εἰς τὸν οὐρ. (2 a)
— 22. ἐξέτεινε δὲ Μ. τὴν χ. [A add. αὐ.] (2 a)
12. 11. καὶ αἱ βακτηρίαι ἐν ταῖς χ. ὑμῶν (2 a)
13. 3. ἐν γὰρ χ. κραταιᾷ ἐξήγαγεν ὑμᾶς (2 a)
— 9. ἔσται σοι σημεῖον ἐπὶ τῆς χ. σου (2 a)
— 9. ἐν γὰρ χ. κραταιᾷ ἐξήγαγέ σε (2 a)
— 14. ἐν χ. κραταιᾷ ἐξήγαγε κύριος ἡμᾶς (2 a)
— 16. ἔσται εἰς σημεῖον ἐπὶ τῆς χ. σου (2 a)
— 16. ἐν γὰρ χ. κραταιᾷ ἐξήγαγέ σε κύριος (2 a)
14. 8. ἐξεπορεύοντο ἐν χειρὶ ὑ. (2 a)
— 16. ἔκτεινον τὴν χ. σου ἐπὶ τὴν θάλ. (2 a)
— 21. ἐξέτεινε δὲ Μ. τὴν χ. ἐπὶ τὴν θάλ. (2 a)
— 26. ἔκτεινον τὴν χ. σου ἐπὶ τὴν θάλ. (2 a)
— 27. ἐξέτεινε δὲ Μ. τὴν χ. (2 a)
— 30. ἐρρύσατο κ. τὸν Ἰσρ. . . . ἐκ χειρὸς τῶν Αἰγ. (2 a)
— 31. ἴδεν δὲ Ἰσρ. τὴν χ. τὴν μεγάλην (2 a)
15. 6. ἡ δεξιά σου χ., κύριε, ἔθραυσεν ἐχθρούς (7)
— 9. κυριεύσει ἡ χ. μου (2 a)
— 17. ὃ ἡτοίμασαν αἱ χ. σου (2 a)
— 20. λαβοῦσα δὲ Μ. . . . τὸ τύμπανον ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
17. 5. τὴν ῥάβδον . . . λάβε ἐν τῇ χ. σου (2 a)
— 9. καὶ ἡ ῥάβδος τοῦ θ. ἐν τῇ χ. μου (2 a)
— 11. ὅταν ἐπῆρε Μ. τὰς χ. (2 a)
— 11. ὅταν δὲ καθῆκε τὰς χ. (2 a)
— 12. αἱ δὲ χ. Μ. βαρεῖαι (2 a)
— 12. ἐστήριζον τὰς χ. αὐ. (2 a)
— 12. ἐγένοντο αἱ χ. Μ. ἐστηριγμέναι (2 a)
— 16. ἐν χ. κρυφαίᾳ πολεμεῖ κύριος (2 a)
18. 4. ἐξείλατό με ἐκ χειρὸς Φ. †
— 8. ἐξείλατο αὐτοὺς κ. ἐκ χειρὸς Φ. καὶ ἐκ χειρὸς τῶν Αἰγ. —, —
— 9. ἐξείλατο αὐτοὺς ἐκ χειρὸς Αἰγ. καὶ ἐκ χειρὸς Φ. (2 a, —)
— 10. ἐξείλατο αὐτοὺς ἐκ χειρὸς Αἰγ. καὶ ἐκ χειρὸς Φ. (2 a, 2 a)
19. 13. οὐχ ἅψεται αὐτοῦ χείρ (2 a)
21. 13. ὁ θ. παρέδωκεν εἰς τὰς χ. αὐ. (2 a)
— 20. καὶ ἀποθάνῃ ὑπὸ τὰς χ. αὐ. (2 a)
— 24. δώσει . . . χεῖρα ἀντὶ χειρός [A[1] om. χ. ἀ. χ.] (2 a, 2 a)
22. 4 (3). καὶ εὑρεθῇ ἐν τῇ χ. αὐ. τὸ κλέμμα (2 a)
23. 31. παραδώσω εἰς τὰς [A om.] χ. ὑμῶν τοὺς ἐγκαθημ. (2 a)
28. 37 (41). ἐμπλήσεις αὐτῶν τὰς χ. (2 a)
Ex. 29. 9. τελειώσεις Ἀ. τὰς χ. αὐ. καὶ τὰς χ. τῶν υἱῶν αὐ. (2 a, 2 a)
— 10. ἐπιθήσουσιν Ἀ. καὶ οἱ υἱοὶ αὐ. τὰς χ. (2 a)
— 15. ἐπιθήσουσιν Ἀ. καὶ οἱ υἱοὶ αὐ. τὰς χ. αὐ. (2 a)
— 19. ἐπιθήσει Ἀ. καὶ οἱ υἱοὶ αὐ. τὰς χ. αὐ. (2 a)
— 20. καὶ ἐπὶ τὸ ἄκρον τῆς δεξιᾶς χ. [A χ. τῆς δεξιᾶς] —
— 20. καὶ ἐπὶ τὰ ἄκρα τῶν χ. αὐ. τῶν δεξιῶν (2 a)
— 24. ἐπὶ τὰς χ. Ἀ. καὶ ἐπὶ τὰς χ. τῶν υἱῶν αὐ. (4, 4)
— 25. λήψῃ αὐτὰ ἐκ τῶν χ. αὐ. (2 a)
— 29, 33. τελειῶσαι τὰς χ. αὐτῶν (2 a)
— 35. τελειώσεις τὰς χεῖρας αὐτῶν (2 a)
30. 19. νίψεται . . . ἐξ αὐτοῦ τὰς χ. (2 a)
— 21. νίψονται τὰς χ. (2 a)
32. 4. καὶ ἐδέξατο ἐκ τῶν χ. αὐ. (2 a)
— 15. αἱ δύο πλάκες τοῦ μαρτ. ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)
— 19. ἔρριψεν ἀπὸ τῶν χ. αὐ. τὰς δύο πλάκας (2 a)
— 29. ἐπληρώσατε τὰς χ. ὑμῶν (2 a)
33. 22. καὶ σκεπάσω τῇ χ. μου (4)
— 23. ἀφελῶ τὴν χ. (4)
34. 29. καὶ αἱ δύο πλάκες ἐπὶ τῶν χ. Μ. (2 a)
35. 25. πᾶσα γυνὴ σοφὴ τῇ διανοίᾳ ταῖς χ. νήθειν (2 a)
38. 27 (40. 31). ἵνα νίπτωνται . . . τὰς χ. αὐ. (2 a)
Le. 1. 4. ἐπιθήσει τὴν χ. ἐπὶ τὴν κεφαλήν (2 a)
— 11. ἐπιθήσει τὴν χ. ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ. —
3. 2, 8. ἐπιθήσει τὰς χ. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ δώρου (2 a)
— 13. ἐπιθήσει τὰς χ. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐ. (2 a)
4. 4. ἐπιθήσει τὴν χ. αὐ. ἐπὶ τὴν κεφ. τοῦ μόσχου (2 a)
— 5. ὁ τετελειωμένος τὰς χεῖρας —
— 15. ἐπιθήσουσιν οἱ πρεσβύτ. τῆς συναγ. τὰς χ. αὐ. (2 a)
— 24. ἐπιθήσει τὴν χ. ἐπὶ τὴν κεφ. τοῦ χιμάρου (2 a)
— 29. ἐπιθήσει τὴν χ. ἐπὶ τὴν κεφ. τοῦ ἁμαρτήματος αὐ. (2 a)
— 33. ἐπιθήσει τὴν χ. ἐπὶ τὴν κεφ. (2 a)
5. 7. ἐὰν δὲ μὴ ἰσχύῃ ἡ χ. αὐ. τὸ ἱκανόν (2 a)
— 11. ἐὰν δὲ μὴ εὑρίσκῃ αὐ. ἡ χ. ζεῦγος τρυγόνων (2 a)
7. 20 (30). αἱ χ. αὐ. προσοίσουσι τὰ καρπώματα (2 a)
8. 14. ἐπέθηκεν . . . τὰς χ. ἐπὶ τὴν κεφ. τοῦ μόσχου (2 a)
— 18, 21 (22). ἐπέθηκεν . . . τὰς χ. αὐ. ἐπὶ τὴν κεφ. τοῦ κριοῦ (2 a)
— 22 (23). καὶ ἐπὶ τὸ ἄκρον τῆς χ. τῆς δεξιᾶς (2 a)
— 23 (24). καὶ ἐπὶ τὰ ἄκρα τῶν χ. αὐ. τῶν δεξιῶν (2 a)
— 26 (27). ἐπὶ τὰς χ. Ἀ. καὶ ἐπὶ τὰς χ. τῶν υἱῶν αὐ. (4, 4)
— 27 (28). ἔλαβε Μ. ἀπὸ τῶν χ. αὐ. (4)
— 33. τελειώσει τὰς χ. ὑμῶν (2 a)
9. 17. ἔπλησε τὰς χ. ἀπ' αὐτῆς (4)
— 22. ἐξάρας Ἀ. τὰς χ. (2 a)
10. 11. ἃ ἐλάλησε κ. πρὸς αὐτοὺς διὰ χειρὸς Μ. (2 a)
11. 27. ὃς πορεύεται ἐπὶ χειρῶν (4)
12. 8. ἐὰν δὲ μὴ εὑρίσκῃ ἡ χ. αὐ. τὸ ἱκανόν (2 a)
14. 14. καὶ ἐπὶ τὸ ἄκρον τῆς χ. τῆς δεξιᾶς (2 a)
— 15. ἐπιχεεῖ ἐπὶ τὴν χ. τοῦ ἱερέως τὴν ἀριστεράν (4)
— 16. ἀπὸ τοῦ ἐλαίου τοῦ ὄντος ἐπὶ τῆς χ. τῆς ἀριστερᾶς (4)
— 17. τὸ δὲ καταλειφθὲν ἔλαιον τὸ ὂν ἐν τῇ χ. (4)
— 17. καὶ ἐπὶ τὸ ἄκρον τῆς χ. τῆς δεξιᾶς (2 a)
— 18. τὸ δὲ καταλειφθὲν ἔλαιον τὸ ἐπὶ τῆς χ. τοῦ ἱ. (4)
— 21. ἐὰν δὲ πένηται καὶ ἡ χ. αὐ. μὴ εὑρίσκῃ (2 a)
— 22. ὅσα εὗρεν ἡ χ. αὐ. (2 a)
— 25. καὶ ἐπὶ τὸ ἄκρον τῆς χ. τῆς δεξιᾶς (2 a)
— 26. ἐπιχεεῖ ὁ ἱ. ἐπὶ τὴν χ. τοῦ ἱ. τὴν ἀριστεράν (4)
— 27. ἀπὸ τοῦ ἐλαίου τοῦ ἐν τῇ χ. αὐ. τῇ ἀριστ. (4)
— 28. ἀπὸ τοῦ ἐλαίου τοῦ ἐπὶ τῆς χ. αὐ. (4)
— 28. καὶ ἐπὶ τὸ ἄκρον τῆς χ. αὐ. τῆς δεξιᾶς (2 a)
— 29. τὸ δὲ καταλειφθὲν ἀπὸ τοῦ ἐλαίου τὸ ὂν ἐπὶ τῆς χ. τοῦ ἱ. (4)
— 30. καθότι εὗρεν αὐτοῦ ἡ χ. (2 a)
— 32. καὶ τοῦ μὴ εὑρίσκοντος τῇ χ. εἰς τὸν καθαρισμὸν αὐ. (2 a)
15. 11. καὶ τὰς χ. οὐ νένιπται (2 a)
16. 12. πλήσει τὰς χ. θυμιάματος συνθέσεως λεπτῆς (1)
— 21. ἐπιθήσει Ἀ. τὰς χ. αὐ. (2 a)

Le. 16. 21. ἐξαποστελεῖ ἐν χειρὶ ἀνθρώπου ἑτοίμου (2 a)
— 32. ὃν ἂν τελειώσουσι τὰς χ. αὐ. (2 a)
19. 18. οὐκ ἐκδικᾶταί σου ἡ χ. –
21. 19. ᾧ ἐστὶν ἐν αὐτῷ σύντριμμα χειρός (2 a)
22. 25. ἐκ χειρὸς ἀλλογενοῦς οὐ προσοίσετε (2 a)
24. 14. ἐπιθήσουσι . . . τὰς χ. αὐ. ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ. (2 a)
25. 26. ἐὰν δὲ εὐπορηθῇ τῇ χ. (2 a)
— 28. ἐὰν δὲ μὴ εὑρεθῇ ἡ χ. αὐ. τὸ ἱκανόν (2 a)
— 35. καὶ ἀδυνατήσῃ ταῖς χ. παρὰ σοῦ (2 a)
— 47. ἐὰν δὲ εὕρῃ ἡ χ. τοῦ προσηλύτου (2 a)
— 49. ἐὰν δὲ εὐπορηθεὶς ταῖς χ. λυτρώσηται ἑαυτόν (2 a)
26. 25. παραδοθήσεσθε εἰς χεῖρας ἐχθρῶν (2 a)
— 46. ὃν ἔδωκε . . . ἐν χειρὶ Μ. (2 a)
27. 8. καθάπερ ἰσχύει ἡ χ. τοῦ εὐξαμένου (2 a)
Nu. 3. 3. οὓς ἐτελείωσαν τὰς χ. αὐ. (2 a)
4. 28. καὶ ἡ φυλακὴ αὐ. ἐν χειρὶ Ἰθ. (2 a)
— 33. ἐν χειρὶ Ἰθ. τοῦ υἱοῦ Ἀ. τοῦ ἱερέως (2 a)
— 37. διὰ φωνῆς κυρίου ἐν χειρὶ Μ. (2 a)
— 41. διὰ φωνῆς κυρίου ἐν χειρὶ Μ. –
— 45. διὰ φωνῆς κυρίου ἐν χειρὶ Μ. (2 a)
— 49. ἐπεσκέψατο αὐτοὺς ἐν χειρὶ Μ. (2 a)
5. 18. δώσει ἐπὶ τὰς χ. αὐ. τὴν θυσίαν (4)
— 18. ἐν δὲ τῇ χ. τοῦ ἱ. ἔσται τὸ ὕδωρ (2 a)
— 25. λήψεται ὁ ἱ. ἐκ χειρὸς τῆς γυν. τὴν θυσίαν (2 a)
6. 19. ἐπιθήσει ἐπὶ τὰς χ. τοῦ ἡγουμένου (4)
— 21. χωρὶς ὧν ἂν εὕρῃ ἡ χ. αὐ. (2 a)
7. 88. μετὰ τὸ πληρῶσαι τὰς χ. αὐ. –
8. 10. ἐπιθήσουσιν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὰς χ. αὐ. (2 a)
— 12. ἐπιθήσουσι τὰς χ. ἐπὶ τὰς κεφ. (2 a)
9. 23. διὰ προστάγματος κυρίου ἐν χειρὶ Μ. (2 a)
10. 13. ἐξῆραν πρῶτοι . . . ἐν χειρὶ Μ. (2 a)
11. 23. μὴ χεὶρ [A² ἡ χ.] κυρίου οὐκ ἐξαρκέσει (2 a)
14. 17. A ὑψωθήτω ἡ χ. [B ἰσχύς] σου (3)
— 30. ἐφ' ἣν ἐξέτεινα τὴν χ. μου (2 a)
15. 23. καθὰ συνέταξε κ. πρὸς ὑμᾶς ἐν χειρὶ Μ. (2 a)
— 30. ἥτις ποιήσει ἐν χειρὶ ὑπερηφανίας (2 a)
16. 40 (17. 5). καθὰ ἐλάλησε κ. ἐν χειρὶ Μ. [B¹ om. ἐν χ. Μ.] (2 a)
20. 11. ἐπάρας Μ. τὴν χ. αὐ. (2 a)
— 20. ἐν ὄχλῳ βαρεῖ καὶ ἐν χ. ἰσχυρᾷ (2 a)
21. 34. εἰς τὰς χ. σου παραδέδωκα αὐτόν (2 a)
22. 7. καὶ τὰ μαντεῖα ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)
— 23. καὶ τὴν ῥομφαίαν ἐσπασμένην ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
— 29. εἰ εἶχον μάχαιραν ἐν τῇ χ. [A add. μου] (2 a)
— 31. καὶ τὴν μάχαιραν ἐσπασμένην ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
24. 10. συνεκρότησε ταῖς χ. αὐ. (4)
— 24. B¹ ἐξελεύσεται ἐκ χειρὸς [A B² R -ῶν] Κιτ. (2 a)
25. 7. λαβὼν σειρομάστην ἐν τῇ χ. (2 a)
27. 18. ἐπιθήσεις τὰς χ. σου ἐπ' αὐτόν (2 a)
— 23. ἐπέθηκε τὰς χ. αὐ. ἐπ' αὐτόν (2 a)
31. 6. καὶ αἱ σάλπιγγες τῶν σημασιῶν ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)
33. 1. ὡς ἐξῆλθον . . . ἐν χειρὶ Μ. καὶ Ἀ. (2 a)
— 3. ἐξῆλθον οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν χ. ὑψηλῇ (2 a)
35. 17. ἐὰν δὲ ἐν λίθῳ ἐκ χειρὸς . . . πατάξῃ αὐτόν (2 a)
— 18. ἐὰν δὲ ἐν σκεύει ξυλίνῳ ἐκ χειρὸς . . . πατάξῃ αὐτόν (2 a)
— 21. ἢ διὰ μῆνιν ἐπάταξεν αὐτὸν τῇ χ. (2 a)
36. 13. ἃ ἐνετείλατο κύριος ἐν χειρὶ Μ. (2 a)
De. 1. 25. ἐλάβοσαν ἐν ταῖς χ. αὐ. ἀπὸ τοῦ καρποῦ (2 a)
— 27. παραδοῦναι ἡμᾶς εἰς χεῖρας [A τὰς χ. τῶν] Ἀμορραίων (2 a)
2. 7. ἐν παντὶ ἔργῳ τῶν χ. σου (2 a)
— 15. ἡ χ. τοῦ θεοῦ ἦν ἐπ' αὐτοῖς (2 a)
— 24. B¹ παραδέδωκα εἰς χεῖρας [A B² R τὰς χ.] σου τὸν Σ. (2 a)
— 30. ἵνα παραδοθῇ εἰς τὰς χ. σου (2 a)
— 36. τὰς πάσας παρέδωκε κ. ὁ θ. ἡμῶν εἰς τὰς χ. ἡμῶν †
3. 2. εἰς τὰς χ. σου παραδέδωκα αὐτόν (2 a)
— 3. παρέδωκεν αὐτὸν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν εἰς τὰς χ. ἡμῶν (2 a)
— 8. ἐλάβομεν . . . τὴν γῆν ἐκ χειρῶν δύο βασιλέων τῶν Ἀμ. (2 a)
— 24. δεῖξαι . . . τὴν χ. τὴν κραταιάν (2 a)
4. 28. θεοῖς ἑτέροις ἔργοις χειρῶν ἀνθρώπων (2 a)
— 34. λαβεῖν ἑαυτῷ ἔθνος . . . ἐν χ. κραταιᾷ (2 a)
5. 15. ἐξήγαγέ σε κ. ὁ θεός σου . . . ἐν χ. κραταιᾷ (2 a)
De. 6. 8. εἰς σημεῖον ἐπὶ τῆς χ. σου (2 a)
— 21. ἐξήγαγεν ἡμᾶς . . . ἐν χ. κραταιᾷ (2 a)
7. 2. παραδώσει αὐτοὺς κ. ὁ θεός σου εἰς τὰς χ. σου †
— 8. ἐξήγαγε κύριος ὑμᾶς ἐν χ. κραταιᾷ (2 a)
— 8. καὶ ἐλυτρώσατο . . . ἐκ χειρὸς Φ. (2 a)
— 19. μνησθήσῃ . . . τὴν χ. τὴν κραταιάν (2 a)
— 23. παραδώσει αὐτοὺς κ. ὁ θεός σου εἰς τὰς χ. σου †
— 24. παραδώσει τοὺς βασ. αὐ. εἰς τὰς χ. ὑμῶν (2 a)
8. 17. τὸ κράτος τῆς χ. μου ἐποίησέ μοι τὴν δύναμιν (2 a)
9. 15. αἱ δύο πλάκες . . . ἐπὶ ταῖς δυσὶ χ. μου (2 a)
— 17. ἔρριψα αὐτὰς ἀπὸ τῶν δύο χ. μου (2 a)
— 26. οὓς ἐξήγαγες . . . ἐν τῇ [A om.] χ. σου τῇ κραταιᾷ (2 a)
— 29. B καὶ ἐν τῇ χ. σου τῇ κραταιᾷ –
10. 3. καὶ αἱ δύο πλάκες ἐπὶ ταῖς χ. μου (2 a)
11. 2. οὐδὲ εἴδοσαν . . . τὴν χ. τὴν κραταιάν (2 a)
— 18. ἀφᾄψετε αὐτὰ εἰς σημεῖον ἐπὶ τῆς χ. ὑμῶν (2 a)
12. 7. οὗ ἐὰν ἐπιβάλητε τὴν χ. [A al.] (2 a)
— 11. καὶ τὰς ἀπαρχὰς τῶν χ. ὑμῶν (2 a)
— 17. καὶ τὰς ἀπαρχὰς τῶν χ. σου [A² ὑμῶν, A¹ om. τ. χ. σ.] (2 a)
— 18. οὗ ἐὰν ἐπιβάλῃς τὴν χ. σου (2 a)
13. 9 (10). αἱ χ. σου ἔσονται ἐπ' αὐτόν [A al.] (2 a)
— 9 (10). καὶ αἱ χ. παντὸς τοῦ λαοῦ ἐπ' ἐσχάτῳ (2 a)
— 17 (18). οὐ προσκολληθήσεται οὐδὲν . . . ἐν τῇ χ. σου (2 a)
14. 25. λήψῃ τὸ ἀργύριον ἐν ταῖς χ. σου (2 a)
15. 7. οὐδ' οὐ μὴ συσφίγξεις τὴν χ. σου (2 a)
— 8. ἀνοίξεις τὰς χ. σου αὐτῷ (2 a)
— 10. οὗ ἂν ἐπιβάλῃς τὴν χ. σου (2 a)
— 11. ἀνοίξεις τὰς χ. σου τῷ ἀδ. σου (2 a)
16. 10. καθότι ἡ χ. σου ἰσχύει (2 a)
— 15. καὶ ἐν παντὶ ἔργῳ τῶν χ. σου (2 a)
— 17. κατὰ δύναμιν τῶν χ. ὑμῶν (2 a)
17. 7. ἡ χ. τῶν μαρτύρων ἔσται ἐπ' αὐτῷ (2 a)
— 7. ἡ χ. τοῦ λαοῦ ἐπ' ἐσχάτων (2 a)
19. 5. καὶ ἐκκρουσθῇ ἡ χ. αὐ. (2 a)
— 12. παραδώσουσιν αὐτὸν εἰς χεῖρας τῶν ἀγχιστευόντων (2 a)
— 21. χεῖρα ἀντὶ χειρός (2 a, 2 a)
20. 13. ἕως ἂν παραδῷ σοι αὐτὴν . . . εἰς τὰς χ. σου (2 a)
21. 6. νίψονται τὰς χ. ἐπὶ τὴν κεφαλήν (2 a)
— 7. αἱ χ. ἡμῶν οὐκ ἐξέχεαν τὸ αἷμα τοῦτο (2 a)
— 10. καὶ παραδῷ σοι κ. ὁ θ. σου εἰς τὰς χ. σου (2 a)
23. 14 (15). A παραδοῦναι τὸν ἐχθρόν σου εἰς τὰς χ. σου [B al.] †
— 25 (26). A² B συλλέξεις ἐν ταῖς χ. σου στάχυς (2 a)
24. 1. B καὶ δώσει εἰς τὰς χ. αὐ. [A² al.] (2 a)
— 3. καὶ δώσει εἰς τὰς χ. αὐ. (2 a)
— 19. ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις τῶν χ. σου (2 a)
25. 11. ἐξελέσθαι τὸν ἄνδρα αὐ. ἐκ χειρὸς τοῦ τύπτοντος αὐτόν (2 a)
— 11. ἐκτείνασα τὴν χ. (2 a)
— 12. ἀποκόψεις τὴν χ. [A add. αὐ.] (4)
26. 4. λήψεται ὁ ἱ. τὸν κάρταλλον ἐκ τῶν χ. σου (2 a)
— 8. ἐξήγαγεν ἡμᾶς κ. . . . ἐν χ. κραταιᾷ (2 a)
27. 15. ἔργον χειρῶν τεχνιτῶν (2 a)
28. 8. οὗ ἂν ἐπιβάλῃς τὴν χ. σου (2 a)
— 12. εὐλογῆσαι πάντα τὰ ἔργα τῶν χ. σου (2 a)
— 20. οὗ ἐὰν ἐπιβάλῃς τὴν χ. σου (2 a)
— 32. οὐκ ἰσχύσει ἡ χείρ σου (2 a)
29. 3 (2). A B² τὴν χ. τὴν κραταιὰν καὶ τὸν βραχίονα τὸν ὑψηλόν –
30. 9. ἐν παντὶ ἔργῳ τῶν χ. σου (2 a)
— 14. ἐγγύς σού ἐστι τὸ ῥῆμα σφόδρα . . . ἐν ταῖς χ. σου –
31. 29. παροργίσαι αὐτὸν ἐν τοῖς ἔργοις τῶν χ. ὑμῶν (2 a)
32. 27. ἡ χ. ἡμῶν ἡ ὑψηλὴ . . . ἐποίησε ταῦτα πάντα (2 a)
— 39. ὃς ἐξελεῖται ἐκ τῶν χ. μου (2 a)
— 40. ἀρῶ εἰς τὸν οὐρανὸν τὴν χ. μου (2 a)
— 41. ἀνθέξεται κρίματος ἡ χ. μου (2 a)
33. 3. πάντες οἱ ἡγιασμένοι ὑπὸ τὰς χ. σου (2 a)
— 7. αἱ χ. αὐ. διακρινοῦσιν αὐτῷ (2 a)
— 11. τὰ ἔργα τῶν χ. αὐ. δέξαι (2 a)
34. 9. ἐπέθηκε γὰρ Μ. τὰς χ. αὐ. ἐπ' αὐτόν (2 a)
— 12. τὰ θαυμάσια τὰ μεγάλα καὶ τὴν [A πᾶσαν τ.] χ. τὴν κραταιάν (2 a)
Jo. 2. 24. παρέδωκε κ. πᾶσαν τὴν γῆν ἐν χειρὶ ἡμῶν (2 a)
5. 12 (13). καὶ ἡ ῥομφαία ἐσπασμένη ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
8. 1. δέδωκα εἰς τὰς χ. σου τὸν βασ. Γαί (2 a)
— 18. ἔκτεινον τὴν χ. σου ἐν τῷ γαίσῳ τῷ ἐν τῇ χ. σου (–, 2 a)
— 18. εἰς γὰρ τὰς χ. [A τὴν χ.] σου παραδέδωκα αὐτήν (2 a)
— 19 (18). ἐξέτεινεν Ἰ. τὴν χ. αὐ. τὸν γαΐσον [A al.] (2 a)
— 19. ὅτε ἐξέτεινε τὴν χ. (2 a)
9. 26. ἐξείλατο αὐτοὺς . . . ἐκ χειρῶν [A -ὸς] υἱῶν Ἰσρ. (2 a)
10. 6. μὴ ἐκλύσῃς τὰς χ. σου (2 a)
— 8. εἰς γὰρ τὰς χ. σου παραδέδωκα αὐτούς (2 a)
— 19. παρέδωκε γὰρ αὐτοὺς . . . εἰς τὰς χ. ἡμῶν (2 a)
— 30. παρέδωκεν αὐτὴν κ. εἰς χεῖρας [A ἐν χειρὶ] Ἰσρ. (2 a)
— 32. παρέδωκε κ. τὴν Λ. εἰς τὰς χ. Ἰσρ. (2 a)
— 35. παρέδωκεν αὐτὴν κ. ἐν χειρὶ Ἰσρ. –
14. 2. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κ. ἐν χειρὶ Ἰ. [A al.] (2 a)
17. 4. ὁ θ. ἐνετείλατο διὰ χειρὸς Μ. †
19. 47. ἐβαρύνθη ἡ χ. τοῦ Ἐφρ. ἐπ' αὐτούς –
20. 5. A οὐ συγκλείσουσι τὸν φονεύσαντα ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
— 9. ἵνα μὴ ἀποθάνῃ ἐν χειρὶ [A ἐκ χειρὸς] τοῦ ἀγχιστεύοντος (2 a)
21. 2. ἐνετείλατο κ. ἐν χειρὶ Μ. (2 a)
— 42. πάντας τοὺς ἐχθροὺς αὐ. παρέδωκε κ. εἰς τὰς χ. αὐ. (2 a)
22. 9. ἣν ἐκληρονόμησαν . . . ἐν χειρὶ Μ. (2 a)
— 31. ἐρρύσασθε τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. ἐκ χειρὸς κυρίου (2 a)
24. 8. παρέδωκεν αὐτοὺς κ. εἰς τὰς [A om.] χ. ἡμῶν (2 a)
— 10. ἐξείλατο ἡμᾶς ἐκ χειρῶν [A τῶν χ.] αὐ. (2 a)
— 11. παρέδωκεν αὐτοὺς κ. εἰς τὰς [A om.] χ. ἡμῶν (2 a)
— 33. παρέδωκεν αὐτοὺς κ. εἰς χεῖρας Ἐ. –
Jd. 1. 2. B δέδωκα τὴν γῆν ἐν τῇ [A² om.] χ. αὐ. (2 a)
— 4. παρέδωκε κ. τὸν Χαν. . . . εἰς τὰς χ. [A ἐν χειρὶ] αὐ. (2 a)
— 6. ἀπέκοψαν τὰ ἄκρα τῶν χ. αὐ. (2 a)
— 7. τὰ ἄκρα τῶν χ. αὐ. . . . ἀποκεκομμένοι (2 a)
— 35. ἐβαρύνθη χεὶρ οἴκου Ἰ. (2 a)
2. 14. εἰς χεῖρας [A ἐν χειρὶ] προνομευόντων (2 a)
— 14. ἐν χερσὶ τῶν ἐχθρῶν αὐ. [A al.] (2 a)
— 15. χεὶρ κυρίου ἦν ἐπ' αὐτούς (2 a)
— 16. ἐκ χειρὸς τῶν προνομευόντων αὐτούς (2 a)
— 18. ἔσωσεν αὐτοὺς ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν αὐ. [A al.] (2 a)
— 23. οὐ παρέδωκεν αὐτὰ ἐν χειρὶ Ἰ. (2 a)
3. 4. ἃς ἐνετείλατο τοῖς πατράσιν αὐ. ἐν χειρὶ Μ. (2 a)
— 8. ἀπέδοτο αὐτοὺς ἐν χειρὶ [A εἰς χεῖρας] Χ. (2 a)
— 10. παρέδωκε κ. ἐν χειρὶ αὐ. τὸν Χ. (2 a)
— 10. B ἐκραταιώθη χεὶρ αὐ. ἐπὶ τὸν Χ. (2 a)
— 15. ἐξαπέστειλαν . . . δῶρα ἐν χειρὶ αὐτοῦ (2 a)
— 21. ἐξέτεινεν Ἀ. τὴν χ. τὴν ἀριστερὰν αὐ. (2 a)
— 28. παρέδωκε . . . τὴν Μ. ἐν χειρὶ ἡμῶν (2 a)
— 30. ἐνετράπη . . . ὑπὸ χεῖρα [A τὴν χ.] Ἰσρ. (2 a)
4. 2. ἀπέδοτο τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. κ. ἐν χειρὶ Ἰ. (2 a)
— 7. παραδώσω αὐτὸν εἰς τὰς χ. [A ἐν χειρί] σου (2 a)
— 9. ἐν χειρὶ γυναικὸς ἀποδώσεται κ. τὸν Σεισ. (2 a)
— 14. ἐν ᾗ παρέδωκε κ. τὸν Σ. ἐν τῇ [A om.] χ. σου (2 a)
— 21. ἔθηκε τὴν σφῦραν ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
— 24. ἐπορεύετο χεὶρ τῶν υἱῶν Ἰσρ. (2 a)
5. 26. χεῖρα αὐ. [A τὴν χ. αὐ. τὴν] ἀριστερὰν . . . ἐξέτεινε (2 a)
6. 1. ἔδωκεν αὐτοὺς κ. ἐν χειρὶ Μ. [A al.] (2 a)
— 2. ἴσχυσε χεὶρ Μ. ἐπὶ Ἰσρ. (2 a)
— 9. B ἐρρυσάμην ὑμᾶς ἐκ χειρὸς Αἰγ. (2 a)
— 9. καὶ ἐκ χειρὸς πάντων τῶν θλιβόντων ὑμᾶς (2 a)
— 13. ἔδωκεν ἡμᾶς ἐν χειρὶ Μ. (4)
— 14. σώσεις τὸν Ἰσρ. ἐκ χειρὸς Μ. (4)
— 21. B τὸ ἄκρον τῆς ῥάβδου τῆς ἐν χειρὶ [A R τῇ χ.] αὐ. (2 a)
— 36. εἰ σὺ σώζεις ἐν χειρί [A τῇ χ.] μου τὸν Ἰσρ. (2 a)
— 37. σώσεις ἐν χειρί [A τῇ χ.] μου τὸν Ἰσρ. (2 a)
7. 2. ὥστε μὴ παραδοῦναί με τὴν Μ. ἐν χειρὶ αὐ. (2 a)

Jd. 7. 2. ἡ χ. μου ἔσωσέ με (2 a)
— 6. ὁ ἀριθμὸς τῶν λαψάντων ἐν χειρὶ αὐ. [A al.] (2 a)
— 7. δώσω τὴν M. ἐν χειρί σου (2 a)
— 8. ἔλαβον τὸν ἐπισιτισμὸν τοῦ λαοῦ ἐν χειρὶ [A ταῖς χερσὶν] αὐ. (2 a)
— 9. παρέδωκα αὐτὴν ἐν τῇ χ. σου (2 a)
— 10 (11). ἰσχύσουσιν αἱ χ. σου (2 a)
— 14. παρέδωκεν ὁ. θ. ἐν χειρὶ αὐ. τὴν Μαδ. (2 a)
— 15. παρέδωκε κ. ἐν χειρὶ ἡμῶν τὴν παρεμβολὴν M. (2 a)
— 16. ἔδωκε κερατίνας ἐν χειρὶ πάντων (2 a)
— 19. ἐξετίναξαν τὰς ὑδρίας τὰς ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)
— 20. ἐκράτησαν ἐν χ. ἀριστεραῖς αὐ. τὰς λαμπάδας καὶ ἐν χ. δεξιαῖς αὐ. τὰς κερατίνας [A al.] (2 a, 2 a)
8. 3. ἐν χειρὶ ὑμῶν παρέδωκε κ. τοὺς ἄρχοντας M. (2 a)
— 6. μὴ χεὶρ Z. καὶ Σ. νῦν ἐν χειρὶ [A τῇ χ.] σου (4, 2 a)
— 7. ἐν τῷ δοῦναι κ. τὸν Z. καὶ Σ. ἐν χειρί [A τῇ χ.] μου (2 a)
— 15. μὴ χεὶρ Z. καὶ Σ. νῦν ἐν χειρί [A τῇ χ.] σου (4, 2 a)
— 22. ἔσωσας ἡμᾶς ἐκ χειρὸς M. (2 a)
— 34. ἐκ χειρὸς πάντων τῶν θλιβόντων αὐτούς (2 a)
9. 16. εἰ ὡς ἀνταπόδοσις χειρὸς αὐ. ἐποιήσατε αὐτῷ [A al.] (2 a)
— 17. ἐρρύσατο ὑμᾶς ἐκ χειρὸς M. (2 a)
— 24. ἐνίσχυσαν τὰς [A om.] χ. αὐ. (2 a)
— 29. τίς δῴη τὸν λαὸν τοῦτον ἐν χειρί μου (2 a)
— 33. ὅσα ἂν εὕρῃ ἡ χ. σου (2 a)
— 48. ἔλαβεν Ἀβ. τὰς ἀξίνας ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
10. 7. ἀπέδοτο αὐτοὺς ἐν χειρὶ Φυλ. καὶ ἐν χειρὶ υἱῶν Ἀ. (2 a, 2 a)
— 12. ἔσωσα ὑμᾶς ἐκ χειρὸς αὐτῶν (2 a)
11. 21. παρέδωκε κ. ὁ θ. Ἰσρ. τὸν Σ. . . . ἐν χειρὶ Ἰσρ. (2 a)
— 30. ἐὰν διδοὺς δῷς τοῦς υἱοὺς Ἀ. ἐν τῇ χ. μου [A al.] (2 a)
— 32. παρέδωκεν αὐτοὺς κ. ἐν χειρὶ αὐ. (2 a)
12. 2. οὐκ ἐσώσατέ με ἐκ χειρὸς αὐτῶν (2 a)
— 3. ἔθηκα τὴν ψυχήν μου ἐν χειρί [A τῇ χ.] μου (4)
— 3. ἔδωκεν αὐτοὺς κ. ἐν χειρί μου [A al.] (2 a)
13. 1. παρέδωκεν αὐτοὺς κ. ἐν χειρὶ Φυλ. (2 a)
— 5. ἄρξεται σῶσαι τὸν Ἰσρ. ἐκ χειρὸς Φυλ. (2 a)
— 23. οὐκ ἂν ἔλαβεν ἐκ χειρὸς ἡμῶν ὁλοκαύτωμα [A al.] (2 a)
14. 6. οὐδὲν ἦν ἐν ταῖς χ. [A τῇ χ.] αὐ. (2 a)
— 9. ἐξείλεν αὐτὸ εἰς χεῖρας [A τὸ στόμα] (4)
15. 12. τοῦ δοῦναί σε ἐν χειρὶ ἀλλοφύλων [A al.] (2 a)
— 13. παραδώσομέν σε ἐν χειρί [A εἰς χεῖρας] (2 a)
— 14. ἐτάκησαν δεσμοὶ αὐ. ἀπὸ χειρῶν αὐ. [A al.] (2 a)
— 15. ἐξέτεινε τὴν χ. αὐ. (2 a)
— 17. ἔρριψε τὴν σιαγόνα ἐκ [A ἀπὸ] τῆς χ. αὐ. (2 a)
— 18. εὐδόκησας ἐν χειρὶ δούλου σου (2 a)
— 18. ἐμπεσοῦμαι ἐν χειρὶ τῶν ἀπεριτμήτων (2 a)
16. 18. ἀνήνεγκαν τὸ ἀργύριον ἐν χερσὶν αὐ. [A al.] (2 a)
— 23. ἔδωκεν ὁ θ. ἐν χειρὶ ἡμῶν τὸν Σ. (2 a)
— 24. A B² R παρέδωκεν ὁ θ. ἡμῶν τὸν ἐχθρὸν ἡ. ἐν χειρὶ ἡμῶν (2 a)
— 26. τὸν νεανίαν τὸν κρατοῦντα τὴν χ. αὐ. [A al.] (2 a)
17. 3. B ἡγίακα τὸ ἀργ. . . . ἐκ χειρός [A R τῆς χ.] μου (2 a)
— 5. ἐπλήρωσε τὴν χ. ἀπὸ ἑνὸς υἱῶν αὐ. [A al.] (2 a)
— 12. ἐπλήρωσε M. τὴν χ. τοῦ Δ. (2 a)
18. 10. ἔδωκεν αὐτὴν ὁ θ. ἐν χειρὶ ὑμῶν (2 a)
— 19. ἐπίθες τὴν χ. σου ἐπὶ τὸ στόμα σου (2 a)
19. 27. καὶ αἱ χ. αὐ. ἐπὶ τὸ πρόθυρον (2 a)
20. 28. B δώσω αὐτοὺς εἰς τὰς χ. ὑμῶν [A R al.] (2 a)
Ru. 1. 13. ἐξῆλθεν ἐν ἐμοὶ χεὶρ κυρίου (2 a)
4. 5. τοῦ κτήσασθαί σε τὸν ἀγρὸν ἐκ χειρὸς N. (2 a)
— 9. κέκτημαι πάντα . . . ἐκ χειρὸς N. (2 a)
I Ki. 2. 13. καὶ κρεάγρα τριόδους ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
4. 3. σώσει ἡμᾶς ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν ἡμῶν (4)
— 8. τίς ἐξελεῖται ἡμᾶς ἐκ χειρὸς τῶν θεῶν (2 a)
5. 3. ἐβαρύνθη χεὶρ κυρίου ἐπὶ τοὺς Ἀζ. –
— 4. καὶ ἀμφότερα τὰ ἴχνη χειρῶν αὐ. ἀφῃρημένα (2 a)
— 4. καὶ ἀμφότεροι οἱ καρποὶ τῶν χ. αὐ. πεπτωκότες (2 a ?)
I Ki. 5. 6. ἐβαρύνθη χεὶρ κυρίου ἐπὶ Ἄζωτον (2 a)
— 7. σκληρὰ χεὶρ αὐ. ἐφ' ἡμᾶς (2 a)
— 9. γίνεται χεὶρ κυρίου τῇ πόλει (2 a)
6. 3. μὴ οὐκ ἀποστῇ ἡ [A om.] χ. αὐ. ἀφ' ὑμῶν (2 a)
— 5. ὅπως κουφίσῃ τὴν χ. αὐ. ἀφ' ὑμῶν (2 a)
— 9. οὐ χεὶρ αὐ. ἥπται ἡμῶν (2 a)
7. 3. ἐξελεῖται ὑμᾶς ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων (2 a)
— 8. καὶ σώσει ἡμᾶς ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων (2 a)
— 13. ἐγενήθη χεὶρ κυρίου ἐπὶ τοὺς ἀλλοφ. (2 a)
— 14. τὸ ὅριον Ἰσρ. ἀφείλαντο ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων (2 a)
9. 8. εὕρηται ἐν τῇ χ. μου τέταρτον σίκλου ἀργ. (2 a)
— 16. σώσει τὸν λαόν μου ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων (2 a)
10. 1. σώσεις αὐτὸν ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν αὐ. –
— 4. καὶ λήψῃ ἐκ τῆς χ. αὐ. (2 a)
— 7. ὅσα ἐὰν εὕρῃ ἡ χ. σου (2 a)
— 18. ἐξειλάμην ὑμᾶς ἐκ χειρὸς Φ. (2 a)
11. 7. ἀπέστειλεν . . . ἐν χειρὶ ἀγγέλων (2 a)
12. 3. ἐκ χειρὸς τίνος εἴληφα ἐξίλασμα (2 a)
— 4. οὐκ εἴληφας ἐκ χειρὸς οὐδενὸς οὐδέν (2 a)
— 5. οὐχ εὑρήκατε ἐν χειρί μου οὐδέν (2 a)
— 9. ἀπέδοτο αὐτοὺς εἰς χεῖρας Σ. . . . καὶ εἰς χεῖρας ἀλλοφύλων καὶ εἰς χεῖρας βασιλέως M. (2 a ter)
— 10. ἐξελοῦ ἡμᾶς ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν ἡμῶν (2 a)
— 11. ἐξείλατο ὑμᾶς ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν ὑμῶν (2 a)
— 15. ἔσται χεὶρ κυρίου ἐφ' ὑμᾶς (2 a)
13. 22. B οὐχ εὑρέθη ῥομφαία . . . ἐν χειρὶ παντὸς τοῦ λαοῦ (2 a)
14. 10. B παραδέδωκεν αὐτοὺς κ. εἰς τὰς [A R om.] χ. ἡμῶν (2 a)
— 12. παρέδωκεν αὐτοὺς κ. εἰς χεῖρας [A τὰς χ.] Ἰσρ. (2 a)
— 13. ἀνέβη Ἰων. ἐπὶ τὰς χ. αὐ. (2 a)
— 19. συνάγαγε τὰς χ. σου (2 a)
— 26. οὐκ ἦν ἐπιστρέφων τὴν χ. αὐ. εἰς τὸ στόμα αὐ. (2 a)
— 27. τὸ ἄκρον τοῦ σκήπτρου αὐ. τοῦ ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
— 27. ἐπέστρεψε τὴν χ. αὐ. εἰς τὸ στόμα αὐ. (2 a)
— 34. προσῆγεν . . . ἕκαστος τὸ ἐν τῇ [A om.] χ. αὐ. (2 a)
— 37. εἰ παραδώσεις αὐτοὺς εἰς χεῖρας Ἰσρ. (2 a)
— 43. ἐν ἄκρῳ τῷ σκήπτρῳ τῷ ἐν τῇ χ. μου (2 a)
— 48. ἐκ χειρὸς τῶν καταπατούντων αὐτόν (2 a)
15. 12. ἀνέστακεν αὐτῷ χεῖρα (2 a)
— 28. διέρρηξε κ. τὴν βασ. σου ἀπὸ Ἰσρ. ἐκ χειρός σου †
16. 2. δάμαλιν βοῶν λάβε ἐν τῇ χ. σου (2 a)
— 20. ἐξαπέστειλεν ἐν χειρὶ Δ. τοῦ υἱοῦ αὐ. (2 a)
— 23. B ἔψαλλεν ἐν τῇ [A R om.] χ. αὐ. (2 a)
17. 22. A ἀφῆκεν Δ. τὰ σκεύη αὐ. . . . ἐπὶ χεῖρα φύλακος (2 a)
— 37. ὃς ἐξείλατό με ἐκ χειρὸς τοῦ λέοντος καὶ ἐκ χειρὸς τοῦ ἄρκου (2 a, 2 a)
— 37. ἐξελεῖται με ἐκ χειρὸς τοῦ ἀλλοφύλου τοῦ ἀπεριτμήτου τ. (2 a)
— 40. ἔλαβε τὴν βακτηρίαν αὐ. ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
— 40. ἔθετο . . . σφενδόνην αὐ. ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
— 45 (46). ἀποκλείσει σε κ. σήμερον εἰς τὴν χ. μου [A al.] (2 a)
— 47. παραδώσει κ. ὑμᾶς εἰς χεῖρας ἡμῶν (2 a)
— 49. ἐξέτεινε Δ. τὴν χ. αὐ. εἰς τὸ κάδιον (2 a)
— 50. A ῥομφαία οὐκ ἦν ἐν χειρὶ Δ. (2 a)
— 57. A καὶ ἡ κεφαλὴ τοῦ ἀλλοφ. ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
18. 10. A Δ. ἔψαλλεν ἐν χειρὶ αὐ. (2 a)
— 10. A καὶ τὸ δόρυ ἐν τῇ χ. Σ. (2 a)
— 17. A μὴ ἔστω χεὶρ μου ἐπ' αὐτῷ (2 a)
— 17. A ἔσται ἐπ' αὐτὸν χεὶρ ἀλλοφύλων (2 a)
— 21. ἦν ἐπὶ Σ. χεὶρ ἀλλοφύλων (2 a)
— 25. B Σ. ἐλογίσατο αὐτὸν ἐμβαλεῖν εἰς χεῖρας τῶν ἀλλοφ. (2 a)
19. 5. ἔθετο τὴν ψυχὴν αὐ. ἐν τῇ χ. αὐ. (4)
— 9. καὶ δόρυ ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
— 9. Δ. ἔψαλλε ταῖς [A ἐν ταῖς] χ. αὐ. (2 a)
21. 3 (4). εἰσὶν ὑπὸ τὴν χ. σου πέντε ἄρτοι (2 a)
— 3 (4). δὸς εἰς χεῖρά [A -άς] μου τὸ εὑρεθέν (2 a)
— 4 (5). οὐκ εἰσὶν ἄρτοι βέβηλοι ὑπὸ τὴν χ. μου (2 a)
— 8 (9). εἰ ἔστιν ἐνταῦθα ὑπὸ τὴν χ. σου δόρυ (2 a)
— 8 (9). τὰ σκεύη οὐκ εἴληφα ἐν τῇ χ. μου (2 a)
— 13 (14). παρεφέρετο ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)
22. 6. καὶ τὸ δόρυ ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
— 17. ἡ χ. αὐ. μετὰ Δ. (2 a)
I Ki. 22. 17. οὐκ ἐβουλήθησαν . . . ἐπενεγκεῖν τὰς χ. αὐ. (2 a)
23. 4. παραδίδωμι τοὺς ἀλλοφ. εἰς χεῖράς σου (2 a)
— 6. ἔχων ἐφοὺδ ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
— 7. πέπρακεν αὐτὸν ὁ θ. εἰς χεῖράς μου (2 a)
— 12. A εἰ παραδώσουσιν . . . τοὺς ἄνδρας μου εἰς χεῖρας Σ. (2 a)
— 14. οὐ παρέδωκεν αὐτὸν κ. εἰς τὰς χ. αὐ. (2 a)
— 16. ἐκραταίωσε τὰς χ. αὐ. (2 a)
— 17. οὐ μὴ εὕρῃ σε ἡ χ. Σ. τοῦ πατρός μου (2 a)
— 20. κεκλίκασιν αὐτὸν εἰς τὰς χ. τοῦ βασ. (2 a)
24. 5. παραδοῦναι τὸν ἐχθρόν σου εἰς τὰς χ. σου (2 a)
— 7. ἐπενέγκαι χεῖρά μου ἐπ' αὐτόν (2 a)
— 11. B παρέδωκέ σε κ. σήμερον εἰς χεῖρά [A R -άς] μου (2 a)
— 11. οὐκ ἐποίσω χεῖρά μου ἐπὶ κύριόν μου (2 a)
— 12. τὸ πτερύγιον τῆς διπλοΐδος σου ἐν τῇ χ. μου (2 a)
— 12. οὐκ ἔστι κακία ἐν τῇ χ. μου (2 a)
— 13. B χείρ [A R ἡ χ.] μου οὐκ ἔσται ἐπὶ σοί (2 a)
— 14. ἡ χ. μου οὐκ ἔσται ἐπὶ σέ (2 a)
— 16. δικάσαι μοι ἐκ χειρός σου (2 a)
— 19. ὡς ἀπέκλεισέ με κ. εἰς χεῖράς σου σήμερον (2 a)
— 21. στήσεται ἐν χερσί σου βασιλεία Ἰσρ. (2 a)
25. 8. ὃ ἐὰν εὕρῃ ἡ χ. σου (2 a)
— 26. καὶ σώζειν τὴν χεῖρά σού σοι (2 a)
— 31. καὶ σῶσαι χεῖρα κυρίου μου αὐτῷ –
— 33. καὶ σῶσαι χεῖρά μου ἐμοί (2 a)
— 35. ἔλαβε Δ. ἐκ χειρὸς [A τῆς χ.] αὐ. πάντα (2 a)
— 39. ὃς ἔκρινε τὴν κρίσιν τοῦ ὀνειδισμοῦ μου ἐκ χειρὸς N. (2 a)
— 39. τὸν δοῦλον αὐ. περιεποιήσατο ἐκ χειρὸς κακῶν –
26. 8. B ἀπέκλεισε κ. σήμερον τὸν ἐχθρόν σου εἰς τὰς [A R om.] χ. σου (2 a)
— 9. τίς ἐποίσει χεῖρα αὐ. (2 a)
— 11. ἐπενεγκεῖν χεῖρά μου ἐπὶ χριστὸν κυρίου (2 a)
— 23. παρέδωκέ σε κ. σήμερον εἰς χεῖράς μου (2 a)
— 23. οὐκ ἠθέλησα ἐπενεγκεῖν χεῖρά μου (2 a)
27. 1. νῦν προστεθήσομαι . . . εἰς χεῖρας Σ. (2 a)
— 1. σωθήσομαι ἐκ χειρὸς αὐ. (2 a)
28. 15. οὐκ ἐπακήκοέ μοι ἔτι καὶ ἐν χειρὶ τῶν προφητῶν (2 a)
— 17. καθὼς ἐλάλησε κύριος ἐν χειρί μου (2 a)
— 17. διαρρήξει κ. τὴν βασ. σου ἐκ χειρός σου (2 a)
— 19. παραδώσει κ. τὸν Ἰσρ. μετὰ σοῦ εἰς χεῖρας ἀλλοφύλων (2 a)
— 19. τὴν παρεμβ. Ἰσρ. δώσει κ. εἰς χεῖρας ἀλλόφυλων (2 a)
— 21. ἐθέμην τὴν ψυχήν μου ἐν τῇ χ. μου (4)
30. 15. μὴ παραδοῦναί με εἰς χεῖρας τοῦ κυρίου μου (2 a)
— 23. παρέδωκε κ. τὸν γεδδοὺρ . . . εἰς χεῖρας ἡμῶν (2 a)
II Ki. 1. 14. ἐπενεγκεῖν χεῖρά σου (2 a)
2. 7. A R κραταιούσθωσαν αἱ χ. ὑμῶν (2 a)
— 16. ἐκράτησαν ἕκαστος τῇ χ. τὴν κεφαλήν –
3. 12. ἰδοὺ ἡ χ. μου μετὰ σοῦ (2 a)
— 18. ἐν χειρὶ τοῦ δούλου μου Δ. σώσω τὸν Ἰσρ. ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων καὶ ἐκ χειρὸς πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐ. (2 a ter)
— 34. αἱ χ. σου οὐκ ἐδέθησαν (2 a)
4. 1. ἐξελύθησαν αἱ χ. αὐ. (2 a)
— 11. ἐκζητήσω τὸ αἷμα αὐ. ἐκ χειρὸς ὑμῶν (2 a)
— 12. κολοβοῦσι τὰς χ. αὐ. (2 a)
5. 19. παραδώσεις αὐτοὺς εἰς τὰς χ. μου (2 a)
— 19. παραδώσω τοὺς ἀλλοφύλους εἰς τὰς χ. σου (2 a)
6. 6. ἐξέτεινεν Ὀζὰ τὴν χ. αὐ. –
8. 1. ἔλαβε Δ. τὴν ἀφωρισμ. ἐκ χειρὸς τῶν ἀλλοφ. (2 a)
— 3. ἐπιστῆσαι τὴν χ. αὐ. ἐπὶ τὸν ποταμὸν Εὐφρ. (2 a)
— 10. ἐν ταῖς χ. αὐ. ἦσαν σκεύη ἀργυρᾶ (2 a)
10. 2. ἀπέστειλε . . . ἐν χειρὶ τῶν δούλων αὐ. (2 a)
— 10. τὸ κατάλοιπον τοῦ λαοῦ ἔδωκεν ἐν χειρὶ Ἀβ. (2 a)
11. 14. καὶ ἀπέστειλεν ἐν χειρὶ Οὐρ. (2 a)
12. 7. ἐρρυσάμην σε ἐκ χειρὸς Σ. (2 a)
— 25. ἀπέστειλεν ἐν χειρὶ N. τοῦ προφήτου (2 a)
13. 5. ὅπως . . . φάγω ἐκ τῶν χ. αὐ. (2 a)
— 6. φάγομαι ἐκ τῆς χ. αὐ. (2 a)
— 10. φάγομαι ἐκ τῆς χ. σου (2 a)
— 19. ἐπέθηκε τὰς χ. αὐ. ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ. (2 a)

II Ki. 14. 16. ῥυσάσθω τὴν δούλην αὐ. ἐκ χειρὸς τοῦ ἀνδρός (4)
— 19. μὴ ἡ χ. 'Ι. ἐν παντὶ τούτῳ μετὰ σοῦ (2 a)
15. 2. ἔστη ἀνὰ χεῖρα τῆς ὁδοῦ τῆς πύλης (2 a)
— 5. ἐξέτεινε τὴν χ. αὐ. (2 a)
— 18. ἀνὰ χεῖρα αὐ. παρῆγον (2 a)
— 18. παρῆσαν ἐπὶ χεῖρα αὐ. (2 a ?)
— 36. ἀποστελεῖτε ἐν χειρὶ αὐτῶν (2 a)
16. 8. ἔδωκε κ. τὴν βασ. ἐν χειρὶ 'Αβ. (2 a)
— 21. ἐνισχύσουσιν αἱ χ. πάντων τῶν μετὰ σοῦ (2 a)
17. 2. καὶ αὐτὸς κοπιῶν καὶ ἐκλελυμένος χερσί (2 a)
18. 2. τὸ τρίτον ἐν χειρὶ 'Ι. καὶ τὸ τρίτον ἐν χειρὶ 'Αβ. . . . καὶ τὸ τρίτον ἐν χειρὶ Ἐθθεί (2 a ter)
— 4. ἔστη ὁ βασ. ἀνὰ χεῖρα τῆς πύλης (2 a)
— 12. ἵστημι ἐπὶ τὰς χ. μου χιλίους σίκλους ἀργ. (4)
— 12. B οὐ μὴ ἐπιβάλω χεῖρά [A R τὴν χ.] μου ἐπὶ τὸν υἱὸν τοῦ βασ. (2 a)
— 14. ἔλαβεν 'Ι. τρία βέλη ἐν τῇ χ. αὐ. (4)
— 18. ἐκάλεσε τὴν στήλην Χεὶρ 'Αβ. (2 a)
— 19. ἔκρινε κ. ἐκ χειρὸς τῶν ἐχθρῶν αὐ. (2 a)
— 28. B τοὺς ἄνδρας τοὺς μισοῦντας τὴν χ. αὐ. [A R al.] (2 a)
— 31. ἔκρινέ σοι . . . ἐκ χειρὸς πάντων τῶν ἐπεγειρομ. ἐπὶ σέ (2 a)
19. 9 (10). ἐρρύσατο ἡμᾶς ἐκ χειρὸς ἀπὸ π. τῶν ἐχθρῶν ἡ. (4)
— 9 (10). ἐξείλατο ἡμᾶς ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων (4)
— 43 (44). δέκα χεῖρές μοι ἐν τῷ βασ. (2 a)
20. 9. ἐκράτησεν ἡ χ. ἡ δεξιὰ 'Ι. τοῦ πώγωνος 'Αμ. (2 a)
— 10. τὴν μάχαιραν τὴν ἐν τῇ χ. 'Ι. (2 a)
— 21. ἐπῆρε τὴν χ. αὐ. ἐπὶ τὸν βασ. Δ. (2 a)
21. 9. ἔδωκεν αὐτοὺς ἐν χειρὶ τῶν Γαβ. (2 a)
— 20. οἱ δάκτυλοι τῶν χ. αὐ. . . . ἓξ καὶ ἓξ (2 a)
— 22. ἔπεσαν ἐν χειρὶ Δ. καὶ ἐν χειρὶ τῶν δούλων αὐ. (2 a, 2 a)
22. 1. ἐξείλατο αὐτὸν κ. ἐκ χειρὸς πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐ. καὶ ἐκ χειρὸς Σ. (4, 4)
— 21. κατὰ τὴν καθαριότητα τῶν χ. μου (2 a)
— 25. κατὰ τὴν καθαριότητα τῶν χ. μου –
— 35. διδάσκων χείράς μου εἰς πόλεμον (2 a)
23. 6. οὐ χειρὶ ληφθήσονται (2 a)
— 10. ἕως οὗ ἐκοπίασεν ἡ χ. αὐ. (2 a)
— 10. προσεκολλήθη ἡ χ. αὐ. πρὸς τὴν μάχαιραν (2 a)
— 21. ἐν δὲ τῇ χ. τοῦ Αἰγυπτίου δόρυ (2 a)
— 21. ἐκ τῆς χ. τοῦ Αἰγυπτίου (2 a)
24. 14. ἐμπεσοῦμαι δὴ ἐν χειρὶ κυρίου (2 a)
— 14. εἰς δὲ χεῖρας ἀνθρώπου οὐ μὴ ἐμπέσω (2 a)
— 16. ἐξέτεινεν ὁ ἄγγελος τοῦ θ. τὴν χ. αὐ. (2 a)
— 16. ἄνες τὴν χ. σου (2 a)
— 17. γενέσθω δὴ ἡ χ. σου ἐν ἐμοί (2 a)
III Ki. 2. 25. ἐξαπέστειλεν ὁ βασ. Σαλ. ἐν χειρὶ Βαν. (2 a)
3. 1. A τῆς δὲ βασ. ἐδρασθείσης ἐν χειρὶ Σαλ. –
7. 31 (32). καὶ χεῖρες ἐν τοῖς τροχοῖς (2 a)
— 33. αἱ χ. αὐ. καὶ οἱ νῶτοι αὐ. (2 a)
— 35. καὶ ἀρχὴ χειρῶν αὐ. (2 a)
— 35. ἐπὶ τὰς ἀρχὰς τῶν χ. αὐ. (2 a ?)
8. 15. ἐν ταῖς χ. αὐ. ἐπλήρωσε (2 a)
— 22. διεπέτασε τὰς χ. αὐ. εἰς τὸν οὐρ. (4)
— 24. καὶ ἐν χερσί σου ἐπλήρωσας (2 a)
— 38. καὶ διαπετάσῃ τὰς χ. αὐ. εἰς τὸν οἶκον τοῦτον (4)
— 42. A ἀκούσουσι . . . τὴν χ. σου τὴν ἰσχύουσαν (2 a)
— 53. καθὼς ἐλάλησας ἐν χειρὶ δούλου σου M. (2 a)
— 54. καὶ αἱ χ. αὐ. διαπεπετασμέναι εἰς τὸν οὐρ. (4)
— 56. οἷς ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου αὖ. M. (2 a)
10. 13. ὧν δεδώκει αὐτῇ διὰ χειρὸς τοῦ βασ. Σ. (2 a)
— 19. A χεῖρες ἐπὶ τοῦ θρόνου [B al.] (2 a)
— 19. δύο λέοντες ἑστηκότες παρὰ τὰς χ. [A al.] (2 a)
11. 11. διαρρήξω τὴν βασ. σου ἐκ χειρός σου †
— 12. ἐκ χειρὸς υἱοῦ σου λήψομαι αὐτήν (2 a)
— 26. A ὕψωσεν χεῖρα ἐν τῷ βασ. (2 a)
— 27. ἐπήρατο χεῖρας [A -α] ἐπὶ βασιλέα (2 a)
— 31. ῥήσσω τὴν βασ. ἐκ χειρὸς Σαλ. (2 a)
— 34. οὐ μὴ λάβω ὅλην τὴν βασ. ἐκ χειρὸς αὐ. (2 a)
— 35. λήψομαι τὴν βασ. ἐκ χειρὸς τοῦ υἱοῦ αὐ. (2 a)
12. 15. ὃ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ 'Αχ. (2 a)

III Ki. 12. 24 (cf. A 14. 3). B λάβε εἰς τὴν χ. σου . . . ἄρτους –
— 24. B ἔλαβεν εἰς τὴν χ. αὐ. ἄρτους –
13. 4. ἐξέτεινεν ὁ βασ. τὴν χ. αὐ. (2 a)
— 4. ἐξηράνθη ἡ χ. αὐ. (2 a)
— 6. ἐπιστρεψάτω ἡ χ. μου πρὸς ἐμέ (2 a)
— 6. ἐπέστρεψε τὴν χ. τοῦ βασ. πρὸς αὐτόν (2 a)
— 33. ἐπλήρου τὴν χ. αὐ. (2 a)
14. 3. A λάβε εἰς τὴν χ. σου . . . ἄρτους (2 a)
— 18. A ὃ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. 'Α. (2 a)
— 26. ἃ ἔλαβε Δ. ἐκ χειρὸς τῶν παίδων 'Αδρ. –
15. 18. ἔδωκεν αὐτὰ εἰς χεῖρας παίδων αὐ. (2 a)
— 29. B ὃ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου 'Αχ. (2 a)
16. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν χειρὶ 'Ι. †
— 7. ἐν χειρὶ 'Ι. . . . ἐλάλησε κύριος (2 a)
— 7. τοῦ παρεργίσαι αὐτὸν ἐν τοῖς ἔργοις τῶν χ. αὐ. (2 a)
— 34. ὃ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ 'Ι. (2 a)
17. 11. ψωμὸν ἄρτου τοῦ ἐν τῇ χ. σου (2 a)
— 16. ὃ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ 'Η. (2 a)
18. 9. δίδως τὸν δοῦλόν σου εἰς χεῖρα [A -ας] 'Αχ. (2 a)
— 46. καὶ χεὶρ κυρίου ἐπὶ τὸν 'Η. (2 a)
20 (21). 28. ἐγένετο ῥῆμα κυρίου ἐν χειρὶ δούλου αὐ. 'Η. †
21 (20). 6. ἐφ' ἃ ἂν ἐπιβάλωσι τὰς χ. αὐ. (2 a)
— 13. δίδωμι αὐτὸν σήμερον εἰς χεῖρας σάς (2 a)
— 28. δώσω τὴν δύναμιν τὴν μεγ. τ. εἰς χεῖρα σήν (2 a)
— 42. ἐξήνεγκας σὺ ἄνδρα ὀλέθριον ἐκ χειρός σου (2 a)
22. 3. λαβεῖν αὐτὴν ἐκ χειρὸς βασιλέως Συρίας (2 a)
— 6. διδοὺς δώσει κ. εἰς χεῖρας τοῦ βασ. (2 a)
— 12. δώσει κύριος εἰς χεῖράς σου καὶ τὸν βασ. Σ. (2 a)
— 15. εὐοδώσει κύριος εἰς χεῖρα [A -ας] τοῦ βασ. (2 a)
— 34. ἐπίστρεψον τὰς χ. [A τὴν χ.] σου (2 a)
IV Ki. 3. 10. δοῦναι αὐτοὺς ἐν χειρὶ M. (2 a)
— 11. ὃς ἐπέχεεν ὕδωρ ἐπὶ χεῖρας 'Η. (2 a)
— 13. τοῦ παραδοῦναι αὐτοὺς εἰς χεῖρας M. (2 a)
— 15. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν χεὶρ κυρίου (2 a)
— 18. παραδώσω τὴν M. ἐν χειρὶ ὑμῶν (2 a)
4. 29. λάβε τὴν βακτηρίαν μου ἐν τῇ χ. σου (2 a)
— 34. ἔθηκε . . . τὰς χ. αὐ. ἐπὶ τὰς χ. αὐ. (4, 4)
5. 5. ἔλαβεν ἐν τῇ χ. αὐ. δέκα τάλαντα ἀργυρίου (2 a)
— 11. ἐπιθήσει τὴν χ. αὐ. ἐπὶ τὸν τόπον (2 a)
— 18. ἐπαναπαύσεται ἐπὶ τῆς χ. μου (2 a)
— 20. τοῦ μὴ λαβεῖν ἐκ χειρὸς αὐ. ἃ ἐνήνοχε (2 a)
— 24. καὶ ἔλαβεν ἐκ τῶν χ. αὐ. (2 a)
6. 7. ἐξέτεινε τὴν χ. [A χ. αὐτοῦ] (2 a)
7. 2. ἐφ' ὃν ὁ βασ. ἐπανεπαύετο ἐπὶ τὴν χ. αὐ. (2 a)
— 17. ἐφ' ὃν ὁ βασ. ἐπανεπαύετο τῇ [A ἐπὶ τῇ] χ. αὐ. (2 a)
8. 8. λάβε ἐν τῇ χ. σου μαναά (2 a)
— 9. ἔλαβε μαναὰ ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
— 20. ἠθέτησεν 'Ε. ὑποκάτωθεν χειρὸς [A τῆς χ.] 'Ι. (2 a)
— 22. ἠθέτησεν 'Ε. ὑποκάτω τῆς [A om.] χ. 'Ι. (2 a)
9. 1. λάβε τὸν φακὸν τοῦ ἐλαίου τ. ἐν τῇ χ. σου [A om. ἐν τῇ χ. σ.] (2 a)
— 7. ἐκδικήσεις τὰ αἵματα . . . ἐκ χειρὸς 'Ιεζ. (2 a)
— 8. καὶ ἐκ χειρὸς ὅλου τοῦ οἴκου 'Αχ. –
— 23. ἐπέστρεψεν 'Ι. τὰς χ. αὐ. (2 a)
— 24. ἔπλησεν 'Ι. τὴν χ. αὐ. ἐν τῷ τόξῳ (2 a)
— 35. καὶ τὰ ἴχνη τῶν χ. (2 a)
— 36. ὃν ἐλάλησεν ἐν χειρὶ 'Η. (2 a)
10. 10. ὅσα ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. 'Η. (2 a)
— 15. δὸς τὴν χ. σου (2 a)
— 15. καὶ ἔδωκε τὴν χ. αὐ. (2 a)
— 24. ὧν ἐγὼ ἀνάγω ἐπὶ χεῖρας ὑμῶν (2 a)
11. 7. καὶ δύο χεῖρες ἐν ὑμῖν (2 a)
— 8. καὶ τὸ σκεῦος αὐ. ἐν χειρὶ αὐ. (2 a)
— 11. καὶ τὸ σκεῦος αὐ. ἐν τῇ [A om.] χ. αὐ. (2 a)
— 12. καὶ ἐκράτησεν τῇ χ. (4)
— 16. ἐπέθηκαν αὐτῇ χεῖρας (2 a)
12. 11 (12). ἔδωκαν τὸ ἀργ. . . . ἐπὶ χεῖρας ποιούντων τὰ ἔργα (2 a)
— 15 (16). οἷς ἐδίδουν τὸ ἀργ. ἐπὶ χεῖρας αὐτῶν (2 a)
13. 3. ἔδωκεν αὐτοὺς ἐν χειρὶ 'Αζ. . . . καὶ ἐν χειρὶ υἱοῦ Ἄ. (2 a, 2 a)
— 5. ἐξῆλθεν ὑποκάτωθεν χειρὸς Συρίας (2 a)
— 16. ἐπιβίβασον τὴν χ. σου ἐπὶ τὸ τόξον (2 a)
— 16. ἐπεβίβασεν 'Ι. τὴν χ. αὐ. (2 a)

IV Ki. 13. 16. ἐπέθηκεν 'Ελ. τὰς χ. [A τὴν χ.] αὐ. ἐπὶ τὰς χ. τοῦ βασ. (2 a, 2 a)
— 25. ἔλαβε τὰς πόλεις ἐκ χειρὸς υἱοῦ Ἄ. (2 a)
— 25. ἃς ἔλαβεν ἐκ χειρὸς 'Ι. τοῦ πατρὸς αὐ. (2 a)
14. 5. ὅτε κατίσχυσεν ἡ βασ. ἐν χειρὶ αὐ. (2 a)
— 25. ὃ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. 'Ι. (2 a)
— 27. ἔσωσεν αὐτοὺς ἐκ χειρὸς 'Ιερ. (2 a)
15. 19. εἶναι τὴν χ. αὐ. μετ' αὐτοῦ (2 a)
— 19. A τοῦ ἐνισχῦσαι τὸ βασίλειον ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
16. 7. σῶσόν με ἐκ χειρὸς βασιλέως Σ. καὶ ἐκ χειρὸς βασιλέως 'Ισρ. (4, 4)
17. 7. τῷ ἀναγαγόντι αὐτοὺς . . . ὑποκάτωθεν χειρὸς Φ. (2 a)
— 13. διεμαρτύρατο . . . ἐν χειρὶ πάντων τῶν προφητῶν αὐ. (2 a)
— 13. ἐν χειρὶ τῶν δούλων μου τῶν προφητῶν (2 a)
— 20. ἔδωκεν αὐτοὺς ἐν χειρὶ διαρπαζόντων αὐτούς (2 a)
— 23. ἐν χειρὶ πάντων τῶν δούλων αὐ. τῶν προφητῶν (2 a)
18. 21. εἰσελεύσεται εἰς τὴν χ. αὐ. (4)
— 29. οὐ μὴ δύνηται ὑμᾶς ἐξελέσθαι ἐκ χειρὸς αὐ. (2 a)
— 30. οὐ μὴ παραδοθῇ ἡ πόλις αὕτη ἐν χειρὶ βασιλέως 'Ασσ. (2 a)
— 33. ἐκ χειρὸς βασιλέως 'Ασσυρίων (2 a)
— 34. ἐξείλαντο Σαμάρειαν ἐκ χειρός μου (2 a)
— 35. οἱ ἐξείλαντο τὰς γᾶς αὐ. ἐκ χειρός μου (2 a)
— 35. ἐξελεῖται κ. τὴν 'Ιερ. ἐκ χειρός μου (2 a)
19. 10. οὐ μὴ παραδοθῇ 'Ιερ. εἰς χεῖρας βασιλέως 'Ασσ. (2 a)
— 14. ἔλαβεν 'Εζ. τὰ βιβλία ἐκ χειρὸς τῶν ἀγγέλων (2 a)
— 18. ἀλλ' ἢ ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων (2 a)
— 19. σῶσον ἡμᾶς ἐκ χειρὸς αὐ. (2 a)
— 23. ἐν χειρὶ ἀγγέλων σου ὠνείδισας κύριον (2 a)
— 26. ἠσθένησαν τῇ χ. (2 a)
20. 6. ἐκ χειρὸς βασιλέως 'Ασσ. σώσω σε (4)
21. 10. ἐν χειρὶ δούλων αὐ. τῶν προφητῶν (2 a)
— 14. παραδώσω αὐτοὺς εἰς χεῖρας ἐχθρῶν αὐτῶν (2 a)
22. 5. δότωσαν αὐτὸ ἐπὶ χεῖρα ποιούντων τὰ ἔργα (2 a)
— 9. ἔδωκαν αὐτὸ ἐπὶ χεῖρα ποιούντων τὰ ἔργα (2 a)
— 17. ἐν τοῖς ἔργοις τῶν χ. αὐ. (2 a)
24. 2. ὃν ἐλάλησεν ἐν χειρὶ τῶν δούλων αὐ. (2 a)
I Ch. 4. 10. καὶ ἦν ἡ χ. σου μετ' ἐμοῦ (2 a)
5. 10. ἔπεσον ἐν χερσὶν αὐ. (2 a)
— 20. ἐδόθησαν εἰς χεῖρας αὐ. (2 a)
6. 15 (5. 41). ἐπορεύθη . . . ἐν χειρὶ [A χερσὶν] Ναβ. (2 a)
— 31 (16). οὓς κατέστησε Δ. ἐπὶ χεῖρας ᾀδόντων (2 a)
11. 3. κατὰ τὸν λόγον κυρίου διὰ χειρὸς Σαμ. (2 a)
— 23. καὶ ἐν χειρὶ [A τῇ χ.] τοῦ Αἰγ. δόρυ (2 a)
— 23. ἀφείλατο ἐκ τῆς χ. τοῦ Αἰγ. τὸ δόρυ (2 a)
12. 17. οὐκ ἐν ἀληθείᾳ χειρός (4)
13. 9. ἐξέτεινεν 'Οζὰ τὴν χ. αὐ. [S om. τ. χ. αὐ.] (2 a)
— 10. διὰ τὸ ἐκτεῖναι τὴν χ. αὐ. (2 a)
14. 10. A² B S καὶ δώσεις αὐτοὺς εἰς τὰς χ. μου (2 a)
— 10. δώσω αὐτοὺς εἰς τὰς χ. σου (2 a)
— 11. διέκοψεν ὁ θ. τοὺς ἐχθρούς μου ἐν χειρί μου (2 a)
16. 7. ἔταξε Δ. . . . ἐν χειρὶ 'Ασάφ (2 a)
— 40. ἐν χειρὶ M. τοῦ θεράποντος τοῦ θεοῦ –
17. 23. S πιστωθήτω ἡ χ. σου [A B om. ἡ χ. σ.] –
18. 1. ἔλαβε τὴν Γ. . . . ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων (2 a)
— 3. ἐπιστῆσαι χεῖρα αὐ. ἐπὶ ποταμὸν Εὐφρ. (2 a)
19. 11. τὸ κατάλοιπον τοῦ λαοῦ ἔδωκεν ἐν χειρὶ 'Αβ. (2 a)
20. 8. ἔπεσον ἐν χειρὶ Δ. καὶ ἐν χειρὶ [A¹ om. Δ. κ. ἐν χ.] παίδων αὐ. (2 a, 2 a)
21. 13. ἐμπεσοῦμαι δὴ εἰς χεῖρας κυρίου (2 a)
— 13. εἰς χεῖρας ἀνθρώπων οὐ μὴ ἐμπέσω (2 a)
— 15. ἄνες τὴν χ. σου (2 a)
— 16. ἡ ῥομφ. αὐ. ἐσπασμένη ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
— 17. γενηθήτω ἡ χ. σου ἐν ἐμοί (2 a)
22. 18. ἔδωκεν ἐν χερσὶν [A χειρὶ] ὑμῶν τοὺς κατοικοῦντας (2 a)
23. 28. ἔστησεν αὐτοὺς ἐπὶ χεῖρα 'Α. (2 a)
24. 19. διὰ χειρὸς 'Α. πατρὸς αὐτῶν (2 a)
26. 28. ὃ ἡγίασαν διὰ χειρὸς Σαλ. (2 a)

I Ch. 28. 19. πάντα ἐν γραφῇ χειρὸς κυρίου ἔδωκε Δ. (2 a)
29. 5. διὰ χειρὸς τεχνιτῶν (2 a)
— 5. πληρῶσαι τὰς χ. αὐ. σήμερον κυρίῳ (2 a)
— 8. ἔδωκαν . . . διὰ χειρὸς Ἰ. (2 a)
— 12. καὶ ἐν χειρί σου ἰσχύς (2 a)
— 12. ἐν χειρί σου . . . κατισχῦσαι τὰ πάντα (2 a)
— 16. ἐκ χειρός σού ἐστι (2 a)
II Ch. 1. 17. ἐν χερσὶν αὐτῶν ἔφερον (2 a)
6. 4. καὶ ἐν χερσὶν αὐ. ἐπλήρωσε (2 a)
— 12, 13. διεπέτασε τὰς χ. αὐ. (4)
— 15. καὶ ἐν χερσί σου ἐπλήρωσας (2 a)
— 29. ἐὰν . . . διαπετάσῃ τὰς χ. αὐ. (4)
— 32. διὰ τὸ ὄνομά σου τὸ μέγα καὶ τὴν χ. σου τὴν κραταιάν (2 a)
7. 6. τοῦ ἐξομολογεῖσθαι . . . διὰ χειρὸς αὐτῶν (2 a)
8. 18. ἀπέστειλε Χ. ἐν χειρὶ παίδων αὐ. πλοῖα (2 a)
10. 15. ὃν ἐλάλησεν ἐν χειρὶ Ἀχ. (2 a)
12. 5. ἐγκαταλείψω ὑμᾶς ἐν χειρὶ Σ. (2 a)
13. 8. διὰ χειρὸς υἱῶν Δ. (2 a)
— 9. ὁ προσπορευόμ. πληρῶσαι τὰς χ. (2 a)
— 16. παρέδωκεν αὐτοὺς κ. εἰς τὰς [A om.] χ. αὐ. (2 a)
15. 7. μὴ ἐκλυέσθωσαν αἱ χ. ὑμῶν (2 a)
16. 7. ἐσώθη δύναμις Συρίας ἀπὸ τῆς χ. σου (2 a)
— 8. παρέδωκεν εἰς τὰς χ. σου (2 a)
17. 5. κατηύθυνε κ. τὴν βασ. ἐν χειρὶ αὐ. (2 a)
18. 5. δώσει ὁ θ. εἰς τὰς χ. τοῦ βασ. (2 a)
— 11. δώσει κύριος εἰς χεῖρας τοῦ βασ. (2 a)
— 14. δοθήσονται εἰς χεῖρας ὑμῶν (2 a)
— 33. ἐπίστρεφε τὴν χ. σου (2 a)
20. 6. καὶ ἐν τῇ χ. σου ἰσχὺς δυναστείας (2 a)
21. 10. A ἀπέστη ἀπὸ χειρὸς [B om.] Ἰ. (2 a)
— 10. τότε ἀπέστη Λ. . . . ἀπὸ χειρὸς αὐ. (2 a)
23. 7. ἀνδρὸς σκεῦος σκεῦος ἐν χειρὶ αὐ. (2 a)
— 18. διὰ χειρὸς ἱερέων καὶ Λευῖτων (2 a)
— 18. A² B ἐν ᾠδαῖς διὰ χειρὸς Δ. (2 a)
24. 11. διὰ χειρὸς τῶν Λευιτῶν (2 a)
— 13. ἀνέβη μῆκος τῶν ἔργων ἐν χερσὶν αὐ. (2 a)
— 24. παρέδωκεν εἰς τὰς χ. αὐ. δύναμιν πολλὴν σφόδρα (2 a)
25. 3. ὡς κατέστη ἡ βασ. ἐν χειρὶ αὐ. †
— 15. οἱ οὐκ ἐξείλαντο τὸν λαὸν ἑαυ. ἐκ χειρός σου (2 a)
— 20. τοῦ παραδοῦναι αὐτὸν εἰς χεῖρας (2 a)
26. 11. διὰ χειρὸς Ἰ. τοῦ γραμματέως (2 a)
— 11. διὰ χειρὸς Ἀν. τοῦ διαδόχου τοῦ βασ. (2 a)
— 19. καὶ ἐν τῇ χ. αὐ. τὸ θυμιατήριον (2 a)
28. 5. παρέδωκεν αὐτὸν . . . διὰ χειρὸς βασιλέως Σ. (2 a)
— 5. εἰς τὰς χ. βασιλέως Ἰσρ. παρέδωκεν αὐτόν (2 a)
— 9. παρέδωκεν αὐτοὺς εἰς τὰς χ. ὑμῶν (2 a)
29. 23. ἐπέθηκαν τὰς χ. αὐ. ἐπ' αὐτούς (2 a)
— 25. ἐν χειρὶ τῶν προφητῶν (2 a)
— 31. νῦν ἐπληρώσατε τὰς χ. ὑμῶν κυρίῳ (2 a)
30. 6. τοὺς καταλειφθέντας ἀπὸ χειρὸς βασιλέως Ἀ. (2 a)
— 12. ἐγένετο χεὶρ κυρίου δοῦναι αὐτοῖς (2 a)
— 16. ἐδέχοντο τὰ αἵματα ἐκ χειρὸς τῶν Λ. (2 a)
31. 15. διὰ χειρὸς Ὀ. . . . διὰ χειρὸς τῶν ἱερέων (2 a, †)
32. 11. σώσει ὑμᾶς ἐκ χειρὸς βασιλέως Ἀ. (4)
— 13, 14. σῶσαι τὸν λαὸν αὐ. ἐκ χειρός μου (2 a)
— 14. σῶσαι ὑμᾶς ἐκ χειρός μου (2 a)
— 15. τοῦ σῶσαι τὸν λαὸν αὐ. ἐκ χειρός μου καὶ ἐκ χειρὸς πατέρων μου (2 a, 2 a)
— 15. οὐ μὴ σώσει ὑμᾶς ἐκ χειρός μου (2 a)
— 17. οὐκ ἐξείλαντο λαοὺς αὐ. ἐκ χειρός μου (2 a)
— 17. οὐ μὴ ἐξέληται . . . λαὸν αὐ. ἐκ χειρός μου (2 a)
— 19. ἐπὶ θεοὺς λαῶν τῆς γῆς ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων (2 a)
— 22. ἔσωσε κ. Ἐζ. . . . ἐκ χειρὸς Σενν. . . . καὶ ἐκ χειρὸς πάντων (2 a, 2 a)
33. 8. ἃ ἐνετειλάμην αὐτοῖς . . . ἐν χειρὶ Μ. (2 a)
34. 9. ὃ συνήγαγον οἱ Δ. . . . ἐκ χειρὸς Μαν. (2 a)
— 10. ἔδωκαν αὐτὸ ἐπὶ χεῖρα ποιούντων τὰ ἔργα (2 a)
— 14. βιβλίον νόμου κυρίου διὰ χειρὸς Μ. (2 a)
— 16. ἐν χειρὶ τῶν παίδων σου τῶν ποιούντων (2 a)
— 17. B ἔδωκαν ἐπὶ χεῖρα τῶν ἐπισκόπων καὶ ἐπὶ χεῖρα [A B om. κ. ἐ. χ.] τῶν ποιούντων (2 a, 2 a)
— 25. ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις τῶν χ. αὐ. (2 a)
35. 4. διὰ χειρὸς βασιλέως Σαλ. υἱοῦ αὐ. †
— 6. τοῦ ποιῆσαι . . . διὰ χειρὸς Μ. (2 a)
II Ch. 35. 11. προσέχεαν οἱ ἱερεῖς τὸ αἷμα ἐκ χειρὸς αὐτῶν (2 a)
36. 5. ἐν χειρὶ τῶν παίδων αὐ. τῶν προφητῶν –
— 15. B ἐξαπέστειλε . . . ἐν χειρί [A B χ. προφητῶν] (2 a)
— 17. τὰ πάντα παρέδωκεν ἐν χερσὶν αὐ. (2 a)
I Es. 1. 53. πάντας παρέδωκαν εἰς τὰς χ. αὐ.
6. 10. καὶ εὐοδούμενον τὸ ἔργον ἐν ταῖς χ. αὐ.
— 15. παρέδωκεν αὐτοὺς εἰς χεῖρας Ναβ.
— 33. ὃς ἐκτενεῖ χεῖρα αὐ. κωλῦσαι
7. 15. κατισχῦσαι τὰς χ. αὐ. ἐπὶ τὰ ἔργα κ. θεοῦ Ἰσρ.
8. 47 (AR), 61. κατὰ τὴν κραταιὰν χ. τοῦ κυρίου ἡμῶν
— 73. ἐκτείνας τὰς χ. πρὸς τὸν κύριον
— 82. ἃ ἔδωκας ἐν χειρὶ τῶν παίδων σου τῶν προφητῶν
9. 20. ἐπέβαλον τὰς χ. ἐκβαλεῖν τὰς γυν. αὐ.
— 47. ἄραντες ἄνω τὰς χ.
II Es. 1. 6. ἐνίσχυσαν ἐν χερσὶν αὐ. (2 a)
— 8. ἐξήνεγκεν αὐτὰ . . . ἐπὶ χεῖρα Μιθρ. (2 a)
3. 10. τοῦ αἰνεῖν τὸν κ. ἐπὶ χεῖρας Δ. βασιλέως Ἰσρ. (2 a)
4. 4. ἦν ὁ λαὸς τῆς γῆς ἐκλύων χεῖρας τοῦ λαοῦ Ἰ. (2 a)
5. 8. εὐοδοῦται ἐν ταῖς [A om.] χ. αὐ. (2 b)
— 12. ἔδωκεν αὐτοὺς εἰς χεῖρας Ναβ. (2 b)
6. 12. ὃς ἐκτενεῖ τὴν χ. αὐ. ἀλλάξαι (2 b)
— 22. κραταιῶσαι τὰς χ. αὐ. (2 a)
7. 6. χεὶρ κ. θεοῦ αὐ. ἐπ' αὐτόν (2 a)
— 9. χεὶρ θεοῦ αὐ. ἦν ἀγαθὴ ἐπ' αὐτόν (2 a)
— 14. νόμῳ θεοῦ αὐ. τῷ ἐν χειρί σου (2 b)
— 25. ὡς ἡ σοφία τοῦ θεοῦ ἐν χειρί σου (2 b)
— 28. ὡς χεὶρ θεοῦ ἡ ἀγαθὴ ἐπ' ἐμέ (2 a)
8. 18. ὡς χεὶρ θεοῦ ἡμῶν ἀγαθὴ ἐφ' ἡμᾶς (2 a)
— 22. χεὶρ τοῦ θεοῦ ἡμῶν ἐπὶ πάντας τοὺς ζητοῦντας αὐτόν (2 a)
— 26. ἔστησα ἐπὶ χειρᾶς αὐ. ἀργυρίου τάλαντα ἑξακόσια (2 a)
— 31. χεὶρ θεοῦ ἡμῶν ἦν ἐφ' ἡμῖν (2 a)
— 31. ἐρρύσατο ἡμᾶς ἀπὸ χειρὸς ἐχθροῦ (4)
— 33. ἐστήσαμεν τὸ ἀργύριον . . . ἐπὶ χεῖρα Μ. (2 a)
9. 2. καὶ χεὶρ τῶν ἀρχόντων ἐν τῇ ἀσυνθεσίᾳ ταύτῃ (2 a)
— 5. B ἐκπετάζω χεῖράς [A R τὰς χ.] μου πρὸς τὸν θεόν (4)
— 7. παρεδόθημεν . . . ἐν χειρὶ βασιλέων τῶν ἐθνῶν (2 a)
— 11. ἐν χειρὶ δούλων σου τῶν προφητῶν (2 a)
10. 19. ἔδωκαν χεῖρα αὐτῶν (2 a)
Ne. 1. 10. οὓς ἐλυτρώσω . . . ἐν τῇ χ. σου τῇ κραταιᾷ (2 a)
2. 8. ὡς χεὶρ θεοῦ ἡ ἀγαθή (2 a)
— 18. ἀπήγγειλα αὐτοῖς τὴν χ. τοῦ θεοῦ (2 a)
— 18. ἐκραταιώθησαν αἱ χ. αὐ. εἰς ἀγαθόν (2 a)
3. 2. ἐπὶ χεῖρας ἀνδρῶν υἱῶν [A υἱ. ἁ.] Ἱερ. (2 a)
— 2. ἐπὶ χεῖρας υἱῶν Ζ. (2 a)
— 4. ἐπὶ χεῖρα [A S² -ας, S¹ θύρας] αὐ. κατέσχεν (2 a)
— 4. A S R ἐπὶ χεῖρα αὐ. κατέσχε (2 a)
— 4. B S ἐπὶ χεῖρα αὐ. κατέσχε (2 a)
— 5. ἐπὶ χεῖρα αὐ. κατέσχοσαν οἱ Θ. (2 a)
— 7. R ἐπὶ χεῖρα αὐ. ἐκράτησαν Μ. . . . καὶ Εὐ. (2 a)
— 8. ἐπὶ χεῖρα αὐ. ἐκράτησεν (2 a)
— 9. ἐπὶ χεῖρα αὐ. ἐκράτησε Ῥ. (2 a)
— 10. ἐπὶ χεῖρα αὐ. ἐκράτησεν Ἰ. (2 a)
— 10. ἐπὶ χεῖρα [S¹ -ας] αὐ. ἐκράτησεν Ἀ. (2 a)
— 12. ἐπὶ χεῖρα αὐ. ἐκράτησε Σ. (2 a)
— 17. ἐπὶ χεῖρα αὐ. ἐκράτησεν Ἀσ. (2 a)
— 19. ἐκράτησεν ἐπὶ χεῖρα αὐ. Ἀζ. (2 a)
4. 17 (11). ἐν μιᾷ χ. ἐποίει αὐτὸ τὸ ἔργον (2 a)
5. 5. B S² οὐκ ἔστι δύναμις χειρὸς [A S¹ -ῶν] ἡμῶν (2 a)
6. 5. καὶ ἐπιστολὴν ἀνεῳγμένην ἐν χειρὶ αὐ. (2 a)
— 9. ἐκλυθήσονται χείρες [S¹ -ας, A αἱ χ.] αὐ. (2 a)
— 9. ἐκραταίωσα τὰς χ. μου (2 a)
8. 6. A S² R ἐπάραντες χεῖρας αὐ. (2 a)
9. 14. ἐν χειρὶ Μ. δούλου σου (2 a)
— 15. ἐφ' ἣν ἐξέτεινας τὴν χ. σου (2 a)
— 24. ἔδωκας αὐτοὺς εἰς τὰς [S¹ om.] χ. αὐ. (2 a)
— 27. ἔδωκας αὐτοὺς ἐν χειρὶ θλιβόντων αὐτούς (2 a)
— 27. ἔσωσας αὐτοὺς ἐκ χειρὸς θλιβόντων αὐτούς (2 a)
— 28. ἐγκατέλιπες αὐτοὺς εἰς χεῖρας ἐχθρῶν αὐ. (2 a)
Ne. 9. 30. ἐπεμαρτύρω αὐτοῖς . . . ἐν χειρὶ προφητῶν σου (2 a)
— 30. ἔδωκας αὐτοὺς ἐν χειρὶ λαῶν τῆς γῆς (2 a)
10. 29 (30). ὃς ἐδόθη ἐν χειρὶ Μ. (2 a)
— 31 (32). καὶ ἀπαίτησιν πάσης χ. (2 a)
11. 24. καὶ Π. . . . πρὸς χεῖρα τοῦ βασ. (2 a)
12. 8. ἐπὶ τῶν χ. αὐτὸς καὶ οἱ ἀδ. αὐ. (2 a*, †)
13. 13. ἐπὶ χεῖρα [A B³ S -ας] Σελ. τοῦ ἱερέως †
— 13. καὶ ἐπὶ χεῖρα αὐ. Ἀνάν (2 a)
— 21. ἐκτενῶ χεῖρά [A S τὴν χ.] μου ἐν ὑμῖν (2 a)
To. 3. 11. S διαπετάσασα τὰς χ. πρὸς τὴν θυρίδα [A B al.]
5. 17. ἢ οὐχὶ ἡ ῥάβδος τῆς χ. ἡμῶν ἐστιν [S al.]
7. 13. λαβὼν [S λαβόμενος] τῆς χ. αὐτῆς
11. 4. λάβε δὲ παρὰ χεῖρα τὴν χολὴν τοῦ ἰχθύος [S al.]
— 11. S καὶ ἡ χολὴ τοῦ ἰχθύος ἐν τῇ χ. αὐ.
— 13. S ἀπελέπισεν ἑκατέραις ταῖς χ. αὐ. ἀπὸ τῶν κανθῶν [A B al.]
13. 2. ὃς [S ὁ] ἐκφεύξεται τὴν χ. αὐ.
— 11. δῶρα ἐν χερσὶν ἔχοντες [S al.]
Ju. 2. 12. ποιήσω ταῦτα ἐν χειρί μου
6. 10. παραδοῦναι εἰς χείρας υἱῶν Ἰσρ.
7. 25. πέπρακεν ἡμᾶς ὁ θ. εἰς τὰς χ. αὐ.
8. 33. ἐπισκέψεται κύριος τὸν Ἰσρ. ἐν χειρί μου
9. 2. ᾧ ἔδωκας ἐν χειρὶ ῥομφαίαν
— 9, 10 (S¹). δὸς ἐν χειρί μου τῆς χήρας
— 10. θραῦσον αὐ. τὸ ἀνάστεμα ἐν χειρὶ θηλείας
10. 15. ἕως παραδῶσί σε εἰς χεῖρας αὐ.
11. 13. ὧν οὐδὲ ταῖς χ. καθῆκεν ἅψασθαι οὐδένα
— 22. A B τοῦ γενηθῆναι ἐν χερσὶν ἡμῶν κράτος
12. 4. A B ἕως ἂν ποιήσῃ ἐν χειρί μου
13. 4. A B ἐπίβλεψον . . . ἐπὶ τὰ ἔργα τῶν χ. μου
— 14. ἔθραυσε τοὺς ἐχθροὺς ἡμῶν διὰ χειρός μου
— 15. ἐπάταξεν αὐτὸν ὁ κ. ἐν χειρὶ θηλείας
14. 6. ὡς δὲ . . . εἶδε τὴν κεφ. Ὀλ. ἐν χειρὶ ἀνδρὸς ἑνός
15. 10. ἐποίησας πάντα ταῦτα ἐν χειρί σου
— 12. ἔλαβε θύρσους ἐν ταῖς χ. αὐ.
16. 3. ἐξείλατό με ἐκ χειρὸς καταδιωκόντων με
— 6. ἠθέτησεν αὐτοὺς ἐν χειρὶ θηλείας
Es. 1. 1. ἑτοιμάζουσι τὰς χ. ἐπιβαλεῖν Ἀρταξέρξῃ
2. 8. συνήχθησαν . . . ὑπὸ χεῖρα Γαΐ (2 a)
3. 9. S² παραστήσω ἐπὶ χεῖρας τῶν ποιούντων τὰ ἔργα (2 a)
— 10. B ἔδωκεν εἰς χεῖρα [A S² R -ας, S¹ om. εἰς χ.] τῷ Ἀ. –
4. 8. ὡς ἐτράφης [A ἐστρ.] ἐν χειρί μου –
— 17. κίνδυνός μου ἐν χειρί [A τῇ χ.] μου
— 17. παρέδωκας ἡμᾶς εἰς χεῖρας τῶν ἐχθρῶν ἡμῶν
— 17. S² ἔθηκαν τὰς χ. αὐ. ἐπὶ τὰς χ. τῶν εἰδώλων αὐ. [A B S¹ al.]
— 17. ἡμᾶς δὲ ῥῦσαι ἐν χειρί σου
— 17. ῥῦσαι ἡμᾶς ἐκ χειρὸς τῶν πονηρευομένων
6. 2. ἐπιβαλεῖν τὰς χ. Ἀρταξέρξῃ (2 a)
— 8. S² δοθήτω τὸ ἔνδυμα . . . ἐν χειρί –
8. 7. τὰς χ. ἐπήνεγκε τοῖς Ἰουδαίοις (2 a)
9. 16. S² οὐκ ἀπέστειλαν τὰς χ. αὐ. (2 a)
Jb. 1. 10. τὰ δὲ ἔργα τῶν χ. αὐτοῦ εὐλόγησας (2 a)
— 11. ἀπόστειλον τὴν χ. σου (2 a)
— 12. πάντα . . . δίδωμι ἐν τῇ χ. σου (2 a)
2. 5. ἀποστείλας τὴν χ. σου (2 a)
— 10. εἰ τὰ ἀγαθὰ ἐδεξάμεθα ἐκ χειρὸς κυρίου –
4. 3. εἰ γὰρ σὺ . . . χείρας ἀσθενοῦς παρεκάλεσας (2 a)
5. 12. οὐ μὴ ποιήσουσιν αἱ χ. αὐτῶν ἀληθές (2 a)
— 15. ἀδύνατος δὲ ἐξέλθοι ἐκ χειρὸς δυνάστου (2 a)
— 18. αἱ χ. αὐτοῦ ἰάσαντο (2 a)
— 20. ἐκ χειρὸς σιδήρου λύσει σε (2 a)
6. 23. A ὥστε σῶσαί με ἐκ χειρὸς κακῶν [B S ἐξ ἐχθρῶν] ἢ ἐκ χειρὸς δυναστῶν ῥύσασθαί με (2 a, 2 a)
8. 4. ἀπέστειλεν ἐν χειρὶ [S χερσὶν] ἀνομίας [A τὴν ἀνομίαν] αὐτῶν (2 a)
9. 24. παραδέδονται γὰρ εἰς χεῖρας ἀσεβοῦς (2 a)
— 30. ἐὰν γὰρ . . . ἀποκαθάρωμαι χερσὶ καθαραῖς (4)
10. 3. ὅτι ἀπείπω [A ἀ. με] ἔργα χειρῶν σου (4)
— 7. τίς ἐστιν ὁ ἐκ τῶν χ. σου ἐξαιρούμενος (2 a)
— 8. αἱ χ. σου ἔπλασάν με (2 a)
11. 13. ὑπτιάζεις δὲ χεῖρας πρὸς αὐτόν [A al.] (4)
— 14. εἰ ἄνομόν τί ἐστιν ἐν χερσί σου (2 a)
12. 9. χεὶρ κυρίου ἐποίησε ταῦτα (2 a)
— 10. εἰ μὴ ἐν χειρὶ αὐτοῦ ψυχὴ πάντων ζώντων (2 a)
13. 14. ψυχὴν δέ μου θήσω ἐν χειρί [A S χερσίν] (4)

Jb. 13. 21. τὴν χ. ἀπ' ἐμοῦ ἀπέχου [A ἀπόσχου] (4)
14. 15. τὰ δὲ ἔργα τῶν χ. σου μὴ ἀποποιοῦ (2 a)
15. 22. ἐντέταλται [A -τακται] γὰρ ἤδη εἰς χεῖρας σιδήρου –
— 25. ἦρκε χεῖρας ἐναντίον τοῦ κυρίου (2 a)
16. 12 (11). παρέδωκε γάρ με ὁ κύριος εἰς χεῖρας ἀδίκου –
— 18 (17). ἄδικον δὲ οὐδὲν ἦν ἐν χερσί μου (4)
17. 3. A B S² τῇ χ. μου συνδεθήτω (2 a)
— 9. B S² καθαρὸς δὲ χεῖρας [A χερσὶν] ἀναλάβοι θάρσος (2 a)
19. 21. χεὶρ γὰρ κυρίου ἡ ἁψαμένη μού ἐστι (2 a)
20. 10. αἱ δὲ χ. αὐτοῦ πυρσεύσαισαν [A ψηλαφήσουσιν] ὀδύνας (2 a)
— 24. οὐ μὴ σωθῇ ἐκ χειρὸς σιδήρου †
21. 5. χεῖρα θέντες ἐπὶ σιαγόνι [A στόμα] (2 a)
— 16. ἐν χερσὶ γὰρ ἦν αὐτῶν τὰ ἀγαθά (2 a)
22. 30. διασώθητι ἐν καθαραῖς χ. σου (4)
23. 2. ἐκ χειρός [A -ῶν] μου ἡ ἔλεγξίς ἐστι καὶ ἡ χ. αὐτοῦ βαρεῖα γέγονεν (†, 2 a)
27. 11. ἀναγγελῶ ὑμῖν τί ἐστιν ἐν χειρὶ κυρίου (2 a)
— 22. ἐκ χειρὸς αὐτοῦ φυγῇ φεύξεται (2 a)
— 23. κροτήσει ἐπ' αὐτοὺς χεῖρας αὐ. (4)
28. 9. ἐν ἀκροτόμῳ ἐξέτεινε χεῖρα αὐτοῦ (2 a)
29. 12. διέσωσα γὰρ πτωχὸν ἐκ χειρὸς δυνάστου †
— 20. τὸ τόξον μου ἐν χειρὶ αὐτοῦ πορεύεται (2 a)
30. 2. καί γε ἰσχὺς χειρῶν αὐτῶν ἵνα τί μοι (2 a)
— 21. χειρὶ κραταιᾷ με ἐμαστίγωσας (2 a)
31. 7. εἰ δὲ καὶ ταῖς [A ἐν ταῖς] χ. μου ἡψάμην δώρων (4)
— 21. εἰ ἐπῆρα ὀρφανῷ χεῖρα (2 a)
— 25. εἰ δὲ καὶ ἐπ' ἀναριθμήτοις ἐθέμην χεῖρά μου (2 a)
— 27. χεῖρά μου ἐπιθεὶς ἐπὶ στόματί μου (2 a)
— 35. χεῖρα δὲ κυρίου εἰ μὴ ἐδεδοίκειν (6)
33. 7. οὐδὲ ἡ χ. μου βαρεῖα ἔσται ἐπὶ σοί †
35. 7. τί ἐκ χειρός σου λήψεται (2 a)
36. 32. ἐπὶ χειρῶν ἐκάλυψε φῶς (4)
37. 7. ἐν χειρὶ παντὸς ἀνθρώπου κατασφραγίζει (2 a)
39. 34 (40. 4). χεῖρα θήσω ἐπὶ στόματί μου (2 a)
40. 27 (32). ἐπιθήσεις δὲ αὐτῷ [A ἐπ' αὐτῷ] χεῖρα (4)
Ps. 7. 3. εἰ ἔστιν ἀδικία ἐν χερσί μου (4)
8. 6. A S R κατέστησας αὐτὸν ἐπὶ τὰ ἔργα τῶν [B om.] χ. σου (2 a)
9. 16. ἐν τοῖς ἔργοις τῶν χ. αὐτοῦ συνελήφθη (4)
— 33 (10. 12). ὑψωθήτω ἡ χ. σου (2 a)
— 35 (10. 14). τοῦ παραδοῦναι αὐτοὺς εἰς χειράς σου (2 a)
16 (17). 14. ἀπὸ ἐχθρῶν τῆς χειρός σου (2 a)
17 (18). tit. ἐρρύσατο αὐτὸν κύριος ἐκ χειρὸς πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ καὶ ἐκ χειρὸς Σαούλ (4, 2 a)
— 20, 24. κατὰ τὴν καθαριότητα τῶν χ. μου (2 a)
— 34. διδάσκων χεῖράς μου εἰς πόλεμον (2 a)
18 (19). 1. ποίησιν δὲ χειρῶν αὐτοῦ ἀναγγέλλει (2 a)
20 (21). 8. εὑρεθείη ἡ χ. σου πᾶσι τοῖς ἐχθροῖς σου (2 a)
21 (22). 16. ὤρυξαν χεῖράς μου καὶ πόδας (2 a)
— 20. καὶ ἐκ χειρὸς κυνὸς τὴν μονογενῆ μου (2 a)
23 (24). 4. ἀθῷος χερσὶ καὶ καθαρὸς τῇ καρδίᾳ (4)
25 (26). 6. νίψομαι ἐν ἀθῴοις τὰς χ. μου (4)
— 10. ὧν ἐν χερσὶν ἀνομίαι (2 a)
27 (28). 2. ἐν τῷ αἴρειν με χεῖράς μου εἰς ναὸν ἅγιόν σου (2 a)
— 4. κατὰ τὰ ἔργα τῶν χ. αὐτῶν δὸς αὐτοῖς (2 a)
— 5. καὶ εἰς τὰ ἔργα τῶν χ. αὐτοῦ (2 a)
30 (31). 5. εἰς χείράς σου παραθήσομαι τὸ πνεῦμά μου (2 a)
— 8. οὐ συνέκλεισάς με εἰς χεῖρας ἐχθροῦ (2 a)
— 15. ἐν ταῖς χ. σου οἱ κληροί μου (2 a)
— 15. ῥῦσαί με ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν μου (2 a)
31 (32). 4. ἐβαρύνθη ἐπ' ἐμὲ ἡ χ. σου (2 a)
34 (35). 10. ῥυόμενος πτωχὸν ἐκ χειρὸς [A om.] στερεωτέρων αὐτοῦ –
35 (36). 11. καὶ χεὶρ ἁμαρτωλῶν μὴ σαλεύσαι με (2 a)
36 (37). 24. κύριος ἀντιστηρίζει χεῖρα αὐτοῦ (2 a)
— 33. οὐ μὴ ἐγκαταλίπῃ αὐτὸν εἰς τὰς χ. αὐ. (2 a)
37 (38). 2. ἐπεστήρισας ἐπ' ἐμὲ τὴν χ. σου (2 a)
38 (39). 10. ἀπὸ τῆς ἰσχύος τῆς χ. σου ἐγὼ ἐξέλιπον (2 a)
40 (41). 2. καὶ μὴ παραδοῖ αὐτὸν εἰς χεῖρας ἐχθροῦ αὐτοῦ †
43 (44). 2. ἡ χ. σου ἔθνη ἐξωλέθρευσε (2 a)
Ps. 43 (44). 20. εἰ διεπετάσαμεν χεῖρας ἡμῶν πρὸς θεὸν ἀλλότριον (4)
46 (47). 1. πάντα τὰ ἔθνη, κροτήσατε χεῖρας (4)
48 (49). 15. ὁ θεὸς λυτρώσεται τὴν ψυχήν μου ἐκ χειρὸς ᾅδου (2 a)
54 (55). 20. B S² ἐξέτεινε τὴν χ. αὐτοῦ (2 a)
57 (58). 2. ἀδικίαν αἱ χ. ὑμῶν συμπλέκουσιν (2 a)
— 10. τὰς χ. αὐτοῦ νίψεται ἐν τῷ αἵματι τοῦ ἁμαρτωλοῦ †
62 (63). 4. ἐν τῷ ὀνόματί σου ἀρῶ τὰς χ. μου (4)
— 10. B S² παραδοθήσονται εἰς χεῖρας ῥομφαίας (2 a)
67 (68). 31. Αἰθιοπία προφθάσει χεῖρα αὐτῆς τῷ θεῷ (2 a)
70 (71). 4. ῥῦσαί με ἐκ χειρὸς ἁμαρτωλοῦ ἐκ χειρὸς παρανομοῦντος (2 a, 4)
71 (72). 12. B S¹ ἐρρύσατο πτωχὸν ἐκ χειρὸς [R om., S² om. ἐκ χ.] δυνάστου †
72 (73). 13. ἐνιψάμην ἐν ἀθῴοις τὰς χ. μου (4)
— 23. ἐκράτησας τῆς χ. τῆς δεξιᾶς μου (2 a)
73 (74). 3. ἔπαρον τὰς χ. σου ἐπὶ τὰς ὑπερηφανίας αὐτῶν †
— 11. ἵνα τί ἀποστρέφεις τὴν χ. σου (2 a)
74 (75). 8. ποτήριον ἐν χειρὶ κυρίου (2 a)
75 (76). 5. οὐχ εὗρον οὐδὲν . . . ταῖς χ. αὐτῶν (2 a)
76 (77). 2. ταῖς χ. μου νυκτὸς ἐναντίον αὐτοῦ (2 a)
— 20. ὡδήγησας ὡς πρόβατα τὸν λαόν σου ἐν χειρὶ Μωυσῆ καὶ Ἀαρών (2 a)
77 (78). 42. οὐκ ἐμνήσθησαν τῆς χ. αὐτοῦ ἡμέρας ἧς ἐλυτρώσατο αὐτοὺς ἐκ χειρὸς θλίβοντος (2 a, –)
— 61. καὶ τὴν καλλονὴν αὐ. εἰς χεῖρας ἐχθροῦ (2 a)
— 72. ἐν τῇ συνέσει τῶν χ. αὐτοῦ (4)
79 (80). 17. γενηθήτω ἡ χ. σου ἐπ' ἄνδρα δεξιᾶς [A -άν] σου (2 a)
80 (81). 6. αἱ χ. αὐτοῦ ἐν τῷ κοφίνῳ ἐδούλευσαν (4)
— 14. ἐπὶ τοὺς θλίβοντας αὐτοὺς [S -οῦ] ἐπέβαλον ἂν τὴν χ. μου (2 a)
81 (82). 4. καὶ πτωχὸν ἐκ χειρὸς ἁμαρτωλοῦ ῥύσασθε (2 a)
87 (88). 5. αὐτοὶ ἐκ τῆς χ. σου ἀπώσθησαν (2 a)
— 9. διεπέτασα πρὸς σὲ τὰς χ. μου (4)
88 (89). 13. κραταιωθήτω ἡ χ. σου (2 a)
— 21. ἡ γὰρ χ. μου συναντιλήψεται αὐτῷ (2 a)
— 25. θήσομαι ἐν θαλάσσῃ χεῖρα αὐτοῦ (2 a)
— 48. ῥύσεται τὴν ψυχὴν αὐτοῦ ἐκ χειρὸς ᾅδου (2 a)
89 (90). 17. τὰ ἔργα τῶν χ. ἡμῶν (2 a)
— 17. A S τὸ ἔργον τῶν χ. ἡμῶν (2 a)
90 (91). 12. ἐπὶ χειρῶν ἀροῦσί σε (4)
91 (92). 4. ἐν τοῖς ἔργοις τῶν χ. σου (2 a)
94 (95). 4. ἐν τῇ [S¹ om.] χ. αὐτοῦ τὰ πέρατα τῆς γῆς (2 a)
— 5. τὴν ξηρὰν αἱ χ. αὐτοῦ ἔπλασαν (2 a)
— 7. ἡμεῖς . . . πρόβατα χειρὸς [A τῆς χ.] αὐ. (2 a)
96 (97). 10. ἐκ χειρὸς ἁμαρτωλῶν ῥύσεται αὐτούς (2 a)
97 (98). 8. ποταμοὶ κροτήσουσι χειρί (4)
101 (102). 25. ἔργα τῶν [S om.] χ. σου (2 a)
103 (104). 28. ἀνοίξαντος δέ σου τὴν χ. (2 a)
105 (106). 10. A R ἔσωσεν αὐτοὺς ἐκ χειρὸς [B S -ῶν] μισούντων καὶ ἐλυτρώσατο αὐτοὺς ἐκ χειρὸς ἐχθροῦ (2 a, 2 a)
— 26. ἐπῆρε τὴν χ. αὐτοῦ ἐπ' αὐτούς (2 a)
— 41. παρέδωκεν αὐτοὺς εἰς χεῖρας ἐθνῶν (2 a)
— 42. ἐταπεινώθησαν ὑπὸ τὰς χ. αὐτῶν (2 a)
106 (107). 2. οὓς ἐλυτρώσατο ἐκ χειρὸς ἐχθροῦ (2 a)
108 (109). 27. γνώτωσαν ὅτι ἡ χ. σου αὕτη (2 a)
110 (111). 7. ἔργα χειρῶν αὐτοῦ ἀλήθεια (2 a)
113. 12 (115. 4). ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων (2 a)
— 15 (115. 7). χεῖρας ἔχουσι (2 a)
118 (119). 48. ἦρα τὰς χ. μου πρὸς τὰς ἐντολάς σου (4)
— 73. A S² R αἱ χ. σου ἐποίησάν με [S¹ al.] (2 a)
— 109. ἡ ψυχή μου ἐν ταῖς χ. σου διὰ παντός (4)
— 173. γενέσθω ἡ χ. σου τοῦ σῶσαί με (2 a)
120 (121). 5. A¹ S R κύριος σκέπη σου ἐπὶ χεῖρα δεξιάν [A² -ᾶς] σου (2 a)
122 (123). 2. ὡς ὀφθαλμοὶ δούλων εἰς χεῖρας τῶν κυρίων αὐ. (2 a)
— 2. ὡς ὀφθαλμοὶ παιδίσκης εἰς χεῖρας τῆς κυρίας αὐ. (2 a)
124 (125). 3. ὅπως ἂν μὴ ἐκτείνωσιν . . . χεῖρας αὐ. (2 a)
126 (127). 4. ὡσεὶ βέλη ἐν χειρὶ δυνατοῦ (2 a)
Ps. 128 (129). 7. οὗ οὐκ ἐπλήρωσε τὴν χ. αὐτοῦ ὁ θερίζων (4)
133 (134). 2. ἐν ταῖς νυξὶν ἐπάρατε τὰς χ. ὑμῶν εἰς τὰ ἅγια (2 a)
134 (135). 15. ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων (2 a)
— 17. A χείρας ἔχουσιν –
135 (136). 12. ἐν χειρὶ κραταιᾷ καὶ ἐν βραχίονι ὑψηλῷ (2 a)
— 24. S ἐλυτρώσατο ἡμᾶς ἐκ χειρὸς [A R τῶν] ἐχθρῶν ἡμῶν –
137 (138). 7. ἐπ' ὀργὴν ἐχθρῶν μου ἐξέτεινας χεῖράς σου (2 a)
— 8. τὰ ἔργα τῶν χ. σου μὴ παρίδῃς (2 a)
138 (139). 5. ἔθηκας ἐπ' ἐμὲ τὴν χ. σου (4)
— 10. καὶ γὰρ ἐκεῖ ἡ χ. σου ὁδηγήσει με (2 a)
139 (140). 4. φύλαξόν με, κύριε, ἐκ χειρὸς ἁμαρτωλοῦ (2 a)
140 (141). 2. ἔπαρσις τῶν χ. μου θυσία ἑσπερινή (4)
142 (143). 5. ἐν ποιήμασι τῶν χ. σου ἐμελέτων (2 a)
— 6. διεπέτασα πρὸς σὲ τὰς χ. μου (2 a)
143 (144). 1. ὁ διδάσκων τὰς χ. μου εἰς παράταξιν (2 a)
— 7. ἐξαπόστειλον τὴν χ. σου ἐξ ὕψους (2 a)
— 7. ῥῦσαί με . . . ἐκ χειρὸς υἱῶν ἀλλοτρίων (2 a)
— 11. ἐξελοῦ με ἐκ χειρὸς υἱῶν ἀλλοτρίων (2 a)
144 (145). 16. ἀνοίγεις σὺ τὰς χ. [S² τὴν χ.] σου (2 a)
149. 6. καὶ ῥομφαῖαι δίστομοι ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)
151. 2. αἱ χ. μου ἐποίησαν ὄργανον
Pr. 3. 27. ἡνίκα ἂν ἔχῃ ἡ χ. σου βοηθεῖν [A εὖ ποίει] (2 a)
6. 1. παραδώσεις σὴν χ. ἐχθρῷ (4)
— 3. ἥκεις γὰρ εἰς χεῖρας κακῶν διὰ σὸν φίλον (4)
— 10. ὀλίγον δὲ ἐναγκαλίζῃ χερσὶ στήθη (2 a)
— 17. χεῖρες ἐκχέουσαι αἷμα δικαίου (2 a)
7. 20. ἔνδεσμον ἀργυρίου λαβὼν ἐν χειρὶ αὐτοῦ (2 a)
9. 12. συνάγει δὲ χερσὶν ἀκαρπίαν –
10. 4. χεῖρες δὲ ἀνδρείων πλουτίζουσιν (2 a)
— 11. πηγὴ ζωῆς ἐν χειρὶ δικαίου †
11. 21. χειρὶ χεῖρας [S¹ -α] ἐμβαλὼν ἀδίκως (2 a, 2 a)
12. 24. χεὶρ ἐκλεκτῶν κρατήσει εὐχερῶς [A ἐχθρῶν] (2 a)
13. 4. χεῖρες δὲ ἀνδρείων ἐν ἐπιμελείᾳ †
14. 1. ἡ δὲ ἄφρων κατέσκαψε ταῖς χ. αὐ. (2 a)
16. 5. χειρὶ δὲ χεῖρας ἐμβαλών (2 a, 2 a)
18. 21. θάνατος καὶ ζωὴ [A θ. ζωῆς] ἐν χειρὶ γλώσσης (2 a)
19. 24. ὁ ἐγκρύπτων εἰς τὸν κόλπον αὐτοῦ χεῖρας ἀδίκως (2 a)
21. 1. οὕτως καρδία βασιλέως ἐν χειρὶ θεοῦ (2 a)
— 25. οὐ γὰρ προαιροῦνται αἱ χ. αὐ. ποιεῖν τι (2 a)
23. 2. ἐπίβαλλε τὴν χ. σου –
24. 33 (30. 10). μὴ παραδῷς οἰκέτην εἰς χεῖρας δεσπότου –
— 48 (33). ὀλίγον δὲ ἐναγκαλίζομαι χερσὶ στήθη (2 a)
— 63 (30. 28). καλαβώτης χερσὶν ἐρειδόμενος (2 a)
— 67 (30. 32). καὶ ἐκτείνῃς τὴν χ. σου μετὰ μάχης (2 a)
26. 9. ἄκανθαι φύονται ἐν χειρὶ μεθύσου δουλεία δὲ ἐν χειρὶ τῶν ἀφρόνων (2 a, †)
— 15. κρύψας ὀκνηρὸς τὴν χ. ἐν τῷ κόλπῳ αὐτοῦ (2 a)
31. 13. ἐποίησεν εὔχρηστον ταῖς χ. αὐ. (4)
— 16. ἀπὸ δὲ καρπῶν χειρῶν αὐ. κατεφύτευσε κτῆμα (4)
— 19. A S² τὰς χ. [B S¹ τοὺς πήχεις] αὐτῆς ἐκτείνει ἐπὶ τὰ συμφέροντα (2 a)
— 19. B S τὰς δὲ χ. [A τοὺς δὲ πήχεις] αὐτῆς ἐρείδει εἰς ἄτρακτον (4)
— 20. χεῖρας δὲ αὐτῆς διήνοιξε πένητι (4)
Ec. 2. 11. οἷς ἐποίησαν αἱ χ. μου (2 a)
— 24. ἀπὸ χειρὸς τοῦ θεοῦ ἐστιν (2 a)
4. 1. ἀπὸ χειρὸς συκοφαντούντων αὐτοὺς ἰσχύς (2 a)
— 5. ὁ ἄφρων περιέβαλε [A S -έλαβεν] τὰς χ. αὐ. (2 a)
5. 5. A S R διαφθείρῃ τὰ ποιήματα χειρῶν σου [B σῶν] (2 a)
— 13. οὐκ ἔστιν ἐν χειρὶ αὐτοῦ οὐδέν (2 a)
— 14. ἵνα πορευθῇ ἐν χειρὶ αὐτοῦ (2 a)
7. 19 (18). ἀπὸ τούτου μὴ μιάνῃς τὴν χ. σου (2 a)
— 27 (26). δεσμὸς εἰς χεῖρας αὐτῆς (2 a)
9. 1. αἱ ἐργασίαι αὐτῶν ἐν χειρὶ τοῦ θεοῦ (2 a)
— 10. πάντα ὅσα ἂν εὕρῃ ἡ χ. σου τοῦ ποιῆσαι (2 a)

Ec. 10. 18. ἐν ἀργίᾳ χειρῶν στάξει [A στενάξει] ἡ οἰκία (2 a)
11. 6. ἐν ἑσπέρᾳ [S εἰς ἑσπέραν] μὴ ἀφέτω ἡ χ. σου (2 a)
Ca. 5. 4. ἀπέστειλε χεῖρα αὐτοῦ ἀπὸ τῆς ὀπῆς (2 a)
— 5. χεῖρές [A² αἱ χ.] μου ἔσταξαν σμύρναν (2 a)
— 5. ἐπὶ χεῖρας τοῦ κλείθρου ἤνοιξα ἐγώ (4)
— 14. χεῖρες αὐτοῦ τορευταὶ χρυσαί (2 a)
7. 1 (2). A ἔργῳ χειρῶν [B S ἔργον] τεχνίτου (2 a)
Wi. 1. 12. μηδὲ ἐπισπᾶσθε ὄλεθρον ἔργοις [A ἐν ἐ.] χειρῶν ὑμῶν
— 16. ἀσεβεῖς δὲ ταῖς χ. . . . προσεκαλέσαντο αὐτόν
2. 18. ῥύσεται αὐτὸν ἐκ χειρὸς ἀνθεστηκότων
3. 1. δικαίων δὲ ψυχαὶ ἐν χειρὶ θεοῦ
— 14. εὐνοῦχος ὁ μὴ ἐργασάμενος ἐν χειρὶ ἀνόμημα
5. 16. λήψονται . . . τὸ διάδημα τοῦ κάλλους ἐκ χειρὸς κυρίου
7. 11. ἀναρίθμητος πλοῦτος ἐν χερσὶν [B¹ ταῖς χ., S χειρὶ] αὐτῆς
— 16. ἐν γὰρ χειρὶ αὐτοῦ καὶ ἡμεῖς
8. 12. χεῖρα [S -ας] ἐπιθήσουσιν ἐπὶ στόμα αὐ.
— 18. ἐν πόνοις χειρῶν αὐ. πλοῦτος ἀνεκλιπής
9. 16. τὰ ἐν χερσὶν [S ποσὶν] εὑρίσκομεν μετὰ πόνου
10. 20. τήν τε ὑπέρμαχόν σου χεῖρα ἤνεσαν
11. 1. εὐώδωσε τὰ ἔργα αὐ. ἐν χειρὶ προφήτου ἁγίου
— 17. οὐ γὰρ ἠπόρει ἡ παντοδύναμός σου χείρ
12. 6. ἀπολέσαι διὰ χειρῶν πατέρων ἡμῶν
13. 10. οἵτινες ἐκάλεσαν θεοὺς ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων
— 10. λίθον ἄχρηστον χειρὸς ἔργον ἀρχαίας
— 19. περὶ δὲ . . . ἐργασίας καὶ χειρῶν ἐπιτυχίας τὸ ἀδρανέστατον ταῖς χ. εὐδράνειαν αἰτεῖται [S al.]
14. 6. ἡ ἐλπὶς τοῦ κόσμου . . . τῇ σῇ κυβερνηθεῖσα χειρί
15. 15. οὔτε δάκτυλοι χειρῶν εἰς ψηλάφησιν
— 17. θνητὸς δὲ ὢν νεκρὸν ἐργάζεται χερσὶν ἀνόμοις
16. 15. τὴν δὲ σὴν χ. φυγεῖν ἀδύνατόν ἐστιν
19. 3. ἔτι γὰρ ἐν χερσὶν ἔχοντες τὰ πένθη
— 8. διῆλθον οἱ τῇ σῇ σκεπαζόμενοι χ.
Si. 2. 12. οὐαὶ καρδίαις δειλαῖς καὶ χερσὶ παρειμέναις
— 18. ἐμπεσούμεθα εἰς χεῖρας κυρίου καὶ οὐκ εἰς χεῖρας ἀνθρώπων
4. 9. ἐξελοῦ ἀδικούμενον ἐκ χειρὸς ἀδικοῦντος
— 19. παραδώσει αὐτὸν εἰς χεῖρας πτώσεως αὐτοῦ
— 31. μὴ ἔστω ἡ χ. σου ἐκτεταμένη εἰς τὸ λαβεῖν
5. 12. ἡ χ. σου ἔστω ἐπὶ στόματί σου
7. 32. πτωχῷ ἔκτεινον τὴν χ. σου
8. 1. μή ποτε ἐμπέσῃς εἰς τὰς χ. αὐτοῦ
9. 17. ἐν χειρὶ τεχνιτῶν ἔργον ἐπαινεσθήσεται
10. 4. ἐν χειρὶ κυρίου ἐξουσία τῆς γῆς
— 5. ἐν χειρὶ κυρίου εὐοδία ἀνδρός
11. 6. ἔνδοξοι παρεδόθησαν εἰς χεῖρας ἑτέρων
12. 18. ἐπικροτήσει ταῖς χερσὶν αὐτοῦ
14. 25. στήσει τὴν σκηνὴν αὐτοῦ κατὰ χεῖρας αὐτῆς
15. 14. ἀφῆκεν αὐτὸν ἐν χειρὶ διαβουλίου αὐτοῦ
— 16. οὗ ἐὰν θέλῃς ἐκτενεῖς τὴν χ. σου
21. 19. ὡς χειροπέδαι ἐπὶ χειρὸς δεξιᾶς
22. 2. πᾶς ὁ ἀναιρούμενος αὐτὸν ἐκτινάξει χεῖρα
25. 23. χεῖρες παρειμέναι καὶ γόνατα παραλελυμένα
— 26. εἰ μὴ πορεύεται κατὰ χειρά [S -άς] σου
27. 19. ὡς πετεινὸν ἐκ χειρὸς σου ἀπέλυσας
29. 1. ὁ ἐπισχύων τῇ χ. αὐ. τηρεῖ ἐντολάς
— 5. καταφιλήσει χεῖρα [A S -ας] αὐτοῦ
— 26. εἴ τι ἐν τῇ χ. σου ψώμισόν με
30. 30 (33. 21). ἢ σὲ ἐμβλέπειν εἰς χεῖρας υἱῶν σου
— 34 (33. 25). ἄνες χεῖρας αὐτῷ
32 (35). 8. μὴ μικρύνῃς ἀπαρχὴν χειρῶν σου
— 10. ἐν ἀγαθῷ ὀφθαλμῷ καθ' εὕρεμα [S αἵρεμα] χειρός
33 (36). 3. ἔπαρον τὴν χ. σου ἐπὶ ἔθνη ἀλλότρια
— 6. δόξασον χεῖρα καὶ βραχίονα δεξιόν
34 (31). 14. μὴ ἐκτείνῃς χεῖρα
— 18. πρότερος αὐτῶν μὴ ἐκτείνῃς τὴν χ. σου
36 (33). 13. ἐν χειρὶ αὐτοῦ πᾶσαι αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ
— 13. οὕτως ἄνθρωποι ἐν χειρὶ τοῦ ποιήσαντος αὐτούς
38. 10. καὶ εὔθυνον χεῖρας
— 13. ἔστι καιρὸς ὅτε καὶ ἐν χερσὶν αὐτῶν εὐωδία
— 15. ἐμπέσοι εἰς χεῖρας ἰατροῦ [A αὐτοῦ]
— 31. πάντες οὗτοι εἰς χεῖρας αὐτῶν ἐνεπίστευσαν
39. 31. A ἐπὶ τῆς γῆς εἰς χεῖρας [B S χρείας] ἑτοιμασθήσονται
40. 14. ἐν τῷ ἀνοῖξαι αὐτὸν χεῖρας εὐφρανθήσεται
Si. 42. 6. ὅπου χεῖρες πολλαὶ κλείσον
43. 12. χεῖρες ὑψίστου ἐτάνυσαν αὐτό
45. 15. ἐπλήρωσε Μωυσῆς τὰς χ.
46. 2. ὡς ἐδοξάσθη ἐν τῷ ἐπᾶραι χεῖρας αὐτοῦ
— 4. οὐχὶ ἐν χειρὶ αὐ. ἀνεπόδισεν ὁ ἥλιος
47. 4. ἐν τῷ ἐπᾶραι χεῖρα [A -ας] ἐν λίθῳ σφενδόνης
48. 18. ἐπῆρεν ἡ χ. [A ἐπ. χείρα] αὐτοῦ ἐπὶ Σιών
— 19. τότε ἐσαλεύθησαν . . . χεῖρες [A S αἱ χ.] αὐ.
— 20. ἐκπετάσαντες τὰς χ. αὐτῶν πρὸς αὐτόν
— 20. ἐλυτρώσατο αὐτοὺς ἐν χειρὶ Ἡσαΐου
49. 6. ἠρήμωσαν τὰς ὁδοὺς αὐτῆς ἐν χειρὶ Ἱερεμίου
— 11. αὐτὸς ὡς σφραγὶς ἐπὶ δεξιᾶς χειρός
50. 12. ἐν δὲ τῷ δέχεσθαι μέλη ἐκ χειρῶν ἱερέων
— 13. προσφορὰ κυρίου ἐν χερσὶν αὐτῶν
— 15. ἐξέτεινεν ἐπὶ σπονδείου χεῖρα αὐτοῦ
— 20. ἐπῆρε χεῖρας [A -ρα] αὐτοῦ
51. 3. ἐλυτρώσω με . . . ἐκ χειρὸς ζητούντων τὴν ψυχήν μου
— 8. σώζεις αὐτοὺς ἐκ χειρὸς ἐθνῶν [A S ἐχθρῶν]
— 19. τὰς χ. μου ἐξεπέτασα πρὸς ὕψος
Ho. 2. 10 (12). οὐδεὶς οὐ μὴ ἐξέληται αὐτὴν ἐκ χειρός μου (2 a)
7. 5. ἐξέτεινε τὴν χ. αὐ. μετὰ λοιμῶν (2 a)
11. 6. κατέπαυσεν ἐν ταῖς χ. αὐ. †
12. 7 (8). X. ἐν χειρὶ αὐ. ζυγὸς ἀδικίας (2 a)
— 10 (11). ἐν χερσὶ προφητῶν ὡμοιώθην (2 a)
13. 4. οὗ αἱ χ. ἔκτισαν πᾶσαν τὴν στρατιὰν τοῦ οὐρ. –
— 14. ἐκ χειρὸς ᾅδου ῥύσομαι (2 a)
14. 4. οὐκέτι μὴ εἴπωμεν, Θεοὶ ἡμῶν, τοῖς ἔργοις τῶν χ. ἡμῶν (2 a)
Am. 1. 8. ἐπάξω τὴν χ. μου ἐπὶ Ἀκκ. (2 a)
5. 19. καὶ ἀπερείσηται τὰς χ. αὐ. ἐπὶ τὸν τοῖχον (2 a)
7. 7. καὶ ἐν τῇ χ. αὐ. ἀδάμας (2 a)
9. 2. ἐκεῖθεν ἡ χ. μου ἀνασπάσει αὐτούς (2 a)
Mi. 2. 1. οὐκ ἦραν πρὸς τὸν θεὸν τὰς χ. αὐ. (2 a)
4. 10. λυτρώσεταί σε κ. ὁ θ. σου ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν σου (4)
5. 9 (8). ὑψωθήσεται ἡ χ. σου (2 a)
— 12 (11). ἐξολεθρεύσω τὰ φάρμακά σου ἐκ τῶν χ. σου (2 a)
— 13 (12). οὐκέτι μὴ προσκυνήσεις τοῖς ἔργοις τῶν χ. σου (2 a)
7. 3. ἐπὶ τὸ κακὸν τὰς χ. αὐ. ἑτοιμάζουσιν (4)
— 16. ἐπιθήσουσι χεῖρας [A -α] ἐπὶ τὸ στ. αὐ. (2 a)
Jl. 3 (4). 8. ἀποδώσομαι τοὺς υἱοὺς ὑμῶν . . . εἰς χεῖρας τῶν υἱῶν Ἰ. (2 a)
Jn. 3. 8. καὶ ἀπὸ τῆς ἀδικίας τῆς ἐν χερσὶν αὐ. (4)
Na. 3. 19. κροτήσουσι χεῖρας [A -α] ἐπὶ σέ (4)
Hb. 2. 9. τοῦ ἐκσπασθῆναι ἐκ χειρὸς κακῶν (4)
3. 4. κέρατα ἐν χερσὶν αὐ. (2 a)
Ze. 1. 4. ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπὶ Ἰούδαν (2 a)
2. 13. ἐκτενεῖ τὴν χ. αὐ. ἐπὶ βορρᾶν [A S³ al.] (2 a)
3. 1 (2. 15). κινήσει τὰς χ. αὐ. (2 a)
— 15. λελύτρωταί σε ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν σου –
— 16. μὴ παρείσθωσαν αἱ χ. σου (2 a)
Hg. 1. 1, 3. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν χειρὶ Ἀγγαίου (2 a)
— 11. καὶ ἐπὶ πάντας τοὺς πόνους τῶν χ. αὐ. (4)
2. 2 (1). ἐλάλησε κύριος ἐν χειρὶ Ἀγγαίου (2 a)
— 15 (14). καὶ οὕτως πάντα τὰ ἔργα τῶν χ. αὐ. (2 a)
— 18 (17). πάντα τὰ ἔργα τῶν χ. ὑμῶν (2 a)
Za. 1. 21 (2. 4). τοῦ ὀξῦναι αὐτὰ εἰς χεῖρας αὐ. †
2. 1 (5). ἐν τῇ χ. αὐ. σχοινίον γεωμετρικόν (2 a)
— 9 (13). ἐπιφέρω τὴν χ. μου ἐπ' αὐτούς (2 a)
4. 9. αἱ χεῖρες Ζορ. ἐθεμελίωσαν . . . καὶ αἱ χ. αὐ. ἐπιτελέσουσιν αὐτόν (2 a, 2 a)
— 10. ὄψονται τὸν λίθον . . . ἐν χειρὶ Ζορ. (2 a)
— 12. τί οἱ δύο κλάδοι . . . οἱ ἐν ταῖς χ. τῶν δύο μυξωτήρων (2 a)
7. 7. οὓς ἐλάλησε κ. ἐν χερσὶ τῶν προφητῶν (2 a)
— 12. οὓς ἐξαπέστειλε κ. . . . ἐν χερσὶ τῶν προφητῶν (2 a)
8. 4. ἕκαστος τὴν ῥάβδον αὐ. ἔχων ἐν τῇ [A om.] χ. αὐ. (2 a)
— 9. κατισχυέτωσαν αἱ χ. ὑμῶν (2 a)
— 13. κατισχύετε ἐν ταῖς χ. ὑμῶν (2 a)
11. 6. B S παραδίδωμι τοὺς ἀνθρ. ἕκαστον εἰς χεῖρας [A R -α] τοῦ πλησίον αὐ. καὶ εἰς χεῖρας [A R -α] βασιλέως αὐ. (2 a, 2 a)
— 6. οὐ μὴ ἐξέλωμαι ἐκ χειρὸς αὐ. (2 a)
— 8. S¹ καὶ γὰρ αἱ χ. [A B S³ ψυχαὶ] αὐ. ἐπωρύοντο ἐπ' ἐμέ †
13. 6. τί αἱ πληγαὶ αὗαι ἀνὰ μέσον τῶν χ. σου (2 a)
— 7. ἐπάξω τὴν χ. μου ἐπὶ τοὺς μικρούς (2 a)
Za. 14. 13. ἐπιλήψονται ἕκαστος τῆς χ. τοῦ πλησίον αὐ. (2 a)
— 13. συμπλακήσεται ἡ χ. αὐ. πρὸς τὴν [A om.] χ. τοῦ πλησίον αὐ. (2 a, 2 a)
Ma. 1. 1. λῆμμα λόγου κυρίου . . . ἐν χειρὶ ἀγγέλου αὐ. (2 a)
— 9. ἐν χερσὶν ὑμῶν γέγονε ταῦτα (2 a)
— 10. θυσίαν οὐ προσδέξομαι ἐκ τῶν χ. ὑμῶν (2 a)
— 13. εἰ προσδέξομαι αὐτὰ ἐκ τῶν χ. ὑμῶν (2 a)
2. 13. ἢ λαβεῖν δεκτὸν ἐκ τῶν χ. ὑμῶν (2 a)
Is. 1. 12. τίς γὰρ ἐξεζήτησε ταῦτα ἐκ τῶν χ. ὑμῶν (2 a)
— 15. ὅταν ἐκτείνητε τὰς χ. . . . αἱ γὰρ χ. ὑμῶν αἵματος πλήρεις (4, 2 a)
— 25. ἐπάξω τὴν χ. μου ἐπὶ σέ (2 a)
2. 8. ἐνεπλήσθη ἡ γῆ βδελυγμάτων τῶν ἔργων τῶν χ. αὐ. (2 a)
3. 11. κατὰ τὰ ἔργα τῶν χ. αὐτοῦ (2 a)
5. 12. τὰ ἔργα τῶν χ. αὐτοῦ οὐ κατανοοῦσι (2 a)
— 25. ἐπέβαλε τὴν χ. ἐπ' αὐτοὺς . . . ἀλλὰ ἔτι ἡ χ. ὑψηλή (2 a, 2 a)
6. 6. ἐν τῇ χ. εἶχεν ἄνθρακα (2 a)
8. 11. τῇ ἰσχυρᾷ χ. ἀπειθοῦσι (2 a)
9. 12 (11), 17 (16), 21 (20). 10. 4. ἔτι ἡ χ. ὑψηλή (2 a)
10. 5. ὀργή ἐστιν ἐν ταῖς χ. αὐ. [A S al.] (2 a)
— 10. A S ταύτας ἔλαβον ἐν τῇ χ. μου [B om. ἐ. τ. χ. μ.] (2 a)
— 14. τὴν οἰκουμένην ὅλην καταλήψομαι τῇ χ. (2 a)
— 32. τῇ χ. παρακαλεῖτε τὸ ὄρος (2 a)
11. 8. ἐπὶ κοίτην ἐκγόνων ἀσπίδων τὴν χ. ἐπιβαλεῖ (2 a)
— 11. τοῦ δείξαι τὴν χ. αὐτοῦ (2 a)
— 14. ἐπὶ Μωὰβ πρῶτον τὰς χ. ἐπιβαλοῦσιν (2 a)
— 15. ἐπιβαλεῖ τὴν χ. αὐτοῦ ἐπὶ τὸν ποταμόν (2 a)
13. 2. παρακαλεῖτε τῇ χ. [A ψυχῇ] (2 a)
— 7. πᾶσα χ. [A πᾶσαι χ.] ἐκλυθήσεται (2 a)
14. 26. αὕτη ἡ χ. ἡ ὑψηλὴ ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη (2 a)
— 27. τὴν χ. αὐτοῦ τὴν ὑψηλὴν τίς ἀποστρέψει (2 a)
17. 8. οὐδὲ ἐπὶ τοῖς ἔργοις τῶν χ. αὐτῶν (2 a)
19. 4. παραδώσω Αἴγυπτον εἰς χεῖρας ἀνθρώπων (2 a)
— 16. ἀπὸ προσώπου τῆς χ. κυρίου σαβαώθ (2 a)
22. 21. τὴν οἰκονομίαν σου δώσω εἰς τὰς χ. αὐ. (2 a)
23. 11. ἡ δὲ χ. σου οὐκέτι ἰσχύει κατὰ θάλασσαν (2 a)
24. 21. ἐπάξει ὁ θεὸς ἐπὶ τὸν κόσμον τοῦ οὐρανοῦ τὴν χ. –
25. 11. ἀνήσει τὰς χ. αὐτοῦ (2 a)
— 11. ἐφ' ἃ τὰς χ. ἐπέβαλε (2 a)
28. 3 (2). ταῖς χ. καὶ τοῖς ποσὶ καταπατηθήσεται (2 a)
— 4. πρὶν εἰς τὴν χ. αὐτοῦ λαβεῖν αὐτό (4)
29. 12. δοθήσεται τὸ βιβλίον τοῦτο εἰς χεῖρας ἀνθρώπου –
31. 3. ὁ δὲ κύριος ἐπάξει τὴν χ. αὐ. ἐπ' αὐτούς (2 a)
— 7. ἃ ἐποίησαν αἱ χ. [S¹ οἱ δάκτυλοι] αὐτῶν (2 a)
33. 15. τὰς χ. ἀποσειόμενος ἀπὸ δώρων (4)
34. 17. ἡ χ. αὐτοῦ διεμέρισε βόσκεσθαι (2 a)
35. 3. ἰσχύσατε, χείρες ἀνειμέναι (2 a)
36. 6. εἰσελεύσεται εἰς τὴν χ. αὐτοῦ (4)
— 15. οὐ μὴ παραδοθῇ ἡ πόλις αὕτη ἐν χειρὶ βασιλέως Ἀσσ. (2 a)
— 18. μὴ ἐρρύσαντο . . . ἐκ χειρὸς βασιλέως Ἀσσυρίων (2 a)
— 19. μὴ ἐδύναντο ῥύσασθαι Σαμάρειαν ἐκ χειρός [S¹ τῆς χ.] μου (2 a)
— 20. ἐρρύσατο τὴν γῆν αὐ. ἐκ χειρός [A S τῆς χ.] μου ὅτι ῥύσεται ὁ θ. τὴν Ἱερ. ἐκ χειρός μου (2 a, 2 a)
37. 10. οὐ μὴ παραδοθῇ Ἱερ. ἐν χειρὶ [A S εἰς χεῖρας] βασιλέως Ἀσσ. (2 a)
— 19. οὐ γὰρ θεοὶ ἦσαν ἀλλὰ ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων (2 a)
— 20. σῶσον ἡμᾶς ἐκ χειρὸς αὐτοῦ (2 a)
— 27. ἀνῆκα τὰς χ. (2 a)
38. 6. ἐκ χειρὸς βασιλέως Ἀσσ. ῥύσομαί σε (4)
40. 2. ἐδέξατο ἐκ χειρὸς κυρίου διπλᾶ (2 a)
— 12. τίς ἐμέτρησε τῇ χ. τὸ ὕδωρ (5)
41. 20. χ. κυρίου ἐποίησε ταῦτα (2 a)
42. 6. κρατήσω τῆς χ. σου (2 a)
43. 13. οὐκ ἔστιν ὁ ἐκ τῶν χ. μου ἐξαιρούμενος (2 a)
44. 5. ἐπιγράψει χειρὶ αὐτοῦ [A S om. χ. αὐ.] (2 a)
45. 9. οὐδὲ ἔχεις χεῖρας (2 a)
— 11. περὶ τῶν ἔργων τῶν χ. μου (2 a)
— 12. τῇ χ. μου ἐστερέωσα τὸν οὐρανόν (2 a)
47. 6. ἔδωκα αὐτοὺς εἰς τὴν χ. σου (2 a)
48. 13. ἡ χ. μου ἐθεμελίωσε τὴν γῆν (2 a)
49. 2. ὑπὸ τὴν σκέπην τῆς χ. αὐτοῦ ἔκρυψέ με (2 a)

s. 49. 16. ἐπὶ τῶν χ. μου ἐζωγράφηκά σου τὰ τείχη (4)
— 22. αἶρω εἰς τὰ ἔθνη τὴν χ. μου (2 a)
50. 2. μὴ οὐκ ἰσχύει ἡ χ. μου τοῦ ῥύσασθαι (2 a)
51. 16. ὑπὸ τὴν σκιὰν [A δεξιὰν, S² σκέπην] τῆς χ. [A om. τ. χ.] μου σκεπάσω σε (2 a)
— 17. ἡ πιοῦσα ἐκ χειρὸς κυρίου τὸ ποτήριον (2 a)
— 18. οὐκ ἦν ὁ ἀντιλαμβανόμενος τῆς χ. σου (2 a)
— 22. εἴληφα ἐκ τῆς χ. σου τὸ ποτήριον (2 a)
— 23. δώσω αὐτὸ εἰς τὰς χ. τῶν ἀδικησάντων σε (2 a)
56. 2. διατηρῶν τὰς χ. [S¹ om.] αὐτοῦ (2 a)
59. 1. μὴ οὐκ ἰσχύει ἡ χ. κυρίου (2 a)
— 3. αἱ γὰρ χ. ὑμῶν μεμολυσμέναι αἵματι (4)
60. 21. φυλάσσων τὸ φύτευμα ἔργα χειρῶν αὐτοῦ (2 a)
62. 3. ἔσῃ στέφανος κάλλους ἐν χειρὶ κυρίου καὶ διάδημα βασιλείας ἐν χειρὶ θεοῦ σου (2 a, 4)
64. 8 (7). ἔργα τῶν [S¹ om.] χ. σου πάντες (2 a)
65. 2. ἐξεπέτασα τὰς χ. μου (2 a)
66. 2. πάντα γὰρ ταῦτα ἐποίησεν ἡ χ. μου (2 a)
— 14. γνωσθήσεται ἡ χ. κ. τοῖς φοβουμ. [A S σεβομ.] αὐτόν (2 a)
Je. 1. 9. ἐξέτεινε κύριος τὴν χ. αὐτοῦ πρὸς μέ (2 a)
— 16. προσεκύνησαν τοῖς ἔργοις τῶν χ. αὐ. (2 a)
2. 34. ἐν ταῖς χ. σου εὑρέθησαν αἵματα ψυχῶν ἀθῴων †
— 37. αἱ χ. σου ἐπὶ τῆς κεφαλῆς σου (2 a)
3. 8. ἔδωκα αὐτῇ βιβλίον ἀποστασίου εἰς τὰς χ. αὐτῆς –
4. 31. παρήσει τὰς χ. αὐτῆς (4)
5. 31. οἱ ἱερεῖς ἐπεκρότησαν ταῖς χ. αὐτῶν (2 a)
6. 3. ποιμανοῦσιν ἕκαστος τῇ χ. [S τὴν χ.] αὐτοῦ (2 a)
— 12. ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας (2 a)
— 24. παρελύθησαν αἱ χ. ἡμῶν (2 a)
10. 9. χ. [A S² χεῖρες] χρυσοχώων (2 a)
11. 21. ἀποθανῇ ἐν ταῖς χ. ἡμῶν (2 a)
12. 7. ἔδωκα τὴν ἠγαπημ. ψυχήν μου εἰς χεῖρας ἐχθρῶν αὐ. (4)
15. 6. ἐκτενῶ τὴν χ. μου (2 a)
— 17. εὐλαβούμην ἀπὸ προσώπου χειρός σου (2 a)
— 21. ἐξαιρεῖσθαί σε ἐκ χειρὸς πονηρῶν καὶ λυτρώσομαί σε [S om. λ. σ.] ἐκ χειρὸς λοιμῶν (2 a, 4)
16. 21. δηλώσω αὐτοῖς . . . τὴν χ. μου (2 a)
18. 4. ὃ αὐτὸς ἐποίει ἐν ταῖς χ. αὐτοῦ (2 a)
— 6. ὡς ὁ πηλὸς τοῦ κεραμέως ὑμεῖς ἐστε ἐν χερσί [A ταῖς χ.] μου (2 a)
— 21. ἄθροισον αὐτοὺς εἰς χεῖρας μαχαίρας (2 a)
19. 7. ἐν χερσὶ τῶν ζητούντων τὰς ψυχὰς αὐ. (2 a)
20. 4. πάντα Ἰούδα δώσω εἰς χεῖρας βασιλέως Βαβ. (2 a)
— 5. δώσω . . . εἰς χεῖρας ἐχθρῶν αὐτοῦ (2 a)
— 13. ἐξείλατο ψυχὴν πένητος ἐκ χειρὸς πονηρευομένων (2 a)
21. 5. πολεμήσω ἐγὼ ὑμᾶς ἐν χειρὶ ἐκτεταμένῃ [A ἐντ.] (2 a)
— 7. δώσω . . . εἰς χεῖρας ἐχθρῶν αὐτῶν (2 a)
— 10. εἰς χεῖρας βασ. Βαβ. παραδοθήσεται (2 a)
— 12. ἐξέλεσθε διηρπασμένον ἐκ χειρὸς ἀδικοῦντος αὐτόν (2 a)
22. 3. ἐξαιρεῖσθε διηρπασμένον ἐκ χειρὸς ἀδικοῦντος αὐτόν (2 a)
— 24. ἀποσφράγισμα ἐπὶ τῆς χ. τῆς δεξιᾶς μου (2 a)
— 25. εἰς χεῖρας τῶν ζητούντων τὴν ψυχήν σου . . . εἰς χεῖρας τῶν Χαλδαίων (2 a, 2 a)
23. 14. ἐώρακα . . . ἀντιλαμβανομένους χειρῶν πολλῶν [A πονηρῶν] (2 a)
25. 6. ὅπως μὴ παροργίζητέ με ἐν τοῖς ἔργοις τῶν χ. ὑμῶν (2 a)
26 (46). 13. ἃ ἐλάλησε κύριος ἐν χειρὶ Ἱερεμίου –
— 24. παρεδόθη εἰς χεῖρας λαοῦ ἀπὸ βορρᾶ (2 a)
27 (50). 15, 43. παρελύθησαν αἱ χ. αὐ. (2 a)
28 (51). 7. ποτήριον χρυσοῦν Βαβυλὼν ἐν χειρὶ κυρίου (2 a)
— 25. ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπὶ σέ (2 a)
29 (47). 3. ἀπὸ ἐκλύσεως χειρῶν αὐτῶν (2 a)
29 (49). 9. ἐπιθήσουσι χεῖρα [A S -ας] αὐ. †
— 10. ὥλοντο διὰ χεῖρα ἀδελφοῦ αὐτοῦ †
31 (48). 26. ἐπικρούσει Μωὰβ ἐν χειρὶ αὐτοῦ †
— 37. πᾶσαι χεῖρες κόψονται (2 a)
32 (25). 15. λάβε τὸ ποτήριον τοῦ οἴνου . . . ἐκ χειρός μου [S¹ om. ἐκ χ. μ.] (2 a)
— 17. ἔλαβον τὸ ποτήριον ἐκ χειρὸς κυρίου (2 a)
— 28. δέξασθαι τὸ ποτήριον ἐκ τῆς χ. σου (2 a)
Je. 33 (26). 14. ἰδοὺ ἐγὼ ἐν χερσὶν ὑμῶν (2 a)
— 24. χ. Ἀχ. υἱοῦ Σ. ἦν μετὰ Ἱερ. τοῦ μὴ παραδοῦναι αὐτὸν εἰς χεῖρας τοῦ λαοῦ (2 a, 2 a)
34 (27). 3. ἐν χερσὶν ἀγγέλων αὐτῶν (2 a)
— 8. ἕως ἐκλίπωσιν ἐν χειρὶ αὐτοῦ (2 a)
36 (29). 3. ἐν χειρὶ Ἐλεασάν (2 a)
— 21. δίδωμι αὐτοὺς εἰς χεῖρας βασιλέως Βαβ. (2 a)
37 (30). 6. αἱ χ. αὐτοῦ ἐπὶ τῆς ὀσφύος αὐτοῦ (2 a)
38 (31). 11. ἐξείλατο αὐτὸν ἐκ χειρὸς στερεωτέρων αὐτοῦ (2 a)
— 32. ἐν ἡμέρᾳ ἐπιλαβομένου μου τῆς χ. αὐ. (2 a)
39 (32). 3. A B S² ἐν χερσὶ βασιλέως Βαβ. (2 a)
— 4. A B S² Σεδ. οὐ μὴ σωθῇ ἐκ χειρὸς τῶν Χ. (2 a)
— 4. A B S² παραδοθήσεται εἰς χεῖρας βασιλέως Βαβ. (2 a)
— 21. ἐξήγαγες τὸν λαόν σου . . . ἐν χειρὶ κραταιᾷ (2 a)
— 24. ἡ πόλις ἐδόθη εἰς χεῖρας [S τὰς χ.] Χαλδαίων (2 a)
— 25. ἡ πόλις ἐδόθη εἰς χεῖρας Χαλδαίων (2 a)
— 28. παραδοθήσεται ἡ πόλις αὕτη εἰς χεῖρας βασιλέως Βαβ. (2 a)
— 36. παραδοθήσεται εἰς χεῖρας βασ. Βαβ. (2 a)
— 43. παρεδόθησαν εἰς χεῖρας Χαλδαίων (2 a)
40 (33). 13. παρελεύσεται πρόβατα ἐπὶ χεῖρα ἀριθμοῦντος (2 a)
41 (34). 2. παραδοθήσεται . . . εἰς χεῖρας βασιλέως Βαβ. (2 a)
— 3. οὐ μὴ σωθῇς ἐκ χειρὸς αὐτοῦ (2 a)
— 3. B S εἰς χεῖρας αὐτοῦ δοθήσῃ (2 a)
— 21. τοὺς ἄρχοντας αὐτῶν δώσω εἰς χεῖρας ἐχθρῶν αὐτῶν (2 a)
43 (36). 14. λάβε αὐτὸ εἰς τὴν χ. σου [S¹ om. εἰς τ. χ. σ.] (2 a)
— 14. A ἔλαβε Βαρουχ . . . τὸ χαρτίον ἐν χειρὶ αὐτοῦ [B S om. ἐν χ. αὐ.] (2 a)
44 (37). 2. οὓς ἐλάλησεν ἐν χειρὶ Ἱερεμίου (2 a)
— 17. εἰς χεῖρας βασ. Βαβ. παραδοθήσῃ (2 a)
45 (38). 3. παραδοθήσεται ἡ πόλις αὕτη εἰς χεῖρας δυνάμεως βασ. Βαβ. (2 a)
— 4. ἐκλύει τὰς χ. τῶν ἀνθρώπων . . . καὶ τὰς χ. παντὸς τοῦ λαοῦ (2 a, 2 a)
— 5. αὐτὸς ἐν χερσὶν [A ταῖς χ.] ὑμῶν (2 a)
— 10. λάβε εἰς τὰς χ. [A τὴν χ.] σου . . . τριάκοντα ἀνθρώπους (2 a)
— 16. εἰ δώσω σε εἰς χεῖρας τῶν ἀνθρ. τ. (2 a)
— 18. δοθήσεται ἡ πόλις αὕτη εἰς χεῖρας τῶν Χ. [A al.] (2 a)
— 19. μὴ δώσειν με εἰς χεῖρας αὐτῶν (2 a)
— 23. ἐν χειρὶ [A εἰς χεῖρας] βασιλέως Βαβυλῶνος συλληφθήσῃ [A παραδοθ.] (2 a)
46 (39). 17. οὐ μὴ δώσω σε εἰς χεῖρας [S τὰς χ.] τῶν ἀνθρώπων (2 a)
47 (40). 4. ἀπὸ τῶν χειροπεδῶν τῶν ἐπὶ [A ὑπὸ] τὰς χ. σου (2 a)
48 (41). 5. λίβανος ἐν χερσὶν [A ταῖς χ., S χειρὶ] αὐ. (2 a)
49 (42). 11. σώζειν ὑμᾶς ἐκ χειρὸς αὐ. (2 a)
50 (43). 3. ἵνα δῷς ἡμᾶς εἰς χεῖρας τῶν Χ. (2 a)
51 (44). 8. ἐν τοῖς ἔργοις τῶν χ. ὑμῶν (2 a)
— 25. ταῖς χ. ὑμῶν ἐπληρώσατε (2 a)
— 30. δίδωμι τὸν Οὐ. . . . εἰς χεῖρας ἐχθροῦ αὐ. καὶ εἰς χεῖρας ζητούντων τὴν ψυχὴν αὐ. καθὰ ἔδωκα τὸν Σεδ. . . . εἰς χεῖρας Ναβ. (2 a ter)
Ba. 1. 6. καθὰ ἑκάστου ἠδύνατο ἡ χ.
2. 11. ἐξήγαγες . . . ἐν χειρὶ κραταιᾷ
— 20. ἐλάλησας ἐν χειρὶ τῶν παίδων σου
— 24. οὓς ἐλάλησας ἐν χερσὶ τῶν παίδων σου
— 28. ἐλάλησας ἐν χειρὶ παιδός σου Μωυσῆ
3. 5. μνήσθητι χειρός σου
4. 18. ἐξελεῖται ὑμᾶς ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν ὑμῶν
— 21. ἐξελεῖται ὑμᾶς . . . ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν
La. 1. 7. ἐν τῷ πεσεῖν τὸν λαὸν αὐτῆς εἰς χεῖρας θλίβοντος (2 a)
— 10. χεῖρα αὐτοῦ ἐξεπέτασε θλίβων (2 a)
— 14. ἐν χερσί μου συνεπλάκησαν (2 a)
— 14. ἔδωκε κύριος ἐν χερσί μου ὀδύνας (2 a)
— 17. διεπέτασε Σιὼν χεῖρας [A τὰς χ.] αὐ. (2 a)
2. 7. συνέτριψεν ἐν χειρὶ ἐχθροῦ τεῖχος (2 a)
— 8. οὐκ ἀπέστρεψε χεῖρα αὐ. ἀπὸ καταπατήματος (2 a)
— 15. ἐκρότησαν ἐπὶ σὲ χεῖρας πάντες (4)
— 19. ἆρον πρὸς αὐτὸν χεῖράς σου (4)
3. 3. ἐν ἐμοὶ ἐπέστρεψε χεῖρα αὐτοῦ (2 a)
La. 3. 41. ἀναλάβωμεν καρδίας ἡμῶν ἐπὶ χειρῶν (4)
— 64. κατὰ τὰ ἔργα τῶν χ. αὐτῶν (2 a)
4. 2. ἔργα χειρῶν κεραμέως (2 a)
— 6. οὐκ ἐπόνεσαν ἐν αὐτῇ χεῖρας (2 a)
— 10. χεῖρες γυναικῶν οἰκτιρμόνων ἥψησαν τὰ παιδία (2 a)
5. 6. Αἴγυπτος ἔδωκε χεῖρα (2 a)
— 8. λυτρούμενος οὐκ ἔστιν ἐκ τῆς χ. αὐτῶν (2 a)
— 12. ἄρχοντες ἐν χερσὶν αὐτῶν ἐκρεμάσθησαν (2 a)
Ep. Je. 51. οὐκ εἰσὶ θεοὶ ἀλλὰ ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων
Ez. 1. 3. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χ. κυρίου (2 a)
— 8. χ. ἀνθρώπου ὑποκάτωθεν τῶν πτερύγων αὐτῶν (2 a)
2. 9. ἰδοὺ χ. ἐκτεταμένη πρὸς μέ (2 a)
3. 14. χ. κυρίου ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ κραταιά (2 a)
— 18. τὸ αἷμα αὐτοῦ ἐκ χειρός σου ἐκζητήσω (2 a)
— 20. τὸ αἷμα αὐ. ἐκ τῆς χ. σου ἐκζητήσω (2 a)
— 22. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χ. κυρίου (2 a)
6. 11. κρότησον τῇ χ. (4)
— 14. ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπ' αὐτούς (2 a)
7. 17. πᾶσαι χεῖρες ἐκλυθήσονται (2 a)
— 21. παραδώσω αὐτὰ εἰς χεῖρας ἀλλοτρίων (2 a)
— 27. αἱ χ. τοῦ λαοῦ τῆς γῆς παραλυθήσονται (2 a)
8. 1. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χ. [A add. Ἀδωναΐ] κυρίου (2 a)
— 3. ἐξέτεινεν ὁμοίωμα χειρός (2 a)
— 11. θυμιατήριον αὐτοῦ εἶχεν ἐν τῇ χ. [A ἐν χ. αὐ.] (2 a)
9. 1. εἶχε τὰ σκεύη τῆς ἐξολεθρεύσεως ἐν χειρὶ αὐτοῦ (2 a)
— 2. ἑκάστου πέλυξ ἐν τῇ χ. αὐτοῦ (2 a)
10. 2. A πλῆσον τὰς χ. [B δράκας] σου ἀνθράκων πυρός (1)
— 7. ἐξέτεινε [A add. ὁ χερ.] τὴν χ. αὐτοῦ (2 a)
— 7. ἔδωκεν εἰς τὰς χ. τοῦ ἐνδεδυκότος τὴν στολήν (1)
— 8. ἴδον [A¹ -οὐ] τὰ χερ. ὁμοίωμα χειρῶν (2 a)
— 12. αἱ χ. αὐ. . . . πλήρεις ὀφθαλμῶν (2 a)
— 21. ὁμοίωμα χειρῶν ἀνθρώπου (2 a)
11. 9. παραδώσω ὑμᾶς εἰς χεῖρας ἀλλοτρίων (2 a)
12. 7. A ὤρυξα ἐμαυτῷ τὸν τοῖχον τῇ χ. [B al.] (2 a)
13. 9. ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπὶ τοὺς προφήτας (2 a)
— 18. B R ὑπὸ [A B¹ ἐπὶ] πάντα ἀγκῶνα χειρός (2 a)
— 21. ῥύσομαι τὸν λαόν μου ἐκ χειρὸς ὑμῶν καὶ οὐκέτι ἔσονται ἐν χερσὶν ὑμῶν (2 a, 2 a)
— 22. τοῦ κατισχῦσαι χεῖρας ἀνόμου (2 a)
— 23. ῥύσομαι τὸν λαόν μου ἐκ χειρὸς ὑμῶν (2 a)
14. 9. ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπ' αὐτόν (2 a)
— 13. ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπ' αὐτήν (2 a)
16. 11. περιέθηκα ψέλια περὶ τὰς χ. σου (2 a)
— 27. ἐὰν ἐκτείνω τὴν χ. μου ἐπὶ σέ (2 a)
— 39. παραδώσω σε εἰς χεῖρας αὐτῶν (2 a)
— 49. χεῖρα πτωχοῦ καὶ πένητος οὐκ ἀντελαμβάνοντο (2 a)
17. 18. δέδωκα τὴν χ. αὐτοῦ (2 a)
18. 8. ἐξ ἀδικίας ἀποστρέψει τὴν χ. αὐτοῦ (2 a)
— 17. ἀπὸ ἀδικίας ἀπέστρεψε τὴν χ. αὐτοῦ (2 a)
20. 5, 6. ἀντελαβόμην τῇ χ. μου αὐτῶν (2 a)
— 15, 23. ἐξῆρα τὴν χ. μου ἐπ' αὐτούς (2 a)
— 28. B ἦρα τὴν χ. [A R om. τ. χ.] τὴν χ. μου δοῦναι αὐτὴν αὐτοῖς (–, 2 a)
— 33. ἐν χειρὶ κραταιᾷ . . . βασιλεύσω (2 a)
— 34. ἐν χειρὶ κραταιᾷ καὶ ἐν βραχίονι ὑψηλῷ (2 a)
— 42. εἰς ἣν ἦρα τὴν χ. μου (2 a)
21. 7 (12). πᾶσαι χεῖρες παραλυθήσονται (2 a)
— 11 (16). τοῦ κρατεῖν χεῖρα αὐτοῦ (4)
— 11 (16). τοῦ δοῦναι αὐτὴν εἰς χεῖρα [A -ας] ἀποκεντοῦντος (2 a)
— 12 (17). κρότησον ἐπὶ τὴν χ. σου †
— 14 (19). κρότησον χεῖρα [A τῇ χ.] ἐπὶ χεῖρα (4, 4)
— 17 (22). κροτήσω χεῖρά μου πρὸς χεῖρά μου (4, 4)
— 19 (24). χ. ἐν ἀρχῇ [A χεῖρα ἑτοιμάσουσιν ἐπ' ἀρχῆς] ὁδοῦ (2 a)
— 31 (36). παραδώσω σε εἰς χεῖρας ἀνδρῶν βαρβάρων (2 a)
22. 13. A ἐὰν δὲ πατάξω χεῖρά μου πρὸς χεῖρα [B al.] (4, –)
— 14. εἰ κρατήσουσιν αἱ χ. σου (2 a)
23. 9. παρέδωκα αὐτὴν εἰς χεῖρας τῶν ἐραστῶν αὐ. εἰς χεῖρας υἱῶν Ἀσσυρίων (2 a, 2 a)
— 28. παραδίδωμί σε εἰς χεῖρας ὧν μισεῖς (2 a)
— 31. δώσω τὸ ποτήριον αὐτῆς εἰς χεῖράς [A τὰς χ.] σου (2 a)
— 37. αἷμα ἐν χερσὶν αὐτῶν (2 a)

Ez. 23. 42. ἐδίδοσαν ψέλια ἐπὶ τὰς χ. αὐτῶν [A σου] (2 a)
— 45. αἷμα ἐν χερσὶν αὐτῶν (2 a)
25. 6. ἐκρότησας τὴν χ. [A τὰς χ.] σου (2 a)
— 7. ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπὶ σέ (2 a)
— 13. ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπὶ τὴν Ἰδουμαίαν (2 a)
— 14. δώσω ἐκδίκησιν . . . ἐν χειρὶ λαοῦ μου Ἰσραήλ (2 a)
— 16. ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπὶ τοὺς ἀλλοφύλους (2 a)
27. 21. οὗτοι ἔμποροί σου διὰ χειρός σου (2 a)
28. 10. ἀπολῇ ἐν χερσὶν ἀλλοτρίων (2 a)
29. 7. ἐπελάβετό σου τῇ χ. αὐτῶν (4)
— 7. ἐπεκρότησεν ἐπ' αὐτοὺς πᾶσα χ. †
30. 10. ἀπολῶ πλῆθος Αἰγ. διὰ χειρὸς Ναβ. (2 a)
— 12. A ἀποδώσομαι τὴν γῆν ἐν χειρὶ πονηρῶν (2 a)
— 12. ἀπολῶ . . . ἐν χερσὶν ἀλλοτρίων (2 a)
— 22. καταβαλῶ τὴν μάχαιραν αὐ. ἐκ τῆς χ. αὐ. (2 a)
— 24. δώσω [A θήσω] τὴν ῥομφαίαν μου εἰς τὴν χ. [A τὰς χ.] αὐτοῦ (2 a)
— 25. ἐν τῷ δοῦναι τὴν ῥομφαίαν μου εἰς χεῖρας βασιλέως (2 a)
31. 11. παρέδωκα αὐτὸν εἰς χεῖρας ἄρχοντος ἐθνῶν (2 a)
33. 6. τὸ αἷμα ἐκ χειρὸς [A τῆς χ.] τοῦ σκοποῦ ἐκζητήσω (2 a)
— 8. τὸ δὲ αἷμα αὐ. ἐκ τῆς χ. σου ἐκζητήσω (2 a)
— 22. ἐγενήθη ἐπ' ἐμὲ χ. κυρίου (2 a)
34. 10. ἐκζητήσω τὰ πρόβατά μου ἐκ τῶν χ. αὐτῶν (2 a)
— 27. ἐξελοῦμαι αὐτοὺς ἐκ χειρὸς τῶν καταδουλωσαμένων αὐτούς (2 a)
35. 3. ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπὶ σέ (2 a)
— 5. ἐν χειρὶ ἐχθρῶν [A ἐν καιρῷ ἐ. ἐν χ.] μαχαίρᾳ [A -ας] (2 a)
36. 7. ἀρῶ τὴν χ. μου ἐπὶ τὰ ἔθνη (2 a)
37. 1. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χ. κυρίου (2 a)
— 17. ἔσονται ἐν τῇ χ. σου (2 a)
— 19. λήψομαι τὴν φυλὴν Ἰωσὴφ τὴν [A om.] διὰ χειρὸς Ἐφραΐμ (2 a)
— 19. ἔσονται εἰς ῥάβδον μίαν [A add. ἐν] τῇ χ. Ἰούδα (2 a)
— 20. ἔσονται αἱ ῥάβδοι . . . ἐν τῇ χ. σου (2 a)
38. 12. τοῦ ἐπιστρέψαι χεῖρά [A τὴν χ.] μου εἰς τὴν ἠρημωμένην (2 a)
— 17. διὰ χειρὸς τῶν δούλων μου τῶν προφητῶν (2 a)
39. 3. ἀπολῶ τὸ τόξον σου ἀπὸ [A ἐκ] τῆς χ. σου τῆς ἀριστερᾶς καὶ τὰ τοξεύματά σου ἀπὸ τῆς χ. σου τῆς δεξιᾶς (2 a, 2 a)
— 9. καύσουσιν ἐν . . . ῥάβδοις χειρῶν (2 a)
— 21. ὄψονται . . . τὴν χ. μου (2 a)
— 23. παρέδωκα αὐτοὺς εἰς χεῖρας τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν (2 a)
40. 1. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χ. κυρίου (2 a)
— 3. ἐν τῇ χ. αὐτοῦ ἦν σπαρτίον οἰκοδόμων (2 a)
— 3. A κάλαμος μέτρον ἐν τῇ χ. αὐτοῦ [B om. ἐ. τ. χ. αὐ.] –
— 5. ἐν τῇ χ. τοῦ ἀνδρὸς κάλαμος (2 a)
43. 26. πλήσουσι χεῖρας [A τὰς χ.] αὐτῶν (2 a)
44. 12. ἦρα τὴν χ. μου ἐπ' αὐτούς (2 a)
46. 5. προσοίσει . . . δόμα χειρὸς [A τῆς χ.] αὐτοῦ (2 a)
— 7. καθὼς ἂν ἐκποιῇ [A εὖ π.] ἡ χ. αὐτοῦ (2 a)
— 11. καθὼς ἂν ἐκποιῇ ἡ χ. αὐτοῦ (2 a)
47. 3. μέτρον ἐν τῇ χ. αὐτοῦ (2 a)
— 14. εἰς ἣν ἦρα τὴν χ. μου (2 a)
Da. LXX. Su. 22. οὐκ ἐκφεύξομαι τὰς χ. ὑμῶν
— 23. μὴ πράξασαν ἐμπεσεῖν εἰς τὰς χ. ὑμῶν
— 34. ἐπέθηκαν τὰς χ. αὐ. ἐπὶ τῆς κεφ. αὐ.
1. 2. παρέδωκεν αὐτὴν κ. εἰς χεῖρας αὐ. (2 a)
2. 34. ἐτμήθη λίθος ἐξ ὄρους ἄνευ χειρῶν (2 b)
— 38. παρέδωκεν ὑπὸ τὰς χ. σου (2 b)
— 45. ἐξ ὄρους τμηθῆναι λίθον ἄνευ χειρῶν (2 b)
3. 15. ποῖος θεὸς ἐξελεῖται ὑμᾶς ἐκ τῶν χ. μου (2 b)
— 17. ἐκ τῶν χ. σου, βασιλεῦ, ἐξελεῖται ἡμᾶς (2 b)
— (32). παρέδωκας ἡμᾶς εἰς χεῖρας ἐχθρῶν ἡμῶν
— (88). ἔσωσεν ἡμᾶς ἐκ χειρὸς θανάτου
5. 5. ἐξῆλθον δάκτυλοι ὡσεὶ χειρὸς ἀνθρώπου (2 b)
— 5. εἶδε χεῖρα γράφουσαν (2 b)
— 17. ἔστη ἡ γράψασα χ. –
— 23. καὶ τὸ πνεῦμά σου ἐν τῇ χ. αὐ. (2 b)
6. 14 (15). τοῦ ἐξελέσθαι αὐτὸν . . . ἀπὸ τῶν χ. τῶν σατραπῶν –
— 16 (17). ἐξελεῖταί σε ἐκ χειρὸς τῶν λεόντων –
7. 25. παραδοθήσεται πάντα εἰς τὰς χ. αὐ. (2 b)
8. 4. οὐκ ἦν ὁ ῥυόμενος ἐκ τῶν χ. αὐ. (2 a)
Da. LXX. 8. 25. εὐοδωθήσεται τὸ ψεῦδος ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)
— 25. ποιήσει συναγωγὴν χειρός (2 a)
10. 10. χεῖρα προσήγαγέ μοι (2 a)
— 16. ὡς ὁμοίωσις χειρὸς ἀνθρώπου †
11. 11. παραδοθήσεται ἡ συναγωγὴ εἰς τὰς χ. αὐ. (2 a)
— 16. ἐπιτελεσθήσεται πάντα τὰ ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)
— 41. σωθήσονται ἀπὸ χειρὸς αὐ. (2 a)
— 42. ἀποστελεῖ χεῖρα αὐ. ἐν ταῖς γαίαις (2 a)
12. 7. ἡ συντέλεια χειρῶν ἀφέσεως λαοῦ ἁγίου (2 a)
Da. TH. Su. 22. οὐκ ἐκφεύξομαι τὰς χ. ὑμῶν
— 23. ἐμπεσεῖν εἰς τὰς χ. ὑμῶν
— 34. ἔθηκαν τὰς χ. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐ.
1. 2. ἔδωκε κ. ἐν χειρὶ αὐ. τὸν Ἰ. (2 a)
2. 32. αἱ χ. . . . καὶ οἱ βραχίονες αὐ. ἀργυροῖ –
— 34. ἕως ἀπεσχίσθη λίθος . . . ἄνευ χειρῶν (2 b)
— 38. πετεινὰ οὐρανοῦ . . . ἔδωκεν ἐν τῇ χ. σου (2 b)
— 45. ἀπὸ ὄρους ἐτμήθη λίθος ἄνευ χειρῶν (2 b)
3. 15. ὃς ἐξελεῖται ὑμᾶς ἐκ χειρός [A τῶν χ.] μου (2 b)
— 17. ἐκ τῶν χ. [A τῆς χ.] σου, βασιλεῦ, ῥύσεται ἡμᾶς (2 b)
— (32). παρέδωκας ἡμᾶς εἰς χεῖρας [B³ -a] ἐχθρῶν ἀνόμων
— (88). ἐκ χειρὸς θανάτου ἔσωσεν ἡμᾶς
4. 32. ὃς ἀντιποιήσεται τῇ χ. αὐ. (2 b)
5. 5. ἐξῆλθον δάκτυλοι χειρὸς ἀνθρώπου (2 b)
— 5. ἐθεώρει τοὺς ἀστραγάλους τῆς χ. τῆς γραφούσης (2 b)
— 23. οὗ ἡ πνοή σου ἐν χειρὶ [A τῇ χ.] αὐ. (2 b)
8. 4. ἀπεστάλη ἀστράγαλος χειρός (2 b)
— 24. ἀπεστάλη ἀστράγαλος χειρός (2 b)
6. 27 (28). ὅστις ἐξείλατο τὸν Δ. ἐκ χειρὸς τῶν λεόντων (2 b)
7. 25. καὶ δοθήσεται ἐν χειρὶ αὐ. (2 b)
8. 4. οὐκ ἦν ὁ ἐξαιρούμενος ἐκ χειρὸς αὐ. (2 a)
— 7. οὐκ ἦν ὁ ἐξαιρούμενος τὸν κριὸν ἐκ χειρὸς αὐ. (2 a)
— 25. δόλος ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
— 25. ὡς ᾠὰ χειρὶ συντρίψει (2 a)
9. 10. ἐν χερσὶ τῶν δούλων αὐ. τῶν προφ. (2 a)
— 15. ὃς ἐξήγαγες τὸν λαόν σου . . . ἐν χ. κραταιᾷ (2 a)
10. 10. ἰδοὺ χεὶρ ἁπτομένη μου (2 a)
— 10. A καὶ ταρσοὺς χειρῶν μου (2 a)
11. 11. παραδοθήσεται ὁ ὄχλος ἐν χειρὶ αὐτοῦ (2 a)
— 16. τελεσθήσεται ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)
— 41. διασωθήσονται ἐκ χειρὸς αὐ. (2 a)
— 42. ἐκτενεῖ τὴν χ. ἐπὶ τὴν γῆν (2 a)
Bel 36. A ἐπελάβετο ὁ ἄγγελος κ. τῆς χ. [B κορυφῆς] αὐ.
I Ma. 1. 44. ἀπέστειλεν . . . ἐν χειρὶ ἀγγέλων
2. 7. ἐν τῷ δοθῆναι αὐτὴν ἐν χειρὶ ἐχθρῶν τὸ ἁγίασμα ἐν χειρὶ ἀλλοτρίων
— 47. κατευοδώθη τὸ ἔργον ἐν χειρὶ αὐ.
— 48. ἐκ χειρὸς τῶν ἐθνῶν καὶ ἐκ χειρὸς [S¹ om. ἐκ χ.] τῶν βασιλέων
3. 6. εὐοδώθη σωτηρία ἐν χειρὶ αὐ.
— 18. συγκλεισθῆναι πολλοὺς ἐν χερσὶν ὀλίγων
— 30. ἃ ἐδίδου ἔμπροσθεν δαψιλεῖ χ.
4. 30. ἐν χειρὶ τοῦ δούλου σου Δ.
— 30. εἰς χεῖρας Ἰων. υἱοῦ Σ.
— 31. A σύγκλεισον τὴν παρεμβ. τ. εἰς χεῖρας [S R ἐν χειρὶ] λαοῦ σου Ἰσρ.
5. 6. εὗρε χ. κραταιάν
— 6. S καὶ χ. ἰσχυράν
— 12. ἐξελοῦ ἡμᾶς ἐκ χειρὸς αὐ.
— 50. A R παρεδόθη ἡ πόλις ἐν χερσὶν [S χειρὶ] αὐ.
— 62. οἷς ἐδόθη σωτηρία Ἰσρ. διὰ χειρὸς αὐ.
6. 25. οὐκ ἐφ' ἡμᾶς μόνον ἐξέτειναν χεῖρα
7. 35. ἐὰν μὴ παραδοθῇ . . . εἰς χεῖράς μου
9. 46. ὅπως διασωθῆτε ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν ὑμῶν
— 47. ἐξέτεινεν Ἰων. τὴν χ. αὐ.
11. 15. ἀπήντησεν αὐτῷ ἐν χ. ἰσχυρᾷ
12. 9. τὰ βιβλία τὰ ἅγια τὰ ἐν ταῖς χ. ἡμῶν
— 39. A R καὶ ἐκτεῖναι χεῖρας [S ἐξέτεινεν τὴν χ.] ἐπὶ Ἀντ.
— 42. ἐκτεῖναι χεῖρας ἐπ' αὐτὸν εὐλαβήθη
14. 31. A ἐκτεῖναι τὰς [S R om.] χ. ἐπὶ τὰ ἅγια αὐ.
— 36. εὐοδώθη ἐν ταῖς χ. αὐ.
15. 25. προσάγων διὰ παντὸς αὐτῇ τὰς χ.
16. 2. εὐοδώθη ἐν ταῖς χ. ἡμῶν
II Ma. 3. 20. προτείνουσαι τὰς χ. εἰς τὸν οὐρανόν
4. 40. κατήρξατο χειρῶν ἀδίκων
5. 14. τέσσαρες μὲν ἐν χειρῶν νόμοις
— 16. ταῖς μιεραῖς χ. τὰ ἱερὰ σκεύη λαμβάνων
— 16. ταῖς βεβήλοις χ. συσσύρων
II Ma. 6. 26. τὰς τοῦ παντοκράτορος χ. οὔτε ζῶν . . . ἐκφεύξομαι
7. 10. καὶ τὰς χ. εὐθαρσέως προέτεινε
— 31. οὐ μὴ διαφύγῃς τὰς χ. τοῦ θεοῦ
— 34. ἐπὶ τοὺς οὐρανίους παίδας ἐπαράμενος χεῖρα
10. 23. τὰ πάντα ἐν ταῖς χ. εὐοδούμενος
14. 34. προτείναντες τὰς χ. εἰς τὸν οὐρανόν
— 46. καὶ λαβὼν ἑκατέραις ταῖς χ.
15. 12. τοῦτον τὰς χ. προτείναντα κατεύχεσθαι
— 21. ἀνατείνας χεῖρας εἰς τὸν οὐρανόν
— 27. ταῖς μὲν χ. ἀγωνιζόμενοι
— 30. καὶ τὴν χ. σὺν τῷ ὤμῳ
— 32. ἐπιδεξάμενος . . . τὴν χ. τοῦ δυσφήμου
III Ma. 2. 1. B τὰς χ. προτείνας
— 8. οἱ καὶ συνιδόντες ἔργα σῆς χειρός
5. 5. τὰς τῶν ταλαιπωρούντων ἐδέσμευον χ.
— 13. δεῖξαι μεγαλοσθενοῦς ἑαυτοῦ χειρὸς κράτος
— 25. τείνοντες τὰς χ. εἰς τὸν οὐρανόν
6. 10. ῥυσάμενος ἡμᾶς ἀπὸ ἐχθρῶν χειρός
IV Ma. 4. 11. τὰς χ. ἐξέτεινεν εἰς τὸν οὐρανόν
8. 13. ὡς δὲ . . . χεῖρας σιδηρᾶς . . . προέθεσαν
9. 11. διέδησαν τὰς χ. αὐ.
— 26. σιδηρᾶς ἐναρμοσάμενοι χεῖρας
— 28. ταῖς σιδηραῖς χ. ἐπισπασάμενοι
10. 5. τὰς χ. αὐ. . . . ἐξήρθρουν
13. 12. τίνος πατρὸς χειρὶ σφαγιασθῆναι . . . ὑπέμεινεν
14. 6. A R καθάπερ γὰρ χεῖρες [S αἱ χ.] . . . κινοῦνται
15. 15. τοὺς τῶν ποδῶν καὶ χειρῶν δακτύλους
— 20. καὶ ἐπὶ χερσὶ χεῖρας ἀποτεμνομένας
16. 20. τὴν πατρῴαν χ. ξιφηφόρον . . . οὐκ ἔπτηξε
17. 19. καὶ πάντες οἱ ἡγιασμ. ὑπὸ τὰς χ. σου

[Aq. Ex. 4. 6 : 9. 33, 35 : 26. 17 : Nu. 2. 17 : 21. 26 : Dt. 12. 7 : 16. 10 : I Ki. 17. 50 : 21. 13 (14) : III Ki. 8. 24 : 14. 3, 18 : IV Ki. 11. 12 : 15. 19 : Jb. 6. 9 : Ps. 9. 35 (10. 14) : 18 (19). 2 : 25 (26). 10 : 27 (28). 2, 4 : 30 (31). 6, 9, 16 *bis* : 31 (32). 4 : 54 (55). 21 : 67 (68). 32 : 77 (78). 61 : 80 (81). 15 : 87 (88). 6 : 94 (95). 4 : 96 (97). 10 : 103 (104). 25, 28 : 118 (119). 73 : 140 (141). 6 : 149. 6 : Pr. 1. 24 : 12. 14, 24 : 16. 10 : 17. 16 : 30. 32 : 31. 31 : Ec. 9. 1 : Ca. 7. 1 (2) : Is. 5. 25 : 11. 11, 14 : 13. 2 : 37. 27 : 44. 5 : 53. 10 : 56. 5 : 65. 22 : Je. 6. 9 : 10. 3, 9 : 18. 6 : 20. 4 : 21. 7 : 22. 25 : 25. 7 (Sw.), 14 : 32 (39). 30 : 34 (41). 1, 20 *bis* : 38 (45). 10, 18 : 41 (48). 5 : 48 (31). 37 : 50 (27). 1, 15 : Ez. 20. 22 : 23. 28 : 30. 12 : 35. 5 : 40. 3 : Da. 10. 10 : Mi. 2. 1 : Ma. 2. 13.]

[Sm. Ge. 3. 23 (22) : Ex. 4. 6 : 9. 35 : Nu. 2. 17 : 21. 26 : Dt. 33. 7 : Jd. 2. 14 : 4. 14 : 7. 15 : I Ki. 17. 50 : III Ki. 3. 1 (2. 46) : 8. 24 : Jb. 6. 9 : 8. 20 : 16. 11 : 22. 30 : 31. 27 : Ps. 9. 35 (10. 14) : 18 (19). 2 : 20 (21). 9 : 25 (26). 10 : 30 (31). 16 *bis* : 31 (32). 4 : 54 (55). 21 : 67 (68). 32 : 72 (73). 13 : 74 (75). 9 : 75 (76). 6 : 76 (77). 3 : 77 (78). 42, 61, 72 : 80 (81). 7, 15 : 87 (88). 6, 10 : 88 (89). 14 : 89 (90). 17 *bis* : 90 (91). 12 : 94 (95). 4 : 96 (97). 10 : 103 (104). 25, 28 : 118 (119). 73, 109 : 127 (128). 2 : 137 (138). 7 : 138 (139). 10 : 140 (141). 6 : 142 (143). 5 : Pr. 1. 24 : 6. 5 : 12. 14, 24 : 17. 16 : 31. 31 : Ec. 4. 5, 6 : 7. 27 (26) : 9. 1 : 11. 6 : Ca. 7. 1 (2) : Is. 8. 11 : 10. 13 : 11. 11, 14 : 13. 2 : 25. 11 (Sw.) : 29. 23 : 37. 27 : 44. 5 : 51. 23 : 53. 10 : 55. 12 : 56. 5 : 57. 10 : 65. 22 : Je. 10. 3 : 11. 21 : 15. 17 : 21. 4, 7 : 30 (37). 6 : 32 (39). 30 : 34 (41). 1, 20 *bis* : 38 (45). 4, 5 : 48 (31). 37 : 50 (27). 15 : La. 1. 14 : Ez. 8. 1 (P.) : 13. 18 : 16. 49 : 20. 22 : 21. 20 (25) (Sw.), 24 (29) : 23. 28 : 25. 14 : 35. 5 : Da. 10. 10 : 11. 16 (Sw.) : Mi. 2. 1 : Za. 4. 12 : Ma. 2. 13.]

[Th. Ex. 4. 6 : Nu. 2. 17 : 21. 26 : Jd. 1. 4 : 2. 14 : 4. 7 : 7. 15 : 13. 23 : I Ki. 17. 50 : IV Ki. 11. 12 : Jb. 12. 9 : 17. 3 : 22. 30 : 27. 23 : 28. 9 : 29. 20 : 31. 35 : 35. 7 : 36. 32 : 37. 7 : Ps. 8. 7 : 18 (19). 2 : 25 (26). 10 : 30 (31). 16 : 77 (78). 61, 72 : 96 (97). 10 : 103 (104). 25, 28 : 118 (119). 109 : 126 (127). 4 : 127 (128). 2 : Pr. 1. 24 : 12. 24 : 17. 18 : 30. 32 : 31. 31 : Ca. 7. 1 (2) : Is. 10. 10 : 11. 14 : 13. 2 : 37. 27 : 44. 5 (Sw.) : 53. 10 : 55. 12 : 56. 5 : 59. 6 : 65. 22 : Je. 6. 9 : 10. 9 : 21. 7 : 22. 25 : 25. 7 (Sw.), 14 : 32 (39). 28 : 34 (41). 20 *bis* : 38 (45). 10, 12, 23 : 39 (46). 11 : 46 (26). 26 *ter* : 48 (31). 40 : Ez. 9. 1 : 20. 22 : 22. 13 : 23. 28 : 30. 12 : 35. 5 : 40. 3 : Da. 10. 10† : 11. 16, 41, 42 : 12. 7† : Mi. 2. 1 : Ma. 2. 13.]

[Al. Ge. 43. 22 : Le. 6. 2 (5. 21) : 14. 17, 32 : Nu. 21. 2 : Dt. 2. 33 : 7. 2 : I Ki. 5. 6 : 14. 34 : 23. 12 : 28. 15, 17, 19 *bis* : I Ch. 18. 17 : Ps. 9. 33 (10. 12) : 46 (47). 2 : 120 (121). 5 : 124 (125). 3 : Pr. 6. 1 : Is. 25. 11 : 57. 8 : Hb. 3. 4.]
[Heb. Ge. 49. 8 : IV Ki. 14. 27 : 22. 7.]
[Quint. IV Ki. 11. 12 : Ps. 30 (31). 16 : 118 (119). 109.]

χειραγωγεῖν. (1) ὁ χειραγωγῶν מַחֲזִיק בְּיָד
Jd. 16. 26. A τὸ παιδάριον τὸν χειραγωγοῦντα αὐτόν [B *al.*] (1)
To. 11. 16. S ἰδόντες αὐτὸν ... ὑπὸ μηδενὸς χειραγωγούμενον [A B *al.*]

χειράλυσις.
[Sm. Je. 40 (47). 1.]

χειριδωτός.
[Sm. Ge. 37. 3 : II Ki. 13. 18.]

χειρίζειν.
Es. 8. 13. τῶν πιστευθέντων χειρίζειν φίλων

χείριστα, χείριστος, *vid. sub* χείρων.

χειρίστως.
II Ma. 7. 39. τούτῳ παρὰ τοὺς ἄλλως χ. ἀπήντησε

χειρόγραφον.
To. 5. 3. A B ἔδωκεν αὐτῷ τὸ χ.
— 3. S χειρόγραφον αὐτοῦ ἔδωκέν μοι
— 3. S χειρόγραφον ἔδωκα αὐτῷ
9. 2. S δὸς αὐτῷ τὸ χ.
— 5. ἔδωκεν αὐτῷ τὸ χ.

χειρονομεῖν.
[Al. I Ki. 19. 9.]

χειρονομία.
III Ma. 1. 5. τοὺς ἀντιπάλους ἐν χειρονομίαις διαφθαρῆναι

χειροπέδη. (1) *a.* אֲזִקִּים *b.* זִק (2) כֶּבֶל
Jb. 36. 8. οἱ πεπεδημένοι ἐν χειροπέδαις συσχεθήσονται (1 *b*)
Ps. 149. 8. καὶ τοὺς ἐνδόξους αὐ. ἐν χ. σιδηραῖς (2)
Si. 21. 19. ὡς χειροπέδαι ἐπὶ χειρὸς δεξιᾶς
Na. 3. 10. δεθήσονται χειροπέδαις (1 *b*)
Is. 45. 14. ἀκολουθήσουσι δεδεμένοι χειροπέδαις (1 *b*)
Je. 47 (40). 1. ἐν τῷ λαβεῖν αὐτὸν ἐν χειροπέδαις (1 *a*)
— 4. ἔλυσά σε ἀπὸ τῶν χ. (1 *a*)
Da. LXX. 4. 15. ἐν χ. χαλκαῖς ἐδέθη –

χειροποίητος. (1) אֱלִיל
Le. 26. 1. οὐ ποιήσετε ὑμῖν αὐτοῖς χειροποίητα (1)
— 30. ἐξολεθρεύσω τὰ ξύλινα χ. ὑμῶν †
Ju. 8. 18. οἱ προσκυνοῦσι θεοῖς χ.
Wi. 14. 8. τὸ χ. δὲ ἐπικατάρατον αὐτό
Is. 2. 18. τὰ χ. πάντα κατακρύψουσιν (1)
10. 11. ὃν τρόπον γὰρ ἐποίησα Σαμαρείᾳ καὶ τοῖς χ. αὐτῆς (1)
16. 12. εἰσελεύσεται εἰς τὰ χ. αὐτῆς †
19. 1. σεισθήσεται τὰ χ. Αἰγύπτου (1)
21. 9. τὰ χ. αὐτῆς συνετρίβησαν εἰς τὴν γῆν †
31. 7. ἀπαρνήσονται οἱ ἄνθρωποι τὰ χ. αὐτῶν τὰ ἀργυρᾶ καὶ τὰ χ. [A S *om.* τ. χ.] τὰ χρυσᾶ (1, 1)
46. 6. ἐποίησαν χειροποίητα †
Da. LXX. 5. 4. ἠθλόγουν τὰ εἴδωλα τὰ χ. αὐ. –
— 23. ἠνέσατε πάντα τὰ εἴδωλα τὰ χ. τῶν ἀνθρ. –
6. 27 (28). τὰ γὰρ εἴδωλα τὰ χ. οὐ δύνανται σῶσαι –
Da. TH. Bel 5. οὐ σέβομαι εἴδωλα χ.

χειροτονία. (1) שְׁלַח אֶצְבַּע
Is. 58. 9. ἐὰν ἀφέλῃς ... χειροτονίαν (1)

χειροῦσθαι. (1) קָטַל (2) שְׁלַח־יָד
Jb. 3. 8. ὁ μέλλων τὸ μέγα κῆτος χειρώσασθαι †
13. 15. ἐάν [A ἐὰν μή] με χειρώσηται ὁ δυνάστης (1)
30. 24. εἰ γὰρ ὄφελον δυναίμην ἐμαυτὸν χειρώσασθαι (2)
II Ma. 4. 34. παρεκάλει χειρώσασθαι τὸν Ὀ.
II Ma. 4. 42. αὐτὸν δὲ τὸν ἱερόσυλον...ἐχειρώσαντο
III Ma. 7. 15. βεβήλους χειρωσάμενοι
[Sm. Ge. 1. 28.]

χείρων, χείριστος, χείριστα.
I Ki. 17. 43. B οὐχὶ ἀλλ' ἢ χείρω κυνός –
Es. 3. 13. τὰ χείριστα συντελοῦν κακά
Wi. 15. 18. ἀνοίᾳ γὰρ συγκρινόμενα τῶν ἄλλων ἐστὶ χείρονα
17. 6. ἡγοῦντο χείρω τὰ βλεπόμενα
II Ma. 5. 23. χείριστα τῶν ἄλλων ὑπερῆρετο τοῖς πολίταις
9. 28. τὰ χείριστα παθών
13. 9. τὰ χείριστα τῶν ἐπὶ τοῦ πατρὸς αὐ. γεγονότων
III Ma. 3. 1. καὶ χειρίστῳ μόρῳ τοῦ ζῆν μεταστῆσαι
5. 20. τὴν ὠμότητα χείρονα Φαλ. ἐσχηκὼς ἔφη
6. 26. καὶ τοὺς χειρίστους πλεονάκις ἀνθρώπων ἐπιδεδειγμένους κινδύνους

χελιδών. (1) *a.* סוּס *b.* סִיס *c.* סוּס עָגוּר
Is. 38. 14. ὡς χ. οὕτω φωνήσω (1 *c*)
Je. 8. 7. τρυγὼν καὶ χ. ἀγροῦ (1 *a**, 1 *b*)
Ep. Je. 22. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτῶν ἐφίπτανται νυκτερίδες χελιδόνες [A χ. καὶ ν.]
[Sm. Is. 38. 14.]
[Al. Le. 11. 19.]

χελύνιον (A), χελώνιον (R).
De. 34. 7. A R οὐδὲ ἐφθάρη τὰ χ. αὐ. [B *al.*] †

χελώνη. (1) גַּל
Ho. 12. 11 (12). ὡς χελῶναι ἐπὶ χέρσον ἀγροῦ (1)
[1 h. Ec. 12. 6.]

χελωνίς.
Ju. 14. 15. εὗρεν αὐτὸν ἐπὶ τῆς χ.

χερέθ.
Je. 44 (37). 16. ἦλθεν Ἱερεμίας ... εἰς τὴν χ. [S[1] χαρέθ] †
[Al. Je. 37 (44). 16.]

χερμαδίζειν.
[Aq. Dt. 21. 21.]

χέρμελ. (1) כַּרְמֶל
Is. 29. 17. ὡς τὸ ὄρος τὸ χ. καὶ τὸ [A *add.* ὄρος τὸ] χ. εἰς δρυμὸν λογισθήσεται (1, 1)
32. 15. ἔσται ἔρημος ὁ χ. καὶ ὁ χ. εἰς δρυμὸν λογισθήσεται (1)
33. 9. φανερὰ ἔσται ἡ Γαλιλαία καὶ ὁ χ. [A S *al.*] (1)

χεροκένως.
I Ch. 12. 33. βοηθῆσαι τῷ Δ. οὐ χ. †

χεροουί.
[Aq., Heb. Ge. 3. 25 (24).]

χερούβ. (1) כְּרוּב
Ex. 25. 18 (19). ποιηθήσονται χ. εἷς ἐκ τοῦ κλίτους τούτου καὶ χ. εἷς ἐκ τοῦ κλίτους τοῦ δευτέρου (1, 1)
38. 7 (37. 8). A B[2] R χ. ἕνα ἐπὶ τὸ ἄκρον τοῦ ἱλαστηρίου (1)
— 7 (37. 8). A B[2] R χ. ἕνα ἐπὶ τὸ ἄκρον τοῦ ἱλαστηρίου τὸ δεύτ. [B[1] *al.*] (1)
III Ki. 6. 25. A B οὕτως τῷ χ. [R -βιμ] τῷ δευτέρῳ (1)
— 26. A τὸ ὕψος τοῦ χ. τοῦ ἑνός [B *al.*] (1)
— 26. A καὶ οὕτως τοῦ χ. τοῦ δευτέρου [B *al.*] (1)
— 27. A ἡ πτέρυξ τοῦ χ. τοῦ δευτέρου [B *al.*] (1)
II Ch. 3. 11. A ἁπτομένη τῆς πτέρυγος τοῦ χ. τοῦ ἑτέρου [B *al.*] (1)
— 12. A καὶ ἡ πτέρυξ τοῦ χ. (1)
— 12. A ἁπτομένη τῆς πτέρυγος τοῦ χ. τοῦ ἑτέρου (1)
Ez. 10. 7. A ἐξέτεινεν ὁ χ. [B *om.* ὁ χ.] τὴν χεῖρα αὐτοῦ (1)
— 9. A τροχὸς εἷς ἐχόμενος τοῦ χ. τοῦ ἑνὸς καὶ τροχὸς εἷς ἐχόμενος τοῦ χ. [B *al.*] (1, 1)
— 14. A τὸ πρόσωπον τοῦ ἑνὸς πρόσωπον χ. (1)
28. 14. σὺ μετὰ τοῦ χ. (1)
— 16. ἤγαγέ σε τὸ χ. ἐκ μέσου [A ἐμμέσῳ] λίθων πυρίνων (1)
Ez. 41. 18. φοίνικες ἀνὰ μέσον χ. καὶ ἀνὰ μέσον χ. δύο πρόσωπα τῷ χ. [A *al.*] (1 *ter*)
[Aq. III Ki. 6. 27 : Ez. 28. 16.]
[Sm. III Ki. 6. 27 : Ez. 28. 14, 16.]
[Th. III Ki. 6. 27 : Ez. 10. 9 (Sw.), 14.]

χερουβείμ, χερουβεί, χερουβίμ, χερουβίν.
(1) כְּרוּבִים, כְּרֻבִים
Ge. 3. 24. ἔταξε τὰ χ. (1)
Ex. 25. 17 (18). ποιήσεις δύο χ. χρυσοτορευτά (1)
— 18 (19). ποιήσεις τοὺς δύο χ. ἐπὶ τὰ δύο κλίτη (1)
— 19 (20). ἔσονται οἱ χ. ἐκτείνοντες τὰς πτέρυγας (1)
— 19 (20). εἰς τὸ ἱλαστήριον ἔσονται τὰ πρόσωπα τῶν χ. (1)
— 21 (22). ἀνὰ μέσον τῶν δύο χ. τῶν ὄντων ἐπὶ τῆς κιβ. (1)
26. 1. χ. ἐργασίᾳ ὑφάντου ποιήσεις αὐτάς (1)
— 31. ἔργον ὑφαντὸν ποιήσεις αὐτὸ χ. (1)
37. 3 (36. 35). ἔργον ὑφαντὸν χ. (1)
— 5 (36. 37). ἔργον ὑφαντὸν χ. [A *al.*] –
— 6 (36. 38). A καὶ τοὺς χ. –
38. 6 (37. 7). καὶ τοὺς δύο χ. χρυσοῦς [A *al.*] (1)
Nu. 7. 89. ἀνὰ μέσον τῶν δύο χ. (1)
I Ki. 4. 4. τὴν κιβωτὸν κυρίου καθημένου χ. (1)
II Ki. 6. 2. τὸ ὄνομα τοῦ κ. ... καθημένου ἐπὶ τῶν χ. †
22. 11. ἐπεκάθισεν ἐπὶ χ. †
III Ki. 6. 23. ἐποίησεν ἐν τῷ δ. δύο χ. (1)
— 24. R πέντε πήχεων πτερύγιον τοῦ χ. τοῦ ἑνός [A B *al.*] †
— 25. R οὕτως τῷ χ. [A B χερούβ] τῷ δευτέρῳ †
— 25. A ἀμφοτέροις τοῖς χ. [B *al.*] (1)
— 26. τὸ ὕψος τοῦ χ. ἐν πήχει [A *al.*] †
— 26. καὶ οὕτως τὸ χ. τὸ δεύτερον [A *al.*] †
— 27. ἀμφότερα χ. ἐν μέσῳ τοῦ οἴκου [A *al.*] (1)
— 27. R πτέρυξ χερ. τοῦ δευτέρου ἥπτετο τοῦ τοίχου [A B *al.*] †
— 28. περιέσχε τὰ χ. χρυσίῳ (1)
— 29. ἔγραψε γραφίδι χ. (1)
— 32. A ἐγκεκολαμμένα χ. (1)
— 32. A καὶ κατέβαινεν ἐπὶ τὰ χ. (1)
— 35. B ἐκκεκολαμμένα χ. [A R *al.*] (1)
7. 29. λέοντες καὶ βόες καὶ χ. (1)
— 36. καὶ τὰ συγκλείσματα αὐ. χ. (1)
8. 6. ὑπὸ τὰς πτέρυγας τῶν χ. (1)
— 7. τὰ χ. διαπεπετασμένα ταῖς πτέρυξιν (1)
— 7. περιεκάλυπτον τὰ χ. ἐπὶ τὴν κιβωτόν (1)
IV Ki. 19. 15. ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν χ. (1)
I Ch. 13. 6. τὴν κιβωτὸν τοῦ θ. κυρίου καθημένου ἐπὶ χ. (1)
28. 18. τὸ παράδειγμα τοῦ ἅρματος τῶν χ. (1)
II Ch. 3. 7. ἔγλυψε χ. ἐπὶ τῶν τοίχων (1)
— 8. ἐχρύσωσεν αὐτὸν ... εἰς χ. –
— 10. καὶ ἐποίησεν ... χ. δύο (1)
— 11. καὶ αἱ πτέρυγες τῶν χ. (1)
— 11. ἁπτομένη τῆς πτέρυγος τοῦ χ. [A χερούβ] τοῦ ἑτέρου †
— 13. καὶ αἱ πτέρυγες τῶν χ. διαπεπετασμέναι (1)
— 14. ὕφανεν ἐν αὐτῷ χ. (1)
5. 7. ὑποκάτω τῶν πτερύγων τῶν χ. (1)
— 8. ἦν τὰ χ. διαπεπετακότα τὰς πτέρυγας αὐ. (1)
— 8. συνεκάλυπτε τὰ χ. ἐπὶ τὴν κιβωτόν (1)
Ps. 79 (80). 1. ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν χ. ἐμφάνηθι (1)
98 (99). 1. ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν χ. (1)
Si. 49. 8. ἦν ὑπέδειξεν αὐτῷ ἐπὶ ἅρματος χ.
Is. 37. 16. ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν χ. (1)
Ez. 9. 3. δόξα θεοῦ τοῦ Ἰσραὴλ ἀνέβη ἀπὸ [A ἐπὶ] τῶν χ. †
10. 1. ἐπάνω τοῦ στερεώματος τοῦ ὑπὲρ κεφαλῆς τῶν χ. (1)
— 2. εἰς τὸ μέσον τῶν τροχῶν τῶν ὑποκάτω τῶν χ. †
— 2. ἐκ μέσου τῶν χ. (1)
— 3. τὰ χ. εἱστήκει ἐκ δεξιῶν τοῦ οἴκου (1)
— 4. ἀπῆρεν ἡ δόξα κυρίου ἀπὸ τῶν χ. †
— 5. φωνὴ τῶν πτερύγων τῶν χ. ἠκούετο (1)
— 6. ἐκ μέσου τῶν χ. (1)
— 7. R εἰς μέσον [A B ἐν μέσῳ] τῶν χ. (1)
— 8. ἴδον [A[1] -οὺ] τὰ χ. ὁμοίωμα χειρῶν (1)
— 9. τροχοὶ τέσσαρες εἱστήκεισαν ἐχόμενοι τῶν χ. (1)
— 15. τὰ χ. ἦσαν [A ἐπῆραν τὰ χ.] τοῦτο τὸ ζῷον (1)
— 16. ἐν τῷ πορεύεσθαι τὰ χ. (1)
— 16. ἐν τῷ ἐξαίρειν τὰ χ. τὰς πτέρυγας αὐτῶν (1)

Ez. 10. 18. ἐπέβη ἐπὶ τὰ χ. (1)
— 19. ἀνέλαβον τὰ χ. τὰς πτέρυγας αὐτῶν (1)
— 20. ἔγνων ὅτι χ. ἐστι (1)
11. 22. ἐξῆραν τὰ χ. τὰς πτέρυγας αὐτῶν (1)
41. 18. γεγλυμμένα χ. (1)
— 18. A φοῖνιξ ἀνὰ μέσον χ. χερούβ [B *al.*] †
— 20. τὰ χ. καὶ οἱ φοίνικες διαγεγλυμμένοι (1)
— 25. ἐπὶ τὰ θυρώματα τοῦ ναοῦ χ. (1)
Da. LXX. 3. (55). εὐλογητὸς εἶ . . . καθήμενος ἐπὶ χ.
Da. TH. 3. (55). εὐλογημένος εἶ . . . καθήμενος ἐπὶ χ. [A τῶν χ.]
[Aq. Ps. 79 (80). 2.]
[Sm. Ez. 9. 3 (P.).]
[Th. Is. 37. 16 : Ez. 10. 1 (P.), 7.]

χερσαῖος. (1) ὁ κροκόδειλος ὁ χ. צָב
Le. 11. 29. καὶ ὁ κροκόδειλος ὁ χ. (1)
Wi. 19. 19. χερσαῖα γὰρ εἰς ἔνυδρα μετεβάλλετο

χέρσος. (1) חֶלֶם
Wi. 10. 7. ἐπὶ μαρτύριον τῆς πονηρίας καπνιζομένη καθέστηκε χέρσος
Ho. 10. 4. ἀνατελεῖ ὡς ἄγρωστις κρίμα ἐπὶ χέρσον ἀγροῦ (1)
12. 11 (12). ὡς χελῶναι ἐπὶ χέρσον ἀγροῦ (1)
Is. 5. 6. ἀναβήσονται εἰς αὐτὸν ὡς εἰς χέρσον ἄκανθαι †
7. 23. εἰς χέρσον ἔσονται καὶ εἰς ἄκανθαν †
— 24. χ. καὶ ἄκανθα ἔσται πᾶσα ἡ γῆ †
— 25. ἔσται γὰρ ἀπὸ τῆς χ. καὶ ἀκάνθης εἰς βόσκημα †
[Aq. Ex. 14. 16, 21.]
[Sam. Le. 25. 5.]

χερσοῦσθαι.
Pr. 24. 46 (31). ἐὰν ἀφῆς αὐτὸν χερσωθήσεται †
Wi. 4. 19. ἕως ἐσχάτου χερσωθήσονται
Na. 1. 10. B S² ἕως θεμελίου αὐ. χερσωθήσεται [A -σονται] †
Je. 2. 31. γῆ κεχερσωμένη †

χεσσούθ.
[Heb. Ma. 2. 13.]

χεττιείμ, χεττιείν.
IV Ki. 23. 7. οὗ αἱ γυναῖκες ὕφαινον ἐκεῖ χ. †

χεῦμα.
[Aq. Dt. 7. 13.]

χεφόρ.
[Heb. Ps. 147. 5 (16).]

χεφουρῆ. (1) כְּפוּרִי
II Es. 1. 9 (10). A χεφ. χρύσεοι τριάκοντα [B *al.*] (1)

χεχάρ (1) כְּכָר
Ne. 3. 22. S ἐκράτησαν οἱ ἱ. ἄνδρες χ. [A B *al.*] (1)

χήλη. (1) פְּרֻסָה
Le. 11. 3 : De. 14. 6. ὀνυχιστῆρας ὀνυχίζον δύο χηλῶν
[Al. Dt. 14. 7.]

χήρα. (1) *a.* אַלְמָנָה *b.* אַלְמָנוֹת (2) גַּלְמוּדָה
Ge. 38. 11. κάθου χήρα ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ πατρός σου (1 *a*)
Ex. 22. 22 (21). πᾶσαν χ. . . . οὐ κακώσετε (1 *a*)
— 24 (23). ἔσονται αἱ γυναῖκες ὑμῶν χῆραι (1 *a*)
Le. 21. 14. χήραν δὲ . . . οὐ λήψεται (1 *a*)
22. 13. ἐὰν γένηται χήρα ἐκβεβλημένη (1 *a*)
Nu. 30. 10. εὐχὴ χήρας καὶ ἐκβεβλημένης (1 *a*)
De. 10. 18. ποιῶν κρίσιν . . . ὀρφανῷ καὶ χήρᾳ (1 *a*)
14. 29. ὁ προσήλυτος καὶ ὁ ὀρφανὸς καὶ ἡ χ. (1 *a*)
16. 11. καὶ ἡ χ. ἡ οὖσα ἐν ὑμῖν (1 *a*)
— 14. ἡ χ. ἡ οὖσα ἐν ταῖς πόλεσί σου (1 *a*)
24. 17. οὐκ ἐκκλινεῖς κρίσιν . . . χήρας –
— 17. A B² R οὐκ ἐνεχυρᾷς ἱμάτιον χήρας (1 *a*)
— 19, 20, 21. τῷ ὀρφανῷ καὶ τῇ χ. ἔσται (1 *a*)
26. 12. τὸ δεύτερον ἐπιδέκατον δώσεις . . . τῇ χ. (1 *a*)
— 13. ἔδωκα αὐτὰ . . . τῇ χ. (1 *a*)
27. 19. ὃς ἂν ἐκκλίνῃ κρίσιν . . . χήρας (1 *a*)
II Ki. 14. 5. καὶ μάλα γυνὴ χήρα ἐγώ εἰμι (1 *a*)
20. 3. ἦσαν συνεχόμεναι . . . χῆραι ζῶσαι (1 *b*)
III Ki. 7. 14. υἱὸν γυναικὸς χήρας (1 *a*)
III Ki. 11. 26. υἱὸς γυναικὸς χήρας [A *al.*] (1 *a*)
17. 9. ἐντέταλμαι ἐκεῖ γυναικὶ χ. (1 *a*)
— 10. γυνὴ χ. συνέλεγε ξύλα (1 *a*)
— 20. ὁ μάρτυς τῆς χ. μεθ' ἧς ἐγὼ κατοικῶ (1 *a*)
To. 1. 8. S ἐδίδουν αὐτὰ . . . ταῖς χ. [A B *al.*]
Ju. 9. 4. εἰσάκουσον ἐμοῦ τῆς χ.
— 9, 10 (S¹). δὸς ἐν χειρί μου τῆς χ.
Jb. 22. 9. χήρας δὲ ἐξαπέστειλας κενάς (1 *a*)
24. 3. βοῦν χήρας ἠνεχύρασαν (1 *a*)
27. 15. χήρας δὲ αὐτῶν οὐδεὶς ἐλεήσει (1 *a*)
29. 13. στόμα δὲ χήρας με εὐλόγησε (1 *a*)
31. 16. χήρας δὲ τὸν ὀφθαλμὸν οὐκ ἐξέτηξα (1 *a*)
Ps. 67 (68). 5. τοῦ πατρὸς τῶν ὀρφανῶν καὶ κριτοῦ τῶν χ. (1 *a*)
77 (78). 64. αἱ χ. αὐτῶν οὐ κλαυσθήσονται (1 *a*)
93 (94). 6. χήραν καὶ ὀρφανὸν ἀπέκτειναν (1 *a*)
108 (109). 9. καὶ ἡ γυνὴ αὐτοῦ χήρα (1 *a*)
131 (132). 15. A S¹ τὴν χ. [S² R θήραν] αὐτῆς εὐλογῶν εὐλογήσω †
145 (146). 9. ὀρφανὸν καὶ χήραν ἀναλήψεται (1 *a*)
Pr. 15. 25. ἑστήρισε [S¹ ἔστησεν] δὲ ὅριον χήρας (1 *a*)
Wi. 2. 10. μὴ φείσώμεθα χήρας
Si. 32 (35). 14. καὶ χήραν [S -ρα] ἐὰν ἐκχέῃ λαλιάν
— 15. οὐχὶ δάκρυα χήρας ἐπὶ σιαγόνα καταβαίνει
Za. 7. 10. χήραν . . . μὴ καταδυναστεύετε (1 *a*)
Ma. 3. 5. ἐπὶ . . . τοὺς καταδυναστεύοντας χήραν [S² -ας] (1 *a*)
Is. 1. 17. δικαιώσατε χήραν [B¹ -α] (1 *a*)
— 23. κρίσιν χηρῶν [A S -ρας] οὐ προσέχοντες (1 *a*)
9. 17 (16). τὰς χ. αὐτῶν οὐκ ἐλεήσει (1 *a*)
10. 2. ὥστε εἶναι αὐτοῖς χήραν εἰς ἁρπαγήν (1 *a*)
47. 8. οὐ καθιῶ χ. [A¹ *om.*] (1 *a*)
49. 21. ἐγὼ δὲ ἄτεκνος καὶ χ. (2)
Je. 5. 28. κρίσιν χήρας οὐκ ἐκρίνοσαν †
7. 6. χήραν μὴ καταδυναστεύσητε (1 *a*)
15. 8. ἐπληθύνθησαν χῆραι αὐτῶν (1 *a*)
18. 21. γενέσθωσαν αἱ γυναῖκες αὐτῶν ἄτεκνοι καὶ [A *om.*] χῆραι (1 *a*)
22. 3. χήραν μὴ καταδυναστεύετε (1 *a*)
29 (49). 11. A R αἱ [B S *om.*] χ. ἐπ' ἐμὲ πεποίθασιν (1 *a*)
Ba. 4. 12. μηδεὶς ἐπιχαιρέτω μοι τῇ χ.
— 16. ἀπήγαγον τοὺς ἀγαπητοὺς τῆς χ.
La. 1. 1. ἐγενήθη ὡς χ. πεπληθυμμένη (1 *a*)
5. 3. μητέρες ἡμῶν ὡς αἱ [A *om.*] χ. (1 *a*)
Ep. Je. 38. χήραν οὐ μὴ ἐλεήσωσιν
Ez. 22. 7. ὀρφανὸν καὶ χήραν κατεδυνάστευον (1 *a*)
— 25. A R χῆραί [B αἱ χ.] σου ἐπληθύνθησαν (1 *a*)
44. 22. χήραν καὶ ἐκβεβλημένην οὐ λήψονται (1 *a*)
— 22. χ. ἐὰν γένηται ἐξ ἱερέως (1 *a*)
II Ma. 3. 10. παρακαταθήκας εἶναι χηρῶν τε καὶ ὀρφανῶν
8. 28. ταῖς χ. . . . μερίσαντες ἀπὸ τῶν σκύλων
— 30. ἰσομοίρους αὐτοὺς . . . χήραις . . . ποιήσαντες
IV Ma. 16. 10. ὦ . . . ἐγὼ γυνὴ χ. καὶ μόνη πολύθρηνος
[Aq. III Ki. 11. 26 : Jb. 24. 21 : Ps. 67 (68). 6 : Is. 1. 23 : 9. 17 (16).]
[Sm. III Ki. 17. 20 : Jb. 24. 21 : Ps. 67 (68). 6 : Is. 1. 23 : 9. 17 (16) : Je. 49. 11 (29. 13) : Ez. 19. 7.]
[Th. Jb. 24. 21 : 29. 13 : Ps. 93 (94). 6 : Is. 1. 23 : 9. 17 (16) : 32. 5.]

χηρεία (-ρία). (1) *a.* אַלְמָן *b.* אַלְמָנוּת
Mi. 1. 16. ἐμπλάτυνον τὴν χ. σου †
Is. 47. 9. A B² S R ἀτεκνία καὶ χ. ἥξει ἐξαίφνης ἐπὶ σέ (1 *a*)
54. 4. ὄνειδος τῆς χ. σου οὐ μὴ μνησθήσῃ (1 *b*)

χηρεύειν. (1) אַלְמָן (2) שָׁמֵם
II Ki. 13. 20. ἐκάθισε Θ. χηρεύουσα (2)
Ju. 8. 4. ἦν Ἰ. ἐν τῷ οἴκῳ αὐ. χηρεύουσα
Je. 28 (51). 5. οὐκ ἐχήρευσεν Ἰσραήλ (1)
[Sm. Ps. 77 (78). 64.]

χήρευσις. (1) אַלְמָנוּת
Ge. 38. 14. περιελομένη τὰ ἱμάτια τῆς χ. (1)
— 19. ἐνεδύσατο τὰ ἱμάτια τῆς χ. αὐ. (1)
Ju. 8. 5. ἦν ἐπ' αὐτῆς τὰ ἱμάτια τῆς χ. αὐ.
— 6. ἐνήστευσε πάσας τὰς ἡμέρας τῆς χ. αὐ.
10. 3. S περιείλατο τὸν σάκκον τῆς χ. αὐ. [A B *om.* τ. χ. αὐ.]
— 3. ἐξεδύσατο τὰ ἱμάτια τῆς χ. αὐ. [S *om.* τ. χ. αὐ.]
16. 8. A B S² ἐξεδύσατο γὰρ στολὴν χηρεύσεως αὐ.

χθές, ἐχθές. (1) אֶמֶשׁ (2) *a.* אֶתְמוֹל *b.* מֵאֶתְמוֹל *c.* כְּאֶתְמוֹל (3) *a.* תְּמוֹל *b.* כְּתְמוֹל
Ge. 19. 34. ἐκοιμήθην ἐχθὲς μετὰ τοῦ πατρὸς ἡμῶν (1)
31. 2. A ὡς ἐχθὲς καὶ τρίτην ἡμέραν [R *al.*] (3 *a*)
— 5. ὡς ἐχθὲς καὶ τρίτην ἡμέραν (3 *a*)
— 29. ἐχθὲς εἶπε πρὸς μέ (1)
— 42. ἤλεγξέ σε χθές (1)
Ex. 2. 14. B¹ ὃν τρόπον ἀνεῖλες ἐ. [A B² R τὸν Αἰγ. –
4. 10. A B¹ πρὸ τῆς ἐχθὲς [B³ R χθὲς] οὐδὲ πρὸ τῆς τρίτης ἡμέρας (3 *a*)
5. 7. A B¹ καθάπερ ἐχθὲς [B³ R χθὲς] καὶ τρίτην ἡμέραν (3 *a*)
— 14. A B¹ καθάπερ ἐχθὲς [B² R θὲς] καὶ τρίτην ἡμέραν (3 *a*)
21. 29. A B¹ πρὸ τῆς ἐχθὲς [B³ R χθὲς] καὶ πρὸ τῆς τρίτης (3 *a*)
— 36. A B¹ πρὸ τῆς ἐχθὲς [B³ R χθὲς] καὶ πρὸ τῆς τρίτης ἡμέρας (3 *a*)
De. 4. 42. B¹ πρὸ τῆς ἐχθὲς οὐδὲ πρὸ τῆς τρίτης [A B² R *al.*] (3 *a*)
19. 4. πρὸ τῆς ἐχθὲς καὶ τρίτης [A B³ *al.*] (3 *a*)
— 6. πρὸ τῆς ἐχθὲς οὐδὲ πρὸ τῆς τρίτης [A B³ *al.*] (3 *a*)
Jo. 3. 4. ἀπ' ἐχθὲς [B³ ἀπὸ χθὲς] καὶ τρίτης ἡμέρας (3 *a*)
4. 18. A B¹ ἐπορεύετο καθὰ ἐχθὲς [B³ R χθὲς] καὶ τρίτην ἡμέραν (3 *a*)
20. 5. A ἀπ' ἐχθὲς καὶ τρίτην (3 *a*)
Ru. 2. 11. ὃν οὐκ ἤδεις ἐχθὲς [B³ χθὲς] καὶ τρίτης (3 *a*)
I Ki. 4. 8 (7). οὐ γέγονε τοιαύτη ἐχθὲς [B³ χθὲς] καὶ τρίτην [A -ης] (2 *a*)
10. 11. πάντες οἱ εἰδότες αὐτὸν ἐχθὲς [B³ χθὲς] καὶ τρίτην [A -ης] (2 *b*)
14. 21. οἱ δοῦλοι οἱ ὄντες ἐχθὲς [B³ χθὲς] καὶ τρίτην ἡμέραν (2 *c*)
19. 7. ὡσεὶ ἐχθὲς [B³ χθὲς] καὶ τρίτην ἡμέραν (2 *a*)
20. 27. οὐ παραγέγονεν ὁ υἱὸς Ἰ. καὶ ἐχθὲς [B³ χθὲς] καὶ σήμερον (3 *a*)
21. 5 (6). ἀπεσχήμεθα ἐχθὲς [B³ χθὲς] καὶ τρίτην ἡμέραν (3 *b*)
II Ki. 3. 17. ἐχθὲς καὶ τρίτην ἐζητεῖτε τὸν Δ. (3 *a*)
5. 2. ἐχθὲς [B³ χθὲς] καὶ τρίτην ὄντος Σ. βασιλέως ἐφ' ἡμῶν (2 *a*)
15. 20. εἰ ἐχθὲς [B³ χθὲς] παραγέγονας (3 *a*)
— 20. B¹ ἐχθὲς [B³ R χθὲς] ἡ ἐξέλευσίς σου (3 *a*?)
IV Ki. 9. 26. τὰ αἵματα τῶν υἱῶν αὐ. εἶδον ἐχθὲς [B² χθές] (1)
13. 5. καθὼς ἐχθὲς [B³ χθὲς] καὶ τρίτης (3 *a*)
I Ch. 11. 2. ἐχθὲς [B³ χθὲς] καὶ τρίτην ὄντος Σ. βασιλέως (3 *a*)
Jb. 30. 3. οἱ φεύγοντες ἄνυδρον ἐχθὲς [B³ χθὲς] συνοχήν (1)
Ps. 89 (90). 4. ὡς ἡ ἡμέρα ἡ ἐχθὲς [B³ χθὲς] ἥτις διῆλθε (2 *a*)
Si. 38. 22. B³ R ἐμοὶ χθὲς [A B¹ S ἐχθὲς] καὶ σοὶ σήμερον
Da. TH. Su. 15. A B¹ καθὼς ἐχθὲς [B³ R χθὲς] καὶ τρίτης ἡμέρας
I Ma. 9. 44. ὡς ἐχθὲς καὶ τρίτην ἡμέραν
[Aq. Ex. 5. 7 : Is. 30. 33.]
[Sm. Is. 30. 33.]
[Th. Ex. 5. 7.]

χθιζός. (1) תמול
Jb. 8. 9. χθιζοὶ γάρ ἐσμεν καὶ οὐκ οἴδαμεν (1)

χθών. (1) אֲדָמָה
III Ki. 14. 15. A ἐκτελεῖ τὸν Ἰσρ. ἀπὸ ἄνω τῆς χθ. τῆς ἀγαθῆς τ. (1)
[Aq. Ge. 2. 6, 7 : III Ki. 14. 15 : Ps. 48 (49). 12 : 82 (83). 11 : 104 (105). 35 : Is. 7. 16 : 15. 9.]
[Sm. Is. 15. 9.]

χί.
[Heb. Ho. 11. 1.]

χιβαϊά.
[Heb. Is. 26. 4.]

χιβάχ.
[Heb. Is. 26. 3.]

χίδρον. (1) גֶּרֶשׁ

Le. 2. 14. νέα πεφρυγμένα χίδρα ἐρικτὰ τῷ κ. (1)
— 16. ἀνοίσει . . . ἀπὸ τῶν χ. (1)
23. 14. πεφρυγμένα χ. νέα οὐ φάγεσθε –

χιλιαρχία. (1) אֶלֶף

Nu. 31. 48. πάντες οἱ καθεσταμ. εἰς τὰς χ. τῆς δυνάμεως (1)
I Ma. 5. 13. S R ἀπώλεσαν ἐκεῖ ὡσεὶ μίαν χ. [A χιλιάδα] ἀνδρῶν

χιλίαρχος. (1) *a.* אַלּוּף *b.* רֹאשׁ אֲלָפִים *c.* שַׂר הָאֶלֶף, שַׂר אֶלֶף

Ex. 18. 21. καταστήσεις ἐπ' αὐτῶν χιλιάρχους (1 *c*)
— 25. ἐποίησεν αὐτοὺς ἐπ' αὐτῶν χιλιάρχους (1 *c*)
Nu. 1. 16. χιλίαρχοι Ἰσρ. εἰσι (1 *b*)
31. 14. ἐπὶ τοῖς ἐπισκόποις τῆς δυνάμεως χιλιάρχοις (1 *c*)
— 48. χιλίαρχοι καὶ ἑκατόνταρχοι (1 *c*)
— 52, 54. παρὰ τῶν χ. καὶ παρὰ τῶν ἑκατοντάρχων (1 *c*)
De. 1. 15. ἔλαβον ἐξ ὑμῶν . . . χιλιάρχους (1 *c*)
Jo. 22. 14. ἄρχοντες . . . εἰσι χιλίαρχοι Ἰσρ. †
— 21. ἐλάλησαν τοῖς χ. Ἰσρ. (1 *b*)
I Ki. 8. 12. καὶ θέσθαι αὐτοὺς ἑαυτῷ . . . χιλιάρχους (1 *c*)
17. 18. A τὰς δέκα στρυφαλίδας . . . εἰσοίσεις τῷ χ. (1 *c*)
18. 13. κατέστησεν αὐτὸν ἑαυτῷ χιλίαρχον (1 *c*)
22. 7. εἰ . . . πάντας ὑμᾶς τάξει . . . χιλιάρχους (1 *c*)
II Ki. 18. 1. κατέστησεν ἐπ' αὐτῶν χιλιάρχους (1 *c*)
I Ch. 13. 1. ἐβουλεύσατο Δ. μετὰ τῶν χ. (1 *c*)
15. 25. καὶ οἱ χ. οἱ πορευόμ. τοῦ ἀναγαγεῖν τὴν κιβ. (1 *c*)
26. 26 : 27. 1. χιλίαρχοι καὶ ἑκατόνταρχοι (1 *c*)
29. 6. καὶ οἱ χ. καὶ οἱ ἑκατόνταρχοι (1 *c*)
II Ch. 1. 2. εἶπε Σαλ. . . . τοῖς χιλ. (1 *c*)
17. 14. καὶ τῷ Ἰ. χιλίαρχοι (1 *c*)
25. 5. ἀνέστησεν αὐτοὺς . . . εἰς χιλιάρχους (1 *c*)
I Es. 1. 9. Σαβ. καὶ Ὀχ. καὶ Ἰ. χιλίαρχοι ἔδωκαν
Ju. 14. 12. A B[1] οἱ δὲ ἦλθον ἐπὶ τοὺς [B[2] S R *om.*] στρατηγοὺς καὶ χ.
Za. 9. 7. ἔσονται ὡς χιλίαρχος ἐν Ἰούδᾳ (1 *a*)
12. 5. ἐροῦσιν οἱ χ. Ἰούδα ἐν ταῖς καρδίαις αὐ. (1 *a*)
— 6. θήσομαι τοὺς χ. Ἰ. ὡς δαλὸν πυρός (1 *a*)
I Ma. 3. 55. κατέστησεν Ἰούδας . . . χιλιάρχους
16. 19. τοῖς χ. ἀπέστειλεν ἐπιστολάς

χιλιάς. (1) אֶלֶף

Ge. 24. 60. γίνου εἰς χιλιάδας μυριάδων (1)
Ex. 12. 37. εἰς ἑξακοσίας χιλιάδας πεζῶν (1)
20. 6. ποιῶν ἔλεος εἰς χιλιάδας (1)
34. 7. διακαιοσύνην διατηρῶν . . . εἰς χιλιάδας (1)
Nu. 1. 21. ἓξ καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)
— 23. ἐννέα καὶ πεντήκοντα χιλιάδες (1)
— 27. τέσσαρες καὶ ἑβδομήκοντα χιλιάδες (1)
— 29. τέσσαρες καὶ πεντήκοντα χιλιάδες (1)
— 31. A[2] B ἑπτὰ καὶ πεντήκοντα χιλιάδες (1)
— 33. τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)
— 35. δύο καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1)
— 37. πέντε καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1)
— 25. πέντε καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)
— 39. δύο καὶ ἑξήκοντα χιλιάδες (1)
— 41. μία καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)
— 43. τρεῖς καὶ πεντήκοντα χιλιάδες (1)
— 46. ἑξακόσιαι χιλιάδες (1)
2. 4. τέσσαρες καὶ ἑβδομήκοντα χιλιάδες (1)
— 6. τέσσαρες καὶ πεντήκοντα χιλιάδες (1)
— 8. ἑπτὰ καὶ πεντήκοντα χιλιάδες (1)
— 9. ἑκατὸν ὀγδοήκοντα χιλιάδες (1)
— 11. ἓξ καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)
— 13. ἐννέα καὶ πεντήκοντα χιλιάδες (1)
— 15. πέντε καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)
— 16. ἑκατὸν πεντήκοντα μία χιλιάδες (1)
— 19. τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)
— 21. δύο καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1)
— 23. πέντε καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1)
— 24. ἑκατὸν χιλιάδες (1)
— 26. δύο καὶ ἑξήκοντα χιλιάδες (1)
— 28. μία καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)
— 30. τρεῖς καὶ πεντήκοντα χιλιάδες (1)
— 31. ἑκατὸν καὶ πεντήκοντα ἑπτὰ χιλιάδες (1)
— 32. ἑξακόσιαι χιλιάδες (1)
3. 39, 43. δύο καὶ εἴκοσι χιλιάδες (1)
Nu. 10. 36. ἐπίστρεφε, κύριε, χιλιάδας μυριάδας ἐν τῷ Ἰσρ. (1)
11. 21. A[2] B ἑξακόσιαι χιλιάδες πεζῶν ὁ λαός (1)
16. 49 (17. 14). τέσσαρες καὶ δέκα χιλιάδες (1)
25. 9. τέσσαρες καὶ εἴκοσι χιλιάδες (1)
26. 7. τρεῖς καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)
— 14. δύο καὶ εἴκοσι χιλιάδες (1)
— 22. ἓξ καὶ ἑβδομήκοντα χιλιάδες (1)
— 25. τέσσαρες καὶ ἑξήκοντα χιλιάδες (1)
— 27. ἑξήκοντα χιλιάδες (1)
— 18. τέσσαρες καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες [A *al.*] (1)
— 47. τρεῖς καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)
— 34. δύο καὶ πεντήκοντα χιλιάδες (1)
— 37. δύο καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1)
— 41. πέντε καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1)
— 43. τέσσαρες καὶ ἑξήκοντα χιλιάδες (1)
— 50. τεσσαράκοντα χιλιάδες καὶ τριακόσιοι (1)
— 51. ἑξακόσιαι χιλιάδες (1)
— 62. τρεῖς καὶ εἴκοσι χιλιάδες (1)
31. 5. B ἐξηρίθμησαν ἐκ τῶν χ. Ἰσρ. . . . δώδεκα χιλιάδες [A R -ας] (1, 1)
— 32. ἑξακόσιαι χ. καὶ ἑβδομήκοντα καὶ πέντε χιλιάδες [A *al.*] (1, 1)
— 33. δύο καὶ ἑβδομήκοντα χιλιάδες (1)
— 34. μία καὶ ἑξήκοντα χιλιάδες (1)
— 35. δύο καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1)
— 36. A τριακόσιαι χιλιάδες [B *om.*] καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1, 1)
— 38. ἓξ καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1)
— 39. καὶ ὄνοι τριάκοντα χιλιάδες (1)
— 40. καὶ ψυχαὶ ἀνθρώπων ἑκκαίδεκα χιλιάδες (1)
— 43. τριακόσιαι χιλιάδες καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1, 1)
— 44. ἓξ καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1)
— 45. ὄνοι τριάκοντα χιλιάδες καὶ πετακόσιοι (1)
— 46, 52. ἓξ καὶ δέκα χιλιάδες (1)
De. 5. 10. καὶ ποιῶν ἔλεος εἰς χιλιάδας (1)
33. 17. καὶ αὗται χ. Μαν. (1)
Jo. 8. 3. ἐπέλεξε δὲ Ἰ. τριάκοντα χιλιάδας ἀνδρῶν (1)
— 25. ἐγενήθησαν οἱ πεσόντες . . . δώδεκα χιλιάδες (1)
Jd. 1. 4. εἰς δέκα χιλιάδας ἀνδρῶν (1)
3. 29. ἐπάταξαν . . . ὡσεὶ δέκα χιλιάδας ἀνδρῶν (1)
4. 6. λήψῃ μετὰ σεαυτοῦ δέκα χιλιάδας ἀνδρῶν (1)
— 10. ἀνέβησαν κατὰ πόδας αὐ. δέκα χιλιάδες ἀνδρῶν (1)
— 14. καὶ δέκα χιλιάδες ἀνδρῶν ὀπίσω αὐτοῦ (1)
5. 8. ἐν τεσσαράκοντα χιλιάσιν ἐν Ἰσρ. (1)
6. 15. ἡ χ. μου ἠσθένησεν ἐν Μαν. (1)
7. 3. ἐπέστρεψεν ἀπὸ τοῦ λαοῦ εἴκοσι καὶ δύο χιλιάδες (1)
— 3. δέκα χιλιάδες ὑπελείφθησαν (1)
8. 10. ὡσεὶ δέκα πέντε χιλιάδες (1)
— 10. ἑκατὸν εἴκοσι χιλιάδες ἀνδρῶν (1)
12. 6. τεσσαράκοντα δύο χιλιάδες (1)
15. 11. A τρεῖς χιλιάδες ἀνδρῶν [B τρισχίλιοι ἄνδρες] (1)
20. 2. τετρακόσιαι χ. ἀνδρῶν πεζῶν (1)
— 15. εἴκοσι τρεῖς χιλιάδες (1)
— 17. τετρακόσιαι χιλιάδες ἀνδρῶν (1)
— 21. διέφθειραν . . . δύο καὶ εἴκοσι χιλιάδας ἀνδρῶν (1)
— 25. διέφθειραν . . . ὀκτὼ καὶ δέκα χιλιάδας ἀνδρῶν (1)
— 34. δέκα χιλιάδες ἀνδρῶν ἐκλεκτῶν (1)
— 35. διέφθειραν . . . εἴκοσι καὶ πέντε χιλιάδας (1)
— 44. δέκα ὀκτὼ χιλιάδες ἀνδρῶν (1)
— 45. A ἐκαλαμήσαντο . . . πέντε χιλιάδας ἀνδρῶν [B *al.*] (1)
— 46. εἴκοσι πέντε χιλιάδες ἀνδρῶν (1)
21. 10. ἀπέστειλεν . . . δώδεκα χιλιάδας ἀνδρῶν (1)
I Ki. 4. 2. ἐπλήγησαν . . . τέσσαρες χιλιάδες ἀνδρῶν (1)
— 10. ἔπεσαν ἐξ Ἰσρ. τριάκοντα χιλιάδες ταγμάτων (1)
6. 19. ἐπάταξεν ἐν αὐτοῖς . . . πεντήκοντα χιλιάδας ἀνδρῶν (1)
10. 19. A κατάστητε ἐνώπιον κυρίου . . . κατὰ τὰς χ. [B φυλὰς] ὑμῶν (1)
11. 8. ἐπισκέπτεται αὐτοὺς . . . πάντα ἄνδρα Ἰσρ. ἑξακοσίας χ. καὶ ἄνδρας Ἰ. ἑβδομήκοντα χιλιάδας (1, 1)
13. 2. B ἐκλέγεται Σ. ἑαυτῷ τρεῖς χ. ἀνδρῶν (1)
— 5. B τριάκοντα χιλιάδες ἁρμάτων (1)
— 5. B ἓξ χιλιάδες ἱππέων (1)
I Ki. 14. 22 (23). ὡς δέκα χιλιάδες ἀνδρῶν –
15. 4. τετρακοσίας [A δέκα] χ. ταγμάτων (1)
— 4. τριάκοντα [A δέκα] χιλιάδας ταγμάτων (1)
17. 5. πέντε χιλιάδες σίκλων χαλκοῦ (1)
18. 7. ἐπάταξε Σ. ἐν χιλιάσιν αὐ. (1)
— 8. ἐμοὶ ἔδωκαν τὰς χ. (1)
21. 11 (12). ἐπάταξε Σ. ἐν χιλιάσιν αὐ. (1)
23. 23. ἐξερευνήσω αὐτὸν ἐν πάσαις [A πᾶσιν] χ. Ἰούδα (1)
24. 3. ἔλαβε μεθ' ἑαυτοῦ τρεῖς χιλιάδας ἀνδρῶν (1)
26. 2. καὶ μετ' αὐτοῦ τρεῖς χιλιάδες ἀνδρῶν (1)
29. 2. παρεπορεύοντο εἰς ἑκατοντάδας καὶ χιλιάδας (1)
— 5. ἐπάταξε Σ. ἐν χιλιάσιν αὐ. (1)
II Ki. 6. 1. συνήγαγεν . . . ὡς ἑβδομήκοντα χιλιάδας (1)
8. 4. προκατελάβετο . . . ἑπτὰ χιλιάδας ἱππέων καὶ εἴκοσι χιλιάδας ἀνδρῶν πεζῶν (†, 1)
— 5. ἐπάταξε Δ. . . . εἴκοσι δύο χιλιάδας ἀνδρῶν (1)
— 13. ἐπάταξεν . . . εἰς ὀκτὼ καὶ δέκα χιλιάδας (1)
10. 6. ἐμισθώσαντο . . . εἴκοσι χιλιάδας πεζῶν . . . καὶ Ἰστὼβ δώδεκα χιλιάδας ἀνδρῶν (1, 1)
— 18. ἀνεῖλε . . . τεσσαράκοντα χιλιάδας ἱππέων (1)
17. 1. ἐπιλέξω δὴ ἐμαυτῷ δώδεκα χιλιάδας ἀνδρῶν (1)
18. 3. σὺ ὡς ἡμεῖς δέκα χιλιάδες (1)
— 4. ἐξεπορεύετο . . . εἰς χιλιάδας (1)
— 7. εἴκοσι χιλιάδες ἀνδρῶν (1)
24. 9. ἐγένετο Ἰσρ. ὀκτακόσιαι χ. ἀνδρῶν (1)
— 9. καὶ ἀνὴρ Ἰ. πεντακόσιαι χ. ἀνδρῶν μαχητῶν (1)
— 15. ἑβδομήκοντα χιλιάδες ἀνδρῶν (1)
III Ki. 3. 1 (*cf.* 5. 15 [29]). ἑβδομήκοντα χιλιάδες αἴροντες ἄρσιν [A *al.*] (1)
— 1 (*cf.* 5. 15 [29]). ὀγδοήκοντα χιλιάδες λατόμων [A *al.*] (1)
— 1 (5. 16 [30]). τρεῖς χιλιάδες καὶ ἑξακόσιοι ἐπιστάται (1)
— 1 (B), 4. 26 [5. 6] (A). τεσσαράκοντα χιλιάδες τοκάδες ἵπποι (1)
— 1 (B), 4. 26 [5. 6] (A). καὶ δώδεκα χιλιάδες ἵππων [A -έων] (1)
5. 11 (25). εἴκοσι χιλιάδας κόρους πυροῦ (1)
— 11 (25). εἴκοσι χιλιάδας βαὶθ ἐλαίου –
— 13 (27). ἦν ὁ φόρος τριάκοντα χιλιάδες ἀνδρῶν (1)
— 14 (28). δέκα χιλιάδες [A -ας] ἐν τῷ μηνί (1)
— 15 (29). ἑβδομήκοντα χιλιάδες αἴροντες ἄρσιν (1)
— 15 (29). ὀγδοήκοντα χιλιάδες λατόμων (1)
— 16 (30). τρεῖς χιλιάδες καὶ ἑξακόσιοι ἐπιστάται (1)
8. 63. B βοῶν δύο καὶ εἴκοσι χιλιάδες [A R -ας] (1)
— 63. A R προβάτων ἑκατὸν εἴκοσι χιλιάδας (1)
10. 26. A[2] B τέσσαρες χιλιάδες θήλειαι ἵπποι (1?)
— 26. δώδεκα χιλιάδες ἱππέων (1)
12. 21. ἑκατὸν καὶ εἴκοσι χιλιάδες νεανιῶν (1)
19. 18. καταλείψεις ἐν Ἰσρ. ἑπτὰ χιλιάδας ἀνδρῶν (1)
21 (20). 15. A ἐπεσκέψατο . . . πάντα υἱὸν δυνάμεως ἑπτὰ χιλιάδας [B *al.*] (1)
— 29. ἐπάταξεν Ἰσρ. τὴν Σ. ἑκατὸν χιλιάδας πεζῶν (1)
— 30. ἐπὶ εἴκοσι καὶ ἑπτὰ χιλιάδας ἀνδρῶν (1)
IV Ki. 3. 4. B ἑκατὸν χιλιάδας ἀρνῶν (1)
— 4. ἑκατὸν χιλιάδας κριῶν ἐπιπόκων (1)
13. 7. καὶ δέκα χιλιάδες [A -ας] πεζῶν (1)
14. 7. ἐπάταξε τὴν Ἐ. ἐν γ. δέκα χιλιάδας (1)
19. 35. ἑκατὸν ὀγδοήκοντα πέντε χιλιάδας (1)
24. 14. αἰχμαλωσίας δέκα χιλιάδας αἰχμαλωτίσας (1)
I Ch. 5. 18. τεσσαράκοντα καὶ τέσσαρες χ. (1)
— 21. προβάτων διακοσίας πεντήκοντα χ. (1)
— 21. καὶ ψυχὰς ἀνδρῶν ἑκατὸν χιλιάδας (1)
7. 2. ὁ ἀριθμὸς αὐ. . . . εἴκοσι καὶ δύο χιλιάδες (1)
— 4. τριάκοντα καὶ ἓξ χιλιάδες (1)
— 5. ὀγδοήκοντα καὶ ἑπτὰ χιλιάδες ὁ ἀριθμὸς αὐ. (1)
— 7. ὁ ἀριθμὸς αὐ. εἴκοσι καὶ δύο χιλιάδες (1)
— 9. εἴκοσι χιλιάδες καὶ διακόσιοι (1)
— 11. ἑπτὰ καὶ δέκα χιλιάδες καὶ διακόσιοι (1)
— 40. ἀριθμὸς αὐ. ἄνδρες εἴκοσι ἓξ χιλιάδες (1)
12. 20. ἀρχηγοὶ χιλιάδων εἰσὶ τοῦ Μαν. (1)
— 24. ἓξ χιλιάδες καὶ ὀκτακόσιοι (1)
— 25. ἑπτὰ χιλιάδες καὶ ἑκατόν (1)
— 27. τρεῖς χιλιάδες καὶ [S χίλιοι] ἑπτακόσιοι (1)
— 29. τῶν υἱῶν Βεν. . . . τρεῖς χιλιάδες (1)

I Ch. 12. 30. εἴκοσι χιλιάδες καὶ ὀκτακόσιοι (1)
— 31. δέκα ὀκτὼ χιλιάδες (1)
— 33. ἀπὸ Ζαβ. . . . πεντήκοντα χιλιάδες (1)
— 34. τριάκοντα ἑπτὰ χιλιάδες (1)
— 35. εἴκοσι ὀκτὼ χιλιάδες (1)
— 36. ἀπὸ τοῦ Ἀ. . . . τεσσαράκοντα χιλιάδες [A -ας] (1)
— 37. ἑκατὸν εἴκοσι χιλιάδες (1)
18. 4. προκατελάβετο . . . ἑπτὰ χιλιάδας ἵππων καὶ εἴκοσι χιλιάδας ἀνδρῶν (1, 1)
— 5. ἐπάταξεν . . . εἴκοσι καὶ δύο χιλιάδας ἀνδρῶν (1)
— 12. ὀκτὼ καὶ δέκα χιλιάδας [A -ες] (1)
19. 7. ἐμισθώσαντο . . . δύο καὶ τριάκοντα χιλιάδας ἁρμάτων (1)
— 18. ἀπέκτεινε . . . ἑπτὰ χιλιάδας ἁρμάτων καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδας πεζῶν (1, 1)
21. 5. ἦν πᾶς Ἰσρ. χίλιαι χ. καὶ ἑκατὸν χ. ἀνδρῶν (1, 1)
— 5. A ὀγδοήκοντα [R ἑβδομήκ.] χιλιάδες ἀνδρῶν (1)
— 14. ἔπεσον ἐξ Ἰσρ. ἑβδομήκοντα χιλιάδες ἀνδρῶν (1)
22. 14. χρυσίου ταλάντων ἑκατὸν χιλιάδας (1)
— 14. ἀργυρίου ταλάντων χιλίας χιλιάδας (1)
23. 3. τριάκοντα καὶ ὀκτὼ χιλιάδας (1)
— 4. εἴκοσι τέσσαρες χ. (1)
— 5. A B^2 R τέσσαρες χ. πυλωροί (1)
— 5. τέσσαρες χιλιάδες αἰνοῦντες τῷ κυρίῳ (1)
27. 1, 2, 4, 5, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15. εἴκοσι καὶ τέσσαρες χ. (1)
28. 1. καὶ ἄρχοντας τῶν χ. (1)
29. 7. καὶ ἀργυρίου ταλάντων δέκα χιλιάδας (1)
— 7. καὶ σιδήρου ταλάντων χιλιάδας ἑκατόν (1)
II Ch. 1. 14. ἐγένοντο αὐτῷ . . . δώδεκα χιλιάδες ἱππέων (1 ?)
2. 2 (1). ἑβδομήκοντα χιλιάδας ἀνδρῶν νωτοφόρων καὶ ὀγδοήκοντα χιλιάδας λατόμων (1, 1)
— 10 (9). δέδωκα σῖτον . . . κόρων πυροῦ εἴκοσι χιλιάδας καὶ κριθῶν κόρων εἴκοσι χιλιάδας καὶ οἴνου μέτρων εἴκοσι χιλιάδας (1 *ter*)
— 10 (9). B^2 R καὶ ἐλαίου μέτρων [A κάδων] εἴκοσι χιλιάδας (1)
— 17 (16). εὑρέθησαν ἑκατὸν πεντήκοντα χιλιάδες (1)
— 18 (17). ἐποίησεν ἐξ αὐτῶν ἑβδομήκοντα χιλιάδας νωτοφόρων καὶ ὀγδοήκοντα χιλιάδας λατόμων (1, 1)
7. 5. B μόσχων εἴκοσι καὶ δύο χιλιάδες [A R -ας] (1)
— 5. A R βοσκημάτων ἑκατὸν καὶ εἴκοσι χιλιάδας (1)
9. 25. ἦσαν τῷ Σ. τέσσαρες χ. [A μυριάδες] θήλειαι ἵπποι εἰς ἅρματα καὶ δώδεκα χιλιάδες ἱππέων (1, 1)
11. 1. B ἑκατὸν ὀγδοήκοντα χιλιάδες [A R -ας] νεανίσκων (1)
12. 3. ἐν . . . ἑξήκοντα χιλιάσιν ἵππων (1)
13. 3. παρετάξατο . . . τετρακοσίαις χ. ἀνδρῶν δυνατῶν (1)
— 3. παρετάξατο . . . ἐν ὀκτακοσίαις χ. (1)
— 17. ἔπεσον . . . πεντακόσιαι χ. ἄνδρες δυνατοί (1)
14. 8 (7). ἐγένετο τῷ Ἀ. δύναμις . . . τριακόσιαι χ. (1)
— 8 (7). καὶ τοξόται διακόσιαι καὶ πεντήκοντα χ. (1)
— 9 (8). B ἐν χιλιάσι [A R χιλίαις χ.] καὶ ἅρμασι τριακοσίοις (1)
15. 11. A καὶ πρόβατα ἑπτὰ χιλιάδας [B ἑπτακισχίλια] (1)
17. 14. υἱοὶ δυνατοὶ δυνάμεως τριακόσιαι χ. (1)
— 15. καὶ μετ' αὐτοῦ διακόσιαι ὀγδοήκοντα χ. (1)
— 16. καὶ μετ' αὐτοῦ διακόσιαι χ. (1)
— 17. καὶ μετ' αὐτοῦ . . . πελτασταὶ διακόσιαι χ. (1)
— 18. καὶ μετ' αὐτοῦ ἑκατὸν ὀγδοήκοντα χιλιάδες (1)
25. 5. εὗρεν αὐτοὺς τριακοσίας χ. (1)
— 6. ἐμισθώσατο ἀπὸ Ἰσρ. ἑκατὸν χιλιάδας (1)
— 11. ἐπάταξεν ἐκεῖ τοὺς υἱοὺς Σ. δέκα χιλιάδας (1)
— 12. δέκα χιλιάδας ἐζώγρησαν οἱ υἱοὶ Ἰ. (1)
— 13. ἐπάταξεν ἐν αὐτοῖς τρεῖς χιλιάδας (1)
26. 13. A δύναμις πολεμικὴ τριακόσιαι χ. καὶ ἑπτὰ χιλιάδες [B ἑπτακισχίλιοι] (1, 1)
27. 5. ἐδίδουν . . . δέκα χιλιάδας κόρων πυροῦ καὶ κριθῶν δέκα χιλιάδας (1, 1)
28. 6. B ἀπέστειλε [A R ἀπέκτεινε] . . . ἑκατὸν εἴκοσι χιλιάδας ἀνδρῶν (1)
II Ch. 28. 8. ᾐχμαλώτισαν . . . τριακοσίας χ. (1)
30. 24. ἀπήρξαντο . . . πρόβατα δέκα χιλιάδας (1)
35. 7. πάντας τοὺς εὑρεθέντας εἰς ἀριθμὸν τριάκοντα χιλιάδας καὶ μόσχων τρεῖς χιλιάδας (1, 1)
I Es. 1. 7. ἀρνῶν καὶ ἐρίφων τριάκοντα χιλιάδας [A -ες]
5. 9. B ἑβδομήκοντα [A R *om.*] δύο χιλιάδες
Ne. 7. 72. S^1 ἔδωκαν . . . ἀργυρίου μνᾶς χιλιάδας διακοσίας [S^2 R *al.*] (1)
Ju. 2. 5. πεζῶν εἰς χιλιάδας ἑκατὸν εἴκοσι
— 5. A B^2 S^2 καὶ πλῆθος ἵππων . . . χιλιάδας [S^1 -ες, B^1 μυριάδας, R μυριάδων] δέκα δύο
7. 2. ἡ δύναμις αὐ. ἀνδρῶν πολεμιστῶν χιλιάδες . . . καὶ ἱππέων χιλιάδες δέκα δύο
— 17. μετ' αὐτῶν χιλιάδες πέντε υἱῶν Ἀ.
Ps. 59 (60). *tit.* ἐπάταξε τὴν φάραγγα τῶν ἁλῶν δώδεκα χιλιάδας (1)
67 (68). 17. τὸ ἅρμα τοῦ θεοῦ μυριοπλάσιον χιλιάδες εὐθηνούντων (1)
83 (84). 10. κρείσσων ἡμέρα μία ἐν ταῖς αὐλαῖς σου ὑπὲρ χιλιάδας (1)
90 (91). 7. πεσεῖται ἐκ τοῦ κλίτους σου χιλιάς (1)
118 (119). 72. ὑπὲρ χιλιάδας χρυσίου καὶ ἀργυρίου (1)
Si. 16. 10. καὶ οὕτως ἑξακοσίας χιλιάδας πεζῶν
46. 8. διεσώθησαν ἀπὸ ἑξακοσίων χιλιάδων πεζῶν
Mi. 5. 2 (1). ὀλιγοστὸς εἶ τοῦ εἶναι ἐν χιλιάσιν Ἰ. (1)
6. 7. εἰ προσδέξεται κύριος ἐν χιλιάσι κριῶν (1)
Is. 37. 36. ἀνεῖλεν . . . ἑκατὸν ὀγδοήκοντα πέντε χιλιάδας [S^1 -ες] (1)
60. 22. ὁ ὀλιγοστὸς ἔσται εἰς χιλιάδας (1)
Je. 39 (32). 18. ποιῶν ἔλεος εἰς χιλιάδας (1)
Ez. 45. 1. πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδας μῆκος καὶ εὖρος εἴκοσι χιλιάδας (1, 1)
— 3. διαμετρήσεις μῆκος πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδας καὶ εὖρος εἴκοσι χιλιάδας (1, 1)
— 5. εἴκοσι καὶ πέντε χιλιάδας [A -ες] μῆκος καὶ εὖρος εἴκοσι [A *add.* δέκα] χιλιάδες (1, 1)
— 6. δώσεις πέντε χιλιάδας εὖρος καὶ μῆκος πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδας (1, 1)
48. 8. πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδες εὖρος (1)
— 9. μῆκος [A *om.*] πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδες καὶ εὖρος εἴκοσι καὶ πέντε χιλιάδες (1, 1)
— 10. πρὸς βορρᾶν πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδες καὶ πρὸς θάλασσαν [A *add.* πλάτος] δέκα χιλιάδες καὶ πρὸς νότον [A *add.* μῆκος] εἴκοσι καὶ πέντε χιλιάδες (1 *ter*)
— 13. μῆκος πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδες καὶ εὖρος δέκα χιλιάδες πᾶν τὸ μῆκος πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδες καὶ εὖρος εἴκοσι χιλιάδες (1 *quater*)
— 15. τὰς δὲ πέντε χ. [B^3 -ίας] τὰς περισσὰς ἐπὶ τῷ πλάτει ἐπὶ ταῖς πέντε καὶ εἴκοσι χ. προτείχισμα ἔσται (1, 1)
— 16 *bis*. πεντακόσιοι καὶ τέσσαρες χιλιάδες (1)
— 18. τὸ περισσὸν τοῦ μήκους . . . δέκα χιλιάδες πρὸς ἀνατολὰς καὶ δέκα χιλιάδες πρὸς θάλασσαν (1, 1)
— 20. πᾶσα ἡ ἀπαρχὴ πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδες ἐπὶ πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδας (1, 1)
— 21. ἐπὶ πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδας μῆκος . . . ἐπὶ πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδας (1, 1)
— 35. κύκλωμα δέκα καὶ ὀκτὼ χιλιάδες (1)
Da. LXX. 7. 10. χίλιαι χ. ἐθεράπευον αὐτόν (1)
Da. TH. 7. 10. χίλιαι χ. ἐλειτούργουν αὐτῷ (1)
I Ma. 3. 39. ἀπέστειλε μετ' αὐτῶν τεσσαράκοντα χιλιάδας ἀνδρῶν
4. 28. συνελόχησεν ἀνδρῶν ἐπιλέκτων ἑξήκοντα χιλιάδας
— 29. A R συνήντησεν αὐτοῖς Ἰ. ἐν δέκα χιλιάσιν [S δέκα χιλιάδας ἔχων] ἀνδρῶν
5. 13. A R ἀπώλεσαν ἐκεῖ ὡς μίαν χ. [S χιλιαρχίαν] ἀνδρῶν
6. 30. ἑκατὸν χιλιάδες πεζῶν καὶ εἴκοσι χιλιάδες ἵππων
7. 41. ἐπάταξεν ἐν αὐτοῖς ἑκατὸν ὀγδοήκοντα πέντε χιλιάδας
9. 4. ἐν εἴκοσι χιλιάσιν ἀνδρῶν
10. 36. εἰς τριάκοντα χιλιάδας ἀνδρῶν
— 40. δίδωμι . . . δέκα πέντε χιλιάδας σίκλων ἀργυρίου
— 74. ἐπέλεξε δέκα χιλιάδας ἀνδρῶν
12. 41. ἐν τεσσαράκοντα χιλιάσιν ἀνδρῶν
I Ma. 16. 4. ἐπέλεξεν ἐκ τῆς χώρας εἴκοσι χιλιάδας ἀνδρῶν
II Ma. 8. 19. ἑκατὸν ὀγδοήκοντα πέντε χιλιάδες ὡς ἀπώλοντο
— 20. A^1 τὰς δώδεκα χ. [A^2 R μυριάδας] ἀπώλεσαν
11. 4. πεφρενωμένος δὲ . . . ταῖς χ. τῶν ἱππέων
15. 22. εἰς ἑκατὸν ὀγδοήκοντα πέντε χιλιάδας
[Aq. GE. 20. 16: II KI. 18. 3: III KI. 5. 11 (25): IS. 30. 17.]
[Sm. III KI. 5. 11 (25) *bis*: PS. 59 (60). 2: 67 (68). 18: IS. 30. 17.]
[Th. II KI. 18. 3: IS. 30. 17.]
[Al. NU. 10. 4, 36 (35): JD. 5. 8.]

χίλιοι.

Ge. 20. 14, 16.
Ex. 39. 2 (38. 25), 6 (38. 28), 7 (38. 29)†.
Nu. 3. 50: 26. 51: 31. 4 *bis*, 5, 6 *bis*.
De. 7. 9: 32. 30.
Jo. 23. 10.
Jd. 8. 26: 9. 49: 15. 15, 16: 16. 5: 17. 2, 3: 20. 10 *bis*.
I Ki. 13. 2†: 25. 2.
II Ki. 8. 4†: 10. 6: 18. 12: 19. 17 (18).
IV Ki. 15. 19: 24. 16.
I Ch. 9. 13: 12. 14, 27†, 31†, 34: 16. 15: 18. 4: 19. 6: 21. 5: 22. 14: 26. 30, 32†: 29. 21 *ter*.
II Ch. 1. 14: 12. 3: 14. 9 (8)†: 30. 24 *bis*.
I Es. 1. 9†: 2. 13 *ter*: 5. 2, 12†, 13†, 24†, 25, 25†, 28†, 45.
II Es. 1. 9, 10: 2. 7, 12†, 31†, 37, 38, 39†, 69: 8. 27.
Ne. 3. 13: 7. 12, 34†, 40, 41, 42, 70.
Jb. 9. 3†: 33. 23: 42. 12 *bis*.
Ps. 89 (90). 4: 104 (105). 8.
Ec. 6. 6: 7. 29 (28).
Ca. 4. 4: 8. 11†, 12.
Si. 6. 6: 16. 3: 39. 11: 41. 4, 12.
Am. 5. 3.
Is. 7. 23 *bis*: 30. 17.
Ez. 47. 3, 4 *bis*, 5: 48. 15†.
Da. LXX. 7. 10: 12. 11, 12.
DA. TH. 5. 1 *bis*: 7. 10: 12. 11, 12.
I Ma. 2. 38†: 6. 35: 9. 49†: 12. 47†, 47: 14. 24: 15. 18†: 16. 10†.
II Ma. 5. 5, 21: 8. 22, 34†: 11. 11 *bis*: 12. 20†.
IV Ma. 4. 17†.
[Sm. JB. 9. 3: CA. 8. 11.]
[Th. DA. 5. 1: 12. 11†.]
[Al. NU. 35. 4.]

χιλιοπλασίων.

[Sm. II KI. 18. 3.]

χιλιοπλασίως. (1) אֶלֶף פְּעָמִים

De. 1. 11. προσθείη ὑμῖν ὡς ἐστὲ χ. (1)

χίλιος. (1) אֶלֶף

III Ki. 3. 4. χιλίαν [A λίαν] ὁλοκαύτωσιν ἀνήνεγκε Σαλ. (1)
II Ch. 1. 6. ἤνεγκεν ἐπ' αὐτῷ ὁλοκαύτωσιν χ. (1)
I Ma. 4. 1. παρέλαβε . . . χιλίαν ἵππον ἐκλεκτήν
10. 79. ἀπέλιπεν Ἀπ. χιλίαν ἵππον κρυπτῶς

χίμαιρα. (1) שְׂעִירָה

Le. 4. 28. οἴσει χίμαιραν ἐξ αἰγῶν (1)
— 29. σφάξουσι τὴν χ. τὴν τῆς ἁμαρτίας –
5. 6. οἴσει . . . χίμαιραν ἐξ αἰγῶν (1)

χίμαρος. (1) עַתּוּד (2) צָפִיר (3) שֵׂה (4) שָׂעִיר

Le. 4. 23. προσοίσει τὸ δῶρον αὐ. χίμαρον ἐξ αἰγῶν (4)
— 24. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κεφ. τοῦ χ. (4)
9. 3. λάβετε χίμαρον ἐξ αἰγῶν ἕνα (4)
— 15. ἔλαβε τὸν χ. τὸν περὶ τῆς ἁμαρτίας (4)
10. 16. τὸν χ. τὸν περὶ τῆς ἁμαρτίας ζητῶν ἐξεζήτησε M. (4)
16. 5. λήψεται δύο χιμάρους ἐξ αἰγῶν (4)
— 7. λήψεται τοὺς δύο χ. (4)
— 8. ἐπιθήσει Ἀ. ἐπὶ τοὺς δύο χ. κλῆρον ἕνα (4)
— 9. προσάξει Ἀ. τὸν χ. (4)
— 10. τὸν χ. ἐφ' ὃν ἐπῆλθεν ἐπ' αὐτὸν ὁ κλῆρος (4)
— 15. σφάξει τὸν χ. τὸν περὶ τῆς ἁμαρτίας (4)
— 18. λήψεται . . . ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ χ. (4)

Le. 16. 20. προσάξει τὸν χ. τὸν ζῶντα (4)
— 21. ἐπιθήσει Ἀ. τὰς χεῖρας αὐ. ἐπὶ τὴν κεφ. τοῦ χ. τοῦ ζῶντος (4)
— 21. ἐπιθήσει αὐτὰς ἐπὶ τὴν κεφ. τοῦ χ. τοῦ ζῶντος (4)
— 22. λήψεται ὁ χ. ἐφ' ἑαυτῷ τὰς ἀδικίας αὐ. (4)
— 22. ἐξαποστελεῖ τὸν χ. εἰς τὴν ἔρημον (4)
— 26. ὁ ἐξαποστέλλων τὸν χ. (4)
— 27. καὶ τὸν χ. τὸν περὶ τῆς ἁμαρτίας (4)
23. 19. ποιήσουσι χίμαρον ἐξ αἰγῶν (4)
Nu. 7. 16, 22, 28, 34, 40, 46, 52, 58, 64, 70, 76, 82. χίμαρον ἐξ αἰγῶν ἕνα περὶ ἁμαρτίας (4)
— 87. καὶ χίμαροι ἐξ αἰγῶν δώδεκα (4)
15. 24: 28. 15, 22, 30: 29. 5, 11, 16, 19, 22, 25, 28, 31, 34, 38. καὶ χίμαρον ἐξ αἰγῶν ἕνα περὶ ἁμαρτίας (4)
De. 14. 4. καὶ χίμαρον ἐξ αἰγῶν (3)
II Ch. 29. 21. ἀνήνεγκε . . . χιμάρους αἰγῶν ἑπτά (2)
— 23. προσήγαγον τοὺς [B¹ τὰς] χ. (4)
I Es. 7. 8. προσήνεγκαν . . . χιμάρους ὑπὲρ ἁμαρτίας . . . δώδεκα
II Es. 6. 17. προσήνεγκαν . . . χιμάρους αἰγῶν . . . δώδεκα (2)
8. 35. προσήνεγκαν . . . χιμάρους περὶ ἁμαρτίας δώδεκα (2)
Ne. 5. 18. πρόβατα ἓξ ἐκλεκτὰ καὶ χίμαρος ἐγίνοντό μοι †
Ps. 49 (50). 9. οὐδὲ ἐκ τῶν ποιμνίων σου χιμάρους (1)
65 (66). 15. B¹ S¹ R ποιήσω [B² S² ἀνοίσω] σοι βόας μετὰ χιμάρων (1)
Mi. 6. 7. ἢ ἐν μυριάσι χιμάρων [A ἀρνῶν] πιόνων †
[Al. Le. 16. 26.]

χιονίζεσθαι.
[Sm. Ps. 67 (68). 15.]

χιονοῦσθαι. (1) שָׁלַג hi.
Ps. 67 (68). 14. χιονωθήσονται ἐν Σελμών (1)

χιτών. (1) בֶּגֶד (2) כְּתֹנֶת, כֻּתֹּנֶת (3) מַד (4) מְעִיל
Ge. 3. 21. ἐποίησε κ. ὁ θεὸς τῷ Ἀ. . . . χ. δερματίνους (2)
37. 3. ἐποίησε δὲ αὐτῷ χ. ποικίλον (2)
— 23. ἐξέδυσαν τὸν Ἰ. τὸν χ. τὸν ποικίλον (2)
— 31. λαβόντες δὲ τὸν χ. τοῦ Ἰ. (2)
— 31. ἐμόλυναν τὸν χ. αἵματι (2)
— 32. ἀπέστειλαν τὸν χ. τὸν ποικίλον (2)
— 32. ἐπίγνωθι εἰ χιτὼν τοῦ υἱοῦ σού ἐστιν (2)
— 33. χιτὼν τοῦ υἱοῦ μού ἐστι (2)
Ex. 28. 4. B καὶ τὴν ἐπωμίδα καὶ τὸν ποδήρη [A R add. καὶ] χιτῶνα κοσυμβωτόν (2)
— 35 (39). καὶ οἱ κοσυμβωτοὶ τῶν χ. ἐκ βύσσου (2)
— 36 (40). τοῖς υἱοῖς Ἀ. ποιήσεις χιτῶνας (2)
29. 5. καὶ τὸν χ. τὸν ποδήρη (2)
— 8. καὶ ἐνδύσεις αὐτοὺς χιτῶνας (2)
35. 19. ἐργαζέσθω . . . τοὺς χ. (1?)
36. 35 (39. 27). ἐποίησαν χ. βυσσίνους (2)
40. 14. ἐνδύσεις αὐτοὺς χιτῶνας (2)
Le. 6. 10 (3). ἐνδύσεται ὁ ἱερεὺς χ. λινοῦν (3)
8. 7. ἐνέδυσεν αὐτοὺς τὸν χ. (2)
— 13. ἐνέδυσεν αὐτοὺς χιτῶνας (2)
10. 5. A B² R καὶ ἦραν ἐν τοῖς χ. αὐ. (2)
16. 4. χ. λινοῦν ἡγιασμένον ἐνδύσεται (2)
II Ki. 13. 18. ἐπ' αὐτῆς ἦν χιτὼν καρπωτός (2)
— 19. τὸν χ. τὸν καρπωτὸν τὸν ἐπ' αὐτῆς διέρρηξε (2)
15. 32. διερρηχὼς τὸν χ. [A τὰ ἱμάτια] αὐ. (2)
III Ki. 20 (21). 27. διέρρηξε τὸν χ. αὐ. (1)
II Es. 2. 69. A καὶ χιτῶνας τῶν ἱερέων ἑκατόν [B al.] (2)
Ju. 14. 19. τοὺς χ. αὐ. διέρρηξαν
Jb. 30. 18. ὥσπερ τὸ περιστόμιον τοῦ χ. μου περιέσχε με (2)
Ca. 5. 3. ἐξεδυσάμην τὸν χ. μου (2)
Is. 3. 16. ἅμα σύρουσαι τοὺς χ. –
— 24. ἀντὶ τοῦ χ. τοῦ μεσοπορφύρου περιζώσῃ σάκκον †
36. 22. ἐσχισμένοι τοὺς χ. (1)
61. 10. ἐνέδυσε γάρ με . . . χιτῶνα εὐφροσύνης (4)
Ep. Je. 31. ἔχοντες τοὺς χ. διερρωγότας
II Ma. 4. 38. καὶ τοὺς χ. περιρρήξας
II Ma. 12. 40. εὗρον δὲ . . . ὑπὸ τοὺς χ. ἱερώματα
IV Ma. 9. 11. διαρρήξαντες τὸν χ.
[Aq. Ge. 37. 3: Ex. 28. 39: II Ki. 10. 4.]
[Sm. Ge. 37. 3: Ex. 29. 5.]
[Th. Ex. 29. 5: Jb. 30. 18.]

χιών. (1) a. שֶׁלֶג b. תְּלַג
Ex. 4. 6. ἐγενήθη ἡ χεὶρ αὐ. ὡσεὶ χιών (1 a)
Nu. 12. 10. M. λεπρῶσα ὡσεὶ χιών (1 a)
II Ki. 23. 20. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῆς χ. (1 a)
IV Ki. 5. 27. λελεπρωμένος ὡσεὶ χιών (1 a)
I Ch. 11. 22. ἐπάταξε τὸν λέοντα . . . ἐν ἡμέρᾳ χιόνος (1 a)
Jb. 6. 16. ἐπιπεπτώκασί μοι ὥσπερ χιών (1 a)
9. 30. ἐὰν γὰρ ἀπολούσωμαι χιόνι (1 a)
37. 6. συντάσσων χιόνι (1 a)
38. 22. ἦλθες δὲ ἐπὶ θησαυροὺς χιόνος (1 a)
Ps. 50 (51). 7. ὑπὲρ χιόνα λευκανθήσομαι (1 a)
147. 5 (16). τοῦ διδόντος χιόνα ὡσεὶ ἔριον (1 a)
148. 8. πῦρ χάλαζα χιὼν κρύσταλλος (1 a)
Pr. 25. 13. A S R ὥσπερ ἔξοδος χιόνος [B om.] ἐν ἀμητῷ κατὰ καῦμα ὠφελεῖ (1 a)
Wi. 16. 22. χιὼν δὲ . . . ὑπέμεινε πῦρ
Si. 43. 13. A B² R προστάγματι αὐτοῦ κατέσπευσε [B¹ S -έπαυσεν] χιόνα
— 17. ὡς πετεινὰ καθιπτάμενα πάσσει χιόνα
Is. 1. 18. ὡς χιόνα λευκανῶ (1 a)
55. 10. ὡς γὰρ ἂν καταβῇ ὁ [A S om.] ὑετὸς ἢ χ. (1 a)
Je. 18. 14. ἢ χ. ἀπὸ τοῦ Λιβάνου (1 a)
La. 4. 7. ἐκαθαριώθησαν Ναζιραῖοι αὐτῆς ὑπὲρ χιόνα (1 a)
Da. LXX. 3. (70). εὐλογεῖτε, πάχναι καὶ χιόνες, τὸν κ.
7. 9. ἔχων περιβολὴν ὡσεὶ χιόνα [cod.¹ -ών] (1 b)
Da. TH. 3. (70). εὐλογεῖτε, πάχναι καὶ χιόνες, τὸν κ.
7. 9. τὸ ἔνδυμα αὐ. ὡσεὶ χιὼν λευκόν (1 b)
I Ma. 13. 22. ἦν χ. πολλὴ σφόδρα
— 22. οὐκ ἦλθε διὰ τὴν [S¹ τὸν] χ.
[Aq. Ex. 4. 6: Jb. 37. 6.]
[Sm. Ex. 4. 6: Jb. 37. 6: La. 4. 7.]
[Th. Ex. 4. 6: Jb. 37. 6: Da. 3. (70).]

χλαῖνα. (1) מַרְבַּדִּים
Pr. 31. 22. δίσσας χλαίνας ἐποίησε τῷ ἀνδρὶ αὐτῆς (1)

χλαμύς.
II Ma. 12. 35. καὶ λαβόμενος τῆς χλ.
[Sm. I Ki. 24. 5.]

χλευάζειν.
Wi. 11. 14. τὸν γὰρ ἐν ἐκθέσει πάλαι ῥιφέντα ἀπεῖπον χλευάζοντες [A S al.]
II Ma. 7. 27. χλευάσασα τὸν ὠμὸν τύραννον
IV Ma. 5. 22. S R χλευάζεις [A -ει] δὲ ἡμῶν τὴν φιλοσοφίαν
[Aq. Pr. 14. 9: 19. 28: Is. 28. 22.]
[Sm. Is. 29. 20: 37. 22: Je. 8. 18.]
[Th. Pr. 4. 21: 14. 9: 19. 28: Is. 28. 22.]

χλεύασμα. (1) קֶלֶס (2) שְׂחוֹק
Jb. 12. 4. ἐγενήθη εἰς χλεύασμα [A -μόν] (2)
Je. 20. 8. S ἐγενήθη λόγος κυρίου . . . εἰς χλ. [A B -μόν] (1)

χλευασμός. (1) קֶלֶס (2) שְׂחוֹק
Jb. 12. 4. A ἐγενόμην εἰς χλευασμόν [B S al.] (2)
Ps. 43 (44). 13. A S² μυκτηρισμὸν καὶ χλευασμὸν [B καταγέλωτα] τοῖς κύκλῳ ἡμῶν (1)
78 (79). 4. καὶ χλευασμὸς τοῖς κύκλῳ ἡμῶν (1)
Je. 20. 8. ἐγενήθη λόγος κυρίου . . . εἰς χλευασμόν [S -μα] (1)
[Aq. Is. 28. 14.]
[Sm. Ps. 43 (44). 14: Je. 10. 15.]
[Th., Quint. Ps. 43 (44). 14.]

χλευαστής.
[Aq. Ps. 1. 1: Pr. 14. 6: 19. 29: 20. 1: 22. 10: Is. 29. 20: Ho. 7. 5.]
[Sm. Pr. 22. 10: Is. 28. 14: 29. 20.]
[Th. Pr. 20. 1: 22. 10: Is. 28. 14: 29. 20.]

χλιδών. (1) a. אֲצַעֲדָה b. צְעָדָה
Nu. 31. 50. προσενηνόχαμεν . . . χλιδῶνα (1 a)
II Ki. 1. 10. ἔλαβον . . . τὸν χλ. τὸν ἐπὶ τοῦ βραχίονος αὐ. (1 a)
8. 7. ἔλαβε Δ. τοὺς χλ. τοὺς χρυσοῦς †
Ju. 10. 4. περιέθετο τοὺς χλ.
Si. 21. 21. ὡς χλιδὼν ἐπὶ βραχίονι δεξιῷ
Is. 3. 20. ἀφελεῖ . . . τοὺς χλ. (1 b)

χλόη. (1) a. דֶּשֶׁא b. דֶּתֶא (2) חָצִיר (3) כֹּל (4) a. עֵשֶׂב b. עֲשַׂב
II Ki. 23. 4. ὡς ἐξ ὑετοῦ χλόης ἀπὸ γῆς (1 a)
IV Ki. 19. 26. ἐγένοντο . . . χλόη [A ἡ χλ.] δωμάτων (2)
Jb. 24. 24. A ἐμαράνθη δὲ ὥσπερ χλόη [B S μολόχη] ἐν καύματι (3?)
38. 27. τοῦ ἐκβλαστῆσαι ἔξοδον χλόης (1 a)
Ps. 22 (23). 2. εἰς τόπον χλόης ἐκεῖ με κατεσκήνωσεν (1 a)
36 (37). 2. ὡσεὶ λάχανα χλόης ταχὺ ἀποπεσοῦνται (1 a)
89 (90). 5. τὸ πρωὶ ὡσεὶ χλόη παρέλθοι (2)
103 (104). 14. καὶ χλόην τῇ δουλείᾳ τῶν ἀνθρώπων (4 a)
146 (147). 8. B S καὶ χλόην τῇ δουλείᾳ τῶν ἀνθρώπων –
Si. 40. 22. καὶ ὑπὲρ ἀμφότερα χλόην σπόρου
43. 21. ἀποσβέσει χλόην ὡς πῦρ
Da. LXX. 4. 29. ἀπὸ τῆς χλ. τῆς γῆς ἔσται ἡ νομή σου (4 b?)
— 30. ἀπὸ τῆς χλ. τῆς γῆς ἤσθιον (4 b?)
Da. TH. 4. 12. ἐν τῇ χλ. τῇ ἔξω . . . κοιτασθήσεται (4 b)
— 20. ἐν τῇ χλ. τῇ ἔξω . . . αὐλισθήσεται (1 b)
[Aq. Ge. 1. 29, 30: Dt. 11. 15: Is. 37. 27: 66. 14: Je. 50 (27). 11.]
[Sm. Jb. 6. 5: Ps. 103 (104). 14: Is. 37. 27: 66. 14.]
[Th. Jb. 38. 27.]
[Al. Jb. 24. 24.]

χλοηφόρος.
Wi. 19. 7. χλοηφόρον πεδίον ἐκ κλύδωνος βιαίου

χλωρίζειν. (1) יָרַק
Le. 13. 49. καὶ γένηται ἡ ἁφὴ χλωρίζουσα (1)
14. 37. ὄψεται . . . κοιλάδας χλωριζούσας (1)

χλωροβοτάνη. (1) יֶרֶק דֶּשֶׁא
IV Ki. 19. 26. A ἐγένοντο . . . χλωροβοτάνη [B χλωρὰ βοτ.] (1)

χλωρός. (1) חָצִיר (2) a. יָרֹק b. יָרָק c. יָרוֹק (3) לְבָן (4) לַח (5) עֲשָׂב (6) שִׂיחַ (7) τὸ ἄχι τὸ χλ. עָרָה
Ge. 1. 30. καὶ πάντα χόρτον χλωρὸν εἰς βρῶσιν (2 a)
2. 5. καὶ πᾶν χλωρὸν ἀγροῦ (6)
30. 37. ἔλαβε δὲ αὐτῷ Ἰ. ῥάβδον στυρακίνην χλ. (4)
— 37. περισύρων τὸ χλ. (3)
Ex. 10. 15. οὐχ ὑπελείφθη χλωρὸν οὐδέν (2 a)
Nu. 22. 4. ὡσεὶ ἐκλείξαι ὁ μόσχος τὰ χλ. ἐκ τοῦ πεδίου (2 a)
De. 29. 23 (22). οὐδὲ μὴ ἀναβῇ ἐπ' αὐτὴν πᾶν χλ. (5)
IV Ki. 19. 26. ἐγένοντο . . . χλ. βοτάνη [A χλωροβοτάνη] (2 b)
Jb. 39. 8. ὀπίσω παντὸς χλωροῦ ζητεῖ (2 c)
Pr. 27. 25. ἐπιμελοῦ τῶν ἐν τῷ πεδίῳ χλωρῶν [A¹ -ῷ] (1)
Is. 15. 6. χόρτος γὰρ χλ. οὐκ ἔσται (2 a)
19. 7. τὸ ἄχι τὸ χλ. πᾶν τὸ κύκλῳ τοῦ ποταμοῦ (7)
27. 11. οὐκ ἔσται ἐν αὐτῇ πᾶν χλωρόν †
37. 27. A ἐγένοντο ὡς χόρτος χλ. [B S ξηρός] (2 b)
Ez. 17. 24. ἐγὼ κύριος ὁ . . . ξηραίνων ξύλον χλωρόν (4)
20. 47 (21. 3). καταφάγεται ἐν σοὶ πᾶν ξύλον χλωρόν (4)
[Sm. Ge. 1. 30: Ps. 36 (37). 2: Is. 37. 27.]
[Th. Ge. 1. 30.]
[Heb. Dt. 34. 7.]

χλωρότης. (1) יְרַקְרַק
Ps. 67 (68). 13. καὶ τὰ μετάφρενα αὐτῆς ἐν χλωρότητι χρυσίου (1)

χνοῦς, cf. κοῦς. (1) מְעִי (2) מֹץ (3) עָפָר
II Ki. 22. 43. ἐλέανα αὐτοὺς ὡς χνοῦν γῆς (3)
II Ch. 1. 9. B ὡς ὁ χν. [A R κοῦς] τῆς γῆς (3)
Ps. 1. 4. ὡς ὁ χν. ὃν ἐκρίπτει ὁ ἄνεμος (2)
17 (18). 42. ὡς χνοῦν κατὰ πρόσωπον ἀνέμου (3)
34 (35). 5. γενηθήτωσαν ὡσεὶ χνοῦς κατὰ πρόσωπον ἀνέμου (2)

Ps. 77 (78). 27. S ἔβρεξεν ἐπ' αὐτοὺς ὡσεὶ χνοῦν [B χοῦν] σάρκας (3)
Wi. 5. 14. ὡς φερόμενος χνοῦς ὑπὸ ἀνέμου
Ho. 13. 3. ὡς χνοῦς [A χοῦς] ἀποφυσώμενος ἀφ' ἅλωνος (2)
Is. 5. 24. ἡ ῥίζα αὐτῶν ὡς χν. ἔσται †
17. 13. διώξεται ὡς χνοῦν [S¹ χνοῦς, A χοῦν] ἀχύρου λικμώντων (2)
29. 5. ὡς χν. φερόμενος (2)
41. 15. ὡς χνοῦν [A χοῦν] θήσεις (2)
48. 19. S ὡς ὁ χν. [A B χοῦς] τῆς γῆς (1?)
[Sm., Al. Ca. 3. 6.]

χοβέρ.
[Th. 1 Ki. 19. 13.]

χοδχόδ.
[Aq., Sm., Th. Ez. 27. 16.]

χοεύς. (1) בַּת
III Ki. 7. 26. A δισχιλίους χοεῖς χωροῦντας (1)
— 38. τεσσαράκοντα χοεῖς χωροῦντα (1)

χοζεί. (1) חוֹחַ
II Ch. 25. 18. B ὁ χ. ἐν τῷ Λιβ. ἀπέστειλε [A R al.] (1)

χοθωνώθ (χωθ.). (1) כָּתְנוֹת
Ne. 7. 70. AS²R ἔδωκαν . . . χ. [BS¹ μεχωνὼθ] τῶν ἱ. τριάκοντα (1)
— 72. A S²R ἔδωκαν . . . χ. [B S¹ μεχωνὼθ] τῶν ἱ. ἑξήκοντα ἑπτά (1)

χοῖνιξ. (1) בַּת
Ez. 45. 10. χ. δικαία ἔσται ὑμῖν τοῦ μέτρου (1)
— 11. ἡ χ. ὁμοίως μία ἔσται τοῦ λαμβάνειν (1)
— 11. τὸ δέκατον τοῦ γομὸρ [A add. ἡ] χ. (1)

χοίρειος.
[Sm. Is. 66. 17.]

χοιρογρύλλιος (B²), χοιρόγρυλλος (B¹), χοιρογύλιος (B), χυρογλύλλιος (A), χυρογύλιος (A¹), χυρογρύλιος (A²), χυρογρύλλιος (S²).
(1) אַרְנֶבֶת (2) שָׁפָן
Le. 11. 6. καὶ τὸν χ. ὅτι ἀνάγει μηρυκισμὸν τοῦτο (1?)
De. 14. 7. τὸν κάμηλον καὶ δασύποδα καὶ χοιρογρύλλιον (2)
Ps. 103 (104). 18. πέτρα καταφυγὴ τοῖς χ. [A S² λαγῴοις] (2)
Pr. 24. 61 (30. 26). οἱ χ. ἔθνος οὐκ ἰσχυρόν (2)
[Aq., Sm., Quint. Ps. 103 (104). 18.]

χοῖρος.
[Sm. Is. 65. 4: 66. 3.]
[Al. Le. 11. 7: Ps. 79 (80). 14.]

χολᾶν.
III Ma. 3. 1. R ἐπὶ τοσοῦτον ἐχόλησεν [A ἐξεχ.]

χολέρα. (1) זְרָא
Nu. 11. 20. ἔσται ὑμῖν εἰς χολέραν (1)
Si. 34 (31). 20. πόνος ἀγρυπνίας καὶ χολέρας
37. 30. ἡ ἀπληστία ἐγγιεῖ ἕως χολέρας

χολή. (1) לַעֲנָה (2) a. מְרֵרָה b. מְרֹרָה (3) רֹאשׁ, רוֹשׁ
De. 29. 18 (17). B²R ῥίζα ἄνω φύουσα ἐν χολῇ [A B¹ al.] (3)
32. 32. σταφυλὴ αὐ. σταφυλὴ χολῆς (3)
To. 6. 4. S ἔξελε τὴν χ.
— 4. A B λαβὼν . . . τὴν χ. θὲς ἀσφαλῶς
— 4. S ἔστιν γὰρ εἰς φάρμακον χρήσιμον ἡ χ.
— 5. S συνήγαγεν τὴν χ.
— 6. τί ἐστιν . . . ἡ χ. τοῦ ἰχθύος [S al.]
— 8. ἡ δὲ χ. ἐγχρῖσαι ἄνθρωπον [S al.]
11. 4. λάβε δὲ παρὰ χεῖρα τὴν χ. τοῦ ἰχθύος [S al.]
— 7. ἔγχρισον τὴν χ. εἰς τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐ. [S al.]
— 11. S καὶ ἡ χ. τοῦ ἰχθύος ἐν τῇ χειρὶ αὐ.
— 11. προσέπασε τὴν χ. ἐπὶ τοὺς ὀφθαλμοὺς τοῦ πατρός [S al.]
Jb. 16. 14 (13). ἐξέχεαν εἰς τὴν γῆν τὴν χ. [A S² ζωήν] μου (2 a)
20. 14. χολὴ ἀσπίδος ἐν γαστρὶ αὐτοῦ (2 b)
Ps. 68 (69). 21. ἔδωκαν εἰς τὸ βρῶμά μου χολήν (3)
Pr. 5. 4. ὕστερον μέντοι πικρότερον χολῆς εὑρήσεις (1)
Je. 8. 14. ἐπότισεν ἡμᾶς ὕδωρ χολῆς (3)
9. 15 (14). ποτιῶ αὐτοὺς ὕ. χολῆς (3)
La. 3. 15. ἐμέθυσέ με χολῆς (1)
— 19. χ. μου μνησθήσεται (3)
[Aq. Jb. 20. 16.]
[Sm. Jb. 20. 16: Ps. 68 (69). 22.]
[Th. Jb. 20. 14, 16.]

χόλος. (1) קֶצֶף
Pr. 16. 28. S λαμπτὴρ χόλου [A B δόλου] πυρσεύσει κακοῖς †
Ec. 5. 16. πᾶσαι αἱ ἡμέραι αὐ. ἐν . . . χόλῳ (1)
II Ma. 3. 28. A ἔφερον . . . τοῖς χ. [? ὅλοις] καθεστῶτα [R al.]
III Ma. 5. 1. βαρείᾳ μεμεστωμένος ὀργῇ καὶ χόλῳ
— 30. πληρωθεὶς βαρεῖ χόλῳ
[Aq. Jb. 6. 4: Ps. 6. 2: 58 (59). 14: Is. 51. 22: 59. 18: Ez. 3. 14: Hb. 2. 15.]
[Sm. Ps. 7. 7: 89 (90). 9: Ez. 3. 14.]
[Th. Pr. 26. 10: Ho. 5. 10.]
[Al. Jb. 6. 4.]

χολοῦσθαι.
[Sm. Ps. 77 (78). 21, 59: 88 (89). 39.]

χονδρίτης. (1) חֹרִי
Ge. 40. 16. ᾤμην τρία κανᾶ χονδριτῶν αἴρειν (1)

χορδή. (1) מִן
Ps. 150. 4. αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν χορδαῖς καὶ ὀργάνῳ (1)
Na. 3. 8. ἅρμοσαι χορδήν †
[Aq., Sm. Ps. 150. 4.]

χορεία.
Ju. 15. 13. προῆλθε παντὸς τοῦ λαοῦ ἐν χορείᾳ
[Aq. Ps. 52 (53). 1: 87 (88). 1.]
[Th., Quint. Ps. 52 (53). 1.]

χορεῖον (-ριον).
IV Ma. 15. 20. S¹ πολυάνδριον ὁρῶσα τῶν τέκνων χόριον [R -εῖον, S² χορίδιον, A χωρίον]

χορεύειν. (1) חוּל a. qal. b. pil. c. מְחוֹלָה
Jd. 21. 21. χορεύειν ἐν τοῖς χοροῖς [A al.] (1 a)
— 23. ἔλαβον γυναῖκας . . . ἀπὸ τῶν χορευουσῶν (1 b)
I Ki. 18. 6. ἐξῆλθον αἱ χορεύουσαι †
— 6. A καὶ χορεύουσαι εἰς ἀπάντησιν Σ. (1 c)
21. 11 (12). οὐχὶ τούτῳ ἐξῆρχον αἱ χορεύουσαι (1 c)
III Ki. 1. 40. ἐχόρευον ἐν χοροῖς †
IV Ma. 14. 8. περὶ τὴν ἑβδομάδα χορεύοντες οἱ μείρακες
[Aq., Sm., Th. I Ki. 18. 7.]

χορηγεῖν. (1) זוּן ithp. (2) כּוּל pilp.
III Ki. 4. 7. χορηγεῖν τῷ βασ. (2)
— 7. ἐγίνετο ἐπὶ τὸν ἕνα χορηγεῖν (2)
— 27 (5. 7). ἐχορήγουν οἱ καθεσταμένοι οὕτως τῷ βασ. Σαλ. (2)
Ju. 12. 2. AB ἐκ τῶν ἠκολουθηκότων μοι χορηγηθήσεται
Si. 1. 10. ἐχορήγησεν αὐτὴν τοῖς ἀγαπῶσιν αὐτόν
— 25. κύριος χορηγήσει σοι αὐτήν
18. 31. ἐὰν χορηγήσῃς [B¹ -σεις, A εὐδοκήσεις] τῇ ψυχῇ σου εὐδοκίαν ἐπιθυμίας
39. 33. πᾶσαν χρείαν ἐν ὥρᾳ αὐτῆς χορηγήσει
44. 6. ἄνδρες πλούσιοι κεχορηγημένοι ἰσχύϊ [A S ἐν ἰ.]
Da. LXX. 4. 9. καὶ ἐχορήγει πᾶσι τοῖς ζῴοις (1?)
Bel 31. ἐχορηγεῖτο αὐτοῖς . . . σώματα δύο
I Ma. 14. 10. A R ταῖς πόλεσιν ἐχορήγησε [S -αν] βρώματα
II Ma. 3. 3. ὥστε καὶ Σέλευκον . . . χορηγεῖν . . . πάντα
4. 49. τὰ πρὸς τὴν κηδείαν αὐ. μεγαλομερῶς ἐχορήγησαν
9. 16. τὰς δὲ . . . συντάξεις ἐκ τῶν ἰδίων προσόδων χορηγήσειν
III Ma. 6. 30. ἐκέλευσεν οἴνους . . . τοῖς Ἰουδ. χορηγεῖν
— 40. εὐωχοῦντο δὲ πάνθ' ὑπὸ τοῦ βασ. χορηγούμενοι
7. 18. τοῦ βασ. χορηγήσαντος αὐτοῖς . . . τὰ πρὸς τὴν ἄφιξιν

χορηγία (-εία).
I Es. 4. 54. ἔγραψε δὲ καὶ τὴν χ.
— 55. τοῖς Λ. ἔγραψε δοῦναι τὴν χ.
II Es. 5. 3. τοῦ . . . τὴν χ. ταύτην καταρτίσασθαι †
— 9. B τοῦ οἰκοδομῆσαι τὴν χ. ταύτην [A R al.] †
II Ma. 4. 14. μετέχειν τῆς ἐν παλαίστρῃ παρανόμου χ.
III Ma. 5. 2. ἀγριωθέντας τῇ τοῦ πόματος ἀφθόνῳ χ.
— 10. πεπληρωμένους τῆς τοῦ οἴνου πολλῆς χ.

χορηγός.
II Ma. 1. 25. ὁ μόνος χ.

χορίδιον.
IV Ma. 15. 20. S² πολυάνδριον ὁρῶσα τῶν τέκνων χορίδιον [S¹ χόριον, R χορεῖον, A χωρίον]

χόριον (-ειον). (1) שְׁלִיָּה
De. 28. 57. τὸ χ. αὐ. τὸ ἐξελθὸν διὰ τῶν μηρῶν αὐ. (1)
[Sm. Ps. 57 (58). 9.]

χορός. (1) חִלּוּלִים (2) חָכָל (3) a. מָחוֹל b. מָחוֹלָה, מְחוֹלָה
Ex. 15. 20. μετὰ τυμπάνων καὶ χορῶν (3 b)
32. 19. ὁρᾷ τὸν μόσχον καὶ τοὺς χ. (3 b)
Jd. 9. 27. A ἐποίησαν χορούς [B ἐλλουλείμ] (1)
11. 34. ἐξεπορεύετο . . . ἐν τυμπάνοις καὶ χοροῖς (3 b)
21. 21. χορεύειν ἐν τοῖς χ. [A al.] (3 b)
I Ki. 10. 5. ἀπαντήσεις χορῷ προφητῶν (2)
— 10. καὶ ἰδοὺ χορὸς προφητῶν (2)
29. 5. ᾧ ἐξῆρχον ἐν χοροῖς (3 b)
II Ki. 6. 13. ἦσαν μετ' αὐτῶν . . . ἑπτὰ χοροί †
III Ki. 1. 40. ἐχόρευον ἐν χοροῖς †
21 (20). 14. B ἐν τοῖς παιδαρίοις τῶν ἀρχόντων τῶν χ. [A πόλεων, R χωρῶν] †
— 15. B τοὺς ἄρχοντας τὰ παιδάρια τῶν χ. [A R al.] †
— 17. B ἄρχοντες παιδάρια τῶν χ. [A R al.] †
— 19. B τὰ παιδάρια ἄρχοντα τῶν χ. [A R al.] †
Ju. 3. 7. ἐδέξαντο αὐτὸν . . . μετὰ στεφάνων καὶ χορῶν
15. 12. ἐποίησαν αὐτῇ χορὸν ἐξ αὐτῶν
Ps. 149. 3. αἰνεσάτωσαν τὸ ὄνομα αὐτοῦ ἐν χορῷ (3 a)
150. 4. αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν τυμπάνῳ καὶ χορῷ (3 a)
Ca. 7. 1. ἡ ἐρχομένη ὡς χοροὶ τῶν παρεμβολῶν (3 b)
Is. 5. 12. S μετὰ . . . τυμπάνων καὶ χορῶν [A B om. κ. χ.] –
La. 5. 15. ἐστράφη εἰς πένθος ὁ χ. ἡμῶν (3 a)
III Ma. 6. 32. χοροὺς συνίσταντο
— 35. R συστησάμενοι τὸν προειρημένον χ. [A χρόνον]
IV Ma. 8. 4. καθάπερ ἐν χορῷ περιέχοντας μέσην τὴν μητέρα
13. 8. ἱερὸν γὰρ εὐσεβείας στήσαντες χορόν
18. 23. S εἰς πατέρων χορὸν [A R χῶρον] συναγελάζονται
[Aq. Ps. 29 (30). 12: 86 (87). 7: 87 (88). 1: Je. 31 (38). 4, 13.]
[Sm. Ps. 29 (30). 12: 52 (53). 1: 87 (88). 1: Je. 31 (38). 4.]
[Th. Ps. 87 (88). 1.]
[Quint. Ps. 29 (30). 12: Ca. 7. 1 (2).]
[Sext. Ps. 29 (30). 12.]
[Al. Ca. 7. 1 (2).]

χορρεί, χορρί. (1) כְּרִי
IV Ki. 11. 4. ἔλαβε τοὺς ἑκατοντάρχους τὸν χ. (1)
— 19. ἔλαβε τοὺς ἑκατοντάρχους καὶ τὸν χ. (1)

χορτάζειν. (1) שָׂבַע a. qal. b. hi.
To. 12. 9. S χορτασθήσονται [A B πλησθήσ.] ζωῆς
Jb. 38. 27. τοῦ χορτάσαι ἄβατον καὶ ἀοίκητον (1 b)
Ps. 16 (17). 14. ἐχορτάσθησαν υἱέων [A υἱῶν] (1 a)
— 15. χορτασθήσομαι ἐν τῷ ὀφθῆναι τὴν δόξαν σου (1 a)
36 (37). 19. ἐν ἡμέραις λιμοῦ χορτασθήσονται (1 a)
58 (59). 15. ἐὰν δὲ χορτασθῶσι (1 a)
80 (81). 16. ἐκ πέτρας μέλι ἐχόρτασεν αὐτούς (1 b)
103 (104). 13. ἀπὸ καρποῦ τῶν ἔργων σου χορτασθήσεται ἡ γῆ (1 a)
— 16. χορτασθήσεται [A -σονται] τὰ ξύλα τοῦ πεδίου [S¹ κυρίου] (1 a)
106 (107). 9. ἐχόρτασε ψυχὴν κενήν (1 b)
131 (132). 15. τοὺς πτωχοὺς αὐτῆς χορτάσω ἄρτων (1 b)

Je. 5. 7. ἐχόρτασα αὐτούς (1 b)
La. 3. 15. ἐχόρτασέ με πικρίας (1 b)
— 30. χορτασθήσεται ὀνειδισμῶν (1 a)
[Sm. I Ki. 2. 5: Ps. 16 (17). 14: 89 (90). 14: 103 (104). 28: 122 (123). 3, 4: Is. 53. 11.]
[Th. I Ki. 2. 5: Ec. 6. 3, 7: Ez. 7. 19.]
[Al. Hb. 3. 9.]

χορτασία.

Pr. 24. 15. μηδὲ ἀπατηθῇς χορτασίᾳ κοιλίας †

χόρτασμα. (1) מִסְפּוֹא (2) עֶשֶׂב

Ge. 24. 25. A χ. πολὺ [S R χ. πολλὰ] παρ' ἡμῖν (1)
— 32. ἔδωκεν . . . χορτάσματα ταῖς καμήλοις (1)
42. 27. δοῦναι χορτάσματα τοῖς ὄνοις αὐ. (1)
43. 24. ἤνεγκε χορτάσματα τοῖς ὄνοις αὐ. (1)
De. 11. 15. δώσει χορτάσματα ἐν τοῖς ἀγροῖς σου (2)
Jd. 19. 19. χορτάσματά ἐστι τοῖς ὄνοις ἡμῶν (1)
Si. 30. 33 (33. 24). χορτάσματα [A -μα] καὶ ῥάβδος καὶ φορτία ὄνῳ
38. 26. ἡ ἀγρυπνία αὐ. εἰς χορτάσματα δαμάλεων

χορτομανεῖν.

Pr. 24. 46 (31). καὶ χορτομανήσει ὅλος †

χόρτος. (1) דֶּשֶׁא (2) חָצִיר (3) a. עֵשֶׂב b. עֵשֶׂב (4) קַשׁ

Ge. 1. 11. βλαστησάτω ἡ γῆ βοτάνην χόρτου (3 a)
— 12. ἐξήνεγκεν ἡ γῆ βοτάνην χόρτου (3 a)
— 29. δέδωκα ὑμῖν πᾶν χόρτον σπόριμον (3 a)
— 30. καὶ πάντα χ. χλωρὸν εἰς βρῶσιν (3 a)
2. 5. καὶ πάντα χόρτον ἀγροῦ (3 a)
3. 18. φάγῃ τὸν χ. τοῦ ἀγροῦ (3 a)
9. 3. ὡς λάχανα χόρτου ἔδωκα ὑμῖν τὰ πάντα (3 a)
De. 32. 2. ὡσεὶ νιφετὸς ἐπὶ χόρτον (3 a)
IV Ki. 19. 26. ἐγένοντο χόρτος ἀγροῦ (3 a)
Jb. 13. 25. ἢ ὡς χόρτῳ [A -ον] φερομένῳ [A -ον] ὑπὸ πνεύματος ἀντίκεισαί μοι (4)
40. 10 (15). χόρτον ἴσα βουσὶν ἐσθίουσιν (2)
41. 19 (20). ἥγηται μὲν πετροβόλον χόρτον [A ὡς χ.] (4)
Ps. 36 (37). 2. ὡσεὶ χόρτος ταχὺ ἀποξηρανθήσονται (2)
71 (72). 16. ἐξανθήσουσιν ἐκ πόλεως ὡσεὶ χόρτος τῆς γῆς (3 a)
91 (92). 7. ἐν τῷ ἀνατεῖλαι τοὺς ἁμαρτωλοὺς ὡσεὶ χόρτον (3 a)
101 (102). 4. ἐπλήγην ὡσεὶ χόρτος (3 a)
— 11. κἀγὼ ὡσεὶ χόρτος ἐξηράνθην (3 a)
102 (103). 15. ἄνθρωπος ὡσεὶ χόρτος αἱ ἡμ. αὐ. (2)
103 (104). 14. ὁ ἐξανατέλλων χόρτον τοῖς κτήνεσι (2)
104 (105). 35. κατέφαγε πάντα τὸν χ. (3 a)
— 35. S¹ κατέφαγε τὸν χ. [A B S² καρπὸν] τῆς γῆς αὐ. †
105 (106). 20. ἐν ὁμοιώματι μόσχου ἔσθοντος χόρτον (3 a)
128 (129). 6. γενηθήτωσαν ὡσεὶ χόρτος δωμάτων (2)
146 (147). 8. τῷ ἐξανατέλλοντι ἐν ὄρεσι χόρτον (2)
Pr. 19. 12. ὥσπερ δὲ δρόσος ἐπὶ χόρτῳ (3 a)
27. 25. σύναγε χόρτον ὀρεινόν (3 a)
Si. 40. 16. πρὸ παντὸς χόρτου ἐκτιλήσεται
Am. 7. 2. τοῦ καταφαγεῖν τὸν χ. τῆς γῆς (3 a)
Is. 10. 17. φάγεται ὡσεὶ χόρτον [S -ος] τὴν ὕλην †
15. 6. ὁ χ. αὐτῆς ἐκλείψει χ. γὰρ χλωρὸς οὐκ ἔσται (2, 1)
32. 13. ἄκανθα καὶ χ. ἀναβήσεται †
37. 27. ἐγένοντο ὡς χ. ξηρός [A χλωρός] (3 a + 1 + 2)
40. 6. πᾶσα σὰρξ χ. . . . ὡς ἄνθος χόρτου (2, †)
— 8. ἐξηράνθη ὁ χ. (2)
42. 15. B πάντα χόρτον αὐτῶν ξηρανῶ (3 a)
44. 4. ἀνατελοῦσιν ὡς ἀνὰ μέσον ὕδατος χ. (2)
51. 12. ὡσεὶ χ. ἐξηράνθησαν (2)
Je. 9. 22 (21). ὡς χ. ὀπίσω θερίζοντος [S al.] †
12. 4. πᾶς ὁ [A om.] χ. τοῦ ἀγροῦ ξηρανθήσεται (3 a)
14. 6. οὐκ ἦν χ. (3 a)
Da. LXX. 4. 12. ὅπως . . . χόρτον ὡς βοῦς νέμηται (3 b)
— 15. τὸν χ. τῆς γῆς ἤσθιε –
— 29. χόρτον ὡς βοῦν σε ψωμίσουσι (3 b)
— 30. χόρτον ὡς βοῦν ἐψώμισάν με (3 b)
Da. TH. 4. 12. μετὰ τῶν θηρίων ἡ μερὶς αὐ. ἐν τῷ χ. τῆς γῆς (3 b)
Da. TH. 4. 22, 29. χόρτον ὡς βοῦν ψωμιοῦσί σε (3 b)
— 30. χόρτον ὡς βοῦς ἤσθιε (3 b)
5. 21. χόρτον ὡς βοῦν ἐψώμιζον αὐτόν (3 b)
[Aq. Ge. 1. 11: Jb. 41. 21.]
[Sm. Ge. 1. 29, 30: Ps. 91 (92). 8: 103 (104). 14: Is. 37. 27: 40. 7, 8: 42. 15: Mi. 5. 7 (6).]
[Th. Ge. 1. 11, 29, 30: Jb. 41. 21: Is. 37. 27: 40. 7, 8: 42. 15: Mi. 5. 7 (6).]

χορτώδης.

II Ma. 5. 27. τὴν χ. τροφὴν σιτούμενοι διετέλουν

χορχόρ.

Ez. 27. 16. χ. ἔδωκαν τὴν ἀγοράν σου [A al.] †

χοῦν.

To. 8. 18. χῶσαι τὸν τάφον

χοῦς (*mensura liquidorum*). (1) הִין

Le. 19. 36. χ. δίκαιος ἔσται ὑμῖν (1)

χοῦς (*pulvis*), *cf.* χνοῦς. (1) מָעִי (2) מִין (3) עָפָר

Ge. 2. 7. ἔπλασεν ὁ θ. τὸν ἄνθρωπον χοῦν ἀπὸ τῆς γῆς (3)
Le. 14. 41. ἐκχεοῦσι τὸν χ. ἔξω τῆς πόλεως (3)
— 42. χ. ἕτερον λήψονται (3)
— 45. πάντα τὸν χ. ἐξοίσουσιν (3)
De. 28. 24. χοῦς ἐκ τοῦ οὐρανοῦ καταβήσεται (3)
Jo. 7. 6. ἐπεβάλοντο χοῦν [A -λον τὸν χ.] ἐπὶ τὰς κεφ. αὐ. (3)
II Ki. 16. 13. καὶ τῷ χοῖ πάσσων (3)
22. 43. R ἐλέανα αὐτοὺς ὡς χοῦν [A B χνοῦν] γῆς (3)
III Ki. 18. 38. τὸν χ. ἐξέλειξε τὸ πῦρ (3)
21 (20). 10. εἰ ἐκποιήσει ὁ χ. Σαμ. ταῖς ἀλώπεξι (3)
IV Ki. 13. 7. ἔθεντο αὐτοὺς ὡς χοῦν (3)
23. 4. ἔλαβε τὸν χ. αὐ. (3)
— 6. ἐλέπτυνεν εἰς χοῦν (3)
— 6. ἔρριψε τὸν χ. αὐ. εἰς τὸν τάφον (3)
— 12. ἔρριψε τὸν χ. αὐ. εἰς τὸν χειμάρρουν Κ. (3)
— 15. καὶ ἐλέπτυνεν εἰς χοῦν (3)
II Ch. 1. 9. A R ὡς ὁ χ. [B χνοῦς] τῆς γῆς (3)
Ne. 4. 10 (4). A S² R καὶ ὁ χ. [B S¹ κ. ὄχλος] πολύς (3)
Jb. 31. 24. εἰ ἔταξα χρυσίον εἰς χοῦν μου †
39. 14. ἐπὶ χοῦν θάλψει (3)
Ps. 7. 5. καὶ τὴν δόξαν μου εἰς χοῦν κατασκηνώσαι (3)
17 (18). 42. R λεπτυνῶ αὐτοὺς ὡς χοῦν [A B S χνοῦν] κατὰ πρόσωπον ἀνέμου (3)
21 (22). 15. εἰς χοῦν θανάτου κατήγαγές με (3)
29 (30). 9. μὴ ἐξομολογήσεταί σοι χοῦς (3)
34 (35). 5. R γενηθήτωσαν ὡσεὶ χοῦς [A B S χνοῦς] κατὰ πρόσωπον ἀνέμου (2)
43 (44). 25. ἐταπεινώθη εἰς χοῦν ἡ ψυχὴ ἡμῶν (3)
71 (72). 9. οἱ ἐχθροὶ αὐτοῦ χοῦν λείξουσι (3)
77 (78). 27. B ἔβρεξεν ἐπ' αὐτοὺς ὡσεὶ χοῦν [S χνοῦν] σάρκας (3)
101 (102). 14. τὸν χ. αὐτῆς οἰκτειρήσουσι (3)
102 (103). 14. μνήσθητι [A S² ἐμνήσθη] ὅτι χοῦς ἐσμεν (3)
103 (104). 29. εἰς τὸν χ. αὐτῶν ἐπιστρέψουσιν (3)
Ec. 3. 20. τὰ πάντα ἐγένετο ἀπὸ τοῦ χ. καὶ τὰ πάντα ἐπιστρέψει εἰς τὸν χ. (3, 3)
12. 7. καὶ ἐπιστρέψῃ ὁ χ. ἐπὶ τὴν γῆν ὡς ἦν (3)
Wi. 5. 14. R ἐλπὶς ἀσεβοῦς ὡς φερόμενος χοῦς [A B S χνοῦς] ὑπὸ ἀνέμου
Si. 44. 21. A B S⁴ πληθυνῶ αὐτὸν ὡς χοῦν τῆς γῆς
Ho. 13. 3. A ὥσπερ χοῦς ἀποφυσώμενος ἀφ' ἅλωνος [B al.] (2)
Am. 2. 7. τὰ πατοῦντα ἐπὶ τὸν χ. τῆς γῆς (3)
Mi. 7. 17. λείξουσι χοῦν (3)
Ze. 1. 17. ἐκχεεῖ τὸ αἷμα αὐ. ὡς χοῦν (3)
Za. 9. 3. ἐθησαύρισεν ἀργύριον ὡς χοῦν (3)
Is. 17. 13. A διώξεται ὡς χοῦν [B S² χνοῦν, S¹ χνοῦς] ἀχύρου λικμώντων (2)
41. 15. A ὡς χοῦν [B S χνοῦν] θήσεις (2)
48. 19. τὰ ἔκγονα τῆς κοιλίας σου ὡς ὁ χ. [S χνοῦς] τῆς γῆς (1)
49. 23. τὸν χ. τῶν ποδῶν σου λείξουσι (3)
52. 2. ἐκτίναξαι τὸν χ. (3)
La. 2. 10. ἀνεβίβασαν χοῦν ἐπὶ [S εἰς] τὴν κεφαλὴν αὐτῶν (3)
Ez. 26. 4. λικμήσω [A -σουσιν] τὸν χ. αὐ. (3)
Ez. 26. 12. τὸν χ. σου εἰς μέσον τῆς θαλάσσης σου ἐμβαλεῖ (3)
I Ma. 2. 63. ἐπέστρεψεν εἰς τὸν χ. αὐ.
[Aq. Ge. 2. 7: 3. 15 (14): Le. 17. 13: Dt. 32. 24: Jb. 14. 8: 42. 6: Ps. 21 (22). 30: 101 (102). 15: Is. 40. 12: 41. 2: 52. 2.]
[Sm. Ge. 2. 7: Le. 17. 13: Jb. 41. 25: Ps. 101 (102). 15: Is. 40. 12: 41. 2.]
[Th. Ge. 2. 7: Jb. 31. 24: Ps. 101 (102). 15: Is. 40. 12: 41. 2.]
[Al. Ex. 8. 17 (13).]

χρᾶν, χρᾶσθαι. (1) אָדוֹן (2) בַּעַל (3) עָשָׂה (4) צָלַח (5) שָׁאַל a. qal. b. hi. (6) εὖ χρᾶσθαι יָטַב hi.

Ge. 12. 16. τῷ Αβ. εὖ ἐχρήσαντο δι' αὐτήν (6)
16. 6. R χρῶ αὐτῇ ὡς ἂν σοι ἀρεστὸν ᾖ (3)
19. 8. χρήσασθε αὐταῖς καθὰ ἀρέσκῃ ὑμῖν (3)
26. 29. ὃν τρόπον ἐχρήμεθά σοι καλῶς (3)
34. 31. ἀλλ' ὡσεὶ πόρνῃ χρήσωνται τῇ ἀδ. ἡμῶν (3)
Ex. 11. 3. καὶ ἔχρησαν αὐτοῖς –
12. 36. καὶ ἔχρησαν αὐτοῖς (5 b)
I Ki. 2. 20. ἀντὶ τοῦ χρέους οὗ ἔχρησας τῷ κ. (5 a)
II Ki. 1. 21. A θυρεὸς Σ. οὐκ ἐχρήθη [B ἐχρίσθη] ἐν ἐλαίῳ †
III Ki. 19. 15. A χρήσεις ἐκεῖ τὸν 'Αζ. [B al.] †
— 16. A τὸν 'Ελ. υἱὸν Σ. ἀπὸ 'Αβ. χρήσεις [B al.] †
Ju. 3. 2. A B χρῆσαι ἡμῖν καθὼς ἀρεστόν
— 3. χρῆσαι [S² add. ἡμῖν] καθ' ὃ ἂν ἀρέσκῃ σοι
Es. 1. 19. καὶ μὴ ἄλλως χρησάσθω †
2. 9. ἐχρήσατο αὐτῇ καλῶς †
3. 11. τῷ δὲ ἔθνει χρῶ ὡς βούλει (3)
8. 11. χρῆσθαι [A S² χρήσασθαι] τοῖς νόμοις αὐ. –
— 11. χρῆσθαι [S² χρήσασθαι] τοῖς ἀντιδίκοις αὐ. [A al.] –
— 13. χρώμενοι [A S² οὐ χρ.] ταῖς μεταβολαῖς
— 13. εἂν τοὺς 'Ιουδ. χρῆσθαι τοῖς ἑαυτῶν νομίμοις
9. 12. πῶς οἴει ἐχρήσαντο [A S² κέχρηνται] (3)
— 13. δοθήτω τοῖς 'Ιουδ. χρῆσθαι [S² -σασθαι] ὡσαύτως τὴν αὔριον (3)
— 27. οὐδὲ μὴν ἄλλως χρήσονται (3 ?)
Jb. 10. 17. ὀργῇ δὲ μεγάλῃ μοι ἐχρήσω †
13. 20. δυεῖν δέ μοι χρήσῃ [A χρεία] (3)
15. 8. R ἢ συμβούλῳ σοι ἐχρήσατο ὁ θεός –
16. 10 (9). ὀργῇ χρησάμενος κατέβαλέ με †
18. 4. κέχρηταί σοι [A κέχρησαι δὲ] ὀργῇ †
19. 11. δεινῶς δέ μοι ὀργῇ ἐχρήσατο †
23. 6. ἐν ἀπειλῇ μοι οὐ χρήσεται †
30. 14. κέχρηται δέ μοι ὡς βούλεται †
34. 20. ἐχρήσαντο γὰρ παρανόμως [A ἀνόμοις] †
Pr. 5. 5. κατάγουσι τοὺς χρωμένους αὐτῇ μετὰ θανάτου εἰς ᾅδην †
10. 4. τῷ δὲ ἄφρονι διακόνῳ χρήσεται –
— 26. οὕτως παρανομία τοῖς χρωμένοις αὐτῇ †
17. 8. μισθὸς χαρίτων παιδεία τοῖς χρωμένοις (2)
24. 44 (29). ὃν τρόπον ἐχρήσατό μοι χρήσομαι αὐτῷ (3, 3)
25. 13. ψυχὰς γὰρ τῶν αὐτῷ χρωμένων ὠφελεῖ (1)
Wi. 2. 6. χρησώμεθα τῇ κτίσει ὡς νεότητι σπουδαίως
7. 14. ὃν οἱ χρησάμενοι [A S² κτησάμ.] πρὸς θεὸν ἐστείλαντο φιλίαν
13. 18. τὸ μηδὲ βάσει χρῆσθαι δυνάμενον
Si. 26. 10. ἵνα μὴ εὑροῦσα ἄνεσιν ἑαυτῇ χρήσηται
Is. 28. 21. ὁ δὲ θυμὸς αὐ. ἀλλοτρίως χρήσεται †
Je. 13. 7. ὃ οὐ μὴ χρησθῇ εἰς οὐθέν (4)
— 10. ὃ οὐ χρησθήσεται [S -θῇ] εἰς οὐθέν (4)
Ep. Je. 59. ἐφ' ᾧ κεχρήσεται ὁ κεκτημένος [A χρ. ὁ κτησάμ.]
Da. LXX. 1. 13. οὕτω χρῆσαι τοῖς παισί σου (3)
— 14. ἐχρήσατο αὐτοῖς τὸν τρόπον τοῦτον †
7. 7. διαφόρως χρώμενον παρὰ πάντα τὰ πρὸ αὐτοῦ θηρία †
I Ma. 13. 46. μὴ ἡμῖν χρήσῃ κατὰ τὰς πονηρίας ἡμῶν
II Ma. 1. 13. παραλογισμῷ χρησαμένων τῶν περὶ τὴν Ν. ἱερέων
4. 19. ἃς καὶ ἠξίωσαν . . . μὴ χρῆσθαι εἰς θυσίαν
6. 21. οἷς καθῆκον αὐτῷ χρᾶσθαι
11. 31. χρῆσθαι τοὺς 'Ιουδ. τοῖς ἑαυτῶν δαπανήμασι
12. 14. ἀναγωγότερον ἐχρῶντο τοῖς περὶ τὸν 'Ι.
III Ma. 4. 20. ἐν οἷς ἐχρῶντο
IV Ma. 3. 21. πολυτρόπως ἐχρήσαντο συμφοραῖς

IV Ma. 5. 6. τῇ Ἰουδαίων χρώμενος θρησκείᾳ
8. 16. ποίοις ἂν ἐχρήσαντο λόγοις
9. 2. εἰ μὴ τῇ . . . εὐπαθείᾳ συμβούλῳ . . . χρησαίμεθα
13. 13. χρήσωμεν τῇ περὶ τὸν νόμον φυλακῇ τὰ σώματα

χρεία. (1) חֲשָׁחוּת (2) צֹרֶךְ (3) χρείαν ἔχειν חֲשַׁח

II Ch. 2. 16 (15). κατὰ πᾶσαν τὴν χρ. σου (2)
I Es. 8. 17. τὰ διδόμενά σοι εἰς τὴν χρ. τοῦ ἱεροῦ
— 17. ὅσα ἂν ὑποπίπτῃ σοι εἰς τὴν χρ. τοῦ ἱεροῦ
II Es. 7. 20. κατάλοιπον χρείας οἴκου θεοῦ . . . δώσεις (1)
To. 5. 7. S χρείαν γὰρ ἔχω ἵνα βαδίσῃς
— 11. S τί χρείαν ἔχεις φυλῆς [A B *al.*]
Ju. 12. 10. A B οὐκ ἐκάλεσεν . . . οὐδένα τῶν πρὸς ταῖς χρ.
Jb. 9. 33. A δυεῖν δέ μοι χρεία –
13. 20. A δυεῖν δέ μοι χρεία [B S χρήσῃ] †
31. 16. χρείαν ἤν ποτε εἶχον οὐκ ἀπέτυχον –
Ps. 15 (16). 2. A S R τῶν ἀγαθῶν μου οὐ χρείαν ἔχεις †
Pr. 18. 2. οὐ χρείαν ἔχει σοφίας ἐνδεὴς φρενῶν †
Wi. 13. 16. χρείαν ἔχει βοηθείας
Si. 3. 22. οὐ γάρ ἐστί σοι χρεία τῶν κρυπτῶν
8. 9. ἐν καιρῷ χρείας δοῦναι ἀπόκρισιν
11. 9. περὶ πράγματος οὗ οὐκ ἔστι σοι χρεία [A S *om.*] μὴ ἔριζε
— 23. μὴ εἴπῃς, Τίς ἐστί μου χρεία
13. 6. χρείαν ἔσχηκέ σου
— 6. ἐρεῖ [A ἐρεῖς], Τίς ἡ χρ. σου
15. 12. οὐ γὰρ χρείαν ἔχει ἀνδρὸς ἁμαρτωλοῦ
29. 2. δάνισον τῷ πλησίον ἐν καιρῷ χρείας αὐτοῦ
— 3. ἐν παντὶ καιρῷ εὑρήσεις τὴν χρ. σου
— 27. ἐπεξένωταί μοι ὁ ἀδελφὸς χρεία τῆς οἰκίας [B[1] ξενίας]
35 (32). 2. πᾶσαν τὴν χρ. σου ποιήσας ἀνάπεσε
— 7. λάλησον, νεανίσκε, εἰ χρεία σου
37. 8. γνῶθι πρότερον τίς αὐτοῦ χρεία
38. 1. τίμα ἰατρὸν πρὸς τὰς χρ. [A S χρ. αὐτοῦ] τιμαῖς αὐτοῦ [S[2] *om.* τ. αὐ.]
— 12. μὴ ἀποστήτω σου καὶ γὰρ αὐτοῦ χρεία
39. 21. πάντα γὰρ εἰς χρείας [A S -αν] αὐτῶν ἔκτισται
— 26. ἀρχὴ πάσης χρείας εἰς ζωὴν ἀνθρώπου
— 31. ἐπὶ τῆς γῆς εἰς χρείας [A χείρας] ἑτοιμασθήσονται
— 33. πᾶσαν χρείαν ἐν ὥρᾳ αὐτῆς χορηγήσει
42. 23. πάντα ταῦτα . . . μένει εἰς τὸν αἰῶνα ἐν πάσαις χρείαις
Is. 13. 17. οὐδὲ χρυσίου [A S[1] -ίον] χρείαν ἔχουσι †
Je. 22. 28 : 31 (48). 38. οὗ οὐκ ἔστι χρ. αὐτοῦ †
Ep. Je. 60. ἄστρα . . . ἀποστελλόμενα ἐπὶ χρείας εὐήκοά εἰσιν
Da. LXX., TH. 3. 16. οὐ χρείαν ἔχομεν ἡμεῖς . . . ἀποκριθῆναί σοι (3)
I Ma. 3. 28. εἶναι ἑτοίμους εἰς πᾶσαν χρ.
10. 37. ἐκ τούτων κατασταθήσεται ἐπὶ χρειῶν τῆς βασιλείας
— 41. S R ὃ οὐκ ἀπεδίδοσαν οἱ [A *om.*] ἀπὸ τῶν χρ.
— 42. οὐς ἐλάμβανον ἀπὸ τῶν χρ.
11. 63. βουλόμενοι μεταστῆσαι αὐτὸν τῆς χρ.
12. 45. παραδώσω σοι . . . πάντας τοὺς ἐπὶ τῶν χρ.
13. 15. δι' ἃς εἶχε χρείας
— 37. γράφειν τοῖς ἐπὶ τῶν χρ.
II Ma. 2. 15. ὧν οὖν ἐὰν χρείαν ἔχητε
7. 24. δι' ὅρκων ἐπίστου . . . χρείας ἐμπιστεύσειν
8. 9. καὶ εὖ πολεμικαῖς χρ. ἔχοντα πείραν
— 20. ὡς οἱ πάντες ἐπὶ τὴν χρ. ἦλθον
12. 39. καθ' ὃν χρόνον τὸ τῆς χρ. ἐγεγόνει
15. 5. καὶ τὰς βασιλικὰς χρ. ἐπιτελεῖν
— 28. γενόμενοι δὲ ἀπὸ τῆς χρ.
III Ma. 5. 32. διὰ τὴν τῆς συστροφίας στοργὴν καὶ τῆς χρ.
[Aq. Ec. 12. 10.]
[Sm. Ec. 3. 1, 17: 5. 3.]

χρειώδης.
[Sm. Ec. 12. 10.]

χρεμετίζειν. (1) צָהַל *a.* qal. *b.* pi.
Si. 36 (33). 6. ὑποκάτω παντὸς ἐπικαθημένου χρεμετίζει [A -ίσει]
Je. 5. 8. A R ἐπὶ τὴν γυναῖκα τοῦ πλησίον αὐτοῦ ἐχρεμέτιζον [B S -εν] (1 *a*)
38 (31). 7. χρεμετίσατε ἐπὶ κεφ. ἐθνῶν (1 *b*)
[Aq. Is. 54. 1: Je. 50 (27). 11.]
[Sm. Is. 54. 1: Ho. 7. 14.]

χρεμέτισμα.
[Aq. Je. 8. 16.]

χρεμετισμός. (1) מְצַהֲלָה
Am. 6. 7. ἐξαρθήσεται χρεμετισμὸς ἵππων ἐξ Ἔφρ. †
Je. 8. 6. ὡς ἵππος κάθιδρος ἐν χρεμετισμῷ αὐτοῦ †
— 16. ἀπὸ φωνῆς χρεμετισμοῦ ἱππασίας ἵππων αὐτοῦ ἐσείσθη (1)
13. 27. ὀφθήσεται . . . ἡ μοιχεία σου καὶ χρ. σου (1)
[Aq. Je. 8. 16.]
[Th. Jb. 39. 19.]

χρεοδοσία.
[Aq. Dt. 24. 13 (11).]

χρεοκοπεῖσθαι.
IV Ma. 2. 8. A τὸ δάνειον . . . ἐντάσσων χρεοκοπούμενος [S R *al.*]

χρέος. (1) מַשָּׁה (2) שְׁאֵלָה
De. 15. 2. ἀφήσεις πᾶν χρ. ἴδιον (1)
— 3. τῷ δὲ ἀδ. σου ἄφεσιν ποιήσεις τοῦ χρ. σου †
I Ki. 2. 20. ἀποτίσαι σοι κ. σπέρμα . . . ἀντὶ τοῦ χρ. (2)
Wi. 15. 8. τὸ τῆς ψυχῆς ἀπαιτηθεὶς χρ.

χρεωφειλέτης (-οφ.).
Jb. 31. 37. οὐθὲν λαβὼν παρὰ χρεωφειλέτου †
Pr. 29. 13. δανειστοῦ καὶ χρεωφειλέτου ἀλλήλοις [A -ων] συνελθόντων †

χρῄζειν.
Jd. 11. 7. ἡνίκα χρῄζετε [A ἐθλίβητε] †
I Ki. 17. 18. A ὅσα ἂν χρῄζωσιν †
[Sm. Jb. 21. 21 : 22. 3 : Ec. 12. 1.]
[Th. I Ki. 17. 18.]

χρῆμα. (1) דָּבָר (2) כֶּסֶף (3) מְחִיר (4) נְכָסִים (5) רְכוּשׁ
Jo. 22. 8. ἐν χρ. πολλοῖς ἀπήλθοσαν (4)
II Ch. 1. 11. οὐκ ᾐτήσω πλοῦτον χρημάτων (4)
— 12. χρήματα καὶ δόξαν δώσω σοι (4)
Ne. 11. 24. εἰς πᾶν χρ. [S[2] ῥῆμα] τῷ λαῷ (1)
Ju. 1. 13. S ἀνέτρεψε . . . πάντα τὰ χρ. [A B ἅρματα] αὐ.
Jb. 6. 20. οἱ ἐπὶ πόλεσι καὶ χρήμασι πεποιθότες †
27. 17. τὰ δὲ χρ. αὐ. ἀληθινοὶ καθέξουσιν (2)
Pr. 17. 6 (4). τοῦ πιστοῦ ὅλος ὁ κόσμος τῶν χρ. –
— 16. ἵνα τί ὑπῆρξε χρήματα ἄφρονι (3)
28. 16. S[2] βασιλεὺς ἐνδεὴς χρημάτων [A B S[1] προσόδων] μέγας συκοφάντης †
Si. 5. 1. μὴ ἔπεχε ἐπὶ τοῖς χρ. σου
— 8. μὴ ἔπεχε ἐπὶ χρήμασιν ἀδίκοις
10. 8. βασιλεία ἀπὸ ἔθνους εἰς ἔθνος μετάγεται διὰ . . . χρήματα
14. 3. ἀνθρώπῳ βασκάνῳ ἵνα τί χρήματα
— 5. οὐ μὴ εὐφρανθήσεται ἐν τοῖς χρ. αὐτοῦ
21. 8. ὁ οἰκοδομῶν τὴν οἰκίαν αὐτοῦ ἐν χρήμασιν ἀλλοτρίοις
29. 5. ἐπὶ τῶν χρ. τοῦ πλησίον ταπεινώσει φωνήν
— 6. ἀπεστέρησεν αὐτὸν τῶν χρ. αὐτοῦ
30. 28 (33. 19). μὴ δῷς ἑτέρῳ τὰ χρ. σου
31 (34). 20. ὁ προσάγων θυσίαν ἐκ χρημάτων πενήτων
34 (31). 3. ἐκοπίασε πλούσιος ἐν συναγωγῇ χρημάτων
37. 6. μὴ ἀμνημονήσῃς αὐτοῦ [A -ῷ] ἐν χρήμασί σου
40. 13. χρήματα ἀδίκων ὡς ποταμὸς ξηρανθήσεται
— 26. χρήματα καὶ ἰσχὺς ἀνυψώσουσι καρδίαν
46. 19. χρήματα καὶ ἕως ὑποδημάτων . . . οὐκ εἴληφα [B[2] S[2] -φεν]
Da. LXX. 11. 13. εἰσελεύσεται εἰς αὐτὴν . . . ἐν χρ. πολλοῖς (5)
— 24. χρήματα αὐτοῖς δώσει (5)
— 28. ἐπιστρέψει . . . ἐν χρ. πολλοῖς (5)
I Ma. 14. 32. ἐδαπάνησε χρ. πολλὰ τῶν ἑαυτοῦ
II Ma. 1. 14. χάριν τοῦ λαβεῖν τὰ χρ. πλείονα
3. 6. περὶ τοῦ χρημάτων ἀμυθήτων γέμειν τὸ ἐν Ἱερ. γαζοφυλάκιον
II Ma. 3. 7. περὶ τῶν μηνυθέντων αὐτῷ χρημάτων ἐνεφάνισεν
— 7. τὴν τῶν προειρημένων χρ. ἐκκομιδὴν ποιήσασθαι
4. 1. ὁ τῶν χρ. καὶ τῆς πατρίδος ἐνδείκτης γεγονώς
— 23. παρακομίζοντα τὰ χρ. τῷ βασ.
— 27. τῶν δὲ ἐπηγγελμένων τῷ βασ. χρ.
— 45. ἐπηγγείλατο χρ. ἱκανὰ τῷ Πτ.
8. 25. τὰ δὲ χρ. τῶν παραγενομ. . . . ἔλαβον
III Ma. 2. 32. τά τε χρ. περὶ τοῦ ζῆν ἀντικαταλλασσόμενοι
IV Ma. 3. 20. χρήματα εἰς τὴν ἱερουργίαν αὐτοῖς ἀφορίσαι
4. 3. πολλὰς ἰδιωτικῶν χρ. μυριάδας
— 4. κατεμήνυε τὸν τῶν χρ. θησαυρόν
— 6. ὅπως τὰ ἰδιωτικὰ τοῦ γαζοφυλακίου λάβοι χρ.
— 10. πρὸς τὴν τῶν χρ. ἁρπαγήν
[Aq., Sm., Th. Pr. 31. 3.]

χρηματίζειν. (1) דָּבַר pi. (2) שָׁאַג
III Ki. 18. 27. μή ποτε χρηματίζει αὐτός †
Jb. 40. 3 (8). οἴει δέ [A μηδὲ οἴου] με ἄλλως σοι κεχρηματικέναι †
Je. 32 (25). 30. κύριος ἀφ' [S ἐφ'] ὑψηλοῦ χρηματιεῖ (2)
— 30. λόγον χρηματιεῖ ἐπὶ [A ἀπὸ] τοῦ τόπου αὐτοῦ (2)
33 (26). 2. χρηματιεῖς ἅπασι τοῖς Ἰουδαίοις (1)
— 2. οὓς συνέταξά σοι αὐτοῖς χρηματίσαι (1)
36 (29). 23. λόγον ἐχρημάτισαν ἐν τῷ ὀνόματί μου (1)
37 (30). 2. οὓς ἐχρημάτισα πρὸς σέ (1)
43 (36). 2. A οὓς ἐχρημάτισα [B S ἐλάλησα] πρὸς σέ (1)
— 4. A οὓς ἐχρημάτισεν [B S ἐλάλησε] πρὸς αὐτόν (1)

χρηματισμός. (1) מַשָּׂא
Pr. 24. 69 (31. 1). βασιλέως χρηματισμὸς ὃν ἐπαίδευσεν ἡ μήτηρ αὐτοῦ (1)
II Ma. 2. 4. χρηματισμοῦ γενηθέντος
11. 17. ἐπιδόντες τὸν ὑπογεγραμμένον χρ.
[Al. Je. 23. 31.]

χρηματιστηρί (?). (1) דְּבִיר
III Ki. 8. 6. B[2] εἰς τὸ χρ. [? -ιον, A B[1] R δαβεὶρ] τοῦ οἴκου (1)

χρηματιστήριον.
I Es. 3. 15. ἐκάθισεν ἐν τῷ χρ.
[Aq., Sm. III Ki. 6. 5, 16, 19, 20: Ps. 27 (28). 2.]
[Th. III Ki. 6. 19, 20.]
[Al. II Ch. 3. 16 : 5. 7.]

χρῆναι.
Pr. 25. 27. τιμᾶν δὲ χρὴ λόγους ἐνδόξους –
IV Ma. 8. 26. A χρὴ τῷ βασιλεῖ πεισθέντας [S R *al.*]

χρησιμεύειν.
Wi. 4. 3. πολύγονον δὲ ἀσεβῶν πλῆθος οὐ χρησιμεύσει
Si. 13. 4. ἐὰν χρησιμεύσῃς ἐργᾶται ἐν σοί

χρησιμολογεῖν (?). (1) דָּרַשׁ
Je. 45 (38). 4. B[1] οὐ χρησιμολογεῖ [A B[2] S R χρησμ.] εἰρήνην (1)

χρήσιμος. (1) בָּצַע (2) χρ. εἶναι צָלַח
Ge. 37. 26. τί χρ. ἐὰν ἀποκτείνωμεν τὸν ἀδ. ἡμῶν (1)
To. 3. 10. S χρησιμώτερόν μοί ἐστιν μὴ ἀπάγξασθαι
4. 18. A B μὴ καταφρονήσῃς ἐπὶ πάσης συμβουλίας χρ.
6. 4. S ἔστιν γὰρ εἰς φάρμακον χρήσιμον ἡ χολή
Pr. 17. 17. ἀδελφοὶ δὲ ἐν ἀνάγκαις χρήσιμοι ἔστωσαν †
Wi. 8. 7. ὧν χρησιμώτερον οὐδέν ἐστιν ἐν βίῳ ἀνθρώποις
13. 11. κατεσκεύασε χρήσιμον σκεῦος εἰς ὑπηρεσίαν ζωῆς
Si. *prol.* 6. τοῖς ἐκτὸς δύνασθαι τοὺς φιλομαθοῦντας χρησίμους εἶναι
7. 22. εἰ ἔστι σοι χρήσιμα ἐμμενέτω σοι
10. 4. τὸν χρ. ἐγερεῖ εἰς καιρὸν ἐπ' αὐτῆς
Za. 6. 10. λάβε τὰ ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας . . . παρὰ τῶν χρ. αὐ. †
— 14. ὁ δὲ στέφανος ἔσται . . . τοῖς χρ. αὐ. †
Ep. Je. 59. ἡ σκεῦος ἐν οἰκίᾳ χρήσιμον

Ez. 15. 4. μὴ χρήσιμον ἔσται εἰς ἐργασίαν (2)
II Ma. 12. 12. ὑπολαβὼν ὡς ἀληθῶς ἐν πολλοῖς αὐτοὺς χρησίμους

χρῆσις. (1) שְׁאֵל

I Ki. 1. 28. κιχρῶ αὐτὸν . . . χρῆσιν τῷ κυρίῳ (1)
To. 1. 13. S ἠγόραζον αὐτῷ πάντα τὰ πρὸς τὴν χρ. [A B *al.*]
Ju. 12. 10. B οὐκ ἐκάλεσεν εἰς τὴν χρ. [A κλῆσιν] οὐδένα
Wi. 15. 7. τίς ἑκάστου ἐστὶν ἡ [S[1] *om.*] χρ.
— 15. οὔτε ὀμμάτων χρῆσις [A S -εις] εἰς ὅρασιν
Si. 18. 8. τί [S[1] τίς] ἄνθρωπος καὶ τί ἡ χρ. αὐτοῦ

χρησμολογεῖν. (1) דָּרַשׁ

Je. 45 (38). 4. οὐ χρησμολογεῖ [B[1] χρησιμ.] εἰρήνην τῷ λαῷ τούτῳ (1)

χρηστοήθεια.

Si. 37. 11. μετὰ ἀνελέημονος περὶ χρηστοηθείας

χρηστός. (1) *a.* טוֹב *b.* טָב (2) יָקָר (3) יָשָׁר

I Ki. 24. 11. A χρηστὸς κύριός ἐστι [B *al.*] †
II Ki. 1. 14. A[1] διαφθεῖραι χρηστὸν [A[2] B δ. τὸν χριστὸν] κυρίου †
I Es. 8. 57. καὶ σκεύη χαλκᾶ ἀπὸ χρ. χαλκοῦ
Jb. 31. 31. λίαν μου χρηστοῦ ὄντος –
Ps. 24 (25). 8. χρηστὸς καὶ εὐθὴς ὁ κύριος (1 *a*)
33 (34). 8. ἴδετε ὅτι χρηστὸς ὁ κύριος (1 *a*)
51 (52). 9. ὅτι χρηστὸν ἐναντίον τῶν ὁσίων σου (1 *a*)
68 (69). 16. ὅτι χρηστὸν τὸ ἔλεός σου (1 *a*)
85 (86). 5. σὺ, κύριε, χρηστὸς καὶ ἐπιεικής (1 *a*)
99 (100). 5. ὅτι χρηστὸς κύριος (1 *a*)
105 (106). 1 : 106 (107). 1. ἐξομολογεῖσθε τῷ κυρίῳ ὅτι χρηστός (1 *a*)
108 (109). 21. ὅτι χρηστὸν τὸ ἔλεός σου (1 *a*)
111 (112). 5. χρηστὸς ἀνὴρ ὁ οἰκτείρων (1 *a*)
118 (119). 39. ὅτι τὰ κρίματά σου χρηστά (1 *a*)
— 68. χρηστὸς εἶ σὺ, κύριε (1 *a*)
135 (136). 1. A S[1] ἐξομολογεῖσθε τῷ κυρίῳ ὅτι χρηστός [S[2] R ἀγαθός] (1 *a*)
144 (145). 9. χρηστὸς κύριος τοῖς ὑπομένουσι [A -σιν αὐτόν, S[2] σύμπασιν] (1 *a*)
Pr. 2. 21. A S χρηστοὶ ἔσονται οἰκήτορες γῆς (3)
Wi. 15. 1. σὺ δὲ ὁ θεὸς ἡμῶν χρηστός
Na. 1. 7. χρηστὸς κύριος τοῖς ὑπομένουσιν αὐτόν (1 *a*)
Je. 24. 2. ὁ κάλαθος ὁ εἷς σύκων χρηστῶν σφόδρα (1 *a*)
— 3. σῦκα τὰ χρ. χρηστὰ λίαν (1 *a*, 1 *a*)
— 5. ὡς τὰ σῦκα τὰ χρ. ταῦτα (1 *a*)
40 (33). 11. ὅτι χρ. κύριος (1 *a*)
51 (44). 17. ἐγενόμεθα χρηστοί (1 *a*)
52. 32. ἐλάλησεν αὐτῷ χρηστά (1 *a*)
Ez. 27. 22. μετὰ πρώτων ἡδυσμάτων καὶ λίθων χρηστῶν [A ἐκλεκτῶν] (2)
28. 13. πᾶν λίθον χρηστὸν ἐνδέδεσαι (2)
Da. LXX. 2. 32. ἦν ἡ κεφαλὴ αὐ. ἀπὸ χρυσίου χρ. (1 *b*)
3. (89). ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. ὅτι χρηστός
Da. TH. 2. 32. B[1] ἦς ἡ κεφαλὴ χρυσίου χρ. [AB[2] καθαροῦ] (1 *b*)
3. (89). ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. ὅτι χρηστός
I Ma. 6. 11. χρηστὸς καὶ ἀγαπώμενος ἤμην
II Ma. 1. 24. ὁ μόνος βασιλεὺς καὶ χρ.
9. 19. τοῖς χρ. Ἰουδαίοις . . . πολλὰ χαίρειν
[Th. Da. 2. 32+.]
[Al. Ps. 134 (135). 3 : Pr. 18. 22.]

χρηστότης. (1) *a.* טוּב *b.* טוֹב *c.* טוֹבָה *d.* טוּב hi.

I Es. 5. 61. ἡ χρ. αὐ. καὶ ἡ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας
Es. 8. 13. τῇ πλείστῃ τῶν εὐεργετούντων χρηστότητι
— 13. καὶ πολὺ διεστηκὼς τῆς ἡμετέρας χρ.
Ps. 13 (14). 1, 3. οὐκ ἔστι ποιῶν χρηστότητα (1 *b*)
20 (21). 3. προέφθασας αὐτὸν ἐν εὐλογίαις χρηστότητος (1 *b*)
24 (25). 7. μνήσθητί μου ἕνεκα τῆς χρ. σου (1 *a*)
30 (31). 19. ὡς πολὺ τὸ πλῆθος τῆς χρ. σου (1 *a*)
36 (37). 3. ποίει χρηστότητα (1 *b*)
52 (53). 3. S[1] οὐκ ἔστι ποιῶν χρηστότητα [BS[2] ἀγαθόν] (1 *b*)
64 (65). 11. εὐλογήσεις τὸν στέφανον τοῦ ἐνιαυτοῦ τῆς χρ. σου (1 *c*)
Ps. 67 (68). 10. ἡτοίμασας ἐν τῇ χρ. σου τῷ πτωχῷ (1 *c*)
84 (85). 12. ὁ κύριος δώσει χρηστότητα (1 *b*)
103 (104). 28. τὰ σύμπαντα πλησθήσονται χρηστότητος [A πιότητος] (1 *b*)
105 (106). 5. τοῦ ἰδεῖν ἐν τῇ χρ. τῶν ἐκλεκτῶν σου (1 *c*)
118 (119). 65. χρηστότητα ἐποίησας μετὰ τοῦ δούλου σου (1 *b*)
— 66. χρηστότητα . . . δίδαξόν με (1 *a*)
— 68. ἐν τῇ χρ. σου δίδαξόν με τὰ δικαιώματά σου (1 *d*)
144 (145). 7. μνήμην τοῦ πλήθους τῆς χρ. σου (1 *a*)

χρηστῶς.

Wi. 8. 1. διοικεῖ [A -εῖται] τὰ πάντα χρ.

χρίειν. (1) יָסַךְ (2) *a.* מָשַׁח qal. *b.* ni. *c.* מָשִׁיחַ (3) סוּךְ

Ex. 28. 37 (41). καὶ χρίσεις αὐτούς (2 *a*)
29. 2. καὶ λάγανα ἄζυμα κεχρισμένα ἐν ἐλαίῳ (2 *a*)
— 7. καὶ χρίσεις αὐτόν (2 *a*)
— 29. χρισθῆναι αὐτοὺς ἐν αὐτοῖς (2 *a*)
— 36. καὶ χρίσεις αὐτό (2 *a*)
30. 26. χρίσεις ἐξ αὐτοῦ τὴν σκηνὴν τοῦ μαρτ. (2 *a*)
— 30. Ἀ. καὶ τοὺς υἱοὺς αὐ. χρίσεις (2 *a*)
— 32. ἐπὶ σάρκα ἀνθρώπου οὐ χρισθήσεται (1)
40. 9. χρίσεις τὴν σκηνήν (2 *a*)
— 10. χρίσεις τὸ θυσιαστ. τῶν καρπωμάτων (2 *a*)
— 13. καὶ χρίσεις αὐτόν (2 *a*)
Le. 4. 3. ἐὰν μὲν ὁ ἀρχιερεὺς ὁ κεχρισμένος ἁμάρτῃ (2 *c*)
6. 20 (13). B ᾗ ἂν χρίσῃς αὐτόν (2 *b*)
7. 26 (36). ᾗ ἡμέρᾳ ἔχρισεν αὐτούς (2 *a*)
8. 11. ἔχρισε τὸ θυσιαστήριον (2 *a*)
— 11. ἔχρισε τὴν σκηνήν –
— 12. καὶ ἔχρισεν αὐτόν (2 *a*)
16. 32. ὃν ἂν χρίσωσιν αὐτόν (2 *a*)
Nu. 6. 15. καὶ λάγανα ἄζυμα κεχρισμένα ἐν ἐλαίῳ (2 *a*)
7. 1. καὶ ἔχρισεν αὐτήν (2 *a*)
— 1. καὶ ἔχρισεν αὐτά (2 *a*)
— 10. ᾗ ἔχρισεν αὐτό (2 *b*)
— 84. ᾗ ἡμέρᾳ ἔχρισεν αὐτό (2 *b*)
— 88. μετὰ τὸ χρῖσαι αὐτόν (2 *b*)
35. 25. ὃν ἔχρισαν αὐτὸν τῷ ἐλαίῳ τῷ ἁγίῳ (2 *a*)
De. 28. 40. ἔλαιον οὐ χρίσῃ (3)
Jd. 9. 8. τοῦ χρῖσαι ἐφ' ἑαυτὰ βασιλέα (2 *a*)
— 15. εἰ ἐν ἀληθείᾳ χρίετέ με ὑμεῖς (2 *a*)
I Ki. 9. 16. χρίσεις αὐτὸν εἰς ἄρχοντα (2 *a*)
10. 1. οὐχὶ κέχρικέ σε κύριος (2 *a*)
— 1. ἔχρισέ [A κέχρικέν] σε κύριος –
11. 15. ἔχρισε Σαμ. ἐκεῖ τὸν Σ. εἰς βασιλέα †
15. 1. ἐμὲ ἀπέστειλε κ. χρῖσαί σε (2 *a*)
— 17. ἔχρισέ σε κ. εἰς βασιλέα (2 *a*)
16. 3. χρίσεις ὃν ἐὰν εἴπω πρὸς σέ (2 *a*)
— 12. χρῖσον τὸν Δ. (2 *a*)
— 13. ἔχρισεν αὐτὸν ἐν μέσῳ τῶν ἀδ. αὐ. (2 *a*)
II Ki. 1. 21. θυρεὸς Σ. οὐκ ἐχρίσθη [A ἐχρήθη] ἐν ἐλαίῳ (2 *c*)
2. 4. χρίουσι τὸν Δ. ἐκεῖ (2 *a*)
— 7. καί γε ἐμὲ κέχρικεν ὁ οἶκος Ἰ. (2 *a*)
5. 3. χρίουσι τὸν Δ. εἰς βασιλέα (2 *a*)
— 17. κέχρισται Δ. βασιλεὺς ἐπὶ Ἰσρ. (2 *a*)
12. 7. ὁ χρίσας σε εἰς βασιλέα (2 *a*)
19. 10 (11). ὃν ἐχρίσαμεν ἐφ' ἡμῶν (2 *a*)
III Ki. 1. 34. B χρίσατε [B -ω, A -τωσαν] αὐτὸν ἐκεῖ (2 *a*)
— 39. ἔχρισε τὸν Σαλ. (2 *a*)
— 45. καὶ ἔχρισαν [A -εν] αὐτόν (2 *a*)
5. 1 (15). χρῖσαι τὸν Σαλ. [A *al.*] –
— 1 (15). A αὐτὸν ἔχρισαν εἰς βασιλέα [B *al.*] (2 *a*)
19. 15. χρίσεις τὸν [A χρήσεις ἐκεῖ] Ἀζ. (2 *a*)
— 16. B τὸν υἱὸν Ἰ. υἱοῦ N. χρίσεις εἰς βασιλέα [A R *al.*] (2 *a*)
— 16. τὸν Ἐλ. υἱὸν Σ. χρίσεις [A *al.*] (2 *a*)
IV Ki. 9. 3. κέχρικά σε εἰς βασιλέα ἐπὶ Ἰσρ. (2 *a*)
— 6. κέχρικά σε εἰς βασιλέα ἐπὶ λαὸν κυρίου (2 *a*)
— 12. κέχρικα σε εἰς βασιλέα ἐπὶ Ἰσρ. (2 *a*)
11. 12. καὶ ἔχρισεν αὐτόν (2 *a*)
23. 30. καὶ ἔχρισαν αὐτόν (2 *a*)
I Ch. 11. 3. ἔχρισαν τὸν Δ. εἰς βασιλέα ἐπὶ Ἰσρ. (2 *a*)
14. 8. ἐχρίσθη Δ. βασιλεὺς ἐπὶ πάντα Ἰσρ. (2 *b*)
29. 22. ἔχρισαν αὐτὸν τῷ κ. εἰς βασιλέα (2 *a*)
II Ch. 23. 11. ἔχρισαν αὐτὸν Ἰ. καὶ οἱ υἱοὶ αὐ. (2 *a*)
36. 1. καὶ ἔχρισαν αὐτόν –
Ju. 10. 3. καὶ ἐχρίσατο μύρῳ παχεῖ
Ps. 26 (27). *tit.* τοῦ Δαυὶδ πρὸ τοῦ χρισθῆναι –
44 (45). 7. ἔχρισέ σε ὁ θ. ὁ θ. σου ἔλαιον ἀγαλλιάσεως (2 *a*)
88 (89). 20. A B[3] S R ἐν ἐλαίῳ [B[1] ἐλέει, B[2] ἐλέῳ] ἁγίῳ ἔχρισα αὐτόν (2 *a*)
151. 4. ἔχρισέ με ἐν [S *om.*] τῷ ἐλαίῳ [A S ἐλέει] τῆς χρίσεως αὐτοῦ
Si. 45. 15. ἔχρισεν αὐτὸν ἐν ἐλαίῳ ἁγίῳ
46. 13. ἔχρισεν ἄρχοντας ἐπὶ τὸν λαὸν αὐτοῦ
48. 8. ὁ χρίων βασιλεῖς εἰς ἀνταπόδομα
Ho. 8. 10. τοῦ χρίειν βασιλέα καὶ ἄρχοντας †
Am. 6. 6. τὰ πρῶτα μύρα χριόμενοι (2 *a*)
Is. 25. 7. χρίσονται μύρον ἐν τῷ ὄρει τούτῳ †
61. 1. οὗ εἵνεκεν ἔχρισέ με (2 *a*)
Je. 22. 14. ὑπερῷα . . . κεχρισμένα ἐν μίλτῳ (2 *a*)
Ez. 16. 9. ἔχρισά σε ἐν ἐλαίῳ (3)
43. 3. εἰσεπορευόμην τοῦ χρῖσαι τὴν πόλιν †
Da. TH. 9. 24. τοῦ χρῖσαι ἅγιον ἁγίων (2 *a*)
[Aq. II Ki. 3. 39.]
[Sm. I Ki. 15. 11 : II Ki. 3. 39 : III Ki. 5. 1 (15) : Ps. 2. 6 : Ho. 8. 10.]
[Th. Le. 8. 10 : III Ki. 5. 1 (15) : Ez. 28. 14 : Da. 9. 24 : Ho. 8. 10.]
[Heb. Ex. 40. 11 (9).]
[Al. Le. 14. 42.]

χρίσις. (1) מִשְׁחָה

Ex. 29. 21. καὶ ἀπὸ τοῦ ἐλαίου τῆς χρ. (1)
30. 31. ἔλαιον ἄλειμμα χρίσεως ἅγιον ἔσται (1)
31. 11. καὶ τὸ ἔλαιον τῆς χρ. (1)
35. 28. ἤνεγκαν . . . τὸ ἔλαιον τῆς χρ. (1)
38. 25 (37. 29). ἐποίησε τὸ ἔλαιον τῆς χρ. [A τοῦ χρίσματος] (1)
39. 16 (38). καὶ τὸ ἔλαιον τῆς χρ. (1)
40. 9. A λήψῃ τὸ ἔλαιον τῆς χρ. [B τοῦ χρίσματος] (1)
Le. 7. 25 (35). αὕτη ἡ χρ. Ἀ. καὶ ἡ χρ. τῶν υἱῶν αὐ. (1, 1)
8. 2. λάβε . . . τὸ ἔλαιον τῆς χρ. (1)
— 10. ἔλαβε Μ. ἀπὸ τοῦ ἐλαίου τῆς χρ. (1)
— 12. ἐπέχεε Μ. ἀπὸ τοῦ ἐλαίου τῆς χρ. (1)
— 29 (30). ἔλαβε Μ. ἀπὸ τοῦ ἐλαίου τῆς χρ. (1)
10. 7. τὸ ἔλαιον γὰρ τῆς χρ. τὸ παρὰ κυρίου ἐφ' ὑμῖν (1)
Nu. 4. 16. καὶ τὸ ἔλαιον τῆς χρ. (1)
Ps. 151. 4. ἔχρισέ με ἐν [S *om.*] τῷ ἐλαίῳ [A S ἐλέει] τῆς χρ. αὐ.
[Sm., Th. Ex. 35. 8.]
[Al. Le. 21. 10.]

χρίσμα. (1) *a.* מִשְׁחָה *b.* מָשְׁחָה *c.* מָשִׁיחַ

Ex. 29. 7. λήψῃ τοῦ ἐλαίου τοῦ χρ. (1 *a*)
30. 25. ποιήσεις αὐτὸ ἔλαιον [A[1] *om.*] χρ. ἅγιον (1 *a*)
— 25. ἔλαιον χρ. ἅγιον ἔσται (1 *a*)
35. 14. ἐργαζέσθω . . . τὸ ἔλαιον τοῦ χρ. †
— 19 (15). καὶ τὸ ἔλαιον τοῦ χρ. (1 *a*)
38. 25 (37. 29). A ἐποίησε τὸ ἔλαιον τοῦ χρ. [B τῆς χρίσεως] (1 *a*)
40. 9. λήψῃ τὸ ἔλαιον τοῦ χρ. [A τῆς χρίσεως] (1 *a*)
— 15. ὥστε εἶναι αὐτοῖς χρίσμα ἱερατείας (1 *b*)
Si. 38. 30. καρδίαν ἐπιδώσει [S αὐτοῦ δώσει] συντελέσαι τὸ χρ. [B[1] χάρισμα]
Da. LXX. 9. 26. ἀποσταθήσεται χρίσμα (1 *c*)
Da. TH. 9. 26. ἐξολεθρευθήσεται χρίσμα (1 *c*)
[Sm. Le. 21. 12 : Jl. 1. 17.]
[Th. Da. 9. 26.]

χριστός. (1) *a.* מָשִׁיחַ *b.* מִשְׁחָה *c.* מָשַׁח

Le. 4. 5. λαβὼν ὁ ἱερεὺς ὁ χρ. . . . ἀπὸ τοῦ αἵματος (1 *a*)
— 16. εἰσοίσει ὁ ἱερεὺς ὁ χρ. ἀπὸ τοῦ αἵματος (1 *a*)
6. 22 (15). B ὁ ἱ. ὁ χρ. ἀντ' αὐτοῦ (1 *a*)
21. 10. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ ἐλαίου τοῦ χρ. (1 *b*)
— 12. τὸ ἅγιον ἔλαιον τὸ χρ. τοῦ θ. ἐπ' αὐτῷ (1 *b*)
I Ki. 2. 10. ὑψώσει κέρας χριστοῦ αὐ. (1 *a*)
— 35. διελεύσεται ἐνώπιον χριστοῦ μου (1 *a*)
12. 3. ἀποκρίθητε κατ' ἐμοῦ . . . ἐνώπιον χριστοῦ αὐ. (1 *a*)
— 5. καὶ μάρτυς χριστὸς αὐ. σήμερον (1 *a*)
16. 6. ἐνώπιον κυρίου χριστὸς αὐ. (1 *a*)
24. 7. εἰ ποιήσω τὸ ῥῆμα τοῦτο . . . τῷ χρ. κυρίου (1 *a*)
— 7. χριστὸς κυρίου ἐστὶν οὗτος (1 *a*)
— 11. χριστὸς κυρίου οὗτός ἐστι [A *al.*] (1 *a*)
26. 9. τίς ἐποίσει χεῖρα αὐ. ἐπὶ χριστὸν κυρίου (1 *a*)
— 11. ἐπενεγκεῖν χεῖρά μου ἐπὶ χριστὸν κυρίου (1 *a*)

I Ki. 26. 16. οἱ φυλάσσοντες τὸν βασ. τὸν κύριον ὑμῶν τὸν χρ. κυρίου (1 a)
— 23. ἐπενεγκεῖν χεῖρά μου ἐπὶ χριστὸν κυρίου (1 a)
II Ki. 1. 14. διαφθεῖραι τὸν χρ. [A[1] δ. χρηστὸν] κυρίου (1 a)
— 16. ἐθανάτωσα τὸν χρ. [A[1] κύριον] κυρίου (1 a)
2. 5. R ἐπὶ Σ. τὸν χρ. κυρίου [A al.] –
19. 21 (22). κατηράσατο τὸν χρ. κυρίου (1 a)
22. 51. καὶ ποιῶν ἔλεος τῷ χρ. αὐ. (1 a)
23. 1. ὃν ἀνέστησε κ. ἐπὶ χριστὸν θεοῦ Ἰ. (1 a)
— 3. πῶς κραταιώσητε φόβον χριστοῦ [A κυρίου] †
I Ch. 16. 22. μὴ ἅψησθε τῶν χρ. μου (1 a)
II Ch. 6. 42. A R μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρόσωπον τοῦ χρ. [B om. τ. χρ.] σου (1 a)
22. 7. B πρὸς υἱὸν [A R Ἰ. υἱ.] Ναμ. χριστὸν κυρίου (1 c)
Ps. 2. 2. κατὰ τοῦ κυρίου καὶ κατὰ τοῦ χρ. αὐτοῦ (1 a)
17 (18). 50. ποιῶν ἔλεος τῷ χρ. αὐ. τῷ Δ. (1 a)
19 (20). 6. ἔσωσε κύριος τὸν χρ. αὐτοῦ (1 a)
27 (28). 8. καὶ ὑπερασπιστὴς τῶν σωτηρίων τοῦ χρ. αὐτοῦ ἐστι (1 a)
83 (84). 9. ἐπίβλεψον ἐπὶ τὸ πρόσωπον τοῦ χρ. σου (1 a)
88 (89). 38. ἀνεβάλου τὸν χρ. σου (1 a)
— 51. οὗ ὠνείδισαν τὸ ἀντάλλαγμα τοῦ χρ. σου (1 a)
104 (105). 15. μὴ ἅψησθε τῶν χρ. μου (1 a)
131 (132). 10. μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρόσωπον τοῦ χρ. σου (1 a)
— 17. ἡτοίμασα λύχνον τῷ χρ. μου [S σου] (1 a)
Ca. 1. 7. S πρὸς τὸν νυμφίον χριστόν –
Si. 46. 19. ἐπεμαρτύρατο ἔναντι κυρίου καὶ χριστοῦ [S[1] add. αὐ.]
47. 11. B[2] χριστὸς [A B[1] S κύριος] ἀφεῖλε τὰς ἁμαρτίας αὐ.
Am. 4. 13. ἀπαγγέλλων εἰς ἀνθρώπους τὸν χρ. αὐ. †
Hb. 3. 13. τοῦ σῶσαι τὸν χρ. [A S[4] τοὺς χρ.] σου (1 a)
Is. 45. 1. λέγει κύριος ὁ θεὸς τῷ χρ. μου Κύρῳ (1 a)
La. 4. 20. χρ. κύριος συνελήφθη ἐν ταῖς διαφθοραῖς αὐτῶν (1 a)
Ez. 16. 4. A ἐν ὕδατι οὐκ ἐλούσθης τοῦ χρ. μου [B om. τ. χρ. μ.] †
Da. LXX. 9. 26. φθερεῖ . . . τὸ ἅγιον μετὰ τοῦ χρ. (1 a)
Da. TH. 9. 25. ἀπὸ ἐξόδου λόγου . . . ἕως χριστοῦ ἡγουμένου (1 a)
II Ma. 1. 10. ὄντι δὲ ἀπὸ τοῦ τῶν χρ. ἱερέων γένους
3. 30. A τοῦ παντοκράτορος ἐπιφανέντος χρ. [R κυρίου]
[Aq. Ps. 131 (132). 10: Hb. 3. 13.]
[Sm. I Ki. 2. 35: 20. 8: Ps. 83 (84). 10: 88 (89). 39, 52: 131 (132). 10: Da. 9. 26: Mi. 5. 5 (4).]
[Th. Le. 21. 12: Ps. 131 (132). 10.]
[Quint., Sext. Hb. 3. 13.]

χρόα.

Ex. 4. 7. ἀπεκατέστη εἰς τὴν χρ. τῆς σαρκὸς αὐ. –
Wi. 13. 14. φύκει ἐρυθήνας [S[1] -ημα, A -ηνὸς] χρόαν [B[2] S[1] -ας] αὐτοῦ
II Ma. 3. 16. τὸ τῆς χρ. παρηλλαγμένον ἐνέφαινε τὴν . . . ἀγωνίαν

χρονεῖν. (1) אָחַר pi.

Da. LXX. 9. 19. *cod.* μὴ χρονήσῃς [R -ίσῃς] ἕνεκα σεαυτοῦ (1)

χρονίζειν. (1) אָחַר *a.* qal. *b.* pi. (2) בּוֹשׁ pil. (3) יָחַר *a.* pi. *b.* hi. (4) יָשַׁן ni. (5) מָשַׁךְ ni.

Ge. 32. 4 (5). ἐχρόνισα ἕως τοῦ νῦν (1 a)
34. 19. οὐκ ἐχρόνισεν ὁ νεανίσκος (1 b)
Ex. 32. 1. κεχρόνικε Μ. καταβῆναι ἐκ τοῦ ὄρους (2)
De. 4. 25. ἐὰν δὲ . . . χρονίσητε ἐπὶ τῆς γῆς (4)
23. 21 (22). οὐ χρονιεῖς ἀποδοῦναι αὐτήν (1 b)
Jd. 5. 28. διότι ἐχρόνισαν πόδες ἁρμάτων αὐ. (1 b)
II Ki. 20. 5. ἐχρόνισεν ἀπὸ τοῦ καιροῦ (3 a*, 3 b)
To. 5. 8. μὴ χρονίσῃς
9. 4. ἐὰν χρονίσω
10. 4. A B διότι κεχρόνικε
Ps. 39 (40). 17. μὴ χρονίσῃς (1 b)
69 (70). 5. βοηθός μου καὶ ῥύστης μου εἶ σύ, κύριε, χρονίσῃς (1 b)
Pr. 9. 18. μὴ χρονίσῃς [A ἐγχρ.] ἐν τῷ τόπῳ –
31. 21. ὅταν που χρονίζῃ †
Ec. 5. 3. μὴ χρονίσῃς τοῦ ἀποδοῦναι αὐτήν (1 b)
Si. 6. 21. οὐ χρονιεῖ ἀπορρίψαι αὐτήν
7. 16. ὀργὴ οὐ χρονιεῖ
14. 12. θάνατος οὐ χρονιεῖ
Hb. 2. 3. οὐ μὴ χρονίσῃ (1 b)
Is. 14. 1 (13. 22). ταχὺ ἔρχεται καὶ οὐ χρονιεῖ (5)
51. 14. οὐ στήσεται οὐδὲ χρονιεῖ †
Da. LXX. 9. 19. R μὴ χρονίσῃς [*cod.* -ήσῃς] ἕνεκα σεαυτοῦ (1 b)
Da. TH. 9. 19. μὴ χρονίσῃς ἕνεκέν σου (1 b)
[Heb. Ge. 49. 6.]
[Al. Nu. 9. 19.]

χρονίσκος.

II Ma. 11. 1. μετ' ὀλίγον δὲ παντελῶς χρ.

χρόνος. (1) *a.* זְמַן pu. *b.* זְמָן *c.* זְמַן (2) יוֹם (3) עֵת (4) פַּעַם (5) קֵץ (6) רֶגַע (7) תּוֹר (8) εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον *a.* עַד־עוֹלָם *b.* לְעוֹלָם *c.* לְנֶצַח *d.* הֶלְאָה (9) ὁ ἐπιὼν χρόνος אַחֲרִית (10) πολὺς χρόνος יָשִׁישׁ (11) ὅσον χρ. עַד־מָתַי (12) διὰ χρόνου, διὰ χρ. πολλοῦ *a.* מִמֶּרְחָק *b.* מֵרָחוֹק (13) εἰς χρ. πολύν לְנֵצַח נְצָחִים

Ge. 26. 1. A ὃς ἐγενήθη ἐν τῷ χρ. τοῦ Ἀβ. [R al.] (2)
— 15. ἐν τῷ χρ. τοῦ πατρὸς αὐ. (2)
Ex. 14. 13. εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (8 a)
De. 12. 19. πάντα τὸν χρ. ὅσον ἐὰν ζῇς [A al.] (2)
22. 19, 29. οὐ δυνήσεται ἐξαποστεῖλαι αὐτὴν τὸν ἅπαντα χρ. (2)
32. 29. εἰς τὸν ἐπιόντα χρ. (9)
Jo. 4. 14. ὅσον χρόνον ἔζη (2)
— 24. A ἵνα ὑμεῖς σέβησθε κ. τὸν θεὸν ἡμῶν ἐν παντὶ χρ. [B ἔργῳ] (2)
24. 31. ὅσοι ἐφείλκυσαν τὸν χρ. μετὰ Ἰ. (2)
I Es. 1. 20. ἀπὸ τῶν χρ. Σαμ. τοῦ προφήτου
— 24. ἀναγέγραπται ἐν τοῖς ἔμπροσθεν χρ.
— 42. ἐν τῇ βίβλῳ τῶν χρ. τῶν βασ.
— 58. πάντα τὸν χρ. τῆς ἐρημώσεως αὐ.
2. 16. ἐν δὲ τοῖς ἐπὶ Ἀρ. τῶν Περσῶν βασιλέως χρ.
5. 73. πάντα τὸν χρ. τῆς ζωῆς τοῦ βασ. Κύρου
6. 3. ἐν αὐτῷ τῷ χρ. παρῆν πρὸς αὐτοὺς Σ.
8. 76. ἀπὸ τῶν χρ. τῶν πατέρων ἡμῶν
— 85. οὐ ζητήσετε εἰρηνεῦσαι τὰ πρὸς αὐτοὺς τὸν ἅπαντα χρ.
9. 12. παραγενηθήτωσαν λαβόντες χρόνον
II Es. 4. 15. A ἀπὸ χρόνων [B ἡμερῶν] αἰῶνος (2)
Ne. 10. 34 (35). B εἰς καιροὺς χρόνων [A S R ἀπὸ χρ.] (1 a)
13. 31. ἐν καιροῖς ἀπὸ χρόνων (1 a)
To. 2. 11. S ἐν τῷ χρ. ἐκείνῳ
14. 4. ἔρημος ἔσται [S καυθήσεται] μέχρι χρόνου
— 5. S ἕως τοῦ χρ. οὗ ἂν πληρωθῇ ὁ χρ. τῶν καιρῶν [A B al.]
Ju. 15. 10. εὐλογημένη γίνου . . . εἰς τὸν αἰῶνα χρ.
Es. 2. 15. ἐν δὲ τῷ ἀναπληροῦσθαι τὸν χρ. Ἐ. (7)
3. 13. εἰς τὸν μετέπειτα χρ.
5. 13. S[2] ἐν παντὶ χρ. (3)
8. 13. B S εἰς τὸν ἅπαντα χρ.
9. 28. ἀχθήσονται εἰς [A om.] τὸν ἅπαντα χρ. †
Jb. 2. 9. χρόνου δὲ πολλοῦ προβεβηκότος –
— 9. ἰδοὺ ἀναμένω [S[1] om.] χρόνον ἔτι μικρόν –
6. 11. τίς μου ὁ χρ. ὅτι ἀνέχεταί μου ἡ ψυχή (5)
10. 20. ἢ οὐκ ὀλίγος ἐστὶν ὁ βίος τοῦ χρ. [A ὁ χρ. τοῦ βίου] μου (2)
12. 5. εἰς χρόνον γὰρ τακτὸν ἡτοίμαστο πεσεῖν †
— 12. ἐν πολλῷ χρόνῳ σοφία [A σ. εὑρίσκεται] (10)
14. 5. εἰς χρόνον ἔθου καὶ οὐ μὴ ὑπερβῇ †
— 11. χρόνῳ γὰρ σπανίζεται θάλασσα †
— 13. ἕως ἂν . . . τάξῃ μοι χρόνον †
29. 18. ὥσπερ στέλεχος φοίνικος πολὺν χρόνον βιώσω (2)
32. 6. νεώτερος μέν εἰμι τῷ χρ. (2)
— 7. οὐχ ὁ [A om. οὐχ ὁ] χρ. ἐστὶν ὁ λαλῶν (2)
Ps. 88 (89). 45. A S ἐσμίκρυνας τὰς ἡμέρας τοῦ χρ. [B θρόνου] αὐτοῦ †
Pr. 1. 22. ὅσον ἂν χρόνον ἄκακοι ἔχωνται τῆς δικαιοσύνης (11)
7. 12. χρόνον γάρ τινα ἔξω ῥέμβεται χρόνον δὲ ἐν πλατείαις παρὰ πᾶσαν γωνίαν ἐνεδρεύει (4, 4)
Pr. 9. 11. τούτῳ γὰρ τῷ τρόπῳ πολὺν ζήσεις χρόνον (2)
— 18. ἵνα πολὺν ζήσῃς χρόνον –
15. 15. πάντα τὸν χρ. οἱ ὀφθαλμοὶ τῶν κακῶν προσδέχονται κακά (2)
28. 16. ὁ δὲ μισῶν ἀδικίαν μακρὸν χρόνον ζήσεται (2)
Ec. 3. 1. τοῖς πᾶσιν ὁ [S[1] om.] χρόνος (1 b)
Wi. 2. 4. τὸ ὄνομα ἡμῶν ἐπιλησθήσεται ἐν χρόνῳ
4. 13. τελειωθεὶς ἐν ὀλίγῳ ἐπλήρωσε χρόνους μακρούς
7. 2. ἐγλύφην σὰρξ δεκαμηνιαίῳ χρόνῳ
— 18. ἀρχὴν καὶ τέλος καὶ μεσότητα χρόνων
8. 8. ἐκβάσεις καιρῶν καὶ χρόνων
12. 20. δοὺς χρόνους [A -ον] καὶ τόπον
14. 16. ἐν χρόνῳ κρατυνθὲν τὸ ἀσεβὲς ἔθος [S[1] ἔθνος]
Si. pr. 25. ἐν τῷ διαστήματι τοῦ χρ.
29. 5. ἐν καιρῷ ἀποδύσεως παρελκύσει χρόνον
43. 6. ἀνάδειξιν χρόνων καὶ σημεῖον αἰῶνος
Is. 9. 7 (6). A εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον [B S om.] (8 a)
13. 20. εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (8 c)
14. 20. οὐ μὴ μείνῃς εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (8 b)
18. 7. ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (8 d)
23. 15. ὡς χρ. βασιλέως ὡς χρ. ἀνθρώπου (2, –)
27. 10. ἔσται πολὺν χρόνον εἰς βόσκημα –
— 11. μετὰ χρόνον οὐκ ἔσται ἐν αὐτῇ πᾶν χλωρόν –
30. 27. ἔρχεται διὰ χρόνου [A S add. πολλοῦ] (12 a)
33. 20. οὐδὲ μὴ κινηθῶσιν . . . εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (8 c)
34. 10. οὐ σβεσθήσεται εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (8 b)
— 10. B S καὶ εἰς χρόνον πολύν (13)
— 17. εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον κληρονομήσετε (8 a)
38. 5. προστίθημι πρὸς τὸν χρ. σου ἔτη δέκα πέντε (2)
49. 1. διὰ χρόνου πολλοῦ στήσεται (12 b)
51. 8. βρωθήσεται ὑπὸ χρόνου †
54. 7. χρόνον μικρὸν κατέλιπόν σε (6)
— 9. ὥμοσα αὐτῷ ἐν τῷ χρ. [S[2] καιρῷ] ἐκείνῳ –
65. 20. ὃς οὐκ ἐμπλήσει τὸν χρ. αὐτοῦ (2)
Je. 29 (49). 8. ἤγαγον ἐπ' αὐτὸν ἐν χρόνῳ (3)
37 (30). 7. χρ. [S ὁ χρ.] στενός ἐστι τῷ Ἰακώβ (3)
38 (31). 1. ἐν τῷ χρ. ἐκείνῳ (3)
45 (38). 28. ἕως χρόνου οὗ συνελήφθη Ἱερ. (2)
Ba. 3. 13. A κατῴκεις ἂν ἐν εἰρήνῃ τὸν αἰῶνα χρόνον [B om.]
— 32. ὁ κατασκευάσας τὴν γῆν εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον
4. 35. κατοικηθήσεται ὑπὸ δαιμονίων τὸν πλείονα χρόνον
Ep. Je. 3. ἔσεσθε ἐκεῖ ἔτη πλείονα καὶ χρόνον μακρόν
Da. LXX. 2. 16. ἵνα δοθῇ αὐτῷ χρόνος παρὰ τοῦ βασ. (1 c)
— 21. ἀλλοιοῖ καιροὺς καὶ χρόνους (1 c)
— 44. ἐν τοῖς χρ. τῶν βασιλέων τούτων (2)
4. 25. καὶ πλήρης ὁ χρ. σου –
— 32. διὰ χρόνου ὕπνος με ἔλαβε πολύς –
— 32. ὁ χρ. μου τῆς ἀπολυτρώσεως ἦλθε –
— 34. ἀλλοιοῖ καιροὺς καὶ χρόνους –
5. 26. ἠρίθμηται ὁ χρ. σου τῆς βασιλείας †
7. 12. χρόνος ζωῆς ἐδόθη αὐτοῖς ἕως χρόνου (†, 1 c)
Da. TH. 2. 16. ὅπως χρόνον δῷ αὐτῷ (1 c)
— 21. ἀλλοιοῖ καιροὺς καὶ χρόνους (1 c)
I Ma. 10. 30. ἀπὸ τῆς σήμερον ἡμέρας καὶ εἰς τὸν ἅπαντα χρ.
11. 36. A ἀπὸ τοῦ νῦν ἐπὶ [S R εἰς] τὸν ἅπαντα χρ.
15. 8. ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ εἰς τὸν ἅπαντα χρ.
II Ma. 1. 22. ὡς δὲ ἐγένετο καὶ χρόνος διῆλθεν
4. 23. μετὰ δὲ τριετῆ χρ.
6. 1. μετ' οὐ πολὺν δὲ χρ.
— 13. τὸ μὴ πολὺν χρ. ἐᾶσθαι τοὺς δυσσεβοῦντας
— 21. διὰ τὴν ἐκ τῶν παλαιῶν χρ. πρὸς τὸν ἄνδρα γνῶσιν
10. 3. μετὰ διετῆ χρ.
— 6. πρὸ μικροῦ χρ.
11. 1. R μετ' ὀλίγον δὲ παντελῶς χρ. [A χρονίσκον]
12. 15. κατὰ τοὺς Ἰησοῦ χρόνους
— 39. A καθ' ὃν χρόνον [R τρόπον] τὸ τῆς χρείας ἐγεγόνει
14. 1. μετὰ δὲ τριετῆ χρ.
— 3. ἐν τοῖς τῆς ἀμξίας χρ.
— 38. ἐν τοῖς ἔμπροσθεν χρ.
III Ma. 2. 24. ἐν χρόνῳ δὲ ὕστερον
3. 26. εἰς τὸν ἐπίλοιπον χρ.
— 29. ἄχρηστος φανήσεται εἰς τὸν ἀεὶ χρ.
4. 17. μετὰ δὲ τὸ προειρημ. τοῦ χρ. διάστημα
5. 11. τὸ δὲ ἀπ' αἰῶνος κτίσμα χρόνου καλόν
— 22. οὐχ οὕτως εἰς ὕπνον κατεχρήσαντο τὸν χρ. τῆς νυκτός

III Ma. 5. 25. κατὰ τὸν ἀμερῆ ψυχουλκούμενοι χρόνον
— 43. εἰς τὸν ἅπαντα χρ.
6. 29. οἱ δὲ ἐν ἀμερεῖ χρ. λυθέντες
— 35. συστησάμενοι τὸν προειρημένον χρ.
7. 19. ἐπὶ τὸν τῆς παροικίας αὐ. χρ.
— 23. εἰς τοὺς ἀεὶ χρ.
IV Ma. 5. 6. μετὰ τοσοῦτον ἔχων χρόνον
6. 20. εἰ ἐπιβιώσομεν ὀλίγον χρ.
13. 20. τὸν ἴσον ἀδελφοὶ κατοικήσαντες χρόνον
— 20. ἐν τῷ αὐτῷ χρ. πλασθέντες
— 21. διὰ τῶν ἴσων ἀποτεχθέντες χρόνων
15. 27. A S² R τὴν σώζουσαν ἑπτὰ υἱοὺς πρὸς ὀλίγον χρ. σωτηρίαν
18. 8. ἔμεινα δὲ χρόνον ἀκμῆς σὺν ἀνδρί
[Aq. Jo. 4. 24 : Jb. 2. 9 : Je. 30 (37). 7.]
[Sm. Jo. 4. 24 : Ps. 22 (23). 6 : Ec. 8. 13 : Je. 30 (37). 7.]
[Th. Jo. 4. 24 : Jb. 2. 9.]
[Al. Ex. 13. 10 *bis* : Pr. 17. 17.]

χρύσαιος, *vid. sub* **χρυσοῦς**.

χρυσαυγεῖν. (1) זָהַב

Jb. 37. 22. ἀπὸ βορρᾶ νέφη χρυσαυγοῦντα (1)

χρύσεος, *vid. sub* **χρυσοῦς**.

χρυσεύς (?).

Si. 26. 18. A στῦλοι χρυσέως [B S -εοι] ἐπὶ βάσεως ἀργυρᾶς

χρυσίον. (1) *a.* זָהָב *b.* דְּהַב (2) חָרוּץ (3) כֶּתֶם (4) פַּז

Ge. 2. 11. οὗ ἐστι τὸ χρ. (1 *a*)
— 12. τὸ δὲ χρ. τῆς γῆς ἐκείνης καλόν (1 *a*)
13. 2. Ἀβρὰμ δὲ ἦν πλούσιος σφόδρα . . . χρυσίῳ (1 *a*)
24. 35. ἔδωκεν αὐτῷ . . . χρυσίον (1 *a*)
44. 8. πῶς ἂν κλέψαιμεν . . . χρυσίον (1 *a*)
Ex. 25. 3. χρυσίον καὶ ἀργύριον καὶ χαλκόν (1 *a*)
— 10 (11). καταχρυσώσεις αὐτὴν χρ. καθαρῷ (1 *a*)
— 12 (13). καταχρυσώσεις αὐτὰ χρυσίῳ (1 *a*)
— 16 (17). ποιήσεις ἱλαστήριον ἐπίθεμα χρ. καθαροῦ (1 *a*)
— 22 (23). ποιήσεις τράπεζαν χρυσῆν χρ. καθαροῦ –
— 27 (28). καταχρυσώσεις αὐτοὺς χρ. καθαρῷ (1 *a*)
— 28 (29). χρ. καθαροῦ ποιήσεις αὐτά (1 *a*)
— 30 (31). ποιήσεις λυχνίαν ἐκ χρ. καθαροῦ (1 *a*)
— 35 (36). ὅλη τορευτὴ ἐξ ἑνὸς χρ. καθαροῦ (1 *a*)
— 37 (38). τὰ ὑποθέματα αὐ. ἐκ χρ. καθαροῦ ποιήσεις (1 *a*)
— 38 (39). τάλαντον χρυσίου καθαροῦ (1 *a*)
26. 29. τοὺς στύλους καταχρυσώσεις χρυσίῳ (1 *a*)
— 29. καταχρυσώσεις τοὺς μοχλοὺς χρυσίῳ (1 *a*)
— 32. ἐπὶ τεσσάρων στύλων . . . κεχρυσωμένων χρυσίῳ (1 *a*)
— 37. χρυσώσεις αὐτοὺς χρυσίῳ (1 *a*)
28. 5. λήψονται τὸ χρ. (1 *a*)
— 8. ἔσται ἐκ χρυσίου καὶ ὑακίνθου (1 *a*)
— 13. ποιήσεις ἀσπιδίσκας ἐκ χρ. καθαροῦ (1 *a*)
— 14. ποιήσεις δύο κροσσωτὰ ἐκ χρ. καθαροῦ (1 *a*)
— 15. ποιήσεις αὐτὸ ἐκ χρυσίου (1 *a*)
— 20. περικεκαλυμμένα χρυσίῳ (1 *a*)
— 20. συνδεδεμένα ἐν χρυσίῳ [A¹ *om.* ἐν χρ.] (1 *a* ?)
— 22. ἔργον ἄλυσιδωτὸν ἐκ χρ. καθαροῦ (1 *a*)
30. 3. καὶ καταχρυσώσεις αὐτὰ χρ. καθαρῷ (1 *a*)
— 5. καταχρυσώσεις αὐτὰς χρυσίῳ (1 *a*)
31. 4. ἐργάζεσθαι τὸ χρ. (1 *a*)
32. 24. εἴ [A *om.*] τινι ὑπάρχει χρυσία (1 *a*)
35. 5. οἴσουσι . . . χρυσίον (1 *a*)
— 23 (22). ὅσοι ἤνεγκαν ἀφαιρέματα χρυσίου (1 *a*)
— 32. ποιεῖν τὸ χρ. (1 *a*)
36. 9 (39. 2). ἐποίησε τὴν ἐπωμίδα ἐκ χρυσίου (1 *a*)
— 10 (39. 3). ἐτμήθη τὰ πέταλα τοῦ χρ. τρίχες (1 *a*)
— 12 (39. 5). ἐκ χρυσίου καὶ ὑακίνθου (1 *a*)
— 13 (39. 6). A B² ἐποίησαν ἀμφοτ. τοὺς λίθους . . . χρυσίῳ γεγλυμμένους [B¹ *om.* χρ. γ.] (1 *a*)
— 15 (39. 8). ἐκ χρυσίου καὶ ὑακίνθου (1 *a*)
— 20 (39. 13). περικεκυκλωμένα χρυσίῳ καὶ συνδεδεμένα [A *add.* ἐν] χρυσίῳ (–, 1 *a*)
— 22 (39. 15). ἐκ χρ. καθαροῦ (1 *a*)
— 25 (39. 17). ἐπέθηκαν τὰ ἐμπλόκια ἐκ χρυσίου (1 *a*)
— 38 (39. 30). ἐποίησαν τὸ πέταλον τὸ χρυσοῦν . . . χρ. καθαροῦ (1 *a*)
Ex. 37. 4 (36. 36). κατακεχρυσωμένους ἐν [A *om.*] χρυσίῳ (1 *a*)
— 6 (36. 38). τὰς κεφαλίδας αὐ. . . . κατεχρύσωσαν χρυσίῳ (1 *a*)
38 (37). 2. κατεχρύσωσεν αὐτὴν χρ. καθαρῷ (1 *a*)
38. 5 (37. 6). ἐποίησε τὸ ἱλαστήριον . . . ἐκ χρυσίου (1 *a*)
— 9 (37. 10). ἐποίησε τὴν τράπεζαν . . . ἐκ χρ. καθαροῦ –
— 11 (37. 15). κατεχρύσωσεν αὐτοὺς χρυσίῳ (1 *a*)
— 18 (36. 36). ἐχρύσωσε τοὺς μοχλοὺς χρυσίῳ (1 *a*)
— 18 (36. 36). κατεχρύσωσε τοὺς στύλους τοῦ καταπετάσμ. χρυσίῳ –
39. 1 (38. 24). πᾶν τὸ χρ. ὃ κατειργάσθη . . . ἐγένετο χρυσίου [A ἐκ χρ.] τοῦ τῆς ἀπαρχῆς (1 *a*, 1 *a*)
— 12 (32). τὸ δὲ λοιπὸν χρ. τοῦ ἀφαιρέματος –
Nu. 7. 86. πᾶν τὸ χρ. τῶν θυϊσκῶν (1 *a*)
22. 18 : 24. 13. πλήρη τὸν οἶκον αὐ. ἀργυρίου καὶ χρυσίου (1 *a*)
31. 22. πλὴν τοῦ χρ. καὶ τοῦ ἀργυρίου (1 *a*)
— 51. ἔλαβε M. . . . τὸ χρ. παρ' αὐτῶν (1 *a*)
— 52. καὶ ἐγένετο πᾶν τὸ χρ. (1 *a*)
— 54. ἔλαβε M. . . . τὸ χρ. (1 *a*)
De. 7. 25. οὐκ ἐπιθυμήσεις . . . χρυσίον ἀπ' αὐτῶν (1 *a*)
8. 13. ἀργυρίου καὶ χρ. πληθυνθέντος σοι (1 *a*)
17. 17. A B² R ἀργύριον καὶ χρυσίον οὐ πληθυνεῖ ἑαυτῷ (1 *a*)
29. 17 (16). καὶ τὰ εἴδωλα αὐ. . . . ἀργύριον καὶ χρυσίον (1 *a*)
Jo. 6. 18 (19). πᾶν ἀργύριον ἢ χρυσίον . . . ἅγιον ἔσται τῷ κ. (1 *a*)
— 23 (24). πλὴν ἀργυρίου καὶ χρυσίου (1 *a*)
22. 8. καὶ ἀργύριον καὶ χρυσίον (1 *a*)
II Ki. 1. 24. A τὸν ἀναφέροντα κόσμον χρυσίου [B -σοῦν] (1 *a*)
8. 11. ταῦτα ἡγίασεν . . . μετὰ τοῦ χρ. (1 *a*)
12. 30. καὶ ὁ σταθμὸς αὐ. τάλαντον χρυσίου (1 *a*)
21. 4. οὐκ ἔστιν ἡμῖν ἀργύριον καὶ χρυσίον (1 *a*)
III Ki. 6. 20. περιέσχεν αὐτὸ χρ. συγκεκλεισμένῳ (1 *a*)
— 20 (21). A περιεπίλησεν Σαλ. τὸν οἶκον ἔνδοθεν χρ. ἀποκλείστῳ [B *al.*] (1 *a*)
— 20 (21). A παρήγαγεν ἐν καθηλώμασιν χρυσίου (1 *a*)
— 20 (21). περιέσχεν αὐτὸν χρυσίῳ (1 *a*)
— 21 (22). ὅλον τὸν οἶκον περιέσχε χρυσίῳ (1 *a*)
— 21 (22). A ὅλον τὸ ἔσω τοῦ δ. ἐπετάλωσεν χρυσίῳ (1 *a*)
— 28. περιέσχε τὰ χερουβεὶν χρυσίῳ (1 *a*)
— 30. τὸ ἔδαφος τοῦ οἴκου περιέσχε χρυσίῳ (1 *a*)
— 32. A καὶ περιέσχεν χρυσίῳ (1 *a*)
— 32. A κατέβαινεν ἐπὶ τὰ χερ. . . . τὸ χρ. (1 *a*)
— 35. καὶ περιεχόμενα χρυσίῳ καταγομένῳ (1 *a*)
7. 51. τὸ χρ. . . . ἔδωκεν εἰς τοὺς θησαυρούς (1 *a*)
9. 11. ἀντελάβετο τοῦ Σ. . . . ἐν χρυσίῳ (1 *a*)
— 14. ἤνεγκε Χ. τῷ Σ. ἑκατὸν καὶ εἴκοσι τάλαντα χρυσίου (1 *a*)
— 28. ἔλαβον ἐκεῖθεν χρυσίου ἑκατὸν καὶ εἴκοσι τάλαντα (1 *a*)
10. 2. A κάμηλοι αἴρουσαι . . . χρυσίον [B -σὸν] πολὺν σφόδρα (1 *a*)
— 10. ἔδωκε τῷ Σ. ἑκατὸν εἴκοσι τάλαντα χρυσίου (1 *a*)
— 11. ἡ ναῦς Χ. ἡ αἴρουσα τὸ χρ. ἐκ Σ. (1 *a*)
— 14. ἦν ὁ σταθμὸς τοῦ χρ. . . . ἑξακόσια καὶ ἑξήκοντα ἐξ τάλαντα χρυσίου (1 *a*, 1 *a*)
— 17. A τρεῖς μναῖ χρυσίου ἐνῆσαν. εἰς τὸ ὅπλον τὸ ἓν [B *al.*] (1 *a*)
— 18. περιεχρύσωσεν αὐτὸν χρ. δοκίμῳ (1 *a*)
— 21. πάντα τὰ σκεύη . . . χρυσίῳ συγκεκλεισμένα [B¹ -οι, A -ῳ] (1 *a*)
— 22. ναῦς ἐκ Θ. χρυσίου (1 *a*)
— 27. ἔδωκεν ὁ βασ. τὸ χρ. . . . ὡς λίθους –
15. 18. ἔλαβεν Ἀ. . . . τὸ χρ. (1 *a*)
— 19. ἐξαπέσταλκά σοι . . . χρυσίον (1 *a*)
16. 28 (22. 48 [49]). B πορεύεσθαι ἐπὶ τὸ χρ. (1 *a*)
21 (20). 3. τὸ χρ. σου ἐμόν ἐστι (1 *a*)
— 5. τὸ χρ. σου . . . δώσεις ἐμοί (1 *a*)
— 7. τὸ χρ. μου οὐκ ἀπεκώλυσα ἀπ' αὐτοῦ (1 *a*)
22. 49. A τοῦ πορευθῆναι Ὠφείρδε εἰς χρυσίον (1 *a*)
IV Ki. 7. 8. ἦραν ἐκεῖθεν . . . χρυσίον (1 *a*)
12. 18 (19). καὶ πᾶν τὸ χρ. [A ἀργύριον] τὸ εὑρεθέν (1 *a*)
14. 14. ἔλαβε τὸ χρ. (1 *a*)
16. 8. ἔλαβεν Ἀ. . . . χρυσίον [A τὸ χρ.] (1 *a*)
IV Ki. 18. 14. τριάκοντα τάλαντα χρυσίου (1 *a*)
20. 13. ἔδειξεν αὐτοῖς . . . τὸ χρ. (1 *a*)
23. 33. ἔδωκε . . . ἑκατὸν τάλαντα χρυσίου (1 *a*)
— 35. τὸ χρ. ἔδωκεν Ἰ. τῷ Φ. (1 *a*)
— 35. ἔδωκαν τὸ ἀργύριον καὶ τὸ χρ. (1 *a*)
I Ch. 18. 11. μετὰ . . . τοῦ χρ. οὗ ἔλαβεν (1 *a*)
20. 2. εὑρέθη ὁ σταθμὸς αὐ. τάλαντον χρυσίου (1 *a*)
21. 25. ἔδωκε Δ. . . . σίκλους χρυσίου ὁλκῆς ἑξακοσίους (1 *a*)
22. 14. ἡτοίμασα . . . χρυσίου ταλάντων ἑκατὸν χιλιάδας (1 *a*)
— 16. ἐν χρυσίῳ ἐν ἀργυρίῳ ἐν χαλκῷ (1 *a*)
28. 18. τὸν τοῦ θυσιαστ. . . . ἐκ χρ. δοκίμου σταθμόν (1 *a*)
29. 2. ἡτοίμακα . . . χρυσίον (1 *a*)
— 3. ἔστι μοι ὃ περιπεποίημαι χρυσίον (1 *a*)
— 4. τρισχίλια τάλαντα χρυσίου τοῦ ἐκ Σ. (1 *a*)
— 5. R εἰς τὸ χρ. τῷ χμ. (1 *a*, 1 *a*)
— 7. χρυσίου τάλαντα πεντακισχίλια (1 *a*)
II Ch. 1. 15. ἔθηκεν ὁ βασ. τὸ χρ. . . . ὡς λίθους (1 *a*)
2. 7 (6). εἰδότα τοῦ ποιῆσαι ἐν τῷ χρ. (1 *a*)
— 14 (13). εἰδότα ποιῆσαι ἐν χρυσίῳ (1 *a*)
3. 4. κατεχρύσωσεν αὐτὸν ἔσωθεν χρ. καθαρῷ (1 *a*)
— 5. καὶ κατεχρύσωσε χρ. καθαρῷ (1 *a*)
— 6. ἐκόσμησε τὸν οἶκον . . . χρυσίῳ χρυσίου [A -σοῦ] (1 *a*, 1 *a*)
— 7. ἐχρύσωσε . . . τὰ θυρώματα χρυσίῳ (1 *a*)
— 8. ἐχρύσωσεν αὐτὸν χρ. καθαρῷ (1 *a*)
— 9. πεντήκοντα σίκλοι χρυσίου (1 *a*)
— 9. τὸ ὑπερῷον ἐχρύσωσε χρυσίῳ [A ἐν χρ.] (1 *a*)
— 10. καὶ ἐχρύσωσεν αὐτὰ χρυσίῳ (1 *a*)
4. 20. καὶ τὰς λυχνίας . . . χρ. καθαροῦ (1 *a*)
— 21. καὶ τὰ πυρεῖα . . . χρ. καθαροῦ (1 *a*)
5. 1. εἰσήνεγκε Σ. . . . τὸ χρυσίον (1 *a*)
8. 18. ἔλαβεν ἐκεῖθεν τὰ τετρακόσια καὶ πεντήκοντα τάλαντα χρυσίου (1 *a*)
9. 1. κάμηλοι αἴρουσαι . . . χρυσίον (1 *a*)
— 9. ἔδωκε τῷ βασ. ἑκατὸν εἴκοσι τάλαντα χρυσίου (1 *a*)
— 10. ἔφερον χρυσίον τῷ Σαλ. (1 *a*)
— 13. ἦν ὁ σταθμὸς τοῦ χρ. τοῦ ἐνεχθέντος (1 *a*)
— 13. ἑξακόσια ἑξήκοντα ἓξ τάλαντα χρυσίου (1 *a*)
— 14. ἔφερον χρυσίον καὶ ἀργύριον τῷ βασ. Σ. (1 *a*)
— 17. κατεχρύσωσεν αὐτὸν χρ. δοκίμῳ (1 *a*)
— 18. ἐξ ἀναβαθμοὶ τῷ θρόνῳ ἐνδεδεμένοι χρυσίῳ (1 *a*)
— 20. πάντα τὰ σκεύη τοῦ βασ. Σ. χρυσίου (1 *a*)
— 20. πάντα τὰ σκεύη οἴκου . . . χρυσίῳ κατειλημμένα (1 *a*)
— 21. πλοῖα . . . γέμοντα χρυσίου καὶ ἀργυρίου (1 *a*)
— 27. ἔδωκεν ὁ βασ. τὸ χρ. . . . ὡς λίθους –
15. 18. εἰσήνεγκε . . . ἀργύριον καὶ χρυσίον (1 *a*)
16. 2. ἔλαβεν Ἀ. χρυσίον . . . ἐκ θησαυρῶν (1 *a*)
— 3. ἀπέσταλκά σοι χρυσίον (1 *a*)
21. 3. ἀργύριον καὶ χρυσίον καὶ ὅπλα (1 *a*)
25. 24. καὶ πᾶν τὸ χρ. καὶ τὸ ἀργύριον (1 *a*)
32. 27. θησαυροὺς ἐποίησεν αὐτῷ . . . χρυσίου (1 *a*)
36. 3. καὶ τάλαντον χρυσίου (1 *a*)
— 4. τὸ χρ. ἔδωκε τῷ Φ. –
— 4. ἀπῆτει τὸ ἀργύριον καὶ τὸ χρ. –
I Es. 1. 36. καὶ χρυσίου [B² -ίῳ] ταλάντῳ ἑνί
2. 6. βοηθείτωσαν αὐτῷ . . . ἐν χρυσίῳ
— 9. ἐβοήθησαν . . . ἐν ἀργυρίῳ καὶ χρυσίῳ
4. 18. ἐὰν δὲ συναγάγωσι χρυσίον
— 19. αὐτὴν αἱρετίζουσι μᾶλλον ἢ τὸ χρ.
5. 45. δοῦναι . . . χρυσίου μνᾶς χιλίας
8. 13. καὶ πᾶν χρ. καὶ ἀργύριον
— 14. B τό τε χρ. καὶ ἀργύριον [A² R τὸ ἀ.] εἰς ταῦρους
— 16. ὅσα ἂν βούλῃ . . . ποιῆσαι χρυσίῳ
— 55. ἔστησα αὐτοῖς . . . τὸ χρ.
— 56. B χρυσίου ταλάντων ἑκατόν
— 58. καὶ τὸ χρ. . . . εὐχὴ τῷ κυρίῳ
— 60. τὸ χρ. . . . ἤνεγκαν εἰς τὸ ἱερόν
— 62. σταθὲν τὸ ἀργύριον καὶ τὸ χρ. παρεδόθη
II Es. 1. 4. ἐν ἀργυρίῳ καὶ χρυσίῳ (1 *a*)
2. 69. ἔδωκαν εἰς θησαυρὸν τοῦ ἔργου χρ. καθαρόν (1 *a*)
7. 15. καὶ εἰς οἶκον κυρίου ἀργύριον καὶ χρυσίον (1 *b*)
— 16. καὶ πᾶν ἀργύριον καὶ χρ. ὅ τι ἐὰν εὕρῃς (1 *b*)
— 18. ἐν καταλοίπῳ τοῦ ἀργ. καὶ τοῦ [A *om.*] χρ. ποιῆσαι (1 *b*)
8. 25. ἔστησα αὐτοῖς . . . τὸ χρ. (1 *a*)
— 26. ἔστησα . . . τάλαντα χρυσίου ἑκατόν (1 *a*)
— 27. ἔστησα . . . ἐπιθυμητὰ ἐν χρυσίῳ (1 *a*)
— 28. τὸ ἀργ. καὶ τὸ χρ. ἑκούσια τῷ κ. θεῷ (1 *a*)

II Es. 8. 30. ἐδέξαντο . . . σταθμὸν . . . τοῦ χρ. (1 a)
— 33. ἐστήσαμεν . . . τὸ χρ. (1 a)
Ne. 7. 71. B¹ ἔθηκαν . . . τοῦ [A B² S om.] χρ. δύο μυριάδας [R al.] (1 a)
— 72. S¹ ἔδωκαν . . . χρυσίου ἑβδομήκοντα μυριάδας [S² R al.] (1 a)
To. 12. 8. ἢ θησαυρίσαι χρυσίον
13. 16. S οἱ πύργοι Ἱερ. χρυσῷ οἰκοδομηθήσονται
— 16. A R οἱ προμαχῶνες ἐν [B S om.] χρ. καθαρῷ
Ju. 2. 18. ἔλαβε . . . χρυσίον καὶ ἀργύριον
5. 9. ἐπληθύνθησαν χρυσῷ καὶ ἀργυρίῳ
8. 7. ὑπελείπετο αὐτῇ Μαν. . . . χρυσίον
10. 21. ὃ ἦν ἐκ . . . χρυσίου
Jb. 23. 10. διέκρινε δέ με ὥσπερ τὸ [A om.] χρ. (1 a)
27. 16. ἴσα δὲ πηλῷ ἑτοιμάσῃ χρυσίον †
28. 1. τόπος δὲ χρυσίου [A S⁴ -ίῳ] ὅθεν διηθεῖται (1 a)
— 6. χῶμα χρυσίον [S² -σαιον] αὐτῷ (1 a)
— 16. οὐ συμβασταχθήσεται χρυσῷ Σωφίρ (3)
— 17. οὐκ ἰσωθήσεται αὐτῇ χρυσίον καὶ ὕαλος (1 a)
— 19. χρυσῷ καθαρῷ οὐ συμβασταχθήσεται (3)
31. 24. εἰ ἔταξα χρυσίον εἰς χοῦν μου (1 a)
Ps. 18 (19). 10. ἐπιθυμητὰ ὑπὲρ χρυσίον (1 a)
67 (68). 13. καὶ τὰ μετάφρενα αὐτῆς ἐν χλωρότητι χρυσίου (2)
71 (72). 15. δοθήσεται αὐτῷ ἐκ τοῦ χρ. τῆς Ἀραβίας (1 a)
104 (105). 37. ἐξήγαγεν αὐτοὺς ἐν ἀργυρίῳ καὶ χρυσῷ (1 a)
113. 12 (115. 4). τὰ εἴδωλα τῶν ἐθνῶν ἀργύριον καὶ χρυσίον (1 a)
118 (119). 72. ὑπὲρ χιλιάδας χρυσίου (1 a)
— 127. A S¹ ἠγάπησα τὰς ἐντολάς σου ὑπὲρ τὸ [S² R om.] χρ. (1 a)
134 (135). 15. τὰ εἴδωλα τῶν ἐθνῶν ἀργύριον καὶ χρυσίον (1 a)
Pr. 3. 14. κρεῖττον γὰρ αὐτὴν ἐμπορεύεσθαι ἢ χρυσίου . . . θησαυρούς (2)
8. 10. καὶ γνῶσιν ὑπὲρ χρυσίον δεδοκιμασμ. (2)
— 10. A ἀνταναιρεῖσθε αἴσθησιν χρυσίου [B³ al.] –
— 19. βέλτιον ἐμὲ καρπίζεσθαι ὑπὲρ χρυσίον (2)
16. 16. νοσσιαὶ σοφίας αἱρετώτεραι χρυσίου [A -ῳ] (2)
22. 1. ὑπὲρ δὲ ἀργύριον καὶ χρυσίον χάρις ἀγαθή (1 a)
27. 21. A δοκίμιον ἀργυρίῳ καὶ χρυσίῳ [B S -σῷ] πύρωσις (1 a)
Ec. 2. 8. συνήγαγόν μοι καί γε ἀργύριον καί γε [S om.] χρυσίον (1 a)
12. 6. καὶ συντριβῇ [A S -θλιβῇ] τὸ ἀνθέμιον τοῦ χρ. (1 a)
Ca. 1. 11. ὁμοιώματα χρυσίου ποιήσομέν σοι (1 a)
3. 10. S ἀνάκλιτον αὐτοῦ χρυσίον [A B χρύσεον] (1 a)
5. 11. κεφαλὴ αὐτοῦ χρυσίον κεφάζ [A B καὶ φάζ] (3)
Si. 7. 18. μηδὲ ἀδελφὸν γνήσιον ἐν χρυσῷ Σουφείρ
— 19. καὶ γὰρ χάρις αὐτῆς ὑπὲρ τὸ χρ.
8. 2. πολλοὺς γὰρ ἀπώλεσε τὸ χρ.
28. 24. τὸ ἀργύριόν σου καὶ τὸ χρ. κατάδησον
29. 11. λυσιτελήσει σοι μᾶλλον ἢ τὸ [A¹ om.] χρ.
30. 15. ὑγίεια καὶ εὐεξία βέλτιον παντὸς χρυσίου
34 (31). 5. ὁ ἀγαπῶν χρυσίον οὐ δικαιωθήσεται
— 6. πολλοὶ ἐδόθησαν εἰς πτῶμα χάριν χρυσίου
— 8. ὃς ὀπίσω χρυσίου οὐκ ἐπορεύθη
40. 25. χρυσίον καὶ ἀργύριον ἐπιστήσουσι πόδα
41. 12. χίλιοι μεγάλοι θησαυροὶ χρυσίου
45. 11. ἐν δέσει χρυσίου ἔργῳ λιθουργοῦ
47. 18. συνήγαγες ὡς κασσίτερον τὸ χρ.
50. 9. ὡς σκεῦος χρυσίου ὁλοσφύρητον
Ho. 8. 4. τὸ χρ. αὐ. ἐποίησαν ἑαυτοῖς εἴδωλα (1 a)
Jl. 3 (4). 5. τὸ χρ. μου ἐλάβετε (1 a)
Na. 2. 9 (10). διήρπαζον τὸ χρ. (1 a)
Hb. 2. 19. τοῦτο δέ ἐστιν ἔλασμα χρυσίου (1 a)
Ze. 1. 18. τὸ χρ. αὐ. οὐ μὴ δύνηται ἐξελέσθαι αὐτούς (1 a)
Hg. 2. 9 (8). ἐμὸν τὸ ἀργύριον καὶ ἐμὸν τὸ χρ. (1 a)
Za. 6. 11. λήψῃ ἀργύριον καὶ χρυσίον (1 a)
9. 3. καὶ χρυσίον ὡς πηλὸν ὁδῶν (2)
13. 9. ὡς δοκιμάζεται τὸ χρ. [A¹ al.] (1 a)
14. 14. συνάξει . . . χρυσίον καὶ ἀργύριον (1 a)
Ma. 3. 3. καθαρίζων ὡς τὸ ἀργύριον καὶ ὡς τὸ χρ. –
— 3. χεεῖ αὐτοὺς ὥσπερ τὸ χρ. (1 a)
Is. 2. 7. ἐνεπλήσθη γὰρ ἡ χώρα αὐ. ἀργυρίου καὶ χρυσίου (1 a)
3. 23. A S σὺν χρυσίῳ [B -σῷ] . . . συγκαθυφασμένα –
— 24. ἀντὶ τοῦ κόσμου τῆς κεφαλῆς τοῦ χρ. φαλάκρωμα –
13. 12. ἔσονται . . . ἔντιμοι μᾶλλον ἢ τὸ χρ. τὸ ἄπυρον (4)
— 17. οὐδὲ χρυσίου [A S¹ -ίον] χρείαν ἔχουσι (1 a)
39. 2. ἔδειξεν αὐτοῖς τὸν οἶκον . . . τοῦ χρ. (1 a)
40. 19. χρυσοχόος χωνεύσας χρυσίον (1 a)
46. 6. οἱ συμβαλλόμενοι χρ. ἐκ μαρσιππίου (1 a)
60. 6. ἥξουσι φέροντες χρ. (1 a)
— 17. ἀντὶ χαλκοῦ οἴσω σοι χρ. (1 a)
Je. 10. 4. ἀργυρίῳ καὶ χρυσῷ κεκαλλωπισμένα (1 a)
— 9. χρ. Μωφάζ (1 a)
Ba. 3. 17. τὸ χρ. ᾧ ἐπεποίθεισαν ἄνθρωποι
— 30. τίς . . . οἴσει αὐτὴν χρυσίου ἐκλεκτοῦ
La. 4. 1. πῶς ἀμαυρωθήσεται χρ. [A τὸ χρ.] (1 a)
— 2. οἱ ἐπηρμένοι ἐν χρυσίῳ (4)
Ep. Je. 9. λαμβάνοντες χρ. κατασκευάζουσι στεφάνους
— 10. χρ. καὶ ἀργύριον εἰς ἑαυτοὺς καταναλοῦσι
— 24. τὸ γὰρ χρ. ὁ περίκειται εἰς κάλλος
— 58. ὧν οἱ ἰσχύοντες περιελοῦνται τὸ χρ.
Ez. 7. 19. τὸ χρ. αὐτῶν ὑπεροφθήσεται (1 a)
— 19. A τὸ χρ. αὐτῶν οὐ δυνηθήσεται ἐξελέσθαι (1 a)
16. 13. ἐκοσμήθης χρυσίῳ [A κόσμῳ χρυσῷ] (1 a)
— 17. ἔλαβες τὰ σκεύη τῆς καυχήσεώς σου ἐκ τοῦ χρ. μου (1 a)
27. 12. χρ. . . . ἔδωκαν τὴν ἀγοράν σου –
— 22. χρ. ἔδωκαν τὴν ἀγοράν σου (1 a)
28. 4. χρ. [A ἐποίησας χρ.] καὶ ἀργύριον ἐν τοῖς θησαυροῖς σου (1 a)
— 13. ἐνδέδεσαι . . . ἀργύριον καὶ χρ. (1 a)
— 13. χρυσίου ἐνέπλησας τοὺς θησαυρούς σου –
38. 13. λαβεῖν ἀργύριον καὶ χρ. (1 a)
40. 39. A καὶ δύο τράπεζαι ἔνθεν ἐκ χρυσίου –
Da. LXX. 2. 32. ἦν ἡ κεφαλὴ αὐ. ἀπὸ χρ. χρηστοῦ (1 b)
— 35. λεπτὰ ἐγένετο . . . ὁ ἄργυρος καὶ τὸ χρ. (1 b)
11. 8. τὸ χρ. . . . ἀποίσουσιν εἰς Αἴγυπτον (1 a)
— 38. θεὸν . . . τιμήσει ἐν χρυσίῳ (1 a)
— 43. κρατήσει τοῦ τόπου τοῦ χρ. (1 a)
Da. TH. 2. 32. B¹ R ἧς ἡ κεφαλὴ χρ. χρηστοῦ [A B² καθαροῦ] (1 b)
10. 5. περιεζωσμένη ἐν χρυσίῳ Ὠ. (3)
11. 8. μετὰ τῶν χωνευτῶν αὐ. . . . χρυσίου (1 a)
— 38. A θεὸν . . . δοξάσει ἐν χρυσίῳ [B -σῷ] (1 a)
— 43. A ἐν τοῖς ἀποκρύφοις τοῦ χρ. [B -σοῦ] (1 a)
I Ma. 1. 23. ἔλαβε . . . τὸ χρ.
2. 18. δοξασθήσεσθε ἀργυρίῳ καὶ χρυσίῳ
3. 41. ἔλαβον . . . χρ. πολὺ σφόδρα
4. 23. καὶ ἔλαβον χρυσίον
6. 1. πόλις ἔνδοξος . . . ἀργυρίῳ καὶ χρυσίῳ
8. 3. τοῦ κατακρατῆσαι τῶν μετάλλων . . . τοῦ χρ.
10. 60. ἔδωκεν αὐτοῖς ἀργύριον καὶ χρυσίον
11. 24. λαβὼν ἀργύριον καὶ χρυσίον
15. 26. ἀπέστειλεν αὐτῷ . . . χρυσίον
16. 11. ἔσχεν ἀργύριον καὶ χρ. πολύ
— 19. ὅπως δῷ αὐτοῖς . . . χρυσίον [S¹ om.]
II Ma. 3. 11. ἀργυρίου τετρακόσια τάλαντα χρυσίου δὲ διακόσια
III Ma. 1. 4. ἐπαγγελλομένη δώσειν . . . δύο μνᾶς χρυσίου
[Aq. III Ki. 6. 20: 22. 49: Jb. 37. 22: Pr. 8. 19: Ec. 12. 6: Ca. 5. 11: Is. 13. 17: Je. 10. 9.]
[Sm. III Ki. 6. 20: Jb. 22. 24: 28. 16: 31. 24: Pr. 8. 19: Ca. 1. 11: 5. 11.]
[Th. Ex. 37 (38). 4, 11, 15 (38. 11): III Ki. 6. 20: Jb. 28. 6, 16: 31. 24: 37. 22: Ca. 5. 11: Je. 10. 9: Ez. 7. 19: Da. 2. 32: 10. 5.]
[Al. Dt. 7. 25: III Ki. 22. 49: Pr. 8. 10.]
[Quint. Ca. 1. 11.]
[Sext. Ca. 5. 11.]

χρυσοειδής.
I Es. 8. 57. A R στίλβοντα χρ. [B om.] σκεύη δώδεκα

χρυσόλιθος (-ον). (1) תַּרְשִׁישׁ
Ex. 28. 20. χρυσόλιθος καὶ βηρύλλιον (1)
36. 20 (39. 13). B χρυσόλιθον [A R -ος] καὶ βηρύλλιον (1)
Ez. 28. 13. ἐνδέδεσαι . . . ἀμέθυστον καὶ χρυσόλιθον (1)
[Aq. Ez. 1. 16: 10. 9: Da. 10. 6 (Sw.).]
[Quint., Sext. Ca. 5. 14.]

χρυσός. (1) *a.* זָהָב *b.* דָּהָב (2) חָרוּץ
Nu. 7. 62. A¹ θυΐσκην μίαν δέκα χρυσῷ [A² B -ῶν] (1 a)
Jd. 8. 26. A σίκλοι χίλιοι καὶ ἑπτακόσιοι χρυσοῦ [B al.] (1 a)
III Ki. 10. 2. κάμηλοι αἴρουσαι . . . χρ. [A -σίον] πολύν (1 a)
— 17. τρεῖς μναῖ ἐνῆσαν χρυσοῦ [A χρυσίου ἐν.] εἰς τὸ ὅπλον τὸ ἕν (1 a)
II Ch. 3. 6. A χρυσίῳ χρυσοῦ [B -σίου] τοῦ ἐκ Φ. (1 a)
I Es. 3. 6. καὶ ἐπὶ χρυσῷ καθεύδειν
II Es. 1. 6. ἐνίσχυσαν . . . ἐν χρυσῷ (1 a)
— 11. πάντα τὰ σκεύη τῷ χρ. (1 a)
Ne. 7. 71. R χρυσοῦ νομίσματος δύο μυριάδας [A B S al.] (1 a)
Es. 5. 1. ὅλος διὰ χρυσοῦ [A διαχρύσῳ] καὶ λίθων πολυτελῶν
Jb. 3. 15. μετὰ ἀρχόντων ὧν πολὺς ὁ χρ. (1 a)
41. 21 (22). πᾶς δὲ χρυσὸς θαλάσσης ὑπ' αὐτὸν ὥσπερ πηλὸς ἀμύθητος (2)
42. 11. τετράδραχμον χρυσοῦ καὶ [A S χρυσοῦν] ἀσήμου [A S -ον] (1 a)
Pr. 17. 3. ὥσπερ δοκιμάζεται ἐν καμίνῳ ἄργυρος καὶ χρυσός (1 a)
27. 21. δοκίμιον ἀργυρίῳ καὶ χρυσῷ [A -ίῳ] πύρωσις (1 a)
Wi. 3. 6. ὡς χρυσὸν ἐν χωνευτηρίῳ ἐδοκίμασεν αὐτούς
7. 9. ὁ πᾶς χρ. ἐν ὄψει αὐτῆς ψάμμος ὀλίγη
13. 10. χρυσὸν καὶ ἄργυρον τέχνης ἐμμελέτημα
Si. 2. 5. ἐν πυρὶ δοκιμάζεται χρυσός
21. 21. R ὡς κόσμος χρυσοῦ [A B S -οῦς] φρονίμῳ παιδεία
45. 10. στολῇ [S στήλῃ] ἁγίᾳ χρυσῷ καὶ ὑακίνθῳ
51. 28. πολὺν χρυσὸν κτήσασθε ἐν αὐτῇ
Is. 3. 23. σὺν χρυσῷ [A S -σίῳ] καὶ ὑακίνθῳ συγκαθυφασμένα †
60. 9. ἀγαγεῖν . . . τὸν χρ. αὐτῶν (1 a)
Ez. 27. 22. R χρυσὸν [A B -ίον] ἔδωκαν τὴν ἀγοράν σου (1 a)
Da. LXX. 2. 45. συνηλόησε τὸ ὄστρακον . . . τὸν χρ. (1 b)
Da. TH. 2. 35. ἐλεπτύνθησαν εἰσάπαξ . . . ὁ ἄργυρος ὁ χρ. (1 b)
— 45. ἐλέπτυνε τὸ ὄστρακον . . . τὸν χρ. (1 b)
11. 38. θεὸν . . . δοξάσει ἐν χρυσῷ [A -ίῳ] (1 a)
— 43. ἐν τοῖς ἀποκρύφοις τοῦ χρ. [A -ίου] (1 a)
I Ma. 1. 22. A ἔλαβε . . . τὸν κόσμον τὸν χρ. [S R -οῦν]
[Sm., Sext. Ps. 44 (45). 10.]
[Th. Pr. 20. 15: Is. 31. 7.]
[Quint. Ps. 44 (45). 10: Ca. 5. 11.]

χρυσοτορευτός. (1) זָהָב מְקֻשָּׁה
Ex. 25. 17 (18). ποιήσεις δύο χερ. χρυσοτορευτά [A B² χρυσᾶ τορευτά] (1)

χρυσοῦν. (1) חָפָה pi. (2) צִפָּה *a.* pi. *b.* pu.
Ex. 25. 10 (11). ἔξωθεν καὶ ἔσωθεν χρυσώσεις αὐτήν (2 a)
26. 32. ἐπὶ τεσσάρων στύλων . . . κεχρυσωμένων χρυσῷ (2 b)
— 37. χρυσώσεις αὐτοὺς χρυσῷ (2 a)
38. 18 (36. 36). ἐχρύσωσε τοὺς μοχλοὺς χρυσῷ (2 a)
IV Ki. 18. 16. ἃ ἐχρύσωσεν Ἐζ. (2 a)
II Ch. 3. 6. R καὶ ἐχρύσωσε [A B om.] χρυσῷ –
— 7. ἐχρύσωσε τὸν οἶκον (1)
— 8. ἐχρύσωσεν [A κατεχρ.] αὐτὸν χρυσῷ καθαρῷ (1)
— 9. τὸ ὑπερῷον ἐχρύσωσε χρυσῷ [A ἐν χρ.] (1)
— 10. καὶ ἐχρύσωσεν αὐτὰ χρυσῷ (2 a)

χρυσουργός.
Wi. 15. 9. ἀντερείδεται μὲν χρυσουργοῖς

χρυσοῦς. (1) *a.* זָהָב *b.* דָּהָב (2) פַּז
Ge. 24. 22. ἔλαβεν ὁ ἄνθρωπος ἐνώτια χρυσᾶ (1 a)
— 22. δέκα χρυσῶν ὁλκὴ αὐτῶν (1 a)
— 53. σκεύη ἀργυρᾶ καὶ χρυσᾶ (1 a)

Ge. 37. 28. ἀπέδοντο τὸν Ἰ. τοῖς Ἰσμ. εἴκοσι χρυσῶν †
41. 42. περιέθηκε κλοιὸν χρ. (1 a)
45. 22. καὶ τῷ Βεν. ἔδωκε τριακοσίους χρυσοῦς †
Ex. 3. 22. αἰτήσει γυνὴ . . . σκεύη ἀργυρᾶ καὶ χρ. (1 a)
11. 2. αἰτησάτω ἕκαστος . . . σκεύη ἀργυρᾶ καὶ χρ. (1 a)
12. 35. ᾔτησαν παρὰ τῶν Αἰγ. σκεύη ἀργυρᾶ καὶ χρ. (1 a)
16. 33. λάβε στάμνον χρυσοῦν ἕνα –
20. 23. θεοὺς χρ. οὐ ποιήσετε ὑμῖν ἑαυτοῖς (1 a)
25. 10 (11). ποιήσεις αὐτῇ κυμάτια στρεπτὰ χρυσᾶ [A om.] (1 a)
— 11 (12). ἐλάσεις αὐτῇ τεσσάρας δακτυλίους χρ. (1 a)
— 17 (18). A B² ποιήσεις δύο χερ. χρυσᾶ τορευτά [B¹ R χρυσοτ.] (1 a)
— 22 (23). ποιήσεις τράπεζαν χρ. [A om.] †
— 23 (24). ποιήσεις αὐτῇ στρεπτὰ κυμάτια χρ. [A al.] (1 a)
— 24 (25). A ποιήσεις στρεπτὸν κυμάτιον χρ. [B om.] (1 a)
— 25 (26). ποιήσεις τέσσαρας δακτυλίους χρ. (1 a)
26. 6. ποιήσεις κρίκους πεντήκοντα χρ. (1 a)
— 29. τοὺς δακτυλίους ποιήσεις χρυσοῦς (1 a)
— 32, 37. καὶ αἱ κεφαλίδες αὐ. χρ. (1 a)
28. 29 (33). τὸ αὐτὸ εἶδος ῥοΐσκους χρ. (1 a)
— 30 (34). παρὰ ῥοΐσκον χρ. κώδωνα (1 a)
— 32 (36). ποιήσεις πέταλον χρυσοῦν καθαρόν (1 a)
30. 3. ποιήσεις αὐτῷ στρεπτὴν στεφάνην χρ. (1 a)
— 4. δύο δακτυλίους χρ. καθαροὺς ποιήσεις (1 a)
32. 2. περιέλεσθε τὰ ἐνώτια τὰ χρ. (1 a)
— 3. περιείλαντο . . . τὰ ἐνώτια τὰ χρ. (1 a)
— 31. ἐποίησαν ἑαυτοῖς θεοὺς χρ. (1 a)
35. 22. ἤνεγκαν . . . πᾶν σκεῦος χρ. (1 a)
36. 23 (39. 16). ἐποίησαν δύο ἀσπιδίσκας χρ. καὶ δύο δακτυλίους χρ. (1 a, 1 a)
— 24 (39. 16). ἐπέθηκαν τοὺς δύο δακτυλίους τοὺς χρ. –
— 27 (39. 19), 28 (39. 20). ἐποίησαν δύο δακτυλίους χρ. (1 a)
— 33 (39. 25). ἐποίησαν κώδωνας χρ. (1 a)
— 34 (39. 26). κώδων χρ. καὶ ῥοΐσκος –
— 38 (39. 30). ἐποίησαν τὸ πέταλον τὸ χρ. (1 a)
37. 4 (36. 36). καὶ αἱ κεφαλίδες αὐ. χρ. (1 a)
38 (37). 2. A ἐποίησεν αὐτῇ κυμάτιον χρ. (1 a)
— 3. ἐχώνευσεν αὐτῇ τέσσαρας δακτυλίους χρ. (1 a)
38. 6 (37. 7). καὶ τοὺς δύο χερ. χρυσοῦς [A al.] (1 a)
— 10 (37. 13). A ἐχώνευσεν αὐτῇ τέσσαρας δακτυλίους χρ. [B om.] (1 a)
— 12 (37. 16). ἐποίησε . . . τὰ σπονδεῖα . . . χρ. (1 a)
— 13 (37. 17). ἐποίησε τὴν λυχνίαν . . . χρ. (1 a)
— 16 (37. 22), καὶ τὸ ἐνθέμιον . . . στερεὸν ὅλον χρ. (1 a)
— 17 (37. 23). καὶ ἑπτὰ λύχνους ἐπ' αὐτῆς χρ. –
— 17 (37. 23). καὶ τὰς λαβίδας αὐ. χρ. –
— 17 (37. 23). καὶ τὰς ἐπαρυστρίδας αὐ. χρ. (1 a)
— 18 (36. 34). ἐχώνευσε τῷ στύλῳ δακτυλίους χρ. (1 a)
— 18 (36. 36). ἐποίησε τὰς ἀγκύλας χρ. (1 a)
— 19 (36. 36). ἐποίησε καὶ τοὺς κρίκους τῆς σκηνῆς χρυσοῦς [A al.] –
40. 5. θήσεις τὸ θυσιαστήριον τὸ χρ. (1 a)
— 26. ἔθηκε τὸ θυσιαστήριον τὸ χρ. (1 a)
Le. 8. 9. καὶ ἐπέθηκεν . . . τὸ πέταλον τὸ χρ. (1 a)
Nu. 4. 11. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τὸ χρ. ἐπικαλύψουσιν (1 a)
7. 14. θυΐσκην μίαν δέκα χρυσῶν (1 a)
— 20. θυΐσκην μίαν δέκα χρυσῶν [A¹ om. δ. χρ.] (1 a)
— 26, 32, 38, 44, 50, 56. θυΐσκην μίαν δέκα χρυσῶν (1 a)
— 62. θυΐσκην μίαν δέκα χρυσῶν [A¹ -ῷ] (1 a)
— 68, 74, 80. θυΐσκην μίαν δέκα χρυσῶν (1 a)
— 84, 86. θυΐσκαι χρυσαῖ δώδεκα (1 a)
— 86. εἴκοσι καὶ ἑκατὸν χρυσοῖ –
8. 4. αὕτη ἡ κατασκευὴ τῆς λυχνίας στερεὰ χρυσῆ (1 a)
31. 50. ὃ εὗρε σκεῦος χρ. (1 a)
Jo. 7. 21. εἶδον . . . γλῶσσαν μίαν χρ. (1 a)
Jd. 8. 24. ἐνώτια χρυσᾶ αὐτοῖς (1 a)
— 25. A ἔβαλεν ἐκεῖ ἀνὴρ ἐνώτιον χρ. [B om.] –
— 26. ἐγένετο ὁ σταθμὸς τῶν ἐνωτίων τῶν χρ. . . . χίλιοι καὶ πεντακόσιοι χρ. [A al.] (1 a, 1 a)

Jd. 8. 26. A πλὴν τῶν κλοιῶν τῶν χρ. –
I Ki. 6. 5 (4). πέντε ἕδρας χρ. (1 a)
— 5 (4). A καὶ πέντε μύας χρ. (1 a)
— 5. καὶ μῦς χρυσοῦς ὁμοίωμα τῶν μυῶν ὑ. [A al.] –
— 8. τὰ σκεύη τὰ χρ. ἀποδώσετε αὐτῇ (1 a)
— 11. καὶ τὸ θέμα ἐργὰβ καὶ τοὺς μῦς τοὺς χρ. (1 a)
— 15. ἀνήνεγκαν . . . τὰ ἐπ' αὐτῆς σκεύη τὰ χρ. (1 a)
— 17. καὶ αὗται αἱ ἕδραι αἱ χρ. (1 a)
— 18. καὶ μῦς οἱ χρ. [A om.] κατ' ἀριθμὸν πασῶν πόλεων (1 a)
II Ki. 1. 24. τὸν ἀναφέροντα κόσμον χρ. [A χρυσίον] (1 a)
8. 7. ἔλαβε Δ. τοὺς χλιδῶνας τοὺς χρ. (1 a)
— 10. ἐν ταῖς χερσὶν αὐ. ἦσαν . . . σκεύη χρ. (1 a)
III Ki. 7. 48. τὸ θυσιαστήριον τὸ χρ. καὶ τὴν τράπεζαν . . . χρυσῆν (1 a, 1 a)
— 49. καὶ τὰς λυχνίας . . . χρ. (1 a)
— 49. καὶ τὰς ἐπαρύστρις χρ. (1 a)
— 50. καὶ αἱ θυΐσκαι χρ. (1 a)
— 50. καὶ τὰς θύρας τοῦ ναοῦ χρυσᾶς (1 a)
10. 16. ἐποίησε Σ. τριακόσια δόρατα χρ. ἐλατά (1 a)
— 16. τριακόσιοι χρ. ἐπῆσαν ἐπὶ τὸ δόρυ τὸ ἕν (1 a)
— 17. καὶ τριακόσια ὅπλα χρ. [A om.] ἐλατά (1 a)
— 21. πάντα τὰ σκεύη τὰ ὑπὸ τοῦ Σ. γεγονότα χρυσᾶ [A al.] (1 a)
— 21. καὶ λουτῆρες χρ. –
— 25. ἔφερον . . . σκεύη χρ. (1 a)
12. 28. ἐποίησε δύο δαμάλεις χρυσᾶς (1 a)
14. 26. ἔλαβε . . . τὰ δόρατα τὰ χρ. (1 a ?)
— 26. τὰ πάντα ἃ ἔλαβεν ὅπλα τὰ χρ. (1 a)
15. 15. τοὺς κίονας αὐ. εἰσήνεγκεν . . . χρυσοῦς (1 a)
IV Ki. 5. 5. ἔλαβεν ἐν τῇ χειρὶ αὐ. . . . ἑξακισχιλίους χρ. (1 a)
10. 29. αἱ δαμάλεις αἱ χρ. ἐν B. (1 a)
12. 13 (14). πᾶν σκεῦος χρ. (1 a)
24. 13. συνέκοψε πάντα τὰ σκεύη τὰ χρ. (1 a)
25. 15. τὰς φιάλας τὰς χρ. . . . ἔλαβεν (1 a)
I Ch. 18. 7. ἔλαβε Δ. τοὺς κλοιοὺς τοὺς χρ. (1 a)
— 11 (10). καὶ πάντα σκεύη ἀργυρᾶ καὶ χρ. (1 a)
28. 14. τὸν σταθμὸν τῆς ὁλκῆς αὐ. τῶν τε χρ. καὶ ἀργυρῶν (1 a)
— 16. τὸν σταθμὸν . . . ἑκάστης τραπέζης χρ. (1 a ?)
— 17. καὶ τῶν φιαλῶν τῶν χρ. (1 a)
— 17. καὶ τὸν σταθμὸν τῶν χρ. (1 a)
29. 7. ἔδωκαν . . . χρ. μυρίους †
II Ch. 4. 7. ἐποίησε τὰς λυχνίας τὰς χρ. δέκα (1 a)
— 8. ἐποίησε φιάλας χρ. ἑκατόν (1 a)
— 13. καὶ κώδωνας χρ. τετρακοσίους –
— 19. ἐποίησε Σ. . . . τὸ θυσιαστήριον τὸ χρ. (1 a)
— 22. εἰς τὰς θύρας τοῦ οἴκου τοῦ ναοῦ χρυσᾶς (1 a)
9. 15. διακοσίους θυρεοὺς χρ. ἐλατούς (1 a)
— 15. ἑξακόσιοι χρ. καθαροὶ τῷ ἑνὶ θυρεῷ (1 a)
— 15. ἑξακόσιοι χρ. ἐπῆσαν ἐπὶ τὸν ἕνα θυρεόν (1 a ?)
— 16. τριακοσίας ἀσπίδας ἐλατὰς χρ. (1 a)
— 16. A R τριακοσίων χρ. ἀνεφέρετο ἐπὶ τὴν ἀσπίδα ἑκάστην (1 a)
— 24. ἔφερον . . . σκεύη χρ. (1 a)
12. 9. ἔλαβε τοὺς θυρεοὺς τοὺς χρ. (1 a)
13. 8. μεθ' ὑμῶν μόσχοι χρ. [A² πολλοί] (1 a)
— 11. καὶ ἡ λυχνία ἡ χρ. (1 a)
24. 14. ἐποίησαν . . . θυΐσκας χρ. (1 a)
I Es. 2. 13. σπονδεῖα χρ. χίλια
— 13. φιάλαι χρυσαῖ [A -εαι] τριάκοντα
— 14. τὰ δὲ πάντα σκεύη ἐκομίσθη χρυσᾶ
6. 18. καὶ τὰ ἱερὰ σκεύη τὰ χρ.
— 26. καὶ τὰ ἱερὰ σκεύη . . . τά τε χρυσᾶ [A τὰ χρύσεα]
II Es. 1. 9. B χρυσοῖ [A R ψυκτῆρες χρ.] τριάκοντα (1 a)
— 9 (10). κεφ. χρυσοῖ τριάκοντα [A al.] (1 a)
5. 14. καὶ τὰ σκεύη τοῦ οἴκου τοῦ θ. . . . τὰ χρ. (1 b)
6. 5. καὶ τὰ σκεύη οἴκου τοῦ θεοῦ . . . τὰ χρ. [A -σεα] (1 b)
8. 27. καὶ καφ. χρυσοῖ [A -σαιοι] εἴκοσι (1 a)
Ne. 7. 70. ἔδωκαν . . . χρ. χιλίους (1 a)
— 72. S² ἔδωκαν . . . χρυσοῦς ἐν νομίσμασιν δύο μυριάδας [S¹ al.] (1 a)
Es. 1. 6. ἐπὶ κύβοις χρ. καὶ ἀργυροῖς –
— 6. κλίναι χρ. [S¹ -οῖς] καὶ ἀργυραῖ [S¹ -οῖς] (1 a)
— 7. ποτήρια χρ. καὶ ἀργυρᾶ (1 a)
4. 11. πλὴν ᾧ ἐκτείνει ὁ βασ. τὴν χρ. ῥάβδον (1 a)
5. 2. ἄρας τὴν χρ. ῥάβδον (1 a)
8. 4. ἐξέτεινε δὲ ὁ βασ. Ἐ. τὴν ῥάβδον τὴν χρ. (1 a)

Es. 8. 15. καὶ στέφανον ἔχων χρυσοῦν (1 a)
Jb. 28. 6. S² χῶμα χρ. [A B S¹ -σίον] αὐτῷ (1 a)
— 17. τὸ ἄλλαγμα αὐτῆς σκεύη χρυσᾶ (2)
42. 11. A S τετράδραχμον χρυσοῦν ἄσημον [B χρυσοῦ καὶ ἀσήμου] (1 a)
Ps. 44 (45). 13. ἐν κροσσωτοῖς χρυσοῖς περιβεβλημένη πεποικιλμένη [S¹ -οις] (1 a)
Pr. 1. 9. καὶ κλοιὸν χρύσεον περὶ σῷ τραχήλῳ –
11. 22. S² ὥσπερ ἐνώτιον χρ. [A B S¹ om.] ἐν ῥινὶ ὑός (1 a)
25. 11. μῆλον χρυσοῦν [A -σεον] ἐν ὁρμίσκῳ σαρδίου (1 a)
— 12. εἰς ἐνώτιον χρυσοῦν καὶ [A om.] σάρδιον πολυτελές (1 a)
Ca. 3. 10. ἀνάκλιτον αὐτοῦ χρύσεον [S χρυσίον] (1 a)
5. 14. χεῖρες αὐτοῦ τορευταὶ χρυσαῖ (1 a)
— 15. στῦλοι μαρμάρινοι τεθεμελιωμένοι ἐπὶ βάσεις χρυσᾶς (2)
Si. 6. 30. κόσμος γὰρ χρύσεός ἐστιν ἐπ' αὐτῆς
21. 21. ὡς κόσμος χρυσοῦς φρονίμῳ παιδεία
26. 18. στῦλοι χρύσεοι [A -έως] ἐπὶ βάσεως ἀργυρᾶς
35 (32). 5. σφραγὶς ἄνθρακος ἐπὶ κόσμῳ χρυσῷ
— 6. ἐν κατασκευάσματι χρυσῷ σφραγὶς σμαράγδου
45. 9. χρυσοῖς κώδωσι πλείστοις κυκλόθεν
— 12. στέφανον χρυσοῦν ἐπάνω κιδάρεως
Ho. 2. 8 (10). χρυσᾶ ἐποίησε τῇ B. (1 a)
Za. 4. 2. ἰδοὺ λυχνία χρ. ὅλη (1 a)
— 12. οἱ ἐν ταῖς χερσὶ τῶν δύο μυξωτήρων τῶν χρ. (1 a)
— 12. τῶν . . . ἐπαναγόντων τὰς ἐπαρυστρίδας τὰς χρ. (1 a)
Is. 2. 20. ἐκβαλεῖ ἄνθρωπος τὰ βδελύγματα αὐτοῦ τὰ ἀργυρᾶ καὶ τὰ χρ. (1 a)
31. 7. ἀπαρνήσονται . . . τὰ χειροποίητα τὰ χρ. (1 a)
Je. 4. 30. ἐὰν . . . κοσμήσῃ κόσμῳ χρ. (1 a)
28 (51). 7. ποτήριον χρυσοῦν Βαβυλών (1 a)
52. 19. ἃ ἦν χρυσᾶ χρυσᾶ (1 a, 1 a)
Ep. Je. 4. ὄψεσθε ἐν Βαβ. θεοὺς ἀργυροῦς καὶ χρ.
— 11. κοσμοῦσι . . . θεοὺς χρυσοῦς καὶ ξυλίνους
— 30. γυναῖκες παρατιθέασι θεοῖς ἀργυροῖς καὶ χρυσοῖς
Ez. 16. 13. A ἐκοσμήθης κόσμῳ χρ. [B al.] (1 a)
Da. LXX. 2. 38. σὺ εἶ ἡ κεφαλὴ ἡ χρ. (1 b)
3. 1. ἐποίησεν εἰκόνα χρ. (1 b)
— 2. εἰς τὸν ἐγκαινισμὸν τῆς εἰκόνος τῆς χρ. –
— 5. προσκυνήσατε τῇ εἰκόνι τῇ χρ. (1 b)
— 7. προσεκύνησαν τῇ εἰκόνι τῇ χρ. (1 b)
— 10. προσκυνήσῃ τῇ εἰκόνι τῇ χρ. (1 b)
— 12. τῇ εἰκόνι σου τῇ χρ. . . . οὐ προσεκύνησαν (1 b)
— 14. διὰ τί . . . τῇ εἰκόνι τῇ χρ. . . . οὐ προσκυνεῖτε (1 b)
— 15. προσκυνῆσαι τῇ εἰκόνι τῇ χρ. –
— 18. οὔτε τῇ εἰκόνι σου τῇ χρ. . . . οὐ προσκυνοῦμεν (1 b)
5. 2. εἶπεν ἐνέγκαι τὰ σκεύη τὰ χρ. (1 b)
— 7. μανιάκην χρ. περιθήσει αὐτῷ (1 b)
— 16. μανιάκην χρ. περιθήσω σοι (1 b)
— 29. μανιάκην χρ. περιέθηκεν αὐτῷ (1 b)
Da. TH. 2. 38. σὺ εἶ ἡ κεφαλὴ ἡ χρ. (1 b)
3. 1. Ναβ. ὁ βασ. ἐποίησεν εἰκόνα χρ. (1 b)
— 5. προσκυνεῖτε τῇ εἰκόνι τῇ χρ. [A¹ om. τῇ χρ.] (1 b)
— 7. προσεκύνουν τῇ εἰκόνι τῇ χρ. (1 b)
— 11. καὶ μὴ πεσὼν προσκυνήσῃ τῇ εἰκόνι τῇ χρ. –
— 12. τῇ εἰκόνι τῇ χρ. . . . οὐ προσκυνοῦσι (1 b)
— 14. καὶ τῇ εἰκόνι τῇ χρ. . . . οὐ προσκυνεῖτε (1 b)
— 15. A R προσκυνήσητε τῇ εἰκόνι τῇ χρ. [B om. τῇ χρ.] –
— 18. A τῇ εἰκόνι τῇ χρ. [B om. τῇ χρ.] . . . οὐ προσκυνοῦμεν (1 b)
5. 2. τοῦ ἐνεγκεῖν τὰ σκεύη τὰ χρ. (1 b)
— 3. ἠνέχθησαν τὰ σκεύη τὰ χρ. (1 b)
— 4. ᾔνεσαν τοὺς θεοὺς τοὺς χρ. (1 b)
— 7. καὶ ὁ μανιάκης ὁ χρ. ἐπὶ τὸν τράχηλον αὐ. (1 b)
— 16. ὁ μανιάκης ὁ χρ. ἔσται ἐπὶ τῷ τραχήλῳ σου (1 b)
— 23. τοὺς θεοὺς τοὺς χρ. . . . οὐκ ἐδόξασας (1 b)
— 29. τὸν μανιάκην τὸν χρ. περιέθηκαν (1 b)
I Ma. 1. 21. ἔλαβε τὸ θυσιαστήριον τὸ χρ.
— 22. ἔλαβε . . . τὰς θυΐσκας τὰς χρ.
— 22. S R ἔλαβε . . . τὸν κόσμον τὸν χρ. [A -όν]
4. 57. κατεκόσμησαν τὸ κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ στεφάνοις χρ. [S¹ om.]

I Ma. 6. 2. καὶ ἐκεῖ καλύμματα χρ.
— 12. ἔλαβον πάντα τὰ σκεύη . . . τὰ χρ.
— 39. ὡς δὲ ἔστιλβεν ὁ ἥλιος ἐπὶ τὰς χρ. . . . ἀσπίδας
10. 20. ἀπέστειλεν αὐτῷ . . . στέφανον χρ.
— 89. ἀπέστειλεν αὐτῷ πόρπην χρ.
11. 58. καὶ ἔχειν πόρπην χρ.
13. 37. τὸν στέφανον τὸν χρ. . . . κεκομίσμεθα
14. 24. ἔχοντα ἀσπίδα χρ. μεγάλην
— 44. ἐμπορποῦσθαι πόρπην χρ.
15. 18. ἤνεγκαν δὲ ἀσπίδα χρ.
II Ma. 2. 2. A² R βλέποντες ἀγάλματα χρ.
3. 25. ἐφαίνετο χρ. πανοπλίαν ἔχων
5. 3. καὶ χρυσέων κόσμων ἐκλάμψεις
11. 8. πανοπλίαν χρ. κραδαίνων
14. 4. προσάγων αὐτῷ στέφανον χρ.
15. 15. παραδοῦναι τῷ Ἰ. ῥομφαίαν χρ.
[Aq. Ex. 39. 38 (17): II Ki. 8. 7: Je. 42. 11: Je. 52. 19 *bis*.]
[Sm. Ex. 25. 24 (25): 39. 38 (17): II Ki. 8. 7: Je. 28. 17: 42. 11: Ps. 44 (45). 14: Ec. 12. 6: Je. 52. 19 *bis*: Za. 4. 12.]
[Th. Ex. 25. 24 (25): 28. 23, 24, 26, 27: 37 (38). 11, 12 (38. 11), 13 (38. 11): 39. 38 (17): Je. 28. 17: 42. 11: Ps. 44 (45). 10.]
[Al. Pr. 25. 12 *bis*.]

χρυσοφορεῖν.
I Ma. 14. 43. ὅπως περιβάλληται πορφύραν καὶ χρυσοφορῇ

χρυσοχάλινος.
I Es. 3. 6. ἅρμα χρ. καὶ κίδαριν βυσσίνην
II Ma. 10. 29. ἐφάνησαν . . . ἐφ' ἵππων χρ. πέντε ἄνδρες

χρυσοχόος. (1) *a.* צֹרֵף, צֹרֵף *b.* צֹרֵף בַּזָּהָב
Is. 40. 19. χρ. χωνεύσας χρυσίον περιεχρύσωσεν αὐτόν (1 *b*)
46. 6. μισθωσάμενοι χρυσοχόον ἐποίησαν χειροποίητα (1 *a*)
Je. 10. 9. καὶ χεὶρ [A S² χεῖρες] χρυσοχόων (1 *a*)
— 14: 28 (51). 17. κατῃσχύνθη πᾶς χρ. (1 *a*)
Ep. Je. 45. ὑπὸ τεκτόνων καὶ χρυσοχόων κατεσκευασμένα εἰσίν
[Aq., Th. Je. 10. 9.]

χρύσωμα.
I Es. 3. 6. καὶ ἐν χρυσώμασι πίνειν
8. 56. παρέδωκα αὐτοῖς . . . χρυσώματα εἴκοσι
I Ma. 11. 58. ἀπέστειλεν αὐτῷ χρυσώματα
— 58. πίνειν ἐν χρυσώμασι
15. 32. καὶ κυλίκιον μετὰ χρυσωμάτων
II Ma. 4. 32. χρυσώματά τινα . . . νοσφισάμενος ἐχαρίσατο τῷ Ἀνδρ.
— 39. χρ. ἤδη πολλῶν διενηνεγμένων

χρῶμα. (1) עוֹר
Ex. 34. 29, 30. ἡ ὄψις τοῦ χρ. [A χρωτὸς] τοῦ προσώπου αὐ. (1)
Es. 5. 1. μετέβαλε τὸ χρ. αὐ. ἐν ἐκλύσει
Wi. 15. 4. εἶδος σπιλωθὲν χρώμασι διηλλαγμένοις [S¹ -ένοι]
[Sm., Th. Ez. 23. 14.]

χρώς. (1) בָּשָׂר (2) עוֹר
Ex. 28. 38 (42). καλύψαι ἀσχημοσύνην χρωτὸς αὐτῶν (1)
34. 29, 30. A ἡ ὄψις τοῦ χρ. [B χρώματος] τοῦ προσώπου αὐ. (2)
Le. 13. 2. ἐάν τινι γένηται ἐν δέρματι χρωτὸς αὐ. οὐλή (1)
— 2. καὶ γένηται ἐν δέρματι χρωτὸς αὐ. ἀφὴ λέπρας (1)
— 3. ὄψεται ὁ ἱ. τὴν ἀφὴν ἐν δέρματι τοῦ χρ. αὐ. (1)
— 3. ἡ ὄψις τῆς ἀφῆς ταπεινὴ ἀπὸ τοῦ δέρματος τοῦ χρ. (1)
— 4. ἐν τῷ δέρματι τοῦ χρ. αὐ. (1)
— 11. ἐν τῷ δέρματι τοῦ χρ. (1)
— 13. ἐκάλυψεν ἡ λέπρα πᾶν τὸ δέρμα τοῦ χρ. (1)
— 14. ᾗ ἂν ἡμέρᾳ ὀφθῇ ἐν αὐτῷ χρὼς ζῶν (1)
— 15. ὄψεται ὁ ἱερεὺς τὸν χρ. τὸν ὑγιῆ (1)
— 15. καὶ μανεῖ αὐτὸν ὁ χρ. ὁ ὑγιής (1)
— 16. ἐὰν δὲ ἀποκαταστῇ ὁ χρ. ὁ ὑγιής (1)
— 21. καὶ ταπεινὸν μὴ ᾖ ἀπὸ τοῦ δέρματος τοῦ χρ. (2)
Le. 15. 7. A B¹ ὁ ἁπτόμενος [B² R *add.* τοῦ] χρωτὸς τοῦ γονορρυοῦς (1)
16. 4. περισκελὲς λινοῦν ἔσται ἐπὶ τοῦ χρ. αὐ. (1)
[Sm. Je. 2. 4 *bis*.]
[Al. Le. 13. 38.]

χυδαῖος. (1) χ. γίνεσθαι רָבָה
Ex. 1. 7. καὶ χυδαῖοι ἐγένοντο (1)

χυδαιοῦν.
[Aq. Is. 33. 9.]

χυλός.
IV Ma. 6. 25. δυσώδεις χ. εἰς τοὺς μυκτῆρας αὐ. κατέχεον

χύμα (χύμμα). (1) רֹחַב
III Ki. 4. 29 (5. 9). ἔδωκε κ. . . . χύμα καρδίας (1)
II Ma. 2. 24. συνορῶντες γὰρ τὸ χ. τῶν ἀριθμῶν
[Aq. Ps. 32 (33). 7.]
[Sm. Is. 60. 6.]

χύσις. (1) יְצָקָה
I Ki. 5. 6. A ἐγένετο χύσις [B σύγχ.] θανάτου μεγάλη –
III Ki. 7. 24. A δύο στίχοι . . . κεχυμένοι ἐν τῇ χ. αὐ. (1)
[Sm. Is. 60. 6.]
[Th. Hb. 2. 15.]

χυτός. (1) יָצַק hoph. (2) מְטִיל
II Ch. 4. 2. ἐποίησε τὴν θάλασσαν χυτήν (1)
Jb. 40. 13 (18). ἡ δὲ ῥάχις αὐτοῦ σίδηρος [A ὡς σ.] χυτός (2)

χύτρα (κύθρα, χύθρα, χύτρον?). (1) *a.* פָּאר, פָּרוּר *b.* פָּרוּר (2) קַלַּחַת
Nu. 11. 8. ἥψουν αὐτὸ ἐν τῇ χ. (1 *b*)
Jd. 6. 19. τὸν ζωμὸν ἔβαλεν ἐν τῇ χ. [A *al.*] (1 *b*)
I Ki. 2. 14. A ἐπάταξεν αὐτὴν . . . εἰς τὴν χ. [B *al.*] (2 + 1 *b* [2])
Si. 13. 2. τί κοινωνήσει χύτρα πρὸς λέβητα
Mi. 3. 3. ἐμέλισαν . . . ὡς κρέα εἰς χύτραν [A -α] (2)
Jl. 2. 6. πᾶν πρόσωπον ὡς πρόσκαυμα χύτρας (1 *a*)
Na. 2. 10 (11). τὸ πρόσωπον πάντων ὡς προσκαυμα χύτρας (1 *a*)

χυτρόκαυλος (-όγ.). (1) כִּיּוֹר
III Ki. 7. 38. ἐποίησε δέκα χ. χαλκοῦς τεσσαράκοντα χοεῖς χωροῦντας τὸν χ. τὸν ἕνα (1, 1)
— 38. ὁ χ. ὁ εἷς ἐπὶ τῇ μεχ. τῇ μιᾷ (1)
— 43. καὶ τοὺς χ. δέκα ἐπὶ τῶν μεχ. (1)

χυτρόπους (κυθρ.). (1) כִּיר
Le. 11. 35. καὶ χυτρόποδες καθαιρεθήσονται (1)

χωθάρ. (1) כֹּתֶרֶת
IV Ki. 25. 17. καὶ τὸ χ. ἐπ' αὐτοῦ τὸ χαλκοῦν (1)
— 17. καὶ τὸ ὕψος τοῦ χ. . . . ἐπὶ τοῦ χ. κύκλῳ (1, 1)

χωθαρέθ. (1) כֹּתָרוֹת
II Ch. 4. 12. καὶ ἐπ' αὐτῶν γωλὰθ τῇ χ. (1)
— 12. συγκαλύψαι τὰς κεφαλὰς τῶν χ. (1)
— 13. τοῦ συγκαλύψαι τὰς δύο γωλὰθ τῶν χ. (1)

χωθαρώθ.
[Aq. Je. 52. 22.]

χωθωνώθ, *vid. sub* χοθωνώθ.

χωλαίνειν. (1) פָּסַח *a.* qal. *b.* ni.
II Ki. 4. 4. ἔπεσε καὶ ἐχωλάνθη (1 *b*)
III Ki. 18. 21. ἕως πότε ὑμεῖς χωλανεῖτε (1 *a*)
Ps. 17 (18). 45. ἐχώλαναν ἀπὸ τῶν τρίβων αὐτῶν †
[Sm. III Ki. 18. 21.]

χωλός. (1) פִּסֵּחַ
Le. 21. 18. ἄνθρωπος χ. ἢ τυφλός (1)
De. 15. 21. χωλὸν ἢ τυφλὸν . . . οὐ θύσεις αὐτό (1)
II Ki. 5. 6. ἀντέστησαν . . . οἱ χ. (1)
— 8. ἀπτέσθω . . . τοὺς χ. (1)
— 9 (8). χωλοὶ οὐκ εἰσελεύσονται εἰς οἶκον κυρίου (1)
9. 13. αὐτὸς ἦν χ. ἀμφοτέροις τοῖς ποσὶν αὐ. (1)
19. 26 (27). ὅτι χωλὸς ὁ δοῦλός σου (1)
Jb. 29. 15. ὀφθαλμὸς ἤμην τυφλῶν ποὺς δὲ χωλῶν (1)
Ma. 1. 8. ἐὰν προσαγάγητε χωλόν (1)
— 13. εἰσεφέρετε ἁρπάγματα καὶ τὰ χ. (1)
Is. 33. 23. πολλοὶ χωλοὶ προνομὴν ποιήσουσι (1)
35. 6. A S³ R ἀλείται ὡς ἔλαφος ὁ [B S¹ *om.*] χ. (1)
[Aq. Is. 33. 23.]
[Sm. II Ki. 5. 6: Pr. 26. 7.]

χῶμα. (1) אֲדָמָה (2) גַּל (3) סוֹלְלָה (4) עָפָר (5) עֲרֵמָה (6) תֵּל
Ex. 8. 16 (12). πάταξον τὸ χ. τῆς γῆς (4)
— 17 (13). ἐπάταξε τὸ χ. τῆς γῆς (4)
— 17 (13). ἐν παντὶ χ. τῆς γῆς ἐγένοντο οἱ σκνῖφες (4)
— 18 (14). B⁴ ἐν παντὶ χ. τῆς γῆς –
Jo. 8. 28. χ. ἀοίκητον εἰς τὸν αἰῶνα ἔθηκεν αὐτήν (6)
Ne. 4. 2 (3. 34). R μετὰ τὸ χ. γενέσθαι γῆς (5)
Jb. 14. 19. κατέκλυσεν ὕδατα ὕπτια τοῦ χ. τῆς γῆς (4)
17. 16. ἢ ὁμοθυμαδὸν ἐπὶ χώματος καταβησόμεθα (4)
20. 11. μετ' αὐτοῦ ἐπὶ χώματος κοιμηθήσεται (4)
22. 24. θήσῃ ἐπὶ χώματι ἐν πέτρᾳ [A *al.*] (4)
28. 6. χῶμα χρυσίον αὐτῷ (4)
Hb. 1. 10. καὶ βαλεῖ χῶμα (4)
Is. 25. 2. ἔθηκας πόλεις εἰς χ. (2)
Ez. 21. 22 (27). βαλεῖν χ. καὶ οἰκοδομῆσαι βελοστάσεις (3)
Da. TH. 12. 2. πολλοὶ τῶν καθευδόντων ἐν γῆς χώματι (1)
[Aq. Dt. 13. 16 (17): Jo. 11. 13: Je. 30 (37). 18: 49 (30). 2.]
[Sm. Je. 49 (30). 2.]
[Th. Le. 17. 13: Je. 14. 8, 19: 19. 25: 22. 24: 28. 6: Is. 26. 5: 34. 7.]
[Al. III Ki. 20 (21). 38.]

χωμαρείμ. (1) כְּמָרִים
IV Ki. 23. 5. κατέκαυσε τοὺς χ. (1)

χωματίζεσθαι. (1) עָמַד עַל תֵּל
Jo. 11. 13. πάσας τὰς πόλεις τὰς κεχωματισμ. οὐκ ἐνέπρησεν Ἰσρ. (1)

χωνεύειν. (1) יָצַק (2) נָסַךְ (3) נָתַךְ *a.* ni. *b.* hi. *c.* hoph. *d.* הִתּוּךְ (4) צוּר (5) צָרַף *a.* qal. *b.* pi.
Ex. 26. 37. χωνεύσεις αὐτοῖς πέντε βάσεις (1)
38 (37). 3. ἐχώνευσεν αὐτῇ τέσσαρας δακτυλίους χρυσοῦς (1)
38. 10 (37. 13). ἐχώνευσεν αὐτῇ τέσσαρας δακτυλίους (1)
— 18 (36. 34). ἐχώνευσε τῷ στύλῳ δακτυλίους χρυσοῦς –
— 20 (36. 36). ἐχώνευσε τὰς κεφαλίδας τὰς ἀργυρᾶς τῆς σκηνῆς (1)
III Ki. 7. 15. B ἐχώνευσε τὸ αἰλάμ [A R *al.*] (4)
— 46. ἐχώνευσεν αὐτά (1)
IV Ki. 22. 9. ἐχώνευσαν οἱ δοῦλοί σου τὸ ἀργύριον (3 *b*)
II Ch. 4. 3. δύο γένη ἐχώνευσαν τοὺς μόσχους (1)
— 17. ἐχώνευσεν αὐτὰ ὁ βασ. (1)
34. 17. ἐχώνευσαν τὸ ἀργύριον (3 *b*)
Ma. 3. 3. καθιεῖται χωνεύων (5 *b*)
Is. 40. 19. χρυσοχόος χωνεύσας χρυσίον περιεχρύσωσεν (5 *a*)
Je. 10. 14. ψευδῆ ἐχώνευσεν [S -αν] (2)
28 (51). 17. ψευδῆ ἐχώνευσαν [A -εν] (2)
Ep. Je. 24. οὐδὲ γὰρ ὅτε ἐχωνεύοντο ᾐσθάνοντο
Ez. 22. 20. τοῦ χωνευθῆναι [A -εῦσαι] . . . συνάξω καὶ χωνεύσω [A¹ ἐπαφήσω] ὑμᾶς (3 *b*, 3 *b*)
— 21. χωνευθήσεσθε ἐν μέσῳ αὐτῆς (3 *a*)
— 22. ὃν τρόπον χωνεύεται [B² -τε] ἀργύριον ἐν μέσῳ καμίνου οὕτως χωνευθήσεσθε (3 *d*, 3 *c*)
[Aq. Je. 28. 1: Is. 40. 19.]
[Sm. Je. 28. 1.]
[Th. Je. 28. 1: Is. 44. 10.]
[Al. Ex. 38. 5 (24).]
[Heb. Je. 28. 2.]

χώνευμα. (1) מַסֵּכָה
De. 9. 12. ἐποίησαν ἑαυτοῖς χώνευμα [A -τά] (1)
IV Ki. 17. 16: Ho. 13. 2. ἐποίησαν ἑαυτοῖς χώνευμα (1)

Hb. 2. 18. ἔπλασεν αὐτὸ [S³ -σαν τὸ] χώνευμα (1)
Je. 10. 3. ἔργον τέκτονος καὶ χ. †
[Aq., Sm. Je. 51 (28). 17.]
[Th. Is. 41. 29.]

χώνευσις. (1) *a.* יָצַק *b.* מוּצָקָה

Ex. 39. 4 (38. 27). ἐγενήθη . . . εἰς τὴν χ. τῶν ἑκατὸν κεφαλίδων (1 *a*)
II Ch. 4. 3. ἐχώνευσαν τοὺς μόσχους ἐν τῇ χ. αὐ. (1 *b*)

χωνευτήριον. (1) כּוּר (2) צָרַף pi.

III Ki. 8. 51. ἐκ μέσου χωνευτηρίου σιδήρου (1)
Wi. 3. 6. ὡς χρυσὸν ἐν χωνευτηρίῳ ἐδοκίμασεν αὐτούς
Za. 11. 13. κάθες αὐτοὺς εἰς τὸ χ. †
— 13. ἐνέβαλον αὐτοὺς . . . εἰς τὸ χ. †
Ma. 3. 2. εἰσπορεύεται ὡς πῦρ χωνευτηρίου (2)
[Sm. Za. 11. 13 *bis*.]
[Al. Pr. 27. 21.]

χωνευτής. (1) צוֹרֵף

Jd. 17. 4. A ἔδωκεν αὐτὸ τῷ χ. [B αὐ. ἀργυροκόπῳ] (1)

χωνευτός. (1) יָצַק hoph. (2) *a.* מַסֵּכָה *b.* נֶסֶךְ

Ex. 32. 4. ἐποίησεν αὐτὰ μόσχον χ. (2 *a*)
34. 17. θεοὺς χ. οὐ ποιήσεις σεαυτῷ (2 *a*)
Le. 19. 4. θεοὺς χ. οὐ ποιήσετε ὑμῖν (2 *a*)
Nu. 33. 52. πάντα τὰ εἴδωλα τὰ χ. αὐ. ἀπολεῖτε αὐτά (2 *a*)
De. 9. 12. A ἐποίησαν ἑαυτοῖς χωνευτά [B -μα] (2 *a*)
— 16. ἐποιήσατε ὑμῖν ἑαυτοῖς χωνευτόν [A μόσχον χ.] (2 *a*)
27. 15. ὅστις ποιήσει γλυπτὸν καὶ χωνευτόν (2 *a*)
Jd. 17. 3. τοῦ ποιῆσαι γλυπτὸν καὶ χωνευτόν [A *om.* κ. χ.] (2 *a*)
— 4. ἐποίησεν αὐτὸν γλυπτὸν καὶ χωνευτόν (2 *a*)
18. 14. ἔστιν ἐν τῷ οἴκῳ τούτῳ . . . χωνευτόν [A *al.*] (2 *a*)
— 17 (A), 18. ἔλαβον . . . τὸ χ. (2 *a*)
— 20. ἔλαβε . . . τὸ χ. –
III Ki. 7. 16. δύο ἐπιθέματα ἐποίησε . . . χωνευτά (1)
— 33. οἱ νῶτοι αὐ. καὶ ἡ πραγματεία αὐ. πάντα χ. (1)
14. 9. A ἐποίησας σεαυτῷ θεοὺς ἑτεροὺς χωνευτά (2 *a*)
II Ch. 33. 7. ἔθηκε τὸ γλυπτὸν τὸ [A καὶ τὸ] χ. –
34. 3. τοῦ καθαρίσαι τὸν Ἰ. . . . ἀπὸ τῶν χ. (2 *a*)
— 4. τὰ χ. συνέτριψε (2 *a*)
Ne. 9. 18. ἐποίησαν ἑαυτοῖς μόσχον χ. (2 *a*)
Na. 1. 14. χωνευτὰ θήσομαι ταφήν σου (2 *a*)
Is. 42. 17. οἱ λέγοντες τοῖς χ. (2 *a*)
48. 5. τὰ γλυπτὰ καὶ τὰ χ. ἐνετείλατό μοι (2 *b*)
Da. LXX. 5. 1. πάντας τοὺς θεοὺς τῶν ἐθνῶν τοὺς χ. –
11. 8. τοὺς θεοὺς αὐ. καταστρέψει μετὰ τῶν χ. αὐ. (2 *b*)
Da. TH. 11. 8. τοὺς θεοὺς αὐ. μετὰ τῶν χ. αὐ. . . . οἴσει (2 *b*)
[Aq. III Ki. 14. 9.]
[Heb. Ex. 32. 8.]

χώρα. (1) אֲדָמָה (2) אוּר (3) אִיתָן (4) אֶרֶץ (5) מְדִינָה (6) מָקוֹם (7) שָׂדֶה (8) κατὰ χώραν תַּחַת

Ge. 10. 20, 31. ἐν ταῖς χ. αὐ. καὶ ἐν τοῖς ἔθνεσιν αὐ. (4)
11. 28. ἀπέθανεν . . . ἐν τῇ χ. τῶν Χαλδαίων (2)
— 31. ἐξήγαγεν αὐτοὺς ἐκ τῆς χ. τῶν Χαλδ. (2)
15. 7. ὁ ἐξαγαγών σε ἐκ χώρας Χαλδαίων (2)
32. 3 (4). εἰς γῆν Σηεὶρ εἰς χώραν Ἐδώμ (7)
36. 40. ἐν ταῖς χ. αὐ. καὶ ἐν τοῖς ἔθνεσιν αὐ. (6?)
41. 57. πᾶσαι αἱ χ. ἦλθον εἰς Αἴγ. (4)
42. 9. κατανοῆσαι τὰ ἴχνη τῆς χ. ἥκατε (4)
Ex. 14. 27. ἀπεκατέστη τὸ ὕδωρ . . . ἐπὶ χώρας (3?)
Le. 13. 23. ἐὰν δὲ κατὰ χώραν μείνῃ τὸ τηλαύγημα (8)
— 28. ἐὰν δὲ κατὰ χώραν μείνῃ τὸ αὐγάζον (8)
— 37. ἐὰν δὲ ἐνώπιον μείνῃ τὸ θραῦσμα ἐπὶ χώρας –
Nu. 32. 1. εἶδον τὴν χ. Ἰ. καὶ τὴν χ. Γ. (4, 4)
Jo. 4. 18. ὥρμησε τὸ ὕδωρ τοῦ Ἰ. κατὰ χώραν (6)
5. 11. A R ἐκαρπίσαντο δὲ τὴν χ. [B κουρὰν] τῶν Φοιν. (4)
I Ki. 5. 6. μέσον τῆς χ. αὐ. ἀνεφύησαν μύες †
III Ki. 7. 29. καὶ ὑποκάτωθεν τῶν λεόντων . . . χώραι †
— 4. καὶ χώρα ἐπὶ χώραν τρισσῶς †, †
— 5. καὶ αἱ χ. τετράγωνοι μεμελαθρωμέναι †
18. 10. ἐνέπρησε τὴν βασ. καὶ τὰς χ. αὐ. †
21 (20). 14. R ἐν τοῖς παιδαρίοις τῶν ἀρχόντων τῶν χ. [A B *al.*] (5)
— 15. A τοὺς παῖδας τῶν ἀρχόντων τῶν χ. [B R *al.*] (5)
— 17. A παιδάρια ἀρχόντων χωρῶν [B R *al.*] (5)
— 19. A τὰ παιδάρια ἐκ τῆς πόλεως ἀρχόντων χωρῶν (5)
IV Ki. 18. 33. μὴ ῥυόμενοι ἐρρύσαντο . . . ἕκαστος τὴν ἑαυτοῦ χ. (4)
I Ch. 20. 1. ἔφθειραν τὴν χ. υἱῶν Ἀ. (4)
II Ch. 15. 5. B ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας χώρας [A R τὰς χ.] (4)
32. 13. πᾶσι τοῖς λαοῖς τῶν χ. (4)
I Es. 4. 20. ἐγκαταλείπει . . . τὴν ἰδίαν χ.
— 21. μέμνηται οὔτε τὴν μητέρα οὔτε τὴν χ.
— 28. οὐχὶ πᾶσαι αἱ χ. εὐλαβοῦνται ἅψασθαι αὐτοῦ
— 50. πᾶσαν τὴν χ. . . . ἀφορολόγητον αὐτοῖς ὑπάρχειν
5. 46. κατῴκισθησαν . . . ἐν Ἱερ. καὶ τῇ χ.
6. 8. παραγενόμενοι εἰς τὴν χ. τῆς Ἰ.
— 17. βασιλεύοντος Κύρου χώρας Βαβυλωνίας
— 23. ἐν Ἐκβ. τῇ βάρει τῇ ἐν Μηδείᾳ χ.
8. 13. ὃ ἐὰν εὑρεθῇ ἐν τῇ χ. τῆς Βαβυλωνίας
9. 37. κατῴκησαν . . . ἐν τῇ χ.
II Es. 2. 1. οὗτοι οἱ υἱοὶ τῆς χ. (5)
4. 15. καὶ κακοποιοῦσα βασιλεῖς καὶ χώρας (5)
5. 8. ἐπορεύθημεν εἰς τὴν Ἰουδαίαν χ. (5)
7. 16. ὅ τι ἐὰν εὕρῃς ἐν πάσῃ χ. Βαβυλῶνος (5)
Ne. 1. 3. οἱ καταλειπόμενοι . . . ἐκεῖ ἐν τῇ χ. (5)
7. 6. οὗτοι υἱοὶ τῆς χ. οἱ ἀναβάντες (5)
9. 7. ἐξήγαγες αὐτὸν ἐκ τῆς χ. τῶν Χαλδαίων (2)
11. 3. οὗτοι οἱ ἄρχοντες τῆς χ. (5)
To. 1. 3. τοῖς προπορευθεῖσι μετ' ἐμοῦ εἰς χώραν [S τὴν χ.] Ἀσσυρίων
— 4. ὅτε ἤμην ἐν τῇ χ. μου
— 14. S ἐν τῇ χ. τῆς Μηδίας [A B *al.*]
Es. 1. 1. ἑκατὸν εἴκοσι ἑπτὰ χωρῶν ἐκράτησεν (5)
— 22. A ἀπέστειλεν εἰς χ. καὶ χώραν [BS *al.*] (5, 5)
2. 3. ἐν πάσαις ταῖς [S¹ *om.*] χ. τῆς βασ. αὐ. (5)
3. 12. S² τοῖς ἄρχουσι κατὰ πᾶσαν χ. καὶ χ. [A B S¹ *om.* κ. χ.] (5, 5)
— 12. ταῖς [A *om.*] ἑκατὸν εἴκοσι ἑπτὰ χώραις –
— 13. τοῖς . . . ἑκατὸν εἴκοσι ἑπτὰ χωρῶν ἄρχουσι
— 14. S² ἐξετίθετο κατὰ χώραν καὶ χώραν [A B S¹ *om.* κ. χ.] (5, 5)
4. 3. ἐν πάσῃ χ. . . . κραυγή (5)
8. 9. ἐγράφη . . . ἑκατὸν εἴκοσι ἑπτὰ σατραπείαις κατὰ χώραν καὶ χώραν (5, 5)
— 11. S² πᾶσαν δύναμιν λαοῦ καὶ χώρας (5)
— 13. τοῖς . . . ἑκατὸν εἴκοσι ἑπτὰ σατραπείαις χωρῶν [S¹ ἰδίων χ.] ἄρχουσι
— 13. πᾶσα δὲ πόλις ἢ χώρα [S¹ -ας] τὸ σύνολον
— 17. τοῖς δὲ Ἰουδ. ἐγένετο φῶς . . . κατὰ πόλιν καὶ χώραν (5)
9. 12. A ἐν δὲ τῇ χ. πῶς οἴει κέχρηνται [B S *al.*] (5)
— 19. οἱ διεσπαρμένοι ἐν πάσῃ [A τῇ] χ. τῇ ἕξω †
— 27. κατὰ . . . πόλιν καὶ πατριὰν καὶ χώραν –
Jb. 1. 1. ἄνθρωπός τις ἦν ἐν χώρᾳ τῇ Αὐσίτιδι (4)
2. 11. παρεγένοντο ἕκαστος ἐκ τῆς ἰδίας χ. [A πόλεως] (6)
32. 2. Ἐλιοὺς . . . ἐκ τῆς συγγενείας Ῥὰμ τῆς Αὐσιτίδος χ. –
42. 18. ἧς καὶ αὐτὸς ἦρξε χώρας –
— 18. Ἀσὼμ ὁ ὑπάρχων ἡγεμὼν ἐκ τῆς Θαιμανίτιδος χ. –
Ps. 104 (105). 44. ἔδωκεν αὐτοῖς χώρας ἐθνῶν (4)
105 (106). 27. καὶ διασκορπίσαι αὐτοὺς ἐν ταῖς χ. (4)
106 (107). 3. ἐκ τῶν χ. συνήγαγεν αὐτούς (4)
114 (116). 9. εὐαρεστήσω ἐνώπιον κυρίου ἐν χώρᾳ ζώντων (4)
Pr. 8. 26. κύριος ἐποίησε χώρας (4)
29. 4. βασιλεὺς δίκαιος ἀνίστησι χώραν (4)
Ec. 2. 8. περιουσιασμοὺς βασιλέων καὶ τῶν χ. (5)
5. 7. ἐὰν συκοφαντίαν πένητος . . . ἴδῃς ἐν χώρᾳ (5)
Si. 10. 16. χώρας ἐθνῶν κατέστρεψεν ὁ κ.
43. 3. ἐν μεσημβρίᾳ αὐτοῦ ἀναξηραίνει χώραν
Si. 47. 17. ἐν ἑρμηνείαις [A ἐρημίαις] ἀπεθαύμασάν σε χῶραι
Am. 3. 9. ἀπαγγείλατε χώραις ἐν Ἀσσυρίοις καὶ ἐπὶ τὰς χ. τῆς Αἰγ. †, †
— 10. οἱ θησαυρίζοντες ἀδικίαν . . . ἐν ταῖς χ. αὐ. †
— 11. διαρπαγήσονται αἱ χ. σου †
6. 8. τὰς χ. αὐ. μεμίσηκα †
Mi. 5. 5 (4). ὅταν ἐπιβῇ ἐπὶ τὴν χ. ὑμῶν †
Jn. 1. 8. ἐκ ποίας χ. . . . εἶ σύ (4)
Is. 1. 7. τὴν χ. ὑμῶν ἐνώπιον ὑμῶν ἀλλότριοι κατεσθίουσιν (1)
2. 6. ἐνεπλήσθη ὡς τὸ ἀπ' ἀρχῆς ἡ χ. αὐτῶν κληδονισμῶν –
— 7. ἐνεπλήσθη γὰρ ἡ χ. αὐτῶν ἀργυρίου (4)
7. 18. τῇ μελίσσῃ ἥ ἐστιν ἐν χώρᾳ Ἀσσυρίων (4)
— 19. ἐν ταῖς φάραγξι τῆς χ. †
8. 8. ὥστε πληρῶσαι τὸ πλάτος τῆς χ. σου [A *al.*] (4)
9. 1 (8. 23). ταχὺ ποίει χ. Ζαβουλὼν (4)
— 2 (1). οἱ κατοικοῦντες ἐν χώρᾳ [A S² *add.* καὶ] σκιᾷ θανάτου (4)
10. 9. οὐκ ἔλαβον τὴν χ. τὴν ἐπάνω Βαβυλῶνος –
— 10. A S πάσας τὰς χ. [B ἀρχὰς] λήψομαι †
13. 14. εἰς τὴν χ. ἑαυτοῦ διώξεται [A S² *al.*] (4)
18. 2. ὡς χ. κατοικουμένη κατοικηθήσεται (4)
— 3. ἡ χ. αὐτῶν ὡσεὶ σημεῖον ἀπὸ ὄρους ἀρθῇ [S -ήσεται] (4)
— 7. ἐν μέρει ποταμοῦ τῆς χ. αὐτοῦ (4)
19. 17. ἔσται ἡ χ. τῶν Ἰ. τοῖς Αἰγ. εἰς φόβητρον (1)
— 19. ἔσται θυσιαστήριον τῷ κ. ἐν χώρᾳ Αἰγ. (4)
— 20. ἔσται εἰς σημεῖον . . . ἐν χώρᾳ Αἰγ. (4)
21. 14. οἱ ἐνοικοῦντες ἐν χώρᾳ Θαιμάν (4)
22. 18. ῥίψει σε εἰς χώραν μεγάλην (4)
27. 13. ἐν τῇ χ. τῶν Ἀσσυρίων (4)
28. 2. ὡς ὕδατος πολὺ πλῆθος σῦρον χώραν (4)
36. 10. μὴ ἄνευ κυρίου ἀνέβημεν ἐπὶ τὴν χ. ταύτην (4)
— 18. μὴ ἐρρύσαντο οἱ θεοὶ . . . ἕκαστος τὴν ἑαυτοῦ χ. (4)
37. 7. ἀποστραφήσεται εἰς τὴν χ. αὐτοῦ (4)
— 12. αἵ εἰσιν ἐν χώρᾳ Θεεμάθ –
— 18. ἠρήμωσαν . . . τὴν χ. αὐτῶν (4)
Je. 3. 18. ἥξουσιν . . . ἀπὸ πασῶν τῶν χ. –
4. 29. ἀνεχώρησε πᾶσα χ. †
16. 15. ἀνήγαγε . . . ἀπὸ πασῶν τῶν χ. (4)
La. 1. 1. ἄρχουσα ἐν χώραις ἐγενήθη εἰς φόρον (5)
Ep. Je. 14. σκῆπτρον ἔχει ὡς ἄνθρωπος κριτὴς χώρας
— 53. βασιλέα γὰρ χώρας οὐ μὴ ἀναστήσωσιν
— 61. τὸ δὲ αὐτὸ καὶ πνεῦμα ἐν πάσῃ χ. πνεῖ
— 72. ἔσται ὄνειδος ἐν τῇ [A *om.*] χ.
Ez. 5. 5. ἐν μέσῳ τῶν ἐθνῶν τέθεικα . . . τὰς κύκλῳ αὐτῆς χ. (4)
— 6. ἐρεῖς . . . τὰ νόμιμά μου [A *add.* ἐκ] τῶν χ. τῶν κύκλῳ αὐτῆς (4)
6. 8. ἐν τῷ διασκορπισμῷ ὑμῶν ἐν ταῖς χ. (4)
11. 16. ἔσομαι αὐτοῖς εἰς ἁγίασμα μικρὸν ἐν ταῖς χ. (4)
— 17. A² B συνάξω αὐτοὺς ἐκ τῶν χ. (4)
12. 15. διασπερῶ αὐτοὺς ἐν ταῖς χ. (4)
19. 8. ἔδωκαν ἐπ' αὐτὸν ἔθνη ἐκ [A ἀπὸ] χωρῶν κυκλόθεν (5)
20. 23. διασπεῖραι [A τοῦ διασκορπίσαι] αὐτοὺς ἐν ταῖς χ. (4)
— 34. εἰσδέξομαι ὑμᾶς ἐκ τῶν χ. (4)
— 41. εἰσδέχεσθαι [A -δέξομαι] ὑμᾶς ἐκ τῶν χ. (4)
21. 19 (24). ἐκ χώρας μιᾶς ἐξελεύσονται αἱ [A ἀρχαὶ] δύο (4)
22. 4. εἰς ἐμπαιγμὸν πάσαις ταῖς χ. (4)
— 15. διασπερῶ σε ἐν ταῖς χ. (4)
25. 7. ἀπολῶ σε ἐκ τῶν χ. ἀπωλείᾳ (4)
28. 25. A συνάξω τὸν Ἰσρ. ἐκ τῶν χ. [B ἐθνῶν] †
29. 12. λικμήσω αὐτοὺς εἰς τὰς χ. (4)
30. 7. ἐν μέσῳ χωρῶν ἠρημωμένων [A ἠφανισμ.] (4)
— 23, 26. λικμήσω αὐτοὺς εἰς τὰς χ. (4)
34. 13. συνάξω αὐτοὺς ἀπὸ [A ἐκ] τῶν χ. (4)
35. 10. τὰ δύο ἔθνη καὶ αἱ δύο χ. ἐμαὶ ἔσονται (4)
36. 19. ἐλίκμησα αὐτοὺς εἰς τὰς χ. (4)
38. 13. A πᾶσαι αἱ χ. αὐτῆς [B κῶμαι αὐτῶν] ἐροῦσίν σοι †
39. 27. ἐν τῷ . . . συναγαγεῖν με αὐτοὺς ἐκ τῶν χ. τῶν ἐθνῶν (4)
Da. LXX. 3. 1. Ναβ. βασιλεὺς διοικῶν πόλεις καὶ χώρας –
— 1. ἐν πεδίῳ τοῦ περιβόλου χώρας Βαβυλωνίας (5)
— 2. καὶ τοὺς ἐπ' ἐξουσιῶν κατὰ χώραν (5)
— 3. καὶ πάντες οἱ ἄρχοντες τῶν χ. (5)
— 4. ὑμῖν παραγγέλλεται, ἔθνη καὶ χῶραι –

Da. LXX. 3. 12. οὓς κατέστησας ἐπὶ τῆς χ. τῆς Βαβυλωνίας (5)
— 30 (97). ἐξουσίαν δοὺς ἐφ' ὅλης τῆς χ. (5)
4. 18. καὶ πᾶσαι αἱ χ. σοὶ δουλεύουσι –
— 34. ποιήσω ἐγὼ . . . καὶ αἱ χ. μου –
— 34. πᾶσι τοῖς κατὰ τόπον ἔθνεσι καὶ χώραις καὶ γλώσσαις πάσαις ταῖς οἰκούσαις ἐν πάσαις ταῖς χ. –, –
— 34. Ναβ. βασιλεὺς . . . πάσαις ταῖς χ. –
6. 25 (26). τότε Δαρ. ἔγραψε . . . χώραις –
7. 1. βασιλεύοντος Βαλτ. χώρας Βαβυλωνίας –
8. 2. ἥτις ἐστὶν ἐν Ἐλυμαΐδι χώρᾳ (5)
9. 7. ἐν πάσαις ταῖς χ. εἰς ἃς διεσκόρπισας αὐτούς (4)
11. 16. στήσεται ἐν τῇ χ. (4)
— 19. εἰς τὸ κατισχῦσαι τὴν χ. αὐ. (4)
— 28 *bis*. ἐπιστρέψει ἐπὶ τὴν χ. αὐ. (4)
— 39. χώραν ἀπομεριεῖ εἰς δωρεάν (1)
— 40. εἰσελεύσεται εἰς χώραν Αἰγύπτου (4)
— 41. ἐπελεύσεται εἰς τὴν χ. μου (4)
— 42. ἐν χώρᾳ Αἰγύπτου οὐκ ἔσται ἐν αὐτῇ διασωζόμενος (4)
12. 1. κατὰ τὴν χ. ἐκ. παρελεύσεται M. †
Bel 27. συνήχθησαν οἱ ἀπὸ τῆς χ. πάντες
— 29. ἐπισυνήχθη ὁ ὄχλος τῆς χ. ἐπ' αὐτόν
Da. TH. 2. 48. κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ πάσης χ. Βαβυλῶνος (5)
— 49. ἐπὶ τὰ ἔργα τῆς χ. Βαβυλῶνος (5)
3. 1. ἔστησεν αὐτὴν . . . ἐν χώρᾳ Βαβυλῶνος (5)
— 2. καὶ πάντας τοὺς ἄρχοντας τῶν χ. (5)
— 3. καὶ πάντες οἱ ἄρχοντες τῶν χ. (5)
— 12. ἐπὶ τὰ ἔργα τῆς χ. Βαβυλῶνος (5)
— 30 (97). ἐν τῇ χ. [A ἐπὶ τὰ ἔργα τῆς χ.] Βαβυλῶνος (5)
8. 2. ἥ ἐστιν ἐν χώρᾳ Αἰ. (5)
11. 24. ἐν πίοσι χ. ἥξει (5)
I Ma. 1. 4. καὶ ἦρξε χωρῶν
3. 29. καὶ οἱ φόροι τῆς χ. ὀλίγοι
— 31. καὶ λαβεῖν τοὺς φόρους τῶν χ.
— 37. διεπορεύετο τὰς ἐπάνω χ.
— 41. ἤκουσαν οἱ ἔμποροι τῆς χ. τὸ ὄνομα αὐ.
6. 1. διεπορεύετο τὰς ἐπάνω χ.
7. 7. ἣν ἐποίησεν ἡμῖν καὶ τῇ χ. τοῦ βασ.
— 20. κατέστησε τὴν χ. τῷ Ἀλκ.
— 24. A τοῦ πορευθῆναι εἰς χώραν [S R τὴν χ.]
8. 3. ὅσα ἐποίησαν ἐν χώρᾳ Σπανίας
— 8. διδόναι . . . χώραν τὴν Ἰνδικὴν . . . καὶ ἀπὸ τῶν καλλίστων χ. αὐ.
9. 24. αὐτομόλησεν ἡ χ. μετ' αὐτῶν
— 25. κατέστησεν αὐτοὺς κυρίους τῆς χ.
— 53. ἔλαβε τοὺς υἱοὺς τῶν ἡγουμ. τῆς χ. ὅμηρα
— 61. συνέλαβον ἀπὸ τῶν ἀνδρῶν τῆς χ.
— 65. ἐξῆλθεν εἰς τὴν χ.
— 69. ἐλθεῖν εἰς τὴν χ.
10. 38. τοὺς προστεθέντας τῇ Ἰ. ἀπὸ τῆς χ. Σαμ.
— 52. ἐπεκράτησα τῆς χ. ἡμῶν
11. 62. διῆλθε τὴν χ. ἕως Δαμασκοῦ
— 64. τὸν δὲ ἀδ. αὐ. Σ. κατέλειπεν ἐν τῇ χ.
12. 25. ἀπήντησεν αὐτοῖς εἰς τὴν Ἀμ. χ.
— 25. τοῦ ἐμβατεῦσαι εἰς τὴν χ. αὐ.
— 32. A R διώδευσεν ἐν πάσῃ τῇ [S *om.*] χ.
13. 20. S R τοῦ ἐμβατεῦσαι εἰς τὴν χ. [A πόλιν]
— 34. τοῦ ποιῆσαι ἄφεσιν τῇ χ.
— 49. ἐκωλύοντο ἐκπορεύεσθαι . . . εἰς τὴν χ.
14. 6. ἐκράτησε τῆς χ.
— 17. καὶ ἐπικρατεῖ τῆς χ.
— 28. καὶ τῶν πρεσβυτ. τῆς χ.
— 29. ἐπεὶ πολλάκις ἐγενήθησαν πόλεμοι ἐν τῇ χ.
— 31. ἐμβατεῦσαι εἰς τὴν χ. αὐ.
— 31. A S^2 R τοῦ ἐκτρίψαι τὴν χ. αὐ.
— 36. τοῦ ἐξαρθῆναι τὰ ἔθνη ἐκ τῆς χ. αὐ.
— 37. πρὸς ἀσφάλειαν τῆς χ.
— 42. καθιστάναι . . . ἐπὶ τῆς χ.
— 43. A R ὅπως γράφωνται . . . πᾶσαι συγγραφαὶ ἐν [S αἱ ἐν] τῇ χ.
— 44. ἐπισυστρέψαι συστροφὴν ἐν τῇ χ.
15. 4. ἐκβῆναι κατὰ τὴν χ.
— 4. ὅπως μετέλθω τοὺς κατεφθαρκότας τὴν χ. ἡμῶν
I Ma. 15. 6. A ποιῆσαι κόμμα ἴδιον νόμισμα τῆς χ. [S R τῇ χ.] σου
— 15. ἔχοντες ἐπιστολὰς . . . ταῖς χ.
— 19. γράψαι τοῖς βασιλεῦσι καὶ ταῖς χ.
— 19. A ὅπως . . . μὴ πολεμήσωσιν . . . τὰς χ. [S R τὴν χ.] αὐ.
— 21. εἴ τινες οὖν λοιμοὶ διαπεφεύγασιν ἐκ [S^1 *om.*] τῆς χ. αὐ.
— 23. ἔγραψε . . . εἰς πάσας τὰς χ.
— 35. S ἐποίουν . . . πληγὴν μεγάλην καὶ τὴν χ. ἡμῶν [A R *al.*]
16. 4. ἐπέλεξεν ἐκ τῆς χ. εἴκοσι χιλιάδας ἀνδρῶν
— 13. ἠβουλήθη κατακρατῆσαι τῆς χ.
— 14. ἐφοδεύων τὰς πόλεις τὰς ἐν τῇ χ.
— 18. ὅπως . . . παραδῷ αὐτῷ τὴν χ. αὐ.
II Ma. 1. 1. οἱ ἀδελφοὶ . . . οἱ ἐν τῇ χ. τῆς Ἰουδ.
2. 21. ὡς τὴν ὅλην χ. ὀλίγους ὄντας λεηλατεῖν
4. 26. εἰς τὴν Ἀμμανῖτιν χ. συνήλαστο
8. 6. χώρας ἀπροσδοκήτως ἐρχόμενος ἐνεπίμπρα
— 25. ἀνέλυσαν ἀπὸ τῆς χ.
9. 24. εἰδότες οἱ κατὰ τὴν χ.
14. 2. κεκρατηκέναι τῆς χ.
— 9. τῆς χ. . . . προσνοήθητι
III Ma. 3. 1. τοῖς ἐν τῇ χ. βαρυτέρως ἐναντιωθῆναι
4. 11. τοῖς ἐκ τούτων εἰς τὴν χ. στελλομένοις
— 18. καίπερ ὄντων ἔτι κατὰ τὴν χ. τῶν πλειόνων
6. 1. ἀνὴρ ἐπίσημος τῶν ἀπὸ τῆς χ. Ἰουδαίων
— 25. τὰ τῆς χ. ὀχυρώματα
[Aq. Ge. 3. 2 (1): 24. 63: 27. 27: Ex. 23. 11: Jd. 5. 18: Ps. 49 (50). 11: 79 (80). 14: 131 (132). 6: Ca. 2. 7: 8. 4: Is. 36. 2: 37. 27: 56. 9: Ez. 19. 7: Da. 3. 12 (Sw.): Mi. 3. 12.]
[Sm. Ge. 42. 9: Jd. 5. 18: Ps. 104 (105). 35: 131 (132). 6: Ec. 5. 8: Ca. 2. 7: Is. 36. 2: Je. 28 (35). 8: Ez. 17. 5: 20. 46 (21. 2).]
[Th. Ca. 2. 7: Da. 3. 2, 12: 8. 2: Jl. 3 (4). 2.]
[Al. Ex. 1. 14: Le. 27. 16: Ca. 8. 4.]
[Quint. Ca. 2. 7.]

χώραξ (?).
I Ki. 17. 5. A ὁ σταθμὸς τοῦ χ. [B θώρακος] αὐ. †

χωρεῖν. (1) חָזַק hi. (2) יָכֹל (3) כּוּל hi. (4) נָשָׂא (5) χωρῶν כָּבֵיתָ
Ge. 13. 6. οὐκ ἐχώρει αὐτοὺς ἡ γῆ κατοικεῖν ἅμα (4)
— 6. B οὐκ ἐχώρει αὐτοὺς ἡ γῆ κατοικεῖν ἅμα [A *al.*] (2)
III Ki. 7. 26. A δισχιλίους χοεῖς χωροῦντας (3)
— 38. B τεσσαράκοντα χοεῖς χωροῦντας [A R -α] (3)
18. 32. ἐποίησε θάλασσαν χωροῦσαν δύο μετρητάς (5)
II Ch. 4. 5. χωροῦσαν [A -σα] μετρητὰς τρισχιλίους (1)
Wi. 7. 23. διὰ πάντων χωροῦν πνευμάτων νοερῶν καθαρῶν
— 24. χωρεῖ διὰ πάντων διὰ τὴν καθαρότητα
II Ma. 3. 40. τὰ μὲν καθ' Ἡλιόδωρον . . . οὕτως ἐχώρησεν
13. 26. οὕτω τὰ τῆς ἐφόδου τοῦ βασ. . . . ἐχώρησε
15. 37. τῶν οὖν κατὰ Νικάνορα χωρησάντων οὕτως
IV Ma. 7. 6. οὐδὲ τὴν θεοσέβειαν . . . χωρήσασαν γαστέρα
[Aq. Ps. 11 (12). 7.]
[Sm. III Ki. 7. 38 (24): Ez. 23. 32.]

χώρημα. (1) צָפָה
Ez. 32. 6. A ποτισθήσεται ἡ γῆ ἀπὸ τῶν χ. [B προχ.] σου (1)

χωρίζειν. (1) בָּדַד (2) בָּדַל *a.* ni. *b.* hi. (3) מוּשׁ (4) פָּרַד ni.
Le. 13. 46. κεχωρισμένος καθήσεται (1)
Jd. 4. 11. X. ὁ K. ἐχωρίσθη ἀπὸ K. [A *al.*] (4)
6. 18. μὴ χωρισθῇς [A κινηθῇς] ἐντεῦθεν (3)
I Ch. 12. 8. ἀπὸ τοῦ Γ. ἐχωρίσθησαν [A διεχ.] πρὸς Δ. (2 *a*)
I Es. 4. 44, 57. ἃ ἐχώρισε [A ἐξεχώρησεν] Κῦρος
I Es. 5. 39. ἐχωρίσθησαν τοῦ ἱερατεύειν
7. 13. πάντες οἱ χωρισθέντες ἀπὸ τῶν βδελυγμάτων
8. 54. ἐχώρισα . . . ἄνδρας δέκα δύο
— 69. οὐκ ἐχώρισαν . . . τὰς ἀκαθαρσίας αὐτῶν
9. 9. χωρίσθητε ἀπὸ τῶν ἐθνῶν τῆς γῆς
II Es. 6. 21. B καὶ πᾶς ὁ χωριζόμενος εἰς [A R τῆς] ἀκαθαρσίας ἐθνῶν (2 *a*)
9. 1. οὐκ ἐχωρίσθη ὁ λαὸς Ἰσρ. (2 *a*)
Ne. 9. 1. S^1 ἐχωρίσθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν νηστείᾳ †
— 2. ἐχωρίσθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἀπὸ παντὸς υἱοῦ ἀλλοτρίου (2 *a*)
13. 3. ἐχωρίσθησαν πᾶς ἐπίμικτος ἐν Ἰσρ. (2 *b*)
Pr. 18. 1. προφάσεις ζητεῖ ἀνὴρ βουλόμενος χωρίζεσθαι ἀπὸ φίλων (4)
Wi. 1. 3. σκολιοὶ γὰρ λογισμοὶ χωρίζουσιν ἀπὸ θεοῦ
Ez. 46. 19. ἐκεῖ τόπος κεχωρισμένος †
I Ma. 1. 11. A S^3 R ἀφ' ἧς ἐχωρίσθημεν [S^1 ἐξωρ.] ὑπ' αὐτῶν
II Ma. 5. 21. θᾶττον εἰς τὴν Ἀντ. ἐχωρίσθη
10. 19. αὐτὸς ἐχωρίσθη
12. 12. εἰς τὰς σκηνὰς ἐχωρίσθησαν
III Ma. 2. 25. διά τε τῶν . . . ἑταίρων τοῦ παντὸς δικαίου κεχωρισμένων
5. 50. τὰ νήπια χωρίσαντες τῶν μαστῶν
[Aq. Dt. 10. 8: 19. 2: Jd. 4. 11: Ho. 4. 14.]
[Sm. Jd. 4. 11: Pr. 19. 4: Is. 56. 3.]
[Th. Ge. 16. 12: Jd. 4. 11: Ez. 1. 11: Ho. 4. 14.]
[Al. Ex. 13. 1: Le. 13. 21: Pr. 16. 28: Is. 66. 5.]

χωρίον. (1) כֶּרֶם
I Ch. 27. 27. καὶ ἐπὶ τῶν χ. Σεμ. (1)
— 27. καὶ ἐπὶ τῶν θησαυρῶν τῶν ἐν τοῖς χ. τοῦ οἴνου (1)
II Ma. 11. 5. συνεγγίσας B. ὄντι μὲν ἐρυμνῷ χ.
12. 7. τοῦ δὲ χ. συγκλεισθέντος
— 21. ἦν γὰρ δυσπολιόρκητον . . . τὸ χ.
IV Ma. 15. 20. πολυάνδριον ὁρῶσα τῶν τέκνων χωρίον [S^1 χόριον, S^2 χορίδιον]

χωρίς.
Ge. 26. 1: 46. 26: 47. 22, 26.
Le. 9. 17.
Nu. 6. 21: 16. 49 (17. 14).
Jd. 20. 15†, 17†.
III Ki. 5. 16 (30): 10. 15.
I Es. 4. 17†: 5. 41.
II Es. 2. 65.
Ju. 7. 2: 8. 6.
Wi. 11. 20.
Da. LXX. Bel 9.
Da. TH. Bel 10†.
IV Ma. 2. 8: 5. 8†.
[Aq. Ex. 12. 37 (χ. ἀπό): Dt. 18. 8.]

χωρισμός. (1) נִדָּה
Le. 12. 2. κατὰ τὰς ἡμέρας τοῦ χ. τῆς ἀφέδρου αὐ. (1)
18. 19. πρὸς γυναῖκα ἐν χωρισμῷ ἀκαθαρσίας αὐ. (1)
Za. 13. 1. καὶ εἰς τὸν χ. [A S^3 ῥαντισμόν] (1)
III Ma. 3. 4. χωρισμὸν ἐποίουν
[Aq. Ez. 7. 19.]
[Sm. Is. 56. 3.]
[Al. Le. 15. 20, 24.]

χωροβατεῖν. (1) הָלַךְ hithp. (2) כָּתַב (3) עָבַר
Jo. 18. 8. τοῖς πορευομένοις χωροβατῆσαι τὴν γῆν (2)
— 8. χωροβατήσατε τὴν γῆν (1+2)
— 9. ἐχωροβάτησαν τὴν γῆν (3)

χωρογραφεῖν.
[Al. Jo. 18. 8.]

χῶρος.
IV Ma. 18. 23. A εἰς πατέρων χῶρον [S R χορὸν] συναγελάζονται
[Aq., Th. Jo. 1. 9.]
[Sm. Jo. 1. 9: Je. 31 (38). 40.]

Ψ

ψαθυροῦν.
[**Aq.** Jo. 9. 5 (11) : Ps. 101 (102). 4.]

ψαλίς. (1) בַּיִת (2) חֲשַׁקִּים

Ex. 27. 10. καὶ αἱ ψ. ἀργυραῖ (2)
— 11. καὶ αἱ ψ. τῶν στύλων (2)
30. 4. ἔσονται ψαλίδες ταῖς σκυτάλαις (1)
37. 6 (36. 38). **A R** καὶ τὰς ψ. αὐ. (2)
[**Th.** Ex. 38. 10 (37. 8).]

ψάλλειν. (1) זָמַר pi. (2) נָגַן *a.* qal. *b.* pi.

Jd. 5. 3. ψαλῶ τῷ κυρίῳ τῷ θεῷ Ἰσρ. (1)
I Ki. 16. 16. ἄνδρα εἰδότα ψάλλειν ἐν κινύρᾳ (2 *b*)
— 16. ψαλεῖ [**A** ψάλλειν] ἐν τῇ κινύρᾳ αὐ. (2 *b*)
— 17. ἴδετε δή μοι ἄνδρα ὀρθῶς ψάλλοντα (2 *b*)
— 18. **A** καὶ αὐτὸν εἰδότα ψάλλειν [**B** ψαλμόν] (2 *b*)
— 23. ἔψαλλεν ἐν χειρὶ αὐ. (2 *b*)
18. 10. **A** Δ. ἔψαλλεν ἐν χειρὶ αὐ. (2 *b*)
19. 9. Δ. ἔψαλλε ταῖς [**A** ἐν ταῖς] χ. αὐ. (2 *b*)
II Ki. 22. 50. ἐν τῷ ὀνόματί σου ψαλῶ (1)
IV Ki. 3. 15. λάβε μοι ψάλλοντα (2 *b*)
— 15. ὡς ἔψαλλεν ὁ ψάλλων (2 *b*, 2 *b*)
Ps. 7. 17. ψαλῶ τῷ ὀνόματι κυρίου τοῦ ὑψίστου (1)
9. 2. ψαλῶ τῷ ὀνόματί σου, ὕψιστε (1)
— 11. ψάλατε τῷ κυρίῳ τῷ κατοικοῦντι ἐν Σιών (1)
12 (13). 6. ψαλῶ τῷ ὀνόματι κυρίου τοῦ ὑψίστου –
17 (18). 49. τῷ ὀνόματί σου ψαλῶ (1)
20 (21). 13. ψαλοῦμεν τὰς δυναστείας σου (1)
26 (27). 6. ψαλῶ τῷ κυρίῳ (1)
29 (30). 4. ψάλατε τῷ κυρίῳ, οἱ ὅσιοι αὐτοῦ (1)
— 12. ὅπως ἂν ψάλῃ σοι ἡ δόξα μου (1)
32 (33). 2. ἐν ψαλτηρίῳ δεκαχόρδῳ ψάλατε αὐτῷ (1)
— 3. καλῶς ψάλατε [**S**[2] ψ. αὐτῷ] ἐν ἀλαλαγμῷ (2 *b*)
46 (47). 6. ψάλατε τῷ θεῷ ἡμῶν ψάλατε ψάλατε τῷ βασιλεῖ ἡμῶν ψάλατε (1 *quater*)
— 7. ψάλατε συνετῶς (1)
56 (57). 7. καὶ ψαλῶ [**S**[1] ψ. σοι] (1)
— 9. ψαλῶ σοι ἐν ἔθνεσιν (1)
58 (59). 17. σοὶ ψαλῶ, ὁ θεός μου (1)
60 (61). 8. ψαλῶ τῷ ὀνόματί σου (1)
65 (66). 2. ψάλατε δὴ τῷ ὀνόματι αὐτοῦ (1)
— 4. ψαλάτωσάν σοι ψαλάτωσαν τῷ ὀνόματί σου (1, 1)
67 (68). 4. ψάλατε τῷ ὀνόματι αὐτοῦ (1)
— 25. **B** προέφθασαν ἄρχοντες ἐχόμενοι [**S** -να] ψαλλόντων (2 *a*)
— 32. ψάλατε τῷ κυρίῳ (1)
— 33. **B** ψάλατε τῷ θεῷ –
68 (69). 12. εἰς ἐμὲ ἔψαλλον οἱ πίνοντες τὸν οἶνον †
70 (71). 22. ψαλῶ σοι ἐν κιθάρᾳ (1)
— 23. ὅταν ψάλω σοι (1)
74 (75). 9. ψαλῶ τῷ θεῷ Ἰακώβ (1)
91 (92). 1. καὶ ψάλλειν τῷ ὀνόματί σου (1)
97 (98). 4. ἀγαλλιᾶσθε καὶ ψάλατε (1)
— 5. ψάλατε τῷ κυρίῳ ἐν κιθάρᾳ (1)
100 (101). 1. ψαλῶ καὶ συνήσω (1)
103 (104). 33. **A**[2] **B S** ψαλῶ τῷ θεῷ μου (1)
104 (105). 2. ᾄσατε αὐτῷ καὶ ψάλατε αὐτῷ (1)
107 (108). 1. ᾄσομαι καὶ ψαλῶ ἐν τῇ δόξῃ μου (1)
— 3. ψαλῶ σοι ἐν ἔθνεσιν (1)
134 (135). 3. ψάλατε τῷ ὀνόματι αὐτοῦ (1)
137 (138). 1. ἐναντίον ἀγγέλων ψαλῶ σοι (1)
143 (144). 9. ἐν ψαλτηρίῳ δεκαχόρδῳ ψαλῶ σοι (1)
145 (146). 2. ψαλῶ τῷ θεῷ μου ἕως ὑπάρχω (1)
146 (147). 7. ψάλατε τῷ θεῷ ἡμῶν ἐν κιθάρᾳ (1)
149. 3. ἐν τυμπάνῳ καὶ ψαλτηρίῳ ψαλάτωσαν αὐτῷ (1)
Si. 9. 4. μετὰ ψαλλούσης [**B**[2] λυριζούσης] μὴ ἐνδελέχιζε
[**Aq.** Ps. 32 (33). 3.]
[**Sm.** Ps. 32 (33). 3 : 68 (69). 13 : Is. 38. 20.]

ψαλμός. (1) *a.* זְמִיר *b.* מִזְמוֹר *c.* זִמְרָה *d.* זָמַר pi. (2) נֶבֶל (3) *a.* נָגַן pi. *b.* נְגִינָה (4) עוּגָב (5) שְׁנָיוֹן (6) שִׁיר (7) תְּהִלָּה

I Ki. 16. 18. καὶ αὐτὸν εἰδότα ψαλμόν [**A** ψάλλειν] (3 *a*)
II Ki. 23. 1. καὶ εὐπρεπεῖς ψαλμοὶ Ἰσρ. (1 *a*)
Ju. 16. 2. ἐναρμόσασθε αὐτῷ ψαλμόν
Jb. 21. 12. εὐφραίνονται φωνῇ ψαλμοῦ (4)
30. 31. ὁ δὲ ψ. μου εἰς κλαυθμὸν ἐμοί (4)
Ps. *tit.* ψαλμοί [**A** ψαλτήριον, **S** *om.*] (7)
3. *tit.* ψαλμὸς [**A** *om.*] τῷ Δαυίδ (1 *b*)
4. *tit.* ἐν ψαλμοῖς ᾠδὴ [**A** ψαλμὸς] τῷ Δαυίδ (3 *b* [1 *b*])
5. *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (1 *b*)
6. *tit.* ὑπὲρ τῆς ὀγδόης ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (1 *b*)
7. *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (5)
8. *tit.* : 9. *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (1 *b*)
10 (11). *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ –
11 (12). *tit.* : 12 (13). *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (1 *b*)
13 (14). *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ –
14 (15). *tit.* : 18 (19). *tit.* : 19 (20). *tit.* : 20 (21). *tit.* : 21 (22). *tit.* (**B S**) : 22 (23). *tit.* : 23 (24). *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (1 *b*)
24 (25). *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ –
28 (29). *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (1 *b*)
29 (30). *tit.* ψαλμὸς ᾠδῆς τοῦ ἐγκαινισμοῦ τοῦ οἴκου τοῦ Δ. (1 *b*)
30 (31). *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (1 *b*)
31 (32). *tit.* **A** ψαλμὸς [**B S** συνέσεως] τῷ Δαυίδ †
34 (35). *tit.* **A** ψαλμὸς [**B S** *om.*] τῷ Δαυίδ –
35 (36). *tit.* **A** τῷ Δαυὶδ ψαλμός [**B S** *al.*] –
36 (37). *tit.* **A** εἰς τὸ τέλος ψαλμὸς τῷ Δ. [**B S** *al.*] –
37 (38). *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (1 *b*)
39 (40). *tit.* τῷ Δαυὶδ ψαλμός (1 *b*)
40 (41). *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (1 *b*)
41 (42). *tit.* (**A**) : 42 (43). *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ –
43 (44). *tit.* εἰς σύνεσιν [**A** *om.* εἰς σ.] ψαλμός [**S** *om.*] –
45 (46). *tit.* ὑπὲρ τῶν κρυφίων ψαλμός [**A** τοῦ Δαυὶδ ψαλμός] (6)
46 (47). *tit.* ὑπὲρ τῶν υἱῶν Κορὲ ψαλμός [**A** *al.*] (1 *b*)
47 (48). *tit.* **B** ψαλμὸς ᾠδῆς [**S** ᾠδὴ ψαλμοῦ] τοῖς υἱοῖς Κ. [**A** *al.*] (6 [1 *b*])
48 (49). *tit.* τοῖς υἱοῖς Κορὲ ψαλμός [**A** *al.*] (1 *b*)
49 (50). *tit.* ψαλμὸς τῷ Ἀσάφ [**A** *al.*] (1 *b*)
50 (51). *tit.* εἰς τὸ τέλος ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (1 *b*)
60 (61). *tit.* **S** ψαλμὸς τῷ Δαυίδ [**B** *al.*] (3 *b* ?)
61 (62). *tit.* : 62 (63). *tit.* : 63 (64). *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (1 *b*)
64 (65). *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυὶδ ᾠδή [**S** *om.*] (1 *b* [1 *b* + 6])
65 (66). *tit.* ᾠδὴ ψαλμοῦ ἀναστάσεως [**S** *om.*] (1 *b*)
66 (67). *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ [**S** ψ. ᾠδῆς] (1 *b* + 6 [1 *b*])
67 (68). *tit.* τῷ Δαυὶδ ψαλμὸς ᾠδῆς (1 *b*)
70 (71). *tit.* **S** τῷ Δ. ψαλμός [**B** *om.*] –
— 22. ἐξομολογήσομαί σοι ἐν σκεύει ψαλμοῦ [**S** *om.* ἐν σκ. ψ.] τὴν ἀλήθειάν σου (2)
72 (73). *tit.* ψαλμὸς τῷ Ἀσάφ (1 *b*)
74 (75). *tit.* ψαλμὸς ᾠδῆς τῷ Ἀσάφ (1 *b*)
75 (76). *tit.* : 76 (77). *tit.* ψαλμὸς τῷ Ἀσάφ (1 *b*)
78 (79). *tit.* ψαλμὸς τῷ Ἀσάφ [**S** Δαυείδ] (1 *b*)
79 (80). *tit.* ψαλμὸς ὑπὲρ τοῦ Ἀσσυρίου [**S** *om.* ὑ. τοῦ Ἀσσ.] (1 *b*)
80 (81). *tit.* ψαλμὸς τῷ Ἀσάφ [**A** Δαυίδ] –
— 2. λάβετε ψαλμόν (1 *c*)
81 (82). *tit.* ψαλμὸς τῷ Ἀσάφ (1 *b*)
82 (83). *tit.* ᾠδὴ ψαλμοῦ τῷ Ἀσάφ (1 *b*)
Ps. 83 (84). *tit.* : 84 (85). *tit.* τοῖς υἱοῖς Κορὲ ψαλμός (1 *b*)
86 (87). *tit.* τοῖς υἱοῖς Κορὲ ψαλμὸς ᾠδῆς (1 *b*)
87 (88). *tit.* ᾠδὴ ψαλμοῦ τοῖς υἱοῖς Κορέ (1 *b*)
91 (92). *tit.* ψαλμὸς ᾠδῆς εἰς τὴν ἡμέραν τοῦ σαββάτου [**S** προσαββ.] (1 *b*)
93 (94). *tit.* ψαλμὸς [**A** ψ. ᾠδῆς] τῷ Δαυίδ –
94 (95). 2. ἐν ψαλμοῖς ἀλαλάξωμεν αὐτῷ (1 *a*)
97 (98). *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (1 *b*)
— 5. ἐν κιθάρᾳ καὶ φωνῇ [**A S** -ῆς] ψαλμοῦ (1 *c*)
98 (99). *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ –
99 (100). *tit.* ψαλμὸς εἰς ἐξομολόγησιν (1 *b*)
100 (101). *tit.* ψαλμὸς [**A** *om.*] τῷ Δαυίδ (1 *b*)
107 (108). *tit.* **S R** ᾠδὴ ψαλμοῦ [**A** ψαλμὸς] τῷ Δαυίδ (1 *b* [6 + 1 *b*])
108 (109). *tit.* : 109 (110). *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (1 *b*)
137 (138). *tit.* **R** ψαλμὸς [**A S** *om.*] τῷ Δ. –
138 (139). *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ [**A** τῷ Δ. ψ.] (1 *b*)
139 (140). *tit.* εἰς τὸ τέλος τῷ Δαυὶδ ψαλμός (1 *b*)
140 (141). *tit.* : 142 (143). *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυίδ (1 *b*)
146 (147). 1. ὅτι ἀγαθὸν [**S**[1] -ὸς] ψαλμός (1 *d*)
151. *tit.* οὗτος ὁ ψ. ἰδιόγραφος εἰς Δαυίδ
subscr. **A** ψαλμοὶ ρν' καὶ ἰδιόγραφος [**B** βίβλος ψαλμῶν, **S** ψαλμοί]
Am. 5. 23. ψαλμὸν ὀργάνων σου οὐκ ἀκούσομαι (1 *c*)
Za. 6. 14. καὶ εἰς ψαλμὸν ἐν οἴκῳ κυρίου †
Is. 66. 20. ὡς ἀνενέγκαισαν . . . τὰς θυσίας αὐ. ἐμοὶ μετὰ ψαλμῶν †
La. 3. 14. ἐγενήθην . . . ψ. αὐτῶν (3 *b*)
5. 14. ἐκλεκτοὶ ἐκ ψαλμῶν αὐτῶν κατέπαυσαν (3 *b*)
III Ma. 6. 35. ἐν . . . ψαλμοῖς διῆγον
[**Aq.** Ps. 4. 1 : 6. 1 : 12 (13). 1 : 53 (54). 1 : 54 (55). 1 : 68 (69). 13.]
[**Sm.** Ps. 74 (75). 1 : 76 (77). 7 : 146 (147). 1 : Is. 24. 16 : 38. 20 : 51. 3.]
[**Th.** Ps. 4. 1 : 6. 1 : 8. 1 : 9. 1 : 10 (11). 1 : 11 (12). 1 : 12 (13). 1 : 18 (19). 1 : 19 (20). 1 : 22 (23). 1 : 40 (41). 1 : Is. 24. 16.]
[**Quint.** Ps. 9. 1.]

ψαλμῳδός.
Si. 47. 9. **S** ἔστησε ψαλμῳδοὺς [**A B** ψαλτ.] κατέναντι τοῦ θυσιαστηρίου
50. 18. ἦνεσαν οἱ ψ. [**A** ψαλτ.] ἐν φωναῖς αὐτῶν
I Ma. 11. 70. **S** πλὴν Ματταθίας τοῦ ψ. [**A R** *al.*]

ψαλτήριον. (1) כִּנּוֹר (2) נֵבֶל, נֶבֶל (3) נְגִינָה (4) פְּסַנְתֵּרִין, פְּסַנְטֵרִין (5) תֹּף

Ge. 4. 21. οὗτος ἦν ὁ καταδείξας ψαλτήριον (1)
Ne. 12. 27. κυμβαλίζοντες καὶ ψαλτήρια (2)
Jb. 21. 12. ἀναλαβόντες ψαλτήριον (5)
Ps. *tit.* **A** ψαλτήριον [**B** ψαλμοί, **S** *om.*] †
32 (33). 2. ἐν ψ. δεκαχόρδῳ ψάλατε αὐτῷ (2)
48 (49). 4. ἀνοίξω ἐν ψαλτηρίῳ τὸ πρόβλημά μου (1)
56 (57). 8. ἐξεγέρθητι, ψαλτήριον καὶ κιθάρα (2)
80 (81). 2. ψαλτήριον τερπνὸν μετὰ κιθάρας (1)
91 (92). 3. ἐν δεκαχόρδῳ ψαλτηρίῳ μετ' ᾠδῆς ἐν κιθάρᾳ (2)
107 (108). 2. ἐξεγέρθητι, ψαλτήριον καὶ κιθάρα (2)
143 (144). 9. ἐν ψ. δεκαχόρδῳ ψαλῶ σοι (2)
149. 3. ἐν τυμπάνῳ καὶ ψαλτηρίῳ ψαλάτωσαν (1)
150. 3. αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν ψαλτηρίῳ (2)
151. 2. οἱ δάκτυλοί μου ἥρμοσαν ψαλτήριον
Wi. 19. 18. ὥσπερ ἐν ψαλτηρίῳ φθόγγοι τοῦ ῥυθμοῦ
Si. 40. 21. αὐλὸς καὶ ψαλτήριον ἡδύνουσι μέλη
Is. 5. 12. μετὰ γὰρ κιθάρας καὶ ψαλτηρίου (2)
38. 20. οὐ παύσομαι εὐλογῶν σε μετὰ ψαλτηρίου (3)
Ez. 26. 13. ἡ φωνὴ τῶν ψ. σου οὐ μὴ ἀκουσθῇ (1)
33. 32. ὡς φωνὴ ψαλτηρίου ἡδυφώνου †
Da. LXX. 3. 5. ὅταν ἀκούσητε τῆς φωνῆς . . . ψαλτηρίου (4)
— 7. ὅτε ἤκουσαν . . . τῆς φωνῆς . . . ψαλτηρίου (4)

Da. LXX. 3. 10. ὃς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς . . . ψαλτηρίου (4)
— 15. ἅμα τῷ ἀκοῦσαι . . . ψαλτηρίου (4)
Da. TH. 3. 5. ᾗ ἂν ὥρᾳ ἀκούσητε φωνῆς . . . ψαλτηρίου (4)
— 7. ὅταν ἤκουον οἱ λαοὶ τῆς φωνῆς . . . ψαλτηρίου (4)
— 10. ὃς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς . . . ψαλτηρίου (4)
— 15. ὡς ἂν ἀκούσητε τῆς φωνῆς . . . ψαλτηρίου (4)
[Aq. I Ki. 16. 16.]
[Sm. Ps. 4. 1 : 6. 1 : 42 (43). 4 : 53 (54). 1 : 54 (55). 1 : Is. 16. 11 : 30. 32 : Je. 52. 18.]
[Th. I Ki. 16. 23.]
[Al. Ps. 48 (49). 5.]

ψάλτης.
I Es. 5. 42. ψάλται καὶ ψαλτῳδοί

ψαλτός. (1) זְמִיר
Ps. 118 (119). 54. ψαλτὰ ἦσάν μοι τὰ δικαιώματά σου (1)

ψαλτῳδεῖν. (1) שִׁיר pil.
II Ch. 5. 13. ἐν τῷ σαλπίζειν καὶ ἐν τῷ ψ. (1)

ψαλτῳδός. (1) *a.* שִׁיר pil. *b.* שִׁיר subst.
I Ch. 6. 33 (18). Αἰμὰν ὁ ψ. υἱὸς Ἰωήλ (1 *a*)
9. 33. καὶ οὗτοι ψ. (1 *a*)
13. 8. καὶ ἐν ψαλτῳδοῖς καὶ ἐν κινύραις (1 *b*)
15. 16. στήσατε τοὺς ἀδ. αὐ. τοὺς ψ. (1 *a*)
— 19, 27. καὶ οἱ ψ. (1 *a*)
II Ch. 5. 12. καὶ οἱ Λ. οἱ ψ. πάντες τοῖς υἱοῖς Ἀ. (1 *a*)
20. 21. ἔστησε ψαλτῳδοὺς (1 *a*)
29. 28. καὶ οἱ [A *om.* κ. οἱ] ψ. ᾄδοντες (1 *b*)
35. 15. καὶ οἱ ψ. υἱοὶ Ἀ. (1 *a*)
I Es. 5. 42. ψάλται καὶ ψαλτῳδοί
Si. 47. 9. ἔστησε ψαλτῳδοὺς [S ψαλμ.] κατέναντι τοῦ θυσιαστηρίου
50. 18. A ᾔνεσαν οἱ ψ. [B S ψαλμ.] ἐν φωναῖς αὐτῶν

ψάμμος.
Wi. 7. 9. ὁ πᾶς χρυσὸς ἐν ὄψει αὐτῆς ψάμμος [S² ὡς ψ.] ὀλίγη

ψαμμωτός.
Si. 22. 17. ὡς κόσμος ψαμμωτὸς τοίχου ξυστοῦ [S² ξεστοῦ]

ψαρός. (1) אֶמֹּץ (2) שָׂרֹק
Za. 1. 8. ὀπίσω αὐτοῦ ἵπποι πυρροὶ καὶ ψ. [S³ *om.* κ. ψ.] (2)
6. 3. ἐν τῷ ἅρματι τῷ τετάρτῳ ἵπποι ποικίλοι ψ. (1)
— 7. οἱ ψ. ἐξεπορεύοντο (1)

ψαύειν.
IV Ma. 17. 1. ἵνα μὴ ψαύσειέ τις τοῦ σώματος ἑαυτῆς

ψέγειν.
I Ma. 11. 5. S εἰς τὸ ψέξαι [A ψογίσαι, B ψογῆσαι] αὐτόν
— 11. S¹ ἔψεξεν [A S² ἐψόγισεν, B ἐψόγησεν] αὐτόν

ψεκάς. (1) זֶרֶם (2) רְסִיסִים
Jb. 24. 8. ἀπὸ ψεκάδων ὀρέων ὑγραίνονται (1)
Ca. 5. 2. οἱ βόστρυχοί μου ψεκάδων νυκτός (2)
[Aq. Dt. 32. 2 : Ps. 71 (72). 6 : Mi. 5. 7 (6).]
[Sm. Ps. 64 (65). 11 : 71 (72). 6.]
[Th. Jb. 24. 8 : Ps. 71 (72). 6.]

ψέλιον, ψέλλιον. (1) צָמִיד (2) קְשָׁרִים
Ge. 24. 22. καὶ δύο ψέλια ἐπὶ τὰς χεῖρας αὐ. (1)
— 30. ἡνίκα εἶδε . . . τὰ ψ. (1)
— 47. καὶ τὰ ψ. ἐπὶ τὰς χεῖρας αὐ. (1)
Nu. 31. 50. προσενηνόχαμεν . . . ψέλιον (1)
Ju. 10. 4. περιέθετο . . . τὰ ψ.
Jb. 40. 21 (26). ψελίῳ δὲ τρυπήσεις τὸ χεῖλος αὐτοῦ †
Is. 3. 20. ἀφελεῖ . . . τοὺς χλιδῶνας καὶ τὰ ψ. [S¹ *om.* κ. τ. ψ.] (2)
Ez. 16. 11. περιέθηκα ψέλια περὶ τὰς χεῖράς σου (1)
23. 42. ἐδίδοσαν ψέλια ἐπὶ τὰς χεῖρας αὐτῶν [A σου] (1)
[Aq., Th. Is. 37. 29.]

ψελλίζειν. (1) עָלַג
Is. 29. 24. αἱ γλῶσσαι αἱ ψελλίζουσαι μαθήσονται †
32. 4. αἱ γλῶσσαι αἱ ψελλίζουσαι ταχὺ [A¹ *om.*] μαθήσονται (1)

ψεύδεσθαι. (1) בָּדָא (2) כָּזַב pi.
(3) כָּחַד pi. (4) כָּחַשׁ *a.* ni. *b.* pi. *c.* hithp.
Le. 6. 2 (5. 21). καὶ ψεύσηται τὰ πρὸς τὸν πλησίον (4 *b*)
— 3 (5. 22). καὶ ψεύσηται περὶ αὐτῆς (4 *b*)
19. 11. οὐ ψεύσεσθε (4 *b*)
De. 33. 29. ψεύσονταί σε οἱ ἐχθροί σου (4 *a*)
Jo. 24. 27. ἡνίκα ἂν ψεύσησθε κ. τῷ θεῷ μου (4 *b*)
II Ki. 22. 45. υἱοὶ ἀλλότριοι ἐψεύσαντό μοι (4 *c*)
III Ki. 13. 18. καὶ ἐψεύσατο αὐτῷ (4 *b*)
Ne. 6. 8. ἀπὸ καρδίας σου σὺ ψεύδῃ αὐτούς (1)
Jb. 6. 10. οὐ γὰρ ἐψευσάμην ῥήματα ἅγια [A ἐν ῥήματι ἁγίου] θεοῦ μου (3)
— 28. οὐ ψεύσομαι (2)
8. 18. ὁ τόπος ψεύσεται αὐτόν (4 *b*)
27. 11. ἃ ἐστι παρὰ παντοκράτορι οὐ ψεύσομαι (3)
31. 28. ἐψευσάμην ἐναντίον κυρίου τοῦ ὑψίστου (4 *b*)
34. 6. ἐψεύσατο δὲ τῷ κρίματί μου (2)
Ps. 17 (18). 44. υἱοὶ ἀλλότριοι ἐψεύσαντό μοι [S² με] (4 *b*)
26 (27). 12. ἐψεύσατο ἡ ἀδικία ἑαυτῇ [A -ῆς] †
65 (66). 3. ψεύσονταί σε οἱ ἐχθροί σου (4 *b*)
77 (78). 36. τῇ γλώσσῃ αὐτῶν ἐψεύσαντο αὐτῷ (2)
80 (81). 15. οἱ ἐχθροὶ κυρίου ἐψεύσαντο αὐτῷ (4 *b*)
88 (89). 35. εἰ τῷ Δαυὶδ ψεύσομαι (2)
Pr. 14. 5. μάρτυς πιστὸς οὐ ψεύδεται (2)
Wi. 12. 24. νηπίων δίκην ἀφρόνων ψευσθέντες
Si. 7. 13. μὴ θέλε ψεύδεσθαι πᾶν ψεῦδος
Ho. 9. 2. ὁ οἶνος ἐψεύσατο αὐτούς (4 *b*)
Hb. 3. 17. ψεύσεται ἔργον ἐλαίας (4 *b*)
Za. 13. 4. ἀνθ' ὧν ἐψεύσαντο (4 *b*)
Is. 57. 11. ἐψεύσω με (2)
59. 13. ἠσεβήσαμεν καὶ ἐψευσάμεθα (4 *b*)
Je. 5. 12. ἐψεύσατο [S -αντο] τῷ κ. αὐ. (4 *b*)
Da. LXX. Su. 51. οὐ μὴ ψεύσωνται
— 55. ὀρθῶς ἔψευσαι εἰς τὴν σεαυτοῦ ψυχήν
Da. TH. Su. 55. ὀρθῶς ἔψευσαι εἰς τὴν σεαυτοῦ κεφαλήν
— 59. ὀρθῶς ἔψευσαι καὶ σὺ εἰς τὴν σεαυτοῦ κεφ.
Bel 12. ἢ Δαν. ὁ ψευδόμενος [A ψευσάμ.] καθ' ἡμῶν
I Ma. 11. 53. ἐψεύσατο [S¹ ἐσπεύσ.] πάντα
IV Ma. 5. 34. οὐ ψεύσομαί σε
13. 18. μηδὲ ψεύσῃ τοὺς προαποθανόντας
[Aq. I Ki. 15. 29 : Ps. 88 (89). 34.]
[Sm. Nu. 23. 19 : Ps. 80 (81). 16 : Is. 59. 13.]

ψευδής, *cf.* ψεῦδος. (1) *a.* אַכְזָב *b.* כָּזָב *c.* כָּדַב
(2) כַּחַשׁ (3) שָׁוְא (4) שֶׁקֶר (5) ψ. γίνεσθαι *a.* כָּזַב ni. *b.* כָּחַשׁ pi. (6) ὁ φάμενος (λέγων) ψευδῆ με λέγειν כָּזַב hi.
Ex. 20. 16. οὐ ψευδομαρτυρήσεις . . . μαρτυρίαν ψ. (4)
De. 5. 20 (17). οὐ ψευδομαρτυρήσεις . . . μαρτυρίαν ψ. (3)
Jd. 16. 10, 13. ἐλάλησας πρὸς μὲ ψευδῆ (1 *b*)
III Ki. 22. 22. ἔσομαι πνεῦμα ψ. εἰς τὸ στόμα πάντων τῶν προφητῶν αὐ. (4)
— 23. ἔδωκε κ. πνεῦμα ψ. ἐν στόματι πάντων τῶν προφ. σου τ. (4)
II Ch. 18. 21. ἔσομαι πνεῦμα ψ. (4)
— 22. ἔδωκε κύριος πνεῦμα ψ. (4)
30. 14. ἐν οἷς ἐθυμίων τοῖς ψ. –
To. 3. 6. ὀνειδισμοὺς ψ. ἤκουσα
14. 6. S τοὺς πλανῶντας ψευδῆ τὴν πλάνησιν αὐ.
Es. 8. 12. τῷ τῆς κακοηθείας ψ. παραλογισμῷ [AS¹ *al.*]
Jb. 24. 25. τίς ἐστιν ὁ φάμενος [B² λέγων] ψευδῆ με λέγειν (6)
Ps. 32 (33). 17. ψευδὴς ἵππος εἰς σωτηρίαν (4)
39 (40). 4. οὐκ ἐπέβλεψεν εἰς . . . μανίας ψ. (1 *b*)
57 (58). 3. ἐλάλησαν ψευδῆ (1 *b*)
61 (62). 9. ψευδεῖς οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων ἐν ζυγοῖς τοῦ ἀδικῆσαι (1 *b*)
Pr. 6. 19. ἐκκαίει ψευδῆ μάρτυς ἄδικος (1 *b*)
8. 7. ἐβδελυγμένα δὲ ἐναντίον ἐμοῦ χείλη ψευδῆ †
12. 22. βδέλυγμα κυρίῳ χείλη ψευδῆ (4)
14. 5. ἐκκαίει δὲ ψευδῆ μάρτυς ἄδικος (1 *b*)
— 25. ἐκκαίει δὲ ψευδῆ δόλιος (1 *b*)
17. 4. δίκαιος δὲ οὐ προσέχει χείλεσι ψευδέσιν †
— 7. οὐδὲ δικαίῳ χείλη ψευδῆ [S *al.*] (4)
19. 5, 9. μάρτυς ψευδὴς οὐκ ἀτιμώρητος ἔσται (4)
— 22. κρείσσων δὲ πτωχὸς δίκαιος ἢ πλούσιος ψευδής [A S² ψεύστης] (1 *b*)
21. 6. ὁ ἐνεργῶν θησαυρίσματα γλώσσῃ ψευδεῖ (4)
Pr. 21. 28. μάρτυς ψευδὴς ἀπολεῖται (4)
23. 3. ταῦτα γὰρ ἔχεται ζωῆς ψευδοῦς (1 *b*)
24. 2. ψευδῆ γὰρ μελετᾷ ἡ καρδία αὐτῶν †
— 29 (30. 6). καὶ ψευδὴς γένῃ (5 *a*)
— 31 (30. 8). μάταιον λόγον καὶ ψευδῆ μακράν μου ποίησον (1 *b*)
— 32 (30. 9). ἵνα μὴ πλησθεὶς ψευδὴς γένωμαι (5 *b*)
— 43 (28). μὴ ἴσθι ψευδὴς μάρτυς ἐπὶ σὸν πολίτην †
25. 14. οὕτως ὁ καυχώμενος ἐπὶ δόσει ψευδεῖ (4)
— 18. οὕτως καὶ ἀνὴρ ὁ καταμαρτυρῶν τοῦ φίλου αὐ. μαρτυρίαν ψευδῆ (4)
26. 28. γλῶσσα ψευδὴς μισεῖ ἀλήθειαν (4)
28. 6. κρείσσων πτωχὸς πορευόμενος ἐν ἀληθείᾳ πλουσίου ψευδοῦς †
31. 30. ψευδεῖς ἀρέσκειαι καὶ μάταιον κάλλος γυναικός (4)
Wi. 10. 14. ψευδεῖς τε ἔδειξε τοὺς μωμησαμένους αὐτόν
14. 28. ἢ προφητεύουσι ψευδῆ
Si. 20. 26. ἦθος ἀνθρώπου ψευδοῦς [A B² -δος] ἀτιμία
31 (34). 1. κεναὶ ἐλπίδες καὶ ψευδεῖς ἀσυνέτῳ ἀνδρί
— 4. ἀπὸ ψευδοῦς τί ἀληθεύσει
36. 24 (21). οὕτως καρδία συνετὴ λόγους ψευδεῖς
51. 5. ἀπὸ γλώσσης ἀκαθάρτου καὶ λόγου ψευδοῦς
Ho. 7. 1. εἰργάσαντο ψευδῆ (4)
— 13. κατελάλησαν κατ' ἐμοῦ ψευδῆ (1 *b*)
10. 4. λαλῶν ῥήματα προφάσεις ψ. (3)
— 13. ἵνα τί . . . ἐφάγετε καρπὸν ψ. (2)
12. 11 (12). ψευδεῖς ἦσαν ἐν Γαλ. ἄρχοντες θυσιάζοντες (3)
Am. 6. 3. καὶ ἐφαπτόμενοι σαββάτων ψ. †
Mi. 6. 12. οἱ κατοικοῦντες αὐτὴν ἐλάλουν ψευδῆ (4)
Jn. 2. 9. φυλασσόμενοι μάταια καὶ ψευδῆ (3)
Na. 3. 1. ὦ πόλις αἱμάτων ὅλη ψ. (2)
Hb. 2. 18. ἔπλασεν αὐτὸ χώνευμα φαντασίαν ψ. (4)
Za. 8. 17. ὅρκον ψ. μὴ ἀγαπᾶτε (4)
10. 2. καὶ οἱ μάντεις ὁράσεις ψ. (4)
— 2. καὶ τὰ ἐνύπνια ψευδῆ ἐλάλουν (3)
13. 3. ψευδῆ ἐλάλησας ἐπ' ὀνόματι κυρίου (4)
Is. 30. 9. υἱοὶ ψευδεῖς (2)
Je. 6. 6. ὦ πόλις ψ. †
— 13. πάντες ἐποίησαν ψευδῆ (4)
7. 4. μὴ πεποίθατε ἐφ' ἑαυτοῖς ἐπὶ λόγοις ψ. (4)
— 8. εἰ δὲ ὑμεῖς πεποίθατε ἐπὶ λόγοις ψ. (4)
8. 8. εἰς μάτην ἐγενήθη σχοῖνος ψ. γραμματεῦσιν (4)
9. 5 (4). μεμάθηκεν ἡ γλῶσσα αὐτῶν λαλεῖν ψευδῆ (4)
10. 14. ψευδῆ ἐχώνευσεν (4)
14. 14. ψευδῆ οἱ προφῆται προφητεύουσιν (4)
— 14. ὁράσεις ψευδεῖς . . . προφητεύουσιν ὑμῖν (4)
— 15. περὶ τῶν προφητῶν τῶν προφητευόντων . . . ψευδῆ –
15. 18. ἐγενήθη μοι ὡς ὕδωρ ψευδές [A S -δος] (1 *a*)
16. 19. ὡς ψευδῆ ἐκτήσαντο οἱ πατέρες ἡμῶν εἴδωλα (4)
20. 6. ἐπροφήτευσας αὐτοῖς ψευδῆ (4)
23. 25. προφητεύουσιν . . . ψευδῆ (4)
— 26. ἐν καρδίᾳ τῶν προφητῶν τῶν προφητευόντων ψευδῆ (4)
— 32. πρὸς τοὺς προφήτας τοὺς προφητεύοντας ἐνύπνια ψευδῆ (4)
28 (51). 17. ψευδῆ ἐχώνευσαν (4)
34 (27). 10. ψευδῆ αὐτοὶ προφητεύουσιν ὑμῖν (4)
— 14. οἱ προφητεύοντες ὑμῖν ἐπ' ἀδίκῳ ψευδῆ (4)
— 16. A τῶν προφητευόντων ὑμῖν ψευδῆ [B S *om.*] –
47 (40). 16. ψευδῆ σὺ λέγεις ὑπὲρ [A κατὰ, S περὶ] Ἰσμαήλ (4)
Ep. Je. 8. ψευδῆ δ' ἐστὶ καὶ οὐ δύνανται λαλεῖν
— 44. πάντα τὰ γενόμενα ἐν [A παρ', B *om.*] αὐτοῖς ἐστι ψευδῆ
— 50. γνωσθήσεται μετὰ ταῦτα ὅτι ἐστὶ ψευδῆ
— 59 *ter.* ἢ οἱ ψ. θεοί
Ez. 12. 24. οὐκ ἔσται ἔτι πᾶσα ὅρασις ψ. (3)
13. 6. οὐκ ἀνέστησαν . . . βλέποντες ψευδῆ (3)
— 7. οὐχὶ ὅρασιν ψευδῆ ἑωράκατε (3)
— 8. ἀνθ' ὧν οἱ λόγοι ὑμῶν ψευδεῖς (3)
— 9. ἐπὶ τοὺς προφήτας τοὺς ὁρῶντας ψευδῆ (3)
— 23. ψευδῆ οὐ μὴ ἴδητε (3)
21. 29 (34). ἐν τῷ μαντεύεσθαί σε ψευδῆ (1 *b*)
22. 28. οἱ προφῆται αὐτῆς . . . μαντευόμενοι ψευδῆ (1 *b*)
Da. LXX. 2. 9. λόγους ψ. ποιήσασθαι ἐπ' ἐμοῦ (1 *c*)
Da. TH. Su. 43. ψευδῆ μου κατεμαρτύρησαν

Da. TH. Su. 49. ψευδῆ γὰρ οὗτοι κατεμαρτύρησαν αὐτῆς
2. 9. ῥῆμα ψ. . . . συνέθεσθε εἰπεῖν (1 c)
11. 27. ἐπὶ τραπέζῃ μιᾷ ψευδῆ λαλήσουσι (1 b)
II Ma. 5. 5. γενομένης δὲ λαλιᾶς ψ.
[Aq. Ps. 32 (33). 17 : 118 (119). 118 : 119 (120). 2 : Ez. 22. 28 (P.).]
[Sm. Ps. 30 (31). 19 : 57 (58). 4 : 118 (119). 29 : 119 (120). 2 : Pr. 12. 17 : Is. 58. 6 : Je. 16. 19 : 27 (34). 14 : Ez. 22. 28 (P.).]
[Th. Ps. 61 (62). 10 : Pr. 21. 6 : Ez. 22. 28 (P.).]
[Al. Pr. 17. 4 : Je. 23. 31.]

ψευδοθύριον.
Da. LXX. Bel 20. ἐπέδειξε Δαν. τῷ βασ. τὰ ψ.

ψευδοθυρίς.
Da. LXX. Bel 15. διὰ ψευδοθυρίδων εἰσελθόντες

ψευδολογεῖν. (1) כָּזַב דַּבֵּר
Da. LXX. 11. 27. καὶ ψευδολογήσουσι (1)

ψευδομαρτυρεῖν. (1) עָנָה
Ex. 20. 16 : De. 5. 20 (17). οὐ ψευδομαρτυρήσεις . . . μαρτυρίαν ψευδῆ (1)
Da. TH. Su. 61. A B² R συνέστησεν αὐτοὺς . . . ψευδομαρτυρήσαντας [B¹ -ρας ὄντας]

ψευδομάρτυς.
Da. LXX. Su. 60. αὐτοὺς κατέστησεν ἀμφοτέρους ψευδομάρτυρας
Da. TH. Su. 61. B¹ συνέστησεν αὐτοὺς . . . ψ. ὄντας [A B² R -ρήσαντας]

ψευδοπροφήτης. (1) נָבִיא
Za. 13. 2. τοὺς ψ. . . . ἐξαρῶ ἀπὸ τῆς γῆς (1)
Je. 6. 13. ἀπὸ ἱερέως ἕως ψευδοπροφήτου (1)
33 (26). 7. ἤκουσαν οἱ ἱερεῖς καὶ οἱ ψ. (1)
— 8. συνελάβοσαν αὐτὸν οἱ ἱερεῖς καὶ οἱ ψ. (1)
— 11. εἶπαν οἱ ἱερεῖς καὶ οἱ ψ. (1)
— 16. εἶπαν . . . πρὸς τοὺς ψ. (1)
34 (27). 9. μὴ ἀκούετε τῶν ψ. ὑμῶν (1)
35 (28). 1. εἶπέ μοι Ἀνανίας υἱὸς Ἀζὼρ ὁ ψ. (1)
36 (29). 1. πρὸς τοὺς ἱερεῖς καὶ πρὸς τοὺς ψ. (1)
— 8. μὴ ἀναπειθέτωσαν ὑμᾶς οἱ ψ. οἱ ἐν ὑμῖν (1)
[Th. Je. 28 (35). 5 (Sw.).]
[Al. Je. 20. 1.]

ψεῦδος, *cf.* ψευδής. (1) *a.* אַכְזָב *b.* כָּזָב (2) *a.* כַּחַשׁ *b.* כָּחַשׁ pi. (3) מִרְמָה (4) שֶׁקֶר
Ju. 5. 5. οὐκ ἐξελεύσεται ψεῦδος ἐκ τοῦ στόματος τοῦ δούλου σου
11. 5. οὐκ ἀναγγελῶ ψεῦδος τῷ κυρίῳ μου
Jb. 16. 9 (8). ἀνέστη ἐν ἐμοὶ τὸ ψ. μου (2 a)
Ps. 4. 2. καὶ ζητεῖτε ψεῦδος (1 b)
5. 6. ἀπολεῖς πάντας τοὺς λαλοῦντας τὸ ψ. (1 b)
58 (59). 12. ἐξ ἀρᾶς καὶ ψεύδους διαγγελήσονται συντέλειαι [S² ἐν συντελείᾳ] (2 a)
Pr. 9. 12. ὃς ἐρείδεται ἐπὶ ψεύδεσιν –
24. 23 (29. 27). μηδὲν ψεῦδος ἀπὸ γλώσσης βασιλεῖ λεγέσθω καὶ οὐδὲν ψεῦδος ἀπὸ γλώσσης αὐτοῦ οὐ μὴ ἐξέλθῃ –, –
Si. 7. 12. μὴ ἀροτρία ψεῦδος ἐπ' ἀδελφῷ σου
— 13. μὴ θέλε ψεύδεσθαι πᾶν ψεῦδος
20. 24. μῶμος πονηρὸς ἐν ἀνθρώπῳ ψεῦδος [S² τὸ ψ.]
— 25. αἱρετὸν κλέπτης ἢ ὁ ἐνδελεχίζων ψεύδει
— 26. A B² ἦθος ἀνθρώπου ψεῦδος [B¹ S R -οῦς] ἀτιμία
31 (34). 8. ἄνευ ψεύδους συντελεσθήσεται νόμος
41. 17. ἀπὸ ἡγουμένου καὶ δυνάστου περὶ ψεύδους
51. 2. ἀπὸ χειλέων ἐργαζομένων ψεῦδος
Ho. 4. 2. ψεῦδος . . . κέχυται ἐπὶ τῆς γῆς (2 b)
7. 3. καὶ ἐν τοῖς ψ. αὐ. ἄρχοντας [A¹ *al.*] (2 a)
11. 12 (12. 1). ἐκύκλωσέ με ἐν ψεύδει Ἐφρ. (2 a)
Mi. 2. 11. πνεῦμα ἔστησε ψεῦδος (4)
Za. 5. 4. εἰς τὸν οἶκον τοῦ ὀμνύοντος τῷ ὀνόμ. μου ἐπὶ ψεύδει (4)
Ma. 3. 5. ἐπὶ τοὺς ὀμνύοντας τῷ ὀνόματί μου ἐπὶ ψεύδει (4)
Is. 28. 15. ἐθήκαμεν ψ. τὴν ἐλπίδα ἡμῶν καὶ τῷ ψ. σκεπασθησόμεθα (1 b, 4)
— 17. οἱ πεποιθότες μάτην ψεύδει (1 b)
30. 12. ἠλπίσατε ἐπὶ ψεύδει †
44. 20. ψ. ἐν τῇ δεξιᾷ μου (4)
Je. 3. 10. οὐκ ἐπεστράφη [A ἀπ.] πρὸς μὲ . . . ἀλλ' ἐπὶ ψεύδει (4)
— 23. εἰς ψ. ἦσαν οἱ βουνοί (4)
5. 2. οὐκ ἐν [A S ἐπὶ] ψεύδεσιν ὀμνύουσι (4)
Je. 9. 3 (2). ψ. καὶ οὐ πίστις ἐνίσχυσεν (4)
13. 25. ἤλπισας ἐπὶ ψεύδεσι (4)
15. 18. A S ἐγενήθη μοι ὡς ὕδωρ ψ. [B -δές] (1 a)
23. 14. ἑώρακα . . . πορευομένους ἐν ψεύδεσι (4)
— 32. ἐπλάνησαν τὸν λαόν μου ἐν τοῖς ψ. αὐτῶν (4)
44 (37). 14. εἶπε, Ψ. (4)
50 (43). 2. λέγοντες, Ψεύδη, οὐκ ἀπέστειλέ σε (4)
Ep. Je. 47. κατέλιπον γὰρ ψεύδη καὶ ὄνειδος
Ez. 33. 31. ψ. ἐν τῷ στόματι αὐτῶν †
Da. LXX. 8. 25. εὐοδωθήσεται τὸ ψ. ἐν ταῖς χερσὶν αὐ. (3)
11. 23. μετὰ τῆς διαθήκης . . . ποιήσει ψεῦδος (3)
[Aq. I Ki. 25. 21 : Ps. 7. 15 : 26 (27). 12 : 30 (31). 19 : 118 (119). 29, 163 : Pr. 10. 18 : Is. 28. 15 : 59. 3.]
[Sm. Ps. 58 (59). 13 : 118 (119). 163 : Is. 28. 15 : 59. 3.]
[Th. Pr. 10. 18 : 20. 17 : Is. 28. 15, 17.]
[Quint. Ps. 61 (62). 5.]

ψεῦσμα.
[Aq., Th. Jb. 34. 6 : Pr. 23. 3.]
[Sm. Jb. 13. 4 : 34. 6 : Ps. 61 (62). 5.]

ψεύστης. (1) *a.* כָּזָב *b.* כָּזָב
Ps. 115. 2 (116. 11). πᾶς ἄνθρωπος ψεύστης (1 a)
Pr. 19. 22. A S² κρείσσων δὲ πτωχὸς δίκαιος ἢ πλούσιος ψεύστης [B S¹ ψευδής] (1 b)
Si. 15. 8. ἄνδρες ψεῦσται οὐ μὴ μνησθήσονται αὐτῆς
25. 2. πτωχὸν ὑπερήφανον καὶ πλούσιον ψεύστην

ψηλαφᾶν. (1) גָּשַׁשׁ pi. (2) יָמַשׁ hi. (3) מוּשׁ, מִישׁ *a.* qal. *b.* hi. (4) מָשַׁשׁ pi.
Ge. 27. 12. μή ποτε ψηλαφήσῃ με ὁ πατήρ μου (3 a)
— 21. ψηλαφήσω σε (3 a)
— 22. ἐψηλάφησεν αὐτόν (3 a)
De. 28. 29. ἔσῃ ψηλαφῶν μεσημβρίας (4)
— 29. ὡς εἴ τις ψηλαφήσαι τυφλός (4)
Jd. 16. 26. ψηλαφήσω τοὺς κίονας [A *al.*] (2*, 3 b)
Jb. 5. 14. τὸ δὲ μεσημβρινὸν ψηλαφήσαισαν [A -σειαν] ἴσα νυκτί (4)
12. 25. ψηλαφήσαισαν [A -σειαν] σκότος (4)
20. 10. A αἱ δὲ χεῖρες αὐτοῦ ψηλαφήσουσιν ὀδύνας [B S *al.*] †
Ps. 113. 15 (115. 7). χεῖρας ἔχουσι καὶ οὐ ψηλαφήσουσι (3 a)
134 (135). 17. A χεῖρας ἔχουσιν καὶ οὐ ψηλαφήσουσιν –
Na. 3. 1. οὐ ψηλαφηθήσεται θήρα (3 a)
Za. 3. 10 (9). ψηλαφήσω πᾶσαν τὴν ἀδικίαν τῆς γῆς ἐκ. (3 a)
9. 13. ψηλαφήσω σε ὡς ῥομφαίαν μαχητοῦ †
Is. 59. 10. ψηλαφήσουσιν ὡς τυφλοὶ τοῖχον καὶ ὡς οὐχ ὑπαρχόντων ὀφθαλμῶν ψηλαφήσουσι (1, 1)
[Al. Jb. 12. 25.]

ψηλάφησις.
Wi. 15. 15. οὔτε δάκτυλοι χειρῶν εἰς ψηλάφησιν

ψηλαφητός. (1) מָשַׁשׁ hi.
Ex. 10. 21. γενηθήτω σκότος ἐπὶ γῆν Αἰγ. ψ. σκότος (1)
[Aq. Ez. 16. 10.]

ψηφίζειν. (1) סָפַר ni.
III Ki. 3. 8. A καὶ οὐ ψηφισθήσεται ἀπὸ πλήθους (1)
8. 5. A ἃ οὐ ψηφισθήσεται (1)
[Aq. Ps. 47 (48). 13 : Is. 33. 18.]
[Al. Le. 25. 27 : 27. 23.]

ψηφίον.
[Aq. Am. 9. 9.]

ψηφίς.
[Sm. Pr. 30. 27.]
[Th. Pr. 20. 17.]

ψήφισμα. (1) פּוּר
Es. 3. 7. ἐποίησε ψήφισμα (1)
9. 24. καθὼς ἔθετο ψήφισμα (1)
II Ma. 6. 8. ψήφισμα δὲ ἐξέπεσεν εἰς τὰς ἀστυγείτονας Ἑλληνίδας πόλεις
10. 8. μετὰ κοινοῦ προστάγματος καὶ ψηφίσματος
12. 4. μετὰ δὲ τὸ κοινὸν τῆς πόλεως ψ.
15. 36. ἐδογμάτισαν δὲ πάντες μετὰ κοινοῦ ψ.

ψηφολογεῖν.
To. 13. 17. λίθῳ ἐκ Σουφεὶρ ψηφολογηθήσονται [S *al.*]
[Quint. Cl. 3. 10.]

ψῆφος. (1) חָצָץ (2) חֶשְׁבּוֹן (3) צֹר
Ex. 4. 25. λαβοῦσα Σ. ψῆφον (3)
IV Ki. 12. 4 (5). A ψήφῳ ψυχῶν συντιμήσεως [B *al.*] †
Ec. 7. 26 (25). τοῦ ζητῆσαι σοφίαν καὶ ψῆφον (2)
Si. 18. 10. ὡς σταγὼν ὕδατος ἀπὸ θαλάσσης καὶ ψῆφος ἄμμου
La. 3. 16. ἐξέβαλε ψήφῳ ὀδόντας μου (1)
IV Ma. 15. 26. δύο ψήφους κρατοῦσα μήτηρ
[Aq. Dt. 32. 8 : IV Ki. 12. 4 (5) : Is. 40. 26.]
[Sm. Ex. 4. 25 : Ec. 5. 17 : Is. 40. 26.]
[Th. IV Ki. 12. 4 (5) : Is. 40. 26.]
[Quint. IV Ki. 12. 4 (5).]

ψιθυρίζειν. (1) לָחַשׁ hithp.
II Ki. 12. 19. οἱ παῖδες αὐ. ψιθυρίζουσι (1)
Ps. 40 (41). 7. κατ' ἐμοῦ ἐψιθύριζον (1)
Si. 12. 16. B² πολλὰ ψιθυρίσει
21. 28. μολύνει τὴν ἑαυτοῦ ψυχὴν ὁ ψιθυρίζων
[Sm. Ps. 40 (41). 8 : 57 (58). 6.]

ψιθύρισμα.
[Sm. Jb. 26. 14.]

ψιθυρισμός. (1) לַחַשׁ
Ec. 10. 11. ἐὰν δάκῃ ὄφις ἐν οὐ ψιθυρισμῷ (1)
[Aq. Is. 3. 3.]
[Sm. Jb. 4. 12.]

ψίθυρος.
Si. 5. 14. μὴ κληθῇς ψίθυρος
28. 13. ψίθυρον καὶ δίγλωσσον καταρᾶσθαι

ψιλός. (1) אֶדֶרֶת
Jo. 7. 21. εἶδον ἐν τῇ προνομῇ ψιλὴν ποικίλην (1)
[Sm. Ez. 26. 14.]

ψιλοῦν.
Ez. 44. 20. τὰς κόμας αὐτῶν οὐ ψιλώσουσι †

ψόα (ψοιά), *cf.* ψύα. (1) חֹמֶשׁ (2) עָצָה
Le. 3. 9. σὺν ταῖς ψ. περιελεῖ αὐτό (2)
II Ki. 2. 23. τύπτει αὐτὸν Ἀβ. . . . ἐπὶ τὴν ψ. [A ψοιάν] (1)
3. 27. ἐπάταξεν αὐτὸν ἐκεῖ εἰς τὴν ψ. (1)
20. 10. ἔπαισεν αὐτὸν . . . εἰς τὴν ψ. (1)
[Aq. Jb. 15. 27.]
[Sm. Jb. 15. 27 : Ps. 37 (38). 8.]

ψογεῖν, ψογίζειν.
I Ma. 11. 5. A εἰς τὸ ψογίσαι [R -ῆσαι, S ψέξαι] αὐτόν
— 11. R ἐψόγησεν [A S² -ισεν, S¹ ἔψεξεν] αὐτόν

ψόγος. (1) דִּבָּה
Ge. 37. 2. κατήνεγκαν δὲ Ἰ. ψ. πονηρόν (1)
Ps. 30 (31). 13. ἤκουσα ψόγον πολλῶν παροικούντων κυκλόθεν (1)
Mi. 1. 13. B¹ ψόγος [?, A B² R ψόφος] ἁρμάτων †
Je. 20. 10. ἤκουσα ψόγον πολλῶν (1)
III Ma. 2. 27. κατὰ τοῦ ἔθνους διαδοῦναι ψόγον
3. 7. R οὐ τῷ τυχόντι περιῆψαν ψόγῳ [A *al.*]
[Aq. Ge. 37. 2 : Nu. 13. 33 (32) : Pr. 10. 18.]
[Sm. Nu. 13. 33 (32).]
[Th. Ge. 37. 2 : Pr. 10. 18 : 25. 10.]

ψοιά, *vid.* ψόα.

ψοφεῖν. (1) רָקַע
Ez. 6. 11. ψόφησον τῷ ποδί (1)
25. 6. R ἐψόφησας [A B ἐπεψ.] τῷ ποδί σου (1)
[Sm., Th. I Ki. 21. 13 (14).]

ψόφος.
Mi. 1. 13. ψόφος [B¹ ψόγος?] ἁρμάτων καὶ ἱππευόντων †
[Aq. II Ki. 5. 24.]
[Sm. II Ki. 5. 24 : Jb. 37. 4 : 38. 25 : Ez. 3. 13 : 26. 15.]

ψύα, *cf.* ψόα. (1) כֶּסֶל
Ps. 37 (38). 7. A αἱ ψ. [S² ψυχαί] μου ἐπλήσθησαν ἐμπαιγμάτων [B S¹ *al.*] (1)
[Sm., Th. Ps. 37 (38). 8.]
[Al. Le. 3. 9.]

ψυγμός. (1) *a.* שֶׁטֶף *b.* מִשְׁטָח *c.* מִשְׁטוֹחַ

Nu. 11. 32. B ἔσφαξαν [A R ἔψυξαν] ἑαυτοῖς ψυγμούς (1 *a*)
Ez. 26. 5. ψ. σαγηνῶν ἔσται ἐν μέσῳ θαλάσσης (1 *b*)
— 14. ψ. σαγηνῶν ἔσῃ (1 *b*)
47. 10. ψ. σαγηνῶν ἔσται (1 *c*)

ψυκτήρ. (1) אֲגַרְטָל

II Es. 1. 9. A R ψ. [B *om.*] χρυσοῖ τριάκοντα καὶ ψ. [B *om.*] ἀργυροῖ χίλιοι (1, 1)

ψύλλος. (1) פַּרְעֹשׁ

I Ki. 24. 15. καὶ ὀπίσω ψ. ἑνός (1)

ψυχαγωγία.

II Ma. 2. 25. ἐφροντίσαμεν τοῖς μὲν βουλομένοις ἀναγινώσκειν ψυχαγωγίαν

ψύχειν. (1) קוּר *a.* qal. *b.* hi. (2) שָׁטַף

Nu. 11. 32. A R ἔψυξαν [B ἔσφαξαν] ἑαυτοῖς ψυγμούς (2)
II Ki. 17. 19. ἔψυξεν ἐπ' αὐτῷ ἀρ. [A *al.*] (2)
IV Ki. 19. 24. ἔψυξα [A ἐφύλαξα] καὶ ἔπιον ὕδατα ἀλλότρια (1 *a*)
Je. 6. 7. ὡς ψύχει λάκκος ὕδωρ οὕτως ψύχει κακία αὐτῆς (1 *b*, 1 *b*)
8. 2. ψύξουσιν αὐτὰ πρὸς τὸν ἥλιον (2)

ψυχή. (1) אִישׁ (2) *a.* חַיָּה *b.* חַיִּים (3) לֵב, לֵבָב (4) נֶפֶשׁ (5) רוּחַ

Ge. 1. 20. ἑρπετὰ ψυχῶν ζωσῶν (4)
— 21. καὶ πᾶσαν ψ. ζῴων ἑρπετῶν (4)
— 24. ἐξαγαγέτω ἡ γῆ ψυχὴν ζῶσαν (4)
— 30. ὃ ἔχει ἐν ἑαυτῷ ψυχὴν ζωῆς (4)
2. 7. ἐγένετο ὁ ἄνθρωπος εἰς ψ. ζῶσαν (4)
— 19. πᾶν ὃ ἐὰν ἐκάλεσεν αὐτὸ Ἀ. ψ. ζῶσαν (4)
9. 4. κρέας ἐν αἵματι ψυχῆς οὐ φάγεσθε (4)
— 5. τὸ ὑμέτερον αἷμα τῶν ψ. ὑμῶν ἐκζητήσω (4)
— 5. ἐκζητήσω τὴν ψ. τοῦ ἀνθρώπου (4)
— 10. καὶ πάσῃ ψ. ζώσῃ μεθ' ὑμῶν (4)
— 12. καὶ ἀνὰ μέσον πάσης ψ. ζώσης (4)
— 15. ἥ ἐστιν . . . ἀνὰ μέσον πάσης ψ. ζώσης (4)
— 16. καὶ ἀνὰ μέσον πάσης ψ. ζώσης (4)
12. 5. ἔλαβεν . . . πᾶσαν ψ. (4)
— 13. ζήσεται ἡ ψυχή μου ἕνεκεν σοῦ (4)
17. 14. ἐξολεθρευθήσεται ἡ ψ. ἐκείνη (4)
19. 17. σώζων σῶζε τὴν σεαυτοῦ ψυχήν (4)
— 19. τοῦ ζῆν τὴν ψ. μου (4)
— 20. ζήσεται ἡ ψ. μου ἕνεκεν σοῦ (4)
23. 8. εἰ ἔχετε τῇ ψ. ὑμῶν (4)
27. 4. ὅπως εὐλογήσῃ σε ἡ ψ. μου (4)
— 19. ὅπως εὐλογήσῃ με ἡ ψ. σου (4)
— 25. ὅπως εὐλογήσῃ σε ἡ ψ. μου (4)
— 31. ὅπως εὐλογήσει με ἡ ψ. σου (4)
32. 30 (31). ἐσώθη μου ἡ ψ. (4)
34. 3. προσέσχε τῇ ψ. Δείνας (4)
— 8. προείλατο τῇ ψ. τὴν θυγατέρα ὑμῶν (4)
35. 18. ἐν τῷ ἀφιέναι αὐτὴν τὴν ψ. (4)
37. 21. οὐ πατάξομεν αὐτὸν εἰς ψυχήν (4)
41. 8. ἐταράχθη ἡ ψ. αὐ. (5)
42. 21. ὑπερείδομεν τὴν θλῖψιν τῆς ψ. αὐ. (4)
44. 30. ἡ δὲ ψ. αὐ. ἐκκρέμαται ἐκ τῆς τούτου ψ. (4, 4)
46. 15. πᾶσαι αἱ ψ. υἱοὶ καὶ αἱ θυγατέρες (4)
— 18. ἃ ἔτεκε τούτους τῷ Ἰ. δέκα ἑξ ψυχάς (4)
— 22. πᾶσαι ψ. δέκα ὀκτώ (4)
— 25. πᾶσαι ψ. ἑπτά (4)
— 26. πᾶσαι δὲ ψ. αἱ εἰσελθοῦσαι (4)
— 26. πᾶσαι ψ. ἑξήκοντα ἕξ (4)
— 27. υἱοὶ δὲ Ἰ. . . . ψυχαὶ ἐννέα (4)
— 27. A πᾶσαι ψ. οἴκου Ἰ. . . . ἑβδομήκοντα [R ψυχαὶ ἑβδ.] (4, [–])
49. 6. εἰς βουλὴν αὐ. μὴ ἔλθοι ἡ ψ. μου (4)
Ex. 1. 5. ἦσαν δὲ π. ψυχαὶ ἐξ Ἰ. πέντε καὶ ἑβδομήκ. (4)
4. 19. τεθνήκασι γὰρ πάντες οἱ ζητοῦντές σου τὴν ψ. (4)
12. 4. κατὰ ἀριθμὸν ψυχῶν ἕκαστος . . . συναριθμήσεται (4)
— 15. ἐξολεθρευθήσεται ἡ ψ. ἐκείνη (4)
— 16. ὅσα ποιηθήσεται πάσῃ ψ. (4)
— 19. ἐξολεθρευθήσεται ἡ ψ. ἐκείνη (4)
15. 9. ἐμπλήσω ψυχήν μου (4)
16. 16. κατὰ ἀριθμὸν ψυχῶν ὑμῶν (4)
21. 23. δώσει ψυχὴν ἀντὶ ψυχῆς (4, 4)
Ex. 21. 30. δώσει λύτρα τῆς ψ. αὐ. (4)
23. 9. οἴδατε τὴν ψ. τοῦ προσηλύτου (4)
30. 12. δώσουσιν ἕκαστος λύτρα τῆς ψ. αὐ. (4)
— 15, 16. ἐξιλάσασθαι περὶ τῶν ψ. ὑμῶν (4)
31. 14. ἐξολεθρευθήσεται ἡ ψ. ἐκείνη (4)
35. 21. ὅσοις ἔδοξε τῇ ψ. αὐ. (5)
Le. 2. 1. ἐὰν δὲ ψυχὴ προσφέρῃ δῶρον (4)
4. 2. ψυχὴ ἐὰν ἁμάρτῃ ἔναντι κυρίου ἀκουσίως (4)
— 27. ἐὰν δὲ ψ. μία ἁμάρτῃ ἀκουσίως (4)
5. 1. ἐὰν δὲ ψυχὴ ἁμάρτῃ (4)
— 2. ἡ ψ. ἥτις ἐὰν ἅψηται (4)
— 4. ἡ ψ. ἡ ἄνομος ἡ διαστέλλουσα (4)
— 15. ψυχὴ ἐὰν λάθῃ αὐτὸν λήθῃ (4)
— 17. ἡ ψ. ἣ ἂν ἁμάρτῃ [A *al.*] (4)
6. 2 (5. 21). ψυχὴ ἐὰν ἁμάρτῃ (4)
7. 8 (18). ἡ δὲ ψ. . . . τὴν ἁμαρτίαν λήψεται (4)
— 10 (20). ἡ δὲ ψ. ἥτις ἐὰν φάγῃ (4)
— 10 (20). ἀπολεῖται ἡ ψ. ἐκείνη (4)
— 11 (21). ψυχὴ ἣ ἂν ἅψηται παντὸς πράγματος (4)
— 11 (21), 15 (25). ἀπολεῖται ἡ ψ. ἐκείνη (4)
— 17 (27). πᾶσα ψ. ἣ ἂν φάγῃ αἷμα (4)
— 17 (27). ἀπολεῖται ἡ ψ. ἐκείνη (4)
11. 10. καὶ ἀπὸ πάσης ψ. ζώσης (4)
— 43. οὐ μὴ βδελύξητε τὰς ψ. ὑμῶν (4)
— 44. οὐ μιανεῖτε τὰς ψ. ὑμῶν (4)
— 46. οὗτος ὁ νόμος περὶ . . . πάσης ψ. τῆς κινουμένης ἐν τῷ ὕδατι καὶ πάσης ψ. ἑρπούσης ἐπὶ τῆς γῆς (4, 4)
16. 29. ταπεινώσατε τὰς ψ. ὑμῶν (4)
— 31. ταπεινώσετε τὰς ψ. ὑμῶν (4)
17. 4. ἐξολεθρευθήσεται ἡ ψ. ἐκείνη (1)
— 10. ἐπιστήσω τὸ πρόσωπόν μου ἐπὶ τὴν ψ. (4)
— 11. ἡ γὰρ ψ. πάσης σαρκὸς αἷμα αὐτοῦ ἐστι (4)
— 11. ἐξιλάσκεσθαι περὶ τῶν ψ. ὑμῶν (4)
— 11. τὸ γὰρ αἷμα αὐ. ἀντὶ τῆς ψ. ἐξιλάσεται (4)
— 12. πᾶσα ψ. ἐξ ὑμῶν οὐ φάγεται αἷμα (4)
— 14. ἡ γὰρ ψ. πάσης σαρκὸς αἷμα αὐτοῦ ἐστι (4)
— 14. ἡ ψ. πάσης σαρκὸς αἷμα αὐτοῦ ἐστι (4)
— 15. πᾶσα ψ. ἥτις φάγεται θνησιμαῖον (4)
18. 29. ἐξολεθρευθήσονται αἱ ψ. αἱ ποιοῦσαι (4)
19. 8. ἐξολεθρευθήσονται αἱ ψ. αἱ ἔσθουσαι (4)
— 28. ἐντομίδας ἐπὶ ψυχῇ [A -ῆς] οὐ ποιήσετε (4)
20. 6. ψυχὴ ἣ ἐὰν ἐπακολουθήσῃ ἐγγαστριμύθοις (4)
— 6. ἐπιστήσω τὸ πρόσωπόν μου ἐπὶ τὴν ψ. ἐκ. (4)
— 25. οὐ βδελύξετε τὰς ψ. ὑμῶν (4)
21. 1. ἐν ταῖς ψ. οὐ μιανθήσονται (4)
— 11. ἐπὶ πάσῃ ψ. τετελευτηκυίᾳ οὐκ εἰσελεύσεται (4)
22. 3. ἐξολεθρευθήσεται ἡ ψ. ἐκείνη (4)
— 4. ὁ ἁπτόμενος πάσης ἀκαθαρσίας ψυχῆς (4)
— 6. ψυχὴ ἥτις ἂν ἅψηται αὐτῶν (4)
— 11. ἐὰν δὲ ἱερεὺς κτήσηται ψυχὴν ἔγκτητον ἀργυρίου (4)
23. 27. ταπεινώσετε τὰς ψ. ὑμῶν (4)
— 29. πᾶσα ψ. . . . ἐξολεθρευθήσεται (4)
— 30. πᾶσα ψ. ἥτις ποιήσει ἔργον (4)
— 30. ἀπολεῖται ἡ ψ. ἐκείνη (4)
— 32. ταπεινώσετε τὰς ψ. ὑμῶν (4)
24. 17. ὃς ἂν πατάξῃ ψυχὴν ἀνθρώπου (4)
— 18. ἀποτισάτω ψυχὴν ἀντὶ ψυχῆς (4, 4)
26. 11. οὐ βδελύξεται ἡ ψ. μου ὑμᾶς (4)
— 15. καὶ τοῖς κρίμασί μου προσοχθίσῃ ἡ ψ. ὑ. (4)
— 16. καὶ τὴν ψ. ὑ. ἐκτήκουσαν (4)
— 30. προσοχθεῖ ἡ ψ. μου ὑμῖν (4)
— 43. τοῖς προστάγμ. μου προσώχθισαν τῇ ψ. αὐ. (4)
27. 2. ὥστε τιμὴν τῆς ψ. αὐ. τῷ κ. (4)
Nu. 5. 2. καὶ πάντα ἀκάθαρτον ἐπὶ ψυχῇ (4)
— 6. καὶ πλημμελήσῃ ἡ ψ. ἐκείνη (4)
6. 6. ἐπὶ πάσῃ ψ. τετελευτηκυίᾳ οὐκ εἰσελεύσεται (4)
— 11. ἐξιλάσεται περὶ αὐτοῦ . . . περὶ τῆς ψ. (4)
9. 6. οἳ ἦσαν ἀκάθαρτοι ἐπὶ ψυχῇ ἀνθρώπου (4)
— 7. ἡμεῖς ἀκάθαρτοι ἐπὶ ψυχῇ ἀνθρώπου (4)
— 10. ὃς ἐὰν γένηται ἀκάθαρτος ἐπὶ ψυχῇ ἀνθρώπου (4)
— 13. ἐξολεθρευθήσεται ἡ ψ. ἐκείνη (4)
11. 6. ἡ ψ. ἡμῶν κατάξηρος (4)
15. 27. ἐὰν δὲ ψ. μία ἁμάρτῃ ἀκουσίως (4)
— 28. ἐξιλάσεται ὁ ἱ. περὶ τῆς ψ. τῆς ἀκουσιασθείσης (4)
— 30. ψυχὴ ἥτις ποιήσει ἐν χειρὶ ὑπερηφανίας (4)
— 30. ἐξολεθρευθήσεται ἡ ψ. ἐκείνη (4)
— 31. ἐκτρίψει ἐκτριβήσεται ἡ ψ. ἐκείνη (4)
Nu. 16. 38 (17. 3). ἡγίασαν τὰ πυρεῖα . . . ἐν ταῖς ψ. αὐ. (4)
19. 11. ὁ ἁπτόμ. τοῦ τεθνηκότος πάσης ψ. ἀνθρώπου (4)
— 13. πᾶς ὁ ἁπτόμ. τοῦ τεθνηκότος ἀπὸ ψυχῆς [A πάσης ψ.] ἀνθρ. (4)
— 13. ἐκτριβήσεται ἡ ψ. ἐκ. ἐξ Ἰσρ. (4)
— 18. περιρανεῖ . . . ἐπὶ τὰς ψ. (4)
— 20. ἐξολεθρευθήσεται ἡ ψ. ἐκείνη (4)
— 22. ἡ ψ. ἡ ἁπτομ. ἀκάθαρτος ἔσται (4)
21. 5. ἡ δὲ ψ. ἡμῶν προσώχθισεν (4)
23. 10. ἀποθάνοι ἡ ψ. μου ἐν ψυχαῖς δικαίων (4, †)
29. 7. κακώσετε τὰς ψ. ὑμῶν (4)
30. 3. ἢ ὁρίσηται ὁρισμῷ περὶ τῆς ψ. αὐ. (4)
— 4 (5), 5, 6, 7, 8, 9. οὓς ὡρίσατο κατὰ τῆς ψ. αὐ. (4)
— 10. ὅσα ἂν εὔξηται κατὰ τῆς ψ. αὐ. (4)
— 11. ἢ ὁ ὁρισμὸς κατὰ [A ὁ κατὰ] τῆς ψ. αὐ. (4)
— 12. οὓς ὡρίσατο κατὰ τῆς ψ. αὐ. (4)
— 13. κατὰ τοὺς ὁρισμοὺς τοὺς κατὰ τῆς ψ. αὐ. (4)
— 14. πᾶς ὅρκος δεσμοῦ κακῶσαι ψυχήν [A αὐτήν] (4)
31. 28. μίαν ψ. ἀπὸ πεντακοσίων (4)
— 35. καὶ ψυχαὶ ἀνθρώπων . . . πᾶσαι ψ. [A πᾶσα ψ.] (4, 4)
— 40. καὶ ψυχαὶ ἀνθρώπων ἑκκαίδεκα χιλιάδες (4)
— 40. δύο καὶ τριάκοντα ψυχαί (4)
— 46. καὶ ψυχαὶ ἀνθρώπων ἓξ καὶ δέκα χιλιάδες (4)
35. 11. πᾶς ὁ πατάξας ψυχὴν ἀκουσίως (4)
— 15. παντὶ πατάξαντι ψυχὴν ἀκουσίως (4)
— 30. πᾶς πατάξας ψυχήν (4)
— 30. B οὐ μαρτυρήσει ἐπὶ ψυχῆς [A R -ὴν] ἀποθανεῖν (4)
— 31. οὐ λήψεσθε λύτρα περὶ [A ἐπὶ] ψυχῆς (4)
De. 4. 9. φύλαξον τὴν ψ. σου σφόδρα (4)
— 15. φυλάξεσθε σφόδρα τὰς ψ. ὑμῶν (4)
— 29. ὅταν ἐκζητήσητε αὐτὸν . . . ἐξ ὅλης τῆς ψ. σου (4)
6. 5. ἀγαπήσεις κ. τὸν θεόν σου . . . ἐξ ὅλης τῆς ψ. σου (4)
— 6. ἔσται τὰ ῥήματα ταῦτα . . . ἐν τῇ ψ. σου –
10. 12. λατρεύειν κ. τῷ θεῷ σου . . . ἐξ ὅλης τῆς ψ. σου (4)
— 22. ἐν ἑβδομήκοντα ψυχαῖς κατέβησαν οἱ πατ. σου (4)
11. 13. λατρεύειν αὐτῷ . . . ἐξ ὅλης τῆς ψ. σου (4)
— 18. ἐμβαλεῖτε τὰ ῥήματα τ. . . . εἰς τὴν ψ. ὑμῶν (4)
12. 20. ἐὰν ἐπιθυμήσῃ ἡ ψ. σου (4)
— 20. ἐν πάσῃ ἐπιθυμίᾳ τῆς ψ. σου [A *al.*] (4)
— 21. κατὰ τὴν ἐπιθυμίαν τῆς ψ. σου (4)
— 23. αἷμα αὐτοῦ ψυχή (4)
— 23. οὐ βρωθήσεται ἡ ψ. μετὰ τῶν κρεῶν (4)
13. 3 (4). εἰ ἀγαπᾶτε τὸν θ. ὑμῶν . . . ἐξ ὅλης τῆς ψ. ὑμῶν (4)
— 6 (7). B ἢ φίλος ἴσος τῆς ψ. σου [A R *al.*] (4)
14. 26. οὗ ἐὰν ἐπιθυμεῖ ἡ ψ. σου (4)
— 26. A R οὗ ἐὰν ἐπιθυμῇ ἡ ψ. σου (4)
16. 8. πλὴν ὅσα ποιηθήσεται ψυχῇ –
18. 6. καθότι ἐπιθυμεῖ ἡ ψ. αὐ. (4)
19. 6, 11. καὶ πατάξῃ αὐτοῦ ψυχήν [A τὴν ψ.] (4)
— 21. ψυχὴν ἀντὶ ψυχῆς (4, 4)
22. 26. καὶ φονεύσῃ αὐτοῦ ψυχήν (4)
23. 24 (25). B φάγῃ σταφυλὴν ὅσον ψυχήν σου ἐμπλησθῆναι [A² *al.*] (4)
24. 6. ψυχὴν οὗτος ἐνεχυράζει (4)
— 7. κλέπτων ψυχὴν ἐκ τῶν ἀδ. αὐ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (4)
26. 16. ποιήσετε αὐτὰ . . . ἐξ ὅλης τῆς ψ. ὑμῶν (4)
27. 25. πατάξει ψυχὴν αἵματος ἀθῴου (4)
28. 65. δώσει σοι κύριος . . . τηκομένην ψ. (4)
30. 2. εἰσακούσῃ τῆς φωνῆς αὐ. . . . ἐξ ὅλης τῆς ψ. σου (4)
— 6. ἀγαπᾶν κ. τὸν θεόν σου . . . ἐξ ὅλης τῆς ψ. σου (4)
— 10. ἐὰν ἐπιστραφῇς ἐπὶ κ. τὸν θ. σου . . . ἐξ ὅλης τῆς ψ. σου (4)
Jo. 2. 13. ἐξελεῖσθε τὴν ψ. μου ἐκ θανάτου (4)
— 14. ἡ ψ. ἡμῶν ἀνθ' ὑμῶν εἰς θάνατον (4)
9. 24. ἐφοβήθημεν σφόδρα περὶ τῶν ψ. ἡμῶν (4)
20. 3. τῷ φονευτῇ τῷ πατάξαντι ψυχὴν ἀκουσίως (4)
— 9. παντὶ παίοντι ψυχὴν ἀκουσίως (4)
22. 5. λατρεύειν αὐτῷ . . . ἐξ ὅλης τῆς ψ. ὑμῶν (4)
23. 14. γνώσεσθε . . . τῇ ψ. ὑμῶν (4)

Jd. 5. 18. ὠνείδισε ψυχὴν αὐ. εἰς θάνατον (4)
— 21. καταπατήσει αὐτὸν ψ. μου δυνατή (4)
9. 17. ἐξέρριψε τὴν ψ. αὐ. (4)
10. 16. ὠλιγώθη ἡ ψ. αὐ. ἐν κόπῳ Ἰσρ. [A *al.*] (4)
12. 3. ἔθηκα τὴν ψ. μου ἐν χειρί μου (4)
16. 30. ἀποθανέτω ψυχή [A ἡ ψ.] μου (4)
18. 25. μή ποτε συναντήσωσιν ἐν ἡμῖν ἄνδρες πικροὶ ψυχῇ καὶ προσθήσουσι ψυχήν σου καὶ τὴν ψ. τοῦ οἴκου σου [A *al.*] (4 *ter*)
Ru. 4. 15. ἔσται σοι εἰς ἐπιστρέφοντα ψυχήν (4)
I Ki. 1. 10. καὶ αὐτὴ κατώδυνος ψυχῇ (4)
— 15. ἐκχέω τὴν ψ. μου ἐνώπιον κυρίου (4)
— 26. ζῇ ἡ ψ. σου (4)
2. 16. ὧν ἐπιθυμεῖ ἡ ψ. σου (4)
— 33. καὶ καταρρεῖν τὴν ψ. αὐ. (4)
— 35. ὃς πάντα . . . τὰ ἐν τῇ ψ. μου ποιήσει (4)
17. 55. A ζῇ ἡ ψ. σου (4)
18. 1. A ἡ ψ. Ἰων. συνεδέθη τῇ ψ. Δ. (4, 4)
— 1. A ἠγάπησεν αὐτὸν Ἰ. κατὰ τὴν ψ. αὐ. (4)
— 3. A ἐν τῷ ἀγαπᾶν αὐτὸν κατὰ τὴν ψ. αὐ. (4)
19. 5. ἔθετο τὴν ψ. αὐ. ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (4)
— 11. ἐὰν μὴ σὺ σώσῃς τὴν ψ. σαυτοῦ (4)
20. 1. ἐπιζητεῖ τὴν ψ. μου (4)
— 3. ζῇ ἡ ψ. σου (4)
— 4. τί ἐπιθυμεῖ ἡ ψ. σου (4)
— 17. ἠγάπησε ψυχὴν ἀγαπῶντος αὐτὸν (4)
22. 2. καὶ πᾶς κατώδυνος ψυχῇ [A τῇ ψ.] (4)
— 22. ἐγώ εἰμι αἴτιος τῶν ψ. [A ψ. ἐκείνων] (4)
— 23. οὗ ἐὰν ζητῶ τῇ ψ. μου τόπον ζητήσω καὶ τῇ ψ. σου (4, 4)
23. 20. πᾶν τὸ πρὸς ψυχὴν τοῦ βασ. (4)
24. 10. Δ. ζητεῖ τὴν ψ. σου †
— 12. δεσμεύεις τὴν ψ. μου λαβεῖν αὐτήν (4)
25. 26. ζῇ ἡ ψ. σου (4)
— 29. ἀναστήσεται ἄνθρωπος . . . ζητῶν τὴν ψ. σου (4)
— 29. ἔσται ψυχὴ [A ἡ ψ.] κυρίου μου ἐνδεδεμένη (4)
— 29. ψυχὴν ἐχθρῶν σου σφενδονήσεις (4)
26. 20. ζητεῖν ψυχήν [A τὴν ψ.] μου †
— 21. ἔντιμος ψυχή μου ἐν ὀφθαλμοῖς σου (4)
— 24. καθὼς ἐμεγαλύνθη ἡ ψ. σου σήμερον (4)
— 24. οὕτως μεγαλυνθείη ἡ ψ. μου (4)
28. 9. ἵνα τί σὺ παγιδεύεις τὴν ψ. μου (4)
— 21. ἐθέμην τὴν ψ. μου ἐν τῇ χειρί μου (4)
30. 6. κατώδυνος ψυχὴ παντὸς τοῦ λαοῦ (4)
II Ki. 1. 9. πᾶσα ἡ ψ. μου ἐν ἐμοί (4)
3. 21. οἷς ἐπιθυμεῖ ἡ ψ. σου (4)
4. 8. ὃς ἐζήτει τὴν ψ. σου (4)
— 9. ὃς ἐλυτρώσατο τὴν ψ. μου ἐκ πάσης θλίψεως (4)
5. 8. ἀπτέσθω . . . τοὺς μισοῦντας τὴν [A *om.*] ψ. Δ. (4)
11. 11. ζῇ ἡ ψ. σου (4)
14. 7. θανατώσομεν αὐτὸν ἀντὶ τῆς ψ. τοῦ ἀδ. αὐ. (4)
— 14. λήψεται ὁ θ. ψυχήν [A τὴν ψ.] (4)
— 19. ζῇ ἡ ψ. σου (4)
16. 11. ὁ υἱός μου . . . ζητεῖ τὴν ψ. μου (4)
17. 3. ψυχὴν ἑνὸς ἀνδρὸς σὺ ζητεῖς –
— 8. καὶ κατάπικροι τῇ ψ. αὐ. (4)
18. 13. μὴ ποιῆσαι ἐν τῇ ψ. αὐ. ἄδικον (4)
19. 5 (6). τῶν ἐξαιρουμένων . . . τὴν ψ. τῶν υἱῶν σου . . . καὶ τὴν [A *om.*] ψ. τῶν γυναικῶν σου καὶ τῶν [A ψυχὴν τῶν] παλλακῶν σου (4, 4, [4])
23. 17. εἰ αἷμα τῶν ἀνδρῶν τῶν πορευθέντων ἐν ταῖς ψ. αὐ. πίομαι (4)
III Ki. 1. 12. ἐξελοῦ τὴν ψ. σου καὶ τὴν ψ. τοῦ υἱοῦ σου Σαλ. (4, 4)
— 29. ὃς ἐλυτρώσατο τὴν ψ. μου (4)
2. 4. A καὶ ἐν ὅλῃ ψ. αὐ. (4)
— 23. κατὰ τῆς ψ. [A εὐχῆς] αὐ. ἐλάλησεν (4)
3. 11. οὐδὲ ᾐτήσω ψυχὰς ἐχθρῶν σου (4)
8. 48. ἐν ὅλῃ καρδίᾳ αὐ. καὶ ἐν ὅλῃ ψ. αὐ. (4)
11. 37. ἐν οἷς ἐπιθυμεῖ ἡ ψ. σου (4)
16. 33. B τοῦ παροργίσαι τὴν ψ. αὐ. [A R *al.*] –
17. 21. ἐπιστραφήτω δὴ ἡ ψ. τοῦ παιδαρίου τ. εἰς αὐτόν (4)
— 22. A ἀπεστράφη ἡ ψ. τοῦ παιδαρίου (4)
19. 2. θήσομαι τὴν ψ. σου καθὼς ψυχὴν ἑνὸς ἐξ αὐτῶν (4, 4)
— 3. ἀπῆλθε κατὰ τὴν ψ. ἑαυτοῦ (4)
— 4. ᾐτήσατο τὴν ψ. αὐ. ἀποθανεῖν (4)
— 4. λάβε δὴ τὴν ψ. μου ἀπ' ἐμοῦ (4)
III Ki. 19. 10, 14. ζητοῦσι τὴν ψ. μου (4)
— 14. ζητοῦσι τὴν ψ. μου (4)
21 (20). 31. εἴ πως ζωογονήσει τὰς ψ. ἡμῶν (4)
— 32. ζησάτω δὴ ἡ ψ. ἡμῶν (4)
— 39, 42. ἔσται ἡ ψ. σου ἀντὶ τῆς ψ. αὐ. (4, 4)
IV Ki. 1. 13. ἐντιμωθήτω ἡ ψ. μου καὶ ἡ ψ. τῶν δούλων σου τούτων (4, 4)
— 14. ἐντιμωθήτω δὴ ἡ ψ. μου (4)
2. 2, 4, 6. ζῇ ἡ ψ. σου εἰ καταλείψω σε (4)
4. 27. ἡ ψ. αὐ. κατώδυνος αὐτῇ (4)
— 30. ζῇ ἡ ψ. σου εἰ ἐγκαταλείψω σε (4)
6. 11. ἐξεκινήθη ἡ ψ. βασιλέως Συρίας (3)
7. 7. ἔφυγον πρὸς τὴν ψ. ἑαυτῶν (4)
9. 15. B εἰ ἔστιν ἡ [A R *om.*] ψ. ὑμῶν μετ' ἐμοῦ (4)
10. 24. ἡ ψ. αὐ. ἀντὶ τῆς ψ. αὐ. (4, 4)
12. 4 (5). A ψήφῳ ψυχῶν συντιμήσεως [B *al.*] (4)
23. 3. ἐν πάσῃ καρδίᾳ καὶ ἐν πάσῃ ψ. (4)
— 25. ἐν ὅλῃ ψ. αὐ. καὶ ἐν ὅλῃ ἰσχύϊ αὐ. (4)
I Ch. 5. 21. καὶ ψυχὰς ἀνδρῶν ἑκατὸν χιλιάδας (4)
11. 19. εἰ αἷμα ἀνδρῶν τούτων πίομαι ἐν ψυχαῖς αὐ. (4)
— 19. ἐν ψυχαῖς αὐ. ἤνεγκαν (4)
12. 38. παρατασσόμενοι παράταξιν ἐν ψ. εἰρηνικῇ (3)
— 38. ὁ κατάλοιπος Ἰσρ. ψ. μία (3)
15. 29. ἐξουδένωσεν αὐτὸν ἐν τῇ ψ. αὐ. (3)
17. 2. B πᾶν τὸ ἐν ψυχῇ [A S R τῇ ψ.] σου ποίει (3)
22. 7. ἐμοὶ ἐγένετο ἐπὶ ψυχῇ (3)
— 19. δότε . . . ψυχὰς ὑμῶν (4)
28. 9. δούλευε αὐτῷ ἐν . . . ψ. θελούσῃ (4)
II Ch. 1. 11. οὐκ ᾐτήσω . . . τὴν [A *om.*] ψ. τῶν ὑπεναντίων (4)
6. 38. ἐν ὅλῃ καρδίᾳ καὶ ἐν ὅλῃ ψ. αὐ. (4)
7. 11. ὅσα ἠθέλησεν ἐν τῇ ψ. Σαλ. τοῦ ποιῆσαι (3)
9. 1. ὅσα ἐν τῇ ψ. αὐ. (3)
15. 12. ἐξ ὅλης τῆς καρδίας καὶ ἐξ ὅλης τῆς ψ. (4)
— 15. ἐξ ὅλης τῆς ψ. [A ψ. αὐ.] ὤμοσαν (3)
31. 21. ἐξεζήτησε τὸν θ. αὐ. ἐξ ὅλης ψ. [A τῆς ψ.] αὐ. (3)
34. 31. ἐν ὅλῃ καρδίᾳ καὶ ἐν ὅλῃ ψ. (4)
35. 19. ἐν ὅλῃ καρδίᾳ αὐ. καὶ ἐν ὅλῃ ψ. αὐ. –
I Es. 4. 21. μετὰ τῆς γυναικὸς ἀφίησι τὴν ψ.
To. 1. 11. συνετήρησα τὴν ψ. μου
— 12. ἐμεμνήμην τοῦ θ. ἐν ὅλῃ τῇ [S *om.*] ψ. μου
3. 1. S περίλυπος γενόμενος τῇ ψ. [A B *al.*]
— 10. S ἐλυπήθη ἐν τῇ ψ. [A B *al.*]
6. 17. ἡ ψ. αὐτοῦ ἐκολλήθη σφόδρα αὐτῇ [S *al.*]
8. 20. S εὐφραινεῖς τὴν ψ. τῆς θυγατρός μου
12. 10. S πολέμοι εἰσιν τῆς ἑαυτῶν ψ. [A B ζωῆς]
13. 6. ἐὰν ἐπιστρέψητε πρὸς αὐτὸν . . . ἐν ὅλῃ τῇ ψ. ὑμῶν
— 7. A B καὶ ἡ ψ. μου τῷ βασιλεῖ τοῦ οὐρανοῦ
— 15. B S ἡ ψ. μου εὐλογεῖ [A R -είτω] τὸν θεόν
14. 11. S ἡ ψ. μου ἐκλείπει
— 11. A B ἐξέλιπεν αὐ. ἡ ψ. ἐπὶ τῆς κλίνης
Ju. 4. 9. ἐταπεινοῦσαν τὰς ψ. αὐ.
7. 27. καὶ ζήσεται ἡ ψ. ἡμῶν
— 27. τὰς γυναῖκας καὶ τὰ τέκνα ἡμῶν ἐκλειποῦσας τὰς ψ. αὐ.
8. 24. ἐξ ἡμῶν κρέμαται ἡ ψ. αὐ.
10. 15. σέσωκας τὴν ψ. σου
11. 7. εἰς κατόρθωσιν πάσης ψ.
— 8. ἠκούσαμεν γὰρ . . . τὰ πανουργεύματα τῆς ψ. σου
12. 4. A B ζῇ ἡ ψ. σου
— 16. A B ἐσαλεύθη ἡ ψ. αὐ.
13. 20. οὐκ ἐφείσω τῆς ψ. σου
14. 19. ἐταράχθη ἡ ψ. αὐτῶν σφόδρα
16. 9. τὸ κάλλος αὐ. ἠχμαλώτισε ψυχὴν αὐτοῦ
Es. 7. 3. δοθήτω ἡ ψ. [S² ψ. μου] τῷ αἰτήματί μου (4)
— 7. S² παρῃτεῖτο περὶ τῆς ψ. αὐ. [A B S¹ *al.*] (4)
9. 16. S² ἑαυτοῖς ἐβοήθουν περὶ τῆς ψ. αὐ. [A B S¹ *al.*] (4)
Jb. 1. 5. προσέφερε . . . μόσχον ἕνα περὶ ἁμαρτίας περὶ [A ὑπὲρ] τῶν ψ. αὐτῶν –
2. 4. ὑπὲρ τῆς ψ. αὐ. ἐκτίσει [A *al.*] (4)
— 6. τὴν ψ. αὐτοῦ διαφύλαξον (4)
3. 20. A ἵνα τί γὰρ δέδοται τοῖς ἐν πικρίᾳ ψυχῆς [B S *om.*] φῶς ζωὴ δὲ ταῖς ἐν ὀδύναις ψυχαῖς (–, 4)
6. 7. A S² οὐ δύναται δέ μου παύσασθαι ἡ ψ. [B S¹ ὀργή] (4)
— 11. ἀνέχεταί μου ἡ ψ. (4)
Jb. 7. 11. ἀνοίξω πικρίαν ψυχῆς μου συνεχόμενος [A S² *al.*] (4)
— 15. ἀπαλλάξεις ἀπὸ πνεύματός μου τὴν ψ. [A ζωήν] μου (4)
— 15. A τὴν δὲ ψ. μου ἀπὸ τοῦ σώματός [B S ἀπὸ δὲ θανάτου τὰ ὀστᾶ] μου †
9. 21. εἴτε γὰρ ᾐσέβησα οὐκ οἶδα τῇ ψ. (4)
10. 1. A B S² κάμνων τῇ ψ. μου (4)
— 1. λαλήσω πικρίᾳ ψυχῆς μου συνεχόμενος (4)
12. 10. εἰ μὴ ἐν χειρὶ αὐ. ψυχὴ πάντων ζώντων (4)
13. 14. ψυχὴν δέ μου θήσω ἐν χειρί (4)
14. 22. ἡ δὲ ψ. αὐτοῦ ἐπένθησεν (4)
16. 5 (4). A εἰ ὑπέκειτό γε ἡ ψ. ὑμῶν ἀντὶ τῆς ἐμῆς ψ. [B S *om.*] (4, 4)
19. 2. ἕως τίνος ἔγκοπον ποιήσετε ψυχήν [A τὴν ψ.] μου (4)
21. 8. ὁ σπόρος αὐτῶν κατὰ ψυχήν †
— 25. ὁ δὲ τελευτᾷ ὑπὸ πικρίας ψυχῆς (4)
24. 7. ἀμφίασιν δὲ ψυχῆς αὐτῶν ἀφείλαντο †
— 12. ψυχὴ δὲ νηπίων ἐστέναξε μέγα (4)
27. 2. ὁ παντοκράτωρ ὁ πικράνας μου τὴν ψ. (4)
— 4. οὐδὲ ἡ ψ. μου μελετήσει ἄδικα [A ἄνομα] †
30. 16. ἐπ' ἐμὲ ἐκχυθήσεται [S² ἐκλυθ.] ἡ ψ. μου (4)
31. 39. εἰ δὲ καὶ ψυχὴν κυρίου τῆς γῆς ἐκλαβὼν [A -βαλὼν] ἐλύπησα (4)
33. 18. ἐφείσατο δὲ τῆς ψ. αὐτοῦ ἀπὸ θανάτου (4)
— 20. ἡ ψ. αὐτοῦ βρῶσιν ἐπιθυμήσει (4)
— 22. ἤγγισε δὲ εἰς θάνατον ἡ ψ. αὐτοῦ (4)
— 28. σῶσον ψυχήν [A τὴν ψ.] μου (4)
— 28. S² καὶ ἡ ψ. μου φῶς ὄψεται [A B S¹ *al.*] (2 *a*)
— 30. A S² ἐρρύσατο τὴν ψ. μου ἐκ θανάτου ἵνα ἡ ψ. [B S¹ ζωή] μου ἐν φωτὶ αἰνῇ αὐτόν (4, 2 *b* ?)
— 31. A τοῦ ἐπιστρέψαι ψυχὴν αὐτοῦ ἐκ διαφθορᾶς –
36. 14. ἀποθάνοι τοίνυν ἐν νεότητι ἡ ψ. αὐτῶν (4)
38. 39. ψυχὰς δὲ δρακόντων ἐμπλήσεις (2 *a*)
41. 12 (13). ἡ ψ. αὐτοῦ ἄνθρακες (4)
Ps. 3. 2. πολλοὶ λέγουσι τῇ ψ. μου (4)
6. 3. ἡ ψ. μου ἐταράχθη σφόδρα (4)
— 4. ῥῦσαι τὴν ψ. μου (4)
7. 2. μή ποτε ἁρπάσῃ ὡς λέων τὴν ψ. μου (4)
— 5. καταδιώξαι ἄρα ὁ ἐχθρὸς τὴν ψ. μου (4)
9. 24 (10. 3). ἐν [S ἐπὶ] ταῖς ἐπιθυμίαις τῆς ψ. αὐτοῦ (4)
10 (11). 2 (1). πῶς ἐρεῖτε τῇ ψ. [A τὴν ψ.] μου (4)
— 6 (5). ὁ δὲ ἀγαπῶν ἀδικίαν μισεῖ τὴν ἑαυτοῦ ψ. (4)
12 (13). 2. ἕως τίνος θήσομαι βουλὰς ἐν ψυχῇ μου (4)
15 (16). 10. οὐκ ἐγκαταλείψεις τὴν ψ. μου εἰς ᾅδην (4)
16 (17). 9. οἱ ἐχθροί μου τὴν ψ. μου περιέσχον (4)
— 13. ῥῦσαι τὴν ψ. μου ἀπὸ ἀσεβοῦς (4)
18 (19). 7. ὁ νόμος τοῦ κυρίου ἄμωμος ἐπιστρέφων ψυχάς (4)
20 (21). 2. τὴν ἐπιθυμίαν τῆς ψ. [S² καρδίας] αὐτοῦ ἔδωκας αὐτῷ (3)
21 (22). 20. ῥῦσαι ἀπὸ ῥομφαίας τὴν ψυχήν μου (4)
— 29. ἡ ψ. μου αὐτῷ ζῇ (4)
22 (23). 3. τὴν ψ. μου ἐπέστρεψεν (4)
23 (24). 4. ὃς οὐκ ἔλαβεν ἐπὶ ματαίῳ τὴν ψ. αὐτοῦ [A *om.*] (4)
24 (25). 1. πρὸς σέ, κύριε, ἦρα τὴν ψ. μου (4)
— 13. ἡ ψ. αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς αὐλισθήσεται (4)
— 20. φύλαξον τὴν ψ. μου (4)
25 (26). 9. μὴ συναπολέσῃς μετὰ ἀσεβῶν τὴν ψ. μου (4)
26 (27). 12. μὴ παραδῷς με εἰς ψυχὰς θλιβόντων με (4)
27 (28). 3. μὴ συνελκύσῃς μετὰ ἁμαρτωλῶν τὴν ψ. μου [S *al.*] –
29 (30). 3. ἀνήγαγες ἐξ ᾅδου τὴν ψ. μου (4)
30 (31). 7. ἔσωσας ἐκ τῶν ἀναγκῶν τὴν ψ. μου (4)
— 9. ἡ ψ. μου καὶ ἡ γαστήρ μου (4)
— 13. τοῦ λαβεῖν τὴν ψ. μου ἐβουλεύσαντο (4)
32 (33). 19. ῥύσασθαι ἐκ θανάτου τὰς ψ. αὐτῶν (4)
— 20. ἡ ψ. ἡμῶν ὑπομένει τῷ κυρίῳ (4)
33 (34). 2. ἐν τῷ κ. ἐπαινεσθήσεται ἡ ψ. μου (4)
— 22. λυτρώσεται κύριος ψυχὰς δούλων αὐτοῦ (4)
34 (35). 3. εἰπὸν τῇ ψ. μου (4)
— 4. οἱ ζητοῦντες τὴν ψ. μου (4)
— 7. μάτην ὠνείδισαν τὴν ψ. μου (4)
— 9. ἡ δὲ ψ. μου ἀγαλλιάσεται ἐπὶ τῷ κ. (4)
— 12. καὶ ἀτεκνίαν τῇ ψ. μου (4)

Ps. 34 (35). 13. ἐταπείνουν ἐν νηστείᾳ τὴν ψ. μου (4)
— 17. ἀποκατάστησον τὴν ψ. μου ἀπὸ τῆς κακουργίας αὐτῶν (4)
— 25. εὖγε εὖγε τῇ ψ. [S² ἡ ψ.] ἡμῶν (4)
36 (37). 15. S¹ ἡ ῥομφαία αὐτῶν εἰσέλθοι εἰς ψυχὴν [A B τὴν καρδίαν, S² τὰς καρδίας] αὐτῶν (3)
37 (38). 7. ἡ ψ. μου ἐπλήσθη ἐμπαιγμῶν [A S² al.] †
— 12. ἐξεβιάσαντο οἱ ζητοῦντες τὴν ψ. μου (4)
38 (39). 11. ἐξέτηξας ὡς ἀράχνην τὴν ψ. αὐτοῦ †
39 (40). 14. ἐντραπείησαν ἅμα οἱ ζητοῦντες τὴν ψ. μου (4)
40 (41). 4. ἴασαι τὴν ψ. μου
41 (42). 1. οὕτως ἐπιποθεῖ ἡ ψ. μου πρὸς σέ (4)
— 2. ἐδίψησεν ἡ ψ. μου πρὸς τὸν θ. (4)
— 4. ἐξέχεα ἐπ' ἐμὲ τὴν ψ. μου (4)
— 5. ἵνα τί περίλυπος εἶ, ἡ ψ. μου (4)
— 6. πρὸς ἐμαυτὸν ἡ ψ. μου ἐταράχθη (4)
— 11. A B¹ R ἵνα τί περίλυπος εἶ, ἡ [B² om.] ψ. μου (4)
42 (43). 5. A S² R ἵνα τί περίλυπος εἶ, ἡ [B S¹ om.] ψ. μου (4)
43 (44). 25. ἐταπεινώθη εἰς χοῦν ἡ ψ. ἡμῶν (4)
48 (49). 7. καὶ τὴν τιμὴν τῆς λυτρώσεως τῆς ψ. αὐτοῦ –
— 15. ὁ θεὸς λυτρώσεται τὴν ψ. μου (4)
— 18. ἡ ψ. αὐ. ἐν τῇ ζωῇ αὐ. εὐλογηθήσεται (4)
53 (54). 3. κραταιοὶ ἐζήτησαν τὴν ψ. μου (4)
— 4. ὁ κύριος ἀντιλήπτωρ τῆς ψ. μου (4)
54 (55). 18. λυτρώσεται ἐν εἰρήνῃ τὴν ψ. μου (4)
55 (56). 6. B S¹ καθάπερ ὑπέμειναν τῇ ψ. [S² -αν τὴν ψ.] μου (4)
— 13. ἐρρύσω τὴν ψ. μου ἐκ θανάτου (4)
56 (57). 1. ἐπὶ σοὶ πέποιθεν ἡ ψ. μου (4)
— 4. ἐρρύσατο τὴν ψ. μου ἐκ μέσου σκύμνων (4)
— 6. S παγίδας ἡτοίμασαν τὴν ψ. [B τοῖς ποσί] μου καὶ κατέκαμψαν τὴν ψ. μου (†, 4)
58 (59). 3. ἐθήρευσαν τὴν ψ. μου (4)
61 (62). 1. οὐχὶ τῷ θεῷ ὑποταγήσεται ἡ ψ. μου (4)
— 5. S R τῷ θεῷ ὑποτάγηθι ἡ [B om.] ψ. μου (4)
62 (63). 1. ἐδίψησέ σοι ἡ ψ. μου (4)
— 5. ὡσεὶ στέατος καὶ πιότητος ἐμπλησθείη ἡ ψ. μου (4)
— 8. ἐκολλήθη ἡ ψ. μου ὀπίσω σου (4)
— 9. αὐτοὶ δὲ εἰς μάτην ἐζήτησαν τὴν ψ. μου (4)
63 (64). 1. ἀπὸ φόβου ἐχθροῦ ἐξελοῦ τὴν ψ. μου (2 b)
65 (66). 9. τοῦ θεμένου τὴν ψ. μου εἰς ζωήν (4)
— 16. ὅσα ἐποίησε τῇ ψ. μου (4)
68 (69). 1. εἰσήλθοσαν ὕδατα ἕως ψυχῆς μου (4)
— 10. συνέκαμψα ἐν νηστείᾳ τὴν ψ. μου (4)
— 18. πρόσχες τῇ ψ. μου (4)
— 20. ὀνειδισμὸν προσεδόκησεν ἡ ψ. [S¹ καρδία] μου (3)
— 32. S καὶ ζήσεται ἡ ψ. ὑμῶν [B καὶ ζήσεσθε] (3)
69 (70). 2. ἐντραπείησαν οἱ ζητοῦντες τὴν ψ. μου (4)
70 (71). 9. S ἐν τῷ ἐκλείπειν τὴν ψ. [B ἰσχύν] μου †
— 10. οἱ φυλάσσοντες τὴν ψ. μου ἐβουλεύσαντο ἐπὶ τὸ αὐτό (4)
— 13. ἐκλιπέτωσαν οἱ ἐνδιαβάλλοντες τὴν ψ. μου (4)
— 23. καὶ ἡ ψ. μου ἣν ἐλυτρώσω (4)
71 (72). 13. ψυχὰς πενήτων σώσει (4)
— 14. ἐξ ἀδικίας λυτρώσεται τὰς ψ. αὐτῶν (4)
73 (74). 19. μὴ παραδῷς τοῖς θηρίοις ψυχὴν ἐξομολογουμένην σοι τῶν ψ. τῶν πενήτων σου μὴ ἐπιλάθῃ εἰς τέλος (4, 2 a)
76 (77). 2. ἀπηνήνατο παρακληθῆναι ἡ ψ. μου (4)
77 (78). 18. τοῦ αἰτῆσαι βρώματα ταῖς ψ. αὐ. (4)
— 50. οὐκ ἐφείσατο ἀπὸ θανάτου τῶν ψ. αὐ. (4)
83 (84). 2. ἐκλείπει ἡ ψ. μου εἰς τὰς αὐλὰς τοῦ κ. (4)
85 (86). 2. φύλαξον τὴν ψ. μου ὅτι ὅσιός εἰμι (4)
— 4. εὔφρανον τὴν ψ. τοῦ δούλου σου ὅτι πρὸς σέ, κύριε, ἦρα τὴν ψ. μου (4, 4)
— 13. ἐρρύσω τὴν ψ. μου ἐξ ᾅδου κατωτάτου (4)
— 14. συναγωγὴ κραταιῶν ἐζήτησαν τὴν ψ. μου (4)
87 (88). 3. ἐπλήσθη κακῶν ἡ ψ. μου (4)
— 14. A S¹ ἵνα τί, κύριε, ἀπωθεῖς τὴν ψ. [B S² προσευχήν] μου (4)
88 (89). 48. ῥύσεται τὴν ψ. αὐ. ἐκ χειρὸς ᾅδου (4)
93 (94). 17. παρὰ βραχὺ παρῴκησε τῷ ᾅδῃ ἡ ψ. μου (4)
— 19. αἱ παρακλήσεις σου ἠγάπησαν [A B³ S² ηὔφραναν] τὴν ψ. [S¹ καρδίαν] μου (4)
Ps. 93 (94). 21. θηρεύσουσιν ἐπὶ ψυχὴν δικαίου (4)
96 (97). 10. φυλάσσει κύριος τὰς ψ. τῶν ὁσίων αὐτοῦ (4)
102 (103). 1, 2, 22 : 103 (104). 1, 35. εὐλόγει, ἡ ψ. μου, τὸν κύριον (4)
104 (105). 18. σίδηρον διῆλθεν ἡ ψ. αὐτοῦ (4)
105 (106). 15. ἐξαπέστειλε πλησμονὴν εἰς τὴν ψ. [A S² τὰς ψ.] αὐτῶν (4)
106 (107). 5. ἡ ψ. αὐτῶν ἐν αὐτοῖς ἐξέλιπε (4)
— 9. A S ἐχόρτασε ψυχὴν κενὴν καὶ ψυχὴν [R om.] πεινῶσαν ἐνέπλησεν ἀγαθῶν (4, 4)
— 18. πᾶν βρῶμα ἐβδελύξατο ἡ ψ. αὐτῶν (4)
— 26. ἡ ψ. αὐτῶν ἐν κακοῖς ἐτήκετο (4)
108 (109). 20. τῶν λαλούντων πονηρὰ κατὰ τῆς ψ. μου (4)
— 31. τοῦ σῶσαι ἐκ τῶν καταδιωκόντων τὴν ψ. μου (4)
114 (116). 4. ῥῦσαι τὴν ψ. μου (4)
— 7. A S² R ἐπίστρεψον ψυχή [S¹ ἡ ψ.] μου εἰς τὴν ἀνάπαυσίν σου (4)
— 8. ἐξείλατο τὴν ψ. μου ἐκ θανάτου (4)
118 (119). 20. ἐπεπόθησεν ἡ ψ. μου τοῦ ἐπιθυμῆσαι (4)
— 25. ἐκολλήθη τῷ ἐδάφει ἡ ψ. μου (4)
— 28. ἐνύσταξεν ἡ ψ. μου ἀπὸ ἀκηδίας (4)
— 81. ἐκλείπει εἰς τὸ σωτήριόν σου ἡ ψ. μου (4)
— 109. ἡ ψ. μου ἐν ταῖς χερσί σου διὰ παντός (4)
— 129. διὰ τοῦτο ἐξηρεύνησεν αὐτὰ ἡ ψ. μου (4)
— 167. ἐφύλαξεν ἡ ψ. μου τὰ μαρτύριά σου (4)
— 175. ζήσεται ἡ ψ. μου (4)
119 (120). 2. ῥῦσαι τὴν ψ. μου ἀπὸ χειλέων ἀδίκων (4)
— 6. πολλὰ παρῴκησεν ἡ ψ. μου (4)
120 (121). 7. φυλάξει τὴν ψ. σου ὁ κύριος (4)
122 (123). 4. ἐπὶ πλεῖον ἐπλήσθη ἡ ψ. ἡμῶν (4)
123 (124). 4. χείμαρρον διῆλθεν ἡ ψ. ἡμῶν (4)
— 5. ἄρα διῆλθεν ἡ ψ. ἡμῶν τὸ ὕδωρ τὸ ἀνυπόστατον (4)
— 7. ἡ ψ. ἡμῶν ὡς στρουθίον ἐρρύσθη ἐκ τῆς παγίδος τῶν θηρευόντων (4)
129 (130). 5. ὑπέμεινεν ἡ ψ. μου εἰς τὸν λόγον σου (4)
— 6. ἤλπισεν ἡ ψ. μου ἐπὶ τὸν κύριον (4)
130 (131). 2. S R ὕψωσα τὴν ψ. [A καρδίαν] μου (4)
— 2. ὡς ἀνταποδώσεις ἐπὶ τὴν [S¹ om.] ψ. μου (4)
137 (138). 3. πολυωρήσεις με ἐν ψυχῇ μου (4)
138 (139). 14. καὶ ἡ ψ. μου γινώσκει σφόδρα (4)
140 (141). 8. μὴ ἀνταν̓ελῃς τὴν ψ. μου (4)
141 (142). 4. οὐκ ἔστιν ὁ ἐκζητῶν τὴν ψ. μου (4)
— 7. ἐξάγαγε ἐκ φυλακῆς τὴν ψ. μου (4)
142 (143). 3. A B² S R κατεδίωξεν ὁ ἐχθρὸς τὴν ψ. μου (4)
— 6. ἡ ψ. μου ὡς γῆ ἄνυδρός σοι (4)
— 8. πρὸς σὲ ἦρα τὴν ψ. μου (4)
— 11. ἐξάξεις ἐκ θλίψεως τὴν ψ. μου (4)
— 12. ἀπολεῖς πάντας τοὺς θλίβοντας τὴν ψ. μου (4)
145 (146). 1. αἴνει, ἡ ψ. μου, τὸν κύριον (4)
Pr. 1. 19. τῇ γὰρ ἀσεβείᾳ τὴν ἑαυτῶν ψ. ἀφαιροῦνται (4)
2. 10. ἡ δὲ αἴσθησις τῇ σῇ ψ. καλὴ εἶναι δόξῃ (4)
3. 22. ἵνα ζήσῃ ἡ ψ. σου (4)
6. 16. συντρίβεται δὲ δι' ἀκαθαρσίαν ψυχῆς (4)
— 21. ἅψαι δὲ αὐτοὺς ἐπὶ σῇ ψ. διὰ παντός (3)
— 26. γυνὴ δὲ ἀνδρῶν τιμίας ψυχὰς ἀγρεύει (4)
— 30. κλέπτει γὰρ ἵνα ἐμπλήσῃ τὴν [A S² om.] ψ. πεινῶν [A -ῶσαν] (4)
— 32. ὁ δὲ μοιχὸς . . . ἀπώλειαν τῇ ψ. αὐτοῦ περιποιεῖται (4)
7. 23. οὐκ εἰδὼς ὅτι περὶ ψυχῆς τρέχει (4)
8. 36. οἱ δὲ ἁμαρτάνοντες εἰς ἐμὲ ἀσεβοῦσιν εἰς τὰς ἑαυτῶν ψ. (4)
10. 3. οὐ λιμοκτονήσει κύριος ψυχὴν δικαίαν (4)
11. 17. τῇ ψ. αὐτοῦ ἀγαθὸν ποιεῖ ἀνὴρ ἐλεήμων (4)
— 25. ψυχὴ εὐλογουμένη πᾶσα ἁπλῆ (4)
— 30. ἀφαιροῦνται δὲ ἄωροι ψυχαὶ παρανόμων (4)
12. 10. δίκαιος οἰκτείρει ψυχὰς κτηνῶν αὐτοῦ (4)
— 13. ὁ δὲ συναντῶν ἐν πύλαις ἐκθλίψει ψυχάς –
— 14. ἀπὸ καρπῶν στόματος ψυχὴ ἀνδρὸς πλησθήσεται ἀγαθῶν –
13. 2. ψυχαὶ δὲ παρανόμων ὀλοῦνται ἄωροι (4)
— 3. ὃς φυλάσσει τὸ ἑαυτοῦ στόμα τηρεῖ τὴν ἑαυτοῦ ψ. (4)
— 8. λύτρον ἀνδρὸς ψυχῆς ὁ ἴδιος πλοῦτος (4)
— 9. ψυχαὶ δόλιαι πλανῶνται ἐν ἁμαρτίαις –
— 19. ἐπιθυμίαι εὐσεβῶν ἡδύνουσι ψυχήν (4)
Pr. 13. 25. δίκαιος ἔσθων ἐμπιπλᾷ τὴν ψ. αὐτοῦ ψυχαὶ δὲ ἀσεβῶν ἐνδεεῖς (4, †)
14. 10. καρδία ἀνδρὸς αἰσθητικὴ λυπηρὰ ψυχὴ αὐτοῦ (4)
— 25. ῥύσεται ἐκ κακῶν ψυχὴν μάρτυς πιστός (4)
16. 3 (15. 32). ὁ δὲ τηρῶν ἐλέγχους ἀγαπᾷ ψυχὴν αὐτοῦ (3)
— 17. ὃς φυλάσσει τὰς ἑαυτοῦ ὁδοὺς τηρεῖ τὴν ἑαυτοῦ ψ. (4)
— 24. γλύκασμα δὲ αὐτοῦ ἴασις ψυχῆς (4 ?)
18. 7. τὰ δὲ χείλη αὐτοῦ παγὶς τῇ ψ. αὐτοῦ (4)
— 8. ψυχαὶ δὲ ἀνδρογύνων πεινάσουσιν –
19. 15. ψυχὴ δὲ ἀργοῦ πεινάσει (4)
— 16. ὃς φυλάσσει ἐντολὴν τηρεῖ τὴν ἑαυτοῦ ψ. (4)
— 18. εἰς δὲ ὕβριν μὴ ἐπαίρου τῇ ψ. σου (4)
— 19. καὶ τὴν ψ. αὐτοῦ προσθήσει –
20. 2. ὁ δὲ παροξύνων αὐτὸν ἁμαρτάνει εἰς τὴν ἑαυτοῦ ψ. (4)
21. 10. ψυχὴ ἀσεβοῦς οὐκ ἐλεηθήσεται ὑπ' οὐδενὸς τῶν ἀνθρώπων (4)
— 23. διατηρεῖ ἐκ θλίψεως τὴν ψ. αὐτοῦ (4)
22. 5. ὁ δὲ φυλάσσων τὴν ἑαυτοῦ ψ. ἀφέξεται αὐτῶν (4)
— 9. τὴν μέντοι ψ. ἀφαιρεῖται τῶν κεκτημένων –
— 20. B S ἐπὶ τὸ πλάτος τῆς ψ. [A R καρδίας] σου –
— 23. S¹ ὁ γὰρ κύριος κρινεῖ αὐτοῦ τὴν ψ. [B S² κρίσιν, A δίκην] καὶ ῥύσῃ σὴν ἄσυλον ψυχήν (†, 4)
— 25. καὶ λάβῃς βρόχους τῇ σῇ ψ. (4)
23. 14. τὴν δὲ ψ. αὐτοῦ ἐκ θανάτου ῥύσῃ (4)
— 24. ἐπὶ δὲ υἱῷ σοφῷ εὐφραίνεται ἡ ψ. αὐ. –
24. 14. αἰσθήσῃ σοφίαν τῇ σῇ ψ. (4)
25. 13. ψυχὰς γὰρ τῶν αὐτῷ χρωμένων ὠφελεῖ (4)
— 25. ὥσπερ ὕδωρ ψυχρὸν ψυχῇ διψώσῃ προσηνές (4)
26. 25. ἑπτὰ γάρ εἰσι πονηρίαι ἐν τῇ ψ. [A καρδίᾳ] αὐτοῦ (3)
27. 7. ψυχὴ ἐν πλησμονῇ οὖσα κηρίοις ἐμπαίζει ψυχῇ δὲ ἐνδεεῖ καὶ τὰ πικρὰ γλυκέα φαίνεται [S¹ φέρει] (4, 4)
— 9. καταρρήγνυται δὲ ὑπὸ συμπτωμάτων ψυχή (4)
— 23. γνωστῶς ἐπιγνώσῃ ψυχὰς ποιμνίου σου †
28. 17. δώσει κόσμον τῇ σῇ ψ. –
29. 10. οἱ δὲ εὐθεῖς ἐκζητήσουσι ψυχὴν αὐτοῦ (4)
— 17. δώσει κόσμον τῇ ψ. σου (4)
— 24. μισεῖ τὴν ἑαυτοῦ ψ. (4)
Ec. 2. 24. ὃ δείξει τῇ ψ. αὐτοῦ ἀγαθόν (4)
4. 8. στερίσκω τὴν ψ. μου ἀπὸ ἀγαθωσύνης (4)
6. 2. οὐκ ἔστιν ὑστερῶν τῇ ψ. αὐτοῦ (4)
— 3. ψυχὴ [A S ἡ ψ.] αὐτοῦ οὐ πλησθήσεται (4)
— 8 (7). καί γε ἡ [A om.] ψ. οὐ πληρωθήσεται (4)
— 9. ἀγαθὸν ὅραμα . . . ὑπὲρ πορευόμενον ψυχῇ (4)
7. 29 (28). ὃν ἐπεζήτησεν ἡ ψ. μου (4)
Ca. 1. 7. ἀπάγγειλόν μοι ὃν ἠγάπησεν ἡ ψ. μου (4)
3. 1. ἐζήτησα ὃν ἠγάπησεν ἡ ψ. μου (4)
— 2. ζητήσω ὃν ἠγάπησεν ἡ ψ. μου (4)
— 3. μὴ ὃν ἠγάπησεν ἡ ψ. μου ἴδετε (4)
— 4. ἕως οὗ εὗρον ὃν ἠγάπησεν ἡ ψ. μου (4)
5. 6. ψυχή [A ἡ ψ.] μου ἐξῆλθεν [S ἀπῆλθεν] ἐν λόγῳ αὐτοῦ (4)
6. 11 (12). οὐκ ἔγνω ἡ [S om.] ψ. μου (4)
Wi. 1. 4. εἰς κακότεχνον ψ. οὐκ εἰσελεύσεται σοφία
— 11. στόμα δὲ καταψευδόμενον ἀναιρεῖ ψυχήν
2. 22. οὐδὲ ἔκριναν γέρας ψυχῶν [S¹ -ᾶν] ἀμώμων
3. 1. δικαίων δὲ ψυχαὶ ἐν χειρὶ θεοῦ
— 13. ἕξει καρπὸν ἐν ἐπισκοπῇ ψυχῶν
4. 11. ἡρπάγη μὴ . . . δόλος ἀπατήσῃ ψυχὴν αὐτοῦ
— 14. ἀρεστὴ γὰρ ἦν κυρίῳ ἡ ψ. αὐτοῦ
7. 27. κατὰ γενεὰς εἰς ψυχὰς ὁσίας μεταβαίνουσα
8. 19. ψυχῆς τε ἔλαχον ἀγαθῆς
9. 3. καὶ ἐν εὐθύτητι ψυχῆς κρίσιν κρίνῃ
— 15. φθαρτὸν γὰρ σῶμα βαρύνει ψυχήν
10. 7. ἀπιστούσης ψυχῆς μνημεῖον ἑστηκυῖα στήλη ἁλός
— 16, 19 (S¹). εἰσῆλθεν εἰς ψυχὴν θεράποντος κυρίου
12. 6. αὐθέντας γονεῖς ψυχῶν ἀβοηθήτων
14. 5. ἐλαχίστῳ ξύλῳ πιστεύουσιν ἄνθρωποι ψυχάς
— 11. ἐγενήθησαν καὶ εἰς σκάνδαλα ψυχαῖς ἀνθρώπων
— 26. ψυχῶν μιασμὸς γενέσεως ἐναλλαγή
15. 8. τὸ τῆς ψ. ἀπαιτηθεὶς χρέος
— 11. τὸν ἐμπνεύσαντα αὐτῷ ψυχὴν ἐνεργοῦσαν
— 14. τάλανες ὑπὲρ ψυχὴν νηπίου [A ψυχὰς νηπίων]
16. 9. οὐχ εὑρέθη ἴαμα τῇ ψ. αὐτῶν

Wi. 16. 14. οὐδὲ ἀναλύει ψυχὴν παραληφθεῖσαν
17. 1. ἀπαίδευτοι ψυχαὶ ἐπλανήθησαν
— 8. οἱ γὰρ ὑπισχνούμενοι δείματα . . . ἀπελαύνειν ψυχῆς νοσούσης
— 15. τὰ δὲ τῆς ψ. παρελύοντο προδοσίᾳ
Si. 1. 30. ἵνα μὴ πέσῃς καὶ ἐπαγάγῃς τῇ ψ. σου ἀτιμίαν
2. 1. ἑτοίμασον τὴν ψ. σου εἰς πειρασμόν
— 17. ἐνώπιον αὐτοῦ ταπεινώσουσι τὰς ψ. αὐτῶν
4. 2. ψυχὴν πεινῶσαν μὴ λυπήσῃς
— 6. καταρωμένου γάρ σε ἐν πικρίᾳ ψυχῆς αὐτοῦ
— 17. ἕως οὗ ἐμπιστεύσῃ τῇ ψ. αὐτοῦ
— 20. περὶ τῆς ψ. σου μὴ αἰσχυνθῇς
— 22. μὴ λάβῃς πρόσωπον κατὰ τῆς ψ. σου
5. 2. A B S³ μὴ ἐξακολούθει τῇ ψ. σου
6. 2. μὴ ἐπάρῃς σεαυτὸν ἐν βουλῇ ψυχῆς σου ἵνα μὴ διαρπαγῇ ὡς ταῦρος ἡ ψ. σου
— 4. ψυχὴ πονηρὰ ἀπολεῖ τὸν κτησάμενον αὐτήν
— 26. ἐν πάσῃ ψυχῇ σου πρόσελθε αὐτῇ
— 32. ἐὰν δῷς τὴν ψ. σου πανοῦργος ἔσῃ
7. 11. μὴ καταγέλα ἄνθρωπον ὄντα ἐν πικρίᾳ ψυχῆς αὐτοῦ
— 17. ταπείνωσον σφόδρα τὴν ψ. σου
— 20. μηδὲ μίσθιον διδόντα ψυχὴν [A S τὴν ψ.] αὐτοῦ
— 21. οἰκέτην συνετὸν ἀγαπάτω σου ἡ ψ.
— 26. γυνή σοί ἐστι κατὰ ψυχήν [S τὴν ψ.]
— 29. ἐν ὅλῃ ψυχῇ σου εὐλαβοῦ τὸν κύριον
9. 2. μὴ δῷς γυναικὶ τὴν ψ. σου
— 6. μὴ δῷς πόρναις τὴν ψ. σου
— 9. μή ποτε ἐκκλίνῃ ἡ ψ. σου ἐπ' αὐτήν
10. 28. ἐν πραΰτητι δόξασον τὴν ψ. σου
— 29. τὸν ἁμαρτάνοντα εἰς τὴν [A *om.*] ψ. αὐτοῦ
12. 11. ἐπίστησον τὴν ψ. [A τῇ ψ.] σου
14. 2. μακάριος οὗ οὐ κατέγνω ἡ ψ. αὐτοῦ
— 4. ὁ συνάγων ἀπὸ τῆς ψ. αὐτοῦ συνάγει ἄλλοις
— 8. ἀποστρέφων πρόσωπον καὶ ὑπερορῶν ψυχάς
— 9. ἀδικία πονηρὰ ἀναξηραίνει ψυχήν
16. ἀπάτησον [A ἀπότισον, S¹ ἀπαίτησον, S² ἁγίασον] την ψ. σου
16. 17. τίς γὰρ ἡ ψ. μου ἐν ἀμετρήτῳ κτίσει
— 30. ψυχὴν [S -ὴ] παντὸς ζῴου ἐκάλυψε τὸ πρόσωπον αὐτῆς
18. 15 (S), 30. ἐγκράτεια ψυχῆς
— 31. ἐὰν χορηγήσῃς [A εὐδοκήσεις] τῇ ψ. σου εὐδοκίαν ἐπιθυμίας
19. 3. ψυχὴ τολμηρὰ ἐξαρθήσεται
— 4. ὁ ἁμαρτάνων εἰς ψυχὴν αὐτοῦ πλημμελήσει
— 16. ἔστιν ὀλισθάνων καὶ οὐκ ἀπὸ ψυχῆς
20. 22. ἔστιν ἀπολλύων τὴν ψ. αὐτοῦ δι' αἰσχύνην
21. 2. οἱ ὀδόντες αὐτῆς ἀναιροῦντες ψυχὰς ἀνθρώπων
— 27. αὐτὸς καταρᾶται τὴν ἑαυτοῦ ψ. [A τὴν ψ. αὐτοῦ]
— 28. μολύνει τὴν ἑαυτοῦ ψ. ὁ ψιθυρίζων
23. 6. ψυχῇ ἀναιδεῖ μὴ παραδῷς με
— 16. ψυχὴ θερμὴ ὡς πῦρ καιόμενον
— 18. λέγων ἐν [A *om.*] τῇ [S¹ *om.*] ψ. αὐτοῦ
24. 1. ἡ σοφία αἰνέσει ψυχὴν αὐτῆς
25. 2. τρία δὲ εἴδη ἐμίσησεν ἡ ψ. μου
26. 14. οὐκ ἔστιν ἀντάλλαγμα πεπαιδευμένης ψυχῆς
— 15. οὐκ ἔστι σταθμὸς πᾶς ἄξιος ἐγκρατοῦς ψυχῆς
27. 16. οὐ μὴ εὕρῃ φίλον πρὸς τὴν [S¹ *om.*] ψ. αὐτοῦ
29. 15. ἔδωκε γὰρ τὴν ψ. αὐτοῦ ὑπὲρ σοῦ
30. 7. B S¹ περὶ ψυχῶν [? περιψύχων] υἱῶν [AS²R -όν]
— 21. μὴ δῷς εἰς λύπην τὴν ψ. σου
— 23. ἀγάπα [S² ἀπάτα] τὴν ψ. σου
— 40 (33. 31). ὡς ἡ ψ. σου ἐπιδεήσεις αὐτῷ
31 (34). 15. φοβουμένου τὸν κύριον μακαρία ἡ ψ.
— 17. ἀνυψῶν ψυχὴν καὶ φωτίζων ὀφθαλμούς
34 (31). 20. ἀνέστη πρωῒ καὶ ἡ ψ. αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ
— 28. ἀγαλλίαμα καρδίας καὶ εὐφροσύνη ψυχῆς
— 29. πικρία ψυχῆς οἶνος πινόμενος [A γιν.] πολύς
35 (32). 23. ἐν παντὶ ἔργῳ πίστευε τῇ ψ. σου
37. 6. μὴ ἐπιλάθῃ φίλου ἐν τῇ ψ. σου
— 8. ἀπὸ συμβούλου φύλαξον τὴν [S¹ *om.*] ψ. σου
— 12. ὃς ἐν τῇ ψ. αὐτοῦ κατὰ τὴν ψ. σου
— 14. ψυχὴ γὰρ ἀνδρὸς ἀπαγγέλλειν ἐνίοτε εἴωθεν
— 19. τῇ ἰδίᾳ ψ. ἐστιν ἄχρηστος
— 22. ἔστι σοφὸς τῇ ἰδίᾳ ψ.
— 27. ἐν τῇ ζωῇ σου πείρασον τὴν ψ. σου
— 28. οὐ πᾶσα ψυχὴ ἐν παντὶ εὐδοκεῖ
38. 34. πλὴν τοῦ ἐπιδόντος τὴν ψ. αὐτοῦ
40. 29. ἀλισγήσει [S ἀλγ.] τὴν [A S *om.*] ψ. αὐτοῦ ἐν ἐδέσμασιν ἀλλοτρίοις
Si. 45. 23. ἐν ἀγαθότητι προθυμίας ψυχῆς αὐτοῦ
47. 15. γῆν ἐπεκάλυψεν ἡ ψ. σου
50. 25. ἐν δυσὶν ἔθνεσι προσώχθισεν ἡ ψ. μου
51. 3. ἐκ χειρὸς ζητούντων τὴν ψ. μου
— 6. A S R ἤγγισεν [B ἤνεσεν] ἕως θανάτου ἡ ψ. μου
— 19. διαμεμάχισται ἡ ψ. μου ἐν αὐτῇ
— 20. τὴν ψ. μου κατεύθυνα εἰς αὐτήν
— 24. αἱ ψ. ὑμῶν διψῶσι σφόδρα
— 26. ἐπιδεξάσθω ἡ ψ. ὑμῶν παιδείαν
— 29. εὐφρανθείη ἡ ψ. ὑμῶν ἐν τῷ ἐλέει αὐτοῦ
Ho. 4. 8. ἐν ταῖς ἀδικίαις αὐ. λήψονται τὰς ψ. αὐ. (4)
9. 4. οἱ ἄρτοι αὐ. ταῖς ψ. αὐ. οὐκ εἰσελεύσονται (4)
Am. 2. 14 (B), 15. οὐ μὴ σώσει τὴν ψ. αὐ. (4)
Mi. 6. 7. ὑπὲρ ἁμαρτίας ψυχῆς μου (4)
7. 1. οἴμοι ψυχή (4)
— 3. καταθύμιον ψυχῆς αὐ. ἐστιν (4)
Jn. 1. 14. A B S² μὴ ἀπολώμεθα ἕνεκεν τῆς ψ. τοῦ ἀνθρ. τ. (4)
2. 6. περιεχύθη ὕδωρ μοι ἕως ψυχῆς (4)
— 8. ἐν τῷ ἐκλιπεῖν ἀπ' ἐμοῦ τὴν ψ. μου (4)
4. 3. λάβε τὴν ψ. μου ἀπ' ἐμοῦ (4)
— 8. ἀπελέγετο τὴν ψ. αὐ. (4)
Hb. 2. 4. οὐκ εὐδοκεῖ ἡ ψ. μου ἐν αὐτῷ (4)
— 5. ὃς ἐπλάτυνε καθὼς ᾅδης τὴν ψ. αὐ. (4)
— 10. ἐξήμαρτεν ἡ ψ. σου (4)
3. 2. ἐν τῷ ταραχθῆναι τὴν ψ. μου –
Hg. 2. 10 (9). ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ δώσω . . . εἰρήνην ψυχῆς –
— 14 (13). ἐὰν ἅψηται μεμιαμμένος ἀκάθαρτος ἐπὶ [A ψυχῇ ἐπὶ] ψυχῇ ([–], 4)
Za. 11. 8. βαρυνθήσεται ἡ ψ. μου ἐπ' αὐτούς (4)
— 8. καὶ γὰρ αἱ ψ. [S¹ χεῖρες] αὐ. ἐπωρύοντο ἐπ' ἐμέ (4)
Is. 1. 14. τὰς ἑορτὰς ὑμῶν μισεῖ ἡ ψ. μου (4)
— 16. ἀφέλετε τὰς πονηρίας ἀπὸ τῶν ψ. ὑμῶν †
3. 9. οὐαὶ τῇ ψ. αὐτῶν (4)
5. 14. ἐπλάτυνεν ὁ ᾅδης τὴν ψ. αὐτοῦ (4)
7. 2. ἐξέστη ἡ ψ. αὐτοῦ καὶ ἡ ψ. τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (3, 3)
— 4. μηδὲ ἡ ψ. σου ἀσθενείτω (3)
10. 7. τῇ ψ. οὐχ οὕτως λελόγισται (3)
— 18. καταφάγεται ἀπὸ ψυχῆς ἕως σαρκῶν (4)
13. 2. A παρακαλεῖτε τῇ ψ. [B S χειρί] †
— 7. πᾶσα ψ. ἀνθρώπου δειλιάσει (3)
15. 4. ἡ ψ. αὐτῆς γνώσεται (4)
19. 10. τὰς ψ. πονέσουσι (4)
21. 4. ἡ ψ. μου ἐφέστηκεν εἰς φόβον †
24. 7. οἱ εὐφραινόμενοι τὴν ψ. (3)
26. 8. ᾗ ἐπιθυμεῖ ἡ ψ. ἡμῶν (4)
29. 8. ἡ δὲ ψ. αὐτοῦ εἰς κενὸν ἤλπισεν (4)
32. 6. τοῦ διασπεῖραι ψυχὰς πεινώσας καὶ τὰς ψ. τὰς διψώσας κενὰς ποιήσει [A *al.*] (4, –)
33. 18. ἡ ψ. ὑμῶν μελετήσει φόβον (3)
38. 14 (15). ἀφείλατό μου τὴν ὀδύνην τῆς ψ. (4)
— 17. εἵλου γάρ μου τὴν ψ. (4)
42. 1. προσεδέξατο αὐτὸν ἡ ψ. μου (4)
— 25. οὐδὲ ἔθεντο ἐπὶ ψυχήν (3)
44. 19. οὐκ ἐλογίσατο τῇ ψ. αὐτοῦ (3)
— 20. οὐδεὶς δύναται ἐξελέσθαι τὴν ψ. αὐτοῦ (4)
47. 14. οὐ μὴ ἐξέλωνται τὴν ψ. αὐτῶν (4)
49. 7. ἀγιάσατε τὸν φαυλίζοντα τὴν ψ. αὐτοῦ (4)
51. 23. οἳ εἶπαν τῇ ψ. σου, Κύψον (4)
53. 10. ἡ ψ. ὑμῶν ὄψεται σπέρμα μακρόβιον (4)
— 11. ἀπὸ τοῦ πόνου τῆς ψ. αὐτοῦ (4)
— 12. παρεδόθη εἰς θάνατον ἡ ψ. αὐτοῦ (4)
55. 2. ἐντρυφήσει ἐν ἀγαθοῖς ἡ ψ. ὑμῶν (4)
— 3. ζήσεται ἐν ἀγαθοῖς ἡ ψ. ὑμῶν (4)
56. 11. οἱ κύνες ἀναιδεῖς τῇ ψ. (4)
58. 3. ἐταπεινώσαμεν τὰς ψ. ἡμῶν (4)
— 5. ταπεινοῦν ἄνθρωπον τὴν ψ. αὐτοῦ (4)
— 10. δῷς πεινῶντι τὸν ἄρτον ἐκ ψυχῆς σου καὶ ψυχὴν τεταπεινωμένην ἐμπλήσῃς (4, 4)
— 11. καθάπερ ἐπιθυμεῖ ἡ ψ. σου (4)
61. 10. ἀγαλλιάσθω ἡ ψ. μου ἐπὶ τῷ κυρίῳ (4)
66. 3. τὰ βδελύγματα αὐ. [A S *add.* ἃ] ἡ ψ. αὐτῶν ἠθέλησε (4)
Je. 2. 24. ἐν ἐπιθυμίαις ψυχῆς αὐτῆς ἐπνευματοφορεῖτο (4)
— 34. εὑρέθησαν αἵματα ψυχῶν ἀθῴων (4)
3. 11. ἐδικαίωσε τὴν ψ. αὐ. Ἰσραήλ (4)
4. 10. ἥψατο ἡ μάχαιρα ἕως τῆς ψ. αὐτῶν (4)
Je. 4. 19. τὰ αἰσθητήρια τῆς καρδίας μου μαιμάσσει ἡ ψ. μου [S¹ *al.*] (3)
— 19. φωνὴν σάλπιγγος ἤκουσεν ἡ ψ. μου (4)
— 30. τὴν ψ. σου ζητοῦσιν (4)
— 31. ἐκλείπει ἡ ψ. μου ἐπὶ τοῖς ἀνῃρημένοις (4)
5. 9. ἐν ἔθνει τοιούτῳ οὐκ ἐκδικήσει ἡ ψ. μου (4)
— 29. ἐν ἔθνει τῷ τοιούτῳ οὐκ ἐκδικήσει ἡ ψ. μου (4)
6. 8. μὴ ἀποστῇ ἡ ψ. μου ἀπὸ σοῦ (4)
— 16. εὑρήσετε ἁγισμὸν ταῖς ψ. ὑμῶν (4)
9. 9 (8). ἐν λαῷ τοιούτῳ οὐκ ἐκδικήσει ἡ ψ. μου (4)
11. 21. ἐπὶ τοὺς ἄνδρας Ἀναθὼθ τοὺς ζητοῦντας τὴν ψ. μου (4)
12. 7. ἔδωκα τὴν ἠγαπημένην ψ. μου εἰς χεῖρας ἐχθρῶν αὐ. (4)
13. 17. κλαύσεται ἡ ψ. ὑμῶν (4)
14. 19. ἀπὸ Σιὼν ἀπέστη ἡ ψ. σου (4)
15. 1. οὐκ ἔστιν ἡ ψ. μου πρὸς αὐτούς (4)
— 9. ἀπεκάκησεν ἡ ψ. αὐτῆς (4)
17. 21. φυλάσσεσθε τὰς ψ. [A φυλακὰς] ὑμῶν (4)
18. 20. συνελάλησαν ῥήματα κατὰ τῆς ψ. μου (4)
19. 7. ἐν χερσὶ τῶν ζητούντων τὰς ψ. αὐτῶν (4)
20. 13. ἐξείλατο ψυχὴν πένητος (4)
21. 7. εἰς χεῖρας ἐχθρῶν αὐτῶν τῶν ζητούντων τὰς ψ. αὐτῶν (4)
— 9. ἔσται ἡ ψ. αὐτοῦ εἰς σκῦλα (4)
22. 25. εἰς χεῖρας τῶν ζητούντων τὴν ψ. σου (4)
— 27. ἣν αὐτοὶ εὔχονται ταῖς ψ. αὐτῶν (4)
25. 16 (49. 37). ἐναντίον τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν τῶν ζητούντων τὴν ψ. αὐ. (4)
27 (50). 19. πλησθήσεται ἡ ψ. αὐτοῦ (4)
28 (51). 6. ἀνασώζετε ἕκαστος τὴν ψ. αὐτοῦ (4)
31 (48). 6. σώσατε τὰς ψ. ὑμῶν (4)
33 (26). 19. ἐποιήσαμεν κακὰ μεγάλα ἐπὶ ψυχὰς [A -αἰς] ὑμῶν (4)
38 (31). 12. ἔσται ἡ ψ. [S¹ τῇ ψ.] αὐ. ὥσπερ ξύλον ἔγκαρπον (4)
— 14. μεθύσω τὴν ψ. τῶν ἱερέων (4)
— 25. ἐμέθυσα πᾶσαν ψυχὴν διψῶσαν καὶ πᾶσαν ψυχὴν πεινῶσαν ἐνέπλησα (4, 4)
39 (32). 41. ἐν πάσῃ καρδίᾳ καὶ ἐν πάσῃ ψ. (4)
41 (34). 16. οὓς ἐξαπεστείλατε ἐλευθέρους τῇ ψ. αὐτῶν (4)
44 (37). 9. μὴ ὑπολάβητε ταῖς ψ. ὑμῶν (4)
45 (38). 2. ἔσται ἡ ψ. αὐτοῦ εἰς εὕρεμα (4)
— 16. ὃς ἐποίησεν ἡμῖν τὴν ψ. ταύτην (4)
— 17, 20. ζήσεται ἡ ψ. σου (4)
46 (39). 18. ἔσται ἡ ψ. σου εἰς εὕρεμα (4)
47 (40). 14. ἀπέστειλε . . . τὸν Ἰσμαὴλ πατάξαι σου ψυχήν (4)
— 15. μὴ πατάξῃ σου ψυχήν (4)
49 (42). 20. ἐπονηρεύσασθε ἐν ψυχαῖς [A ταῖς ψ.] ὑμῶν (4)
50 (43). 6. ἔλαβε . . . τὰς ψ. ἃς κατέλιπε (4)
51 (44). 7. ἵνα τί ὑμεῖς ποιεῖτε κακὰ μεγάλα ἐπὶ ψυχαῖς [S¹ -ὰς] ὑμῶν (4)
— 14. ἐλπίζουσι ταῖς ψ. αὐτῶν τοῦ ἐπιστρέψαι (4)
— 30. εἰς χεῖρας ζητούντων τὴν ψ. αὐτοῦ (4)
— 30. εἰς χεῖρας Ναβουχοδονοσὸρ . . . ζητοῦντος τὴν ψ. αὐτοῦ (4)
51. 35 (45. 5). δώσω τὴν ψ. σου εἰς [S *om.*] εὕρεμα (4)
Ba. 2. 18. ἡ ψ. ἡ λυπουμένη ἐπὶ τὸ μέγεθος . . . καὶ ἡ ψ. ἡ πεινῶσα δώσουσί σοι δόξαν
3. 1. ψ. ἐν στενοῖς . . . κέκραγε πρὸς σέ
La. 1. 6. S τοῦ ἀναπαῦσαι ψυχήν –
— 11. τοῦ ἐπιστρέψαι ψυχήν (4)
— 16. ὁ ἐπιστρέφων ψυχήν μου (4)
— 19. ἵνα ἐπιστρέψωσι [S *add.* εἰς] ψυχὰς αὐτῶν (4)
2. 12. ἐν τῷ ἐκχεῖσθαι ψυχὰς αὐτῶν (4)
— 19. ἆρον . . . χεῖράς σου περὶ ψυχῆς νηπίων σου (4)
3. 17. ἀπώσατο ἐξ εἰρήνης ψυχήν μου (4)
— 20. καταδολεσχήσει ἐπ' ἐμὲ ἡ ψ. μου (4)
— 24. R εἶπεν ἡ ψ. μου (4)
— 25. ἀγαθὸς κύριος . . . ψυχῇ ἣ ζητήσει (4)
— 51. ὁ ὀφθαλμός μου ἐπιφυλλιεῖ ἐπὶ τὴν ψ. μου (4)
— 58. ἐδίκασας, κύριε, τὰς δίκας [A ἀδικίας] τῆς ψ. μου (4)
5. 9. ἐν ταῖς ψ. ἡμῶν εἰσοίσομεν ἄρτον ἡμῶν (4)
Ep. Je. 7. αὐτός τε ἐκζητῶν τὰς ψ. ὑμῶν
Ez. 3. 19. σὺ τὴν ψ. σου ῥύσῃ (4)
— 21. σὺ τὴν σεαυτοῦ ψ. [A ψ. σου] ῥύσῃ (4)
4. 14. εἰ ἡ ψ. μου οὐ μεμίανται ἐν ἀκαθαρσίᾳ (4)

Ez. 7. 19. αἱ ψ. αὐτῶν οὐ μὴ ἐμπλησθῶσι (4)
13. 18. τοῦ διαστρέφειν ψυχάς (4)
— 18. αἱ ψ. διεστράφησαν τοῦ λαοῦ μου καὶ ψυχὰς περιεποιοῦντο (4, 4)
— 19. τοῦ ἀποκτεῖναι ψυχὰς . . . καὶ τοῦ περιποιήσασθαι ψυχάς [A *al.*] (4, 4)
— 20. ἐφ' ἃ ὑμεῖς συστρέφετε ἐκεῖ ψυχὰς . . . ἐξαποστελῶ τὰς ψ. ἃς ὑμεῖς ἐκστρέφετε τὰς ψ. αὐτῶν (4 *ter*)
14. 20. ῥύσονται τὰς ψ. αὐτῶν (4)
16. 5. ἀπερρίφης . . . τῇ σκολιότητι τῆς ψ. σου (4)
— 27. παραδώσω [A *add.* σε] εἰς ψυχὰς μισούντων σε (4)
17. 17. τοῦ ἐξᾶραι ψυχάς (4)
18. 4. πᾶσαι αἱ ψ. ἐμαί εἰσιν ὃν τρόπον ἡ ψ. τοῦ πατρὸς οὕτως καὶ ἡ ψ. τοῦ υἱοῦ ἐμαί εἰσιν ἡ ψ. ἡ ἁμαρτάνουσα αὕτη ἀποθανεῖται (4 *quater*)
— 20. ἡ δὲ ψ. ἡ ἁμαρτάνουσα [A *add.* αὕτη] ἀποθανεῖται (4)
— 27. οὕτος τὴν ψ. αὐτοῦ ἐφύλαξε (4)
22. 25. οἱ ἀφηγούμενοι . . . ψυχὰς κατεσθίοντες (4)
23. 17. ἀπέστη ἡ ψ. αὐτῆς ἀπ' αὐτῶν (4)
— 18. ἀπέστη ἡ ψ. μου ἀπ' αὐτῆς ὃν τρόπον ἀπέστη ἡ ψ. μου ἀπὸ τῆς ἀδελφῆς αὐτῆς (4, 4)
— 22, 28. ἀπέστη ἡ ψ. σου ἀπ' αὐτῶν (4)
24. 21. ὑπὲρ ὧν φείδονται αἱ ψ. ὑμῶν (4)
— 25. λαμβάνω . . . τὴν ἔπαρσιν ψυχῆς [A τῆς ψ.] αὐτῶν (4)
25. 6. ἐπέχαρας ἐκ ψυχῆς σου (4)
— 15. ἐξανέστησαν ἐκδίκησιν ἐπιχαίροντες ἐκ ψυχῆς (4)
27. 13. ἐνεπορεύοντό σοι ἐν ψυχαῖς ἀνθρώπων (4)
— 31. A κλαύσονται περὶ σοῦ ἐν πικρασμῷ ψυχῆς (4)
33. 5. A οὐκ ἐφυλάξατο τὴν ψ. αὐτοῦ [B *om.* τ. ψ. αὐ.] –
— 5. τὴν ψ. αὐτοῦ ἐξείλατο (4)
— 6. ἡ ῥομφαία λάβῃ ἐξ αὐτῶν ψυχήν (4)
— 9. τὴν ψ. σαυτοῦ ἐξῄρησαι [A ψ. σου ἔρρυσω] (4)
36. 5. ἀτιμάσαντες ψυχὰς τοῦ ἀφανίσαι (4)
44. 25. ἐπὶ ψυχὴν ἀνθρώπου οὐκ εἰσελεύσονται †
47. 9. ἔσται πᾶσα ψ. τῶν ζῴων . . . ζήσεται (4)
Da. LXX. Su. 55. ὀρθῶς ἔψευσαι εἰς τὴν σεαυτοῦ ψ.
— 55. σχίσει σου τὴν ψ. σήμερον
3. (39). ἐν ψ. συντετριμμένῃ . . . προσδεχθείημεν
— (86). εὐλογεῖτε, . . . ψυχαὶ δικαίων, τὸν κ.
4. 31. ἔδωκα τὴν ψ. μου εἰς δέησιν –
— 34. περὶ τῆς ψ. μου τῷ ὑψίστῳ θυσίας προσοίσω –
Da. TH. 3. (39). ἐν ψ. συντετριμμένῃ . . . προσδεχθείημεν
— (86). εὐλογεῖτε, . . . ψυχαὶ δικαίων, τὸν κ.
I Ma. 1. 48. βδελύξαι τὰς ψ. αὐ. ἐν παντὶ ἀκαθάρτῳ
2. 38. ἕως χιλίων ψ. ἀνθρώπων
— 40. μὴ ποιήσωμεν . . . ὑπὲρ τῆς ψ. ἡμῶν
— 50. δότε τὰς ψ. ὑμῶν ὑπὲρ διαθήκης πατέρων ἡμῶν
3. 21. πολεμοῦμεν περὶ τῶν ψ. ἡμῶν
— 31. ἠπορεῖτο τῇ ψ. αὐ. σφόδρα
8. 27. συμμαχήσουσιν οἱ Ῥωμαῖοι ἐκ ψυχῆς
9. 2. A R ἀπώλεσε ψυχὰς [S εἰς ψ.] ἀνθρώπων πολλάς
— 9. σώζωμεν τὰς ἑαυτῶν ψ.
— 44. AR πολεμήσωμεν ὑπὲρ [S περὶ] τῶν ψ. ἡμῶν
10. 33. πᾶσαν ψ. Ἰουδαίων . . . ἀφίημι ἐλευθέραν
12. 51. περὶ ψυχῆς αὐτοῖς ἐστι
13. 5. φείσασθαί μου τῆς ψ.
II Ma. 1. 3. ποιεῖν αὐτοῦ τὰ θελήμ. . . . ψ. βουλομένῃ
3. 16. ἐνέφαινε τὴν κατὰ ψυχὴν ἀγωνίαν
5. 11. τεθηριωμένος τῇ ψ.
6. 30. κατὰ ψυχὴν δὲ ἡδέως . . . ταῦτα πάσχω
7. 12. ἐκπλήσσεσθαι τὴν τοῦ νεανίσκου ψ.
— 37. R σῶμα καὶ ψυχὴν [A τύχην] προδίδωμι
11. 9. ἐπερρώσθησαν ταῖς ψ.
14. 38. ψυχὴν ὑπὲρ τοῦ Ἰουδαϊσμοῦ παραβεβλημένος
15. 17. καὶ ψυχὰς νέων ἐπανδρῶσαι
— 30. ὁ καθ' ἅπαν σώματι καὶ ψυχῇ πρωταγωνιστής
III Ma. 2. 20. τῶν . . . συντετριμμένων τὰς ψ.
— 32. γενναίᾳ ψ. ἐνίσχυσαν
4. 4. μετὰ πικρίας ἀνοίκτου ψυχῆς
III Ma. 5. 42. τὰς γινομένας . . . μεταβολὰς τῆς ψ.
6. 6. τοὺς . . . τρεῖς ἑταίρους πυρὶ τὴν ψ. αὐθαιρέτως δεδωκότας
IV Ma. 1. 20. τούτων δὲ ἑκάτερον καὶ περὶ τὴν ψ. πέφυκε
— 26. κατὰ μὲν ψυχῆς ἀλαζονεία
— 28. δυοῖν τοῦ σώματος καὶ τῆς ψ. φυτῶν ὄντων
2. 1. εἰ αἱ τῆς ψ. ἐπιθυμίαι . . . ἀκυροῦνται
3. 3. θυμόν τις οὐ δύναται ἐκκόψαι ὑμῶν τῆς ψ.
— 15. A R πάνδεινον εἶναι κίνδυνον τῇ [S *om.*] ψ.
5. 26. τὰ μὲν οἰκειωθησόμενα ἡμῶν ταῖς ψ.
6. 29. ἀντίψυχον αὐτῶν λάβε τὴν ἐμὴν ψ.
7. 4. τὴν ἱερὰν ψ. . . . πυρπολούμενος
8. 29. πάντες . . . ὥσπερ ἀπὸ τῆς αὐτῆς ψ. εἶπον
9. 7. τὰς ἡμῶν ψ. εἰ θανατώσεις
— 25. ἀπέρρηξε τὴν ψ.
10. 4. A R τῆς γὰρ ψ. μου οὐδ' ἂν θέλητε ἄψεσθε
12. 20. R ἀπέδωκε τὴν ψ. [A S *al.*]
13. 13. τῷ θεῷ . . . τῷ δόντι τὰς ψ.
— 15. μέγας γὰρ ψυχῆς ἀγὼν . . . κείμενος
— 20. διὰ τῆς αὐτῆς ψ. τελεσφορηθέντες
— 21. ἀφ' ὧν συντρέφονται . . . φιλάδελφοι ψ.
14. 6. συμφώνως τοῖς τῆς ψ. ἀφηγήμασι κινοῦνται
— 6. ὡς ὑπὸ ψυχῆς ἀθανάτου τῆς εὐσεβείας
15. 4. ψυχῆς τε καὶ μορφῆς ὁμοιότητα
— 25. τῇ ἑαυτῆς ψ. [S[1] τῆς αὐτῆς ψ.] δεινοὺς ὁρῶσα συμβούλους
18. 23. ψ. ἀγνὰς . . . ἀπειληφότες παρὰ τοῦ θεοῦ

[Aq. Ge. 1. 20, 30: 2. 7: 9. 4: 14. 21: Le. 5. 15: Jo. 2. 13: Jd. 16. 16: I Ki. 18. 3: III Ki. 17. 22: IV Ki. 12. 4 (5): Jb. 6. 9 (P.): 7. 15: 11. 20: 19. 1 (P.): Ps. 9. 24 (10. 3): 10 (11). 5: 24 (25) 1: 25 (26). 9: 30 (31). 8: 32 (33). 19, 20: 34 (35). 7, 12: 40 (41). 3: 65 (66). 9: 68 (69). 11: 69 (70). 3: 76 (77). 3: 87 (88). 15: 114 (116). 4: 118 (119). 109: 122 (123). 4: 129 (130). 5, 6: 141 (142). 8: 142 (143). 4: Pr. 6. 16: 8. 36: 14. 10: 16. 26: 19. 18: 24. 12: 27. 9: 28. 25: Ca. 6. 11 (12): Is. 29. 8: 53. 10: 58. 10, 11: 61. 10: Je. 12. 7: 13. 17: 19. 9: 21. 7: 34 (41). 16, 20: 37 (44). 9: 38 (45). 16: 43 (50). 6: 44 (51). 14: Ez. 32. 10: 33. 9: Hb. 2. 4: Za. 11. 8 *bis.*]
[Sm. Ge. 1. 20, 30: 2. 7: 9. 4: 14. 21: Le. 17. 14: Jo. 2. 13: I Ki. 1. 26: II Ki. 14. 14: 15. 21: Jb. 2. 4: 6. 9 (P.): 7. 11: 11. 20: 33. 30: Ps. 9. 24 (10. 3): 16 (17). 9: 21 (22). 30: 24 (25). 1: 25 (26). 9: 26 (27). 12: 30 (31). 8: 32 (33). 19, 20: 34 (35). 7, 12: 40 (41). 3, 5: 41 (42). 5, 6, 7: 42 (43). 5: 48 (49). 19: 55 (56). 7: 65 (66). 9: 68 (69). 2, 11: 69 (70). 3: 70 (71). 10, 13, 23: 72 (73). 13: 76 (77). 3: 85 (86). 14: 87 (88). 15: 104 (105). 18: 114 (116). 4: 118 (119). 28, 109: 122 (123). 4: 130 (131). 2 *bis*: 137 (138). 3: 141 (142). 8: Pr. 1. 19: 8. 36: 11. 17: 16. 24, 26: 21. 10: 22. 23: 23. 7: Ec. 7. 29 (28): Ca. 5. 6: 6. 11 (12): Is. 10. 18: 29. 8: 38. 17: 53. 10: 58. 10, 11: 61. 10: Je. 13. 17: 19. 9: 21. 7: 31 (38). 25: 32 (39). 41: 34 (41). 20: 37 (44). 9: 38 (45). 16: 43 (50). 6: Ez. 13. 18: 25. 15: 33. 5: Da. 2. 3 (Sw.): Za. 11. 8.]
[Th. Ge. 1. 20, 30: 2. 7: Jo. 2. 13: II Ki. 14. 14: 15. 21: IV Ki. 12. 4 (5): Jb. 2. 6: 11. 20: 18. 4: 30. 16: 33. 20, 28: Ps. 21 (22). 30: 30 (31). 8: 40 (41). 3: 65 (66). 9: 69 (70). 3: 72 (73). 13: Pr. 6. 16: 14. 10: 16. 17, 24: 24. 12: Is. 29. 8: 38. 15: 42. 1: 53. 10: 58. 10, 11: 61. 10: Je. 19. 9: 34 (41). 20: 46 (26). 26: 52. 29, 30 *bis*: Ez. 22. 27: 27. 31: 33. 9: Za. 11. 8.]
[Heb. Ge. 49. 6: Ez. 13. 18.]
[Al. Le. 4. 27: 17. 10, 11: 21. 11: 26. 43: 27. 2: Nu. 5. 2: Ps. 123 (124). 4, 5: Pr. 6. 30: Ca. 3. 1: Mi. 7. 1.]
[Quint. IV Ki. 12. 4 (5): Ps. 21 (22). 30: 25 (26). 9: 30 (31). 8: 32 (33). 19: 118 (119). 28: 129 (130). 5: Pr. 6. 16.]
[Sext. Ps. 21 (22). 30: 30 (31). 8: 32 (33). 20: 118 (119). 28.]
[Sept. Ps. 21 (22). 30.]

ψυχικός.
IV Ma. 1. 32. τῶν δὲ ἐπιθυμιῶν αἱ μέν εἰσι ψ.

ψυχικῶς.
II Ma. 4. 37. ψ. οὖν ὁ Ἀντ. ὑπολυπηθείς
14. 24. ψ. τῷ ἀνδρὶ προσεκέκλιτο

ψῦχος. (1) *a.* קוֹר *b.* קָרָה
Ge. 8. 22. ψῦχος καὶ καῦμα . . . οὐ καταπαύσουσιν (1 *a*)
Jb. 37. 9. ἀπὸ δὲ ἀκρωτηρίων ψῦχος (1 *b*)
Ps. 147. 6 (17). κατὰ πρόσωπον ψύχους αὐτοῦ τίς ὑποστήσεται (1 *b*)
Za. 14. 6. οὐκ ἔσται φῶς καὶ ψύχη [A S[2] -ος] †
Da. LXX. 3. (67). εὐλογεῖτε, ῥῖγος καὶ ψῦχος, τὸν κ.
— (69). εὐλογεῖτε, πάγοι καὶ ψῦχος, τὸν κ.
Da. TH. 3. (67). A εὐλογεῖτε, ψῦχος καὶ καύσων, τὸν κ.
— (69). εὐλογεῖτε, ψῦχος καὶ καῦμα [A πάγος κ. ψ.] τὸν κ.
[Aq. Ps. 147. 6 (17): Pr. 25. 20.]
[Sm. Pr. 20. 4: 25. 20: Za. 14. 6.]
[Th. Pr. 25. 20: Da. 3. (67), (69)†.]

ψυχουλκεῖσθαι.
III Ma. 5. 25. κατὰ τὸν ἀμερῆ ψυχουλκούμενοι χρόνον

ψυχρός. (1) קַר
Pr. 25. 25. ὥσπερ ὕδωρ ψυχρὸν ψυχῇ διψώσῃ προσηνές (1)
Si. 43. 20. ψυχρὸς ἄνεμος βορέης πνεύσει
IV Ma. 11. 26. τὸ πῦρ σου ψυχρὸν ἡμῖν

ψωμίζειν. (1) אָכַל *a.* qal. *b.* hi. *c.* אֲכַל (2) בָּרָה hi. (3) טָעַם pa.
Nu. 11. 4, 18. τίς ἡμᾶς ψωμιεῖ κρέα (1 *b*)
De. 8. 3. ἐψώμισέ σε τὸ μάννα (1 *b*)
— 16. τοῦ ψωμίσαντός σε τὸ μάννα (1 *b*)
32. 13. ἐψώμισεν αὐτοὺς γεννήματα ἀγρῶν (1 *a*)
II Ki. 13. 5. καὶ ψωμισάτω με (2)
Ps. 79 (80). 5. ψωμιεῖς ἡμᾶς ἄρτον δακρύων (1 *b*)
80 (81). 16. ἐψώμισεν αὐτοὺς ἐκ στέατος πυροῦ (1 *b*)
Pr. 25. 21. ἐὰν πεινᾷ ὁ ἐχθρός σου ψώμιζε [A S τρέφε] αὐτόν (1 *b*)
Wi. 16. 20. ἀγγέλων τροφὴν ἐψώμισας τὸν λαόν σου
Si. 15. 3. ψωμιεῖ αὐτὸν ἄρτον συνέσεως
29. 26. εἴ τι ἐν τῇ χειρί σου ψώμισόν με
Is. 58. 14. ψωμιεῖ σε τὴν κληρονομίαν Ἰακώβ (1 *b*)
Je. 9. 15 (14). ψωμῶ [A -ίζω ὑμᾶς] αὐτοὺς ἀνάγκας (1 *b*)
23. 15. ψωμῶ [A -ίζω] αὐτοὺς ὀδύνην (1 *b*)
La. 3. 16. ἐψώμισέ με σποδόν †
Ez. 3. 2. ἐψώμισέ με τὴν κεφαλίδα (1 *b*)
16. 19. ἔλαιον καὶ μέλι ἐψώμισά σε (1 *b*)
Da. LXX. 4. 29. χόρτον ὡς βοῦν σε ψωμίσουσι (3)
— 30. χόρτον ὡς βοῦν ἐψώμισάν με (1 *c*)
Da. TH. 4. 22, 29. χόρτον ὡς βοῦν ψωμοῦσί [A -ίσουσίν] σε (3)
5. 21. χόρτον ὡς βοῦν ἐψώμιζον αὐτόν (3)
[Sm. Ps. 79 (80). 6.]

ψωμός. (1) לֶחֶם (2) עֹמֶר (3) פַּת
Jd. 19. 5. στήρισον τὴν καρδίαν σου ψωμῷ [A κλάσματι] ἄρτου (3)
Ru. 2. 14. βάψεις τὸν ψ. σου ἐν τῷ ὄξει (3)
I Ki. 28. 22. παραθήσω ἐνώπιόν σου ψωμὸν ἄρτου (3)
III Ki. 17. 11. λήψῃ δή μοι ψωμὸν ἄρτοῦ [A -ον] (3)
Jb. 22. 7. πεινώντων ἐστέρησας ψωμόν (1)
24. 10. πεινώντων δὲ τὸν [A *om.*] ψ. ἀφείλαντο (2)
31. 17. εἰ δὲ καὶ τὸν ψ. μου ἔφαγον μόνος (3)
Ps. 147. 6 (17). βάλλοντος κρύσταλλον αὐτοῦ ὡσεὶ ψωμούς (3)
Pr. 9. 13. γυνὴ ἄφρων καὶ θρασεῖα ἐνδεὴς ψωμοῦ γίνεται †
17. 1. κρείσσων ψωμὸς μεθ' ἡδονῆς (3)
23. 7. καὶ φάγῃς τὸν ψ. σου μετ' αὐτοῦ –
28. 21. ὁ τοιοῦτος ψωμοῦ ἄρτου ἀποδώσεται ἄνδρα (3)
[Aq. Le. 2. 6: 6. 21 (14).]
[Sm. Le. 2. 6.]
[Th. Le. 2. 6: Ez. 13. 19.]
[Al. Le. 8. 26.]

ψώρα. (1) שַׁחֶפֶת (2) ψ. ἀγρία גָּרָב
Le. 21. 20. ᾧ ἂν ᾖ ἐν αὐτῷ ψ. ἀγρία (2)
26. 16. ἐπισυστήσω ἐφ' ὑμᾶς . . . τήν τε ψ. (1)
De. 28. 27. πατάξαι σε κ. . . . ψ. ἀγρίᾳ (2)

ψωραγριᾶν. (1) גָּרָב
Le. 22. 22. A[2] B[2] R ψωραγριῶντα [B[1] *om.*] . . . οὐ προσάξουσι (1)

Ω

ὦ, ὦ. (1) אֲהָהּ (2) אוֹי (3) אָנָּה (4) הָהּ (5) הוֹי (6) ὦ δή אָנָּה

Ge. 27. 20. ὁ ταχὺ εὗρες, ὦ τέκνον –
Nu. 24. 23. ὦ ὦ, τίς ζήσεται (2, –)
IV Ki. 3. 10. εἶπεν βασιλεὺς Ἰσρ., Ὦ (1)
— 21. καὶ εἶπον, Ὦ [A *al.*] †
6. 5. καὶ ἐβόησεν, Ὦ, κύριε (1)
— 15. ὦ [A *om.*], κύριε, πῶς ποιήσωμεν (1)
8. 13. A τίς ἐστιν ὁ δοῦλός σου, ὦ κύριε [B *al.*] –
20. 3. ὦ δὴ κύριε (6)
I Es. 3. 24. ὦ ἄνδρες, οὐχ ὑπερισχύει ὁ οἶνος
4. 2. ὦ ἄνδρες, οὐχ ὑπερισχύουσιν οἱ ἄνθρ.
— 12. ὦ ἄνδρες, πῶς οὐχ ὑπερισχύει ὁ βασ.
— 14. A ὦ [B *om.*] ἄνδρες, οὐ μέγας ὁ βασ.
— 32. ὦ ἄνδρες, πῶς οὐχὶ ἰσχυραὶ αἱ γυν.
To. 7. 7. S ὦ ταλαιπώρων κακῶν
13. 14. ὦ [S *om.*] μακάριοι οἱ ἀγαπῶντές σε
Jb. 19. 21. ἐλεήσατέ με, ὦ φίλοι –
Ps. 114 (116). 4. ὦ κύριε, ῥῦσαι τὴν ψυχήν μου (3)
115. 7 (116. 16). ὦ κύριε, ἐγὼ δοῦλος σός (3)
117 (118). 25 *bis*. ὦ κύριε, σῶσον δή, ὦ κύριε, εὐόδωσον δή (3, 3)
Pr. 2. 13. ὦ οἱ ἐγκαταλείποντες ὁδοὺς εὐθείας –
6. 6. ἴθι πρὸς τὸν μύρμηκα, ὦ ὀκνηρέ –
8. 4. ὑμᾶς, ὦ ἄνθρωποι, παρακαλῶ –
Wi. 6. 9. πρὸς ὑμᾶς οὖν, ὦ τύραννοι, οἱ λόγοι μου
Si. 37. 3. ὦ πονηρὸν ἐνθύμημα
41. 1. ὦ θάνατε, ὡς πικρόν σου τὸ μνημόσυνόν ἐστιν
— 2. ὦ θάνατε, καλόν [S² ὡς κ.] σου τὸ κρίμα ἐστίν
Jn. 4. 2. καὶ εἶπεν, Ὦ [S³ ὦ ὦ δὴ] κύριε (3, [–])
Na. 3. 1. ὦ πόλις αἱμάτων (5)
Hb. 2. 9. ὦ ὁ πλεονεκτῶν πλεονεξίαν κακήν (5)
— 15. ὦ ὁ ποτίζων τὸν πλησίον αὐ. (5)
Ze. 3. 2 (1). ὦ ἡ ἐπιφανὴς πόλις (5)
Za. 2. 6 (10). ὦ ὦ φεύγετε ἀπὸ γῆς βορρᾶ (5, 5)
11. 17. ὦ οἱ ποιμαίνοντες τὰ μάταια (5)
Is. 6. 5. ὦ τάλας ἐγώ (2)
Je. 4. 10. ὦ δέσποτα κύριε (1)
6. 6. ὦ πόλις ψευδής †
22. 13. A ὦ [B S *om.*] ὁ οἰκοδομῶν τὴν οἰκίαν αὐ. (5)
— 18. ὦ [A S³ οὐαὶ] ἀδελφέ (5)
23. 1. ὦ ποιμένες (5)
41 (34). 5. A B² ὦ [R οὐαὶ] κύριε (5)
Ba. 3. 24. ὦ Ἰσραήλ
Ez. 22. 3. ὦ πόλις ἐκχέουσα αἵματα –
24. 6. ὦ πόλις αἱμάτων (2)
30. 2. ὦ ὦ ἡμέρα (†, 4)
34. 2. ὦ ποιμένες Ἰσραήλ (5)
Da. LXX. 5. 16. ὦ Δαν., δύνῃ μοι ὑποδεῖξαι –
6. 20 (21). ὦ Δαν., εἰ ἄρα ζῇς –
II Ma. 7. 34. ὦ ἀνόσιε καὶ πάντων ἀνθρώπων μιαρώτατε
IV Ma. 5. 6. A R ὦ [S *om.*] πρεσβῦτα
6. 22. ὦ Ἀβραὰμ παῖδες
7. 6. ὦ ἄξιε τῆς ἱερωσύνης ἱερεῦ
— 7. ὦ σύμφωνε νόμου
— 10. ὦ βασάνων βιαιότερε γέρων
— 15. ὦ μακαρίου γήρως
8. 5. ὦ νεανίται
— 17. ὦ τάλανες ἡμεῖς
9. 1. τί μέλλεις, ὦ τύραννε
— 1. S¹ ὦ τύραννε
— 17. ὦ μιαροὶ διάκονοι
10. 10. ὦ μιαρώτατε τύραννε
11. 4. ὦ μισάρετε καὶ μισάνθρωπε
— 12. S R ὦ τύραννε [A *al.*]
— 20. ὦ ἱεροπρεποῦς αἰῶνος
— 21. A R ὦ [S *om.*] τύραννε
14. 2. ὦ βασιλέως λογισμοὶ βασιλικώτεροι
— 3. S R ὦ [A *om.*] ἱερᾶς . . . συμφωνίας
IV Ma. 14. 7. ὦ πανάγιε . . . ἑβδομάς
15. 1. ὦ λογισμὲ τέκνων
— 4. ὦ τίνα τρόπον ἠθολογήσαιμι
— 13. ὦ φύσις ἱερά
— 16. ὦ πικροτέρων μὲν νῦν μήτηρ πόνων πειρασθεῖσα
— 17. ὦ μόνη γύναι
— 21. A ὦ [S R ὡς] τέκνων φωναί
— 29. ὦ μήτηρ ἔθνους
— 30. ὦ ἀρρένων πρὸς καρτερίαν γενναιοτέρα
16. 6. ὦ μελέα ἔγωγε
— 7. ὦ μάταιοι ἑπτὰ κυοφορίαι
— 8. μάτην ἐφ' ὑμῖν, ὦ παῖδες
— 9. ὦ τῶν ἐμῶν παίδων
— 10. ὦ ἡ πολύπαις . . . ἐγώ
— 14. ὦ μήτηρ . . . στρατιῶτι
— 16. ὦ παῖδες, γενναῖος ὁ ἀγών
17. 2. ὦ μήτηρ . . . καταλύσασα τὴν τοῦ τυράννου βίαν
— 4. ὦ μήτηρ ἱερόψυχε
18. 1. ὦ . . . ἀπόγονοι παῖδες Ἰσρ.
— 20. ὦ πικρᾶς τῆς τότε ἡμέρας
[Aq. Ps. 60 (61). 6 : 114 (116). 4 : 117 (118). 25 *bis* : 119 (120). 5 : Is. 24. 16 : 30. 1 : 38. 3 : 45. 9 : Je. 32 (39). 17 : 47 (29). 6 : Ez. 20. 49 (21. 5).]
[Sm. III Ki. 17. 20 : Ps. 60 (61). 6 : 117 (118). 25 *bis* : Is. 38. 3 : Je. 14. 13 : 20. 8 *bis* : 32 (39). 17 : 47 (29). 6 : Ez. 20. 49 (21. 5).]
[Th. Ps. 117 (118). 25 *bis* : Is. 38. 3 : Ez. 4. 14 : 20. 49 (21. 5) : Da. 9. 4†.]
[Quint. Ps. 117 (118). 25 *bis*.]
[Al. Je. 1. 6.]

ὥα, ὠΐα. (1) פֶּה (2) שְׂפָה

Ex. 28. 28 (32). ὥαν ἔχον κύκλῳ τοῦ περιστομίου (2)
36. 31 (39. 23). ὥαν ἔχον κύκλῳ τὸ περιστόμιον (2)
Ps. 132 (133). 2. τὸ καταβαῖνον ἐπὶ τὴν ὥαν τοῦ ἐνδύματος αὐτοῦ (1)
[Sm. Ps. 132 (133). 2.]

ὧδ.
[Heb. Ma. 2. 13.]

ὧδε. (1) בָּזֶה (2) הֲלֹם (3) הִנֵּה (4) *a.* פֹּה *b.* כָּה (5) פֹּה

Ge. 15. 14. ἐξελεύσονται ὧδε –
— 16. R ἀποστραφήσονται ὧδε (3)
19. 12. ἔστι τίς σοι ὧδε (5)
22. 5. διελευσόμεθα ἕως ὧδε (4 *a*)
31. 37. θὲς ὧδε ἐναντίον τῶν ἀδελφῶν σου (4 *a*)
38. 22. R μὴ εἶναι ὧδε [A ἐνταῦθα] πόρνην (1)
40. 15. ὧδε οὐκ ἐποίησα οὐδέν (5)
42. 15. ἐὰν μὴ ὁ ἀδ. ὑμῶν ὁ νεώτερος ἔλθῃ ὧδε (3)
— 33. ἀδελφὸν ἕνα ἄφετε ὧδε μετ' ἐμοῦ –
45. 5. ἀπέδοσθέ με ὧδε (3)
— 8. οὐχ ὑμεῖς με ἀπεστάλκατε ὧδε (3)
— 13. καταγάγετε τὸν πατέρα μου ὧδε (3)
Ex. 2. 12. περιβλεψάμενος δὲ ὧ. καὶ ὧ. (4 *a*, 4 *a*)
3. 5. μὴ ἐγγίσῃς ὧδε (2)
Nu. 14. 23. ἃ ἐστι μετ' ἐμοῦ ὧδε –
23. 29. οἰκοδόμησόν μοι ὧδε ἑπτὰ βωμούς (1)
— 29. ἑτοίμασόν μοι ὧδε ἑπτὰ μόσχους (1)
32. 16. ἐπαύλεις προβάτων οἰκοδομήσωμεν ὧδε (5)
De. 5. 3. ὑμεῖς ὧδε πάντες ζῶντες σήμερον (5)
12. 8. ἃ ἡμεῖς ποιοῦμεν ὧδε σήμερον (5)
29. 15 (14). τοῖς ὧδε οὖσι μεθ' ἡμῶν σήμερον (5)
— 15 (14). τοῖς μὴ οὖσι μεθ' ὑμῶν ὧδε σήμερον (5)
31. 21. ὅσα ποιοῦσιν ὧδε σήμερον –
Jo. 2. 2. εἰσπεπόρευνται ὧδε ἄνδρες (3)
— 4. A εἰσεληλύθασι πρὸς μὲ ὧδε [B *om.*] οἱ ἄνδρες –
3. 9. προσαγάγετε ὧδε (3)
Jo. 8. 20. B οὐκέτι εἶχον ποῦ φύγωσιν ὧδε ἢ ὧδε (3, 3)
18. 6. καὶ ἐνέγκατε ὧδε πρὸς μέ (3)
— 8. καὶ ὧδε ἐξοίσω ὑμῖν κλῆρον [A *al.*] (5)
Jd. 4. 20. εἰ ἔστιν ὧδε ἀνήρ [A *al.*] (5)
13. 15. κατάσχωμεν ὧδέ σε [A *al.*] –
16. 2. ἥκει Σ. ὧδε [A ἐνταῦθα] (3)
18. 3. τίς ἤνεγκέ σε ὧδε (2)
— 3. καὶ τί σοι ὧδε (5)
19. 9. αὐλίσθητι ὧδε [A *al.*] (5)
— 9. A καὶ μείνατε ὧδε (5 ?)
— 12. ἐν ᾗ οὐκ ἔστιν ἀπὸ υἱῶν Ἰσρ. ὧδε [A *al.*] (3)
20. 7. A δότε αὐτοῖς . . . βουλὴν ὧδε [B *al.*] (2)
Ru. 2. 8. ὧδε κολλήθητι μετὰ τῶν κορασίων μου (4 *a*)
— 14. πρόσελθε ὧδε (2)
4. 1. ἐκκλίνας κάθισον ὧδε (5)
— 2. καθίσατε ὧδε (5)
I Ki. 20. 22 (21). ὧδε ἡ σχίζα ἀπὸ σοῦ καὶ ὧδε (†, 3)
— 22. ὧδε ἡ σχίζα ἀπὸ σοῦ καὶ ἐπέκεινα [A *al.*] †
II Ki. 1. 10. ἐνήνοχα αὐτὰ τῷ κ. μου ὧδε [A πρὸς μέ] (3)
5. 6. οὐκ εἰσελεύσῃ ὧδε (3)
— 6. οὐκ εἰσελεύσεται Δ. ὧδε (3)
14. 32. ἧκε ὧδε (3)
18. 30. στηλώθητι ὧδε [A *om.*] (4 *a*)
20. 16. ἔγγισον ἕως ὧδε (3)
III Ki. 2. 30. ὧδε ἀποθανοῦμαι (5)
18. 45. καὶ ἐγένετο ἕως ὧδε καὶ ὧδε (4 *a*, 4 *a*)
21 (20). 40. περιεβλέψατο ὁ δοῦλός σου ὧδε καὶ ὧδε (3, 3)
22. 7. οὐκ ἔστιν ὧδε προφήτης τοῦ κυρίου (5)
IV Ki. 2. 6. κάθου δὴ ὧδε (5)
3. 11. οὐκ ἔστιν ὧδε προφήτης τοῦ κυρίου (5)
— 11. ὧδε Ἐλ. υἱὸς Ἰωσ. (5)
7. 3. τί ἡμεῖς καθήμεθα ὧδε (5)
— 4. ἐὰν καθίσωμεν ὧδε (5)
— 13. οἱ κατελείφθησαν ὧδε †
8. 7. ἥκει ὁ ἄνθρωπος τοῦ θεοῦ ἕως ὧδε (3)
10. 23. A εἰ ἔστιν ὧδε [B *om.*] μεθ' ὑμῶν τῶν δούλων κυρίου (5)
I Ch. 11. 5. οὐκ εἰσελεύσῃ ὧδε (3)
29. 17. τὸν λαόν σου τὸν εὑρεθέντα ὧδε (5)
II Ch. 18. 6. οὐκ ἔστιν ὧδε προφήτης τοῦ κυρίου ἔτι (5)
28. 13. οὐ μὴ εἰσαγάγητε τὴν αἰχμαλωσίαν ὧδε (3)
II Es. 4. 2. τοῦ ἐνέγκαντος ἡμᾶς ὧδε (5)
To. 5. 5. S ἐλήλυθα ὧδε ἐργατεύεσθαι
7. 11. οὐ γεύομαι οὐδὲν ὧδε [S *al.*]
14. 8. S μὴ μείνῃς ὧδε [A B *al.*]
Ps. 131 (132). 14. ὧδε κατοικήσω (5)
Za. 7. 3. εἰσεληλυθεν ὧδε . . . τὸ ἁγίασμα –
Is. 22. 16. τί σὺ ὧδε καὶ τί σοί ἐστιν ὧδε (5, 5)
— 16. ἐλατόμησας σεαυτῷ ὧδε μνημεῖον (5)
52. 5. τί ὧδέ ἐστε (5)
57. 3. ὑμεῖς δὲ προσαγάγετε ὧδε (3)
Je. 27 (50). 5. ὧδε γὰρ τὸ πρόσωπον αὐ. δώσουσι (3)
38 (31). 8. καὶ ἀποστρέψουσιν ὧδε (3)
Ez. 8. 6. ἀνομίας μεγάλας ποιοῦσιν ὧδε (5)
— 9. ἃς οὗτοι ποιοῦσιν ὧδε (5)
— 12. A ἃ . . . ποιοῦσιν ὧδε [B *om.*] –
— 15. A ἃς πεποίηκαν αὐτοὶ ὧδε –
— 17. ἃς πεποιήκασιν ὧδε (5)
40. 4. εἰσελήλυθας ὧδε (3)
Da. TH. 7. 28. ἕως ὧδε τὸ πέρας τοῦ λόγου (4 *b*)
II Ma. 1. 6. ὧδέ ἐσμεν προσευχόμενοι περὶ ὑμῶν
[Aq. Jo. 2. 2 : IV Ki. 10. 23 : Ec. 7. 30 (8. 1) : Is. 52. 5.]
[Sm. Jo. 2. 2 : II Ki. 5. 6 : Je. 38. 11 : Is. 52. 5.]
[Th. Jo. 2. 2 : IV Ki. 10. 23 : Is. 52. 5 : Da. 7. 28.]

ᾠδή. (1) הִגָּיוֹן (2) מִזְמוֹר (3) מַשָּׂא (4) נְגִינוֹת (5) שְׁנִינוֹת (6) *a.* שִׁיר *b.* שִׁירָה

Ex. 15. 1. ᾖσε . . . τὴν ᾠ. ταύτην τῷ θεῷ (6 *b*)
De. 31. 19. γράψατε τὰ ῥήματα τῆς ᾠ. ταύτης (6 *b*)
— 19. ἵνα μοι γένηται ἡ ᾠ. αὕτη κατὰ πρόσωπον (6 *b*)
— 21. ἀντικαταστήσεται ἡ ᾠ. αὕτη (6 *b*)
— 22. ἔγραψε Μ. τὴν ᾠ. ταύτην (6 *b*)
— 30. ἐλάλησε Μ. . . . τὰ ῥήματα τῆς ᾠ. ταύτης (6 *b*)
32. 44. ἔγραψε Μ. τὴν ᾠ. ταύτην (6 *b* ?)
Jd. 5. 1. **A** καὶ εἶπεν ἐν τῇ ᾠ. [**B** *al.*] –
— 1. λάλησον ᾠδήν [**A** λάλει μετ' ᾠδῆς] (6 *a*)
II Ki. 6. 5. παίζοντες . . . ἐν ᾠδαῖς –
22. 1. ἐλάλησε . . . τοὺς λόγους τῆς ᾠ. ταύτης (6 *b*)
— 2. ᾠδή [**A** *om.*] –
III Ki. 4. 32 (5. 12). ἦσαν ᾠδαὶ αὐ. πεντακισχίλιαι (6 *a*)
8. 53. οὐκ ἰδοὺ αὕτη γέγραπται ἐν βιβλίῳ τῆς ᾠ. –
I Ch. 15. 16. **A** ἐν ὀργάνοις ᾠδῶν [**B S** *om.*] (6 *a*)
— 22. Κων. . . . ἄρχων τῶν ᾠ. (3)
— 27. ὁ ἄρχων τῶν ᾠ. τῶν ᾀδόντων (3)
16. 8 *tit.* **A B** ᾠδή †
— 42. καὶ ὄργανα τῶν ᾠ. τοῦ θεοῦ (6 *a*)
II Ch. 5. 13. καὶ ἐν ὀργάνοις τῶν ᾠ. (6 *a*)
7. 6. καὶ οἱ Λ. ἐν ὀργάνοις ᾠδῶν κυρίου (6 *a*)
23. 18. **A**^{2} **B** ἐν εὐφροσύνῃ καὶ ἐν ᾠδαῖς (6 *a*)
34. 12. πᾶς συνίων ἐν ὀργάνοις ᾠδῶν (6 *a*)
II Es. 2. 65. **B** καὶ οὗτοι ᾄδοντες καὶ ᾠδαὶ [**A R** ᾄδουσαι] διακόσιοι †
3. 12. τοῦ ὑψῶσαι ᾠδήν †
Ne. 12. 27. ποιῆσαι ἐγκαίνια . . . ἐν ᾠδαῖς (6 *a*)
— 36. αἰνεῖν ἐν ᾠδαῖς Δαυίδ [**S** *al.*] (6 *a*)
To. 13. 18. **S** ᾠδὰς ἀγαλλιάματος ἐροῦσιν [**A B** *al.*]
Jb. 36. 30. **B S**^{1} ἰδοὺ ἐκτενεῖ ἐπ' αὐτὸν ἡ ᾠδή [**S**^{2}**R** ἠδώ, **A** τὸ τόξον] †
Ps. 4. *tit.* εἰς τὸ τέλος ἐν ψαλμοῖς ᾠδὴ [*τ.* ψαλμὸς] τῷ Δαυίδ (2)
9. 16. ᾠδὴ διαψάλματος (1)
17 (18). *tit.* ἃ ἐλάλησε τῷ κυρίῳ τοὺς λόγους τῆς ᾠ. ταύτης (6 *b*)
29 (30). *tit.* ψαλμὸς ᾠδῆς τοῦ ἐγκαινισμοῦ (6 *a*)
38 (39). *tit.* εἰς τὸ τέλος τῷ Ἰδ. ᾠδὴ τῷ Δαυίδ (2)
41 (42). 8. **A** καὶ νυκτὸς ᾠδὴ αὐτοῦ [**S**^{2} *ν.* ᾠ. αὐτῷ, **B S**^{1} *ν.* δηλώσει] (6 *a*)
44 (45). *tit.* **B S** ᾠδὴ ὑπὲρ τοῦ ἀγαπητοῦ [**A** *al.*] (6 *a*)
47 (48). *tit.* **B** ψαλμὸς ᾠδῆς [**S** ᾠδὴ ψαλμοῦ] τοῖς υἱοῖς Κορέ [**A** *al.*] (2 [6 *a*])
64 (65). *tit.* **B** ψαλμὸς τῷ Δαυὶδ ᾠδή [**S** ψαλμός] (6 *a*)
65 (66). *tit.* **B** ᾠδὴ ψαλμοῦ ἀναστάσεως [**S** *om.*] (6 *a*)
66 (67). *tit.* **S** ψαλμὸς ᾠδῆς [**B** ψ. τῷ Δ.] (6 *a*)
67 (68). *tit.* τῷ Δαυὶδ ψαλμὸς ᾠδῆς (6 *a*)
68 (69). 30. αἰνέσω τὸ ὄνομα τοῦ θεοῦ μετ' ᾠδῆς (6 *a*)
74 (75). *tit.* ψαλμὸς ᾠδῆς τῷ Ἀσάφ (6 *a*)
75 (76). *tit.* **B** ᾠδὴ πρὸς τὸν Ἀσσύριον (6 *a*)
82 (83). *tit.* ᾠδὴ ψαλμοῦ τῷ Ἀσάφ (6 *a*)
86 (87). *tit.* τοῖς υἱοῖς Κορὲ ψαλμὸς ᾠδῆς (6 *a*)
87 (88). *tit.* ᾠδὴ ψαλμοῦ τοῖς υἱοῖς Κορέ (6 *a*)
90 (91). *tit.* αἶνος ᾠδῆς τῷ Δαυίδ –
91 (92). *tit.* ψαλμὸς ᾠδῆς εἰς τὴν ἡμέραν τοῦ σαββάτου [**S** προσαββ.] (6 *a*)
— 3. ἐν δεκαχόρδῳ ψαλτηρίῳ μετ' ᾠδῆς (1)
92 (93). *tit.* αἶνος ᾠδῆς τῷ Δαυίδ –
93 (94). *tit.* **A** ψαλμὸς ᾠδῆς [**B S** *om.*] τῷ Δ. –
94 (95). *tit.* αἶνος ᾠδῆς τῷ Δαυίδ –
95 (96). *tit.* ᾠδὴ τῷ Δαυίδ –
100 (101). 2. **B** συνήσω ἐν ᾠδῇ [**A S R** ὁδῷ] ἀμώμῳ †
107 (108). *tit.* **S R** ᾠδὴ ψαλμοῦ τῷ Δαυίδ [**A** ψαλμὸς τῷ Δ.] (6 *a*)
119 (120). *tit.*: 120 (121). *tit.* ᾠδὴ τῶν ἀναβαθμῶν (6 *a*)
121 (122). *tit.* **A R** ᾠδὴ τῶν ἀναβαθμῶν [**S** ἀ. τῷ Δανείδ] (6 *a*)
122 (123). *tit.* ᾠδὴ τῶν ἀναβαθμῶν (6 *a*)
123 (124). *tit.* **A R** ᾠδὴ τῶν ἀναβαθμῶν [**S** ἀ. τῷ Δανείδ] (6 *a*)
124 (125). *tit.*: 125 (126). *tit.*: 126 (127). *tit.*: 127 (128). *tit.*: 128 (129). *tit.*: 129 (130). *tit.* ᾠδὴ τῶν ἀναβαθμῶν (6 *a*)
130 (131). *tit.* ᾠδὴ τῶν ἀναβαθμῶν τῷ Δανείδ (6 *a*)
Ps. 131 (132). *tit.* ᾠδὴ τῶν ἀναβαθμῶν (6 *a*)
132 (133). *tit.* ᾠδὴ τῶν ἀναβαθμῶν τῷ Δ. [**A**^{1} *om.* τ. Δ.] (6 *a*)
133 (134). *tit.* ᾠδὴ τῶν ἀναβαθμῶν (6 *a*)
136 (137). 3. ἐπηρώτησαν ἡμᾶς οἱ αἰχμαλωτεύσαντες ἡμᾶς λόγους ᾠδῶν (6 *a*)
— 3. ᾄσατε ἡμῖν ἐκ τῶν ᾠδῶν Σιών (6 *a*)
— 4. πῶς ᾄσωμεν τὴν ᾠδὴν κυρίου (6 *a*)
143 (144). 9. ᾠδὴν καινὴν ᾄσομαί σοι (6 *a*)
Si. 39. 15. ἐν ᾠδαῖς χειλέων καὶ ἐν κινύραις
47. 17. ἐν ᾠδαῖς . . . ἀπεθαύμασάν σε χῶραι
Am. 5. 23. μετάστησον ἀπ' ἐμοῦ ἦχον ᾠδῶν σου (6 *a*)
8. 10. μεταστρέψω . . . πάσας τὰς ᾠ. ὑμῶν εἰς θρῆνον (6 *a*)
Jn. 2. 3. **A** ᾠδή –
Hb. 3. 1. προσευχὴ Ἀμβ. τοῦ προφήτου μετὰ ᾠδῆς (5)
— 19. τοῦ νικῆσαι ἐν τῇ ᾠ. [**S**^{1} ὁδῷ] αὐ. (4)
Is. 5. 1 (**S**^{2}): 25. 1 (**A**): 26. 1 (**A**), 9 (**A**): 38. 9 (**A**). ᾠδή –
I Ma. 4. 54. ἐνεκαινίσθη ἐν ᾠδαῖς
13. 51. εἰσῆλθεν . . . ἐν ᾠδαῖς
II Ma. 7. 6. διὰ τῆς κατὰ πρόσωπον ἀντιμαρτυρούσης ᾠ.
III Ma. 6. 32. ἀνέλαβον ᾠδὴν πάτριον
IV Ma. 18. 18. ᾠδὴν μὲν γὰρ . . . οὐκ ἐπελάθετο

[**Aq.** Ps. 9. 17: Ec. 12. 4.]
[**Sm.** Ps. 4. 1: 6. 1: 8. 1: 11 (12). 1: 12 (13). 1: 18 (19). 1: 19 (20). 1: 21 (22). 1: 22 (23). 1: 23 (24). 1: 27 (28). 7: 28 (29). 1: 29 (30). 1: 38 (39). 1: 39 (40). 1: 40 (41). 1: 41 (42). 9: 45 (46). 1: 48 (49). 1: 61 (62). 1: 76 (77). 1: 80 (81). 3: Am. 8. 3.]
[**Th.** Ps. 38 (39). 1: Is. 51. 3.]
[**Al.** Ps. 146 (147). 1.]

ᾠδίν. (1) חֵבֶל, חֲבָל (2) *a.* חִיל subst. *b.* חוּל pil. *c.* חַלְחֻלָה (3) יָלַד (4) מַשְׁבֵּר (5) צִיר (6) ᾠδῖνες ἔχουσι (ᾠδῖνας ἔχειν) חוּל (7) ὁ πόνος τῶν ὠ. חֶבֶל

Ex. 15. 14. ᾠδῖνες ἔλαβον κατοικοῦντας Φυλ. (2 *a*)
De. 2. 25. **B**^{1} ᾠδῖνες [**A B**^{3}**R** -ας] ἐξουσιν ἀπὸ προσώπου σου (6)
I Ki. 4. 19. ἐπεστράφησαν ἐπ' αὐτὴν ᾠδῖνες αὐτῆς (5)
II Ki. 22. 6. ᾠδῖνες θανάτου ἐκύκλωσάν με (1)
IV Ki. 19. 3. ἦλθον υἱοὶ ἕως ᾠδίνων (4)
Jb. 2. 9. υἱοὶ καὶ θυγατέρες ἐμῆς κοιλίας ᾠδῖνες καὶ πόνοι –
21. 17. ᾠδῖνες δὲ αὐτοὺς ἕξουσιν ἀπὸ ὀργῆς (1)
39. 1. ἐφύλαξας δὲ ᾠδῖνας ἐλάφων (2 *b*)
— 2. ᾠδῖνας δὲ αὐτῶν ἔλυσας (3)
— 3. ᾠδῖνας δὲ αὐτῶν ἐξαποστελεῖς (1)
Ps. 17 (18). 4. περιέσχον με ᾠδῖνες θανάτου (1)
— 5. ᾠδῖνες ᾅδου περιεκύκλωσάν με (1)
47 (48). 6. ἐκεῖ ᾠδῖνες ὡς τικτούσης (2 *a*)
114 (116). 3. περιέσχον με ᾠδῖνες θανάτου (1)
Si. 7. 27. μητρὸς ᾠδῖνας μὴ ἐπιλάθῃ
Ho. 9. 11. αἱ δόξαι αὐ. ἐκ τόκων καὶ ᾠδίνων †
13. 13. ᾠδῖνες ὡς τικτούσης ἥξουσιν αὐτῷ (1)
Mi. 4. 9. κατεκράτησάν σου ᾠδῖνες (2 *a*)
Na. 2. 10 (11). καὶ ᾠδῖνες ἐπὶ πᾶσαν ὀσφύν (2 *c*)
Is. 13. 8. ᾠδῖνες αὐτοὺς ἕξουσιν ὡς γυναικὸς τικτούσης (1)
21. 3. ᾠδῖνες ἔλαβόν με ὡς τὴν τίκτουσαν (5)
26. 17. ἐπὶ τῇ ὠ. αὐτῆς ἐκέκραξεν (1)
37. 3. ἥκει ἡ [**S** *om.*] ὠ. τῇ τικτούσῃ (4)
66. 7. πρὶν ἐλθεῖν τὸν πόνον τῶν ὠ. (7)
Je. 6. 24. ᾠδῖνες ὡς τικτούσης (2 *a*)
8. 21. κατίσχυσάν με ᾠδῖνες ὡς τικτούσης –
13. 21. οὐκ ᾠδῖνες καθέξουσί σε (1)
22. 23. **A** ἐν τῷ ἐλθεῖν σοι ᾠδῖνας [**B S** ὀδύνας] (1 + 2 *a*)
27 (50). 43. ᾠδῖνες ὡς τικτούσης (2 *a*)
Ez. 7. 7. οὐ μετὰ θορύβων οὐδὲ μετὰ ᾠδίνων †
IV Ma. 15. 7. διὰ πολλὰς τὰς καθ' ἕκαστον αὐτῶν ᾠδῖνας
— 16. ἥπερ τῶν ἐπ' αὐτοῖς ᾠδίνων
16. 8. πολλὰς ὑπέμεινα ᾠδῖνας

[**Aq.** Je. 49. 24 (30. 13).]
[**Sm.** Ps. 47 (48). 7: Is. 66. 7.]
[**Th.** Je. 39. 3: Ps. 76 (77). 11: Je. 49. 24 (30. 13).]
[**Quint.** Ps. 76 (77). 11.]

ᾠδίνειν. (1) חָרָה (2) חָבַל pi. (3) חִיל, חוּל *a.* qal. *b.* pil. *c.* hoph. (4) צָרַר hi.

Ps. 7. 14. **A S R** ᾠδίνησεν ἀδικίαν [**B** ἀνομίαν] (2)
Ca. 8. 5. ἐκεῖ ὠδίνησέ σε ἡ μήτηρ σου ἐκεῖ ὠδίνησέ σε ἡ τεκοῦσά σου (2, 2)
Si. 19. 11. ἀπὸ προσώπου λόγου ὠδινήσει μωρός
31 (34). 5. ὡς ὠδινούσης φαντάζεται καρδία
43. 17. **A R** φωνὴ βροντῆς αὐτοῦ ὠδίνησε [**B S** ὠνείδισεν] γῆν [**A** γῇ]
48. 19. ὠδίνησαν ὡς αἱ τίκτουσαι
Mi. 4. 10. ὤδινε καὶ ἀνδρίζου (3 *a*)
Hb. 3. 10. ὠδινήσουσι λαοί (3 *a*)
Is. 23. 4. οὐκ ὤδινον οὐδὲ ἔτεκον (3 *a*)
26. 17. ὡς ἡ ὠδίνουσα ἐγγίζει τεκεῖν (1)
— 18. ὠδινήσαμεν καὶ ἐτέκομεν (3 *a*)
45. 10. τί ὠδίνεις [**A S** -νήσεις] (3 *a*)
51. 2. ἐμβλέψατε . . . εἰς Σάρραν τὴν ὠδίνουσαν ὑμᾶς (3 *b*)
54. 1. βόησον ἡ οὐκ ὠδίνουσα (3 *a*)
66. 7. πρὶν τὴν ὠδίνουσαν τεκεῖν (3 *a*)
— 8. εἰ [**S** ἢ] ὤδινε γῆ ἐν ἡμέρᾳ μιᾷ (3 *c*)
— 8. ὅτι ὤδινε καὶ ἔτεκε Σιὼν τὰ παιδία αὐ. (3 *a*)
Je. 4. 31. φωνὴν ὡς ὠδινούσης ἤκουσα (3 *a*)
29 (49). 22. ὡς καρδία γυναικὸς ὠδινούσης (4)

[**Aq.** Dt. 32. 18: Jb. 26. 5: Ps. 28 (29). 8 *bis*, 9: 54 (55). 5: 89 (90). 2: 95 (96). 9: 113 (114). 7: Pr. 8. 25: 25. 23: Is. 13. 8: 66. 8: Je. 48 (31). 41.]
[**Sm.** Jb. 39. 3: Ps. 50 (51). 7: 89 (90). 2: 95 (96). 9: Ca. 8. 5: Is. 13. 8: 66. 7, 8.]
[**Th.** Pr. 8. 25: Is. 13. 8: Je. 48 (31). 41.]

ᾠδός. (1) שִׁיר *a.* qal. *b.* pil.

III Ki. 10. 12. ἐποίησεν ὁ βασ. . . . κινύρας τοῖς ᾠ. (1 *a*)
IV Ki. 11. 14. καὶ οἱ ᾠ. καὶ αἱ σάλπιγγες πρὸς τὸν βασ. †
II Ch. 9. 11. ἐποίησεν ὁ βασ. . . . νάβλας τοῖς ᾠ. (1 *a*)
23. 13. οἱ ᾄδοντες ἐν τοῖς ὀργάνοις ᾠδοὶ καὶ ὑμνοῦντες αἶνον †
II Es. 10. 24. **S**^{2} ἀπὸ τῶν ᾠ. [**A B S**^{1} ᾀδόντων] (1 *b*)
Ne. 11. 23. **S**^{2} καὶ διέμεινεν ἐπὶ τοῖς ᾠ. (1 *b*)

ὠθεῖν. (1) דָּחָה (2) הָדַף (3) תָּקַף

Nu. 35. 20. ἐὰν δὲ δι' ἔχθραν ὤσῃ αὐτόν (2)
— 22. ἐὰν δὲ ἐξάπινα οὐ δι' ἔχθραν ὤσῃ αὐτόν (2)
Jb. 14. 20. ὤσας αὐτὸν εἰς τέλος (3)
Ps. 61 (62). 3. ὡς τοίχῳ κεκλιμένῳ καὶ φραγμῷ ὡσμένῳ (1)
117 (118). 13. ὡσθεὶς ἀνετράπην τοῦ πεσεῖν (1)
Is. 30. 22. ὡς κόπρον ὥσεις αὐτά †
Je. 41 (34). 11. ἐώσαν [**S** ἔσωσαν] αὐτοὺς εἰς παῖδας †

[**Sm.** Ps. 35 (36). 13.]
[**Th.** Ps. 55 (56). 8.]

ὠΐα, *vid.* ᾠα.

ὠλεμείμ.

[**Heb.** Is. 26. 4.]

ὠμία. (1) כָּתֵף

III Ki. 6. 8. ὑπὸ τὴν ὠ. τοῦ οἴκου τὴν δεξιάν (1)
7. 30. ὠμίαι ὑποκάτω τῶν λουτήρων (1)
— 30. **A** αἱ ὠ. κεχυμέναι ἀπὸ πέραν ἀνδρὸς προσκείμεναι (1)
— 34. αἱ τέσσαρες ὠ. ἐπὶ τῶν τεσσάρων γωνιῶν (1)
— 39. ἔθετο τὰς πέντε μεχ. ἀπὸ τῆς ὠ. τοῦ οἴκου (1)
— 39. **A** καὶ πέντε ἐπ' ὠμίαν τοῦ οἴκου [**R** *al.*] (1)
— 39. ἡ θάλ. ἀπὸ τῆς ὠ. [**A** ὠμίδος] τοῦ οἴκου (1)
— 2. καὶ ὠμίαι κέδριναι τοῖς στύλοις †
IV Ki. 11. 11. ἀπὸ τῆς ὠ. τοῦ οἴκου τῆς δεξιᾶς ἕως τῆς ὠ. τοῦ οἴκου [**A** *om.* τῆς δ. ἕ. τ. ὠ. τ. οἴ.] τῆς εὐωνύμου (1, 1)
II Ch. 23. 10. ἀπὸ τῆς ὠ. τοῦ οἴκου τῆς δεξιᾶς ἕως τῆς ὠ. τῆς ἀριστερᾶς τοῦ θυσιαστ. (1, 1)

[**Aq.** Ex. 27. 14: Ez. 40. 40 *bis*.]
[**Sm.** Ex. 27. 14: Ez. 40. 40 *bis*: 41. 2.]

ὤμιον.

Jb. 18. 13. **A** κατέδεται δὲ αὐτοῦ τὰ ὤμια [**B S** ὡραῖα αὐτοῦ] θάνατος †

[**Th.** Ez. 41. 2.]

ὠμίς. (1) כֶּתֶף

III Ki. 7. 39. A καὶ ἡ θάλ. ἀπὸ τῆς ὠ. [B -ίας] τοῦ οἴκου (1)

ὦμοι.

[Aq., Sm., Th. Ez. 11. 13.]

ὠμόλινον.

Si. 40. 4. καὶ ἕως περιβαλλομένου ὠμόλινον

ὠμός. (1) נָא

Ex. 12. 9. οὐκ ἔδεσθε ἀπ' αὐτῶν ὠμόν (1)
II Ma. 4. 25. θυμοὺς δὲ ὠμοῦ τυράννου . . . ἔχων
7. 27. χλευάσασα τὸν ὠ. τύραννον
IV Ma. 9. 30. πάντων ὠμότατε τύραννε
18. 20. πῦρ φλέξας λέβησιν ὠ.
[Al. Pr. 17. 11.]

ὦμος. (1) כָּתֵף (2) צַד (3) שְׁכֶם

Ge. 21. 14. καὶ ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸν ὦ. (3)
24. 15. ἔχουσα τὴν ὑδρίαν ἐπὶ τῶν ὤ. αὐ. (3)
— 45. ἔχουσα τὴν ὑδρίαν ἐπὶ τῶν ὤ. (3)
49. 15. ὑπέθηκε τὸν ὦ. αὐ. εἰς τὸ πονεῖν (3)
Ex. 12. 34. ἐνδεδεμένα ἐν τοῖς ἱματίοις αὐ. ἐπὶ τῶν ὤ. (3)
28. 12. ἐπὶ τῶν ὤ. τῆς ἐπωμίδος (1)
— 12. ἐπὶ τῶν δύο ὤ. αὐ. (1)
— 25 (29). ἐπ' ἀμφοτέρους τοὺς ὤ. τῆς ἐπωμίδος –
36. 14 (39. 7). ἐπέθηκεν αὐτοὺς ἐπὶ τοὺς ὤ. τῆς ἐπωμίδος (1)
— 26 (39. 18). ἐπέθηκαν ἐπὶ τοὺς ὤ. τῆς ἐπωμίδος (1)
— 28 (39. 20). ἐπέθηκαν ἐπ' ἀμφοτέρους τοὺς ὤ. τῆς ἐπωμίδος (1)
Nu. 7. 9. ἐπ' ὤμων ἀροῦσι (1)
De. 33. 12. ἀνὰ μέσον τῶν ὤ. αὐ. κατέπαυσε (1)
Jo. 4. 5. ἀράτω ἐπὶ τῶν ὤ. αὐ. (3)
9. 4. λαβόντες σάκκους παλαιοὺς ἐπὶ τῶν ὤ. [A ὄνων] αὐ. †
Jd. 9. 48. καὶ ἔθηκεν ἐπὶ ὤμων αὐ. [A al.] (3)
16. 3. καὶ ἔθηκεν ἐπὶ ὤμων αὐ. [A al.] (1)
I Ki. 10. 9. ὥστε ἐπιστραφῆναι τῷ ὤ. αὐ. (3)
17. 6. ἀσπὶς χαλκὴ ἀνὰ μέσον τῶν ὤ. αὐ. (1)
III Ki. 7. 34. ἐκ τῆς μεχ. οἱ ὦ. αὐ. (1)
II Ch. 35. 3. οὐκ ἔστιν ὑμῖν ἆραι ἐπ' ὤμων οὐθέν (1)
I Es. 1. 4. οὐκ ἔσται ὑμῖν ἆραι ἐπ' ὤμων αὐτήν
Jb. 31. 20. ἐθερμάνθησαν οἱ ὦμοι αὐτῶν –
— 22. ἀποσταίη ἄρα ὁ ὦμός μου ἀπὸ τῆς κλειδός (1)
— 36. ἐπ' ὤμοις ἂν περιθέμενος στέφανον ἀνεγίνωσκον [A al.] (3)
Si. 6. 25. ὑπόθες τὸν ὦμόν σου
Ma. 2. 3. ἀφορίζω ὑμῖν τὸν ὦ. †
Is. 9. 6 (5). οὗ ἡ ἀρχὴ ἐγενήθη ἐπὶ τοῦ ὤ. αὐτοῦ (3)
10. 27. ἀφαιρεθήσεται ὁ ζυγὸς αὐτοῦ ἀπὸ τοῦ ὤ. σου [A S al.] (3)
— 27. A S καὶ ὁ ζυγὸς αὐ. ἀπὸ τοῦ ὤμου σου [B al.] †
— 27. καταφθαρήσεται ὁ ζυγὸς ἀπὸ τῶν ὤ. ὑμῶν †
14. 25. τὸ κῦδος αὐτῶν ἀπὸ τῶν ὤ. ἀφαιρεθήσεται (3)
22. 22. S R δώσω αὐτῷ τὴν κλεῖδα οἴκου Δαυὶδ ἐπὶ τῷ ὤ. [A τοῦ ὤ.] αὐτοῦ (3)
46. 7. αἴρουσιν αὐτὸ ἐπὶ τοῦ ὤ. [A S τῶν ὤ.] (1)
49. 22. τὰς δὲ θυγατέρας σου ἐπ' ὤμων ἀροῦσι (1)
60. 4. αἱ θυγατέρες σου ἐπ' ὤμων ἀρθήσονται (2)
66. 12. τὰ παιδία αὐτῶν ἐπ' ὤμων ἀρθήσονται (2)
Je. 38 (31). 21. δὸς καρδίαν σου εἰς τοὺς ὤ. †
Ba. 2. 21. κλίνατε τὸν ὦ. ὑμῶν
Ep. Je. 4. ὄψεσθε ἐν Βαβυλῶνι θεοὺς . . . ἐπ' ὤμοις αἰρομένους
— 26. ἄνευ ποδῶν ἐπ' ὤμοις φέρονται
Ez. 12. 6. ἐπ' ὤμων ἀναληφθήσῃ (1)
— 7. ἐπ' ὤμων ἀνελήφθην (1)
— 12. ὁ ἄρχων . . . ἐπ' ὤμων ἀρθήσεται (1)
24. 4. ἔμβαλε . . . σκέλος καὶ ὦμον ἐκσεσαρκισμένα (1)
25. 9. παραλύω τὸν ὦ. Μωάβ (1)
29. 18. πᾶς ὦ. μαδῶν (1)
34. 21. τοῖς ὦ. ὑμῶν διωθεῖσθε (1)
II Ma. 12. 35. καὶ τὸν ὦ. καθελόντος
15. 30. καὶ τὴν χεῖρα σὺν τῷ ὦ.
[Aq. Ge. 48. 22: Ps. 20 (21). 13: Is. 9. 6 (5): 22. 22: Ez. 29. 7: 41. 2.]
[Sm. Ps. 80 (81). 7: Is. 9. 6 (5): 22. 22 (Sw.): Za. 13. 6.]
[Th. Ex. 28. 25, 27: Is. 22. 22: 30. 6: Za. 13. 6.]
[Al. I Ki. 9. 2: 10. 9, 23.]

ὠμότης.

II Ma. 12. 5. τὴν γεγονυῖαν εἰς τοὺς ὁμοεθνεῖς ὠ.
III Ma. 5. 20. τὴν ὠ. χείρονα Φαλ. ἐσχηκὼς ἔφη
6. 24. τυράννους ὑπερβεβηκότες ὠμότητι
7. 5. νόμου Σκυθῶν ἀγριοτέραν ἐμπεπηρμένοι ὠμότητα

ὠμοτοκεῖν. (1) נָעַל hi.

Jb. 21. 10. ἡ βοῦς αὐτῶν οὐκ ὠμοτόκησε (1)

ὠμόφρων.

IV Ma. 9. 15. τύραννε μιαρώτατε . . . καὶ ὠμόφρον

ὠνενά.

[Th. Is. 57. 3.]

ᾠόν. (1) בֵּיצָה

De. 22. 6. ἐὰν δὲ συναντήσῃς νοσσιᾷ . . . νοσσοῖς ἢ ᾠοῖς (1)
— 6. καὶ ἡ μήτηρ θάλπῃ . . . ἐπὶ τῶν ᾠ. (1)
Jb. 39. 14. ἀφήσει εἰς γῆν τὰ ᾠὰ [A S ὦτα] αὐ. (1)
Is. 10. 14. ὡς καταλελειμμένα ᾠὰ ἀρῶ (1)
59. 5. ᾠὰ ἀσπίδων ἔρρηξαν (1)
— 5. ὁ μέλλων τῶν ᾠ. αὐτῶν φαγεῖν (1)
Da. TH. 8. 25. ὡς ᾠὰ χειρὶ συντρίψει †
[Aq., Sm., Th. Is. 59. 5.]

ὥρα. (1) מְנֻד (2) מוֹעֵד (3) נָאָה pil. (4) עִדָּן (5) עֵת (6) שְׁעָה

Ge. 18. 10. κατὰ τὸν καιρὸν τοῦτον εἰς ὥρας †
— 14. ἀναστρέψω πρὸς σὲ εἰς ὥρας (5)
29. 7. οὔπω ὥρα συναχθῆναι τὰ κτήνη (5)
Ex. 9. 18. ὕω ταύτην τὴν ὥ. αὔριον χάλαζαν πολλήν (5)
10. 4. ἐπάγω ταύτην τὴν ὥ. αὔριον ἀκρίδα πολλήν –
13. 10. A B κατὰ καιροὺς ὡρῶν –
18. 22. κρινοῦσι τὸν λαὸν πᾶσαν ὥ. (5)
— 26. ἐκρίνοσαν τὸν λαὸν πᾶσαν ὥ. (5)
Le. 16. 2. μὴ εἰσπορευέσθω πᾶσαν ὥ. εἰς τὸ ἅγιον (5)
Nu. 9. 2. ποιείτωσαν . . . τὸ πάσχα καθ' ὥραν αὐ. (2)
De. 11. 14. τὸν ὑετὸν . . . καθ' ὥραν πρόϊμον καὶ ὄψιμον (5)
33. 13. ἀπὸ ὡρῶν [A ὀρέων] οὐρανοῦ καὶ δρόσου (1)
— 14. καθ' ὥραν γεννημάτων ἡλίου τροπῶν (1)
— 16. καθ' ὥραν γῆς πληρώσεως (1)
Jo. 11. 6. αὔριον ταύτην τὴν ὥ. ἐγὼ παραδίδωμι (5)
Ru. 2. 14. ἤδη ὥρα τοῦ φαγεῖν (5)
I Ki. 25. 6. εἰς ὥρας καὶ σὺ ὑγιαίνων †
II Ki. 24. 15. ἀπὸ πρωΐθεν ἕως ὥρας [A om.] ἀρίστου (5)
III Ki. 19. 2. ταύτην τὴν ὥ. αὔριον θήσομαι τὴν ψυχήν σου (5)
21 (20). 6. ταύτην τὴν ὥ. αὔριον ἀποστελῶ τοὺς παῖδάς μου (5)
IV Ki. 4. 16, 17. ὡς ἡ ὥ. ζῶσα (5)
7. 1. ὡς ἡ ὥ. αὕτη αὔριον (5)
— 18. ἔσται ὡς ἡ ὥ. [A ἡμέρα αὕτη] αὔριον (5)
10. 6. ὡς ἡ ὥ. αὔριον (5)
I Es. 8. 64. ἐγράφη πᾶσα ἡ ὁλκὴ αὐτῇ τῇ ὥ.
9. 11. καὶ ὥρα [A ἡ ὥ.] χειμερινή
Ne. 8. 3. ἀπὸ τῆς ὥ. τοῦ διαφωτίσαι τὸν ἥλιον –
Ju. 13. 4. B ἐπίβλεψον ἐν [A om.] τῇ ὥ. ταύτῃ
Es. 8. 1. S ἐν αὐτῇ τῇ ὥ. [A B ἡμέρᾳ] †
9. 2. S¹ ἐν αὐτῇ τῇ ὥ. [A B S² ἡμέρᾳ] –
10. 3. A B² S ἦλθον οἱ δύο κληροι οὗτοι εἰς ὥραν
Jb. 5. 26. ὥσπερ θιμωνία ἅλωνος καθ' ὥραν συγκομισθεῖσα (5)
15. 32. ἡ τομὴ αὐτοῦ πρὸ ὥρας φθαρήσεται †
— 33. τρυγηθείη δὲ ὡς ὄμφαξ πρὸ ὥρας †
24. 1. διὰ τί δὲ κύριον ἔλαθον ὧραι [A al.] (5)
— 6. ἀγρὸν πρὸ ὥρας οὐκ αὐτῶν ὄντα ἐθέρισαν †
36. 28. ὥραν ἔθετο κτήνεσιν –
38. 23. ἀπόκειται δέ σοι εἰς ὥραν ἐχθρῶν (5)
Wi. 10. 7. ἀτελέσιν ὥραις καρποφοροῦντα φυτά
Si. 11. 22. ἐν ὥρᾳ ταχινῇ ἀναβάλλει εὐλογίαν αὐτοῦ
— 27. κάκωσις ὥρας ἐπιλησμονὴν ποιεῖ τρυφῆς
12. 15. ὥραν μετὰ σοῦ διαμενεῖ
18. 20. ἐν ὥρᾳ ἐπισκοπῆς εὑρήσεις ἐξιλασμόν
35 (32). 11. ἐν ὥρᾳ ἐξεγείρου
39. 33. πᾶσαν χρείαν ἐν ὥρᾳ αὐτῆς χορηγήσει
Ho. 2. 9 (11). κομιοῦμαι τὸν σῖτόν μου καθ' ὥραν αὐ. (5)
Za. 10. 1. αἰτεῖσθε παρὰ κυρίου ὑετὸν καθ' ὥραν (5)
Is. 52. 7. πάρειμι ὡς ὦ. ἐπὶ τῶν ὀρέων (3)
Da. LXX. 3. 6. αὐτῇ τῇ ὥρᾳ ἐμβαλοῦσιν αὐτόν (6)
Da. LXX. 4. 15. ἐν ὥρᾳ μιᾷ τῆς ἡμέρας –
— 16. ὥραν μίαν ἀποθαυμάσας (6)
— 23. εἰς καιρὸν καὶ ὥραν –
5. 5. ἐν αὐτῇ τῇ ὥ. ἐκείνῃ (6)
8. 17. εἰς ὥραν καιροῦ τοῦτο τὸ ὅραμα (5)
— 19. εἰς ὥρας καιροῦ συντελείας μενεῖ (2)
9. 21. ἐν ὥρᾳ θυσίας ἑσπερινῆς (5)
10. 14. cod. ἔτι γὰρ ὥρα [R ὅρασις] εἰς ἡμέρας †
11. 6. καὶ μενεῖ εἰς ὥρας (5)
— 35. ἔτι γὰρ καιρὸς εἰς ὥρας (2)
— 40. καθ' ὥραν συντελείας (5)
— 45. ἥξει ὥρα τῆς συντελείας αὐ. †
12. 13. ἔτι γάρ εἰσιν ἡμέραι καὶ ὧραι
Da. TH. Su. 13. ἀρίστου ὥρα ἐστί
3. 5. ἧ ἂν ὥρᾳ ἀκούσητε φωνῆς σάλπιγγος (4)
— 6. αὐτῇ τῇ ὥ. ἐμβληθήσεται (6)
— 15. αὐτῇ τῇ ὥ. ἐμβληθήσεσθε (6)
4. 16. ἀπηνεώθη ὡσεὶ ὥραν μίαν (6)
— 30. αὐτῇ τῇ ὥ. ὁ λόγος συντελέσθη (6)
5. 5. ἐν αὐτῇ τῇ ὥ. ἐξῆλθον δάκτυλοι (6)
9. 21. ἥψατό μου ὡσεὶ ὥραν θυσίας ἑσπερινῆς (5)
12. 13. B² R ἔτι γὰρ ἡμέραι καὶ ὧραι [A B¹ om. κ. ὦ.]
II Ma. 8. 25. R ὑπὸ τῆς ὥ. συγκλειόμενοι [A al.]
III Ma. 2. 19. ἐπίφανον τὸ ἔλεός σου κατὰ τὴν ὥ. ταύτην
5. 13. τὴν προσημανθεῖσαν ὥ. διαφυγόντες
— 14. μεσούσης δὲ ἤδη δεκάτης ὥ. σχεδόν
IV Ma. 12. 4. τεθνήξῃ πρὸ ὥρας
[Aq. Jb. 8. 12: Is. 52. 5.]
[Sm. Pr. 24. 10: Ec. 8. 1: Is. 38. 8.]
[Th. Da. 12. 13.]
[Al. I Ki. 9. 16.]
[Heb. Ez. 16. 7.]

ὡραΐζεσθαι.

Si. 25. 1. ἐν τρισὶν ὡραΐσθην

ὡραῖος. (1) *a.* הָדָר *b.* הָדַר (2) *a.* חָמַד ni. *b.* חֶמְדָּה *c.* מַחְמָד (3) טוֹב (4) יָפֶה (5) *a.* נָאָה *b.* נָאוֶה (6) נָעִים (7) שַׁפִּיר (8) ὡ. κάλλει יָפֶה pealal.

Ge. 2. 9. πᾶν ξύλον ὡ. εἰς ὅρασιν (2 *a*)
3. 6. ὡραῖόν ἐστι τοῦ κατανοῆσαι (2 *a*)
26. 7. ὡραία τῇ ὄψει ἦν (3)
29. 17. Ῥαχὴλ δὲ ἦν . . . ὡραία τῇ ὄψει (4)
39. 6. ἦν Ἰ. . . . ὡραῖος τῇ ὄψει σφόδρα (4)
Le. 23. 40. λήψεσθε . . . καρπὸν ξύλου ὡραῖον (1 *a*)
I Ki. 9. 20. τίνι τὰ ὡ. τοῦ Ἰσρ. (2 *b*)
II Ki. 1. 23. Σ. καὶ Ἰων. οἱ ἠγαπημ. καὶ ὡ. (6)
III Ki. 1. 6. καί γε αὐτὸς ὡραῖος τῇ ὄψει σφόδρα (3)
II Ch. 36. 19. καὶ πᾶν σκεῦος ὡ. εἰς ἀφανισμόν (2 *c*)
I Es. 4. 18. ἐὰν δὲ συναγάγωσι . . . πᾶν πρᾶγμα ὡ. [A al.]
— 19. αὐτὴν αἱρετίζουσι μᾶλλον ἢ . . . πᾶν πρᾶγμα ὡ.
Ju. 8. 7. ἦν . . . ὡραία τῇ ὄψει σφόδρα
Es. 2. 7. S² καὶ ὡραῖον τῇ ὄψει σφόδρα (3)
Jb. 18. 13. κατέδεται δὲ τὰ ὡ. [A ὦμια] αὐ. θάνατος †
Ps. 44 (45). 2. ὡραῖος κάλλει παρὰ τοὺς υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων (8)
64 (65). 12. S² πιανθήσονται τὰ ὡ. [B S¹ ὅρη] τῆς ἐρήμου (5 *a*)
Ca. 1. 16. ἰδοὺ εἶ καλὸς . . . καί γε ὡραῖος (6)
2. 14. ἡ ὄψις σου ὡραία (5 *b*)
4. 3. ἡ λαλιά σου ὡραία (5 *b*)
6. 3 (4). καλὴ εἶ . . . ὡραία ὡς Ἱερ. (5 *b*)
— 5 (6). ἡ λαλιά σου ὡραία –
Si. 15. 9. οὐχ ὡραῖος αἶνος ἐν στόματι ἁμαρτωλοῦ
19. 31. ἔστιν ἔλεγχος ὃς οὐκ ἔστιν ὡραῖος
25. 1. ἀνέστην ὡραία ἔναντι κυρίου
— 4. ὡς ὡραῖον πολιαῖς κρίσις
— 5. ὡς ὡραία γερόντων σοφία
26. 18. καὶ πόδες ὡραῖοι ἐπὶ στέρνοις εὐσταθοῦς [S¹ πτέρνοις εὐστάθμοις]
32 (35). 20. ὡραῖον [S ὡς ὡ.] ἔλεος ἐν καιρῷ θλίψεως
43. 11. σφόδρα ὡραῖον ἐν τῷ αὐγάσματι αὐτοῦ
45. 12. ἐπιθυμήματα ὀφθαλμῶν κοσμούμενα ὡραῖα
Jl. 1. 19. πῦρ ἀνήλωσε τὰ ὡ. τῆς ἐρήμου (5 *a*)
— 20. πῦρ κατέφαγε τὰ ὡ. τῆς ἐρήμου (5 *a*)
Is. 28. 1. S τὸ ἄνθος τὸ ὡ. [A B om. τ. ὡ.] τὸ ἐκπεσόν –
63. 1. οὗτος ὡραῖος ἐν στολῇ (1 *b*)
Je. 11. 16. ἐλαίαν ὡραίαν εὔσκιον τῷ εἴδει (4)
La. 2. 2. πάντα τὰ ὡ. Ἰακὼβ καθεῖλεν (5 *a*)

Da. TH. 4. 9. τὰ φύλλα αὐ. ὡραῖα (7)
II Ma. 10. 7. κλάδους ὡραίους . . . ἔχοντες
[Aq. Ps. 64 (65). 13 : 78 (79). 7 : JE. 6. 2 : 9. 10 (9) : 11. 16 : 25. 37 (32. 23).]
[Sm. JE. 6. 2.]
[Th. Ps. 64 (65). 13 (P.) : JE. 6. 2.]
[Al. Is. 28. 1.]

ὡραιότης. (1) הָדָר (2) הוֹד (3) זִיו (4) יָפִי (5) נָוֶה (6) תִּפְאֶרֶת

Ps. 44 (45). 3. τῇ ὡ. σου καὶ τῷ κάλλει σου (2)
49 (50). 2. ἐκ Σιὼν ἡ εὐπρέπεια τῆς ὡ. αὐτοῦ (4)
— 11. καὶ ὡραιότης ἀγροῦ μετ' ἐμοῦ ἐστιν (3)
67 (68). 12. καὶ ὡραιότητι τοῦ οἴκου διελέσθαι σκῦλα (5)
95 (96). 6. ἐξομολόγησις καὶ ὡραιότης ἐνώπιον αὐτοῦ (1)
Is. 44. 13. ἐποίησεν αὐτὸ . . . ὡς ὡραιότητα ἀνθρώπου (6)
Ez. 16. 14. συντετελεσμένον ἦν ἐν εὐπρεπείᾳ ἐν τῇ ὡ. (1)
[Aq. II KI. 7. 8 : JB. 5. 24 : Ps. 22 (23). 2 : 67 (68). 13 : 73 (74). 20 : PR. 24. 15 : JE. 6. 2 : ZE. 2. 6.]
[Th. PR. 4. 9 : 24. 15 : Is. 35. 2 : JE. 6. 2.]
[Al. JB. 18. 15 : Ps. 144 (145). 5.]

ὡραιοῦσθαι. (1) יָפָה (2) נָאָה pil. (3) נָעַם

II Ki. 1. 26. ὡραιώθης μοι σφόδρα (3)
Ca. 1. 10. τί ὡραιώθησαν σιαγόνες σου (2)
7. 1 (2). ὡραιώθησαν [A τί ὡρ.] διαβήματά σου (1)
— 6 (7). τί ὡραιώθης καὶ τί ἡδύνθης (1)
[Aq. Ps. 32 (33). 1 : Is. 52. 7 : Ez. 32. 19.]
[Sm. CA. 4. 10.]
[Quint. Ps. 44 (45). 3.]

ὡραϊσμός. (1) יָפָה hithp.

Je. 4. 30. εἰς μάταιον [A -την] ὁ ὡ. σου (1)
Ez. 7. 11. A οὐδὲ ὡ. ἐν αὐτοῖς †
[Th. Ez. 7. 11.]

ὡράμ.

[Al. II KI. 13. 34.]

ὡρηδόν (?).

Jb. 36. 30. S⁴ ἐκτενεῖ ἐπ' αὐτὴν ὡ. [A B S¹ *al.*] †

ὥριμος. (1) עֵת (2) σῖτος ὥ. גָּדִישׁ

Jb. 5. 26. ὥσπερ σῖτος ὥριμος κατὰ καιρὸν θερι-ζόμενος (2 ?)
Je. 28 (51). 33. ὡς ἅλων ὥ. ἀλοηθήσονται (1)

ὡρολόγιον.

[Sm. Is. 38. 8.]

ὥρυγμα.

[Sm., Th. Is. 5. 29.]

ὠρύεσθαι (ὠρύσσ.). (1) *a.* שָׁאַג *b.* שַׁאֲנָה

Jd. 14. 5. ἰδοὺ σκύμνος λέοντος ὠρυόμενος (1 *a*)
Ps. 21 (22). 13. ὡς λέων ὁ ἁρπάζων καὶ ὠρυόμενος (1 *a*)
37 (38). 8. ὠρυόμην ἀπὸ στεναγμοῦ τῆς καρδίας μου (1 *a*)
103 (104). 21. σκύμνοι ὠρυόμενοι ἁρπάσαι (1 *a*)
Wi. 17. 19. ὠρυομένων ἀπηνεστάτων [A -ατος] θηρίων φωνή (1 *a*)
Ho. 11. 10. ὅτι αὐτὸς ὠρύσεται [B² -ύσσεται] (1 *a*)
Ze. 3. 3. οἱ ἄρχοντες αὐ. ἐν αὐτῇ ὡς λέοντες ὠρυόμενοι (1 *a*)
Za. 11. 3. φωνὴ ὠρυομένων λεόντων (1 *b*)
Je. 2. 15. ἐπ' αὐτὸν ὠρύοντο λέοντες (1 *a*)
Ep. Je. 32. ὠρύονται δὲ βοῶντες ἐναντίον τῶν θεῶν αὐτῶν
Ez. 22. 25. οἱ ἀφηγούμενοι . . . ὡς λέοντες ὠρυόμενοι [A ἐρευγόμ.] (1 *a*)
[Aq., Th. JE. 25. 30 (32. 16) *bis*.]
[Sm. JE. 51 (28). 38.]

ὥρυμα (ὠρύομα, ὠρύωμα). (1) שְׁאָנָה

Ez. 19. 7. A B¹ ἀπὸ φωνῆς ὠρύματος [B² ὠρυόμ., R ὠρυώμ.] αὐτοῦ (1)

ὠρώ.

[Heb. JB. 36. 30.]

ὡς. * ὡς ἄν. ** *notat tempus.* ‡ *antepositum numeralibus.*

Ge. 3. 22 : 6. 4* (*ind.*) : 9. 3 : 10. 9 : 12. 12* : 13. 10 *bis*, 16 : 16. 6*† : 18. 23, 25 *bis*, 33** : 19. 31 : 22. 17 *bis* : 26. 4 : 27. 4, 9, 12, 23, 27, 30*† (*ind.*) : 28. 14, 17 : 29. 10**, 13**, 20† : 30. 25**, 38* : 31. 2†, 5, 15, 26 : 32. 12 (13) : 33. 10* (*opt.*) : 34. 7**, 15, 16 : 38. 29** : 39. 13**, 18**, 19** : 40. 13 : 42. 30 : 44. 10 : 45. 8 : 48. 5, 5†, 20 *bis* : 49. 4, 9 *bis* : 50. 20.
Ex. 1. 19 : 3. 4** : 8. 10 (6), 12 (8) : 9. 14, 29* : 12. 27** : 13. 11*, 17** : 15. 7 : 16. 31†, 31, 32** : 19. 18† : 28. 39 (43)*† : 33. 9* (*ind.*), 11 (ὡς εἴ τις) : 34. 29** : 36. 32 (39. 24).
Le. 5. 10, 13 : 9. 16 : 13. 43 : 14. 34* : 16. 17*†, 24 : 19. 18, 34 *bis* : 22. 27* : 24. 19 : 25. 35, 40, 50, 52 (53) : 26. 36 : 27. 14* (*ind.*).
Nu. 2. 17 : 9. 15 : 11. 7†, 25** : 12. 7† : 15. 15, 20 : 16. 31** : 18. 27, 27†, 30 *bis* : 22. 4† : 23. 10, 19 *bis*, 22, 24 *bis* : 24. 5, 6†, 8, 9 *bis* : 27. 6 (7)†, 17† : 32. 21*† : 33. 1**.
De. 1. 11, 31, 31 (ὡς εἴ τις†), 34**†, 44† : 2. 30† : 4. 7, 20 : 5. 23 (20)**, 26 (23) : 7. 13†, 19 : 8. 2*†, 5 (ὡς εἴ τις), 18 : 10. 3† : 11. 4, 5† : 12. 15, 16, 21*†, 22, 24 : 15. 22, 23 : 18. 15 : 22. 26 (ὡς εἴ τις) : 26. 19 : 27. 3*, 4* : 28. 1*†, 29 (ὡς εἴ τις†) : 29. 16 (15)†, 16 (15), 16 (15)† : 30. 1* : 32. 2 *bis*, 8**†, 10, 11, 31, 41 : 33. 20, 25 : 34. 10.
Jo. 2. 5**, 8**, 14* : 3. 8*, 13*, 15** : 4. 7**†, 11**, 18** : 5. 1**, 12 (13)** : 6. 4*, 19 (20)** : 7. 3‡†, 4‡† : 8. 5*, 6*, 14**, 24** : 9. 1**, 25 *bis* : 10. 1**, 20** : 11. 1**.
Jd. 2. 4**, 19** : 3. 18**† : 5. 8†, 31† : 6. 5†, 27 : 7. 5 (ὡς ἐάν), 12† *bis*, 15**, 17 (ὡς ἐάν)† : 8. 3†, 18† *ter*, 21, 33**† : 9. 16†, 17, 36, 38†, 48, 49‡† : 11. 35**† : 13. 6 : 15. 17**† : 16. 7, 9 (ὡς εἴ τις) †, 11, 12, 13†, 13, 17†, 20†, 27‡† : 17. 11 : 18. 7† : 19. 25**†, 30† *bis* : 20. 1, 8, 11, 30†, 31†, 31‡†, 32†, 39**†, 39‡†, 39†, 40† : 21. 21*†, 22†.
Ru. 1. 4‡ : 4. 11 *bis*, 12.
I Ki. 2. 2 *bis*, 13* (*ind.*), 16, 22† : 3. 10 : 4. 5**, 18** : 5. 10**†, 12** : 6. 6 : 8. 1**, 6** : 9. 13*, 16, 26**, 27 : 10. 2*, 5* : 11. 1 (ὡς μετά), 6**†, 7 : 12. 8** : 13. 5†, 8†, 10**†, 11† *bis*, 13†, 15‡† : 14. 2‡†, 7†, 14‡, 19**, 22 (23)‡ : 15. 2, 22, 29 : 16. 7 : 17. 36, 55**†, 57**† : 18. 1**†, 10†, 15 : 19. 7† : 20. 12* (*sine verbo*), 25, 41**†, 42 : 22. 2‡, 8, 13, 14, 15† : 23. 13‡ : 24. 2**, 5, 11, 17**, 19** : 25. 13‡, 16, 26, 36†, 37**†, 37† : 26. 15, 23 : 28. 9.
II Ki. 2. 18† : 3. 34 : 4. 8, 10 : 5. 20 : 6. 1‡ : 7. 22, 23 *bis* : 12. 3 : 13. 13, 28* : 14. 2, 13, 25, 26* (*ind.*) : 15. 24**†, 34† : 16. 10 (ὡς τί) : 17. 8, 8†, 11, 12 : 18. 3, 18 (ὡς ὅτι)†, 27, 32 : 19. 14 (15)†, 27 (28), 36 (37) (ὡς βραχύ) : 21. 19 : 22. 34, 43 *bis* : 23. 4, 21†.
III Ki. 1. 21* : 2. 32† : 3. 1 (4. 29 [5. 9]), 1 (B, 4. 20 A), 6, 12, 13, 14, 19 : 4. 29 (5. 9) : 7. 24 (26) : 8. 1**†, 10**, 23, 24, 38*, 53**, 54**, 59†, 61 : 9. 1** : 10. 27 *bis* : 11. 6 (8)†, 27, 33, 43**† *bis* : 12. 2**† *bis*, 20**, 24**† *bis*, 24† : 13. 4**, 22† : 14. 6**†, 8†, 10 (*c. inf.*)†, 17**† : 15. 3, 5, 11, 21**, 29**, 30† *bis*, 34 : 16. 3, 13†, 18**, 19 : 18. 17**†, 29**†, 29, 31, 44 : 19. 1, 13** : 20 (21). 4†, 15**, 16**, 19, 22 *bis*, 25†, 25, 27†, 29 : 21 (20). 11, 12**†, 39 : 22. 6‡†, 17, 32**, 33**.
IV Ki. 1. 18 (3. 2) *bis* : 2. 1 (ὡς εἰς)†, 11 (ὡς εἰς)† : 3. 2, 2†, 7 *bis*, 15**, 22† : 4. 16, 17 *bis*, 25** : 5. 6*, 7**, 8**, 14 : 6. 20**, 21**, 30**, 32* : 7. 1, 7, 10, 18 : 8. 5 : 9. 9 *bis*, 22**, 37 : 10. 2 (ὡς ἐάν†, ὡς ἄν†), 6, 7**, 25** : 12. 10 (11)**, 21 (22)† : 13. 7 : 14. 3, 6 : 16. 2 : 17. 2 : 18. 32 : 19. 1** : 21. 4, 7† *bis* : 22. 11**, 19 : 24. 20†.
I Ch. 4. 9, 27 : 11. 23† : 12. 8, 22 : 14. 8**†, 11 : 15. 15 : 16. 19† : 17. 1**, 13, 17, 21 *bis* : 19. 2 : 20. 5 : 21. 3, 15** : 22. 11 : 24. 19 : 27. 23 : 28. 7 : 29. 15 *bis*.
II Ch. 1. 9, 12, 15 *bis* : 2. 3 (2), 8 (7) : 4. 5, 10 (ὡς πρός) : 5. 13**†: 6. 4†, 15, 16, 30*, 33 : 7. 1**, 17, 18 : 9. 27 *bis* : 10. 2** *bis*, 12 : 12. 1** *bis*, 7 (ὡς μικρόν) : 17. 4 : 18. 3 *bis*, 12, 16, 31**, 32** : 20. 23**, 37 : 21. 6, 7, 13, 19** : 22. 4, 8** : 24. 11** *bis*, 14**, 22** : 25. 3**, 4 : 26. 16** : 28. 1 : 29. 3**, 8, 29** : 30. 8†, 10 : 31. 1**, 5** : 32. 17, 19 : 33. 12**, 19†, 22, 23 : 34 19** : 35. 12, 18.
I Es. 1. 12 : 2. 9 (*c. superl.*)† : 5. 37, 51 *bis* : 8. 3, 12†, 94 : 9. 10.
II Es. 2. 69 : 3. 1, 4 : 4. 2, 3 : 7. 18, 25†, 28 : 8. 18 : 9. 1**, 3**, 7, 13, 15† *bis* : 10. 1**, 1**†, 3*†, 3†, 8*†.
Ne. 2. 8 : 3. 13† : 4. 7 (1)**, 12 (6)** : 5. 5 *bis*, 11, 12 : 6. 3*, 4†, 8, 8†, 14 : 7. 2† : 8. 1, 9** : 9. 10, 23, 24, 28**, 37 : 10. 34 (35), 36 (37) : 12. 45 : 13. 3**, 30.
To. 3. 8† : 4. 8† : 5. 13†, 14†, 19 : 6. 5†, 9**†, 17†, 17**†: 7. 2, 14†, 17 : 8. 4**† : 10. 1**†, 8†, 13† : 11. 1**†, 12**†, 15†, 17**†: 12. 22 : 14. 5† *bis*, 10†.
Ju. 1. 11 : 2. 4**, 20 *bis* : 3. 4 : 4. 13**† : 5. 22** : 6. 1**, 3, 5†, 12**† : 7. 4**, 11†, 28† : 8. 9†, 16 *bis* : 10. 1**, 7**, 14**, 18, 23** : 11. 15 (ὡς ἄν†, ὡς ἐάν†)†, 19† : 12. 8**†, 13† : 13. 1**†, 12** : 14. 2, 5 (ὡς εἰς), 6**, 7**, 9**, 12**, 15**, 19** : 15. 1**, 5**, 9** : 16. 4†, 12, 15, 18**.
Es. 1. 1*† (*sine verbo*), 15, 17†, 17**† : 2. 1† : 3. 11, 12 : 4. 8, 14 (ὡς ὅτι)†, 17 : 5. 1**, 1, 1†, 1, 2, 11 : 6. 2 : 8. 8, 11 *bis*, 13†, 13, 13 (*c. inf.*)† : 9. 24†, 25, 27†.
Jb. 1. 5* (*ind.*), 6, 13, 21 : 2. 1 : 6. 3, 25 : 7. 4* : 9. 8 (ὡς ἐπί) : 12. 6 : 13. 25†, 25 : 14. 12*†, 13*† : 15. 14 (*c. ptcp.*), 33† *bis* : 21. 11† : 22. 24† : 24. 14 : 27. 10 (*c. ptcp.*)† : 28. 5† : 29. 3 : 30. 6†, 14, 21† : 31. 15, 18, 36† : 33. 6, 15†, 15 : 35. 4 (5), 14 : 37. 10 (ὡς ἐάν), 15†, 18 : 38. 30† : 40. 12 (17)†, 13 (18)† *bis* : 41. 10 (11)† *bis*, 15 (16)†, 19 (20)†, 20 (21).
Ps. 1. 3, 4 : 2. 9 : 5. 12 : 7. 2 : 8. 1, 9 : 9. 30 (10. 9)† : 10 (11). 2 : 16 (17). 8, 12† : 17 (18). 33†, 42†, 42 : 18 (19). 5 *bis* : 20 (21). 9 : 21 (22). 13, 15† : 22 (23). 5 (*c. superl.*)† : 28 (29). 6 *bis* : 30 (31). 19 : 31 (32). 9 : 32 (33). 7† : 34 (35). 14 *ter* : 35 (36). 6†, 7 : 36 (37). 6 *bis*, 35 : 38 (39). 11 : 43 (44). 11, 22 : 47 (48). 6 : 48 (49). 14 : 54 (55). 6† : 55 (56). 8 : 57 (58). 7 : 58 (59). 6, 14 : 61 (62). 3 : 63 (64). 3 : 65 (66). 3, 5†, 10 : 67 (68). 2 *bis* : 71 (72). 6† : 72 (73). 1, 7† : 73 (74). 5 (ὡς εἰς), 5 (ὡς ἐν) : 76 (77). 13, 20 : 77 (78). 8, 15 (ὡς ἐν), 16†, 43, 52, 52†, 65 *bis*, 69 : 78 (79). 3†, 5 : 81 (82). 7 *bis* : 82 (83). 9 *bis*, 10†, 11, 13 *bis* : 83 (84). 1 : 86 (87). 7 : 87 (88). 4†, 17† : 88 (89). 10, 29, 36, 37, 46 : 89 (90). 4, 9† : 91 (92). 5, 7†, 10, 12 *bis* : 94 (95). 8 (ὡς ἐν), 11 : 101 (102). 7†, 26 : 102 (103). 5 : 103 (104). 1†, 2, 6, 24 : 104 (105). 22 : 105 (106). 9 (ὡς ἐν) : 106 (107). 27, 41 : 108 (109). 18, 18† *bis*, 19, 29† : 112 (113). 5 : 113 (114). 4†, 4, 6† *bis* : 117 (118). 12† : 118 (119). 14 (ὡς ἐπί), 70, 83†, 85, 97, 103, 162, 176† : 121 (122). 3 : 122 (123). 2 *bis* : 123 (124). 7 : 124 (125). 1 : 125 (126). 1†, 4 : 127 (128). 3 *bis* : 128 (129). 6† : 130 (131). 2, 2† : 131 (132). 2 : 132 (133). 2, 3 : 136 (137). 6 (ὡς ἐν)† : 138 (139). 12†, 12 : 140 (141). 2 : 142 (143). 3, 6 : 143 (144). 12 *bis* : 147. 4 (15)†.
Pr. 1. 27* : 2. 4 *bis* : 3. 18 (ὡς ἐπί) : 6. 8 *bis*, 22* : 7. 23 : 8. 28**†, 28**, 29**† : 17. 18 : 18. 17*, 19 : 24. 23 (29. 27)† : 31. 14†.
Ec. 2. 3, 13, 15† : 3. 19†, 19 : 5. 14 : 7. 7 (6), 13 (12), 23 (22)† *bis* : 8. 4†, 13 (ὡς ἐν)†, 14 *bis*, 15† : 9. 1†, 2, 10, 12 *ter* : 10. 5, 7 : 11. 5 : 12. 7, 7†, 11 *bis*.
Ca. 1. 5 *bis*, 7, 10 *bis* : 2. 2, 3 : 3. 4 (ὡς μικρόν), 6 : 4. 1, 2, 3 *bis*, 4, 5, 11 : 5. 11, 12, 13, 15 *bis* : 6. 3 *ter*, 4, 5 *bis*, 6, 9 *ter* : 7. 1, 3 (4), 4 (5) *ter*, 5 (6) *bis*, 8 (9) *bis*, 9 (10) : 8. 6 *quater*, 10† *bis*.
Wi. 2. 2, 3, 4 *bis*, 6, 16 (ὡς ἀπό) : 3. 6 *bis*, 7 : 5. 9 *bis*, 10, 11, 12, 12 (*c. inf.*), 14 *quater*, 21 (ὡς ἀπό), 23 : 7. 9†, 9 : 11. 10 *bis*, 22 *bis* : 12. 8, 25 : 14. 15, 16, 17 : 15. 19 (ὡς ἐν) : 16. 29 *bis* : 18. 8† : 19. 3, 9 *bis*.
Si. *prol.* 4 : 2. 18 : 3. 4, 7, 15, 16 : 4. 10 *bis*, 30 : 5. 7† : 6. 2, 3, 11, 19, 19†, 20, 21 : 8. 11, 12, 13, 16 : 9. 8 : 11. 30 : 12. 10, 11, 17 : 13. 11 : 14. 17, 18, 22 : 15. 2 *bis* : 17. 19, 22 *bis*, 28, 29 : 18. 10, 13, 23 : 19. 11 (ὡς ἀπό) : 20. 1, 15, 29 : 21. 2 (ὡς ἀπό), 3, 8, 13 *bis*, 14, 16†, 18, 19†, 21 *bis* : 22. 17 : 23. 16 : 24. 3, 13 *bis*, 14 *quater*, 15, 15†, 15 *ter*, 16, 17, 25 *bis*, 26 *bis*, 27 *bis*, 30 *bis*, 32, 33 : 25. 4, 5, 10, 17 : 26. 7, 12 : 27. 8, 11, 13†, 19, 20, 28 : 28. 18, 23 *bis* : 29. 4, 6, 18 : 30. 4, 12**†, 25

(33. 16) *bis*, 39 (33. 30), 40 (33. 31) *bis*: 31 (34). 2, 5: 32 (35). 20† *bis*: 34 (31). 16, 19: 35 (32). 1, 8†, 16: 36 (33). 2, 3, 5, 6†, 13: 38. 11, 16, 22, 27: 39. 12, 13, 14 *bis*, 17, 22 *bis*, 23: 40. 3†, 6, 6 (ὡς ἐν), 6, 13 *bis*, 17, 27: 41. 1, 2†: 42. 21†, 22, 22†: 43. 14, 17 *bis*, 19, 20, 21: 44. 9 *bis*, 21† *bis*: 46. 2: 47. 3 (ὡς ἐν) *bis*, 13†, 14 *bis*, 18 *bis*, 25†: 48. 1 *bis*, 4, 19: 49. 1 *bis*, 11, 15: 50. 5†, 6 *bis*, 7 *bis*, 8† *bis*, 8, 9 *bis*, 10 *bis*, 12 *bis*: 51. 15†.

Ho. 1. 10 (2. 1): 2. 3 (5)†, 3 (5), 14 (16): 4. 4, 6, 16 *bis*: 5. 1, 10 *bis*, 12 *bis*, 14 *bis*: 6. 4 (3) *bis*, 5 (4) *bis*, 6 (5), 8 (7): 7. 2, 4, 6 *bis*, 7, 11, 16: 8. 1 *bis*, 8: 9. 4, 10 *ter*, 11, 17†: 10. 4, 7, 14: 11. 4, 8 *bis*, 10, 11 *bis*: 12. 11 (12): 13. 3 *bis*, 3†, 3, 7 *bis*, 8, 13: 14. 6 *ter*, 7 *bis*, 8†, 8, 9.

Am. 2. 9: 4. 11: 5. 5, 6, 24 *bis*: 6. 5 *bis*, 15 (14)†: 8. 8 *bis*, 10 *bis*: 9. 5 *bis*, 7.

Mi. 1. 4 *bis*, 6†, 8 *bis*, 16: 2. 12 *bis*: 3. 3 *bis*, 12, 12† *bis*: 4. 9, 10, 12: 5. 7 (6) *bis*, 8 (7) *bis*: 7. 1 *bis*, 4, 10, 17.

Jl. 1. 15: 2. 2, 3, 4, 4†, 5 *ter*, 6, 7 *bis*, 9.

Ob. 1. 4, 11.

Na. 1. 10 *bis*: 2. 4 (5) *bis*, 8 (9)†, 10 (11): 3. 8†, 13, 15 *bis*, 16†, 17 *bis*.

Hb. 1. 8, 9, 14 *bis*: 2. 5, 14: 3. 4, 14.

Ze. 1. 17 *ter*: 2. 2, 9 *ter*, 13: 3. 3 *bis*, 18 (ὡς ἐν).

Hg. 2. 24 (23)†.

Za. 2. 8 (12): 3. 3 (2): 5. 9†: 9. 3 *bis*, 4†, 7 *bis*, 13, 14, 15, 15† *bis*, 16: 10. 2, 3, 5, 7, 7 (ὡς ἐν): 12. 2, 6, 6†, 8 *ter*, 10 (ὡς ἐπί) *bis*, 11: 13. 9 *bis*: 14. 10†, 20.

Ma. 3. 2 *bis*, 3, 3† *ter*: 4. 1 (3. 19), 2 (3. 20).

Is. 1. 8 *ter*, 9 *bis*, 18 *bis*, 19, 19†, 26 *bis*, 30 *bis*, 31 *bis*: 2. 6 *bis*: 3. 9: 4. 5, 5†: 5. 6 (ὡς εἰς), 17, 18 *bis*, 24 *bis*, 25, 28 *bis*, 29† *bis*, 29, 30: 6. 13 *bis*: 8. 14 *bis*, 20, 21*: 9. 3 (2), 4 (3), 18 (17) *bis*, 19 (18): 10. 14 *bis*, 15*†, 17†, 18, 22: 11. 7†, 9, 16: 13. 8 *bis*, 14 *bis*: 14. 19: 15. 5†: 16. 1, 2, 9, 11, 11†, 12†: 17. 6, 11†, 12 *bis*, 13 *quater*: 18, 2, 3 (ὡς εἰς)†, 3, 4 *bis*: 19. 14, 16: 21. 1, 3, 3†, 16: 22. 21: 23. 3, 15 *ter*: 24. 2 *quinquiens*, 2†, 20 *bis*: 25. 5: 26. 4†, 17: 27. 7 *bis*, 9, 10: 28. 2 *bis*, 4: 29. 3, 4, 5 *ter*, 7, 8 *bis*, 11, 16, 17: 30. 13, 14, 17†, 17, 22 *bis*, 26, 27, 28, 30, 33: 31. 5, 9: 32. 2 (ὡς ἀπό), 2, 19†: 33. 1, 12: 34. 4 *ter*, 9: 35. 1, 6: 36. 6*†, 17: 37. 11, 27 *bis*: 38. 3, 12, 13, 14 *bis*: 39. 7†: 40. 6, 11, 15 *bis*, 15†, 17, 22 *ter*, 23†, 23, 24, 31: 41. 2, 11, 12, 15 *bis*, 25 *bis*: 42. 14: 43. 17: 44. 4†, 4, 13 *bis*, 22 *bis*: 45. 9, 20 (ὡς πρός)†: 46. 1: 47. 14: 48. 18, 19†, 19, 20†: 49. 2†, 2, 18†, 18, 18†, 26: 50. 1†, 3†, 7, 9, 9†: 51. 3† *bis*, 5†, 6 *bis*, 8† *bis*, 9 (ὡς ἐν), 9, 20: 52. 7 *ter*: 53. 2 *bis*, 6, 7 *bis*: 54. 6, 6†, 16: 55. 9, 10 (ὡς ἄν †, ὡς ἐάν †): 57. 1, 8†: 58. 1, 2, 4, 5, 10, 11 *bis*, 12†: 59. 10 *bis*, 10 (ὡς ἐν), 10, 11 *bis*, 17, 17†, 17, 19: 60. 8 *bis*: 61. 10 *bis*, 11 *bis*: 62. 1 *bis*, 5: 63. 2 (ὡς ἀπό), 3, 13, 14, 19: 64. 1, 6 (5) *ter*, 10 (9): 65. 25 *bis*: 66. 3 *ter*, 12 *bis*, 13 (ὡς εἴ τις), 14, 15 *bis*, 20.

Je. 1. 2†, 16, 18 *bis*: 2. 26, 30: 3. 4, 20: 4. 4, 10†, 13 *bis*, 17, 31 *bis*: 5. 27: 6. 7, 9 *bis*, 13†, 15, 23, 23†, 24, 26†, 28†: 8. 6, 21: 9. 3 (2), 12 (11), 22 (21)†: 11. 5†, 19: 12. 8: 13. 21†, 24, 25: 14. 8†, 9: 15. 10†, 13†, 15, 18, 19, 20: 16. 19: 17. 6, 8: 18. 6, 17: 19. 12: 20. 9, 16: 21. 12: 22. 23, 28: 23. 9 *bis*, 14, 14†, 29†: 24. 2, 5, 8, 10†: 26 (46). 7 *bis*, 8†, 18 *bis*, 22 *bis*: 27 (50). 9, 11 *bis*, 24, 26†, 37†, 42, 43: 28 (51). 3†, 25, 27†, 33, 34, 38 *bis*, 40 *bis*, 43†, 53, 55: 29 (49). 9†, 22: 31 (48). 28†, 32, 32†, 34†, 38: 33 (26). 14 *bis*, 18, 18† *bis*: 36 (29). 22 *bis*: 37 (30). 20, 20†: 38 (31). 10†: 39 (32). 20, 24: 40 (33). 7†: 41 (34). 5: 42 (35). 15†: 43 (36). 16**, 32: 50 (43). 1**: 51 (44). 6, 13, 18**, 22.

Ba. 1. 11, 15, 20: 2. 6, 11, 26: 3. 24: 4. 26: 5. 6†.

La. 1. 1†, 6: 2. 3, 4 *ter*, 5, 6, 7, 12, 18, 19, 22: 3. 6†, 12, 52: 4. 3: 5. 3, 10.

Ep. Je. 11, 14, 18 (ὡς ἐπί), 41, 44 (*c. inf.*)†, 67 *bis*.

Ez. 1. 4, 5, 7, 13†, 13, 13†, 14†, 16, 22, 24, 24† *bis*, 26 *bis*, 27, 27† *bis*, 28†: 3. 3: 7. 16†: 8. 2, 2†, 16‡, 17: 10. 1, 5, 9: 11. 1‡, 21: 12. 4, 7†: 13. 4†: 16. 8†, 20, 31, 32†, 59: 18. 23: 19. 10 *bis*: 20. 32 *bis*: 21. 23 (28): 22. 25, 27: 23. 20: 26. 3, 10, 19, 20: 28. 3, 6: 32. 2, 14: 33. 11, 22†, 31, 32: 34. 12†: 36. 11, 35, 37 *bis*, 38: 38. 9 *bis*, 16: 41. 12 (ὡς πρός), 21: 42. 12 (ὡς ἐπί): 43. 2 *bis*, 8: 45. 7: 47. 5†, 10†, 22.

Da. LXX. Su. 12**, 30**, 41, 51**, 56 *bis*, 60**, 61: 2. 40 *bis*, 41, 43: 3. (36) *ter*, (40) (ὡς ἐν) *bis*, (51) (ὡς ἐξ), 33 (100) *bis*: 4. 9‡, 12, 25**, 29, 30, 31: 5. 10: 6. 23 (24), 27 (28): 7. 13 *bis*: 8. 4. 15: 10. 16 *bis*, 18: 11. 29, 34 (ὡς ἐν): 12. 3: Bel 16.

Da. TH. Su. 19**, 26**, 28**, 41, 52**: 1. 8 *bis*: 2. 40: 3. 15*, (36) *bis*, (40) (ὡς ἐν), (40) (ὡς ἐν)†, (50), (51) (ὡς ἐξ), 33 (100): 4. 22, 29, 30 *ter*, 32: 5. 21: 6. 14 (15)**: 7. 4†, 13: 8. 15, 25: 9. 7, 15: 10. 6† *bis*, 6 *bis*, 16, 18: 11. 4*, 29, 29†: 12. 3 *bis*: Bel 14**, 28**.

I Ma. 1. 39: 2. 8, 18, 23**, 40, 41†, 58†: 3. 3, 4, 17**, 23**, 27**, 30, 45, 60*: 4. 4**†, 6†, 9†, 35, 38 (ὡς ἐν), 38 (ὡς ἐν†), 60: 5. 1, 13‡†, 16**, 42**, 60†: 6. 8**, 39**, 39, 59†: 7. 2**, 25**, 32‡†, 44**: 8. 4**†, 25*, 26, 27*, 28: 9. 44: 10. 36, 41 (ὡς ἐν), 42 (ὡς ἐν)†, 46**, 64**, 74**, 77, 88**, 89: 11. 1, 3**, 4**, 22**, 23**, 49†: 12. 7†, 11, 27**, 43†, 47‡†, 48**: 13. 23**: 14. 17**, 25**: 15. 3, 9*†.

II Ma. 1. 11* (*c. participio*), 14, 15**, 20**, 21**, 22**, 23, 32**, 33**: 2. 1†, 2†, 4†, 4, 7**, 8 *bis*, 9, 13, 21 (*c. inf.*)†: 3. 8: 4. 1, 4†, 5†, 19 (ὡς ἀπό)†, 46: 5. 5, 8 *bis*, 9: 6. 21, 29: 7. 8, 12, 17, 23: 8. 19, 20**: 9. 15**†, 28: 10. 6, 21, 24: 11. 6**, 28, 36: 12. 3, 4* (*c. ptcp.*), 7†, 12, 24†: 13. 4: 14. 4†: 15. 11.

III Ma. 1. 2, 8 (*c. superl.*), 24: 2. 18, 22, 31, 33: 3. 2* (*c. ptcp.*), 16†, 19: 4. 1* (*c. ptcp.*), 6, 12**, 13, 18, 19: 5. 22, 40†, 45†, 48: 6. 10†: 7. 5 *bis*, 6, 13.

IV Ma. 2. 18: 3. 10 (*c. superl.*)†, 17†: 4. 2†, 7, 22, 23**: 5. 13†, 18, 21: 6. 5, 21: 7. 4: 8. 13**: 9. 10 (ὡς κατά) *bis*, 12**, 27, 29: 11. 1**: 12. 1**, 7: 14. 1, 6 (ὡς ὑπό)†: 15. 21†: 16. 3†, 12: 17. 1†, 5, 7†: 18. 5**.

[**Aq.** Ge. 2. 18 (ὡς κατέναντι): 49. 4: Ex. 16. 31: 21. 7: Dt. 32. 31: Jo. 2. 14*: I Ki. 3. 10: 17. 7: III Ki. 4. 20: 14. 6**, 8, 17**: IV Ki. 9. 20: Jb. 3. 5, 24: 10. 5: 13. 9: 15. 14 (P.): 37. 18: 40. 12 (17): 41. 10, 21: 42. 8: Ps. 1. 3: 21 (22). 14: 31 (32). 9: 32 (33). 7: 35 (36). 7: 38 (39). 6: 41 (42). 2: 58 (59). 7, 15: 63 (64). 4: 71 (72). 6: 73 (74). 5: 77 (78). 33, 65: 79 (80). 2: 86 (87). 7: 90 (91). 4: 101 (102). 4: 106 (107). 41: 117 (118). 12: 118 (119). 70: 121 (122). 3: 125 (126). 4: 132 (133). 2: 138 (139). 15 (ὡς ἐν): 142 (143). 6: 143 (144). 12: Pr. 5. 4, 14 (ὡς ὀλίγον): 6. 11: 10. 20 (ὡς ὀλίγον), 23: 18. 19: Ec. 3. 11: 8. 9: Ca. 1. 5, 7: 3. 6: 5. 13: 6. 5 (6): 7. 5 (6): 8. 1: Is. 1. 25 (Sw.): 5. 28: 6. 13: 7. 2: 11. 7: 14. 19: 16. 2, 14: 24. 2 *bis*: 28. 2, 4, 21: 29. 4, 7: 30. 13, 17, 28, 29: 32. 2: 34. 4 *bis*: 38. 12 *bis*, 14: 40. 15, 22 *bis*, 24: 41. 2: 48. 19: 51. 3 *bis*, 9, 20: 53. 2 *bis*, 3: 54. 6, 9: 56. 12: 57. 20: 58. 1, 5, 8: 59. 11, 17, 18 (ὡς ἐπί) *bis*, 19: 61. 10 *bis*: 63. 2: 64. 6 (5): 65. 25: 66. 14: Je. 5. 16 (Sw.), 26, 27: 6. 23: 8. 6: 10. 5: 11. 19: 13. 24: 14. 6, 8, 9: 15. 18: 25. 30 (32. 16), 34 (32. 20): 26 (33). 6: 30 (37). 6: 31 (38). 12, 18: 48 (31). 41: 49. 24 (30. 13): 50 (27). 8, 9, 42: 51 (28). 27, 63*: Ez. 1. 7, 16, 27, 27 (Sw.): 8. 2: 10. 1: 12. 7: 18. 14: 23. 34: 27. 22, 32: 32. 2: Da. 2. 35 (Sw.): Ho. 5. 12, 14: 9. 13: 10. 15: 12. 11 (12): 13. 3: 14. 9: Am. 9. 7: Mi. 1. 8: 2. 12: 5. 7 (6): Ma. 3. 17.]

[**Sm.** Ge. 1. 26: 49. 4: Ex. 16. 31: Dt. 32. 31: Jo. 2. 14*: I Ki. 13. 1: 17. 7: 19. 7 (ὡς πρό): 30. 16 (ὡς ἐν): II Ki. 6. 13**: 14. 13, 14: III Ki. 4. 20: IV Ki. 9. 20: Jb. 4. 12 (ὡς ἐν): 6. 2: 9. 26: 14. 11: 15. 14 (P.): 22. 24: 24. 16 (ὡς ἐν), 17 (P.): 32. 19: 35. 16: 36. 29: 38. 9: 39. 24: 40. 4 (9), 12 (17), 13 (18) *bis*: 41. 10, 19, 23: Ps. 10 (11). 2 (ὡς ἐν): 21 (22). 14: 28 (29). 6: 30 (31). 22 (ὡς ἐν): 31 (32). 4, 9: 32 (33). 7 (ὡς ἐν): 34 (35). 14 (ὡς πρός) *bis*, 14: 38 (39). 6 *bis*, 12: 41 (42). 2, 4, 11: 43 (44). 12, 24: 44 (45). 2, 4: 47 (48). 7: 48 (49). 15: 49 (50). 21: 57 (58). 5, 8 *bis*, 10: 58 (59). 7, 8 *bis*, 15: 62 (63). 2 (ὡς ἐν): 63 (64). 4: 67 (68). 15, 31: 71 (72). 6, 16: 72 (73). 19, 20: 77 (78). 65, 69 *bis*: 79 (80). 2: 81 (82). 7 *bis*: 86 (87). 7 (ὡς ἐν): 87 (88). 6, 18: 88 (89). 11 (P.), 38, 47: 89 (90). 4: 90 (91). 4: 91 (92). 11: 101 (102). 4, 27 *bis*: 106 (107). 41: 109 (110). 3 (ὡς κατά): 117 (118). 12: 118 (119). 24, 70: 121 (122). 3: 124 (125). 1: 125 (126). 4: 132 (133). 2: 134 (135). 18: 138 (139). 12: Pr. 7. 22: 10. 25: 11. 28: 15. 15 (ὡς ἐν): 30. 27: Ec. 8. 10, 14: Ca. 1. 5, 7: 3. 6: 5. 11, 13, 15: 6. 3 (4) *bis*, 5 (6): 7. 1 (2), 2 (3), 4 (5), 5 (6): 8. 6 *bis*: Is. 1. 18: 5. 18 *bis*: 6. 13 *bis*: 8. 11 (ὡς ἐν): 9. 3 (2): 10. 18: 14. 19: 16. 11, 14 (ὡς ἐπί): 24. 2, 13: 25. 10 *bis*: 27. 10: 28. 2: 29. 2, 3, 4: 30. 13, 17 *bis*, 22, 28, 29: 31. 5, 6: 32. 2 *bis*: 33. 16: 34. 4 *bis*: 38. 12 *bis*, 14: 40. 15, 22: 41. 2: 42. 13 *bis*, 19 *ter*: 48. 19: 51. 3, 20, 23: 53. 2 *bis*: 54. 6, 9 *bis*: 57. 20: 58. 1, 8: 59. 10 (ὡς ἐν), 11, 17, 18 (ὡς περί), 18 (ὡς ἐπί), 19: 61. 10: 63. 19 (ὡς ἀπό): 64. 2 (1), 6 (5): 66. 3 *bis*, 14: Je. 5. 26, 27: 6. 23: 8. 6: 11. 19: 13. 24: 14. 6, 8: 15. 18: 22. 19: 25. 30 (32. 16), 34 (32. 20): 26 (33). 6, 8**, 14 *bis*: 30 (37). 6: 31 (38). 12, 18: 39 (46). 12*: 46 (26). 21: 50 (27). 8, 9, 26, 42: 51 (28). 27, 33, 63*: La. 1. 12: Ez. 1. 7, 13, 14, 16: 4. 9*: 5. 2*: 8. 2, 17 *bis*: 10. 1, 5: 12. 7: 13. 4, 5 (ὡς ἐν), 10: 21. 15 (20): 23. 34: 31. 3: 36. 11: Da. 2. 31 (Sw.): 11. 23 (ὡς ἐν) (Sw.): Ho. 5. 10, 14: 8. 12: 9. 13: 10. 7, 15: 12. 11 (12): 13. 3: Am. 9. 7: Mi. 1. 8: Za. 3. 2: 10. 6 (ὡς ἂν εἰ μή).]

[**Th.** Ge. 1. 26 (ὡς ἐν): 49. 4: Dt. 32. 31: Jo. 2. 14*: Jd. 8. 18: 13. 6: I Ki. 1. 16: 14. 14 (ὡς ἐπί): 17. 7: II Ki. 14. 14: Jb. 10. 5: 22. 24: 37. 18: 40. 12 (17): 41. 10, 21, 24: Ps. 28 (29). 6: 57 (58). 9: 58 (59). 7: 61 (62). 10: 63 (64). 4: 73 (74). 5: 101 (102). 4: 126 (127). 4: Pr. 4. 18: 6. 11: 10. 20 (ὡς μικρόν): 16. 27: 26. 22: Ca. 6. 3 (4): Is. 6. 13: 16. 14: 24. 20 *bis*: 28. 2: 29. 17: 30. 13, 17, 22, 27, 28, 29: 33. 4 (ὡς ἀπό): 38. 12 *bis*, 13, 14: 40. 15, 22, 24: 41. 2: 42. 19: 48. 19: 51. 3 *bis*, 20: 52. 7: 53. 2 *bis*: 57. 20: 58. 1: 59. 11, 17, 18 (ὡς ἐπί), 19: 64. 2 (1), 6 (5): 66. 3 *bis*: Je. 5. 16 (Sw.), 26 (Sw.): 10. 5: 12. 3 (Sw.): 14. 6, 8: 30 (37). 6: 33 (40). 22: 46 (26). 8 *bis*: 48 (31). 40, 41: 49. 24 (30. 13): Ez. 1. 13, 14, 16, 24 *bis*, 27, 27 (Sw.): 7. 16: 8. 2: 10. 1, 5: 12. 7: 23. 34: Da. 1. 8: 2. 40: 3. (36): 11. 29: 12. 3 *bis*: Ho. 5. 10, 14: 10. 7, 15: 13. 3.]

[**Al.** Ex. 13. 5*: Le. 5. 13: 6. 17 (10) *bis*: 7. 10: 13. 10: 14. 22*: 18. 14: 27. 21: Nu. 9. 5: 23. 22: Jo. 8. 33 (9. 6): I Ki. 1. 13: 9. 16: 10. 9: II Ki. 3. 33: Jb. 27. 21: Ps. 1. 4: 70 (71). 19: 123 (124). 4, 5: 140 (141). 2: Pr. 6. 22*: Ca. 5. 11: 6. 5 (6), 9 (10): 7. 1 (2): Is. 28. 2: Da. 8. 23* (*ind.*): Jl. 1. 8.]

[**Sam.** Ex. 16. 31.]

[**Heb.** Jb. 10. 16: Je. 2. 23, 24: Ez. 1. 4: 7. 17: 23. 20: 43. 2.]

[**Quint.** Ps. 28 (29). 6 *bis*: 31 (32). 9: 32 (33). 7: 58 (59). 7: 73 (74). 3 (ὡς ἐν): 125 (126). 4: 140 (141). 7: Pr. 6. 11: Ca. 6. 9 (10): 7. 1 (2): Ho. 6. 3, 9: 7. 4, 8: 8. 9.]

[**Sext.** Ps. 22 (23). 6 (*c. superl.*): 28 (29). 6 *bis*: 31 (32). 4 *bis*: 36 (37). 35.]

ὥς.

Le. 26. 44.
Jb. 9. 11.
Ec. 9. 2 *bis*.
Am. 4. 8†, 9, 10, 11.
Is. 58. 5†.
Ez. 16. 47†.
III Ma. 1. 12†: 5. 40†.

ὡσανεί.

Es. 1. 1†.
[**Sm.** Ge. 37. 7: Za. 10. 6.]

ὡσαύτως. (1) יַחְדָּו (2) כִּ׳ (3) כָּזֹאת (4) כָּמוֹהוּ, כָּמוֹהָ (5) כֵּן

Ex. 7. 11. καὶ ἐποίησαν ... ταῖς φαρμακίαις αὐ. ὡσ. (5)
— 22: 8. 7 (3), 18 (14). ἐποίησαν δὲ ὡσ. (5)
30. 32. οὐ ποιηθήσεται ὑμῖν ἑαυτοῖς ὡσ. (4)
— 33, 38. ὃς ἂν ποιήσῃ ὡσ. (4)
Le. 24. 19. ὡσ. ἀντιποιηθήσεται αὐτῷ (5)
De. 12. 22. ὁ ἀκάθαρτος ἐν σοὶ καὶ ὁ καθαρὸς ὡσ. ἔδεται (1)
15. 17. τὴν παιδίσκην σου ποιήσεις ὡσ. (5)

De. 15. 22. ὁ καθαρὸς ὡσ. ἔδεται (1)
Jo. 6. 7 (8). παρελθέτωσαν ὡσ. ἐναντίον τοῦ κ. –
11. 15. καὶ Μ. ὡσ. ἐνετείλατο τῷ Ἰ. (5)
14. 11. ὡσ. ἰσχύω νῦν (2)
Jd. 8. 8. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς ὡσ. [A κατὰ ταῦτα] (3)
I Ch. 28. 16. καὶ ὡσ. τῶν ἀργυρῶν –
To. 7. 10. S ὡσ. δὲ καὶ ἐγὼ οὐκ ἔχω ἐξουσίαν
12. 12. ὡσ. συμπαρήμην σοι [S al.]
Ju. 15. 5. ὡσ. δὲ καὶ οἱ ἐξ Ἱερ. παρεγενήθησαν
Es. 9. 13. χρῆσθαι ὡσ. τὴν αὔριον –
Pr. 20. 4. ὡσαύτως καὶ ὁ δανειζόμενος σῖτον ἐν ἀμητῷ –
27. 15. ὡσαύτως καὶ γυνὴ λοίδορος ἐκ [S ἀπὸ] τοῦ ἰδίου οἴκου –
— 20. ὡσαύτως καὶ οἱ ὀφθαλμοὶ τῶν ἀνθρώπων ἄπληστοι –
Si. 49. 7. ὡσ. οἰκοδομεῖν καὶ καταφυτεύειν
Is. 10. 15. A S ὡσ. ἐάν [B ὡς ἄν] τις ἄρῃ ῥάβδον (2)
43. 8. καὶ ὀφθαλμοί εἰσιν ὡσ. τυφλοί –
Ep. Je. 22. ὡσ. δὲ καὶ οἱ αἴλουροι
— 28. ὡσ. δὲ καὶ αἱ γυναῖκες
— 35. ὡσ. οὔτε πλοῦτον . . . οὐ μὴ δύνωνται διδόναι
— 61. ὡσ. καὶ ἀστραπή
— 71. ὡσ. δὲ καὶ νεκρῷ ἐρριμμένῳ . . . ἀφωμοίωνται
Ez. 40. 16. καὶ ὡσ. τοῖς αἰλάμ (5)
42. 5. καὶ οἱ περίπατοι οἱ ὑπερῷοι ὡσ. †
I Ma. 12. 43. A ὑπακούειν αὐτῷ ὡσ. [S R al.]
II Ma. 2. 12. ὡσ. καὶ ὁ Σ. τὰς ὀκτὼ ἡμέρας ἤγαγεν
— 14. ὡσ. δὲ καὶ Ἰούδας
7. 13. τὸν τέταρτον ὡσ. ἐβασάνιζον
15. 39. ὡσ. δὲ καὶ ὕδωρ πάλιν πολέμιον
III Ma. 6. 33. ὡσ. δὲ καὶ ὁ βασ.
7. 19. ὡσ. κἀκεῖ ἔστησαν
[Sm. Ex. 7. 11: 8. 7 (3) (P.).]
[Th. Ex. 7. 11.]

ὡσεί. * *antepositum numeralibus.*

Ge. 19. 28: 21. 16: 24. 55*: 25. 25: 31. 2†: 34. 31: 41. 49: 49. 16.
Ex. 4. 6: 15. 5, 8, 10: 16. 14 *bis*, 31†: 19. 4, 18†: 24. 10, 17: 28. 29: 32. 13.
Le. 26. 19, 37.
Nu. 11. 7, 8, 12, 31: 12. 10, 12 *bis*: 13. 34 (33): 14. 15: 22. 4†: 24. 6†, 6 *ter*: 27. 17†.
De. 1. 10, 44†: 9. 21: 10. 22: 11. 10: 22. 26†: 28. 29†, 49, 62: 29. 28 (27) (ὡσεὶ νῦν): 32. 2 *bis*.
Jo. 3. 15: 7. 3*†, 4*†: 10. 2: 14. 11 (ὡσεὶ ὅτε).
Jd. 3. 29*: 6. 16: 7. 12†: 8. 10*, 18†: 9. 49*†: 14. 6: 15. 14: 16. 12†, 27*†: 20. 31*†, 39*†.
I Ki. 9. 22*: 17. 7, 43: 19. 7†: 25. 37†, 38*.
II Ki. 2. 18†.
III Ki. 21 (20). 27.
IV Ki. 3. 22†: 5. 27.
I Ch. 11. 23†.
II Es. 2. 64*: 9. 15†.
Ne. 7. 66*†: 9. 11.
Jb. 28. 5†: 29. 25.
Ps. 16 (17). 12, 12†: 17 (18). 33†, 42†: 21 (22). 14 *bis*, 15†: 22 (23). 5†: 30 (31). 12 *bis*: 32 (33). 7†: 34 (35). 5: 35 (36). 6† *bis*: 36 (37). 2 *bis*, 20: 37 (38). 4, 13 *bis*, 14: 38 (39). 5: 51 (52). 2, 8: 54 (55). 6†: 57 (58). 4, 8, 9 *bis*: 62 (63). 5: 70 (71). 7: 71 (72). 6†, 6, 16: 72 (73). 7†, 20: 77 (78). 13, 16†, 27 *bis*, 52†: 78 (79). 3†: 79 (80). 1: 82 (83). 10†, 14 *bis*: 87 (88). 4†, 5, 17†: 89 (90). 5, 9†: 91 (92). 7†: 96 (97). 5: 101 (102). 3 *bis*, 4, 6, 7†, 9, 11 *bis*, 26: 102 (103). 15, 15†: 103 (104). 2: 108 (109). 18† *bis*, 19, 23 *bis*, 29†: 113 (114). 4†, 6†: 117 (118). 12, 12†: 118 (119). 83†, 176†: 125 (126). 1†: 126 (127). 4: 128 (129). 6†: 139 (140). 3: 140 (141). 7: 143 (144). 4: 147. 5 (16) *bis*, 6 (17).
Pr. 31. 14†.
Ca. 6. 9.
Si. 50. 3, 8†.
Jn. 3. 3, 4.
Is. 1. 18†: 5. 29† *bis*: 10. 17: 16. 11†: 18. 3†: 30. 29, 29†: 40. 15†: 44. 4†: 48. 18, 19†: 49. 2†: 51. 12: 60. 8†.
Je. 3. 2: 14. 8, 8†: 26 (46). 8†: 27 (50). 37†: 28 (51). 14, 30.
Ez. 1. 22†: 13. 4†: 40. 2, 3.
Da. LXX. 2. 35: 3. (50): 4. 31: 5. 1, 5: 7. 4 *bis*, 6, 9 *ter*: 10. 5, 6 *quater*: 12. 3.
Da. TH. 2. 35: 4. 16: 7. 4, 4†, 6, 8, 9 *bis*: 9. 21: 10. 6, 6† *bis*.
I Ma. 5. 13†: 7. 32*†.
II Ma. 11. 5*.
[Aq. Ex. 4. 6: Dt. 1. 31: Ps. 17 (18). 34: 103 (104). 6: 125 (126). 1: Pr. 30. 20.]
[Sm. Ex. 4. 6: 16. 14: Ps. 13 (14). 4: 17 (18). 34: 36 (37). 2: 51 (52). 10: 54 (55). 7: 70 (71). 7: 77 (78). 27: 125 (126). 1: Pr. 30. 20: Da. 10. 6: Mi. 5. 7 (6).]
[Th. Ex. 4. 6: Ps. 17 (18). 34: 57 (58). 9: 79 (80). 2: 103 (104). 6: 125 (126). 1: Pr. 30. 20: Da. 2. 35: 10. 6: Mi. 5. 7 (6).]
[Al. Nu. 12. 12: I Ch. 17. 17.]
[Quint. Ps. 13 (14). 4: 28 (29). 6.]

ὡσιεννά.

[Heb. Ps. 117 (118). 25.]

ὥσπερ.

Ge. 37. 9: 38. 11: 41. 2, 18, 22.
Ex. 12. 48: 21. 7: 24. 10.
Le. 4. 26: 6. 17 (10) *bis*, 37 (7. 7): 14. 13, 35: 27. 21.
Nu. 16. 40 (17. 5).
De. 2. 10, 11, 21, 22: 3. 2, 6, 20: 5. 14: 6. 24: 7. 26: 10. 1†, 3†: 11. 10: 18. 7, 18: 20. 8: 29. 23 (22): 33. 26.
Jo. 1. 5, 15: 4. 14: 7. 5: 11. 4.
Jd. 7. 12†.
I Ki. 21. 10 (11).
II Ki. 14. 14: 23. 6: 24. 3, 3†.
To. 5. 9†.
Jb. 2. 10: 3. 16 *bis*, 21: 5. 25, 26 *bis*: 6. 7, 15 *bis*, 16: 7. 1, 2, 9: 10. 4, 10, 16, 19: 11. 15, 16, 17: 12. 25: 13. 24†, 25†, 28: 14. 2 *bis*, 6, 9: 15. 24, 33† *bis*: 16. 13 (12): 18. 3: 19. 10, 11†, 22: 20. 8 *bis*, 18: 21. 11†, 18 *bis*: 22. 24†, 25: 23. 10: 24. 5, 20, 24 *bis*: 27. 7 *bis*, 16, 18 *bis*, 20: 29. 18, 23: 30. 15 *bis*, 18: 32. 19 *bis*: 33. 10, 24, 25: 34. 7 *bis*, 36: 37. 21: 38. 3, 30†, 38 *bis*: 40. 2 (7), 12 (17)† *bis*, 24 (29) *bis*: 41. 6 (7), 15 (16)†, 15 (16), 18 (19)†, 18 (19), 21 (22), 22 (23) *bis*, 23 (24): 42. 7.
Pr. 1. 12: 6. 5 *bis*, 11 *quater*: 7. 2, 22 *bis*, 23: 10. 26: 11. 14, 22: 12. 4: 16. 15: 17. 3: 18. 19: 19. 12: 21. 1: 23. 5, 32 *bis*, 34 *bis*: 24. 23 (29. 27), 45 (30) *bis*, 49 (34): 25. 13, 14, 20 *bis*, 25, 26, 28: 26. 1 *bis*, 2, 3, 11, 14, 17, 18, 23: 27. 8, 19: 28. 1, 4.
Ec. 5. 15.
Wi. 19. 17, 18.
Si. 23. 10: 30. 20: 33 (36). 4: 47. 2.
Ho. 9. 7: 13. 3†.
Mi. 7. 18.
Na. 3. 16†.
Ma. 3. 3† *bis*.
Is. 14. 10: 17. 11: 27. 9: 28. 21: 38. 12: 44. 7: 51. 6, 8† *bis*: 55. 8 *bis*.
Je. 13. 10: 14. 9: 23. 14†, 29, 29†: 26 (46). 21: 27 (50). 8, 42, 44 *bis*: 29 (49). 9†, 16, 18, 19 *bis*, 22: 31 (48). 6, 13, 28†, 36 *bis*: 32 (25). 30, 34, 38: 33 (26). 6, 9: 38 (31). 12, 18, 28: 50 (43). 12.
Ba. 4. 24, 28, 33.
La. 1. 20: 4. 6, 8.
Ep. Je. 9, 17, 18, 20, 27, 32, 43, 54, 55, 70.
Ez. 27. 32†: 34. 12†: 36. 11.
Da. LXX. 2. 40, 43: 7. 8.
II Ma. 3. 11†.
IV Ma. 2. 6, 16: 5. 22: 6. 5, 16: 7. 1, 5, 11, 19: 8. 6, 29: 9. 5, 22: 13. 2†: 14. 5: 15. 15: 16. 13, 25: 17. 7†, 22.
[Aq. Pr. 23. 34: Is. 1. 30: Je. 10. 6: 17. 6: 19. 12: 50 (27). 11: 51 (28). 19.]
[Sm. I Ki. 20. 25: II Ki. 3. 34: III Ki. 8. 24: IV Ki. 21. 16: Jb. 29. 4: Ps. 28 (29). 6: 140 (141). 7: Pr. 12. 18: 15. 19: 23. 34: 24. 5: 25. 20: Is. 1. 30: 28. 21: 61. 10: Je. 17. 6.]
[Th. Ex. 21. 7: Jb. 30. 18: 34. 7: Pr. 23. 34: Is. 1. 30: 28. 4, 21: Je. 10. 6, 7: 12. 3: 29 (36). 17: Ez. 27. 32.]
[Al. Jb. 24. 24.]

ὡσπερεί.

[Sm. Ps. 57 (58). 9.]

ὥστε. * ὥστε μή. ** *c. indic.*

Ge. 1. 15, 17: 9. 15: 15. 7: 23. 8: 34. 22, 30: 45. 27.
Ex. 5. 2: 6. 4, 13: 7. 2, 24: 12. 4*, 42 *bis*: 15. 22: 23. 2: 25. 26 (27): 29. 1, 36†, 42: 30. 4, 18, 38: 36. 2, 10 (39. 3), 40 (39. 31): 38. 4 (37. 5), 10 (37. 13), 24 (7): 39. 13 (1): 40. 15.
Le. 6. 3 (5. 22): 7. 20 (30): 8. 34: 14. 21: 15. 32: 16. 10: 17. 4, 4*: 20. 5, 6: 22. 33: 23. 37: 25. 28, 38: 26. 15*, 15, 44: 27. 2 (*sine verbo*).
Nu. 5. 8: 7. 1: 8. 11: 9. 7†.
De. 4. 35: 5. 15, 29 (26): 12. 20: 17. 12*†: 28. 27*, 35*, 51*, 55.
Jo. 8. 3: 10. 14: 22. 12, 23 *ter*, 29: 24. 16.
Jd. 3. 1, 4: 7. 2*: 9. 24†: 16. 5†.
Ru. 4. 5.
I Ki. 3. 11†: 10. 9: 11. 15 (ὥστε λίαν)†.
II Ki. 2. 17 (ὥστε λίαν): 13. 2: 14. 7*.
III Ki. 22. 6 (*sine verbo*)†.
IV Ki. 9. 37*: 10. 11*: 21. 12**.
II Ch. 6. 6†: 14. 13 (12)*: 34. 31†.
I Es. 2. 9 (*sine verbo*) (?)†: 5. 65*, 65: 8. 15†, 27.
II Es. 5. 10.
Ne. 2. 5, 7, 8: 13. 19* *bis*.
To. 3. 10†.
Es. 1. 1, 22: 3. 7: 7. 8 (*interrog.*)**: 8. 13†: 9. 13.
Jb. 6. 21 (*c. imperat.*), 23: 21. 27** *bis*: 39. 16* (*sine verbo*): 42. 17.
Ps. 36 (37). 8†: 103 (104). 35*.
Pr. 24. 23 (29. 27)†, 37 (30. 14).
Wi. 6. 25 (*c. imperat.*).
Za. 11. 14†.
Is. 8. 8†, 22*: 10. 2: 11. 15: 13. 14: 14. 23: 16. 12: 22. 13: 30. 14*: 33. 19*.
Je. 19. 3**: 32 (25). 28.
Ep. Je. 44†, 59.
Ez. 41. 16.
Da. LXX. 1. 4, 12: 2. 35.
I Ma. 1. 49: 4. 2, 28: 8. 14: 10. 3: 15. 9, 10.
II Ma. 1. 19, 22: 2. 6, 21†: 3. 3, 6, 24: 4. 3, 14: 7. 12: 9. 9: 12. 9, 16, 22.
III Ma. 2. 22, 26: 3. 1: 4. 4: 6. 17: 7. 22.
IV Ma. 1. 6, 6*, 11: 3. 20: 4. 12, 20*, 25: 5. 23 *bis*, 24 *bis*, 31*, 33: 6. 17: 8. 29: 9. 17: 10. 14: 11. 16 (*†, *c. imper.*†): 15. 10.
[Aq. Ec. 4. 17: Is. 28. 8*: Je. 32 (39). 35: 51 (28). 17*, 62*.]
[Sm. Ex. 2. 21: 7. 24: 39. 1 (13): Jd. 12. 4: I Ki. 18. 25: 22. 13: II Ki. 14. 16: III Ki. 6. 19: 15. 4: 17. 20: IV Ki. 23. 10*: Jb. 33. 30: 36. 32: Ps. 8. 3: 26 (27). 4: 31 (32). 6*: 55 (56). 14: 57 (58). 10: 68 (69). 23: 74 (75). 9: Ec. 4. 17: 5. 5: Is. 28. 8*, 20*: 33. 19*, 23* *bis*: 49. 15*: 59. 1*: Je. 32 (39). 35, 40*: 50 (27). 34: 51 (28). 17*, 62*: La. 4. 14*: Ez. 3. 18: 13. 19: 30. 21: Hb. 1. 13*: 3. 14.]
[Th. Ex. 8. 22 (18)*: 37. 14 (38. 11), 15 (38. 11): 39. 1 (13): IV Ki. 23. 10*: Ps. 39 (40). 13*: Is. 28. 8*.]
[Al. Ex. 17. 1: Dt. 4. 7.]

ὠτίον. (1) אֹזֶן

De. 15. 17. τρυπήσεις τὸ ὠ. [A οὖς] αὐ. (1)
I Ki. 9. 15. A² B κύριος ἀπεκάλυψε τὸ ὠ. Σαμ. (1)
20. 2. οὐκ ἀποκαλύψει τὸ ὠ. μου (1)
— 13. ἀποκαλύψω τὸ ὠ. σου (1)
22. 8. οὐκ ἔστιν ὁ ἀποκαλύπτων τὸ ὠ. μου (1)
— 8. οὐκ ἔστι . . . ἀποκαλύπτων τὸ ὠ. μου (1)
— 17. οὐκ ἀπεκάλυψαν τὸ ὠ. μου (1)
II Ki. 7. 27. ἀπεκάλυψας τὸ ὠ. τοῦ δούλου σου (1)
22. 45. εἰς ἀκοὴν ὠτίου ἤκουσάν μου (1)
Ps. 17 (18). 44. εἰς ἀκοὴν ὠτίου ὑπήκουσέ μοι [A ἐπήκουσάς μου] (1)
Si. 21. 5. δέησις πτωχοῦ ἐκ στόματος ἕως ὠτίων αὐτοῦ
27. 14. καὶ ἡ μάχη αὐτῶν ἐμφραγμὸς [S¹ στεναγμὸς] ὠτίων
43. 24. ἀκοαῖς ὠτίων ἡμῶν θαυμάζομεν
Am. 3. 12. ὅταν ἐκσπάσῃ . . . λοβὸν ὠτίου (1)
Is. 50. 5. προσέθηκέ μοι ὠ. ἀκούειν (1)
55. 3. A προσέχετε τοῖς ὠ. [B ὠσὶν] ὑμῶν (1)
[Aq. Ps. 39 (40). 7: Is. 50. 4.]
[Sm. Ps. 39 (40). 7: 57 (58). 5: Pr. 26. 17.]
[Th., Quint., Sext. Ps. 39 (40). 7.]

ὠτότμητος. (1) שְׁרוּעַ

Le. 21. 18. ἄνθρωπος τυφλὸς . . . ἢ ὠ. (1)
22. 23. A² B μόσχον ἢ πρόβατον ὠ. (1)

ὠφάζ.

[Sm. Pr. 8. 19.]

Ὠφειρδέ.

[Aq. III Ki. 22. 49.]

ὠφέλεια (-λία). (1) בֶּצַע (2) יָעַל hi.

II Ki. 18. 22. *οὐκ ἔστι σοι εὐαγγελία εἰς ὠφέλειαν πορευομένῳ* –
Jb. 21. 15. *τίς ὠφέλεια ὅτι ἀπαντήσομεν αὐτῷ* (2)
22. 3. *ἢ ὠφέλεια ὅτι ἁπλώσῃς τὴν ὁδόν σου* (1)
Ps. 29 (30). 9. *τίς ὠφέλεια ἐν τῷ αἵματί μου* (1)
Si. 20. 30. *τίς ὠφέλεια ἐν ἀμφοτέροις*
30. 23. *οὐκ ἔστιν ὠφέλεια ἐν αὐτῇ*
41. 14. *τίς ὠφέλεια ἐν ἀμφοτέροις*
Is. 30. 5. A S^3 *οὔτε εἰς βοήθειαν οὔτε εἰς ὠφέλειαν* [B S^1 *al.*] (2)
Je. 23. 32. *ὠφέλειαν* [S -*α*] *οὐκ ὠφελήσουσι τὸν λαὸν τοῦτον* (2)
26 (46). 11. *ὠ. οὐκ ἔστιν σοί* †
37 (30). 13. *ὠ. σοι οὐκ ἔστι* †
II Ma. 2. 25. *πᾶσι δὲ τοῖς ἐντυγχάνουσιν ὠφέλειαν*
8. 20. *ὠ. πολλὴν ἔλαβον*

[Th. Jb. 22. 3.]
[Quint. Mi. 4. 13.]

ὠφελεῖν. (1) יָעַל hi. (2) נָשָׁה (3) עָזַר (4) שׁוּב hi.

To. 2. 10. *οὐκ ὠφέλησάν με* [S *al.*]
Ps. 88 (89). 22. *οὐκ ὠφελήσει ἐχθρὸς ἐν αὐτῷ* †
Pr. 10. 2. *οὐκ ὠφελήσουσι θησαυροὶ ἀνόμους* (1)
11. 4. A *οὐκ ὠφελήσει ὑπάρχοντα ἐν ἡμέρᾳ θυμοῦ* (1)
25. 13. A S R *ὥσπερ ἔξοδος χιόνος* [B *om.*] *ἐν ἀμήτῳ κατὰ καῦμα ὠφελεῖ* –
— 13. *ψυχὰς γὰρ τῶν αὐτῷ χρωμένων ὠφελεῖ* (4)
Wi. 5. 8. *τί ὠφέλησεν ἡμᾶς ἡ ὑπερηφανία*
6. 25. *καὶ ὠφεληθήσεσθε*
Si. 5. 8. *οὐδὲν γὰρ ὠφελήσεις* [S^1 -*σει*, A S^2 -*σει σε*] *ἐν ἡμέρᾳ ἐπαγωγῆς*
31 (34). 23. *τί ὠφέλησαν* [A -*σεν*] *πλεῖον ἢ κόπους*
— 25. *τί ὠφέλησε τῷ* [A S *ἐν τῷ*] *λουτρῷ αὐτοῦ*
— 26. *τί ὠφέλησεν ἐν τῷ ταπεινωθῆναι αὐτόν*
38. 21. *καὶ τοῦτον οὐκ ὠφελήσεις*
Hb. 2. 18. *τί ὠφελεῖ γλυπτόν* (1)
Is. 30. 5. *ὃς οὐκ ὠφελήσει αὐτούς* (1)
— 6. *ὃ οὐκ ὠφελήσει αὐτούς* (1)
— 7. *κενὰ ὠφελήσουσιν* (3)
44. 9. *ἃ οὐκ ὠφελήσει αὐτούς* (1)
Is. 47. 12. *εἰ δυνήσῃ ὠφεληθῆναι* (1)
57. 12. *ἃ οὐκ ὠφελήσει* [A S^2 -*σουσίν*] *σε* (1)
Je. 2. 11. *ἐξ ἧς οὐκ ὠφεληθήσονται* (1)
7. 4. *οὐκ ὠφελήσουσιν ὑμᾶς* –
— 8. *ὅθεν οὐκ ὠφεληθήσεσθε* (1)
12. 13. *οἱ κληροι αὐ. οὐκ ὠφελήσουσιν αὐτούς* (1)
15. 10. *οὔτε ὠφέλησα οὔτε ὠφέλησέ με οὐδείς* (2, 2)
23. 32. *οὐκ ὠφελήσουσι τὸν λαὸν τοῦτον* (1)
Ep. Je. 68. *δύνανται ἐκφυγόντα εἰς σκέπην αὐτὰ ὠφελῆσαι*
II Ma. 12. 11. *καὶ ἐν τοῖς λοιποῖς ὠφελήσειν αὐτούς*

[Aq. Is. 57. 12 : Je. 16. 19.]
[Sm. I Ki. 12. 21 : Is. 57. 12.]
[Th. Is. 30. 6 : 57. 12 : Je. 16. 19.]

ὠφέλημα. (1) יָעַל hi.

Je. 16. 19. *οὐκ ἔστιν ἐν αὐτοῖς ὠ.* (1)

ὠχείμ.

[Sm. Is. 13. 21.]

ὤχρα. (1) יְרָקוֹן

De. 28. 22. *πατάξαι σε κ. ἐν . . . τῇ ὤ.* (1)

ὠχρίασις.

[Th. Am. 4. 9.]

ADDENDA ET CORRIGENDA.

THE extent of the additions and corrections to be made in the earlier parts of this work must be forgiven, when it is remembered that, by the aid of photography and careful editing, the exact texts of the three chief MSS. of the LXX are known much more certainly than they were when the compilation of this work was first taken in hand. Even now, owing to the various modes of notation that prevailed, the Editor is afraid that in the first part of the work S^3 may still be found quoted as the authority for a reading which ought to be ascribed to S^2. He feels it necessary to repeat here the statement made in the Preface to the work that only those various readings are as a rule quoted which have to do with the word under treatment.

Upon the appearance of vol. iii. of Dr. Swete's edition of the LXX (Cambridge; at the University Press, 1894), any fresh cases of occurrences of particular words in the Hexaplaric fragments quoted in that volume were at once noted in the parts of the Concordance which still remained unprinted. These were indicated by printing (Sw.) after the reference. They were further supplemented by citations from Pitra's *Spicilegium Solesmense*, vol. iii, pp. 555–578, which were marked (P.). In order to make this work more complete, corresponding lists of words and passages for the earlier parts of the work are printed at the end of the following list, and marked in a similar way[1].

The surviving Editor cannot bring this great and important work to a conclusion without stating how much he owes to the care and accuracy of the officials of the University Press without whose cordial co-operation such accuracy as he has succeeded in attaining to could not have been secured.

HENRY A. REDPATH.

[1] It is to be regretted that the newly discovered fragments of the Hexaplar shortly to be published by Dr. Mercati, and those of the Hebrew of Ecclesiasticus, cannot also be referred to in this work.

P. 1, col. 1, l. 3. *post* ἆ ἆ *add.* [**A** οἴμμοι]
post l. 6 *ins.*
ἀάρ. (1) אַחַר
Ne. 7. 33. ἄνδρες Ναβία ἀ. [**A S** *al.*] (1)
— 34. ἄνδρες Ἠλὰμ ἀ. (1)
ἀβάκ.
I Ch. 4. 21. γενέσεις οἰκιῶν ἐφρὰθ ἀ. [**A** *al.*] †
l. 27. *post* ἀβάτῳ *add.* [**A** ἀβ. κ. ἀπ.]; *post* **8** *add.* [6]
post l. 58 *ins.*
ἀββούς. (1) חַבָּץ
I Ch. 4. 21. **A** γενέσεις οἰκιῶν ἐβδὰθ ἀ. [**B** *al.*] (1)
P. 4, col. 3, l. 77. *dele* עָלָו *c.*
l. 79. *dele* (8) שָׁמָח
P. 5, col. 1, ll. 6, 40. *pro* **4** *c leg.* **4** *b*
P. 6, col. 2, l. 1. *post* 12. *ins.* **A S**
l. 10. *post* ἀγαπᾷ *add.* [S^1 ἀπατᾷ]
P. 7, col. 1, l. 7 *ab ult. pro* **B** *leg.* B^3
l. 6 *ab ult. post* **A** *ins.* B^1
col. 2, *post* l. 7 *ins.*
12. 4. **AB** παντὸς ἀ. [**R** ἀγίου] οὐχ ἅψεται †
col. 3, *post* l. 48 *ins.*
5. 16. **B** τοῦ ἀκοῦσαι συρισμοῦ ἀγγέλων [**R** ἀγελῶν, **A** *al.*] †
l. 49. *for* 5. *leg.* —
P. 8, col. 1, l. 11. *pro* ἀποστέλλει *leg.* ἀποστελεῖ
P. 9, col. 2, l. 36. *leg.* ἄξομεν αὐτὰ σχεδίαις . . . σὺ ἄξεις [**A** συνάξεις] αὐτὰ εἰς Ἱερ. (1*b*, 18)
P. 9, col. 2, l. 56. *dele* (26) *et* l. 57 *ins.* (26)
P. 10, col. 2, l. 39. *leg.* **A R** ὥστε . . . ἄξαι [**S** ἄγξαι]
l. 61. *leg.*
Jd. 5. 16. **R** τοῦ ἀκοῦσαι συρισμοῦ ἀγελῶν [**B** ἀγγ., **A** *al.*] (2)
l. 66. *pro* ὡς *leg.* **A S R** ὡς; *post* ἀγέλαις *ins.* [**B** -ας]
P. 11, col. 3, l. 45. *ad fin. add.* [A^1 σάββατον]
P. 12, col. 2, l. 42. *leg.* **R** παντὸς ἀ. [**AB** ἀγγίου] οὐχ ἅψεται (15)
P. 15, col. 1, l. 1. *post* Da. *leg.* TH.
col. 2, l. 49. *ante* ἐλθεῖν *ins.* **A**
P. 16, col. 1, *sub* ἄγνοια, *ins.* (6) חֲבוּלָה
l. 67. *pro* αἱ *leg.* αἱ δὲ
col. 2, l. 4. *ins.* (6)
ll. 39, 40. *ins.* (1)
col. 3, l. 4. *leg.* **A R** τοῦ σίτου οὗ [**B** ὁ]
P. 17, col. 1, *post* l. 3. *add.*
Hg. 2. 13 (12). S^1 ἐὰν λάβῃ ἄνθρωπος κρέας ἁ. [**A B** S^2 ἅγιον] †
col. 2, l. 35. *ante* ἐπὶ *leg.* **R**; *post* **A** *ins.* **B**
col. 3, l. 1. *post* **A** *add.* **B**
l. 29 *ab ult. post* **A** *add.* S^2
l. 27 *ab ult. post* **B** *add.* S^1
P. 18 col. 2, *post* l. 24 *ins.*
IV Ma. 19. 17. **S** ὥστε μου τὸν λογισμὸν ἄγξαι [**A R** ἄγξαι]
l. 25. *dele* IV Ma.
col. 3, l. 16. *pro* אֶל *leg.* נֶאֱל
P. 19, col. 3, *post* l. 29 *ins.*
To. 5. 20. **A B** μὴ λόγον ἔχε, ἀδελφή [**S** *om.*]
l. 30. *pro* To. 5. *leg.* —
P. 22, col. 1, l. 1. *ante* καὶ *ins.* **R**; *post* **A** *ins.* **B**
P. 23, col. 3, ll. 34, 31 *ab ult. post* JE. *ins.* 9. 4 (3):
P. 24, col. 1, *post* l. 6 *ins.*
ἀδηρώθ.
IV Ki. 11. 8. **A** ὁ εἰσπορευόμ. εἰς τὰς ἀ. [**B** *al.*] †
— 15. B^2 ἔσωθεν τῶν ἀ. [AB^1R *al.*] †
col. 2, l. 58. *ad fin. ins.* —
col. 3, l. 45. *pro* 3†, *leg.* 3 +
l. 47. *add.* [**A** ἡν. ἡδ.]
P. 25, col. 3, l. 35. *post* ἀδικίαν *add.* καὶ ἀσέβειαν [S^1 ἀσ. καὶ ἀδ.]
P 26, col. 1, *post* l. 15 *ins.*
— 12. **A** ἐγκεκρυμμένη ἡ ἀ. [**B** ἁμαρτία] αὐ. (35)
dele l. 31
l. 32. *pro* — *read* Ze. 8. *Post* ἀπαιτήσει *ins.* [**A** *om.* οὐκ . . . ἀπ.]
l. 52. *dele* ?
post l. 16 *ab ult. ins.*
34 (27). 16. **S** ἀδικίᾳ [**A B** -κα] αὐτοὶ προφητεύουσιν (34)
P. 28, col. 1, *post* l. 8 *ab ult. ins.*
— 16, 18, 20, 23. A^2 λέγει ἀ. [**B** *om.*] κύριος (1)
col. 2, ll. 40, 48; P. 29, col. 3, l. 56; P. 30, col. 3, l. 19. *pro* Ju. *leg.* Jd.
P. 31, col. 2, *post* l. 3 *ins.*
αἰλαμμώ. (1) אֵילָם
Ez. 40. 36. B^3 καὶ τὰ αἰλεῦ καὶ τὰ αἰ. [**A** -ώθ, B^1 **R** -ὼν] (1)
l. 15. *pro* **B** -ων *leg.* B^1 -ὼν, B^3 -ὼ

P. 32, col. 3, l. *penult. pro* αἶ *leg.* αἶ.
P. 33, col. 1, *post* l. 11 *ab ult. ins.*
[Th. III Ki. 1. 9.]
post l. 10 *ab ult. ins.*

αἰνακείμ, *vid.* ἀννακείμ.

l. 9 *ab ult. post* בָּרַךְ *ins.* pi.
col. 2, l. 64. *post* 6 *add. a*
P. 34, col. 1, l. 3 *ab ult. ad init. add.* Is. 62. 7:
col. 3. *sub voc.* αἴρειν *post* אָמַן *add.* ni.; *post* אָסַף *add. a.* qal. *b.* ni.; *post* שָׁחַת *add.* hi.; *post* אָבַר *add.* pi.; *post* שָׁבַת *add.* hi.
P. 35, col. 2, l. 25. *pro* A *leg.* R; *ante* B *ins.* A
post l. 46 *ins.*
21. 10. *τρία αἴρω* [? *αἰρῶ*] *ἐγὼ ἐπὶ σέ* (11)
col. 3, l. 17. *post* 2 *add. a*
ll. 23, 48, 49. *post* 2 *add. b*
l. 59. *post ἀρθήσονται add. . . . καὶ* [S¹ *add. αὐτὰ αἰρόμενα*] *ἀγαθὸν οὐκ ἐστιν ἐν αὐτοῖς*; *post* 14 *b add.* , [—]
P. 36, col. 3, *post* l. 21 *ins.*
IV Ma. 5. 27. S² *τῇ αἰσχίστῃ* [A S¹ R *ἐχθίστῃ*] *ἡμῶν μιαροφαγίᾳ*
l. 22. *dele* IV Ma.
sub voc. αἰσχύνειν *add.* (11) נָשָׂא פָנִים
l. 25 *ab ult. pro* 8 *leg.* 11
P. 37, col. 1, l. 4 *ab ult. ins.* 48 (31). 1:
P. 38, col. 1, *post* l. 12 *ins.*
Ca. 5. 1. S *ἡ νύμφη αἰτεῖται τὸν πατέρα* —
ll. 23, 24, 25, 27. *pro* 5 *leg.* 4
P. 40, col. 2, l. 12. *dele* S; *post αἰ. leg.* [S *τὸν αἰ.*]
l. 14 *ab ult. pro* 4. A R *leg.* 4 (A B), 29.
P. 41, col. 2, *post* l. 13 *ab ult. leg.*
13. 15. S¹ *κίνδυνος ἐν αἰῶνι βασάνῳ κείμενος* [A S² R *al.*]
P. 42, col. 2, l. 2. *post αἰωνίῳ add.* [S¹ *-νι*]
P. 49, col. 1, l. 10 *ab ult. post μου add.* [B¹ *add. καὶ ἤκουσα*]; *post* 8 *a add.* , [—]
col. 2, l. 50. *post ἀκούσητε add.* [B² *ἀκούητε*]
P. 50, col. 1, *post* ἀκουστός. *ins.* (1)
P. 51, col. 1, ll. 38, 39. *leg.* S¹ *μὴ γίνου ταχὺς ἐν ἀκροάσει* [A B S² *γλώσσῃ*] *σου*
P. 52, col. 3. *ins.* ἄλεκτος.
III Ma. 4. 2. *τοῖς δὲ Ἰουδ. ἄ. πένθος ἦν*
P. 53, col. 3, *post* l. 26 *ins.*
39 (32). 41. *ἐν πίστει καὶ ἐν πάσῃ* [S¹ *ἀληθείᾳ*] *καρδίᾳ* —
P. 54, col. 2, l. 26 *ab ult. ante* R *ins. cod.* *ἄλεκτον*,
P. 55, col. 1, l. 27 *ab ult. post* 11* *ins.* : 14. 7†
P. 57, col. 3, l. 37. *pro* S *leg.* S¹; *ante* R *ins.* S² *-ωνται*,
P. 60, col. 3, l. 14. *post ἀμήσῃ add.* [S¹ *-σει*]
P. 63, col. 3, l. 18 *ab ult. post ἁμαρτίας* (1°) *add.* [A¹ *-αις*]
P. 66, col. 1, *post* l. 25 *ins.*

ἀμμαδαρώθ.

Jd. 5. 22. A *ἀ. δυνατῶν αὐτοῦ* [B *al.*] †
P. 69, col. 1, l. 43. *post* 13†: *add.* 31. 23†:
col. 2, l. 21 *ab ult. ante* 16. *ins.* 15. 32†:
l. 20 *ab ult. post* 10 *add.* , 14†
l. 16 *ab ult. post* Jb. *add.* 7. 21 (*κἄν*): 9. 21 (*κἄν*):
l. 15 *ab ult. ante* 37. *ins.* 28. 8 (*κἄν*):
l. 12. *ante* Ec. *ins.* Pr. 9. 12 (*κἄν*):
l. 10. *ante* Ho. *ins.* 33. 13 (*κἄν*), 20 (*κἄν*):
col. 3, l. 15. *pro* 41 *leg.* 14
P. 73, col. 3, l. 40. *dele* [S *ἐβ.*]
P. 76, col. 1, l. 16 *ab ult. leg.* S R *ἠναγκασμένη* [A *-ην*]
P. 79, col. 1, *post* l. 20 *ab ult. leg.*
9. 12. S² *ἀνέλαβον αὐτὸν ἐπὶ τὸν τροχόν* [A S¹ R *al.*]
col. 2, *post* l. 17 *ab ult. leg.*
Is. 44. 19. A S *οὐδὲ ἀνελογίσατο* [? *ἂν ἐλ.*] *ἐν τῇ ψυχῇ αὐ.* [B *al.*] —
P. 81, col. 3, *post* l. 23 *add.*
Jd. 5. 8. A *σκέπη νεανίδων σειρομαστῶν ἀνήφθη καὶ σειρομάστης* [B *al.*] †
l. 24. *dele* Jd.
P. 82, col. 2. *sub* ἀναστρέφειν *add.* (12) *pass.* פָּנָה
post l. 26 *ab ult. add.*
— 47. B² *οὗ ἀνεστράφη* [A B¹ R *ἂν ἐστράφη*] *ἐσώζετο* (12)
P. 85, col. 2, *post* l. 5 *ab ult. add.*

ἀναφθέγγεσθαι.

[Sm. Jb. 39. 35 (40. 5).]
P. 87, col. 2, l. 40. *leg.* S² *διεξήεσαν ἀνερευνώμενοι* [A S¹ R *al.*]
col. 3, l. 22. *leg.* S¹ R *ἀνευράμενοι θαρραλέως τὴν πηγήν* [A S² *al.*]
P. 94, col. 1, l. 25 *ab ult. post ἄνδρα ins.* [S *-ας*]
P. 95, col. 1, l. 9 *ab ult. post ἀνδρός add.* [A *ἄνανδρος*, ? *ἂν ἀνδρός*]
P. 96, col. 2, l. 16. *dele* [A *ἐπ' ἄνθρακα ὀχνευρός*]
P. 97, col. 1, l. 14 *ab ult. pro* 2 *leg.* 2, 1
P. 98, col. 3, l. 6. *pro ἔ.* (1°) *leg. ἄ.*
P. 102, col. 1, l. *penult. post* 14. *add.* 3,
col. 3. *sub voc.* ἀνιστᾶν *pro* נָשָׂא *leg.* נָשָׂא
P. 104, col. 2, l. 30 *ab ult. post ἀναστήσουσι add.* [S¹ *-σονται*, S² *-σωσιν*]
P. 105, col. 2, *post* l. 11 *add.*
IV Ma. 11. 14. A *τῇ δὲ ἀ.* [S R *διαν.*] *ἡλικιώτης*
P. 108, col. 2, l. 19 *ab ult. add.* (3) פֶּסֶל
l. 18 *ab ult. leg.* A S *ἄφρων καὶ ἄνους* [B *ἄν. κ. ἄφ.*] *ἀπολοῦνται* (1 [3])
P. 111, col. 1, *post* l. 27 *ab ult. add.*
— 22. *οὐκ ἔσται ὁ ἀνοίγων* [S² *ἀντιλέγων*] †
P. 112, col. 3, l. 35. *ins.* III Ki. 14. 15 (*ἀπὸ ἄ.*):
P. 113, col. 1, *post* l. 13 *ab ult. ins.*
Si. 25. 8. *ὃς οὐκ ἐδούλευσεν ἀναξίῳ* [S¹ *ἀξ.*] *αὐτοῦ*
l. 12 *ab ult. dele* Si.
P. 119, col. 1, *post* l. 21 *ab ult. ins.*
— 29. A *καθ' ἅπαν* [R *κατὰ πάντα*] *ἄχρηστος*
col. 2, *post* l. 32 *ins.*
Pr. 15. 9. *διώκοντας δὲ δικαιοσύνην ἀγαπᾷ* [S¹ *ἀπατᾷ*] †
l. 33. *dele* Pr.
col. 3, *post* l. 31 *ab ult. ins.*
9. 4 (3). *τὴν γὰρ ῥάβδον τῶν ἀπαιτούντων* [S² *ἀπειθούντων*] *διεσκέδασεν* †
P. 120, col. 2, *sub voc.* ἄπειρος *add.* (3) שׁוּחָה
l. 10. *post ἀβάτῳ add.* [A *ἀβ. κ. ἀπ.*]; *post* 2 *add.* [3]
P. 123, col. 1, l. 49. *post* 19 *add.* , 19†; *post* 14 (2°) *add.* †
P. 124, col. 1, l. 25. *post ἐγεννήθη add.* †
col. 3, l. 30 *ab ult. post* (35), *add.* (35)†,
l. 12 *ab ult. post* 21††, *add.* 28†,
P. 134, col. 2, *post* l. 5 *ins.*
IV Ma. 6. 15. S² *ἀποκρινόμενος* [A S¹ R *ὑποκρ.*] *τῶν θείων ἀπογεύεσθαι*
col. 3, l. 4. *post* 5. *in.* B S
P. 138, col. 1, l. 24 *ab ult. post ἀπολλύοντες add.* [A S *διασκορπίζοντες*] *καὶ διασκορπίζοντες* [A *ἀπολλύοντες*, S *ἀπολλύντες*] *τὰ πρόβατα*
col. 3, l. 23. *post ἀπολογουμένων add.* [S *-ου*]
P. 140, col. 1. *sub* ἀπορία *leg.* (4) פֶּרֶר (5) *ἀ. στενή*
P. 141, col. 2, *post* l. 51 *ins.*
[Sm. Jb. 24. 13.]
P. 147, col. 3, l. 25. *post ἀποστρέψεις ins.* [S¹ *-φεις*]
l. 45. *post ἀπέστρεψαν ins.* [S¹ *-εν*]
P. 151, col. 1, l. 38. *post δύνασθε add.* [? *θ. ἄψεσθε*]
P. 154, col. 2, l. 12. *post* 17. *add.* R
l. 14. *post ἀργυρίου add.* [A B *om.*]
P. 155, col. 3, l. 7 *ab ult. leg.* A R *ἡ θανατηφόρος ἀρέσκει* [S *-σαι*] *καρτερία*
P. 156, col. 1, l. 7 *ab ult. post* 8. *leg.* S R; *post ἀρετῆς leg.* [A *-ὴν*]
col. 2, l. 20. *ins.* (*-θενβ.*)
l. 21. *post* 13. *add.* S² R; *post ἀρθρέμβολα add.* [S¹ *-ας*, A *-ους*]
P. 159, col. 3, l. 14. *post ἀροτριάσει add.* [S¹ *-ᾷ εἰς*]
P. 161, col. 1, *post* l. 23 *ab ult. leg.*
II Ki. 15. 34. *τότε καὶ ἀρτίως* [B³ *ἄρτι ὡς*] *καὶ νῦν* (1)
l. 22. *pro* II Ki. 15. *leg.* —
P. 163, col. 2, l. 2. *pro ἔτη. leg. ἔτη*
col. 3, l. 28 *ab ult. dele* A¹
P. 164, col. 3, l. 27. *pro* 13 *leg.* 12
P. 165, col. 1, l. 25. *dele* A¹
P. 169, col. 3, l. 43. *post ἀσέβειαν leg.* [S¹ *ἀσ. καὶ ἀδ.*]
P. 170, col. 3, l. 20. *ante* A² *ins.* A¹ S¹ *εὐσ.*,
P. 171, col. 1, *post* l. 20 *ins.*
— 12. B *αἱ δὲ ῥίζαι τῶν ἀσεβῶν* [B S *εὐσ.*] *ἐν ὀχυρώμασι* †
P. 172, col. 2, l. 4 *ab ult. pro ἀνθενόψ. leg. ἀσθενόψ.*
P. 175, col. 2, l. 11 *ab ult. leg.* A² R *ἀτελέστατον* [A¹ *ἀτεν.*] *ἐβεβαίωσεν ὅρκον*
post l. 10 *ab ult. ins.*

ἀτενής.

III Ma. 5. 42. A¹ *ἀτενέστατον βεβαίως ὅρκον* [A² R *al.*]
P. 179, col. 2, l. 12. *post δοχήν add.* [S² *al.*]
l. 13. *post αὐτά add.* [S² *al.*]
P. 182, col. 1, l. 8 *ab ult. post* A *add.* B²
l. 7 *ab ult. post ἀφανισμοῦ add.* [B² *-ῷ*]
P. 183, col. 2, l. 39. *post ἐν ἀ. add.* , S¹ *εἰς ἀ. αὐ.*
P. 187, col. 2. ἀφφουσώθ, ἀφφουσιών mutato ordine *sub* ἄφωνος *add.*
[Sm. Ps. 100 (101). 8.]
P. 189, col. 1, l. 26 *ab ult. leg.* A R *ἐν βάθει βόθρου* [B *θορύβου*]
l. 25 *ab ult. dele* A R, [B
l. 24 *ab ult. dele θορύβου*]
P. 190, col. 2, *post* l. 21 *ab ult. ins.*
Pr. 25. 20. S¹ *λύπη ἀνδρὸς βάπτει* [A B S² *βλάπτει*] *καρδίαν* †
P. 191, col. 3, *post* l. 11 *ins.*

βαρχαβώθ.

I Ki. 4. 21. B *Οὐαὶ β.* [A R *al.*] †
P. 192, col. 1, l. 14. *post* 56. *add.* S R; *post μεγάλης add.* [A *-ου*]
col. 2, l. 31 *ab ult. post* 1. *add.* (2. 46)
l. 30 *ab ult. pro* — *leg.* (4 *f*)
col. 3, l. 23. *pro α leg.*]α
l. 25. *pro β leg.*]β
P. 208, col. 2, *post* l. 11 *ab ult. ins.*
— 3. *ἀσθενήσουσιν οἱ ἀσεβεῖς* [S¹ *βασιλεῖς*] †
P. 209, col. 1, l. 35 *ab ult. post βασιλεῖς leg.* [S¹ *-λέως*]
col. 2, *post* l. 43 *leg.*
— 10. S¹ *εἰς οἶκον τοῦ βασ.* —
P. 212, col. 1, l. 13 *ab ult. post βασιλεῦ leg.* [B¹ *-εὺς*]
col. 2, l. 11. *post* 18. *leg.* S R
col. 3, *post* l. 44 *ins.*
— 68. *καὶ ἐλυπήθη* [S¹ *add. ὁ βασ.*]
P. 214, col. 1, *post* l. 29 *ab ult. ins.*
16. 5. S¹ *ἰδοὺ δύναμις πολλὴ . . . β.* [A *πεζικοί*, S² R *πεζική*]
P. 215, col. 1, *post* l. 39 *add.*

βατός.

Je. 30 (49). 17. *ἔσται ἡ Ἰδουμ. εἰς ἄβατον* [S¹ *βατόν*] †
P. 222, col. 2, *post* l. 8 *ab ult. ins.*
30. 2. *τοῦ βοηθηθῆναι* [S¹ *βοηθῆναι*] *ὑπὸ Φ.* †
col. 3, *post* l. 35 *ins.*
5. 33. S¹ *ἐβόησαν ταῖς σάλπιγξιν*
l. 36. *pro* 5. *leg.* —

P. 229, col. 1, l. 6. *pro* βοῦνον *leg.* βουνόν
l. 36. *pro* 5. *leg.* —
P. 233, col. 1, l. 19 *ab ult. post* τὸ *ins.* [B *om.*]
col. 2, l. 21 *ab ult. pro* A *leg.* B
col. 3, l. 10. *pro* μέλει *leg.* μέλι
P. 234, col. 1, *post* l. 6 *ab ult. ins.*
Je. 31 (48). 23. ἐπ' οἶκον Μαών [S¹ Μαώθ, S³ γάμον, ? Γάμων] †
col. 2, l. 15. *pro* Ταρβ. *leg.* Τασβ.
l. 15 *ab ult. post* ἔχουσα *add.* [S¹ *om.*]
col. 3, l. 4. *pro* ἐκ *leg.* ἀπὸ
P. 235, col. 1, l. 2. *post* Ge. *add.* 18. 13 (ἆρά γε) :
col. 2, l. 13. *ante* B *ins.* A ; *dele* A
l. 35. *pro* αὐτὸν *leg.* αὐτοῦ
l. 39. *pro* S² *leg.* S⁴
col. 3, l. 1. *ante* -δη *ins.* B²
P. 236, col. 1, l. 7 *ab ult. pro* Αἰχμὰν *leg.* Ἀχιμὰν
P. 238, col. 1, l. 15. *pro* Ἐσρώμ [A -ών] *leg.* Ἐσρ.
P. 239, col. 1, l. 14. *post* 4. *add.* B² R
l. 24 *ab ult. post* γ. *add.* [B¹ τὸν καρπὸν]
col. 2, l. 46. *post* υἱὸς *add.* τοῦ
col. 3, l. 15. *dele* S²
P. 240, col. 3, l. 19. *post* φωνεῖν *add. a.* אוֹב *b.*
P. 241, col. 3, l. 50. *pro* τῃ *leg.* τῇ
P. 242, col. 3, l. 49. *pro* ἦλθον *leg.* ἦλθον
l. 11 *ab ult. post* 1. *leg.* A R ; *post* γῆς [B εξ]
P. 243, col. 3, l. 9 *ab ult. post* ἐν *add* τῇ [A *om.*]
P. 244, col. 1, l. 4. *dele* R
l. 11. *post* 35. *add.* R ; *post* ὤμοσα [A B *al.*]
l. 29. *post* A *add* B²
l. 30. *pro* B *leg.* B¹
P. 245, col. 3, l. 45. *ad fin. leg.* 2 *c*
P. 251, col. 2, l. 16. *pro* 18 ? *leg.* 18 *a v.* 18 *b* ?
col. 3, *post* l. 26 *ins.*
— 6. A θυσία κυρίῳ ἐν γῇ [B S *om.*] B. —
P. 253, col. 1, *post* l. 8 *ab ult. ins.*
— 17. A S ἐν γῇ B. [B *al.*] †
P. 256, col. 2, l. 3 *ab ult. pro* כוּן *leg.* בּוּן
col. 3, l. 17 *ab ult. add.* (99) ἔξοικος γίγνεσθαι אָבַר
P. 259, col. 1, l. 1. *pro* De. *leg.* Jo.
col. 2, l. 50. *pro* ἐν] *leg.*]ἐν
P. 260, col. 1, l. 10. *post* 7. *leg.* A R
l. 11. *post* 11. *leg.* A R
P. 262, col. 2, l. 38. *pro* † *leg.* (99)
P. 263, col. 3, l. 18 *ab ult. pro* γένεσθε *leg.* γίνεσθε
P. 264, col. 1, l. 13 *ab ult. post* ἐγενόμεθα *leg.* [S -άμ.]
col. 2, l. 40. *post* γενηθῆς *leg.* [A¹ ἐγεν.]
P. 269, col. 2, l. 32 *ab ult. post* 5. *ins.* B S
P. 278, col. 1, l. 16. *post* γρηγορήσω *ins.* [S¹ ἐγρ.]
P. 286, col. 1. *sub voc.* δεικνύειν *pro* רָאָה *leg.* רָאָה
P. 288, col. 3, *post* l. 15 *ab ult. ins.* III Ma. 1. 20†.
l. 14 *ab ult. ad fin. add.* 8. 65 :
P. 289, col. 2, l. 5 *ab ult. post* δ. *ins.* [S² τὰς δ.]
col. 3, l. 21. *post* δεκτός *add.* , *cf.* εἰσδεκτός
P. 291, col. 1, l. 43. *post* δεξιὰ *add.* [S¹ -ὰν]
P. 292, col. 1, l. 46. *ins. f.* אָסִיר
col. 2, *post* l. 13 *ins.*
Za. 9. 11. A ἐξαπέστειλας τοὺς δ. [B S -μίους] σου (1 *f*)
post l. 28 *ins.*
III Ma. 3. 25. ἐν δ. [? ἐνδ.] σιδηροῖς πάντοθεν κατακεκλεισμένους
col. 3, *post* l. 10 *ab ult. ins.*
IV Ma. 2. 24. S⁴ δεσπότης ἐστὶν ὁ λογισμός [A B S¹ *al.*]
l. 9 *ab ult. dele* IV Ma.
P. 293, col. 3, l. 40. *post* δ. *ins.* [B³ τοῦ δ.]
P. 294, col. 3, l. 31. *post* ἐκτενῶ *ins.* [A *add.* τὴν μαχοὺς ἐὰν δευτερώσητε ἐκτενῶ τὴν]
l. 32. *post* 1 *a ins.* , [—]
P. 297, col. 3, l. 46. *post* 18††, *ins.* 29†, ; l. 61. *post* 39††, *ins.* 39†† †,
P. 305, col. 2, l. 4. *post* 10. *ins.* A R ; *post* διέλυσε *ins.* [S -υεν]
P. 307, col. 3, l. 35. *post* 6. *ins.* S R ; *post* διεπέρασαν *ins.* [A -εν]
P. 310, col. 2, l. 53. *ante* S *ins.* A
post l. 3 *ab ult. ins.*
— 15. διασπερῶ [B¹ -σκορπιῶ ?] σε ἐν ταῖς χώραις (4 *b*)
P. 326, col. 1, l. 13. *post* ἔδωκαν *ins.* [A¹ B² -α]
P. 333, col. 3, l. 35. *post* δικαιοσύνῃ *leg.* [A S δ. κ. ἐν κρ.] (10 *c* [7])
P. 336, col. 3, l. 16 *ab ult. post* 20, *ins.* 31†,
P. 337, col. 3, l. 4. *post* 12. *ins.* 20†,
P. 352, col. 3, l. 17. *dele* [S¹ -ιν] ; l. 18 *ins.* [S¹ -ιν]
P. 354, col. 3, l. 17. *pro* ἠδ. *leg.* ἠδύνατο
P. 360. *sub voc.* ἐάν *ins.* †† *post* Ge. 24. 41 : 30. 33* : 31. 52 : 44. 30 : Ex. 21. 18, 29, 33, 36 : 22. 17 (16) : Le. 13. 4, 21, 23, 26, 28, 53 : 14. 21 : 22. 13 : 26. 21 : Nu. 19. 13, 20* : 30. 11 : De. 14. 24 : 18. 22* : 21. 18 : 30. 17 : I Ki. 12. 14 : Ps. 88 (89). 30, 31 : Ez. 33. 6 : I Ma. 2. 40.
post Ex. 22. 14 (13) *ins.* †††† ; *post* Lev. 17. 3*, *ins.* 4*†† *bis*, 9*††; *post* Nu. 5. 12, *ins.* 13 (*ind.* †)††, 13††, 14††, ; *ante* Nu. 30. 13 *ins.* 12 ††, ; *post* De. 25. 5 *ins.* (*ind.* †)††; *post* I Ki. 6. 9†† (*sine verbo*) *ins.* , 11††† ; *post* II Es. 7. 21 (*ind.*)*†, *add.* 26* ††, ; *post* 26** † *quater add.* : 10. 8* ††; *post* Ne. 13. 21, *add.* 21† ; *post* Is. 1. *add.* 12 (?)†, ; *post* Je. 51 (44). 26, *add.* 27†, ; *post* Da. TH. 4. 14*, *add.* 22*†,
P. 361, col. 2, l. 49. *pro* ἑβδομάδων [S *om.*] *leg.* [S *om.*] ἑβδομάδων
P. 365, col. 1. *sub voc.* ἐγκαλεῖν *ins.* (4) קָרָא ni.
col. 1, *post* l. 12 *ins.*
Is. 63. 19. A οὐδὲ ἐνεκλήθη [B S ἐκλ.] τὸ ὄν. σου (4)
P. 367, col. 2. *sub voc.* ἐγρηγορεῖν *ins.* (2) שָׁקַד
col. 2, *post* l. 21 *ins.*
Je. 38 (31). 28. γρηγορήσω [S¹ ἐγρ.] ἐπ' αὐτούς (2)
col. 3, *post* l. 24 *ab ult. ins.* II Es. 7. 21†.
P. 369, col. 3, l. 19 *ab ult. post* A *add.* S
P. 373, col. 1. *sub voc.* ἔθος *ins.*
Is. 66. 8. B¹ ἢ καὶ ἐτέχθη ἔθος [A B² S ἔθνος] εἰσάπαξ †
I Ma. 10. 42. A ὡς ἐν τοῖς πρώτοις ἔ. [? ἔτεσιν]
col. 1, l. 16 *ab ult. post* 35‡‡ *add.* , 44**†
col. 2, l. 27 *ab ult. pro* 16† *read* 16
sub vocc. εἰ δὲ μή *add.* IV Ma. 5. 3.
P. 374, col. 1, *sub vocc.* εἰ μή *add.* Jb. 2. 5† : IV Ma. 5. 18† : Sm. I Ki. 2. 2†† : *post* Ps. 59 (60). 12†† *add. bis* : *sub* TH. *dele* I Ki. 2. 2†† :
P. 375, col. 3. *sub voc.* εἰδέναι *add.*
Je. 49 (42). 18. S οὐ μὴ εἰδῆτε [A B ἴδητε] οὐκέτι τὸν τόπον τ. (7)
I Ma. 10. 56. ὅπως ἴδωμεν [S² εἰδῶμεν] ἀλλήλους
P. 379, col. 3, l. 20 *ab ult. post* 9 *bis add.* , 24†
P. 380, col. 1, l. 3. *post* 2 : *add.* 21 (22). 3 :
P. 381, col. 1, l. 16 *ab ult. post* 2 *ins.* , 7†
col. 2, l. 13. *post* 3 : *ins.* 54 (55). 22 :
col. 3, l. 4 *ab ult. post* 5, *ins.* 7,
P. 382, col. 1, l. 14. *post* 7 : *add.* 20. 38 :
P. 383, col. 2, l. 24. *post* 26, *ins.* 34†,
P. 396, col. 3, *post* l. 13 *ab ult. add.*
— 10 (2. 1). οὗ ἐρρέθη αὐτοῖς (1 *b*)
P. 398, col. 1, l. 46. *pro* -ον *leg.* -αν
col. 2, l. 4. *ante* S¹ *leg.* A¹ -εν,
P. 399, col. 2, l. *ult.*, col. 3, ll. 4, 5. *post* εἰπεῖν *ins.* [B¹ εἶπαί]
P. 403, col. 1, l. 14 *ab ult. post* 20 *ins.* †
P. 405, col. 2, l. 28. *post* 16, *ins.* 16†,
l. 43. *post* 6, *ins.* 10†,
P. 406, col. 1, l. 15. *post* 10, *ins.* 12†,
P. 407, col. 1, l. 8. *post* (38. 25) *ins.* , 5 (38. 28)†
col. 2, l. 44. *post* (3) *add.* , 5 (6)
l. 59. *post* 16. *add.* 6†,
P. 408, col. 1, *dele* ll. 10, 9 *ab ult.*
l. 8 *ab ult. pro* — *leg.* 42 (35).
P. 412, col. 2, l. 12. *pro* εἰσελθεῖν [B ἐάσει ἐλ.] *leg.* [B ἐάσει] εἰσελθεῖν
P. 415, col. 3, l. 19 *ab ult. ante* 18 *ins.* 14†,
P. 416, col. 2, l. 11. *dele* 1†.
l. 63. *ante* 44 *ins.* 43†,
l. 5 *ult. dele* , 21 (ἐξ ὄπισθεν)
P. 418, col. 1, ll. 5, 27. *post* 3 *ins.* ‡‡ †
P. 426, col. 2, l. 8 *ab ult. post* 14. *ins.* R ; *post* A *ins.* B
col. 3, *post* l. 27 *ins.*
32 (25). 30. A ἐκεῖ [B S ἥκει] ὄλεθρος †
P. 430, col. 1, *post* l. 39 *ab ult. ins.*
66. 5. καὶ ἐκεῖνοι [A κἀκ.] αἰσχυνθήσονται (6 *c*)
P. 433, col. 2, *post* l. 14 *ab ult. ins.*
[Al. Nu. 16. 3 (?).]
P. 435, col. 1, l. 29 *ab ult. leg.* R ἐξελατόμησαν [A B ἐλ.]
P. 438, col. 1, l. 10. *pro* ἐκλύσης *leg.* ἐκλύσεις
P. 441, col. 1, l. 27. *pro* A *leg.* A²; *ante* B *leg.* A¹
l. 33. *ante* B *leg.* A¹; *pro* A *leg.* A²
col. 3, l. 17 *ab ult. post* ἐκστρέφετε *ins.* [A ἐκτρ.]
P. 442, col. 2, *post* l. 38 *ins.*
13. 2. ἐκτενῶ τὴν μαχούς (16 *a* ?)
col. 3, l. 8 *ab ult. post* ἐκτεμεῖν *add.* [S¹ -τέμνειν]
P. 444, col. 1, *post* l. 19 *ins.*
Ez. 13. 20. A ἃς ὑμεῖς ἐκτρέφετε [B ἐκστρ.]
P. 447, col. 1, l. 1. *pro* -αλ *leg.* -αλ.
P. 449, col. 1, l. 31 *ab ult. pro* יָבַח *leg.* יָבַח
P. 452, col. 2, l. 1. *post* ἔλεος *add.* [S¹ -ον]
l. 16 *ab ult. post* 24 *add.* , 30
P. 453, col. 2, *post* l. 7 *add.*
IV Ma. 9. 28. S¹ εἵλκυσαν [A S² R *om.*] ἀπὸ τῶν τενόντων
l. 8. *dele* IV Ma.
P. 461, col. 3, l. 35 *ab ult. post* 34†, *ins.* 35†,
P. 462, col. 1, l. 19 *ab ult. pro* 1†, 1 *leg.* 1 *bis*
P. 465, col. 2, l. 2. *post* 5, *leg.* 6†,
l. 12. *post* 49 (42). *leg.* 3†,
col. 3, l. 15 *ab ult. post* 44 *leg.* , 45†(?)
P. 466, col. 1, l. 38. *post* 23, *leg.* 25†,
l. 61. *post* 7. *leg.* 7,
P. 471, col. 3, l. 32 *ab ult. leg.* S R ἐνέδυσαν [A -εν]
P. 475, col. 1, *post* l. 7 *ab ult. ins.*
I Ki. 2. 9. οὐκ ἐνισχύει [? ἐν ἰσχύϊ] δυνατὸς ἀνήρ †
P. 476, col. 1, l. 17. *ante* τὰς *ins.* S¹
l. 18. *ante* A *ins.* S² -ποιούμ.,
P. 482, col. 1, l. 13 *ab ult. post* (19)† *ins.* , 27 (28)†
P. 483, col. 1, l. 5. *ad fin. add.* 12. 24† :
P. 484, col. 1, *post* l. 24 *add.*
42 (35). 2. A ἐξάξεις [B S² ἄξεις, S¹ ἕξεις] αὐτούς (2)
l. 24. *pro* 42 (35). *leg.* —
P. 488, col. 1, l. 23. *pro* S *leg.* S¹ ; *post* -ατο *leg.* , S² -αντο
col. 2, l. 9. *ad fin. pro* — *leg.* †
P. 495, col. 3 ; P. 496, col. 2
ἐξιλάσκειν, ἐξίλασις ; ἐξίλασις, ἐξιλάσκειν mutato ordine
P. 495, col. 3, l. 8 *ab ult. post* ἐξιλάσωμαι *ins.* [A -σομαι]
P. 505, col. 1, l. 35. *for* -άγεις *leg.* -άξεις
P. 509, col. 1, l. 52. *post* 30 *ins.* †
col. 2, l. 6. *ante* 50. *ins.* 46. 30 : †

P. 511, col. 3, l. 14. *ante* 16. *ins.* 15. 8:
P. 512, col. 2, l. 19. *post* 2. *ins.* 4†,
P. 513, col. 1, l. *ult. post* 23 *ins.*: 14. 29†
col. 2, l. 50. *post* 18, *ins.* 20†,
col. 3, l. 27 *ab ult. post* 8 *ins. bis*
P. 514, col. 3, l. 49. *post* 1†, *ins.* 2 (ἐπὶ τάδε)†,
P. 515, col. 1, l. 10. *post* 31† *ins.* , 32†
col. 2, l. 17. *post* 20 *ins.* , 20†
P. 516, col. 2, *post* l. 26 *add.*
Za. 8. 23. **S** καὶ ἐπιβάλωνται [**A B** -λάβ.] τοῦ κρασπέδου †
P. 517, col. 2, l. 48. *ad fin. ins.* [**A** *al.*]
P. 521, col. 2, l. 20. *ante* **A** *ins.* ? -ᾳ,
P. 522, col. 1, l. 10. *pro* ἐπικαλεσαμ. *leg.* ἐπικαλουμ.
P. 523, col. 1. *ins.* ἐπικατισχύειν. (1) חָזַק
Jo. 17. 13. **A B**[3] ἐπικατίσχυσαν [**B**[1] **R** ἐπεὶ κατ.] οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1)
P. 525, col. 1, l. 13. *post* 41. *add.* **S**[1] **R**
l. 14. *ante* **S**[2] *ins.* **A** -αι,
l. 55. *dele* **S**
l. 56. *post* ἐπιληπτεύεσθε *ins.* , **S** *add.* ἐπιληπτεύσασθε
P. 526, col. 3. *ad fin. ins.*
ἐπιπολαίως.
III Ma. 2. 31. ἔνιοι μὲν ἐπὶ πόλεως [? ἐπιπολαίως] . . . στυγοῦντες
P. 529, col. 3. *dele* l. 3 *ab ult.*
P. 534, col. 1. *ins.*
ἐπιστρωννύειν.
IV Ma. 9. 19. πῦρ ἐπέστρωσαν [?, **A** -έτρ., **S** ὑπ.]
col. 2. *ins.* ἐπισυντηρεῖν.
I Ma. 10. 26. **AS** ἐπισυνετηρήσατε [**R** ἐπεὶ σ.] τὰς πρὸς ἡμᾶς συνθήκας
P. 546, col. 2, *post* l. 36 *add.*
— 34. **S**[1] ἔρημος ἔσται (7)
P. 554, col. 1. *sub* ἔσθειν *add.* (8) לָחֵם
col. 2, *post* l. 15 *add.*
— 15. πᾶς ὃς ἂν φάγῃ ζύμην (1 *a*)
P. 556, col. 1, *post* l. 53 *ins.*
9. 5. ἔλθατε φάγετε τῶν ἐμῶν ἄρτων (8)
P. 561, col. 1, *post* l. 32 *ins.*
3. 13. ὁ δὲ ἔ. [**R** Ἡλιόδωρος] . . . ἔλεγεν
l. 33. *pro* 3. *leg.* —
post l. 45 *ins.*
III Ma. 2. 25. **R** διὰ δὲ τῶν προαποδεδειγμένων συμποτῶν καὶ ἑταίρων [**A** ἑτέρων]
l. 46. *dele* III Ma.
P. 563, col. 1, *post* l. 4 *ab ult. ins.*
— 16. **B** οὐκ ἔσονται ἔ. [**AR** οὐκέτι ἔσ.] τῷ οἴκῳ Ἰσρ. (11)
col. 2, *post* l. 20 *ins.*
48. 14. ἅγιόν ἐστι [**B**[3] ἔτι] τῷ κ. —
P. 567, col. 2, l. 12 *ab ult. post* ἔ. *add.* [**S**[1] ἔπη]
P. 568, col. 1, *post* l. 12 *add.*
— 8. ὁ τράγος τῶν αἰγῶν [**B**[1] ἐτῶν] †
l. 40. *post* ἔ. *add.* [*cod.* ἔθ.]
col. 2, *post* l. 12 *ab ult. ins.*
— 25. εὐαγγελία [? -έλια] ἐν τῷ στόματι αὐ. (1)
col. 3, l. 34. *post* εὐαγγέλια *ins.* [? -ία]
P. 569, col. 1. *add.* εὐγενναΐζειν.
II Ma. 10. 13. μήτε εὐγενῆ τὴν ἐξουσίαν εὐγενναΐσας [Sw., **A** εὐγεννασίας]
col. 1, l. 31. *ante* **R** *ins.* ? -αΐσας,
col. 2, l. 15. *post* εὐδόκησας *ins.* [? -ήσας]
P. 575, col. 1, *post* l. 9 *add.*
IV Ma. 13. 5. **A**[1] τὴν τῆς εὐ. [**A**[2] **S R** -γιστίας] παθοκράτειαν
l. 22. *post* εὐ. *ins.* [**A**[1] -γίας]
P. 579, col. 2, *post* l. 32 *ab ult. add.*
IV Ma. 3. 13. **A** εὐράμενοι θαρραλέως τὴν πηγήν [**S R** *al.*]
P. 580, col. 3, *post* l. 9 *add.*
— 14. **S**[1] μήτηρ καὶ εὐσεβοῦς στρατιᾶς [**A S**[3] **R** *al.*]
P. 584, col. 2, l. 11. *dele* **A**; *ante* **S** *ins.* **A** -όμενοι,
P. 585, col. 1, l. 17 *ab ult.* *pro* שְׁמָאלִי *leg.* שְׂמָאלִי
P. 586, col. 2, *post* l. 5 *add.* ἐφνιδίως, *vid. sub* αἴφν.
l. 28. *post* τοῦ *ins.* [**A**[1] *om.* τ. ἐ. τ.]
P. 588, col. 2, *post* l. 16 *add.*
42 (35). 2. ἄξεις [**A** ἐξάξ., **S** ἔξεις] αὐτούς †
P. 591, col. 3, l. 27 *ab ult. post* ἐχθίστῃ *ins.* [**S**[3] αἰσχίστῃ]
P. 594, col. 2, l. 50. *pro* ἐζήλωσαν *leg.* **A R** ἐζήλωσαν [**B** -εν]
P. 602, col. 1, l. 22 *ab ult. post* (36)† *ins. bis*
P. 617, col. 3, *post* l. 25 *add.*
— 27. **A** καὶ ἐμαλακίσθην ἡμέρας [**B** *om.*] (9)
P. 620, col. 1, *post* l. 15 *add.*
I Ki. 30. 24. οὐχ ἧττον ὑμῶν εἰσι —
P. 621, col. 1, l. 12. *post* θαασούρ, *add.*, θαασσούρ
P. 625, col. 1, l. 43. *post* 12. 5 : *add.* 14. 14 :
col. 3, l. 51. *post* ἐθανάτου *ins.* [**S**[2] -ουν]
P. 640, col. 3, l. 31 *ab ult. dele* **S R**, [**B** κυρίῳ]
P. 645, col. 1, *post* l. 12 *ab ult. ins.*
44 (37). 17. εἰ ἔστιν ὁ λόγος παρὰ κυρίου [**S**[1] λ. θεοῦ]
P. 647, col. 3, l. 8. *pro* **S** *leg.* **S**[2] τὸν θ., **S**[1]
P. 650, col. 3, l. 47 ; P. 653, col. 3, l. 14. *post* 14. *ins.* **A R**; *post* βέβρωκα *add.* [**B** *al.*]
P. 654, col. 2, l. 8. *pro* 23 *leg.* 19 *et dele* ἡ ταφὴ αὐτῶν
P. 657, col. 3, l. 37. *pro* [**AR** *al.*] αὐ. *leg.* αὐ. [**AR** *al.*]
P. 664, col. 2, *post* l. 16 *ab ult. add.*
8. 32. ἀπὸ τῆς θύρας [**B**[1] θυσίας] τῆς σκηνῆς τοῦ μαρτ. †
P. 665, col. 1, l. 6. *post* 24, *ins.* 25,
P. 668, col. 1, l. 3. *dele* **B**[2], *post* θυσιαστήριον *add.* [**B**[2] -α]
P. 673, col. 1, l. 15 *ab ult. post* ἴδωμεν *ins.* [**S**[2] εἰδ.]
P. 682, col. 1, l. 5. *pro* **S**[3] *leg.* **S**[2]
P. 686, col. 2, l. 46. *post* (31. 7) *ins.* *
l. 9 *ab ult. post* 63* *ins. bis*
col. 3, l. 6. *post* 13 *ins.* *
P. 688, col. 2, l. 36. *post* 13. *leg.* **A R**; *post* ἴ. *add.* [**S**[1] -ίων ἵππων]
l. 65. *post* ἰσαστήρ *ins.* (-άστερος)
col. 3. *add.* ἰσοπολῖτις (?).
IV Ma. 13. 9. **S**[2] οἱ τῆς ἰ. καμίνου κατεφρόνησαν [**A S**[1] **R** *al.*]
P. 692, col. 2, ll. 37, 50. *post* Je. *add.* 7. 2 :
l. 46. *ante* Ez. *ins.* Je. 7. 2 :
col. 3, l. 29. *pro* כָּרַע *leg.* בָּרַע
P. 694, col. 1, l. 36. *pro* -αὶ *leg.* -ὰ
l. 55. *post* ἰ. *ins.* [**S**[4] -ότερος]
P. 699, col. 3, l. 18. *post* 37 *ins.* (38)
P. 701, col. 2, l. 19 *ab ult. post* 32 : *ins.* 38 (45). 7 :
l. 16 *ab ult. post* 4 *ins.* : Je 38 (45). 7
l. 12 *ab ult. post* 17 *ins.* : 38 (45). 7
P. 708, col. 1, l. 46. *post* κεφάζ *ins.* (? καὶ φάζ)
P. 711, col. 2, l. 1. *post* 12. *ins.* **A R**; *post* κ. [**S** *al.*]
P. 716, col. 3, l. 16. *post* 12. *ins.* **A** ; *post* χαρίζῃ *add* καλάς [**S R** *om.*]
P. 717, col. 2, l. 14. *pro* **R** *leg.* **B**
l. 5 *ab ult. post* τὸ *ins.* δὲ; *post* **A** *ins.* **S**
P. 720, col. 2, l. 48. *post* αὐτῶν *ins.* κακὰ
P. 721, col. 2, l. 11. *pro* αὐτοὺς *leg.* αὐτὰς
l. 10 *ab ult. pro* εὐνοίας *leg.* ἐννοίας
P. 722, col. 2, l. 2 *ab ult. pro* ψυχῇ *leg. al.*
P. 726, col. 3, l. 37 *ab ult. post* 50, *ins.* 51,
l. 15 *ab ult. post* 13, *ins.* 14†,
l. 11 *ab ult. post* 8. *ins.* 4†,
P. 733, col. 3, l. 18. *post* **A** *ins.* **B**[2]
l. 23. *pro* **S** *leg.* ?
P. 734, col. 3, l. 4 *ab ult. ad fin. add.* [**S**[2] -ας]
P. 735, col. 1, *post* l. 6 *add.*
Je. 13. 4. κατάκρυψον [**S**[1] -κυψον] αὐτὸ ἐκεῖ †
P. 746, col. 1, l. 21 *ab ult. post* 4. *ins.* **R**; *post* καταστροφάς *add.* [**A** *al.*]
P. 749, col. 1, l. 22. *post* (19) *ins.* : 25. 4†
P. 757, col. 3. *ins.*
κεβλαάμ. (1) קְבַל-עָם
IV Ki. 15. 10. ἐπάταξαν αὐτὸν κ. [**A** κατέναντι τοῦ λαοῦ] (1)
P. 758, col. 2, *post* l. 25 *ab ult. ins.*
[**Sm.** II Ki. 19. 24 (25).]
P. 763, col. 2, l. 9 *ab ult. post om add.* .]
P. 765, col. 2, *post* l. *ult. add.*
7. 4. **A** ἐκίνησεν [**S R** ἐνίκησε] τοὺς πολιορκοῦντας
— 14. **S** τὴν πολυκέφαλον στρέβλαν ἐκίνησεν [**A R** ἠκύρωσεν]
P. 767, col. 3, l. *ult. pro* -ὴν *leg.* -ἡν
P. 780, col. 3, *post* l. 22 *ins. subscr.* **A** γένεσις κόσμου [**B** *al.*] —
P. 784, col. 2, l. 7 *ab ult. post* κραυγῆς *ins.* [**A** -ὴ]
P. 785, col. 1, l. 27. *post* 11. *ins.* **A S R**; *post* κρέας [**B** κρέα]
post l. 53 *add.*
I Ma. 7. 17. σάρκας [**S**[1] κρέας] ὁσίων σου . . . ἐξέχεαν
P. 787, col. 2, l. 25. *post* 24. *ins.* **S R**; *post* κρ. *add.* [**A** τὴν ῥῖνα]
P. 793, col. 1, l. 26. *for* בַּסְתָּר *leg.* בַּסֵּתֶר
P. 823, col. 2, *dele* l. 40
l. 41. *post* 10. *ins.* **S R**; *post* κ. [**B** θεῷ]
P. 839, col. 2, l. 3. *pro* ἐξέλεξαν *leg.* ἐξέλειξαν
P. 853, col. 1. *ins.* λαμώθ.
Ez. 27. 16. **B** λ. . . . ἔδωκαν τὴν ἀγοράν σου [**A R** *al.*] †
P. 891, col. 3, l. 15 *ab ult. post* μαγωζός *ins.* (-ουζ.)
P. 892, col. 2, *post* l. 7 *ab ult. add.*
14. 21. **A** ἐλεῶν δὲ πτωχοὺς μακάριος ἔσται [**B S** *al.*]
col. 3, l. 33. *pro add. leg.* μακάριος
P. 893, col. 1, l. 10 *ab ult. post* μακροημερεύσητε *ins.* [**B**[2] -εύητε]
P. 895, col. 2, l. 17. *post* 15. *ins.* **R**; *post* μανδραγόρας *ins.* [**A** -ους]
P. 906, col. 3, l. 4 *ab ult. post* μέγας *ins.* [**A**[1] -α]
P. 919, col. 2, l. 4. *post* 9. *ins.* 4†,
col. 3, l. 26. *post* 10 *bis*, *ins.* 29*,
P. 925, col. 2, l. 28. *ad fin. add.* [**S**[1] μήτηρ καὶ εὐσεβοῦς στρατιᾶς]
P. 1017, col. 1, l. 26 *ab ult. pro* σοι *leg.* σοί
P. 1027, col. 3, l. 21. *post* 4 *ins.* : 13. 8
P. 1207, col. 2, *post* l. 13 *ab ult. add.*
προκουρία, *vid. sub* πρωτοκουρά
P. 1235, col. 3, l. 19. *post* πρωτοκυρία *add.* ,προκυρία
P. 1248, col. 1. *ins.*
ῥαμμώθ (ῥαμόθ). (1) רָאמוֹת
Ez. 27. 16. **A R** ῥ. [**B** λαμὼθ] . . . ἔδωκαν τὴν ἀγοράν σου (1)

P. 6, col. 1, l. 2. *post* 1 *ins.* (15) col. 2, l. 6 *ab ult. post* 23 *ins.* (25) P. 7, col. 2, l. 54. *post* 7 *ins.* (12) P. 8, col. 2, l. 58. *post* 6 *ins.* (11) l. 59. *post* 14 *ins.* (19) col. 3, l. 9. *post* 19 *ins.* (2. 2) ll. 10, 11. *post* 3 *ins.* (7) l. 30. *dele* — P. 9, col. 2, l. 16. *post* 28 *ins.* (5. 8) col. 3, l. 15. *post* 20 *ins.* 25 P. 10, col. 3, l. 18. *post* 34 *ins.* (38). l. 19. *post* 37 *ins.* (41) l. 43. *post* 18 *ins.* (12) l. 45. *post* 27 *ins.* (21) P. 11, col. 1, ll. 8, 9. *post* 38 *ins.* (17. 3) col. 2, l. 9. *post* 3 *ins.* (4) l. 71. *post* 32 *ins.* (36) P. 12, col. 1, l. 32, *post* 23 *ins.* (29) l. 33. *post* 26 *ins.* (30) l. 35. *post* 31 *ins.* (35) ll. 36, 37. *post* 34 *ins.* (38) l. 39. *post* 39 *ins.* (43) col. 2, l. 16. *post* 16 *ins.* (9) l. 17. *post* 17 *ins.* (10) l. 18. *post* 25 *ins.* (18) l. 19. *post* 26 *ins.* (19) l. 20. *post* 27 *ins.* (20) l. 21. *post* 29 *ins.* (22) l. 22. *post* 30 *ins.* (23) P. 13, col. 1, l. 41. *post* 49 *ins.* (34) P. 14, col. 1, l. 1. *post* 12 *ins.* (12. 1) l. 6. *post* 3 *ins.* (4) l. 21. *post* 12 *ins.* (16) *post* 13 *ins.* (17) col. 2, l. 39. *post* 2 *ins.* (7) P. 15, col. 2, l. 17 *ab ult. post* 20 *ins.* (25) P. 16, col. 2, l. 15. *post* 17 *ins.* (22) P. 17, col. 1, l. 17 *ab ult. post* 13 *ins.* (9) col. 2, l. 18. *post* 21 *ins.* (18) col. 3, l. 29 *ab ult. post* 17 *ins.* (22) l. 14 *ab ult. post* 12 *ins.* (14) l. 12 *ab ult. post* 18 *ins.* (20) P. 19, col. 1, l. 37. *post* 31 *ins.* (16) col. 3, l. 34. *post* 1 *ins.* (3) P. 20, col. 1, ll. 25, 26. *post* 17 *ins.* (6. 1) col. 3, l. 6 *ab ult. post* 5 *ins.* (1). l. *ult. post* 37 *ins.* (41) P. 21, col. 3, l. *ult. post* 39 *ins.* (24) P. 22, col. 1, l. 1. *post* 44 *ins.* (29) l. 2. *post* 48 *ins.* (33) col. 2, l. 20 *ab ult. post* 2 *ins.* (3. 34) l. 21 *ab ult. post* 14 *ins.* (8) l. 22 *ab ult. post* 19 *ins.* (13) P. 23, col. 1, l. 34. *post* 1 *ins.* (3) P. 24, col. 3, l. 33. *post* 2 *ins.* (5. 21) l. 34. *post* 4 *ins.* (5. 23) P. 25, col. 1, l. 23 *ab ult. post* 4 *ins.* (5. 23) P. 26, col. 1, l. 26. *post* 3 *ins.* (4) col. 2, l. 41. *post* 23 *ins.* (28) l. 42. *post* 24 *ins.* (29) l. 43. *post* 25 *ins.* (30) l. 45. *post* 27 *ins.* (32) l. 47. *post* 29 *ins.* (34) P. 27, col. 1, l. 4 *ab ult. post* 3 *ins.* (8) l. 3 *ab ult. post* 4 *ins.* (9) col. 2, l. 23. *post* 3 *ins.* (5. 23) l. 24. *post* 4 *ins.* (5. 24) P. 28, col. 1, l. 39. *post* 3 *ins.* (4) l. *ult. post* 9 *ins.* (14) P. 30, col. 2, l. 5 *ab ult. post* 3 *ins.* (4) col. 3, l. 26. *pro* 23 (38) *leg.* 38 (23). P. 31, col. 3, l. 31. *post* 27 *ins.* (20) l. 32. *post* 30 *ins.* (23) P. 32, col. 3, l. 4. *post* 30 *ins.* (3. 3) l. 5. *post* 31 *ins.* (3. 4) l. 6. *post* 3 *ins.* (4) l. 26 *ab ult. post* 32 *ins.* (37) P. 35, col. 2, l. 12. *post* 28 *ins.* (5. 8) l. 14. *post* 9 *ins.* (23) l. 15. *post* 15 *ins.* (30) l. 55. *post* 17 *ins.* (11) col. 3, l. 11. *post* 18 *ins.* (2. 1) l. 12. *post* 21 *ins.* (2. 4) l. 13. *post* 2. 1 *ins.* (5) P. 36, col. 2, l. 14. *post* 12 *ins.* (16) l. 35. *post* 18 *ins.* (23) P. 38, col. 2, l. 2 *ab ult. post* 4 *ins.* (3. 36) col. 3, l. 34. *post* 3 *ins.* (4) P. 39, col. 3, l. 19. *post* 29 *ins.* (26).

(Sw.)

ἀγαλλιᾶσθαι, Th. Is. 41. 16; ἄγειν, Aq. Da. 9. 24; ἅγιος, Aq., Sm. Is. 30. 12: Ez. 45. 4: Da. 5. 11; Th. Is. 30. 12: 41. 16: Ez. 44. 8: 45. 4: Da. 5. 11; ἀγρός, Th. Je. 17. 3; ἀδελφή, Aq., Sm. Je. 3. 8; Th. Ez. 23. 33; ᾅδης, Aq., Sm., Th. Is. 38. 18; ἀθετεῖν, Sm. Da. 3. 28 (95); αἰλαμμώθ, Th. Ez. 40. 31; αἰνεῖν, Aq., Sm., Th. Is. 38. 18; αἴρειν, Aq. Da. 2. 35; αἰσχύνειν, Aq. Je. 48 (31). 1; αἰχμαλωτεύειν, Th. Ez. 12. 3; αἰών, Aq. Is. 42. 14; Th. Je. 17. 4; αἰώνιος, Aq. Da. 9. 24; ἀκαθαρσία, Th. Ez. 24. 13 (2°); ἀκούειν, Aq., Th. Je. 5. 15; Sm. Ez. 34. 9; ἀκρόασις, Aq. Is. 21. 7; ἁλίσκειν, Aq. Je. 48 (31). 1; ἀλλά, Sm. Da. 2. 10; ἄλλος, Sm. Ez. 3. 26; ἀλλόφυλος, Aq. Je. 47 (29). 4; ἄλσος, Th. Je. 17. 2; ἅλων, Aq. Da. 2. 35; ἅμα, Th. Is. 43. 26; ἁμαρτάνειν, Aq., Sm., Th. Is. 43. 27; ἁμαρτία, Aq., Sm., Th. Is. 43. 24; ἀμφιάζειν, Sm. Ez. 23. 12; ἄν, Th. Je. 17. 2; ἀνὰ μέσον, Sm., Th. Is. 22. 11; ἀνάβασις, Th. Ez. 40. 31; ἀναβιβάζειν, Th. Je. 17. 4; ἀναγγέλλειν, Th. Is. 21. 6; ἀναλίσκειν, Sm. Da. 11. 16; ἀναξυρίς, Sm., Th. Da. 3. 27 (94) (?); ἀναπλοῦν, Sm. Is. 25. 11; ἀνδριάς, Sm. Da. 3. 14; ἀνέντροπος, Sm. Ez. 7. 24; ἀνήρ, Th. Je. 26 (33). 22; ἄνθρωπος, Aq., Th. Je. 33 (40). 12: Ez. 21. 2 (7): 27. 2: 33. 12; Sm. Je. 33 (40). 12: Ez. 21. 2 (7): 27. 2; ἀνιστάναι, Th. Is. 26. 14; ἀνοίγειν, Aq., Th. Je. 5. 16; Sm. Is. 22. 22 *bis*; ἀνταποδιδόναι, Aq., Sm. Is. 65. 6; ἀντί, Sm. Ez. 36. 3; ἀξιοῦν, Sm. Je. 37 (44). 20; ἄοικος, Sm. Is. 41. 29 (?); ἀπαράκλητος, Sm. Da. 3. 22; ἀπερίτμητος, Th. Ez. 28. 10; ἀπό, Aq. Is. 42. 14: Je. 52. 16: Da. 2. 35; Sm. Da. 2. 1; Th. Je. 17. 4; Heb. Ez. 32. 6; ἀποκαλύπτειν, Aq. Is. 16. 3: Da. 10. 1; Th. Is. 3. 17: Je. 14. 3; ἀποκλείειν, Sm. Is. 22. 22; ἀποκρυβή, Sm. Is. 16. 4; ἀποκρύπτειν, Aq. Is. 31. 7; ἀπομοχθοῦν, Aq. Is. 7. 13; ἀποστέλλειν, Aq. Ez. 2. 4; Th. Je. 29 (36). 20: Ez. 5. 16; ἀποστρέφειν, Sm. Je. 15. 7; ἀρχιμάγειρος, Aq. Je. 52. 16; ἄρχων, Aq. Je. 52. 25; Sm. Da. 3. 2: 11. 5; Th. Je. 51 (28). 57; ἀσέβεια, Th. Ez. 37. 23; ἀστραπή, Aq. Ez. 1. 14; αὐλός, Aq. Is. 5. 12; ἀφίεναι, Th. Je. 17. 4; ἀφιστάναι, Sm. Da. 2. 1; ἄχνη, Aq. Da. 2. 35; βάλανος, Th. Je. 49. 31 (30. 9); βαρεῖσθαι, Aq., Th. Is. 1. 4; βασιλεία, Aq. Je. 1. 15; Sm. Da. 11. 2; Th. Je. 1. 15: Ez. 16. 13; βασιλεύς, Aq. Je. 25. 9, 25 (32. 11) (2°): Da. 3. 12: 11. 2; Sm. Je. 25. 9: Da. 1. 8: 2. 10, 15, 25: 3. 22, 30 (97): 11. 5; Th. Je. 25. 9, 20 (32. 6) (2°): 26 (33). 22; βασιλικός, Sm. Da. 3. 28 (95); βάσις, Sm. Da. 10. 11; βδέλυγμα, Th. Ez. 30. 13; βιβλίον, Aq. Is. 29. 18: Da. 1. 4; βόσκειν, Th. Is. 11. 9; βουλή, Aq. Da. 2. 30; βουνός, Th. Je. 17. 2; βοῦς, Th. Is. 11. 7; βραχιάριον, Sm. Is. 3. 20; βραχίων, Sm. Da. 11. 6; βραχύς, Sm. Is. 29. 17; γαβδαρηνός, Sm. Da. 3. 2; γάζα, Aq. Ez. 27. 24; γενεά, Aq. Da. 3. 33 (100) *bis*; Sm. Da. 3. 33 (100); γῆ, Aq. Je. 52. 16; Sm. Da. 11. 2; Th. Je. 17. 4: Ez. 30. 13; γίγνεσθαι, Aq. Is. 5. 12; Sm. Is. 16. 4: Da. 2. 29; γιγνώσκειν, Aq. Da. 2. 30; Sm. Je. 42 (49). 22: Ez. 20. 26: Da. 2. 3; Th. Je. 17. 4: Ez. 20. 26; γνώμη, Aq. Da. 3. 12; γνῶσις, Sm. Da. 3. 2; δασύς, Th. Je. 17. 2; δέκα, Aq., Sm., Th. Ez. 45. 12; δένδρον, Th. Ez. 6. 13; δή, Aq. Je. 32 (39). 8; δηλοῦν, Sm. Da. 2. 25; διά, I. c. gen. Sm. Da. 1. 8: 11. 16; διά, III. c. acc. Aq. Is. 30. 12††: Ez. 21. 2 (7)††; Sm. Is. 30. 12††: Ez. 21. 2 (7)††: Da. 3. 22**; Th. Is. 30. 12††: Je. 23. 37†: Ez. 21. 2 (7)††; διακόπτειν, Aq. Is. 28. 21; διαπορεῖν, Sm. Da. 2. 3; διαφθείρειν, Th. Ez. 5. 16; διαφυλάσσειν, Th. Ez. 33. 7; διδάσκαλος, Aq. Da. 2. 14; διδόναι, Th. Je. 17. 3, 4: 39 (46). 7: Ez. 30. 13; διεγείρειν, Aq., Sm. Da. 11. 2; δικαιοσύνη, Aq. Da. 9. 24; δικαίωμα, Th. Ez. 11. 12; δίκτυον, Th. Je. 5. 26; διοίκησις, Sm. Da. 3. 12; δοῦλος, Aq., Sm., Th. Je. 25. 9: 43 (50). 10; δύναμις, Aq., Th. Je. 28 (35). 2, 14; Sm. Is. 22. 14; δυνατός, Aq., Th. Je. 51 (28). 57; δῶρον, Aq., Sm., Da. 2. 46; ἐγκόμβωμα, Sm. Is. 3. 20; ἔγκοπος, Th. Is. 43. 24; ἔθνος, Sm. Da. 11. 23; εἰδέναι, Sm. Je. 42 (49). 22; εἶδος, Th. Ez. 8. 2 (2°); εἴδωλον, Aq., Sm., Th. Ez. 18. 15; εἰκών, Th. Ez. 8. 5; εἶναι (εἰμί), Aq., Th. Je. 33 (40). 12; Sm. Je. 33 (40). 12: Da. 3. 22; εἶναι (εἶ), Sm. Da. 9. 23; Th. Da. 3. 55; εἶναι (ἐστί), Sm., Th. Is. 52. 5; εἶναι (ἦν), Aq. Ez. 43. 13; Sm. Da. 2. 31; εἶναι (ἔσται), Sm. Is. 22. 22 *bis*; εἰπεῖν, Aq. Je. 3. 19: 37 (44). 17; Sm. Is. 22. 14: Je. 3. 19: 37 (44). 17: Ez. 13. 11: Da. 2. 15, 19; Th. Je. 3. 19; εἰρήνη, Th. Is. 26. 12; εἰς, Aq. Je. 3. 17: 28 (35). 8 *bis*: Ez. 40. 40: Da. 3. 11; Sm. Is. 25. 11: 34. 10 (2°): Je. 25. 18 (32. 4) (2°); Th. Je. 3. 17: 10. 9: 26 (33). 22 (2°): 28 (35). 8 *bis*: 30 (37). 11 (4°): 39 (46). 7 (2°): Ez. 12. 3: 16. 13; εἰς, Sm. Da. 2. 31; Th. Ez. 10. 9 *bis*: 40. 12; εἰσέρχεσθαι, Sm. Da. 2. 24; εἴσοδος, Aq., Sm., Th. Ez. 43. 11; εἰσπορεύεσθαι, Th. Ez. 8. 5; ἐκ, Aq. Da. 2. 41; Sm. Da. 2. 24, 41: 3. 33 (97); Th. Je. 41 (48). 16: 49. 32 (30. 10): Ez. 12. 3; ἐκβάλλειν, Th. Ez. 31. 11; ἐκεῖθεν, Th. Je. 26 (33). 23; ἐκζεῖν, Aq., Sm. Ez. 24. 13; ἐκκαίειν, Th. Je. 17. 4; ἔκστασις, Sm., Th. Is. 11. 14; ἐκτινάσσειν, Aq. Je. 22. 28; ἐκτρέπειν, Th. Je. 23. 36; ἐκτρέφειν, Sm. Is. 33. 18; ἐλεγμός, Th. Ez. 25. 17; ἐλεύθερος, Aq. Je. 34 (41). 11; ἐλπίς, Th. Is. 26. 3; ἐμβολίζειν, Aq. Ez. 16. 16; ἐμπορία, Th. Ez. 27. 24; ἐν, Aq. Is. 61. 10 (2°): Je. 25. 7: 27 (34). 6: 48 (31). 27: Da. 11. 2; Sm. Is. 25. 11††: La. 1. 12: Da. 2. 3, 29: 3. 21, 30 (97), 33 (100): 4. 1: 10. 16 *bis*: 11. 2 *bis*, 23; Th. Is. 41. 16 *bis*: Je. 17. 3 (2°, 3°), 4 *ter*: 25. 7: 26 (46). 14: 27 (34). 6: 38 (45). 6: 48 (31). 27: Ez. 1. 12: 11. 12: 20. 31: 22. 20: 24. 13: 25. 17: 27. 24 (4°): 30. 7††, 13: 31. 3: 37. 23 *bis*; ἐνδύειν, Th. Ez. 23. 12; ἐνισχύειν, Sm. Da. 11. 2; ἔννοια, Aq. Da. 2. 30; ἐνσκιρροῦν, Aq. Is. 27. 1; ἐντολή, Sm. Je. 35 (42). 18; ἐνώπιον, Sm. Da. 2. 3; ἐνώπιον, Th. Ez. 12. 3; ἔξ, Aq., Sm. Ez. 41. 3; ἐξαίρειν, Aq. Je. 50 (27). 36; ἐξαπλοῦν, Sm. Is. 25. 11; ἐξαποστέλλειν, Aq. Je. 34 (41). 11; Th. Je. 26 (33). 22; ἐξιλασμός, Aq. Is. 43. 3; ἐξουδενοῦν, Aq. Je. 22. 28; ἐξουσία, Sm. Da. 2. 15; ἐξουσιάζειν, Sm. Da. 3. 2; ἐξουσιαστής, Sm. Da. 2. 10; ἐξώτερος, Heb. Ez. 47. 11; ἐπί, I. c. gen. Sm. Da. 2. 29, 48*: 3. 2; Th. Je. 17. 2 *bis*: Da. 10. 11; ἐπί, III. c. acc. Aq. Je. 23. 15, 34 *bis*: 44 (51). 1: 50 (27). 36: Da. 2. 1: 3. 12 *bis*: 11. 24; Sm. Je. 23. 34 *bis*: 44 (51). 1: Da. 3. 12, 28 (95): 11. 5; Th. Je. 23. 15, 34 *bis*: 44 (51). 1: Ez. 5. 16: 26. 3; ἐπιβάτης, Th. Is. 22. 6; ἐπιβλέπειν, Aq. Ez. 10. 11; ἐπιθυμητός, Sm. Da. 10. 3; ἐπικρατεῖν, Sm. Da. 11. 5; ἐπιλέγειν, Sm. Is. 7. 16; ἐπίλυσις, Sm. Da. 2. 25; ἐπιστρέφειν, Aq. Je. 34 (41). 11; Th. Ez. 18. 32; ἐπιτρέπειν, Sm. Da. 2. 15; ἔργον, Aq. Je. 25. 7: Da. 3. 12; Th. Je. 25. 7; ἔρχεσθαι, Sm. Da. 11. 10 *bis*; ἐρωτᾶν, Sm. Da. 2. 10, 18; ἔσχατος, Sm. Is. 34. 10 *bis*; ἕτερος, Th. Ez. 12. 3; ἑτοιμάζειν, Th. Ez. 21. 20 (25) εὐκατάσκευος, Sm. Ez. 23. 12; εὐλογεῖν, Aq., Sm., Th. Is. 38. 18; εὐτρεπής, Th. Is. 52. 7; εὐτρεπίζειν, Sm. Is. 52. 7; εὐωδία, Aq. Da. 2. 46; ἔχειν, Th. Ez. 10. 9; ἐχθρός, Th. Je. 17. 4; ἕως, Aq. Da. 11. 10; Th. Je. 17. 4; ζέμα, Aq., Sm., Th. Ez. 24. 13; ζέμμα, Th. Ez. 24. 13; ζῆλος, Th. Ez. 8. 5; ᾗ, Sm. Da. 2. 10 *bis*; ἡγεῖσθαι, Th. Je. 51 (28). 57; ἦλος, Al. Je. 52. 17; ἡμέρα, Sm. Je. 25. 18 (32. 4): La. 1. 12; ἡνίκα, Th. Je. 17. 2*; ἡσυχῇ, Sm. Da. 11. 23; ἡσυχία, Sm. Da. 4. 1; ἦχος, Th. Is. 25. 5; θαβδαρηνός, Sm. Da. 3. 2; θαβθαῖος, Sm. Da. 3. 2; θαδδάρ, Th. Is. 41. 19; θάλασσα, Aq., Sm., Th. Ez. 47. 20; Heb. Ez. 47. 11; θάνατος, Aq. Is. 38. 18: Je. 28 (35). 8; Sm. Is. 38. 18; Th. Is. 38. 18: Je. 28 (35). 8: Ez. 28. 10; θεός, Aq. Is. 24. 16: 61. 10: Je. 28 (35). 2, 14; Sm. Is. 24. 16; Th. Is. 24. 16: Je. 23. 37: 28 (35). 2, 14; θερινός, Aq. Da. 2. 35; θησαυρός, Th. Je. 17. 3; θυΐσκη, Al. Je. 52. 18; θυμιατήριον, Aq. Je. 52. 17; Th. Je. 52. 17, 19; θυμός, Sm. La. 1. 12; Th. Is. 10. 4: Je. 17. 4: 47 (29). 3: Ez. 22. 20: 25. 17; θύρα, Aq., Sm. Ez. 41. 3 (2°); θυσιαστήριον, Th. Je. 17. 2: Ez. 8. 5; ἰᾶσθαι, Heb. Ez. 47. 11; ἰδού, Th. Is. 42. 9: Ez. 26. 3; ἵνα, Aq. Da. 2. 30; ἵνα τί, Sm. Ez. 20. 26: Da. 1. 8*; Th. Ez. 20. 26; ἱξευτής, Th. Je. 5. 26; ἰός, Aq. Ez. 24. 12 (3°); Th. Ez. 24. 12; ἱστάναι, Aq., Th. Ez. 8. 11; Sm. Da. 11. 6; ἰσχύς, Aq. Da. 11. 2; Sm. Da. 11. 6; Th. Je. 17. 3; ἰχώρ, Heb. Ez. 32. 6; καθώς, Sm. Is. 25. 11; καίειν, Th. Je. 17. 4; κακία, Th. Ez. 6. 11; κακός, Aq., Th. Je. 28 (35). 8; κακοῦν, Aq., Th. Je. 25. 7; κάμινος, Aq. Da. 3. 11; καρδία, Aq. Da. 2. 30; καροῦσθαι, Sm.

Da. 10. 9; καρπός (*fructus*), Aq., Sm. Is. 57. 19; κατά, II. c. acc. Aq. Da. 11. 2; Sm. Je. 25. 18 (32. 4); Th. Je. 38 (45). 12; καταδουλοῦν, Th. Je. 17. 4; κατακλίζειν, Sm. Da. 11. 10; καταλείπειν, Aq. Je. 52. 16; καταμαρτυρεῖν, Th. Da. Su. 43; καταπαύειν, Aq. Is. 38. 12; Th. Ez. 30. 13; κατάρα, Sm. Je. 25. 18 (32. 4); καταστρέφειν, Aq. Da. 1. 10; κατευθύνειν, Th. Ez. 16. 13; κατισχύειν, Sm. Da. 11. 5; κενός, Aq., Sm., Th. Je. 4. 23; κεντεῖν, Sm. Ez. 21. 20 (25); κέρασμα, Sm. Je. 48 (31). 12; κεφαλίς, Aq. Je. 36 (43). 2; κιθάρα, Aq. Is. 5. 12; κίνδυνος, Th. Je. 48 (31). 5; κινεῖν, Aq. Da. 10. 10; κλείειν, κλείς, Sm. Is. 22. 22; κληρονομία, Th. Je. 17. 4; κλονεῖν, Sm. Is. 7. 2; κοίτη, Sm. Da. 2. 29; κόλπωμα, Aq. Ez. 43. 13; κολυμβᾶν, Sm. Is. 25. 11; κραταίωμα, Aq. Da. 11. 10; κραυγή, Sm. Je. 8. 19; κρίμα, Th. Ez. 11. 12; κρυφῇ, Aq. Da. 10. 7; κτῆνος, Sm., Th. Je. 33 (40). 12; κτίζειν, Aq., Sm. Is. 57. 19; κύκλος, Th. Ez. 40. 30; κυριεύειν, Aq. Da. 2. 38; κύριος, Aq. Is. 24. 16: 36. 20: Je. 3. 17: 21. 13: 23. 24, 32 *bis*: 25. 7, 9; Sm. Is. 13. 5 (2°): 21. 8: 22. 14: 24. 16: 36. 20: 65. 13 (2°): Je. 8. 17: 21. 13: 23. 2, 11, 24, 32 *bis*: 25. 9: Ez. 20. 26: 34. 9; Th. Is. 24. 16: 36. 20: 41. 16; 65. 13 (2°): Je. 3. 17: 21. 13: 23. 24, 32: 25. 7, 9: Ez. 20. 26; 21. 3 (8) *bis*; λαλεῖν, Aq., Th. Je. 5. 15; Sm. Da. 2. 19; λαός, Aq., Sm. Is. 63. 11: Ez. 37. 12; Th. Is. 63. 11: Je. 23. 27: 39 (46). 8 (2°): Ez. 37. 12; λέγειν, Aq. Is. 30. 12: Je. 28 (35). 2: Sm. Is. 30. 12: Je. 23. 17; Th. Is. 30. 12: Je. 17. 4: 28 (35). 2: 48 (31). 44: Ez. 21. 3 (8); λεῖψις, Th. Je. 30 (37). 11; λιμός, Th. Ez. 5. 16; λινοῦς, Sm. Da. 10. 5; λόγος, Aq., Th. Je. 25. 2; Sm. Je. 25. 2: 34. 9; λούειν, Sm. Is. 25. 11; λυτροῦν, Aq., Sm., Th. Je. 15. 21; μαντεῖον, Aq. Je. 50 (27). 36; ματαιότης, Sm. Is. 41. 29 (?); μάχαιρα, Aq. Je. 50 (27). 36; μέγας, Sm. Da. 2. 10, 31; Th. Ez. 38. 13; μελετᾶν, Aq. Je. 48 (31). 31; μέλος, Sm. Da. 10. 16; μέριμνα, Sm. Da. 2. 29; μέρος, Th. Je. 49. 32 (30. 10); μέσος, Aq. Da. 3. 11; μετά, I. c. gen. Aq. Je. 21. 2; Sm. Ez. 34. 30; μετά, III. c. acc. Th. Je. 41 (48). 16; μεταναστεύειν, Aq., Th. Je. 48 (31). 27; μετέωρος, Th. Je. 17. 2; μετρητής, Th. Ez. 45. 14; μή, Aq., Sm. Je. 33 (40). 12; Th. Je. 15. 15: 33 (40). 12; μήτηρ, Aq., Sm., Th. Je. 27 (50). 12; μιμνήσκεσθαι, Th. Je. 17. 2; μόνος, Th. Je. 17. 4; μυλών, Th. Je. 39 (46). 7; νάβλα, Aq. Is. 5. 12; ναός, Aq., Th. Ez. 40. 6: Da. 1. 4; νῆσος, Aq. Je. 25. 20 (32. 6); νῖκος, Th. Is. 34. 10 *bis*; νόμος, Th. Ez. 43. 12; νότος, Sm. Da. 11. 5; Th. Ez. 40. 28.

(P.)

ἀδικία, Aq., Th. Ez. 4. 6; ἀδύνατος, Aq. Ps. 20 (21). 12: Jl. 3 (4). 10; Th. Jl. 3 (4). 10; ἀδωναί, Aq., Sm., Th. Ez. 28. 25; ἀθετεῖν, Th. Ez. 2. 2; αἰλάμ, Th. Ez. 40. 15; αἰχμαλωτίζειν, Aq. Dt. 32. 24; ἀκονᾶν, Aq. Dt. 32. 41; ἀκούειν, Aq., Sm., Th. Mi. 6. 1; ἀλίζειν, Aq., Th. Ez. 16. 4; ἀλλά, Sm. Jb. 24. 17; ἅλς, Aq., Th. Ez. 16. 4; ἅμα, Sm. Ps. 32 (33). 15; ἁμαρτωλός, Aq. Ps. 7. 10; ἀμυγδάλη, Al. Ex. 25. 30; ἄν, Sm. Ps. 34 (35). 25; ἀναλαμβάνειν, Th. Ez. 8. 3; ἀνάπνοια (?), Aq. Jb. 41. 8; ἄνεμος, Aq., Sm., Th. Ps. 17 (18). 11; ἀνεντρέπειν, Sm. Ez. 7. 24; ἀνήρ, Aq. Ex. 2. 10: Ez. 11. 15; Sm., Th. Ez. 11. 15; ἄνθραξ, Th. Ez. 24. 11; ἄνθρωπος, Aq., Sm. Jb. 15. 14: 25. 6; ἀνομία, Th. Ez. 44. 10; ἄοικος, Aq., Th. Jb. 39. 6; ἀπαγγέλλειν, Aq. Ps. 70 (71). 17; Th. Jb. 12. 3; ἀπό, Aq. Jb. 41. 12: Ez. 32. 6 (2°): 45. 4; Sm. Ez. 32. 6 (2°): 45. 4; Th. Ps. 20 (21). 12 (ἀπ' ἔννοιαν) (*sic*): Ez. 32. 6 (2°): 45. 4; ἀποδεκατοῦν, Th. Ge. 27. 22; ἀπόκρυφος, Aq. Ex. 8. 7; ἀπολλύειν, Aq., Sm. Jb. 6. 9; ἀπολούειν, Sm. Ex. 2. 3; ἀπόσκομμα (?), Aq. Ez. 20. 7; ἀποστρέφειν, Th. Ez. 7. 24; ἄρρωστος, Th. Ez. 34. 5; ἄρχων, Aq., Th. Ez. 7. 27; ἀσεβής, Sm. Jb. 18. 5; ἀσπίς (*scutum*), Sm. Jo. 8. 2; ἀσχημόνησις, Th. Ps. 43 (44). 16; ἄτιμος, Sm. Ps. 61 (62). 11; αὐλή, Sm., Th. Ez. 40. 16; βασιλεύς, Quint., Sext. Ps. 43 (44). 5; βεβηλοῦν, Aq., Sm., Th. Ez. 28. 38; βεσέκ, Th. Ez. 1. 14; βόλβιτον, Aq., Th. Ez. 4. 14; βορέας, Aq., Sm., Th. Ez. 44. 3; βούλευμα, Aq. Ps. 1. 2; βουλή, Aq., Sm. Ps. 20 (21). 12; βουνός, Aq., Sm., Th. Mi. 6. 1; γάλα, Aq. Ge. 18. 8; γε, Aq. Ex. 8. 7*; γεννᾶν, Sext. Ps. 86 (87). 6; γῆ, Aq. Ez. 45. 4: Mi. 6. 5; Sm. Ps. 73 (74). 20: Ez. 45. 4: Mi. 6. 5; Th. Le. 18. 28: Jb. 8. 17: Ez. 30. 23: 45. 4: Mi. 6. 5; γίγνεσθαι, Aq., Sm. Ez. 16. 23; Th. Ez. 16. 23: Mi. 7. 1; γνῶσις, Sm. Jb. 33. 4; δαίμων, Aq., Th. Jb. 17. 6; δέκατος, Aq. Ez. 45. 20; Sm., Th. Ge. 27. 22: Ez. 45. 20; δεκατοῦν, Sm. Ge. 27. 22; δένδρον, Aq. Ge. 21. 33; δεξιός, Aq., Th. Ez. 4. 6; διά, III. c. acc. Sm. Ps. 34 (35). 24; διαίρεσις, Quint. Ps. 45 (46). 5; διαλογίζεσθαι, Sm. Ps. 20 (21). 12; διαμένειν, Th. Ps. 101 (102). 29; διασκορπίζειν, Aq. Ps. 21 (22). 15; διαστέλλειν, Aq., Sm., Th. Ez. 3. 20; διαφθείρειν, Sm. Ez. 25. 15; διδόναι, Th. Ez. 34. 26; δίκαιος, Quint. Ps. 7. 10; δικαίωσις, Sm. Ps. 34 (35). 27; δικρασία, Sm. Ps. 34 (35). 24; δρυμός, Aq., Sm., Th. Ps. 49 (50). 10; δύειν, Th. Jb. 8. 17; δύνασθαι, Aq., Sm., Th. Ps. 20 (21). 12; δυναστεύειν, Th. Jb. 15. 20; ἐάν, Sm. Jb. 6. 9; ἔθνος, Heb. Ez. 32. 27; εἶδος, Aq. Ez. 1. 16 *bis*; εἶναι (εἶ), Quint., Sext. Ps. 43 (44). 5; εἶναι (ἐστί), Aq., Sm. Jb. 15. 14; Th. Jb. 38. 28; εἶναι (ἔσται), Aq. Jb. 8. 17: Mi. 1. 2; Th. Mi. 1. 2; εἰπεῖν, Aq., Sm. Ez. 13. 10; εἰς, Aq., Sm. Ez. 41. 3; Th. Ez. 10. 1; εἰσέρχεσθαι, Aq., Sm. Ps. 44 (45). 15; ἐκ, Aq. Mi. 6. 5; Sm. Ex. 5. 19: Mi. 6. 5; Th. Ez. 28. 42: 28. 16: Mi. 6. 5; ἕκαστος, Aq., Sm., Th. Ez. 18. 30; ἐκεῖ, Sm. Ez. 8. 1; Heb. Ex. 3. 4; ἐκεῖθεν, Aq. Ge. 12. 5; ἐκκλίνειν, Aq. Jb. 13. 20, 21; ἐκπετάζειν, Aq. Ps. 43 (44). 21; ἐκτείνειν, Th. Ez. 8. 3; ἐκτορεύειν, Al. Ex. 25. 30; ἐκχεῖν, Aq., Sm. Ps. 34 (35). 3; ἐλαιώδης, Aq. Ge. 18. 8; ἐλπίς, Th. Ps. 140 (141). 8; ἐμφύσημα, Aq. Le. 13. 7; ἐν, Aq. Jb. 13. 20, 21; Sm. Jb. 24. 17: Ez. 24. 11; Th. Jb. 15. 20: Ez. 3. 14: 24. 11: 28. 6††; Al. Ex. 8. 7; ἐνδελεχῶς, Aq. Ps. 73 (74). 23; ἔνδοθεν, Sm. Ps. 44 (45). 14; ἐννοεῖν, Aq. Dt. 32. 29; ἔννοια, Aq., Th. Ps. 20 (21). 12; ἐνοικεῖν, Aq., Al. Le. 18. 28; ἔνταλμα, Aq. Ps. 18 (19). 8; ἐξαίρειν, Aq. Le. 18. 28; ἐξαμυγδαλίζειν, Aq. Ex. 25. 30; ἐξαπλοῦν, Sm. Ps. 43 (44). 21; ἐξεγείρειν, Aq., Sext. Ps. 43 (44). 27; ἐξερευνᾶν, Aq. Ps. 63 (64). 7; Th. Ps. 63 (64). 7 (2°); ἐξέρχεσθαι, Aq. Jb. 41. 12; ἔξοδος, Sm. Ps. 120 (121). 8; ἐπακούειν, Sm. Ps. 137 (138). 4; ἐπανιστάναι, Th. Mi. 7. 6; ἐπί, II. c. dat. Aq. Ps. 39 (40). 13; Th. Jb. 8. 17: Ps. 140 (141). 8; ἐπί, III. c. acc. Sm. Jb. 25. 3; Th. Ez. 24. 11: 26. 2: 40. 15; Al. Ge. 41. 2; ἐπιγινώσκειν, Th. Ez. 5. 12; ἐπιδεῖν (*videre*), Sm. Ps. 34 (35). 21; ἐπινίκιος, Sm. Ps. 30 (31). 1: 35 (36). 1; ἔργασμα (?), Aq. Ps. 45 (46). 9; ἐρημαῖος (-μιος), Aq., Al. Ex. 8. 7; ἔρημος, Th. Ez. 23. 42; ἔρχεσθαι, Sm., Th. Ez. 37. 9; ἔσωθεν, Th. Ez. 40. 15; ἔτι, Sm. Jb. 15. 12; Th. Ps. 44 (45). 7; ἑτοιμάζειν, Th. Ez. 21. 19 (24): 28. 14; εὔδηλος, Sm. Jb. 25. 3; εὔλαλος, Sm. Ex. 2. 10; εὐλογεῖν, Aq., Sm., Th. Ps. 128 (129). 8; εὐμενιᾶν (?), Th. Ps. 102 (103). 3; ἐφορᾶν, Sm., Th. Mi. 7. 10; ἐωσφόρος, Aq. Jb. 38. 12; ζῆλος, Th. Ez. 8. 4; ζωή, Sm. Jb. 24. 22; ἥλιος, Th. Ez. 8. 16; ἡμέρα, Aq. Ps. 138 (139). 16: Ez. 45. 20 *bis*; Sm. Ez. 45. 20 *bis*; Th. Ez. 2. 2: 45. 20 *bis*; θέλειν, Sm. Jb. 40. 1; θεός, Aq. Ps. 8. 6; Quint. Ps. 42 (43). 5: 43 (44). 5; Sext. Ps. 43 (44). 5; θεραφίν, Sm. Ge. 31. 24; θορυβεῖν, Sm. Ps. 2. 1; θραῦμα, Sm. Ps. 88 (89). 11; θυσία, Aq., Sm., Th. Ps. 105 (106). 9; θυσιαστήριον, Th. Ez. 8. 4; ἰᾶσθαι, Th. Ez. 34. 5; ἰδεῖν, Th. Ez. 12. 3; ἰδού, Aq., Sm., Th. Ez. 25. 8; ἱμάτιον, Aq. Ge. 14. 24; ἵνα, Aq. Jb. 6. 9*; Sm. Jb. 6. 9*: Ez. 20. 26; Th. Ez. 20. 26; ἰός, Sm. Ez. 24. 12; ἱστάναι, Aq. Ps. 101 (102). 29; Th. Ez. 24. 11; ἰσχυρός, Quint., Sext. Ps. 108 (104). 16; ἴχνος, Sm. Ps. 88 (89). 50; καθίζειν, Aq., Th. Ps. 46 (47). 9; καίειν, Th. Ez. 39. 9; κακός, Aq. Ps. 7. 10; κάκωσις, Sm. Ex. 5. 19; καλεῖν, Heb. Ex. 3. 4; κάμπτειν, Th. Ps. 21 (22). 28; κάρσος, Aq. Ge. 15. 12; κατάγειν, Sm., Th. Jl. 3 (4). 2; κατακρίνειν, Al. Jb. 10. 2; καταλύειν, Th. Ez. 26. 17; καταστεύδειν, Th. Ex. 5. 7; κατευθύνειν, Aq., Sm., Quint., Sext. Ps. 7. 10; Th. Ez. 16. 13; κατισχυρεύεσθαι, Th. Jb. 15. 25; κίδαρις, Aq., Th. Ez. 44. 18; κινεῖν, Aq. Jb. 27. 14; κληρονομία, Th. Ez. 46. 17; κόρος, Sm. Ps. 17 (18). 14; κρίνειν, Sm. Jb. 10. 2; κύκλος, Aq. Ez. 5. 12; Sm. Ez. 29. 9: 40. 16; Th. Ez. 40. 15, 16, 30; κύλισμα, Th. Ez. 10. 13; κύριος, Aq. Ps. 18 (19). 8: 22 (23). 6: Ez. 46. 12: Mi. 1. 2; Sm. Ps. 18 (19). 8: 22 (23). 6: Ez. 46. 12; Th. Ps. 18 (19). 8: 22 (23). 6: Ez. 26. 21: 46. 12: Mi. 1. 2; Quint., Sext. Ps. 103 (104). 16; κώμη, Sm. Jb. 14. 9; λαλεῖν, Aq. Ps. 1. 2; λαμβάνειν, Aq. Ex. 18. 8: Ez. 4. 6; Th. Ez. 4. 6, 10; Quint. Ps. 74 (75). 6; λέγειν, Aq., Sm. Ez. 28. 25; Th. Ez. 26. 21: 28. 25; λινοῦς, Aq., Th. Ez. 44. 18; λιπαρός, Aq. Ps. 21 (22). 13; λογίζεσθαι, Aq., Th. Ps. 20 (21). 12; λοιμός (*subst.*), Aq., Th. Ez. 30. 10; μαγωζός, Th. Ez. 27. 24; μᾶλλον, Aq., Th. Jb. 25. 6; μάχαιρα, Aq., Sm., Th. Ez. 28. 23; μέγας, Aq., Sm., Th. Ez. 47. 20; μεθιστάναι, Th. Jb. 13. 20, 21; μέσος, Sm. Ez. 24. 11; Th. Ez. 10. 1: 24. 11: 28. 16; μετά, III. c. acc. Th. Jl. 2. 2; μεταβάλλειν, Sm. Ps. 113 (114). 8; μετέωρος, Aq., Th. Ez. 3. 14; μή, Sm. Am. 5. 11; μή τις, Th. Jb. 38. 28; μηδέ, Th. Ez. 3. 9; Quint. Ps. 74 (75). 6; μηκέτι, Sm. Jb. 10. 2; μῆκος, Th. Ez. 40. 30; μήν (*mensis*), Aq., Th. Jb. 39. 2: Ez. 45. 20; Sm. Ez. 45. 20; μογίλαλος, Aq. Ex. 2. 10; μονομάχης (?), Aq. Ps. 21 (22). 21; μόρφωμα, Aq. Ge. 31. 24; νεκρός, Aq., Sm., Th. Ps. 105 (106). 9; νήπιος, Aq. Ps. 18 (19). 8; νομίζειν, Aq., Sm. Jb. 15. 14; ξηραίνειν, Sm. Jb. 8. 12; πάρα, III. c. acc. Aq., Sm. Ps. 8. 6; σκέπαστρον, Sm. Jb. 24. 17; ὑπέρ, I. c. gen. Sm. Jb. 40. 1: Ps. 31 (32). 3; Quint. Ps. 38 (39). 1; ὑπερεισχεῖν (?), Aq., Th. Jl. 2. 24.

FINIS.